# मियशकां

7 - # @ist!

as Noselly

· प्रवत्तनां प्रकृतिहिताय पार्थिदः सम्मती श्रृतिमहती न हीयतां।"

সাসিক মূল্য ১ টাকা ত এম ব'িব ১ । । কন ১২৭৫। ২ রা বৈশাখ। ১৮৬৮। ১৩ ই এপ্রেল 👌 টাকা বান্তিক। ও ই রমাসিক ৩৭৭ টাকা অভিন বাশ্যাসিক en টাবা।

ম : বাল মাস্ত : গাম ৰ জাম ৰা বিক ১৬

## বিজ্ঞাপন। নানব জনাত্র ও ধার্রীবিদ্ধী ५ म बंध मूना १ इहे छे का।"

जहें शुक्षकशानि दक यह **छ। भविष्याम् अ**वस्त्रन वद असार । जानुस्तिक वद्यानि अने गुरुष्त ली अ हेशाएक वर्षिक स्थारक । असे थरेख नी क्रिक व रम्भ विषयान थिए व्हेर्ना ए वर्गी ।

)। विख्ति। देवीय काय 3 प्रवित्र दिवेदी > । विक्रुष्ठ विश्वदिकाष्ट्रदेव विवेद १ । अस्त्र भेद कास्त्रक सन्दर्भाष्ट्रदा विवतन है। अहा ৫। কড়সন্বৰীয় পীড়া ও ছাতাৰ ভিক্তিব্নী। ा विश्व महत्रक १। कार्यण कार्य विश्व हुए। एखिन लाजन उच्चिक्ति तक केंद्र की स्वाहित्स की किंदिका। ३०। क्रींबिमलाई। . ১। शहते इ गर्छ :- आवासिक भारत। उर्देश क्रिकेश वैद्य ত্র বেববৰ ও নৃত্যাক্ষণ হৈ। গঠণাত अ कवान अमर, कर करम्बतीय हिन्मिरमा।

পুস্তকেৰ আবদ্ধে বিহুত 'ক্রচীপত্র ও স্কাধ্যে | প্লয়েভনীয় ইংবাজী ও কটাৰ বা অচলিভ শিক কোৰ, এব॰ স্থানে স্থানে থোণিত কাজুলি (प्रवध शियार्ष । अहे शुष्टक, 'कलिक म्हा लावकारक यटन वा क'दलकारिक छिन व रत चवरम उत्तिक वात् अक्टनन**्व**र्मनिसिरहर्षे নিকট, অথবা মূলদান আমাৰ নিকট পাওয়া मंकता विक्षितिका परिक कड़ेर न दक्षका ल टाइक माझन । काना ५:७ स्टेर्स ्रहें। ब्राज्यमाध्यत वास्त्रीं

भोलक्ष र्ामावन व्यक्तितन वाकि । व

इक्के कियान व्यवस्था ুক্লিকুছার পুলিমা ও গাঁটরি मक्त रमक्षा संदर्भ **इट्डिट्रा ना** । म्। भाष्मारक काम करा वांदर छट्ट देहें दि म्रान (वन्नक्षान कामानो , का म অবধি কাল্কাডায় গাটনি ও পুলিনন্দকলেব श्कामान क्षणांनकार्ये, इहरा विक्रम क्रेटिना।

সচরচিব বৈরূপ इडेश शांटक, आवमा - याटेन क्षेत्रस्य म्बर्धरा शर्काय शाहित अपूर्णियमध्य उत्र इहेरव। 'रवलकिर्मात मिलिल किर्मित नाम हात्राकारन नवाविक्क मल कृष्टिक प्रतिकार कि विकास कि विकास कि कि का का का विकास की गार्के तु के अपने दे हे बरन स्म बड़ा कहरन हैं

दुर्भ छोड़ा दर्जान्यरेय । जिल्ला ,विरमणान

ब्लिशिट गड रेर ४

त्माद्यमा करिया के किन । ्रवे काञ्जानित विकास देव हिंद अ से से व्यक्तिया উ**লা**ৰ নমুনা কে**বিংত সা**ওয়া व्यक्षिय । अरम्भन वस्त्र व्यक्तिसम् वस्या छ्लाज

असन्स्कार्म ।

किंगि ज गृहा मुझ प्राम्मा प्रतास प्रकार ने निष्ठ । ज्यान नहरू विक्रि क् न्व अध्यापित स्तृत् सं इके न्य करिया । नकर भन्ति विदेश প্রকার বিভিন্ন আন্তর্ভ কইয়'ছে। প্রেড়ক ধ্রণের 🗀 বন श्रीक्राक्ष्यं • व्यनीष्टि गुरा । वेशा उन्हमन अहे। केंन श्रुवान के के अधिक के के के किया के में कुंक्क कुका कहाना कारक । हश्या : निक्य -দৰ্যান ক্ৰিয়াদ ও জীগ্ৰনোখানিকত জীব ুসনে ১ मूक्तिक हैरेटक्ररकः व्यक्तिक्री ३ मा देवनाथ विख्यन भार्ष हैर्ट्ड । विभि वेश्व बाहक स्टेट्ड ६, फरा भी इस खिनि कशिकांका माञ्चू छ विनाः इ ४ मह निकरे निख डाकमार्थन १ श'क्यर्थि वृत्तः

र्भागाः अपे अना करिया भाषाहर्दन। যাঁহাৰা নিশ্মিত গ্ৰাহকপ্ৰেণী কুজ নহেন, <sup>ক হণ</sup> भागिको शास्त्रक चल प्रसार अस्टे।का १८१ (त कर करा शाहेटन ।

正付を奪り・ े क्यारमाध्य भन्ता ।

म् अ । प्राप्ति दकाय अन्तर भट्छा क्रिका-म्या के अम नाजवाकत्व नव्यूर्त्तव मूर्णि इस ছেছে। যিনি প্রাহক হইছে ইছে। ববেন, তিন हाका कारमस्म मण्यू **अ**ष्टालक जीगुक वर्ष শ্লেমিনাল মুৰ্বোপাধ্যায় মহাপ্রের নিকট জ্পবা ক লক্ষ্যতা সংক্ষত বিদ্যালয়ে বুধ কাৰাপ্ৰধাৰ नदन जीमान मिक्ट शक्त भाशास्त्रम ।

म अ ् च विकालका । है अवनारवास्त्र भना।

दिन्द्र विकास ।

दिवासहै मिन्ना धन्यमका इहेटक कानामी रेटम न মাুসাবধি উজ ন মে একখানি শাস্তাহিক পুলিক প্রচাবিত হলত পাকিবেঃ ভাষা किन्धु भगा दख्य विविध विषय HIGH , AND MARKET & WASHINGTON मूह क्षामध्यकामनामक जाम कि ह रहेटली वहला के किया के

অবঙ্গুৰবাসনী দুঁা

(मक्षभक्षीनद्रार्गः

राजा बह्बाकात १२० म्यू केव्यू त्रवनम ्रहरूवतः त्रदश्रविश्वीतः **त्रिक्**षे च्यारवस्य कति ।

वाभावा ७ इरताली नाहिन्छ। এवर शरहा-नीश भिनादम्य कर्म निका कर्ताम एत। া বৈত্তমীয় মিয়ম।

সভাবে প্রক্রার শিকাদিতে হটলে शिक्षारम व পাঁচ টাকা। ছই বার শিক্ষা দিত্তে इड़ें स विकिमारम ७ आउँ होका। जिम बाव भिकाभिएक इहेर्स व्याष्ट्रियातम् ३२ वात्र हात्रा । ্ট্ৰিন্নকট হইলে শিক্ষয়ত্ৰী এক স্থানে ছুই ঘণ্টা। ्य पक प्र बहैरम छ।ह। ब्यालका किथ्निर भत*्*धैल शाकिट व हेन्छि।

জামাদিগের যন্ত্রালয় কলিক\ভা মূজ<mark>ী</mark>:পুক व्यामश्रेष्ट कि १२ मन्या वानीएक देशिया व्यामि ब्राट्ड ।

क्टिंड क উন্বিছয়োপলৈ চট্টোপাগ্ৰায় 3298 : ा शका १ हा

কলিকাতা সংক্রেলালারেরী ও একালেজ ক্টিট ১১ দাখাক ভবনে জীয়ক্ষ বুবনদাপ্রসাধ विक्रविनिद्दन पुरकास एवं, जिल्हा वावु एमरवक्त কুমার র'ণ ১ সংবীজনত 🕆 ত হু একাল ম विक्री क क्षेत्र (%।

**3.11.3**544 4 \$ CS 4

BRAKI

<u>এবাফ্লনোঃস বস্তু</u> W414 1.

्रम्भीमादीविष्टम् माहकः। मुना के अने गिका

(**4)** (4) টেচ**প্র প্রিটিমিত্রাফর প্রচ**েঞ্জিতভালক क्षित उ बद्धत शुक्रमानदम् आध

পুস্তক বিজ্ঞা कत्रवक्षीक्ष काहिएतत कार्यान प বদায়িত্ব কম কাৰিত সংহিতা प्रदेश दश्या ए पर व E. 37548 টারভ

इङ्गात्रग्रं 🕏 🕏 भनि यप রাজ্য রাষ্ট্রনাহন রায়কুত ৭ খানি ইং এছ 🍇 আনিতে পারিবেন। বেণীসংহার নাটক

বেণীসংহার নাটকের অবভর্ণিকাও শুদ্ধি পর ছাপা ক্ইয়াছে, ঘাঁহারা জ্ঞাে ম 😗 ২ রু ব ও লইয়াছেন, উছোর। আমাকে সংবাদ দিলে আমিইহা পাঠাইয়া দিব, পঠাইবার খরচ ভাঁহ'দের লাগিবে ন।

कतिकाछ। ) শ্রীকেদারনাথ বন্দ্রোপাধ্যায় কুৰ্ব ক্যালিদ कि है देवन बर )

🛶 পুত্রকল্লিকেন্ডা।

एक विद्या।

প্রবিষ ,গাড়ু এক টাকা প্রদিতীয় খণ্ড ছয় আনাখ ভূজীয় খও, ছয় আনোণ একতা এব গৈন এক্টোকা, সাট জনো। কলিকাতা আদি বাস भुद्राक भुक्षकं समूद्र विक्रमुद्धा अवस्त नमूक

वार्षाट कर्वनिश्व

চ। बिएडद अगल्या कल क्रें बहें हैं शुरुध्कृत कार्य हेश्य क महर्षित हिन दिनाधकक देशीय नक्त भन्नाम अन्यता व्वस्त्रक्षकः। मूला आर्थः। कव्य কাতা ৰোকানমা**রে** সংস্কৃত **লাইকেব্রিটিত** এবঙ वर्षमः त्न क्याँम् त बिकट ने शास्त्र साहत्त । . 🚧 वर्षमान ) शिनार्तमध्यमान स्वीतिको 🖟 (बाइमाइ)

ुष्ट शिक्षण मध्ये ।

শ্বথাই ভারত্বর্নের কভিলক্ষ্মপ্রসিদ্ধ গবর্জী 'स्थन इति 🌁 **कोष-कृष**्ध लगस्**क्ष** ् **म**्बिह्ह इंटिश्व। देशहरू विकितित्र का मिनिनेत व निष्क है है हा दहा है भी कि के के कि के मिशा के प्रकृत क ाइत श्रुक्तानरेकु अवर क्रियाकाश्रीहरू ७४ শ থাক ট্রেক্ট্র জিপ্রভাপট্টর রায়ের নিফটে पंडिहा याच्चा भूला है। • अभादिता

कि का श्री अनम साम ।

मलक्ष्मग्रस्थी माहक याहा ष्ट्रीनर्दश्च यट्य ্যান্ত বিক্লয়াণ প্ৰস্তুত, भूता के होका र কলিকাতা 🏿 শ্রীপ্রভাপচন্দ্র রা🗱

मामशकात्रपञ्चातास कम **७ एक्**ये महिल् নানপ্রিকার দেবনাগব অক্ষর বিক্রার্থ আছে ৰ্ষী হোর প্রয়োজন হয়, তিনি কলিকাতা সংস্কৃত্ ১১ निक हो जञ्चनकाम केंद्रिटन "विक्राव

हेनहेिमश्री मध्युष्ठ श्रूलकानारी । ভাজা বাড় যের ত্রাদার কোম্পানির লোকানে মং প্রনাত ও মংপ্রচারিত নিয়লি**গ্রিত পুস্তক্তলি** বিক্রম কইন্ডেক্টে:---

*এ*'সইতিহান রোমই,ডহাস ভ্রত্যার ক্রেক্রন নীতিগাঁৱ (১ম ভাগ) 🟲

নীজ্ঞিসার (২য় ভাগ) প্রচাঞ্জিত।

মুফবোদ কাকরণ

উ, দারকানাথ শর্মা।

্কু: ভূমিবিকয়।

% अक्षाता का ना विश्व कि कि कि सार्व माई-इक्ट स के अम इक्टीफ मारहर --मन्त्राह्म है। त्र म लाक काम्याने निमिटिक दह भौकेकाब हाईएकाई विष्ठातानरात ১৮७१ क्रीटनत : ১ ডिटमॅबर निवनीत जिल्ली अ'तिएड উজ্জ দিন্দারের ভাষালিখিত মূলবোন ছাবে সংখ্ ह रेंब्रले हिंद में भरतानात है, युक्त छ ब गारहरतत পর্চারশিয়ে উ্তত্তা কোন কম্মতারীর দার। आगाभी ३ ६ हे अध्यान, तुषवात । एवा इ. एन घरों। भूते भूतारणका अधिक मुलागाउ। क भिजी इंहर्ष देखि।

्डिरिकाम शास्त्रत o are जिन्छान। বৰ্জ্জিবিজ্ঞানু কেনং হোলডিং ভুক্ত আঠ ৬ ह्याकः इ.स्य रुख्यः ३३।५/१॥ विघालमी ख ভদ্ধপরি স্কৃত্ধ ইমারত আদিতে উক্ত দেনদারানের ধী অভাও লভা আছে ৷

কৈলা চরিশ্পরগণা BE STUTE সন্ ১৮৬৮ সাল **6種かなら**(出門)

এফ ব্যক্ষাই

ভূমিবিক্রয়।

িএত দ্বারা সংগ্রসাধারণকে ভঙাত করা যাই÷ ভেঁছে বেশকালীপ্রসাদ দাস—প্রতিপক্ষ গিরি শচন্দ্রায় এই মকদ্মায় এ জেলার বিভীপ্ত अधान मनदामिनी विष्ठादानस्यत क्रिकी बाहित्क **উक्त मिनाटतत्र निश्च विश्व मुनावान कानत** সম্পত্তি জেলা চৰিশ পর্যনার জীযুক্ত জল্লী ম্যাহে কালেকে জীয়ক দারকানাথ বিদ্যাভূষপের বির বিচারালরে ডক্রডা পেনীর কর্মীর দার

আগামী ১৬ ই এপ্রেল বৃহস্পতিবার দিব। ছাল্ল ঘটার পর সর্বাপেকা অধিক মূল্যলাতাকে ে বিক্ৰীত হুইবে ইভি ।

ि अक्ष म आरमत काम मनन (तरन्धुन्व গ্রামে ৪ আন্ত ডিবিজান বিঃ সব চিবিজান ৬২। एम नर हाल हिए खुक त्राधि प्र होका हाजन যক্ত ২৬/ বিঘ। জমীর মধে। তালুমানিক ৬/ বিষাজনীতে উকু দেনগালের যে কর ও লাভং & C5 :

(खला ए.सम्भाननात क्षा व्यापाल ५ সম ১৮%৮ সাল **हार श है** बर्धन

এক. ৰাক্টে

----

এটদ্বারা স্বাসাধারণকৈ জ্ঞান্ত করা যাই তেতে, যে ইয়াচক্র ছগড়—প্রতিপক্ষ ভাষাচাঁদ ক. কোড়া মল ১৯ড়. দৌলতচান ছণ্ড এই (शार्कक्रमाञ्च (स्टला पुतर्भी मातादमत खं छ माहरू বের বিচারালয়ের ১৮৬৭ সালের ২০ সেপ্টেম্বর भिवतीम् प्रिकी कादिए७ ऐक्ट लमगरतत् निष् লিখিত মূলবোন স্থাবর সপেতিতে উক্ত দেন্দা-রানের যে সহাত লাভা তাড়ে, তেলা চিবিশ পর शनात्र की युक्त कका मार्टरतत् विभविता एकाए। কোন কর্মসামীৰ দাবা আলামী ১৭ এপ্রেল শুক্রেবার দিরা স্থাদশ ঘটার পর স্পাপেন্ অপিক মূল্যশভাকে বিক্রীত হইবে ইতি।

১নংলটি। ডিছ পঞ্চার আমের চিংপুর পুৰ্ঞানে ১ আভে ডিবিজান ৫ প্ৰডিজান ১৮৬ ম° কোল: কের অভগত ৪৮ টাকা ভাষাযুক ॥২ কাঠ। জমীর ৌরদী জমা ও ইমারত আদি।

२ वर लागे। छेळा वारमत छेळा वांध उ স্বভিজ্ঞান ১৮৬:১ নং হোলাড্লের অন্তর্গত ৭॥ টাকা জনাযুক্ত ॥৪ কাটা জনীর মৌরদী তান: ত ইয়ারত আদি।

্রেজ্য ২৪ প্রগাণার হৈছে হা'ল'কৈ मन १५%५ माल खाः व श्रास

এক, সংক্র 6.8

**∌** \$₺

-----

### 如一百日 四月前十十

म्बर्गी अने मेरी १ माई भागा १८० वर्गेट अ अरु प्र क्लियियों ने ने ये या प्र १४ व्ह

· **कटलात अ**र्था किस तिटलाई । 4.3 क्यारमहा नी न

श्रमात है भर भवा के उठ

ভিহানায় ख्या व्हेरण सहित्रु (५७॥ महिल)मास ०-----४ ৰহামপা; কইতে কাইওয়া (৫- মাইস্) মধ্যে

काउँद्वा इकेटल नहीं हा अर्थास्त (३७ मोकेटलर मटन

गम १५ १५ अस्थल मार्लव ८ है। छातिरचय वस्त মপুণ ১জ গটেটর জলের মাপ 📍 ফিট ইঞি

न्ह इश्र ৪১% ইপিংসা 1 48 46

.बक के कि कि है हैं व के कि नियार कर মপুৰ ডিবিখন

#### সোনপ্রকাশ।

২ বং বৈশাখ সোমবার।

५२१४ अल्पन मर्गित विवयन।

১১৭৪ অফ গত হইল। আমরা পর (सभावतक धन।वान निशा ও আছकशरणत নিকটে কুডজতা প্রকাশ করিয়া নুতন বদে প্রবৃত হইলাম। প্রাহক্ষণ সর্ক্রমা-ধারণের স্হিত বর্তিমান ব্যা স্থায় অতি-विधिष्ठ कर्रम, आभामिरशत अहे अक-পট ভাইনা।

১: ৭৩ অন্দটী অতি ভয়ানক বংসর। ত্রভিত্তনিব্যান অসংখ্যা লোক প্রাণভাগে ক্রিয়াছেন। গতব্যে প্রব্নেত ছড়ি-কের প্রাকৃত কারণ অনুসন্ধান করিয়া ভবিদাতে যাহাতে এপ্রবাধ ঘটনা না घटि, (महे डेलाइ यदनश्रति हेल्डा करतन: কিন্তু এ পর্যান্ত তদপুদারী কার্যা কোপাও আরিল হয় নাই। অতএব :২৭৭ অক্কে धकाः त्य छेरमारिशत अ स्रवार्यम छेमा भीरमात देशमत बिलागा अपना कितिएड

श ठ वर्मर चत्र मिनिल वी छन गात গর নাই নিন্দিত, ধিক্রতে ও তিরক্ত इहेबा এएम्स च्हाभ क्रियाछिन अव-মহামতি উইলিয়ম গ্রে শাহেব লেপ্টন্ট अवर्गतत शरम श्राम्थिक व्हेरोरवन । ইনি শাসনকর্তা হইবার অব্যবহিত পরে अष्ठ का योगांग मर्भन क्डिट इ करतम अवर क्लान का कहे दाता अवरक

किन्द्रित व्हेट्ड दर्द्रमधुत ( १७ माहेन ) मूल्यां मा दिशा कटतम मु। मत तिनित्या वीष्ठतित गगरा कर्महातिनिर्योशयक्षि বিষয়ে যে বিশ্বকা ছিল, তো সাহেব তাহার অনেক উৎক্য দাধন করিয়াছেন। ফলতঃ এক জন স্থার্থ ভন্ন লোক আনে:-मिट्यत भारतमकाई बलटम साधिकिक इंडेगाः CEन, मक्टबंब कहे आहात मः ऋदि क्रियाहरू। উত্তর । किया श्रीतन त तिल्छे নত গৰণৰ ভ্ৰও সংহেৰ পদতাগ করাতে দর উইলিয়াম মুর মা**চ্ছেব ত**ংগাদ भारियाद्विन ( क्या माद्वित **८क्तन मन्**यः অভিবাহিত করিয়া গিলাছেন খাত্রা मधा ভারতবর্ধের প্রধান ক্মিদার জার্জ कारमण मण्डिय शीडिक इहेशा विसास लईश हेरलए७ शमन दितिशास्त्रम । नामिन সহত্যে অন্য কোন পরিবর্ত হয় নাই: কিন্তু গ্রণর জেনরল একটা অন্যায় করি: য়াছেন। উচ্চার অধীন প্রদান পান मकल निशमविक्किं 5 शक्काची कक्कार्वी funca (म अस) म्हेब्रिट । बाक्य प्रतः आ (अ ণেক্রেটারির পদভিন্ন আর**্সক**ল পদই वस्रामनीय गितिलियामित्रात्र क्य क्राँट লওয়া চইয়াতে। ইহাতে শেষোক্ত কথ हातिशन व्यमयुक्ते इन्याहिन।

डाक्नीजिम्बद्धा भाउ वर्गत करा करी वित्भाग एवछित खूजभा छ इहेशाकी ल अवस् हे के हे जिल्ला आटम्म निर्देशमन मुखा CORCEONS AND LAND PROPERTY नि १८७ अहे कार्यमम क्रांत्र एवं, क्रिक् निर्मित्रक मिक्ट्रना महीकात उन्हें व्यक्त fariamics, eigics eizerafisch शतक कार्याण्डः निविध्नविक्रिटेंग वेति इ कता करें। इन्ह्रं भिष्ठ शक्त में इन्हें न কলিকাতা, বেগোল ও মাজালে এপু প্রিকার্থতি হয়। প্রস্থাকরে इडेर्ब, श्रीकांत्र अक्टाप्टर केरीस को एकवनीय गंका ७ ८०) ए देएला नमाओ वडे आर्थनाव चंद्रसाम्य की वा कार्र पन विद्यारणमा मेत्र जारामाजनवरकार

উহার আবশাকত। স্বীকার এবং

ক্ষেত্র সাহেব মহাস্তার এ বিস
রের প্রস্তাব করিয়াছেন । সিবিল

সর্বিস ভিন্ন আর একটা গুরুত্ব বিস্ত্রের
প্রস্তাব হইরাছে। প্রতিবহসর এ দেশেব

আয় রুলি হইভেছে, তথাপি অফু

লান যাইতেছে না। বর্ত্তমান গবর্ণর জেন

রলের আগমনাব্ধি বিস্তর ব্যার্জি

হয়াছে বিশেষতঃ দেনাললের ব্যার্জ

ভীমা নাই। সকলে ইহাতে অব্স্থাট

হয়া প্রতিনিধি প্রশালী স্থাপন করিবার

থাভিনার প্রকাশ করিতেছেন।

গাণর জেনরল গত বংশর অচিক্লিক কর্মচারীদিগের প্রতি একটা স্থাবিচার করিয়াছেন। নিয়মণ হির্ভুত প্রদেশের
অচিত্রিত কর্মচারিপণ সহকারী কমিসনর
পর্যান্ত হইতে পারিবেন। কিন্তু এমন
সহ উদ্দেশ টাও আংশিক অবিবেচন।
দোসে কলক্ষিত হইয়াছে। তিনি আজা
দিয়াছেন, যে স্থানে ইডরোপীয়াদগের
সংখ্যা অসিক হইবে, তপায় এতদেশীয়
সহকারী ক্মিণনর্গণ নিযুক্ত থাকিতে
পারিবেন না। রাজনীতিনম্নের এপ্রকার
ক্ষিতিভেনের তুলা স্যোচনীর বিস্যু আর

माहि १ लिप्छेन्छे शार्नद थि गार्डव माहि १ लिप्छेन्छ शार्नद थि गार्डव स्थानी श्रविक कित्रवाहन । १ शश्च लिप्स श्रविक कित्रवाहन । १ शश्च ज्यान निक्रवाह्म गर्द के निर्माण स्टेन् । ज्यान मिह्न हिंद हो लिखा याँ स्थानित्व नाम । ११८ के निर्माण विक्र थानित्व हाइतिह कित्रवाह श्रीका मिट्ड थानित्व । द्वन व्यव् क्षक छोटा थान के देवां भी व मिर्ण के का अञ्ज तथा स्टेरव।

গত বংশঃ যুদ্ধাদি ঘটনার সধাে এই মাত্র হয়, স্টাবের দীমান্তিত বা জ্টা জাতি ত্রিটিশ হামা অভিক্রম করাতে কয়েক শৃত দৈন্তাহাদিগের পণচাদ্ধান ব্রান হয়। কিন্তু ধন্যগণ প্রতিপ্রবিষ্ট ক্ষুত্রাতে দৈন্যগণ অক্ষুত্রাহা হয়। এক জন আফিদর ও ১১ জন দৈনিক প্রাণ্ ত্যাগ করিয়াছেন। বন্যেরা জদ্যাপি জ্ঞানিত রহিয়াছে।

गवर्गामा के विद्याली है। इंग्लिमी इंग्ल ঘটিত কার্যোর মধো মছীসুর প্রভার্পণ প্রধান। রদ্ধ রাজ। সম্প্রতি প্রাণভ্যাগ করিয়াছেন । তিনি দশ বংগর পুর্বে প্রাণ্ড্যার করিলে ঐ রাজ্য বিটাশ माधाकाञ्चक हहे अत्मह नाहे। किन्न गवर्गत (जनतन (चायरा कित्या निया. ছেন, মৃত রাজার নতক পুত্র এ। প্রবাব হার হইলেই তাঁহার হল্ডে শাদনের ভার **(ए** ३३१) इंडेटव । छेटऋत नव्यंव सङ्ग्रह भानी उपभीनम् लाउतात जाकृत्र वश করাতে গবর্ণর জেনরল ভাঁহাকে পদচুতে করিয়া ভদীয় পুত্রকে দিংখাসন প্রদান করিয়াছেন। এতদ্বারাও এই প্রতিপন্ন করা হইয়াছে যে, গবর্ণমেন্ট আর এত. ष्ट्रभीत दोका शहर कतिर्वन मा। कश्रू রের রাজা শাসনসমূ:ক্ষা অনেক উন্নতি শাধন করিয়াছেন। ভারতব্রীয় ব্যবস্থা পক্ষভার নাায় এক মভা হইয়াছে: मर्ভाता वावचा भागा । भागावार्या कतिया थारकेन। हाजाय, विमानिका ্র ভৃতি সকল বিষয়েই ঐ রাজ্যের উন্নতি नयन रागावत व्हेर करहा व्याप्त राज्य नाम ত্রিবাঙ্গুরের **অবস্থাও প্রীতি**কর। রাজা **७ उन्हों प्रतिकारमं याज म**यन विगरमं প্রায় জীরাদ্ধ হইতেছে। লাভ নেপিয়ার সম্প্রতি এই রাজনের্শন করিতে গিয়া প্রীতি**লাভ** করিয়া **আদিয়াছে**ন। গোরা ইন্দোরের ভাদুশ উন্নতি : लिक्क इहेरल्ट मा। नवाव मानातकन्न নিজামের রাজ্য শাসনবিহয়ে সম্প্রতি কতকগুলি সহুপায় অবলম্বন করিয়াছেন। তিনি ক্লভবিদ্য লোকদিগের হস্তে বিচার ও শাসনের ভার দিয়াছেন। আগীল ভাবণের নিমিত্ত একটা প্রধান বিচারালয়

ছইয়াছে এবং রাজস্বসংক্রান্ত কর্মচারী निर्गत (व जनहिष्क कतिया द्राष्ट्र अर्था-) লীর উৎকর্ষনাধন করা ছইয়াছে। স্ক্রী রিচাড টেম্পুণ যে কয়েক মান রেসি-ডেণ্ট ছিলেন, তাহার মধ্যেই অধিকাংল উন্নতি হয়। তিনি যে অনেকগুলির উদ্ধা-বন করিয়াছিলেন তাহা বলা থাত্লা; ७ व्यतार हेत तः वा वा वा वा ७ वा महत्त्रत विশुश्रमानिवसन विश्वां क हरेसारहन। अह নির্কোধ রাজকুমার মৃত্যুতি ৪০ লক টাকা ব্যয় করিয়া মক্কায় এক চন্দ্রাতপ থেরণ করিবার মান্স করিয়াছেন। ঠাহার রাজ্যমধ্যে সকলই বিশৃগ্ল; क्षविष्ठात नाई। आत्करशत विषय आहे, গ্রবর্ণমেন্ট সভুপদেশ এদান ও ভয় ङ.मर्मनानि द्वाता इं है राज मर প ( थ প্রবর্তিত করিতেছেন না। অযোধাার त्राका शुख ७ ६मां छ र भाग हा हे का दिल গের দাং বেষ্টিত হইয়া অতিশয় ঋণ গ্ৰস্ত হন। কিন্তু কৰ্ণেল হারবার্ট ও মুলি আমীর আলীর যত্নে ভাঁছার ৫৬ লক্ষ টাকা ঝণ পরিশোগ इहेशा ৮ লফ होकाश काँ फाइशाटक। (महेन मांटक्व ব্যবস্থাপক মন্তায় এই প্রস্তাব করিয়া-ছেন, ताजारक वि न कर्क्क निरंदन, जिनि আদালতে নালীশ করিতে পারিবেন

২২৭৪ অন্দের অর্দ্ধপর্যন্ত উৎকলে ছভিক ছিল। গবর্ণমেন্ট তথায় বিস্তর চাউল প্রেরণ এবং বিশেষ কমিদনর মনোনি দাহেব বথোচিত পরিশ্রেম করিয়া অনুহীন লোকদিগকে আহার প্রদান করেন। আউস ধান্য কাটিবার পর কট এত কম হয় যে, সেপ্টেম্ম মাদের শেষে অধিকাংশ অন্নছত্র বন্ধ করা হয়। গবর্ণমেন্ট প্রথমে যেমন উদাদীন্য ও অনব্ধানতা প্রদর্শন করেন, শেষে তেমনি বত্র পাইয়াছিলেন। এত চাউল প্রেরিভ্

খাছে। মাক্রাজের হুর্ভিক পীড়িত লোকেরা ভত্ততা 'শাসনকর্ত্তার চেন্টার । ২ থোচিত সাহায়্য পাইয়াছেন।

জা-পামের চা-করেরা সর্বস্থান্ত ছইয়<u>ং</u> ছেন। অনেক চা.করকে আপন অ;প্ন কেতাবিক্রর করিতে ≉ইয়াছে। প্রায় मक्रताहे अ । अन्न कहेशा:इन । कक कारता অধিক পরিমাণে ভূমি লইয়া আবাদ করিয়া বাভারাতি বড় মালুর হইবার टिकोरे डाँश्मिएभद्र गर्सनात्भव कावन। তাঁহারা এতকেশীয়দিগুকে চার চাদে বঞ্চিত করিতে গিয়া সকলই হারাইলেন। একটি সুপ্রের বিষয় এই যে, গত বর্ষে চা কেত্রে মজুরদিগের প্রতি তত অভ্যা চার হয় নাই; কিন্তু গ্রন্মেণ্ট কাছা-एकत कृतितक्क मार्भन मारहवरक शबः চ্যত করিবার আজ্ঞা দিয়া একটা অবিবে চনার কাঞ্চ করিয়াছেন। কুলিদিগের অবস্থার যে কিছু উৎকর্ষ দাধিত হয়, তাহা মার্শন সাহেবের দারাই হইয়া ছিল। बञ्चरमराभंत नौलकतभरनत छ উट्टिक् হইয়াছে। গত বৎসর ত্রিভতের নীলক রেরা অভ্যাচার করাতে ক্লযকেরা প্রতি ৰঙ্গাকতা করিতে আরম্ভ করে। এক জন महकाती मालिए ए कि कि मिन क्यक-निरंगत **पाता कांत्राभांत** शतिशृश कित्रश ছিলেন : কিন্তু গ্ৰণ্মেন্ট হস্তকেপ করাতে এবং নীলকরেরা যথাসময়ে ক্রমকদিপের লাভরুদ্ধি করিয়া দেওয়াতে कक्टन शालर्यारभन्न करनक मान्ति इके शांट्य।

(तन अर्तम मन करग **এদে**শের ক্রমে সম্পূর্ণতা প্রাপ্ত হইতেছে, কিন্তু! चारकरभत विवस এই, वादाई दिल्छरसङ অधिकांश्म मिलू कथ रहेश यहि; ध कमा । बारशत हिमांव अमान करतन, जाहारक शुनद्वीत बाग्न इहेर्य। माउला दिलेखरा কোল্পানি ক্ষতিগ্ৰস্ত হওগতে গৰণ্মেণ্ট अपि चहरक अहन कडियारहन । भक्षारवत त्रम् अरम् व **अरम् के** कर्नन अनिक्निक्ति

ष्यनवंशानजारमारव शम्बूहाज इहेबारक्ष्य व्यवर डाँशात अधीतक इहे अने हेडेता. পীর কর্মচারী চুরি ও জাল করিয়া দও भारेशाएक । (भरमाशासभर्ग अक्षी मूजन (त्ल ७ (श इरेर्ड) पाहा इरेक्. शंड বর্ষে রেলওয়ের অনেক শ্রীকৃদ্ধি ইইয়াছে। ভিন্ন ভিন্ন কোম্পানি ব্যয়বানে প্রায় আড়াই কেটি টাকা লাভ করিয়ন্তেন।

भेड गाँव बहु भारत मह स्वय लाइ स्म মহাস্বাধোর করিয়া লক্ষ্ণেত এক দর-বার করিয়াছিলেন। রাজা নান্দিং ছ প্রভৃতি কয়েক জন ঐ সময়ে ভারতবর্ণীয় फोत थोथं इन। य मन्दर मत सन नदरम व्यवसाय शहर ने कि त्या पत्रात করিবার উদোগ করিতেছিলেন, তথ কালে বজদেশের অধিকাংশ স্থান ভয়া नक वा.फ छेदमझ इहेशा याशा २० अ আশিনের কড়েরকট দুর ২ইতে না হইতের ১১৬ ই কার্ভিক রাক্রিছে পুন্রার व्यवन या इ रहेन। यह या इ ताबिए हु शांटि विखेत (लाक आंव्हांश करवन। किनिकां ७ डेशनभट्त शांध ১১०० লোকের হত্যু হয়। বঙ্গদেশের লেপ্টনান্ট গ্রবর গ্রেদাকেবের যাত্র চাল: ১৯ল बदर शवर्गरमन्छे हाँचात जुला **पिटलन । मर्क्यटल**त प्रांटन दाटन मंडा ও **চাঁদা হইতে** লাগিল। অনেক দাঃ <u>দ</u> लाक ठावाडा माहाया आध म्य । भएड गर्फ कार ছर जाना भगानके इन्हा यीतः किष्टु मिन भकत प्रकार है। ছিল ; কিন্তু পূর্বাঞ্চলের শান্য অনুধ্যর वाकाटक जवारीम शुनकीत स्वकृता হ ইয়াছে।

ুমাণি দাছের গভ বলেঁথে ভায়ে म्बाद्द्र मञ्जूषे इन नाहे। लाहेटमञ्जू টাক্স ছাপিত করাতে অনেট্রু অসমুট रदेशां हिटलन ; किन्न देशांत्र देनका हो। ক্লের অপেক। অপে অভাচার হয়। বণি-

करान क्यान करहे (समामाः हेडेरहा भी स गन अन क्षकात मर्द्धकात कत स्ट्रेट मुल । लाहेरमञ्च करत अहे झहे ट्यॉनिटक म्मर्भ कित्रि जिए । मामि मार्ट्य अहे कत হইতে ৫০ লক্ষ ট্রাকা আর হইবে অসু-মান করেন ; কিন্তু প্রার ৭০ লক্ষ টাকা উঠিলছে। অভিকেনে বিস্তব লাভ ছও-সাতে এবংসর অপেই অকুলান ছিল। গত ১৫ है भाक भनिवात ताजयमध्यां ह মগ্রী আয়ে বাতের যে হিনাব দিয়াছেন, किस्ति जाना जितारक, वर्डनान वटर् 85.65, ७३,००० डेकि वांग अ 85,८B. ৩১,০০০ টাকা বায় নির্দ্ধারিত হইর্বাছে। এ বার লাইনেকা টাক্র আইনের অনেক क्षाप्रक शनिवर्स इहेशाएए। किन्न यनि विद्वहनाशुकार वास करा इश, लाहेटमण क्रवर कान शास्त्रका हत्र ना : बर्डियान **शवर्गर के कियार मण्डार जनगर्ग।** हेर्देश बाग्न कडिएक खारनन, किन्न इथा वाय कमानेट जात्नन मा। देश छीत বায় ও দেনাদল আমাদিগের যাবভীয় অকুলানের কারণ। যত দিন এই বাংয়ের छेलत ভाরতব্দীগদিগে**র ক্ষমতা** না হয়, ভিড দিন কিছুতেই এ **অনিষ্ট দুর** হইবে না : গত বং দর অর্থ ক নিবন্ধন বাণিজা অনেক কমিলা গিলাতে এবং নতকও 😹 रमछेलिया इहेशारहा त्रीपहि ব্যাকের ভুত্তপুনর ডিবেইরদির্নির ইঞ্জি ८ अर १ १ । हिंद महासाह इवताहा डोहात অনুষ্ঠানার্থ এক ক্ষিদ্র নিযুক্ত 🕬 হাত্তি এবানে আগ্রা ব্যক্ত একবার (म डेनिया करेतां पूर्वस्व कि सार्वतात छ रेनिय য়াছেন। পোই দানি । কোম্পানির অগ্ন-क्षान्त्र विश्वाद यहा । इति है विश्वाद ক্রিট্রেন। নিলার সাহের কোম্পানির টাকায় সংগতি জ্ঞা বহিলা আলোর দেই মুক্তাতি কেলোহি লিক্তি অধিকজ্ঞ भूदना विकास करिशाहरून,: जिल्ला ना**रम बहे यशनाम (संख्या ह**ैंगेट्ड : **यश्या**-

my the second

দটা সত্য হটক, আব মিখা। হটক, এই কার্যটোদারা অনেকে ইউরেশিপীয় বণিক দিশেগা চরিতের প্রতি স, দহান হট্য। ডেন।

श व बर्मर वानिकामें का क कराकि यात्र क्षेत्र क्षेत्र । भागमभागा दिनान তংক্রট বাবস্থা প্রণীত হয় নাই। উত্তর भारिका प्राप्तात **भिडेनिमिभाल जाहित**न প্রির্থাভিন্ন আর কোন ভাল আই ে । । গুলেখ্য হয় নাই। তাঁপে আইন হওলতে দ্রিজ্ঞবিগের প্রতি স্থ্রিচারের पां । तस्त कता कहेता है। भाषातर्ग होदकात कहार के भवर्ग (स्माहल अह जाहरात फनाफन जनुनकान कहिएड সমাত হইরাছেন। ক্রিত্ত ক্রান্তকণের নিদ্রা **७७ हरेए इरेट लक्षा छे**रमञ्जू हरेट्य । ध वदमत वक्ष. में ब्हेट छ छुडे कम वाव ल्रांभक मध्या बहेशाइक। किया এक कर রদ্ধ, পীড়িত ও নিজেজ; মরে এক জন आहेन घरभक्षा व्यक्तिक सन तुरसन। धारे गकत (माक वावकाशक इन धारी কাহার ও অভিত্রেত নতে। যাঁহার। নথার্থ काटका (कांक. उंक्तिशदक मध्याह 🎢 विभाग । किस ज्तिर नाप्त कावकानक भक्कात गर जन जनमा शहर शहर विजि. ্**মনে**নিতি ইইয়া থাকেন।

ভিতর বার বিচার প্রণালীর কোন ভিতর বারাহি ভ্রনাই। মফপ্রলের বিচারালয়ে পুর্বেহ ভ্রকোচপ্রোভ প্রবিহ ইইভেড়ে। প্রধানতম বিচারা-নয়ের প্রাক্তার বিহুছে সেই বেলা একটার সময়ে কাছ্যুর করা হইভেছে। মফপ্রলেব হাত্যেরা সেই সেকেলে যথেক্ছ ব্যবহারের অনুদরণ করিয়া কার্যা করিতেছেন। সার বার্ণেস পিকক মফপ্র লের বিচারাল্যসমূহের উল্লভি সাধন করি বেন ব্লিয়া অন্নিং যে আলা করিয়াছি-লাম, ভাহা স্থাই ইলানা। প্রধানতম

বিচালটোর বিধারণতিগণু রীতিমত

म्क्यरेल गणून करत्रम ना। य कि इ य व **চার अ**पनिष्ठम विहां श्रीलार । अ सृहस मुट्या किए शत निकटि इस । किन्दु, याँ शता ক্ষেদারি ও ১০ আইনের বিচার करतन, छाँशामिरशत कथा बिलाट नाहै। ভূমিসংক্রান্ত আইন অভিশয় জটিল। এই সকল আইন একতা করিয়া যত मिन भिक्तिक विषात्रशिक्तिमात स्टब्स বিচারের ভার দেওয়া না হইতেছে, তভ मिन मञ्जालत माह्यावन। नाहे। जामला मिश्क कारन कारन वमली कहा इहे ভেছে; কিন্তু মাধারণ্যে কাহাকেও ভিন वर्मादत अधिक এक श्रांत शांकिएड দেওয়া উচিত নচেঃ আক্ষেপের বিষয় এই, রু ত্রিদা লোকদিগকে ব্রুলগরিমানে আমলা করা ছইতেছে না।

গতৰ্হসর অপেক্ষা এ বার শিকাৰি ভ গের কিলিছ উন্নতি দেখা যাইতেছে কিন্তু কর্ত্তপক্ষের যত্ন অংপক্ষা সমাজের উল্লভিয়ারাই উলা সাধিত হইযাছে। সর জন লরেশ ও তাঁলার নিয়মবহিত্তি সহচরগণ ইংরাঞীতে না দিয়া দেশীয় ভাষার ইতিহাস ও বিজ্ঞানের শিক্ষা । मर्वात क्षेत्रात कतिश्रात्कतः। किन्छ अर्जुः সাধারতে ইহার বিরুদ্ধে মত প্রকাশ করি যাত্রে। শাসন ও বিচার ইংরাজীতে হইবে: এ অবস্থায় লোকের শিক্ষা দশীয় ভাষাণ হইলে ভাঁহাদিগকে প্রকারস্থরে फेठ्ड यह इट्रेंट व भिष्ठ कता इट्रेंट বিশ্ববিদ্যা লয়গুলির উन्निक (मथा याहरकरছ; किन्नु (य श्रकात कर्ण कतिवात अनाली व्यवर्षित इहेशारह, তাহার পরিবর্ত্ত হয়, সর্ব্যাধারণে এই ইচ্ছা প্রকাশ করিয়াছেন। শিক্ষাকার্ম্যের ভজুবধারণের ভার গবংঘিমণ্টের এক জন স্বতন্ত্র সেক্টোরির গ্রেপাকে এমত প্রস্তাব इहेश्राइ। रञ्जहः मिक्कामःक अक्री সভা এবং ঐ সভার উপরে এক জন গব ;

র্নেটের সেকেটারিকে কর্তান, করিলে প্রকৃত কাজ হইবে না, এতজেশীর শিক্ষা কগাবের বেতন ইন্ধিনা হওয়াতে অনেকে শিক্ষাবিভাগ তাগে করিতেছেন।

বর্ষে বর্ষে যেমন বিদ্যাশিকার উনিতি

হইতেছে, সেই সন্দে সঙ্গে তেমনি সমা

প্রেরও উন্নতি চইতেছে। নানাস্থানে নানা
প্রাকার উন্নতিচেম্বী আরম্ভ হইয়াছে।

শামাজিক উন্নতির উদ্দেশে কয়েক ব্যক্তি

সৈত্রনলা আরম্ভ করিয়াছেন। ধর্ম লইযাও বিশেষ আন্দোলন আরম্ভ হইয়াছে।

শামাজিক বিজ্ঞানসভা ও ফিয়ার সাহেব
এ বিশ্বে স্বিশো উৎসাহ প্রদর্শন করি
তেছেন।

আবিদিনিয়ার য় জা ইংরাজ কলাব ও আর কমেক জন ত্রিটিশ প্রালাকে রুদ্ধ করাতে গছ আন্টোবর মাসে উঁ,ছার বিজকে যুদ্ধযে বলা ছইয়াছে। এদেশ ছটতে ৪০০০ ইউরোপীব ও ৮০০০ এতদে শীর সৈন্য গমন করিয়াছে। বোষাইয়ের প্রান সেনাপতি সর রবার্ট নেপিরর অধ্যক্ষ হইয়া গমন্ করিয়াছেন; কিন্তু এপ্যান্ত একটাও যুদ্ধ হয় নাই। এবৎসর মে সুক্ষের শেষ হয় এরপ বেংধ হয় না। এই যুক্ষের কেষ হয় এরপ বেংধ হয় না। এই যুক্ষের কেষ হয় এরপ বেংধ হয় না। এই যুক্ষের কেষ হয় এরপ বেংধ হয় না। এই বুক্ষে এদেশ হইতে যে দৈন্য প্রেরিভ হইলাছে, ইংল্ডীয় গ্রন্ট্যন্ট ভাহাদিগের বেতন আমাদিগের স্বক্ষে নিক্ষেপ করাতে স্থিরিশে অস্প্রেক্ট হইয়াছেন।

অন্যাপ করুলের গোলনে গের শ্বেষ হর নাই। দদিরে অ'ছল রহমন থাঁ ভুকিনানপর্যান্ত, জয় করিয়াছেন । হিরাট মাত্র সিনারআলির অধীনে আছে। ব্রিটশ গবর্গনেও আজিম থাঁকে রাজা বলিলা বীকার করিয়াছেন। রুণীল ক্রমশং অগ্রসর হইতেছে। এত দিনের পর গবর্গনেও ভারতবধীয় চর্দিগকে মধ্য আসিয়াতে প্রেরণ করিয়া সংবাদ লই-তেছেন।

ভারতবর্ণীর সভা ১ ৭৪ অকে বে

প্রকার কাজ করিয়াছেন, চারি বংসরের মধ্যে সৈরপ করিছে পারেন নাই। প্রার ঘাবতীর আইনের বিষয়ে তাঁহালিগের অনুরোধও রক্ষা হই তেছে। তাঁহারা লাইদেল টাক্স বিলের বিষয়ে যে আবেদন করেন, ভল্লিনিস্ত গ্রন করে তাঁহাদিগকে ধন্যবাদ দিরা ছেন। একাণে সভারে যে প্রকার সম্ভ্রম ও ক্রমভার্দ্ধি হইয়াছে, চাহাতে তাঁহা দিগের বার্যাপ্রণালী প্রশস্ত ও বিস্তৃত করা উচিত।

সামাজ্ঞিক বিজ্ঞান সভার দ্বিতীয় কাষ্যবৈবরণ।

वद्गरमगीय मार्गाद्यक विष्ठानमञ्जात कार्यादिवतर्गत षिञीय थे अकाणिड হইয়াছে। এই পুস্তকথানিতে কভকগুলি छंदकुछ विवदत्रत आत्मालन (मथा याहे. **७८**ছ। ইহার সর্বঞ্জমে সভার অধ্যক বিচারপতি ফিয়ারের প্রারম্ভবিষয়ক বক্তারহিয়াছে।বিচারপতি ফিয়ারের মুখ হইতে যাহা ধহিগত হয়, তাহাই ভাল লাগে। গত ২৯এ ব্যাসুয়ারিতে এই বক্তা হইয়াছিল। ইহার নিমিত সর্ব সাধারণে সভাপতির নিকটে ক্রভজতা স্বীকার করিয়াছেন। আইনঘটিত চুই থানি পত্ৰ পঠিত হয়। প্ৰথমধানি ङ्भनी कारमटकत चारितत चंद्रां भक वार् रिज्ञाकानाथ मिज धम, ध, भाठे करतन। वर्थान व रारमंत जूति धर्मत विवरत क्रेशांटक । কালেক্টরেরা निटक किছूरे न। कतिशा भामनानिटगत উপরে যে জুরিনিকাচিনের ভার দেন 🖰 ध्वर नाकित कम लाकिमिश्तत निकटि किছू किছू लहेश डैंग्सिंगिक मूक् करिया ইতর লোকদিগকে জুরির নিমিত যে আনমূন করেন, তাহা স্পাক্রপে বিধিত क्हेग्नारह। रेजिरलाका बावून अहे मठ मर्क

নাধারণের অনুমোদিত। ক্রির দেনিষ্ট কোন হলে দোবী বাজি মুর্জিলাভ করে; কোথায়ও বা নির্দোষীর দও হয়। একণে দকল হানেই ক্রভবিদা লোক দুট হন; স্তরাং উপযুক্ত জ্রির অভাব নাই। অভএব মোক্তারদিখকে জুনিলোনী হইতে যে বহিঙ্গুত করা উচিত, একথা বারু লৈলোকানাথ মিত্রের দহিত সকলেই স্থীকার করিবেন। কিন্তু চিকিৎসকদিপের দহিত উকীলদিগকে অব্যাহতি দেওয়া উচিত হয় না;

শীন জুরর পাইলে জন্য জুরর এছপের প্রয়োজন করেনা যে মছকুনায় মক
দমা হইবে, ভালার দশ ক্রোজা পরিধি
পর্যক্ষের ক্রভবিদ্য লোক দিগকে জুবর
করা কর্ত্তবা প্রতিবংসর জুরির ভালিকার সংশোধন আবশাক। শিভীয় পত্র
বাবু শ্যামাচরণ সরকার কর্তৃক পঠিত
হয়। এখানি বিনামনংক্রান্ত। মুসলমান
রাজ্যের শেহাবস্থায় আত্মরক্ষার্থ বিনাম
প্রথার স্কি হয়; এক্ষণে ইহা

াটুরি করিধার উপায় হইয়া দাঁড়াই
মাছে। অতএব এরণ একটা আইন করা
উচিত, অতঃপর যদি কেহ কোন বিষয়
বিনান করেন, 'আর নেই বিষয় গাইয়া
আদালতে মকজনা উপাস্তত হয়, ঐ
বিষয় বিনান এরপ প্রমাণ পাইলে
আদালত মকজনা অগ্রাহ্য করিবেন
বার শ্যামাচরণ সরকার আইন বিষয়ে
সচরাচর যে প্রকার পাতিত্য হদশনি
করিয়া থাকেন, এই পত্রশ্বানিতেও ভাহ্য
বিলক্ষণ প্রকাশিত হইয়াছে।

নোলবী আবহল ক্ষিক তৃতীয়
পত্রথানি লিখিনাছেন। এথানি মুদল
মানদিগের বিদ্যালিকাবিবদৈ লিগিত
হইয়াছে। তিনি ইহাতে, বিশেষ যোগ্যতা
ও সুক্ষম অনুসন্ধান প্রকাশ ক্রিয়াছেন।
কিন্তু ওরারেগ হেন্টিউনের মিনেট অবল
বন ক্রিয়া আর্থির যে প্রশংস। ক্রিয়া

**(इन. डाइरेड अक्टर नर्जनाशांत्र**न मम ह इहेंदिन नी। बातू हस्तनार्थ बस्र এম, এ, এ দেশের স্ত্রীশিক্ষাবিষয়ক পুক্ষানি পত্রপাঠ করেন। আমানা पृश्यि इ इहेगाम, (ज्यक त्वह त्मर्कर्ण मः कारतत वनी कृष्ठ इहेता ट्यानिविटना বের নিমিত বাণিকাবিদ্যালয় ছাপন করিতে বলিয়াছেন। অন্ত<sup>্</sup>পুরিকাদিগের বিদয়ে ভিনি যাহা বলিয়াছেন ভাহা ध्य नाइ मानातरगत अनुरमाननीत इक्ट्य। ন্দারকে; হার স্বাস্থ্য ব্ৰহ্মীয় अत्थानि डेडम পज शांठ करत्रन ; कैंक्ड ভাঁহার প্রদত্তা,লিহাগুলির উপরে সম্পূ বিশ্বাস হয় না এবং অনেক ভালে তিনি विट्रमेश कात्रश्रधार्मन मा कतिशा वर्खमान প্রণালীকে পূর্বতন প্রণালীর অপেক। ट्याल विशादाहरून। ८वनम **डेहेलमन मा**रह বের পরিমিত বায় ও বাণিক,সংকোত व्यवक्राणे मश्रावित्र हहेतारह। मकन्नद्रणत স্থানে স্থানে পেৰিও ব্যাক্ষ করা আব্দ্য কর্ত্রবা; কিন্তু এক্দণে স্থানর যে হার निक्षिष इडेशाहि, जाहाट पण्ण कृत्तरह টাক। जमा निर्दायनि **अमन अ**था हत्त्र त्य, निक्षिणेमः था कडकछात्र होता জমা দিলে জনাকারী ও ভালার পুত্র পর্যান্ত বাংশরিক এক টাকা রুত্তি পাইবে कोश कहेटल क्रुवटकता होका ब्रिट्ड शास्त्र । अध्यक्तिम मारहव यावच्छीवन স্থালী বাংদরিক হতির ( আসুটির) যে প্রাথা উদ্ভাবিত করেন, ভালা এ দেলে করা কর্ত্রা কিনা সামাজিক বিজ্ঞান নভার ভারা জিলকরা উচিভ বিলু किटमारीकाम मित्र हिन्दूमिटवत शर्म विनता य अवश्वी भाठे कविशाद्यन, छम्बाहा है है :हा भी ब्रग्न शतक कुछन दिन **निका क**तिएड शाहित्याल भागानित्तर ममाज्ञघिक मकल ित्त व्यवश्रक मध् करेटन विठातगाँउ किया हात नाथ स्ताह, द्रां गर्शाहिक काल क्रिएक भारि

বেন না। বারু গিরীশচ**ন্দ্র খে**চের পত্র शानि गर्कारणका कपना इस्तारक। डिनि গের লে বর্ণন করিয়াছেন, ভাষা ভারা দের স্থার ধর্ন নছে। ছই একটা ধনিবই নাব জীলোক কেবল আছাত ও নিদ্রায় কলে হাশন করেন এবং হাত থাকিতে माध्याना भाषात छेशास भक्ष विश्व ि विविधा **थारक**न। उद्गण उनाहरून कि मधाराहभ । नार াহা ব্লিয়া কি २७:वाशांव **खीरनाकमात्व्हे मृत्र**ीव ভট্রেন ও বেলা আটটার সমরে উঠিয়া মানে প্রজা করিয়াই স্তুপাকার মিঠাই জল ্ন'গ; তাহার প্রক্লেই অপ্যাপ্র ৺ল আহার : ভংপরে/বেলা পঁচে ঘট কা পর্যায় নিজা: পরে গান চক্র 😸 मानी बादा (दश्विनानमान्न अव॰ ভংপরে ভাষ খেলা এবা ধনিকানিনী मिट्शत भाषात्रण निश्च गटह<sub>ा</sub> छुटे उदक **জন রজ** ফবেবের ভূতীয় প্রকল জী এর প হইতে প্রেন; কিন্তু ভালা বলিয়া ধনি **बर्गी**त शीरवाक्षणाज्यके धनम छ ৰিশাদি প্রিয় এল। ভাতু চিতে। বারু গিরিশ ধো : नात अग्रमात्मन छेपद ত ক্রিয়া **এ কথা ব**লি ब्राट्स का ११० 1 1 1 1 काना **भट्यत श**निद्द**्रा**श्त विद्धांक प्रदेशत आसार एवं व्यक्तिक छटन चेत्र काशां धार्म माहित्व शांन ाच । अस इंकि हु है। इं अमार्मा **ड हरे** ( करा ার্হীরালাল দা.লন মাতা অতিথি लवानी शाकिएड आइन्त पटतम ना ; পার্বর সকল ব্যক্তির আহারের প্রতি ্ৰোছাৰ সমান দূতে এবং প্ৰাভ্যেল दि विजिथि य गर्गाटक मक्टनत । চ্ছক্তা ও নিজের প্রমার্থন;ধন ्रोबार कें. हा. एकोवन **कां** ठवाहिं ड हरे ८ अट्ट। बातू म्हारीहरून मिलालन महा া কলি চার হৃপাই আছেন; কিন্তু যেরপ হউক, জীশিকা যে সামান্যরাপ হইয়া বংতিবাত হইয়া পড়েন; পড়া ৰি নরা প্রথণ করিবাছি বে, তাঁহার ওণ-

विशि हमारी, मध्या मध्या अहरता त्रवान केंद्रियानार्ने नहिम् श्रान्ड्रियानित करकेत জানানিগের উক্তম শ্রেণির জীমোকদি। প্রতিও তাঁহার বিশেব দুক্তি আছে।এ धकार कृति कृति छनाव्यन शाबिएछ। ্যনি আমান গর উচ্চতর শ্রেণির জ্রীলোক ः भित्यत नियम। कट्डन, डिंग्झाटत के विश्वटत ় নিশ্চরই অনভিজ্ঞ বলিতে হইবে।

> শেৰ প্ৰধানি লঙ भार*करवड* लिथि । । ध तरम यङ् श्रावास वाका পদা আছে, आमामित्रात পরম हिरे ७ मी বন্ধু তথ্যমুদাল সংগৃথীত করিয়াছেন। এই সংগ্রহ অভিশয় প্রশং স্নীয়। তিনি विनिहारक्रम, इंट्डाक्सिन्ट्राड विन्द्र वाझ् कीरमत श्रदान राकः विभि क्लाशास्त्र भावन करटन काहै। वश्वकः <u>वे</u> छालित নংখন অংশ বড়ে তথা। অসুসন্ধান ক্রিলেও রেটা যেন ছাজের জেল্লন্ প্টলি গ্রিজাহ(জ্পেরেন বেনে এলেন্স हें छापि घटनक छनि अवस्त भारतहा चात्

### क्षीं जन्म ।

धारमहा ३५ ७७ ७१ धारक है। का সংক্ষা ডিপোটের যে মহ্দংগ্রহ रुतिशा शास्त्रेकशर्यत स्थाउत यहिला छ, ভারতে বংলক্দিগের শিক্ষার ইল্লিডর বিলয় ভারনি পর - জ্বর্জম ২ইলেছে। ভারতে জীলিমাবিদাটা অনুলিখিত আছে, অসা ওই লেখে প্রায়ুভ হওনা কাই তেছে: গিলেটে লিখিত হইয়াছে, একাশে প্রকাশ্য ও অপ্রকাশ্য উভয়বিধ जीविनतानश भन्ननादत २४३ है। इन्हेशदछ। पुर्विवः मह चर्ाका श**ड** अशाह बाटम ७३ में विनावा उच्चि इहेशादक । शृदस পাঠाधिनीत मन्दा। ৫৫৫% छिल, शब धनातमारम ७०७: इहेशास्त्र

বে ইহার উল্লিড হয়, তাহারও সভাবিনা (नथा या है (कट्ट मा। अत्त । खिल महान অস্তরায় আছে। প্রথম, আবশাকতাজ্ঞান না জ্মিলে বোন বিষয়ের উন্তি হয় ना बी निकास बाका। भावासकता क्छान क्याबात व्यावात इंग्री कारण আছে। প্রথম, স্বার্থনাভজ্ঞান, দ্বিভীয় অবশা কর্তব্যক্তান। জীশিকাবিষয়ে बङ्ग भारतमारण अटनमात्रामिटमात हेहात অন্তর কোন ভানেই জলো নাই। মাধা इट्या अट्रम्भी तिम्द्राव मध्यात अहे, खोटना किमिश्तक निथारेटन कि इहेरत ? डीर्शता किङ्क वर्ष छला ब्लंग कहित्य साहेर्यगना । জালোকেরা শিক্ষিত হইলে যে সংসার इथना हत. (म छहान मोशहरपन नाहे। यों शामिरजात 9 <u>ज्ञान</u> क जित्रात रहि. তালা, দংগ্ৰ সংখ্যা অধিক নয়। বোধ कर, এक धारमत छिड्टत इहे वास्कित धे छान कांगाहरू, डाइाडा छोविमान स्ति छेन् त्याभ करिटलन : हिन्छ आत्मत भौ। (कहरे व्यवनाता वा विकासिता क्नार्थात्र भारत । छेहात भारति । लन ना। ख्डताः उम्ताधकातीता तः ड कार्यः इडेटच পार्तिद्वागा। श्राप्त यात-তীর গলীপ্রামেরই সচরাচর এই স্বক্তা প্ৰিত হইলা পাকে।

ष्टिचीत, व स्टब्स्त अश्वितिक जीत्यां ह गृहकर्मभाषान्य कतिशाषाटकम। ८तथ। গড়ার চঠা করিতে গেলে অধিকতর অব্যবের প্রয়োজন হয়; কিন্তু এ দেশের अभिकार्त भूकरनत अज्ञान अवस्था नग्न त्य र्टाहातः छोटनाकमिन्नदक शर्यात्र व्यवस्त मिशा डार्ड्डाम्ट्शत क**र्ड**श कार्यः व्यनःदाता गण्यांचन क्रिहा लग ।

ए होत, अरमणीय खे। त्नांकिम्दर्भत ं जाल्या वंशाम विवाह इस उ महान काट्य ; বিদ্যালয় ও পাঠাথিনীর সংখ্যা স্করাং তাঁহারা অভ্যাবয়নে সংসার। हरेट उट्ह, उ चिन्द्य मः नात्र । नीच । अनात अवनत भान ना। अ तमा यक्तभी

ইন্দ্রিন উম্মের হয়, তাহাতে অলপ . बल्टम खोटलांकमिट्शत विवाह ना मिटल অনেক অনর্থ উৎপন্ন হইবার সম্ভাবনা।

के संदर जामामामान করিয়া কুতার্পতালতে সম্জ থ্যাপার न्द्रः **উপরে যেরূপ বর্ণিত ≥**ই্র**েছে**, তদ্বারা স্পাট প্রতীমমান হইতেছে, পুরু ধের শিকা ও অবস্থার উপরেই প্রীশিকায় সিরিনাভ সম্ধান নিভর করিতেছে। অান্তা বহু ব'কু প্রতিপন্ন করিয়াছি আজিও অধিকাংশ পুরুষণ সুশিফিত ও উংজ্ঞ অবস্থা সম্পন্ন হন নাই। এবে শিকা পরীফাতেই অধিকাংশ লোকের শিকাকায়ে প্রাথসিত হয় ওতরং उन्हम वाक्तिभिराव इंटेंट कान गहर छ दुर्ध क य। अल्लाझ इहेबात महाबना नाहे। অভএৰ খ্রীশিকাবিবরে ক্লাইকাম্ট ইইধার বাসনা জন্মিলে খাতা অধিকাংশ পুরুষকে সু শি ফি ছ : রিল: উৎক্রমী । অবভাসম্পন্ন করিল। ভুলাই কার্ত্তবা । এ কার্যাটি করিছে গেলে আৰু কৃত্ৰকগুলি নুত্ৰ ছাত্ৰেৱিছি বিশ্বনিদ্যালয়ের পরীক্রাণিয়ম মবের বজাল পারমারেণ স্ভিত চর্চার উপায়বিধান করিতে হয়। গলপুর, একংগে त्य श्लीभिका इट्रेड्ड्स ५५% सभगाज भिका । देशमव काइन भिजानका वानिका দিনোর যে যথ কৈঞিছ শিক্ষা হয়, স্বশ্বরা-লবে গমন করিয়া যে সমুদ্ধে িমৃত ছটতে হব। তথ্য একনাত্র পুলক্ষ ভাছ, किर्भन मसूक्ता भगत ও চিত্তকে धाम করিয়া ফেলে। এই সকল কারণে এখন যে শিক্ষা হইতেছে, তন্ত্রা শিক্ষার মুখা উদেশা সাধিত इहेर्ड ह न। मगाक মাত্রেই বালক ও বালিকাদিগের এক এক প্রকার শিক্ষাবিধি আছে। যে শিকা দার। অন্তঃকরণ প্রশস্ত, আশার উদার এবং दिव हिश्मामि यामध श्रद्धि मकल मूती-कुड इस, मिट्टे निकार निका। प्रतिक

खन करिवात मखावना नाई। व्योवद दार्भ প্রযান্ত শিক্ষা পুংশিক্ষকরারা সম্পাদিত হওয়া সন্তাবিত নছে ; জ্রী শিক্ষয়ি-এক স্থ ट द्वाक्टम । স্থানে স্থানে যে স্ত্রীনশাল বিদ্যালয় मुक्ते इश् जाहा कार्याभरयाती नरह। त्य कत्न छम् औता शिशा व्यथायन करवन, এৰপ একটা ত্ৰীনখাল বিদ্যালয় আব শ্যক। তারা করিতে গেলে স্ত্রীলোকদি গোর গমনাগমনের বায় এবং তাঁহাদিগের গ্রেলাভনাথ উচ্চতর রুত্তিবিধান আব শ্যক করে।

যাবহ এগুলি না হইতেছে, ভাবহ প্রাশিকাবিষয়ে বে বার হইতেছে, ভাহা বিদ্ন হইতেছে বলিলে অজ্যুক্ত হয় না। অ্যারা সচরাচর কেবিতে পাইতেছ, अक द्वारम अक्री जीविमाला विमल, কিছু দিন পরে তাহা উ৾য়া গেল, অবার আর এক স্থালে বসিল। কিন্তু কেন अरमत काम विभागता के भाग मुग्नत कार्भ भिका इंग्रेट्ड मा। यथम धक्ष इश्रेख्ड , उथन क विनास त्य वात इके **८९८७, छ। इ।** कि विकास इन्हेट्डएक मा ।

## বিবিদ্যাণ্ডাদ।

سنسخ والإساء

२४ भ १५ ज (भागरान् ।

संदर्भेशहस्त (शायामें न को ज्या प्रखंडका হয়, ত'হা প্রহিত করবার টাডেন আগীন ছায়াছে। আনামী কলা এবন বিচাৰপতি, ম্যারপতি ন্রাণ ও ব্যাবপতি লাও ব উছার श्रमांनं हाल करिएकम ।

व'त् (कमदञ्च प्रमा (व'ध'ইए।त (वे) नहारुष बक्षी शक्ति भरमास्य छैतरम्य भितारधम्। जिम বলিয়াছেন, ধণেষ্ট উল্লাভ না কটলে বাজনীতি কং ক্ৰান্ত উৰ্ভিত্ত সন্ত'বনা অলুট*্*ল কেন ভিনি আরও বলিয়াকেন, যাঁহার। ক্রেমশ্য উল্ভিসাধন कितियात व्यक्तिस्य कर्त्यम, किलि कें।शास्त्र प्रजा ভুক্ত নংচন। তিনি আমাদের সামীলিক সংস্থা রের শাখাদেছদ করিয়। সন্তই নহেন গউহার। হইয়া প্রভিত্ত থাকে। গতে এনিধার করণার মূলপর্য্য টেংপাটন করিবেন। কেশব বাবুর

व्यम भर्गास भिका ना इड्टल क मकल् मिल मर्स मानावर वत बखर खरनत करें कि व्यस्तान

त्य निवम निकीटण निकामरका महत्त्री हरा, (मई मिवन करशक्छन अछल्मनीय क्ति गृहिक कर्यक्रक्षम हाहेनशास्त्र उक्क शम ्नित्र अवीका इहेग्राहिन। देननिएकका हुई वास्ति भोड़िश्राहिन । कि श्र हरे वास्ति एवं निर्माशीतः छा। सांच करता शंचम वाष्ट्रित श्रीकात ১०১ अवर বিভীয় বাজির পুরস্কাব ২০১ টাকান, শারী तिक कर्ष्टे अ मलगुर्क्स निभाषीता आश हेडिताभी श বসনিক্ষিণকে পরাঞ্জিত করিছে পারে।

खासदा कामा जिल्लामिक इहेगाम, मधा ভারতবদের এক জন সহকারী কমিসনর আপন अरीनइ এडरमनीश कम्प्राशीमिशरक आकाः দরিয়াছেন, ভারারণ যদি বাইপ্রভৃতির স্ংস্প एका मा करतम, पर्वा इंडेटल जीशामिशास श्रम চাত করা হইবে : আমাদের মতে এইক্সপ থাজা সাইত্র প্রধান কণা উচ্ছে। নাগপুর ও সংক্ষাতে প্রকাশারূপে যে সকল কুংসিত কাজ হয়, কলিবাভায় মোন স্থানে ভাষার আর্ছেক (नगः यासु मा।

অল্যেচনার্থ থালংকাটাইয়ার নিমিত্ত ভারত : ব্যীয় গ্ৰণ্মেন্ট ইংল্ড হ্ইডেড ৩০ আন ইঞ্জি নেয়ৰ আনাইবার প্রস্থাৰ কা 🛷 দিলেন 🔻 ইহা দেগের মধ্যে ২০ জান আটি সাহিদ্যা ইছাঁদিগকে नी प्रशास स्थारन (ब्यंतन कहा। ब्रहेट्या खासहा বোদ করি, যাড়াবেড ইর্লাদিবের সহিতে বিভা-भीश के अभिनश्यमिदभव विवास मा एवं भवर्गि पर ्यक्तान नरमग्राच क हिट्यम १

গত শুক্রবার লাভ বিশ্প, সিদ্মির্ম, इंद्रप्ता भारत्व मा ५ भारत्य 😉 (त्वर्त 😉 व् যোগন বং দ্বাপাশ্বায় উত্তর পাড়ার বিদ্বালয় ও श्रुष्ठक नतश्रक्षांक मर्गन कतिएक निपाहित्सम । বার জনক্ষ মুখোপারবায় ইছাদিগকে অভিশয় नमान्द्रत अस्त्रश्चिक अक्ति (अक्ष क्रिया)

अक छन कामानिजाक जिल्लामा कतिया (इन, धवर्गन क्षित्रनात क्षेत्रक्षांत काशिष्ट्र मिन्न কালেভের পারিভোষিকবিভরণের সময়ে উগ श्चिष्ठ फिरलम । किस अवर्गरमञ्जे निम्नानरपूत ছাত্র লগের পুরস্কারণি তরিণের সমধ্যে উপস্থিত शांदकन मां दक्त ? व्यांमशो हिश्त £5 हैं । कतिरञ्जि का देविकान भारत वेश यह वास्तिर अह গ্ৰহ্ম জেন্তুল ভাসিতে পূদ্ৰ

সম্প্রতি চাপাতলায় একী জীলোক হত ভারার মৃত্র্যর করেণ অন্তস্ত্রান করিরান্তন।

এ প্রান্ত কোন বাজি এই হতভাগা ঘুবভীকে ্চিনিতে পারেন নাই 🕝 স্ত্রীলোকটির বর্মঃ 🖔 ্রন্য ২২।২৩ বংসর <mark>হইয়াছিল, দেখিতে পরম</mark> সুন্দরী; ভাষার হস্ত দেখিলে বোর হয় সে এত দেশীয় পুঠায়ান ছিল। একথানি কৈনিকা হারা ভাষার এক কর্ন অবাদ অপর কর্ন প্রাস্ত शका काठी दश् । **इ**दिकाशांनि सरनत निकटि অভিত্তি লে। যে ব্যক্তি ভাছাকে চিনিবেন ভাষাকে পুরস্থার দিবার ঘোষণা ইইয়াতে , প্রচেট স্মান্ত হাজ্যাটীর কারণ, ভাষা সহজে বলা , माईएक शहरा ।

(নইন সাহেব গ্রমির প্রভানিবার্থের विस अर्थन कविशाहिन। गिलिके किमिछि এक मुश्रारकत भएमा अ दियस्यत दिएमाप्टी कविदन । यावर्षीय हुडा रामा अहे काहराय व्यवीन এট্রে। আমর। শুনিয়া ছথিত ধ্টলাম, যে সকল বেশ্য কাজিলিশেষ কার্ত্তিক इक्टेर्स, फाक्षाफिरशद मधीत भागिका कहा कहरस मा। এ निश्मणी जास्तिक कडेर्फाइ । देश क्लेरल 'बार्तक हुए। 'तमा वर्षकविद्गर्यत ্বলিয়া ত্রাণ পাইবে, স্থাত্রাং আহমের উদ্দেশ . जनम स्ट्रेंच मा।

মেজর লিজ ভিন মাদের বিলায় লওয়াতে भाषात रमले अर्था डांकत श्राक्षतिथ व्यव्याद्वत रिमनिकांतरशत मरमा अहे इहें छन यथाय लां ५७। **के हो जिंद**शन পদবীতে (ক)ন नां क भनार्थन किंद्रियम, छोहा अ.महा वॉलएड भारत । এछाहाव निर्वम। मा । ভाরতবরের প্রশ গেনাদল বৈতিয়াতে অনিদ্যবস্থ আরু আসীয় ভাষার ি**ভাতুৰ অসু**ৰীলন কৰেন না ৷ সৰু ভাৰ মালকম, 関語 ほりは বাৰ্স, क्षेत्राल, मद १६२। व शहरण अञ्चिष्टत महोत्र । त्यांक िष्माद्र (मनाभाज ११०) याहे छि छ ना ।

১৮৬७ ७.८ ५त व व्याह्म **अञ्चलाटर श**वर्गत স্বেনরল ত্রিটিন এজোর রেকডারদিগকে প্রাণান ेष्य रिवर्तिनरशुः भगराधनान क्रियार्टनः ুঁএটী যুক্তিসিল্ল কাজ হইয়াছে। এই ক্ষমতা मा, काटा अत्नक एटन अधी शकाशी प्रकारक ্বথা কষ্ট পাইতে হয়।

শনিবারের ভাতত্তব্যীয় গেছেটে গভ ্ষিভের এক বিবরণ একাশিত হইয়াছে। এই ষ্ঠ ভাজ সর ষ্টান্টোড ন-ানাটের নিকটে প্রেরিড গুওয়াতে তিনি অতিমান্ত্র গ্রন্থ প্রকাশ করিয়া विविद्यारहम, रभाइनमीत्र भवनंदयन वाडामिक्टि माकमिट्राव मार्गाया पं स्य छेलाम व्यवसम्ब ক্ষুত্রিয়াড়িলেন, ত হা তাঁহার সম্পূর্ণ জন্মনান্তিত 18:11.81

জ্ঞালিকার্ডীর অন্তর্গত ইটালির বিদ্যালয়ে পাঠ**ু পাইতেচেন না। আখুক্ত উ**াহার নিমিত্ত বিভ ক্রিগ্রাছিলেন। বিবি শুগ্রান্সনামী এক জান মিস ় চেই. প'ইডেছেন। কিন্তু লেংকে বলিতেছে, যথাকৰ নবিব বিধাৰ। স্ত্ৰী ভাঁহার উন্নতিদর্শন করিয়া ভাঁহা। ডিনি স্তলিক্ষিত সিপাহীদিগকে লইয়াও দিল্লী কে প্রমতঃ ইউরোপে পরে তথা হইতে আয়ে तिकात लहेशा यान । भागु कुहेनर्रा विश्वविन्धानार्यः এন এ এবং ওইওর চিকিৎসাবিদ্যালয়ে এম ভি উপাধি **পাইয়াছেন। ভাঁহার বয়ঃক্রম** ২৮ বংগর। আমেরিকা ভ্রাগ করিবার প্রর্গে তিনি গভাপতি জনদনের দটিত সাক্ষাৎ করাতে সভা পতি উ.হারনিমিত ফ্লপারিব করিয়া ত্রন্ধাদেশের রাজানে এক পত্রে লিখিয়াছেন ৷ ভিনি সম্প্রতি পেনিনপ্লনার কোম্পানির নিউবিয়া জাহাতে ভাষতবংগ প্রত্যাগনন করিয়াছেন। এ আছা-**रक्षत्र कार्युम छ जार्**द्व: विश्वन हो । के द्वा হারাকে ২০০ টাকা ও এক প্রশংসা পত্র দিয়া প্রার্থনা করিয়াছেন ভিনি যেমন সভা ও বিশ্বান হইয়াছেন, সেই রূপ ভাঁহার সভতে। ও বিদ্যা স্থাদেশের উন্নতির নিমিত বিনিয়োজ্য কঠি বেম। এটা মথাপ ইণরালের ধাম। ইংবাজ- <sup>।</sup> য়ালা দগের সংখ্যা পুরিশেক্ষা অবিক ইইয়ালে। াদলের আব যে দোধ থাকুক না কেন, হিংগাঃ । এক এক করিয়া পুনর্বার জাহাজ ক্রয় করা ্লেশমাত্র নাই

(बार्व ने हे (बाफ काक्टा जिल्ला हिन, के.हादा 🕆 যুখন কোন আপীল ভাবন কবিবেন, ভখন দিন ां<del>ख्र । क्विता व्यापना निर्मत कार्यमान एवं अवर क्वि ।</del> সুনুর ও কালেইবের কাছারিতে তাহার এক এক

इचात मुस्मक मञ्जाष्ट्र भहत्यम था। छेपरकार । लहेता विश्वतं छातासर्थान अथाराङ कास्पुर्वत লেমিয়ানে ভাষার চালি বংসার মেয়াল ও ৪০০০ টালা ভারিমান। হইয়াভে।

দেলি নিট্য বলেন, সংগ্রন্তি ট্রাপ্স কালেই ্চল অন্বৰ্ণনভানিবন্ধন অনেকভাল স্থাপন উট सहिता नके क्षेत्राटक । दिल्लीन्छे এক্ষণে আক্রা দিয়াছেন, ভবিষাতে ইহার मुरमात मिभिष्ठ कारलकेतरक मानी हहेरल

আবিদিনিয়া ইইডে সংবাদ আদিয়াড়ে, স্থু রবাট নেিয়াব আল্টালো হুইতে ঘাত্রা कविशारिकन । अरक्षण मार्गत क्षातरस गानलानाव উপনীত হওয়া ভাঁহার ইচ্ছা। হাতএব যদিও রাস্তা মন্দ, তথাপি তিনি ফ্রগতি কয়েক সহস্র বৈন্য লাইয়। অনুসর হইতেছেন। রাজা খিয়ো ডোরও রাজধানী রক্ষার্থ আসিতেছেন।

২৬ এ চৈত্র মঙ্গলবার।

व्यामना मरवान भादेलाम, जिल्ली वर्गीय हो छ ্কুমার ফিরোজ শ'হ যথার্থই সোল্লাড়ে জাসিগ্ল-

াক এক জন ব্রহ্মানেশীয় কিছুদ্দ ছেন। ডি'ন ব্যাদিগের প্রকট সহি! নায় অক্সাৰ্থ প্ৰাচী গাবুত নগৰ বিক্ষা করিছ পাৰেন নাই, তখন ভিনি কল্পেচ পত প্লাভ हिन्द्रशानी अ क्रमनः अखनाती अर्सजीवनिगत एकेशा कि विधिन शक्षीयर छेत महिल युक्क करिट পারিবেন দু ফিটোজ শাষ্ট এই স্থান স্থাগি করিছ পার্সে গমন করিবেন, পঞ্চাবে এই প্রকার জ ভ্ৰুত : এই সকল লোককৈ ক্ষমা করিয় ভারতবর্ষে আ'দিতে এওয়াই সংপ্রাস্পা।

यथन फिनाभ कामत्रम दतिया (कडारी शाथा १ वा ना निरंत्र का ना विश्व कितन । .महे मगरम भवर्गमाने आध्यानिर्धन श्राप्त সকলগুলি বাস্পীয় জাহাজ বিক্রয় করেন। फरकारम मर्मनामात्राम चित्रवाहित्यम् अजै ांन में क्षित्व! ते को छा। इहें (उर्ह) (अई छ, नेमाखानी भक्षात प्रकृत क्षेत्र एक । किलानी छ आधारत-#हेर्डर्ड । मध्य ड २১ होका निशा लगा। নামক এক খানি বোকাই জাহাল আয় করা

নেটে বিভাগের কার্যপদয়ের নিমিত্র গ্রথ विक्रांत अभावतिक्षत्वां मार्फ कृति मक धेकिय क्या कित्य एवन। आध्या वरारक्षव भक्षारण य यात्रीकी क्षेट्रहरू, सामग्री भाग অবাধ ভথায় বাঞা উটিয়া য'ইবে।

भक्त जाके वे वर्गन, अभारत्य (ल व्हेन के अनुन्त অভিনয় প্রভিত হয়। জলন্দরে আহেন। ডোনালড মাকলিরড মফ্রল দর্শন করিতে গমন কবিয়াভিলেন ৷ ভিন আরোগলোভ करान, देश महत्वत्रदे शर्यना ।

वायाहे भाका वालन, छड्डा बाह्य ভতপূর্ণ ডিরেট্রনিগের চরিত্র ও কার্যা প্রধা नीत यत्रकामार्थ निम्नलिथिङ ভদ্রলোকের। কমিগ্ৰস্থ নিযুক্ত হইয়াছেন। বছতে নীয় সিবিলিয়ান জি, কাবেল, এ, গ্রোট, প্রবিন विष्ठातामास्त्र मिविलिश्वान छाज इसक्रास मारहेव । কলিকাডার পে ডিপাট্মেটের শঙ্গুর হারি-मन ७ माञ्चाल वर्गास्क्रव माकहेवत मार्ट्डव। আমরা দেখিতেছি বোধাইয়েব কোন ব্যক্তিকে ক্ষিসনর মধ্যে লওয়া হয় নাই। এটা আক্রে পের বিষয় বটে ; কিন্তু গত অর্থকুছে বোষাই (यद मक्त (य शकात ব্যবহার

भार्यम कार्गाटक कें मानिरशत महस्र कार्याटक अह्न वा कन्ना युक्ति निष्कृ का करे व्हेबाटक ।

लाफ विनान, वांबू बाह्रकानाश विक्र का सन मानम्म भूरचराभाषस्टब्रब् वट्ड ख्यानीभूटत अंकडी वालिकः विशोधन इट्टेंड्डिइ ।

ইউরোপীয় ভ্যাচেটের সংখ্যা ক্রমশই वृक्षि एरेएउएछ । मध्य उ अक स्टब द्व सूर्याएडात ফ্রিকুল ট্রিটের জানা সেবিড বাজেরমন করিয়া কিছু জমা নিবার ভান করে। অধাক্ষ কার সাহেব তথন অনুপাঁকত থাকাতে তাঁহার স্ত্রী অমা লইবাব নিমন্ত যেমন বাক খুলিলেন, অমনি अवाद्वादवाव २ ६ विका शृतं अक्ती श्रीमा सहैया भलाध्रम कृतिल । वि.व कोत छन्दक्रगार भूलिएय সাবাদ দিলেন, কিন্তু ঐ গুৰ্ফ তথন অৰুশ্য क्रकेपाडित ! এই সকল अवस्वतं दहेर्फ विष्कृष्ठ कर् कर्डवा। अहे সমাজকটকলিলের ঘাং। যে কভ क्ष्रीत्वद्य यसा यात्र स्रो।

के छित्राम (इलि.नि.छेम आदेश के वियोद्धन, म প্রভিভাগ্ন নিটনার বিশেষকার্য্যোপলকে क भी रुव प्रभव कतिया (य व्यव) क दिदवन, जाहा পুৰিণ ক্রিবার নিন্মন্ত গ্রণমেট ভাঁহাকে ১০০০ हे:क। ध्रमान कं,ब्र्यन ।

क्षेत्र श्राह्म अनुशब्द इहेश्रास्थ्य, जादकर्पद्र । খনিদ্রল পরীক। করিবার করেন মাক ফেরার भ इहर निज्ञ इहेइ उद्भाग है नि नी ख अहर अर्प আসিবেন, এএকার এক জন কম্মসারীর এতিশয়: श्रीसास्त्र । ए छत्र । अपन्य भ । ४१ के कार्य वन्तः अहं काछ क्रिट्ड व्याप्ता

**डिक्क भद्र वर्शन, वक्रामनीय शव√रमर हेत्र** অঞ্বোরে মুপের ও ময়গন সংহের মিউনি বারিষ্টর ভাল भियाल अञ्चलक कमहोतुलती श्रीलर्यत अवर्गक । कहा इहेट हाइ। कि हु कामता के छ छ छात्र वास পুর্চ কাখিতে বলিডেটি। ক্রমণঃ ।মউনি নিশালি টার উপরে সমুসায় পুলিষের বায়ভার ध्यान कता शवर्रास्टित हेन्छा । किन्न टारा कृतित्व भिक्तिभाग आहेरमत श्रवाम हिटलगर রুথ: হইবে , পুলিখের নিমন্ত এমবে কোন : স্থানেই রাস্তা এভুডিতে বার হইতে পারি CECE ALL

উক্ত পত্ৰ ফারও বলেন, বাঞ্চপুতনায় খাল করিবার ফুল্য গ্রবর্থ জেনর্ল ১৫০০ টাকা ফার্লড আপনার পদত্যাস করিবেন। সরু সাই दिख्य इहें अन भरकाती देशिनियत नियुक्त भन्न किंग्रेसातम् कदियात का का निम्नाहरून। कार्य थान धनत्नत 🛮 🙊 थिक स्ट्रेटन । টাকার জোগাড় করিয়া কর্মিচারী নিযুক্ত করিলে कि छात रहेख गा?

<sup>লেম</sup>লীয় গমন করিলে প্রত্যেক <u>১লেকেটারি ৮</u>লেনাদল ছর্গনধ্যে র হরাছে। আলীপুরস্থিত २६० होका छ श्राष्ट्रांक व्यक्ति छ दिन। व्यामदा श्रन्थाय कतिए हि, आहे होका '' ভারতবর্ষের গ্রুগির জেনরলের নিজের স্থাইটি নিমিত বায় " বলিয়া খাতায় লেখা কর্তব্য।

२१ अ टेइट बुभवाता

मि, १४, ९क, मानीन मामक शक सम हे हैं-রোপীয় অংপনাকে উত্তরপশ্চিমাঞ্চলের জন প্রধান নীলকর বলিয়া পার্চয় প্রদান श्वांक निहीत अरमक भाकरक ठेकाइँग्रा होका কৰ্ষ্ক কৰে। সে এফৰে ক্ৰীজদাবিতে অপিত হই য়াছে। এই সকল লোকের ধৃষ্ঠভায় এডকেশীয় विभिन्नता शवर्गरमर हेत् कन्द्रहाविवा छी । जात्र শকল ইংবাজকেই ধারে দ্রব। নিতে শক্ষিত

যে সকল দৈনিক দলভাগে বা জানা কোন ख्ताख्य (माथ क्षिक्त क्षांक:मिश्राक स्वयंगक বাঞ্জাইতে বাজাইতে শিবির হইতে ধারণ দিয়া বাহির করা হইত। নিলী গ্রেট বলেন, সম্প্রতি এই নিয়ম বৃহত হইয়'ছে। উক্ত পত্ৰ বলেন, ১৮৭৮ অন্দে নিয়ম হইয়াছিল, কোম ইউরোপীয় (म e प्राभी कर्षाहाती अ: शन मण्या छ अण्डरामशीय मिश्रदक विद्धार कहिए**ड भ**िहरूरम भा। अङ्गि वक्षत खार्म जारम कारमक कामतेश बहेशाइ प्रत्यक नाइ: এकर्ण भन्नीया छ । नियम छोता हेसा विवास सामन करियार्डमा এटी व्यवका कर्छतः। विष्टाश्निदक्षन । य कडकक्षनि ज्यमस ; ও নিছুর নিয়ন হয় এল ভাছার অন্ভেম।

বোষাইরের ছোটআলালগুডর এক জন অপ্রিমিক প্রিশ্রমনিবল্পন भीड़िक इंडेग्रा इंश्वर्ष अभन कर्यन। किन সম্প্রতি প্রত্যাগমন করিয়া আবেদন কবিয়া-ছেন, ভিনি সাধাবণকার্য অপরিমিত পরিপ্রান করিয়া পীড়িত ভইয়াছিলেন : অভএব বাঁহাকে विषाय कारलब मण्युर्ग (गडन (पखर्रा উচিত। भवर्गत (कानत्रन এই च्यारवनन ब्राह्म ना कतिहा विल्याद्वन, नांशांक अर्धिक्व अधिक विकास मार्थी ? (मश्रा गाहेर्ड भारत मा। **উ**खम विरुक्ता इह

(वाबाइट्यू समस्य উठिवाट्ड, मन् माइयत किंग्रे পদাস্যাগ , ক্রিলে আনেকে

कामना हः चिक्र स्ट्रेश श्रामा कतिएक हि, ं विचार्य ७० गणिक व्राहेत्त मस्मद्र कषकश्रीम উক্ত পত্র অবৰ করিয়াছেন, গ্রার জেনরল্ বৈদ্যিক ওলাউঠায় প্রাণ্ড্যাগ করিয়াছে। এই কুডন পুস্ত চলংগ্রহ ক্রিয়াং বিবিদ্য

िति भारी महत्त्व व करमक स्थान स्थान स्थान • টাকা ভাতঃ পাই য়াছে। এবার ওলাউঠা, হাম ও বসস্ত গত यरमञ्ज्ञालका काधक क्षेत्राट्य।

श्वासावादन बक्रदमनी व वारक्षत अक्री भाषा স্থাপিত ২ এয়াতে দান্দেশতেরে যাবতীয় টাকা ভ্তিপ্ৰভূতি তথা হইতে বাছির এবং তথায় জ্ঞান হইবে। করাচিতে বোবাই ব্যাক্ষের শাখা ধ্যাক্ষের নিমিন্ত একটা ভুতন বাচী ক্রেম্ব করিবার आका १३ग्राट्य।

कर्शक हात्रवाहे विनाश मखन्नार्क (मण्डेनान्हे ाम. (क. क्रक छिकुवश्मीय्रमिटमत **५ कारमा**शास রাজ্ঞার প্রতিনিধি ভস্কাবধায়ক ছইয়াছেন। ভার ভবর্ষের টেলিগ্রাফসমূহের ডেপুটী ডিব্রেক্টর (अनतन भाषा का भाषा किन भारत विशास महेता

উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের গ্রেণ্**মেন্টের অস্তুরো**ধে ভারতবদীয় গ্রগ্মেন্ট আঞ্নিরের হাই স্কুলের পারণর্জে তথায় একটা কালেল স্থাপিত করি-शाट्य ।

সম্প্রতি আমরা আর এক বিশুধালার বিষয় अवनाड एडेग्राहि । मर्काद्ध (अल मात्रभानन करम নিনিগের ধারা প্রস্তুত দ্রাব্যের উপরে কমিসন भारेश थाटकन । डाहांता खेरताक भारेश काळ वृष्ट्रिक कतिर्वन विविद्या शवर्गस्म के कियन स्वतः পুর্বের বারাসভাও ২৪ পর্গণার জেলের হিসাব পুণক থাকিত। একনে এই ছই ছানের হিসাব একত্র হওরাক্ট্রু অভিনয় পোল্যোগ হইরাছে। চারিণংসরাবীধ বারাসভের দারোগা এক প্রসাক্ষিসৰ পান নাই। জিনি এই নিনিত্র व्यार्थमन क्यार्ड व्याकाञ्चिनिक (क्रमत्रम अर्ज ग्राट्डन, कामनन (२७म्रा इट्याट्ड) पाट्याता लाम माहे वालवा एइम । लिति लाख अहे विषयात নিমেন্ত্র ২৪ পরগণায় কালেটবের নিকটে আবে मन कड़ा र्हेनाएक कि का निम्नथ जाएकत हान्नि भारमञ्ज्ञारभारकाम প্রভুত্তের দিতেছেন না। 鱼类 为亦为 লার নিমিত্ত কোন, যাজি

माल्यां के होर्यम बरलन, २० वनिक मालाकी निभाशेक्षिप्रक इक्षकरङ लहेशा बाहरू अक लक ष्टे का वाच क्षेत्र । अवश्य काम *(मन क्*षेट्र (**१७३) रहेट्य** ? গ্ৰহ্মণ্ট देख्याणिक आह्र ব্যয়ের হিমান প্রকাশ করিবার যে অসীকার कतिश्रोक्टिनन, कांद्रा कि दिन्ध्य क रहेशा हिन ?

আমরা ডেলিনিউস দর্শন করিয়া আজ্লাদিত ्रहरेमाम, अवर्शस्य के अञ्चलानक त्रविकास नारहत

'উট্টের বেডনর্দ্ধি করিয়া/ভ্রন। এ পর্বচন্ত রেব বেহুরবিকানের পরিভাগের উপযুক্ত পুরস্কার ## · ? |

धांक शकाम नाश्य, ''आजि कानि वृष्टेशक्'व व्यक्षिक व्यवका । कात इह अक वर्मत अहे जान থালিলে নক্ষ্ট ইছাৰ চৰ্ম দশা উপস্থিত হইৰে। একশ্রতার মধ্যানে জাটিয়া বাদ্যা যায় है हो । अवस्थ भग (द्वक्यार्थ मा है । अभिग्रंत नियक् obig Graye > a

উজ্ঞাপতা বলেন, ''নবাৰগঞ্চ টেলনের चार्यः भाष्ठी क्षु रात भाष्ट्रा निवामी चार्यम निवन-नारमञ्जू स्त्री অমীরনকে জষ্ট। করিবার অভি প্রান্থে নালীকাণ নিবাসী সেক মালারিপ্রভতি ৩ বংজি গত ১৭ ই মাজ রাজেতে ভাষার ঘরে প্রবেশ করিয়াছিল। ঐ স্ত্রীকে আক্রমণ করিলে সে নিরুপায় হইয়। আক্রমনকারীদিগের উপবে আক্ষারে দারোঘাত করিতে আর্ড করে, ভারু তেই ভাষ্য ভাষ্টেক ছাভিয়া চলিয়া যায়! 🖔 শার 'দ্বদ দেখা গিয়াছে, ম'লারিব বাম বাভতে **ওঁ পুতি ছাই কারি জাখন হট্যাছে। সে**পুলিন কর্ত্তক হস্পি নলৈ প্রেরিড ইইয়াড়ে ; যেমন কল্ম ्राष्ट्रमन कल । "

<sup>रा</sup> भाषता गाउ वादव श्राकान कतिया छ, शत्रान भारमध्येत् (११८७४) चाज्राकः चार्का सम्मातमञ्जू ্ৰিছেবেশপুৰ্ণক শিক্ষক ও ছাত্ৰগণকে প্ৰহায় ও ्रिक्षेत्रासूर्य भीताभाषा कार्यसङ्घ । जाका स्ट्रहाह 🙀 🕶 ক এই। পরের অভিযোগ করিয়াছিলেন। **একটো ভানিয়া চমাকত হইলাম, বিচারপাতি** ক্ষরেশ সাকে। মাজনাটার অবস্থা ভালরতে **ন্দির্গত না হ**ইন 'হ ভেদনিস করিয়াছেন। অস্তত जीकिशासक करानवन्ती **रा**क्षेत्रा डाहाय विहास विकासि का रेडिड हिना य म मारक क्रुंटनत निक्करक भतिया श्रदेश कतिरलंड ,फ़ाइन्त विज्ञात इकेटव मा, हेका फारशका का.व চার আা कि इहै छ পারে? আমরা লায়েল नारस्वरक अञ्चाराध कति, छिनि এই मकप्रमाणित পুনবিচার করুন। "

#### ২৮ চৈর চহস্প ভবার।

🐃 যে জীলো টো স্তাতি ছীপাচলার ছভ **ফইয়া প**ভিত থাকে, এত দিনের পর জ্নক্ষেষ্ট্র ফকের চেষ্টার ভাগার ঠিলানা ত্ইয়াছে ৷ সে धाउएमणीय पृष्टीयान दिक्षिनियम क्लिका काय जानिवाहिल। तम व्यक्ताच क्रमती किना किन्छ .य । शांव थाकिर्रेश खीरिमारकह (में ल्या) ,ইংকার্যন, অপ্যদাও পরকারে মন্ত্রণার এছড়ু 🗀

।রখন পরিতাম করিয়াছেন, পদর্শমেন্ট ভরিমিত কিছু দেই দেশ থাকাতে সে বহিত্ত হয়। অসু ামাণ করা হইয়াছে, ভাহার কোন উপপত্তি ভাছ'কে শকটের মধ্যে বধ করিয়া রাজ্যায় ক্ষেপণ कर्तिशा अभारत।

> · होत्राशकार्यव अक क्रम मृश्वाममां का वर्तम ''(ये ५कोल करलब्स इहेर्ड (य अक्ल वृद्धि व ন্যান্য বভাগে বৎসর বৎসর প্রেরিড হয় সে বৃত্তি ध न ५ देशपुक भारत मा छ इस मा। स्थामतः জ্ঞান ইন স্পেউর মতোদয়গণ প্রায় জ্বীমন্ত ভিপ্ টী বাবুদের হস্তেই উক্ত রুত্তি বন্টমের ভারাপন দরেন। ডিপুটী বাধ্বা তেখন বল বাহাছুর , য। ইচ্ছ ভাই ক্ষেন। হয়ত অনুধোধপত্রের বাগ্য হইয়া অপারের ঐ ঠুন্তি প্রদান করেন : অথবা আপ नांत्र भाष्ठकारिन व्यभीनम् जात्किकिनात्क की जुल्लि দান করেন স্কিংধা স্বাস্থ আগ্রীয় অনুন্যোপায় क ज़िल्हरक थे द्वा ख क्षमान कराइः भाष्ट्रकन कर्न्ट इ পেবণ করেন। এই তিন উপায়েই প্রায় ঐ রু'ত্ত ७ म विज कता हरा। धई मिभिन्न छेलस्क नाक्ति आयों रहेंदल छ कारा कि आधुके इताबाम कहेंदर **৯য়। এটী সামান ছঃখের বিষয় নয়। আভ**এব আমল ইন স্পেইর মধাশয়নগকে ভালু রাধ কহি টাহারা যেন পর্শালা লইয়া উপ্যক্ত ব্যক্তিকে हा हुलाम कर्तम । छाश इंहेल्हे हा ब्रिधमा .सद উल्लেশ। यसल इहेरवा छिपुनी चातुता (च लक्ल क क्लिनिशरक है है अनाम कर्द्रम, छोड़ार्स्ट्र इ. छ अध्ये साम्री वस मा। এমন कि नाम प्राप्त वृश्विभाती रक्छ अधिवार करने के उत्तर হয়। শতএক এমন অপাত্রে বৃতিপ্রদানের ফল কি ? বিশেষতঃ এতস্থারা বিশেষ অনিষ্ঠ সংগ টিও ইয়। উপযুক্ত পারের আশান্তর করা হয় ও উন্নতর পণে কাট। দেওয়া হ্র আংমরা ডিপুটা বাবুদের নিকট প্রার্থনা করে ভাঁছারা যেন নার্প রাজা অবশ্যন করেন। ভ্রিদ্যুতে যেন আর আমরা অপ'রে র ত্রপদান করিতে না দেখি।

রাথকীয় রণভরিদলের কাপ্তেন পাসলিং ক্ষেক্ষানি পত্ৰ টাইন্স জব ই'ভয়াতে প্ৰকা-শিত ধ্**ইয়াছে**। জিনি বলেন, গত বংসৰ ফেব্ৰু য়ারি মাদে ভাক্তর লিবিভটোন টে লিখেন এবং যেওলি পাইবার নিমিভ স্কুচ্চ ব)ক্ত হইয়াছিলেন, ভাছা এত দিনের পর জান क्षित्रदेत . भी कियारक। के समरह उन्हें का व लि । ५ ঙৌন বেখাতে ভিলেন। তিনি বলেন, সিপাঞীক ভাঁহাকে বলপুর্মক প্রভাগিমন করাইবার চেপ্তায় থাকাতে তিনি ভাষাদিগকে ফিরাইয়া দেন। গিপাছীরা আপনাদিগের **উ**प्तमामामानार्थ উष्टेशिक वस कतियाहित। यावकी इंटिंड **ज्या अल्लाहानीप्र राम्याता कांशादक कांगा क**िया

প্ৰায়ন কৰিয়াছল। এই সকল লক্ষ্য দেখিয়া । বেলে হট্ট্টুড়, লিবিঙট্টোন অল্যাপি জীবিত

বোষাই পাডিয়ানৈ এক জান আধুবি নিনিয়া ' रहेट जानगार्डन, मुख्य ड क्ट्राक केन उपलेकी कार्यम मा अल अल्लाहरू अवर अक साम क्रिकी. थानात (कंश भी अक छन मार्ट्फ हेटक छहात করাতে সাম রক বিচ দ:লয ভাঁহাদিগের শারী রেক দণ্ডবিধান করেন। পত্রপ্রেরক এই প্রকার ৰভের প্রাত্তবাদ করেয়া জোবপ্রকাশ করে য়াটেল : লাবভবলীয়গণ । (বইজ্বটেক মৃত্যু অপেকা কঠকৰ জান কৈবেন, তথাপে এখানে শারীরিক দড়েওব নেরম র'ইয়াটে। কিন্তু মাজে টেটগণ ইউরোপায়,৮০ের পুঠ রক্ষা করিয়া म छ (पन व लग्ना अभारत ये । वयरभन्न व ए उक्क वाक, इस ना ।

বাবিষ্টর ইও রাম সাচেত্রের কেরাণী বহুমাধ্ চটোপাধারে স্প্রতি কাহার জে,ও জাতার নামে জালের অপরাদে ফৌজদানতে নালীশ করেন। বিবরণ ক্ষেজ্ঞাসা করাতে অংথী বলিলেন, বাধার জেওে লাভা উকোর নাম করিয়া চিকিৎসালয় **ংইডে উধ্ধ হানিয়াছিলেন** ) ভিনি এক **বা**র ইহার মূল। দিছে চাহেন নাই, পুনরার বিল্ আসাতে তেনি অগত। নালীশ কর্যাছেন। মা.ভাটেট বৰাটন সাহেৰ এই নালীশ অঞাহঃ कि. श (इक्ष ;

-৯ এ ট>ত্র শুক্রবার।

পক্ষোত্র ডাওর দ্বালিদ ও কলিকাভার ডাভর কেবার গোখুরা ও কেউটে সংগ্র বিষ নিবারণনিমিত্ত সংখ্যাত কত্তপতাল পরীক্ষা করি शास्त्रमः । (नक्षः) य भरभात अवन्। महत्र, हेहा च्यासक দিন প্রকাশ হইয়াছে। বেলির চারুরভাপ্রভাবে সপ উহাকে স্পাৰ্শ কণিতে পারে না। কিন্তু দংশন করেলে অবশাই ভিছার সৃত্তু হয়। (mj-দেশ ও দী ভাদ প্রকৃতি বিষ্ট্রীন দেশ গণ ও বিষ-ধর সংক্রিড়ক ৮৩:শভ ইইলে প্রাণ্ডরার করে। क्तिवल विवाह मार्राभः श्वरणादह विदय मात्रा যায় না নগাদংশনের এমন কোন উষণ নাই পত্র। যাথা দেবন করিবামাত্র বিধের প্রভাব ভিরোহিত क्य फाक्कत क्षिण पटलन, महीरतत कुछ नीता গুলি যাহাতে অৰশ ন। হয় এবং বিষাক্ত শো-। বঙ্জ জন্তুকরৰে সঞ্চারিত ছইতে ন। পারে, এই প্রকার চিকিৎসাব,ভীত উহার জন৷ কোন উপা स्ति था याहराजरह ना। आदि अधीका कहा छाठ्छ । अगर्य कारणाई छिया या इत्र इहेर्य ।

**फवलिके, अ. विक्र मार्क्त পावेमात अक कम** উকীল। ইনি সঞ্জতি কংয়কখানি নোট ভেবে রাখিরা নিজিত ছলেন, এমন স্ময়ে বিবে भिष्ठांत्र नष्टे:द्रनाभी अक्ति के लाक के स्मार्ट न

চুর করিয়া ভাধার জামাত। জে, এচ, রিছের . निकटरे कलिका डाञ्च (खदन करत्। এই हुई स्नमहे भ उ क्हेंब्राइ

विविक्तमारङ्क ज्यादिवन'सूनारत भवर्गमण्ड केलिके जिन्न रहें हैं। जानामर जन कार्यर क्षणानीत कर्य কটী পরিভার্ড কারস্লাছেন। খন্ত ও চুক্তি বিষয়ে एकांके क्षानानाउठ २००० केका **পर्यारख**त नाली न इ.लाइव । ६० - छोकात नीरहत मकद्मा হইলে প্রত্যুগ্র কলি কলিকাভার না থাকেন ভাষার বিক্তম এখানে म लीन भारित ना

পুর্বিশার অন্তর্গত হরিহরপুর গ্রামে এক ভারানক ভাকাই ভ হইয়া গিয়াছে। যে বাটীতে ভাকাইভি হর তাহার স্বামী বুলা ভিনি ভাষারা উছেকে খণ্ড খণ্ড করিয়া ফেলিয়াছে। অ.র এক বংক্তির হস্ত ছিল্ল হইয়াছে এবং কয়েক জন গুরুত্র আঘাত প্রাপ্ত হইয়াছেন। এ প্রকার নিঠ রতাদ ধকুত ড'কাইতি একণে প্রায় শুনা যায় না । প্রখের বিষয় এই যে ঐ ছ্রাস্মাদের কায়েক জন ধরা প্রিয়াছে ৷

#### ७ - এ हेह छ न नवाव ।

সম্প্রতি প্রিংকো গল একটা গুক্তব মক দ্দনার নিস্পত্তি করিয়াছেন। বেহাবের অস্তর্গত হংসপ্রেরাজার ভানেক জমীলারি ছিল। ১৭৬৫ অক্ষেয়খন ক্যোম্পানির দেওয়ানী হয়, তথন হাজা উঠোনগোর সভিত যুদ্ধ বর তে কোম্পানি ভাষার আনত লভা ছত্রনানী সিংছকে भक्तित अतिकारी करत्व। अहे दर्श्वत कुला চারাস্থ্যারে ভেগ্ন পূল সম্পাত্র আবকারী इंट्रेंड्रेन १ ज्यात ज्यात नक्टल '' वातुराना है न लग्ना किथिर किथिर (यातकी भाई(छन। ১৮१৮ অব্দে ছত্রবারী হিংহ চারে পৌত্র রখিয়া প্রাণ ভাগে করেন। মৃত্।কালে ভিনি নিদর্শন পত্র कारा है। ११ (बाई श्रेष्ठ) एकाई श्रेष्ठ साम्ब्रह्म প্রভাপ শাহিকে সম্পত্তি দিয়া যান। তৎপরে लाहात अमा अमा ल्यां के वह विश्वा भवनंत्राति नालीन करवन, गथन ज्यापित साख्यवश्नाक अप চ্যত করো হয়, তখন কাঁহাদিগের সহিত (झार्छाधिकात कियारहा অভ্ৰেৰ ছত্ৰৰাৱী मारीत मेल्लिख इलाकार्ण विस्कृत रहेरव । किस क्तिनात अक वरलन, "वर्गरम्ले यथन समीमाति অন্যহল্ডগত করিয়াছিলেন, তখন কুলাচার मष्टे कता हांशिक्तित हिल्ला हिल्ला। এই বলিয়া ভিনি রাজেন্দ্র প্রতাপকে সমুদায় সংগ ভির অধিকারী বলিয়া অন্য অন্যসকলকে

অক্সা দেন। প্রধানভ্র বিচারালর আকীলে 🔫 ইবেন। এই আফা প্রবল রাখেন ই, কিন্তু বার্যনার টাকা কমাইয়া ১০০০ টাকা নির্দ্ধারিত করিয়া एन । **पर्विशन धिविद्यो जिल बालीन क्वार्**ज नाफ हारमनत (कदम এई च्यांका यमवंडी বাখিছাছেন।

চীন হইতে সংবাদ আসিয়াছে, বিদ্রোহীরা হটী যুদ্ধে সম্লাটের বৈনাদিগকে প্রাক্তিভ করিয়াছে। তাহার। টিয়েন খিনের ২৫ ফ্রোমের মধ্যে উপনীত হইয়াছে, ভুপ্লে নামক জাছাজের ১১ জান ফরাদী নাবিক ও এক জান আনফিস্র (জাপানের অভগতি) হিয়াপোনপরে নামি বাতে হত হইয়াছে। ফরাশীগণ ভরিমিত ৪০ জন লোক ও কতকত লিভাহাজ বদীভূত ক্রিয়াছে। মিকাডোর গ্রন্থেট এই সকল লোকের দশু বিধান করিতে সম্বত হুইয়াছেন।

দেও অব ইন্ডিয়া কাশ্মীরের রাজার বিক্তে य पक्रम श्रेष्ठाव मिथिशार्ट्टम, छेक राखा जर्भ য ভাষার প্রধান উদেশ একথা সকলেই শীকার করিয়াচেন। আজিকার ডেল নিউনে এই উপলক্ষে এক উৎকৃষ্ট প্রস্তাব লিখিত হই য়াভে। রাজা রণবীরসিংহের দোষ আছে , বটে কিছু সেপ্ত যে সকল দোষ দেন, তাছ। ন'ই। কান্মীর এখন করিয়া ভথায় বাসস্তান নিন্মান করা खारन के छेटा वाली एवत है कहा। नाम्यीत क**ह**रन खाह সিমলার কুজারটিকাপুর্ব শিখরে ঘাইবার প্রয়ো-श्रम इश्रम।

## नवर्गमणे विख्वानन। वक्रामभीय त्मेश्वराज्ये भवर्गत्त्रत्र **चारमगाञ्च**माती निरशोग।

---- 0 ;----

২০ এ মার্চি। মেদনীপুরের অন্তর্গত পড় বেভায় সম্প্রতি যে দাতব্য চিকিৎসালয় স্থাপিত হইয়াছে, ভাছা চালাইবার নিমিত্ত নিয়লিখিত ভদ্র লোকেয়া সভাপতি ইইবেন।

्यक्रीशरतत निवित्त नार्कन, अङ्द्रकात মুনেফ, ভব্ৰতা বিভাগীয় প্ৰধান কৰ্মচারী বাৰু যদেব রাম চট্টোপাধ্যায় ও বাৰু জ্ঞাল্লাথসিংছ

২৭ এম ট। জীহটের প্রতিনিধি সিবিল ও সেনিয়ন জব্ধ এ, লিবেন সাছেব পড়িভ ভূমির প্রতিদাওয়ার বিবেচনার্থ কমিটির এক জন मानः स्ट्रेटिन।

৩১ এ মার্চ মৌলবী আমীর হোসেন মেননী

বাবুরানার হিসাবে মাসিক ২০০০ টাকা দিবার / পুরের সাধারণ বিদ্যাশিক্ষাসভার এক জন হত্য

**अक, इंग्रिक ताराष्ट्रित के हैं** হেবরেগু এপ্রেল অবধি হাজারিবালৈর চাপ্রেন ছইবেন। के विश्वमाविध (त्रवरतक्ष क्षण, स्थान पर फर्राभ

) मा अर्थम । महकादी मास्त्रिके ७ कारन ক্টর টি, ই. কক্ষতেড সাহের মাগুরা উপবিভা ধের ভার পাইয়া প্রথম প্রেণির অধীন মাজি টেট ও ভেপটা কালেইরের ক্ষমতা পাইবেন। ভিনি আরও গেদিয়নে ও প্রধানভম চিবারা -नाय ममर्थन कदिवाद मकलमात श्रथम विशेष ক্রিডে পরিবেন।

ডেপুটি মাজিকে, ও ডেপুটি কালেইর ভে, এ, ক্রেবণ সাংহ্ব মেহেরপুর উপবিভাগের ভার পাইয়া প্রথম ক্রেণির অধীন মাজিক্টেটের ক্ষড। পাইবেন : ডিনি আরও দেসিয়নে অর্পন করি বার মকলমার প্রথম বিচার করিতে পারিবেন।

যভ দিন সি. এদ, বেলাই দাছেব বিদায় লইয়া অনুসন্থিত থাকিবেন, তত দিন ই, গে সা**ংহ বাজ**সাহীৰ প্ৰতিনিধি সিবিল ও সেসি युन खड़ इहेर्वन।

সি, সি, কুইন সাহেব জীবামপুর ও উত্তর পাড়ার মিউনিদিপাল কমিসনর ও ভুজাতা মিউ নিসিণালিটির সহকারী সভাপতি হটবেন।

যত দিন কাপ্তেন জি. সি. সি. ডাই. বি.সি. বিদায় লইয়া অমুপস্থিত থাকিষেন ভতীদিন এচ মনরো সাহেব শাহাবাদে প্রভিনিধি পুলিষ क्षपतिराष्ट्रित इंटरमः

সি. ক্রান্টেড উচ সা**হেব পাটনা ও আ**রাতে দলীলের বিদেষ সব রে**জিন্তার হইবেন**।

তেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি কালেইর বারু গ্রহনাথ বস্তু বি, এ, রাণাঘা ক্রিপ্রবিভাগের ভার भारेषा माजिएके हिन कम**का के अ**तिरवन ।

महकाती बा*जिएके ने के स्वाचित्र (क, हे* ब्राहि বেভিয়া উপবিভাগের ভার পাইয়া চম্পার ণের মাজিটেট ও ছেপুটি কালেইরের ক্ষম্ভ। भाडेट्य ।

১৭ মার্চের গোড়েটের আফা পরিবর্ত করিছা বিজ্ঞাপন দেওঁয়া ঘাইতেছে, বাবু র্মেশ্চক্র বন্দ্যোপাধ্যায় জীরামপুরের দেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি কালেই। হইয়া বিভীয় প্রেণীর অধীন মাজি টেটের ক্ষমতা পাইবেম।

জীরামপুরের ভেপুটি মাজিটেটও দেপুটি कारलक्षेत्र वांचु हट्यानाताश्चन भिश्व अम, अ. महम-निनिद्द राजी रहेशा माखिएकेटहेर क्रम বেন

বাৰু কালীপ্ৰসন্ন সরকার পুলিয়া ও কুইচগঞ

वाव महत्रकार कर विश्वाभालीत प्रतीरलत विदुस्त (त क है। व हहे (वस)

৬ই এপেশ। ডাক্সব এচ. সি. 💏 🕮 বঙ্গুরে সংগ্রেণ্বিন্যাশিকাসভার সেক্টোর कड़ें। युग् i

माउ मिस नि. वि. शांदरके मादहव मार्यायन কাৰে বিলকে স্থানান্তরে থাকিবেন, ছত দিন মি. ति, क्षेप्रका मार्क्व बाक्वारातत शक्तिनि अहिन्हे माक्रिकेटे ७ एउनुहिं कारमहेत् था करवन ।

भक्ताती शांखिएकेटे उकारनकेत्रांप, हिन आहर किहित्व सन्ति श्रेश श्रुवना स्थाविश श्यम (अभीत अतीन माखिएके) छ (प्रशापे कारम छेट्रत क्रमण পाईद्रम।

ভবলিট এম, নিম্ব সাহেব ভুমকার সহকারী क्रियम्बत् इहेरनम्।

আয়ে, পি. আংক্ষিকা সাংহ্ৰ ৰাখনগভোৱ সিবিল ও দেলিয়ন জল হটবেন : কিন্তু আপা-ভতঃ পাটনার প্রতিনিধি ক্মিসনর থাকিবেন।

আরু জে, বিচাড্সন সাহেব শাহারাদের সিবিল ও সেসিয়ন জজ ইইবেন।

ই, সি, জুড়ার সাহেব গ্যায় সিবিল ও লেসি श्रम खाल हरे (नम्)

यक िन अम. हेकाव जाइमा विमाध महेश अधुन कुड থাকিবেন, তত দিন এ, জে, এ লয়ট গাছেব দিনাজ পুরের প্রতিনিধি ! সিহিল ও সেপিয়ন জ্বল্প থাকিবেন।

আমাদিগের শান্তিপুরস্থ সংবাদ **ছাতা** লিখিয়াছেন।

, এখানে আজি কালি ওলাউঠা রোগের প্রায়র্ভার দেখা ঘাইতেছে গ্রোম্র অভিশয় প্রথর इ ७ धार्ड लाइकर वेष्ठ क्षेट्र इहेर छ इ । कि इ সুদের বিষয় এই অনেকে রোগের হত্তে পরিত্রাণ भारित उट्टम ।

.২। এখানে মদের দোকান কনেক ই.জি হইয়াছে। ইহাতে বোধ হয়, মাতালের সংখ্যা क्रांट्रम क्रांट्रम इक्षि इडेट्डरड़। प्यानक द्वांडियिहा যুৰক স্থাপানে মাপনাদের প্রমায় ক্ষয় করি (७८६न । এখানে छ नद्यादित्त मर्गा । अस मरह। कारनक उस ग्रांनरक व्हें नश्च आड़ जाइ (मधा याधा : व्यनिक इत्राध्य विषय এই (य, विमरा सामुक हुई अक स्थम भिष्यकरक । बाह्य छोड़ দেখা গিয়া খাকে। যে শিক্ষণের উপখেলে वानक्ष्मन माध्य मकतिज्ञ स्ट्रित, हास्ति अहे

-38-रें अविचारतात मुलीरतात विरूप्त नव (विक्रिक्टोत 🖁 देशदेश दे! धर्मा व्यागिरिकी न की वन कि खन्न मके! ৩। আমরা শুনিয়া নিকাত ছঃখিত হট । দাতা লিখিয়াছেনঃ---শংন নদীয়ার ক্রিদ্নর (हभ्यान मारहर ফ.হানয় শান্তিপুরের ছোট আলাল্ড ও মুন- | ছুরুবস্থা দশন করিবা আমাদিলের স্কান্যু লোচ ্ফ রাণাঘাটে স্থানাজ্ঞত্তিত করিবার মান্সে कर्नरमर्ले तिरुपाँछै कतिहार्ष्टम । यनि अकथा ণত্য হয়, ভবে এ কাজাট ন্যায়সঙ্গত হয় নাই। ना उर्देश शास १०। ৮० हास्राव कारकव বস্তিঃ শান্তিপুরের লোকরই জ্ঞাকিংশ ্মাক্সমা হইয়া থাকে। কেবল রেলওয়ের স্টে নের নিকট বলিয়া রাণাঘটে কাডারি ইইডে भारत ना । नारहवर्तत भागनाभगमत क्वितिभाव জন্য বিচারালয় স্থাপিত হয় নাই : প্রজার স্থাবি-भाव क्रमाई जातालाउत ग्रेड क्रेस्ट्र

> ৪। অএড; ভোট আনালভের জল মহোদয় সোমপ্রকাশে ছোট আদালতের ও মুনস্ফি আদালতের কোন কোন আমলার উৎকোচ ত্রচণ অপবাদ পাঠ ক্ষিয়া আপন আদালতের आंबलोमिकरक मावयान कित्या नियार्टन ।

আমাদিগের কাশীয় সংবাদদাতা लिथिशाट्य ।

এখানকার পোষ্ঠ আ দিনেগ্রান কোনগোল্যাল स्ता गाइंड मा, किल आह कालि विलक्ष বিশুঝলা অ'বৃত্ত হটয়াছে। সম্প্রতি একটা বৃদ্ধা ন্ত্ৰী একটা কুয়াতে জল ভুলিভেছিল, ভাষাৰ ভোলের সাইত হঠাব এক ভাড়ে ( প্রায় ১২০ খান:) চিঠি উঠিয়া আইংস পরে অনুসক্ষান দ্বারা বোধ ১ইল.ম. পোষ্ট আফিমের কোন কোন মহাত্মা ঐ 66 ঠি ওলির টিকিট তুলিয়া লইয়া চিঠির ভাড়াটী ঐ কুপে নিক্ষেপ করিয়া-किटलमा किन्त काशत घारा এই হুইয়াছিল, ভাছার বিশেষ অনুসন্ধান না পাও-য়াতে পোষ্ট আফিসের এক জন বাবুকে নদেক করিয়া ভাঁহাকে পদস্যত করা হইয়াছে।

প্রতিবংগর দোলগাতার পর মঞ্লবার व्यविधि 📆 क्वर'त भरी, ख এখানে नुष्टा मक्रम नाम अक्षा वृक्ष (भला इहेशा थारक। इहाएड একানের রাজপুত্র মহারাজ ও অন্নান্ন ধনী ব্যক্তিরা বড় বড় পান্সিও নেকাদি উভয় রূপে স্ক্রিড করিয়া গঙ্গার উপরে তিন চারি | वारमान প্রয়োদ भशंतभाटनाटक করিয়া থাকেন। অন্যান্য বংসর অপেকা এ বার মেলার বিলেধ আছেবর হইয়াছিল

আমাদিগের কোরহাটিছ সংবাদ-

👉 অজি কালে বিক্রমপুরে। ওল্ইট' ্রনিজ मक ও श्रकान्त्रित रहेए छ। अग्रे काल नाइ (यर्थ'रन छला डेर्रा १८वन मा कहिएएड । उछ য়ার উয়ারি গোলঘর চড়াইন সামিহাটী, ভ্রাক্রণ গাঁ প্রভৃতি স্থাননিচয়ে ইছার প্রবল্ভর পরাক্ষ লক্ষিত হইভেছে। ওলাউঠার কি চমংকা-রিণী শক্তি! উহা যে গ্রেছ একবার প্রবেশ লাভ করে তথা হইতে অন্তান ৪৫ জনকে নালইয়া প্রতিনির্ভ হয় না। এই ওলাট্র निवक्षम विक्रमश्रेव এकर्ष (क्वल (दोन्रान जालश इट्डा ऐडिशाइ। नगत् পলীসমূহে এবার এই রোগের जाव वर्णन कविश्वा आक्रि कालि आमारकहे की दश **শয়ে জলাঞ্চলি প্রদান** করিতেছে। আম**া** ানতান্ত কাডরচিন্তে প্রাথনা করিতেটি প্রজাব : मल गवन (म.हे अहे प्रवृक्ष खला छेत्रे व प्रमानिव १४ মনে:যোগ কুকুন। নগরের নায় পলীবয়তে চিকিংসাবিষ্যের গ্রেগ **डिड .शेक्यी प्रत्यापन क्विया मिलेन।** 

२। अर्गक मिन्न अविधि विक्रमश्रुत (को ।-कति अ भाइनिकिएभत मान लईश (विवान ह ल-एटर । এত काम (कोतकात्रभव भावें में फिशरक .ক্ষারী করিয়া এবং শোধোক্টেরাও নিযুক্ত ক্ষৌরকার রুক্তের কার্য্য ( হাছাদিলোর পার্ক্রিয়া) করিয়া আসিতেছিল। ইহাতে ভাষাদেনের মা নের অনুচিত ক্তিবোর জিলানা। কিন্তু কালের কি বিচিত্রগতি ! এখন পাটুনীগা চঠাং আপ-নাদিগকে অপমানিত মনে করিয়া বলিয়া উঠি য়াছে যে, ভাছারা আব কোরকারদিগের কাজ করিবে না মহাশয় ! ইহারা কেবল মুখে বলিয়া निद्रेष्ठ व्या नाहै। व्यानक कृति हेश्ता नद्रश्च-मनत्रित्व भातकार्यः वक्ष कतियादः। এই उना ম্বানে স্থানে অধীলাবপ্রভাতির নিকট ক্ষোরকার্যন গের পক্ষ হইতে অভিযোগ উপস্থিত হইতেছে। নাপিতগণ বলে যে, ধনি ভাঁছালা ( ভানীকার গণ) ইহার সন্মিচার না করেন ভবে ভাহারা তাঁহাদিগের ও কাজ कदिएव ना। अभीमाव স্ক:নী য় অপরাপর প্রণান ব্রিক্রের মত যেরপেই কেন ইউক না , ভাছারা ব্রপ্ত क्ति विहास करून ना, प्यामाहिर्मस शरू शाहिनी দিগকৈ তপেকাকৃত দোষী বলিয়া অনুমিত रहेट उद्धा वहकामाविध हेराता (य काळ कार्त्र क অপমান বোধ করে নাই, আজি কোন যজ্জি ভমুদারে ভাহারা এরণ বাড়াবাড়ি করিয়া উঠিল বুঝিতে পারিতেছি না। যাহা হউক ইছার

চুড়াত্ত নিশাহ করা সাধারণের একান্ত 'कर्छवा

৩। বিক্রমপুর যারুশ জায়ত ভাষতে ভাষার শাত্তিস্থাপনের উপায়বাছল मण्यानन এकान्छ आर्थनीय ७ कर्डवर माम्बर নাই কিছ উক্ত অভিপ্ৰেড সম্পাদনাৰ্থ যে কয়টা পুলিশ উেশন সংস্থাণিত আছে, তদ্বারা দেখের श्रकृष्टिक्री महिच्चक्या इंडेटफ्ट्इ मा । कामता शर्व মেণ্টের নিকট নির্মন্তাতিশয়সহকারে প্রার্থনা করিতেছি, তাঁহারা স্থানীয় কর্ত্তপক্ষের বিপোট बार्गश्रांक विज्ञामशुरुवद्ग विरम्य कारन আউটপেষ্টে (পুলিশ্রের ফাড়ি) সংস্থাপিড कतिया हिन। अज्ञाभ इष्ट्रेटन माख्यित्रकात महान् সৌকর্য্য লক্ষিত হইবে সংশয় নাই।

৪ : বিগত ২২ চৈত্র শুক্রবার ঢাকা মডেল ক্ষুলের বিজ্ঞানসঞ্চারিণী সভার অউম বার্ণিক অনিবেশন হইয়া গিয়াছে। সভাব মুন্দর্ক্রাণ নিমাটিত হইয়া গিয়াছে।

# প্রেরিত।

মান্যবর শ্রীযুক্ত দোমপ্রকাশগভাদক महागत्र मभीटभव ।

স্বিন্যুং নিৰেদ্ন্মিদং—

যে জাবধি ইংরাজ মহাত্মারা এই বলদেশে ্সেই অব্ধি বিদ্যালয়, भनाभन करियाद्वा, ভূরি ভূরি চিকিৎসালয়প্রভূতি गुक्र शक्र বস্তব কৃষ্টি ২ওয়াতে প্রজাপুঞ্জর যাপুশ সুখ সমূদ্ধি বু.ছা ইইয়াছে, ভাষা বর্ণন কার্য়। শেষ কর মাদূৰ লোকের দাধ্যাতীত।

भूमनगान मञ्जाकेतिरभातः दास्याकारमः विन्तात বিশেষ উন্নতি না থাগাতে তদানীন্তন লোকের। অধিকাংশই অম্ভানাক ছিল। কিন্তু বিটিশ মহান্ত্রদিগের শুভোগমন অব্ধি বেদ্যাগে রব অনভা জাতিদিগের মধ্যেও আদৃত इहेरल्डा हेहाँद्वा नानावित छ्णाय छुँछावन পুলাক দিন দিন বিদ্যার কতই উন্তিসাধন করিভেছেন। পূর্বেষে দেশ অজ্ঞানতিমিরে जाकृत कित, अकरन छाश्हे कावात विना-लाएक (प्रभीभागाम इंहरजरह।

ভাগলপুর জেলায় রাজমহলনামে একসী সুপ্রসিদ্ধ নগর আছে। ইংভে অনেকভয় ও হীন জাতি বাস করে। উহার অন্তঃপাতী বিদ্যাচলসন্মিহিত পলীসকলে সাঁওভাল প্রস্তৃতি বিদ্যাবিমূত জ্বান্তির বাস। উহাদিগের সভ্যতা সাধনে অনেকেই ফুডসংকল হইরাছিলেন ট

্ৰামপ্ৰকাশ

किन्न क्रिके क्रुक्कार्यर हरेएक भारतम मारे। ब्राह्ममध्या वाध्यमकटल या फाकारेकि हरेग्र অধুনা বিবিধগুণসম্পন্ন বাবু মহানদাসিংছ যৎপরোমাজিত गहकारत ब्राज्यभ्रहाल **अक्की देशाओं वाल**ला · अ ध्यनामा शारन कडकथनि हिनिश स्मा - नर्नभि पूरत স্থাপিত করিয়া **এड्स्थ्रांक्ष्मी** प्र (मार्के व সভ্যভাগাধনের সোপান করিয়াছেন, জগদী-चत हेर् । एक मीर्च जीवी करून।

वर्षात्र । রাজমহল ঞীরাম্যাদ্র সিংহ ३२१८।२५ देख्या

काहानावाम छेपिकांश विश्वां खश्कत श्राम । ইहारक प्रश्ला फ़ाकाइँड (लर्फेल ७ जान-কারীর আবর বলিলেও অতু।জি হয় না।

श्टर्स अथारन वांत्र किरमांत्रीकान मिज. वांत्र ঈশুরচন্দ্র ষোধাল, আবছল লভিদ খা বাহাছর প্রভৃতি কতিপয় সর্দাপ্রধান শান্তিরকাবের শাসনে তুর্ক্তি দল শাসিত হুইয়াছিল। একণে উছারা নিজমূর্ত্তি পারণ করিয়া লোকের সর্বাসাং পহরণ করিতেছে। ভুন্যাধিক ছই মাদ কাল মণ্যে চুরির ত কথাই নাই নিমুলিখিত ছয় স্থানে ভাকাইতি হইয়া গিয়াছে 🗥 আশ্চরের বিষয় এই যে, কোন স্থানের ডাকাইতদল পুত হয় गाई।

সম্পাদক মহাশ্য়। এই ছংগের উপর একটা त्रह्म। खनक कथा स्थान इहेला कोन गृह्द छत् বাটীতে ডাকাইভি হইয়া গেলে গৃহসামিনী রোদন করিতে করিতে ছার্রক্ষক হিচ্ছস্তানীকে কছিলেন 'বাছা তুমি থাকিতে আমাৰ সৰ্ক भाग इ**हेल** १० बातवान खेखत कतिल १ माधि ! हाम करी करत, अक हा उरम हा आ. अक हा उरम তলবার, দোনো ছাত বন্দ্, কিস্তারেসে ভাকা ইত পাক্ ছে "।

আমাদিপের '' যুদ্ধবিশারদ " কন্টাযুল্বি পুলিষ কার্য্যন্তঃ ঠিক এইপ্রকার রীতিই প্রকাশ করিতেত্রে। ছষ্টদিনের দমন না হওরাতে তাহা দের সাহস বুদ্ধি হইতেছে। অক্তেড ধনচিংগণ ধন প্রাণ বিনাশশক্ষায় শক্ষিতচিত্তে কালচ্রণ कतिएउएक अवर मकरलहे औगुक केवेत्रहळ ঘোষাল মহাশায়ের স্থাশাসন করবণ করিয়া उँ। हात व्यानिमान वाञ्चा कतिएउ एकन । अकरन দ্যাবান গ্ৰণ্মেটের নিকট আর্থনা এট যে, লীন্ত ঈশ্বর বাবু কিয়া ভায়**ল জনেক উপযুক্ত** णागामिगरक निदायन करत्रन।

গত মাঘ মাসের শেষ হইতে ৪।৫ কোশ

(महिटेटवी औरक शिवादह, ভाइत ভानिया। সাত তেতুলে এ'মে 🕽 খাশবাড়ে কোরাধে थ ज़ारत শন্ধিত প্রজাগণ

--;0;--

সম্পাদক মহাশয় ৷ আপনি শুনিয়া অবশ্যই मछाख बाह्मानिष्ठ इंशेरवस (य. गंड वरमद्वः) नाम अवस्मात्व विकास जीमुळ अहेर छेटहा मट्राप्टब्रुत क्यन्ट्रहोट्य माधात्रविमानिकात **ভিরেষ্টর মহোদয়** ১২৬৮ টাকা কলিকা**ভা,**গবর্ণ মেট পাঠশালার পুণ্ডিতবর্গকে পারিভোষিক প্রদান কবিয়াভেন। তাহার। সকলে জ্ঞাপন আপন বেডনের চারিগুণ টাকা পাইয়াছেন। अन्छ **इहेशार**ङ : यांहा इंडेक, यथन **अक्ष्यत लिक** কলিলের আেণ্ডবিভাগ শীল্ল হইডেছে না, তথন এই রূপে উভ্ত টাকা ধ্ইতে পারিভোষিক দান করিয়া শিককদিগের উৎসা**ছ বর্জন করা** কর্ত্রপক্ষের পঞ্চে উচিত কর্মাই হইয়াছে বলিজে ११एव ।

বাপনার অনুগত . १ शांक रेप एक । শ্রীহ

এক্তা আমাদিগের দেশে এত অধিক লোক ইংরাজিঞ্জুতি বছবিধ বিদ্যায় পারদশী হট্ ভেছেন যে, ভাহাদিগের **জন্য সূতনবিধ ক**ন্ম প্রকাশ করা আবশ্যক হইয়াছে। আমাদিগের দেশীয় ব্যক্তিগণনানাপ্রকার **কার্য্য নিযুক্ত ছই**য়া আপন আপন কর্ত্তব্য কর্মসমুদায় সূচাকরপে সম্পাদন করিভেছেন: কিন্তু অভ্যন্ত জাশ্চর্বের বিষয় এই যে. ভাঁহারা অবিপোভবাহককসর্যো मनरगांश करतन मा । खातव, भातन। श्राप्त छि দেশস্থ লোকসকল ভারত সমুদ্রের নান। অংশে অৰ্ণবিষাম চালনা করিয়া অপ্যাপ্ত অৰ্থ উপা-র্জ্ঞন করিতেছেন; আমাদিগের দেশীয় ব্যক্তি গণ কেন সেইরূপ করিয়া অর্থে পার্ক্ষন করি-বার চেষ্টা মা করেন ৷ এই উপান্ধারা আমা-দিমের দেশের বাণিজ্যকর্ম বিজ্ত ক্র্য়া (उनुधि शक्तिकेटिक काश्रमचाटल (श्रद्धन कित्रा) जनायात्म व्यथिक भित्रमात्न व्यथिन व् পারে। আমাদিগের অজাতীয়ের মধ্যে অনেকে विनम्ना बारकन, या जिल्ला का जिल्लान के हैं। एज

ण मांगमन केतिरम आमा नगस्क छ। उत्छत किरत थे. त मा कामणीटक चारक छ। उ অনায়াদে নিবারিত হটতে পারে বিক্ जिट्छात चरमणीटराता शृथिवीत जाना चर्टा शृक्षेत्र शदश शमनाशमन । अ अधिकश्वतिमृत धरनाशा केन कतिएक नक्षमञ्जाः अकत् । एन्हिरेखेरी महा मग्र शर्वत निक्षे जामामिर्गत करे क्षार्यनां क्या, उँशिता आगामिरगत स्ट्रान व्यर्ग्याङ्कविष्रा প্রচার করিতে বিশেষ মনবোলী ইইয়া স্বদেন **भ्यत्र जिह**िष्ठमायदन् यस्त्राम इस ।

14 2298 জীরামগোপাল গরিখ ২১ এ চৈত্র ট वटमग्राभाषाग्रा

**এकामनी**।

विधवां भरत अरक अकामभी य किन्ने भे कहे দায়ক, ভাষা পাঠকমাত্রেই অবগত কাছেন: विधवामादबर् अकामभी कतिएउ किङ्गाज जांड লাঘী নহেন ; কেবল দেশাচারভাগ্নে ভাগভা ভংপালনে সমত হন। আমি অদ স্থানাথ পদাতীরে ঘাইয়া দেখিলাম. এতরগরীর কতি 🦥 পুরু বিধ্বা আন ক্রিয়া সম্ধানপুর্বক নিজ নিজ ইষ্ট দেবভার পূজা করিতে করিতে নান। প্রকার क्राचा भक्षेत्र क द्वार ७ हिन । किष्टुक्र न भर त्र अख ্দিবদের ক্লেশের কথা উপা পত ইইল। এক জন 🌉 বিধবা কহিলেন, 😘 পোড়া একাদশীতে রাড় ্রের হাড় কালী করে। শীত কালটা**ত** মানে आदि (कटि (भल, अधन कि कदत य अहे बीच कालहा कहित्व किछुड़े बुलिएड. शाहि ना। केट इ वा इटम्ब कि कष्टे ! आमता बुट्या मानी যুগন আমাদেরই তৃঞ্চায় ছাতি ফেটে যায় তখন ভাদের ড কথাই নাই "। आंत्र अक खन कहि (लन, अधारन (यमन नियम, अमन नियम चात काथा असि कार्या मार्था कार्या कर्मा कर्मा असाम জীক্ষেত্র ও আর আর জারগা **যুরে এলেম**া কিন্তু ক্রমন্টা জার কোথাও নাই। কোথাও একাদশীতে ক্ষল, চিনির পানা, আক খাচ্চে; কোথাও কল ফুলুরি খাচে ; কোথাও কলারও কোচে। अध्या कहित्सन '' (यथानकात (य योता। व्यक्षितित अधारम करे तक्ष्म थात्रा, अधारम यहि আৰি ওরকম কিছু করি তা হলে অসমি বলিৰে 🗀 🔉 · के (त अपूक कहे (कारतरह " आमारतस (मरसूत्र भून, लिन् अन्य किङ्क कर्तिर्छल शाहिना, आहा यनि भारतस्य छक्त कर्न शहे। स्ट्र

हरेक रहा। जिल्ल सनि एवामा भिटतीत रमण्यत पन किन्द्रीक। जिल्लामा क्रिक आहे पात रम बाला भारत, जिल्लामा क्रिक आहे । जिल्लामा क्रिक क्रि विश्व कविश्व किनीक वानकिनारक आके ने बहुत किन किरमने, ने बहुत रक्षे ना बनिरमंड कृषि। यक्त निकाराम, जाका करे एक कि मानिकात रहत ना । विकासिक मानिक विकास "েচেন ঃ কিন্ত এ কালটা আরু त्। यनि अठी करत्न छ। रामि कामत्रा छात्र .পিরের চল্লামেক্তো,খাই।

> মংশির ! ইহা আংনিছা কোন ব্যক্তির মনে कतन्तरमेत मक्षात मा इम्रा এই कूछथा थाकाएड যে অবল্যেশের কভ কেল হইভৈছে ভাছা ওাঁহা-রাই আনেন। একণে আধুনিক সুসভ্য কৃতবি-मागर्गत्व निकटि जामात कत्रपूरि खार्थना এই य উাছারা যেমন অংশেষ বিষয়ে দেশের উর্ল্ড সাধন করিভেছেন তজপ এ বিগয়ে একটু মনোযোগী ২ইয়া অবলাকুলের হিতসাধন कंग्रन ।

#### মূল্য প্রাপ্তি।

ঞ্জিয়ক্ত ব'বু কালীদাস ঘোষ কানপুর ३७ ५৮ এएशन इहेएड ७৯ मार्क 1010 " प्रवादमारम रञ्ज সীভাপুর ১০ १६ देवनाच बहुट्ड कावाड़ હેષ **राष्ट्रभाग**ा » ভূবনচ**ন্দ্ৰ** কুণ্ড ১২৭৪ টেচত্ৰ হইতে ৭৫ কাল্ গুন " हज्जनाथ (होधू हो অাসাম ১२१६ देव**ाच इहेट**क देवज 33 " बिव**ठका** (मव কোলগর ১২৭৫ বৈশাখ হইতে চৈত্ৰ 20 জলপাই ও ড়ি » চন্দ্ৰকাস্ত দেন ১২৭৪ চৈত্ৰ ছইতে ৭৫ ফাল গুন **डामा**डा " मथुरब्रम्ह<del>ञ्च</del> (पर तात्र ১२१६ रेवमा**थ स्ट्रे**ए रेह ज ৯ রমুরাম হাজরা পাত্রগার **५२१६ देवभाष प्**रेट हे ज 10 » 🗃 নাথ চক্রবতী ময়নাও 🗇 শ কুঞ্মাখ লাল চৌধুরী বহরদপুর ১৩ » চক্রমামর বোষ ভবামীপুর শ খেংরিটোলা A LEWIN WE WAS ALL ついのと、温度・温度は 出しむら 2110 (में। लंड श · Buthania alatia ५२१६ देवणा अवस्थित व्यापान " मदश्यानातीम् महिक देवराश्वतः

#### সোমপ্রকাশসংয

#### विदर्भव नियम।

**जिति भूता ७ जित्राञ्चल का शहरत मन-**খলে যোমপ্রকাশ থেরণ করা বার নী।

हेरात अधिम मूना वार्षिक 3. होका अवर वांगातिक हा। होका व वस्त्रदल जाकबाद्धत সমেত বাৰ্ষিক ১৩, বাণ্যাসিক প্ৰান্ধ প্ৰৈমা-तिक ७५ । जिन मारमञ्जूष्टि के विकास এহণ করা যায় না। ছত্তি, বরাজি वह न, (नांवे व हान्य क्रिके, क्षेत्र याकारण बंग्हात स्वतिथा स्त्रतः विकि स्वयं विभाग ধারা মূল্য প্রেরণুঁ করিবেন।

बाँहाता श्रीम्लाप्रिकिट शाठी देखन, छाहाता বেন এক অথবা আদ আনার অধিক মুল্যের ও त्रत्री एनत्र छिकिछ श्रित्रण मा करत्न।

ৰখন বিনি মফলল হইতে লোমপ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, তাহা যেন রেজিপ্টরি করিয়া ঞীযুক্ত দারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠু रेवा (पन।

य शिक्तितात भूना कियात नमन् अधिक रहे न व्यानित्व, এक मानशूटर्क छाहाप्रिनटक विदे निचित्रा जानान राहेरव, कान् वाडी है है है। গেলেও এক বার চিটি লেখা ক্ইবে, জাতার পর একমাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ 👉 বাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং পাঠান ब्हेरव ।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ডাক ষরে চিঠি আইলে আমরা শীল্ল পাইব।

ৰাহারা মাজ্ঞানা দিয়া পত্রাদি প্রেরণ করি वन, डांशमित्रात्र मिड्रे भुजामि अहम कहा वाहेटव मा । 🕠 🥫 🚉

कर लामधाकार्क विकाशन मिट्ड हेन्छ। করিলে জাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংক্তি ১০ काना कोशंत भद्र 🗸 ४ व्याना सिट्ड इहेटव । विनि क्रिकि काम विकाशन मिवान हेका कति-বেন, ভাঁহার সভিজ অভস্ত বন্দোবস্ত হইবে ।

🗱 🕸 পত্র কলিকাভার দক্ষিণ পূর্ব্য শান্তলা রেলঔরের সোণাপুর স্টেসনের দক্ষিণ শীচাক্ষড়িপোড়ার, এীযুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যা-শ ব্রকুমার সমন্ত্রি ব্রার্শির বোয়ালির। ১৩ ছুবনের বার্মিত প্রতি সোমবার প্রাতংকারে धकानिक रहा।

# সেমপ্রক

১০ ম ভাগ।

२७ मध्यता

## " प्रवस्तां प्रकृतिहिताय पार्थियः सरस्ति अतिमहती न हीयतां।"

29-

मानिक मृतः > होका, चित्रम वर्षिक > ) টাকা আত্রম বাণ্যালিক আ টাকা।

मंन ১२१६। अहे दिनांच । ১৮७৮। २० व व्हाधन

# বিজ্ঞাপনা নানবজন্যতত্ত্ব ও ধাত্ৰীবিদ্যা ১ म थ्य भूगा २ इहे छोका।

धरे शुक्रकथानि वह यह अशिकास सगग्रन কব গিয়াছে। আধুনিক বছ্দশী ও সুবিজ্ঞ প্রসোতাদের নবাবিজ্ ত মত ও চিকিৎসা প্রণা-লীও ইহাতে বর্ণিড আছে। এই খণ্ডে নীচের ব য়েক বিষয় লিখিত হইয়াকে যথা।

১। বস্তিকোইরীয় অস্থি ও সন্ধির বিবরণ। २। विक्रुक विख्रिकाणेद्वत विवत्न । ७। बाह्य छ আভান্তরিক জননেন্দ্রিরের বিবরণ। ৪। ঋছু। ে। ঋতুসম্বন্ধীয় পীড়া ও ভান্তর চিকিৎসা। ७। ডिब्रस्टिकः। १। अताशुरु गर्छधाद्रग्रे छ। গর্জের লক্ষণ ও স্থায়িত্ব। ১। বন্ধবাত্ব ও ভাহার **हिकि** ९ मा १ ८ । कृत्विम गर्छ । ১১ । गर्छ मृत्य গর্ভ ৷ ১২। আস্থানিক গর্ভ ৷ ১৩। জঠরাবস্থ হ্রাপের বিবরণ ও মৃত্যুলক্ষণ। ১৪। গর্ভপাত ও অকা লপ্ৰসৰ, এবং তৎসৰ্মীয় চিকিৎসা।

পুস্তকের আরছে বিরুত সূচীপত্র ও অক্তে প্রয়োজনীয় ইংরাজী ও কুটার্থ বা অচলিত শব্দ কোষ, এবং স্থানে স্থানে খোদিত আকৃতি দেওরা গিয়াছে। এই পুস্তক, কলিকাতা शिविनविम्याविष यात. वा कारनस्यि होत ४ 8 नर एवरन खीयुष्क बावू श्वक्रहत्व मह्लानविरमत নিকট, অথবা মালদহে আমার নিকট পাওয়া ষাইবে। বহি ডাকে পাঠাইতে হুইলে ক্রেভাকে चितिक माञ्चा । चाना निष्क इरेरवक्। ১৫ চৈত্র ) জ্ঞিলন্দাচরণ কান্তরির मानम्ह 🔰 निवित्त (मिडिएकन प्याकिनाव

. रेक्टेिशान दान अदा ंत्रर्तनांषांत्रवटक क्यां छ दता याहेर्डाह, (य

পাত্রন্থিত বিয়ার, ওয়াইন 🐞 স্পিরিট, অয়েল चात्र शतका प्रवा देष्टेहे खिन्ना (तन वर्षे काच्या নির মাল গাড়িতে পাঠাইতে হইলে ভাষা উক্ত কোম্পানি আগামী ২০ এপ্রেল হাবদি হাব্ডার व्यापका प्रदे काना क्षिक शाद का तमानि शहे ष्टिणाम धार्व कविद्या विनिष्ठ मिट्यम ।

रहेए क्रमारतम ७५म है। क्रिक्त कर्म कावड হওয়া প্রাপ্ত এই নিয়ম প্রচলিত থাকিবে।

বোড অব এক্সেনী ইষ্টই ভিয়া রেলওয়ে निनिन छिएममन एउन राजे नी कांगात কলিকাভা १५८० ६ १८ । यह य

व्याचन ।	
শব্দায়ুধি	. 4110
मकार्यक्षकृत्मिका	৩
শব্দ সিফু	२
শবাৰ্যমূজাৰলী	7
শকার্থর্থ্যাল।	Ġ
শব্দার্থপ্রচারিকা	9
প্রকৃতিবাদ	¢
সংস্ত গুস্তক	•
त्रयूदश्म मंत्रीक	br
উত্তর নৈষ্ধচরিত	٠ ١١ ٥
* ভট্টিকাৰ্য	8 •
অষ্টাবিংশভি ভত্ত্ব	હલ
<b>मनद्भाव</b>	اره وا د
ক্লিকাডা ) শ্রীকেদারনাথ ক্রিয়ালিস }	বন্দ্যোপাধ্যয়
	। / इन्हुउठी

পুরাণপ্রকাশ।

কাব্যপ্রকাশ যত্ত্বে পুরাণপ্রকাশনামক সাম মান্স ষ্টেরেস, গ্রহোপকরণ এবং ঐ রূপ আরু গ্লিক পত্র প্রতিমাসে এক বা ছই খণ্ড করিয়া প্রকাশ হইতে জারত হইয়াছে। প্রত্যেক খণ্ডের পরিমান ৮০ অশীতি পুর্ধ। ইহাতে ক্রমশং আষ্ট্র नम পুরাণ ও উপপুরাণ বাঙ্গালা অপুরাদসমেত প্রকটিত করিবার কল্পনা আছে । প্রথমতঃ বিষ্ণু --পুষাৰ অপ্নুৱাদ ও শ্রীধরগোন্ধানিকুত চীকা সমেত মুজন জেটি শেষ হওয়া এবং কলিকাতা, খুদ্রিত হইজেছে; আগামী ১ লা বৈশাধ বিভরণ कार् इहेर्द । यिनि इहात बाह्य रहेर्ड अपि मधी हम, जिमि कलिकांछ। मश्य उ विमानिए আমার নিকট পত্র ডাকমাগুল ও প্রতিখণ্ডের মূল্য অগ্রিম॥ তাট আনা করিয়া পাঠাইবেন। ঘাঁহারা নিয়মিত আহ্কপ্রেণীভুক্ত নহেন, তাঁহ: (मत निक्रे श्राह्यक थल नगर अक्रोका মূল্যে বিভ্রুয় করা যাইবে।

> इतर्ग के शर / 🖹 জগমোহন শ্রা। 18656

সংস্কৃত মেদিনীকোষ প্রকৃত শদের সমেত উত্তম নাগরাক্ষরে যমপুর্মক মুদ্রিত হই ভেছে। যিনি গ্রাহণ হইতে ইক্ষা করেন, ভিনি **हाका कारलरलतं म**ेष्ठ्र अध्यापक आयुष्क राहु গোমনাথ মুলোপাধ্যায় মহাশ্রের নিকট কণ্বা कलिकाचः ग९कृष्ठ विम्रामस्य वा कावाशकाःभ বল্লে আমার নিকট পত্র পাঠাইবেন।

४६६६ क्टिउर्ड ५२५८ সংস্কৃত বিদ্যালয়। जीवगरगाःनं नर्मा

रेष्टे रेखियान (तसक्रय) কলিকাভায় পুলিকা ও গাঁটরি नकन (पढ़ा) नज्य इंदेर ना ।

म भित्र वर्ष का का का माहे (एए) हे हे हैं है কলিকাতা মূলাপুর আমহাউদের দক্ষিণ রান রেলত্য়ে কোম্পানি আগ্নী ১ লা যে

এবদিকলিক ভায় গাটরি পুরিক্ষাদকলের कामाम अमानन ग्र क्हेर्फ विवास क्हेर्यम ।

भहत्र'इत त्यत्राण क्ट्रेंश्ने श्रांतिक, क्लांत्रभावि चाटवेत त्क्षत्रा ६वत भाषक श्रीहित **७** श्रीनिमा नश्री अভ्यात द्विम मार्थिल क्रिक्ट माम

জাললৈ উল্লেছই প্রেগনে দেওয়া ভুইবে।

- েল ব্যেদ্র १८४६ (अ.स.) (जल अर.स.) (अ.स.) कि.स. क देश न निकाला C. 6 713 1 30 36 এত্রে গিবেড

#### রাণীগঞ্চ পটার কোং ब्यिभिट हेन्छ ।

(मिक्सिया कदिवात स्ट्रिकिश होहेल। ওঁ কোম্পানির মিসনরো স্থত ৪ নং আদিলে উহার মমুনা, দেখিতে পাওয়া যায় একং যদি কাহার প্রয়োজন হয় এ আ কলে অন্তুমভিপক্ত भाष्ट्राह्या फिरवना

#### \*سسع و إسس আত্মোৎকর্ষবিধান।

চ্যানিছের সেল ফ কল চর এই পুস্তকের। আদর্শ। ইহাতে মন্ত্রের উন্নতিসাদনের উপায় भक्त प्रचान करा स्टेसाट्ड। इतः ५०% । क्री काषा बाक्रामारण, गः यु छ लाहर कत्र ७ वार वर्षमात भागाव निकार शास्त्र माहत्य।

वर्षमान ) जीमात्रणक्षमान छ।न नः ।

নলগ্ৰয় ও নাটক থাকা श्रीनाइ अध्य যন্ত্ৰিত বিক্ৰাংগে প্ৰাঞ্জ -धूला 3 होका। कविका छ। रवाष्ट्राभी दिया ७३ मेर 🌖 জীপ্রতাপচত্র রায় -- 000-

#### 作额小面布1

বে য়ালিয়া ধ্যানভা হটতে আগানী কৈনাথ মাদাবী ভুক্ত নামে একখানি দাপ্তাহিক পজিকা क्षात्राद्विष्टं ब्हेट्ड थाकिट्य। खाहाटख हिन्द्रश्या সংবাদপত্তোপযোগী ্রিপ্রস্মান্তরার বিবিশ বিষয় লিখিত হইবে। আয়তন ৬ কশ্মাত মূলা বালিক ৫ টাকাত এতুদাভীত প্রদে শীয় গ্রাহকগবকে বার্ষিক ভাকমান্তল ৬ টাকা मिर**ङ २**३८न । এङ(नम्छ शन **नियुत्राक्त** तारीत নিকট পত্র জিলিকে পত্রিকা পাইতে পারি-(वर्ग ।

বোৱা শিল্পা

ত্রীত্রীনাথসিংছ রায় <u>नायालिया</u> १र्फामखात्र मण्यापन

অন্তঃপুরবাদিনীদিগের শিক্ষার উপায়।

যেসকল বাজালি ভট্ৰোক আপন আপন পরিবারের শিক্ষার্থ স্থানিকিত। ইউরোপীয় भिक्रमुखी, बद्दांश क त्रवात्र अखिमान करत्व, দেখিয়া কলিকাতার পুলিকাও তাঁহারা বছবাজার ১২০ নং ভবনে এবসং भारहरवत महशार्वानीय निकड आरवमन कति বেন।

> वामाना ७ इरमाओं माहिए। जनर श्रामा-क्रवीय मिनार्यंत कन्त्र निका करान १४।

> > বেভানের নিয়ম।

এক বার শিক্ষা দিতে ইইলে नशास किष्णारम ए शाह हाका।

निका मिट्ड ছট 'বার क्षाउभारत ৮ व्यक्तिका।

ভিন্তার শিক্ষাদিতে ইইলে क्षांक भारत ३२ वात हाता।

निक्त इस्त भिक्या अक द्वारत एवं घारे. এবং আবক দূর ২ইলে ভাহা অংশকা কিঞিৎ बहु काल धाकित्वन है। छ।

#### 

ভালাদিলের মতালয় কলিকাতা সূলাপুর कामश्रेष्ट कि एते २२ मध्या व निएक हेटिया व्यानि-

क्षे गहरताल'ल हर देशनान हो । ⊬ हैं देउ जि. ो 1.21年1.25色 1 5006

कतिकाछ। मध्य छ नाइरअती ७ कारनध ষ্ঠিট ১১ সংখ্যক ভবনে জীয়ুক্ত ব্য়দালসাদ भक्षभणाद्यत श्रृष्टकाल (य, क्षीयुक्त वांबु (भरवट्ट कुमाव होता (हे.सुदीश्रवीक নিক্রীত হইতেতে:

বারুইপুর <u>জীবেণ্ডামোহন বস্তু</u> অ্ধ্যক্ষ 🗀 E ä t s s 12981

সোমপ্রকাশযন্ত্র লবে কেস ও ফ্রেম সহিত মানাপ্রকার দেবনাগর অক্ষর বিক্রয়ার্থ আছে, যাঁছার প্রয়োজন হয়, তিনি কলিকাতা দংক্রত कारलट्ड जीगुक धातकानांश विम्राष्ट्रवरण्ड নিকটে অসুসন্ধান করিলে বিশেষ বৃত্তাস্ত জানিতে পারিবেন।

১ন) নিয়া সংস্কৃত পুলুকালয়ে ও পটোল ভালা বাড়ুয়ে বাদার কোম্পানির দোকানে মং প্রণীত ও মংপ্রচারিত নিম্লিখিত পুত্তক্তলি क्रिया रहेरज्ञा स्ट्रा

शनीत গ্রীসইতিহাত্র বোমই জিলি ভবলসার ব্যাকরণ 12. নীতিখার (১মভাগ) নীতিসার (২ র ভাগ্) প্রচারিত। प्रकारकांत्र वहांकवन

জী দারকানাথ শর্মা

নদিয়ার নদী।

.00

मन ३५ ७৮ मार्निय अर्थन भारत्य ৯ ना इहेर्ड ৭ ই পর্যান্ত ভাগীরখীনদীর সর্দাক্ষ তি অলের সাপ্তাহিক রিপোট।

স্থানের নাম ফট કે જા ঘহানার উপর প্রামন<sup>ী</sup>তে মহানায় তথা হইতে জ্লিপুর (১৩% মাইল)মধ্যে ২– ---- ৬ জলিপুর হুইতে বহরমপুর ( ৪৬ মাইল ) মদেং বহর্মপুর হইতে কটিওয়া ( ৫০ মাইল) মধ্যে कार्रेश इंट्रेंट नमें था शर्यका (१७ माईएलत मर्गर

গন ১৮৬৮ ৯ ই এপ্রেল ভারিখের বছরমপুর গজ ঘাড়ের জালের মাণ " हें अ

এক জানি টাটিৰ दह 'इ:श्रद के हैं औ अत ङे (क' **मध्**तद≅त মপ্র ডিবিস্ন १ महत्त्व प

(मागथका न

৯ ই বৈশাখ সোমবার। ন্ত্ৰী ডাকাইড।

মফসলে পুলিষ আছে, বিচারপতি আচ্ছেন, অন্য অন্য রাজহঙ্গামাও অনেক चारह: किय मकत्रनवामीनिशरक मन्द्रा ভক্ষরাদির অনুগ্রাংর উপরে নির্ভর করিয়া কাল্যাপন করিতে হয়। এক একটা ঘটনা উপস্থিত হইলে আমরা সধ্যে মধ্যে মফস্বলের এই অর্ক্তি অব-স্থার বিষয়টা পাঠকগণের সহিত রাজার रभाषत क्रियाथाकि ; किन्ह आमानिरभत অরণ্যে রোদন হয় ৷ সম্প্রতি একটা



কৌতুর্কন দুর্ভাকাও উপস্থিত হই-হাছে। এটাও পাঠকগণের শশ্তি রাজার গোচর করা উচিত হইতেছে।

আমাদিগের এক মিত্র সমাচার
দিলেন, গত ২৮ এ চৈত্র রহম্পতিবার
বেলা ৩ টার সময় কতকগুলি জ্রীলোক
থানাকুল ক্ষুনগরের বারু রামদাস
ঘোষের বাটাতে প্রবিষ্ট হইয়া ডাকাইতি
করিয়াছে। আজিও জ্রীলোকে ত্রিটিশ
অধিকারে ডাকাইতি করে, শুনিয়া
পাঠকগণ আমাদিগের নাায় বিশ্বিত ও
কোতুকরসে আম্পুত হইবেন সম্ফেছ
নাই। সে স্ত্রীলোকগুলি কৈ ভাষা প্রবন্ধ

আমাদিগের সংখাদদাতা মিত্র বলি-लान, कर्यक प्रियम इहेल, এक प्रश लाक थानाकृत कृष्णनगरतत्र मित्रकरि উপস্থিত হইরাছে। স্থ্রী ও পুরুবে প্রায় ১৫০ লোক তাহার অন্তনি বিষ্ট। তাহা দিগের সহিত ঘোড়া, লাঠি, বরষা, বন্তুকপ্রভৃতি আছে। তাহারা কে १ काथ। इहेट आतिशाटह ? काथांश वा याहेर्द १ कि छाना कतिरत अहे भितिहा (मश, जाहाता वावनाशी; हितां हे हेट ज আদিয়াছে; বিষ্ণুপুরে যাইবে। আমা-मिर्गत मः वामना ठा भिज्ञ विनर्मन, जिनि जाहानिर्गत वावमारतत मर्था এই ज मिथे তেছেন, তাহারা সুযোগক্রমে গ্রামমধ্যে এ.বিষ্ট হইয়া লোকের জব্যাদি হয়ঀ করিয়া আনিতেছে ৷ তাহাদিগের সম্ভি ব্যাহারে যে জ্রীলোকগুলি আছে, ভাহারা व्यक्ति वक्तमात्र इहे कर शूक्तवत বল ধারণ করে। উছার মধ্যে কয়েকটা जीतांक २५ व है ज जिमांत इन করিয়া রামদাস ঘোষের বাটীতে যায়। তংকালে বাটীতে কোন পুরুষ ছিল না। উহারা বাটাস্থ জ্রীলোকদিগের সহিত বাগৰিততা (দস্রো প্রায় প্রথমে এইরূপ করিয়া থাকে ) আরম্ভ করিয়া বলপুর্বক

गृश्मारका व्यक्ति ६ हेल अवः गृह नक्षा छ खोटनांकिन्दिशंत काहात एटक श्रृतिनृष्टि बिटक्क्ष, कांश्व शूर्ठ एर्ल्डोवाङ, প্রভৃতি .দীরাত্ম আরম্ভ কলিল। সূত্রাং : গৃহমধান্ত জ্রীলোকেরা জীত ও বাতি बाख इहेश शृश्हत वाहित इहेटमन। 🔄 অবসরে ঐ দক্ষ জ্রীরা বাজ্যভৃতি অলভারাদি লইয়া প্রস্থান করিল। পলীগ্রামে দিবাভাগে প্রায় भूकः प्रता गृहरू पाटकन नाः नाना अन नाना কর্মে বান; সে সময়ে যাছার কিছু পরা: ক্রম আছে, এমন যে দেব্যক্তি গ্রাম মধ্যে গিয়া যাহা ইচ্ছা তাই করিয়া আনিতে পারে। पिरांतको उत्रम शहती नाह যে উপদ্রা নিবারণ করিবে। এক্লপ অবস্থায় উলিখিত স্ত্রীলোকেরা দক্ষতো क्रिया य निर्द्धिक हालया याहेत्, जाहा আশ্চেরে বিষয় নচে ৷

মফসলের বেরুপ অরক্ষিত অবস্থা, তাহাতে দক্ষতার অনুষ্ঠানকালে ভাহার निवाद्र ए । ज ने जावनः नाई। जावाद्र जानि कालि भूतिरतत (य छात इर्हेशाह, म्यू: তার পর তাহার যে এতীকর হইবে, তাহারও সম্ভাবনা অম্পা। আমাদিপ্লের गःवाममाञा विलालन, উलिशिक घुउनात পর পুলিষ সংবাদ পাইয়া ঘটনা ছলে উপস্থিত হইলেন এবং গুমধাম ( সচরা-চর যেরূপ ক্রিয়া খাকেন ) আরেড করি লেন। কিন্তু দস্থাদিগের নিকটে অপকৃত ज्ञद्यात अक्षेत्र भान गाँहे दलिया कि हुई क्रिटिं भौति उट्टन ना। यथेन क्लिका-তার ভিতরেই মধ্যে মধ্যে হত্যা হ্ই-তেছে; रूडाकिन्द्रीता अनाशारम अवता-হতি পাইতেছে; কিছুই হইতেছেনা, তথন মফস্বলের পুলিষ যে কিছু করিতে পারিবেন, আমাদিগের দে আশা নাই। **डाँहाता याहा कक्रम, এ ऋत्म के**शतिक कर्जुभएकत निकटि भागापिरभत कर्यक्रि বক্তব্য উপস্থিত হুইভেছে। ঐপ্রকার

मनवज्ञ त्नांटुकता त्यथा त्यथा श्रीकेरर পায় কেন ? , ভাছারা মুখন কোন গ্রানের সন্নিধিত হয়, নিকটছ পুলিবের **८शाटकता छाशकिश्टल् बार्य कटरन** ना कांत्र कि ? खांत (यन वांत्र है ना कित-লেন, ভাহারা বাহাতে আমমধ্যে কোন প্রাচার উপদ্রব করিছে না পারে, বে বিদয়ে অবহিত হন নাকেন ? আমারা গে দলের প্রায়ক উপস্থিত করিয়াছি, দে मन कहिटल्टाइ, विक्षु श्रुद्ध याहेव : किन्न कामता खिलिनाम, कलिकाछ। इहेर छ विक्यु शूरत याहर छ इहेटल थाना कूल क्रक নগরে যাইবার প্রয়োজন হয় না। ভাহারা वटन वावमाश्ची, डाहामिटशव निकटिंग মোহর, গোণার তাল ও রূপার তাল আছে। সোণার তাল ও রূপার তাল দফাতা ও তক্ষরতা গোপনের উৎকৃষ্ট উপায় নয় ? ভাগোরা অবস্থাত यमि व्यविन्य **শোণারূপার ज्**वा शनोहेश (करन, डांगामिरभेत निक्रिं লোগু পাইবার সম্ভাবনা কি ? ফলত: चामता माधा माधा खनिएक পाँहै, এई क्षकात त्यांक इंहेटल चारन घोरन प्रमूख. क्षत्र जानि इहेशा धादक। चाक्र वद नर्भन উহাদিগকে অস্ত্রাদিব্যবহারের (मञ्जा करेरव, रमहे मगर्य डेकामिर्जन যথেক্ত ব্যবহারনিবারণের একটা উপায় করা আবিশাক।

इंडेट्टाणू, चारमतिका मैयोग गढ्हा ताकाञ्चत अहे अनात व अधिकार्य প্রভেদ হাজিত হয়। /হন্ধ সবল দেশেই প্রান্টির কর জা**র্টা আ**ভ্যান্টার হুই েখনে। খালীর কর আদারের ভার প্রায় ভাটেত্রিগের হক্তে নিচিত **থাকে।** इंडाला मकल छारन है यरथे ख वावहात च १तन। ८म मिवम किलका छोत्र छे शिव ভাগের মিউনিসিপালিটির হিনাবে যে थिकात **क**न्ना लालिट्यांग लिक्ड इहेशा-ছিল, जागामा मकल शारामा जांचा लिकि ड इंडेग्रा थोटक । इंट्लिट ७ त प्यांत्र नेऽ (कां हि होता; किछ इस्तीत कत २० **टकां**छि हो का जामाश क्रा। देश वट ७ क কোটি টাকা সরকারী কর আদায় করিতে খনলৈ কভ ভৰ্ক বিভৰ্ক হয় ; কিন্তু স্থানীয় কর যত আনোয় ইটক, উহাতে কোন उक्र बाहा इस मा। लखरम आहे शकारत क्षात हुई त्वांति ताका व्यानाय क्षेत्रा थारक। ভারতবর্ষে প্রায় ৪ কোটি টাকা স্থানীয় কর আধারে লগ। কিন্তু এখানে ভাতাটোর অশেকারত অধিক ইইয়া ू थाटक। এখানকার मक्टल हे छोकीनाती छोत्र, बाह्रीत कर अ बावगारगत कर आइ 'তির নিমিত্ত আংকেপ করেন। তবে এক विपारत आभागित्वत अवच्या इत्याञीत লোক্ষিগের অবস্থা অপেকা উৎকৃষ্ট বলিতে হইবে। তাহা এইঃ --

হাণ্ডনের বাটাব কর ভাড়াটিয়াদিগের
ক্রেনিটিভ ছয়। ইচাতে ধনিগণ অবাহতি
পান , দরিদ্রগণচেই কট ভাগ করিতে
হয়।কিয় কলিকা তার মিউনিদিপাল আইন
ভালনারে সম্পান্তির উপরে কর গৃহীত
হয়য় থাকে : স্তরাং ধনীদিগকেই কর
ভারেবহন করিতে হয়। মফ স্বনের মিটনিদি
পাল আইনের ও এইরূপ অবস্থা। চে)কী
দারী টাকা কেবল অবিকাংশ দরিদ্রের
উপরৈই পড়িয়াছে। তবে এক বিবয়ে
ইট্রেওও ভারতবর্ষ এই উভয় দেশের

कर्ष किछान, स्ट्रेट्स, छानीय उ সরকারী কর বলিয়া রাজধ্যের প্রভেদ রাখা উচিত कि ना ? भामनकर्त्वाता वटनन, ভাঁহার ভাষীর করের এক পয়সাও श्रहन कर्त्वन नाः अहे कत्र (यथारन चानाम् हत्. ८भइ थात्न हे वाम्रिक हहेगा খাকে। স্থানীয় ক**েও যত** টাকা থাকুক ना (कन, यथन छेटा महकाही धर्मगादह গুহীত হয় না, তখন তল্লিবক্ষন কট क्हेटल डाँकामिट्शत शकि मियादिशा করা অনু,চিত। পক্ষায়েরে, প্রজাগণ বলেন, मतकाती कत विद्या १३क, आत स्थानीत कत विनिया इंडेक, डॉइनिगरक उ है।का দিতে হয়। স্থানীয় কর ও সরকারী করের **छोको। मृल्लाङ टेवलक्या नार्ड ।** अध्नदक बदलन, भागीत कत ও भत्रकाती কর বলিয়া প্রভেদ না করিয়া দমুদায় हैकि। मतकाही कर दिलाहा आपात करा कर्त्वता । इंश आभामित्शत अनूरमीनिक নতে। স্থানীয় কর বলিয়া একটি পৃথক कत ताथा व्यावभाव । य होका कलिका-ভাব বাটীর অধিকারী ও গাড়োয়ানেরা अमान कतिराउट्टन, छाडा लहेशा कमाशः প্রতের একটা প্রামের নর্দামার নিমিত্ত বায় করা অসুচিত। আমাদের মতে खात् ज्वटवं चानीत कटबत উटक महानू मादत काक कता इंडेट्ड्स ना ; भ उ वर योहाट **डाहा इत, डिव्हिट्स मट्नाट्यांग क**ता

कर्डवा। भागीत कतकात श्राप्त प्रसंह হয় এবং প্রোকে ডাচা অদান করিতে অত্যক্ষিনিচ্ছাপ্রকাশ করেন। কর প্রদান জ্থকর হয়, এমন উপায় পূর্বি वीत स्रके व्यव ४ व भर्षा हु दकान ताकश्व বেছা উদ্ভাবন করিতে সমর্থ হন নাই। কিন্তু একটা কাজ করিয়া লোকছিগেয় মনে প্রবোধ দিতে পারিলে অতিশয় कछे डाँशामित महा इहेश লোকে বে টাকা দেন, ভাছাতে রাস্তা, नकाभ, घाउ, बालाकश्च इकि इहेटन তাঁহার। তত আকেপ করেন না। ভদ্মরা নগরের শোভা ও সাংস্থার ও হয় (नाटक সভাবতঃ বাসস্থানের দৌন্দর্য, দর্শন করিতে অভি नांव करतन ; किन्नु इंडांशाक्तरम आमानि গের দেশে কর্তৃপক্ষের রাস্তাপ্রভৃতিতে বিশেষ মনোধ্যোগ নাই।

কোন গ্রামে দস্মার্তি বা ভক্ষররুত্তি অধিক চইলে গ্ৰণ্মেণ্ট তথায় অভিরিক্ত श्रु जिन अहती हार बन। खामवानी पिशदक দণ্ড বরূপ ইহালিপের বেতন দিতে হয়। এটা চি বিশুল রাজনীতি ? গবর্ণমেণ্ট প্রকাশারতে বলিয়াছেন, যে যে স্থানে যত পুলিষ প্রহরী আবেশকে, তত্তং-ছানের লোকদিগকে ভাছার ৰায় দিতে इहेरव । এकरण य किছू देवि श्रृ शिका নিমিত সরকারী ধনাগার হইতে দেওয়া हरेट उ.इ. जाहा ७ क्या का का का क्रांनीत छे।कात छे नटत मञ्चलात श्रुलिटबत वाश निर्जत कहा जैकिनिश्वत अचि-প্রেত হইয়াছে। এই রাজনীতি কি ভ্ৰান্তিমূলক নহে ? শান্তিরক্ষা যাবভীয় গবর্ণসেন্টের অক্তিত্বের একমাত্র কারণ। चा उव रा भवर्गानक शकामित्रत निकृष्टे वः दार्ग भरवां भी कर ना भा है दल भा खि-त्रकाश मत्नारवाशी ना इन. डाँशाहतत व्यापिका निर्द्धांथ कांत्र कि व्याह्म १ वित ক্যায়া পর্বাভের লোকেরা অধিকতর

व्यक्ती क तकता, भवन्दमण कि वर्ष ्र शास्त्रम, '•८डामहा यदि साथक छेत्रमा बिटड পার ভবে আমরা অধিক প্রাহরী বিভে भाति " ? भा खेतका मर्स्ताट्या स्तिहरू हरेटव ! २८ भन्न त्रना ७ स्थलिएक, जक कन नामाना रशयाना এक क्रम क्रमीशहरक ধৃত করিয়া আনিতে পারে, কৈন্ত পেटमाझाटतत भी यात्र ६० अन देशनिदकत स्टिंख क्रेज़िश कार्सित खांत (एवस) इस। তাহা বলিয়া কি পেলোয়ানের লোক-मिट्यात निक्षे स्ट्रेट समिथिक कर्त धार्ग कतिएक स्टेर्ट १ अमर्ग आंभरा बनि टिक्, रेमिक बारमत नाम शूनित्वत वाश महकाती धनाभात स्टेट छ अहान कता বর্ত্তব্য। স্থানীয় কর হৃইত্তে পুলিবের বেতনপ্রদান মূল নিয়ম ও প্রণ্মেন্টের कर्खवा कर्ष्यात विक्रम् । अक्तरन कानीम কর হুইতে পুলিষের বায় দিয়া যাহা ेब् ख थाकिटल्टर, आशरे ताला १ छ-चिंद्र वाशिष्ठ इस् । शूलियत् मः था। य ध्यकात मिन मिन त्रिक्टिएटाई, जीशाटक উহার বায় সমাধান করিয়া অন্য কার্যোল বায়ের নিমিত প্রায় কিছুই অবশিষ্ট থাকে না ; সুতরাং য়ান্তাপ্রভৃতি গুল্ভ হয় না। ছানীয় কর এই নিমিতই লোকের এত কটকর হইয়াছে। কোন वितिष्ठ अवधी नुष्ठन गृह श्रुष्ठ इहेटन মিউনিসিপালিটি অমনি করর্দ্ধি করিয়া वरमन। अहे कड़ लहेश पनि चांत अक मिट्रात बात बाँकान हत, काहा इंदेटन अ लाटक नाः क्यान कटान । विविक् शंग खक्क श्रमान करत्रन , এই निमिख शवर्गामार्केत त्रविद्वास्त्रक्त मर्दाना समूटर्फ जमार्श्वक डाँशनिश्ता जरा तका कतिया भारक। यमि अट्डाक साहा **ब्लित ज्याक्टिक छन्क अलाम क**ित्रां छ বোষেটিয়াদলের নিমিন্ত দৈন্য রাখিতে इंदैंज, जाहा इंदेश खाहारमत कि लाख

हरेख १ गवर्गमणे माणितमा कटंडन विद्या मम्मास मतकाती कत अम्छ हरेशा थाक । मतकाती कट्डत थात कि अधान है मिना चाटह १ म्हानीस कत्रवाता लाटकत्र माछातमा ७ म्हानीस मृतिधाविधान कताहे छेठिछ। छाहा ना कतिसा भूमिटमत बाटसहे मिन के कत भर्मविधान हस, छाहा हहेटल टलाटक निष्ठां चमञ्जे हहेटन मटम्मड नाहे। मानता वाध कति, भवर्गमण्ड नाहे। मानता वाध कति, भवर्गमण्ड नाहे। मानता वाध कति, भवर्गमण्ड नाहे। कत्रक देशास च्याम्यन कतिसा म्हानीस कत्रक पूलिटमत आम हहेटल तमा

#### टेड्यामा ।

গত ৩০ এ চৈত্র শনিবার মৃত বার আশুতোর দেবের বেলগাছিয়ার বাগানে মহানমারোছে চৈত্রমেলা হইয়া গিয়াছে। বংশরের শোর দিবদে দেশের সকলে এক ছানে সমবেত হইয়া পায়শ্পরের সহিত সাক্ষাং, আলাপ ও আমেদি করেন, এই উদ্দেশে এই মেলাটার স্থিই ইয়াছে। পূর্বে বংসর কয়েক জন ফ্রত বিদ্যা একপরামনী হইয়া ইহার সংস্থাপন করেন। ভাঁহাদিগের সেই চেন্টা সম্পূর্ণ-ক্রপেনকল হইয়াছে।

পূর্বে বংশর অপেকা এ বার চৈত্র মেলার অধিকতর সমারোহ হয়। উদ্যান প্রবেশ দ্বারে নহবং বসিয়াছিল। তথা হইতে মেলার স্থান প্রায় ২৫ বিঘা দূর হইবে । এপর্যান্ত অর্জচন্দ্রকার পাথে নব পলবারত অর্জচন্দ্রকার বেড়া দেওয়া হয়। মেলায় প্রবেশমাত্র, প্রথমতঃ একটা দীঘ হোগলার চালা দেখিতে পাওয়া যায়। এই চালার মধ্যে এতদেশীয় জীলোকগণের স্ক্রীনিম্মিত শিপেকপদার্থনকল প্রদানিক হয়। আমরা ঐ স্থানে নালা প্রকার আ্বান,

कुछा. थनिया, मत्राभामश्राकृष्ठि प्रभी করিয়া চমংক্ত হইয়াছিলমি। 🖨 সমুদা ाव मदश कानवीकार्दित वांत्र विश्वनाथ पटित जो क्रिमडी इन्स्मानिनी मानीत क्रंड ও निमुलियात वांद्र काणी श्रमि (चार्षक वाणित जीगरनह कुछ कामछनि मिन्न मर्भाग्य मर्भाषक आम्हर्षः (बाध क्राज्यः) এই চালার পূর্বে দিগের চালায় কতকঞ্জি व्यवसार ७ र छन:यह भू छनिका अवस्थि ह <del>হয়। তারের ও-হাস্তবস্থের,উপরে শিশ্প</del>া कार्या छात्र छवयोशनिरगत शृथिकीत माधा व्याधाना चारह। चड्य वर्णन तर्मा कतिया (य मंकदल, विट्यांचडः इडेटताशीत मर्भ+शव, **आ**ख्वानिङ स्हेशाहित्सन, তাহা ৰল: বাভ্লা। উক্ত ঢালার সন্মু-থেই আর এক চালা ছিল। ইহার মধ্যে थानिश्रुद्धत स्मरनत क्रामिनिरगत इस्ड কতকগুলি উংকৃষ্ট তোয়ালে, ঝাড়ন প্রভৃতি প্রদাস হয়। এণ্ডলি দেখিতে रामन क्षमत एडमीन माला। यात्नदक हेहा क्ता कतिशार्ष्ट्य । ८०६०। कतिहरू ८५ क (मर्भ वरञ्जत कल छेलमज्ञरण हिन्ह পারে এগুলি ভাষার সাক্ষ্যপ্রদান করি-टिए। এই চালার পুর্বেদিলে আর এক টালায় কতকগুলি ফল ও শাৰু প্ৰদৰ্শিত হয়। আমরা দেশীয় বাদাম ও কতক গুলি বেল দর্শন করিয়া আনন্দিত হইয়া

বৈঠকথানা বাটিটা পুর্ব্বোক্ত চালা

দকলের মধ্য ছলে অবস্থিত। গৃহপ্রবে

শের দারে এতদেশীর শিশিপাগৃহকুক
পারিদকদিমে নিশ্বিত অভিবেকবেশা
ধারিণী ইংলভেশ্বনীর প্রতিমূর্তি সন্নিহিক্তিল। এই প্রতিমূর্তির পাথে নধদীপের কুমারদিগের দারা নিশ্বিত কভক
গুলি উত্তম পুত্রিকা প্রদর্শিত ইন্ধ্রী
প্রত্যেকের অস্পোঠব এবং ঘেশানে
কার যে শিরা ওং যে উচ্চতা স্কীব
শ্রীরে বিদ্যমান পাকে তাহা, এ পুত্র-

লিকাণ্ডলিডে লিকিত হইয়াছিল। প্রাচীন কালের ত্রীক প্রতিমূর্তিগুলিকে আদর্শ করিয়া ঐ সমুদায় নির্দিত হয়। আর এক গৃত্তে এদেশীয় শিশিপাগণে কুত কতক গুলি চিত্র দেখা গেল। জয়পুরের প্রতি ক্লচিঃ আলেকজণ্ডারের সহিত ভেরায়সের প্রিবাবগণের সাকাৎকার ও আয়ান ঘোষ্টের দশনি করিয়া ক্লের কালীমূর্ত্তি ধারণ, এই পটগুলি সকলের প্রশংসনীয় হইয়াছিল। কিন্তু কলিকাভার শিশ্প নিশ্যালারের কতকগুলি ছাত্র প্রকৃতিকে আদর্শ করিয়া বে ক্ষকগুলি চিত্র করিয়া-ছেন, তদ্দলি আমরা অভান্ত পুলকিত करेग्रांছि। এकर्ण मिल्लिविमानिट्स य क्षकोत निकः इंहेटज्रहः, जमस्मादत लाटकत छेशांट अर्दाल हा, देश धकान आर्थ भीग्र ।

रें वे कथानात डेखत होत मित्री औरवर्ष . ক্রিয়া দেখিলান, মহামুহোপাধায় পণ্ডিত জয়নরায়ণ তর্কপঞ্চানন, ভারানাথ তর্ক ৰাচস্পতি, ভবশস্কর বিদারত্বস্থাভৃতি যে সকল অধ্যাপক সর্ক্রণাধারণের প্রকৃত ু শ্রদ্ধান্দার, ভাঁহার। সহিত্য ও দর্শনশাস্ত্র भः क्रांच स्माक्शांठे ७ क्रांथांशक्**य**न করিতেছিলেন। যথন প্রথমতঃ ইংরা জীর প্রাহ্রীব হয়, তথ্ম যুব্তকরা অধ্যা প্রুদ্ধিকে স্বত্তঃ ক্রিতেন, কিন্তু এ কণে त्म जाव श्रांत्व इहेशार्छ। यो बादा मः क তের উপর ভক্তিনিবন্ধন এত কট পাইয়া, ভিকা করিয়াও সংস্তের অসুশীলন ত্যাপ कटतन गाडे, जाहामि. शत छेशाद लाटकत পুনকার আন্তরিক অনুরাগ জমিয়াছে। আবে এক গৃছে পুরাণদংক্রান্ত কথকতা হ্টয়ছিল। পুর্কদিনের গৃছে কতকভালি गत या मिक्रा के मार्जन व्यानक शतिलाम স্থীকার করিয়া রসায়ন বিদ্যাসংক্রণ ভ বিষয় সকল প্রদর্শন করিতেভিলেন। পশ্চিমের গুट्ट बें के जि. छानमा थीं श वालक आफि-भन, क रिन है (न व क क क क कि न भा भा भा के

লাগিল না। এ বিষয়ের উন্নতিনিমিত বদি আমর। ঢেউা পাই, ভাহাতে কেবল ष्पायता डेलकामाञ्लास क्रेव ।

रेवठक बानात मिकन शुक्त, मिकन পশ্চিম ও উত্তর পশ্চিমে ভিন্টী বাটী আছে। এই তিনটি বাটাতে ঝামাপুকুর কোড়ানাকো ও শ্যামপুকুরের শকের সমবেত বাদ্য বাদিত হইয়াছিল। জোড়া সাঁকোর দল সচরাচর যেরূপ প্রাধান্য প্রদ र्भन करतन, उ:इ। अथारन ३ अविभिन् হইরাছিল। ইউরোপীর স্রোতারা ইছা-मिर्गत वामाध्येवरण विश्वाशिष्ठ **ए**डेग्रा-ছिলেন। अकटल हे यद्भाष मञ्ज ও व्यमत नाथ ठछे পाधारशह (बहाला, नीलमाधव পালের পিগ্লু ও হুর্গানাদের ঢোলক প্রবণ করিয়া তৃথিলাভ করিয়াছিলেন। ষত্নাথ পাল যে গত্ওলি করিয়াছেন, তাহাতে ইংরাজীর গল্প থাকাতে উহা ইউরোপীয় ও এতকেশীয় উভয়পকীয় শ্রোভাদিগেরই মধ্র বোধ হইয়াছিল। चात छूहे पन এट पूर ना इडेक, खानक विषदा नकरनत मत्नादक्षन कतिशाहि লেন |

এদেশীয় মল্লিগেব কৌশল অতি মনো ছর ছইয়াছিল। যদিও এক্ষণে ইউরোপীয় ব ায়ামের প্রাত্তাব হইয়াছে, তথাপি আমরা মুক্ত কণ্ঠে স্বীকার করিভেছি, यथन स्राज्याभ वारमात महिन्द नाठि कर्ख করিয়া মলগণ নৃত্য করিতে করিতে আখ ড়ার প্রবেশ করিল, তথন আমাদের মনে भट्यंत मक्षात इहेशाहिल। हेहाता व সকল কৌশল প্রদর্শন করে, তাহাভারত বর্ষীয়দিগেরই হৃষ্ট ; এনিমিত আমরা অন্য কাহারও নিকটে ঋণী নহি। প্রথ মত: লাঠি খেলা; পরে লাঠিতে ভর করিয়া লম্প দিয়া পতিত হওয়া; তথ পরে কুত্তিকরা হয়। দর্শকরণ বিশেষতঃ ইউরোপীয়গণ ঢেঁকি ঘুরান দেখিয়া

की आमात्मत जान आमार्था (बांध कित्रशाहित्स के किन इहेट खना करका 'एवं कि वहेंबा काहा । ক্রমার্থত ঘুট্রত করা হয়। কিন্তু পশ্চা-लिथि उ करत्रकी को नगमनियमित नकरन অধিকতর তৃত্তিলাভ করেন। এক জন মল এক ঢেঁকিতে বস্ত্ৰ বাধিয়া ভাষা দম্ভ ভারা ধারণপূর্বক মস্তক ঘুরাইয়া পশ্চাতে নিকেপ করে। আর এক জন শয়ন করিলে প্রথমতঃ তাহার ৰক্ষে পুঠে উপর এবং তৎপরে ভাহার इंग्रे উপর চারিথারি রাখা হয়। এক জন মূল এক ঢেঁকির মোনা লইয়া वक वक चाराट इंदेखिल हुर्ग करत । আর এক জন শবের নায় স্পন্দ হীন হইয়া শরন করিলে ভাষাকে হতিকার মধ্যে প্রায় ছুই মিনিটপর্য, ড সমাহিত রাখা **इ**हेश्राह्मि।

इंडेटबाभीय श्रामी अनुमाद्व कडक গুলি যুৰক ব্যায়াম প্রদর্শন করেন। এ কটে গ ইহার আরম্ভমাত হইয়াছে; তথাপি দর্শক भग देश पर्भान कविया व्यान्त्रधा वाध केति য়াছিলেন। এক জন যুবক অখারোহণ পূর্বক বেড়ালজ্বন করিয়া মশোলাভ क्रिशाहिएलन। পরিশেষে নৌকার বাচ (थला हरा ; किन्क हेहा उ 5 छ,ल हरा नाहे।

এই মেলা উপলক্ষে কলিকাতা ও উপনগরের প্রায় যাবভীয় সভ্রান্ত ক্লভ विषा (नांक चार्गमन क्ट्रन । क्ट्राक चन इंडेर्ट्राणीय कामिनी उ शूक्रय वह च्हल व्यागमन कतिशाहित्वन ; क्छि व्यामता এই ছলে ছুটী কমনীয় মূর্ত্তি দর্শন করিতে পাই নাই। লঙ্সাহেব ও বিচারপতি কিয়ার এই ছানে উপস্থিত হন নাই। **डेर्हारमत अमर्भात अरगरक है हार्थिड** হ্ইয়াছিলেন। মেলাটা গ্রীয়াকালে হয় এবং এই ইহার সুত্তন আরম্ভ বলিয়া त्वाध इश, ष्यत्वक इंडिटबाशीय अश्रादन वारटमन नारे।

अक्टल बाग्नता अशक्तिगटक अनु

ं রোধ ক্রিভেছি, ভাঁহারা আগামী বর্ষ ন ই। যথন আমরা শুনিলাম, উছ্যো ्र- व्यविध धाठः काल स्टेट्ड अक्तांत स्थि व्यत्तरक वानिएक शाहित्वन । व्याभाषी वर्ष अविध निम्हत्रहे प्रभूटनतः ऋतिथात निभिन्न উপরেশনের ছান্ত ইটেব। ভীড়ের निमिन्न वात्तरक केन्द्रामुक्केश मर्भन कतिएल भारतन नाहै। अहे स्माणि य मर्भावत উপযুক্ত তাহা नकत्वंद्र श्रमम हरे-য়াছে। অতএব আগামী বৰ অবধি অন্ততঃ চংরি আনা করিয়া টিকেট হইতে পারিবে । এ বার এই মেলায় কভকগুলি (वन्गा चानियाहिल। अविवाद उद्योगि পকে প্রবেশ করিতে না দেওয়াই উচিত। रा मकल এতদেশীয় জীলোক দর্শনার্থ व्यागमन कतिर्वन, उँक्ति छ छ मत्रर्भ व्यक्त व्याञ्चानिक कतिया व्याहेटममः, व নিয়মটি আগামী বর্ষ অবধি করা কর্তব্য। পরিশেষে আমরা কুতজ্ঞ চিতে এই মেলা वित स्थिक्छ। बार् नब्दशाशान मिज्राक धनावामश्रमान कतिया श्रष्ठारवत्र छे थ-সংহার করিলাম।

> मिविन मिर्मिम भरीका उ **ऐटाइ। मार्ट्स्त**।

প্রায় আট বৎসর অতীত হইল, হজ সন প্রাট ও উড়ে! সাহেব এই প্রস্তাব क्तियारह्म, अङ्ख्याया मिविल मर्जिरम প্রবেশার্থ কিছু মূলধন সংগ্রছ,করা কর্ত্তব্য। ভদ্মারা পরীক্ষার্থীদিগের বায় নির্বাচিত इहेट्य, छात्रज्यवी ध्रिप्रिशत करायक खन कतिशा त्रिविलिशान हन, छेट्या नांद्रव বরাবর এই ইচ্ছাপ্রকাশ করিয়া আসি-তেছেন। বহুকাল অব্ধি ভিনি এ দেশের भिकाकाट्या नियुक्त चाटह्न । दिनाभि-ক্ষারা এদেশীয়দিগের কত দূর পরি-বর্ত্ত, কত মানসিক উৎকর্য তি সভ্যতার কত इ कि इरेशारह, छे:छु। मारहव स्यमन कारनन, चरनात रमका कानियात मुविधा

नाटक्द निदिल निर्देश भेदीकानयः स शर्याष्ट्र (यम (मेला कट्राम | काश) एड्रिका । .विश्व (मामाहेष्टि मञा। वक्तु का कतिरवम. ভধন আমরা ভাবিয়াছিলাম, কি কি উপায় অবলয়ন কারতে ভারতব্যীয়েরা धरे छूर्गमध्या श्रादम कित्र भारतन, **উ**ट्या नाट्य ७ इ तरे छेक्र है। कति-(वन ।

> ় কিছু আমা,দগের সে আশা বিফল इहेगाटक । छेटजु । मारदा चामा मिरशत व्यक्तीर्भाष्ठ शद्य भूतल श्रमः र्भव करत्र নাই। তাঁহার বক্তৃতা চুই অংশে বিভক্ত इस् । अथम बर्ग मितिल मर्जिम भरी ক্ষার বর্ত্তমান প্রণালীর সমর্থন এবং দ্বিতীয় অংশে বারু মনোমছন ছে.যকে ভহ সন। করা হইয়াছে। তিনি কতগুলি অর্থার। এই সপ্রমাণ করিবার চেন্টা পাইয়াছেন যে, ক্মিদনরগণ যে নিগ্ন করিলাছেন তন্ত্রা ভারতব্যী এদিগের কল্যাণ্যাধন क्दारे डॉर्ड्सफ्रां वे क्रिक्रा

ক্ষিস্নর্দিগের নামে সচ্রাচ্র ভিন্টা मात्यत आंख्रांश इरेशांशीत्क। अथम তাঁহারা পরীকাথী দিলের ব্যঃক্রম কমা-ইয়া২১ বৎসর কর:তে ভরতব্যীয় দ গের সিবিল মর্বিসের পর্বাক্ষা দেওয়া ष्यमाधा रहेश উहितादह । विकीश, कमि मनद्वता मध्यम् ७ अञ्जलित सम्रत कमा ইয়ালাটিন ও জীকের নম্রবুদ্ধি ক্রি য়াছেন। ভৃতীয়, ভাঁহারা পরীক্ষার পুরে कान भःवान ना निहा भारत मञ्जूनाग्र विध-রেরই ১২৫ করিয়া নম্বর কমান। এই কারণে বারু মনোমোনন ঘোষ ক্লতক,যা इंट्रेंट शाद्यन न है। क्यिमनवृत्तिका जात अकरी (माय अहे, यति कमाहिश अक सम স্ভুগত তরেত্বনীরি সিবিল সর্বিদে यादमा करतम, छ। हाट किमन समित्र मिराइ অপত্তি নাই; কিন্তু অধিকসংখাক ভার ভৰবীয় সিবিলিয়ান হন, ক্ষিসন্ত্ৰদি-গের এটা অভিপ্রেত নছে।

**छ**ः जारहर वस् श्रेत्रक्षमः कहि ় কভগুলি অঙ্ক সংগ্রাহ করিয়াহেছাঁল ভাঁছাব गत्त मद्रत हिल. र्क्ट्रिक लाई प्रवाहारहे অপেনার অভীত থিবুর সুসিত্ধ করিবেন; किन जाह्य याँगा डेटर्र नाहे। कि न स्मरव এক অদুত উণায় অবলয়ন করিয়া স্বনত সমর্থ করিয়াছেন।

তিনি বলেন ২১ বৎসরপর্যায় প্রায় कठरमणीतिमारभन्न द्वान्ति कार्यगा थ एक. ভৎপরে ত, ক্ষতা কমিয়া যায়। অতএব কমিসনরগণ ২১ ব্রহসর ব্যক্তেম নির্ণয় করিয়া ইংরাজ পরীক্ষার্থী দেগের পরিপক্ষা ভারতাধী মদিগের অধিকতর উপকারই করিয়াছেন। এ কি প্রকার উপকার : একবারে চিরকালের নিমিত্ত সিবিল मर्जिएम इ दिम्मिथ द्वाध क्या कि एमड़े উপকার ইউড়ো সাহেবকে আমরা জিজাসা করিতেছি, ২১ বংসরে এদেশীয় দিগের বুদ্ধিরুদ্ধির যে শুস হয়, ছি,ন कि अभारत करना बलारलम । रकाया হইতে ঠাহার এ সংকার জ্যালাং হেলিডে मादृहद द लिएकम, अ प्रमान स्थान दाखि केळ भम आल इंड्रेंट्स केंड्रिय खरणभीरमंत्र। হিংসা করেন। তাঁছার সংস্কার বে মূল इहेटठ छे किछ इब, छेट्यु। शाद्दर्वत সংস্কারও কি সেই মূল ছট্ভে উপিত হইয়াছে 🖟 উচ্ছোগাহেব যে ২১ বৎসবের পর এদেশী াদিগের বুদ্ধির ভীক্ষতার পরিচয় পান না তাহার একটা বিশেষ কারণ আছে। সে কারণ আন, বাযুর। স্বাভাবিক (मध्य नरह; নছে। যত দিন যৌবনসুলভ মনের ভরলতা থাকে, তত দিন বিদ্যালয়ের উচ্চতন পুরস্কার লাভের আশায় এদেশীয় ছাত্রগণ যার পর নাই পরিজ্ঞাম করেন किन महमादत कदिमा कतिया अदमणीद्यता চতুর্দিক পুন্ময় দর্শন করেন: বিচার শাসন, দৌভাকায়া ও সেনাদল ইহার যে **मिटक निज्ञान कट**वन मिटकरे लोही

ময় সীমাবন্ধাৰ দেখিতে প'ন। এক জন সহকারী মাজিকেটি যদি আইনসংক্র স্ত এক খানি মুকে বিশিতে পারেন ভ হ। क्ट्रेट्स निः मर्भग जाहात डिन्निक इत । ক্তিয় এক জন ডেপুটি মাজিকৌট সহত্র সহস্র গুণ প্রদর্শন করিলেও দেই ডেপু ট্রাভিয়েট্টই থাকিবেন। কার্যাভার না পড়িলে লোকে কর্মাঠ ও বুদ্ধির ভীক্ষ তার পরিচয়দানে সমর্থ হন না। কাউটে কেবাবর মৃত্যুর পর ইটালীয় মহাসভা প্রবিধেক। অধিকতর পরিশ্রম ও সহি মণুতা সহকারে কাজ করাতে এক জন ইপুরার বিশার একাশ করেন। তাহাতে এक जन देवालीश शक्तियि यालन, কেবর থাকিতে আমরা সহন বিপদ হং .লও ভাবিতাম না, কেবর আছেন, যে আ হ'বে হয় আমাদিগকৈ রক্ষা করিবেন ৷ কি এক্ষণে আপনাদিগের উপরে ভাব कांत्र इंट्रेंड्रइ। " अरमभी प्रमिरंगत करका এইরূপ কাষ্যভার ক্ষেপণ করিলে দেখিতে পাইবে ২১বৎসরের পর ইহাঁরা निरुष्ठ हरेश भए इन किना।

উ:ড়া সংচেব বয়স কমাইবার আর এক कात्र अनर्भन कतिशाहकत । किनि वहलन. ২১ বছসবের অধিক ব্যুসে খেসকল ইংরাজ ভারতবর্ণে আইসেন, ওঁংহাবা উত্তরকাপে স্বাস্থ্যারকা করিতে পারেন না। ইছার কোন এমাণ নাই; বরং অনু সন্ধান করিলে ইছার বছসংখ্য নি**রু**দ্ধ এ,মাণ্ট লফিড হয়। আর যদি এই বাক ই স্ত। হ.i, काशक जब कर्याताः ুরীর স্বাক্ষ্যের অনুরোধে এক জাতির স্বাভ: विक यहाबुत ह्वाभ कता इहेट भारत मा। रिन (महम्ब प्रक्रन प्रदिभक्त। कर्यहाती দিলের স্থা অধিত আদর্ণীর হইত, ভাগে হইলে শর্জন লরেশ সিমলার যাই৷৷ খাট্মাস অলিসো ক্ষেপণ করাতে जदरल (अम्बर्स) इड्रेटक ना। अज्ञकल

दर्तन वाञ्जितिरभाष्यं स्विधा श्रमुविधा लग्नेता कथा नत्त, अभूमाग्न (मरभंत सम्मन

অপর, উ.ড়া সাহেব वट्लग, গ্রীক ও লাটন সংস্ত অপেকা অনেক গুণে শ্রেষ্ঠ। বাল্মীকী ও বালি দাস প্রধান কবিদিগের সহিত পরিগণিত খন বটে ; কিন্তু সংস্কৃতে কি ভি<mark>ম</mark>স থিনিস ও থিউসিডিডিসের সদৃশ এক জনও গ্রন্থকার দৃষ্ট হন > অভএব সংস্কৃত ও আর্বির অপেকা গ্রীক ও লাটিনের গ্রাপান্য দেওয়। অবশাকর্ত্তব্যা উড়ো সাহেব যে এৰপ অভিপ্ৰায় প্ৰকাশ করি য়াভেন, ভাহাতে আমরা তত জু,খিত নহি, অধিক হর দ্রুপের বিষয় এই যে, রেব-त्त छ क्रिक्टमाइन वत्माप्राधायि এই ভ্রমে পতিত হইয়াছেন । সভ্য বটে সংস্তে ও আরবিতে ডিমস্থিনিস ও থিউ সভিডিসের সদৃশ রাজনীতিজ্ঞ ও ই্ডিখ্সজ্ঞ দুট হন না। ই্ভিছাস ও রাজনীতি সম্বন্ধ গ্রীক ওলাটিনের প্রাধানা আছে সত্য; কিন্তু এম্বলে রাজনীতি ও ইতিহাসভ্ততা লইয়া কথা উলিখিত হয় নাই। লংটিন ও গ্রীক অপেকা इंश्वाडी अ अना अना इमानी यन क बाय সহত্রগুণে উৎক্র ইতিহাস ও রাজনীতি সংক্রন গ্রান্থ দৃষ্ট হয়। এডমগু বর্ক, পিট, मितारता, हितान, श्रांखातीन अ जिनदत-লির স্টিত কি ডিম থিনিস ও সিসি-রোর রাজনীতিসংক্রান্ত বিদ্যার ভুলনা হয় ? গিবন ও নাইবারের ন্যায় কি প্রাচীন কালের কেছ ইতিহাস বিষয়ে ক্ষমতা क्ष्याम कतिशारक्र । याम यथार्थ देखिहान ও বিজ্ঞানাদি শিখিতে হয়, লাটিন ও গ্রীক অপেকা ইদানিস্থন কালের ভাষা থাবশাক । পকান্তরে শিক্ষা করা গ্রিক ও লাটিন কেবল ভাষামাত্র বলিয়া পঠिত इहेता पाटक ; সংস্ত ও आत्रि.व त्र अर्थ अर्थाक्त । जान केट्या मारहर

বলুন দেখি, ভারতবর্ষের্ শাসনাও বিচার কাৰ্যে ত্ৰীক ও লাটন, না সংস্ত ও আরবির শিক্ষা অধিক আৰশ ক ৷ যে, মাজি ঠ্রেট গ্রীক লাটিন প্রভৃতি প্রাচীন ও रेमानीखन रेडिजाशीय खाबार दिवल कारमन, ठिन अथारन चात्रिश कि मुन्तत कार्भ विहातकार्या निर्दाह क्षिएंड अमर्थ হন ? সিধিল সর্বিস কমিসনরেরা প্রথম প্রথম আপনারাই প্রবাশারূপে বলিয়াছি লেন, সংক্ষেত্র অধিক চর্চা হা, এই তাঁছাদিগের চেফী। এ চেরীরে কারণ अहे, अहे छामा ना कानित्ल छात्र ठवधीत ভাষাসকল জানা কঠিন হয় ৷ অতএব উড়ে সাহেব বিবেচনা করিয়া দেখুন দেখি, সংস্কৃত ও আর্,ির নম্ব কমান অন্যায় হইয়াছে কিনা : ভারতব্যীয় णिशतक धक: बा : Ca मिबिन मार्बन हहेए छ বঞ্চিত করা ভিন্ন ইহার অা কি উদ্দেশ্য হইতে পারে 🤌 উড়েু গাহের সকল বিধ য়ের সুখ্যা কমান কার্যাটির যে ঔ,চিতা প্রতিপাদনচেন্ড। পাইয়াছেন সেটি নিত স্থ रामाकत्। १०० **च**टकत् सक्षः स्ट्रेट ১১० **ब्राह्म ७ ७१८ हरेटड ३२८ ब्राह्म यान** ফলাংশে জুলা হয়, তাহা হইলে আমরা বলিতে পারি, উচ্ছো সাহের এত দিন অক্ষবিদ্যার যে চর্চো করিলেন, ভাহা ফলোপধারী হয় নাই। অপর, উড়ে। मारहरवत असाविक निवरमत केरफनाही अ প্রশংসনীয় নয়। বারু মনোমেছেন घोषरक अभिषय कहारे छ। हात्र छ। प्रभा। অধিক্তর ছুংখের বিষয় এই, ইছ:তে বিপ রীত ফল ফ,লিল; ভিনি স্বয়ংই অপদন্ত হইলেন তাঁহারা বক্তৃ হা শ্রোভাদিগের थात्र काश्तरे श्रमत्थाहिनी इत नारे।

ঘিনি যাহা বলুন, যেৰূপ বক্তৃতা কৰুন, যেৰূপ অভিপ্ৰাধ প্ৰকাশ কৰুন, যাবং দিবিল সৰ্বিস পরীক্ষাগ্রহণপ্রথা ইংল গুরু ন্যায় ভারতবর্ষে প্রবৃত্তিত না হইবে, ভাবৎ সিধিল সর্বিস্থার ভারতবর্ষীয়দিগের 📭 🕍 बटका वास्त्रीय 👼 शांकिक इंडेटकट्ड ना । ্ৰু, ঘার প্রশন্তৰূপে উহাতিত না হই লেও এ দেশের প্রকৃত মললের সম্ভাবনা नारे। याँ इता अटममीय मिश्रक निविल পদদান বিষ্ট্র সর্বাতের কুঠভাব এদকুরি করিতেছেন, তাঁহারা এক বার নিম্ন লিষিত বাকাওলির প্রতি দৃটিপাত করুন, " বাজিনিষ্ঠ স্বাধীনভার বিষষ (১) भगनावमद्र देमनिक সৈনিকেত্র রাজপদলাভ ব্যবস্থাকে গণনা উচিত। ইহাই यथार्थ चाधीन छा, किछ এ অংশে পৃথিবীর প্রধান প্রধান রাজাদি গের রাজনীতি অভি অনুসার সংকীর্ণ ও অসমত ছিল। রোম বহু শত।কী কাল মিবিয়দলের প্রতিভা ও সাহস সম্পন্ন ব্যক্তিদিগকে যোগা পুরস্কার ছইতে ব্যাতি করিয়া রাখিরাছিলেন। ইদানীস্তনকালের ফরাসিরাজ্যেও অভি াত দল ভিন্ন অন্য ব্যক্তি সৈনিক সম্বস্থে িচ্চপদ প্রাপ্ত হন নাই। বিনিস পেটি সিগদলকে काराटकव অধ্যক্ত;পদ এবং বিদেশীয়দিগকে रेमिनिक भम প্রদান করেন। কিন্তু ইংল ও এ প্রকার জাতি ও শ্রেণাঘটিত ইতর্বিশেষ করিবার বিধয়ে অবজঃ। अमर्भन करतन। क्रयक भूज हेश्लरकुत काहरकत ७ (मन मरलत व्यथ) क्रडाशरप, ल.र्ड शहे हार्ट्यलद्वत এবং কাণ্টের্ররির লাডবিশপের পদে অংরোছণ করিতে পারে। ইংলত্তে সকলের প্রতি যে এই বিজ্ঞানাচিত ন্যায়ানুগত ভুলা ব্যবহার করা হইয়া থাকে, এচুর পরিমাণে ভাহার ফললাভও হইতেছে। এ वावका ना शाकित्न हे लाखत वृष्टिमान ব্যক্তিরা অভেতি ও অপরিচিত হইরা 'জীবন যাপন করিয়া যাইছেন সনেস্ছ নাই। ইংলও ঐ বাবস্থা কারিয়া কেবল वाङ्गिपिरशत বুলিমান ( ) अन खत्म त्रमत् धर्गा हर्। सम गर्न

(मन । अंधे मर।

লাভ করিতেছেন একপ নয়, সমাজেও পরম্পর প্রতিষদী অভিদ্যাত ও প্রাক্তত দলের সৃষ্টি না হইয়া উভয় দল একাগুণ সম্পান্ধ হইয়াছেন । " বে সমবাবহার ইংলতের উন্নতির মূল, তাহা ভারতবর্ষে প্রবর্তিত করিয়া ভারতবর্ষের উন্নতিস্থান কি উদারাশয় পক্ষপাভহীন ইংলতীয় গবর্ণমেন্টর কর্ত্তব্য নয় : একপ বাবহার বিনা ভারতবর্ষের কি যথার্থ উন্নতিলাভ সন্তাবনা আছে? যাবৎ রাজপদপ্রদান বিষয়ে তুলা বাবহার করা না হইবে, ভাবৎ কি ভারতবর্ষ ইউরোপীয় ও ভারতবর্ষীর উভয়ের অকপট সৌহার্দ্দি জিমিবার সন্তাবনা আছে ?

-000-

## विविधमः वाम।

२ ता देवमाच (मामवात ।

আগামী মঙ্গলধার রাত্রি ৮ টার সময় প্রেসি ডেঙ্গি ক্লব নামক সভার দ্বিতীয় বংসরের প্রথম ক্ষণিবেশন ক্টবে। লাড বিশপ সভাপতির আসন গ্রহণ করিবেন এবং প্রেফেস্ক টনি সাহেব লাড মেকলের এসে বিষয়ে উপদেশ

আমরা শুনিয়া আহ্লাদিত ছইলাম, বঙ্গদেশ, উত্তর পশ্চিমাঞ্চল, আষোগ্যা ও মধ্য
ভারতবর্ষের মধ্যে যে চারি জন ছাত্র সর্নাপেকা
উত্তমরূপ প্রবেশিকা পরীকা দিবেন, ভাইাদিগকে
পুরক্ষার দিবার নিমিত্ত সর স্টাফোর্ড নর্ব কোট
২০০০ টাকা প্রেরণ করিয়াছেন । এই টাকা
রেজিন্তার সটক্রিকের হস্তে অপিত হইয়াছে।
বোধ ই ও মাজ্রাজে এই প্রকার ২০০০ করিয়া
টাকা প্রেরিড হইয়াছে। সর স্টাফোড নর্ধ
কোট চ'দনির চিকিৎসালয়ের উন্নভির নিমিত্তও
১০০০ টাকার এক চেক প্রেরণ করিয়াছেন।
আমরা এই কার্যনারা অত্যন্ত কৃত্ত হুলাম।
মারিগণ এই প্রকারে এ দেশের প্রতি মনোযোগী
হন, এটা অভিশ্বর ক্রুখের বিষয়।

জর্জ টি বিলিয়ান সাংহব সম্প্রতি হাউস অব
ক্ষণে সংবাদ দিয়াছেন, ভারতবর্ষীয় কর্মচারি
গণ উপযুক্ত হইলে ভাহাদিগকে বিনাপরীক্ষায়
দিবিল সর্নিসে প্রবেশ করিতে দেওরা হয়।
এ বিষয়ে ভিনি প্রভাব করিবেন। টি বিলিয়ান
সাহেবকে আমরা ধনবাদ প্রদান করি ই বিশ্ব

পরীক্ষাপ্রণালী উঠাইয়া দেওয়া আমাদের অভি প্রেড নহে। দওনের ন্যার ভারতবর্ষে পরীকা হয় আমাদিশের এই প্রার্থনা।

সম্প্রতি কাবুলে ভরামক ভূষিকম্প হওয়াতে করেকটী নাম ভগ হইয়াছে।

বাবু কেশবচন্ত্র সেন বোধাইয়ে অভ্যন্ত যশোলাভ করিয়াছেন। ডিনি বেধানে উপদেশ দিছেন, সেধানে এত লোক উপস্থিত হইডেন যে দাঁড়াইবার স্থান হইড না। উপদেশের শেষে সকলেই তাঁহাকে দর্শন করিডে ও তাঁহার সহিছ ছই একটা কথা কহিডে ইন্ছাপ্রকাশ করি-তেন। কলিকাভার উর্বিলীস আক্স সমা-থের জন্য বোধাইয়ে কডক চাঁদা উরিয়াদে এবং বোধাইয়ে আক্সাধর্মের জীর্জি হউডেছে। ভত্রত্য জনেক সোকের জন্মবোধে ডিনি রাম মোহন রায়ের গ্রন্থকল ইংরাজী ও সংস্কৃতে পুন মুদ্রিত করিডেছেন।

চা-কমিসনের কার্য্যের শেষ চইয়াছে।
তাঁহারা বিনা আড়ম্বরে অনেক ত সুনন্ধান করিয়া
অনেক বিনয় অবগত হইয়'ছেন। আমরা শুনি
লাম, কুলিদিগের প্রতি যে অত্যাচার হয় এবং
অনেক মিরমবহির্ভূত কর্মচারী গোপনে চার চাষ্
করেন বলিয়া যে ইহার প্রতি মনোযোগী হন
না, ক্মিসন ভাহার প্রমাণ পাইয়াছেন। তাঁহারা
শীল্র কলিকাভার প্রভাগেমন করিবেন।

সম্প্রতি পঞ্চাবের করেক জন কর্মচারী লাহোরে এক পর্যালয় জ্বাপন করিবার প্রস্তাব করেন, কিন্তু সর ডোনালড মাকলিয়ত কলিকা' ভার দৃষ্টাস্তদশনে সভর্ক হইয়া এই প্রস্তাব জ্যাহা করিয়াছেন।

বিজয় গ্রামের রাজা লগুনস্থ হাইছ পার্কের
নিমিত্র একটা ফোয়ারা প্রদান করিয়াছেন।
ইহাতে ১৪০০০ টাকা বীয়া ইইয়াছে। সম্প্রতি
মহাসমারোহে এটা খোলা হয়। রাজার বদান্য
ভার প্রশংসা করিতে হইবে; কিন্ত ইংলগু
আমাদিগের নিকটে এ প্রকার সাহায্য টাহেন
না। আমরা খদেলের নিমিত্ত এগকল কাল করি
লেই ইংলগু ঘ্রেষ্ট উপকার জ্ঞান করেন।

আনর। এই কার্যন্থারা অত্যন্ত কৃতজ্ঞ চ্ইলাম।

মন্ত্রগণ এই প্রকারে এ দেশের প্রতি মনোযোগী দিগের পেখনের নিমিত্ত এক কণ্ড করিবার হন, এটা অভিশয় সুখের বিষয়।

ক্রেডি টি বিলিয়ান সাচ্চের সম্প্রতি হাউদ অব

ক্রেডি স্বাদি দিয়াছেন, ভারতবর্ষীয় কর্মচারি থাকা আবশ্যন।

সম্রতি বড়বাজারের বাবুরামমোহন মলি কের বাটীতে যে সভা হয়, ডা্হাতে লাভ বিশপ রোমক, সম্রাট জুলিরারের জীবনস্তাভ ঘটিত এক উপদেশপ্রদান করেন। এই উপ্ লক্ষে কতকণ্ডলি এডকেনীয় জীলোক উপস্থিত এন। ভাছারা কি উপদেশের কিছু বুকিতে পারি য়াজেনেন দুলা কেবলাভয় ভাঙ্গিবর নিমিত ভাছাদিগকে সভার শেনহান করা হইয়াছিল দু

ভাইর প্রথম করিয়া আক্রাণিত ইইলাম,
প্রতিদিনের দোকানের পাবে যে গোপনীর
ধার থাছে, তাহাতে সক্ষার পর এক এক তালা
লাগন হয় এবং তাহার চারি পুলিনের হস্তে
থাকে। হগ সাহেব এই বন্দোরস্ত করিয়ালেন।
ওগালি গোপনে স্কুরা বিক্রীত ইইতেছে।
হগ সাহেব যদি ইহার যাথার্প জানিতে চাহেন,
ভাইা ইইলে আধরা ভাঁহানে সক্ষে করিয়া লইয়া
খাইতে পারি।

প্রনা যাইভেছে, কলিকাভার কভকপুলি প্রধান প্রেণির বেশা। ভারতেব<sup>নী</sup>য় ব্যবস্থাপক মাভায় আবেদন করিয়া গ্রমির পীড়ার ভাই কর প্রতিবাদ করিয়া মান্স করিয়াছে। শেভাবা সম্প্রদর্শন করিয়া বলিভেছে যে, এই ভাইন হইলো গাভারা কলিকাণা ভ্যাগ করিবে। আঃ এমন নি নাক হইবে!!!

১৮ ৩৯ অন্দের মধ্যেই লক্ষীসরাইপট্যন্ত কড রেইলওয়ে প্রস্তুত হইবে। ভারতবর্ষীয় রেলওয়ে ভিন্ন ছোনের বাণিজেকে অবস্থা কশনার্থ ৭০০ টাকা বেজনে এক এন জ্ঞানকারী পরিদর্শক নিযুক্ত করিবার মানস করিয়াছেন ভাঁহার রিশোট ভালুসারে কোম্পানি ভাড়ার ভারতম্যে করিবেন। এই উপায় অবলম্বন করিয়া ফাঙকলিন প্রেষ্টেজ সাহেব এভ লাভ করিছে কেন।

আমরা অবগত হইলাম, পূর্ণ বালালার পেল ওয়ে কোম্পানি সম্প্রতি যে ভাড়ার্জি করি য়াজিলেন, গবর্ণমেন্ট ভাহা কমাইবার আজ্ঞা দিয়াছেন। এই ডাড়া অবিলয়ে কমান কর্ত্তর। ভকুপকান হইলে জানা ঘাইবে, অনেক দৈনিক আবোহী এভলিবলন নৌকায় গমনাগমন করি ভেছেন।

আমবা আরও জনরবৈ আবণ করিলাম, ভারতবর্ষীর স্বর্গমেন্ট যাবতীয় রেলওয়ের ড়তীয় জেনির ভাড়া একবিণ করিয়া এতি মাইলের ভাড়ার ড্ডীরাংশ ক্ষাইবার মানস করিয়াছেন। ইহাতে স্মিসাধারণের ও কোম্পা নির উভয়প্রেরই লাভ হইবে।

ং রা এপ্রেল ঝার্লীতে ঝড় ও শিলার্কি বওয়াতে ৫৬ জন লোকের মৃত্যু হইয়াছে। শিলাগুলি অভি রহুং হইয়াছিল।

्रक्षां इत्म श्रीय गवर्गाम जासा मिया | कञक थनि निसूत सामीतात यहि स्ट्रिये।

্ছেন, যেগকল এত জেনীয় আফিনয় ও দৈনিক পীড়ানিবন্ধন বিদায় লইয়া বাদী ঘাইবেন, ভাঁছারা গবর্ণমেন্টের বাস্গীয় জাহ'জে ও তেল পুরুত্তি বিনাভাড়ায় ঘাইতে পারিবেন। এটি

নিৰ কাজ হইয়াছে। আমরা এক বার ভূগান হইতে প্রত্যাগত কতকগুলি নিরাজ্ঞা শিভিত শীক টেগন্যের অবস্থাদর্শনে বিরক্তি প্রকাশ করিয়াছিলাম।

পিয়নিয়ব বলেন, স'ং ডোনালড মাকলিয়ড আবোগালাভ করিয়াছেন।

উক্ত পত্র বলেন, সম্প্রতি গবর্গব ক্লেনরলের কোজিলের এক জন ভূতপূর্দ্দি সভা সর প্রীকোড নার্থ কোট কে দর্শন করিয়। ভিজ্ঞাস। করেন সর প্রীকোড! তবে ভারত বর্ধীয় সংসাদপত্রসমূহ আপনাকে তর্ত্তা ভাষী গবর্গব জেনরল করিয়া ছেন "। সর প্রীক্ষোড নার্পকোট উত্তর করিলেন, অ মি মহাশয়কে ধন্যোদ দিতেছি । কিন্তু আজি এখানেই এভ গালি প্রাপ্ত হতৈছি যে, ভারত বর্ষে যাইবার আবেশ্যকতা নাই।"

উক্ত পত্র প্রবণ করিয়াছেন, এ দেশের জ্বল বায়দ্বরা সর সাইমর ফিটফারলড় এত ছুর্দাল ও লান হইয়াজেন, যে আবিসিনিয়ার যুদ্ধ না থাকিলে তিনি অবিলয়ে পদত্যাগ করিতেন।

উজ্পত্র অবগত হইরাছেন, ফিরেছ শাহ বোরাডের আখুনেদর বিরুদ্ধে এক দল করাতে আখুনা গাঁহাকে তথা হইতে দুরীভূত করিয়া-ছেন

বেরিলির ডাক্তর হেল পদত্রক্তে কলিকাভায় আসিতেছেন। তিনি কোম ইংরাজী হোটেলে। না থাকিয়া এতদ্দেশীয় সরাইয়ে অবস্থিতি করিয়া আগমন করিতেছেন।

ইণ্ডিয়ান পবলিক ওপিনিয়ন বলেন, সম্প্রতি নিয়ালকোট বিভাগের এক জন জীলোক চারিটী পুত্র প্রদান করিয়াছেন। মাতা ও নিশু গণ স্তুত্ব আছেন। এরপ স্থলে ইংলণ্ডেশ্বরী প্রস্তুতিদিগকে কভক টাকা দিয়া থাকেন। আমর বোগ করি, সর জন লরেল দেই দৃষ্টাক্তের ভানুদ রণ করিবেন।

উজপত্র জাবণ করিয়াছেন, কর্পুরজনার রাজা জাবেদন করিয়াছেন, ভাঁছার রাজ্য ভদীয় আডাদিগের মধ্যে বিভজ্ঞ করিবার পূর্ণ্ণে ডিনি এক বার প্রধানতম গবর্ধমেটের নিকট জাপীল করিবার মানদ করেন, এই নিমিন্ত, জাদীনপ্রপ্রপ ভিনি এক লক্ষ্ণ টাকা জমা দিতে স্থীকার করি য়াছেন। রাজ্য বিভক্ত করা অবিধি ছইভেছে। বাজার আডাদিগকে কিছু কিছু টাকা দিয়া রক্ষা করিবার চেষ্টা করা কর্মধা। নচেৎ ক্পুরতলায় কৃত্রকগুলি নিক্ষর স্বামীরের স্বিষ্টি ছইবে।

সক্ততি চাপাত্তসায় যে জীলেকটী চ ক্ইরা পতিত থাকে, ভাষ্যে বিষয়ে আরও 🗦 नकाम रहेत्रार्ड । भा विभिक्ताकारकई समा छ , १ করিয়াভিল। ত্রৌগনামক এক জন ছেতেল অগ্যান ভাছাকে বিবাহ কৰে। ঐ ব্যক্তিব মৃত্যুর প্র ে এক জন রেলগুয়ে কর্মচারীর অধীন ছিল। কিছ क्ति **रहेल मालवाका**(दृद्ध अक क्रम (माक्राना क তাংকে উপপন্ধী কবিয়া রাখে। এই ক্জিকে राज्ञा (मञ्जू) रहे जाएक। खीरन कड़ीत ५०० ৮০০ টাকার জালক্ষর ছিলা ভাষা অনুশা হইতেছে ৷ তাহার উপপতিকে জিঞ্চান করাতে रम विल्ल मुजुरेत हो जिएड रम का हो रक छ। कि ह না বলিয়া বাটী হইতে চলিয়া যায়। সে ভাহার মৃত্যুর সংবাদ ভাবণ করিয়াছিল। কিন্তু হল্পামের **खरा (कान डिक दी) करत नाई:** (वनहात ना त्यार**७ इ**स जिका नर्हर ज्या शास्त्र प्रदा निक् त्र जाइ।

৩ রা বৈশাখ মঙ্গলবার।

আমরা প্রবণ করিয়। আহ্লাদিত চইলাম,
মাজারে গবর্গনেন্টের অন্ত্রোবে স্টেটসেরেটারি
তত্ত্রত, মানমন্দর রক্ষা করিতে সন্মত হইরাছেন। এই মানমন্দির হইতে পগদন সাচেব
অনেকগুলি ন্তরন এই নকত্র আবিক্ত করি
য়াছিলেন। কিছুদিন হইল এটা উঠাইরা দিবা
প্রস্তাব হয়। ভাবতবর্ষীর গবর্গনেন্ট বিজ্ঞান
বিষয়ে অতি জন্মই সাহায্য করেন। এক্ষণে
ঐ বিষয়ে যাহা কিঞিৎ সাহায্য করা হয়, তাহা

দিলে অর্থসাধারণের প্রতি নিতাপ্ত অবিচার ইইবে।

সম্প্রতি মহারা রণবার সংহ হোষণা করিয়াছেন, ভুর্নিস্থান হইতে যত বাণিজ্ঞা দ্রৱ লাডক ও কাম্মীরে আসিবে, ১৮৬৮ আব্দের প্রারম্ভ ভাবধি ভাহাতে কেবল শভকরা পাঁচ টাক। শুক্ত গৃছীত হইবে। এ বিষয়ে রাজা ভাব **उवसीय भवर्गमान्ति । हाम सन्क दानिक क**न्नि (लम । वला, नामांविभ उष्प, टेंडन, bि, विक्रि রির রপ্তানি শুলক লাগিবে না। পদমের শুল্ক ১২ টাক। হইতে ৬ টাকা ও প্ৰমী ব্ৰের শুল্ক ৭ টাকা হটতে আন টাকা ধ্ইয়াছে। রাজা এই ঘোষণা করিয়া আশাপ্রকাশ করিয়াছেন, এক্ষণ अवनि वनिरक्षां अनुब सवन्तरहा कान्यीरत जान मन कतिर्तन । तनवीत जिश्ह यथाथ छेलाञ्च व्यवज्ञ ষ্ম করিয়াচেম : কিন্তু যত দিন ভাঁহার কর্মচারি গণ ভদ্রত। অবলয়ন না করিছেছেন তত দিন এই যোষণার বড় ফলু হইবে না !

ত্রিটিস ত্রক্ষে পুস্তক পাওয়া নিভান্ত কঠিন। তথার একটাও সাধালে পুস্তকালয় নাই। সম্প্রতি কৃতকণ্ডলি ইউনোপীয় কম লোক একত্র do Montagatal.

হইরা ঐ স্থলে এক পুজুকালর স্থাপিত করিয়া ছেন। বেবরেও বেনেট নাহেব নিচের প্রায় বিশেষ পুজুক এই পুস্তাকালয়ে প্রদান করি-য়াছেব।

্র মান্ত্রাজের নিকটস্থ সেউটমাস পর্কতের ় নিকটে এক হুতন তীর্থ হইয়াছে । প্রায় চারি **मंड दर्शैदक्**रेंग ?**छ**न, जानीनायक এक सम ४६<sup>--</sup>बिके भौता शानजात करतम । भृद्रात नत लाएक छाहारक भीत विलिश मध्यान कतिएउन ! সপ্রত্যতি কর্ণাট রাজবংশীয় এক ব্যক্তি কাশরো গগ্রস্ত হন। তিনি কোন প্রকারে আরোগ্যলাভ कविएक भारतम नारे। किह्नमिन स्ट्रेन किन भीतरक चर्ध (प्रथिवाकितन। भीत साहारक বলেন অমুদ স্থানের বালুকাভক্ষণ করিলে পীড়া শান্তি হইবে। কাসিম আলি ভদমুসায়ে সেই वः लुका खक्कन कविद्या चार्त्वाता लाख कर्तन। বাল্ডা খনন করাতে পীরের করর বহিগত कडेशारक । खशांस अकरन महत्व महत्व (नारक उत्पत्र निमिष्ठ शयन क ब्रिडिंग्सन । क निम च्यालि प्रतिशांत क किंद्र नहें ! इस । अ श्राप्तीत क्कितिएक लाख खाटक । कामानिरशत मास्तिरमः দকির ( ১) ভার'র দৃষ্টাস্ত।

বাবু কালীপ্রশন্ধ সিংক কলিকাভার চারিটী
ক্রেয়ারা দিবার জন্য ১০,০০০ টাকা প্রদান
করিয়াছিলেন । ক্যোয়ারা গুলি জনেক দিন হইল
আসিয়াছে । কিছু আমরা অবগত হইলাম সে
গুলি গাস কোম্পানির উঠানে গড়াগড়ি ঘটে
তেছে। উপরে যে বাচগুল জিল তাহা ভগ
হইয়া গিয়াছে । কিছুদিনপর্যান্ত জাইসেরা
কোরারা বসাইবার স্থান স্থির করিছে পারেন
নাই। এক্ষণে এভকেশীয় বিভাগে বসান হইবে,
স্থির হইয়াছে । কিছু জাবার এক আপত্তি
উপস্থিত হইয়াছে ধে পর্যপ্রবালী না হইলে
কোয়ারা বসান হইবেন।।

ববলিওগেস সংহেব আমেরিকার দূত হইয়া
চীনে আসিয়াছিলেন। চীনের সামটি তাঁহাকে
আবার আপনার দৃত করিয়া ওয়াসিওটনে
প্রেরণ করিয়াছেন। এক জন ইংরাজ এক জন
করালী ও এক জন রূলীয় এই দৃত্তর সহকারী
ইইয়াছেন। করেক জন সজ্যান্ত যুবক চীনে
দৌত্যকার্য্য শিশিবার জন্য দৃত্তের সহিত গান্তন
করিতেচেন। বুরিয়া কাজ করিতে পারিলে
এত্রায়া অনেক মক্ল হইবে।

8 की देवनाथ बूधवातः ।

পূলার বন্ধ উপলক্ষে অনেক জেলার জ্ঞঞ্জ আপন আপন আদালত এক কালে বন্ধ করাতে

.क) जमाति ্দেওয়ানী मकद्म्या ক্রিত থাকে। জজের। প্রধানতম বিভারালয়ের পত্র গুলির খাঁপ্রভুগ্তর দেন নাই। ইহাতে জানেক মসুবিধা ঘটনা হওয়াতে প্রধান তম বিচারালয় मास्त्रा विदारहन, ১৮৩৮ जरमत २७ क बार्टत নিলামত আদালতের সরকুলর অনুসারে পকল কাঞ্জ করিতে হইবে। রবিবারব্যক্তীত আর कान मिवन क्षोबनाती चानाना वस शांकिएक शास्त्र ना। (मञ्जानी सकसमात्र अर्कता विहात না হউক এরপ অনেক অভিবিক্ত কাল আছে যাহা স্থ:গত রাখিলে অনিষ্ট হইবার সভাবনা এই विटवहना कर्त्रया कक्षिणिटक वना व्हेयाटक् গ্রারা এইসকল বন্ধের দিন যেন জোপনাদি-গের মহকুমা ভাগে না কংন এবং ফৌজদারি मकफ्रमा (यन क्तिक म। इ.) को क्रमांत्र विकाश वम्म श्रीकारिक व्यक्तिक व्यक्त स्मातिक करत्रसित আলিল রুখা হয়। মেয়াল খাটিয়া বহিগত হটলে জজ শেষে '' মুক্ত <sup>৯</sup> করিবার আজা দেন।

চাপাওলার হত জীলোকটার মৃত্যুর কার ণের অন্ত্রনন্ধান আর্ভ হইয়াছে। দ্বীলোকটার জনস্থান মাজোজ > কিন্তু সে বাল্যকালাবণি কলিকাভায় ছিল। টো নামক এক জন **डाहारत विवाह करत,** কিঙদলি নামক একজন রেল গয়ে কণ্মচারী ভাহার **উ**পপ**িত হয়। সম্প্রতি** माध्यहता महानामक अक स्राम (मःकामपाय ভাহাকে উপপন্ধীর ন্যান্ন রাখিয়াছিল। মাধ্ব-চন্দ্র দত শীকার করিয়াছে যে রাত্রিতে স্ত্রীলো-কটা হত হয়, সেই হাত্রিতে একটা পর্যন্ত সে তাহার সহিত হিল। কিন্তু তৎপরে কিন্তুসলি জাসিয়া ভাহাকে লইয়া যায়, কিঙ সলি স্বীকার করিয়াছে ধে সে জীলোকটাকে অভিগয় প্রকরী জ্ঞান করিও এবং ভাষার জন্মসন্ধান করিয়া অনেক স্থানে ভ্রমণ করে ; কিন্তু ঈশ্বরের নাম পাঠ করিয়া বলিয়াছে হত্যার ৭৮৮ দিন পুর্বা ২ইতে সে কলিকাভায় আইসে নাই। পুলিস যদি বুদ্ধি गान रम, जर्द शक् व रज्य काती दक यू क विद्राल পারিবেন । কিন্তু রবটিস সাহেবের অনুসন্ধানে किष्ट्रहे इहेटव ना।

বোৰাইরের কডকগুলি ইউরোপীয় ও এড দেশীয় ভদ্র লোক ১৮৬৯ অব্দে তথায় এক বৃহৎ প্রদর্শন করিবার নিষিত্ত সর সাইমর ফিট জারলতের নিকটে আবেদন করেন, ভদসুসাবে গভ সলস্বারের পূর্ম সলস্বার শাসনকর্তা একএক করিরা সকলকে বলিরাছেন, ষ্টেট সেকটান্থির নিকট আবেদন করিলে ভিনি অবশাই লাভায় कतिर्वन अवर गिर्कि विक्रम कतिया कछक है। का देनित । किंग करमक अनक्त स्मार्कित अहे कतारत कामीन स्टेस्ड स्टेस्ड स्वर्ग स्वान स्वरम कर्मान स्व छात्रा स्टेस्न खाँसान्न हैं। मा कतिया राहे गिका मिरवन । करमक अन्य हेशास्त्र जन्मक स्टेसारहन, कनिकाखान्न भूनक्तान अक्षी क्षमनन कावन। क स्टेस्डरहं।

জ্ঞীরামপুরের ছোট আদালতে অনেক মকদ্দমা জমাতে গ্রাব্দিট আজ্ঞা দিয়াছেন,
নিয় মত দিবসবাজীত ছ্যালীর ছোট আদালা
তের জজকে জুনপর্যান্ত প্রভ্যেক সোম ও
মঙ্গলার জয় উভয় স্থানেরই মকদ্দমার নিজ্পত্তি
করিয়া থাকেন।

नकरमरे व्यवश्राक्त ভারতবর্ষীয় **१**७३१८७ **ज**्न (क ভগ বাটী विकास कतिया वाङ्माञ्च रहेश्रारह्म। २००० ष्टिकांत वाणे**एड** ५०,००० ५२० ० नेका (प्रस्ता ংইয়াছে। সঞাত হাওড়ায় ... সূতন সেতু হইয়াছে, ভানমিত কতকত ে টো অনুয় করা रम्। अक्टब (मञ्ज **अख** ठ रखनाएक (मम्राह्मल राष्ट्रियात्रान , श्रद्धाजनारिक कृष्य लहेसाहित्लन भवनंत्राने क संघेष्ठ अहे अखितिक कृषिमकन भूनकीत विक्रम कः त्र इट्डिम । (म्थान ১०.०० शिकात्र क्या क्षेत्राट्ड **काश २००० । २८००** টাকায় বিক্রীক হইতেছে। অনেক স্থলে পুর্বাধি का त्रावह प्राचात क्ष्यां हहेट छ हम। घटना भः जुना य किছू नाज दाशनिरंगवृहे स्हेन। शव ড়ার অনেকে এই প্রকার এক বার অপরিমিত মূলে ভূমে বিজ্ঞাধ পূৰ্বকৈ ভাষা আবার সামান; श्रामः उत्तर कतियावन वान इहेप्रार्ट्स । रकान् वर्रास्क এই नकन जारारग्र निमित्त माग्री ? भवनिक ওয়াক বিভাগের সংশোধন কি কিছুডেই হট

কলিকাভার বণিক সম্প্রদায় ইংলঞীর পত্র শমুহের মান্ত্রগুদ্ধির প্রতিধাদ করিয়া প্রেট শেকেটারির নিকট আবেদন করিয়াকেন।

বোৰাই স্থেত ফ্রিচ চি মেশন বাটী প্রস্তুত করিবার জান্য ভারতবর্ষীয় গ্রন্থকৈট ২০,০০০ টাকা প্রদান করিয়াকেন!! আমরা পুরীয়ধন্মের নিম্নত এই সকল ব্যয়ের প্রতিবাদ করিছে ।।
এক্ষণে সর্বাধারণের একষাক্য হইয়া হাউস অব কমলের নিক্ট এ বিধরে আবেদন করা উচিত।

করির৷ সকলকে বলিরাছেন, ষ্টেট সেক্রটান্থির সিটনকার সাহেব বিশ্ববিদ্যালয়ের পারি
নিকট জাবেদন করিলে ডিনি অবশ্যই লাহায় বিভাগিকপ্রদান উপলক্ষে যে বজ্ঞা কংন

সমুত্রার প্রকাশ করিয়াছেন । একখানি সংবাদ পত্র বলেন, ভিনি ভারতথ্যে জান্ময়। আর किङ्ग का करिए अर्थ अर्थ वस्तु छ। एक स्वाहात नाम किवन्सद्रभीश स्कृष्ट ।

#### ৫ ३ टेनमा थ तृहम्माखिवात ।

অংশবা তঃখিত হইয়া প্রকাশ করিভেছি, ; রাজ্য করিভেছে। মরিধনে যে মারীভয় হয়, তাহা সমান রহি যাতে। গভ ফেব্রুয়ারি নাঙ্গে ২,২২৯ জন জ্বরে। পেটর পদ উঠির। যাইবে। নেপালের সহিত, স্থাণত্যাপ কার্যাছে। এমন 'ক্রেম্বায় কিছু দিন প্রাম্থ মার্যমে কুলি প্রেরণ বন্ধ করা উচিত।

गाञ्चारकात दिचितिकालग्न मीख श्राष्ट्रक हरे েডে, এবৎসবের শেষে এই বাটীটী সম্পূর্ণ প্রান্তত হইবে। কলিকাভার বিশ্ববিদ্যালয়ের বাটা তিল ভাওেখনের নায়ে প্রত্যন্তল তিল ব জিড হইতেছে।

হাজনিয়ন্ত্ৰণ পাল বলেন, কলিকাভায় পয়ঃ क हास्त्रीन 4 भौजािक इहेरहर्छ। यामारण प्रिवीद ह त्य की वाष्ट्रा इहेट उट्टा छ। हा त ব্দেনকাংশ এক্সত হইয়াছে। এই চৌবাক্ষ্ণর দেয়ালগুলি স্থায়ী হয় কিনা, ভাহা পরীকা कत्र आवग्रक। अस्तक हेकि नियुव वालन, छ। न श्रहेटलई (महाल रिश्ता याहर्य

১৮৬৭ অন্দের এপ্রেল অব্দি ৩১ এ ডিনে খরপর্যান্ত সমুদায় ভারতবর্ষে ৩১,০৭৮৬, 83. होका काम ख २४ २५,०३,०३ होका वास इहेसारह। श्रृक्ष वरमहत अहे प्रमारम्य भएका ৩৪,৮৮,৩১,১৫. টাকা আয় ও ১১,২০,৮০. ७ । भारत वास इत्साहिल।

মহারাজ সিজিয়া হরিছাবে গমন করিতে ছেন। ভরতপুরের রাজা কলিকাভায় আসি-বেন ৷

কারুল হইতে সংবাদ আসিয়াছে, সম্প্রতি আমীর নিয়ারআলি খার মত্র আকজল খাও আমীবের পুল জাকুব যাঁ গির্শিক তামে আজিম খাঁর সেনাপতি আজিজ খাঁকে সম্পূর্ণ রূপে পরাজিত করিয়াহেন। আভিজ খা কান্দাহার ভ্যাগ করিয়া পলায়ন করিয়া ছেন এবং উক্ত নগর সিয়ার আলির হস্তগত বইয়াছে। জাবছল রংখন খা আন্যাপি সমুদায় ভুকিস্থান শাসন করিতে সমর্থ হন জ্ঞাজিম খার জ্বড়ায়নর স্থান রহিয়াছে। मकादगरवत काध्योत ७ काम क्या क्रमान इक्षारक অংকেকে বির্জ্ঞ ্ইয়াছেন। তিনি সম্প্রতি বিবি মুরাদের আতার জায়গাঁর কাড়িয়া লও-क्षांट उक्त ताओ दलिबारहन, फिलि आत । क्रांस विषय अहे वि, तां क्रूटन्य सूर्याभीयात्र हिन । कासीत नाल अक्त भावित अ जीनगांत

বোষাইতের স্থানার্থে তৎপ্রতি অভিশ্য কার্তুলে থাকিবেন না। জ্ঞাবছল রহমন খাঁত মাভার মতে মত দিয়াছেন। বিবি মুরাদের वृक्षिण्डिरे श्रथमञः कामखून वा शास्त्र काकिम ৰ'। সিংহাদন প্ৰাপ্ত হন। তিনি চটিলেই আঞ্চিম थीत प्रक्रिक ज्यावष्ट्रम प्रक्रमत्त्र अकामा विर्म्हम 6हेर्रा जावहन तस्परनत छारगःहे नि 'स्तिम

> এঘন জনজ্ঞতি, নেশালের সহকারী রেসিডে ব্রিটিল গ্রেগ্রেটের এমন কোন বিশেষ দৌত্য সম্পর্নাই যে, তথায় এক জন সহকারী রেসি (ড? ন্ট্র আবশ্কতা ১র।

পব निक अभिनिष्ठन वर्तन, সম্প্রতি সোয়াছ ্স্ত হিন্দুস্থানীলণ পঞ্চাব গ্ৰগ্নেটের নিকটে ञार्यप्रम करत, 'डाइःपिशरक क्षशकदिरल 'खाइात्र' यदम्दम প্রভ্যাগমন করে। পেনোর।রের কমি সনর ঐ আদেনপঞ্বাহককে কারার করিয়া (इस। এই मकल शना उक रेम्बिकिनिश्त शर्या ख प्रश्र व्हेन्नाटकः। विद्यादिक् कण स्था काला देशवा বিলক্ষণ কানিয়াছে। তাতঃপর আমাদের মতে इहाभिगरक क्रमः क्याहे दर्खनः। छारा इहेरल हेरावा (य (कवल विश्वल श्रक्ता इहेर्त असन नर्ह, ইহাদিগের দৃষ্টান্তে আরও অনেকে সভর্ক ইইবে '

বোষাইয়ের মামলাভদার্দিগের বেতন্ত্ 🕏 করা হইয়াছে। আলে বেতন বলিয়া কুডবিদ্যগণ এইসকল পদ গ্রহণ করিতেন না বলিয়া সর সাই মর ফিটজাবলড বার্জিড বেতন দিবার প্রস্তাব করিয়া ছেলেন।

इेखियान (छ्लिनिडेम अदग्र इहेग्राट्डन) মফসলের ভূডীয় জেনির লোকদিগকে বাসলো ভাষায় উত্তৰক্ষে শিক্ষা দিবাব নিমিত্ত প্ৰস্তাব করা হয়। এ বিষয়ে ভি-েইরের মত জিজ্ঞাসা कहार्ट कार्वे किन्न मार्ट्स, देन व्यक्ति उ ভেপুটি ইনস্পেটর দিগের উপরে সম্পূর্ণরূপে নির্ভর করেন। কয়েক জন ভেপুটা ইনস্পেটর প্রস্থাব করিয়াছিলেন, যে স্থানে পাঠশালা হইবে, ভথায় গুরুমহাশয় ও পণ্ডিভর্গণ শিলা किरबन । **৫ । ७ होका (व**न्डन किया **छ**ङ्गशन्तः রাখিলে শিক্ষা উত্তম হইবে। গুরুমহাশয়দিগের विख्न क्ष्म ६१एव वर्षे किष्ठ छ। हात्रा इन्जि मिर्गाय निकर्षे अरनक वार्ष्ठा आनाम कतिएक भारित्यम । अहे श्रञ्जात्वत नगरम त्वाय इम्र. ইহারা বিশাত হইয়াছিলেন, ঐ সকল वारक व्यापारशत नाम हूत । शक्रमश्मग्रान कांज क्तिशरंक वांगित ख्याक এवर श्राख्यानिकतित्रत नातित्कन ও आश्च हूर्ति कतिएक निक्षा मन। नान धाला क कतिय। देकेतार्श नहेता पाईएक

এই প্রস্তাব করা। করিয়া প্রতিক্রিগের ভাগে निका निवाय श्राय क्रियाट्स-।

् अञ्चला कलिकाचात्र स्वकित्रातरत्र 🛣 🗓 गा निक व्यक्षित्वन रहेश शिश्वाटक । (र्वलिट ५कि) है। e ভाলভদ'র মিয়ে। গী পুকুরের নিকটম্ব ভূ ग नकल विक्रम करा स्ट्रेट्डट्स । ककिट्नरा निम्नान म्ह**िङ वगरेखन विकिथ्ना गर**बन वाब्र अमरवर्ग । গার্মির পীড়া চিকিংসার নিমিভ ুঁথে কিকিং গালয় **হইতেচে, জিটি**গেরা ভাষারও বাম मिट्टट्डन। **काराथ** हित्रिक्नामस्यव द्यारीक ग्रथा क्षित्र, कत्तिकात निमिष्ठ अस्टिमिता शवर्ग भिहेरक प्रयुक्तान कतिहार्द्धन । भिष्ठिकाल কালেকের চিকিখন লয়ের নরোগীর সংখ্যা ৩৫০ নিথারিত হয়। আমানা আলোদিত इहेलाभ अहे विषय लहेग्रा छष्टिम मिर्गत गर्वे उ ভাক্তর চিবসের যে বিবাদ হয় ভাক্তর চিবস ভাহ'তে শাস্ত্রানেষে স্বীকার করিয়াছেন।

श्रभामण्य विष्ठांदालय काञ्जा नियाद्वर. আম্মে'জার কখন নিজের নাম করিয়া স'কাং मधरक गालीन कड़िएड भारतम मा। यथारम বাহার কিছু সাথ আছে, সেখানে ভিনি সাকাং স্থক্ষে অংথী হটুতে পারেন গকিও ভারা নঃ थांकित्व मृत्य वा कुत्र नाम निष्क स्ट्रेट्य।

भव छन महरूम अउहामनीय दाङा ६ वि वि भदर्भरम्हेत भानरमत् विषया (य मञ्लेश्वराह्म. ल्लाहर देवेत उप्रवास कराया. अ विषय अञ দ্দেশীয়দিশের মত গ্রহণ করা উটিত ছিল। কিন্তু স্পেকটেটর একটী মহাভ্রমে পতিত হই -য়াছেন। ভিনি বলেন ব্রিটাশ প্রথমেন্ট বিদ্যা শিক্ষাপ্রভৃতিষ্করা যে উৎকর্ষসামি করিতে ছেন, ভার ভবর্ষীয়গণ তাহাতে অ'তেরিক সন্তুষ্ট नरहमा कामद्रा दिलाएक। इ. अवस्था मण्यून व्यम्लक।

७ हे देवलाथ रुज्ञावात ।

জামরা আহ্লাদেও হইলাম, ইংগ্রান ডেলি নিউস স্বীকার কার্য়াছেন ভারতবর্ষীয় সভা রারা ইউরোপীয় ও এতদেশীয়দিগের উপকার ংইতেছে। সভা প্রায় ধাবতীয় বিলের প্রাত আপ্নাদিগের মত প্রকাশ করিয়া অপরিমিত ব্যবস্থা প্রথম্বর প্রতিবন্ধক ছওয়াতে ইউ বোপীয়গণ যে কুভজ গন, ইহা সুখের বিষয়

ফ্রান্সে পারিস, লাগ্রেস ও নাইম সে ভিন্ন ছাগলের পদমে শাল এন্তত হয়, म मिख कतानी আদর্শগুলি ভাল তথাপি বুমন কাশীরের তুলানহো কয়েক अन कतानी वर्शिक काचोरत कृष्टि जानन कतिय। পাশুরা যায় মাত্র। অমৃতসব ও কুবিয়ানার
সাল ভারতবন্ধি হয় ব্যবহার করেন। একবে
সমুবার ভারতবর্ষে ও লক্ষ্য টাক্ষা সালের
বাণিজ্য ইইভেছে। রাজা রণবীর সিংহ যদি
নিজ ঘোষণালুসারে কাজ করেন, ভাহা হইলে

উত্তম করি নিমিন্ত ২০,০০০ টাকায় ২০০ অখ ক্রয় করিয়াছেন।

আমাদিগের দেশে চীননিগের কারিকরির जारनक जान्हर्या शह जाएक। এक्षी भारत खन्। याह ভাহারা ফলের মান্ত্র কুরিতে পারিভ, এ মান্ত্রণ কেবল কথা কহিছে পারিত মা, আর সকল কাজ করিত। লাভকভেডিকনামক এক জন আমেরিকান এই গল্পের যাথার্য্য সপ্রমাণ করিয়া ছেন। তিনি ৭ ফুট ১'ইছি উচ্চ এক বাস্পীয় मञ्जयः कतियादम्यः। इकात् छिन्द्रमध्यः छिन তথের ক্ষমতাযুক্ত একটি কল আছে। ইছা দ্বারা মাতুদ্রী প্রতি মিনিটে এক ক্রোশ ঘাইতে পারে। উহার অঙ্গ প্রতংক সকলই মালুবের ম,'য় > কিছু উহার এত বল যে অমায়াদে বৃহৎ শব हे है। निवा नहेवा याहे एक भारत । खे श्रकात মানুধ ৫০০ ডলার মূলে। বিক্রীত **ংইতেছে। এ**টা ব্যাৰ আৰু হোৱা বিষয় এবং ইছা ছাত্ৰা সাধা বৰ বাজেয়ে রেলওয়ের ন্যায় অফডসভি ষাইবার हेपाय १ईल

উপনগরে বাংশীয় আলোক দেওরাইবার নিমন্ত সুমার হরেন্দ্র কৃষ্ণ বঙ্গদেশীয় ববস্থা প্রকাষ সভায় এক বিল অপান করেতেছেন। উপ্র নগরের ভাগিকাংশ লোক দরিদ্র অভেত্র আমানিগের আশিক্ষা হইতেছে গাস কোম্পানিস বাংয় পোষনে ভার হইবে।

#### ৭ ই ধৈশাথ শ্নিবার।

ই ভারান ভেলিনিউপ অবগত ইইয়াছেন।

গাবতীয় প্রধানতম বিচারালয় ও রেকডারের
আদালত স্থাপন অবর্থি ১৮৬৭ অকের শেষ
পর্যন্তে কত দেওয়ানী ও ফৌজদারি মকদ্মা।
নিশ্চতি ইইয়াছে এবং প্রত্যেক বিচারপতি
কত মকস্মার মীমাংসা করিয়াছেন, ভারতব
ধীর গ্রন্মেন্ট স্থানীয় গ্রন্মেন্টসমূহের নিকটে
ভাহার এক হিসাব চাহিয়াছেন।

উক্ত পত্র কোন বিশ্বস্ত লোকের নিকটে অব গাড হইয়াছেন, স্থাপ্তে নোটপ্রচলনের বিভাগ একত্রীভূত হইয়া এক জন উপযুক্ত অচিক্লিড কমিচারীর অধীন থাকিবে। কালেটর মেকে

श्वित नाम लाहकते हरस यम ना थाहक। छोड़ा वहेल द्वारण याहा हर्षेक, माठित वियरत स्विधा वहेरव ना। এই वरणावरस स्मानक मतकाति वाम वाहिरव।

নিশ্বলিখিত মুল্যে গ্ৰণ্মেন্টের কাগজ বিত্তীত হইডেছে:—

8 1	ীকার	সিকা	9:11-9:No
		কোং	٠١٥٨ د
¢	क्ष व्य	বলিকওরাক	> 4 - > - all -
¢	'n	ርቸተና	: • 5 4-3 - 3
ell	. »	কোং	220 d-22 ello

#### --308---

## ইউরোপীয় সমাচার।

লগুন ২৭ এ মার্চ । গত রাত্রিতে হাউদ অব কমকো ১৫২ জনের মডে ১২৭ জনের অমতে সেনাকলের শারীরিক দণ্ডের আইন উর্দ্বিয়া গিয়াছে। সর জন পাকিডটন অনেক প্রতিবাদ করিয়াও কৃতকার্য্য হইতে পাবেন মাই।

ভিসরেলি সাহেব এক পত্র প্রকাশিত করিয়া বলিয়াছেন, শাসনকার্য্য ও ধর্মের সহিত যে পবিত্র সম্বন্ধ আছে, ভাষা ছেদন করিবার নিমিত্ত এক দল সচেষ্ঠ আছেন। কিন্তু তিনি বলেন ইয়াতে আশু অভিশয় ক্রমলগ্র ও বিপদ হইবে।

ওরিএণলৈ ব্যাঙ্গের অধ্যক্ষণণ গত ছয়মা সের নিমিত্ত অংশীদিগকে তকরাও টাকা লাভ দিয়াছেন।

#### গবর্ণমেন্ট বিজ্ঞাপন। বঙ্গদেশীয় লেপ্টনন্ট গবর্ণরের আদেশাসুসারী নিয়োগ।

৮ ই এপ্রেম। মুবসিদাবাদের অন্তর্গ ডক্সজী পুরের দেপুটি মাজেটেট ও ডেপুটীকালেক্টর বানু গুরুষরণ দাস আনুরাকান্দি উপবিভারোর ভার পাইবেন।

বাউসির ডেপুটি মাজিকেট ও ডেপুটি কালে ইয় বাবু ছরিচরণ ঘোষ মুরসিদাবাদে বদলী হটখা তথার মাজিকেটের ক্ষমতা পাইবেন।

- ভেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি কালেইর মৌলবী আলি গোসেন বাউনি উপবিভাগের ভার
পাইয়া ভাগলপুরে মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন।

ডেপুটি মাজিকেট ও ডেপুটি কালেটর মোল লবী আবছল কাবর (বিনি কিছু দিনের জন্য দিরা জগঞ্জ উপবিভাগের ভার প্রাপ্তরেই রাছিলেন ডিনি) জব ই উপবিভাগের ভার পাইরা মুক্তেরে মাজিটেটর ক্ষমতা পাইবেন

বিদায় লইয়া অনুপত্তিত থাকিবেন, তত দিন ডাক্তর আর, জি, মাথু বাধরগাঁকের প্রতিনিধি সিবিল আসিষ্টান্ট সাহ্জন হইবেন।

ষত দিন এচ, ডবলিউ আলেকজাগুরি সাহের বিদায় লইয়া অনুপক্তিত থাকিবেন ডাড দিন পি, এ, হক্তি সাহের সাহরণের প্রতিনিধি মাজিকেট ও কালেটর হইবেন।

à हे बद्धना छाक्तत एवनिक, छत्रके मक्ष्मभानित हिकिश्नाकर्चहाती स्टेटन ।

মান্ত্র প্রধান বিচারপতি প্রধানতম বিচা রালায়ের আদিম দেওয়ানী বিভাগের মধ্যে-পি. ডি.ডিকেন সাহেবকে পারনিদিগের বিবা হের রেজিটার নিযুক্ত করিরাচেন।

শাহাবাদের (ডপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি কালেইর এল, ডি, আক্র সাহের চম্পারণে বরলী হইয়। প্রথম গ্রেণির অধীন মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন। ডিনি আরও সেসিরনে সম্পাণ করিবার মকদমার প্রথম বিচার করিতে পারিবেন।

ভে, ভে, লাইবস সাহেব চাকার সহকারী মাজিটেট ও কালেকর হইয়া তথায় প্রথম ত্রেণীর অধীন মাজিটেট ব কেল্টি কালেকটেরের ক্ষমতা পাইবেন।

ह छ बारिश्व शर्मा की स्र क्ष्म लित् । निर्माण की श्री श्री की स्थाप की श्री की स्थाप की स्य

নপ্রমাধালির সহকারী পুলিব স্থাপরিকেই থান্ট বি.এ, রাট্রে, সাহেব চট্টগ্রামের পর্কাণীয় অঞ্চলে বংলী হইবেন।

यातु अवनीननः ध तात्र न उन्ना चालित श्रुलिन छश्तिर नेट एक विस्टरनः

্ ভাগলপুবের সহকারী পুলিষ স্থানিটেও জি বারু ঈশ্বনীপ্রসাদ নওয়াখালিতে বদলী হই বেন।

১০ই এপ্রেল। ৬ ই মার্চ ক্ষর্ধি আর, পারি সাহের শিক্ষাবিভাগের চতুর্ব ত্রেণিডে নিযুক্ত ছইরাছেন।

চম্পারণের ভেপুটি মাজিটেট ও ভেপুটি কালেটর মোলবী মহম্মন সাহরণে বদলী হইয়া প্রথম শ্রেণির অনীন মাজিটেটের ক্ষমভা পাইবেন।

मारतर्गत जिल्ला मास्ति के उ जुल्ली कारन हैत मोनवी ध्यानियुष्ठ हार्यने के नातर्ग वमनी रहेया एथात्र मास्ति छिटित गमण भाष्टे वन ।

১৮৬৭ অন্ধের ৬ ই মার্চ নগুগার সহকারী কমিসনর লেপ্টনন্ট টি, বি, মিচেলকে কিছুদি নের নিমিত্ত মাজিকেটের যে ক্ষমতা দেগুরু। হয় তাহা রহিত হইল। তিনি একণ অবধি প্রথমগ্রেণির অধীন মাজিকেটের ক্ষমতা চালন ক্রিবেন।

১৪ ই এপ্রেল। যত দিন টি, উইলসন সংহেব বিদায় লইয়া অনুপঞ্চিত থাকিবেন, তাত দিন এ, এচ, টরণবুল সাহেব কাঝীর প্রতিনিধি স্ব ডেপুটি অহিকেন এজেন্ট হইবেন। যাত দিন এ, এচ, টরণবুল সাহেব সরকারী কার্যোপলকে স্থানান্তর থাকিবেন, উত্ত দিন ফি দি, নেওছাম সাঙেব কাণপুরের প্রতিনিধি সব ্রপুটি অহিকেন একেন্ট ইইবেন।

--- 3 . 2 ----

আমানিগের ঢাকাত্ সংবাদ দাতা লিথিয়াছেন।

১।কাশী পুরের দাসাঘটিত মকদ্যার নিজ্ঞতি হইয়া গিয়াছে। এক সপ্তাহেরও অধি কবাল ঐ মক্দমার বিচার হয়। জুরিগণ জ্ঞগ রাথ বাবুর ১০০০ দশ হাজার টাকা জ্ঞরিমানা এবং অন্য আসামীদিগের পাঁচ পাঁচ বংসর কারাবাসের আদেশ করিয়াছেন। জ্ঞগন্নাথ বাবু শিকলচক্ষু ও বাভব্যাধিগ্রস্ত বলিয়া কারাগার দশন করিলেন না; নচেং ভাষাকেও কারাবা-সের অসহ্য ক্লেশপরশ্রের। সহ্য করিতে হইত!

২। ২২ এ চৈত্র শুক্রবার ঢাকা বিজ্ঞান नकातिनी राज्यात ना १९मतिक अधिद्यनम कार्यः মহানমারে , পাদিত হইয়া গিয়াছে। অপ রাই সপ্তন স<sup>ু হিন</sup>ৰ সময় সভা আর্জ হয়। ডেপুর্তী ইনস্পেটর বাবু অক্ষয়কুমার গেন সভা প্রতির আসন প্রহণ করেন। এই উপলক্ষে বালক गग करहको बहुना था है करता वालक मिर्जुब খর নিতান্ত মধুব 🖟 ফুতরাং রচনাগুলি জ্যোত্ যগের নিরতিশয় প্রতিকর হইয়াছিল। তৎ পরে কভিপয় সভা দ্রায়মান হইয়া বক্ত ডা करतन। छ।को कारमरकत ज्यानाउत সংখ্य निक्क जीवुक वाव धनवध्याव्यव्यवे अवर ঢাকা নর্মাল আনু লের প্রধান লিকক জে এরাটুন नारहरदत वकुछा नरकारकष्टे इइग्लिहिल। প্রসন্ন বাবু আজি কালি আর অপরিচিত বক্তা। নহেন। জ্রমশঃ ভাঁহার বজাভাশজির বৃদ্ধি হইতেছে। এই সভায় তিনি এক ঘটা কাল অনর্গল এরপ বক্তুতা করিয়াছিলেন (য সভা च्छि र किमाद्धि है डाँशांक माधुवान श्रमान করিয়াচেন ট

ত। গত শনিবার আমাদের ঢাকান্থ প্রসিদ্ধ আচর্য্য আকরীয় পদার্থ দৃষ্টিগোচর হয়।
ধনী গণি মিঞা সাহেব ব্যবস্থাপক সমাজ হইতে
ঢাকা নগরে প্রত্যাগত হইয়াছিলেন। তাঁছার
আগমন উপলক্ষে নানা প্রকার বাদ্য ও বস্থাকের
লাদে শনিবার প্রাত্তংকাল বিলক্ষণ শন্ধায়মান
হইয়াছিল। অনেক দর্শকও উপস্থিত হইয়াছি
লোন।

৪। গত কলা এখানে প্রায় সমস্ত দিন বৃষ্টি হইরাছে। এই বৃষ্টি অত্ততা ওলাউঠা- নিবার ণের অমোঘ উষ্ধ হইল। भागांतिरभन्न भागांतिनान्यः मध्यान मांचा विधिनार्द्याः

গত পত্রে নাথুরামনামে যে উপদেব ভার কথা ও এখানকার জীলোকদিগের আমীর সহ বাসের পূর্দ্ধ ভাহার সহিত আলিঙ্গনের যে কুংসিত প্রথার কথা লিখিয়াছিলাম, সেটা সাধা রণ ব্যবহার নছে। স্রাওগী নামে এখানে যে বণিকসম্প্রদায় আছে, ভাহাদের মধ্যেই এই ঘূণাকর প্রথাটী প্রচলিত ভাছে।

শুনিয়াছি. পঞ্চাব অঞ্চলের কোন কোন প্রদেশের প্রীলোকেরা কোন সরোবরে ব। নদীতে লান করিবার সময় উপরে বস্ত্রাদি পরিত্যাগ পূর্মক সম্পূর্ণ উলঙ্গ হইয়া অকুঠিভচিত্তে অব গাহনাদি করে। এখানেও নদীমধ্যে ইওর সম্প্রদায়ের জীলোকদিগকে উপকূলে বল্প পরি ত্যাগপূর্মক অবগাহনাদি করিছে দেখা যায়। শুনিলাম এখানে কোন জীলোক ব্যক্তি চারিণী হইলে বা স্বামী পরিত্যাগ করিয়া অন্য পুরুষের আশ্রম্মগ্রহণ করিলে তাহার লামী রাজধারে তাহার নামে অভিযোগ করিয়া তাহাকে কারারেছ করায়, যে কোন ব্যক্তি ভাহার বামীকে তাহার বিবাহের ও জীর ভরণ পোয়নের নিমিত্ত যে ব্যয় হইয়াছে ভাহা দিতে পারে সেই ব্যক্তিই ঐ জীকে কারামুক্ত করিয়া গ্রহণ করিছে পারে।

অনেকের মুখে শুনিতে পাই, অনত্য জীলো किंदित मर्पा मजीरबृह जामून भी हव नाहै। ন্ত্রীলোকের অন্তুচিত সাধীনতা হউক বা অত্রভা লোকের অজ্ঞভাতা ও অসভাতা হউক এই জঘন ভাবের কারণ। শতাত্য কোন কোন পাছাড়ে লৌहের, চৰকপ্রস্তরের ও আক্রীয় লবংশর থনি আছে। ইছার চারিক্রোশ দুরে লৌং উভোলিত হইতেছে। গোয়ালিয়ারের নিকটক্ত সিপ্সিনগরে যে লৌচ্ছের কারখানা আছে ভাষা বোধ করি পাঠকবর্গের অনেকে অৰণত আছেন। পৰ্দ্মত প্ৰদেশে আনেক প্ৰকার আষ্চর্য্য আকরীর পদার্প দৃষ্টিগোচর হয়। সম্প্রতি অত্তত্তে তুর্গে এক প্রকার প্রস্তুর পাওরা গিয়াছে। ভাষাতে বৃক্ষ লভাদির ন্যায় षाता पृष्टे रहेल, हेशा कान मञ्चरवात बाता চিত্রিত रुप्त नाहे। धेनकत চিত্র অভাবদিছ। কর্ণেল ডেলি সাহেব এই প্রস্তারের করেকখণ্ড বোষে মিউজিয়মে ( চিত্রশালিকার ) পাঠাই তেছেন।

अधारन मिन मिन औरकार शाहकार्व निक्छ

হইডেদে, কিছ ডক্ষনা কোন প্রকার পীড়ার আবিষ্ঠাব হয় নাই। বরং শুনিতে পাইতেছি, শীত কালের আপেকা এখানে বীনাকালে লোকের পীড়াদি কম হয়। শিশুদিগের মনে যে পীড়ার প্রায়ষ্ঠাব ছিল, এখন ভাহার শাসি হইয়াছে।

रामनामनि अ **अ**टेनका काव - 'रू' े দিগের একটা প্রধান রোগ। এ সাকে ভঞ্চল क वाक्रांनित प्रश्या चन्न, क्यांनि मन भूनि हेशास्त्र भाषा विवास्त्रिक वृहिन्नाह्य । कि পাটনা कि এলাহাবাদ कि कांग्रा मर्नाखहे । ১ मल (मच्या (तम । इंहाटमत शतुम्बदात घटा। হিংদা বেষ প্রস্কৃতি লাঘন্য ভাবের বিলক্ষণ প্রভাব দেখা যায়। এখানে এ অঞ্চলের সকল স্থান অপেকা কম বাঙ্গালি আছে, কিন্তু ইছারই मर्था प्रलापनित ऋज भाउ इहेग्राट्ड। हेश्तां ख সভায় বাক্ বিভগু। ও জিদ বঞ্চায় রাখিতে গিয়া কেচ কেছ অপদস্থ হইয়া আর একটা পৃথক সভা করিয়াছেন। ইংাতে ইংরাজ মণ্ডলীতে ও সাধা तर्गा त्य कामारीस्थान क्हेटल क्हेरन, खाका खरून क्ति विद्युष्टमा नाई।

मश्यां अथात क्षीर्यात के श्र श्र श्र श्री इहेशाइकः। कशकतिम इहेन थानात विक भन्ता ছাগের এক ব্যক্তির বা**টিতে রাত্রি আবান্দা**ঞ **৪ট প্রহরের সময় একটা চোর প্রবেশ করিয়া** ছিল। সেই সময়ে গৃহস্থামীর স্ত্রী আলাগরিত ছিল, সে কৌশলব্রুমে ভাহার স্বামীকে জাগা हेरा मर्डक् कतिल, उचन के बाक्ति ভौবে চোরের পশ্চাদ্দিকে যাইয়া বলপূর্দাক তাছাকে ধরিল এবং টীংকার করাতে পুলিব কর্মচারী ও অন্যান্য অনেক লোক উপস্থিত চাপরাস্ত্রালা ভাষারা সর্গর্ম कतिक्षी होत्रक पतिशा लहेशा हिरलमा आव এক नित अक अर्मत वारी बहेटड छाटत अस्मक प्रवाणि अभव्दन कदिया लहेका नियाटण। हेश ব,ভীত দিন কয়েক চোরের এক্লপ প্রাছভাব হইতে আরভ হইসুছে যে, রাত্রিতে গৃহজের নিক্রা হয় না । এখান কার চোর আমাদের দেশের ভাকাইতের নগায় তরবারাদি ব্যবহার করে; মুডরাং ইহারা সামানঃ চোরের অপেকা ভয়া

সংপ্রতি এক দরজী এক জন পুলিয় কর্মচারীর কর্মা করিয়া দিতে কিছু বিলয় করিয়াছিল বলিয়া কর্মচারী যমনভের নাায় লগুড় দারা ভাষারে এমন প্রহার করিয়াছিল যে ভাষার মন্তক ফাটিরা রক্তপ্রবাহ প্রবাহিত হয়। সে প্রসময় বেমন দৌ ডিয়া মালিকেটের নিকট খাইবে, অমনি এটি জন

পুলিবের মহাত্মারা জ হাকে ধরিয়া রাখেলেন। य तक्क त्रहे छक्क। श्रिनिए शाह अधारन বাহিবু হইতে চোর আসিতৈ হয় মা গ লবই हेशव विश्वान :

🗻। কয়েক দিন হইল অত্যন্ত ইউলোপীয় टेनिक्क भूकृत्यतः महातारकत कूलवार्श महानमा हान हहेवात छेभद्राम सहसारका अस्य शिक नेक ( दन्द्र इंडिंग के विश्वाद्य न । गर्समा कित्रक किरलहर्यमा नाइश्रक्ष क्टल नारहरवता वज् मलाग्न थारकन । विभीरगरक छित नाना शास्त्रत मध्यापणाकाता के मकल आदगारनत कथा लिखा काशक शूवन कर्यन ।

व्यामानित्रुत बीत्रकृत्मत मर्वान-मां छ। निथियाट हन:-

)। এयुरल कर्यक्री मुनाम (क्रिम्साइ) বলিয়া আমবাসীয়া নিভান্ত শক্ষিত হইয়াছেন। বাজ্ঞবিক পুগালদংশন कांड शुर्ति এक दांत अवनी किश्र मुजान १ ৮ समहक मर्थम कविशाहिल। पष्टे वर्राक्षात्मव मर्था मक लिहे একে একে গভাক্ত इहेम्राहित। (স निम এথানকার রাজসংসারের একজন দেওয়ান জীয়ক্ত বাবু রামলাল সরকার মহাশব্যের কমিও लाखा मुन्नानक र्कुक पष्टे बहेश्च (इस । यथाकारम উষ্ধ গ্রেরাগবিষ্ধে ক্রাটি ইইডেছে না। তিনি कहितार कार्याताला ३ करतम स्वयुद्धत निक्र अडे आर्थनः।

🚁। ক্ষতিপয় দিবস অভীত হইল, এখানকার वाजवाड़ीत (पवामय हहेटड अञ्चल किन महद्य মুদা মুলের আবংলোটা তৈহস্প্রভুতে অপ क उ इहेब्रा शियाएए। हाति नित्य श्रद्धी शाकिएड कि श्रकारत बड़े इति इहेग्रा (अल, वृक्षिएड शाता যায় না। ইনক্ষেটর ও শা ইন্পেটর কাদিয়া মহা পুম ধামের সহিত **অসুসন্ধান আরম্ভ** করি য়াছিলেন, কিন্তু কোন কাল করিয়া ঘাইতে পারেন নাই:

७। जाल मिन गरेन अंथानकात जनिकृत বেরমপুরে এক ভয়ানক ভাকাইটি হইয়া গিয়াছে। ভাহার অনুসন্ধানে পুলিষ বড় বাহা 🖬 लहेश जिशादेहन। एश्विनाम, এक सम (होकीशांत अशांदत ু মৃতপ্রার ভ্রমাটিল ৷ খ্রীল পুলিয়েও আর কোন ওগ থাকুক আরে না चाकुक, क्षहार विमान्न वित्नव देनपूर्वा कारका

8 । क्वीप्रक वांचु दमाधनक निरह वि, अ, । बर्ट्सिएयुद्र क्षात्रात श्रवरात्र द्राहेशुरद अक्ती माथा পোষ্ট আফিন সংস্থাপিত হইয়াছে।

कामाहित्तव उत्मालुकक्ष मः शाह-माञा निश्चित्रार्ट्यः

 । अथारम अनाउँ। রোগের বেরাণ দীয়া। कालवराणी भन्ना ऋभित खेलब बहेब्राहिल, छात्राव

२। व्यञ्जा वृक्षविन्तानात्वत क्षथाम পश्चिष স্থানাত্তিত ইওয়াতে ভাঁহার পদে ছগদী नम्बार ऋन रहेए अक गुक्ति नियुक्त रहेग्रा আসিয়াছেন।

৩ : লাইসেল টাক্ল স্থাপনের প্রথমবিস্থাতে এপ্রদেশের আদেশর প্রীযুক্ত বাবু অর্নাপ্রসাদ ঘোষ যেগকল অনুপগুক্ত দরিক্স ব্যক্তির উপর ক্রভার নিকেপ করিয়া টাক্ল সংগ্রহ করিয়া किलान, डीहाता त्यहे नमस्य डाहात निकरे दिहा রের প্রাথনায়, আবেদন করিয়াছিলেন। তিনি এত দীঘ`কাল পরে মেদনীপুর হইতে সেই नकल आदिनमकाते<sup>र</sup>िक सम्मन्धाता आदिन করিয়াছেন যে, জাঁহারা স্ব স্বাবেদনের প্রমাণ দিবার জন্য সাকিস্টিত তথায় উপত্তিত ইংল विहाद श्हेरवे।

৫। শুনিভেছি, এ প্রদেশের পবলিক ওয়ার্ক বিভাগের অনেক পরিবর্ক হইতেছে : এই ওমো লুকবিভাগের যুক্ত পাকার কার্য ভাষা মেদিনী পুর বিভাগের অন্তর্ভ ড চইবে এবং মেদিনী পুरের যত मासिव कार्या **ভাষা এই বিভাগে** আসিবে। ২৪ শরুগণার অভর্ত ত মগুলঘাট পর্পণাও বোধ হয় ডেমোজু-বিভাগের আছ र्गंड इहेरवा हेश्याता कार्यात अञ्चित्री ভিন্ন कांत्र किकूरे (मधिएक পাওয়া ग'स ना i

## প্রেরিত ৷

মান্যবর এযুক্ত সোম প্রকাশসভাবিক

#### महानम नमीटशब्

(तमश्रंत्र कम्लानित निग्नम अहे (य, रतमश्रः কর্ম্মচারিগ্র আরোধীনিগের প্রতি সরল ভাব প্রকাশ করিবে এবং তাহাদের যাহাতে কণ্ঠ না হয় ভাহা করিবার চেষ্ঠা করিবে ; কিন্তু কর্ম চারিগণ উহার বিপরীত আচরণ করিয়া থাকে। যদি ভৃতীয় প্লেণীর আবোদীরা অমৰশতঃ বা অভ্যন্ত অনতাপ্ৰযুক্ত দ্বিভীয় কিছা প্ৰথম শ্রেণীর টিকিট দিবার ষরের ছ'রের নিকট यात्र, छाहा इहेटल झिक्छि कटलहेंद्र धार्-প্লাটকরম্এসিষ্টাক তংকণাৎ ভাহাদিগকে

ডাান্ রাকেল যুক্তি মেটিক বলিয়া অধ क्ट्र क्षणान कर् वाकित्रका शना धाका धारेबा वह करहे जुडीब अवनीरिक श्रीम करत अवर वाष्ट्रीत मर्पा नामन कतिया ना वितिरक भारत, ना माजाहराज भारत, ना नाजी सहराज व्यर जी व इरेक भारतः हात्र कात्र कतिहाह जाशास्त्र श्राव गाय। भरत भ्रावेकद्रमञ्जिक्षानी व्यानिया, ভाशास्त्र जाल मा थामाहेबा, ना वन। हेग्रा मिग्रा, जारामिश्राक या वाकिक इसीका चाम. ও বেত্রাঘাত করে। এই করিতে করিতে গাড়ী ज़ाज़िया (मम्. (यथम (शांम अवर (**यथम कष्ट** (ग**रे** बालहे थाटक। यहि छरावेश्वरम जात्मक जात्ताही হওয়াতে অধিক গোল কিয়া ভিড্ হয়, প্লাটক রম এসিষ্টাণ্ট আগিয়া গোল নিবারণ করা দুরে थाकुक, जारताशीनगरक श्रहात कतिएक जावच कटव । हेहाटड व्यानकै दर्स्कि ( शाहात्रा कथन त्रम गांक्रिए जार्ग करत् माहे किया हुई अक বার করিয়াচে ) প্রহারের ভাষে গোল মালে. এবং অভিশয় ভিড়ে টিকিট হুত্রাং গাড়ীতে আহেবছর ব্রিকার সময় कान (तलक्द्रा कर्यागति ( याशत प्रकिष्ठ । एकि थात कथा क'रह ) विकिष्ठ मिथिएक हाहित्य তাহারা দেখাইতে না পারিয়া সেখানেও অর্জ हर्म शुद्रवस्तात श्राश्च हम् । देका निमा कि कर्ष्ट्र !

আমরা এক দিন জামালপুর ষ্টেসনে দেখি লাম, এক পীড়িত এবং ফ্লিষ্ট ব্যক্তি ভক্তীয় প্রেণীতে ব্রিয়াছেন। উাধার পরিধেয় কিছ মলিন। পরিচয়দ্বারা জানিলাম, তিনি এক জন বন্ধ দেশীয় কায়স্থ , জীর্থ যাত্রাল্প আসিয়াভি लन। এक सन दिल शहर भवर्गाय ने शुनिय स्था দার ভাঁহার নিকট জাসিয়া ছঠাৎ কহিল. '' ডোমার নিকট আফিও আছে: ভুমি আফিঙ লইয়া কোথায় যাইতেছ ? যদি খুব কম পরিমান থাকে আমি ভোমায় কিছু বলিব না। " তথম দেবাজি একটু রাগ **প্রকাশ করিয়া ছিলেন** ' আমি কথন আফিড খাই নাই, আমার কাছে অ'শিও নাই; যদি আমি খাইডাম আমার নিকট থাকিবাৰ সম্ভাবন। থাকিত।ভূই আমায় আর বিয়ক্ত করিশ্না আমামি পীডিড ব্যক্তি, ভোর সহিত থাক,বার করিছে পারি না<sup>ঞ</sup>। জনানার কহিল " তুনি ভাল মাত্রুব এবং আমিও ্যাদ কিছু থাকে আমায (तथाकः जुनि क्रांनिर्द, भात भाति क्रांनियः আমি ভোষায় বাঁচাইয়া দিব; কিন্তু সাহেৰ শুনিলে ভোমার বড় মুক্ষিল 碱 বে। ৯ তথন এ वाक्ति करिएनन, राजात्र मारह्वरक विविद्या भिर्ताः

...-6>--

জ্ঞামার কিচুমাত্র ভর নাই। এমালার এই : কথা শুনিয়া ভালার কাপড় যাড়ো দিবার উপ 🗦 ক্ষেকরিতে লাগিল। আমাদের আর অন্যায় সহ। হইল না। আগলা কহিলাম, তোর সাত্রবাক ডাকিয়া আন, সে আসিয়া দেখুক, উনি আলিও চোর কি ভাল লোক। জন্দার আমাদেব কথা পুর্নিয়া জড়ো সড়ো হইয়া সেইখানে গুই জন চাপরাসি রাখিয়া गार्ट्या कार्य গেল।পরে সাহের আংসিয়া व्यामा मिशहक দেবিধামাত্র জমাদারকে ভংগনা করিয়া কৃষ্টি ्लन. छेनि निट्छिष व्यक्ति। आमन्न विल्लाम, ऐनि निर्फाष यथार्थः किष्ठ जाशनाद्य निरक्ष तिथ्वा উহার কাপড় উত্তম করিয়া দেখিতে হইবে। কি জানি আমাদের গনবের পর ঐ হাই জমাদার যদি উহার কাপড়ে আফিও দেয় এবং চোর निविश श्रीतरम (मञ्ज, जाश ( १३८न कि इहरव ? এই কথা পুনঃ পুনঃ বলাতে সহেব ভাঁহার কাপড় आफ़िया डांशांव िर्फ़ांव विलग्न जीकाव रय. जामता यमिना थातिः ভাষ, ঐ ছাই জাষাদার ভাহাকে অনায়াদে বিশেষ কণ্ঠাণত। এই সফল ছক্তেরি কত দিনে भामन रहेरव ? (तल अरम कर्जुभक्क महनार्याण कतित्व ष्यत्नक इष्टे लाटकत भागन कंत्राड भारत्व।

भाकत हे ब्राह्म के कि काली क्षत्रम वस्मा भाषाम्

ক,ল একটি কুদ্র রাজ্যবিশেষ। যে রূপ রাজার উপরে রাচ্চের মঞ্চলামঙ্গল নির্ভর করে দেইরূপ শিক্ষকের উপরেই স্কংশের শুভাশ্যভ নির্ভর করিয়া থাকে। পৃথিবীর প্রধান প্রধান পণ্ডিভ मिरगत खन्र ह्मि, विकान गारखत छैश्यखिद्यान এবং এক কালে সকল রাজ্যের প্রেট রাজ্য ভারতব্ধ, গ্রীস, রোমপ্রভৃতির রাজার গুণেই উল্লিড ত ও রাজার দোবেই অধঃপতন হয়। এইরপ স্কুলেরও এরিছিব। এইনভা প্রধান শিক্ষকের অধীন। অন্তএব যাঁহার। সর্বাধকারে উপযুক্ত, ভাষাদেরই হক্তে বিদ্যালয়সকলের कर्जुच विमाख कता छैडिछ । छैरा मा कतिरत (य কত অপকার ঘটে, ভাছা এই মহানগরের একটি প্রধান কলের অবস্থাধারা প্রভীয়মান হই-एटरका वे विमानश्चित अवस्त अए। क इसमा উপস্থিত। উহার সৌজাগ্যন্থর্য বোধ হয় এবার जारबर गड प्राष्ट्रावाना वसकी श्रेम । प्रः रचत विवय এই বে উহা দীঘনাল নৌভাগ্য ভোগ করিছে शांतित ना । উक्त विष्ठान स्त्रत आधु निक श्रवान

শিক্ষ মহাশয় বিশ্বদালয়ের উক্ক উপাধি
প্রাপ্ত ইইয়াছেন সত্য বটে, কিন্ত উহা কোন
কার্যকর নহে, কারণ তিনি ছাত্রগণকে শিক্ষা
প্রদান করিতে সমাক্ প্রকারে সক্ষম নহেন।
অধিক কি তিনি সীয় মনোগত ভাব বিশুদ্ধ
ইংরাজী ভাষায় ব্যক্ত করিতে পারেন না।
ক্রেশাসনবিষয়েও যে ইনি বিলক্ষণ অপটুতা
প্রকাশ করিয়াছেন। ত'হা ছুই একটি দৃষ্ঠান্ত
দিলেই বিশেষ রূপে অবগত হুইতে পারিবেন।

नच्यां उ अन्तर्धे हाज, উक्त निकक्षश्रामार्घत সহিত বাগ বিভঙা করিতে করিতে ভাঁহার প্রতি « ড্যাম, " ' রাশকেল" প্রভৃতি কটু ক্তি প্রয়োগ श्रुतिक माकार्य छ निर्मिष्य हिन्सा शन. भिक्रक মহাশয় চফু স্থির করিয়া দণ্ডায়ম'ন রহিলেন। ইহার কারণ কি 🤌 ভিনি রাজ শোসনের প্রধান নিয়ম ছাষ্টের দমন ও শিষ্টের পালন অবলয়ন পূর্ণাক কাজ করিতে পারেন না। ক্লভরাং এরপে যে ঘটিবে ভাহা বড় আক্রান্ত্র বিষয় गरह। मण्यामक মহাশয় शवर्गामने कि ইছার প্রতি এক ব'রও দৃষ্টিক্ষেপ করিবেন ना, उँ,शक्तिशत् कारनव কাছে घरेएड लागिल, ज्याह हैहात প্রতিবিধানের .कान (हट्टी) हे हहेला ना, मूर्व इहेरलाख खांब কথাই নাই। ভাঁহারা ত কর জাদাংরে সময়! স্বিশেষ ধার্বান হন, তবে দেশোল্লভির প্রধান উপায় বিদ্যাশিকার বিষয়ে এরপ ওদাসীন্য श्वमर्भन करदन किन? (म शहा इंडेक, विम्तास য়ের এরপ ছরবন্ধা আর কিছুকাল থাকিলে আমাদিগের বালকদিগকে স্থানান্তরেও করিতে ११८व मर्ग्यक्र न' है।

কলিকাতা ৬ ই কৈশাখ আপনকার নিভান্ত ভন্তুগত ক্তিপয় ভদ্যোক

#### मृता व्याखि।

ত্রীযুক্ত বাবু সরূপচন্দ্র পাত্র বেড়বল্লভ পুর ১२१६ रेवमाथ स्ट्रेरफ रेठज দিনাজপুর প্রসন্ত্রাব মুবোপাধাায় ১२१६ रेवणाच स्ट्रेंट टेन्ड 20 যতুনাথ রায় রামপুর হাট ১২৭৪ চৈত্ৰ ছইডে ৭৫ ভাদ্ৰ চাইবাসা শ্বামাচরণ দাস ১২৭৫ বৈশাৰ হুইতে আগ্ৰিন গ গ ভরতচন্দ্র ঘোষাল ক্তেপুর ১২৭৫ বৈশাখ ফইতে হৈত্ৰ 10 ্ ৯ চ<u>ল্</u>ডুমার মিত্র কুঞ্গঞ

८ ८ श्रिमका विक्र विक्रमा १२१६ देवनाच इहेट खासिस
८ ८ श्रिममाध नाहा खाड़ाल ५०
८ ८ श्रिममाध नाहा खाड़ाल ५०

সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা 🔆

অন্তিম মূল্য ও ডাক্ষাস্থল না পাই জুমিন-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় ু

ইংার অগ্রিম মূল্য বার্ধিক ১০ টাকা এবিং বাণ্যালিক ৫॥০ টাকা । মফসলে ডাক্মাস্থল সমেত বার্ধিক ১৩, বাণ্যালিক ৭ এবং ক্রৈমা-লিক ৩৮০। তিন মালের স্থানে অগ্রিম শুল্য গ্রহণ করা যায় না। ছন্তি, বরাতি চিঠি, মনি-অডার, নোটা ও প্রাম্পাটিকিট, ইহার অন্যতর বাহাতে যাহার স্থাবিধা হয়, তিনি দেই উপায় ধারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

বাঁহার। স্থাস্পটিকিট পাঠাইবেন, ওাঁহারা যেন এক জথবা আধ আনার অধিক মুল্যের ওরদীদেরটিকিট প্রেরণ না করেন।

যখন বিনি মফশুল হইতে সোমপ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, তাহা যেন রেজিস্টরি করিয়া জীযুক্ত বারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

ষাঁহাদিগের মূল্য দিবার সমন্ন অভীত হইরা আসিবে, এক মাসপুর্দের গুলাদিগকে চিটি লিখিয়া জানান ঘাইবে, কাল অভীত হইরা গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাহার পর একমাসকাল প্রভীকা করিয়া কাগজ বন্ধ করা ঘাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং পাঠান হইবে।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ডাক ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

শাহারা মাস্থল না দিয়া পজাদি প্রেরণ করি বেন, তাহাদিগের সেই প্রোদি এইণ করা টিবে নাঃ

কেহ সোম্প্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইচ্ছ।
করিলে তাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংক্তি ।
আনা তাহার পর /১০ আনা দিতে হইবে।
ঘিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা করি ।
বেন, হাঁহার সঞ্জি বাত্তর বন্দোবস্ত হইবে ।

ক্ষেএই পত্র কলিকান্তার দক্ষিণ পূর্দ্ধ মাতলা রেলওরের সোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চালতিশোতার জীয়ুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যা-ভূষণের বাটীতে প্রতি সোমবার প্রাক্তিকালে প্রকাশিত হয়।

# (माश्का

১ • ম ভাগ।

-00-

२८ मध्याता

## · प्रवक्तां प्रक्रतिहिताय पार्थियः सरस्ति श्रीतमहती न हीयतां।"

মাসিক মূল্য ১ টাকা, অগ্রিম বার্ধিক ১০ টাকা অগ্রিম ধান্যাসিক ৫॥ টাকা।

नन ১২१৫। ১७६ देवनाथ । ১৮७৮। २१ এ এর্থাল

মক্**ষকে মাজুলসমেত** অভিনে বাৰ্ণিক ১০ উপকা **যাণ্ডাসিক ৭. ও** ইম্ৰুণালিক ৩৮০

## বিজ্ঞাপন। নানবজনাতর ওধাতীবিদ্যা। ১ম খও মূল্য ২ হই টাকা।

এই পুস্তকথানি বহু যত্ত পরিজ্ঞামে প্রণয়ন কর' গিয়াছে। আধুনিক বহুদর্শী ও প্রবিজ্ঞা প্রসোভাদের নবাবিচ্চ যজ ও চিকিৎসা প্রণা-লীও ইহাতে বর্ণিত আছে। এই খণ্ডে নীচের বয়েক বিষয় লিখিত হইয়াছে খণা।

১। বস্তিকোটনীয় অন্থি ও সন্ধির বিবরণ।
১। বিকৃত বস্তিকোটরের বিবরণ। ৩। বাহা ও
আভ্যন্তরিক জননৈন্দ্রিরের বিবরণ। ৪। ঋতু।
৫। ঋতুসম্বন্ধীয় পীড়া ও ভাষার চিকিৎসা।
৬। ভিমনিধেক। ৭। জরায়ুতে গর্ভধারণ। ৮।
গর্ভের লক্ষণ ও স্থায়িত্ব। ৯। বন্ধ্যাত্ম ও ভাষার
চিকিৎসা। ১০। কুত্রিম গর্ভ। ১১। গর্ভসন্তে
গর্ভ। ১২। আহানিক গর্ভ। ১৬) জঠরাবস্থ
লোণের বিবরণ ও মৃত্যুলক্ষণ। ১৪। গর্ভপাত্ত
ও অকালপ্রস্ব, এবং ওৎসম্বন্ধীয় চিকিৎসা।

পুস্তকের আরছে বির্ভ স্টাপত্র ও অন্তে
প্রয়েজনীয় ইংরাজী ও কুটার্থ বা অচলিত শব্দ
কোয়, এবং স্থানে স্থানে খোদিত আকৃতি
দেওয়া গিয়াছে। এই পুস্তক, কলিকাতা
গি শবিদ্যারম যত্রে, বা কালেকাট্য টের ৮৪
ল ভবনে শ্রীমুক্ত বাবু গুরুচরণ মহলানবিসের
কিট, অথবা মালদহে আমার নিকট পাওয়া
ইবে। বহি ডাকে পাঠাইতে হইলে ক্রেডাকে
অভিরিক্ত মাহলে। আনা দিতে হইবেক।
১৫ই চৈত্র প্রিক্তিকল আফিগার

পুরাণপ্রকাল। কলিকাতা মূজাপুর আমহাউদের দক্ষিণ

পুরাণপ্রকাশনামক সাম কারপ্রেকাশ যন্ত্রে দ্বিক পত্ৰ প্ৰতিমাদে এক বা ছই খণ্ড করিয়া প্রকাশ হইতে আরম্ভ হইমাছে। প্রত্যেক গণ্ডেব পরিমাণ ৮০ জনীতি পুঠা। ইহাতে ক্রমণ: অষ্টা क्रम शुरान छ डेलश्रान राजामा प्राप्त विकास श्रक्तिक कवितात कल्लमा आहा । श्रथमरः निष्-পুরাণ অমুবাদ ও শ্রীণরগোম্বামিকুত চীক। সমেত মুদ্রিত হইতেছে; আগামী ১ লা বৈশাধ বিতরণ আনুভে হইবে। ধিনি ইহার আহক ইইডে অভি लाबी इन, जिनि कनिकाछ। नश्कु छ विमानर्श আমার নিকট পত্র ডাকমাশুল ও প্রতিখণ্ডেব मूना व्यक्तिम ॥ - व्यक्ति व्यक्ति कविद्या भार्त्र हेटनम । যাঁহারা নিয়মিত গ্রাহকশ্রেণী ভুক্ত নহেন, গাঁহা <sup>ট</sup> (मत निकरे श्राप्ताक चल नगर अकरे।का মূলের বিক্রয় করা ঘাইবে।

১৫ हे टेहज ) ১२१३। ) जी अंशत्याहन अर्पा।

সংস্ত মেদিনীকোষ প্রায় শদ্দের চীকাসমেত উত্তম নাগরাক্ষরে বরপূর্বাক মুদ্রিত হই
তেছে। যিনি গ্রাহক হইতে ইক্ষা করেন, তিনি
ঢাকা কালেকের সংস্কৃত অধ্যাপক শ্রীযুক্ত বাবু
লোমনাথ মুখোপাধ্যায় মহালয়ের নিকট অথবা
কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে বা কাব্যপ্রকাশ
যত্তে আমার নিকট পত্র পাঠাইবেন।

১৫ ই চৈত্র ১২৭৪ সংংক্ষ্ ত বিদ্যালয় । } জীজগঞাহন শন্দা

> वेकेवेखिया द्वालखद्य । जाद्याचीय गांफी इतिवाद नगद्यत

नर्स नाथात्रगरक कामान वाहरखरह त्व, त्य

আরে ংশীর গাড়ী প্রত্যে কলিকাত। হইতে খপ রাহ্ন ৪ ঘলী ও মিনিটে এবং হাবড়া হইতে অগ রাহ্ন ৪ ঘলী ১৮ মিনিটে ছাড়েয়া পাঁড়িয়া পর্যায় বাইত, ভাষা আসান লে ন এবনি বন্ধ হইবে।

এ গাড়ীর পরিবর্জে না এক গাড়ী প্রভান্ত কলিকাতা হইতে পূর্কান্ত ৫ ঘণ্টা ২৮ মিনিটে এবং হাবড়া হইতে ৫ ঘণ্টা ৪১ মিনিটে ছাপ্তির জগলি প্রাক্ত যাইবে । এই গাড়ী প্রভোক্ত স্তেসনে গামিবে।

যে আবোহীর গাড়ী পাড় য়া হইতে পূর্লার ড ঘটা ২৫ মিনিটে ছাড়িয়া কলিকাডার আইনে, ডাহা বন্ধ হইবে এবং ভাষার পরিবটে পুর্কাজ ৭ ঘটা ১৩ মিনিটে জ্গলি হইতে এক গাড়ী ছাড়িবে এবং এক্ষণকার ন্যায় সমুদায় ষ্টেপনে থামিবে।

ইউইভিয়া রেলওয়ে হাউদ ডেল হাউদী কোয়ার কলিক:ভা ২২ এ এপ্রেল ১৮৬৮1

## ইউইভিয়া রেলওয়ে। বিজ্ঞাপন।

বিজ্ঞাপুর ষ্টেশন খুলিবার বিষয়।
আগামী ১ লা মে অবৃধি আরোহী লইবার
নিমিত বিজ্ঞাপুরে এক সূত্র ষ্টেশন খুলিবে।
ঐ স্থান হাবড়ার ১৭৭ মাইল দূর এবং পাকোড়া
ও বাহাওয়ার মধাস্থিত।

हेर्ड्डिश (इस श्रुप्त (होन) गिनिक्रिए पनग ड्यामरोभी स्त्राधात कलिकाडा २२ अ अ.ज.ज. (वाज ।

era: Biste

অভিধান।

नक्षत्र धि नकार्थक्षकानिकाः & 11 -

নিহ নিখিত সংস্ত পুস্তব্দ্য দেবনাগ্ৰা খাৰে মুন্ত ক প্ৰানিত হইল। মাসক্ষমৰে । আইছ কাজালীল খাছ মুদ্ৰে প্ৰাপ্ত হইবেছ। কা লাদ্যক্ষিত কুমাবস্থাৰ ত ন্ব হও সম্পূন্য মূলনাৰ মলকে আঁচ থালা।

क्ष'त नहण विकाम । कुं 'श नम्भू भिल शाखा । शा 'वड। इ.स. ॥ ॰ क्षा हे श्राम ।

कालकाला मंध्य मध्य संवद्धक व एक् सम्बद्ध हिंद्र २२ भूष्य क अवस्थ

১০ ই বৈশাৰ | উচ্চুবনচন্দ্ৰ বসাক। ১৭ চন

ক্রিকাড। সংস্তলাইবেরী ও কংশেজ ক্রি ১১ সংখ্যক হবলে ত জ বলাগুলাদ মজুমদাবের প্রকাশগ্র ক্রিল্ল বার্ লেবেন্দ্র ক্মার বার সেবের গ্রাপান '' ইর্লাশাশ বেক ভ হর্ডেনে।

दोर ४०० विशासिय उन्न अम् १५० विशासिय उन्न

াস, চ প্রশান্ধপুণ নুয়ে কেন ও ক্রেন ন ভত ন ন গ্রান দেবলাগার অক্ষাব বিক্রণ পা সাছে মাজ ন প্রশাস ল হয়, তিনি কালিকাভা সংক্ত ন গ না নীজি লাকিলাখা বিদ্যালয় ন কল্চ গ্রেছান কবিলে বিশেষ বৃত্তি ন নাম প্রশাস্থান

#### ব না। স পানর কোই বি মটেড ।

ে " মেজিলা ক বৰাৰ স্থাচিকণ টাইল। ত ক কৈলি নর মহন গৈছিত ৪ নং মাফিলে

টুট্বা শমুনা দেখিতে পাওয়া হায় এবং যদ কাইব প্রেছন হয় ও আহমে হয়ুম ২৭জ পাঠটা দৰেন।

নলদময় জী নাটক যাতা স্থানকোপ নছে গথিতে বিকয়াৰ প্ৰস্তোভ , স্থান ১ টাকা । কলিকাভ। , ) গোড়াস কো ৬৪ নং তিনি গোড়াফে বায়

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুসকলেয়েও পটোল দাজ। বাচ যে, আদার কেল্প'নব লোকানে মং। জনিংত ত মংগ্রচাবিত নিম্ন খত পুসুবতলি । বিক্যু হই তেন্তে:—-

প্রনীতি সুলা নীসইডিকান ১ টাক বোসক তহাস ১ ৯ ভূসং শাস ব্যাকবৰ ।। না ভ্যাব (১ ম ভাগা) ৩ নিভিনাব (২ ম ভাগা) ৩ প্রাতিনাব (২ ম ভাগা) ৩ প্রাতিনাব বিনার্শ

-- -- 60 /------

## निमित्रात नमी ।

সন ১৮ ১৮ নালের তাপেল মাসে ৮ ই এইতে ১৪ ই পথ্যস্থ ভাগীবধীননীৰ দৰ্শকন তি জালেৰ সাপ্তাহিক বহু এটা।

স্ত নেব নাম ্যু ট ক কি থছান' ন টপর প্রান্থিত হন্দ ক কপুব হইটেছ বহুব্যপুর (১ লা মাইল সারে হ —— ৬ ক কিপুব হইটেছ বহুব্যপুর (১ লা মাইল সারে হ —— ৬ কিপুব হইটেছ বহুব্যপুর (১ ৬ মাইল) মারে হ —— ৬ কেপুব হইটেছ কাট ওয়া (৫ • মাইল ; মারে হ — ০

कि छित्रा क्रेट्ड न है । व्यक्ति (०७ माहेटलय मर्गा । १० --- ॥ १० ---- ॥ १० --- ॥ १० --- ॥ १० --- ॥ १० --- ॥ १० --- ॥ १० --- ॥ १० ---- ॥ १० --- ॥ १० --- ॥ १० --- ॥ १० --- ॥ १० --- ॥ १० --- ॥ १० ---- ॥ १० --- ॥

বহুবমপুর ১৭ ই এম্পেল ১৮৬৮। त्य का चितिय हे: के 'नग्नरका मधुब डिविशन

সোন প্রকাশ।
১৬ ই বৈশাখ লে মবায।
বিচারপতি ফিরাত ও এতদেশীর

ক্র"লোগকন। এতদেশীয় স্ত্রীলোকদিগের উন্নতি विमयक अलाव नहेंगा विচারপ कि कियादित्र সহিত কোন কোলবা ক্তির মতভেদ হই-য়াছে, তদ্বিয়ে আমাদিণের মত কি তাহা জানিবার নিমিত অ:নকে ইচ্ছাপ্রকাশ করিয়াছেন। ঐ থিবয়ে কোন কথা না বলাই আমাদিগের অভিপ্রেত ছি ট্রেক্স ज्यातिक व जूरिया व म कः छेहा के हर्छ-কেপ করিতে হইতেছে। হিন্দুপেটি য়টে विष्ठांत्रशि विष्यान्तक त्य श्वकाव छए म न। করা হয়, তিনি বস্তুত্ত ভাছার পাএ নছেন। আমধ্য ওক্ত প্রস্তুবি পাঠ করি বাব সময় যাহার পব নাই জুংখিত ছই য়াছি। বিচাপোতি ফিয়ারের একাংশে ভ্ৰম হইয়াছি रथार्थ ४८७; विश्व जम ध्यामि मार्ट व इहर ज भारतः चाज्यव ভাঁহারে গ নাগালী দেওয়া নিভাগ্ন ष्पकर्खना। इस्टात्राभीनामित्रान मासा निहा রপতি ফিয়ারের সদৃশ আমাদিগের ব্জু অতি বিরল। ঐ অংশে লঙ্ সাহেব ব তীত আব কাংবৈও ভাঁহার সহিত সমান আমন প্রদান করা যাইতে পাবে না। তিনি ধর্ম যাহা বলেন, আমাদিণের হিত্যাধনক ভাকার হাধান ভদেশা। অতএব দোন স্থলে ভাঁচার জম হ্ইলে, হুঃপি হ'চেত্রে আমাদের যথোচি জ मचानश्रमनं अपूर्वक (महे छ्रम श्रम्भन করাই কর্ত্বা; কিন্তু কোন মতে এপ্র. কার অরুত্রিম বন্ধুব প্রতি আফোশাবা भ्रुवा ध्यकां संक्ता विषया नहा

পকান্তরে আমাদিগকে অবশাই
বীকার করিতে ছইবে, বিচারপতি
কিয়ার এদেশীয় জীলোকদিগের যত দূর
হ্ববন্থা অনুমান করিয়াছেন, ৰস্ততঃ তত
নছে। প্রায়তিন বংশর হইল প্রেসিডেন্দি
কালেজের একটা অকালপক ছাত্র ইংরা
ক্ষমহলে সম্ভ্রম লইবার মানদে স্বদেশীয়
দিগের ক্ষম্বে পৃথিবীর যাবতীয় দোষ
নিক্ষেপ করিয়াছিলেন। অনেক রজের
ক্ষাব্ও ঐবালকের নায়ে আছে। ইহাঁর

- 96-

क्षांनिक श्रामिहरेडिविडाधमर्मनार्च ২ ারাপীয় ভদ্র লোকদিগের নিকটে স্বদে भात व्यटभाविध निकादाम कतिहा मीध নিখাদ ভাগে করেন। ইহাঁরা বলেন. " আমাদিগের জ্র্বোকেরা **म**्त्र}; তাঁহাদিগকে গো মহিষের নায় গাঁটিতে হয়। এতদেশীয় স্বামিগণ जीटनाकिनिश्रदक সমक्ष ख्वान न। क्रिया কেবল নিক্ষট প্রবৃত্তি চরিতার্থ করিবার উপায়মাত্র জ্ঞান করেন। আমাদিগের অন্তঃপুর বেডেন-বেডেনের ভূমধাছ কারা গার অপেকাও ভয়ানক স্থান ও সকল পাপের আকর। "বিচারপতি ফিয়ার হাবড়াতে যে বক্তা করেন, ভাহাতে তাঁহারও যে কতক ঐ প্রকার সংস্কার আছে, তাহা স্পাট প্রকাশিত হইয়াছে। যদিও আমাদিপের দেশে জীশিকার প্রাত্নভাব হইয়াছে, তথাপি আমাদিগের द्वीत्नाकिष्ठित अधिकारं महे मामाना লিখন পঠন ও স্তীর কাজমাত্র জানেন। य পরিমাণে বিদ্যা হইলে সাহিত্য, দর্শন, বিজ্ঞান ও রাজনীতিদংক্রান্ত বিষয় লইয়া তর্ক বিতর্ক করা যায়, সেরপ বিদ্যা যে এপর্যান্ত আমাদিগের শিক্ষিত ञ्जीटलाकमिटभन्न काहात । इश नाहे ; তাহা সকলকেই স্বীকার করিতে হইবে। এ ৰিষয়ে বিচারপতি ফিয়ার বাহা ৰলিয়া ছেন, তাহা সম্পূৰ্ণ সতা, কিন্তু তিনি বিসাত रुहेशारहन (य, जौरलाक ७ शुक्रत्यत मर्था মূল নিয়মঘটিত যেপ্রকার সমকক্ষতা থাকুক না কেন, সকল বিষয়েই স্ত্রীলো-কলিগকে পুরুষের অসুগত হইনা ঢলিতে इरेट । अट्य अफिनत्तत नहात श्रुक्य ना इहेटन कथन है जिंछ निश्वासत नाग्न श्चीताक इहेबात महाबना गाहे। आभा **मिर्**शत (मर्म अक्तर्व श्रुक्त्यमिर्शत कि ভত দূর শিকা হইয়াছে ? এটা যত দিন না হইতেছে, তাত দিন বিচারপতি ফিয়ার ক্রীলোকদিগের বেরূপ উনুভিদর্শন করিতে

অভিগাৰ করেন, তাহা কথনই সভাবিত তিন আমরা প্রশংসনীয় জান করি;

चामानिरगत छोटलांकनिशतक श्रीना বছ ও অকর্মণা বলিয়া বিচারণতি কিয়ারের যে সংকার আছে, ভাহাও व्यत्नकारमा व्यम्भका देखेरतानीय जी त्नांकपिरभव नाम सामाहिरभव <u>खो</u>रला কেইাও গৃহস্থাতামের অলক্ষারস্থাপ। এতদেশীর স্ত্রীলোকেরা দং দারিক স্বচ্ছ माठा ও মিতবায়িতার নিদান। इडेटवा भीत जीत्माकनिर्गत अरभका त्य केँ हाता দহলওণে মিতবায়ী ভাহাতে অণুমাত্র मत्मर नारे। आमता त्कवन डेलांड्य ৰূরিয়া আনি ; কিন্তু আমাদিগের স্ত্রীলো Cक्रा में शाहितत स्थात मकन की क कट्रामा नः नादतत भट्धा ( व्यथम व्यथम ना इडेक. मञ्जानामि इटेटन ) ही अ श्रुकृत्वत मयान क्रमङ। थाटक। मण्येखिमश्रद्धाः आधारि रात खोरलारकता इंडेरताशीय खोरलाक দিগের অপেক। মন ধক স্বস্ত্র ভোগ করেন। আমাদিগের ইউরোপীয় অন্তঃপুর निर्गत अपृत्युत अर्भका अत्नकार्म পৰিত্ৰ। আমাদিগের জীগণ পাতিব্ৰক্তা विवटत शृथिवीत मक्त का छोत का मिनी निर्भत भीर्यापरण विताकि व इहेर उएन। এবিষয়ে বিচারপতি ফিয়ারের যে কুসং স্কার আছে ভাষা তিনি অচিরা২ পরিতাস कंक्रम। विष्ठांत्रशिक्तिश्चात्र वट्टनम्, " व्यामा मिर्भित खीरलाकिमिश्रक द्येकांमा भणामि স্থলে না আনিয়া আমরা এক প্রকার অধর্য করিতেছি। স্ত্রীলোকেরা অক্তহাপ্রভাবে षाभनारमञ्जूष ष्यवशास्त्र कछेकत छान करतन ना; किञ्च आमता आनिया अनिया **অজ্ঞানতিমির নাশ নাক্**রিয়া মন্দ কাজ করিভেছি। " এ বিষয়ে বিচার প্তির সহিত আমাদিগের মতভেদ হইতেছে। ইউরোপীয় স্ত্রীলোকগণকে পৃথিবীর আদর্শ বলিয়া আমাদিগের गःकात इत्र नारे। उांशांकिरशत व्यटनक

किन्छ व्यत्नक विष**र**त्र व्यावीत ्राह्मसंग्रहा डां हान्टिशत मृष्टेटिखत धानुमत्रण कता নিভাত অমুচিত বিধেচনা করিয়াথাকি। इंडेटबाशीव खीटलाटकता त्य श्रीतमादन স্বাধীনতা ভোগ করেনও করিজে हारहन, जाहा जरनदक्त অনভিমত ৷ मानाजिक व्याटमाटनत व्यष्ट्रताटम वाश नात निक्ष महानटक धाजीत खना इत्थात উপরে নির্ভর করাইয়া স্বয়ং বাটী বার্টা ও নাটাশালায় নাটাশালায় জন্ম করা কি মাতৃবাৎশলোর সম্চিত কার্যা ? পরিশ্রমদহিষ্ণু পুরুষের। গিয়া শ্রমধাধা কার্নো ব্যাপুত হইবেন এবং জोলোকেরা গুছে शास्त्रित पानाना मिर्ग व কোমগন্ধ শুগুলভ मण्याननशृंक्यक श्वामिश्रत्व ଓ मर्म। वित अथमण्डि इकि क्तित्न विवाह एक हरेशारहन। किन्छ इंडेरतार्थ करे কর্ত্তব্য কর্মের বিলক্ষণ অন্যথাভাব দেখা নাইভেছে। ভত্রতা জীলোকেরা এরপ সমিতবায়ী যে অপবারের ভয়ে অনেক श्रुकेष विवाद करतम ना। के कामिनौगरनत বস্ত্র শক্ট প্রভৃতিতে অপব্যয়নিবন্ধন ভাঁহাদের স্বামিগণ্ডক অচিরাৎ ঋণগ্রস্থ ও বিজ্ঞত হইয়া পড়িতে হয়। ইউরোপে कनारिका नाई बट्टे, किछ काउँगिश তাহার প্রতিনিধি রহিয়াছে। উচ্চল্রে वित्र क्योदिनारकता विवादकत काट्या प्रत्येव আগনানিগের বিলাস্ভোগের ইচ্ছা চরি তার্থ করিবার উণযুক্ত অর্থ স্বামীর व्याद्ध कि ना १ औरभाकमिरगत स्वाधीन তার সহিত এইরূপ বিলাদের ইচ্ছা অতিশয় বলবাতী থাকাতে অনেকে ভয়ে विदाह कतिएउएइन नाः, देश कि मामानः प्रथकत, हामाकत ଓ लच्चाकत वाशात !!! এই অসমত স্বাধীনতানিব ক্ষন যে অনেক চরিত্রদোষ ঘটতেছে তাহার অপলাপ করা কাহারও সাধ্যায়ত

न्द्र। प्राप्तता राहा कहिलाम, देश दक्तन ভাগে (দিলের নিজের সিজার মাহে: ফা**জা** ও ইংসভের খানেক চিন্তাশীল লোক ইং ইটালত কলিয়াপাকেন। ভাত্রব ः १२८० मध्य विषय हे छत्त्राभी**य जीटला** ं कार्य भागम छिन्न क्रिट माति ना। क ठोड एकान विनयमत शक्ति**वर्ष कहा विन्छ** ব 🖖 হভাব ও ঘভাগনিদানতং : সুত া ৺গোল জনশঃ অগ্নার হইতে ্তিনা করি। গ্রাকেশক্রি**দগকে কভদ**র ্রবানতা এদান করা উচিত, তাহা ঘান্তা বহুমান অবস্থায় ঠিক বুলিতে গারিন।। কিন্তু এক কথা এই বলিতে लादि ए। अविनकाटन आशामिरनव গ্রীনোকগণ যেপ্রকার স্থামীর সঞ্জি वश्चि इक्टाइंग, जाहाई जीवालिया পাণীন হার পরাকাঠা। এ বিসরে আমা ্দথের ভ্রম হইছে পারে। কিন্তু আমা দিলের জীলোকদিবের স্থিত ইউরো াৰ হীলোকদিবের ব্যুমান অবকা ক হাবীন আৰু ভ্ৰানা কৰিয়া দেখিলে টিলা অলেখ্য অবিক ডাফ আশা কর: भारेट व भारत मा। अकृषि छी स्वाकं उ পুরনাদিধের শারীরিক ও মান্দিক शिवत द्यापा धार्चम कतिया नियाप्तमा াবাহতে প্রবাদের সাহিত জ্রীলোকের সমূদক্ষত। সভাবিত নছে। জীলোক াক পুটাবেল কািছত সমান পারিভাল २। । ८ । १ वर्षा १ कथन है नटह । दिहास ারিভ বিভাবের মহিত স্ক্রমাধারণের पक्टकरमह क**रे अधाग** कावन । कक्करन গানলা উলোকে অনুরোধ করিতেছি, ानन हेल्याकापिरशत मरश स्मार्थक · ७५-४१त ) भार**ङ्ग, जामा**हिरशत मरशा ্নইপ্রাধার কভকগুলি লোক দেখা २(१) हर हा मक्षपटि थाटकन : किन्छ ত্রত গাড়ী হালিবেগর কথা প্রাহ্য করেন জোকেত কথা গুলিয়া কোন দিশ্বান্ত না क्टइन ।

#### বালালীদিগের চারত্রঘটিত। কভগুলি দোশ।

যাঁহারা দামান্য বিষয় লইয়া আহলাদে নু ত্রা করেন, জাঁহাদিগের অন্তঃকরণ অতি-শয় লঘু বলিয়া বিবেচিত ছইয়া থাকে। क्रिम नघुष्टिक लादकता क्रांशहे श्राह दुष्तिकीवी ও मृष् शिष्ठक इंडेट व शारतन ना। दाप्रभवर्तीय वालिकाता मामाना বিষয় লইয়া আমোদ করিতে ভাস বাদে। যাঁহারা২৫ ৩০ বংশর বয়দে ১১। ১২ वरमरत्रत वालिकारक विवाह করিলাছেন, তাঁহারা নিশ্চলই বুঝিতে পারেন যে, ভাঁহাদিগের গন্ধীর ভাব নব বিবাহিতা স্থার পঞ্চে নিতার অপ্রতি-कत हहा। किन्द्र वी होता त्योष्क्रमवर्षि क्रेज्ञभ वालिकात शानिशो इन वद्यन छाँशानिः গোর চপল স্বভাব বালিকাগণের পক্ষে অ,তশ্য চিত্হারী হইগাবাকে। সামান বিষয়ে আমোদ, সামান্য কথার আন্দো लग ও मामाना विमय अनेया वाश्युक अने গুলি প্রথম দৌবনের হভাবদির ধ্যা। কিন্দ্র ব্যোর্দ্ধির মৃত্তি এই ক্রচির পরি र के बहेशा थारक। गाँकानिरंशन अहे शांत বর্ত্ত না হয়; ভাঁহারা চির কালই শিশুবং থাকেন। উহাঁরা দামনোম,ত লোকদি रभद्र किन्नक्द्रनं क्दिएक शाददन वट्टे : কিন্তু যে স্থানে দৃঢ় প্রতিক্তা ও অধ্যবসাল-প্রভৃতি গুণের প্রয়োজন দেখানে ইহঁ। দিগের নিভান্ত অনামর্থা প্রদর্শিত হইয়া शांदक। উझिंग ड स्तान्छ। काञ्जितित्न-বের নাায় জাতিসাধারণো দুউ হয়। ইটা भौग्रमिर्गत वङ्कालभ्यां के माय दिल, এক্ষরেও কতক আছে। যথন কাউণ্ট কেবর ক্রিনিয়া ও লম্বাডির রণক্ষেত্রে ইটালীগ্রদিগকে শোণিতসমুদ্র প্রদর্শন कटबन, त्मरे ममध अविधि छीशात्मत अरे সভাবের পরিবর্ত হইতে আরম্ভ হয়। इष्टालीशिष्ट्रित नाम वज्रातम्वामीपिट्रा-রও দামান্যবিষয় গ্রিহা বেষ বিলক্ষণ

আছে। যে কার্য্যে দামান্য পরিভান व्यक्तिक, व्यामहा जाहा व्यक्तित्तह. কারে সমাধান করিছে পারি: 'কিন্তু ক্রনাগত মনোধোপের সহিত পরিশ্রম করিয়া যে কার্যা দাখন করিতে হয় তাহা मण्यामन कता आभामित्यत न्टर। अ शर्याच आभामित्रात दिन्नीत ভানায় একথানিও প্রকৃত ইতিহাস বহি গভ হইল না। যে কয়েকথানি বাহির হুইলছে, তাহা কয়েকথানি বিদেশীল গ্রন্থ অবলয়ন করিয়া লিখিত হইরাছে এই মাত্র : কিন্তু গিবন, সন টিয়াদ, নেপিয়রপ্রভৃতি যে প্রকার ২০ | ২৪ বৎসর পরিভাষসহকারে নানা-विश পुछक ও পত্রপাঠ এবং নানা বিদ-য়ের অসুসন্ধান করিয়া গ্রন্থ লিখিলাছেন, এ দেশের কেইে সেরপ করিতে পারেন নাই। গণ্ডোর পুস্তক ও নাটক লিখিতে ঐপ্রকার কট নাই : সূত্রাং আমাদের (मनीय जानाय जगःथा नांचेर ও পनः প্রকাশিত ইইতেছে।

পুর্বোলিগিত দোষনিবদ্ধন আনা-দিগের একটা মহু অনিউ হইতেতে: म्थानभएम के लाबरक निर्माल ना कहिरल পরিশেষে উহা বিশেষ অমল্লের কার-इडेश উঠিবে। আমরা मর্কাদা গর্মর কবিল थाकि (य जातज्य र्धत मनल शाम-অপেকা বঙ্গেশে ইংলাজী শিক্ষা ফল অধিক হইয়াছে। এক বিশয়ে আমা দিগের এ গর্ক অমূলক নছে ; কিন্তু অপ कक विषय विद्वहर्ग कतिहल त्वां इंग, भागता के कथा विविद्या तथा आयामार! করিতেছি। ইংরাকেরা व्यापनांदा है আপনাদের বর্ত্তমান উর্লিড ও সৌভ গ্যের কারণ। এই উন্নতি ও সেভিগ্রে अक निर्म वा अक वास्तिष्ठाता इत नाहै। সমুদায় জাতি বহুকাল অনবরত অধ্বে-সায়সহকারে পরিতাম করিলাইহা লা क्रिज्ञार्हम। इर्त्रारकृता महमा द्यान विषदा

इन्डार्भि करतन मा ; বারশ্বর চিন্তা 🏻 প বর্ত্তমানের সহিত 🏃 ভূ ভকালের ভুলনা করিয়া পুর্বের একটা কার্যাপ্রণালী স্থির করিয়া কার্যা করেন। কিন্তু আমরা कार्यात शृर्ख आग्न कानश्नी दित कृति ना यथानवद्य याहा मान व्याहितन ভাষাই বলি ও তদলুদারে কাঞ্জ করি আমাদিগের বর্তমান সমাজিক ব্যবহার ও ধর্মদারা উহা স্পাট প্রকাশ পাই-**एउट्टा अक्टर्स खाकार्यार्ड नदानिर्श**त অবলমনীয় হইয়াছে; কিন্তু হুই বংসরাস্তর ইহার মূল নিয়ম ও অমুস্তানের পরিবর্ত্ত হইতেছে। ঈশ্ববাডীত আর কিছুই নাই; ভাঁহারা উপাদনা করিবার নিমিউ ষ্ঠান ও সমর্নিদ্ধারণের প্রারো**জন নাই**, এই মত কিছু দিন চলিল। আবার কিছু দিনপরেই ত্রাক্ষমতে বিবাহ, আদ্ধি ও অনুপ্রাশনপ্রভৃতির প্রথা প্রবর্তিত হইল; সম্প্রতি আবার চৈতন্যপ্রবর্তিত প্রথার ন্যায় একটা নুত্ৰ প্ৰথার প্ৰাত্তাৰ হ ইয়াছে। সমাজসহজেও এই প্রকার वावहात मुखे हहेता थाएक । नवाशन আজি এক প্রকার প্রথা প্রবর্ত্তিত করি-🗻 তেছেন; কল্য তাহার কিছুই নাই। 'ইহা যে অস্থিরচিততার কার্যা তদ্বিষয়ে সন্দেহনাই। সমাট ভূতীয় নেপলিয়ন বেদ বাকোর ন্যায় বলিয়াছেন, ও আমরা যে প্রথার পরিবর্ভে কোন স্থায়ী প্রথা,প্রব-র্ভিত করিতে না পারি, তাহার ধংশ করা আ্মাদের সাধ্যায়ত্ত নহে। " আমরা এই নিমিত্ত দেখিতেছি এত " উন্নতি '' व्यक्ष्मिन उधुमशास्त्रत शहत जान्नगग সেই সেকেলে ( গুরুই সত্য ) পথ ঘৰ লম্ম কয়িতেছেন। যদি প্রথমে ভূত ভবি ম্বে এ বর্ত্তমান বিবেচনা করিয়া কাজ ফরা হয় তাছা হইলে এপ্রকার গোলক ধাঁধাঁয় ভ্রমণ করিতে হয় না। আমরা সর্বদা দেখিতেছি রাজনীতি অথবা

मत्त मत्त भगन कर्तत्र : किन्नु श्रास्त्र क विषया कि वला इहेंद्र जाना किन्हें शृत्की স্থির কৰিয়া যান না। বক্তাৰ সমগো যাঁহার যাহা মনে আইলে তিনি তাহাই ब्रालन । आंत्र बामहा श्राप्त मकल मुका তেই দেখিতে পাই যে ব্যক্তি দুই চারি'. বিদ্রূপ করিতে পারেন, তিনিই এতদ্দে শীয় শ্রোভাদিগের নিকট প্রশংসালাভ करतन। डाँशत अक्षुत्र कथात अर्थिक जारा करहे विद्युष्टमा करतम मा। हिम-কভাদহকারে পদাঘাত করিলেও এত. শ্রোতারা আহলাদ প্রকাশ करतम। हेहार ए ए ए जान चि **डाहा अल्ला लाटकरे विट्या कट्या**। **बर्ड (मान थांकाट्ड अटनक विद्या**नीत चामापिः शत (मात्रधमर्भाःन किছू माज সন্ধুচিত হন না; প্রাত্যত আমাদের যে र्ष मात्र नाई छाहात अ बारताश कतिया भौनी मिहायोटकम। आयहा यमि वया-সময়ে যুক্তিনিদ্ধ কারণ প্রদর্শন করিয়া নিন্দাকারীদিগকে জহ'ননা করিতে পারি, তাহা হইলে তাঁহারা দাবধান হইয়া কথা वलन ; , किन्नु आंभरा अथरम विका: भ মোহিত হই এবং সম্পূর্ণ অপ্রান্তভ হইয়া কোন যুক্তিনিদ্ধ কথা বলিতে পারি ना। कन ७३ मनन विषया है यथि। हिड विद्वानाश्चिक इन्ड क्लिश कता कर्डवा। কোন কাজ করিবার পুর্বের তাহার অনু কুল ও প্রতিকূল উভয় দিকে দৃষ্টিপাত না করিলে অনিউৰভীত আর কিছুই হইবাব সন্তাৰনা নাই। পুর্কের সভাস্থলে এতদেশীয় কুভবিদাগণ বক্তাশকি **७ माहम अपर्भान** क्रिटल हेड्ट्रांभी बगन रा बास्तामं श्रीकांभ करिएडम, खोहा এ१म-শীয়দিগের সুতর্ক ও যুক্তির নিমিত্ত নছে এ দেশের লোকের এত কমতা হইয়াতে बहे मान कतिशाहे जाहाता भावला निक हेहे সমাজ, সাহিত্য, বিজ্ঞানসংক্রায় কোন । তেন। শিশুপণ উত্তমরূপে বানান করিতে

गुछ। इहेटल बाक्राली युवकश्च जथात् । পाविटल भतीकक्षां । राज्ञन भारमान थाना करतन, जशकार**न देखे** तालीवभन अत्मनी। निरुपत माहममर्भाः । दाहे धाकात ভাংল্'দথকাশ করিতেন। ফিন্তু একণে व्यामता हे शक्ति श्रीत महिल ममकक रहेट विकासी हरेशहि। এই देखा। **চরিতার্থ করিবার পূর্কের আমাদিগের** हें तोक मिर्गत गांग्न शति खामी ७ हिसा-শীল হওয়া উচিত। কেবল বাকাব্যয় ভারা ক্লতকার্যা হইবার কিছুমাত্র সন্তা वना नाहै।

-----

**गाँह। দিনোর দুঢ় সংস্কার আছে যে.** ভারতব্যীয়দিগকে কেবল শা সভ রাখা কর্ত্তবা, তাঁইারা এক বার इ. छेन व्यव कमरणत वर्षक्रांन व्यविस्तिम्यान्य कर्मकल प!ठे कद्रिर्देश । अरम्भीवृक्ति-গকে অনুরক্ত করিয়া শাসন করাই ইংল-ণ্ডের প্রধান লোকদিগের ইচ্ছা; কিন্তু ভারতব্যাস্থত অনেক ইংরাজের এ মত নহে। এইনকল লোক এই বলিয়া গর্ম করেন যে তঁহারা স্বচক্ষে ভারতব্যের অবস্থা দর্শন করিতেছেন, অভএব ইংল-গুরি মহাশয়গণ ভারতব্যীয়দিগের প্রক্রি যে অমূলক স্নেহ প্রদর্শন করেন, ইহার্ তাহার উপযুক্ত পাত্র নহেন। এইসকল लाएकत अहे अकात कुमश्कारतत अधान কারণ এই যে, মনুষা হস্ত বন্তঃ প্রস্কৃত্ব প্রদ भाग कविराज जाल वारमन। याँशा मिरान প্রতিনিক্রউত্র জীবের ন্যায় বছকাল ব্যবহার করা অভ্যাস হইয়াছে, ভাঁহাদি-গকে সহজে সমকক করিয়া জুলা ইহঁা-দিগের পদে নিতাস্ত কষ্টার বোধ হয়। **धरे निभिन्न जामता (मधिरश्रीष्ट्र, छात्रछ**तः র্ষাহিত ইংরাজেরা আমাদিগের উচ্চতর **শ্রপ্রা, গুর ঘেরতর অ**ধুরায় হইয়া উঠিতেছেন। তাঁহাটা ইংলগুডিছ দিগকে অনভিজ্ঞবোধে विकाश करतन धवर

बरानकः, " ष्यामहा व्य तमर्ग्य शांकशा मकल । বিষয় এ জমেন ব**িছে জি। ভারেত** নমী: **গণ** সমাজ ও গুলা ধলে। অভিশ্ল ছানাবস্থ १४१ रण १ ; चारु गत्र हेर्ड (मिश्रदक **डेक्ट : त** या । ए। अलाम कहा दकाब क्रन्टमङ् विद्यत राजा गँ कोहाँ हे॰ शहु खंसका **करम**ीत িবের প্রতি ন বিক্লাম ব্রেন, ভাঁছারা ाहा १८४४ । भारत भक्त विस्थानभी दर्भ र । अंद्र डाझा कदित्वस्था। " छेडी। দে টু ভুৰ্ক আপাত্তঃ যুক্তি সদ্ধ বলিয়ে ८ वि इस ५८ छै ; कि ख विद्रम्य विद्वहर्मा করিয়া দেখিলে উহা ফে নিহাস্ত অলীক क इ। विल्लाक मध्यमान दहेता। यनि की छ हे यु क्लिमण छ ; अ'ङ। इहेरल गैं। हाता यधकाल अ दनरम थाकिला वेश्लाद वान. डीहाता अधारम माहा करतम हेश्यर हात ভাষার বিপরীত ব্যবহার এদর্শন করেন কেন : নিল্মবহিন্তুতি কমচারিগণ, বিশে নত পঞ্জাবিগণ বলচেই শাসনের প্রধান উপায় বিধেচন। करान। अहे निधिखहे সর জন লয়েশ শিক্ষক্তিগের বেতন বুদ্ধির প্রাপ্তাব অগ্রাহ্য করিলা ক্রমাগত रेपाँग राम्ब्रुक्षि विदिष्ट एक किन्दु भन मात्रवार्षे अञ्चलास्त्र हेश्लद्ध यात्रिहा ভারতব্যাসিদিলের পক্তে বিশুরিভরূপে সিবিল স্পিলিয়ে ঘুল উ টিভ ক্রিভে वि एड:इस। हें लाउंडा कत बात्व कि কিছু চনখ্যার ক্ষণত। আছে । পঞ্চাবের पुष्ठ । वं दल ल्डेस छे शवर्गव सब सब के में छे-গন্ধি সংখৃতি ফেট গেকেটাড়িয় নিহতী এফ পত্র লিখিলা বলিয়াছেন, শাসন मम्भारक ভারতব্যী। দিগকে উক্তর পদ धनान ना कहिटल भाषाब्रद्यात अन्द्रसुत द क श्रेटन! मत कम नरतंम १४%:वि জনের গ্রাম। তিনি এখানে বসংগ বলিতেটেন, যেখানে ইউরেপীয়নিশের मध्या अधिक, (महे शास अटननीयनि शहक वाञ्चिमामान विष्ठाहम्बित अम्ब প্রদান করা উচিত নহে। কিন্ত ভারার

সহচরপণ ইংলতে গমন করিয়া ভিন্ন
প্রকার মত একাশ করিতেছেন। যাদ
ভারতবিটারগণ যথার্থই উচ্চতর ক্ষমতা
লাভের অনুপয়ুক্ত হইতেন, ভাহা হইলে
ইংলতে সে কণা থলিতে সাহস হয় না
কেন ? বস্তুত এখানে শাসনকর্তারা শ্রেল করেন; কিন্তু ইংলতে যিনি ইহা করেন,
ভিনি সভাসমাজে প্রাবেশ করিতে পারেন
না। এই কারণেই ইংলতের লোকদিলের সহিত ভারতবর্গ নিত ইংরাজদিগের জুননা
করিলে এখানকার অনেককেই নিতান্ত নির্মন্ট বলিয়া বোধ হয়।

সর জন লারেশ ব্রিটিশ ও ভারতব র্ধার রাজ্যদিগের শাসমপ্রণালীর বিষয়ে যে মন্তদং গ্রহ করিয়া ইংলতে শেরণ ক্রিয়াছেন, তাহা লাইয়া মহাসভায় অতি শ্য় তর্ক ইইয়াছে। লাড 👿 ইলিয়ম হে এই छई आतम्र करतम, छ ९ शरत चारल है দ্রের, লাভ ফোণ্রোরণ ও সর ফা-रक. ज नर्थटका है है इन वा प्लालन कति য়া**ছেন। ভারতব্যী**রোর। যে **নতঞ্চাশ** করিয়াছেন, ইংলডের মহাত্মা, দিগেরও সেই মত ই ারা বলেন, ব্রিটিশ শাসন व्यवसी पावहीन नटह । देहारह य লে দের শরীর ও সম্পত্তি বছলপরিমানে নিরাপদ রহিলতে তবিঘরে কাছারও সংশহ নাই। বা, पेका, विषा भिकाशक ভির উন্নতির ও অপলাপ করা যায় না বিস্তু থেমন কোন বৃহৎ বৃক্ষ সমীপস্থ क्फ इक्छिल्टिक विक् स्ट्रेंट दका करते. क्ष जाहामिशदक विक्रिं हहेट एम् स **এই শাসন** भागी । ভারত ধ্বী র দিগের পক্ষে ভজপ ক্রিভেছে। ফলঙঃ যেখানে ব্রিটিশ সাম্রাল্যা, সেই থানেই এত দেশীয়দিগের উচ্চতর স্বত্ব লোপ হই-য়াছে। আমরা বলিতেছি, যদিও আলরা माश्वि ও পদার্থ नংক্রায় উন্নতির মিমিন্ত जिणिभ गर्शस्य एवेत्र निक्षे क्रक्क तरिः

ग्राक्ति, कथां शि चामारणद मानमशका ख উত্তর স্বস্থানোপে, ক্ষতিপুরণ কিছুতেই इड्रेस्ट्रिसा। मत्र ज्ञान नर्तका ७ ठाँइत ভারতবর্ষ স্থিত সহচরগণ ংলেন, লোকে এতদেশীয় রাজা,দিগের বর্তমান শাসন अनाली सर्गका बिष्टिम भवर्गत्रार्कित শাসন ভাল বলেন। আমরা উহাতে অনু মেদন করিতে পারি না। কারণ ছাহা इट्रेट्न अक्ट अप्रतिक क्रुडिया हाइछ:-বাদ, জনপুর, আমোরাহুভূতি স্থানে গমন করিতেন না। লাড উইলিয়ন হে ব্রিটিশ भामनथानातीत शृत्वी क (माय श्रीकात कतिता विनियात्ह्रम, हेश्लत् खुत भागमञ्जा লীতে যেমন প্রজাদিগের স্বাধীনতা ও ফনতা আছে, ভারতবর্ষের শাসন্থ্রা-লীতে সেই প্রকার থাকা উটিত। সর জন लादिका ७७०५ मानी । वाकामिरशत करका সকল দ্যেষ নিক্ষেপ করিবার চেষ্ট্র পাও য়াতে আলেট সাহেব তঁ,হার এতি দোষা-दाभ कविषाट्या । लाड कान्द्रवातन विल য়াছেন, দেশীর শাসনপ্রণালী যে ত্রিটিশ শাসন 2 ণালী সর্বপ্রকারে অপেকা উৎকৃষ্ট, ভাছা ভিনি বলেন নাই! সর জন লারে স্বাভারে বাকোল ও ক্রত অর্থ বুঝিতে পারেন নাই। তিনি এইমাত বলি शाहिदतन थ, अञ्चलनीत ताकामिदभत শাসনপ্রণালী যে এক কালে মন্দ তিনি এ কথার সম্মত হইতে পারেন না। অপর গ্রবর্ণর ক্ষেত্রলকে অবিক ক্ষমতা এদান क्द्रा लाख कानदात्रदात्र अख्टिथ्छ। তিনি এদেশের লোক,দগকে অধিকতর স্বাধীনতা এদান করিয়া উহা করিতে চাছেন । ভারতবর্ষে আরও কিছু কাল যথেচ্ছারার থাকিবে ; কিন্তু তাপাততঃ व्यक्तकः वाक्षणमारकः शवर्गस्य देशाव व्यञ्जामित्रात क्रमञ क्रमान ना कतितः গ্রণ্র জেনরলের ক্ষমতার্কি নিব্দান কেবল অনিষ্ট ঘটিবারই সন্তাবনা। সর घारकार्ज नर्थ कांग्रे बलिहार इन, ब्रिपिन

नामगध्यगानी छेरहर्के बलिया विटाक्नीय ্র জা গ্রহণ করা নিত্র প্রনার। উহা না করিনা যাহাতে ভারতবনীর ভূপতিগণ অধিকতর স্বাধীন ক্রীয়া আপুন আপুন ताजा भागन कुतिएक शादनन, काहाई कता कर्डनः। बुक्के छः औरमभीत ब्राकामसूमारत नकन क्षा दिनिए छ । करतम अदृश कं हाता है करनक करन अरमशीत दारकात শাসনসংক্রান্ত বিশৃত্বলার নিদান इইলা থাকেন। রাজাদিবোর হস্তপদ্বস্থার হিয়াছে ভাঁহার। যথার্থ সহকায়া করিতে পারিতেছেন না। সর ঠাকেভি নৰ্গকোট ভাঁহ:দিগকে এক্স স্বাধীনতা প্রদান করিতে অভিনাষ করেন। তাঁহার মতে রাজাদিগকে রাজ্ঞীর অধীনতা স্বীকার कतित इरेटव वर्षे ; कि छ छ। हारमत व्राका भागनिवरस खिष्टिम शवर्गदमणी इन्डरक्त क्रिट्ट शांतित्वन ना । हेटकत नाव अधारात इरेल गवर्गमण अवना ह তাহার প্রতিবিধান করিবেন; কিন্তু একংণ তঁংহারা যেমন সকলবিষয়ে হস্তক্ষেপ করিতেছেন, ত:হা ত্যাগ করা অবশ্য কৰ্ত্তব্য ।

চাপাডলার জীহত্যা। भलकात मुनिर्छात ७ तम मित्नत रेस् দিনী হত্যার অনুসন্ধানের যে ফল হইয়া हिल, क्लिकां डा डाँ भाउना ( এম इत्त्र छे খ্রীটের) জ্রীহতারে অনুসন্ধানেরও সেই ফল হইল। বন্দীভূত ব্যক্তিরা অব্যাহতি পাইরাছে। করণারের জুরি এই অভি-প্রায় ব্যক্ত করিয়াছেন, কোন এক ব্যক্তি অথবা ক্ষেক বাজি অভিস্থিপূৰ্বক ন্ত্ৰীলোকটি হতা৷ করিয়াছে, কিন্তু তাহারা **८ ह** जाहात विर्गत हरेल ना। क्लुडित अहे निक्षां उ दोका खादन कतियां आधारता अ নিশ্ব করিট্ত পারিতেছি না যে আমরা প্রভাপশালী র'কার রাজ্যে অথবা রাজ भूना हात्का बाम के बिट्डिश यनि अरे-क्रटल जानामारम मनुवाक्षा रम ७ रजा

কারীরা অব্যাহতি পায়, রাজরকিত রাজ্যে বাদ করিয়া কি ফল হইল ০ তঠা বলিবে, দিবাভাগে কেছ কাছালে কিছু বলিতে পারে না। ত্ননী প্রামের নবাব জান ঘটিত কাও, দেখিয়া দে ভরশাও আর নাই।

টাপাতসায় যে জীলোকটা হত হয়, त्म कड्रान्सकांड श्रेशकांवलकी। जाडेन नारम এक वाजि जाहारक विवाह करता ভ্রাটণের সূত্যর পরে কিন্তুসলি নামে এক ব্যক্তি উহাকে রাখিয়াছিল। মাধ্ব मछ नारम अक वाक्ति अहे माकामान करत, एक जीव्यांकिंग किंद्र मित्र मीतारचा उरहात निक्रे हरेट शनाहेश আইনে। পাছে কিন্তুদলি তাহাকে **पिरि**क भाग के भनाम (म नर्दमा शांवधाटन थांकिछ : मट्शा मट्शा वामकान পরিবর্ত্ত করিত এবং সর্কাদ। এই কথা কহিত, বিঙ্গলে দেখিতে পাইলে डाशटक रुडा। कतिटव । के खीटणां कंछित সহিত মাধ্বদত্তের স্বিশেষ পরিচয় हिन : (रा पिन जीलांकिं इंड इरा. त्म फिन त्म माधवत्क वत्न, त्म क्य फिन आप्त गृह हहेट वाहित हत नाहे; अडबव তাহার বেড়াইবার ইচ্ছা হইয়াছে। মাধ वयरल रम मिल शृष्टोरनत शतिष्ठ्म शति ধান করে তাহাকে নজৈ করিয়া লইয়া বা ইতে পারিবে না। লেবে মাধ্ব একথানি भाषी किनिया आनिया पिता छोटना কটা সেই শাটা পরিয়া মাধ্বের সহত বাছির হইল। পথিমধ্যে কিছেণলে সহস। আদিয়া পশ্চাৎ হইতে স্ত্রীলোকটীর পুরে **बक्छा** हाराष्ट्र माहिल। जीटलाक्छा " বাবারে" এই শক্ত করিয়া উঠিল। মাধ্য কিঙ্গলেকে দেখিয়া ভয়ে পলায়ন করিল। ভাহার পর কি হইল সে তাহা विनाटक भारत ना । भाषत । किछमतन উভরেই বন্দীরুত হইয়াছিল: কিন্ত উহারা যে দোষী এরূপ কোন প্রমাণ না

कातीता अवार्षि भाग, तास्त्रिक । भाउत्राटक उरामिन्न अवार्षि (म.उहा बाटका नाम कतिया कि कन इस्म १ फर्टन इस्लाइ।

कृति উश्वामित्मत व्यामश्राद्यत विनिष् গ্রমাণ পান নাই, অব্যাহতি দিয়াছেন. ভাষতে আমরা অসমুট নহি, সদেহ कारम को होतं छ। अशिष्य छ। विश्राम नहां यह हरेटेंड भारत ना। दि शवर्गदमन्त्र मदमह প্রেক্ত হল, **STAILS** करन श्रुकात ভালার ভুলা মধেক্লানী আর কে व्याद्वन ? यात्रापिरशत अरे व्यनद्यांत क्षािट्टाइ, यहि इटाईत अनुष्ठीनकाटन इडाकाती शुंड मा इहेल, शम्हाद पूर्वि বের অরুদক্ষান্দারা প্রকৃত হত্যাকারী গত হইয়া ভারার ম্থেচিত দও না इन्हेज, श्रुकात धन धार्म जाए। कि १ इस्पेरा उ कलात्र भारत्क हिन्नां य একটু কোৰেনম্বৰণ করিয়া সাবধান হইয়া হত্যাদিকার্য্য সম্পাদন করিতে পারিবে, (मेरे क व्यवसङ्ख्या शहरवा **अ मुखा**न দর্শন করিয়া দোল্ছ জীত্রা উৎদাহিত मा इहेरव । ब्रु भूर्याभ । व्यव्यव क्रिया व्यालनात व्यमत् श्रीके माधन ना कंडिएव र ভলিখিত জীলোকটার হতাকারী যে इंडेक, तम त्व जा पनात मत्नत जाव की लाक्षीत निक्षे उदसाल शामरन রাবিয়া এবং মিষ্টবাকো ভাষানে মোহিত করিয়া ভাছাকে রাজায় রাজায় লইয়া দেড়াল, শেষে চাঁপাতলার উপনীত इंदेश १/(mc) । विभावशास्त्र शाल स्ट्रांश পাইয়া অভোনার অভীও রুপ্পাদন করে. ত্রিবরে অনুমাঞ্দংশয় নাই। পুলিদের मार्टिन स्म अका की परि दिए, जाना मामता मुक्त कर्ण कहिएड शांति। छवि বাতে পুলিবকেই ছভাার নিমিদ্ধ দায়ী कत्रा कर्डवा । अवनी बृहेर क्षकामा রাস্তার মধে। হ'তা। হ'ইয়া গেল, পুলিঘ किছू क्रिटंड भारित्यन ना, हेश्त भत বিষয় ও কোভের বিষয় আর কি আছে ? रम ममदम भाराता इताला दकायाम छिल ?

शूलिटनत रात्रमः टक्क शर्थ कि श्वाश्च काइन कतिया नय । याहा इडेक, श्वर्मट्स छ जिन मन्य कतिया व नटक शास्त्रिक ना। वत्यावरञ्चः कर्व। ८६ १ कलिका जावामीता क्रिक इहेरवन मरस्य नाहै। शुलिद्वत निमिन्न कि कि हु सम्म मा १ श्रुलि एक मार्ग कि घटन था है। कान ८ इ.व. तका ए.या नाला नवे कड़बन ভারেলিত হত্যাকাওটা অধিক রাজিতে भाषातिक इस्साहिल गरमण गाँहै। यथन হত্য হাত্ৰী জালোক**টাকে লইয়া ভ্ৰান্ত**্য াস্তার জমণ করে, তথ্য কি ভারারা ८५(न अहतीत निख्यानागत रश नाहे? धाराता कि मृता भर्ष चानिताहिस ? काशाः (हं, त्राथा इहेटक चाहेन, काशास याहेटाइएइ, कि कार्यन उठ লাভিত্ত, রাস্তার রাস্তার ভানণ করিল **८डाइ, अह**ीता ठाइनिगाक अमन्त तथा जिल्लामा कतिन मार्कन १ जिल्लामा क्रिंट्र हडामाडीत आमात शकात काहात मा काहात पृत्येदशाणत हरें छ म्यान्यस्याचे। मृतिर्धाततः स्टेटन कर्याः। (तत्र अञ्चलकार काटन ट क्रांच अ**श्राधी**त অরুদদ্ধান इहेवाর मञ्जावना থাকিত। পুলিব প্রহরীর। কি চশ্ব মুদ্রিত করিয়া অক্তব্য সম্পাদন করে ? যে পুলিব चक्छवामण्याप्रविवदश अञ छेपाम,न ভাহার উদরপুজার নিমিত প্রজার শৌলিতলোৱণ করিয়া অর্থানন কলা कि शवन्त्राकीत कडेवा १ आया। छेलमर হারকালে পুনরার কহিতেছে; গান্দেকী উলিথিতপ্ৰকার হত্যাদির নিমিত্ত পুলি वटक विभिक्तेन्नरभ मान्नी कत्रन. जनाथा कान जा: महे इहा। निवाबन कडिएड পারিবেন ন।। তাঁপাতলার হত্যকাওটা त्मिशा व्यामानिक्षत्र मटन अहे हहेट ७ एड. क्य भूजिन कर्मागतीता चकर्त्या डेरशका कक्रिया निवास कोलटकार करतन, सहस् ाष्ट्रा एक्तावयान कट्रम मा, नकुरा ञ्चेकि:अड महिङ (बाश **चार्ट्, इटचें**का र्किक्ट भूषा मिता सम्बद्ध विकेट

गः খাক প্রচরী রাখা হল না ও এমন জঘন্য। যদি এরপ পুলিষকে প্রভার দেন, কল-

#### নুখন পুখক ও পত্র।

১। ঋজুব্যাখা। শ্রীরামগতি ন্যায়রত্ব ইছার প্রবেভা। এই পুস্তক্ষানি দ্বিতীয় वात श्राहातिक इरेशाएए। अदात रेहा দেবনাগর অক্ষারে মুক্তিত হইগাছে। এল, এ, পরীকা এদানখি ছাত্রগণের স্টিশ্র উপকার লাভের সম্ভাবনা।

২। প্রয়াগদৃত। এখানি পাক্ষিক পত্র। খ্রীয়ুক্ত বরু শশিভূবণ নিত্ররারা এতি गारमत > जा ७ ১७ वे बहे शिविका धाना-্রিত হটবে। অংপ্রতিত: ইহার প্রথম থণ্ড ्राकिश्चित्र इहेशारह। शहे थर छ मन्नना हत्रन, ভূমিকা, ভূতন বংগর, মুভা<sup>ন্</sup>জবিষয়ক त कि की । याधीन हा ७ मर्वा नामि निथिष्ठ ट्रेसा**ट्ड । ८**लथा सम्म इत नारे। सक्**यट**ल এরপ সংবাদপত্তের যত সংখ্যা বৃদ্ধি হয়, ভতই মললের বিশয়।

----308----

## विविधगर्वाम।

क हे देवलाथ (भागवाह)

গাভ শনিৰাণ শিবপুরের উল্লিজ বাবু লোক माथ इट्डो प्रतिहसूत वाहिएक कृष्णकूमानी मारिका-ভেন্যু হ্ইয়া গিয়াছে। গতে বংশর **অংশে**ক: এ राव का छि- भूगे खाइछ छिन्तु है, इहेशा इन সকলেই উভনজনে জ্বাপন অপেন কর্ত্তর সক্ষা 🖟 लम करतमा विद्रमधाः शक् वर्नरतत कृष्णकुमात्रे অপেক্ষা এ বাদেরর কুঞ্চনুমারীর অভিনন্ন জনেক প্রাণ উত্তম হইয়াছিল।

সম্প্রতি ভাক্তর মাক্তে পঞ্চাবে গসন করিয়া ছিলেন। তথার ভাষার কতকগুলি নোট ও নগদ টাফা শ্ৰপক্ত হওয়াতে পুলিখে সংবাদ भिशा क**लिकां खान्न काटेटनम**। इंटिमटका **की बात** अभ चानि e । हाकात (माहे अक खादनत निकाहे পাওয়াতে পঞ্চাবের পুলিঘ ভাষাকে ভঞায় গ্লিয়া ধক্ষণ। চালাইতে বলেন। কিছু ডিনি বলিয়া পাঠান, কোন্ ব্যক্তি চোর ভাছা

जीपाकारम श्रभारय गमन महक्र महरू अ कार्यामाणिनिवर्षने जीहात य बाह्र क्ष्रीत ভাৰতে ৮০০ ৯.০ টাকা পাইলে উন্নেম্ব লাভ हरेटन मा। अहे निशिष्ट फिलि यक्षमधे झालाहेटड व्यक्षीकात करतेन । किन्द्र मुकाद्वत कर्कुशक विवादित अञ्चरतारम डाइटक व्याखात कात्रज्ञा महेंग्रा गाहैवात निश्चित्र कमिकाकातुः शूलिय क मनगरत्रव निकटणे अक खत्रातिके ध्यान कति-शास्त्र । ७ शासार हेत्र . भूटर्स छाङ्कत भारकत्क শপ্তত একবার নতক করা উচিত ছিল।

रायधाराटम धक्षी बाजुनानय जानिए कवि বার নিশিত বশিক কৌয়ান্তৰ জাহিচ্ছির ৫ - , : • • छोका क्षिमान क त्रियाटकन ।

ইণ্ডিয়ান পর্বালক ওপিনেয়ন বিশ্বস্থ लाएकत निकरके व्यवंश कतियार हन, यत छ। एका छ নাধ কোট সর জন লরেন্সের পর এ দেশের **अराम मागमकर्छ। इहेरवस**ा

िष्ठतिक्षीं नारस्य क्षितिक्षित्र अभाव अर्द ताक्षती जिम्बदक इंटेगांमरशत मक्तात आफर्टिन সাহেবের প্রভিযোগী। কিন্তু সম্প্রতি বিবি প্রাড়ির এক ভোজা দেওয়াতে ডিস্রোল াংহৰ তথায় সন্তাক উপাস্থত হইয়াছিলেন। অধ্চ অনাতপুৰ্বে ভিনি ও গাড়টোন সাহেব अस्मि अर क्यापा अभ्रम्भ, त्य पृष्ठक क्राप्त आक् মণ করেয়া। ১বেন। রাজনাভিদং ক্রাপ্ত মৃত ভেদ্ধা দেও যে সামাঞ্চক ব্রুত্ব থাকিতে नादत हहा जाशात अक्षी पृष्टीखा

ध्याम शाह्यार्ष्ट्, (वायाईर्प्न अक मण्ड त्नारकत्रभटना अक घटनत कुछ त्त्रात व्यारका **এরোগটি সংক্রায়ক ও কুলক্রমাগত মহে**। । বাস্ত এনেক উপরুক্ত ।চ।কর্ণক ক ইয়াটেন, হং র প্রকৃত ওবা নাই। ডাজার ভাতহ দ্ব বি ওবা আবিজ্ঞ করিয়াছেন, তঃহার পরীকার সমগ্র मानिशास्त्र विज्ञाहरू कुळे 🚓 जान कहा। याहात आंभफ्यतिमार्ग शामारम्ख्यन करत. ভাষারাই প্রায় এই রোগতান্ত হয়।

कार्त इहेटल जरदान आजिहारक, आर्भे वर् नियात ज्योहित अर्थ कान्सामात ज्योगकात कार्रका ছেন। আবিছল রহমন বারে সহিত আজিম খারে বিবাদ আরম্প্ররাচে। এমন জনঞাতি শানীর निश्चात्र व्यानि चाँक महिल कारमहा तहवे हैं। লোপনীর ক্ষম ধইয়াছে। আগিএন খার উপরে क्रिंदुर्शक नकरमंद्र विक्रफ । घक मिन कावप्रम रहमम भागीत सा ररेएकहान्छ, छछ पिन अहे हुउ जाका (मर्निम-मन्ति है।

वर्षोत्र अवर्ग्यमध्यास्य कार्याः कार्यस्य विभाषात्रिक कर्गाविशास्क महकाती (काम काइका मिनुक कतिरंत्र मिक्नितिक (बंदम (बंदम् इंदर किना ? शवर्तत (अनतल विश्वादक्षम, (वर्षमें निवात आएक) क्षम माहे। किन्न कट्यांप्रियात याहा ज्यावभाक इहरव शवर्गाम छ छाहा सिर्वन । आमता . षाळां जिल्ला मध्ये इरेनाम ना। ब्यानक करवान কেরাণীনিরি কাজ করিতে পারে। এ সকল লোককে বেডন দিলে ইহারা অফ্লে থাকিতে পারে। এই সকল কয়েন্সিকে কিঞ্ছিৎ বেউন দিয়া আপন আপন ভরণপোষণের ভার ভারাদিকের निक्षत छेभति (क्षित्र केत्रा छे हिए।

নাগপুরের অনেক্বিদ্যালয়<sup>ত</sup> মিস্মরিদিনের इटल (मध्या इहेग्राट्ड। लाई, कार्र्डन मार्ट्ड এ বিষয়ে অমৃত প্রকাশ করিয়। ইহার পরিবর্জ করিবার চেষ্টা পান › কিন্তু ছর্ডাগক্রেমে ভিনি পীত্ত হইলা হংলতে গমন করাতে বর্তমান প্রতিনিধি ক্মিন্নর পুন্সার্, বিশ্নরিদিলের হত্তে বিদ্যাশিকার ভার দিয়াছেন। এতরিবন্ধন অনেক ছাত্র অধ্যান বন্ধ করিয়াছে।

वर्रमान वर्ष मार्गात्रम कार्स्त्र निमिष्ठ १,8 ६ R., S.. छेका वाम कता स्ट्रेटन। हेरांत मत्भा २,8 ॰, ॰ ॰, ॰ ॰ । । देविक वातिटकत ধালপ্ৰভূতি ও কৃষিকা নিমিত, ১,৪০,০০,৫ গ্যের নিমিস্ত, ৩,২৪০০,০০০ গ্রেণ্ডের বাটী ও রাস্তাপ্রভৃতির নিমিড এবং ৪১,৪০৯০০ যেল ख्टाइत नि:मण्ड वास्त्र कता इहेटन। शूर्वा वरमह অপেকা এ বার ৮৩৭এ৯০০ টাকা অধিক ব্যস্ত হই তেছে ৷ এই মেটি বায়ের মধ্যে द्वाध्य क्ट्रेट काग्र ७,७७, २०,००० होकी कता क्हेंद्र । ७३৯२०৯०० च्यांचित्रक हारस्त्र প্রপ্রবাণ্ড ইইডেচে। খালের ও বারি কের টাকা কর্ম্ফ করা ছইলে। এক্রে খাল প্রভৃতি হইটে ৪৯.৫৮,৩1০ টাকা আয় হই-(375)

भक्षार्वत (अग्रहाग्रह का'रत'ही मिरशत स्वि বার বিমিত্ত কি কি উপায় অবলয়ন করা क्रिक, क विषद्य श्रास्ट्रिक क्रिक्टिश सम्बाह ও ভদ্রলোকনিগেও মত জিজাসা করিয়া-ছিলের'। ভাঁথাদেগের মভালুসারে মিল ালাখত উৎকর্ষত ল ২ইতেছে। ইউরোপীয়দি গের ন্যায় এতাছেলীয় পুরুষ ও স্ত্রীলোকদিগের यलपृद्धकारात्र भूथक् स्थान स्टेरन। खीरला ক্ষিণের নিমিত পুথক শক্ট ব্ইতেছে: বিশ্ব ও মুসলমান কৃত্যগণ আরোহীদিগকে বিনা

रहेरव। मक्टिय काजां क्रान्किया अक्रियां আঁড়াই পাই ( খালু পাইলে আনা হিলাব कतिहा ) धना स्हेप्राटक ।

আমর। হিচ্ছপেটি রট দর্শন করিয়া ছঃখিও ইই मायः 'यरमाहरत्त्र साहे हे मालिएके हे अकिन्स गार्टिय अक स्वत हं भंदाभी त्व हा फाइन्ना प्रत्र য়াতে ঐব্যক্তি কমিসময়ের নিকটে অপীল करता काहे है माणिएक जिल्ला हरेश চাপরাসীকে অপনার বাটাভে ডাকিয়া ঘুদিলাখি প্রভৃতিধারা আঘাত করেন। এবিধয়ে নালীশ रुउग्नाटक माख्यिकोरे मन्द्रा माद्रिय कार्य ३ ८ होका सहिमाना कविशादक्रमा विहास कविटल यर्थष्टे म्ख इहेब्रास्ड । এहे मकल कर्मानाती -करव **ख्याका निका कब्रिट्य ? यटणाहरत्रत जन यागुद्र** (नाव काष्ट्र मां कि ? कामता मरवा मरपा छथा হুইতে এই রূপ খ্যোচনীয় সংবাদ পাই।

#### ३ - हे देवणाथ मञ्जावात ।

निद्वीरगरंको बरनन, भण्यांक (विजित निक-র্ভন্ত ক্রিলামের লোকদিনের সহিত ক্তক ওলি ইউরোপীয় সৈনেরে দালা হওয়াতে উভয় मरमंत्र कंडकशंभिएक इंक्टरंड (मंड्या स्त्रा अहे माञ्चाय देननिक्शन এक छन এত प्रस्थितिक वर कहियाहिल । अकरन विठाउल डिजन टैननि कित्रितक बुंक्क कित्र। खाबराधीकिरभन छात्रि অব্ধি সাত্রৎসর পর্য:ত মেয়াল দিয়াছেন ৷ বিচার কি স্থা।

আমরা উক্ত পত্র পাঠ করিয়া আহলদিক इहेलाम. फूलाटल वालिकाविमालदवन कीवृष्टि **इहेट्डर्ड । क्षत्रमङः । शांनिरिक्स এट्रक**ने निरहादत अक्षी विश्रालय द्वालन करान। एक ষ্টাল্পে বেশম কুপালে আর এপদী বিশানয় স্থাপন করিবার আজ্ঞা দেন। একণে সর্বাস্থক किन्छी विम्रालय स्टेशाटस पूर्णाटनत्र विम्रालटा প্রায় ৮ • টি বালিকা আছে। ইছারা প্রাতঃকালে नियंग भठेन ७ कक्ष निका এ२९ टेरकाटन स्रुटीत काळ भिक्र। करतः। ज्योरनाश्चारतत्र स्रोक्षां छ ग्रानिकः विमानस जाननार्य यहचान स्हैशारकंन ।

ডাক্সর লিটনার ওকালতি পরীক্ষা দিয়া-(इत। हेशारक कृष्ठकार्य। इ**हेटल फिनि शकोर**वत श्रथाम विरुद्धांमद्य अकामण्डि केत्रिट्यम । शर्वर्य (मन्डे विक्रकविशयक (व **डे**९नाव किल्डाइब) ভাহাতে চিরকাল শিক্ষকভা করিয়া জীবন যাপন করা অল্প লোকেরই অভিথেত।

भिक्तिक बक्दानर नह अभान कविनेनद कारक प्राप्त अन विशेष निविद्य दिशासक दिशासक । अञ्चलिक कारक अक्टान किनाई इति १३-केन किन्छ वाक्टित । कुकीम (कानित मकदि चक्र) ग्राटक । मादन मामका कार्तिक हुकन, पुचन चीक स्ट्रेटन अवर खबार्था जात्माक (महारा अक नीज युष्ट रहेन, क्थम नमद्भ कर ना वस् याईद्य मा।

> क्तानिम कि अमिन सार्धक स्थ संख्या होता. कताश्च एक (यमाश्चितिक सामिशाकिन) कार्गाक कट्यक वियम शंकाटक साथा रहन गर्क कमा मिक्स (अहाम ১+, • - गिका कामीन नहेंगा फारांदक মুক্ত করিয়াছেন। कामना (म्बिट्डकिं। পুলিয় কর্ম চারিলণ এ হত্তাটীরও কিছু করিছে পারিলেন না।

(वर्धन वालिको विमानायुव (भ्यम्भा छैन क्रिड इहेश्रार्थ। जनशास व विम्हानपूर्ण जन সুভা হইতে চলিত। সভা সাক্ষাৎ সহজে গ্ৰথৰে केटक भक्त विषयं खानावे हिन । अकटन মিগ পিগ্ৰীষ্টিক গোল্যোগনিবল্প লেপ্টন্ট शवर्षत विष्ठां मध्येदक फिरतकेत आहे किनान मार्टियत हरेन्छ मित्रार्ट्डन । मछारक फिर्वेहरेवत स्वीन इहेब्रा काळा कतिएछ इहेरवा आमता छावन कदिलाम अभिकारण मन्त्र हेहाटक भन जागा . कतिबादकम। विभागांशरतत गम्ब (लारक्ता कि আটকিন্সানর সদুশ লোকের অবীনতা স্বীকার क ब्रिट्ड भारतम । अभिरक अवर्गरम हे है देवाभी व লক্ষ্মত্রীকে এতকেশীয় সভার ক্ষমতাশীন क्रिट्ड हार्ट्स मा। (क्रेस्स साख्ड जिमारनव क्यपुर्तार्थ अवस्थि हिज्यत विद्यालयरक छिप्यम कता भ्हें एक एक ।

রজপুৰে এক হভার বিচারের সময়ে अह दिना। याकिटकैटिंग निकले अक कथा ও গেদিয়ন ভাছের নিকটে আব এক কথা ৰগাতে নেসিয়ন জজ ভাৰাকে মিখা সাক্ষা श्रमाह्मतः चानताहप हो जमाहिहरू वार्णन कतिया प्रश्र (प्रमा ) (तथा। होताम्हम निहानामस्य অপৌল করাতে হিচারপতি ই, জাকসন বলিয়াছেন ' জন্ম যেলকারে অপরাধীকে নৌ লদারিতে অর্থন করিয়াছেন, ভাষা সম্পূর্ণ नियमिक द्याची विक्रम ।

**इन्लाइटबंब क्यकपिटनाइ म दिख मीलक्य पिटनाइ** विवाद हुकि । शिग्नाद्य । नीमक्द्राया लेखियाय ১२ है।का निवारक्षम । अवस्थिता व्यविश कविलाम, कुन(करा हैहाट अंड नाच काम क्षिप्राट्ट (य) क्षत्र क्रमन केंग्रेस क्यम मीनहे वनम क्रि (७८७। बीलकतरात्र आमनाशन (र फेपरकाड महाजम कार। वस कहा रहेग्राहरू अवर महाम मीलक्त्र कृष्टि कर ७ मीरनद रिगान पूक्क इक्ट्रेंच मा ।

করিতেছেন। এটি হৃথের বিষয়। কিন্তু ৰক্ত भिन जाखाङः कहिरकतम्ब भाग भीति नाज्या ধয়, তত দিন কুষকেরা প্রকৃতরূপে সম্ভষ্ট

১ लः ८म अवर्गत एकमदल मिमलायाजा कति (वन । शर्रवंद (क्रमहास अकाकी श्रमम कहित्स कि काल इस ना १ छाड़ा इहेटल भागनकार्स (केलि লের সভাপতিদার। চলিতে পারে।

ডেলিনিউস অবেণ কলিয়াছেন, জালামী त्यत्यात्रद्ध (लक्ष्ठेमके भवर्गत क्यामाम मर्ग - া গমন করিবেন।

डिक পত অবগত श्रेष्ठाद्या, शिवकृष्टवत्मा াণনারে মুক্তির নিমিত্ত সপ্রতি যে জাবেদন ক ১৯৪০ লেপ্টনাট গ্ৰহ্ম ভাষা অগ্ৰাহ্য করি মাজেন। অল লোকেই এনিমিত **ছঃখিত ৬ই**-

উজ পর সংবাদ পাইয়াতেন, ভারমগু হ'বর'রের নিকটে একটা মরিনা করিয়া কতক েলি কীমান বাখা হইবে। কোন শানের জাহাজ शक्षां अधारम क तिएक मा भारत, भारतीय है अहे रेर टाप्टरन हेव। कतिटाउट छुन। अक्रमाफ मन वरम (४४ मर्ट्स अर्क रात्र छलन्माञ्चभन अहे (४५)। कृति য়াছিল। ফরাশী বিপ্লবঘটিত বিংশাত বদের যুক্তে জেন কোন শত্র গ্রহায় এবেশ করে নাই। ভবে িক ভব্নে মরিচা ইইভেছে ? মহিচা ইইলে কতক তলৈ সৈনিক প্রাথিতে হইবে, ভলিমিত একটা शु म इर्ग ७ दाहिएवस श्रास्थम स्टेरिय। आस्त्रा मिथि (छ) इ. मत सम मात्रक श्रम् छ। कतिवात প্রানি আর ৫ - লক টাকা সমুদ্রে কেপণ করি বেন। লাভ এলেনবরাও এমন দৈনিক অপবঃয় यक्ष (मर्यन नाई।

#### ३३ हे देवलाच तुमवात ।

विधाई छ वतमः (तम अध्य काम्लानि जाभ রাজে আপনাদির্গের রেলওয়ের সাহত ভারতব-यीं प्रश्नि अरुप्त मरुप्तां कतित्व । डाहाता प्रत्येत मिलीटा छेश मध्युक कतिवात हेन्द्रा প্রকাশ করিয়াছিলেন। আগরাতে সংযোগ श्रेट्स क लकाखा स्ट्रेट्ड (दाबारे गारेट्ड ১৫. বেলশ গ**থ কম হইবে** ৷

लिश्रमिश्रम वर्णन, मान्निष्ठ हेश्ल छीय भवन . मे-छे अ (परमद दमसाओस शक्त दीस लहेगा हें व्यास्त्र मिका भिटल हास्त्रियाद्वत । अह निधिक ंगता तथान स्ट्रेट वीक ग्राहिस शाठीह्याट्यन । কিন্তু বক্ষালশের চিকিৎসালগ্রের প্রধান পরিদ राक पारत न जिन बिनायादकन, इरल खीम शवन (X : 3 ाक्षे हार्डियाद्या, इसाइड

ब्राजीक कात विकूर ११रवं ना। धेर विलिया जिल्ला कतिया जार करा सारत मारत তিনি দিশীর আজার প্রতীকা করিয়া আগা **७७: श्यानकांत्र (शावमास्त्रत वीस मिएक स्वी** কার করিয়াছেন।

সম্প্রতি সর উইলিয়ন মাল ফিলড কোছাটে পঞ্চাবের দীনাস্থিত দৈনাদিগকে দশন করিয়া আহ্লাদ প্ৰকাশপূৰ্যক ব'লয়াছেন, ভাছারা যে কাজ করিয়াছে, ভাগতৈ গবৰ্ণমেন্ট কুভজ্ঞ बार्ट्स । किन्तु भान्तिकः भारहे युर्द्धतः উत्मनः। मर्त्रामा भीमाञ्चि वन्तरिकारक महे कति हा का ब ছইবে না। ভাছাদিগকে সভ, পাশে বন্ধ করিয়া (करन रभ धकाभ करिएन काछ इहेर्व मा।

পিয়নিয়র বলেন, পাটনার সিবিল সাজ্জন ডাক্তর হচিন্সন বেহাবের উঞ্চপ্রত্রেবণ সকলের পরীক্ষা করিয়া গ্রান্থেটের নিকট এক রিপোট कतिष्टार्टिन । औ जारन अर्प्तश्चक ১৪ ही ऐस् প্রস্থাবন আছে। জনোর উঞ্চতা গড়ে ১০৭ ·ङग्रि। স্**प्तार**्भका ্রফা চু গুকে পবিত্র জ্ঞান কবেন। ডাক্তর হচিন্সন এই প্রভ্র वन भावत्का भाव रहेशां जिल्लान । उन्याद्या भाषा **जिन गांठ कत क्टें(व'। शांक्रियन फांड कांट्रें** प्रेशत मध्या कर्फ़रम अन वाधिएक भाविद्याकि লেন। পুর্বেষ লোকের সংস্থার ছিল এই কুত্তে জীব থাকিতে পারে না। কিন্তু ডাক্তর হাচিন্সন সফলের সমাথে উহাতে কতকগুলি ভেক নিকেপ করেন। ভেকেরা অভি হুখে তথায় की कृष करिए व नाशिन। बह नकन शब्यवरनत क्रम अण्मिश्र विश्वकः। এই छटन चाटम्। त भटक कछ मूत्र छेभकात श्हेटछ भारत बक्रदम्मीच शवर्व गिन्हे **जाहा काः**नटक हाहिद्याट्डन ।

কলিকাতা হইতে আগায়ে প্রেরিভ ১৫ ই এপ্রেলের ডাক ও বালি পুলিন্দা সকল ব্রহ্ম-পুত্রে নৌকা জুবি হইয়া নষ্ট হইয়াছে।

১২ ই বৈশাধ বৃহস্পাতবার।

ষে ফেনিয়ান ডিউক অৰ এজিনবরাকে অত্তেলিয়ায় বধ করেবার চেষ্টা পায়, ভাহার योभी बहेशास्त्र ।

षामाञ्जितियाएक प्रार्किकनियक्षन ख्यानक क्षे रहेट इट्डा स्थातिमानत निक्वे वर्डी এक এটেম একটী জ্ঞীলোক আপন ভাদলবৰীয় এক বনগাকে বধ করিয়া ভাষার মংংস অন্য জন্য गलानिभित्क क्षमान ७ चन्नः उक्त कन्नितारक्षी কর্তুপক্ষ এই সমাচার পাইয়া তথায় প্রমন कत्रिया त्रिश्तम खीरमाक्षी क्रशीख खे लंकिन

मवनाक कतिएक । जनीयात क्रमार्कता ७ ছডিকে কষ্ট পাইয়া তুগও শেওলাপ্রস্তু উভিদণ করিতেছে।

১৪ই এপ্রেল সর উইলিয়ম মূল কাশীর জন্মনারায়ণের কাতেলকের ছাত্র দিগতে পুরস্কান বিত্ত শ করিয়াছেন। ঐ দিবস এক দরবার হয়। কাশীর রাজা। রাজা দেবনাগায়ণ দেশ্য গ্রুত अत्मक अख्यासमीय मध्याख लाक अधारत छेन । इ.स.

खत्रवश्रुत्तते ताज'त अवणि शूव इत्राह्य হস্তু করা কর্ত্তর। দেওয়ানী কর্মচারিগণ ও । ১৪ ই এপ্রেল আগরার ইউরোপীয় ভারনোক देनांबकगरवद्ग क्ष्मी विद्युष्टमा कहा छिष्टिक, निर्देशत अक छाज एक्सी स्ट्रेगाइक । जानांबी বর্থেরাজা প্রাপ্তব।বহার হইয়া শাসনভাবে **"कराउ धारण क**िर्देशमा छन्। छन्। छन्। देव रार्खेमान স্বৰ্থলার নিমিত্ত সকলে পোলেটিকাল এজেউ कारल्यन ७श्वान होत्ररक धनःवाम लागन कलिएनन । ভাজা যে শিক্ষা পাইয়াছেন, ভদহুপারে কাজ कट्डन देशहै मक्टलत क्षार्थना।

लाक्षी छोड्सन बरलम, पूलि स्टिल कमन প্রভৃতি কয়েক জন ভদ্র লোক লক্ষ্যের এক সাহিত্যসভা করিভেছেন। এটি সময়ের উন্ন তির লক্ষণ।

উक्छ পत्र व्यवन कतिशास्त्रन, विष्टाह काटन भोलवी मत कशास आलिमामक (य व्यक्ति कडक खीन बाक्षिक लहेग्रा विष्णाशी हम, जिमि ब्राइ शूर धृष इहेशारधन। এই व्यक्ति कारनक निर्धः व।वहात कविशाहित्सम विलास सम्बद्ध स्थादक। बहै नकत (माकटक कक कारल क्या कतिरल कि ভाल इस ना ? यारा दहेवात दहेवा शिवाटक, এফ ে প্রত্তেকে ভূতপূর্ম বিদ্যোহীর বিচারে डाशनिंगत्क शूर्त्ता कथा त्याद्रश कदा देशा (न दुर्श

ইণ্ডিয়ান ডেলি নিউদের এক জন প্র প্ৰেরক বলেন, গত শনিৰার কাৰলিক আঞ্ বিশ্ব ডাক্তর কিন্সকতকত্ত্বি পুরোহিতকে नहेन्ना इर्गब्दमः উপদেশ मिटल शब्ब कार्रेश्चा इ लन । अक कन गुरक आफिनत श्रुद्धारिकतिशद क्लानमान ज्ञान कृतिहा ज्याभिकटक मध्याम (सन । অস্ত্ৰকানধারা আফিসরের অম প্রকাশ পাইল। त्मनाभाष्ठ रेग्रीवकतिगटक मनदशार्केक उछ পরিধান করিয়া আসিতে দেন নাহ। কাথ निक श्रुदाहिङ पिरंगत मारारगई जाग्रातमा ७ अम्माणि माधात्रम विष्याह रव नाहै। ख्याणि चरनक चित्रक लाएक डाँशिक्शन श्रीड व्यविश्वात्र करत्रन।

- P

**िक পुत्र वर्रानन, शक्र मश्चारह अक्र अन** बाजान व्याप्रका कतिएक विज्ञानी इरेश ভ্রমি বাঙ্গণার রেলওয়েতে শয়ন করিয়া পঞ্জে। শকট 🗓 ক্লময়ে ক্লাভ বেলে ব**'ইডেছিল। স্থজ**রাং অবিলয়ে ভাহার মৃত্যু হইয়'ছে।

সম্প্রতি রিনড়ার বাদ্ধালি ও বালিকা विकासित्व शुत्रक्षात्रश्रमान केशनात्क कंकक গুলি ইউবোপীয় ভদ্রলোক ওক্তীলোক উপস্থিত ছিলেন । এফণে ইউরোপীর ভন্তরাকেরা मर्गा এই ताल वावशात कतिएए हम। इशास्त्र তেছে, ভাহা বলা ব'ঞ্জা।

পোষ্ঠ আফিলের প্রধান অধ্যক্ষ মন্টিথ সাহের গ্রেণর জেনরসের দুষ্ঠান্তান্তসারে আপ मात कर्माहा तिश्वतिक लहेश नियमाय शीचाकाम অভিবাহিত করিবার নিমিত্ত ঘাইতেনে।

कनिकां । अ निक्षेत्रहीं करम्रक्ले आहा ওলাউঠার প্রাছর্ডাব হইয়াছে। কিন্তু এ বৎসর भुकुर्त मर्थरा कम (नथा याहेरण्डा । **आ**मता प्रिंचिडिंड, व्यानक श्रांस ल्यामि®रशिष्ठिकिए সকলণ আংগাল্যাধ্যে কুতকাৰ্য হইতে (BA |

থেবেনিট বোর্ড প্রভাক কালেক্টরিভে कर्यक अपन नकत निवित्र दाधिवांत आध्या विद्या (ছন। ইহাঁর। নিয়োদের সমক পাইবেন এবং উঠার: বাডীও আর কেই কোন দলীগের নকল করিতে পারিবেন না। প্রভাক ছোট আড়ার ষ্ট্রাপে ২০ ও ষড় আছার ষ্ট্রাম্পে ৩২ পঞ্জি नि**६८७ इ**हे८२४ नकने नविश्वत ১०० कथ ग्र /s. wist √3 > ∘ • ই'রাজী কথায় ১/১ জানা পাইবেন । প্রভ্যেক মকলমবিস ২০ টাকা পান কালেট্র গণ এমন বন্দোবস্ত করিবেন। আয় বুঝিয়া নকলনবিদের সংখার হাস বা রঞ্জি করা हहेदन : এकदन गंछ मकसमा मग्न, छोहोट्ड अदि প্রস্তর্গর্যাল পরস্পরে সকল দলীলের খসড়া नकम महेद्रा थाएकम । ইहाएक काहां मिर्गत कि इयु किन्त भवर्गस्य लिख नाइ । এই नक्ल क्रीशर्ट केंकल अक काना मृत्मात छारून দিবার নিয়ম হইলে লোকেরও লাভ হয়, রাজ (সরও র জ ইয়।

এবার হরিছারের মেলায় প্রায় ৩০,০০০ शाकी शिशाहिएलन । পुलिय जाकुरनश्काख वरमाव ऋधन छे उमक्रभ कतार्छ (मारकंद्र भी छ। इय्र नाहै।

**म्ट्रणात् अक केल्प उच्च जाविक् छ क**तिशाहरून । नकरमत्र मरकाश कारह, अहे मरनमनिवर्शन উন্মন্ততা হইলে আর রক্ষা নাই ৷ কিন্তু এই व्यवस्था डांक्टर वार्ट्न अक व्यक्तिरक चार्त्राका क्तिब्राइम । : (तार्शीटक अक क्रिक्टिक यक्तम করিয়া ভাষার সর্বাঙ্গ ক্রন্থারা উত্তময়ণে আরুত করা হয়। কেবল মন্তক্ষী বাহিরে ছিল। ভাষার মন্তব্দ ভাষর। লাগিতে পারে এমন कारम अक हो कि छेक सल ताथा हन। भरव একখানি ভাগ চাইতে সমানাংকে পারা ও গলক य उँ छ । छ । जित्र कि कात छ ह । वस ह । मिल्लिक कतियां छ। हा । महे हा हूँ एक छ छ मजा । मांचाम रहा। এই हाहि देश जालत निकटि के जित উপরে রাখাতে ভাষার বাম্প রোগীর মস্তকে লাগিতে লাগিল। প্রথমতঃ ১৫ গ্রেণ এবং তৎ পরে প্রতি ঘটিকায় ৫ প্রেণ করিয়া কালয়েল রোগীকে দেওয়া হয়। এই প্রক র বা স্পর নিতে लाशिएक हाविषाँकियात मध्या (दानी चित्र हहेल । পরে মুখ আসাতে রোগ এককালে মিঃলেঘিত रहेल।

#### ) **३ हे** देवभाष शःक्रवात ।

কলিকাভার মিউনিসিশালিটি কুলিবালারে একটা অভিশয় অভ্যাচার করিভেছেন। ঐ शास्त्र या वाणि व्यारङ खाशा श्राम् गवर्गरमा ले त খাদের ভূমির উপরে ভিড। গবর্ণমেটের कृतिएक कन्नवृद्धि माहे विलिशा व्यानतक हेनातक প্রকৃতি প্রস্তার করি। ছেন। এক্সেব এই ভূমি मकन क्षिनिमिश्रारक श्रमाम कहाएड डाँहाता ৮া১০ তার্গ করবৃদ্ধি করিভেছেন। এটা জাতিশয় অন্যায়। বেসকল স্থানে বাচীপ্রস্কৃতি প্রস্তুত হয় তাহার করবৃদ্ধি করিলে বালীর মূল্য থাকে না क्रिंगान अ विष्रुत्र क्रांमक समीमानुदक् अवा ভয় করিয়াছেন।

रेखियान (डिलिमिडेंग ब्रान्स, ভाরভবর্ষীর भवर्गरम्हेत **बहु**रहोधा**ङ्गारत स्नोग्न गर्न्य**क নমূহ যাবভীয় সিবিল সার্ক্তনকে ওলাউঠা জনিত মৃত্যুর এক তালিকা রাখিতে বলিয়াছেন। যেখানে অধিক ভোগ হইবে গ্ৰেণ্টে গেখানে অভিরিক্ত সহ আসিষ্টাণ্ট সার্ক্তন প্রেরণ করি (वन।

ৰারাকপুরের ভূতপুর্ম কাণ্টোমমেন্ট মাজি ক্রেট কাপ্তেন ওয়ালকট পাণিহাটির শাখা ভাব ভবর্ণীয় সভার অধ্যক্ষ হইরা অনেক উপকার সাধন করিয়াছিলেন। তিনি একণে হাজারি बारत बमलि इंडब्रोट्ड मर्की है। इंटिक अक प्रक्रि ইণ্ডিয়ান প্রলিক ওপিনিয়ন বলেন, ছঁসি নক্ষন পত্র প্রদান করিয়া খলিয়াছেন আপনি ষ্পার পুবের চিকিংশক ডাক্তর বার্থের কুকুর অভি মহান ও সদাশয়। খুড়ীর দর্শের বেপ্রকার

बाराजाः जाएक जानतात खारा तथा वाहर खार चानमात चरमणीरम्या अहे मृष्ट्रीरखत चेन्द्रनतन করিলে ভাল হয়। কাল্ডেন ওয়ালকট উপযুক্ত উত্তর क्षमान क्षिप्राइम । कि ह व्हे क्विविष्या निकास বিষয়ে সভাবে সভর্ক করিয়াকেন। বজ্ঞ এ প্রকার পরে কাল্পেন ওয়ালকটের ব্রুপৌর मिशरक खर्यमा कहा यक वृद्धित काम हंग्र**ा**रि। कारक्षक अञ्चलक है जाधाइन असाव नीज नरमर

গতকলা একটা ফিব্লিলী জীলোক আর্থ্জ वाव शावाम जात अक क्रम कि ति जित्र मारम अह বলিয়া নালীল করে যে প্রভারী 'পূর্মরাতিতে অর্থীর কন্যার সহিত কুর্বেহার ক্রিতে আগমন করিয়াছিল। কিন্তু বালিকাটির অদাপি ১৬ বংশর ব্য়াক্রন হল নাই। এ ওপৌ আপনার দোৰ স্বীকার করাতে মাজিট্টেট বানসন ভাষার কঠিন প্রপ্রামের সহিত ছই মাস মেয়াদ দিয়া इत। कलिकाङ'त कितिजिमित्तत भ**र्मनी** छि অভিশয় জ্বন েই হা দিন দিন আরও মক হইভেন্তে দল্লাৰ পৰ যিনি মেরিডিথ গলিব ভিভরে প্রবেশ করিয়াছেন ভিনিই এই প্রেপির ধর্মনীভির সাক্ষ্য দিতে পারেন।

**38 हे देवलाथ मनिवा**ठ।

গত কল। মুঙ্গেল ও সদরামীনদিগের বিজ বিধিবন্ধ হইয়াছে ৷ আমরা হব হাউস সাহেহবের विरुलत প্রতি যে আপন্তি করিয়াছিলাম এবং ভারতবর্ষীয় সভা আপনাদিগের আবেদনম্প্র (मश्रील धार्म करवान, कावकानक ज्ञा छोड़ीव যৌজৈকতা শীকার করিয়া ক্ষমন্ত্রপ আইন कतिशादक्रम । यो गाता व्याहेटमत अतीका मिटनस हांश्राहे क्वित पूरमामध्य इंडिस भन भाहेरवन। मनताभीरमत भन डिकिया शाला भूरजदलका ३००० **ठेका भर्य, एक्टर मकफ्या कहिएक भावित्व**ा क्षधान प्रभवाभीनिष्ठित्र व्यथः य ख्रा विद्या क्रेटल्लथ करा बहेदव, छ।शामिरणत ও अक्रमिरणव कम्खा नमान दिल। खळानिशदक ১०,००० है।कः। भर्य। एक प्यांभीन आंगरनत या कमाडा निवाद कथा क्य कांक कराभ कता क्षेत्राद्य । नियुक्त विहात-পতিগণ দোষ করিলে প্রধানতম বিচারলয় ভাঁহাদিগের দোষাধেষণ করিতে পারিবেন। कान दिएमध्य प्राप्तक ও अभाग्न कक मिन्नाक (कांडे क्षानीयरञ्ज क्रमें जा १ वर्ग महिता अहे क्षाइन है। যথার্থ উল্লভির করেণ ছইল।

भक्त कर्ना कनिकात स्विधिमितिशत क्रिक्स मा হুইয়া গিয়াছে। ভাক্তর টনিয়র ছয় মাদের विषाय भावपाट डाकत मोटक मानिक हे • • ট'কা বেভনে তাঁহার প্রতিনিধি ইইয়াছেন; বচুৰ **জারের স্বাস্থ্যসংক্রান্ত ওভরসিয়ার টিবেট সাহেব** रहकोल काञ्च करिया वार्ककानिवसन व्यममर्थ ছ এয়াতে এক্লিরের। ওঁছাকে ২০০০ টাক। পুর-आत मित्रार्हन । निकापि नार्ह्य कनमणिड ইঞ্জিনিয়র হইয়াহেন। শেধোক্ত পর্তীর প্রয়োচন SE AT I

গত মঙ্গনার প্রেনিডেলি কালেজের ছাত্র बिर्भत मुख्यत नाष्ट्रतिक कथितक क्या विकास বিৰপ অন্তেভা করিতে চাইয়া ইলেন গ্ৰিপ্ত ∕কান অ'নবার্থকেশ্বনিবন্ধন ডিনি **আ**সিতেনা পাবাতে বিচারপতি নন্ধাণ্যভাপতির আসন এইণ কবেন। প্রেসিডে জি কালেজের অন্যত্ত আন্তা लक होने नारहर (मकरनंत्र विषयः अक भीष প্রবন্ধ পাঠ করিয়াছিলেন। তিন বৎসরাবদি। हे कि मार्ट्य अहे विषयुष्टी मिश्विएक किएन । कि अ তাহার প্রবন্ধতী অব্যাল্লরপ হয় নাই।

নিমুলিখিত মূল্যে গ্ৰণমেন্টের কাগজ रिक्रीय रहेरण्डा ।

8 টाकात निका 3>10-33110 কোৎ 211-25 h. ৯ প্রলিকওরার্ক 3000-30000 কোং 011 · " 275110--- 325No

---:0:---

## इंडेटबाणीय नगाठात ।

লগুন ৩০ মার্চ। সধ রবার্ট মন্ট্রপমরি এক পত্র দ্বার। ইংলঞ্ডীয় গবর্ণমেন্টের নিকটে ব্রিটিশ রাজ তের প্রতি ভারতবর্ষীয়দিগের অসভ্যোধের কারণ निर्फाल कविशा श्रेष्टांच कविश'रहन, नामनभवरक বাছাদিগকে উচ্চত্তর পদ দেওয়া উচিত। .

পোলাভের নিমিত য পৃথক শাসনপ্রণালী ভিল, ভাষা উঠিয়া গিয়াছে।

বেলজিয়মের অনেকগুলি কয়লার থনিতে গুরুতর দাঙ্গা হইয়া গিয়াছে। দাঙ্গাকারীদিগকে দম্ম করিবার নিমিত্ত দৈন্দিগকে আফিতে कहेबाकिल। व्यानातक (जानारगार्ता एक इहे शांदह ।

আরল অব কাডিগানের মৃত্যু হইয়াছে। ৯ টু এপ্রেল। রাজফীয় ভূগোলসভার সভাপতি সর রভারিক মার্চসন জানজিবারস্থ क्षांक्रव कार्ट्स निक्रें स्ट्रेंट वे हैं। स्थ्क्यादित এক পূত্র প্রাপ্ত হইয়াছেন। ডাব্রুর কার্ক হলেম যৈ আরব হরকরাকে ভাক্তর লিবিও-ष्ट्रीरहत चार्चमर्ग स्थानन कर्ता रहे, रत बाक्कि উ: शत्र পত্র লইয়। উপস্থিত ২ইয়াছে। ইহার

সতে এক বংসর বিলয় হইয়াছে। এই পত্রে নগরে লিবিওপ্টোন উপনীত হইয়াছেন।

-88-

प हे अर शन निर्देशक ब्हेटल नश्वाप खानि शाह्य, करत्रकृष्टि कर्षेत्र श्राजितिय मरनानीक कवि ं वाह नमस्त्र भी हज्ज श्रियमालय खग्ना छ रहेवार हु।

এক ব্যক্তি ভার্সি মাক্ষ্যি সাহেবকে হত্যা করিয়াছে। হত্যাকারী ধুত হয় নাই।

व्यक्तित्रं इक्टेंड स्ट्रेन-

যে গৈ আগত।

১২ মার্চ্চ। ফ্লটাফ গ্রামে ভফারেলনামক এক জন কেনিয়ান এডিনবরার ডিউক্ফে এক বিবল वात्षाता वन कविवात (इष्टा करव। ये वा छन ডিউকের পশ্চাৎ হইতে গুলি করে; গুলিসী পুর্তে প্রেম করে। কিন্তু ছুই দিবসপরে ইহা বাহির করা হইয়াছে। ডিউকের বন্ত অধিক ক্ষুত্র रहा नाहे। जिनि कारतागर शांध हरेता अनक्तात নিজ কর্ত্তব্য কর্ম্মের ভারগ্রহণ করিয়াছেন। হত। কারী দিহীয়বর গুলি করে। ঐ প্রেল थत्रनामक अक वा कित भएन श्राटम कतिया ছেল। ইনিও আবোগালাভ করিয়াছেন। এক্দে হত্যাকারীকে দেনিয়নে সমর্পন করা হইয়াছে। ৩০ এ মার্চ ভাষার বিচার হইবার কথা ছিল।

লগুন ৩১ এ মার্চ। গভ রাত্রিভে হাউদ व्यव कमरम प्राप्टिक्टोन मारहर श्रन्ताव कित्रुश (इन, काम्रावनरखत् धर्मामध्यकारम्य महिक शवर्न ্মন্টের সংস্থাব বন্ধা করা কর্ত্তর্য 🕫 🐯 বেঁ যেদকল ভালে ধর্মালয়ের নিমিত্র টাকা ও ভূমিএউতি দান কর৷ হইয়াছে তাহ'তে श्युक्तिं करी बहेर्र में। लाउ क्षेत्रली अक প্রস্থাব করিয়া বলিয়াচেন, আগামী মহা সভার নিমিত এবিধয়ের মীমাংসার ভার রাখা कर्डवा। लाए कृषिरवातम अविषया अक वर्क्क्ष করিয়া গবর্ণমেন্টের এতৎসংক্রাপ্ত কয়টি রাজ নীতির প্রতি বিশেষ দোষার্পণ করিয়াছেন। তর্ক স্থানিত রহিয়<sup>†</sup>ছে।

আবিদিনিয়া হইতে আগত।

छाना १ हे अरक्षन । (यात्रीहे २) अ এপ্রেল। একথানি গোপনীয় পত্তে প্রকাশ করে, রাজা থিওডোর সেনাপতি নেপিয়– রকে গরু ও নেষ উপচেকন প্রদান করিয়া আবিদিনিয়ায় আগমনের নিমিস্ত **'डॅ**:हारक **कांडिचि** विनिष्ठा शिव्र मञ्जायन कतिवा ्छ्न। **टेरियम व्यव हेल्डियात विट्यांच भवादश्यतक** বলেন, সেনাপতি নেপিয়র মাগদালার ২৪ क्यात्मत माना **উপनी** उद्देशार्डम । अहे नथ

ভিনি আর চারি কুচে গমন করিয়া ২৮ এ मक्तिको इ रम्ब्र अञ्चलश्च अक्तिका मार्क मार्शनामाय छ न्योष शहेरात्रे अधिकाम क्टरम। हालाक्ष्मि जारुमप्र अधन्तः विव देनन। जन ऋषु कार्ड । त्राका चित्रात् मान मानाय উপनी उ रहेशा हेमलानि हर्भ वश्च कतिए उ (इस । (मनद: निशन अधर !बंधिन (मनानटनदे काधि कार्टनं अहे में के त ्य विवट्डा व विनिद्याव तांखा व्यवस्ताध कविद्या युक्त कति स्वन

> লগুন ২৮ এ মার্চ। ব্রিটান ও এত দেনীয় শাসনপ্ৰণালীষ্টিভ যে পত্ৰগুলি সংগৃহীত ইইয়াছে, ভ্ৰিণয়ের আন্দোলননিমির গভ রাত্রিতে লাভ উইলিয়ম হে প্রস্তাব করিয়াছেন। বক্তৃতাকালে তিনি ব্রিটন শাসনপ্রালীর म्मारबन फेटलच कविया नलिएनम, राधकात खनानी हेरनए छ चार्ड, छन्युनारत छात्उवर्ध শাসন করা কর্ত্তব্য । স্মলেট সাংহেব এক বক্ত্রতা করিয়া সর জন লবেনের প্রতি দোষারেপ করিয়'ছেন। সর জন লরেন যে অমে পতিত श्न जारात मः त्नासन कतिया लां क कान त्वांतन विभागिम, जात्रवार्ध যথোক্টার শাসন श्रमानी स्ट्रेटिकः महिस्छ। हेरात মাত্র দীমা। এমন স্থলে বিভাগবিদে ্ষর পর স্পারের প্রতি ঈর্ষা দুর করিয়া বাঁহারা ভারতকর্মে थाकिया भागन करवन, छ।हानिरंभव हर छ जिस्क **७ त कम**ङ। (में ८ प्रा कर्डवर्ष । इंटोट अट्या अट्या অম হইলেও লাসনের বল ও বুদ্ধিরারা ভাষার প্রতিবিধান হইবে। সর ষ্ঠাকোডনার্থ কোট বলিলেন, ব্রিটিশ শাসনপ্রণালী ভারতবর্ষের পাকে সুবিধাকর : কিন্ত ভ নিত্ত ভারতবর্ষীয় রাজাতেলি আত্মসাৎ করা ও রাজাদিগকে শাসন বিষয়ে স্বাধীনভানা দেওয়া অনুচিত। তিনি বলিলেন, ভারভবর্ষীয়গণ যাহাতে আজুলাসন করিতে পারেন ভলিমিত্ত ভাঁছাদিগকে ক্রমণঃ উপযুক্ত করা হংলণ্ডের কর্ত্তর কর্ম।

निक्य गार्द्य, गत स्मिति त्रिभन 🥹 (मस्त्रत আন্দনের প্রশাস্থ্যারে সর স্থাফোড নার্থ কোট ्दाशाहे व्यारऋत विषएश अक लीच वल्रू १ कति রাছেন। লাভ ষ্টানলী প্লাচষ্টে:ন সাহেবের श्राप्ट के प्रतिक कर्मा कर किया किया हिन, जाया বলতের ধর্মসম্প্রদায়ের বিষয়ের তর্ক আগামী মহাসভার অপেকায় স্থগিত থাকা উচিত।

) मा अध्यम। भण कमा माज हा है हित अहे প্রস্তার বিধিবন্ধ হইয়াছে যে, সভাগণ প্রতিনিধি वाता जाजायज्ञधकारम नमर्न स्टेरिक ना।

গত রাত্রিতে কমন্স হাউদে আয়ারলভের धर्म राज्यनायम् एका खर्क श्रम्मात हिन दि उ इत् , रुष्डि मार्ट्य चौकात कतियारहर, आधारमार्थत

्रक्षमञ्चामात्वत मश्रामाधन कता व्यावमाक, किन्न णार्ग अन का:न **फे**र्राहेबात विवस्त्र अवर्थाम कथन निम ह हुहेरवन ना। शवर्गमित किस किस भका य नक्ते विकृष्ण करत्न, बाईके नार्ट्व তিংপ্রতি দোষারোপ করিয়া বলিলেন, আয়া বৰতে রাজকীয় ধর্মসম্প্রদায় করাতে কোন ফল হয় নাই। তর্কটী পুনর্কার স্থানিত রহিয়াছে। জনাবেল আইর ফিনাড জলসেচনের বিষ্ণু ্য প্রস্থাব করেন, জন্মটিত তর্ক স্থানিত রাখি-বার প্রার্থনা করিলেন। এই তর্ক ছিডীয় বার প্রতিত হওয়াতে তিনি ছংগপ্রকাশ করিলেন। ভারতবর্গ অপ্রেশিয়া ও চীনের চাটাড ব্যাক্ষ শতক্রা ৫ টাক। লাভপ্রদান করিয়াছেন।

> গবৰ নেন্ট বিজ্ঞাপন লেপ টুনান্ট গ্ৰগ্রের আদেশাস্থ্যারী निद्याग।

্ণ ই এপ্রেল। জি বিটি পাংহর পুণীয়ার এক জান মিউনিসিপাল ক্**মিসনর হইবেন।** ्रमा अर्थन अवधि **अ, आव, हेममन मारहर** ্রপ্রার দ্বিতীয় ভোগির মা**লিটেটও কালে** ইয় হইংবন। কিন্তু আপাতভঃ প্রতিনিধি লি ल विद्यास्थानात शाकित्वता

জে, এফ, ত্রেণি সাছেব কিছু দিনের নিমিত্ত ভাগলপ্রের অভিবি**ক্ত ভজ ইইবেন।** 

২৪ প্রধণার ডেপুটি মিজিটেট ও ডেপুটি কালেটর বারু কালীচরণ ঘোষ মুর্গীদাবাদে দাভা লিখিয়াছেনঃ বদলী হইয়া তথ্যে সাজেকেটের ক্ষমতা পাই , FN 1

ए हे अर्थन कर्म शन्हां निष्ठ निष्ठ है শাসন কাষ্টোর কথাচারিগণ উন্নত ইইবেন 1 ভূতীয় হইতে দিঙীয় শ্রেণিতে বাবুগুরুচরণ দাস। চতুর্থ হইতে তৃতীয় ফ্রেণিতে ডব'লউ,কে, क्षिर्यक्ति मेरिक्तः शक्ष्म रहेरक हर्ज প্রেলিতে ভবলিউ, এম, সিম্থ সাহেব।

১৮ ই এ;প্রল। যতদিন বাবু গোপীকৃষ্ণ दिस्माभाग वियास नहेश कम्भिष्टिक शाकिरवन । তত দিন গৌলবী আবছল মাজদু ময়মন সিংহের সুদুরুআমীন প্রতিনিধি অতিরিক প্রধান क्केटवन ।

যতদিন দৌশবী আবছল মজিক সরকারী कार्र्वाभगरक ज्ञानाञ्जत शाकिरवन। ७७निम

व्याभीन । नवत मुर्जक इंहेर्सन

২০ এ এপ্রেল। নিয়ুলিখিত ছেত্র লোকেরা। কারণ ময়মনসিংহের মিউনি সিপাল কমিদনর ছইবেনঃ-अक मन्त्रावे नारहर ७, अम, क्षेक नारहर, বাবু হ্র্মোহন বস্তু !

বভাদন ভাক্তর দি, ও, উভাফাড যিদায় লইয়া অনুপত্মিত থাকিবেন ভত দিন ডাক্তর জে. এ. পি, কলিদ কলিকাতার श्रुकिषि भूनिय नार्श्वन रहेरदम ।

8 के। अध्यानन देवकाल क्यांन क्यांन, फि. হিম সাহের কিছু দিনের নিমিত্ত ভাগলপুরের প্রতিনিধি মাজিটেট ও কালেট্র চইগ্নচেন।

রেবরেগু এচ মোল কিছু দিনের নিমিত্ত হাৰড়ার প্রতিনিধি চাপলেন ইইবেন।

১७ है এ क्षित का भि (इत्राप्त कि अफ भि বাইথ বারাকপুরের চাপলেন হইয়াছেন।

(ववरत्रेश का, एप्ने, माशू क्यांत्रे हिहेलिग्रम ছুর্গের ছাপ লেন ছইটেবন।

২১ এ এপ্রেল। বাখরগঞ্জের সহকারী পুলিষ स्रुभन्न है (न्हें का ने हैं) ज्ञानि भाइत २४ ने तुर्गनात् यमसी इहेरवन ।

यङ्किन कार्छन बहु, हा छ विकास लहेगा অনুপস্থিত থাকিবেন . ডজদিন কাল্পেন এচ. হান্তি ১৮৫১ অন্দের ১২ আইন জনুসারে আড় কাদীদিগের বিচার করিবেন।

আমাদিগের অ:নুলিয়াস্থ मश्याम-

 अथानकात नकविन्तालय ७ डाक्यत्री স্তব্যরূপ চলিতেছে। সম্প্রতি গুরিয়া আজ্ঞা দিত হইলাম যে, ভাক্ষর স্থায়ী ছপ্রার কিছুদিন পরেই উহার প্রয়োজনীয় ও দ্রাদির নিমিত भवर्षमन्द्रे इट्टेंट २० हे। का श्राप्त इट्टेश्नाट्या किन्न व्यारकर्भन विषय अहे (भ गृह क्षेत्रज किन्न वात विवरत भवर्ष्य है कर्नशाल किंद्र छ हम मा।

२! व्यामामिरभत तार्यापारवेत फिलुकी माखि টেট বাবু মহিমচন্দ্ৰ পাল মহাশয় বন্থাম মহকুমায় স্থানাস্তরিত হওয়াতে,ভাঁহার পদে এীযুক্ত टातु यष्ट्रनाथ नक्ष वि, এ, नियुक्त इहेब्राह्मन । हिन कामराभि जानाचारि भनार्भन करत्न नाहै।

७। किছ मिन क्टेंग, अथार्ग व्यक्तिश्र अस् ও निजाद्धि रहेन्ना जिलाटक। धे पिन तानाचाटकै ष्ट्रे दरिक (एउशान हाभा भएएन। छेड्राएस मर्पः)

নাবু গুরুপ্রসাদ সেন রক্ষপুরের প্রতিনিধি সদর । এক জন মানবলীলা সহরণ করিয়াছেন। নিডান্ত शुरु विषय ! अगावशामणा**रे रे**राव शाशान

> 8। तक २৮ क टेन्टजून বাজার পত্রিকর শেষাংশে গোয়াড়ী স্বাক্ষ দ্বিত এক ব্যক্তি তথাকার বারইয়ারি পুজার বিষয় যাহা লিখিয়াছেন, ভাছা সভঃ ৰলিলে অভুঞ্জি হয় না। আমি ও পুরার দিবস ভথায় উপাস্থত ছিলাম। নিরপেক ছইরা বলিতে (शत्म (शाहाफ़ि व कारमामिश श्रान, फार। नकरमह श्रीकात कतिरवम । अधारम भएकारी অপেকা অসৎ কার্যেই অধিক অপবায় হয়। मशत्य प्रामिकिक अम्रताकित्रित मर्गा व्यान कहे ज्लीक जारमामधिया। अधारन " याजा. পাঁচালি, চপপ্রভৃতির বিরাম নাই। এখানে দর্মাপেকা যাত্রারই প্রাত্মতাব অধিক।

त। मध्यिषि भूमा वाष्ट्रमा दामस्य काम्लानि नकल (अनीव आदताशीपरनात निक्ष চ্ইতে পূর্মাংশেকা অধিক পরিমাণে ভাড়া লই তেছেন। এই কাগাটি নিতান্ত অন্যায়। শুনি-লামইহার নিমিত অনেক আবেদন পত্র প্রেরিড इंडेब्राइड । উच्छा (तल अरतत कर्ड्स क्लीरभत व्याह नियम्बी निवायरनत आरम्भ कता **ም** የሚፈ

## कामानिश्व कोजनोक भ्योनमांडा लिथिशाट्य ।

वर्ष वर्ष (पताल ५३४) लातकः (मई निश्व)-প্রসারে সম্প্রতি এখানকার চৌকীদারী টাঙ্গের वटकावल इंश्रल्ट । এवाटन । किছू हाका वृद्धि कत्रियात काटमन रहेशाइह। यन भिन अधिका विरुव्हमाथुर्वाक याध्र कता मा इट्रेंब, ७ ७ मिन পুলি ১ইটেড থালিলে। ছাসপুকুর ও কুলেদছ आरम 53॥ छोका हाम व्यापाध स्था, कि छ त्यथान कोत् 8 हावि छन हो की भारतत (न'इन २० छाका লাগিতেছে : সম্প্রতি আবার ২৪ টাকা করিয়া लाजित्य। अञ्चित्र होक्स आनारम्ब आमिरनत বেতন আছে। ইহার উপরে আবার এক এক चाद्र उथाकात तास्राहित्य अभिक है। का नाम इहेता याग्ना अन्छ ১৮७७ मारल खाउँ भिमस জ্বের নিকট চইতে হাসপুরুরত্ব মির সা**হেবের** বাটাপর্যান্ত যে পাক। রাস্তাটী প্রস্তুত কন্। इই म्राट्ड, जाराट श्राप्त १२० ठाका वाम रम्र । बह भक्त चित्रक राष्ट्र कालनात कोकीमाती व ख इटेटड (मञ्जा इट्याथाटक। यथन के मक्न,

গ্রাম হইতে আবশ্যক ব্যয় নির্দাহের টাকাও উঠে না, তখন তথায় টাক্ল করা কি যুক্তিসিৰ ? বাস্তবিকও এনকল আমের অবস্থা ভাল নহে ; তথার টাক্র প্রথা উঠাইয়া দিলেই সকলের शक्त रहा। आंत अक्षी विगास व्यामारणत विल ক্ষণ আশক্ষা ইইভেড়ে। তাহা এই:-- গবর্গনেণ্টের আদেশক্রমৈ এখানকার চৌকীদারের বেতন মিউনিসিপাল নিষ্মালুসারে কতক ৫ ও কতক ভ টাকা করিয়া ছইবে প্রির ছইয়াছে। কালনার ানিল আম কালনায় ১৫ জম চৌকীদার নিযুক্ত আছে। ভাছাদের বেভনের এইরূপ বন্দোবস্ত আছে যে, ভাহালা ওত্রভ্য ১২৪ বিঘা চাকরান জনিতে মানিক ১৯: ও টাক্ল হইতে ৫৫৮٠ পাইয়া খাকে। ( পুর্নে ঐ ১২৪ বিঘা জমিতেই ভারাদের মুমস্ত (বছন পাওয়া ইইড !) একণে ত্রখানে মিউনিসিপাল আইন প্রচলিত হইলে ्यान इष्ट्र अवर्गस्य है ही हाकदान किया गाउन আপ্ত করিবেন। ভাগ ছইলে ঐ টাকা কি রূপে काश इहरत ? धे द्वारन होक दृष्टि क तिरमक निजाल क्रमाय कता इहेरव। (वाध हम, भवर्ग মেন্ট এই ক্ষুদ্র গ্রামের অবশিপ্ত ব্যয়েভার গ্রহণ করিতে পাবেন। আমরা অবগ্র হইলাম মহা মান্য লেপ্টেনাল্ট গ্ৰথি বাহাছর পত্রদারা প্রচার করিয়াছেন, যেখানকার টালের টাকা সেই খানেই ব্যয় করা উচিত। এমন স্থলে কাল मात (ह) किमाती क छ इहेट जात (य जना शारनत অকুলান পুরুণ করা হইবে এমন বোপ হয় না। লেপ্টনাট গ্রাণর বাছাছর আর একটা নিয়ম कवित्स वड मक्रामत विषय हम । हेरिक्रत টাকা পঞ্চাইজনণের অভিনতে ব্যয় করিবার বিধি ছইলে প্রজাগণের পক্ষে অধিক সুবিধা इरा। बाब कालनाश्चकृति स्टान कोकीनादत्र भर्**चत क्या क**ित्व हिल्ल हिल्ल भारत।

An Existing to the control of the co

होकीमाती हाटकत कथा क वह, कावात साह সেল টালেরও হসনা উপস্থিত। গত বর্ষে ক্ষরতা থাকিতেও কোন ব্যক্তি এই টাক্ল যদি না দিয়া थात्क, खाश्रत ७५७ कदिवात खना रक्षेत्रातत ডেপ্টা কালেটর বাবু হরচন্দ্র ঘোষ এখানে আগ মন করিয়াছিলেন। গ্রথমেন্টের বেরূপ প্রভাপ ভাহাতে ২০০ শভ টাকা আয় থাকিতেও (य (कर এই है। इ. एम्. मार्ड, देश, क्यान्ट मधा বিভন্তে। বৰং **ষাহার বাৎসরিক-১৫** টাকা আা নাই, এমন লোকও ইহা হইছে দ্ব্যাহতি পার, নাই। নিমু জেণীর কর্মচারিগণের া বিশেষ বিশেষ े हें लें इन महा क्रिएंड इट्रेंट्डिंग अक सम् लार्थन। क्रिणी डाइएंड स्ट्रूरमामन क्रिया

র্টীকাবিক্রেডাকেও ফারম দেওরা ছইরাছে। আমরা অমুরোগ করিতেছি, বিজ্ঞবন্ধ হরচন্দ্র বাবু কুণাপরবশ হটয়। উপযুক্ত লোকের প্রতিই যেন টাক্লের ভার অপাণ করেন।

এই नव जिल्लिकत्वत्र अधीन (काँग्रांत बाग নিবাদী শশিভূষণনামক এক ব্যক্তি একটি | দাতা লিখিয়াছেনঃ---বিশেষ প্রশংসার কাজ করিব্লাছেন। গভ চৈত্র মানে ভাঁহার বাসীতে ডাকাইভি হয়। যখন ডাকাইডগণ ভাঁছার ( শশীর ) বাটীতে প্রবেশ करत, उथन जिनि वार्षेट हिस्तन मा। मञ्जान গের বিকট শব্দপ্রায়ণে তিনি আশিয়া দেখেন, ভাঁহারই বাটীতে বিপদ উপস্থিত। তিনি দেই বিপৎকালে সাহসহীন না হুইয়া কোন প্রতিবাসীর গৃহ হইতে একধানা খড়া লইয়া প্রথমত: খার্জিত দস্থাকৈ এমন আঘাত করেন বে. সে তৎক্ষণাৎ ভূতনে পতিত হয়। তাহাকে পাতিত করিয়া তিনি ভাপন হার দেশের এক নিভূত স্থানে থা কিয়া ছবাত্মাদের আগমনপ্রতীক্ষা করিতে লাগি লেন। ডাকাইতগণ অমঙ্গললকণ দেখিয়া যেমন বাহিবে আদিবে. তিনি অমনি অলক্ষ্যরূপে ভাঘাত করিছে লাগিলেন। তখন দল্পুরা কে কোথায় পালাইবে ভাহারই চেষ্টা পাইতে লাগিল। ঐ সময় এক ছুরাত্মা শশী বাবুকে অংঘাত করিতে উদ্যত হওয়াতে তিনি পলায়ন करतन। क्राम श्रीलास मधान मध्या स्ट्रान অত্রভ্য পুলিষ ইনস্পেটর বাবুরামরেণ্,ঘোষ মহাশ্য় তথায় ঘাইয়া ক্ষতাঙ্গ ছুই জন ডাকাই ভকে ধৃত করেন এবং মস্তেশ্বরের সব ইনম্পেটর ববেও আব ছই জন ঐ রূপ ক্ষতাঙ্গ দসু;কে ধৃত করিয়াছেন। ৫ জনকৈ চালান দেওয়া ইইয়াছে। অপক্ত দ্রবেও কতক পাওয়া গিয়াছে। আসি ষ্টান্ট মাজিন্টেট হেলেট মহোদয় কিরূপ বিচার कर्द्रम, खानिया श्रकान कवा याहेर्य।

আমরা অত্তত বিচারপতি জে আরু, ছেলে মহোদয়ের একটি স্বদাশয়তার কার্য্য দেখিয়া বিশেষ প্রীতিলাভ করিয়াছি। গাভ ঝড়ে উৎপীড়িত ব্যক্তিদিগের সাহায্য দিবার জন্য তাঁহার নিকট ১৫০০ শত টাকা মজত হয়। রীতিমত বিভরণ করিয়াও ১৫০ শত টাকা উজুত্ত হইয়াছিল। ১৮৬৩ সালে যেসকল লোকের গৃহ ভাগ হইয়া গিয়াছে এবং এ পর্যান্ত যাই:রা সেই গৃহ প্রস্তুত করিতে পারেন নাই; হেলেট মহোদয় সেই উদ্তত টাকাখারা ঐ সকল लारकत माशयः कतियात मानरत कलिकान्ता সাইদ্রোন রিলিফ ফ্ণু কমিটিকে এই বিষয়

हिन। काक्ष्मी व्यक्त हिंद्या हि। এ सन् বিচারপতি মহায়শকে ধনবাদ দেওয়া উচিত। --:0:---

व्यामानिर्भन शोशां नियात्र गर्वान

১। অতিশয় আনত্তের সহিত প্রকলে করি তে হৈ, এত দিনে জামাদের ইংরাজি সভার প্রকৃত উরাত এইবার উপক্রম হইয়াছে। গত ৩- এ টৈত্র ঐ সভার কার্য্য অভি স্মারেছ পূর্বাক নির্মাহ হইয়াছে। ঐ দিবলৈ সভাপুলে ব্রিগেডিয়ার ( চেম্বরলেন সাহেব) পাল্টিকেল এक हे कर्नन एडिन मार्ट्स व्यानिहा है क्रि मति (स्मादिल (मध्येमणे कर्नन वर्गश्वात मार्ट्य প্রকৃতি অব্রত্য বড় বড় সাহেব উপস্থিত সভাপতি সহকারী ছিলেন। সভাপতি मण्यानक मण्डा ७ जन्यांना जातक प्रशंक अ अ अमारत छेशावनम कांद्राल शत मुल्यानक গন্ত সভার কার্য্যবিবরণ পাঠ করিলেন। তৎ পরে সহকারী সভাপতি জ্রীভুক্ত বাবু নবী নচক্র চক্র বর্তী ওভর্মিয়ার শ্রীযুক্ত বাবু বছনাথ চৌধুরী ও জীযুক্ত সীভানাথ ঘোষ এই তিন জন ভারতবর্ষের বর্ত্তনান তাব-স্থার স্থিত পুরাত্ম আবস্থার তুলনাবিষ্থে তিনটি সুনীর্ঘ বক্তৃতা করিলেন। দর্মা পেক্ষা জীয়ুক্ত বাবু নবীনচক্ত চক্ৰবৰ্তী মহাৰ য়ের বক্তাটী অধিক ছালয় গ্রাহিণী ও মনোহা রিণী ইইয়াছিল। তিন জাতিতেদের কারণ ও আবশ্যকতাপ্রভৃতি অতি সংক্ষেপে ফুন্দ র্রুপে বর্ণন ক্রিয়াছেলেন। সীতানাথ বাবুর ৰজ্ভাতে রাজনীতি, ধর্মনীভি, সামা নিয়মগ্রভাত উল্লেখিত ইয়াছিল। বজ্ঞাসমান্তির প্র मंडाशर्यत क्वकान ভর্ক বিভর্ক হইল। অবলেষে সম্ভাপতি মহাশ্য কিঞ্চিং বলিলেন। প্রায় তিন ঘটা সভারণ कार्यः हिलियाहिल । मार्ट्य भरहानरम्यः कवि রক্তচিত্তে স্থির ইইয়া বসিয়াছিলেন। ভাঁছার। সভার কার্যাবিবরণ বিশেষতঃ তিনদী বক্তা आवर्ष यात्र भत्र नाहे श्रीचिष्ठाव श्रकाम कवि म्राष्ट्रितम अवर राष्ट्रामीया (य जातजबर्धन मर्गः বুদ্ধি ও সভ্যতাতে সকল জাতি অপেকা (अर्थव माज क्रिएएएम हेश मुक्ककर्श चौकात कवित्राहित्वन ।

পালিটকেল এজেণ্ট নবীন বাবুর সহিত ব্রাহ্ম धर्मगरकाष ও ग्रात है कि गागरका उ व्यानक कथा करियाहित्यन । डिनि कहित्यन, महादा

१३१ (काम कर्ष्यत मरहा **हे**शता (प्राचिट ধেরণ অসভ্য, বুজি গেইরপ, ইহাদের বিদ্যাশি । এবং পুলবের উপর কাতনমেণ্ট মাজিকেটের कति ज्ञा छातृभ यह ७ छात्री नारे। करनल ए न मार्टेड्स भएड माकिनाडा श्राम्भीय 'ব।ক্তিগণ অনেকাংশে গভা ও বুদ্ধিমান। ইনি महाताकीय्रामरणत व्यर्भका मार्किनाक्रांदानीमि গের বিশেষ স্থায়তি করিলেন।

ব্রিপ্লেম্মার জেনরেল, কর্ণেল ভেলি প্রকৃতি এত বড় বড় সাংহবের। যে এরপ छप्र এवर कामारमद्र नहान्न भाषानह (मारकत সহিত মিজিত হইতে বুঠিত হয়েন না, ইহা আমর: পুরের জানিতাম না। মকবলস্থ ভাতাদিগের নিক্ট প্রার্থনা যে, যদি ভাঁহারা সকলে মিলিয়া বিদ্যালোচনা ও অন্যান্য সদা লোচনা বরেন, ভত্রতা প্রধান প্রধান সাছে বেরা ভারাদিগকে উৎসাহলানে বিরত হই (वन मा अवर वाकाली नारमत भी तब बृष्टिक আর অপেক্ষা থাকিবে না। এস্থান অপেকা এ প্রদেশের অন্যান্য স্থানে অনেক অধিক বাঙ্গালী আছেনং কিন্তু এস্থানের ন্যায় আন্যান্য স্থানের বাজালীদিগের মধ্যে এরপে সদস্থানের কথা প্রুত হয় না। সভার দিন জেনারেল সাহেব উপদেশগর্ভ ও উৎসাহপূর্ণ গুটি কভ কথ। विलय्न आभाषिभारक छेपमा इंग्ड क्रिया हिटलम এবং উাহারা সকলেই মধ্যে মধ্যে আসিষার हेम्छ। अकान क(इर्जन।

२। ११७ ) ना देवनार्थ नववर्रव छैरमधार्थ काशास्त्र विश्व विकृतिकीन वांतू अंकिष्ठी भागाहत फेन्यान भवन राष्ट्रांनी एक महेन्रा (छाञ्च निज्ञा याकित्वत । ऐक पिर्य मध्य पिन देवशानम् বুক্তলে বলিয়া মনের উল্লাসে ন্নাবিধ বিশুদ্ধ আমোদে অভিবাহিত হইয়াছিল এবং সকলের মধ্যে ভাতৃভাবের ও অকুত্রিম প্রীদ্তির আেত প্ৰবল বেগে প্ৰবাহিত হইয়াছে গভ পত্রে বেদলাদলিভাবের কথা লিখিয়াছিলাম. নবীন বাবুর অমায়ক ও উদার ভাবের প্রভাবে ভাছার কোন চিহ্ন লক্ষিত হয় নাই।

' ৩। এখানে আর একটা ই স্পনিয়'র আফিস ক্টবার কথা যে পুর্বেলি লিখিয়াছিলাম এই এপ্রেস মাস ২ইডে ভারার কার্য জারত হুই য়াজে। এখন এখানে তিনটী ইঞ্জিরিয়র অফিস रहेन। भवन्यके त्यन अञ्चलत छेभव विस्मयन्त्राभ पृष्टि द्रार्थन। श्रक्षामिरभद्र स्थानिक स्थन (करल শ্গাল কুষ্তের পানীয় না হয়

गठ পতে य চোরধরার কথা লিখিয়াছিলাম, 😎 নিলাম মেই চোরের কঠিন পরিত্রমের সহিত

৫ वर्गात्त्र स्मा कात्रावात्रत मध क्हेग्राहरू विरमय पृष्टि পर्देशास्त्राहर माकिएके नारहत যেরূপ উপযুক্ত ও বিচক্ষণ ভাষাতে বোধ হয় এখান শীঘ্রই লাভি সংস্থাপিত হইবে।

e भागितिकन अस्त्रके कर्नन एउनि मार्ट्य भीष्रहे करकाम लहेगा अधीन हरेए७ याजा कः तर्वन । इंहार महिक व्यामान इहेन्रा व्यवसि इंद्रांत १८० कामता अक्रम दमीकृष्ड रुदेशाहि व इंडाक हाजिए अका इंडेटिए मा।

৬ : এখানে এখন ত্রীখোর প্রভাব বিলক্ষণ অসুভুত হইভেছে ৷ মধ্যে মধ্যে দিবাবদানে কটিকা উ.পত হইয়া ধূলিরাশিধারা গগন মগুল এরপ আচ্চর হুইয়া খায় যে, রাস্তা চলা कात रहत्रा छेर्छ। अरमर्ट (सारक इंशांक क्योधिक दर।

व्यामानिरभव भावान मर्वाननां जा लिथिशार्ह्न।

১।গভ চৈত্রমানে মহিধাদলান্তর্গত বড় वाक्तिमाक बाह्य खंदनक भिन्नकादक कान গৃহত্ত্বের বাটীতে চৌর্যার্ভি করিতে আসিয়া স্থিৎননসময়ে ধৃত হয়। গৃহস্ত ভাহাকে । वक्रमान्या त्राचिता वाज्याता आखेतिलारहे সমাচার দেয়। তদত্সারে থানা স্থাচাটীর সব हैनट्रभोडेत महाभर छिहात अञ्चनकामस्य । भन कतिया (मधित्वन, मञ्जा পश्च छ। श्व इहेशा छ। একণে উক্ত অপহারকের পুত্রকলতাদি এই বলিয়া অভিযোগ করিয়াছে যে, গৃহত্তের সহিত কোন কারণবশতঃ মৃত ব্যক্তির শঞ্ভাব ছিল उज्जना छाशास्त्र प्रश्लेकार्यः निकारश्त प्रत कानवनभूर्तक मध्यापाटक স্বীয় বাদীতে নিহত করিয়াছে। গৃহস্থ তৎপ্রতিবাসিগণ कहिएउएइ (य मञ्चा वक्षमावव्यार एवं विद्रा চিকা রোগাক্রাপ্ত হইয়া স্ব ইনিস্পেট্র মহাশয় না উপস্থিত ইইডেই কলেগ্রাসে কব-निष्ठ श्हेशारकः देख्य विष्टवत्र प्राप्ट्रश्चान जन, তমোলুকের সব ইনস্পেটর মহাশয়ও আমগন ক্রিয়াছিলেন। ভিনি কি ক্রিয়া গিয়াছেন এ পর্যান্ত জানিতে পারি নাই।

২ ৷ গত ২৩ এ চৈত্র শনিবার দিনমণি অস্তাচলচূ ভাবলধী হইলে পর এখানে ঘোর ভর বৃট্টি ছইয়া গিয়াছে। সেই সময় কুঞ্চনগর্ম্ব জনৈক গৃহত্তের বাসভ্তবন বজুাগিছারা এঞ্ বারে ভশ্মীভূত হইয়াছে। সৌভাগ্যের বিষয় अरे (व काराज्ञ कीवम नाम इन्न नारे।

৩। গভ ২রা বৈশাখ রবিবার বিকুর चालीविवाली विभिन्नामिनमामक काम यूज्रलकान ভথাকার চড়কমেলা দর্শনানস্তর প্রভ্যাগমন ক:লে আপন আবাদগুছেব নিকটে আসিয়া বজাঘাতে মনেবলীলা সম্বৰ্ধ করিয়াছে।

-----

## প্রেরিত।

মান্যবর ঐযুক্ত দোমপ্রকাশসন্পাদক महानव ममीटशब्।

নদিয়া জেলার অন্তর্গত লাভিপুনের দক্ষিণ পূর্দা স্থিত মালিপোড়া নিভান্ত অপ্রসিদ্ধ গ্রাম নহে। এস্থানে ও ইহার সাইটিত কয়েক আনে বিভাগ ज्ञारकारका वमाण। अहे अवश्वमपूर्व अक কালে বন্ধান প্রতিষ্ঠিত কুনের পতাকা উচ্ছীন হইয়াছিল। অত্রত্য সমাজ নবছী শাস্তর্গত ' ফুলে সমাজ ৯ বলিয়া বিখ্যাত। কিন্তু একণে কুল বংশপরস্থারান্ত্রায়া হওয়াতে প্রকৃত : গৌরব ্রপ্ত হইয়া পড়িয়াডে গ স্থতরাং ইছার জার जानत माहे , এখন উशु नाना (मात्यत्रहे जाक त इहेशां **উ**टिंग्नोटङ्। अन्छ अव अद्याखाः अधियात्रीमि গের আর পুর্দাগোরবে গরিভ হওয়া ভাল দেখায় না ৷ এখন ধ'ছাতে জানাখানকে বর্ত্ত মান मुझ अस्मानमार्थर भतिभनिष्ठ कृतिरु भारतमः যাহাতে ইহার মুখ পুনর জ্বণ হয়, তদ্বিধয়ে একা স্ত চেষ্টা করা অদিবাদীদৈনের অভীব কর্ত্তর। আমি আন্তরিক আড়াদ্যত্গারে প্রকাশ করিতেছি, স্ত্রান্তি এখনকার গুবকস্ট্রানায় এই ছিডকর बर्ड कृष्ट्व बर्डी इन्धार्ट्स ।

इंहोर्डिय खब्भ ऐनार्य मा नर्भाकार अक्री सारकत् वाक्र आंश्रेष्ठ हहेत्रारङ। এইরূপ স্থবিবা পুরের না থাকাতে লোকের যে কন্ত কষ্ট ছইড, ভাষা বৰ্ণমাজীভ। পতাদি আসিলে শান্তিপুরের ডাক্যর চইতে বণ্টন কার্য। নির্বাহ হইত। শান্তিপুর এখান হইতে ৫।৬ মাইল অন্তরে স্থিত। যখন গ্রামে ভাক্ষর থাকিলেওকোন কোন স্থামে পত্রাদি পাইতে বিষম গোলশোগ উপস্থিত হয়, তথন এত দূর ব্যবধান হইতে পত্র পাইযার যে কি বিশৃঞ্লা ঘটে, ভাছা সংজেই অসুভব করা যায়। ২। ৩ मित्नत भाव अक्छा ना श्रेटल जाक चत श्रेटक হরকরা আগিত না এবং প্রতি মাধ্রল দেওয়া পত্রে 🗸 জানা ও বেয়াবিও হইলে 🚀 আনা कतिया पक्षिण। ना पिटन शक्त शाहेबति (या श्रेष्ठ ना । प्रुष्डतार हेशराख कण विलेख<sub>ु</sub> अ क ज अञ्चिषा बहेल, जाश मकरमहे बुशिएक

পারেন। আবার পত্রাদি ভাক্ষরে।দতে হই । মহাশয়। গ্রন্মেটের কভয়গুল অলস, লেও যাডায়াতে ১০১২ মাইল না হাঁটিলে कारो भक्ता इहेल मा। अहेमकल कावन प्रभा ইয়া মালিপোডায় একটা ভাকঘর সংস্থাপনেব আবেদন করা হয়। তদমুসারে ইনস্পেটির পোষ্ট মাষ্টার জীয়জ্ঞ বাবুদীনবন্ধনিত্র মহাশয় এখান কার অবস্থা পরিজ্ঞান্ত হুইয়া একটা ভাকবার প্রেরণের বাবস্থা কবিয়াছেন। ওচনা অমরণ াহাকে ধন্যবাদ প্রদান করি, কিন্তু তি:ন একট্ট विश्व मानार्याणी बहेरल के द्यार किनी दांशी ডাক ঘর স্থাপিত **হইতে পা**রিত। ডাকবার দারা আমবাসাদিসের আশাস্ত্রপ ভুক্তি অবে নাই। ध्ववर्गरम स्थामारमत स्रमुरताम अहे १४, हेमरस्मिन्द পোষ্ঠমাইর মহাশয় আলুপূনিক তদন্ত করিয়া जनर्भाष्ट्र के विषयात विकासन करियन अक्षी (6त द्वांत्री जाकचत इटेंटिज शादत। शं द्वान इटें ্ডেই উহার ধ্যম চলিতে প্রারিখে।

দিভীয়, মালিপোতার কতিপর যুবকের আগ্রাই ও উৎসাহে অত্যল্ল দিবস হইল একটা ট্ংরাজি বাঙ্গাল। বিদালেয় সংস্থাপিত হটয়াছে **५३ সময়ে गुवक प्रशतक एडे এक** ही कथा विश्वा (मंख्या कार्याक: याहाट ऋ वही खायी हरू. ভদ্বিয়ে একান্ত মনোগোগী হওয়া উচিত ছাত্রদের বেতনের ২'র বৃদ্ধি করিয়া এবং গব न्तित्वेत्र माश्या लहेग्रा के छेख्य होता हैहै তেই বাহাতে জ্ল চলে ভাগ করা বিদেয় স্তুণনীয় চাঁদার উপর অধিক নির্ভর করিতে গেলে विम्यानरम्ब कवन् य পরিণামে কিরপ দাঁড়ায় ভাষা অনেকেই জ্ঞাত আছেন এবং আমরাও क्षे कार्या अधी शांकिया दिर्मय अद्युष्ट इहे য়াছি। এই স্তবে গ্রব্মেন্টের আর একটি আবশ্ক হইয়'হে। এ বিষয়ে দৃষ্টিনিকেপ স্থানের জলাশয়গুলির প্রতিনেত্রপাত করিলে निकाल कष्टे इस । अवन भाती अरसत ममस यथन এক জন ইংরাজ ডাঙার ইহার কারণামুস কংক্র ছইয়া এখানে আগমন কেরেন, তথন জলের বর্ণ দেখিরা আপন অথকেও এখানকার কোন পুক রিণীর ফলপান করিতে দেন নাই। কিন্ত অত্রভ্য মুর্জাগ্য অধিবাসীরা ভাহাই পান ও ভাহাতেই স্থানাদি করিয়া থাকেন। এখানে এমন কোন অৰ্থশালী লোক নাই যে ঐ সকল পুতরিশীর রীতিমত সংস্কার করিয়া দিন্তে পারেন। স্থাতরাৎ একাবৎসল গবর্ণমে ্টে তপরেই উহা নির্ভর করিভেছে।

खबलीयं बण्यन े २ १ ८ । ६ हे रियमार्थ मा न ल्लाप्टा वा निमः निट्कीय, ७ कर्डव विशूध कर्मा गतीत मार्य महिल श्रजा निजरक रच व्यकातन नगरम नगरम कष्टे छ ক্ষতি সহৰ করিতে হয়, ভল্লিবারণ চেপ্তাই আদ্য কার প্রস্তাব অবভারণার মূল।

**को**नाति है।क जानारतत नियम अहे, श्रथमणः विन काहरम, फथन गेका मिर्फ ना পারিলে একটা দিন অবধারিত হয়। উক্ত দিবদে আদায় না হইলে উহার পর আরও এক বার তাগাদা করা হয়, পরিশেষে সমন আইসে কিন্তু আমরা ইহার সম্পূর্ণ বিপরীত কার্য্য দেখি তেছি। দে দিন রাজপুর গাঞ্জীপুরপ্রভৃতি গ্রামের অধিকাংশ ব্যক্তিকে এক ভূতনবিধ নিয়মায়ু গাং টাক্র দিতে হইয়'ছে। ইহাদিগের নিকট বিল পর্যান্ত আইসে নাই; কিন্তু এক বাবে ওয়াবেন্ট আসিয়া উপস্থিত হয়, যিনি বিল আদায় করেন. তিনি দীয় বাদীতে যাইবার সময় (ভাঁহার বাদী এই অঞ্চলে) পথিমধ্যে যাহার সহিত সাকাং **হইরাছিল ভাহাকে এক বার চক্ষুলক্ষায়** টাকার কথা বলিয়াছিলেন মাত্র। কেছ কেছ '' অনুক দিন আইস " বলিয়া কড়ার করিলেন किञ्चांवन जानायकाती महाजा यक्टरम वाग्रेटट গিয়া নিদ্রা গেলেন। কিছু দিনপরে আফিলে গিয়া কউব্দোধন হইল বলিয়া বিল্ওলি প্রভাগণ করিলেন मिरक श्रजामिरगत् নিকটে একবারে ওয়ারেল্ট আসিয়া উপ ্ত্ত হইল। ই ছারা কিছুই জানিলেন না। কন্ত এক্ষণে ভাঁহাদিগকে কাৰ্য্যক্ষতি করিয়া শ্বস্তুং গিয়াবাপয়সাদিয়া অংন; লোকদারাটাক্লের টাকা আফিলে জমা দিয়া আসিতে হইল। কি আকর্ষ: গ্রবংমেন্ট কি আর ভাল লোক পান না ?

१८ इंबर धन <u>ব্রী</u> ই:--1600

মূল্যপ্রাপ্তি i बीयुक वार् नवीनकृष्ण भावित মেদিনীপুর ১২৭৫ জৈ 🕫 হইতে ৭৬ বৈশাখ 70 ৯ প্রাণকুঞ কেশ চোরবাগান ১२१६ देवणांश रहेएछ देइज ٥ د <sup>भ</sup> भिरुष्ट मरकात - कौर्गहात ३२१६ कावां इहेर्ड १७ टेकां हे 10 <sup>ত</sup> ধনপতি সিংহ রায়বাহাছুর জিল্পাগঞ্চ ১২৭৫ বৈশাখ হটতে চৈত্ৰ 10 প্যারীমোহন দেন कोक ১২৭৫ বৈশাধ হইতে আয়াচ

জীকে বাবু চক্তােহন গলোগ ধায় ভবানীপুর

मूज उल्उत काली काली पुत 🕬 💀 बीमणी दानी भरामासू मही (नवी अपन्तुत १२१६ देवनांच इहेर्ड देइज

--- 300 ---

#### मामधकानमः कान करत्रकृष विद्यांत नियम।

व्यविष भूतः ও छाक्षाञ्चल नाः शाहरत मक-चटनः (मामध्यकाम (ध्वतः कतः सम्रा।

हेशत जाजिम मूला वार्षिक ३० छ।का अवर ষাণ্যাসিক ৫॥ - টাফ। । মফসলে ভাকমাঞ্চল मरमञ्ज्ञ वार्षिक ১०, चाँगुामिक १ अवर रेजमा-সিক ৩৸॰। ভিন মাদের ফুনে জঞিম মূলঃ গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিটি, মণি-अर्ज त, (नांवे ख श्रीला विकिवे, देवांत अनाजत যাহাতে যাঁহার স্থবিধা হয়, তিনি সেই উপায় बाता भूमा क्षित्र कतिर्वे ।

याँहाता क्षाण्यांकिक भाठीहरवन, दीहाता যেন এক অথবা আবি আনার অধিক মুল্যের अ तभी रावत हिकिन (अवन ना कर्तन।

यथन यिनि मकखन इहेर्ड सामक्षकार्यन মূল্য পাঠাইবেন, ভাছা যেন রেজিষ্টরি করিয়া জীযুক্ত ছারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-हेम्रा (मन।

বাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অভীত হইয়া व्यानित्व, এक मान्यूटर्न टीश्मिनत्क किष्ठै লিখিয়া জানান বাইবে, কাল অভীত হইরা গেলেও এক বার চিঠি লেখা হইবে, ভাহার পর একমাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা যাইবে। শেষ বারের পত্র বেল্লারিং পাঠান रहेरव ।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ভাক चरत विधि चाहेल जामता भीज शाहेत।

ৰাঁহারা মাস্তল না দিয়া পত্রাদি প্রেরণ করি বেন, ভাছাদিলের সেই পঞাদি এছণ করা ধাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইঞ্ছা, করিলে তাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রক্রিপংক্তি 🎺 🕐 আনা তাহার পর 🖊 ১০ আনা দিতে হইবে। যিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা করি-विन, डीशंत महिल चल्छ वटकावल इहेर्त ।

👪 এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পূর্দ্ধ মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ 🗂 চালভিপোতার শ্রীয়ক্ত দারকানাথ বিদ্যা-ভূষণের ৰাটীতে প্রতি সোমবার প্রাভঃকালে প্রকাশিত হয়।

# সোমপ্রকাশ

3. A @141

## -80-

२७ मश्री।

## " प्रवक्ततां प्रक्रतिहिताय पार्थियः सरस्वती श्रुतिमहती न हीयतां।"

মাসিক মূল্য চাকা, অগ্রিম বার্ষিক ১০ ।

সন ১২৭৫ ২৩ এ বৈশার্থ। ১৮৬৮ ৪ ঠা মে { টাকা যাণ্যাসিক ৭, ও ব্রেমাসিক ৬৮০

## বিজ্ঞাপন !

#### বিক্রয়ার্থ।

গারডেন রীচ ২৪ নং বাটা গুলামসহ ১৯ নং ্যাড়া ৰাগান।

ভাড়া দেওয়ার নিমিতা 1 গারডেন রীচ ২৪ নং বাটী।

উপরিউক্ত বাগান ও বাটী ঘাঁহারা কয় कतिए अथवा खाड़ा सहैएड हेच्छा करतन, निम्न স্বাক্ষরিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

গিলেগুারস্ আরবোধনট এবং কোং

## পুরাণপ্রকাশ।

কলিকাতা মূজাপুর আমহাউদের দক্ষিণ কাব্পেকাশ যন্ত্রে পুরাণপ্রকাশনামক সাম য়িক পত্র প্রতিমাসে এক বা ছই খণ্ড করিয়া প্রকাশ হইতে আরম্ভ হইয়াছে। প্রত্যেক খণ্ডের পরিমাণ ৮০ অশীতি পৃষ্ঠা। ইহাতে ক্রমশঃ অষ্টা দশ পুরাণ ও উপপুরাণ বাস্থালা অন্তবাদসমেত প্রকটিত করিবার কল্পনা আছে। প্রথমতঃ বিষ্ণু-পুরাণ অনুবাদ ও জ্রীধরগোত্তামিকৃত চীকা সমেত মুদ্রিত হইতেছে; আগামী ১ লা বৈশাখ বিভরণ আরম্ভ হইবে। যিনি ইহার গ্রাহক ইইডে অভি माबी इन, जिनि कमिकांजा मश्कृत विमानस्य আমার নিকট পত্র ডাকমাশুল ও প্রতিখণ্ডের भूता किथा। वाहे काना कित्या शाहीहरवन। যাঁহারা নির্মিত গ্রাহকশ্রেণীভূক্ত নহেন, গাঁহা দের নিকট প্রত্যেক খণ্ড নগদ ১ এক টাকা भूरमा विकास करा गहिर्य।

१६ ई टेंड्ज ११८४ ।-🗟 अशरमाह्य मध्य।

সংস্ত মেদিনীকোৰ ছবাহ শব্দের দীকা-সমেত উত্তম নাগরাকরে যদপুর্দক মুদ্রিত হই

তেছে। যিনি গ্রাহক ইহতে, হক্ষা করেন, তাল চাকা কালেকের সংস্কৃত অধ্যাপক জীয়ক্ত বাবু গোমনাথ মুখোপাধ্যায় মহানয়ের নিকট অথবা কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে বা কাবপ্রেকাশ যন্তে আমার নিকট পত্র পাঠাইবেন।

১৫ हे टेठज ১२९८ त्रश्युष्ठ विन्हालयः। } जीक्रशस्त्राह्म मन्द्र।

### অভিধান।

२॥•
•
ર
٩
¢.
৩
Œ
•
٣
÷    •
8 •
01
Shoy
<b>भा</b> धाः
<b>75</b> 11

নিম্লিখিত সংস্ত পুত্রকদ্য দেবনাগরা ক্ষরে মুদ্রিত, ও,প্রকাশিত হইল। মাগ্রস্মণ্ডে গ্রহণ করিলে নিমুলিখিত মুল্যে প্রাপ্ত ছইবে। কালিদাসকৃত কুমারসম্ভব উত্তর থণ্ড সম্পূর্ণ মুলমাত্র মূল্য।। আট আনা।

ভারবিকৃত কিরাতার্জ্নীয় সম্পূর্ণ মূল্নাত্র মুল্য ॥ । আট আন।।

কলিকাত। সংবাদ জ্ঞানর্মাকর যন্ত্র নিম্ভল। ছিট ৩২ সংখ্যক ভবন।

১৪ ই বৈশাখ

कनिकां । मरक्ष नाहरवरी ख्काला कि । अ नश्याक कवान खीप्रक वनमञ्जान मञ्जूममोरतत शुल्लकामास, खीयुक वातू (१८०४) কুমার রায় চৌধুরীপ্রণীত '' ভব্রপ্রকাশ " ৰিক্ৰীত হইতেকে।

বারুইপুর গ্রীরাজ্যোহন বস্থ क है देख 18956

সোমপ্রকাশ্যন্তালয়ে কেস ও দুেম সহিত নানাপ্রকার দেবনাগর অক্সর বিজ্ঞাপ আছে, ধাঁহার প্রয়োজন হয়, ডিনি কলিক'ড। সংস্কৃত কালেজে এীয়ুক্ত দ্বাবকানাথ বিদ্যাভূদণের নিকটে অন্তসন্ধান করিলে বিশেষ হৃতীস্ত জানিতে পারিবেন।

### রানীগঞ্জ পটরি কোঁ লিখিটেড।

मिकिसा करियात छितिका होईल।

ल কোম্পানির বিসমরোস্থিত ও মণ আদিংস উহার নমুনা দেখিতে পাওয়। হায় এবং হদি কাহার প্রয়েজন হয় এ আফিদে অনুমতিপত্র भः हो देश मिट्य ।

नलभमग्रकी नाउक याहा है। नाइकाल राष्ट्र ধন্ত্ৰিত বিক্ৰয়াৰ্গ প্ৰস্তুত দ भूता ५ हे 👫 . যোড়ার কো ৬৪ নং । জ্রিপ্রভা ক্রম্ম রায়

১ন্ট্রিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়েও পটোল আছা বাড়েনি এটোর কোম্পানির দোকানে মং কর্মিত ভি সন্তচ্চিত্র নিম্নিতিত পুস্তকশুলি । ধ্রুম্প্রতিগ্রহান

	•		
200 3	•	•	भृत्यः
ณ์ สราชมาสา			2 资料
্শ্ৰেক উল্লেখ্য			? "
: রক্ষার ব্যাকরণ			! •
ন ভিষ্ণ ( ১ ম ভাগ	)		Ų
• শতুষ্ট ( : যু <b>ভাগ</b>	)		لع
871831			
\$186418 4V <b>439</b>			'n
	<b>िक</b> द	কাহাখে শ	<b>%</b> 11

শাংগিপ্রচারিকানামে এই থানি স্থানিত পিন্দুর বিধান, যাহাতে প্রাকৃত ও সংখ্যিক পদ ভার সকল শক্ষেত্রই লিঙ্গতেল ও পানুর উত্তর ক্রাদিও শক্ষের উত্তর তিছিতে এবং উপাদ বা কর্মাদিও শক্ষের উত্তর তিছিতে এবং উপাদ বা কর্মাদিও শক্ষের উত্তর তিছিতে এবং প্রায় ৭৫.

কং ইতিত নানাবিধ প্রতিয়ে নহার প্রায় ৭৫.

কং ইতিত নানাবিধ প্রতিয়ে নহার প্রায় ৭৫.

কং ইয়াকে, যাহাদিগের প্রয়োজন হইবে, তাহারা বই হলা ২৯৫ নং পুত্তকালারে ও জ্যোভা সাল্যে ৬৪ নং ক্রিপ্রভাপচন্দ্র রায়ের নিক্ট অনুধন্ধান করিলে প্রাপ্ত ইবেন। মূল্য ৩ টাকা ডাকমান্ত্রলালা আনা। যদি কের এক্ষে বাবে ৫ কাপী লন তবে ভালাকে ১৫ টাকা ক্রিপাবে ক্রিসন দেওয়া যাহার।

बिक्ति अञ्चलकाः 'यन (मान)

## विमित्रात नमी।

भग १० ५० मार्यात अर्थन भारत्य १४ ३ ५३ हा । २१ अ. **भराष्ट्र** छात्रीयथीननीत मन्त्रय १७ स्टलत मार्थाएक उटलाई।

- C-1.1 1 C-1.71	CAC CID I
স্থানের নাম	कृति है क
২০,বার উপর প্রান্দীতে	?) 5° 2
क्र.क अ`स्	2.2 g
क्तर' इंडर्क के झिन्द (१०॥	भारतेलाभाषाः ७
জালিপুর হইছে ২৮,মপুর	
	÷
मध्यम् । इर्ड्ड कवित्राः	া ৫১ মাইস্ ) মধ্যে
	·
केम 🗷 हो। नर्ने प्र अर्था	ল( রও মাইলের মধ্যে,

সজাঘাটের জালের মাপ ° ফিট ইঞ্চি

বহুব্মপুর ২৪ এ এপ্রেল ইঞ্জিন মুংবছর ১৮৬৮। সপুর ডিবিঙ্গন

#### त्मागधाकां ।

২০ এ বৈশাখ সোমবার।
গুরুটে নিঙ ইন্দেশ ট্রাদ্দের প্রাধীনতালোপতে ট্রাদ্দের

শচরাচর মাসুবের এই সভাব দেখিতে পাওয়া বায়, যাঁহার যে গুণ থাকে, তিনি यनि जना वाक्टिए महे छन प्रिथिएक পান, যার পর নাই আহলাদিত হন এবং মেট গুণের উন্নতিশাধনবিষয়ে স্বি-শেষ যত্রবান হইয়া থাকেন। কিন্তু ভারত অধিকাং শের वगञ्च हेः ताका मरशत ইহার বিপরীত অভাব দুট হইতেছে। তাঁহারা স্বাধীন দেশজাত ও স্বাধীনতা প্রিয় হইয়াও অন্য ব্যক্তিতে স্বাধীনভাব (मिथिटक शाद्यन ना। अपनिशेष ताका-দিগের স্বাধীনতা তাঁহাদিগের চক্ষু; मृत इरेशार्छ। अरमभीरशता यनि निविन शक्तां ने अप शांख इन, डाँशिपिशतक व्यानक কাজ স্বাধীনভাবে করিতে দিতে হইবে: এই ভয়ে উক্ত মহাপুরুবেরা প্রাণপণে मिविल मर्क्तितमत दारतवादधत टाकी भाहे ट्राइन। य इंडे अक्की भरम **अरम**ीश দিগের কিঞ্ছিৎ স্বাধীনতাগন্ধ আছে, তাহারও সোপচেন্টা আরম্ভ হইয়াছে। আমরা শুনিয়া ছংখিত ও বিমিত হই লাম, বাঙ্গলা ভাষার উন্নতিসাধনার্থ যে দ্রই জন গুরুটে ণিড ইনস্পেক্টর নিয়ো জিত হইয়াছেন, যাঁহারা এত দিন স্বাধীন ভাবে ও সুন্দররূপে কাজ করিয়া আদি ভাঁহাদিগকে আজি কালি তেছেন, इंश्वाक इनटच्लळिविम्टिशव अधीन कवि বার প্রস্তাব চলিয়াছে। এটি অন্ত্রুত প্রস্তাব। ইহাদারা রাজপদসহকো স্বাধী न डालिश्य वाजानिनिश्रक (क्वन व ভূদেব মুখোপাধায় ও কাশীকান্ত মুখো পাধ্যায় হইতে ভরতে পিও কালের ষেত্র কিছু কাজ হইতেছিল, তাহার ও বশঘাত ক্ষাবে। সাহেবেরা সর্বজ্ঞ ৰলিয়া অভি মান করেন: কিন্তু আমাদিগের মতে সে অভিমানের প্রকৃত কারণ নাই। স্চুহ বেরা বাঙ্গলা ভাষায় অনভিজ্ঞ, এদেশের লোকের মনের ভাবপ্রভৃতিও অবগত নহেন। অতএব তাঁহারা যে এ দেশের ও ভাষাজ্ঞ, ব্যক্তিদিগের অবস্থ†জ यार्थक। उरक्षेत्रर्भ कार्या मण्यानन করিতে পারিবেন, তাহাকোন ক্রমে সম্ভা বিতনহে। আমরা জানি, অনেক মিদনরি ৰাজলাবিদ্যালয় কেবল মিদনরিক্নত বন্দোবস্তের দোষে শ্রীভ্রষ্ট হইয়া অকর্মণ্য হইয়া আছে, কোন কোনটা বা উঠিয়া গিয়াছে। শুরুটে বিপ্ত ইনস্পেক্টদিগকে हे॰ ताक हेनए स्था के तिश्व রাথিলে গুরুটে ণিঙ পাঠশালাগুলির উন্নতিপথ ৰুদ্ধ হইবে। আমরা যে এই কথা কহিতেছি, ভাহার আর একটা কারণ এই অনেকের এরপ সভাব আছে, তাঁহারা স্থাধীন অবস্থায় কার্য্যে দেরপ দক্ষতা এবং বুদ্ধিও ক্ষমতার পরিচয় দিতে পারেন, পরাধীন ছইলে দেরপ পারেন ना। প्राधीन इहेटन ताथ इस रयन छाड़ा मिर्गत तुष्तिविकाश्यक्षि मञ्जात विल् श्र क्रेश याश। ज्रूटनर ও कामी तातू यनि तिहे मत्त्र इन, जाहाता अफर्ण त्य ক্ষতা প্রদর্শন করিতেছেন, হুইলে কোন ক্ৰমেই ভাহা দেখাইতে পারিবেন না।

उठ र एवनाय उर्पटा

কি নিমিতই বা এরপ প্রস্তাব হইল, তাহাও ত আমরা বুঝিতে পারিতেছি না । শুনিলাম, শুকুটোণিও সহক্ষে একণে যেরপ ব্যয় হইতেছে, তথনও সেইরপ হইবে; এখন যেরপ কাজ চলি তেছে, তথনও দেই রূপে চলিবে। তবে

<u>\_\_Cd\_\_</u>

এ উপদর্গ কেন ? যে কিছু কাজ হইতে
ছিল, তাহার ব্যাহাত করা কেন ?
তানা কি অসভত ও অপরিমিত বার
করেন ? তাহার ত একটা নিরম করিয়া
দিলেই চলিতে পারে। ডিরেক্টরও ত
দক্ষিয়া শাস্তা আছেন। তবে এ কাও
করা হইতেছে কারণ কি ?

उ नित्क लार्ज विमाश उल्लंड मार्ट्व প্রভৃতি বাঙ্গলা ভাষার উন্নতিচেষ্টা कतिएउएम, এ मिरक वाञ्चालिए ही गरहा नरग्रत। दोझालिनिरगत या किছू श्राधी-নতা আছে, তাহার বিলোপচেন্টা পাই তেছেন; কিন্তু এ উভয় চেন্টা পরস্পর-विरत्राधिनौ।याँ श्रांता वाक्रानिमिर्गत साधी ন ভালোপচেটা করিতেছেন, ভাঁহারা এটা বুঝিছে পারিতেছেন না যে, বাঙ্গলা ভাষার যত উন্নতিচেটা করা **ছউক, উন্নতির যত পথ আবিদ্ভ করা** ছউক, যত সত্নপায় সংবিধান কর। হউক, च्यावर वलशतिमातन वाजालिमिशतक স্বাধীনতা প্রদত্ত না হইবে, তাবৎ দে ममुनाश रुखे। करलार्थराशिमी इटेरव मा। हे डिहाम यपि धार्मात हरू, म्लाखीकटत কছেতে পারা যায়, কোন জাতিরই পরা ধীনাবস্থায় ভাষার সম্কেউন্নতি হয় নাই। প্রত্যুত ইহাই প্রতীয়মান হইবে, যে জাতির স্বাধীন কালে ভাষার উন্নতি হইয়াছিল, প্রাধীনতাকালে তাহা অনুহি ভ ইয়াগিয়াছে। বিজ্ঞ ব্যক্তির। এ বিষয়ে যে অভিপ্রায় ব্যক্ত করিয়াছেন, তাহা এন্থলে উদ্ভ করিয়া দেওয়া যাই

স্বাধীনভাদারা কি কি ফল উৎ
পাদিত হয়, সর্কাগ্রে জাহা বণিত
হুইভেছে। " স্বাধীনতা বাণিজ্যের
প্রস্তি, ধনের প্রস্তি, জ্যানের প্রস্তি ও
প্রভ্যেক সদ্যু নের প্রস্তি।(১)" যে
দেশের লোকের কোন বিষয়ে স্বাধীন ভাব

नारे, ज्थांश श्रांश व्यमामाना वृद्धि विमा ও ক্মতাসম্পর লোক জন্মগ্রহণ করেন না। তাদুগ অধিক্স-খাক লোকের জন্ম পরিগ্রহ ব্যান্থেরেরেও ভাষার উন্নতি लाख मखाबिक नरह। এक खन इंकि इनम त्वर्थक किश्चार्डन, " **ओक्रिश्वर अक्**री কথা আছে, (২) মানুষের माञ्चरमत कीवरमत मृज्य। এই वाकांकी রোমের ইতিহাদদারা সমর্পিত হইয়াছে। লাটিন ভাষার যে বিকার উপস্থিত হয় তাল ঐ জাতি যে আলন্য ও অবসাদে মগ্ল হয়, তাহার অবশান্তাবী ফল। मामारकात व्यथम आतर् के कार्जित মাতৃভাবার অনুশীলন উপেক্ষিত ১বং ত্রীকভাষা বিলাদী ব্যক্তিদিগের আদৃত হয়। উহাঁরা প্রীক**শিক্ষকদি**গের দারা निक निक मश्रादनत भिकाकार्या मन्नामन क्रत्र । नाना निश्राम्भ इहेर्ड य यथि कमः था नाम ७ विष्नभीय वास्ति द्वारम আগমন করে, তাহার। এই ভাষাবিকারের প্রতি অস্প সাহায্য করে নাই। ভাষার যে প্রসাদ গুণ ছিল, তাহা অন্তহিত হইয়া যায় এবং লোককে সমুতে জিচ করি বার আশয়ে লিখিবার ও বক্তা করি বার ইচ্ছা জ্যাবাতে কেবল ক্তক্ণুলি আড় पद পূর্ণ অসার শকের স্থাটি হয়। আমরা নিরোর সময়ে ঐ সকল শক্তের স্ফি দেখিতে পাই।"

"অগতদের রাজত্বশলে রোমক দিগের সাহিত্য বিদ্যাব উন্নতির পার। কাঠা হয়; কিন্তু তাঁহার সত্যুর পূর্বেই উহার শুনে হইতে আরম্ভ হয়। সামুক্ষ্যে সংস্থাপিত হওয়াতে স্বাধীন প্রকার বক্তৃতাশক্তির শেষ হইছা যাল, তদবিধ বাগ্মিচা কেবল অস্থোফিকিয়া ও প্রশংসা দিতে প্যাব্দিত হয়। টাইবিরিয়দের সিংহাদনে আরোহনের দক্ষে সঙ্গে সাহিত্যশাক্তের উন্নতির অবস্থা গুনি

(২) সেয়নাড় স্মিলপ্র নীড রোম ইভিহান

হইয়া আইনে। কুচিবিপর্যায় আরম্ভ হয়: এ দিকে শাসনকর্তার অভ্যাচার ওদিকে প্রজাদিগের ধর্মনীতিভাংশ বৃদ্ধির্ভির উদর পথ কদ্ধ করিয়া দেল। পুস্ত চালয় ও বিদ্যালয় ভাগন ও বেতন ভুক্ শিক্ষকনিয়োগদ্বারা উহার সংশোধ্য হইগ না। "

রোমে যথন মাধারণ চন্ত্র প্রচলিত ছিল, তথ্য লাটিন ভাষার বিলম্প উन्निष्ठि इहेगां छिल। अन्यत माशात्व তত্রের যেমন লোপ হইল, সমনি ভারা-রও করদশা উপস্থিত হইল। এতদ্বারা স্পাট প্রাতীরনান হইতেছে, বাঙ্গলা ভাষার डेब<sup>्</sup>ठ वाञ्चालिमिरशत याश्चीन डामोरशकः। **অ** 5 14 षा गामिर शत क्कुका धहे. যাঁহার৷ বাঙ্গলা ভাষার উন্নতি দর্শ. নের আকাজ্জা করেন, ভাঁছাদিগের कर्डवा, वांक्रालिमिरशत (य यश्रम (प কিছু স্বাধীনতা আছে, তাহার লোপ চেফী না করিয়া বত দূর সম্ভব স্বাধীনত। अमारन रञ्जवान इन । वाङ्गालिमिरगत मीर्घ काटनत भदाशीन छाडे कि इंडाँ भि গের আলস্য ও घरमारमत श्रभाग कर्त्रण गरा १

-----

স্থ নীয় কৰ ১ইছে পুলাৰের ৰয়ে। কলা উচিত জিলা।

এ দেশে যত প্রকার মিটনিনিগাল আইন হলাছে, তাহার এব টাতেও যে সক্ষ্যাপারণে মুস্ট নহেন, তাহা বাস্থ্রার প্রকাশিত হল্যাছে। নিউ নিনিপালিটাসমূহের কার্যা ও করপ্রন্থ গালী কিছুতেই লোকের সন্যোগসাসন করিতে পারিতেছে না। এই অসম্যোগ যের যুক্তিসিদ্ধ কারণ আছে। স্থানীয় কর যে প্রযোজনীয়, ভাহা সকল কেই স্বীকার করিতে হইবে। ঐ কর প্রদান করিতেও লোকের ভাত হসস্যোগ জ্ঞানা; কিন্তু কর্ম্থাপন, খাদায়

<sup>( &</sup>gt; ) সর জেম্স ম্যাকিন্টসের স্থাচি।

ও আদায়ের পর বায়ের প্রণাশীই লোকের নিভান্ত অসুথকর ছইভেছে। বিট ন্দিল লিটি গমূহ ভানীয় কর্মচারী ্দিগের ধানাধরামা<u>র।</u> **উাহাদি**গকে কিল্লাতিত টাকা সংগ্রহ করিতে বলা ध्य जांबा कतिहरू है উপ্রাদিগের ক হবেৰে শোল হয়। ভাহাঁলা মথেচছা-চারী হুইয়া **সঙ্গতি অসঙ্**তি বিবেচনা না ক্রিলাই করস্থাপন করেন। এই কর লালাতের সময়েও আবাং অতিশয় অত্যা हात इस । भिडेनिमिशान कर्य गड होका लानात्र इत्रा, निताम्बर्गाटक भूनि मः आहर्कनि গকৈ তাহার জুলাপরিমান চকে। দিতে হয়। িনউনিদিপালফরের বংগ্রনিবস্থনট লোকের সৰ্বাপেক। অধিক অসম্ভোগ হইতেছে। ल्लाटक ट्य प्रेंका एका, जाहात मर বংশ দেখিলে ভত ছঃখিত হন না। কৈন্তু মিউনিদিপাল করের ধ্যয় দেরপা क्षडेटाउट७ मा । स्थायन हेर्ल 🌖 श्र श्वर्यट्य की শা তিত্তিক দৈনিকদিলের ব্যমভার ভার ৬বর্ষের স্কল্পে নিক্ষেপ করিয়। ইংলডের य य वार्यात मगळ। इका वर्टन, (भेड প্ৰদার ভারভবরীয় গ্রণ্মেন্ট পুলিবের বাৰ স্থানীয় করদাতার স্কল্ফে নিক্ষেপ করি Cocoन। भक्त श्राति श्रामीय कह श्रीतरा নি,শেষিত হইতেছে। এইটা সাধার नित अमरकारयत कारान कारत इडेलार्ड

িদেশীর শত্রুর আক্রমণ নিবারণ নিমিত যে প্রকার দৈন্য আবশ্যক, সেই প্রবার অভ্যন্তরীপ শান্তিবন্ধার নিমিত্র প্রতিবের প্রয়োজন হইতেছে। লোকে নিরা প্রতিবের প্রয়োজন হইতেছে। লোকে নিরা প্রতিব্যু আপান জীবন ও সম্পত্তি প্রথা করিতে পারেন এবং কোন ব্যক্তি বলপ্রাক ভালাদিগকে ভালা হইতে বলিত করিতে সমর্থ না হয়, এই নিমি শই পুরিষের ফুটি হইয়াছে। বিদেশীর প্রতিষ্ঠান্ত্রের ন্যায় চোর, ভাকাইত ও ব্রুবাই্সান্থ্রের হুইতে দেশবাসীদি গ্রের ক্রা ক্রা ক্রিতে স্বর্গ্যেকীয়

व्यवना कर्छवा कर्य । किन्नु त्यमन देशनिक ব্যয় স্থানীয় কর হইতে করা সঙ্গত হর না, ভজ্রাণ পুলিবের ব্যর্ও স্থানীয় কর **হটতে করা বিধেয় নছে। যে কর** দারা লোকের মূল ধন কর হয়, ভাহা পরিভাগে করাই কর্ত্তরা। ভারতবর্ষীয় गवर्गमणे नथन कभीमात अ गवर्गमालीत कागरकत अधिकातीमिश्रादक लाहेरमञा कत इहेर ज शू क करतम, उथम अहे भून নিয়ম স্বীকার করিয়াছেন। বণিক্পণ रयमन ना हेर गर्न कत फिर्ड एहर, टिमन ভাঁহাদিগের জাহাজ ও দ্রাদি রক্ষার্থ চ ज्ञिति श्रह्ती अ ममुद्रात तथ्डति तहि शार्ष। जनर्थ जाङामिर्भन्न गिरकत वान्न इंहेटल्ड मा। इंश्लिए प्रतिक्रिपिश নিমিত স্বতন্ত্র কর আদায় হয়। আপা এক প্রাবার क्यांबई इंटर বলিয়া বোধ হয়: কিন্তু বিশেষ বিবেচনা করিয়া দোখালে ইহাতে লাভ আছে। था छ। इ. ८ । व. बागर के किया पिराउ इंडेरन অনেক পড়িয়া যায়; কিন্তু এক বার কর পিলে আর সেই অভিনিক্ত ব্যয় করিছে হয় না: অন্থেগণ ছাবে ছাবে না কিরিয়া আন্ত আভিখিশালাতেই গমন करत अहं अवनित ए। कत मिन्ना आक्रीत লাভ হয়, ভাহাই যথার্থ বুভিন্দিত্ব কর। কিন্তু যাহাতে লাভ নাই, সেরূপ কর ভা:নে কেবল লোকের আর কমা: ইয়া ভাঁহাদিগকে দ্রিদ্র করা হয় মাত্র। एंडर्राधकारतत कर्ड अहे स्थानि चुन्छ । এক বাজি পি চার মৃত্যুর পর এক লক টাকা পাইলেন। গার্ণমেন্ট ভাছার শভ করা পাঁচ টাকা কর লওগতে উহা হইতে ৫০০০ টাকা কমিয়া গেল। আবার কয়েক মাদের পর ভাঁচার মৃত্যু হওয়াতে তদীয় পুত্র উত্তরাধিকারী হংলেন, তাঁহাকেও ঐ প্রকার কর দিতে হইল। এইরূপে करवक कन डेल्डा शिकाती रहेटल हे मण्या छ

নিঃশেবিত হ্টয়া গেল। ছানীয় কর

ছ্টতে পুলিষের কর প্রদানও ঐ প্রকার। স্থানীয় করের অধিকাংশই ৰাটী হইতে व्यानात्र इत्। मक्टल हे व्यवभाव व्याग्हन, কয়েকটা এধান নগরভিন্ন এ দেশের প্রায় কোন স্থানের লোকেই বাটা ভাড়া দিয়া দিনাতিপাত করেন না। ভারতব-যীয়িমাতেই সর্বাত্যে নিজের একথানি वां की करतन। इंश्लर्धत व्यक्षिकां भा लारक रयमन का फ़ारिश थारकन, এ प्रान দেরপ প্রথা নাই। মফস্বলে প্রত্যেক ব্যক্তির পূথক ভদ্রাদন আছে। যাঁহার ইহা নাই, লোকে ভাঁহাকে লক্ষীছাড়া বলিয়া ঘূণা করে। এইসকল বাটীর বাৎসরিক ভাড়ে। ধরিয়া কর আদায় হয়। এই করের অর্থ এই হইতেছে, যে প্রত্যেক ৰ্যক্তি বাটীর মুল্যের কিয়দংশ সাধার-व्यत डेलकाहार्थ श्रमान करतन। इंहार ड কোন আপরি হইতে পারে ন।। কিন্ত আমরা যথন ঐ কর দিতেছি उथन जाहात महन महन आमापिशहक লাভ প্রদর্শন করা কর্ত্তবা। শান্তিরক। म लाख नरह। कान प्रश्ना वा हात शृट्डत दात वा इते मखुत्क कतिया लहेता यात्र ना। তবে किर्म लाख इहेट ज लादत १ যদি এই কর গ্রাম ও নগরের শোভা র্দ্ধি ও নর্দম। পরিফারপ্রভৃতিদার সাধাৰণ স্বাস্থ্যকার্থ ব্যৱিত হয়, তাহা ছইলে লোকে লাভজান করেন। কারণ পীড়া হইলে চিকিৎসার নিমিত্ত অনেক वाश रश । यकि कत्र शानागनिवस्तान श्रीष् ক্মিয়া যায়, ভাছা ছইলে এক বিষয়ে বায় বাঁচিয়া গেল ় ফলতঃ প্রাম ও নগরের শোভার্দ্ধি ও স্বাস্থ্যরকাই সমুদায় স্থানীয় করের প্রধান উদ্দেশ্য। পুলি বের জন্য স্থানীয় কর ব্যয় করিলে कि এ উদ্দেশ্য সাধিত হয় ? গ্ৰণ্মেণ্ট नाहरमञ्च कत नहर्ष्ड हमः, नामाविष खळक লইতেছেন; সম্পত্তির মকদ্মার নিমিত্ত चौम्ल कत लहराज्या हा कित्र हा भी बरम्ला-

বজের সময়ে পুলিবের জন্য পৃথক শত করা এক টাকা কর লইভেছেন; তথাপি স্থানায় কর হইতে পুলিষের বায় নির্বাহ চেন্টা পাওয়া কেন গ

> मत क्षीरकार्ज नर्भ (कांग्रे ख अन्द्रमः -मीत कर्म्बालातिकात् ।

গত ১৯ এ আগত গ্রপ্র জেনেরল अञ्चलनीयमिश्वत्क माननमयुद्धः केञ्चत পদ দিবার যে প্রস্তাব করেন, সম্প্রতি সর ফীফোড নর্থ কোট তদ্বিয়ে এক পত विथिशिष्ट्रा । मत क्रम वटतका गर्थन এই প্রস্তাব করেন, তথন সর্ব্ব সাধারণে তাহাতে ত্রুটী দোষ দর্শন ক্রিয়াছিলেন। व्यथम, जिनि दक्त नियमविह्णू ज थार শের কর্মচারীদিগের প্রতিই দৃষ্টিপাত করি য়াছিলেন। দ্বিতীয়, তিনি বলিয়াছিলেন, স্বাধীন ইউরোপীঃদিগের সহিত ব্যবহার कता ভात उवसीय मिट्यत शटक महक नटह। অতএব যেদকল স্থানে ইউরোপীয় অধি. वांगी वा जमनकातीत मश्या अधिक, मिथारन एन এতদেশীয় কর্মচারী না थार्कन। मत जन लारतरमत अहे बाका षात। म्यासे श्राजीशमान इहेटल्ट्स रा, किंगलकरम अरमभीशिष्मित्रक छेक्रशम লাভে বঞ্চিত রাখাই ভাঁহার অভিপ্রেত। এ দেশে বাণিকার্দ্ধির সহিত্তানশঃ हे डेटता भी बिन दिन त मध्या कृषि इहेट ; সুতরাং বেমন ইউরোপীয়েরা অগ্রসর रहेट थाकिर्वन, अञ्चलमीय कर्मानाति গাকে ভেমনি ক্রমশঃ বনাও প্রতীয় व्यटलट्य भगन कडिट्ड इरेट्य । প्रतिट्यट्य তাঁহাদিগের আর ফোন উচ্চপদলাভের मडोवना थाहित्व ना। রাজনীতি বিষয়ে ইউরোপীয়দিগের সহিত এত किनीशिवरितत त्रमान कम्पठा इश, जात তवरीय भवनंत्रके थाय २० वरमञ्जाल हेरात हिन्छ। भारेश आमिट इहिटलन,

-60-

किछ একং। मत कन बारतमा मामनकर्छ। हरें हो हो हो विश्लावटन छेन्। छ हरे हो एहन। यांश इकेन, क्रमता डाइनद कड़े नदल ष्मण ठ शक्ति थात्र (च निक्व इटेर्ड ना, তা हात लक्कन लिक ठ हहे । इंग्लिंग **खिन**ात्वत ३৯ ० चांश: छेत श्रास्त्र मयत्त्र मत कोटकाछ नर्थ को है य शब লিখিয়াছেন, তদ্বারা উহার প্রতি এক वः एम नाकार मयुटका অপর অংশে इक्टिंड लोगारतान करा इहेहार । डेन युकं - ভाরতবর্ণীয়দিগকে উক্ততর পদ প্রদান করা উচিত বলিয়া পর জন লবেন্দ্র স্বীকার করিয়াছেন, তাহাতে मत छोटकार्छ नर्थ कांग्रे बाद्यानिक इंदेश हिन। जिनि बट्लन, " **এই প্রান্ত**ি দ্বারা উৎকর্ষের দিকে অগ্রদান হওয়া হইয়াছে; কিন্তু আনর মতে কেবল নিয়মবহিভূতি প্রদেশে ভারতব্যী গিদিগকে উচ্চ পদ अमारनत निव्य कतित्व मर्थााख इहेरव না ; নিয়মান্তর্গত প্রদেশেও এতদসুদারে কাজ করিবার অনেক পথ আছে। আইনে নির্দ্ধারিত হইয়াছে, যাঁহার। প্রতিযোগি তা त भतीका किया छेडोर्न इन, डाँहाताई भान त्नत छक्रजत कार्यः जात शाहरवम ; किन्त কাৰ্য্যতঃ তাহা হইতেছে না। যেদকল পদ কেবল দিবিলিয়ানদিগের নিমিন্ত বহিয়াছে, ভাইার সমান বেভনের কতক গুলি অচিহ্নিত পদ আছে। এ গুলির উপরে ইউরোপীয়দিগের অপেক্ষা ভারত বর্ষীয়দিগের অধিকতর সত্ত আছে; ভবে वर्षाय वहे (ग्रांक, श्रक्त क्वन इंडेटवाणीयमियटकहे द्वारा इंडेटड्ड दिन १ दिख्ताभीत्यता गडरे छेलयुक হউন না কেন, ভাঁছারাত রীতিমত পরীকাদিয়া ঐ দকল কাজ প্রাপ্ত হন नार्छ। এ छालिए जात्र उवधी प्रसिर्गत, नाग्र ইউরোপীয়দিগের যে স্বাভাবিক স্বং नारे, जारा व्यवभारे श्रीकात कतिए হইবে; সুভরাং ভাঁহার। কোন ক্রমেই।

मत छोटकां ज वर्ष कारहेत करे मिथा हाता इंगे अखिशात श्रकां कता इहे-शार्षः। थथम, मत कन सर्वस्य का जिल्ला कतिया त्य कार्या थानती व्यवसम्ब कटत्रम, তাহা পরিভ্যাগ করিতে বলা ছইয়াছে। দিতীয়, তিনি নিয়মানুর্গত প্রদেশ সমুছের এতদ্দেশীয় বিচারপতিদিগের কিঞ্চিত বেতনর্দ্ধি করাই যে উন্নতির পরা কাঠা স্থির করেন, ভাষা স্পাত রূপে অবিচার বলিয়া উল্লেখ কর: হইয়াছে। বোদাইয়ের ভূতপুর্ব প্রধান বিচারপতি দর আারক্ষিন পেরি এবং **कृ** ७ पृद्ध भागनकर्छ। मत त्वार्षे कि शांत ও গবর্ণর জেনরলের উক্ত রাজনীতির প্রতি দোষারোপ করিয়াছেন। ভারত **वर्षक** इडिट्साभीय क्रिया **এ**ड(फ नीग विषातभाषत निकटि বিচার u हेल्हा नाहे। यनि अञ्चावन कतिया **(नथा** यात्र **এ**ङ धानिश्वाणी कुमः कात ও জাতিবৈবমূলক প্রতীয়মান হইবে मट्जर नारे। अठ्या मामनकर्ताव **७३** कुमः सारवत **উट्डिब्बनार्थ** हो छ নীতিপরিবর্করা নিতান্ত জানার: यिन छात्र छवर्ष करतक छन इछ दरा देश बावमांश्री ७ देश्हां क क्यांनाही है है एक्ट ধান তালুক হইত; যদি ভাঁহাদিগেৰ

মনোরঞ্জনই এদেশশাসনের এক মাত্র সমূহের রেক্সিউরের छेट्यमा इहेन, जोहा हरेटल मत खन लटत . ন্সের প্রস্তাধ যুক্তিদঙ্গত হইত সন্দেহ मार्ड। त्मुकल इरताल क्रुका आवि: इंडेनाईट्रेंड ल्टेटि थाकिता बलमा कराय, डॉहांडा कि बिलाइ शास्त्र. त्यथारम डाँश्निरभत मः थः। छ। ४० (मशात कतां भी ७ जाः বি্চার পতি থাকিতে পারিবেন ন: ভারতবর্ষ इंट्लाट खत्र व्यक्षीन वटि ; कियु माधन अ विष्ठातमभ्रदेश रामकल देवताल व प्लट्स व्यानिट्यम, जाँशामिशटक अस्परमात कार्या व्यनालीत अशीन इंडेर ब इंटर्व । मयुद्धा अक्षांन नाम अक्षांन कहा है शवर्गस ুন্টর ইচিত রাজনীতি। বেদকল ইউ त्राभीक्षत अडल्मभी विष्ठात्रभाष्ठित निकट्ढे अभवारभन्न विष्ठात कहेवात अनिच्छा হুম, ভাঁহার। অচিরাথ ভারতবর্থ পরি छात्र कक्रम। के मक्त अनुपार्थ वाजित कुनः कात्रंगतम्बन कि আমানিগের कांचिमाधात्व यटकत त्लांभ क्लेट्व ? বিদ্যাশিকা ও ডাক ঘরপ্রভৃতিতে কভকঞলি করিয়া উচ্চ বেডনের আছে; কিন্তু প্রায় কোন এতংদশী মকেই তাহাট্ড নিযুক্ত করা হটতেছে ना । **क्रान**् ब**ङ्ग्ल**मीश अल्यास विन्तान য়ের ভিত্তেন্তর হইয়াছেন ? এক জন সামান্য इंडरतोशीय मार्ट्झले चनाशारम जर्मा कि छेवि इक्षि, नेशत इहेट छ हम। कि छ বংশ, শিক্ষা, ভদুতাগ্রেড়তি সকল বিবয়ে एं इक्क इंदेश अबक कन अंकरमानी स - সংইতেতের না। এক জন এতদেশীয় कार्म्य भवनरमार्गेत (भारे मार्गेत स्वन রল ২০.৫ ছই মাদের মধ্যে পত্রচুরি वक रह । विक दक्तन शदन्त्यत्केत कूनर क्र्युंडानवश्चन कान ज उटक्रमीप्रहे **ब**हे প্রেক্ত্রাইতেছেন না। গ্রণ্মেটের আফিন

পদে যেসকল कतिकि ७ इंडेएबालीय नियुक्त बारकन, উচোরা প্রায়ই অশিক্ষিত সাকী গোপাল মাত্র; এদকল আফিদের যে কিছুই काक डाइ। এडटमनीव क्वांशीमरभव वीताई मण्यामि इ इए। ज्यालि अस्मिशि मिनात्क दहिक्कोरदह असम नियुक्त कहा हडेर छट्ड ना। भूलिटनत यूर्शाहर**ेखा** ले ও ডেপুটি ইনস্পেক্টর ছেনরলের পদে অনেক অচিত্নিত ইউবোপীয় আছেন; किन्द्र धेमकल शाम खनाशास्य अञ्चल শীব্দিগ্রে নিষ্ক্ত করা ঘাইতে পারে। छ उत शन्हि गास्त्रः सन (लश्हेमाले अन र्वत भर छेडेलियम मूट. भत फीटकाछ वर्ष (कार्टित शृह्याङ शह्यत छेत्सर ক,রয়া বলিয়াছেন, কয়েকটা পদবাতীত আর নকল পদই এতদেশীমদিগের পক্ষে প্রাপ্ত রহিলাছে। সর ডইলিয়ম মুর, সর क्रम नारद्रास्थव (अभी कुछ ; घठ १५ डी(कोंड मंड (संसर क्रम लाइटकार माइडर मनाम इडेटब छोड़ा ब्यान्ट(वं)त विवश बहर। त्य मक्त भाग तक्त है इंट्रां भीश দিলের প্রাপা রহিয়তে, তৎসমুদায় এক চেটিরা করিয়া এটিখনার আবেশ্যকভা

कि १ जात रागकन शर अरमभी शिमरशत

'• আটন অনুসারে শ প্রাণ্য বলিয়া ভান

কর, হয়, তথ্নমুদায় কি কার্যতেঃ ভাঁহাদি

গলে দেওয়া হইতেছে ? নামে ত ধিবিল

(অন্তঃ কিরিজি) পাইলে গ্রণ্মেন্ট

ा रम शरमं उत्य अञ्चलका मिन्यरिक

नियुक्त करतन ना, এ कथा कान् वाकि

व्यक्षीकात वितिद्यंत ? धरे निमिष्ठ मत

छोएकाफ नर्थ काछ शतामन्ध्रमान

ष्ट्रल व (एर्णत भागनकर्छी निगरक रय

ভংগনা করিয়াছেন, তাঁহারা তাহার

এ দেশকৈ যথাৰ্থ সুখী ও সন্তুট্ট দেখিতে চাट्टन ; डाँशांपिटनंत निकटणे जांडिट छन ও বর্ণভেদ নাই। তাঁহাদি গর "তে मिथानी पिट्या श्राचित व्यालाश कविश्वा करमक स्म नार्थात व्यक्तिकाशी विस्नी-য়ের কথার শাদন করা নিতান্ত অধর্মা। তাঁহাদের অভিপ্রান্তরূপ কাল করিলে এ त्तरभ वात (कड़ूरे अभरकांव **थाटक ना**। আমরা বোধ করি, অতঃপর দেশীয় শাস नकर्द्धभक्त हेर्ल की व भवनीत्मर के व यथार्थ অভিপ্রায়ানুরপ কাজ করিবেন।

---;0;---

#### लाहरभम क्षमश्चरहाँ 📲 লিয়ুমাৰ্শি :

গত ২৫এ এংপ্রাল ভারত্রধীয় গ্রণ্মেন্ট ভ বৃত্ব**ध**ित (शहकटि ल!हे८ नम क्त আ,দ,োর বিষয়ে যে নিয়মাবলি প্রকাশ করিরাছেন, ভ.খাতে স্পষ্ট প্রকাশ পাই তেছে, এই কর্মিংস্ক্রা কোন প্রকার অত্যা চার না হর ইহা গবর্ণনেন্টের সম্পূর্ণ অভি েত । গ্রণর জেনরল কালেক্টর ও ক্ষিসনর দিপের ক্ষমত। নির্দ্ধারিত করিয়া কোন\_কোন্ব:ক্তির নিকটে কর লইতে হইবে, কোন্ কোন্ বাজির নিকট লইতে হইবেনা ও কি প্রকারে লইতে হ্টবে, ভাষা নির্ণয় করিয়া দিয়া-ছেন। যে যে বাজুক কর এ দান করি (यम काटा दिश कहा ; म. विकिटक छ দক্রিনের দারাও উদ্যাটিত রহিয়াছে; : এদনে; করপ্রদান বিংগ্নে আপে**ভিতর**ণ; যাঁল: া কর না দিরে ন, ভাঁছাদিগকে ভলি কিন্তু কাৰাতঃ কি ছইতেছে। ইউরোপীর মিন্ত সাধাদপ্রদান ও পরিশেষে তাঁহা एतः नारम माजिरकोर हेत निवर है नाली म এবং বাকী রাজস্বৈর নায় কর আদায় कता काटलक्षेत्रं मरशत क्रमणायख इटे-য়াছে। কমিদনরগণ আপীলঞ্চবণ করি বেন। স্থানীয় গ্রণ্মেণ্ট ইচ্ছা করিলে কালে ক্টবুকে কমিসনরের এবং কোন ডেপুটি কালেক্টরকে কালেক্টরের সম্পূর্ণ বা কত হ मण्यून जेशयूक । हेल्क्ट अत्र लाक्नान ।

ক্ষমতা এবং আর এক দন ডেপুটা কালে केंद्रिक च भिद्ये कमण निष्ठ भादितन। व्यामीएपत्र मट्ड काल्डित्रक कमिममद्वत् ক্ষমতাপ্রদান অনুচিত ৷ আমরা ব্রাবর দেখিয়া অাদিতেছি, তাঁহারা প্রায় ভেপুটা কালেক্টরদিগের আজ্ঞার কোন পরিবর্ত্ত करतम ना । करलकेत निरंक त्य माकिएके ট্রেটের স্বৰূপ কাছার দণ্ড করিছে পারি বেন না, এ নিরমটি অভিউদ্ধ হইয়াছে। গবর্ণর জেনবল স্পর্যাভিধানে বলিয়াছেন, भाकितकुरं देत निकर्ते अर्थन कतिवात পূর্বে কালেক্টর করপ্রদায়ীকে প্রথমতঃ निक इटल পর্য়ানা দিবেন, কেবল বাটীতে সমন রাথিয়া আসিলেই চলিবে না। কিছ এক বিষয়ে আজ্ঞা অতি ব ঠিন হইয়াছে। माजिट के छिएक मकल ऋटल है करतत विश्वन জরিমানা করিতে ইইবে ; ইহাতে ভাঁহার নিজের কোন বিবেচনা করিবার ক্ষমতা थाकित्व ना। अवद्यादित्मत्य द्विका জরিমানা অভিশয় কন্টকর হইবে। এ অংশে মাজিটেটিকে অনুগ্রহ্থকাশের ক্ষমতা প্রদান না করা অনুচিত হইয়াছে। এ বার ष्यठाच श्राज्य ना इहेटल पारमत নিযুক্ত করা হইবে না। ১০ আইনের মকদ্দমার ভার শীঘ্রই কালেক্টরদিগের रुष्ठ इरेटच गारेटव । चाडणव न्डन चाटन मद्वत अद्योजन ७ (पर्या याहे एक इन। গত বৎসর সংগ্রাছক,দগকে শত করা छुटे টাকা কমিদন দেওয়া হইয়াছিল. এ বার তাহা রহিত করিয়া অতি উল্ভম काक कता इहेशादह।

कत्रज्ञाभनमस्य काट्यक्केत त्रवल ज्ञामलाणित्वत ज्ञेभटत निर्वत कतिर्व भातिर्वन ना ; ज्ञिन क्यानीय क्यांन त्यांक उ वावमायी पंगरक माकी मानिर्वन । कत्रक्षणायी क्यांश ज्ञानवन्ती पियां ज्ञाभावि क्रिक्ति भाविर्वन । काटल केत राथारन विक्रक क्ष्रमान ना भारेर्वन, राथारन राष्ट्र कथाराज्ये विश्वाम कतिर्वन ।

করঞ্চায়ীদিগকে কোন প্রকার কৃটিব श्रम करा स्ट्रेटन मा। এটা অভিশয় यु क्रि সিন্ধ নিয়ম হই গ্রাছে। যেসকল কর্মচারী আনুটি কণ্ডপ্রভৃতিতে টাকা দেন, ভাঁছা **मिर्शत (मंदे होता वारम विख्यात छे भरत** কর ধার্যা হইবে। যাঁচারা আপেনার অথবা স্ত্রীর জীবন ইন্সিউর করিয়াছেন, জঁ.হাদি-গেরও ঐ টাকা বাদে কর নির্দারিত हरेंदि : किंद्ध ध छत्त कथन भंडकता > । छाकात अधिक वाम (म अहा इट्रेंच ना । ্ব বসায়ীদিগের কর্মচারীর বেভন, বাটীর ভাড়াপ্রভৃতি বাদ দিয়া কর ধাষ্য হইবে। এও লি যুক্তি দক্ত হইগাছে। গবর্ণর জেনরল স্থানীয় গ্রণ্মেণ্টসমূহকে অভিরিক্ত নিয়ম क देख **ব**লিয়া ष्यकाः हात्र निवात देशत আরও সমুপায় করিয়া দিয়াছেন। अकरण जकल दिवशहे काटलक्केव्रिक्टिशव নির্ভর করিতেছে। অভএব কালে ক্রগণ স্থিক্ হইয়া কাজ করেন रेशरे मकटलंद व्यार्थनीय । य काटलक्टेटवंद नाम अधिकमःश्रंक नाजीम इहेट्य. তাঁহাকে কোন প্রকার শিক্ষাপ্রদান করা যেন গ্র্বনেটের রাজনীতি হয়।

উপসংহারকালে আমরা বিষয়ের উল্লেখ না করিয়া ফা;স্ত থাকিতে পারিলাম না। লাড ভেলহা-উসি সকল বিষয়ে এ দেশের ইউরোপীয় দিগের মনোরঞ্জন করিবার চেষ্টা করি-তেন। সর জন লরেশও সেইৰূপ করিতে ছেন। তিনি যে আজ্ঞা দেন, তাহাতেই প্রার এদেশীয় ও ইউ রাপায়বলিয়া এ ভেদ করা হয়। বর্ত্তমান নিয়মবেলিছারাও এদে শীন্তদিগের অপেকা ইউরেপীনগণের ध्य व्यक्षिक मुविधारमध्य कर्त्रा इहेग्राह्य, তাহা আনুটি ফণ্ড ও ইন্সিউরাকাএড়তি বাদ দেওয়াতে প্রকাশ পাইতেছে। তথাপি व्यामता अधिवात व्यन्तामन केति हा ; **এদেশী**য়েরাও कीবन ইজিউর করিনে ঐ প্রকার স্বত্তাগী ছইবেন। কর

আদার হইলে এক তালিকাতে এদেশীয়
করপ্রদায়ী ও অপর তালিকাতে ইউরো
পীর ও ফিরনি করপ্রদায়ীর নাম যে
কেন থাকিনে, আমরা তাহা বুরিতে পারি
লাম না। কলিকাতার ছোট আদালতের
মফদ্দমার ন্যায় কালেক্টর ইউরোপায়াদিগের আপত্তি অত্যে প্রবণ করিলা শোদে
ভারতবর্ধা য়িদিগের আবেদন যথা তলা
কালে প্রবণ করিবেন; এই উদ্দেশে কি
পৃথক্ খাতা করা হইতেছে ?

— ে:— আংবিদিনিয়ার যুদ্ধশেষ।

আবিসি,নিয়ার যুদ্ধের ফললাভ হই शारह। গত दूहम्भाजियात (वाद्याहे हहेरज টেলিগ্রাম আসিয়াছে। ৬ ই এথেল সর রব:ট নেপিয়র মাগদালয়ে উপনীত इन । के मिवन कैं, हात नकल रेनना छैल দ্বিত হইতে পারে নাই বলিয়া, তিনি ৯ ই পর্যন্ত যুদ্ধে গ্রন্ত হইতে পারেন नाइ। ये पिवन रेमनाशन छेल, इंड इंड য়াতে পর দিবস যুদ্ধ আরম্ভ হয়। থিও-ए त वना वट्टिन ; किन्छ य**छ** मूत्र माधर म: रममह्कादत युक्त क्रिया हिल्लम । किछ ৈ সৈন্যগণ সেহ কার ছিল না। সুতরাং ভাহারা অজত্র শোণিতপাতের পর পরাজিত হইয়াছে । তাহাদিগের ৫०० इंड ७ ১৫०० छ।इंड इर्शिएइ। ব্রিটিশ দৈন্যগণের মধ্যে কাল্ডেম রবার্টস ও ১৫ জা দৈনিকমাত্র আহত হন। পর দিবস বাবভীয় বর্দাকে মুক্ত করা इटेशार्छ। वि ६८ छ। दत्तत निकटि ७२ छन रें छे ता शीत वन्ती हित्लन ; रेहा निशदक ব্রিটিশ শিবিরে খেরণ করা হয়। রাজার অধিকংশ দৈনা এই পরাজাযের পর অতিশর ভীত ও নিরুৎসাহ হইয়া অন্ত্র **७.19 कतियाहिल।** जाँहात व्यानक मन्ता त्र अर्थे मुक्तीर ५त अनुभत् करियार इस । কিন্ত প্রাল্ভ থিওডোর সন্মুখ্যুক্ত পরা জিত ইয়াও শত্রুর নিকটে মস্তক শব্রত

করেন নাই। তিনি পরাজিত হুইয়া মাগ: ালার ভূগরকা করিবার মানস করি লেন। তথ্য সর রব'র নেপিয়র ওঁ ছাকে এই ব্লিখা সংবাদ দিলেন যে, তিনি গদি ১৪ ঘটিকার মধ্যে আল্লেসমর্পণ না করেন, ভাষা **হইলে ভূর্য অ**ক্ত ৭ কর। कर्टा : थिटहा**टफाর छोशो**त वाका सुभारत ध्या बिश्वभीत ना कतात्व, २०३ मिन्स জার দল্ড**ু গৈনা সমভি**ব্যাহারে কামান ও গেডারারা আক্রমণ ভরিরাতুর্গ **७१ क्रांत्र। थिए**शएफास स्वर्ध अक्री চার রক্ষ করিছে করিছে টিপু সুলভানের माति इठ इहेशास्त्र।

এর একা<mark>রে আবিসিনি</mark> গার যুক্ষের শেষ हर्ने तर्छ। त्य **डिल्फ्ट्या युक्त्यादा कता ह**ल তালায় কল হইয়াছে। একাণে কথা হই ভাছে, দৈনাগণ ভারতব্বে প্রভাগেমন क्रिद्र कि गाँ । सन्नुमात्र आवित्रिनिका এক্ষাে ত্রটিশ গ্রণ্মেটের পদানত হুই তছ। কিন্তু ব্রিউশ্লন সেখানে স্থারি ৰূপে আন্থান করিলে এই ব্যাভূততা থকেকি না। আর্বিসিনিয়া লেভের जामधी मतमह नाहै; विखत देश्वाण ७ ভারতব্যায় তথ্যে থানিয়া অনায়টেস দিমপতি করতে প্রেম ভগ:পি ভাষরা বলিতেছি, এই লোক ভাগে করিয়া অলীকারানুমানে এ জান হহতে আগমন কর্টি ইংগ**্রে**ণ্ডর পোন ধার্ড।: ক্র্মা

> मन बनाई म-छेत्रमान छ बर्डमाँ म आहा-্ গণের শাসম্প্রালী 👃

विधिम अवर्गरमाखें मामनद्वानी ভা: কি প্রেমীয় রাজগণের শাসনপ্রণালী ज्ञातः 🗗 विषय **लहेशा मीघ**काल (य আ দে লেন চলিতেছিল, তাহার যে শিক্ষ ছ ভট্রাট্র এব' সে বিষয়ে পঞ্জ বের ভুভ <mark>শাসিত ব্যক্তিদিগের সহিত ভাঁহাদিগের</mark> ार्च/. अल्डेना के शर्य वे राज एक हैं नके श्रम्त प्रतिष्ठेश नाई । নে গ্রেভাব হ কলে করিলছেন, সেটা এ

करी दित्नव का उवा विषय, च उ वव डोहोत সংশিশু বিবরণ পাঠ গণের গোচর করা ग इंट्डर्ड । खितिन अवर्गस्मर छैत भामन প্রধানীর অনুকূলো নিম্নলিখিত কয়টী विषय अम र्मा क रहे।।एइ।

১। এজারণ সম্বিক সৌভার্যাশালী। २। लाटकत कीवन ७ मम्मेखि मन ধিক নির্দ্ধিয়ে আছে

ধর্মসগল্পে স্বাধীনতা আছে। 8 । १ क 🖭 अ म.इ मक छूमि या कार्त्न व হ**ত** চইতে রক্ষা: অপেক:ক্রুত উৎক্রই উপায় করা হইয়াছে।

ে। রাজস্ব গোলী অপেফারত उंदक्र ।

৬ ৷ গবর্ণমেণ্ট একার নিকট হইতে অনিংনিত অৰ্থ এছেণ করেন না।

ব্যক্তি ও পোন্দারের! সম্বিক (मोज आमाली

 । क्रगरकता उदक्की अवदामम्मन। ৯। বাণিজ্যের স্বাধীনতা ও বাণিজ্য ক(মে) র অনেক স্থানিধা আছে।

নিমুলিখিত ব্যক্তিরা ব্রিটিশ গ্রণ (मरलेन वित्ताधी।

১। অভিজ্যিক ও রাজসভ্সদ

२ । मर्फाहराव

৩। ভদ্রলোকসকল।

प्र। ज का श्राप ।

०१ कि छित्र छ।

৬। রজেনীতিজা ও জুরাকাওকা গ্ৰন্থ বা ক্তন্তাৰ।

৭। স্বৰ্ণকার ছেতি শিপিগণ।

বে ্য কারণে লেংকে ব্রিটিশ শাসন এণালার এতি অননুগক্ত সেগুলি এই।

खंडिन दाक्रभुक्रावदा दिएमीत

২। বিচার এণালী প্রশার নিভান্ত নিশ্চিত **ভাছে।** 

অপ্রিয়। কারণ উল অভিশয় ভটিল; উহাতে অনেক বায় ও বিলম্ব হয়। উহার এরপ অসাময়িক উৎকর্ষসাধন কল, इह शांदक त्य, छेका इंछेदबा ी. मिरशबरे त्याशा हरेगाटह ; এटमनी : मिरात उभारी की हत बारे। এদেশী। पिरशत मूर्विहारतत मध्यात এই ता, छेहा भौज्ञ ७ श्रुण्यवादश मन्द्र, म इहेर्द, अर्थें कलार्भातक इहेर्द।

৩। ভরতবধী ফ্রেরা আইন ও বাব স্থার সদ। পরিবর্ত্তন দর্শনি ক,রলা হত বুলি হন। সামান্য লোকে ব্যবস্থার এত শীঘ্র পরিবর্ত্তন ও উহার আবশ্যকতা বুঝিতে পারে না। ভাহারা এই সন্দেহ করে যে, ভালাদিগের আচার বাবহার ७ ४८भंत फेटक्नमकाला करा इहेट छ।

৪ ভারতবর্ষীয়েরা বাকি রাজন্মের নিমিত্ত ভূমিবিক্রা, ঋণের নিমিত্ত করে৷ त्ताथ, इंश्त्राक्रानित्भत कत्रद्धह्नथानां, और नाकमिश्राक वाजिनात्वत म ७ इटेंटन অব্যাহতিদান এবং ভাঁহাদিগের নিভা কাৰ্য্যে নিভা হস্তক্ষেপ এগুলি ভান वारमञ ना। विरम्भकः लाकमार्था कदा এবং স্বাস্থ্যসংক্রাস্ত বন্দোবস্তৈর নিমিন্ত উৎকোচপ্রাহী গৈর্বিত দেশীর কল্মচারীরা य डे.इ: फिरशद नि टि प्रर्वतः शमन शमन করেন, সেটি ভঁ.হাদিগের ভাল লাগে না

৫ প্রজার বিরাগ জ্মিবার অপর কারণ এই সাক্ষ্য দিবার মিমিজ ভাঁহা, দ থোর দূরত্ব পুরু হইতে ত হাদিগকে সর্বাদ। আহ্বান করা হয়, এতদর্থ তাঁহাদিগের যথোচিত ক্ষতিপুরণ হরনা; প্রভাত অনেক বিলয় হয়!

৬। ব্রংক্ষান্তরাদি গ্রহণ করাতে প্রক্রারণ অভিশয় বিরক্ত হইয়াছেন। দত্ত সামান্য বস্তুরও হুক্ম ও দৃঢ় অনুসন্ধান করা হয় এবং ভাহা তাঁহাদিগের হস্তপ র ভ্রম্ভ চইয়া যাইবে, এটি এক প্রকার

१। প্রকারা দেশীয় সর্দার ও রাজগণের ক্বত কাঁক জমক ও দত্ত পুরকার
ভাল বাসেন। ব্রিটিশ গবর্ণমেণ্টে উলার
কিছুই নাই। প্রভাত ব্রিটিশগবর্ণমেণ্ট পুরকারদানে অনুৎসাহ দেন। যে পুর কার দেওয়া হয়, ভাহা অভি অংপমাত্র ও অতি কঠে দেওয়া হয়।

৮। যথন অন্য রাজ্য অধিকার করিয়া
লওয়া হয়, পদস্থ ব্যক্তিদিগকে কর্মচুত
করা হইরা থাকে। অভিজাতদল সমুন
ও লাভকর পদ প্রাপ্ত হন না। দেশের
প্রাচীন ও সমুদ্র ব্যক্তিরা দরিদ্র হইয়া
পড়েন। সৎকুলজাত যুবা ব্যক্তিরা
সম্মুখে কোন লোভনীয় পদ দেখিতে
পান না; লিটিশ কর্মচারীরা প্রায় ভাষাদিগের ছংখে ছুখপ্রকাশ অথবা ভাষাদিগের বিষয়ে বিবেচনা করেন না; ইহাতে
ভাহারা আভান্তিক ছংখিত হইয়াধাকেন।

৯। প্রজার সহিত রাজপুরুষদি-গের সমত্থেপুথবেদিত। নাই। গবর্ণমে উও প্রজাদিগের বৃদ্ধি বিব্লেচনাও রুচির অনুরূপ নতে।

সর রবার্ট মন্টগমরি এই রূপে অন্দ্রির হার কারণ গণনা করিয়া ভারতব্যীর গবর্ণমেন্টকে প্রজাপ্রিয় করিবার যে যে সদুপায় নিদ্দেশ করিয়াছেন, সেগুলিও ভালার বহুদর্শিঙা, প্রজাভিতিয়িতা ও মহানুভাগ্রার পরিচয়প্রদান করিতেছে। সেগুলি এই —

১। বেদকল রাজকর্মচারী নিয়োজিত আছেন, তাঁহারা অপপদংখ্য ও
নানাস্থানে ছড়াইয়া আছেন, তাঁহারা
অভিজ্ঞ নহেন। তাঁহাদিগের ক্ষেলে যে
কার্য,ভার নিকেণ করা হইয়াছে, তাহাতে
তাঁহারা দিবা রাজির মধ্যে অবদর পান
না; স্তর্গং, লোকের সহিত মিদিয়া
যে তাঁহাদিগের বিশাদভাজন হন এবং
ভাঁহাদিগের কুদংক্ষার দূর করিয়া যে

ত্রিটিশ গবর্ণমেন্টের সং ও উদার উদ্দেশ্য তাঁহাদিগের গোচর করেন এবং তাঁহা দিগের মনের ভাব অবগত হন, কর্মচারী দিগের এরপ অবকাশ নাই। কর্মচা-রীরা বে ঐ কাজগুলি করেন, ইহাই সর মন্ট্রগমরির উদ্দেশ্য। তিনি বলেন, রাজপুরুষেরা যদি প্রজার হৃংখে হুঃখ ও প্রজার সুখে সুখিতা প্রদর্শন করেন, ভাহাতে উৎকৃষ্ট ফললাভ হয়।

২। প্রজাদিগকে বহুলপরিমাণে রাজকার্যো নিয়োজিত করা কর্ত্তবা।

ত। এক এক প্রাদেশে এক এক ব্যব

ছাপক সভা করিয়া তত্রত্য লোকদিগকে

তাহাতে লইয়া ব্যবস্থাপ্রমন করা

কর্ত্রিয়। এখন ব্যবস্থাপক সভায় এদেশীয়দিগের গ্রহণের যে নিয়ম আছে

তদ্ধারা সর মন্ট্রমারির অভী্টসিদ্ধি হই

তেছে না।

৪। এদেশীয়দিগকে যদি শাসন কাথ্যের অংশগ্রহণে অসুমতি দেওয়া না হয়, এদেশীয়দিগকে যে বিদ্যাশিক্ষা দেওয়া ছইতেছে, ভাছার ফলোপধায়ি-ভাব সম্ভাবনা নাই।

ে । ত্রিটিশ শাসন প্রণালীর যে বে অংশ প্রজাদিপের মনের মত নয় দে গুলিকে তাহাদিপের মনের মত করিবার সর্কতোভাবে চেক্টা পাওয়া করিবা এবং এই চেক্টা করা উচিত বে প্রজারা ছানীয় অফিসরদিপের প্রতি অসুরক্ত হয় এবং প্রজার উম্বতির বাদনা পথে যে বাধা আছে, তাহা দূর করিয়া তাহাদিপের দিবিল ও নিলিটরি পদে প্রকেশপথ স্থাম করিয়া দেওয়া হয়। যেদকল ইংরাজ উচ্চ পদে অধিরাচ আছেন, তাঁহা দপের ক্ষমতাও মান সম্মানের হুাস করিয়া দিবার চেক্টা পাইলে বে এ অভাকীদিদ্ধি হইবে, তাহা সন্তা-বিত নহে। এদেশীয়দিপের মধ্যে ঘাঁহারা

ক্ষনতাৰ সাত্র, তাহাদিগকে উচ প্রস্থ করিয়া দিয়া এ অভীষ্ট সাধন কুরিবার চেটা পাওয়াই উচিত।

আমরা শুনিয়া ছংখিত হইলান, জাডে ন কিনর কোম্পানির হাউদের মুচ্ছুদ্দি বারু ঈশানচক্র বস্থ হাড়োগে দেহভাগ করিয়াছেন। শুনা গেল, তিনি মৃত্যুকালে নিজ বাদগ্রামে একটা বিদ্যালয় ও একটা চিকিৎসালয় এবং একটা পাকা রাস্তা করিবার কথা উইলে লিখিয়া গিয়াছেন।

## নৃতন পুস্তক।

-----

১। তামাদি আইন, এথানি প্রীযুক্ত বারু জৈলোকানাথ নিত্রকর্ত্ব সকলেত হইয়াছে। ইহাতে ১৮৫৯ সালের ১৪ আইন এবং তৎসংক্রান্ত বর্তমান সাল্ল পর্যান্ত উল্প আইনের উপর হাইকোর্টের যে সকল নজীর হইয়াছে তৎসমুদায় সংগৃহীত হইয়াছে। এই পুস্তক্রারা ব্যব হারাজীব ও মকদ্দ্যাকারীদিপের উপ্রকালাভের বিশেব সন্তাবনা।

২। অপরোক্ষাসভুতি। মহামহোপাধার শঙ্কাচার্য্য ইহার প্রনেতা।
অধুনা এই পুস্তক শ্রীকেদারেশর বন্দ্যোপাধারকর্ত্ব পদ্যে অসুবাদিত হইয়া
মূলের সহিত মুদ্রিত হইয়াছে। অসুবাদ
মন্দ হয় নাই।

৩। ব্রত্মালা। এখানি ঐযুক্ত নক্ষরুমার কবিংত্বকর্তৃক সংগৃহীত হইয়াছে। ইহাতে শাজোলিখিত ও জীপংস্পরা প্রচলিত বহুতর ত্রতেব অসুষ্ঠান ও কথা এবং ব্রতপ্রতিষ্ঠাবিধি সংগৃহীত হইয়াছে। ইহাছারা দশ-কর্ম ব্যবসায়ী যজ্মানোপজীবী দুগের স্বিশেষ উপকারলাভের সম্ভাবনা।

general and a ১ লামে অবধি ভবানীপুর সাপ্তাহিক **म**श्वानगन्न इंटेर्ड প্ৰকাশিত হইতে ভারত হইয়াছে। প্রতি সপ্তাহে ইহার এক এক খণ্ড প্রচারিত হইবে। আমরা ইচার প্রথম থও প্রাপ্ত হইয়াছি। এই थर्७ ভূমিকা, रक्रमभीत श्रीकांजिङ জনগণের পেন্সন ফণ্ড, বিবাহ ভাঙ্গের আইন ও আদালতের আবেশ্যকতা এবং । मन्द्रामि निथित इहेशाएए। अथानिएड সম্পাদকের নাম নাই: কিন্তু ইহার लियंग उन्नी बाता हैश (य এ मिनी व य जी য়ান কর্ত্তক প্রচারিত ভাছা স্পাঠ বোধ इडेट डएड ।

## विविधमश्वाम।

১ ७ हे देवनाथ (मामवात ।

২৪ এ এপ্রেল অব্ধি সিটনকার সাহেব প্রধা মতম বিচারালয়ের বিচারপতিব পদ ত্যাগ করিয়াছেন। গুনা যাইডেছে, ডিনি ভারতব মীর গ্রথমেন্টের প্ররাফ্রাকভাগের সেক্তে होति इहेरवन। নীলদপ্ৰহাটত গোল্যোগ নিবল্পন লাভ কানিং আজ্ঞা দিয়াভিলেন, সিটন কার সাহেব আর কথন সেক্টোরের পদ পাই বেন না। অত এব এ জনরব অমূলক বোধ ষ্টভেছে। মিঞিন সাহেব ভারতব্রীয় ব্যব-স্থাপক সভার সভার প্রভাবে প্রভাবের ।

ষ্টেট্যেট্রেটারির অন্তম্ভি অন্তসারে গবর্গ (स्रमद्रम काळा प्रियुष्ट्रम, (स्राक्रम काफिन्न অপিনাদিগের দোষনিবন্ধন পদচ্যত হইবেন বা সাম রক বিচারালয়ে দ্রাগ্রমান হইতে অনিক্ষ খইসা পদত্যাগ করিবেন, ভাঁহারা অত্যন্ত দৈনং দশাক্রান্ত হইলে ভাঁহাদিগের স্থিত ভাঁহাদি গের পরিবারগণও ইংলতে যাইবার নিমিত পাথের প্রাপ্ত হইবেম। ভারতবর্ণের সমুদার। वाङ्य देमिकिमिश्राक वःहेन कविया निर्वाहे ऍर्याफ इ तेश्वा यात्रा

গাট শ্নিবারের ইংলিগ্যানে জনরবমূলক এই সংবাদ প্রকাশত হুইয়াছে, যে আজেমখা সংখ্যতি হটী যুদ্ধে পরাজিত হওয়াতে রুশীয় मनाल विव निकार এই बेलिया नाहांगा हाहिया ছিলেন, বর্থন পারস্যাধিপতি সিয়ার্জালি খাকে मृत्याकः निरुट एकन, उथन जिनि तमीशनिरशत

य भागनानशास्त्र উख्य गुकार्थी प्रत्नत महिछ म प्रवेत के तर्ज एक जा शास्त्र माने माने । कि কাবুলে রুশীয় বৈদ্যাগণ প্রবেশ কার্ত্রেও ব্রিটিশ गवर्गमारे किष्ट्र वालादन ना , अप्री ভालकारभ আনিবার পূর্মে ভাগারা কোন অবলম্বন করিতে পারিতেছে না ৷

**এমন জনতাতি, পঞাবের লেপ্টনা ট** গবর্গর नद (ए:नानफ माक्लिय़ भी फ़ान्यक्रन भव ভাগে কার্বেন।

বেছে ইয়ের কভকগুলি লোকের অসুরোদে व्याभागी (मरलेखेस मार्गामम कार्यके (इ.स. १.न-আগমন করিবার কথা ৰ্মার ভারতবর্ষে स्टेट्डिह। (वाषाहेटस्त खीनमाल विकास्तरस উন্নভিসাধন ভাঁহার আগমনের কারণ।

ডিসরেলি সাহেব যে দিন প্রথম মহাস ্ভায় প্রবেশ করিয়া বক্তা করেন, সে দিবস ভাঁহার ল্লা হাউন অব কমলে উপস্থিত ছিলেন। ঐ দিবস ভাঁহার বক্তৃতা কোন কাজের হয় নাই, প্রবুং৬ উাহাকে পাক্সতেও অপমানিত হইতে হয়। ইহাতে বিবে ডিসরেলি এত ছঃ।খত হন যে তান প্রতিজ্ঞা কর্যাছিলেন, ঘত দিন তাহার স্বামী ইংলাণ্ডের প্রধান মন্ত্রা না হইতেছেন, ওডাদন ডিনি আর মাসভাগতে श्चर्यन कर्त्रियन ना । अक्ररन छ।शत्र अहे हेन्छ। স্ফল হইয়াছে ৷ যে দিব্দ ডিসবেলি সাহেব প্রধান মন্ত্রী ংইয়া প্রথমতঃ হাউদ অব কমদে প্রবেশ কবেন, বিবি ডিসরেলি এত কালের পর সেই দিন হাউস অব কমসে উপস্থিত रहेशा है लिन

হুব্রুবার জাটিসনিগের যে সভা হয়, ভারতে डाकत (मो १६ म्लाडी जिवादन विनिदादहन, क्लार्क गार्ट्रवत (फुर्व क्विंग क्विश्व क्वात्रवाज इडेशाएक। इडाएक भात होका काब कता छिहिन কি না, ভিনি ভাছা বিবেচনা করেবেন বলিয়া वाशाख्यः देश वक्ष कतिएक विवासन। इश সাছেব এখনও প্রত্যাশা করিতেছেন, স্লার্ক नार्ट्य এ ভাগমন করিয়া चौरा कार्या मण्यूनी

পিছুনিয়ার বলেন, একলন জার্মনীয় ভাষণ काती (निरात्वत्र निकरे এक विस्तृष्ठ वर्श्वन व्यविकृष्ठ कतियादहर । जे थादछ कालिकाः वया ও অক্টেলিয়া অপেকা অধিক সর্গপাওয়া যাইবে। এস্থানটা স্বাস্থ্যকর, অভএবাধননকারীরা अवात क्रमाञ्चारम बामाकतिएक भारतमा

**উक्त भज जावर रामन, व्याक्तिवर्ध**व

৪। সাপ্তাহিক সংবাদ। এখানি দিকটে আশ্রম প্রাথন। করিতে পারেন। রুশীয়গ্রাণ এক স্থানে কডকওলি ঠক কয়েক ব্যক্তিকে বিষ दाता करहाज्य कदिया जाहां किरात खरा कि का হরণ করিয়া 🖟 ল । উহারা সম্প্রতি কাসীতে थु छ इहेब्राट्छ। ठेटकता ज्वांछ निटर्कान, कलि-কাভায় আসিয়াখুন করিয়া চুর করিলেই ভ অব্যাহ ও পাইত।

> বাবু প্রারীচাদ মিত্র পশুদিগের প্রতি নিপুরভা নিবারণার্থ বাবস্থাপক সভায় এক विम कार्राव क विद्यारक्रम। अके विद्या शक्तरक উত্তম বাদা দিয়া মধ্বিধ পরিজ্ঞান না করাইলে भालक. जित्राय मध्य इडेवात अखाव इडेवात ।

গত বৃহস্পতিবার মেডিকাল কালেভেব প্রীকোত্তীর্থ ছাত্রদিগকে পুরস্কার ও প্রশংসাপত্র প্রদানের সময় অধ্যক্ষ ডাওচর চিবাস আপেক করিয়াছেন, অনেক ছাত্র ইংরাজী ভাষায় অনভিজ্ঞ। তিনি কেবল ৰাবু কানাইলালদের প্রশংসা করিয়াছেন । ডাক্তর চিব্দের এ आरक्ष अध्यक भर्ह।

ভযুতবাজার পত্রিকার একজনপত্র (श्रुकं व्रात्मन, " खांचामिर्द्रात नामाना (वार्य. এইমাত্র সিদ্ধান্ত হইতে পারে, যে হাজত আব কিছু নয়, কেবল একটা ঘর, যেখানে অভিযুক্ত ব্যক্তিদিগকে ভাহাদিশের অপরাধের সপ্রমাণ হওয়ানা হওয়া পর্যান্ত এক প্রকার আবদ করিয়া রাখা হয়, বে অপরাধ সপ্রমাণিত হইয়া দ্ও'জ্ঞার সময় ভাছারা পলায়ন করিয়া আলা লতকে বিরক্ত না কবে। যদি এই হাজতের প্রকৃত অর্থ হয় তাহা চইলে হাজতে আবদ্ধ व (कि मिश्रक कष्टे मिबाब कात्र कि? जाहा. खाद्यक्तितात कर्ष्ट्रेत विभग्न मत्न छैनग्र इहेरल भाषां नवर क्रमयुख (वांध इस विमीर्न इहेस्रा यास। কিন্তু আবার এত কষ্ট পোড়া বাঙ্গালীদিনের भएकहे **रहा, (चाउ)क शुक्तसमिर्**शन भएक (मज़्री দৃষ্ট হয় না। যদি কোন বাজালী হাজতে আবন্ধ হুইলেন, তাছা হুইলে উাহার পরিবারের মধ্যে आय नमानिक्नन উटिंग, कावन मामानिकात विश्व'न आहर, इक्टल करमा व्यवस्थ इहेरल अ অধিক কষ্ট ৷ কিন্ত কোন ধেতাক পুরুষ অতি ঘোরতর মহা পাপে বেষ্টিত ইট্রা অভিযক্ত হইলেও ভাহার হাজতের পদ্ধতি ভিন্ন প্রকার। <sup>স</sup> २० এ रेरमाथ अञ्चलाताता

আমরা হিস্তুপেটি য়টে দর্শন করিলাম, গত

म्बितात अधान्छम निर्मितालस्यत आभील विका भित्र देकी नजन व्यामान एउत शुक्र काम रत्न अक मुख्य करत्न । सिहेन मारहर भव अक अवाक ताव নকে প্র লিখিয়া যে বলিয়াছিলেন, ভারত वर्षोत्रतन के मील करनक। व ाद छेत्र किशक कि কতর ভদ্র মনে করিয়া মকদ্মা দিতে ভাল वार्त्रमे छाहात श्राष्ट्रवाम कतियात निमिष्ठ अहे

সভা হয়। বাবু কুঞ্কিশোর ঘোষ অংধ।কডা काद्रमः। सिर्देन जारश्यतः अप्ति व जगः छाश লানীইঠার নিমিত উকীলগণ কাঁইটিক এক পত্র লিখিবেন। ভাঙাতে মেইন সাংগ্রের কি মত পরি । व ६३८व १ साहिष्टे अमगरण लाएक (को ज দারি মকদন্মা দিতে চাৎেন ভাহার প্রকুত कात्र अहे था, वातिष्टे भन मनप्रालत विज्ञात পতিনিগকে প্রকৃতিয়া কাজা করেন। (यथारन भगवात काहेन भहेशा सुका काहेन ७ व(तश বের তর্ক হয় দেখানে লেকে উনীলগণের হস্তেই अकल्प्या (भन । (महेन मारहतरक अ ही न्न्यूरे बना कर्खना ।

**मिन्नी (भएक) विकास का का का का कि शा**त আলির হন্তগত ১৫য়াতে আজিম খাঁ অভিশয় ছঃখিত হুইয়ার্ডন। গাঁচার বৈন্যাপ পরাজ্ঞরে প্র সিয়াব আলিব দলে মিলিড হইয়াছে। এक (न आ जिस भारत देगमा वा अर्थ कि इसे मारे। (व (काम हिलाए) ध्रद्रे अक होका कर्क कतिवात নিমিত ডিনি অভিশয় ব্যস্ত আছেন ৷ সিয়াব আলির প্র জারুব খ। কার্ল আক্রণাথ অত্য স্পু কুইডেডেন । আফ্রাম্মিরের এই গৃত্যদ্ধ Бक्षत्रम च कतिरा≅र ह।

উক্ত পত্র আরও বলেন, ফিরোজ সাহ সোয়াড কটাত দুরীভূত ক্টয়া ব্নবিদিগের निकडे वात्र क तरस्ट इन । कारबनात्र निकर्डे स्य मकल हिन्दु छ भी बाम करियाटक छाहादा छाहात भागाया क निर्मात का का का निर्माण के क र्डें अपूर्त (रेलवी अ भीमात निकार बार्डन।। ভারত্বর হুইটে ইম্পিগের সংহার্থা টাক-প্রেবিভ হয় । আমরণ পুন*ৰ*ার বলিছেছি अडे मकल (लाकरक कमा कहा शवगरगर-छेद যথাপ রাজনীতি। ইহাতে উহোদিলের সন্ত্র ((शक्तिक) कमित्व घोशांता अ कथा वरलम ভাহার। নিরেরাপ।

मक्षमाहे उर्जन, मध्यिति जारहारत १० नक টাকার (म.ট প্রেবিড হইডেডে এবং পঞ্চাবের সীমাপ্তিত দেনাদলের কোন আফিদর বিলায়পান नाहे। इहाराज गुरक्षत लक्ष्म क्षकान पाहेर हरहा। शवर्गमान करात वाङ्गिष्टि भिन्न मानन करि (यम अवर यम भारतम छ किर्ताक भारतक ্ ধরিবার চেষ্ঠা পাইবেন বোধ হইতেছে।

প্रविष्क अभिनियन यर्गनन, जामिन थी। আমির সিঘার লালীর আত্মীয়দিগকে কারারজ कदाएक कांबुर्लित (लारकता विरम्नाधी श्रेशार्छ। দোভমহমদের অন্যতর পিত্রি আবছলা এই সকল নিষ্ঠুর কার্যা দর্শন কবিয়া পেদোয়ারে করিবার কথা হইত। পলায়ন করিয়াছেন।

উक शत वरनन, निम्नात श्रुनिय अक अन ক্ৰিমকে ধৃত ক্ৰিয়াছেন। এই ৰংজির আকু তি ও কথায় ইহাকে প্রধানবংশীয় বলিয়া (वाय रहा। श्रुलिय भरमाइ करतम, इस मिलीत এकछन विद्याशै तालकुमात्। एकित यत्नन, फिनि करवादाव दाकवरनीय महन्यम जामीव পুত माक्व्यामोगा। विद्याद्य भगत्। जिल्ल কোন দেখি কলেন নাই, তথাপি পাছে সন্দেহ क्राम केशिक मध (मध्या इस धहे छत्र छिनि ছম্মণেৰে জমণ করিতেছেন। এ ন্য'ক্ত বাস্তবিক কে ভাহার অপ্রকান হইতেছে। এখনও অনেক मञ्जाङ राष्ट्रि अक्षकात मग्रामीत (राम राम বনে পর্কতে পর্যতে জমণ করেন, ইহা অভিশয় আংকেপের বিষয়।

উক্ত পত্র জন আংডিডে প্রবণ করিয়াছেন, कान्धीरतत विकृत्ध मध्यामभद्रज अत्मक विषय লিখিত চওয়াতে ইংলণ্ডীয় গ্ৰামেট উক্ত রাজেরে সাশনপ্রশালীর অসুসন্ধানার্থ এক কমিসন নিযুক্ত করিয়াছেন। গভা হইলে এটা অভি ফুখের সংবাদ সম্ভেষ্নাই। রাজ। আত্ম ममर्थन किटए उन्हें करतन ना, ख्यांश महानाई गहात विकास भारताम आहेरम। इहात अवजी मौमाल्या कवा कर्डवः। এই मक्त्र वत्नात छई কুমারের কার্যের অন্তুপকান করাও অপ্রশ্বে

#### ১৮ हे देवनाथ बुधवात ।

ভাক্ষরসমুক্তে ডিডেইর জেনরল আঞা मियार्डिंग, (युग्कल जान मिया (त्ल ७ (यु ারয়াছে ভত্তি ডাক্ঘর্ষমূহ যভেদ্র সভ্ব রেলভয়ের নিকটে অংনয়ন কবিতে হইয়ে। এই রাপ ধন্দোবস্ত করিলে অনেক উপকার হইরে।

পিয়ুনিয়ুর বলেন, সম্প্রতি মধ্য ভারতবংগক হস্ত্রগতি মাউনগ্রে কানপুরের এক জন বাহ্য ণের মৃত্যু হয়। তাহার জীর নিকটে তথীয় বস্ত্র গুলি প্রেরণ করাতে তিনি স্কেন্পুর্মিকই ছেউক অ'র আত্মীরনিগের উত্তেজনাতেই ইউক সহ্যুত' हन । व्हापिन देहात छि. पांच इट्टेंग्लाहिल । श्रालिय ख कामधुरतव साहेले मासिएएँ अहे मरवाम भाहेग्रा किङ्ग बत्तम माद्ये विलाग । छेएउत्परिकाकात्मतः गवर्गमन्त्रे काइन्हे माक्रिएकेट्टेंब छेल्राब अस्तिन्य অস্ত্রোরপ্রকাশ করিয়াছেন : ঐ কার্য্যেব উদ্যোগীদিগের ১৭ জন কারারজ আছে। কানপুরের জাই ট মাজিটেট জানিয়া শুনিয়া यथकात कर्खना कर्मा करतन माहे. त्वान এछ टममीय तांका के ऋण कतित्व डें।शांक श्रमहाड

ও বেকেটারিগণ সিমলায় গমন করিলে তাঁহ দিগের ভাতা এহন করা অনুচত । যে স্থান অভিরিক্ত কষ্টও অস্থাবিধা হয় সেই সুংলই ভাত। দেওয়া উচিত। অনেকে বিদায় লইয়া অধৈক বেত্তনে ও গিমলাতে এীম্মকালে অভিবাহিত করং হ্রতথের বিষয় জ্ঞান করেন। অভএব গবর্গর জেন রল্ভ সেকেটারিগণ সম্পূর্ণ বেতন পাইলেই भर्षाख १३म । (कतानीशर्वत्र ख्रञ्जित्र। হয় , ভাঁহারা কভৌত আর কেহই ভাতা পাই-বার উপযুক্ত নছেন।

উক্ত পত্ৰ জনবুৰে তাবণ করিয়াকেন, বোধাই য়ের বন্দরের উন্নতির নিমিত্ত ষ্টেটদেকেটারি এক কোটি টাক। বায় করিবার আজ্ঞা দিয়া-ছেন। তদ্ধারা ডক ও কভকগুলি জেটি ১ জভ হইবে। বড় বড় জাহাজ হইতে এক কালে ভীবে प्रवासाम यात्र अधकात वरमाव । इहेरकर । इंश करा व्यवना कर्छरा।

প্রবলিক ওপিনিয়ন অবণ করিয়াছেন, ভারত ব্যার গ্রাণ্ডের স্বরাউবিভাগের সেকেটারি ই. সি, বেলি সাহেব পর: ক্রিকিভাগের ভাব लाइत्वन ;

নহংমের নিমিত্ত প্রধানতম বিচারালয়ের আপীল বিভাগ আগামী কল অবনি ৪ ঠা মে পর্যান্ত যদ থাকিবে। নিমুক্তর দেওয়ানী আদা लंडमपुर श्रास रहेएक वक्ष रहेशाहर । आमता এই প্রভেদ ও বিশৃথালার কারণ বুঝিতে পাবি না। দেওয়ানী আদালতসকল এক দিনে বন্ধ করিয়া এক দিনেই খোলা উচিত।

লক্ষ্যে টাইম্স বলেন, ৯১ গণিত হাইলগুর मिर्तित खनाक कर्नन वस्त्राम नस्क्रीरयत विस्तार কালীন অবস্থাৰ সহিত বৰ্ছনান অবস্থার তুলনা করিতে অভিলাধী হইয়া তত্রতা যমুনা মসিদের **४ ड्राय्य डिटिंटल हाटक्या मित्रिटलय पारत्या कार्या** ।भर्यम कहाराज कर्नम डीहारक श्रहांत करत्न। इश्टल मात्रभा ७ करशक अन शैविम खाँहारक প্রহার করিয়াছেন। এবিষয়ের নিমিত্ত নালীশ इत इत । नियंग्य इक्क छ छात्र्यंत्र लवानी अञ्चादित मात्रभात (य मध इहेरव छान्। नला बाह्या। किन्न शहेमधात कर्नरमत विस्त हवा कहा छेहिल हिल ख, मनिएनत हुछ।त উপরে কোন গৃ ছীয়ান গমন করিলে মুদলমা (मदा छारा अभविज्ञ कान करतनः काकिनत গণের এই সকল সামান্য বুদি নাই কেন?

ज्यमानात (गर्वरणे भरीरकाडीर्व द्वेकीन ख त्माक्तात्रिकात्र नाम श्रकानिक स्हेग्राटार উক্ত পত্র প্রস্তাব করিয়াছেন, গবর্ণর জেনরল । জ প্রারিতে যে পরীক্ষা হয়, তাহাতে চারি জর প্রথম প্রেণিরও ১৮ জন দ্বিতীয় প্রেণির উকীল।

ক্ইয়াছেন : ১৯৭ জন মোক্রারী প্রীক্ষায় উত্তীর্ণ

ক্ইয়াছেন ।

#### sa त देवमाथ वृक्ष्मिकिश्व ।

(मन्द्रेमान्द्रे गवर्गत **डिकीन ও মোজ**ात्रित्रत প্রীক্ষার সূত্র নিয়মাবলী প্রকাশ ক্রিয়াচেন । अवर्गाम हे करशकसम शतीकक मियुक्त कहित्तम । हरीता श्राम श्राप्त कार्ति साम स्थापन (नक्षी ্প্রবিত হইবে। স্থানীয় গরীক্ষকস্বরূপ জজ शास्त्रिएए । अधान मनतः आधीनभाग महाः स १३ ্বন। ইহাঁদিগের হত্তে বাচনিক পরীক্ষার ভার धाकित्व। योगाता इंश्ताकी खात्मम मा, उँ। गता প্রথম তেগীর পরীক্ষা দিতে পারিবেন না। প্রত্যক প্রথম প্রেণর পরীক্ষার্থীকে গড়ে শত कता ७२॥ मरभा। ताबिएउ इहेरत। योहाता কোন বিষয়ে পূর্ণ নয়বের ভৃতীয়াংশ ম রাখিতে পারিবেন, তাহারা উত্তার্ণ হইতে পারিবেন না। বাচনিক পরীক্ষায় উ'হাদিগের अञ्चल ७० मर्या मा थी कटन केंक्कित्तर লিখিত উত্তরগুলি পরীক্ষকদিগের নিকটে প্রেরিত হইবে না। দিঙীয় প্রেণীর পরী ক্ষায় শত করা ৫০ সংখ্যা রাখিতে হইবে বাচনিক পরীক্ষায় ২০ সংখ্যা না থাকিলে ভাঁহাদিনের লিংখত উভরগুলি দর্শন কর चाइरव ना । विखीय (खानत किकीसमन इंश्ताओं) वाझामात (य श्राषात्र इते क. शतीका निष्ठ शांति-বেন। মোজারদিগের পক্ষেও এই নিয়ম কমটি একালভি পরীক্ষার প্রয়োজন কি? যখন विश्वविद्यालास्य बन् बन् शन अथम आर्थन खेकीलाम्द्रगत मताश्च यत्र भाम, खरम छेख्याचित्र পরীকাই বিশ্ববিদ্যালয়ের হস্তে প্রদান কঃ। कर्छवाः :

कारश्चम ब्यात्, जि. व्यात्रस्यतः ভाরতवर्षीय অন্তেলিয়ার ख्यानाड्यार्डन, গ্ৰগ্মে টকে কর্মা ইংলণ্ডের নিউকাদলের উত্তম কর্পার ভুলা। ইহা সংগ্রহ করিতে অল অর্থ ব্যয় হয়। এই কয়লা ভারতবর্ণে আমদানী করা তাঁহার ইচ্ছা। রাণীগঞ্জ মধ্য ভারতবর্ষের করলার ধনি ধথারীতি খনিত ছইলে সমুদায় भृषिवीतक कन्नमा यात्राहरू भारत। अस्मर्म ক্ষেত্ৰ: কাই ছুল্পাপ চ্ৰয়াতে আনেও এত (क्लीम कम्रलाखावा तक्का व्यातक कतिमाट्डन । क मिकाछाव आह्र बाक्छी ह महता है हा वहव-इद्धिकतिशत्का । अभन व्यवस्था विद्रमणीय क्य িলাতে াজ চলিতে না। যাহাতে দেশের ক্ষুলা ভূগৰ্ভ চইতে উথিত হয় সেই চেষ্টা भावरः जनस्मर-हेत कड्ना

্লিত্নত সাহেব দার্জিলিঙের রাম্ভার প্রশংসা করিয়াছেন গ্লিম্ভ ভ্রমণকার্গিণ এই বাস্ভাটাকে ভাভ ভাল বলেন না

লাংগর অপিকেল বলেন, ভাক্তর লিটনার ককালতি পরীক্ষায় উতীর্শ হইয়াতেন, উাহার হ'ড়ে বাভার লাগিয়াছে। শিকাবিভাগ হইতে যিনি প্লায়ন কঞ্জে পারেন ভিনিই সুখী।

ইভিয়ান ডেলিউন বলেন, খিদিরপুরের চাপ লেনের নাগর দেউ আঞ্র চাপলেনের শক-টের বংগ্রেথ নিমিত্ত গ্রন্থর জেনেরল মাদিক ১০০ টাকা অভিরিক্ত দিবার আজ্ঞা করিয়াছেন সর জান লাংকে এই সকল কাজ করিয়া যে কতে জনিষ্টসাধন করিছেচেন ভাহা বল যায়না।

#### ২ - এটবশার ওজিবার।

আনর। অনুতবাজার পাত্রকায় একটী প্রবন্ধ পাঠ করিয়া চমংকৃত হইলান, যে লোকে অদ্যা পাপ্রেড তত্ত্বে উপরে বিশ্বাস ও উহা প্রইয়া আন্দোলন করতেছে। অনুতবাজারে মধ্যে মধ্যে চরুকরিয়' উহ'র আন্দোলন হই তেছে। যে প্রবন্ধানী পাস করিয়া আমর। উহা অবসত হইশাম, পাঠকদিসের গোচরার্থ ভাহন নিয়ে উন্ত করা যাইডেচ।

#### '' अभूत वाङ्गात हुन । अ

িআমরা একন। কয়েক জন অনিক্তি। ত্র লোক লইয়া একটি চক্র করি। কিছু ক্ষণ াৰণ ভাবে উপনিষ্ঠ থাকিয়া ভন্মধন্তে স্তুনোধিক পঞ्छोभ वरतत वसका छारेनक महिला आयोति-কুত হইলেন এবং ভাঁছার হস্ত ও সর্বা শরীর কল্পিত ইইটে লাগিল। ক্রেম মিডিয়ামের इस मध्यालात्मत ज्ञाति म्योहे (वाच इडेट्ड मार्भिन षि जिनि निशिष्ठ हेम्हक हहेग्राष्ट्रन। ७हे धीरमाक्षे राधांत अमार्गन कथन कामि कमम একত্রিত করেন নাই, বিশেষতঃ ইহাঁর বুদ্ধি निভাত पुल हैहैं। कर्फ़ क लाभा इहेरव, हेहा আমরা কোন মতেই মনে ধারণ করিতে পরি-লাম না। কিন্তু পাঠক গণ, অনুভৱ করুন, आभारित मर्गामर्था कड विचार्षत छेन्द्र ह्हेल যুখন স্পত্তীক্ষরে ভিনি ''রাম লোচন ছোড়' নামটী তুন: পুন: ১০ ১২ বার লিখিলেন। আমরা ইহা দেখিয়া চমকিত হইলাম। রামলোচন ঘোষ আমাদের কোন আত্মীয় ব্যক্তি ছিলেন। তদস্তর আমরা এই আত্মাকে ভাঁহার ভাতার নামটি লিখিতে অনুবোধ করিলাম। ভাহাতে মিডি য়াম ''পদ্ম " এবং তার পর কি জম্পট করিয়া निचित्न कारा পড़िष्ठ भारा भिन्न न। हेरा ৈতেও আমরা কম আশুর্যানিত হইরাছিলান নাঃ

কারণ আমরা বাহার বিষয় জিজ্ঞাসা ক রলাম তাহার নম 'পজ্লোচন। ৯

অমৃত বাজার পাত্রকা বলেন, ৈছিলা বশোহরের অন্তঃপাতী চোমপাড়া পলীতে এক ফকির আসিরা উপত্বিত ১ইরাছেন। ইনি বস্তুপাত্রান নামে অভিহিত। ইপি বাশ ও যথা প্রস্তুতি চরারোগ, ব্যাপ সকল হাহার আয়াস সাধ্য বলিয়া প্রচার করায় নানা খান হর্তাত শত শত পীড়িত ব্যক্ত আসিরা উপত্বিত হই জেছে। তিনি তাহাদিগকে নামা হলত করজ ও বিশুনাত্র সৃতিকা প্রদান করিতেরেন, ব্যাধিত দিশের অনেকেরই নাকি পীড়া উপ্লম হই য়া হে

উক্ত পত্রে যশোহর হইতে এক ব্যক্তি লিখি য়াছেনঃ-

'' যশোহরের উত্তর নওয়া পাড়া এ'নে প্রায় ৫ ৬ রাজ হইল, রাজ যোগে নিজিত বংজি দিগকে কিলে দ্রাঘাত করিতেতে। তাহার নজান কেং কিছু করিতে পারিতেতেন না। প্রথমে সকলে জন্মান কার্যাছিলেন যে, এটা শুগাল কর্তৃক সংঘটিত হইতেছে, কিন্তু তাহা হইলে শুগাল দিনে দেখা যাইত।'বোপ কবি এবসয় কর্ত্বপক্ষীয় রাজাপুশ্বদিসের কর্ণগোচ্ব হয় নাই। যে হয় পশ্চাৎ লিখিব।"

উজ্ঞ পত্রে বারাক পুর ২ইতে কোন ভদ্র লোক লিখিয়াছেনঃ-

'' এখানে একটা ছাগলে ছটি মৃত শাবক প্রসব করিয়াতে। তথাগে একটির শরীর, বর্ণ ও নাসি কা মনুষ্টের ন্যায় এবং ত'ছার নাসিকার উপর একটিমাত্র চক্ষু আডে। »

'গত ২০ এ চৈত্র রাত্র হুগলি, চুচুড়া নৈহাটি ও নিকটবর্তী গ্রামে ভারি ঝড় হই গ্রা গিয়াছে। নৈহাটির ঘাটে বে কয়েকখানি নৌক। ছিল, তাহা সমুদ্র জলমগ্ন হইয়াছে। অনেক ঘর দরজাও পাড়য়া গিয়াছে। এই ঝটীকা শত কার্ত্তিক মাসের মহা ঝটি চাবই অনুক্রপ. প্রভেদ এই যে উহা অতি জল্পান্ই ছিল। ৯

#### २) अ टेवमाच मनिवात ।

প্রায়াগ দুত বলেন, জল্প দিন ছইল, বারাগদীর মহারাজার জালুকুলে, তথাকার কাজনাল দিল জলাদন্তান ''বেনরেস একেখানি কিন্দি নাট করে অভিনর করিলছিলেন। বল ছাবিতে প্রায় লগতে ও বিবি এবং প্রায় চারিশত রাজাও মহান্ধন দর্শক উপস্থিত হইয়াছিলেন। এই নাটক্থানি ''বেনরেস কুইল্লালেজের দ্

পণ্ডিত শিবপ্রসাদ তেওরারি রচন। করিয়াছেন। ৩২৮ জনের মতে ও ্ং৭২ জনের আমতে ইং। ইহাতে রামের বিবাহ ও শিবধয়ওঁজের বিষয় লিখিত হইয়াছে। যদিও জ্ঞাভিনেভাগণ উৎকৃষ্টৰূপ অভিনয় কাৰ্য্য সম্পাদন করিতে পারেন নাই, তথাপি দশকগণের যথোচিত প্রশংসা লাভ করিয়াছিলেন। উত্তর পশ্চিমাঞ্চ লের লোকদিনের রুচি যে এতদুর পরি শুদ্ধ হইয়া আসিতেছে, ইংগ অত্যস্ত সুখের বিষয় ৷

''বিগত ৩ রা এপ্রেল দিবসে মধুবা হইতে দিলী ঘাইবার পথে একটী ডাকাইতি হইয়াসি-श्राट्ड, इन्ट्रिन नारम अक व्यक्ति जारात खीत সহিত কালকাদী নংমক একটি স্থানে মেলা मिथिए याहेरजाँइन, कांत्रमानारम्य मिक्र अक স্থানে ১২ জন দম্ভ আগিয়া তাহাদের সঙ্গে যাত্র किছ वर्ष्यूना ख्वाल हिन, मधुनाय काजिया लय, भार मगर्य श्रुलिख्य कर्यक छन हो किन्यू সেইখানে হঠাব আন্সয়। উপাস্থত হওয়াতে भष्टकार प्रवासन करत, कि छ ख्यार्या ३० **छ**न ধুত হইয়াতে এবং অনেক দ্রব্যাদিও পাওয়া शिश्वाद्य । "

#### ----;0;----

## ইউরোপীয় স্মাচার ৷

२ जा अध्यम : जवन्यम हिन्स्यापम थ्या छ বিল হাউস অব কমসে অপন ব্রিয়াছেন। वेश व्यवस् कर्खन्। नरहा

क्षालात्रम रहेएक हिल्लाम आभिशाह है। লীয় মহাসভা শস্প্রভাত ভাজিবার যন্তের सावड कावदा (मनामन ए त्र উপৰে কর उत्तत वात्रभर क्षा क्षितात विधि क्षिराधका

লাক্ষেসিয়ারে কয়লার খাণতে জমায়তব্ স্তি इन्द्रा एक ।

লাহেশের নিক্টবন্ধী প্রেণোবল নগরে জমা-য়তব্তি ২ছয়াছে। ' মানেলৈ কিন " নামক ( विश्व सुहक ) जान जा उम्रा क्रेम्साटङ ।

ধর্মসম্প্রদায়সংক্রাম্ভ আগুরলপ্রের कर्कत (नव इहेब्राट्ड । फिनर्सिन नारहर अक তীর বক্তৃতা করিলে পর সভাদিগের এক এক করিয়া মত লওয় হয়। লাভ স্থানলী এ বিষয়ক তর্ক স্থগিত। করিব'র থে প্রস্তাব করেন **जाहा २१॰ जात्मत्र मर्ट्ड ७ ००० खात्मत्** क्रमाटक क्रावाहाः ब्हेशाटकः

ग्रांडरष्ट्राम नारस्व श्रन्थांव करत्न. आग्नात লাণ্ডের ধর্মসম্প্রদায়সংক্রান্ত যত আইন হই-রাছে, ভাহার বিবেচনার্থ এক কমিটি করা উচিতঃ वारा रहेश्वाटक ।

২৭ এ প্রেল কমিটির অধিবেশন চইলে :

ডিসরেলি সাহেব এই বলিয়া আত্মত 🖯 প্রকাশ করিলেন এ প্রস্তাবের তিনি প্রকাশ্য প্রতিবন্ধকতা করিখেন।

ডিমস ডেল সাংহ্রের গ্রন্থের উত্তর্থরূপ मत्र ष्ट्रीरमार्के नर्थ कांग्रे बनितन, छात्रकत्-ষীয় ফিল্ড আফিসরগণের পদত্যাগ করিবার নিমিত্ত তিনি আর অধিক স্থারিশা প্রদান কর

भाष्टित नगरप्र देननिकिंग्रित भार्तीतिक দণ্ড না হয় এ বিষয়ে ডিউক অব কেমিজ সমতি দিয়াছেন।

ইপ্তার পর্কোপলকে মহাসভা বন্ধ হইয়াছে। স্পষ্ট বিজ্ঞান শিখিবার নিমিত সর উই লিয়ম ভূইট এয়ার্থ ১০০০টোকা করিয়া ৩০টী ছাত্ররাত্ত স্থাপিত করিয়াছেন।

কেমি জ ও অকস ফোডের নৌকার যে বাৎ সরিক বাইচ হয় ভাষাতে অকুস্কোডের अय नांच हहेगाइ।

ত রা এপ্রেলের ওয়শিওটনের টেলিগ্রাফে প্রকাশ করে, সভাপতি জনসনের বিচার জল্পে অলেচলিতেছে।

অভ্যন্তবন্ধ শিল্পজ্যাত বস্তার উপনে ্য কর ছিল আমেরিকার মহাসভা ভাষা উঠ। ইয়া দিয়াছেন।

ত্রেজিলের রণক্ষেত্র হইতে শেষে যে সংবাদ আদিয়াছে, ভাছাতে প্রকাশ করে, বেজীলীয় গণ হামেটার পথ ভেন করিয়া অনুসৰ হই য়াতে । কিন্তু হুর্গটা লইতে পারে নাই। ভাগার। পারাগোয়া রাজধানী হস্তগত করিয়াছে।

ভারতব্যীয়দিগকে শাসনসংক্ষান্ত উচ্চতব প্রস্তানের নিমিত্ত সর স্তাকোড নথ কোট নিয়মবহি এক পত্র প্রকাশ করিয়াছেন ৪ ঠা এপ্রেল : গভ রাজতে হাউন অব । ই ত প্রদেশসমূহে যেনকল পদ এ পর্যান্ত কেবল ইউরোপীয়দিগের প্রাপ: ছিল, ভাষা গুণবিশিষ্ট এডদেশীয়দিগের প্রাণ্য বরুতে मत श्रीएमाफ मर्ग (कांग्रे अवर्गत (अमत्स्वत উপরে সভোষপ্রকাশ করিয়াছেন। কিন্ত তিনি বলিয়াছেন, নিয়মান্তর্গত প্রদেশসমূহে অনেক অচিহ্নিত পদ আছে যাহাতে এ পর্যান্ত (कवल रेडिता भी प्रमिश्व कियुक करा रहे-(उट्डा **७ मकल भट्ट अउटफ्**नी इ भटन इ गर्सा (भक्का अभिक माखदा आहि। এउएमणी द्वे मिरशुद এই স্বাস্তাবিক স্বত্ন ইউরোপীয়গণ

कतिरवन, अभि मत्र ष्ट्रीरमाख नर्थ (कार्षित माज অনায়। উপসংহারকালে সর স্থাফোড নথ কোট আশা প্রকাশ কবিয়াতেন, ক্রিয়াত্ত-গ্র প্রদেশে এতক্ষেশীয়দিগকে উচ্চতর প্র-व्यक्ति कवा इहेट्य ।

৩১ এ জাত্বয়ারি ভারতব্যীয় কৌলিল যে পত্র গ্রাহ্য কবেন, তৎপ্রতি সর আর্ক্সিন, পেরি ও সর বাটল ফি য়ার আপ ত্তি করিয়াছেন।

সর আর্রিক্সন পোরি বলেন গবর্থর জেনর-(लत मड जनम्मुर्व। निष्मयक्षिक अट्रान সমূহ অনেক দুৱে আছে এবং সেনকলেন পভ্তত । ও শাসমপ্রবাধী অনেক নিকৃষ্ট ; অভ এব যেসকল ভারতব্যীয় এসকল স্থানে উচ্চ পদ পাইতে পারেন, ভাঁহারা নিয়মান্তর্গত প্রেদি ভেন্সিতেও উচ পদ পাইবার উপযুক্ত। সর वार्षेल कि सारित ७ এই मछ।

১৬ ই এপ্রেল । ইউবোভারভীয় টেলিগ্রাফ কোম্পানির উদ্যোগপত্র প্রকাশিত ংইয়াছে। এই টেলিপ্রাফ নভর্নীতে রিউটার কোম্পানির টেলি এাফের সহিত সংযুক্ত হইয়া প্রেমিয়া কমিয়া ও পারসা দিয়া এক কালে ভারতবর্ষে ঘাইবে এই প্রস্থার করা হইয়াছে। (काल्या नेत ३५ लक्ष है। का भूनपन हे हैं। इ मह्मा हेश्र अक्षिक गरश्रीक श्हेग्राहा।

প্রিকা অব ওয়েলস ও ভাঁহার জ্ঞী আয়াব লতে উপনীত হইয়াছেন। ভবলিনে ভাঁহাদি-গকে আভিশয় সুমাদরে এইণ করা ইইয়াছে। মজুরগণ কর্মভ্যাগ করাতে বলাগনা ও বার্নি লোনাতে গোলগোগ হইয়াছে।

५१ हे अट्राल । लाफ त्रामन अक खना কীর্গ সভাব অধ্যক্ষতা করেন। ইহাতে তিনি প্রস্থাব করিয়াড়েন, আয়াবলপ্রের ধর্মসম্প্রদা ্যুর সহিত গ্রুপিয়েটের সংস্থাব বন্ধা করিবার নি মন্ত লাডট্টোন সাতেব যে প্রস্তাব করিয়াছেন, ভাষ্ট্র সকলের অন্ত্রোদন করা কর্ত্বা 1

ওয়েষ্ট্রসিথের ডেপটি কালেক্টরকে এক ব্যক্তি গোপনে হত্যা করিয়াছে।

Sh हे अर्थन। (वाथ रुप्र, यन व्यारनक्षा প্রার লাভি এডিনবরার বিশ্ববিদ্যালয়ের অধ্যক इहेंद्रम ।

মাসি সাহেবের ভারতবর্ষীয় আহু ব্যয়ের প্রতি ইংলগ্রীয় লোকে সম্ভোষপ্রকাশ করি

ভারতবর্ণের পত্রপ্রেরণের ডাক্মান্ত্রল देष्टेहे छिन्नान व्यारमाहिंद्र मरनव वृक्षिनश्रका ক্যেকজন প্রতিনিধিকে গ্রহণ করিছে সর ষ্টাফোড মর্থ কোট স্বীকার করিয়াছেন। 👵

## গ্ৰণ মেণ্ট বিজ্ঞাপন (लक्टेरनन्छेशवर्रत त **जारम**नाजुमाती मिट्यांग।

২২ এ এপ্রেল। যত দি**ন জি, এ**দ, দেগান मारहर विभाग **लहेग्न। अञ्चलिङ्क** थाः तर्दन, उक् ারন এল, এচ, টম্সন সাহেব কালকাভার ্চার আদালতেরুপ্রতিনিধি প্রধান ভারা ইইবেন। আর, সি, পেরি সাছের অসপুরের স্ব ্ জিঞ্চার হইবেন।

লেপ্টনাক্ত এম, ও. বট্ছ গৌখাটির স্ব ा कि छोत् इहरवत्।

वावु कुलनामक भूत्थाभाषात्र कांगताभाव এং নি স্দ্র আনীন ইইবেন।

০০ এ এপ্রেল। নিম্লিখিত ভদ্ন লোকেরা কুমিলার মিউনিসিপাল ক্রিমনর হইবেন। এ, ডবলেউ, কটেল স'ছেব , এ, বেডগোড , বাৰ মোহিনীমোহন বন্ধন বি, এল।

ানমূলিখিত ভদ্র লোকেরা মালদতের সাধা লুল বিদ্যাশিকাসভার সভা ইইবেনঃ সেজব এদ. এল, মাইলস্, বাবু অধিকাচংগ্রায় त्हां खबी।

নিম্লিখিত ভদলোকেরা বালেশরের সাধা-হল বিদ্যালক। সভার সভা ইইবেন।

वाव द्रमायनहत्त्व मधन।

ल यष्ट्रमाथ मील।

এস, ভবলিউ গেরাড সাহের।

वायु कानी धनाम मञ्ज ।

গঙ্গার নৌকাবাছনকার্যের ভত্তাবধায়ক টি. এচ, হকলিসাহের পাটনাতে দিতীয় জেনির अधीन माजिएके हिंद कमा अधि भादेशन अध দানাপুর ও জালাধাবাদের মধ্যে ১৮৬৭ অকের বিচার করিতে পারিবেন:

যত দিন জে, এম, সি, লান্মিন সাহেব বিদায় লইয়া অলুপস্থিত থাকিবেন, তত দিন আর লাও জাইউ মা.জটেট ও ডেপুটি কালেটর ইইবেন। সাহের পালামাউত্র প্রতিনিধি সহকারী তুপ-दिर-हे छ**न्हे १३८२न** ।

২৪ এ এপ্রেল: নিমুলিখিড ভার লোকেরা মুক্তেরে সাধারণ বিদ্যাশিকাসভার সভ্য रहेर्वन ।

श्रव, दिशांत म्हरूत।

📜 ৰত দিন কাপ্তেন কিউ, ডি, পানীনুস্

এটে গাড়েন । वर्वद्वाकीमान। শাং। মহামিন আলি। - b>= বিদার লইয়া অনুপস্থিত থাকিবেন, ডভ দিন ्ल व्हें ना रहे . कह, अब, दाबरम, वस्त्र मीय (ता व्हे নাউ গবর্ণরের দীমান্তিত ভারতবর্ষীয় বেইল ওয়ের প্রতিনিধি সহকারী পুলিম ইনম্পেট্র (छनत्रम इहेर्यन।

২৭ এ এপ্রেল। যত দিন কাপ্তেন ভবলিট धम, এल, निर्देश विषास लहेशा कामुनिष्ठि ধাকিবেন ভভদিন আরু, এচ. জি, আর্বিণ সাহের মুচ্চিদারাদের প্রতিনিধি পলিষ স্থপর-इत्हित्छ छ दहरवन।

যভ দিন ভো, এম, ই. গোলভ দ্বরি সাহের বিদায় লইয়া অনুপ্রত থাকিবেন তত দিন ভবলউ, কার্ণ সাংহ্র চম্প্রাণের প্রতি ानिध श्रुलिय ग्रुशतिर हेर छः हे इहेरवन ।

গয়ার আত্র্গত অরাঞ্বাদের সহকারী নাজি ক্ষেট এ ইয়াডলি সাহেব ১৮৬৭ অক্রে২১ আইন অনুসারে কালেউরের ক্ষমতা পাইবেন।

ডবলিউ, এচ, ডিয়ইলি পাহেব ভাগলপু ুরর প্রাক্তনিধি মাজিটেট ও কালেইর হই-

গয়ার তেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি কালেইর মৌলবী হামিছফিন সহম্মন আরাকাবাদের ভার পাইয়া দেসিয়নে সমপ্র করিবার মকদ্দমার প্রধান বিচাব করিতে পারেবেন।

लिल्डेन हे है, हिं. तिलि अर्डेन किছ पिरनत ভান্য লোহারডগার প্রতিনিধ ডেপ্টি কমিদ नद इहेर्नन।

২৮ এ এপ্রেল। যত দিন ভো, এফ, বুম হাড সাহেষ বিদায়াজে প্রভাগমন না করিছে ছেন ডভ দিন মৌলবী হোদেন আলি পাকুডের প্র ভিনিধি সহকারী কমিসনর ছইবেন।

ই.জে, বাটন সাহেব ২৪ প্রগণার প্রকি নিধি জাইট মাজিটেট ও ডেপুটি কালেইর ं इङ्केरवन ।

জে, বঙ্গ ওে.লে সাহেব পুরীর প্রতিনিধি

अक. उर्वल है. वि. शिवेश न जारहत बीह টের প্রতিমিধি জাইট মাজিকেটও ডেপ্টি कारललेब व्हरवम ।

मश्काती शक्षित्रिष्ठे ७ काल्लाहेत है, अह, যাডক সাহেব দ্বারভালা উপাবভাগের ভার পাইরা প্রথম শ্রেনির ক্রাধীন মাজিট্রেটের ক্ষমতা পাইবেন। তিনি আরও প্রধান্তম বিচারালয় ও দেসিয়নে সমর্পণ করিবার মক দ্দদার প্রথম হিচার করিতে পারিবেন।

আমাদিলের কোরহাটীস্থ সংবাদদাতা লিখিয়াছেন।

১। পুলিবের অভ্যাচার। ধনষ্ঠাবুলরি পুলি ষের হাটি হওয়া অবৃধি কত স্থানে যে কত প্রকার भीशाया **रहे**स। भिन्नाट्ड ७ इट्टिट्ड, जाहात देव छ। नाई। व्यामवास श्रीतर्व वाता अडमक লের অনেক অভ্যাচারের বিষয়, সংবাদপত্ত্রে প্রকাশ করিয়াছি , কি ১ আক্ষেপের বিষয় এই ভাষা পত্ৰিকাতে প্ৰকাশিত হট্যা গ্ৰণ্ডেট্ৰ গোচর হইলেও ভাঁছারা ভৎপ্রশানে বিশেষ মনো যোগ করিতেতেন না। করে যে হতভাগা প্রজাগণ এইবকর দৌরাহা ইইতে মুক্তিলাও করিবে বলিতে পারি না। শুনা যাইতেছে, গ্রথ (बन्हें वर्द्धवास असिरियत मर्गामास कतिया जारा কাকুত উভ্যরণ বন্দোবস্ত করিবার মানগ করিয়াছেন। কিন্তু আমরা পূর্বা ক্লেই বলিয়া রাখিতেটি যে, পুরাতন পুলিষের নিয়মাদি সংশোধন করিয়া শেষন ভূতন প্লিয়েব স্ফি কলা হইয়াছে, ভজপ যেন না হয়। সং ন্তুত্র প্রিয়কুত একটি অতথাচারের স্থান দেওয়া যাইটেছে। ৩। ৪ দিন হইল আমানি গোর নিকটন্ত কোন স্থেসনের কয়েক জন কনেই: वल कान कार्यताललएक विकाशवयु अक श्रान বন্দ্রের নিকট দিয়া যাইতেছিল। এমন সময় ভাষাদের সুরাপানের ইক্ষা হওয়াভে ভাষার। ঐ বন্দরে সুরার দোকান অত্যেষণ কবিতে করিতে এক দোকান পাইয়া তথায় উপনীত হয়। উহারা সুরাবিফোতাব নিকট কিছু মদ ক্রয়ের অভিলাষপ্রকাশ করাতে বিজেভা উহাব যথোচিত মূল চায়। ইচাতে তাহার। (কনষ্টা বলগণ) সপ্তই না হইয়া অফুচিত মূল্য ( যাহা (कान मर्ट्हे के मर्पत नाग इंट्रेंट भारता) কহে। ইন্ন শুনিয়া বিক্লেডা কিঞ্চিং ক্রোর পর वभ रहेब्रा खाइ। निगरक (कार्शादल किनरक) একটী करू वाका करहा ज्यस कमश्रीवरम्या ক্রোদে অমি শামার ন্যায় হইয়া উঠিল अवर इंडाडाजा (पाकानपादार १३ विक लक्ष्य) ও পদাঘাতদারা গুরুতর প্রহার ক্রিয়া মন काष्ट्रित्र। लहेरा श्रद्धान कतिल। छनिलाम, माना মদার নাকি ফোজদারিতে অভিযোগ করি-

২। কোরহাটিতে ভাক ঘরের প্রয়োজন। পত्रिकाविद्रमध्पार्क व्यवश्व क्हेंनाम, (य स ন্তলে ইংরেজী বিদ্যালয় স্থাপত আছে, সে**ই** সেই স্থানে সাম'ন্যতঃ এক একটি পে।ষ্ট আফেস স্থাপনের উদ্দেশে পোষ্ট নাষ্টার জেনরল বিদ্যা क्षापनात हेन**्**ल्ल हेत ७ (छपूती हेन**्ल**ल हेत महा শয় দগকে ভাঁহাাদগের ভত্তাবধানাধীন কে:নু

কোন স্থ'নে পোষ্ট আফিস সংস্থাপিত হইতে भारत, रमरे रमरे ज्ञान मरनानी ७ कब्रिक्रा मितरमय 🍟 বিজ্ঞাপন করিতে অনুরোধ করিয়াছেন। আমরা 🦄 এই निभिन्न (পार्ष्ट माङ्काद (स्वनहर्ग भरहानश्रदक সর্বাস্তঃকরণে ধন্যবাদ প্রদান করিতেছি। বস্তুতঃ ভাক ঘরের বাছস: দেশে:ছভির অন্যতম দোপান সক্ষেত্র নাই। আমরা কোরহাটী কি. ভল্লিকটবন্তী কোন স্থানে ভাক ঘর স্থাপনের অ ए। ख श्रास्त्रीय को अन्तर्भन कतिया व्यानक वात পত্রকায় স্থানীয় সম্ভান্ত ব্যক্তি ও গ্রন্মেন্টকে অনুরোধ করিয়াছি 🗦 কিন্তু ছুর্ভাগবেশভঃ ভাজিও আমাদিগো প্রার্থনা কার্য্যে পরিণত रुरेग़। উঠিতেছে ना। याना रुडेक, जामता (१। हे মাষ্টার জেনেরলের সাধু আদেশে আখাসিত হ্ইয়া এখনও আমাদের প্রার্থনা জানাইতেছি। প্রায় ভিন বংসরপ্রভান্ত এ স্থানে একটি ইংরেজী বিদ্য'লয় ও ইহার চতুম্পাশ্বরতী কভিপয় আমে কয়েকটা ৰাঙ্গলা জ্ব প্ৰতিষ্ঠিত আছে। এই সকল স্থানে ভদ্র লোকের বাসও কম নছে। किन्त प्रश्व विषय अहे थि, अहेगकल स्रात्निय পত্র প্রেরণ এবং পত্রিকাও বিদ্যালয়ের বি लानि প্রাপ্তিবিষয়ে আনেক অসুবিধা হইয়া থাকে ৷ সুত্রাং এতন্নিব্যান **অত্রত্য লোক**দি त्तित्र शांत भात्र नाहे व्यनिष्टे इहेटच्ट्रा अक्तरन আমর। নিরতিশয় বিনীওভাবে অমুরোধ ও প্রার্থন। করিতে ছি.ম, এতবিভাগের ইন**ে**শ্টর ও ছেপুরী ইন্যুপ্সতীর মহাশয়দিধের নিকট পোষ্ট ম সার ভোনেরলের ঘোষণাপত্র উপাস্থত হটলে ভাহার, বেন এ স্থানের প্রতি অনুকূল দৃষ্টি পাত করিয়া এখানে একটা পোটামালিন স্থাপন लना मन्तरियाली इस ।

व्यामानित्यत स्मिनी शूत व्याप े मांडा लिथिदार्हन।

এখানে একটা সুৱাপাননিবারিনী সভা আছে প্রতিমানে এক বার ইহার কার্য্য হইয়া পাকে : গত বারে আফ্রি দশকরণে সভাত্ব হই-ম্লাঙিলান সেন্দ্র সংগ্যা অভি তল্প এবং रुवारमा डिक पमञ्च ( अस्टापनी । ) लाक लाह नाहै। दोक्रकार्यानेभलरक अर्थात व्यक्तिकश्रीत ভদ্র লোক বাদ কবেন > কিন্তু আন্ক্রেপর বিষয় अहे (य कॅशिशिम्टलत गरन; क्यिकाश्रमत्हे अ উন্নতিসাধনবিষ**ন্নে উ**দাসীন্য দেখা সভার যায় !

অত্ত বাকাদমাজ ভূতপূর্ণ হেড্মাটর : জীযুক্ত বাবু রাজনারায়ণ বহু মহাশ্যের বিরচে গবর্ণমেন্টের অভিপ্রায়ান্ত্রারে বাণ কুঁড়া নিবিশ্ব কোথায় ভাহা কেইছ জানিতে পারে নাই।

है। है माजिएके श्रीमुक्त करून सारहत भट्डा जीव माहे। महरतत मर्ट्डा कार्यन कार्यन দর সপ্রতি এই সভার আদিতেছেন। ইন চিহ্নিত সভা নহেন; দর্শকণাতা ইহার মন উচ্চ এবং চরিত্র অভি পবিত্র বলিয়া বোধ हरा वीकालिमिश्रदक श्वना कवा है श्वाकिमिश्रव যে একটা জাভীয় সভাব, এই মহাত্মাতে তাহা লক্ষিত হয় না। ইনি অভি অল দিন হইল। এখানে তালিয়াছেন

অত্রন্ত্য গ্রন্মেণ্ট ইংবাজী বিদ্য'লয়ে অতি अझकानमर्था वाद्यात निकटकत् (म:श्रेटवर्त) পরিবর্তন হটয়া গিয়াছে। সুক্তন সূজন শিক্ষকের আগমন, বোধ হয় বালক্তিরে পক্তে শুভ জনক নহে। বৰ্ত্তমান প্ৰথম দ্বিতীন্ন এবং চতুৰ্থ শিক্ষক বাবু সঞ্চাধর আচার্য্য, বাবু করিবলভ মৈত্র এবং বাবু অভয়চরণ বহুৎ অভি অল काल ब्हेल अथारम कानिहार्फ्रम । वालकिन्द्रभव শিক্ষাদানবিষয়ে ইহঁ:দিনেগর যেরপে যত্র ও পরি আন দেখা ঘাইতেছে, ভাহাতে সহসা ইহারা इमाखित्रिक इहेरल व्यवसाई वालक्षित्ररक ক্ষতিগ্ৰস্ত হইতে হইবে, ভাহাতে অণুমাত্ৰ সন্দেহ नारे। जामता शुनिया आस्तानिक इहेलाम य षञ्जाल हैनरूश छैत जी पुष्क गाँउ नि नारहर गरहा-দয় স্থল ফণ্ডের উব্ত সাতশভাগিকটাবা শিক্ষক ও পত্তিত মহাশয়টো নকে পারিতোষিক ব্রুপ বিভর্ণ করিয়াছেন। এইরূপে সম্য়ে শময়ে দকল বিভাগীয় স্লের মাষ্টাবও পণ্ডিতদিলের উৎসাহ্বদ্ধন করা কর্তুপক্ষের অবশ্য কর্ত্তব্য সন্দেহ নাই।

**अञ्चल मर्त्रा मर्त्रा वृध्धि वहर्द्वरहर** याय ना । भवारक ५०० (७५) लवास्ट পারা উঠিতেছে। সম্রতি এখানে ওলা উঠা রোগের আবিষ্ঠার হইয়াছে। বেদে হয় হৃষ্টিকারা সংসা উত্তাপ ও বায়ুর পরিবর্তন উक्क (बारभव कांब्र) अकर्ष अर्थ महरदव एकि ণাংশস্থলোকসকল এই ভয়ানক রোগাক্রান্ত **इहेर ७ इन अवर करायक वा एक क्**टा छ मन रस छ **५,यम क्रियाएइम** ।

মেদিনীপুর ছইতে আবে এক জান লিখিয়াছেনঃ

১। চড়ক পার্মণটী এখানকার প্রসিদ্ধ প্রর্ম।

দিন দিন হীনাবস্থ হইতেছে। এখানকার আসি | বলিয়া কয়েক বৎসর এখানে তাহার বড় প্রা<u>ছ</u> হয় বটে : কিন্তু কেছ বাণ ফু জিডে ৰা "গাছে ঘুরিতে পারে নাই; কিন্তুমফদলে এ কর্মিটো त्रिक इत्र नाई। मञ्चिक बामकाल १३ के नाजरन ২ জন ও উটপাদরের একটি গাজনে ১০ জন চড়ক গাছে ঘুরিয়াছে। পুলিষের এক জন মুদল মান কনষ্টেরল ভৌগায় উপস্থিত থাকিয়া কিছু দক্ষিণা পাইয়াই গা ঢাকা দিয়া বলিয়াছিল। এড় কেশ গেছেটপাঠে অবগত হইলাম, ভাকা জেলায়ও ৪ জান গাছে মুবিয়াছে। কেবল এখান কার সহরের লোকেরাই এই চড়কে বঞ্চি व्हे(लन।

> ২। সম্প্রতি মালয়ঞ, পাথরা, নওয়ান। ও তেলিপুকুরনামক করেক স্থানে • উপয়ুপে র करव्रकाँ फाकाहेन्डि इहेब्रा निवादः। व्यवप्राणि স্থানের ডাকাইডগুলি হয় নাই। কে:ন কোন স্থানে ২।১টি মাত্র ধৃত হইয়াছে। কিন্ত ভাগতে কোন ফল দুশে নাই। মালঞ্চার শোচনীয় ঘটনাটিতে একটা বজ্ঞবিক্রেভার মৃত্যু, হইয়াছে: কিন্তু অস্যাপি তথায় একটা ডাকাইছও পৃত হয় নাই। শুনি लाम, ज्वलिशुक्रत अक्ती छाक छ लाक मादा গিয়াচে। দেশা ঘাউক, পুলিষের স্থন্ম অনু मकारन कि इप्न।

৩ ২০ এপ্রেলের সোমপ্রকাশে স্ত্রী ডাকা ইত বলিয়া যেসকল বিদেশীয় জ্রীল্যেদের কথা লিখিত হইয়াছে, সেইরূপ কতপুল বিদে भीय (भूतलमान) औरलाक এখানে আतिवारः। ইহাদের সাহত পুরুষও আহে। ইহার। সমুদায়ে কিন্তু জীবোর প্রাচ্টাবের খর্মতা দেখা প্রায় ১৫০। ইচারা নানাবিধ প্রস্তার 😵 রণা সোগা আদি বিজ্ঞান করিয়াখাকে। ই. কের সঞ্চ माम था हो, सामि चटमा अन्य खनए व अन् छ বশুক বিবাহ বিজ্ঞান ক্ষেত্ৰ হা হ**ইতে অল** ব্যবহারে পাশ কভিনা আমিয়াছে। ইহারা সহরে অ.শ। অবধি অনেকেই ভীত ষ্ট্য়াছেন। हेशामित ली शुक्तम शकरमाई बनवान ଓ माहती, শুনিলাম ইহার। সহরের নিকটকত্তী পলিঞামে স্বিগাক্রমে যার যাহা পায় হরণ করিয়া আনে। ইহার। ডাকাইভিও করে। বোধ করি, এই ক্রীলোকেরাই খানাকুল কৃষ্ণনগরের রাম দাস বাবুর বাটীতে ভাকাইতি করিয়াছিল। **বাহা** इंडेक, य करश्रक मियन हेहाता **अधारन धाकिर्द**, সেই কয়েক দিবস পুলিষের বিশেষ ভন্তাবধানু थाकित्वहे खांव हम । हेहात्मत शख्दा (मम (य

#### প্রেরিত।

## মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক মহাশন্ন সমীপের।

সম্পাদক মহাশার ! আপনকার ২ রা বৈশা পের পাত্রকায় কোন মহাত্মা একাদশী বভচা-विभी विभवा जनगागानव कष्टेनमान व्यवस्थ ছঃখিত হইয়া নব্য দলের নিকট উহার প্রতি-কারের প্রার্থনা করিয়াছেন। ডাইরে ।লখ নভিদিনশনৈ তাঁছারে এক জন ঘণাথ সদা শর, দয়ালু ও পরছঃখে ছঃখীবলিয়া বোদ কইতেছে। কিন্তু ভিনি যে, ক্তিপয়মাত্র বিধব। तमनीत এकाममी एक देवताका (मधिया अभग বিধবার ঐরপ অভিলাধের সম্পূর্ণ সম্ভাবনা ক্তির করিয়াছেন এটি উহিার সদাশমতার উপ युक्त काक्ष इय नाहे। हेहाट कैं।हात व्यटनक সরলা, ধর্মপ্রায়ণা, ব্রভচারিনী সাধ্বীর প্রতি व्यनर्थक (प्रायादांश क्रे व ब्हेग्नाटक । এখন ख अभन जारनक विषया पृष्टे हन, याँहाता পতि বিয়োগে এই সংগার 🤏 শরীরকে নিভান্ত অকি ঞিৎকর বিবেচনা করেন। ইহ জ্ঞানের সাৎসারিক যন্ত্রণাকে পূর্ণজামকুত অপরাধের দণ্ডবলিয়া সহা করেন ও ব্রতাদি অনুঠানকে ভাবী ফুখের निमान चित्रा छान करत्न।

সম্পাদক মহাশয়! এরপ ধর্ম নিগা ব্রত প্রায়ণা সাধাদিলের সহিত কএকটি এইক স্থান্ত্লাধিনী রমণীর তুলনা করা কি যুক্তি সেজ? যথন ভাঁছারা হিচ্ছুকুলজাত, হিন্দু ধর্মোপাসক। হিন্দু ধর্মকেই সনাতন ধর্ম বলিয়া মান্য করেন। তথন যে ভাঁছাদের ঐ ধর্মোপ ত ঐ ধর্মসকত নিয়মাদি প্রতিপালন প্রমান করেন। তাঁছাতে সন্দেহ নাই। অতএব ক্রান্ত মান্ত সালেই উদাসীন্য দর্শনে সকলের ক্রান্ত ব্যাপ্ত উদাসীন্য দর্শনে সকলের ক্রান্ত ব্যাপ্ত উদাসীন্য দর্শনে সকলের ক্রান্ত ব্যাপ্ত বিশ্বারা দর্গপ্রকাশ নির্দ্ধিয়তার ক্রান্ত ব্যাক্ত ব্রাই।

অবুনা ভারতবর্ধের মহিলাগনের বিদ্যালি কার বিষয় লইয়া সভাজনসমাজে ও সংবাদ প্রসমূহে সর্কাদা বাদাস্থাদ হওয়াতে বোধ হংতেছে, জ্রীশিকার আবশ্যকতা এদেশীয় স্থায় ব্যক্তিমাত্রেরই ক্রয়ক্ষম হইয়াছে এবং এ বিষয়ের সংসাধনার্থ গাছারা বিশেষ যন্ত্র পাইতেছেন। এ মহাত্মারা জ্লীকিগকে শিক্ষা-

দার্ল উন্নত ক্রিবার নিমিত্ত যেপ্রকার স্থাতাং প্র कःन क तर्उट्य स्थानी अ मह्लाम व्यवस्य कः तत्न अञ्चितिनमध्या डाँगामित अभनकामनी সিদ্ধ হইতে পারিবে। বর্ত্তমান শিক্ষয়িত্রীদিগের আন্তরিক আত্রহ ন। থাকায় শিক্ষাকার্য্য উৎকৃষ্ট পদ্ধতিক্রমে সম্পত্ত হইতেছে না। কর্মারীর বিলেষ মনোযোগ ও আগ্রহ না থাকিলে কোন कार्याई क्षुत्रम्भन्न रहेरछ भारत ना। अखरमनीत्र खीनगटक निका निवात এकने प्रष्ट्रभाष्त्र चाटका নন্ অৰ্থাৎ কাথলিক ধৰ্মাক্ৰান্ত সন্ন্যাসিনী দিগকে বড় বড় ছাত্রীগণের শিক্ষরিত্রীপদে নিযুক্ত করিলে শিক্ষাকার্য্য উৎকৃষ্ট পদ্ধতি ক্রমে দপার হইতে পারে। মহ স্তব ধীশক্তিদাপার (मनहिटेखवी गण्यातत <u>जी</u>पुक विकास नगत्र ताला নন্দিলের প্রতি শিক্ষাকার্যের ভারাপণ করিয়া অধুনা আপন রাজ্যের জীগণের বিশেষ হিত দাধন করিতেছেন । শিক্ষাকার্য্যে নন্দিগের নিপুণতা দেখিয়া স্পষ্ট প্রতীয়মান হইতেছে যে, কাহারাই এতকেশীর বালিকাদিগকে শিক্ষা প্রবানের যথাপ উপনুক্ত। প্রটেষ্টান্ট মতাবলম্বী মহাশয়েরা আপনাদিনের ছ ছিডাদিনের উত্থ রূপ শিক্ষার নিমিত্ত নন দিগের নিকট প্রেরণ করিয়া থাকেন। কলিকাতা দান্ধিলিওপ্রভৃতি নন দিগের ভারতবর্ষের যে যে कर्स আশ্রম আছে, তথায় অধিকংশ প্রটেষ্টাণ্ট মতা वलशी वालिकाशन भिका श्राप्त हरेग्राथ। ट्रिना इंशांटि वांध रुप्त, नन मिर्गित खांत्रा वांनिका গণের উত্মরপ শিক্ষা হয়. নতুবা প্রটেষ্টাণ্ট মতালয়ী মচোদয়গণ কাথলিকদিগের বিরুদ্ধ মভাবলধী হইয়াও কি নিমিত্ত আপনাদের ছচিতাদিগকে শিক্ষাব নিমিত্ত কাথলিক ধর্মা-ক্রান্ত নন দিগের নিকট প্রেরণ করেন। অভএব এতদেশীয় বালিকাগণের শিক্ষার্প নন্দিগকে নিগুক্ত করা দেশহিতৈষী ও বিদ্যোৎসাহী মহো দন্নগোৰ ভাৰশঃ কর্তির। যাঁহারা অঞ্চন ধন সম্পত্তি ও সাংসারিক হুপে পরিভাগি ক্রিয়া কেবল বালিকাদিগকে শিক্ষা প্রদান করাই জীবনের প্রধান উদ্দেশ্য বলিয়। স্থিব করিয়াছেন, সেই নন্দিগের ঘ'রা যে এই কার্য্য সম্পন্ন হইবে ইহাতে সন্দেরের লেশুমাত্র इंदेर भारत ना।

> জাতুগত শ্রীকা

--: \* :--

মূল্যপ্রান্তি। ,

জীয়ুক্ত বাবু ইক্সনারায়ণ প্রধান দেভোগ
১২৭৫ বৈশাশ হইতে হৈত্র ১৩

क्षीपुक वांचु मरवाद्य मुखानायताच्च मिर फार **ভা**পীস ১२१४ देवनाथ स्ट्रेट आधिन . 4 # » " नत्रिश्ह एख ব্রানগন্ন ऽ२१ **८ देवणा व इहेट**क देइ<u>क</u> . 5 4 . . . » अदिनामहस्त्र वरमा भाषतम् छवानी श्रुतं ১२१४ टेइज स्ट्रांड १० सम्म् अन > • " ब्ह्रार्शां न ठक्तवर्शी ম্ রা '> १९८ टेरमाथ स्ट्रेट आवाह 24 » भ द्रामधानव वङ्ग পটামভী ১৮৬৮ মে হইতে ৬৯ এপ্রেল 20 RIE TEORER » « **३२१६ देवनाथ स्ट्रांक टे**हज ---:0:---

#### দোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

অগ্রিম মূল্য ও ডাকমাস্থল না পাইলে মফ-ঘলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইহার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা । মফস্বলে ডাকমাস্থল সমেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং ত্রৈমান্সিক ৩৮০। তিন মাসের স্থানে অগ্রিম মূল্য এইণ করা বায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিঠি, মণি-অড র, নোট ও ষ্টাম্প টিকিট, ইহার অন্যতর বাহাতে ব'হোর স্থাবিধা হয়, তিনি সেই উপার ঘারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

যাঁচার। স্থাম্পটিকিট পাঠাইবেন, জাহারা ষেন এক অথবা আধ আনার অধিক মুল্যের ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

বখন বিনি মফল্বল হইতে সোমপ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, তাছা যেন রেজিপ্টরি করিয়া শ্রীযুক্ত বারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

যাহাদিগের মূল্য দিবার সমর অতীত হইয়া আসিবে, এক মাসপুর্বো তাহাদিগকে চিট্টি লিখিয়া জানান ঘাইবে, কাল অতীত হইয়া গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, তাহার পর একমাসকাল প্রভীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা যাইবে। শেষ বারের পত্র বেল্পারিং পাঠান হইবে।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ডাক. ঘরে চিঠি আইলে আমরা দীল্ল পাইব।

যাঁহারা মান্তল না দিয়া পত্রাদি প্রেরণ করি বেন, তাহাদিগের সেই পত্রাদি গ্রহণ করা ঘাইবে না:

কেই সোমপ্রকাশে বি শপ্ত দিতে ইচ্ছা করিলে ভাঁহাকে প্রথম জিন বার প্রতিপংক্তি 🔑 আনা ভাহার পর 🗸 > আনা দিতে হইবে। যিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা ক্রি-বেন, ভাঁহার সহিত অভন্ত বন্দোবস্ত হইবে।

ধক্ত এই পত্র কলিকান্ডার দক্ষিণ পূর্দ্দ মাজলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চাঙ্গড়িপোভান্ন শ্রীযুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যা-ভূষণের বাটীতে প্রতি সোমবার প্রাত্যকালে প্রকাশিত হয়।

## (मायशकांक

১০ ম ভাগ।

२१ मर्था।

## " प्रवक्ततां प्रकृति हिताय पार्थियः सगस्त्रती अतिमहती न ही यतां।"

मानिक मूला ) এक खिंबम वार्षिक ) • हम অঞ্জিম ধান্যাসিক ধা সাজে পাঁচ টাকা।

मन ১২৭৫ ৩০। এ বৈশাখ। ১৮৬৮। ১১ ই মে { মদস্যলে মাস্কলসমেত অগ্রিম বার্ষিক ১৩ বিশাখ। ১৮৬৮। ১১ ই মে বার্ষিক ৭, ও বৈত্রমাসিক ৩৮০ টাক।

## বিজ্ঞাপন। বিক্ৰয়াৰ্থ।

গারভেন রীচ ২৪ নং বাটী গুদামসহ ১৯ নং যোড়া ৰাগান।

ভাড়া দেওয়ার নিমিতা গারডেনরীচ ২৪ নং বাটী।

উপরি উজে বাগান ও বাটী ঘাঁহারা ক্রয় করিতে অথবা ভাড়। লইতে ইচ্ছা করেন, নিমু সাক্ষরিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

গিলেণ্ডারস্ আরবো-থনট এবং কোং

#### পুরাণপ্রকাশ।

কলিকাতা মূলাপুর আমহাউদের দক্ষিণ কাব্যপ্রকাশ যন্ত্রে পুরাণপ্রকাশনামক নুসাম য়িক পত্র প্রতিমাসে এক বা ছই খণ্ড করিয়া প্রকাশ হইতে আরম্ভ হইসাছে। প্রভ্যেক খণ্ডের প রিমাণ ৮০ অশীতি পৃষ্ঠা। ইহাতে ক্রমশঃ অষ্ট্রা দশ পুরাণ ও উপপুরাণ বালালা অনুবাদসমেত প্রকটিত করিবার কল্পনা আছে ! প্রথমতঃ বিষ্ণু-পুৰাণ অন্থ্ৰাদ ও জীধরগোত্মামিকুড টীকা সমেত মুদ্রিত হইতেছে; ১ লা বৈশাখ বিভরণ আরম্ভ হইয়াছে। যিনি ইহার গ্রাহক ২ইতে অভি नावी इन, जिने कनिकांका मश्कृष्ठ विम्रानरम আমার নিকট পত্র ডাকমাশুল ও প্রতিখণ্ডের মূল্য অগ্রিম।। জাট জানা করিয়া পাঠ ইবেন। যাঁহারা নিয়মিত আহকত্রেণীভুক্ত নহেন, ডাঁহা (**एत निकर्त शरक**(का चल नगर अक है।का भूता विकास कथा याहरव।

इट है है के द } . জগমোহন শৰ্মা।

সংস্কৃত মেদিনীকোষ প্রক্ শব্দের চীকা-সমেত উভয় নাগরাক্ষরে যুদ্ধুর্মক মুদ্রিত হই ভেছে। যিনি আহক হইতে ইচ্ছা করেন, তিনি চাকা কালেঞ্চের সংস্কৃত অধ্যাপক জীয়ুক্ত বাবু সোমনাথ মুখোপাধ্যায় মহাশ্যের ি কট অথবা কলিকাভা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে বা কাব্যপ্রকাশ যত্তে আমার নিকট পত্র পাঠাইবেন।

३५ इ टेइज ३२१८ সংস্ত বিদ্যালয়

গ্রীক্তগরোহন শর্মা

#### অভিগান।

শব্দায়ু ধি	5110
শব্দার্থ প্রকাশিকা	· 😼
শব্দ সিক্সু	ર
শব্দার্থ মূজাবলী	•
শক্ববির্মালা 🕴	¢
শব্দার্থপ্রচারিকা	৩
প্রকৃতিবাদ	¢
শংস্কৃত পুস্তক	
রঘুবংশ সচীক	۳
উত্তর নৈষধচরিত	٠    ٥
<b>७ क्रिका</b> वर	8 •-
অষ্টাবিংশতি তত্ত্ব	હહ
<b>म</b> र्भ <b>क्ष</b>	340
চলিকাতা ) জীকেদারনাথ বন্দ্যে	<u>পাধ্যায়</u>
দ্ৰিয়ালিস টুট ১৭৭ নং পুস্তকবিত্তে	1 1874

कलिकाजा मरऋष लाइर अती ७ काल्स বিটুট ১১ সংখ্যক ভবনে ঐীযুক্ত ব্রদাপ্রসাদ मकुमनादित भूखकानास, बीयुक वाव (मरवस्त কুমার রায় চৌধুরীপ্রণীত " তত্ত্বপ্রকাশ " বিক্ৰীত হইতেছে।

বারুইপুর

**बि**दाक्रायार्ने क्ट्रू व्यक्षाकः ।

#### বাণীগঞ্চ পটরি কোং निभिटिंड।

মেজিয়া করিবার স্থৃচিক্রণ টাইল। ঐ কোম্পানির নিসনরোক্তিত ৪ নং আফিলে উহাব নমুনা দেখিতে পাওয়া যায় এবং যদি কাহার প্রয়োজন হয় ঐ আফিসে অসুমতিপত্র

পाठाइहा मिरवन।

बलपमग्रे को केंक, द्वीनत्हाल यस मिल्फ, भूला ३ होका । বিরুমার্থ প্রস্তুত ; কলিকাডা যোড়াস কো ৬৪ ন ্রীপ্রভাপচন্দ্র রায়

১ন/নিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়ে ও পটোল ভালা বাড় যের রাদার কোম্পানির দোকানে মৎ প্রণীত ও মংপ্রচারিত নিম্নলিখিত পুস্তকশুলি বিক্রয় হইতেছে:—

क्षनीख	<b>मृल</b> र
গ্রীসইতিহান	১ টাকা
(রামই:তিহাস	, a
ভূষণদার ব্যাক্রণ	10
নীতিদাৰ (১ম ভাগ	) 1
নীভিদার (২ য় ভাগ	)
প্রচারিত।	
মুদ্দবোধ বাকেরণ	
	জিডাকলাম থে শ্রমী

मकाधश्राज्ञिकानाम श्रद्धान स्वीत्रिक्षीर् নবাভিধান, ঘাহাতে প্রাকৃত ও বাবনিক লক্ষ ভিন্নকল শদেরই শিশ্বভেদ্ধ ও ধাতুর উত্তর কুদাদি ও শব্দের উত্তর তদ্ধিত এবং উণাদি इंखि श्रेराज मानाविध श्राज्ञानखद्र श्राप्त १६. ••• হাজার শব্দ সংগ্রহপূর্বক ৮৬৮ পৃথায়

विक्षा अधिकार्यावीयन (चाम)

## গোগপ্রকাশ।

७ । এ देवणांच (मामवात् ।

শিলার मাহেবকে । লইয়া পোর্ট বর্নিড কোম্পানির যে কাও চলিয়াছে, ভাহা যত সহর নির্বাণ হয়, তত্ই আন (मत दिवस। उँदात अंडाइटत अटनक ভলি প্রানিকর জুগুপ্সিত ব্যাপার आहर । एडाइ या आत्मालन **इरेट इर**ह, ख्छ हे लारकत हे हेरता शीवि**प्रिंगत धर्मा**-ন্তিনিষ্ঠ হা ও নায়াকুলামিতার প্রতি ভাভত্তি ও অবিশাদ জন্মিতেছে। দে দিন ঐ কোম্পানির অংশগ্রাহিদিগের যে একটা সভা হয়, ভাষার কর্মে প্রণালী चाता, शृत्क त्नारकत त्य म<sub>ि</sub>कात अधिता ছিল, তাহা আরো দুট্ডররণে ব্দ্রমূল करेशारक। या निम जल, निरंशत व्यागतक নেলপ গাইবিভভাব প্রদর্শন করিয়াছেন, তাহার ভিতীয় উদাহরণ দশন ছগভ।

#### এনেশ্যে বিচার র চর্ব ১ ও বিচার এলালী।

সর আরক্ষিন পেরি সর জন লবে জার অনুবদর্শিতাপুচক আজ্ঞার সমা গোচনসময়ে আপনার নিনিটের উপ সংভাবে ব্লিয়াছেন ' সম্প্রতি ভাবত ব্য হ্রতি শেষকল সরকারী পত্র আদি লগতে ভারতে দেখা যাইতেতে, একণে চারি ব্যারমাত্র ( ) , আইনশিক্ষা ক্রিয়েভ্যেত বিচারকার্যো এরপ দেপবৃত্ত ভারতেল, যে (গবর্গর জেন মল ব্লিন্ড) সিনিলিয়ান্দিগ্রেক পৃথক রাজে ব্যতর ভাইন শিক্ষা না দিলে

- 66-उँशिह्या यविन्यस्य मञ्जनाधातरणत निकंते ভারতবর্থীয়দিগের অপেকা নিরুষ্ট বলিয়া বিধেচিত ইইবেন: তথাপি বৰ্তমান আইন অনুসারে কোন উপযুক্ত ভারতবর্ষীয় বা ইংরাজ ব্যবহারাজীব নিয়মান্তর্যত था(ए(जार (कान (कान एकतारा काकर भन शाथ ६३८७ भारतम् ना। **ভ**ाরতব বীয় গবর্ণমেন্ট যথার্থ রাজনীতিজ্ঞের ন্যায় প্রশস্ত চিত্তে সকল বিষয় বিবেচনা कतिश विषादकार्या धना लाकमिरशह প্রবেশ করিবার এবং ভাঁহাদিলের বেতন ও বিদায় এভৃতির নিঃমের পরি-বর্ত্ত করিবার প্রস্তাব করিলে অতিশয় আহলাদের বিষয় হইত।" এদেশীয় বিচারপত্তিগণ যে ইউরোপীয় বিচার-পাতদিগের অপেক। সম্থিক যোগ।তা প্রকাশ করিভেছেন, ভাহা অপ্প লোকেই অস্বীকার করিবেন। প্রধানতম বিচারা লয়কেও ইহা স্বীকার করিতে হইয়াছে। धार्मानरभव रकतात खब्द, माबिर्ट्डेंप, ও কালেক্ট্রপণের শহিত মুক্তেফ্দিগের कुलना कटिटल स्य मिविलियान विठातः পতিদিগের উপরে অভাদ্ধা ক্রমে, তাহা भुक्तकर्ण काक कहा चाहरू भारत। আমাদিগের আদালতসমুছের উকীলেরা বে বিচারপতিদিধের অংশকা সকল निरास मण्डा धाकामा करतम, इंहा ग्रावर्ग ्यन्ते शकाभाक्षरभागा **कडेक. धाका**का-भार शीकार कविशाहित। विश्व ध्वरान ক্ষমতা কেল অদ্যাপি ইংরাজবিচার প্রিদিংগর হত্তেই রহিয়াছে। এক জন गूलाक दा अधान मनत्रवाभीन मि **्भव चन्नुमभावशृद्धक यञ्जनहरू। (य** विष्ठात करहन, अक जन जन जनाशांदम সামান্ কারণে তাহা রহিত করিয়া থাকেন। সর বার্ণেন পিকক খাদ আপীলের প্रथ (नम्कल क्लेक निर्मा करिशार्डन, ভাষাতে প্রথমতম বিচারালয়েও সবল मगरत प्रविष्ठात लाफ इस ना । असि य

নিতায় শোচনীয় অবস্থা ভাষা সকলেই স্বীকার করিবেন।

भागनक व्यक्तित्वत ं मनद्यंत ष्यञ्चभारत कांक कता वर्जवा। विक्रमीय গবর্ণমেণ্টকে সকল বিষয়ে পরাক্ষিত জাতির অপেকা ভোঠতা করিতে হটবে। ভারতব্বীর প্রশ্মেণ্ট यङ निन देश कितिएक शातिशाहित्तन, তত দিন ভাঁহাদিগের কার্যো লোকের এত অনুষ্ঠোর জ্যে নাই। কিন্তু একণে তাহার বহুবাতিক্রন ঘটিরাছে। রাজস্ব, শাসন, বিচার প্রভৃতি যে যে বিষয়ে গবর্ণমেন্ট এদেশীয়দিগের মত অগ্রাহ্য क्तिया कांक्र करतन, रमहे रमहे विष्रार्थ ঠকিয়া যান। দকল বিষয় অপেকা আমা দিগের দেশে বিচারকার্য্যই অভিশয় বিশৃগ্রলভাবে সম্পন্ন हरेटाइ। ইউরোপীয় বিচারপতিগণ যে প্রকাদিগের সভাতা রদ্ধির অসু-माही काक कहिएड भाहिएडएइन न, हेहा मकटन हे स्वीकात करित्रा थाटकन। আইন শিক্ষা ও উহার ভাবজ্ঞ চা বিষয়ে ভারতবর্ষীয়দিগের স্বাভাবিক বৈপুণা আছে। একণে তাঁহারা উহা শিকা कहिएक मुर्विष्यं भरगारवाशी इहेशार्ष्ट्रन। স্তরাং ভাঁহারা যে বিভিনান দিবি লিয়ান বিচারপতিদিগের বিচার দর্শন হাদ্য করিবেন, ভাষা বিচিত্র নহে। धरे श्रामिकेमिवातरगत डेलात कि ? मत জন লবেংজাৰ মতে দিবিলিয়ান ভিন্ন অন্য লোকের হস্তে উক্তের বিচা-রের ভার প্রদান করিলে প্রামিতনা তলে খাইবে। এই নিমিত্ত তিনি এক मन मिविनिशांगरक शृथक वृद्धि वाहेन भिका पिरांत धारांव कतिशास्त। ইহাতে কতক অনিষ্ট নিবারণ হইবে বটে; কিন্ত ইহাতেও বিচারপতিগণ के के शिक्तित का ना वा का हैन विवद्य भाव-मर्भिडा श्रामर्भन कतिएक পाहिर्दन ना

ভারতবলীয় এমন স্থানে উত্তমরূপে काल केरिया अभगूक विनिध विविधि कत, ए हा इहेटल डिनि दर अग्रुड, याप न'त ८१ मिए जांकार के छे छ भन भाईवाद উপনুক ভাগতে সন্দেহনাই। শসর আর্জিন পেরির এ বাকোর তাহপর্যা এই रा एथारन निज्ञा नाई, स्रात राथारन প্রভাগের করিলেও চলে, দেখানে ल वर्षक यथान त्यामाडा धनर्मा गुर्कान नाज कराम, जिमि या मिश्मादर्गड এনেশে সাধারণ মতের নমক্ষে অন্যায় क्रिया काष्ट्र क्रिट्रिन, हेहा कथनहे गड़ा বিভন্ত। এতদ্বারা সর জন লরেন্সের অদুরদর্শনসমুখিত এখান তর্ক থাড়িত হট ८८८६। मह खन लाइका वालन, '' का हैन অনুসারে উদ্ভৱ পদ্ধকল কেবল মিবি लिशानिन्दिशदहे धाला, क्ष्रेटटट । कियु সর আরুক্ষিন পোর ভাঁহাকে এই বলিয়া खर्मना करिशाएम (य. वानकालाकी (वह मार्गत आहेग लहेश छर्क करा | आधारमव ভালিত নহে। আইনে কি বলে ভাচার াব্যেচনা করা অপেকা নথার্থ প্রাক্তনীতি প্রসারে কিকরা উচিত, ভছিবছ বিবে हर। क्यारे आधारमत कर्जना । भत भार বিংন পেটারে এই ধাকটো নিতান্ত যুক্তি - জ ত কইভেছে, বিচারপ্তিগ্র আনিনের অনুৱোধে কোন অভাগ নিবারণ করিছে না পারিলৈ বলিয়া গাড়েন্ন ন আন্তঃ কি করিব ? আনহা আন্তন কলেক গ্রিণ্ড কাঙ্গ করিছে পারি না গ কিছু भाषानकार्ता हेहा विवादित शाहरन ना। **পাইনে কোন সোর থাকিলে ভাহা**র ম ুখ্যের করা <mark>ভাষার ভাষশা কতবা।</mark> পাটন পে প্রাজনীতির অধীন হইয়া ার্ট হবে, ভাষা ভারতব্যীয় শাসনকর্তার। ेक उभारत विचारक शारिक नाई १ সর্জালতির পোর ব্যোন, ভারতবর্ষীয় मिश्रदे के फाराजद शाम श्रमार्गद आहेन कहा स्मि, भरवंत क्मात्रवात छेटमाना इत् महा

সভাকে অনুবোধ করিয়া ঐ প্রকার আইন করিয়া দিবেন। অতংপর ভারতবর্ষীয়দি গকে উক্তর পদ দেওয়া উচিত কি না, ভাঙার নীনাং সার ভার গবর্ণর জেনরলের উপরেই নিহিত হইতেছে। এক্ষণে ভাঁছার মত কি ? আমাদিগের দেশের শাসন কর্তা হইয়া কি গ্রভুত্বলোভী কুসংখ্যার বিশিট ইউরোপীরদিগের ভবে আমা-দিগের স্বাভাবিক স্বলাভের পথে ফটিচ নিক্ষেপ করিবেন ?

সর বাটন কি্য়ার সর আরক্ষিন পেরির বাক্তের অনুমোদন করিয়া বলি-रात्कृत, ५ गाँचामित्यत इत्छ निर्शात्यत ভার আছে, ভাঁহার। দি যথার্থ এদতা ও আগ্রহনহকারে ভারতবর্ষীয়দিপকে উন্নত কলিবংর চেন্টা পান, ভাষা হইলে ভারতব মীচদিগের উন্নতি হইতে পারে। বর্ত্ত-মান আইনে ভাষার স্বিশেষ এতিবন্ধ কতা ব্রিতে পারে না।" ভারতথর্যের भागनकर्छ। पिराव के खर्मना वाकाणी भावन कहा छेठि । এদেশী। मिर्गित নিখোগ বিষয়ে যে প্রতিবন্ধ কতাচরণ করা হর, সর বার্টল ফি,য়ারের মতে আইন জ भिका भागतकछाति। शत कुमः स्वातति। तहे क्षाद्यात अक्षांन कारण। मत क्रम लाहरू অপেনার দ্বার কভগুলি লোকের অভি প্রায় একণ করিয়া এই প্রতিপন্ন করিবার एको पारकारकन ख **अरमभीरहता अ**न्त्र টাকাল হুথে কাল যাপন ফরিতে গাবেন; দিয়া ইউলোপীরগণ ভাষা বলিডেইপারেন না। সর্বার্টন ফি.-য়ার গবর্গর জেনরলের এই বাঞ্চী অমু লক বলিছা নিজেশ করিয়াছেন। मक्षे, बञ्च ७ श्रुवाभारन अरम्भीत मिट्राह **उड़ व**ार हहा ना यथार्थ **बट**हे, কিন্তু ইউরোপীয়েরা যেমন অবিচলিত চিত্তে আত্মীয়দিগের ক্লেশ দেখিতে भारतमः, अरमभी शतः छाहा भारतम मा। रामाजिक वार्वहाराञ्चरादत आमापिट्रात

যে ব্যয় হয়, ইউরোপীরেরা তাহার विरम्भवन्त्र गर्हन। मत क्रम करतन्त्र छ उँ। हात महहद्भग करशक है। मामाना शह **এদে गीविम**्गत নিমিত রাখিয়া যে थास्त्राप थकाम क्रिशिष्ट्रम, मत बार्छम ফ্রার ভাহাতে অতিশর অসম্ভট হইলা-ছেন। ভাঁধার মতে এই দকল পদ '' ইউরোপীয়দিপের উচ্ছিউমাতা। " এদেশী দিগকে উচ্চতর পদ প্রদান না कहिटल १४ कामनाः उँ। हानिद्रशत व्यक्तिक ष्मरष्ठाव इंदेर मह वार्षित कि होत । छाहा श्रीकात कतिया উপमध्हातकारम बनिया ছেন, ভারতবর্গীয় কর্মচারীদিলের কেবল বস্ত্র ও ভাষা ইংরাজদিলের ন্যায়ন। करिया छाहानित्रात मध्यात हेस्याकान গের ন্যায় ক্রিয়া দিলেই যথার্থ মঙ্গ ছইবে। এ সংকার কিনে জনিবে ভারত বর্গীয়দিগকে উচ্চ পদ প্রদান উদ্বার এক মাত্র উপায়। তাহা হইলে ভারতব্যীয়গণ আপনারা শাসন কার্যে, থাকিয়া ত্রিটাশ গ্রব্রেণ্টকে আপন্দিদের গ্রেণ্ডেন্ট विशिश क्लान किंदिरन। खुल कथा धरे रहेट उ. ए छात्र ठव शीमना । वन कम मृत्यिट ङ পারিয়াছেন, ইংলভায় গবণমেট তাঁহা निगरक छेक्डत अञ्चल्लान প্রস্তাভিন: কেবল এখানকার শাসন कर्जीका नाना को भट्न ताई छ। सभा वार्ष করিতেছেন। এক্ষনে ইংলগুরি গ্রণ্মেন্টের কর্ত্তর এই হইতেছে ে. তাঁহারা এখান কার বর্তমান শাধনকর্তা(দর্গের কথা অঞাহ্য করিয়া এজাদিপের অবস্থা ও অভিপ্রায়র্রণ স্বর প্রদানকরেন।

शूर्त वाक्ना (इन ९८वर इच देना ।

বিহাৎপাত বন্যা ও বাত্যাপ্রভৃতি দৈব ঘটনার উপরে মানুদের প্রভুত্ত নাই, তথাপি মানুষ নাবধান হইয়া ঐসকল উপদ্রব হইতে আত্মরক্ষা সম্পাদন করে; কিন্তু আমরা একটা আশ্চর্যা দেখিতেছি, রেলওয়ে হইতে আত্মরক্ষা ছুরুই হইয়া
উঠিয়াছে।রেলওয়ে দৈবকাও নয়. মালুবের কাও; উহার উপরে মালুবের
সম্পূর্ণ প্রভুত্ব আছে। কর্মচারীরা যদি
কিঞ্চিৎ সাবধান হইয়া কাজ করেন,
কোন প্রকার ছর্ঘটনা হইবার সন্তাবনা
থাকে না। কিন্তু উহাদিগের অনবধানতা
এমনি প্রবল্প যে. কোন ক্রেমই তাহার
নিবারণ হইতেছে না। রেলওয়ে দেশের
সোভাগ্য ও স্থে সচ্ছন্দতার মূল হইয়াও
কর্মচারীদিগের এক অনবধানতাদোমে
বিপত্তির হেতু হইয়া উঠিয়াছে। আমাদিগের এক আত্মীয় পূর্ববাজ্লা রেলওয়ের একটা শোচনীয় ভ্র্মটনার বিবয়
লিখিয়া পাঠাইয়াছেন, পাঠকগণ প্রবণ

করুন। গতঙ্ই বৈশাখ বুহস্পতিবার রাতি প্রায় ।। ঘটিকার সময় পূর্ববাঙ্গলা রেলওয়ের শ্যামনগর ষ্টেসনে ( যাহাকে মুলাজোড় ক্ছে) একটা ভয়ানক অভূতপুৰ্বে তুৰ্ঘটনা হট্য গিরাছে আমি এক জন আরোহী, ৫ টা ৫০ মিনিটের শ্লাড়িতে বৈহাটীতে গমন করিতেছিলাম বারাক্ খুরে পঁছছিয়া শুনি লাম, শ্যামনগর ও নৈহাটীর মধ্যস্থানে এক-খানি মালের গাড়ি লাইনের বাহিরে পড়াভে পথ রুদ্ধ হট্য়া আছে ৷ প্রায় অর্জ ঘটিকার পর শ্যামনগর হইতে তারবোগে সংবাদ আসিলে পর আমাদিগের গাড়ি শ্যামনগরে গমন করিল। তথায় গমন করিয়া দেখিলাম, বেলা ছুই প্রহরের মালগা ড তথায় আছে পথ কিঞ্চিৎ পূর্বের পরিষ্কৃত হইয়াছে এবং পাঁচটার ১১ খাড়ি দে পর্য্যন্ত ঐ খানে ছিন, ভূংহাও কঞ্চিৎ পূর্বে নৈহাটীতে গমন कर्तिश्रीट्छ। (डेननमाञ्चादतत मूर्य ज्यादत। र्श्वननाम, य ज्यामानियात ग. ए हरे घरि কার স্থানে নৈহাটীতে গমন করিতে পারিবে না। আমাদিগের গাড়ি অপ। পার্যন্ত लांडेरन ताथा इटेल देखिमर्पा धक्यानि মাল গাড়ি নৈহাটা এইতে আফিয়া কলিকা-ভাতিমুখে চলিয়া গেল। ক্রমে রাত্রি হইতে वाणिक। य प्रम देश कृष्ठिया इट्ट

\_\_\_62\_\_ আসিতেছিল, তাহা ঠেসনে উপনীত হইল; किन्छ टिनरन ना थानिया क्रान्टररा क लका-তার দিকে যাইতে লাগিল। পাইন্টের নিকট আদিয়া কলখানি প্রধান লাইনে গেল আর मक्ल गाङ्गि य लाहेटन ज्यामानिटगत गाङ्गि ছিল, এককালে আসিয়া তাহার কলের উপর পড়িল। মহাশয়। পড়িবার সময় বঞুাঘাতের माप्त छग्नानक धक नंदन इहेल। कामि नर्दा শেষের গাড়িতে ছিলাম। বসিয়া নিলাম, অধােমুখে শুইয়া পড়িলাম, এইকপ আকস্মিক বাপির দেখিয়া টহার পরে আবার কি হয় এই ভয়ে গাড়িহইতে লক্ষ দিয়া বাহিরে পতিত হইল†ম। অনস্তর ফ্রেড্রেগে কলের নিকটে গিয়া যাজা দেখিলাম, তাহা সমাক ২পে বর্ণন করিতে পারি না। চারিখানি স্ভীয় ও চতুর্ণ ক্লান গাড়ি একবারে ছিল ভিন্ন হইয়া গিয়াছে এবং আমাদিগের গাড়ির কলখানিরও ঐ দশা হইয়াছে। ঐ চারিখানি গাড়িতে ছুই শতেরও অধিক পूर्वरमनीय बाजी ছिल। उथाय बाहेबा मिथ লাম, প্রায় ৫০। ৬০ জন শকট হইতে ঠিক রিয়া পড়িয়াছে, কতক মরিয়<sub>ি,</sub> গিয়াছে, আর কতক বাক্তির শ্বাস হইয়াছে। গাড়ি চাপাও অনেকে রহিয়াছে বস্থানে এমনি ক্রন্দ্রের কোলাহল উচিয়াছে যে শুনিলে পাযাণ দ্ৰব ছইয়া যায় . প্রেসন হইতে লোক জন জাসিয়া শকট ঢাপা ব্যক্তিদিনের উদ্ধার করিবার উপান্ন করিতে তারস্ত করিলেন। ক**ত**দূর কুতকার্য্য হইয়াছিলেন, বলিতে পারিলাম না। কিন্ত অকুমান হয় গ্রিকাংশ লোকের মৃত্যু इहेब्राइ धर यादामित्मत हो। नही हब् নাই, ভাঁহারা অফগান হটয়াছেন। পর দিবদ আমি যৎকালে গুই প্রহরের গাড়িতে কলিকাভার প্রভাগিমন করি, তখন দেখি. লাম, ঔেদনের এক ঘরে মৃতদেহ উপর্য্য পরি পড়িয়া আছে এবং রাস্তার ধারে গাছের তলায় ও অন্যান্য স্থানে শ্ব পতিত রুছি য়াছে। এপ্রকার, ভয়ানক ঘটনা পূর্যার জল; রেলওয়ে হইয়া অবধি হয় নাই। উহার প্রকৃত কারণের অস্থ্যক্ষান করা গ্রণনেটের পক্ষে একান্ত কর্ত্তব্য ;

কলিকাতা 
২৭ এ বৈশাখ

১২৭৫।

উত্তিনক আরোহী।

(तल ७ एवं एक एक एवं वर्षे হেতৃ হইয়া উঠিল, প্রর্ণমেন্ট ুকি ইহার निवातन वियरत यञ्जवान इहेरबन ना ? সচরাচর শক্টচালক, রাস্তার তত্ত্বাবধা-यक ७ भइन्छेबातीत स्मादय कुच हेना इहेता थाटक। याँशामित्यत छे भटत दतन अत्यत् প্রধানকর্ত্ত্বভার কার্যোর তাঁহারা যদি মত অলদপ্রকৃতি ও অব্য-विश्व अक्रेडालकरक अक्रेड डालाइटड ना (मन, व्यथमार्थ भ्रहेक्साहीतक छ्र-कार्या निर्धाकि उना करतन अवर अक्षीता ইঞ্জিনিয়রকে রাস্তার তত্ত্বাবধানে নিযুক্ত इहेट का राम, जोहा इहेटल द्वरा हैना হইবার সন্থাবিমা কি ? আমরা বরাবর विलिट्डिছ, রেলওয়ের হুঘ টনাসম্মে रेमवका कि कूरे नारे। दरम ७ दंश अह-তিত্ব বৃদ্ধিমান ব্যক্তির বৃদ্ধির কাযা। প্রকৃতিছ ব্যক্তি যদি উহার কার্য্য সম্পা-पन कटतन, इच् जेना घणिंवात कानकटमह मञ्जारमा थाएक ना ।

আমাদিগের মতে মত ও অকর্মনা শক্টচালকাদির নিয়োগকর্তাদিগকে দারী ও দশুনীয় করা কর্ত্তব্য। কেবল শক্ট চালকাদির দশুবিধান ব্যবস্থাদারা হুর্গ টনার নিবারণ সাধ্যায়ত নহে।

উপসংহারকালে আমরা আহত ব্যক্তিদিগের এবং হত ব্যক্তিদিগের পরিবারগণকৈ অনুযোধ করিতেছি, তাঁহারা রেলওরে কোম্পানির নামে ক্ষতিপূরণের অভিযোগ করুন, কেছ কিছু ধলেন না বলিয়াই রেলওয়ে কোম্পানি ও ভাঁহাদিগের কন্মচারীরা সাবধান হইতেছেন না। লেল্টনান্ট পরন্র গ্রেমহাদেরকেও আমাদিগের স্বিশেষ অনুরোধ এই, আমরা অনেকর মুখে গুনিলাম, হত ব্যক্তিদিগের অনেককে গোপনে পদ্মায় ভাবাইয়া দেওরা হই য়াছে, এ ক্ররবটি সভ্য কি না, বিশেষ ক্রেপে তাহার নিগুড় অনুষ্ণান বর্ম।

জা বলৈ বিয়া

ঘাবিদিনিয়ার যুদ্ধের ভ শেব ছইল, থিয়ণে এও অনুভাগে করিলেন, বায়ও পামনোজ্যন ই ( এই যুক্তের নিমিত্ত ্চ হেন্টি টাবা বায়, অনুমান কৰা হয়, পালার কভা বায় **হটয়াতেই, আমি**রা তাহার সমচেরে পাই নাই**)উভাদ**েল । ভকভাগি ালীও হত হইলাছে, ইহলে পরিণ ল গে ि २४८व - **अफर्स इंड(इं छि** इ.स. विषय इ.स. ্ডভো ঘাঁহ'র। পারাজাগ্রহণভাষক, এত অর্গরায় ও জেশের প্র এই রাজ্য অমনি গে ছাড়ি টুলেওরা হর, সেটি ভাঁহা निरंशत छोल दा शिंदर न'। किंह किंछ खे স্থানে একটি আছেছা কটিবার এস্কার করি তেত্যেন। কিন্তু আমালিগের বিবেচনায় अफर**्टे** इंडेक चात भरतहें **डे**क शहा(ड ল র'জের েতি লোভ জমিবার সন্থাবন। ঘাকে, এরাণ কোন বন্দোবস্ত করাই উচিত নর। বন্দীলিগের উদ্ধারার্থ এই যুদ্ধের অনুষ্ঠান করা হা, সে উল্লেখ্য সাধিত क्हेतारह। ब्रिकेंग शवर्द एलेब त्य दश् এ চমাত্র উদ্দেশ্য, ভাষাও জগতে বিদিত करेत दर । अकार पनि छे एक मा, खुद म ध নের ভেষ্টা হয়, কেবল যে ব্রিটিস গ্রণ্মে েটর অনৌদাঘা ও অভদ্র প্রকাশ হর্বে এরপ নয়, ব্রিটিশ গবর্ণনেন্ট আছিও পর রাজ্ঞাহণলোভ পরিতাগ করিতেপারেন नाष्ट्रे, मक्टनत् धरे भश्यात स्नित्व । उद्व य जि शवर्रमणे के दारकाइ विचनाभरतम् বাসনা করেন, নিস্বার্থ জারুত্ত হট্টা উচা সম্পাদন করা কর্ত্তব্য গ্রাবিসিনিয়ার কোন छेशगुक मन्द्रेयरक थिएडारवर शरम নিযুক্ত করিয়া প্রজার হিতার্থ ভাঁহার ভাৰত্ৰমী ল'বাপ্ৰালীয় কভকগুলির িনয়ম করিতা দেওয়া উচিত। ভাষী রাজা ব্রিটিশ গ্র-্নেটের প্রামর্শ লইয়া সমু भाग क्ला नहाता. अहेन्त्र व नदा कहा क ई । । े ताका विकिश शनर्गरमण्डेव कार्या क्षा गोलीटक चाल की होता पाइट व शकात

বিদ্যাশিকা ও পুলিষের উৎকর্ষ সাধন এভ্তিকার্যা করেন, সে বিষয়েও যত্ন বিধান আবেশকে।

লী নৰ্মাল বিদ্যালয়। ভারতবরীয় গ্রন্মেন্ট মাদ্রাজ, (बाग्राहे ও बाज्रला अहे जिन व्यमिए -সী: তিন প্রধান নগরে এক একটা স্ত্রী নআল বিদ্যালয় স্থাপনার্থ পাচ বংসরের নিমিত বার্ষিক ১২০০০ করিয়া টাকা দিবেন, এই অভিপ্রায় ব্যক্ত করিয়াছেন। নিস কাণে তার মাল্রাজে যে একটা দ্রী নম্বালবিদ্যালয় প্রতিষ্ঠা করিবার এস্তাব करतम, जाहा इहेरजह धहे धामन ডাগত হইলছে। মান্দ্রান্ধের গ্রণর ও শিকাকার্যোর ডিপেক্টরপ্রভৃতি যাঁহোরা নিদ কংগে টোরর দপাক্ষতা করেন, তাঁহা मि. शत भक्**ल** इंडे मंड कड़े, श्वर्गरम् शिक्ष जी नदान रिकामा ना कतिल ঐ বিদ্যালয় হইয়। উঠা ভার। কিন্তু গ্র ণ্র জেনরলের দেরপা মত নহে। তিনি बत्तन. (मणीय व्यक्तिमालत निक्रि मार्गाशास्त्र मा कहिर्त डाँकामिर्भन যুত্ত হাইৰে না।

গ্রণ্র জেনরল এদেশের অবস্থাত अतिकामप्रदेश अद्भारमा व्यक्तिका क्रमः গ্রহারজ্ঞ বলিয়া উক্ত অভিশায় বাজ করিয়াছেন, তাহা নহে। সামান্যতঃ শিক্ষাসমূলে যে গ্লীত প্রবর্তিত ও যে যুক্তি অনুষ্ঠ হইল থাকে, ভিনি ভদব লহুন করিয়াই **শম**স্ত ৰান্তৰ করি রাছেন। আমরা দেশের অবস্থা স্তক্ষে বেরাপ দর্শন করিতেছ। এবং লোকের মনের ভাব যেরূপ জানিতে পারিতেছি, ভাহাতে निर्देश करिएक भारि, श्वर्गत स्क्रमत्रन বাহাত্র যে যুক্তির অসুসরণ করিয়া কার্ষ্টে প্রবৃত হইতেছেন, তাহাতে কুডা-র্যভালাভ করিতে পারিবেন না। বালক

দিগের শিকা সম্বন্ধে অবলম্বিত যুক্তির ক্রীশিকা সম্বন্ধে ফলোপথায়িতার সন্তা বনা নাই।

षांचि अत्मरमंत अधिकमः धाक लारक छार्यात निमित्त वानक प्रिश्व विपार শিক্ষা দেন না। পুত্র পণ্ডিত হইয়া व्यर्थ উপार्क्तन कतित्व, अहे अत्कः শেই পুত্রকে লেখপড়া শিখান। কন্যাসন্থানেরা পুত্রদিগের ন্যায় অর্থো পাर्জन कहित्व, तम आभा नाहे। क्करना भा क्रिंटन त নিমিত্ত লেখাপড়া निथान भावनाक, এ ज्वान श्रिकां रामत नाहे। यथन अक्रांश इहेल, उथन कनाम স্তানের শিক্ষাদানার্থ অর্থব্যয় করিবার প্রবৃতি জ্মিবার সম্ভাবনা কিণ্ এত দ্রির আরো অনেক চুনিবার এতিবন্ধক व्याट्य । वालकपिट्रांत विषया दममकन প্রতিব্যাক নাই। জীশিক্ষিত্রীবিরহ ত, খে। একটি প্রধান। পুরুষ শিক্ষকের निक्टि वालिकामिरात , अधिक व्यक्तिम প্র ভাশিকালাভ সম্ভাবিত নয়; এটি কাহারে। অনুমোদিত নহে। এই নিমিত याँ होता विवादहत शूर्त्व कनामिशदक विकाशनरश अधवन करतन, विवादकत शव जाहामिशदक विकासित याहेट उपन ना। কিন্তু ক্রীশিশয়িত্রীর নিকটে এরপ শঙ্ক। थारक ना। यडबर मर्कारश खीं भिक রিত্রী প্রস্তুত করাই কর্ত্র। কিন্তু গ্রণ্র **टक**न्य वाहायुद अपनभीशनित्यत माहाया লইঃ৷ ঐ অভীউ দিদ্ধ করিবার যে মান্য করিয়াছেন, তাহা সফল হইবার म छात्रना नाइ। उभरत आपर्भि ह हैतारह এদেশের অধিকাংশ লোকের কন্ধর भिक्तामात्म श्राह नाहै। जाहाता (व শিকার্থ শিক্ষয়িত্রী (मर्डे क्नाप्त প্রস্তুত করিবার নিনিত্ত অর্থদারা সাহায্য कतिर्वन, छाहा रकानकर्महे मञ्जाविष् नदर ।

अक्रां आमानिर्गत वक्नवा अरे,

গবর্ণমেন্টের যদি এদেশীয় রমণীগণেক।
শিক্ষাদানে আন্তরিক ইচ্ছা ও বত্ন
থাকে, তাহা হইলে অন্ততঃ .৫ বৎ সরের
নিমিত্ত তাঁহারা কি জীনম্মাল বিদ্যালয়
কি বালিকাবিদ্যালয় যাবতীয় জীবিদ্যালয়
লয়ের যাবতীয় ব্য়েভারও কার্যাদশাদ
কতা ভার অয়ং গ্রহণ করুন। যে বিষয়ে
এদেশীয়দিগের চির কালের বিপরীত
সংক্ষার ও অনভ্যাসনিবন্ধন বিবেষ
আছে এবং যে বিদ্যাকে ইহাঁরা অর্থ
করী বলিয়া ফ্রান করেন না, তাহার শিক্ষা
দানের প্রথম আরম্ভসময়ে গবর্ণমেন্টকে
স্বয়ং সমুদায় ভার গ্রহণ করিতে হই
য়াছে। মেডিকালকালেজ ও সংক্ত
কালেজ তাহার প্রমাণ।

'' এরাই আমবার বড়লোক। <del>১</del> আমভিনয়।

আমাদিগের এক মিত্র উ,ল্লিখিত নাট কের ম ভনয় দেখিতে গিয়াছিলেন, তিনি ভৎসংক্রান্ত যে প্রস্তাবটা লিখিয়া পাঠা ইয়াছেন, তাহা পাঠকগণের গোচরার্থ এই স্থলে সাদরে গৃহীত ও প্রচারিত হইল।

নব্য বন্ধবাসীদিণের সন্ধাতিবিষয়িণী ঃ চির
সম্পূর্ণ পরিবর্ত্ত দেখা যাইতেছে। আর যাত্রা,
কবি, পাঁচালিতে তাঁহাদিণের প্রাকৃতি ও
প্রীতি নাই। অবকাশকালে সন্ধাতিদ্বারা
চিত্তবিনাদন করিবার ইচ্ছা জন্মিলে তাঁহারা
আর সন্ধাতব্যবসায়া সোমানার যাত্রা ও কবি
ও য়ালার শরণ লন না, আপনারা নাটকের
অভিনয় ও একতান বাদ্যের দ্বারা অভিলাব
পূর্ণ করেন। ফলতঃ এই ফুটবিপাগ্রির
সর্বতোভাবে কল্যাণকর, ইহাতে চিত্তরপ্রন
ও চিত্তের উৎকর্ষবিধান যুগপৎ তুই অভি
থ্রত সিদ্ধ হয়। অপর এতন্থারা আত্মন্ধিক
সন্ধাতিবিদ্যান্ত উয়তি সাধিত হইবার সন্তা
বনা হাটে।

সম্প্রতি ঠনঠনিয়াতে একটা নাট্যালয় হ'ই

য়াছে। গত শনিবার তথার " এঁরাই আবার বড় লোক দ নামে এক নাটকের অভিনর হইয়া গিয়াছে। অভিনয়ের সলে একতান বাদ্য ও গতিক ইইয়াছিল।

नार्षेकश्रामित উদ্দেশ্য অতি প্রশংসার্হ। স্থ্রাপানের দোষোলেখ করিয়া তাহা হইতে লোককে পরাওমুধ করা ও স্থরাপান প্রভৃতি ক্তিপ্র কুক্রিয়ায় আসক্ত হওয়াতেই নব্য ৰালালিয়া বে স্বদেশের রীতি পদ্ধতির সংক রণে প্রাব্ত হইয়াও বিফলপ্রবন্ন ও পরি ামে হাস্যাম্পদ হইতেছেন, তাহা প্রমাণ করা এই নাটকের উদ্দেশ্য । বক্তৃতা বা লিখিত উপদেশ অপেকা নাটকাভিনয়ের কুপ্রথা ও কুকর্ম দ শোধনে বিশেষ ফলোপ ধায়কভা আছে। কারণ রঙ্গ ভূমিতে উক্ত কুৰুৰ্দ্ম সকল ও তাহার অবশ্যস্তাবী ফলসমূহকে মূর্তিমান্ করিয়া প্রদর্শন করা হয়। ভাছাতে তদস্তগ হ নীতি লোকের বিশিষ্টৰপে হাদয়সম হয়। কিন্তু কতক গুলি কুকর্মকে মৃর্ভিমান্ করিতে গেলে অভোতব্য कथा ও অন্তথ্য দর্শন দেখাইতে ও শুনাইতে হয় স্থতরাং গেই সমস্ত কুকর্ণো ৷ রঞ্জ ভূমিতে আন্দোলন সঙ্গত হয় না। "এঁরাই আবার ৰড় লোক 🤊 এই নাটকথানিতে সকল দোবের বহল পরিমাণে উর্বো আছে, অতএৰ উহা বে সমাকৰপে जनग्रह्या गा একথা आंभद्रा निर्फल कि :রি •1। গ*ি*ায় অতি হুন্দর গ্রন্থের বে ে ও যাবভীয় 😘 ধ্বয় গাহী হইয়া ছিল। অঞ্জনা, পার্টনাদ, রোদন, ভাহত হইয়াভূতলে পতন ও মৃতকল্ল হইয়া শয়ন এবং সুৰ্য্যান্ত বিত্যুৎ মেঘ গৰ্জন ও বজা যাত প্রভৃতি অতি হৃদর ও এরুতির অসু প হইয়াছিল। 'মাঠার কেণ্টোকিশোর স্অতি চমৎকার অভিনয় করিয়াছিলেন। কিণ্ড বার ষার কৌতুকাবহ কথা ও ভঙ্গীদারা শ্রোভৃব গের হাস্য উৎপাদন করিয়া তিনি নিজেও এক একবার মহাস্য আনেয় ভাঁহাদিগের প্রতি দৃষ্টিপাত করিয়া,িলেন। যাহা হটক, অভিনয়ের গুণই অধিকাংশ, দোষু অভি অল অতএব সেই অতি অল মাত্র দোষের কথা উল্লেখ করিলেই পাঠকবর্গ বুঝিতে পারি

বেদ যে তদ্তির অভিনয়ের আর সমস্ত অংশই প্রশংসনীয় হইয়াছে।

রাজা বাবুই প্রধান অভিনেতা। ভাঁচাকে বারস্বর রুক্তুমিতে উপনীত হইতে এবং প্রতিবারেই অনেক কণ ধরিয়া গ্রোভ্রণের চিত্তরঞ্প করিতে হইয়াছিল। ভাঁহার অভি मग्रकार्या विकक्त निभग आह्य ध्वर সামাজিকদিগেরও চিত্তরঞ্জান इहेब्राছिलान। किन्छ य य य ज्वा नक्ष ज कथा क इंट इम्र, मिहे मिहे अल मिब লক্তি হইয়াছে। ফলতঃ কেবল ডিনি বলিয়ানন, যিনি যিনি আয়োগত কথা বহিয়া ছেন, ভাঁহারই সেই দোষ দেখা গিয়াছে। আত্মগত কথা ধীরে ধীরে কহিতে হয় তাহার মধ্যে মধ্যে বিরাম চাই, ভাব সুসারে আকার ইঙ্গিতের তারতমা করিতে বয় এব এমন স্বরে কথা কহিতে হয়, ৰে ত। इ के के इंडेटर ना, अवर क्या छ ल সকলে স্পষ্ট গুনিত্তে পাইবে। কিন্তু আমরা कथा कहिट्डिइ, ষে অভিনেতৃগণের তাহাঁদিগের ঐ সমস্ত বিষয়ে দৃষ্টি ছিল ন:। ভাঁহারা যেন পুস্তক দেনিয়া পাঠ করি তেছেন এমনি বোধ হইয়াছিল। '্ডাক্তর বাবুর ৽ উচ্চারণ লৈ অতি জ্ঞতিকটু; তিনি যথন ' এই অন্ধানে অংক্ত স ইত্যাদি বচন গুলি কহিতে আরম্ভ করেন ভখন যেন কাণে বজাঘাত হইল বলিয়া নোধ ছইয়াছিল। আবা, স্ত্রীলোকে শুরু ও সংক্ষ ুকণা কহিলেও সেইকপ কঠোর শুনায়। শ-িমালা 'হ বিধাতঃ!" বলিয়া খেদোন্ডি ना कतिया यनि 'दश विषया भ बनिएडन তাহা হইলে ভাগ লাগিত।

একতান বাদ্যও তানলয়শুদ্ধ ও মধুর
ইইয়াছিল। ইলা অভিনয়ের একটা প্রধান
অলাইকা না পাকিলে অভিনয় আদ্যোপাস্ত
স্থির ইইয়া শুনা অতি কঠোর ব্রন্ত হইয়া
উঠে। যাবতীয় যন্তের ঐক্য থাকাই এক
তান বাদ্যের প্রধান প্রশংসার বিষয়। ঠনঠান
যার একতান বাদ্য সম্প্রদারের যন্ত্র সকলের
বিলক্ষণ ঐক্য ছিল কেবল টোলের বোল
কিছু উচ্চতর হইয়াছিল। ফলতঃ যিনি ঢে,ল
বা দাইয়াছিলেন, ভিনি সে বিষয়ে ভা

দক্ষ জ্ঞান হয়। কেন না, ঢোলের বেলিগুলি
থেমন প্রাপ্ত বেমনি ভারানিগের লালিত্য
ছেল। কিন্তু পেলের বোল ও অপর যন্ত্রের
থ্য কাল পুথক লাগিলে একত ন বাদ্যের
থিয়া সম্পূর্ব বো উপলক্ষি হয় মা। আগা
সংখ্যা বিদেহনায় একতান বাব্যে চোল বাদ্য
লাব নিশেষ পাণ্ডিত্য না দেখাইয়া কেবল
থাকে প্রানিয়া গেলেই পর্য্যবসিত ইউত্ত

#### मुक्त श्रुष्टा

5। वाविकामर्यन। धर्यान ১१৮७ শকের কেয়ার এসোদিয়েসনের বিজ্ঞা-প্নানুষ, বে জীযুক্ত ভগানীশ তর্কলকার कर्द्र वित्र है । इंश्टि कि निमित्न कन সমাদে বাণিজ্য প্রথা প্রবৃত্তিত চইল, কি কারণে মুদ্রার সৃষ্টি হইল, ব্যাসায় कत शकाव जवर काम काम एकाम कि কি দ্ৰবা অধিক পৰিমাণে প্ৰাপ্ত হওলা श्य इंड्रामि १ दशकारीय छ। उत्रा সকল বিশেষভ্ৰমে *লি*;খভ হটয়াছে। গ্রনার বহুণত্ত্র এই এন্ত্র্থানি প্রণয়ন-পূর্বক উ.ছার অন্যান্য সহযোগী অপেকা সম্বিক উৎক্ষালভে করিয়া পুরে ক্ত এর্দাসিএগনের নিক্ট ভাইদের প্রত জানুদপ ২০০ টাকা ও গ্রন্থন্ন कतिशारकत। छ। यस अस अप सोर्गे। हेहा काता ममारकत भारतक देशकात नार छत्र । मद्भावना थाट्य।

## বিবিধসংবাদ ২২০ বৈশাশ দোমবাব

্ঠ এ এপ্রেল আগারার ইউবোপীয় বিদ্যালি দিপের বা রক দক ইইয়াছে। ঐ বাহিকটা ভূগা দুংলিত ভেল। দাহকালো প্রবল বায়ু প্রবাহিত বিভাগতে সমুদায় ভাষাধ হুইয়া গিয়াছে।

হাব সাজে স্থি ও সিংনের বিশেষ প্রান্ধ ইয়াছে গ্রাহন পুলিষ কিছুই করিছে পরিছে গ্রাহন প্রান্ধ আনেক ছক্টাইতে লোকে বিশ্ব করি বিভাগ করে, কিন্তু সুনিই ভাষ্টাদিন প্রায় বিশ্ব করে ব্যাহা সম্প্রি উহাদের চারি

জনঃ পুত হইয়াছে। মাজিটেট উহাদিগ্রে রেইলওয়ের এজেন্ট হইয়াছেন। লাহের ক্রনি সেসিয়নে অপনি করিয়াছেন। ক্রিয়াছেন। কেল বলেন পঞ্চাবের রেলওয়েকোল্পানি প্রকৃত

বঙ্গদেশীয় গবর্গদেও আজ্ঞা দিয়াছেন, কলি কাডার পুলিষে আইনজনুসারে যত টাকা আদায় হুছা, ড হা পুলিষ কণ্ডে জনা হয়ে। জন্টিন-দেলের হস্তগত হুইবে। এই টাকা ও পুলিয় কর এক প্রীভূত করেয়া ভাটিস ও গ্রথণেটের প্রবেবির্য়াণশ নিজারিত হুইবে।

মহী সূত্রে ভূতপূর্ণ রাজ্ঞার পরিজন ও ১৪ র সংগ্রে প্রাক্তপালনার্থ ৩৪ লক্ষ্ণ টাকা নূল নেখন্ত্রপ পাবিবে। পরিবার্থস রাজ্ঞ পাইতে পারেন গক্ষ্ম রাজ্ঞার ভাঙ্গি, গায়ক প্রাক্তব রাতি পাইবার কি অল্প থাছে ভাঙা জামরা কুরিতে পারিলাম না।

কলিকাভার আর্ক । ডকন প্রণট শীঘ্রই পদ ভোগে করিবেন। বেববেও কেব আটিণ ও বেববেও বর্জ এই পদেব প্রাথী ইইয়াছেন।

এগাং বাঙ্গালোর ও নীলগিরিতে এমন গ্রীপা হইয়াছে, যে অ তশ্ম প্রাচীন লোকও বলিতে সেন উছোৱা কথন এমন কট্টোগা করেন নাই। গুজরিণী কূপ ও নদীসকল শুক্ষ ইইটেছে। জল পাওয়া ভাষ হইয়া উঠিয়াছে।

भाने अव्हांत अनानी अव्हांत्र क्यांत्र जनने त्म हे आखा निमार्टन मान अञ्चा व्याधिनसम्बद्धः भातालात व किरात ६ छ काहित्क लातिरका। अव्हालका अभित्तर मध्यात छ क्छित लाहिमा त्या द्रांत्र का क्यांत्रता

মগলবাৰ এক ব, ক্রিকে কলিকাভার পুলিয়ে জান্ত্রন কর। হয়। পূর্ণা দেবস সর **জন লাবেসে**র गक्तात प्रभाषा वापी श्रेट्ट विविधानकारम ণ ব্যক্ত ভীগ্র नको स्विञ्चि अभाव ह भा न इर्फ़्यून सम्बद्ध खाँबाड कहिबाद (हड़ी) कर्रा अकेरिशलक खरकमार व्यवजनत्क व्यवश भित्र लहेश्वा (राज्य, अवा के बाख्कि पुष्ठ **इहेग**ा ডাচাকে এই কম্ম করিবার কারণ **ভিজ্ঞাস**। क्यारक म व लग नाहरमभ हेरिक्द विक्रा জাবেদন করা ভাহার আভিপ্রেড ছিল। একণে মাজিটেট ভাষাকে বটিন পরিপ্রমের সহিত কারাবাদের আমাজা দিয়াছেন। কাজালী ভাল इम्र नाहे। श्रीकारल व्यक्तिमामा बाह्यि छ দাকাৎ দহকে রাজার হস্তে আবেদন দিতে भारतिका। लाउँ एउन होनि अ श्रकात जारबहर গ্রহণ করিছেন। কিন্তু সর জন লরেশ ঐ ব্যক্তির **प्रशास्त्र मन्त्रक रहेन्नाइन । এ शकांत आदि** मन अरुटन भवर्गत (कानर क्यांत वि (भीतर काट्य ভাহা ভাঁহার বিবেছনা করা উচিত ছিল।

লক্ষে এর কমিশনর সেনাপজি আবট পঞ্চার

রেইল ওয়ের এজেন্ট হইয়াছেন। লাছের ক্রণি কেল বলেন পঞ্চাবের রেলওয়েকোম্পানি প্রকৃত রূপে কর্ণেল এলফিট্টোনকে পদচুত করেন নাই। তিনি বড দিন কর্ণেছ স্থানিত ভিলেন, তাঁহাকে সে সময়ের বেতন ও ডাইর আর ছয় মাসের বেতন পুরস্কার দেওরা হইয়াছে।

ইংলিদ্মানের কাবুলক্ষিত সংবাদদাতা বলেন, এক জান রুশীয় দুছ শিয়ার ,জ্মালিব नि नात् डेपञ्चि स्हेपार्छ। हाति . त्रिलाग्ने ক্শীয় গৈন্য বাকের অস্তর্গত মাইমুনাতে আন্সরাজে খাজিম খা কান্সাছারে গম্বো দ্যত ভূচ বেজিমেট সৈন্যকৈ প্রভাগনয়ন করিয়া ফর করিয়াতের। ওাহার ৪০০০ মাত্রে रेभगा आह्य। जिम स्पा ७ होका प्रांच लिहे दलशूरिक धहर करत्न बलिया लाहकत অতিশয় কষ্ট 🛷 অদন্তোষ হইয়াছে। সিয়ার ভালীর পুত্রগণ কাবুল হইতে পলায়ন করি-য়াছেন : কেবল স্ত্রীলোকেরা তথায় আছেন করেকজন দর্দ্ধার ও কাবুলের মুস্তক্তি কারারুদ্ধ ধ্ইয়াছেন। সিয়ার আলি খাঁ। নিজে কাল্চাহারে काशिक्षारहरू में शिश्त श्रुष कावृत्र बाद्ध प्रभ করিবর নিমিত্ত অঞ্জনর হইতেছেন। এ বার জাংজল রহমন থাঁ আহিম খার সাহায় করিছেছেরেন না। অভএব অভিনকে অংশ ই भूता, अन्त वहा ।

১৮৬৯ মন্দ্র মন্ত্রে লক্ষ্যবাই পর্যত্ত কড বেলওয়ে প্রস্তুত হইলে।

গব্ধি ক্লেম্বল সিম্লাকে উপস্থিত ইইলে ভারতব্যুমি ব্যক্তিপক সভার পুন্ধাত ভাগ্ধে শন্তইবে। এ সম্থ প্রারের জনীদার ও কুল্ফ সংজ্ঞাত বিল কইয়া তেওঁ হইবে। এই নিমিত্ত প্রভাবের লেক্টেন্ট গ্রহার সাং ডোনাল্ড মাক্লিয়েড্কে অহ্রান বরা হইয়াছে।

গত শ্নিবাবের গেজেটে গিটনকার সাহেবের প্ররাষ্ট্র বভাগের সেন্দেটোরির পরে নিয়োগের বিজ্ঞাপন হইরাছে। তিনি যত দিন অনুপঞ্ছি থাকিবেন, ক্রেফ দিন সি, ইটা, এটিক সাহেব ভাহার প্রতিনিধি হইবেন।

আগানী জুন মাসে সিকুর স্পুত্র সম্পূর্ণ চইবে। মার্চ নাসের শেবে ৮৭০ ৭৫ ফুট বাকি ছিল। স্কুড়ান্তর এই অংশটী একটী পর্সাক্তের মধ্য দিয়া কবিতে হইভেছে। ইঞ্জিনিম্রগণ প্রস্তঃছ এক হস্তমাত্রপরিমাণ স্তঃপ্র করিছেছেন। পোসোয়াবপ্রাক্ত যে রেলওমে, হইবে, ভাহা এই স্কুড়ান্তর মধ্য দিয়া হাইবে।

পাৰনাতে অভিনয় গুলাউঠা হইতেছে। ডব্ৰুত্য দিবিল ও সুৰ আসিষ্টাক সাৰ্জন অভি againeary grands and a second and an area of the second and an area of the second and an area of the second an A second and a second and area of the second and

ক রভেছেন। কিন্তু আবার ছই ভিন জান চিকিৎ मक ना र्हेटल जिक्दलत माहाय, इउसा जनखर । আমরা অবগাত হইলাম, পাবনার মাজিটেট इइ छन मर जानिशेले मार्कत ७ करप्रक जन এত লেশীয় চিকিৎসককে প্রেরণ করিবার নিমিত लि थिशारक्रम। এ বার সর্পাত্তই ওলাউঠা इह-ডেছে। এই সময়ে জগরাধক্ষেত্রের পাণ্ডাগণ याजितर वह कविट्रड्डा व्यामता त्वाय कति, পুলক'র ভই বংসরের নায়ে গবর্ণমেন্ট এবা রও এক বিজ্ঞাপন দিয়া যাত্রীদিগকে সভর্ক করি

সম্প্রতি আগরার প্রধানতম বিচারালয়ে এক ইউরোপীয়ের মকদ্দমা উপলক্ষে উহার ते कील এउटमनीय ख्रातिमिशदक विष्कृष्ठ कात বার প্রস্তাধ করেন। কিন্তু প্রধান বিচারপণ্ডি উহা জন্মাহ্য করিয়াছেন।

भिश्वानदक: टिव व्याष्ट्रकोट्ड शुक्काट्यत নিমিত কাশ্মীরের রাজা ১৫০ ভারের এক বৃহৎ শ্ববিশাত্র প্রদান করিয়াছেম। ইহার মূল। ১৫৫০ हेका। ताला :शाइमीटइत नाम वानिष्ठात প্রতিধোগিতায় উংসাধ্প্রদান করিলে যথার্থ भरकार्धः करा ६४।

গুড়েশুইডেচেড বোধাইয়ের সোকেরা এলি ফা-টান পর্মাত গহলাস্থ মানদর দর্শন করি।ত গমন করিয়া খাকেন। ঐ দিবদ পাছে দকলে লু গুটিয়ণদ্ম'পুলাবে আরাধনা করিতে ক্রাট করেন এই আশস্কায় বোধাইয়ের उम्मदের চাপলেন दिवत्त्र छ छवलि छे, वि, किशांब मिहे भव्वदं भिन्ना। डिशानमा कविशादन्त । এই উপাসদার ফল कि ?

প্রথম কমিননৰ অর্জ্জ কার্যেল মধ্যভারত वरनंत्र भिष्ठानाभिभालि देशभूहत्क (ऋक्षामा भाषा রণ হিতকর কার্যে। উদ্ভুত টাক। বংশ্ব করিবার व्याक्त निमाहित्सन। जन्त्रुनारत विक्रमचार्हत शिट्रे बिशिशालिए अक शस्त्रित कतिवात काका। नियार्टिस । अञ्चल खार्स किङ्क्तिस विकालि कांत्र शाक्ष कांत्र मा कहेला এक्रभ वाधीनका वना नाहै। भूमी वाकालांत दिलक्षा कांग्भी कि ह आध्या जामधीविक हहेलाम, भूलिय প্রদান করা অনুষ্ঠিত। কিন্তু বঙ্গদেশে স্বাধীনতা क्षनात्मंत्र नमग्न खानियाद्यः।

**७म, है। छिग्राम** मार्ट्य সংস্তে উত্তমরূপে পরীক্ষা দেওয়াতে ২০০০ টাকা পুরস্কার পাই याट्ट्ना कत्राकावाटन्द्र प्रश्काती, माजिट्छे हे পি, হোয়ালি সাংহব উদ্ধৃতে উত্তম পরীক্ষা (मज विलया ১०० मै होका अवर २८ शतराजात काहेन्छे माक्रिएकेष्ट (स्त्र, अरु तिस्त्र ও कालनात क्रिता छेडिछ

----भन्न পहिल्लाम क तमा विश्वत लाटकत नाश्तमा नश्काती मालिएके ला, यात शटकी नाट्य বাঙ্গালায় উত্তম পরীক্ষা দিয়াচেন বলিয়া ১০০০ होका क्षाक्ष, इहेश्वरहन । हेड्रांद्रा हातिकानहे । चार्डन। हेड्रांतिरशत् मरना चाल्कमातिनरशत तिविनियान ।

> कर्मेन वत्रत्र ल्एकोएश्त रशूमा मनकिएन ঘাইবার চেষ্টা করাতে যে দারগার সহিত তাঁহার माञ्च। हथ, 'काहारत (को इनुश्चरन वक क. देशा | কঠিন পরিপ্রমের সহিত এক মাস মেয়াদ খাটি बाब्र ज्यादान्य कटा ६हेग्राटक कर्दनेय बद्रम (घ का निया एक निया अक भवान अना एयत भवानित्र অপবিত্র করিতে গিয়াহিলেন, ভরিমিত্র ভাঁহার कि किछूरे स्टेटन न।?

সম্প্রতি ভারতবর্ষীয় রেলওয়ে কোম্পানি माजिएके के मिर्गत विकास अहे विलया अधिरयोग করিয়াটেন, কোন কোন ব্লিক স্তব্যপরিমাণ विष्णा क्षाज्ञात्रभा कतित्व माजिएक्रेडेगन मछिव भित्र 8) ६ श्रांबाञ्चनाटत डॉल्सिनिगटक मध्य मा निद्रा क्वित (त्विव्यः । व्याहेन क्यूमारत स्किंगः था ৫० होका अतिमाना करतन कि ह हेराएउ পুর্বতা নিবারিত হইতেছে না। জরিমানার পাইমান আরও কিছু সৃদ্ধি করিলে ভাল হয় ; জেলে দেওয়া উচিত লঙ্গে আমরা বোধ করি गवर्गमणे अहे अखिरमां अधारा कतिरवन !

সম্প্রত অপ্রেলিয়াতে এক জন ফেনিয়ান এডিনবরার ডিউককে বধ করিবার চেষ্টা পাইয়া অকুতকার্য্য হওয়াতে অবোধনক ভালুক লাবনাণ আহ্লাদ প্রকাশ করিয়া রাজ্জীকে এক খ্যাভনন্দনপত্র প্রদান করিবেন।

গ্রব্মেণ্ট আপাড্ডঃ মাত্রা রেলওয়ে আপনারা চালাইবেন। পোটকানিও কোম্পানির शृष्ट् विवान प्रक्तिया (शहन अहे (बन अहा उँ। हा निशतक श्रमान करा (लण्डेन हे भवर्गतंत्र हेन्छ्। আমরা ইহার প্রতিবাদ করিতেটি। পেটিকানিও (काम्भानित स्व मकन का छ अकानिक व्हेसार्क. ভাছাতে একটি বেলওয়ে ভাছানিগের হত্তে श्रमान कतिरम व्यनिष्ठ वाष्ट्रीख देष्टेमारखंद गर्या निरक देश क्षमान कराई यथार्थ ताकनी जि

সম্প্রতি শিলার সাহেবের ব্লুগণ এক সভ। র্ফনগরের ছোট আদালতের জল আর করিয়া পেটকানিও কোম্পানির অংশীদিগকে जाक्ताव कत्रित्राङ्गितनः कर्त्रकजनमञ्ज ज्ञारनी व्यागमन करतन। अहे नेकांग्र शतकातरक गाला शामि ७ (हातन्ता शकुष्ठि मञ्जाकत वावहात হয়। কলিকাভার কোন সভায় এমত কাও দেখা याग्र माहे। शिलात न'स्ट्रवृत वृत्वित्रा काल्ह ২৩ এ টাশা**র মঙ্গা**র।

लरको अब कारनरक अकरन ७३ ॰ जन छाज পুত্র ও আব্দীয়ের সংখ্যা ২৪ জন মাত্রাসে मिवन हाजिनिगरक श्रीवन्द्रीत श्रमान करियात नगरम প্রধান কমিদনর ডেবিস সাছেব এ নিমিন্ড বিশেষ काटकथ कित्राट्डन।

२३ এ এ( धन कुक्तिगात द्कित मगर अकृ ঝাউগাছে বঙাপাত হয়। ইহাতে রুঞ্ের সকল माचाल्ल श्रञ्जनिज इहेग्रा मज नफ मनारतत माप्त अभी श्र इरेग्नाइन । अपनक लाक जे गमए উপস্থিত ছিলেন। বুকিতেও ঐ অগি নির্দাণ করিতে পারে নাই। ইহাতে সকলে আকর্ষ্যা-मिड रहेश हिल्ला।

উপনগরের মিউনিদিপালিটী উপনগরে বাস্পীয় আলোক দিবার প্রস্তাব অগ্রাহ্য করিয়া ছেন। সভাপতি শ্মিথ ও সহকারী সভাপতি হাল ডেন সাহেব এই আলোক দিবার প্রস্তাব আহ্য করাইবার নিমিত্ত অনেক চেষ্টাগ্রান। কিন্ত উপন গবের অধিকাংশ লোক দরিত্র বলিয়া ইছা আছে হয় নাই। উপনগরের মিউনিসিপালিটির বুদ্ধির ক্ত দৌড়, তাহ৷ ধাঁহারা ছন্তাগ্রিবন্ধন তাঁহা भिरात अभीरन आहिन, डीहोताई आरनन

क्ति निष्ठेग व्यवन कतिय एइन, खून गारमत ১৫ ১৬ ই लেপ্টे । गेर्ड श्रवर्त आभाष्य श्रमन क्रिंद्रदन

উক্ত পর অবগত হইয়াছেন, ব্রেয়ার वन्मत १६८७ (य बकारमनीय तामकुमात्ररक छ।भन পুরে আনম্বন করা হইয়াছে, উহোকে মাদিক e • • টाका वृद्धि निवात व्याच्या व्हेप्राट्छ।

গত কল্য গোঁয়ারা মাটিদিবার সময়ে মাণিক তলার নিকটে এক জন মাতাল দিরিলি কয়ে চ क्षम (ग्रीयायाच्करक अव्हात करत। এড मिन जन অ:ভিশ্য গোলখোগ হয়। এক জন ইউরোপীয় পুলিষ কর্মহারা তৎক্ষণাৎ ভাগায় অ সাতে মুনল मानगन এই मां जारलंद श्रहांद इरें एक देवा नारा। কশ্মচারী এ ব্যক্তিকে কেবল শতক্ষাত্র করিয়া ছাভিয়াদেন। এক জন মুসলমান যদি কোন গিরজায় এপ্রকার কারত, ডাহা ইইলে কি इंडेज? **अथवा श्रुलिय कर्फा**ठाँदीत माच कि? यथन कर्णन (वात्रमहरू निवायन कतिया महत्र) शत मित्रित्व मात्रभा कार्तात्रक व्हेब्राट्डन, ज्यम अक জন অনিকিত পুলিবপ্রহরীর কি ওরূপ কার্য্য क्तिएंड माह्म इस ?

(वाषाई (शटक) कावून हरेएंड जरवान भारे

and the same of the same of the same -98-

আফিম খার পুত্র হয় হত নদেৎ বন্দীভূত হইয়া ন।। ছেন। কাবুল আক্রমণের সভাবনা হওয়াতে क्यांक्रम थी। अबर युक्तार्थ कार्यमत इहेर उट्टन। কাবুলে অভিশয় গোলবোগ ইইভেছে। আব ভুল বুহুমন খা সাহায্য দিতে অস্বীকার করিয়া ্ছন। আর কয়েক জন সন্ধারকে কারার দ্ব করা इडेश:(इ)।

হিন্দু পেটি মুটের এক জন পত্রপ্রেরক বলেন, : ৮৬१ करकत ১२ हे मार्ड क्षधान दिहात्रशास्त्र. হিচারপতি ট্রের, সক, কেম্প গুমাককার্শন ব্লপুরের এক আংগীল আবণ করেনঃ কিন্ত এ প্রায় ভাছার পোন আজা দেন নাই।

উক্ত পত্র ক্ষ্ণনগর হইতে সংবাদ পাইয়া ্রেন, সম্প্রতি ভব্রত্য সিবিল সার্ক্তন তাঁহার এক स्मम फुरछात्र नारम এই বলিয়া नालीम करत्रम थः ঐ ধ্যক্তি ভাঁহার কতকগুলি মসল। চুরি করি য়াছে। ডেপুটি মাজিকেট বিশেষ প্রমাণবিরছে এ নালীশ অপ্রাহ্য করেন। কিন্তু আশ্চর্যের বিষয় এই যে, ভত্ৰভ। জাইন্ট মাজিটেট নিজে পুনর্কার বিচার করিয়া এ ব্যক্তির কঠিন পরিজ্ঞ মের সহিত ছই মাস মেয়াদ দিরাছেন। করে। ত্মাপীলে অবশাই মুক্ত হইবে। এই সকন লোক। व्याणि मिर्गत्र विहातश्चनानीत कलक अन्नभ ।

२६ अ देवनाथ वृषवाद्र ।

वक्राम्भीय भवन्यार्ग्येत अक्षम अञ्चितिक शिटकोशित किरशारभत विषया मत श्रीरकाछ नथ কোট অসম্বতি প্রকাশ করিয়াছেন। ভি.ন বলেন আরও বিশেষ প্রমাণ না পাইলে ভিনি এই প্রস্তাব আহা করিতে পারিবেন ন।। ভারত वधीय भवन्ति है जनकड वर्य करतम, अ मरकाव মা অবিলে ভেটসেকেটারির এরপ লেখা 7.時後 夏夏 町11

সক্রতি আড়কাটির দোষে এথেন ও আগা भिमनन बाहारक प्रतम्भात धाका नाजिया छिछ्य काराक महे रहेग्राहिन विनया आफ्काहित्क माभूजिक विघानामास व्यर्भन, कहा १हा। जुनि ध वर्राष्ट्रक निर्माय कतिशास्त्रमः अहेनकन নামরিক ও নামুদ্রিক বিচারালয় উঠাইলা (२० साहे कर्तनः इंट्राइ) वर्षमान स्टूल (य যথাথ বিচার হয় নাই, ভাগা সকলে বলিতে (BAI

পিয়নিয়র বলেন, সম্প্রতি বতকগুলি চোর আলাহাবাদের গবর্গমন্ট বাটা হইতে ৩০০ টাকা ছুরি করিয়াছে । ইহারা অদ্যাপি ধৃত হয়

আলাহাবাদের অন্তর্গত শাহপুরে সম্প্রতি लिक्ष अ:हरनद अञ्चनाती अक विहात स्टेंग्न'रह। অ্যোগ্য ও আল ছাবাদে পাসিনামক এক জ্ঞাতি মেধার আছে, ভাষালা প্রায়ই চুরি ও দস্তো করে। এক জন পাদি শাহপুরে সর্বদ। চুরি করিত। দে সম্প্রতি ধৃত ছওয়াতে আমস্থ লোকেরা ফৌজদারি আদালতের মুখাপেকা না করিয়া ভাছাকে প্রহার করিয়া ভৎক্ষণাৎ निक्रवे वहीं अक वृत्य के कि को इस वर्ष कहिया एक स्राभीश कर्कुनक वर्तना, हूर्तित समा देश रहा नाहे, একটা জ্রীলোককে লইয়া এ কাণ্ড হইয়াছে। ১২ জন লোককে এই কারণে হাজতে দেওয়া হই यारक। विठातभाजिमरगत्र निकटि य स्विवेहात হয় না এটা ভাহারই প্রমাণ।

রাজপুতনাও উত্তর পশ্চিমাঞ্চের কোন কোন স্থানে কুঠরোগদিগীকে জীবিত সমাহিত করা হইয়া খাকে। শিবোহির পোলিউকাল একে ট সম্প্রত ইহা গ্র গৈটের করি !

ইভিয়ান ডেলিনিউস বলেন, পার্দের অহি ফেনের চাষ এত হইতেছে যে কডকগুলি বৰিক পিকাপুৰপ্ৰভৃতি স্থ'নে ইহাৰ ব্যবসায় কবিবার নিমিন্ত এক প্রেনি বাম্পীয় জাহাজ নিযুক্ত করি 🖟 ग्राट्डन।

গতকল্য এক জন গাড়োয়ান বিবি ব্রিজেস नाम এक जन इंडिट्सानीय खीटलाटकर नाम এই বলিয়া নালীশ করে যে দে ভাছার গাড়ী ভাড়া (দয় নাই। সংক্ষারা ভারার দবি সপ্রমাণ হওয়াতে ভাহাকে কাড়াও গ'ড়োয়া নকে ক্তিপূবণ স্বর্প ছুই টাকা দিবার আছে। হয়। বিবি প্রিজেস ইহাতে অসম্ভ ইইয়া মাজি (कें ज्ञान्तरक विल « विष्ठातालात स्विवात নাই: " এই অপরাণে জীলোকটার বিনাপরি আমে তিন দিবস মেয়াদ হইয়াছে। আদালতই অবী প্রভ্যথীর এরপ ধৃষ্টভাপ্রদর্শনের কারণ हहेशार्डन। इंडेरवाशीय व्यवतारीमिरगत व्यव রাধামুরপেদও হয়নাবলিয়া নিয়ক্তর ইউরো পীয়াদগেৰ কথন দণ্ড হইলে ভাহারা বিরক্ত रयः। এकर्ग नियूट्यानित हेर्डेर्तानीयमिर्गत সংখ্যার্দ্ধির সহিত তাহাদিগের পাপেরও রুদ্ধি হইতেছে। অভএব বিচারপতিদিগের বুঝা উচিত অভ:পর অনুগ্রহ করিলে কেবল বিষময়

্চাকাপ্রকাশ বলেম '' সংপ্রতি বারিষ্টার হওয়ার माই। কলিকাতার গবর্ণমেন্ট বাটাতে চুরি না নিমিত্ত এতদঞ্চলের এক ব্যক্তি ইংলত্তে গমন অপব্যয়ের একটা প্রধান-কার্ন

THE THE THE SECOND SECO য়াছেন জাকুব খা খেলাত পর্যান্ত আসিয়াছেন। ফইলে পুলেধের সম্পূর্ণ দক্ষতা প্রকাশ পাইতেছে করিতেছেন। ইহার নাম জীয়ক বাবু উপেশচক্স मजूमनोत्रा भग्नमन्ति १८ इत 🛰 छः भाखी (न 🗷 🙃 🕬 ान) ष्टिनरमन् सरीन ठाकूरा काना नामक जाम छरमन बातून क्षम स्थान। हेर्डान बद्धाः सम २७ वरमह মাজ্র। ইহাঁকে অসেরা বিলক্ণরূপে কানি। ইনি একজন বিলক্ষণ বিদ্যোৎদায়ী সংস্বভাব ও সারীনচি 🧓 ব্যক্তি। ইনি প্রথমে - ময়মনসিংহ প্রবর্থেট ক্লেড্রপরে কলিকাডার লগুন্ম मनति कारम এবং अवस्थिष क्वरनदन এरमय बिटड निकालाङ करतन। इति मण्युर्वारभ यिक्षायावसम्बद्धाहो सहा किছू উन्नाटनाञ করিয়াছেন।কলিকাত। হাইকোটে ইনি সুসু क्षित्र ताज त स्था कार्ति कार्रित नियुक्त हिरलन । কিন্তু তদবস্থায় থাকিয়াও ইনি উন্নতিমূলক व्यक्ष, युन পরিভাগে করেন নাই। এপর্যান্ত উদেশ বাবু কেবল ভবিষ হল্পতিসাধনাৰ্থই অংশাপাৰ্জন कतिश्वरह्न । এक्सर्य हेमर्थ्य श्रमन अ उथाय अन ञ्चान উপযোগी अर्थ मरशृशी उ इत्रयाट अर्थन এখনকার কার্য। পরিভাগে করিয়া চিরাভিল ধিত প্রে দ্রায়মান ধ্রুয়াছেন। আম্রা শুনিয়া আহলাদিত হইলাম, সুসুঙ্গের রাজা, ঢাকার মুডলমীনার মৌলবী আবছলালীর পত্নী আমীররেশা খাতুন এবং বালিয়াটীর জমীদার জीयुक वाबू भितिनहत्त्व बाग्न डॅंग्शनिट्गब श्रिव কাউলে লর মক্দমা চালাইবার নিমিত উমেশ বাবুর উবর ভারার্পণ করিয়াছেন।"

२७ এ देवमांश तृक्ष्णां खवाव।

দিলীর প্রাচীর ক্রমণঃ ভূমিদাং হইল। সম্প্রতি কাবুল ও কাম্মীর ফটকের মধ্যস্থিত দেওয়াল ভগ করিয়া ছারগুলি প্রকাশ্য নীলামে বিক্রম্ব করা হইয়াছে। পাছে পুনবায় কোন বিদ্রোহী এস্থানে খাকিয়া প্রতিশ্বকত। করে এই আশক্ষায় দেওয়াল ভগকর। হইভেছে। কিন্তু কথা হইতেছে এই কার্য্য করাতে নগর্টীকে ष्माक्रमनकाती विद्रामीय मञ्जूत स्थान हा कता इहेम कि ना ? शूर्त की छ नष्ट इडेक, म जाब कथा।

हेश्लाममान वर्तनन, क्षमान (प्रनापछि वाकी भूदतत्र त्रर्खमान वार्तिक **উঠ**। ইয়া স্থানাস্ভবে শিবির श्राभरमंत्र धर्काव करवन। अधि कहा कर्वता कि माँ हेश विरंगप्रता कतिय त निभिन्न प्रत अपन मारतम छेक मारन अक्तियम श्रीयमा चहरक वातिक प्रनीन कतिष्ठािक्रितन । जामता जास्तािपण ष्ट्रेलाम, भवर्षत्र (क्रमत्रल वार्तिक शत्रिवर्ड कतिवान কোন কারণ দর্শন করেন নাই। বারিক নাড়া

এবার অযোধ্যার নবাবের বাসীতে মহা।
সমাবোহে মহরম হইয়াগিরাছে। বিস্তর দরিদ্র
লোকে আহার পাইয়াছে। কিন্তু মুজি আমীর
আলি তত্ত্বাবধায়ক থাকাতে পুকাপুর্কা বংগরের
ন্যায় অপবংয় হইডে পারে নাই।

কাবল হইতে সংবাদ আসিয়াকে, আবছল র্হমণ খার হস্ত হইতে শাসম ভার লইবার নিমিত্ত খাজিম খা ইসমাইল খাকে প্রেরণ করি त्रहम्म थ। विलिश्नार्ट्स, शास्त्रम । कारहरू সিহার আলিকে ক বিষা शहराञ्च বস্ত काभीत स्हेर (स्ट्या कहिंगा । বলেন, সন্ধির নিমিত্ত ডিনি নিজে সি য়ারভালির নিকটে গদন করিবেন। যদি সিয়ার हा न डें. शास्त्र कांद्राप्तक व्यथना तथ करवम, खाश क्केटल अ खोम भाषाका हेन्छ। कतिएक शादिएन। कि सु यान मिक हम जिल्हा इट्टेस डाइ। एक दु जि দিবার নিমিত অমিগরকে অমুরের করিবেন I আজিন খা ইঃার প্রত্তরে দিয়া এক পত্র লিখি য়াচেন ; কিন্তু ইহাৰ মন্ত্ৰ প্ৰকাশিত হয়। নাই। अति शहित्यक्राप्तत जात अविकी मांचा इहेल।

বোষাই দটনতে রিবিউ পত্রের অভিমকাল উপস্থিত ছইয়াজে। এখানি বোষাইয়ের ফ্রেণ্ড ভাব ইণ্ডিয়া ছিল।

ইভিয়ান মিরার বলেন, বাবু প্রলোচন গুপ্ত কলিকাতার মেডিকাল কালেজের পরীক্ষায় উত্তীর্গ ইইরা ইংলড়ে চিকিৎসাবিদ্যানিকার্থ গমন ক্থিতেছেন।

মহারাজ রণবীর গিংছ পুনস্কার পীড়িত ইইমাছেন। গত বার শিয়াল কোটের সিবিল সাজ্জন উটাংকে নীলোগ করেন। কিছ ইংরাজী চিকিৎসায় কিছু দিনের নিমিন্ত রোগ চাপা থাকে এই বংস্কার হওরাতে এবার দিলীর হাক্ম খামীনুৱা খালে আহ্বান করা ইইয়াছে।

সত্রতি মহব্যের স্থায়ে আগরার হিল্পুদি
গোর সহিত মুসলসান্দিগের দাঙ্গা হইয়াণিয়াছে
মত্রমের উৎসবের এক দিবস এক জন হিল্পুর বি
বাহ হয় বর্ষাত্রিগণ সূমারোহ করিয়া যাইতেছেন
এমত সম্প্রে মুসলসানেরা উচ্চাদিগাকে আক্রমণ
করিয়া করে মুসলসানেরা উচ্চাদিগাকে আক্রমণ
করিয়া করে মুসলসানেরা উচ্চাদিগাকে আক্রমণ
করিয়া করে মুসল
মাজিতিবির গোচর হইলে তিনি অরে মুসল
মাজিতিবির গোচর হইলে তিনি অরে মুসল
মাজিতিবির গোচর হইলে তিনি অরে মুসল
মাজিতিবির গোচর হিলুদিগাকে
যাইতে বলিতেন লিয়া পরে হিলুদিগাকে
যাইতে বলিতেন লিমা পরে হিলুদিগাকে
যাইতে বলিতেন লিমা পরে হিলুদিগাকে
বাইতে বলিতেন লিমা পরে হিলুদিগাকে
বাইবে বজর্ম হল্পানির লোকেরা রাজকীয়
করসংআহককে ব্লিক্রা বিল্লোই হয়, রাজার
প্রধান মন্ত্রী অন্যাহ্য করে বিল্লোহ দমন করিতে

সমর্থ হন। সকলে ভাবিলেন, রাজাবিছে। ইদি গকে দণ্ড দিখেন গকিন্ত ভাঁহারা লেগে প্রনিয়া বিশ্বিত হইলেন বিজোহী নগরের লোকদিগকে এক কালে রাজকর হইতে মুক্ত করা হইয়াছে। উক্ত মাজিক্টেটের। বিচারও এই প্রকার দেখা যাইতেছে।

কানপুরের জাইন্ট মাজিটেট ভবলিট, ভার, বর্কিট জানিয়া শুনিয়াও সহমরণ ব্যন করে নাই বলিয়া ভাঁচাকে সহকারী মাজিটেটের পদে দেওয়া হইয়াছে। এই দণ্ডের নিভি কেহই ছঃথিত হইবেন না।

#### ২৭ এ বৈশাথ শুক্রবার।

উত্তরপশ্চিমাঞ্চলের ডিরেইরের প্রস্তাবালু সাবে আগরা কালেজের অধ্যক্ষ ও অধ্যাপক দিগকে হুগলী ও ঢাকা কালেজের অধ্যক্ষ ও অধ্যাপকদিগের নাায় বেডন দিবার আজ্ঞা হুইয়াতে।

গুজরাটের একখানি সংবাদপত্র বলেন, গুই
কুমার মরুয় চন্দ্রাভপ দিবার নিমিত্ত ধনাগারের
ঘাবতীয় টাকা ব্য়ে করিয়া একণে এমন বির্ত্ত
ছইয়াছেন, যে যে সে প্রকারে টাকা সংগ্রহ
করিয়া ব্য়ে নির্মাণ করিতেছেন। সম্প্রতি তিনি
বিনা অপরাধে এক জন বলিক্ কে কারাগারে
প্রেরণ করেন। ১৩,০০০ টাকা দিলে পর এই
ছতভাগ্য ব্যক্তিকে কারায়ুক্ত করা হয়। এই
প্রকার সর্মাত্র অত্যাচার ছইতেছে। গার্থমেণ্টের
এই উন্মত্ত রাজকুমারকে এক্রতিম্ব ছইবার ভয়
প্রদর্শনগার্ভ উপদেশ দেওয়া কর্ত্বা।

শ্রহ্মদেশে পুনর্নার গ্লম্ভ হইবার সভা বনা দেখা যাইভেছে। মেগুর মিঙ্চা রাজকুমার পুনর্নার নান্দালাই আক্রমণ করিবর নিমিত্ত দৈন্যসংগ্রহ করিভেছেন।

জাপান হইতে সংবাদ অ'গিয়াছে, ইংরাজ ও করাশী দুতগণের উত্তেজনণা এক জন ফরাশী আফিসরের হত্যার বিনিময়ে এক জন জাপানীয় জামীরকে বধ কবাতে তথায় অভিনয় গোলখোগ হইতেছে। এই প্রকার গর্মপূর্ণ ববে হারনিবন্ধনই আসিয়ার স্বাধীন ব্যক্তাসকল ইউরোপীয়দিগকে সহজে জাপনাদিগের দেশে প্রবেশ করিতে দিতে সক্ষত হন না।

সম্প্রতি মেদিনীপুরের নিকটে গ্রণমেণ্টের বিলক্ষণ সন্তাবনা।
ভাক লুঠ হইয়াছে । দুসুগেণ ধৃত হয় নাই। । লেপ্টন্ট গ্রথণ কলিকাভার মধ্যে যখন হত্যা করিয়া লোক পুরে বাস করিবেন পার পাইতেছে, তখন মফবলে ভাকাইতি স্প্রতি, এক ও শ্রি ইইবে, এটা বড় আশ্চর্যের কথা নহে।

বিভিন্নান বলেন, বিজ্ঞানু মুক্তাক্ষেত্রে লাভ

না হওয়াতে কেছই তাহার ইজারা কইতেছেন ন। অকালে বিস্তর মুকা উত্তোলন করাতে একণে উত্তম মুকা পাওয়া যায় না। স্তুভ্তাং তত লাভ হয় না। বাছাহর কাষ্টের নাায় মুকার বিষয়ে কোন নিয়ম করিলে ভাল হয়।

২৮ এ এপ্রেল ব্রিসালের নিকটে পিয়নিয়র নামক বাস্পীয় জাছাজের বাস্পাধার ফটিড হইয়া চারি জনের মৃত্যু হইয়াছে। লক্ষে জাহা জকে এই জাছাজের সাহাযের নিমিত প্রেরণ করা হইয়াছে।

ইন্দু একাশ বলেন, বরদার রেসিডেন্ট কর্নের বার সপ্রতি গুইকুমারের কারারুদ্ধ ভাতার নিকটে গিয়া দাখাকে সভর্ক করিয়াছেন, জিনি যেন কুপরাননীদিনের কথায় বিমোহিত হইয়া রাজার প্রাত বিরুদ্ধাচরণ না করেন। আমরা এই "সংপ্রামর্শের" কোন কারণ বুঝিতে পারিলাম না।

পঞ্চাবে কতকগুলি জালংসচক খাল হই-তেছে।

আমরা কাংলাদিত হইবাম বেবিনিউ বোড এত দিনের পর উপনি গালের আমলাদিগকে বদলী করিতে আরম্ভ করিয়াছেন। এটা সাবা-রণ্যে করা উচিত। আমলাদিগের বেতনর্দ্ধি করাও কর্ত্ববেহুইভেচে। নচেৎ ১০০১২ টাকা বেতনভোগী লোকদিগকে এক স্থান হইতে অনব্রে বদলী করিয়া ভাষ্টিগকে কেবল কন্ত্র

#### २४ श्रेटिमाच मनिवात्।

সাজালে এক জন ইউরোপীয় অপরিমিত সুবাপান করিয়া প্রাণত্যাগ করাতে তক্সতা পানরী তাংশ্ব সমাদির সমরে মন্ত্রপাঠ করিতে অসমত হন। যদি সকল পাদরীই এইরূপ করেন, অনেকের গতি হওয়া ভার হইয়া উঠিবে। কৈ আমাদিগের পুরোহিতেরা মাভা, লদিগের অভ্যেষ্টিক্রিয়াকালে ত এরূপ কথা বলেননা।

দক্ষিণ কুর্রের প্রাচীন মন্দিরগকর খনন করিবার আজ্ঞা দেওয়া হইয়াছে। মহীস্থারের ক্মিসনরের অনুরোগে এই হিডকব আজ্ঞানী হইয়াছে। অনেক বছ্মূল্য রয় ও অর্থ পাইবার বিরক্ষণ স্থাবনা।

লেপ্টন ট গবর্ণর কিছু দিনের জন্য বায়াক্ পুরে বাস করিবেন। কিয় প্রতি সপ্তাহের রহ স্পতি, ওফ ও শনিবার বেলবিভিয়র বাটীতে অবস্থান করিবেন। বেলবিভিয়র বাটীর সংস্কা রের নিমিত্ত এই বন্দোবস্ত হইতেছে।

.90

নিয়লিখিত মূল্যে গ্রণমেণ্টের কাগ**লা** বিক্রিত হইতেছে:—

8 টাকাব বিকা

8 " কোম্পানির ৯২॥--৯

6 " পবলিক ওয়ার্ক ১০৫। ১/০ -- ১০৫॥ ১

6 " কোং ১০৮॥ -- ১০৮॥ ১০৫॥

6॥ " কোং ১১৩-১১৩। ১/০

### —:--ইউরোপীয় সনাচার।

১৫ ই এপ্রেল। ফরালী গ্রগ্মেন্টের বিচার
সংক্রান্ত মন্ত্রী মন্ত্রর বারোক সম্প্রতি এক
বস্তা করিয়া বলিয়াছেন, শান্তিরক্ষাই সরাট
নেপোলিয়নের "আন্তিরিক ইচ্ছা গ্রন্ধবিষয়ক
যে জনরব কইয়াছে তাহা বিশ্বাসযোগ্য নহে।
সংক্রিত লোকেরাই এই জনরব করিতেছে।
গত কলোর গেজেটে প্রকাশিত হইয়াছে,
স্ব জন এয়ালস গ্র ক্রক, বিজেস গ্র স্ব জন

ত্যেলসের রাজকুমার ও রাজকুনারী। ডবলেনে উপনীত হইয়াছেন।

<u> ह्यारिकाल लाखें इहेब्रारइन।</u>

২০এ এপ্রেল। গত কলা ওয়েলসের রাজ কুমারকে সেও পেট্রিক চিছের নাইট বলিয়। অভিষিক্ত করা হইয়াছে। মহাসমারোহে অভিষেককার্য নির্দাহ হয়।

লগুন ২০ এ এপ্রেল । রাক্রন্থসংক্রান্ত মন্ত্রী
আয় ব্যয়ের হিসাব প্রদান করিয়াছেন। গত
বংসর ৬৯ কোটি টাকা আয় হয়। অতিরিক্ত
ইন্কম টাকে যে টাকা পাইবার আশা ছিল্
ভাহার অর্কেক্ষাত্র আদায় হইয়াছে। ২৯
লক্ষ্টাকা মাত্র উহুত্ত রহিয়াছে। আবিসিনিয়ার মুক্ষের ব্যয়ের নিমিত ৫ কোটি টাকা হিসাব
খরা হইয়াছে, ইহার মধ্যে ২ কোটি আলায় হইস্লাছে। ইন্কম টাক্ল প্রতিপাইতে ৬ পেনি
করা হইবে, ইহাতে ১৮০ লক্ষ্টাকা আলায়
হইবে, স্থির হইয়াছে। এক কোটি টাকার
ত্রেজ্বি খত বাহির করা হইবে। ভাহা হইলে
৭২ লক্ষ্টাকা উষ্ভ থাকিবে। ইউরোপ মহাখণ্ডে যুক্ষের বে জনরব হয়, ভাহা ক্রম্মানঃ ভিবো
হিত হইতেছে।

ক্লার্কেনগুরেল ক্লেলে ফেলিয়ানদিগের দেবি যোর নাহায় করিয়াছে বলিয়া আনজ-ছিননারী যে জীলোককে রক্ষকরা হয় বিচা-রালয় ভাচাকে নির্দ্ধোধ করিয়াছেন।

২৯ এ এপ্রেল। গত রাজির গেজেটে প্রকা-লিভ ১ইয়াছে, সর রাবাট নেপিয়র বাথ চিত্রের আও জন্স নাইট হইয়াছেন। ্ ২৪ এ এপ্রেল। গড় রাজিতে সর স্থানাড নর্থকোট ভারতবর্ষের শাসনপ্রণালী পরিস্থি করিবার নিমিত্ত হুই খানি বিল অর্পণর করিয়া-ছেন।

ष्टे रिकाफ नर्यरकि विरागत উत्पन्ध वृत्थि। देश व लिएनर, भौतरमञ्जू क्रमेला श्राप्तमीय भौतमकर्ह। দিগের উপরে বিভরণ না করিয়া প্রধান কর্ত্ত পক্ষের হল্ডে থাকিবে এবং এই ক্ষমতা অধিক হুইবে। কিন্তু ইহা ভারতবর্ধের শাসনকর্ত্ পরিবর্ত্তে ষ্টেটসেন্টোরির হল্ডে थाकिरत । श्रन्थाव इहेब्राहिल (य भवर्गत एकनतल আপনার মন্ত্রীদিগকে মনোনীত করিতে পারি-বেন ৷ কিন্তু ইহাতে অস্তবিধা হইবে এমন তর্ক হওয়াতে প্রস্তাব হইয়াছে ঔৌসেক্টোরির পরামশ্রদারে রাজ্ঞী হইলন মন্ত্রীকে মনোনীও করিবেন। গবর্ণর জেনরলের বেতন আহার দশ সহত্র টাকা অধিক হইবার প্রস্তাব হইয়াছে। ভারতহয়ীয় গ্রন্থেন্ট সাক্ষাৎসম্বন্ধে যে ৰয়ে করেন, ভাহাব প্রণালী পরিবর্জের কোন প্রস্তাব হয় নাই; কিন্তু যেখানে গ্রহর জেনরলের সহিত তদীয় মন্ত্রিকর্ণের মতভেদ হইবে তথায় ভিনি অপিকতর ক্ষমতা **हालन कर्तन** अई প্রস্তাব হইয়াছে। স্থির হইয়াছে (য, যে সকল স্থানে লেপ্টনাণ্ট গ্ৰহ্ণর অথবা তন্য-বর্ত্তার ব্যবস্থাপক সভা নাই, সেখানে ভাঁছার৷ কোন আইন করিতে চাহিলে গ্ৰগ্র (জনরলকে ভাগ কানা है(वन ३ ७९भएत देव्हा इहेटल शवर्षत (क्रमत्रक সেগুলি গ্রাহ্য করিতে পারিবেন।

মান্দ্রাজ্ঞ ও বোষাইয়ের ন্যায় বজদেশে শাসন প্রবালী স্থাপিত করিবার ক্ষমতা টেট সেক্রে টারির হইবে। শাসনকর্তার মন্ত্রী থাকিবেন কিনা, তাহা প্রেটারে স্থির করিবেন।

প্রতিষোগী পরীক্ষার দ্বারা ভারতবর্ষীয়দিগকে সিবিল সার্কিসে প্রশেষ করিতে দিবার
প্রস্তাব ভারতবর্ষের বর্ত্তমান অবস্থাসকত বোধ
দ্য নাই । অভএব সর স্থাক্ষোড নর্থকোট
প্রস্তাব করিয়াছেন গ্রাবর্ধ জেনরল, মধ্যে মধ্যে
এতদ্বেশীয়দিগকে আপনার নিয়মালুনারে
চিক্তিত কার্যে নিযুক্ত করিতে পারিবেন।

২৬ এ এপ্রেল। এই মাত্র সংবাদ আসিরাছে
থে ১০ ই এপ্রেল ব্রিটিশ সৈন্যান চতুদিক
হইতে আক্রমণ করিয়া মাগদালা গ্রহণ
করিয়াছে। বন্দিগণ মুক্ত ও রাজা থিওডোর
হত হইয়াছেন, ১৪০০০ লোক অল্প
ভাগে করিয়াছে। বিটিশ সেনাদলে এক

জন আফিসর ও ১৪ জন দৈনিক আহত হইরা-ছেন। আবিসিনীয় দিগের ৫০০ লোকেব মৃত্যু হইয়াছে; ভাগদিগের আহতগাবেব সংখ্যা ১৫০০।

২৭ এ এপ্রেল। জাবিলিনিরার যুদ্ধে কৃতকার্য্য হওয়াতে লকলে জ জ্লাদিত হইরাছেন। যাবতীয় স্থাদপত্রে বলিতেছেন দৈনগোণকে জবিলয়ে উক্ত দেশ হইতে প্রভ্যানয়ন করা কর্তব্য।

তারতবর্ধের শাসনপ্রণালীসংক্রান্ত সূত্র বিলে প্রস্তাব হইরাছে, ষ্টেট বৈকেটারির কৌসিলের সভ্যগণ ১২০ বংসরপর্যান্ত কাজ করিতে পারিবেন।

ভারতবর্ষের সহিত ইংলণ্ডের রাজন সংক্রাপ্ত সম্বন্ধের বিষয়বিবেচনার্থ এক রাজনকীয় কমিসন নিয়োগের প্রার্থনা করিবার নিমিত কভকগুলি লোক সর স্থাফোড নথ কোটের সহিত সাক্ষাৎ করেন। তিনি প্রভাতেরে বালিয়াছেন এ বিষয় এক্লপ বিস্তৃত যে এক কমিসন্থানা ইহার মীমাৎসা ছইতে পারে না ।

করেলদের রাজকুমার ও রাজকুমারী আয়ার লও দশন করিরা প্রভাগেনন করিরাছেন। প্রকাশিত হইয়াছে, প্রশীয় সেনাদলের সংখ্যা কমান হইবে। মালটা ও আলেকজাপ্তি-য়ার মধ্যক্তি সমুদ্রগর্ভস্থিত টেলিগ্রাফ সংস্কৃত হইয়াছে।

ইচ এ এপ্রেল। সম্প্রতি রাজকুমার আলেক্রেডকে বধ করিবার যে চেটা হয়, ভারতে
ক্রেডকে বধ করিবার যে চেটা হয়, ভারতে
ক্রেডি রাজীর সহিত সমগ্র:খন্তথভা প্রকাশ
করিয়া হাউস অব লাডস এক অভিনন্দনপ্রদান
করিয়াছেন। মুডন ইউরোভারতীয় টেলি
গ্রাফ কোম্পানির মূল ধন সংগৃহীত হইয়াছে।
ফ্রাকেনওয়েল কারাগারের অভ্যাচারে বারা
টনামক এক জন কৈনিয়ানের দোধ সপ্রমাণ
হওয়াতে ভারার ফালীর আজ্ঞা হইয়াছে। অন্য
কয়েনিগণ মুক্তিলাভ করিয়াছে।

# গবণ নেত বিজ্ঞাপন লেপ্টনেতগবর্ণক্তর আদেশাস্থানী নিয়োগ।

্বি৯ এ এপ্রেল। নিম্নলিখিত ভদলোকের। পূর্ণীয়ার ফেরিক্ও কমিটির সভ্য ছইবেন।

জি, ডবলিউ, শিলিওফোড সাহেব। আর, এন, পায়ার ৯

আর, ওয়াকার »

৩ - এ এপ্রেল। এ মাক্রিন সংহেব ঢাকার এক জন মিউনিসিপাল ক্ষিস্থর হৃহধেন।

२ ता (म। मिश्रनिधिक छत्तरनारकत्रा ১৮৫৮

\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*

करकत्र ७७ कहित्तत् २ सालक्षात् प्रमासनात् विक्रमानस्यव शतिमन्त स्हर्वनः-

(ज, এ५, এ, डांनास मार्ट्डर । ডাজর (জ, ফবস।

বাবুদিগন্ধর মিতা।

कुमात्र १८८ अकुष् ताग्न वाहाइत।

৪ ঠামে। মুলি কামীর আলি খাঁ বাহাছর ২৪ পাগণার এক জাম দ্বিভীয় আেলির কাণীন মাজিটেটের কমহাপ্রাপ্ত অবৈত্যিক মাজি ক্রেট ইইয়া উপনগরে ক্ষমতা চালন করিবেন।

কায়াড়েব প্রতিনিধি ডেপুট কমিদনর স্থে ভবলিউ, এড়গার সাহের তথায় দেওয়ানী ভাজের ক্ষতা পাইবেন,

ভাক্তর সি. কোলে মতিহারির চিকিৎসা कफ्षांद्री इहेरवन ।

যভদিন ৩5, এল, অলিফা-ট সাহেব বিনায় লইয়, অনুপশ্ভিত থাকিবেন, তভদিন কাপ্তেন আর, সি. মনি লোহারডগার প্রতিনিধি (চপুসী क्रियम्बर इहेट्स्स ।

যতদিন কাপ্তেম মণি সবকারী কার্য্যেপলকে স্থানান্তর থাকিবেন, ভতদিন এ, এল, ফে সাচেব মানভূমের প্রভিনিধি দ্রেপুটি কমিগনৰ ইইবেন।

এচ, বেল সাফের মদীয়ার প্রতিনিধি মাজি (के) उ कार्ल हें द इहेर्यन ।

বাৰু গিরীশচক্র ঘে'ব মজিহারির ছোট অ'দালতের প্রতিনিধি জঞ্চ হইবেন।

জে, গুয়ন্তলাপু সাকের নদীয়ার প্রতিনিধি জ:ইন্ট মাজিটেট ও ভেপুটি कारमञ्जू इंडर्बन ।

এক, ভবলিউ, আর, কাউলি স'ংখ্য চ্টে গ্রাদের প্রতিনিধি জাইটি মাজিটেট ও ডেপুটি कार्लल्य इंडरवन

আমাদিগের কাশীস্ত সংবাদ দাতা লিখিরাছেনঃ—

এ প্রনেশের ফুডন লেপ্টনাট গবর্ণ **সাহে** (द। कांक्र कर्म (मध्यः (वाध इटे. क्ट्रक्ट (य. ইনি শিক্ষাসংক্রাপ্ত কার্যে, বিশেষরূপে মনো (यात निर्वत । ১১ हे धारान मिय्रत नारहर এখান আগমন করেন। তিনি সেই দিবসই প্রান্তে অর্ডা ভয়াড্স ইন ষ্টিউবনে গমন করিয়া রাজকুমারদিগকে পরীক্ষা কবেন এবং কাহাদিগের ব্যায়ামচর্চাত্তে পারগতা প্রভাক করিয়া পরম আছলাদিত হম: অপরাচ্ছে ( ঐ দিবস ) রাবান্দী ইনজিটিউটের সভা হয় । লাম। তথার মিয়র সাথেব উপস্থিত হইয়া সভাপতির व्यानन बहुन कटाने व्यवश्राहरू में ब्रिनिशाब च च

ভাষার উল্লিভ করা উচিত, এই বিষয়ে একটা ! वक्तुका करदम। भद्र मिंदम जिनि कुईन कारतरक পুরস্কারবিভরণ করিয়া তথার একটি বক্তৃতা करतन। जिल्लिवितिसन, अविन्हानरमूव हेम ज ইংরাজি ছাত্রদিগের উর্বভির উপরে নির্ভিত্ত করে ना। यरकारन ( ১৮৪৪ व्यक्ति) जनिवृत् (ইহার জ'তা) ও টখণনীগাহেব ইংরাজি ও गश्यु । विमानम् अविद्या कविष्या अहे कात्मक সংস্থাপন করেন, তথন উঃহাদিগের এই প্রধান फेटफेना डिन रव. এই विन्तालधनात। मःकृष्ठ। ভাষার উন্নতি হয় এবং এদেশীয়ের। নীতিশাল্তে উত্মরতেপ শিকাপ্রাপ্ত হন। জনত্তব মিয়র मार्टित जारकथ कतिया कहिरसम, छेटात समाजत কিছই হয় নাই। তিনি অ'বও বলিলেন কেবল वि. এ. এম, এ পরীকার উত্তীর্ণ হইলেই ব छ বিক উপকার হইতে পারে না; ' অন্তরস্থ মন্ত্ ধেনে " ( আআর ) উপকারদাধন যাচাতে হয় , **ांश कराहे अञ्चर्धात क्ष्मान कर्छता। क्यर्या**९ (शिव्रव मार्ट्स्व অভিপ্রায় বে'ধ ছয় এই) হে বার এগী কালেজের ছাজেরা। ভোষরা বাইবল পাড়, ভাছা না হইলে ভোমাদিদের '' অক্তরম্ব মন্ত্রম, শ শুদ্ধ ছইবে না।

ঐ দিবস (১৩ ই এপ্রেল) লেপ্টনকী গ্রগ্র मारहरवत मन्यानार्थ अवधी प्रत्यात इया भव मिरम **छाप्रनां तार्म कारलाङ भाविर**छा विक বিভরণ উপলক্ষে একটা সভা হয়। তথার মিয়ুর मारहर अहर छ चालकिनिशक भुक्तक छोता পুরস্কার দিয়া মিদেদ স্মিথের বালিকাবিদ্যালয় ও সিগরার স্থাদশন করেন। পর দিন অত্তত্ত छुङ्ग मधीलक ल गहानभारवाहरू श्रेष्ठिश करत्न । পশ্চাৎ এখানকার রাজানিগের স্থিত সাক্ষাৎ করিয়া এলাহাবাদ গমন করিয়াচেন।

এত দিন পরে হিশুস্থানীর বাইয়ের নাচের অপেকা নাটকের লেইতা বুঝিতে পাহিয়াছেন। বারাণসী কালেজের এক জন পঞ্জিত সম্প্রতি জানকীয়লল নামে এক খানি চুতন নাটক হিন্দি ভাষাতে রচনা করিয়াছেন। ইহা গলু ঠক ও সীভার বিবাহ বিষয়ে লিখিত হইয়াছে। এখানকার মহারাজ সিকরোইলের ইংরাজি নাট্য শালাতে ইহার অভিনয় করেন। বদ্পি ভড়ি नम् अ नावक शानित तहना अनश्यनीय स्य नाहे. उथानि क्ष्युक्षानी किरात गर्मा अ विवरम् अहे প্রথম চেষ্টা বলিয়া আমরা উহার প্রশংসা করি

मञ्चिषि खोहेशूत दश्नक भित्र कामान मारह

মালিক ৫০০ টাকা পেনসন পাইতেন। এইরূপ (अनमनर्शाह्यत कन का भीटा आदनक, है के एक व नर्था। यं कम ह्य ७७३ छाता।

क्षिट्डिक ज्ञालनाव अक जान मश्योक দাতা আপনার 图节 বন্ধর धन १ म করিতেছেন। যে বংক্তি কোন श्रमश्म নীয় কর্ম করেন, সংবাদদাভাদিলের জাঁহার প্রশংসা করা উড়িত বটে ) কিন্তু প্রতিবারেই কোন না কোন প্রকারে এক ব্যক্তির নাম উলেখ ভাষার প্রশংসা করিলে করিয়া স্কেই করে, স্থাতরাৎ প্রশংসাও রুখাইয়া কোন বাবু আপনার আত্মীয় বন্ধুগণের সহিত বাগানে আমোদ প্রমোদ করিলেন কি না, সোন श्रकारमंत्र भार्रकदर्श अञ्चल मरवाम श्वामित्व इंक्डी करतन ना

আভি কালি এখানে অভ্যক্ত এলৈ বোধ হইডেছে, কিন্তু ওলাউঠা ও বসস্ত রোগের প্রকোপ অনেক হ'ল হইয়াছে।

---605----

# भाष्टिश्रुत्तत मः वाम।

১। আমরা অভিশয় ছঃবিতচিত্তে প্রবাশ করি एउ इ, य शक रेड बारन अंकि खोलाक আপন সামীর সহিত বিবাদ করিয়া উদধনে श्चानकतात्र करिष्ठा एकता भवित प्रमण्डी श्रमश না থাকা সক্ষপ্রকার সর্কনান্দের কারণ। ত হা दुई धुई क्षडाक फना।

২। শান্তিপুরত্বশ্দীতলাপাড়ার বালিকা विष्नां नायत निर्म शृह्मा थाकार । माना धकात अञ्चरिमा घाँठे एक हिला। मञ्चरिक चामन हिटेउवी बीयुक विजयुक्तक शायामी हैरवाजि विष्णानार्यत् श्रथम (कानीत कर्यक्रि वानकरक দক্ষে লট্য়া শাভিপুরের প্রতিগৃহক্ষের ছাবে দ্বারে এক একটা পয়সা ভিন্দা নাইয়া এবং বিদেশ ইইতে ভিক্লা করিয়া প্রায় ৩০০ শত होका मरबार कहिया ८की धर र खड़ करिएड চেন। আমরা ভাছার অধ্যবসায়ের জন্য সহত্র ধন্বাদ প্রদান ক্রিভেড়ি

कु भा तभसी एक ৩ ৷ সম্প্রতি শালিপুরস্থ অভিশয় ধুমণাম সংকারে বারইয়ার পূজা ২ইয়া গিয়াছে। যাত্রা গান প্রাকৃতিতে অনেক অগ্তান ধ্ইয়াছে। এই পূজার প্রধান কর্তা। এक खन भिष्कतः अहे शुक्षा छेत्रमास्क हिन প্রায় এক সপ্তাহের বিদায় গ্রহণ করিয়া স্বর্গীয় উপভোগ কন্মিয়াছেন। ইহারাই আবার স্লমাইর।

८ गड ১১ हे देवभाव বের কাল হইয়াছে ৷ ইনি গ্রথমেন্টের নিকটি গ্রহণস্থিক প্রাহ্মণগ্রেলাপ্রকে বাবু প্রভাপচক্র

মজুমদার ও অন্যান। কয়েকটি ব্রাহ্ম কলিকাতা হইতে আগমন করিয়াছিলেন। বাবু প্রতাপ हिन्द्र मञ्जनमात छिपामनास्य अकि छेपानम क्षतान करतन: छेपरमध्यवरन **ज्ञानरक ज्**शि লাভ করিয়া ছলেন এবং জনেক শ্রোতা উপ क्षि हित्स :

৫। শান্তিপুরে গঙ্গান্ধান ঘাইবার পথের ধাবে পুলিবের একটি আছডা **ইইয়াছে। তথা**র প্রায়ই कार्यील जान ও कथा वाद्धा हालग्रा थाएक, ত্যঃত্তে ভদুকুলোভৰ মাহ্লাগণ ঐ পণ দিয়া সাইতে নিভান্ত কুঠিত হন। আমধা কুতন কাটে অংশক দেখিয়াছি, এক জন পুল্ধকৰ্ম চারীভে'ডেল জন্ম ছই টাকার মংসং ক্রেয় কাইয়া এই টাকা চারি অ'নার অধিক দিলেন না। যান রক্ষক তিনিই ভক্ষক, আমরা কাহার লেইট্ডিব:

# আমাদিগের কোরহাটিছ সংবাদ मां जा जिथिशो (इनः —

১। আত্মহত্যা। কিয়দিবস গভ হইল শুয়াখোলানামক স্থানে একটা আত্মহত্য হইয়া গিয়াছে। উক্ত পদীনিবাসী এক ব্যক্তি প্রায় প্রতিনিয়তই তাহার যোড়শবর্ণবয়ক পুত্রকে নির্থক ভিরস্কার করিও। একদা ঐ পুত্র ঘটন্। ব্রুমে তাহাদের একটা গোক্ত হারায়। ভাহাব পিতা গোরু নর অনুসন্ধান করিতে প্রবৃত্ত হইল কিন্তু বালক গৃহাগত হইবামাক্র ভাষার জননী খীয় খাণীর ভাদুশ কোপন খভাব জানিয়া বলিল ' অরে! গ্রাজ আর তোর রক্ষা নাই। এই অপরাধে তোর পিতা ভোকে কি রাখিবে?" ধালক একে ভ গোরু হারাইয়া, নিভান্ত অস্থির ও ব্যক্তিল ছিল, ভাহাতে জাবার মাতার ঈদুশ **শঙ্কাপুরিতবচন শু**নিয়াবায় পর নাই খির মনা হইল। সে নিঃশদে ভাছাদের গোগুছে গমন করিয়া আড়ার সজে রহজুবন্ধনপুর্ণকৈ আপ-নার হত্যাসস্পাদন করিয়াছে।

२। চूর । ও দিন ছালদার বনদবে এক মুদল भाग इचार्यम व्यवसम्बन कतिहा अक व्यवसायीत প্রায় দেড়শত টাকা মুলেরে বস্ত্র লইয়া গিয়াছে। শুনিলাম মুসলমান স্থাদর বেশ ধারণপূর্বাক এক প্রাক্ষণ সমভিব্যাহারে ঐ বল্পবামীর ৰিপ্ৰিতে উপস্থিত হয়। বিপ্ৰিক্জার সমীপে মুসলমান নিকটবভী প্রধান কোন ধ্বনপরি বারের নাম লইয়া বলিল, '' অমুক আমার শ্বশুর এবং কুচিয়ামরা গ্র'যে আমার বাড়ী। সম্প্রতি

আমার কোন আজীয়ের বিবাহোপলকে কডক গুলি বন্ত্র ক্রয় করিতে হইবে। এই নিমিত্ত আমি আপনার দোকানে উপস্থিত হইয়াছি। ধনি আপনি আমাকে কাপড় দেন, তাহা হইলে আমি প্রায় দেড়শত টাকার কাপড় লই। বিপণি স্থামী উহার কথায় বিশ্বাস করিয়া নামা প্রকার উভ্ৰম উত্তম বন্তা দেখাইতে লাগিল টেলি খিড ব্রাকাণ যত প্রকার ভাল বস্ত্র বাছিয়া ছলগর নামক এক শেকানদারের গৃছ হইছে বাভিয়া মুৰলমানকে গাটি বাণিয়া দিতে ला गरलग । रखिरिकाका काशास्त्र ( विकारक ) ঐ যবনের সক্ষে আগত বলিয়া জানিত না।ই ভগ্রের একানটী মুসলমানের মন্ত্রণা ক্রমেই হুটক অথব। কারণান্তর প্রযুক্ত হুটক অপর এক দোকানে যান। চতুর মুবলমান গমন সময় বলিল 'মহাশয় আমি কাপড় নিয়। যাই। ঐ ব্রাক্ষণ এখানে রলি, আমি ঘাইয়াইটাকা পাঠাইয়া দিব।" বস্ত্র বিক্রেডা ইহাতে বিশ্বাসাশন হইয়া তাহাকে ছাভিয়া দিল।পরে ব্রাহ্মণ আসি বামাত্র বস্ত্রবিক্ষেতা বলিল 'মহাশয় আপ নাকে সেই মুদলমান এ খ'নে র:খিয়া গিয়াচে।" ব্ৰাহ্মণ বলিল " আমি কেন ভাছার জন্য থাকিব, আমার সংক্ষ ভাহার সম্পর্ক কি? "দোকানী বিন্মিত ধ্ইয়া ভাবিতে লাগিল, একি। পরে ঈষং জ্রেছ হইয়া ব্রাহ্মণকে আটক করিবার और्षम पिन। बाञ्चान कि करनम। छाइएक বদ্ধ থাকিতে হইল । ধুর্জ মুসলম নের জান। লোক প্রেরিভ ছইল। কিছু উদ্দেশ পাণ্যা গেল না। পবে জানা গেল যে দে একজন ঠগ। ব্ৰাহ্মণকে কই দেওয়া উচিত নয়, বলিয়া ছাজিয়া (म अया इहेल। महामत यु छ मिरात विकू**ह जा**नाधा

৩। খ্রীনগার ষ্টেশনের অন্তর্গত স্থানবা भौक्षिश्व 🐯 🔻 बादायन जङ धुन रमधी ज्यामा लट्ड याहेश मकद्भा कतिएंड इस विलया অনেক কষ্ট ভোগ করিতে হয়। ভয়ক্ষর শীতল लक्षा ७ ४ र तम्ब्री अ कि क्रम এ दश व्यम स्रृत्का निवक्षन माधातरभत्र व्यरमक व्यञ्जनिधा ७ व्याद्याम উপস্থিত হট্য়া থাকে। আমরা নির্বাহ্যাতিশয়ে अर्थावरम्य गवर्गामा हेत मभीत्य आर्थनः कृति-ভেছি যে. উক্ত প্টেশনের অন্তর্গত লোকদিগকে ৰহর মুলোণী আল'লডে মকদমাকরিতে व्यादनम विधान करतन । शक्ता महरण लारकत कष्टे मूत्र इहेर्द म्हार बाहे

৪। মুন শী গঞ্জের ডিপুটী মাজিটেট ও ডিপুটী কালেইর বাবু বিমলাচরণ ভট্টাচার্য मरहामग्र श्राप्त (मणु मान व्यक्तील इहेन मानाति-পুর মংকুমায় পরিবর্তিত হন। ইইার পর ভাল

क्र अन लोक अधारन चाहे(जन किनो, क्रहे বলিয়া আমরা চিক্তিত ছিলাম। কিন্তু নিভাল্ক व्याक्नाननश्कारत क्षकान कहिएछिइ रग, व्यक्त मिन हरेल जवर्रमर छेत कार्तिक विभनावा दुष्ट পুনর্মার মুন্ শীগঞ্জে আসিয়'ছেন্। ইং ার বিচার देन পुर्व ( व्यादक है की ख व्यादक्र ।

কিছু দিন গত হইল, ভিরিজখার বাজাবে নগৰ আশী টাকা অপহাত হইয়াছে। শুনিতে ণাই, ছই জন আগেন্ত্ৰ শঠতাপ্ৰকাণপুৰ্কক অভিথিরূপে ভাহার গৃহে এবেশ করিয়া উক্ত ছক্ষ সাধন, করিয়ারে। ধর্ত্তগণ পুলিষের চোবে ধুলি দিয়া নিজা ছরভিস্থিসস্পদনে विनक्त भरे।

৩। নিতান্ত বিস্মিতচিত্তে প্রকাশ করিতেছি, অ জিও অত্রভা ইংরাজী বিদ্যালয়ের গুরু উर्टिन ना। में अरु वर्षे, श्रुष्ट्य हामार्श्वन, ज्ञुत्तक দিন আনীত হইয়াছে কিন্তু কার্য্য তৎপর চ্ছয়। না. উঠাইলে ভাষাতে ফল কি? সেক্রে हेति मरहामग्र रा अदिषदा मरनार्याण कतिएड (इन ना काम्कर्य) व विषया। विषयालायात **हा**ज ক্রমেই বাড়িতেছে, সুত্রাং গ্র প্রস্তুত না হও র'তে অনেক অঞ্চ বা। হইতেছে। সেক্রের মহাশয়ের যত্র একান্ত আবেশ্ক।

--- : - : ---

व्यामानिरभत उरमान्युकच्च मः वान-দাতা লিখিয়াছেনঃ—

এ अक्ष्य वास्थित (य कार्यक दांव বারিবারাদ্বার। ঐত্যাত্ত পৃথিবীকে শীতল কবিয়াছেন, সেই কয়েক বার আল্লুষ্ঞিক বিহয়ৎ পাত ছ'রা প্রায় ৫।৬ টী গৃহ (কোনটী আৰ্দ্রনা কোনটা সম্পূর্ণ ) ভামদাৎ ইইয়াছে।

मक्यात निम्हित्व श्राष्ट्र क्षा करू हरू-তেছে। গোরুচুরও বড় কম নয়। পুলিষ নিদ্রিত কি জাগরিত? এ বংসর সুর্ফী হও-রাতে কৃষিকার্যোর আরত্তে স্থলকণ দেখা य:हेट्ड । जनभीश्रा श्रद्धिनारम मनन করিলেই প্রকৃত মঙ্গল হয় ৷

শুনিতেভি, মহিষাদলা্ধিপতি নৃপতি স্বপু <u>जित्र निकार केटक्टम ७ है हेर्ट्सकी वाकाता</u> স্কুল স্থাপন কবিবাৰ মান্স করিয়াছেন এবং.. ভক্ষন। একটি স্থায়ী গৃহ নিশ্বিভ হইতেছে। কোন পরিচিত মাজীযমূখে সবিশেষ অবগত स्हेनाम, अव अन (शंजकात अधान निक्क छ

विश्वविमानरमुद्र एक छेभाविधान्नीका निश्चष्ठत (वाहाता निम्नारङ छ।हार्वत ए कान कथाहे शिक्षक इंहेट्टन। य. ने श्रेश्वत श्रेशानार जुन**ि**उत এ অভিনায় কার্যে, পরিণত হর, তাহা হইলে ব তিনি সহত্র সহত্র ধন্যাদের যোগ্য হইবেন भरकर नाहे।

अवरमः अधानकात् हेर वम्निनाशरात् छाउ দিশের বার্ষিক পুরস্কার দামের নামগন্ধও পাত্যা य है (एक ना। है शत काबून कि? क्षांप्र ১৫।১७ वर्गत इहेल छाटात्रा कथनहे हेश हहेटल বঞ্জি ছয় নাই। এবংসর যদি বঞ্জিত হয় ভাহা হইলে অভ,তঃ অভুংদাংহের বিষয় হইট্না পড়িবে।

# ---- 303----প্রেরিত।

# মান্যবর শ্রীযুক্ত দোমপ্রকাশসম্পাদক महाभाग मभी (भन्।

মহালয় ! আমরা স্ত্রীজ্ঞাতি একথা সকলকেই মান; করিতে হইবে। যদিও (বেশারিভি) অভিকুদিত কর্মে প্রবৃত হইয়াছি, যদিও কুলে জলাঞ্চাল দিয় ছি যদিও পংপু বের সহিত আমোদ প্রমোদ করিডেছি, তথাপি এমন বিবেচনা করিবেন না যে পর্মেশ্বদত লক্ষা একবাবেই আমাদিগকে,পারভাগে কঃ য়াছে। এতদেশীর বেশ্যাদিমের রোগ পরীক্ষার व्याहेन जन्नदुलाकित्यत श्रीष्ट्रा निवातवार्थ अह लिंड इहेरवा काल मश्रमश्र (स क्यार्लाक আপনার প্রিয়ভ্যার সহিত বিশুদ্ধ আমোদ পরিভাগে করিয়া বেশাাদিসের িকুষ্ট থেকে ख्येख रहेशा ७ हा निरंगत সহ্বাসে হুগা (भक्ता क्रुश्रातात करतम, मिहे मेर मे ६) छिन्। প্রায় শচও বরুব পীড়া হইলে ব্যবস্থাপক মহ: প্রদিগের ক্ষতি কি ?

মহাশার ! ইরাতে হিতস ধন হওয়া দুরে থ'কুক, ववर व्याप्ता मन्त्र इहेवात मञ्जावना । यांशामित्रह (रणालिश शमरनंत विमक्तन हैका आएइ, (क्रथल পীভার ভয়ে যান না। তাঁহাদিবের বিলক্ষণ স্থবিধা হইবে। জার একটি কথা আপনাকে জিজ্ঞাসা করিতেছি, এই আইনটিকিপক্-भा**डी खाँहेन ६ग्र नाहे? महानम्न विरा**क्ता कतिया तिथ्व ध्यम खीलाकि दिशत शीष्ट्रा থাকিলে পুরুষের হয়, সেইস্ক্রপ পুরুষের পীড়াতেও ত জীদিলের হইয়া থাকে। অতএন বখন উভয় উভয়ের পীড়ার কারণ, তখন উভয়েরি পরীক্ষা रम अप्रा के हे के कि में ? आरता रमधून यमि कि वन জামাদিগের নিমিত্রই আইন হয়, ভাছা হইলে ছভাগ্য বৃদ্ধতঃ ভাঁহার। সেরূপ নন। অন্যুক্থী

नारे) याहाता खाता खाट्ह, ছট রোগাক্রাম্ব পুরুষ আসিয়া নষ্ট করিবে i অভএব যদি ব্যাথ প্রজার হিত্সাধন ও রোগনিবারণের বাঞ্চা থাকে, ভাহা হইলে এই काहैन कि रयन श्राहात हुए रय '' रय श्राह्म रवनाहरू সহবাস বাঞ্চা করিবেন, ভাঁহাকে ভাক্তর नारश्यत निकरे भेतीका दिया व्यवस्थानक महा मग्नितिशय (काम हिस्स महेब्रा य हेट्ड इहेट्ट । " শম্পাদক মহাশ্রা ছংবের কথা আর অধিক কি विनि ? व विश्वाभिक महान(त्रेत्रा भक्तानहे श्रुत्रयः এই নিমিত্ত উঁংহারা কেবল আপনানের দিকেই होतियार्डन। किंड यनि क्लान खीरलांक वर्त-স্থাপকদলে থাকিছেন, ভাষা হইলে এ প্রস্থাবদী করিতে ছাড়িতেন না।

প্রজার হিত সাধন রাজার কইব্য কর্মা, আমরা নিরুষ্ট রুত্তি অবলয়ন করিয়াছি বলিয়া কিরাজার অনুগ্রহ পাত্রী হইব না? না, এমন হইবে কেন ? বাপের কাণাটিও যেমন্ ভালটিও তেমন, বরং কাণাটির উপর অধিক স্নেছ হয়।

२५ व देवनाश्व ভাপনার অস্থ্যহা কাজিল্গী মনোমো হিনী দাসী। ३०१४ भाज নোনাগাছি লেন ৫ নং ব'ট্টা ছড়া লার উপর ঘর }

মহাশন্ন : ভগলি জেলার অভঃপাতী গুপ্তি-শ'ড়া একটি গগুৱাম, উহাতে অস্তত: ১৫০০ ঘর লোকের বদ্দি, ভর্মের ভদ্রলোকই অধিক; किन्न मामानः व्यारकर्भाः विषयु दशु (म. এक्रांभ সনসমা দীর্গ স্থানে কোন প্রকার উন্নতির লক্ষণ লক্ষিত হয় না। ইহার অপেকা অনেক কুদ্র ক্ষুদ্র विम्हालय माख्या छेरधालय छ । लाहे वाकित अकृषि वात्री कलकुष बहेशार्ड এবং ভত্রভা লোকদিগের ছাল্যুআনকরস প্রবা-হিত হইতেছে মহাশয়: গুলিপাড়া নিবাসী লোকদিশের কি সে দিন উপস্থিত হইবে না ? হইবেই ৰা কেন ? গুল্তিপাড়া প্রস্পার বিরোধ मलामिल 😘 बाब्रहेब्राविक क्षापान च्याकद। এই विषय अधि (य कार्टन व अभक्तात रहेल, ভাহার যে কন্ত সুর উন্নতি স্ইতে পারে, ভাহা সহজেই বোধগাম্য হইতেছে।উক্ত আম ১।৪ জন জমিদাবের বাসস্থান। ভাঁছারা যদি প্রস্প্র ক্রিগীষা জ্যাগ করিয়া আমের হিভুসাধনে যন্ত্র-বান্ হইডেন, ভাষা হইলে গু প্রিপাড়া এতদিনে অনেক স্থানের আদর্শ, হই ত ; কিন্তু গ্রামস্থদিগের

मृत्य थाकुक, किक्ष्टियत्र भाहरत (४ এ५ টि উয়-তির কার্য সম্পাদিত হয়, সে বিষয়েও কাহার मरमारवात्र माहे। विषश्चि এই, श्विष्टाञ्चा छ्वनि माक्रिकेट्रेत व्यवीरन व्याष्ट्र। यति कान विषय মাজিটেটিতে জানাইবার আব্দারকতা হয়. হুগলিতে যাইতে হয়। হুগলি গুপ্তিপ!ড়া হুইছে कार कार का मार का मार का निष्य के का मार का वात छशनि बाइएड इइटन ८ । ६ छै। का वास स्य ও অভিনয় পথকেন সম্ভাবিতৈ হয় এবং এক क्य रेग्सिक आमाशकीबीरक वाइरेड इइएन ভাহার ছই দিনেব সংসার নির্দ্দ ভির উপায় ও নিজের কিঞ্চিং পাথেয় সংগ্রহ করিয়া যাইতে হয়। স্তুতরাং এরুণ অর্থবিয়ে ও কেশ সহকের। अट्राक्ता (भोनावलयन (कांग्रः अहे विद्वहन्। कृतिशा **अरमरक विदक्त इंडेन्ना थाएक। काउ**धव शवर्न (सन्हें হতু গ্রহ করিয়া গুল্পিপাঞ্টিকে কাল্পনার মাজিকে **छित व्यवीन कांत्रश्रा मिन, इक्षाट्य अञ्चामित्रत** नर्मा विशारत (श्रद्धाःनाञ इरेटव नटक्त्र नारे: গুপ্তিপাড়া কালনার ৪ মাইল দুরস্থা কালনার স্ব ডিবিজনে এক জন সিবিলিয়ান আছেন। হাঁছার অনীনে ভিন্সীযাত্র দায়ানং থান। আঁছে। छ श्रिपाङ्गातक छै।शत अभीरन जानितन भव-रिम েটর ভক্তন। কোন বিনয়ে অভিরিক্ত বংয় इंडेरन मा। मा**जि**एकेर्डेत भाषम कार्रात का কণ্ঠ হইবে না, অধচ গুলিপাড়ার মঞ্ল হইবে है। छ।

मन ३२१६ मान এक छन हिटेख्यी। ১৯ এ देवनाच।

५७ हे देवल'र भव (मामधकारन ज का निर्भात প্রতি যে ছট একটা কথা লিখিয়াছেন ভাছার প্রতিবাদ করিতে প্রবৃত্ত হইতেছি জন্মচ্ शृष्ठिक উদারভা ভবে লোমপ্রকাশে স্থান দান করিবেন।

ভাক্ষেরা গুর্গেও ধেমন একনাত্র অভিতীয় ইশ্রের উপাদনা ক্রিডেন এক্পেও ভাষাই করিয়া থাকেন, একমাত্র ঈশ্বর ভিন্ন প্রাক্ষাদিগের खना ऐलामा नाई, ऐलामनात खना श्रान अ গময় দিৰ্দ্দিষ্ট ও বিধি বন্ধ নাই, সকল স্থানে সকল গময়েই সর্কারাপী উপবের উপাসনা হইতে পারে, ভবে ত্রাক্ষ স্থাপ্ত এবং নিয়মিত দৈনিক लेलामन। कितिमनहे 'श्रकांनाख द्रविद्यादक, हेंबादक किছ পরিবর্ত্তন হয় নাই, যত দিন প্রাক্ষাগণ বিশ্বাস মতে কার্যা না করিয়া অসভ্যযুলক পৌত্লিকভার দাস ছিলেন, ভত দিন বক্ষা ধর্মের মতে গৃহ কর্ম সম্পন্ন হইত না। একাণে ব্রাক্ষা ধর্মের অনুষ্ঠান হইতেছে, এটি উরতি পদ বাচা, এটি সামান্য বালক দ্রীড়া নহে। চিত্রনেরে যে ভক্তিতে পাষাণও বিগলিত হইয়া ছিল, তাহার অনুকরণ করা মন্ত্রণু মাত্রে ইকর্ত্রা, শুক্ত হ্বর জানী অপেকা যে এক জন মূর্য ভক্ত প্রেষ্ঠ, তাহাতে সন্দেহ নাই। অত্তরব শুক্ত স্বর্থা করা মাত্রতিক, এটিও বালক্ষীড়া নহে। প্রাক্ষেরা ' গুরু সভ্য মত অবলম্বন করি রাছেন" এ কথা সম্পূর্ণ মির্যা। কোন কথা বিশেষ না জানিয়া কেবল বিশ্বেষ ভাব চারিতার্থ করা ভ্রেচিত কার্য্য নহে।

অপিচ, পরিবর্ত্তনই উন্নতির মূল (১) পরি বৰ্জ ভিন্ন কোন বিষয়ের উন্নতি হইতে পারে না। যদি আক্ষাগণ অসত্য জানিয়া কোন বিষয় ভাগে করেন এবং সভা জানিয়া কোন বিষয় অবলম্বন করেন, ভাহাই প্রকৃত উন্নতি। আপনার মত রক্ষার করে ক্লগতে বুদ্ধিমান চিস্তালীল বলিয়া পরিচিত হুইবার জন্য চির্দিন অস্ত্যকে পোষণ করা ধার্মিকের কার্য্য নছে; প্রাহ্মগণ যে কোন কার্য্য করেন ভাহার পুর্দ্দে কোন চিন্তা করেন না, আপনার এ সিদ্ধান্ত অমূলক মাত্র। আমার বোধ হয় জাজিও আপুনি রাক্ষা ধর্ম বিষয়ে অনভিক্ত আছেন, অভএব আমার নিবেদন আপনি নিয়মিতরূপে ব্রাহ্মসুমাজে আফুন, ত্রাক্ষ ধর্ম আলোচন। করুন, নিয়মিত ब्राट्स रेव निक छिमात्रना आहर करून, बाका ধর্মের অভ্যন্তরে প্রবেশ করিবেন্ তখন যাহা निधितन जाहा मथार्थ अवर विष्यमूना इट्टा এই বিষয়ে আপনার যাহা ব্যক্তব্য সোম প্রকাশ भारत धकान कतिर्वन।

ক্য্যচিৎ পাঠক্স্য

--- 3 • 3---

দাতন একটা প্রসিদ্ধ চটা, রাজপথের ছইপার্শ্বে, লোকের বসতি প্রায় ছই মাইল হইবে।
এখানে জনেক গুলি ধনাচ্য মহাজনের বাস
আছে কিছ ছঃখের বিষয় এই য়ে একটাও বিদ্যালয় নাই। এখানকার বালকেরা দিবানিশ
খেলা করিয়া কাল কাটাইডেছে। এই দাতনে
যে কডকগুলি-ধনাচ্য মহাজনের বাস আছে,

(১) পরিবর্জন উন্নতির মূল বটে কিন্তু যদি কেছ ত্রিতল গৃহ ভালিয়া পর্ণকৃতীর করেন, সে পরিবর্জন উন্নতি, উন্নতির মূল অথবা উন্নতির চিক্ল বলিয়া পরিগণিত হয় না। গ। আমি বোধ করি উহিদিলের যন্ত ছারা জনা-য়াসে এখানে একটী স্কুল হ'তে পারে।

এখানে একটা মুকোনী কাছারি আছে। মহামতি মৌলবী দাদার রখন এখানকার মুশেদ। ইনি অতি ভদ্রগোক এবং বিচারক্ষ। ইহার সন্বিচারে অব্রভা প্রস্তাবা বিলক্ষণ সম্ভষ্ট इड्यार्ड । इडात विस्था ग्राय अरे ए हैनि সীয় অধীনস্থ কর্মচারিগণ এবং অধী প্রত্যধী প্রভৃতি সকলেরই প্রতি সাধু ব্যেকার করিয় शास्त्रमः। हे जि श्रुत्ति (मिनिमीश्रुत्ततः अक्षीर खल জী ক্রিলের সাহেব মহোলয় এথানকার মুন-শেফী কাছারি চেথিতে জাসিয়াছিলেন। মুন সেকের কার্যে ভিনি অসম্ভূষ্ট্রন নাই। অভি नञ्ज प्रश्त विषय अहे य लाउरमत मूल्मिक কাছারি ঘরটা অতি জঘন্য। ঘরটা দেখিলে রাজ विज्ञातालय विलया कथनहै विध इहेरव ना वतर (गामाला निवा खम इट्रेंग्छ २३८७ भारत. মুজেদ মহাশয় সুত্র ঘরের নিনিত্ত রিপোট করিয়াছেন, কি হয়, বলিতে পারি না ঃ রিপো টিটী মঞ্জুর করা কর্তবা।

ক কৈ ডিভিজনের ইনপেটিব পেটি মাষ্ট্রর বাবু শ্রীধর রায়েব যত্নাতিশয়ে ১৮৬৭ সালের ১০ কেব্রয়ারি অবধি এখানে একটা মুতন পোষ্ট আফিস হইয়াছে । হল্যকৃষ্ণ সরকার দাতনের ডিপুটী পোষ্ট মাষ্ট্র। ইনি অভি সচ্চরিত্রের মান্ত্র্য, ব্থানিয়মে পোষ্ট আফি সের কার্য, চালাইতেছেন।

এই দাতনে বিদ্যাধর নামক একটা অতির্হৎ
সবোবর আছে। উহার আয়তন ২৫ বিঘা হইবে
সবোবর দেখিলে এটা ধে বস্তু কালের তাহা
সহজ্যেই অসুমান করা যাইতে পারে। এই সরো
বরের পূর্কাদিগ্ভাগে ছই মাইল চুরে সরশক্ষা
নামক একটা জলাশয় আছে। সেটা বিদ্যাধরের
চারি গুণ বড় হইবে।

কএক দিন ছইল বৃদ্ধি না হওয়াতে এখানে ত্রীব্যের অভিশয় প্রান্থভাব হইয়াছে। দিবা এক প্রহরের পর কাহার সাধ্য ঘরের বাহির হয়। বেলার আধিক্য সহকারে রোজের ভয়ানক উত্তাপ বৃদ্ধি হয় এবং অগ্রির ন্যায় বাভাস বহিতে থাকে।

১ লা মে মোং দাভন

भूना धार्थि। जीवुक बाबू तमनीरमाहन को द्वती तम्भूत १२९६ देवनाथ ह्हेर्ड देव्ख জীয়ক্ত বাবু বিপিনবিহারী মুখোপাধ্যার ময়নাত জি ১৮৬৮ মে হইতে ৬৯ এপ্রেল ১৩

-----°0°---

# मामश्रकानमः जान क्राक्रे

#### विट्निय निरम।

অগ্রিম মূল্য ও ডাক্মাস্থল ন। পাইলে মদ-খলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইংার জ্ঞিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং
বাণ্যাদিক ৫॥০ টাকা; মফস্বলে ডাকমান্ত্রল
সমেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যাদিক ৭ এবং তৈমাসিক ৩৮০। তিন মাদের স্থানে জ্ঞ্ঞিম মূল্য
গ্রহণ করা বার না। ছণ্ডি, বরাতি চিঠি, মনিজ্ঞার, নোট ও স্থাম্প টিকিট, ইহার জ্ঞান্তর
বাহাতে বাহার স্ক্রিধা হয়, তিনি সেই উপায়
দ্বারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাঁহার। ষ্টাম্পটিকিট পাঠাইবেন, গাঁহার। যেন এক অথবা আধ আনার অধিক মূল্যের ওরসীদেরটিকিট প্রেরণ না করেন।

ষধন ধিনি মকস্বল হইতে সোমপ্রকাশের মূলপোঠাইবেন, তাহা যেন রেজিস্টরি করিব্লা শ্রীযুক্ত ধারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

যাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অতীত হইয়া আসিবে, এক মাসপুর্নে তাঁহাদিগকে চিটি লিখিয়া জানান বাইবে, কাল অতীত হইয়া গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, জাহার পর একমাসকাল প্রতীকা করিয়া কার্মি বন্ধ করা বাইবে। শেব বারের পত্র বেয়ারিং পাঠান হইবে।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ডাক ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

যাহার। মাসুল না দিয়া পরোদি প্রেরণ করি বেন, তাঁহাদিগের সেই প্রাদি এইণ করা যাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইক্ষা করিলে ভাঁহাকে প্রথম ডিন বার প্রতিপংজি 🔑 আনা ভাহার পর ৴১০ আনা দিতে হইবে। বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা করি-বেন, ভাঁহার সহিত স্বতন্ত্র বন্দোবস্ত হইবে।

ক্রেএই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পূর্দা মাডলা রেলওরের সোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চালডিপোডায় জীযুক্ত হারকানাথ বিদ্যা-ভূষণের বাটীতে প্রতি সোনবার প্রাতঃকালে প্রকাশিত হয়।

# (माथका

১ - মু ভাগ।

J 72411

# " प्रवक्तमां प्रक्रतिचिताय पार्थिवः सरस्वती ऋतिमहती न हीयतां।"

মাসিক মূল্য ১ এক **অগ্রিম বার্ষিক ১০ দল** আগ্রেম যাণ্যাসিক ৫॥ গ্লাভে পাঁচ টাকা ৷

मम ১২१৫। ७ वे टेकाछ। ১৮७৮। ১৮ वे म

সকসলে মাস্কুলসমেত অগ্রিম বার্ষিক ১৩ বাণ্যাসিক ৭, ও জৈমাসিক ৩৮০ টাকা

# বিজ্ঞাপন।

এতদারা সর্বা সাধারণকে অবগত করা যাই
তেছে যে, ১৮৬৮ ইং ১৬ ই জন মললবার
বেলা ছই প্রহরের সময় ৫ ফুটের সুন উচ্চ ও
নাচ্চা সরকারি হস্তিসকল চাকা সরকারী
পিলখানাতে সর্বেলিচ ডাকে নীলাম হইবে ক।
ক্রেক্ত্রকণ উক্ত দিবস প্রোক্ত স্থানে গিয়া
ক্রেফ্রকারতে পারিবেন। ইতি সন ১৮৬৮ইং
৬ ই মে।

ঢাক। আফিস। আর, ডি, নথল

(थन स्वितिष्टेखकेन

# বিক্রয়ার্থ।

গারডেন রীচ ২৪ নং বাটী গুলামস্ছ ১৯ নং শ্রোজা বাগান।

ভাড়া দেওয়ার নিমিন্ত ।
গারডেন রীচ ২৪ বং বাটী।
উপরি উজ্ঞ বাগান ও বাটী যাঁহারা জয়
করিতে অথবা ভাড়া লইতে ইক্ছা করেন, নিমু
আক্ষরিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

গিলেগুরিস্ আরবো-থনট এবং কোং

#### পুরাণপ্রকাশ।

কলিকাত। মৃত্যাপুর আমহাউদের দক্ষিণ কাবপ্রেকাশ বত্ত্বে পুরাণপ্রকাশনক্ষেক সাম দ্বিক পত্ত্বপ্রতিমাসে এক বা ছই খণ্ড করিয়া প্রকাশ হইতে আরম্ভ হইয়াছে। প্রত্যেক খণ্ডের পরিমাণ ৮০ অশীতি পূঠা। ইহাতে ক্রমণঃ অষ্টা দল পুরাণ ও উলপুরাণ বাজালা অপ্রাদসমেড প্রকটিত করিবায় কল্পনা আছে। প্রথমতঃ বিক্-পুরাণ অস্থবাদ ও জীধরগোত্থাযিকত চীকা সমেড মুজিত হইডেছে; ১ 'লা বৈশাখ বিতরণ আহন্ত হইরাছে। বিনি ইহার প্রাহক হইতে অভি লাষী হন, তিনি কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে আমার নিকট পত্র ডাকমাগুল ও প্রতিখণ্ডের মূল্য অগ্রিম॥• আট আনা করিয়া পাঠাইবেন। যাহারা নিয়মিত গ্রাহক্তেণীভুক্ত নহেন, ভাষা দের নিকট প্রত্যেক খণ্ড নগদ ১ এক টাকা মূল্যে বিক্রের করা ঘাইবে।

१५ **है** रेहज

े क्षि करायाहर भन्ना।

সংস্কৃত মেদিনীকোর প্ররহ শক্রের চীকাসমেত উত্তর নাগরাক্ষরে ব্যপুর্দ্ধক মুদ্রিত হই
তেছে। যিনি গ্রাহক হইতে ইক্ষা করেন, তিনি
চাকা কালেকের সংস্কৃত অধ্যাপক জীযুক্ত বাবু
সোমনাথ মুখোপাধ্যায় মহাশয়ের নিকট অথ্বা
কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে বা কাব্যপ্রকাশ
যন্তে আমার নিকট পত্র পাঠাইবেন।

১৫ हे रेठज ১२१८ नश्कुष्ठ विन्हानग्न । क्रीजनर्गाहम गर्ना

#### অভিগান।

শকাষুধি	2    •
শব্দার্থ প্রকাশিকা	9
শব্দ সিফু	<b>ર</b>
नकार्य भूकावली	. 44
শব্দার্থরয়মালা	¢
শব্দার্থপ্রচারিকা'	9
প্রকৃতিবাদ	&
সংস্কৃত পুস্তক	
त्र <b>पू</b> रश्म मंत्रीक	; b
উত্তর নৈষধচরিত	4    8
ভটিকাব্য	8 •

অষ্টা বিংশতি তত্ত্ব ৩৫

দশরপক ১৯৯
কলিকাতা আইকেদারনাথ বন্দ্যোপাধ্যার
কৰ্পন্ধলিদ }

কলিকাতা সংকৃত লাইবেরী ও কালেজ টিট ১১ সংখ্যক ভবনে প্রীয়ক্ত বরদাপ্রসাদ মঞ্চমদারের পুক্তকালরে, প্রীয়ক্ত বাবু দেবেক্ত কুমাররায়টোধুরিপ্রণীত," তত্তপ্রকাশ " বিক্রীত হইতেছে।"

वास्ट्रेनूत ८ हे टेठज २२१४।

कि ३११ मर )

ঞ্জাজমোহন বস্থ অধ্যক্ষ। .

রাণীগঞ্চ পটরি কোৎ লিমিটেড।

মেজিয়া করিবার স্থৃচিক্কণ টাইল।
ঐ কোম্পানির মিসনরোস্থিত ৪ নং আফিসে
উহার নমুনা দেখিতে পাওয়া যায় এবং যদি
কাহার প্রয়োজন হয় ঐ আফিসে অনুমতিপত্র
পাঠাইয়া দিবেন।

নলদময়ন্তী নাটক, স্থানহোপ যন্ত্রে যন্ত্রিত. বিক্রয়ার্থ প্রস্তুত ; ফুল্য ১ টাকা। কলিক তা জোড়াসাকো ৬৪ নং ট্রিপ্রভাপচন্দ্র রায়

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়ে ও পটোল ডালা বাড়ুঁখে ব্রাদার কোম্পানির দোকানে মং প্রণীত ও মংপ্রচারিত নিয়লিখিত পুস্তকগুলি বিক্রম হইতেছে:—

প্রণীত

**गृन**्

ন্ত্রীসইভিহাস ১ টাকা

রোমইভিন্ন
ভূমগদার বাবার
নিতিসান () মাভাগা)
ভাবিসারে হৈছেগে)
ভাবিসারে
নিত্র ভাগা
ভাবিসারে
ভিন্ন বাবার

শ্বন্দ প্রচারিকানামে একথানি স্থানিস্থানি নল ভিগনে, থাহাতে প্রাকৃত ও যাবনিক্ষ শক্ষ লোক্ষল শব্দেরই লিক্ডেদ ও প্রাকৃত উত্তর লোকিত শব্দের উত্তর ডিক্কিউ এবং উলাদি যাভ হটতে নানাবিধ প্রভাগানিস্তর প্রায় ৭৫, ১০০ ভাজার শন্দ সংগ্রহপূর্ণাক ৮৬৮ পূর্ণায় ম্বিত হটগাছে, ঘঁটাদিনের প্রয়োজন হইবে, ভালার ঘটতলা ২৪৫ নং পুস্তকালয়ে ও জোড়া সাক্ষে ১৪ নং জ্রিপ্রভাগচন্দ্র রায়ের নিক্ষট অনুদ্রান করিলে প্রাপ্ত হইবেন। মূল্য ও টাকা ভাকমান্ত্রলা, । ও জানা। যদি কেই একে বাবে ৫ কাপি লন ভবে ট্রাহাকে ১৫ টাকা ভিসাতে কমিসন দেওয়া যাইবে।

# বিবিধ জব্যাদি বিক্রার্থ প্রস্তুত।

विक्रिक है। देशकाराता हैने (शांत ।

ইণরাজী বাজলা পুস্তক কাগজ কলম নান!
শিষ্ম দ্রব্যাদি পাওক যায় মফলবল, ঘড়ী মজু রি
ক্রেটাদি পাঠাইয়া থাকি এবং পুস্তকাদিতে এক
আনার হিসাবে কমিসন দি। যাল কেহ অধিক
টাকার দ্রবাদি লন পাইকেড়ী দবে পাইবেন।

শক্ষম উসিয় প্রথম বর  বিভীয় খর  বিভীয় খর  বিভীয় খর  বিভীয় খর  বিভীয় খর  বিভীয় খর  বিভাগ বিভাগ  বিভ	
ভামগ্রকণীতা  দিকা ও বাসালা সম্মলত  শাদ্যক্  শাদ্যক  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক  শাদ্যক  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক্  শাদ্যক  শাদ্যক  শাদ্যক  শাদ্য	
দিকা ও বাসাল। সম্মলত  শাদাবিদ্ধ শাদাবিদ্ধালা  শাদাবিদ্ধাল	
টীকা ও বাঙ্গাল। সম্মলিত ।  শাদ্দিছু  শন্ধাবলী  শাদ্দিপ্তকাশিকা  শাদ্দিপ্তমালা  শাদ্দিপ্তচারিকা  ে ক্তিবাদ	
শ্বনাবলী শ্বনাবলী শ্বনাবলী শ্বনাব্যালা শ্বনাব্যমালা শ্বনাব্যমালা শ্বনাব্যমালা শ্বনাব্যমালা	
শ্বনাবলী স্দাৰ্থপ্ৰকাশিকা শ্বনাপ্ৰস্থালা স্দাৰ্থপ্ৰচাৱিকা  ে ক্তিবাদ	,
শদার্শপ্রকাশিক। শদার্শব্দালা শদার্শপ্রচারিক। শদার্শপ্রচারিক।	!
ল দ্বেশ্ব মন্ত্রা ল দ্বেশ প্রচারিক। ল ক্তিবাদ	)
् कृष्टियाम्	:
८ कृत अपान	)
<i>N</i> :	:
্বত বংশ ভিতৰ 🔭 💛 💝 🤏	
আন্ত মানন বিদ্যান্ত্ৰসংগ্ৰহণ উকা 🕽 💡	
ালি প্ৰান্ত খানি প্ৰতিমূহি সংহত	٠.
ু <b>ৰা</b> শ েখল ও ভারতবর্ধের <b>রেলওয়ে</b> ্	ζ

智恵のめる からかの事

THE CO. AS AN ADMINISTRATION OF THE PARTY OF THE ASSAULT	
নলচরিত কাৰ্য	١,
शक्षात्रभी	•
বেৰাভদৰ্শন	>
জ্বিক ব্ৰ <b>মালা</b>	٥
∍রিভ <b>্জেবিল</b> !স	6-
প্রকল্পত্র	· <b>•</b>
মেটাইয়া মেডিকা	19
इरमधीय अवनक्स वनी	२॥ -
<b>अ</b> १४८क्तमप्र <sup>2</sup> न	৩
যেভিদারি গাইড	71•
নিদ'নাপ'চন্দ্ৰিকা	ર
স্টাক নিদান	8
নিদান	\$
<b>গ</b> 'লভীমাণ্ড	2
পঞ্চাব ইভিহাস	2 11
চীনের ইতিহাস	2
छ्डम <i>(श्री</i> प्रांत सक्त ( ) । २ )	2 H
সহস্ক্রমাধি নাট্য	2
বেশ্বস্থিতিনিবর্ত্তক নাউক	2
মনোরুতি বিধায়ক	Ħ
की हक वध मार्चे क	N •
ইংরাজী বান্ধালা ডিক্লনারি	5H•
কলিকাতা জোড়া-	ণ্ড <del>ঞ</del> রায়
मीरका ७३ मर	אור אביעו

বিগত ২৬ এ বৈশাখ সংস্প তবার রাত্রিতে ইষ্টারম বেলল রেলওয়ের অস্তর্গত শ্রামনগর গ্ৰ্টেশনে মেল ও পেনেজাৰ ট্ৰেণে ধাক্ক: লাগিয়া ্য ভয়ানক চুঘ টনা উপ ওঙ হয়, ত। ছাতে এই রূপ জনক্রতি ইইয়াছে যে তদ্ধারা বহুসংখ্যক লোক বিমন্ত ও আছত হুইয়াছে। ইহার পাছ।)-দত তো নিৰ্বয় পূৰ্দাক প্ৰতিকাৰের উপায় দেখা ্পদেকার সোণাইটীর "কর্ত্র বিবেচনা হওয়'তে সাধারণকে আহলে করা বাইভেছে ्य व । हात्रस्थितक से इम उसर महा कतिए इहे-या। इ अथवा यो शहा छ इं क्ष छ। क कतिया हिन चथवा गौशास्त्र आधीश यक्तन विमर्छ इहेसा छ, ভাছারা যংলা জানেন ভাহা মিস্তুয়াল জার্ডিন ইস্কিনার কোম্পানির বাটীতে ত্রীযুক্ত নীলকমল বন্দেরপাধ্যায় মহাশয়ের নিকট অবিলগ্র জ্ঞাত करत्रन । ३० है। म

\_\_\_\_

শব্দকরজন অভিধান। সর রাজা রাধা-কাস্ত দেব বাহাছবের ত। উত্তমকপে

সোণা দিয়া মুতন বাঁধান মূল্য ২৫ • টাবা। তত্ত্তবা ধিনী পত্তিকা—প্রথম কল্প, সূল্য ৫ • টাকা।

জীলানন্দচন্দ্ৰ বেদান্ত বাগীশ।

--608---

# निवात निर्वा ।

সন ১৮৬৮ সালের এপ্রেল মাদের ২২ এ ছুইতে ৩০ এ পর্যান্ত ভাগীরখীনদীর সর্দাক্ষ তি জলের সাপ্তাহিক রিপোর্ট।

স্থানের নাম - ফুট ই কুছ

মহানার উপর প্রান্দীতে 

মহানার

১১

তথা হইতে জলিপুর প্রান্তে

(১৩॥ মাইল মধ্যে)

জালিপুর ছইতে বহরমপুর পর্যান্ত

(৪৬ মাইল মধ্যে)

ইহরমপুর হইতে ফাইওয়া পর্যান্ত

(৫০ মাইল মধ্যে)

কাটোয়া হইতে নদীয়া পর্যান্ত

(৪৬ মাইলেব মধ্যে)

সন ১৮৬৮ মে মাহার ৫ তারিখে বহরমপুর
গজ ঘাটের জালের মাপ 

ফিট ইকুছ

বহুবমপুর ৫ ই মে ১৮৬৮। এক জিকিউটিব ইজি'ন সংবছর মপুর ডিবিসন

# সোমপ্রকাশ।

ও ই জ্যৈতি সোমবার।

বিজ্ঞাপন ছলে "পূর্ব বাদালা রেল ওয়ে ছুর্ঘ টনা " সংক্রান্ত একটা বিজ্ঞাপন শুচারিত হুইল। পাঠকগণ দেখিলেই জানিতে পারিবেন, " পাসেঞ্জর সোসা-ইটা " সভা এবিষয়ে সবিশেষ মনোযোগী হুইয়াছেন। এটি আমাদিগের অনুপা আহ্লাদের বিষয়। সভা যদি এ বিষয়ে উদাসীনা অবলয়ন করিছেন, আমাদিগের হুদ্যে যার পর নাই ক্ষোভ ও রোষের সঞ্চার হুইত। পূর্বে বাদলা রেলওয়ে কর্মচারিদিগের দোবে যেরপ শোচনীয় ঘটনা হুইয়াছে, ইহাতে কাহারও মৌনা-বলম্বন করিয়া থাকা বিষয় হয় না। এদেশীয়দিগের এতি ক্ষেহ্মনা এদেশীয়

विषी इंफेड्साशीरसता इंग्लामरगत कीवन र्य (भीटमबामित कीवन चारभक्का चारक के জ্ঞান করেন। এই নিমিত্ত ইহঁ। দিগের জীবন রক্ষা বিষয়ে যথোচিত বড় করেন না। তাহাতেই সচ্যাচর তথ টিনা ঘটি।। থাকে। ইউরোপীয় কর্মচারিদিগের মি ছ-माञा निवक्षा (क्लिएंड बीट्रिंग (य पूर्व) টনা হয়, আজিও তাছা কাছার স্মৃতি পথে জাগৰুক হইলা না ব্ৰিলাছে ১ এদে শীগদিগের জীবন শিগাল, কুক্রপ্রপ্রভার জীবন অপেক্ষা অপুরুষ্ট নয়, এদেশীয় দ্বেণী ইউরোপীফের: যাহাতে ইহা জানিতে পারেন, সকলের একবাকা হইয়া ভাছা করা কর্ত্তব্য । তাহানা করিলে নিস্তার नाइ। अरमनीयिनरशत कीवन नियाल বুকুরাদির ন্যায় উপেকিত হইয়া সচরা চর নিংত হইবে। আমরা পাদেঞ্লর সোস इंটা সভাকে ছুটা বিষয়ে বিশেষ ৰূপে অনুৱোধ করিতেছি। প্রথম, আমরা स्वित्राहि, शूर्व व कला (तल उर्व कर्या) ति **फिटशंत मेट्या धेक्स क्र क्र क्र क्रांट्स**न, তাঁহারা বন্ধালিদিগের অত্যন্ত বিদ্বেষ বরেন, ত হাদিগের হত্তে প্রাণ সমর্পণ करा कान करमरे विषय स्टेट भारत ना, व्यक्तव याह. ८० काहाता के जारन থাকিতে না পারেন, সভা তাহা করেন। বিভীশ, যে সকল বাক্তি হত ও আহত হ্ইয়াছেন, তাহাদিগের পরিবারগণ ও महे ता कि या हा कि भूत वा कला রেলওরে কোম্পানির নামে ক্তি পুরণের নালীশ করেন, সভা উদ্যোগী হইয়া তাহর সংঘটন করিয়া দেন। যদি কাহার নালীশ্ব করিবার ব্যয় দ্বনে সামর্থ্য না थाटक, मञ्जात हाँमा कतिशी तम है।का সংগ্রহ করিয়া দেওয়া উচিত। উপসংহার কালে বিজ্ঞাপনদাতাদিগের ন্যায় সাধা-त्ररणत मिक्कि जामामिरशत जन्द्राध এই, যিনি পূৰ্ব বাদলা রেলওয়ে ছুর্ঘটনা সংক্রান্ত যে কিছু প্রকৃত বৃদ্ধান্ত জানেন,

তিনি যেন স্বলেম্থে ফার্ডেন স্থিনার কোম্পানির হাউদে প্রীযুক্ত বারু নীলক মল বন্দ্যোপ ধায়ের নিকটে উপস্থিত হইনা সংবাদ দেন। তথায় যাইতে কোন বাধা নাই, ভয় কোভও নাই।

#### জগর খলেত।

" জগনাপকেত্রের পথ ও তাহার প্রকৃত ইতিহাদ " এই শীষ ক্যুক্ত এক-থানি প্রেরিড পরে স্থানাম্বরে প্রকটিত 'হইল আমরা হিচ্ছ পাঠকগণকে বিশেষ করিয়া অসুরোধ করিতেছি, একবার ভাষার প্রতি দুক্তিপাত করিয়া कर्त्तरा व्यवधातन कतिरवन। व्यवज्ञाधाःकत প্রথের কফ ও অন্যান্য র্ত্তান্ত যেরূপ वर्गित इहेशारह, जाशास्त्र म्लाके त्वाध इहे তেছে সেখানে গমন করিলে শরীর প্রাণ ও চরিত্রপ্রভৃতি সমুদায়ই সংশয়ার্চ যাঁহাদিগের পরিবারের প্রতি মায়া এবং উাঁহাদিগের চরিত্তের প্রতি আছা আছে, তাঁহাদিগের কোনক্রমেই উচিত নয় যে নিজ নিজ পরিজনকে काशायरकद्व भार्त्राहरा तमा लाहक श्रामार्कनार्थ कगन्नाथरकरक यात्र ; किछ পথে यनि अवर्षा गक्षिठ इहेन, শরীর প্রাণ ও চরিত্রগ্রভৃতি সমুদায় শংশরারঢ় হইল, সে ধর্মে কি ইটলাভ रहेरव १ के मकल तका कतिहा धर्माशाः र्ण्डन योवणाक। के मकत्वत निर्दित्य রক্ষার্থই ধর্মের সৃষ্টি হইয়াছে। যে পর্দ্র व्यक्तनार्थ के मकल उदमन इह, तम भर्म ধর্মই নতে। হিন্দুশান্তকারের। জগনাথ দর্শনের যে ফল লিখিয়াছেন, গৃতে विमिशा अन्त्रामीश्वरतत आताशना कतिहन कि टम कल लांछ इस ना ? सहादनव অর্জ্রনের তপদ্যার এতি হইয়া দর্শন 'দিলে পর পার্থ এই বলিয়া ভাষার স্তব कट्रन.

" প্রাপ্তে যদিহ দূরমগর। যৎ ফলতামরলোকগতার। তীর্থমস্তি ন ভবার্ণববাহাৎ দার্ক্ষকামিকসতে ভবতস্তই। "

मृद्ध भगन ना किंदिल जना जीर्थ भाउता याम्र ना. किंद्ध एफ्ट मे जीर्थ भाडे-बात जना मृत्रभगत्नत क्षरमांजन इस ना. निकटि विभाषे ट्यामारक भाउमा याम्र। जना जना जीर्थत कल निर्मिष्ठे जारह। रम जीर्थ मर्मात्नत कल वर्ग लाम निर्मी ज इहेशारह, जाहा जर्म जिस जना कलमारन ममर्थ इस ना, किंद्ध ज्याभ जीर्थ जर्मणं व राज्जित्म के कल मान करत। कल जुः रजामा वाजिरत्यक जनामकाती मर्वकाम श्रम जीर्थ जात्र नाहै।

ষখন ঘরেই পরকালে সদ্গতিলাভের নানা পথ রহিয়াছে, তথন শরীর প্রাণ জাতি ও ধর্ম সমুদায় উৎসন্ন করিবার নিমিত দুরে যাইবার প্রয়োজন কি ? क्रित्त मध्याथरकज विद्या नग्न, जीर्थ স্থানমাত্রেই বহুদোলের সাকর।রাজ্যের যত অলম অপদার্থ ও অকর্মণ্য লোক সচরাচর ভীর্থ স্থান আপ্রায় করিয়া थारिक। (यथारिन जाम्भ ल्लार्कत क्रमजा, **मिथारन य वल्राहारनत चाविर्जात हरेरव.** তাহা বিশ্বায়ের বিষয় নহে। এরূপ বহু-দোষাকর স্থানে অপ্পেবয়ক্ষ ভরলমভি স্ত্রী পরিজনদিগকে প্রেরণ করিয়া নিশ্চিম্ব থাকা কি বিজ্ঞ ও বিবেচক পিতামাতা প্রভৃতি রক্ষকগণের কর্ত্তব্য গৃইহার নিবা-त्रग इताह वाव हात् नया। शांकां निगटक বাটীর মধ্যে ঘাইতে না দিলে এবং किक्षिर मृष्ठिक इहेशा भगतारस्क পরিজনদিগতে খ यारेट ना मिटल ह ভরিবারণ সহজে সম্পন্ন হইতে পারে। याँ हाता त्वथा शक् निथिता कर्डगा-कर्छवा वृतियादहन अवर मायुन् अ इछोनिछ विद्वहना कतिया कार्या करिएड শিথিয়াছেন, তাঁহারা যদি এই সহজ উপায় অৰ্লয়ন ক্রিয়া উল্লিখিত অনিষ্ট बियांत्रण ना करतन, जाहामिरगत के मक्क खर्भत प्रकार विकास सरम र नाहे।

manatarian (Lymina)

্ এদেশীর দলের সিবিক সর্বাচেটর প্রাপ্ত পদলাক্ত ।

ভাৰতবৰ্ষীয় গ্ৰণ্মেণ্ট আমাদিগের নিখাশিকাৰ্য ৮২ লক টাকা দান করি-ाद्धिन। (बाध इत, ভারতবর্ষে কথন अपनि कान ताका ७ शवर्गात्रके इस नाई সে, প্রজার বিদ্যাশিকার্থ এত টাকা বয়ে ক্রিতে ও শিক্ষার এরণ সভাগুলা করিত **সমর্থ ইয়াছিলেন।** ভর্থ আমরা গ্রাপ্টের নিকটে স্যাতিশ্য রুভজ্ঞ হট । আছি । কিন্তু ইহা প্রাপ্ত জ্ঞান করিয়া **আমরা তৃপ্ত হই নাই।** তরিমিত গনেকে আমাদিগকে অকুভজ্ঞ জ্ঞান यहरा । उद्योग कक्रम, उद्योग । जामहा ক্ষ নহি। ভাঁহার। যদি অনুধাবন করিয়া দেখেন দেখিতে পাইবেন, এই অস তোমে কেবল আমাদিগের লোকের নয়, গ্রণ্মেণ্টে ও উপকারশভ লাভের সভাবনা আছে। গ্রন্মেন্ট এদে भौशिनिश्वत विम्लांशिकार्थ यु अधिक नार किरियन, युष्ठ श्रूमतक्ष्म वर्षावस्थ कतिर्देश, ७७३ लाख्यांग इहेर्यम। আনাদিগের বাকের তাহণ্যা সুস্পট জাপে হাদ্যস্ম করিয়া দিবার নিমিত্ত আমরা বাঙ্গলা দেশ ও উত্তরপশ্চিমা-भग्नारक छेना हर भएरन आह्न कतिना म। বাপলা দেশের স্থানিক্তি লোকের৷ मिविश मिर्दिरम धार्यभनाच कहिएच পাবিতেছেন না বলিয়া সর্বদা অন্ত্রার ध्यकांच कतिर्टिष्ट्रन। तिहे अम्राश्व বাকা আবন করিয়া ইংলওছ কর্ত্তপক আপাততঃ এই দিদ্ধান্ত করিয়াছেন. मिविभिन्नानिस्भित छात्रा शन छन् छ कार्याकाल (१ वर्मत ताककार्या मण्या-मर्गद थात ) विद्यवन्ता, कतिशा अदमनीश দিগকে দেওয়া **হইবে** । **এখন স্থানিকিত** ও অশিক্তি ডভয়ের কত অন্তর ভাহা এক বার বিবেচনা করিয়া দেখা উত্তর প্রতিমাঞ্চলর লোকেরা অশিক্ষিত

ভাহাদিগের যে যে ব্যক্তির মনে অস ্যোগ ক্যাছিল, তাহারা বিদ্রোহ উপস্থিত করিল। কিন্তু সুশি**ক্ষিত বাঙ্গা** লিলা দেই অসং পথে পদার্পণ না করিয়া আপনাদিগের অভীষ্ট সভূপায়দ্বারা নাধন চেটা পাইভেছেন; কতক অংশে कृ उक्तार्या ७ १३८ ७ (छन । समुनाम खात्र ७ বর্ষ বলি বাঞ্চলা দেশের নায়ে স্থালিকিত इत्, शवर्ग्त्मट्लित कि वार्षिक ১৫ । ১৬ কোটি টাক। দৈন্যার্থ ব্যয় করিতে হয় ? যাহা হউক, প্রক্রান্ত বিষয়ে বক্তব্য এই, কর্ত্তপক্ষ আপাততঃ যে বন্দোবস্ত করি তেছেন, "নাই মামা অপেকা কাণা মামা ভাল " এই প্রথাদ বাকা অবলয়ন করিয়া আমরা তাহাই পর্যাপ্ত জ্ঞান করি लाग: किन्न कर्जुभक निकात जानिद्वन, इंश्टंड व्यामता मह्य हे इंश्लाम ना। अ वटमावछहै। अधानमिश्तत अनुश्रहारणकी हहेशाइ। चहुत्रव जरमभीरशत्रा व শঙ্লে ঐ পদ পাইবেন ভাহার সন্তা वमा जन्य (नशा शहिर छ ह। आमानि গোর বিবেচনায় ইংলপ্তের নায়ে ভারত. वर्षि मिवित मिकिन शरीका श्रथ। व्यव-র্বিত করাই শ্রেষ্ট্রকম্পা। ভাষা ক্ইলে সার অনুত্রহ ও নিগ্রহের কথা থাকিবে না। বিশেষ্তঃ এদেশীয়েরা পরীকা मिता (व शम श्राहर ममर्थ इहेर्दन, ভाइ। সম্পিক ল্লাঘার বিষয় ভান করিবেন मत्मह नाई।

যাহা হউক, সর উাক্টোড নর্থকোটের ভারতবর্ষের উন্নতিশাধনের প্রস্তাবগুলি শরৎকালের জলধরের ন্যায় অপপবর্ধী ও গর্জনসার দৃট হইতেছে। ইউইণ্ডিয়া সভা যান আবেদন করেন, টেটসেকে-টারি তৎকালে এমন ভঙ্গীতে কথা কহিয়াছিলেন, যেন সুযোগ পাইবামাত্র তিনি সিবিল সর্বিদের দ্বার এদেশীয় দিগের সম্বাক্ষ উদ্যাটিত করিয়া দিবেন। ভারতবর্ষের স্কলেই ইহাতে আহ্লাদিত

इहेशाहित्वन। नक्तवह मत्न क्रिशाहि लन, वर्खमान छात्र ख्वशीश मारकि है। এ त्रामत है: १ व व्यक्तित हरेलन। किन्न কার্য্যে আকব্যের শতংশার একাংশ ও क्रमार्था ८ मिन्ड इहेन ना। अरमभीश निर्वात मञ्चल निवित्र मर्किरमत पांत डेम्बार्डेन कितिवात विचटत मत कीटकार्ड नर्थाकां वित्तन, श्राम्पण श्राहित्यां भी পরীকার দারা ভারতবর্ষীয়দিগকে দিবি লিয়ান হইতে দেওগাভারতব্দের অবস্থা মঙ্গত হইতেছে না। আমাদিগের বিবে-চনার এই বাকটো ভারতবরী এদি গকে বঞ্না করিবার ছলমাত্র।ভারতবদের त्म व्यवस्था इत नाहे, कि त्य क्षानास्त्रहान. য়তানা হইলে মন্ত্রিগণ এ স্বত্রপ্রদানে সমর্থ হন না, ভাঁহাদিগের দে প্রশস্ত্রতি ত্তা হয় নাই ? কিব্লপ হইলে দে অবস্থা ছইবে, সর ফ্রাফোড নর্থকোটের তাহার वक्षी निर्मिष्ठे लक्ष्म कहिशा (म उश উচিত ছিল। বিচারকার্য্যে ভারতব্দীয় कर्षाहारिया माधारणा इंडेरबालीय क्या हातीनित्वत अप्राप्त त ममिक रेनपूरा প্রদর্শন করিতেছেন, কে ভাহার অপলাপ क्तिएक भारतम १ मत कारकाम नर्थरका है ও তাঁহার মন্ত্রিগণ ইহা স্পটাভিধানে श्रीकात क्रियार्डन त्वान विवर्श जात-ত্রনীয়েরা ভার পাইলা অযোগাতা প্রকাশ করিয়াছেন ? একণে আমাদি-গের জিজাস্য এই, কর্ত্রণক কৌশল করিয়া আর কত কাল ভারতবর্ণীয়দিগের মুখ বন্ধ করিয়া রাখিবেন ? ভারতবর্ষে দিবিল পরীক। প্রবর্তিত হইলে অধি-कारण ভाরতবরীয় मिविलिशांन इरेरवन, তাহা হইলে ইউরোপীয়েরা অনম্ভট **इट्टिन, कर्जुशक्त कि अहे अक्षा कर**तन ? ভারতবর্ষ गाँशिमिश्तत विष्मभ, উাহা-দিগের অভিমান চরিভার্থ করিবার নিমিত্ত কি ভারতব্বের অভিয় সভাধি-কারীদিগকে ব্রিণ্ড ও অসম্ভুট করা विरम्स इम्र ?

कानीय वाका।

हे क्षिनियत निखनार्ज माट्य यथन वक्रमानीय भवर्गस्यानीय शक्तिस्य भव লিকওয়ার্ক ডিপার্টমেন্টের মেক্ট্রীর ছিলেন, তৎকালে বঙ্গাদশের রাস্তা সম স্মে এক প্রস্তাব লিখিয়াছিলেন। বঙ্গদে भारत अतिमानकत २,३२,२ ७१, वर्गनाहित। এখানে দর্ক শুদ্ধ ৪৯৮ মাইল পাকা ও ১২,৮৭৯ মাইল ছানীয় कीচा রাস্তা আছে। স্থানীয় আয় হইতে এগুলির সংস্কার হয়। এতদ্তির ৩৪৪৮ মাইল गवर्गित्र हो छ। जारह, भवर्गित्र छै। রাস্তার ১৩৭১ মাইল মাত্র পাকা। क गकन हां छोत्। मः को तिमिन्न वर्ष वर्ष निश्विधि उतास इत्र ---

গবর্ণমেন্টের রাস্তার ৩৪৪৮ মাই লের নিমিত্ত ৪২.৮৫৬৬১ টাকা।

স্থানীয় রাস্তার ২৩.৩৭৭ মাইলের নিমিত্ত ৩৩,০৭,৩৪১ টাকা।

গ্রণ্মেত রাস্তার নিমিত্ত যে ব্যয় পড়ে তাহা রাজকোষ হইতে দেওয়া হয়। স্থানীয় রাস্তার সংস্থার ও নূতন हाखात वाह्य सानीह कैंख इहेट इहेशा थाएक। ज्ञानीय आंग्र भर्गांख नहरू। পারাণী ঘাটের উপার্জন স্থানীয় ফণ্ডের প্রধান আয়। ইহাতে গড়ে নাভে তিন লক্ষ টাকার অধিক সংগ্রহ হয় না ভদ্তির কেলের শিল্পের লাভ স্থানীয় ফণ্ড বলিয়া পরিগণিত হইয়া থাকে। विश्व वे यात्र कामभः कनिएउएए। करा मित्रो **(क**रण विमिन्नो स्य मक्त स्वता श्राञ्च । करत, তাহার আয় অন্য প্রকারে ব্যয়িত **হইতেছে। রাস্তার ধেকর** লওয়া হয়. তাহা হইতে প্রায় ৮৫০০০ টাকা : জল कत रहेट 80,000 छै। व आनावामी ভূমির কর হইতে ২৫,০০০ টাকা আয় इरेशा थाएक। ১৮৫৪ जक जबि नहींशा ও ধাপার খালের মাত্রল ছানীয় রাস্তার ৰন্য দেওয়া হইয়া আসিতেছে। ইহাতে

वासवादम शद्फ जिन सक छोक। आध हरेट हिन : किस अकर्व यानक वाविजा ख्या (हल अरहरू भाग कतार ७ अहे আর ক্রমণঃ ক্রিয়া আহিতেছে ভানীয় ক্তে প্রচুব টাকা নাই; এমন কি টাকার व्यक्तांन इउग्रांटङ महकाही धनागात नियमोर्ज मारहर श्राप्त कतिशारहन, রান্তার ও পারাণী ঘাটের মাসুল ত্যাগ করিয়া কোন প্রকার স্থানীয় কর স্থাপন कराई कर्खवा ।

त्म स्नीय कत कि ? ष्म हिएकन दमवीता েমন যাৰতীয় পীড়ায় অহিফেন ব্যবস্থা कट्डम, অকালপক প্রস্তাবকারীর) তেম্ন আহবায়দংকান্ত বাবভীয় বিব য়েই প্রায় নৃতন করস্থাপন প্রস্তাব করিয়া वरमन अवः अभीमारवता है मर्स्वारश उँ। हा দিগের দৃষ্টিপথে প তত হন। একণে কয়েক জন দূৰদশী শাসনকৰ্ত্তা ব্যতি तित्र थात्र मक्टलहे वज्रताल वित्र हाती বন্দোবস্ত আছে বলিয়া কোভ প্রকাশ করিয়া থাকেন। নাগপুর, পঞ্জাব এভৃতি नित्रमविङ्कु छ श्वात्मत भागनक दीता ভূমির উপরেই দিয়াশিকা ওরাস্তঃ এভ্তি **প্রস্তুত** করিবার ব্যয়ন্তার নিক্ষেপ क्रियाट्डन। वज्रात्राच्या चामूत्रमणी तांकः স্ববিদ্দিগের এ দেশের ভূমি দর্শন করিয়া নিয়তকাল জিহুব। লোল হয়। কিফ नाफ कर्नअभानित्मत वत्मावस व्यवसाय সর্প হওয়াতে ভাঁহারা ইউসিদ্ধি করিতে পারেন না। কিন্তু লিওনাড শাহেব ইঞ্জিনিয়র: ভাঁহার ইউরোপাঞ্জ ভাতৃগণ ধর্ষন এত বড় আংপে পর্কত ভেদ করিয়া রেওলয়ে করিতেছেন, তথ্ন লিওনাড সাহেব \ব শামানা কণ্ডয়া-লিদের ক্ত বন্দোবস্ত ভেদ করিতে সমর্থ হইবেন না, ইহা সম্ভাবিত নৃছে। কল্প অব্যাহ্তি পাইবেন, আমরা ইহবে তিনি সেই অন্তরায় ভেদ করিয়া জমীদার । কারণ বুঝিতে পারিতেছি না। জ্পর, জমী मिर्गत करम जातरकर्भ डेमाड हहेशा-

ছেন। তিনি বলেন, পাটনাৰিভাগে প্ৰতি ছয়বৰ্গ নাইলে এক মাইল য়াঁস্তা আছে, দেই হিনাবে বঙ্গদেশে ২৯০০০ মাইল সূত্ৰ ताछ। कता उठिछ अवः ताछावाता गाँशांक्रिशत मर्द्धारभक्ता व्यक्तिक इस कांत्रभाष्टित महावना चार्ह, हरेट माहाया कवा हरेट उट्टा ८३ (हजू /त्वावरे हेना श्राप्त कवाव वाता विद्या कर्डवा। जिनि व्यर्गर अट्रह छेलाह उ নিয়মও বলিয়া দিয়াছেন ৷ তিনি প্রস্তাব করিয়াছেন, প্রতি বিছার কিছু কিছু কর नहेट इहेटव । जुमित बटमावस्य विनदा গবর্ণমেন্টের যে অঙ্গীকার আছে, তিনি তদ্বিষয়ে অনভিজ্ঞ নহেন। তথাণি এক আংশ্চর্যা ভৰ্ক প্ৰণালী করিয়া এই অভিপ্রায় ব্যক্ত করিয়া-(इन, यथन तांखा इहेटलई कमीनातित উন্নতি হইবার সম্ভাবনা আছে, তথ্য क्रमीनादतत निक्रि वर्ष न उग्नाट क्रि নাই। এ ছলে আমাদিপের কিজ্ঞান্য এই রাস্তার উপকারভোগী বলিয়া তিনি (यमन क्रभीतात ও क्रवत्कत करका कत्रा निएक निहान के दिएक के देश है के निर्मा के दिएक গণের উপরে তেম্নি ভার দিলেন ন। (क्न ? तांखा जवारिं लहेशा वाहेवांत স্থাবিধার নিমিতই হয়। ইহাতে ক্লাকের लांड यातक, उाहा यांगता अयोकांत कति ना ; किन्दु कुनक अर्थका विविद्यत ला छडे धानिक। गकरलाई कार्यन वर्गरतत (नार्य गश्जानत होका अ रूप धरः खभीलादतत कत निवात निविच इत्यक्ता मागागागा ज प्रवा विकास करत। (ग थात्न बाळाव मण्यं यूविश चारह, भियात्म ३ हा वि निष्ण खेवा लहेशो किन वक्तरत विकास कतिहा चारित ना। यथार्थ লাভ বনিকেরই হয়; ভত এব কেবল জমী मात्र ७ तुःवकश्य कत्र मित्रान, व्यात विच-नात्रित्वत्र मयस्य भवर्गरमात्रेत प्रक्रीकात

ভन्न करा अहे। बिलाग यनि श्रीकात कहा যাল, ভাগাজ্যাল আৰু একটা ছেবতি-দেৰ অনুগালি উপ**হিত হয়।** কি क्षार्थ अर्कत **याना**त **इंडेट्र** १ सन्त লাক গুজারিক **উপারে যদি কর ল**ওলে १८ अजीसादबंद स्थात सम्बद्ध स्टेटन, सर्छ १ अवकृतक बार्खक कत मिटक इन्देव। এ ভাই অন্যায়। প্রতি বিযায় কর লওয়ে সংজ্ঞালে নয়। **প্র**তিবিহার উৎপাদিক। भा छ विटवष्टमा कतिहा कर वार्चा कृतिहरू লেলে মং গ্রেল কালে আয়ে নি,শেষিত क्रेंगः यहित्। नकत जूरिट अक श्रकांत कत सार्थः इहेवात म छावनः नाहे । २८ शहन ার অযুগ্রপ্রার আনের এক বিদাতে বে লাভ হয়, ক্ষায়াতে কি সেই লাভ হইতে পারে গুলিওনাড নাছেব শেবোক ্রণানী অবশ্যন করিব র যথাই কহি যাছেন; কিন্তু ইছার নায়াপুগামিতা আমরা হাদ্যস্থ করিয়া উঠিতে গারি লমে না ৷ ইদি ভরুধবেন করিয়া দেখা यात्र अखीरमान इंडेटन, दलिकनिर्शत हे केंद्र (मंख्या मुक्त हा । किन् अधानी कत करिएन वार्षिकात इंगी के क्रांत : অভেন্ত ক্রিড়ের কর করাও নায়ালুগাত হটতে শারেনা। ভাবে কি অধিকদণ্যা হাস্তা প্রসূত করিবল एएको शन्दकार्शकता इवेटन ? खामरा िश्रांक मार्ट्स्यत महिंछ जीकार বিংতিছি অনেশে শ্রাঞ্পানিমান अ न.है। ६ घडाव तृव एता कर्डवा। অংমর। আরও বলিতেছি ভানীররাস্তার कर लाल्यः ८ वल व्यक्ति। हार कात्रम इस् । ইংটে বাণিজার পক্ষে বিলক্ষণ অনিট ১: : ইহাতে সরক: বেরও বছলাভ নাই : দিভেছেন। কিন্তু ইজা: দার টোল কালে किति का देखींटा क्तिया लग, डाँडा দিগেরে যে কিটু গাভ চলাতছে। একবে ৰহা উড়াইখা দেওয়া উচিত। কিন্দু পার ঘাটের ইঞাবা রচিত করা আমাদি:গ্র अधिभाष नरहा १११०(५०७ मर्स्स को हा

होर्थित विना वाट्य श्रीत कतिएक निट्यन নিওগাড সাংহেবের এ প্রস্তাব অকিঞ্ছিৎ কর। আমরা উপরে ভূমির করর দ্বর প্রতিখাদ করিলাম। তবে কি কেবল এক ালেণী ঘাটে প্রস্তাবিত লাকার ব্যর নি গ্রাহ হটবে ৭ ইহার উত্তরস্থলে আমা भिजा वक्का धरे श्रीकटवत वास मत-অংগ্রী ধনগোরের উপরে নিক্ষেপ করিয়া। নিউনিদিবাল আর ছালা কেবল রাস্তা क्षां कर वार्वानक १६ করা উচিত। যেসকল কান্ত। ১২ ক্রোমের অধিক हरेत जाहात दास राक्राताम हरेएज প্রদান করা কর্ত্তবা। চির কাল কিছু বৈধনি কাৰণে কিছাইবৈ না যে ভাষাতে সবল টাবা নিপ্ৰাহত হইয়া যাইবে। বেমন স্ত আর নিদিট আছে, তাল বিবেচনা পুর্বেক বার করিলে অন্ধানে চলিতে পারে। প্রনিক্তলক্রক্ষচারিগণ স্থানীয় রাস্তার বারের নিমিত-মিথাটির অধীন হইলে অপবাহের সনেক নিকা রণ হইবে। পারাণীঘাটের অয় জনশঃ প্রতির হুইতেত্ত। কিপ্তিন মনোবেংগ দিলে थ। (त्रव मायुल कहें (क विश्वत व्यक्षि कहे বার সম্ভাবনা আছে। এমনে গালিফ নাছেব ও ভাঁছার অধীন কর্মচারিগন চনিদ্ৰ লইলাতিৰ লফ টাকামাত প্ৰদান করিতেছেন। কিয়ু ধাপাপ্রভৃতি স্থানে বে চনভুক এক জন ডেপুটি কালেপ্ত हर्फ निस्ताकि ठ कतिहा भाजून जातात किर्दित ५० लक्ष छे। मा आग्न इंडेट्ड পারিবে। স্থানীর আনোর বিবরে আমা দিগের অবস্থা কাশ্মীরের অবস্থার তুলা कहेश तक्शिष्ट । लाटक यटथके है।का ক্টরপ্রভৃতির হস্ত দিয়া আসাতে অর্দ্ধেক हे हिन्दु तो अहा का निवास के स्ट्रिक्ट ना । নিওনাড দাছেব বার্ষিক অভিনিক্ত ২৫ लक्ष देविश व्यार्थना कतिएउएछन। क्छक ভার সরকারী ধনাগারের উপরে আর

কতক মিউনিদিপালিটির উপরে কেশ্র করিলে, মাত্র বুঝিরা আদার করিতে পারিলে, এবং প্রবিক্তয়াই বিভাগের চোরদিশের মুখ বক্ষ করিয়া কাজ ক্রিতে পারিল মুত্র ক্রের প্রােদ্র रहेर्य ना ; अथा अ अ अ अ म व नि व कार्य है। मण्येत इहेशा डेठिट्व।

धूर्वव'कता (तलशहूत इच्छेना ।

र्व्यविष्या (नलअस्यत इच् हेरानिय-কান দক্ষিসাধারণে অতিশয় চঞ্চল ভ্রয়া উঠিঃ।ছেন। সকল স্থানেই এই কথা এবং मकरलाहे भाष्यानित अध्यक्तित छे भरत অভিশয় বিরক্তি প্রকাশ করিতেছেন। त्वन (ए जातक वर्षी एवता है जाम असे हहे. शांद्रिन उताल नश्, दिमकल हें त्राक यथार्थ छन ; याँ भारत के प्रतिशामिक्त ना व এদে-ी जिल्लाय क्षीरनं मू ग्रारान कान करतमः, थाँकातः । ভातज्वशीयक्रिशत वाभगानितात गहामनकड: क्ष्यात विशिष एटमणीयनिटशत साम গোপনে রাখেন না, ভাঁছারা স্পাঞ্চাতি-ধানে ঘুণা ও জ্বেতাকাশ করিতেছেন। হ্যটিনার পর দিবদ কলিনা চার পুলিব কমিধনর ফীয়াটি হল সাহেব ও দর রিচার্ড ট্রেপাল বারাক্পুরের আড্ডার উপস্থিত ছিলেন। ভাঁছারা স্বচ্ছে দেখি शाहन, करुणे जीत्याक ও धक्की शुक्रन দাং ঘাতিক আঘাত প্ৰাপ্ত হইবাছিলেন: किश्व दिल अट्स कर्य हारीता आँ शामिश्र क রোয়াকে ফেলিয়া রাখিয়াছিলেন। ভাঁহা দিগের শগুনের নিমিত্ত একখানি কর্প पि अया इंदेश छिल। क्श माट्ड्य **এই** निर्श्नु -রতার কারণ জিজ্ঞানা করাতে ভত্রতা बक जन कर्यां हो विनित्नन, " जाक दिना বলিয়াছেন, ইহারা বাঁচিবে না। অতএব हेहामिश्वत निमिष्ठ हिकी शांख्या तथा। ইহা শ্রবণ করিয়া অভিশয় বিরক্ত হইয়া इत बाट्ड अटब के ट्या केंद्र के वह निर्मे

রতার কথা বলিলেন। প্রেটেজ সাহেব
যথারীতি কাজ না করিয়া হগ সাহেবকে
ধনকাইয়া বলিলেন, তাঁহার এ বিষয়ে
কথা কহিবার কোন ক্ষমতা নাই। দর
রিচাড টেম্পল তখন উপস্থিত ছিলেন।
তিনি এ বিষয় গার্গমেণ্টের গোচর
করিতে উদ্যত হন, পরে হগ সাহেবের
দারা ইহা জানান হইয়াছে। ফুাকলিন
প্রেটেজ সাহেবের ধৃইটভার সমধিক
প্রেশংসা করিছে হয়। তিনি ছই জন
চিকিৎসকের পত্রসংখাদপত্রে প্রকাশিত
করিয়া এই প্রতিপন্ন করিবার চেটা
পাইয়াছেন, তিনি যপাদাধ্য সাহায্য
করিয়াছিলেন।

দ্রঘ্টনার অন্তিপ্রে একেট কভ কণ্ডলি আহত লোককে পল পাতিয়া क्ट्यकथानि जाल्हामनहीन अक्टिंग् वातक পুরে আনয়ন করেন <u>धर्यात</u> मगर রাত্রি ভাহাদিগকে সেই পলের উপরে থাকিতে হয়। প্রাভঃকালে কভকগুলিকে চিকিৎসালয়ে প্রেরণ করা হয়: কতক-গুলি এজেণ্টের ব্যবহার দেখিয়া অভান্ত কফ স্বীকার করিয়াও কলিকাভায় আই (मन। (श्रास्ट मार्ट्य निर्म देश স্বীকার করিয়াছেন। যথাৰিধি যে তাহা দিগের সাহায্য করা হয় নাই, তভিষয়ে সংশয় নাই। যাব তীয় বিষয়ের নিগুঢ় षौत्रशक्तानार्थ भद्रत अक कमिमन निरहा. कि: 5 कता कर्डिया। देशत मास्या **अर्म**नीप्त दूरे क्रन मछ। ताथा छेति छ; क्रिवल कर्यक क्रन देखिनियहरक थ्रियन क्रिटल क्रांक इडेरवं ना । इड्रात अञ्चलकानकारल अधि-কাংশ এদেশীয়ের সহিত ব্যবহার ক্রিতে হইবে। অতএব ক্মিণনমধ্যে এদেশীয় সজ্যের সন্তাৰ একান্ত আব-শাক।

উপদং হারকালে আমরা গ্রে মহো দয়কে পুন: পুন: অসুরোধ করিতেছি, তিনি ধেন এ বিষয়ে প্লাধাদর না হন। বেলওয়ের কর্মচারীদিগের প্রতি লোকের অতিশয় অবিশাস জামিহাছে। নিগ চ অলুসন্ধান ও অলারাধীদেগের ম্বাবিধি দগুবিধানদার। পুনরায় বিশ্বাসভাপন করুন।

#### সহয়ত লৈব মেউনি চিপান্টী।

অন্নর দৈখিতে পাই, ইউ রোপীয় অবরাধীদিনের অপরাধ প্রমাণ করাও যথেটিত দণ্ড করা হয় নাঃ ইংতে এক মহৎ অনিউবী দু অলু রত হইতেছে। লোকের বিশম বিরুদ্ধ সংস্কার জ্যিতেছে। আমর। নিয়ে যে ৫.িড প্রধানি প্রকাশু করিছেছি, প্রধান পুরু एकाँ हेहा भार्य कतिहलहे अहे मध्यादित বিষয় এবং সহরতলির মিউনিসিপালটীর অত্যাচারের বিষয় অনুগত হুইতে পারি-বেন। আন্তরিক যত্ত্বসহকারে সম্ভব ঐ উভয়ের এতীকার চেষ্ঠা পাওয়া উচিত। ইউরে:পিটেয়রা কর্ত্তব্য কর্মের चतुर्छ नकाटन शक्तभाठ करतन ना . এवः ধর্মনীতির অনুগত হইরা যাবভীয় কর্ম मच्यो पन कटतन विषया भूटर्च ल्याटकत যে সংকার ছিল, দিন দিন ভাচার व्यतार्थ। छ : इ इहेट हर । এड जिन बटम भीत দিগের চেখে কাণ ফুটে নাই, ইউরোপী য়েরা যাহা করিয়াছেন, শোভা পাইয়াছে. এখন আর অন্যায় কর্ম করিয়া ভাঁহাদি গের অব্যাহতি পাইবার যো নাই, এখন এ দেশের শিক্ষিত লোকেরাতন্ন তন্ন করি য়া উঁহোলিগের কার্যা দর্শন করিতেছেন। এখন এ দেশের অনেক শিক্ষিত ব্যক্তির চরিত্র ও ধর্মনীতিজ্ঞান অনেক ইউরো भीरात **चरभका छे** दक्के हहेतारह। मुख. রাং ভাঁছারা অন্যায়দর্শন সহ্য করিতে পারেন না। ধর্মনীতির বিরুদ্ধ আচরণ করেন বলিয়া অনেক ইউরে:পীয় এদে-শীর সমাজের অত্যে হতপ্রতিষ্ঠ হত্তাদর ७ (हम इहेट इट्स्ना अकः । कां का किए श्रु कर्खवा, मावधान इहेशा हटलन । फेक्क्कांव

সম্পন্ন বলিরা এতদিন জাঁহাদিগের যে প্রতিষ্ঠা ছিল, উচ্চ ও বিশুদ্ধ কর্ম করিয়া সেই প্ৰতিষ্ঠা অৰ্ণাহত ব্ৰাধিবার চেন্। कद्भा । এ मिनी श्रीमात्रात चार भक्षा देखे द्वा ্ৰিদিগের বল ও বিক্রম অধিক, অতএব ভূঁহাদিগোর প্রাধান্য কে খণ্ডন করিচেত भारतमा याचि कामात महम ध शई थाहक তঃহা পরিত্যাগ করাই উ.চিড। বলের আধি পতোর কাল আরে নাই এখন ধন্মনীতির আধিপতোর বাল উপদ্ভিত্ইরাছে, অত वा वथन छ शहाताहै आधाना धमर्मन वि (४३। भवर्गस्टित्र ७ कर्डवा, याँ हात्रा ज्ञान ना मिटगत विख्या कार्याचाता आश्रनामि গের বিশুদ্ধতার পরিচয় দিতে না পারি विन, कान करम कैं:हामिश्रतक अम्य ना बार्थन । गवर्गरमञ्चरक हे कर्यहाबी मिर्गत শুণ দোষের ফলভাগী ইইতে হয়। সৈনিক जि**र्गत का श्रद्धका तक** तहे हहेगा

মহাশ্র ! বোধ হয়, আপনকার পাঠক भागत किहरे अनवभे नाहन त्य, हे हा अ জাতির কেহ আইন বি, জ কার্য্য করিলে তাহার দণ্ড হওয়া দুরে থাকুক ধন কেং ,সাহস করিয়া ভদ্মিপক্ষে অভিযোগ র্করের, ভাষা হইলে ভাঁষার আদালতের হাত হইতে অব্যাহতি পাওয়া কটকর হইয়া পড়ে। শেতাক মহা ুক্ৰগণ এমনি স্বজাতি থ্রিয় বে, তাঁহাদিপের বিপক্ষে নালিশ কিন্তা গোলবোগ সকলে পরেই ভাঁহারা অম'ন शा स्मांकाटभाँकि कतिया मिछारेया (मन। মিটাইয়া দেওয়াই বা কেমন করিয়া ব লিব। ভাঁথারা বিচার করেন, তাঁলারাই ভঞ্জ মাজি ছেট; আইনও ভাঁহাদিগের রুড, স্থতরাং বিচার ভদত্রপাহয় ভাঁহারা ওলির ছারা খুন করিলে পণ্ড ভ্রমে শীকার করা, কশায়তি ষারা প্রহার করিলে শিক্ষা দেওয়া চুরি কিস্ব। অপহরণ করিলে ভ্রম হওয়া ইত্যাদি বলিয়া পার পাইয়া গা কন। কিন্তু এক জন বাঙ্গালি যদি নামান্য দেয়ে করেন, তাহা হইলে জগ্রে লাজত দেওয়া তৎপরে বিচার হয়।

अकरण २८ श्रेजभात्र त्य माजिएहेर्

আছেন, কার্মিরা কিচুতেই এমন বোধ হয় | একবে কমিসনর মহাশরদিশের নিকটে বিশেষ ন। ভারা রুটলে সহরতলির মিউনিসিপল কর্মচারিগণের অত্যাচারের বিষয় অবগত ८ देश रि. नि थ्य निखन **आरङ्ग, छाङ्दि क**हिल ্র ২ আমার বি<mark>বেচনা হয় ধর্মপরায়</mark>ণ চেয়ার <sup>চ</sup> না ৰ সংক্ৰে পাছে অনবধান ভালেকি বে বি ুন, এই ভারে **মিটনাটের চেঠা** পাইতেছেন , ২৪ পর্গনার **অধীন শহরতলির** লোককে কি বুনা পঞ্জ অধন জ্জান করিয়াছেন ১ না ই্হানিসকে চটালামের বাখাল অপেক। निक्त है (ताथ करतन ? जिनि निष्य याश दिस्य চনা করুন, বন্ধতঃ আমের তাহা ন হ। আমবা भिष्ठे निनिश्रेण क प्रेहातिशालत अलाहित कर्छ রীভূত হইয়াছি, এমন কি আরু সহ্য করিতে পারি না। ক্মিসনর্গণ ১লা নবেম্বরের বুহুৎ ঝড়ের পর কমিটিটে স্থির করিয়া সমস্ত কাঁচা ঘারের বকেয়া টাক্ল ছাড়িয়া (प्रत । कर्धाता निर्माण के स्वाहित के स् মত কতক পরিত্যাগ করিলেন, আর কতক ওয়াবেট জারিছার' ধরচাদমেত আলায় করিয়া लग्रेलम । आहरम मुद्धे श्रा, अग्नार , न्हें जा दिखादा না মোল ,কাক হইয়া পেয়াদার জিল্মায় থা,কলে প্রভিদিন প্রভাক পেরাদার ১: डिन काना त्वाक लात्य । किन्द्र इंश्वामित्यव निक्र ममुनाय है विभवी छ। ইহারা বিল ज्यानात्र कर्तिटा आदिरम ना ममन कार्ति करत ना, क्वन एशा ने काति कविशा है। का আদি(ঘক ) হয় এক বিল পুট বার আদিয় এক বর্চ ছ্বার লেখা, আযার পীড়াগীভ়ি ष्टेल उभावेश (२७३१, उब्दिल तः, টাকার অতিবিঞ্জ লা রাগিবার বিশেষ আদেশ থাকিলেও প্রভাষ ১০ । ১৫ হা নার টাকা ভহৰিলে মজুভ রাখা, ব্যাঙ্গে টাকা नाइ जुड़ा एक काठा, भीफ़ाशीफ़ एम शिक्ष পেই চেক পানরায় জ্ঞা ধরত করা, কট্রাক্টর বিংগত নিকটে এগ্রীমেন্ট না লইয়া, আবহুমান क अ डार्शनिश्वत बांता कार्या लख्या, मिरक টি বি ও গাক্কাউটেউটেক আফিলের কার্য্যের रान्स शहर (व इन) निका ३ क्यांमनब्रानिस्कांब 💌 🏗 🖰 - আফিন কলেকদনের উপরে শস্ত করা ভাতিন লাকা কসিদন েওয়া, এণ্ডলি कि ? हेरात बरामकान धकाछ आवनाक।

অনুরোধ করিতেছি, ভাঁহারা বেন কাহার চটি বাক্যে প্রতারিত না হন। ইহার অসু সন্ধান করেন।

# विविधगः वाम।

७ - এ देवनाथ'(मामबात।

---; • ;---

গাভ বাবে প্রফানংশোধকের জ্ঞানবধানভায় ৪০৫ পুথার প্রথম কল্যের ১৭ পঙ্জিকতে া ১৬ ৭ বৈৰাখ শস্তাল ৬ই বৈৰাখ এবং ৪২৭ পু<sup>ঠা</sup>ৰ ভূতীয় কলমের ৯ পংক্তিতে '' বগত " স্থানে সঙ্গত হইয়াছে।

এ प्रत्म कालीगा मध्या । अक्राविक्र प्र গ্রথা প্রবল থাকাতে নিজ্লদিগের বিবাহ হত রা ভার। তাহার। যার তার মেয়ে পাইলেই विवाह करते. जाल भक्त राष्ट्र दिएवहमा करते मा : शक्तारकता अहे क्वितिमा शाहेग्रा अक कमहारक তুই তিন স্থলে বিভায় করে। এপ্রকার ভূরি রষ্ঠান্ত আছে। দোবরা কন্যার পতিদিগকে সমাজে কিছু হেয় থাকিটে হয় - কিন্তু ভারারা স্মাজে এক কালে ঐচলিত খাকেনা। অমৃত বাজার পত্রিকায় দৃষ্ট ক্টল, জিল্লপ একটা দোহরা कन्याविवाहरक (मधना दवाह জ্ঞান ক্রিয়া অব্যাপদের নেকটে ক্ষেত্র অইয়া বিধানকভাবে দমাজে চলিত করা কইবাডে; এপী ভুডন कां छ बढ़े हैं। किन्नु अल्ब्स्ता वित्रवाधिवाद्वत स्व কিছু **কান্তি**কুল্য হ**ইবে ক্ষাম**ানিধের এরবি - বোধ ब्यु ना । योष्ट्रांत्रः । स्मित्रः कनए अस्टित्क छिन्नात्र কাইয়াছেন, ভাঁচানিগকে একটা আভে বিধ্বার शानिज्ञहरकातीरक छिद्धात कतिरूक चिन्द्रसह इंडाव अबिका इंडरना

অম্রাপুর্দে ইশানচন্দ্র বসুর মৃত্রেরাল মাজ্র প্রকাশ ক নিয়াছিল মত বিশেষ কবিয়া কিছ तल इस माहे। अ ४ कि प्रतिस्थान हो। ভালরপ লেখা পড়া শিখাও হয় নাই; ইনি কেবল স্বাভাবিক সুন্ধির ৰণিক জাডিন জিনার কোম্পানির বাটীব মুক্তুকি হইয়া বিস্তর অর্থ উপার্ক্তন করিয়া নগরের এক জন গণনীয় भनी इरेग्नाइटलमा जीवनकारल जमानहन्त्र मुख्य হস্ত ছিলেন দ্যুত্ক লেও ইনি স্থারণের ছি-ভার্থ ২০০০ টাকা দিয়া গিয়াছেন। ইহার ১২, • • • টাকা ভাঁছার জ্ঞান্তাম খাই মেডের এক রা স্তায় ব্যয়িত ছইবে। অপর ১০,০০০ টাকা প্রেসিডেনি কালেজের ছাত্রবৃত্তির নিমিত্ত গব र्गरान्द्रेत राष्ट्र थाकिर्द। भ्रेमानस्टान्त स्त्री यनि **क्षक्रधर्ग का करतक, छोरा रहेरत छै।**हात

ভাক্ষে সম্পার প্রদেশীর দাতবং সভার হস্তগত वहरूर । जैनामहत्त्व रङ्गुत्र अ नाम क्षन्थरतीय সংস্থনাই। ইনি মৃতুকোলে এই বলানতো धम्मन क देशा (यक्षा श्रामानाञ्च क द्वितन) জীবিভকালে সেরপ করিতে পারেন নাই। ইনি অন্তিপয় ফুলপায়ী ছিলেন ভাছাব जाह। कि है अही (vites विज्ञान আসক্ত ছিলেন। জাননা লোকের দোৰ ও ওব হলারণে বাজ করি, ইহাতে কেহ কেহ অসম্ভষ্ট হন ৷ কি শ্ব ভাঁহাৰা যদি অসু বাবন করিয়া দেখেন व्विट्ड भावित्वम, क्रिकिनिटम्स्यत्र साथश्रमान व कि दिएक मुबार अव सिष्म श्रामान महावना

গবর্গর জেনবল আতে। দিয়াছেন, যেনকল ষ্টাম্পে লোহিত ও কুঞ্চ রেখা আছে, ভাহা बामानाउ आरवननश्रक्षकिए वावक्रक इहेर्स। নীল ও রুষণ রেখাযুক্ত স্থাম্পে দলীল লিখিড **३३(व। प्यामता এ श्राप्टामत कात्र वृश्चिए**ड পারিলাম না। মফস্বলৈ সকল সময়ে সকল প্রকার স্থান্ত পা ওয়া যায় না। আন্দেকের এই প্রভেদনিবন্ধন দাবী তমাদি চইবার সম্ভাবনা।

মহীক্লবের করেকথানি পলীক্রামে সংক্রামক ख्य कंडरण्डा छ। त्यञ्चकाच ख्युच करञ्चक चल्युच লগলী বা শিত্রভাতকে উৎসন্ন করিয়াছে, भर्भे स्ट्रांत् अध्ये अवात खत व्हेरक्ट । जना के होत्र मनाप्त प्रश्चामक स्वायत मिनान मिनी ४, इहे उट्ड না, এটা ভাতার ছংখের বিষয়।

च मत्र वाल कारल छेलकथात्र स्थ्रमिष्ठाम, अपूक राज्य २८म मानिक পाईग्रा, छऋरत्व ভাষে তাহা উক বিদীর্গ করিয়া তন্মধ্যে রাখিত। मध्य ७ धरे कथात याथाया मध्यमान इरेग्नाहा। মান্দামানের ডাজের জার, এচ কয়ান্ সম্প্রতি <u> कक क्षम काँ, भी का श्रु उक्ता जभी राग्व भवी तरका म</u> করিতে গি ১ ভ হা: ছই বাছর মধ্যে ২৪ টী শ্বর্ণ अ (दोभाष्ट्रमा भारेबारहन । वाहित व्हेर्ड अम बर्ता किছू बार्ड. ध्यम :वांत्र श्हेल मा / जिमि यसूनकारन कानिशास्त्रन, तात ও विशन स्टेएड রকার নিমিন্ত ত্রকাদেশীয়েরা এপ্রকার ধাড়ু मकल महीदमर्पा दाचिया थारक।

সর প্রাক্ষেত্র নথ কোট ভারতব্যীর গ্রবার জ্ঞেনরল হইরা অর্ফেবেন, ভাঁহার কার্য্যক্র एकु करिया नक**रल हेरा अञ्च**यान करिए**ण्ड**न। विश्वविद्यालय अक्रिकिश्याल्यय पान श्रथम (ह्यु । তিনি সম্প্রতি এক ভোজ দিয়া লগুনস্থিত কয়ে চ জন ভবেতবর্ষীয়কে নিমন্ত্রণ করিয়াছিলেন।

कर्नन का अन्म अर्कू बारित कह जाउात काता লার দর্শন করিতে যা ওরাতে সংবাদপত্রে তাঁহারে

অকারণ গালি দেওয়া হইয়াছিল। দাদা নাহেবকে

জকার গহে অভিলয় কস্টে রাখা হয়, এপ্রকার

অনরব সংবাদপত্রে প্রকাশিত হওয়াতে রাজার

ভিনে রেনিজেও ভায়ার সভ্যাসভাভা জানিবার
নিমিত্র গমন করেন। ইল্পুপ্রকাশ বলেন, দাদা
গাহেব উত্তম বালীতে আছেন। উায়ার সক্প
ভার নিমিত্র যাহা আবশ্যক সে সমুলায় উাছাকে

দেওয়া হইভেছে । এ বিষয়ে ভিনি নিজেও
ভভিযোগ করেন নাই। কারাগারে কছ থাকা
কি কট্টের কারণ নয়? ওয়েল সের রাজকুমান
সিংহাসন প্রাপ্ত হইয়া এভিনবরার ডিউকপ্রভৃতি
ভাতাদিগকে যাবভীয় বিলাসদ্রব্ধিয়া হিদ
উইওসর কাগলে রুজ রাখেন, ভাছা হইলে

ভারা সন্তই থাকিতে পারেন কি না?

বোধাই গেজেট তাবণ করিয়াছেন, কাবুলে সংবাদ আসিয়াছে, সমাটের আজ্ঞালুসারে এক জন রুদ্দীর রাজকুমারু মুখ্য আসিয়া দর্শনার্থ আগ মন করিয়াছেন। যাবতীয় লোক ও সর্দার অভি শর যরসহকারে রাজকুমারকে অভ্যর্থনা করিয়াছেন। আজিম খার করেক জন দৃত রুদ্দীর দিবির গমন করাতে সেনাপতি ভারতবর্ষীয় গবর্গমেন্টের সহিত কাবুলের প্ররাপির সন্ধিবত্র সকল পেখিতে চাইগাছেন। এ পর্যান্ত আজিম খার সহিত ক্রনীয়নিগের কোন সন্দি হয় নাই। এটি সেই সন্ধির পূর্ব্ধ লক্ষণ বোধ হইতেছে। বনি এ সন্ধি হয়, ভাহা হইলে ভারতবর্ষীয় ও ইল্লভীয় উভার গ্রেণ্ডিরই চৈতনা হেইবে।

গবর্ণর জ্ঞোনরল আজ্ঞা দিয়াছেন, গর্ণমেণ্ট যেসকল ভূমিপ্রভৃতি দান করিবেন, তাহার বিজ্ঞান্তীরে নিঃমন্ত এক আনা করিয়া ফী লাগিবে।

এ বার ২৪ এ মে রবিবার হওয়াতে রাজ্ঞীর জন্মতিথির উৎসব ২০ এ মে শনিবার হইবে। এখানকার আফিসসকল, সোমবারে বন্ধ হইবে।

সর রিচাড টেম্পল এক জন পঞ্চাবী এবং ভারতবর্ধীয়দিগের রাজনীতিবংক্রান্ত উচ্চতর ক্ষ্ণ লাভের শক্রা ব'জালীদিগের বর্তমান স্বাধীন ব্যবহার উহোর চক্ষুংগুল। তথাপি আমরা এক বিষয়ে তাহার প্রশংসা না করিয়া থাকিতে পারি লাম না। সর অন লয়েল সেক্রেটারি ও মন্ত্রিগ পার্মরা পলায়ন করিয়াছেন গ কিন্তু সর রিচাড় টেম্পল রাজস্পপ্রশালীর বিষয় স্থান্ধলে জানি বার নিমিত্ত কলিকাভার রহিয়াছেন। তিনি জানেন যাবভীয় আফিসের সেক্রেটারি ও রেজি জারগণ পুষ্ট বের্ডন পান মাত্র ; কাজ যাহা

এতদেশীর কেরাণীদিণার ধারা হয়। অভএব করেক দিবসাবধি তিনি করেক জন এতদেশীর কেরাণীকে আজান করিয়া সকল বিষয় অবগত হইতেছেন। ছংখের বিষয় এই, এইসকল উপ যুক্ত লোক যথার্থ বিষয় আনিয়াও এক ক্ষাং রোরে বনীভূত হইয়া এদেশীর দিগের উন্নতির পথে কাইকনিক্ষেপ করেন।

সর এডওয়াড রায়ামের নিকটে পত্র লিখি বার সময়ে মেইন সাহেব ুএদেশীয় উকীল निगरक वाबिष्टेविषरगद्र कर्मका निकृष्टे ও क्रमर दलाएक (व शक्तिवान इयु, काहात कन कलि-য়াছে। সম্প্রতি প্রধানতম বিচারালয়ের এক জন উকীলের দহিত সাক্ষাৎ হওয়াতে মেইন 'স'হেব বলিয়াছেন, তিনি তাঁছার শ্রেণির লোক पिशिक्त लेका कित्रा शक्त निर्धन नाहे । योजय ्लब छेकीलिहरभद्रहे निक्ता कहिबाहिरलन। ইহাতে আমাদিগের এক গল্প মনে হইল। একদা এক স্থানে এক পদটন আসিয়া উপস্থিত হয়। खर्मीनार्वत भगन्ता मधन्त्र जित्तत भव तुमन निर्दे আসাতে কয়েক জন দৈনিক ভাষাকে প্রহার করে। গমস্তার ক্লেছে ভাতা দূব ছইতে অমুজের কই দেখিয়া গালি দিয়া বলিল থাক # # # এখনই ভোমাদিগকে দেখাইব। এখানে কি माजिए ते है नाहे, ना आहेन नाहे? हुई अन বৈনিক ভবক্ষণাৎ দৌড়িয়া গিয়া আছার ছই शक ध्राएक और बाध्कि चलिल, " (जामाभिनाकः) किइ गरम कारात वार्शत माग्र आरङ् जो लाकिएक अहे कांतरन जालि निएक हिलाम (ए, मिश्रामिश्यक वनम निष्ड विलय कविल कन ? **এখনই মাজিটেট সাহেব দও দিবেন! " দিপা** ধীরা চলিয়া গেলে তাহার ভাতা আসিয়া शुष्ठीरहेशा विलल, ,, जुश्चि जोहेरक \* \* \* वल ह कार्थ देश श्वनिया वितन, खामारक कि शानि मक्य (नद है की न भ अ जियान क दिएन (महेन गार्ट्य कि वरमन खाश श्वनिवाद निभिन्न जामा দিগের অতিশয় কৌতুক জন্মিভেছে।

এডিনবরার ডিউক সম্প্রতি হত্যাকারীর হাত হইতে রক্ষা পাইয়াছেন বলিয়া ভারত বধীয় সভা আফাদপ্রকাশ করিয়া রাজীকে। এক অভিনন্দন প্রদান করিবেন।

হিন্দ্রপেট্রির বলেন, নিমতলার শবদাহের কল অকর্মণ্য হইয়াছে। শবদাহনের সময় ঢাক নীর অনেক স্থান দিল্লা ধুম ষহিগত হল্প ও স্বেটা এত উষ্ণ হয়, যে কিছুক্ষণপরে আর স্পর্শ করি বার যো থাকে না শব ও ভাল দক্ষ হল্প না। মিউনিদিপালিটির টাকা এই প্রকারেই গিয়া

৩১এ বৈশা**থ মঙ্গল**বার।

হিন্দ্রপেটি রট বলেন, সৈণ আবছলা মাসিক ৬০০ টাকা বেডনে কানিং কালেজের এক জন অধ্যাপক ছইয়াছেন। সৈদ আবছল। লগুন বিশ্বন্যালয়ে উর্দ্ধ ভাষার অধ্যাপক ছিলেন। কেছ কেছ বলেন, জিনি ভারতবর্ষীয় কৌলিলের এক জন মন্ত্রীর পদ প্রার্থনা করিয়াছিলেন।

সম্প্রতি ত্রিস্থতে যে করেকটা ভাকাইতি হয়,
ভাহার মূল নেপালে পাওয়া গিয়াছে। প্রায়

৫ জন দক্ষা একত্র হইয়া লুঠ করে। ইহারা
পূর্দের ব্রিষ্টিশ প্রজা ছিল, একণে নেপালে পলা
য়ন করিয়াছে। ব্রিটিশ দীমাতে দক্ষার্ভি করিয়া
নেপালে গেলেই আর ভাবনা থাকে না। পূর্দের
কলিকাভা প্রভৃতি স্থানে কুকর্ম করিয়া ছপ্টেরা
ফরাসভাদায় পলাইত। স্কুদিগের সে বাসাদী
থেমন ভা ক্রা দেওয়া হুইয়াছে, নেপালের বাস
টিও ডেমন ভাজিয়া দেওয়া উচিত।

আসামের কমিনর কর্ণেল হপকিলন
সম্প্রতি গবর্ণমেণ্টের নিকটে আজেপ করিয়া
লিখিয়াজেন, অন্য অন্য প্রদেশের ন্যায় আসা
মের কর্মচারিগণ প্রতিবংসর যে এক মাস
বিদায় পান, তাহা কোন কাল্ডের হয় না।
আসাম হইতে কলিকাতায় গমন ও. তথা
হইতে প্রত্যাসমন করিতে ৪০ দিবস লাগে।
কর্মেল হণকিলন তরিমিত প্রস্তাব করিয়াহেন, এইসকল কর্মচারীর গমনের নিমিত
অতিরক্তি এক মাস বিদায় দেওয়া কর্ত্রে।
কিন্তু লেপ্টনাত গ্রন্থর এই প্রস্তাব অ্যাহ্য
করিয়াছেন। গ্রাহ্য করিলে এইরূপে অনেক
অন্ত্রোধে পড়িতে হইত।

এ বার সর্মান্ত অসময়ে অধিক বৃথি হইতেচে।
সিন্ধুর জল এত বৃদ্ধি হইয়াছে যে, সক্করের
নিকটে জলপ্লাবনের আশক্ষা হইয়াছে। বজ-দেশীয় গবর্ণমেন্ট এই বেলা দামোদর ও মহান
দীর অবস্থার প্রতি দ্বিপাত করন।

গত শুক্রবার বৈকালে ঝড়ের সময়ে শিব্
পুরের নিকটে ১৩ জন আরোহীর সহিত এক
খানি নৌকা জলমগ হয়। সৌভাগেরে বিষয়
রয়াল আডিলেডনামক আহাজের সাহদী
কাপ্তেন ও নাবিকান তৎক্ষণাৎ এক নৌকা
লইয়া আরোহীদিগকে রক্ষা করিয়াছেন। আরো
হিগা ক্লভক্ষভাপ্রকাশের নিমিত্ত এক পত্র ডেলি
নিউসে মুদ্রিত করিয়াছেন। চাঁদা করিয়া এই
সাহদী ব্যক্তিদিগকে এক ভোক্ত দেওয়া কর্ডবা।

छिनिष्डिम वरनम, धनमा स्हेम्रा हैस्माएत (स

রপ্তানী হইবে, মহারাজ হোলকর ভাহার প্রক ক্মাইয়াছেন। ভাছার ক্তিপুর্বের নিমিত্ত अवर्गमणे डाँशारक हित्र कारलव अना अकथानि

প্রগণ। প্রদান করিয়াছেন।

সর রিচাউ টেম্পল সম্রতি হাবড়ার কানি ইনটিটিউটে মহাভারতের কিয়দণশ পাঠ করিয়া বলেন, ভাঁহার মতে এই কাব্যখানি ইউরোপের অতি উৎকৃষ্ট বীররসপ্রধান কাবেরে তুল।। श्राष्ट्रीत कारन हिन्दूता लाखनीर्ड, वार्यञ्चा. সাহিত্য, বিজ্ঞানপ্রভৃতি বিষয়ের কত উন্নতি করিয়াছিলেন, ইহাতে তাহার প্রমাণুপাওয়া ষায়। প্রোত্বর্গ অতিশয় আনন্দসহকারে এই উপদেশ ভাবণ করেন। পরিশেষে সভাপতি ভাক্তর মৌএট এতকেশীয়দিগের পূর্বতন অবস্থার সহিত বর্তমান অবস্থার ভারতফা कतिया উপদেশককে ধন।योह हिटलम। छ। छत भो अहे यथार्थ बिलशास्त्रम, अञ्चलस्थीयनिर्शत ঐকমতঃ না থাকাতেই ইহাঁদিগের খাভাবিক বুদ্ধিব তীক্ষত। থাকিলেও কাজ হইতেছে না।

লাবুয়ানের ফুডন শাসনকর্তা পোপ ছেনেসি লাহেব ইছার মধ্যে তত্ত্তা লোকদিগের এমন श्रिय इहेग्राट्डन (ग. मञ्ज्ञान्ति डीहोत विवाह इन রাতে চীনেরা আপনারা আসিরা বর্যাক্রী इरेब्रा अप्तक आर्मान कतिबार । ८२८निन जारहर का किएफ ना कतिया जिंकतरक निमञ्जन कतिवाहितन। हेरम्ख रहेएड (यमक्न भामन वर्रा এक कारम देशनिर्वाम चाहरमन, दौहावा স্থানীয় কুসংস্কারবিশিষ্ট শাসনকর্ত্তাদিগের प्राप्तक खर्म खर्म खर्म।

3 ना टेकार्थ वृथवात ।

সম্প্রতি আগরার নিকটে একটা জীলোক ব্দপনানের ভবে এক তৃতীয় শ্রেণির রেলওয়ে শকট হইতে লক্ষ্যিয়া পতিত হন। তিনি মূল্লিভ ব্ইয়াছিলেন; কিন্তু জনা কোন ক্ষতি ছ্য় নাই। রেলওয়ে কোম্পানিসমূহের যে প্রকার কর্মচারী ও ভত্তাবধায়ক, ভাহাতে এসকল ঘটনা হওয়া আশ্চর্যে,র বিষয় নছে।

পঞ্চাব রেলওয়ে কোম্পানি বক্তার সিংহ अञ्चलदिवल तो शलक है बारिय नात्र (य नाली न করেন, ভাহাতে বক্তার সিংহকে ৩০,০০০ টাকা দিতে হইয়াছে। কর্ণেল এলফিন ষ্টোনের অধীনে এই ব্যক্তি ও প্রয়টি ক-টাইর ছিলেন ৷ वक्तांत निश्व शृहर्त्ता कहर्नहरू प्राह्मकामात ছিলেন। সাক্ষরিবা প্রকাশিত ইইয়াছে, এই ক্টাইরের সহিত এল শস্তোনের কংস ভিল

नकम प्रवादायाहे (तहेम श्राहर जाममानी ও এবং कार्यछ: अप्रिनामी वादनाय माज हिम। যাহারা এতদেশীয় কর্মচারীদিগের অসা-वुजाम्मात हीरकांत करत्व, छ।इ त। अकर्ण (काश्राय ?

> সর জন লরেক সে দিবস বোষাইয়ের ক্চিচ মিসনবিদিগকে ২০,০০০ টাকা প্রদান করিয়ারেন। সম্রতি দিলীর বাপটিষ্ট মিসনরি গণ ভত্ততা ইউরোপীয় সৈন্যদিগকে ধর্মশিক। पिया किरतान विवास भवर्गत (स्वनतम डाँशिमिश्राटक कर्यक महत्व होका क्षणान कतिसारहन। उनवाव ভারতবর্ধশাসনের একম:ত্র উপায়, এ সংস্কার যে শাসনকর্ত্রার জাত্তে, তিনি যে এইসকল ভাইন বিয়ন্ত্ৰ কৰ্মা করিবেন, ভাহা বিচিত্ৰ নহে। কিন্তু সর জন লয়েশ লানিবেন ভারতব এদকল গৃহিত ইতিহাসলেখকেরা कार्स्य, त्र श्रुवस्थात मिरवन।

> লাহোর ক্রণিকেল বলেন, সম্প্রতি অমৃত সবের নিকটস্থ জানদিঘীয়াস্থিত মুসলমানেরা গোব্ধ করিয়া ভাঙার মাংস ভক্ষণ করাতে ভব্ৰেড্য হিন্দুরা বিরক্ত হইয়া মুসলমানদিগেব জনপানের স্থূপেও মসজিদে শুকর কাটির। কেলিয়া দিয়াছিলেন। এই নিষিত্ত উভয় সত্তা দায়ের অভিশয় বিবাদ চলিতেছে। হিল্পুগণ আপ্নাদিগের অনায় কাল বুরিতে পারিয়া মস্জাদ ও কূপের মুল্য দিতে চাহিয়াছেন। किन्न मूनलगारनदा मकन्त्रमा कदिवाद निभिन्न कृष প্রতিক্ত হটুয়াছেন । ধর্মাক্ষতা বস্থানিষ্টের

মালির কোটার রাজার নামে ত্তাচারের অভিযোগ হওয়াভে গবর্ণর জেনরল এ বিষয়ের অসুসন্ধান করিবার আনজ্ঞা দিয়াছেন। পঞ্চাব भवर्गरमन्त्रे हेर्गकतिर्वन ।

मत्र ष्ट्रीरकः ५ नर्य कार्वे मर्सनारे ভात्र वर्षीय ও ভারতবর্ষীয় ইংরাজ কর্মচারীদিগকে ভোজ मिय्रा थारकन। नकरल अञ्चयान कविद्याहिएनन, এ টাকা সরকারী ধনাগার হইতে দেওয়া হয় : কিন্তু প্রকাশিত হইন্নাছে, সর স্থাফোড নর্থকোট নিজের ব্যয়ে ভোজ দিয়াথাকেন। সুলভানের বিষয়ে যে কাজ হইরাছে ভালতে যদি সর ष्ट्रीरकारखंद टेहरूना मा रम्न, किरम रहेरव।

ডেলি নিউস ফলেন, সম্প্রতি নেপালের গ্রেণ মেউ প্রস্থাব করিভেছেন যেসকল ব্রিটিশ প্রক্রা নেপালে মহুষ্য ক্রন্ন বিক্রন্ন করিবে, ভাহাদিরের मेख (ने भारत हरेल कोल इस्। भवर्गत (समत्न ইহাতে সমত হইয়াছেন। নেপালের বিচারপতি ও রাজ্যেখরের ক্রীত দাস আছে কি না জানিয়া সক্ষতি দিলে ভাল হইত।

উক্ত পত্র বলেন, থিবার খারে সহিত রুশীর দিগের বিধাদ আরম্ভ ছইয়াছে। রুশীয় দেনাপ: ত হাজারাস্প নগরের ছর্গে রুশীয় বৈদ্যা রাখিবার প্রস্তাব করাতে খ'। ভাহাতে रम। ইराডে मেনাপতি বলিয়াছেন, यनि ভিনি नहरस नमाख मा हम, छाहा इहेट वनश्रातिक উक्त नगत व्यक्षिकात कता इंट्रा श्रवन ७ इर्क्स विस्तिष हहेटल हुर्मालत প्रक अञ्चल वाका তাৰণ বিক্ষয়কর নছে।

शिटकटि प्रथा शिम, नियुष्टत कर्माहातीता প্রায় অনেক আইনের বিষয়ে আত্মত প্রকাশ करिष्ठा माकार मध्यक भवर्गत क्वानत्रहात कार्या ব্যবস্থাপক সভার সভ্যবিশেষের নিকটে প্রেরণ কবেন, ভাহাতে অনেক অন্তবিধা হয়। অভ এব গ্রপর জেনরল আজ্ঞা দিয়াছেন, ভবিষ্যুত এই সকল পত্ৰ স্থানীয় গ্ৰহ্মেন্টের হল্ড দিয়া আদিবে : রীতিই এই।

পিয়নিয়র বলেন, বাঁদাতে গোমড়ক হও রাতে ছটা প্রগণায় ৯০০ গরু প্রাণভাগে করি व्यादि । श्रथमा ३ खा । ७ कम्ल इयु ; ७ १ भट्ट ক্রমাগত ভেদ হইয়া পশুগুলি প্রাণ্ডন্য

১১ ই মে সর জন লরেন সিমলায় উপস্থিত ছইয়াজেন। উজা স্থানের পূর্মাতন ভাম ও ছিল াবশিষ্ট কামানগুলির পরিবর্তে ফুডন কামান व्यानियारङ कि श्र वोक्रम मा थाकार् ज जदर्वन क्षानत्त्वत म्यानार्थ कामान इस नाहै। अक জন পত্রপ্রেরক বিজ্ঞাপ করিয়া বলিয়াছেন, বারু দের জন্মগার থাকাতে গ্রাব্ধ জেনরল গোপনে ানল বাটিতে প্রবেশ করেন : কিন্তু ভাঁহার লোন মন্ত্রী অববা সেকেটারি যদি বাটী বাটী যাইরা वाक्रम जिक्का कतिराज्ञम, जाहा इहेटल कर्यक्री তোপ হইতে পারিত।

২ বা জ্যৈ বৃহস্পতিবার। এপর্যন্তে যেসকল কর্মচারী কৌজদারি वक्कामात्र माकः मिट्ड याहेट्डम, हाहामिट्रात

ভরিমিত্ত যে ব্যয় পড়িত ভাহা আপন আপন বিভাগের ব্যম্ন বলিয়া পরিগণিত হইত। সম্প্র তি বঙ্গদেশীর গ্রথমেন্ট প্রস্তাব করিয়াছিলেন, अहे वाम्र विज्ञातमश्काष्ठ वारमत महा जना करा छिठिए। भवर्गत स्मेमदिस हेशाएक मुख्य

म्राट्डन ।

মাধবচন্দ্র দত্তকে রোজ ত্রোবের হত্যাকারী विलियों भू निरंष वर्षन करता इहेब्रार्ट । (यनकल माकी कद्रवाद्वय मगर्फ ख्रवानवन्त्री (मन. ভাঁহার। আবার এখানে ও অবানবদ্দী দিতে-ছেন। এবাজি যে মুজিলাভ করিবে ভাহার नरमञ्जाहे। श्रुनिय यथार्थ (मायीरक इाजिया नित्रभताधीक धतिश्रा होना हानि कतिएक हन। माध्यम्य म्एखत रखा कतिबात कात्र कि ? কাহার হত্যা করিবার মথার্থ কারণ ছিল, পুলি खित कि कतिर्देशतं क्रमका नाई ? श्राहित्य রাজ্যের নিম্ন ভোশির ইউরোপীয় প্রবেশ করা ভেই উহার এরণ হর্দশা হইরাছে।

८७.ल निःडेन वटननः । तरश्ङ्रायव वनः । तालनी छित्रवटक छात्रकवरीत भवर्गमि । याश्रा लाकिमिरशत 8-11-िं शक्त मान क्रांत्र क्रेड अंगांक गकरमत मा धाराहण कारमक छोटलाक अधिवा हिन्छ। त्रहिम्राट्डन, अवर छ स्रवस्तन वर्गक्राटवत्रछ বিলক্ষণ বৃদ্ধি হইয়াছে ৷ সমপ্রতি ছোট নাগপুরের ছমিদনর কর্নেল ভালটন কেলাদ-গের প্রশান লোফ দগকে আহ্বান করেয়া এক गञ् कर्त्र । धरे म्हार् मकरल क्यानारनत् १० ১ • भन्छी शक्ष व लग्न क्षित कावसार्ह्म । मन्छी श क्रहे (४ मिएक ब्हेर्ड अक्रम नरह ; मानेस भग हेश्र পরিবর্ত্তে ৭ টাকা নগদ দিতে পারিবে। কোনের। ज्यामाणिए भव क्रुवर्गवर्गक छ कायुक्ति (भव क्राप्तकः । এ বিশয়ে সমধিক বৃদ্ধিমন্ত। প্রকাশ কবিল। এই তুই শ্রেণির কননার বিবাই দেওয়া আত্রান্তিক रायमानः रहेश উठिशाटक। शिंस यात्रकी বন পরিজ্ঞান ক বিয়া ২০,০০০ টাকা জনান, छोड़ा क हा तिही कमन भारत करिएड अक कारन मंत्रम् इटेंट्ड इग्न। हेइन्त्र कि मः ब्लापन करा উচিত নতে?

अवर्षत , जार व भी भारता करिशा**रहम. ১৮**% ह व्यक्तिहरू ५५ अस्मि अञ्चलीतम् (क्वम वार्शक्र्य कर्ष्ट्रत छिप्दव ५०७० लङ्गा इहेर्दिमा कर्ष्ट शुक्त मि, एक क्षेत्र । নিংমত ঘ্ৰভীয় ৮৫ উক্ত পত্র জ্ঞাবন কার্য়াছেন, বাশারিও क्रमुख्यस्य समकत भाग विस्माय यानकान न्दर्भट्रम् इक्षुप्ती कारवाव निमिष्ठ उन्हा के हर्दन उद्धानि व त्काल सम्बद्ध अहर कांत्रनात मि मह প্রভাব লাগেন্ট। উপরে আজ্ঞা হইয়াছে। ইহাতে কি আকি প্রিমানে শাল প্রস্তুত 0517 ?

প্রবিদ্ধ ভাপি নয়ন জীকার কবিয়াছেন, १ अ। दुवन अपन्य श्रीक्षय काना क्रम, **ऋ दनत श्रीक्ष**-त्यव नाम्न अभवानीनिवतक ध्वित् भारवन भा। यीशात (करन विद्यार्थि प्रशिक्षा युक्त मा इन, हाझात्रा व्यक्तक विन शूर्ति छाहा खित कतिया दुर, अधूर १ ल ।

বিজ্যান্ত্ৰান্ত্ৰী কৰে তিন্দু আৰ্থি ১০০০ है।का मा उह नहुद्व शास्त्रहरू अन्त्री खी मधान বিদ্যালয় পূৰ্ণপিক কারবার অভিলাব করিয়াছেন भाषाक प्रदर्शन है ज'व्यान है। हार क धनावान भिषाद्राच्या

ভারত চীয় গবর্গনেট কপুরি তলার রাজার বৈপত্তক সংগণিও বিভক্ত করিবার আজ্ঞা দেও-য়াতে রাল: প্রিবিকৌনিলে আশীল করিতে ছেন। এ জন্য তাঁহাকে ছয় সপ্তাহের সময় দেওয়া হইয়াছে ৷ রাজা রুখা অপব্যয় করিলেন,

ক্রমে হস্তার্পন করিবেন না।

भानमान गार्ट्स एक अव हे खिगारिक लिथि हारहन. नतं कान कारहक इंडिरहाणीय रेमना किरावे উপাসনার ও ধর্ম শক্ষার যে বন্দোবস্ত ( ভাছার নাম কয়েক লক্ষর জিল্লের ) করিবার আজ্ঞা-দিরাছেন, ভাহাতে ইংলভের সমুদার লোক ভাঁৰার উপব সম্ভষ্ট ইইয়াছেন। যে স্কল চিক্তা শীল লোক আয়রলভের গর্মকার্য্য ইইটে গ্রন্ মেটকে শ্বাসন্ত্র থাকিতে বলিতেন্তেন ভাঁচার: क अहे पम कुक ? चाका गत कम महत्वरकात सुचहा ্তব ভাষা ভারতবর্ষের হুর্গভির বারণ হই-ভুটে

#### ७ वः टेङ्गर्थ श्वाक्तवात

**ভারতবর্ষে হত এতদে শীয় সংবাদপত্র** य (इ. एकार्या करत कालिशक इंनिक हिन्दे श्रादक्षे व लग्नाद ३व, अदल्लीश्राह्म फेक्क इत শাসনকার্যের ভাব দেওয়া অস্ত্রভিত। ইংল ভীয় গ্ৰৰণ্মন্ট যে উন্নত পদ দিবার সাম্দ করিয়াছেন, গেল্ডেটের মটে ভালা অদমসাহ সকভার কার্য: ইহাতে আমানিগের পরম भज (') .कछ अन हेल्छिश ब्राह्मन '' इनकिंकिडेर आखारे यादा निथिख इहेश्रार्ह लाहा छेत्ररी त कामाका एक एवं प्रयोभी मानावन भाग का भाषता चीकात क तिए उद्दिश राज्य है । राज्य है उन्हें क **ात्र हेर्नाक्षि ७ (जन्मे व्र अधान्त्र धनकल** अल्डाक् নীয় সংবাদপত্র প্রকাশিত হয় তদপেকা এই গ ত্রের ফথায় অবিক গৌরব করা আবশ্যক ভার্ব वात (काम मटलक् नाई। "मटल्क्ट्रव विवयं कि ह iaes, शक्षेष्ठ छ। भुशांस खित्म सुभक्षा करिएड গিয়া যে মাংস পায়, ভাষা গৰ্মত ম্মান অংশ বিভক্ত করাতে নিংহ কুপিত চইয়া তথকণাৎ ভাষ্ট্ৰেম বৰ কৰিল এবং শুগালকে বিভাগ করিতে বলিল। শুগাল তৎক্ষণাৎ আপনার জনং কিঞ্ছিং রাখিয়া আর সমুলার সিংহকে প্রদান করাতে দিংহ অভিশয় আনন্দিত হইয়া বলিল, ''ভাইশুগালা ভোমাকে এমন সুন্দর ভাগ कतिराज एक मिथाहेशारह? " मृशास दिसल '। बे মূত গৰ্মান্ত। " দৈদ, আং হমাদের রাজনীতির মূল্য সকলেই বুলিতে পারিবেন। কিন্তু শাসন কর্ত্ত। निरंगत हार्टेड कित्री चरमनीय्रमिरंगत चरत छताञ्च जि निवाद (हर्ष्ट) अभर्य छ भूषिवीद (क:न कुर्लई नक्त क्य नाहे। मानलियम खिक्करक इंगेलिएक कामग्रम करवं कि छ त्यरं कामि, লিগুন রঙ্গ ভূমিতে উপস্থিত হইয়াছিলেন।

এডদিন পূরে চ্যেত অব ইণ্ডিয়া পথে আসি

স্নাছেন। এই পত্র দিলীর ভূতপূর্ব কোটাল মহি ক্ষাৰ বিবাহ দিতে হইলে ক্রিয়াছেন, প্রিবি কৌ সল ভাগতে কোন ছুন্দিনের বিচাব উপলক্ষে বলিয়াছেন এ ক্তি দশ বংগর নির্নাসিভ ছিলেন; ইহ'ই পর্যাপ্ত मध ररेशाहा अफ: भर काम विद्याशे अहमत्न জীবনের জ্বালস্ট যাপন করিতে আসিলে ভাঁহার দ্বু দেওয়াতে কোন ফল হয় নাঃ কেবল পুক্রকার বৈর মনে আইসে। আমরুও স্কল্প এ কথা বলিডেছে। ৫০০ লোক সীভানায় রথা কষ্ট পাইতেছে।

#### 8 है। देखाई भनिवात ।

যে সকল জায়গীরদার ও সর্ফাব পিডা অথবা পিত মহের সম্পতির অধিকারী হইবেন, ভাঁচা मिशरक भवन्ति-छेटक काम गडादामा मिटल इहे ति मा । एरव यिथारन मिवात क्षेत्रा छोरह. मिथारन मिटङ इटेरव। खांखुळ्न ख खश्वा खनः क म व्याचीत छ ड्यांभिकाती इहेरन साय्तीर्यत এক বংগরের আরের আর্থেক নিতে হইবে। দত্তক পুত্রকে এক বৎসবেষ আয় সমুদাহ দিতে ইবে। দত্তকের উপরে আবার এত পীড়া পাড়ি কেন?

আবিসিনিয়ার বন্দীগণ যখন সঃ রবাট নেপি রুরের লৈবিরে আইসেন তখন তাঁধাদিগের সহিত ভাৰু ও বিল্ডব ভূত্য আইলে। তাঁহারা বর্দ্ধীভূত **इिटलन वट्डें) किन्छ थि**ब्रिपात छाङ्गिप्रिक ভাছার ও বাসস্থানের কোন কষ্ট দেন নাই ্যাগ मामा अश्वत जिम मित्र श्रुटर्स थि**। उ**जात ७१ • জন আবিসিনীয় কয়েনিকে বণ করি**য়াছিলেন**। ভাঁহাকে জীবিভ অবস্থায় কমিসমর লের ম্যায় ভারতবর্ষে অনেয়ন করিবার জন্য সর রবাট নেপিয়রের আজা দেওয়া হয়; কিন্তু থিওডো ুরর ভাগে। এ অপনান ছিল না।

# হ উরোপীয় সমার্চার ।

ल धन २ व। ता ! शख कना श्रिष्ठ भवत कगर्ज प्राफ्ट होन नादश्य अहे कथा वदलन, (य भर्य ख व्यातात्वम् एकत् धर्मामञ्जूषायुमः काल মীমাংসা না হইবে, সেপ্রয়ন্ত গ্রব্মেন্টকে यार्यत होको ना (५७४) इ.स. ७ विषर्य जिल् ৪ঠা যে সোমবার প্রস্তাব করিবেন।

जिष्टेल आलेहाम, मिक्क लाटक नियात. लघ्नमिन्द्रेत. ककात्रप्रोथ अवश्युर्व (करावेत सूडम প্রতিনিধিগণ টোবিল্লস্থ বলিয়া মনোনীও হইয়া

সিরাপিস ও অংকাডাইলনামক সৈনিক বোঝাই জাধা গকে আলেকজান্তি রাভে প্রেরণ করা হইরাছে। আবিসি নিয়া হইতে প্রভালত।

সোমপ্রকাশ

৪৬৩১ গণিত রেজিমেন্ট এই আহাজে ইংলতে প্ৰমন কৰিবে ৷

আবিনিনিয়া হইতে আগত।

বোৰাই ৯ই মে। আবিদিনিয়া হইকে गःवाम जामिसार्ड, मुक दन्नीतन देशत मर्ग अक पल श्रद्धी देनना सहेशा छिनकृत्वत जित्क शमन क्रियार्डन । रेमन्त्राव शंख कला गाजः করিবে। সর রবার্ট নেপিয়র ওয়াগনাম গোবা-कीटक भागनाला श्राम कदिएक हाहिसाहिएनम কিন্তু প্ৰধান গোঙা ( কামান ) গুলি নষ্ট হও-য়াতে তিনি এই নগর লহতে অসমত হই য়াছেন। ভলিমিত সর রবংট নেপিয়ব গালার রাণীকে উহা দিয়া আসিবেন।

মাগদালাতে থিওডোরের মৃত দেহ সমাহিত হইয়াছে। বন্দীগণ অভি অপকৃষ্ট স্থানে কন্ধ ছিলেন বলিয়া আশিস্কা করা হইয়াছিল । কল্ত বাস্তবিক ভাছা নহে। ভাছার। উত্তম স্থানে ছিলেন এবং উ'হাদিগকৈ পর্যাপ্তরূপ খাদ্য দ্রব্য দেওয়া হইয়াছিল। মাগদলোবাসীরা ত্রিটিশ रेमनः निभारक मधानरत शहल कविद्यारहन ।

ल्ला १४ हे अर्थन । ভाরত वर्गीत रेमन, निभएक উপনিবেশে প্রেরণ করা উচিত কি না, ইহার বিবেচনার্থ যে সিলেক্ট ক্রমিট নিযুক্ত হন, ভাঁহারা রিপোট প্রদান করিয়াছেন।

বিরুদ্ধ সৈনিক মত প্রকাশিত এবং ইহাতে होका वाँ हिर्द कि ना उदिवस्त अस्मर इंट्यार 🦠 কমিটি বলিয়াছেন, এক বাবে অধিকভর পরি বর্ত্ত ন পরামশ্সিত্ব নছে। যেখানে স্বাস্থ্য ব্যাঘাত সম্ভাবন নাই, কমিটি সেখানে ভারতব্যীয় সৈন্য প্রেরণের পরামর্শ দিয়াছেন। তাঁহারা वालम, हीन छ मतिमर्ग अहे रेमना ध्यतन करिएल অনেক বায় বাচিবে। সিংহল ও সিপাপুরের যে अकांत्र खाल वांचु, 'डाक्टिंड सर्गः मर्गः अक एल বৈদ্যার পরিবর্ত ক্রিয়া ভাই এক কো (প্রায় ক্রা অসুচিত এবং এ তুলি ভারতবর্ষের চিক টক্ত হত্য়াতে কাঁচার। বলেন এই ছুই স্থানে ভার তব্যীয় দৈন্যপ্রেরণে লাভ আছে। ভাঁহার। आतु विन्त्रारह्म, उँ। शिरिशत সাক্ষ্য দেওয়া ছইয়াড়ে, ভাষাতে বিবেচনা হুইভেছে কোন বিশেষ উপনিবেশরকার্থ স্থানীয়<sup>া</sup> দৈন্দেওএছ না করিয়া ভারতব্যীয় দৈন্য রাখিয়া। দিয়াছেন এবং লাভভৌন সাহেব গ্রেগ্রের इंद्रेट्रार्थिय रेमनाहित्यत नाम खाराहियत्क मत्या माया वननी कता कर्खवा। सावजीय छेप-নিংশে ভারতবধীর সৈন্য গ্রেরণ করা উচিত ধলিখা ক্লাব আলন যে প্রস্থাব করেন, তাহা क्यांश १३वाटक

ওল মে। গভ রাত্রিভে ভিদরেলি সাহেব হাউস অব কমঙ্গে বলিয়াছেন, যে একার মত ভেদ হইয়াছে ভাহাতে গবর্ণমেন্টের সক্ষর পরি বর্ত্ত হইবে। সেটী ফি ছইবে, ভারা ঞ্জির করিবার নিনিত্ত ঠা মে সোমবারপর্য্যন্ত মহাসভা স্থগিত থাকিবে

তোগাঁর সাহেবের প্রশের প্রভাতেরে সর ष्ट्रारकां जनवंदकां विवादादक्रम, जातजन्यीय চিছ্লিত কন্মচারীদিগের বিদায়েব নিয়মাবলৈ কৌ লিলের এক কমিটিছার। নির্দ্ধারিত হইয়াছে ভাঁহার৷ যাহা বলিয়াছেন সকলেই ভাহার মূল নিয়ম জীকার করিয়াছেম গভবে কেবল কডক সামান ত্রেশ্র পরিবর্ত করিব'র প্রজ্ঞাব ১ই-য়াছে। এই সকল প্রস্তাব লিখিয়া সর জন লরে ন্দকে এক পত্র লেখা হ্ইয়াছে। এই নিয়ম গুলির যে কিছু পরিবর্ত্ত করা আবশ্যক ভাষ্ করিয়া উচ্চিকে ইহা সাধারণের গোচবার্থ প্রকাশ করিবার ক্ষমত। দেওয়া ইইয়াছে।

ফেনিয়ন বর্ক ও কাশীর দোষ সপ্রমাণ হও য়াতে প্রথম ব্যক্তির বঠিন পরিশ্রমের সহিত ১৫ বংসর এবং দ্বিতীয় ব্যক্তির ৭ বংসর মেয়াদ হইয়াছে।

৫ ই মে। গত রাত্রিতে ডিসরেলি সাহেব विलालन, जिनि बाड्डीत निकार निका भग्दरात করিবার প্রস্তাব করেন , কিন্তু রাঞ্চী ভাছাভে অসমত হইয়া তাঁহাকে মহাস্ভা ভঙ্গ করিবার क्रमका निशाहन। किनि विलालन, এकार रा नकल विषय विरविधि इहेर्डिष्ट छ। हात्र भीभाः সা হইলে তিনি নবেশ্বে মহাসভা ভঞ করিয়া সূত্র মহাসভঃ আহ্বান করিবেন।

প্রাডপ্টেন, আইট ও লে: সাহেব গ্রেণ্টের এই নিয়মবহিভাত কার্যেরে প্রতিবাদ করিয়া-(इन । जिन्दुबलि मादश्य भवर्ग**रमत्नेत भक्त** मन-র্থন করেয়া বলিলেন, য়াজ্ঞী ভাঁচাকে মহাস্ত ভঙ্গ করিবার নিমিত্ত সম্পূর্ণ ক্ষমতা দিয়াছেন : ভিনি আরও বলেন, গভ রুহম্পভিবার লাড টোন সাহেব যে প্রকার তর্ক করেন, তাহাতে भिकटि (श तान श्हेटच्टक भश्यकात मञ्जीम्टिशत छे**ल्ट**त विश्वाम माहै।

> হাউদ অব কমন্দ্র আয়ু ব্যুদের বিষয়ে মন্ত व्यगङ्ख कारम्य निमान भवन्ति कार्या अन्ति नि উপরে দোধারে।প করিয়াছেন।

> ৬ ই মে। মহাসভাজভের বিষয়ে মন্ত্রিগণ হাউদ অব লাডে ও কমদে ভিন্ন ভিন্ন প্রকার কথা বলাতে ভাষা লইয়া গভ রাত্রিভে হাউস

অব কমঙ্গে অভশন্ত ভৰ্ক হইয়া গিয়াছে। ভিসরেলি সাহেব যেপ্রকারে বুরাইয়া দেন ভা-शां जिल्ला क्षेत्र विकास कि विद्यारहर ।

<u> বৈদ্যাশিকার নিমিত্ত বিশেষত:</u> য'হারা আফিসর হইবেন ভাঁহাদিলের শিক্ষার নিমিত্ত এক রাজকীয় কমিসন নিযুক্ত করা উচিত বলিয়া লাড সিদিল এক প্রস্তাব করিয়া-ছন। সর জন পাকিউটন সমত ইইয়াছেন-এবং মহাসভা ইহা গ্রাহ্য করিয়াছেন।

लखरनत नाम कलिकांछ। विधाहे अ गाम्भाटल निवित्तनिक्तिन शतीका कहा छै हि उ ফদেট সাছেব এই প্রস্তাব করিয়াছেন। সর চার ল্স টি বিলিয়ন এক সংশোধনপ্রস্তাব করিয়। **ধলিলেন, অচিহ্নিত কার্ষ্যে ধেসকল ভারতব্দীর** উপযুক্ততা প্রদর্শন করিবেন তাঁহানিগকে চিহ্নিত কার্য্যে নিযুক্ত করা কর্ত্তব্য।

সর চালদ ট্রিলিয়ান যে প্রস্তাব করিয়া-ছেন, গ্ৰগ্যেন্ট ভাষার কন্তক অংশ গ্রাহ্য কার য়াছেন। অর্থাৎ প্রতিষোগী পরীক্ষার পরিবর্তে তাঁহার৷ উপযুক্ত লোককে মনোনীত করি-বেন। এই কথা ৰলাতে মূল প্ৰস্তাৰ ও সংশোধন এন্ডাব পরিত্যক্ত হইল।

> গবণ মেণ্ট বিজ্ঞাপন (ल॰ऐ८न•ऐत्रवर्गद्रत व्यादमभा जू माती

৬ ই মে। নিমুলিখিত ভারলোকেরা নওয়া খালির স্থারণ বিদ্যাশিকা যভার সভাটেই

निद्याग ।

चातु अगनी ननाथ ताय ।

**भ घटहल हम्म राष्ट्र** ।

নিম্লিখিত ভট্ন লোকেরা কুমিনার নিউন্ন সিপাল কমিসমর হইবেনঃ

বি, আর উইন সংহেবা

ই. ডিলে ন

নিজামত বিদ্যালয় চালাইবায় নিমিত্ত বৈদ मन्द्रत कालि था। भूविमित्राशास्त्रत भाषात्र विष्ता लिका नहां ते म छ। इहेरदेन।

खा, खा. काउरकाशानी म गाउरव मुक्ति अ **ভাগলপুরের বিশেষ সব রেজিট্টার •ই**রেন।

৭ ই মে। অযোধার রাজার নিকটাস্থত গব र्वत रक्षन इरलद्रे व्यक्तिभि अरमन्त्रे कर्नल रक्ष, নি, তাক উজ্জ রাজার কার্টির মধ্যের মকক্ষা করিবার জন্য ২৪ গরগণার মাজিটেটের ক্ষমতা भाइत्वन ।

৮ हे ्या या किन बावू खक्रधमाप (मन मत्रकादी कार्र्यः भनत्क म्हांभास्त्र शांकरवन ভত দিন বাবু যাদবচন্দ্র চক্রবর্ত্তী কালনার প্রতি निशि भूरकार इड्रेटवन ।

এচ. এ. ক্রেল সংহেব ব্রিহুতের মা জ্ঞেট ও কালেঈর হহ্দেন।

এ, জে. এলিয়ট সাহেব গয়ার মাজিকেট ও কালেটা হইবেন, কিন্তু আপাততঃ দিনাজ পুরের প্রতিনিধি সিবিল ও দেসিয়ন জজ থাকি (791

যুক্ত দিন লেণ্টনান্ট ডবলিউ ই, চেম্বস मतकाती कार्यात्रलाक अभाष्ट्र शक्तित्वन, তত দিন জে, লাঘাট গাকেব পাটনার প্রতিনিধি श्रीतिष स्थापिति । विश्वारी ।

इ. बाहे, भड़ेन छन्नार्भ भारश्य भागात श्रुनिय स्म পরিন্টে গ্রাণ্ট হইবেন।

कारिश्चन क्षि, अम, बाएँ हे धरनीहरतत श्रुनिय | দিতীয় চক্রবাড়ে প্রতিনিধি ডে পুট ইনস্পেটর জেনরল থাকিবেন।

ষত দিন কাপ্তেন জে, সি, সি, ডব্ট, বি, সি, বিদায় লইয়া ভমুপ্তিত থাকিবেন তত দিন ভবলিউ, ডি. প্রাট সাহেব সাংবিদেন প্রতি निमि श्रुलिय श्रुपदिर हे छा है इहेरवन ।

अ. जानली भारहत घरमाध्यत्त अভिनिधि পুলিদ স্থপরিন্টেণ্ড<sup>†</sup> উ ইউবেস :

निव्हलिथिक नम्कांती भूलिय छ्णांतर छे छो छे कित्राक दक्षी करा इहेल.-

a. अल. उरनिष्ठे, छोटन मांद्रव माध्य इहेर्**ड** इशकीरक।

এ, বেলেয়ার সাহেব ত্রিস্ত হইতে পয়াতে। এচ, বি, এচ. বহাউস সাহেব ঢাকা হইতে 28 अवंशनाएउ।

৯ ই মে। সব আসিষ্ঠান্ট শার্কন রাজমোহন ব্যক্ষ্যপাধ্যায় কলিকাভার মেডিকাল কালেজের চিকিৎসালয়ের প্রথম চিকিৎসকের অনর সম্ব-श्रीश हिकिएनक स्टेर्न ।

ধাকুড়ার ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটী কালে केंद्र वांदू (भाभालएक भिन वर्षभारन वननी इहेग्र। মাজিট্রেটের ক্ষতা পাইবেন।

১২ই মে। ডবলিউ, এফ মিয়াস সাছেব मग्रमनिश्रहः महकाती माखिरळे ६ कारले हैं। ছইয়া আমালপুর উপবিভাগের ভার পাইয়া মাজিটেট ও ডেপুটী কালেইবের সমতা পাই (वन।

लिक्टेना के कर्नम (क, अभन वर्षमाह्मत कक জন মিউনিসিপাল কমিদনর হইবেন।

নদীয়ার ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটা কালে ষ্টর ধারু দিননাথ আচ। মেছেরপুর উপবিভাগের ভার পাইবেন

নশীয়ার ডেপুটী মাজিটেট ও ডেপুটী কালে ইর বার জন্মনাথ সেন কিছু দিনের জান্য বনগ্রাম উপবিভাগের ভার পাইবেন।

মেহেল্পুর উপবিভাগের ডেপ্ট মাজিটেট ও ডেপুট ক লেক্টর কুমার ভ্রম্পেন্স মারায়ণ দেব मनव महकूमः महीयाएक वनसी इटेटवम ।

শিব সাগরের সহকারী ক্ষিণ্নর লেপ্ট্নান্ট फवलि**फे हैं**. ऋथात्राकाफ छुव**ल व**मली हहेरवन । ছর্বের সহকাবী কমিদ্মর লেপ্ট্রাণ্ট এফ, अन, फि, नाष्ट्रि कामज्ञाभ बननी ब्हेरवन।

व्यामानिटभव भाषानिष्ठातच्य मःवा-দদাত। লিখিয়াছেন।

১। মহারাজ দিষিয়া হরিষারপ্রভৃতি ठीर्य पर्नेन कतिहा मस्तरमत शुर्तिके এখানে আদিয়া পেছিয়াছেন। পুর্দেষ শুনিয়াছিলাম শ্চিনি কাশীতে যাইবৈন : দিলিগেকেটে দেখিলায় তিনি দিলিপ্রভৃতি প্রধান প্রধান নগর হইবা হরিদ্ধ রে গিয়াছিলেন।

 अलिपिटकल अर्डिन कर्तन (डॉन সাহে ৷ এখান হ**ইতে** ইংল্ডে যাত্রা করিয়াতে ন কর্ণের সাওয়ার সাহেব আসিয়া পলিটিকেল একেন্টের কর্মাভার গ্রহণ করিয়াছেন। কর্ণেল ডেলি সাছেবের গমনে অ'মরা যেমন ছঃখিড ्डेश्रां हि. कर्नल भा**ल्यांत गार्ट्स्ट्रत आ**श्रम्स তেমনি আনন্দিত হইয়াছি। ইনিও যেরূপ ভয় **उ अगांशक अदर जागात्मत मान गिनि १७ छै**र ফুক ভাগতে ইহাঁর নিকট হইতে জামাদিগের অনেক ইষ্টলাভ সন্তাবনা আছে।

৩। গত শুকুপকের দাদশী তিথিতে মুসলমা ন্দিগের প্রধান পর্বা "মহর্মের "মন্তভা ভাজি য়ার মাটির সহিত শেষ হইয়াছে। শুক্লুপক্ষের দ্বিতীয়া তিথি অবধি ১১ দিন মুদলমানদিগের ক ভেদী বাদেতে দিবারাত্রি স্থান্থির হইবার যোছিল না। হাসন হোসেনের মুক্তার জন্য কুত্রিম শোকপ্রকাশক বক্ষঃস্থলে করাঘ্র হা হতোস্মি প্রভৃতি শব্দে নগরের প্রলয় অবস্থায় उननी क बरेवात जैनक्तम बरेग्राहिल। दझरम्म कट्राका अ मक्स अरम्रल भूमलगान क्षिक अरु মুদলমান স্মাটদিগের প্রভাবও এই স্কুল

দেৰণ যায় এ সকল প্রদেশের অনেক হিন্দুও ভাজিয়া (গোঁয়ারা) করিয়া মুদ্রলমামদিগের সহিত আমোদ করে। জিয়াজী মহারাক্সনিশির। হিন্দু হইয়াও মহাসমারোহে রুহ্ং ভালিরা न दिश्रा মহরমোর্থীব গোয়ারা মাটি कतिशार्ह्म। (त अर्म আম্য়া কৌত্রলাক্রান্ত হইয়া ঐ স্থানে মধ্যাইকালের মার্ভগুডাপে ভাপিত হুইয়াও গম্ম করিরাছিলাম। তথায় দেখিলাম खनना खी लक्ष এकडा इहेशा खनिवर स्थान-ত্রপ সেবন কবিতেছে। স্থানে স্থানে লগুড় ও खबर्गाति (थला इडेटल्ट्ड्। खार्स खार्स मलगुष হইতেছে স্থানে স্থানে লড়ায়ে মেষের সহিত थिला इहेरछ इ। ए। त्या द्वारम विषय मुकात जकल जनायारम पुतान इहेर हरह। এই সকল দেখিয়া अ (मर्ग्य भर्म) विश्व । पाइरम्य विनक्त পরিচয় প্রাপ্ত হওয়া গেল। এই মেলা কেত্রে মহারাজের পোষ্ট পুতা ও অন্যান্ত সভাসদ, অধানোহী দৈনং এবং বছমূলং সভ্জায় সঞ্জী-ভুত্রেরং বুরং হঞ্জী আসিয়াছিল। আশ্চর্যের विषय এই महाकृषिवर विष्टीर्भ मार्कि मधाक কালের ভয়ানক স্তর্যভাপে কাহারও কট্টের **किङ् ल**िक्छ इहेल ना। अहेबाथ क्षेत्रह ना इ**हेर**लह বা ইহারা একল যুদ্ধিশারদ হইবে কেন :

এই মহরমের সময় কদয়বেদারক কএকটী ्माठनीय घडेंगा मरच हें ७ हरेग्राट्ड । स्मना ক্ষেত্রে আড়েন্ডিক ভিড় চন্ত্রাতে মহারাজের र जीत পদত্তলৈ পড়িয়া এক ব্যক্তি মৃত্যোগে পতিত কইয়াছে, আরও ২০১ গী লোক আহত হট্য়াছে। এক ব্যক্তি অবারো হণ করিয়া মেলা হইতে প্রভাগমন করিছে ছিল, মুগার নদীর সেতুর উপর একটা হস্তী तिथिया अवती त्यां भिया **केंद्रित এवर आ**रवाही क নিকেপ করিল। এ ব্যক্তি এরপ জাঘাত প্রাপ্ত **इहेशांक्रल (य. 816) घडार भएरा मुक्**राति প্রিত হইল। শুনিলাম অকক্ষণ্য ও অবিচক্ষর হিষ্ণুখানী নেটিভ ডাক্তবের অনবধানতালোর না ঘটিলে ঐ বংক্তি হয়ত বাঁচিতে পারিত। এখানে কৰে একজন উপযুক্ত সব এসিষ্টা ট সার্ছন আগি বেন ১মেলা ক্ষেত্রের ভিডের মধ্যে অনে কের শিশু সাতাম হারাইয়াছিল; কিন্তু স্কল গুলিই পুলিধের হঙ্গে পতিত হওয়াতে বোদ হইতেচে তাহার৷ পিতামাতার হস্তে অপিতি **ষ্টাতে পারিতে মেলার পূর্কারাত্রে প্রায় ২ টার** সময় যখন কভোয়ালির গোঁয়ারা মহাসমারোহে ব হির হইয়া আসিতেছিল, সেই সময়ে মুসলমান श्राहरूम विरम्पकारण श्राहकुछ हिना। अहेकार | तिकारमर केत श्राहाना वाहित इस। अमलात क्रे हिल -28-

হুইরা গিয়ান্ডে। হিন্দুদিগের চড়কের অভ্যাচার अकल (यक्षरण निवाधिक इहेग्राह्म, मुनल्यान দিসেরও অত্যাচাবদক**ল দেইরূপে** র্ভিড 不到 學多電子

-000-

# व्यामानिरशंत उरमानुकच् मः वाम-দাতা লিখিয়াছেনঃ—

🗘 । কয়েক দিন হইল এ প্রদেশে প্রায় প্রতি দিন প্রবল **ঝটিক। সহ** সুষ্ঠিপাত হইতেছে। প্রথম বাজ্যার ভীষণ শব্দ, মেঘাবলির ঘোরত্র গ্রহ্মিও বছ্পত্ন ও বার্ধির প্রনের শকে এক এক বার এক্সপ বোণ হয় যেন বস্থুমতীর সহিত অন্যান্য ভূতগণের সংগ্রাম উপস্থিত হুটভেডে। এক<sub>া সম্ম</sub>্ভাবের সময় উক্ত एउँना इछवाटा अक्षरमामत जातक कां उ इड्रा গিয়াছে। এই নগরের পার্থবর্তী রূপনারায়ণ নদে একটা বিস্থাৰ্ণ চর পজিয়াছে। ভাছাতে মুতন দুত্তন তুণ জ্ঞাঝিবাতে প্রতিদিন অনেক গ্র'দির জীবন ধারণ হইয়া থাকে। এক দিবস ভথায় অসংখ্য গাভি বিচরণ করিতেছিল, হঠাৎ গাগনমপুল ঘনজলবাবলী ছারা আচ্চল হইয়া শ্বলবেগে বৃ**টিপতন হ**ইতে লাগিল। সেই সময়ে নদীতে সমুদ্রারি আসিতেছিলে পশ্চিম भिक इहे। ७ धवःहिष्ठ विधिका महत्यार्थ महे কলের স্থোত এত প্রবল হয় যে অনেক গাড়ি ভাছার বেগে ভাসিয়া গিয়াছে।

(২) জনরবে শুনিলাম বে পাশকুড়াং हे॰ यक विम्हालरशत भाषारमरमहे এकि छुवानि-ক্রেয়ের পোকান আছে। যদি ইহা সভ্য হয়. हेशएक विन्तालासूत बार्मक बार्मिक इहेदार সন্ধাৰনা। অভনৰ বিনীভ ভাবে প্ৰাৰ্থনা কৰি যে এপ্রদেশের প্রযোগ্য ইনম্পেউর শ্রীযক্ত আর এল, মাটিনি মহোদয় ইচার সতালেভাতে তার সন্ধান করিয়া বিহিত উপায় বিধানে তৎপর হইবেন :

# প্রেরিত।

# মান্ত্র জীযুক্ত দোমপ্রকাশদক মহাশয় সমীপেয়।

মহাশয়! গভ ১লা বৈশাখ (১২ই এপ্রেল) মেদি নীপুরের পূর্মা ৫ জোশ দুরে লাঠিয়ালেরা কলি-ন্যতা হইতে আগত যে বাঙ্গীলাক মারিয়াছিল, ভাহা আপনরে। অবগত আছেন। ভাহার জদার क्षित्र विवयम निष्य निष्यिद्धिक्षि । २वा देवमाथ অত্তর পুলিষের কর্ত্ত। সাছে। ২ জন ইন স্পেটর

মহাবিবাদ উপস্থিত হইয়া মারামারী লাচা লাচি। পইয়া ভদারক করিতে যান। ৩ দিনেও কিছুই ना इउप्तारक मार्ट्स खनाकत हेन् रण्याहेत जीवक व'तु द्राधानाथ द्राय महाभग्नतक ज्ञानुकारनत ্বশেষ ভ'র দিয়া পলীপ্রদেশ পরিভ্যাগ করিয়া া সিলেন। রায় মহাশয় বিচক্ষণভাপুর্দক অনু স্কান করিয়া ৭ ই বৈশাখ ৪ জন আসামিকে ম'লনহ পুত করিয়াতেন। ভালাদের এখনও বিচার হয় নাই ৷ কিন্তু আসামীরা যে গুরুতর प्छ था छ इरेरव , जाशंत मत्म्ह नाहे। य श्वारन এই লাঠির'লৈ কাও হয়, ঐ স্থানটীই উলুবে জিয়া রোডের মধে। অতি ভগ্রের। দহস্যাধৃত হওয়াতে উন্বেভিয়া রোডের প্রিকের ও ঐ স্থানের শার্শবাদীরা অভিশয় আনন্দিত ইইয়া **ছেন। योगिनी পুরে 'এখন ডাকাই তি বড় কম** ষ্টতেছে না। আশ্চর্যের বিষয় এই, ভাকাই-তেরা প্রায় দর্ম স্থানেই দণ্ড প্রাপ্ত হুইতেছে, তথাপি নিরত কইভেচেনা। অংল দিন হইল নওয়াদায় ও দাসপুরে এক একটা সঙ্গিন ডাকা ই তি হয় ৷ উক্ত রায় মহাশ্য ন ওয়াদার ভাকাইত দিগকৈ ও ত্রীযুক্ত দীনবল্ব দেন মহাশয় দাস্প রের ডাকাইভদিগকে ধরিয়াছেন। এক্ষণে জেল খানার কণ্ঠের অপেকাকুত ল'ঘব হওয়াভেই বোধ হয় ডাকাইতেরা গ্রেপ্তার ইইতে বড় ভয় করেনা। আমরা প্রাপনাকরি, 🗟 যুক্ত রায় মহাশ্যের বিচক্ষণতা ও কার্যের দক্ষতা যেরূপ সুপ্রসিদ্ধ , ভাহাতে ভিনি শীঘ্রই এই দস্তাদলের ষবশিষ্ট কয়েক জনকে গ্রেপ্তার করিয়। উলুবে ভিয়া রোড এক বাবেই নিরুপদ্রব করুন। -- 30 8---

#### জগরাথ ক্লের পথ ও ভীর্যের একুত ই:ডিহাস।

ভয়ানক ছডিকনিবন্ধন ছই বংসর জগরাথ .ক তে যাত্রী যাওয়া বঞ্চিল। প্রত্যৃত্ সহত্র সহ্স্র লোক প্রাণ্ডার করিভেছে কোন প্রকার খাদ্য দ্বার মিলেনা, এই সংবাদ প্রবেণ । করিয়া জগলাথের অনেক ভক্তের ভক্তিরস শুজ হইয়া গিয়াছিল। গাত বংসর অনেকে বাই বার জন্য বাঁকিয়াছিলেন ; কিন্তু প্রশ্নেষ্ট ने एक कितार वाहर पारतन वाहे। अवर्गम के श्रकान। ज्ञारत काशास्त्र निष्यस करतम नाहे वर्षे ३ কিন্তু জেলার মাজিটেট ও পুলিষ প্রহ্বীরা কতক অংশে আপনাদিগের ক্ষমতা অভিক্রম করিয়া উনুবেড়িয়া হইতে কয়েক শত ভাস্ত लाकरक किंद्राहेश (एन । कान व्यक्तिहे এ নিমিত্ত অভিযোগ করেন নাই গ্রহণ অনেকে ইহাতে আহলাদিত হইয়াছিলেন। কিন্তু এ বংগর পূর্বোক্ত কারণগুলি অন্তহিত হুইয়াছে। ছুর্ভিক

बिवक्त अभागारथव (य कान्यर्वन कि कि इस इहें) ছিল, তাহা পুনরায় অসুরিত হইয়াছে গ্যে পাগুলান চকু মুদ্রিত কবিয়া ১২৪০ সালের প্রদাদদ্বরো কথ্ঞিং জীবন ধারণ করিয়াভি लन, डांश्राता मधीर श्हेत्रा উर्दिशाइन । क्लडः সরকারী ধনাগারের ২৫ লক্ষ টাকার চাউল গিয়া জগর'থ ও জগরাথের গাণ্ডাগনের মহিমা পুনর্সার রক্ষি করিয়া তুলিয়াছে। পুনর্সার বিস্তর ন্ত্রীলোকের স্বন্ধে জন্মাথের ভূতী পড়িয়াছে। দলতঃ অনেক হতভাগ: গ্রীলোক ট্রোড়স্থিত শিশু সম্ভান পরিভ্যাগ করিয়া বর্গনের গালি. বিষত্ত্র সূধ্যতাপ, ভেটে চাউলও ওলাউ ঠাকে মনোনীত করিতেভেন।

खनाश (परवत (यमन खाकू छ, रायन शृङ्का, যেমন প্রসাদের ছটা, তেমনি পান্তা। আমার कान धर्मा मञ्जालार वृत्र के लाउन विराध माई। (य ব্যক্তি অকণ্ট ভক্তিসহকারে আপন ধর্মে বিশ্বাস কলেন, সে ধর্ম থেরপে হউচ আমি উ:ছাকে আদ্ধাকরি। কিন্তুসভাকথা বলিতে कि, देइ बामाविध देखार देव अर्काश्मार्था छ প্ৰতি শলী আমে অৰ্জমুহিত মন্তক, অৰ্জচন্দ্ৰ: কারফোটাধারী যেনমস্ত অর্থনিশাচ মন্তকে কাটা টুপি, গাত্রে মান্দ্রাজী গড়ার হাপ চাপক ন দিয়া নিরম্ভর ভাঘল চর্মণ করিতে করিছে পু.ষ্ঠ বোচকা দিয়া হস্তে গোলপাভার ছত্র লইয়া সম্বেরক হইয়া গমন করে, ভাহা मिशक (म**.चटनरे** अभाव नकी**न छ**निया छैट्टे। इंशता काठारत পশু, विकास ठाया, जाभारभ वर्षत् । ইहात्रा वाहिरत (लारकः) वर्ष জ্ঞানাথের মহিমা বর্ণন করিয়। সকলকে कुतायः । किन्न कर्रात देशा जामन र्थत (कान নিয়ম প্রতিপালন করেনা। এইসকল লোকে ছপ্রহরের সমূহের, ( যখন পুরুষেরা কাঘ্যান্ত্রোধে স্থানান্তর থাকেন. ( বাটাতে আসিয়া জীলোক षित्राक जुलाईएक शास्त्र। क्हा कह कुनः कात নিবজন গমনকরে দ্বভক্ত ল অভঃপুরের वक्षमाष्ट्रियेन कहिशा योगीन वाशु (भवन कहिएड ষায় এবং অনল্লসংখ্যক ব'লবিধনা ভীপেঁৱ নামে কুপ্রবৃত্তি চরিতার্থ করবার উদ্দেশে জব ল্লাথদশনৈ যাত্রা করে। পাওারা যাত্রীদিগের যিনি যেমন ভাঁহার মন দেই প্রকারে যোগাইয়া থাকে। সভ্য কথা বলৈতে হইবেঃ অনিষ্ট প্রত্যে করিয়া মৌনাবলম্বন করিয়া থাকা উচিত হয় না। আমি দেশীয়দিগকে জিডাসা করিতেছি, জাগন থ কি কেবল স্থীলোকনিগকেই ज्याकर्मन करत्व ?. यख याजी (मथ। याग्न, जाहात মধ্যেকোন্বাজি শতকরা পাঁচজান পুরুষ (मधिश्राहिक्त? काशवादधत **উপরে भू**णविमाशव ডক্তিনাই : জগরাথও ভাঁছাদিনকৈ জাকর্ণ कर्नन ना। हेरात विटनप कात्रप आर्थः अभिक

পুরুষ গমন করিলে পাঞাদিনের তত লাভ ও একাধিপত্য হয়না।

·জগরাথ ক্ষেত্রের পথে কি হয়, বোধ হয়, खाश मकरल खार्बन ना। खेलूरविष्ठ्रा भर्य छ भा खाता महानमान्द्र बाजी निगदक लहेगा याप्तर ভাহার পরে ঐ বর্দারেরা ভিন্ন মূর্ত্তি ধারণ করে। সভাবতঃ ইংারা লৌহকায়; প্রভাহ বিংশতি क्यां भ भन्दर्भ भाग क्रिए भारत। कि श क्यां গত ১৬ : ১৭ দিবস বিংশতি ক্রোশ গমন কর। खीटनाक पिराय नाया भट्टा इया यात्रा खीटनाक দিগকে এই অনুষ্ঠ কন্ত দিয়া টানিয়া লইয়া यात्रा ताजिए भाषा राकृत खीलाकनिरगत মধ্যে শয়ন করিয়া থাকেন। ভিনি ভাছাদিগের রক্ষাকর্তা ; অতএব বিপদের অগ্রেই তাঁহার থাকা উ.চত। কিন্তু এই মহামতি বলিয়া থাকেন, '' তোমাদিগের এক জনকে সপে দংশন করিলে অথবা বংগ্রে লইয়া গেলে ক্তি মাই ; কিন্তু আমি প্রাণ্ড্যাণ করিলে ভোমাদি গকে কে জগন্নাথ দর্শন করিছে লইয়া যাইবে ? " नम्य दिन हिन्सा याजिशन क्रांख इहेसा १८७। কিন্তু পাণ্ডাঠাকুর ছাড়েন নাঃ ছই একটা खीताकरक वाष्ट्रिया लहेब्रा भएरमव। कतिएउ বলেন। এই ভজিপাশ জগরাথ কেতা ইইতে প্রত্যাগমন করিলেও অনেকের অনেক দিন প্র্যান্ত ছিল হয় না। প্রাতঃকাল হইবামাত্র পাগু। ঠাকুর গারোখান করেন, যাত্রিগণকৈও শ য্যাপরিভাগে করিতে হয়। রাস্তা অভি ভয়া নক সুত্ৰ পাথে বন স্বনে নানাবিধ ছিং আ ক্তন্ত আছে। বিলয়ও করিবার যো নাই। যাত্রি भाव इतिएक आहेख करावा। अस्य रवला इस् क्षात्र क्षेत्र विषय्यं । कित्र वार्क, अमन मन्द्र इक्री भीनकाम दालिका दलिया हिटिल, " शाखा ঠাকুর। আমি চলিতে পারি না; একট ঐ গাছ ভলায় ন ভাও। তই কথা ভানিয়া পাও। ঠাকুর, যে মধুর বাকের বালিকাটীর আশ্বাস করি লন, জামি তাছা মুখ ফুটিয়া বলিতে পারিলাম ना । बन्न विकारियात चार्य हिन्छ ना भातिरन মূর্য বলিদা যে ভাষায় বলীবক্ষের উৎসাহ বর্ত্তন করে, ঘাঁহার৷ সে বাক্য শুনিয়াছেন, ভাঁহারা কতক বুঝিতে পারিবেন। ছই প্রহরের সময়ে এক সর:ই য়ে আডডা লওয়া হইল: উৎকলের (मवरा (यमन कुञी, महाहेरमूत थामा प्रवास তেমনি, যেন সকলের স্মরণ থাকে। পাণ্ডাঠাকুর স্মান করিয়া এক ফোটা কাটিয়া যাহার নিকটে বে কিছু ভাল দ্রব্য থাকে, তাহা আহার করিছে बरमन । পাতা ঠাকুর পূজা कहिरलन ना এবং

जिन हाति भिवन अक वटल आड्नि, हेश (मिथ्या) व्यत्नक वृद्धिमञ्जी **खीरनारकत** मरक्तर हहेट उ थारकः किञ्च उथन कर्माटम श्रमण्य कता इहे शास्त्र, मा श्रीत नम्न कि करतम । किश्व व्यक्तिकारम ' कशबार्थत भर्थ साथ नाइ भ विलया भासा ठोकूरद्रद्र मकल ज्ञालद्वाच मार्क्कमा करत्। लाखा ঠাকুরের ভ আচরণ এই গেল। যাত্রিগণ স্নান आहण कतित्वमा अक शुक्रदिनीएण म्य ३८ खत মধ্যে জ্রীলোক 😘 পুরুষের স্নান হয়, ভাহাতে কত দুর লক্ষা থাকে ভাহা সভ্য পাঠকগণ বিবে हमा करूम । व्यादारतत शत शुननात देवकारन ঐ পথ হাটা হয় ৷ ইহার মধ্যে ধেধানে যাঁহার ণীড়া হইল, তিনি দেইখানেই বহিলেন। ' জগদীখ ানিয়াছেন ৯ অভএব ধাত্রী জ্ঞার অপেক্ষা করিছে পারেন না। गर्भा भर्भा नही পার ছইচে উংকলের পাটনী নোকা অভিলয় উচ্চ। পাছে নদীর বেলবং ভরকে ইজেলসম হয় এই আংশ ক্ষায় উচ্চ নৌকার উপরে বৃক্ষণাখা রাখিয়া ভাহাকে আরও উচ্চ দরা হয়। ইংর উপরে উঠিতে इहेल डेभत हहेल এक खन् हाड वितिष्ठ । नीरहत मिन स्टेप्ड अक जनएक (हेला দিয়া উঠাইয়া দিতে হয়। যে সকল ব্যক্তি অংপন জীর গাত্রে অন্যকে হস্তাপণ করিতে দেখিলে व्यक्तियर व्यक्तिया छित्रेन, डाँश्वा कानिर्यन, জগন্নাথ ক্ষেত্রের পথে সেইসকল জীলোকের হাত মাজিতে ধরে; পশ্চাতে পাণ্ডাঠাকুর নিজে वामिकत्र कांक्ष करतन। এই श्रकारन स्थानाथ ক্ষেত্রে উপস্থিত হওয়া হয়। সেখানে গিয়া থাত্রি গৰ কিদৰ্শন কংনে ? তীগস্থান ৰাজিস্থান ছওয়া উচিত । রিপুদ্মন ও সংসারের চিত্ত। গ্রন্থভি সকল গিয়া কেবল ধর্মাচন্তার মন নিবিষ্ঠ ২ইলেই তথায় যাওয়া সাপক হয়। কিন্তু যাত্রিগণ পুরীতে কি দর্শন করেন? ভাগরাথের त्राथ् कार्रात्र व मिनारत, मन्तिरत् (प्रशास्त যেখানে দৃষ্টিপাত করেন সেই খানেই অলীল চিত্র ও জ্মীল পুত্রলিক। দৃষ্টিপথে পতিত হয়। करमहरूत शत्रभाषं हिन्दा पृत्व यात्र । क्षारकत ঘুলা জন্মে, অনিকাংনের লক্ষ্যে দুরগত হয় এবং যাহাদিগের বুদ্ধি তরল, ভাহারা সেই সেই কার্য্যে শিক্ষিত্ত। হয় এদিকে চরিত্রসম্বন্ধে লাভের छ এই कथा भारत अमितक व्यथनश्रासाध विनक्ष লাভ হয়। যণ্ডা পাণ্ডারা নানা বাব করিয়া অর্থ দোহন করিয়া লয়। বাবও অল নয়। নিশান তুলা, রাজার কর ও দক্ষিণা দেওয়া, .আটকে বাঁগা ইত্যানি। ইহার কোনচীতে ৫০ কোন

টীতে ১০ আব কোনটীতে ৫ টাকা লাগে। এতছিন একটী কাজ **S**IMP দিয়া মন্দির বেষ্টন করিতে হয়, ভাহাতে ১০ টাকা পড়ে। বেষ্টন করা হইলে পাভাঠাকুরের এক বংসরের কাপড়ের गरशान रुप्ता এই क्षाकात क्षाफ वर्षाय है।का मिट इहा अहे वसारत्वा भाष या अकात हर्सा বহার কবে, পাছে স্ত্র'লোকেরা ভাহা বাটীতে আগিয়া বলিয়া দেয়, এই নিমিন্ত এক স্থানে अक्ष्यन मध्य । श्वर्भी सहस्य थाएक । इह छोता । দিরা সেই ঝাটা খাইভে হয়। এই ঝাটা খাওয়। वरु भूगा। वाँ हि। माहियात भूटत या बीटक स्वीका कराहेश्वा लक्ष्या रूप. भट्ट धारा इत्याट्ड छ इहेट्ट (मक्षा मृत्य कानित्न मनुमाप्त अन्त ध्वरम इहेग्रा কুসংস্কারবিশিষ্ট याहेद्य । क्षीरनारकता ভাষে কোন কথা প্রকাশ করেন না। পুরীতে মাসিয়া অম্বিচাবের সহিত মন্ত্রনর বিচার थ'रक मा। लखन उ मारकष्ट्रदेव पविद्यानस्य क्विम प्रतिप्रभागतिक विभक्ष मित्रसम এक शृह् জ্ঞীপুরুৰে থাকিতে হয় গ কিন্তু ঘাঁহাছিলের আমার প্রচুর ধন, ভাঁহারাও পুরীতে পিয়া অপ রিচিত্রপুরুষের সহিত্ত এক গুড়ে শ্রন করিয়া থাকেন। কটক থিড এক জন বুর্থ লম্পট এই সুখ আছে ব লয়। প্রতিবৎসর জনমাথের দারা আক্রষ্ট হইয়া প্রীতে গমন করিত।

এইমাত্র খনিষ্ট নয়। ধনি ছই একটি उद्योदनाक मञ्जी काष्ट्रिया याध्र, ভাহাদিনের विश्वराज्य भीमा थाएक मा। द्रद्यंत भगत्य **स्ट्रेट्ड** নব্য ভারতবর্ষ करत्रक ममानि ধ ৰ্ছ अहिता পাঞাগণ এই खोटलाक्षित्रतक , छशादम्ब मिन्छ विक्रम करत। देशमिनरक अधरम কোম্পা নির বেলার বলা ২৪ , কিন্তু সম্বলপুর পার হই-লেই এ হতভাগনারা আনেতে পারে, ভা্যাদি भटक क्रांन अक भूत्रविभाष्ट्रत अञ्चल्लाहरू में कं हरात कि भेख वहेंग्रा गालगा रहेक्टर । ক্থন ক্থন পাশুটোকুর নিজে লোভ সম্বরণ क द्रुट्ड मा भारतभा इंट बक्टी मांबीदक हितक। লের জন। সেবাদাসী করেয়া রাখেন। যাঁছারা অমেলিগের কথায় অবিধাস করেন, তাহারা ১৮১७ अरभन करेरकत वाजुनानरपत दिशाहे श्रु क दुर्वन । अक्री खोरलाक अहे धकारत भा धात वाहीएक तन्छ हहेता उमाउ रहा, भरत পুলেय ভাছাকে ধারয়। কটকের বাছুলালয়ে ध्यक्ष करत्। (म ब्युरताभाना छ करिया अपूराध বাক্ত করে, এবং পাঁওার দও হয়।

জ্গরাথকেত্রের পথের এই ছর্গতি। এই ছর্ন্নবেহার। আহার ও বাসস্থানের কটের ড

কথাই নাই। কভ জীলোক এই ভীর্ষদর্শনে। এপ্রেল ৮৫ গণিত ইউরোপীয় রেজিমেন্ট মূল গিয়া প্রাণত্যাগ করিয়া আপন আপন স্বামী ও সন্তান:৮গকে অকুল ছ: থসাগরে ক্ষেপ্র করেন। কড **ন্ত্রীলোক প্রাণ আপেক্ষা বছ্যুল্য** সভীত্র হারাইয়া চির কাল কলক্ষিত হইরা নিজের মনঃপীড়াঃ আজীয় জানের অপনান ও শোকের কারণ হয়। এক্ষণে সেকেরে দলেব ক্ষমতার শেষ হইয়াছে । কিন্তু প্রাচীনদলও ত্রিক্টের থাইবার পক্ষ নতেন। আমি কুত বিদ্যদিগকে জিজাসা করিভেছি, কাঁণরা কি পরিবারকে এই কুস্থানে আর প্রেরণ করিবেন ? আমাদিগের যদি বিদ্যানিকাও সভাতা নাম भाज ना स्टेशा थाएक, धनि कामानिएशत कर्डवता कर्द्धता काम कमिशा थाएक, उर्श १६ त अहे **८७ छात्रज्ञां भएक एक या**हेत त श्व दक्क कता উচিত। আমরা মনে করেলে একরে ইহা উঠা ধ্যা দতে পারি। একবে জিজাস ছেইডেচে ইহা আমরা করিব কি মা ? আমি গবর্গমেন্টকে অসুরোধ করিতেছি, কুলিসংগ্রাহকদিগের ন্যায় যাত্রিসংগ্রাছকদিশের অনুমতিপত্রগ্রহণের নিয়ম করা অভিশয় কর্ত্তর। ইহাতে ধর্মের উপরে হক্ষাপুণ হইবার সভাবন। নাই।

- জীবিঃ

—°0°—

#### অমৃতবাজার চক্র।

মহাশ্র! প্রেডডব লইয়া ও মৃতবাজারে মহা আন্দোলন হইতেছে এবং অমৃতবাজার পত্রিকাতে যেরূপ প্রবন্ধগুলি লিখিত হইতেছে, ভাহতেও সহসা অবিশ্বাস করা যাইতে পাবে ना। किन्न जामामिरभन अक्री मानम अहे ए. অমৃতবাজার চক্রের সম্পাদক মহোদয়গণ अक्री पिरम धार्यः कतिया व्यामानिभरक लिएधन কিছা সোমপ্রকাশে প্রকাশিত করেন, সেই দিবস আমরা এখান হইতে কি মনন কবিতেটি, তাহা যদাপি "মিজিয়ম" লিখিতে কিয়া কহিতে পারেন, ভাষা হইলে অবিশ্বাসের স্থার কিছু মাত্র কারণ থাকে না। মহাশয়! অপ্রহপূপক এই পত্রথানি প্রকাশ করিয়া চক্রের সম্পাদক মহের্দয়দিগকে অন্ধুরোধ করিয়া বাধিত করি-বেন কিম্বিক্মিভি।

क्रीमरहत्वनाथ द्रम् । 1 76 46 12 きょく

गल्लाक वर्धाया गल्लाह नकार (दल ८ श्राण अक लड्डाकत का ७ घिषाट्य। १ की रे२१ € देवनाथ हरेट के देव

ভান হইতে মিয়ান মিয়ারে ঘাইতেছিল, এক দল टेनना कापनामिरशत ममूलाय स्वतः लहेशा अमन করাতে ৬২ খানি শকট যোজনা করিতে হয়। এরপরহৎ শকটভোণি এক জন সামান্য প্রহ রীর অধীনে প্রেরণ করা অপরামর্শসিদ্ধ জ্ঞান করিয়। বিভাগীয় খাণিঞ্চডেত্বাবদায়ক ক্রফটন স হেব নিজে গমন করেন। চরু আডভায় আসিয়া কলের একটী নল স্ফীত হওৱাতে কতক विलश्व रहा तां जि । हो। ६० मिनि हे नमर्य मन्हें গমরি আডভায় উপনীত হইলে ক্রফটন সাহেব (मशित्मम, 'उप'कांत गावजीय हे छे दाशीय कर्य চারী সুণাপানে উন্নত আছে। ঠেননমাষ্টার নিজে বিবল্পথায় হইগা মাডিডেছেন ! ফুডন कल लहेशा अभन कता श्हेरिक हर, अभन मन्द्र পথিমধ্যে ক্রেফটন সাহেবের শকটের গবাক্ষ দিয়া এক ব্যক্তি উকী মানিতে লাগিল। ভাহাকে পুঠ করাতে দে বলিল, '' আমি ওকাড়ার ষ্টেসনু মাষ্টার।" ঐ বংক্তি মন্টগমরিতে আমোদ করিতে গিল্লাছিল। বয়েক জন মাতাল ইউরো পীয় দৈন্যদিগের মধ্যে প্রবেশ করিয়া উৎপাত कताएक करनेन स्वापन अञ्चार्क खाहा निजारक मुद করিয়া দেন। এই প্রকারে শকট ওকাড়াডে প্রভাৱিৰে মাতালগণকে ফৌজদারিতে দেওয়া হয়। মাজিটেট ওকাড়ার **ষ্টেসন মাপ্রারের ৪**০, এক জান বেলস্থাপকের ৫০ ও আরু কয়েক জনের ৫ টাকা করিয়া জ্ঞরিমানা করিয়া এডক্ষে শীয়দিগের নিকটে ইউরোপীয়দিগের সম্ম রক্ষা করিয়াছেন। মণ্টগমারির মাতাল ষ্টেসন মাষ্টার পদচ্যত ইইয়াকেন। এ দেশের শাসনকর্ত্তা मिरात এই এक खम खारह, इंडरता भी य इंडरल इं সচ্চরিত্র হয়। কিন্তু কার্যে। ইহার বিপরীত প্রমাণ হইভেছে। যেখানে মন্ত কর্মচারীর এত প্রাছ্র্রাব, সেখানে ছুখ টনা না ২ইবে কেন ১ धाकत त्यो धर्म किहू पिन इंडेर्सा भीव (अनत्कक নিগুক করিয়া শেষে বিরক্ত হইয়াছেন। ্রলভূমের ইউরোপীয় কন্মচারীদিগের অধিং কাংশই ছশ্চরিত। বিশ্বাসপূর্বক ইহাদিগের হত্তে প্রাণ সমর্থণ করিয়া আমরা রেলওয়েতে গমনাগমন করিভেছি। আমরা অতি মূচ। ত্রীবিঃ

মুল্য প্রাপ্তি। এীযুক্ত বাবু শ্যামাচরণ এীমানী কলিকাতা ১২१६ टेरमाथ इंडेटड आधिन @ || · " रेकलां गर्गाविक म**र्ज्**भागंत

काञ्चरभारोजा 10

» গোপীযোহন मञ्जूननात देहनानश्रुत ১৩ " উभावत्रन व्रद्धीलाशास्त्र ১८१४ देवनाच रहेरछ देहज 30 ---;0;---

### माम श्रकामान का कर वक्की

# विद्यांच नित्रम।

क्षिम भूला ও फारुमाञ्चल मा शाहरल मक-वर्त (गांभक्षकान (ध्वत् कृत् साग्नु ना।

ইহার অতিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং ষাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা গমফস্বলে ভাকমাস্থল সমেত বার্ধিক ১৩, যাণ্যাসিক ৭ এবং ত্রৈমা-সিক ৩৬ । তিন মাদের ফুনে অপ্রিম মুল্য গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিটি, মণি-অডর, নোট ও ষ্টাম্প টিকিট, ইহার জন্যতর যাহাতে যাঁহার স্থবিধা হর, তিনি সেই উপায় ষারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

याँशता श्रीकाषिक भाष्टीहरूवन, दीहातः যেন এক অথবা আধ আনার অধিক মূলেরে अ त्रनीरमत हिकिहे (अत्र । ना करतन।

যখন যিনি মফস্বল হইতে সোমপ্রকাশের मूना भाठाइटरन, छाइ। यन রেজিষ্টরি করিয়া শ্রীযুক্ত ছারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-

ব'হাদিগের মূল্য দিবার সময় অভীত হইয়া আসিবে, এক মাসপুকো ভাছাদিগকে চিষ্টি লিখিয়া জানান যাইবে, কাল অতীত হইয়া গেলেও এক বার চিঠি লেখা হইবে, ভাহার পর একমাসকাল প্রভীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা यहिरव। त्यय वारतत शद्ध विद्याति शामान हरेरव ।

মাতলা রেলওয়ের দ্যোগপুর ষ্টেসনের ডাক ষরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

याँ हाद्री माञ्चल ना निज्ञा शद्धां पि स्थान कवि বেন, তাঁহাদিগের সেই পত্রাদি এহণ কবা याहरव ना।

কেহ সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইচ্ছা করিলে ভাঁছাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংক্তি 🎺 আনা ভাহার পর 🖊 ১০ আনা দিতে হইবে। যিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা করি-বেন, তাঁহার সহিত অভত্র বন্দোবস্ত হইবে ।

🕶 এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পূর্বা মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চাশকিপোতায় এীযুক্ত দারকানাথ বিদ্যা-ভূষণের বাটীভে প্রতি সোমবার প্রাতঃকালে একাশিত হয়।

# সোমপ্রকার

৮০ ম জাগ

२৯ मरभा

# " प्रवत्तनां प्रकृति इताय पार्थिवः सरस्वती श्रतिमहती न ही यतां।"

যাদিক মূল্য ১ এক জ্বজিম ৰাষিক ১০ দশ্ व्यक्ति मान्। निक था मार्ड माठ नेका।

সন ১২৭৫। ১৩ ই জোষ্ঠ। ১৮৬৮ ২৫ এ মে । বাল্যাসিক ৭, ও জৈমাসিক ৩৮০ টাকা

# বিজ্ঞাপন।

भश्किवि मध्याकार्यात कुछ मनकुनाव छ वि-তের পূর্দানীঠিকা নেপালম্ব পণ্ডিড জ্রীনুক্ত ভগরু বলভ পত্ত কর্ত্তক এই প্রথম প্রকাশিত এবং प्तिनाशकार्व मूचिक हहेल। मूला ॥ · आहि আনা ডাক খাস্থল এক আনা।

কলিকাভা সংবাদ জ্ঞানবন্ধাকৰ যন্ত্ৰ নিমতলা স্থান ৩২ সংখ্যক ভবন

গ্রীভূবনচন্দ্র বসাক

এতদ্বারা সর্বা সাধারণকে অবগত করা যাই एड (य. ১৮৬৮ हे९ ७७ हे खन महनवात (वना इहे श्रक्तत नगन्न ६ कृष्टित सून्न केंक छ। ব কা সরকারি হস্তিসকল ঢাকা সরকারী भिन्यानः एक मर्स्ताक **कारक नौनाम इहेर** कर। ক্রমেক্তুকগণ উক্ত দিবস প্রোক্ত স্থানে গিয়া ক্রায় করিছে পারিবেন। ইতি সন ১৮৬৮ ইং ৬ ই মে।

ঢাক। আফিস।

খেদা স্থপরিকেটেওেন্ট !

# বিক্ৰয়াৰ্থ।

গারভেন রীচ ২৪ নং বাটী গুলামসহ ১৯ নং কোডা বাগান।

ভাড়া দেওয়ার নিমিত্ত 1 গারডেনরীচ ২৪ নং বাটী।

উপরি উক্ত বাগান ও বাটী যাঁহারা ক্রয় कतिए अथवा छाड़ा सहैए हेक्स करवन, निव আক্ষরিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেণ্ডারস্ আর্রো-খনট এবং কোং

পুরাণপ্রকাশ। কলিকাতা মূজাপুর আমহাউসের দক্ষিণ

কাৰ(প্ৰকাশ যত্নে পুৱাণপ্ৰকাশনামক সাম য়িক পত্ৰ প্ৰ**ভিনাদে এক বা হুই খণ্ড ক**রিয়া প্রকাশ হইটে আরম্ভ হইমাছে। প্রত্যেক খণ্ডের পরিমাণ ৮০ অশীতি পৃষ্ঠা। ইহাতে ক্রমশঃ অষ্ট্রা দশ পুরাণ ও উপপুরাণ বাঙ্গালা অনুবাদসমেত প্রকটিত করিবার কল্পনা আছে ৷ প্রথমতঃ বিঞ্-পুরাণ অসুবাদ ও শ্রীধরগোশ্বামিকুত টীকা সমেত মুদ্রিত হইভেছেঃ ১ লা বৈশাথ বিভবণ আরম্ভ হইয়াছে। ধিনি ইহার গ্রাহক ইইতে অভি लायी इन, जिनि कलिकां जा मश्कु ज विष्यान हा আমার নিকট পত্র ডাকমাগুল ও প্রতিখণ্ডের मृत्र अधिम॥• आषे याना कविहा शार्फः इटवन। ঘাঁহারা নিয়নিত প্রাহকতে বীভুজ নহেন, তাঁহা দের নিকট প্রভ্যেক খণ্ড নগদ ১ এক টাকা মূল্যে বিক্রন্ন করা ঘাইবে।

८ वे दे ठे ज १ ११६८

े जी अगरमाहन भन्दा।

সংস্কৃত মেদিনীকোষ গুরুহ শক্তের চীকা-দমেত উত্তম নাগরাক্ষরে যম্বপূর্দাক মুদ্রিত হই তেছে। যিনি গ্রাহক হইতে ইচ্ছা করেন, তিনি চাকা কালেছের সংস্কৃত অধ্যাপক শ্রীযুক্ত বাবু <u> সোমনাথ মুখোপাধ্যায় মহাশায়ের নিকট অথবা</u> কলিকাভা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে বা কাব্যপ্রকাশ যন্ত্রে আমার নিকট পত্র পাঠাইবেন।

३५ इ टेइज ३२१८ मःऋं छ विन्तानम् । े जी अगर ग्राह्म भन्दा

অভিধান।

मकाम् ६ শব্দাপ প্রকাশিকা শব্দ সিস্কু শকাৰ্থ মুক্তাবলী শব্দার্থরম্মালা

to an experimental on the experimental and the second of t	land were t
শব্দার্থ প্রচারিকা	c
প্রকৃতিবাদ	, r
সংস্কৃত পুস্তক	
র <b>যুবংশ সচীক</b>	• चं
উত্তর বৈৰণচরিত	٠ ١١ -
ভট্টিকাৰ্য	8 •
অষ্টাবিংশতি তত্ত্ব	७६
দ <b>শরূপক</b>	رهه د
কলিকাত। ) জীকেদারনাথ	वटमहानाभहात्र
কর্ণ ওয়ালিস উটুট ১৭৭ নং পুস্ত	কবিক্ষেত্রণ।

कतिकाछ। मश्कृष नाहेरवती खं कारनद ষ্টিট ১১ সংখ্যক ভবনে শ্রীযুক্ত বরদাপ্রসাদ भक्षमनारतत्र भुखकानरम, खीयुक वांदू म्दिक्ट কুমাররায়টোধুরিপ্রণীড," ভব্তপ্রকাশ " বিক্রীত । देशकाईड़

বারুইপুর ६ हे हे ज 12981

<u>জ্রীরাজমোহন বস্তু</u>

রাণীগঞ্চ পটরি কোং निमिटिष ।

মেজিয়া করিবার স্থাচিক্রণ টাইল ৷

ঐ কোম্পানির মিসনরোস্থিত ৪ নং আফিসে ऐहांत्र नमूना (प्रविष्ठ भाउम्रा याम्र এवर यपि কাহার প্রয়েজন হয় ঐ আফিসে অসুমতিপত্র **পाठाहेऱा मिरवन**ा

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুস্থকালয়ে ও পটোল ভাঙ্গা বাড়ুঁ যে( ব্রাদার কোম্পানির দোকানে ম প্রণীত ও সংগ্রচারিত নিয়লিখিত পুত্তমন্ত্রি বিক্ৰয় হইভেছে:—

প্রণীত

এীসইডিহাস

রোমইভিহাস
ভিদ্রসার ব্যাহরণ
নাতিসার (১ ম ভাগ )
- গতিসার (২ য় ভাগ )
- গতিসার ব্যাকরণ
নাতিয়া

<u>জ্ঞী হাবকানাথ শর্মা।</u>

শক্ষর জন্ম অভিধান। সর রাজা রাধা
া ও দেব বাহাছুরের রুড। উত্তমকপে

া গাল দিয়া সূতন বাঁধান মূল্য ২৫০ টাকা।

ব্রবোধিনী প্রিকা প্রথম কর্ম, মূল্য

৫০ টাকা।

-----

--------

- ঞ্জানস্চন্দ্র বেদান্ত বাগাঁশ।

শক্ষাপপ্রচামিকানামে এই থানি স্থানি বিশেপ নবাভিধান, থাহাতে প্রাকৃত ও বাবনিক শব্দ ভিন্ন সকল শব্দেরই লিকভেদ্ধ ও বাতুর উত্তর কুলাদি ও শব্দের উত্তর তদ্ধিত এবং উণাদি প্রাক্ত কইছে নানাবিধ প্রভারানন্তব প্রায় ১৫০০০ কালের মন সংগ্রহণুর্ফক ৮ খন পুঞ্চায় ভারত কইয়াসে, যাঁচাদিগের প্রয়োজন করিব, নিছার ঘটতলা ২৮৫ মন পুজুবালয়ে ও প্রোড প্রস্কান করিল প্রাপ্ত কইবেন। ফুলা ও টাকা কিস্পক্ষান করিল প্রাপ্ত কইবেন। ফুলা ও টাকা কিস্পক্ষান করিল প্রান্ত বিদ্যানিক এব টাকা কিস্পক্ষান করিল প্রান্ত বিদ্যানিক এব টাকা

বিটোটা খ্রীইজনারায়ণ ঘোষ।

# विभिन्नात नमी।

স্ন : ৮৬৮ সালের মে মার্গের ৮ ই এইছে 23 ই পর্যান্ত ভাগীর্থীননীর সর্গ্রন ভি ভালের সাপ্তাহিক রিপোট।

खात्मत नाम पृष्ट है के स्वानात उपन अवानात उपन अवानात उपन अवानाति उपन अवानाति उपन अवानाति उपन अवानाति उपन अवानाति उपन अवानाति अवानाति

সন ১ ৮৬৮ মে ম'হার ১৮ ডারি**খে বহরমপুর** গজ ঘাটের জলো মাপ <sup>হ</sup> ফুট ইঞ্চ

ৰাজন্মপূৰ ১৮ ছ মে ১৮ ১৮ । আযুক্ত টি, হেন্স উইফ, সি, ই, এক্জিকিউটিব ইঞ্জিনিয়র অহর্মপুর ডিবিঙ্গন

### সোনপ্রকাশ।

১৩ ই কৈছে সোমবার। কন্যাবিক্রয় ও প্রতিনিধি সমা**ক**।

অনুধাবন করিরা দেখিলে কন্যা ও
পুত্র উভরই সমান, উভরই তুল্যরূপ
স্মেহের পাত্র, কিন্তু কন্যাবিক্রেরকারীরা
স্মেহশূন্য হইরা গোমেয়াদির ন্যায় সেই
কন্যা বিক্রেয় করেন। এটা যে অভ্যন্ত
গহিতি কার্যা, তাহা প্রতিপন্ন করিবার
নিমিত্র আমাদিগের এক জন পত্রপ্রেরক
কৌতুকপূর্ণ একখানি পত্র প্রেরণ করি
গাছেন, আনরা ভাষা, যথাস্থানে প্রকাশ
করিলাম।

কলা অধিক জালে কি পুত্ৰ অধিক ऋत्या. এই कथा अहेबा वल मठामठ আছে। জগদীখন খভি প্রায়পূর্বক বাব-ভীয় বিদ্যোৱ স্থাটি করিয়া**ছেন সন্দেহ** নাই। মারুণ বিভিন্ন দম্পতীপ্রণয়ক্ষ ভোগ কটিবে এবং ফটি অবিলুপ্ত ও পরি বর্দ্ধিত হইবে, যদি ভারার এরপ অভিপ্রেত हत् ही ७ शूक्त मम मर्थाय रुखे ছইয়া থাকে, এইরূপ **অনুমান করাই** মজত বলিলা প্রতীয়মান হয়। পুরুষের সম দংখার বা অধিক পরিমাণে স্ত্রী জন্মি-त्मछ दक्ष: मट्म (की नीना, वस्र विवाह অবিবাহনিবস্থান **এव**॰ विश्वतिपात কন্যা একান্ত হল ভ হইয়া উঠিয়াছে। যে বস্তু তুল ভি হয়, ভাছাই বহুমূল্য হইয়া পড়ে। অত এব বঙ্গদেশে কন্যাগণ বে পোমেবাদির ন্যায় বিক্রীত হইবে, তাহা বিসায়ের বিষয় নছে। এ কাঞ্টী যে নিভান্ত গহিতি, তাহা এ দেশের শাস্ত্র कारतता ও ভদ্রেশিক্ষাতেই বলিয়া थादकन। अञ्मूलक वन् निकं घिटि एट

অবং দেশের উন্নতিরও বিলক্ষণ ব্যাঘাত

কলিতেছে। কন্যাবিক্র্যকারীদিনের

অর্থের প্রতিই দৃষ্টি থাকে; বরের গুণ
দোবের প্রতি দৃষ্টি থাকে না। দানশবর্গীয়া কন্যাকে অশীতিবর্ষদেশীয়ের
হস্তে সমর্পণ করিলে যে কত অনিউহ্ন,
অস্তবশীল ব্যক্তিমাত্রের সেটা বিলক্ষণ

কানা আছে। যত অধিক পরিমাণে
স্বেদ্ধান ক্রেম, ততই দেশের উন্নতি

হয়। অশীতিবর্ষের র্দ্ধের, সহিত দাদশবর্ষায় কন্যার বিবাহ হইলে স্ব্রদ্ধান

ক্রিথার সন্তাবনা থাকে না।

এ দে!বের উন্মলনের উপায় কি ? পত্রপ্রেরক গ্রন্মেন্টের হস্তরারা উহার উন্মলন প্রস্থাব করিয়াছেন। কিন্তু আসং। हेशास्त्र मध्य छ नहि। ११५ (२००३) व्यापा-নিগের সামাজিক বিষয়ে হস্তক্ষেপ করিলে বহু অনিউ ঘটিবার সন্তাবনা আছে। সমাজত ব্যক্তিদিগেরই সমাজের (मानगर्भावन (हक्ते। भाउता कर्डवा। কন্যাবিক্রা ও বত্থিবাহপ্রভৃতি সামা-किक (मात्रगर्भाधनार्थ नवामस्थनार्यत একটা মভা করা উচিত। মভা করিয়া **এই मक्ल कांख क**िंद्र भीरितन्हें দেশের যথার্থ উপকার করা এবং আপ-নাদিগের ক্ষতাপ্রকাশ হয়। আমরা পাইতেছি, नवामख्यनार्यत কতকগুলি লোক রাঙ্গনীতিঘটিত একটি मुडन প্রতিনিধিদমাজ করিবার চেষ্টা পাইতেছেন; কিন্তু এখন উহার তত আবশ্যকতা দেখা বাইতেছে না। এখন এ দেশে যে ভারতবর্ষীয় সভা আছে, তাহার দ্বারা আমাদিগের ইফীদিদ্ধি হই-তেছে। ভারতব্যীর সভাকে অনেকে कभीमार्तनरभव मा भरन करतन ; किन्न আমরা ভাছামনে করিনা। সভাও দে कथा बरलन ना। जात्र जवरवंत हिन्द्री (य क्लान क्लाखांव रहा, मज़ा खाँदीट छहे यथन इन्हरकार करत्रन, जैथन आमत्र।

কিরপে স্থির করিব যে ভারতবর্ণীয় সভ। क भीमात्रिमरशत मुख्या नामपाता है है। প্রতিপন্ন হয় না। তবে এ সভাগ প্রবে-শের একটা প্রতিবস্থাক আছে দভা হইতে গেলোকছু অধিক দিতে হয়। मजारक कि विश् अन्त्री श्राहरनंत अनुरत्री ध করিলেই দে প্রতিবন্ধক দুরীভূত হইবে। उत्यक्ति मञ्जादम अपूरतीय तथा ना करतन এবং जभीमात ও প্রজা উভয়ের चार्थ शहन्त्राविदराधी इहेटल क्तिवन काभीनाट्य तहे चार्य खादावण काद्य म. তাল হইলে নব্যসম্প্রধায়ের স্বচন্ত্র সূভা প্রশংসনীয় হইতে করিরার চেষ্টা পারে। এ স্থলে আমাদিগের আর একটী বিবেচনা করা কর্ত্তব্য, আজিও আমা দিগের রাজনীতিসংক্রান্ত যাবতীয় স্বস্ত লাভ হয় নাই; দে বিষয়ে স্বাধীনতাও জ্মে নাই। এথন আমাদিগের সকলকে ধদ্ধপরিকর হইয়া একবাকো ইংরাজদি-গের হস্ত হইতে 🔄 সকল স্বত্ত ছিনিয়া लहेट इंटेर : किन्नु এখন यनि आमानिर्भत घटतत मर्था आध्यता इत, रम अजी छ শিদ্ধ হওয়া ত্রুর হইয়া উঠিবে। ইংলতে টোরি ও ভ্রগ এই যে 🗗 । দল হয়, কোন্ সময়ে তাহার সৃষ্টি হইয়াছিল, তাহার 'हेजिहान व्यवस्य दृहित्त नवामच्यानाश व्यागानिरात वारकार्त चुन्ति क्रमशक्रम করিতে পারিবেন।

উপরে শেরপ প্রদর্শিত হইল, তদ্বারা স্পান্ট প্রমাণ হইতেছে, রাজনীতিসমুস্থে আপাততঃ স্বতন্ত্র প্রতিনিধিনমাজ স্ফির প্রয়োজন হইতেছে না; বিস্তু আমরা হিন্তুদমাজদংশোধনার্থ বে সভার স্থান্টর প্রস্তাব করিতেছি, তাহা না হইলে আর চলিতেছে না। অতএব আমরা উপদং হারকালে নব্যসম্প্রদায়কে বিশেষরূপে পুনরায় অনুরোধ করিতেছি, তাহারা রাজনীতিসংক্রান্ত স্বতন্ত্র স্ভা প্রতিষ্ঠার হেন্টা পরিত্যাগ করিয়া সমাজ

সংশোধনার্থ আশু একটা সভাত্থাপন করুন। আমাদিগের দেশে একণে রাজ-নীতিঘটিত সমাজ অপেকা এরপ সভা-রই অধিচ প্রয়োজন।

-- 300---

भागनकर्ष्ट्रभक्त ও स्मर्गत गर्म। एरेग परलत वर्डमान व्यक्तियक छव লিউ ই, গ্লাডটোন সাঁহেৰ প্রায় ৩. বংসর হইল এক গ্রাস্থাগ্রন করিয়া বলিয়াছিলেন, লোকের জীবন ও স্পাতি तकात महक महक धर्मिका निशा सकत সাধনচে টা করা প্রত্যেক গ্রেণ্ডের কর্ত্র কর্ম। ভাঁহার মতে যেমন শাগন ও বিচার কার্যোর নিমিত্ত বেতনভোগী কর্মচারী রাখা হয়, তেমনি পুরোহিত নিয়োগ করিয়া ধর্মরক্ষা করা উচিত। আরারলত্তের অধিকাংশ লোকে কাথ লিক; ভথাপি প্লাডটোন সাহেব বলি ाছिल्नन, यथन इंश्लखीय भवर्ग्यमण প্রোটেন্টান্ট হইতেছেন, তথন আয়ার लट्छत ११वर्गस्यन्तेमः कान्य धर्मामस्थानाद्यत প্রোটেন্টান্ট হওয়া আবশ্যক। এ বিষয়ে কার্থলিকদির্গের প্রদত্ত কর ব্যয় করা প্লাডফো্ন সাহেবের মতে অন্যায় নয়। তিনি ইহার এই কারণ এদর্শন কাথলিক अ जा शन অভ্ততা নিৰ্ফন কোন কথা বলে আর গবর্ণমেন্ট বুঝিতে পারেন তদ্বি পরীত কাজ করিলে ভবিষ্যতে প্রকা मिर्गित शक्ति मझन इंटर्न, जाहा इंटर्न প্রজার আপত্তি আহ্য করা বিধেয় হয় না। পুর্বের যেনন লে) হশুগল এড়তি षाता विक्रम मजावनशीनिश्रदक धर्मा स्टत আনিয়ন করিবার চেন্টা করা হইত, প্লাড क्लाम मारहर कतामी विश्लद्वत शत श्रं नवटका रमध्यकात अञ्चलकात कतिवात প্রস্তাব করিতে সাহসী হন নাই; কিন্তু এত দুর বলিয়াছিলেন, যাঁহরো ঘথার ( शवर्गरण्लेत ) धर्म श्रह्न क्षित्वन, उँ;इर

किंगटक मर्ख्याकात डेक श्रम अमान कता रहेरव । जनविध आधातला अञ्चलकु गांती কাৰ হইয়া আসিতেছিল। এক্ৰে ফেনি शानिकात प्रीतारचा देशनकीय लाक দিপের চকু উন্মীলিত হইয়াছে। ভাঁহারা। चौकात कतियाए हन, কাথলিকদিগের **होकांग्र ८५१८हेकोले शुरहाहिङ्**मित्रदक (वंडन श्रामा करा अविष्ठांत ও राज मीडिविक्क कार्या। इंडेरबादलब मदश ধর্মদরকো গোড়ামীতে স্পেন সর্বপ্রধান; তাहात नीटिहे हेरलेख। हेरलेट बाहेन খুন করিতে পারেন বটে কিন্তু ইহাঁদি গের প্রতি যে ঘূণা প্রকাশ ও প্রকারা ভুৱে ইহাদিণের যে প্রতিবস্থাকতা করা रुष, ठाहाट इस्प्रियल के साधीन है। দান বিফল হয়। খৃকীয় ধ**েম**র প্রতি লো কের অনুরাগ ক্রমশঃ ক্মিয়া আদি তেছে। ফরাশী বিপ্লবদারা নির্বাণ প্রায় যে ভক্তি পুনরুদীপিত হইয়া ছিল, তাহা পুনর্কার নির্কাণ হইতে বদি য়াছে। ফুান্স ও আমেরিকার স্বাধীন চিম্থাশীল লোকেরা দক্ষ প্রকার গোঁড়া भीत विटलपठः शृषीत धरमत मूल আঘ;ত করিয়াছেন। আমেরিকার গ্রণ্ (मन्द्रे कान धराँदक चाइनदाता वस्त्रम করিবার ঢেটা পান নাই। খামেরিকার भामन श्रे शाली, करमतिकात साथीन हिन्द्रा এবং আমেরিকার উন্নতি ইংলপ্তের আদ শ্বরপ ইইয়াছে। এই হেডু যে গ্লাভ ষ্টোন মাছেব জিংশং বংসর পূর্বে গ্র র্ণমেন্টকে শাসনকর্ভ:তার সহিত ধর্মযাজ ক্তার পদগ্রহণ করিছে অসুরোধ করি য়াছিলেন, তিনিই একণে মহাসভায় श्रञ्जाव कात्रहाट्डन, जाहात्रन्य अर्थ সম্প্রধায়ের সহিত রাজ্ঞীর কোন সংস্তার রাখা উচিত नहि । यमकल (প্রাটেউ। ने পুরোছিত সরকারী বেতন ভোগ করেন, তাঁহার মতে উাহাদিগকে ছাড়াইয়া

দেওয়া কর্তিব। মহামভা এই প্রস্তাব প্রাহা कतियारहम । है॰ लटछत्र क्यांसकाः म cकारकात अ अहे भ छ। डिमर्टर्सन मारहरू ्धाँ।इ'म्दात कक कन खिल्लावकः, ভপ্রণি ভিনিও স্থীকার করিয়াছেন, আয়ার লাওর প্রতি অধিচার হুইবাছে। ভিনি टाव को साज का किहिन्द कथा वर्तनम, ্রাটেড়াট্ট ধ্রাসম্প্রকার গেমন ভাতেন তেগনি থকেন, একটা কাথলিক বিশ বেদ্যালয় ও কয়েক জন কাথলিক পুরে: হিতহ্টন। ফলতঃ কাথলিকদিপের টায়ে ट्याटि**छे कि**न्द्रशत निन्ति । दास कहा নে অভিশয় অন্যার, ভাষা কি ভিদcafe गारहर, कि का छ। a ति व के कि বিশপ এক**লেই স্বীকার** কলিয়াছেন। গ্রাড্রেটান সাহের আপনার থৌবন কালের শংকার ও মত তাগে করিয়া **এক্**ণকার गक्तारामञ्चलका दलिहार्हन।

चारात्रकाखत भएक जातकररवास य कार्सात अञ्चलान कता इहर टर्फ, छात তবর্ষের পক্ষেও ভারার অনুকান অভি শ্র **ভাবেশ্যক**। **ভাষোর**লত্তের গোলের। ুকাথলিক বটেন, কিন্তু ভাঁছারা খৃন্টী খানি; ইংলও ও আরোর লভের ধর্মের মুলগত অনৈকা নাই। পকাছরে ভারতবর্ষের ধর্মের দহিত খৃতীর १८भाव **भट्ट अंग्रे**ड । किन्सुटा अ. २८ची ল 🕆 করেন **; মুদলমান**দিগে: চক্ষে এটা जनाजार **धर्म दिल्ला आ**की तमान के এবং এথাননার তাক্ষেবা প্রাক্ত মার্চ্চিত উপধর্মাত জ্ঞান করেন। হুখন কাণ্ডলিকপ্রধান আয়ারলতে সর कारी (वजनःकाती श्रुरशांक्ड राया অন্ত্রে বলিয়া এতিপার হইতেড, তথ্ন ্ছিলুন্দল্মানপ্রধান ভাবভর্নীয় দিপের টাকরে খুকীন পুরোচিত জড়ি পালন করা বে কভ দূব অনায়ে ভাহা ২:হত্তে রুঝা যাইতে গারে। প্রাভাটান सारहर यथन इंश्लखीत अवर्ग मालीत प्रा

\_\_\_\_\_\_\_\_\_ मश्रक्त वर्ज्य कहिवात क खारवह ममिथक দপক্তা কটেন, তিনি তথন ও ভারত-वर्गीय नावर्गः नावर्गः नावर्गः हो देशकाय भू की । शूटलाइ 5 लाभवात श्राप्तवान করিরা বলিধাদিলেন 'ভারতবর্তের भाषितकामा अन्यमः अव লোকের দ্বারা শব্দাদিত হয়; প্রজাদি গের দং গা উ'হালি,গর অপে**ক্ষা অনেক** গুণ অধিক এবং সেই গ্রহাপণ ভত সভা নতেন। উংহাদিগকে বলপুর্বক শাসন করা গ্রবন্মেটো সাধায়ত নয়। পিতা <u> বেলন অভ্যাস্থানের আপতি অগ্রাহা</u> करिया (येषी जाल, जाहाई करतन, जातज 4र्ष धर्भमध्यम जिप्तिंग भवर्गरमध्य ভাগ কর। নারাসুগত হয় না। ভাঁচারা থে প্রজাগণের *ঘ*র্টের উপরে **হস্তক্ষে**পণ্ করিবেন না, ভাঁহাদিগের ক্বছস্পান্ট প্রতি জাহারা তাহা নিনীত হইয়াছে। " ব্রেটিশ গবর্ণমেন্ট বাঃম্বার অঙ্গীকার कतिशार्णन, अकामिलात धर्मात डेलरह ८। राज करम इख्याक्ष कदिर्दन मा। ফ্লাইৰ অৰ্থি লাড তলগিন প্ৰাণ্ ঠাধারা ভদসুদারে কাজ করিয়াও আদি शास्त्र। किन्न (कान क्लान जः मि के श्रीच्छा ७५ करा इहेश्स्ट । छाँडाश श्राप्त मन्य कश्रीकात उभरता महि দুড়তৰ প্ৰভিজোদালা ভাষার যে সমর্থন कत्ता जाहात व्यर्थ वह हहेटाडरहरू-ভোষ্ণ তে কেবল সম্প্রাধিশেষের মংক্ষারের বিক্লদ্ধ ব্যবস্থার ও ভাঁহাদিগের উপরে অভাচার করিবেন না এমন नरह ; उंहाहोता (कान ध्वकारत (कान সম্ভানায়ের দাহাবাও করিতে পারিবেন না। তাহা করিলেই প্রকারায়রে অন্য भाषात छेलार इखारकण करा इहेन। श्वन्तम्ये हिन्दू ७ मूननभान, धर्मानद्वत নিমিত্ত একটা প্রদাও দেন না। পূর্ব্বে तांका, उ बारमाट्डा धर्ममन्दित कन्। ८१ मान कतिशाहित्तन थर थाहा हाता-

हैवात जात भवर्गस्थे बहुत्य बाह्न कति-য়াছিলেন, ১৮৬৩ অব্দের ২০ আইন षाता जारां जारां कता रहेबाट । हेराटिक क्ष्म इंशिक रून नाहे। धर्म-মন্দির ও অতিথিশালার বায়কার্য্য निर्दाह कहा १४ वंटमटलें। काम नटह ; हेहा मसारकत कर्ज्या। यौर्शनिरनत रा धर्म ष्याष्टा प्याष्ट्र, उपनित्रत त्मह ধর্মের পুরোহিতের ও মন্দিরের বায় দেওয়া ভাচত। এ যুক্তিতে খুটারধর্ম-**নম্বলে ত্রিটিশ গ্রণ্নেটের অনুচিত** ব্যবহার করা হইয়াছে। খৃষ্টীয় পুরোহিত দিগকে রাজকোষ হইতে বেতন দেওয়া হইতেছে। বর্ডমান গ্রণ্র জেনরলের আগগ্যন অব্ধি আম্বরা এতিসপ্তাহের গেলেটে জল, মাজিট্রেট প্রভৃতির নিয়ো-গাদির ন্যায় খুটায় পুরোহিতদিগের निरंशारगंद विकासन परिशं शाहे-তেছি। मत कन लटरका विख्य थे जै। धर्ममस्मिद्दत मः कात ও निर्माणधि मतः काती अर्थ मिश्राटकन ७ मिर कटकन। किनि निमन्दिक्षिणाः ए यद्या यद्या वर्षाः व शाह निधिष है। ति किट्टर इन । श्रृष्टी इ পুरक्षाव्याक्तिमातु (बाउन, शृष्ठीय भूरता হৈতদিৰোর পারীধর এবং খৃকীর ধন্ম মান্দ্রনিশ্বাণ ও সংস্কারার্থ প্রতিবংসর ৩১ গ্রন্ফ টাকা (ুশ্র্ণীইদেন্স করের অন্তে ক छ। का) का का इन्ट्राइट । कानात गाकि(ड्रेटवेत मात्र (कतात्र (कतात क्राप्त बन्दम महक्रीही भृषीत याजक নিযুক্ত হইয়াছেন ; ক্রমশঃ ইহাঁরা প্রতি উপবিভাগে ও মুন্সেকি চৌকীতে দুউ इहेटवन। এ अकारत हिन्सू अ सूनलमान প্রজাদিগের এদত অর্থ বায় করা কি অনুচিত হইতেছে না ? আমাদিগকে প্রথমতঃ অংশনাদিগের ধর্মের নিমিত্ত बास करिएंड इस ; व्यावात थृ कीस भूरता-हिञ्जितित तिमिछ ७० लग छोको निष्ठ इत । भागता भागत थ की ६, शूरताहिङ -909 -

দিগের বেতন কি জনা দিব পূ আমাদি গের পুরোহিত ও মোলাদিগের বেজন কি রাজকোর হইতে দেওলা হয় পূজ্জি কোন যুক্তি অনুসারে পৃষ্ঠীয় পুর্টাহিত গণ এই বেতন পাইবেন পূ আমরা যেমন আপনাদিগের পরকালরকার কারণ ধর্মাং ক্রোন্ত বায় আপনারা করি, থা ফীয়ানগণ ও সেইপ্রকার আপনারা চাঁদা করিলে পাদরির বেতন ও গির-জার সংকার করিবেন, ইহাই কি যুক্তি দিদ্ধ নহে প্

> ভ:রতবর্ধ ইউরোপীয়দিগের অনুতমহত।

ভাততবর্ষত অধিকাংশ ইউরোপীয় আপনাদিপের মহত্ত্বকাব একটা অস্ত্রত উপায় অবলম্ব করিয়াছেন। বাঁচারা বাস্তবিক মহুং, ভাঁছারা দোসের কার্য্যে বিরত হইয়া গুলাৎ কার্যেরে অনুষ্ঠান করিয়া আত্মমহত্বরক্ষা করেন; কিন্তু ভারতবর্ম ইউরোপীয়েং। क्तिशार्ष्ट्रन, मह्ट्य (मार्टित कर्य कतः, ভात তব্যীয়দিগের নিকটে তাহা গোপন করিতে পারিলেই আত্মমহত্ররকা হইল। ভাঁহারা এ মহত্ত্ব ও মহত্রকার উপায় কোথায় শিক্ষা করিলেন ? ভার-তবর্ষীয়ের। কি এমনি জড় পদ্ তাঁহারা শিদ্ধান্ত 📆 \$ 18.70° ्राट्य अधाद्य कि तित्व मानूम मानू-माश (मायिविविक्ति ह इस १ जना जना मासूर त्य डेलानाटन एक इहेशाटहन, इंडेटराली. (श्रुता कि उम्राता श्रुष्ठे इन नाई ? अगरी-भार यपि डाँग्हामिशटक निर्माय कतिया शकी कतिशार्ह्म, ज्राव हेडेरता १४ए७ इंडा, मञ्जा, চूরि, श्रदक्षना, शरमाताजिमर्यन প্রভৃতি দোষের এত প্রাহর্ভাব কেন? के मकल भारभंत्र निवातनार्थ आहेगह वा इदेशांट्स क्व. १ मध इदेल छात्र छत्ती. व्रव निक्रि सेर्यानना ७ व्यापनाविर्णव

शृकाचनांचांच इरेटन, अरे ब्राह्म कि रेडे ताशीत्वता हेडेटवाशीव व्यवताधीत प्रख ्हें हैट छ (पन ना १ू (प छे निशा ज्यापान ८ छ কি প্রামাণ করিয়া দিতেত্ত ? ইউরো-भीदिवता व त्मरणात खानक व्यापका । व्यक्ति अवस्था कार्यम, देशह कि अमान इहेट उट्ट मा ? बातकानाथ ठाकृत छेहेनि-यस्त्राक्रमपटका (गंकांक क्रियाहिटनम, भटनक का है के छिक तका ला नित इंडेटब्रा-भीत अक्षाकर्ग **जारा अनाता**र्ग कति-নেপোলিয়ন বলিয়াছিলেন, '' ফুান্সপ্রভৃতির নাায় ইংলপ্রের মন্ত্রিগ ণও ডাকঘরে গোপনে অনের পত্র थूटलन। व्यानहा व्यापनामित्रात त्याव স্বীকার করি; কিন্তু ইংরাজ মস্ত্রিগণ निलंड्ड रहेशा डाइ। चयीकात करतन। " প্রবঞ্চনাপ্রভৃতি পাপ এ দেশে যেমন, ইউরোপেও তেমনি; বরং বিলাতী জুয়াচুরী সময়ে সময়ে অধিকতর বিসায় उँ थापन करत । जातज्वभी देशत निकटि স্বদোদপোপন করাই ইউরোপীয়ের मुश छल्मा इहेशाह : এই निमिन्डहे বোধ হয়, ইউরোপীয় জুরিরা প্রায় ইউ রোপীয় অপরাধীর অপরাধ প্রাছণ স্রেন ना। अरे निमिछ है दिलात भ-্রা ইউরোপীয় অপরাধীর দওদানে তাদৃশ উৎসুক নছেন। এই নিমিতাই (वाध इब्न, इंश्त्राकी ममाहात्र भजमणा मटकता इंडेटताभीटग्नत (नाम धाकाटम उंबार इन ना।(১) এই নিমিত ই কি निश्मविङ्क थार्मा धक सन हे शास चात এक क्रन हेश्डाक्राक वश्र कतिरन এক জন পুলিব কর্মচারী একুত হভাাকা

(১) সে দিন এক ব্যক্তি এক বেল ওয়েতে ভিন্টী পাটের গাঁইট পাঠাইয়া দেন। পথে ভাহার একটী হারাইয়া যায়। তাবনিষ্টু ছটী ছিল. ষ্টেসনে আনিয়া ভাহার একটা ভাগেরা তিনটা করা হয়। যাঁহার ঐ ক্ষভি হয়, ভিনি ইংরাজী সমাহারপত্রে লিখিয়াছিলেন, সম্পাদক ভাহা প্রকাশ করেম নাই।

न्त्रीटक बालाटनत काख ममर्कान कतिवात পাইয়াছিলেন বলিয়া পদচুতে क्रेग्राह्म १ अहे निभिन्त कि रम पित्र ্পুৰ্বৰান্দলা বেলওয়েতে কানপুৰী কাণ্ড 'হুইয়া গেলেও কোন ইংরাজিএনহাদপত্র 👜 পর্যান্ত উহার প্রাক্লান্ত - কারণের অফুস-श्वानार्थ भवर्गदम्बेटक छेट्डिक कहित्सम ना १ फलक; शहन्त्रातत (मार्थ (गार्शन कता এ प्रतान डेडेट्रा श्रीयमिट्शत अवधी महर दाश इरेशाए। এरे जनारे पिन पिन ইউরোপীয় অপরাধীর দংখা রুদ্ধি হই-তেছে। উপৃসংহারকালে সুক্ষােবে ইউ-রোপীয়দিশের নিকটে আমাদিগের ৰক্তৰা এই, ভাঁহারা এ সভাৰ পরিত্যাগ क्क्रन; ना कतिहा कारमहे वाशन ह हहे-(वन मरमह नाहै।

#### िन निकार्य करा।

**ंधोमानित्तत वर्खनान श्रद्यानशूरू**न-দিগের এ দেশের এক একটা অন্ত ত হিতা ष्ट्रशंबदहर्मे। त्नश्यिशामुख्या मनद्व ' यूह्य क्ठांन शूर्णाव 🤧 कथा भटन शट्ण। त्व <sup>কেশ</sup>ন কাজ হউক, যে চোন প্ৰস্তাৰ হউক, मूह्य कर्तांन शूट्यांत नकत्नत व्यत्भ याख्या আছে: কিন্তু কখন একটা সামান্য कांबाउ डॉारा रहेएड रहेशा छेट्ट नाई। थुरका ल्लार्य द्वार छे शहा मान्न्यम इहेश পাকেন। কার্য্যের অবান্তর ভেদ বুঝা এবং কি উপায় অবলয়ন করিলে কার্যা সিদ্ধ হয়, তাহা জানা দূরে থাকুক, व्यातका कार्याचाता (मर्ट्यत छेशकात कि व्यवकात हरे(व थुएड़ात (म विद्वहर्ग), कतिवात अभाग गाहै। प्रामात विक করিবার আভরিক ইচ্ছা আছে ৰলিয়া थूट्डा के मकन काटन यान, कि दक्तन उँ। होत वाधाइती नहेवात हेण्हा, छाहा আমরা বলিতে পারি না। আমা দিপের প্রধান রাজপুরুষদিপেরও 💩 क्रम ভार इहेश डेकिशाटह। स्टम्ब

হিত্যালন क्रदन, **डाँशिंग्रिश** क हेकाहैं विशवन बारह; कि हैं। होशा বে ভাগায় অবলয়ন করি**তে যান, ভাহাতে** িছে না ইইয়া বিপ্লারীত ঘটিনা উঠে। ং প্রে<sup>শির</sup> সর জান লারে**ন্স নিয়ক্তে। শীর বিদ্যা** শিক্ষাথ ধনাগমের যে একটা উপায় অব ান কলিতে উদাত হয়গছেন, ভাষাতে নেবল যে ইফীসন্ধির ব্যাঘাত জনিথে ভারার মার প্রতি লোকের বেলম বিরাধ জালিবার উপজেন হই. ट्टिश टिनि यपि के श्राव**ी फ्रिक** করিবার চেন্টা পান, ভাছাতে যে যে অনিও ঘটিবার সন্তাবনা আছে, অগ্রে ভাহার গণনা করা আবশাক হইতেছে।

थाधमण्डः सभीनातिमस्भव छेशतिह আব্তি পড়িতছে। বঙ্গদেশের চিরস্থায়ী বন্দোরস্ত একটে অনেকের শোচনীয় বিষয় ছ্ট্য়া উঠিয়াছে। দান <sup>কৃতিয়া</sup> অসুভাপ করার পর নীচাশগ্রতা আর কি আই ? পারদোর রাজ। ফতেআলী সাহ আপ-नात वनाग्छ। अन्मिनार्थ नकरणत मणुर्थ महिजनिशतक वर्च मान कान, उन, किन्छ मानशाख वाकि ताकवातित वाहित हेइ८८ न। इनेट ५ काँगा क्रमा (क्रमा (व एएडे नाम धन शक्त कहि छ अताल मा, राशात गिकटि छाशात निष्कत टा किछ পাৰিত ভাৰাও কাডিয়া লইড।চিত্তপায়ী বলেবেন্তবয়ংকাও ক্রামে ক্রপা ঘটনা ংগ্রাছ। <mark>লাভ কণ্ডয়ালিন যে প্রশৃত্ত</mark> अक्षा हो। अ मूडम**र्गि ठानिवदान वक्रतरम** क्तिर ताजय वर्षिक स्थ व**्नतावस्थ कट्टन**, न करान । भाषानकर्काष्ट्रिय (म खन मा भारत डेम्सता **डामत उत्प्रमार्थ** ्षः एथः को **अवेशाद्यम**्

মতগতি বছদে গীয় ও ভার**তবর্ষীয়** উভয় গ্ৰণ্মেটই নিয়কেণীয় বিদ্যাশি কার উপায়বিধানার্থ ভুরুপাঠশালার केर्ताकमाध्यद्वकारा वाश्विक इहेरा**एहत।** व्यममञ्ज अनिविक्तांनी आहि, जादांत

অবস্থার উমুতি কিন্দে হয়, তাহা জানিবার সীর্ যেপ্রকার পরিপ্রম निभिन् छि: छेत था देविसान, देनरम्ग**छे**त कृत्वत मृत्थाभाषात ७ क छ मारहरदत মত গ্রহণ করা হয়। 'শুসাৰা পিটিয়া (चा हा " कहा यहा कि ना, जाना अ विन-রের খালোচনা করা আমাদিগের অভি প্রেড নতে, গবর্ণর কেনরল যে প্রস্তাব ক্রিয়াছেন, ভাষার গুণ দোর বিচার कहाई आमानित्तत छेटकमा। अर्वेत জেনরল বজনেশে গুরুবিদালয়ের অংশ তা मधाभाग किंदिबात निभिन्न या हिमांव मिशार्हन, जाशह उ मद्यार्थ विवासा-স্পদ হইতেছে।

> (i) (i) (i) (i) 1.14.000

चामत कानि वक्रतानत श्राहि शली वारमरे असमरामासत भाविभाना चारह। যেখানে পাঠশালা নাই, এমন আম প্রায় मुक्षिः शाहत इश ना। यनि वक्रानामात পश्चीश्रारमत मर्था २४.००० ४रा यात ( আ সংখ্যা অধিক নহে ) এবং প্রতি পাঠশালার ১০ জন করিয়া ছাত্র ধরা হয় ভাষা হইলে গুলপাঠশালার ছাত্রের मर्था चाछाई लक्त स्टेर्स । জন্য প্রদেশের শিক্ষাসংক্রান্ত কর্মচা-

विमानित ७ ছोछ्डित भगना करतम, वक দেশের আমশীন (!) ডিরেক্টর ও ন্যায়-बान्हीं) हेन्द्रका है। निरंशत उठ जनमत इंग्र ना विलिशा (मताभ भागा करतन ना ; স্তরাং প্রকৃত সংখ্যা জানিতে পারা याम्र ना।

গুরুপাঠশালার উন্নতিদাধন প্রস্তা-বদরকো প্রথমতঃ হুটা প্রশ্ন উম্থিত হইতেছে। প্রথম, নিম্বশ্রেণীর সুশিক। लाएक: उपात्र विशान माश्रात्र इ इट्र কিনা ? দ্বিতীয়, এনিমিত্ত ভূমির উপরে कत्र छा भग विरश्त कि मा १ ध्वर्षम श्रास्त्र त মীমাংশাশয়কো ছটা ওক্তর আপত্তি हरेट उट्ट। अथम, या ज्या भ्या करा हरे क, ইহাদিগের স্থাকিশনাভের যে উাায় विश्वान चाँछेता छै.हेरव. व्यामता जमकः मड কথ্ন এরপ মনে করি না। সুশিকান। हरेला जिका किवल अनुर्थंत निनित्त হয়। দিতীয় যথন উচ্চতর শ্রেণি সুশি-কিত হইয়া রাজনীতির দার অনুন্যাটিত (म<sup>र्</sup>थेश व्यापनामिश्वत विकाशिकारक বিজ্যনাম্বরূপ বিবেচনা করিতেছেন, তথ্য নিম্নেল্লনির শিক্ষা যে ফলোপ্রা-রিনী হইবে, তাছার সমাধনা নাই। একণে যে গ্রামে কুড়বিদা আছেন, ী পামেই প্রায় বিদ্যালয় স্থাপিত **হই**, তেছে। যদি উক্ত ক্রেণীর রাজনীতি ঘটিত কমতা হৃদ্ধি হয়, ভাক্তা এইमुक्त विकालात्त्रतः मृत्येत योभना আপনি রন্ধি হইয়। উঠিৰে। ভূমির উপরে করছাপন করিয়া বলপূর্বক শিকা लिवात **अत्योकन (ल्था ,गाइट**क्ट ना। चि श्रीय, मंत्र क्रम लाद्यम ब्राह्मन, 'भवर्ग মেণ্ট বিদ্যাদিকার নিমিত্ত বায় করি (वन अक्रभ 'षष्ठीकांत करतन नाई।" ब ৰাক্য অসভ্য শাসনকৰ্ত্তার মুখ হইতে বিনি পতি হইলে শোভা পাইত ৷ রাজার৷ কি श्विष्ठा श्री जिंगानगार्थ है अधारक विमान

A y on a period management of department of the second sec सान कटतन १ बिकाता क्रजिविमा इंडेटन कि রাজার লাভ নাই ? দত্রতেক্ষরাদির হস্ত रुरेट उक्तांत न गा क्षांत विष्तांता कि রাজার অন্যতর কর্ত্তব্য কর্ম নছে ? ইং. लए कि बन्नोकात 2 जिलानार्थ विमा दिसम्क दाम (म अम इहेम श्रीतक ? हैं? লতে দিশিকাকার্যের নিমিত স্বতন্ত্রকর चार्छ ? विट्यंगडः वज्राम्ट्यं এই कत ভাপন কোন ক্রমেই যুক্তিগঙ্গত হই-তেছে না। বঙ্গদেশের সহিত মালুক বোষাই, মধ্যভারতবর্ষ ও পঞ্চাবের তুলনা হয় না। ঐ সকল প্রদেশ অপেকা বঙ্গদেশের আয় অধিক। বঙ্গদেশের রক্ষাকার্যার্থ যে বায়দান আবশ্যক্ खाहा निवा य छोका डेबु छ इहेर्द, खाहा इंहेट कि वक्रमां नित्र विमानिकार्थ वाग्र বেওয়া উচিত নয় ? তাহা যদি উচিত হয়, এপ্রদেশের বিদ্যাশিকার্থ স্বতন্ত্র কর স্থাপন অনাৰশাক বলিয়া প্ৰভীয়মান इहेर्द मत्म ह गाहे।

श्वर्गत (क्रमत्त वर्णन, "त्र्यमे हेमक्रम টাকা স্থাপিত হয়, তংকালে চিরস্থায়ী বন্দোবন্তের আপত্তি অগ্রাহ্য হইয়াছিল।" আপদ্ধি অগ্রাহ্য করিবার কর্ত্তা কে ? যুক্তিসিদ্ধ আপতি প্রবণ করা বাঁহাদি পোর কর্তব্য কর্ম, জাঁহারা যদি না শুনেন **এবং যে ছলে छोड़ा मा छनित्ल** जत्नात কিছু করিবার ক্ষ্তা না থাকে, দে ছলে मा अभिरम रम कार्य है। कि अमाप्त विवश পরিগণিত হয় না ? যদি এক অন্যায় च्यता चनशक्तिकत्वत नमर्चटन नमर्च इह আৰু মুহুলে মান্দি জেনরলের উলিখিত ख्य भ्या भी स्वामा विद्विष्ठ हरेएछ र्नाटक क्यीनाटब्रहा शूनः शूनः श्राह्म क्तिवाहिएलन, उाँशांशिशत कथा तका क्रेब हा, कि करबन, अर्थ जा क्रम विशो ছেম তাহা ৰলিয়া কি দেইটা অমাণ **इंदेर**व ?

क्षेत्रार्श्वतकारम समित्रा समिकेश्वाम

-200-পুনরায় গণনা করিতেছি। ভূমির উপরে विमानिकार्थ विट्रमाय कन्न इंड्रेटन, अथ মতঃ চিরস্থারী বন্দোৰন্তের বিরুদ্ধ আচ রণ হইবে : দ্বিতীয়ক্ত: এক শ্রেণির সুবি ধার নিমিত্ত অপর্ শ্রেণিকে, কর দিতে হইবে ; তৃতীয়তঃ ইয়ুদায় ক্রভার শেষে দরি দ্র ক্ষক দিগের ক্ষেত্রেই পতিত হইবে। गतं अन लारतना कि मान कारतन, अमीला त्तता शकातं ऋ एक हाभारे एक भातित নিজ তহ্বিল হইতে টাকা দিবেন ? জমীদারের লাভের উপরে শত করা দ্রই টাকা লওয়া গবর্ণর জেনরলের অভি প্রেভ। গ্রণ্টেন্ট ধেমন জমীদারের लांड इहेट व्यर्शकर्वत (एक) कति বেন, জমীদারও তেমনি প্রজার শোণিত শোষণ আরম্ভ করিবেন। আদালভ দকল পুনর্কার কর্রদ্ধির মকদ্মায় क्षाविक इहेश डेठित । जात यपि वावका-श्वरान कर कृष्टित स्विधा कविया (पन, তাহা হইলে मनिकाक गरमान ত इरेटा। मिरे मि केलि चामिया छ शक्छि छ रुहेरव: रगहे अख्यानात हहेरव। .. जाहे त्तत्र द्वाता कत्रवृद्धित य भीमा आहि, তাহাও ক্রমে লজ্মিত হইবে। যাঁহারা विख्त होको बाह्य कतिहा वाही, वाशान প্রভৃতি প্রস্তুক্রিয়াছেন, উাহারা দেখি বেন ভাঁই দিগের বাস্ত ঠিকা মাত্র হইরা উঠিঃগছে; ইট ও রক্ষভিন্ন আর কিছু-রই মূল্য নাই। ক্রয়কপণের যে কিছু উন্ন তির সূত্রপাত হৃইয়াছে, তাহা দুরে প্রস্থান করিবে। যে করে স্পাতির মুগ্য হাসকরে, ভদারা কেবল জাতিসাধারণ মুলখনকর হয় মাতা। আলমগিরের नगरत ७८ क्लंकि होका आम हिल: কিন্তুবিস্তর সরকারী কর করা হইয়া ছিল বলিয়া তত আয় থাকিতেও দেশ উৎসমু ছইয়া গেল। অতএব সর জন লবেন্স নিশ্চয় জানিবেন, অধিক পরিমা ( त अ अधिक अकारतत कत इहेरल,

প্রকার কথন পুথী হয় না। যে রাজ্যে
নানা প্রকার করের স্থান্ত হয়, সে রাজ্য প্রকার বিরাগনিবন্ধন স্থান্তী হইতে পারে না। রাজারা প্রজার হিতার্থ কর প্রহণ করেন সভা; কিন্ত প্রজারা কর ভার বহনভায়ে সে হিতাকে হিত বোধ করেন না, বিপরীতই জ্ঞান করিয়া পাকেন।

मत क्रम लाइका वालम यहि कभी দারেরা স্বেফ্রাপূর্বক এই ছুই (শিক্ষা अ तोखांत ) कत वह्न ना करत्न, বাবস্থা প্রথমদারা উচ্চারদিগের ক্ষমে নিহিত इहेरव । কর ভার এটা অমুচিত ভরপ্রদর্শন। একমাত্র व्यनग्रंश निवांत्र एव উপায়। রাজা যদি দেই যুক্তি कतिशा वलश्रकाण करत्न, क निवात्रन কর্ত্তা হইতে পারে ? যাহা হউৰ, কি আশ্চর্যা, কোথায় ভারত ্বীয় গ্রণ্মেন্ট निन निन टेश्वदाहातशति छात्री इंदेरन, অধিক তর ना, छेड्राइत हाती इहेटल लांशितन । व्यवस्थिय ष्यात्रत्रा এक है। कथा मः एक एभ भवर्गस्य ন্টের গোচর করিতেছি, ভাঁহরি। মনে कति एडएइन. चार्टित कियश्रानितान नार्य বলপুর্বক প্রজার বিদ্যাশিকার উপায় कतिर्वन किन्दु जामना निम्हन विविष्ठ, छ, এরপ করিতে গেলে প্রজার বিদ্যার প্ৰতি বিদেষ জন্মিৰে; গ্ৰণ্মেন্টও विष्युत्रत अञाजन इहेर्दन ना। अ श्रुटन আবাৰশ্যক। ঐক্তপে যে কর সংগৃহীত হইবে, নিম্ন শ্রেণির প্রকৃত হিতকার্যো ভাষার কত বারিত হইবে? কতক সংগ্রহের ব্যয়ে পর্যাবসিত হইবে, আর কতক ইন্স্পেক্টর ও ডেপুটি ইন্স্পেক্টর প্রভৃতি আপন আপন বেতনের নাম ক্রিয়া ভাগ ক্রিয়া লইবেন।

# विविधमश्वाम । ७ इ टेक्स (भाषतात ।

আমজাতসার শিকাসংক্রান্ত সভার পারং সরিক অধিবেশনদিবলে বেবরেও ক্রুঞ্চারান্তর বন্দ্যোপাগ্যর ক্তিহাস নাঠ বংগু এক নীভিন্ন পুর্ব উপদেশ দিয়াছেন। বিচারপতি ক্রিয়াই ক্রিন। দিবস সভাপতির আসনএছণ করিয়াইছিলেন।

উপলেশের বিধায়ে আপনার ৰক্তব্যবাঞ্জ করি বার সময়ে বিজ্ঞানিত বলিয়াছেন, " আপমারা व्यापना महात छ चारमनीय मिरात निकास हिता अवश्व ७ (वटन यांश कब्रिट डर्डन, छाँद महाराज्यांक सम्भूतिक्षण **कार्यरमाप्तम कवि । वि**न्हाः ালকার নারে মহোপকারক বিষয় জার নাই। कं १८८४ स. कि विस्मिश मक्टनहै अदिवस्य भागतभाषी मा कटेग्रा थात्करक भारतम मा। अ (तर्म धाकिया ज्याचि याहा विलय अधाहा কারব অংশনা দিলের উন্নতিভিন্ন ভারা আল (कोन ऐट्राहम्। नार्ट्। ज्यामि बाह्यकः घड हिन এদেৰে থাকিব, ভাৰ দিন আপেনাকে এদেশীয় সমাজের এক জন বলয় গ্লা করিব। » (কং েচ্ছ ভাঁছ'র প্রতি যে কোপ্রক'ল করিয়'ছেন, বিচারপতি ভলিমিত আক্ষেপ করিয়া বলিলেন, এ দেশে আগমনঅবধি এক্তন্দ্রীয়দিলের উন্নতি ভিন্ন উচ্চার জনাকোন চেপ্টা হয় নাই। এমন खटन व्यकातन छरे मना कतिहान छ हात ब्याफर ভিক মনোবেদনা হয়। তিনি কখন আখননিবেদৰ की भाकिन्त्राक निर्म ब्रह्म अथवा अथकी वर्णन नाहर अक्या चला किंचात अस्ति अस्ति। ভবে ভি।ন যেপ্রকার শিক্ষা ভাল বিবেচন। करवन, छोशांतर छैक्षिय कविशाहरून । है तहा দিবোর মত্যু অভি অল্ল বোকে কেন র লরেকোর মুব্র পর ভারতবর্ষীয়দিলের প্রতি এমন প্রেম পরিপূর্ব ভার প্রকাশ করিয়াছেন।

२के अ अर्थल कात् द · स्म म्ह्या (मिन्स्मेड প্রিগার লুঠ করে । প্রহারগণ **অন্ত**গারভাগে কারেয়া পলায়ন করিয়াছিল। কিন্তু তেওুটী ক ম সুনৰ ৩০ জন জান্ত্ৰ চাৰী লোককে লইয়া আসমন কলতে দহ্যো প্ৰয়েন কৰে। ১৮ জন চহু, পুত হইয়াছে । শেপুরী কলিম্নরের এক স্লয় প্রকাদেশীয় কেলানীর ধড়বলে এই দক্লাকৃতি ৰ ওয়াটে ঐ ব্যক্তিকে হাজতে। দত্যা কট্যাছে। শীৰা প্ৰৱ **বাসিতে অস্তা**নশীয় বংলালী রাজ कुमारतत करहरकथा म अज वाहित हरेग्रारः । वेश एक ता अनुभात साव की ग्राहरत आहत मूरी ভূত করিয়া ব্রিটিশ ব্রহ্ম অধিকার করিবার জাজা निहाडितनम। **अधिकपश्चीक अक्षातनीय**, এই খাড়ে লিও থাকাতে প্রায় ৮০ জনকে काल्ड ७ १ १६३। इट्डाइइ। नगद्र अधि नियाने निभिष्ठ ८ १ । ऋषा दी लाक खमन कडि বেছে বিচেমু ⊢ব নিস্নৰ এ নিসিত্ত কভকত লি रियम(क) विद्याद्वश्य । ११ मार्ग अप्रविचयन व्यक्ति महार्दिमार्याच क्वेट्ट :

विक्रिमितिभाग रहत १८५३ भार व रयमकन

हसूमान कल कवा १५ शास्त्र, (मछनि अपकर्षाना বলিয়া প্রতিপন্ন হটয়াছে ' শক সাহেবের এই জার এক কার্নি ধায়মাত্রদার ছইল। এ জন্য कान वाष्ट्रिमाधी क्हेरवेस है।

চঁনেৰ সমাটের আদশ্বর্ধ বয়ং**ক্রেম হ**ওয়া**ডে** र्रोदात विशाहरत छेट्यान स्ट्रेड्ड्ड् । श्रीहम कडक छील ने फर्ड पितियात व्याहन, खन्नाया इहेटक প্রটেকে প্রীমনোনীত করতে হয়। সংগ্রিভ औनतल भारत्र'८४। मधा ६३८७ ४०৮ खन नालि । কারেক রাজ্ঞবাদিয়েক আনহান করা ছুর্গ কিন্তু প্র ই এক জানকেও স্থানীত করেন মাই। जानगरिभारत भूगनीत आह कर्यक गान्दक कानधून कहा ३३८४ সম্ভান্ত লেকি দুগের অনেকে রাজবাটাকে প্রগংগ্রে, গ্রুটিভ অধ্ মাত। রাজার অভঃপুর'নিমী হইলে জ্রীলোকের। গাৰক্টীবন ভাৱে কাড়াকে দেখিতে পান ন। । এই | कार्ष्ट्रेन को इन जा गए के इन्हें वह बात वामगा देव छ

কংশ্বংশালিন মোচজাচে ভারত্তর্গ্র मकर्ता छ। (सन करां: लग अह आहुला अ আহেন টেনি প্রকৃত স্বলেটি : জুল্চ রপ্রভানের 🛭 শ্বন ইহাঁকে ভারত্ববীর যেনালল তালে করিছে: हा: / पर्भित छाड़े भागता ता है। दि चाम लिसिसाध कार्यसाहित्यमः । कश्च कृषक क्षामन्यः मन्तर २०४१६७ 🗜 बात माहामा करान्य गा। इंशाइड ६ वर्राका अक भना निषया भिकृत्ता । जकरुत्रे १८तम कार्यश बहुलाम, याप्त जिल्ली निकास (तम. जार) इंदेहल फिट ৰু হৈছে কতিবেন। কৰেল মেকেঞি এ জনা লাজীন কলতে ঐ ব্যক্তির ভয়মাস মেয়ান হইয়াছে: कर्रज (बर्काक्ष काधन क्षतानवस्ती निष्ठांत भगाय বলিয়া চাবেন, 'ভ ন ৪০ বংশা ভারতব্যীয় ्मजान्द्रम (कट्लम अवस् यजनाद्रम्य देशांसकः বিস্মোহ নব'রণ করিতে গিয়া ১১ টী ভলবপ্রেল আৰু ভাত পাইয়া ছিলেন। কিন্তু বলর লেন। বিদ্রোচ इश्र माई अवश्विष्ठाक्षणमा कि एउ । उसे अहे খ্যাত প্রাপ্ত ভার নাই। মধ্যের নিবসে रामांनकश्य (योशांका सहया दहिन्छ इडेब्राएड अभग मन्द्रभ कर्नल अक ख्लावात शुळा खाहानि গোৰ নৰে পেডিয়া ভাৰাদিগকৈ আক্ৰমণ কৰেন अवर जाहातिमत्त भागी (प्रवा हेशदे देमसर श्रम रेश्टिएक काधाक करियाहिक। माप (इस ছৌ স ঐ সময়ে গবর্গ ছেন্ত্র ছেনেন। ডিনি देशमानिशास्य वित्रक्षां ही यशिया मध्य मा निया कर्न अरुक (मनोधन एक्ट्रेड विक्क्ट्रेड कर्तन ) .(क्ट्रिन (म) क क्षेत्र वीद्रेष्ट्र मामामा नर्सा

গত শুক্রবার এডিমবয়ার ডিউকের হছে। इट्रेंट इकाद निभिन्न दाखीरक अधिनमन श्रमान करियोत अधिशास स्य गुड़ा इडेटार কথা ছিল, তাং। স্থগিত হইয়াছে। বলিকস্তা-, পাইয়াছেন যে, সন্ধার আজিন খা আলীর সিয়ার

দারের সম্পাদক ভারতবর্তীর সভার ্সফ্রেসা-विक लिचिया इस्तम, हेस्ट्रेटा शीय अ अस्ट्रिक्शीय ग्राष्ट्र अक जे उ इहेग्रा चा उनक्षा अ न करित जाल इतः (जल्डेमान्डे अवर्गनत्क अः।वनः। जानाई বাজে তিনি বলিয়াছেন, যখন রাজন 🗀 বিফ্র স্ত কোন বিষয়ের আন্দোলন ১ইছে: 🦠 ভারতব্যীয় সভার সাহত একর 🎉 🔻 উনো পীয়েধ কাষ্য করিলে কোন मा। (धन'रहर निरंध मुझान डिव्ह के न ते। बाउड-প্রায় প্রকাশ করিয়াছেন। (গ্রদারে ।। একসী कलक्षत्र दत्रथा याहेटलट्ड । इ.हेट्स विश्व नेट्राय म'इस अडएए में शिविद्यात य'दुर्ग न थम अकरा ভট্ৰে, সে জালা নাই : তথাবি তোলতেও দেলে <u>৷</u> नामनकर्मा इक्षा (य महे खार्ग्डल ८०४।वैक्षा (नस् रम्म दिएवहमा मिक्क को छ इस माई।

१७४१ करस्व १ सा बर्शसम्बर्धाः छ स्मर्ग পুণ্ঠ আনে জাতি হিল্ফ কর্মানারী ভিলেন। ইছী। নি-रशत घटना ५३५ छन हे है जानी व छ कि न स अनः ১৬১ स्त्रम कात्रष्टवर्षीस । এमिन्येटस्त्र वास्त्रा व्य वाक्षकार्या निर्माक्षण आष्ट्रिन वला इस देशाह কি ভাষার প্রমান ? এডাকেশীয়দিগের এসকল काक शामा उ.६। करंग्य गर्न हे रहेता

এরপ অনুজ্ঞান দা (১চাচ টেম্প্ল অর্ মুদ্রা প্রচলিত করিবাব কল্পনা করিভেছেন। তেনি আয়ও কুংক্ৰিগেড় নিমন্ত সেবিংবলিয়া काद्रवात व्यक्तिया कांद्रशाह्य । अहे रहारक অনেক উপকার দানবে। অল পার্যাণ অপুরতির প্রথা কারতে পারিলে।বিশুর এডসেশীর ৮,৫। ক্ষা দৈকে পারেন।

খলা ছা-লেবোরগের পিতার ফুরুর ছুওরাতে **এন মালেকটন অব বালি**শব ব টেপাংধ পাইরং হাউস হ'ব লাভি প্রারেশ কর্মান্তেম। লাভ ক্রাংটোরণ পিতার দিভীয় পুত্র**া জোঠের অল্**গ্র ্ৰুত্ব হওয়াতে ভোনই পৈতৃক উপাধ ও সম্পান্ত शाहेदलम ।

উত্তর পশ্চিমাঞ্লের প্রধানতম বিচারালয় त्रभुराष्ट्र गक्तिमार उहे लंड क्या ५ है। का मा (नहा भक्तम' वृत्यता छकीलक्षित्रत शुक्का देवत निश्चम करिवाद्याद्यमा अभी आर्थभी या

१ हे देखार्थ अक्षकान वृत्

क्षिकिति वाहैन कञ्चनारक देवे शिवारन न तन तकियेती रहेरण्ड, छात्रा अब भिन्दूम শাশার করিয়া উঠিতে পারেন, এক কর্মচারী না थाकारक विर्नय अञ्चलिया 📽 कार्यक्रिक 📆 **ंडर्ड । এই आहेन एटे** गार मध्रद्ध आध्रद्धा चालिका हिनाम, अर्थक कर्याहाती **बिट्डा विश्व है। स्टे**डिक अकारकारण कार्या एकेटच वा अध्यक्त करिया गत रतिकत्रीत वर्गाद्वत क ल्लाह्य होत्त कार्यात्रव र क बार्याच स्ट्रेट्ट मार्थिक वस्त्वभीय अवर्गम अस्तिक अस क्याइ विश्वादा कर कर्म माविद्या वायमश्रक्षण कहिरसम्बद्धाः क्रिके भाउत्राटक के जानहीं चित्राटक र ने अहि देन के नान्ते भवनेत्र देश वृश्चिएक नातिशाः कर्याक सन छू जब दक्षिक्षेत्र मियुक्त के बिश्तु महस्त करि

প্ৰলিক ওপিনিম্বৰ কাবুল টুইডে সংখ্যা

্ঞালীর নিকটে এক দুত্তপ্রের করিয়া দক্ষি ভারতবর্ষীয়েরা শুইনিদাদিলের এ কাজগুলিকে किश्वात अञ्चलक्ष कैतिहारह्म । आवष्टम रक्ष्म में मील। त्थमा विरवहना करतम ! थीं विनिद्या भाठे।हेशाट्यन, फुर्कि काटनत अस विकारिक विष्यारी इश्वाटक छिनि कानून त्रकार्य व्यागिरा शाहिर्दन मा। ग्रम् काकुव र्था शिक्षमि अधिकात कतिया रेगग्रामावारम আজিম বার দৈন,দিগুকে সম্পূর্ণরূপে পরাজিত করিয়াছেন। গিজনি এইণের দিবসে আজিন ্কিন্তু অসুসন্ধানে ফিছুই প্রকাশ পার নাই। খার কয়েক জন প্রধান সন্ধার হত ও বন্দীভূত ১ইয়াছেন। আজিন থাকে এ নার কাবুল ভাগে : করিতে হইবে। সিয়ার আজি পুনর্মার সিংহাসন আনোহণ করিলে এক বার উল্লোব সহিত আব তুল রহমনের মুদ্ধ কইবার সভাবনা।

व्यानाहाचारस्य व्याकाञ्चलाने व्याक्तिरम्य গিথীনচন্দ্র মিত্রনামক এক জান কেরাণী ও ভাহার ভাভা এক মাল পত্র করিয়া বসদেশীয় ব্যক্তি হইতে ১০০০ টাকা ব্যহির করিবার চেষ্টা পার। ছারকানাথ দেনামক এক ব্যক্তি বংক্তি এই পত্র লইয়া গিয়া পুছ হয়। এই দিন জনেব আলাহাবানে বিচার হইবে। ইনস্পেটর মরি-याहि वि: नव प्रकृतकाष्ट्रकारत अहे धर्किनगरक र तिशाहिम । ङाल कारिका भएन भरेन धता भर्क তে ৯ সভপাশি টেগ্ডন হয় না।

আবি শিনিয়ার যুক্ষে জয়নিবক্ষন অভিনশ্ন विभिन्न कारहारदर **श्रांत (मारक्द) नगदरक** আনু লোকম ওড়েক কুরবেন।

কিলপেট য়ট জাবগত হইয়াছেন, প্রাথান ভ্য বিহ'ৱ'লগেৱ আপীলবিভাগে যা সক হ টাকে, বেড্ৰে ছুই জান বিভাষী, कांगद्रा खिन छन ्रक्ष क्लांके अन्त করিয়া ছয় জন (৬৫) ন বস নিগুজ চইবেন।

চারিজন ইউরোপীয় দৈনিক এক জান क्रकरामनीधाक अभाउत श्राह्म कात्रिया देशिय রিকট হটতে ১৯৬-টাকা অপহরণ ক্রীটার ক্ষােলিতে ভাষা বিচার হয়। এক কন প্রমানবিরতে মুক্তিলাভ করিয়াছে দ আরু ভিন क्टान्त नाह वरमत कवित्री स्वाम रहेतारह। रेश्वनित्वता निर्त्तार, छाहारा क्वन वृष्टे ना ক্ষরিয়া যদি ঐ ব্যক্তিকে বধ করিত, তাহাঁহইলে স্করির বিচায়ে অনায়াদে শ্বনাহতি পাইত।

এডিনবরার ডিউকের রক্ষার নিমিত্ত অভিন ন্দন করিবার যে প্রস্তাব উপস্থিত হুইয়াছে। ভুন্ন भनत्क এक जन हे हे दानी व निमना हहे एउ अक थानि रेपनिक शरक लिथियारहरन, '' कान गरिहर विवस्तासन कतिरागन मा। এমন কুকাল করিতে পারেন, ইহা ভারতব্যীয় দিগকে জান'ন অভিশয় অন্যায়। অন্যায় कि? । চক্র সেনকে ত্রীম্মকাল বিমলাতে অভিবাহিত

৮ ई देखके बुधवात ।

পाठिकगटनत पात्रम शाकित्व, शिर्वाकावारमत् ় নিকটে একটা জীলোক রলাৎকারের ভয়ে রেল ওয়ে শকট হইতে লক্ষ্য দিয়া পড়েন। অভ্যাচার काहीतक धतिवात निभिष्ठ अञ्चलकान कता इश्व রেল ওয়ের এইরূপ পাকা অপুসন্ধানই বটে।

ভাগম থের ঘাট ভাষদি কুমার্টুলির ঘাট পर्य छ शक्रारत **উপ**प्रत इहेत्राट्य । कर्यक वालि মান করিছে নাম্যা ঐ আন্তক্ত্রিক হত হইয়া ্রেছন। সম্প্রতি একটা বৃহৎ হাজর ধরা পড়িয়াছে সম্পূর্ণ বর্ষ না হইলে উচারণ পুনর্কার সমুদ্রে প্রাবন করিভেছে ন' অভ এব আপাতভঃ क्षरत नामिया शकायान वक्ष करा कहेगा।

ডেলিনিউস আবণ করিয়াছেন, র'জপুতনার পার্মতীয় লোকেরা দৌরাম্ব লুঠ করাছে গ্রার জেনরলের একেট কিছু দিনের নিমিত্ত २००० টाका विकटन अक्षान हिङ्केल श्रीलय সুপরিন্টেণ্ডান্ট নিযুক্ত করিবার অনুরোধ কবি ब्राट्स । प्रद्राभन शामक वन्मात्यम् प्राप्त मार्शित লুঠ করে: যথম কোন এবংনা পায় ওখন লোকের জীও সভান দিগকে ধরিয়া লইয়া যায়। वर्ष या विष्टम खाका निश्नमुक्त । छा छिया (नयु मा । किन्न जी दलाकोरिटणव केलादव करा दकांग व्यवस त्रात इस मा। कात्रक वर्षीय शवर्ग मिक के का োধে সম্মত হইয়াছেন।

ই ভিয়ান মিরার খলেন, পুর্দ্ধান্সালার রেল **उर्धित रूक्ताकार्श्वत शत भिवम अक शांति** भक्छे (अर्थि **कांगिएक्डि**.स.) इंग्रेट विश्वतात्र कालक পড়াকা দর্শন করিয়া স্থরিত হইল।কারণ जिल्लामः कर्राट्रक श्रदेशी विलिया दिशिन, अविश निश्च भक्ठेडरक शिष्ठ रहेग्रा श्रानकान कति য়াছে : কিছে ক্ষেত্ৰ-পর ঐ শিশুলী কোথায় গেল व्यवता छोड़ात मुख्यम्बद्धाः कि इहेन (कहहे छा: নিতে পারিলেন সাল 🗚 সপ্তাহের শুক্রবারে এব জন একজেশীয় প্রহরী শকটের তলে পড়িয়া হুত্ত হুয়ু , বিজ্ঞা পে বিষয়েও কিছুই প্রকাশিত हरेत मा। अहे नकन कि काल इहेटल हि? এ সকল মৃত্যু, গোপন করা আইন সভত কি না ? क्यां कटर्सात विषय अहे बन्नट्सट्सत (मः हेना के शव র্বর এখন ও কমিসন নিযুক্ত বা কোন উপায়

किक श्रेष्ठ वर्धनन, गर सम नर्द्रण वर्त् किन्ध

করিবাব নিমিত অংহ্রান করিয়াছেন। বেসকল বংক্তি নিমলায় গিয়া গবর্ণর জেংনইলের আভিখ্য শীকার করিতে চান, উাহাদিগের নিখিত গ্র্বর জেনবল একটা শতন্ত্র বাটী প্রস্তুত করিয়াছেন। গবৰ্থ জেনবল এখন বিবলে গিংছেন। বিষয় কর্মের রাক্ষাট নাই, অব্দর্গময় ধর্মেচর্চায় मञ्जिताबिक कहाई (अंशुक्त । हेर्डिक कामता ভাহাঁলৈ দুষি না, ভিনি কেশব বাবুকে যে পাইরা বাস্যাচেন ভাহাতেই আমাদিগের বজ भरम्बर इहेट इहा

ष्यारमनादारभव (लारकता कथाय अक्री हो নৰ্মাল বিদ্যালয় স্থাপিত ক ব্ৰাব্ৰ জন্য আপনারা ১৫০০০ টাকা চাদা করিয়াছেন , জার ১৫০০০ ष्टेका भवर्गराज्येत निकरणे हाहिसार**ह**न। वलरन শই কেবল এ অংশে সকলের পিছনে পড়িলেন। ৯ ই জৈ। ধ রহম্পতিবার।

লাড বোহামের মৃত্যু হইয়াছে। ইহাঁর ৯০ বং পর বরঃ ক্রম হইয়াছিল। ইনি নিজ্ঞ ক্ষমতায় নিজ গৌভাগ্যসঞ্য করেন : ইহার তুল্য ক্ষমতা পল व्यवहातारीय इंन्लिख अझहे अम्रअहन क्रिजा .ছন। পাঁহার ভীত্র বজুতার প্রভাবে হাউস यव नाएड इंड र्थ छएक्षेत्र स्त्री वाक्षी कार्त्रानमा निर्द्धाव इन । এই विहास्त्रः नेमर्ग्न (इनद्रि खाहाम ্লালার সহিত সমকক্ষ ভাবে বাগ্যুক্ষ করিয়াছি লেম। হাউদ ভাব লাডের বিচার হইতেছে এমন ামরে রাজ্যবংশীয় এক বংক্তি রাজীর নিন্দা করণতে ব্রোহাম অকুডোভ্রে চীৎকার করিয়া विलासिक " (इ.सिक्न)कातिम् ! नित्र काशिया দাক্ষ্যের। ৯ ভিনি ঐ সময়ে আরে। বলিয়াছ ्लमः ''आभाव भर्त्वरलव क्रमः यनि आभारक াজনোহী হইতে হয়, ভারতেও আমি অসমত ন ই। " সাহিত্য, বিজ'ন, ও ৰ বস্থা শাল্প সকল বষ্ষেই ভাঁহার পারদর্শিতা ছিল। তিনি ইদানীং ফ্রান্সের ভান্তর্গত কেলিস নগরে সাস করিতেন। তথার হাঁহার এগ জমীদায়ী আছে। এ তানেই তাহার মৃত্যু হইয়াছে।

লাফিড,গাস নামক এক প্রকার বাস্প আছে। ভাষাতে হাস্যে উদয় করিয়া দেয়। সম্প্রতি পারিদের এক জন চিকিৎসক ইহাদারা মাস্ত্রুষকে ক্ষতিভন্য কয়িয়া। ক্লোরোফরমের কাজ করিছে ছেল। ক্লেট্রাফর্মের সূক্তার পর মাথাধর। ও মাথা বরাণী হয় ; কিন্তু এই গ্যাসে ভাষা হয় A) 1

আরব সমুদ্রে ক্রীতদাসব্যবসায় কল্প করি বার নিমিত্ত কংশক খানি ত্রিটেশ রণভব্নি আছে। সম্প্রতি প্রকাশিত স্ট্রাছে, এই ব্যবসায় বৃদ্ধ

না হইয়। দিন দিন উহার রুদ্ধি হইতেছে। জাহা (छत् अभाक्तिभएक धनायान (मध्या आवन्)क ।

কুঞ্নগর, হাবড়া, ভগলীও ২৪ পর্গণায় লোমড়ক আরম হইয়াছে: পশুনিগের অধি কাংশ বসত্তে প্রাণভ্যাগ করিতেছে।

হাওফোড নামক এক জন ইউরোপীয় বৈনিক কাথেরিণ ইয়াড নামে একটা অল্লগর্জ ন্ত্রীকে দক্ষে লইয়া জমণ করিতে যায়। তৎপরে ঐ প্রীলোকটীকে আর দেখিতে পাওয়া যায় না - ৯ দিনের পর পুলিব ভাহার মৃত দেহ বাহির করেন। এক জন আফিসর ও ভাঁহার ভূত্য ইগ্নিক ও ঐ জ্রীটীকে মৃত্ত দেহ পাইবার স্থানে দশন করিয়াছিলেন। তথাপি হতার সবিশেষ প্রমাণ পাত্যা গেল না বলিয়া মান্দ্রাজের প্রধান ভ্ৰম বিচারালয় ঐ বংক্তিকে অব্যাহণ্ডি দিয়া ছেন। এই প্রকার বিচারের মাহাত্মে। দিন দিন ≇७,१द्र **मरथ)। दृक्षि १३**८३८७।

एक निष्ठेत करलन, गवर्गरम**ें** होन्य छ নোটের কার্যস্থান শুভন্ত না রাখিয়া একত্রিভ कविराम। छेडिछ।

সম্রতি জাপানের ছই বাজি ব্রিটিশ দুত সর कांत्रिभार्कनरक वध कतिवाद (हर्ष्ट्री कतियाक्रिल) কিন্তু প্রহরীবা ভাহাদিগকে বধ করিয়াছে ৷ দুভ সম্প্রতি এক জন ইউরোপীয়ের হত্যার নি৷মন্ড এক জান নিরপ্রাধী জাপানীর কর্মচাবীর মৃত্য म् अ (में अप्रोहेश हिटनेन, 'डोह' ('डेहे या वर्डे प्र कांभ নীয় ভাঁহার উপরে বিরক্ত হইয়াছে।

পাঠকগণ কেবল রাজনীভিষ্টিত প্রস্তাব পড়িয়া মাথা ধরাইবেন ; একটা কৌভুককর গল্প তাৰণ কৰুন । ফ্ৰাক্ষফে টের এক যুবক বলিক সুরভির টিকিট ক্রেয় করিয়াছিলেন। ভাগার স্ত্রীর অল্প দিন পূর্ণে মৃত্যু হওয়াতে তিনি এक जन कुत्रभ छी। नाकरक भाविक। निग्रस्क ক্ষরেন। স্থুরভিতে কিছুই হইবে না এই ভাবিয়া ভিনি টিকিটখানি পাচিকাকে দান করিলেন। অব,বহিত পরেই সুরভির অধ্যক্ষ ভাঁচাকে বলি लन, के हिकिटि डीहांत्र नारम इसक होका हैटि য়াছে। কি হইবে? এত টাকা কি পাচিকা ল্টবে? অভএব অধ্যক্ষ প্রামর্শ করিয়া বলি करक भारिकात भानिधारन करिएक विनादन। विवाह हड़ेल। कारा क नव विवाहिका खीरलोकरक বলিলেন, ' আপনার বড়ই সৌভাগ্য এমন বর ও সুর্তিতে ছুই লক্ষ-টাকা পাইলেন। <sup>স</sup> खु ७ शूर्ता भारिका अन्त्रान बहरून बनिन, " आबि ঐ টিকিটখানি আর এক এন ভূত;কৈ বিব্ৰুয় **করিয়াছি। " যুবক বঁলি,কর কেবল। কালা ম.খা** नात इंडेन स्माह धता रहेल ना। .

স্বাদীন ব্ৰহ্ম হইতে দ্বাদিল আসিয়া ব্ৰিটিশ बक्त गर्ममा উপদ্ৰব করাতে ब्रह्माएएमा ब्राह्मा দীমার স্থানে স্থানে দৈন্য রাশিয়াছেন।

ভোটদিগের সহিত তিহুতের লামার বিবাদ হটতেছে। নীমা কর আদায় করিবার নিমন্ত দুত পাঠাইবাতে ভোটেরা বলিল, ইংরাজনি-গের সহিত যুক্ষের সময়ে লামা ুগাহায় করেন নাই : অতএব ভাঁহাকে আনৈ কর দেওয়া যাইতে পারে না। বিশেষতঃ তাঁছাকে যে কর দেওয়া হইত ভাষা সুৱার হইতে উঠিত ; এক্রে ব্রিটিশ স্বর্গমেট দুয়ার গ্রহণ করিয়া ছেন ; কে: থা হইতে আর কর আদিবে? লামা প্রকার দুত্রপ্রেণ করেন; এই দুত অপ মানিত ধইয়া দুরীভূত হন। লামা যুদ্ধগজ্জা করি ভেছেন।

উৎকলের করদ মহলের পাইক ও শেঠ রাজ্ঞরণ নরবলি বন্ধ করাতে গ্রণ্মেট ভাঁগদি शतक (चौरलाञ्चाक श्रमान कविशादकन । मरकोटर्गः উৎসাহবর্জনার্থ এই রূপ উপায় অবলয়ন করা গবর্ণমেন্টর কর্তব্য।

১ - ই মে গুইকুমারের কন্যার বিবাহ ২ই -शाह्य कि.संबंधिक व्यवस्य करहें साहै। ७ (प्रत्नत जारा, का मिर्शत अक्रम करकारके करा छनित् आयाहित्रत आस्तान रत्।

বোষাইগেজেটের কাবুলস্থিত সংবানদীতা বলেন, সিয়ার আলি খাঁ। ক্রমশঃ কাবুল আক্রেম ণার্থ অধ্যাসর ছইডেছেন। আবছুল রহ্মন খা। আজিম খাঁকে বলিয়াছেন, যথন সিয়ার আলি খা ভাঁহাকে তুর্ক ছ'ন ছাড়িয়। দিয়াছেন ভখন ভিনি ভাঁইর বিপক্ষভাচরণ করিবেন না আজিম খাঁর অভ্যাচার আরও বাড়িভেছে। টাকা না मिया कान व्यक्त का**त्न हरेएड अमन केंद्रिए**क भाविएउएक्स सः। काम्माक्षरित्व मह्मारव्यक्तिश्चाव वालिट क्रांनश्रद्ध बात श्रुलिया हियाहित्सम व लिया कादन व्हिष्ठ कष्ठकक्षमि काम्माश्वतीरक वश कता উপবে বিরক্ত ধ্ইয়াছেন।

বিজ্ঞাপনী ব্যলন, '' অব্ৰেক্তা জাইণ্ট্ মাজি ্টেট মেঃ প্রাইজ সাছেব নিয়মিতক্সপে ১০1১১ 🖠 টার সময়েই কাচারিতে আসিয়া ৪ টাব সময় याहेबा थाएकम किन्न कर्फ कर्टीव २१० होत পুর্বের প্রায় আগমন হয় না গড়িকেই ৬ টাব शृत्रि याहेबा ७ था किन न । डिक्टबब इट ख कार्य ইরির কার্য্যভার থাক'তে কালেইরির আমলঃ দিপের বড কষ্ট ইইডেছে। বাস্তবিক ১০ টার সময় যাইয়া ৬ টার সময় আসা কত্তের ব্যাপারই

वरिष् । जानदा जानुद्रांध कृति वक्त कही जानमः । পরিভাগ করিয়া লে'কের ফ্লেশনিবারণ করুন (क्वन (लांदित क्ष्ट्रे मूत्र मग्न, निष्य अपनक সময় কৈন্দিয়ত ভলব হইতে বাঁচিতে পরিবেন 1 অনেক বিচারপতিরই কার্টের এই গতি। মকস্ব লের মটোদয়ের। কে কি করেন তাহারত কেছ **उद नग्न मा**ं अन्नाथ मा क्हेर्र (कम ?

#### ১ • है देखार्थ खळवात्।

ইংলভের কডকগুলি জীলোক এক সভা করিয়া যালতে জীলোকেরা মহাসভায় প্রবেশ করিবার স্বস্থান, সেই চেষ্টা ও ওদর্গ বক্তৃতা করিটেডছন। বিখ্যাত বক্তা জন ত্রাইটের কল্যা এই শভার এক জন প্রধান উদ্যোগী। জন हे -शांके भिल ও व्यवदायक करमडे इंड्राविरशद मश-प्रका कदिएक एक । यथन अक्रम से लाहक व ताखनि भारेग्राह्म, छथन व्यभत खीर्वाहक ভাঁহার মন্ত্রিত্ব লাভের চেষ্টা না করিবেন কেন 🥫 আমাদিগের দেশের পুরুষেরা দেখুন।

সর রবাট নেপিয়র এই বলিয়া আবিদি নিয়ার যুদ্ধার্থ গাড় সৈনিক দলের উৎসাহ্যর্জন ক্রিয়াছেন যে অনা কোন সৈন্দেল কখন **डाहां किर्**शत **कार्यक्षा क**ितक खु महर हिस्स-শ। সাধনার্থ যুদ্ধ করিছে গমন করেন নাই। এই যুদ্ধ বৰাধই মানব্যগুলীর উপকাবাৰ চই -রাজে গকটেক্তমাণ্ডে যে কিছু ভারতব্যীয়দিলের হইল। ঘাইবার কথা নাই, অথ্য তাহাদিলের ৫ विक छाका (शव।

কালুবাম নামক যে বংক্তি পঞ্চার ব্যাক্ষেণ তহবিল ভছরূপ করে, ভাহার সাত বংসর মিয়াদ ও ১৫००० টাক। खातिमानः इहेश्'र । खात्-माना ज्यामाञ्च इट्टल ১२००० छात्रा वराकाटक (मश्रमा स्ट्रेट ।

প্রদানেশীয় আলবাট ছেগাননামক এক অস যুবক বৃহস্পতিবার কলিকাভায় মাজিক্টেটের निकरणे देखेतिक। देश खाद्यारखन कारश्चन (कान-(म्रे नाम अहे विलया मानीन कर्तम, जिले हैंडे इहेग्राह्म ! काबुरमद प्रमुपाय सांक कालिय थात । तान इहेरक के सावारक समिटकहिस्सन । काबाब পৰিত উৰোৰ জ্ৰী ও উনবিংশ তবৰীয় ক্লানীয় আইসেন। কোলস পল্লে মলপুর্মক ভারার ভারি নীর সভীত্ব মুষ্ট কর্মতে এ জ্রীলোক সমুদ্রে ঝল্প দিয়া প্রাণভাগে করিয়াছেন। ঐ কাপ্তেন उँ। इ'इड बीवन नष्टे कत्रिवाद (इष्ट्री : পाইয়াছেন গ্ত কল্য মাজিটেট বিচারারত করেন। বলাৎ कारतत नालीन अजाहा इहेग्राइक वर्ष कतिवात ভন্নপ্রদর্শ সক্ষাটী হইতেছে। বিদে भीय इंस्ट्रेर्सभीरमुद्री व्यामाणि अत विहादश्रनांनी দেখিয়া যান এগী ভাল।

#### ३३ है टेक हे समिवात ।

ইংলতের আদালতে প্রেভত্ত্তি এক कुल ए वनक्षा रहेए छह। विवि नायन गाम अक्टी:नांक सामीर धारा ३६ सक है।कांत्र मण्यदिक अधिकादिनी इन। स्त्री शुक्रत्य अञ्चलमञ् প্রণয় ছিল। এই রক্ষা আমীর বিয়োগ অবধি অভিশয় করে কালখাপন করিতেছিলেন। তাঁহার সামী (১৮৫৯) অন্দে প্রাণ্ড্যাপ করিবার সময়ে বলিয়াছিলেন, গুলাত বংসংধ্র প্র ভোমার সহিত আমার পুন্দার সাক্ষাৎ হটবে। "রভা ভাবিয়া,ছলেন ১৮৬৬ অবেদ ভাহার মৃত্যু ইইবে , কিন্তু ভাষা না শ্ভয়াতে ভানিএল ছেগে নামক এক প্রেডভঙ্গিদের প্রামর্শ গ্রহণ করেন । চেসে ভৎকণাং ভাষার স্বামীর প্রেভকে ং 🐧 য়া ন করিল। প্রেন্ড বলিল 🤊 'ভেল আংমি ভোষাকে ভাল বালি , এক দণ্ডও ভোষা ছাড়া न इ। " (इस कर्ग हाल वाष्ट्राहेश। शाहरसन। এই প্রব রে কিছু দিন সাক্ষাংকারের পর প্রেড বলিল, " ভেন! ভানএল আমার পুত্র, ভুষি উহাকে দত্তক এহন করা» জান ভাছা **হইয়া**ছে। कात्रा आर् हरू सक है।कात म भाष्ट अहै (अख ' ख्वांवयुक्त विश्वया किशाह्म । अक्रान खे বাজির পুউতা লানেটে পারেয়া এযকল সক্ষ ত্তির পুন:প্রাভির জন। নালীশ করেয়াছেন। যভ । भना ह मरका भरता अव। एक कारबात (नाक

ভিন্তি রে জিন্তারগণ যখন সফস্বলে গমন ক্ষিবেন, তথন উছোটেগকে প্রতি মাইলে আট আনে অথব এক দেববৈ ৫ টাকা পাথেয় দেওরঃ

ভ রতবনীয় সভা প্রক্রিক্সলা রেলওয়ের গ্যাননার গ্রনাদের অনুস্ক্রানাপ এক কামসন নিযুক্ত করিবার প্রান্ধা করেন। ব শালাদেশীয় ক্রেন্টা গ্রন্থ ভাগার যে উভরদান করেয়া ডেন, ভাগা পাই করেয়া আমরা আভেশয় হল্যত গ্রন্থা। এ হারে আমরা আভেশয় হল্যানি পাইকগ্রের গোচন করিভে প্যারলাম না। ক্রেণ্ডা প্রিনেল্য নাদিধ্যের ভাগা জানিবার ক্রিয়া ভিঠিনেল্য

हेक्द्रा १६८७८६। । स्टायक मूला अवश्रातीत कार्य विक्रीक १६८७८६६—

# ই উরোপীর সমাচার

লগুন ৭ ই মে। আয়ারলণ্ডের ধর্মের সহিত গবর্গনেটের সংক্রাব রহিত করিবার প্রস্থাবের প্রতিবাদ করিবার নিমিন্ত কা করবরির আর্কবি শপের সভাপতিত্বে সেন্ট জোমস্হালে এক রহং সভা হইয়া গিয়াছে। স্মাট্ নেপালয়ন ১৪০০০ দরালী সৈনিককে স্থাল গড়েহ যাইবার নিমিন্ত বিদার দিয়াছেন।

৮ই মে। গত রাত্রিতে ইউস অব কমসে
আয়ারণতের ধর্মসম্প্রদায়সংক্রান্ত শেষ প্রস্তা বটা বিনা মতভেদে গ্রাহ্য হইয়াছে। মন্ত্রিগণ বলি য়াছেন, এই প্রস্তাবকে মূল করিয়া যে বিল হইবে, ভাষার ঘোরতর প্রতিবন্ধকতা করা ভাহা দিগের অভিপ্রেত। প্রস্পারের প্রতি ঘোরতর আক্রোশপ্রিপূর্ণ তর্কের পা রিজির্ম ছোন্ম নামক গ্রন্থেকের দান ও মন্ত্রের জন, দান রহিত করবার প্রস্তাব গ্রহা হইয়াছে।

আয়োরল ভীয় বিকরম বিল দিতীয় বার পঠিত। ২ইয়াচে ।

क्लियान नर्गल भुक इहेबारह।

৯ ই মে। গ্রন্থ টি আক্সা করিয়াছেন, রেজি মেন্টের ফিল্ড আফিস্রের নীচের পদে যেসকজ দেনিক আছেন, উভারা যদি এক বংসর ইং লণ্ডে ও এক বংস্ব ভারতবর্ষে কাল করেন, স্টাল কোরে প্রবেশ করিতে পারিবেন ন।।

এরপে জন এছতি যেগকল ভারতবীয় আফিসর এফনে বিদায় লইয়া ইংলডে আছেন, উনোবা পুতন বিদায়ের নির্মের ফলভোগ করিতে পারি বেন।

গত কলং হাউস অব কমকো আয়ারনৈ সংশ্বে বোষাই বাজের জাতন বন্দোব প্রচটিত নাবভীর পত্র অপন করিবরে প্রভাব করিয়া বাজের ভূতন কর্যেপ্রবালীর প্রতি বির্ণেশ দোদারোপ করিয়াছেন। সব প্রাফোত নর্পকোট প্রভাৱের বলিলেন ভিনি বোষাইয়ের শাসনক্তাকে গবর্গ মেন্টের সহিত প্রেসিডেনি ব্যাক্ষরমূহের সংপর্ক পূর্বে স্থির করিয়া অংশ লইবার আজ্ঞা দিয়াছেন।

বোষাই ব্যাক্ষের অনুসন্ধানকারী কমিদনের দভাপতি সর চারলদ জাকদন ৪ ঠা মে ইংলও ভাগে কার্ছাট্ন।

১७ हे था। है एए उन्हें २८ छ। अञ्चल (व (महेल हाड़िय़ाटह, खभक्राय क्यार्य) अवर्शस्थित अञ्चलकल (श्रीत्व हम नोहे।

অবিসিমিয়া হইতে আগত।
হিংলতেরবা অরং এতন দেওচমাস হ।
বোরাই ১৭ই মে। ১৭ ই এপ্রেল ব্রিটিল দৈনা। লের মূল প্রত্তর স্থাপন করিয়াছেন।

গণ মাগললা ত্যাগ কারয়াছে, তাহারা উপন্ন নগর দংহ করিয়াছে। ২৮ এ তাহারা টাকাজাতে পৌছে। যাবভীয় সৈনা ২০ এ জুনপর্যন্ত উপন্দেশ ভাগে করিবে। ইসনগেশ যেপ্তকার বীর্ত্তসহ্ কাবে রাজ্ঞীর আজঃ পালন করিয়াছে, তাহাতে তাহাদিগকে প্রশংশা করিয়া গর রবাট নেপি য়র এক পোষণাপত্র প্রকাশ করিয়াছেন।

णाकत छित्र छित्रामात् । ७ त्वालिकाः छ मार्गाम विकादि श्राप्त । विकाद । देशमा भव नामामाण्य श्रुष्ठ व्याद्य । थिउएणाद्यत केमिर्थ श्रुद्धादक विकासकार्थ (चाव्र'हेट्स श्रित्रमं क्या इंडेट्ड्राइ।

লাভ ক্রের্থের মৃত্যুর সংবাদ প্রকাশিত হ্যাছে । ৭ ই মে বৃহস্পতিবার তিনি কেলিস নগরে প্রাণত্যাগ করিয়াছেন।

হত্যা হইবার সৃষ্ট্রে বারেট নামক ফেনিয়ানের স্থানাস্তরে থাকিবার যে কথা কহে, তাহা সত্য কিনা এটা যত দিন মা অনুসন্ধানধারা স্থির হয়, ততা দিন তাহার ফুশী স্থাগত রাহ্ল।

স্যাট নেপ লয়ন অলিয়কে শাব্দিস্টক এক বক্তুতা কবিষ্টেন

৯ ই নে। গুয়ালি এইন হইতে টেলিপ্রাম আদি য়াকে, মহাসভা কারকান নগরকে ইউনাইটেড ষ্টের একটি অভাজেরীপ ছক্রাড় বলিয়া গুনা করিয়াছেন।

হাউদ অব কমণ্যের অভিনন্দনের প্রান্থানের রাজ্ঞী বলিয়াছেন, মহাসভা বিধেচনার দিক দকল কাজা করেন দে বিদয়ে ভাহার সংস্থানিবলাস অধ্যে আছে। ইলেও ও আয়ানলভের গণ্য সপ্রান্থানে উহার যে ভাগসম্প্র আছে, ভাহার অনুবানে ধন এ বিষয়ের ভক্তের এনটি না হয়।
১০ই মে রাজ্ঞেত সাজ্ঞিন লাভের আয়ার লাভের গণ্মনাপ্রদয়েলটিত বিল অপান করিবেন। আইনে ধন্মবিষধে অভিনয় গোল্যোগ্ ও জন্য যুভবিন্ধি ইইয়াছে।

উৎকল ও বিহারের ভলসেচনার্থ থালের নিমিত্ত ভারতব্ধীয় জলসেচনী সভা এক কোটা টাকা মূল ধন সংগ্রহের বিজ্ঞাপন দিয়াভেন।

লিড্নের যাইকার ছিয়ারফোডের বিশ্ব ইইয়াডেন।

মন্ত্রিগণ ও আয়লভের ধর্মসম্প্রনায়ের বিক্রছে ট্রাফ্রাগোর স্কোয়ারে এক সভা হইয়াছে। ইংলভেশ্ববী স্বর্থ গ্রন্তন সেক্টেমস হাসপাতা লের মূল প্রস্তর স্থাপন করিয়াছেন।

# গবর্ণ নৈউ বিজ্ঞাপন। লেপ্টনেউগবর্ণরের আদেশাস্থ্যারী নিয়োগ।

১২ ই মে। এচ, করিফ সাঙ্বে জ্বামালপুরের এক জন মিউসিপাল কমিসনর হইবেন।

যত দিন মৌলবী দিলদার হোগেন বিদায় লাইয়া ভারপিছত থাকিবেন, তত দিন ডেপুট নাজিটেট ও ডেপুট কালেইর ভবলিউ, ভি, ব্লাক সাহেব আড়ারিয়া উপবিভাগের ভার পাইয়া প্রথম প্রেণির মাজিটেটের ও সেসিয়নে অপ্য ক্রিবার মহন্দমাব প্রথম বিচার করিবার ক্মতা পাইবেন।

১০ই মে ! বিংচভূমের ডেপুটি কমিসনর ডাজন ডৰলিউ, এচ. হেন তথায় ও কটকের করন মহলের অন্তর্গত কিয়ঞ্জড়ে মালিটেই কালেটর ও অধঃস্থ জকের ক্ষমতা পাইবেন। কিয়ঞ্জড়ে ভাছাকে করন মহলের তথাবধায়কের ভাজাধীন হইয়া কাজ করিতে ইইবে।

১৪ ই মে। সৈদ আলি কুলি খা নোজ ফরপুর । ও দাবভাঙ্গায় বিশেষ সব রেজিন্টার হইবেন।

রাজসাহির থাকবত্তের ডেপুটি কালেইট ক্ষাড জোন সাহেব ১৮৫৭ অদের ৯ আইন অনুসারে ঢাকার ডেপুটি কালেইরের ক্ষানা পাইবেন।

যত দিন বাবু রাধাকান্ত বন্ধু হা বিদায় লইয়া অনুপ'হত থাকিবেন, তত দিন বাবু দার্কানাথ ঘোষ আসামের অন্তর্গত তেজপুরের প্রতি নিধি মুক্ষেফ হইবেন।

সহকারী মাজিটেট ও ডেপুটি কালেইর উব লিউ, বি, ওল্ডহাম সাহেব মেহেরপুব উপবি ভাগের ভার পাইয়া প্রথম প্রেণির অবীন মাজি ক্টেট ও ডেপুটি কালেইয়ের এবং প্রধানভম বিচারালয়ে অথবা সেসিয়নে অর্পণ করিবার মকন্দমার প্রথম বিচার করিবার ক্ষমভা পাইবেন।

১৩ ই মের গেড়েলটে বাবু দিননাথ আচেরে নিয়োগের যে বিজ্ঞাপন কয় ভাকা এটকারা রহিত করা গেল।

ভেপুটি মাজিটেট ও ভেপুটি কালেটন বার আনন্দচন্দ্র সেন কেন্দ্রাপাড়া উপবিভাগের ভার পাইয়া প্রথম প্রাণির জ্ববীন মাজিট্টেটের ও সেনিরনে সমর্থন করিবার মকন্দ্রার প্রথম চিন্ত করিবার ক্ষম হা পাইবেন।

া কান্তেন সি. বি, তার গল সা পদত্যার করাচত রিচাড পামার ক্লেক্সিল গাহেব বিহারের नमारतारी तार्यक्त परनत जिल्हा अनकेरनत कारक्षम करेरवन ।

কাপ্তেন জার, এম, জিনার পদভাগ করাতে কেডিরিক, মিটুন হেলেডে খাহেব বিহারের জাধারে।ছী রাইকলদলে সাহরণের পদ্দানর কাপ্তেন হইবেন।

যত দিন মৌলবী আলিছোসেন বিদায় লইয়া
তলুপস্থিত থাকিবেন? তত দিন ডেপুটি মাজি
ক্রেট ও ডেপুট কালেইর মৌলবী মহম্মদ ইশাক
বাউসি উপবিভাগের ভাগর পাইয়া দেসিয়নে
অর্পন করিবার মকদমার প্রথম বিচার করিতে
পারিবেন।

১৬ ই মে : নিয়লিখিত ভদ্র লোকেরা মেদিনী পুরের সাধারণ বিদ্যালকা সভার সভা ইইবেন!

মেডার জে, ডি. সোময়ন।

(ल॰हेन हे खात, क्षि, न्याय।

हि, बाहिन मारहरा

এক আত্মস।

এচ. জে, এস. বটন।

বাবু রুঞ্পসাদ গোন।

» » মছুনাথ মল্লিক।

জি, গ্রাউ সাহেব ভেজপুরের সাধারণ বিদর্গ শিক্ষা সভার সংপাদক ভইবেন।

ডি, লেসি সাহেব পুনীর নাধারণ বিদ্যা শিক্ষা সভার এক জন সভ্য ছইবেন।

জি, টইনবি সাহেব পুরীর সাণারণ বিদ্যা শিক্ষা সভার সম্পাদক হইবেন।

যত দিন এচ, এস, টমদন সাহেব বিদায় লইয়া অনুপঞ্জ থাকিবেন, তত দিন এস, ডাক ষ্টা সাহেব বাখরগঞ্জের ভোট আদ'লতের প্রতিনিধি জল হইয়া অধঃস্কৃত্তের ক্ষমতা পাই বেন।

ি ১৮ ইমে। ডেপুট মাজিকেট ও ডেপুট কালেটর বাবু যচনথে কুছু বি, এ, পাটনায় স্থিত হইয়া মাজিকেটের ক্ষমতচালন করি বেন।

যত দিন এ ডবলিউ, কসারাট সাহের বিদায় লইয়া অনুপত্তিত থাকিবেন, তত দিন মুবসিদা বাদের ডেপুট মাজিটেট ও তেপুটি কালেইর বাবু কালীচত্ত্ব ঘোষ অসীপুর উপনিত্রগের ভার পাইবেন।

বাবুরামছনত দাস চাকার অক্তর্গত স্থলসদ পুরের মুক্ষেফ হইবেন।

করু প্রমথনাথ বল্লোপাধ্যায়ংবি, এল ক্রিড়ার অন্তর্গত রাধানগরের প্রতিনিধি হই বেকর বাৰু রাজাকৃষ্ণ সেন দিনাঃ গুরের স্বত্রগত মালদংহের প্রাভনিং মুক্তেক হইবেন।

১৯ এ মে। জেমস আগুলন সাহেব ২৪ পর । গুলার সহকারী মাজিটেট ও কালেটার হইবেন।

মির্নিধিত ভর লোকেরা কিছু কাল অব বি বিশেষ ডপুটি কালেইরের কাজ করিতেছিলেন। একণে তাঁহাদিগকে স্থায়িরপে নিয়তর শাসন কার্ব্যের ষষ্ঠ প্রেণিতে নিযুক্ত করা গেল।

বাবু যত্নাথ বন্দ্যোপাধ্যয়।ইনি ভারতবর্ষীর জলগেচক কোম্পানের নিমিত্ত ভালেধর জববি বেলঘাই পর্যন্ত এক রাস্তা করিবার কারণ ভূমি লইডেছিলো।

বাধু কৈলাশচন্দ্র ঘোষ। ইনি কটকের বাঁধ করিবার সভার অধীনে ছিলেন।

বাবু অনুলাচরণ মালক। ইনি সাহাবাদের । দেয়াড়াতে নিযুক্ত ছিলেন।

আমালিগের কোরহাটিস্থ সংবাদ-দাতা লিখিয়াছেনঃ—

১। জাবগতি ইইল, কুমারিয়ার খেওয়া मोकाम ( क्वीरव हि) अंवर्गमानी स्वाहिज পরসা ভিন্ন আর কিছু না পাইলে মাঝারা পথিকদিগকে পার করিতে চাত্ম। (क्रम এই মাত্র নয় কর্তুপকের নির্দ্ধারিত লোকসংখ্যা অভিক্রেম করিয়া সময়ে সময়ে অধিক লোক (नोकाञ्च जुरन अवर अष्ट अ वृष्टित नेमरत भार करत्। व्यक्षिकमः ४१क श्रीविक এक जि उना १३८ल ্ডাহারা উপস্থিত পথিকদিগকে পার করিতে সম্মত হয়"ন। ; অনেক বিলম্ব করিয়া ভাহাদি গকে অনেক ক্ষতি ও বিপদগ্রস্ত করিয়া থাকে ! কুমারিয়া একট চর , এ স্থলে রাত্রি উপাস্থিত হইলে পথিকগণ কে'থাও থাকিবার স্থান পায় না। চতুর্দ্দিগ নদীতে বেষ্টিত দক্ষা তক্ষরাদির d প্রাছ্মভাব 🔻 মুডরাং ভাদুশ काहत्रन कि रफंडीरवारदेत मासी मिर्गत कर्खवा ? ইহাকি নিতাৰ্ড খেদাবহ বাাপার নহে ? এ বিষয়ে कंड्रंभक मानारवाशी १न, এकान्ड श्रायनीय। **ब्रीनगद्र व्येगत्मत्र श्रुलियकर्षात्री, वर्ण्य**ः **अख्**तात्र मित्रन्तश्रीक मण्डि ্নাক যদ্বান হত্য়া নিভাস্ত কৰ্মাক ৷

২।ইভিত্তের গ্রন্মন্ট আদেশ করিয়াছিলেন, প্রজাগণ কখনও অস্ত ব্যবহার এবং গোলা বারুদের ব্যবহার করে। বদি কখন কেই বস্তুক কিছা অক্সান্তর ব্যবহার করে, ভাষা হইলে স্থানীয় কর্তৃপক্ষীয়গন ভাষাদিগের নিকট ইইভে ভাষা অবিশ্বে কাড়িয়া লাইভে পারিবেন। আবার শুনিলান, ভভিশ্ব ব্যক্তিয়া

अञ्चरशांत्रभव्रक्षम् । के वर्ताः के के का कारमण রহিত করিয়া, স্থানীতি পাল এচন করিয়া বক্স কাদি গ্ৰিকাৰ কৰিতে পানিৰে, এই অজ্ঞা প্ৰচাৰ করিশাদেন : কিন্তু বিশ্বায়ের বিষয় এই যে সত্ত্ৰতি পুলিষ কমিচারীরা য'হারা লাইসেখ পাশ লইয়া বভুক বার্ননাদি ব্রেকার করিটোছে. ভাছাদিলের হস্ত চইটেও তংসমুদার বলপুর্যক काष्ट्रिया अहेरण ८०मा हेहात कारत कि? अवर्ग দেও কি পূর্ব্যক্ত আদেশ পরিবর্ত্তিত করিলেন। ভবিষয়ে একটা ত্বিত্র **আ**নেশ সংগ্রৈ*ন*ে

e.5।র করা কর্ম । িত। এরপ নেনার সে, চাকা ছেটে জালালত शर्राद्य छाला। नाजू व्य स्यतुमात प्रकृत शर्माय चीय ক্ষম স্থান জৈনসংব অংকে একটা মুদ্র যন্ত্র (প্রেস্) कामयम दिविस । देश स्ट्रेल विक्रमशुख्य विन ফণ উন্নাত সংসাধিত হইবে সন্তেই নাই। অভয় ধারু সংগ্রতি সাধারণ হিতক্তর অনেক কার্য্য অর্থবায় কলিচেত্রের। প্রীবেজ্ঞান পত্রিক। ইলার অন্তের প্রান্ত আভয় বাবুর উল্পারে বজনসার লামে বিদ্যালয়, চিকি সালয়, পোষ্ট আফিন প্রস্থাত সম্প্রকর কার্যালয় সংস্থাপিত ২ইরাছে। সম্প্রতি উক্ত মহাত্মা বিক্রমপুরের বড় লাস্থার হাহিত যোগ দিয়া উভন্নারেপর্যান্ত .धक्की अथ .सर्फार्श्य छोकात क्रिमनद्श्वीक्षा ্রবংশেরে প্রকাশ উপাপ্ন শ্রেন। দয়বিন गुव दि । इ. १५५५ माहव २००० इन्हें महस्य शिक দান করিপ্রায়েত্স ১ ১ ১,১৯ আবে খাদ কথে ইউবৈক এভধ বারু কল ২ইটে ভংলগুলয় প্রদান कविट्रिन । १८ ४४ रोग उत्तर्भ पाइता करनक (इड কর কাজের কলন, এনিজেলেন: প্রাথম: করি ভিং**সমন্ত** অভিবাধ কার্মের প্রিণভারইর। বিক্রমপুরস্ত এনগেন আচে ও মহোদয়গণ যদি জভেয় বারুব অভুগরণ কবেন, ভাকা ফুলল কল नगत्यंत्र गतनाहै। विकासकृष विलक्षण उज्जाब दश अ' कह नहिं।

# आमानिटशंत श्रीशालिशांत्र मध्यान-দাতা লিখিলাছেন।

১ ৷ গত ২৭ এ বৈশাৰ স্তঃ নাৰ স্থান দের সভাগ্তে ভাবি স্বিয়ার যুদ্ধে এয়নিব÷ ক্ষম অভিমন্দ্র প্রধানী সভা ইয়। আপনার পাঠকবর্গের গোচেওজন্য ভাগার বিবরণটী সংক্রেমিয়ে লিখিত ইইতেতে। প্রথমতঃ क्षकान। ताजभरयह प्रहे भःची तङ मृत वहाभिया भागाइत आह्नाक्यालाम् अक्षीपूर स्टेशाहिल।

888 সভামগুণের সন্মুখে ভোরণ্ডার প্রস্তুত করিয়া ফুলবাগে একটা দরবার করিয়াছিলেন। ঐ ভাষার উপরে রহং রহং অফরে 'মহাবালী চি:क्षीरिकी इक्षेत्र " शहान्यग्रहात मन्ताकीन কুশল হউক " ইড্যাদি লিখিত হইয়াছিল। রাত্রি নয় ঘটিকার সুময় সভাগুত্ মনোহর ভাব ধারণ করিল। পলেটিকেল এলেট কর্ণের দাও য়ার, এক্ণকার অত্তত্তে দৈন্যানের অস্থ্যক কর্বেল ডিলেমেনপ্রভৃতি সর্জন্ত প্রায় ৩০ জন সাহেব, জারত্য প্রধান প্রধান হিন্দুস্থানী **ও ম**হা রাফ্রীয় ও অব্রভা সমস্ত বাঙ্গালী উপস্থিত হইয়া ছিলেন। স্থানাভাবে রাজপথের ও বারাগুার চডুর্ফিক লোকপথিপুর্গ হইল। সকলে স্বস্থ আসনে উপধেশন করিলে পর, কর্ণেল সাওয়ার সাহেবকৈ সভাপতির পঙ্গে বরণ করা হইল এবং নবীন বাবু দ্ঞায়মান হট্যা প্রথম্ভঃ ইংরাজ মহোদয়দিগকে ধন্যাদ করিলেন, তৎপরে সং :करुभ ज्यष्ठ श्रुषय श्रीकृतर भ ज्यादिनिसियात युर्ह्य व উদ্দেশ্য ও ফল এবং ডক্জন্য আমাদের আনন্দ প্রকাশ এবং ভ্রিটিশ রাচ্ছ্যের স্থায়িত্ব ও মঙ্গল প্রার্থনাপ্রভৃতি ব্যক্ত করিয়া উর্চ্চু ভাষাতে আবার হিল্পস্থানীদিগকে সভার উদ্দেশ্য বুঝা-ইয়া দিলেন। তৎপরে ওভরসিয়ার জীযুক্ত বাবু যত্রাথ চৌধুরী মহালয় উর্ফু ভাণতে আবিসি নিয়া দেশের বিবরণ, ইতিহাস, স্রাট থিওডোব कि कांत्र इंटल और अधनकादी निगरक काला কুৰু করিয়াছিলেন, বার্ট্মান মুদ্রের উচ্চেশ: ৫ कल कि कर अहे गुरक हे शासासित निश्क वाङावः कि निका शाहेत्वन अवर धामात्वव इन्सर ७ इनीत श्राप्ति किन्ना न ताल छोन्छ । छ छिने म রাজেরে প্রতি কিপ্রকার জ্বাস ক্রি ইতনাদি বিষয় भराकद्वत । वर्गन कावसा छित्रक्कि मरहामस भनारक मेखेष्ठे किरिएलम । प्यवस्मरम नवीम दानु মহারাণীন, সর রবাই নে পরত্রের ও এই যুদ্ধের দৈনগোনের ভাভে'কেশে ভিননী ''টোষ্ট ৯ ক্রনীর প্রস্থাব করিখেন। কর্ণেলা সাওয়ার সাহেব কহিলেন, এই যুক্তে আপনাদের কোন আব ना शाकित्म छ त्कवल वस्नी भिरत्र मुक्तिनाय ह ইংল, তুর সভ্মরকা বুঝিয়া যে আপনারা এরপ অভিনক্ষন ও হারয়ের গড়ীর কুডজাড। धक्तांन कतिएउएइन, उच्छन, धार्यनानिभएक ননের সাহত ধন,বাদ করি, আপনারা যতই याभी मक्राप्त व्यानमारमञ्जूष वाख्यपुरुष निर्मात व्यक्तन বৰ করিবেম, ডভই আমবা আপনাদিগকে ভ্রান্তার মধ্যে আলিক্ষম করিব। "

ন্। গত ২৮ এ টেংশাৰ প্ৰাভঃকালে অত্ৰভা অভিনন্নপ্রকাশজন্য অভিস্মারোচে ভাঁহার অভাবে চতুলিক অন্বকার্যয় হয়, পেইপ্রকার

সময়ে অব্রস্তা অনেক ইংরাজ তথার উপস্থিত হইয়াছিলেন এবং চাপান করিস্কা<sup>জ</sup> আনস্দ প্রকাশ করিয়াছিলেন।

ত। এখানে দিন দিন এ শৈর অসহা প্রভাব : প্রায়র্ভ ড হ্টভেচে। একে স্থারের খরতর কিরণ অনিকর্ণবৎ, ভাছাতে নিরি ও গুছ্সকলের প্রস্তার কারিব উত্ত ধ্র। এই সময়ে আবার घणन वाष्ट्र क्षेत्र इंहेट्ट थाएक, उथन (कान जीरवत नाभा ये शरहत वाहित हरा। कान कान निग এमन इस त्य, ताजि विश्व इस प्रशंख व्यक्ति व বায়ু বহিতে থাকে। এই ধায়ুকে এ দেশের লোকে " जू भ करहा अझ जित्नत मर्गा अफ्रिंगव মীতে ও ভ্রেগ্যভাপে দগ হইয়া কএক ব্যক্তিমৃত্যুমুখে পভিত ইইয়াছে। আরও যে कछ लाहकत मृङ्य इहेवात मछ।वेना स्नाहह, वला याय ना । भीन हीन प्रतिम लाटक इट अ मघरम वस्र कष्टे।

গোয়ালিয়াবের মহাবাজের রাজধানীর মধ্যে क्वित स्मानियानत मुझला छ शातिभाहेर विस्म ষরতে লক্ষিত হয়, মগ্রমদ্যে মিউনিসিপালি টির তাদৃশ নিয়ম নাই। আমরা এক দিন একটা গলির ভিতরে বাইয়। যেরূপ কট পাইয়াছি, ভাষা বলিতে পারিনা। উক্ত গলিকে পুরা লোক্ত মরক বাললেও অভুনক্তি হয় মা।

আনাদের এক প্রিয় বন্ধু ( ঘিনি মহারাচের কার্য্যপ্রণালী অনেক পর্যাবেক্ষণ করেন*)* कहिटलम ्य, कर्ष्मणादीनिष्टभत भटना अधिकारटनत ভাদুৰ উদার ভাব বিচক্ষৰতা ও বিচারশক্ষি मार्थ। এই মধাবাজ জনপুরের মহারাজের নাার যাদ সুলিভিত বিচক্ষণ বাসালী কন্মচারী ভ:ছা হইলে বোগ হয় রাজ্যের जानक छेत्र. ५ इंग्रेड भारत। छन्तिनाम, প্রধান প্রধান কর্মচারীদিলের মন্ত্রপায় किनेस वाक्रालीतक नियुक्त कता इस्र मे। महादाख । नर्छ यानि छ छ तुन् विश्वास । छ वछ्तनी नर्छन । কিন্তু বিজ্ঞতা ধর্মানিধা ও অন্যানী আনেক সঙ্গগুৰ বিভূষিত। হৈন্দ্ৰ রাজ্যদিগের মধ্যে দেবা ষানমা, রাহ্মনমেবা, দানকার্য্যগ্রন্থতি বেসকল भार्माच लोटर अवन करा यात्र, हे इंदि अपि সকল কার্যে।র অনেকজলিতে উৎসাহ আছে।

#### --- 3 • 6----প্রেরিত।

মান্যবর শ্রীযুক্ত সোমপ্রকশিসম্পাদক মহাশয় সমীপেয়।

লচৰয়া যেনন অসংখ্য ভারকাপুঞ্জ রাগন-আবিসিনিয়ার যুদ্ধে জয়লাভিত্ত্ত্ব মন্তলে বিরাজিত থাবিতেও একনাত্র শলধরের

-0990-লোকাস্থরগমনে আমাদের এ অঞ্চল অধিক নিকট এইপ্রকার লোক অনায়াদেই সংখ্যালয়োদর বাবু বিদ্যোম থাকিতেও এক প্রকার প্রথায় হইয়াছে। যদিও আমরা চিব্ৰ কালের জনা ভাঁহার সৌম্যুছিদর্শনে বজিত হইলাম। কিন্তু ভিনি যেস্কল কীর্ত্তিপ্তত রাখিয়া গিয়াছেন, ভাষাতে ভিনি যে আমাদের জনসুনন্দির চইতে কথন অন্তহিত হইবেন, এরপ ্রাণ হয় না। বিশেষ ছঃখের বিষয় এই যে উঁহোর সম্ভ'নাদি নাই। - উাহার ভাগিনেয় ললিভ্নোহন রায় (যাঁহাকে ভিনি পুত্ররূপে লালন পালন কৰিভেন) উইল অনুসারে সমস্ত বিষয়ের উভ্যাদিকারী হইবেন। ললিজ্যোহনের ব্যুংক্রম ক্রানিকি ছাদশ বংসব। এই সময় छात्रभि इतिहास निर्माहित अभरम्भाद्ग छिविषद्य विद्रभव विधान कहा कर्त्वदा। य भिक्तरकत्र छे पटह ভাঁহার শিক্ষাভার নিকিপ্ত হইবে, অত্যে উাঁহার সচ্চবিত্রতা বিশেবরূপে পরীক্ষা করা উচিত। শুনা য ইতেচে, মৃত বাবুর দহদর্মিনী, অতি বিদ্বাতী ও গুণবজী এবং যাহাতে ভাঁহার স্থায়ি স্থামীর কীর্ত্তিকলাপ সুরক্ষিত হয়, তদি-ষয়ে বিশেষ গ্রহতী হই য়াছেন। আনরা শুনিয়া আছলাদিত হইলাম, তাঁহার ভাতুস্পাত্র প্রীয়ুক্ত বাব খোগেন্দ্রনাথ রায়ের উপর জামীদ'রী পর্য্য टबक्करनव छात्र नःष्ठ इहेग्नार्छ। (थार्गच्छ नाव्रक আমরা বিশেষরূপে জানি, তিনি যে প্রকার প্রশস্ত হৃদয়, শান্তপ্রকৃতি এবং দয়ালুগভাব, ভাগাতে ভাঁহার ভত্তাবধানকালে প্রজাগণ যে অপেকা-কুত সক্ষে কাল্যাপন করিবে, তাহাতে অণু भाद मस्मह नाहै। मछा कथा कहिएछ इहेरल चौकात कविएंड इहेर्द, य ख्खावधानरनार्यहे হউক, আর অন্য কোন কারণেই হউক, সারদা বাবুর জামীদারির মধে বিলক্ষণ প্রজাপীভূন इहेश थारक। सारशस्य वातु यनि वृद्धिमान ও সুশিক্ষিত হইয়াছেন : কিন্তু তিনি অমকাতর এবং বিষয়কার্য্যে অনভিজ্ঞ্ঞ সুভরাং ভাঁহাকে এমন বিজ্ঞ জমীদারি দেখিতে হইলে কর্মচারী দিগের উপর পদে পদে নির্ভর করিতে হইবে : কিন্তু সেকেলে সেহাখাতে স্বার্থপর, ধর্মজ্ঞান-পুনা, অলবেডনভুক আমলাদিলের উপরে নির্ভর করিতে হইলে বরং পুর্দাপেকা অধিক জাত্যাচার হইবার সম্ভাবনা। আভগ্র জমিদারির স্থাধলা, প্রজাবর্গের প্রতি অভ্যাচারনিবারণ এবং সরকারী ক্ষতিনিবারণকল্পে আমরা এই প্রস্থাব করিভেছি যে, পর্যাপ্ত বে**ঙনে এক** জন সক্ষিত্র কুডবিদ্যাদে নিয়ক্ত করা উচিত। ভিনি कार्रे कि दियर देवा छ मकुन दिवरस (यार्शका चार्त्र

চকদীঘীস্থ বারু সারদাপ্রদাদ রায় মহোদয়ের । দুইকারিতা করিবেন। বিদ্যাদার**র ম্লা**শয়ের याहरङ भारत।

> ১৮৫৬ খৃঃ অব্দের এপ্রেল মানে চকদীধীক গবৰ্গমেন্ট সাহাষ্ট্ৰেড বিদ্যালয়তী স্থাপিত হই-য়াছে। ইহাতে যদিও চকদীঘীর অন্যান্য বারুরা শাহাণ্য করেন, কিন্তু এক গাত্র সার্দা বাবুর য্রাতিশয়েই যে বিদ্যালয়টা প্রতিষ্ঠিত হয়, ইংচ অবশংই স্বীকার করিতে হইবে। সীতিমত তস্ত্রা ববানবিরহে বিদ্যালয়টী যে আশালুরপ ফল श्रमान कविएल लाख नाहे, हेहा विश्वविद्यालयुव পরীকোতীর্থ ছাত্রসংখার গ্রাম করিলেই বুঝিতে পার। যায়। অর্থের জনাটনই পদ্দীতামন্ত अभिकाश्म विमालराष्ट्रत्र श्रीन वद्यात अधान कार्ना কিন্তু চক্দীশীর ইস্ক লেন্ন সে জনটন কখনই হয় নাই। ব'বু সীভানাথ মুখোপাধ্যায়, বাব চাক্রচন্দ্র চাটোপাধাায় এবং উপস্থিত প্রধান শিক্ষক বার্ ক্ষেত্রমাহন সেনের সময়ভিন্ন বিদ্যালয়টীয় কখন উরত অবস্থা হয় নাই। আম্বা প্রামাণিক লোক মুখে শুনিলাম, মুভ বাবুর গুণবভী ভার্য্যা স্কল **गिरक अक्कारम (को) अरेव अनिक क**िंद्रवात इन्छ। कतियारक्रमः ज्यशास भवनीत्मरान्देव माहायः, অন্যান্য অংশীদারের অংশ এবং ছাত্রদেয় বেতন পরিভাগে করিয়। সমস্ত ব্যয়ভার আপনি বছন করিবার সক্ষল্ল করিয়'ছেন। ইহাতে ভাঁহার সদাশয়তার সবিশেষ পরিচয় পাওয়া ঘাইতেছে वर्षे किन्तु अ श्रष्टार्य व्यागता व्यष्ट्रामन করিতে পারিলাম না। গবর্ণমেন্ট সাহায্য পরি-ত্যাগ কৰিলে ভদ্মাবধানের ব্যাঘাভ ঘটিবে এবং পরিশেষে বিদ্যালয়নী জমীদারী আস-বাবস্তর্প হইয়া দ্বাড়াইবে। অংশীদিগের অংশ এবং ছাত্রদিগের বেডন গ্ৰহণ না করেন, ভাছাতে ক্ষতি নাই। কারণ व्याभारमत श्रास्त्र व्याधिकाश्म (लाक्ट्रे निःचः) রীতিমত আপন আপন সন্তানের বেতন দিতে অক্ষম। বেতন না লইলে ছাত্রসংখ্যা বিভাগ হইবারও সম্ভাবনা। শীল্র যাহাতে ডিস্পেগরির निकटणे अकरी क न गृश् निर्मिष्ठ इश्, छिष्वरश আমরা অন্তরোগীকরিতেতি।

চক দীখী:তথে একটি ডিস্পেকরি আছে. ইহা অনে: দই অবগত আছেন। চিকিৎসক মহাশায় কিয়া ভাষার জ্পীন ক্মচারীদের অন-षधानकानित्रकान वा भववाग्रताहेत अवधानातन कुल ণ্ডা অথবা নিয়মের দোষেই হউক, মধ্যে মধ্যে উক্ত ডিস্পেদসরির অনেক বিশ্থালার কথা প্রামিতে পাওয়া যায়। পে: कार्या ७ मन्ध्रमे अर्थ मर्ख्य यह नक नरह । कावन ।

কখন কখন উপর্যুপরি ৪।৫ দিবদের পত্রিক। এক সমধ্যে পাওয়া যায়। মৃত বাবুর উইল অস্থ্যায়ে চকদীঘীতে একটা অতিথিশালাও শীড়া প্রতিষ্ঠিত হইবে। উহার প্রকৃত উদ্দেশ্য কি अवर कि धनामीएड ऐशत कार्या हिल्द, छाइ। আমরা এ পর্যান্ত বিশেষরূপ করণত নহি। कामारलत्र विध्वहनां यथाता वाक्षका, भीका অথবা কভাপতাপ্রযুক্ত পরিশ্রম করিয়া জীবিকা নির্দাহ করিতে সম্পুরিপে অক্ষম, ভাহাদিগকে এবং अनाथ वालक वालिकाफिशटक ( घाश्टात्व तक ग'रवकरणत (कर नाई) आधार (मुख्या जात শাক। আর যেদকল প্রতিবেশবাসিনী ভদ্র কুল কামিনীর পাত পুত্রপ্রভৃতি ভারণপোষণকারী কেছ নাই অথচ ঘাঁহার৷ ভিকাথিনী হইয়া পরের ष'त्रच ६२ एक भारतम मा, छाँह'रमत काम প্রকার বিধান করিতে পারিলেও ভাল হয়। এমন निश्चम करिय़ा प्रविशा डिविड (म. के कनाथिनीता অন্তঃপুরে সারদাবাবুর গৃহিনীর নিকটে আবেদন করিবেন এবং ভাঁহার নিকট হইতে সাহায্য প্রাপ্ত ২ইবেন। বিস্যালয়, উষ্যালয়, ভাক্ষর এবং সক্ষয়িত অনাথা আমটা ব্লীতেমত চলিয়া আশা-মুরূপ ইষ্ট ফল প্রস্ব করিয়া দেশের অসীম मक्लभारन कहिएक शास्त्र, इंहाई आभारत्व একান্ত ব'ঞ্নীয়ুঃ কিন্তু নিয়মিত ভত্তাৰগান ব্যতিরেকে ভাষ্। ইইবার বোন সম্ভাবনা নাই। অত এব একটা স্থানীয় সভা করিয়া সভার হতেও ভজাবধানের ভার নাস্ত করা উচিত। ভাহার। य निव्यावली कविष्या छन्त्रनादवर कार्या क्ट्रें(र । आयत्। विभू लिथि छ छटलाकि मिश्क লই:। সভা করিব র প্রস্তাব করিতেছি।

সভাপতি। মান্যবর শ্রীযুক্ত পণ্ডিত नेचवहका विकामाभव । সহক্রারী সভাপতি। ত্রীয়ুক্ত বাবু বেণীনাধন বস্তু

- ধারকানাথ মিত্র
- ্মপ্রতি চট্টোপ্রেন্যু
- » পরমানক भूरখাপাধনায়
- " শ্রীরাম ভট্টাচার্য্য
- » উমেশচন্দ্র মিত্র
- " क्रथनात्र विद्यान
- (माम(शाविम ित
- " का:अनोम तोध
- इक्षिनलाल त्रा
- षरेवडानक मन्त्राहरू इ के (यारशस्त्रनाथ द्वाय ।
  - महकारी मन्त्रापक (মার্নাথ সেন ( প্রধান শিক্ষক )

দিভাগুহে মৃত মহাত্মার একটা প্রস্তরময়ী মৃতি স্থাপি চয়, ইহাও আমাদের একাস্ত ইচ্ছা।

₹3-

8 श दुझाकु )

339¢

প্রজাবর্গের অনিস্থানবারণ্ড্না কুপালু গ্রধ্যেত বিভারালয়সংস্থাপন করিয়া বিচাবক সকল নিযুক্ত করিয়াছেন। কিন্তু ঘাঁছাদিগের क्टेटि व गाँशमिट्रात माझ्ट्रा क्वितात स्टेट्र, ভাঁহারা যদি নিজে অধার্মিক হন, ভাহ। হইলে কথনই ছুট্টের দমন হয় না ৷ অভএব অরো উাহ'লের ধার্মিক হএয়া<sup>®</sup> নিভান্ত আবশ্কে ত্তক জ্ঞান আৰু যেকুপ অনাকে পথপ্ৰদৰ্শন কবিতে পারে না, দেইরুপ অধার্দ্মিকরা অন্য অধান্দিক লোককে ধর্মপুথে লইয়া যাইতে लक व्हाना । উकिन ও बास्काव महानम्बिराज বিস্কাৰ্য ে অধিকতর নির্ভর করিতেছে। ভাঁহারা যথন আপন আপন মঙ্কে-লের পক্লইয়া বজুভাকরেন, তথন নিজের भहकरलव (मापन एवंड धर्मा । मिर्क मा छ का-हेशा क का भाग भाग स्थान स्था भागभा वासासू-नामकरीयाः सार्वसा याने विभीन । छ स्थान्त्रीय ব্যালয়ের জ্বান্দ্রত লিপ্র মৃক্ষ্মা এক কালে नक्ष का प्रदेश छोड़ी देवेल को निक्छ। शक्तांत्रक का शह कि इ लागत हम् बहुते. कि ह स्य कानः विष्ठात् तर्भश्यां भन कहा । अ विष्ठाह কলা নিয়েলন কলা সে উল্লেশ্য সকল হইতে भारत ७२० स्ट्राम ज्लादक मिथत मक्फमा क ब्रह्म আর সাংগ্রা ১৫ ন। স্কুত্রের সুত্র দমন স্থ-्छ हे धहेश ऐंदर्र । कि 🗷 (मधा याग्र ्म. 🕏 रीज त्या क्लिक एका सहस्रहाता माल्डिक शास छ निहास सराय कार्यान्त्र छित्समा এककारल विष्यु ७ इहेगा अट्यंत भाग क्रेशा शहर भनार्थ **भन्ध**िक विश्वक्रिन নিয়া যে সেমক দমা এছনপুৰাক আৰ্থ উপাৰ্ক্তন ক্ৰেন এবং বাহিরে আপনা দিপকে প্রথ গার্মিক 🛦 ভদ্রবলিয়া লোকের নিকটে পরিচয় দেন। 🗗 স্প্রতি এই বহরমপুরে এইরূপ একটী য্যাপার উপস্থিত। ভাছা সাধারণের গোচর করি থার মান্দে ভাগার স্থাল বিবরণ নিম্নে প্রকাশ করিছেছি, পাঠক মহাশয়গণ উকীল্দিগের অধ র্মের ভাব স্পষ্ট দেখিতে পাইবেন।

এখানকার জাই উ মাজিকেটের নিকট একটা মারপিটের সকদ্মা উপস্থিত বিনি মারিয়া-ছেন, তিনি ঠাছার উকীলের নিকট স্বীকার করিয়াটেন এবং উকীল মহাশ্য নিজেও স্পষ্টই বুঝিতে পারিটেছেন যে বাস্তবিকই আনার

মকেল মারিছাছে। ভিনি- ব্রিভে পারিয়াও আপনার মঞ্চেলের পক্ষদম্বন করিতেছেন, অনিকল্প যে মার थाहेशा क्रम, जाशास्क িশান্তি দিবার জনওে চেষ্টা পাইয়াছিলেন। এই कि डेकील महानग्रिनितात वर्षा ? এই कि खाँहा দিগের ভদ্রত: ১ এই কি তাঁহাদিগের এক কাল পরিপ্রবের বিদ্যার ফল ? অর্থনিশাচ হইয়া धर्मार के विकादिक खामरक (कम रमन मरक) নত্ত কৰা কি ভাঁছাদিলের ন্যায় লোকৈর কর্ত্তব্য यपि जांशमिरभव मिर्छत कर्जनत्वाप मा इहेस. ভবে ভাঁহারা কিন্তপে অনাকে কর্ত্তর ব্যাইবার (5र्ष्ट्री करवन ? श्रुटर्त्र विलग्नाहि, अन कथन अक्टक नहेग्रा याहेट ज भारत मा। (कांशाय উৎপীড়িত ব্যক্তিরা রাজার আত্ময়গ্রহণ করিয়া শান্তিপ্লাপ্ত হইবে, না ভাহারা অর্থপিশাচ উকীল মোজারদিলের জালে জড়িত হট্যা আরও বিপদে পভিত হয়। একণে উঠাল 🖽 মোকার महाभग्नितित्व निक्षे कामात्र अहे श्रार्थना त्य, দাঁচারা নিজে ধার্মিক হটতে শিক্ষা করুম, ভাচ্ इड्रेट्स श्रष्टाहिटेडियी शवर्ग्यान्द्रेत अ धार्मिक लाकपिरभव फेरफन भागत बहरव ७ भावे महन তাঁহাদেরও অধোপার্ক্তন ছইতে পারিবে।

উপদংশারকালে গ্রন্থেন্দ্রনীপে আয়ার নিবেদন এই যে, গ্রন্থান্ট যেনন উকীল ব্নোজারদিগের বিদ্যা বিদ্যা প্রীক্ষাঞ্জন করিয়া ভাহাদিগকে একালতী ও মোলারি করিছে অনুষতি দিবেন, তেমনি ভাহাদিগের স্থাপেকা গুলভার যে প্রীক্ষা করেন। নতুবা জ্ঞানবান অগ্রন্থ করিছা করেন। নতুবা জ্ঞানবান অগ্রন্থ উকীল ও মোল্ডার্ডিগের দার। প্রজাবর্গের শান্তিলাভ দুবে থাকুক, বরং পাপের প্রাভ অধিকভর প্রবাহিত ইইতে থাকিবে।

বহরদপুর ১২৭৫ ক জন পাঠক তরা জেন্তে

---%e3----

ভবানীপুর লগুন মিসনরি সোসংইটীর ইন্ফি
টিউদনের অধ্যক্ষ মান্যবর শ্রীমুক্ত রেধবেগু

জে, পি, আছিন সাহেব গেরাপ শারীরিক ও
মানসিক পরিশ্রমসহকারে বিদ্যালয়ের উয়তি সা
ধনে যম্বলীল হইরাছেন, ভাহাতে স্পষ্টই প্রভী
গ্রমান হইভেছে যে, অভ্যন্ত কালের মণ্যে বিদ্যালয়লীর সবিশেষ উয়তি হইয়া উঠিবে। ভিনি
ও আর কয়েকটী বিজ্ঞবর স্থানিক্ষক এক্ষণে উপ
রিস্থ শ্রেণীগুলিতে স্বিশেষ ধ্যের স্থিত অধ্যা
প্রা কার্য্য সম্পন্ন করিতেছেন।

विमानशाधाक महानश करन निवरत छाज

मिश्राक विष्याचि । मिश्रा कांख थारकन ना, তিনি রজনীযোগে সময়ে সময়ে বি. এ, প্রেনীর ছাত্রদিগকে আপন আলয়ে আনাইয়া দূরবীক্ষ যন্ত্রাদি দারা চল্লের ও নক্ষত্রগণের গভিবিদি প্রদর্শন করিয়া থাকেন: সম্পাদক মহালয় । তিনি উচ্চাত্রণীয় ছাত্রগণের বিদ্যালিকা জন্য ণেরূপ পরিজ্ঞম স্বীকার করিতেছেন, ভাঙা लिथमी हां । लिथिया (निम कहा गाप्त मा। अन्नाप विरम् राष्ट्रारे शहर भारती महाजात कान विषद्य उपनि नर्भन कतिहरू कान् वर्ष्टित कान्य प्रश्रंत পরিতাপিত না হয় ? মহাত্তব আছুন সাহেব विम्डान्नरम् व काटलक छिलाहिरमट छेत करमुकी त्वानीत **डेइ** डिकान विरमय यहमील कार्टन र কিন্তু আক্ষেপের বিষয় এই, তি.নি নিয় জ্রোণীন শিক্ষকগণের প্রতি দৃশ্চিপাত করিয়াও করেন ना । जे निक्तकंतर नत व्यक्तिम इतिवृद्धा । काँही দিগের অবকাশকা**ল ও বেতন অতি** অল । সম্পাদক মহালগু! অল বেডনে কি কোন গুল ভর কার্য সাধিত হইতে পারে? শিক্ষকের কার্য্য বড় সঞ্জ নতে। সমাজের উন্নতি ভ অৰ নতি শিক্ষকদলের উপটের বিশেষরূপে নির্ভন্ বারে। আছএর নিক্ষকগণ যাখাতে সন্ত্রন্ত পারেনন, প্রতেকে বিন্যালয়ত্ব ভবাববায়কের দেবিষয়ে যঃশীল হওয়া উচিত। একুলে আমার লিখিত্র। এই বে, মহানান্ত্রৰ আস্ট্রন সাতেল যখন বিদ্যা अटराज छेन्नछिद्र निभिष्ट सञ्जीन इहेग्नाटइन, छेबन নিয়প্তেশীস্থ শিক্ষকগণের বেতনবৃদ্ধিপ্রভৃতির প্রতি দৃটিশাত করা ভাষার একান্ত আবশ্যক ( ভाग हहेटन डेहिता कात्रमहाराहकः समस्य ধরসলকারে অধ্যাপনাকার্য্য সম্পন্ন করিবেন, বিদ্যানয়েবও অবিকাচর উর্নতি হইবে।

১৮%৮।১-ই ্ম }

১৮%৮।১-ই ্ম

১৮%৮।১-ই ম

সম্পাদক মহাশয়! আমি জনেক দিন জবধি
গ্রেণ ওদেশ করিয়া গুরিয়া বেড়াইডেটি।
জনণ করিতে করিতে করুদেশে কত প্রকার
আশ্চর্যা ব্যাপারট অবলোকন করিলাম। কিন্তু
বর্ধমান জেলার অন্তর্গত নালিকগঞ্জের হাটে যে
এক অন্তুত কান্ত দেখান্তর হইতে নানারিগ দ্রবা
লাগে না। তথায় দেশান্তর হইতে নানারিগ দ্রবা
লাগের শোভানশনাথী হইগা উভয় পার্বস্থ বিপালি
ক্রেণীর মধ্যেতী পথে জমণ করিতে লাগিলাম।
তক্ষণের এক স্থানে লোকের জনতা দেখিয়া এক
ব্যক্তিকে জিজ্ঞানা করিলাম, মহাশয়। ওখানে
জত লোকের গোল কেন ? তিনি উত্তর করি
লেন কেন ? আপনি ইন্তু এখানে কথন আসেন
নাই ? এখানে ছোট ছোট কন্যা বিক্রয় হই--

তেছে। এ কথা শুনিবামাত্র আমান বোগ হইল, তিনি ব্যক্ষ করিতেছেন। আটা কছিলাম, মহা-শয় ! কি রহন্য করিতেছেন আপনি জানেন ম। अ हेश्ट्रद्राक्षत्र मूल्का क्रुटिक माक्ति कार्टी अथारन মান্ত্ৰ বিক্ৰীৰ নাম কৰিলে ভাঙার দণ্ড হয় জিনি কহিলেন, সে কি মহাশয় ! আপনি লাংনন नः এই शहरे अञ्चवस्या कना विक्रासन खनुम क আছে আমার কথার প্রভয়ে না যান একট আগে গিয়া চফু কর্বের বিবাদভঞ্চন করুন। ভগ্ন আমি মনে করিলাম; তা হতেও পারে : বালককালে শুনাছিল চেতলার হাটে মানুয বিক্রি হয়, তা এখানেও হবে তার আশ্চর্য कि। ভাল এঁর কথা যদি সভা হয়, ভা হলে আমারই পক্ষে ভাল। এত দিনের পর বুঝি এই আইবড় বংশজ বামুনটার কপাল ফিরিল। যদি এই স্থানে একটা ছোট মোট মেয়ে হাত লাগিয়া ষায়, ভাষা কইলে বাপ পিডাম্বের একটা পিত্তের ও আপনারও অসময়ে এক ঘটা জলের সংস্থান হইতে পারে। অনস্তর অনেক কণ্ঠে ভিড় र्किनिया विकासकरम छेशिक्ष इहेशा मिथिनाम. সভ্য সভ্যই ২াও ইইভে ক্রেমে ১২।১৩ বছরেব **भर्गाण जातिक हो। क्यां। एश्वा विक्र**यार्थ আনীত হইয়াছে। ভন্মধ্যে কতকগুলিৰ রূপ কাৰণ; দেখিয়া আমাৰ মন আহ্লাদে নৃতঃ कविरुक्त लोशिल । गर्न कदिलांग এक निर्नेद शद ৰুঝি প্ৰস্লাপতি এ অভাগার প্ৰতি সময় হলেম। **এড মেয়ের ম**ধ্যে একটা না একটা **অবলাই** क्षुरिए भाषित्। मिनाम, कडकश्री मानान ইতস্ততঃ ভ্রমণ করিয়া ক্রেডুগণকে আহ্বান कतिराज्याहर । कन्या भारेबाद्र सन्या गकरनारे প্রথমে তাঁহাদিগের উপাসনা করিভেছেন : সওদা করিয়া দিতে পারিলে ভাঁহারা শতকরা 3 - ठोका मार्नाम ७ कथन कथन जात्र किहू কিছু পুঞা পাইয়া খাকেন। একটা ১০ বছরের মেয়ের কাছে কতকগুলি খরিদদার একতা মিলি ब्राह्ड हिथिया जामि मि श्वारत छेनती छ रहेलाम, সেখানে বিক্রেডার সমস্ব কড়া কড়া কথা ষ্ঠানিয়া ভাঁহারা সকলেই ব হইয়া আছেন। কন্যাটীর ক্লপলাবণে মোহিত হইয়া দরের কথা জিজাসা করিব করিব মনে করিডেছিলাম, এমড কালে প্রায় ৭০ বছরের এক বুড়ো আসিয়া मालारमञ्जूकार्यकार्य १८० छोका मन्न मिरमन, গুনিয়া আমি অমনি অমনি পাদ কাটাইলাম। ভাশ্য পর একটা বছর সাতেকের মাঝারি গো-(कः : शर्व (मधित्रा मरतत कथा-क्रुश**हेलाम । किख** ভাহান ক্ষাবকারী ৪৫০ হাকিয়া বসিরা আছেন,

मानान महानम् व लिलन, जात्वरक ७६० উठिवाद्यात, किन्न जाशास्त्र जाशाद मन छेटी নাই। এখানেও ডাল গলিবে না ভাবিয়া আরু একটা ঐ রুক্মের কিছু ছোট লেখে দর করিতে গেলাম ও ভাহার অধিকারিণী জীলো की य प्रदेव कथा विलिधन, छोड़ाएड এक पिन ল ওয়া যা**ইতে পারে কিন্তু** তিনি যে আসবাবের कर्म मिटनम खाहात मत्वत्राह कन्नी च्यामारनत পাধ্নয়: অনস্তর্যে দিকে কাঁশা খোঁড়া প্ৰকৃতি বিক্লাজগুলি বিক্লয় হইভেছে তথায় রিল্লা দেখিলাম, ভাগারাও পড়িতে পার না। ভংপরে যেথানে ছোট ছোট বাচকানিগুলি বিক্রমু হটডেচে, সে দিকে একবার দৃষ্টিপাত করিলাম। কিন্তু ভাহার মণেঃ কোনদীর গায়ে স্তুতিকাগন্ধ কন্দে, কোনটাবা আজিও ছুধ ছাড়ে নাই : আমার যা পুঁজি পাটা ছিল, ভাষাতে ঐ রকমের একটা পাওয়া যাইতে भारतः किन्त नहेट कत्रा हहेन ना । व्यानि कि যদি এক বাল্পায় কর্ম কাবার হইয়া যায়। মহাশয় ! ঐ হাটেব এক দেশে আবার কন্যা বিনিময়ও হইতেছে দেখিলাম। যাঁহারা বদ-नाइ कविष्ठाइन, डाँशामिर्गत वड़ कष्टे नाहै। কারণ সপ্তদা সহজেই হইডেছে ; কিন্তু ভাহাভে कान मा कान भएकत ठेका रहेए छ। मण्या দক মহাশয় ! আপনি ভ ইস্তক প্ৰেভতত্ত্ব হইতে রাজনীভিপর্যন্তে সকল বিষয়েই হস্তক্ষেপ করিয়া থাকেন ; এই বিষয়ের জন্য এক বার কলম ধরিয়া রাজপুক্ষদিপের ঘদি একটু বাগ ফিরাইয়া দিতে পারেন, ভাছা হইলে অনেক (आजिय ও वश्यक वंभूरनत वश्यतका इहेटड পারে। যেখানে ভাঁছারা বিক্রয়ের অনুমতি দিয়া (इन, (मर्थात कन्तांत्र व्यःक्रम ७ क्रभ नांवना অসুসারে উহার প্রেণীবিভাগ করিয়া মূল্য নির্দা त्र कतिया मित्न व्यामामित्रात्र मञ इक्काशामि গের এক দিন গভি লাগিতে পারে। দেখুন, সহরে গাড়ি পালকি প্রভৃতির ভাড়া নিরূপিত হটয়াছে, ঐ হাটের কন্যাগুলির একটা দর নির্দ্ধা तिङ कविशा मिरल यमि (मर्भव किष्ट श्रकाविष হয় ভাহাতে হানি কি ?

हेनात्वायश्वनाहे १८ हे १म १४७४ - अक साहेवड़ा

#### —१०१— भूगाथाथि।

শ্রীযুক্ত বাবু কালীময় চট্টোপাধ্যায় কলিকাতা ১২৭৫ বৈশাপ হইতে চৈত্র পর্যক্ত কালী করিবীপুর ৯ শ্যামাচরণ রায় চৌধুরী ক্রেমিনীপুর ১২৭৫ ক্যৈত হুইতে প্রাবণ

- শ আন্তল্পের মিত্র রাজপুর
- <sup>ই</sup> শ্বাপৰচন্দ্ৰ ভৰ্কনিদ্ধান্ত কলিকাভা di

#### সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা

#### विट्यंव निव्रम।

অবিম মূল্যও ডাক্মাসুল না পাইলে মদ-মলে সোমপ্রকাশ প্রেরণকর। যার না।

ইংার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা দ্ব মফস্বলৈ ভাকমাস্থল সমেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং ত্রৈমানসিক ৩৮০। তিন মাসের স্থানে অগ্রিম মূল্য গ্রহণ করা যায় না ৷ ৮ণ্ডি, বরাতি চিঠি, মণি-অভার, নোট ও স্থান্থ টিকিট, ইহার অন্যতর বাহাতে বাহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই উপায় বারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষ্টাহার। স্থাম্পটিকিট পাঠাইবেন, গ্রাহার। ষেন এক অথবা আধ আনার অধিক মুল্যের ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

ষখন বিনি মফখল হইতে সোমপ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, ভাছা যেন রেজিপ্রতির করিয়া জ্রীযুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

ষাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অভীত হইয়া আসিবে, এক মাসপুর্ন্মে তাঁহাদিগকে চিট্টি লিখিয়া জানান ঘাইবে, কাল অভীত হইয়া গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভালার পর একমাসকাল প্রভীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা ঘাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং পাঠান হইবে।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ডাক ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীল্প পাইব।

ষাঁহারা মান্ত্র না দিয়া পদ্রাদি প্রেরণ করি বেন, তাঁহাদিগের সেই প্রাদি গ্রহণ করা যাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইছ।
করিলে তাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংক্তি 🗸 জানা ভাহার পর 🗸 ১০ জানা দিতে ইইবে।
বিনি জবিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা করিবন, তাঁহার সহিত শ্বতন্ত্র বন্দোবস্ত হইবে।

ক্রেএই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পূর্দা মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চাক্ষড়িপোতায় শ্রীযুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যা-ছুবণের বাটীতে প্রতি সোমবার প্রাতঃকালে প্রকাশিত হয়।

১০ ছ ভাগ

— ১১७ — " प्रयत्ततां प्रकृतिहिताय पार्थियः मगस्त्रती श्रुतिमहती न हीयतां।

मर्थरा ।

বিজ্ঞাপন।

माजिक मृता ५ এक खिब्रा विकि ५० मण ভাত্তিম নাল্যালিক লা সাড়ে পাঁচ টাকা ৷

চক্রবর্তীর উপরে বিল ও চিঠি পরাদি আক্রব

---:c:--

हेक्केहिका (तल उर्ग ।

কয়লাপ্ৰভৃতিৰ গাড়ি

ভাড়ার নিয়ম।

তেছে নে. আগামী ১ লা ফুলাই অবধি খনিজ

পদার্থ সম্পর্কে ॥ গাড়িব পূর্ব বোঝাই " এট

শক্তের অর্থ এই রূপ বুরিতে চইবে যে প্রতি

গাড়িতে যত অধিক মাল ধবিতে পাবে ভাহার

আধ্টন করিয়া লুনে পাকিবে। যাঁছারা যত

ক্ম মাল পাঠান না কেন. ভাহাদিগকে সেই

আগটন্কম যে মাল তাছার ভাড়া দিতে

হই:ব। কিন্তু কেই যদি উপরি উক্ত ''পূর্ণ

বোঝাইয়ের " অধিক মাল পাঠাইতে চান

मिएक बहुरन ।

फरालाकोभी (ऋग्रात

কলিবাতা ২২ এ মে

है। इ' কে সেই বেশী মালের নিমিত স্বতন্ত্র ভ'ড়া

हेर्डेड्डिया (तल श्रा भीत ) विभिन्नियानमन

এত द्याया मर्का माधादनरक ख्वां छ कहा याहे-

করিবার ভার সমর্পণ করা হইয়াছে।

कारतहरू कडिएल हि खरुवत कत्रम शाहरू সম্প্ৰতি সোমপ্ৰকাশ কাৰ্যালয়ের সূত্ৰ পারিবেন ৷ প্রকাব বন্দোবস্ত হওবাতে ব্রাযুক্ত জীনাথ

ইইই গুষা বেল গ্র त्यसहासिन (प्रायान कलिकाणा २१० म

দি নিল্ডিফেন এক্সেন্সি বোড।

মহাকবি দণ্ড্যাচার্যেরে কুত দশকুমার চরি-তেৰ পূৰ্দ্যণীঠিকা নেপালস্থ পণ্ডিত জীয়ক্ত ভমক বল্লভ পত্ব কর্তৃক এই প্রথম প্রকাশিত এবং দেবনাগরাক্ষরে মুদ্রিত হইল।মূলা ॥॰ আট আনা ভাক সামূল এক আনা।

कलिकारता मध्याम नियहता है है ৩২ সংখ্যক ভবন

গ্রীভূব: চম্দ্র বসাক

এতদ্বারা সর্ব্য সাধ:রণকে অবগত করা যাই ভেচে যে, ১৮৬৮ ইং ১৬ ই জন মলকার ्तला कुटे श्रहत्त्व तमझ त कृष्टित ल न छेक छ বাচ্চা স্বকারি হস্তিস্থল ঢাকা স্বকারী পিলখানাতে সর্কোচ্চ ডাকে নীলাম হইবেক। ক্রয়েচ্ছু বগণ উচ্চ দিন্দ প্রোক্ত স্থানে গিয়া জ্যু করিছে প্রতিনে ইতি সন ১৮৬৮ ই ৬ ই মে।

B' 不1 আনিস :

আার, ডি. নথল খেনা সুপরিটেটপ্রেট :

#### ইষ্টইভিয়ান রেলওয়ে।

কয়লার কন্ট্রাই।

१५७५ व्यक्ति १ ला जुली है जाविश इस मान কাল এই কোম্পানির পাথরিয়া কয়লা লইবার প্রােজন হইয়াছে। যাহারা উহা সরবরাল क तेतात (हे खत निवात हेका करतन, निम्न चाक-রিভ ব্যক্তি ১০ই জুনের ছই প্রহরপর্যন্তে জাঁহাদিগের নিকট হইতে ভাষা এহণ করি-(37 )

#### ় বিক্রয়ার্থ।

গারডেন বীচ ২৪ নং বাটী গুদামসহ ১৯ নং ছোড়া ৰাগান।

ভাড়া দেওয়ার নিমিত্ত। भातरसम्बीहरश्रमः वाही। উপরি উক্ত হাগান ও বাটী ঘাঁহারা কর

भक्तरात भारतनगरमञ्ज्ञ जिल्ला वर्षिकः । मन ३२१४ । २० व टिकार्छ । ১৮৬৮। ১ ला जून र्मान्यांत्रक १. ७ टेव्यमंत्रिक ७५० हेर्का

> করিতে অথবা ভাড়া লইতে ইচ্ছা করেন, নিয় সাক্ষরিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

शिरमञ्जातम् कात्रता-থনট এবং কোণ

পুরাণপ্রকাশ।

কলিকাতা মূলাপুর আমহাউদের দক্ষিণ কাব্যপ্রকাশ যদ্ভে পুরাণপ্রকাশনামক সাম য়িক পত্র প্রতিমাদে এক বা ছই খণ্ড করিয়া প্রকাশ হইতে আরম্ভ হইয়াছে। প্রত্যেক খণ্ডেব প্রিমাণ ৮০ অশীতি পৃথা। ইহাতে ক্রমশঃ अষ্টা দশ পুরাণ ও উপপুরাণ বা**জালা অনুবাদস**মেত প্রকটিত করিবার কল্পমা আছে। প্রথমতঃ বিষ্ণু -পুবান অমুবাদ ও জ্রীধর্গোলামিক্ত টীকা সমেন মুদ্রিত হইটেডেঃ ১ লা বৈশাথ বিভরণ আরম্ভ হইয়াছে। যিনি ইহার গ্রাহক ইইতে অভি लाघी इन, जिन कलिकांडा मरखुं छ विमानित्स ভাষার নিকট পত্র ডাকমাশুল ও প্রক্রিখণ্ডের মূল্য অজিন॥॰ অ'ট আন। করিয়া পাঠাইবেন। গাঁহারা নিয়মিত গ্রাহকলোণীভুক্ত নছেন, ভাঁহা দের মিকট প্রত্যেক খণ্ড সগদ ১ এক টাক। भूतना विक्राय कता बाहेरव ।

E 25 8 12 े क्रिकारगाइन मधी। 3298 1

সংস্কৃত মেদিনীকোষ প্রকৃত শক্তের চীকা-প্রতে উত্তম নাগরাক্ষরে যত্তপুর্দার মুদ্রিত হই ভেছে। যিনি গ্রাহক হইতে ইচ্ছা করেন, ভিনি চাকা কালেভের সংস্ত এবলাপক জীয়ুক্ত বাৰু সোমনাথ মুখোপাব্যায় মহাশ্যের নিকট অথবা কলিকাভা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে বা কাব্যপ্রকাশ যান্ত্র আমার নিকট পত্র পাঠাইবেন।

३० इंटिंड ३२98 **बिलगरबाह्य मन्त्रा** সংস্ত বিদাংলয়।

## विविध प्रवासि विक्रश्रंश 23351

ইংবাজী বাজলা পুত্তক কাগজ কলম নানা ीत एकाकि पा इस यात्रणभक्ष**यदन, गड़ी अश**ुहि 5 <u>9</u>7 阿伯亦

ः कर्णाम ११ मा <b>र्डेश श'कि अव</b> र	extract = +5
श्वास्त्र व्यादित कश्चिम् हि। र	नुष्ठका। इंडिकाम्बर्
ক'ৰ দ্ৰগদি <b>লন পাইকেড়ী।</b>	ाण ६५७ छ। इस्टाला केस्टा
	"उन्न पार्ट्स वर्ग । वर्ग
শক্তনভূতি সম্ভূ প্ৰথম ৰাও	(
ও ভিতীয় খণ্ড	8
लः भएगत् <b>मती</b> छ।	· ·
<sup>টিক।</sup> ও ব' <b>সালা সম্লিত</b>	3110
শ ক পিন্ধা	ঽ
*: का* व नी	\$
শদাপ প্রকাশিকা	. 6
শ্ৰুপ বছুমালা	
শন্দর্শপ্রচারিক।	<b>v</b>
প্ৰকৃতিবাদ	á
অষ্টা বংশজিজন্ত্ৰ	ত ২
अवार्य <b>गण्डा विष्यास्त्रक पञ्च</b> ि	
টীপ পনী ও ১৮ সংনি প্রতিষ্ঠি	
नार्भित्र वल छ छात्रभवत्वतः	
ইবোগ ট্রীক ঠেবিয়াক	: 11 -
मन्द्रहित्तं कावः	
श्रक्षत्रभी	,•
(বলান্তনশন	<b>.</b>
জাবক < <u>৭</u> ম)লা	2
व्हि छ दिलंबिलाभ	
° প্ৰকা <b>ল</b> হৈ	b
क्षित्रेक्षा कार्यक	y.
इत्मकीत ध्रमान्स्र वर्ती	<b>\%</b>
का श्री करिया	: 11.0
শোজনাত্র গাইত	, <u>, , , , , , , , , , , , , , , , , , </u>
নেল'ল'প্ড'জ্ঞাকা	<u> </u>
স্তীক নেদান	2
নিদান	ن
ম'লভীমাধৰ	٥
পঞ্চাব ইভিহাস ১'নের ইভিহাস	2 11
ह रमत शब्दान हारा (श्रीहांत सङ्गा ( ५ ) २ )	!
সম্ভাষ্ট্র নাট্র	? ?#
্ৰশ্বেসজিনিব্ভিক নাটক	3
মানেরেলে বিধারক	u ;
कें हवदम् नाहे क	u, >
ু গুড়াজী বাজালা ডিক্লয়ারি কলিবাতা ভোড়া-	311-
कार्याच्या । इति । इति ।	i .

<u>এ প্রত্রেরায়</u>

1 }	ষ্ঠিপ্ৰ।	
-व्यक्ति	્રિધ	:    •
	5.31 × 31	\$
भायम् जि	ম্ব	٥
septed a	भु का तली <sub>.</sub>	* 7
36; 24 ; 50 m	'क्रमांक्षा	¢
4794 513	11. 181	৩
श्चानः <sup>ह</sup> । ३	व्हाल	<b>(</b> ç
•	সা প্রগুর	
২ঘুৰ শ	1 特間一	) <sub>p</sub> ,
कें इर है	ন্ধ 🕾 🤛 🐔	۰ ا۱ ۰
क्टी द्वाप	31	. •
<b>અ</b> જે\વિ	শে,৬ হল	: 1
দশ্রপ্র	ħ	340
কলিকাভা	_ ) <sup>জী</sup> কেৰার গথ	বিজ্ঞোপাগ্য গ্ৰ
कर्न क्यानिः <b>क</b> ्षेत्र ५१०	म रे शुच्य	क्षित्रकृष्टः ।

শক্কসভান অভিধান। সর রাজা রাধা-কাপ্ত দেব বাহান্তুয়ের রুত। উত্নকপে সোণা দিলা ভতন বাঁধান স্ন্য: ৫০ টাকা। তত্ত্ वाधिनी शिक्तिना- अशन कहा, एवा ६० ऐकिना জী আনন্দ হতে বেলান্ত বার্গান।

## द्रानीशक भगेद (कार लिभिट्रेप

(मिक्षिप्ता करियान क्षांक्रियन विश्वेत । জী কোলেগানির নিস্মারী প্রস্ত ও মার আনিরের

हिकात नम्या (क्यिएक भारत्य) साथ असा यक्ति काराच । श्रीप्राक्रम क्षु वे वा क्षाम बहुम उपर भार्याहेश फिरन्स

## निमित्रात निमी।

भग १५७० शहराय (स. प्रहित्र १६ हे ३३९७ २১ अ भगुर छ। भीत्रभी भरीत मन्त्रक्य छि জ্বের মারাজির বিপোট।

ender the first of the the	,	
छ।(सद सम	ফুট	\$ \$
মহানার উপর প্রানদীয়েত	٠	->
মহানায়	٠ د	<u> &gt;</u>
তথা হইতে জলিপুৰ পৰ্যান্ত		
(১১। माञ्चल मार्यः)	٥ ـ	5
ভাজিপুর চইটেম বছরমপুন পর্যা, ন্ত	7	
(৪৬মাইল মরে()	٠	*
বহরমপুর হইতে কাঈওয়া পর্যা	3	
(৫- माहेन महनः)	৩	77
कारणेया हरेएठ नहीं है। भगान		

( ६७ माहेरलन मस्तः ) সন ১৮৬৮ মে মাহার ২৬ ভারিখে বছরমপুর গজ ঘাটের জলের মাপ \*

**बीएक है, इस है है के लिए** अक कि किल्लिन के कि नयुन বছ নপুর ভিবিমন

## (भागधकाना । •

२० अ देखाई शामवात । च। न। विवाद छ विस्तृत्रवादल व भ टेड्का

भिन मिन हिन्छुनगाः अत वङ् छत পরि-वर्क इन्टिए। क्याता बालाविधि त्य পরিবর্ত্ত দর্শন করিলাম, তাহা যদি একত্র भग्ना क्रिया (एथा यांस, इत्य वित्यवद्वतः আলুত হইয়া উঠে। দশবংসরপূর্কে कान शली शारम श्रीवर्धे इहेटल द्वांव হইত, বাঞ্চাঞ্জিলা কেবল ক্রীড়া ও আলমে কালকেপ করিবার নিমিত্ত স্থাট इहेसाट्डन। आट्मिन वालक अविधि हम्ब-পर्याय नकदलई को इंग्लिश वालकांप. श्वत পড़ा खनात नामभना नाहे, यूवकनि रशत विराहणिक्षा नात्री; त्रक्षानिरशत खना (कान क्या गाई, (क्वल मनापति, (लाटकत निका, द्वथा भाष्य ও की ए। वहेबा आह्मन। এখন मिहे मिहे और्म करतम कतिएन আমেৰ আৰু দে ভাৰ দেখিতে পাওঃ৷ গার না। বালকেরা লেখা। পাড়ায় অভি-নিবিষ্ট হইয়াছে: যুবক ও প্রেটিটেরা বিষয় कर्षा वास्त्र इहेशा (व ज़ाहे। ठ: इ. इ. इ. इ. গেরও দেখিয়া শুনিয়া পুরুব ভাবের অনেক পরিবর্ত্ত হইয়াছে। পুর্বের নকলে আল্সাও ক্রীড়ায় কালকেপ করিভেন বটে ; উলার সমুচিত ফল ভোগও করি-তেন। অধিকাংশেরই সংগারের বিল ক্ষণ অসভ্ল ছিল। শং শারিক সুখ ভোগ দূরে থাকুক, অনেকে অশন বস. नामित्र थात भत नाई कछ भारे छन। এক্ষণে আর দেরপ নাই। এখন কি कृषक, कि आमकी वी मकूत कि इह शाह

অন্নের নিমিত হাহাকর করে না। আনের
মধ্যে যে তুই টারি জন জাতাভিমানাদি
নিবন্ধন শ্রমবিমুখ হইয়া আলস্যে কালা
তিপাত করে, ভাহাদিগেরই যে কিছু
কট আছে এইমাত্র। সাধারণ্যে বলিতে
গেলে এই কথা বলিতে হয়, পলীপ্রাম
ওলি একণে পূর্বাপেকা বহু গুণে সৌভা
গ্যাসপায় হইয়াছে।

বিদ্যাদানকার্যের প্রাচুর্য্য, বাণি জ্বের উন্নতি ও রেলওয়ের স্থা এই তিনটীই পলীগ্রামের অবস্থাপরিবর্তের व्यभान कातन। हेर्त्रांक भवर्गामण्डे ध महन्तरित्रहे भूता। हेश्ताक शवर्गस्यन्ते रयमन आभा परभव याव की व कलार वंब কারণ, তেমনি ইংলাজদিলের সংস্থা ও তাঁহাদিগের দৃটামুদর্শন কভগুলি মারাত্মণ অনিষ্টের কারণ হইয়াছে। এ ছলে মে পরিবর্ত্তভালিরও গণনা করা একান্ত আবশ্যক হইতেছে। প্রথমতঃ मानक्ष्यकारमवरनत मगिधक প्राप्तृ जीव হইয়া উঠিঃ।ছে; তংসহচর অন্য অন্য मार्मत्व व्याविकांव एइंग्राइ। दिनी-য়তঃ অনেকে যথেচ্ছাচারী হইয়া পড়ি-রাছে। হিন্দু ধর্মে অনাস্থা এ গুলির মূল। হিন্দু ধর্মে লোকের এত অনাস্থা জিমা য়াছে যে. যে কিছু হিন্দুশান্তোক ধর্ম कटबार अञ्चलीन (मिथिटिक পाउरा यार, অনেকের তাহা মৌথিকমাত্র হইয়া দাঁড়াইরাছে। এখন আর ত্রিকা कीन मक्तावन्तन ७ जशरहामानि शांश দৃষ্টিপথে পতিত হয় না। কোশাকুশি ও শালপ্রামশিলা অনেকের বাটা পরি ত্যাগ করিয়াছেন। অনেকের ধাটাতে পূজার পাত্র অনাদরহৈতু মনোহঃথে মলিন হইয়া মঞ্সাগত হইয়া আছে। যেগুলিতে অপকার, তাহা বিনা সঙ্কোচে অবলম্বিত হইতেছে; কিন্তু যে পরিবর্ত্তে হিন্তুসমাজের উন্নতি ও মহোপকার লাভের সম্ভাবনা আছে, দে দিকে প্রায়

दनके व्याधानत इन ना विश्वान विवादकत छ गुलन अक्षेत्र मह्हानकात्रक विषय। तम नित्रवर्ष অপ্লাকের অভিয়চি দেখিতে পাওরা যায়। সোম একাশের হুই জন পত্রপ্রে-तक क्रो वानटकत विवाह **इहेटक (**निर्यश আক্ষেপ করিয়া লিখিয়াছেন। বাল্য विवाह वद्य प्लाटवत आक्ति। आमता ध्य এত श्रीनवीर्या **अ शीनवल, प्रायांत अल**-বালু প্রভৃতির দোষই তাহার একমাত্র कांत्र गय, वामाविवाह वस्त्रभित्रियाद् উহার সহায়তা করিয়া থাকে। কাহার तुक्तरताभागत हेच्छा खिचारत (म कथन ठाडा शांरहत व्यापूर्ण वीक नहेश (म हेन्हा চরিতার্থ করে না; কিন্তু বৃঙ্গলেশীয়েরা व्यनाशारम व्यश्चे बीएक मन्त्रान डेर्भन করিতেছেন। দে সন্থানের বলিপ্ত ও **मीय को वी क**हेवात সম্ভাবনা কি ? এ দেখের লোকে অধিক বয়সপর্যান্ত অধ্যবসায়সহকারে যে কোন কার্যা সম্পা मन कतिएंड शारतन ना, वालाविराह তাহার অন্যত্তর প্রধান কারণ ৷

क प्रतामत मानिनां उतिमकत्सनीत य वानाविवार्था श्रामं ज्ञानिक चारह, जाहारे এ বিষয়ের চুড়ান্ত। এই শ্রেণীর প্রায় कित यथेन मणे वा अकामणवर्ष वशुक्रम হয়, সেই সময়ে উদ্বাহক্রিয়া সম্পন্ন হইয়া যায়। তত অংশ বয়দে দারপরিগ্রহ করিয়া গৃহস্থাপ্রমে প্রবিষ্ট হইলে কত অনিষ্ট হয়, অসুভবশালী ব্যক্তিমাতেই তাহা অনুভব করিতে পারেন। ভাঁহাদি-গের কটের কথা বর্ণন করিয়া শোষ করা যায় না। বিবাহের মজে দঙ্গে লেখা পড়। श्रोध मोक इया। घाटनटक घाल्ये वयटम সংসারভারাক্রান্ত হইয়া নানাবিপদ্এক্ত হইয়া পড়েন। অন্য অন্য ক্লাভি লারপরি-গ্রাহ করিয়া যেসময়ে সংসারে প্রবেশ करतन, रेविपरकता ज्यान श्रीज्ञाला ত্রাদি বহু পরিবারে বেফিড হইয়া শিষম

विज इन। उांशामिर्भन इहेट मिहे বহু পরিবারের যথাবিধি লালন পালন ও বিদ্যাশিকাপ্রভৃতি সম্পদ্ধ হওয়া ভার হইয়া উঠে। যিনি বাটীর কর্ত্তঃ ভাঁহাকে একটা দ্বপদ্বিশিষ্ট জন্ত বলিলে एश । डाँशांत ना चाट्ह विका तुष्ति, ना षार्ट्ह हिटलंब केमार्या, ना चार्ट्ह वस्मर्भन, ना चार्ड वर्जनक्षमठा; वन्त्र वर्रम বিবাহ সমুদ্ধ হল। করিয়া লয়। ভাদুশ কর্ত্তার অধীন পরিবারেরা যে কীদুশ कृष्णभाशम इस, काहा अञ्चलका नी पिटशस इर्ट्साथ नत्। शुक्रवशतकाता अहे इक्तिणा हरेशा आगिट उटह ; अहे निमित्र देविन क-শ্রেণী কোন বিবয়েই উন্নতিশীল হইতে পারিতেছেন না। এইদকল কারণে এই শ্রেণীর মধ্যে প্রকৃত ঐশ্র্যাবান্ वाक्ति नवनर्गाण्य इन ना। मान्तिगाणः रेबिकराली निवयिष इंडिजाना बनियां है প্রসিদ্ধ। যত দিন এই শ্রেণীর এ প্রথ। প্রচলিত থাকিবে, তত দিন যে ইহাঁরা एधित्रश छेठिर्वन, रम मञ्जावना नारे।

এইমাত্র অনিষ্ট নয়। বৈদিকদ পা তীর অনন,জাতিদাধারণ একটা বিপ রীত ভাব নয়নগোচর হয়। অন্যান্য জাতীর পুরুষেরা স্ত্রীর উপরে প্রভুত্ব करतन : किन्द्र रेबिनकर अनीत खीता शुक्र ষের উপরে আধিপত্য করিয়া থাকেন। शृत्स्य वत्रा इहेशारङ, विवाहकारत जी उ পুরুষ উভয়েরই আয় দশ বৎসরের काधिक वशुभ इशु ना। अ (ए८) भागति है (मश्चर्ण भाउहा यात्र, **जी**रलारकता जिल्ला বয়দে পুরুষের অপেক। অধিকতর বর্দ্ধ-शान इहेश छेट्ठेन; खु छत्र देविनिक স্ত্ৰীগণ অতিশয় ব্যাপিকা হুইয়া পড়েন। ভাঁছাদিগের ব্যাপিকা চইবার আর এकটা বিশেষ কারণ আছে। সমবয়ক शुक्रदात चारशका ममनशक **जीत चन**श-বাদির অত্যে উমো হওয়াতে পুরুষেরা क्षीत मत्नात ६, रम् ममर्थ इन ना । मण्ये २ সুখভোগ করাইয়া যে ভাঁহাদিগের চিত্ত আকর্ষণ করিবেন, পুরুষের দে ক্ষমভাও ক্ষমে না, কাজে কাজেই পুরুষকে জীর অনুগত হইছা চলিতে হয়। যে ভার্তা হইতে ভার্ত্তক্ষির কোন কার্যাই সম্পান্ন হয় না, ভাহাকে ভার্তা বলিয়া জীলোকের ভাতি করিবার ক্রচি জ্বামির কেন ও

লার একটা অনিউ এই, বৈদিক্লি-গোল দ্বাপুর্বে দেখিতে অতি বিষদ্ধ হল। ইংলিগের বাঞ্চালুকাণ ভোগ দ্বাধ হয় না। পুরুষেরা যথন যৌবন সানার উত্তীর্ণ হন, স্ত্রীলোকদিগের তথন গোবনচিত্র বিগলিত হইতে থাকে।

একটা আশ্চর্যোর বিষয় এই বৈদি ताः अष्ठे शहर **अहे कछेट**ांश कहिट्ड (जन: कियु काशातके आधि के कचना शिथात हेम लाग यहारीन (मिथिएड পাওয়া বায় না। এটাও এই <u>এ</u>বারি অপদার্থতার অপর পরিচয়। বৈদিক শ্রেণীর সম্মা পরিত্যাগ কলৈ অতি সহজ কর্ম। সম্বল্পরিভাগে করিলে জ্ঞাতান্তর करेट क्या ना. अक्चात करेगा अधानिएक ভব না ; কিন্তু সম্বন্ধ পরিজ্ঞাপের কথা र डिशालन कहिएन घाँदाता कि हु साला ाकु भिविताद्वन, छीडावा व्य छेडत दिन, আরে গাঁহারা কিছু জানেন না, ভাঁহারাও ন্দ্ৰই ডাভর দিলা থাকেন। প্ৰস্থান্ত কার্যা গিরাছেন, উভাগেরই এই ভাষর। পুরুপুরুষের প্রতি কি চম্মকার দলি " মদাপান করিবার, গাঁভা থাইবার এবং অগ্নাগ্ৰমন করিবার সমগ্র পূর্ব পুরুষ तकाथात्र थाटकन ? क्रेमकटल अत्रिष्ठ িলানকালে কি কেছ পূর্ব পুরুবের लाहा है बिहा छैहा इतेएंड निवृत्व इन ? প্রস্পাহ্রেরা কি ঐসকল কাজ করিয়া (JIMA)

শ্বং হারকালে বক্তব্য এই, **স্থামরা** বাল্য (বিচেই স্থানিটকারিড) স্থানর**র**পে প্রাঠকগণের জ্বরঙ্গন করিয়া দিবার নি। তাই উ লখিত কুৎসিত প্রথার বিস্তারিতরপে বর্ণন করিলান, পাঠক গণ এটাকে অপ্রাদঙ্গিক জ্ঞান করিবেন না। ভালারে বহুদোলাকর বালাবিবাহের এলাগ উদাহরণ আর পাইবেন না।

> ्रिमी वाकाला । तल शहरपाउँ ना १ अक्टरमीय अनर्गताने ।

भू विकास रिल्डिय कर्यकारी फिलार छिटविज्ञमानि भारत कि ताकश्चमवि গেরও শীর্ষে সংক্রামিত হইল ? এই ভাঁহার৷ ভব্জন গর্জ্জন করিয়া ভার-তব্যায় সভার ক্লুত ক্মিসন নিয়োগ প্রস্তাবে জানুটা করিলেন: এই আবার " পাদেপ্তার দোনাইটাকে " লিখিলেন. হুব টনার অনুসন্ধানার্থ এক কমিট নিয়ো-জিত করা হইবে। কমিটি ও কমিদন উভয়ের বাস্তবিক অর্থগত ভেদকি ? ক্মিদনও প্রকৃত ঘটনার অনুসন্ধান করি বেন, কমিটিও তাহাই করিবেন। তবে ভারতবর্ষীয় সভাতে অবমাননা করা इंडेल (केन १ कमिंगन निर्ह्यांश कहिर्द्य প্ৰকৃত বিদল প্ৰফাশ ছইয়া পড়িবে. क्रिकि निशांश किंदिल ठाडा इहेर्द ना, भाषक (लाक्टक श्वातीय (लंख्या हेट्रेट) যদিক মিদন ও কমিটি উভয়ের এরপ पार्थर छन हर, छ। हा हहेरा कमिति निर्देश (शर (य रारका कहा कहेग्राटक जाहा यम व्य नाहे। शुर्व्हतांभना ८८ल १८ यह ত্র্বিনাতে অধিক্ষণ্থা লোকের মুকু बरेशाएक बलिशा स्य क्रमत्तव इत् एकशूषि কঁষ্পল টিও ইঞ্জিনিয়রের ক্লভ রিপোর্ট দারা লেপ্টনাণ্ট গ্রণ্টের দেটি মিথ্যা বলিলা প্ৰব জ্ঞান জন্মিনাছে: অভএব ভাঁচার নিকটে ক্মিদন নিয়োগ অনাব भाक बिला (व श्रहीसमान कहेत्व, जाहा व्याम्हर्यात विषय नत्। किन्द्र अ एतन খামাদিগের একটা কথা জিজ্ঞাদা করি वात् डेच्हा कृष्यिल । धी के मारह्व यख

দিন হস্তক্ষেপ না করিয়াছিলেন, বত দিন
নীল কমিদন না বিদিয়াছিলেন, তত দিন
নীলকরদিগের অত্যাচাররস্তান্ত কি জগ
তের বিদিত হটয়াছিল ? উহার পূর্ব্বেকি
নীল প্রধান প্রদেশে জজ মাজিট্টে প্রভৃতি ছিলেন না ? প্রকাশ বিষয়ে জিজ্ঞাদ্য
এই, কলল্টিও ইঞ্জিনিয়র কি ঘটনাক্ষণে
উপস্থিত ছিলেন ? তর্কমুখে যদি স্বীকার
করা যায়, পূর্বে বাঙ্গলা রেলওয়ে কর্মচারীলা আদং, কলা্টিও ইঞ্জিনিয়রের
গমনের পূর্বে কি তাঁহারা মৃত ব্যক্তিদি
গকে স্থানাস্থলিত করিতে পারেন না ?

ভারতবর্ধীয় সভা যে প্রার্থনা করিয়া ছিলেন এবং কেপ্টনান্ট গবর্ণর তাহার যে উত্তরদান করিয়াছেন, গত সপ্তাহের প্রতিজ্ঞানুসারে আনরা তাহা পাঠকগ ণের গোচর করিতেছি। ঐ প্রার্থন। শ্রাবণ করিয়া ক্লোধ সম্ভবে কিনা, পাঠক গণ তাহা বিবেচনা করিবেন।

১৫ ই মে ভারতধর্মীয় মভা লেপ্ট-गान्छे भवर्षदात सिकट्ठे किमान सिट्हा. জিত করিবার অনুরোধ করেন। এই চুঘ हेनामः क्रांत्र (य कडक बाल्ला वर्गना इह शांष्ट्र ठाहात भत्मह गारे। किन्द्र यशन जनवर এরপ इर्बाए अवर्ययन এड লেকে তাছাতে বিশ্বাস করিরাছেন ख्यंन क्रिमन नियुक्त क्रिट्र नि<sub>र्</sub>म॰ मेप তুটी कत इहेड। मङ। वित्शाद्धन, श्रेथ মতঃ কোন্টা সতা কোন্টা মিথা লোকে ভাষা জানিতে পারিবেন এবং रतलबर्ध कर्धानां किएगत छेश्रद य मावादताथ कता इहेब्राट्ड ठाहा डीहाता ক্ষালন করিবার স্থবিধা পাইবেন। এত मरशका नाशिमिष आर्थना कि इंडेएड পারে ? লেপ্টনাণ্ট গ্রণ্র ভাহার যে উত্তরদান করিয়াছেন, ভাহা এই;---

১। 'মহাশয়! কেউনান্ট গ্রণ্রের আদেশাসুসারে আমি মহাশ্যের ১৫ ই তারিখের পত্রপ্রাপ্তি স্বীকার করিয়া বলিতেছি, শ্যামনগরের তুর্ঘটনা হইবা মাত্র, ডেপুটি কন্ধান্তিও ইঞ্জিনিয়র ঐ স্থান দর্শন করিয়া হত ও আংতের সংখ্যা দৈনিকপত্রে প্রকাশ করিয়াছেন। ঐ সংখ্যাই যথার্থ।

২। কাপ্তেন লুয়ার্ড যে রিপোর্ট করি রাছেন, তারা মহাশয়ের নিকটে প্রেরণ করা যাইতেছে। কিনে হুছ টিনা হইল, তাহার পরই বাকি হইল, তাহার বিশেষ অনুষদ্ধান হইতেছে। এরপ দূর্ঘটনা হইলে সচরাচর যে অনুষদ্ধান হয়, এছেল প্র সম্পূর্ণরূপে তাহা হইবে।

৩। ছ্ঘটনানিবন্ধন যেসকল গণপা ও বাল্লাবর্ণন ছইতেছে ডল্লিমিত লেপট নাল গবর্ণর অভিশয় ছংখিত ছইডেভ্রেন কিন্তু এসকল গণপা কেবল সাধা রণকে ভূলাইবার জন্য প্রচারিত চইন্য়াছে। যাহা শুনিবামাত্র অবিশাস যোগ্য হয়, ভদ্বিয়ে প্রকাশ্য কমিসন নিযুক্ত করা লেপটনান্ট গবর্ণরের মতনছে।

৪। ভারতবর্ণীয় দতা কমিসনের নিমিত্ত প্রার্থনা করিয়া প্রকারান্তরে এই দকল মিথ্যা গশ্পের সহায়তা করিতে ছেন। তাহা না করিয়া, ভাঁহাদিগের যে ক্ষমতা আছে তদর্দারে যদি এদকল মিথ্যা বলিয়া প্রতিপন্ন করিবার চেটা পাইতেন, তাহা হইলে লেপ্টনাক গ্রব্র সম্ভুট ইইতেন।

৫। লেপ্টনান্ট গবর্ণর ভারতবর্ণীয়
সভাকে নিশ্চয় বলিতেছেন, যেসকল
গণপ উঠিয়াছে, তাহা সম্পূর্ণ নিথাা।
ছঘ্টনার সময়ে ও তাহার পরে স্ভ্যুা
সংখ্যা ১২ টা মাত্র হইয়াছে। কাপ্তেন
লুয়াড আপন রিপোর্টমধ্যে যাহা বলিয়া
ছেন তাহা সভ্য। লেপ্টনান্ট গবর্ণর
আশা করেন, এতদ্দেশীয় সমাজ, এ কথার
বিশাস করিবেন।

জে, হোবেওেন, মেজর ইত্যাদি।

विक्रीनाक भवर्गत य कथा कहिएड ছেন, ভাহার উপরে আর কাহার কথা নাই। কিন্তু আমাদিগের মনে নিয়লিখিত ক্য়টী বিষয়ের জিজানা উপস্থিত হই তেছে। রেলওয়ে কর্মচারীরা মাজিটে টকে দংবাদ দিবার পূর্বের রাস্তা পরি-ক্ষত করিয়াছিলেন কি না ? ভাঁগারা ঘট नात व्यवत्विष्ठ भटत भूनिमत्क घढेनाञ्चल প্রবেশ করিতে দেন নাই কেন ? ভাঁছারা करव्यक्षांनि भक्ते प्रश्न कतिहा एक लि शांह्म, এ कथा मठा कि ना १ इच हैनात . সমস্ত রাত্রি কল চলিয়াছে কি না ? এগু লির অনুসন্ধান করা আবশ্যক কি না ? কানপুরের হত্যাকাগুলময়ে এক জন দোয়ার মিস ভুইলরনামে একটা বালি काटक लहेशा शिशाटह बिलिशा कथा छेटरे । তাহার অনুসন্ধানার্থ কত ব্যয় ও কত माक्तीत करानविक ना इहेशां इत ? यिन কানপুরের হতগকাণ্ড লইয়া এত অসুদ-দ্বান হইতে পারিল, রেলওয়ের ত্র্য **ऐनानिवक्षन कि এक क्रिमन इ**हेटर পারে না ?

উপদং হারকালে আমাদিগের মনে আর কয়টা প্রশ্নের উদয় হইল। মৃত ব্যক্তি দিগের কি এক পয়সা ও একথানি বন্ত্র ছিল না ? তাঁহাদিগের সম্পত্তি কি হইল এবং কোথার গেল গুমাজি ্ট্রেট সত দেহের অসুসন্ধান কবিবার शृद्धि (मध्वि हालान कता इहेल (कन ? এগুলি কি সামান বিষয় ? অথবা উৎ কলের লক্ষ লক্ষ লোকের ছভার পর त्य माटहरवत मन्युर्थ अहे घठेना मामाना विनेशा (य পরিকাণিত হইবে, তাহা আৰু র্যোর বিষয় নহে। যদি হত ব্যক্তির মধ্যে পাঁচ জন ইউরোপীয় থাকিতেন, তাহা হইলে এে সাহেব ভিন্ন থরে গান করি-তেন সম্পেহ নাই। যাহাহউক, উপসং-शतकारण वंज्या कहे आगता (व श्रा धनि कतिनाम छिष्वरम लाटकत भटन

**पृ**ढ्ठत नत्मह **अधिक्षाद्ध। क्षि**नन निद्याश्वाता (महे मत्मह ७अन करा এकाछ आवभाक। दक्वल इंक्रिनिशतमल लहेशा क्रिमन करा ना इश अवर क्रिमन विभिवात शुरुर्व किमिनन निर्माकिक कहा इडेब्राट्ड, व मःवान ध्युनाव मर्यादात পত্রে প্রকাশ করিয়া দেওয়া হয় श्वरनत्र लाटकता मकल विवरत्तत्र मभाष्ठाव तार्थन ना : रवेल ७ एयत विश्व एक कान कथा विलिध्य कि कानि कि विशर्भ পড়িতে হয়, অনেকের এ ভয়ও আছে। এতএব লোকে বদি **অগ্রেলানি**তে পা द्रिन, क्षिमन छैं। इंक्लिंगटक आख्वान कदि टिंडिन, डाहा इहेटल डाहांता निःगरकार इडेशा चिनि य मञ्जान कारनन, कमिनतन অগ্রে উপস্থিত হইয়া বলৈতে পারি (तन। वनाथ। कमिनन निरन्तां पिकन रहरव।

#### ভারতবর্ষে স্বর্ণমূদ্র। প্রচলনের প্রস্তাব।

ভারতবর্ষে স্বর্দ্ধা প্রচলিত হওয়া উচিত কি না, এই প্রশ্ন পুনর্কার উপিত इडेशार्ड। वागता वड्सरकां उपन-থানি কুদ্ৰ পুশুক প্ৰাপ্ত হইয়াছি। লেখক যুক্তি দিয়া সপ্রমাণ করিয়াছেল, এই মুদ্রা প্রচলিত করা অবশ্যকর্ত্রা। व्याभदा कर्यक वदमताविध अहे भए उव পোৰকতা করিয়া আদিতেছি। স্বৰ্ণ সমু-मात धात्रमा उंदक्षे, देश य विनि महानार्या विनिद्धािक इंटेड्ड ना. এটা সামান্য বিষয়ের বিষয় নছে। आंभानित्धत त्यत्भ वर्धमुक्ता वर्धावत व्यव-লিত ছিল। ভারতবর্বীয়ের। • অপ্পান্তার অধিকমূল্য ভবেরে সম্ধিক সমাদর করেন। দক্ষিণ ভারতবর্ষে সাহকারেরা স্বৰ্ণের চাপ মুদ্রা বলিয়া ব্যবহার করেন। সর চারলদ উড এই মুদ্রা প্রচলিত করিবার নিষেধ করিয়া একটী মহাভ্রমে পতিত

১ইরাছিনেন। স্ব্রুছা প্রচলন করা ব্রিক লৈণের একান্ত অভিপ্রেত। ই**হাতে তাঁহা** ভিত্রের অনেক জবিধা হইবে। সাধারণের 📆 🕚 এটা শ্রেরস্কর হইতে পাবে। २६४) ६३ म ७६য় ६७য় ८७ ८ ८० १८ कत. 🥶 ান্তন থাকিবার অভ্যাস জনস্থ र्वेश्वा अधिर**ाटरः । भारतद्वतः अ**ध्यान ः । धदलद्रम् कतिवात हेन्छ। अधियात् (छ । াশৰ দেশের বাণিজার্দ্ধির স্থিত ्रियानका**टर्या, बन्ड न्युविश्वा** कृतिशा स्मृत्या ं । । अविश्वास्त्र । देशीला में ब्रोहर देश स्विया कतिया निट्ड शास्त्र मा। त्नाचे া ৬০০ অনেক উপকার হইতেছে সন্দেহ नः । किन्नु तोभाश्चमा ७ गाएँ त मनः প্রে আর এক প্রকার মুদ্র। থাকা আব

স্থায়্দ্রাপ্রচলনের বিক্তন্তে সচরাচর ক্রটা অংগতি করা হইয়াথাকে। প্রথম, অক্টের্লিয়াই একংশ স্তুর্ণ প্রধান কাকর। डाहार महिड क (मालंड गांधारमस्या व विकासिक है। यह । यह ध्य कारक वर्ग-लाकी मुद्रा । अ करलेकियान जन । त्वारः ্টতে সংগ্ৰিবে : দিতী : সংগ্ৰে মূল ्य नगर्ग अक्षाकात थारक ना । युर्व अप: अव्हान करितन इह भवर्ग**, मर**्जेव भागा भाराहराना कांचि इहेरन । अथम भाषाधित विषया भाषापित्रत व कवा এই সংযুদা প্রচলিত না পালাতেই 'बाइक्क्ष्मियात स्वीवाध स्वीको स्वभटका सारकः रलंद उठ वालिका हत्रेर्ड मा वर्डे : िरुष शतकारामवरमा देशन(धर कारा খাস্ত্রলিয়ার দহিত বাণিজা চলিতেছে ে: এ দেশে বিস্তর অস্ত্রেলিয় গিনি क्रीनशिथात्क। ७७लि ग्रष्टा विनश াজীত হয় না। **লোকে অন্য অন্য** ৰ বিজ্ঞানুব্যের ন্যায় গিনি জ্ৰুয় করিয়া ও কেন: যদি এক বার মুলা নিরূপিত হল, সমুদার আপত্তি থণ্ডিত হইবে এবং **ওজেলিটার সহিত এ দেশের বাণিজ্য** 

প্রচ্রজ্ঞপ হইতে থাকিবে। ইউরোপে ! এক্ষণে বিস্তর স্বর্ণ আছে। প্রতিবৎসর তথায় এত স্বৰ্ধাইতেছে যে, চিম্বাদীৰ লোকেশ এই আশিক্ষা করেন যে অচি রকাল মধ্যে স্বর্ণের মূল্য হাদ ছইয়া পড়িবে। মুলোর পরিবর্ত্তির বিদয়ে व्यामापिरशत वलका अहे, यनि भूषा विश्वक्ष दर, डांहा इंडेटल ग्रालात काना डिएतक करेवांत मधावना नाई। अकरन इने कारता यार्गत मृत्राशितियार्व इस। স্চরাচর নোকে অস্থ্রেলিয়ার গিনি ক্র করিয়া থাকেন। মধ্যে মধ্যে চীন হইতে विष्ठुत चर्न आहेरम। এই खर्न लिनित অন্থেকাবিশুদ্ধ। ইহার আমদানীকম इहें। ल शिनित मृता द्रिका हर, आंत आंग দানী অধিক হউলে গিনির মূল্য কম হয়। যদি প্রস্তাবিত মুদা বিশুদ্ধ স্বর্ণে এস্ত্রত হয়, মুলাগত এরপ মূলোভিরেক হ্ইবার मखादना थाकित्व ना। यनि जनुशादन করিয়া দেখা যায় প্রতীয়নান ছইবে. বিদেশের রপ্তানির অপেকা গ্রণ্মে ভের মাণুভার উপরে স্বগ্রাপ্রচলনের ফলাফল অধিক নির্ভির করিতেছে। একংগ্ रा कर्ग जनकारवत निधित विक्री 5 इसे তেছে, বিবেচনাপুর্বক টাঁকশাল তালা ইতে পারিলে লোকে তারা মুদ্রান্ধিত বরিবার নিমিত্ত অপ্। করিবেন। তথ্য কি আৰু মূলোর মূলেভিরেক হইবার আশিষা পাৰিবে ? মুদ্রা প্রস্তুত করাইতে इडेटन है कि भारत य शासून मिर्ड इर, ভাষাতে কিছু রাজোর বায় নিকাহ হয় ना। शवर्गामण्डे यामि विद्यहनाशृद्धिक अहे মাত্ল গ্রহণের নিয়ম করেন, তাহা হইলে মূল্য পরিবর্টের কোন আশস্কা থাকিবে मा। कर्नल श्रिथ हेश्लरखत नगा विना ব্যয়ে এথানেও স্বৰ্মুদ্ৰা প্ৰস্তুত করিবার প্রস্তাব করিয়াছেন। আমরা ইহাতে সমত নহি। তবে অধিক মাত্রল লওয়া উচিত ছয় না। যাঁহার। মফস্বলে স্বর্দা প্রচলন

নিবন্ধান বাঁটার আশক্ষা করেন, ভাঁহা দিগের দে ভয় অমূলক। ইংলতে মজ রেরা দিলিও ও পেনির হিদাবে বেতন পায়; তাছারা কি স্বর্ণমুদ্রানিবন্ধন ক্ট ভোগ করে ?

অতএব আমরা দর রিচাড টেম্প লকে অনুরোধ করিভেছি, ভিনি স্বর্ণমুদ্রা প্রচলিত করুন। ইহাতে কোন বিশ্ব इडेटव मा वतर वर्षिक छ मार्थातरगत বিলক্ষণ উপকার হইবে।

भारत के बाह्य | भारता के बाह्य পরের পিতাকে পিতা বলিবার তুলা বিভ্রনা আর নাই। মানুনের যত প্রকার উপহাসও ভ্রম আছে, এইটা टगर्पा मर्द्यक्षराम । लव कुना तागहकुक ভুমি পরের পুত্র দেখিয়া পিতা হইতে চাও ? " विविधा या डेशहाम क्रिक्शां छ-লেন, তাহা অদজত হয় নাই। সুরাপান, उ इंक्षिप्रशहरश्च कानि দোধনিবন্ধান ধাহাদিলের মানবস্বভাব এক কালে বিকৃত হইয়া গিয়াছে, তাহাদিগের ভিন चात मक्रालंबरे शूर्वायमानन कतिवात रेष्ट्र) भाष्ट्रः, किन्नु प्रेश्वत गकत्वत (म मरनात्रथ शूर्ग करतन ना। याँ हाता अ বিষয়ে একান্ত হতভাগা হন: ভাঁহাবা ও ঘোলে ছুদের স্বাদ মিটাইবার প্রায় प्रत्यक्ष का किया व्यागिना प्रियंक क्रांची माना छ्वान करतन। किन्दु अष्टि। धक्छी বিষম ভাম: ইহাতে সুখ স্বজ্ঞ না হইয়া প্রায়ই বিপরীত ঘটনা হয়। মিদর দেশের লোকের সংখ্যার ছিল, যত দিন শারীর থাকিবে, তত দিন আত্মাও থাকিবেন। এই নিমিত্ত তাহারা নানাপ্রকার গন্ধ দ্রাদারা খৃত দৈহ অবিকৃত করিয়া রাখিত। যদি অসুধাবন করিয়া দেখা যায়, প্রতীয়নান হইবে, যেরূপ গন্ধ ज्यादारा भन्नीतत्रका कतिरण जीवन तका इस ना ; मिहेज्राभ मञ्जक्षक्षाता

বংশরকা ও অপত্যস্থলাত হয় না।
কোন বাক্তি হত পিতা, পুত্র অথবা
জীর রক্তি দেহ দর্শন করিয়া ভাঁহাদি
গকে জীবিত জ্ঞান করেন না; জীবিতা
বস্থায় ঐসকল ব্যক্তির সহবাসে যে
স্থালয়ে, তাহা কি কথন হত দেহ
সমাথে রাখিলে জ্মিতে পারে ? প্রত্যুত
চিদ্যাশীল ও জ্ঞানী ব্যক্তিদিগের উহাতে
কট হইয়াথাকে। দত্তকস্থলেও জ্ঞানী
ও চিদ্যাশীল ব্যক্তিদিগের সেইপ্রকার
ঘটনা হয়। তাহারা যতবার তাঁহাদিগকে
পিতা বলিয়া সম্বোধন করে, তত বারই
তাঁহাদিগের চক্ষে সংসারের অসারতা
প্রতীয়্যান ও কট অনুভূষ্যান হয়।

मर्ख (मर्भ) मखक श्रहरत शीं जि ছিল, এখনও আছে।প্রাচীন কালের গ্রীক ও রোমকেরা দত্তকগ্রহণ করি-ও ইউরোপথতের তেন; একণে ও আমেরিকার লোকেরা দত্তকগ্রহণ কিন্তু ভারভবর্ষের कतिशार्थादकन । **(लाटकता मर्व्हा८शका हेहाटल मम**िक অনুরক্ত ৷ ইউরোপ ও আমেরিকার দত্তককৈ সম্পতিমাত্র দেওয়া এবং দততে কর বিশেষ তাণ না থাকিলে তাহাকে গ্রহণ করা হয় না। আমাদিপের দেশের দতকের ন্যায় তত্ত্তা দতকেরা পরকে 'বাপ ' বলে না। পুনর সম্বন্ধ অপরিবর্ত্তিত থাকে। পক্ষান্তরে আমা দিগের দেশের দতকেরা নৃতন পিতার সন্তান বলিয়া পাংগণিত হইয়াথাকে। স্বগোত্রকের গহিত তাহাদিগের বিশেষ मध्या थाटक ना। अञ्चलाकात मण्णेकित তাংশও তাহাদিগের প্রাপ্য হয় না।

এক্ষণে বিবেচনা করা কর্ত্তব্য, এই
দত্তকগ্রহণ প্রথাটা উৎকৃষ্ট কি না ?
পুর্বে হিন্তুদিশের সংক্ষার ছিল, মসুষ্য
জন্মগ্রহণ করিলে পিতৃঋণ ঋষিঋণ ও
দেবঋণ এই ত্রিবিধ ঋণে ঋণবান্ হন।
পুত্র ক্ষালেই পিতৃলোকের পিও

সংস্থান হয় এবং পিতা পিতৃৠণ হইতে মুক্ত হন। হিল্ফুশাগ্রকারের। পিও সংস্থানার্থ এমনি ব্যক্ত ছিলেন যে, ভর-শের **অভাবে ক্ষেত্রজ ও দত্তক** পুত্রাদির वावच्या कतिशा यात। अक्तरंग मिन मिन নে সংক্ষারের পরিবর্ত ছইতেছে। অনে কের সে সংস্কার এক কালে অন্তহি ত চইয়াছে। যাঁথাদিলের সে সংস্কার তাঁহার। আর এ বিভয়ন। ভোগ করেন কেন ? প্রাচীন কালে হিন্দুরা স্থানে স্থানে অমণ করিতেন; এবং বিস্তর লোকে তপস্বী হইতেন। আ দিম লোকের অপেকা জয়কারীর সংখ্যা ঘনেক কম ছিল। এ অবস্থায় পুত্র প্রতি নিধি ব্যবস্থা না পাকিলে আর্যাজাতির লোপ ছইত সম্দেহ নাই। এই নিমিত্ত তদানীন্তন ব্যবস্থাপকেরা পুত্রোৎপাদনে ও পুত্র প্রতিনিধিগ্রহণে স্তিশ্র সমুৎ স্ক ছিলেন। এই কারণে মুনিগণও দার পরিগ্রহ হইতে অব্যাহতি পাইতেন না এবং ব্যাদপ্রভৃতি ক্ষেত্রশ পুরোৎ পাদনে বিনিয়োজিত হইয়াছিলেন। এই কারণে চাতুকার্ণা বিবাহ প্রচ লিত ছিল। পশ্চাথ হিন্দুদংখার যেমন রূদ্ধি হইতে লাগিল ভেমনি চা दूर्ति ग विवाहानि निवित्व हहेन ; क्या व পুত্রপ্রতিনিধিগ্র গণও বশ্যক বলিয়া প্রভীয়মান হইল। এ যুক্তিতে একণে দতক্রাহণের অণুমাত্র আবিশ্যকতা দেখা যাইতেছে না। যদি এরপ হইল এবং পিওলোপের শঙ্কা নারহিল; তবে নিজের সন্তান না থাকিলে এক জন সম্পর্কীন ব্যক্তির পুরেকে পুত্ৰ বলিয়া ড; হাকে দম্পত্তি দেওয়াতে লাভ কি ? আমরা সচরাচর দেখিতে পাই, অনেকে দৌহিত্র অথবা ভাতৃষ্পুত্র দিগকেও পরিত্যাগ করিয়া দত্তকগ্রহণ क्तिश्रां थारिकन। अंही कि वृक्तिमारनत কার্যা ও ইহার অপেকা কি নিকট

আজ্বীয়দিগের উপকার করিয়া বাত্যা ভाল নছে? यपि नाम রাখিবার ইচ্ছা थाटक, जाहा हरेल ममुनाय मन्निर्छ দেশের উপকারার্থ দিয়া গেলে কি ভাল হয় না ? মহম্মদ মদিনের নাম কি লুপ্ত क्रहेशार्ष्ट्र ना कथन लूख इहेर्द १ (कान ৰ্যক্তি দত্তকদিগের মধ্যে যথার্থ ধর্মশীল ও উপযুক্ত লোক দেখিয়াছেন ? ছই এক জন ব্যক্তিরেকে দত্তকমাত্রেই প্রায় जयम लाक हरू। प्रक्रिश्च हो ठा वस्कर्ष (१ ४नमक्षः ক্রিয়া যান, স্পাকালমধ্যে তাহা উড়াইয়া দিয়া যে দেই দরিজেসস্থান হইয়া দরিদ্রশস্থান পড়ে। ইহার কারণ সহজেই तुता याहे তেহে। অভান্ত দরিত্রভিন্ন কেহ নিজ পুত্রকে বিক্রয় করেন না। যে ব্যক্তি व्यर्थलार इ वाभनात भूजरक विकाश करत, ভাষার তুল্য নীচাশঃ আর কে আছে ? ভাহার ঔরদ পুত্র যে ভাল লোক इहेटव छाह। मछाविछ नटहा अशह, भनी लाटकताहै प्रकृत्धह्न कट्तन। मिति प्रमुखान महमा व्यक्त क्षेर्यात অধিপতি হয়; সুতরাং তাহার রুদ্ধি विद्वाचना विल्लुख इहेशा यात्र ध्वर म বাসনাসক হইয়া পড়ে । যাঁহারা এ সকল বুঝিতে পারেন এবং হিন্দুধর্মো बारु।मृश इहेग्राट्डन, उँ। हामिट शत সেচ্পুৰ্বক কি এ বিপদে পতিত হওয়া বিধেয় প

## विविधग १ वाम ।

--: •:--

१० हे रेखाई (नाभवात ।

এ দেশের সমুদায় নগরেই কি এক দশা ?
প্রয়াগছত লিখিয়ানেন, '' এলাহাবাদের গলি
গুলি এমত কুংসিত ও অপরিকার, যে ভাহাতে
পদস্থালন করিতে ঘূলা নোগ হয়। নদ্দামা বা
প্রণালী প্রায় কোন স্থানেই দেখিতে পাওয়া যার
না। গৃহস্থনিকের বাসী হইতে অপরিকার কান
রালি নির্গত হ্রীয়া গলিতেই পতিত হয়। এক

একটী বাটিটেড প্রায় একটী করিয়া ছোট ছোট চৌৰাচ্চা আদে। বিনিগতি জলরাশি প্রথমে সেই স্থানেই প্রায়, পরে জলাগারটী পরিপূর্ব একলে উপ্নাস্থ ঘল গালতে পতিত হইয়া এক নাট কোত্যবভারপে প্রবাহ্যিত হয়। অজ্ঞ নাগ কন্যাতে প্রশুলি একপ ক্ষমময় ও লাও ব একপ গোঁৱসমূহয়, যে তাহাতে তেম লাও ব একপালেকার পীছা ক্লিয়াখাকে ন

করে দ সপ্তাহকাল জমুভবাজার ব রক্ষা প্রস্থান করি দিয়া একটা প্রস্থান করে । বিশ্ব দিয়া একটা প্রস্থান করে । বং গ্রেডিডেল ও চিকিৎসালার নিজ দু ভারে বর্ন বেশ্বের উল্লেখ দুষ্ট হইল। এতংপাঠে আনে দ উপকার হইকার সন্তাহনা। জ্যানার লেখ বকে গ্রন্থান করে প্রকাকারে প্রকাশ করেন।

নগারের পাহত শালান্যানের সকল ।ব্যরেই বছ বেরক্ষর। একিত হয়। নগরের লোক হত। করেরা অন্যোদেপার পায় । কল্প প্রীন্নীয়ে পার পাইবার যো নাইন রপপুর দিক্প্রকাশ াল। ধয়।ছেন, 🕆 সোদার হ'চের।নকটবভৌ আম-वार्भा अक अने भूगलयान यहनागानः अभदारः भ्यापन महन्धनाँद भ ४८काण प्र ना ७ "वादा द्रक्र-यात कोषाञ्च करत्र्रा च ब्राटिकाकिट ५ ६७८१ करव्र्रा भद्र आभन छेरतबराञ्चवान खेंत (ताभागान মু মু, প্রকাশ পূর্ণীক यथः, दाप ञ् उक्।मः(४४ ।मां**६७ क**(व। এक श्रम्भ काल अंश्राह स्ट्रे(ल ক্লোক্তম এই হতারে সংবাদ ভ্ৰানীগঞ্জের পুলব ইন্ডপেইরের সর্ধানে প্রকাশ ইওয়ায় ছে।ন মাজর। স্তামে আলসরা মংখাচিত এইব क गळा:ग मन छैठे.होता रूपन भौतिष्ठ केलियाँ २ रहे दर्भ दे<sup>र</sup> १ के लिका ताला हा । स्थान অপ্রাবীও নিজকুত ম্বানাৰ স্বাকার কার-当に至りか

আনাম চা-কোম্পানির প্রবান ভ্রুবিবার দ প্রথাতি বঙ্গদেশীয় গ্রব্মেটের নেকটে থাকেল কার্য্রাভিলেন, চা-ক্ষেত্র হইতে যেনকল মানুর আননাদিনের চু ক্ষের সমর আভবাহিত হহবাব প্রের্ম পলায়ন করে, পর লক্ষ প্রয়াক্ষ কর্মচার্থন প্রাহা সমাক কর্ম দিয়াথাকেন। লেপ্টন ট গ্র লাভা সমাক ক্ষা দিয়াথাকেন। লেপ্টন ট গ্র লাভা হাট্যদেন, কুলিগল সময় অভীত হই লাভা হাট্যদেন ক্ষালগল সময় অভীত হই লাভা হাট্যদেন ক্ষালগল সময় আভীত হই লাভা হাট্যদেন ক্ষালগল সময় আভীত হই লাভা হাট্যদেন ক্ষালগল আহাদিগকৈ ক্ষাল লিবেন না লেশবনাগরের যে ইন্সিনিয়ের এ কার্যা কারতেহিলেন, ভাঁহার ক্যালিয়াত চাহা হই য়াতেই তালব্যায়কেন ব্রের এফাংকল লাভা

রবের দৃশ্টিপাত একান্ত আবেশ্যক। ভিনি কলি য়াছেন, ''ানি এ শিষ্টের জ্ঞান জাদালতে নালীশ কলি নাই সকারল ভাষা করিলে এক আন নির্দ্ধের এদেশীয় নিয়ত্তব কর্মচারীকই দণ্ড হইভ ৯ !!৷ এ দেশের বিচার ও শাসনপ্রণা ল'র উপরে ভ্রুক্সর টাকা কলা হইয়াছে।

কিছ দিন ইউল, মন্য ভারত্তর্ধের প্রধান কমিদনর প্রাস্থান কবিয়াছিলেন অচিছ্লিভ বিচার প্রিলিগের পর উরিয়া গোলে বাঁহাদিগকে ভবল পোষ্ট্রের নিমিন্ত কিছু কিছু টাকা দেওয়া কফব। চিত্রাত কন্মচাবিগল স্বধারণে ইয় প্রেইনা: গ্রাব জেনবল এ প্রস্তাবে সন্মত ইয়া. কেবল ভচিত্রিভ বিচারপভিদিগের নাছ যাব নীয় অচিহ্নিত কন্মচারীর প্রতি এই অনুগ্রহ কবিবার নিমিত্ব প্রেটিগেরেডারিকে অনুবোধ কবিয়াছেন। সর জন লরেলের এ প্রস্তাবিধী ঘ্রাণ্ডিই গ্রাস্থ্রের বিভক্তর।

চীন হইটে সংখ্যতি ১২ জন মুসলমান কলি काळात्र या नगारकाः। वेशाता मकास याहरण তেছেন। উলোপ চীন হটতে বধাৰৰ ডাঙ্গা পথে व्यानिशास्त्रमः। उँकारा बर्जम, हीम क्हेर्ड उक्त দেশে আসিবার চুটা পথ আচে। একটি কতক পবিষ্ত, কিছে যে পথে বিস্তুত দম্ভ আছে। দিকীয় পথ ভালে। ইইন আসিয়াছে। এ**জী**ট্ড আ সিতে খইলে বড় বড় পদত উভীৰ্ষ ইয়া ও নিবেছৰন দিয়া কাসিকে ধয়। এত উচ্চ পদার আছে থে, ভারর চড়াতে উঠিতে इन्हें जिनम कारण ! हीन क्ट्रेंट गाँकाते बाइएम्ब, बाहारा भहन्यादिक (अंदर्क हलनक इन्द्री का है (भन। প्राचना अभव अंशानुस्ट च्या अहे खारवकातीश कर्म्य (क्रूप्रवरक দশন কানে নাই। ইহারা চীন, কিন্তু চীনভাষা লানেন না। আরিবি ইহঁাদিরের ভাষা। কিন্তু উভাচতণ বিজ্ঞা (লখাধাণা তাঁহারা মনোগত ভাষ প্ৰকাশ কৰেন। কয়েক লাভান্দী হইল ৩০০ জাবৰ চীনে তালিয়া বাদ করেন। ইছাঁরা গেই वर्रनाञ्चन (याच क्हेराक्ट्र)

আগামী সপ্তাহে ছেপুটী মাজিটোনী পদ প্রাথীনিগার পরীক্ষা ইইবে। এক দল্ পরীক্ষক নিযুক্ত ইইয়াছেন। গার বি, চাপমান সাহেব সভাপতি এবং বাবু ক্রক্মোহন বংক্লাপাধ্যায় সম্পাদক ইইয়াছেন। পরীক্ষা যে নিয়মে ইইবে, ভাহাতে পরীক্ষাএগ্ল করা আর না করা সমান।

আমরা ডেলিনিউস পাঠ করিয়া বিল্মিড হইলাম, কলিকাভার পুলিষের ডেপুদী কমিদনর নেজর এেইন আজ্ঞা দিরছেন, রাজধানীর দক্ষিণ বিভ'গের এদেশীয়েরা কোনপ্রকার বাদ্যাদন করিয়া সম্বেত ইইয়া ঘাইতে পারি থেন না। ডেপুটা কন্মসনরকে এ নিষেধ করিবার ক্ষমতা ক দিলেন ?

িশু ইতৈ বিণী বলেন '' অব্রন্থ ফিন্সেল নশ্মাল কুলের স'হায্যার্থ গ্রেণ্ড ১০০ টাকা মঞ্জুর ক্রিয়াহেন। ৮০ টাকা বেতনে এক জন মিষ্টেস্ ও ১০ টাক। বেতনে ও জন দেশীয়া এবং ৫০ টাকা বেতনে এক জন ইঞ্জিনিয়ার (১৫ টাক। পাংখী ভাতৃ।) শিক্ষানী নিগুজ্ঞ ইইবে।"

চাকাপ্রকাশ কিথিয়াছেন:—'' আমাদিণের মাজিটেট সাহেব সম্প্রতি এই আদেশ ও চার করিয়াছেল দে, যাহার বাড়ীতে যত লোকের জার ও মৃত্রু। হইবে। তাহাকে তাহা লেখাইয়া দতে হইবে। এতংদ প্রাস্ত বহি লালা গো, মেটলোভ ক্যু পিটলে এবং মিউনিসিপাল কমি টিতে থাকিবে। এপর্যান্ত এতংসমুরে কোন আইন প্রচারিত হয় নাই। মাজিটেট সাহেব আপনা হইতে এই অ দেশ প্রচার করিয়াছেন। একণে জিজ্ঞাস্য এই, লোকেরা যদি হাহার স্থান্য করে, তিনি কোন আইনেব কোন গার্মতে ভাহানিগোর দণ্ড বিধান করিবন ?

### ऽ ३ टेंड (<sup>१</sup> मक्रनवार।

অইলবাদার তালুকদার বুদ্ধবঙ্গলর দ গত হতিকৈ ৩০.০০০ টাক বার করিয়া ছয় মাদ প্রবিশ্বর নিরম্ন লোককে আহার দেওয়াতে ১ইট্লেট্রেটারি উভিকে ধনবাদ দিয়া ছন। মান্ত্রাঞ্জ গ্রন্থিটি উলিকে পুরস্কাবন্ধরা এক জ্ঞাভা বালা দিয়াছেন

বঙ্গলেশীয় গ্রথনিক মান্দ্রল আলালতের আনলাদিগের বেভনর্জ্ব করিবাব বে প্রস্থার করেন, গ্রথার জেনরল ভাগে নিজ্ঞে গ্রাহ্য করিয়া স্টেট সেত্রেটারির স্থাটের জন্য প্রেরণ করিয়া জেন। অগ্রস্থ জঞ্জদিগের সেবেস্তাদারগণ মাজি ক্টেটদিগের সেবেস্তাদারদিগের ন্যায় বেভন পাইবেন। গ্রথণির জেনরল বলিয়াছেন, ইহাতে জনেক ব্যের্জ্বি হইবে গ্রিক্ত ব্লিয়াছেন, বিভান্ত জাবশ্যক বলিয়া খ্রিকার করিয়াছেন। দেশের স্থাবিচার জত্রে চাই, এটা জান্যপি জনেকের জ্যুক্ষ হয় নাই।

কলিকাতা গেকেটে মদসলের ইউরোপীয় কর্মচারীদিগার বাসস্থানসংক্রান্ত ছইখানি পত্র প্রকাশিত হইয়াছে। লোহারডগার পুলিব ফুপা রিটেডেউ আর, ডবলিউ, কিও গাহেব সম্প্রতি

कारक करतेन, लेशित वामधान नाहे । एउनुष्ठि ক্ষিস্নর নিজের বাটীতে স্থান না দিলে ভাঁছাকে মণঠের মণ্যে তাঁবুর জিতরে মীশা ও বর্ষা অভি াহিত করিতে হহত। অভএব ভিনি এক বাটী मन्त्रानार्थ ४२०० होका हार्ट्स। उहे होका ক্রমশ্য বেডন হইতে কর্জন করিয়া দেওয়া গাঁহার e यमा । (न कीम हे अवर्गदाव क्यूदाध स्माद्व সাবর্গর ডেনরল এ প্রস্তাবে সম্মত হুইয় ছেন। भक्षात्मत (य एव छाटन हेडे (ताभीत कर्षानाती नि গোৰ থাকিবার উপ্রক্ত বাটী মাই, সেখানে বাটী निर्मार्वत होका दिशा क्यानः छ'हा काछिशा লওয়া হইবে কিন্তু সাবধান, যেন এক नरगरदत . उर्जात व्यक्तिक मा (म लग्ना इस ) मरहर অনেক টাকা ভ্বিবে। দৈনিক আফিদরদিপের न १ उ जनः जना इडिदालीय कर्षातीत जनना হয় না

সর উইলিম মুর সর রিচ্ডে উম্পলের बराय अभरमभीक्षज्ञात नामनकायः कविटउट्डन। তিনি নানা স্থান দশন করিতেছেন। সংখ্রতি জাগবার গমন করিয়া এডদেশীয় বিস্তর ভ্রম্ (लारकत गर्भिष्ठ भाकाए करत्रम। (णल, विषत লয়প্রভৃতিও দশন করা হয়। ডিনি উত্তর পশ্চি মাঞ্লে সামান্য সামান্য পদ হইতে ক্রমে লেওট इ.के अवर्गदात श्रम शाहेशाइका । अञ्चलक्षीय াদ্রাের মধ্যে অনেকে উছোর পরিচিত লোক। উচ্চার: সকলেই ভাঁহার উন্নতিলাতে আহ্লাদ श्रकान कतिराज्यक्रम। आभामिरात देखा अहे ক্ষতন শাসনক্ষ্য নিয়মবহিষ্ঠ ত প্রদেশের শাসন कर्ता, महाराव (वाराय मा माम । (म (वाराय (वाराय আপাডভঃ যুশসী হইতে পারিবেন বটে গ কিন্তু (नार्य कृत कालिया याहरत।

पिलीरगड्डे वर्तन. अवात **आ**गवार्ड महत মের সময়ে স্থারিদিগের সহিত সিয়াদিগের অত্যন্ত বিবাদ ১ইখ্লাছে। পুলিষকশ্মচারীর। উপস্থিত হওয়াতে দাকা হইতে পারে নাই। স্তুরিরা সিয়াদিগকে বিজ্ঞান করিবার অভিপ্রায়ে একখানি গোঁয়ারা করিয়া ভাষ্টান করিয়া हिल। कर्यक्षान निशा रेमनिक हेश्यूड অপ্যান জ্ঞান করিয়া নালীশ করিয়াছে। প্রাবেও এইপ্রকার গোলবোগ হইয়াছে। कात्रवालात पिवरम हिन्त्रता आरगाम कतारक কর্ত্তপক সক্ষয় করিয়াছেন, ভবিষ্যতে মুদলমান निरात (मारकत मिन्ट्स हिन्द्र मिन्ट्स आद्योप क्रिक्ड मिर्वम मा। निष्नमविक्ट्रंड क्षर्मातन ल्ला विष्ठाद्रहे अहे अभ वर्षे !

পঞ্চাব রেলওয়ের প্রতিনিধি এজেন্ট ছারিখন

বাহেব মফ ফলাইটের নামে গ্লানি : নালীশ করি <sup>:</sup> ব্যস্ত হইয়া নামিতেছিলেন, সেই সময়ে ছাল शांह्य। फिनि, फाक्तुत निष्मात । अ त्नर्भन विकिन मारहत लएको हो इयर मह नारम जे अकाइ आंत अक्र नालीन कतिप्राट्टन। आंक्र आंत्र ना गङ्गि এই आमानित्तत्र हेन्छ।

य जीटनाकिं मिडीवर्गाना क्रांत काशवात निकट्डे दिल उरम्र नकडे हहेटड लक्ष्म भिर्मा পर्विड হন, তাহার মৃত্যু হইর'ছে। মফবলাইটের এক লম সংবাদদাতা বলেন, তিন জন ইউরোপীয় अ मक्ट वारेट अहिल। देशमिट्शत भर्ता हत्न नाभक এक वास्कि सकत्वेत थड़श्रीड़ श्रीतर्ड যায়। জীলোকটীর সহিত এক জন বৃদ্ধ ছিলেন। হরন যাইতেছে এমন সময়ে ভিনি হস্তদারা इंजिए क्रताट खीलांकों मकंट रहेट सफ प्रिया পজিলেন। इतन त्रकारक श्रहात कावता खीला কটার গাত্র স্পর্শ কবে নাই। জ্রীলোকটি পতিত हरेटन (म विलल " भर्राचन ! ७ (य ७ वार्य ছিল তাহা আমি দেখিতে পাইনাই। ° এবং ক্তিকে সেনিয়নে সমর্থণ করা হইরাছে। মফস্ব লাইটের প্রপ্রের ক বেল ধরতা ধরিয়াছেন, এটা জুরের বিচারের অস্তুক্ত সন্দেহ নাই।

**৯ हे टेक्स एक क उन्नारक वर्छमान भवर्गत** জেনরলের খৃষ্টীয় ধর্মে অপব্যেয়র এক প্রতি वाम इंदेग्नाट्ड। উक्तनज्ञ यथार्थ विनिद्याद्यन, '' ধর্মবিষয়ে অত্যন্ধরিতা কেবল লোকের মান भिक खारमोपार्ट्य क्रम । मटहर खेमात्रच्छाव ব্যক্তির নিকটে কি খৃষ্ট্রপর্ম, কি হিন্দুধর্ম্ম मकल हे गयान। " विनि या व्लून, मत छन लादुन ाविष्डरङ्ग, कर्यक दश्मरतत शत म्यूषाध ভারতবর্ষ খৃদ্দীয়ান হইয়া গাঁহার স্মর্নার্থ স্তম্ভ ণ রিয়া দিনেন। ডেলছাউলিও রাজনীভিস্থতে এইরূপ আশা করিয়াছিলেন।

উজ্ঞাত্তে কলিকাভার ক্র'ড়িদিগের দক্তার আর এক উদাহরণ প্রদাপত হইয়াছে ৷ নাজিতে : দোকানে বড় সুরা বিক্রয় হইডেছে না। গত দিন পুলিষ কমিদনৱের ভূতন অনুৱাগ থাকিবে एक मिन अ कार्या कलक वन्न थाकित्। किन्न ভাঁহারা কি ক্ষতিগ্রন্ত ইতেছে? তাহা নহে। এখন 😘 🛮 রিবোল » বন্ধ হইয়া 🐣 বেলফুল 🏲 मफ स्टेप्टर अवर (महे सूर्यार्ग सूत्र) विक्रम হইতে আরম্ভ হইরাছে।

সম্রতি কলাবাগানের দীঘীর নিকটে এক ব্যক্তি ভাষার উপপন্ধীর সহিত হত হইয়াছে ৷ काम बाक्ति के जाप्तरहे कि शब्दान करिया वध করিয়াছে। হছভাগ্য লম্পটের গর্ভবতী স্ত্রী।

হইতে পড়িয়া সাংঘাতিক আঘাত প্রাপ্ত হটয়া ছেন। এক জনের ছন্ডি মার নিমিত্ত কভ জনের श्चान य:हैएउट !

अञ्चलनीय बाङ्गानग्रद्य भएम क्र कर्म আছে, ভারতবধীয় গ্রন্মেন্ট ভাষা জানিবার অভিনাষ করিয়াছেন। প্রতেত্ক ছর্গকে দ্বিতীয় গোয়ালিয়র করা कि সর জন লরেসের অভি (মার ১

গুজরাটমিত্র গুইকুমানের অভ্যাচারের আর এক পুরুষ্ঠান্তপ্রদর্শন করিয়ারেন। রাজার টাকার অভাব হওয়াতে বলিক ও নাহকারদিনের নিকটে ७ होका स्टाप कर्ष हारहता डीहातु दरमत, ভাঁছারা আপনারা ৮ টাকার কম টাকা কর্জ পান না। সে কথা শুনা ছইল । । রাজার মন্ত্রী ভাউ निश्चिम को अपाइटक होका आंतरियत छात्र **मिट्नन** । क्षोजमात धनी दाख्निभिगरक आञ्चान করিতে লাগিলেম এবং আগত ব্যক্তিদিগের প্রের কাছার বা কাহার বা वाणित खीरमारकत शक्ति वाक्तिहात्रमायारवाभ क्रिया बिलएड आवुष्ट क्रिलिन, ऐका ना निल क्लामानितरक क्लाल (मञ्जा २६८म। मर्चारवड ভয়ে অনেকে টাকা দিতেছেন। ১٠٠ हें का। नीत गृशीख रहा ना. डिफ दिनास त. এই রাজকুমার কি উন্নত হইয়াছেন ?

২- এ মে সিমলাতে ভাবতবধীয় ব্যবস্থাপক मुखात काशिरवर्णन इप्ता औ स्विम (वाश्वाह वाह्य कि छित्र कात्रन अध्ययदनत्र विस विधिव ষ্ট্য়াছে। সর চারলস জাক্রন । মেজর মাক লিয়ভ **छ (भनविल সাहित कभित्रमंत इहेग्राह्म्स) ध्य** व्यक्तित भ खंडाञ्च वर्गाटकाव का छ इहेबाटक, या যদি ইউরোপীয় হয়, কমিদনরগণ কি ভাষার ए। य मध्यान करिएक मास्मी स्ट्रेटन ?

দেও অব ইভিয়া বলেন, জৰ্জ ব্মিপ সাহেব ac छन बत्त. विश्वविद्यान दात निकटि अन, अन, ডি, উপাধি পাইয়াছেন। এ বার বাণু পণ্ডিত इहेशा जानिएउएइन । काहात माथा यास वना याञ्चना ।

३७ हे टेक्स ई बुनवात ।

গত কল্য রাজীকে অভিনন্দন প্রদান করি-বার নিমিত্ত টৌনহালে সভা হইয়াছিল। মথা রীতি প্রভাব ও বজুতা হইর। অভিনন্দন স্থিরী কুত হইয়াচে। মাস্রাজের লোকেরা এপ্রকার कतिष्ठाटक्रमः अधिनम्बन . श्रमान লোকেরা ইহা করিতে প্রস্তুত হইয়াছেন।

भिश्वनियस वर्तन, **कर्**याधान ताकात निक्छ चाभीत रुष्ठा प्रत्यान व्यवन कतिया । यमन माम । व्यिष्ठ शवर्वत स्थानतर मात्र अपूक्ष हे लिल्हेन हे वर्धन হারবাট বোগদাদের পোলিটিকাল এতে • ট • ह€য়াছেন।

উক্ত পত্র বলেন, সম্প্রতি দার্জিলিঙের মিউনিস্পালিটি ক্ষীয়াও অব্বি দার্জিলিও পর্যতে একটা শাস্ট্রমনোপ্রামী রাস্তা কর বাব অনুমতি চাহেন। কিন্তু স্বর্ণমেন্ট ভাহ'তে অসমত হইয়াচেন। মিউনিসিপালিটির টাকাতে পুলিষব্যতীত আর কাহারও অধিকার নাই।

. উক্ত পত্র প্রবণ করিয়াছেন, ভারতবর্ষীয় বেলওয়ের বঙ্গদেশ, উত্তরপদিমাঞ্চল ও নালল গুরনিভাগের নিমিত পৃথক পৃথক ইঞ্জিনিয়রের পাববর্ত্তে সমুদায় রাজ্ঞার ভত্তাবধারণ বরিবার জন্য এক জন প্রধান ইঞ্জিনিয়র হইবেন। এটা হওয়া প্রার্থনীয়, অধিক চিকিৎসক ও অধিক ইঞ্জিনিয়র অমিজিজ জনিষ্টের হেড়।

বেংঘাইগেজেট এক গোপনীয় পত্রদারা অবগত হইয়াছেন, সর রবার্ট নেশিয়র আবিসি নিয়াতে যুদ্ধার্থী দৈন্যদিগকে ভাতা না দিবার প্রভাব করিয়াছেন। তিনি বলেন, এ যুদ্ধের বায় ইংলগুকে দিতে হইবে। এমন স্থলে ভাতা গ্রহণ অমুচিত। কিছে দৈনগেণ যে বিরক্ত হইবে ভাহার কি স্থির করা হইল ? ভারভবর্ষের স্বার্থের নিমিন্ত যুদ্ধ হইলে ভাতা দেওয়া হইত, ইংল গ্রের বেলা বলিয়া হইবে না। গবর্ণমেন্টের প্রমাশক্রণ রাজ্ঞী ও তাঁহার ভারভবর্ষীয় প্রজাদিগের মধ্যে কি এখকার প্রভেদ করিতে পারেন ?

পতিপুত্রহীনা পুত্রবধূ স্বস্তরের উপরে কভ ্ দূর দাওয়া করিতে পারেন, তদ্ঘটিত একটী মক 🕾 দ্দমা হইয়া গিয়াছে। কেব্রমণি দাদী অভি অল্প বয়সে বিধব। হন। ভিনি এপর্যান্ত পিক্রালয়ে রহিয়াছেন। সম্প্রতি ভাঁহার স্বস্তার কাশীনাথ मार्यत नारम ভतन शायरनत निमिष्ठ नामीन করেন। ২৪ পরগণার জ্ঞ্জ ভাঁছাকে ২৫ টাকা থোরাকি দিবার আবাওও। দেন। কানীনাথ দাস আপীল করাতে চারি জন বিচারপতি · বিচার करत्रन। विज्ञानिष्ठ लक छ (कम्ल विविद्यार्कन, भूद्धवधृरंक **अत्रगर**भाषन कहा **चरा**रतत कर्खना। তবে পুত্রবধ্র শ্বশুরের অমতে পিত্রালয়ে थाका खञ्चित्र । चुख्द याम कूरावरात करतन, তবে ভিনি পৃথক ভরণ পোষণের নিমিত্ত নালীশ ক:বিতে পারেন। কিন্তু প্রধান বিচারপতি বলি शार्फन, याभी अर्भका खीत अधिक यस माहै। কাশীনাথ দাস নিজে উপাৰ্ক্ডন করিয়া সম্পত্তি কৰিয়াছেন। এ নিমিত তিনি আপন পুত্ৰকৈ না দিলেও উক্ত পুত্র নালীশ করিতে পারেন না। এ স্থান্ডাঁহার বিধবাটনী কিপ্রকারে নালীন

করিতে পারেন ? যাদ তাঁহার আমীর পিডামহ দত্ত কোন সম্পত্তি থাকিত এবং শত্তর যদি কুবা বহার করিতেন, তাহা হইলে অবশ,ই নালীশ চলিও। সর বার্ণেস পিকক যথার্থই বলিয়াছেন, হিন্দুলাল্লে অনেকগুলি কর্ত্তব্য কর্ম আছে; কিন্তু তাহার কতন্ত্রলি ধর্মনীতিসংক্রান্ত; কতন্ত্রল না করিলে আদাল্ভ হস্তক্ষেপণ করিবেন। পুত্রবদুকে প্রতিপালন করা ধর্মনীতিসক্ষত; কিন্তু না করিলে রাজা বাধিত করিতে পারেন না। বিচারপতি মাককাস নের এই মত হওয়াতে অধীর নালীশ অগ্রাহ; হইয়াছে।

বোষাইয়ের যাবভীয় জেলা, নগর ও পলী বামের এক ইভিহাস প্রকাশিত হইবে। তরি মিত্ত গবর্গমেন্ট ১২০০০ টাকা ব্যয় করিতে সন্মত ইইয়াছেন। এপর্যান্ত এক জন সম্পাদক স্থির করা হয় নাই। একখানি গেজেটিরর করা সহজ্ঞ নহে এবং ১২০০০ টাকায় সে কাজ হয়ন।।

#### ১७ हे रेखा, थे व्रहम्म कि वात I

অকসন্দোডের অন্তর্গত ব্রেদ্নোস কালে জের জে, পিক্ষোড় সাহেব ৫০০ টাকা বেডনে মাজেন্ত্রের প্রেসিডে কি কালেক্ষের সংক্ষ্তের অধ্যাপক ইইয়াছেন। এটা সর স্থাফোডের নিজেনিয়োগ। এ দেশে কি সংস্কৃত্তে নাই ? রাজ পুরুষদিগের আমাদিগের প্রতি যে মমতা নাই. এইসকল কার্যনারা তাহা বিলক্ষণ প্রমাণ হই তেছে। 'ভেন্ম কেট্র শপ্তভৃতি উচ্চারণ শুনিয়া ছাত্রেদিগের যে হরিভজ্জি উড়িয়া ঘাইবে, সর স্থাফোড নর্গকোট ভাহার কি ক্রিবেন ?

ইণ্ডিয়ান পবলিক ওপিনিয়ন বলেন, সম্প্র ভি গিজানির নিকটে যে যুদ্ধ হয়, ভাহাতে উভয় দলের অনেক সর্ভার হত হইরাছেন। আজিম খঁ,র দৈনগাণ গিজানি হইতে দুরীভূত হইয়া। দৈরাদাবাদে পালায়ন করিয়াছে। উজ্জ্ সর্দার বণিকদিগের নিকটে বলপুর্মক পুনর্কার ২০০০ টাকা লইয়াছেন। মম নিয়ার আমীর দিয়ারআলির সহিত যুদ্ধ করিবাব ভান করিয়া আবছল রহমনকৈ হাহার সাহায্যার্থ আহ্বান করেন। আবছল রহমন উক্ত আমীরের নিকটে গমন করিয়াছিলেন। উপস্থিত হইবামাত্র ঐ বিশ্বাসঘাতক ভাহাকে বন্দীভূত করিয়া সিয়ার আলির নিকটে প্রেরণ করিয়াছেন। আবছল রহ্মনের কারারোধ কাবুলের দ্র্ভাগ্যের হেডু

বোরাইরের ব শক কোরাসজি জাহালির লগু নত্ব কেনলিওটন উদ্যানে একটা কোরারা করিয়া দিবেনা এই এক বাতিক। ইংচতে কি ইংল ণ্ডের লাভ বোধ ছইবে ? ভারতবর্ষে কি টাকা ব্যয় করিবার পদার্প নাই ?

কাশ্মীরের রাজ। পুনর্দার বিলাভী বল্পে। উপরে শুল্ক কমাইয়াছেন।

সম্প্রতি মাজ্রাজে ছান প্রাও হোটাও আনী ত হয়। এ ছটীকে সম্প্রতি ইংলপ্তে প্রেরণ করা ইইয়াছে। ইইগারা যত দিন মাজ্রাজে ছিল, তত দিন এতদ্বেলীয় বিস্তর লোকে দর্শন করিতে যাইতেন। ইহাতে মাজ্রাজ টাইমস র সক্তা করিয়া বলিগ্রাছেন '' লকল শ্রেলির ভারতবর্ণীর এই ভদ্র লোক ( ওরাওংহাটাও ) দিগের সহিত্ সাক্ষাৎ করিতে য'ইতেত্তন। আক্ষেণের বিষয় উভার দলের একাবন ভাষা না থাকাতে পর— স্পারের মনের কথা বলেতে পারেন না। ' তাঁহারা ( ওরাওহোটাওেরা ) কি এই ক্ষোভ মেঠাইবার নিমিত্ত ইং লভে যাইতেছেন?

রাজা থিওডোবের পুত্রকে নােছাইয়ে আন করা হইতেছে। তত্রতা ডাক্তর উইলসন তাহা কে শিকা দিবেন। উহঁকে ইংলণ্ডে পাঠাহলে ভাল হহত। এই রাজকুমাথের ভারণ পােধণ ও বিদ্যাশক্ষার বায় ইংলণ্ড দিবেন ? না জামানে গের স্কারে পাঁড়বে?

ডেলেনিউস রেওয়ার শাসনপ্রণালীর প্রসঙ্গ कतिया निश्चियारहम. ताखा निरक्षमर সংস্কৃত ও হিন্দিতে বিশেষ পারদর্শী সভিনি কিছু কিছু ইৎরাজী ও জানেন। কিন্তু এত দেন খাসনকার্য্যে বড় মনোযোগ দিতেন না। তাঁহার সমুদ'য় ममग्रहे आर्याम अ मृगवः ८० अ जिवाहिक हहेत। এক জন ত্রাহ্মণ ভাঁহার দেওয়ান। এব্যক্তি এমন মুখ যে মাম কাকর করিতেও কষ্ট বোন করেন। রাজার অন্য অন্য কর্ম্ম চারীও ছুশ্চরিত্র ও অসং। ক্রমশঃ লোকের কষ্ট ছওয়াতে মুনি रवनानी लाल ७ वादू ज्ञालानाथ वाहे जहे **(म्अग्नानरक भम्बू) ७ क्**तिया ताला मिनकत्ता য়ের হস্তে শাসনভার সমর্পণ করিবার প্রাম্শ मन। कर्निभाष हे छिथुर्का (तुल्यात विकर्ध) রিাপোট করিয়াছিলেন, ভাহাতে রাজার চৈতন। ছইয়াছিল। এইদকল কাবণে ভিনি का बादक कि कू ना व लिया এक मियम होराए व्याला হাবাদে গমন করেন। তথায় শাসনপ্রণালী পরিবর্তের পরামর্শ হয়। দেওয়ান ও উচ্চার অপ্রচরগণ রাজাকে ফিরাইয়া আনিবার অনেক (हट्टें) पान, किन्न कुछकार्य। इट्टेंड पाटन नाहै। রাজা দিনকররাও আঘাত মাসে শাসনভার এছণ করিবেন। গ্রণ্মেণ্ট ইহ'তে সম্মত হইয়: ছেন। রাজার সুমতিদর্শনে সকলেই সন্তুষ্ট হই-(यम माम्मर नारे।

বোরাইয়ের নেটিব ওপিনিয়ন পত্তের ভূত পূর্ন দম্পাদক নারংয়ণ মহাদেব কচেব প্রধান বিচারপতি হইয়াছেন। এপ্রকার নিয়োগ অতি শর স্থাকর । মহারাজ সিলিয়া করে সেকেলে ধুও মহারাটী রদিবোর হস্ত হইতে রক। পাই বেন ১

#### ५৮ हे देखार्थ स्टब्लावात ।

হাবছার মিউনিবিপালিটি কলিকাতার জটিগ দিবের পদবীতে পদার্পন করিয়াছেন। লোকের শোণিতশোষণ করিয়া কর আদায় করা হই তেছে। মিউমিসিপালিটির কর্মচারিগণও পার্না ী लहेर्ड क्रिके करतम मा। कि ह (महे स्मर्कट्स तांखा, भवा शुक्रविशे ए भवना बहिताहु। एशा কার অনেক লোকে এ নিমিত আক্ষেপ করি-ভেত্তেন। এ আকেপ বিশ্ব। মিউনিনিপালিটির অভ্যাচার সর্বাত্ত হটভেছে। লোকে ট্রান্ দিতেভেন বটে : কিয় সে সমুগায় উভিয়া যাই তেছে। গ্ৰণ্মেট ভাবিতেছেন, এটা মহ উন্নতি। সাধারণে। চেষ্টা না করিলে এ অভ্যাচার क्टेंट इत्या পाइवात आत है शाह माई।

वाद छ्यानावायन माश निकाकार्या (य ৫০.০০০ টাকা দান করেন, তানিমিত্ত চুটুড়ার <লাকেরা গত শ্নবার ভাগাকে এক ভোজা 'লয়াজেন ৷ জামালিনের উপযুক্ত ভিরেষ্টর এপ राष्ट्र धनादाम् अ मिर्निम मा !!!

च्यानवा महत्र स्थिनशाहिलाम, जित्तकेत आहे किना भारत्व कारमास्य मिक्कामिरशत (अवी: যক্ষন ও বেজনর্থি করিবার চেষ্টায় আছেন স কিয় সে ও গুলবমাত্র হইল। এক্ষণে বঙ্গদেশের শক্ষকলিপের ক্রব্য, আহাবা স্টেউদেক্তেটারির । নিকটে আবেদন করেন। বোধাইয়ের ডিরেইর সর আলেকতাগুল আন্টের প্রস্তাবে সর স্থানো ড নথদেটটের অপ্রয়োদনক্রমে ভত্তত। শিক্ষক দিগের জেনি বভাগ ধ্ইয়া বেভনবৃদ্ধি হুইতে ললিল। কেবল আটনিকান সাহেবই যে বঙ্গদে-েশের শিক্ষাকার্য্যের উল্লেখ্ডর বিপক্ষ এক্সপ নতে, বছদান ভাগতবৰ্ষীয় গ্ৰুণ্মেন্ট্ৰ অসুত্ৰতিকল্পে বিলফণ পুটিপুবক আছেন। ভূমির কর করি য়া নিয় জেণির শিক্ষাদান ত ঐ গবর্গমেন্টের डाङ्ग्नीजि माहादेशास्त्र । वस्रामनीय अवर्गामने প্রধানকম গ্রন্মেটের ধামা গ্রিয়া চলিবেন; ভাছাও বেশ বুঝা যাইতেছে। শিক্ষকগণকে আপনাদিগের উর্জ স্বয়ং করিতে হইবে। এই (वना वाचाहरम्ब निकात त्रिशास्त्र (५४) করিলে কুভকার্য্য হইবার সঞ্চারনা আছে।

काव मर्गन कतिरक्छि। यथन छ।शास्त्रतः कारश्च

ा (नवा नाविकनिरशत नारम भाषाना जनवारधत बानीन करतम, खर्म खिनि जी क्रिसिमिर्शांत e। १। ১ ॰ भिरमत (वंडम कर्खन कतिन्ना कान्नावारमत আজ্ঞাদেন। কিন্তু যখন নাবিকের। জাহাজের का किनविभटशत नाटम मालीम कटतन, उथम बाब মাত্র লণ্ড হয়। বুধবার প্রিকারায়ল ভাগতেকর কয়েকজন নাবিক কাজ করিতে ভাসমাভ হও য়াতে ভাহাদিগের দশ দিনের বেতন করিয়ানা ও তিন সপ্তাছ মিয়াদ হয়। গত কল্য গারট্ড জাহাজের পাচক অব্যক্তর নামে প্রহার ও शालित नालिय कताएड मा १८४० छ। हात २ इहे **ं। का खित्रामा कवित्सम ! अक्टरमंगीत खर्शी ख**ं हें डेट्सभीश अडार्थीत विद्यां अ **वह वास्माव**न्द्र हरा विकास मारहर भारतियंक प्रश्रास विका ক্ষণ তংপুরঃ কিন্তু এপর্যন্তে এক জন ইউরো পীয় চোরের প্রতি এ দণ্ড প্রদান করিলেন না !!!

#### ১৯ देखार्थ मनिवाद ।

ডেলিনিউসের এক জন পত্রপ্রেরক ধলেন. এ বার ডেপুটি মাজিটেটদিগের প্রীক্ষার প্রশ চুরি হইয়াছে। এক জন পরীক্ষার্থীর নিকটে যাবতীয় প্রশের উত্তর ধরা পড়িয়াছে। এদকল চোরের নাম গেজেটে প্রকাশিত করিল্লা ভাঁহা-দিগকে গ্রব্যেটের কার্য্য হইতে এক কালে বছিদ্ভ করা উচিত। কি প্রকাবে প্রস ছति यात्र ? क्यान विटलंग व्यक्तिक अ क्या मात्री मा कतित्व अ वालाई प्रत स्ट्रेटव सा।

রোজ ভৌবের হত্যাঘটিত কাগল পত্র আড োকেট জেনরলেব নিকটে প্রেরণ করাতে তিনি বলিয়াছেন, এপর্যান্ত যেদকল ভাবান नकी ल ७ मा बहेम्राटक, खाबाटक माध्यक्तम में जुटक সেমিয়নে সমপ্র কর। কোন ব্রুমেই বিধেয় নরে। গ্রব্যেণ্টের আট্রবি রাবাট্র সাহেব ভ্রিমিত ২২ এ জুন পর্যন্ত মকলমা স্থগিত রাখিবার श्रार्थना कतिया वरतन, करव्रिक्ति अपने दन मुक्त করিলে জিনি কোন আগতি করিবেন না। মাধ वहस्य भङ्क खाभीत्म भुक्त कत्रा इहेग्राट्ड । এहे मकलमास পुलिय ७ माङिएके है त्वा हैन मारह्व **अर्शकारका धाममन कतियारहरना छाँहा**ता রোগীকে ছাড়িয়া করল লইয়া টানাটানি করিতেছেন।

টাইনস অব ইণ্ডিয়ার অবিসিনিয়ান্থিত সংবা দদাতা বলেন, থিয়োডোরের পুত্র ও ভাছার এক জী বোধাইয়ে জাসিতেছেন। থিওছো রের প্রিয়তমা পদ্ধী পিক্রালয়ে গমন করিয়াছেন। যি ন বোষ'ইয়ে আ সিডেছেন, তিনি প্রথম জী। আমরা ত্রান্সন সাহেবের বিচারের এক আশ্চর্যা । ইনি এক্ষণে ত্রিটেশ শিবিরে পীড়িত আছেন।

अ (मर्भत छनि ও छ्छु स्थात्रिमित्क (म्थिर्महे

বোগ হয়, এমন হডভাগ্য লোক পৃথিবীতে च्यात नाहे। मध्यन अक खन हीन क्र अक हथ्य দোকান করিয়াছে। এখানে চীন, ভারতব ষীয় ও কতগুলি নিমু জেনির ইংরাজ তাইফে নের ধুম পান করে। অল পর্সায় হও র যে ख्यांनक (नना इय्न, खादाट्ड संख्टनंत खंखात এক বার ইহার আখাদন পাইলে আর ভাগে कर्तिएक शासिरन मा: अविरक्तरमद रामान এक নোহিনী শক্তি আছে গ্রহাতে স্পষ্ট অনিষ্ঠ হই-ভেচ্ছে তথাপি মেশাথোরেরা ইহা ভ্যাগ করিতে পারে না। ডিকুইন্সের নায় মহৎ লোকেও অহিফেন খাইয়া কহিয়াছেন ' এক পেনিচে এপ্রকার অর্গের স্থুপ আর কিছুতেই হয় না।" ইংরাজের। এই বেলা সাৰ্ধান হউন।

निम्नलिथिक मृत्ना भवर्गानात्वेत कालल বিক্রীত হইতেছে:-

৪ টাকার দিকা あき 11/2ーあるりかる **\* কোম্পানির** > ||c 6 - . | c 6 <sup>ম</sup> প্রলিকভ্যার্ক > ald --- > rall. » (कte > - A-> - A - C S (35) & 77040-778

## रे উরে। পীয়দনাচার।

লগুন ১৬ ই নে। গত রাত্রিতে হাউস অব কমলো আরমটেও সাহের সংবাদ দিয়াছেন. ২৫ এ মে ডিনি এই বলিয়া প্রস্তাব করিবেন যে, মল্লিগ্ৰ যেপ্ৰকায় কাজ করিভেছেন ভাষা প্রতিনিধি শাসনপ্রধালীর বিরুদ্ধ। ইহাতে মহাস ভার সন্মানের হানি ইইভেছে।

ভারতবর্ষস্থিত গৈনাদিগকে যেপ্রকার বিয়ার পান করিতে দেওয়া হয়, ওদিশয়ে মহাসভাকে মনোযোগী इहेवात अञ्चल्लाभ कदा इहेबाएए।

লণ্ডনের মিউনি সিপালিটি সর রবাট নেপি য়রকে আপনাদিগের মধ্যে এক জন সভ্য গণ্য করিয়া তাহাকে তদমুদারে ঘারতীয় স্বর্গধার মানদ করিয়াছেন।

ওয়াশিও টন হইতে সংবাদ আসিয়াছে, ২৭ জনের মতে ও ১৯ জনের অমতে মহাসভা সভা পতির বিরুদ্ধে একাদশ অপরাধটি অগ্রাহ্য করি য়াছেন। এই অপরাণ্টীর বিষয়ে মত সর্বাত্তে श्री क रहेशाटक ⊱

১৮ইমে। ফেনিয়ান বারাটের মৃত্যুদগু জার এক সপ্তাহের জন্য স্থগিত হইয়াছে।

আরম্ভঙ্ সাহেব যে প্রস্তাব কণিবার

সংবাদ দিয়াছেন, ভাছা সকলে অভি সামান্য জ্ঞান করিভেছেন।

ওয়াশিওটন হইতে টেলিগ্রাম আসিয়াছে, সভা প্রির বিরুদ্ধে একাদশ অপরাধনী অগ্রাহ্য কবি বার পর অন্য অন্য অপরাধের বিচার না করিয়। ২লাসভা ২৬ এ পর্যান্ত কার্য্য স্থানিও করিয়া। তেন।

১৯ এ মে। রাজিতে হাউদ অব কম্পের যে কমিটি অটলগ্রের রিজরম বিল বিবেচনা থিবার ভার পান, ভাঁহারা ২১৭ জনের মতে ও ১৯৬ জনের অমতে ছির করিয়াছেন. যেদকল ইংরাজ নগরের লোকসংখ্যা পাঁচ দছ স্থের কম আছে, দেদকল স্থান হইতে প্রতি নিধি আনিবার নিয়ম রহিত করিয়া হার্চাদিগের পরিবর্তে অটলগ্রের প্রতিনিধির সংখ্যা বৃদ্ধি বর্না হার্চাদিগের প্রতিনিধির সংখ্যা বৃদ্ধি বর্না হার্চাদিগের রাজস্বপ্রদানের নিয়ম ২১৮ প্রের মতে ও ১৯৫ জনের অমতে হিরীকৃত ধইয়াছে।

ইহাতে অকুতার্থ হওয়াতে ডিসবেলি সাহেব মন্ত্রিবর্গের অবস্থা ও কন্তব্যাকর্ত্তব্য বিবেচনার্থ মহাসভা স্থগিত করিয়াছেন। সীমার বিল এক সিলেক্ট কমিটির হল্ডে দেওয়া হইয়াছে।

কাজের ভার থাকাতে গবর্গমেন্ট শিকাসং আজি বিশ ফিরাইয়া লইয়াছেন।

ডিফ সাহেবের প্রশের প্রভুত্তরশ্বরপ সর স্থাফোড নর্থকোট বলিয়াছেন, সর অলেকজ গুরি প্রাণ্ট খোরাইয়ের শিক্ষাবিভাগের কর্মা চারীদিগের অবস্থার যে উন্নতি করিবার প্রস্তাব করিয়াছেন, ভাষ্টা অনেকাংশে গ্রাহ্য হইবে। শিক্ষকদিগের সামাজিক পদের উন্নতি ও বেতন

২১ এ মে। জামেকার ভূতপূর্দ্ম শাসনকর্ত্তঃ আয়ারকে বিচারার্থ সেসিয়নে অপণ করা হই-য়াছে।

বানিজ্যসংক্রান্ত সন্ধিসকল লইয়া করাশী
মহাসভার ভর্ক হইয়াছে। মহার কহার এক
বক্তৃতা করিয়া করাশী বানিজ্য ও শিল্পের
বর্ণনা করিলেন। ভিনি বলিলেন, আসিয়াতে
ফুালের রপ্তানী কেবল ইংলপ্তের অপেকা কম
হইতেছে। ভিনি আশা করিলেন বে, দৃচ্তর
প্রতি যোগিতা করিয়া ও বানিজ্যের প্রতিবন্ধ
কতা সকল দুর করিয়া শীত্র ফরাশী বানিজ্য
ইংবাজনিগের বানিজ্যের ন্যায় করিবেন।

রাজ্ঞী বালমোয়ালে গিয়াছেন। ইংলতে উত্তম ফদল হইবার সম্ভাবনা আছে।

২২ এ মে। গত কল্য হাউদ অব কমন্দে ভিদ

রেলি 'সাহেব বলিলেন, ইংলভের বেসকল স্থানে ৫০০০ লোক নাই সেসকল স্থান হইতে প্রতিনিধি জানিবার প্রথা উঠাইয়া দিবার বিষয়ে তিনি স্মত হইয়াচেন। এই সংশোধন ও মনোনীতকারী দিগের প্রদন্ত রাজকের নিয়মের সহিত স্ফটলভের রিফরম বিল সোমবারে বিধি বন্ধ করিবার নিমিত্ত তিনি মহাসভাকে অনুধ্রোধ করিলেন।

গত কল্য তারিখের এক টেলিগ্রাম নিউইরর্ক হইতে আসিয়াছে। ইহাতে প্রকাশ করে, চিকা গো কনবেনশন সেনাপতি গ্রাটকে ভবিষ্ণ বভাপতি বলয়। স্থীকার কলিয়াছেন। সভাপতি জনসনের অপরাধ অগ্রাহ্য করা ইহাঁদিপের অমত। এই মহদ্দেয়া চলিতে থাকে এবিষয়ে মতপ্রকাশ করা হইয়াছে।

২০ এ মে। গত রাজিতে হাউদ অব কমসে টি,বিলিয়'ন সাহেব দৈনিক আফিদরের পদ ক্রম্ম করিবার প্রথা উঠাইবার জন্য প্রস্থাব করি য়াছেন। তিনি বলিয়াছেন, এ প্রথা থাকিতে সেনাদলের অবস্থা ভাল হইবে না ৷ কাপ্তেন বিবিয়ান এক সংশোধনপ্রস্তাব করিয়া বলিলেন কাপ্তেনের উপরের পদ অবধি ক্রয় করিবার প্রথা উঠান কইবা। টি বিলিয়ান সাহেবের প্রস্থাবাল সারে কাজ হইলে ১০ কোটি টাকা ব্যয় হইবে। সেনাপতি পিল পদক্রয় করিব র প্রথার নহায়তা করিলেন না কিন্তু প্রস্তাবের প্রতিবন্ধকত। कतिरलन। जिनि विलिदनन, छेभरतत भन भूना इहेटल हे नी एवत भन्य वर्षक एम भन् भाई दिन, এ নিশ্বম থাকিলে উৎসাহ থাকিবে না। গুণ विरवहना कविष्ठा छेन्नड भन मिल्ल जेवी, मत्मक ও পক্ষপাত হইবে। সর জন পাকিওটন এপ্রকার দোষ স্বীকার করিলেন; কিন্তু বলিলেন, ইহাতে যে আফিসর পদ ক্রেয় করেন না, ভাঁহারই অধিক লাভ হয়। তিনি বলিলেন, সামান্য দৈনিক হট েড জাফিসরের⊷পদ পাইবার প্রথার উন্নতি আপাততঃ হইতে পাবে না। ফরাদী প্রথা দেখিয়া বরং সতর্ক হওয়া উচিত 🕫 ইহা আদর্শ নছে। তিনি বলিলেন, চাইলডাস সাহেব যে ব্যয় সাধ্য প্রস্তান করিয়াছেন ভাহাতে সম্মত হওয়া তাঁহার সাধনেহে চকিন্তু সকল লোক সম্ভষ্ট ছন, তিনি এপ্রকার এক বিল শীন্ত অর্পণ করি বেন। অভাচারসংশোগনের প্রস্তাব পরি जाक रहेन।

আমেরিকান দূত আডামস সাহেব অদেশে প্রভাগমন করিতেছেন। আমেরিকার গবর্ণ মেউ ভাঁহার পদে অন্যকে নিযুক্ত করিয়াছেন। ২৩ এ মে। গভ রাত্তিতে আরারলভীর ধর্মস্প্রদায়মধ্যে আর ফুড্ম পুরোহিত মা হয়, এবিধয়ে মাড্রষ্টোন, সাহেব যে প্রস্তাব করেন, ভাহা ৩১২ জনের মতে ও ২৫৮ জনের অমতে গ্রাহ্য ফইয়াছে। ৫ ই জুন শুক্রবার এই বিল বিবেচনার্য কামটি বলিবেন।

কত্কগুলি সজ্যান্ত লোক সর স্থাক্টোড নর্থা কোটের নিকটে গিন্ধা জিববালটার ছইয়। বোষাই পর্যন্ত এক পৃথক টেলিগ্রাফ করিবার জন্তবাধ করেন।

নব স্থাক্ষ্যে নথকোই প্রত্যুত্তরে বলিয়াছেন যে টেলিগ্রাফপ্রে নিসকল একণে আছে, বিবে চনাপুর্বিক সেগুল চালাইলে রাজনীতি ও বাণিজ্য উভয়েরই মঙ্গল হইবে।

কনষ্টাণিটনোপল হইতে সংবাদ আসি

য়াচে, তুবস্কের সাধারণকার্য-বিভাগের মন্ত্রী এপত টোলগ্রাফ ও ডাকষরের তত্ত্বাবধায়ক আগসন এফোলব মৃত্যু হইয়াছে। তুরত্তের মন্ত্রিবর্গের শীল্প পরিবর্ত্ত হইবে। নুডন রাজকীয় কোলিলেন মধ্যে ৪৫ জন তুরস্ক, ৯ জন আন্দ্রেণীয়, ৭ জন গ্রীক ও ০ জন ইছদি প্রবেশ করিয়াছেন।

ফ্রান্সের স্থিত টিউনিসের স্বর্ণমেটের মনাস্তর হওয়াতে সংশী হুত উক্ত দেশ ভাগ্র ক্রিয়া চন। 🕾

মণিট উর ডিলি আর্ম্মি বলেন, বৈন্দেংখা। কমাইবার প্রথম দুষ্টান্ত প্রদর্শন কু'লের দ্বারা ১ই য়াছে। যেকেডু ১৪,০০০ দৈনিক বিদায় পাই য়াছে।

## গবর্ণমেন্ট বিভয় পেন। লেপ্টনেন্টগবর্ণরের আদেশাসুসারী নিয়োগ।

১৯ এ মে। যত দিন ডাক্তর এল. জাকসন বিদায় লইয়া অনুপঞ্জি থাকিবেন তত দিন, পাট নার সিবিল নার্ভন ডাক্তব আর এক, হচি লন মীঠাপুর ও দিগরে জেনের চিকিংদার ভার পাইবেন।

ডাক্রর জাকদনের অনুপস্থিতকালে পাট নার প্রতিনিধি জাইন্ট নাজিটেট ও ডেপুটি কালেট্র সি, এক, গুৱাসলি সাহেব নীঠাপুর ও দিগরের জেলের তত্ত্বিধারণের ভার পাই-বনে।

২০ এ মে। ভেপুটি মাজিটেট ও ভেপুট কালে ইর মৌলবী আবছল গকুর বাউদি উপবিভাগের ভার পাইরা ভাগলপুরে মাজিটেটের ক্ষমতা চালন করিবেন। ২০ এ দিংসের গেজেটে

यो नवी महत्त्रम हे जाएक व्र मिर्द्रार तथ्य विकान ি প্র হয়, ভাষা এড আরোর বিহিত্ত করা পেল।

২১ এ মে : ভূডীয় প্রেণির দব জাসিষ্টান্ট সার্জন বাবু ছাবকানাথ বন্দ্যোপার্যায় পাবনার অন্তর্গত দুলাইয়ের দাতব্য চিকিৎলালয়ের ভার পাই:বন।

২২ এ যে। যত দিন আর, এস, ওকনর বিনায় लहेश अञ्चलिख्ड शकिएतन, ७७ मिन **এ**, ব্লেয়াৰ সাচেৰ সিংহভূষের প্রতিনিধি পুলিৰ স্থপ तिर<sup>्केर छन्</sup>हें इंडेरवन ।

कतिकाञ्चा প্রতিনিধি কার্নেট্র ডবলিউ. এচ, तरित्र शाहित ১৮७० वास्त्र ३ । व्यक्ति कश्राद्य किनकां छ। २८ भवतन्। ए एनिट्ड क'टलक्टेरता कमडी পाइटवन।

वात् थलते साहन वरणपाथाम ३৮७৮ স্ফের ৯ অইন তলুদারে এক জন আদেসর হইয়া কলিকাতা ২৪ প্ৰৱণ্য ও ছুৱালিতে কালে हैरवत कमा शाहरवम ।

नातु व्यानक्रक (म ১৮७৮ घेटकत् है भाहेन अञ् সাবে আবেদর হইয়া কলিকাভার কালেটারের ক্ষতা পাইবেন।

वायु क्षात्रज्ञ विष्टु ४५५५ व्यक्तित्र व्याहेश অনুনারে আগেনর হইয়া কলিকাভার কালেই (বর ক্ষমতঃ পাইরেম !

হারড়ার ডেপুটি কালেইর ১৮৩৮ অংকের ৩) ধারা অসুসারে কমিনন্তের ক্ষতা পা.

গভাদন মৌলবী .হাবেন আপলি বিদায় লাইয়া অরপত্তিত থাকিবেন, তাও িন রাক্ষাইলের সহ कावी कांग्रमन व निरुष्णतः कार्यात छेल्रात शाकु-ুড়ার ভারে পাইবেন 🗵

২০ এ যে। সি. এম. জাড়ন সাছের পল্লার গ্রিন্ধি সব ডেপুটি অহিফেন এজেট হই

২৬ এমে। নিম্লিপিত ভদ্র লে'কেরা খুক্টি স্থানদিগের বিবাহ দিছে পরিংবন।

রেবরেও ই, বি, সি. হালাম, न'रलभरत्। " वालवार्ड, छेईलियम् কলিকাভায় ৷ **छव**लिष्टे, अक. याक्टणारम्ल भारम्य वि, नि, মনীয়ার সিবিল ও দেসিয়ন জ্ঞা হটবেন।

-----

व्यामोपिरशंत व्यानुलियाक मःवापः নাতা লিখিয়াছেনঃ—

·১। भर्गा সংবাদপত্রপাঠে অবগত इहेशा ছিলাম, যে আমানিগের বর্তমান মাননীয় লেপ্ট म हे भवर्गत और क्रियंक (अ मार्ट्स्व व्याप्तनाञ्चमारत

कृष्णनगरत खूबारथन। निवातरशय आहेम श्रष्ठ লিভ হইয়াছে । কিন্তু ফলে উহার ত কিছুই দেখি নাঃ ববং অপেকাকৃত উহার বিলক্ষণ প্রায়ুর্ভাব ब्हेय्र' উविद्वद्य । नगरवत्र घर्या व्यटनक स्थारनहे এই (चेना रहेन्न) थाटक। गारु'तनत সংসার নির্দ্ধা (सत উপায় নাই, ভাহাদিসের ভারাই এই ক্রিট্র ইংরালী বাসালা বিদ্যালয়ের কতক ওলি বিষয় मण्यांति इस । এই মहाপ्रजूता कारात कानीक শামোদের বয়্নথাত্ত্রী। যেখানে বারইয়ারি পূজা প্রভৃতি সংবাদপত্তে কি যাত্রাদি হইয়া পাকে, সেই ধানেই ভাঁছালা , দর্মারে উপস্থিত হন এবং সাধ্যমত লোকের দর্শন শ করিবার ক্রন্ট করেন না। যাহা হউক, व्याम ।। अ विषद्यंत्र निभिन्न श्रुमताञ्च गदर्गरमञ्जूक कस्रताथ कतिराजीक, याशास्त्र होशे এक कारन এ দেশ হইতে দুবীকৃত হয়, তাহার উপায় ত্বায় करून। जात यक्ति जाहेन श्राहत कतिया अक कारम तक्षि ना करतनः खुशक्रिक्रियत छेशरत व्यक्षिकभित्रभारमं क्वकाना कक्रम, जाहा हहेरमङ উহার অনেক নিবারণ হইবে।

२। श्वित्र। आस्मिक्षि हहेलाम, आमानिर्वत নদীয়াজেলার ভূতপূর্ম প্রজাবংসল হিতৈধী मास्किएके क्षीयुक्त (तम माह्य भूनदाय राश्व পদে প্রভাগেমন করিয়াছেন। ইইরেকুঞ্-নগর পরিত্যাগের পর জিলার স্থুদায় লোকই হঃথপ্রকাশ করিয়াছিলেন, এজনে সকলেই क्षी रहेरवन मरक्तर माहै। (वस मारहरवत जुनः थकाहिटेज्यो माक्रिकेटे जिख्या

রাণাঘাটের মিউনীসিপালিটী লইয়া व्यात कड बात भीरकोत्र कतिव १ व्यान्धाविध तास्त्रा গুলির সমুদায় পাক। ছইল না। গ্রণ্মেটের ৰ্শ্চি গাত একান্ত আবৰকে। প্ৰজা উৎপীড়ন করিয়া রাজস্ব আদায়ের ফল কি ?

৪। নদীয়া জেলার অধীন ''কোত্যালী শ ও ''ন'কালী পাড়া" ধানার অন্তর্গত কএকখানি গঙ্গাভীরস্থ পলীত্রায়ে বনগায় বংসর বংসর সনেক প্রজায় অনেক ক্ষতি হইয়া থাকে। কয় মাস অভীত হইল প্রেনিডেন্সিবিভানের কমি-সনর জীয়ুক্ত চাপমান সাহেব মফস্বল জ্ঞমণ-कारल प्रभूमोग्न कारन भगन कतिश्लोडिरलन। ভরভা বন্যা ও বাডাছেড প্রজার শোকাবহ আর্ছিনাদ প্রবেশে সাতিশয় ছংখিত হইয়া গঙ্গার জল যাহাতে পশ্লীসমূহের মধ্যে প্রবেশ করিতে নাপারে, এক্সপ কল্পনা করিয়া উহার ধারে বাঁধ দিবার প্রস্তাব করিয়া আসিয়াছিলেন। हिटेडमी कशिमनत मारहरवत स्कृतिलाग, भवर्गरम छ अङ् राप्त कतिएड প্রপ্রাবক্রমে কার্য্যার্ভ না হওর'তে উহ'র প্রতি আমা-

मिर्गात मरम्बर इहेर उट्ट। याहा इन्डेक, व्यामता এ বিষয়ের নিমিত্ত উক্ত মাননীয় চাপমান সাহের নাগেদয়াকে অনুবোধ করিতেছি, এসী ষ্টাতে ভ্রায় সম্পন্ন হয় ভাহার উপায় করন।

e। तानावाटके शवर्गसे मारावादके ছয়ে সেমপ্রকাশ এবং এডুকেশন গেজেট প্রকাশিত হওয়াতে এত দিনে ভাষার শুভ কল হইয়াছে। শুনিয়া वास्ता पिछ इहेलाम (स, निकाविकारभत फिरत हेत मारह्व डिक्ट विम्हालरम्ब विम्खला मर्वार পত্রে পঠ করিয়া উহার ভত্তাবধান বিষয়ে হ্রানেজর মহাশয়কে পত্র (तान। किंकू मिन कहेल এ विভাগের ऋल हैनिर्भेष्टेंत औषुष्क वायू बर्ह्य नाथ ताम महा-नव छेक विमानत्य आधिया प्रमुनाय अवसा দর্শন করিয়া গিয়াছেন। গুনিলাম, ভিনি শিক্ষক बहानद्वमिर्गत व्यानरकत्र देशत व्यगरकारधकान कतिया नियाद्यम ।

৬। অভিনয় ছঃখিত হইয়া লিখিতেছি রাণা-ঘাটের প্রশংসিত ভাতৃণমাজ্ঞী এত দিনের পর িংশেষিত ইব । গভ; মহাশয়দিগের অমনোযোগই উহার প্রধান কারণ।

(मिलिनीशूत् इहेट्ड এक वाक्ति निथिशाष्ट्रनः---

करमक मिन भाक कहेल. (यमिनीशुद्द इजी বিবাহ অভিসমাবোহপূর্দক সপেন হইয়া গি-য়াছে। ছটী বিবাহতেই অভেশয় বুমবাম হইয়া। ক্রল। খ্যামটার নাচ, পাঁচালি, বাজিপোড়ান-প্রভৃতি অনেকপ্রকার ভাষাদা হইরাছিল। कलिकाछ। इदेराङ देश्यासी वानः व्यानग्रन कहा ধ্য়। অনিকতর ছুণ্ডেশ্ব বিষয় এই।যে, ছটীই শি শুর ববাছ। এখানে শিশুবিবাহ অভিশয় প্রচলিত। विवादशायलादक अथानकात है श्राक कर्माठा शिम-গকে নিমন্ত্রণ করা হইয়াছিল ৷ তাঁহারা অনে-कि मुखीक बहुता खामाना सिशिएड आंगिया-क्रित्न । व्याफ्रार्शत विषय अहे ए, कम्या भाग-টার নাচই ভারাদিগকে বিশেষরূপে আপ্যায়িত করিয়াছে। গে ছই মহাত্ম। পুত্রের বিবাহে হাজার श्कात है। अकातन वाद्य कतितनन, डीहाताहै মেদিনীপুরের হাইস্থ সম্বে যথেচিত সাহায্য করিতে পরাও মুখ হইয়াছেন।

ছুই দিন গাত হইল, এখানকার স্থ্রাপান স্মত হইরাছেন - কিন্তু এপ্রাপ্ত কোন নিবারণী সভার মাসিক অধিবেশন হইরাগি-য়াছে। ইংরাজী ক্লের হেড পণ্ডিত স্থ্রাপান

িবয়ে একটা উত্তম বক্তা পাঠ করিয়াছলেন।
ভাগীদারা বিশেষ যে কোন উপকরে হইতেছে,
ভাগা দখিতে পাই না। মদ,পায়ীর সংখ্যা
কিছুতেই কমিতেছে না। শনিবার ও রবিবার
রাত্রে স্থাদেবীর প্রকৃতরূপে প্রশা হইয়া
থাকে। কেবল বিদেশীয় আমলাদিগের মধ্যেই
যে তিনি বদ্ধ আছেন, এমন নম্ন, এখানকার
লোকদিগেব মধ্যেও স্বীয় রাজা এমন। বিসার
করিতেছেন। এমন কি, স্কুলের অলব্যুক্ত বাল
করাও স্থাপান ও বেশ্যালয়ে গমন করিতে
ভাতি করে না।

এফনে ব্রাক্ষ্যমাজের অতি লোচনীয় অবস্থা।
তাইট মাজিটেট কটন সাহেব প্রথম যখন
হনালে আসিতে আরম্ভ কনেন, তংকালে দিন
কয়েক সভা ও দর্শকসংখ্যা বৃদ্ধি হইয়াছিল।
কিন্তু আজি কালি সাহেব দেখা নাই নিবৃত্তির
সঙ্গে সঙ্গে ধর্ম্মেন্সের উন্নতিকর কতগুলি
বস্তু এখানে স্থাপন করিয়া গিয়াছেন বটে। কিন্তু
পরিচালনেকর অভাবে সেগুলি শীন্ত্রই উৎসর
দশা প্রাপ্ত ইইবে।

মধ্যে মধ্যে বৃষ্টি হইতেছে বলিয়া এ বৎসং ওলাউঠা ও বসন্ত রোগের প্রান্তর্ভাব হয় নাই '

পূর্দ্ধে এই সহরে বাঙ্গালিদিশের পীড়া হইকে
সব আসিপ্টান্ট সারজনভির গতি ছিল না।
এক্ষণে দেই অভাবটী সম্পূর্ণরূপে দ্বীকৃত হইয়াছে। ছই তিনটী মেডিকাল ক'লেজের বাঙ্গলা
ফাসের ছাত্র গবর্ণমেন্টের কর্ম্ম পরিভাগে করিয়া
স্বাধীনরূপে চিকিৎসা আরম্ভ করিয়াছেন। ওাঁহা
দিগের মধ্যে বাবু ভুবনেশ্বর মিত্র বিশেষ প্রতি
পত্তি লাভ করিয়াছেন। তিনি নিজ যত্তে ইংরাজী
ভাষার লিখিত চিকিৎসাবিষয়ক উত্তম উত্তম
পুত্তক পাঠ করিয়া স্বীয় চিকিৎসাপ্রণালীর
উৎকর্ষসম্পাদন করিয়াছেন।

শুনা যাইতেছে, খানাকুল কুঞ্চনগর অঞ্চলে যাহারা দিনে ডাকাইতি করিয়াছিল, ডাহাদিগের মধ্যে কভগুলি পুরুষ ও শ্রীলোক এই সহরে আসিয়াছে। অন্যাবধি ভাহাদিগের অহ্যাচার বিবয়ক কোন সংবাদ পাওয়া যায় নাই। ইহার মুটা প্রস্তর্যপ্ত বিক্রন্ন করিবার ছলে লোকের ঘারে ঘারে বেড়াইডেছে।

## প্রেরিত।

মান্যবর উ্রযুক্ত দোমপ্রকাশসম্পদিক মহাশয় সমীপেয়।

সম্প্রতিছাপরা গেলার জজ আদালতের

উকী ক শ্রীযুক্ত বাবু কেশবলাল ঘোষ মহালয়ের অসীম যত্ন ও অন্থিচেদী পরিশ্রম এবং অনবরত চেটায় ''ছাপরা এদোসিএদন " নামে একটা পাকিক সভা প্রতিষ্ঠিত ছইয়াছে। সভার একটা মাত্র অধ্যবেশন হইয়াগিয়াছে। কেশব বাবুর বক্ষুতাশ্রবণে ও উৎসাহ্লানে ছাপরাস্থ যাব ভীয় বাঙ্গালী এরপ উৎসাহ্লানে ছাপরাস্থ যাব ভীয় বাঙ্গালী এরপ উৎসাহিত হইয়াছেন, যে বোধ হয়, এই ক্ষুত্র সভাটী ভবিষাতে মহোপকারিণী এবং ভারতবর্ষের মুখোত্ত্বল কারিণী ছটবে। আনি সভাব প্রথম অধিবেশন দিবলে উপস্থিত ছিলাম। সভাটী বাঙ্গালী মহাশ্রাদগেরদ্বানা প্রতিষ্ঠিত হইডেছে বটো কিছে উহাকে কেশব বাবুর শ্রমজাভীয় ও স্মানেশীয় মন্ত্র্যা, গণছারা পরিপোদিত ও পরিবান্ধিত করি বার ইচ্ছা আছে।

সভায় নানা ভাষার সন্ধাদপত্র এবং লুভন
লুভন পুস্থকাদি লইয়া সভংগণের জ্ঞানর জিবিধান করা হইবে, এবং সভান গুপে ইংরাজী
বাঙ্গলা উর্দ্দি ও হিন্দি এই চাবি ভাষায় বিজ্ঞান,
শিল্প, সাহিত্য, রাজনীতি প্রভৃতি দেখোপকারক
জ্ঞানগর্ভ প্রবন্ধসকল পঠিত হইবে। আর আ ম
দেখিয়া প্রনাহলাদে মগ্র হইয়াছি, এখানকার
প্রধান প্রধান বাবতীয় বাজালী এ সভাটির
চিরস্থায়িভাবিষয়ে প্রাণপণে লাগিয়াছেন।
ইংগতে বোধ হইভেচে যে, সভাটী ভাচিরে অনস্থ
ফল প্রদায়িনী হইয়া উঠিরে।

এক জন সভ্য।

-----

जम्भानक महानशः शक देवनाथ मारम এখানে অনেকগুল বিবাহ হইয়া গিয়াছে। ছুঃখের বিষয় এই যে, পাত্র ও কন্যাদিগের (क इ इ अमानि देणभवावया अ जिक्का कतिए ज शास्त्र बाहे। वालाविवाइ शूर्म कारम (क्वम कूमी নদিগের (বিশেষভঃ কায়স্থ ব্রাহ্মণ জাতির) मात्रा अवर कलिकाछ। अकाल श्रामण किन ; कि हु अक्तरन (मणा साईएड(इ. जे धना कि कूनीन. कि भोनिक, खाणिमाधादर्ग वश्राम्यत, धार স্পত্র বিস্থানিত হইতেহে ৷ কুভবিদেরে৷ বাল্য বিবাচের প্রোভঃ প্রভিরোধার্প যভই চেষ্টা ক্রন, যেরপ দেখা ঘাইতেচে, কুতকার্য্য इक्ष्ट्रेड शाहित्वम अन्नाभ (बाँध ह्या मा । ্এখানে যে কএকটি বিবাহ হইয়াছে, তথাগৈ ছুটী অভি স্মারোহে সম্প্র ইইয়া গিয়াছে। भाजवात्रत दशः क्रम ३२ धदर ३३ तरमव स्ट्रेर । (भारवाष्ट्र विवाश्कीरङ भाँ। एल मखकी ( स्थम-हाउप्राणि) अवर ३ मन हेरदाओं राम्यकंत्र कनि

काछ। इट्रेंट कानीय इश्व विवाद्दत पूर्ण छ भारत भाष इस दिन काल छेशास्त्र आधार চলিয়াছিল। সভাস্থলে বিশ্বর লোক ( নিমন্ত্রিড এবং অনিমন্ত্রিত ) সমাগত হন। ছই চারি জন ভিন্ন অব্রভ্য ভাবৎ ইউরোপীয় কর্মচারী নৃভং प्रमार्थिक मुख्य हरेग्राहित्यम । जानत्क সম্ভীক আসিয়াছিলেন। ইই'রা যে কেবল সভাস্থ लाक ও अभीनात श्र याशिनिगरक हति जाते করিয়াছিলেন, এমত নহে, দীঘকাল সভায় উপস্থিত থাকিয়া পূৰ্ব্য দিন যে নৃষ্য ভাল लाशिशांकिन, जारांत कार्तन कतिया अवर अहूव অর্থ পুরস্ক'র দিয়া মর্ছকীদিগের যথোচিত উৎসাহ্বর্জন করিয়াছিলেন। আকেংপর বিষর এই যে, গুটুমামীরা সাহেবদিলের খানার আথো खन कतिएछ भारतन नाहै, रक्तल सन्यार्गत আয়োজনমাত্র করিয়াছিলেন।

প্রাস্থিক বিষয়ের অন্দোলনে প্রয়ে জন নাই, প্রকৃত বিষয়ে বক্ষব্য এই, যে পিতা মাতা পুত্লিকার ন্যায় আপন আপন কন্যা পুত্রের বিবাহ দিয়া শীব্র নি শ্চন্ত হন, ভাহারা যে কন্যা পুরের শত্রু **তাহার সন্দেহ নাই। বিবাহ** যোক: পদার্থ, খাইতে হয়, কি মাঝিতে হয়, তাহা বালক বালিকাদিকোর জনয়জম হওয়া সভাবিত नहर । जाहाता हम्मीय ख विह्नभीय वान्य खावन, খেমটাৰাবাইনাচ দৰ্শন, নানাপ্ৰকার বাজী পোড়ান পাল্ফী আরোহণ, উৎকৃষ্ট বস্তা ও পাছকা পারিধান এবং বহু লোকের সমাগমপ্রভু তির আহ্মাদভিন্ন বিবাহশদের অর্থ বুবোন।। এমন অপক্ত বয়ুদে ভাহারা পরস্পর যে ছুদেছদ সম্বন্ধসূত্রে বন্ধ হয় এবং তাহাদিগের মস্তবে গে ভয়ানক ভার পতিত হয়, ভাষা ভাষারা বুঝিতে শব্দ হয় না। যাঁহাদিগের উপর সন্তান গণের যাবভীয় ঐহিক দুখ নির্ভর করিভেছে, ভাঁছারা যে উহাদিগকে শারীরিক ও মানসিক চিব্যস্ত্রশাসাগরে নিষ্ম করিয়া দেন, ভাছার পর আকেপের বিষয় আর কি হইতে পারে!!

বিস্তর যাত্রী জগন্নাথকেত্রে ঘাইতেছে।
ইহাদিগের মধ্যে জ্রীলোকের সংখ্যাই অধিক।
এখানে ভাল সরাই নাই; তজ্জন্য রাজ্রিকালে
অনেককে রাস্তার উপরে শরন করিয়া থাকিতে
হয়। এ প্রদেশে চুরি ডাকাইডির যেরূপ প্রাছভাব, ডাহাতে ঘাত্রীদিগের দ্রব্যাদি চুরি ঘাইবার
বিশেষ সন্তাহনা আছে। পুলিষ কর্মানারীদিগের
কর্ত্রবা যে, সরাই রক্ষার্য ২। ৪ জান অভিরিক্ত
ক্রস্তাবল কিছু দিনেব নিমিত্ত নিযুক্ত করেন।

মেদিনী পুৰ ২২ এ মে ১৮৬৮

বশ্বদ

**@**:---

মহ'শারের গভ ৩- এ: বৈশাখের নোমপ্র 🕆 कार्य कांगीय जरवाममाठा लिथिपार्ड स्थ, ' অবাপমার এক জন সংবাদদাভা আপনার এক 🛲 दिয়াও গ্রামন্ত দীন হীনগণের গৃহনিন্দাণে নফুঃ প্রশংসা করিভেছেন \* \* \* । প্রতিবা (दहें (काम मा (काम श्रकादत अक विश्वित माम हिस्त्रथ कहिया डाँहात अभएमा कतिरन स्नारक भटन्तर करा। द्वाडतार धनरमान त्रया स्त्रा ।

মহশের<sup>®</sup> আপনার গোয়ালিয়রত্ব সংবাদ দাভোকে এ স্ব'নের প্রকৃত ফলাক: ৬কী ও খনেশ হৈত চিকীৰ্ জীযুক্ত বাবু নবীনচন্দ্ৰ চক্ৰবন্তী মহাশ (शत्र श्रूब: श्रुब: बारबारल्य त छनाञ्चक क्रिय শ্রিতে দেখিরা আপুরার কাশীস্থ সংবাদদাতা मत्म कतिशास्त्रम १ य, ज्यालमात् (गाश्चानिश्चनक भारताम्लाका हाहेबाक। द्वाका दाहात व्यक्त यदमा রঞ্জন করি ার অভিপ্রায়ে এরপ করিডেছেন। নতুবা ভাষার মনে কি সন্দেহ চইতে পারে? যে ব্যক্তি মুক্তন মুক্তন প্রকারে এক স্থানের উল্ল তির জান আঙ্গেরিক যত্র করিতেছেন এবং অন্য নাকে সংপথে লক্ষা যাইবার চেষ্টা করিতেছেন ভাছার নাম প্রকাশঃ সমাসের পত্রে পুনঃ পুনং লকাশ হওয়াতে লোকের ননে পেশকের বা লাশংসিত ব্যক্তির প্রতি সন্দেহ হওয়া দুরে থ কুক ব্রং সাধারণ জোকে সেই প্রশংসিত ব্যক্তির ভাতুসরণ করিং। সমাজের ও জনপদের উন্ভিদ: গনে এমত ইইতে পারেন এবং এক ধ্যক্তির্থারী কত ক'লে হইতে পারে, তাহা দেখিয়া ভাঁছাদে ধও সংপ্রারি উত্তেজিত হইতে পারে। কেন বর্তজন গোপনীয় কালা ( বাহাতে সাধারণের কোন উপকাৰ নাই) প্ৰকাশ্য পত্ৰে লিখিলে দোষ হয় সন্দেহ নাই ৷ আপনার অত্ত্য সংবাদ দাতা যে নবীন বাবুর অলুচিত প্রশংসা করেন নাই এবং কোন প্রকার চাইবাক্য প্রয়োগ করিবার অভিপ্রায়ে উত্তেক্তিত সয়েন নাই, তারার এমাণ অর্পনবীন যার্ব গুটকত প্রকৃত কার্যের देश्वय क्षिए दाया इहेनाम ।

यश्र हेर ১৮৬३ जात्त्वत २० এ जान्धितत श्रवन विकाधात्र। वन्नाम छात्र भात स्टेशा छन, তখন নবীনবাবু শিয়া নকোটে ছিলেন। তিনি সংবাদণতো এই অগুভ সংবাদ শুনিবামাত্র চাদা সংগ্রহ করিয়া প্রকৃত কানে প্রেরণ করেন যথেষ্ট সাহায্য করিয়া ভাহানের উপস্থিত ক্লেশ पृत कर्त्रन ।

भक्षा व अकारत यथन प्रक्रिकानत <u>शि</u>वत एस, छथन नवीन यांचू नानाधकारत आहाया करहन। आहे हहे काटवंदत समा शवर्गमा के काहारक धमा वाम भिन ।

তিনি গত ১৬ই কার্ডিকের বাটকার সংবাদ आरगराज डाँशत वक्षगरनत निकृति स्थिता अष्ट्रत সাহায, क्तिशा**हित्य**न !

ष्ट्रकिं क উড়িখনার চ'ালাসংগ্রহ বিষয়ে তাঁহার অব্সাত্র উদাপীনা ছিল না। এত छत्र जि.स बकाकी चार्यशेन स्ट्रेगां उजारमत मत्या दाखा घाषे श्रञ्ज के निम्मान, अक्षी विन्ता लायुत कारिकाशम ভारवारन এবং कार्यक বিদ্যানিকাদ'নগড়তি जाकतन जीह वा**र**म মহং কার্যে, বন্ধ অন্ত্রপাঃ করিছেছেন। ভাঁছার নেজের এক্স ইন্ডা নাই যে সমাচারপাত্র নাম প্রকাশ হয়ঃ উংহার বান্ধবগণ কেবল ভাহার ऐश्याहवर्धनार्य छ। हात्र नाम क्षकांन क्रिया

মহালয় ! আমি পশ্চিমের প্রধান প্রধান অনেকগুলি দেশ দেখিয়াছি ও এ অঞ্লের বাঙ্গালী দের কথা শুনিয়াছি কিন্তু অধিকাং .শব কে'ন শুভাসুগানের কথা গুনিচে পাই माहे। व्यामातकहे हिन्द्रास्त्रीमिट्या मास विका তীয় ভাবধারণ করেন। মদ্পানও বেশনগ नमञ्जीवस्तत मात कर्या महम करतम এव॰ ক এদেশীয়, কি ইংরাল উভয় ছাতির নিকটেই তুলাম্পদ হইয়া থাকেন। বঙ্গের টেশর ইউ-রোপীয়দিশের যে এক অপ্রস্কা বদ্দদেশের অপস্ক त्रवत्रभ भक्षत्रज्ञ अभिकाश्य रूपमा वाजानीत দ্যণীয় পশুভাবই ভাহার প্রশান কাবণ। এই ক্লপ জঘন্য দলের মধ্যে যদি বেংক পালপুরেশার ন্যায় দৌংৰাৰিজ হন, উ'ই্তে সংক্ৰ বাৰ श्रमरमा कतिहाल अञ्च हिन्न काक कता रूप मा।

মহাশয় ৷ আমর: এধানে অনেক দিন আছি এবং এখানকার অনেক বিষয় জানি। ইংবা জেরা বাঙ্গালীনিসকে গ্রাহাই করিভেন না এবং কোন প্রকারে মন্ত্রের মধ্যে গণ্য করিছেন না। ননীন বাবুর শুভাগমনে এ স্থান এক মনোছর श्री थावंन कविशारकः शृहति यि जित्राणिशात कान दिन भिनारिकन अस्म है अवर अधानकात उन्ह वक्र मार्ट्रवरम्य निकटि याहेरक रकह माहमी इहेट्डम मा अवर याहाँको । छ। म निशाद दलिया আমাদিগকে অন্সাহ্য করিতেন, নবীন বাবুর বিজ্ঞতা সাধীনভাব ও অন্যান্য দদ্যুগের প্রভাবে সেইসকল সাহেব বাজালীদের প্রতি সবি শেষ পক্ষপাতী ইইয়াছেন। উচিরা আমাদের। স্মান্য সভায় প্রতি আসিয়া উৎসাহ্বর্মন ক্ষিতেছেন।

এক জন পার্টক.

धनिष्युर्भक निरंगन ।

বিবিদ পুস্তকপ্রকাশিকার ৭ ম সঞ্চা মুদ্রিত করিয়া য়া খয়াও এত দিন নানা কারণে প্রকাশ করিতে পারি নাই। তাহার একখানি পত্র वश्किश्वाता (श्रत्रम क नमाम खर्ग कहिएवम ।

আপনকার দেভোগস্থ এ হক তীযুক্ত বাবুইছেনারায়ণ এখান মধাশয় বিবিধ পুস্তক প্রকাশিকার স্থান্ত্রির উদ্দেশে গত ১ লা আন্থি নের গোনপ্রকাশে যে প্রস্তাব করেন, ভাহা-खेनात्र**ावानस हहे** हिन । नाधात्र हिन काहकनिर्शत ङ्कर्यापनीय ना इट्टेंड शास्त्र। अयन ऋल আমরা বিবেচনা করি, নিয়মিত সাধারণ আংক গণের পক্ষে মুলেরে যে স্থলাভ নিয়ম করা হই য়াছে, ভাষাই থাকে কন্ত গাঁহারা অনুগ্রহ করিয়া একটুকু বিশ্বাসপূর্ণাক 🕶 সেই নিয়ুম্বী भामन कतिए यहवांग हम । ए। इ. इहेरम बाहक ও সম্পাদক উভয়ের পক্ষেই সুবিধা হইতে শারিবে। আমাদের যে মনোগত ভাব তারা ব্যক্ত করিলাম। এক্ষণে অভীব বিনী গভাবে প্রার্থন। क तरा हि, मश्रमध हे स्मातिशिव वारुत धान्ताव এবং এমেনের অভিপ্রায়ের মধ্য এইণপূর্ণাক আনেধার যুক্তিক্তি ভাব প্রকাশ করিয়া कुरायं किंद्रिसः। (५)

才 两利河 ভাৰতীয় अर्थाः नहीं १००० हें जा है। নিভালালুগ্হীত औरवङ्ग्रेमाथ म्हन्। 75661 ---:-

মহাপয় খড়বহে একটা ইংরাসী বাঙ্গালা विनामध क्षेत्राहि। এই विनागरशत निभिन्न আলুকুল্যের প্রাথনা করাতে ডিরেস্টর এই বলিয়া हैश अधारा करान, सामश्रुत चाम्राह्य अक (क्वारम्य क्रांतक मूत्रवर्त्ती बत्त, स्थात यथम अक्षी देखमाविषानदा चाञ्चकाः (प्रवश्चा **स्टेट**च्छा, ज्यन थफ्रार्ट ब्याह्यक्ष्मा फिर्न केन्द्र विनाम (युत्र अभिष्ठे इक्टेर्टन। न्यन्तिकीय अवर्गमार्कित निकटी काशील इध्रां भरत शवर्गत (जनतरनय निकट्ठे जाशील कता इहेशांडिल, किन्त प्रदे ञारतहे हेहा खजार, इहेग्रारह। উদ্যোগীর। এकरन (क्षेत्ररमञ्ज्ञोतित निकट) जालीम कति বাব সকলে করিয়াভেন। আনি অবগতে চইলাম,

( ) ) वार्षत यहा भूमा इंह्रेल आंधक आहरू হটবার সভাবনা। ভাষ্তি গ্রন্থব্যুনকর্ডার (करल (य कर्य लांड इम्र अक्रानिय महत्राहत व्याष्ट्रधनभूमकाद्गीनिरगत लारकत छेशकात कत्रा যে একটি মহুৎ উদ্দেশ্য পাকে, ভাহাও স্থাসিদ্ধ :इंग्र<sup>ा</sup> डेटर्र । न ।

বিদ্যালয়ের সম্পাদক আপনার বেতনের প্রায় অর্থেক টাকা দিয়া বিদ্যালয়টী রক্ষা করিতেছেন এবং বিচারণতি মার্কবিপ্রস্কৃতি কয়েক জন ভঙ त्सांक घोषां विट्राज्यक्त । **जन्मांवटकत जना**वना য়ের প্রশংসা ক**ৈতে হইবে > কিন্তু আমি** সংল েচ্চি, ভাঁহার উদ্দেশ্য যভই সং হটক. কতুপঞ উংখাকে আত্মকুল্য না দিল্লা উত্তম কাজ করি शोष्ट्रमा **मान्यूरतक विन्तानस्यत** गिणिल जन। ংকান স্থানের লোকের সাহায় করিচত হয় না **গ্রামন্থ লোকেরাই এ** বিষয়ে প্রকৃত यह करतन । अधीरम विन्हांलय शाकिटल খড়দহের গোঝামীদিগের সক্তঃনেত্র জনায়াদে পাঠ করিতে আসিতে পারেম। খড়দতে विनानश स्टेल्ट ए लाचामीन्त्रत छन्नि रहेरव, त्रामभुरत स्हैरल स्हेरव मा, अने कारणव कथा नम् । वांबू बाङकूक वरमाभाषाम मि 'यथायंहे এफ विन्ताञ्चताती हम, जाहा इहेटन সোদপুরের বিদ্যালয়ের সাহায্য করুন। জন্ম স্থান একটা ক্ষুদ্র পলীগ্রামের অপেক্ষা বাহাতে जितिकार्टमत मझल र्ये, अहे छिचे। क्वांडे কর্ত্তব্য।

এक खन शार्ठक।

----

সম্পাদক মহাশয়! আপনাব গভ ২০ এ देवनारथत मामक्षकारम अक्षी माधातरगत्र कला। ণকর সংবাদ পাঠ করিয়া কভ দূর সজোষলাভ করিয়াছি বলিতে পারি না। পোষ্ঠমাষ্টার জেন दल निम्राल्डव हेनटल्ल हैत छ (७९५) इनटल्ल हेत महानग्रागिक अञ्चरताथ कविशादक्त त्य, डाँहा দিলের ভবাবিধানের অগীন যে যে স্থানে ইংরাজী বিদ্যালয় আছে, সেই সেই স্থানে শামান্যভঃ এক একটী ভাষ্ণর স্থাপিত হইবে। অভেএব ভাঁছারা কেনি কোন স্থান মনোনীত করেন. सिचित्रा भाठाहेदनन। अभि (य अन्वर्गापनेत यशान প্রজাবৎসলভার কার্য্য কইয়াছে, ভাষা বোপ হয় नकरमहे कीकात कतिरवन । त्य त्य द्यारन विका-लग्न প্রতিষ্ঠিত আছে, দেই দেই স্থানে বছদ? খংক ভন্ন লোকের বস্তি আহে সন্দেহ নাই। ডাকে পত্রাদি প্রেরণ করিবার স্থাবিধা না धानाटङ डाँशीमग्राक य किश्री ए क्रिम পাইতে হয়, ভাষা অনে, কি বুঝিবেন, আলাদি ाय मार्ग व का का दिवाद है का दिन । त्य थादन स्वाक भन्न में है. तिथानकात माहांग कुछ विकासितात ৰিল আফিবিত চইয়া আসিতে এক মাস কথম वा मिक्काय वर्गा छ। वित्र इंडेग्रा शास्त्र अञ्चार लाँक्के विकिथत्व यक्षः वे विद्यात है किशाः विश्वाः ! শিক্ষকদিগের বেতন দিতে হর। তাহার বিশেষ কারণ এই যে গত বংশর শিকাবিতাগ হুইতে এক নিয়মপত্র প্রকাশিত হুইয়াছে; তাহাতে লিখিত আছে যে, শিক্ষকদিগের বেতন দিতে এক মাসের অধিক বিলম্ম হুইলে সাহায্যদান স্থানত হুইবে, অথবা উহা কমাইয়া দেওয়া হুইবে। এক্ষণে অংপনকার পাঠকবর্গ অনায়াসে বুরিয়া লইতে পাত্রের যে, এরপ বিদ্যালয়সমু হেব সম্পাদকীয় ভার লোকে কেমন আগ্রহের সহিত গ্রহণ করিবেন।

আমাদিগের বাসপ্র'ম ভেলা হাবড়ার অস্ত-পতি গড়জবানীপুর ও তরিক বৈত্তী প্রামে যাঁহার বাস করেন, গাঁহাদিগের ভাকবোগে পত্রাদি প্রেরণের অস্থাবিধানিবদ্ধন কপ্টের পরিনীমা থাকে না। এ বার এখানকার গবর্ণমেন্ট সাহাঘ কত বিদর্গলয় কইডে যে বালকটা '' মাই-নার স্কলারসিপ " পরীক্ষায় উত্তীর্গ হইয়াছিল, ভাহার সাটিফিকেট ইন্দেপটির আফীস হইতে গত ৩ রা এপেল প্রেরিড হয়। কিন্তু এখানে ভাকের এমনি অস্তাবিধা যে, এক সপ্তাহ গভ হইবার পর ঐ সাটিনিকেটখানি বিদ্যালরের সেক্টোবি মহাশ্রের হস্তগত হট য়'চে। সম্পাদক মহাশ্রা! ইহা অপেক্ষা আর আক্ষেপের বিষয় কি আছে?

এক্ষণে এই জেলার ইনস্পেটর স্ত্রীযুক্ত এচ. উড়েন সাহেব মহোদয় ও ডেপুটা ইনস্পেটয় ক্রীযুক্ত পণ্ডিত মাধবচন্দ্র তর্কসিদ্ধান্ত মহাশয়ের নিকট আমাদিগের কৃতাঞ্চলিপুটে নিবেদন এই যে, ভাঁচাদিগের কৃপা চইলেই আমাদিগের এই শোচনীয় অবস্থাটা অপনীত হয়।

২৫ এ মে ) গড়ভবানীপুর সন ১৮১৮ নিবাসিগণ।

--- 303---

## मूना शांखि।

**बीयुक नानु विरम्भव नान (ठोयुडी डाज्यमाहि** ३२११ रेटाई इंडेटंड १७ देवनाच 30 " ধ্যান সিং ব্যুদ বালুচর ১२१ के टेक्स ई इंटेटन्ड १ ७ टेव**मा ब** ১৩ " রামছললৈ রায় कुशीवा ১২११ टेकार्ड हहेटड १७ देवमांच 30 <sup>শ</sup> শ গোপালচন্দ্র ভট্টাচার্য বছরমপুর ্রদওদ যে ইইতে ৬৯ এপ্রেল 30 » अक्रमान द्राप्त ने छाहेल

क्षिम ही महरसमग्री (नवी बाजनाहि 50

## त्रामध्यकाणमः काष्ठ क्राक्षे

विद्याव निवस्

অতিম মূল্য ও ডাকমাকুল না পাইলে মফ-মলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

हेरात खिका मृता वार्तिक ३० होका अवर यान्यानिक ६॥० होन्छ। मक्खल हाकमाञ्चल माम वार्थिक ३७, यान्यानिक १ अवर देखमा-निक ७५०। जिन मोत्मत स्थान खिका मृत्या अरुग करा याम मा। हिंछ, वर्ताि हिंछि, मिन-अहात, नाहे छ होल्ल हिंकिह, हेरात खामाज्य याहार्ड याहार स्वित हारिया।

যাঁহার। ষ্টাম্পটিকিট পাঠাইবেন, ওাঁহারা যেন এক অথবা আগ আনার অধিক মুল্যের ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

ষথন বিনি মফখল হইতে সোমপ্রকাশের মূল। পাঠাইবেন, তাহা দ্বেন রেজিষ্টরি করিপ্লা শ্রীযুক্ত ধারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

যাঁহাদিগের ঘূল্য দিবার সমন্ন অভীত হইয়া আসিবে, এক মাসপূর্ব্বে তাঁহাদিগকে চিট্টি লিখিয়া জানান বাইবে, কাল অভীত হইয়া গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, তাহার পঞ্চ একমাসকাল প্রভীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা ঘাইবে। শেষ বারের পত্র বেশ্বারিং পাঠান ছইবে।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর **ষ্টেননের** ভাক যরে চিঠি আইলে আসরা দীজ পাইব।

যাঁহারা মাস্তল না দিয়া পত্রাদি প্রেরণ করি বেন, জাহাদিগের সেই পত্রাদি এহণ করা যাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিজে ইছা।
করিলে ভাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংজি 
আনা ভাহার পর 
১০ আনা দিভে হইবে।
বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইছা করিবেন, ভাহার সহিত্ শ্বভন্ন বন্দোৰস্ত হইবে।

হক্ত এই পত্র কলিকাজার দক্ষিণ পূর্বা মাতলা রেলওয়ের নোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চালড়িপোডার জীয়ক্ত মারকানাথ বিদ্যা-ভূখণের বার্টাতে প্রতি সোমবার প্রাতঃকালে প্রকাশিত হয়।

# (भाग्राक्ष)

১০ ম ভাগ

७३ मर्चा।

## " प्रवित्तिनां प्रक्रितिहिताय प्रार्थियः सग्ख्ती अतिमहती न हीयतां।"

নাসিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১০ দ্র্নি । অগ্রিম সাধানিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টার্ক্য ।

मन ३२१८ । २१ व हेन्छ । ३৮७৮। ৮ हे जून

{ মক্ষলে মান্তলসমেত অগ্রিম বার্ষিক ১ । বাণ্যাসিক ৭, ও ত্রৈমাসিক ৩৮০ টাক।

## বিজ্ঞাপন।

" এ রাই আবার বড় লোক। "

যাহার অভিনয় কলিকাত। আঁড়পুনী নাট্যা লয়ে প্রদর্শিত হইতেছে, বছবাজারস্থ ১৭২ সংখ্যক ষ্ট্যানহোপ প্রেদে বিক্রয়ার্থ স্থাপিড ভাচে। মূল্য ৬০ বার আনা, মাশুল / ১ এক আনা।

সম্প্রতি সোমপ্রকাশ কার্যনালয়ের প্রতন প্রকার বন্দোবস্ত হওয়াতে শ্রীযুক্ত শ্রীনাথ চক্র-বন্তীর উপরে বিল ও চিঠি পত্রাদি স্বাক্ষর করিবার ভার সমর্পণ করা **ইয়াছে** 

> —ःः— इचेडेखिश (तलब्रुत

কয়লাপ্রভৃতির গাড়ি ভাড়ার নিয়ন।

এওদান সর্বা সাধারণকে জ্ঞাত করা যাই-তেছে যে. আগামী ১ লা জুলাই অব্ধি খনিজ পদার্থ সম্পর্কে " গাড়ির পূর্ণ বোঝাই " এই শব্দের অর্থ এইরূপ বুঝিতে হইবে যে প্রতি গাড়িতে যত অধিক মাল ধরিতে পারে ভারার আবি টন্করিয়া নূ;ন থাকিৰে। বাঁহারা যভ কম মাল পাঠনি না কেন, ভাহাঁদিগকে সেই আবিটন্তম যে মাল ভাহার ভাড়া দিতে হইবে। কিন্তু কেহ যদি উপরি উক্ত পপুর্ব ৰোঝাইয়ের <sup>গ</sup> অধিক মাল পাঠাইতে চান হাঁহ'কে সেই বেশী মালের নিমিত্ত শ্বভন্ত ভাড়া ा ठाईड़ छात्रो इष्टेहि हो (तम एएस (होन ) निमिनकि एक मन **ज्यानार्शनी** (कायात কলিকাভা ২২ এ মে এভেনি বোড।

रेखेरेखियान (त्रलखर्य । क्यनात कन्त्रीहै । ১৮৬৮ जस्मित ५ ता जुनीहे खर्की हम्र मान কাল এই কোম্পানির পাথরিয়া কয়লা লইবার প্রয়োজন হইয়াছে। যাঁহারা উহা সরবরাহ করিবার টেগুর দিবার ইচ্ছা করেন, নিমু সাক্ষ-রিভ বংক্তি ১২ই জুনের ছই প্রহরপর্যান্ত ভাঁহাদির্গের নিকট হইতে ভাহা গ্রহণ করি-বেন।

আবেদন করিলে টেগুরের করম পাইডে পারিবেন।

ইপ্টইন্ডিয়া রেলওয়ে ডেলহাউনী জোমার ক্ষমিকালে

. দিদিলফিফেনন এজেনি বৌড।

এতদ্বারা সর্দ্ধ সাধারণকে অবগতু করা বাই ভেছে যে, ১৮৬৮ ইং ১৬ ই জন মঙ্গলবার বেলা ছই প্রহরের সময় ৫ ফুটের মুন উচ্চ ও বাচা সরকারি হস্তিসকল চাকা সরকারী পিলখানাতে সর্দ্ধোক্ত ডাকে নীলাম হইবেক। ক্রমেন্ছু কগণ উক্ত দিবস প্রোক্ত স্থানে গিয়া ক্রম্ম করিতে পারিবেন। ইতি সন ১৮৬৮ ইং ৬ ই গে।

ছাক। । ছার, ডি, নথল আফিস। খদা সুপরিটেডেই।

## বিক্রয়ার্থ।

্গার্ডেন রীচ ২৪ নং বাটা গুলামসহ ১৯ নং জোড়া বাগান।

ভাড়া দেওয়ার নিমিত। গারডেনরীচ ২৪ নং বাটা।

উপরি উক্ত বাগান ও বালী ঘাঁহারা কয় করিতে অথবা ভাড়া লইতে ইচ্ছা করেন, নিয় খাক্ষরিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেগুরিস্ আরবো-থনট এবং কোং

পুরাণপ্রকাশ।

কলিকাড়া মুল্লাপুর আমহাউদের ক্ষিপ কাব্যপ্রকাশ যদ্ধে পুরাণপ্রকাশনামক সাম য়িক পত্র প্রতিষ্ঠানে এক বা হই খণ্ড করিয়া প্রকাশ হইতে আরম্ভ হইয়াছে। প্রভ্যেক খণ্ডের পরিমান ৮- অশীতি পৃথা। ইহাতে ক্রমশ: অষ্টা क्रम शुद्रान ७ **উপ**পূর্বাণ वांच्याः। অञ्चवानगरमञ প্রকটিত করিবার কল্পন। আছে । প্রথমতঃ বিষ্ণু -পুরাণ অনুবাদ ও জ্রীধরগোত্মামিকৃত চীকা সমেত मृत्रिष्ठ इहेट ७ हा । देवनाथ विख्यन আরম্ভ হইয়াছে। যিনি ইহার গ্রাহক ইইডি অভি লাৰী হন, তিনি কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে আমার নিকট পত্র ডাকমাশুল ও প্রতিখণ্ডেব মুল্য অগ্রিম॥ । আট আনা করিয়া পাঠাইবেন। ণাঁহারা নিয়মিত গ্রাহকশ্রেণীভুক্ত নহেন, ভাঁহা দের নিকট প্রভেকে খণ্ড নগদ ১ একটাকা নূল্যে বিক্রান্ত করা যাইবে।

३ ६ हे टेहज } ३२१४ } जी क्यारमाहन मर्ग्या।

সংস্কৃত মেদিনীকোষ ছক্সছ শব্দের টীকাদমেত উত্তম নাগরাক্ষরে যমপুর্দাক মুদ্রিত ইই
তেছে। যিনি গ্রাহক হইতে ইক্ষা করেন, তিনি
চাকা কালেলের সংস্কৃত অধ্যাপক শ্রীযুক্ত বাস্ত সোমনাথ মুখোপাধ্যায় মহাশয়ের নিকট অথবা
কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে বা কাব্যপ্রকাশ
যন্তে আমার নিকট প্র পাঠাইবেন।

১৫ हे टेठज ১२१८ प्रश्कुष विमानसा 🚽 जीखनत्याह्य भन्दा

অভিধান।

मकाषु वि मकार्थश्यकाणिका मक्तिक ર∦•

4

শব্দার্থযুক্তাবলী ٦ শক্ষির্ব্যালা Œ मकार्थकार्गातका ৩ লার ভিবাদ ু æ সংস্কৃত পুস্তক रम्बर्ग भनिक 6 के वर देन्यक्षक्रिक 9110 क्षा है के दिए 8 . ৬.১) বিংশতি ভব 30 340/ 与明天对市 ) औरकमाद्रमाथ राम्माभागात्र ं करास्त्र राष्ट्रका क्षत्र 術·ラン、9 mm) পুল্প বিক্রো।

শক্ষরদ্রে অভিধান। সর রাজা রাধ্-কাপ্ত দেব বাহাজুরের রুত। উভ্যক্তে সোণা দিয়া ইতন বাঁধান মূল্য ১৫০ টাকা। তত্ত্ব-নাধিনী পত্তিকা—প্রথম কল্ল, মূল্য ৫০ টাকা।

শ্রী মানন্দচক্র বেদান্ত বাগীশ।

রাণীগঞ্চ পটরি কোং লিমিটেড ।

(मिकिसा करिवाय स्ट्रिकिंग छोडेल।

ঐ কোল্পানির মিসমরোস্থিত ৪ নং আফিলে উহার নমুনা দেখিতে পাওয়। যায় এবং যদি কাহার প্রয়োজন হয়, ঐ আফিলে তলুমতিপত্র পাঠবিহা হিচান।

শাব জানে স্বকারী বারিক নিজা গোর ক্রা চারে পাননারে রাজি ইওয়া কার্লক, এই ব্রজ্ঞা ধা ্লোক কাজিবরা চাইবেছক যে নির কিয়াক নালিওর মন্ত্রী, ছুকোর ও ক্যাক্রের আবেশ্ব কালিজে মাজার। নিজ্ঞাও ও পার্নশ্রী, ভারাক ি ১২ই কার্যালেওয়া নাইবে

ন ং অন রাজ মধ্ মানিক (বাচন ১২ টাক)

হ এন কুজার ক্ষিকাৰ, আই ১৫

ত এন কুম্মকার আই ১২

াবিং সাজার অন্তর্ম স্মাচার লাইজিলিক হ এক জি কুটিডি ছ জানসুর সাহেত্বির াবিং প্রাজার

নাত জালিও ১ এই, পাকি**ল মেজর, আর ই.** নাত নোচেপদ ∫ একজিকিউটিভ ইঞ্জিনিয়ার সোনপ্রকাশ।
২৭ এ কৈ,ও সোমবার।
ইউবোপীয়কুত এ দেশীরের
প্রাণবধ ও, ভাহার

विष्ठाव ।

পাঠকগণ । যদি আপনাদিগের দ্বিচার রভান্ত অবণে কৌতুহল জ্বিলা
থাকে • ইউরোপীর ও এ দেশীর উভরেই ঈশ্বর ও রাজা উভরের দৃইিতে
তুলা বলিলা আপনাদিগের যে অম
আছে, যদি তালা ভঞ্জন করিবার বাসনা
হইলা থাকে আমরা ক্রমে ক্রমে আপ
নাদিগকে যে কয়টা সমাচার উপহার
দিটেছি, স্থিনটিতে ধীরভাবে তালা
গ্রহণ করন। গত ১০ই জালুরারিতে
রবার্ট ক্রম নামক দানাপুরস্থিত গোলকাজরলের এক জন গৈনিক রাম্চরণ
নামক একটা বালককে বধ করিয়াছে।
তদ্ভান্থটা একথানিইংরাজী পত্র হইতে
সংগৃহীত হইতেছে, প্রেবণ করন।

" সাক্ষ্যারা সংমাণ হইল, অপ-ताधी कराक छन महत्र एक लहेश के निवय जाएमान कहिवात मानम करतः এই ২ে হু ভাষারা প্রথমে কতগুলি পুত্র লিকা বিকেতাকে তাড়াতাড়ি করিতে আরম্ভ করিল। বিক্রেড়গণ অনিটের আশক্ষা করিয়া পালায়ন করিল এবং रिमनिक्शन जोशीं परशत शम्हाट अधाव-মান হইল। বিক্রেডারা যে কোখায় পলায়ন করিল, তাহা জানিতে না পারিয়া चित्राशी भूटवरांक बानकटक विकास করাতে দে বলিল " উহারা যে কোথায় গিয়াছে ভাষা জানি না। " ভাষাতে অপরাধী কুপিত হইয়া তাহার পাশাস্থি পঞ্জরে পদাঘাত করিল। বালকটার প্রীহা পীড়িত অবস্থায় থাকাতে আঘাতের অনতিবিলয়ে তাহার মজা হহল। "

্ৰাৰ দায়ীরা বাবসায় করিভেছেন, এমত সময়ে ু্ৰদি ভাহাদিগের সহিত चारमार करा ना दब, छोडी इंडेटन चात কাহার সহিত করা হইবে ? অত এব দৈনিকেরা যে তাহাদিগের সহিত্ আমোদ করিয়াছেন, দেটা অমুচিত হয় নাই। ব্যবসাধিদিগেরই অসুচিত কাজ इरेशांट । डारांता भनारेश रेमिकिल. গের আমোদের ব্যাঘাত করিল কেন ? यनि वल, रैमनिकनिर्शत श्राहरत श्रान বিয়োগ হইবে, এই শঙ্কায় পলাইয়াছিল, দেরীও অনুটিত। বে ব্যক্তির দৈনিকের আমোদ প্রহার महा क्रिवात भक्ति नाहे, ভाहात कीवतन श्रासन कि? প্লীহার ীড়ত অবস্থায় থাকার কথা य बला इहेग्राट्ड, तम विषया विमधान नाहै। आमता कानि, ध तिर्मत मनुनान লোকেরই মীহা পীড়িত অবস্থাসপার। यिं को होते थ विनया मत्मह थाति. জীবিত অবস্থায় কোন এক ব্যক্তির প্লীৰ क्षांन (ष्क्रमन कहिंदिन)है मर्ग्यह छक्षन इडेटड পारत। डाहा योष ना इडेटव, ब (मभीश मा८क्र इंडेटबाभीटश्त পরি**दा**न क्रुड इरे बक्षी व्यहार अम् कतिएड भारत्म मा (कन ? यपि अलावजः अज्ञान करेल, अ (मणीहर्क दश कहिया दे छेट्रा-भीरवद वश मछ इछता कानकरमहे महिया इस ना। विटमनकः क (मनीत '३ हेड्टता-भी छिन्दात कीयम जुलामूला वहेट छ भारत मा। हे डेरताभी शत की बरन कश-তের অনেক মঞ্ল আছে। শেছিওকের घटनक यन ६ कवाहेटहरू घटनक यांश्म বিক্র হয়, এ দেখীয়ের জীবনে তাহার किছू रह ना। शक्ष्युना देखिका जातीत জীবন থাকা আর না থাকা তুলা কথা। অভএব গ্ৰণ্মেটের পক্ষ বারিষ্টর হতারে নালীশ না করিয়া সামান্য আভাতের (य नाजीम करतन, मिछी युक्तिनिक इरे-রাছে। জুরিও অসক্ষতিত চিতে ( হতাার व्यक्तियां व हरेन जाहानितात नामा इरेड मटमर नारे) रेमनिकटक अभेडांसी

করিয়াছেন, দেটাও উত্তম কাজ চ্ইয়াছে। বিচারপতি মাক্ফার্সন আজ্ঞাদানকালে ्य कथा७नि वर्णन, সেই७निहे∕क्विन কেমন কেমন লাগিতেছে।

तूधवाटत व्यश्वतिभीटक विष्यतानटा উপস্থিত করিলে বিচারপতি বলি-লেন, "অপরাধী! ভুমি যথন সভ বালকটাকে পদাঘাত কর, তথন ভাহার যে এত অনিষ্ট হৃইবে তাহা তুমি জানিতে ना (वाथ इंडेटज्राह । जशांत्रि व कांत्र्यत कल कि उश्रानेक इश्न, विरम्भिष्ठः अक जन अञ्चलभौश्रक श्रद्धांत्रीत कतिल कि অনিষ্ট হইতে পারে তাহা তুমি নিঃন ন্দেহ জানিতৈ। অতএব আমি আজা দিতেছি ভূমি কঠিন পরিপ্রমের সহিত हर यान काताकृष्ण शाक। " এদেশীয়কে প্রহার করিলে তাহার আবার ভয়ানক ফল কি ? প্রহার করিলে আছত ব্যক্তির मृज्य इश, व्यनिएछेत मर्टश এই এक व्याटि । তাহাতে ইউরোপীয়ের ক্ষতি রূদ্ধি কি ? ইউরোপীয়েব যদি দে ক্ষতি রুদ্ধি করান থাকিত এবং এ দেশীয়কে বধ করিলে তাহার ফল ভয়াবহ হয়, যদি ভাহারা কথন এরূপ দেখিত তাহা হইলে কথনই এ কাজ করিত না। অভঃপর আমরা বক্রোক্তি পরিত্যাগ করিলাম।

১০ ই জানুয়ারিতে এ ঘটনাটী **मि**वदम হয় | এক রেলওয়েতে দানাপুর হইতে লোকে কলিকাতায় আসিতে পারে; এবং বিচার হইতে যত বিলয় হয়, ততই প্ৰমাণ পাওয়া কঠিন হইয়া উঠে। তথাপি विनाय मकमामा करा किन इहेन १ इंडाईत অপরাধে ইউরোপীয়ের বিরুদ্ধে জুরির মত হয় না | অতএব এক কালে বিনা দতে মুক্তিলাভ অপেকা কতক দও হওয়াও ভাল, বোধ হয় এই ভাবিয়া উকীলেরা হত্যাস্থলে সামান্য আহাতের অপরাধ দিয়াছিলেন, দেটা বৃদ্ধির কাজ

र्हेशारह। किन्तु यपि अनुशावन कतिशा त्रचा यात्र क्ष्णियमान स्ट्रेटन, चाहेन অসুসারে বিচার হইলে রবার্টজ্ঞদের পতি তাহা নিজেও স্বীকার করিয়াছেন অপর, বিচারপতি যে সময়ে বন্দীকে সম্বোধন করিয়া বলেন, সে সময়ে ভাঁহার वक्कृष्ठांत बकाश्म जना जः रागत विक्रम হইয়াছে। তিনি বলেন, পদাঘাতে মুত্য হইবে তাহা ( ভাঁহার মতে ! কিন্তু কি (म कांश व्यामता कानि ना ) रेमनिक कानिक ना ; किन्छ छ । शरत है वना हरें-त्रांट्ड, अञ्चलभीयमिश्रक श्रहांत्रीम कतिरत कि जग्नानक कत इस, जाहा रन कानिक मत्मिह नारे। यति तास्तिक काशत भीश शीखिष व्यवस्था थात्क, তাহাকে হত্যা করিলে হত্যাকারীর উচিত দও হইবে না, দণ্ডবিধিতে এরপ কোন কথার উল্লেখ নাই। দণ্ডবিধির ৩০০ ধারাতে আছে ৷

- (১) যদি প্রাণ নাশ করিবার অভি প্রায়ে আঘাত করা হয়।
- (২) " যদি এমত শারীরিক আঘাত করা হয়, যদ্বারা অপরাধী জানে যে প্রত্যু হইবার সম্ভাবনা আছে। (৩) " অপরাধী শারীরিক আঘাত করিবার মানদে যদি মাঘাত করে এবং দৈ যদি জানে যে ঐরূপ আঘাত করিলে স্বভাবতঃ হতুঃ হইতে পারে।
- (৪) " যদি আঘাতকারী জানে যে এমত আঘাতের ফল জতি বিপাদ. জনক হয় এবং ইহাতে স্ত্যু হয়, কি স্ত্যু रहेरात मखादना चाटह जदः जञ्जात আঘাত করিবার যদি কোন কারণ না थात्क, जाहा इहेटन तम ऋटन विक एजूर रुप्त ७ छोरोटक रुखा वल। बारेटव। " কৈ দণ্ডবিধিতে প্লীহার কোন কথার ভ উলেখ দেখিতে পাওয় বায় না। नकेन মাসুষের এক প্রকার শরী 💨 এক প্রকার

भक्ति इंदेरछ शांद्र मा। य जांचारक अक जन बलवान लाटकत्र किंছू इस ना, এক জন কীণদেহের ভাষাতে প্রাণ हजात म**७ हरे**ज मंदमह नाहै। विहात । जात हरेट भारत। शहातकांती यमि कानिया अनिया कीव वाक्तिरक वलवादनत সহনীর আঘাত করে এবং তাহাতে ভাৰার মৃত্যু হয়, সেহলে ভাষাকে হত্যা कातीत मधाराणी इहेटल इहेटव मटमह मारे। जामापिरभत रेडेटता शीय वावराता জীবেরা একটা মহাভ্রমে পতিত হইয়া ছেন। প্লীহার পীড়িত অবস্থা এ হেতু-वान कोन करमरे यूक्तिमञ्ज गरह। ताथ কর এক্টি জ্রীলোক দশ দিন জ্বভোগ করিতেছেন; এমন অবস্থায় মন্তকে নামান্য লভাড়াঘাত করিলে মৃত্যু হয়: স্থ অবভায় হয় না। তথানি কোন ব্যক্তি এ অবস্থা জানিয়াও যুদি লগুড়া খাত করিয়া বধ করে, তাহার কি মৃত্যু न अ इहेर्र ना १ ऋष्ट वाज्जिरक वध कतिरन एका एरेरव ; नरहद एरेरव ना, এটা কলিকাভার প্রধানতম ্বিচারাল स्त्रत व्यादेन इंटरिंग्ड शारत; किछ प्रश्र বিধিতে এক্লপ বলেনা ; যুক্তিতেও ইহা বলে না। রবাট জ্রেদ যে হত্যা করিয়াছে এবং তাহার এই অপরাধের দণ্ড হওয়া যে উচিত ছিল, তাহা বিচারপতি মাক ফার্সন নিজে স্বীকার করিয়াছেন। তিনি স্পান্টাক্ষরে বলিয়াছেন, পঞ্জরে প্রাঘাত করিলে যে দে ব্যক্তির মৃত্যু হয়, এত-क्तिभीरवत शक्त क कथारे नारे। এছলে হত্যার কারণটারও লাঘব গৌরব বিৰেচনা করা উচিত। বৈগনিক আ**মোদ** क्तिएक शिशा वालक निरंक वश क्रिजाट्स, নে আত্মপ্রাণরকার্য অথবা অন্য কোন কারণে তাহা করে নাই। বিচারপতি माककार्मन अ ममल विद्युष्टन। कतिशां अ রবর্ট ক্রেনের ছয় মাসমাত্র মিয়াদ পর্যাপ্ত জ্ঞান করিলেন। এ কিপ্রকার আমোদ ও কিঞ্চনার বিচার, তাহা ভারতবর্ষন্থিত

- /20/-

ইংবাজেরা বুরিতে পারেন, পৃথিবীর অন্য কেনে লোকের বোধগ্মা ছইবার ন্য

অংগরং দেখিতেছি, এইদকল অবি লেকের জনশঃ ত্রিটিশ क्रोराज दलदास्य ভারির জবিচারের উপরে অভিভি জনঃ ১৫৫ । যে যে ভাৰত∢ৰ্মীয়কে कि जन्म, कर, विज्ञा सदक्षनार विवादन भ के १८ वेस स्टिप्स देश कर साथ १ प विष्यात्रात्माद्रकः जन्दर्भ कन्नक्षिष्ठ किहा भा: १४: ४३: *१४*। ३: फारत अहे जाहेन कता উচিত যে ইউরোপীরেরা মহতা অপরায় ম ্রিলেও ভার্দিগের যথে চিতদও ইইবে ना; अज्ञान इंडेटल (लाटक अक वादत নিশ্চিত্ত হয়। ভারতবর্ষে ইউরোপীয় त्य यदेश दिल्ल प्रश्न का निश्न निर्धात লিখিত উদাহরণগুলিদারা তাহা সপ্র माद इहेर्य।

ভার মহম্মদ নামক এক বাজি কোর ফিলড কোম্পানির ওলা টাকা ভছরূপ করাতে তাহার ১৮ মান মিয়াদ হই-য়াছে। শালপ্রা । তাহার রক্ষিত :বশ্যার ৯৫ টাকা মূলোর এক ছড়া হার বন্ধক-দিয়াছিল বলিয়া বিচারপতি ভালার क मांग रमश्रांत मिटार्ट्डम । शक्तां करत कम एउउमान गम्मह बक् वाकि कार्यन (ट) (पत ६० छोकात कक लांचे या.च মাহে কলাতে ভালোর ভিন মানমাত্র মেলাদ अनेशाएक एए तुनाविक, शक्र**हरन उ नीलए कि** 2 22 है। देश लाहे जन्म वहिशा मुना भा ८ए ३११८७ - धर ४२१८४३ - खना (करन িয়াছে। আমগ্র আলার বেশ্যা ভাষাকে আর অর্থি, এনা দেওল্ডের সে ভার্তক এক ফুড়িকাদ্বালা আঘাত করে। **তরি** নিত ৩ ৷ ২ ৷ ১ দশ বংগর মেলাদ ছই-য়াছে অপ্ত বেশ্যাটির প্রাণ নট হয় নাই / ইয়ার নিষ্টে ওয়েটমানের তিন ্হতাকাণী রবার্ট জুদের ছয়

মান কারাবাদের দণ্ড যে কেমন যুক্তি সঙ্গত তাহা অন্যান্য ভূতাগের লোকেই विरवहना कतिरवन। "ताकात निकटि श्रवि हात नाहे " लाटकत व मश्कात व कछ অনিষ্টকর তাহা ব্রিটিশ বু ঝিতেছেন না। সর হওসন্লো নেপলি श्रानत (कनतक्क कश्वला (मण्डेरहरनन)त नामनकर्छ। इस। इति महावीतटक य क्षे निवार्ष्ट्रम, जाहा देखिहारम दर्शिक হইয়াছে। নেপলিৱন এক দিন ক্রোধাছিত क्रेग्रा व्याहित्वन, " जुमि श्राप्त रेमनिक वंडे; किन्तु जूमि कथन तनच्यल थाकिता যুদ্ধ কর নাই; তুমি তলবার কোষে রাখিয়া ভাক আফিনরের কেরাণীগিরি করিয়াত। আনি ইউরোপের এক জন অতি হৃদ্ধ যোদ্ধা। ভুমি যে আমাকে অসমান করিবে, ভাষা আশ্চর্ফের বিষয় गरह। " रामकलं वाक्ति वावष्टाशक সভার কেরাণীগিরি অথবা সেকেটারির महकाती रुहेश काक कतिशारहन, उँ। इं निर्भित कुछ विष्ठांत य युक्तिविक्रम्न र्हर्व, ভাহা আশ্চর্যোর বিবয় নছে।

বেগার ধরা।

थावन वाक्तिता (यमकन कांक करतन, डाइए. इ. ५ माजिलाडिक विकाद्य वीधा वर छगरवत " नात्र बाह्न ও बाहालड প্রভৃতি কিচুই খাটে না ৷ বেগার ধরার ভূডোভূগ, নিবেধমত্ত্বেও প্রবল ব্যক্তিরা উহ: তৃণজ্ঞান করেন। উহাতে লোকের (य कड कछे इत्र, याहाता (वशांत (एत्र, তাহারাই ভাহা জানে। কলিকাভার পূর্ব্ব স্বেংলের ন্যাচারপ্র্নন্সাদকের। मीलकदमिरभव अदे दिशांत भवाव विषय लहेश व्यारमानन चात्र कतिशार्हन। জন পর্জেপ্রেরকও আমাদিগের এক আদানের বেগার ধরার বিষয় লিখিয়া भाकि देशाद्वन । मर्काद्य तांक शुक्र विराध

দৃষ্টিপথে পতিত হইবে বলিয়া আমরা এই স্থলেই তাহা গ্রহণ করিলাম। এটা উপেকণীয় বিষয় নহে। ইহার নিবারণ না হওয়াতে অনেকে অসম্ভট হই-তেছেন।

পরস্পরায় শুনিলাম, প্রীযুক্ত লেপ্টন্ট গবর্ণর সাহেব আসাম দেশে পুনরায়ু পদা-প্র করিবেন। অতএব মহাশয়কে ও দেশ হিতিনী মহোদয়দিগকে আমার অস্থরোধ এই থে, সন্থাদপত্তে দেশের সমুদায় অবস্থা প্রকাশ করিয়া ভাঁহার চক্ষুর পোচর করেন। যদি মহাশয় অসুমতি করেন এবং আমার বিদিত্ত বিষয় শুক্ত করিয়া পত্তেস্থ করেন, তাহা হইলে আমি এদেশের কার্য্যকারক দিগের বিচার, চা-কর মাহেবিদিগর ব্যবহার এবং দেশের অযক্ষার ক্রোন্ত সন্থাদ সময়ে সময়ে প্রেরণ করিতে পারি।

১৮০ পালের ৩ আট্নছারা যদিও मःकाती कर्ण्याभगरक (वशांत धदः वनश्रः র্বাক কুলি ধরা রহিত হইয়াছে, তথাপি ঐ অনৈগগিক নিষ্ঠ্ব নিয়ম আসামে সম্পূৰ্ণ প্রচলিত রহিয়াছে। আশ্চর্য্যের বিষয় এই যে, এখানকার আফিদরেরা আইন লাজ্যন করিয়া তিরজ্ত হইয়াও পুনরায় দেহ কর্মা कदत्रम, लोशांटा मञ्जादाध वरतम् मा। शंउ বৎসর নব : ামের আনস্থান্ট কমি নের সাহেব धक कम (वर्गातिक चांड्व उपस्थानक गृ এক মাদ কটিন পরিশ্রমের সঞ্জি কারাক্রত্ত कित्रि ছिल्म ८वर कुछि शिर्यय किमिन्नत সাহেব সেই আপ্রার বিরুদ্ধে আপিল ১০৭ না করাতে হাইকোটের এজ নাহেৰের। উক্ত কর্মচারিদ্বরকে যৎপরোনাত্তি তিরকার করিয়াছিলেন, এখানকার নিয়ম এই, " যদি কোন নাহেৰ স্থানান্তর বা মৃগয়াগমনে অভি লাঘা হন, তাহা হইলে অমনি ডেপ্টা কনি সনর সাহেব প্রগণার চৌধ রিদিগকে কুলিদংগ্রহ করিতে আদেশ করেন। চৌধু রিরা যে কভঞ্চকার জভ্যাচার তাহা ঐ শ্রেণীর লোক/িগের চ্রিত্রের কথা मन करिएल है वृक्षिट शाहित्वम। कूलि पि গের যে কত ভুর্দা হয়, ভাহা বর্ণন করা যায় না। ভাহাদিগকে দুর হইতে আদিতে

এবং হ হ বায়ে জিন চারি দেবন গোহা টিতে **অবস্থান করিয়া আহারদ্রব্যাদি সং**গ্রহ করিতে হয়। শেষে ভাহারা ভিকার ন্যায় কিঞ্চিং পারিতোষিক পায়। উহাদিগের मध्य योशीतिशत किथिश नक्छि चाहि, তাহারা চৌধুরি, নাজির ও সেরিস্তাদার মহাশয়,দিগকে পূজা করিরা সরিরা যায়। নির্দ্ধন দিগের কাহাকে কাহাকে এমত অবস্থায় গৃহ পরিত্যাগ করিতে হয়, যে তাহা শ্রেবণ कतिल हक्कृत जल निवादन करा किरीन হুইয়া উঠে। সে দিবস এক ব্যক্তি তাহার একনাত্র পুত্রকে অতিশয় পীড়িত রাখিয়া এখানে আসিয়াছিল; বাটীতে প্রতিসমন করিবার অভিলাযে নাত্রির মহাশয়কে কতই বিনয় করিয়া বলিল; কিন্তু কোন প্রকারেই উ হার হার আদ হইল না। কেবল কথায় নেনই বা হইবে ? উক্ত কুলি বাটীতে ফিলিয়া গিয়া আর পুত্টিকে থেতে পাইল না।

কুলির। যে সমুচিত পারিতোষিক প্রাপ্ত হয় না এবং কেবল মানসিক ক্লেশ ভোগ করে এএপ নহে, সময়ে ময়ে ভাহাদিগের কীল, চড়, লাথিপ্রভূতিও উপরি লাভ হইয়া থাকে।

কুলিসংগ্রহকারকেরা বে নিক্ষনীকে অব্যাহতি পান ভাহাও নহে। চৌধুরী ও ज्वर्शद्वाता व्वर्क्तना ना करतन, विषय श्रमान ঘটে। ইহাঁনিগকেও শারীরিক শান্তি সহ্য করিতে হয়। কয়েক দিবস হইল, গুলিষের এক স্থপরিন্টেণ্ডেট এক জন সন্ত্রাস্ত পরগণার চৌধুরিকে বিলক্ষণ পদাযাত করিয়াছেন। নিয়মবহিভূতি দেশ ! কিজানি বিচার প্রথনায় সাহেবের নামে দরখা ও দিলে ভাঁছার জীবি কাাুহানি হয় এই নিমিত্ত চৌধুরির মনের (त्रामा गत्मह लीम हहेल। प्रत्यां छ पिरलहे বা কি হইত ? কালা মামুষের অভিযোগে ডিসমিস ভিন্ন অন্য ছকুম হয় न।। এতদ **्रिक्र नगत्र इम्हल माल्टर्वे ए व**्रश्चिक ভদ্রভদ্র বিবেচন, না করিয়া যাহার তারার ছারা কার্য্য করাইয়ালন এবং পুলিষের সাহা या कनरहेवन बाता कूलि धृङ करतन छाहा লেখা বাছল্য। মহাশয়! আমি এই পত্রখানি

লিখিতেছি, এমন সময়ে দেখিলাম, এক জন কনছেবল'ও জন কুলিকে ধরিয়া লইয়া যাই তেছে। যদি গ্রণনেন্দ্র এবিষয়ে মানা যোগ না করেন, তাহা হইলে এ দেশ যে পূর্ব আদামরাজগণের হস্ত হইতে সভ্য ইংরাজদিগের করে অপিত হইয়াছে, ভাছার কি ইই ফদ লাভ ছইল।

আসাম গোহাটি } নিত:ত অমুগত
২৮ এ মে ১,৬৮ জনৈক আসামদেশী

न्हें लिएकत खळात्र वृद्धि।

আমাদিগের গ্রথমেন্টের প্রভাব-যৌবন দশায় উত্তীৰ্ণ হইতে না হইতে জরাগ্রস্ত ইয়া প্রেল। দিন কত কাল দস্যা তকরতা ও হত্যাপ্রভৃতির কিঞ্চিৎ निवृद्धि इंदेशाहिल, आवात मसूमाय क्राय ক্রমে পূর্ববৎ হইয়া উঠিতেছে। নৃষ্ঠ লো-কের বিলক্ষণ প্রস্রায় রুদ্ধি হইয়াছে। হত্যা कोतिता धनातारम ध्वताङ्खि शाहरङ्ह, দস্যু তন্ধরেরাও পুলিষের পাতিত জাল ছিন্ন করিয়া ফে,লভেছে। পাঠকগণ এরপ বিবেচনা ক্রিবেন না যে আমরা অন্য কোন লিখিবার বিষয় না পাইয়া অকারণ পুলিষের দোষ কীর্ত্তনে প্রবৃত্ত চইয়াছি ! সম্প্রতি ২৪ পরগণার অন্তঃপাতী হরিনাতি আনে তুটা চুরী হইয়াছে। উহাই আমা দিগের আজিকার এপ্রস্তাবের অবভারণার कांत्र । ১১ हे रेकार्छ वाज्यित्व এक मल याखा ७शाला वातू नवीनहत्त्व (घारवत अक আটচালাতে শয়ন করিয়া থাকে। পথ-আন্তি নিবন্ধন তাহারা নিডাপত হইলৈ তাছাদিগের তুটা পেঁটরা চুরী যায়। তালা তে যাত্রা করিবার প রচ্ছদ ও বস্ত্র প্রভৃতি ত্রব্য ছিল। আটচালাটা কোম্পানির রাস্তার পশ্চিম পামে। ঐ রাস্তার পূর্ব **পार्ट्य इतिमालि हे**९ मेर विष्णाले । ১৮ই रेकार्छ ताजिएक में कुरलत अरू चरतत चात কাটিয়া দেশ্যের বহিগুলে চুরি করিয়া লইয়া গিয়াছে।

चारतक किर्छिएन, इतिनाखिए क्डक्खनि मामकरमदी इहेरारिक । ये डेखर চৌदा कार्याहे छ।हानिश्वत अमूर्टिछ। আমাদিগেরও এই অনুমান সমত বলিয়া বোধ হয়। পুরে ইতর লোকদিগের দিন চলা ভার ছিল। তাহারা উদরের স্থালার চুরী করিত। এখন তাহাদিগের সচ্ছল হই রাছে, ভাহারা প্রায় আর একাজে যায় না। এখন অশিক্ষিত সহতিহীম মাদকদেবী ভদ্রসম্ভাবেরা এই কাজ স্পারস্ত করিয়াছে। একে লেখা পড়া জ্ঞান নাই, কোন কাজ कर्य बाहे, खोहाट्ड मामकटमवटन विलक्षा অনুরাগ আছে, তাছাদিগের হইতে যে এ কার্যের অনুষ্ঠান হইবে, তাহ। আশ্চ र्षात विषत्र न ह। आत्र नारे, विलक्षन বায় আছে, সেব্যয়ের কোথা হইতে সংস্থান হয়। কাজে কাজেই দক্ষা তকর্-তाणि कः त्यां अश्रुख कत्य। भवनं सम्ब মাদক সেবনের নিষেধ সভ্যতার বিরুদ্ধ কার্য্য বলিয়া ভাহার নিষেধ করেন না, किंद्ध छेहा व्यथमार्थमित्तत छेमत्रक्ष रहेशा নিজের পরিবারগণের ও প্রতিবেশিদিগের व्हल व्यवर्ष छैश्लामन क्रिट्ट्र

উহাদিগের যে শাসন হইছেছে না, তাহার একটা মহান হেতু উপস্থিত হই-য়াছে। পুর্বে গ্রামা চৌকিদার ছিল, তাহারা আমের কে কিরূপ লোক তাহা জানিত, তাহাদিগের তয়ে মাদকসেবীরা **होर्ग्यामि कार्या अञ्चलत इहेरछ नाहमी** হইত না। চৌকিদারেরা অর্থ লোতে অথবা গ্রামস্থদিগের অনুরোধে যেনন গুরুত চোর গোপন করিয়া রাখে, ভেননি ভাহারা পীড়াপীড়ি হইলে প্রকৃত চোর ধরিয়াও দিতে পারে। এখন যে যে স্থানে **होकिमाती होका अवर्श्विक इहेगाएइ,** সেখানে কনকাৰল নিয়োজিত দৃষ্ট হয় । কনফাবলেরা বিদেশীর লোক। তাহার। চুরির পূর্বে ছফ লোকের অনুসন্ধান পায় না, চুরী গেলেও ধরিতে পারে না।

বিশেষত আরকাংশ অপদার্থ ও গাঁজা গুলিখোর কনন্টাবল দলে প্রথিষ্ট হই রাছে। মুন্দাগ্পাইলে তাহারাও চৌর্দা ক গোলিরাজ্ব্য হল না। তাহারা যে দেনো দোরা, তদ্দোষসূবিত অপর নাজিকে যে তাহারা ধরিল দিবে, তাহার নাল্লান্ট।

স্বান্ধ বহি চুরির সংবাদ থানায় থেরিত হর্তির সর ইন্দেশন্টর ও ইন্দেশ উন্তিন্ত ঘটনাথেলে উপাত্ত চন ওলে স্বিশ্বে সন্ধান ইন্তা প্রেক্তানসহ কারে সোরের অনুসন্ধান আর্থ করেন। ভালাদিধের অনুসন্ধানে যে কল ইইয়াছে, ভালা বারান্থরে পাঠকগণের গোচর করি বার বাসনা বহিলা।

--- 3 • 8----

श्वात्र (५०%) (अल्डर्यन ४ प्रजेस) । আমরা দেখিতেতি, আমাদিগের দেশের লোকের একটা কুবুদ্ধি ঘটিয়াছে। देशाँडा मिवाडाजि क्वान बामगीजि. রাজপুরুর ও গ্রণ্মেটের পদ্চাতে লাগিয়া আছেন। আমর। ধলি আমাদিগের ष्यायता वाञ्चालि, ष्यामाणित्वत वाञ्चालित मञ थाकारे कुर्यका। भाग, लंब, थाह, দাও, চুপ করিয়া থাক; কাঞ্চাটে বাওয়া दक्ष १ শেন घष्टित्व, હ; જ્ ाजপुरुरदेशः अञ्चार करिया मानद उसर पनामून य छ 2014 ৰাঃবার ক্ষতা ও াছদেয়ে সে বিভু অসেনতা প্রদান করিয়াছেন, ইহারা নিংশঃ শয় ভাষা হারাইবেন বার বার ि । इन्हों कि इन इन्हों कि कि कि कि कि कि নেত্তের গা নীর্মা ভাগত ম্বার্থ : কিন্তু @ # 14 % C কারলে কোষে সে कि करत राष्ट्राया महिला देशीला ছাজি:তছে: না নেখিতেছি। তবে তেমরা এই এ লক্ষ্য বাল্লের যদি কোন **কাজই না হইল,** পুলে প্রকাশের ক্ষনতা

পাকৃতি কি ইউলাভ হইবে? একটা ইউলাভ আছে, মেয়েরা বলে " পেট থালি শহ্ম জিলাভও হারান কেন? জেতৃজা তীয়েরা কোথায় বিশিতের কথা শুনিয়া থাকে? আমাদিগের রাজ-পুরুষেরা সভা, তাই কথন কথন চুই এক কথা শুনেন; তাহাই আমাদিগের ভাগ্য বলিয়া মানা উচিত। আমরা এত আক্ষেপ করিতেছি কেন, পাঠকগণ অতঃপর তাহার কারণ শ্রেণ করুন।

लिल्डेनले कर्तन हाहेड, रमकत स्टार्य **ওেন ও মেজর ট্রের শ্রামনগরের** হুৰ্ঘটনার অনুসন্ধানার্থ কমিটিস্বরূপ নিযুক্ত হুইয়াছেন। ভারতবর্ষীয় সভার ক্লুত কমি দন প্রার্থনা যে আগ্রাহ্য ইইয়াছে, তাহ। পাঠকগণের অবিদিত নাই। ५ রেলওয়ে প্রদেশ্তর দোশাইটা " সভা কমিটীর মধ্যে अक कन गिविनिशान, अक कन निमनती এবং এক জন ভারতবর্ষীয়কে নিয়োজিত করিবার যে প্রার্থনা করিয়াছিলেন, व्यामामिरशत (लक्ष्टेनन्छे शवर्गत वित्रिक প্রকাশপূর্বক ভাষাতে অসমতি প্রদর্শন করিয়াছেন। আমাণ বিরক্তির ত কোন কারণ দেখিতেছি না। লেপ্টন্ট কর্ণেল হাইড ও ভাঁহার হুই জন সহচর দেশের অবস্থার বিষয় কিছুই জানেন না। ইহঁরো বাসলা জানেন কি না সন্দেহ; যদি কিছু कार्यन तम " अशादा " वाक्षा मान्सक নাই : বিশেষতঃ মেজর হোবেতেন রেল-ভয়ের কনদলটিও ইঞ্জিনিয়র; তাঁহার এতংসংক্রান্ত যাবতীয় বিবয় "নীল চনমা" क्तिहा मर्मन कतिवात्रहे ममधिक मञ्जादना। उँ। हात छेलात माधात एवत विश्वाम माहे। তিনি রেলওয়ের একেন্টের ধামা ধরা इहेटल अहरेट भारतन। स्थलत छिवतरक (करुष्टे हिट्सम मा। जिमि ख अ मिट्मात বিশেষজ্ঞ, কোনরপে আমাদিগের এরপ क्षा इश ना । देवाँ तादे किमिंछ इदेशा. ছেন। বেশে কি আর লোক পাওয়া

रमल ना १ बाजामर छव मानिए द्वेपेरक কমিটির মধ্যে লইলে কি দোষ হইত ? যাঁহারা ভূর্ঘটনাস্থানের আবস্থা ও লোকের মনোগত ভাব অবগত আছেন, ভাঁহাদিগকে যখন কমিটিতে প্রবেশ করিতে দেওগে হইল না, তথান এ কমিটি निर्याक्ष कल कि १ अहै। कि अलाकरक কেবল স্তোভ দেওয়া মাত্র হইতেছে না ? কেবল এইমাত্র অন্যায়ও স্বেচ্ছাচারিতা নয়, মার একটা বিষম অন্যায় ও বেজ্ছা वीत काळ कता इहेशाइ। भाठकान তদ্বারা উল্লিখিত কমিটার অবলয়নীয় কার্যাপ্রণালীর উৎকর্ষ বুঝিতে পারি. বেন हिन्दूर्शि ग्रिं इर अधाक এक जन নংবাদদাতা (রিপোর্টার) প্রেরণ করি वात धार्थना कतिशाहित्वन। किछ कर्नव হাইড ভাহাতে অসমত হইয়াছেন। (तल अरत वारता ही मिर्गत मछ। वार्थ-नामित्रात मण्यामकत्क थाठाइवात ७,१र्थ নায় আবেদন করেন, তাহাও অগ্রাহ্য হইয়াছে। ইহার তুল্য স্বেচ্ছাচারিত। আর কি আছে ? উলিখিত প্রার্থনাকারীদি. গের একটা প্রার্থনাও ত অনঙ্গত নয়। নেই সঙ্গত প্রার্থনা যথন অগ্রাছ্য করা हरेशारह, उथन म्मणे ताथ हरेर ठरह. कमिछि ७ कमिछित निरम्भाकाती पिर्वत " হাড়ে কিছু টক শ আছে। আরোলি-সভার অধাক বারু নীলকমল বন্দো-পাধ্যায় গত হৃহম্পতিবারের ডেলিনি উদে भिष्कत (हार्विएडन ও कर्नल हाई এতৎসংক্রান্ত হুইখানি পত্ৰ প্রকাশ করিয়াছেন।

মেজর হোবেতেনের পত্র পাঠ করিলে স্পাইই বোধ হয়, প্রার্থনাকারী দিগকে অপমান করাই তাঁহার উদ্দেশ্য। তিন্তির বলেন, কমিটি বাহা ভাল বিবেচনা করি বেন, তাহারই অসুপন্থান করিবেন। তাঁহাদিনের রিপোর্ট পরে প্রকাশিত হবৈ। তাহা হবলেই চরিতার্থ হইলাম,

সাক্ষ্যগ্রহণের সময়ে দার রুদ্ধ করিয়া ক্রানবন্দী লইয়া পরে রিপোর্ট প্রকাশ করিলে ভাহাতে লোকের কি বিশাস ক্ষান্ত্র ?

वायू नीलकमल वरन्मां भाषां वरतन, সঙ্গে নাইয়া কমিটিতে উপস্থিত হইবার অসুমতি পাইয়াছেন। এ অসুমতি প্রদান कि विश्वक कार्या इहेशाइ १ य इर्घरेनात थानक इहेटजट्ड जाहाटज **व** (मटनाव সাধারণে অর্থী এবং ফাঙ্কলিন প্রেটেজ मारहद প্র छ। थीं। অর্থিদিগের কাহাকেও কমিটীতে যাইতে দেওয়া হইল না ; কিন্তু প্রতার্থীকে যাইতে দেওয়া হইল। এ কিরূপ বিচার ? এই কি অপ ক্ষপাত ব্বেহার ? পুর্ব वाञ्रला दिल अदार छ। या प्रचिता घरिशारक, বঙ্গদেশীয় গ্ৰণ্মেন্টের অবিস্থাকারিত। ও অনাপ্রবতানিবন্ধন তাহার প্রকৃত কারণ নিৰ্ণীত ও প্ৰকাশিত হইল না; এটা কি সামান্য ভুঃখের বিষয় ? সর সিসিল বীডন দ্রভিক্ষের সময়ে এইপ্রকার অন্যের वाटका উপেকা कतिशाहिटलन 'এवर সমুদায় গোপনে রাখিবার চেন্টা পাই-য়াছিলেন। থ্রে সাহেব অপেকা সর সিদিল বিংশতিশুণে উপযুক্ত ও বৃদ্ধিমান ছিলেন, তথাপি তিনি কেবল के (माट्य यात शत नारे व्यशमण्ड इन। ্প্রকাশ্য হুর্ঘটনার প্রকাশ্য অনুসন্ধান একান্ত আবৃশ্যক।লেপ্টন্ট গ্রব্র কিনে कानित्नन, त्य कनत्रव छेठिताहरू, तम মিথ্যা ? ইহার কি অসুসন্ধান করা উচিত নতে ৭ তাঁহার নিয়োজিত কমিটির উপরে কি কেহ বিখাস করিবেন ? তবে ফল **এ** इहेर्द, लारकत थहे मः कात कचित्, তিনি কতওলি কুচক্রকারীর কুহকজালে विस्माहिक इंदेश चकर्डवा मन्त्रीपन कति লেন না।

উপদং হারকালে ভারতবরীয়ি গ্র-'বেল্টের নিষ্টে বিনয়পুর্বক আমাদিগের

क्ट्रिविकाशन कता के हिंछ इटेटिए । नत क्रम संदर्भ कार्यम, प्रक्रिकत मगर्य তিনি সর সিদিল বীডনের কার্যো হস্ত (कर्भ करतन नाइ विलिश क्रमामीमात छ मानवमछलीत निकटि लावी इहेशाहि-লেন। তিনি ভারতবর্ষের প্রধান শাসন कर्त्ता। कामीम कर्यकातीता माधातरनत অশ্রদ্ধের হইয়াও ভিরচিত্তে থাকিতে পারেন; কিন্ত যাঁহার উপরে সমুদায় **সাত্রাক্তোর** ভার সমপিত. থাকিতে পারেন না। মত্য বলিতে কি बरे इर्गणेना मदरका त्या माट्य माथातन मज्दक शरपदा प्रमान कतिया एएक दि কার্য্য করিতেছেন, তাহাতে ত্রিটিশ জাতির সাধুতা ও সদাশয়তার উপরে लाटकत मटमह कियातिहा । श्वर्गत क्रम রল কি এই সংস্কারের অপনোদনচেষ্টা পাইবেন না ? ভারতবর্ষীয়েরা অন্যায় প্রার্থনা করিতেছেন না। একটা দুর্ঘটনা হওয়াতে নানা জনরব উঠিয়াছে; ইহা সতা কি না ? উাহারা প্রকাশ্য কমিসন নিয়োগদারা তাহার অসুসন্ধান করিতে বলিতেছেন। যদি এ আংবেদন ष्यां हा, ७८व कि बांहा हहेरव, তাহা আমরা বলিতে পারিলাম না। मत कन लटत्रका यक्ति व वियस इस्टर्स्क ना करत्रन, लारक धरे कथा वलिएन ' টাইবিরিয়দ কাপরেরাতে আছেন, নিজেনদ রোম উৎসন্ন দিতেছেন। "

--00--

बक्रमभीय वात्रकाशक मञ्जा।

মানুবের মন যে ভ্রম এমাদ দ্বারা এ দান্ত পরিপূরিত, তাহা বৃদদেশীয় বাব স্থাপক সভার কার্যাদ্বারা বিশেষক্ষপে সপ্রমাণ হইতেছে। এই সভা এ বংসর যে প্রস্তাব বিধিবদ্ধ করিতেছেন, পর বং সরে তাহা হয় পরিবর্ত্তিত নতুবা পরি তাক্ত ইইতেছে। সভা এপর্যান্ত শত শাইন করিয়াছেন, তাহার একটাও প্রায় সাধারণের অনুমোদনার হয় নাই ।
সভোরা সাধারণ মত প্রার গ্রাহ্য করেন
না যখন যেটা ধরিতেছেন, তাহা ব্যাদ্র
দংশনের নাায় হইতেছে। ১৮৬৫ অ জ্য়
৮ আইন, রিবর টুক্ত আইন, কুলিসংগ্র
হের আইন ও মফস্বলের মিউনিসিপাল
আইন স্থানীয় রাজনীতিজ্ঞদিগের অযো
গাতার অনুক্রণ সাক্ষ্য দিতৈছে। সম্প্রতি
যে চুটা আইনের পাঞ্চেলখা উপস্থিত
করা হইয়াছে, ত হারা এই সভাদিগের
রাজনীতিজ্ঞতার একশেব হইয়াছে। উহা
বিধিবদ্ধ হইলে লোকের সুখ সক্ষ্ণতার
পরিসীমা থাকিবে না !!

नवर्गस्ट के का भाग मनत প্রথম. মালগুজারি আদায় করিবার বিল। ১৮ ৫৯ অব্দের ১১ আইনে সদর মলগুজারি विभिन्ने क्योमारी क्वन काल्डेरवव बार्ता नीलाम इट्रेटन . किन्छ यनि व्यन्तात्र করিয়া নীলাম করা হয়, রীতিমত দেওয়া নীতে নালীশ করিয়া নীলাম রহিত করা যাইতে পারে। সম্প্রতি আডবেতেট ক্ষেন্ত্রল এই প্রস্তাব করিয়াছেন, যেসকল चारन भवर्गरमा के थारम क्रमीमाति धवः ভূমিখণ্ড এজাবিলি করা बार्ड, त्म थात्न ३ এই ध हात्र नीलाम कता इक्टेर्ट । भवर्गस्य क्रियोगारतत काळ করিলা কি জন্য জমীদারের ন্যার রীতি মত ক্ষমতাপ্ৰাপ্ত আদালতে বাকা থাজ-नात मालीम कतिरवन ना, जाहा जामता বৃঝিতে পারিলান না। যে বিষয়ের ভার লওয়া হয়, তাহার আনুষালিক কাষ্য जम्मानन कता ७ विटयस इस । शवर्गटमके যদি ইহাতে সমতনা হন, তাহা হইলে আর খাদে ত লুক রাখা উচিত হয় না। এই মাত্র অনি ট নয়। কোন বা জিক যদি গ্রণ্মেণ্টর কোন কর্মচারীর জামীন হন এবং সেই কম্মচারী সরকারের কিছু ক্ষতি कर्त्वन, छाड्। इट्टल काभीननादवत मर्चव সরকারী রাজস্ব আদায়ের নিয়মে বিক্রীত

--------

क्ट्रेंद्र । ट्रेक्टिय महत्य निक्कत, एग क्लान প্রকার ভুন থ কুক ভাছার বিবেচনা করা कडेरब मा। বোধ कत এक वर्ष्ट्रक लारहारत कर्मकराम । छ। हात । काम आर्थि। हा छ हात िर्माख १००० है। कात्र काशीन इहेरलन। कयं हाडी विकि काठि करत्रम, काहा इंटेरल कारशका काभीनमावरक ১৫ निवरमव প্রার্থ সংখ্যাদ দিলা ভাঁহার যাওতীর ভূমি ও সংশ্বতি বিক্রা করিয়া লইবেন। যে দিবস কালেন্ট্র ডাক মার এই সংবাদ एक पड पाठीहेर्दन, তাহার পর व्यवि २६ फिरामत साथा है। का भाशिम मा इसेटल विषय तका शाईटव मा। धाई নীলান ডিক্রীজারির ন্যায়। ইইবে। কেন এত টাকো পাওন। <mark>হইতেছে তাহার কোন</mark> অ প্রি শ্রবণ ও গ্রহণ করা হইবে না। निशी एड वाक्टि किनमनदत्त निकटहे আপীল করিতে পারিবেন ২টে: কিন্তু ভিনি যদি অগ্রাহা করেন, আরু কোন উপায় থাকিবে না। দেওয়ানীতে নালীশ করিশ নীলাম রহিত করবার এথা উঠিয়া যাইতেছে। এটি যে আতানিক **অনিষ্ট**কর হইবে, ভালা বলা বাজলা। ध्यामानित्थतं कादनहोतं ७ कमिमनहेशन त्य ধ, মৃত্র লোক, তালা ইনক্ষ টারাও লাই ে সেপ টাক্স আইন্যার। সহসাধ হইরাছে। कारन केरावे जिस्के रहेरछ आशील हरेरन লমিদন্ত্র গৈ শাইকরা পঁচিটীও রছিত कत्त्रमा, डाझ घटनत्कृष्ट् दिनिष्ठ আছে। অভএব গ্রণ্মেণ্টের প্রাপ্য আদ। (রের জন্য প্রকার স্থরে প্রজার স্থাবচার ্রার্থনার অন্ত বে রহিত করা হইতেছে, ত ভ্ৰব্য় অণুমাত্ৰ সংশ্য় নাই।

থিতী পণ্ডে, লেখাটী মকরলের চৌকিদারি
টালা সংক্রন্তে। যাঁহারা ১৮৬৪ অক্ষের ৩
আইনের বিচমার ফলভোগ করিতেছেন.
ভাহার। ভানেন, তদপেক্ষা সেকেলে
আমা চৌকিলানী চাঁদা শহগুণে আঠ
ছিল। সেই জ্লল, সেই ময়লা রহি

য়াছে;,চোর ভাকাইতেরা বরং অধিক প্রশ্রম পাইয়াছে; লোকে অতিশয় কর্ষ্টে य है। का , मरहाइन, छाइ। क्वल अना বশ ক কর্মচারীর বেতন ও অকর্মণ্য পুলিষ প্রহরীর উদর্শ এইইতেছে।১৮৫৬ অক্সের ২০ আইনঘটিত অত্যাচারের ত কথা নাই। নুত্ৰ প্ৰস্তু'বন্ধারা মিউ নি.সপলে ও को किमाबि **है जा भई** छे**छ**त्त्रत स्रोबासि এক আইন করা হইতেছে। ইহার আরা গ্রামসমূহের উপকরে করা হইবে বাকো এইরূপ বলা হইতেছে ; কিন্তু কার্য্যতঃ চৌকিলারি টাক্স রদ্ধি করিয়া পুলিবের বায় স্থানীয় বর হইতে নির্বাহ করিবার (ठको इन्टेटकर ह। **अवियस्य आधा**फिरश्रव বক্তন্য শেব আগামিনারে বাক্ত কনিবার অ ভগায় রহিল।

ভূতন পুস্ক ও পত্তিকা। আন্তান কলেতে কাল্ডকাৰে

আমরা ক্তজ্ঞতাদ হকারে স্থীকার করিতেছি, নিয়লিপিত পুস্তক ও পত্রিকা ওলি আমাদিণের হস্তগত হইয়াছে।

১। বিবিধ পুস্তকপ্রকাশিকা। প্রথম
কাপ্ত সপ্তম সংখ্যা। ইহাতে মহাকবি
কালিদাসপ্রণীত রঘুবংশ সংস্কৃত মূল
ও বাঙ্গলা অসুবাদ অটাদশ সর্গ তবং
মলিনাথক চটীকার দশ্যসগ হইতে চত্ত্ব
দশ সর্গের কিয়দংশ প্র্যান্ত সলিবেশিত
হইরাছে। আর, এম, বস্থু কোম্পানি
এখানি প্রকাশ করিতেছেন। নানা কারণ
বশতঃ সম্পাদকদিগের এখানি প্রকাশ
করিতে বিলম্ম হইয়াছে। সম্পাদকেরা
ইহার প্রচারণে এবং প্রাহকণণ উৎসাহদানে বীতরাগ না হন, এই আমাদিগের
অসুবোধ।

২। শরীরপালন। যে প্রণালীতে স্নান আহার ও ব্যয়ামাদি সম্পাদন করিলে শরীররক্ষা হয়, গ্রন্থকার ইহাতে মেণ্ডলি স্ফাররূপে বর্ণন করিয়াছেন। রচনাটা প্রাঞ্জল হইয়াছে। নবদ্বীপান্তঃ পাতী গরিবপুর নিবাদী আযুক্ত বারু
যত্নাথ মুখোপাধ্যায় ইহার প্রণয়ন
করিয়াছেন। এইখানি হুগলী বুরোদয়
যত্তে মুজিত হইয়া প্রচারিত হইয়াছে।

৩। সভাস্থা। বগুড়া শিববাটী
নিবাদী শ্রী যুক্ত বাবু কিশোরীলাল রায়
ইহার রচনা করিয়াছেন। এখানি গদ্য
পদ্যময়। সভাই স্থের কারণ ইহা প্রতি
পায় করা গ্রন্থকার উদ্দেশ্য। তিনি
গণ্পচ্ছলে নানা শ্রেয়ক্র বিষয় ইহাতে
সন্নিবেশিত করিয়াছেন।

৪। বালাবোধিকা। প্রথমভাগ।
উর্বাশী নাটকের রচয়িত্রী কামিনীস্থান্দরী
দেবী ইহার সঙ্কান করিয়াছেন। বালি
কাদিগের মীতিশিকার্থ করেকটী গণপ
লিখিত হুইয়াছে।

৫। পদাপ্রকাশিকা। মাদিক পত্রিকা।
ইহার সমুদায় পদাতেই লিখিত হইয়াছে। আজি কালি লোকের পদাপ্রণয়ন
প্রেরুত্তি কিছু বলবতী দেখা বাইতেছে।
সম্পাদকেরা কেবল পদাময় পত্রিকা
প্রচার করিয়া ক্রতার্যতালাভে সমর্থ
হইবেন আমাদিগের ত এরূপ বোধ হয়
না। বিদরগুলি তত উক্কেই হয় নাই
বটে; কিন্তু সম্পাদকের পদার্চনার
ক্মতা আছে, বোধ হইতেছে।

## विविधम ९ व मि । २० श्रेष्ठा १ श्रेष्ठा भागवात्र ।

गडरीत धुनाधा श्रु अ. छ जनमण्ड निष्य-चत्र मान (होभू तीत हिनामा चित्याल मा कडेशा ताखनाही अयर ४२१० देवमाच कहे, छ देठ ज भर्यार छत्र भतिपाई ४२१० देवा थे इहेट १७ देवमाधभर्य छ हहेशाहा।

পলী বজ্ঞান বলেন, "ভাষালপুরের আদিটা উ মাজিটেট কেছেল সাহেব কোন সভাজে
ভূমাধিকারীর বিধবা পরীকে ওয়ারেন্টর্ছারা গ্রেপ্তার করতঃ কাছারিতে হাজের আনিভে পুলিষের উপর আদেশপ্রচার করেন। চাকার কমিসনর প্রীযুক্ত সিমসন সাহেব এভিধিয়ে হস্তক্ষেপ না করিলে কেছেল সাহেব এ সভাজ। জীকে হাজির না আনিয়া ছাভিতেন না। ভরুণ বয়স্ক আসিষ্ঠান্ট মাজিটেটদিটের উপর সব ভিবিজনের ভার দেওয়ার এই স্কল বিশ্বয় সম্প্রতি রুশীয়দিগের সহিত ধোখারার অধি
পতির পুনর্কার এক যুদ্ধ হইয়া গিয়াছে। একদা
রুশীয় সেনাপতি একদল বিদ্রে হীকে দমন
করিতে বাভয়াতে রাজা সেই ফ্রেমাগে পুনর্কার
করেতে বাভয়াতে রাজা সেই ফ্রেমাগে পুনর্কার
করেতে বাভয়াতে রাজা সেই ফ্রেমাগে পুনর্কার
করেবারণ কবেন। কিন্তু সেনাপতি শীল্ল প্রভাগ
গমন পূর্বাক তাঁহ কৈ আক্রমণ করিয়া পরাজিত
করিয়াছেন। এই য়ুদ্ধে বোখারার অধীশ্বর প্রাণ
ত্যাগ কিন্তাছেন। এপ্রকার মৃত্যু প্রার্থনীয়।
এক বিদেশীয় গবর্গনেটের স্থিতভাগী হইয়া
ধৃ তলাটের নায় নিয়তর কন্মচারিগণের নিকটে
অপ্যান সহ্য করিয়া জীকিত থাকা অপেকা
টিপ্রস্কাতানের নায়ে তববারি হস্তে রণস্থলে
প্রাণত্যাগ করা বীরপুরুষোচিত কার্য্য সন্দেহ

ইউরিডাইস জাহাজের কাপ্তেন কোলিসের
নামে আলরিকা হাগাট নামে প্রশীয় জীলোকের উপর বল ংকার করবার ও তাহার জাতা
আলবাট হাগাটকে বল করিবার চেটা প'ইবার
যে নালীল হইয়াছিল, তাহাতে মাজিটেট বলাৎ
কারের নালীল অল্লাহ্য করেন গ কিন্তু প্রথমতঃ
প্রীলোকটীর অসম্মতিতে যে তাহার সভীত্বনাল
করা হয় এবং ভরিমিত সে সমুদ্রে পতিত হইয়া
যে আল্লাহ গা করে, তাহার প্রমাণ পাওয়া
গিয়াছে। আলবটি জীবিত থাকিলে ঐ বিষয়টী
সপ্রমাণ হইবে, এই আলক্ষার কাপ্তেন তাহাকে
বব করিবার চেটা পান। এটা সপ্রমাণ হওয়াতে
ভাহাকে সেমিয়নে অপ্রাক্তির থাকি।
রাগীব আমীন দিবার প্রাপনা গ্রাহঃইল্য নাই।

প্ৰলিক ওপিনিয়ন কাৰুল হইতে সংবাদ পাইয়াছেন, অংজিম ধাঁ কভকগুলি দৈন্তক গিক্সনিতে প্রেরণ করিয়াছেন। পর্যতীয় লোক निशरक देननाम्दन अञ्च कत्रोद्ध संस्थात अक्टन ১৫, " " • देशना इहेग्राटक । फुर्किकाटन विद्वाह উপস্থিত। আজিম भा कांत्रुत्वत विकितिकारक विनयः दहन, डाहात। यनि नियातकानित निकटी কোন প্রকার সংবাদ প্রেরণ করেন, ভাষা হইলে **उँ:शामित्रात मान्निति वारक्षकाश्च बहेरव। स्मरन** লাবাদের হিস্কুদিনের একজন গোস্বামী আছেন। ইনি ধনবান বলিয়া বিখ্যাত। আজিম খা ইইার भिक्षे रहेएछ এक लक्ष है।का लहेतात अख्यितात ইং াঁকে জেলে দেন। গোলামী কারাগার **হইতে** भिट्यां प्राप्त विकासन क्रिसाटकन । क्रमीस अवर्थ **মেন্ট আর কতকগুলি দৈন্যকে বোধারাতে** পাঠাইয়া দিয়াছেন। হিরাট ও বোধারার অবস্থা জানিবার নিমিত্ত পেলোয়ার হইতে ছট জন চর পেরিত ইইয়াছে।

গড় আড়িয়াদ্হ গ্রামের নকুড়চক্র ঘোষা লের র্মান্টমবর্ধীয় পুত্র দশহরার দিনে গলামান করিছে যায়। বালকটী জলে নামিয়া লান করি ডেছিল এবং ভাহার ভূত্য বত্র লইয়া ভীরে দগুল য়মান ছিল। সে ডুব দিবা মাত্র ল্রোডে ভাসিয়া গোল। এক ব্যক্তি ভাহার নিকটে মান করিছে ছিল; সে চেষ্টা করিলে অনায়াদে বালকটীকে রক্ষা করিছে পারিভ । কিন্তু নিজের প্রাণের ভয়ে প্র কাপুরুষ সে চেষ্টা করিল না। ক্রেক জন বীবর এই শোচনীয় সংবাদ প্রবণ করিবা মাত্র জাল লইয়া অনেক স্থান জন্মপ্রদান করিল; কিন্তু কোনরাপে কৃতকার্য্য হইল না। বালকটী বৃদ্ধ পিতা মাভার একমাত্র সন্তান।

মধ্য ভারতবর্ষের প্রতিনিধি প্রধান কমিসনর क्रांत्रक्रम अञ्चल्लीय एम लाक्टक इंट्रांकी জুত। लहेन्ना पत्रवादत जात्रिएड (पश्चिम डाँक्रिक् গকে ভর্মনা ক্রেন। ইছাতে গ্রণর জেনরল করিসনরের নিকটে কৈফিয়াত চাহিবাতে মোরি मारहर विलिश्चार्डन. ভাঁহারা মোজা পরেন নাই। তাহাদিগের ইংরাজী জুতা পরিবার অভ্যাস না থাকাতে খঞ্জের ন্যায়. বেড়াইডে-हिटलन। इहाट कियानत निकरेव हो अक खन দদ্দারকে মৃছক্ষরে বলিয়াছিলেন, এপ্রকার জন-ভাদদের ফোটা করিয়া কণ্টনা পাইয়া দেশীয় জ তাপরাই ওাঁহার পক্ষে ভাল। ইহাতে কি দলারকে অপমান করা হয় নাই ? এই এক ঘট-নাতে জুতা পরিবার আইন ও নিয়মবহিত ত अटम्टन्द कार्याळनाली **উভয়ে**त्र छानत स्नम् পরিচয় হইয়াছে ৷

ভারতবধীয় গবর্ণমেন্ট আজ্ঞা দিয়াতেন, গবর্ণমেন্টের কর্ম্মচারীদিগের মনায় মিউনিসিপা-লিটির কর্মচারীরাও পেন্সন পাইবেন। কিন্তু এই পেন্সন মিউনিসিপাল ফণ্ড হইতে দেওয়া হইবে। যদি কোন ব্যক্তি কিছু দিন মিউনিসিপালিটির ও কিছু দিন গবর্গমেন্টের অবীনে কর্ম কথেন, ভাহা হইলে কার্যকোলের পরিমাণে উভন্ন ফণ্ড হইতে বৃতি পাইবেন। আজ্ঞানী অভিশন্ন মুক্তি সিদ্ধ হইয়াছে।

হিন্দু পেট্ রটের অগতেকর। পূর্স ব'লালার ছঘ টন' অসুসন্ধানকারিণী সভার 'অণিবেশন ছলে সাকীনিধার জ্বানবিদ্ধি প্রবণ করিবার নিমিত্ত এক জন রিপোটার পাঠাইবার প্রার্থনা করেন ; কিন্তু কমিটির ক্রধাক্ষ কর্ণেল হাইড এই প্রার্থনা অগ্রাহ্য করিয়াছেন। আমাদিগের বিবে চনাল্প কমিটি নিয়োগের ব্যবস্থাই ভাল হন্ন নাই। প্রব্যবস্থাতেই বত উৎপাত ঘটিতেছে। মারকুই অব ব্লাগুফোড অযোধ্যার জনণ করিতেতেন। তিনি সম্প্রতি বলরামপ্লুরের রাজা দি অজার সিংহের বাসীতে আতিথা স্বীকাব করিয়াছিলেন, রাজা উাহাকে অতিশার যত্ন ও সমাবোহে সমাদর করিয়াছেন। মারকুই এক জন বিখ্যাত শীকারী এবং অনেকগুলি ব্যাত্ম বদ করিয়াছেন। এপ্রকার লোকসকল সর্মদ্য এ দেশে আইসেন এটা প্রার্থনীয়।

'বিজ্ঞাপনী বলেন, আমাদের কালেইর শ্রীযুক্ত মেং আলেককেণ্ডর সাহেবের ভদ্রভার প্রশংসা শুনিয়া আজাদিত হইলাম। ইবেসকল ব্যক্তি প্রোক্ত শ্রীযুক্তের কুঠিতে গমন করেন শ্রীযুক্ত ভাহাদিগের সহিত সাদর সম্ভাবণে নিভাপ্ত ভারতা এবং উদারভা প্রকাশ ক্রিয়া থাকেন। পরিণামে ইহার যে স্বিশেষ উর্ভি লাভ হইবে এটা ভাহার পূর্ব্য লক্ষণ।

#### २) क देखाई मझ्लवात !

চীন হইতে সংবাদ আসিয়াছে, টিয়েন সি য়েন নগবের নিকটে ৮০,০০০ বিদ্রোহী আসি য়াছে। ভাহারা সম্রুভি এক যুদ্ধে সম্রাটের সৈন্য দিগকে পরাজিত করিয়াছে। ঐ স্থানে ইউবো পীয় বণিকদিগের সম্পত্তি রক্ষার্য ছইখানি ইং রাজী ও ফরাশী কাষানের নৌকা আছে। বিদ্রো হীরা শিকিন আক্রমণার্য বাজা করিবার মানস করিয়াছে। চীনের স্বাধীনভাও সংশয়দেশেংয় আরুত হইয়াছে।

আবিসিনিয়া ইইতে সংবাদ আসিয়াছে, ১২ই মে সব ববাট নেপিয়র আটালোতে উপ
নীত হন। দৈনগোণের পর্যতপার ইইবাব বন্দো
ধল্য করিবার নিমিন্ত তিনি ঐ স্থানে তিন দিবস
অবস্থিতি করেন। এপর্যন্ত সেনাদলে কেবল
সাঙ্গুন আফিসর ও ২৫ জন দৈনিকের মৃদ্যু
ইইয়াছে। অতিশয় রুফি ইওয়াতে লস্কার্দিগের
অনেকের্পীড়া ইইডেছে।

সম্প্রতি একটা নবমবর্ণীয় বালক নোধাই রেলয়েতে একথানি প্রস্তুর রাখিয়া দেয়। ঐ সময়ে শকটপ্রেণি আসিডেছিল। সৌভাগ্য ব্রুদ্যে প্রস্তুরখানি ভা হইল এবং শকট গুলি নির্দিষ্টে চলয়া গেল। বালক ধৃত হইয়া পুলিষে অপিতি হয়। মাজিটেট দরাজ হইয়া ভাহাকে অমধিকারপ্রবেশের অপরাধে অপ রাগী করিয়া তিন বেত্রাখাত কবিবার আজ্ঞা দিয়াহেন। রেলওয়েতে অল্লে যথন গুরুত্তর অনিষ্ঠ হইবাব আশক্ষা আছে, ভখন অধিকসংখ্যক রক্ষক নিয়োগ করিয়া বিশ্বকারী দিগের অনিষ্ঠ চেষ্ঠার নিবারণ করা কর্ত্রগা

সর রবাট নেপিয়র বিবেচনাসহকারে যাব ভীয় কার্য্য সম্পাদন করিয়া আবিসিনিয়ার युष्ति खग्नमाञ्च कताए७ इंश्नरक्षयंनी निष्टम अक টোলবাম করিয়া ভাঁহাকে ধনবোদ প্রদান করি য়াচেন : সর রবাট নেপিয়র যেএকার কাজ করিয়াডেন, ভাহাতে ভাঁহার লাভ উপাধি প্রাপ্ত क्हेग्रां/अ।

मिलीद्वीद्वादल वर्तन, निम्नज्त हिक्दिनकि গোর বেভনর্দ্ধি করিবার আহা ইইয়াছে। এ নিমিত প্রায় এক লক্ষ টাকা অধিক ব্যয় **३**डेर्न i

তিন জন উজীরীয় সম্প্রতি ৫ গণিত পঞ্চাবী পদাতিক দলের ডাক্তব এস,মাকাটিচকে বণ করিবার চেষ্টা পায়। রাত্রিতে ভাহারা গৃহমধ্যে প্রধ্যেশ করে। এফ জন দ্বাররক্ষা করে এবং 🕫 🕏 জন ছুরিকাদারা ভাছাকে বধ করিবার চেষ্টা পায়। ডাক্তর মৃতপ্রায় হওয়াতে হত।কারীরা পলায়ন করিল। সকলে অসুমান করিতে ছেন, ডাক্তব একটা মৃতদেহ ছেনন করিয়াছিলেন। এ বিষয়ে তাঁহার সাজে: এক পক্ষের অনিষ্ঠ হই বার সম্ভাবনা হওরাতে উচ্চার প্রাণবধচেষ্টা করা হয়। ডাক্তর অনেক আরোগ্যলাভ করি याद्या

পানিহাটি আগড়পাড়াপ্রভৃতি স্থানে কয়েক জ্ঞান জ্যাচোর গমন করিয়াছে। যেদকল শিশুর গাত্তে जनकात थाटक, काशांतिगटक छेन्छान অব্বা ঝোপের নিকটে লইয়া গিয়া উহারা অলক্ষার কাড়িয়া লয়। গত সপ্তাহে পানিহাটির ্তুটী নিশুর অলঙ্কার গিয়াছে। এসকল সংমানং বিষয় পুলিষের থকরে আইসে না।

' প্ৰেশনাথ পৰ্দাত লইয়া মকদ্দম। হইতেছে প্রির্নিগ্র বলেন জৈনেরা আকবরের এক সনক দাথিল করিয়াছেন। এই সনন্দে আকবার পরেশ নার পমত এবং গুজরাটের কয়েকটা স্থান ইজনদিগকে **নিক্**র **প্রদান করেন। কলিকা**ভার লাগানতম বিচারলৈয়ের **প্রধান অন্তবাদক বা**বু শ্রমাচরণ সরকার এই সমক্ষের অনুবাদ করিয়া (इस ) देश कांक्यत्वत मनम कलिया (वाव क्हें ভেছে। এই সনক্ষে আক্রের বলিডেছেন, প্রজা দিগের সম্ভোষ্ঠাধন ও প্রবৃত্ত্বন করিয়া শাসনকার্য নির্দ্ধাহ করা যাবভীর মহৎ শাসন কর্নার কর্মবা। খিনি যে ধর্মাবলম্বী হউন উ,ছার ভাগতে দুদ্ভক্তি থাকিলে সম্ভাট ভাগকে ভ জ করিতেন। ঈশ্বরের প্রতি একান্ত ভজ্জি এবং ঈপরের চিস্তা করাই আকবরের मएफ यथार्थ भन्म। टेक्रम काहार्यः हीत्रविक्रयः इर्क्टक व्यक्तिरत अञ्चति इहेट आनग्नन करतन ।

ঐ ব্যক্তির ঈশ্বরের প্রাত অফপট ভক্তি থাকাতে मञ्जारे व्लिएउएइम, भूकन मञ्जूनारम् नारायः করা রাজার কর্ত্তব্য ভাত এব ভিনি পরেশনাথ প্রভৃতি পর্বাত্তসকল জৈনদিগকে দিলেন। উহা षात्रा এই মহাত্মার শাসনপ্রণালীর নিরপে ক্তাও ধর্মবিষয়ে উদার ভাবের পরিচয় পাওয়া বাইভেছে। সর জন লরেল দেখুন, আক रत (करल भूरच लक्षा लक्षा कथा किहा। থাকিতেন না গ্ তিনি প্রজাদিগের অভিপ্রায়

**অনুস'**রে কাজ করিভেন।

२२ এ डिङ्गार्थ वृधवात ।

পিয়নিয়র বলেন, (हेটসেকেটারি এ, গফ गार्टरेक्टक कानीत कारलएक व मश्कृ एक व व्यक्त পকতা কার্যের নিযুক্ত করিয়াছেন। ইনি মনিমুর উইলিয়মদের ছাত্র। এণ্ডলি বড় বিভূষনা।

) मा खुन लखन २३ए७ এक (हेनिनां म প্রেরিত হয়। ইহা ১০ ঘন্টা ১৬ মিনিটে ভারত বর্ষে আসিয়াচে।

আসিরাটিক সে'সাইটির গত অধিবেশন দিবদে জেনিওস সাহেব এক প্রবন্ধ পাঠ করিয়া বলেন, তিনি দম্দমাপ্রভৃতি স্থানে দেখিয়াছেন গত কড়ে যে সকল আমরক ছেলিয়া পডিয়াছে ভাহাতে বিস্তর ফল ধরিয়াছে, কিন্তু যেগুলি স্থির রহিয়াছে ভাহাতে একটী ফলও হয় নাই, ইহাতে তিনি অনুমান করেন, অতিরিক্ত রস উঠিলেই ব্লহ্ম দলবান হয় না। তিনি বলেন, এই দোষের নিবারণনিমিত মধ্যে মধ্যে পাশ্বস্থ মূলগুলি ছাটিয়া দেওয়া ফর্ডব্য। এদেশের (लारकत<sup>,</sup> हेश कडक जर्म कविशा थ'रकन। আম নারিকেলপ্রভৃতি রক্ষের গোড়া আষাচ মাদেখনন করা হয়। কার্ত্তিক মাদে আবার ওন্মধ্যে মৃতিকাক্ষেপন করা হটয়া খাকে। জেনি গুস সাহেব প্রস্তাব করিয়াছেন, এক্সপ না করিয়া মাঘ মাদে রক্ষের মূলের নিকটে একটা গ্রন্থ কাটিয়া তথ্যধেকেল দিয়া বিছুদিনপরেই মৃত্তিকা দেওয়া কর্ডবর। ইহার প্রীক্ষা করা উচিত।ব্রুমশঃ আমাদিগের দেশ আম কম । बाराइंड

মহীস্থারেব সি, বি, সপ্তাস সাহেব হায়দরা বাদের রেসিডেণ্ট হইয়াছেন।

গবর্ণব জেমরল সর রবাট নেপিয়র ও ভাঁহার देनन इक्ति १८क धनायोग विद्याद्या ।

পাটন। विভাগের মুক্সেফলিগের মকল্মা করিবার অধিকারশীমা নিরাপিত হইয়া গেলেটে প্রকাশিত হইয়াছে। সর্বাত্ত ঐপ্রকার সীমানি র্ণা করা উচিত। কলিকাভার উপনগরের लाकभिगरक वाङ्ग्डेशुरतत यूट्मरकत निकरि यक क्त्या कतिए बाजिए इन्न, व्यथह ब्यानीशृद्ध **इहे क्रम पूर्णिए जारहन !!** 

সাঁওডাল পরগণার অন্তর্গত স্থলভানাবাদের রাজা গোপালসিংহকে দেওয়ানী আদালতে উপস্থিত হইতে হইবে না।

जन्यकात कारकार्षे मृष्टे रहेन. कर्यक्रम উত্তরাধিকারিহীন ব্যক্তির সম্পত্তি এক বংস वारक भवनरमर ने वारक कर हरेत कर विकासन

(मध्या रहेशा छ। जागवा (वाध करि, अप्रै अहे প্রথম দুষ্টান্ত।

দৈদ আহম্মদ যাবভীয় উদ্দু সাহিত্য পুজকের এक छालिका श्रञ्ज किंद्रेडिट । हेश्रेड প্রতে∢ক **ब्राप्टकारि**तव সংক্ষেপ <del>জ</del>ীবনরত্ত†স্ত থাকিবে। ডি.ন আরও এক খা ন উদ্ অভিগাম লিখিতেছেন। সর উইলিয়ম মুর সম্প্রতি আ ল গড়বিজ্ঞানসভায় এক বক্তুতা করিয়া বলি য়াছেন, ইৎরাজী পৃস্তক সকল অবিকৃত্ত অনু वाम कतिरल कम इहेरव मा। ये जकन धाष्ट्र व्यव লম্বন করিয়া দেশীয় ভাষায় এম্ব লিখিলে তবে ফল হইবে। ইহার উৎপাহার্থ ডিনি পুরস্কার मानाथ भवा । इन्सार्कन ।

य कार्ष्क (ताक्षरज्ञीत्वत इंड्राकादीत्क प्रतिया पिट्ड भाविर्वस, भवर्गस्य डाइर्क ১০০০ টাকা পুরস্কার দিবেন।

इंडकरंड अक्सरन करित भीक शृनिव श्राप्त हो গমন করাতে হিম্মস্থানী প্রহরীদিগকৈ চাডাইয়! (मञ्जा रहेम्रारक। हेरामिट्रांत मृद्धाः कार्याः নির্ম হইয়া অভিশয় কষ্ট পাইভেছে। এক ব্যক্তি কষ্টীসহা করিতে না পারিয়া উন্মন্ত হইয়াছে। এটা অভিশয় অন্যায়। পদচ্তে প্রহ রীদিশের ভারতবর্ধে আসিবার উপায় করিয়: (দগুরা কর্ত্তব্য।

ইংলিসমান সংবাদ পাইয়াছেন, মাড়ায়াৱের অন্তর্গত ভূমালার ভিলেরা সীমান্তিত গ্রামসকল ল্ঠ করিতেছে। মাড়োয়াবের রাজা ভাহাদিলের प्रमेनार्थ अकल्ला टेमना (क्षरण करियार्डन ।

সম্প্র'ভ ক'নপুরের নিকটে যে সহমরণ হয়, ভাষাতে যেদকল বাজি হস্তাপণ করিয়াছিল. ভাহাদিগের ৩০ জনের যারজ্জীবন দীপাল্লব বাস ও ১১ জ্বনের পাঁচ বংসর করিয়া মেয়াদের व्याका रहेश्वारक।

রশীয়েরা ৰোখারার মৃত রাজার এক ভাতু চ্পুত্রকে রাজা বলিয়া ঘোষণা করিয়াছে।

সম্প্রতি কটকের কর্দ মহলের রোছিনীরি রির নিকটস্থ পর্মতীয় লোকের। ভত্রভ্য রালাব দেওয়ানও আর কয়েক জন লোককে ধত कविया सहया नियाटह । উश्वामिनटक मुम्म के.व বার মান্দে ছোটনাগপুরের ক্ষিদ্রর কর্পেল ভালটন একদল বৈশন্য প্রেরণ করিভেছেন।

ত্রিবন্ধ রের রাজার চিকিৎসক ডাক্তরেরস অভিশয় ছব্যবহার করাতে ভাঁহার চরিত্রের অসুসহানার্থ এক কানসন বসিভেছেন। এক খানি স্থানীয় সংবাদপত্র বলেন, ভিনি এমন সকল কাজ করিয়াছেন বে, ভলিমিন্ত দণ্ড না দিলে ইংরাজ জাতির কলক্ষ হইবে। ডাক্তর রদের ন্যায় ভারতবর্ষে শতশত ইংরাজ

मिष्णिं। आंतकर विकास क्रिकारी বন্ধ ও ছর্ভিক ইইয়াছে। রাশ্বাঘাটপ্রভৃতিতে लाक थाहाइवात निभिन्छ भवर्गतन्छ ००६৮० টাকা দিয়াছেন। যাবভীয় কূপ শুক্ত ইইয়াছে। গবর্ণমেণ্টের ব্যয়ে দূর হুইতে জল আনম্ন করিয়। लोकिमिर्गत छान्तका क्या इहेर ७ एइ। कून धन নের নিম্তি গ্রণমেন্ট ১০,০০০ টাকা প্রদান করিয়াছেন। স্থানে<sub>টি</sub>স্থানে কিঞ্ছিৎ বৃষ্টি স্ইয়াছে। তথাপি ছর্ভিকের আশক্ষা দুর হইতেছে না।

প্রাণদ্ভ বলেন, "কিয়ন্দিবদ গত হইল, এতদেশীয় কোন ব্যক্তি তৃতীয় প্রেণীর স্বেল-ওরে-শকটে সপরিবারে আগরাভিয়থে গমন করিতেছিলেন। ঘটনাক্রমে সেই শকটে করেক জন ইতর ফিরিকি আরুচ হইরাছিল। গাড়ি দিরোলাবাদে উপস্থিত হইবার কিঞ্চিৎ অপ্রেপ্ত জন ইতর ফিরিকি জীলোকটীকে বলাৎকার করে। শবে ফিরোলাবাদে পভূছলে সেই জীলো বটার দামী সকল বিষরণ প্রকাশ করিলে ফিরি কিটাকে গ্রেপ্তার করিরা আগরার বিচারালয়ে লইরা যাওয়া হইরাছে। শুনিলাম জীলোকটি অভত্তে আঘাত প্রাপ্ত হইরাছে। শ চারি দিক দিয়া রেলওয়ের প্রশংসা বাহির হইতেছে।

তার তরঞ্চন বলেন বহরসপুর কা উনমেণ্টের দক্ষিণে চালভিয়ানামক আমে হৈত্র শুক্লনবমীতে একটা মেলা হইয়াথাকে। ক্রমে উহা হীনদশা গ্রস্ত হইতেছে। সম্পাদক এক কালে উহাব লোপসংবাদ দিলে আমরা সমধিক সম্ভষ্ট হই-ভাম।মেলাগুলি বছ অন্থের মূল।

অমৃতবাজারপত্রিকা আক্রেপ করিয়া লিখিয়াছেন, টেলিগ্রাফ ডিপার্টমেটের বেণ্ডলি ভাল কর্মা, তাহা খৃষ্ঠানদিগকে, আর যেগুলি অপকুষ্ঠ ভাহা এদেশীরদিগকে দেওয়া হইয়াছে। ভিনি ঢাকাবিভাগের উদাহরণ প্রদর্শন করিয়া স্বাক্রস্মধন করিয়াছেন। সমানধর্মাবলখী দিগের প্রতি মাসুষের শভাবতঃ অধিকতর স্ক্রেপ্রতিক। আমাদিগের প্রধান রাজপুরুষেরা খৃষ্টধর্মাবলখী, তাঁহারা যে খুষ্টধর্মাবলখীর প্রতি পক্ষণাত করিবেন, ভাহা আক্রেগের বিষয় নহে। আক্রেগের বিষয় এই, ভাঁহারা মুখে ভুলা ববেহারের কথা বলেন, কাজে বিপরীত করেন, ভাগাদি জেত্রপ ভাহা করিছেন না।

মাদকদেবী মাদক দ্রব্যের ন্যায় নীলকরেরা।
অভ্যাচার ছাড়িয়াও ছাড়িতে পারিভেচনে না।
চাকাপ্রবাদে ''লীলকুঠীয়ালদিয়ের অভ্যাচার "
এই শীর্ষকযুক্ত একটী প্রস্তাব লিখিত দৃষ্ঠ
ইল। তাহাতে প্রতিপন্ন করা ইইয়াছে, নীল
কর জে, পি, গুয়াইজ সাংগ্রের লোকেরা বলপূর্দ্দিক অনিজ্ব ব্যক্তিদিগকে বেগার ধরিয়া কাজ
করাইয়া লন। দকল রোগের চিকিৎসা আছে,
নীলকরদিগের এ রোগের কি চিকিৎসা নাই?

২৩ এ জৈপে বুহুম্প ভিবার।
আমরা অভিনয় জংখিত হইয়া প্রকাশ করি |
ভেছি, দৈন আজিমুন্দিন হোসেনের মৃত্যু হইয়াছে। আজিমুন্দিন এক জন বিখ্যাত সুপণ্ডিত
ছিলেন ইংরাজী, পার্দী ও জারবিতে ভাঁহার

বিলক্ষণ অধিকার ছিল। এক্সেণ যেমন উপযুক্ত अञ्चलमा प्रेमिशक अनामरता श्रुक कतिवात (एडी) श्रेराज्यक, मांक विनिक्षत नम्दर्दे जारा हिन ना। উক্ত সদাশয় গবৰ্ণর জেনরল আজিমুদ্দিন খাকে শিষ্ণুতে দৌত্যকার্য্যে প্রেরণ করেন এবং তিনিও বিশেষ বোগতেপিদর্শন করিয়াছিলেন ১৮৫৭ অন্দে তাঁহার চেষ্টার বেহারে সাধারণেঃ বিদ্রোহ ষ্টিভে পারে, নাই এবং আরার যে वागिएक करसक्का हेश्या 🛎 मीक अन्त थाकिया অঠাৰ মুশ্ব করিয়াছিলেন, ভিনিত্ত সেই বাটীতে ছিলেন। এই সকল কার্ফ্যের জন্য ভাঁহাকে ভার **ख्यतीं में होते क्षमांग कता इत्र । ज्यांकि** मूक्तिन था কিছু দিন কেদেশীয় বাবস্থাপক সভার সভা হই याहित्सन । वर्षमान भागनधनानीत व्यभीतन ভারতব্বীর্দিশের উচ্চতর পদে কমতাপ্রদর্শন করিবার উপায় নাই; এই হেডু ভাবতবর্ষীয় ষ্টানলীকে এক জন সামান্য ডেপুটি মাজিক্টেটের কর্ম করিয়া জীবনযাপন করিতে হইয়াছে।

আমরা আরও আংশ করিয়া ছ:খিত হইলাম, বাবু প্রসন্নকুমার ঠাকুর আড্যান্তিক পীজিত হই য়াছেন । তাহার যেপ্রকার বয়ঃক্রম হইয়াছে, ভাহাতে তাহার আরোগ্যলাভের প্রতি সক লের সংশয় জন্মিয়াছে।

ভারতবর্ষন্থিত খুন্দীয়ানদিলের বিবাহতক্ষের আদালত স্থাপন করিবার নিমিত্ত নেইন সাহেব ব্যবস্থাপক সভায় এক বিল অর্পণ করিয়াছেন। সিনলায় ব্যবস্থাপক সভা থাকাতে এক জন ও ভারতবর্ষীয় সভ্য উপস্থিত হন নাই।

সর ষ্টাফোড নর্থকোট তমাকের উপরে কর স্থাপিত ক্রিতে অসম্মত হইয়াছেন।

ডেলিনিউদ বলেন, সম্প্রতি উপযুক্ত লোক দিগকে আনিবার নিমিত্ত সর বার্ণেস পিকক জজের সেরেস্তদারদিগকে ২৫০ টাকা বেতন দিবার অন্প্রোধ করিয়াছেন। গবর্ণর জেনরল বালিয়াছেন, আমলাদিগের বেতনহজির তালিক। ষ্টেট সেক্রেটারির গ্রাহ্য না হইলে মূতন প্রস্তাব করা যায় না। মকস্বলের আমলাগণ গুনিয়া আক্লাদিত হইবেন, আগামী জামুয়ারি অবধি উল্লাদিগের বেতনর্জি হইবে।

এ থার মৃক্ষায় প্রায় ৮৫০০০ যাত্রী গমন করিয়াছিলেন। স্থানতানের গবর্ণমেন্টের চেষ্ঠায় এবার পূর্ব্য বংসারের ন্যায় পীড়া হয় নাই।

### ২৫ এ জৈ। ও প্রক্রবার।

গবর্ণর জেনরল আজা দিয়াছেন, কোষ আফিদের কোন পদ খুন্য হইলে সেই আফিদের উপযুক্ত লোককে সেই পদ দেওয়া হইবে। যদি আফিলে উপযুক্ত লোক না থাকে, পরীকা করিয়া বাহিরের লোক নিযুক্ত করা হইবে। কিন্তু কার্যে। ইহার কিছুই হইবে না। আফিলের রেজিষ্টরেরা মুখলোভার্য পরীকা লইয়া অসুগত লোককেই কর্ম দিবেন।

প্রভাকর আমাদিগের দত্তকবিষয়ক প্রভান বের ভাংপর্য,গ্রহে সমর্থ হন নাই। পুত্রকৃত পিওদান ব্যতিরেকে পর কালে সদাতি লাভ হয় না, ষাহাদিপের এ সংস্কার নাই, ভাহাদি গের দত্তক গ্রহণ করিয়া উপহাস্পদ হওয়া বিধেয় হয় না, এই কথা বলাই আমাদিগের অভিপ্রেত। বাহারা দেশের হিতার্থ সম্পতি সম্প্রদান করেন, ভাহাদিগের ধেরপ অক্ষুণ্ণ নাম ও অগব্য পুণা অক্সন হয় ''কাঠালের আমন্ত্রে দিতকে) ভাহা হয় না।

#### २७ এ टिइ। ई मनिवात ।

আনাথ ও নিরাশ্রারের পক্ষ হইতে যে সমস্ত নালিশ হয়, ভাহার রস্ত্রম ও বায় রীভিমত আদায় না চঞাতে দেখেনিউ বোড বিভাগীয় কর্মচারীদিগকে এক ভালিকা দিতে কহিয়া-ছেন। যে সকল টাকা অনাদায়ী আছে, ভাহা অবিলয়ে আদায় করিবার আজ্ঞা হইয়াছে।

অনেক ইউরোপীয় দৈনিক নির্দিষ্ট সময় পর্যন্ত কাল করিয়া ব বা দল পরিত্যাগপূর্দাক রেলওয়ে কোম্পানি ও পুলিব প্রভৃতির অধীনে কর্মা করে। কিছুনিন এই রূপ কাল করিয়া শেষে ইংলওে বাইবার নির্দিষ্ট গবর্গমেন্টের নিকটে পাথেয় চাহিয়া পাকে। এই নিমিত্ত প্রধান সেনা পতি আজা দিয়াহেন, দৈনিকেরা দৈনাই দল পরিত্যাগ করিয়া যথন অন্যত্র কর্মা স্বীকার করিবে, তথন ভাহাদিগের কর্ত্তব্য সূত্র প্রভৃত্তি বিভাবের বিশোষত করে। সময় অভীত হইলে যে দৈনিক এক মানের নধ্যে ইংলতে না ঘাইবে, সে আরু পাথেয় পাইবে না এরপ নিয়ম করা উচিত।

গত কল্য কলিকাভার জুরি ইউরিডাইন জাহা জের কাপ্তেন কোলসকে ভয়প্রদর্শন ও জাঘাও করিবার চেঠার বিষয়ে অপরাধী করিয়াছেন। বিচারপতি মাক্তঃসন প্রথম দোষের নিমিন্ত কাপ্তেনের ভিন মাস নিয়াদ ও ৫০০ টাকা জরি মানা করিয়াছেন। দিতীয় অপরাধে আর ভিন মাস মেয়াদ হইয়াছে। এ ব্যক্তির দও হওয়াতে দাধারণে সম্ভই হইয়াছেন। ইহার আকৃতি দেখিলে বোদ হয়, পাপে যেন মুর্জি পরিগ্রহ করি য়াছে। হিন্দুহিতৈষিণী থলেন, ''আমাদের জ্ঞাল সাহেবের নিকট টেলিগ্রামদারা একটা শোচনীয় ঘটনার সংবাদ আনিয়াছে। চট্টগ্রামের এডি সন্সাঞ্জন বসল সাহেব এজলানে বসিয়া কর্মাকান্তেনে, ইতিমদে প্রীম্ম তাঁহার অসহ হেইয়া উঠে। কাজারি গ্রহের সমস্ত দার ও জ্ঞানেলা খুলিয়া দেওয়া ইইয়াজিল (কাজারি আড়াক পর্কলেশার) কিন্তু কিছেতেই উহাের প্রীম্ম নিবা বিতানা হওয়ায় প্রাণ্ডলাগ করিয়াজেন। ফলভঃ লাজ্যের গেরাপ প্রান্তভাব দেখা যায় ইহাতে মানুল বিবার আক্ষাক্য কি?

্ এথানে তেপুটী মাজিটেড়ী পরীকা শেষ হর্মানিয়াতে। বেলী সাহেবনামক এক জন মাত্র প্রীকা দিয়াছেন ১।

নিমুলিখিত মূলে। গ্ৰণ্মেটের কাগজ নিমুণিত হইতেছে।

8 চাকার দিরা ৯৪। এ – ৯৪॥ এ ০ ৪ \* কোম্পানির ৯৪॥ এ • — ৯৪ ৬ ০ ৫ \* প্রবলিক ওয়ার ১ ° ৫ ৮ এ ১ ০ ৩ ৬ ০ ৫ \* কোহ ১ ° ৯॥ ০ – ১ ০ ৯ ৬ ০ ॥৫ ৯ কোহ ১ ১ ৪॥ ০ – ১ ১ ৪॥ ০

--- ;0;---

## ইউরোপীয়নমাচার।

লগুন ৩ - এ মে । রুশীয়া ও বোখারার 
যুদ্ধের বিষয়ে সর্বাসাধারণে মনোযোগী হইয়া
ছেন। সর ছেনরি রলিখান সংবাদ দিয়াছেন,
ডিনি এবিষয়ে মহাসন্তার মনোযোগ আক্ষণ
ক্ষরিবার প্রস্তাব করিবেন।

শাসনকার্যের অবস্থা লইয়া হ উস অব লাড ও কমলে তর্ক ইইয়াছে।

্ ছইচ সন্টাইড পর্নাছ উপলক্ষে মহাসভা স্থানিত ছইয়াছে। গ্রবণ্যান্ট আয়ারলতে কাথালক বিশ্ববিদ্যালয়স্থাপনের প্রস্তাব ত্যাস ক্রিয়াছেন।

১৮ ৩৯ অন্দে ফাঙ্গে এক লক্ষ্ ভ্ৰন সৈন। সংগ্ৰীত হটবে।

১ ল। জুন বৈকাল। সাধারণে কোন বিষয়ের তর্ক বিতর্ক করেবার নিমিত্ত প্রকাশ্য সভা করিতে পারেন এনিমিত গরাশী মহাসভা এক বিল বিধিবদ্ধ করিয়াছেন। ৩০ এ মের এক টেলিগ্রাম নিউইয়র্ক হইতে আসিয়াছে। ইহাতে জানা ঘাইতেছে, চিকাগোর লোকেরা সেনাপতি গ্রান্টকে সভাপতি অথবা সহকারী সভাপতি করিবার যে প্রস্তাব করেন, সেনাপতি ভাহাতে সম্মত হইয়াহেন।

সভাপতি সেনাপতি শৌফিলডকে যুদ্ধ সংক্রান্ত সেক্ষেটারি করিয়াছেন। সেনেট ইছাডে সম্মতি দিয়াছেন।

্থ বা জুন। জাবিসিনিয়া হইতে যে শেষ
্পেংবাদ আনিয়াছে, ভাগতে জানা যাইতেকে,

্ধ এ যে সব রবাট নেশিপ্রর পশ্চ'ড়াগের সৈন্দ্র দিগকে লইয়া আভিজিরাটে উপনীত হইয়াভেন।

রাজা থিওড়োরের স্ত্রীধানা বোলে প্রাণ ভাগি করিয়াছেন। পাঁচটি রেভিনেট ও ছইদল

গোলনদাল আনেদলি অখাতে জাহাজ আরো-

আৰিসিনিয়ার যুদ্ধঘটিত আরও অনেক কাগজ প্রকাশিত হইয়াছে। রাজ্ঞী হর্ষ প্রকাশ করিয়া সর রবার্ট নেশির্রকে যে টেলিগ্রাম প্রেরণ করেন ভাষাও এই সঙ্গে প্রকাশিত হই য়াছে।

স্থাট মেপলিয়ন মহাসভার অভিনক্ষনের প্রত্যুত্তর অরূপ বলিয়াছেন শাসনপ্রণালীর সহিত ধর্মকে রক্ষা কবিয়া প্রমেধ্রের উপাসনা ও অদেশের উর্ভিসাধন করা কর্ত্তিয়া

## গবর্ণ নেট্ বিজ্ঞাপন। লেপ্টনেন্টগবর্ণরের আদেশাসুদারী নিয়োগ।

২৭ এ মে—যাত দিন মেজর রিবলি বিদায় লইয়া জনুপাস্থত থাকিবেন, তত দিন মেজর ভবলিউ, টি, ফোগান পঞ্চম চক্রবাড়ের পুলিষের প্রতিনিধি তেপ্রটি ইনপ্রেক্টর জেনরল হইবেন।

যত দিন মেজর ফেগান স্থানাস্তর থাকিবেন তত দিন আর, এফ, এচ. পিউ সাহেব হাজারি বাগের প্রতিনিধি পুলিষ স্থপারিন্টেণ্ডেণ্ট ইইবেন!

ই; এম, রেলি সাহেব পূর্ণিয়াতে ডেপুটি মাঙিটেট ও ডেপুটি কালেটর হইয়া মাজিটে টের ক্ষমতা পাইবেন।

বনগার ডেপুটি মাজিণ্টেট ও ডেপুটি কালে ইর বাবু ব্রহ্মনাথ সেন ময়মনসিংহে বদলী হইয়া মাজিক্টেটের ক্ষমতা পাইবেন।

মর্মনসিংহের ডেপুটি মাজিয়েটে ও ডেপুটি কালেক্টর বাবু রুঞ্চন্দ্র দত্ত কিশোরগঞ্জ উপবি ভাগের ভার পাইবেন।

বারু বামশক্ষর সেন রাণাঘাট উপবিভাগের ভার পাইয়া নদীয়াতে মাজিটেটের ক্ষমত। চালন করিবেন।

শ্রিহটের ডেপুট মাজিটেট ও ডেপ্টা কালে ক্টর ষ'র কালীনাথ ঘোষ চাকায় বদলী হইয়া মাজিটেটের ক্ষমন্তা পাইবেন।

২৯ এ মে—বারু সারদাপ্রসন মুখোপাধ্যায় ২৪ প্রগণার অবেত নক মাজিটেট হইয়া ছিতীয় জেনীর জনীন মাজিস্কটের ক্ষমতা চালন করিবেন। জিনি ১৮৫৪ অন্দের ১০ আই নের ১ ধারা জনুসারে সাক্ষাংসম্বলে নালীশ গ্রহণ করিতে পারিবেন।

জাসামের নিম্নলিখিত কণ্মচারিগণ বিভা-গীয় মাজিকেটের অসুমাতর অপেক্ষা না করিয়া ১৮৫৪ অব্দের ১০ আইনের ১ ধারা অসুসারে সাক্ষাৎসম্বলে নালীশ গ্রহণ করিতে পারিবেম।

কামস্ক্রণের সহকারী কমিসনর লেপ্টন-উ জে, বটলার।

कामज्ञात्भव महकाती कमिनसद तार्केन के अम. ख. बरेड !

শিবসাগবের সহকারী কমিসমর লেপ্টাট এচ, জে, পিটু<u>।</u>

গোলাঘাটের সহকারী কমিসমর লেপ্টনন্ট এল, বথওয়াট।

ল নীপুরের অভিরিক্ত সহকারী কমিসনর জে, এফ, কাষেল সাহেব।

নিয়লিখিত ভদ্র লোকের মরমনসিংহের ফেরিফণ্ড কমিটীর সভা ছইবেন।

हिं, हिं, कालमान नाट्रव। এচ. अशहे न नाट्रव।

ভাগামের নিম্নলিখিত কর্মচারিগণ ১৮৫৯ অন্দের ১৩ ভাইন অসুসারী মকদ্দমার বিচার করিতে পারিবেন:—

গোলাঘাটের সহকারী কমিসমর লেপ্টনন্ট এল, ব্যবহাট।

শ্বিসাগরের সহকারী কমিসনর লেপ্টন উ এচ, জে, পিট।

যত দিন এস, লব সাহেব সরকারী কার্ষেণা পলক্ষে স্থানাস্তর থাকিবেন, তত দিন এ, ডব লেট, ক্রফট সাহেব এম, এ, শিক্ষাবিভাগের তৃতীয় শ্রেণীতে প্রতিনিধিপ্ররূপ কাক্ত করিবেন।

৩° এ মে। আরে, আলেকজ্ঞার সাহেব মুর্সিলাবাদের প্রতিনিধি সিবিল ও সেসিয়ন জ্ঞা এইবেন।

ষ্ত দিন এচ, বালগোর সাহেব সরকারী কার্যোপলক্ষে স্থানাস্তর থাকিবেন, তত দিন জে, ডি. ওয়াট সাহেব ঢাকা ও চট্টগ্রানের প্রতিনিধি অতিরিক্ত জজা হইবেন।

যত দিন আর টমসন সাহেব সরকারী কার্য্যে পলক্ষে স্থানাত্তর থাকিবেন, তত দিন আর. ডি, হাইম সাহেব এম, এ. ত্রিপুরার প্রতিনিধি মাজি ক্টেট ও কালেটর হইবেন।

১ লা জুন—:ডপুদী মাঞ্চিটেট ও ডেপুদী কালেটর বাবু জগন্মোহন র'য় কেন্দ্রা পাড়া উপবিভ'গের ভার পাইয়া মাজিটেটের ক্ষমতাচালন করিবেন।

২০ এ দিবসের কলিকাভা গেজেটে বাবু আনন্দচন্দ্র সেনের নিয়োগের যে বিজ্ঞাপন হয় ভাহা এভন্দারা রহিত হইল।

চট্টগ্রামের ভেপুনী মাজিটেট ও ভেপুনী কালেটর জে, এ. ক্রেবণ সাহেব মুক্তেরে বদলী হটয়া প্রথম গ্রেণীর কাণীন মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন।

রাণাখাটের ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটী কালেটর বার ভুবনেশ্বর সিংহ চট্টগ্রামে বদলী হইয়া প্রথম প্রোনীর অধীন মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন।

যত দিন বাবু রমশক্ষর দেন উপনীত না হন, ডত দিন বাবু ছারকানাথ দে রাণাঘট উপবিভাগের ভার পাইয়া সেসিরনে অপাণ করিবার মকদমার প্রথম বিচার করিতে পারি— বেন।

ভেগুটি মাজিটেট ও ডেপুট কালেন্টর বাবু কালীপ্রদন্ন রায় চৌপুরী জীগামপুর উপবিভাগ-ন্থিত হইয়া মাজিটেটেরে ক্ষমতা পাইবেন। জীয়ামপুরের ডেপুট মাজিটেট ও তেপুটা কালেটর বাবু রমেশচক্র মুখোপাধ। যে চট-গ্রামে বদলী হইয়া দিতীয় জেনীর অধীন মাজি টেটের ক্ষতা পাইবেন।

২ ও পরনগার ভেপুট মাজিকেট ও ডেপুট কালেটার বাবু ভারাপ্রসাদ দট্টোপাধ্যায় বি, এ, জামালপুব উপবিভারের ভার পাইয়া ময়মন সিংছে মাজিটেট্টর ক্ষমভাচালন করিবেন।

এ, ইয়াডলি, সাহেব ভাগলপুরের প্রতিনিধি ভাইন মাজিটেট ও ডেপুটা কালেন্টর ছটবেন।

ভবানীগঞ্জের তেপুটি মাজিটেট ও তেপুটি কালেটর বাবু পরেশনাথ বন্দ্যোপাধ গায় বি, এল. আলিভাষাদ উপবিভাগের ভার পাইয়া গয়াতে মাজিটেটের ক্ষমতাচালন করিবেন। ভিনি ভবানীগঞ্জ উপবিভাগের ভার ক্ষপুরের মাজিটেটির হক্তে দিবেন।

ডেপুটি মাজিক্টেট ও ডেপুটি কাকেটির বারু য/নাথ বস্থ বি. এ, ভবুয়া উপবিভাগেরর ভার পাইয়া সাহাবাদে মাজিস্ট্রেটের ক্ষমতা চালন করিবেন।

জে, সি, ডজসন প্রথম প্রেণীর মাজিক্টেট ও কালেক্টর হইবেন : কিন্তু আপাততঃ যুদোদ হবের প্রতিনিধি অতিরিক্ত ভাজ থাকিবেন :

ই, ত্রে সাহেব যশোহরে দ্বিতীয় জেনীর মাজিটেট ও কালেইর হইবেন। ডিনি আপা ডভ: রাজগাহির প্রতিনিধি সিবিল ও সেসিয়ন জ্জু থাকিবেন

এ আর, টমসন সাহেব প্রথম প্রেণীর মাজি । ট্রেট ও কালেইর হইবেন গ কিন্তু আপাতভঃ প্রতিনিধি লিগাল রিমেশালর থাকিবেন।

জে ডি ওয়াড সাহিব চট্টগ্রামে ছিতীয় জেণীর মাজিক্টেট ও কালেক্টর হইবেন কিছ আপ্রতিভঃ চট্টগ্রাম ও চাকার প্রভিনিধি অভি বিক্র ডাজ হইবেন।

২ রং জন। ২৪ প্রস্থার ডেপুট মাজিটেট ও কালেই। মৌলবী দলীলুলিন আংশান পাট-নায় বলনী হইয়া মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন।

302.

ভাগলপুর হইতে আমাদিনের এক জন আত্মীয় লিথিয়াছেন।

ভাগলপুর গঙ্গা নদীর দক্ষিণভীরস্থ। ফোশা বিক পার মত একটা চড়া পাড়াতে নলটা একণে অনেক দুরে গিয়া পড়িয়াছে এবং নগর্মীর লোভার অনেক শুন্ত ইয়াছে। ভাগলপুর নগর কিস্তুত বটে, কিন্তু এখানকার গণাদি অভি গালানারপ এবং লোকসংখ্যাও বস্তু অধিক নহে। এখানে উদ্যান ও পভিত ভূমি এড অধিক যে, নগর্মীকে পল্লীগ্রাম বলিয়া বোগ হয়। যাহা হউক, ইহার বন্ধগুলি প্রশস্ত ও পরিক্ষুমণ বাগু স্থানির্দ্ধল এবং স্থান স্বভারতঃ দশনিমনো রয়। এখানে আম এত অধিক যে কুক্ষকল কেবল ফলান্ডাদিত দেখা যায়

ভাগলপুরে প্রস্তরময় পাছাড় নাই কিন্ত

অত্রত্য ভূমি বন্ধুর এবং স্থানে স্থানে পর্নভাষার মৃত্তিকারা দি দৃষ্ট হয়। এই ক্লপ ছইটা মৃণ্যুর পাহাড় প্রসিদ্ধা তমধ্যে একটাই উপরে ক্লেবলও হাউস বা তিলাকুটিনামে একটাই উপরে ক্লেবলও হাউস বা তিলাকুটিনামে একটাই উপরে ক্লেবলর প্রাক্তিকা আছে। ইংরাজনিগের ভারতবর্ধনাসনের প্রাক্তিকা আছে। ইংরাজনিগের ভারতবর্ধনাসনের প্রাক্তিকা আছে। কিলা ক্লেবলও সাহেব অসম সাহস্প ও বিচক্ষণতা প্রদর্শনি পূর্যক এ প্রদেশ শাসন ক্লিছেও তাহার সার্থার্থ একটা জ্বন্ধ নির্মিত হইরাছে। এই প্রানাদিনিও উল্লার নার্থে আনাত ইইরাছে। এই প্রানাদিনিও উল্লার নার্থে আনাতে ইইরার সাম্পুণে সাজলীনামে এক সূহৎ দীঘিকা আছে। অপরাক্ষে এই সকল স্থানে ভ্রমণ ক্রিলে চিত্ত প্রস্কুলতা ও উলারভাবে পূর্ণ হয়।

🥍 क्षांभेनभूदतत भूक्षितिक अञ्चल्ति 🗥 ७कः। भ নামে একটা আশাস্থা সূত্ৰ আছে। ইহা যে কোন সময়ে এবং কি অভিপ্রায়ে খনন করা হইয়াছিল, ভাহার ক্লিশ্চিড রুত্তান্ত পাওয়া যায় नाहै। कि ह हेरात निर्मान श्रनाती कि श्रिया तास रुष, देश मञ्जामित्मत ७ ४ रामचान द्वित । जानता ইহার তিনিরময় গর্ভমধ্যে আলোক জালিয়া अदिन कतिया (मधिनामः, हेशत हाति मिटक मकीर्न भथमाना अवर महत्तु महत्तु श्रूश्तकन तहि प्राट्डा व्यक्षिकारमा भारत मञ्जूक व्यवस्य कविहा কষ্টে চলিতে হয় কোন কোন পথ সমনিক थन्छ। এक এक भर्थ साहे एक हहेरल मिं भान চোরের ন্যায় প্রবেশ করিতে হয়। গৃহগুলির প্রভ্যেক কোণ হইতে প্রায় এক একটি পথ বহি ৰ্গত হইয়াছে, এরপ চিহ্ন দেখা যায়; কিন্তু এক্ষতে ছই একটি ভিন প্রায় সকলগুলি রুদ্ধ করা হই ब्राट्म। के ध्वकांत्र मां किर्दिन शांत्माक धांभात महाप्र हेशएंड अक वाद श्रादम कतिहम वाहित হত্তমা কঠিন হইত। আমরা মাপিয়া দেখিলাম, গন্ধার দিকের স্থাড়দপথ ১৮৪ হস্ত দীঘট ভাহার পরে মৃতিকারার। মুখ রুদ্ধ আহে। অপর পথ গুলর কোনটে ৭০ কোনটি ৮০ হস্ত পর্যন্ত (थाना कारह । हेशत गरम विकल शह प्रथा ষায়; নিম্বতল অনুনে ২০ হল্ড গভীর। এই ভূনিমুখ গৃহের বহিগমনপথসকল যে কোখায় ছিল, ভাষার নিদর্শন মাই। ইহার উপরে একটা লুডন ছার নির্দ্মিত হটয়াছে। বস্তুতঃ এই গৃহ **गिरक मञ्जूषाकुछ अकेंग्री व्यान्धरी अमार्थ विलाम** मानिएक रुप्रा

কিল তি ভাগলপুরে অনেকগুলি বাঙ্গালির বাস ও প্রথাস । ইইাদের কতকগুলির যদে এখানুন কিন্ত বাক্ষাসমাল, বাক্ষাসমূত

এবং বালিকাবিদ্যালয় প্রতি হিত হইয়াছে। এই
সকলের কার্যান্ত্রণাপাদনজন্য সব আসিষ্টান্ট
সর্জনে জীয়ুক্ত বাবু কুষ্ণধন ঘোষকে জন্দগ্রধন্য
বাদ প্রদান করিতে হয়। এখানকার গবর্ণমেন্ট
স্কুলের প্রধান শিক্ষক বাবু নিবারণচক্র মুখোপা
গ্যায় এম, এ, যেরাশ বিদ্যাপারদর্শী, সেইরাপ
সচ্চরিত্র ধর্ম্মপরায়ণ ও দেশহিতোধ্যাহী।
ইহারা দীঘকাল এখানে থাকিলে ভাগলপুরের
স্কনেক সৌভাবোদায় হইতে পারে।

্ এক জন সংবাদদাতা নদীয়া জেলা হইতে লিথিয়াছেনঃ—

া পুর্দ্ম বাঙ্গালা রেলওয়ে কোম্পানি, কিছু
দিন পুর্ব্দে ভর আনাসমূদার পূর্ব করিয়া আরোধীদিগের নিকট হইতে অধিক ভাড়া গ্রহণ
করিভেছিলেন, সম্প্রতি ভাহা পূর্দ্যবং করিতে
বাগ্য হইয়াছেন। আমি শুনিরাছিলাম ঘে,
টিকিট প্রদানের সময়, আনাপ্রভৃতির পর
এক, ছই ও ভিন পরসা গ্রিয়া লইতে অস্থবিধা
হয়, ও আনেক সময় কতি হয়, এই কারণ প্রদর্শন
পূর্দ্যক, ভাড়া বর্দ্ধিত করেন। কিন্তু, ভাহা সাধা
রপের অসম্ভোষকত ও যুক্তিবিক্ত হওয়াতে
গ্রব্ধিনেক্টর আদেশক্রমে, পুনরায় পূর্দ্যের মত
ভাড়াই স্থির করিয়াছেন,। যাহা শেষে স্থায়ী
হয় না, সে কার্যের অসুষ্ঠান করা উচিত নাহে।

হা গত ৬ ই কৈছে সক্ষার পর উপর্গেরি তিন্দী বজাঘাত হইয়া দ্রব্জাতের সহিত তিন্দানি গৃহ ভস্মগাৎ করিয়াছে। একটা ভাজন্দাট গ্রাদে, একটা আদিত্যপুরে ও অপ রটা কৃষ্ণাঞ্ছেশনের বাজারের এক খানি সমৃদ্ধ বিপণ্ডির পতিত হইয়াছিল। তম্মগো শেষোক্ত স্থানে, অনেক বাণিজাদ্রব্য, সঞ্চিত থাকাতে ছই তিন শত টাকার দ্রব্য ভস্মশেষ হইয়াছে। সৌভাগেরে বিষয়, এই যে উল্লাৱ্য একটাও প্রাণ নষ্ট হয় নাই।

ত। গত ১৬ ই মে ভাজনঘাট এ'লে. একটী
লাখাপোষ্ঠ আলিস সংস্থাপিত হইরাছে। ইহা
কৃষণগঞ্চ ডাকঘরের অধীন থাকিবে। এক জান
পদাতিক ছারাই, ইহার পারবহন ও যথাস্থানে
প্রেরণকার্য্য সম্পান হইতেতে। ভাজনঘাট
আদর্শ বছবিদঃলিয়ের প্রধান শিক্ষক ইহার ডাক
মুন্দি বইরাছেন। পদাতিকের মাসে ৬॥০ টাকা
ডাকমুন্দির ৫ পাঁচ টাকা ও বাজে খরচ ১ টাকা
সমুদায়ে ১০॥০ টাকা ইহার মাসিক ব্যয় নির্দ্ধা
রিত হইরাছে। ইহার ছারা ভাজনঘাট ও ভিন্নি

পত্রপ্রান্তির কভ সুবিধা হইয়াছে, ভাষা বলিয়া ক্ষণ বুঝিতে পারিবেন। শেষ করা যায় না। একণে উহা স্থায়ী হয় ইহাই मक्रमत् धार्यम्।

৪) গত আধিন মাদের বন্যার ব্রোভঃ প্রভাবে পূর্মবাঙ্গালা রেলওয়ের বগুলা ও কৃষ্ণ अ(अत मट्या (या अञ्च अभ **रहेशा** व्याटता ही निर्मत ও কোম্পানির নানাবিধ অস্থবিধা জনাইয়া ছিল, তাহা অদ্যাপিও পুননির্শ্বিত হয় নাই। শক্টাশ্রেণী উহার উপর দিয়া সর্কদা যাতায়াত कता । जीर्ग ११ के ते हरे जिला ते नाहे। जहा িধ: মিবারণের জন্য কোম্পানি সম্প্রতি সেই সেত্র পারে অস্থায়িভাবে নিম্নতর আর একটা ব্রাস্থা প্রস্তুত করিয়া ভাহার উপর দিয়া সাড়ী চালাইতেছেন এবং এই অবকালে ভগ্ন সেডুটী নিশা । করিয়া লইভেছেন। এই সেভুর কার্যা শীঘ্র সম্পাদন করা উচিত। নতুবা বর্ধা উপ স্থিত इहेटल ऐका मण्यापन कता छक्तिन इहेशा उतिरंव।

a! এই প্রদেশে প্রায় প্রতিদিনই বৃষ্টি হই তেছে। তরিবন্ধন কৈষিকার্যের সম্পিক ব্যা ঘাত হইয়াছে। গত ছডিকের বর্ষেতে প্রথমে এইরূপ বৃষ্টি ইয়া কুষির ক্ষতি করিয়াছিল; কিছ শেষে ভয়ানক অবগ্ৰহ উপস্থিত হইয়া प्राप्तत मर्जनान छेनश्चिष्ठ करत। मिने सना अवा রও অনেকে শক্ষা করিভেচেন যে অসময়ে অভি <del>যুক্তি হইঃ। পাছে সময়ে অনার্ক্তি আসিয়া শস্য</del>

ও। প্রায় এক সপ্তাহ অভীত হইল ভাজনঘাট ঞামের কোন গৃহত্বের বাড়ীর নিকটবতী এক क्राक्र(मत् मर्था अक्षी नामाना क्रम वाक्र ७ इती মৃত্তিকার কলস দৃষ্ট হইয়াছিল। কিছে অনুসন্ধান ষারা উহার স্বস্থাধিকারীকে পাওয়া গেলনা। কোন গৃংছের সর্বনাশ করিয়া চোরেরা বাক্ল ভালিয়া ঐ কাজ করিয়াছে, ইহা স্থির হও রাতে পুলিষে উহার সমাচার দে**ওরা হ**য়। ভাগতে পুলিষকর্মচারীরা প্রার্থী না পাওয়াতে ঐ ভ্রব্য থানায় রাখিয়া সকলকে সমাচার দেন। আসরা প্রথমে অসুমান করিয়াছিলাম যে, তস্কর গ্ৰন্থ কোন দূরবন্তী স্থান হইতে সীয় জঘন্য কার্য্য অসুষ্ঠান করিয়া ঐ স্থানে দ্রব্যাদি বাহির कतिया महेयाटक। किखालार खानिनाम (व औ স্থানের অদূরবন্তী কোন গ্রুম্বের বাড়ীতেই চুরি इहेशाहिन। श्रीलार्य कांनिएं भातिरत मतात উপর খাড়ার ঘার ন্যায় আরও অপব্যয় ও হাজামা হইবে ভাবিয়া পুলিবে স্মাচার দিভে ও প্রাপ্ত বাক্র প্রভৃতির অধিকারী হইছে চাহে নাই: মহালয় ইহার ভারাই ময়াঃসলের পুলিবের

कहेवली बामवाभी पिरान ए कड देशकात ७ श्विहात कार्य प्रकार अ महिख्यादि छन विह

## প্রেরিত।

यानादत औयूक त्याम श्रकाणमण्याहरू ় মহাশয় সমীপেরু।

অফ্লাদের সহিত প্রকাশ করিতেছি যে, গভ কল্য রনিবার দিবা ছুই প্রহরের পর অত্তত্যে এবা निभी मान् हे अरबन्हे मार्ट्स्वत विश्वीर्ग वाहीरङ একটী বৃহতী সভার অধিখান इইয়াছিল। এই সব ডিবিজনের অধীনস্থ সন্ত্রান্ত মহাত্মারা এই উপলক্ষে এথানে জাগমন করিয়াছিলেন। অসুনে পঞ্চ সহত্র লোকের সমাগ্র হইয়াছিল। সভার উদ্দেশ, ছটা ছিল। প্রথম, গতে বার্ষিক পরীক্ষোত্তীর্ণ ছাত্রগণকে পুরস্কার দ্বিতীয় এখানকার বিদ্যালয়গৃহটী উৎকুষ্টরূপ নির্মাণ করিবার নিমিত্ত অর্থসংগ্রহ। সম্পাদক জীযুক্ত বাবু যাদ্বচন্দ্র ঘোষ বিদ্যালয়ের বার্ষিক রিপোট পাঠ করিলে বিদ্যালয়ের ছাত্রগণ ইংরাম্মী ও বাল্লা, উভয় ভাষাতে স্বস্থ রচনা পাঠ করিলেন। যে ছটী বালক সর্কোৎকুষ্ট রচনা निथियाहिन, ভাহাদের উভয়কেই জীযুক্ত বাবু গোপালচন্দ্র দাঁ ওভরসীয়ার মহালয় ছুইটা পুরস্কার প্রদান করিয়াছেন এবং প্রীযুক্ত বাবু কান্তিচন্দ্র দাস একখানি উৎকৃষ্ট আফি কার যানচিত্র প্রস্তুত কারককে ১০ টাকা মুল্যেরএক পুরস্কার প্রদান করিয়াছেন। সম্পাদক জীযুক্ত বাবু যাদবচক্র ঘোষও সে বালকটা উৎকৃষ্ট বাললা রচনা কৈরিয়াছিল, ভাষাকে একটা উত্তম পুরস্কার প্রদান করিয়াছেন। মহাশয়! অন্যান্য যেসকল অপব্যয়কারী মহাত্মা সভাতে তৎকালে উপবিষ্ট ছিলেন, ভাঁহারাও যন্যশি এইরপ দানে কিঞ্চিৎ ব্যন্ন স্বীকার করিতেন, **जाहा हहें एक कि योगत विषय्न हहें ज मा? (कवन** ভৌষাসোদকারীর বাঞ্চা পূর্ব করাই কি ভাঁছাদের यथार्थ मानकार्यः विलग्न विश्वाम खाएइ?

পুরস্কার বিভবিত হটলে পর, সম্পাদক मशंगिरयत कक्टरताध्यमण्डः अहे विम्रागिरयत ভৃতীয় শিক্ষক জীয়ুক্ত বাবু উমাচরণ অধিকারী ष्ट्री छेप्दृष्टे तहना भाठे तहन। এकर्षी वानक গণের নীতিগর্ড উপদেশ পূর্ব , ও অন্যতী বিদ্যা लग्नगृहिनकां वार्ष नकरलक निकार नाश्या প্রার্থমা সংক্রোক্ত। শেষোক্ত রটনাটী এমত विष्डीर्भ ७ এए हुत कम्प्रशारी स्टेग्ना हिल (य, गर्मा গত সকল মহাআই অমানবদনে স্ব স্ক্রডামু–

गारत पान चाकत कतियाहित्य । अकरन नमस्टि প্রায় ভিন সহতা মুদ্রারও অধিক। মহাশয়! এই সকলের অপেকা একটি আধিক আহ্লাদ ও বিস্মান্তের কথা আপানাকে না জানাইয় 1থাকিতে পারিলাম না। বক্তাভাবণে একটা সামানঃ कृषक अभि भाष्टिक इहेग्नाहिल एव, एन शांद्रजा-থান করিয়া সম্পাদক মহালয়ের নিকট বিদীত कार्य शार्थमा कहिएक माशिम स्व, ''न्यहामञ्ज ! আমি অভি গরিব ; কিন্তু যে উদ্দেশে আপনারা সকলে একত্র হটগ্নাছেন, ভাহা অভিলয় মহৎ। व्यामि এकनी मूछा श्रमात्मत मानम कतिशाहि, যদ্যপি অসুগ্রহ করিয়া প্রহণ করেন, ভাহা হইলে अफ(ख वाधित इहे। " मुल्योनक महामय जाहात এইরপ অবার্থ হিটেডবিডাস্থচক বাক্য এবেণ্ कतिय। यात शत नार्डे ज्यास्तापिक रहेरलम এवर কুভজ্ঞচিত্তে সেই দান গ্রহণ করিয়া ভাষাকে প্রশংসা করিতে লাগিলেন। তৎপরে সম্পাদক মহাশয়কে ধন্যাদ প্রদান করিয়া সভাভগ रहेल हेडि।

ভযোগুক এক জন পাঠক। ১ জুন १ महत्त्वर

মহাশয়! গভ ২০ এ জৈতেইর পত্তিকাশ্ন '' বিবিধ সংবাদ " স্তক্তের মধ্যে আপনি লিখি-দ্বাচেন, যে গত শনিবার এতন্নগরীয়গণ জীযুক্ত বাবু হুর্গানারায়ণ সাহাকে শিক্ষাকার্য্যে ৫০০০০ টাকা দানকরণজনঃ এক ভোজ দিয়াছেন। আপনকার এ সংবাদ অবস্থাদোবে অমূলক হইরা পড়িয়াছে। সংবাদটীর মধ্যে কভগুলি জম ঘটিয়াছে। প্রথমতঃ এ রাজোপযুক্ত দানকা রীর নামটা প্রকৃত হয় নাই। বদান্যবর মহাশয়ের নাম " ছুর্গানারায়ণ সাহাঁ " নহে " ছুর্গাচরণ नाश "। देनि हुरू जारात्री, कार्या छेननर भ कलि-কাভায় সর্নদা থাকেন এবং কলিকাভার গণনীয় সংখ্যার মধ্যে পারিগণিত ইইয়া থাকেন। দ্বিতী য়ভঃ তাঁহার এভাদুশ সংকর্মের নিমিত্ত এখানে महार्खिरकत बारमाक्षत हम नाहे अवर (कान শনিবারে ভাহা প্রদত্ত হয় নাই। গভ ১১ ই জ্যৈষ্ঠ শনিবার উক্ত বাবুর খুল্লতাতপুত্র জ্ঞীয়ক্ত বাৰু রামচন্দ্র লাহার বিবাহ উপলক্ষে কম্যাপ कीय औयुक वांतू निमाहें हो भी तित वांने कि এক মহাজ্যোজের আয়োজন হয় : ছুর্গাচরণ বাবু কলিকাভার বছসংখ্যক কুত্তবিদ্যুদ্যভিবছোৱে বিবাহসভায় ও ভোজে উপস্থিত হইয়াছিলেন এইমাত্র। আপনকার সংবাদদাতার অনভিচ্চতা । भारत अक विषय जाना क्षकात हिंदू। शक्तियाद्य ।

(मार्थकाटन अयं इंड्रं आर्द्राम्य महा इंड्र ना व व उत्र जगमश्माप्रस्था निवित्तात्र विश्वि विधान क इटबन। स्कुटः हुई छात लारकतः किश्यकारतः डाइम्ब्रिश्व अर्ट्स् वक्षका जीपुक वाबू इगाहरून लाहांत अहे गहर কার্য্যের অভিনন্দন করিখেন ভাষা অন্যাপি স্থির হয় নাই।

চুচুড়া ১- প্ৰ- নাল ২২ এ হৈছে छारेनक शार्फका

গত ২৫ এ মে সোমবার নিবা ছুই প্রহরের ममध् बीयुक्त वाबु इत्रहाल मुर्थालाक्षात्यव खन् । निवश्व गवर्गम हेगाँश्याकृष्ठ वालिकाविमाल-য়ের ছাত্রীগণের পুরক্ষার প্রদান্ত হয়। তহুপলকে াবভার মাজিটেট আর, এল, টটেনহাম লি, 'জিটেট জীযুক ৰাবু ৰাইকানাথ ব্যাদাপাধ্যায় প্রস্কৃতি অনেক ভাল লোক উপ স্থাত ছিলেন :

আর, এল, টটেনহাম সাত্রের সভাপতিয় धात्रमधार्य करत्म । अञ्चल नहस्य हर्षे । प्राप्त प्र वि, এ, नियुन्धिक शक वर्ष मार्गिव कार्य विवद्रन भाके कट्रम । ५०७१ मार्टन ३५३ हिस्मब्द्र মুভ রাম্যম বলেনাপাধায়ের বার্টীভে অন্তুর্ল रावु ए कामात प्राति सम दक्षण अक्री वालिका विन्धु 'लाव प्रश्वां भन कर्तन । ঐ विन्धां सूर्य एका প্ৰেব প্ৰথম দিবলৈ গাভটা বালিকা উপস্থিত थारक विशेष निवरम बाउजी, कृशीय निवरम প্ৰধুণী। এই ক্লে প্ৰাভাদন ছাত্ৰীপ্ৰথা বৃদ্ধি उद्यो शक्त इस मार्गित महन्। ५५२ क्षान वालिका আ এট্ট ইইয়াডিল - ভারতো আবিকাপ্শই সংকুলো स्राधि देवताय कार्यत कार्योगन्यता दशा ५ सा ७८श्रल क्षति १ तर्राय है या गर ३५ है। का সাধার্মনার করিতেভেন। উক্ত বিধরণপর্টের পর পরিক। আরক হইল। ভাহাতে প্রথম (धारे ४ ले। १६) फ (तलकुष'री (परेंग महादशका फेड्यक्टल अक्षित केंद्रालय, क्यानेश्वत সভাপতি এনে জনে বালিকালিগকে পুরস্কার প্রধান করিলেন। ভর্পরে চেপুটী মাজিটেট <u> ख्रियुक दादकान'य वर्ष्मालामाप्त हार्जी भन्दक</u> अर्थ प्रमाकारया लिए । लक्कांत्र क्ला । वनस्कारणः दुवाहेष्ठा पिट्लम ।

शहमाजितमाधनाको किरेडियी महहातम् नामा পতি क्षेष्ट्रक हैर्टिक्स्म मार्ट्य वस्थलका मरश्र প্ৰতিবেশী ও অভিভাৰকগণকৈ এ বিষয়ে উত্তে क्रमा करिस्मिम। अथरमास द्यामाक्रक राम्माना পাধাায় এম, এ, গাল্লৈ থান করিয়া উল্লেক

ও विविभारक धमावाह श्रमाम कहिर्दाम । ज्ञा खत्र इहेत ।

निः शृत 1500 K) & 6:

প্ৰস্পাদক, মহাশয় ! স্বর্জামীনের পদ্ভ देशिया रेश**ल्डी क्रमन म**मस्त्र क्लिक्टिट धक नहटा नेकान मार्क्षे केवानिक स्ट्रेटक लाहित्य। अने नाग'मह काहेबादमञ्ज विषय नटह। यूटकाट्यका যুদ্ধ কার্যাদকতা প্রদর্শন ক্রিতেরেন, ভাষাতে भवन हो है है। हो हो इस कि एक करने हो कमकात वृद्धि कतिया दिश्यम, এটी আत्रश्र आकृत एतं विस्ते। अल्प दा मक्त्राभावन स्वनारनंत्र ্পক্ত আশিন আপন অভ্যতাপনের জনেক তুরি ধ্রাও করিয়া দেওয়া হইল। কিন্তু মহাশয়। প্রায় া, ডেপুদী মাজিটেট জি, বি, গড় কে, ডেপুদী ক্রিল কর্মচারীকেই সদা ন ও কার্য,পটুডার कञ्चनीरवं भरताबंधि लोच कहिएक (मधा याञ्च, क्षित्रं यादाता मक्ष्याम मनत्यामीन आनामहरू একালতি কৰ্মে নিযুক্ত হইয়াছেন, তাঁহারা যত পারদর্শিতা ও বৃদ্ধিমতঃ প্রদর্শন করুম না । কম. কখনই নিয় হইতে উক্তর প্রেনীতে উঠিছে लाम मा। এখানে कडंछिन अम्बद्धामीमे व्यानामहरूद क्रिकीम व्यारहम । क्षाहारम्य मरभा প্রতার প্রত্যাদার করে প্রত্যাদার প্রত্যাদ য়ে এখানকার প্রধান প্রধান কর্তুণক কাহাটেট প্রশংসা করিয়া থাকেন ৷ ইহাঁরা কের কুড়ি কের **लॅंडिन (कह वा जिन पर्यात्मर्य) छ छत्र**ांस्क्र স্থিত ওকাল্ডি ক্রিডেচেন।

इ इत्कार्टीय १५७१ व्यक्ति महकूलांत । व्यक्त মতুসারে ১৮৫০ অন্দের পুর্মের নিয়ক্ত বিভীয় (चनीत छिकी अभिनाति शक्षा (भानी छुकः कति-तात का राज्य इहेर्डन हेर्डा इ एक छिन्न छत लाग ना কবিয়াছিলেন, কিন্তু ইহারা প্রথম ভোণীর भवीका पिया दिखीय ज्यनीएक छेडीर्न ब्ह्यार्ड তথ্নকার জন্ম 🕲 ্রফ (ক্রেচর সাহেবের বিচে हमाध्र केंक्ट मक्कूलत व्यष्ट्रत कत्रहारगर বোগ্য হইলেন না 🎼

ইছাদের ছবরস্থার ভ এক প্রকার পরিচয় দিলাম। বোধ হয়, জনগদ, জেলাতেও এববিধ ष्ट्र-देष्ट्रांशवः कार्मिक् कार्ष्टमः कथम मन्त्र व्यासीरमद भन ऐहिंदा या अव्याद के विकास भदिन एक ইহাদের বিলক্ষণ আনুদোগতি হইল। সভা বটে, গ্রীযুক্ত লেপ্টন ট গৰণৰ বাচাছৰ দেশীয় ভাষ'য় পুনরায় এক পরীক্ষাগ্রহণের আনুদেশ করিয়া দল্প ও গুণপ্রাকিতার পরিচয় দিয়ালেন। কিন্তু काभाषित्रात रकास नहें गर्भन्त सेन वर्षा है जिला

येख कान कदा कहिएस मञ्जूर्व (भगापत (यात्रा 🎮 উকীলেরাসদল্প ও সহক্তার সহিত **७८७। विककान कार्य। भिक्ताह क**ित्रा १ अकि दक (धानी इहेटड काना (धानीएड ऐटियात (बाना) रहेरलम मा। खेकील भिरत्य निष्ट्र विश्वातिक विख्य माहे, देशिनिश्यक कि काछाति, कि घर উভয় ভানেই প্রায় ভুগা পরিপ্রমের সভিত কাঘ্য कतिएक इत्र । ए.सिस लाहारमच भविष्मात्र ऐसीर्व कहेरात कर खक्रकत श्राहित्यान महे था. जकरन পরীকার নিদিষ্ঠ সূত্র অ'ইনের অনুবাদগুলির অনেকাংশ ছর্মোদ পুডরাং ঘাঁহারা সদর याभीत्मत अम्यष्टे इहेदात भू प्राविध अकामि जि করিতেছেন, ভাঁহানের পকে পরীকা দিয়া উন্নতি লাভ করা বড় স্থজ বর্ণপরে নহে।

महानयः । ३৮४ • व्याप्तरं शृह्यते वियुक्तं छे की लुमिश्राक क्षथम (कारीय शरीक मिएक वना इत. কিন্তু ঘাঁছারা ভাছাতে উত্তীর্ণ হইতে না পারিয়া দ্বতীর মেণীতে উত্তীর্ণ হন, এই অপরাধে दीश्रामित्राक छैन्न जिलाएक विध्वित करा इस्र। हेरी ্য কছ দুৰ অধিচার ও আমের কাৰ্য ভালা মাপনি ও অপেনার পাঠকবর্গ এক বার বিবেচনা कक्रम । क्षकाल जीव छेला ऋम (म (कदल ऋगत ভিরু উপর নির্ম্ভাকরে, ও ধে দিকে ইউক, - am हे इनाम ' क्हेरन' (च किमार्क्स्टन्य काठ फाउँड হয়, ভাষা প্রায় সকলেই অবগত আছেন। গ্র श्व भीषकाम याँकाहा मन्द्रकाभीम ज्यानावराज প্রথাতি ও স্ক্রিব্রান্তার স্ক্রি ওকাস্তি क्रिक्ट इस. डें इंग्लिगर्क क्ष्रमान खड़ा उ অন্যান প্রধান প্রধান কর্মচারিছার' মনোনীত ह बुधा खळ २० छ्व. पि.सहै अङ्गितित आनानाहरू পর্যন্ত বজুকা করিবার ক্ষতাল্লান করা वर्क्ता। इंके १ कि मुशार्थ छाष्ट्राप्टर शाब নছেন ৷ দল্লামন্ত্র প্রবর্গনান্ত কি ইহানের প্রতি দৃষ্টি भाष क बर्बय मा ?

ऽ२५५ माल ক্ষাচিৎ শাঠক্ষা।

अञ्चानात द्वार देवतुर्ह माहे।

महानाय ! कामता श्राप्त अन परमय क्हेंग क्क्ष्रिया अतिहरू छ । " प्रशानील शदर्गक है হতভাগে পোষ্ট আনেসের কর্মসারিগণের বেভন द्रिक्ष करिश्चा मिर्वम , " वार्खिदक शक्त अरुक्षत मार्भ नवर्गरर हैत ३৮७१। ५৮ व्यक्ति बाह्या चिक ब्याप्त राष्ट्रत (य किनाव (नाष्ट्रके) श्रका

এ বর্ষে পোষ্ট আফিলের কর্মচারীদিগের বেডন বুদ্ধির নিমিত্ত ১০ লক্ষ টাক। অভিরিক্ত মঞ্জুর করা হইয়াছে: তদ্দানে আমরা যে কত আছ্ণা দিত হইয়াভিলাম, তাহা প্রকাশ করিতে পারি ना। निम्हश्च मत्न कविशाहिनाम (य, अञानति त পর আ্মাদিগের ভাগা ফিরিল, আমাদিগের আনিবার্য্য পরিভাষের উপযুক্ত পুরুদ্ধার এও দিনের পর এদন্ত হইল ৷ আমরা অবলীলাক্রেয়ে একণে কমাহলীতে সপরিবারে ফ্রামে দিনপাত করিতে পারিব। কিন্তু মন্ত্রবের আশা দি কণ ख्यत् । कि शांतवर्डन गीम !! (बाद कात व्याशान व्यवतात रहेशा था।करवन, व्यामाभित्रव ( (भाष्टे •মাস্টার, ডেপুটি পোষ্ট মাষ্টার এবং ক্লার্কাদগের ) (बर्डबहुक्तित आना अक वादत एमानिक रहेन। (श.ष्ट्रांत डिशाहिकार है य स्वितात बाहे, अड দিনের পর ভীহা ক্রুরপে সকলের ছাবরক্র 4हेल । आश्रीत र्श्वासिया विश्वास्त्राश्च हहेर वन त्य, লোপ্ত আফিসের কর্মচারীদিগের বেভনর্জি, ে তেলা মাথায় তেল ঢালার ° ন্যায় হইয়াছে। আমি অবগত ষ্ট্লাম, পূর্বোক্ত ১০ লক টাকার क्षिकारभट्ट वज् वज् छज्जलिएगत विख्र প্রবিসিত ইইয়াছে । আমারিগের বেতনর্জির নামৰ করা হয় নাই!! (য কএকটী টাকা বাঁচি ब्राटक, कचादा नाकि ३५१ व्यक्त कामामिटशत বেভনর্জি 'করিয়া দেওয়া **इইবে** । প<sup>া</sup>ঞ্জিভে ্র বঁবে আর শুভ দিন নাই! যা*হা ২*উক, ১৮१ । व्यक्तिहे या के होका व्यामानिगत्क श्राप्त হইবে, ভাহাতেও ধড় বিশ্বাস নাই: কারণ একং ेंय।हामिरुगत (यडमवृष्टि क्रिया पि अया हरेन, यिन १ • प्यारक टीशिक्टिश्व प्यारता है। कात खारता জন হয়, ভাছা হইলে ভাঁহারাই উহা পরম্পর च छेन कतिया लहेरान। याहा फिरात शूर्ति छ (माठी भाषे। (बडन हिन, ७ वारत्व किवन दौरा निरात्रहे त्**जन्त्रीक क**तिया (मध्या **क्हेम**ा जात বাঁহারা আহার নিজা পরিত্যাগ করিয়া দিবা রাত্রি সামাম্য মৃত্র অপেকাও অধিক পরিভাষ कतिरखरकन, खाँशांकरभत खार्था किछूटे इट्रेन না!! এ কি সামান্য আন্দেপের বিষয়! সামান व्यविष्ठादेव कार्या । वाखिक : शष्टे व्यक्तित्र ডিরেটর জেনরেল জীযুক্ত মন্টাএথ সংহেষ यमि शक्तभाखविशीन श्हेश आहे १० लक्ष है। का সকলকে বন্টন ক্রিয়া দিভেন, ভাষা হইলে কলাচ আমরা এত আক্ষেপ করিতাম না; কলা **हरे कामानिर्शत मरन अड व्यन्तिहार नक्षात** इहेज ना। जामानिर्वत त्रविवात नाहे, स्नाम, ष्टरगारमरश्चां **पर्यात्र विषात्र वाहे। जीवन** 

उर्गार्गं । बहरता अनियमण्ड लाष्ट्र व्यक्तियाँ । ३२१ ६ देखा है हेहर अवन सर्वे स উপস্থিত থাকিয়া কার্যনির্দাহ করিতে হয়। अक वरनवन्द्रत अक मान 'अञ्चार्ट्य विनाम नाहे । ১৮ ७৮ खून व्हेट ७३ (म) २८३३ कि ख (वर्डन कांग्रे। यात्र। व्यक्ति कि शवर्ग भिट के ब्रम्भाग विकास कर्महाती व्यापका অল বেডনে আমরা বেপ্রকার পরিত্রাম করি, অন্যক্তের সেরাপ করে নাঃ কিন্তা আমাদিলের 🤻 নি ভাস্ত ছরস্প্রবশক্তঃ আমরা পরিপ্রামের অনুস্থান পুরকার প্রাপ্ত ধই না! আশা জিল, বেতনর্জি **হইবে : পরিবার্থর্ম লইফ্লা ফ্রান্থে** দিনপাত করিব ; কিন্তুধ্যের ন্যায় সকল আশা ভর্সা ভিরো रिष्ठ इंहेन!!!

· कार्यनावा ( तरनावश्वत्रभावत्कत् ) আমাদিগের (পোষ্ট আফিলের কর্মচারীদি গের) কোন একটা অপরাধ পাইলে বিলক্ষণ ভিরস্কার করিতে পারেন; কিন্তু আপনার৷ কেছ্ই আমানিগের ছঃখে কাতর হন না, সেটী আমা দিগের মনোছ:খের অন্তেকট কারণ: পাষ্ট আফি.স বেডনবৃদ্ধি হয়, সচ্চরিত্র ও বিদ্যান ব্যক্তিরা উহাতে প্রবেশ করেন এবং উহার कार्याध्यनामी जुनुधान हरा. এ विवरत काहारक প্রায় লেখনীধারণ করিতে দেখি নাই। সাল-কেই কেবল পোষ্ট আফিদকে গালি দিছে দেখিতে পাওয়া যায়!

পেষ্টে আফিসের জানৈক হত ২৪ এ মে ভাগ্য কর্মচারী। 14645

#### मृनाशासि।

জীযুক্ত বাবু বারাণসী বস্তু এলাহাবাদ অ:কা नमास ১२१ ६ रेवमाच इहेरछ टेव्ख पर्यः स <sup>भ</sup> भे केंचेत्रहल मतकात দাত্ৰ ১৮৬৮ জুন হইতে আগষ্ট পৰ্য্যন্ত 0h » » लच्चीनाताराण চट्टा राष्ट्रधाका ১२१६ टेकार्ड इहेटल कार्किक शर्वास @ H . নকুড়গাস মল্লিক বড়ৰাজার ३२१৫ टेकांचे इड्रेट्ड १७ टेवमाच >. भे भे कमलाई मि होलामात्र **मात्र** खिलिश **५२१६ टेक्स्फ्रे स्ट्रेट** १७ टेबमाच 70 n कार्क्किन प्रथम **ह**ै। हे शांहे ১२१६ टेक्कार्ड क्हेट्ड १७ टेवनाच " » বিশিনবিহারী ভট্টাচার্য্য আরসাবাদ ১৮৬৮ জুন হইতে ৬৯ ফেব্রুয়ারি 3.4 🤊 में जीखानाथ मू रथाभाषाय মজফরপুর १४७४ सन इहेटड ७० (म

(मोनजावाम

> > 基本制制 由是

" विश्विष नाईरङ ते :

. QN वेडिभान 30

------

#### সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা

#### विदर्भव निष्यम।

অন্তিম মূল্য ও ডাক্যাস্থল না পাইলৈ মক-বলৈ সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা মার্ম হা। 🦈

हेशत अधिम मूला वार्षिक ১० क्रोका अवश যাণ্যালিক ৫॥ - টাফা সফমলৈ ভাকমান্তল, সমেত বাৰ্ষিক ১৩, নাণ্যাসিক ৭ এবং জৈমা-সিক ৩৭০। ভিন মাসের প্রাকে ক্রিম মূল্য এহণ করা যার না। ছুতি, বুরাতি চিটি, খনি-অড'র, নোট ও স্থাম্প টিকিট, ইহার অন্যত্তর যাহাতে যাঁহার ছুবিধা হয়, ভিনি সেই উপ। । দারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ঘাঁহারা প্রাম্পটিকিট পাঠাইবেন, ভাঁহারা र्यन এक व्यथ्वा व्याध व्यानात व्यधिक मृत्नाव अ तमीरमत्र हिक्छि (श्रुत्व मा करत्व।

ষখন ষিনি মফস্বল হইতে লোমপ্রকালের মূল পাঠাইবেন, ভাষা যেন রেজিপ্টরি করিয়া জীযুক্ত ভারকানাথ বিদ্যাভূধণের নামে পাঠা-रेया (पन।

য'াহাদিগের মূল্য দিবার সমন্ত্র অভীত হইন্ন। আসিবৈ, এক মাসপুর্নে তাঁহাদিগকে চিট্টি লিখিয়া আনান ধাইবে, কাল অতীত হইয়া গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাহার পর একমাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা ষাইবে। শেষ বারের পত্র ্বেল্লারিং: পাঠান

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ডাক ষরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

ুর্যাহারা মাস্তুল না দিয়া পজাদি প্রেরণ করি বেন, ভাহাদিগের সেই পত্রাদি গ্রহণ করা वाइटव ना।

কেছ দোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইচ্ছা করিলে তাঁহাকে প্রথম জিন বার প্রজিপংক্তি 🎶 व्यामा छांशंत ११ / ४० व्यामा मिट्ड इंहेरव। যিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা করি-विन, डीहात महिल चल्छ वरमावस स्टेरेंव ।

🖝 এই পত্র ফলিকান্টার দক্ষিণ পূর্বী माञ्चा दाम अरम्भ स्मानालुक द्वेमरनद्र मिन চাঙ্গভিশোভায় জীয়ক ধারকানাথ বিদ্যা-कुनरभन्न वाजिएक क्षांक स्थापनात । क्षांकः कार्य धकाणिक र्म।

# (मायशका म

३० म जाता

ः र मरभगा

" प्रवत्तनां प्रक्रांति हिताय पार्थिवः सरस्वती श्रातमहती न हीयतां।"

মাসিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১০ দশ व्यक्षिम यांगानिक ए॥ आहक शाह छाका । ∫

मन ১২৭৫। ৩ রা আষাড়। ১৮৬৮। ১৫ ই জুন { বাশ্যাসিক ৭, ও ত্রৈমাসিক ৩৸০ টাক্য

->8C-

্বাফস্বলে মাস্থলসমেউ অগ্রিম বার্ষিক ১৩

## বিজ্ঞাপন ৷

## ইৎরাজা স্বরলিপিপদ্ধতি।

যদি কেং আগার অনুমতি ভিন্ন এই এম্ সম্পূর্ণ অথবা ইহার কিয়দংশ ও মুদ্রিভ করিয়া প্রচারিত করেন, ভাষা হইলে ভিনি অ'ইন অনু সারে দওনীয় হইবেন

আরও সাধারণকে জ্ঞাত করিতেছি যে এই बाइ चिंछ नदन काषाय ও अर्थनानीरके अनयन করা হইয়াচে, এডিছিবয়ে অনভিজ্ঞ ব্যক্তিয়াও हेश भवार्यात्रभूर्त्तक मिचित्न व्यनाशात्रहे বুঝিতে পারিবেন সন্দেহ নাই। অভএব এই পুস্তক ধাঁহার প্রয়োজন হইবেক, তিনি কলিকাতা মূজাপুর প্রাকৃত যন্তে অথবা আমার নিকট ১ এক টাকা মূল্য প্রেরণ করিলেই প্রাপ্ত इইডে পারিবেন।

পাখুরিয়াঘাটা জীকালীপ্রসন্ন বন্দ্যোপাধ্যায়

वाह्कशरनत श्रद्धां स्वत्र्य निश्चलिथिष्ठ সংস্কৃত পুস্তকত্রয়ের কিয়দংশ প্রকাশিত হইল। बार्कन पूर्व उदाजी निमनिकिष्टे मण्यूर्व मूना (श्रदन कतिरम शाख इहेरवन। विरम्हन (প্ররণের স্বভন্ত ভাক মাশ্রল লাগিবেক।

মলিনাথের দীকা সহিত।

भिराभाग वर ( मापकुछ ) भूमा त्रघूबश्म (कानिमानकृष्ठ) en. কিরাভার্জুনীয় (ভারবিকৃত)

विमार्शिशतमञ्ज्ञास्य जार्थ निम्नानिश्च কতকণ্ডলিন সংস্কৃত পুত্তক দেবনাগর কারে मणिक मूम्रभावक स्वत्वक व्यवस्थित शूर्त जारेक श्रीकांत वरमावक र अप्रांट जायुक जीनाथ फुक हरेटन भीषा बाई नृष्टी जनत शकि चाउ পুঠা ভিন পদ্মশার হিনাকে আনু সম্পূর্ণ বেমত

| क्षकानिष्ड इटेरवक छेक्क निवरम मूला क्षमान क्रिटन भूत्रक श्रांश रहेरवन । विरम्राम श्रितरन त चउंद्र जाक बार्श्वन नाशित्वक।

ঋতুসংহার। মেঘদুত। শকুত্তলা। নলোদয় मालविकाशिमिञ । विक्रायार्यमा । भूषाताकन সাংখ্যতন্ত্ৰকৌমুদী মালভীমাধৰ वा সাংখ্যকারিকা। মহাবীরচরিভ ে উত্তর্বাম-চরিত। মুগ্ধবোধ। দশকুমারচরিতের উত্তর'র্ব পালিমি। বসস্তুতিলকভাণ। অমরকোষ। শাঙ্কব ভাষা, जान्म गति, जीधनवामी ও मगुरान সরশ্বতীর চীকাসহিত শ্রীমন্তাগবত। মহাভারত। বিষ্ণ পুরাণ। কাদধ্রী। ভ:ট্টিকাব্য। ন'গানন্দ। কাবপ্লেকাল। চড়ক। মার্কণ্ডের চন্ডী।

কলিকাডা সংবাদ জ্ঞান अञ्चनकत्र वर्गाक বুমাকর যন্ত্র নিমতলা ক্ৰীট ৩২ সংখ্যক ভান। 🕽

ৰ ছি হো বাদাৰ্শ কোম্পানির ১৮৬৯ সালের এন্ট্রান্স কোসের কী অর্থাৎ অর্থ পুস্তক প্রস্তুত क्हेद्राटक । याँकादा महेवात हेव्हा करत्रम्, किन কাতা কালেজ ফ্রীট ৮৬নং ছবনে উক্ত কোম্পা नित निकटें, खंधवा खनानाः भुखक विद्याखात নিকট অনুসন্ধান করিলে পাইতে পাতিবেন।

এঁরাই আবার বড় লোক। "

ঘাহার অভিনয় কলিকাতা আড়পুলী নাট্যা लाप्त अवर्गिष्ठ रहेर उर्ह, ैर्स्ट्रा बादक ३१२ সংখ্যক है। बरहान दश्राम विक्रमार्थ जानिए তাছে। মুলা দ॰ বার আনা, মাশুল ৴৽ এক कामा।

ুনভ্পতি সোমপ্রকাশ কর্যোলয়ের সুত্রন চক্রবর্তীর উপরে বিল ও চিঠি পত্রাদি খাক্ষর ব্লিবার ভার সমর্পণ করা হইয়াছে। 🐠

## इसेई खिश (तल उरेंग । কয়লাপ্রকৃতির গাড়ি ভাড়ার নিয়ম।

এডদ্বারা সর্কা সাধারণকে জ্ঞান্ড করা ঘাই--তেছে रा, व्यागामी । ला खूनाहे कर्वाध धनिज পদার্থ সম্পর্কে " গাড়ির পূর্ণ বোঝাই" এই শব্দের অর্থ এইরূপ বুরিতে হইবে যে প্রতি গাড়িতে যত অধিক মাল ধরিতে পারে ভাষার আবাধ টন্করিয়া সূত্ম বাকিবে। যাঁহার। যত कम माम পाठान मा रहन, जारी निगरक मह আবাধ টন্কম যে মাল ভাহার ভাড়া দিতে हरेदा किल कि विष विष छिनति छेळ " भूर्व বোকাইরের " অধিক মাল পাঠাইতে চান ভাঁহাকে সেই বেশী মালের নিমিত্ত স্বতন্ত্র ভাড়া

इष्टेहें छिष्टा (त्ल ब्राय (होन ) निनिनक्रियानन कनिकाछ। २२ अ भ

## বিক্রয়ার্থ।

গারডেন বীচ ২৪ নং বাটী গুলাম্প্র ১৯ নং জোড়া বাগান।

ভাড়া দেওয়ার নিগিত। গারডেনরীচ ২৪ নং বাটী।

উপরি উক্ত বাগান ও বাদী যাঁহারা ক্রয় क्रिटिड खश्वा खाड़ा नहेटड हेव्हा करवन, निष् স্বাক্ষরিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেও'বদ্ আরবো-थनहे ध्वर (कार

#### পুরাণ্থকাশ।

কলিকাতা মূজাপুর আমহাউদের দক্ষিণ কাব্যপ্রকাশ যন্ত্রে পুরাণপ্রকাশনামক সাম্ দ্বিক পত্র প্রতিমাসে এক বা ছই খণ্ড করিয়া

প্রকাশ হইতে প্রবিশ্ব হুইয়াছে। প্রভাব শণ্ডের প্রকাশ চল প্রশান দল প্রশানিত পূর্ণা। ইহাতে ক্রমশঃ জন্তা চল প্রান্ধ ও উপপূর্ণা বালালা। অনুবাদসমেছ নিব প্রান্ধ কর্মা আছে। প্রথমতঃ বিষ্ণুল্ল প্রান্ধ কর্মা আছে। প্রথমতঃ বিষ্ণুল্ল প্রান্ধ কর্মা আছে। প্রথমতঃ বিষ্ণুল্ল কর্মা আছে। প্রথমতঃ বিষ্ণুল্ল কর্মা করিছা বিজ্ঞান কর্মা করিছা বিজ্ঞান ভাই ক্রমা প্রান্ধ করিছা করিছা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে করেছা। আনি করিয়া পাঠাইবেন। বালিবালা আনি আনি। করিয়া পাঠাইবেন। বালিবালিকা প্রান্ধ করিয়া পাঠাইবেন। বালিবালিকা প্রান্ধ করিয়া প্রান্ধ করিয়া প্রান্ধ করিয়া বিজ্ঞান করিয়া পাঠাইবেন। বালিবালিকা প্রভালেকা প্রভাল সংস্কৃত বিশ্বালা প্রান্ধ করিয়া বালিকা প্রভালিকা প্রভালিকা বিশ্বালাকা প্রান্ধ করা যাইবে।

२० हे टेठज ैं। ১२५८ : ∫ की जगरमाहन मर्सा।

সংস্কৃত মেনিনীকোষ ওরাই শাদের চীকা-সমেত উত্তম মাগরাক্ষরে স্তুপূর্দক মুদ্রিত ইই তেছে। যিনি গ্রাহক হউতে ইক্তা করেন, তিনি চাকা কালেকের সংস্কৃত অধ্যাপক জ্রীযুক্ত রাবু সোমনাথ মুখোপাধ্যার মহাশয়ের িকট অথবা কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে বা কাবপ্রেকাশ যত্তে আমার নিকট পত্র পাঠাইবেন।

३० हे टेहज ३२१८ भःऋ्छ विन्धानग्रः } जीक्शदसाहेन गर्मा।

#### ष जिमान।

मकाधु धि	2110
मक्ति शक्तिका	" '
শন্দ সিঞ্	÷
শকাধমুক্তারলী	•
শক্ষধিরভ্যালঃ	7
	· ·
नकार्यश्चित्रातिक। 💌	৩
<b>প্রকৃতিবাদ</b>	¢
সংস্ত পুস্তক	
রতুবংশ <b>স্টীক</b>	þ.
উ এর <b>নৈষ্ধচরিত</b>	÷ 11 •
ভাউকাৰ্য	8 •
ভটা <b>বিংশ তি তত্ত্ব</b>	<b>9</b> ¢
· 特別與內容	340/
িব হ'বে ) <b>জীকেদারনাথ</b> বিশ্ব কিন্তু	वटक्साभाधात्र
	কবিক্তেতা।

ত বে সবকারী বারি চ নিন্দানের কর্মা আধুক তার্থনের বৃদ্ধি হওয়া প্রস্তুত্ব, এই বিজ্ঞা শন ছার। জাত কবা যাইতেতে যে নিমু লিখিত ক্ষুত্বি নিন্দু কিন্ত্রী, ছুতার ও কর্মকারের ক্ষুবিশ্বাক

ইইয়াছে। যাহার। শিক্ষিত ও পারদর্শী, তাহাদিগকেই কর্ম দেওয়া ২াইবে।
২৫ জন রাক্ষমিলী মাসিক বেতন ১২ টাকা
৩০ ঐ ছুতার ঐ ১৫
১ ঐ প্রধান কর্মকার, ঐ ১৫
৩ ঐ কর্মকার ঐ ১২
এতৎ সংক্রাপ্ত জন্মান্য সমাচার দার্জিলি-

নিকটে প্রাপ্ত হইবে।
দারাজনিও ) এ,ই, পাকিল মেজর, আর ই.
২৭ মে ১৮৬৮ ( একজিকিউটিভ ইঞ্জিনিয়ার

ঙেব এক্ জিকিউটিভ ইঞ্জিনিয়র সাহেবের

শব্দকরজন অভিধান। সর রাজা রাধ্-কান্ত দেব বাহাতুরের ক্তু। উত্তমকপে সোণা দিয়া হতন বাঁধান গুলা ২৫০ টাকা। তত্ত্ব বাধিনী পত্রিকা—প্রথম কল্প, মূল্য ৫০ টাকা। গ্রী মানক্ষচক্র বেদান্ত বাগীশ।

## রাণীগঞ্জ পটরি কোং লিমিটেড।

মেজিয়া করিবার স্তুচিক্রণ টাইল।

ঐ কোম্পানির মিসনরোক্তি ৪ নং আফিসে উঠার নমুনা দেখিতে পাওয়া বায় এবং যদি কাহার প্রয়োজন হয়, ঐ আফিসে অনুমতিপত্র পাঠাইয়া দিবেন।

# —ঃ০ঃ— বিবিধ জব্যাদি বিক্রয়া**র্থ**

প্রস্তুত।

ইংরাঞী বাঞ্চলা পুত্তক কাগজ কলম নানা বিধ দ্রবাদি পাওয়। যায় মৃকস্বলে, ঘড়ী অঙ্গুরি ইড্যাদি পাঠাইয়। থাকি এবং পুত্তকাদিতে এক আনার হিসাবে কমিসন দি। যদি কেই অধিক টাকার দ্রবাদি লন পাইকেড়ী দরে পাইবেন।

	काक)
শক্ষক জিল্প প্ৰথম থণ্ড	¢
ঐ ভিতীয় খণ্ড	8
ট্রীনত্পবদগীতা	<b>5</b> 11 =
টীকা ও বাদালা সম্বলিত ∫	₹∥•
শক্ষিপু	ર
<b>मका</b> वनी	ર
শদাৰ্থপ্ৰকাশিকা	৩
<b>मकार्थनप्राला</b>	¢
नवार्थ क्षर्राहिका	৩
প্রবৃতিবাদ	¢

অষ্টাবিংশ ভিতম্ভ ৬২ অন্নদামকল বিদ্যাস্থাদর প্রস্তৃতি তীকা দীপ পনী ও ১৮ খানি প্রতিমূর্ত্তি সহিত वाञ्लीश कम ও ভারতবর্ষের রেলওয়ে हैलिक् हैं। क छिलि भाक : 11-নলচরিত কাব্য **शक्षप्रभी** 8 বেদাস্তদর্শন অধিক রণমালা হরিভক্তিবিলাস পদকল্প তরু মেটবিয়া মেডিকা 4 इंटन जीत अवधकन्नावनी **जा**शुटर्तामन र्यन দৌজদারি গাইড 11 নিদানার্পচল্রিকা ર স্টীক নিদান 8 নিদান মালভীমাধব পঞ্চাব ইতিহাস 711-চীনের ইতিহাস ভ্তম পৌচার নক্লা (১ ৷ ২ ) 11-সম্প্রসমাধি নাট্য বেশ্যসজিনিবর্ত্তক নাটক মনোবুজি বিধায়ক कीहक्षवध नाहेक इरताकी वाकाला विक्रमाति কলিকাতা জোড়া-গ্রী প্রভাপচন্দ্র রায় मार्का ७३ नः

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়ে ও পটোল ভাঙ্গা বাড়ুঁয়ে আদার কোম্পানির দোকানে নং প্রদীত ও মংপ্রচারিত নিয়ালখিত পুস্তকগুলি বিক্রায় ইইতেছে:—

क्ष नी 'ड	<b>मृ</b> म्
<u>গ্রী</u> সইতিহাস	১ টাকা
রোমইতিহাস	» د
ভূষণসার ব্যাক্রণ	1+
নীতিসার ( ) ম জাগ )	J
নীতিসার (২ ম ভাগ)	ال
<b>ध</b> हाति <u>।</u>	
भूषरवाध वर्गकद्रव	<b>અ</b>
- Santa a	rtsytet setsfert 1

ত্ৰীদারকানাথ শর্মা।

-----

# निवशंत नकी।

न्म १५७५ मारमत खून गारमत १ मा बहराङ ৭ ই পর্যন্ত ভাগীরখীনদীর সর্পক্ষ তি स्तात माञ्चाहिक तित्यां । 45 EW স্থানের নাম মহানার উপর প্রান্দীতে ×>-----× वश्याञ् ভথা হইতে জন্মপুর পর্যান্ত 8---> ( ३७॥ माहेल, मटभर ) অভিপুর হইতে বহর্মপুর পরি।ত ( ८७ माइन मार्या ) বহরমপুর হইতে কাইওয়া পর্যাত (৫- মাইল ইউলো ) कार्डाया इंहेर्ड बहीया भर्गाड ( ३७ माइटलव, मर्था )

नवामनीत वृक्षि रहेएएड ।

গঞ্জ ঘাটের জলের মাশ "

সন ১৮৬৮ জুন মাছার ১০ তারিখে বছরমপুর

કે જ

বহুরমপুর বহুরমপুর উবিদ্ধন হার বহুরমপুর উবিদ্ধন হার

বঙ্গদেশের অন্তর্গত ফোট উইলিয়মের প্রধা-नक्म विচারালয়ের আদিম দেওখনী বিভাগের ১৮৬৮ অব্দের ৩৩৯ নং যে মকস্দমায় ছেনরি য়েটা কেনি বাদিনী ও বদদেশের প্রতিনিধি আত মনিষ্টেটর প্রতিবাদী উক্ত মকদ্দমায় ১৮৬৮ कार्यन्त्र २) এ (म श्र कांक्श रहेम्राह्म, कम्यू-नारत श्रकान करा याहेरङह, खना ननीप्रात অন্তর্গত সালগড়মুদিয়ার টমাস, আর উইন, किन मार्ट्य यिनि १५७५ अस्ति १५ है अस्थिन কলিকাভায় প্রাণভাগে করিয়াছেন, বে যে व्यक्ति উक्त किन मार्ट्यक कर्फ नियाहिन, डाँशामिशक खानान वाहेएड(इ, खाशामी ६ इ দেৰ্ভেম্ব অথব: তথপুৰ্বে বঙ্গদেশের অন্তর্গত क्षि हिहेनियस्य देख श्रधान्य विवासनस्य অমতের বিচারপতি নন্দাণের নিকটে উপস্থিত ছইয়া আপন আপন দাওয়া সপ্রমাণ কলন। এই সকল দাওয়া আবণ করিবার নিমিত্ত ১৮৬৮ অংকের ১২ই নেপ্টেম্বর শ নিবার বেলা ১১ ঘটি-কার সময়ে টাউনছালে বিচারপতি আসন গ্রহণ कतिर्वन । याँहाता উक्त मधरवत मर्पा जानन **াক্রিভে** দাওয়া সপ্রমাণ शाहित्वन, छाँशामिशत्क जानान याँहैएए. इ.

উহোদিশের দাওয়া আর কল্মিন্ কালে অবণ বির্বিধিনা।

এরাটারিকান, পোরেল বিলি কালে, বেলচেয়ন

এবং কোম্পানি
বানিনীর আট বিনা
ধ্রেনিনীর আট বিনা
ধ্রেনিনীর আট বিনা
ধ্রেনিনার বিভা
দের রেনিনীর আদিস
১৮৬৮ বি ই স্কর্ন

সোমাপ্রকাশ | ক্রা

षांगता भूर्य माउना द्वलक्षरवन्द्रक र्ष श्रकाव करिशाहिलाय, कारम जाहाई ঘটিয়া উঠিল। শুনিভেছি, ঐ রেলওয়ের कार्य। जात श्रृक्तवाचना (त्रन ७८म (कान्ना नित्र कर्याहाती मिरकात स्टब्ड व्यर्थित हरे-তেছে। এটা आमानिरभत आख्वारित विषय। अ वरमावरस्य भवर्गमार छेत्र लास हरेटव, लाइने जिंड जाही हरेटव। किन्द এ স্থলে আমাদিগের মনে একটা কথার উদয় হইল, দেটা ব্যক্ত করা আবিশ্যক। বে অধাকের অথাকতায় পূর্ববাক্ষণা বেলওয়েতে অভূতপুকা শোচনীয় ঘটনা हरेशा (भन, **डाँ**हांत ह**्छ जामानिश्नत** জীবন সমর্পণ করিতে বিষয় শঙ্কা জালি-তেছে। হয় ত আমাদিপের আপদ্বর मां क्षिया न ७ ता रहेन। द्वल ७ त्यत व्यक्षक পরিবর্তের কি কোন নিয়ম নাই ? যদি ना थाटक, त्राक्रक महातील त्रात्र नाहा রেলওয়ের অধ্যক্ষ পরিবর্ত্তের একটা নিয়ম করা উচিত। যে কারণে সময়ে সময়ে রাজকর্মচারীর পরিবর্ত্ত করা হয়, রেল-अरयट कि मि कांत्र में हार नाहे ? दिनान স্থানে কোন ক্রুচারীর দোষ প্রকাশ হইলে তাঁহাকে ভানান্তর করা যদি ন্যায় मिक् रहा, छाई। इटेटन ८ए अक्षाटकक वटप्पविटखन (मार्व श्रुक्तनाभना (तन-**अत्यादक क्याँ हैना यहिशादक, अवर याँ** होत क्रण वाबहादत क्लांटक विज्ञक हहेशारहन তাঁহাকে স্থানান্তর করা যে একান্ত আব ্ব শাক ভাষিষয়ে অণুমাত্র সন্দেহ নাই।

খড়দহের ইংরাজী ক্ষুলের গবর্ণ-रमके नाश्यातान करेशा त्नाम्थकाटणेत ছই জন প্রশ্রেরক বিবাদ আরম্ভ করি-য়াছেন। প্রথম পত্রপ্রেরক কহিতেছেন, খড়দহের অনুরবর্তী দোদপুরে গবর্ণমেন্ট मारायाथाथ रे ताकी विमानम चारह. খড়দহে যদি আবার সাহায় দেওয়া र्श, উভয় বিদ্যালয়েরই অনিফ ছইবে; অতএৰ গ্ৰণ্মেল্ট সাহায্যদান না করিয়া উত্তম কাজই করিয়াছেন। ইহার প্রতি-বাদক দ্বিতীয় পত্ৰপ্ৰেরক বলেন, সোদ পুর থড়দহের ছই ক্রোশ দূরবর্তী। ছই কোশ যাওয়া, হুই কোশ আসা, প্রতি দিন চারি ফোশ গমনাগমন করিয়া প্ডা खना कता वांनकिंग्रिशत माधात्रेख नरह। विटम्ब अंक्तर इंडे बाकात लाटकत ৰসভি। লোকসংখ্যার বিষয় লোচনা করিলেও তথায় সাহায্যান একান্ত আবিশাক হয়। দ্বিতীয় পত্রপ্রে-ুরক যে হেতৃপ্রদর্শন করিয়াছেন, ভদ্বি-ज्य भर्गारलाच्या क्रिया व्यायान्तिय ॥ विनक्त (वाध इरेटल्ट्, थंज़ मह रेन्त्राकी कृटन मारायानान कत्रा এकान्त चारानाक। বেদকল বালক-পদত্রকে অধিক দূর গম-নাগমন করিয়া পড়া শুনা করে, তাহং निर्वत পড़ा खना खाल इश ना, बामानि প্লের বিলক্ষণ জানা আছে। শিশুদিপের ভ কথাই নাই। ভাহারা যে প্রভাহ চারি কোশ গমনাগমন করিবে, তাহা কোন करम मञ्जाबिक नटहै। स्नामता थेफ्नरहर ইংরাজী ক্ষুলে গ্রেণ্নেটের সাহায্য দানের যে অনুরোধ করিতেছি, তাহার আর একটা বিশেষ কারণ এই, খড়দছ গোস্বামীর আবাদস্থান। বন্তু দংখ্য গোস্বামীদিগের আজিও লোকের উপরে विनक्ष श्रेष्ट्र बाह्य। यक मिन डेश দিগের প্রভুত্বোপ না ইইতেছে, তত দিন এ দেশের কুদংক্ষারের ভিরোধা-নের সম্ভাবনা নাই। সেই কুদংকার

जिद्दीशास्त्र प्रजी जेलात जाए । अथम, दिल्लात द्वारक यिन ज्वदिक्त नार्यक्र लिका इन्हें। दिल्लात कुनिः क्रिका इन्हें। दिल्लात कुनिः क्षात प्रत कर कुनिः क्षात प्रत कर कर । जामापिरात दिर्वक्र नार्यक्ष जार्यक कर । जामापिरात दिर्वक्र नार्यक व्यथ जर्भकः दिल्ला केर्ने कर । व्यथ कर्मे कर । व्यथ कर्मे कर । व्यथ कर्मे कर । व्यक्त व्यक्त कर । व्यक्त व्यक्त कर । व्यक्त व्यक व्यक्त व्यक

্ন্যুম্বটি**ভূতি প্রেশ্নের্ক্**যি,প্র-

न्यास्यास्य । न्यास्य । स्थापित स्थापित ।

নিল্মবহিভুতি প্রদেশের কার্যপ্রেণানীর উপরে এদেশীয়দিগের যে ভক্তি আছে. ভাষা পাঠকগণের অবিদিত নাই। ভারতবর্ষীয়েরা জানেন, ঐ সকল স্থানে আইন প্রমাণ নয় কর্মচারিদিগের ইচ্ছাই প্রমাণ। এখানে অন্যায় ও অভ্যাচারের ্আধিপত৷ এবং সকলই বিশ্যুলভাবা-श्रम । दलाहरूत मुश्च **रक्ष थाका**हरू है दक्रवश ক্ষ্যারিরা বাধিক হিপোর্টে আপনা দিখের প্রাণং দা লিখিয়া **আ**পনারা বাহবা লট্যা থাটেন। এ পর্যন্ত ইংরাজী মংবা एराज भाषातिकहा मह स्मन हारहरम्ब 1214 - शति भारत प्रशासिक करिया चानिeste জন : কিন্তু ভাঁহারাও আর পারেন লা। জার ভইরা পড়িরাছেন। নিমে মক্ষ্মাইট হটতে একটা প্রস্তাব অনু राक किट्टा (में उड़ा (ग्रंग | आं<mark>यता अक्रा</mark>भ অভাব বিখিলে নিয়মব্ছিভুভি প্রদেশের यह भारतिहरू निकटे विष्णु ही बिना \* পরুঃ গাণিত হ্ইতাম সন্দেহ নাই।

প্রিকুদিন হুইল গ্রুণির জেনরল যথন আইনেজা টাজোর অনুমোদন করেন, তথ্যসূচ্যে বলিয়াছিলেন, আগ্রা হুইতে

মপুর। इहेश मिल्ली পর্যান্ত একটা মুক্তন থাল খনন করা হইবে। একথা প্রবণ করিয়া व्यागता यात शत नाई मत्यायलाज कति-হাভিলাম, যে কর্মোত তেওলকার, তাহার প্রস্তাবে আমরা সাভিশর কুভজ হইয়া-हिलाम। याहा इडेक, आमदा खदमा कति অবিলয়ে কার্যা আংড ছইবে। সচরাচর বেরপ হয়, রুখা আড়েয়র ও পত্রলেখা লিখিতে যেন দেৱপ সময় অভিবাহিত কর। নাহর। এ জন্য যেদকল ভুমি लंखना इहेर्य, छिन्दित यागता याश नव র্ণনেণ্ডকৈ সভর্ক করিছেছি, ভাঁহারা কিছু দিনের নিনিত্ত কমতাপ্রাপ্ত অধার্থিক ও নির্দ্য লোকদিগকে এ কার্য্যে যেন नियुक्त ना करान। इस्ता अधिकाती मिर्भित यथार्थ शार्भा (मन ना। आंभता यानक करन मिथिताकि कर्माठादीया मन्त्र তির চত্র্থংশে মূল্য মাত্র দিয়া অধিকা दिनिरात मुथ वन्न ताशिवात रहकी शाह-हार्ट्डन। श्राप्त मकल एटलई अई जनाप्त टिग्छ। स्वत्य । इन्हें इन्हें इन्हें प्राप्ति । प्रति प्र क्रामाधि কারিগণের উপরে কর্মচারিরা এপ্রকার अक्रांचात ना करतन, शर्वास्थि कि তাহার কোন উপায় অবলয়ন করিবেন मा १ भवर्गिक योल इंहा ना करतम, छाहा रुद्रेश थामह। जुमःशिकातिनिशुक **अनु** রোধ করিতেছি ১৮৫৭ অব্দের ৬ আইন অসুদারে মুল্য দিতে বাধিত করিবার নি মন্ত ভাঁহারা দং ও স্বাধীনবুতি উকী वनिशदक निमुद्ध कंक्षम। आंत्रता धकरी দুটান্ত জানি। ১৮৫৭ অকের ৬ আইন অসুদারে মধ্যস্থাণ এক ব্যক্তির বাটার ৮২৭০০ টাকা মূলা স্থির করিয়াছিলেন: এक जन डेक्ट शब्द कर्महाडी डीहाटक ২৭,৫০০ টাকাতে সম ত করিবার বিশেষ CD के शरहेशाहित्वत। मच्छां क मिलीर दिल इंदिश देखेगरन इ निकटि अक स्वरन वां जी खहन कहा हता। धक कन एउ शें जी क्रिमनत किছूएछई ১१००० छोकात श्रीक

দিতে চাহেন নাই। সৌভাগাক্রমে অধি কারী এক জন সাহনী ও স্বাধীনভাদর উকীল নিযুদ করাতে উকীল ৫৩০০০ টাকা বাহির করেন। কর্মচারিদিপের স্বিচারের ত এই লক্ষ্ণ লক্ষিত হই-

ধর্মভাহীন কর্মচারির। উকীলানিগের টেরেজনার সুবিচার করিতে বাধিত হন। এই নিমিত্র উাহার। এই শ্রেনীর লোকের উপরে বিরক্ত। অপা দিন হইল, পঞ্জাবে সুবিচারলাভ অতিবিরল ঘটনার মধ্যে ছিল। পঞ্জাবের সকল শ্রেণীর কর্মচারি, রাই উকীল, দগকে ঘৃণা করেন। সর ডোক্ষ্ লড মাকলিয়ড একবার নিনিট লিখিরা বলিয়াছিলেন, বে দিবস আদালত ও অর্থি প্রত্যাধির মধ্যম্মরূপ ইউরোপীয় উকীল উপস্থিত হইবেন, সে দিন অব্ধি পঞ্জা বের অমঙ্গন হইবে!!! এই অপ্রশস্তহনর কর্মচারিকে সর জন লারেন্স পঞ্জাবের ন্যার প্রধান প্রদেশের শাসনকার্ম্যের উপযুক্ত লোক জ্ঞান করিয়াছিলেন!! "

निशमविकु उथात्रामत कार्या थान-লীর ভু ভাঙ্গিতে চলিল। আজিও যে ঐ এণাণী অব্যাহত রহিয়াছে, ইহাই অশ্চে:র্যার বিষয়। অধিকভর আশ্চ:র্যার विषय अहे, मि पित्र श्वितिक व्यश्निक्ष शकाना जारण वालगार्हन "इडेर्डा भीरवता अरमभीविभित्रक य शक्त করেন, ভাহা ভাঁহার অনুমোদনীয় নহে ; কিন্তু যথন কোন ভারতবর্গীয় এক জন ইংরাজকে প্রহার করিবে তথন ভাহাকে এত প্রহার করা উচিত, যে কেবল যেন कीवनभाज थाटक !! '' कि शर्य। कि অভি,মান ! কি স্বজাতিপক্ষপাতিতা। धरे शक अकामाज्ञार वरान, " हे ता ब्बिता खत्रवातिष्ठाता अतुमभ खन्न कति এবং जत्नीहसाता भागन করিবেন। ইহাতে যিনি প্রতিবন্ধকত। করিবেন, তাঁহার সহিত বুঝা পড়া

হইবে। " ইনি এক জন অকপট পঞ্চা
বিদলের লোক। ইহার একটা কথা সা
রণ করা উচিড ছিল, ভরবারি দারা লাসন
করিতে গোলে ভরবারি দারা দুরীভূত
হইতে হয়। যাঁহা হউব, পঞ্চাবিদলের এ
রাজনীতি হইতে পাবে বটে কিন্ত
হংলণ্ডের সে রাজনীতি নহে। " জোর
যার মুলুক ভার " এটা ভ জন্মভাদিপের
কথা, সভা ও সং ইংলণ্ডের ইহা যে অব
লন্ধনীয় রাজনীতি হইবে, কথন আমাদিগের এরপ বিশাস হয় না।

-8+5---

#### ভারতব্যীয় গ্রণ্মেটের অন্যায় ব্যয়।

বেথানে রাজা ও প্রকা উভয়ে এক श्रमीत्लकी, त्मश्रात्म ताळा, यदि क्षकांत धर्यात च्छि व। त्रिक्षत चेर्निश्म तामय हहैट उत्त कटतन, छोटा अन्ताम हम ना। क्ष्मानिशतक व्यामन व्यामन व्यर्थशाय করিয়া বে কার্যা করিতে হয়, প্রণ্মেণ্ট যদি তাঁহাদিগের নিকট হইতে অর্থ लहेता डाँशिंदिशत कर्डवा स्मेहे कार्या সম্পাদন করেন, ভাছাতে ক্ষতি কি ? वतः छेनकात चाह्य । किन्क ध्यथाटन রাজ। ও প্রজা উভয়ে ভিরধর্মা-बनशी, रमधारन এ वावन्छ। नाहानूगठ नाइ। अञ्जल ऋत्व अकानितात पत पर्व श्रकां पिरात धर्माकार्या वाशिक इस ना। একের অর্থ লইয়া অপরের কার্য্যসম্পাদন জুলা অনাায় বাৰহার আর কি আছে ? मत स्मन लार्डरस्मत भवर्गत रस्मनतरसात श्रम লাভ অবধি খৃটীয় যাজকদিগের নিমিত নিত্য বায় হইতেছে ৷ পুর্বে এ নিমিত ষে ব্যয় করা হইত, তাহা হাততোলার নাায় দেওয়া হইত; কিন্তু একণে খুটীয় যাঞ্কদিগকে সাম্রাজ্যের এক দল প্রধান ও অপরিহার্যা কর্মচারী জান করিয়া विष्ठात्रामय ७ टेमिक वातिटकत नहार গিরজা সংস্ফার ও গিরজার শোভা

সম্পাদনার্থ রাজ্বর বার করা হইতেছে।
পুলিষ কর্মচারী ও বিদ্যালয় পরিদর্শক
দিগের নার পাদরিরাও সরকারী ধুনাগার হইতে পাথের পাইতেছেন। ইহাতে
যদি অনুরদর্শী পাদরিরা উল্লাদিত হন,
এবং তাঁহাদিগের বাগিন্দির ইণ্ডিরান, চর্চি
গেলেট গিরজার সংস্কার ও শোভার্থ
সরকারী অর্থ প্রার্থনা করেন, তাহা আশ্চ
র্থার বিবয় নহে। এ বিবরে ডেলি নিউস
যে অভিপ্রায় ব্যক্ত করিরাছেন, ভাহা
পাঠকগণ প্রবণ করুন।

**छेक शब दालम, " इं शिशान एक** त्तरकर्णे**ब**्नमृश शक रच की बिक রহিয়াছে, ভদারা এবং ঐ পত্তের রাজনীতিজ্ঞতা দারা প্রকাশ হইতেছে ভারতবর্ষে খুটারধর্মণ্কাস্ক কতকগুলি বিষয় ক্রমশঃ ওরুতর হইয়া উঠিতেছে 🕟 भागतिता यमि अ्तेथर्थ क्षातार्थ मतकाती **होको दारस्त व्यथन। এই होकोस** नित्रका নির্মাণ ও গিরজার শোভাসম্পাদনের कथा छेथा शन कटतन এवः वर्षमान चुके-ধর্মের প্রতি অনুরাগ প্রদর্শন করাই যদি রাজনীতি হয় এবং এপিকোপালীর পুরোহিতেরা ঈশ্বর প্রেরিড, পৃথিবীর चात मकरल किছूहे नरहन, भवर्गरमण्डे এह कथा बरलन, छाहा हरेरल आमत्रा निम्हत विनि एक स्थिमकन लोक कक्ता करे সকল দেখিয়াও মৌনাবল্ছন করিয়া আছেন, ভাঁহারা স্বাভিপ্রায় ব্যক্ত করি (वन धवः धर्ममस्त्रनाग्न सरिया हे एस ए य अकार खनकुन इंटेटडर्ड, अथारनख त्महे क्षकात हहेता। " (छिनिनिष्ठेम य আন্দোলনের আশক্ষা করিতেছেন, ইহার মধ্যে এখানে তাহার আরও হইয়াছে। हिन्दू ও মুদলমানদিগের প্রদত রাজ-স্বের ৩০ লক্ষ টাকা পাদরিদিগের নিমিত্ত बाब कता इब रकन १ ज्यानत्कत मूर्ण अह প্রশ্ন শুনিতে পাওয়া যাইতেছে। ভারত बर्दित व्यथान द्वाटकता अहे कार्दिशा

ज्की खाद बाह्न य मत कन नदिस्मत मन्न वर्षाक भागनकर्छ। जात व मिर्म जागमन किदियन ना ; जिनि गम्न किदि-एन है वह मकन निग्नमित्रिक काम तहि इ हहेदा। वर्ष नहेता गानियांग मामाना कथा नहि। याहा हडेक, डेलमःहातकारन जामानियांत व ज्वा वह जामातन छ त्र स्वि हात जात जवर्ष ज्वि जामातन छ त्र स्वि हात जात जवर्ष ज्वा वा विशा विदय हि ह हहेट लाद्य ना, वही यन हेट न जीम गवर्गराहु ते स्वतं थादक।

# ঝাবলপুর সাহিত্য সমাজ।

याँ इामिर शत याजू अ याँ इति मरशत প্রস্তাবন্ধর, সভা ও সম্প্রদায় এভূ-ডির স্বাভিপ্রায় ব্যক্ত করিবার স্বাধানতা প্রাদন্ত হুইয়াছে, তাঁহারা যে কতদূর দুর हजी, (कमन উদ্ভাবনী শক্তিসম্পন্ন জগ তের হিতৈথী লোক, চিন্তা করিলে হৃদয বিশ্বা রদে আপ্লুত হইতে থাকে। দৈনা वृत्त, जोशक वत्त, श्रुलिय वत्त, विष्ठातालय বল, রাজ্যের রক্ষা ও শাস্তিরক্ষা এভূ जित्र यह अकात छे नाश मृखे इहेशार इ. কোনটাই স্বাধীন মুদ্রাযন্ত্রপ্রভৃতির ভুল্য कटलाभभाशी नटह। विभक्त ताका मटेमना ও সম্বন্ধ হইয়া চকুর গোচর না হইলে আর দৈনাগণ অংপনাদিনের উপযোগিতা প্রদ র্মানে সমর্থ হয় না, কিন্তু মুদ্রাযন্ত্রপ্রভৃতি বিপক্ষ রাজার মন্ত্রণাষ্ট্রে সংবাদ, তাঁ-হার উদ্যোগ বার্তা ও কোষদগুলতে জ গুড় তির সমাচার সর্বাত্যে আনিহা দেয়। রা-ক্ষেত্র কোথার কি অন্যায় ও অসিচার হই তেছে, প্রজারা সম্ভ দ কি অসম্ভই, তাহা দিটোর মনোগত ভাব কি এ সমুদায় কানিবার মুদ্রাযন্ত্র প্রভৃতির তুল্য উৎকৃষ্ট উপায় আর নাই। যথন মুদ্রাযন্ত্র প্রভৃতির त्राधीनका मिल्या हरेतारह, एथन स्मर्करे বলা হইয়াছে, প্ৰজাৱা অসক চিত ভাৰে আপন অংপন হাদঃগত ভাব ব,ক করিবে। তাহ্রে। কোন বিষয়ে অসম্ভব্ট ইইরা যদি মনের ভাব মনে রাথে, তাহ্। পারিণামে অত্যন্ত অনর্থের নিনিত্ত হর। যে অর বা ভোটক বাহিরে প্রকাশ না পারি, তাহা সাংঘাতি : হইনা উঠে। কিন্তু আমরা একটা আপ্তন্য দেখিতেছি,

त्वाशी। मदल विद्याल देश्वाक मदल शहंगां में हाला विद्याल देशक मदल शहंगां में हाला विद्याल देशक मदल शहंगां में हाला विद्याल विद

সম্প্রতি বাস্ত্রসপুরের সাহিত্য সমাজে বারু হরিপ্রসন্ন বন্দ্যেপ্রধ্যায় বস্তব্তা কালে বলেন " কছকগুলি নীচ শ্রেণির त्नाक भ**ीकात छे** छीर्न इहेता अटण्टन ष्ठा: शमन करत्न । क्रेश्वरत्त्र हेष्ट्राः हे हैं। ता গে সকল লেংকের উপরে একুত্ব করেন, हेडे ता डे.डा.जिरशत व्यवसायमा ७ व्हाँहा, प লোক প্তি যুৱ গুৰুশ করিয়া থাকেন : হুই ,লিবের উচ্চত্য শিষ্টাচারের শিক্ষা ও অভাস নটে। ইহারা সেপের লোকের মাইত সময় খালুখতা প্রকাশ করেন ল ল সভাপতি বাবু কৈলা**সচন্দ্ৰ বসু** হলেন ' লিটিশ গৰণ**মেণ্টের ক্ষমতা** আ'কে সালা, বিস্তু তাঁহারা **আপনাদিথের** ল বিষয়ে বৈরূপ **অধ্যেণ করেন, সেত্রপ** १९११ एत् राज्य **करश्चनन कटतम मा**। মা: 31জবিধের । একটা মহৎ দেবেও ख्य उहे, हैं। हो **उटमटन**त েনুক্ৰিগতে য**েগড়েভ কলে শংশন কামে**ট

बिटश किए करत्रम ना। **अ श र्वरमटल्डे**ब

निकट है सामीत ७ ९ थम (अधित लादकत কোন-প্রকার সন্তুম স্থচক পদ পাইবার আশা নাই। মধে মধ্যে মধ্যম তের্ণির চুই এक जनदक छे ब्रिक्ट व्यक्तित नाम छेक श्रम मिर्छ । इत माछ , हेरा लहेशा देशा चाएवत করাও হইয়া থাকে। কিন্তু বিদ্যাশিক। নিবস্কার বছল পারমাণে লোকের যে গুণ िकभिड हरेटाइ. डाहा कार्या अपनित করিবার কোন পথ নাই। ইছাতে লোকের অভিশয় অসন্তোধ জনিতেছে। আ,সয়াধাসিদিগের স্বভাবত যে ধৈয়া था थाटह जाहात वरण किहूनिन धहे व्यमत्त्राव व्यक्तिक शक्तिक भारत यहि বিস্তু অত পর এত, মংস্কার ভারানক অনি के घरिता विधिना। खकनानि छेटलान्त क्रिंदि । हेश्त्रारक्षता यमि वित्यष्ठक इस धारा हरेटल इश विषा भिका अक काटल वक्ष कक्षा, नरहर अरमभीविष्टरात वर्षन শীল যোগ্যতা শাসন কাথ্যে বিনিয়ো-জিত করুন।" বেয়েইগেজেট হুইতে रेहा छेपु क इंग्रेल। छेश्रत मन्भापक बर्दामीय দিগের এই মনোগভভাবপ্রকাশকে বিদ্রে হিতা ও অক্তভ্ততা বলিয়া নির্দেশ করিয়াছেন। কিন্তু তিনি যদি অনুধাবন कतिशा ध्वभन मह बाङ्क कृतिएवन, कश्चन একথা বলিতেন না। আশক্ষিত বিপ দের হেতু প্রদর্শন করা বিদ্রোহপ্রান্তি नट् । आमामित्रात त्मत्मत इंडेर्ड भीत ও নিঃমধহিভূভিপ্রদেশের শাসনকর্তৃ গণ এটা বুঝিতে পারেন না। ত ছোরা বিদ্যা শিখাইবেন, কিন্তু শিক্ষাবিকসিত গুণের अनुक्षभ कार्या जित्वन ना, अथह लातक তাহতে অসম্ভোষ প্রকাশক রিলৈ কুপিত হইবেন। ইহার জুন্য বিশ্ববকর ব্যাপার আর কি আছে ১ এই স্বভাবের ইউরোপীয় **प्रत ଓ माप्तनकर्जुशन इहेटड रा प्रतिके** इक्टन, लाखे कीमनित मृतृभ महामना भामन কর্ত্তা এ দেশে আগমন না করিলে ইহার প্রতীকার হওয়া ভার।

বলদেশীর হাবত্বাপক দতা।
আমরা গতবারে এই নভার প্রস্তাবিত আইনের হুটী পাওুলেখের (খান
মহলে গবর্ণমেন্টের প্রাপ্য মালগুলারি
আদার করিবার বিল এবং চেকিনার
টাক্সনংক্রান্ত বিলের) প্রসঙ্গ করি
রাছিলান; কিন্তু আমাদিপের বক্তব্য
শেব করা হয় নাই। আমরা অদ্য তহ্ন
লেখে প্রস্ত হইলাম।

भार्क हमन मर्खाद्या वष्ट्रामीश वावण्डा-পক সভা ৷ আকৃতি সংস্থানের বিবয়টা একবার বিবেচনা করিয়া দেখুন। ঐ সভায় চারি কোটি বাঙ্গালির প্রতিনিধিস্বরূপ চারিজনমাত্র ভারতবর্ষীয় আচেন। পকা ভবে কয়েক সহজ্ঞ ইউরোপীয়ের নিমিত লেপ্টন্ট গ্ৰণ্র ভিন্ন আৰু সাত জন ইউরোপীয় রহিরাছেন। যথন কেবল এদেশীয়দিগের উপকার সম্বন্ধ লইয়। कथ। इय, उथन के मकन मछा प्रभीत সভাদিগের সপক্ষতা করেন না; স্তরাং আপতি অগ্রাহ্য হ্ইয়া তাঁহাদিগের পড়ে। किस्र यथन এদে नीर्वापटशत अभ-कातमग्रद्या कथा हर, उथन त्महे हेडेत्ता-পীয় সভেরে। তাহার অনুমোদনে ব্যগ্রতা क्षमर्भाग कि कि करतम मा ভাশ্পিয়র শাহেৰ যথন প্ৰতিবাটীক उर्कामः शा ৫ টাক। (পুর্বেষ ৪ টাক। ছিল) কর স্থাপন করিবার প্রস্তাব বর্নেন, তথন नटकाता भीत्र इहेशा हिंदलन । किन्नु वातू প্যারীটাদ মিত্র বেমন ১০ টাকার প্রস্তাব করিলেন, অমনি ইউরোপীয় সভাগণ তাহাতে স্বস্থ মত প্রদান করিলেন। अञ्चर्षा এठका छ निट्ड शांन नाई: कियु (यहेमाज व्यामतम्ब " महित्न भाषा হয়, "বলিলেন, অমনি তথাস্ত বলা হইল। **এक्ना পानि शारमणे महामणाश तिवरारत** কল সকল বন্ধা রাখিবার প্রস্তাব হয়। প্রতি শনিবার কল নির্বাণ করিতে হইবে, এই शांताणि विधिवक्ष इत अगड मगुरत

আক জন বিশেষজ্ঞ সভ্য বলিলেন এই কল ভালিতে অন্তাহ লাগে। এই কথা বলাতে ঐ প্রস্তাব ব্যেরপ পরিত্যক্ত হয়, বঙ্গদেশের ব্যবস্থাপকদিগকে দেশ্রকার পরামর্শ দিবার কি এক জন লোকও নাই ? কলিকাতা, ঢাকা ও পাটনা ব্যক্তি-রেকে মাদিক ১০ টাকা ঢোকীদারি টাক্স লওয়া যায়, এমত বাটী বঙ্গদেশে ২৫ খা নির অধিক নাই। রিবস ক্রিমনন সাহেব এই বিষয়ের তর্কের সময়ে যথার্থ কথাই বলি-য়াছেন, যে সমস্ত গওগ্রাম আছে, তাহাতে প্রায় ১৮৬৪ অন্দের ৩ আইন অনুসারে মিউনিসিপাল কর আদায় হইতেছে। এই মধ্যন্থিত আইন প্রচারিত করিবার ভান কোথায়, তাহা জানা যাইতেছে না।

व्यात्रता উপमः हातकारण विनयम् কারে বঙ্গদেশীয় ব্যবস্থাপকদিগকে অহ-রোধ জানাইতেছি, ভাঁহারা উলিখিত প্রস্তাব দুটী পরিত্যাগ করুন। উহা বিধি-বদ্ধ হইলে অন্যায় ও অভ্যাচারের পারি भीमा थाक्टिव ना। मामानग्रवच्च लाक. मिर्गत उपरवं ३०। ৮। ६ छोवा कतिशाकत शार्थाकता इहेटव । अहे मकल কর একবার ক্ষন্থোনিহিত ছইলে পুনর্ব্বার তাহা রহিত করা বা কম করা যে কেমন ভয়ন্ধর কাও, যাঁহারা কথন আপীল করিয়াছেন, ভাঁহারাই ভাহা বলিতে পারেন। অতএব ঐ আইন করিয়া আমা मिर्नित मिंडाना त्रिक कतिबात कियोत शास्त्राक्रन नाहे। धार्मानित्त्र रा इत्रका আছে, ভাছাই থাকুক। লোকে করে করে জ্বজ্র হইয়াছেন। গত চারি বৎসরে লোকের যে অসম্ভোষ জ্মিয়াছে, ব্রিটিশ দামালা হওয়া অৰ্ধি এরপ অদভেষ্ कथन इय नाहै।

-308-

ভাক্তর ভোলানাথ বস্তু ও বিজ্ঞা পনীর সংবাদদাতা। বিজ্ঞাপনী সমাচারপত্রের ফরিদপুন রস্থু সংবাদদাতার অবিস্থাকারি তা

प्राटिक अन्छ। स्र श्रीकिन व घटेना इहेग्राटक ঘটনাটি এই, ডাক্টর্যভোলানাথ বসুর निमा, उदहु अखिर्यात ও निमाका-গীর দও। যাহাটেই ধন ও মানের হানি करा, व्यान्त् अक्रांश शांगि कतिरस लारकत সভাৰতঃই ক্লোধ জমিয়াপাকে। অভন্ত ডাক্তর বৈক্ষিত হইবেন, তাহা আৰু র্যোর বিষয় আছে। তিনি আত্মগোরব রক্ষার্থ যে অভিযোগ করিয়াছেন, তাহা অনুচত হয় নাই। তবে তাঁহার এই অনু চিত হইয়াছে, যোগ্য পাত্রে কোপ প্রকাশ করা হয় নাই। ২৬ এ জৈতের ঢাকাপ্র कारण पृष्ठ रहेन, मर्बामनाठ। वानक ; ১৭।১৮ বর্ষমাত্র ভাষার বয়ক্তেন। দে वृष्तिकाभनारक्ष्यु भाग भन्तार विद्वकना না করিয়া ভাঁহার নিন্দাকার্য্যে প্রবৃত্ত इहेग्ना हिल मत्यक नाहै। "मर ब्रागिड খলু দৌষমজ্জতা। " বিজ্ঞ লোকে অজ্ঞ বলিয়া বালকের দোষ ভাগ্রান্ত করিয়া थारकन। विस्थितं जः তাহার পিতা তাহাকে দক্ষে করিয়া ডাক্তর বাবুর निकटि शिवा क्या व्यर्थना कतिशिहि लन। व्यामोक्टिशत विद्यवनात मर्वाप माठाटक चरनाय चीकात कताहेश विख्वा পনীতে আর একথানি পত্র লেখানই কর্ত্তব্য ছিল। যাহ। হউক, এ বিষয়ে আর অধিক বাক্রেয়ে করা আমাদিলের অভি প্রেড় নছে। এতৎসংক্রান্ত যে একথানি পত্র আমানিপের হস্তগত হইরাছে এইছলেই তাহা পরিগৃহীত হইল।

লোকের হিতসাধনের জনা বেসমন্ত
বিষয়ের সৃষ্টি হয় সূঠনতি ছজ্জনেরা তদ্বারা
আপনাদিশের ছন্ট অভিপ্রার, সাধন করিলে
আতিশার কোভের উদর হয়। সংবাদপত্তের
প্রধান উদ্দেশ্য এই যে যেসমন্ত দোষ ও
আত্যাচার সহয়ে সমাজের কি: বা রাজার
গোচর হয় না তাহা প্রকাশ করিয়া তৎপ্রতি
লোকের বিরাগ জন্মাইয়া অথবা তাহাকে
রাজশাসনের অধীনতায় আনিয়া ভাহার
নিবারণ করা; কিন্তু কতকগুলি অনিষ্টিপ্রির;

শহরাপরবাদ, পরশ্রীকাতর নোকে এই কল্যাণকর সংবাদপত্রকে বিপ্রবীত উদ্দেশ্য সাধনে নিশ্লোগ করে; অথাৎ অসতের নিবারণ চেত্রী না করিয়া ভাষারা সং বিষয় বা সং ব্য জিকে ঘূণ্ণাম্পদ করিবার তেত্রী পায়। ইহাতে সংবাদ পত্র কেবল ইতাদর হয় একপ নয়. সম্পাদকীয় কার্যোরও কলক্ষ হয়।

ময়মনসিংহে বিজ্ঞাপনী নামে এক খানি সংবাদ পত্র আছে, এই পত্রে সংপ্রতি ফরিদ পুরের এক অতি ভজ নায়বান্ কুতকার্যা ব্যক্তির দানি পাঠ করিয়া আমরা যাহার পর নাই অর্থী হইলাম। ডাক্তর ভোলানাথ বহুকে এথ্রদেশেয় অনেকেই বিশিষ্ট প মানেন। কলিকাভার মেডিকেল কালেজের বে চারি ছাত্র প্রথম ইংলতে গিয়া চি কৎসা বিদ্যা অভ্যাস করেন, ভোলাদাথ বস্থ ভাঁহা मिट्रित थक जन। देश्वाखीय हिकिश्म विन्यान রেঃছ অদিগের সহিত এতিদ্বন্তি। করিয়া অতি উৎকৃষ্ট পরীকা দিয়া প্রতিষ্ঠালাভ করেন, এবং ডাক্তর অফ মেডিলিন এই অলঙ্ভ হইয়া উপাধিদ্বারা ইংরাজী ভাষায় বিশেষ ব্যুৎপন্ন ও চিকিৎসাবিদ্যায় পারদ ী হইয়া স্থদেশে প্রত্যাগত হন। তিনি थ्रथरम किश्रक्षिन खर्कमंश्री । जिल्लानरम রির স্থপরিন্টেণ্ডেন্ট পদে প্রতিষ্ঠিত হন, তথায় অনেক অনেক উৎকট রোগ ারোগ্য ক রয়া আপনার চিকিৎসা বিষয়ে বৈচক্ষণ্যের পরিচয় প্রদান করেন। অনন্তর গুক্সরাটে देमनिकपिटणत हिकिश्मः कार्त्या निद्योक्षिত ছন, তৎপরে তমোলুকে আইদেন, পরি শেষে ফরিদপুরে প্রেরিত হন। সর্বাত্রই ভিনি এধান পদে অধিকচ্হন, অর্থাৎ অপর কোন চিকিৎশাকর্মচানীর অর্ধ ে কার্য্য করেন নাই। একানে অচিত্রিত ভাক্তঃ সম্প্রদায়ে ৷ উচ্চতম শ্রেণীভুক্ত ইইয়া ৭. শ্ত টাকা বেরন ভোগ করিতেছেন।

ভাক্তর হস্ত নিজ ব্যবসায়ে থেমন দ তেমনি অমায়িক সচ্চরিত্র ধীরপ্রকৃতি ও প্রোপকারী। য যে স্থানে কর্মা করিয়াছেন, তত্রভা লোকদিগের হুমুরাগ ভাজন হাইয়া-েন। গ্রণদেণ্টও ভাঁহার কার্য্যে সন্ত হৈছি। য়াছেন। অন্যান্য অচিক্লিভডাজর অপেকা

ভাঁছার চিকিৎসা নৈপুণ্য অধিক বলিয়া প্রায় फूरे र९मत ६ हेन, भएक गिति अस छिन ভাঁহার বেভনরুদ্ধি করিয়া দেন । ফুরিদপ্রে ভিনি প্রায় দশ বংগর আছেন। এটাবং। কালের মধ্যে আমরা ভাঁহার ত্থাভি ভিন্ন আরু বিচুঠ শুনি নট ; কিন্তু আজি বিভাপনীর "সংবাদদাশার হ নি চটে এনন কথা শুনিয়া আমাদিণেৰ অতি \* हा (का.हुक्च क व्यवस्थि । क्यां उद्दर्भ भारतीत সাহত শা পাধাৰটী পাছিয়া আমৰা শামা ন ১৯ এটা ব্রিলাম যে তিনি ডাজর বহর ান্দ, করিতেছেন, কিন্তু তাঁহার যুক্তিও জভিষোগের ভাব **হার্যসম হ**ওয়া অতি জুণ ট । প্রাধ্যতঃ তিনি ক**হিয়াছেন ডাক্তর** रुष्ट्र ' अतः है। स्त्राभीनिमस्क शार्यामार्ग চিকিৎসা করিতে বাসনা করেন নাহি। **গ** এই কধার ভাৎপর্যা কি, আমর৷ বুনিতে পারিলাম না। ওলাউঠা চিকিৎসায় কি উক্ত ডাতক ভপটু ৷ অধুনা আমাদিগের দেশে ত ওলাউঠা রোগেরই স্বিক আন্তর্ভাব এবং টিকিংসককে যত রোগী দেখিতে হয়, ভাগার मर्ता एका डिठा रवाशीत म थाहि कतिक। অত্তএৰ যদি ভোলানাণ বহু অধিকাংশ রোগীর চিকিৎশার অবস্টুর্ড নিজ্যা বিমুখ बकैदलन, डोश बदेखा (७) ५५ वर्णत वर्ग क्रिकटम अमञ्च शासिश अवर्धमहत्त्वेत निकटि আেণিটা জাজন হওয়া নিতাত অসভাবিত गरेगा पाला निर्वेश मध्या अक अक कम ध्यः धनः द्वादभव छिविष्मातः दिद्यम् मिश्राम গাকেন কটেন কিন্দু সেটা গ্ৰন্থ ভাঁহারা खनत दरादगत जिनिस्मास भहा धुम्य इम, জাহাকখন শুনা যায় নাই। হাই। ইউক, ভাক্তাবহু অপেকাবে বালালি ডাজরেরা **७न: प्रेरो। (तारगत** ने **छम हिकिएमा कर**हरू, এই কণাটিতে আমাতিগের বিশেষ কৌভূৎল থায়াছে . অপর, " সংবাদদাতা , কৰিয়া ্লন ভো**লের বহু চি.তার ফল<sup>°</sup>ও ইজা**যৰ किशा अविष्ठित । द्वारभव कि करमा करवन। (বোর হয়, 'স বাদলাতা," এ কথা কাহার ্মুবে ভুলিয়া লিখিয়াছেন, ভূপ**বা এক ভনিতে** আর শুনিয়া চিরালার জল লিখিয়া ফেল द्वारह्म । इत्स्यव वावश्व कता अमञ्जूषि ।

->0>-নহে ॥ঐ ওষধে ওলাউঠা রোগের প্রতীকার। হয়। আমরাও জানি ডাজে**র বছ কেবল** পেঁতে দেখিয়া চিকিৎসা করেন না ভিনি বিস্তর অন্সঞ্জান করেন এবং যে স্থলে সহজ प्तन्य छेष्ट्य छेशकात हग्न एम्टर्शन, ८म ऋत्व विष्मिशि अ भ क अवध প্রয়োগ করেন না। " সংবাদদাত। " বোধ হয় ই রাজী চিকিৎ শীয় বঞ্জিলা ঔষ্টের ব্যবহার বুঝিটে পারেন न।, তिनि হয় उठान (म, यनि मूछ माँ छ, ५०क है। छेषत्र रमवन, विभ अध्यात्र, छाष्ट्रीस्य व्यक्त ন্তারা দেওয়া অপরিমিত জলদেক এড়তি করা হয়, তাহা হইলে জাঁক হয়, নতুবা অল মতিয়ে সামান্য ঔষ্ধ এক এক বার দিবে চিকিংসার পুম্ধাম হয় ।। ভাঁহার মতে োচিকিংসাকরামাকরাসমান। "সংবাদ দাতা " চকিৎমক হইলেই এতুল হইত, তাহা হইলে আর ওলাউসার অপেকা থাকিত না ৷ বাহা হউক ডাজের বস্থ; ও ফরি পপুরের " মস্ত মন্ত ,, সাহেব'দগের কি আশ্চর্যা কুপা। আর কি শত প্রাণ।কলিকাত, হইতে এেতি বাব ীয় উদ্ধটা ভাঁহার। কএক জনে খাইয়া ফেলিভেছেন, আর ১ছি-য়াও বাঁচিচেচছেন : !!

धक जन देश्त्राको कवि कविग्राह्मन (य. অস্তর্জার ব্যার গুণিগণের পশ্চাকাব্মান হয়। কিন্তু ছায়। .দখিলে যেমন বস্তুর অশস্কু: হয়, তেমনি নিন্দ। গুনিলেও প্রতীতি হয় যে, যাহার সমন্তে নিন্দ। হইতেছে, ভাগাব ভাব 🖦 ই গুণ থাকিবে। 🛮 অপর, গুণিগণের নিন্দ। করিলে নিন্দ।কারিরই মুচ্ত। প্রকাশ হয়। বেমন এছণ ধনরে স্থারি আকোক ভিরো-হিত হইলে যংক ভৃক সুৰ্য্য চাচ্ছল হয় ্অথীৎ পৃথিবী / ভাহারই অস্তভ্তা একাশ পায়। স্থা যেমন স্বচ্ছ ও জ্যোতির্দায় পদার্থ ভেমনি থাকে ।,, জ তএব ভোলানাগ বস্তুর ধানি ওনিয়া আমাদিগের ভাঁহার প্রতি যে ভক্তি ও শ্রহা আছে, তাহার কিছু মাত্র বৈলক্ষণ্য হইল না, কেবল বিজ্ঞাপনীর প্রতি অপ্ৰকা জিমাল।

निवित मर्सिन ও মহাদ্ভা।

একটা মৃত কুরুর ভাগাড়ে ফেলিয়া দিয়। षानित्व बत्ता। भागन छेड्ड कतिन, নে অতিশয় কুধার্ত হইয়াছে; আহারের পর কুকুরকে ভাগাড়ে কেন গন্ধায় ফে লিয়া আনিতে পারে। কুকুর স্বামী পার লকে প্রচুরেপে আহার করাইল। ভোক নাত্তে পাগল জিডাদা করিল " কুকুর কেখার? কুকুরস্বামী স্থান প্রদর্শন করিলে পাগল বলিল " আমা হইতে একাজ হইবে না, এ বে বিলাভী কুকুর, আমি দেশীয় কুকুর ভাবিয়াছিলাম। » व्यामनिर्गत वर्जमान स्केरेरमरकरोति দর ঊাকোডনর্থকোট ভারতব্রীয়দি मियात जाजीकात कतिया कारकात मगत এ প্রকার বিলাভী কুকুরের আগতি উত্থাপন করিয়াছেন।

हेके हे ७ ॥ न चारमा भिष्य महन्त मञ शर्भव जारवनन खावन कारण मत छोरका ভনর্থকোট দিবিল দর্কিদের উল্বাটন করিবার অঙ্গীকার করিয়াছি त्वत । देखे देखियां न आटनामित्यमन मञ्जा এদে श्वीयंपिटभत निभिन्न करतक है। शप স্বভন্ন এবং দিবিল স্কিনের পরীক্ষার্য ক্রেক্টা ছাত্রহৃতি স্থাপন করিবার প্রস্তাব কবেন। 🕶 ভার্মি উভয়বিধ প্রস্তাবই গ্রাহা কবিছে এ,স্তত আহি গ সর খ্রাফোডনর্থকোট স্পর্টাভিধানে এই कथा विनिहाधितन । এই म'स मास्र লওনের নায়ে কলিকাতা বোষাইও माछा एक भंदीका करिवाद अखाव इह য়াছিল। দার ফীফোড বে ভাবে উত্তর দেন, তাহাতে এর ব বোধ হইয়াছিল, এ প্রার্থনা পরিপূরণ করাও তাঁহার অন ভিনত নছে। এখন কাজের সময় হইয়াছে; কিন্তু এখন বিলাতী কুকুরের নাায় এক মিহা আপত্তি উপস্থিত করা হইয়াছে। व्यशां भक करमें है के निकां जा (वाहाई उ वक्ता वक दाखि वक शांतनहक राज्यादक शहीका धर्न कहिवांत निमिक्त

इंडिन व्यव कंपरम शक्तीय कतिशाहित्नन, তিনি বলেন এবিবরে স্থানের স্বিধা ভিন্ন ভারতবরীয়দিগকে অন্য কোন चूर्विशा एम अहा इरेट छट है । निविध मर्सिम किमनत्रश्य नश्चरनत शतीकार्थि দিগকে যে প্রাণ্ড দিবেন, সেই এপ্র ভারত वर्ष (श्रात्रण करा इहेर्टर। छेखरछिन ইংলতে প্রেরিভ হইলে অন্য অন্য পরী ক্ষার্থির ন্যায় ভারতবর্বী দিশেরও উত্ত Cतत काशक छनि (पर्थ। इहेट्द। शतीका দিবার নিমিত্ত তিন সহজ্ঞ কোশ বাওয়া मकरनत माधाराङ नरहः, रचर्थारन करनत निक्ष गाहे, त्रथात्न क्युक्त थे छ होका बाब कतिए मचा इहेरवन १ जातज्वर्ध থাকিয়া পরীকায় উত্তীর্ণ হইলে তংপরে ভারতব্যীয়েরা অনায়াসে ছই বংসর ইংলতে অবস্থান করিয়া অধায়ন ও সমাজ দর্শন করিতে পারিবেন। এই কথা কহিয়া শেষে তিনি বলেন বৃদ্ধি ও বিশ্যাতে ভারতবর্যীয়ের। কোন প্রকারে ইংরাজ দিগের অপেকা নিক্ট নহেন। তাঁহা निरंशत धर्मनी जिंड डेश्वर्स शांध इह রাছে। উক্তপদত্ব ভারতবর্ষীয়ের বরাবর সুখ্যাতি সহকারে কাজ করিয়া আসি তেছেন। তিনি এই বাকোর সমর্থনার্থ वटनन लार्ज व्विक्ति, मत खन सन्दर्भ লাড মেটকাফ ও সর বার্টল ফি য়ারেরও এই মত।

অধ্যাপকের বক্তা শেষ ছইলে জর্জা
টি বি,লয়ান সাহেব গাজোত্থান করিয়া
বলিলেন, ভারতবর্ষে পরীকা ছইলে
এত ভারতবর্ষিয় পরীকোতীর্ণ ছইবেন,
বে ইউবোপীয়েরা ভাঁছাদিগকে পারিয়া
উঠিবেন না। কিন্তু কেবল বুদ্ধি ও বিদ্যা
থাকিলে কি ছইবে ? ভারতবর্ষীয়দিগের
ধর্মনীতি অনেক নিক্কী। তাঁছারা উৎকোচ
দেখিলে গোভ সম্বরণ করিতে পারিবেন
না। বিদ্যা বুদ্ধি অপেক্যা দৃঢ় ধর্মনীতি

জ্ঞান নিবিল স্কিনে আৰুণাক। ইহা ভারতবর্ষীয়দিনের নাই। এই কারণে তিনি ফলেট সাহেবের প্রস্কাবের সংশোধন করিয়া বলিলেন, ভারতবর্ষীয় প্রবর্ণ মেণ্ট মধ্যে মধ্যে উপযুক্ত অভিন্নিত ভার ত্বসীয় কর্মাচারিদিগকে চিন্নিত পদ প্রদান করিবেন, এই নিয়মই উত্তম।

সর ফাফোড নর্থকোটও ঐ স্বরে গান করিলেন। ইনি চজুর লোক বটেন। ইহার কৌশল এই, ইনি আপনার অভীক व्यथन काहारक दिवन्त সিজ করিবেন कतिर्वन ना। हैनि विलिशन छोत्र उदर्शिश গ্রণ্মেণ্টের মত জিল্পাসা করাতে ভাঁহারা ভারতবর্ষে পরীকা লইবার প্রতিবাদ করিরাছেন। তাঁহার। ভারতবৃদ্দিগের ধর্মনীতির দুর্বলভার আপত্তির সঙ্গে সঙ্গে আর ছটা আপত্তি করিয়াছেন। ভাঁছারা বলেন, লিখিত পরীক্ষা যেন ভারতবর্ষে হইল, বাচনিক পরীক্ষা কিরুপে হইবে ? আর কলিকাতা, বোষাই ও भारताटक भन्नीका इहेटल नानभूत लएको ও লাহোরে না হয় কেন ? সর ফাফোড नर्थटकां हे जह जिल कहिया स्मारत वटनन. आिम वाहितक शतीका मक्तारशका আবশ্যক জ্ঞান করি।" भार्ठकशन । এটাকি দেই "বিলাডী কুকুরের" আপতি নর ? এতকাল পর্যান্ত আমরা বাচনিক পরীকার এত গুরুত্ব আছে জানিতে পারি নাই। আমাদিগের বিশ विमानत देश उ जाश कतिशाहिन। हेश्ल ७ त विश्वविद्याला ममुद्द हेरांत প্রতি অনান্থা জ্যাহি। ফলতঃ ভার ভবরীয়দিশের স্বত্ব লোপ করিবার সময়ে সকল আপিভিই গুরুতর হয়। অনন্তর সর छोटकां नर्थटकां विवादनन, विवित्ति য়া**ন'লাহেব যে প্র**স্তাব করিয়াছেন, ভাহা তিনি নৃতন ভারতবর্ষীর বিলের এক ধারার অন্তর্গত করিয়াছেন। অতঃপর ঐ প্ৰস্তাৰ ও সংশোধন প্ৰস্তাৰ পান্নভাগি

করিবার অনুরোধ করা হইল। অধ্যাপক
ফদেট বলিলেন, যথন মূল নিয়মে জাঁহার
সহিত ফেট সেকেটারির মতভেদ নাই,
ভথন কেবল সময় লইয়া আপত্তি করা
ভাঁহার অভিপ্রেত নহে। অদ্য না হউক
ক্রেক অব্দ পরে যথন ভারতবর্ষে পরীকা।
ইইবার সন্তাবনা আছে, তথন এ প্রস্তাব
পরিত্যাগ করিবার বাধা নাই।

সর ফাফোড নর্থকোট ভারতবর্ষীর শাসনকর্তাদিশের কুহকে যে পড়িয়াছেন, তাহার সন্দেহ নাই। এখানে একণে সকল ভারই দিবিলিয়ানদিগের উপরে অর্পিত রহিয়াছে; ইহাঁরা দেখিতেছেন, কার্য্য স্থলে জারতবর্ষীয়ের৷ ইহু দিগের উপরে প্রাধান্য ছাপন করিয়াছেন। অত এব বিদ্যা বুদ্ধির আপতি চলিবে না। এই নিমিত নানা অকিঞ্ছিংকর আপত্তি করিয়া প্রভিবন্ধকতা করা হইতেছে। এটা যে অনুচিত কার্যা, তদ্বিষয়ে সম্পেহনাই। नामनकार्या एकछा, व्यथावनात ও माह-সের প্রয়েকন। বিচারপতির সং ও স্বাধীনজ্বর হওয়া উচিত। আমরা डाहा अञ्चीकात कति ना। अरमणीयित भारत कि धानकल खान नाई? धारन् की য়ের। ত শাধনভার পান নাই। যেখানে किञ्चित्र शाहिमाट्यन, तम थातन कि ভাঁহারা যথোচিত গুণও ক্ষমতা প্রদর্শন कहिए उट्टम मा १ य छा जिएक भौतम করিতে হইবে, ভারতব্যীয়েরা সেই জাতির অন্তর্গত কিনা ? আপনাদিগকে আপ্নারা শাসম করিতে অসামান্য সাহ (भत अरहाजन तार्थ ना। वकी वकी ঐশ্বরিক নিয়ম যে প্রত্যেক জাতির বড় त्लाटकता आध्नामित्यत समीत त्वाक मिश्रादक व्यवश्यादम नामदन त्राधिरङ পারেন। এক জন ইংরাজ পর্বতীর আফ্গানদিগকে সহজে শাসনে রাখিতে পারিবেন না ; কিন্তু এক জন আক্সান मक्तात व्यमात्राटम शातिट्यम । यादामिट्यत

রীতি নীতি ভাব ভক্তি যেমন জানা যায়, বিদেশীয় ব্যক্তিরা কথন সেরপ জানিতে शाद्यम मा ।

ধর্মনতি সহজে যে আপত্তি করা হ্ইনাছে, তাহা সাতিশয় অকিঞ্ছিকর। এতদেশীয় विচারপতিগণ यमि फेंश्टरका চের লোভ শয়রণ করিতে না পারেন, **ভবে এখন বে সকল বিচারালয়ে এদে**শীয় বিচারপতি আছেন, দে খানে কি বিচার विक्रत इरेट एक स्याहाता सूरणक मनत वामीन 2. छ छि भन्छ इहेग्रा छे ९ ति ह লইতেছেন না, উঁহোরা সিবিল সর্বাণ্ট श्रमञ्च इहेटल उँब्रेटकाह्याही इहेरवस, ইহার ভুনা বিপরীত বাদ আমরা কথন खायन कति नाहे। प्यार्थत महल हहेत्ल লোক ঢুঃসভাব পরিত্যাগ করে, ইহাই প্রসিদ্ধ। সিবিল সর্বাণ্টদিগের যথন বেতন অম্প ছিল, তথন তাঁহারা ছচখে:ত্রত উৎকোচ লইয়াছেন, এখন বেছন বৃদ্ধি হও য়াতে সে জুনামি অনেক দুর হইয়াছে। विन अनुधःवस कतिशा (मथा यात्र, अरम भीय क्रक्तिमा कर्महातिता इंडेरताशीय कर्माहि मिरशत व्याप्त कर्म অচিহ্রিত অর্পেকা বছগুণে শ্রেষ্ঠ। অচিত্রিত इंडेट्राशीश कर्महार्तिमिरशत व्यक्षिकारम উৎকোচ লোভ সম্বরণ করিতে পারেন न। आमता मर्जना स्निट्ट পारे, अमूक ওবরসিররকে পুনর্বার রেজিমেন্টে থেরণ করা গেল। ইহার প্রকৃত অর্থ কোন वाक्तिन। वृत्यन ? भूलित्य यञ देखेरता शीशटक (मथा यात्र, **जाहां निरं**भत व्यास কাংশ উৎকোচগ্রাহক। প্রসা দিলে শত করা ৯০ জন ইউরোপীয় চিকিৎস কের নিন্তে সুক্ষরীরে প্রীজ্ব রাটফি ८क्टे लख्या यात्र । यक रेकेट्राशीत्र मिकेनि त्रिशाल कर्याहाती चाट्डन, देशामिरशंद मर्था जन्म लारक छेश्रकार शहन करत्न मा। त्रिविन प्रति। जिन्दल এड मन्द्र (नाक

স্কৃতি স্কুলা বাস করা যায়, ভাহাদিগের বিহি। তথাপি রামরত্ব রায়, প্রাণনার্ চৌধুরি এভূতি জমীদারদিগের খাতা व्यात्रवन कतिता व्यासक माकिएडे छे छ कटकत मर्फात **दिशतात शास्त्र** ७०,०००। 80,000। ৫०,000 होका "वक्तिम" विलिया थेत्र दलका (पर्वा याहेटल शादत । ইউরোপীয়দিগের ধর্মনীতি আমাদিগের অপেকা উৎকৃষ্ট তাহা আমরা আর সীকার করিতে ইচ্ছ নহি, বরং বাণিচ্যা প্রভৃতি বিষয়ে ইউরোপীয়দিগের ধৃর্ত্ত তাই অধিক প্রকাশ পাইতেছে। নিয়ম বহিভ্ত প্রদেশের বিস্তর ইউরোপীয় कर्षाती अञ्च ा-कत्र, हेहा कि शवर्गरमणे অস্বীকার করিতে পারেন ? দুইজন প্রদে শীয় শাসনকর্ত্তা গোপনে নীলের চাবে लिख हिल्लन, हेरा कान जात्रज्यशित ना कारनन ? जानता प्रथ्य महकारत ७३ শকল জুগু প্সত বিষয়ের উল্লেখ করি লাম। যথন জাতি সাধারণ স্বস্থ লইয়া কথা, তথন চুপ ক্রা থাকা যায় না। তবে ৫ ভেদ এই, আমাদিগের মধ্যে কেছ মনদ লোক হইলে আমবা তৎক্ষণাৎ তাহা প্রকাশ করি, ইউ রোপীয়েরা পরস্পরের দোষ थाटकन । আমরা মুক্তকঠে বলিতে পারি যে বেতনে এতদ্বেশীর কর্মচারিগণ সাধারণ্যে সাধুতা এদর্শন করিতেছেন, দেই বেতনে অপ্পইইউ রোপীর সাধুভাবাপর থাকিতে পারেন। यि व्यक्तिक कर्यकातिमार्गत शह म्लात (तत जुलना कता बाग्न न्या कृष्ठ इहेरव, এদেশীয়েরাই সাধুতায় প্রধান। কেবল उंदरकार नरेरनरे खनाशुका रहेन এরূপ নহে। অনুরোধও এক প্রকার উৎকোচ। এক জন ইউরোপীয় অপরাধ कतिए जना जना देउताशीय जांदाक দও হইতে মুক্ত করিবার চেন্টা পান এবং অধিকাংশ ইউরোপীয় বিচারপতি ছাভিয়া দিতে পারিশেদও দেন না।

विशेदिन मुख रुग्न देश देश हैं। स्थादन नामाना मुख माज। देश कि जानाधुका फेटक १ अएलाव কি ভারতবর্ষীয় বিচারপতিদিপের আছে ? ধর্মনীতির আপত্তি যেন আর ना कता रह, खारा कतिता खात खर्वीय গরর্ণমেন্ট ঠিকিবেন এই মাত্র। আমরা अकर्ण मत खन लाइकारक कर्यकारी क्षे জিজ্ঞানা করিতেছি। কোন ব্যক্তি ठकां च कतिया मा दश्मति के देशकाटक লাহোর হইতে বহিষ্ক করেন ? বিদ্রো **८** इत मगरत मत तवार्षे मंद्येशमाति, तमना পতি নিকল্মন, সর হারবার্ট এড ওয়ার্ড স ও সর সিডনি কটন সর্বাপেক। অধিক কাজ করিয়াছিলেন কি না ? তথাপি क्तान् वाक्ति मकन यथ এक टाणिश कतिशा লইয়াছেন ? ভারতবর্ষীয়দিগের প্রাদত্ত কর খ্ফীর ধর্মপ্রচারার্থ বায় করা উচিত कि ना १ व छ लि न्न्न छे व्यर्श्य ना इडेक ধর্মনীতিদক্ত কার্য্য কি নাণ ভারত বর্ষীয়েরা যথন শারীরিক বলে হীন, তথন ত মন্দলোক আছেন, কিন্তু যাঁহার। ইহাদি भटक मन्म लाक वटनन, छाँशामित्शत কর্ত্তব্য ইহাদিপের প্রতি দোষারোপ করিবার পুর্বের তাঁহাদিলের নিজের প্রতি দৃষ্টিপাত করেন।

मृनकथा **এই हरेट** उ.हह--- पृष्टे हार्ति बन जातजवर्षीय मिनिन मस्तिरम প্রবেশ করেন তাহাতে ব্রিটিশ গবর্ণমেন্টের আপতি নাই; কিন্তু অধিকসংখ্যক লোক थारवम करतन, देश उँगशिक्तित अजि প্রেড নহে। পরীক্ষার প্রথা হইলে ভারতবর্ষীয়দিগের প্রাধান্য লাভ ছইবে मर्म्प बाहे। मूर्व्यक मनत्रवामीन क्षञ् তির পদ পরীক। দিয়া লইতে হয় বলিয়া **(मञ्ज्ञांनी विष्ठांत कार्या देखेरतां भीत्र** অতি অস্প দেখিতে গাওয়া বায়। ডেপুটা माजिट्डेट हेत शर्म लाक नियुक्त करा शवर्गरान्छेत त्यन्द्राधीन, प्रखताः अकारम ইউরোপীয়ই অধিক দুষ্ট হন। অতএব

পরীকার প্রথা প্রবর্তিত না করিয়া নিয়োগ ভাব গ্রব্নেন্টের হত্তে থাকিলে এদেশীরেরা আর কিছু করিতে পারি বেন না, এই অভিপ্রায়েই ঐরপ করা হইতেছে। ধর্মনীতির আপত্তি অপদেশ মাত্র।

#### नः । विविधमः वान।

২৭এ এ জৈপে সোমবার।

**छै:ऋत नदाव इरलट छ जाधील कतिएउट**इन। मिली :शरकट्टेंब मन्त्रापक विष्ठां मार्ट्स लेक्ड् वादिहेत इहेशाइन। बर्धहरूत अक सूर्ध शुख्क लकान कार्यम र लगाएक में जिलादिस विकास य मांगाद्रांभ कता इत्, जिनि उधिग्राय अभवाती गट्या मात्रात के कि समायत मही शकिए সার ওয়ারীণীয়ের সাহত সাকাৎ করিতে আইনেন , কিন্তু ছাকেম পীড়িত থাকাতে সাক্ষাৎ করিতে অসম্মত হন।ইহাতে ঠাফুর विवक्त रहेग्रा वलश्रक्षक वाजिश्रदार्भत काल्किया करतम । अश्वेतान मियादन कतिस । ठाकुरद्रत तारक । महिक सद्दीतः (लारकव नामा **व्हल**। উভয় গলের কয়েক জন পরিবার হত হয় এট্রং ঠাকুর ইহাদিগের সাহত প্রাণত্যার করেনী। নবাৰ ব'লভেচেন, ভাঁছার চরিত্রের বিষয়ের যথাপ অসুস্ঞান না করিয়া পদচ্যতির আছে: দেওয়া ১ইয়াচে। পীর্ভিত প্রীহার নায়ে এই সম থ্নবাকে। লোকের বিশ্বাস হওয়া ভার।

নেলেয়ার বন্দরের নিমেন্ত বর্ষে বর্ষে ৬,৫৮,

•৫৮ টাকা বায় হয় । ইহার মধ্যে কয়েন্ত ও তাহা
দিবার পরিবারের ভরণ পোষণার্য ৩ লক্ষ টাকা
লালা । কৈনিকদিগের জনঃ ৪ •,৩৩৬ টাকা ও
লালন কার্যেরে নিমিন্ত ৮৪,৪৩১ টাকা বয় প্রেছ । আন্দামানের রাজক ৫২,৭৬৬ টাকা হই
তেছে । যেসকল কয়েনি সক্তরিক্র, ভাহাদিগকে
পুরজারস্করণ ভরণপোষণার্য কিছু অধিক টাকা
৮৬য়া হয় । প্রভেকে ইউরোপীয় কয়েনি পাইয়া
থাকে । সক্তরিক্র হইলে পুর্শ্বোজ্ঞ লোকেরা ৪ • ।
৫ • এবং শেষোজ্ঞ ব্যক্তিরা ১ • । ১ • টাকা
পর্যান্ত পায় । আন্দামানে গিয়া অনেক
কয়েনী অর্থাপা জন করিভেছে; ক ভ্লাদিম
বাসীরা যেমন ভেমনি আছে ।

মণ্ডারতবর্ধীয় টাইমস প্রবণ করিয়াছেন, সর রিচাড টেম্পল ঐ প্রদেশের লেপ্টনান্ট গব গর হইর। শীল্প গমন করিবেন। ইচ্ছা এই রূপ বটে। কাজে যেরূপ হউক।

निय्रामशत उर्दाम, द्राक्षमी जिनस्य करामी । छ दिन्द्र छ छ एशत जूना क्षत्र ।। दिन्द्रता यहात. खाछि वाममास (गानरवांश करिएड्डम, करा मौता छ हात काना करिएड्ड गाहमी हम मा। क्रांस्म कि कन्धारत्वा वावजीस छ छ भाषाम क्रिया विभिन्न , अवर कराभीता (क्वन मिक्टेड भाष की महेस! क्षारहम?

নিউবিয়া বাস্পীয় জাহাতের জেমস কারেল

নামক এক ব্যক্তি রবাটস নামক ইঞ্জিনিয়রকে পি গুল ধারা গুলি করিবার চেষ্ট্র পাওয়াতে ভাছাকে সেসিয়নে সম্পূর্ণ করা হইরাছে। অধী ও প্রত্যেষ্টি উত্যেষ্ট ইংরাজ, দও হইলে, ভারত ব্যক্তির ইংরাজান্তের দোষ জানিতে পারিব্রেন, এ গুলে এ বিবেচনা করা হয় কি না, দেখিতে বড় কৌতুহল জ্বিতিছে।

ভারতবর্ধীর হেলগুরে কোম্পানি শকট ছাড়ি বার সময়ে ঘাটা দিবার এক সাক্ষেত্র নিয়ম কারয়াচেন। প্রতি আড ডায় ঘাটাগুলি টাক্ষান থাকিবে। শকট ছাড়িবার গাঁচ মিনিট পূর্কে থানিয়া থামিয়া ঘাতীয় আঘাত করা ছাড়িবার অনভি পূর্ণে ক্রাণ্ডকপে আঘাত করা ছাড়িবার অনভি পূর্ণে ক্রণ্ডকপে আঘাত করা ছাড়িবার অনভি পূর্ণে ক্রণ্ডকপি আঘাতে তিন্টা শব্দ ছাবে। এইপ্রকার প্রকাটী সঙ্কেত রাখা ভাল, কারণ দুরস্থিত বাজিকরা টিকিটের ঘাটা কি শক্ষা ছাড়িবার ঘাটা ইলা বুঝিতে না পারিয়া অনেক সময়ে মিখ্যা কন্তু পান।

প্রবিক ওপিনিয়ন কাবুল ইইতে সংবাদ পাইয়াছেন, অভিম খা কয়েক জন সন্ধারকৈ পুনর্কার বই করিয়াছেন। নিয়ারআলির মুক্ষ হও ইইয়াছেন! কাবুল গ্রহণ করিবার নিমিত গিয়ারআলি বিশেদ উদ্যোগ করিতেছেন। আজিম খার পুত্র ইসমাইল খা ও উদ্যোগের প্রতিহ্নেন্না। সংবাদদাতা বলেন এবারে যেপ্রকাব শোণিত পাত ইইবার সভা সনা, এক্লপ একবারও ইয় নাই।

উজ্জ পত্র বলেন, বোখারার রাজার মৃত্যু সংবাদ অমুলক।

উদ্ধাপত্রে লিখিত হইয়াছে, সম্প্রতি চক্স-ভাগা নদীতে একখানি মৌকা ড,বি হইরা ৮০ জনের মৃত্যু হইয়াছে। পঞ্চাবের আদর্শ পুলিহ এই মৌকাখানিকৈ জীপ দেখিয়া আরোহণ লাইতে নিবেশ করিয়াছিলেন। তথাপি প্রায় ২০০ আনোহী লাইয়া মাঝি খেমন পার হইতে ছিল ক্ষমনি তাহা জলমগ্য হইল। কথায় কেবল নিষেদ কলিয়া প্রালয প্রহরীর নিশ্চিত্ত থাকা উচিত হয় নাই!

পঞ্চাবের ইউরোপীয় উকীলেরা বলিয়া। তেন, গাঁহারা এডগেদশীয় বিচারপতিদিনেগ নিকটে গুলালভি করিবেন না। কি অভিসান!!

বক্তদেশীর বংবস্থাপক সভা মুখন মিউনিসি পাল বিলে স্থিব করিয়াছেন, প্রতিবংসর না করিয়া ভিন বংস্থাত্তে করের পরিবর্ত কর চইবে। এই কুমারহুরেন্দ্রক্তের প্রস্তাবান্ত্রসারে হয়।

ত্বাৰাইয়ের এক ময়দানে পাবসী বালকের'
ত্রিকেট খেলিয়া খ'কে। সম্প্রতি একটা নোলা
চঠাৎ এক ইউরেনিটায়ের বাটাতে পভিত হও
য়াতে পুলিষ বালকদিগকে ঐ স্থানে আর ঘাইতে
দিতেচেন না। বোলাইয়ের প্রধানকম বিচারা
লয়েব বিচারপতি সর জোনেফ আর্থনিভাবে
একথা বলাতে তিনি পুলিষের এই কার্থের
প্রতি দোবারোপ করিয়া বোলাই গেডেটে এক

পত্র লিখিয়াডেন। বিচারপজি বা বসুন, আমরা বলি পুলিব উত্তম কাজই করিয়াডেন। ঘবন ইউবোপীরের বিরক্তি হইল তথন কখুনই ব'ল কলিগকে ক্রীড়া করিতে দেওয়া উচিট নহে। এনিমিত্ত বিশেহকালের ম্যায় এই এক বিশেষ আইন করা কর্ত্তব্য, যে কোন হাজি কোন ইউ রোপীয়ের নিদ্যান্তল অথবা জন্য কোনপ্রকার বিরক্তির কাল্ল করিবেন্দ উচিকে তৎক্ষণাথ নিকটবতী খানায় দিলে পুলিষ কর্মচারী বাহাব-এক বংসর মেয়াদ দিতে পারিবেন। দণ্ডবিধির প্রধানীশতে কাল্ল করিতে গেলে অনেক বিলম্বয়।

দিলীর মিউনিসিপাল উদ্যানে এদেশীয়ের। সপ্তাহে ছই দিবসমার ঘাইতে পারেন ; জার পাচদিন উদ্যানটী ইউরে'পীয়দিগার এক চেটিয়াল্লাকে ; ইংতে তক্ত্রন্থ সভান্ত লোকেবা জাতিশর অসম্ভোষ প্রকাশ করিতেচেন। আলী গড় ইনটিটেউট জ্বাল ভারতবর্ষীয়দিগের এ ভ্রম ভ্রমন করিয়া দিবেন সন্দেহ নাই।

শ্বটলতে শতকরং ১১ টা লিশু বিজ্ঞাত।
প্রকাশ বেজিটাইতে বিজ্ঞাত বলিয়া ইহাদি
গের নাম লিখিও আছে। গোপনে আর কত
কি ম ছে, বলা যায় না। ইহাতে ধর্মনীতি
ঘটিত দোষ নাই, হতভাগত ভারতবর্ষীয়দিগের
ধর্মনীতিই এত মন্দপরদারগমনে যাহাদিগের
কিজুমাত্র সক্ষোচনাই, ধর্মভন্ন কি ভাহাদিগের
ভিৎকোচনহণের বাধা জন্মাইতে পারে ৪

ः ৮ এ देखा के महान्यात ।

দিলীগৈলেট পঞ্চাবের রেলওম্নের তৃতীয় গ্রেণির অ'রে'ইদিনের কন্টের বিষয় বর্ণন করি য়াছেন। যাবতীর স্টেশনে কল দিবার নিমিন্ত ভিজ্তি আছে । কিন্তু শক্ট উপনীত হইলে উহারা অদুশা হয়। এই রেলতমের বান্দোবস্ত অভিশার মকা। প্রায়ই,কলের নল ভালিয়া যায়, ভিনিক্তন বিলম্ব হইয়াথাকে। এমনি কদব্য বন্দোবস্ত যে সম্প্রতি মূলভানের কিঞিৎ দূরে একখানি শক্ট ঘাইভেছিল, এমন সময়ে এফ জন এতদ্দেশীয় বেড়ার উপর ১ইভে এক লগ্দ দিয়া এক তৃতীয় প্রেণির শক্টে উঠিল। এই সকল বন্দোব্যের গুণেই ভ চ্ছটনা ঘটে।

ত্রিচনপলি জানিকেল যথাগই বলিয়াছেন, এদেশের ফিউনিলিপালিটি নামমাত্র। মিউনিলিপালিটি নামমাত্র। মিউনিলিপাল কর নানে স্থানীয় কব ; কিন্তু কার্য্যে গ্রেপমেন্ট ইহাছারা আপনাদিগের ব্য়ে ক্যাইয়া থাকেন। এই পত্রে বলেন, মিউনিলিপাল কর্মাচারিগান প্রায় উৎকোচগ্রাহী ও অভ্যাচার কারী। যভাদিন এতদেশীয়েরা আপনানা প্রতিনিগিলালিটিতে প্রেরন না করিতেছেন, যভাদিন ব্যয়ের উপবে উলোদিগের কর্তুত্ব না হইভেছে, যভাদিন অধিকহংখ্যক এতদেশীয়া লোক প্রধান পদ সকল না পাইভেছেন, ভভাদিন ভারতবর্ষের লাসন প্রনালীর উৎকর্ষ হইবে না। যাহারা সকল বিষয় অপুধাবন করিয়া দেখেন, ভাঁহারা সকলেই এই এক কথা বলিবেন।

গত রবিবার রাত্রিতে কতকগুলি চোর টোন ছালের বার লাইত্রেরিতে এবেশ করিয়া আড বোকেট জেনরনের গাউন ও কতকগুলি পুত্তক লইয়া পলায়ন করিয়াছে। পুলিষ কর্মচারিগণ ষেরূপ কার্যদেকতা প্রকাশ করিতেছেন, ভাঁছাদি গকে মধ্যে মধ্যে পুরস্কার ও সন্মান্তিক প্রদান করা উচিত।

ভারতব্যীয় গ্রন্মেন্ট মিরাটে ক্রুষক্লিগের নিমিত সেবিঙবগাছ স্থাপনের আজ্ঞা দিয়াছেন।

ভেলিন্ডিস বলিয়াছেন, পুর্ববিশাল।
বেলপ্রের ছঘটনার অনুসন্ধানর্থ কমিদন নিযুক্ত
না করিয়া গবর্গনেউ অভিলয় ভ্রমে
পিভিড কইয়াছেন। কমিটির আক্তিসংখ্যান
কাগব অনুমোদনীয় নহে। কমিটির লভ্যেনা
যেপ্রকার বাব কন্ধ করিয়া সাক্ষ্য লইভেছেন।
ডেলিন্ডিস ভাহারও প্রতিবাদ কবিরাছেন।
কমিটি যাহাই করুন, কোন ভারভবর্যীয় কাহাদি
গের বিপোটের উপরে বিদ্যাস করিলেন না ১
রোগতেবের এই এক কার্য্যে ভাহার প্রভিলো
কের ভক্তির ফ্রাটি হয়াছে।

শুক্রবার অবধি এখানে অভিশয় সৃষ্টি হই-ভেচে। গোমবার রাষ্ট্রী নবন্ধন অনেক আফিসের আগ্রনংশ কর্মচাত্রী কার্যালয়ে যাইডে পারেন নাই। রাস্তাসকল ভুবিয়া গিয়াছিল। পুজবিনী সকল প্রিপূর্ণ হইয়াছে। এখন এত বৃত্তি স্থ্য কণ্নয়।

২৯ এ জৈয়েছ বুধবার।

ডেলিনিউস বলেন, ভারতবর্ষীর গবর্গমেন্ট বঙ্গদেশীর গবর্গমেন্টের অমুরোধে বঙ্গদেশীর পুলিষের ভূতন বন্দোব ক করিব'র আফা দিরা ছেন। ভাকাইতি কমিসনবের পদ উঠাইয়া দেওয়াই অম হইয়াছে। কলিকাভার লোফার সার্চ্জেন্ট ও অলিফিড প্রপরিক্টেণ্ডান্টানগকে ক্রমশং বিদার দিরা এসকল পদে ভূদ্র লোক নিয়ক্ত করাই কর্তব্য। এসকল ব্যক্তির দোধে হত্যাকারিপ্রভৃতি এড়াইয়া যাইতেয়েঃ।

ব্রিটিশ ব্রেক্সব প্রধান কমিদনরের প্রস্থাস্থ লারে ভারতব্যীর গবর্ণমে ট বলিয়াছেন, নিয়ম বহিছু ত প্রদেশের সিবিল সার্জনের। যখন প্রধান জেলসকলের তত্ত্বাবধারণ করিবেন, তথন উংহাদিগকে আপন আপন প্রাপার বেডন ভিন্ন তত্ত্বাবধারণনিমিত্ত শত করা ৩০ টাকাদেওয়া চইবে।

বোষাই সবর্গমেন্টের অন্তরেরের ভারত্বনীয় গবর্গমেন্ট আজ্ঞা দিয়াকেন, বোষাই চক্রবাড়ের স্থারিন্টে গুলিট ইঞ্চিনিয়র যথম পরিদর্শনার্থ বহি গতি হইবেন, তথন তাঁহার কেরাণীদিগকে হিগুণ্ভাতা দেওয়া হইবে। খাদ্য দেও অতি শয় হর্মান্ট এই আজ্ঞা হইয়াচে।

লক্ষীরের মৎসাভবন হর্গান্থত ইউবোপীয় সৈনগণ মাতাল হইরা সর্মনা লোকের উপবে অভ্যাচার করিতেছে। ইউরোপীয়েরাও এই অভ্যাচার হইতে মুক্ত নহেন। এক জন পত্র প্রেরক বলেন, এ বিষয়ে অভিযোগ করিলে বেজিমেন্টের অধ্যক্ষ তাহা মিথ্যা বলিয়া অগ্রাহ্য করেন। প্রধান সেনাপতির এ বিষয়ে মনো-যোগী হওয়া উচিত।

মণিমার্কেট রিবিউ বলেন, ভারতধর্ম ইংরাজী সবরেণ চলিবে না। আকবরের সমরে থেপ্রকার বিশুদ্ধ নোহর চলিও এবং যাহা লাভ কবিওয়ালিসের সময়পণ্যন্ত ১চলিও ছিল সেই প্রকার বিশুদ্ধ শর্প মুদ্রা করিলে লোকে ভাগ অনাগ্রাসে এছণ করিবেন। এটা যথার্গ কথা

৩০ এ গ্রৈছ বৃহস্পত্তি বার।

বিজ্ঞাপনী বলেন, " ভাঁহার ফ রিদপুরস্থ সংবাদদান্তার মানির ক্ষাভিষ্টে গৈ ও মাদ মেয়াদ ২০০ টাকা জারিমানা ও জারিমানার টাকা না দিলে আর এক মাস মেয়াদের আদেশ ছইরাছে: মকদ্দমাটি সম্বর সম্পন্ন হওয়াতে সম্পাদক সাভিশর ক্ষাভ প্রকাশ করিয়াতেন। আমাদি গের মতে তাঁহার এই ক্ষোভ অন্যায় নার।

हिन्द्र व्टिडियिनी वरतन, '' मिनी प्र त्नाकरक वर्मर्ग विচাदाधिপত। श्रामान कहा निष्य বিরুদ্ধ। যাহাঁরা খাদেশে বিচারাধিপত্য লাভ করিয়'ডেন উ:হ'দের সকলেবই রাম কুমার বাবুং ননায় প্রার্থনা করিয় স্থানান্তরিত হওয়া উচিত। আমং। দেখিতেছি, কেছ ক্রমে ক্রমে দেশীয় লোকের সহিত নানাপ্রকার বিব দে লিপু হই তেছেন। একটী কার্য্যকলছারা অপর কার্যের कल द्वित कता यात्र। शवर्गरमन्त्रे प्रभूम ज्यात मा দেখুন অযশেষ তাংগ নিতান্ত ভয়ানক হইয়। উঠা আশ্চর্ণনেয়। অভত এব আলেরা অনুস্বোদ कति, याँ इ'ता मिलीय लाटकत महिन्छ न'ना প্রকার অনর্থকর দিবাদে পরিলিপ্ত আছেন এবং াঁছাদের প্রতি লোকের বিদ্বেষভাব আছে: ইছিরে কোনপ্রকার ছনাম্মান্ত না হইে∙ই স্থানতগোগের চেষ্টা করন। গবর্গনেটেরও কুত নিয়ম কার্য্যে পরিণত করা উচিত। ম

ভাষণ কন্যাবিক্যুসংক্রান্ত প্রস্তাব্যুধ সংকল্পিড প্রতিনিধিসভার বে প্রতিবদ কবিয়া ছলাম, তমুত বাজার পত্রিকা তৎপ্রতিষ্ঠার स उट्टाप्रमाणि वुकारहा निशाहन, उन्हा भार्र করিয়া আনাদিগের হৃদয়ে অভিশয় কোতৃহল জন্মিয়াছে, এক্ষণে পাঠকগণ ভাহার জংশ ভাগী হউন। সে এই, '' প্রস্থাবিত সূতন সভাব डिएममा अकरन करन मात्रमकार्य व्यव्हात करा নভাতে আইন প্ৰস্তুত হইবে, সভা হইতে বঞ্চেট বাহির হইবে, সভা হইতে কর্মে নিয়োগ করা চইনে, কি কর্মাচ্যত করা চইনে, সভা চুইতে ইসন্য সানজের গ**িত, অবস্থিতি নিরূপিত হ**ইবে, সভা হইতে, ভিন্ন ভিন্ন রাজ দরবারের সহিত আমাদের কিরুপ সম্বন্ধ রাখিতে হইবে, ভাহার বিচার হইবে, ইল্যাদি ; গ্রামেণ্ট স্ভার প্রস্থাবে কর্ণণাভ করুন না করুন, ভাষাতে সভ্য গণ দুক্পাত্ত করিবেন না 🐧 "

১০ জৈ ছি জুক্রবার।

এ দেশে যে পরিমানে থালাখনন করা ছইজেছে
ভঙ্গবোগী ইজিনিয়ান না থালাতে সার স্থাফো
ভ নর্যকোট আর ক্ষেক জন ইজিনিয়ানকে
ইংল ও হইতে প্রেরণ করিতেনে। খাল খনন বালী প্রস্তুত করা প্রস্তুতি কার্য দৈনিক ইজিনি যুক্তিগের হস্তু হইড়ে এক কালে লওবা কর্ত্রা।

ব্ৰহ্মদেশের 'উত্তরাংশে আবিদ্যার্থ কাপ্তেন স্থেতনপ্রভৃতি যে কল্পেন ভান গ্রান করিয়াহেন, জাহার' কুত্রকার্য্য হইয়াছেন। ব্রহ্ম দেশের রাজা এ বিষয়ে যথে ই সাহায্য করিছে ছেন; কিন্তু আশ্চর্যের বিষয় এই রেল্ নের সংবাদ পত্রখান ইংাতেও রাজার নোক দিতেই কা । সাহাব্য না কারলেও রাজা । নন্তার পাইতেন না। কিছুতেই মহাপ্রভূদিনের নিকটে পার পাইবার যো নাই।

आमता इः विज इहेलाम, हेश्ल की त नवर्गमणे बार्विनित्रात रेनस्य मगरक काटा पिरक कानमाक इहेग्रार्ट्स । श्रुतकात मः विरम केश्नाह वारकमा

গতবংদর জলপ্লাবনে বগুলার নিকটে পূর্মবাঙ্গালা হলেওয়ের একটা দেভু ভগ হয়। আ শত্রের বিষয় এই, এটা আজিও পুনার নিশ্মিত হয়নাই। যে স্থানে দেভু ছিল দেভানে কেবল কজকগুল রেইল দেভুয়া হইয়াছে। তাহাব উপর দিয়া শকটগ্রেণ গ্রমন করে। যদ কেনে হঘটনা হয়, তাহা হইলে দর্মা ক্রছ খালে প্রবেশ করেবে। ভাহা হইলে এত ভাক্তর ও সংবাদ প্রের সম্পাদক্দিগের খোলামাদ করিতে হয়ন।।

গত কলং একক্ষেত্বহৈ নিম্নলিখিত টাকাৰ অহিফেন কিঞীত হুইয়াছে।

সিম্মক প্রতিসিম্মক মোটটাকা বেছার ২৩০০ ১৪৩৯৮৫ ৩০১০০০ কাশীর ১৭০০ ৪১২ ২৪০০০

ম।সি সাহেবের ছিলাবের উপরে অভিফেনের মূল্য হইয়াচে।

১ লা আধাত শনিবার।

भ ना श्रीहिक गश्याम " वर्तम, कमिकाणात विश्वविमानदात महामणा श्रास्त्राच कित्रप्राद्यम, वि, এ, উপাধি ना পाইলে কেছ वि, এল, পরীকা দিবার নিমি এ আইনের উপদেশ আবণ করিতে পারিবেন না।

নিমলিখিত মুল্যে গ্ৰ<sup>া</sup>মেণ্টের কাগজ বিজ্ঞীত হইতেছে।

# গ্র্বনেক্ট বিজ্ঞাপন। (लक्टेनकेशवर्गतंत्र व्यादमभाष्ट्रभारती নিয়োগ।

२ व । अन्य : छ काव अवर्ष उ छ । जातून आदम मञ्जिष्टि (योनाज्यः हिकिश्मानम् स्वाभिज इहै-ীয়াছে, ভাষা চালাইখার মিমিভ মিয়লিখিত ভদ্রলোকদিগকে লইয়া এক সভা করা ইইবে।

বাৰু মণ্রমোহন বার চৌধুরী। ঞীনাপ রাম্ব চৌধুবী গ ভানকীনাথ রায় চৌধুরী 🥍 धवर अक्रमान दाश (हो भृदी।

নিম্বলিখিত ভদুলে'কেব। কান্দীর মিউনি সিপাল কমিটির সভং হইবেন দে

বার নক্তেজ নারাত্মণ রাম ছৌধুবী : **स्वा**र्भश्यनातायन दाश्रहोद्वी । গোপী মোহন ঘোষ ই (कड़ा(शांक्स इंग्डिं।

ত্রাজ্ন। ব্জলিন ভ্রলিট, এক মাক্ড तिल मः (इव निर्माय लहेशा क्यूप्रश्चित थाकिरवन, ভাত দিন জে, এম জুইদ সাহেব নদীয়ার প্রতি-নিধি সিবিল ও সেসিয়ন জ্ঞাইইবেন।

फरलिके, हे. ज्यांके मार्ट्य यीत्रकृत्यत প্রক্রিমিধি মাজিটেউ ও কালেন্ট্র ছইবেন।

চুয়াভাঙ্গার সহক দরী মাজি টেট (জা, কে, ওয়েবস্থার সাছেব বর্জিখানের প্রতিনিধি জাইন্ট म! जिएके है । अपूर्विकारल है व बहेर्र वस ।

महकानी बार्डि किए छ कारम हेत एवनि है, নি, ওলড় ছাম সংহেব চুয়াডাজা উপবিভাগের ভাব পাইয়া মাজিটেট ও ডেপুটি কালেইরের ক্ষতা পাইবেন। ২০ এ মের গেকেটে ভাঁহার মেহেবপুৰ উপৰিভ'লে নিয়োগের যে বিজ্ঞাপন হণ ড:হ: এডজাবা রহিত হইল।

महकारी बाजिएके । कारमहेर ब, भि. गांकज्ञाल मार्ट्य (मर्ट्यभूव हिम्बिकार्श्व ভার পাইয়া প্রথমক্রেণির অধীন নাজিকেই ও ছেপুট কালেষ্টবের ক্ষমতা পাইবেন। তিনি আরও সেগিয়নে অপুণ করিবার মকল্মার প্রথম বিচার করিতে পারিবেম।

াসংহত্তমের সব আসিষ্টাণ্ট কমিসময় ডাক্তর এম, জে, মাজুক সেলিয়নে জ্বান করিবার মক-দ্দ্যার প্রথম বিচার করিতে পাবিবেন।

- ৪ ঠ: জুন। বাকুড়ার অন্তর্গত বড়জোড়ার মুশেফ বাবু হরপ্রসাদ সেন রঙ্গপুরের অন্তর্গত অংলিপুরের মুক্ষেক হ**ই**বেন।

আলিপুৰের মুকোক বাবু রমানাথ শীল বড় জোড়ার মুক্ষেদ হইবেন।

হাজারিবাদের সহকারী কামিসনর কাপ্তেন ই, **उन्नाहे, अन्नालक**े हाङान्नियार्थन निर्वित्रम्थाः ১৮७८ जारभन्न २२ जाहेम लक्षरमन अनतारधन বিচার করিতে পারিরেন।

গোলালণাড়ার প্রথম শ্রেণির মুক্ষেফ বারু পতালোচন দাস প্রথম জেনির ভাষীন মাজিট্রে-টের ক্ষমতা পাইবেন।

हे खून। चंछ किन नार्कन अस्, (क्ल, कांद्रल)

विनाय महेगा अञ्चलिक्ष शांकिश्वन, एउ मिन ভাক্তর আর, মাকলিয়ত নদীয়ার চিকিৎসা কর্মহারী হইবেন।

काष्ट्रेमानभूटवत कश्चिममत कर्वन है. हि. **ভाলाন क्**रेक्ट्र क्रम म**र्टनंत्र ज्या**वशाहरकत्

ছেপুটি ম: জিটেট ও ছেপুটি কালেটার বাবু কৃষ্ণপ্রসার ঘোষ ভ্রমীগঞ্জ উপবিভাগের ভার পাইয়। রেপুরে মাজিট্টের কমতা পাইরেন।

পশ্চাল্লবিত কর্মচারিগাণকে বর্তনান স্থান পদে প্রতিধিত করিবার নিমিত্ত ষ্ঠ ছইতে প্ৰথম কোণিড়ক করা হইবে।

বারুকুঞ্প্রদাদ ছোষ। যে দিবস অবধি তিনি ভবানীগঞ্জের ভার গ্রহণ কহিবেন।

ৰাবু উক্সনাথ সেন। যে দিবল অবৰি জিনি ময়মন সিংহে উপ স্বত হইবেন।

বাবু বিমলাচরণ ভট্টাচার্য্য ও ছুর্গান্তি वाग्माभाषा अवर हे अम. दिल मारहत।

নওয়াখালির সহক রী পুলিষ প্রপরিন্টেওেন্ট বাবু ঈশ্বনীপ্রসাদ দিতীয় প্রেণির অধীন সাজে ক্টেটের ক্ষমতা পাহয়া পাটনার ডেপ্টি মাজি-(केंद्रे ७ ७५% कि कारल हेत् रहेर्दन ।

ভাগলপুরের ছেপুটি মাজিটেট মৌলবী व्यक्तिरहारभने भावेमा विखारण वननी हहेरदम ।

७ दे छात्र । এচ, अम. हेमभून मार्ट्य छुन्नी द श्रभान कार्यक कार्य हरेरवन।

रेमम व्यक्तिमुक्तिम (श्रांतम था। वाश्वाहत मि. श्रम, आहे, श्रांगणांश कड़ाएंड ड्राइमस्ट्रमव मर कार्जी कशिमनत निश्चलत मामन कार्या निकीशर्थ প্রথম শ্রেণিভুক্ত হুইয়েন।

নিম্নিখিত ভদ্রেশ্কেরা ১৮৬৮ অন্দেব ১ काहेन कार्यात कारमय रहेश कारमल्ट इत ক্ষতা পাইবেন।

ডাক্তর এস, জে, মানুক সিংহভূমে। বাবু अकानक वरकालामत्य निज्ञ भए १८५० हो छात्रि वारत । बाबू तांशालनाम हालनात मिळपम्छर्ग মানভূমে। বাবু গোপালচন্দ্র,মিত্র লোহার

যাত দিন বাবু শ্যামাচরণ চট্টোপাধনায় বিদায় লইয়া অনুপস্থিত প্ৰকিবেন, তত দিন ২১ প্র-शनाव (इश्रुष्ठि माजिएके) छ कारलकेव दावु भिव প্রসাদ সাম্বাল বসিরহাট উপবিভাগের ভার

ডি, লেসি সাহেব পুরীর দান্তব্য চিকিৎদালয় চালাইবার সভার সভা হইবেন।

৮ हे छन। कर्र्गल खाल्डेन कियर अंक् कर्न महर्म माख्यिक्टित कगर। भारेरवन।

লাবু লিরীশচজ্র ঘোষ মতিহারির ছোট আনালতের প্রতিনিধি জ্ঞারে কার্যাভিন্ন চম্পা त्राच्या काव**क कारकात कार्या क**िर्यन ।

এচ. মোদলী সাহেব আরোর এক জন মিউ-নিসিপাল কমিসনর হইবেন।

**एअप्रिमाजिएकैंग ए एअप्रिकारमध्य यात्** कानीधनम बायरहोधूदी श्रिक्तीशुरत बहली इहेग्रा মাজিকেটের ক্ষমতা পাইবেন।

৯ ই জন। বি, জার, পেরি সাংহরের মৃত্যু হওয়াতে নিম্লিখিত কর্মচারিণণ উইতি লাভ कतिरवन ।

মৌলবী জিল্পুনিন হোসেন ছিডীয় জেণিতে গ জ্ঞি, হস মার সাহেব তৃতীয় জ্রেণি**ত**ে।

বাবু প্রভাপচজ্ঞ চট্টোপাধ্যায় বি. এল, চতুগ প্রেণিতে গ

বাবু অধিকাচরণ রায়চৌধুরী পঞ্চম শ্রেণিতে ৷ সি, ডবলিউ, উইনমট সাহেব উন্ভিলাভ করাতে নিমুলিখিত কর্মচারিগণ উন্নতি প্রাপ্ত

क्केट्वम । ভবলিউ, সাদ্ৰ সাহেব দ্বিতীয় শ্ৰেনীতে। ই, ষ্টি ওয়াট সাহেব তৃতীয় মেণিতে। বাবু গৌরদাস বসাথ চতুর্থজেণিতে। বাবু কেদার নাথ পত্তিত পঞ্চমভোশিতে।

लाला मिकित हो ल लाएनत मुद्रा **ए** छशाएक शन्हा ল্লিখিত কর্মচারিগণ উর্নতি প্রাপ্ত কইবেন। মৌলবী আলি হোসেন চতুর্থ প্রেণিতে। মৌলবী ওয়াইলিয়ত ছোলেন পঞ্চম গ্রেণিতে ৷

বর্তমান শুন্যপদ লাভার্য এচ, ডবলিউ, ৰাৱবর সাহেব 🖍 বাবু ভারিনীচরণ মিত্র 🤊 ব'ব ভগবানচক্র সেন ; এবং এ, স্পে, ফে, জার স্বাহের পঞ্**মভোলিভুক্ত হইবেন**।

বাবু ভূষনেশ্ব সিংহ পঞ্চ প্রেনিতে অর্মাং যে দিবলৈ ভিনি চট্টগ্রামে উপস্থিত হইবেন !

नियुनिशिष्ठ एप्रतादकता शकासिथिङ स्राप्त महकाती श्रुलिय क्रुश्विष्टिख के स्टेटवन । **ভ**वनिष्ठे, এ, वीष्ठम मार्ट्य वर्षमारम । वि, ভवनिष्ठे, 'वाष्टैनरम्ब मार्ट्य भग्नार्छ। বাবু গদাধর খা নওয়াখালিছে ৷ বাবু মহেন্দ্রনাথ হাজারা ছণলিতে।

निम्निष्ठ जम्लाक्ति ১৮৬৮ करम्ब ৯ আটন অসুদাৰে আদেদর হইয়া কালেক্টরের क्रमजा भारेरवमः--

বাবু সার্ভাপ্রসাদ চট্টোপাধায় ভাগলপুরে ;

कालीक्षमाम होन्दी भूक्षात्र । श्रु विद्यार्ख । অখিলনাথ বায় श्वज्ञाद्व । कुक्छ उस दोश भिन्छ देन क्रह, धन, एरप्रभावन भारह्व वाकुष्ठाएउ। इन्निया (चाय श्राधात वक्षमारम । भेतरबन्दा पूर्वालागाम् श्रम्थर्व छन्निए । বীরভূমে। क दोक्ष (बाध्य न्यूप <sup>জ</sup>় মেদিনীপুরে। भ व्यत्रना श्रताम (भाग ৯ পুর্বানন্দ বড় র। পদগুলে গেরালপাড়াতে। গুৰাভিবাম বড়ুয়া পদগুণে, এই ণিষিণ্ড দেন वां ध्रत्रभाष्ट्र ।

द्राधिकारमाङ्ग त्रांश । हराकृति श.द्रमंभूत् । टेक्कुर्यमाथ (शम

भग्नमम् भिर्ट । শ্রীনাথ ভদ स्मानवी महत्यम ब्यानकृत ते एनत 🗐 हा है। বাৰু ভগৰভীচন্ন চড়েপাধীয়ে প্টিনাড়ভ।

लामकान वरम्याभाषात्र महित्रित

देखमानाथ मि॰ह गशीत् । কাশীনাথ পণ্ডিড दिछ:उ। भोलयी महत्यम जावष्टल हारे সাহরণে। বাবু দানেশচন্দ্র রায় कल्लातरन । भुविभिनादम् । गहामित (घामाल

কালীকিন্ধর সেন दाक्रमाशेएउ। ত বিণী শক্ষর রায় পাবনাতে।

æ	চক্ৰমোহন দাস	यामार्
a	উদেশচন্দ্র সরকার	<b>मिना ज</b> लूदत
æ	ছাবকানাথ রাল	<b>E</b>
79	দেখ মতি উলা	द <b>न</b> शूरत
79	কালীপদ বহু 🐰	ৰগুড়'তে

व्यामानित्रात्र कांभीक मध्याननाठा निथिशोष्ट्रनः--

अशास्त्र कीरणत काडा । शाह् डाव हरेशा ছিল : কিন্ত গ্ৰুকলা (১লাজ্ন) ভূতীয় প্রহরের পর চতুর্ক্ষিক হইতে মেঘমাল। উবিত ষ্ট্রা গগমমগুল আচ্চর করিল এবং অর্জ্ব ঘটা। ভাব হয় না, এই একটা মঙ্গলের বিষয়। शरत जिन हाति घन्डाकान मुधनभारत द्रक्तिं रहेन। ইহাতে উত্তাপের অনেক হাস হইয়াছে। এ বং সর এরূপ বৃষ্টি আর হয় নাই। অদ্যপ্রাতঃ-ক্লালে বোধ হইল, যেন প্রকৃতি মূডন বেশ ধারণ করিয়াছেন।

শুনিতেছি, গবর্ণমেন্ট এখানকার কুইস कारमरक्षत्र हेश्त्रोंकी मश्कृष जमानायकत लेप এ, গফ্ সাহেবকে নিযুক্ত করিয়'ছেন। ইনি, উইলিম মূর সাহেবের এক জন প্রসিদ্ধ ছাত্র अवर अक्रारकां जिस्तिकालय इट्टेंट वि, अ **উ**পাধি প্রাপ্ত চইয়াছেন। গফ্সাহেব আপা-ख्छ: e · · प्राका कविद्या भाइरिकः किन्न ब्रह বৎসর পরে ভাঁছার বেডন ৭০০ টাকা হুইবে।

রাজা দিনকর রাও রেওয়ার রাজার দেওয়া নের পদে নিযুক্ত হইয়াছেন। তিনি একণে বারা ्ने शेर**ं जाहिन । किन्न प्रहेश**क निरंत्र सरक्षेत्र তিনি রেওয়ায় য'ত্রা করিবেন।

प्रिचिट्डिं, (नार्ष এ श्राप्तान विकितिनित्रा निष्ठि क्षाइनि इ इहेन। ३ ना जून व्यवधि छ हात कारी व्यातव हरेग्रारह। अकरन (प्रथा यांडिक উহার দার। সহরের কন্ত দূর। উন্নতিসাধন হয়।

चार्मानिद्रशत रशीयां लियत क्र मः वान-माणा निधिशाद्यनः--

)। श्राप्त अक् शक रहेल, बीरवाद मारून अर्त चर्ल इहेब्राइडा अड २२ अ मि नागइ-কালে এক প্রবল ঝাটকা হইখা গিয়াছে। কল্পেক भूगृहर्द्धत मर्पा खरनक तक माधाशीन, खरनक दक উৎপাটিতমূল ও অনেক দরিটের গৃহ ভূমিণাৎ इहेल। शांतिका स्थाप इहेरम, श्रवनद्रात्र मिना दृष्टि 🗷 वातिवर्षन रहेए जातिल । 🗷 निवन ब्हर दूहर निवात काघाएं अक्जी ताक मूड्रा खतीन गुष्ठ कावनकन श्रावनार्थ गवर्गमा अवि

। হওরাতে একটা লোকটু জলমগ্ন ছইয়া পঞ্চন্ন হয়, অপব্যয়ের অনেক লাম্ব হুইডে পারে। था थ रहेत।

छन्दिध २। **७ निन का अन्न श्रान्तहे '' क**ांचि " ও बृष्टि रहेटज्या । এখানে याँ श्रीका चारिक विन অ'ছেন, ভাছারা কছেন যে, এ বংসরের ন্যায় কোন বংগরই এত শীঅ বর্ষাকে দর্শন করেন नाइ अंदर औरकात माझन इन्ह इहेटछ भूका इन নাই। বৃক্টি হওয়াতে ধনিও অগ্নিসম " পুর ৯ প্রভাব কমিয়াছে, তথাপি মধ্যে মধ্যে বায়ুখুন্য গুমট হওয়াতে বড় কষ্ট হয়। বঙ্গদেশের গ্রীন্মের নায় এখানকার ক্রীক্মে ভাদৃশ পীড়াদির প্রাছ

२। कर्सक मिन हहेन, এक खन हे हिर्दाभी म বৈনেরে সহিত অন্য এক জন ইউরোপীয় रेमरनात विवास 🥴 मातामाति स्ट्रेट फिल, शमन দময়ে এক জনের জী উপস্থিত হইয়া ভাহ'র স্বামীর বিপক্ষকে বোতল ছুড়িয়া মস্তিকে এরূপ আঘাত করিল যে, সে ব্যক্তি অচিরে মৃত্যুগ্রাদে পতিত হইল। এই সংবাদ ভার্যোগে 'কমা গ্রার ইন চীদের" নিকট প্রেরিড হইল। অদ্যাপি ভাহার কিছুই সিদ্ধান্ত হয় নাই। গোরারা যেরূপ ব্যাত্র ভলুকের ন্যায় জ্বন্যভাবাপন্ন, ইহাদের দ্রীরাও সেই রূপ। আমাদের দেশের ইতর লোক দের সহিত প্রসভ্য ইংরাজদের ইতর লোকের ভুলনা করিলে দেবাস্থাবের ন্যায় বিভিন্নতা বোধ হয়াব্যাত্রাদি দেখিলে আমাদেব মনে যেরূপ खरत्रत मध्यात हत्, त्याता (म.चि.म फर्डाधिक

৩।মহাশয়। অত্তর স্থারিকেটেওট এঞ্জিন यांत कर्नन व्यारमक्का छात्र मारहर विरम्य विष কণ্ডার সহিত কার্য্য করিতেছেন। ইনি সম্প্রতি ্য কয়েকটা উপায় অবলয়ন করিতেছেন, ভাহতে অনেক চোর ধরা পড়িবে। এক জন কণ্ট: স্টার ও এঞ্জিনিয়ার সাহেব প্রায় ফাঁদে পড়িয়াছেন। দেখা যাউক কি হয় ৷ কোন স্পষ্ট ছুক্ৰ, এমন কি হড়াকাণ্ড চক্ষে দেখিলেও गाइरनत अध्याशी अमान मिए ना भातित যেমন ভাষাৰ দণ্ডবিধান হয় না, এথানে প্ৰলিক उदार्क डिभाग्रेस्ट बनावक्राय मतकाती वर्ष নষ্ট হইতেছে দেখিয়াও নিয়মিতরূপে প্রমাণ করিতে না পারিবার আশক্ষায় সাধারণে প্রকাশ क्रिटिंड खन्न रहा।

কোন বিষয়ের অসুসন্ধানার্থ যেমন ''কমি-अब ? नियुक्त इय १ यनि भवनिक खन्नार्कत व्यक्त

। आदिन পভিত এবং रेठाए मुनाब समीत क्षान्त्र कि हक्का कवित्रस निष्ठक कदबस, खादा इंहरन वाप

8 । शवर्गरमञ्जे भूरच शास्त्र काम (मन, किन्तु) कारक अक्षि ज्वल (प्रमा) भवर्गमिक कहिएक (इन, क्रिक क्रिक अन এरमनीव्रमिट्गत शानाः) कि ह कारक इंडेरवाशीय, अयन किं अधिकाश्य किति-ঙ্গিই উহা একচেটিয়া করিয়া রাখিয়াছে। ইহার-প্রমাণসরূপ নিয়লি, বিভ বিষয়টী লিখিলাম।

আসিষ্টান্ট এঞ্জিনিয়ার শ্রীযুক্ত বাবু ক্ষেত্র ন'থ চট্টোপাধায় ( বাঁহার গুণকীর্তন করিয়া সোমপ্রকাশে কয়েকবার লিখিয়াছি ) প্রায় দশ वरमत हरेम क्रांक की अभिनियान कारमर छत भवीकाश छ हीर्व इरेश भवर्ग मार्क करा कि वि তেছেন। ইনি কি ত্রীখের প্রথম মার্ভিভাপে, কি শীতের শীতল বায়ুপ্রবাহে সকল সময়েই काशाद्वत नगरम काश्तर, निष्ठात नगरम निष्ठा না করিয়াও কুলী মজুরদিগের সহিত গিরি নদী বনপ্রকৃতি কষ্টকর প্রদেশে অকাতরে অবস্থিতি ক্রিভেচ্নে এবং ঘাহাতে গ্রন্মেণ্টের একটি পর্সাও অনর্থক অপব্যে না হয়, তদ্বিধ্য়ে যত্র শীল বৃদ্ধিচ্ছিন; তথাপি ইহাকে অদ্যাপি দ্বিতীয় (धानी इटेंडि क्षयम (धानीय कहा इटेडिट मा। পক্ষাস্থার যাহাঁরা (ইংরাজ ও ফিরিজি) ইহাঁর महिन्छ এবং ইহার পরে এঞ্জিনিয়ার হন, ভাঁছারা কেছ প্রথম জ্রেনির কেছ দ্বিতীয় প্রেনির এক জিকিউটিব এঞ্জিনিয়ার হইয়াছেন। ইইার উপর কি গবর্গমেন্টের দৃষ্টি পতিত হয় না ? ----

প্রেরিত।

মান্যবর জীযুক্ত দোমপ্রকাশসম্পাদক गरानाश नमी (भवा

মুন্দীগঞ্জের ডেপুটী মাজিপ্টেট ও কালে-ইর জীয়ক বাবু বিমলাচরণ ভট্টা-চার্য্য এবং বজ্ঞ যোগিনী স্থ জমী-मात औयुक्त बाबू काली कि-**म्मात ७३ महामंत्र**क्षरस्त महञ्चर्धाम ।

মহাশয়! ডেপুটী মাজিষ্টেট 🗷 ডেপুটী কালেটা বাবু বিমলাচরণ ভটাচার্য মুসীগঞে আগমন করিয়া ভত্রতা গবর্ণমেট সাহায্যকৃত ইংরাজী বঙ্গবিদ্যবহয়ের উত্ততির নিমিত সমু-চিত চেষ্টা করিতেছেন। এমন কি জীছারই যয়. भ.ते**ध्रम, উৎ**नार 🥴 উদ্যোগশীলভাবলে এক বংগরকালমধ্যে উক্ত ক্লের যেরপ উন্নতি क्रेशिटक्, ७। ७ वर्षात जोश् रुप्न नाहै। এ बात উজ অনুলের অনেক ছাত্র বালদা ছাত্রীয় রভি

ও মাইনর কলাসি প পরীক্ষার উত্তীর্ণ হইরাছে। खे खुरलद रा झाज माहेमत ऋलार्लिण शदीकांप्र नर्त्रश्रथम रहेग्राट्स, क्ट्राट्स नस्त्रान जाराटक आंगाभी आवाह मार्टन २৫ होका भूरतात अकति भारति अभाग कतिर्वन। आर्था । अर्हे 🏬 , স্কুলের হেউমাষ্টার জীগুঁক্ত বাবু কালীকিশোর সোম এবুং অন্যান্য শিক্ষণাণের বংখচিত প্রশংসা না করিয়া কার্ত্ত থাকিতে পারিলাম না। তাঁহারা বিমলা বাবুর প্রদন্ত উৎসাহে প্রোৎসাহিত हरेश ऋ त्वत उम्र कव बनाय बक्शकात (हरे। काँतर ७८५म । छैं:हारमञ्ज व्यानरेकत यकावह व्यक्ति উত্তম সন্দেহ नाहे। अवात शि कृत्मत नाहायार्थ গবর্ণমেন্ট ৩২ টাকা মঞ্র করিয়াছেন। বিদলা বাবু শিক্ষকদিগের ষ্থাযোগ্যক্ষপ বেডমর্ছি করিয়া দিভেছেন। তিনি শ্বয়ং ভদ্রকুলোছ ত, विक, वृक्तिगान, नमामानी, विञ्चलावी, नख्ड मन হিতে তৎপর, সহায়ে মুক্তহন্ত ও কার্যবিষয়ে পরিপক। উক্ত মহাত্মা মুদ্দিগঞ্চ স্কুলের উন্নতির कांत्र (ययन निष्क अर्थनान कंत्रिएक एइन, (उमन অন্যান্য জমীলার ও ধনিগণের নিকট হইতে সঙ্পায় অবলম্বন করিয়া সাহায্যাজি করিতে-ছেন। বিমলা বারুঁ কেবল মুদীগঞ্জের হিতসা ধন করিয়াই যে বিরত আছেন এমত নহে, তিনি मगीभव ही खारमत উপकातार्थ अ मिरिनित यह পাইতেছেন। তিনি বজুষে গিনী সুনের উন্নতিও क्रमा এक कारल २०० होका मान कांत्रदन, अनी কার করিয়াছেন এবং বলুযোগিনী অবধি মীর কাঁদিমপথ্যন্ত একটা পাকা শড়কনিশ্মাণাৰ্থ আহ্লাদের সহিত ১০০ টাকা দানের স্বাক্ষর ক্রিয়াছেন : তিনি এতদর্থ যে উদ্যোগ করিতে ছেন, ভাষাও একান্ত সন্তোধকর। ভাঁহার প্রস্তাবক্রমে বজুযোগিনীর জমীদার জীগুক্ত বাবু কালীকিলোর গুরু মহাশয় ৫০০ টাকা স্বাক্তর করিরাছেন। জান্যান্য ধনিগণকেও সাক্ষর করা इवाद (हर्ष) व्हेटल्ट्र

উপসংহারকালে জামরা জমীদার বাবু কালী কিলোর গুছ মহাশারের সবিশেষ প্রশংসা না করিয়া বিরত হইতে পারিলাম না। তিনি দীয় প্রানের হিতের নিমিন্ত অনেক চেষ্টা করি-তেছেন। তিনি এক জন বিদ্যোৎসাহী ও দেশের শুভাকাজনী। বজুযোগিনী ক্ষু লের ও প্রানের উন্নতি জন্য জনেক যর, মনৌরোগ ও ক্ষর্বরয় করিতেছেন। ইতিপুর্কে তিনি বজুযোগিনী ভূল গৃহনির্দাণেশযোগী ব্যয় দান করিয়াছেন। তাহা পুর্কে পত্রিকাদিতে প্রকাশিত হইয়াছে। পরমেশ্র ভাঁহাকে দেশীয় লোকের উপকারের জন্য জত্যধিক ধন সম্পত্তির অধিকার প্রদান

করিয়াছেন। ডিনি সেই অর্থ সংকার্টো ব্যয় করিয়ানিজে মনের সজোবসাধন ও দেশের অতুল আন্দার্থন করুন। বিক্রুপুর্বু শ্রীপ্রসম্ভব্য শুক্

च इन्ह देश्याकी छ बक्रविमालय ।

গত সোমহারের পত্মিকায় প্রেরিডপ্রবক্ষে 'এক জন পঠিক ৯'বাক্ত্তকারী উক্ত বিদ্যালয় সহস্বোহা কিছু লিখিয়াছেন, নিডাপ্ত সঙ্গত বোধ না হইলেও আমরা তাহার প্রতিবাদ করিতে निरुष्ड शांकिए शांतिनाम ना । यनि अ महाकवि ভাবতচ্ছ হায়ের প্রসিদ্ধ ক্বিডাচরণধ্য ইহার श्रकुष खेडूर, छशानि गंबा श्रमान मा कतिरत, क्रिक्त ख्रेब्द्ध द्वेशकात र छत्। अन्तर যে প্রকার একটি গগুরাম, বোধ হয় ইহার সারিখ্যে কতিপয় কোল্পর্যান্ত সেপ্রকার বিভীয় ज्ञाम पृक्तिशाहत इस मी। अथादम व्य अक्षी नाहा य,कुछ देश्ताकी विम्हानम् श्राक्तिष्ठी व इत्र, देश কুল ইনস্পেক্টর উড়ো সাহেবেরই অভিযন্ত না इद्धेंक : किन्न कार हो नरमन्त्रे माख्यिक ( चांत्रांक পুর) বিচারপৃতি মার্কবিপ্রভৃতি সকলেরই मण्यूर्व हेन्छ। (बार्साक्त महाया ३० मण होता कतिश्री मानिक नाहायाध कतिएउट्डन । व्यक्तिता এই मकल कुछ विद्वा केना व मरश्म प्रमिर्ग व वरन है :वज्रल तवर्गरमध्ये स्ट्रांड हेखिया तवर्गरमध्ये এবং তথায় প্রত্যাধ্যাত হইলেও স্টেট্সেকেটা বিহু নিকটে আবেদন করিতে প্রস্তুত হইতেছি। कांभत्रा गोहारयात स्नता आरवनम कतिए हि. কারণ ভাছা না হইলে বিদ্যালয়টির স্থায়িত্বের বিষয় সন্দেহাত্মক হয় ; কিন্তু আমাদিমের এরাপ हेक्डा नग्न रग, रहान विम्तालरयन माराया वन করিয়া আমাদিগের বিদ্যালয়ে প্রদত্ত হয়। জন্ম ভূমির উন্নতিকল্পে জ্ঞান ও ধ্র্মের যভই বৃদ্ধি হইবে দেশহিতৈষিগণের মনে ভতই সজোষের উদ্ৰেক হইবে, সন্দেহ নাই। উদ্ভেশ সাহেব যে कांत्रण प्रभाविषा अचारन आक्षांत्रारन श्रवर्गस-েটর অনভিন্ত প্রকাশ করেন এবং এক জন পাঠক তিনি যিনিই হউন, যে কারণ অবলম্বন করিয়া করেকটি অসঙ্গত প্রলাপ বাক্য প্রয়োগ করিয়াছেন, ডাহা যে নিতান্ত অকিঞ্চিৎকর এবং व्यर्भमा जाहा 🛴 📆 जुद्रमार्थ । नरह । साम्भुरत विष्णानम् व्याद्धिविद्यां कि थञ्चदर विष्णानम रहेटक भारत मा १ हाव का त तर्गरम है विन्तालय गएक निवश्रुत्व माश्याकृष्ठ विम्राम्यप्रतं श्रायाजन কি ? কলিকান্তা ও ভবানীপুরে বিদ্যালয়ের সংখ্যা জল্প নয় ওবে তথায় স্থানে স্থানে

माहायहरू उ विन्तानस्यत जावनाका कि ? यनि लाकन्रभात छेपात विकालप्रकापन निर्वत कृद्र, जोरा रहेटन थज़न्दर विद्यानिय थाका উচিত সন্দেহ নাই ৷ খড়দুহে মুনোধিক ২০০০ ্সহ্স লোকের বসতি আছে। যদি ৫০ भक्षेत्रच्य गांज वन्छि व्यवस्थन कतिया मामभूदर এकটी विन्तासग्न रूप्त, त्रहे भविभारन थङ्गर कर গুলি বিদ্যালয় হওঁয়া উচিত ? পূৰ্দাবালালা রেল खेरा रष्टेमंन ना इहेटल शाठेक्दर्भ खानिएक शाहि ভেন না যে বঙ্গদেশের কোন স্থানে সোদপুর नाम अकृषि आम बाह्य। अथन ३ जातत्क थड़ मर्ह्य बिक्छे (माम्भूत बिन्धा भतिहत्र मिन्ना थार्क। এখানকার প্রসিদ্ধ গোকামী মহাশয়েরা বঙ্গ বিখ্যাত, কিন্তু তাহাঁরাই আবার অঞ্চানার। ভক্ষন্যই এখানে একটি বিদ্যালয়,স্থাপন করিতে বন্ধ ইতৈষীর। এত প্রয়াস পাইতেছেন। হিন্দু পেচিয়াট ডেলীমিউস বাঙ্গালী প্রভাকর চাকা প্রকাশ সোমপ্রকাশপ্রভৃতি কেইই বিদ্যালয় টির জন্য যন্ত্র করিতে ত্রুটি করিতেছেন না। ধন ও মানাভিমানী গোৰানী মহাশয়েরা যে আপনাদিগের তনয়গণকে ছই ক্রোল পথ গমনা গমন করিয়া বিদ্যাশিক্ষার্থে নিয়োজিত করি বেন, ভাহা পত্রপ্রেক মহালয়ের তুল্যবিস্থাপর ব্যক্তিরাই বুঝিতে পারিবেন না কিছাখন্য কাহারও অবিদিত থাকা সম্ভাবিত নয়। সোদ-পুর, থড়দহ ছটতে প্রায় ছই ক্রোশ পথ দূর ছইবে, স্থকুমারশরীর অস্তমবর্ষীয় বালকের। য প্রতিদিন 🔏 কোশ ছই ক্রোশ চারি ক্রোশ পথ গমনাগমন করিয়া অধ্যয়ন করিবে ইছা ভাবি-लिख निर्मा इहै एउ हम ।

উপসংহারকালে, পত্রপ্রেরকের প্রতি আর একটা কথা না বলিয়া থাকিতে পারিলাম না! তিনি খড়দহে বিদ্যালয়প্রতিষ্ঠার বিরোধী হইতে চাহেন, ক্ষতি নাই; কিন্তু আমরা যাহাতে কাহার অনিষ্ঠ হয়, আপনাদিগকে ক্ষতিগ্রন্ত হইতে হইলেও কখন তাহা করিতে চাহি না। কিমধিকমিতি।

কলিকান্ড। ৪ ঠা জুন ১৮৬৮ ।

---:0:---

**3**}8−−

স্বিনয় নিবেদন্মিদং।

মহালয়। গত ১ জুন সোমবার কাথিছ বিদ্যালয়ে এক সভা হইয়া গিয়াছে। আমি পীড়াপ্রযুক্ত যাইতে পারি নাই। শুনিলাম ঐ সভায় এদেশীয় কয়েক জন রাজা ও এবর্ণমে

¿ ऐत कर्षात्रोती ७ व्यम्। मा वह्निथ महर महर ষ্যক্তির আগমন হইরাছিল। কাথিছ ডিপুটী मालिएके जीपुक थ, व'र्टु मरश्वरवृत्र बान्छ বনে ঐ সভার অধিবেশন হয় : কাটে মহোদয় সভাপতির আসমপরিবাছ করেন। আ বিদ্যালয় हेष्टेकधाता निर्मिष रहा, मञ्जात वहे छेटमाना। ভানিলাম চাঁদার 'পুস্তকে জি সহত্র মুদ্র। স্বাক রিত হইয়াছে। রাজগণের মধ্যে ৰাজুদেবপুরস্থ অভিনৰ রাজা জীযুক্ত গক্তেন্ত নারায়ণ রায় মহা শর অত্যেই পাঁচশত মুদ্রা আক্ষর করিয়া স্থীয় বদা ন্যুতার পরিচয় দিরাছেন। না হইবে কেন ? ইনি বছদিন কলিকাও। মহানগরে বাস করিয়া শিক্ষা প্রাপ্ত ধ্রুরাছেন। ইনি যে মহৎ কার্যে। অগ্রসর अ मूक्क रुख हरे(वन, काम्क्रार्थ। विषय नरह। हैनि व्यक्तनिममाज वसः श्राश्च हहेसारकन, हेजि মধ্যে নিজ ব্যয়ে একটা চিকিৎসালয় স্থাপন করি য়াছেন। এমন কি, অভি দীন ব্যক্তিকে পীড়া বাস্ত শুনিলে চিকিৎসক্ষসহ ভাহার বাটাতে গিয়া শ্রষধ পথ্যের ব্যবস্থা করেন। নিজ্ঞানেও हेरवाकी विम्रालय जानन कतिवात छेन् यांशी व्हेग्राट्म । अन्यान्य स्त्रिकात्रात्वतः अवृष्टीएकत জ্ঞাসুদর্গ করা কর্ত্তব্য । সভাপতি মহাশায় অগণ্য धनावीरणत পাতा। हैनि छिन बरमरतत कथिक একানে আছেন। ইহার প্রদংসাভিত্র অপ্রদংসা শুনিতে পাওয়া যায় না। ইনি শুভি সংখ্ডাব बिष्टे भावी । हिन कांग्रमत्नावात्का काँ थित महन সাধন করিয়া পাক্তেন। মধ্যে ইহার পরিবর্তনের সংবাদ পাইয়া কাখির সমুদার লোক অভিশয় हृश्चिक स्टेशांकिटनमः। अक्टर्न मम्राज् तवर्गमान्द्रेत निकरे शार्थना कति त्य ज्यात किहू निम हेर्गाटक এখানে রাখিয়া কাথির অবশিষ্ঠ ছরবছা অপনীত করন।

--- : --

মহাশয় । মধ্যে মধ্যে আমি আপনার ভারত বিধ্যাত সংবাদ পত্র পাঠ করিয়া থাকি। আমি যত বার আপনার সংবাদপত্র পাঠ করি, তত বারই অস্মদ্যামের কোন না কোন প্রশংসা দর্শন করিয়া অপার আনন্দ অনুভব করিয়া থাকি। কিন্ত আমটী আদ্যাপি প্রকৃত প্রশংসাভাজন হইয়া উঠে নাই। এই আমে অনেকগুলি ভদ্রসন্তান ও কতিপয় বিদ্যান বায় করিয়া থাকেন। উইলাদের পরিপ্রমণ্ডণে এই প্রামে ইংরাজি ফুল বালালা স্কুল পোস্ত বঙ্গ

ब्हेग्राट्ड् मछा, किछ खीलिका विषय छाँशिक्षिक खनु मांज यम एक्या वीहेट्डिट्ड् ना। यमि अकी खी विद्यालय चालिक स्य छार। स्टेट्न चारतक खीटनाटकत यथ्ष्टे छेलकात स्टेट्ड लग्दत । जामता खीजािक चकावकः नक्काणीला अ खीत प्रकाश कि श्रकात छेश मन्त्रम कतिएक ममर्थ स्टेव। विनाषि खीटनांक स्टेट्डिंड वत्र कियु प्रतिशादन माहनी स्टेडाम।

चाकि काति उप्रमारम खीलका चकिनग्र আদরণীয় হইয়া উঠিয়াছে। শিক্ষাসংক্রান্ত বিষয়ের মধ্যে এটা একটা প্রধান। আসার নিতাপ্ত ইচ্ছা যে জীগণের বিদ্যাশিকাঞ্চন্য এই প্রাথে একটা বালিকাবিদ্যালয় শীত্র স্থাপিত इम्र। जामि मिकम कामिएडाइ, এই গ্রামের ক্ষধি কাংশ বালিকারই বিদ্যাশিকার নিমিত্ত সবিশেষ व्यावार व्याष्ट्र। এই काना वांभक ममुनात क्य लाक ও গবर्गस्मरलेंद्र निक्र ष्यामता विनम्रश्रुतः प्रत এই ভিক্লা করিতেছি যে ভাঁহারা দয়াবান হট্যা দীয় এই শুভকর্ম সম্পাদন করিতে যম বান হন। এই কর্ম সম্পন্ন হইলে উভন্ন পক্ষেরই माछ, काहात कछि इहेरव ना। कात्र खीरला कहा निक्छ श्रेटन म्हान कृती कि शतिका भा कतिया मनाहात ७ मर्भर अवनयन कतिरव, ভাছাতে রাজ্যেরও উন্নতি হইবে।

ইলভোবা দক্ষিণ পাড়া তানক ২৩শো কৈড়েও অল্লবয়স্ক সন ১২৭৪ বিধবা

### मृना श्राखि।

জীযুক্ত বাবু ভবাণীচরণ মুখোপাধায় ডিহিরি ১৮७৮ जुन इहेर जागर्ट 940 ৯ বদনচক্র শেঠ কলিকাডা ١. <sup>৯</sup> কুঞ্চকিশোর নিয়োগী বাগবাজার ১२१६ देखाई इहेटज कार्जिक a ii » বিশিনবিহারী ভাছজী क्षांहे दिश ১२१६ रेकार्थ इहेटज कार्खिक @ || " পুলিনবিহারী সেন বহরমপুর **) २१६ टेकार्थ इहेटछ १७ टेरमाथ** 30 क्ष्मिन लाखन कार বহরমপুর ১৮৬৮ जून रहेए ७৯ (म 30 » বুসিকলাল রায় নলহাটী ১২৭৫ আবাট হইতে ভাদ্ৰ 9N . " अक्सम्बद्ध खड़ानार्थ। সরদ1 १८७८ खून रहेटक ७० (म ەد ... চৌরন্ধি রোড » द्वरद्वथं नर गांद्व

১৮৬৮ মে চ্ইতে ৬৯ এথেল

े विश्वनाथ जिल्हे विश्व के विश्व के उर्थ का का कर है। उर्थ के विश्व के उर्थ का कि स्वत्र के उर्थ का कि स्वत्र के उर्थ के उर्थ

# নোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা

অত্রিম মূল্য ও ডাক্মাস্থল না পাইলে মক-পালে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইংার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং
বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা সক্ষরেল ভাকমান্ত্রল
সমেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং জৈমাসিক ৩৮০ টিন মাসের স্থানে অগ্রিম মূল্য
গ্রহণ করা বার না ৷ ছণ্ডি, বরাতি চিটি, মণিঅভ র, নোট ও স্থান্প টিকিট, ইংার অন্যতর
বাহাতে বাঁহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই উপার
ঘারা মূল্য প্রেরণ করিবেন ।

ষাঁহার। স্থাস্পটিকিট পাঠাইবেন, তাহার। যেন এক অথবা জাধ জানার অধিক মূল্যের ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

ষধন বিনি মফকল হইতৈ সোমপ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, ভাষা ধেন রেজিপ্টরি করিয়া শ্রীযুক্ত ধারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

বাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অভীত হইয়।
আসিবে, এক মাসপুর্নে ভাহাদিগকে চিট্ট
লিখিয়া জানান যাইবে, কাল অভীত হইয়া
গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাহার পর
একমাসকাল প্রভীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা
যাইবে। শেষ বারের পত্রে বেয়ারিং পাঠান
হইবে।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ডাক বরে চিঠি আইলে আমরা দীত্র পাইব।

যাঁছারা মাজ্ল না দিয়া পত্রাদি প্রেরণ করি ু বেন, উাহাদিগের সেই প্রাদি গ্রহণ করা ঘাইবে না ৷

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইছা।
করিলে ওাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংজি 🔑
আনা ভাহার পর 🗸 > আনা দিতে হইছে।
বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা করিবেন, ভাহার সহিত খতত্র বন্দোবত্ত হইবে ।

হক্র এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পূর্বা মাতলা রেলওরের নোণাপুর ষ্টেন্টনের দক্ষিণ চালভিপোভায় জীয়ত হারকানাথ বিদ্যাই ভূমন্ত্রণর হালিতে প্রতিশ্বোধনার প্রাভাগালে প্রকাশিত হয়।

১ • ম ভাগ।

७७ नश्या ।

# — ১৬४ — ☀ " प्रयक्तनां प्रकृतिस्ताय पार्थिकः सुरस्तती श्रुतिमस्ती न सीयतां।

ৰাসিক মূল্য ১ এক অগ্ৰিম বাৰ্ষিক ১০ দশ আত্রন বালাবিক ।। সাজে পাচ চাকা।

সন ১২৭৫। ১০ ই আবাঢ়। ১৮৬৮। ২২ এ জুন

্ধ মদস্বলৈ মান্তলসমেত অগ্রিম বার্থিক ১৩ বাণ্যাক্তিক ৭, ও ত্রৈমানিক ৩৮০ টাকা

বিজ্ঞাপন। দাসকোম্পানির বছবাজার প্রেস। १ ६ नः मन्नव जात्मत् (मन् अस्त्रति । विषेत्र सिष्टे ।

সম্প্রতি উক্ত দাসকোম্পানি একটা মুদ্রাযন্ত্রা-লয় সংস্থাপন করিয়াছেন। পুস্তক, সংবাদপত্ত, विल, त्रतीन, हिठी, हिक, हिविज्ञश्रक्क प्रकाश कार कार्यः, वाकारतत निर्मिष्टे मूनः व्यापका छ ल छ मृत्ता, यद्य मगद्रमाम ७ स्ट्राक्रक्राप निम्नद করিতে প্রস্তুত আছেন। অপর উক্তকোম্পানি नर्रामा धरमत ভाর এছণ করিবেন। জীয়ান পুরেব প্রশিদ্ধ রামচন্দ্র কর্মানারের বাল'লা নানা বিধ ভূতন অকর ও বিলাভি নানাবিধ ইংরাজী মুতন অঞ্র এবং যন্ত্রালয়ের ভাবশ্ব সমস্ত সর্জ্ञ সংগ্রহ করিয়াছেন। একবে সাধারতের উংগাচ ও অভুগ্রহ প্রাথনা করেন।

ক্লিকান্তা ) শ্রীঅধিকাচরণ দাস! এই আৰ:চ यश्चीशाकः।

সহস্মুদ্র। পারিভোষিক।

্বত ভারে। সর্বাসার্গকে ভরাত করা যাই-ভেছে, যে গভ ২ রা চৈত্রে আমার ভবনের সন্ম चिक्क गवर्गमणे माश्याकुछ विमानवाग्रहत বরাণ্ডার উপর বেলুড় আমধাদী অন্তুনে ষ্টিংঘীয় नवकां ख नवक्र करनामक करेनक शृश्यिकत व नज्य विष्ठाताला सुब जानिय ए अहानी विकारत च्यानक इंड्राका ७ स्ट्रेश शिश्लाट्ड, चाकि व्यविध ীছয় মাসের মধ্যে যে বঃ(🐲 তাহার হননকারীর ष्यञ्चनकाम कतिया मिर्ड भातिर्वम, डाहारक সহজ মুদ্রা পারিভোষিক প্রদান করা যাইছে। ছয় মালের পর এক বুংসরকালমধ্যে অস্তুসকান হইলে সংবাদদাভাকে ২০০ পাঁচ শভ মুদ্রা धनाम कता रहेटच। अधिनाम आफ्रिट्स विषय खेरे, উतिषिष मिवन कर्वाव गवर्गरमन्त्रे शक

इहर ७ अवर **खनक इहर ७ नानाविध खञ्जन**कान করা হইভেছে, কিন্তু কোনক্রমে কুডকার্য। হইতে পারা বাইতেছে না

পাকোড় রাজধানী ) ১৮৬৮ সাল ১২ ই জুন क्रिशाभीनान भाएछ।

# इर्ताको सत्तिशिशकाि

যদি কেং আমার অসুমতি ভিন্ন এই এম্ব সম্পূৰ্ণ অথবা ইছার কিয়দংশও মুক্তিত করিয়া প্রচারিত করেন, ভাষা ছইলে তিনি আইন অস্থ मारत मराभीय इंहरवन ।

আরও দাধারণকে জ্ঞাড করিভেছি যে এই গ্ৰন্থ অভি সরল ভাষায় ও স্থপ্রশালীতে প্রশয়ন করা হইয়াড়ে, এডিখিবয়ে অনভিজ্ঞ ব্যক্তিরাও हेंग भागायात्रभूर्तिक (पश्चितः जनायात्महे वुश्चिएक भादिएक मास्कृत नाहे। अञ्चव अहे পুস্তক ঘাঁহার প্রয়োজন হইবে, তিনি কলিকাত: মুজাপুর প্রাকৃত যত্তে অথবা আমার নিকট ১ এक छोका मुना ध्वतन कतिरलहे धाख इहेर छ পারিবেন।

পাথু বিশ্বাঘাটা वक्रभादेः विद्र जीकानी अन्य राष्ट्रां भाषा

বলদেশের অন্তর্গত কেটে উইলিয়মের প্রধা ১৮৬৮ জ্বের ৩১৯ নং যে মকদ্রমার ছেনরি-(यूडे। किनि वानिनी अ वक्रामान अफिनिधि আড্ৰিনিফেটর প্রতিবাদী উক্ত মক দ্যায় ১৮৬৮ म्यास्त्र २५ अ स्म त्य क्यांका हरेगाएए, जन्स-गारत श्रकाल कता बोहेर ७८७, (खल) नहीं प्रांत **अवर्ग ड जाने र्राष्ट्र क्षियात है गाम, व्यात् है हैन,** किम नार्ट्य पिनि अंभ्रष्टम खेरकत् ३७ हे अर्धन । क्रिकांखांत्र आन्छान क्रियार्टन, य य

वाक्षि উक्ष किन गास्यक कर्छ भिग्नाहरून. उँशिंशितरक कानाम शहरकरक, जानामी व है দেপ্টেম্বর অথবা **ওৎপূর্দো বল্পদেশের অন্ত**গত कार्ड केहे निष्ठरमञ्जू केल श्रधामकम विवादान स्वत অন্যতম বিচারপতি নর্মাণের নিকটে উপস্থিত হইগ্না আপন আপন দাওগ্না সপ্রমাণ করুন। এই সকল দাওয়া আবণ করিবার নিমিত্ত ১৮৬৮ অব্দের ১২ ই সেপ্টেম্বর শমিবার বেলা ১১ ঘটি কার সময়ে টাউনহালে বিচারপতি : আসম গ্রহণ कतिर्वतः। वैद्याता केला मश्चातः मर्गः जालन আপন দাওখা সপ্রমাণ করিতে না পারিবেন. उँ। इप्तिगरक स्थानान याहेर ७ (इ. १) हो विद्यात দাওয়া আরু ক্সিন্কালে আবণ্ করা याहेटच मा।

এয়াটকিন্সন, (ষ্টাকো चात, (बुटहर्य) এবং কোম্পানি, বানিনীর আটণীনণ রেভিন্টার। क्षभामाज्ये विष्ठावान दश्त আদিম দেওয়ানী বিভা গেব রেজিষ্টার আফিস フトアトリツ 島 ヨゴ

--- ° 0 ° ---

গ্রাহকগণের প্রয়োজনহেতু নিয়লিখিত সংস্কৃত পুত্তকত্রয়ের কিয়দংশ প্রকাশিত চটল। লাহ্বগৰ পূৰ্দ্য ভদ্বভৌত নিয়নিদিট সম্পূৰ্ণ भूमा (क्षरन कतिरम श्रांख इहेर्यनः विरम्हन

প্রেরণের ব্রতন্ত্র ভাক নাহল লাগিবেক। মল্লিনাথের টীকা সহিত। ৰিশুপাল ব্ধ (মাঘকুত) মূল্য র্ঘুবংশ (কালিদাসকুত ) e || • কিবাভাজুনীয় ( ভারবিক্**ড**) ·#0 বিদ্যার্থিগণের জ্যুম্ববিধার্থ নিম্নলিখিত কতকণ্ডলিন সংস্কৃত পুস্তক দেবনাগরাক্ষরে দ্যিক মুদ্রণারত হইবেক। প্রকাশের পূর্বের গ্রাহক ভুক্ত হইলে গীতা বার পৃষ্ঠা অপর প্রতি জাট পুণা তিন পন্নসার হিসাবে খণ্ডে বা সম্পূর্ণ যেমত अकाशिक १३८वक **जेक नियाम मृता अमान** करित शुक्रक आश्च १**३८वन । विस्तरण (श्वयरा**व चक्रम जाक मास्क्रम नाजि**रवक ।** 

ঝড়সংহার। মেঘদ্ত। শকুকান। নলোদয়।
মালবিকালিমিত্র। বিক্রমোর্কানী। মুদ্রারাক্ষর।
বঞ্চবলী। মালভীমাধব। সাংখ্যতক্তকীমুদী
বাং সাংখ্যকারিকা। মহাবীরচরিত। উত্তররামচবিত্র। মুধ্ববোদ্য দশকুমারচরিতের উত্তর'র ।
পাবিনিঃ বসন্তভিলকভান। অমরকোদ। শাক্ষর
ভাষ্য, আনন্দর্গিরি, জ্রীধর্ষামী ও মদুস্থদন
প্রব্যভীর টীকাসহিত জ্রীমন্তাগ্যত। মহাভারত।
বিজ্পুরান। কাদ্ধরী। ভটিকাব্য। নাগানন্দ।
কাব্যেকাশ। চড়ক। মার্কগ্রেয় চন্তী।

কলিকাত। সংবাদ জ্ঞান প্রাক্র যন্ত্র নিমতলা স্কীট ৩২ সংখ্যক ভবন।

# বিক্রয়ার্থ।

পাৰডেন রীচ ২৪ নং ৰাটী গুদামসহ ১৯ নং জোড়া ৰাগান ঃ

ভাড়া দেওয়ার নিমিন্ত। গারডেনরীচ ২৪ নং বার্টা।

উপরি উক্ত বাগান ও বাটা য়াঁহারা ক্রয় ক্রিতে অথবা ভাড়া লইতে ইচ্ছা করেন, নিমু আক্রিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেপ্তারস্ জারবো-থনট এবং কোণ

#### পুরাণপ্রকাশ।

কলিকাতা মুজাপুর আমহাউদের দক্ষিণ কার্প্রকাশ যত্ত্বে পুরাণপ্রকাশনামক সাম গ্লিক পত্ৰ প্ৰতিমাদে এক বা ছই খণ্ড করিয়া **প্রকাশ হইতে আরম্ভ হইয়াছে। প্রতোক**ুপ্রতের পরিমাণ ৮০ অশীতি পৃষ্ঠা। ইহাতে ক্রমশঃ অষ্টা **দশ্<u>পুরাণ</u> ও উপপুরাণ বাজালা অনু**বাদসমেড ক্রিবার বল্পনা আছে ৷ প্রথমতঃ বিষণু -পুরার অন্তবাদ ও শ্রীধরগোমামিকুত দীকা সমেত মুক্তিত হুইতেছে। ১ লা বৈশাখ বিভরণ আরম্ভ হইয়াছে। বিনি ইহার গ্রাহ্ক হইতে অভি नाषी इन, छिनि कमिकांछ। मः सुंख विमानश्य আমার নিকট পত্র ভাকমা 🕊 🕦 প্রতিখণ্ডের মূল্য শ্লিম।।• আট আন। করিয়া পাঠাইবেন। भौशाता निव्यमिख बाह्करव्यभीजूक नरहन, दीहा रमत्रं निक्रे श्रास्त्रक चल नगर अक राका मूर्ना विक्रम कहा माहेर्य।

36873

जी कगत्याहन मंचा।

শব্দকল্পক্রক অভিধান। সর রাজা রাধ্-কাস্ত দেব বাহাতুরের ক্ষত। উত্তমকপে সোণা দিয়া সূতন বাঁধান মূল্য ২৫০ টাকা। তত্ত্ব-বোধিনী পত্রিকা—প্রথম কল্প, মূল্য ৫০ টাকা। শ্রী শ্রানন্দচন্দ্র বেদান্ত বাগীশ।

#### 

#### রাণীগঞ্চ পটরি কোং লিমিটেড :

মেজিয়া করিবার স্থাচিকণ টাইল।

এ কোম্পানির মিসনরোস্থিত ৪ নং আফিসে
উহার নমুনা দেখিতে পাওয়া যায় এবং যদি
কাহার প্রয়োজন হয়, ঐ আফিসে অল্মতিপত্র
পাঠাইয়া দিবেন।

#### ----

সংস্কৃত মেদিনীকোষ গ্রহ শব্দের চীকাপমেত উভম নাগরাক্ষরে যত্বপূর্ণক মুদ্রিত হট তেছে। যিনি গ্রাহক হইতে ইচ্ছা করেন, তিনি
চাকা কালেজের সংস্কৃত অধ্যাপক জীয়ক্ত বাবু সোমনাথ মুখোপাধ্যায় মহাশয়ের নিকট অথবা কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে বা কাব্যপ্রকাশ যত্তে আমার নিকট পত্র পাঠাইবেন।

১৫ ই टेठा इ ১२१८ प्रश्यकुछ विकासिय े श्रीजगटबाइन मन्द्री

#### ক্ষভিধান।

শন্দায়ু বি	₹#•
শব্দার্থ প্রকাশিক।	৩
শব্দ সিক্ষু	ર
मकार्थ मुक्जावली	•
भक्षार्थत्र प्रमामा	¢
শব্দার্থ প্রচারিক।	৩
প্রকৃতিবাদ	œ
সংস্কৃত পুত্ৰক	
রঘুবংশ সটীক	<b>b</b> -
<b>উ</b> न्दर देनवश्वतिष्ठ	e H`•
ভট্টিকাৰ্য	8 •
অষ্টাবিংশতি তত্ত্ব	હ
দৰা ৰূপক	s had
কলিকাড়। ) শ্রীকেদারনাথ বংশ	महाभाषात्त्व
कर्नस्यानिम कि हे २११ मर शुख्यक्ति	( <b>8 %</b> )

# বিবিধ জ্ব্যাদি বিক্রয়ার্থ

इश्ताकी वाकना शूक्षक काशक कुनम ताना

विश्व खरापि भा छत्। यात्रः स्क्षेत्रतः एकी अनू ति केंकापि भाठे हित्रा थाकि এवः भुखकाषिएक अक स्थानात हिनारव क्षित्रन पि। यपि क्ष्के स्विक्ष्क केंकात्र खरापि सम भाके कि प्रति भाके रवन ।

	हें।का
नक्तमार्डितक् श्रथम ४७	¢
ঐ ভিতীয় খণ্ড 🕶	8
ক্রীমন্তগবদগীতা ) .	•
দীকা ও বালালা সম্বলিত	5 ll •
শ ক্সিকু	ર
শকাবলী •	ş
শব্দর্থ প্রকাশিকা	৩
শব্দার্প বন্ধমালা	¢
শন্দার্থপ্রচারিকা	9
প্রকৃতিবাদ	· · · · · · ·
অষ্টাবিংশতিতত্ত্ব	৩২
অন্নদামঙ্গল বিদ্যাস্থ নরপ্রভৃতি সীকা	)
টীপ্পনী ও ১৮ খানি প্রতিমূর্ত্তি সহিত	}
वाश्रीय कम ও ভারতবর্ধের রেলওয়ে	
हेत्तक् हैं। क हिलिशाक	2 II
নলচরিত কাব্য	3
পঞ্চনশী	৩
বেদাকুনশ্ন	۲
व्यक्षिक दश्माला	৩
হরিভক্তিবিলাস 😶	p.
পদকল্পক	<b>'</b> '9
মেটবিয়া মেডিকা	હ
ইংলভীর ঔষণকরাবনী	ə (!
<b>ष</b> ाग्रु८र्त्त्रपनर्भन	৩
ফৌজদারি গাইড	71
নিদানাৰ্থচ <del>জ্জি</del> কা	<b>২</b>
স্টীক নিদান	3
নিদান	\$
<b>মালতীমা</b> ধব	2
পঞ্চাব ইতিহাস	711-
চীনের ইতিহাস	
হুতম (পূঁচার নক্সা (১।২)	211-
সন্বন্ধসমাধি নাটক	2
বেশ্যাসজ্ঞিনিবর্ত্তক নাটক	7
मरनावृच्छि विधायक	
কীচকবধ নাটক	<b>l</b> y
हेश्त्राची वाकाना जिक्रमानि	۱۱
ক্লিকাড়া ক্লোড়া-	চক্রবান্ন
नाटका ७३ मर 📆	•

ভালা রাষ্ট্রের ব্রাদার কোম্পানির দোকানে মং প্রনীত ও মৎপ্রচারিত নিয়লিখিত পুস্তকগুলি বিক্লয় হইতেছে:—

· કાર્યોજ		মূল্;
<u>জী</u> দইতিহান		انة " ق ز
<u>রোমইভিহাস</u>		å ¿
ভূষণদার ব্যুক্রণ		10 %
ন ভিসার (১ ম ভাগ)		J
নীতিসার (২য় ভাগ)		J
প্রচারিত।	, 1	
<b>५</b> काराम वज्ञासक्रम		h

🗷 ধার কানাথ শর্মা।

--:0:--

বাঁড় থেঁং ত্রাদার্শ কোম্পানির ১৮৬৯ সালের এন্ট্রান্স কোসেঁর কী অর্থাৎ অর্প পুস্তক প্রস্তুত্ত হট্য়াছে। খাঁহার লইবার ইচ্ছা করেন, কলি ক'তা কালেজ ভীট ৮৬নং ভবনে উক্ত কোম্পা নিব নিকটে অথবং অন্যান্য পুস্তক বিদ্রোভার নিকট অনুস্থান করিলে পাইতে পাতিবেন।

#### (मानथकाम।

১ - ই অ'ধাচ নে মবার।

আনর। অনুক্র ইইয়া সকলকে অনুরোধ করিতেছি, তাঁহার। দিতীয় বিজ্ঞাপনটার এতি বিশেষরূপে দৃষ্টি-ক্ষেপ করেন। হত্যাকারীর অনুসন্ধান করিয়া দিতে পারিলে কেবল যে পারি তোবিক লাভ হইবে এরূপ নয়, ছুটের দমনবিষয়ে ভুদ্রলোক্ষাত্রেরই যে সাহায় করা করিবা, সেই কর্তব্যের অনুষ্ঠান হইবে।

.......

প্রায় এক পক্ষ কাল অনবরত র্থি
হওয়াতে কেলা ২৭ পরগণার দক্ষিণ
প্রদেশের বেপ্রকার হুরবন্থা ঘটিয়াছে,
আমাদিগের এক পরিচিত প্রামাণিক
ব্যক্তি তদ্ভান্ত লিখিয়া পাঠাইয়াছেন,
ভাহা এই হলেই গৃহীত হইল।

মহাশয় ! গত ২৪এ কৈয়ন্ত শুক্রবার অবধি প্রবলবেগে বাত্যা ও রুষ্টি হইয়া এ প্রেদেশ একবারে ছারধার ছইবার উপক্রম হইয়াছে। এমন কি যদি আর ছুই ভিন দিবস

এইরপ থাকে তাহা হইলে বে কতদুর ছুর বস্থ। হইবে ভাষা মনে উদয় ছইলে স্থাকস্থ ষয়। যেৰূপ রুষ্টি ও ঝতা। হইতেছে এৰূপ कर कथन ८४८थन नाई। कियुफ्तिनम्दर्भो धामन्ड থুছ রণা এভূতি লাশ্য সমুদায় কলে প্রিপূর্ণ হইয়া গিয়াছে ৷ রাজপণের উপরেও কোন কোন স্থানে এক হাস্কুও কোন কোন স্থানে বা ১॥• দেঁড় হাত পৰ্যান্ত জল দাঁড়াই রাছে। পলাতামত্ব পণে গমনাগমনের পক্তে বে কত দূব কণ্ঠ হইয়াছে, তাহা লিখিয়া শেষ করা যার না। কুটার ও মৃত্তিকানির্দ্মিত প্রাচী রসকল অধিকাংশই ভূ মিগাৎ হইরা গিরাছে। বিশেষজঃ চাষের পাক্ষ যতদুর অনিষ্ঠ হই बाट्ड. द्वांध रुत्र कन्धांदन, जनातृष्टि ও सट्ड তত দুর হয় নাই। বেসমস্ত বীজ বছ যদ্ধে ও কটে রোপণ করা হইয়াছিল, তাহ। একবারে বিনষ্ট হটরাছে। মার্ছের উপরে আরার ৪। ৫ হতি জল দাঁড়াইয়াছে। ঐসমন্ত জলাকীৰ্ণ কেত্রে বে পুনর্কার কেমন করিয়া বীজ রো-পিত হইয়া শাস্যোৎপাদন হইবে, তাহা স্থির করিতে পারা যা**র ন**া চাবের পকে এতা দৃশ অনিষ্ঠকর ঘটনা দেখিয়া ক্র্যকেরা যার পর নাই হতাশ ও শক্তিত হইয়াছে। তাহা-দের কাতর বাক্য প্রবণ করিলে কার না হাদয় বিদীণ হয়। গত ১২৭১ সালে কটিকাও জলপ্লাবন, ৭২ সালের অনারৃষ্ঠি ও ৭৪ দালের ঝটিকাতে মনুষ্যাগন জীবন্মৃত হইয়া কেবল আশাকে অবলম্বন করিয়া রহিয়াছিল। তাহাতে বর্ডনান চামের এইকপ অনিষ্ঠ ঘটনা দেখিয়া সে আশা একেবারে নির্দ্ধান र देशाइ।

> ইপ্রিয়ান মিরার ও ভারতব-বীয়গণ :

माहे विलिटल (वाथ इश चजू/कि इश मा বস্তুতঃ ভারতবর্ষীয়গণ ব্যক্তিবিশেষে श्रमुद्राध ना कतिया यथकातः स्थावीचि शारन नकरनत रहात्र काका करतन, ब প্রকার স্পাটবাদী লোক ইংরাজদিগে: बिट्रभम् ७: जात्र जवर्षक इरता क मिर्गत মধ্যে অভিবিরল । গুণের শহিত দোয়ের फेट्सिथ ना कतित्व कां जिमाशांत्र । धर्म-নীতির উন্নতিদাধন করা যায় না। ওণের नाम् प्रतिवत डेट्सश्च चावनाक वर्षे ; किन्द्र त्नारमत कंन्याना वा घाउवर्गना প্রতিষ্ঠান্ত চেষ্টা অতিশ্য করিয়া বিভয়না। ইতিয়ান মিরারে ইহার একটা डेर्क्स मुख्य मुख्य इंदेल। यथात्म धर्म-मः कान्र (भाषामी ना थात्क, मिथातन ইতিয়ান মিররের অপেকা কেহই অধি कडा व्याक शिवडामहकारत व्यान-করিতে" রের দোষ গুণ বিবেচন। পারেন না; কিন্তু গত ১৫ ইজুনের পত্রে আমরা একটা প্রস্তাব পাঠ করিয়া অতি শয় বিস্মিত ইইয়াছি। এক জন ভারত-वशिरात लाथनी इहेट ज अधकात खन्। কটু অমূলক বাকা বিনিপতি হইতে পারে, আমরা তাহা পুরের জানিতাম না। নিয়ে উহার কোন কোন অংশ অসুবাদিত করিয়া দেওয়া যাইতেছে। " আমর। দেশীয়দিগের প্রতিনিধি বলিয়া পরিচয় দিতে চাহি না। যাঁহার। স্বে-শীয়দিগের প্রতিনিধি বলিয়া খাত্র পরিচয় দেন, ভাঁহাদিগকে আমর৷ এই মাত্র বলিতেছি, ভাঁহারা মিখ্যা কথা বলেন ( !!! ) আমাদিগের ফোন জাতি-माधात्र वार्थ नाहे; स्टबार वार्गात् भारत कान माधातन व्यक्तिशास ए माथा-রণমতও নাই। এরপ ছলে কোন ব্যক্তি সকলের প্রতিনিধি হইতে পারেন না। শ ইণ্ডিয়ান মিরার স্বয়ৎ যে জাতি সাধার**ে**ণর **অথবা রাজনীতিসমুফো** কোন শ্রেণীর প্রতিনিধি নছেন, দে বিষয়ে

केँ।हात '॰ महल भ वार्टका व्यक्त विवास 🔻 कतिर्वन ना : किन्छ आंगोनिर्गत कांडि-সাধারণ স্বার্জাতিসাধারণ মত ও ভাতিসাধারণ অভিপ্রায় নাই, এ বাক্যে क्ष्य अनुस्माननकाती इहेरवन ना । ध দেশীর ও ইউরোগীর বলির। যে ভেদ বরা হৃত্য, ভাষাতে কোন ভারতবর্ষীয় अक्षणे १ करिंडरजन मा कतिया छना है. गाँदर मक्लर्क जुलाज्ञरभ त्राक्रभन थानान कता इत, त्कान ভात्তवनीयात अहा অভিপ্রেত নয় ১ ইংরাজেরা যে গর্মো-দাত ব্যবহার করেন, তাহাতে কে না वित्रज्ञ १ हेर्नए ७ मही जामा पिरशत वृध्य ও কটের বিষয়গুলি প্রবণকরিয়া তাহার व्य श्रीकात रुक्ता करतन, काकात ना देख्या? আমরা দৃষ্টান্তস্থরূপ এগুলির উল্লেখ करिलाम, धरेक्षण भारतक विवय आहि। এতি দ্বিয়ে বদি ভারতবরীয়দিপের ঐক मा कहा कात करवीं शिक्तिशत मात्र नाहे, এ চলাবলা কিরুপে সঙ্গত হইতে পারে 🤈 घा तवान कादीत निक वारकात खगान (म उहा क इवर । हाक्रभी किमहाक्ष व्यामानिटश्र । পরস্পরের মাজভেদ ও পরস্পরবিরোধী कि यार्थ शाहि, मितारदत এक এक कि कतिया দেখাইয়া দেওয়া উচিত ছিল : মিবার क्रमणः डेक्टमाधिक धरेश विश्वाद्वर, ॰ आभामिरभत विरमाय विरमाय वितरम অন্তোৰ আছে, কভগুলি আলুমুরি लाक सार्थमाधनार्थ (महेखिलाड छेरमार (पन । " भितात यनि छित्रिए विद्वाप्त कतिया (मरथन, (मरिएड পाईरवन, বিশেষ বিশয়গত অনত্যোধ ক্রমে জাতি সংখারণ হইয়া উঠে। যে বিচারপতি হতাকারীর ছয় মাদ মেয়াদ দও দেন, তিনি ভারতবর্ষের কোন স্থানে সম্ভোব केश्यानन कहिट्ड शाहरन ? आयन আপন পদগৌরব বুঝিতে না পারা আরে একটা বিভ্রনা। মিরার হিল্পুপেটি क्षपूर्क अधिक छत । क्षमणानानी "

বলিয়া নির্দেশ করিয়াছেন। কিন্তু জাতি
সাধারণ প্রতিনিধি বলিয়া স্থীকার
করেন না। এই ক্ষমতা কোথা হইতে
আদিল ? সংবাদপত্র জাতিসাধারণ
মত প্রকাশের এক প্রধান উপায়। যে
সংবাদপত্র এই নিয়ম প্রতিপালন
করিতে পারেন, তিনিই প্রতিনিধি হন;
সংবাদপত্রের ক্ষমতার দ্বিতীয় অর্থনাই।
মিরার কি এ কথা অস্বীকার করিবেন ?
পাঠকগণ নিম্লিখিত কথাগুলির বিষয়
একবার বিবেচনা করুনঃ—

·· অনৈক্য আমাদিগের স্বাভাবিক অবস্থা; স্বার্থপরতা আমরা সর্বপ্রধান इच्छे छ्ढान कति, शरदत कथात जनमर्थ করা এবং পরক্ষারকে অবিশ্বাস করা আমরা বড়ই বুদ্ধির কাজ জ্ঞান করি। " নেপলিয়নের শেয দশা উপস্থিত; এক জন কাথলিক পুরোহিত তাঁহাকে ঈশ্বর ও প্রকালের বিষয় বুঝাইতেছেন, এমন সময়ে সমাটের চিকিৎসক (ইনি কভক নাস্তিক ছিলেন) হাস্য করিতে লাগি-লেন। নেপলিয়নেব পূর্কমত তেজস্বিতা আদিয়া উপস্থিত হইল। তৎক্ষণাৎ শ্বার উপরে উপ্রেশন করিয়া এই मुमूर्व (यादा यद्मियुना तक नश्टन हिकि ६ मक्टक डितऋधि कतिहा विलिद्यान, " यूतक। त्वाध इग्र, जूमि प्याशमादक অভিনয় বিচক্ষণ জ্ঞান করিয়া ঈশারকে मान ना ; किन्छ गारा विनट छिन । व्यामता (क्वल मान कति एवरे नांखिक इक्टेंट भारत ना ! " आमता नकत्नह স্বার্থপর ? রামমোহন রায় কি স্বার্থপর ছিলেন ? ঈশार हाम विमानागर ७ (कणव চন্দ্র সেনপ্রভৃতি সকলেই. কি স্বার্থপর হইয়। যাবভীয় কার্যা করিতেছেন ? ভার-তবর্ষীয় সভা কি স্বার্থপর ? পরস্পরের डेलटत जामानिरगत जित्यांग जारह. তाहात बक्षा मृठीय अमर्भन कता উচিত।কোন ভারতব্যীয় দারকানাথ

মিত্রের ও সভে,ক্রনাথ ঠাকুরের উন্নতিতে ছঃখ প্রকাণ করিয়া থাকেন ?

कीशकान ।

হিন্দু শান্ত্রকারেরা ভীর্যন্তালকে পরম পবিত্র ও পাপনাশের অন্যতর প্রধান উপায় বলিয়া বর্ণন করিয়াছেন। পূর্বে যথার্থ ধার্মিক ব্যক্তিরাই পুণাসঞ্ য়ের মানদে ভত্তংস্থানে প্রমন ও সংঘ-তেক্রির হইয়া কেবল পুণ্য কর্মের অনু ষ্ঠানেই কালাতিপাত কুরিতেন। শাস্ত্র কারেরা উহার পবিত্রতারকার্থ সবি-भिष यञ्चरान हिटलन। उँ हाता वटलन, তীর্থে গেলে অন্যস্থানক্ত পাপের খণ্ডন হয়, কিন্তু তীর্থক্ত পাপের খণ্ডন নাই। এত করিয়াও তাঁহারা উহার পবিত্রতা तका कतिएक शास्त्र नाहे। आकि कालि তীর্থস্থানগুলি যেরূপ হইয়া উঠিয়াছে ভাগতে উহাকে পাপালয় বর্ণন করিলে অত্যক্তি হলনা। মানুদে যতপ্রকার পাপ কর্ম করিছে পারে, এক্ষণকার ভীগস্থানে দেসমুদায়ই প্রত্যক हशा अक्रम इहेबात कादन अहे, जीटर्य कीविका द्रमञ् । धर्मद्रितिः ठ लाटक मर्त्र-नाइ मानामि कतिशायाटकन। वाहामि-গের অন্যত্ত জীবিকা অন্তর্জন করিবার क्यांडा नाइ अवर योहाता नाना धकात পাপজিলায় আদক্ত, ভাহারটে গিলা সচরাচর ভীর্থস্থান আপ্রায় করিয়া থাকে। চাতুরী প্রবঞ্চনাপ্রভৃতি বিষয়ে তাহারা অপটু নহে। হিন্দুশাস্থ্রোক্ত যত প্রকার ধর্মচিত্র ধারণের ব্যবস্থা আছে, তাহারা সে সমুদায় ধারণ করিয়া থাকে। উপধর্মবিমূঢ় হিল্ফুদিগের মন ভদৰ্শনে বিমোচিত হইবে, ভাহা আশ্চ র্য্যের বিষয় নছে। এক ব্যক্তি কাশীর বৃত্তান্ত বর্ণন করিয়া যে এক দীর্গ পত্ত লিখিয়াছেন, ভাছা পাঠ করিয়া কোন क्तरमह अज्ञाश देवहा इस ना (य (कान

ব্যক্তি কাশীতে নিজ পরিবার প্রেরণ ক্রেন। পত্ত প্রেরক লিখিয়াছেনঃ—

" আমি বারাণসী ধানে গমনপূর্বক বাঙ্গালীটোলানামক যে ছানে অনেক বাঙ্গালির বাস আছে তথায় ছিংগাম। ঐ বাঙ্গালীটোলার সন্নাসী, গৃহস্থ অধ্যাপক, ভ্রাহ্মণ, বাটীওয়ালা, পণাজীব প্রভৃতি অনেক প্রকার বাঙ্গালী অছেন। তম্প্র

> ুদ্ওধারি প্রভৃতি সন্নাদীদি-গের ব্রেহার।

मञ्जामी पिरशत मरश मठाशाक्तिरशत সুখের সীমা নাই। তাঁহাদিগের "শিব্য সন্ত্রাসিগণ ধনীদিগের ভৃত্যবর্গের ন্যায় আপন আপন গুরুপ্তাবোপলকে সমস্ত কর্মাই সর্বাদা নির্ববাহ করিয়া थारकन। या औषिरशत निमञ्जनाञ्चारत तिकार कार्य का वाहेट इहेटर, এভদু छ। य अरु था जाय লিখিত হয়, তদসুদাবে শিষ্য দণ্ডীরা আহারার্থে গিরা উত্তমরূপ আহার করিয়া বস্ত্রাদি যে কিছু প্রাপ্ত হন, তাহা হইতে কিয়দংশ রাখিয়া অবশিষ্ট আপন আপন গুরুকে দেন। কুলকামি-নীরাও দর্বদ। পরম ভক্তিনহকারে মঠাব্যক্দিগকে উত্তম বস্ত্র এবং বারুণী-সোলে উপাদের আহার যোগাইরা উাহা দের চরণদেধায় নিযুক্ত থাকেন; ভোগ্য कान विश्वति **अलाव कथन घटि ना**। মঠধারীদিগের শিষাগ্র ঘাঁহার। মঠে বা স্থানাপ্তরে থাকেন, তাঁহারা আপন আপন গুরুতুলা সুখী না হইলেও কোন श्रकांत जारमारन क्रक कारन व,क्षक नत्हन। डाँशांता উत्तम यामन, উत्तम वमन मर्रा शे शिथ इहेश थात्कन बवर मकत्वति क्षांत्र अक अक्जी स्वतामामी আছে। ঐ যতিগণ সুরাসুকল্পায় পুট. কায়ে হৃষ্টান্ত:করণে ঐ পরিচারিকা-

क्ट्भित नर्काडोचे निक कतिता बाटकन। मठाशाका द। निया (य कान मन्नामी ছউন, ভিকার্থে গৃতজের বাটাতে গিয়া भूक्षम् निकट्डे ना शाकित्त, इत्छ शंभु वांनि निवाद इटल क्लवालानिशतक निकटे जिल्हा, श्चां जह तिथा है हारे **ছউক, অথবা বলপূর্ব্বক্ই চউক, তাহা** দের অংধর রচেই গণ্ডুযকার্য সমাধা করিয়া থাকেন। অনেক যতির শুণ্ডিকা नरम ७ हा जिक्कानार्यत ती जिल्हा धरे ममस याँ छत निकार छ। समिका করিতে থেলে ইহারা বলেন, " আস রাই সাকাৎ সম্বেজ নারায়ণ অথবা ত্রেন্ধ क्हेग्राहि क्लान कर्याहे निश्च नहे। य कोन कर्य योगोलित लिह हहेट निष्णा দিত হইতেছে. তদ্যারা আমরা আর সংসারে আবদ্ধ হইব না। ভোমরা আমা দের শুক্রাবাবায়ণ হইলেই তজ্জনিত তুরুতিবলে, গুরুর ভানে আমাদের ন্যায় জ্ঞান প্রাপ্ত হইয়া সংসারবন্ধান হইতে মুক্তিলাভ করিতে পারিবে। ঐ প্রকার জ্ঞানভিন্ন মুক্তির উপায়ান্তর नाहाण यनि जिल्लामा कता यात्र (य, অশব্দস্পর্শং ইত্যাদি শ্রেণতবাকাার সারে ত্রন্ম বস্তুতে শকাদি ইন্দ্রিয় কার্য্য किছूई नाई, ভবে আমি নারায়ণ কি कार्या इस कि ना ? अञ्चलता व्यानतक है वटनन, जुमि कानाधिकाती इउ नाई; কেবল কুতর্ক শিখিয়াছ। বেছেতু সাধু এবং বেদান্তবাকো ভোমার বিশাস নাই, ভূমি আমার নিকট হইতে গমন কর, তোমার মুখ দেখিতে নাই।

# গৃহস্থ অধ্যাপক মহাশয় দিনের ব্যবহার।

বেদকল ধনবান যাত্রীর স্থাগ্র হয়, ভাঁহারা দলবিশেযের অধ্যাধাক মহোদয়দিগকে আহ্বানপুর্কক প্রত্যে

करक लेकि ।० जायवा॥० जाना मान করিয়া থাকেন। অধ্যাপক নুম্লানরের। मा जानित्भत का जासू मधान ना कतिया ८,गई দান প্রচণ করেন। লোকের অন্যান্য किर्माणनरम् ७ इ महामहिन्दिशं অনেক আয়ে আছে। অধ্যাপক মহাশ্য मिरबंद शङ्गी, छात्रानी, कन्या, शूअवशू প্রভৃতি সধবারা যাত্রীদিগের বা অন্যান্য লোকের আহ্বানমতে দিয়া যামিনী উভয় कारलई छेनश्चिष्ठ इहेग्रा मक्टलब चालट्स चाहात अवर बद्धालकात हिन्दात महिंख धार्व कतिया थाटकन । सम्भिष्टीत-য়েও গননে স্বেকে পরাভ্রুখ হন না। স্থানবিলোচন সধ্বাস্থকারের কোন উপ চাবেরই অভাব হয় না। অধ্যাপক মহা শ্যুদিগের গৃহের বালিকাগণকে স্থৃতিকা-গার হইতে বহিগমনদিনাব্ধি বিবা-হের পূর্কদিনপর্যায় কুমারী স্বরূণ दक्रांशकातानि (म अहा লইয়া সিয়া হয় ৷ এই সমস্ত আয়িদারা অলাপক মহাশারে। স্বাস্থা দেশাপেকা কালীতে अधिक धनमां भी हरेग्राट्टन । ना हर्दे वन ह (कन ? चरण्टा क्वन शूक्रदेश चाराइत প্রতি নির্ভর ছিল, কাশীতে পুরুষ, ত্রী, বালিকা তিনের আয় একতিত হই-८७८ছ। ছঃখের মধ্যে দৃঊ হ≷য়। थातक त्य, कथि 5 मध्या 'ठाकूबानीबा वादगांकी फिटलंद गांश বেশ ধারণ পুদ্ধক প্রাতঃকালাবনি গ্রায় দ্বিপ্রহর দিবা পর্যান্ত কোপায় মধ্বা कुमातीत अरम्बन चारह, এই अर्मकारन নানা স্থান জমণ করিয়া পাকেন। কোন (कान व्यक्षां भक्त प्रश्लेश वित्रां विद्यां भ জন্য শোকভিভুত হট্যা কাশীগমন পুর্বাক গুণ্ডরূপে মন্ত্র প্রদান করিয়া অনা थानाथ इडेशाएन। डेडानिशतक ममत्त সময়ে জাণ্ছতার জন্য ঔদধ সংগ্রহ ক্রিতেও হয়। বিষয়বিশেৰে সাক্ষ ति अर्थे हे ने स्थाप के स्थाप

লোক পাওয়া যায়।

ভানট্ন; বে;সাণের ব্যবহার।

वकानभक्ष गांगा कार्गत (य खांचान ঠ कुटतरा विषा:, तुष्कि **७ (%)**कुम**शकान** প্রাজীবিকার উপায়**হীন হইয়াছিলেন** এব॰ अशम्भगमनानि **मिटिस अस्मिटन** হিল্প ত হুইয়া নামাজিক मन्त्र (न ৰঞ্জিত হট্যোচেন, উল্লাইদের অধিকাং শ विनिष्टः वा উপপङ्गी समविवन्नहादत कानी राम करित अङ्ग्रा अन्ताना आत्मक आजीव প্রব্যাব্ত ব্রেক্সন্বেশে এই সম্প্রদায় ভুক্ত আছেন। ইহারা মন্ত্রাকু লোকদি গের উপাদনাপুর্বাক এক এক দলভুক্ত ফইলা যাত্রিগণের এবং **অন্যেরদের নিম** স্থ্রণান্ত্রধারে আহার করিয়া যে। কিঞ্ছিৎ দক্ষিণা পান, তদারাই অনাানা বায় निकाह करिया थाएकम, किह किह वा বস্ত্রাদির দোকান করিতেছেন, কেচ অনের শিবপুজা, কেছ পাচকের কার্যা कतिता थाटकन। भिथानाकः धनानानि হ্রসংখ্র হারাও অনেকে কিঞ্ছিং উলা क्रम कट्रम । ग्रहाकिक मनवा ও क्रमादी हा । अक्षां भक् सहामहामित्राव स्त्री, कना প্রভূতির ন্যায় धान । পা छान থাকেন। যাঁহার একটা কনা ক্রে िर्हान के कनारिक विकास करिया ६००। ১৯০ শত টাকা মূলা পান।

जिक्तानर विभवा अवर व्यवीता

গণের ব্যবহার ।

चारतक विषदा ও खदीता का नीर, मरनह পাং, অন্তিবিল্যে ভত্তা জলবাগুর ন্ডাৰ এবং বদুজালন পুষ্টিকর আহাণের ত্রে, যেন নবীনা হইয়া তথকাল বিহিত स्वास्त्र कर्भा तक इन। खरनरक शक्ष অকাত ব্যবহার করিয়া পাকেন। দ্বিতীয় मार्गा ग्रम भारतिकालकाशीनिश्वत ल्लान इंटेट मः गृहीं इंट्रा थाटक। যে বিদ্যালয়ের মাথ্যারিক বায়নিকাং 🌉 ক্রিংহাদি গর পুত্রাদি টাকা পাঠান, বালার বাটীতেই প্রাপ্ত হন; স্থানান্তর

উবিচারা ঐ টাকার অধিকাংশ অসুকুল शूक्रमित्रत त्नवाटक एता। वाजि अञ्चलां निरंशत वावहात।

याजिशानित जाराटमत सना जारनाटक

এক একটা কেছবা অধিক বাটী ক্ৰয় পূক্তি অথবা ভাড়ায় লইয়া আপন আপন উপাত্নী সহিত তথায় বাদ করি তেচেন এবং ঐ বাটীতেই স্থানে স্থানে ২।৪ জন বেশ্যাকে রাথিয়াছেন। ইহাঁরা যাত্রিগণকে পথ হইতে অনেক যত্ন ও সমা দরসহকারে আপন আপন বাট্টাতে আনিয়া दार्थन। याजीता २। ३ मिन शंख इंडेटन সধ্বাদি ভোজনের অভিপ্রায় ব্যক্ত করিলে वाष्ट्री उशाला के मकरलं अश्वा कानिया আপনার উপপত্নী. কয়েকজন বেশ্য এবং ২।৪ জন ভ্রাহ্মণীকে সধবাও যে কোন জাতির হউক বালিকা কনাগণতে কুমারীর স্বরূপ এই নিয়নে নিম্সুণ করেন যে, ভাঁহারা বস্ত্র অলক্ষারাদি এবং দিশিলা যে কিছু পাইবেন, তংসমুদায় **डिनि ( वाँडी अशाला ) लइटवन, अधवाता** কেবল খাদ্য এবং গভেনেক / আনা निकिशा शाहित्वत । जाक्काशनिशतके अहे নিয়মে নিমন্ত্রণ করেন যে ভাঁছারা প্রভো क / जाना मिक्त आश्र इहेर्दन। সধৰাপ্ৰভৃতিয়া উপস্থিত হইলে বাটা ওয়ালা এমনি সতক থাকেন যে, ভাঁছার অগোচরে কেছ কোন দ্রব্য গ্রহণক্ষম হন না। শাত্রীর। সধবা প্রভৃতিকে বস্ত্রা लकातानि अनिका (य किছू (मन, वाँजी ওয়ালা দেসমুদায় আজ্মাং করিয়া ুগ্রতে करक / आना मिक्का पिया विमाय क्टबन। मछीता वञ्जानि याश भान, वांनी ওয়ালারা তাহারও কিয়দংশ লইতে क्रिकेट तमा।

ন্ত্রী বা পুরুষ কোন যাত্রীর পঞ্চমকা त्रत आहा क्रम इटेल मक्त नाहे वाणि

याहेटल इस ना। अहे इट्रायाटम के याजीत নিকটে বাটীওয়ালার অনেক অর্থ সংগ্রহ হয়। অনোর ছানে যাত্রীরা যে কোন দ্রব্য ক্রম করেন, তাহার প্রাকৃত মূল্য অপেকা অধিক দেওয়াইয়া বাটাওয়ালা তাহার ভাগ লইয়া থাকেন। যাত্রীরা किছू टेका वा मूनावान प्रवा वार्तिस्ता लात श्रुट वर्षिया ताहित त्कान थे। दन গেলে, বাটীওয়ালা তাহা অপহরণ করি बात स्विधा शाहरत ছाट एन ना। दिनान যাত্ৰী পীড়িত হইলে ৰাটাওয়ালা उँ। हाटक व्याशम वांछीत वाहिएत निएक श পুকাকি তাঁহার বস্তাদি আত্মদাং করিয়া বদেন। কথন কখন রুগ্ন যাত্রীর প্রাণ **পर्य छ विनक्छे** इहेशाथाएक।

কিঞ্ছিং পুৰাতন ভদ্ৰগোচ वाकालिक्रिश्व

ব্যবহার। इंग्रेटनत मर्था धनवान महाभरतता এরণ গর্কিত যে স্থানাম্বর হইতে আগত কোন গজ্জন তাঁহাদিগের সহিত সাকাৎ वितिवात काना जाँशामित निक्षे (शत्न यत्थाहिल ममानत करतन ना। कांगी वामी जिक् विकारणता त्यमन मर्दामः ভাঁহাদের নিকটে গিয়া অপকৃষ্ট অংদনে गमामीन इरेशा तक्षकरत करथालकथन क्रिया थाटकन, धनवान महानाट्यता व्यवामा जम्हिलाहकत्र निक्रिंश सम्बद्ध হারের অভিনাষ করেন। যে সমস্ত ভাগাণ ঠাকুর নহাশয় আপন অ:পন মাতৃগর্ভে থাকিয়। মাতার কাশীগমনের পর তথায় জন্ম গ্ৰহণ, বা লৈশবাৰস্থায় ছানান্তর হইতে আপন আপন মাতা, মাতামহী প্রভৃতির সঙ্গে তথার গমন পূর্বক উপরের লিখিতমত মাতা প্রভ্ তির সধ্বাস্থরপ অভিনত ধনে লালিভ পালিত শিক্ষিত এবং ক্লাছাদের অনু রোধত্তমে কোন ধনবানের সাহায়ে  $_{R}$ চাক্রি প্রাপ্ত হইয়া কিছু ধন জ্বজন

করিয়াছেন, অথচ এ পর্যন্ত সকলের দান গ্রহণ করিতেছেন, তাঁহারা আবার এমনি দান্তিক যে, স্থানান্থর ছইতে আ গত কোন ভদ্রলোক তাঁহাদের নিকট গেলে, বিবেচনা কবেন বে, ঐ ব্যক্তি আপনার পর কালের সদ্যতিলাভের নিনিত তাঁহাদের দারস্থ ছইয়াছেন। দুই চারি আনা লাভের প্রত্যালা না থাকিলে ঐ ব্যালা ঠা কুরেরা অনেরে বা টাতে গমন অপমানের বিষয় বিবেচনান্ধ প্রায়ই যান না। যেথানে কিঞ্ছিৎ প্রান্তির উপস্থিত হন।

গঙ্গাপুত্র এবং যাত্রাওয়ালা-দিগের ব্যবহার।

এই উভয় দলের মধ্যে **পদাপুতে**রা যাত্রীদিগকে মণিকর্ণিকা তীর্থে স্থান করাইবার সময়ে সংকশের মন্ত্রপাঠ এবং ঐ द्रांति याजीता य किছू मान করিয়াখাকেন, ভাষাও অছণ করেন। याजा अशालाता याजी निगटक मटक लहेशा (प्रवृत्ति এवः (प्रवास्त्र मक्त (प्रवार)। এই রাজা ত্রিটিশ শাসনাধীন হইবার পূর্ববোধার, তথপরেও কিছু দিন পর্যান্ত গঙ্গাপুত্র ও বাত্রাহয়ারা প্রথমত: ষাত্রিগণের নিকট নম্রতা প্রকাশ করিয়া শেলে উহাদের দর্কত্ব অপহরণ এবং যাত্রিবিশেষের প্রাণপর্যান্ত বধকরিত। এক্ষণে প্রায় ৩০ বংসর ছইল, ইছারা শেরপ দৌরাত্ম করিতে পারে না। মহাত্ম। মেকলিএড এবং গ্রিন সাহেবের क्षिपद्वेषि नम्दर अहे इहे मटनत अवः व्यन्ताना खंधानित्यत विवाक्त भाष्टि इत्र, **जनविश्व উशास्त्र अञ्चाहात्र शहेरञ या**जि গণৈর নিক্ষতিলাভ হ্ইয়াছে। তথাপি का कि उ के का निर्मा के निर्मा के निर्मा উহার। যাত্রীরু . নিকট বিদায় হইবার कारल किছू उर्दे मञ्जूषे इस ना, व्यक्ति व्यर्थश्रहत्व व्यक्तितास योजिन्नरक

ष्यतिक इस्तीका बल्ल, श्वान ও वास्ति विभाष कान यांजीर्ट्स श्रहात्र कतित्रा थादक। याखिता विद्रमण्यः, व्यालमादमत প্রিচিভ কোন লোককে দেখিতে পান না; পুতরাং বিপদ জ্ঞান করিয়া ভাষা रहेटड छेदात इहेबात वामन्त्र छेरानि গকে অগত্যা অধিক টাকা দেন। যাত্রীরা स्विश्वादश श्रृंकांकि यांका स्वत, जाहांत व्यक्तांश्म राखा अञ्चलका नहेश थाटक। याजा ७ शनाता वाजी पिरंगत मम्बिगाः हाती युव जी जीमिटनत महिक शाब है অসদ্যবহার করে। কোন গঙ্গাপুত্র বা যাত্রাভয়ালার অভ্যাচারছেতু বিরক্ত इंद्रेश यनि कान याजी क्लेकनाती जाना बट्ड चार्रवेषन कतिवात मःकल्म कटतन, তাহা হইলে বাটীওয়ালা প্ৰভৃতি মধা-वर्जी इरेशा उँ: हाटक अने विलिश कांग्र करतन (य, शक्राशुद्ध ७ याखा अशालाता है ভীর্থের ফলদাতা, ভাঁছাদের বিরুদ্ধে নালিশ ক্রিলে তোমার নরক ছইবে। जीर्थत रकान कलनाम हहेरव न।।

েবলেয় সঞ্লেব পাগুলিগের রুক্তান্ত।

देशाँता मकरल मित्रां जारत पारान আপন দেবালয়ে বিষয়া দক্ষকাৰ্য করিয়া খাকেন বলিলেও অত্যুক্তি হয় ना। योजीता पर्यनार्थ (य प्रताल दशयान. তত্ৰতা পাণ্ডা যেন সাক্ষাৎ সেই দেবতা এই ভান করিয়া বলিতে থাকেন, অগুক অমুক দ্রবাও এই পরিমাণ দক্ষিণানা मिटल (मरजा कथनई जूषे हहेरवन ना, প্রভুতে ভোষাদিগকে নরকে নিকেপ कतिर्वन। अदे विनशा याका शारतन यांजी দিগের স্থানে লন। জ্রীগণ ঘেদকল व्यवकात भाष्य भविधान शृक्षक वरः অন্যেরা কোশাকুশীগ্রভৃতি যে কিছু वामन लहेता (स्वाज्ञाद्य शंमन कार्तन, ভাহার যে কিছু পারেন অপহরণ করিতে পারিলে পাওারা ভাষা ভাগে করেন नां। टेनदां थिन कान जनकात कि चनन

ভূমিতে পতিত হয় তাহা হইলে পাণ্ডা তথনি তাহা লইয়া গোপনে রাথেন। যে যাত্রী ঐ অগন্ধার বা বাদন পাইবার চেণ্ডা করেন, তিনি প্রায়ই পাণ্ডাকর্ত্ক আহত হন। বালিকা যুবতী প্রোটাপ্রভূ তির কপালে ক্লির ফোটা, হত্তে নির্মালা, ও চরণাস্ত প্রদানের, অথবা হস্ত বুলাইয়া আশীর্কাদের ছলে তাহা-রদের অঙ্গন্পর্ম করা হয়।

অনেক স্থানের দেবতাদিগের অনেক প্রকার প্রদাদ দৃষ্ট হ্র্যাছে; কিন্তু কাশীত্ব হই এক দেবতার প্রদাদ গ্রহণ করি-লে উইলসনের বাটা গমনের প্রয়োজন হয় না। অনেকেই পূজার ছাগাদি পশু সহিত ছোট ছোট শুকর বলি, অন্যান্য স্বোর সহিত অনেক কৃকুটপাবক ও অধিক পরিমাণে ত্রা প্রদান করিয়া পাকেন। এই সমস্ত প্রদাদী স্বব্যের দারা প্রকাশ্যে এবং গোপনে সম্যাদীপ্রভৃতি অনেক প্রক্রের, সধবা বিধ্বাপ্রভৃতি অনেক স্ত্রীর আনন্দ বর্দ্ধিত হইতেছে; নব্য দলও এই প্রসাদগ্রহণে পরাঙ্মুথ হন না

বাজালীভিন্ন জিলিজ, মহারাই, গুজ ताहे, लारहात ७.जृजि व्यानक कारनत অনেক হিন্দু কাশীতে বাদ করিতেছেন डाँशामत जी शूज्य छेल्टबरे वाहिटब এমনি শুদ্ধচারিতা দেখান যে, তামাদি ধাতৃপাত্রে আপনারা গলা জল লইয়া পিয়া আপনারদের সমস্ত কার্যা নির্কাহ করেন। বাঙ্গাণী আন্দাণ স্পর্শ করিলে তৎকণাৎ স্থান করেন; সর্বাঙ্গ নিয়তই গঙ্গা স্ভিকা ও বিভূতি ছারা বিলে-পিত রুদ্রাক্ষ মালায় জড়িত রাথেন : তাঁহারদের মুখে অনুক্র বেদধনি শুনিতে পাওয়া যায়; কিন্তু প্রায় সকলেই बीटाहाती। अथम, विकीय, कृकीय, हकूर्थ, মকার ক, হার প্রভৃতি যে কোন জাতীয় ভূত্যগণ্দারা আনাইয়া থাকেন। দিতীয় ७ ए जोत्र मकात व्यापक शहन करतन ना ;

कि वासानी कि खनाना मिनीत व्यानक्ति कर्म महत्त्वत मर्ग इने हाति सम मद खाइन। डाँहाता छी भूकरम भत्र भन वा भेतसवातमाश्वानन करत्न ना; निया योका वर्णन ना, भेतानिक भिति-खामपूर्णक खाभन खाभन मोतामङ भरित खाभने वापा कि धनदान है मर मात पाला निकाह कर्तन। हे हैं। ता कूमर का भागित है भर्मात खान है भर्मात खान है भर्मात खान है भर्मात पाला निकाह कर्तन। हे हैं। ता कूमर का भागित है भर्मात पाला निकाह है भर्मात पाला निकाह है भर्मात पाला निकाह है भर्मात पाला निकास करा स्था । भ

#### an \$13...

#### মুভন প্রেক' :

हिन्छुतिक्षिका। श्यानि मश्चाहिक পজিকা। বোয়ানিয়াস্থ ফিন্তুখন্ট নভার बार्स के ज्ञात्न के अवानि मुख्ति उ अ अहा ति इ हरेएक व्यात हु हरेशारक। हिन्दू भटचात অভিপোৰক্তা করাই এ পরিকার মুখ্য फेरफ्या। **इंशटक ताक्र**नीजियशका ए विश য়ও দলিবেশিত দুট হইল। এথম मः थानि प्रथिश आमानित्रत बह ताक्ष इहेन, मछ। यहि वी इताश ना इन, अथानि ক্রমে উন্নতিশালিনী হইয়া উঠিবে। এ, एटल इहे এक जै। कथा कला आविनाक इंडेट ६१७ । नम्भामकमिर्गत क्रुड इह धार्की उर्क (मध्यक्षा आभागित्यत वह আশক্ষা জালাততে, পাছে তাঁদারা भाषात थाँ ७ षा उन्हें छ थातर्भन कतिए ७ गिन्ना भृतिगारम भजयानिएक कांड (कोजू

কাব হ যুক্তি দার। পরিপ্রিত করিয়া তুলেন। বাদ অপৌক্রেয়ে নয়; ইহা লখার প্রনীত হইলে বেনোদিত ধর্ম নর্ব-দেশের সর্বজ্ঞাতির ধর্ম বলিয়া প্রচলিত হইত এই কথা যাহারা বলেন, ভাঁহা দিলের বাবেরে খণ্ডনার্ম সম্পাদক লিখি য়াছেন

# 2181

# ছেঁড়াৰড়নাসুৰী।

া ছেঁড়াবড়মান্ত্রী : সর্বাত্র আছে। পূর্বা প্রুষ্দিপের বোহাই দিয়া স্নাজে সম্মান वध्यात देख्या (करवा छात्रदर्ध मध्यः, अकवा ८मर में है (मिरिट भा अय़। याय़। किन्छ धक বিষয়ে শামর। সকল জাতির **অ**ত্যো হিয়াছি। ই লংগ লাড় ব শীয়ের৷ পুর্বভন সন্মান পাটবা: আশা সড়েও সামান্য মজুরি করেন किन्तु आयो निरंशत राष्ट्रभेत गरनरण धर्मा न গের বার্ডমান দরিছে প্রাপেত্রিগণ সভসর্বাস্থ হইয়াও ৰাজ্য আছমর এদশন করিছে চালেন বরে অল নাই; প্রভাহ ছুই আনার চাউল, ছুই পয়ার ঘৃত, ছয় পয়সার , কার্জ क्रम कता वस, उशांति को है (भरकरण माम थानि চाउँल शहेट्ड इडेटव । পরিবারেরগ অনাহারে কই পায়; সন্তানেরা এক মুষ্টি মুড়ি দেখিলে নৃত্য করিতে পাকে। কিন্তু বাবুর স্নানের পর মাকম মিছিরি ( ভোকের সম্মারে কাইতে হইষে; বৈকালে রাভিবির আবশ্যক। নচেৎ ৰাহিরে সম্মান থাকে না। এই অপব্যয় না করিয়া প্ত্রদিগকে মুড়ি মুড়কা দিলে তাহারা উদর পূর্ণ করিয়া বাঁচে। গুবের মধ্যে দকলই ছিম বস্ত্র; কিন্তু ৰাহিরে দশ টাকা ফোড়ার মুভি আটপছরে চাই।

এক জে'ড়া ভাল জুড়া. এক খানি ভাল উড़ानी এবং একটা ভাল জামা বাটার সক লের বাহ্য সম্মান রক্ষা করে। বিলি যথম নিমন্ত্রণ কলিতে যান , তিনি তখন ভাহা वावर्गा करतम । ४मि काम वास्क्रि আশ্চর্যা একাশ করেন ত বলা হর, আমাদি গেব সকলের এক প্রকরে জুতা একপ্রকার বক্ল। এই হা সম্মান রক্ষার ধুডি চাদর জামা ও জুতা ,অতি সাবধানে রাখা হয়। যে গৃহে ইহা পাকে ভাহার কোথায় ইচ্ছুরের शर्क, काशास विशास वमन कतिशास्त्र, काशास কোথায় পর্বাহাকার বয়লা ও তমাকের গুল রহিরাছে। এই সকলের মধ্যে একটা সে:কলে ভাঙ্গ, মিন্ডুক হিয়াছে ৷ ইহার নাম দ্রাজ এবং এই পাহিংলার তুলা ঘরের নাম ভোসাখনো !!! এক জন চা কর বাবুর খান শামা, তহ্যিলগার, রাজার সরকার ও দেও য়ান ৷ কিন্তু ভদ্রলোক আসিলে ওরে ৷ কে আছিদ রে ! বলিয়া চীৎকার করা ২য়। এক জন এক চক্ষু সেকেলে ছারবান এক ভায়া খাটিয়াতে পড়িয়া আছে। এ ব্যক্তি ব কাল বংশের আদি বড়ম,মুখের অধীনে কর্ম্ম করিত। একণে বেতন দিবার । স্গতি নাই ; দারবান জন্যত্র কাজ করে, বাসীতে বানুর ভাষ্য চালায় (ইহার নাম ' দেউড়ী..; শয়ন ১ রিয়াথাকে। কিন্তু লোকের সন্মুধে ' আমাদিগের ' ছারবানের। » বলা হয়। যেন বাবুর অনেক দারবান আছে এব াকা দিগকে বেডন দিয়া পাকেন। অনাহার করিয়া গাড়া हड़ा अहे वावुक्तिन मण्ड मन्मारन इ চিছ্না ইং ারা বাদীর ভিতরে দশ মণ স্থাদরী চেলাইতে পারেন। কিন্তু লে; কের সন্মুপে এক পাও পদরকে গমন করিলে 'উ:,, বলিয়া দীর্ঘ নিশ্বাস ত্যাগ করেন, ধেন কত कर्रे इं इरेशां हा " तड़ मासूर्यत (इस्ल, काँगी অভার্নাই " একথা লোকের মুখে শুনিতে বড় আনন্দ বেধহয়। ভাড়াটীয়া গাড়ী চড়া হইবে না, ত'ছা হ'লে লোকে বলিবেন ' ইহারা উৎসন্ন গিয়াছে 🗥 এই অভিমাননিবন্ধন এক বান্ধিলাড়ী রাখা হয়। ইহার চতুর্দ্ধণে তালি; কিছ উপরের রঙ

ऐकू छ त हाहै। अकृषि जीर्व अस आहर. কতকগুলি ভূণই ইংার প্রধান উপজীবিকা; मूथ ७ कि । नाव अर्कात । मांच जाना त्म थवा হয়। লোকের নিকট বলা হয় হহা " বোগ দাণী ঘোড়া " ইহাদিগুকে প্রতাহ দশদের माना जिल्ला करें शृहें बत्त ना ; किन्छ अपि ্ শর বে)ড়িতে পারে। বেমন ভগ্ন শকট ; জীণ অর্থ ; তাহার দাজও দেই প্রকার : পাড়া पिया मूकि या है ति है जोट जत मरकात करा रह এবং মূল্য দিবার সময়ে " তালুকের খাজ নার ,, বরাত পড়ে। তথাপি কোন স্থানে बाहेट इहेटल "इन शाफ़ी जान" वना হইরা থাকে ; যেন আরও করেকথানি শকট আছে !! এই সকল লোক ধারে হতী ক্রম করেন ; মুল্যের বেলা "ভালুকের ধান্ত্ৰন। আসিলে পাইবে । বলা হয়। ছই এক জন মহাত্রনের ওয়ারান্টের ভরে কিছু দিন স্থানাম্ভর পলায়ন করিয়া বাটা প্রত্যোগমন कवित्व छाँवानिभक्त यनि विख्लामा कता इत ''কোথায় ৰাওৱা হইরাছিল ?'' বাবুৱা व्यानि विलिया रिकेन, " खोलाटकत चोलाना আ নিতে 'বাওয়া চইয়াছিল। আমেরিকার त्तरुष्ठेनान्ते रहेन एडिंग्यनं याकक आविष्ठात করিতে বান। বন মধ্যে আংখারের অত্যস্ত कड़े इहेग्राहित, . अक ଓ करवकी कतिया স্যাওড়াফল উচ্চার ও সহায়বগের আহা র ম ছিল। কিন্তু রা ত্রতে শর্মন করিলে ঔ্টেণ ও ভাঁহার এক অনে বন্ধু সমন্ত রাত্রি নানা विध उलादमञ्जाबादतत विषद्य करणालकथन ক্রিডেন। ষেটা পূর্কে ভোগ করা হইয়াছিল, এক ণ আর ভোগ করিবার উপায় নাই. তদ্বিবয়ে কথোপকথন করিয়। আসুনানিক স্খভোগ করা নাক্ষের সভাব। এই নিমিত্ত আমাদিগের নিধ্ন ধনিস্তানপণ একতা ৰসিলে, কেবল ভাল ভাল গোড়দৌডের অব ইহাদিগের আড়খনের ক্রটি নাই। এ দিকে ৰাবুর ৰাটীতে গেলে গৃহ হইতে ভমাক লট্য়া যাইৰার প্রয়োজন, কিন্তু তথাপি नर्कता " अत्त, त्क आ हिमद्र १ मक रहे-टिट्र । लाटकर निकटि वना एव " आया निर्गा २०००।२००० छोकांत्र भाग हत्न मा ;

The second section is a second section of the second section of the second section is a second section of the second section is a second section of the second section section is a second section of the second section section is a second section section of the second section sec অপচ শিশুগণ হাহা করিয়া কেবল কাঁচা-চাউল, ভেঁতুল, আনারদের খোসা এড়ডি শাইয়া বেড়ায়। লোকে ইহাদিগের বাজে নবাৰী দেখিয়া ঘূণা করেন, তথাপি ' আইমি অমুকের পৌত্র " বলা হয়। এক জন স্পাটী শ্লু এক শৃগাল ়ুরি করে। পাছে লোকে জানিতে পারেন, এজনা শৃগালটাকে বল্লের মধ্যে লুকাইত রাখে। শৃগালটা ভাহার উদরদংশন করিয়া নাড়ী আহার করিতেছিল, তথাপি ध वाक्ति छोटारक ध्यमभून करत नाहै। ध शक्षणि योशाता कारमन, छाहाता आमानिरशत ইনানীস্তন নিধন বাবুদিগের কটকল্লিত বছ মান্থীর কৌতুক বুরিতে পারিবেন। এই ছল্পবেশে কেহই বিমোহিত হন না। সকলেই এই হডভাগ্য অহঙ্কারী ভিক্ষুকদিগের ব্যবস্থা জানেন; কিন্তু কি চমৎকার মনের স্ভাৰ! কি আত্ম জম!! ডথাপি ইহঁারা অবস্থাতু "প কাজ করিরা উদর পূর্ণ করিরা আহার করেন না।

গত শতাব্দীতে লগুনস্থ বণিক্ গণ আপন অ্যাপন ছ্হিতাদিগকে ' উপাধিধারী ভিক্ক দিশের কণায় বিমোহিত না হইতে শিকা দিতেন। পূর্বে লাড ব শীয়গণ দরিত ছইয়া বিবাহ করিয়া ভাগ্য পরিবর্ত্তের চেটা পাই তেন; কোন কোন স্থেন ক্লডকাৰ্য্যও হই-ভেন; কিন্তু প্রায় সকলকেই ভিরস্ত ও অপমানিত হইতে হইত। আমাদিণের ভিক্ষুক "বড়মাকুৰগণের » কেহ কেহ বিবাহে না হউক, বেশ্যা মহলে এই চেষ্টা পান ৷ কিন্ত এই স্ত্রীলোকদিগের অন্য বাহা দোষ থাকুক সহজেই মামুষ চিনিতে পারে । অতএব আমাদিগের বাবুরা থে কোন বেশ্যার স্বর্ণা-লস্কারের লোভে ভাছার নিষ্টে ওমেদারি করেন, ভাঁহারা শীজ ধরা পড়িরা বেশ্যার ममार्कनी थारेका हिलका आहेरमन । धरे ফিটন হারকপ্রভৃতির কথোপকধন করেন। | ব্যক্তিগা বাহ্য আড়ছরের নিমিস্ত না পারে এমন কাজই নাই। কোন ব্যক্তির উপকার ছলে হয় তাহার পরিবারের ক্রীলোকদিং ং कू भरण आनिवात रहेश भात नरहर ठेकाहेता व्यर्थ नतः। बावू मकन ज्ञवा हितनः, धक টাকার জ্বা পাঁচ টাকার বিক্রীত ব্রিলে मत्मम् कत्रिवात त्या मारे। তবে विवास धरी

পড়েন দেখানে বলেন, " দেখ অনুকের কত উণকার করিলাম; আমার এত টাকা ডুবা ইল, তথাপি কি কহিব? ক্ত টাকা কত দিগে গেল।" বীহারা দামান্য অবস্থা হইতে ধনী হন, ভাঁছাদিগের মধ্যে যাঁহার সরল ওঁহারা আহার এই ভিক্কুক ' বড়মাতৃষ. দিগের ৯ উপরে দরা করেন। কেহ কেহ অপিনার সম্মানরুদ্ধি করিবার নিমিস্ত এই সকল লোককে সর্বাদা বাটীতে আহ্বান করেন। কিন্তু কি প্রকার কাল সর্প জানিয়া ছেন, ভাষা জানেন না: "ভালুক হইতে খাজনা আইদে নাই, অংচ পিতার আছে व्यादहः " " नाट्येत किश्वि मिट्ड इटेरव । » এইদকল বাব করিয়৷ ইহানা টাকা কর্জ লয় পীড়া হইলে এই হতভাগ্যেরা ফুডন बक्त कना श्राव উৎসগ करतम। रमशास्त्र রাতি দিবা গাছেন। বুজিমান পাঠকাঁক ইহার তাংপর্য্য বুঝিয়াছেন ? অনেক টাকা কর্জ लउरा इडेब्राएड। এ वास्कित्क विम उडेश ना कतारेग्रा जनभार कता हत, छाहा इहिल আর কর্ক্সের টাকা দিতে হয় না। এত আদ-রের গুল কারণ এই। এই ভিক্কগণ মধ্যে मध्य लाक्तित्र मूतस्य रन ; कोरात मकका অথবা দায় পড়িলে পরামশ দেন: ইহাতে তাহার টাকায় আপনার ব্যয় চলে।

এইসকল লোক সমাজের কন্টক। ইছারা
প্রায় সূর্য ও দুশ্চরিত্র। বার্থপরতা ইহাদি
গের ধর্ম। প্রতারণা লাক্ষাণ্য পরনিক্ষা ইহা
দিগের সার্বাক্ষণিক কাজ। ইহারা কোন
ব্যক্তির ভাল দেখিতে পারে না। নিকটস্থ
কোন সদাশর ব্যক্তি পনবান হইরা সদ্বার
করিয়া লোকের আশীর্বাদের পাত্র হইলে
ইহারা হিংসার ফাটিয়া যায়। যাহাতে এসকল
লোকের অনিষ্ঠ হয় সেই চো করে। এই
সকল লোক নানাপ্রকার অনুত গল্পের
স্থিকর্ত্তা। এসকল লোককে সমাজ হইতে
পদাঘাত করিয়া বহিদ্ধ ত করা ছিচত। বরং
গৃহে দর্প লইয়া বাস করা বায়; তথাপি এই
প্রকার এক জন লোকের সক্ষে থাকিলে
নিত্রার নাই।

# विविधग ९ वाम ।

ত রা আঘার সোমবার।

১৮৫২ খনে অব্ধি ইংল্পে ৬3 জন দুত্ন লাড় ও ৬২ জন বার্টেট হইয়াছেন। নাইটের সংখ্যা আনেক অপিক হইবে। আফাদিগের বর্জ মান বাজ্ঞার সময়ে বিস্তর লোককে উপাধি দেওয়া হইল।

लियं नियंत यहना, উত্তরপশ্চিন'ঞ্চল একটা কালেজ इटेट्ट । कुछिति । छ'त्रछ वर्षीर्यंता अट्र में प्रांति एक के प्रेयं निका हिवात छेल युक्त इटेब'त निधिष्ठ अहे चिन्।लियं भागे किंद रचन। द्वात छ हैं, बालिल, एक के टेहात अध्यक्त वेट्टिन। काल्लिकी कि अवर्शन हेंद्र दे दे य बाक्षात शिष्याहि, ब्रिल्स इट्या । ज्यान्हर्रात विषयं नहा।

উক্ত পত্রে লিখিত হইয়াছে, সিজুব স্তুড়ৰ সম্পুর্ব হইয়াছে। ব্রিটিশ গবর্ণনেটের এই একটী দীয় কালস্থায়ী কীভি রহিল।

ভূতপূর্দ্ধ বোধাই ব্যাক্ষের কার্যপ্রেণালীর অনুস্থানার্গ ১০ই জুন অবধি কমিদন বসিয়া ছেন।

টাইমদ অব ই ভিরা বলেন, যেদকল কর্ম চারী অগুর সেকেটারি থাকিয়া অংশগান্ত। প্রদর্শন করিয়াছেন, উট্টোদগকে ক্রমণঃ সেক্রে টারির পদ দেওয়া ভারতবর্ষীয় গ্রন্মেন্টের ভাতিপ্রত। এটা শুনিতে ভাল। কিন্তু কার্যন্তঃ ইহাতে শাসনকর্ত্রগান্র কর্মেক জন আত্মীয়

বেভনবিশিষ্ঠ পদগুলির এক চেটিয়া করি । বেন। জজ গোকটের নারে মুহ্মিইন লোকেরা সর্দ্রমাধারণের আন্ধার পাত্র হইয়াও চিরকাল আপেকাক্ত হল বেভনে কাজ কবিশে বাদিত হইবেন।

বোধাইয়ের কানাটী রাক্ষণদিশের নিয়ম চই
য়াছে, কোন বাজি দোষ কবিল চেটিরা দিয়া
ছোহাকে জাতিবহিচ্ছত করা হইবে। সম্প্রতি
বকুলনরদী নামে এক জীলোক মুদলগান উপ
পতি করিয়াছে এই দোষ দিয়া ঐ প্রকার চেটরা
দিয়া জাতিবহিচ্ছত করাতে ঐ জীলোক
দল্পতিদিগের বিরুদ্ধে নালীল করিয়াছেন।
এ এক মন্দ ক্ষ্যিক নয়।

ভেলি নিউল বলেন, শিক্ষা কার্য্যের ভিরেইর জাটকিখন সাংহ্রের জারুবোধে গ্রন্থটার মর মন সংহে কয়েকটা জাদশবিদ্যালয় করিবার আজা দিয়াছেন। শিক্ষাদিগকে যেন দেড় টাকা সাভাসকা বেতন দিয়া সকল পশুনা করা হয়।

সভাতি কতক গুলি ইউরোপীয় চিকিৎসক এক সভা কবিয়াছিলেন। এতদ্দেশীয় কবিলাল দিগাকে চিকিৎসা করিতে দেশুয়া উচিত কি না; এই বিষয়ে তর্ক হয়। সকলেই প্রায় বলেন ইঙা লগকে চিকিৎসা করিতে না দেশুয়াই কর্ত্তক। কিন্তু সভাপতি বলিলেন, আজিও আনেকে ইংলালী উষধ সেবন করিতে আপতি করেন, অভ্যান্ত কবেন জালি দুরী ভুত্ত কবা প্রামশ সিদ্ধ নতে। আমন্তা, ক্রানি কবি ব্যাক্ত দিবার স্থান তানেক অতি উপ্যুক্ত লোক আচেন। ইইাদিগের চি.কিৎসা প্রণালীও অভি উৎকৃষ্ট । বিজ্ঞর উৎকটরোগাক্তান্ত ব্যক্তি ইই দিগের চিকিৎসার আবোগলোভ করেন। হারাধন কবিরাজ ইহার এক দৃষ্টান্ত। কবিরাজ দিগের চিকিৎসা বন্ধ করা অন্যায়। তবে হাতু ভিয়া কবিরাজদিগের চিকিৎসা বন্ধ হয় মদ্দ নয়। হাতুড়ে কম্পাউগুরি চিকিৎসকেরা যেন ঐসদে যায়।

আমরা ছঃখিও হইলাম, প্রেসিডেলি কালে জের ইতিহাসের সহকারী আন্যাপক লেপটনান্ট আইব্স্মধ্য ভাসতবর্ধে বিদ্যালয়ের পরিদর্শক হইয়া গ্রমন করিডেলেন। এখান অপেক্ষা তথার বেতন অল্ল। কিন্তু সম্প্রতি অধাক্ষ সট ক্রিক আইবসের মীচের কর্মচারীকে উপবের পদ দেওয়'তে লেপটনান্ট প্রেসিডেলি কালেজ হইডে ক্রেমশং যাবতীর উপবৃক্ত শিক্ষক পলায়ন করি ভেচেন। দেশের স্ব্যপ্রধান বিদ্যালয়ে একণে কতকগুলি হেটো লোক বহিলেন। স্টাক্রিক সাহেবের কি পেক্ষন লইবার সময় হয় নাই ৪

আমবা প্রবণ কবিলাম, আভবোকেট জেন রল ক'উই সাহেব শীত্র পদতগেগ করিবেন এবং বঙ্গদেশীয় ব্যবস্থাপক সন্ত'র সেক্টোরি কেনেডি সাহেব উক্তেপদ পাইবেন।

আদ্য সংবাদ আ' সিয়াছে ২৪ প্রগণার দক্ষি গংশ প্লাবিদ চইয়াছে। অন চারি দিনস চইল অনবরত রুফি ও ঝড় চইতেছে। পৃথিবীতে আর জল ধরে না। বিজ্ঞর বাটী পড়িয়া গিয়াছে, এবং ক্ষেত্র সকল যত্তমূর দেখা যায় তত্তমূর জল ভিন্ন আব কিছই দৃষ্টিপথে পড়িছ হয় না, আমাদিগের জ্ঞানে এক্লপ বর্ষ। দেখি নাই।

#### ८ है। कायां ह ब्रह्म मदाद :

কলিকাভাব কাঠবিক্তেতার। প্রায় জ্য়া(চ'র , কথন ঠিক ওজনে কাঠ বিক্রয় করে না
লোকে পলিষের হুলাগে এইসকল লোকের
নামে নালীল করেন না ; কিন্তু ঘাঁহাবা নালীল
করিছে যান পূলিষ ভাঁহাদিগের সে পথও বল্ল
করেন। সম্প্রতি এক ব্যক্তি এক মণ কাঠ ক্রয়
করেন, কিন্তু দোকানসার ভাঁহাকে ৮৫ সের মারে
দেয়। এ বিষয় পূলিষকে অবগত করাতে ভেপুনী
চমিসনর আজ্ঞা দিয়াছেন, পুলিষ সামানা চুরির
নালীল গ্রহণ করিবেন না। ৮৫ সেব কাঠে জল
ফলিলে শীত্র এক মণ ইইতে পারিত। এই অন্ত্র
গ্রেই ড চোবের এত সাহস র জি ইয়াছে।

রাজমছল হই তে কলিকাভাপর্যন্ত থাল ছই তেছে। ভূমি জ্ঞানিপ করিবাব নিমিছ কয়েক জন ইঞ্জিনিয়ার নিযুক্ত হইয়াছেন। নদীয়াতেও জ্ঞাল সেচনার্থ খাল হইবে। ২৪ প্রসাধা কি গ্রথমে, মান্টেব সীমার বহিছ্ ত ? প্রসাধা বি সংস্থারের কি হইল ?

সম্প্রতি এক জুয়াচোর কতগুলি থানের গাইট বল্প রাখিয়া ওরিন্টল ব্যাক্স হইতে টাকা লয় ৷ নিয়মিত দিবসে টাকা না দেওয়াতে ব্যাক্সের ভত্তাবধায়ক বাণহৌসে গিয়া পাঁইট গুলি খুলিলেন ৷ কিন্তু তল্পান্ত চতুরভাসহকারে গাইট বাধিয়াছিল। যে বাণ্ছোলে তীক্ষচকু কর্মচারিগণও ভাষ্ট পুড করিছে পারেন নাই। ঝকালপুরে অদ্যাপ ওলাউঠার প্রায়ন্তাব রহিয়াছে।

বোধাই গ্ৰ'মেটের অনুরোগে ভারতব্যীর গ্ৰগনেট ভত্রতঃ প্রাট মেতিকালকালেভের গাত্রদিগের ছাত্রত ভিতৃদ্ধি করিবার আজা দিয়া— দেন: বোঘ ইরের মিউ নিলিপালিটির সাহায্যার্থ সরকারী রাজ্য চইতে ২৫,০০০ টাকা দেওয়া হইরে: আগামী সর্বে ২০,০০০ টাকা দেওয়া হইবে: এসকল দ'ন জ ভিশন্ন জন্য

আব এক জন জাহাপ্সী কাপ্তেন গোলখোরে পড়িয়াছেন। ইয়ওহারান জাহাজে উইলিয়ম কল কহন নামক এক জন ফরিঙ্গিও ভাহার যোড়ণ বর্ষীয়া স্ত্রী কলিকাভায় আলিভোট্টেলন। জাহা জোব কাপ্তেন স্বিদন কলক্ষ্যের প্রীকে বংজি চারিনী করাতে ঐ বংজি পুলিষে নালীল কবি-য়াছে। মাজিটেট ব্রাহ্মন প্রভঃ বীর জামিন লইয়া ভাহাকে মৃক্য করিয়াছেন।

এবার জগরাথের যাত্রীদিগের মধ্যে বিস্তব লোক ওলাউঠায় প্রাণভাগে করিভেন্ন। ছাত্তি नश् वृक्ति इन्द्राटिक कारमरक खाव क दिनवामाध कटे भारेट ७८६। এछ याखी निवाद (य. मन्द्र इनि रह ना। हेराता (य श्रकात मन प्रया आर्थ করিবে এবং ভিজা ঘরে থাকিবে ভাগতে প্রভাগেষনক'লে আরও অনেকে প্রাণ্ডাংগ করিবৈ সন্দেহ নাই। আমরা শুনিলাম, বঙ্গনে শের স্বাস্থ্যরক্ষক ভাক্তরে শিয়াপ পুরীতে গিয়া-इन, अभा जाहार बनुतान के दिएक अन वात कामबारयत धनाज भ्योका करत्व। এह नकत अनाम (बांगे। ह डैन अ ७ एड़ अ छ ह इस **बेवर अक वरमाइत धामान नम वरमत भर्गाल** थारक हेश काशत कविया करमरकत शीफा হয়। পরীকারারা যদি প্রসাদের অসাস্তরেত। শুণ প্রকাশ পায় ভাহা হইলে 'সেগুলিকে অবি-नाव नमूरम भिरक्षण करा कर्छ हा।

গত কল। সকলে ঝড়েব আলক্ষা করিয়া ছিলেন। আন। বেলা ১১ ঘটকার সময়ে ঝড় হইবে এরূপ জনবব হয়। জাহাজের মাজ্তরসকল ভাল্লমিন্ত নামান হটগাছিল। কিন্তু ঝড় হয় নাই! বৃত্তি সমানই রহিয়াছে।

সম্প্রতি লগুনত্ব সটডে রিবিউএ বর্তমান
ইংরাজী জীলোক দগের বিক্রছে যে প্রস্তাব
লখিত হয় ভাহাতে প'ছে ভাহাতবর্ষীয়ের।
ইংরাজনিটের প্রতি অগ্রছা কবেন, এ নিমিত্র
ডেলিনিউসের এক জন পত্রপ্রেবক বিধাতে গ্রন্থ
কার ইংলির্বম শিষ্রথ সাহেবের এক প্রভিবাদ
প্রকাশিত করিয়াছেন। শিষ্যথ সাহেব বর্তমান
ব্রতীদিশের অভিশর প্রশংসা করিয়াছেন।
স্টডে রিবিউএ যে অভিবর্গনদোষ ঘটিতে পারে
কিন্তু বর্তমান ইংরাজ জীলোকেরা যে অধিক
আমোদপ্রির ও নিজ্ঞিজ ইইয়াছেন ভাহার
সম্পেই নাই। এক বিষয়ে আমরা আন্তির্বাদ্ধীয়ার
হইলাম, ভারতবর্ষীয়েরা পাছে ইংরাজদিগের
হরিত্রের নিক্ষা করেন এই ভর্ন জনেকের আছে।

উচ্চারা যদি বোধ গোপন না করিয়া দোবের কাজ না করেন ভাগা হইলেই স্থাধর বিষয় হয়। ৫ ই অধিচ বুববার।

আইন্সাল্ভর জনেলাদিগের বেতনরছি করি বার জাওচা হইয়াছে।

ক্ষাক ভারতি ক্ষেত্র কাষ্ট্র কাষ্ট্র কাষ্ট্র কাষ্ট্র কাষ্ট্র ক্ষান্ত কারা রাখিয়াছিন্ত্র এবং যে ভূমি গ্রহণ করি থালে এবং যে ভূমি গ্রহণ করি থালে, ভাষার ক্ষান্ত পূরণক্ষাপ সমাজকে ১২০০ টাকা দিতে হইয়াছে। সমাজের এমত একটা পৃথক উল্যান থাকা উচিত, ঘাহা গ্রহণিমেন পুনর্মার পেক্ষান্থত থাকেলাপ্ত করিতে না পারেন।

ফালে একপ্রবার ভয়ন্থর কামান প্রস্তুত
চইয়াছে। এক কালে বিস্তুর টোটা কামানের
মাপা নিকেপ করা হয়। তৎপরে এক জন
দৈনক একটা চক্র যুৱাইতে থাকে। তদ্মারা এক
একটা টোটা কামানের রঞ্জ্যরে আইসে।
একটা ছাতুড়ির আঘাতে আগুন উঠিতে থাকে।
এই কামানে এক জন দৈনিক প্রতিমিনটে ৫০।
এই কামানে এক জন দৈনিক প্রতিমিনটে ৫০।
এই কামান ছাড়াতে পাবে। এইরপ এক
প্রকার বন্দ্রক ও তুই হইয়ারে। পুর্নোক্ত কামা
নের গোলা ৩৪০০ হস্তু ঘায়ে। কিন্তু ঐ বস্তুকের
ভলি ৪০০০ হস্তু দ্বাস্থিত মানুদাকে বপ করিতে
পারে। ইছার ঘারা দশপলমধ্যে বিংশভিবার
ভলি চলে। মনুধানপের উৎকৃত্র উপায় লইয়া
বর্জনান সভ্য কালেব অনেক সময় মতিবাছিত
চইতেছে।

কারের মরিশের নামে যে ফিরিকি বাভিচারের অভিযোগ করে ভাছার কথা অমূলক প্রতিপন্ন ভইষাজে।

মনিমাণৰ সেননামক বে বংকি করিএন্টাল বংকিকে ঠকাইয়াছে বলিয়া নালীল হয়, ভাগাকে ৫০০০০ টাকাৰ জামিনে মুক্ত কর। ইইয়াছে।

সম্প্রতি আলাহাবাদের এক জন দৈনিক আফিরর পূর্ব বস্তুককে শুনা বিবেচনা করিয়া দেমন লক্ষ্য করিভেছিলেন, আমনি হঠাৎ কল ছুটিয়া ভাঁহার নাপিতের প্রাণনাশ হইখাছে। এবংক্রিকে ক্ষাজ্ঞদারি আদালতে অর্পণ করা হইয়াছে। বস্তুক হইলেই ''হঠাৎ শগুলি হয়; গুহারের বেলা পীড়িত প্রীহা ত আছে।

পূর্ববাঙ্গালা রেলওয়ে কোম্পানি দার্জিলিও দ্ব ক্ষুত্র বে শাথা করিতে চাহিয়াছিলেন, সর্ কু ইয়াইট্রার্থ পোট তাহার প্রতিভূহইতে সম্মূর্জ ব ধ্রীয়াছেন। এই শাব জ্বা দার্কিলিতে যুটি

বারই স্থাবিধা মাত্র হইবে : কিন্ত বাণিজে কে কি উপকার হইবে ভাহা আমরা বুঝিডে পারি না।

চট্টপ্রামের নিকটবন্তী চাঁদপুরের চা-ট ত্রের জন্মাবধায়ক কাটার সাহেবের গৃহ দক্ষ হই রাছে। কোন ছপ্ত লোকে এই কার্যা করিয়াছে বোধ হইডেচে, কিন্তু ঐ ব্যক্তি অন্যাপি ধৃত হয় নাই। চট্টপ্রামের লোকেবা চার চাব করিতে অসম্মত । ঐ অঞ্চলের প্রায় যাবতীয় চাক্ষেত্র বন্ধ ইইয়াছে।

প্রধানত্তম বিচারালয় নিমুতর বিচারপতি
দিশকৈ বলিয়াছেন, যথন কোন মোংফরকা মক
দামার নিশতি হয়, তখন প্রায় কোন স্থলেই
উকীলের কীর আজ্ঞা হয় না। কোন কোন
স্থলে আমলারা সেই সেকেলে শতকরা পাঁচে
টাকার হিসাবে উকীলের কী ধরিয়া দেন। এ
বিষয়ে ১৮৬৬ সান্দের ১৬ই জুনে ২২ নং যে
সরকুলর হয়, প্রধানতম বিচারালয় তদক্রপারে
সকলকে কাজ করিতে বলিয়াছেন। নিমুতর
বিচারপতিগগকে নিজে এই কী স্থির করিয়া
দিতে হইবে। উত্তরপশ্চিমাঞ্লালে বেরূপ সম্প্রতি
কীর নিয়ম হইয়াছে, এখানেও ভালা করা
কহিব।

পূর্মবাজালা রেলওয়ের এজেন্ট ফুল্ফলিন
প্রেপ্টেক্স সাহেব বিক্ষাপন দিয়াছেন, শিয়াল
দহের ষ্টেশনে কডগুলি দ্রবা আছে, কোন
ব্যক্তি এগুলির উপরে দাওয়া করিতেছেন না।
আগামী ২০ জুনের মধ্যে কেছ উপস্থিত না
হইলে দ্রবাগুলি বিক্রীত হইবে। আদ্য ১৬ ই
জুন, সাত দিনেব ভিতরে যিনি কলিছাতা।
গোকেট দর্শন করিয়া না যাইবেন ভিনি
উ'হার প্রবা আর পাইবেন না। বুদ্ধির দৌড়
বটে। ক্রিন্ত একটা কথা হইভেকে, বেসকল
ব্যক্তি প্যামনগরে হত হইয়াছেন, ভাঁহাদিলের
কোন প্রবা ইনার মধ্যে আছে কি না?

গত ৮ই জুন অবধি ১৪ই পর্যান্ত কলিকা তার ১৫ ২৯ ইঞ্চ বৃষ্টি পড়িয়াছে। গত ১৪ বং দরে এই সাতদিনের মধ্যে গড়ে ২ ৫৬ ইঞ্চ বৃষ্টি পতিত হয়। এবংসর জালুয়ারি অবধি ১৪ ই জুন পর্যান্ত সর্বান্তর ৩২ ৮৬ ইঞ্চ জল হইরাছে। গত ১৪ বংসরে এই সময় মধ্যে ১৫ ৩৭ ইঞ্চ মাজ হইয়াছিল। এবার শস্যের কি লগা হয় বলা বার না; আউস ধান্য ত মারা

৬ ই আবাচ বৃহত্প ভবার:

শে তথায় সমন কারলে পাড়া হহবার শত্রুণ কাহোর ক্রনিকেল বলেন, মধ্য আলিয়াতে স্কাবনা। আমরা আলাদিত হইলাম, মেদিনী

সোলবোগ ও যুদ্ধ হওরাতে চীন হইতে ঐ ছান দিয়া চার যে বাণিজা হইত ভাষা বদ্ধ হইয়াছে। এডিরিবছন বণিকেরা ভারতবর্দের চার প্রতি দৃষ্টিপাত করিতেছেন। প্রায় ১৮ লক্ষ টাকাব চা মধ্য অংসিয়াছে প্রভিবংসর ক্রের বিক্রের হইরা থাকে। এই চা কলিকাতা ও বোরাই হইতে কাবুল দিয়া লইয়া বাওয়া হই-তেতে।

मत्र देवीमालक माकनियुष्ठ अकरदानीयनिशरक अधिक পরিমানে কর্ম দিবার যে প্রস্তাব করেন, ভারতবর্ষীর গ্রব্মেট তাহাতে সন্মত হট্য। ছেন। সহকারী কমিসনর ও অতিরিক্ত সহকারী क्षित्रमञ्जूषिरगंत मर्थम हिन्न एड्टब्रा अथम खिनित चित्रिक महताती कमिननतिमा भन আবার শ্রেণিফিভাগ হইয়া ৬০০, ৭০০, ও ৮০০ টাকা বেতন ২ইবে: দ্বিতীয় শ্রেণির কর্মনারিগণ ৪০০ ও ৫০০ টাকা এবং ভৃতীয় শ্রেষির লোকেরা ২৫০ ও ৩০০ টাকা পাইবেন। সহকারী কমসমরদিগের পদ খুন্য হইলেই অতি विक महकादीभिराव উव्चित्रका हरेर । अरम শীয়েরা হুসিয়ারপুর পেসোয়ারের व्यानामाण्डत करकात भान भाहेत्यम मा, अकरन এ প্ৰতিবন্ধক দূরী কৃত হইবে। মুখ্য মধ্যে গ্ৰ সকল অভিরিক্ত সহকারী কমিননর '' সামাজিক পদ, চরিত্র, ও যোগ্যভায় <sup>স</sup> প্রধান ইইবেন डीशांक्रिशत मध्या (कान कान, वाक्किरक मर-कांत्री कमिननरद्वत अन मिल्ह्या याहेरव। याहा হউক অচিহ্নিত কার্ষ্যেও গ্রথমেন্ট যদি এরূপ কাজ করেন তাহা হইলেও কতক অসভোষ কমিয়া যায়।

এত দিনের পর গবর্ণমেন্ট জ্রীক্ষেত্রের ষাত্রী
দিগকে সতর্ক করিয়াছেন। পুরীতে এড লোক
গিরাছে এবং আহারের এড কট্ট হইয়াছে
ধে তথায় গমন করিলে পীড়া হইবার সম্পূর্ণ
স্থাবনা। আমরা আহ্লাদিত হইলাম, মেদিনী

পুরের গুলির প্রায় ২০,০০০ যাত্রীকে জাত্তে আতে পুনর্কার গঙ্গাপার করিয়াছেন। এবার প্রায় এক লক্ষ বোক পুরীতে গ্রমন করিয়াছেন। যথন সকলেই জনমাথের উপরে এত চটা তথন পা ওানিগের অনুসতিশত্র লইগার জাইনের আর বিশ্ব করা উচিত নহে।

ইংলিশ্যনে রক্ষাদেশ হইতে সংবাদ পাইয়া-ছেন নঙ্গন মিছল রাজকুমাব পুনস্কার ৮০০০ দৈন্য সংগ্রহ করিয়া বিজ্ঞানী হইয়াছেন। রাজ্ঞা জ্ঞান্ত শাসনকর্তী ভিন্ন আর সকলকে লৌহ পুথালে বন্ধ করিয়া মান্দালাইয়ে প্রেরণ করিবাব আছে। দিয়াজেন প্রক্রান্দ্রেশ্ব স্বাধীনভার শেষ হরেব দেখা যাইত্রের।

বোধারার রাজার মৃত্যুসংবাদ সত্য নহে।
বালাৰ করেবজ্পন লোক ও কডগুলি মৌলবী
লৈলন কারতেছেন। রাজা বরং রুথা শোনত
পাত নিবারণ করিবার চেন্তায় আছেন। রুশী
কোন এপর্যান্ত বোধারায় প্রবেশ করে নাই।
বিশ্ব রাজার বিভূতেই রুগানাই। সিয়ার সিংহ
ও মূলরাজের বিদ্রোহ নিবজন দলীপ সিংহবে
রাজ্য হারাইতে হইয়াছিল। রুশীয়দিগের ধর্মানীতি ইংরাজদিগের ধর্মানীতি ভাপেকা অনেক
গুণে নিকৃষ্ট।

কারুল হইতে সংবাদ আদিয়াছে, দিয়ার আলিখার যে শক্ত পীড়া হয়, ডিনে ভাই হইতে আরোগলোভ করিয়াছেন। গঁহার পুত্র জারুব খাঁ কাবুল আক্রমণ, করিতে আগিতে ছেন। আবছল রহমন খা কান পক্ষেই নহেন। দিয়ার আলি ও আজিম খা পরস্পার পরস্পারের বল ফর করিলে পর ডিনি কাবুল লইবেন সক্ষণে এই জন্মান করিতেছেন। দিয়ার আলির এক দল দৈনা আবছল রহমনের সম্বুখে রহি য়াছে। আভ্লাহেমণের দৈনগেনের অভিশয় ভারতা হইয়াছে।

দিব লিয় ম ডবলিউ ডবলিউ হটার সাহেব ভারে তবর্ণের আদিল ভাষাসমূহের একথানি ভাতপান প্রস্তুত ক্তিভেছেন। ইংলজ্বের রাজ কীয় প্রান্ধাটিক লোস ইটি ভারতবর্ধীর পর্ব নে একে ভালগে প্রস্তুয়াছেন যাত দিন এই রাজ খানে প্রস্তুত্ত নাত্র ভালভাল হয়। এই প্রকার সম্মান কেবল সং হেন্দ্র বলিপ্রন্তে, দেওয়া হয়াছিল। ফুটার সাহেব প্রীক্ষোভানি, দলের মধ্যে এক জন জাভিশায় উপ্রভিত্ত লোক।

्केट्राटक्टेर्डि कार्डियाँस भवत्यार्थे

লিখিয়াছেন সম্প্রতি ভূপালের বেগম ইংলাও বারী ও তাঁহার পুত্রবসূকে যে ছইখানি পাখা উপচৌকন দিয়াছেন রাজ্ঞী ভাহা অভিশন্ত আফ্লাদসহকারে এহণ করিয়াছেন। রাজ্ঞীকে যে পাখাখানি প্রদান করা হয়, বেগম ভাহা সহস্তে প্রস্তুত করিরাছিলেন। জিণ্ডীয়খানি ভূপালের বিক্টোরিয়া বালিকা বিদ্যালয়ের ছাত্রীগণ করিয়াছেন। সম্রাট নেপলিয়ন হইলে বহস্তে ধনাবাদ প্রপ্রেরণ করিভেন। ইংরাজেরা এই ভদ্রভা জানেন না।

কোন কোন বিভাগীয় প্রধান কর্মচারী গবর্গ মেণ্টের অনুমতি না লইয়া সাক্ষাং সহক্ষে ইং-লগু হইতে দ্রব্য আনয়ন করেন। ইহাতে গবর্ণর জেনরল বিরক্ত হইয়া আজ্ঞা দিয়াছেন, কর্মচারী দিগকে এপ্রকার ব্যধীনতা দেওয়া ঘাইতে পারে না; ভবিষ্যতে গবর্গমেণ্টের জনুমতি না লইয়া এ সকল কাজ করিলে উচিত আজ্ঞা হইবে।

এবার দিবিল দার্দ্রিস পরীক্ষায় ২৬৮ জন পরীক্ষার্থির মধ্যে ৫০ জন উত্তীর্ণ হইয়াছেন।

প্রস্থাগদুত বলেন ''কল্লেক দিবস গড रहेल (कला अलाहाबादमत चारुर्गछ शोह (मंख्र) आदम अक्षि जान्ध्यं। घटेना इटेब्राइड । উক্ত গ্রামের জমিদার ও জার অ র অধিবা শীর। একতা হইয়া বক্ষা নামক (জাতিতে পাদি) এক ব্যক্তিকে রাত্রিতে চোর চোর বলিয়া ধরিয়া অত্যক্ত মার পিট করে; পশ্চাৎ একটা নিম্বাচ্ছে ভাষার বালায় ফাসি निमा ভাগার প্রাণ বিনষ্ট করে > পুলিম জনেক ত চুসন্ধান করিয়া ১১ জন ব্যক্তিকে গ্রেপ্তার क्रियाहि। এখানকার মাজিটেট মিষ্টার রবা **हैनन मार्ट्स बहे ख**खातिहाँ मिन्नट्रक नाख २७ अ মে তারিখে সেসনে সোপর<del>ার করিয়াছেন।</del> এক্লপ বিস্ময়জনক ব্যাপার জামরা এই প্রথম বার শুনিলাম। ইংরাজরাজ্যে কি নবাবী আমল উপস্থিত হটল।"

#### ৭ ই সাধাত শুক্রবার।

আগানী ৬ই জ্লাইরে আইণীদিগের পরীকা হইবে। ৯ জন আটিকিলড ক্লার্ক পরীকা দিতেছেন। অ'মাদিগের আইনের পরীকার একটা নিয়মিত কার্যপ্রশালী করে হইবে?

অদ্যকার ডেলিনিউদে একটা কৌডুকাবছ বৃত্তান্ত প্রকাশিত হইয়াছেল গড শনিবার রাজ্রিতে এক জন ইউরোপীয় নাবিক আসিয়া ফিনিক বাজারের পুলিষ ইনস্পেক্টরকে বলিল, সেন্দীতীরে এক ব্যক্তিকে ছুরিকাদারা বধ করি য়াছে। তৎক্ষণাৎ করেক জন সার্জ্জেন্ট ও প্রহানী
বাড় বৃষ্টি না মানেরা তীর অসুসঁরীন করিল : কি স্ত
মৃত দেহ পাইলনা। পরে থানার আসিয়া নারি
ককে বলিল, সে নিজে গিয়া হ'ল বংজিকে দেখা
ইয়া দিলে ভাল হয় । নারিক বলিল, তাহার এক
জন সংচর থানায় ক্রম্জ আছে : রাত্রিভে নিজে
কর্ম থাকিয়া ভাহার নিকটে বাস করাই ভা
হার উদ্দেশ্য হল্যার কথা । মথ্যা। এ তা জ্বর
ইচ্ছা পরিপূর্ণ হইল : কিল্ত ইনস্পেটিন ইহাকে
এক পৃথক গ্রহে একাকী রাখিলেন। এটা গ্রাথ
নাবিকের শোল বটে।

#### ৮ই আগাচ শ্নিবার।

বেংশাই ব্যাক্ষে অনুসন্ধান আরম্ভ হইয়াছে; কিন্তু অংশী দিগের মধ্যে জন্প লোকেই জবান-বন্দী দিভেছেন : সর চারলস জান্দন তর তর করিয়া ব্যাক্ষের খ তা পত্র দকল দর্শন করিতে: ছেন। কমিসন সর্কাসাধারণের সন্মুখে জবান-বন্দী লইভেচেন। আমাদিগের লেপ্টন্ট গ্রথর গ্রে স'হেবের ছাত থাকিলে ছার কর্ম করিয়া জন্মবারে কাজ হইত।

শ্রে ও অব ইণ্ডিয়াতে লিখিত হইয়াছে:—

'' গুটকুমাহের প্রতি থেসকল অপরাধ দেওয়া

হয়, বোধাই গবর্ণমেন্টকে ভাহার অপুসন্ধান
করিবার আজ্ঞা দেওয়া হইয়াছে। আমরা ভরসা
করি, কতক্গুলি অপক্ষপাতী কন্মচারী বরলয়ে
গমন করিয়া এই অসুসন্ধান করিবেন। যেসকল
ব্রিটিশ কন্মচারী গুটকুমারের রাজধানীকে
নিযুক্ত আছেন, তাহাদেগের সাক্ষেত্র বেন সাবধানে বিশ্বাসকয় হয়। ' রেসিডেউগণ ভবে

' অসুবোধে ' যথাপ কথা গোপন করিছে
পারেন?

উক্ত পত্র প্রস্তাব করিয়াছেন, এ দেশেব গ্রন্থকার্দিগকৈ গ্রন্থনিকের পুসকার ও রক্তিপ্র-ভৃতি দেওয়। করবঃ। ফুণ্ড হথাপই বলেন, গ্রন্থ লৈ মুয়া মিনি দিনপাত করিছে চান, উভাকে এ দেশে অনাহারে প্রাণত্যাগ করিতে হয়। পুগে ইংলণ্ডেও গ্রন্থকারদিগের এই অবস্থা ছিল; এক্ষণে ভক্তের লেখদের। বিস্তর অর্থ উপা-ভিন করিভেছেন। গ্রন্থনিটের উৎসাহদান অভিশয় আবশ্যক।

চ ইবাসার বিজ্ঞানীর সহজে শাসিত হইল না, দেখা বাইতেকে। মেজরকে আর কত গুলি সাহায্যকারী সৈন্য দেওয়া হইয়াছে। ৬০০ পুলিষ সৈন্য সিয়াছে। চাইবাসা সিংহত্ত্ব গুকিয়কোড়ে একণে গোল্যোগ হইতেছে। 290-

(32°) 20°

পঞ্চাবের রাজখনংক্রান্ত কমিসনর মিরমূলি গোণালসাহি ১৮৫৭ তন্ধের বিটোটেই

ফিনোজপুরে বিশেষ সাহস প্রদর্শন করাতে
পঞ্চাব গবর্গমেন্ট চাঁহাকে একখানি তলবার
পুরস্কার দিয়াছেন। লাহোরের কমিন্নর বর
কত আলি খাঁ ঐরপে সাহস প্রদর্শন করাতে
বাহাকে '' মোরাজিজ খাঁ বাহাছর ' উপাধি
দিত্য হইয়াছে।

# इंडेट्डाणीय गगाठात।

১২ ই মে দক্ষিণ কারোলিনার করেজাসিক সভার অধিবেশনের আজা হইয়াছে।

এরপ জনজাতি রাজনীতি বিবেচনার যে সকল কাফিকে কর্মচুতে করা হটরাছে, ভাহা দিনের ভরণ পোষণের নিমিত স্বভন্ত কর করা হটবে।

৩ রা জুনপর্যান্ত ডেবিস সালেবের বিচার স্থানিত হইয়াছে। পুনর্মার স্থতন প্রতিভূপত্র লিখিত হইয়াছে। সেনাপতি খোলিল্ড রিচম-প্রে, ময়ববে পদচুতে করিয়া আর এক জনকে ঐ পদ্দিনিযুক্ত করিয়াছেন।

কানাতা হইতে সংখাদ আসিয়াছে, টরন্টো নগরের আইরিশসভার কয়েক জন সভাকে হাজতে দেওয়া হ্রয়াছে। কর্তৃপক্ষ বলেন, মাসে-কাটনের ফেনিয়ান সভার সহিত ইহাদিগের সংক্রমব ছিল এবং কতকগুলি কেনিয়ান প্রভ

লওন ৩ রা জুন। গত কলা ওয়ালিওটন চইতে টেলিগ্রান আসিয়াছে, সেণ্ট আর কালাস প্রশেশকে ইউনাইটেড ষ্টেটসের চক্রবা-ডের অন্তর্গত বলিয়া শ্বীকার করা ইইয়াছে।

৪ ঠা জুন। টেলিগ্রান আলিয়াছে, আবিদি নিয়াস্থিত বন্দীগণ সুইকে উপনীত হইয়াছে। কেবল কলল কামেরণ পীড়ানিবন্ধন আনেস্লি অথাতে আছেন।

টিউনিদের গবর্ণটের সহিত ফুবেসর মনোভক হইরাছে।

চীন দেশে প্রতিপক্ষে মেইল লইয়া যাইবার নিমিত্ত মেদেজারিস কোম্পানি ফরাদী গবর্ণ মেন্টের সহিত চুক্তি করিয়াছেন।

কৃশীয় টেলিগ্রামে প্রকাশ কবে; কৃশীয়ের। মথাপই বোখারীয়দিগকে প্রাক্তিত করিয়াছে।

विস্মাर्क भी कि उ रहेब्रा एवं।

পেনিন্দুলার কোম্পানি গত ছয় ম'সের জন্য অংশীদিগকৈ শতকরা তিন টাকা লাভ দিয়াছেন। ৬ ই জ্ন। হাউস অব কমসে গত রাত্রিতে । মিল সাহেব এক আবেদন প্রকাশ করিয়াছেন। ইহাতে আবিসিনিয়ার যুদ্ধের বিষয়ে অনুসন্ধা নের প্রার্থন। করা হইয়াছে।

বিশুর লোকে স্বাক্ষর করিয়া মহাস্ক্রার নিকটে এক আবেদন করিয়া প্রার্থনা করিয়া ছেন, আয়ারকে পুনর্কার শাসনকার্যে, নিযুক্ত করিয়া ভাঁহার যাবভীর বায় দেওয়া ও ক্ষভি পুরণ করা করের।

আপাততঃ আয়ারলতে ভুতন পুরোহিত
নিযুক্ত না হন এ বিষয়ে সাড়ছোন সাহেব গে
বিল অপনি করিয়াছেন, কমিটি ভাষা এক
বাক্যে গ্রাহা করিয়াছেন। নিরপেকভাসংক্রান্ত
আইনের বিবেচনার্থ থে কমিসন নিযুক্ত হন,
ভাঁহার। এ বিবয়ে কঠিন আইন করিবার প্রস্তাব
করিয়াছেন।

৮ ই জুন ৷ ইনবালিড ক্রণ নামক সংবাদ পত্র বলেন, আফগানস্থানের রাজনীতির উপরে হস্তার্পন করা ক্রনীয়ের পক্ষে অসম্ভাবিত নহে ৷

लक्ष्म ১ · ই क्ष्म । वक्षरम्भीत्र मान्नमः क्रांख কাগজসকল মহাসম্ভার গোচরার্থ অর্পণ করা হইরাছে। সর ষ্টাফোড নর্থ কোট যেসকল প্রম भाठाहेबाहिएनम, त्रव सम महत्त्र ७ छाँहाँव মন্ত্রিবর্গ ভছ্তরশ্বরূপ দীঘ মিনিট লিখিয়াচেন। সহ জন লারেকা বক্ষাদেশের নিমিত্ শ্বতমে শাসন कर्छ। ও কৌ जिल नियारात्र विषया जनका । ভिनि वटननः हेशएड भवन्त (अनत्तरनत मन्धा-(सत् हानि इट्टेंब । अब छिटेलियम मृत्त्र छ এই मछ। किन्तु वचरनरमञ्ज स्मर्थेनान्छे भवर्गत् छ গ্রুণর জ্বেরলের কৌনিলের অধিকাংশ সভা भारताका ७ (व'दाहरुव्यत महाय वक्रामर्ग मेरिम कर्द्धा निषुष्ठ कतिवात श्रेष्ठारवत असूरमानम करि ब्राइन । नत्र छेइलियम मानन् किन्छ वरनन, वश्रामा अवर्षत छ को भिष्म रहेन, कि छ हिए সেক্টোরিকে সাক্ষাৎ সম্বন্ধে পত্র লেখার ক্ষমতা ना शास्त्र । (वादाई ७ मास्त्राहत नामनकर्डाकि भारत इस इट्रेट अहे कमणा लख्या छाहात

প্রায় সকলেই বলিয়াছেন, কলিকাভায় রাজ ধানী থাকুক।

আবিসিনিয়া হইতে প্রত্যাগত সৈন্যগণ ক্রত গভি প্রশ্রেষ বাইডেছে। কতকগুলি ক্রকডাইল গুসিরাশিস বে'ঝাই জাহাজে আলেকঅন্তিয়া হইতে যাত্রা করিয়াছে।

১১ ই জুন। গ্রণমেন্ট বলিয়াছেন, ভাঁহারা সম্বংসবের বাস্ত্র এক কালে মহাসভার নিকট ছুইভে লইবেন।

তুলার হিসাবের বিল বিধিবছ হইরাছে। কশীয় গবর্ণমেন্ট প্রস্তাব করিয়াছেন, বে সকল অন্ত নিক্তিপ্ত হইবার পর স্ফুটিভ হইয়া লোকের প্রাণবধ করে, সেই সকল অন্ত যুদ্ধে

লোকের প্রাণবধ করে, সেই সকল আছে যুদ্ধে ব্যবহাত না হয়। করাশী গ্রথমেন্ট এ বিষয়ে সম্মতি দিয়াছেন।

তিন ব্যক্তি সারবিয়ার রাজকুমার মাইকে -লকে গুলি করিয়াছে।

#### আবিদিনিয়া হইতে আগত।

১ লা জুন। জন্য প্রাতঃকালে সর রবাটি নিপিয়র পশ্চাঘন্তী দল লইয়া উপনীত হই রাছেন।তিনি কলা ভুলাতে সমন করিবেন। রাজকীয় ইভিনিয়র দল, বালুকী, ২ কোম্পানি মাজাজী খননকারী ও ২ রেজিমেণ্ট ভারতবর্ষীয় পদাতিক ব্যতীত জার যাবতীয় সৈন্য জাহাজা রোহণ করিয়াছেন। ভাগ্রারসকল রক্ষা করিবার নিমিত্র উক্ত সৈন্যদিগকে জার ৮। ১০ দিন জাবিসিনিয়াতে থাকিতে হইবে। সর রবাট নেপিয়র স্থপ্রের যাইতেছেন। বোধ হয়. তথা হইতে ইংলপ্রে যাইবেন। কিন্তু সৈন্যথাণ সকলে ভাগাজে না উঠিলে ভিনি জুলা ভ্যাগ করি ভেছেন না। ভক্টন সাহেব ( যিনি জ্মণ করিডেছিলেন) পোহোদিপের ছারা হত হই স্বাছেন।

গবর্ণমেণ্ট বিজ্ঞাপন।

লেপ্টনন্টগবর্ণরের

আদেশাহুসারী

निरश्चारा ।

৯ ই জুন। নিম্নলিখিত ভদ্রলোকেরা ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি কালেটর হইয়া নিম্নতর লাসন কার্য্য নির্বাহার্থ ষষ্ঠ শ্রেণি ভুক্ত হইলেন।

বারু পার্কভীচরণ রায় ।
হরিচৈতন্য যোষ এম, এ,
ভারিণী কুমার ঘোষ বি, এ ।
ভূবনমোছন রাহা ।
প্যারীমোহন বন্দ্যোপাধ্যায় ।
ভেল, জার, হাপ্ত সাহেব ।
এবং দি, ই, বেলি সাহেব ।

নিম্নলিখিত ভদ্রলোকেরা পশালিখিত কর্ম চারীদিগের অমুপস্থানকালপর্যন্ত প্রতিনিধি ডেপ্রটী মাজিটেট চ্টবেন।

वावू तक्षणां वरक्षां भाषाः वर्षां कार्याः

থাকাতে তংপরিবতে বারু অনুভলাল পাল বি. এ।

अं कातरन थातू इतकाती भूरणेशासारहत शरितरखं वातु अदिमाणहत्त्व मिज्र, वि. अ।

এ কারনে বাবু সীভাকান্ত মুখোপাধ্যায়ের পারবত্ত্বার যোগেশচন্দ্রমিত্র।

জ কারণে বাবু **হরিনাথ চটোপাধ্যায়ের** প্রিবট্ড বাবু ন্বীন্চ**ন্দ্র সেন বি, এ।** 

ं के कातरन वातू यष्ट्र<mark>नाथ मूर्वाशाशास्त्रतः</mark> शाहिरदर्व वातु यानवहत्त्व शासामी वि. अ.।

ঐ কারণে বাবু কৈলাশচন্দ্র ঘোষালের পরি
বতে বাবু দেবত্রশাথ বস্থা।

ঐ কারণে বাবু অমূলচেরণ মল্লিকের পরি। ২তে বাবু বামাচরণ বস্তু।

ভবলিউ, এচ, রাইলাগু সাহেব কলিকাভাগ প্রভিনিধ কালেইর ছওয়াতে তৎপরিবত্তে মুগি দিরাজ অল ইসলাম বি. এঃ

টি, এ, ডলোর সাংখ্য বিদায় লওয়াতে ভংপরিবর্তি এচ, বি, বিমৃষ্ সাংখ্য

এচ, এচ, মেটকাফ সাঙ্ব বিদায় প্রপ্রাতে তৎপরিবস্তে জে, বি, রবাটিন সাংহ্ব।

ঐ কারণে জি, সি, ফিলবি সাহেবের পরি বর্ত্তে এ, মিলার সাহেব।

ঐ কারণে এচ, ভবাইন সাংহ্যের পরিবত্তে এচ, বেলি সাহেব।

ডবলিউ, ডবলিউ, এ লিস সাহেব আস: নের প্রতিনিধি অতিরিক্ত সংকারী কনিসনর হওয়াতে তৎপরিবত্তে জে, সি, উইলিয়ম সন সাহেব।

 পূর্বেলক কশ্মচারীদিগকে দ্বিতীয় শ্রেণির অধীন মাজিক্টেটের ক্ষমতা দিয়া পশ্চালিখিত বিভাগে নিযুক্ত করা গেলং—

বাবুদেবেজনাথ বহু কটক বিভাগে।
বাবু মবীনচজ্ৰ সেন বি, এ, বাবু প্যারী।
মোহন বন্দ্যাপাণ্যায়। রাজধানী বিভাগে।
বাবু ভুবনমোহন রাহা। জে, দি, উইলেয়।
মসন সাহেব বৰ্জমান বিভাগে।

বাবু ভারিণীকুমার ঘোষ বি, এ, জে, আর, হাও সাহেব , এচ বেলি সাহেব এবং বাবু গোলেশচন্দ্র মিত্র রাজসাহী বিভাগে।

শ্রীগুক্ত এ, মিলার সাহেব ; বাবু পার্স্বাচী চরণ রায় ; যাদবচক্র গোন্ধানী বি, এ, মুন্সি সিরাজ জল হলাম বি, এ, চাকা-বিভাগে।

্রারু হরিট্ডেন্ড ধোষ এম, এ, বারুয়াম ক্রিন বহু চট্টগ্রাম বিভাগে । ্এচ, বি, বিম্প্ সাহেব ; বাবু জম্তৃলাল পাল বি, এ, ভাগলপুরবিভাগে।
পি, ই, বেলি সাহেব, জে, বি, রবাটন
সাহেব এবং বাবু জ্বিনাশচন্দ্র মিক্স বি, এ,
পাটনা বিভাগে।

কাপ্তেন এচ, জার, ওয়াসলি চাকার এক জন মিউনিসিপাল কমিসনর হইবেন।

এই তারিখের যে আলে ১০ ই জুনের গেলেটে প্রাণিত হয়, তাহার কতক পরিবর্ত্ত করিয়া নিম্নলিখিক ভদ্রলোকদিগকে পশ্চালি-খিত স্থানের সহকারী পুলিষ স্থুপারিক্টেণ্ডেট নিযুক্ত কথা গেল।

ডবলিউ, এ বিভন সাহেব বর্জমানে।

বি, ডবলিউ, বটলহেন সাহেব গলাতে।
বাবু গঙ্গাগর খা নওয়াখালিতে।
বাবু মহেজনাথ হাজরা হুগলীতে।
ভাগালপুরের সহকারী পুলিষ স্থপারিন্টেভেন্ট ডবলিউ, এল, এচ, ফর্লস সাহেব হুগলীতে

বদলী হইবেন।
নিম্নলেখিত ভদ্রতোকেরা নাটোরের দাতব্য
চিকিংসালয় চালাইবার সভার সভা হইবেন।

কুমার চফ্রনাথ রায় বাহাছর। বাবু কুমদনাথ রায়। বাবু রাদানাথ লাফি.ড়। নাটোধের মুজেফ নিজ্পদগুলে।

১ ই জুন। যত দিন এচ, এম. রোল নাহেব বিদায় লইয়া অনুপক্তিত থাকিবেন, তত দিন মুবসিদাবাদের সহবারী পুলিব স্থপারিণ্টে গুেণ্ট জে. পাচ সাহেব রাজসাহীর প্রতিনিনি পুলিষ স্থপারিণ্টেগুণ্ট হইবেন।

১১ ই জুন। ২৪ পরগণার ডেপুটি মাজিক্টেট বাবু ভারাপ্রসাদ চট্টোপাধ্যায় বি. এ,
মুবসিনাবাদে বদলী হইয়া মাজিন্টেটের ক্ষমতা
পাইবেন। ১রা মের গেজেটে ভাঁহার ময়মন
সিংহের অন্তর্গত জালালপুরে বদলী হইবার যে
ভাজা হয় তাগ এতদ্বারা রহিত হইল

কিয়জোড়ে যে সৈন্য ও পুলিষ প্রহরিগণ সম বেত ছইয়াছে ডাজের জে, সি, কন্স্ওয়ার্থ ভাষানিগের চিকিৎসক হইবেন।

১২ ই জুন। মুজেরের সবরেজিন্টার জে, জি, ফারকোহাস ন সাংখ্য হাজারিবাগের প্রতিনিধি সহকারী পুলিষ স্থুপরইন্টেগুটি হইবেন।

জে, এল, ফেণ্ডাল সাহেব লোছার্ডগার প্রতিনিধি সহকারী পুলিব অপরইন্টেণ্ডাল্ট হই

১৩ই জুন। বর্তনির এচ, সি, মেরিন্ডিন সাহের সরকারীকার্যাজ্বরে নিবৃক্ত থাকিবেন ভতদিন কলিকাতার মাজিটেট ক্লে, এচ, এ ব্রাসন সাহেব প্রেসিডেন্সি কালেজের প্রতিনিধি আইন অধ্যাপক হইবেন।

নিম্লিখিত ভর্লোকের। ১৮২৮ অন্বের ৯ আইন অনুসারে পশ্চালিখিত স্থানে আংসেদর হইয়া ক'লেইরের ক্ষতা পাইবেনঃ—

ব'বু ক্ষেত্ৰগোপাল বন্দ্যা-পাৰনায় বাবু প্ৰসন্নকুমার সেন। } বলোহ্বে বাবু পাংলনাথ স্কুক নদীয়াতে।

" গোবিদ্দপ্রশান বসু। ১৪ পরগণ্ডে । ১৪ পরগণ্ডে ।

১৫ ই জুন। এক টি, আন্ট সাহেব ১৮৬৮ অব্দের ৯ আইন অসুবারে আদেশর হইয়া কলি কাভায় কালেক্টরের ক্ষমতা পাইবেন।

নিম্নলিখিত ভারলোকগণ যে দিবসাব্ধি চট আমে, কমিস্নরের অনুমতি পাইবেন, সহ দিবসাব্ধি পশ্চালিখিত স্থানে ১৮৬৮ অধ্দের ৯ আইন অনুসারে আদেসর হইয়া কালেইনের ক্ষমতা পাইবেন।

ब बुकालीकास्त्र मक्रमनात्र महिवादम।

» কালীনাথ বস্ত্র । ত্রপুরাতে। » উনচরণ রায় নওয়াখালিতে।

১৬ ই জুন। ভবানীগঞ্জের চেপুটি মাজি উটেও ডেপুটি কালেক্টর বাবু কৃষ্ণপ্রদাদ বফ্ল বগুড়াও দিনাজপুরে মাজি:উটের ক্ষমতা প:্ বেন।

কটকের ছোট আদালতের জ্ঞঞ্জ ভবলিউ রাইট সাঙ্বে অধস্থ জ্ঞগ্র ইইবেন। তিনি আরও ১৮ অক্টের ১৬ জাইনের ১৬ ধারাকুসারে মুক্তেকের ক্ষমতা পাইবেন।

ছাপরাস্থ সংবাদদাতা লিখিয়াছেনঃ---

১। এ বংশর এ প্রদেশে বর্ষা একপ্রকার বার মাস স্থারী হইয়াছে, গ্রীন্মের বড় প্রাকৃতিব হয় নাই। কিন্তু তৃপনের যুগোচিত উজ্ঞাপের পর যুথাসময়ে বর্ষা আরম্ভ হইলে সকল প্রভুর সমান ভোগ হইলে জীবের কল্যাণ হয়। একণে অগ্রিম বর্ষা জারম্ভ হওয়াতে অনেকেই ব্যার শেষরক্ষাবিষয়ে সন্দিহান হইয়াছেন। এত-

এ বংগর "পুবে বার্ডাদ " এবং ঝড় অন-বরতই হইতেছে। মধ্যে মধ্যে এমন ঝড় হয়, যে প্রাণ উড়িয়া যায়।

বদ্ধে গ্রাপরা এসোসিএসন " স্ভার দৈনন্দিন উद्विक्त पृष्टे इहेटकहा अधानकात यावजीय ভদ্ৰ বালালী, হিন্দুস্থানী, ইংরালপ্রভৃতি সক-লেই এই সভাগীর উন্নতিকলে শহর্বান আছেন।

कामानिटभन कालनाक मर्वास्माठा लिथिशारहनः-

\*এবানকার দাতব্য চিকিৎসালয়টা যদিও বৰ্ষমানাধিপতি মহারাজের বাবে চলিয়া আদি-তেছিল ৷ কিন্তু গৰণমেশ্টের সহিত সংস্থাবধুন্য क्ति ना । वर्क्सारनत निवित्त नात्स्यन सरका सरका আসিয়া পরিদর্শন করিভেন। খনগান্য ভয়সা-হেবগণও ইহার উন্নতিসাধনে বন্ধবান ছিলেন। कि कातर कानि ना, बाकावाराइत ते मध्याव वाधिटकाइन बना। शक्ताखात शवर्गाम এह চিকিৎসালয়ের সহিত সংত্রব রাখিবার নিমিত্ত স্বিশেষ যদ্ধ করিয়াছিলেন। শুনিলান, মহামান্য टल क्ट्रेनक्टे शवर्गत याहा हुत महाताकरक अमन लिथियां ছिल्न (य, कालमात (कल्थानात कन) এক জ্বন পৃথক নেটীৰ ডাক্তার নিযুক্ত হইবে, কেবল যখন শৰপ্ৰীক্ষাকাৰ্য্য উপস্থিত হইবে, দেই সময়ে দাতব্য চিকিংস:লয়স্থিত সব আসি ষ্টাণ্ট সার্চ্ছনের দারা সে কার্য্য সমাধা করিতে হট্বে। ভক্কনা উজ সব আসিষ্টাণ্ট সাৰ্জন পুথক ফী পাইবেন এবং ইহাতেই সব আসিষ্ঠান্ট পার্ক্তন বাবুর গবর্ণমেশ্টের কার্য্যে থাকা মঞ্চুর कता याहरत। किन्तु ज्यारक्करशत विषय अहे, स রাজাবাহাগুর ভাষাভেও সম্মত হন নাই; खु द्वार o हिकियमानवित्र महिल भवर्गस्य हेव কোন দংজ্ঞাব রছিল না। ইহাতে আমরা একটা পরম হিতৈষী বাল্তবের সহবাস হইতে বঞ্চিত হইভেছি। অত্ৰভা সব আসিষ্টাণ্ট সাৰ্জন বাবু নবীনচন্দ্র মিত্র মহালর গ্রহণিকেতির, কার্য্য পরি ভ্যাগ করিলেন না ই স্থভরাং রাজাবাহাছরের ডাক্তরখানার কার্য হইতে অবস্তে হইরা স্থানা স্তারে ঘাইতেছেন। নবীন বাবু এখান ছইতে স্থানান্তরিত হওয়াতে আমরা মুক্তকঠে বলিতে পারি, অত্রতঃ বালক হৃদ্ধ বনিতা সকলেই ছঃখিত হুটভেছেন। কারণ যে অধিকাতে কুই-नाहरनत नाम खितिरल लारक घुना कतिल, हेर-त्रांकी ठिकिश्त्रात मारम याशारमत विटमव विटब्स क्लि, हिकिएमादिवरम् अक होका वाम कतिराज्छ याशास्त्र क्रिन श्रेष्ठ, नवीन वावृत यात्र छ श्रिक কিৎসাল সেই অধিকাতে ইংরাজী চিকিৎসা ডির (कर्डे व्यवस्थित वाहा करतम ना। व्यथिक बाह्र

२। अधिनद्र कानत्मत विषय कमन बानूस । इहेरल नशीन बानूस ब'ता जनत्नहें निकिश्तिक । इंदेर्ड (इंडी क्रिड । नवीम वादू वित्मव পतिधाम श्रुर्तक माख्या हिकिश्नामाधीत्व विसम्ब छेन्नछि नाधन क्षित्राङ्गिता। देनि ताजीमिरशद श्राप्त कथन कर्कण बाका श्रामा कतिएक मा। अह बारमद श्राप्त व्यक्ति लारकत निकर्त हैनि मर्गनी धार्ग कतिएजन ना। (कर (कर मान कतिएज भारतम, এक सम एप्प लारकत अन्तर्भ कतिएछ চ্ইলে এই রূপই লিখিতে হয়, আমি কিন্তু সে निसरमत वनवर्जी हहे नाहे। य वाक्ति हेर्दारक অবগত আছেন, তিনি আমার প্রত্যেক, বাক্য विश्वात कतिरवन । हेर्रोत चछाव समन नञ्ज. वृश्वि ९ ভেমনি ভীক্ষ। আশ্চর্যের বিষয় এই, যে কেইই ইহার শত্রুছিল না আমরা প্রাপনা করি, हेनि विशास बाहेरवन स्तरे बादनरे एवन मरलास কালযাপন করেন।

২। কালনা স্বভিবিজনের এলেকা নিভাস্ত অল নহে। এখানে কার্যেরও বিশেষ আড়ম্বর আছে। অভএব গবর্ণমেন্ট অসুগ্রহ করিয়া একটা উপযুক্ত নেটাৰ ডাক্তর এখানে প্রেরণ করন। जारा ना रहेरल जातक जातिष्ठ रहेरात मखारता। ্য কাজ সব আসিষ্টাণ্ট সারজনহার৷ চলিয়া মাসিতেছিল, ভাষাতে এক জন উত্তম অৰ্পাৎ প্রথম ক্রেণীর নেটীব ডাব্রুর হুইলেও আনেক

ও। এথান চার জানৈক মোজনার একটা बीरमाकरक साम मासास्त्र। (तसिष्टेति कतिए७ উत्राप्त इत्यादि, स्म, जात, (इत्तरे मह्शत्य ভাছাকে ধুত করেন এবং বিচারে জাল প্রকাশ হওয়াতে ভাহাকে দেশনে সমর্শন করিয়াছেন। রেজিষ্টরিতে এখনও অনেক প্রভারণা হই-(B(5)

ह। आह्न ३३ मिन इट्ल, अर्थात जिल्ला वृष्टि इदेर जरह । पूर्वा श्राय केन्द्र इन ना । काकान गएकई (मधाक्तः। अधन अक वृक्षि इंहेरफरह বটে : কিন্তু শেষ বারিবিস্কুর জন্য জাবার হাহা कात ना कंतिएक स्य এই शार्थना।

· ৫। এখানকার মিসনরি বালিকাবিদ্যালয় ত্তায়ে লিক্ষা দিবার ও লিল্পকর্ম শিক্ষা করাই-वात अना अक अन शृष्टेशकावन विनी निक्षिती वानिशास्त्रमः। वानिकाविन्तानस्य शूक्व निक्क ৰারা শিকা দেওয়াতে অনেকে আপন আপন कनाशिन्टक विमानिया शाहीहरणन ना । किख এই গুণবভী শিক্ষরিত্রীর আগমনে সকলেই नुष्के हरेगार्म्स । गवर्गमन्ते इहेएक नाहासः भा उन्नारक अरे मेरू कार्याने गमाथा स्टेरजुट्छ । . ----

# প্রেরিত।

মান্যবর 🗃 যুক্ত নোমপ্রকাশস্পাদক महाभन्न ममीरशेव।

প্রার চারি বৎসর হইতে চলিল, সাহায্যক্ত हेरहाकी स्टान्ड हाजियरात सना এक सूचन বিধ বৃত্তি ধরিত্বা দেওরা হইয়াছে। তাহা মাই নর কলানি শ নামে খ্যাত। বাস্তবিক, উৎসাহ कत ना हातित शाह वकु मरक्क रव ना । পুর্বে এনব ক্ষুলে ভাদৃশ উন্নতি দেখা ষাইছে না। এখন যে আর সে ভাব নাই তাছা বলা বাছন্য। মাষ্টার ও ছাত্র উভয়েই আপন আপন কাজে তৎপর ও মহবান। স্থুতরাং কাল্পঞ ভাল হইতেছে। কিন্ত পরীক্ষাপ্রণালীগভ বে কর্তকগুলি দোষ বৃহিষাছে ভাষার-প্রভীকার मा रहेल ८ वृश्विमांन श्रथा नमाक करनान्धायक र्टेएएइ मा। जिल्ला कर्द्धभएकत प्रकेएक পড়িলে প্রতিবিধান হইবে বলিয়া নিয়ে ভাষা प्रव छ द्वाच कविनाम ।

১ম। এ পরীকার কোন প্তক নির্দিষ্ট नारे ; कुछतार (य तम शुखक स्ट्रेंट श्रम (मुख्य र्गः ( व्यवणः म शुरुक व्यवज्ञ ) न (रू । श्रेष ৰত সহজ হউক না কেন, অপঠিত হইলে ভাহা (य करिन हरेश्र) माँ ज़ारा अ कथा न्माष्ट्री किशान বলা ঘাইতে পারে। বিশেষতঃ এ পরীকায় যা হারা পরীক্ষার্থী হয়, তাহাদের বয়স অতি অল। এত অল वग्नक स्रुक्मांत्रम्जि वानकरमत्र विका তীয় ভাষায় কথঞ্চিৎ অধিকার লাভ করাও সম্ভাবিত নহে। ভবে কি প্রকারে আশা করা যাইতে পারে যে ভাহারা এরপ অনির্দিষ্ট পুস্ত क्त्र श्राम्य काश्चिक उन्नाभ के जुन श्रमादन ममर्थ रहे(व। यनिहे वं व नमस श्रम क्षत्रक्रम कतिएक भारत, इंश्ताओर**ङ खाहात खेर्च श्रेकाम क**ता ভাহাদের সাধ্যায়ত হয় না। এ পরীক্ষায় বে পুস্তক নির্মাচিত হয় না, ইহার কারণ জিজাস্থ इहेब्रा खानिए পात्रिमाम स्य फिरत छैत मरशान রের ইচ্ছানয়, যে ছাত্রেরা কণ্ঠস্থ করিয়া এ পরী কারু কুডকার্য্যভা লাভ করে। প্রকৃত প্রভাবে यिन हेहाई हयू, এ श्रन्तांत मन्त्र नरह। आतं আমরা ইহার বিরোধীও নহি : কিন্ত বধন দেখা बाह्राउटह. উक्रजत शतीकांग्र अ श्रामी व्यवन ষিত হয় না-পুস্তক নির্মাচিত হয়, ও সেহ शुक्षक हरे वरमत पतिया भूतः भूतः व्यक्तानिक হয়, তখন এ পাড়াগে হয় '' গোবেচারা ' पिशटक महेवा । **गेनिगिति (कन ? अन्द्रोण स्**वेटणः এম, এ, পরীকা পর্যান্ত এই রীতির অনুসারী কার্য, হউক, অচিরাৎ সুধাময় ফল ফলিবে। শিক্ষাসমাজ এখন যে গুরুপনেয় কলক্ষে অক্ষিত ধ্ইতেত্তে তাহা দুর্গত হইবে।

২। বেদকল ছাত্র এই শরীক্ষায় উত্তীর্ণ হয়, ভাহাদিগকে জেলা জ্বের ২ য় ঞেনিভে ভার্ভি क्टेंट्ड इप्रा अधनकात (जना कटनत् २ प्र ध्यांब्र शक्ता **लुखक अन्त्रिमारकांत्र**ा मश्कृ दुख्य বিলক্ষণ চঠি। হইয়াথাকে। এমন কি ৩ ম ভাগ ''ঋঞপাঠ "অধীত হয়। বীঞ্চনিতও কিছু कम रहा ना। এ पिटक आमार्यत अन्यत्ना छात्रमा-কুলার পরীক্ষায় উত্তীর্ণ ছাত্রদের উপক্রমনিকার সঙ্গেও দেখা সাক্ষাৎ হয় মা। বীজগণিতের ত कथारे नारे। अथन, (मधुन, आभारमत्र शाकाः भौरियुत्र ছारिखदा (स्थमान्न ग्राहेन्ना हाति कि सूना-मञ्ज (नए) । २ यः (व्यानिट्ड छर्ष्टि इहेवान क्रम्य) প্রদর্শন করা দুয়ে থাকুক, সংস্কৃত ও বীজগণিতে खान थारक ना विनय्।, छाहानिशरक जाशस्त्र ৩ য় ও কোন কোন স্থলে ৪ র্থ ফ্রেলির বাসকদের সঙ্গে অধ্যয়ন করিতে খীকার পাইতে হয়। ভবে ভারাদের প্রবেশিকা পরীক্ষায় ছই বংগর মধ্যে উপস্থিত হুইবার স্থাযোগ ঘটিয়া উঠিল देक २

৩ র। ইংরাজী ইভিহা স না পড়িলে ইংরাজী ভাষার বে ব্যুৎপত্তিলাভ হয় না, একথা বোদ হর, সকলেই খীকার ঝরিবেন ; কিন্তু এ পরী—ভায় বাসলা ভাষার লিখিত ২ খানি ইভিহাস নির্দিষ্ট আছে। এ নির্মাচন, ছাত্রদের ইংরাজী ভাষার উন্নিলাভ করার কত বুর বে অভরার ভাষা আপনিই বিবৈচনী করন।

्रवनञ्चाति कार्वाम २८ ज टेक, ७ ३२१६

জেলা ভাগলপুরের অন্তর্গত পাকুত রাজধা
নীতে অব্রত্ত নহাকুতব রাজা বাহাছরের অনেক
দিন অবধি একটি ইংরাজী বলবিদ্যালয় প্রতিক্রিত ছিল, অধুনা ৩। ৪ বংসর্ভইল, ঐ ক্লুলটী
গবর্গমেন্ট সাহায্যকৃত হইরা রীতছেসারে
ভাহার কার্য্যাদি সম্পন্ন হইতেছে এবং দিন দির
অ্লুলটার উপতি হইতেছে। সম্প্রতি বলানবের
ভূপতি মহাশ্র সাতিশয় প্রতি হইয়া ক্লুলটার
অধিকতর উপ্পতি সাধনমানসে উহারে উচ্চ
ক্রেণির স্লাশ করিবার প্রাণনায় গবর্গুমেন্ট সমীপে
ভাবেদন করিয়াভেন। প্রসাপেক্ষা অধিকাংশ
ভারভাবের বে কিছু সাহাত্ত করিতে হইরে,
ভারত্তেও সম্লাভ হইরাভিন। এক্টার প্রভাবং
ল্যুল্বরিকেট এ বিষয়ের প্রতি কিঞ্জিং কুণা-

करें क् विख्यन कार्तित्मर् काशात्मत्त सत्नावाङ्गः পূर्व रहा। जाका वाराह्दस्त अरनत कथा क्षिक् कात कि कानारेकः विद्यमाग्य हाज्ञग्रत्नत् कत वस अवर भागानुष्यकानिभर्ग्य क्षमान कतिहा क्षितिस मकत्मतरे चन्नर छत्वावधात्न कतिहा थाटकम।

১। পাকুড় হইতে হিরাবপুর পর্য্যপ্ত ১২ মাইল যে একটা গ্রাব্দেটের রাজ্ঞা প্রস্তুত হই তেছে। তদর্থ উক্ত ভূম্যবিকারী মহানম্ম বিনা मृत्याः ममूनाय कृषि श्राना कविशाहन अवः ভাহা প্রস্তুত করিবার ব্যয় বলিয়া ৪০০০ চারি সহত্র মুদ্রাও দান করিয়'ছেন। এডভিন্ন মধ্যে মধ্যে যত্ত পথ আছে সেসমুদায় প্রস্তুত করিয়া पित्राट्डम, निट्ड छाड़ाते **मरक दे अ क**रिया থাকেন। অপর, সাধারনের উপকারার্থ নি বায়ে একটা চিকিৎসালয় সংস্থাপিত করিয়া স্থাদেশের ভিত্যাধন করিতেছেন: দেবসেবাদি নিডা নৈমিত্তিক ক্রিয়াকলাপ এবং অভিথি (मवानित क कथारे तारे। शक इर्किक कारन व व्यक्तिक विका चहर्त्छ विष्ठद्रन अवश् शवर्गात হল্পেও দিয়া ছিলেন। তদ্ধিকারত প্রজাগণ পদ পাত্তপুন্য বিচারগ্রণে ও অপত্যবং প্রস্লা পালনে অভিশয় সুখবছদে কালানিপাত করিতেছে। কিন্তু ক্লোভের বিষয় এই যে এ পর্যন্তে গ্রথমেন্ট এমন ব্যক্তিকে একান সন্মান प्रक छेलावि सन् नाहै।

২। এ প্রদেশে ফেশংবরে আজি ১ দিন

হইতে অনবরত র্থি হইতেছে। ইহাতে সকলে

আশক্ষা করিতেছে, ভবিষ,তে আনার্থি পাছে

হর। এখানে একটা রেলএয়ে ষ্টেসন আছে

এবং ধুলিয়ানগঞ্চ হইতে কলিকাভা এবং

আন্যান্য ভলে নানাপ্রকার জিনিশ গভাভাতের ক্রবিধা আছে। কিন্তু রেলওয়ে কর্মচারী

দিগের দোবে যে অক্রবিধা ঘটিতেছে, লিখিয়া
শেষ করা যায় না।

कम्यक्रि स्रमेनक्रातिनः।

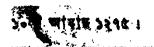
মূল্য প্রাপ্তি।

ত্রীয়ক্ত বাবু ঠাকুরদাস সেন কলুটোলা
১২৭৫ বৈশাধ হইলে আদিন ৫॥

ম এইচ, উড্যো সাহেব কলিকাত।
১২৭৫ কৈয়ের্ছ হইতে ৭৬ বৈশাধ
১০

ম তবলিউ এম ফ্লে কুচবিহার
১৮৬৮ জুন ইইতে নবেহর

ম শননমোহন তেওয়ারি বোরহাট
১২৭৫ বৈশাধ হইতে আধিন



" अ, कर्षत्र

১৮৬৮ জুন শৃইতে নবেষর পর্যাস্থ

# নোমপ্রকুলিনং ক্রান্ত করেকটা বিশ্বে নিয়ম।

জরিষ্ট্রন্য ও ডাক্ষাস্থল মা পাইলে মদ -বলে গোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যার না।

ইংার অন্তিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং
বাণ্যালিক ৫॥০ টাকা গ মকসকলে ভাকনাস্থল
সক্ষেত্র রার্ষিক ১৩, বাণ্যালিক ৭ এবং কৈনালিক ৩৭০। তিন মালের হুংনে অন্তিম মূল্য
গ্রহণ করা বায় না। ছঞ্জি, বরাতি চিটি, মণিঅতি র, নোট ও ইাম্প টিকিট, ইবার অন্যত্তর
বাহাতে বাঁহার স্থাবিধা হয়, ভিনি সেই উপারি
দারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

বাঁহার। ষ্টাম্পটিকিট পাঠাইবেন, ই:হারা যেন এক অথবা আধ আনার অধিক মুলেন্ত্রে ও রসীদের টীকিট প্রেরণ না করেন।

যখন বিনি মফলত হইতে সোমপ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা যেন রেজিপ্তরি করিয়া জীযুক্ত মারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

যাহাদিলের মূল্য দিবার সময় শভীত হইরা আসিবে, এক মাসপুর্নে, তাহাদিগকে চিটি
লিখিয়া জানান বাইবে, কলি শভীত হইরা গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, তাহার পর একমাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা ঘাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং পাঠান হইবে।

মাতলা রেলওল্লের সোণাপুর স্তেলনের ডাক যরে চিঠি আইলে আমরা শীঞ্জ পাইব।

যাঁহারা মাজুল না দিয়া পত্রাদি প্রেরণ করি। বেন, ভাঁহাদিগের সেই পত্রাদি গ্রহণ করা। যাইবেনা।

কেছ সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিজে ইক্ষা
করিলে তাঁছাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংক্তি 🗸
জানা তাহার পর 🗸 ২০ জানা দিতে হইবে।
বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা করিবেন; তাহার সহিত অভন্ত বন্দোবক্ত হইবে।

ক্রেএই পত্র হুলিকাতার দক্ষিণ পূর্বা মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর প্রেসনের দক্ষিণ চালভিপোতার জীবুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যা-ভূবনের বাসতে প্রক্রি সোমবার প্রাক্তকোলে প্রকাশিত হয়।

# (म्यायका

N \* \* \* \*\*

्रं हे मेर बड़ा।

# अविकास प्रकृतिहिताय पार्थिकः सरस्वती अतिमहती न श्रीसतां।"

वांत्रिक पूर्वा 3 अब अधिम वार्षिक 3 र हमा अधिम वान्यात्रिक दर्भ नाएक नाह गांका ।

तन २२१४ । २१ हे स्थातिक । २५७५ । २५ प सून

মক্ষেৰে মাজুলসমেত অগ্ৰিম বাধিক ১৩ বাণ্যাসিক ৭, ও ব্ৰৈমাসিক ৩৮০ টাক।

# বিজ্ঞাপন।

দারকোম্পানির বছবাজার প্রেম। ৪৫ নং মদমব্যুবালের লেন্ ওয়ে লিংটম ফীট।

সম্প্রতি উক্ত দাসকোম্পানি একটা মুয়ায়ত্তা

নহা সংস্থাপন করিয়াছেন। পুস্তক, সংবাদপত্ত

কার কার্যা, হালালের নির্দিষ্ট মূল্য অপেকা স্ত

করিতে প্রস্তুত্ত আছেন। অপর উক্ত কোম্পানি

সংশোধনের ভারত্ত্ব কার্যানের ভারত্ত্ব কোম্পানি

সংশোধনের ভারত্ত্ব কার্যানের ভারতি নানাবিধ ইংরাজী

সুত্তন অক্তর ও বিলাভি নানাবিধ ইংরাজী

সুত্তন অক্তর ও বিলাভি নানাবিধ ইংরাজী

সুত্তন অক্তর এবং মন্তালন্তের আবদ্যক সমস্ত

সরপ্রম সংগ্রহ করিয়াছেন। একলে সাধারণের

উৎসাহ ও অল্প্রাই প্রার্থন করেন।

স্তিপাহ ও অল্প্রাই প্রার্থন করেন।

স্তিপাহ ও অল্প্রাই প্রার্থন করেন।

সংগ্রহণ প্রার্থন করেন।

সংগ্রহণ প্রার্থন করেন।

স্তিপাহ প্রার্থন করেন।

স্তেল প্রার্থন করেন।

স্তিপাহ প্রার্থন করেন।

স্তিপাহ প্রার্থন করেন।

স্তুত্ব করেন।

স্তুত্ব

কলিকান্ত। ই জাৰাচ ৯ই জাৰাচ ১২৭৫ বস্তাধাক।

, সহত্রমুদ্র। গরিতোবিক।

এত দারা সর্বাগবরণকে আত করা যাইতেছে, যে গত ২ রা কত্র আমার ভবনের সন্ম
শক্তি গাবর্গনেন্ট সহাযাকৃত বিদ্যালয়গুহের
করাপ্তার উপর বেলু আমবাসী অন্তান ষ্টিব্যীয়
নবকান্ত নরমুন্দরন্যক জনৈক পথিকের যে
লোক হত্যাকাপ্তইরা গিল্লাছে, আজি অব্ধি
ভূর মার্ট্রের স্থাে ব্যক্তি ভাষার হননকারীর
সমসুস্থাক করিয়া দিতে পারিবেন, ওাহাকে
সহত্র মুদ্রা পারিত্যিক প্রদান করা যাইবে।
ভূর মানের পর ও বৎসরকালমধ্যে অনুসন্ধান
হইলে সংবাদদাতকৈ ৫০০ পাঁচ শত মুদ্রা
প্রান্ন করা হইবে অভিনয় আক্ষেপের বিষয়
প্রান্ন করা হইবে অভিনয় আক্ষেপের বিষয়
প্রান্ত উলিবিভ বিস্ক্রেব্য গ্রেব্যান প্রাণ্ড পক্

হইতে এবং প্ৰণক হইতে নানাবিধ অসুসন্ধান করা হইতেছে: কিছ কোনক্ৰছে কুছকাৰ্য্য হইতে পারা যাইতেছে না।

পাকোড় রাজধানী ) ১৮৬৮ সাল । ১২ ই জুন

# ইংরাজী স্বর্মশিপদাতি।

বদি কের আমার অমুমতি ভিন্ন এই গ্রন্থ সম্পূর্ণ অথবা ইহার কিন্নদংগও মুদ্রিত করির। প্রচারিত করেন, ভাষা হইলে ভিনি আইন অমু মারে ক্ঞানীয় হইবেন।

আরও সাধারণকে আত করিভেছি যে এই গ্রন্থ অভি সরল ভাষার ও স্থালালীতে প্রণয়ন করা হইয়াছে, এডিব্রের অনভিজ্ঞ ব্যক্তিরাও ইলা মনোযোগপূর্মক দেখিলে অনায়াসেই বুঝিতে পারিবেন সন্দেহ নাই। অভএব এই পুস্তক বাঁহার প্রয়োজন হইবে, তিনি কলিকাতা মূলাপুর প্রাকৃত যত্ত্বে অথবা আমার নিকট ১ এক টাকা মূল্য প্রেরণ করিলেই প্রাপ্ত হইতে পাবিবেন।

পাথুরিয়াঘাটা বজনাটালয় ২০ জ্যৈষ্ঠ

--:0:--

গ্রাহকগণের প্রয়োজনহেতু নিম্নলিখিত সংস্কৃত পুস্তকত্রয়ের কিম্নদংশ প্রকাশিত হইল। গ্রাহকগণ পূর্ম তহাতীত নিম্নিদিষ্ট সম্পূর্ণ মূল্য প্রেরণ করিলে প্রাপ্ত হইবেন। বিদেশে প্রেরণের স্বস্তুত্র তাক মাশুল লাগিবেক।

্ষালিনাথের টীকা সহিত। শিশুপাল বধ (মাধ্যুত) মূল্য দ রযুবংশ (কালিনাস্কৃত) ^ ৫॥ • <sup>ই</sup> কির্ত্তা**র্জ্ঞ নীয়**্ডারবিক্ত) ৩॥ • বিদ্যাবিগনের জন্ম বিধার্য নিম্নলিবিত
কলকওলিন সংকৃত পুত্তক দেবনাগরাকরে
মার্টীক মুদ্রণারত হইবেক। প্রকাশের পূর্ণে প্রাহক
ভুকা হইলে গীতা বার পূর্তা অপর প্রতি আট
পূর্তা তিন পরসার হিসাবে খণ্ডে বা সম্পূর্ণ ধেমত
প্রকাশিত হইবেক উক্ত নিয়মে মূল্য প্রদান
করিলে পুত্তক প্রাপ্ত হইবেন। বিদেশে প্রেরণের
প্রতন্ত্র ভাক মাণ্ডল লাগিবেক।

শতুরংহার। বেষদ্ত। শকুত্তলা। নলোলয়।
মার্কবিকাধিমিত্র। বিক্রমার্মলী। মুদ্রারাক্ষ্য
নহাৰলী। মালতীমাধব। সাংখ্যতত্ত্বকোমুলী
ক্রিক্রেকারিকা। মহাবীরচরিতঃ উত্তর্নামচরিত ৯ মুদ্ধবোধ। দশকুমারচরিতের উত্তর্নার্ম।
পালিনি। বসভাতিলকভাল। অমরকোব। শাক্ষর
ভাষ্য, আনন্দগিরি, জ্রীধরত্বামী ও মধুত্তলন
সরত্বতীর দীকাসহিত জ্রীমন্তাগবত। মহাভারত।
বিশ্বপুরাণ। কাদবরী। ভাটিকাব্য। নাগানন্দ।
কাব্যপ্রাণ। চড়ক। মার্কত্যের চন্ত্রী।

কলিকাতা সংবাদ জ্ঞান বুহাকর যন্ত্র নিমতলা জীট ৩২ সংখ্যক ভাষন ।

--: • :--

## বিক্রমার্থ।

গারতেন রীচ ২৪ নং বালী গুলামসহ ১৯ নং জোড়া বাগান।

বিক্রয়ের নিমিত।

গারডেনরী ১২৪ নং বাদী।
উপরি উজ্জ বাগান ও বাদী যাঁহারা ক্রম্ম করিতে অথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নিমু সাক্ষ্ রিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> সিলেগ্ডারস্ আরবো-থনট এবং কোং

-: •:--

শব্দকলক্রম অভিধান। সর রাজা রাধান কাস্ত দেব বাহাতুরের ক্রত। উত্তমক্রপে সোণা দিলা লুভন বাঁধান সুল্য ২৫০ টাকা। ভ্রম্ম বোধিনী পত্রিকা—প্রথম কল্প, মূল্য ৫০ টাকা। শ্রীআনন্দচন্দ্র বেদাস্ত বাগীশ।

> রাণীগঞ্চ পটরি কোং লিমিটেড।

মেজিয়া করিবার স্থৃতিরূপ টাইল।

নি কোম্পানির মিসনরোস্থিত ৪ নং আফিসে ইচার নমুনা দৈখিতে পাত্যা। যায় এবং যদি ব ার এয়োজন হয়, ঐ আফিসে অসুনতিপত্র ক াইয়া দিবেন।

#### অভিধান।

শকামুধি	٠॥-
শকার্থ প্রকাশিকা	<b>9</b>
শক্সিকু	ર
শ্বাৰ্থ মুক্তাৰলী	•
भक्त थे तप्रमाला	<b>&amp;</b>
্শকার্থজ্ঞচারিকা	Ą
প্রকৃতিবাদ	æ
সংস্কৃত পুস্তক	
	•

নংস্কৃত পুত্তক
রঘুবংশ সচীক
উত্তর নৈৰধচারত
ভাতিকাব্য
ভাতকাব্য
ভাতিকাব্য
ভাতকাব্য
ভাতিকাব্য
ভাতিকাব্য
ভাতকাব্য

布百399司令)

পুস্তকবিক্রেডা।

এডখারা, সর্দানাধারণকৈ জ্ঞাত করা যাইতেতে যে, যথন কোন দ্রব্যাদি বা পুলিক্ষারেল
তয়ে দারায় প্রেরণ করা হয় তখন যে ব্যক্তির
নিকট দ্রব্যাদি বা পুলিক্ষা পাঠান হইতেছে
তথার উচিত যে ডিনি যে প্রেসন হইতে
দ্রোদি বা পুলিক্ষা পাঠাইতেছেন, সেই ষ্টেসনেব প্রদন্ত দ্রব্য বা পুলিক্ষার রসিদ যে ষ্টেসনে
দ্রাহা বা পুলিক্ষা পাঠান হইয়াছে সেই ষ্টেসনে
দ্রাহা নতেও ভাগাকে প্রেরিড দ্রব্যাদি বা
প্রেক্ষা নেওয়া হইবে না।

গাঁচাৰ নামে দ্ৰব্যাদি পাঠান হয়, তিনি সমং

ক্ষিত্ৰত হইয়া দ্ৰব্যাদি লইতে না পারিয়া যদি
ক্ষিন কোন ব্যক্তিকে উহা লইতে পাঠান, তবে
বাঁহার নামে দ্রব্যাদি পাঠান হইয়াছে তাঁহার
উট্টিক কৈ তিনি প্রেরিত ব্যক্তিকে দ্রব্যাদি দেওয়া
ক্রিয়ার্থনা ব্যিদ্রের পূঠে লিখিয়া দিয়া

আক্ষর করিয়া দেন। নচেৎ দ্রব্যাদি বা পুলিন্দ।
দেওয়া হইবে না।
ইষ্টইন্ডিয়া রেল eচয় হৌস ) সিসিল্ফিফেলন
দ্যালখেনী স্বোরাব
কলিকাতা ২৩ এ জুন
১৮৬৮

र्रेगरेनिया मश्यः उ भूक्षकानस्य ७ भटिन ভান্সা বাড়ুঁযের ব্রাদার কোম্পানির দোকানে মৎ প্রনীত ও মংপ্রচারিত নিম্লিখিত পুস্তকগুলি বিক্রম ক্ইডেকে:--युक्तर क्षनीज ১ টাকা <u> এীসইতিহাস</u> (বামই ডিহাস. 1. ভূষণসার ব্যাকরণ J নীতিদার (১ম ভাগ) মীভিগার (২ য় **ভাগ**) क्षांतिष्ठ । মুক্ষবোগ ব্যাকরণ ব্ৰিহারকানাথ শর্মা।

ব্রাক্ষা বিবাহবৈণ্য করণার্থ রাজনিপ্নমের জন্য আবেদন করা আবিশাক কি না, ওছিবর বিচা-বাথ আবানী ব্যারার অপ্রবাহ ৪ ঘণ্টার সমন্ত চিৎ পুর বোড, ৬০০ সংখ্যক ভবনে ভারতব্যীর ব্যাক্ষামাজের এক সাধারণ সভা হুইবৈক।

১৭ই জাবাদ ) ব্রীকেশবচন্দ্র সেন। ১৭৯°

ভারতবর্ষীয় রাঙ্গানমাজের সহিত প্রতিনিধি সভাও কলিকাতা রাঙ্গানমাজের প্রচার বিভা গের যোগ করিবার প্রাক্তাব উক্ত দিবসে উল্লি থিত স্থানে অপরাহ্ণ ও ঘণ্টার সময়ে বিচারিত হইবে ; প্রতিনিধি সভা ও প্রচারবিভাগের সভা মহাশয়েরা তৎকালে উপস্থিত হইরা তদিবর নিক্সিত্ত করিবেন।

1 FF7 記書を予事が

# यित्रात नती।

সন ১৮৬৮ সালের জ্ব মানের ৮ ই হইতে ১৪ ই পর্যন্ত ভাগীরখীনদীর সর্বক্ষ ডি জলের সাঞ্চাহিক রিপোট।

স্থানের নাম কুট ইঞ্ মহানার উপর প্রাম্ণীতে ২২ ১ মহানার
তথা হইতে কলিপুর পর্যাত্ত
(১৩% মাইল মধ্যে)
ত কলিপুর হইতে বহরমপুর পর্যাত্ত
(৪৬ মাইল মধ্যে)
বহরমপুর হইতে কাটওয়া পর্যাত্ত
(৫০ মাইল মধ্যে)
কাটোয়া হইতে নদীয়া পর্যাত্ত
(৪৬ মাইলের মধ্যে)
সন ১৮৬৮ জুন মাহার ১০ তারিখে বহরমপুর গজ ঘাটের কলের মাপ।

ফুট ইঞি ৬ ৪॥

বহ্বমপুর ১৮ ই জুন ১৮৩৮। প্রীযুক্ত টি. হেন্স উইক্ল, সি, ই, ১ এক্জিকিউটিব ইঞ্জিনিয়র ∫ বহরমপুর ডিবিজন

# সোমপ্রকাশ।

১৭ ই আষাত সোমবার।

इहे मधार व्यव्याप इकि रड-য়াতে বত্র পরিমাণে আডিস ধান্য ও चारमारन्त्र वीकनकल नचे स्हेतरह। ২৪ পরগণা মেদিনীপুর ও বালেশ্বরের প্রায় বাবতীয় আউদ ধান্য গিয়াছে। আ্ষাত মাদ আদিয়াছে. একণে পুন র্কার আউস ধান্য বপন করা সম্ভা-বিত নয়; কিন্ত জাউদের উপর ক্ষকের নিজের জীবিকা দৈর্ভর করিতেছে। এ ধান্য যথন নট ইবল তথন তাহাদি-शतक कछ পाইতে एहेंग । २८ পরগণার मिक्कार्भ आत विष्टूहे माहे विलाल इश्रा हा छेटल त्र भूना दिन किन दिख्य हरे-তেছে। ঘশোহর, ন্দীয়া ও বপ্তড়াতে বিস্তর ক্তি হইয়াছে আশিন অথবা क्रांकिक मारम यपि अ घोना इरेफ, निःमः শয় হুৰ্ভিক উপস্থিত **হক্ত**া আবাঢ় মা<u>স্ত</u> वित्रा जाना जाटह, या जरहा रही इंडिंक घटेना हरेरव ना किंख कि शति-मार्टन दकायां यमिक र्रात, अञ्चलकान त्राथा क्षथान शूक्रवित्राक्ष्वा। अउद সংক্রান্ত অনেকগুলি প্রেডপত্র আমা-मिर्गत रहें शिक्ष व्हेरिक, करतक-

খানি স্থানাভাৰ ফেডু এবার প্রকাশিত · इडेल ना।

श्रुविष छ खामान्छ।

় • এক ভকা আর ছার দোব খণ ক্ব কার, আমি মলে ফুরার অঞ্চাল। "

পুলিষের যেমন দশা, আদালতেরও তেমনি দশা হইয়াছে। পুলিষই ত প্রথ-মতঃ দুস্তুতকরপ্রভৃতিকে ধরিতে অগ্র मत इन ना, व्यागत इहे(मञ व्याग्रहे ধরিতে পারেন না, যদি বা কথন ধরিয়া আদালতে উপস্থিত করেন. আদালত ছাড়িয়া দেন। এক দল দল্ম তক্ষরাদির অনুস্কানকর্ত্তা, অপর দল विচারকর্তা হওয়াতেই আরো দুর্দশা বাড়িয়াছে। পরস্পার কেহই কোন বিষয়ে नाग्नी नटहरा शक्रम्भारतत शक्रम्भारतत करका माध किर्न किंद्रा अवग्रहिं भारेबां विनक्ष पूर्विश आहि। पुनिष विनित्नन, আসরা অপরাধীকে ধরিয়। দিলাস, আদা লত ছাড়িয়া দিলেন, গক্ষান্তরে আদালত **এই বলিয়া হা ভ ধুইয়া বনিলেন পুলিষ অভি** অপদার্থ, এমন মকদ্দমা উপস্থিত করি য়াছে যে দোষীৰ দোষ প্ৰমাণ করিতে পারিল না। পুলিবের পেটের ভিতর কিছু থাকুক, আর আদালতের পেটের ভিতরে কিছু থাকুক, ঐ গোলঘোগে তাহা জীণ হইয়া গেল। উপরের কর্তৃপক্ষ किছूरे कानिएक शाहित्यन मा। यासात व्यानिक हरेगात जाहात है हरेल। क्लोक मारी मक्षमात जाभीत्मत निशम ना থাকাতে আরো অধিক স্থাবিধা হইয়াছে

পাঠকগণের সারণ আছে, আমরা পূর্বে ২৪ পরগণার অন্তঃপাতী ছরিনাভি हेर मर विकासनायंत्र बहि চुतित विषय লিখিয়াছিলাম। পুলিব অসুসন্ধান করি. তেছেন, এ সমাচারও দেওয়া হইয়াছিল। ভাহার যে ফল হইরাছে, আব্বি ভাহা

যাহাদিগের উপরে সংশার হয়, পুলিয তাহার এক ব্যক্তির ধাটীতে কতকগুলি বহি পান এবং ভাহাকে চোর নিশ্চন क्रिश होनान क्रिश (पन। जानिश्रुरतर व्यनाखत राज्योपे माबिरहे । मानिकेमिन খাঁবাছাত্রের নিকট মকদ্দা হয়। মক ক্ষাটী ডিগমিদ হইয়াছে। খাঁবোহাত্তর কি হেতুপ্রদর্শন করিয়া মকদ্দমাটা অথাহা করিরাছেন, আমরা ভাহা নিশ্চর করিয়া বলিতে পারি না, আমরা উাহার রায় দেখি নাই। তবে আমরা মকদ্মা সংক্ৰান্ত বিষয়গুলি যতদুর জানি, मः एकरे निथि उहि, अधानभूक्षितितत महिल পঠिकश्व विद्वहर्मा कतिशा (मधून, মকদমার বিচারটা ন্যাঘা কি অন্যায়া क्रेश्नर्छ।

विश्वित स कृतन्त्र, स्य स्यः वाज्जि জানেন, তাঁহাদিগের দারা তাহা প্রমাণ इहेश्रारह । जामांभी कवांव निवात मगरत প্রামের এক জন সন্ত্রান্ত লোকের উপরে দোষারোপ করিয়া এই কথা বলিয়া आंश्रापात कानन करत, य महे वाकि ( সন্ত্রান্ত ব্যক্তি ) ভাষার উপরে বিদেষ বশতঃ তাহাকে জব্দ করিবার উদ্দেশে বহিগুলি তাঁহার ঘরে রাখিয়াছেন, আমরা ঐ সম্ভান্তব্যক্তিকে যেরপ জানি ভাহাতে স্পাটাক্ষরে কহিতে পারি ভাঁহার প্রক্রতি যে, এতনীচ হইবে, কোনক্রমেই আমা দিগের এরপ বিশাস হয় না। বিশেষতঃ আসামী এক জন ১৮।১৯ বর্ষবয়ক্ষ বালক।: ঐ সন্ত্রান্ধ বাজির দহিত উহার প্রতিযো গিতা সম্ভবে না। পকান্তরে ঐ বালকটার চরিত্র সংশয়ারত বলিয়া জানি। দে कृत्ल मरशा मह्या याईछ। य पिन চুরি यांश, तिस्ति अधार्ग शर्या छ कृत्व हिन ভাহার পর দিন গ্রীয়াবকাশনিবন্ধন ক্ষুলের বহি স্থানান্তরিত করা হইবে, ঐ বালকটা ভাষাও জানিত। এই সকল शांककनर्गत रंगांवत कता बांबेटल्ट् । विद्यवना कतिरत वालकी शूलक जाश-

त्र कतिशाहिल, अहे निरक् त्यक्रश मत्नत গতিহয়, সভাস্ত ৰাজি উহাকে জক ক্রিবার উ**দ্দেশে উহার গৃহে বহি রা**খিয়া আদিয়াছেন, দেদিকে দেরপ মনের গতি হয় না; কিন্তু বিচারপতি খাবাহাছুরের विश्रोडिंगेरे अपरक्षा इरेगा रेफेंग, তাহাতে আমাদিগের আশ্চর্ঘা বোধ হইতেছে না। মাসুদের রুচি ভিন্ন ভিন্ন। কারণবিশেষের বশীভূত হইয়া মালু-वित मन क्रिटिविडिडा व्यक्तमीन कतिश থাকে; স্কুলং যুদ্ধিবল্গা সকলের মনকে দকল সময়ে ৰারণ করিয়া রাখেতে शादत्र ना। आभानित्रात आन्हर्रयात विष्य **এই, थें। वाहाइत निष्म भएनत भतिवर्स्त**त (हिन পाটनाय वल्ली इहेसारहन) मरक मट्य यांगामिगटक अक्षी थांहीन मट्डत পরিবর্ত্ত দেখাইয়া গেলেন। আমাদিগের কান। আছে, প্রত্যক, অসুমান, উপমান उ भक् वहे हाति अकात अमान। हेहात মধ্যে প্রত্যক্ষই সর্ক্রপ্রধান। কোন প্রসা-ণই প্রতাকের সহিত প্রতিদ্বিদ্রত। করিছে পাবেনা। ধে স্থলে প্রত্যক্ষ প্রমাণ नारे, तरे थात्नरे अञ्चलाति अवाध হয়। আঞ্জি **অকৃতি বিরোধে এঞ্**তির ন্যায় প্রত্যক্ষ ও অসুমান উভয়ের বিরোধে প্রতাকেরই প্রাবদা হয়; কিন্তু আমা-**मिट्शत थावाशङ्ख উভয়ের বিরোধে** व्यक्तपान (कहे श्रीशाना भन श्रीना कति-লেন। এক দিকে প্রভাক্ষ হইতেছে, আদা-মীর গৃহে কুলের বহি ধরা পড়িয়াছে. व्यना निरक व्यन्त्रभान व्हेट व्यक्त, व्यारमत এক সন্ত্রান্ত ব্যক্তি বিছেমবশতঃ ক্লের বহি চুরি করিয়া আনিয়া তাহার কতক আপনি রাখিয়া আর কতগুলি আদা শীকে জব্দ করিবার মানদে ভাষার গৃত্তে कित्री वित्रोट्टन । अहे अनुमानवटन থাবাছাত্র মকদমা ডিদ্মিদ করিলেন। তাহা হইলেই অনুমান প্রত্যক্ষ প্রমাণ্ অপেকা প্রধান হইল নাং স্ভাৱ

বাজি আদামীর গৃহে বহি কেলিতেছেন, অমুক দেখিয়াছে, আদামী কি
এরণ প্রমাণ দিয়াছে? এরণ প্রত্যক্ষ
প্রমাণ ব্যতিরেকে কি আদামীর নিক্ষ্
ভাতের সঞ্জাবনা আছে? উলিখিত
মহাত্ম বাজির সহিত আদামীর কি
বিবাদ আছে, আদামী কি আদালতে

গ্ৰাচ্ডন্তৰ ৷ আৰু একটা কৌতুকাৰ র্ডান্ড ভারণ করুন : আসামীর গৃহ নিজা শিতবৃহিঞ্লি কুলের, ইহা **ছি**র হ**ইলে** বিচারপতি খাঁবাছাদূর আদামীকে হাজতে দেন, (ভাব দে<sup>e</sup>খয়া আমাদি নের এইরূপ বোধ হইন) এইরূপ উপ-ক্রম করিতেছেন, এমন সময়ে আসামীর भाकारता वक जन कनकीवटलत माका धाइनार्थ जिन करिएड लाशिएलन। कन-की बल व मक्स्माश वक अन जाकी ছিল। তাহার দাক্ষা গ্রহণের অনুমাত্র আয়োজন ছিল না; কিন্তু সাক্ষ্য লওয়া इहेल। (म अर्थान পृद्धां भद्र विक्रक कथा বার্ত্ত। আরম্ভ করিল, যে প্রকৃতিছ कांकि म व्यक्तत कथा करह मा। ভাই শুনিয়াই স্পর্শনিণির স্পর্শে গৌহের व्यर्गक्रिय शांत्र व्यवस्था विकास প্রির মত পরিবর্ত্ত হইয়া গেল। তৎ-काइल आमामित्रात त्वाध हरेगा. छहाह मक्क्मः डिशमिन इहेबात अवेडी श्रधान কেত হর্চা উঠিল। কনন্টাবলের কি ।। भूष्य । दाका मूर्विकित य कनको वलकारी তথার উপনীত হইয়াছিলেন, ভভ **ক**ন আস্বং ভাগ জানিতে পারি নাই। উহার भाग है। मृक्ष गर्भियो सव हैनटम्ल क्टेंटरब বালগুলি চুণ্ হইয়া গেল। সৰ ইন**ে**প্স-छेर अध्यास्त्र **छप्र लाहक (यमक्त क**रा नवकी विवाहित्तन, त्र मश्चनीश ভानिश গোল। বিচারপতি কিরপে ভির করিলেন त्यु व्यामाभीत शक्त (लाटकत! कनछोत-লকে অর্থসারা বশীভূত করিতে পারে

না ? আমিরা অন্যের কথা বলিতে পারি
না, ক্ষুলের ভ্তা এ মকদ্দমায় করিয়াদী
ছইয়াছিল, দেই স্বমুধে আমাদিগের
সমক্ষে বলিয়াছে, হুই জন প্রবল ব্যক্তি
ভাঙ্গাইবার চেন্টায় তাহাকে ভয়প্রদর্শন
করিয়াছিলেন। তাহার মন যে ভাহাতে
বিকার প্রাপ্ত হয় নাই, তাহার এজেহারেও দেরপ বোধ হইল না। এরপ স্থলে
কনন্টাবলের কথাই যে বিচারপতির
ধ্র দ্রান হইল, এটী অনম্পা বিস্মাধ্য হ

উপসংহারকালে প্রধানপুরুষদিগের
নিকটে আমাদিগের উপরোধ এই, আমরা
এই মকদ্মাদ্রস্থা উপরে বিচারপতির
অকর্ত্রা আইনবিরুদ্ধ বে ব্যবহারের কথা
কহিলাম, দলিলাউ দন থাবাহারুরের
নিকটে ভাহার কৈফিয়াভ চাহা
কর্ত্রা। এ সকল মকদ্দমার আপীল
নাই, প্রধান পুরুদেরা সমাচারপত্রে
অবগত চইয়া য়ুদি প্রভীকার চেটা না
করেন, শোণ দামোদরাদির ন্যার ক্ষরি
চার প্রেভ ছনিবার হইয়া উঠিবে। প্রধান
পুরুষেরা নিক্ষর জানিবেন, মানুস যদি
শক্ষাশূন্য হয়, ভাহার মন উপরোধ
অমুবেরা ও ভ্রমপ্রমাদাদি নানা কারণে
সহসা বিকারপ্রবণ হইয়া উঠে।

এই প্রতাবটার লেখা সাক্ষ হইলে
পর থাবাহাহরের গিথিত রায়টা আমা
দিগের দৃঠিপথে পতিত হইল। তদ্দনি
আমরা অধিকতর বিস্ময়াপন্ন হইলাম।
রায়ে লিখিত হইয়ছে, চৌর্মের যে
অভিযোগ উপস্থিত করা হয়, প্রমাণ
না হওয়তে তাহা অগ্রাহ্য করা হইল।
কি আস্চর্মা। যদি প্রমাণ না হইয়াছিল,
বিচারপতি আসামীর কবাব লইলেন
কেন ? ষত কণ আসামীর কবাব লওয়।
কিরপে বিধিস্কত হইতে পারে ? পাঠ-কগণ! বিচারপতি খাঁবাহাহর সমুদায়

काक भाष कतिशाहित्यन ; आमामीतक হাজত দেওয়া কেবল বাকী ছিল; এমন সময়ে পঞ্চমুদ্র। বেতনভোগী ক্রনফাবলের সাক্ষা গ্রহণ করা হইল এবং ভাছার পূর্ব্বাপরবিদয়াদী বাক্য শুনিয়া সমুদায় প্রিবর্ক হইয়া গেল ৷ পাঠকগণ ৷ মালু-বের মন কি পরিবর্তনশীল! মনের কি অভুত গভি! ধেদকল ব্যক্তির সাক্ষ্যে ष्यानामीत खवाव लख्या इब्न, डाँशिनिटशत বাক্যে অণুমাত্র কাম্পানিকতা ছিল না, বিচারপতি ভাহা স্বয়ং স্বমুখেই স্বীকার করিয়াছিলেন। কিন্তু কি চমংকার। দে मकल काटकत ना इहेशा ठात्रिजाहीन, কুদ্রাশয়, অর্থলোভী এক জন কনন্টাব-लात कथा काटकत इंडेल ! हूती हम नाहे, कनछोवल कि अ कथा कि हाछिन १ वर्ष कथात घटेनटकः कि घाटन यात्र १ यन्ति আৰালত ঘটনাটা নিপ্যা জ্ঞান করিলেন, বহিগুলি কি শ্যুতানে লইয়া গেল ? পুলিষ চোরিত পুস্তঃগুলির উদ্ধার क्रिट्ड शाहित्वन मा! आमान्ड हूती গিয়াছে একথ। বিশ্বাস করিলেন না। কিন্তু ক্লের বৃহিওলি গেল। এখন দেশুলি কে দের ? গবর্ণ,মন্ট দিন। গবর্ণ-মেণ্ট আমাদিগের নিক্ট ছইতে অর্থ লইয়া যথন এরপ জঘন্য পুলিয় ও আদালত রাখিয়াছেন, তথ্য গ্রণ্মেণ্টে तरे विश्विणि (मञ्जा कर्डवा)

> ভারতবর্ধের প্রতি রাজ্ঞসংগ্রেদ্ধ আর একটী অবিচার।

আমরা এক টেলিপ্রাম পাঠ করিয়া বিস্ময়াপর হইলাম, আবিদিনিয়াতে যে সকল দৈন্য যুদ্ধার্থ গমন করিয়াছিল, তাহাদিগকে যে ভাতা দেওয়া হইবে, তাহা ভারতবর্ষীয়দিগের ক্ষেক্টে পতিত হইয়াছে। ভারতবর্ষীয়দেগর ক্ষেক্টে পতিত হইয়াছে। ভারতবর্ষীয়দেগর ক্ষেক্টে পতিত নাকাংশ্বিকে ইহাঁদিগের কোন দংক্ষব - 6-16:

नाहे। देश्यकीय भवर्गतमात्केत व्यविद्वहना ও অহসিকানিবন্ধন কন্সল ও দুত কারা क्रफ रन। देशीमिटनात উद्धानीर्थ युक्त হয়। ইংলঙের সমানরকাই যুদ্ধের প্রকৃত কারণ। জারতবর্ষের সৈন্যাণ এই যুদ্ধে শোণিতপাত করিয়াছে ; ভারতব-र्वीत भवर्गरमन्छे अधिम छोका निहा बादतत क्षविश कतिहा निवादक्त । टेननाश्य यथन রণস্থলৈ ছিল, তথন তাহাদিগের বেতন ভারতবর্ষীর ধনাগার হইতে দেওয়া হই. शांष्ठ । शकां खरत है श ला यिन अक अन रेमनिकटक ७ (मटभंत कार्ट्या भित्रन करतन, जाहा इहेटन ना हेनामहेन जान করিবামাত্র আমাদিগকে ভাহার বেতন निट्ड इत। शमनाशमदनत वात सामानि-श्वतः। देनन, भग ७ (मर्ट्ग व्यक्तिश स्य बञ्ज পরিগান করে, বাইবার সময়ে ভাহা লইয়া গেলে আমাদিগকে তাহার মূল্য मिल्ला इस ना। इंका कि अर्थलिख नटक ? কি জন্য ভাতা দেওয়। হয় ? যুদ্ধ জারের নিষিত ত ? কাহার নিমিত যুদ্ধ হই-য়াছে ? দদি ইংলতের স্বিধার নিসিত্ত যুদ্ধ হইল, তবে তাহার পুরস্কার আমা-निगटक निटंड इडेटंडिट दक्त १ अग्न हर. नर्छत, मक्न श्रुविधा देश्नर्छत इदेन; बारधत दिला आमता। वन्नीनिरशत मरशा এক জন ভারতবর্ষীয় ভূত্য পাকিলেও ভারতবর্ষের ক্ষত্রে যুদ্ধের ব্যয়ের অর্দ্ধাংশ ক্ষেপণ করা হইত সন্দেহ নাই। মন্ত্রিগণ এ সুবিধা পান নাই, এই নিমিত নানা বাব করিতেছেন। ফলতঃ ভারতবর্ষের ক্ষমে ব্য়েভার নিকেপ করা ইংলগ্রীয় शवर्गानात्केः शास्त्र मुख्य माह्। वर्क्षभाम মদ্রিগণের সময়ে ঐ রোগটা আরও বাজিয়া উঠিয়াছে। ইংলতে ইহাঁরা নানা কারণে অপ্রিয় হইয়াছেন; ইহার উপরে টাকার ভার অধিক পড়িলে ्रशार्ष्ट जिन्दबन्धि मारहरदंत महत्रत्रभारक পদত্যাগ করিতে হয়, এই আশকায় ভার

তবর্ষের ক্ষরে ব্যয়ভার চাপাইতেছেন। এটি অভিশয় অন্যায়: ইহাতে সাধা-রণো অসস্ভোষ ক্রেশঃ রুদ্ধি হইটেছে। षांगता (य क्छेक्त छात्र वहन क्रिट्डिह, তাহা আমরাই জানি এবং পরমেশ্র জানেন। প্রতিবৎসর ফুতন কর হই তেছে। বর্তমান গ্রণ্র জেনরল লাভ কর্ণওয়ালিদের অঙ্গীকার ভঙ্গ করিয়া বিদ্যাশিকা ও রাস্তার নামে ভূমির কর त्रिक कतिएक विमहारहन। आना मरभत **এই कर्छ** ; ईहात छे भटत आवात यिन हेश्लए मट्या मट्या डेलेख्व कटतन, আমরা কিরুপে বাঁচি। মন্ত্রিগণ কবে আমাদিগের প্রতি সদ্বাবহার করিতে শিক্ষা করিবেন ? নেসকল রাজনীতিজ্ঞ একটারাজ্য অপেকা ত্রিটিশ জাতির ন্যায়াসুগত ব্যব্ধারকে অধিক মূল্যবান জ্ঞান করিতেন, ওাঁহাদিগের দল কি নিঃশেষিত ইইয়াছে ?

--- 909---

#### গলার সেতু।

কলিকাতার মধ্যে অথবা ভাতি निकटि बक्ती मिलू कता य कर्खरा, তাহা সাধারণো স্বীকৃত হইয়াছে। পাঁচ বৎসর যাবৎ এ বিষয়ের তর্ক চলিয়াছে ; কিন্তু আক্ষেপের বিষয় এপর্যন্ত কিছুই ছির হইল না। ভারতব্যীর বেলওয়ে কোম্পানির স্বার্থপরতা একটা বিশেন বিষয়রপ হইয়াছে। এই কোম্পানি আপনারাও দেতু করিবেন না; অন্য कांशांटकथ कतिटल मिटबन ना। जांशांमि-গের মুখাপেকা করা রথা কলেহরণ माज। शृंखवाकना ततन्वतः कालानि **শেতু করিতে** উদ্যত আছেন; কিন্তু ভাঁহারা যে নিয়মে করিতে চান, তাহাতে **দমত হইলে ভারতব**ৰীয় রেলওলের কতি হয়। এত দিন উভয় কোম্পানি व्यापनामिटशत व्यार्थाञ्चमवान व्यवः शवर् ; **रमणे मूथ रामिन क**तिशा उँ शिक्तित

বিবাদ দর্শন করিতেছিলেন। সম্প্রতি ক্রিণা চইবার একটী সন্তাবনা চ্ইয়াছে। দেজুনির্দ্ধাণের ভার তৃতীয় প্রকের হস্তে সমর্পণ করিবার গ্রামর্শ হইতেছে।

वक्रमणीत भवनंत्रके वनिक् माध्यत। বের নিকটে পরামর্শ জিজ্ঞানা করাতে बिनाशास्त्र, का नी भूटतंत्र निकटि (मञ्च क्रिट्स विटमव क्रालाम्स हरेटन ना; ओ द्यान वानिकात आशान हाउँद्याला उ नामनोचोत অনেক দূর। তথায় শকটদ্বারা বাণিক্য प्रवा नहेश गहेर इहे: ক**ত তেমনি ব**য়ে পজিবে। সচরতের মফ यल इंटेंट (यनकल वानिका प्रवा আইদে, তাহা এক কালে রপ্তানির নিমিত জাহাজ বোঝাই হয় না৷ প্রথ মতঃ নহাজনদিগের গোলায় উঠিয়া প্রিক্লত হইলে পর আহাতে লইয়া যাওয় হয়। কাশীপুরে দেভু ও **हि** थूर्त खनाम इहेटन विखन बाग्न ও সময়নাশ হইবে। আরে বালি অব্ধি হাৰড়া পৰ্য্যন্ত ভারতব্যীয় রেলওয়ের যে মুল্বান সম্পতি আছে, ভাছা এক প্রকার মূল্যহীন হইয়া পড়িবে। বলিক্ দক্ষদায় তরিমিত প্রস্থাব করিয়াছেন, হাটখোলা অথবা ভাহার কিছু উত্তর বা मिक्टिन मिजू कहा कडवा; आश्रीनी ঘটি হইতে হাবজ্পেষ্ট্র দেজু করা সম্ভাবিত নছে। তাহা করিলে প্রথমতঃ काराक गाहेतात चाळ्विम। एउँदा । याङ् र इ का हा क वार्यानी घाटहर छे यह शबन करत ना नरि ; कियु भना वि ह्यू श छ मानदीरभव हुइ । छ ए मक्त भ्रम क्तिया थाटक। सिन्तु इतेशा समञ्जावशा थाकिटव ना। जात এक्षें अनिष्ठे अहे इहेट्स, হাৰড়াতে যেৰকল বহুমুলা ভক আছে, जाका छेठेरिहा बिसटक इहेटवा व्य बाह्य সামান্য ব্যয় নহে; অসুবিধাও সামান্য नग्र। अञ्चा इछिरशालाई यथार्थ ऋान

इहेर হছে। ভবে একটা আপত্তি কর। হ ইঃাছে যে, গত ৭১ অফের ঝড়ে জাহাল नकल का नी भूरतत रकाल भर्बा छ निवा ভিল : হাটবোলায় **দেতু হইলে ভত্প**,র ক্ষ্টোজ পড়িলে তাহা ভগ্ন হইবে। ক্ষু এ আপতি তা**দৃশ বলবতী বোধ** কটতেতে না। ভাষ্তিকর রহ্থ শৃগ্ন ছিন্ন करिता (प्रेनिता लहेशा यात्र, अज्ञल सफ़ স্চায়াল মটে না। শে ঘটনা সচরাচর इन्ट्रल तम हुं ७ काट ए खाँ इन्ट्रेट **भारत** । विवक् मण्यमास विवशास्त्रम, भूर्त्वीक কাল্ডর সময়ে ব্যার নক্ষর ও শৃত্মল সকল জীণ হইয়াছিল; ভারিমিত্ত এত তাহাজ উপরে গিয়াছিল। ঐ সময়ে (घरकण लाहांक निक निक मृध्नद्वाता वम्न हिल, ठाहात भएषा घरनकछालित तकः। इहेग्रां हिला माना मार्था नकत, वशा अ मृश्रालत भारीका कतिरल अहे বিপদ ঘটিবার অপেই সন্তারনা থা কিবে। ছাটাখালায় দেতু হইলে উত্তর দিগে বন্দর আরও রদ্ধি হইবে; একণে গেদকল স্থানে গোলা নাই তথায় গোলা इंडेट्व ; मक्टेबांबा वानिका ख्रुवा आमि বার ভ কথাই নাই।

এই সেতৃ করিয়া হাটপোলায় একটা
বিশ্ব নুত্র চীনেবাজাবের নিকটে একটা
বহুং গুদাম করা কর্ত্তবা। এই তুই
শুনেই শিয়ালদহ হইতে রেলে দুবা
নামন্রী আমিবে।বলিকসম্প্রনায় বলেন,
আমেরিকার ন্যায় নগরমধ্যান্তিত রেল
গাছি অশুদারা চালান কর্ত্তবা। এই
সেতৃ প্রস্তুত করিবার ভার এক পৃথক
কোলোনির হস্তে দেওয়া ভাঁহাদিগের
আভিন্ত। সর্ক্রমধারণ পূর্বে এই মত
আলশ করিয়াছেন। দেতৃ হইলে ভাহার
এক শ দিয়া রেইলওয়ে শকট অপরাত্র অনাবিধ শক্ট ঘাইতে গারিবে।
প্রথিকগণভারে এক পার্মা দিয়া ঘাইবেন।
প্রথিকগণভারে এক পার্মা দিয়া ঘাইবেন।

সম্পূর্ণ অনুমোদন করিতেছি। হাটথো-लाग्न रमञ्रू इहेटल ज्यात अविधि विटमघ উপকার এই इहेट्द, के अक्षरलंत य धन ৰস্তি আছে, তাহা কতক বিরল হইয়া পড়িবে। সাজ্যের পক্ষে যে ইহা মহো-পকারক, ভাষা বলাবাত্ল্য। আমরা এই সঙ্গে প্রস্তাব করিতেছি, কলিকাতায় যে প্রকার ঘন বদতি হইয়াছে, তাহাতে नगरतत मीमाइबि कता कर्खवा। पिकटन কালীঘাট, পশ্চিমে শিবপুর হাবড়া ও শালিকা; উত্তরে দিঁতি ও পাইকপাড়া এবং পুর্বের সুঁড়ো ও টেঙরা পর্যান্ত নগরের সীমা রৃদ্ধি কর। কর্ত্তব্য ছইভেছে। नगरत बारमत এक है। साहिनी में कि আছে। আমি নগরে বাদ করিতেছি, এই ভাবিয়া অনেকে আপনাকে চরিতার্থ জ্ঞান করিবেন। কলিকাতার কাঁদারী-দিপের নাায় এক পাড়ার মধুসাককা কারে বাদ করা অপেক্ষা একটু দুরে বাদ করা বহুগুণে উংকৃষ্ট। নগরের সীমা वृद्धि करिटल है विश्वत लाटक व्याख्नाम-পুর্বেক এইসকল উপনগর অঞ্চলে বাটা कतिरवन। এ कार्गाणि मिजूनिशीरणत পূর্মে কর। কর্ত্তবা। তাহা হইলে রেলওয়ের নিমিত্ত যেদকল ভূমিও বাটা ক্রয়করিতে হইবে তাহার মূল্য তত অগ্নিবং হইবে না उनमः हातकात्म आमता नवर्गमण्डिक অসুরোধ করিতেছি, আর স্বার্থপর রেল **ওয়ে কোম্পানিদিগের মুখাপেকা** না করিয়া এই প্রকৃত হিতকর কার্যটো অধিলমে আরম্ভ করেন। ভারতবর্ষের রাজধানীর আর এপ্রকার লজ্জাকর व्यवका ताथा विदयत इत्र ना।

জামাদিগের কাবহারাঞ্চীবগণ ও উাহাদিগের পরীকাপ্রণালী। আমাদিগের আইন শিক্ষা ও ওকা-লতী পরীকাপ্রণালীর একরপতা না ধাকাতে স্বিশেষ অন্তি হুইডেছে।

वक्रात्रा भाषा श्रीका द्या। व्यथम, विश्वविमानितात वि, अन, अवर এল, এল, পরীকা। দ্বিতীয়, কেলা আদা লত দমুহের প্রথম ও দিতীয় শ্রেণির ওকালতির পরীকা। তৃতীয়, কৌলদারি আদালতের মোক্তারির পরীক্ষা। চতুর্থ, রাজস্বসংক্রান্থ আদালতের প্রতিনিধির পরীক্ষা। পঞ্চ আটর্নীর পরীক্ষা। क्वित वि, अन, भन्नीत्काछीर्गताह প্রধানতম বিচারালয়ের আপীলবিভাগে ওকালতী করিতে পারেন, আটণীবা **डेक वि**घातानार्यत আদিম বিভাগে कार्या कतिएक এवर मिडेलिया विकाल প্রশেষ্তর করিতে সমর্থ হন। কিন্ত कुछ उकाल जिमच्दक चार्रे नी धल, धल, এবং কমিটা পরীক্ষায় উত্তীর্ণ এথম ত্রেণীর উকীল ইংঁাদিগের তুলাতা **আ**ছে i चाउनी मिश्राक मीर्घाना कार्या निश्चित्त হয়। এল, এল ও কমিটি পরীকার এথম শ্রেণির উকীল উভয়কেই আইনের छेशामण खादन कतिएक इया छेजरश्रे इं दो कोटल शहीका दिन । जत्र श्रास्त्र মধ্যে এই, এল, এল প্রীক্ষার্থীরা অপেকা! কৃত অংশ পরিশ্রমেও পরীকার অংশ নমুর পাইয়া উতীর্ণ হন। এরপে ৫ ভেদ করিবার কি কারণ আছে, আমরা ভাষা বুঝিতে পারিতেছিনা; অন্য সকলেও ইহা বুঝেন না; প্রধানতম বিচারালয়ও इंश (य त्रिवाराष्ट्रम, (वांश श्रेटकाए मा। এইরপ নানা স্থানে নানা প্রকার পরীকা প্রণালী প্রবর্ত্তিত করিবার প্রয়োজন कि १ अविधि नतीका श्रामी वितिदन कि हटन ना ?

ইংলণ্ডে বারিইরদিগকে কোন
প্রবিপরীকা দিতে হয় না, এই
নিমিত বারিইরদিগের অধিকাংশ লোকে
উপযুক্ত হন। বে কোন ব্যবসায় শিখিতে
হউক, ভাহার প্রতি একটা স্বাভাবিক
প্রতি চাই। সেই স্বাভাবিক প্রহৃতির

কোন প্রকার গমনপথে প্রোচের প্রতিবন্ধার উপস্থিত করিয়া দেওয়া কর্তব্য न ह । शुर्व ततीका अहर १त निव्रम् तिहे श्रीकिकार। वर्डभान श्रीका धनानी অরুদারে প্রথমতঃ বি, এ, পরীকা না मिटन वि, धन, शतीका मिटड शांता यात ना। क्रुडिका लाक् शाहेबात जानदाहे **এই निव्रम कता इडेशाएड: किन्छ य**ाँडा-क्ति:भत खडावड: वावमाताकीय हरेवांत উপগোগিনী বৃদ্ধি ও ইচ্ছ। আছে, বিশ্ব विमानिद्यत वि. এ, शतीका छाहामित्रात প্রতিবন্ধকতা করিতেছে। তাঁহারা ঐ পরीकः पिट्ड शास्त्रम न। वट्टें; किन्द ঐদকল লোক আইনের পরীকা অনায়াদে দিতে এবং ওকালভি করিবার স্থাবিধা পাইলে স্বিশেষ যোগাতা গ্রামন করিতে भारतम। यिनि य वावमात्र कहिरवन, এবং তাহার ১ তি উাহার কতদূর অসুরাগ ভাহার মর্মহ ও অবায়র ভেদ্জান পটুতা আছে ভাষা দেখা কৰ্বা। বোধ कर এक सन यूजधातत कर्यामकात देखा ক্রিতেছেন। তিনি ঝৃজি বুনিতে পারেন কিনা, ভাহা দেখিলে কি হইবে? के निर्माप्ततात विषया कार्याकः क्रेजन इह **टिट । डे भीटन व कु डिवमा इउना ककान्य** আবশ্যক বটে , কিন্তু অঙ্কশাস্ত্রের কভক शक्त कठिन नियम अवः विश्वविद्यालस्यत নিণীত কতকগুলি পুস্তক অধ্যয়ন না ক্রিলে কি কেহু ক্লভবিদ্য ছইতে পারেন ना १ डाङ्ग्ड जनमरनत विश्वविद्यालर्यं কোন উপাধি ছিল না ; কিন্তু ভিনি কি এ, এল, ডি উপাধি পাইবার পুরে ফুভবিদ্য বলিয়া পরিগণিত হন নাই ? याँ इता छेकील इहेरवन, छाइता कि প্রকারে আপনাদিগের ব্যবসায় করি বেন এবং যেসকল পুস্তক অধ্যয়ন করিতে হইবে তাহা উত্তমরূপে বুঝিবার ও ভাষার ব্যাখ্যা করিবার ভাঁষাদিগের সামর্থ্য আছে কি না, এই মাত্র দেখিলেই

পर्याख इहेरव । य तम वाक्ति धकरन उँकीत इहेटल भारतम ना। अक्तरन आहे নের যপ্রকার জটিনতা দাঁড় ইয়াছে, তাहार् उठवल चाहेन वहित भाता उ थाकतपथिन मुथक कतित्व हत्व मा। ব্যবহারাজীবকৈ প্রভাহ নূতন নূতন গ্রন্থ অধ্যান করিছে হয়। অভ্য লোকের কি এ কমতা হয় ? ইংলতে বারিফীর उपाधिशाती व्यानक आमा व्यावकतिक माजिए दे हे बारहन बटहे ; किन्छ हे हैं। इन कि ও্রেইমিন্টর বাটীতে আদিয়া ভর্ক क्तिएक माहमी इन ? श्राधीनखाटव व्यक्ष यन ও পরীকাদান প্রণালী থাকিলে চুই ठाति खन चल्रार्थ लाटकत उलाधिशाती হইবার সম্ভাবনা আছে সতা; কিন্তু অধিকাংশ যথার্থ যোগ্য ব্যক্তিরই সম शिक व्याद्वर्जीय इशा এই स्वाशीन अवाली না থাকাতে যে অনিষ্ট ঘটিতেছে, ভাষা বিশ্বিদ্যালয় ও প্রথমতম বিচার লিং যে ব্রিভেছেন না, ইহা অভিশয় দুঃপ্রের ৰিষয়। যে'ধাতৃতে দ্বারকানাথ মিত্র অথবা সর বার্ণেদ পিকক প্রস্তুত ছইয়াছেন: দে शाञ्ज लाक वि अन शतीरकाछीर्न पत কয় জন দেখিতে পাওয়া যায় ? বালক कान व्यवधि मिश्रामिश्रम खबर अर्शनिष्ठ টন যুদ্ধকার্যোর প্রতিই অনুরক্তি প্রদ र्भन कतिएखन - खाँहाता यनि (कवन बाव সায় বলিয়া ইছা এছেণ করিতেন ভাছা হইলে কথনই এত যশস্বী হইতে পারি তেন না। বর্ত্তমান পরীক্ষাপ্রণালীতে যে আর একটা অনিষ্ট ঘটিতেছে তাহা সকলেই প্রত্যক্ষ করিতেছেন। আইনের डेश्राम्भावन यांजनाय कर्डवाः, किय অথম ছুই বংসর কোন ছাত্রই মনোযোগ । পরীক্ষার একএকার নিয়ম করাই কর্ত্ত ।। महकारत छेहां खांबन करतन मा। जकरन है वि. এ, शहीका फिबाब निमित्त वान्छ : স্তুৱাং উপদেশক যথন উপদেশ দেন, তথন ছাত্রগণের কেচ অন্য পুস্তক পাঠ

**(**णय वरमदतत शूर्य आहेन श्रुखक अ ক্রে করেন না। এছলে কাছার দোব। ছ:अन्टिशत साथ नाहे; क्ह्यक काटन ছুই দির রক্ষা করিতে পারেন না। উঁহো फिर्शत वि. a. शतीकात निमिष्ठ य পরিশ্রম করিতে হয়, তাহাতেই সকল দুম্য অভিবাহিত হইয়া যায়। অধাপ-কেবও দোব নাই; উাহারা যথারীতি পরিভান করেন। দোন প্রণালীরই হই ভেছে। এপ্রণালীর ারিবর্ত্ত কর। অৰশ্য কৰ্ত্ব্য।

সম্প্রতি আগরার কালে**ছে** যেপ্রণালী প্রবর্ত্তিত কইয়াছে, তাহ্ণাল দ্ণার্শ্ করিয়া এই নিমে করা কর্ত্তব্য যে, ইংরা-জীতে বুংপত্তি গা,কিলেই যে সে ব্যক্তিকে याहेन (अगीरक अहन कता हहेरत। প্রতিমানে ছাত্র-দিগের পরীক্ষ:করা কর্ত্তব্য। ধাহারা এইসকল মাসিক পরী काश श्रापाशाङा ध्रमर्भन कतिएक न। পারিবেন, তাঁছারা শেষ পরীক্ষা দিভে পারিবেন না বি, এল, ও এল, এল, विनिधा अध्या दारियांत आर्याक्रम माहे। কমিটি পরীক্ষার কোন এয়োজন দৈখা याहेर छट्ट मा। अफर्न व्यक्तिम्बि পৰীক্ষাৰিলেন, ष्यावाव এक उ एम भा নানাপ্রকার পরীক্ষাপ্রণালী থাকাতে क्विन शानारय:शहे इहेटहर अवः यथार्थ উপযুক্ত লোকের উন্নতিপথে কণ্টক ক্ষেপণ করা হইতেছে। যিনি ওকাশতি করিবেন, ওঁলার কেবল গ্রাহ্ণাপ্ত थ,कित्ल हे काज हहेरव ना , 'हैं 'ह , रक প্রভাহ আত্মক্ষমতার পরিচার দিতে হইবে। धार्य अञ्चल त , भागार्य भागा पुर हेश।

2131

আমাদিগের আমোদ।

নিক্ষা হওয়া যেমন দোঘ, মধ্যে মধ্যে করেন কেছ বা নিজা যান। অনেক ছাত্র আমোদ না করাও সেই একার দোষেয়

বিষয়। সভাতানিবজন ১,কণ জাভির পরি 🖠 আনরুদ্ধি ইইয়চে। পৃথিবীর কোন কালেই সময়ের এও পলা ভিল মা। সভা া যত রৃদ্ধি इ.हेटह थाकि (त. १८३३ मगस्यत भूगा व्यक्षिक ८ हेर्न शुर्का ६ १०८मत आह्र भकत्व हे तुर्वि কারের প্রপরে জাবিক। নির্ভর করিতেন। য 😜 া সুক্ষে এ কাজ না করিতেন তাঁহা ান্থেৰত বন্ধক বিঘা ভূমিবাডী**ত দিন** প্রতের এন্য উপায় চল না। **তথ্য বিদে** লীয় থ লিখে।র এত **প্রাত্তার হয় নাই**। লৰ্ম এবং অৱশ্**ল্য ছিল্। অতএৰ সহজেই** র্কারিকা নির্দ্ধাহিত হইত। **এই নিমিত কর্মা** অংশকা জোকা: **অামোদের নিমিন্ত অধিক** সম্মন্ত কাল ১ইছি। প্রতি প্রত্নীগ্রা**মে রুক্কলে** অপবা কাহার চণ্ডানগুপে । চিডাছিল। সকলে দেই স্থানে মমাগত হইতেন। প্রাভঃ নাল অবাধ বেলা চল এগার ঘটি চাপর্যান্ত भक्त य य कृषिकार्या प्रभान कतिएता; সমস্ত বৈকাল ঐ হাজভার আন্মোদে আতি বাহিত হঃতা ওথায় মহালপে এবং মহাভা রভও রামায়ণ পঠিত হই১: ঐভাবে রাজিতে শকের কৰির আকড়া হইত। জ্রালৈ। কেরা চর্কাঘারা যে স্থা কাটিখেন ভদ্যান প্রাদের ওস্করার বস্ত্র প্রস্তুত ক্ষতিয়, দিও। গ্রামে, যত গরু মরিত, দে মনুদ্রয়ের চন্দ্র গ্রাম্য মুচর প্রাপ্য ছিল, এই নিনিত্ব প্রতি ৰাটীচত মুচি প্ৰতিৰৎসর বিনামুল্যে জুণ ারত। নাপিত, রজকু ও চৌকি ারগণ কয়েক বিণা ভূমি পাইয়া আপন আপন কাৰ্যা ব রও। তথন এক কাল ছিল; লোবে ওত সভা ছিলেন না, কিন্তু সুখী ছিলেন। তখন চেরিকারি টাক্ল ও লাইদেক টাক্লের নিমিত্ত প্ৰী চাৰ্পাড়ি ও চিস্তা ছিল না ৷ তখন বিলা শিকার নিমতি পৃথক ভূমির করের ভয় জেৰ বি জ্ঞাক্ষত না এবং নিয়মৰহি ভুতি রাজনীভিত্ত দগের নামও কেই জানিতেন না। চলার মাজিট্রেট চোর দক্ষাব্যভীত আয়ে ক্ষরতালকে অপরাধার কাইগড়ার मत्या प्रसेत स्वीतिम ना । माहित्द्वेतित নিকটে যাইলে আন্যাকর জাংকজা হাইভে কিন্ধু সকলেই 🕒 বিলে ভাল বামিগ্রন ও

শ্রজা করিতেন। স্থানান্তর ষাইতে হইলে পাঁচ সৃতি দিন অবধি সহচরসংগ্রহ কর। হইত তখন এত উন্তি, এত বিলাশিকা, এত রাজনীতিসংক্রাস্ত আন্দেলেন ছিল না; লোকে প্রায় আমোদ করিণাই সময় অভিবা হিত করিছেন ৷ কিন্তু এক্ষণে সম্যের পরি বর্ত্ত হইয়াছে। এখন হয় কাজ কর, নচেৎ অন্নবিন। প্রাণ্ড্যাগ কর। এখন কেবল করেক বিঘা পৈতৃক ভূমিতে সকল অভাব নিরাক্ত হয় না। মাঞ্চেরের তন্ত্রায়গণ দেশীর যুগাকে দুটিলত করিয়ছে; গ্রাম্য मूहिणवं बाववाजा । ७ कर्नाहे हो बाब ि भी দিগের নিকট আপনাদের খরিদদারকে অর্পন করিয়াছে ৷ বটতলা ও চণ্ডীমণ্ডপে আর কার্তিবাদের রামায়ণ ও ফাশীরাম দাদের মহাভারত ভারণে লে:কেয় আমানি হয় না ৷ শকের কবি ৷ গাহনা শুগালচীৎকার বলিয়া পরিগণিত হটিয়াছে। একণে লোকের আমেদি অং কা কাছিই অধিক। সকল কাজ विष्मित्र निष्माभूभारत कतिराठ इस । आमा গুরু মহাশয়ে: স্থাল নর্মাল বিদালেয়ের পণ্ডিত শিক্ষা দিতে ছ্ন। রামায়ণ সহাভ: রতের পরিবর্তে সাহতাবিজ্ঞান ও রাজনী াঙর তর্ক হইতেছে। ব্যবসায়, খামোদ, বস্ত্র আলারীয় চি । সকলেরই পরিবর্ত্ত হইয়াছে। কিন্তু এত উন্নতির - সংগ্রে আমাদিণের

একটা নিপেঘ দুন্দায় ব বধার রহিয়াছে গ্রন্মেট নহস্ত, তেটা কলিলেও ইহার অপনো দল করিতে পারিবেন না এবং এটি উাহাদি পের কর্তব্য নহে। বিচারপতি ফিয়ার করক অংশে ইলা পারেন : কিন্ত একাকী ভাঁহারও ক্রুকার্য হইবার সম্ভাবনা নাই । গান্যা পূর্পে বলিয়াছ, নিক্র্মা থাকা ও অবিশ্রান্ত পতিশ্রম করা সমান দোষ। আমা দিগের পরিশ্রম র্দ্ধি হইয়াছে, কিন্তু সেই প্রকার আমোদ বিশুক্ত হয় নাই। ঢোল ও কাঁসির পরিবর্গে সমবেত বাদ্য এবং কবি ও যাত্রার পরিবর্গে নাটকাভিনয় ব্যতীত এ বিশয়ে আর কোন উয়তি দৃষ্ঠ হইতেছে লা। ইহাও নিয়মিত আমোদের মধ্যে নহে। বংপরের কয়েক মান্যাত্র নাটক হয়॥ এ

নাটকাভিদর শকের দলের ছারা হওয়াতে স্বেচ্ছামত সকলে এ জামোদ স্তোগ করিতে সমর্থ নহেন।

বাজনাঃ আমোদ ত এই গাহন গেল। ভোজনের আমোদও ইহা অপেকা উৎকৃষ্ট নহে। আমাদিগের মহাভোজ কি জয়ানক ব্যাপার, তাহা এক্ল সকলের হারয়সম হইয়াছে। এক বৃহৎ বিতা নাচ্চাদিত ভূমিতে 5 . . . 1 লোকে একতা নিরাসনে বসিয়া কদলা পত্রে ২৫ খানা বাঞ্চন আহরে করা হয় ! বে 1 চারিটার সময়ে আহার করিয়া আনো দের শেষ হয় ইহাতে প্রতি যভের প্র ছইজন চারিজনকে অবশাই উদ্রাময় ও ষ্ম্য োগ করিছে ইয়। প্রকাশ্য ভোজ এর্কা वह अहे अकात तकियाद । उत्त नव मरनत অনেকে বাগানে গমন করেন সভ্যতাগহ কারে ঐ কার্য্য নির্বাহ হয় বটে কিন্তু উহাতে স্থ্রাপান ও অন্যান্য ছুন্দ্রিশার বিলক্ষণ প্রাত্ ভাবল কিত হয়। অতথ্য ইহা অংপকা আমানিশের সামিয়ানার নাচে কদলীপত্র ভোজন সহত্র ওবে ছেয়া। এক্দ্রিয় আরও কয়েকটা বিশে। দোষ আছে। অগ্ন প্রাশন বিবাহপ্রাস্থান্ত কাষ্য্রসমূর য় আমো त विषय : किन्छ जामानिद्धत मगाःक ब मिर्य ७७: न दक्ष आद्यीपनिरास विश ক্তির কারণ হইয়া উচিয়াছে। কোন ব্যাক বাটীতে পূজা করিয়া দশ জনকে নিমন্ত্রণ ভাঁহাদিগকে এগামী দিতে হইবে নচেৎ অপমান হয়। এই পে অন গ্ৰাশনে যৌতুক এব বিবাহে ভাইবড় ভাতের কাপড়প্রভৃতি নির্দারিত আছে। यनि नकरणत भरतद क्ष. ভिज्ञाना कता यात्र डार्टा करेटल अधार्य शहिरत, ध्रकत वियस निमञ्जन इट्टल मकत्वाई माराबाछ इडेशा পড়েন। এ নিমন্ত্র ৰত নাহয় ভত ভাল, এটা প্রায় সকলেরই মত। অভএব এ প্রথা উঠাইয়া দেওয়া কি কর্ত্তব্য নহে ?

ফলতঃ আনরা যে দিগে দৃষ্টিপাত করি, সেই দিগেই প্রকৃত আমোদ দর্শন করিতে পাই না: আমাদিগের অভূতপূর্ব পরিকান র্দ্ধি হইরাছে কিন্ত বিশুদ্ধ আনোদ একটাও নাই। একনে ইহার পরিবস্ত করা উচিত কিনা, আমরা সমাজকে তাহা বিবেচনা করিতে অমুরোধ করিতেছি।

---202---

## विविधम ९ वाम ।

১ - इ वायात्र (म'मवाव ।

শালমনগরের হভাকিতানিবন্ধন এতাদে শীয় দর্দ্ধ লাধাংতে যেপ্রকার বিরক্ত ক্টরাচেন সেই ছাব প্রকাশ করাতে লেপ্টন নট গবর্ণর এছকেশন গেড়েট্টের সম্পাদককে '' মিথা জনরং প্রকাশ ? করিবাব লেখে দিয়া ভংগনা করিয়াছেন लिल्डेन हे भवर्रत बहुतन, मिला जनवर अकान ना कदा अञ्चलभन शिट्छ हित कर्छना स रहज़क এই করারেই নংবাদপত্রখানি ভাঁমার হজ্তে দেশ্যা হইরাচে। সম্পারক যথেতিত সাহ্য সহকাবে প্রাচ্যন্তর দিয়াছেন, ডিনি থলেন, এড দ্দেশীয় সকল সংবাদ পত্নে এই ব্ৰাস্ত প্ৰকাশিত হয় গলৰ ভিনি নিজে অনুসন্ধান কৰিয়া ভাহার যাথাপ, অবগত হইষাছেন। আরু রেল क्रम भवन्य केंद्र अक्षी विज्ञाल गरह, द्वल अर्य (काल्ला नित विकास जि बाल भवर्ग (महत्वेव विव क इहेरात काल काल्य (नथा बाहेटकट्ड मा। যাহা তেন নিকে সভা স্তান করিয়া লিখেন क्षांहर्राक्ष यमि भवनीया है विवक्त हम, करव श्रीव इक्कि किएम मा ६ हेटय छाड़ा जिल्ल आहमन ना এমত অব্ভায় ডিনি উচিত সহকারে আপনার कर्ज्या कर्षा कतिएउ नगर गर्मन, अष्ट धर अन ভাগে করিছে চাহিয়াছেন। যাহা সর রিচাউ [ ्रेक्ट्रन्य महा अविख्याचे अद**् भक्षा**ती न्याभन কর্গণ পঞ্চাবে কার্য্নাছেন ও ক্রিভেছেন (ब प्रोटक्त कारा विष्टपटन क्रिट्ड छाट्ड्न। বাজ পক্ষী এক মেঘ শাবককে ছোঁ মারিরা লইয়া গেল , ডফ্লানে এক কাক এক বুঙ্ব भारत है अरत (है। भारति अधिकाहेशा अ इत: ্রে সংহ্যের শাসনের প্রারম্ভে এতকেশীয় সর্বা भाषायान प्रविष्ठ अञ्चल विद्युष्ट इहें अधि अधि अध्वर्षात् दिवत्।

সব স্টাফোড নথ কোট বেছাই স্থিত শাখা বঙ্গদেশীয় ব্যাহ্ম উঠাইয়া দিবাৰ মান্স করিয়া-ছেনা বঙ্গদেশীয় ব্যাহ্মের শাখাহারা যদি কাজ হুণ তবে আম্বা এক বৃহৎ স্বাচন্ত্র ব্যাহ্ম করিয়া ব্যাবৃদ্ধি করিবার কোন কারণ দেখি তেছিনা।

হরণনামক য়ে হবান্মা আগারার নিকটে

একটা ভারতবর্ষীয় জীলোকের সভীত্ব ভঞ্চন কবিবার চেষ্টা পাওয়াতে ঐ জ্ঞীলোক শকট চইতে লক্ষ দিয়া পতিত হইয়া প্রাণভগের করেন, ভাহার কঠিন পরিশ্রমের সহিত ট্রৎসর মেয়াদ চট্য়াছে। এবাজিক প্রথমতঃ সাঁহার ভাক্সরকে अटेक्ट म⊹ করে ভংপরে তাহাকে ধরিতে তিনি লক্ষ याईवाट ड मिया कि त्सन। वलांदकात इस माई. ऋडवार चांखाविक लज्जा-শীলভার বিরুদ্ধ কাজ ও বলপ্রকাশের অপরাদের विष्ठाव हेस्र । ज्वृति ज्वश्राधीत छुड् कम हेछित्वा-পীয় সম্ভাগের কথা ভাবিশ্বাস করিয়া মাড্রান্তী लाक्ति जास्रात्व कथाव छेभात निर्देश कतिया দোষী বহলন। প্রধান বিচারপত্তি ম'র্গাণ ভাষা क शुर्काण्क (महाप निवाद मगरुह चारक न कहि য়াছেন, যদি কাঁহার ক্ষমতা থাকিত ভাহা হইলে তিনি ভাহাকে উত্মরূপে প্রচার কবিবার আজা भिट्डिंग, এই स्र विहादि मकत्लई मध्ये इक्ट्रिंग। खाबानित्रव विहात्पति बाककाप्रत्वव निकारी ছইলে জাল্পাবলা হইত '' অপরাধী ভূমি অব-শাই জানিতে না, যে তোমার কার্যনোরা এমত ছ্যটনা হটবে। ভূমি বিজ্ঞাপ করিবাব নিমিত্ত স্থীলোকটীর হস্ত ধাবণ করিয়াছিলে তারা আমা ব বোধ হইডেছে। তথাপি এডক্ষেণীয় স্ত্রী লোকের হস্তধারণ করা অনুটভ। অনভএর ভোষার বিনা প্রয়ে ছই সপ্তাহ মেয়ান হইল : "

জামরা জাক্লাদিত হটয়। প্রকাশ করিতে ছি,
কলিকাভার পুলির কমিসনর এক জ্ঞান এতফে
নীর লারগাকে ইনস্পেলরের পদ দিয়াছেন।
এক্ষণে যেসকল নীচ জেনির ইউরোপীয় এস
কল পদে আছে ভালাদিগকে পয়সা দিয়া না
করান যায় এমত কাজে নাই। হগ সাহেব যদি
ইহাদিগের শঠতা দেখিতে চাহেন ত জনায় দে
দেখান যাইতে পারে। ইউরোপীয়গন দেশ
করিলে ইহারা জনেক স্থলে জানিয়াও ধবে না
মগ্রে মধ্যে মফস্থল হইতে নারায়ন্দীন তেওয়া
সির নায়ে ছই এক জনকে আনিলে যথার্থ কাজ
হইবে।

ডেলিমিউন বলেন, এক জন ইউরোপীয় কমাইবল আপনার করিবা কর্মনা করিয়া এক টী নিম্বশ্রেণির হোটেলে সুবাপান করাতে পুলিব কমিসনর তাহাকে পদচ্যুত করিয়াছেন। ইহারা আপনারা লোফাব দ্লিফাব লোফাব দেখিয়াছুপ করিয়া থাকিতে পাবে না। শৃগাল নীলেব জালায় পড়িয়া আশ্চর্যা ক্লপ ধাবন করিয়াছিল। কিছে রাজিতে জন্য জনপ্রাক্ল যখন চীৎকার করিয়া উঠিল তথম আর ক্লান্ত থাকিতে পারি লানা।

আমর। দর্শন কলিকতার ঠিকাগাড়ী রেজি ষ্টরি আফিনের কর্মচারীদিনের অত্যাচাবের কথা শুনিছে পাই। রেজিপ্টরি করিতে হইলে প্রায় কেবই নিয়নিত প্রসা দিয়া আসিতে পারে না সম্প্রতি কতগুলি গাড়ে রাম পুলিব কমিসমন্ত্রের মিকটে নালীশ করিয়াছে এক ক্রম ফিরিক্টি কেবাণীর নিহুটে পূর্দাকার ভাড়া না পাওরাতে এক জন গাড়েছারান ভাছাকে আর ভাড়া দিতে চাহে নাই। ইহাতে ঐ বাজি ভাহাকে প্রহার করিয়া ভাহার ও ভাহার প্রতি বেশীদিনের টিকেট কাজিয়া প্রইয়াছে। এপ্রকার নালীশ এক বার রেজিন্টার চিকের নামেও ইট্যাছিল। ফিরিজিদিগকে কোন গুক্তার

এক ব্যক্তি পঞ্চাবের লেপ্টন্ট গ্রব্ধ সর ডোনলেড মাক লিয়াছের নামে ছই লক্ষ্য টাক। পাইবেন বলিয়া নালীল করিয়াছেন। লেপ্টন্ট গ্রবির ইইবার পূর্মে ডিনি এই টাকা কর্জ্য করিয়াছিলেন। সর ক্লেরি রিবেকট্স আক্ষেপ করিয়া বলিয়াছেন, একণে সিবিলি য়ানগণ ৩৭ বংগর কর্মা করিয়া পরিমিত ব্যর করিয়াও এক লক্ষ্যাকার অমাইয়া অদেশে প্রভি গমন করিতে পারেন না। ঘদি এরপ হইল, সই ভোনালভ মাকলিয়ত যখন কর্ম্ম করেন-ভখন, এই চুই লক্ষ্যাকা কির্পে পরিশোধ ক্রিবেন। ত্রুর ক্রেয়াভিবেন?

मध्यकि माञात्यत वस्तरत कार्रुशकात छेलत्व अकथानि झाहाझ वाष्ट्रात्ता नीख १७ झाटक गड़ावित खितकार स्थादका अह निमाल खना खना झाहाझ हहेटक प्रवासि नोमा हेवात खिलमा कहे हहेन्नाइ। अहे शड़ावि कार्ट्ड श्राह्म । अहे शड़ावि

এরপে জনক্ষতি মেইন সাহেব আগানী ত্রীপ্রকালে ইংলাণ্ডে গমন করিয়া আখার দীত কালে আগমন করিবেন। এ প্রকার চাকুরী বড় সুখের। প্রধান শাসনক্তা থক্তবি।সাধনে উদাসীন ইইলে নিয়াতর কর্মানারগানের যে উনাসা হইবে ভাগা আশ্রাসীর বিধায় নহে।

১৫ দিবস হৃষ্টির পর আজে চারি দিবস ভয়া
নক এীজা বাড়িয়াছে। এতলি।জন করেক জন
ইউরোপীয় প্রাণতনাগ কনিয়াছেন। লাংগারে
তাপমানে ১০৫ ডিগ্রি পারা উঠিলাছে। অনেক
এতকেশীয় ও ইউরোপীয় সাাদিগ্রমী হুইয়া
প্রাণভাগে করিছেছেন। এবার গ্রীক্ষকালে বর্ষা
ও বর্ষাকালে গ্রীক্ষা, এই এক ঋতুপরিবর্ত হুইল।

ডেলিনিউদের এক জন পত্রপ্রেরক ভদ্রক হইতে লিখিয়াছেন, তথার ছই স্প্তাহকাল জন ------

ষরত রুষ্টি হওয়াতে শুসা এক কালে নষ্ট হই । ছিল। এখান দার লোকের অভিশয় কষ্ট হওয়া-शास्त्र अव॰ क्रक्तिक हरेवांव नहावन।।

**ब्रिक्ट्रबंक्षिका वटलम, '' कर्युक पिरुप यार्थ** ভানবর্ড রুশ্টি হত্য়ায় গম পেপগুলি কর্মি কলু विक्त क्षेत्र। भाषागित्रात शमनाशमन**भएक विन**-कार (१) भारत इहेत्। हि। बाहार्य छा। जन्मका एक्सील इंडेशा डिटिशाट्ड। श्रवांत कला मिन मिन ज्या के इन्द्री कानवाभी पिरशत शावना नक्का कृषि

অনুত্রভার পত্রিকা বলেন, 🔧 এ অঞ্চলে 🖥 शक्त प्रथे मुलाहकाल अनवज्ञात वृष्टि वहेर्डा हा। s: অঞ্চল মুক্তিতে গানের কতক ক্ষতি **হই**-श्चादकः, विरलान छामीत कांत्रकार्यन चारले पारमव बुरम ध्हेरहरू मा।

#### ু; ই জাবাড় মঙ্গলবার।

সাওটিইড श्रीभनगूरका छहे खारन एशानक ছুমিকস্প ও অগ্নংপাত হইরাছে। ২৭এমাচ भगारलोता भर्मा इहेर्ड अधि वाहित इहेर्ड | খাকে। পর দিবস এক শত বার ভূমিকন্প হয়। छ १ भरत छूहे मञ्जाह माता २००० वात कन्य ६३ স্থাছিল। ওয়েশকিনাতে পৃথিবী অনেক স্থানে শ্দীত হইয়া যায়। একটা সমুদ্র হইতে একটা ভর্ম ६ कुठ देळ बहेब्रा धाव्र जाधरभाव्रा भय भर्य, इ ष्यामिश्रा दृहर दृहर भातरकल दृक्षपर्याख প্লাবিত করে ইয়াতে জনেক বাটী ও ক্রীবন নষ্ট হয়, এক বার ভূ মকপে ছভয়াতে বাচী ভ গরজাসকল পতিত হইল। সর্দত্তি প্রায় ১০০ मस्रा ७ এक नश्ख काश ७ (११) महिस धान 📘 ত্যাগ করিয়াছে। আয়োয় পঞ্জ হইতে জ্বা । ৪।৫ টা এর এছে এবং প্লই বংগরতে তা ইংলভে প্রস্তির ও গলিত গন্ধক বাহির হুইয়া প্রায়ী তিন ক্রোশপর্যান্ত প্রতিষ্টিকায় পাঁচ ক্রোশ ক্রত পাথী এক নদী হৃইয়া সমুদ্রে পতিত হয়। এই নদীটা দীঘোতিন কোন ছেল। এক ক্লোন পরিধি একটী সুতন গছরে হইয়া প্রায় ১০০০ ফুট উচ্চে অগ্নিও গল্প নি।ক্তা হয়। ইহার আগ ২৫ ক্রোশ হইতে দেখা গিগ্নাত্তি ल । अरुषा किनात छे शकुल इहेर छ। आह्र (एड् ক্রোশ দুরে সমুদ্রমধ্যে হঠাৎ এক ব্রিকোণ দ্বীপ ক্ইয়া অগি নিজেপ করিতে লাগিল। নরা এপেল সন্ধাপেক্ষা ভয়ানক ছুমিকম্প ক্য়া পৃথিবী এএকার দোলায়মান হইতে किल (य. काम कांद्रिक खित इहेम्रा पखारामान ¥ইতে পারেন নাই। এই প্রকার ক**ন্প হই**তেছে এমত সময়ে পুথবী ফুলীত ইইয়া লোহিত বৰ্ণ মুন্তিকা নিক্ষেপ করিতে লাগিল। সমুদ্র স্ফাত इहिमा क्राइक (क्रान्थ्यं) छ (वाश्चि हहेम्रा भिम्ना)

ভে আনৈরিকা হইতে সাহ্যে, যাইতেছে।

पूर्त वाकालात (तलशरप्र (काष्ट्रानित अर्घने ৫০০০ টাকার দাবি দিয়া হিল্ফুপেট্রিয়টের নামে लाहेरवरमञ्ज्ञ नालिस क विदारहरू। मकद्माणि क्षरा নক্তম বিচারালয়ের আদেম বিভাগে হইবে, সামরা এটা ঈশ্ববকুত কার্য্য বিবেচনা করিতেছি। याहा (ध नारहत्वत शवर्गमणे कश्चिमनदाता প্রকাশিত করিছে ভয় পাইয়াছেন গ্রাকাশ, विष्ठातालएम् जाश मानान्य भ्वेरव । (अ मार्ड्स्टक অবশাই লাক্ষ্যী মানিতে হইবে।

কলিকাভার কট্টিসের৷ রাজধানীর উভয় বিভাগে ক্লাৰ্ক সাহেবের ছেব করিছে চনস্থ করিয়াছেন, শীব্র ইগর উচতা ও অনোচিতা विद्यान मार्था रहेत्य। हे जिस्ता संग्रहानि भग चार्यम्य कतिहार्क्यः, मिक्न विভात्त ध ভেব হইয়াছে ভাহার পরীক্ষানা করিয়া যেন ভূতন ডেুণ আরম্ভ করা হয়না। এ প্রার্থনা অভিশয় যুক্তি সিদ্ধ।

हे. अधान नवानक अभिनेष्ठन 🗐 इकिनाती जित्रात (मर्करल इव श्रेन तीत भदिया विलियार¥क ক্রেক জন বাতীত এতদ্বেশীয় বশাচারী মা-ত্রেই উৎ কোচগ্রাহী। পঞ্চাবে ইহা হইতে পারে কারণ তথায় ইংরাজ কন্মচারিগণই ভাঁছাদিগের व्यापण इहेर् १८६०। किन्न करा, करा, करा, देश-বরং বিপ**ীত। আচ**িছত থাৰ্শেষ হ ইউবোপীয় ও ফিরিকে আছেন ইর্লাদিণের মধ্যে শতকর। ৯ জন উংকোচগ্রাহী। এক জন আছিছিত কালেটা মাণিক ৭০০ টাকা বেতন পান, কিন্তু হাঁধার বাসী ভাড়। ৩০০ টাকা দিভে হয় जञ्च कर्रम। এ वर्ष किर्म हर्म। छेर्रकाह मध ্দ্ধ ভক্ক বিলে ইউবোপীয়গণ ছারিবেন মাত্র।

कलिका जाव ध्रधान याखिएके हे बाजन मार्ह्द একালাত কারবেম। ভারিমিতা ববাটন সাহেব প্রধান মাজিকেট এবং মিলার সাহের নামক এক জন দুজন বারিষ্ট্র উত্তর বিভাগের মাজিটেট ছইভেছেন। যখন এডজেশীয় ভাষ'ন'ভ জ ব্যক্তি গণ শ্বামনগরের হত্যাকাণ্ডের অহমুবস্থান করি তে পারেন, ভখন আপৌল্থীন মক্দমা করি বেন ভাগার বিচিত্র কি? কিন্তু এ পদ কোন <u> अउत्स्र भी शुरू भित्न जान १ हेउ ना ?</u>

होइयम अव इं छत्र। वटनम व्यविभिमित्रात যুদ্ধনিৰজন ছয় কোটি টাকা বায় কইয়াছে। हेश्न छत्र (ला८ हता 'खें क्रेंन श्रा हा ब्रिकारि खित्र करियारम्य। फिनर्दांन नारम्व हेन हेन क तुर्कत्वत । এমত अनुकार आधारितात आभ স্কা হইতেছে পাছে ছই কোটি টাকা আমানিগের ऋ का (किनश्री (म छन्न) इसे ।

হঞ্দেশীয় গ্ৰথমেট কলিকভার বেগুন वः लिका विन्धानप्रकीटक खी सन्धान विमालप्र कांत চছেন। এখানে বিকর্ত্রীগণ বাদ্ধানও

भारेटन । कार्र रुजन म'रहरवत कवीनम् रुख्या **७ अउरल्लीय क्या**कें पर छ,। श्राम क्रियारहम । ১২ ই আবাঢ় বুধবার।

कृत्रीत्व शुक्तात श्रह्युच इहेवात शक्कावन। इरेब्राट्ड। मङ्गाद्वतं अक छन्टक (प्रवताञ्च भटना নীত করিয়াছেন। টংস্লু পেনলে। ইহাতে অস ন্মত চ্ইয়া বলিয়াছেন, ব্যাত্তে ডিনি ইঅপ্রাপ্ত ব্যবহার ধর্মরাজকে সমুদায় ভূটানের ক্ষীপ্র कतिद्रमः (अन्ताला हुग्रेटमत नामित्रमाह हहे বার চেষ্টার আছেন।

(यनकन याजी अञ्चरनशादक प्रकार भाग करत्रमः, फाँक्शिन्द्रशन चान्त्रतिकार्थ कृत्रस्य शवेर्यस्य है এক ক্ষিত্ৰ নিযুক্ত ক্রিয়াছেন। স্বীশুর **৯ स**न हिकिश्तक श्राहरत का मराख्या ने, देशी वा স্থানে স্থানে পাকিবেন। এটা উত্তম হইয়াছে। কৈন্ত আমর। ভারত বর্ধীয় যাত্রীদিগের নিকটে সর্বাদা প্রবণ করি, ডুবস্ক কর্মচারিগণ ভাঁহাদি (शह निकट्टे विश्वद्ध वर्ष (भाषन कट्टन, जातात मञ्चः पिटात अङ्गाहात्त्व छ कथा माई। <u>अ</u>विग्र প্রলভানের গ্রুথমেন্টের প্রাচর করা কর্ত্তর।

বোধাই গেরেজটের কাব্দস্থিত সংবাদ লাতা বলেন, কা<mark>ৰুৱেবৰ নিকটে আজিম খ</mark>ার ৬০০০ মাত্র দৈন; আছি, কিন্তু গিজান,ত কাছার বৈদ্যালংখা। ১০,০০০ ছইচেচ্ছে। সিয়ার व्यालि थी। कार्राभालाक कतिहा काम्पाकार्य এক দল্ভবার করিবেন ৷ ইহার পর জারুব খাঁ৷ কাবুলের দিকে অগ্রসর হইবেন। আজিম খাঁত কুত সন্ধিপ্রস্থাব জাগ্রাহ হইয়াছে। আবছল त्र्यत थी कर्यक्षी कृत युद्ध शता खंख क्रेस्ना-ছেন। আজিম খারে জভাচার সমান রহিয়াছে। কাবুলস্থিত কভকগুলি ভারতব্বীয় বণিকেব निकते इंडेएक डि.न (रखत टीका महेन्न:एइन ।

हेन्द्र श्रकाल गुलन, छाउनत काद्याताम भगा लिव अञ्चलक हेटनर्छ जिला **का**निशे है मार्कन क्हेश हिट्टिक कादर्य, मियुक्त क्हेशहिम ।

व्यामना व्याक्ताक्ति हडेग्रा धकान्यकतिर हिन् कामीत करवक स्वय असरलाक '' नाउकवकी वर्गी নামক এক নাট্যাভিন্যে। সভা করিয়াছেন। ব।কুশিবল্লসাদ সভাপতি এবং বাৰু ঐশ্ব। নাবায়ণ সিংগ্যস্পাদক ও বাবু হরিশচক্র সিংহ সংকারী সম্পাদক হইয়াছেন। প্রাচীন কালের नाम्र न'हेटकत् ब छन्य कवा देशांप्रतात व्यक्ति-প্রেড : ক্রমে বাই ও বেনটা নাচের অভদ্ধান আবশ(ক)

গতকল্য কলিকান্ডার জন্তিসেরা আর একটী व्यन्तित्वज्ञात काञ्च कविशाद्यान । क्रांक गाद्यदेवत

ভেনে যে অপরিমিত টাকা ব্যয় হয়, তাহাতে | প্রতিজ্ঞ হইলে কত কাল করিতে পারেন, ফার্ক : ইউরোপীয় বিভাগে যে পর্যান্ত প্রস্তুত হইরাছে, সাহেব ভাহার দৃষ্টান্ত। ভাগর পরীকা না করিয়া আর অন্তর ডেণ कदा भेदामभिन्न नष्ट, अधि मकरलदर मञ हरेया ছिল। এতদ্দেশীয় করপ্রদায়ীরা এই নিমিত चारवनन कतिशाहितन, ডाक्टब भो अहे अक যুক্তিপুৰ্ণ পত্ৰ লিখিয়া বলিয়াছিলেন, ডেবুণে বরং লোকের পীড়া আরও অধিক হইবে। किन्न इंडेर्द्वाभीय अधिमनितात नश्यम अधिक इंद्रप्राट्ड कला এएएमबीय मफ्रामिरगढ़ कथा অব্যাহ্য হইয়াছে। কয়েক লক টাকা পুনৰ্কার মাটি হইতে চ.লস । ইহাতে সপ্রমাণ করিতেছে | ত্রেণি ভার পাভা হইবে। বর্ত্তমান স্কৃষ্টিবসভা নিত্যান্ত অকর্মণ্য ৷ নগরের लाक विरवहनाय अधिन भरनामी छ ना कब्रिल (य (कान काछ हे इहैर्द ना, जाहांत क्राप्त धारान व्यायनाक इहेर हर मा।

ভারতবর্ষীর গ্রুগ্রেট আছা দিয়াছেন, ২০ টাকার নীচের বেতনভোগী যেদকল ভূত বেক र्खन, माधन कविएक भिन्ना रेम्बार ध्वान श्वाहेरव ভাহাদিগের পরিবারবর্গকে পেক্সন দিবার সম্পূর্ণ ক্ষমত। স্থানীয় গ্রণ্থে উসমূহের হত্তে। ्राकित्व। এবিষয়ে গবর্ণর জেনরলের সন্মতি লইবার আবশ্চতা নাই। তবে ছয়মান পরে इंश्वेत्रकल (अन्तरभव शक जानिका (अवत कित्रिण) क्हें (व ।

খারাণতের সহকারী মাজিটেট এচ, ক্লার্ক | **मा**एक्य एक पिन श्रकांत्र व्यक्षिक कत्र क्रिय क्**ट्रैट**क एप्रा এই সদাশয় कर्षाताती সাধারবের উপ কার ভিন্ন জার কিছুই ভাবেন না। এ সম্বন্ধে যে কার্যে উট্টোর পাহায্যদান আবশ্যক ভাহাতে কখন পরাভমুখ হন না। ক্লার্ক সাহেব আংমের মধ। ইত যাবতীয় বাস্তা ও গলি পাক। করিয়া ভ্ন। প্রালক ভয়াক বিভাগের চুরির যেদকল উপার আছে. তাহা ইহার নিকটে সফল হয় না : সপ্রতি হুই এক জন চুরি করিতে গিয়া পুত হইয়া উচিত দও পাইয়াছে। সম্প্রতি আদালতের মোক্তার ও উকীলদিগের নিমিত্ত সহকারী মাভিকেট্ট এক পাকাঘৰ করিয়া দিতে ছেন। গবর্ণমেটের যে সকল রুক্ষ ঝড়ে পভিড হয়, ভাগ বিক্রয় করিয়াযে টাকা উঠিয়াছে, ভদ্ধারা গৃহটী নির্ন্মিত হইবে। একটা আইন পুস্তকালয় করিলে ভাল হয়। বারাদক্তের ভর कांत्री छ मध्रमात वाळात श्राम गार्फ इहेज, ক্লাৰ্ক সাহেব আপাততঃ একধানি বুছ্ং জ্ঞান্ত চালা করিয়া দিয়াছেন; এটাও পাকা করা উাহার অভিপ্রেড, কিন্তু গ্রবর্ণনেন্ট টাক। দিতে সমত নছেন। এক জন স্নাশ্র ব্যক্তি দৃঢ়

#### ১৩ ই আষাচ বৃহস্পতিবার ৷

প্রসিডেন্সি কালেক্সের অধ্যাপক কাপ্তেন ই, আর, আইব্দ বারাকপুরের লেপটনাণ্ট মের खीत महिन्छ वान्छिहात्रसार्य । मिश्र रेखप्राट्य वादाकभूरतत कारन्हानरमन्त्र भाष्ट्राक्ट कांशरक श्रधानक्रम विज्ञालास्त्रत (प्रशिवास प्रमान करि शार्ह्म। अ मकद्मगानि वक्षु कारिकत स्ट्रेंच (वाध i **१३७७७**।

বারাকপুষ অবধি ঢাকাপর্য্যন্ত আর এক

আমুরা একটা ভয়ানক জানুরব আবণ করি লাম। জগরাথকেত্রের প্রায় ৫০০ যাত্রী জলপ্পা বননিবন্ধন কয়লাঘাটেইপ্রাণভগ্রণ করিয়াছেন। ता मारहर कि हेशांत अञ्चलकाम कविरदम हमा शिथाकिया विलिधा हुन कित्रिया थाकिएक ?

िं∗ङ कर्ष्यात्रीमिट्यत विमारसत निष्याचिम প্রকাশিত হইয়াছে : সমুদার কার্যকোলের মধ্যে ছয় বংগর বিদায় দেওয়া হইবে, অপণিৎ চারি বংশরান্তে এক বংশর বিদায়ের নিয়ম হইয়াছে 🔻 কিন্তু প্রথমবার আটবংসর কাজ মা করিলে विनाय (मध्या रहेरव ना। क्यन এक कारन তুই বংসর দেওয়া হইবে। পীড়া হইলে অভি ब्रिक विगामित भएक शिंब इंहेरव मा। भिविलि द्यार्ग्नद्वा यथेन এই श्रकांत विनाद्य रखांत्र कहिर्दनन. ভখন অর্দ্ধেক বেডৰ পাইবেন। ভাঁহাদিগের भम् अञ्चानमहम् अत् भाष्ट्रां भावित्वम्। ইহাভিম চিহ্নিত কর্মচারিমাত্রে ভারতবর্ষে থাকিয়া বৎসর<sup>†</sup>ত্তে এক মানের বিদায় পাইবেন। इहार्ड कार्य;कारलंत डिन औरमित এकारम কর্মচারিগণের বিদায় ছইতেছে। এ দেশে ক্রেমে যত করবৃদ্ধি হইবে ততই কর্মচারিদিগের স্থাবিগং

যোধপুরের উজীর মহম্ম বা হত হওয়াতে রাজা তদীয় ষষ্ঠবর্ষীয় পুত্রকে মন্ত্রী করিয়াছেন।

কাল চলিবে। এই দোষেইত এতদেনীয় রাজ(দকল ছার খার হইরাচে i

সিন্ধিয়ান আক্ষেপ করিয়াছেন, তথায় ভয়া নক গ্রীম্ম হইয়াছে ; কোন ব্যক্তি এমত গ্রীম্ম कथन (मर्थन नाई) अक जिया 😘 ইউরোপীয় সৈনিক সর্দিগর্মি হইয়া প্রাণভ্যার क्रियाद्वित्। अथादन आमदा बीद्यनिव्हान निष्ठः। যাইতে পারিতেটি না

করিবার চেষ্টা পাওয়াতে লোকে অভিশয় জ্বস

জ্ঞ ইইয়াছে। রাজার বুদ্ধি মার্জিত নহে। আন সমূহের রাভাঘাটপ্রভৃতির উন্নতির নিমিত্ত প্রথমতঃ মিউনিসিপাল কর স্থাপন করুন। বর ज्यानाग्न इहेवागाज श्रुलियत (वजन हेहा, इहेएज প্রদান করুন ৷ একটা ভার পেল ৷ পরে রাস্তার নিমিত্ত পৃথুক্ ভূমির কর করণন। ভাহার পর विम्तानिकात मार्ग कार्यात कद्रे अङ्ग कल्म। এক্রে যে টাকা আলায় হটতেছে, ভাষা লাভের অক্ষেদ্যভাইবে।

खाहां ना बाद कल आवन इहे या छ। जानाम क्रम प्रियुर्ग। क्रमत्र छित्रिशाइ, महानमीत वाप्री. ভাজিয়া কটক প্লাবিত হইয়াছে।

श्रुविद्या रहेरछ मरवान आमिशास्त्र, छथाय वृष्टिनिवकन वत्रः छ नकात इरेग्नारह। भरमात्र উত্তম অবহা গ চাউল সন্তা।

ल अबद्ध भागभाग । गएक है परनन, ' भारत्य , ভারভবর্ষের ( বোধাই অঞ্চলের) লোকের শীম্র ব্রিটেশ জাভির সাধুতাবিষয়ক মত পরি वर्ड स्टेरन। वाबाहे नतारक्षत (मर्डेलिया व्यवस्थ निवक्षन ७। हा निर्णय महन विष्यस महन्द स्वित्य য়াছে: এক্ষণে গত মেইলে আর এক বিশ্বাস ঘাতকভার সমাধার আসিয়াছে। এক জন ছিন্দু মৃত্যুকালে কাথিড়ালের অছিদিগের হস্তে কিছু हाका भिम्ना थान । ঐ টাকা বিদ্যাশিকার নিমিত্ত দেওয়া হয়। কিন্তু বিদ্যাদান না করিয়া অছিগণ আপনাদিগের গিরজার সংস্কার ও শোভা সম্পাদন করিয়াছেন। কতকগুলি কম্পিট্রিশন उद्यामा ও रेमनिक व्याकिमत व्यान करतन, क्रूक বর্গ চর্মান্ডাপিত ভারতবর্ণীয়দিগের প্রতে যে সে বংবহার করা যাইতে পাবে। যেসকল ইংরাজ বোমাইয়ে আছেন, তাঁহারাও কৈ ইহা ভাবি शाह्म ? " (कवल (वांबाहे (कन, ভाরতবর্ষ ছ व्यक्षिकाश्म देश्ताङाक এ कथा जिल्हाम। कता ।।ইতে প'রে।

#### ১৪ আঘাড় গুক্রবার !

সম্প্রতিলেপ্টনন্ট গ্রন্থর রঙ্গপুরের অধস্থ অপ্রাপ্ত ব্যবহার কালে প্রভিনিধিদ্বার। জজা বাবু নরোত্তম মলিচকর বিষয়ে লিখিয়া-ছেন, উক্ত কর্ম্মচারী যেপ্রকার বিচার করিয়া থাকেন, ভাষাতে ভাঁষাকে চিক্লিভ জ্ঞাদিগের ভুলাবলা যাইতে পারে। উক্ত জেলায় জল সম্প্রতি কিছু দিনের নিমিত্ত বিদায় লওয়াতে नरताल्डम वांतु ज्ञास्त्रत नाग्न (मञ्जूषानी मकक्ष्मा नकत्मत्र विচात क्वितिशाद्यम । (अ नाद्य अह গুণ বর্ণনা করিয়া বলিয়াছেন, উপযুক্ত আচি-হ্নিত কর্মচারীদিগকে সিবিল সার্ম্মিনে এছণ সক্রতি মাড়োয়ারের রাজা ভূমির করবৃদ্ধি করিবার যে নিয়ম হইয়াছে, তদতুদারে ভাহাকে (जनांत्र जरजन श्रेष (मध्य) कर्कदा । भनवंत्र (सन রল এই পরে ষ্টেটলেকেটারির নিকটে প্রেরণ ক বিতে অসমতে হইপ্নছেন। সর জন লরেল বলেন, প্রেচিহ্নিত ক্লাচারীনিধার উন্নতির প্রস্তাব মহাস ভায় করা ইইপ্লছে। অভ এব থো সাহেবের প্রস্থাব এবেল করিবার আবশ্যকতা নাই। এ দেশীর উপদৃক্ত কন্মচারীর সিবিলিয়ানদিশের ভুলা পদ হয়, এটা সর জন লরেনের ভাল

এতদান সপ্তাহে গ্রীষ্মাতিশয় নিবল্ধন কলি-কানার চারিজন ইউবোপীয়ের মৃত্যু ইইয়াছে। কলিকাভার বিনিক সমাজ ভারতবর্ষীর সভার সহিত একবাকা হইয়া উত্তর বিভাগে ডেন্ন বন্ধ কারবাব নিমিত্ত লেপ্টনন্ট গ্রণ্ঠের নিকটে ভাবেশন কারবেন।

#### া - ই আয'চ শনিবার।

जागता जाइलामिक इहेलान, हेखिशान, ্চুলিনিউস গ্রণ্মেটের বর্তমান ধর্মসংক্রান্ত সাজন<sup>্</sup>তির পুনর্কার প্রতিবাদ করিয়াছেন। উ**ক্ত** শন্ত বলেন ' আমাদিতের রাজনীতিজ্ঞান গব र्ग (लेंद्र विकास अप्रकृति हिन्द्र ও पूर्व नेपान इ! छिमिश्रक वादेवल निका मिर्छ (इन मा वर्षे । কি দ্ব ভাঁহাদিবের দত্ত অর্থ হইতে খুস্টীয় পুরো হিত ও গিরজাসকলের বায় লইতেছেন। গব ৰ্মেন্ট আপাডডঃ যেপ্ৰকার অধিক টাক। বংয় कदिया क्रमणः अवर्गामण्डेत मध्यात এकरी कथ ক্ষয়কারী ধর্মদুপ্রধায় ক বিভেছেন ভাষা বিচার ও শাসনপ্রধালীর একান্ত বিক্ষ। অতিশীয় कविषय लहेया एक इहेरन अवर भवर्गा हैरक স:ধুতাসহকাতে কার্য্য করিতে হইবে । এদিন অবশ্য আ সবে। ছন্তাগ্যক্ষে ভারতবর্ষে এক্ষণে যথাৰ্গ উপযুক্ত রাজানীতি জব নাই।

কাফলপুর অব্ধি স'গ্রপ্রজ্ঞ এক সূত্র রেইলওয়ে হইবার আছে। হইয়াছে।

কলিকাতার **ঠিকাগাড়ী রেজিষ্টরি আফিদের** থে কেরাণী ক**য়েক জন গাড়োয়ানকে প্র**হার করেয়া ভাগদিগের টিকেট কাজিরা **লই**বাছিল, ভাহাব দশ টাকা জরিমানা হইয়াছে।

নিয়ালখিত মূল্যে গবৈনিধেটির কাগজ বিত্রীত ইইডেছে।

8 अंकात निका	৯°॥•—৯8৸•
৪ - শ্রেক্সোনির	384,31
৫ প্রস্কিত্যাক	. 2 • 4h = 5 • 9
4 " . The	. 1・カルペー>>・
eto a tit	273445774

## ইউরোপীয় সমাচার।

লঁওন ১৩ই জুন। গত রাত্রিতে স্মলেট সাংক্রের প্রক্লের প্রত্যুত্তরত্বরূপ সর স্থাকোট নর্থকোট বলিয়াছেন, বোষাইস্থিত পাখা বঙ্গনে শীয় ব্যাক্ষ উঠাইবার নিমিত্ত অবিলয়ে আজ্ঞা দেওয়া হইবে।

দিলে ই কমিটির প্রস্তাব' তুসারে সীমার বিল বিধিবন্ধ ক্ইয়াছে। ১৫ টী চক্রবাড়ের সীমা ক্ষর্যাক্ত রহিয়াছে।

শীস্তারে জিষ্টারি করিবার নিমিত্ত মন্ত্রিবর্গ এক বিল অপুনি করিয়াছেন। এতদ্বারা আগগামী ডিসেম্বরের প্রারক্তে সুত্রন মহাসভা সমবেত হইবে।

রাজনীতিসংক্রাপ্ত বিদ্যেমনিবন্ধন রাজকুমার মাইকেলকে বধ করা হয় নাই। আপততঃ শাসন করিবার নিমিত কয়েক জন নিযুক্ত ংইয়াছেন। দেশে শাস্তি রহিয়াছে।

সারাওয়'কের ভূতপুর্ম রাজা জেন্স ক্রের মৃত্য হইয়াছে ।

১১ই জ্বন দিবদের এক টেলিগ্রাফ ওয়াসি ওটন হইতে আসিয়াছে। ইহা দারা জানা ঘাই তেহে, সভাপতি মহাসভার সন্মতি অনুসারে রেবাড়া জনসন সাহেবকে ইংলগুল্বিত দৃত নিযুক্ত করিয়াছেন।

১৪ ই জুন। ভারতব্যর শাসনপ্রণালীর উন্নতিসাধনার্প যে কমিটি সর স্থাফোট নর্থকো নর্থকো হন, ভাগদিগের রিপোট প্রকাশিত হইয়াছে। রিপোটের ভারিখ গভ নবেশ্বর হইভেছে। সর বাটল ফ্রিয়ার ভারবিথনট সাহেব জন্য জন্য সভ্যের বিরুদ্ধ মন্ড দিয়াছেন। রিপোটে প্রস্তাব করা হইয়াছে, বঙ্গদেশ যেমন জাছে সেই প্রকার লেপটনন্ট গবর্ণরের জ্বনীনে থাকুক; কিন্তু ব্যব্দ্রাপক সভার প্রয়োজন নাই। কলিকাভায় একটা ব্যবস্থাপক সভা থাকিলেই ব্যেষ্ঠ হইবে। কলিকাভা রাজধানী থাকুক, এই প্রস্তাবে ভাগে বলা হইয়াছে। কমিটি বলেন সিমলাতে মধ্যে মধ্যে রাজধানী লইয়া যাওয়াতে সাধার গের জ্মপ্রকার হইভেছে।

আবিসিনিয়া হইতে আগত।

বোষাই ১৯ এ জুন। ৯ জুলাই সর রাবাটি নেপিরর জনা হাতে ইংলতে গমন করিবেন। যে একটী মাত্র রেজিমেন্ট এপর্যক্ত জাবিসিনি রাতে জাছে ভাষা ১১ ই জুলাইরে জাহাজে আনোহণ করিবে। জুরক্ষ সৈন্যগণ বর্যাকালপর্যা ন্ত দ্রবা সকলের প্রহরিকার্য্য করিবে। যে জাহা জে সর রুষ্টি নেপিররের মাগদালাগ্রহণ্যটিত

পত্রবকল যাইভেছিল, লোহিভ সমুদ্রে ভাইা চড়ায় বাধাত্তে পত্রগুলি বিলবে প্রভিয়াতে

শশুন ১৭ ই জুন। রাজ্ঞীর বিশেষ আজ্ঞান্ত্র দারে থিওডোরের পুক্রকে ইংলপ্তে আনম্বন করিবার নিমিত্ত এক জন দুতকৈ প্রেরণ করা হইয়াছে। সর রবাট নেপিয়রের প্রভ্যানিত পার শুলি প্রকানিত হইয়াছে। নবাক্ষোনিয়া কানা-ভার সহিত্ত একব্রিত হইতে অসম্মত হওয়াতে ভব্রত্য লোকদিনের অসম্ভোষ লইয়া হাউস অব কমসে তর্ক হইয়া গিয়াছে। বাইট সাহেব এ বিষয়ের অনুসন্ধানাপ এক কমিটি নিযুক্ত করি-বার প্রস্তাব করেন কিন্তু ইহা জগ্রাহ্য হইয়াছে; আইরিশ রিজরাম বিল আফ্র ইইয়াছে, কেবল প্রতিনিধি মনোনীতের স্থানের পুনর্বাদ্যাবস্তু সম্বন্ধে সকলের এক মত হয় নাই। এ তর্ক স্থানিত রহিয়াছে। গ্রেপ্নেনিট এ বিষয়ে পুনর্বার বিবে-চনা করিবেন বলিয়াছেন।

ভারভবর্ষের ভবিষ্যৎ শাসন প্রণালী সম্কী দ বিল ১৫ ই রোক্রিতে পুনর্কাব পঠিত হইয়া ছে। ও আয়ারটন সাহেব ও কর্ণেল সাহক পুর্বোকিছ বলিয়াছিলেন।

ন্তুতন রেজিষ্টারি প্রচার বিল ্ছি গ্রীয় বাব পঠিত হইয়া দিলেক্ট-ক্মিটির হস্তে অপ্রতি হই-য়াছে। রাজ্ঞী চারলদ পেরি হবহাউদ দাহে বকে কলিকাভার প্রধানতম বিচারালয়ের জন্য তর বিচারপতি নিযুক্ত করিয়াহেন।

প্রকাশ পাইয়াছে, ষড়বস্ত ছারা সারবিয়ার রাজকুমার মাইকেলকে বধ করা ইইয়াছে। এডনিবেশ্বন অনেক লোককে হাজতে দেওগ্ন। হইয়াছে।

১৮ই জুন। ফরালী বজেট কমিপনর দিগের রক্ষার প্রকালিত হইয়াছে। ইহাতে শান্তি রক্ষার কথা বলা হইয়াছে। ভারতার্গ ও চী নের ডাকমান্তল র্দ্ধি করিয়া ফরালী সহাসভা এক বিল ধিবিবন্ধ করিয়াছেন।

১৯ এ জন। গত কল্য দর রুবাটা নেপিয়র দেনাপতি টাপারি ও কলল কামেরণ স্থএজে উপনীত হইয়াছেন। দর স্থাক্ষেত্র কর্মরাধান্ত্র-বলিয়াছেন দর রুবাটা নেপিয়াখের ক্রন্থারাধান্ত্র-দারে দৈন,দিগকে ছয় মাদের ভাত। পুরস্কার দেওয়া হইবে।

আই রশ রিফরম বিল বিপিরদ্ধ হইয়াছে। স্বভঃ মনোনীত স্থানের পুনর্দ্যলোবদ্যের ধারাটী গ্রেণ্যেন্ট পরিভঃগি করিয়াছেন।

লগুনের কমন কোলিল সর রবার্ট নেপিরব কে আপুনাদিগের নাায় লগুনে সম্বাদীনত। ও ২০০ গিনির এক তলবার উপচেট্রকন দিতে মনস্ত করিয়াছেন।

চাটাড মার্কান্টিল ব্যাক্ষ গত ছয় মাগে শত করা ভিন টাকা লাজপ্রদান করিয়াছেন।

## গবর্ণ নেণ্ট বিজ্ঞাপন লেপ্টনন্টগবর্ণরের আদেশাসুসারী নিয়োগ।

১১ই জুন। নিম্মলিখিত সংকারী পুলিষ স্থানইনেটভান্টগণ চোরাই লবন প্রজ্ঞেত নিধা নগার্থ পশ্চালিখিত স্থানে বিশেষ সহকারী পুলিষ স্থানইনেটভান্ট হইবেনঃ—

জার, এ, ডি, বিগনেল সাছেব বা.লখরে।

নি, ই, এস, ইনিস "কটকে।
১৫ জুন। যতাদিন লেপ্টনান্ট জে, আর,
উইবারলি বিশেষ ফার্য্যেপলকে স্থানাজ্বর
থাকিবেন, তভদিন এচ, এন, হারিস সাহের ব্র্দ্ধা
মানের প্রতিনিধি পুলিষ স্থুপর্টন্টেণ্ডান্ট হই

যত দিন জে. এচ, টমসন সাহেৰ বিশেষ কার্যোপলক্ষে স্থানান্তর থাকিবেন, ততদিন আর. এ, ডি, বিগনেল সাহেব বালেশ্বরের প্রতিনিধি পুলিষ সুপর্ইন্টে গুলিই ইবৈন।

যভাদন মজর তথালউ, টি, দেগান সর কারী কার্য্যোপলতে স্থানান্তর থাকেথেন ভতদিন ভব লউ, জে, কিলি ব সাহেব হাজারিবাগের প্রভিনিধি পুলিষ স্থাপরইন্টেণ্ডান্ট হইবেন।

১৭ ই জুন। ত্রিপুবার মধ্য**ত এজ মৌলবী** আলোয়ার আলি ভূতীয় তেনিস্থ হইবেন।

৮ ই জুন। রাট্রে সাহেব দেবগাড় উপবিভাগের হাঞ্জিত নলার সব আসিষ্টান্ট কমিস্নর
১ইবা দাঁওিআল বরগনার প্রথম আনির অধীন
মাজিটেটর ক্ষমতা পাইবেন। আপাড়েও:
য হাংন এ. জে ফ্রেজার সাহেব সরকারী
কাহ্যোপলক্ষে ভানাজ্র থাকেন ভাডাইন রাটে
সাহেব দেবগাড়ে থাকিবেন।

পূর্ণিয়ার ডেপুট মাজিটেট ও ডেপুট কালে উর মৌলবী দিলদার হোসেন আহম্মন বি, এ, বাথবগঞ্জে বদলী ধ্ইয়া মাজিটেটের ক্ষমভা। চালন ক্রিবেন।

মুর সিদাবাদের জেপুটা মাজিকেট ও জেপুটা কালেটব বাবু কালীচরণ ঘোষ ২৫পরণায় বদলী হুইয়া মাজিটেটের ক্ষমতাচালন করিবেন।

ভাগলপুরের ভেপুটি মাজিটেট ও ভেপুটি কালেইর মৌলবী ইমাক নিয়তর শাসনকার্য্যের পঞ্চম প্রেনিস্ত হইবেন।

১৯ এ জান। যতাদিন ভূতীয় শ্রেণির সব আসিষ্টান্ট সার্জন দারকানাথ মুখোপাধ্যায় । বিদায় লইয়া অসুপঞ্জিত থাকিবেন ভাতদিন

ভূতীয় প্রেণির সৰ আসিষ্টান্ট সার্ক্তন বীরেশ্বর পালিত পাবনার অস্তর্গত ছলাইয়ের দাতবং চিকিৎসালয়ের ভার পাইবেন।

২০ জন। যভদিন এ, সি, কাছেল সাহেব বিদার ক্রইয়া অনুপক্তি থাকিবেন, ততদিন লেপ্টনান্ট জে. বটলার আসামের ক্ষিসনরের সহকারী হইবেন।

ই, বেলিউ, মলোনী সাহেব কটকের প্রতি নি ধ সিবিল ও সেসিয়ন জ্বজের কার্য্যব্যতীত তত্ত্বতা প্রতিনিধি কমিসন্ত্রী করিবেন।

যভাদন জে, এফ, ফিবল সাহের বিদায় লইরা অহপাস্থত থাকিবেন, ততদিন মৌলবী হামি ছাদ্দন আহম্মদ গয়ার অন্তগ ত নওয়াদা উপবি ভাগের ভার পাইরা দেসিরনে অর্পণ করিবার ফকদ্দমার প্রথম বিচার করিতে পারিবেন।

নিয়ালখিত ভদ্র লোকের। হাবড়ার মিউনি সিপাল কমিদ্নর হইবেনঃ—

वार् जाताक्षमस भूरशाभागाम ।

प कुक्ककमन खाँग है। है। है।

ए रत्राह्म भूरचाभाषात्र ।

<sup>9</sup> নন্দ্রোপাল চন্দ্র

নিয়ালাখত ভদ্র লোকেরা পশ্চালিখিত স্থানের সব রেজিউার হইবেন —

জে, ই, বি, জে।ফু, সাংহ্ব বহরমপুরে।
বারু বিজয়মাধন মুখোপাধায়ে জ্রীহটে।
এল, ডাক্রে সাংহ্ব মডিহারিডে।
লেপটনান্ট এচ, জে, পিট শিবসাগরে।
এচ, লটমান জনসন সাহেব কৃষ্ণনগরে।
ছারলস মলার সাহেব কিছুদিনের জ্ঞালকাতার জন্তর পুলিষ মাজিটেট হইবেন

ইং এ জুন। কুচবিগারের কমিসনরের নহকারী বাবু দিননাথ মুখোপাধ্যায় দিতীয় তোনির অধীন মাজিকেট ও ডেপুটী কালেইরের ক্ষমতা পাইবেন।

২০ এ জুন। দহকারী মাজিটেট ও কালে ইর ডি, ডবলিউ, এম, টেন্টো সাহেব দিরাজ গঞ্চ উপবিভাগের ভার পাইরা পাবনা ও বন্ত ডাভে প্রথম প্রেণির অধীন মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন। ডিনি আরও সেদিয়নে অর্পণ করি বার মকদ্দমার প্রথম বিচার করিতে পারিবেন।

১ লা জুন অবধি নিম্নলিখিত সহকারী পুলিব স্থুপরইন্টেগুন্টিগণ উন্নতিলাভ করিবেনং—

श्चथम व्यक्तिए ।

জে, এচ, জনষ্টন সাংহ্ব। এচ, এন, হারিস ৯। াদ্বভীর জেণিডোঁ। জে, বি, গোড সাংহ্ব <sup>৯</sup>। এফ, ডসন <sup>৯</sup>। বি, এস, রবাটসন »। এফ, জে. ডিকেন্স »। এচ. মনবো "। সি, ই, এস, ইনিস °। এম. এফ, বিমিশ "। এ, নিবেট "।

## প্রেরিত

মান্যবর শ্রীযুক্ত গোমপ্রকাশসপাদক

महानश ममीट न गु।

जयादन २८ क रेका छे जाते छ इहेस्रा ६ हे আযাত পথ্যস্ত ক্রমাগত বৃষ্টি হট্য়াছে। এরূপ वामन ७५कान (मधा याच्च नाहे। इन्नट व ১৬।১৪ দিন অবিজ্ঞান্ত প্রবল ধাত্রে বারি বর্ষণ कतियारहर । अधिवी जनमञ्ज रहेशारह । अ वापरल समनी पुत प्रकाल विख्त प्रतिष्ठे रहेम्राहा कश्मावजी नवीटा खग्नानक वना इहेंसाहिन। অনেক স্থান ও আম তাহার প্লাবনে মগ্ন হইয়। ।গল্লাছে। কভ লোকের গৃহও কুসীর প্রথল প্রোতে ভা গরা গিয়াছে; কত মহুষ্ও ভাগে या शिवारङ् । पृष्टे स्टेयार्ड अक्षानि एरस्त চাল মদীতে ভাগেরা থাইভেছিল ভাহার উপর ছই জন মন্ত্র আর্ড। তাহারা কাতের यदत हो स्कात क तथा माशाया व्यायना कांत्र ए ্ছিল। কিন্তু ভখন নদীর বেগ অভি প্রচণ্ড। (क्र्ड्डे माधार्या कांत्राज भारत नारे। द्वामाः अ हाल ज्यानिया निर्माण केंद्र वीरम ( थान काम्भा নির এনিকট্) আহত হইল। ডাহাতে ঐ চাল ছিন্ন ভিন্ন হইয়া গোল। পর ক্ষণেই আর ঐ হুই হৈতভাগ্য ব্যক্তিকে দেখিতে পাওয়। গোল না। গো, মহিষ, ছরিন, ভল্লকপ্রভৃতি অনেক জন্তকেও নদীতে ভাগিয়া যাইতে (मधा शिश्वादि ।

দৃষ্ট ংইয়াছে, এই নগরের নিকটস্থ কয়েকটা আমের উপর দিয়া প্রবলকপে নদীর প্রোভ প্রবাহিত হইতেছে। তত্রতঃ লোকসফল ফুক্ষ্ চাল ইত্যাদি উচ্চ স্থানে পারছে। তাহারা জন-বরও চীৎকার ও শগুধুনি করিয়া নগরন্থ লোক্ দিগের নিকট সাহায়ঃ প্রাধনা করিতেছে। ঐ সময়ের পর দিন তাহাদের নিকট নৌকা প্রেরিভ ছইয়া ছিলা কিন্ত কি ছইয়াছে বলিতে পারি না।

কংগাবতীর পাধায় অনেক স্থান ও গ্রাম জলপ্লাবিত হইয়াছে। কিন্তু কত গ্রাম মগ্ন হই-য়াছে ও কি পরিমাণ ক্ষতি হইয়াছে, অন্যাপি বিশেষ বলিতে পারিমা শুনিতেছি ২-।২৫ খানি আম জলমগ ংইয়াছে। ১০। ১৫ খানি আম একে বাবে উৎসন হইয়া নিয়াছে। গো-মহিলাদ জন্তসকল ভাসিয়া নিয়াছে। লোকে বুক্ষে আবোহণ করিয়া অভি কথে জীবন রুগণ করিয়াছে। অনেক লোক জলমগ্য হইয়া প্রাণ ভাগি করিয়াছে। যেসকল ক্ষেত্রে খান্য বপন করা ইইয়াছিল ভাহা মগ্য ও প্রোপিত ইইয়াছে।

এই বনগতে উন্নতিজ্যার পথ স্থানে স্থানে মগ্র হইয়াছিল। কয়েক স্থলে হানা পড়িয়াছে। ভাষাতে কয় দিন ভাক বন্ধ ছিল। একণে অভি কঠ়ে ভাক চলিভেছে।

মা), ও ক্ষেত্র অভিশয় জ্ঞালমগ্ন হওয়াতে এবার কৃষিকার্য্যের বিলক্ষণ ব্যাঘাত জ্ঞানিল।

খাল কোম্পানি কচ্ছপগতিতে চলিছেছেন। ইহার। যে খাল শেষ করিয়া দেশের উপ
কার করিবেন, তাহার বড় অধিক প্রত্যাশা
নাই, কিন্তু খালের অনিষ্ঠ ফল ইহার মধ্যেই
ভোগ করিতে হইতেছে। খাল কোম্পানি, কবে
শংসাংশাদনের স্থাবিধা করিবেন, তাহার
স্থিরতা নাই, কিন্তু এক্ষণে বন্যার বেগ বর্দ্ধিত
করিয়া দিয়া শ্রু বিনাশ করিতেছেন।

যাত্রা হউক, বন্যাপীড়িত লোকসকল একণে নিরাজ্ঞয় ও নিরন্ধ। অক্সত্য ভুজুরেরা তাহনেব রক্ষার জন্য এ পর্যান্ত কোন উপায় করিতেভেন না। অধিক কথা কি, কোথায় কত কতি হইরাছে, জন্যাপি তাহার নিশেষ ভুলুত্ত হইতেছে না। কোন কোন স্থানের প্রজারা আসিয়া ভুজুরদের নিকট আপনাদের প্রানের ছরবস্থা বর্ণনা ও সাহায্যপ্রোপনা করিতেছে কি ছ জ্পুরেরা এ পর্যান্ত কিছুই করিতেছেন না।

প্রাথনা যে গ্রন্থনেন্ট এই বন্যাপীড়িড লোকদিগের প্রতি দৃষ্টিপাত করেন। আত্নকুল্য ব্যতিরেকে এই ছুর্গত লোকদিগের রক্ষার জার উপায় নাই। রাজপুরুষের। দুরায় সাহায্য করেন এই আমাদের প্রার্থনীয়। জনীদারেরাও যেন এ সময় চক্ষু মুদ্রিত করিয়া না থাকেন। মেদিনীপুর ১১৭৫। ১৪ আবাত। } ক্রীঃ—

৪। ৫ দিবস হইল, অব্রন্ড্য অন, তর ডেপুটি
মাজিটেট ও ডেপুটি কালেটর জীয়ুজ্ব
বাবু কালীনাথ ঘোষ চাকায় পরিধর্তিত হইয়া
এ স্থান পরিত্যাগ করিয়াচেন। তাঁহার পদে
একণপর্যান্ত কেই প্রতিষ্ঠিত হইয়া আইসেন
নাই। কালী বাবু এক জন মন্দ বিচারক ছিলেন
না। এক জন উপযুক্ত লোক ভাঁহার পদে
নিযুক্ত হন এই আমাদিগের প্রার্থনা।

কিছু দিন হইল, লুভন জাইণ্ট মাজিট্টেট পিটার্শন সাহেব এখানে আগত হইয়াজেন। বেপর্যান্ত জানা গিয়াছে ইহাকে এক জন সুবুদ্ধি স্থিচারক ব লয়া বোধ হয়। যাহা হউক, কাহাবো বিষয় স্বিশেষ জ্ঞাত না হইয়া কোন প্রকার সিদ্ধান্ত করা যুক্তিসিদ্ধ নহে।

অদ্য ছই মাদ থাবং জত্রত্য দেখবাট মিদন
ই'বাজী বিদ্যালয়ের মাইনার বৃত্তিপ্রাপ্ত ছাত্র
দিগের বৃত্তি বন্ধ হইয়া আছে। ইহার কারণ
কিছু বুঝিতে পারিতেছি না। কর্তৃপক্ষের স্মাণ
রাখা উচিত, কোন কোন বালক কেবল এই
বৃত্তির উপর নির্ভির করিয়াই অধ্যয়ন করিতেছে।

ইতিমধ্যে র্ফির অভাবে এধানে এক বার ভরক্ষর গ্রীক্ষের প্রায়ন্তাব হইরাছিল। কিয়-দিবস যাবং জনবরত র্ফি হওরাতে গ্রীক্ষের কষ্ট এক প্রকার নিবারিত হইরাকে, এডদ্বারা ওলাউঠারোগেরও শান্তি হইরাকে।

खीं हुष्टे ऽ२१ € **a:-**-

## অতির্ফি ও জলপ্লাবন।

মহাশয়। গত ২৩এ জৈতে শুক্রবার রাত্রি অবধি ৪ ঠা আশাঢ় মললবারপর্যন্ত এই বার দিবস কাল অবিচ্ছিন্ন মুখলধারে রাফিধারা পতিত হইয়া এ প্রদেশ ফলমগ্ন করিয়া ধানা সকল একে বারে নষ্ট করিয়াছে। রাজ্যা ঘাট, নদী, নালা সব একাকার হইয়া কেবল গমনাগমনের কণ্ট হইগাছে এরপ নহে, আহা-রোপ্যোগী সমাত্রীসকল অপ্রাপ্য ও চাউলের দর দিগুণ হইরা উরিয়াছে। রাজ্য মাঠ ঘাট শুক্ত হইলে পুনরায় ধান্য বপন করিবে ও দ্রবা দির মূল্য অল্ল হইবে এই আশায় প্রজাগণজীবিত ছিল কিন্তু গত কল্যের শোচনীয় ঘটনায় সে আশা একেবারে উন্ধুলিত হইয়াছে এবং অনেকে মৃত্যুমুধে পতিত হইয়াছে।

মহাশর : স্বৰ্ণরেশা নদীর বাদ ভগ হইয়া

अ अरम्भरक अरक्वाति क्रम्माग्री कतिवार् नभूनाम बाखा ও वै।य अभ इहेन्नारङ । अमन कि মেনীপুর ডাক বন্ধ হইয়াছে কলিকাভার ডাকও অতি কণ্টে যাইতেছে। পর্সাতাকার বল্পকারাশি পতিত হইয়া জনপুদ সকলকে এক বাবে হতনী করিয়াছে। সম্পাদক মহ'শ্র! চডুর্জিক দর্শ করিবার মানসে আজি প্রাতে একটি উচ্চ বালু कामग्र शर्काएक जारताइन कांत्रशः यञ पृत प्रकि **हरत (मध्यमाम । व्यक्तिममञ्ज जीम मृर्ख वादन** পুরংসর অপ র জলরাশিকে আলিক্সন করিভেছে ७ क्रमतानित मर्पा मर्पा (क्रवन मूर्य मन्या उ গবাদি ভাগমান আছে ও চলংশক্তি িইন্ র্দ্ধ ও কামিনীগণ আপা আপন প্রাণ্ রুকার **সহিত আপন আ**পন শিশুসন্তানদিগকে वाँ हाइवात (हर्ष्ट) भाइट १ कि अ श्रवन বেগে বায়ু বাহিত থাকাতে তর্লসকল এত क्रज बाहरण्डिल (ब जाहाता श्रानभरण (हर्ष्ट) করিলেও কৃতকার্য্য হইতে পারিভেডে বা। ইগ্র দেখিয়াও মৃতপ্রায় ব্যক্তিগণের কাতত্ত্ব অর ও গ্রাধির করণে স্বর জ্রাবণ করিয়া আমার মনে এক এক বার হইতে লাগিল তর্প মধ্যে সম্ভ রণ করিয়। উক্ত লোকসকলকে উদ্ধার করি, কিন্ত আমাদের জীবন:শা এত বলবতী যে মুভ্ র্ত্তেক মধ্যে আমাকে নিরস্ত করিল। আমি এই উচ্চ স্থানে ইভিকর্ত্তব্যবিষ্ঠ হইয়া দ্রায় मान आहि है अवगरत प्रिश्नाम हाति सन .ध-ভাল ও ভিন জন বলবাদী তিন চারিধানি **जबनी बहेग्रा के नकल (लाक्टक प्रदूर धान** स्ट्रेंट्ड भाइन कतिवात जना हर्जुमिटक धावमान **इहेटलम । हेहा किथिया आक्लाटन आमात कटल** वत लामा थिए इसेल ७ व्यानी बत छैशामत প্রাণরকার জন্য উক্ত মহ'পুরুষগণকে পাঠাই-লেন ভাবিয়া ভজিরসে গদ্গদ বারে ভাঁহাকে कांग्रिकारियन वाम मिलाम, खरलदा प्रतिबनाम উহারা শ্বং কর্ণ । র ও দাড়ধারীর কার্য্য করিয়া নিমুন্থিত আমসমূহে গমনপূর্গাক বিপন্ন ব্যক্তি গণকে বছন করিয়া আমি যে স্থানে দগুরুমান हिलाम उथाय ताथिया साईटङ-लागिरलम। এई রূপ সমত্ত দিবস আহার নিদ্রা ত্যাগ করিয়া অকাতরে পরিশ্রম করিতে লাগিলেন। ইড্যবসুরে छेशाम्बर महा अकड़न वृद्धक कथ्किर नास्त्र দেখিয়া জিজ্ঞাগা করিলাম এরপ বান ভার কখন ভিনি দেখিয়াছিলেন কিনা? ভাহাতে ভিনি উত্তর দিলেন দেখা ছুরে, থাক কখন আবণ্ড করেন নাই। এইক্লপ ভাঁহার সহিত কথা বার্ড। করিতেছি এমন সময় দিনমণি অক্টাচল অলম্বন করিলে নিবিভূ অন্ধনার আসিয়া আকাশ মগুল

আক্ষ করিলে উক্ত মহাপুরুষগণ অগভ্যা **উक्ত**्कार्यः काच इहेग्रा त्रकाम य वावा-ু সাভিমুখে যাত্রা করিলেন। ভাহাদের মধ্যে এক अस आशर्भ श्रायम कतिशा हाउँम स्वयं कतिशा বিপন্ন ব্যক্তিগণকে বিভরণ করিতে লাগিলেন। हेरा हिच्छा छेला महामन्न क छ छन्।।नः महामासताह वा (क हेशा स्नानिवात हेम्हास अक राक्तिक जिल्लामा कहाएक कहिएनन श्रथम राज्जि এখানকার ডি: মাঞ্জির এ, রাটে সাহেব অপর ডিন জন সাহেবের মধ্যে এক জন ভাছার রাটে জাতা উলিয়াম অপর ছইজন মধ্যে এক জন এখানকার একজিকিউটিৰ ইঞ্চি নিয়ার ও অপর এখানকার সহকারী পুলিব क्र शहर हेट छन्दे । जात जिन स्त्रेम वस्तिवामी श्रुक বন্দির প্রধানতম কর্মচারী। ইহাঁদের পরিআম एमिया हेहानिशतक मत्न मत्ने धना मौनिया শত শত ধন্যাদ দিলাম। মাষ্টার "উইলিয়ম রাটে কোন রাজ পদে নি**ুক্ত** না থাকিয়াও বে পরোপকার জন্য এত অধিক কষ্ট ও পরিআম चौकांद्र कतिया विश्विष धनावीमित्र शाज হইয়াছেন ভাহার আর সম্পের নাই। পর দিবস অপরায়ে গিয়া দেখিলাম জি, মাজি ক্রেট ও ভাঁহার আভা এক্লপ মৌকা লাইরা চতু দ্বিগে জমণ করিতেছেন ও লোক আনিতেছেন नकाकारन चन्नः वासारत विद्या श्रूक्तिरमत मार्ग हा छेल लहेक्का विख्य क्या क्या स्थानिनाम যত দিন এরপ থাকিবেক ভত দিন ঐরপ চাউল বিভরণ করিবেন। ইহাতে যে ভিনি এদে শের লোকের প্রাণদাতা বলিয়া চিরস্মরণীয় ষ্ট্রেন ভাষার আর সন্দেহ কি। একণে আম রা জগদীখরের নিফট প্রার্থনা করি যে, এই সক न ताक्रशुक्रम शामाज्ञिक महिल चन्ह्रम भंजीदि किह्नकाल अरमरम थीकिया अ स्मर्भत औत्रिक **ቆ**ኞቭ (

कांथि निवामी। ক"াথি

-:0:-

चाना जारत्रामण निवन रहेन, এ श्राप्तरण वर्षात অভান্ত প্রাত্তাব হইরাছে। এমন কি প্রোবন মানের শেষে নদী পুকরিণীপ্রভৃতি জলাশয়সমু হের বেরূপ ভাব লক্ষিত হইরাথাকে, এ বৎসর रेकार्ष्यंत्र (भव रहेएक ना हहरकहे तिहेन्नण क्षांव श्लिकिक इंशेरके । कृषिकार्शिव विल क्रन क्रमुविधा रहेशा छेठियादह। कृषदर्वश त्व क्षेत्र प्रभंग कतित्र। आगरम श्रुनिक्छ ছইরাছিল, ভাগ্ প্রায় সম্পূর্ণরূপে বিনষ্ট হইয়া

ভাষাদের বিপুল भোকের কারণ ষ্ট্রাছে। শস্ক্রেসমূহ জলরাশিতে পরিপূর্ণ। যে সমস্ত খাল্যারা আমান্তর্গত অল্রাশি নির্গত হইয়া थाटक, छारा भवर्गस्य हेत दात्रा वक रहेशाहा। नेंगीत नवनांच् वांममर्या श्रादम कतिएउ ना भारत, देशहे जारात क्षत्राम फेरमून। तिहे तकत वाँ । कि के निरमत निभिष्ठ को निरम । निरम समस व्यक्तिष्टेत मून व्यविक क्लार्जीन विश्रित इहेग्रा गारेटफ शादतः किस्त कि आफार्यात विषय এই প্রধান প্রতিকারটীর প্রতি কাহারও বিশেষ मत्नारयां । त्रिंदिक शाहे मां। श्रवीन क्रवतार्क **जिलाग्रेट्सरेलैं से सिग्नम शहे (य, यतालि काम श्राप्त-**मित जायक करतानि वहिर्गछ करा जायभाक বয় ভাষা ইইলে ভত্ৰভ্য অমীপারকে বাঁগ মিন্মিং (नव जना रच वर्ष वर्ष इहेशारक, छोहाव े विश्वन পরিমাণে টাকা ডিপাজিট করিয়া দিতে हरेट्रक अवर करे मर्ल्स क्रमानि क्वीरम्ह রেজিস্টরি করিয়া দিতে হইবে যে জল বিনিগতি **इट्डा (शत्म (मर्डे वीध समीमांत मिस्न युर्ह्न** পুননির্মাণ করিয়া দিখেন ; ভাষা হইলে ভাছা-দের ডিপজিটের টাকা প্রভাপিত ইংইছে। কিন্তু জমীদার মহাশব্দাণের এক্সপ প্রজাহিটেড-विखा, ये डीहाता अहेन्नल जामाना व्यर्थ किह দিনের নিমিত্ত গ্রথমেন্টের নিকট ডিপজিট ताबिएक व्यक्षत्रत मरहम । व्यक्षिता (प्रविटक्कि, এখানকার ওভরসীয়ুর মহালয়ের নিকট সময়ে সমরে ক্রমীলারের লোকেরা আসিয়া আকেপ कतिया थारकन रव, " महानवा व्यामीरमद्रामन বা বাদশ সহত্র টাকার মৌজা এক বারে বিনষ্ট হুইবার উপক্রম হুইস্লাচ্ছ। » তাহাদের এইরূপ আক্ষেপ্রেজি ভাবণ করিয়া ওভরসীয়ার মহা-দায় এরূপ উপদেশ প্রদান করেন যে '' আমার निक्र निव्य यक अधीरमन्ते (तक्षिष्टे वि कविया দিয়া টাকা ডিপাঞ্জিট করুন; ভাষা হইলেই व्यामि कैं। ध कांग्रिहेबांस व्याटमम क्षमान कति-ভেছি। কিন্তু জমীদারের কর্মচারিগণ টাকা फिलिकि कविएक स्टेरिक खिनता (स श्रमान করেন, আর ভাষ্টদের পুনর্দাব দর্শন পাওয়া हुद्ध । महामञ्ज विरवहना कल्म, श्रकां निरात याह-नका इहेरल यांशामिरशत मर्याधकारत मनन, (मह अभीशादाता किছू जिब्दमप्त निभिन्न किथिए वर्ष ডিপাজিট করিতে এড শক্ষিত হন, ইহা অত্যস্ত इः त्थत विषय विमाप्त शहरवक मान्स नाहै। উচ্চিদের মনে যে ভরদা আছে 📆 ''শদ্য থাকুৰ, বা ন্য থাকুক; আদালতে ডিক্রী করিয়।

होका आंत्राव कता साहेटवक a खाहा छ हहेटवहें ह কিন্ত বে প্রজাগণকে সন্তাননির্দ্রিশেষে ভাঁহা-मिश्रांक श्रांखियान कतिए इस, शाहार्रेम्ब अध সৌভাগ্যের উপর তাহাদেরও মুখ্সোভাগ্য নির্ভর করে ভাষারা ভ একবারে সর্মখান্ত হইল ? হায় ! বলি ভাঁহারা প্রদাগণের ফুথ ও সৌভা-भात शक्षि यत्रवान् ना हन, कटन काहारमत আর উপায়ান্তর কৈ? ভরসা করি, ভাঁহার। अहे विषया मानीयांगी हहेता मीखहे এहे कामिक्टे নিবারণের উপান্নবিধান করিবেন।

----

বছবিধ কারণে আমাদিগের দেশের জল বারু ক্রমশং জন্মাস্থাকর ও নানাপ্রকার রোগোৎ भाक्कं रहेशा जानिरज्ञाह । जन्मान्यभीव कनश्र মধ্যে প্রকৃত সাস্থান্ত্রখ-সজোগ করেন, বোধকরি এক্লপ লোক ত্মতি বিরম। আবার সময়ে সুময়ে শ্বর, ওলাউঠাপ্রকৃতি সংঘাতিক সংক্রামক রোগসকল এমত ভীষণ মূর্ভিতে আবির্ভণ্ড হয় যে, জন্মারা কড় শভ ব্যক্তি আক্রান্ত হইয়া কালের করাল গ্রাদে নিপতিত হয় তাহার সংখ্যা করা নিডাভ অসাধ্য। এইরূপে অনেক **प्रमारं श्रीरा क्षत्रभूतः इहेरा कांगिएउट्ट। क**्ष्य ববিধ কারণবশতঃ চিরব্যবহৃত নিদান শাস্ত সম্মত চিকিৎসায় রোগোপশম পক্ষে সবিশেষ উপকার দর্শে না, ইহাও আমাদের সামান্য ভূজাগ্য নহে। অধ্নাতন ইংরাজী শাল্তমত हिकिएमाय व्यानक तम् ७ व्यानक त्मारकत क्षीयन तका रहेए उट्ट वट्ट ने किन्छ এটি অভিলয় অনিশ্চিত শাল্ল। ইহাতে ভিন্ন ভিন্ন চিকিৎদ-কের ভিন্ন ভিন্ন মত দেখিতে পাওয়া যায়। জ্মামার স্মরণ হইডেছে হাডুড়িয়া চিকিৎসা নিবা বৰ জন্য হিন্দুপেটি য়টে একটা প্ৰস্তাব প্ৰকা-শিত হয়। প্রস্তাবলেখক যদি স্থিরচিত্তে এক-বার আমাদের দেশের অবস্থা ভাবিয়া দেখি-ভেন, ভাছা হইলে বোধ করি, ভিনি কখনই এরপ প্রস্তাব উত্থাপন করিতেন না। ভাল ভাঁহাকে জিক্সান। করি, এই প্রথাটী সুত্তন कि বছকাল প্রচলিত ? এটা কি কেবল আমাদের भिर्म ना अन्तर्भाना स्मान्त । स्मान्य श्राम्य আছে। তিনি হাত্ৰভিয়াদিগকে কয়েক শ্ৰেণীতে विख्क क्रियाद्या । जाहात मट्ड वाहाता श्रम् সাপত্ৰ পান নাই, ভাদৃশ চিকিৎসক্ষাত্ৰেই হাতু ष्ट्रिया। এটी ভাঁহার সামান্য অম নহে। কেবল প্রশংসাপত্র পাইলেই কি স্থাচিৎসক হয় ? জামি স্পষ্টাক্ষরে বলিডে পারি, অপ্রাপ্তপ্রশংসাপত্র धणापिरगर्न्न विश्वम किन्न किन्न चालमात्र चरनक ठिकिएनक श्राप्त अन्तरमान्य चरनक

চিকিৎদক অপেক। অনেক বিষয়ে ভাল। প্রাপ্ত প্রশংসাপত্র অনেক মহাত্ম। এই মহোপকারী শাস্ত্রটীকে যেন প্রকৃত ব্যবসায়খরপ অবলখন কবিষাভেন। গৃহত্তের অবস্থার প্রতি কিছুমাত্র नुकि (क्रम करतम मा । अर्थहे डांशनिर्शय श्राधम लकर । यात्र मानहे नमान मंद्र । यत्र नमरत्र नमरत्र এরপ মহাত্তিক, যে ধনাচ্য ব্যক্তিরাও ভাহা-দিগকে ভাকিতে পারেম না গ্রামান্য গৃহত্তেব কথাই ত নাই। অপ্রাপ্তপ্রশংসাপত্র চিকিসকের মধ্যে অনেকেই আপেকাকৃত সমলাভে সম্ভ হন ৷ ভাঁহাদের আনেকেই আনেক উৎকট রোগ জাবোগ্য করিভেছেন দেখিতে পঞ্চা যায়। প্রাশংসাপত্রপ্রাপ্তিজন্য অব্স্থার্টী ভারাদের गत्न नाइ विलिशाह नकरल डाँशानिशतक छाकिएड भक्त इन । श्रेष्ठावरलश्य वाँ इं किशरक प्रमानिष्ठे কারক বলিয়া চিকিৎসায় নিরস্ত করিতে ইচ্ছা করিরাছেন, ভাঁহাদের মধ্যে অনেকের দ্বাবা উপ কার চইতেছে কি না, একণে পাঠকগণ বিবে-চনা করুন। 🕶 ইনছার। হাভুভিয়া চিকিৎসার 🖰 নিবারণ হয়, প্রাস্থাব লেখক এক্সপ অভিপ্রায় क्षकाम कतिहारहर । यनि श्रेष्ठ हिश्री हिकि ९ मा নিবারণার্থ ভাছা প্রচলিত হয় ভাছা হইলে পল্লীগ্রামের क्डेट्व २ চিকিৎসকই বা কভ धनरमां भेजधार कन २ कें इस्ता कि मणाञ्च कथाञ्च हिकिएमा कहिएए সন্মত হটবেন ? প্রস্থাবলেখক যদি পক্ষপাত-भूना रहेमा विठाव कतिया (प्रत्थन) जारा इंडेट्स সহজেই শীকার করিবেন যে বিশ্বাসই মছৌষধ সর্প। সামান্য জল পড়া, ডন্ত মন্ত্রছারা এবং ভার হেশ্বপ্রভৃতি পীঠস্থানাদিতে হত্যা দিয়াত **७ ज्ञानक वाक्ति छै०क** है (ज्ञान) इंट्रेंट मूक्त हहें-তেছে। বিশ্বাসভিন্ন কি এরপ ১ইতে পারে ১ অতএব আইনধারা হাডুড়িয়া চিকিৎসার নিবা-রণ করা মুক্তিসকত নছে। ভাল ভাঁহ'কে किछाना कहि, कीवरमत श्रांक कि किवन देहा वह गम् आहि मा अम्य काशाव आहि ? य प्र থাকে, ভাষা ফইলে ভাষারা অবশ্যই ভাল िकिन्यमक्षाता कि किन्म। कताहरवा डीहरिक ইহার নিবারণক্ষন্য এত ক্লেশ পাইতে হইবে কেন ? পাঠকগণ এক বার ভাবিয়া দৈখুন দেখি ইনি কি ভয়ানক প্রস্তাব উত্থাপন করিয়াছেন।।

-------

মহ'শর ! এ দিকে ভারী বৃষ্টি হইতেছে। এমন কি : অনবয়ত আজ ১৪ দিন মুখল খারে কৃষ্টি পাত হইতেছে। এই বৃষ্টি পরে উপকার সাধন করে, করুক, ইহার অনিষ্ঠ কারিতা আভ

तिमक्त मक्ति स्ट्रेटल्ड्। ब श्राप्ता व क्ता-द्रुष्ठ गृहरूद्रहे प्ररक्षा व्यक्षिक छाहा, (वांध करिं, जाननिक जारनन, 'जात अधानकात जिथिताती (मन अमनि अक्ठा चालाम शाहेशारह, (य :खाहा -রা আপন আপান গৃহ সংস্কারে বর্ধার প্রাক্-কালেই প্রবৃত্ত হয়। বৈশাখী কড়ের ক্ষতির আশক্ষা করিয়া এ বিষয়ে ভাষাদিগকে নিশ্চেষ্ট थाकिए इस्। किन्नु अ वादत जाहानिगदक विषय मार्य किंक्टि **इहेग्नाइह। (महे म**श्कांत कार्या সংসাধনের স্থাবাগ ঘটিয়া উঠে নাই। স্থাভরাৎ এরপ সংস্কৃত গৃহ গুলি বর্ষার ঈদৃশ প্রকোপ সহনে একান্ত অশক্ত হইয়াছে। প্রাচীরেরত कशाहे नाहे, कारनरकत्रहे गृह এक वारत धनाणात्री হইয়াছে। বুষ্টি এত অধিক কাল ব্যাণিয়ী हरेएउएइ विलिश हाडेन अधारन अन्नाभ इच्नामा হইয়া উঠিয়াছে যে গরিব লোকদিগের ও হই-তেই পারে , অনেক সংগতি পর গৃহক্তের ও এড লিবজন যার পর নাই ক্লেশ হইতেছে। অস্থান্য সময়েই কণ্ঠ পাওয়া স্থুকঠিন। প্রতি টাকার ০। ৩॥ মণ বিক্ৰীত হয়। আবাজ্ঞাকাল এমনি हरेया नाष्ट्राह्यार स्व यिन हे हा छैन करहे शर्ष्ट কোন প্রকারে সংগৃহীত হইতেছে, ভাহা কার্ছ অভাবে আর অন্নরপে পরিণত হইভেছে না। ভদবস্থ পাকিয়াই মানুষের আহারীয় চইতেছে। আবার দেখুন, পলীগ্রামের রাজ্ঞা ঘাট অপরি-কার ও কাখন্য বলিয়াই চির এসিছ। এওলি এখন এমন কৰ্দিম ময় হইয়া উঠিয়াছে, যে গমৰা গমন করা বার পর নাই ক্লেশকর হট্যা দু বভাই

বনন্নাকী আবাদ জিলা বী ভূম ৪ ঠা আবাড় ১২৭৫ ক্রীগো—

#### मूना श्राखा

শ্রীযুক্ত বাবু রামধন ভট্টাচার্য্য রাজপুর া ১२१६ टेकार्ड इडेटज टेवमाध ¢11. ৯ যহুনাথ মজুমদার शहरथाना ১२१ ६ टेब्गुर्छ इहेएज व्यन्त्रहान all. 🏲 কান্দীস্ক, সের প্রধান শিক্ষক কান্দী ऽ २१ ६ टेखार्थ स्ट्रेटज १७ टेवमाच 30 " तांका नरतरह्मनातायुव तांसु कामरी **১२१६ जावान स्ट्रेटक टेक्नार्थ** 70 <sub>क्र</sub> नहां माठतन तांत्र শান্তিপুর उद्भार कार्याक स्ट्रेटक १७ टेकार्क 20 " क्विनामह्य मूट्याभागात्र **अ**नारे

१२१६ क्लिक इहेटच १७ टेका

রাজনারায়ণ দেন ১২৭৫ বৈশাখ **হইতে চৈত্রে**  ক'নকাড়া

## নোমপ্রকাশনংক্রান্ত করেকটা

विटलंब निवस।

অতিম মূল্য ও ডাকমাসুল না পাইলে মকবলে সোমপ্রকাশ পেরণ করা ধার না।

ইহার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং
বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা গ মকতালে ভাকবাত্তর
সমেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যাসিক ৫ এবং জৈমাসিক ৩৬০। তিন মাসের ভুনে অগ্রিম মূল্য
গ্রহণ করা বায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিটি, মণিঅভার, নোটা ও স্থান্প টিকিট, ইহার অন্যভর
বাহাতে বাঁহার স্থাবিধা হয়, ভিনি সেই উপায়
ভারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাঁহার। প্রাম্পটিকিট পাঠাইবেন, গাঁহারা যেন এক অথবা আধ আনার অধিক মুল্যের ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

বখন বিনি মফখল হইতে সোমপ্রকালের মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা যেন রেজিপ্তরি করিয়া জীবুক্ত মারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

বাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অতীত হইরা আসিবে, এক মাসপুর্কে ভাঁহাদিগকে চিট্ট লিখিয়া জানান বাইবে, কাল অতীত হইরা গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাহার পর একমাসকাল প্রতীকা করিরা কাগজ বন্ধ করা ঘাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং পাঠান ছইবে।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ডাক ঘরে চিট্টি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

বাঁহারা মাস্থল না দিল্লা প্রাফি প্রেরণ করি বেন, ভাঁহাদিগের সেই প্রাদি এহণ করা যাইবেনা।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইছ।
করিলে ভাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংক্তি 🔑
আনা ভাহার পর 🗸 ১০ আনা দিতে ইইবে।
বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইছা করিবেন, ভাঁহার সহিত খতন্ত্র বন্দোবস্তু হইবে।

শ্রেণ্ডই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পূর্দ্ধ মাতলা বেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চালড়িপোডার জ্রীযুক্ত ছারকানাথ বিদ্যা-ভূখণের বালিতে প্রতি সোমবার প্রাক্তঃকালে প্রকাশিত হয়।

## সেমপ্রকাশ

७६ मध्यती।

## — ১৯৬ — • प्रवक्ततां प्रक्रतिहिताय पार्थिवः सरस्तती श्रुतिमहती न हीयतां।"

মাসিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১০ দশ व्यक्तिय वान्तानिक शा नाएक नैविक के का ।

मन ১२१৫। २८ व साराह। ১৮७৮। ७ हे जूनाहे

## বিজ্ঞাপন।

দাসকোম্পানির ব**রুবাঞ্চার প্রেস**। ३६ नः मननवज्ञातमञ् (मन् अरविश्डेम की है।

সম্রতি উজ দাসকোন্সানি একটা মুদ্রাযন্ত্রা লয় সংস্থাপন করিয়াছেন। পুস্তক, সংবাদপত্র, विन, त्रशीम, विठी, क्रक, दिवनश्रक्ष जकनश्र कां कार्याः वाकारतत निर्मिष्टे मृताः जारणका छ नक बृत्ताः यह नमप्रमध्य ७ क्वांक्रस्य निष्नेत করিতে প্রস্তুত আহেন। অপর উক্ত কোন্দানি कतिर्वम । अञ्चाम ভারপ্রহণ পুরের প্রনিদ্ধ রামচন্ত্র কর্মকারের বালালা নানা विध छक्त अका अ विनाधि नानाविध देश्ताकी लक्षत्र काकत् अवश्यक्षात्रसम् कार्याकः नवस जवक्षम जर्बर कत्रिकारकमा अकरन जावातरनत উৎসাদ ও অञ्चलह श्रार्थना करतन।

) ঐজিবিকাচরণ দাস। কলিকাডা यक्षांश्रकः।

--:-:--

#### সহস্রামুদ্র। পারিতোষিক।

এডভারা সর্বাসাধারণকে জ্ঞান্ত করা ঘাই-ভেড়ে বে গত ২ রা চৈত্র আমার ভবনের সম্ম चन्द्रिक शवर्गराके महिराहरूक विषयानव्रश्रीहरू বরাগুার উপর বেলুড় প্রামবাসী অন্যুন ষঞ্চিবর্ষীয় नवकाच्छ मत्रक्रुक्यत्नामक खटेनक शिंधरकत रा ভব্নানক হত্যাকাণ্ড হইবা গিবাছে, ভাজি অব্ধি ছরু মাসের মধ্যে যে ব্যক্তি তাহার হননকারীর जञ्चनकान कदिया मिएक शोदिएवन, उंशिएक সহত্র মুদ্রা পারিভোষিক প্রদান করা বাইবে: ছর মালের পর এক বংসরকালমধ্যে অসুসন্ধান হুইলে সংবাদদাভাকে ৫০০ পাঁচ শত মুদ্রা श्रमान कता इड्रेटन। चकिनत चारकरशत विवय **এই, উলিখিত দিবস অ**ৰ্ধি গ্ৰ**ণ্ডেণ্ট প**ক हरेए अवर चर्यक हरेए मानाविध क्रमुम्बान করা হইভেছে; কিন্তু কোনক্রমে কুত্রহার্য্য হইতে পারা যাইতেতে না।

পাকোড রাজধানী ) ১৮৬৮ সাল 🗟 शाभीनान नाए । いろ 夏 南市

#### অব্ভিগান।

<b>जन्म</b> ष् सि	÷ 0 •
শকাৰ্যপ্ৰকাশিকা	৩
শব্দ সিম্মূ	ર
শব্দাবমুক্তাবদী	•
<b>मकार्थ</b> त्वमान्।	ŧ
শব্দার্থপ্রচারিকা	8
প্রকৃতিবাদ	¢
শংক্ত পুস্ত	<b>₹</b>
রযুবংশ সচীক	<b>b</b> *
উ, इत रेमय ४ চ दि छ	911-
ু <b>ভ</b> িট্টকাব্য	8 •
অষ্টাবিংশতি ভন্ত	v t
দশরূপক ·	340
क्रिकां ) जीत्क्रांत्र	राथ वटम्मराभागरार
कर्वस्थालिम कि हे ३११ वर	পুস্তকবিক্ষেতা।
🖔 0 🖁 -	NAME OF THE PARTY

ব্রাহকগণের প্রয়োজনহেতু নিমুলিখিত সংস্কৃত পুস্তকত্রহের কিয়দংশ প্রকাশিত হইল। গ্রাহকগণ পূর্ম ভয়ভীত নিম্নিদির সম্পূর্ণ मूना थात्र कतिरल थान्य इहेरवन। विरम्हण প্রেরণের শুভদ্ধ ভাক মান্তল সাগিবেক।

মলিনাথের চীকা সহিত। শিশুপাল বধ ( মাষকুত ) মূল্য . রঘুবংশ (কালিদাসকুত ) € II -কিরাডার্জ্ক নীর (ভারবিকুড)

विमार्शिशास्त्र क्षत्रकृतिशार्थ निम्ननिचिष्ठ কতকওলিন সংস্কৃত পুস্তক দেবনাগরাক্ত্র স্টীক মুদ্রণারত ক্ইবেক। প্রকাশের পূর্ব্বে আক্ক ভুক্ত হইলে গীতা বার পূঠা অপর প্রতি আট পূষ্ঠা ভিন পদ্নসার হিসাবে খণ্ডে বা সম্পূর্ণ যেমভ धकाभित इहेरवक फेक नियस मुना धनाव क्रिल शुन्दक शास्त्र स्हेर्यमः विरम्दन श्रिवः नद প্ৰভন্ন ডাক মাশুল লাগিবেক।

কতুস°হার। মেঘদুত। শকুরলা। নলোদয়। मानविकाधिमिञ् । विद्धारमार्वानी । सूष्टादाक्ता। व्यावनी। मानजीमाधव। সাংখ্যভত্তক हिनी वा नार्थाकाहिका। महावीत्रहतिक। উত্তর্বাদ-চরিত। মুগ্দবোধ। দশকুমারচরিতের উত্তর ५। পাণিনি। বসস্ততিলকভাণ। অমরকোষ। শাস্কর ভাষ্য আনন্দর্গিরি, এধিরত্বামী ও মধ সুদর সর্বতীর দীকাসহিত শ্রীমন্তাগবত। মহাভারত। विक्शुतान। कामध्यी। छ क्रिकावा। मानामम् । काराधकान। इज्का शार्क एवा हुवी।

কলিকাড়া সংবাদ জ্ঞান দুয়াকর যন্ত্র নিম্নতলা জীট ৩০ সংখ্যান ভানে।

#### বিক্রয়ার্থ।

গাহেভেন রীচ ২৪ নং বাটী গুলামস্ক ১৯ নং (লাড়: ৰাগান।

বিক্রার নিমিত।

जारएक तीह २८ मर दां है।

উপরি উক্ত বাগান ও বাটী যাঁহারা ক্রম্ম করিতে অথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নিয় খাক तिक व्यक्तित निकृष्टे कानाइएवन ।

> গিলেও'রদ্ভারতো-খনট এবং কোং

--: • :---

শব্দক্ষাভান অভিধান। সার রাজা রাধ্-কাস্ত দেব ব্যাহ্রেরে কুতে। **উভনকপে সোণা** কিয়া তালন বাধান ক্লা ১৫০ টাকা।

औ ।। सम्बद्धाः तमास वाशीन

-----

### রানজিঞ্জ **পটার কো**ং জিমিলেটার

্ম লার্ড কলিবার স্কৃতিরাধ নাইল।

ত ক্রাণ্ডান্ত প্রসাসেপ্তিত ৪ নগালালিকে ।

ভিতানের্যান্দ্যিকে পাওয়া যায় এবং যদি ।

কাঠার ভাগোজন হয়, ঐ আন্ফাদে অসুম্ভিপত্র ।

পাঠাইয়া দিবেন।

٠ - - - إ ن إسسا

গ্রন্থারা দ্বাদাধনাক জ্বান্ত কর। যাইদেছে যে, যথন কোন দের।দি বা পুলিন্দা রেল
পুরে ছারার প্রেল্ল করা হয় তখন যে ব্যক্তির
নকট দ্রব্যাদি বা পুলিন্দা পঠোন হইছেছে
ভিচার ভাচত যে ভিনি যে স্টেসন হইছেছ
দের্যাদি বা পুলিন্দা পঠাইতেছেন, সেই স্টেস
নের প্রদন্ত দ্র্বাদি বা পুলিন্দার রিসিদ্ধে স্টেসন
দ্রাবা পুলিন্দা পাঠান হইয়াছে সেই স্টেপনে
দর্শানা নচেও ভাঁংকি প্রেরিড দ্রব্যাদি বা
প্রিন্দা দেওয় ইইবেন।

पेशिय नाटम प्रतामि लाठान स्त्र. फिन यहाः
तिलाख्य क्रेशा प्रतामि माहेटक ना लाउद्या यमि
असा काम वाक्षिक हैशा लहेटक लाठान, एटव शहाब नाटम प्रतानि लाठान क्रेश्च केश्च केश्व हिन्द माहिला क्षित्र क्षा क्ष्य व्यक्तिक क्ष्य क्ष्य क्ष्म क्रेश काम क्ष्य लाउद्य लाउद्य क्ष्य क्ष्य

इलेके किया तिला गर्य होता । विभिन्न किर्याणान कराल हो में १ का क्ष्म कार्य हो में १ का क्ष्म १ कार्य हो में १

ন্যনিধ্য সং তেও পুজ্ঞকান্তরে ও পটোর আফার জুঁড়ে বালার কোপোনির দোবারে মং ক্রামে ও মংপ্রচ টে নিম্নাল্ডিড পুর্কুকভূলি বিকার চইটান্ত্র

<b>经</b> 高气 <b>等</b>	<b>क्</b> र
व्यामहात्रकात	ነ ዓ ጥ
্ৰাম <i>ই</i> ,'ভি≑াস	? »
कृषः भाग नगुन्धन्	, •

নীতিসার (১ ম ভাগ )	d
নীতিসার ( ২ য় ভাগ )	J
<b>ध</b> र्हात्उ:	
মুক্ষাবের ব <b>াকরণ</b>	•
_	_

#### क्रियातकाताथ मन्द्रः।

ভারত ধ্রীয় ব্রাহরসমাজের সহিত প্রতিনিধি সভাও কলিকাত। ব্রাজ্ঞানমাজের প্রচার বিভা গের যোগ করিবার প্রান্তাব উক্ত দিবলৈ উল্লি খিত তানে অপবাজ ও দকীর সময়ে বিচারিত হুইবে গ্রাহিনিধি সভাও প্রচারবিভাগের সভা মহাশারের তবকালে উপাস্ত হুইছা ভদ্মিয় নিজ্ঞাতি ক্রিবেন।

क्रीटिकम (**१**डक (नगः)

## বিবিধ জ্ব্যাদি বিক্রয়ার্থ এস্ত হ।

ইংরাজী বাজলা পুশুক কাগজ কসমাদি নানা বিধ এবং পাওয়া থায়ং মদৰলে ঘড়ী অসুরি ইড্যাদি পাঠাইয়া পাকি এবং পুশুকাদিতে এক আনার হিয়াবে কমিসন দি। যদি কেছ অধিক টাকার জন্যাদি লয়েন ভাগা হইবো ৮১০ আনার হিসাবে কমিসন পাইবেন।

	हे।का
্গোল ভ পিছার পৈটিবেদল ওয়াক	34
'आराज रवान सङ्क्रि	રમ
.7914.3314	દ્ર
(RESTAND CONTACTA	: 4
্ঞাস্প্র ওয়াক	94
🕏 र राष्ट्री । जन्नसर हो 💌	3
<b>३</b> ८ काम्प्रती	÷
<b>३</b> ९ किन्ति जाक शहलपडम अने लिहेन	<u> </u>
事。 此实 华州	2
東京 10月に対けて下町	:
श्रुरमः लेते। एक	ڼ
मझ्ला ६ धून	-
<b>ि</b> शुक्रमा	2
ভু∵ণীর ইটিছাস	>
রু শুল	<b>6</b> 1 -
কায়ত্ব দীপিকা	3
मकी स्टामक कहती	<sub>1</sub> •
টনশ্ব চারিক্ট	> h
বিদক্ষ মুখ্যমূওল	ļ <b>s</b> y
बार्की (नवानी फूळब	
बाहणादकनी (क)मती	124

রাম উপাখ্যান	4 -
বাস্চবিভ	10
मश्च का उ दावासन भार	7
অষ্ঠানৰ পৰ্য মহা ভারতে পদ্য	⇒ µ
भिका <b>ध</b> ाली	, ,
গোলকের ইপযোগীত।	ч•
कातकी माउँक	>
वीदवाका गली	•
दिभवा रङ्गाङ्गना	<b>p</b> •
कोहकवर्ग काब्र	# -
চরীত মঞ্জরী	24*
ক্রিক্ষণ চণ্ডী	৸
कालो भ छ	
প্ৰাশখণ্ড	21
क्लीकांखक माउंक	Ş
रुविकसान	
क्षमार्वेडरमक नाउक	
इक्टविनाय गाउँक	;

কলিকাতা জোড়া- ্ শ্রীপ্রতাগচল রাম্ সাঁকো ৩৫ নং নগদ মুল্যে বিজেতা

----

## निमिशात निमी।

সন ১৮৬৮ সালের জুন নালের ১১ ই চইতের ২১ এ পর্যন্ত ভাগীরখীনদীর সর্বাক্ত ডি ফালের সাপ্তাহিক রিপেটে।

স্থানের নাম	77.	ं इंक्ष
महानात छिलत ल्लानमीटक	<b>\$</b> •	7 °
মহানার	<i>5</i> <b>%</b>	و,
ख्या क्हें(क क अभूत भगान		
( ) आ आहेल भट्य( )	· ა	٠
स्त्रिभृत व्हेट्ट दश्मभृत भ	€ , <b>%</b>	
( ८७ महिल महन्।	1	9
বহরমপুর হইতে কাইওয়া	পর্য্যন্ত	
( ० - माईल महत् )	50	•
ंकारणेखा हरेएछ नहीस न	र्ग छ	, •
( ४ ७ माइँद्वत मर्पः )	. 50	Ģ
नम रेम अन स्वासात २६ ए	চারিখে	বছর্ম-
भूव भन्न घार्षेत खर्मत मान	t	
	কট	3 ×

বংরমপুর জীর্জ টি. বেশ উইক্ ১৪ ই জুন \ ভিকিউটিব ইঞ্চিনর্ব ১৮৬ ৮ বংরমপুর ডিবিয়ন:

## বিজ্ঞাপন।

किर्दिष्ठ क्षरित ।

প্রত্যক দরের কর্মের গঙ্গে ৫০ টাকা ডিপা
ক্রিট দাখিল করিতে ইইবেক। দর প্রাহ্য না
ইইলে তাহা ফেরও দেওরা ষাইবেক ও দরের
কর্ম প্রাহ্য হইলে য দি দর দেহকা আপন দর ভায়
বায়ী কার্য্য করতে অসমত হয় তবে জব্ম কর।
যাইবেক। প্রত্যেক কর্মের জানা প্রাণিত দর
কর্মেদি লিভিতে ইইবেক। এক ফর্মের মধ্যে এক
কি তত্তোধিক রাজার দর লেখা যাইতে পারে

*	গুদ্ধা হইতে নিড্যান্দ পুর	বৰ্জনান হইতে বাকুড়া	ব্ৰহাৰ ধ্ৰুতে কালনা	बब्धान इडेट्ड (बन्निने भूत	ৰাটভন্না হইতে শিউড়ী ব্ৰাপ্তা	रक्यान स्ट्रेटि भी छेड़ी बासा	র <b>ন্তি</b> র মা
	·	<u>ب</u> څ	6	5		N. &	टेनच माइन
		•	•	# # # # # # # # # # # # # # # # # # #	ر. د د د د	•	मृ उकात कार्यः कि छै: सूचे हिः
week day	•	•		9 7 P	بر بن بن بن بن	•	সাবাজ ও ছবমুদ
				•	- V 2 2 4		চাপড়া
		\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	<u>ر</u> نخ			zu	कां का द्वारकात व्यवस्थित संदेश
	4	•			•		लाका वा छ। (भेदामर भावेल हिः
		34020	•	10 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	70	- · -	পাকা গাথনি !
		. 65	9	00 (g		ــــــــــــــــــــــــــــــــــــــ	আচীন ছোট পুল নেরার মাইল ছিঃ
	•	0)8.4			œ .		জনাট খোয়া
	•	>	3 69 6	60 60 60			খোয়া মায় বিছাই
	٠ ج م	•		•			ক্ত্ৰে মায় বিচাই
<u> </u> 	•	ا ره					कार्ट्ड कार्यः
	- ,i,	6	ر د.	प १४%	6 00	A V & 80	., व डीका मञ्जूर
	श्रू शहत काहा-	•	& & & & & & & & & & & & & & & & & & &		: ]	.A. 00	म <b>ल</b> कः

## বিজ্ঞাপন।

বসকামিনী নাটক (মূল্য এক ইকিং) সংক্ষ্যুত্ব প্রায়েণ পুত্রকালয়ে, চীনেবাজারে জীমুজ্য বাংভোগানাথ মুগোপান্যয়ের ৬৮ নম্বর দোকার এবং সংকৃতি যদ্ভোগ অন্যাপক জীমুক্ত বাংজাজামাহন মুখোপান্যয়ের নিকটে প্রাপ্ত কিছি ছাগুণকে ২৫ পাঁচিশ টাকার হিসাবে করি সন লেওয়া হায়।

জীহারাণ চন্দ্র মুখোপাবেরায়সং-

কেলের ব্যবহারত জারপী নক সা প্রস্তুত্ত করিবার নিয়নসম্বলিত বস্তু পরিগাপক বিদ্যা ও জারপ "কলিকাত। ফুকিয়া জীট নহেশনাদের বাগ নে ১৮ ১৮ নং বাউতে এবং স-স্কৃতি পৃস্তকালয়ে বিভ্রমণে প্রস্তুত আছে। মূল্য কমি সন শুদ্ধ ১ এক টাকা।

की अनवक्षांत मान्या है।

#### সোনপ্রকাশ।

२৪ এ আঘাত সে মবার । ক্ষেত্রেশ্বা জলপথ ব্যা ইইয়াজে কি না ?

কোন বিষয়ের স্বরূপ নিল্লপন করিতে

হটলে তথসংক্রান্ত তথপ্রতিকূ ও অন্ত
কুল যাবতীয় বিষয়ের বিবেচনা কবিয়া
কার্য্য করা যুক্তি নিদ্ধা হয়; ভিন্ত পুর্কের

একটা নিদ্ধান্ত স্থির করিয়া তালা বলবং

করিবার চেউলি প্রমাণ্দ এতে প্রবৃত্ত ভ্টলৈ প্রক্রায় বিষ্ঠের স্বরূপ নিরূপণ उक्ते व व्रक्तार स्था। कथाणांतिवान (मार्गाङ कार्याश्चानां नीत अञ्चलन करिया काञ्च ক রব্যাছেন স্পাট বোধ হ**ইতেছে। রেল** প্রহার। জলপথ বহা হওয়াতে **পীড়া** धार पु इहेशार्छ, डैं। झाँमरशत श्रुकाविश এরপ বিশাষ ছিলনা; বেল হয়ে কোম্পা 'ন্টে নৃত্ন সেতু ও জলপ্থ করিছে हरेता तम अधितिक वार्याक करेता करे त्व. जादा ३ व्यटनटक इ दिएव हमात व्यविषय ভিল্না। রেলওয়ের শভি হইলে যেন व्यापनामिर्धात कांन धकांत कांच हहेल चार्नाटकत कामर्य ज नाका ३ उरकारन बलवा करेगाहिल। हांगामित्वव निक्टि करे अन् कता रह. . (तन अहारा कन शथ बच्च इडेग्नाटड् किना ? यपि इडेग्ना थातक, जमाता भीषात छेर ति । ब्राह्म **इ**हेशांट्ड कि ना १ यहां का किथा थायम क्राप्त्रंत भीमाः मा म्ख्या इर्प**छ** জাত্ত কেহই সচকে সকল জানদৰ্শন कट्रम नाहे। दक्ह दक्ह पहें अव है। स्थान त्मिया ममुनाद्यतः मिकाय व्यवसाद्यमः त्तक व' नमीतात मांकिएके है दबल मार्ट र्वत नागा प्रहे जाति खन लारकृत कथा শুনিয়া চুড়ার বিদ্ধার করিগাছেন। বেল मारहर वरमग्, (द्वाउ : इहेटल शीफ्) इहेशरिए, प्रमश्यात याद्य, अमञ उक क्षत (कांक दक छ मर्मीन कांत्र माहे। आज्ञात ভাষ্থী গার করিলাম; কিছ এমত त्माक्टक एम था क महेरल निक्कत गृह क्ट्रेंट बंधर्गड इट्रेंट ह्य , जमा कर्नित স্হিত ক্রেণ্পেকগ্র করিতে ইয় এবং দশ স্থান দর্শন করিতে হয়। জাইণী মাজি (के हे बर्भकेलाक मार्≉ा शकावाधरव স্বীকরে করেন। জলপথ বস্বাহইয়াছে। তিনি বলেন, রেল, ওরের শঙ্গে নঙ্গে পাঁড়া আরম্ভ হয়। কিন্তু তিনি এক আশ্চর্যা **उर्कक्षशांनी अ**स्त्रम्म कतिहा বিয়া

7916-(इन, संस्कृत्रत (तल्ल एतत ১১ म.हेन पृत হিত; এখানকার জল জলঙ্গিতে গিয়া भट्ड। किंद्र **এ**थान श्रीड़। स्ट्रेग्नाहिल। মুড়াগাছার জল গদায় নিঃস্ত হয়; উदा क्रकः भटवत ১১ माहेल इत्रक, वर्षः নেও পাড়া ইইয়;ছিল। এই প্রকার मुखें छ मिहा जिनि च्हित कतिया हिन त्य, যদিও রেলওয়ের দারা জলপথ বন্ধ হুইয়াজে, তথাপি তাহা পীড়ার কারণ न : श्वर्गत्मणे अ हे इ। विश्वान करतन : কিন্তু যেদিবদ কলিকাতা গেলেটে চিকিৎ मक्त्रन अहे श्रीष्ठात त्य तिर्पाठे निया ছেন, ভাহ:তে ডাক্তর এলিয়ট বলিয়া-ছেন, জ্ব দংক্রামক হইয়াছিল। ঘাঁছারা পীড়িত ব্যক্তির নিকটে থাকিতেন, উঁছো मिर्भाउ भी इ। इहेशाइन । এই भी गार जाञ्चनादत कि अकथा बना यात्र ना, व প্রথমতঃ রেলওয়ের নিকটে স্থার আরম্ভ ≢ইয়া পরে অন্য তানে গিয়া পড়িয়া**ছে**? পাঞ্যা ও দারবানিনীর দৃষ্টান্ত দর্শন | কর। কে:ন্বাজি এই সকল স্থান দর্শন कतिहा ना विलिटवन, य कनाथ वजाहे গীড়ার কারণ ? পীড়িত স্থান সকলের গৃহের মেজে পূর্ব্বাপেকা অধিক ভিজা হইয়াছে এবং আদু স্থানজ কয়েক প্রকার মূতন উদ্ভিদ জিমানাছে, এ কথা কোন বাজি অধীকরে করিবেন ? রেল खरत विन ও म. त्ठेत भग मित्रा गिश**्ट** । বার,কপুরের কিঞ্চিৎ উত্তরে গেলে ইছার দুঝান্ত পাওরা যায়। ব্রুতির वित्वत शृक्ताः भाव थाः ममुनाव आहम भीड़ा इतः किंख शिन्त्रमार्भित अन গঙ্গ, ভাঙ্গাতে প্রথম তথার পীড়া হয় ना है। ननी बात अ: हे के मार्कि एके है वटनन, दिल ७ दित शार्थ किशा कत छा जिहा थारक, देशटड अहे वना इहेग्न: रह ख জলপথ বন্ধ হয় নাই। কিন্তু যাঁহার চকু चारह, जिनि दिशिए शाहरवन, दिशा য়ের উভয় পাদের যেসকল ধানা হই

য়াছে তথার বার মাদ পচা অল থাকে এবং গ্রীয় কাল না হইলে দকল অল তথারে বিলা পড়ে না। আমরা প্রায় যাবতীয় রিপোটে এইপ্রকার কয়েকটা অমুলক তর্ক দেখিতে পাইলান। কেবল কুমারখালির ডেপুটি মাজিট্টে টিকেন সাহেব পাহলদহকারে প্রকৃত কথা বলি য়াছেন। কিন্তু রাজদাহীর কমিদনর ভাঁহার বাক্য অমুলক বলিয়া উপ্রাদ

আমরা বলিতেছি, স্বচকে না দেখিরা এ বিবয়ের মীমাংসা হইতে পারে না, কোন কর্মচারীই তাহা করেন নাই। মুই এক স্থান দর্শন করিয়া অনেকে সিদ্ধান্ত করিয়াছেন। ইহাতে এমন গুরুতর বিদ রের মীমাংসা হয় না। কয়েক জন বি.ব. চক ব্যক্তির উপরে ভার সমর্পন করা উচিত। তাঁহারা বেলতয়ের উভন্ন পাশ্র স্থিত স্থানসকল দর্শন করেন এবং তর্মচা লোকনিগকে পূর্বের জলপথের কথা ও তত্তং কান পূর্বের মত আছে কি না, জিচ্চানা করা হউক।

ञ्चर्द्द्रथात वन्।।।

मच्यो इकात कन्योगान मांकवांक्र. भारत (भारत के के कि उ कि कि के हैं-शांदि, अहे भेजशानि शांठ कतित्व मकत्व অনায়াদে ভাষা জানিতে পারিবেন। বিশ্লাপায় বাজিরা নিতান্ত নিরাপ্রা रुहेश शिव्यात्वन। जीवानित्यार मञ्जू मा-হাব্য লান একার আবশাক। সভএব পত্র থানি ধহর বাংলের নয়নপথে পাঁতত र डेक धरे अভिপ্রায়ে এই স্থানেই গৃহীত হইল। এগানি পাঠ করিয়া আমরা অতিশয় ছুংখিত ছইলাম, পাঠকপণ্ও যে নিভাত আকুল হইবেন, ভদিষয়ে অণু-মাত্র সন্দেহ নাই । যে যে উপায় অবলহন করা কর্ত্তব্য পত্রপ্রেরক ভাষ্মিয় বিস্তা. রিত করিয়া লিখিয়াছেন। এই পতা সে ममुनाय किश्या नित्व।

দশ্দাদক মহাশয় ! কি দৰ্মনাশ উপস্থিত ! আজার জার কোন মতেই মলল দেখিতেছি না উপর্যুপরি বজুাঘাতসদৃশ বিপৎপাত হইতেছে ইহাতে কি লোকে ভিটিভে পারে ? বাহাত্তরে ঝড়; তিরাত্তর ও চুয়াত্তরে ১.চও ছুর্ভিক্ষ: এই পত কার্ত্তিকের ঝড়; এ সকলে প্রজাদিগের ধনে প্রাণেষে অংশেষ ত্রিষ্ট হইরাছে, তাহা সকলেই অবগত আছেন। তাহার উপর সংপ্রতি এক ভয়রর জলগ্লা বন হইয়া গিয়াছে গত আন পুনিমার দিবস (२८ वे टिकार्ड व्यवनि दिन्मागंड मन मियम কাল অবিশান্ত বারি র্ষণ হইয়া এ জঞ লের মাঠ ঘাট পথ আন্তর দঁকল এক বারে জলপূর্ণ হইরাছিল। গভীর মঠিগুলিতে এত कल मां ज़ाइयां हिल (य यपि कान विद्यारीय क्षेत्रं के शिल मर्भन क्षित्रं कन, जिल्लिक লিকে একটা বৃহৎ স্রোতস্বতী জ্ঞান করিটেন। হার ! লিখিতে জ্বয় বিদর্গ হয়। ঐ বুপ ভরা মঠিও জলপূর্ণ গ্রামের উপর সাক্ষাৎ শমন স্বৰূপ ভীক্ষবেগ শালা বন্যাবারি হঠাৎ উপ िष्ट इ हेब्रा (का: कत गर्यानाम गाधन करिवाटह : ৪ ঠা আবাঢ় মদলবাঃ প্রাতে এই নিদা, ণ ঘটনা হয়, আমাদের প্রাথের পশ্চিম ভিকের वाँध ऋवर्ग (तथा नमीत ऋजवाता हिष्क् লিত হওয়াতে ঐ ছুঘটনা সংঘটিত হয়। তরি ৰ ¦ন কত গ্ৰাম যে উংসন্ন হইয়াছে, ভাছার : ইয়ত্ত। ন:ই। এখনও লোকের গমনাগমন वक्त थोक: एक जामरी नकन ज्हारनत मश्वाप পাই ৰ ই। আমাদের যত দূর জানা আছে ভাহাতে বোধ হয় যে, বালেশ্র ও কাণির এলাকার বছতর স্থানের লোক এই বিপদে **छेरभन रहेग्राह। आधारमत निक्**षेत्र की ড়ন, কটদাহী, জাদকু 🕾, ভোগরাই, সাহাব न्त्र, साटशोटणात िमशः नाटशा कांमत्रन, िवश्रेत, क्लक. हात, वितरभागारहात, कांकड़ा চোর বিরক্ষা ও বালসাহী জুতি পর্ম ণার লে।ক্রিণের যেসবল বিবরণ জামাদের জ্রু তগোচর হইতেছে তাহাতে অজ্রুবস মপুরা মন্ত হইয়াচে, বি হর আম একবারে ভাসিরা সির:ছে, লোকে গৃহসূন্য, আশ্রর भूना रहेक्स बांजि जां ज़िया, इक्सीबा, किया

/ ভগ্ন গৃহের চাল অবলখন করিয়া হাহাকার করিতেছিল ! নিম্নভাগ জলময়, ভেকোপরি মে**যান্ড্য় ও** রু**টিসন্পাত** ভাহাতে আবার প্ৰবল নৈখাতীয় বায়ু শীতে কাঁগাইয়া যে যত্রণ' দিয়াছে ভাহাবর্নাতীত। মহো্রাত্র গৃহপভানের ছড় ছড় শব্দ লোকের কোলা হল ও আর্ত্রনাদ, গোণংমানির ছগতি, গৃহ শাম্থী ও আহারীয় দ্বোর অপচয় এ সকল ুদখিরা **হ**দর শোকে আকুল ছই ছে। কটের ইরত। নাই ; ছুর্গতির দীমা নাই।

মহাশয় ! ১ই বর্ষাগমে সকল গুহস্তই ক্তি অনুসারে আহারীয় দ্রব্য সামগ্রী স এত করিয়া রাথিয়াছিল, খরগুলির সংকার क्रिया छ एथं कालगं अरनत छे भार क्रिया ছিল, কৃষিকার্যো প্রবুদ্ধইয়া উদ্যম সহান্ত্র ক্ষেত্রগুলি বপন করিয়াছিল। ছায়! তাহা (मत नकत आमा है निकृत इहेल । Бान .शल, ৰাস গেল সঞ্চিত সামগ্ৰী বিস্পুত হইল অনে কের গো মুৎসবাদিও বিনষ্ঠ হইল। কত লোক প্রাণত্যাগ করিয়াছে, কত লোক স্থান্তীয় শোকানলে দক্ষ হ'ইতেছে, তাহার এখনও নি শ্চয় নাই। ভীষণ বাত্যা ও দেশব্যাপী ছর্ভি ক্ষের পরেই যে এই করাল কালসমূপ আক শ্বিক ছুর্বটনা ঘটিবে ইহা সপ্লেরও অংগাচর তুর্বলের মন্তকে এচত লগুড়াবাত, ক্ষীণ শরী রে আংবল পীড়ার সংখার এব অংভুচিচ হং,ন হইতে, খঞ্জের হঠাৎ পতন যেকপ কণ্ঠদায়ক এই প্রবল বন্যাও লোকের পক্ষে তদ্রুগ ক্লেশকর হইয়াছে: যালারা প্রাণত্যাগ করিয়াছে ভাহাদেরত কথাই নাই, যেসকল লোক এক্ষে জীবিত আছে ভাহাদের तकात उभाव कि ? म्यालू ताक क्रायमिटशत আত্রকুল্য ও দেশীয় ভাগ্যবন্ত লোকদিগের সাহায্যব্যতিরেকে অন কিছুই উপায় নাই। সহসা তিনটা কার্য্যের যুগপৎ 💌 সূচানদার: লোকের আত্রয় ান সম্পন্ন হইতে পারেন প্রথম গৃহ নির্মাণজন্য অর্থসংহায্য দান, দ্বি তীয়, চিকিৎসার উপারবিধান ভৃত র চাসের স্থবিধা করির দেও া। এই ঘোরতর বর্যা काल यमि लारक अक्ट्रे माँका हैवात जान न! शांत्र, ভाষা इंडेल छोडामित य क्फ कहे

তেছেন। আর এই বন্যাপীড়িত স্থানগুলিতে ে পীড়াবিশেষের আতান্তিক প্রাত্তীৰ হইবে, এমন **আশস্কাও** উপস্থিত<u>,র</u>ইতেছে। यथन धानमध निडाफ छुण स बाहू, नुकल স্নিট আনু এবং সকল পুকরি গার জলট সমল, তথন পীড়ার আশক্ষা করা অযৌত্তিক নংহ। দারুণ ছুর্ভি:ক্ষই দেশের অসংখ্য লে।ক বিনষ্ঠ হইয়াছে, আবার যদি এই জলপ্পাবন হতু নিরাশ্রয়ে কালযাপন করিয়া এব পীড়া व्हेटल उँवध न। शाहेश लाकविनाम प्रश টিত হয়, ভাৰা হইলে সাতিশয় শোকের যিষয় হইবে। আত্তার দয় স্কুরাজপুরুষণা ও খদে महिदेवियो मरशास्त्रता ५कम छ इहेन्रा छैन শ্বিত বিপদের নিবারণ ও প্রজার অবস্থা গ্রণমেন্টের গোচর করিয়া কতক রাজ সাহায্য সংগ্রহ করেন। আমাদের দয়ালু ट्यार्टिम हे शवर्त्त अकाक्स्यनिवात्वक्रमः প্রজাদত্ত করের কির্দংশ রাক্কোষ চইতে श्राप्तांन कतिरवम म्हल्ला नाहि। स्वात उक পভা করিয়া কতক চাঁদা সংগৃহীত হউক। রাজদত্ত সাহায্য ও চাঁদালজ্ঞ ধন এট 🗝 র প্রকারে যাহা আন্ত হইবে, ভদ্যারা প্রথম ও স্বিতীর কার্য্যের অনুষ্ঠান = উক্। প্রতি গানার এলাকার অন্ততঃ চারিজন করিয়া মেডিকেন কালেজের ৰাজালা ক্লেবে ছাত্র ঔষধ সম লিভ রাখিলে অনেক উপকার হইতে পাবে: ভূার কার্য্যে অর্থাৎ চাদের জ্বিধা করিয়া (ने उन्नात छेशांत कह (क, यन क, क्ष्म स्कृतिक) কণাট খুলিয়া দিয়া জল নাহির করিয়া দেওয়া এবং যে যে স্থানে বাঁধ জাঙ্গিয়া গিরাছে তৎসমুদায়ের সংস্থার করিয়া : েওয়া, সভা বটে এখন সবল বাঁপের সংলগ্ন স্থানই জন্ম िनध आटक, **ऋ** ७ ३१९ भृतिकाव अञ्*त* সংক্রার কাথ্য সম্পন্ন হওয়া কটিন চইবে , কিন্তু বোৰ रस, किस्मिर अधिक गांत्र कीकांत्र शृक्षंक 🕆 🕟 স্থান হইতে চ্ছিকা একং করিলে চলিতে शा । यथम अक बृहर आहम् । जावाम ্ট্যা কথা হ**ই**তেছে, ্থ্ৰ \*\*\* (%) \ अंकि वाग इहेर्द ব্দিয়া স্থান্মস্ वेंशिनश्कात कटर्या मिवछ श्(१) ,क(म হইবে তাহা সহজেই সৰলে ৰুকিতে পার্কি নিতেই উচিত নহে 🖟 এখনে চাচের দিন

भ उ इस गारे। १ नि उ छेक बीक बिनई इरेसा इ बर्छ किन्द्र द्वांभरणत पिन भन्न इस नाहे। कक्ष शांत ककेटल एता स्वकता कृषित व्यावीप এইনে পারে। প্রবিক ওয়াক ডিপার্টমে ্টেৰ কৰ্ত্বংগৰে! (এক্সিকিউটিভ ইন্দিনি-ধুর আসিটান্ট ই**প্লে**নিয়র ও ওবরসিয়র ৯ ভিভি বি আবশাক্ষত স্লুষের কপাট ইৎ-খেত ও নিকেপের ভাল বন্দোবন্ত করিয়া দেন न्धवः वाँहरत छत्रश्चान श्वां भाव। हेयः एम लाइ, बहेटम **आवारमत शतक** यरण्**ष्टे** छेशकात হয় সংক্রেনাই। আমরা জানি চাপরা শিরা प्यर्थारक वशाका व ेहिविड क्लाहे জুলিয়া বেম না, কিছু কিছু বন্দোবন্ত পাইলে कलांचे जुश्चित्र (ज्ञा । अ वरमत स्यन ८ क्रम मा इडे्ट शादा । भाग खागावस जाकनि গোর এব পাশার জমীদারগণের কার্ত্তব্য উচ্চারা এফাকে বীজ ধানা ও ধানা বাড়ি নিয়া আবাদের মাহায্য করেন। এ পে হাইলে ড়ায় কাৰ্য্য সম্পন্ন হইতে পারে।

াপরি লিখিত ভিনিটি কার্য্য সন্থর জন্ম জিটি হওলা আবেশাক। বর্ণিত বপদ্ সামান্য লা ভর্জনাল ক্ষিতি অব পরিনিত নহে। এত্যু লিখিন প্রশ্পরার ভান ভিকালপরেই সংগ্রিত স্বয়াতে উহার ভীক্ষতা প্রথম হইয়া উটি গ্রাছে। বিশা সাক্ষেত্র হে ক্রিকার্য্য করিছে পারে ব্যাহিন করিছে পারে ব্যাহিন করিছে পারে

ত্রপদ হারক লে আমরা হার একটা বি

নাম দক্ষিণ প্রান্তেগর রাজপুরুষ দিশের বিশেষ
নালাবে(পালানের প্রার্থনা করিতেছি।
শাসানী নথোপলামে ওগায়াগুলশ নাথা হইয়া
নালা নিশ্বেশ। বলভর যাত্রী নক্ষি । ভামুখে
প্রমানাই। পথিমধ্যে আনেকে জলপ্রার্থন লাভিত্র ইয়া পাকিষে, ঐসকল যাত্রীর কি
ব্রিয়াজে ৷ কভ লাক বিনত্র ইয়াছে ? যাছ

যা লীবিত আছে ভাষারা। হারাদি পাই

নে কিন। ৷ এগুলি শহরে অনুসন্ধান করা
নাল্য ক্রালেগে। এগান্ত কঠবা;

बारे विकास पात्राम बहुएक अक

ব্যক্তি যাহা লিখিয়াছেন তাহাও এই বিদ্যান প্রকাশ করা হইতেছে।

মহাশয়! সম্প্রতিকার জলপ্পাবনে ঘাটা লের যে জ্রবতা হইয়াছে, তাহা বর্ণন করা সাধ্য নয়। তথাপি বিঞ্ছিৎ জানাইতেছি মাধারণের গোচর করায় ধনি কিছু স্থবিধা হয় করিতে আজ্ঞা ইনবে।

আযাচের প্রথম দিবদে অত্তর শীলাবতী मधीत जल धा शातुष्कि उग्न (य २ द्रा भाग-বার উভয়কুল উন্মালিয়া উঠে। দক্ষিণতটস্থ রবট ওয়টিশন কেম্পোনির বাড়ীর উপর দিয়া প্রবলবেণে বারি প্রবাহিত ছইতে আরম্ভ হয়। কর্মাধাক টরণবুল সাহের মহো দর ভন্নিবারণের নিনিত্ত প্রাণপণে যত্ন করি-তে লাগিলেন। কিন্ত কোৰ ক্ৰমেই ক্লুতকাৰ্য্য হ্ইতে পারিলেন না। ফ্রনে জল বাড়িতে লাগিল। তিনি ভরে কুটিতে তিষ্টিতে না পারিয়া ভাটলিয়ায় আবে হণ করিয়া ইত স্তুত ভ্রমণ করিতে আর্থ করেন। ৩ রা হঞ্জবার রাত্রিদশটার পর ঘাটাল সরকে লের বাঁধে হঠাৎ এক হ'না পডিল। মুছ-**र्वकमत्या महा**जीवनगरक उक्तवादा है ते ७ क ने अन वाजिया जिठिया। मकत्व ने य य जीव न तकार्थ **राख म**मल हहेरलन ; कह काजात বিশেষ সাহায্য করিতে পারিলেন ন। অনেকের দর ভাগিয়া গেল; জনেকে পতিত ঘরের চালের বিপার, কেছ কেছ রুকে আরো-इ। कतिमा कोवन तकः कतिल। क्वल इहे कालग्र छलि विलग्न आथ इग्न नार्छ। अथरमञ् পুলিষ ঠেশন পতিও ইয়া, পরে মুলেফ্টা কাছা রিতে জল এবিঠ হইয়া তাহাজেও ভগ্নপার করে। বিশেষ অসুতাপের বিষয় এই যে ইক্ नमीत प्रक्रिन जीतवर्ष्टि भवर्गस्य माहाया ক্ত বঙ্গবিদ্যালয় দির সন্মূথে এক দীর্ঘ হানা প**িত হ**ইয়া তাহাকে গ্রাস করিয়া ফেলিয়াছে। অত্তা স্থপরভাইলার বাবু মাধব চক্র চটোপাধ্যায় মহোদয় অনেক যত্র ও পরিশ্রম এব বিস্তর বার সীকারপুর্বাক এই বিদ্যালয়টা করিয়াছিলেন। এখন আর কে তাদৃশ মাহায্য করিবে ? একণে আমাদি-শের অধিকাংশ অধিবাসী নিতান্ত নিরাত্রায় वर्गारकृत।

গত ৪ ঠা আঘাঢ় বুধবার ও ৫ ই বুহ,ম্প **चित्रात्व कथा ऋत्व हटेल छ्म्स ७क हटेस** योग्न। (करल शहराधुराल भकरलत आंवदका হ্যুছে। একে বন্যাবারির প্রবল বেগ গুহের চাল ও রুক্ষের শাখা ভরসা; তাহার উপর भान: अभानः मूयलधा त तृष्टिवर्षन, विदेवहना ক ন সে সময় লোকের কিপর্যান্ত ছুগভি না হইয়াছিল ? সেই হানা, প্রথার স্রোতের কল কল ধানি, সুনায় গৃহ পতনের হুড় ছুড় ছুদ্ধাড় শব্দ, বাত্যা সহকারে রুষ্টিধারাবর্ষণের শন শন শব্দ ভেদ করিয়াও চতুদিকত্ গৃহস্থগণের রোন ধানি কর্ণ পরিপূর্ণ করিয়া হারয় বিদীণ করিয়া তুলিয়া ছিল। তখন তিমি । দুল গভীর যামিনী, রাজপথের উপর ৬৭ ফ ট জল কল কূল শব্দে প্রবাহিত হ, তেছিল ; সম্মাণে গো মন্ या कंड छानिस याहेटल्ड्, प्रिया ७ ८कर কোন প্রকার্পাহায্য করিতে পারে ন;ই ইহার পর শোচনীয় ঘুনা জার কি এইতে পারে ? আমরা কতকগুলি লোক গুছে প করণ দ্ব্যাদির আশা ছাড়িয়া কেবল পরিজনগণকেই লইয়া রেশমকুটার ছাদের উপর আত্রয় লইয়াছিলান। এ নও আমরা ধকল স্থানের স্থাদ জানিতে পারি নাই। কভ লোকে যে মৃত্যমুখে পতিত হইয়াছে, আস রানিশ্চর করিয়া কবিতে গাটিনা। যাহা र क, धक्छ। कथात है (ताथ कता छालि भंग আবশাক হইতেছে: অত্তা প ল ষদারে;গা ও ট্যাকু দারোগা এবং ড কর বাবু ইহাঁরা শাপনাদের পরিবার লইয়া সেই ছুর্কার বিপদাপর হইয়াও অন্যান বিপদাপর ব্যক্তি গণের প্রতি যত দুর্র শক্তি দাহার্য্য করিতে क्र के कदबन मृद्धि छे । बा अदनकत्क পানশী বরিয়া<sup>/</sup> আনিয়: কুটীর ছাদের ছাড়িয়া দিয়াছিলেন। ইহাতে অনেকে র ই कीवन तका এकर । यन्ति । जन आन्तर किशाद्य ; किश्व যেদকল লোকের ঘর পতিত হইয়া গিয়াছে তাহাদের গভ্যন্তর নাই। বিশেষতঃ যেসকল ঘর পতিত হয় নাই, সেগুলি অভিশয় ভরানক হইয়া আছে। তথায় প্রবেশ করিতে गाह्य हरू नः। आभामित्यत हाय वाग प्रकन्न हे উৎ র হইল। বে.প হিসীর্ণ ও এতীয় হানা হইরাছে, সহস। তাহাও বন্ধন হইবার গ্রেড্যাশা নাই। স্ক্রাং নট্ড বন্যা হইলে এ পানা হউক শালে প্রে ব্রেদ্যান্ত হইতে হইবে।

## ১৮৫৯ জ্বেজ্ ১৮ গাটিটের সংক্রোধন বিগ¶

---- 4 2 ----

विवास जैसनन मार्टस्य ১৮৫% व्यासन : আইনঘটিত মকদমাদকল কালে**ন্ট**ং দিগের হস্ত হতৈে দেওসানী বিচারপতি शार्भित इरख नियात या विल व्यर्भन कतिहा (চন, তাহার পাঞ্লেখা কলিকাতা গেলেটে প্রকাশিত ইইয়াছে। ভিনি म्यार्थ विवाद्या ३० याईननः कोष मक्रमामकटन आहित्तत (यथकात सूचन প্রশ্ন উঠে তাহা অলিফিত শাসনকার্যোর कर्यवादियाता युव्हाक्रव्याप निर्द्धादिव इटेट भारत ना। रामकन देकीन कारण क्रेव अ एक पूछि का लिक्ट क निकट के अरे मक्त कृष्य श्राह्मत छर्क करत्व, डीहाताह লানেন, তুলার উপরে খজাবিতি করি बात नात अधिकार में ऋता उँ। हा निरंशत আঘাত রথা হইয়া প.ড়। বিচারপতি निष्क किछूरे तुतिएड शारतन ना; य रम ्रकात এक ही भीगा हा करतन बदः লোকের অনর্থান কায় ও আপীল আদা ला उत स्मार्थक अिता इस । सार्यकेत उ ভ ডপুটা কালেট নিগকৈ এই মকদমার লন্য এভণানিতাম করিছে, হয় যে উলেরে আলন আপন বিভাগের অবস্থা मारत कामिएड भारः न ना। এक तप्रम भवात या कृषिश हिल, सूडन छोला ভারতিনে তাহা দূর করিবাছে। অভএব भागनकार्यात कर्याचा ी बिर्धात तथा जाय বন্ধ করিয়া শিক্ষিত বিচারপতিনিগের হত্তে করসংক্রান্ত মকল্বনার ভার দেওয়া যে অভিশয় আৰম্ভান তাহা সকলেই श्रीकात कतिर्दन।

किन्छ हेममन मारहरवत विटल कर्फक গুলি যুক্তিবিরুদ্ধ প্রস্তাব খাছে। বন্ধদে त्मात अभिनाने भनतीत्वत प्रश्लीनक स्व भक्त प्राच्य विद्रष्टाही वरणावस हरे য়াছে, প্রস্তাবিত আইন কেবল তথপ্রতি বর্তিতেছে। আমরা ইছার কোন কারণ **मिथिएक शाहिएक कि ना। शकाब आएम** গ্রণ্মেন্ট চিরস্থানী বন্দোবস্ত করেন नाहे : এथानकात कत्रमश्राम मकसमा कि काटलक्केंब्रभन करिएवन १ कब मध्यमान যাব তীয় মকক্ষমা দেওয়ানী আদালতের क्टल (मंद्रा डेडिक: कित्रकांद्री बर्ग्मा বস্ত ছউক আর না হউক, ভাচাতে কি ক্ষতি আছে ১ উৎকলের প্রজা ও জ ী माश्रीमश्राक कि अन्। वश्रामाध्यात ले শ্রেণির লোকদিগের নাায় স্থবিধা দেওৱা না হইবে ? এক জন ডেপুটা মাজিটে ট ২৪ প্রগণার ক্রমম্বনীয় কোন বিচার कतिर्वन मा; इंका छिनि आनिर्वन अ ना ; किछ उंदकरन वमनी हरेतन उंक्तिक এই বিচার করিতে হইবে। এতদ্যার। कि माधातन व्यनिष्ठे इहेर्द ना ? दिनन त्तान कृत्त कत यानार्यंत्र नालीम हां हे चामानटक इहेश थाटक: अधि वस करा युक्तिनिम्न काम इहेशाइ । ১৮৫৯ অদের ৮ আইনের বিধি অনুসারে কর সংক্রান্ত সকদ্দ্দার বিচারের প্রতি ও কাছার আপতি নাই। করবৃদ্ধির নালী भारत नमा देव भाष अवश्वि रेका छ मारमत শেবপর্যান্ত করিবার ধারাটাও যুক্তি निष्धा अभीभारतत पश्चरत नाम थातिक ফ্রিতে গেলে তিনি অস্থত হইলে আদালত তাহা ক্রিতে বাধিত ক্রি বেন, এটাও উভয় প্রস্তাব। কিন্তু গমস্তার विकृष्ट्य दिनाद्वत नालीत्नत मगत्र कथ ভাগের এক বংসরপর্যান্ত, করা যুক্তি সিদ্ধ হয় নাই : অন্তঃ তিন ৰংশর করা উচিত হইতেছে টেম্যন সাইছৰ প্ৰস্তাব করিয়াছেন, প্রকনী দর্পর্বনীপুভৃতির

Commission 7. वाकी थाजनात नालीम इहेटन श्राहार्थीत्क विकारा । शृहस्य (कटल दलख्या कहेर्द ना : किङ्बननी यत्र अभीतित भटण देश हरा स्टा । जागड़ा **बहे ७ एउ**टनड दकान का 😘 लिथिएड भारेगाय गा। (यमक्ल জনা হতাওৰ কৰা যাইতে পাতে, ভাৰাৰ कटा अना चाद्धा छ। ग विक्री छ इस्टेंब. পরে এ হংথীর অনা সম্পত্নি বিজ্ঞীত करें ां ७ पान हो का जामात्र मा इत, छट्ट है किए। इस रक्षा कि हो है है। अपने महिला রণ নির্ম করা উচিত। কোন নিয়ত্র জ্যার কোন অংশী আপনার অংশের वाली कटवड मिश्रिक ममुनात समा विकास ক হৈছে পাছিবেন না। প্রথমটঃ প্রভা-थीं अना अना मन्त्रीत विकास करिएक इश्टन, शटत भग्नाश कामा विद्यो छ इहेट छ পাৰ্হিৰে। এটা উত্তম হুইয়াছে। কিন্তু এক विष्ठा आमहा अक्षी विरुग्ध स्रवास বিধি দেখিতেছি । ১৮৬২ আনের ৬ आहेरन चित्र कता २व, क्यीमात कत नः भरेटम अ**का कार्**लक्टेटबंब निक्टि कत দিয়া রাজায় লাইতে পাতিৰে। টমগ্ৰ माह्य এই अभिन्न महत्व छात दक्षन প্রথান মদর আমীদের ( ইছারা না এং-ব্ৰুজাগতে জজ বলিয়াবিখনতি) উপরে দিয়েতছেন। বেশ্য ফর, এক বংজি भाजकीहाटङ क्यीबाहरक कक छै।का वार्तिक कर तरा। अभीतार एकिटिक अस 🖁 को (बोड कि मिछ कहा राहेट्यार या। अकटन মহু যে ২৪ পরগণত মহেচ কেবল আলি <sup>H</sup> शुः अवस् अप बारअन्। माडभीता थ . भूत ६३८७ इहे भिन्दमत श्रमा कः मा निर्ण अभीतात । ध वर्गासन्त नास्म ष्टा है। इंग्लासिन निवाह ने नी ने कहिए। १८ दरमः, विश्व समीताः, एककाशृक्तकः। कर ना लहेटल अवहास्तिहरू भौरत पित নি, সের ব্যানায় ব্যানি, চা দশ উপন নৌলভাড়া দিলা অগ্রিপুরে এক ব है। इस निरंश व्यक्तिएड इन्द्रेस । अस्ति

প্রস্তাব করিতেছি, এই বিষয়ের ভার কালেন্ট্র ও উপবিভাগের ডেপুটা কালে ক্টরের হত্তে রাখা কর্ত্তব্য। স্থানীয় মুক্ষেফ मिर्गत **३८छ (मउग्नांश উচিত मह**र। मुक्ताकशरभव निकटि व्यक्षिक होका स्रमा कहेल शक्ती ता थेवात श्राक्रम क्वेट्य। এ বাছের আবিশ্যক কি ? কালেইর্দিগের হতে তেজুরির ভার আছে : রসিদ দিও कर लहेवार जात जाहानित्य हत्य दाचि दात त्मान आणि नाहै। (मनशाना ष्यांनात्र अहे तिमि यांना कतिरवन, करे बावका कतिहल मनन मिक दका भा**रेटन। यथम** कान प्यात्र लहेशा विकास हरेटल्ट न', उथन काटल्डेटरत हटल क करारा द्राधार ह কোন ক্ষতি मार । वास्ति विश्लारमञ्ज साधानर । प्यार्ज तकात कारण हेशा অব শ্ कर्त्वरा इडेएडएड । व्यट्डाक मुक्तारकत আদলেতে পৃথক পৃত্ত ত্রেজুরি করা যাই Co পारत ना। किवल स्थक कक उमिन लोका क्रेटल प्रतिष्ठित करेकेत मीमा था কিবে না। অনা অনা ধারাওলির প্রতি ८वां व इंग्रे जार्रा है जार्रा है है। कि ख दम अहा नी व्याना नाट कहा व्यान मिल्टा कर विव য়ের বিধিগুলি ভাল কড়িল বিধেতনঃ <del>ক</del>র। উচিত। একংগু গোনবল ব্যক্তি आभीन आएउन, इंडीक्स न नामकता **৯১ ज**न पूर्व ७ डेस्टानाउधीकी। शर्भ **लाधे: व हेर्**द्धा गहत कांत्र क्रिन्ड ला द्धन । निर्देश व्हित कतिकात समात भी হার: আমীনদিগের সহিত ব্রেহার कर्डन, फोकाडा वेशीक्टिश्व प्रतिरक्षत कथा विभाउ भागात्वम । भागीन मिन्न भारेन क निरंड क्हेर्र । अक्रमानाव**्ड**त के तीय हरेताहे जा मिन छ ल इस आयुक्त करे বিধি করা ভাতত । যাঁচাবে ইং রাজী না জানিবেন ও লিংগা শ্রেলিব ও'লাভিব क्षाना भाषात्रका यो धटनव, छाङापिनाटक षाभाग कता इहेर गा। हेर्ग प्रशतक

পর্ষাপ্ত বেতন প্রদান কর; ইহারা যে
থানে যাইবেন মাইল ধরিয়া পাথের
পাইবেন। একণে বারবরদারি বলিয়া
যে টালালওয়া হয়, তাহা পর্নমেন্টের
যাইবে। মধ্যে মধ্যে ছই এক জন উপ
যুক্ত লোককৈ ২০।২৫ টাকা পর্যন্তের
বাকী থাজনা আদায়ের মকজ্মা করিবার
ভার দিলেও ক্লিড ইইবে না। যাহা
হট্য সন্ত্রান শোণিতশোবক জলোকা
দিলকে দুরীভূত করা অবশাকর্ত্রব
হটতেতে

্আসরা এ ছালে আর একটা প্রস্তাব কশ্রিছে। কর্রদ্ধিঘটিত যত মকদ্মা क्टेटक्टरक, खबारमा आंगता मिथिएक शाहे, ष्यानक चारन वाञ्चन छेभारत कत इहेर छए ১৯৫৯ অন্দের ৩ ধারাতে যে স্বিধা দেওয়া হইলাছে, ভালা প্ৰলিপ্ত নহে। সাধা রণ মত ধরিয়া গ্রণ্থেটের কাজা করা যদি কর্ত্তির বেখে হুন, তাবে বাস্তুর প্রতি म नारताली इख्या कर्खना भन्तिमणे व्यवभाने कात्मन, अलिट्गत लादकता शुक्र '(माह यालका वाञ्च नेन इउमा प्रसिक (कार छत्र निषय छान करतन ১৮৫৯ पास ১১ অটেনের ৩৭ থারাতে কভক স্থার্থ আজে, কিন্তুভাগা এত অনি**শ্চিত যে** আদিলিভসমূলু প্ৰায় ভাৰাৰ উপৱে निर्मित करण्या ना । या भन्ना अन्तरण अन्तराह की ए र्राष्ट्र, त्य खारम डेमार्गन, शुक्ततिशी. वाले करेदव करोता समित किंग वर्भर श्राप्त भाग भाग हार का सामा हा इंड, उट्ट क नी मात यात करहित्व कतिएक शाहि (तन ना। এই विधि ना श्रीकाटड विमकल অনিট হইতেছে, আমরা ত:চার কতক कुणि (भाष्ट्रभीस छेना इतन सर्मान कतिसाहि। माधारम मन्त्र हिंद मूना यक द्रक्ति इत. **७ डहे (मार्ग) मध्य । अ दाल कमीना**र मिर्भत **अन्**रताथ तकाः कतिनात (कान व्यासन दार्थ गा। सनाभग्न सभीमार গণও প্রায়] বাস্তব উপরে আক্রমণ

করেন না। তথাপি অত্যাচারকারীরি গের সংখ্যা যথন অংশ নহে তথন প্রঞ্জার প্রতি দৃষ্টিপাত করা অবশাকর্ত্তব্য হই তেছে।

#### 

এছুকেশন গোজেট পত্তিক। ও তাংগার প্রাথাগণ।

वातू भारतीहरूव महकांत हेटाटक भति ত গৈ করিয়াছেন। ইছার ত বৈধব্যদশা উপস্থিত। বিদ্যাসাগরের কল্য শে তাংক্রি कः लि विधारी विद्रहत् वाद क्रुन्त मा। व्यक्त কে নাকি এই বিধবার পাণি গ্রহণা শলুপ ছইরাছের। ইনি রাজপালিতা : ভৌতুরের लाज बाटह। यामहा स्विदान व इहिन গের বিধব।বিবাচে আন্তরিক স্বেদ আছে হাঁহা দগেরও কেচ কেচ লেভে পড়িন वद्रमट्न बिलिश'र्ड्स । महत्राहत (प्रथा यातः পরিণ্যসম্পকে যে ছেলে ভার্থ সম্বন্ধ थारक, कमा ७ वरतत छ। काय विष्ठ त 🎗 🤝 इत्र मा 🕽 प्याज्यव हेहात कि (ए। य बारह. भाती बंदू किन हेड कि गति-का न कतिरलन शतिनारमधे वा कि इसि :-निसी हरेटन, बटब्रहा एवं, एम मकल विट्यहरा করিবেন এবং পরিতাগকারীর সচিত ममकः थेमुथंड' 'उ ममझा डा ६ काम कि ৰেন, ভালা বস্তাধিত নচে। আনরাও হিল এ সন্থে ধ্যান ছিছ কথা বলি, ভ হা যে शहा बहेर्य. डाइरव्छ भध्यम माहे। ध्यात्रि, जामामिर्यत् कर्छत्, कामातक **জ**লে ও অন্তে পত্নে স্মূৰ্ব দেখিলে সাব ধান করিতে হয়। এই পরিকার প বি अहर कतिरत "घत कामारे " इरेशा थोकिएक इन्हेरन । '' घत्र कामाहे " कान्नारक বলে বার্রা কি ভালা জানেন - ভালার কি ছর্নেশা হর, ভাহা দি উঁ,ছারা বুঝেন। भ मत्रो हत्क अन्त्री कि । ड धरे दूतारे । पिल में, देशाटक यापि कें हाता ना बुटवाम, অ.মরা নিরুপার 🕩

याहा इंडेक, भागनगटतत इंडाकाल

হওয়াতে অনেককে আমরা চিনিলাম। বাদলা দেশের লেপ্ট াণ্ট গবর্ণর গ্রেসাহে ব্রেক চিনা হইল, প্যারী বাবুকে চিনা হইল আর যাঁহারা এড কেশ্ন গেজেট পত্রিকার পাণিগ্রহণার্থী হইয়া পট্রত্র পরিধান করিয়াছেন, তাঁহাদিগকেও চিনা ছইল। অর্থিগণ! তোমারা কি কেবল सूर्थगर्जव ? सूर्थरे यक जामापिर्गत मएग् ের পরিচর দান! মুখেই ভোমা,দিগের चर्मम जुतान ! सूर्यहे ट्याम मिरनेत स्राधाः न्ड: थि। हा ! कार्याकात्नं मसूमास शब প্রাবে গেল। তেঃমাদিগের গর্ষ কেবল বাগ্জানসার হইল! অর্থই এত প্রিয় इरेल मा नगर्गाम। समुप्राहर कि धार्य ह পাৰ বাবু ! জুমি যদি এই 🐗 বারে নিকটে মনস্বিচা, তেজস্বিচাও অ্কর্ত্তরা জাতা শিখি তে, ভোমার এ নির্ব্ত জিত। প্রকাশ হইত না। শ্যামনগরের ছতা াওসংক্রে তোমার যে**রপ** সংকার জিলিছিল, তুমি দেইৰূপ লিখিয়া ছিবে, গ্রেসাহের তদর্গ তোমার উপরে কে:পপ্রকাশ করিলেন, ভুমিয়ে ভীঙ इंटेल ना, जुम त्य जनायात्म जार्यत লোভ পরিত্যাগ করিলে, এটা তে:মার নির্ভাচরে পরিচঃমাত্র আমরা যদি इहेडाम, कथाहे ७०० होका পরিচার করিতাম না ৷ গ্রেসাহেবেব চিটি বাহির ভইতে নাত্ইতে গে.পনে কমা প্রার্থনা করিরা কাজ সারিয়া লইডাম ; ঘুণা ফারে ফেল জানিছে পারিছেন ন।। পারী বরু ! .ভুমি करेटल अविष्य हाङ्ग्डा भिथित्स मा. ष्यथा। त्याक कानित्व भावित्वहेदा का जि कि १ अव है। विशा विलास यपि होका छलि तकिया यात वशास्त्र शामि কি : উক্তেই মান সন্তুম! বিদ্যাসাগ রের একটা কথা রক্ষা হয় নাই, বলিয়া ভিনি কর্মপ্রিভ্যাগ ক্র্না যেমন টকি

য়াছেন, জুমিও তেমনি ঠকিলে; বুঝিতে পারিলে না।

> অলিতং ন হিরণারেতসং চয়মাক লতি ভূম্মনাং জন্ধ। অভিভূতিভযাদস্থনতঃ সুধ্যুক্ত কৃতি

> > न धाम मानिनः।

কেছ জনন্ত অগ্নিতে প্রদক্ষেপ করে না, ভন্মরাশিকে অনায়াসে পদস্বারা মর্দিন করে। এই ছেডু মানী ব্যক্তিরা অনায়াসে প্রাণ্ডাগ করেন, তথাপি ভেজ ভাগে করেন না।

এ সকল গোঁয়ারের কথা; চতুরের কথা নয়।

#### মূভন পুল্কক।

১। বিশ্ববিদ্যালয়ের, প্রবেশিকাপরী কার পুস্তকের অর্থ। কলিকাতা দংক্ষৃত কালেজের অন্যতর শিক্ষক শ্রীযুক্ত বারু রদিকলাল বন্দ্যোপাধায় ইহার সঙ্কলন করিয়াছেন। এতদ্বারা প্রবেশিকাপরী কার্মী দগের স্বিশেষ উপকারলাভের সম্ভাবনা আছে। ইহাতে শব্দের বৃহ্ণপতি ও প্রকৃত অর্থক্তিন পদ ও বাক্যের ব্যাথা, ইতিহাস ভূগোলপ্রভৃতি সংক্রায় নানা প্রমাণ সংগৃথীত হইয়াছে।

২। কুসুমকুমারী নাটক। ঐযুক্ত বার চক্রকালী ঘোষ সেক্সপিয়ারের নিষেলিনের গণ্পা অবলম্বন করিয়া এখানি প্রাণয়ন করিয়াছেন। লেখা মন্দ হয় নাই।

ত। উত্তরপাড়ার যুবকদিগের সভার
চতুর্থ সাংবংশরিক রিপোর্ট। যুবজেলা
যেপ্রকার বিষয়সকলের আলোচনা
আরম্ভ করিয়াছেন, ভাষাতে বোধ হই
তেছে, সভার উত্তরাত্তর উয়তি হইতৈছে। আমাদিগের আর একটা আননেদর বিষয় এই, এ সভাটী জনবিছের
নায় উ,ত্তিত হইয়া অবিলয়ে লীন হয়
নাই। এটাও সভার উয়তি সূচ্চ।
৪। ছন্দোমালা, প্রথম ভাগা কিবিকা

তার নর্মাল বিদ্যালয়ের পণ্ডিত শ্রীযুক্ত
মধু সুদন বাচস্পতি ইহার প্রবিদ্যন করি
য়াছেন। ইহাতে উদাহরণ সহিত ৭৯ টা
ছন্দের লক্ষণ সমিবেশিত হইয়ছে।
ছন্দেরপর লক্ষণ সমুবাদ করিয়া দেওয়া
হইয়ছে। ছন্দোজিজ্বাস্থ ব্যক্তিদিগের
পক্ষে এখানি উপকারী হইয়ছে। বালালা
ভাষায় যেসমন্ত সংক্ষৃত ছন্দ চলিতনহে দেওলি ইহাতে সমিবেশিত না
করিলে ভাল হইত। শ্রিপ্রভৃতি কয়ে
কটা ছন্দের সংক্তেও বিরল প্রচার
দেখিতে পাওয়া যায়।

৫। নীতিপাঠ প্রথম ও দ্বিতীয় ছুই
ভাগ। নীতিবিষয়ক বিষয় লইয়া এথানি
পদ্যে রচিত হইয়াছে। বহুবাজার বাজা
লা বিদ্যালয়ের অন্যতর পণ্ডিত প্রীযুক্ত
বারু জয়নাথ দাদ ইছার রচনাকর্তা।

৬। নীতি সক্ষত। এখানিও নীতি বি ষয় লুইয়া হুই ভাগে পদে রচিত হই-য়াছে। ইহারও রচয়িতা বাবু ক্যনাথ দান।

## विविधमः वाम।

#### ১१ हे लायाच त्र'यद'त ।

আনত চাপনান সাহেবের একটী জ্যের বিষয় এবল দ হয়। আ জনার ছাপত হইলাম। সালত দ্বিধার জানী নার লারু প্রসাদদাস মানিকাবিস্তর বার করির। জপায় জানেকগুলি বাধি করিয়ানারে তিনা তিনা হেনকগুলি বাধি করিয়ানারেন ভিনা তিনা হিনাবংশকাল দানি লালা দিলাকে জাহার দিলেকেল জ্বানা করিয়া চাপনান মানের বিলয়ালেন প্রসাদদাস মানিকার জুনিছেল বালারেন বিলয়ালেন প্রসাদদাস মানিকার জুনিছেল বালারে। মানা করিয়া চাপনান সালেবের বিলয়ালেন, প্রসাদদাস মানিকার জুনিছেল বালারে। মানা করিয়া চাপনান সালেবের বিলয়ালেন, প্রসাদদাস মানিকার জুনিছেল বালারে। মানা করিয়া ক

আমরা আংক্লাদিত ংইয়া প্রাণ বৃদ্ভিত

সর উইলিয়ম মুনের জ্ঞ্রী লেভি মূব উত্তরপশ্চি | প্রধানতম বিচারালয়ে ১৬ জন দত্তাপ্ত ইউ माध्यत्त वालिकाविभानमञ्ज्ञात्राम विभव गत्रवर्षी (ताशीदम्ब मरगा ১৫ अन दामश्रदम कत्महोती। क्हें हु ' ८५न । 'अ' लाहा वाद तत् वायु में नक्मन भिज्ञ এবিখনে ভাঁচার যথোচিত **সাহার্য্য ক্**রি**ভেচেন** ঃ ল্যবল ইউরোপীর জীলোক এ छीटला के निरंगत ऐसे जित्र निश्चित (कर्ड़े) आहे ११६ ८एक, ऐंश्हामिटशत मध्या किम किम प्रक्षि हहे किए কলেনার ডেপুটা মাজিটেট হালেট স'তেবেব श्वी अ विषया व्यानक कोञ्च कतिए ४ छन । ८८ व ্ৰেও লুইৰ বাহেহবের জী নিজ্ঞান্তে জনেক অন্তঃ পুরে বিদ্যা ও সভ্যভার আলোক বিশিলবঢ়েই। कतिराउर ७ म ।

अक्टब्स्मीय मफ्राउल्लंबर कारमकरक .मध-হানী আদালতে ঘাইতে হয় না। এলন্য প্ৰলিক শুলিনিয়ন অভিনয় গাংকেশ করিয়াছেন। তিনি वालन, शोहरमञ्जूषा एवं मध्याक समान कर क ईत्रा जामानिद्रशत (अक्टामा এई, अट-रम वि गता विसर्ध व्याहेरमत मन्यूरश मकल्वह क्यांन ?

উক্ত পত্র কাবুল হইডে সংবাদ পাইয়াছেন क्कीश प्रशा नियायकाति चारक काबूरमः আমীর বলিয়া স্বীকার করিয়া এক ঘূড প্রেরণ ক রয়াছেন। পারদে র নাায় তিনি রাশীয়াঃ সঞ্জি ও সন্ধি করেন সভাটের এই ইচ্ছা। বিশ্বা র আলি সম্মত হইয়াছেন। একদল, পরেস। नेत्रवा हितारि शाकिरत, मार मानक्षिम करि পুরণক্ষপ সিয়ার আলিকে হিরাটের নিকঃ বন্তী কল্পেকথানি আম প্রদান ক্রিয়াছেন। এই জনৱৰ মাত্ৰ গোৰ হয়।

कायुन इटेटल निष्ठप्त महत्ताम कामिहाटक क्नीरव्रक्ष अपूर्व खाराता नहेट पारवन নাই।

পঞ্চাবের আমলাদিগের ধেত্রবৃদ্ধি ইই-**স্থান্তে। কমিসন্ত**রর সেক্টেস্ট্রের ১৫০ জ্বলে a. • होका अवर एउन्हें कामनमदान (महत्या मारतता ३२० व्यवधि ३२० लोका भावेरदन । उ एक्टब्र **कामनाक्टिश्र** (ब्लब्स् के मन्याकारन क्टेरल क्टेरल शाजिह्य ।

সর ইউলিয়দ মুরের অফুরোণে ভারত বর্গীয় রেলওয়ে কোম্পানে উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের ্রলওয়ের শ্রীলোকনিপ্রের শ ষ্টের জ্বাড়। ক্রমাই মারেন পুর্নে এক খণ্ড ভাত্ত, করিতে হইকো চল জনের ভাড়া লাগিত। এফাণে আটে জানে ! লাড়া দিকে চইবে। কান এমনী কাজা করা कर्लना । या अवरो अवाह्यभीव खीरनारकता बार्किट त्य, तम भक्टी के दिवाणी शक्ति एक बाहिएक (मंख्या छेडिछ। मार्का छित्र अधिकां ऋतुमत्

ানয়জোণর ইউরোপীয়েরা পশু অপেকা বড় ্প্রষ্ঠ নহে।

নেজামিন শেল্ডন নামক লক্ষ্যেত্ত এক हम हे छे (ता शीध रेम निक जाद अक रेम निकरक ११कः। १८ ड डाइन संभित्न व्यास्थ इहेप्राइत । ्ल लहेना है ज्याल कफ कर्छ्या कर्ट्य अभरत छुत्र পানে উরাত্ত হওয়াতে সামরিক বিচারাপর হাঁহাকে ভংবনা করিবার আমাজনা দিয়াছেন। কলিকাভার প্রধানভ্ম বিচরেলেয়ে এক্সপ বিচার দৰ্শন হল 'ভ।

গত শ্নিবার মাধ্বচন্ত্র দত্তকে পুনর্গা, ্রাজ ভৌগের হত্যাকানী বলিয়া পুলিষে আন য়ন কৰা হয়। কিয় গৰ (মে. টেব আটিনী সাতে दर बार्ड्य का न शुनासात श्रम्भान (सर्गान हाकि বাতে প্রত্যাধীরে জামীরে ছাড়িয়া দেওয়া হং ब्राइका माजिएकेके द्वारित मार्ट्यु छातिष बारह।

हिन्कूरभाष्ट्रिया अवन कविश्वारक्रन, खान्नन भारत नियुक्त कर्या प्रवृक्षत महत्राक्षत्र हेक्टा हिल কন্ত লেপ্ট্রান্ট গ্রহ্ম গ্রে সংহেব ভাষা করি रंत्रम न' : (ज नार्ट्त এक छु उम (थेला (थेलिए আসিয়াছেন।

আমরা উল্লেখ্য দেখিলাম হাবড়ার লে কেরা একটা অনাথ চিকিৎদালয় করিবার মান্ড করিয়া সর্গদাধ'রণের নিকটে অংসভাষ াগনা করিয়াছেন। পাহায়দান উচিত।

ক্রমশঃ উংকলের জনপ্রাব্নের শোচনীয় ্রন্তাপ্ত আদিতেছে। ঢারি দিন ডাক বন্ধ ছিল। ार्कत भर्या (मोका अभ्योजसम कतिएकरङ् োলাসকল ভাসিয়া যাওয়াতে অনেকে অন ंद्रा कष्टे **भार्टेटक्टइन। विश्वत श**रू मतिया**ट** । ায় প্রতি দৈবী জাপদে এরপে হয় বলিয়া উৎ দেনের উদ্রেদ্ধি নাই।

१५ हे आयोष मझनवात ।

कि एक कारल है ते एक की मन्दे भदर्भ कर मान हात तम, कहेक हिलविভारण कलशायम इहेश नपुगात व्यक्तिक क्वि क्वियाह्य। किश्व खना ৰীক্স সরিয়া গিরাচে। সরসপুর হইতে চ.উল আলিডেছে; চাউলের মূল, মধ্যবিধ। যৌগিপুর 🗟 বিভাগে অভিশয় অরক্ট হইয়াছে। সমুদ্র श्रीतष्ट्र (सांकर्षिकात मनीरियका व्यक्ति (क्रम) ব'ইডেড়ে ভরত্ কেন্ত্রসমূহ অস্থানি প্লাবিভ বৃহিয়াছে। কালেইর কড়ক

البرية بيحرسين زروعيين سيمي يعارضه والمتوادي المتوادي الأراد ্চাউল প্রেরণ করিয়াটেন। আবশ্যক **হই**লে: আরও প্রেরণ করিবেন। কেন্দারাপ্যভাতে ष्यरमक वात्री कंग । अ शक्त मू ३ व्हेश एक । भरतः त কিয়নংশ রক্ষা পাইয় ছে ৷ এখানে চাউল প্রেরিত ছইয়াকে। কোন স্থানে আউপ ধানা এক कारम मके स्हेब्राट्ड् । अन्य निष्द्रभूतत्त्व न्त्राति छान । उथ मुन्नरमात्र साम्रहे का छ इहेम्। एड , हा উল সম্ভা আছে। অনেক স্থানে পুনার্নার পান। त्रभाकत् । **इहेट ५८५, कडेट क**्षत्रभाव वटना, বৈংরণী ও প্রাক্ষাণীর নদী মধ্যক্তিত স্বল স্থান বাবিত হইরাছে। বিত্যু পরীএম এক ক'লে नहै- रहेष्ट्रा कडक्छान लाक हानकत्र করিরাছে । গরুর ত কথ ই নাই। লোকে ডখাপি विषिक्ष इस माहि (१) श्वारम श्वारम हात १इटज्ट ।

गंड कना भिनात न'हर्दित्यक्रकरूमा देखिङ : श्रा आडरबारकरे हानश्रम प्रानक कन उर्क 🌉 হৈয়া বলেন, প্রভারীতা বেপর্যান্ত স্থীকার করি রাচ্ছন, ভাষাতেই ভাঁষাদিগের বিজ্ঞা ডি জী **मश्या याहेर७ भारत। अना এ विश्वरत्र भूग**र्काव उर्क रहेवात कथा का ८५।

দিলীলেজেই বলেন, দিলীর ভুতপুর্ব কেটাল महेलु दिन भीटक विमा विहाद मुक्त करियात बाक्का बहेत्राह्य क्रियुक्तिकातिम्हात क्रामहक वर्षिट्वम रे किन्तु अवर्ग्टमट्डिट (स कात देवहमियान হন্ত্রিরতা থাকা উভিত নতে ভাগা ভারত বর্ষীয় গ্রর্থমেন্ট সাধারণের সহিত স্বীকার করি

গভাৰ্তিতে বিস্তৰ ক্ষতিও ছ'ৰ্ডাকের बामका इत्यार अल्लेब हे अवर्वत (अ मः रहत **সাসামে গমন ক**রিবার ইক্রা ত্যাস করিয়াছেন। धार्थां हे छ जे जा म म बन बन कहा क है बहु ।

অযোধ্যার রাজার বাসী হইতে সম্প্রতি ৬৫০০০ টাকার গ্রেপ্টের কাগজ চুর গিয়া-**ছে।রাজার দেওয়ানের** জিন জান ভুত**্**ক माल्यह क्रांच होका ७ (म.७४) हरेशा है।

कत्राष्ट्रीरङ भग्नः धनानी कहा इंटरफर्डा कलि কান্ডার পয়ঃপ্রণাণীর মত কান না হয়। ইঞ্জিন মুর্পুণ এক যার নল পুরিয়াছিলেন। কিয় সক্ষিত্র রাস্তা বসিয়া যাওয়াতে সৈওলি আবার ভুলি

পুরীতে উষ্টাই ডাক যায় নাই: এঘণে পুন-রায় ডাক চলিতেছে।

ৰঠ এ আৰাছ সুবোর।

সংবাদপত্রসমূহ পঞ্চাবের লেপ্টনান্ট গ্ৰথৰ সন্ধ ডোনালড মাকলিয়ড়ের প্রতি একটা 'শ্রুনায় করিয়াছেন। তিনি নিজের নিমিড় ছুই

नक होका कक्क करतन नोहें। जिस अक अरसंत निविष्ठ भक्षांव दशरका निकट्ट हुई नक्क होत्यांत्र कामीन रनः जे होका रोहात करक शक्तिहार है। नत जिसान प्रकारित शक्तिहार श्रम्भाग कतिर्यन बनिया य क्षमत्व रहा, जारां अमूनक।

নত্রতি প্রধানতম বিচারালয় গিয়ান্ত করি রাছেন, যথন কোন মাজিটেট কোন অপরাধীকে গৃহ পৃথক দেশ্রের নিমিন্ত এক মাসের অনধিক কাল কারাবাদের আজ্ঞা দেন, তথায় সমুদায় মেয়াদ একত্র করিয়া সেয়ের রন জজের নিকটে আপীল করা যইতে পারে না। এক অপরাধের পৃথক পৃথক অংশের নিমিত্ত পৃথক পৃথক দণ্ড হইলে যদি সমুদায় দণ্ড আপীলের যোগা হয় ত আপীল হইতে পারিবে। এক মাস মেয়াদ ও ৫০ টাকা জরিমানার আপীল নাই। এবিধিটা উঠাইয়া দেওয়াকত্রন। ইহার সাহাগেও জনেক মাজিটেট অরি

४१ गाँव अभाशीमान कार्स्य अम, अह, ওল ড নৌকার বাইচ থেলিবার স্ভার অনুষ্ঠান বরেন ; এনিমিত চাঁদা ইয়। কিন্তু বাইচের কয়ে किन शुर्का भरवान (मञ्जा इहेन, कारश्वन उन्ह क्ट्री विस्त्रा क्ट्रेश आगखा म नतार वाहेक খেলা বন্ধ রহিল। এফনে পুলিষ ভাষা ' বিশ্বাস ना कतिया कारश्चनतक पृष्ठ कतियात किंद्रीय আচেন কাণ্ডেন আপনার রেজিনেটের কর্ণে लित श्रीकिमिषि इ**हेशा कान वित्न चाक्स क**ब्रिका সাধারণ হিতাপ কয়েক সহত্র টাকা লইয়াছেন ! इं॰न(७७ এই श्रकात इहेग्राइड) वाहेक (भूलि বার সভাও দেখিয়াছেন, ভাঁছাদিগের প্রদত্ত চাঁনে! কাপ্তেনের সহিত জালমগ্ন ইইয়াছে। যি শু च्र र हे त नाश कार थम उन् फ रेम्पर दिन शुमनीत গ্রার গর্ভিত কবর হইতে উঠিয়া এক রেল **खारा क्षिप्रांत प्रभाव विद्याद्यित्य । व्यापार**क উট্টেকে ভূত স্থির করিয়াছিলেন গ কিন্তা বল্পদে লের পুলিব যিশুখু ষ্টের পুনরবভারের কথায় অবি/ শ্ব স করিয়া ভূতে ধরিবার চেষ্টায় ফিরিতেছেন। বিচারপতি মাকফাশন ও ক্যাইটোলার জুরির दुक्ति राज ଓ मग्ना ध्यमर्गातात , ज्यात अंक्ष्री विद्वानम সুংযাগ হইতেছে।

বঙ্গদেশের কৃষিকার্যের উন্নতির নিমিত্ত কলিকাতার কৃষিসনাজ প্রভিবংসর একটা সোণার মেডাল পুরস্কার দিবেন। কি ভারতবর্ষ কি অন্য দেশ যেখানকার লোক এই উন্নতি করি তে পারিবেন তিনি এই মেডাল পাইবেন। প্রভি বংসর এক একসী মেডাল দেওয়া হইবে। মেডাল

খানি সর জান প্রাটের নামে প্রাণ্ট মেডাল বালিয়া বিখ্যাত হইবে। ক্ষুবকদিগোর উৎসাহ দিবার নিমিন্ত সমাজ যদি করে কথানি রৌপ্যের মেডাল ও উৎকৃষ্ট ক্ষরি জন্ম মদে। মধ্যে পুরস্কার দেন তবে প্রকৃত কাজ হইবে। সেংগার মেডাল দিবার সময় জাল্যাপি জাইসে মাই।

কলিকাতার অভিনেরা আন্মাণীঘাটে সেতৃ
করিবার প্রস্থাব করিয়াছেন। তাঁহারা নৌকার
উপরে সেতু করিবার নিমিত্র গ্রধন্টকে অনু
রোধ করিবেন। ইংার উপর দিয়া রেইল যাইবে
রামচন্দ্রের সেতুর সময়ে কাঠ বিরারে মুখাসাধ্য
সাহায্য করিয়াছিল। অভিনেগ্ বুদ্দিসমূদ্রে
সেই প্রকার করিতেছেন।

ইণ্ডিরান ডেলিনিউস বলেন সূত্র চিত্র শালিকা বাটাটা প্রকীর দোবে ইছার নধ্যে কাটিয়া উঠিয়াছে। কন্ট্রাইরের কাজের মাহা মুট্ট এই। ইউরোপীয় কন্ট্রাইর ও ইঞ্জিনিয়র। কে কাহার দোষ বলিবেন?

আমরা গবাঁঘাউকে এই সঙ্গে বিশ্বিদ্যালয়ের বাটীটির প্রতি দৃষ্টিপাত করিতে বলিভেছি। এই বাটীটী যে কি প্রশালীতে হইবে, আর কোথা দিয়া বায়ু ঘাইবে তাহা আমাদিগের অল বৃদ্ধিতে ছির হয় নাই। কিন্তু উত্তর পূর্ম কোণে যেন ফাট খরিয়াজে বোপ হইতেছে। আর যেনপুলীজ কাজ হইতেছে, ভাহাতে আমাদিগের প্রশোজগণ অনায়াসে আপনাদিগের মৃত্যুর ছই চার বংসর পূর্ণে বাটিটার সেক্ষ্যুদ্ধন করিতে পারিবে।

কটকের কমিশনর গাভ কলা টেলিগ্রাম করি ब्राट्डन, श्रुवीर ख अन श्रावतन कि विटमव कि इहेबाटक, छात्रात महनाम आहेटम माहे। मणीत र्वाथ अ बाल्हा कृतिया नियादहा आकारी छ বৈতরশীনদীর মধ্যন্তিত সমুগায় স্থান জলপরি পূর্ণ। ব্রাজানীর বাঁাধ স্থানে স্থানে ভগ্ন হইয়া পড়ি য়াছে। কেন্দারাপাড়। হইতে ফল্স পাইউপর্ भम्पात साम अक कारल कलममे व्हेन्नाहिल। याज्ञ श्रुदत मर्त्तार शका व्यक्षिक झावन इत्र । श्रुटर्न पूर्व बाक जिन्न क्षावरम गठ बन ऐटिशाहिन. अवात फनरें भाग १० देश कता दृष्टि रहेतारह। निर्मीयाम, भा, महिन, भना ও मासूब महे **হইরাছে। আপ্রার** দেওয়া অবশ্যক । কার্কউড मार्ट्य थ बाब এक अस उप्पृष्टि कारमहेंगरक आपका (मञ्जा रहेशारह डाहाता गवर्गस्मर हेत शामा इहेट ठाउँम महेगा विख्ता करता। योशिनिश्तत्र कम्फा बाह्य, डांशिनिश्तक भूना निएड रहेरत िष्ट्रारक है के तोखात बरनेक द्वाम

ভাজিয়া গিয়াছে। প্লাবনে বিস্তর কভি করিয়াছে। ১লা ভাব্ধি রৃদ্ধি বন্ধ ইইয়াছে। আৰু উৰ নত ইইয়াছে, আমন রোপণ করা ঘাইতেছে मा। এक मान यनि इक्ति स इत्र, छत्त कडक মঙ্গল ।বালেশ্বরের কালেক্টর রিপোর্ট করিয়াছেন আউস আয় ন্তু চ্ট্রাছে। আমনও নাই वांनात स्त्र । कुषरकत्र। छेक ज्ञित्ज शुनर्त्तात বীক্ষু ছড়াইভেছে। নিকর ভূমি অন্যাণি জলা वृष्टः क्रमहे लाक सलम्भः इहेग्रः श्रान्डान করিয়াছেন। অনেক লোক ওলাউঠায় প্রাণ उत्तर्भ कतिहारहर । याजीमिरगत मरशहे अर्थ काश्य श्रांग कतियाद्या । वक्र वक्र मनीत निकरुष्ट्र मही ग्रापनकम जात नाई। महत्व महत्व शामक्षि नष्टे स्टेब्राट्डा बार्टिनचरत्रत केवंत छ মধ্যাৎশের লোকেরা ভগবাহব হন নাই। এক अने (उभूने कारमहेत्रक अञ्चनकार्गर्श (श्रव) করা হইয়াছে। রাম্পিনি নাহেব বলেন, গ্রুণ (सट्**णेत माहाय) निवात अट्याकन नाहे, य**नि বীজ কম পড়ে ভবে আমি টোলগ্রাম] করিব। গ্ৰে সাহেৰ বঁথাসাগ্য চেষ্টা পাইতেছেন : এবার .রবেণিউ বোড ও চালাকী প্রদর্শন **করিতে**ছেন। কত্ত স্থানীয় কর্মচারীদিলের উপরে লোকের শীবন নির্ভর ফরিভেছে। বোডের এক জন मछ। एक अरे (वन्। भक्षात क्षित्र कतिहा कि काल क्य मा ?

প্ৰলিক্তয়াৰ্ক বিভাগের দেওঃ। নী একজিকি উটিব ইঞ্চিনিয়রগণ বেত্তনর্দ্ধির আবেদন ক্ষি তেছেন। গাছের পাড়া ও তলার কুড়ান না. ইইলে চলিবে কেন? এইত চাই।

মহারাজ বিজিয়ার রাজ্যে খেদকল দুহু ।

সভাচার করিতেহে, ভাছাদিগকে নিজ দীদা

হইতে বহিচ্ছ করিয়া দিবার নিমিত রাজা

মাজ্যা দিরাছেন। ইংগদিগকে দুভ করিয়া দণ্ড

দিন। ভাড়াইয়া দেওয়া কথার বথানাত্র।

মহীস্থরের মৃত রাজার অখ্যকল নীলামে বিক্রয় করিয়া ২৯০০০ টাক! আদায় হইয়াছে। নীলামে অবশাই অর্জেক গুলাও উঠে নাই। এই হওভাগ্য রন্ধ রাজকুমার ঘোড়দৌড়ে অসংখ্য টাকা অপব্যয় করিয়াছিলেন।

সম্প্রতি লক্ষ্ণীয়ে বেঞ্জানিন শেলড নামে যে দৈনিকের মৃত্রুদেও চইয়াছে ভাহার ফাঁদীর দিন কোন ভারতবর্ধীয় জলাদি করিছে চাহে নাই। কভকগুলি দৈনিক অর্থলোভে এ কার্য্য করিবার আবেদন করির ছিল, শেষে এক জন লোফারের ভাগ্যে এই লাভ হয়। কালক্রাফটই ধরা পড়ি রাছে। অনুসন্ধান করিলে ভারতবর্ষস্থিত ইউ রোশীয়দিগের মধ্যে বিস্তর ক্র.ফট বাংশং করা যায়।ইংগারা আবার আপনাদিগকে ইং বাজজাতির প্রতিনিধি বলিয়া আমাদিগের ধর্মা নীতির দোষ দেন।!!

#### ২ • এ আষাদ বৃহস্পতিবার।

পঞ্চাবের যে এতদেশীর অতিরিক্ত সহকারী কমিনর উৎকোচের অপরাধে বে। জনাতিতে অপিত হন, উংহার চারি বংসর দেয়াদ ও ৮০০০ টাকা জরিমানা ষ্ট্রাছে। কোন ব্যক্তি এই কঠিন দণ্ডের নিষিত্ত আহেলপ করিবেন নাই কিন্ত পঞ্চাবে এই দরের আর বেশকল মহামতি আছেন বাহাদিগের প্রতি দৃষ্টিপাত করা হইবে কিনা?

রাজপুতনার অন্তর্গত মাড়োযারে শিবনাথ নামক এক ব্যক্তি ঘৃত হইয়াছে। এই ব্যক্তি তিন বংস্বের মধ্যে ১০০টা বালিকা বিক্রয় করিয়াছে। রাজপুতনা ও অযোধ্যার অন্যাণি বেশ্যারতি করিবার নিমিত্ত বালিকাদিগকে বিক্রয় করা হয়। কলিকাতার ভিতরে এ কাজ পুলিষের চক্ষের উপরে হইতেছে।

কিয়কোড়ে প্রায় ২৫০০০ পর্কতীয় লোক বিজ্ঞাহী হইয়াছে। কেবল পুলিষের দারা বিজ্ঞো হের লাজি না হওরাতে সৈন্যাণ প্রেরিত হট স্থাছে। এই বিজ্ঞাহের কারণ কি, ভাছার অনু সন্ধান করিয়া কষ্ট দূর করিতে চাহিলে বন্যাণ আপনা আপনি অগ্রভাগে করিবে। বিশেষ ভাত্য চার না হইলে ইহারা অগ্র ধারণ করে নাই।

আইন আকবরি মুদ্রিত করিবার ভার মাজেনা কালেজের প্রধান শিক্ষক বুকমান সাথে বৈর হত্তে দেওরা হইয়াছে। আসিরাটক সোসা ইটি এ নিমিত ৩০০০ টাকা ব্যয় করিবেন।

#### ২১এ আঘাচ প্রক্রার ৷

পূর্বিয়াতেও জলপ্পাবন হইয়াছে, বিশুর শস্য ক্ষেত্র ও নীল নষ্ট হইয়াছে। চাকার কমিসনরের রিপোর্ট জন্যাশি প্রকাশিত হয় নাই। বাগ্য গক্ষেও অনেক ক্ষতি হেইয়াছে শুনা বাইতেছে।

(वंत्रकल देश्ताम अख्यानीय तामानिए। व देशा देशन ए चार्यन अध्यानिए। कार्याने व्यापन कार्यन विश्वादक्त, अधानकात देश्तामी नश्याने कार्यन कार्यन हैं। हालि (श्वाद अदेशा कार्यन এনেশের মঞ্চলাথ তিনি চেষ্টা পাইয়াথাকেন।
শ্রেপের ভাবপরিবর্ডের আরি একটা লক্ষণ দেখা
বাইডেছে। ইনি এড দিনের পর বলিয়াছেন নাগ
পুর গ্রহণ করিয়া লাড ভেলহোসি অভিশন্ন
আনায় করিয়াছিলেন। উক্ত নিষ্ঠুর গ্রহণর ক্লেন
রল ভোষলা বংশীর জীলোকদিগকে যে অপনান করেন ভাষাও বীকার করা হইয়াছে। এটা
হলক্ষণ দিকিন্ত বাগুপণ্ডিত প্রভাগমন করি
লেই এ ভাব আরে পাকিবেন।।

টক্ষের ভূতপূর্ণ নধার ইংলপ্তে গমন করিয়া রাজ্ঞীর নিকট আপৌল করিবার অক্সমতি চাহি রাছেন ; কিন্তু আমগা প্রবাণ করিবাল, ভারতব-বায় গাবানি ট হাঁহাকে বলিয়াছেন ভিনি আহে দন প্রেরণ করিতে পারেন। কিন্তু ইংলপ্তে ঘাই বায় অক্সতি দেওয়া বাইতে পারে না। আভিম আ ইংলপ্তে গিয়া যে সকল ঋণ করেন, ভোলা পরিশেষে সাধারণ ধনাগার হইতে দিতে হয় গাবানিক এই আলক্ষায় নবাব মহন্দদ আলিকে কাশীতাগা করিতে বারণ করিয়াছেন।

अरचित्रा हरें, ७ **अक खन के** दोख मोखों । অ'গমন করে, সে নিক্সী থাকাতে জ্বাথ'লয়ে প্রবেশ করে। কিন্তু তথাত্ব গোলবোগ করাতে ভাছাকে বহিষ্ঠ করা হয়। কোনপ্রকারে দিন পাত না হওয়াতে এ রাজি ,এক দিবস বেইল अरब ष्टेनरमत खोरला क मिरशत शुरू श्राटम कतिया একটী লওম ভাষা করিল ; ভার একটী ভাগা করি বার চেষ্টা পাইডেচে, এমত সময় পেয়াদারা ভাशांक पृष्ठ कतिल। श्रुलिएव नहेशा (शरन अ বার্জিবলিল ''আমি অর্থীন; এখানে কোন ন্যজিই আমাকে জিজালাটীও করেনা কোন অনিষ্ট করিয়া সাধাংশের পরিচিত হইয়া কোন প্রকার কর্ম্ম পাওয়া আমার উদ্দেশ্য। "মাজি উট ভাহার ক্লুটিন পরিশ্রমের সহিত ভিন মাস :महोन निया अलिएनम, '' अजिनय आक्रिश्व বিষয়, আইনঅসুদারে আমি ভোমাকে বেব্রাঘা তের দণ্ড দিতে পারিলাম না। " এ ব্যক্তি কা-.জর লোক বটে।

#### ২২ এ ভাষাত শনিবার।

বঙ্গদেশী র ব্যাঞ্চ গত ছর মাসের নিমিত জং শীদিগকে শভকরা ৯ টাকা লাভ প্রদান করিয়া ছেন্।

্রীং লির্মান ও ডেলিনিউস বর্জ্মানের রাজার বরি ও কেন্ট্রিজর ডিউক বিস্থিতির কিউক্র কার্য্যের প্রশংসা করিয়া দন্দান আর কথন কোন সেনা উন্নের সম্প্রান্তের জন্য ভোপ করিবার প্রস্তাব হর নাই এবং ইছাচ্ছে অনেক অন্ত্র্বাল্ডেন। রাজা মাহাতাপ্রচাদ নিজে এই অভএব ভাহার। এই প্রস্তাবেদন করিছাছেন। পির্নিয়র বিজ্ঞপ করিতে শ্রম্থীকার করিলেন।

छादव साकार वादमरमेन गरायक करिया वर्गि न्नाट्म ' अगक्न ग्रारमः कन्निटन गर्वाम् भटल्य गणाएक भीरा श्री क्ष्मित श्री क्ष्मित । जानता नाकार किर्देशक भीराय अगराय क्ष्मित श्री क्ष्मित श्री क्ष्मित अगराय क्ष्मित श्री क्ष्मित क्ष्

সিক্সুনদীর ক্রড়কের ইঞ্জিনিয়র গবর্ণমেন্টকে
লিখিয়াছেন বে, ১লা জন তিনি ক্রড়কের এক
দিক হইতে জপর দিকে গমন করিতে সমর্থ
হইয়াছেন। জার জন্তাহ কাজ করিলে এই
কাজের শেষ হয়। এই ক্রড়ক ইংরাজ ইঞ্জিনিয়র
দিগের একটা কীর্ভিত্তাস্বরূপ থাকিবে।
কলিকাভার নিকটে এমন ক্রড়ক হইতে পারে
কি না ? ভাহা হইলে সেতুর প্রয়োজন রাধে
না।

मानमाधवरणमा मामक व वाक्ति काल ए वित्र । २०० व छ। शिन व स १ विशाई छ वि अ हे ल व । स इहेर इ कर्य क महत्व हो का ठेक हिंदा लग्न, छाश्रांस हहेर इ कर्य क महत्व हो हो। ज्य वाक्ति स्वाणि अहे कार्या लिख हिला । कि स हैशारक श्रुलिय युष्ठ करिएड मार्थ इस माहे।

নিম্নলিখিত মূলে; গ্ৰগমেটের কাগজ বিজ্ঞীত হইতেছে।

৪ টাকার নিকা	381.188h.
'8 <sup>৬</sup> কোম্পানির	2811/ 284.
< भविनिक्श्यार्क	3-64-13-5,
<b>€</b> " (कार	٠٧٥ - الق٠٤
offe v cate	3384J 33E

## ইউরোপীয় সমাচার।

২০ এ স্থান। গাত রাক্রিতে ছাউস অব লাডে লাড এলেনবর। বলিলেন, আবিসি-নিরা ছইডে যে সৈন্দল প্রভ্যাগমন করিতেছে, ভাহাদিগকে প্রকাশরোপে সৈনকসমান্ প্রদান করিয়া এছণ করা কর্তবা । লাড মালসম্ বরি ও কেছিলের ভিউক বলিলেন এপ্রকার সম্মান আর কথন কোন সেনাদলকে বেওয়া হর নাই এবং ইছাছে অনেক অন্ত্রবাও আছেন অভএব ভাহারা এই প্রভাবের অনুযোলন করিতে স্ববীকার করিলেন।

भण अधिरुष मा श्रीरकार नहीं हरू है क्षेत्र **भव कमान এक** विश वर्षक क्रिया क्षांच कतिरतम, (वाष्ट्रं वा'क्रमध्रक (व ক্ষিদ্ন ব্সিয়াছেন উলোৱা শ্পণ সহকারে नाकीत क्यानवाम गहेटल भारतन अक्तला मिल्या के हुछ।

ডাকের মাহুল বৃদ্ধি নিবন্ধন কভকগুলি লোক বর স্থাফোড নর্থকোটের দহিত সাঞ্চাৎ করিয়াছেন। ডিনি জেজুরি ও পোষ্ট আফিসের কর্তুপক্ষের সাহত পরামর্শ করিয়া উত্তর দিবেন बालशाद्या ।

লপুন ২৪ এ জুন। গভ রা:ত্রিভে লাড এনকৈ कमन शाउँ।म अखार कांत्रशाहन, अक पन ভুতন সাহায়,কারী দৈনা সংগ্রহ করিবার নিমিত্ত এক ক্ষেদ্ৰ নিযুক্ত করা কর্ত্তব্য দেনাপত্তি भिन ७ महस्रम भा किंडवेस अ श्रेष्ठार समार्थाः क (वाथ कात्रसा श्राप्तियक्कण) कशिर्मम । केन्स्त्रा वानाराजन, देख्यारका स्थापन ख्यात्र व्यवस्थन कता व्हेत्राटङ, जाशाटक अहे शाश्याकाती देवनः সংখ্যা ৩১১,০০০ বৃষ্ট্রাছে । ইহ'র নি,মন্ত কমি স্বের প্রয়োজন নাই। প্রিশেশে এই প্রস্তাব প রভাগে করা হইল।

পোণ এচ ভেচুতা করিয়া বলিয়াছেন, कि शार्क अभागवरक (च छेप्दयमाधम कता ♦श्वारक, जाराद ५ किमि नव्हे**डे मर्ट्स, किस्नि धन्**र अश्कातकात्री। मध्यत श्रांख भाषादशा**ण क**तिया (341

২৬ এ জুন। মার্চেন্ট টেলর বালীতে সম্প্র**ি**ড ডিসবেলি সাহেব এক **বঞ**ুত। করিয়া বলিয়াছেন रिंग यथन माञ्जल धर्न करतन, ए९कारन विक्रिभीक्ष आध्यातम् इत्तर्श्वत शततार्थे विव-গ্নিং র জনীতির প্রতি আবশ্বাস করিচ্ছেন। গভ রাজ্যিত কল্প হাউদে এভছপলকে অভি नम् ठर्क ६म् अवः बक्कान भन्नावरक शानीः क्षित्राह्म

নহাসভার সভা মনোনীত করিবার গমলে যে फेंदरकाठ (नश्र) इय्र, खन्निवातनीर्थ (च विन इहे · ्यार्ड डाहार अक मर्गाधन श्रखान ह्या का प्छाब कादी चर्लम अनक्त (बारवर विठा<u>त प्</u>छात নহ'সভার হত্তে রাখা কর্ত্তর এত নবন্ধন ভীত্র ভক হইয়া পরিশেষে প্রস্তাবটী পরিত্যক্ত হইন त्र रहन।

अध्निवतात्र छिक्रैक हैश्मर ७ क्रिनी क इहे-

গত কল্য ওয়ালিঙটন হইতে বে টেলিগ্ৰাম

তির অসম্মতি অঞাধ্য করিয়া মধাসভা উত্তর ও मिक्क कार्त्वातिमा, स्त्रितामा अ सर्विता श्राप्त भक्तितक हेक्केनाहरहेक क्षेत्रहरूत हक्त्रवाक करत्रन, १३२ छन छ'हात श्रक्तिक का कृतिया मर्थ। धर्ग कतिशास्त्र।

২৭ এ জুন। গভকলা ইউরো-ভারতীয় টেলি গ্রাদের বন্দোব**ত্তের ধদার প্রান**ঙ্গ করিয়া কমল शेडित उर्क हहेश नियादह । नव द्वीरकाण वर्ष (कांवे विश्वादह्म, अकट्न ज़ूतक भवर्गरम-हे अवर ( हेऊद्वाष्ट्रां प्रजीत : विन्यास्त्र 🖟 सन्। ), नाहे तिक मारहर (व छात्र भाकित्करहरू, जाहारक विद्या छेलकात स्ट्रेट्ट।

जूनाई ७ जागहेगारम स्थात्रकर्र भगिकिक व अवादाशि नाश्यकाती देनमानिगदक श्यत न कश स्रेटव ।

নাত্র সায়ৎকালের পেলেটে এক আজা প্রকা শিত হইয়াছে, ভন্মারা স্থির হইয়াছে, স্মাবিসি দিনিয়ার বৃদ্ধ অন্ন ও এডিনবরার ডিউকের প্রাণ त्रणारहरू अके मिन नेचतरक धनायाम सन्वता : स्टेटव ।

भाष्ठ कला मह दवःहै (बिश्वाद मानहात्क উপনীত হইয়াছেন।

· २१ अ अर्थून । आविति निम्नाव्यिक वन्नी श्रव क्ला इंश्नर्थ छेभनी छ रहेग्राह्म।

ি আররলতে পুরে ছেডনিয়োগ ছণিত বাখি बोक्क विषया प्राफ्टिशन भारहर व दिन कार्भन করিয়াছেন, ভাষা লইয়া গত কলা অভিনয় ওক হইয়া গিরাছে।

२० अ सून। (अवि शक्क विनिद्याद्वन, आहल अव त्यम मत सन मात्रामा भन्न भाव उपरिंत গংশীর ভেনরতা হইবেন নাঃ এতচুপ্লকে পাল मान तारको बरमेन, मत्र श्रीरकाछनार्थ (काहे अ भन्छे निद्धकत निभिन्न ताबिद्वादहन।

ह है। खुन बिनाबत शाना कनका हिंदाशत গমন করেন, পর দিবস কুলভান প্রকাশ্য দরবারে कं शटक धर्ग कटतम । भाषा छएभवमित्रम ক্রদাতে গ্যন করিয়াছেন। ওমার সাথা সুস ভাবের শরীর রক্ষক সেনাদলের প্রধান আব্যক্ত

कृत्यमियात भवन्त्र है छाञ्च ननीटक व्यक्ति यात (प काराजित श्रांक जानमान करतन, छति मिल अधिया अधिपूर्व श्रीश वृहेशाह्मा

ক্ৰীয় স্লাট এক আজোলারা সাইবিরিয়া াস্থত নির্বাদিত পোলা ভীয়দিগের কতকগুলিকে क्या क्षिश्चाद्यमे ।

७ • अ. स्ता । डिन निम उर्कत भन्न प्राप्ट होन পালিরাছে, ভদারা আনা বাইডেছে, সভাপ- সাফুেইবত আয়ারলতে মুভন পুরোহিত নিয়োগ স্থানিত করিবার বিল হাউস অব লাভদের ছারা व्यवाहा इहेग्राटक । ৯५ इस विद्यात महाग्र छ।

रेक्टन **करकेत विद्याद**र्त नगरत (नाबाहरथ र्य मकल का फिल विद्याह निवातन कटतन मत ष्ट्रीटकांडनार्थ काठे डाइमिटभद्र मकलटक थिड़े छिनि भिडाम निवास आका नियाद्वा । भूनिय श्रहतीमिंगत्कल अहे भुतकात (मलता हहैरव।

শোপ এক আজা দিয়া ১৮৬১ অন্দের ডিদে बत मारम हेकि छैमिमियान को जिस्तव अधिर्यन त्वत ज्याच्या निशास्त्र ।

षांमानित्रत काणीक मरवान शांजा निधिश्राद्य .

২৬ জুন শুক্রবার বেনারস এলোসিয়েসর সভার মাসিক অধিবেশন হইয়া গিবাছে। তথার এখনকার প্রায় সকল বিস্যালয়ের শিক্ষকগণ ও অবধান্য অনেক ভত্ত লোক আগমন করিয়: । কলেন। আমাদের স্থানাগ সভাপতি জীবুক<sup>†</sup> বাৰু গিৰীশচক্ৰ দক্ত উৎকট পীড়ায় পী.ড়িত थाकारण विख्यारत अविद्युतन । त्राह्य मण्डानरणत কল্পরোধে কাহার আসন্মহণ করেন। তদন্ত সম্পাদক জীবৃত যাবু ছুগচিরণ চট্টোপাধ্যায় গভার প্রকৃত উদ্দেশ্য জ্ঞাপন করিলে জীগুক্ত वांतू मध्यीभक्षतः अञ्चलनीव्रमिरभव भएक वाशामक्कं ब्रं, महभाव कि, " अहे विवस्त देश्त! **कीटङ अक्षेत्र अवस** भार्ठ करतन । तहनाणि खादरन यामारमत म्लाहे छिलनांच रहेन, य किरको .चनाहे डीहात मण्ड अडल्फ्नीयुक्तिया भएक ব্যায়াদশিক্ষার একমাত্র উৎকৃষ্ট উপয়ে। অন ন্তর, এই বিষয়ের মীনংংশার্থ তর্ক বিতর্ক জারন্ত इस । जीवुक रावु है स्थम हक्त मान्त्राल वि. .ब. व-লেন, প্রস্তান্ত ও সন্ধা কালে অসুনে এক ক্রোশ অমণ্ট প্রায় সকলের আস্থারক্ষার নিমিত প-র্য্যাপ্ত। অভঃপর হন। একজন সভ্য প্রস্তাব করে ন. বে এতৎবাদীদিগের ব্যায়ামশিকার নিমিত্ত এখানে একটা বিদ্যালয় স্থাপন কৰা উচিত, কিন্তু ভাগে অভন্তে ব্যয়দাধ্য বলিয়া সকলের यम्स्यावभीत्र रहेन वा । ७९९८त सीयुक्त वाबू सूत नाथ চট्টোপাধায় बिनातन, सनकी छ। ও मुख-্ৰবাৰা অভি সহতে ব্যায়ামচঠার ফল লাভ इंदेडि शास्त्रः वात् हट्यामथत्र मान्यालं स्मिथ्यक्त मट्डत এই विनया श्रक्तिवान करवन (य, वाकाली अ हिन्द्र इामीनिरात भटक किटको छेभरवांशी मरह। कांत्र क्रिक्टि (चना जनन चार्न এবং जनन अपूर्ण एरेटेण शास्त्र नाः वर्षाश्रञ्ज हेरात अक

চন্দ্রশোগর গান্যাল এই মীমাৎদা করেন, যে সর্বা একার ধ্যামাসকল ব্যক্তির প্রিয় নতে, কেছ মুগর'ন্ত্র*জে, কেহ শর্লিকাভন্ত কেই* ভ্রমণ প্রিয়, কেছ বা মহানী ড়াসক্ত, এবত্রাকার खटाजर भारतीत अव**र महमात छ।व ऋञ्**रताह्य इहेग्रा খাকে, **অভএর যে বাজি যে ক্যা**য়াম ভাল বাদেন, উাহার দে**ই ব্যায়ামচর্চা** শ্রেরগ্রের। নিজ .बाडरमानीयमि**रशद भरक भकत भगर**यहे भूगार চালন ও ভাষণপ্রভাতির ব্যায়ামচ চার আহ भ**्भाप्त पृष्ठे रहा जो। जा**धात्रत्वत हेव्ह उपदेन রাখা উটভ, ধে ব্যায়াম আরম করেলে যেমন শরীর সবল ও পীড়াশুন্য হইতে থাকে. তেমান ব্যায়াম পরিভ্যাগ করিলে দেহ ছর্মল ও বাভ এভূ তি রোগগ্রস্ত হইতে হয়।

্যলন্তহের কর্ম্মচারী দিগের কর্তব্য কর্মে অম-মোণে গি করা একটা অভিদুষনীয় স্বভাব হইয়া দ্বাড়াইয়াছে। সেদিন ইষ্টারণ বেল্ল রেলওয়ে কোম্পানির ভুজ্জিলের অনবধানভাদোধে শ্যাননগর প্রেশনে ভয়ানক ছঘটনা মটিল্। কিন্ত ভাহাতের ভাষাদের চৈভন্যাদের হইল मा। इंडेर्वरे वा (कम? (उन उर्म (काण्यामि) विक्राह्य ভाরতব্যীয়দিলের काञ्चरयान প্রায়ই অসুলক কল্পেনিক বলিয়া প্রতিকুল বায়ুতে ভূষের ন্যায় বিপরীত দিকে উভিয়া কায়। সংপ্রতি (২১ জ্ন) অনার কডিপয় বিশ্বস্থারু कार्यप्रभागतम् कानकान्। अ शाविनात्रः भगम कवि र्राहितन । डाँशापत अधूथार कारण करिलाम. वकर्ग इन्हेरिख्या (तल्खर्य काम्लानिय मृत् (মেন) লাইনে ভূতীয় জোনীর গাভিতে আলে (मंख्या इंग्रज्ञा। (कवन वाजानमी नाचा (तन उर्ध অর্থাৎ মোগল সরাই হইতে কাশীর স্টেমন পর্যান্ত (৭ মাইল পথ) আলো দিতে দেখিতে পাওল্লা যায়। ইষ্টইভিয়া রেলওয়ে কেফ্লানি क श्री इ त्थानीत कारवाशीमित्रक तमन्त्र भग कन কারে আনিয়া সাত মাইলের অন আবার আলো দিয়া কেন বায়বৃদ্ধি করেন, ভাষরা ইলার কারন কিছু**ই বুবিডে পারিভেছি** না।

५ ला ज्ञ अवधि अधारम (होकी साम्नी (हेक्र यत रहेता हुनि (हेक् रमत कार्य) व्यात्रख दहेतारह । এফারে চুলি টারা আদায়ের ভার মিউনী সিশা ল<sup>ু কু</sup>র অধীনে থা করে।

গভ রাজি এধানকার খোজুল্লা বাজারে ীঞ্জুলা এটাদশব্ধীয় যুবার সপাধাতে মৃত্যু PERICO:

श्चरत कारताता। উপসংहातकारम चीतुष्क यानू | ति क्यानक विषा त्वाप ह**हेरकर**क, अन्दर के सब स्न शुनताम जनाडिठाम आक्ष्मां स्थेतिहरू। अभएप भीख द्कि ना स्ट्रेस भटनात शक्क ताल तिह सभ निर्दिश मी। ঘোরতর অনি**ষ্ট হইবে।** 

> व्यामानिद्रशत द्वांशानियतक मः वान-माजा निविद्याद्यनः -

১। মহালয়, সংগ্রন্থি মুরার ছাউনিজে পুন ताञ्च (ठारतत्र अञ्चल स्मीत्राचा व्हेग्राट ह रम, व्यञ्ज **छन्न अक्ति वाद्य अध्य स्ट्रेग्नाइम । ता जर**ङ क्ह निर्कित्व निज्ञा याहेत्छ भारतम् । श्रुदर्श्हे निश्चिम्नाहिनाम, अधानकांत्र होद्दत्ता আমাদের দেশের ভাকাইভদিগের ন্যায় ভয়া নক। ইহারা প্রায় সশক্ত হইয়া চুরি করে। এক রাত্রে ৩ ৪ স্থানে চুরি হয়। মধ্যে ছই জন , চোর ধরা পঞ্জিয়াছে। কিন্তু আশ্চর্যের বিষয় এই. ভাহারা কেবল এক মাদের নিমিত কারাবছ इटेश्राट्ड !!! এक मिन जामारमंत्र अक श्रिष्ठ वेशूत्र গৃহ হইতে কিছু টাকা ও কডকণ্ডলৈ প্রয়োজনীয় কাগঞ্চম্বলিত একটা বাক্সচুরি করাতে তৎপর निम श्रीमरवत (माकिनिशक बना इड्न य. यनि আমার বাক্ন ও কাগজ না পাওয়া বার, ভবে चामता माखिकिटिन मिक्रे मत्थास करिय। अहे कथाय खाहावा कहिल (य, काशनारनत अक्रम করিতে হইবে না, জাষরা আপনার বাদপ্রভৃতি অসুসন্ধান করিয়া দিব। তৎপরদিন কেবল নগদ ১০ টাকাৰ,ভীত কাগজসম্বলিত ৰাদ্ৰ পাওয়া গেল। বাঙ্গ মুরার নদীর ভিতর ছিল। বোধ হয়, अथानकात्र (हारत्रत्रा नार्षेत्र मर्यशामा खारन न्। ह ফুডরাং নোটপর্যান্ত পাওয়া গেল। মহালয়। **এই करब्रक निरमंत्र मर्था (यनकन हुन्त्र हरेन्नारक** প্রায় অধিকাংশই পুলিবের সম্বাধ ও চতুঃ পাথে হইয়াছে। শুনিলান পুলিবের লোকেরা এই দকল বৃত্তান্ত প্রথমে মাজিটেটের পোচর इडेट्ड (म्यु नार्ड्) **अरे प्रदेशिन इहेर्ग म**ेखिएकै টের গোচর হওয়াতে কিছু উপকার ২ইভেছে। তথাপি লোকের ভন্ন ধাইতেছে না। গভ রজনী ভিমিরাচ্ছর ও মেঘমালাসমন্বিভ হওয়াভে চোরেরা আবার উপদ্রব করিয়াছিল।

महाभवा अथानकात जनल लाएकहे कहि (७८५ এदर **भाषारम्यः अञ्**गान स्ट्रेट्ड स् अधानकात भूलियर मकल अभिएकेत मृत। भूति वहे कार्यत वाकाम। अ विषय महातारकत ताल थानी एक कालियां नवं विख जिली । ताबाद ताबा বলিলেও হয় ৷ শুনিলাম এখানে প্রায় চুরি ও ्रिक्षाञ्च अरु शक्त काल द्वकि मा ६७ साटक अशा मञ्जात करे माहे । मेर्सरहे लाकेनरथा कम मरह

व्यथह कान धकात काळाडाहारतने कथा स्टब्स य म मा, सम्म श्रीतय क्रम्बनात्रण्यम

प्यागारमत विष्यम अवर्गमे यानाधकात সম্পায় ও উত্তম বল্পোবস্ত ক্রিয়াও রাজ্য मर्स्य माखितका कर्त्तर् भातिरण्ड्यन ना 🖟 क्राफरी।।। এই नाम'स अवनी ছाউমির भान्ति রক্ষা করিতে পারেন না ?

२। এই স্থানের অমজিদুরে শ্রৈশ্চর, মানে একটী নিরি আছে। সেই গিরির উপরিভাগে: **এक्टी मन्तित कार्टा में मन्त्रातत क्रिडेत म**न्दिन বের বিকট মুর্জি বিদ্যোল রহিলাছে। গত অমা वनात किन धे सात्म अक (मना इर्गाहिन। শনেক লোকের সমাগম 'হওয়াডেড ্বক্ডিড্ **হয়। যাত্রীরা ঐ মিরিনিঃহত এটো ঝ**র্ণায় স্মানাদি করিয়া বোড়দোপচারে শনির পূঞা मिन। अञ्चला मारिकत এই विश्वाम (य मनिएम्व नर्णम ए देशांत पुष्णा कतिरता मनित्र मृक्ति थारक मा। व्यवस्तित्वत्र (मारकत्रा व्यवमाञ्चावित्रः) अवर काक विक्रण घरेनाटक अहरेवलना गटन करत अवः শ্নিকে ভন্মধ্যে আঠ জ্ঞান কবাতে অনেক স্থান रहेरफ এই नटेनफ अकीर्य या श्रीत नमानम हरा।

मधानतः त्रमञ्जाकात्रकर्यतः (लाकप्रःथः। विरंक्तमा कतिएक शास्त्र (वाथ इहेरव रा, क्राब्स 'ও কুদংকারের রাজ্য **অ**ল্যাপি সমানরাপে এ (मर्ग वाक्षण कतिर**ंटर**ङ, ज्यामारम्व (मन्योग वाक्रा রায় হলিন না বিদ্যার প্রকৃত ৰাছজিয়া 🛊 জানিয়া ত্ব তাধিকার মধ্যে ইহার জ্যোতি প্রচা রার্থ বরবান হইবেন তত্ত্বিন এদেশের সর্বতো-ভাবে কল্যাণ নাই।

 भाष्ट्रित क्रिक्ट क्रिक्टी क्रिक्टी व्यातिशास्त्रा १७ २) अ सन इस्रीकुलिएक प्रांत कराब्रिएड बहेत्रा शित्रोहिन। ভরণ্যে একটার পুর্ণে :মাহত ছিল না : এক জন कुरी इत। (महे इंडीमें अक्नी रिस्टिमी (मधिया जा হার প্রতি ধাবমান হওয়াতে কুলী পড়িয়া বায়। পজিবামাত্র হস্ত্রী দস্তধারা ভাষার উরুদেশ এक्रम खग्नानकक्रांभ विश्व कवित्र (य, तम टेक्कन) বাইত হইয়া গেল। অনেক লোক আসিয়া ভাষা কে ছাড়াইয়াদিল। সে বংক্তি এরপে আহত হইয়াজে যে তাহার বাঁচিবার সভাবনা নাই। 🖫

৪। অত্রন্থ বালালা সমালের একটা অলক্ষার चन्न अधिनियात । जाशित्यत । अक्येकेने ने **अभियुक्त माथनमान यद्ध मित्र** हि बन्न क्हेग्राट्डन। इंशत अভাবে अबद्ध वांभागी निरात्र कालीवां खीत विरमय प्रवक्त परेरतः कामीवाफीत कर्षि कारम राष्ट्र हेरांत्र साता श्रमण रहेलं । हेरावाजीज देनि व्यक्तिक माधादन काट्या व्यक्ताहाय।बादा বিশেষ উপকার সাধন করিতেন। এধানকার अङ वष्ट्र अभिनिद्वात सामिर्गत शत्रिधारमाना

हिनावन कम अङ्गाको कति एकत। अकरन उँगशक বিশুণাশেশ ও অপিক বেডনের এক জন কিরি क्षि अकांडिका के बहेबा कानिशास्त्र अवश् किनि আবায় এক জন বাজানী আসিষ্টাণ্ট চাৰিয়াছেন: .य (वाडात এक जान वालानी जानामाता स्न्थना ুৰ্দাক কাৰ্য্য করিছেছিলেন ভাষার ব্রিপ্তণ (बष्ट्रम त्नेहें कार्य) व्यत्मात्र वाता एस कि ना गटम्बर ! जथाणि कितिनि गाटस्वांमटशत अर्थाता क्षिक, काम्हर्यः !!!

বাক্ষামাজগৃহনিশ্বাণার্থ ভারতবর্ষীয় क्रिका शास्त्र कार्य कारन कीमा महस्र हरे তেছে। অত্ৰভঃ বাকাণী ভাতারা এবং কল্লেকটা िणू वृक्षि छेरमारस्य में इंड होना अनाम कवित्रा (छन । त्नाथ सम्म अक्तिकृत्वाल भटता छात्र छ वर्षी प्र अमारकार नारमत नार्यकानाथन स्टेरव। अहे नवास्त्र ভারতবর্ষদ্দকল আভির সাধারণ উপাদন। लग्न हहेटन । विवास विभवास चार्चानुष्या सर्च विष्युष ज्ञालिएलम हिन्सा विद्या अधारम जेक्ट्स हरे कर धर्म, अवर मक्टलरे अक आखि रहेट्द দ্বার এমন দিন শীর আনমুন করুন।

ষ্ণিও এখানে বীতিমত বর্ষার স্মাগম হয় नारे ; कि इ जीय कात नाई विनटन छ हत । श्रीप्त म र्सनाहे अमीय बाबू अवाहिक, अवर महना महना कुक्ति इडेटउट्ट ।

-----

अलाहाबाप इहेट्ड अक वाजि लिधिहार्छन।

अर्थात अथव छेडारन ও जांगित व्यात्र अवर सुरवत ऐक वासूर्य स्थापता साम्राज्य बह्याकिशाम, आवाड खाराटख दम्ख त्याटगड लाफ्र काटन मना मनक्किक क्लिका । भाक ३६ वे भून भागवात मक्यात भन्न अन्तर्भ दृष्टि इहेग्राद्य ্ধ কোন কোন রাস্ত্রার উপর প্রায় এক কুট পরিমানে অল দ । ভাইধাছিল। স্বভএর ইংকে विलक्तन (वान इट्डिइ, जामरा अवरमत वृक्षि भूरमत रख रहेए उक्का शाहेनाम।

बाज्ञका नमत्र (बाट्यत क्षश्रम व्यवत नि, वि, अदगरीन मारहर मि, अन आहे, यह ९ हिर्देश হত,ত্ব শীভ়ত হইয়া কেশে গননাভিপ্রায়ে क्लिकाका नगरत निवारहरन। এই मरशक्य क्ष अध्यापकाती अ अ भरनत अक सन मधार्थ व्हिटल्वी। अखना हेई इन शोष्ट्राव मधुमाव (मारकरे इः विक स्वेतारस्य।

अशास मुख्यकि केंद्रक बाबू विवस्ताय वरू

মহাশন্ন হোমিওপেথি মত্তে চিকিৎসা করিয়া करनकरक बार्डाशा क्रिएक्टइन ।

चाउँ (लश्डेम-हे श्रवर्त त्रत हेई नियम মিল্লর সাহেব গড় প্রশ্ব নাইনিডাল গ্রমন করিয়াছেন।

**बिराउँ त ग्वामसाछ। मिर्विहार्ट्स**ा

চাকাপ্রদেশের অন্তর্গত। इंडा काफि विकीर्त होता। देशव फेडन श्री अवर एकिन श्रुक्त निक थानिहाँ ও बाद्या अर्क्षक्रमध्टर পরিবেটিত। দক্ষিণ এবং পশ্চিম বিক অিপুরা ও মন্নমনসিংছ জেলা ছারা সীমাবছ। লোক সংখ্যা जासुवानिक स्नाधिक १०००० गोज नक स्टेंद्रिं। क्षत्रात्म हिन्तूत्र कान क्षिक हे सूनन मार्जित काल किथ्विद कहा।

অহতে প্রমা, কুলিয়ারা, মহাসিংক্প্রভৃতি करत्रको नहीं चार्छ। जन्नद्या छत्रमा ७ कृत्रि बाबाई अधान । इत्तमः। मनीः म निभुटक भाराक हरेट्ड सिर्ग्ड रहेग्री स्थमाटक खिन्छ हरेग्राइड । हेशांत कीरत क स्थानात क्षतांन नगत की कहे जरू इंडिक, क्रुवाबनक, व्याहबीत ଓ गारांगक वर्षे চারি প্রসিদ্ধ শাকার আছে।

क्षि करके भार्तका श्राद्यम । श्रावतार भीक के वर्श आष्ट्र हेराटक कथित क्षेत्रन के क्षित কাল স্বায়ী। শীত ভাতি । অবহি কাল গুন পर्गाख अवर वर्षा देखां है । व्यविद व्याचिनभर्गाष्ठ शाटक । देशात करा बाबू व्यक्ति छेउम । अ वाया-

औरहित कृषि काछ देवीता। हेशत आप्र এখানে जीत्यात आत्रखाविष अकामभर्ग छ त्रमुगान खात्म वस्त भतिमारन धाना छेरभत ইয়। অততা পর্বজনমূহে কাপান, নাড়চিনি क्षेत्रा लावु, (द्रमम ७ भाषाद स्वयमा स्वयद्गास करण सरवा। कार्य कार्य हात वाशिकाल जारह । क्षिक्ष हर्रात्र समा देश वस्तिक क्षत्रिका विकास শের অধিকাংশ চূৰ 🏥 ইটাত নিয়া থাকে। क्र (सदमंत्र खणान नमन किन्द्रे प्रतमा मनीव मकिन खट्टे व्हिन्छ। इंशान पूर्व भीमा भिरागक, निक्य जीमा चाथनिया क्षाय, উভর नीमा जाबत्यामात नाकात । संक्रित भीता प्रत्याः। सनी প্রতার বহুবমূর ক্ষতি বাছান্তরপ, ব্যাদি অধি क्एत क्षर्यः । अधिका वर्षाकारम अञ्चल कमामगर **इहेता छैटि, य प्रेनिएड क्वान कान स्थान** आञ्चलर्वाच लट्ड निमन रहा अधारन जन्मी माजिएकेने, कार्क्नाकारकेने, (५%) बाक्टिकेश, नम्बकाधिनी, ब्रम्सरम्बर, ণোষ্ঠ আলীম ও ইঞ্জিনিয়ার আশীম এই করেক ही मालीम चारह ।

व्यामानित्शत कात्रहाँ जिच्च मःवान माजा निश्चित्राष्ट्रन।

১। कि जिल्ला निवन क्हेल, फांबबात नामक चार्नत भाषांवली मनीटल अकना निमीय ममदम हरे थाना तोकाटक मद्भाका रहेशा निशादक । (मर्द्रकाचाक्रमियामी कञ्जिभन्न मादाबिक्रक ( শুক্ত মৎসঃ ব্যবসায়ী ) ভাওয়ারের হাটেব **मिवरम** चारलज्ञ निक्ष (नोका जार्थ। कार्या कतिया वाजिएक मिहे शार्मि मार्गान थार्क। निनीधारत करवत अन प्रवाचा पद्धाः व्यक्तिया डाहारमत तोकाय श्रवनशूर्मक त्नोका धूनिया क्षिण । (मोका (अवाटकाटवरण कियम त गमन করিলে হর্দ্দু ভেত্তা ছম্পুর্ভির চরিভার্বতা সাগনে धर्वेष्ठ स्हेल। मात्रा विद्यानानितात मान मधन ৰি টাকা ও চারি টাকার পরসা মাত্র ছিল।

२। शक ७०३ देवाके शक्कवांव काउँकाः ক্ষান্ত্রে,াভির্মিকা শিনী সভার চতুর্ব সাধংসরিক व्यक्तिनन व्यक्ति प्रभारतारक क्षेत्रा भिन्नारक । त्क'त रमचीत्र ७ विस्मिनीत्र श्रात प्रहे नाउ विका बद्दाप्रदेशत भगाभम रहेसाहिन।

## প্রেরিত

## यानावत्र वियुक्त त्यांम श्रकाणमण्यां क

## मनानव नमीत्रव् ।

🔊 कुछ स्मर्केन हे भवर्षद्र 'आमारम व्यागमन क्तिदन व्यानामवातीनिद्रणा कष्ट छ आर्यनीद्रप्रत বিষয় উট্টোর পোচর করিবার অভিপ্রাবে এক গামি আবেদন পত্র প্রস্তুত করিবার নিমিত কাত্রত্য ক্তিপয় দেশীয় ভদ্র লোকে গত ৩ র। আঘাত একটি সভা করিরাছিলেন। সভায় যে मुक्तम विकट्यत्र काटलाइमा रुश, कालात प्रशासन विवतन मिरा शक्रिक रहेन।

ন্ত্ৰীৰ্ভক বাৰু গঙ্গানাথ বজুৱা সভাপতির अन्य ब्रह्मशूर्मक मृष्ठ'त छ। स्मय, वर्गना कतिया (म्ह्न्यंत त्राक्रश्नुक्षितिकात भाता स्वतंत्र स्वतंत्रका क्षकताहात **हरेगा था**टक अवर वि**टल्यकः** কাছারা যে বলপুর্ধাক ফুলি ধরিয়া থাকেন उरशरम कतिया अवधि स्मालिक स्नीप বংলু তা করিলেন। জীয়ুক্ত বাৰু বল গম কুরুন পোৰ कला कविहा विज्ञातना व स्थानाटमद बाहाति छ कृत्त प्रभीप्र काय। अञ्चलक मा इन्टन अकात পক्ष्म मञ्जल माहे। ७९ भरत चातिष्ठी के खेंडिति रत्न कविणवत कीवृक्त वाबू अभारभाविकः कृकन রলিলেন, রহ্মপুত্র নদ বর্গাকালে অভিনয় ভয়া-

न रु इहेग्रा छे छे अवर शोहां होत निकटि कडक গুলি প্রথার জলে মুম আছে; ভারিবন্ধন প্রতি व त्रत शास २०।२० छन लिएक मुद्ध १३म খাকে। অভএব গোহাটিছ লোকদিলের পারা পার নিমন্ত একখানি বাষ্ণীয় নৌকা রাখা क्य (न क्रिमान्डे शवर्षत्य अहे क्यम् द्वीय क्रता কর্তবা এদেশের ভূমিতে প্রকাদিলের কোন শাস নাই, এই বিষয়ে গোহাটীর হাইস্কুলের শিক্ষ জীয়ক বাবু চক্রমোহন গোন্ধার্মী একটি বজুড়া করিয়া এই প্রতিপন্ন করিলেন যে, প্রজার ভূষত্বনা থাকাডে দেশে। কোন প্রকার **উव उ रहेए उर्छ मा अवर शवर्गाम के यथम याहात** ভূমি এইণ করেন তখন ভাষার আনেক ক্ষতি হইষা থাকে। এদেশের রাজকর রুদ্ধি হওয়াতে श्रमामिर्गत (य अभिम्य क्रिन श्रेटिक, देश अ शायामी महानम् हिल्लं कृतिस्त्र ।

্ তংগরে গোলামী মহাশয় বলিলেন, হাই क त्न अक क्या काइराय कारा भक विद्यारमत জন্য লেপ্টনান্ট গ্রহণ্র সাহেবকে অনুরোধ কর। कर्डवा। शूर्य्स केनिजांत्र विविध मिन्दा प्या স'মে পৌভিত, একণে ইনজ্পেক্টর পোষ্ট মাষ্টার জী যুক্ত ৰাবু ভূৰ্যনোৱায়ণ বন্দোপাধ্যায় মৃহাশ য়ের ছারা ডাক গভায়তের এরূপ স্থপ্রালী क्रेसाइक (य व्यामना & मिन्द्रम कलिकाकात किर्ति পাইগ্লাথাকি। ইন্পেট্য বাবু বলিলেন, গ্ৰৰ্ণ रमन्त्रे यनि वर्षाकारमञ्जलमा किथ्निय है। का बाब करवन, जाहा हहेटल मध्यप्तत अहे अकारत जाक চলিতে পারে। তাহার মতে প্রলিক্তরার্ক ডিপাটিয়েন্টের ছারা এই কার্যা কথন স্তুসম্পা मिछ श्रेरव में। व्यवः भव जिन जे जिनाष्ठे (मर्-हेत्र कर्फ्डीती मिर्गत्र देन बना 👁 व्यनदात्र বিষয়ে এক ২৩কুত। করিলেন। পরিশেষে ব্দব্রস্থ ডে কোপানির এচেন্ট 🗟 বৃক্ত বাবু लाभानहस्य बर्म्याभाषात्र बिल्हान, लाहा টীতে আগদানি রপ্তানির যোগ্য একটি चाहे ना शाकाब विकितिरात्र करनक क्रकुविधा क्टेट ट्रंड । छेलात (यनकन विषद्भेत्र छेटलम कता গেল, সেগুলি সক্ত সন্দেহ নাই। তৎভিত্ন আর কভকগুলি বিষয় আছে, ভাষাও বিবেচনা করা সভার উচিত ছিল। এদেশে মিউনিলিপাল ক্ষিটির অভ্যাচার এবং দেশীয় লোকদিগকে প্রধান কর্ম না দেওয়াতে যে অবিচার হইতেছে ভাষা লেপ্টনান্ট গ্রন্মকে বি.দভ করা বর্ভব।। करेतक कामार्थ

(मनीश

শস্পাদক মহাশম ! এখানেও আবার গা.ড়ির मार्थन श्रेटफरह। श्रीमार्फि शाफि श्रीन फिन শ্রেণিতে বিভক্ত করিয়া জোণি বিশেষের ভিন্ন चित्र श्रकांत्र बारमतिक मार्थम निकातिष कता १६८व, এवर এका ও वरब्रम गालित माण्डम गव ৰ্মেণ্ট অভন্ত লইবেন ইংচতে দরিত্র দিগেরই কষ্ট বড় লোকের বড় কথা। ধনি ব্যক্তিরাই স্থাজি তাপিয়া থাকেন, ভাঁহাদের সার ইহাতে কি বিশেষ ক্ষতি হইবেক, কিন্তু বাহাদের बाब बाब डांहाता (र इटे ठाति शतमा निक्र) একা চাপিয়া বেড়াইছেন, ক্রমে ভাগাই লয় रहेट नागिन। बादारी निरगत भना ना काछि লে দরিদ্র এফাওয়ালার আবর কোথা কইডে গ্ৰৰ্থমেক্টের পেট ভ্রাইতে পারিবে কির্দিন हरेन এখানে বাণিক্স प्रवशामित माखन नश्रा ছইজেছে। স**ত্র্যন্তি গাড়ির মাতল কই**বার প্রস্তাব চলিরাছে কিন্তু গাড়ি চলিবার রাস্তা গুলির শুবিধা করিবার বিষয়ে ডত মনোঘোগ দেখিতে পাই না এখানকার গলি রাস্তা ওলির ছরবস্থার বিষয় প্রেয়াগদুভ পত্রিকায় প্রকাশিত হইয়াছিল স্বিশেষ মহাশয় অবগত আছেন। এলাহাবাদ

२८ श खून ১৮৫5 ।

#### ---:0:---

#### म्नाव्याखि।

क्षियुक्क वांबू ब्राधिकानात्रांत्रन धांव ল্বলপুর )२१६ खा**वन स्ट्रेटक १७ फा**वाह 10 » अगरबास्त जिश्ह यिषिनी शृत ३२१६ जायाह स्टेटक खाज . 40 " भीमनाथ मन्त्री Pieto केरकर कार्याम क्रेट्स के देखान 30 " बस्ते। श्रीम **जनान** शुद्र १४ ७४ सून स्ट्रेट मरवस्त्र **उर्वनिष्ठे, वि, अग्**ड शाम कर्षक १ ८७ छाउँ महेर ७३ (म 3.0 " ক্ষেত্ৰমোহন সিংহ **निमाञ्च**भूत १४७० म स्ट्रेंट ७३ ब्रह्म » नवीनक्ट्स वरमहाभाषात्र (मनिनीभूत १४७४ खून इंहेटक ७५ (स 30 <sup>भ</sup> विरुप्तम्त्र नार्ङ् কায়ৰা १००० स्वाह स्ट्रांस क्षेत्र स्व 20 " ताथायलक निवर स्वतं कृतिप्राटकान ३२१६ देवमाच स्ट्रफ देवले 🏂 » जालराव करकीशावताय विकारकेश अम्बन स्नारे श्रेटक फिरम्बन में विश्व

## নোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা । বিশেষ নিয়ম

অথিম মূল্য ও ডাকমান্ত্রল না পাইলে মদ-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ কর্ম ধারু না।

ইহার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং, বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা । মক্ষললে ডাকমান্ত্রন সমেও বার্ষিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং জৈমানিক ৩৮০। তিন মাসের স্থানে অগ্রিম মূল্য গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাভি চিঠি, মণি-অর্ডর, নোট ও স্থান্স টিকিট, ইহার অন্যত্তর যাহাতে বাঁহার স্থাবিধা হন, ভিনি সেই উপাত্ত দ্বারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাঁহার। ষ্ঠাম্পটিকিট পাঠাইবেন, গ্রাহারা বেন এক অথবা আধ আনার অধিক মুল্যের ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

যখন বিনি মক্তল হইতে সোমপ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, ভাছা যেন রেজিষ্টরি করিয়া শ্রীযুক্ত ধারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

योशिंदिगत मृत्य निर्वात नमन खडीफ हहेन्ना खानित्व, अरु मानपूर्ण डीहांनिगत्क किंद्री लिखा खानान बाहेत्व, कान खडीफ हहेन्ना गातिल अरू वात किंद्री लिखा हहेत्व, डाहांत भन्न अरुमानकान श्राडीका कृतिन्न। काणक वस्त कना बाहेत्व। तथा वात्तत्र भन्न त्वन्नातिर भागित्व हहेत्व।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ডাক

বাঁহার। মান্তুল না দিয়া প্রাদি প্রেরণ করি বেন, ভাঁহাদিগের সেই প্রাদি এহণ করা বাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইচ্ছ।
করিলে তাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংজি 🔑
আনা ভাহার পর 🖊 ১০ আনা দিতে ইইবে।
বিত্রি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা করিবেন, তাঁহার সহিত শুভান্ত বন্দোবস্ত হইবে।

শাতলা রেল-ওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ মাতলা রেল-ওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চালভিপোতার গ্রীযুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যা-ভূষণের বাদীতে প্রতি সোমবালে প্রাতঃকার্যে শ্রকাশিক হয় ।

# मियशक

১০ ম ভারা

७७ मरसार ।

## · प्रवत्ततां प्रक्रतिचिताय पार्थियः सरस्तती श्रृतिमहती न **दीयतां।** "

মাদিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১০ দশ काबाम मन्यानिक वा नाएक नाह छात्र।

সন ১২৭৫। ৩১ এ আয়াত। ১৮৬৮। ১৩ ই জুলাই { বাণ্যাসিক ৭, ও ত্রৈমাসিক ৩৮ ট কা

200

## বিজ্ঞাপন।

দাসকোম্পানিব বছবাজার প্রেস। ८ द न महत्र कार्मद (लब खरम्बाल १ में में कि ।

সংগতি উক্ত দাদকোম্পানি একটা মুদাযন্ত্ৰা লয় সংস্থাপন করিয়াছেন। পুস্তুক, সংবাদপত্র, বিল, রসীদ্ চিত্রী, চেক, টেবিলপ্রভৃতি স্কলপ্র काव कार्या, वांखादतत निष्मिष्टे मृता व्यापका छ ल छ मृत्ला, चल्ल नगर्मात्मा ७ स्ट्रांकला निष्णत করিতে এম্বত আছেন। অপর উক্তঃকোম্পানি गर्भाधानत **ভারগ্রহণ করিবেন** । **এ**রীম পুরের প্রনিদ্ধ রামচন্দ্র কর্মকারের বাঙ্গালা নানা বিধ মুডন অক্ষর ও বিলাভি মানাবিধ ইংরাজী মুত্র অকর এবং যদ্রালয়ের জাবশ্যক সমস্ত সর্ভ্রম দংগ্রহ করিয়াছেন। এক্ষণে সাধারণের উংগার ও অমুগ্রহ প্রার্থনা করেন।

) जी अधिकाठद्रभ मात्र। ক্লিকাড়া ৯ই আবাঢ় यञ्जाभुकः।

#### সহস্রমুদ্র\ পারিভোষিক।

अञ्चाता भक्तिमात्रात्रक च्छाञ क्या शहे-ভেছে যে গত ২ বা চৈত্র আমার ভবনের সন্ম भ युक्त शवर्गक्रिके माश्याकुछ विमालयुक्त ৰারাভার উপর বেলুড় গ্রামবাসী অন্তাম ধকিবধীয় सदका छ स्ट्रेंस्स्त्रसम्बन्धः करेनक शिश्तकत य ভয়ানক হত্তবাকাও হইয়া গিয়াছে, আজি অবধি হয় মাসের মধ্যে যে ব্যক্তি তাহার হননকারীর क्षय्रभक्षांन क्रिया मिएड श्रादित्व, डीश्टिक जर्ञ यूष्टा भाविद्र छात्रिक श्रमान कता वाहेद्व। **इयं मारित्र शत अक वर्शतकोलमर्था कञ्चनकोन** হইলে সংবাদলাভাকে ৫০০ পাঁচ শত মুদ্রা श्रमान कता इहेरन। अधिनम् आएकरेशत विषय . **बहे, डिलिथिड मियन व्यवधि अवर्गस**न्हे नक

इंट्रेंट्ड अर प्रथम हरेए नानाविध असूनकान করা ইইভেছে; কিন্তু কোনক্রমে কুভকার্য্য হইতে পারা যাইতেছে না।

भः (कां फ़्र बांखशानी ) ১৮৬৮ माल ५२ हें जून औरगाभीनान भाए ।

#### অভিধান :

मका बुधि	> # •
শব্দার্থ প্রকাশিকা	•
শব্দ সিব্ধু	٥
শকাৰ্থমুক্তাৰলী	9
শক্ষবির্যমালা	¢
শব্দার্থপ্রচারিক।	•
প্ৰকৃতিবাদ	ŧ
সংস্কৃত পুস্তক	
রযুবংশ সচীক	b
উত্তর নৈৰ্ধচরিত	• 11 •
ভট্টিকাব্য	8 •
অষ্টাবিংশক্তি ভব্	<b>૭</b> ૧
<b>দ</b> শরূপক	340
চলিকাতা ু ত্রীকেদারনার চর্বক্রালিক	ध नगमग्रीभाधार
र्वक्योमित्र है है ३११ वर शुल	प्रकविद्रक्षण्डः।।
Λ 0	

-----

গ্রাহকগণের প্রয়োজনতে দু নিমূলি খিত সংস্কৃত পুস্তকব্রয়ের কিয়দংশ প্রকাশিত হইন। প্ৰাহ্বগণ পুৰ্ন ভদ্বভীত নিম্নিদিষ্ট সম্পূৰ্ণ भूमा श्रियन कतिरम श्रीख इहेरवन। विरम्हन প্রেরণের শুভন্ত ভাক মাশুল নাগিবেক।

মল্লিনাথের চীকা সহিত।

🦟 শিশুপাল বধ ( মাঘকুত ) মূল্য त्युवरम (कालिमानकुछ) ¢ . ক্রাভার্ক নীয় (ভারবিকৃত)

विनार्विगरनत क्युक्वियार्थ निम्ननिधिक কতক**ওলিন সংস্কৃত পুস্তক** দেবনাগর<sub>া</sub>ক্তরে স্টীক মুদ্রধারত স্ইবেক। একাশের পূর্ণ্ণে গ্রাংক जुक स्हेरन भीका बाद भूषी जगद श्रांक जाते পৃষ্ঠা জিন পয়সায় হিসাবে খণ্ডে বা সম্পূৰ্ণ যেমত প্রকাশিত হইবেক উক্ত নিয়মে মূল্য প্রদান कतित्व भूत्रक श्राश्च स्ट्रेट्बन । विरम्हान श्रित्रहरू খতন্ত্ৰ ডাক মাগুল লাগিবেক।

अपुत्रः होत् । (अपन्छ । नकुछना । नहनारह । मानविकातिभित्र । विकासार्वभी । मुमादाकत । त्रवावती। मान्छीमाधव। সাংখ্যতত্ত্বকोমুণ वा मार्थ(कात्रिका । महावीत्रहत्ति । छ छत्रवाध-চরিচ্ছ । মুগ্ধবোধ। দশকুমারচরিতের উত্তরাগ্ধ । পাৰিনি। বসস্তভিলকভাৰ। অমনকোষ। শান্ধন काषा, जानमांगति, जीधतवामी ও मधुल्लान সর্বতীর দীকাসহিত 🕮 মন্তাগবত। মহাভারত। विक्पू श्रुद्धान । कामब्दी । इष्टिकाव्य । माशासक । काराधकाम । हज्कं। बार्करखन्न हखी।

বুমাকর যন্ত্র নিমভল।

#### বিক্রহার্থ।

----

গাংল্ডন রীচ ২৪ নং বাটী গুদামগ্র ১৯ নং (জাড়া ৰাগান।

रिक्तायुद्ध नि.मस्त ।

পারতেনরীচ ২৪ নং বাদী। উপরি উক্ত বাগান ও বাটী মাঁহারা ক্রম कित्रिक खथ्या सहैएउ हैका करतन, निम्न शाक ব্রিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন :

> भिरल्खात्रम् व्यात्रातः धनह अन्द तर्

শব্দকল্পজন অভিধান। সর রাজা রাধা-কাস্ত দেব বাংগাড়রের ক্লাত। উত্তমকপে সোণা দিয়া কুলেন বাবান সূল্য ২৫০ টাকা।

#### শ্ৰানন্দচন্দ্ৰবেদান্ত বাগীশ।

#### ----:

#### রানীগঞ্চ পটরি কোং শিমিটেড।

(क' वहा कविवाद स्ट्रिक्स हो हैन ।

ত কোল্পানির মিসনরোক্তিত ৪ নং আফিসে তথ্য নরুনা দেখিতে পাওয়া যায় এবং যদি নাল্য এয়োজন হয়, ঐ আফিসে জনুমতিপত্র পাসাইয়া দিবেন।

#### --- 3 0 2----

এত দ্বাধা সর্ক্ষ সাধারণকৈ জ্ঞাত করা যাই-তেছে যে, যথন কোন স্ত্রালি বা পুলিন্দা রেল ওয়ে মারায় প্রেরণ করা হয় তথন যে ব্যক্তির নিকট দ্রব্যাদি বা পুলিন্দা পাঠান হইতেছে উন্নার উচিত যে ভিনি যে ষ্টেশন হইতে দ্রব্যাদি বা পুলিন্দা পাঠাইতেছেন, পেই ষ্টেশ নের প্রদক্ত দ্রব্যা বা পুলিন্দা পাঠান হইয়াছে সেই ষ্টেশনে দ্রব্যা বা পুলিন্দা পাঠান হইয়াছে সেই ষ্টেশনে দর্শান। মচেং উনিহাকে প্রেরিড দ্রব্যাদি বা পুলিন্দা দেওয়। হইবে না।

यें, शत नारम प्रवाणि शाठीन हह . जिनि येश जिलि शिला प्रवाणि कहें जिलि येश प्रिंगि कहें जिलि येश प्रिंगि कहें जिलि येश प्रिंगि कहें जिलि शाठीन, जिलि शाही नारम प्रवाणि प्राणिम हहें हो कि जिला कि स्थानि प्राणिम प्रवाणि प्रवाणि क्रिया कि स्थानि व्यक्ति क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क

ইছুই গ্রিয়া বেলগুরে হৌদ ) নিদেশটি ফেলন ডালেগেটানী স্কোয়ার ব্যালকাতা ২০ এ জ্বন ১৮৬৮ )

সমনিয়া সংখ্যত পুজকালয়ে ও পটোল চাল, বাড় খো আদার কোম্পানির গোকানে মং কানত ও মংপ্রচারিত নিয়ালখিত পুস্তকভালি ব্যক্ষ চইতেছে:—

หล้า 5	মূল্য :
<b>এ</b> স্টাভ্যান	३ हे दिन
বোসহাত্ত্ব	3 <b>*</b>
ভূবণুসার বাংকিরণ	1•

· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	•	-	
নীতিসার (১ম ভাগ	)		J
নীতিসার (২ র ভাগ	)		لو
প্রচারিত।	•		
ৰুষ্ণাবোৰ ব্যাকরণ			h
	_		

#### 🛍 ছারকানাথ শর্মা।

ভারত হয়ীয় ত্রাক্ষসমাজের সহিত প্রজিনিধি সভা ও কলিকাতা ত্রাক্ষনমাজের প্রচার বিভা গের যোগ করিবার প্রাক্তাব উক্ত দিবসে উল্লি খিত স্থানে অপরাহ্ণ হয়টার সময়ে বিচারিত হইবে গ প্রতিনিধি সভা ও প্রচারবিভাগের সভা মহাশরের তথকালে উপস্থিত হইয়া ভদ্মির নিজ্পতি করিবেন।

ــــ و وســـ

金パネツイト型 (カル)

हे । क

હ ધ

.04

PC.

Ŗ

₹

## বিবিধ জব্যাদি বিক্রয়ার্থ শুস্তুত।

----

ই বাজী বাজলা পুস্তক কাগজ কলমানি নানা বিধ দ্ৰাং পাওয়া যায় মফস্বলে ঘড়ী অঙ্গুরি হত্যাদি পাঠাইয়া থাকৈ এবং পুস্তকাদিতে এক আনার হিসাবে কমিসন দি। যাদ কেহ অধিক টাকার দ্রব্যাদি লয়েন তাখা হইবে /১০ জানার হিসাবে কমিসন পাইবেন।

গোলত প্রিথ গৈটিকেল ওয়াক खारदा देश व नाईहे শ্কেরেটার (बहुलब्राम् (लक्षात কোসেশস গুয়ার্ক हर बाक्षी खनवर गीए। इर काम्बरी है: श्रिष्ठेती अक श्राप्तनास्त्र (प्रेरे विजेन **第八 阿季图明** हेर हिन्द्राभारतम পুরুষ পরীক্ষা লয়লামজুন প্রিয়দর্শন তুরকীর ইভিহাস রী ভয়ুল काष्ट्रक मेरिका সঞ্জীভানন্দ লহরী रेमलव हांबड विषय भूषश्चन वानी विवासी एकन षात्रकारकती (कोयती

রাম উপাধ্যান	
রামচরিভ	10
. সপ্ত কাণ্ড রামারণ পদ্য	3
ष्यष्टीमंग भक्त मशकात्रः भग	ર્
শিক্ষাপ্রবাদী	ર
গোলকের উপযোগীত।	h •
खानकी नाउँक	٤
बीतवांका। वनी	1.
विश्वा दक्षक्रमा	<b>#</b> •
की इक्ष्यं का या	¶÷.
চরীত মঞ্জী	21.
কবিকঙ্কণ চণ্ডী •	h
का नी श छ	ч
প্ৰভাশখণ্ড	2;
কলীকোন্তক নাটক	7
ক্ৰিকলাপ	\$
রামাভিষেক নাটক	2
<b>इ</b> न्छविलाय मार्क	۲

'কলিকাতা জোড়া- ্রীপ্রতাপচন্দ্র রায় সাঁকো ৬৪ নং সন্দমূল্যে বিক্রেও।

### विशेष छञ्ज भूरचानावतात्रम्

কেলের ব্যবহার ও জরিপী নক সা প্রক্ষান্ত করিবার নিয়মসম্বলিত ব্স্তু পরিমাণক বিদ্যা ও জরিপ "কলিকাতা ক্লুকিয়া স্ক্রীট মহেলানাসের বাগানে ১৮ ১৮ নং বাটীজে এবং সংস্কৃত পুস্তকালয়ে বিক্রায়ার্থ প্রস্তুত আছে। মূল্য করি সম শুদ্ধ ১ এক টাকা

की अनत्रभाव मानिया ही।

ইংরাজী ১৮৬৯ সালের প্রবেশিকা পরীকার সাহিত্যের অপপুজুক বেষরেও আর, রবিদান কর্তৃক প্রস্তুত স্ট্রা থেকার স্পিক্ষ ধ্যাং এবং কলিকাতা ক্ষলবুক সোসাইটীধারা বিক্রীক্ষ ংইডেছে মূল্য ১ এক টাকা চারি আন্ত্রী

এতশারা দর্মসাধারণকে জানাইভেছি বে জেলা ২৪ প্রগণার চৌকীলারী োমসরকোলার

The second secon টাক্লদারগাগিরি পদ এক মাদের অবঃ খালী इंख्याय উक्त भारत अङ स्वत अक्तीर निगुक्त करा আবিশ্বি। অতএব অন্কোৰ আংনেখনত নোগা क्षिमांत्र था हर २१६० याम् य (य क्ष টাকার জামীন দাখিল কদিয়া উক্ত কর্মের প্রাথী হও এবং দাবগার মাসিক বেডন ৩৬ টাকা ওঘত টাকা তহলীল হইবেক ভাত্রি কমিদন ফিশ্ৰেঞ্চ টাকার হিঃ পাইবে।

न हे कालांडे) हे. (का वाहिन २९ भवतानात्र साउँ है या जिर्दे हे 14.54

## নদিয়ার নদী।

त्रत १५७५ त्रात्वत स्तृत बात्तत २२ अ व्हेट ए - ब भगान सभीवात सभीत **कटनत मालाहिक** द्रिरुपार्छ ।

স্থানের নাম म'धा छात्र। मनी महानात छेलत लक्षामके एक মুছাৰায় ভথা হটাতে হাট বোয়ালিয়া ८३ माइन कांके (वीवालिया इंडेटक का स्मित्र) व आयु प्रश्न हरेटड क्रमान ७४ माइन क्षाम क्रेडि इति मितीर्थिए ৩৪ মাইল ভাগীরবী ৷ মহানার উপব পদানদীকে 25 মহানা ख्या हरेएड खियांगळ क्षियात्रक क्षेत्रक कार्डाया ৬০ মইল कारणिया स्ट्रेंट समीवा ð १ ७ माहेन ् 😎 लक्षे मही NEIS! তথা ছইতে করিমপুর ু৯ মটেল করিমপুর হুইতে টিয়াকাটা তৰ মাইল हिशानको इडेटड नमीता ৬ - মাইল ুনদীর মহ'না গভ ২৬ এ আছুন ভারিখে चुनित्राह i

**अ**लियं "महामात्र **€ त** (त া মহানা পাত ২০ এ জন ভাবিধে খলিয়াতো। প্ৰ-১৯ ১৮ জালাই মহার ২ তালিকো বয়ুল্ল-जुन भाषा च.८३त च्यादनत मालः

> 3 4 11

) जीवक हैं, क्य छेरेक्स नि, इं **电影不取对话** ०वा खून है

#### সোনপ্ৰকাশ।

৩১ এ আধাদ সে মবার।

डाकंगश्रक्त व्यत्नक विमुश्रमा कारह। क्रमाज जाक क्यानात्रीमिट्शत (मायह যে ভাষার কারণ ভাষা নছে। যাঁহারা প্রাদি প্রেরণ করেন, উাহাদিগের অন-অবিনুষাকারিভাও উহার অন্যতর কারণ। বোরাইটের পোই মাটার কেনরল পত্রপ্রেরণের রীক্তি পদ্ধতির শিক্ষাদানার্থ যে একটা আজ্ঞা প্রচার করিয়াছেন, আমরা ভাষা এই क्टल छेन्न छ कतिया मिनाम, व्यक्तिरिक्न পুর্বক পাঠ করিলে অনেকে পত্র প্রের ণের ভদ্র রীতি শিক্ষা করিতে পারিবেন। बहे परान व्यापता ३ भूजा, श्रांक मिना क মুটি বিষয়ে সভর্ক করিয়া দিতেছি। অনেকে পত্রে যথোচিত মুল্যের স্থাস্প विकित दान ना, खादाट क दन य छोड़ा बिर्मंत अवस विकिट्ठेत भूमा अनर्थक যায় এরপ্নয়, যাঁহারা উদ্ভাবা অন্য विश्व कांत्रदेव दमहे शख अहन करतम, छाँहा দিগকে কতিগ্ৰস্ত হইতে হয়। দিতীয় এক এক জন এরপ পত্র আটিয়া দেন, ভাষা বে আর এক জনকে খুলিতে इहेरव, ७२काल डाइमिराव म कथा म्राम थारक ना।

(भाके आफिन क्यांगिर्गन मधीरे निर्वतन **८**हे (व।

১। চিঠির উপরে দেশীয় ভাষার অনাব

শ্যক অনেক মোকাম থাকাতে পোই আফি সের বিলক্ষণ কার্য্যের ক্ষতি হয়।

२ विमयक कथात छात्रांश बाकाँटिउ এক এই লাইনে বাজির নাম, ধাম; ীপাধি वा बावनाग्र ना दलका थाकाटा अक अकी চিটির মোকাম নিশ্চয় করিতে অনেক বিলয় ७'डमर्थक करे इस धंदर साकाम अस्त्राम বোধ গাম্য না ছওরাতে কাজে কাজে ডেড লেটার আফিলে এমত অনেক চিঠি পাঠা-ষাহাদের উপরিভাগে হিয়া দেওয়াহয়, ই রেজি ধরণে নাম, ধাম, লিখিত থাকিলে অনায়াসে উদ্দিষ্ট ব্যক্তির নিকটে পৌছিতে পারে।

৩। অতএব ভাঁহায়া প্রম সীকার পূর্কক দেশীয় লোকদিগকে উল্লিখিত অস্থ্রিধার কারণ জ্ঞাত করিবেন ও উছোরা আলম্বিত পদ্ধতির উপর হস্তার্পণ না করিয়া ভাঁহাদের চিঠি নি ঃপিত ছানে নিংসংশর পৌছে দেও য়াই যে আমাদের অভিপ্রায় ভাছা ক্রয়জম कत्रिया जित्वम ।

। আমি এই বিষয়ে ডাইরেক্টর অব প্ৰবিক ইন্ট্ৰাক্সনকে লিখিয়াছিলাম। তিনি বোষে প্রেনিডেনিক ভারনাকিউলর বিদ্যা লয়সমূহে প্রচার করিবার মানদে অমুএহ পূর্ব্বক এক মেমরেশুম (নং ৩৭৩৪ তারিখ ২১ এ মার্চ ১৮৬ - খৃষ্টাব্দ অবস্থাদ ইহার নলে আছে ) লিখিয়া**ছে**ন। ভাহা পাঠ করিলেই নবা সম্প্রদায়ীরা দেশীর ভাষায় লিপির উপরে ষ্থানিয়মে নাম, ধ ম, লিখিতে শিখিবেন! ো বাছা ছ'কে, জামাদের এই পৰ্যান্ত করিয়াই ক্ষান্ত হওয়া উচিত বি:বচনা করি না, আমি আন্তরিক বাঞ্চিকরি বে, মহোদয় দর এ গ্রান্টের দেমরেওনের অন্ত গতি সহজ সহজ নিরমগুলি আধুনিক জন্ম-দ্দেশীর পত্রলেখক সর্ব্বদাধারণকে বিদিত করাহয় এবং এই লক্ষ্য রাখিয় প্রত্যেক োই মাষ্ট্রার ও প্রত্যেক ডেপ্টা পোই মাষ্টার আপিনার হুযোগ ও অবকাশ বুনিংয় ঐসকল নিয়ম প্রচার করিতে সাধ্যান্স্সারে চেষ্টা করুন। আর এই ংকে আমি প্রত্যেক कादलके इ ७ एक में कि अगगत्र श्रूम भारत প্রাফের মর্শ্মে: প্রতি দৃষ্টি রাখিয়া এই বিধরে

জ্ঞামুকুল্য সদানে বাধিত করিতে অসুরোধ । কবিভেছি।

র । বিলি না হইরা বোদে ডেড লেটর আফ্রিন যে কল দেশীর জাষায় নাম পান, িখিত ডিটি নাধিল হর তাহার সংখ্যাশিত কর বড় অল্ল নহে। কিন্তু আমি নিশ্চয় বাধ ক্রিতেতি এব, অভিলবিত রীতির অন্তর্গন ক্রিতেতি এই অনিষ্টের অনেক নিধারণ গইতে গারিবেক।

এফ, আর, হগ ্সাকরিত।
ভাকি সংয়টিং পোষ্ট সাহার জেন ল।
বাস্বাই পোষ্ঠ মাইরে তেনেরেলের ক্যাম্প ভারিশ ও এপ্রেল মন ১৮৯৮ খৃষ্ঠাক।

মেমরেওম নং ৩৭৩৪

প্না আবিস, ডাইরেক্টর অব পর্বলক উন্তু:রুন, তারিশ্ব ২১ এ মাচর্চ সন ১৮৬, প্ত:ক। ইংরেক্টা গাঁতি অনুসারে চলিত েশীয় ভ্যান চিটির উপরে নাম, ধাম, লেখা গ্রণমেন্ট ও গ্রণমেন্ট সাহায্যসাপেক্ষ ভারনাকি লার ক্লের ও য় হেড ও২ টা । দ্যের অন্তর্গত বািয়া অভংপর বিবেচনা করা ইইবে।

ভাষ্টেড নিম্লিখিত নিম্মাস্যায়ী চলিতে হ'ইবে।

১ , নান, ধান, ইটানি পূধক পূথক লাইনে লিখিতে হইবে।

্ব বি ব্যক্তিকে পত্র প্রেবণ করা হইবে শুদ্ধ ভাষার নাম ও উপাধি থাকিলে উপাধি প্রথম লাইনে লিখিতে হুইবে ! মথা

রাও সাবের রামচন্দ্র নারায়ণ পাদকি

। সর্বাশেষের লাইনে কেবল জেলার,

থাবা বে শহরে চিটি বিলি করিতে হইবে

সেখানে পোষ্ঠ আফিস থাকিলে সেই শহ

রের নাম লিখিতে হইবে। যথ

#### (क्रांशा माजारा।

ভাগৰ! বেল্গাম।

ে প্ৰভাইনের পূৰ্স লাইনে শহরের যে হংগ্ৰাবিলি কলিতে হইবে, ভাহার সাম লেথিতে হইবে ফণ্ভালপথ্যার পেণ্

অধবা ভাল কের নাম দিটে হইবে, যথা হাওয়েলি ভাল ক ে ৫। তাহার পুর্দ্ধবর্তী লাইনে রান্তার।
নাম ও বাটার নং থাকিবে, যথা ৫ লোহারচাল অথবা গ্রামের নাম থাকিবেক, যথা
িম্পুল গাঁ।

৬। মোকামের দিতীর লাইনে, বে আফিসে কর্মা করা হয়, তাহ\ অথবী উদ্দেশ্য ব্যক্তির ব্যবসায় লিখিত খাকিবে, যতা সেরেন্তা দার দোকান ওয়ালা ভাট ইত্যাদি।

৭ ॥ সকল জনাবশ্যক কথা, মথা "তাহাকে এই লেফ ক দিব:। ১ ইত্যাদি লিখিতে নিমিক।

৮। পোষ্ঠের স্থ্যাম্প চিটি মুড়িয়া দক্ষিণ হত্তের দিকে উপর কোণে আটকাইডে হইবে, যে শহরে পোষ্ঠ আফিদ আছে. তাহার নাম অথবা ডেলার নাম দেই দিকে নিম ভাগের কোনে লিখিতে হুবে। প্রেরণ করার কেবল নামটা ক্ষুদ্র ক্ষুদ্র অক্ষরে চিটির বামদিকে নিম ভাগের কোনে কোনে লেখা যাইডে পারে; কিন্তু "হইতে" এই কণা বাবছত না হয়।

এ, প্রাক ্সাক্ষরিত '। ড)ইং: ক্টর অব প্রবিক হনষ্ট্রাক্ষন।

भारत्थ्यस्य नामनश्रमानी ए मह्मन नदस्म ।

---- 🕻 a 5-----

তাল কালি সর টাফোড নর্থকো
টের রাজনী তর ভাব " বহ্বারত্তে লঘু
ক্রিরা শ ইইয়া দাড়াইয়াছে। দিবিল
দক্ষিণের ছার উদ্যাটন করিবার বহুতর
আড়েম্বরের পর শেষে ছির ইইল, ভারতব্যায় গবন্দেট ক্রেকটা পদ উপযুক্ত
দেখিয়া ভারতবর্ষীয়দিগকে দিবেন।
" এক মণ তৈলও হইবে না, রাধাও
নাচিবে না।" ভারতবর্ষির শাসন্ধান
নালীপরিবরের বিষয়েও এই প্রকার
ইইতেছে। কত আড়মর ছইল; কড়ই
ক্রেরব উঠিন; ভারতবর্ষীয়েরা ভাবিলোন, শাসনপ্রনালী পরিবর্ত ইলে কড়ই
সুপ্রভাগ করিবেন, ভোবে কেবল সোম

শর্মার ছাতুর হাঁড়ি ভাঙ্গা সার হইল। গ্ৰণ্য় জেনবল উন্নতির পথে কটক নিকেপ করিয়াছেন। ভারতব্যীয়ের। সভাতার উচ্চতম সোপানে খারোহণ कट्राम, मत सम्म लट्राटमात व देख्या मरा। তাঁহার দংক্ষার এই, এদেশীয়েরা উচ্চ-তর সভ্যতাসম্পন্ন হইলে ভারতবর্ষ ইংরা किंग्रित इन्ड शहिल्य इहेश याहरव। সর ঊাফোড নর্থকোর্টের এরূপ বাসনা षाष्ट्र ध्यानकात भवर्गत (क्रनतल इह-বেন। অভথৰ তিনি গৰ্ণর জেনরলের ক্ষমতার্দ্ধি ও ক্ষমতারকার প্রস্তাবের रय अञ्चरभावन कतिर्वन, छाहा धार्क्टर्यहत विषय नरह। मत कन लरतरम् व कुम् कात अ अटममेबिरमेदित अिंड विरम्न এवर সর ফাফোড নর্থকোটের স্বার্থপরত। ভারতবর্ষের শাসনপ্রণালীর উৎকর্ষদাধন আর কিছু দিনের নিমিত স্থগিত রহিল।

मत छोएकार्ज नर्थरकां है । अ स्मरन শাসনপ্রণালীর পরিবর্তমন্বলে গবর্ণর क्षिनहर्मह निक्षि मण्डी श्रम् कृतिहा পাঠান। বল্পদেশের শাসনপ্রণালী বোষাই उ माखारकत नाम इहेरव कि वर्डमान প্রবালী অপরিবর্তিত থাকিবে ? অপবা ভায়তবরীয় প্রব্নেত সাক্ষাৎসম্বন্ধে क मिन भागन कहिएबन १ किश्वा शूर्व्स यि अकात किल वृष्ट्रामात लिल्हेनिक গবর্ণর ডেপুটা পবর্বের উপাধি লইয়া शवर्गत (कानत्राह्मत (को किन्द्रमत अक कन मुक्त विशा পরিগণিত হইবেন ? वजः **(मट्नांत वर्जमान वार्वञ्चाशक मछ। शांकिटव** कि मा १ वक्षरमामा लाल्डेम के शवर्वातत महिक श्वर्गत (क्रमहत्मत (व महक्त, वाबाह । भारताब्बर महिल मानवा इरेटव कि ना ? मश्रम क्राम्य किस्ताना कता इह, शदर्गत (अनतम तास्थानी ज्यान ক্রিলে ভাঁছার মক্ত্রিপণ ভাঁছার সঙ্গে याहरदन कि ना ? এवर जिनि स्वाक्षांमज इहे अन मछीटक आख्वान करिया भानन कार्या मन्त्रीपन कतिरवन कि ना ? निवस-রহিভূতি প্রদেশের নিমিত্ত গবর্ণর জেন तल निष्य आहेन कतिएक शांतिरवन, এ নিয়ম চুওয়া উচিত কি অনুচিত? কলিকাতা হইতে রাজধানী স্থানাম্বর कता एउँ है। तित्र जिल्ला करा करा विकास करा है। তথাপি এ বিষয়ে সর জন লরেন্সের মত किछाना कता इहेब्राट्ड। एवम ६८ म किछाना कता इरेग्राट्ड, वज्रटनट्नत भव-र्गामातीत (मटकारोतिकारभत कार्याधाना-ধীর পরিবর্ত্ত করা পরামর্শনিদ কি না? বেবেণিউবোড পাকিবে কি উঠিয়া याहरत, व विषयुः अञ्चलकामा **平**系1 इंदेशिटिह ।

कई विषय छेलग**्यः म**त **ख**न लाउः ন্সের সহিত তাঁহার মক্তিবর্গের বহু অংশে মতভেদ হইয়াছে। সর উইলিয়ম মুর जिन्न व्याप्त मकटन है वक्रदम्दन धक सन शवर्गत इन वह क्छान क्रिशाटहर । ত্রে সাচ্চেবেরও এই মত; কিন্তু সর জন लाउन वालन, देश कतिरन भवर्गत स्थन तत्त्रत शीत्रदवत शांनि क्हेरव। अथनह (मर्थ) धांकेटकटक, व्यक्तीलक् शवर्गदत्रता (कान विष्ठा श्वर्णत स्मात्र का अधीमका স্বীকার করিতে সমত হন না। ৰঙ্গদেশকে याधीनका क्षणांन कतिरत वह व्यनिष्ठेत আবোরদ্ধি হইবে। আমরা ত এ যুক্তির ममर्थ इरेए ছि অশ্বনীয়ভাবেশ্য ना। त्वाबाह ७ मालाटकत भवर्गद्रता यांधी-नवस्यावहात कतिता यनि उँक्षित मान क्तिना इश, वाक्रणा (मरणेत् अवर्णेत्र क्रे ज्ञाश बावशांत कतिराम जाँकांत मान कानि इइटव रकन १ छटव कि वोक्रमा स्टब्स् লেপ্টনত প্রব্র তাঁহার ধামাধরা হ্ইয়া থাকেন, এই ভাঁহার অভিপ্রেত ? এখন গবর্ণর জেনরল বান্ধলা দেলের ल्लिकेनके भवर्गराक मानानी क कतिर करहा, ক্সভরাং ভাঁহাকে গ্রণীর জেনরলের

অসুগত হইয়া থাকিতে হইডেছে। অভঃ-পর ভাঁছার যদি গবর্ণর উপাধি হয়, তিনি ইংলও হইতে নিয়োজিভ ইইয়া चानिद्दन, उधन कार डाँश्व छेश्दत এখনকার নাায় প্রভুত্ত চলিবে না, উাহার এই লক্ষা অন্মিরাছে; কিস্টেউহাতে যদি কাজ ভাল হয়, তাহাই কি কৰ্ত্তৰা নহে ? এক বৃচ্ছ অভিমানের বশীভূত হইয়া একটা প্রদেশের অনিষ্টসাধন করা कि উनाताभा वाक्तित विद्यां ? क्यांग প্রেসিডে ক্সতে স্বতন্ত্র গ্রন্র ইইলে যদি স্থার রূপে কার্যনির্বাহ হয়, আর গ্র-র্ণর জেনরলের প্রয়োজন, রহিত হইয়া वातम्हण्या ଓ अ म्हान हे छेमाधन इत्र, (भी कि अभी के तरह १ वर्षन विज्ञान किलाकाक **७** त्वलंडराश्चा इंडिंग विमान ৰস্ত হইতেছে, তাহাতে গ্ৰ**ৰ্ণর জেন**রল ব্যতিরেকে চলিতে পারে, তাহাও বিল. भन त्वाथ इहेरजुर्छ। भृत्क वक्रण वरमा ৰস্ত ছিল না; সুতরাং গ্রণর জেনঃলের व्यट्यांकन विशामत कन लटतका काक क्या ইবার নিমিত আধামকে এক জন প্রধান किमनदात इंटिंड निटंड विनिशंद्धन। বেহার ও কাশী লইয়। এক জন মৃতন लिक्टेनके भवर्गत इडेन ; वश्रामर भत लिक्टे नके भवर्गदब्र (बडन व्याद्याह 😮 मास्या-**ब्बित मीमनकर्जितिलात नाम इंडेक.** (कार्र " वक्रामरभात (लक्ष्मिन के शवर्गत्र) দৰ্বনা ভোজপ্ৰভৃতি দিতে হয় !!! ) माश्रातन वास दक्षि इक्तेक, मिहे वास मक्क नगर्थ मूख्य का इडेक, ख्याणि धक सम अवर्षत्र वज्रातराम ना चाहरमन !! काहा हह লেই পর্ণর জেনরলের ক্ষমতা ও গের **वित क्रिंग स्ट्रिंग भोट्यांक ७ , विश्वित्र** শাসন প্রণালীর পরিবর্ত্ত করা ভারার অভি প্রেত নছে। তত্ত্রতা শাসনকর্পণ সাক্ষাৎ मधरका त्यन क्षिप्रेटिमदक्किनित्क शब লিখিতে না পারেন। ফেট নেকেটারি ইংলও হইতে কোন স্থানের লেপ্টন্ত

গ্ৰণ্য প্ৰেয়ণ না ক্ষেন, এই স্কলই তাঁহার অভিমন্ত।

मत क्य करत्रका मिमनादारमत क्षेत्रां विकास महकार विकास कतिशारहत। कलिकाछा तालधानी थाकूक, সিমলাতে গ্রীয়কাল অভিবাহিত হটক। তিনি স্বয়ং স্বীকার করিয়াছেন, এই পर्याख्यारमाभगटक भट्य २৮ मिन शक् इश्च । एथन भागनकार्या वक्ष धाटक मत्मर नाइ: किन्छ जिनि वर्तन, " ले नगर्य আমি প্রতিবৎসর দরবাব डेहात अर्थ नतकाती अर्थ करा कति। ध ডিন্ন আর কি কোন অর্থ হয় ? রাজগণ कि दक्षण मत्रवादत्र खटण वणीकृत क्रेया चार्ट्स ? डीव्यक्तिरभन डेमरन অত্যাচার হইলে গ্রণ্র জেনরল দর্বার करतन, विनशा कि डाँशता जुके थे कि-বেন ? মেজার জেনরল ডুরাও দিমলা-वारमञ्ज क्षान्तिवास कतियारहर । मत कन लाद्यम बरलन, " नकरन हे चीकात कति-शांद्रम, मिमना मशाच च्हांन त्मचादन বণিয়া উভয় শাসন হইতে পাঙ্গে!" धा । नकटलहे ११ (क ? शवर्गत (जनतन ও তাঁহার দেকেটারিগণ ভিন্ন আর কোন वाक्तिरकरे छ निमनावारनम अभूरमानन क्तिएक (मधा यांत्र ना।

বঙ্গদেশে এক জন স্বাধীন শাসনকর্তা নিযুক্ত করা উচিত। এপ্রদেশ
শাসন করা কুসংক্ষারবিশিন্ট সিবিলিয়ানদিগের কার্যা নহে। শাসনকর্তার
কৌজিলের প্রয়োজন নাই; তবে তাঁহার
এক জন এতদেশীয় সেকেটারি
আবশ্যক। জানীয় ব্যবস্থাপক সভা
নাত্রেই উঠিয় যাউক: এগুলির প্রতিভি
লোকের অভিশয় অপ্রদা হইয়াছে।
প্রত্যেক প্রদেশের রাজস্ব পৃথক হউক,
যে দেশে যেন্ন আয় হইবে, সেখানে
ভেমনি বায় হইবে। যত দিন গ্রণর
ক্ষেনরশের পদ আছে, তত দিন তিনি

সকলের উপরে তত্ত্বিধান করান

এবং দৈনাদির নিদ্ধিত অংশক্রমে সকল

এবং দৈনাদির নিদ্ধিত অংশক্রমে সকল

এবং দৈনাদির নিদ্ধিত অংশক্রমে সকল

এবং দিনাদির নিদ্ধিত অংশক্রমে সকল

এবং কার্যান প্রতিক্রমার্ক ও অন্য

ভান্য কার্যা জানীয় গ্রন্থেটের হুত্তে

গান্তক। কি গ্রন্থির কি লেপ্টন্ট গ্রন্থর

নাল্যান ইংল্ড হুইতে প্রের্ণ করা

ভান্ত । নিমলাবাদ উঠিয়া যাউক। গ্র

প্রত্তে ব্যাহ্রেকার্য প্রত্তে

যাইবেন তথ্ন শাসনভার অন্যহত্তে

দেওয়া হুইবে।

-----

বর্জনানের মহারাজ ও ভাঁহার সকা∺ নাধ ভোগ ধৰ্মি।

উক্ত মহারাজ সম্মানতে পিধনির নিসিত্ত একাত্ত লালায়িত ছইয়াছেন। काँचारित लालाशिक मिथिता आमानिरशत অন্তঃকরণে যুগপ্থ কৌতুক বিসার কোত প্রভৃতি অনেকগুলি ভাবের ওদয় হইল टकोजूक वहे, हेइटकड़े बटल " (यटड भाग। " विचात अहे, ए अवारतंत्र दक्षान विक्षता, गाँशात अन त्राम करे गाई, তিনি অন্ততঃ মাননিক কণ্পনাৰলৈ একটা কটের হেছু উপস্থিত করিলা কট পাই-নেনা ক্ষোভ এই, তিনি নে দেশে বাস করেন, ভাঁহার চাটুকারদলভিত্ন দেখান কার কোন ব্যক্তিই এবিবরে প্রায় ভাঁহার সপক্ষা করিতে উবস্ক নটেন। তিনি तिश्रकात श्रमण, छिनि यति दाङ्गणा (म् भाग क्रिक्यों क्रेट्डन, व्यत्नक (क्र्यूर) সাধন করিতে পারিতেন সন্দেহ নাই। তाहा हहेटन लाटक एग आब्र आपना इक्टेंट डेटम्राभा हरेसा अफिसार डोहांत দশানবর্জন করিবার ८ एक। भाई. তেন। আমানিধের গুণফা গ্রণ্মেণ্ট ঃ ভাহার গুণে মুগ্ধ ও প্রেচ্ছা প্রবৃত্ত হইয়া চাঁহার মানবদ্ধন। করিও জন।

ভিনি দেখাইয়া দিন দেখি, এনন কি ক্লা ক্রিয়াছেন যে, লোকে ভাঁহা সান

হৃদ্ধির নিশিত সমুংসুক হইবেন ? তিনি আপনাকেই আপনি বড় দেখেন। দেশের হিভার্থ কাহার সহিত মিশিয়া काम करा धारशीतवकत खान करतन। उँ हाव उचारन ज समीय मिरशत मन्या নের যে এক অন্তুত পদ্ধতি আছে, ভাহাতে কোন তেজনী পুরুষ ভাঁহার নিকট গমনে উৎস্কমনা নহেন। ভিনি काशंत नग, जाँशात् अ त्कृ नट्टन । विनि যেমন ব্যবহার করিবেন, অপরে তাঁহার সহিত তেমনি ব্যবহার করিবেন এটা প্রসিদ্ধ বাক্য।যাঁহার।চাটুকার, ভাঁহারা এ কারণ বৃকিতে পাবেন না। ভাঁহারা লোকের নিকটে এই প্রতিপন্ন করিবার চেক্টা পান, এ নেশের সোকেরা ভাষার অতুন ঐশ্বর্যা দেখিলা ঈর্ষ্যা করেন। কিন্তু আমরাত এই বুঝিতেছি, যদি অভুল ঐশ্র্রা ঈর্বার কারণ হইত, ঐশ্ব-র্যান আর ত মনেক লোক আছেন, ভাঁহাদিগের প্রতি দেশের লোকের ঈর্ঘণনা জন্মিল কেন? আজি কালি লোকের মনের ভার পরিবর্ত্ত হইয়াছে। এখন আর ধনের প্রতি পক্ষপাত নাই, গুণের প্রতি পক্ষপাত জিমিয়াছে। হিন্দু পেট্রেটের ভূতপূর্ব সম্পাদক হত হ্রিশ্চ দু মুখোপাধারের স্বরণার্ধ চিছু করিবার নিমিত্ত লোকে এত যত্নবান কেন পুসর জান আগতি বিদেশীয় লোক: এ :দশের লোকে স্বতঃপ্ররুত হইরা ভাঁহার প্রতিকৃতি করিলেন, আর বর্তমানের महात्राक (मर्भत (लांक इरेग्रा राजकरना চিত সামান্য সন্মানলোভে লুক হইয়া-ছেন, কিন্তু দেখের লোকে ভাঁছার দপক্ত, করিতেছেন না, তাহার কারণ কি পুমহারাজ কি দেটা বুকিতে পারি (ख्रष्ट्रम मा ?

আমাদিগের এক প্রত্থেরক লিখি য়াছেন, মহারাজ ভারতবর্ষীয় সভার স্হিত যোগ দেন নাই বলিয়া হিন্দু

পেট্রটসম্পাদক ভাঁহার প্রতি কুপিত হইয়াছেন, ভাহাভেই ভিনি (পেট্রিট শস্পাদক) শত্রুতাচরণ করিতেছেন। ভাল আমরা পর্তােরককে বিজ্ঞানা করিতেছি, ভারতবর্ষীয় সভার সহিত रयांग रमख्या राभेतरवत ना अराभेतरवत विषय १ के मंखा (मर्भात हेके ना व्यनिष् কার্যো অভিনিবিষ্ট আছেন ? ভারত বৰীয় সভায় যোগ দিলে গেটকৈ কহিবে, মহারাজ দেশের মঙ্গলচেটার একাস্ত তৎপর; এটা মহারাজের নিন্দার না স্থাতির বিষয় ? হিন্দু পেটি য়ট এতিরি मिड यनि क्यांत्र कतिशा थात्कन, छाँहात কোধ সঙ্গত কি অনুষ্ঠ ? মহারাজ ভারতব্যীয় নভার সভাদিগের দহিত এक शृत्र छेপविछ इडेशा (मर्भात कला)। চিন্তা করিতে কি লজ্জা বোধ করেন ? ইউরোপথতের লাডেরা কি করিতে ছেন ? ভাহারা কি নাধারণ হিতকর কার্যো দাধারণ লোকের দহিত মিপ্রিত रहेश ज्ञान का माधुवादन ब्राम्भान रहेट ह **ছেन ना ? अड्डा मिक्कांड इहेट्डाइ**. यमि छ। ११ व शूरुकात विवास डाँहात দমানর্জিঃ নিমিত তোপধ্নি ব্যবস্থা করা হয়, কোন ভদ্রোকে তাহাতে অসুমোদন করিবেন না।

ভবে আমাদিগের এক প্রথের ক লিখিরাছেন, তিনি বাঙ্গলা দেশের মধ্যে সকলের অপেক্ষা অধিক কর দেন, অতুল ঐশর্যের অধিপতি এবং উক্ত কুলে জন্ম গ্রহণ করিরাছেন। এ কারণে যদি ভাঁছার সন্মানার্থ ভোগধনির অনুজ্ঞা হেওয়া হয়, ভাছাতে আমাদিগের অলপতা হেওয়া হয়, ভাহাতে আমাদিগের এই আশস্কা হইতেছে, অনেক বিষ্ণু ঠাকুরের স্থান, অনেক স্থান্থিকিও অনেক জ্মীদার ভোপ ভোপ করিয়া ক্ষেপিয়া উঠিবেন। ভখন গ্রাণ্মেন্টকে ব্যতিবাস্ত হইয়া পড়িতে হইবে। একাধারে যদি তিন গুণের অবে

The state of the s वन करतन, ভाहां इच्णां भा हहेरव ना এ বিষয়ে মহারাজের অসুকূল ও প্রতিকূল ष्ट्रे थानि ध्विति **। शक्त भागा** मिर्गत स्**छ** পতিত হইয়াছে। আমরা ঐ জুইধানি স্থানান্তরে গ্রহণ করিলাম। গ্রণমেণ্ট উভয়ের বলাবল বিবেচনা করিয়া লানিতে পারিবেন্, এতংসম্বন্ধে লোকের কিরাপ ভাবোদয় इडेश एह।

> ग्र ड न ल द्रामत भर 7个节贯 1

-20 .

যেখানে গ্রহার সহত্র গ্রন্থ সহত্র ক্ষতা থাড়ুক, প্রধান পুরুষেরা অহুআছ না ইরিলে ভাষা প্রকাশ করিবার পথ ও তদসুরূপ উন্নতিলাভের সম্ভাবনা না थारक, कलडः द्यशानकात श्रकाता श्राप्त পুরুষদিগের ইচ্ছার একাম্ব পরতন্ত্র, त्मथात्न ता**कशूक्रत**्मता शकात स विष्टू ইউচেটা করেন, তাছাই প্রজাকে মহা লাভও পরম ভাগ্য বলিয়া ি বেচনা করিতে হয় সন্দেহ নাই। সম্প্রতি আমা मिर्गत गवर्गत स्थानतन बाक्ता, त्वादाहे, ম'ক্র'জ, পঞ্জাব ও উত্তরপশ্চিমাঞ্চল इहेट प्रतानी क कतिया भवर्गस्य छैत वारत अध्यम ও मिबिन मर्सित श्रादेणी ধিকারলাভার্থ নয় জনকে ইংলতেও হেরণ করিবার যে সঙ্কল্প করিয়াছেন, ভাষাতে ष्याभागिरशतः अभवतः क्राड्डाङात्रस्य स्य আনু মুহুৰে, ভাহা বলা ৰাভ্লা। এদে খোর কোন ব্যক্তি এ অনুগ্রহকে বহ कतियां ना मानिट्यन १ किछ अटन मौमन গকে निवित्र मर्स्सिटनंत शननानविषदः গ্রবর্ণমেন্ট যে ব্যবহার করিভেছেন, ভাহা দেখিয়া আমাদিশের চিত্ত বিসায়বিমূঢ इहेश्राट्य। डीक्रिल्ट शत मत्न प्राट्य, अरहभीग्रहिभटक मिविल मर्स्वित इंडेटफ ৰ পিত করা অন্যায় হইতেছে , কিন্তু অভি মান, শহা ও অবিশাসপ্রভৃতি নানা

गिविनमर्किंगचात्र डेल्यां हैन क. तिशा निट्ड भातिए इ.स. ना। उँ वालिए शत क्रमर्गत युक्त अर्थात है कहा इहेडाएइ । यर्छ रच नाया ব্যয় পড়ে, শেগেদে সমস্ত দিছে হয় কিন্তু क्रुणा बक्दाद्ध निट्ड भारत ना। आमा দিগের প্রধান পুরুষদিগকে শেষে এ দেশে मिषित मर्सिन महीका धनानी **धनकि** कतिया मण्पूर्वज्ञात्य निवित्त मर्किमहात উम्बंधिन कतिया मिटा इहेर्द ; किन्नु अक कारल পाति एक रहन ना, हे हा है विश्वारत विवस्

মুখন পুশুক।

১।বালিছিডফরী সভার পঞ্ম वार्षिक दिर्शिष्टे। मजात छः कथा वह कश्रेषे ; महिजनिशदक विमामिका विख्या पहिन्द्र दर्शभी मिगटक के वधिक द्रव कहा. দরিদ্র বিধৰা ও মাতৃপিতৃহীন লোক দিগকে সাহাযা ও জৌশিকাৰিসয়ে উৎ নাহ্দান এবং উত্তর পাড়া ও ভাহার निक्छे वर्डी प्रार्मित लारकत मामाक्रिक আচার ব্যবহার, ধর্মনীতি ও বুদ্ধির্তির **डेइडिनाधन। मछा ১৮৯१ व्यटक**त ५ ला এপ্রেল অবধি ১৮৬৮ অফের ৩১ মার্চ্চ পর্যান্ত দরিদ্র বালকদিগের বিম্যাশিকার্থ ৬১৯, দরিদ্র বিধবাপ্রভৃতির সাহায্যার্থ ৭০॥ এবং বালিকাদিগের ছাত্রহভিতে ৩৩৬ টাকা দান করিয়াছেন। এই রূপ मछ। यति द्वारम क्रांटम क्य, स्टब्नंत व्यटनक মলল হইতে পারে। হিতকরী সভা উপ मः शतकारम बार् विकाशका मुर्चाशा খায় ও জ্রীরামপুরের ডেপুটা মালিট্রেট हाहेनां अरारहत्वत निकटणे कुञ्छ हा প্রাঞ্চল করিয়াছেন। এ প্রকার বিষয়ে याँ होता माहाया ७ डेर भारतीन कटतन उँहिता महस्य छात्। क्रमारमनी। मत्मक मारे ।

र्। श्रु नियमारेष यात् क्रक्षाच्छ को शुर्वी

ইংরাজী পুস্তক হইতে উদ্ভ ও পর্বা দিত করিয়া এখানি সঙ্কলন করিয়াছেন।

७। प्रामही वैन। का निहारि निवामी खियुक बातू भारतम मलिक ইহার প্রথমন করি**য়াছেন।** সুরার নিন্দা করাই প্রস্কারের উদ্দেশ্য।

षायका काहानावान इटेट निम्नान-ষিত প্ৰধানি প্ৰাপ্ত হইয়াছি।

ছগলি জেলার অন্তঃপাতী জাতান্বাদ মহকুমায় ২৪০। জৈচে ছইতে আরম্ভ হইয়া অজন্ত ১৫ দিবা অভিশয় বৃষ্টি হওয়াতে শীলাবতী নদা ও দারকেশ্বর নদীর জল সেতু অতিক্ৰম করিয়া বাঁধ ভালিয়া শত শত প্রাম জলময় হইয়া প্রায়দশ হাছার গৃহ ভগ্ন হইয়াছে। জনেকের দ্রবাদি স্রোতে ভাসাইয়া লইয়া গিয়াছে৷ ব সংখাক গৰু ও मसूर्यात श्रीननां महिशाहा जनभावत्न शृह खन्न इरुप्तारक खारनरक उरकारन तृत्का পরি অবস্থিতি করিয়া অভিকটে প্রাণরকা ক্রিয়াছে।বন্যার সময় ৪ দিবস শীলাবতী নদীর উভয় পার্শহ লোক নিরস্তর হাহা কার শব্দ করিয়া দিবা রজনী অতিবাহিত করিয়াছে। অনেকে অনাহারে প্রাণভ্যাগ করিয়াছে, ঘাটালের গঞ্জের মহাজনগণের यश्रे अवामि ज्यार्ट नीट ब्रेशिष्ट् घाटाल अधिकाः भ लाक मोकाटः इन कवित्र जीवन तका क तेत्राष्ट्र ; किन्छ व्यागाना आस्मिव লোকেরা নৌকার অসদাব প্রযুক্ত রুকোপনি আবোহণ করিয়া নিন্যাপন করিয়াছেন. খাটালের ভাত্তর, চৌকীদার্বা টাক্ল আলায়ের দাবোগা ওলিয়ের ইন্পেস্ট্র ও সৰ ইন্সেস ইবের বাধার সন্মুখে সেছু ভগ্নহয়া স্বস্ত গুহ ওলমান হটনা পতিত হয়। **ইহ**ারা নি ,পায় হইয়া সকলে াচ্চেঃসরে আর্তিনাদ ক্ষিতে আয়ন্ত করেন। অকন্মাৎ এক খানা নোকা ইহাঁদের নিকট উপস্তি হয়, তাহা তেই ইছাঁরা আরোধন করিয়া অতি কতে স্বীয় পরিবার লট্যা স্নাভরে যাইরা अभावत्रकः। करतन । (म का उपिक्षण मा कहें। कांतरन अक कारन अस्त निवास निवास करिक कार कार कि नामक है है। निकार प्रमुख्य शिष्ट करेरडन,

ঘটিলের বাবুগোপালচন্দ্র \*ঠ স্থীয় বায়ে নৌকা করিয়া অতি কঠে প্রায় এক শত লোকাকে জলমজ্জন হটতে উদ্ধার সরিয়াছেন ध्यत : उर कारण किছ किছ काश्वरतत बाह्य ख ंग्गाइक्रम् । এখানে প্রায় অস্তাই ডাক বন্ধ **১টারাজিল। ক্রমশঃ নদীর স্রোভ হাস হইলে** পর, হগলর মাজিত্রেটি সাকের ও জাহানাবা ८-१ उप्रशृष्टि माखिए हैं वातू के खर एस मिल মদ্পের ফেবল ঘা**টালের অভি স**্লিখ্ড एडीर नगा, क्रक्षनभत, मिन्छ अस्तः आफ-शास्त्र अपूर्ण है। इन्के कि शास निक्र चरित वरहे अरहार एवं छन कुणित अवरलाकम का बार्ट्स । डेक घाताल माइटकर ५० है। গ্রামে কমবেশ আড়াই হাজার গুত বন্যার জলে ভগ্রইয়াছে। ডেগ্টাবারু নিজে रिष्णकल छण न कूणित एम विग्रीट्डन ांगा मत्या यात्रान्तिरक छिलखित वर्गत शुरू आस निर्माण कतिएक **अक्स** लिएएमन, तकर अ छोशा দিখাকে ডাকাইয় তুই চারি টাকা করিয়া বিভ ণ করিয়।ছেন। ইহাতে প্রায় সহস্রে िक है। को भवनरभटल्डेत एक विद्या करें 💯 दाह হইরাছে। আমরা অংশা করিয় তিলাশ **दिक्त पाठील माइ.क्टर्ड टाइल जिल्हा बालू** बहिन्न **लाक्टक मोर्श्या क**्रियार्डन, (अ स्वर खनामा <u>अस्मिन याच्या बाहारम्य कल्लाहर</u> ক্টীর ভগ্ন ইইয়াছে, তাহা দগকেও এক 🔻 भागामः कतित्व। छ।दा ना ब्छः।८: ८भई নেই গ্রামের বিপ্রাপন্ন লোকের, মত্যুক্ ড°থিও হারাছে, তাহদের আমার কোন पिशास मार्डे एक नेवा म को बोनावादम्त ८५% है वानु ने भक्ता और व । माजे ज अध्या माही শগরের অবিলয়ে বর্জনানের ক্রিমনর সাহে ৰংক বিশেষ করিয়। ভিষেত্র কিমিন্ भाजि माधानस जुडास 'वशनांशस (नाटकर সংখ্যান্থে সুনতি প্রানে করিলে সরিছ (बारकेत शरक शरमम शक् हरुम, इ.स. इंडिटन जात देशिकारक चित्री स्वदेश तुक श्रुष्टम **व्यविद्**षि कति (७ रुप्त साः अवश्रुप्त स व्य विषयंत्रतः अञ्चलकानः जना काशानः ব'নের ডেখ্টি ব বুকে আ তথ্য চুই মপ্রাচ শ্রুবঞ্জা দেওয়া উচিত। ১।১ দিবশের নৰে ৪০চলৰ মাইল ব্যাপিয়া অধুসঞ্জান কর কটিন। জার ঘটোলে বেরূপ সাহায্য বরা ভইয়াছে, হাহাতে দরিজ জোকের दिन्ध प्रेश निक्टेन्य मुख्यात्मा माहै। व्यव अ जनात २ में का हिन्ने मश्या 3 में का भा মানে। ইবনের কি গুর ১**ন্তত হইতে পা**রে ১ ভাব কিছু প্রনান করিকে ইহারা অর্ক্লেশ

গৃহ নির্মাণ করিতে সক্ষম হর, কাবণ এমন সময়ে গৃহ প্রস্তুত করিবার উপবোটা ক্রব্যাদি অতিশয় ভূমালা হইয়াছে )

। ছাটালের বিদ্যালয়গৃহটা নদীর দেগে
সংস্থা কপ ভগ্ন হইয়াছে। ইহাতে সকলে
ভাগ্য দুঃখিত ছইয়াছেন। এমন সময়ে
যে চাঁলা ছারা। বিদ্যালয়গৃহ প্রহুত হয়,
ভাহার আশা নাই, সকলেই স্বায় গৃহ নির্মান লাপ বিশেষকপ বিব্রত। যদি গ্রণমেন্ট
সাম্কুলা করেন ভাহা ছইলে বিশেষ উপ
কার হয়। মুসোফের কাছারির মধ্যে জল
প্রাহিষ্ট হওয়াতে কাগজ পত্র নৌকার াখা
হইয়াছিল।ক ছারী হাটা বাস্যোগ্য নহে।

#### --- 303---

## विविधमः वाम।

২৪ এ আঘাত সোমবার।

স্ত্রতি জারাব স্থেনমাইবেব একটা চতুন নীর বনা পদ জন মুন্সমান ভূচেরে সহিদ্ লগ সেবন কবিছেছিল। এই ছর্গলা ভূক্রা ল টীব উপরেজ পার জুপেপুরস্তিচবিভার্য কবাটে লু মুন্পায় হহ্যাজিল। নিচ্রেগলয়ে অপ্র নীতে সেনিরন জন্ম ইহাব গ্রিন্থনর মিয়াদ ভোজেন। বয়ন্ত্রা জান্তের দশ্যংসর দ্বীপ মুন্ধানের জাজ্ঞা দেওরা উচিত ছিল।

अक श्रांकिनिक (श्रांकित शक्ता भिक्क किरिया ल हैना है भन्त । भन्न । पाद दे के लिया है सार के प्रकार । भन्य । भन्य । के रिवार । भिर्मा के रिवार । कि प्रकार । के रिवार के रिवार । के रिवार के प्रकार । के रिवार के रिवार । के रिवार के रिवार । के रिवार के रिवार

लिश नेश्व रहलग्र १ए वर्षावय गास् तर्भाव गालाव ग्राह्म अस्मित्र प्रशास इंग इंडर्फाइ वेद्यालीस अञ्चलकीस स्था शह मधान कड़े (छात्र किट्ट्रिका स्थाप्त कर्म स्थाप्त रहे भगत शह देखिल अस्मित्र क्रिया स्थाप्त करें। स्थाप विश्व क्रिया स्थाप्त कर्मा स्थाप्त करें। स्थाप्त विश्व क्रिया स्थाप्त स्थाप्

কারেপ্তর গুলাত জালাখাবাদে পূত গ্রাণান্তন কোকাজাব দেপুট কমিসনৰ সর্বাজ টোলান্তন করাজে করেপ্রন আলাভাবাদে বাইব। নাজ সর্বাজ প্রিশ্বের দ্বালাপুত হন। সুই জন উবোপীর পুলিব ক্ষাড়ারী ইংহাকে কলিকা ভাষা অন্যন্থ গ্রান ক্রিয়াছেন।

সেই পা সিবজা সংস্থানার স্বর্থ ক্ষেত্রল যে ১০০ টাকা নিয়াছেন ভাষার অনুত সমর্থন কইডেছে। এক জান মনেন, সিংলাতে ক্ষেত্র যে সংগীত কর ভাষাতে বাজালী সভ ও ক্লাভে। উলারা ভাষা প্রবণ করিছে পালেন টুমাওএব অস্ত্রাধ্রে কারণ কি লাকা কথা।

काम श्रमान एवं विहात नारम् त को जनाति सिन्नि मूम कार्ट्ड रुदेशाइ। विहात पांडि माकृदि। अव'त्र इंडिट्सापीय कामतावीत मुरब्हा करण्यकुछ करिका

বোদাইয়ের প্রধান তম বিচার্থনায়ের নিজ্যি দকল প্রকাশিত করিবার, নিমন্ত গবর্গনে ও একটা মূলাযন্ত্র করিবার জিলাজনা দিয়াছেন। এটা সর্করে হরা কর্তবা। বেতনতোগী কর্মচাদিগান বলি এইসকল নিপোট প্রকাশ করেন, তাহা হইলে জন্মমূলো দকলে এগুলি প্রাপ্ত থাকে। একনে এবং স্বর্থনাটেরও লাভ থাকে। একনে রপোটনকলেব যে জ্যুঙ্গত মূল্য লওয়া হয়। ভাগতে তাল প্রান্ত তাল বেরন।

সামানি শিলাব সাহেব পোটকানিও কোন্দানির কর্জপুন গ্রহণ করিবাব নিমার বেং সভা বিবন ভাষাতে বেশকল কাপ্ত প্রদাসত হয় গহাকে একখনি ইংরাজী সংব দপর বলিয়া-ভন জানে র কাপ্ত প্রদাসত হয় গহাকে একখনি ইংরাজী সংব দপর বলিয়া-ভন জানে র কাপ্ত উপবিভাগে সমূহে যে প্রকাব গাঁয়ার ও অসভা লোকের। সভাজলে দুলাগের ভারবারের সভাবানীতেও কাছা হই তেছে। এত ল ফান ভিনি বলেন, এখানে প্রভিন্ন নাম শাসন প্রণালী হইতে পারিবে না। কার্ল ছোরা প্রতিনি বিশ্ব ভারবার হালে কিবল প্রতিনি ব্যার হইলে দেশের অভিনাম অসকল হইবে। বকাল হওয়াতেই অসকল হয়।

আমরা হিল্পণেটি যেটে পার্ম করিয়া আজ্লা নিত কটলাম, কারু প্রমার ঠ বাক ভারত অর্থীয় ভার একটা ভালন গাটী প্রস্তুত করিবার নিংমার ০০০৬ টাফিং প্রন্তান কার্য়াটেন। বিভাগ গ্রের করেণ্ড কর্ত্তে উল্লেখ্য কার্যানের, ভারত বর্ধায় সভিল স্পান্তনা হত একটি জট্টা সকা হত্যা আলোল আনকালে। বজ্ঞানের বিভাগ কার্যান চাহিছেল নিংলালি কি এই চিলকর কার্যান করিছেলেন। জিনি কি এই চিলকর কার্যান কলিছেলেন। জিনি কি এই চিলকর কার্যান কলিছেলেন। সিংলালি এই চিলকর

नवाव (श्रीलांग क्षात्वन थी। त्रार्थ कातुन उत्तर र्ज किरलान। अहे कराना । न मल केंक्ट्रांक - एक तोने आस्त्रोत लख्या क्षा - फलिन केंन वर्लन, नाम्गीत लहेंगा केंक्ट्रिक न्नाम केंक्ट्रांक है उत्हार के किरलान कतार श्रीकृति कालुकाक नक्षा, अभि श्राप्ति नामनक कुंगन जारनम ना किरो

प्रकृतिस्त्र कान महत्त्व पुण्यास्त महत्व प्राप्त नकत विषयः शक्तमाण्यान हुन्नेश मन भट्ड मुम्य इन । आन्द्रा स्वित्त मुन्त्रमान अनुस्त्रनार्थे श्रमाण कतिरुक्ति, जिल्ला मृत्रीय अनुस्त्रमान अनुस्त्रनार्थे सिर्ध्य है।काल पृष्टीय प्रस्ति क्रिकेट्रिय विस्तर्भ साम ए पृष्टीय प्रस्ति का नार्थि विस्तर सास्त्र मीति करेतारक, एक ने प्रदेश का स्वर्धिय नार्थे कार्येश बिल्याएक, अनुकत्त काय धर्मिय नार्थे प्रकारेशियास । आमहा बिल्याक्ति, अ कास्त्र कर्वेश भवन्यास अक्त प्रदेश विस्तर्भाव महा कर्वेश भवन्यास स्वर्णेन कर्मिय स्वर्धा ।

#### २६ अ व्याष्ट्रा महत्त्वात ।

কুচবিহাবের ক্ষিসনটের যদে তথার একটী ত্যাকের প্রদর্শন হই তেছে। প্রত্যেক প্রদর্শককে অক্তর্য অব্ধিন ত্যাক প্রেরণ ক্রিতে হইবে। এজন। পুরক্ষার দেওয়া হইতেছে। প্রদর্শন ক্রমে কৌতুককঃ বংপার হইরানা উঠে।

সম্প্রতি রামপুরে এক কৃষি ও শিল্পপ্রদর্শন চইয়া গিয়াছে। রামপুরের নবাব প্রজাদিগকে উৎকৃষ্ট প্রবালী অনুস'বে কৃষিকার্য্য করাইবার উদ্দেশে এ প্রদর্শনো হাটি করিয়াছিলেন। ভিনদিবস মেলা ছিলা নবাবের কর্মচারিশণ উভ্যাবদোবস্থ করাভে কোনপ্রকার গোলবোগ হয় নাই।

ই গুড়ান প্রবিধ অপিনিয়ন বলেন, দিলী অবিধি অনুভদ।পর্যন্ত ভ্রুতগতি রেলওরে হইতেছে কিন্তু রেলওরে হইলেই ডাকগাড়ীর অধিকারীদিগের অন্ধ মারা ঘাইবে। অভএব বড় দিন বেলতয়েনা হয় তভদিন যথাসাধ্য লাভ করিবার জন্ম ডাক গাড়ীর অধিকারীর ধর্মস্ট কল্লা অধিক ভাড়া লইতেছেন। উত্তর প্রভিনাঞ্চলে ব্যোয়দ্যকো সর্বাদাই প্রায়

এত দিনের পর ভারতবর্ধীয় সভার একটা পুরক গাটা হচল। ৪০.০০০ টাকা দিয়া রাণীয় দির গলিচেত একটা বাটা ক্রয় করা হইতেছে। বারু প্রসন্ধ মার ঠ কুর, রাজা সভাশরণ থোমাল, ব রু ব্যানাথ ঠ কুর ও যতাক্রমোহন ঠাকুর ঘটা গ্রাভ এইবেন। এই ঘটাতে হারশ পুত্তক। লার হইবে , ভারতবর্ধীয় সভানে বাটালী যেখানে ভূটিত যেন বৃহৎ হয়।

লাভ নেপিরত মাজাজের বিশ্ববিদ্যালয়ে হানিছ ২৬৪ টাকা নিয়নে একটা ছাত্রবৃতি কার্যা দিয়াছেন মাজাজান্তর্য ও জ বিভাগের মনে যভার সংবেশিকা পরীক্ষায় প্রধান হই নেডাহার ইহা প্রাপ্তেইবে জাতি ও বর্গজেদ ন ই। ড'ত্রবৃত্তি ভিন বংশবের নিমিত্ত দেওয়া ১৪বে।

উত্তর আনকটের অজগত চিরার তালুকে অভ্যস্ত নিনার্থি হইরা শ্রা এক কালে নষ্ট কার্য়াড়ে। কুবকগণ শ্রা কাটিবার উদ্যোগ কার্তেছিল, এমন স্বয়ে এই ছঘ্টনা হইয়াছে। মাজ্যজ গ্রন্মেন্ট এত রক্ষ্ম এখানকার কুবক দিগ্রের নিকটে এবংগর কর লাইবেন না।

নিল্লী ছইতে এক বংকি লিখিয়াছেন, নাংকিট মিশন বিবা স্বৰ্গেট্ৰ সাহ'্য এছৰ কংবন না, অতগ্ৰ প্ৰাণ্ডিট ব্যক্তিট মিশন तिरक्र(तडम (सम विलिश) स्थ (लवा इहेशां इल, (मणी जामां पिर्गत अमध्यपुक इहेशा इल।

#### २७ अ कावाह वत्रवाद !

ताका विद्यारणादाव शूच्यत हेश्मर् महेवा যাইবার প্রকৃত কারণ প্রকাশিত হইয়াছে। এটা देश्नटकुत भीत्रव अपनीमार्थ हरा माहे। तर त्याहे निश्वत रामन, आदिनिमिश्राटक शाकिता निश् রাজকুমারের জীবনসংশয় হইত। শিশুটি বুদ্ধি মার্ল বোধ হইতেছে। প্রথমতঃ রাজসুমারকে বোৰ ইয়ের ডাক্তর উইলসনের অধীনে বিদ্যা मिकः थे अञ्चल कतिवाद कल्लमा इप्तरं किन्त हेश्ल ওেখরী পদচুতে হাত্রুমারদিশের প্রতি সচর্-চর যে দয়াপ্রদর্শন করেন ভিনি ভংগ্রেরিভ क्षेत्रा युवक थिएप्रोट्डावरक वेस्टाए सहस्र वाहे বার ভাজা দিয়াছেন। থিওছোরের স্থাকেও পুরের সহিত আনিবার কল্পনা হয়। কিন্তু উক্ত রাজ্ঞী পীড়িত হইয়া প্রাণ্ড্যার কবিয়াছেন। শর রবার্ট নেপিয়বের যত দূর সাধ্য ততে দূর এই স্ত্রীলোকের দেখা ও চিকিৎদা করাইয়াছি লম। কি গৈনিকগণ কি সেন'পতি কেইট ভাঁহাকে কোনপ্রকার অসমান করেন নাই। জীলোকদি গের প্রতি অভাচার করা ব্রিটিশ দৈনিকের वाष्ट्रा १८६१ १८६१ व्यक्तित विद्वाहित्वका व এত ক্রোপ হয় ভাষাতেও দৈনিকেরা বিদ্রোষ্টী किट्रात खीनगटक किछ वटन नाइ, क्वन देनिन কাৰম নীল কয়েক জনকে বৰ করিতে চাহিয়াছি

এতকেশীর সমাজ সর জন গ্রাটের চিত্তিত প্রতিমূর্ত্তির নিম্প্র ৫৩৩৮/১৮ টাকা চাদা দন। ইহার মণ্যে ২০৯৭॥। টাকা ব্যয় হইয়াছে। প্রশিষ্ট টাকা ভারতবর্ষীর সভাগ্রের ফণ্ডে জমা হইমুছে। কোন ব্যক্তি ইহাতে ছঃখিত হইবেন না।

কাণ্ডেন আইবস অমনি অমনি পার পাই লেন। লেপ্টনন্ট মে কান্ড ইইয়াছেন। লেপ্টনন্ট মে একজন অভিশন্ন ভদ্র আফিনর। জ্রী ভাগে করিবার বন্দোবস্ত হওয়াতে ভিনি আই বলের প্রতি বৈরমিষ্যাভ্য করিলেন না। কিন্তু কথা হইতেছে, কাপ্তেন আইবসকে আর নিক্ষ কভা কার্যের রাখা উচিত কিন। ?

#### ্ ২৭ এ আগাট রহম্প তিবার।

লাহোরের লোকের। সর জন লারেলকে জাল্লু বাদ করিয়াছেন, ডিনি ভারতবর্ধ তাগে করি বার পুর্যে থেন রগজাত সিংহের রাজধানীতে এক দরবার করেন। এপ্রকাব তালুরোধ সর জান লারেলকে দিতীয় বার করিতে হয় নাঃ কিছে

करम्भ वरमदाविध (यमकल मदवाद हरें ल. ए। हात वास्त्रभी कि मध्य कि कल कलिल काहा मर्जना धारमक स्नानहरूल काल हम्न ।

আগষ্ঠদ দিলিপ ওয়েস সাহেব সংবাদপত্ত্র লিখিয়াছেন ১৭ই জুলাই শুক্রবার বন্ধ অধাতে ভয়ানক ঝড় হইবে। কলিকাভায় বড় হইবে মা ও ভাল পরীক্ষাই হউক, ১৭ ই ত আর দূরবভী নয়।

মধ্য ভারতবর্ষে সোণারীয়নামক এক দল জন্মটোর অছে। ইহাবা অবিগরের কাজ করে। ওজনে কম দিয়া জুয়াচুরি করিয়া অসোপার্জন করা ইহাদিগের ব্যাসায়। আমরা আক্লাদিত হইলাম, বাঁদার পোলিটিকাল এক্লেণ্ট ইহাদিগের দমনচেষ্টায় প্রবৃত্ত হইয়াচেন।

#### ২৮ এ আবাট শুক্রবার।

त्रवंहि अध्यक्षम नामक आक व्यक्तित स्त्री অভিশয় সুগ্রাপারিনী ছিল। সে সর্বাদা আমীর গৃহত্যাগ করিয়া স্ত'নাস্তর থাকিত। একদা এই প্রকার অন্তর যাওয়াতে এড্মগুস ভারতে প্রভ্যাত হইবার নিমিত্ত অনেক ভস্পুরোধ করে। ন্ত্ৰীলোক তাহাডে অসমত হওয়াতে এডমওস ভাষাকে প্রহার করিল। স্ত্রীলোকটা তথমও স্থ্যপানে উন্নত ছিল; প্রহারের প্র পে রৌদে ्ने क्षित्री छाटन काटन भवन करता। भटत १५६ প্রভাগিমন করিলে তাহার মৃত্যু হয়। এচম্ভ গকে এই নিমিত্ত প্রধানতম বিচারালয়ে অপন कत्र इस । बुभवात सक्त्रमा छेत्रीटक बाक्कीत को जिल ध्यति धन गाइन विलालन, इन्डाने প্রমাণ নাই, গুরুষর আখাতের প্রমাণ আছে। এডমন্ডদ নিজে এই দায় স্বীকার করিলে তাহার বারিষ্টর লো সাহের জীলোটার ছক্টরিত্রভার **डेरलथ** कतिशा लघुम छन। दनत 'अञ्चरताय कतिरलम । বিচারপতি মান্তবি এবাজির কঠিন পরিপ্রানের সহিত প " বৈবিদ্যারের নিয়াল দিয়াতেন। পীডিভ যক্ত ভের বর্ণ, ডিরপ হোড় প্রদর্শন করিলে কি হইভ না ৪ আংখরা ধেবনৈভ্য বিচাধালয়ের বিচার ळगाली। विवासिक धर्मे मिकाल कतियांच हेर वाटक इंटन:८वर अवर छात उत्तरीं हुन छात्र उत्तरीं हुन पकलमा इटे(ल प्रुटिगर, किन्न हैंश्वास्त्र छ कार्टकेनीय अथल अमा लाम विस्मिनीय अवर इंडिएताशीरम ७ छात्रकारीरम मकलमा इहेटल অবিচার ৷

বোরাইয়ের ব্যেক্থাপত সভায় এতকেশীর যেসকল সুত্র সভা নিয়োজিত করা হইয়াতে, তাহার মধ্যে এক জনও পার্মী নিয়োজিত হ্ন নাই। ভাষাতে লোকে অসন্ত**ষ্ট হ**ইয়া**ছেন।** এ অসভোগের কারণ আছে।

প্রধান বিচারপতি প্রিবিকোন্সলের আপীল বিভাগের অনুবাদকের পদ জে, এম, মেণ্ডিএটা নামক এক জন ফিরিন্সিকে প্রদান করিয়াছেন। ইনি এপর্যান্ত ভারতবর্ধীয় গ্রহণমেন্টের পর বা টাবিভাগীয় আফিসের এক জন কেরাণী হিলেন। প্রধান পুরুষেরা কি ক্স্প্রাব্য কিরি.ক ব্যক্তালার প্রবণকোতৃহল পরিভ্যাগ্য করিতে বা বেন না ৪

### ২৯ এ আষাচ শনিবার।

বালস। দেশের লেপ্টনান্ট গ্রবর্গর তাে সাহেব বুহুম্পতিবার কালিকাতা ভাগে কবিয়াছেন।

ত্রিজ্ঞতের নিকটক্ব নদীসকলের জলর্জি ইইডেছে। ভাছাতে জনেক শ্রুর নষ্ট হইরাছে। লোকে জলপ্লাবননিবন্ধন খেনিষ্টশন্তা করিতে হেন। লেপ্টনান্ট গহর্ণরের এ সময়ে রাক্থানী ভাগে করা প্রামশ্যিক্ব হয় নাই।

ডাক্তৰ নশ্মণ মাকলিয়ত স্বলেশে প্ৰতিগমন कतिया किनाएखत (अनतम जार्गिश्ररक जात्र বর্ষসম্বন্ধে এক বক্তৃত। করিয়াছেন। তিনি टलन, ভারতব্যীরদিগকে এক দিনে খৃতীয়ান कदा शहरव मा। छात्र छवर्षत्र धर्म मस्राधीन ও সংস্কৃত ভাষা সকল ভাষার মূল । সকল জাতির পূর্ণে ভারতব্যীয়েরা সভা হইয়া নানা विদ্বরে আলোচনা করিয়াছেন। খুষ্ঠীয় নিস্নরি গণ প্রথমতঃ হিন্দুধর্মসংক্রান্ত কুসংক্ষারসকল দূব করুন, পশ্চাৎ অন্য উৎকর্ম আপনা আপনি হইবে। ডাক্তর মাকলিয়ড আবেও বলিয়াচন, मिन्यामीमिर्गत शक्ति मन् वरवहात मा कतिरल काम काक इरेटर मा । किन्न भव क्रम कट्स्क ও এধানকার পাদরিরা ভাবেন, যাবভীয় বিদ্যা लार्य वाहेवल भार्त कड़ाहेबा विमानिकां छाड भाषतिमिटगत्र करन्य मिटनहे काळा इहेट्य। हेर्डी দিগের কিছু আবেশ অধিক।

টাইমদ অব ইণ্ডিয়া চিরস্থায়ী বলোবণ্ডের বিক্রমে এক দীর্ষ প্রস্তাব লিখিয়াছেন। আমরা দেখিতেছি, আমাদিনের ছইখানি ইংরাজী বৈনিক পত্র ঐ মতে মত দিয়া বলিতেছেন, লাত কর্মপ্রালিদ অমে পতিত ছইয়াছিলেন। বাহাতে দেশের প্রধান লোকেরা আর্থনিবন্ধন ক্তুভক্ত হন এবং ক্র্যকেরা ফুখে থাকে সে বিদ্যাবিক্ত ছমির কর আর বৃদ্ধি হয়। বানিজ্যের বিশ্বেশিব সম্পত্তির মূল্যে ছিইয়া বানিজ্যের বে ক্রবিধা হয়, ভাষা কোন্ত্র ক্রিয়া বানিজ্যের ক্রিবেন। নিশ্বলিখিত মূল্যে গংগ্রেন্টের কাগজ বিক্লীত হইতেছে:—

ell・ » (金に 2・21 1 2・204)

### —:--ইউরোপীয় স্বাচার ৷

লগুন ন রা জুলাই। সর ষ্টাকোডনার্থ কোট রেখরেগু এচ, ডগলাসকে বোষাইয়ের বিশশ কবিতে চাজয়াডেন। বোৰ হয়, ডিনি উজ্জাপন জন্ম কাব্যেন।

দর রবাট নেপিয়র এইমাত্র লগুনে উপনীত ছইয়াছেন। যথন তিনি পারিদ ছইয়া আগমন কবেন, তথন তত্ত্তা, ইণরাজেরা তাঁলাকে এক অভিনন্দন প্রদান করিয়াছেন। এতছত্ত্বে সর রবাট নেপিয়র বলিয়াছেন, প্রত্যেক দৈনিক প্রশংসনীয় দাহদ অধ্যেক্যায় ও আত্মস্থত। লিকরাতে গত যত্ত্বে জয় হইয়াছে। উপসংহার কালে তিনি বলিলেন, বন্দীদিগকৈ মুক্ত করিবার নিমিত্ত যত্ত্বা। ইউক, ইংলগুকে অপমান করিলে তিনি যে গেখানে সেখানে আত্মস্ত্রান রক্ষা করিছে পারেন তৎপ্রদর্শনার্থ আবিদিনি য়াতে বৈদ্যপ্রেণ করা ছইয়াছিল।

শ্বা জুলাই। পালিয়ামেণ্টের উভয় হাউদেব সভাগণ একবাকা হইরা আগ্রহাতিশর সহকারে আবিদিনিয়ার যুদ্ধে জ্বার্থ করেন সর রবাট এনপিয়রকে ধন্যবাদ দিয়াছেন। সেনাপতি মেয়ার ওয়েদার, হিথ, স্থানলি, মালকম ও রসেলের নাম বিশেষরূপে উল্লি খিত হয় আরল মালম্ স্বরি, আরল রসেল ও ডিউক অব কেছিজ লাভ হাউদে, এবং ভিদ রেলি ও মাডস্টোন সাহেব কমান হাউদে বক্তা করিয়া যুদ্ধার্থী বৈনাদিকের বিশেষ প্রশংসা করিয়াহেন।

শখন এই সকল বক্তৃ তা হয় তথন সর রবার্ট নেশিয়র কমান হ'উসে উপ্স্থিত ছিলেন। সেনা পতি উইও সর বাটীতে রাজ্ঞীর সহিত সাক্ষাৎ, করিয়'ছেন। এমত জনক্রতি সধ রবার্টনেশি মংকে পিয়র কবিয়া লাছের পদোচিত সন্মান রক্ষার উপযোগী সুভি নিশ্বারিত করিয়া দেওয়া হইবে।

১লা জুলাই এক পত্র লিখিরা সব স্থানোড নার্থ কোট জাবিসিনিয়ার যুদ্ধের জয় নিবন্ধন সহারবার্ট নেশিয়রকে রাজ্ঞীর ফুত ধন্যবাদ দিয়া ছেন। বেসকল লোক মহাসভার প্রভিনিধি মনো নীভ করিবার শহু পাইবেন, ভাঁহাদিগের নাম রেজিষ্টারি করিবার বিল শীজ বিধিবন্ধ করিবার নিমিত্ত প্রস্তাব-হইয়াছে।

্ ও ই জ্লাই। ওয়েলদের রাজকুমানীর একটি কন্যা ধইরাছে। কন্যা ও মাতা উভয়েই ভাল আছেন।

সর রবাট নেপিয়রের একখানি পত্র প্রকা শিত হইরাছে । আবিসিনিয়র মুদ্ধেষ হৈছু ও ফল বর্ণনার সময়ে তিনে যলিয়াছেন, আবি সেনিয়ার রাজাদিগের অত্তের উপরে হস্তার্পণ না কাইয়া ইংলপ্ত অবার্য্যসাধন করিয়াছেন। এক্ষণ অবধি আবিসিনিয়ার সৌভাগ্য আর্ড হইল।

স্থাট নেপোলিয়ন বিস্তর ফরাশী বৈদন্তক বিদায় দিয়াছেন।

পোশ সম্প্রতি যে বজ্ঞা করিয়াছেন. বারণ বনবিউষ্ট ভাছার প্রতিবাদ করিয়াছেন। অফীয় সেনাদলের ৩৬০০০ সৈন্যকে কথা ইয়া দেওয়া হইয়াছে।

মিলানের ডিউককে সার্নিয়ার রাজা বলিয়া ঘোষণা করা হইয়াছে।

ও ঠা জ্লাইয়ের এক টেলিপ্রাম নিউইয়ক ধইতে আসিয়াছে। ইহাতে প্রকাশ করে, সভা পতি জনসন যাবভীয় ভূতপুর্ম বিদ্রোধীকে ক্ষা করিয়াছেন।

## গর্ণনেক বিজ্ঞাপন। লেপ্টনকগ্রবর্ণরের আদেশারুশ্নী নিয়োগ।

১ লা জুলাই। এ, ইয়াচনি সাহেব ভাগল পুরের এক জন মিউনিসিপাল কমিসনর হইবেন।

নিশ্বলিখিত ব;জির। চট্টগ্রানে মিউনিসিপাল কমিসনর ইইগেন ।

এক, ডবলিউ, আর, কাউলি ও এ, আর কিবান সাহেব।

কাউলি সাহেব আরও উক্ত মিউনিসিপ! নিটির সহকারী সভাপতি ২ইবেন।

টি, ডি, বাইটন সাহেব ময়ননদিংছের বিদ্যা শিকাসভার সভ্য হইবেন।

বারু অধিকচেংগ মিত্র দিনাজপুরের অন্তর্গ ভ গঙ্গারামপুরের মুখ্পক হইবেন।

বারু যহনাথ রায় দিনাজপুরের অন্তর্গত ঠাকুরএামের মুক্ষেফ হইবেন।

মুক্তেরে ডেপুটি মাজিটেট ও ভেপুটি কালে 🖯 हैत मूनि लेब बी श्रमान तारा श्रथम 🖫 श्रीत क्यीन माक्रिटळेटवेत कथटा भाइटवन।

**ভবলিট, মাক্ল্যন সাহেব কটকের প্রতি-**নিপি সিবিল ও সোসম্বন জ্ঞা হইবেন।

৩ রাজলাই। নিম্নলিখিত ছেপ্ট মাজি-টেট ও ডেপুটি কালেইরদিগকে পশ্চালিবিভ कृप्त निगुद्ध कहा जला।

बाबु नवीन हार तमन वि. अ. ् यः भारत्य ।

যোগেশচন্দ্ৰ মিত্ৰ বি, এ, मानगर्ह।

(प्रदेश नाथ वस्त्र वांटन बंदन

**इंग्रे**गंदम्। হরিচৈতনা ঘোষ (त्वर्व छ । छ, ७४, छेड्रेम किनान, प्रवत्न गर्छ त

বিদ্যালিকাসভার সভঃ হইবেন।

३ है। जुनाई। या भिन जात अन, गांकन्त् সাহের বিদায় সইয়া অনুপক্ষিত থাকিবেন, ডঙ भिन १४. भ. करकुल भारश्य (ब्राविविष्ठ (बार्ड) ब প্রতিনিধি জনিয়র খেকেটারি ইইবেন।

यक दिन . १८ . कर क्रम मारहर मतकाती कः (य) भिन्दक दाना खन्न था कि त्वन एक निम्न अ দি, মাজলা গাছেব ত্রিছাতের প্রতিনিধি মাজি ं डे हे अ कार्ल हें व इंडेरवन ह

্ড, এম, বারবর সাচ্চের জিল্পডের প্রতিমি ं बाई हे मांब्रुक्रेंगे उ (एश्वेंटे कारनहेंग स्हे

भ तम एवलिक, अन, असमन नारहर বিদায় এইয়া জন্তপশ্বিত থাকিবেন, ওও দিন अक, १४. जारनक्**षा**कात गार्ट्य त्राखगाहीत श्राजित व मास्मिएकेके छ कार्यकेत इक्ट्रेनन ।

या फिन छव ला छि. वि, अप, (हे लांत नारहेव বিদায় ন্য্যা অলুপস্থিত পাকিংবন তত দিন পি. এ, একি ্সাহেব পাবনার প্রতিনিধি মাজি (केंद्रे अ कार्यक्रित स्ट्रेंद्रम ।

या किन ल हैन है कर्वल है, है, डान हैन বিশেষ কাডেট্টাপালকে কিন্তুপ্লেছত থাকিবেন শত নি ভোটনাগপুরের বিচার भाषा का सम्बद्ध । अपेन के कार्यन (का, अप, ছোবস । ব্যাহাণ ভিন্ন কমিননারের ক্ষমতা भाहे(च्या

ভাগনপুরের গা ভারিক্ত জন্ম তথার দেসিয়ন জ(জর ক্ষমতা পাইছে

७ इंब्राई। २० হনৰ অৰ্থি জিল, এল, ि. शतिम भारक्षण । (त्रतः काश्वे **माकि (क्रे**डे ख ८५५कि नारमञ्जू स्ट्राट्स्स ।

যত দিন এন, শার, উটেনহাম সাহেব বিদার লইয়া অপুপত্তিক আংখন, তত দিন হারিস

সাংহ্ব হাবভার প্রতিনিধি মাজিটেট ও कारमञ्जू रहेग्रा ১৮৫৯ खर्का ३० खाहेन छ ১৮৬২ অন্দের ও আইনের গ্রুদ্মার আপীল ध्वर्ग कतिएक भातिएवम ।

२६ এ अन अवधि गि. এ, किल সাहित्य मूत्रिमारारम विश्वीप ज्ञानित काहे है मालिए छे छै ও ডেপুটি কালেক্টর হইয়াছেন।

ভাগলপুরের ডেপুটি মাজিট্টেট ও ডেপুটি कारतक्षेत्र योगवी महत्यम हेत्राक मास्त्रिकेटवेत्र ক্ষতা পাইবেন।

ष्यां माहिट शत रशाशां लियत व्ह मर्वाह-माञा निथियाद्यन।

३। शख २२ अ खून अथारन (ठोर्रा) त्रीता -আ্যের কথা যাহা লিখিয়াছি, অদ্যাপি সম্পুর্ণরূপে ভাষার নির্ভি হয় নাই। এখনও চুরর কথা শুনিতে পাওয়া যায়। আমরা দেখিতে ছ, পুলি বের লোকেরা এই চৌর্যোর প্রাছভাবস্তরে व्यटनक (नाधीरक निर्म्हाच ७ निर्म्हावीरक (नाभी করিয়া বিলক্ষণরূপে স্বার্থ সাধন করিডেচে. কোন ব্যক্তি কোন বিষয়ের জন্য আদালতে মকদ্দম। করিতে ইচ্ছা করিলে সামর্থ্যে অভাবে ও जायमां गरेशव हट्यां एख भाष्ट्रमा (मा निकासः १ ছম্ব তো বিচারপতির গোচর করিতে পারে ন। । बहानम्, এই अवजी कालिमाबलिमान नाहि ভাষের ব্যাপার দেখিয়া বাস্তবিক অবাক হই हाइ। अ फिरक होकी नाती है। स्कृत भरापूर्य, भएम भएम श्रृष्ट्रभगरक है। क्र অাদায়ীরা विद्रक्त कतिएकरङ्ग । अभिरक्त छ श्रुवरङ्ग स्वर्गाम तका रहवात अरे बी, ७ फिर्क वाब्यात : हो पुता বাজার সার্জেন্ট বাজার ইজারদার ইহারা नर्क्त नकी इंदेश (लाटकब प्यार्थार्थ) व वश्ये। अवानि विक्तनाल श्रीखिविया विक्ति कति (उट्ट। शूर्ट्सरे निषिग्नाहि (ष काळा करभका क्यारन विश्वन ও जिल्ला मृत्ना असरोपित विक्रम হয়। বান্ধার চৌধুরী ও বান্ধার সার্ক্ষেণ্ট সামান বেতনে বেরূপ বড় মাসুষী ধরতে থাকে ভাষা (मिथिया ज्वातीक स्ट्रेंट्ड स्या महानया जा পনি যদি কিছু কালের জন্য এস্থানে আসিতে । পারেন ভাছাহইলে বিশেষ ক্লপে জনিয়া গ্রহণ। বোধ হয় এরপে কঠিন নিয়ম থাকাভে চৌর্য্যাদি সেন্টের চক্ষ্য খুজিয়া দিয়া এখানকার জনেক উপকার করিতে পারেন। সকল নন্রেগুলে-ति अधिष्ठा (नियम वश्किष्ठ **अस्तिम्)** कि ি এই রূপ গোল মাল। আমার মতে ধ্থম এদেব व्यमानि मन्त्रुर्वज्ञर्थ व्यमञ्जाबकाञ्च तहिशारः अवः म्यू दृष्टिই खद्धाडा हेखत लाहकत् की बरमा

भाग एथन अवादन वहनमी विष्ठकन पार्वशैन अ রাজনীতিক বিচারপতি ও কর্মচারিগণ নিয়ো জিত করা উচিত। কিছু দিন হইল, ছিলু পেটি, प्रेष्ठ (कान काश्रस स्ट्रेट्ड कान्डेन्ट्य हे मासिट्डे টের মেথবগিরি ছইতে ঠাকুরসেবাপগ্যস্ত কার্য: বিবরণ উদ্ভ করিয়া বলিয়াছিলেন যে যভ भीख करान्डेमरमन्डे माखिएक्टेरेशरनत পরিবর্ষে সিবিল মালিটেট নিযুক্ত হইবে ডভই ভাল।

এখানকার বর্তমান কাপ্টনমেট মাজিটেট कां जि.स. मिर्ट जायी, महामायमन अ व्यमाशिक আমবা ওাঁছার ভদ্রভার বিশেষ প্রথী দ্ইয়াছি। क्षियि निकटि स्व महत्त्वपुर वस्त्रमूर्याज्य ना ষ্ট্রে রিচারপভির ন্যায়ামুঘায়ী কার্যক্ষা হয় ना, श्वनिष्ठ भाड़े भि विवर्त्त हेश्रंत जामुन मृशि নাই। এমন কি ত্বার্থপর পক্ষপাতী পুরাতন কর্ম চারীরা ইইাকে যে বিষয়ে যেরূপ বুঝায় ভাষা তেই তপ্ত থাকেন। প্রাথনা যে তিনি কর্মচারি शास्त्र कुरुक मा পড़िया भर्ताएड महाय अपेन ভাবে থা কয়া বিচক্ষণতা সহকার কার্য করেন। ভাগ হটলে এখানকার অনেক দৌরাত্ম ক্মিয়া যায়।

ति निम भहातारञ्जत भूनिरमृत स्वांिक कतिहा যাহা লিখিয়াছি विरम्ब অহুসন্ধানহারণ ভাষ্ট মথাৰ্থতা বিষয়ে নিশ্চিত হইয়া সুখী হল नाम। हेर्दात त्रामधानीयर्था (नोकन्य था) कम नटक किन्तु कोट्यं के नामगाज माहे थिला लंड रहा, इंडाब ताक्षमानी मर्पा यछ लाक जाए एक्टा हो কে কি কর্মা করে, কাহার কত পরিবার, ভারা-্দর কিল্প ভাবে সংসার চ.ল ইত্যাদির বিশেষ সম্বান লওয়া হয়। যদি কোন পরিবারের স্মা য়ের অপেকা ব্যয়ের কাধিক্য দেখা যায় তবে বি (लग विर्मय (माक्षांत्र) किक्राप (महे राष् चिक्तां इंटेट्डर्ड इंटात मधान ल उहा इहा बन्द गुरुश हिष्ठ श्रमानदाता यनि शृक्यामीत व्यनगरशा भा कित्व श्रमान भा उम्रा यात्र खारास्ट्रल यात्रा টত দণ্ডের দার। ভাগার প্রতিবিধান করা হয়।

পুলিখের গোচর না করিয়া বাহিব হইভে কোন অপরিচিত বংক্তি রাজগানীমধ্যে এক রা-ত্রিও অবস্থান করিতে পাবে না। ই**হাতে যদিও** অনেক গময়ে ভদ্রলে কের কিছু কণ্ট হয়; কিছু ভুষ্ণের প্রভাব ইইভে পারে না। ইহা ভিন্ন প্রতিগ্রামের 西西 不见 মোড়লের উপর সেই সেই প্রামের শান্তিস্কার ভার অপিতি थाकारक श्राप्त मकन व्यामश्रीन हे माखिनिहरूकम । रिवान রাজনী, ডঞ কর্ম, 🖫 গভাবে দেওয়ানিবিভাগের কেবল ভারত এবাধানাই, নতুবা বেরপ শুনিতে পাই প্রজারা জনান্য জনেক বিষয়ে সক্ষদে জাছে, পুলিফে যে সকল কর্মচারী জাছে, ডা-হারা রক্ষক এই ছাউনির ন্যার ভক্ষক নহে, কা-ডেই কোন গোল নাই।

২ ৷ মহাশন্ত সৰ আহিতী পট সাৰ্জ্ঞানের জনঃ সামপ্রকাশে কএকবার লেখা হইয়াছিল, দিলে-लिखाटि अकवांत्र मिथाए मन्यानिक महानम् चयुत्रह कतिया भवन्यन्त्रेतक कामार्मन धार्यना পূৰ্ব কারতে অপ্রবোধ ক্লিবিয়াছেন, স্থাচিকিৎসক व्यक्तात्व अधारन व्यक्तित्व व्यक्ति । পরিবার লইয়া থাকিতে পারে না। সংপ্রতি আমাদের একটা বন্ধুর জী প্রসাবের পর স্থাতিক। রোগে আক্রোক্ত হন। বন্ধুটী অল্পবয়ক্ষ, ভাঁহার স্ত্রী এই প্রথম প্রসূত্র , ভাছাতে এমন কেই বছণশী আলীয় তাঁহার নিকটে ন'ই যে এ অধ্বস্থায় কি ক্সপে থাকেতে হয় বলিয়া দেয়। উত্তম থক্তোবন্ত অভাবে জ্ঞান্তসারে পীড়ার 🙀 ইইলে তাম: क्षाराभारत हिन्द्रकारी तिरिव अस्कतरक का নিচে বাধ্য হইলাম, সে রোগের কিছুই উপশ্য कदिएक भाविन मा र यवर वृद्धि हहेग । व्यवस्मध्य अक खन हेर्नाय ए छित्र कि कोना हहेन, कि इ ভখন পীড়া ছুরারোগ্য হইয়া উঠিয়াছে, देशबाक्ष फाक्क? कि इतिदवन, ११४ मिरनत निराद व्यवश्य क्लिया क्रम्मी हिन्सा अभारहम्। व्या बंदा कारमहाभाख (मिलनाम (कड़का छेखन ब्राट्स ক্রিকিংলা মা হওরাই টাহার মৃত্তুর কারণ। মহা-णयः। व्यायदा यथगायानः कर्णातः क्षयानाम् अहे দুর্দেশে আত্মীয় সজন ছাড়িয়া আসিয়াছিব लिया गर्द्शके कि जामाभिरंगत अहेमकन कष्टे মুর করিবেন না ? একজন সব আসিষ্টাতী সার্জ্ঞ मिर्ट कि गवर्गरमध्य आरम्ब किছू अधूका-स्ट्रेट : পংলক ওয়ার্ক ও ক্ষিসরিএট ডিপাটমেন্ট নায়েভির যে অসক্ষত কর্মপ্রাস कतिएउए छाशास्त्र व्यानन्त्र न त्रत्र वातिष्टे हे नियुक्त प्रेट अ अट्रम !!!

७। अधारन नवहारश्य निविद्य य नामान पूर्ण निकिष्ट चारक. उपाप्त याशाता भव नहेशा थात्र जाहारित चारक आहे भव क्षेत्र का अक कुक छ-वाति हीन आ जतमर्गा (यथारन अकी सन मानव कृषिर्गाहत क्ष्म ना (गई धारन वाफ़ी क्ष्र का केशिन मकन वहन कित्र ता नहेंग्रे बाहर कि कि कि कि का किशा (गरन महर्क अकहें कि न केशित या नाहें।

ন্থানকার অধিবাসীর। অনেক বিষয়ে মিখ্যা ক্ষেত্র হায় বরিজে কাডর নকেন। অল অর্থে যে শুক্তর হাতে বুএকটা বুক্ত ৪ এবটা গৃহ নির্দ্ধান করা যায় সে বিষয়ে কাছারও **উল্যোগ ও বছ** নাই।

--: -:--

আমাদিগের গাজিপুরস্থ সংবাদ দাতা লিখিয়াছেন ।

अशान अकी वृह्द आक्षित्मं कृती चाहि ।

हेहारक मनत कृती करह । जाति निक हहेए जाकि
स्मन जाननि हहेगा अहे द्वान मरबाह हम ।
अध्यम मारम अहे जाकिरमन शतिभान जातक
हम अवर जान भारमन (मरम ममाश्च हम । अहे म मरम गामिश्र (मामिश्र हम । अहे ममरम श्राम अध्याम अध्यक्ष हहे ) हे, • • जाकिरमन छैर शामरक ममा-गम हम । अहे ममरम जाति निक हहेए वामान वानून दिका निचिष्ठ अहे थारम जानमन करन । अ वान जाकिम किछू कम हहेन्नारक, उथानि श्चाम ७ • • • मन असन हहेन्नारक, उथानि श्चाम १ • • • मन असन हहेन्नारक अवर जारमान हहेर ज असन जाकिरमन करना ।

अहे जाकिम हहेर जाननिराहित है । काणि कान-न अहे जाकिम हहेर गठनिराहित है । काणि कान-न अहे जाकिम हहेर गठनिराहित है । काणि कान-न अहे जाकिम हहेर गठनिराहित है । काणि कान-न अस्मित साम हहेर गठनिराहित है । काणि कान-

১৮-৪ অন্দেশত কর্ম্যালিস সাহেব এই হানে পঞ্চার প্রাপ্ত হন। এই স্থানে ইইার একটা অতি বৃহৎ মসলিয়ম (গোর) আছে। ইহা সহরের পশ্চিম কোগস্থিত এবং চারিনিক উত্তর্গ উত্তম উদ্যানের স্থারা বেকিত। এই স্থানটি অতি রমণীয়া

এই সময়ে এ স্থানে অভ্যস্ত সর্পের ভয় হইর থাকে। গত সপ্তাহে ভিন জন লোকের সর্পা-যাতে মৃত্যু হইরাছে।

এ বার এখানে এখনপর্যান্তও বৃষ্টি হয় নাই।
এরপ অবস্থা যদি আর কিছু দিন খাতে
ভাহা হইলে মলুব্য এবং শাসেরে পঞ্চে অভ্যন্ত
অনিষ্ঠ হইবে সন্দেহ নাই।

--:

আমাদিগ্রের **উচ্চিত্র সংবাদদাতা** বিধিয়াছেন।

১। আছত। আনগজুর ডেপুটী মাজিটেট ও ডেপুটী কালেটব বাবু বিজয়মাধব মুখোপাধায় এবং মতিবিজ্ঞ ডেপুটী মাজিটেট ও ডেপুটি কালেটব মৌলবী দেলওয়ার আলী খাঁ এ বার প্রীক্ষায় উভীব হইয়াছেন। শেষোক্ষ ব্যক্তি পূর্ণের এখান কার 'কাজী শ ছিলেন।

২। সাধারণতঃ বর্ধাকালে এপ্নানকার পথওলি। কর্দ্ধনময় ছইয়া পাকে। এ বর্ধে নিরাধার বৃষ্টি ছও। দ্বাতে অনুরো কর্মধ্য ছইয়াছে। এমন কি,

म्नाटकः। ज्ञानानिध्यतं न्रद्यतं नश्कात्रकर्वः (कर् कि नाहे हे

৩। রথের সময় এবানে মন্দ্র আমোদ হয় না।
ছয়ত মৃষ্টি এ বার মুখাধ্যক ও দর্শকদিশকে ভাত্য
ভৌতে ব্যক্তি করিয়াছে।

 ३ । গছ লোমবার রাজি প্রায় বায়টার সময় এখানে বিলক্ষণ ভূমিকম্প- হইয়া গিয়াছে।

আমাদিগের দোরস্থ সংবাদ স্থাতা-লিখিয়াছেন।

১। महाबन्न ! व्यानात्र मम ১२१२ वाहास्त সাল আর্দ্ধদর্শন দিয়া আমাদিবের সৌভাগ্য বশতঃ প্রতিগমন কবিল। এতজেশের প্রজাপু-क्षित्र इत्रवहात कथा कि कहिया शख मन ১২१२ गाल्य अवन वन्याव कतान आरमा क्रिष्टे अभा-भन वर्ष्ट्र काम्र (क्रांन्य प्रमान् भवर्गस्य केर्या-करोक এवर खरकानीन हेकातमात खीवुक बावु জন্মারায়ণ গিরি ও ভাঁহার নায়েব জীযুক্ত বাবু স্থ্যতরাম প্রধান মহালয়দ্রের সাহায়ে কথ-ঞিৎ প্রাণধারণ ও ছর্ভিকরণ প্রথম শক্রর কর চইতে আত্মৰক্ষা করিয়া বাংসোপযুক্ত গৃহাদি নির্মাণ করিয়াছিল। কিন্তু পুনরাম্ব গড় কার্ছিক মাগেৰ অভূতপূৰ্ব মটিকায় উচা নিৰ্দ্যুল হইলেও विविद्राणाष्ट्रावलश्रमदाता अभिकारभ व्यक्तित्रहे দেয়াল সম্পূর্ণরূপে প্রস্তুত হইয়াছিল, ফেবল ज्नाक्षित क्याई स्य नाई। अगड नम्य वस्कान ব্যাপিনী মহাপ্রকার্ত্মপথারিনী উপস্থিত হয়। আপন অলধারা**রণ ভীক্ষরভা**রা ভাছাদি-মের গছের দেয়ালের সহিত্ত ও রোপণ্যোগ্য ধান্য রুক্ষের সহিত্ত এক বাত্তে আগালভা ক্ষেদন कतिहा पिया नियारह। अधानकात श्रकात धानाह এक्यां कीवरमानाम, खाहात् यथम अम्छ ব্যাঘাত জন্মিন, তথন ভাহারা জার কিনে প্রাণ ধারণ করিবে ? গভ ১২৭২ সালের বন্যার পর জীযুক্ত ব'বু জয়নার য়ণ গিরি ইভার দার মহাশয় अधानकीत এक्षमाञ्ज अधिकाती अवर 📾 पुक्र वां दू द्वरव्याम ध्यमान महानम् अधानकात अक মাত্র নায়েব খাকাতে ভাঁহারা জাপুন জাপুন গোলার ধান্য বিভরণ করিয়া প্রজাগণের জীবন রকা করিয়া ছিলেন। কিন্তু অধুনা জমীদার মতো मरत्रत्रं यरम्मावन्त्रं म अग्राह्य इत्र साम स्विधिकाती अ अक्षान नारश्व इरेग्नारक्रम । विक्रि अभियुक्त तिहि महामरप्रत किप्रमः न अधिकात जारह, अवश् উक्त জীযুক্ত প্রধান মহাশয়ের পুত্রবন্ধ হুই স্মংসের না'য়বী পদে অধিষ্ঠিত আছেন বটে কিন্তু গিরি महानद्व अक जाना माञ्च जविकाती अवर क्षपान

महभातवम् 🗸) = खांक् हे कानात नाऽम्रव, फां+ शारक कें।शारा अमृश्वाच अष्टात अर्थायः कराव किन्नर्भ प्रवर्ष इहेरवन? खर्थाणि दौरादा भछ-· मर्त्तक श्रांत अञ्चलक्ष मिक्टेक भवर कंडकपूरक्षी वारमत्तिक **व्य**ष्ट्रात् ३०० है।का वरत स्ट्रेक, किन्त श्रष्ठां अन्तर्भ वास्तर्भ विषय । अन्य विषय । किक वाच निर्माष्ट्रका ठोका कर्षक ও मान मिन्नी. ষেরপ উপকার করিভেছেন, ধন-পি বাকী ৸/১০ জানার জনিদাব মহাশ্যেরা ডও না ষ্টক ভাষার অর্দ্ধাংশ করিতেন, ডাহা হইলে জনেক উপকার ছইত। ভূতপূর্দ কালেটর আিযুক্ত হর্লেন, সংহেব मर्ह'न्य प्राव्यकात इहेशा अध्यामिरमञ ष्ठ क्षीत्र (व प्रकृत क्षायी मात्र त्र शहर (मार्ट्सा व वस्पा) বস্ত দিবার সময় " সাজার মা পাসা পার না **এই खन** श्रवानी खार्ग करतन नाई, जास **१३८न** আমাদিগকে এষত ভূরবস্থায় কলাচ প্রতিভ करेट करें के ना। केंक्र समक्षवादमत याथायी श्रुक्तांक विवत्राव विस्मान अध्यान व्हेशारक। आतु । २ । ३ ही कातुर्वत निर्द्धां श्रदेश हहेगांभ ভাষা এই জীবুক গিরি ইপারণার মহাশ (यत **गमर** स्र छिव:मदब्रे विश्वास कावनाक वित्वहमा ६३७ (महेशासिहे वर्षात शावरस्य উ ভ মক্সপ সংস্কার भूर बीह वी प्रमण्डल व ছটত। অব্যাছই বংসর ভাষারও অনেক জ্রাচী কই ८७८६। नाटग्न. त्वता भत्रभ्यतः । व्यामि अहे आटम क त्रव जित्र के इन अ'रम कड़न " व निश्चा अक खन কার্য্যার্ভ করিয়া ছিতীয় ব্যক্তিকে তদনুবর্তী इंडेएड ना (निचिद्ध " कामि अका (कम के के स विद्यहमः कविशा अवान्यत फिमिल कार समा मध्य छ अव अरिथ नकरलई, कर्र्यः कर्न्ड वर्ष्यः। त्तामस्यात कः दशा (कृत्मन! व्याज्ञव अक থা করু উপর সকলে.. তার না দিলে স্থ্যালক্ষণে कार्वामिक्सार इत्रा स्ट्रा किना वन्नामिद्यवा (प्रति विकास के अपनि का कार्या के ना कार्या न र्धा त छ हेई 'दनत ( नाटस्यटानत) मटना काम माम-বেচক মাল্লেব একের প্রতি ভার সমপ্রের কি श्वष्ट्र तहेवात का जिलाम क्षकांच करतन, कामाना নায়ের মহাশয়েরা প্রশাক্ষার কিছু লাক, আছে বিংহেনা করিয়া এত্তুভয়ের কিছুতেই সম্মত इस सा १००० उतार " यो एक यो एक गुम्स देव अनु खानीत श्रान वास " भारत्राय भारत्रात कि स्वभी -मार्व समीमार्व शत्रुक्शव शान्त्यां महेन्ना समाह জন্ধ ঘটে: বিশেষতঃ উপস্থিত বৰ্ধায় ইক্সারা कालाविन्ति भूताचम अवश कामीनावृक्षक सूचम খাদসমুদায় ভগ হইয়া গিয়াছে, ভূমি স্থচারুরূপে (ता न क ना १६ वात है हा छ जन। कर क्षरान कारन স্থাবার "মড়ার উপয় খাড়ার ঘা" বনা বরাদেন

अक मना कुछ क्रेग्रा खमन करता। बीयुक्त जिति মহালয়ের এই বরাহবদোপলকে अक्टन छोड़ा (क क्ट्रन ! घिन निकाती आमि-दिन डींशिक्ट डाहात मण्युन (वडन मिर्ड हर्डे ৰেক বলিয়া কেহ ভাছাতে অপ্ৰসর হন না। শুলি লাম ভজ্জনা কোন সন্থিতেগদ নাম্নের অপর নারে বগণকে একমত হইয়া ৪ চারি অসম শিকারী कानव्रममानाम भज लिखिक्षार्डम । (एथा यादिक. ঠাঁছারা কি উত্তর দেন। ফালডঃ এসকল বিষয়ে স্তুলার্মজি প্রক্ষেণ্ট কোন নিয়ুমস্থাপুল না করিলে আর প্রজাগবের কোন উপান্ন নাই। অলমতি বিভারেণ।

### -- :0;--প্রেরিত

### মান্যবন্ন জীযুক্ত সোমপ্রকাশসন্পাদক

### महानंत ननीत्रयू।

বর্তমানের রাজাতে ভোপদারা স্থান করা উচিত कि म', इंश महेन्ना खर्क रहेएउट्ट। क निकाजात प्रदेशिक रेतिक भज अ विषरप्र वाकात कार्यक्रायत कक्टमान्य क्रियास्थ्य। আমরা বোধ করিডেভি, ধখন ভূমির করর্ছি করিয়া চিরস্থারী বন্দোবস্তের মূলে আঘাত कर्वा त्रवर्गस्ट हेत्र के किए मार्ड के प्रार्ट , ख्यान जय ৰ্নিন্টও রাজার সক্ষতি লইয়া বাহং আছেৰণ করিবার নিমিক্ত এইসম্মান প্রদান করিতে भारत्म । वर्षमात्मत् ताका वलर्परणव मरधः भर्ता श्रभान धनी न। रुक्तेन, गर्या श्रभान समीमाह वर्रान । गछ। वर्षे रीहा जाराका किकाजात मी म ख মল্লিকদিগের অধিক সম্পত্তি ও অধিক আয় चारकः तासात सभीमाति भएनी विनि चारकः। প্রজার সহিত ভাঁহার সাক্ষাৎসমূহের কোন সং আৰ নাই; অভ্এৰ গাঁহাৰ আৰু স্থিতত বহি! ब्राह्म। शकास्तर कलिकाकात धनीनिर्गत मण्यां अ काम्न दिन दिन मुक्ति शहराहरू। फुलालि देशीया चाधूनिक, वर्षमास्मद दाका क्षष्ठीतंदश्मीयः जन्म अव धाहात्र मन्त्रात जिल्लि জান। অবশ্য স্বীকার করিতে হইবে। কিন্তু তিনি প্রধান চিকিৎদালয়ের মুল্ধন, কোন বিশ্ববিদ্যা यक्ष धनी रहेन ना, समीनाद्वत काधिक कात কছুই নহেন। জীহার কোন পূর্ব পুরুষ ভাষীন राज्याय कामजा कालय कात्रम माहे; पाहासित्यत किंग्से कथन भागमक्छ। किर्मन मा। वीद्रिमिट्ग्राष्ट्रं

किन्छ छाहा दोका विलय्ना नरहर (म मगर्य मकन क्रमीमात के श्रकात इंछ,। क्रतिएंड भारत्रिका। भूत्रलयान त्रभारिको हेशरेख दफ् फेक बाहर कतिएकन न।। हेमानीक्षन कारल क्रीलकरतत। छनामरक ल भार्भिकान वस्मावन्त्र कतिर्छन विनिन्ना योग डीइ। मिश्र क्या भारत माख्यि । योग खरवरे वर्षभारतत भूक्षिकत ताबाधिकरक यथार्थ শাসনক্ষা বলিতে পাবি। এক্সেণ এশ্ব ইইণেছে কোন ক্ষমীদারকৈ এ সন্মান দেওয়া উচিত কি भा ? जावेश हुः धनस्कारत दलिएक कि मानग কারী রাজা ও রাজবংশীয়ব্যতীত এ সন্মান-भात काशरक (मध्या छिन्छ नरह। এकरात এই সীমা অভিক্রম করিলে গবর্গমন্ট কোথ স্থ দগুরুষান হইবেন? আর এক জন শাসন कर्छा ज्यांत्रिया कात अकं स्वयं स्वयोनांतरक अह সম্মান দিবেন; আডএব ক্রমশ: দেওয়ানী আদালতে না বাইবার খড়ের ন্যায় প্রায় অধি काश्म क्षषांन (चिनित समीनार्दत्र मगारन (छापा **२६८४। अनकन मन्याम याहारक जारारक** (मवत्रा के विव नरहें खाहा कतिरत देश्न लीत्र श्रथम (समरमह श्रमक माहेर अवः (माहे कांड्रम विश्वविक्रामरमञ्जे के भाषित्र नाः मृत्नारक देशरक ছিছি করিবেন। যাহা ইংলভের পিররগণ পান না, মহাবাজ ম হাভাপ চাঁদ কিনে পাইবেন कार्ष व्याक्षाकरभन्न कालिएक नारशास्त्र ।

**বর্জনানের রাজা** বিজয়শানের রাজাব पृष्टे । अपनीन केतिए भारतन। नश्ताजन -প্রতিও জামীদার মাত্রে , কিন্তে তাঁহার পুন্দি পুরু বেরা লাগনকর্ত্তা ছিলেন : তথাপি তর্কসরূপ चीकात कतिमाम, रयम विस्मय ज्ञान विनया अक জন জমীলারকৈ এই গদান দেওয়া গেল। এক্ষণে প্রস্থান্ততেরে মাহাতাপ্রীয় দেই বিশেষ ऋतीम् इटेटलएक कि मा? यिनि जिल्लेक व्यव अक्षिक्रिक्रकेटनद नाम प्राप्त प्राप्त विटल्स छेलकास করেন, ভিনিই এই সম্মান পাইতে পারেন। बाह्य डोशहीत कि कतिशाएक न ? वर्षमान, कालना প্রভূতিতে বেদকন অভিধিশালাপ্রভৃতি আছে, ভাহা ভাঁহার পুর্নাপুরণকুত। তিনি কয়েকটী সামান্য চিকিৎদালয় ও এঞ্চী মধ্যন জ্রোণির বিদ্যা লয়ব্যতীত আর কি করিয়াছেন? কোন নদীর সেতু, কোন প্লাবিত গ্লামের স্তুতন গৃহ, কোন লয়ের ছাত্রেরভি,ও ব্বস্থাপক সভাব কোন হিছ কারী আইন ভাঁহার নাম ধারণ করে ? রাজা चट भी धुनिरशत कांग कार्य हे माहाबा करवन না। তিনি বলিয়া বেড়ান, " আমি ভারতবর্ষীয় স্থাদরকে বধ করিবার আঞা দিয়াছিলেন বটে, বভাতে প্রবেশ করি নাই বলিয়া আমার উপরে

and designation of the second of the second of the second designation of the second of

घुना क्षकाम करा इग्ना " (कम श्राटम करा इग्न मांडे १ अ कथा व जार अहे स्ट्रेटिंड, (य जांत्रज दर्शी सु क छ। प्र अक नम जाना व्याट्टन ; देशी ता ক্ষেত্র বাহা আড়ম্বর ও বোকামী করিতে (এন : রাজা সেই সকলে হস্তার্থ করিছে চাহেন ना। किन्तु यमि कार्रगात श्रीकृष्ट इस, जान হুটাল ভাবতব্যীয় সভাষারা যে উপকার চুট ভেছে, ভাগতে ভাঁছারা মথার্থই সর্কাসাধারতের क्षं म्लाप कहेग्र'र्डन । अनकल लारकत नाहांच. ন। করা ও অদেশীয়ুদিগের ছিডকর কার্চ। ছইটে प्राप्त थोका कि ज्ञान नरह ? तोडा यनि (माकान भाव छ जाधनिक सभीमाविम्लित महिल मिखिल ছ্ওল্লা অপমান জ্ঞান করেন, ভাষা ইইলে ডিনি यामभी मुक्तित्व वर्डमान मञ्जाद्यार का मण्डा দ্রায়মান হইয়াছেন। এ সকল গৌবর আর থাকা উচিত নছে এবং বঙ্গদেশে তাহা নাই। क्रफर्न (कदम वर्भ छ धर्मत मर्गामा माई) विम्हा ७ कमाजात मर्वामा नकन नचारनत कालका ऐक कामन शहराट्या মাহাভাপচাঁদের ন্যায় প্রাচীন পনীকে লোকে গ্রাচ্য করেন না, অপেকাকৃত দরিম ব্যানাথ शाकुरत्व मार्य लाटकत अध्याभाष व्या मिश्यव িয়ে এক জন আধুনিক লোক। রাজার এতি क्षीक्ष का भीव लाकि मिराव एक माहै। अधि জ্বা নিবন্ধন নছে । সর্বাসাধারণ স্ব্রাপর্বশ হটতে পারেন না। রাজা ভারতবর্ষীয় হইয়া হল্লাভির প্রভি দ্বণাপ্রকাশ করেন। 🚂ভিনি इंडिट्राभीय क्रिक इंडिट्राभीय वाबशत ७ इंडिट्रा শীয়দিলের সহবাস ভাল বাসেন। কেবল ইহাই मार्यत नरकः किन्न चर्मनीय्रमिशरक **जुल्ह** ক্ষরিয়া বিদেশীয়দিলের আরাধনাই দোষের ছইজেছে। অনেশীয় কোন ব্যক্তি কোন সাধারণ হিতকারী কার্যের নিমিত্ত চাদা চাহিলে ব্বাজা ভত দেন না গ কিন্তু সেদিবস কয়েক সহত্র টাকা ব্য়ে করিয়া ক্ষেব্টা ইউরোপীয় ক্বর अरकात कवियाद्या । ভিনি श्राप्तिशहिकादक ষ্ঠাংকন না। ভারতব্যীয়গণও ভাঁচাকে ভুদ্ধ জ্ঞান करतम । किर्हे जारात जार्शत आधी मरहम ব্যবজনিত যে ক্ষমতা আছে, ভাষা তিনি সাগা वर्गक्छ। थ विभित्याक्षिष्ठ करत्म, हेरा प्रकृत ক্ষাশা করিয়াছিলেন। ডিনি এ আশা সম্পূর্ণ কবিতে পারেন নাই। তিনি নামে ভারতবর্ষীয় কাৰ্য,তঃ ভিনি রাধাকান্ত দেব এছে,তর নাার भाषात् । अक्षाम्श्रीन स्केटात (काम काक्य कर्द्रश्ला ছেন? এডএব উচিকি সমান করা আর ८एँटनैझ ० भाग करा अनुबह । इड्टाइटছ , डी-

হার সন্দানের প্রতিবন্ধকভার প্রকৃত কারণই
এই। তিনি জমীলারমাত্র, এটা সেই প্রতিবন্ধ
কতার একটা হেতুমাত্র হইরাছে। জামাদিগের
মত এই হইতেছে মহাতাপচাদকে তোপের
সন্দান দেওয়া কোম মতে কর্ত্তর নছে। ঘর্ষন
শন্তনাথ পণ্ডিত প্রথমতঃ প্রধানতম বিচারা
লরের আসনে উপরেশন করেন, তখন দেশের
এক সীমা জ্বধি জ্বপর সীমাপর্যন্ত জানন্দ্ধনি
হয়। মহাতাপচাদের সন্মানে দক্ত্বর্থণ হইতেছে!!

The second secon

हेर निम्मान अहि खिशान एड नि कि छेन উভয় नमां हात्रभाव भार्य काना (शल (य, वर्ष মানের মহারাজাধিরাজ বাহারর সম্ভামস্তুতক চিইসরপ ভোপধনে সেলাম পাইবার জনঃ भवर्गरम्हे धार्यना कांत्रहार्ट्न। आभारमत स्मात्रन ছিল না বে, মহারাজ বাছাছর ঐ রূপ বেলামি भारेटजन मां। किन्न डाहात नः स्मृत এवर वक्र রাজ্যমধ্যে উাহার তুল্যধনী ও তিনি যে পরি-मार्थ ताज्य ताजरकार्य वर्ष वर्ष जिया থাকেন, ভদ্ৰা দিভীয় ব্যক্তি না থাকাতে এক্সপ দেলামি ভাঁহাকে না দেওয়াতে বঙ্গ রাজ্যের প্রতি রাজপুরুষদের ভাগ্রছাপ্রকাদ हरें (उट्डा वाक्रमा (मर्गद जुला दाक्रक श्र**क**। ও ঐ দেশের ভুল্য রাজকর আহের আকর ভারতবর্ধের মধ্যে আর নাই। খাধীন ভুখামী क्लाम्बर्ग ना भाउष्ठात कात्रन এই या. खिछेन গবর্ণমন্ট রাজ্যারছেই সমস্ত দেশ নিজ কর্তৃত্ব थीरन व्यानिया निक्ष निमुक्त कर्म्महातिष्ठ'ता ताक কার্য চালাইডেছেন। কিন্তু উত্তর পশ্চিমাঞ্চল এবং মাজাজ ও বোৰাই দেখে। অনেক প্ৰতিম वाका अभिकास वाशीनावश्रांत्र व्याटइन । कन्न छः তন্ত্রার বলদেশের ও অপর রাজ্য খণ্ডের পুরা-छन अवह धनी तां अगटनत সম्মान शूटर्क यज्ञल हिल, डाहाब श्रास्त्र स्वया अञ्चिति वर्षमा-নের রাজবংশ অতি পুরাতন ও ব্রিটিশ রাজ্যের পূৰ্ণে ভদ্বংশের স্বাধীনতা, উত্তর পশ্চিমাঞ লের অনেক বাজা বাঁহারা এ পর্যন্তে সেলামি পাইয়া আসিতেভেন, ভাঁহাদের স্কে কোন ক্রিটেই বিভিন্ন ছিল না। ছউলিয়েয়াক্ত এই খেঁ, বঙ্গদেশের রাজগণের সম্পত্তি ত্রিটেশ গ্রেণ্ডে-ণ্টের কর্ডুদ্বাধীনে আলিয়াছে, কিন্তু উত্তর পশ্চি ৷ माक्त्र अक्रि ऋहिन द রাজগণ অবস্থায় এপৰ্যান্ত পভিত হম নাই, ভাছাও কেবল দয়াভ'বে রহিরাছে। কিন্তু ভল্লান উভয় রাজগণের সম্মানবিষয়ে প্রভেদ করা

विष्ठाविष्य श्रेटण । शाद्य मा। वर्षामात्मव महाता (कर जुन) श्राक्षकत्र विधिन पाधिकारत्त्र भर्पः अकर (कर मिन ना। शांत्र ४० ह सिन नक है।का কর প্রতিবংগর তিনি নিয়া খাকেন ও খে मकन हाला अक्षा (मनामि शहिता शाहिम. ভাছাদের মধ্যে অনেকেই জাঁহার তলা ধনী गर्दन । वित्यस्यः धान मात्र ७ विष्टर दश्र वारका,व मरश वर्ष भरतव महावास महरकार्थ अवर कादकार्यक्ष मार्था वश्रताखा हेश्लाखत मुक्छे चक्रभ । हेशाराज यक बारकात मर्काखर्थ या किएक **পশ্চিমাঞ্চের বছ**দংখ্যক সেলামি পাইবার্ याचा ताकात महन मधानक अन न। कडा ११४<sup>%</sup> মেন্টের নিভান্ত অবিচাৰ ও ভদারা ব্লভুমির लिख शवर्गायान्त्रेत कल्लाक्ष्मा व्यवस्थिता । এক্ষণে বর্ত্তমানের সিংহাসনে যিনি অধিষ্ঠিত चार्डन, ऊँ'हात ७१ न'ना चर्रम धकान कारक । ১৮৬२ नार्त हेनकगरिक (य नमस अथरम চলিত इग्न, उपकारम वर्धमात्मत महातामहे नर्तात्व हाक निष्ठ नचा छिल्लान करतन अवः काँ। महाराज्य का व महीराज्य का विकास के का व শিরে টালের ভার অধিক পডিয়াছিল। অভ এৰ টাছার সম্মতি কেবল মৌখিক ছিল মা ৮ বিশে ঘতঃ ঐরাপ সম্মতি 'দেওয়ার জন্য বঙ্গদেশের প্রায় ভাবৎ জ্ঞমিদার গাঁহার প্রতি আংগ্রাষ্ট্র क्हेब्राहित्सन अदर विजीत हेखीया अत्नातिर: यन कथार स प्रकार जारु हार क्लिट्र मिन्द्र ने ब्रोगायक मद्याप्तभद्ध क्षष्ठलिख चार्ष्ठ हारावा मकरनई महावाक्यक व्यवस्था कहित्राहित्यम । हिन्तु (भर्ति यूं हे एक दिवर्य व्य त्यान्तरवार्य व्यक्तिश्राप সম্প্রতি দিয়াছেন, ওন্ধারাও বোধ হয় যে, তি ন মহারাজের সম্বন্ধে পূর্কাষের এপর্যন্ত ইন নাই। ধ'হা হউক, বর্জমানাধিপতির দান মান ও ধন প্রত্যেক বিষয়ের এতি বিষয়েনা করিলে ভোপের সেলামি পাওয়ার যোগ্য পাত্র ভাঁচার व्यालका अरमान कार नाहे ; व्यक्त गवर्रमने नमीरण बाबारम्य विमयन्त्रका मिरवनम अके त्य. महातात्मात धार्यमा आहा कविया नक्षतात्मात প্রধান ব্যক্তির সম্মান বর্জিত করুন। 🗟 জঃ---

বঙ্গীয়দিগের দৈছিক অনুস্কৃতি।
বঙ্গদেশ ক্রমশঃ বিদ্যালোকে আলোকময় হই
তেতে, এবং সভ্যতা কুখসদ্দেশতা সমৃদ্ধিপ্রভৃতি
সৌভাগ্যচন্দ্র দিন দিন পরিবর্দ্ধিত হইয়া বঙ্গবাসীদিগকে সম্প্র্ণ করিতেছে বটে কিছ
শোক, রোগা, দৌর্মল্য, অকালবার্দ্ধিত ক্রমান্য
ভাবালমূত্যপ্রভৃতি রাভ্যক্রপ হইয়া সেই
সৌভাগ্য চন্দ্রকে গ্রাস করিতেছে, ইয়া সামান্য

ত্রতিগার বিষয় নহে। ইছা দেখিয়া এদেশ যেরা যে নিশ্চিত্ত ও নিনিত আছেন, অতিলয় হঃ থ ও লক্ষার বিষয়। কত দিনে ভাঁছাদের নিজাতল হইবে? দেশ যে উন্দির্ময়া। আর কেন ভাঁছারা জাগরিত হটন এবং দেশরক্ষার সম্পায় করন। লগ্নীররক্ষণোপযোগী নিয়মগুলি প্রতিপালন করন ও বাহাতে সর্পত্ত ও সর্বালোকমধ্যে প্রচ লিত ও প্রতিপালিত হয়, তিষ্বিয়ে বিশেব বস্থানান্ হটন। দেশানিষ্ঠকর জমপ্রমালাত্মক দেশা চারসকল সংশোধন করন। আনকসংখ্য বর্ত্তন মান রীতি নীতি সামাজিক ও সাংসারিক নিয়ম জামাদের কৈছিক বসবীর্যা ছাসের মূল

প্রথমতঃ বাল্যবিবাহ। আনেক মহাত্মা এই প্রথাটিকে বঙ্গবাসীদিগের বলৰীর্যভ্রেম ও অকাল মৃত্যুর অনাতের কারণ বলিয়া উল্লেখ কবেন। বাল্যকালে পরিণয়ক্রিয়া সপান ইংলৈ আশেষ বিধ অনিষ্ঠ হয়। অল বয়সে জী দংসৰ্গ ও সন্তান উৎপাদন করিলে শারীরিক নিয়ম ভল হয়। এই क्या खी शुक्रम डिकासबर महीत काम कारम की व तनवीर्वाहीन अवर अतिनादम तन्त्र हरेग्रा भएक । अभितिभक वीटक द्रक देशभावित इंडेटन বেমন সেই- রক্ষ শলকালত্বারী হর, অপরিণত বীজে সন্তান উৎপন্ন হইলে সেইরূপ সেই সন্তান वज्ञात् ह्याः ञ्चलार वज्ञिनेवनगरित समिव অল্লবয়ক পিডা লীলা সম্বরণ করিয়া মাতাকে অপার শোকসাগরে নিম্ম করে। बालाबिवाहिं (यमन माट्सत, धोवमाफितिक বা অভ্যাপিক বয়ুদে উদ্বাহ হওয়ার ভেম্বনি (मार्यतः । कामारमत (मन अञ्चित्र वीना **७ उँ**क প্রধান। এখানকার লোক অভাবতই কাস ক্রোধ প্রভৃতি রিপুগণের বশীভূত। অতএব অধিক বা আ তঃবিক বয়নে পরিণয় হইলে লোকসকল বিবিধ কুক্রিয়াবিত ও কুপভাবাপন হইতে পাবে এবং ভল্লিবস্থান না একার শরী: নাশক সংভা মকপ্রভৃতি রোগ জবিহার সভাবনা থাকে। পিত। মাতার দোষ গুণের ফলাফল সস্তানে बर्स, व्यञ्जव उँ। हारमञ्ज (यहान्त्र) জনক জননীর কুক্রিয়ার শান্তিস্বরূপ রোগ আধি কার করিয়া কেহ অবিলধেই মৃত্নু, মুখে পিডিড इन, (कर्वा विकलान, शैनवीर्श ও अकर्षा হইরা জীবিত থাকেন। অতএব পারে পরিণত বয়ক্ষ অব্ধাৎ পূৰ্বছোৰন'বক্ষ ও পাত্ৰী ভাদশ किया खायानमवर्षीया एडेटन यनि विवाद रहा. काश इहेटल (मर्भंत कक्क मझल मखाबन)।

দ্বিতীয়তঃ আমাদের মূল বিবাহপ্রথাটিই বহু অনুর্বের গুল। এখানকার লোক ত্র:ক্ষণ খুদ্রাদি माना वर्द विकक्त । देशहा आवात कुलीन শ্রোত্তিয়প্রভৃতি কএক শ্রেণীতে বিভক্ত। मृड भश्या वसान तम कूनीरमद क्षा अहलिङ করেন। ভিনি অভি সদভিপ্রায়েই এই প্রথাটি প্রতিষ্ঠিত করির ছিলেন ভাহার সন্দেহ নাই। এक मभरत अहे अनानी हि मरहा पका विनी इहेबा ছিল বোধ হইডেছে ; কিন্তু একণে তেম্বি प्यनीय ও धनाई हरेबाटमा यत कनात यसम মনের গতি শারীরিক ও জন্যান্য ভাবস্থা बिट्नय विद्वहन। कृतिया विवाह (मुख्या পिछ। মাতার কর্ত্র্যে কিন্তু আধুনিক কুলীন সম্প্রনায় किष्या किष्ट्रमाज लक्षा करान ना। इंडीबा সমান ঘরে আপন আপন সম্ভানসন্ত্রতির विवाह मिटल भारिताई जाभनामित्रात जीवन मार्थक ख्डांन करत्न । खनशंनः वर्र्वत कृतीन অপেকা রাটীয় কুলীনত্রাহ্মণদিগের বিবাহপ্রধাটা म्हिल्ब विरम्भ व्यवकात्रकः। हेहारम् सर्गा कि (कर देश्ना निवधन, क्यां का का लाट अपन कालवराक अर्थाकारा मि खेत महित नीचाकारा হয় ত তথিকবয়স। কন্যা ত্রয়ের বিবাহ मिटाउट्डन । किह्या पद्धवस्का अक हुई छिन्न वा ভতেতাধিক কন্যার, একজন অধিক বয়স্ক বছ বিৰাছিত মুমুৰ্ণ ব্যক্তির সহিত পরিগয়ক্রিয়া নির্দাহ করিতেছেন। অন্যান্য বর্ণের প্রোত্তিয় ওবংশজভাবপের একিন গ্রোভিন্ন ওবংশল দিগের বিবাহপ্রশালী অধিকতর অমিষ্টকর। ইহ'দের মধ্যে বছ মূলের কন্যাবিক্রয়প্রথা প্রচ निष्यां नाट्ड (कड़ कड़ এই यावनाप्तिक श्रकुड बावनाययक्रण व्यवसम्म करिया थाएकम। অন্যান্য পণ্ডলীবীরা আপন আপন পণ্ডব্য र्श्वांतरक व्यक्ति भूटना विक्रम कतिएक भारतिस যেরপ চরিভার্থভালাভ করেন, ইই:সুগ্ত আপন আপন কন্যাদিগকে অধিক মুলের বিক্রয় করিকে-প্রারিলে সেইরূপ কুডার্থ হন। অধিক व्यर्थ भारेत कमां छनित वनात्र वर्णन করিতে অসমতে হননা। অকেক বংশজ ও क्षाजिएवत कन्यात भा**निकर्न क्षा**य टेन्मवा-বস্থার হইয়া থাকে। পুরুষ্দিগের প্রায় প্রোচা-বস্থার ও র্ভাবস্থার দারপরিতাই হয় 🗀

<u>ब</u>ीदाः

-----

মহালয় : গান্ত ৩ রা আষাত দিনাজপুরের জ্রীযুক্ত রাধাগোবিন্দ রায়বাহাছর আপন পিডার জ্রাদ্ধ মহাসমারোহে সম্পন্ন করিয়াছেন। কলি-কাডা, নবদীপ, বস্থানা, মুরসিদাদাদ, বাকুলা,

विक्रमश्रुतक्षकृष्ठि माना मुत्रामण्य अ वारमण्य পণ্ডিতগণের নিমন্ত্রণ হয়। সভাস্থ পণ্ডিতগণের সভাবরগরণে এক এক লাল ও এক এক পট্ট वक्ष छेखबीय महिल श्रन्त इहेश्राष्ट्रिल । विस्नमञ् পশ্তিতগ্রের প্রভাককে থাদছেব্য প্রায় ৫০টাকা भूत्तात **७ जारम्यीय भ**िष्डभरनत श्रदङ करक २॰ छोका मुरलात प्रवा श्रम छ इरेशार हा विरम्भ छ भश्चित्रात्वत्र विशास गर्तास्त्र ००० होको *छ चर*न मञ्च अखिख शत्नत्र विष्नात्र मर्ज्यस्य ४० हे। का । উপস্থিত প্রিতের বিদায় ১৫ টাকা, ব্রু ১ (बाई । इंद्विविशास ১० ठीका बढा ३ (साए । অনাহ্ত সূত্রণারিমাত্রের বিদায় ১.টাকা ১ বনাত। ভট্ট ও টেলবংজ্বর বিদায় ৫ ২ই:ভ ৭ সাত বন্ধ ও তৈ জসপাত্র প্রস্ত হয়। দীন ष्ट्रःथी काञ्चासिशर्भत श्राट्याकरक अक घष्टी ১ होका ७ ककित्रामत श्रास्त्रकारक ১ छै।वात बहुना ७ ३ होका धनान कता रहेब्राटहा औ আর্'ছে যেদকল রবা ্তথ্জুতি গমন করিয়া-ছিল, ভাছাদের বাদের নিমিত গৃহ নির্মাণ इहेशाङ्कि এवर मकल लाक्टकई श्राप्त मन मिव-সের আহারদ্রবা দেওয়া হইয়াছিল। কর্মদিবদে वाक्सभएकाञ्चरमञ्जनात्र काञ्चान मीन हः वि অভ্যাপত যত লোক উপস্থিত ছিল. সকলকে তুল্যরূপে মিষ্টার ভোজন করান হইয়াছিল। এই স্কুল, আগস্ত্রক ব্যক্তিয় বিদায়ের পর দীনাজপুর নগরস্থ সমুপায় লোককে ক্রমে এক এক জ্রেণি করিয়া মিষ্টান্ন জলপান করান চই ভেছে। চেরিটেবল সেংসাইটিজে দীন ছঃখি-मिर्तात निभिन्न कडकिरोक। अप ३ व्हेर्स हैश শুনা হইয়াছে ৷ (১)

ত্রিহুতে একটা কালেইর্ন জারানত জাছে।
আদালভটা বড় সামানা নয়। অনৈকগুলি
লোক উহাতে প্রতিপালিত ইই, মছেন এবং
পদাপ্তরূপ কিঞ্জিং কিঞ্চিং সংস্থানও করিয়াছেন
কিন্তু কেমন ঈথবেব বিড়গুনা, চিবকাল কাহারও এক ভাবে যাইডে দেখা গোল না। পাপ
কর্মেব এমনি গুণ, ক্থনই অবগুঠনে থাকিতে
পারে না। কেহু যে কখন চিরকাল পাপাচরন
করিয়া নিজ্ ভি পাইবে, অসম্ভব। আজি ইউক
বা ছদিন প্রেই ইউক অবশ্যই ভাহাকে উহার

(১) আমরা অনুকৃত্ব হইরা এই পত্রধানি প্রচারিত করিলাম > কিন্তু যেসকল ব্যয়ে অলগ দলের উৎসাহবর্ত্বন হয়, তারুশ বিষয়ে উৎস'হ দান করা আমাদিসের অভিপ্রেশ্ত নতে, স্ব্যু

ফলভোগ করিতে হুইবে। যে রাজে, যে সং-স্ত্র, অথবা যে গৃছে এক বার পাপরপ ধুষ-কে দুর উদয় হয়, তাহার প্রোবঃ ক্রমই নাই। अ 🛪 😇 🐯 श व्यक्तित क्रम्मनाय **উপनीष ह्य**। কিছু দিন হইল, এক জন কামীন কোন বাঁটোয়া রার জরিপ করিয়া আসিয়া কা**লেইরের** নিকটে ভাগার ভ্ঙী (আমীনের প্রাপ্য ক্রমা টাকা) शाहेवांत च्यारमान करवन, कारलकेंत्र मारहव (मरव খদের ও আমলাদিগকে জিজ্ঞাসা করিয়া ঐ ার্দ্দেনপত্তে আমীনের যথাপ প্রাপ্ত ৪১ টাকা ভেতে সম্মতি প্রদান করেন। যৎকালে উক্ত আহোলতের সেরেন্ডাদার ঐ কয়ুমভিপত্রদৃষ্টে নাল কালীতে ডিপজিট পুস্তুকে উক্ত টাকা খ-বচ লিখিতে যান, তখন আমীন উপস্থিত আছে কিনা জিজাসাকরিয়া অসুসন্ধান না পাও-য়াতেই হউক অথবা অন্য কোন কারণেই হউক ্য দেবস ঐ টাকা দিতে অসমত হইয়া, ডিপজিট পুস্তক জাপনার নিকট রাখেন। ধর্মের কেমন প্ৰদানতি, ইচ্ছা না থাকিলেও দোৰী হ.জি যেন আপনা হুইতেই স্ব দোৰ বাজ ক-রিতে প্রবৃত্ত হয়। তিন দিবদপরে যে ব্যক্তি >, गूनाश कानार्भत भूल, याहात खाःना कालाला ह তুমুল কান্তন লাগিয়াড়ে, সেই ব্যক্তি সহসা কি भत्न ভाविद्या, त्मरत्ञानारत्रत्र निकरि जोनिद्या লদোৰ ব্যক্ত করে িএ ব্যক্তি আত্রভ্য আদাল एउत्र प्रकारी अकाष्ट्रतिके । हेशक निक**र** রেবিনিউ সংক্রান্ত কাগজ পত্র থাকে। সেনে স্থানার জানিয়া শুনিয়াও কোন কথা কাছাকে কচেন নাই। বরং গোপনে রাখিয়াছিলেন। কিন্তু এখানকার স্থাপাগা ডেপুটি মাজিকেট গোপাল বাবু কোন হতে ঐ গোলঘোগের विषय कर्नरगांठत कतिया कारल**हेत्रक व्यव**गांड করান। ভাহাতে কালেট্র সাহেবের বিষম সন্দেহ উপস্থিত হওয়াতে তিনি অসুসন্ধান कतिया (मर्थन, (य ঐ आभोरनत ४) होकात क्ट्रल (४८) होको ब्लाल करा ३३ व्राट्ड । हेरु। (म-্র্মিনী কালেক্টর সাহেব তৎক্ষণাথ উচ্চ ব্যক্তি-কে হাজতে দেন এবং উহার কাগতা পত্র লুখা**হুপুথ রূপে প**রীকার্থে সেরেস্তাদরের উপর ভারার্পণ করেন। কএক বংসরের কাগজপত্র দেখিয়া ইহার মধ্যে ২২০০ বাইশ শত টাকারও অধিক জাল বাহির ইইয়াছে। এখনও কভ फार्ड, यत्रा यांच्र मा। ुंखे मक्त होता এक रास्त्र ल ७३। इय मारे। नगरत्र नगरत् किन्न किन्न ্বিববয়ে ব'হির করিয়া লইয়া আম্মেসাৎ করা **হই** प्रीट्ट धरे कालकार्ध कामगढ न ४७ हरूपा

ছিলেন। কিন্তু মাজিটেটোর বিচারে উক্ত ব্যক্তি। ও জ্বার এক জন শেষনে সমর্পিত হইয়াছে।

श्विनाम के (नार्य) याकि समूर्य निस्न (नाय सीकात करियार अवर किरिडर आमानर्डत आनर्क के खानकार निश्च आर्छ। याहा इंडेक कार्टक्टेंग्र प्रारह्स्य अविषया विरम्य अञ्चलकाम मन्या कर्डन्।

২। নম'চার পত্রে দেখিতে পাই, বালালা দেশে ভ্যানক বৃদ্ধি হইয়াছে। কিন্তু কি আক্র্যা এখানে অদাবৈধি কিছুমাত্র বৃদ্ধিপাত হয় নাই। যেমন রৌদের প্রথবতা তেমনি গ্রীষ্ম। এরূপ গ্রীষ্মাভিবেক কথন দেখা যায় নাই। যদি আর ছই চারি দিবক এরূপ থাকে তবে এস্থানের অবস্থা অতি ভয়স্কব হইয়া উঠিবে। ইহার মণ্যেই গ্রীষ্মাভিরেকনিবন্ধন ওলাউঠার প্রান্থভাত হই য়াছে। ভাষাতে যদি শীল্ল বৃদ্ধিপাত না হয় তবে আর নিস্তার নাই।

১৮৬৮ } ত্তিত

### —::-মূল্যপ্রাপ্তি।

জীযুক্ত বাবু রামচক্র চট্টোপাধ্যায় জ্বালিগড় ১२१६ व्यायन स्ट्रिक १७ व्याचाह भ र्त्रच्या मञ्जूमनात्र কুঠি বেলিয়া ১৮৬৮ জুলাই হইজে ডিসেম্বর भ तामकृष्य भूरथाशायराज्ञ क्रवाह १ ५० व्या विष्टु ७० अन्त " कार्षिकान्य व्यवस्थि ডুবিড হর ১२१৫ देवनाच क्हेरज » পার্বভীচরণ চট্টোপাধ্যায় আলাহার **३२१६ टेक (के स्ट्रिक १७ टे**तमाच कामाचा। ठत्रण मृद्यां भाषात्र तक्ष्मुक् ३२१क जायाह स्ट्रेट काशहायुन " মারকানাথ মিত্র क्रिकाफा **३२१६ टेवमाथ इहेटङ व्यक्ति**न " হেমচত্র মুখোপাধ্যার ব্রাহ্নগর ১२१৫ जानाच स्ट्रेट अक्षरायन े छात्र (भाभा ह क्वर्डी यश्रात्रहा है ১२१६ आवन इंटेड काश्विन " टेकमायम्ब शाय কলিকাডা' ১২৭৫ আবাট কইতে অঞ্চায়ণ . » অভয়াদাৰ বস্তু কলিকভা সুকেড্টিট ১২৭৫ আঘাচ হইতে অঞ্চায়ণ 🏚 যজেশ্বর সিংহ ভাস্তাড়া ) २१६ **भाषांत्र हहे**। ज १७ रेकार्च भ (इन्डिक्ट) ५ চ ।দপুর ८৮७৮ जुनारे रहेटफ फिरनबन

\* গোপালচন্দ্ৰ মলিক চীনেৰাজাঃ
 ১২৭৫ আবাচ হইতে আঞ্ছার্থ ৫॥ •

-----

### নোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা

### विद्यांत्र निश्म।

অবিম মূল্য ও ডাক্মাকুল না পাইলে মদ-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইহার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং বাল্যালিক ৫॥০ টাকা । মফবলে ডাকমাস্থল শমেত বার্ষিক ১৩, বাল্যালিক ৭ এবং ত্রৈমালিক ৩৮০। তিন মালের স্থানে অগ্রিম মূল্য এহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাজি চিঠি, মলি-অডার, নোটা ও স্থান্দ টিকিট, ইহার আন্যাত্তর যাহাতে যাহার স্থাবিধা হয়, জিনি সেই উপায় ঘারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

বাঁহার। ষ্টাম্পটিকিট পাঠাইবেন, ভাহার। যেন এক অথবা আদি আনার অধিক মুল্যের ওরদীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

বখন বিনি মফলল হইতে লোমগ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, ভাষা যেন রেজিপ্তব্নি করিব্না জীয়ক্ত ভারকানাথ বিদ্যাক্ত্যণের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

मं शिक्तित मूना निवास नमझ अखीक इरेश।
कांत्रित, এक मानशूर्य छाशिनश्रक किंद्री
निविद्या आनान याहेरन, कान अखीक हहेश।
रामलंड এक वांत्र किंद्री लाथा हहेरन, छाशांत शब्द अकमानकान श्राचीका किंद्रिश कांगल वंश्व कहा।
याहेरन । स्मिन वारतत श्राद्ध विद्याति शांतिन हहेरन ।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ভাক ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীল্প পাইব।

বাঁহার। মাহুল না দিয়া পত্রাদি জেরণ করি বেন, তাঁহাদিগের সেই পত্রাজ্ঞি জাহণ কর। যাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিজে ইক।
করিলে ভাইাকে প্রথম ডিন বার প্রজিপংজি 🗸
জানা ভাইার পর 🗸 ২ জানা দিতে ইইবে।
বিনি জ্বিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা করিবেন, তাঁহার সহিত অতম বন্দোবস্ত হইবে।

ৰক্ত এই পত্ৰ কলিকাতার দক্ষিণ পূর্দা মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চালডিপোতার প্রীযুক্ত মারকানাথ বিদ্যান্ত ভূষণের বাটীতে প্রতি সোমবার প্রাত্তকালে প্রকাশিত হয়।

# সেমপ্রকাশ

5 - N 1911

७१ मश्या।

## 

शांत्रिक मृत्रा ১ এक काश्रिम वार्विक ১ • मृत्र অবিষ ৰাশ্যাসিক ধা সাড়ে পাঁচ টাকা। }

मन ১২৭৫। ७ रे खावन। ১৮७৮। २० ज

### বিজ্ঞাপন।

সহত্রমুদ্র। পারিভোষিক।

এড মারা সর্বাসাধারণকে জ্ঞাত করা মাই--তেছে, বে গভ ২ রা চৈত্র আমার ভরনের সম্ম थ क्रिड शवर्गरमे माशय क्रिड विमानवग्रहत বারাগুরে উপর বেলুড় প্রামবাসী অসুনে ষঞ্চিবর্ষীয় नवकाञ्च नवञ्चम्मतनामक करिंचक शश्चिद्रकत रा च्यानक रूडाका ७ रहेबा शिवारक, व्यक्ति व्यवधि इय मार्मत मर्पा स्व व्हिष्टि छोशत इननकातीत क्षयुत्रश्चान कविद्रा मिट्ड शावित्वन, छै।शेटक সহত্র মুদ্রা পারিভোষিক প্রদান করা ঘাইবে। इत्र मारमञ्ज्ञ थत अक चरमञ्जानमर्भ अञ्चनकान **ছ্টলে সংবাদদাভাকে ৫০০ পাঁচ শভ মুদ্রা** প্রদান করা ছইবে। অভিশন্ন আক্রেপের বিষয় **क्रेड, द्वेलिबिङ निवंग व्यव**िध गवर्वश्यके लक इहेट अवर चलक हहेट नामाविष खल्लाकान করা হইভেছে; কিন্তু কোনক্রমে কুভকার্য্য হইতে পারা ঘা**ইতেছে না**।

পাকোড় রাজধানী ) ১৮৬৮ সাল । ১২ ই জুন

अवक्कारनत श्रासाञ्चन १३ निम्नलिथिङ সংস্কৃত পুস্তকত্রয়ের কিয়দংশ প্রকাশিত হইল। প্রাহক্রণ পূর্ম ভ্রাডীত নিম্নার্কিষ্ট সম্পূর্ণ भूमा (क्षत्र) कतिरम श्राप्त इहेरवमा विरम्दन প্রেরণের বভদ্ধ ভাক মাণ্ডল নাগিবেক।

মলিনাথের চীকা সহিত। শিশুপাল বধ (মাবকুত) মূলঃ ব্যুবংশ (কালিদাসকুত ) " 411 . কিরাভার্ক্ত নীয় (ভারবিকৃত) ·#0

কতকওলিন সংস্কৃত পুস্তক দেবনাগরাক্ষরে প্রণীত ও মংপ্রচারিত নিম্লিখিত পুস্তক ওলিঃ न्हीक मूछ्नात्र व्हेरवक। श्रकारमत शूर्त्स श्राहक विक्रम व्हेरकरहः-

<del>ফুক্ত হইলে</del> গীতা বার পৃষ্ঠা অপর প্রতি আটি পুঠা ভিন পদ্নসার হিসাবে খণ্ডে বা সম্পূর্ণ বেমড প্রকাশিত হইবেক উক্ত মির্মে মূল্য প্রধান कतिरम भूक्षक श्रान्त इंटर्यन । विरम्दन श्रिवरनं বতন্ত্ৰ ডাক মাশুল লাগিবেক।

ঋতুসংহার। (মঘদুত। শকুতলা। নলোদয়। मालविकाधिमिद्ध। विद्धारमार्वाभी। मुमाहाक्तर। রবাবলী। মালভীমাধব। সাংখ্যভন্তকামুকী ৰা সাংখ্যকারিকা। মহাবীরচরিত। উত্তর্রাম-हतिकः। शृष्टदाधः। समक्षातहित्वत केषात्र'६। পাণিনি। বসস্ততিলকভাণ। অমরকোষ। শাস্কর कारा, कामक्तिति, जीश्रद्यामी ७ मनुष्ट्रम সর্বতীর দীকাসহিত জীমন্তাগবত। মহাভারত। বিষ্ণুপুরাণ। কাদৰ্শী। ভট্টিকাব্য। নাগা নন্দ কাৰপ্ৰেকাশ। চক্ক। মাৰ্কত্তেম চত্তী।

কলিকাতা সংবাদ জ্ঞান } বুদ্মাকর যন্ত্র নিষতলা जिप्रवनहस्य वनाक की है ७२ मर्थाक छवन।

### বিজগার্থ।

গারভেন রীচ ২৪ নং বাটী ওদামসহ ১৯ নং (আড়া ৰাগান।

বিক্রান্তর নিমিত।

গারতেমরীচ ২৪ নং বাটী।

উপরি উজে বাগান এ বাটী ঘাঁহারা ক্য করিতে অথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নিরু স্বাক্ষ রিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেগুরিস্ আর্বো থমট এবং কোং

र्जनर्जनिया मध्य छ शुक्तवानस्य ७ शहीन विमारिक्षितानत अनुसूर्विधार्व निम्नलिचिक काला वांक्रुँ एवा आनात (काल्लानित मार्कारन ५म)

দশ্বলে গাস্তুলসমেত অগ্রিম বার্ষিক ১৩ यांगात्रिक १, ७ देखभात्रिक ७०० हे।का

প্রশীত	द्वस
<b>গ্রীসই</b> তিহাস	১ টাকা
রোমইভিহাস	, »
ভূষণসার বাকেরণ	<b>{•</b>
নীতিসার (১ম ভাগ)	J
নীতিসার (২ য় ভাগ)	J
প্রচারিড।	
মুক্ষবোধ ব্যাকরণ	" h
· .	sandan sandins (

জীৰারকানাথ শন্মা ---: 4 }---

ভারভব্যীয় ব্রাহ্মসমাজের সহিত প্রতিনিধি গড়া ও কলিকাতা আক্ষান্মালের প্রচার বিভা গের যোগ করিবার প্রাক্ষাব উক্ত দিবগে উল্লি ৰিভ স্থানে অপরাহ্ণত ঘণ্টার সময়ে বিচারিত হইবে , এতিনিধি সভা ও প্রচারবিভাগের সভা মহাশয়েরা তৎকালে উপস্থিত হইরা ভছিবর निष्मिछि कहिर्दन।

图17年中45班(四月)

### विविध जुवामि विकासर्थ

-----; a <u>2</u> -----

প্রস্ত ।

ইংরাজী বাজলা পুস্তক কাগজ কলমাদি নানা विध छवः शास्त्रा याय्यः मकद्रात गर्भी अनुति ইড্যাদি পাঠাইয়া থাকি এবং পুস্তকাদিতে এক আমার হিসাবে কমিসন দি যদি কেছ অংথিক होकांतु सरएपि लागुम कोश बहेरन 🖊 ३० । कामात् हिनारव कभिन्न शहिरदन।

	हे। 🐴
গোলড স্মিথ পৈটি কেল ওয়ার্ক	<b>હ</b> મ
<b>कारत</b> िक्षांन नाहेष्ठे	12.14
ম্পেকটেটার	en
বেলেয়ার্ন কেকচার	·cn
क्षारममम अप्रार्क	<b>৩</b> ন

ইং রাজী ভাগবৎ <b>গীত</b> ।	ર
इंट काम्बरी	ર
इर रिष्टें ती अफ श्रास्त्रहेन (ब्राप्टे जिप्टेन	211
ই. শকুস্থালা	2
टर <b>स्किर्नारम</b>	7
পুৰৰ প্ৰীক্ষা	۲
লয়লামজুন	٤
भिग्न <b>्न</b>	2
<i>৬</i> একীরু ইভি <b>হাস</b>	>
র <sup>ী</sup> ি <b>মূল</b>	'n.
কায়স্থ দীপিকা	>
সঙ্গীভানন্দ লহরী	j •
টনশ্য চরি <b>ভ</b>	2 #
বিদ্য মুখ্যুগুল	10)
কলিকাভার মান্চিত্র ( উত্য বাগান )	3
ছারকা <b>কেলী</b> কৌমনী	2 11
রাম উপাথ্যান	11 0
ভাৰতবৰ্ষেৰ পুৱাৰ্ম্ভ ( দ্বি গীয় বার মুদি	ভ )
মান্ডিত সহিত মূলং	• لوا
সপ্তকাপ্ত হামস্থিপদ্	2
অষ্টাদশ পূৰ্বা মহাভাবত প্ৰ	= H
[मका थन। जी	٥
লোলত্রত উপযোগীতা	k; o
क्टानकी गाउँक	7
वीत्रवाकः वली	1.
विषया दम्भामना	H.
কাচক্ৰণ কাৰ্য	110
চর <b>্ত মঞ্জী</b>	21.
কবিকক্ষণ চণ্ডী	
का भी श्र	<b>V</b> i
<i>শ</i> ভাশ শশু	2
कलीरकोलक माउँक	2
ক্ৰিকলাপ	7
বামাভিদেক লাটক	۷
চম্প্রিকাধ নাটক	2
কলিকাতা জোড়া- ্ ইনিপ্রতংগচন্দ্র	রায়
লাকো ৬৪ নং ় নগণ মুলে বিত্র	r <b>e</b> ra

ৰঙকামিনী নাটক (মূল্য এক টাকা) সংস্কৃত यद्भव शुक्रकांनदम, हीरमवाक्षादव खीवुक वाबु ८ जीलाकार्य सूर्याशीयहरू सत्रत ७५ मन्त्र मानारक এবং সংস্কৃত যায়ের ভাষণেপক জীযুক্ত বাবু क्किन मुर्थाभागः रश्त निकृषे श्राभागः। क्ष्मिण्याक रक्ष पंक्ति है। हेनारव कवि ज्ञ (मध्या याय ।

**ब्रो**श्वां महत्त्रा मुख्या भागा महत्त्रा

**रकेरन**त रावहात ७ स्वतिभी मक मा शक्क । করিবার মিল্লমসম্বলিত বস্তু পরিমাপক বিদ্যা ও জরিপ "কলিকাতা স্থুকিয়া জ্রীট মহেশদাসের বাগানে ১৮০১৮ নং ৰা**টিভে এবং** সংস্কৃত পুস্তকালরে বিক্ররাথ প্রস্তুত আছে। মূল্য কমি সন শুদ্ধ ১ এক টাকা।

ত্রীপ্রসন্ধুমার দানিয়াড়ী।

ইংরাজী ১৮৬৯ সালের প্রবেশিকা পরীকার সাহিত্যের অপপুস্তুক রেবরেও আর, রবিদান কর্ত্তক প্রস্তুত ছটয়া থেকার শ্লিক্ষ থোৎ এবং কলিকাতা জ্লবুক সোগাইটীধারা বিক্রীত হইতেছে : মূল্য ১।০ এক টাকা

শব্দকল্ডন অভিধান। সর রাজা রাধা-কান্ত দেব বাহাছুরের ক্লভ। উত্তমৰূপে সোণা দিয়া হুতন ৰাখান মূল্য ২৫০ টাক।। ঐ আনন্দচন্দ্র বেদান্ত বাগীশ।

--:•:--

### कारा श्रका निका।

**এই মাদ হইতে এক শিভ হইল। ইহাতে** সমুশার কাব্য নাটকাদির দেখনাগর জাক্রেমূল ও টীকা এবং বাঙ্গলা অক্ষরে বাঙ্গলা অসুবাদ থাকিবে। নিয়মিত এটি চগণের প্রতি গ্রতি খতে া<sub>প</sub> • ছয় আনা এবং প্রত্যেক খণ্ডের । • আট কানা মূল্য নিৰ্ভাৱিত হইল। যাহারা এছণ করিতে অভিলাষ করেন, ঝামাপুকুর লেন ১৫ নং वि, लि. अपन् यद्ध व्यथवा काल्य हो है ५५ वर লাইত্রেরিতে আমার নিকট পত্র লিখিলে পাইতে পারিবেন: বিদেশীর গ্রাহকগণকে স্বতম্ভাক ম'ফুল দিভে হইবে।

৩ রা প্রাবণ क्रीवंत्रनाक्षत्रात रख्यानांद्र। 12961

ইফীরণ বেঙ্গাল রেলওয়ে ৷

রিভার টারমিনস্, অর্থাৎ সিয়াল. দহ হইতে গঙ্গাতীর পর্যান্ত (तल ७ एत व व का कल

### আরম্ভ ।

कांकेटचानांत निक्केत औं वाशवास्त्राद्य हेश्वी রণ বেকাল রেলওয়ে কোম্পানির রিভার টার্মি ন্দ্ৰামক রেবওয়ে, আগড় ও রা আগই সোম বার অবধি স্ত্রব্যাদি দেওন ও লওন জন্য, খোলা याहेटदक।

ই্টারণ বে<del>জাল রেল ওয়ে</del> क कि निम সিয়ালদহ টার্মিনস (2) (2 W. かき 頭引き シャルト! 1 多四四

क्षवामयांना ।

বঙ্গদেশীয় বিবিধ জানপদ ব্যবহার মূলক এই পুস্তক যাহার প্রয়োজন হইবে, তিনি কলিকাতা ক্ষ লবুক সোসাইটার গ্রব্মেন্ট পেলেসের ৯ নং ভবনে প্রার্থনা করিলে পাইতে পারিবেন । মুল্য।/- আনা মাত্র।

नोमबात नमी।

भन १५७৮ मार्लंड खुलाई मार्मंड १ ला **इटेंट्ड १ हे भर्येऽछ** नभीग्रात नभी रा अंत मर्तिक म. उ का लात मान ।

স্থানের নাম कृषे हेक মাথা ভালা নদী মহানার উপর পল্মানদীতে 10 নিজ মহানায় ख्या रहेट हा है (वाद्यालिया ८८ माहेल হাট বোয়ালিয়া হইতে আনিক্দিয়া ৪ ৯ व्यानिकिमिया हरेए उत्रक्षशस्त्र ৩৮ মাইল কুঞ্গঞ্ছ হই,ত ছগলি ন্দীপ্যান্ত ৩৪ মাইল -ভাগীরথী। মহানার উপর ڊ ج 9 महानात नीट्र 79 उथा रहेटड जिल्लानक 1 जियागक स्ट्रेंट कारिया ७ म हेल 30 कारिया इहेर्ड नहींया ৪৬ মাইল कनहीं नही ম্যানা তথা হইতে করিমপুর १० मारेल করিমপুর হইতে টিয়াকাটা

७६ माहेल विशंकांका इहेट मनीया ७- याहेल

मन १ ५७५ खुलाई मारम् १ १४ छा हिर्च वस्त्रन পুর সজ ঘাটের জলের মাপ।

हेकि ) व्योष्ट्रक हिं (हम द्वेर्म मि, हे अकिकिकिकिक है कि निवन

ব্ধরমপুর ডিবিজন:

বহ্বমপুর

### সোমপ্রকাশ। ৬ই প্রাবন সোমবার।

ভারতবর্ষের ভেলসমূহ !

ভারতবর্ষের কারাগারে ধর্মনীতি
সংক্রান্ত উন্নতি হ ইবার যো নাই। উহার
স্বাচ্ছারক্ষাপ্রণালীও অত জঘন্য। এ
নিমিত্ত কেবল মিদ কার্পেন্টির নন, যাব
ভীয় সদাশায় ব্যক্তি আক্ষেপ করিয়া
থাকেন; কিন্তু জেলের মধ্যে আর যে
সকল কাও হয় তাহা অনেকে অবগ্ত
নহেন। অতএব অদ্য আমরা ঐসকল
বিষয়ের এক মানচিত্র পাঠকগণের নয়ন
প্রেপ্ত উপনীত করিয়া দিলাম।

পাঠकंগণ। এক বার আমাদিগের সহিত ফৌজদারি আদালতে আগমন করুন। ঐ যে প্রাক্ষীন কুঠরিটী দর্শন করিতেছেন, উহাতে হাজতের কয়েদিরা থাকে। মলিন বসন, অচ্ছিন্ন শাঞ্জ ও জীর্ণ আকার দেখিয়া কি ছাজতি কয়েদি দিগকৈ চিৰিতে পারিতেছেন না ? হাজতে যাইবামাত্র পুলিষ প্রহরীরা প্রহার আরম্ভ করে। তবে ভালাদিগের তুণ এই, তাহাদিগকে ঘংকিঞ্চিং পূজা দিলেই তাহারা প্রসন্ন হয়। কেলের প্রহ রীরা যে ব্যবহার করে, ভাহাও পাঠক-গণ এক বার ভাবণ করুন। ১৯৯ " যেন স্বশুর বাড়ীতে আশা হইয়াছে ' এটা প্রথম সন্তাষণ হয়। পরে প্রহার। হাজতি কয়েদিরা যে গৃহে থাকে, ভাহা গোশালা অপেকা অপকৃট। তথায় ना चार्ष्ट यूर्यात चारलाक, ना चार्ष्ट भव-নের প্রবেশ। প্রথম দিন ছাজতি কয়ে मिटक व्यास्तिः दर ६ सः इत्र ना । व्याकः वान इंडेट्ल " \* \* वाहित इ " विनिशा ही एकात হ্য়।হতভাগোর৷ প্রাতঃকৃতা করে; ममोगेत ममरा आमानट याहट इहेरव। অনেকের ভাগো দামান্য ডাইল ভাতও उपत्रभूनं कतिश इस ना। (कोजमाति प्यामानट याहेबात ममरत পर्य शक्त

नाम हेरापिशतक ध्यशंत कता रहा। বিচারপতি যাহার কারাব্যুসের আজ্ঞ। रनन, श्**ष**ट्डत कर्छे छाहात े दकाणात्र লাগে। মেয়াদের প্রথম দিবদ অনবরত প্রহার করা হয়। পেয়াদার। প্রহার करत। यमकन करमि प्यानक থাকিয়া কিছু প্রতিপত্তি লাভ করিয়াছে তাহারাও প্রহারে পরাভ্মুখ হয় ন।। (वाथ इय, छ इंग्लिशटक अथटम अहात সহা করিতে হইয়াছিল, উহারা ভাহার পরিশোধ লয়। " একটু জলপান করিব " এ কথার উত্তর পদাঘাত। ' বাহিরে বাইব " ইহার উত্তরও ঐ। পুরিবীতে যতপ্ৰকার কটু বাক্য অছে, তদ্বারা গালি (मिख्या ह्या **अ**णि ज मामाना कथा। क्षांप्र রাত্রিতে আহার হয় না। পর দিবস খাটিবার পূর্বে হতভাগা কয়েদিকে আহার করিতে ডাকা ইয়। সামান্য শিশুকে যে পরিমাণে আহার দেওয়া হয়, দেই পরিমাণে হতভাগ্য ব্যক্তিকে व्यञ्ज (पंड्या क्रेस थाटक। इहे এक शांन ष्यादांत्र कतिहारह, अभा मनरह अक सन नीव्याजीय कर्याम अथवा (भशामा शृत्के পদাঘাত করিয়া বলিল 🕶 উঠ্না \*\*\* যেন জামাই আদরে আহার করিতে (इन। " करत्रमी डेक का डीत इहेटन আহার বন্ধ হইল; যদিনীচজাতীয় इरा. धरे म्लार्ट्स बाहातीय नके इरा ना। এ ছলে প্রহরীরা অন্নে পু পু দিয়া থাকে। আহার হইল না। উঠিবামাত্র সর্বা-পেক্ষা রুছৎ কাুড়ে ও দশ দের মাটি উঠে এমত কোদালি দিয়া খাটাইতে ष्यांत्र कता इहेन। करमनि त्म होना कि ना, मार्डिकां डे अञान बाह्य कि न!, जाहात एकाम विद्युष्टमा करा इश না ৷ গবর্ণমেক্টের নির্ম আছে যে যে बाबमात्र काटन, काटन कोशाटक दमहे बाब সায় করান হ**ইবে** ; কিন্ত প্রথম 🛛 春 হেরক मित्र **क निश्चम क्लान क्लाल** अखिली

लिंड इश्र ना। करश्रेती जांश्रीन मांति कांति তেছে, খাপনি মন্তকে বুজি তুলিতেছে! প্রতি কুড়িতে ১০ দের সভিকার কান হইলে নিস্তার থাকে না, অ,নিবার ইহা ইইতে থাকে, হতভাগ্য ব্যক্তি বিশ্রামের আশায়ে যদি এক নিমেষমাত্র দোজা इहेशा के फ़ि।हेल, अमिन निक्रेष्ट (शशामा क्षांहारक श्रद्धांत कतिल। এहेत्राल ममस् দিন অতিবাহিত হইল, সায়ংকাল উপ. শ্ভি। হতভাগ্য কয়েদী সমস্ত দিন আত্তিকি পরিশ্রম করিয়া কৃথার্ত হয়; अभावत् कार्य " आक्रिकारण याहा হউক, এ বেলা উদর পূর্ণ করিয়া আহার कतिएक भातिय। " किन्छ म कारन ना ভারতবর্ষের জেলদকল দ্বিতীয় যমালয়। मायः कार्ये अविकास नाम् अहिं-রের ব্যাঘাত করা হয়। এই প্রকার कान दिन **अर्कालन,** कान दिन वा স্পর্মাতে, তাহার উপর ভয়ানক খাটনি व्यक्तात ७ शानिवर्षन रहेटक थः तक। আর সহাকরিতে না পারিয়া হতভাগ্য ব্যক্তিকে শেষে বন্দোৰস্ত করিতে হয়। कामामिर्भत अरमनीय भाठेक्शन "क्ल बरमाबरखतः " वर्ष व्यवाहारम दुविएड পারিবেন। যাঁহার কোন আত্মীয়ের (महाप इहेशारक, जिनिहे कारनन अकम. মার বায়ভিন্ন জেলের অক্টে স্বতন্ত্র বায় করিতে হয়। এই জেলবন্দোবস্ত অতি কঠিন কাজ: প্রধান অপ্রধান ও উপ নানা দেবভার পূজা আবশ্যক হয়। স্কাত্রে জেলদারোগার পূজা। এতদ্দে-भीव मात्रभारा घटला मञ्जूष इन : दिख यथारन इंडेरवालीय नारवान', दमझ्यारनई मर्काना । डाँश्वा (करन भक्तश्राप्ता इर ना, त्वाफ़्टभाशकादत शुक्का हाई। छे.बात ভাল বংড়ী, গাড়ী, ঘোড়া, কুত্বৰ, চাকর, খানদামা প্রভৃতি আছে, উংগর ज्ञान देकांग्र हत्त मा। नारम हिन दहन প্রস্তুত জ্বাদকলের ক্ষিদ্র পান , কিন্তু ----

বংসরাত্তে ঐ টাকো বাহির হয়; অথচ উহোর নিভা বায় আছে। অনেকে কমি. कटनत (नाहांके निया महा चाज्यत थारकन। कानीय कर्जुशक ७ धवर्गामणे छार्यन, क्रिमर्नेत छोकांग्र पार्वाशांव বাসুয়ানা চলিতেছে। কিন্তু কিনে যে বরেখানা চলে তিনি জানেন, আর कटलिल काटन। मार्टबाशांत श्रृकांत श्रव मार्शिय मार्शिशांत शुक्ता आविशाका। ভাহার গর জে**লের নেটিব ভাক্তরের** প্রা। ডাক্তরকে পুলানা দিলে পীড়া হুইলেও থাটিবার হাত হুইতে পরিব্রাণ নাই। নেটিব ডাক্তারের পর জনাবার ও দকাদার। ভাছাদিগের পর শাল্তিগণ, সাল্রিগণের পর পেয়াদা। প্রধান ও অঙ্গ দেবতার ত পূজা গেল। তাহার পর কতকগুলি উপদেবতার পূজা দিতে হয়। रयमकल करशिन वस्कान थारक, जारा দিগের এক প্রকার আধিপ জ্ঞা ইয়। অনেক জেলের পুরাতন করেদিদিগের এক প্রকার ইন্ধারা আছে। এক জন মূতন क्ट्यमि आमिटन नीलांग डाक इस। य পুৰাতন করেদি দকীবেশকা ক্ষমিক छाका प्रतः, ज्ञांशत अशीत स्वन क्टब निक तथा इस। श्रुताचन यटानि स्म টাকো জেলরকে দেয়, হতভাগ্য ন্রাগভ বন্দীকে প্রহার করিয়া ভাষার দেড়। আদায় করা হয়। অনেকে জেলে থাকি शां अर्थ अनमक्षत कि दिश आहित्म, का हात ত কৃত উপার এই। এই নিবিত জেলর এ-ভৃতিপ্রধান দেবভার পূজার পর পুরাতন कट्यानिमार्गत श्रृकात श्राह्मन स्य। ाहिकदक किছू वा मिद्रन खान केतिया সংখ্যে হয় না। শে বাজি কামরার भक्रात रभ करशिक्दक किছू ना फिटन রংক্রিতে নিদ্রা ব্রেয়া ভার। এই প্রকার भुका भटा भारति का का का उसा ; नटार **भारम । ए**र्रापत । शहिक् क्**रें बहार** इ চলিয়া আইলে। পীড়া হইলে • ভান क्रिडिंडिंग (म) इस्

যাহারা উভ্তমরূপে পূজা করিতে পারে, তাহাদিগের অবস্থা অন্য প্রকার। ভাহাদিগকে থাটিতে হয় রা; ভাহারা কেবল দর্দারি করিয়া বেড়ায়। ভাষা-দিগকে জেলের নিয়মিত আহার করিতে হর না। তাহাদিগের নিমিন্ত উত্তম মৎস্য মাংদ, ঘৃতপ্রভৃতি আইদে। জেলে ভমাক থাইতে নিষেধের নিয়ম তাহাদি-रगत भएक नरह। धहिरकनरमदीत । खहि रकन, रांटकटनत गाँका, छनिर्थादत গুলি ও মাতালের স্থ্যা অর্থ বায় করিতে পারিলে চুলভি হয় না। প্রভাক জেলের निकट्ढे करत्रक घत (वना) थांटक। किटन इंश्वामिट्रांत डेलाइडेंग इंग्न, लाठेक्शव কি জানিতে চাহেন ? আমরা আর ভাহা ধলিতে চাহি না।

शंदर्गरमञ्जे (जरलंत (यमकल नियम করিয়া দিয়াছেন, তাহা অতি ভয়ানক। অতিশয় লজ্জার বিষয় এই যে, জেলে পয়দা ব্যয় করিতে না পারিলে কাহারও উদর পূর্ণ করিয়া আহার করিবার নো নাই ৷ চারি হাতা ভাত ও এক হাতা ডাইলই সকলের বরাদ। মৎস্য প্রায় ভাগো জুটে ন।। ডাক্তর মৈথিট আবার জাজিলার সৃষ্টি কলাতে অনেককে পয়সা থবচ করিয়া গোপনে জাতীয় বস্ত্র পরি भान कितिएक इशा अक शुरू रा अहिरानत নায় চোর, ডাকাইড ও হত্যাকারীর महिन्छ मामाना व्यवतार्थ काताक्रक वार्क्कि কেও থাকিতে হয়। গৃহের আয়তন অসু সারে লোক রাথিবার প্রণালী কোথাও नाहै। क्लाटनत हिकिएमाञ्चनानी मकन স্থানে সুন্দর নয়। অনেক স্থলে দিবিল मार्जन वहरक किছूहे (मर्थन ना ; कान ব্যক্তির পীড়া ষথার্থ কিনা, তাহা निर्देव जाकद्रक मिथिए दलन। ध वाक्ति घथार्थ (क्षांत्राक जान ও जानरक ম্থার্থ রোগ বলিলে তাহাই প্রাহ্য হয়। শ্রীরে বল আছে কি না ? তাহা বিবে

চনা করা হয় না। প্রত্যেক ব্যক্তিকে ওজন করিয়া পাথর ভাঙ্গিতে দেওয়া হয় यांदाता मवलकांत जाहां निरंगत श्रदक हेहा व फ़ कटछेत इस ना; किन्तु झर्कतन-দিগের প্রাণ ওষ্ঠাগত হয়। নিয়মিত কাঞ্চ করিতে না পারিলে দে দিন আছার দেওয়া হয় না। ' এইপর্যান্ত কাল করিতে হইবে " এটা জেলের নিয়ম; কিন্তু এটা যে কত দুর নিষ্ঠুরতা তাহা কর্জৃপক विद्वहना कटतम ना। भंतीत कि महन क्ति मयान विश्वा थांटक ? हा-कटतता পূর্বের এই নিয়মে কাঞ্জ দিতেন; দক্ষিণ কারোলিনার ভূতপূর্ব দাদদিগকে এ প্রকারে থাটান হইত। আমরা স্পত্তীভি ধানে বলিতেছি, বর্ত্তমান খাটনির প্রণালী অতিভয়ক্কর। জেলর কমিদন পান; যত খাটাইবেন, তত পরসা। লাইদেন্স টাক্স আদেশরেরা যেমন ক্সিশনের লোভে যাঁহার উাহার উপর করনির্দ্ধা त्रं कर्त्त्व, टब्बन्द्रश्व (महेक्षकांत्र ट्वांक विद्वाचना कि दिशा थो छे। है सा नन। দক্ষিণ কারোলিনার তুলকরেরা প্রধা निशा को **उनाग**निशतक क्रश क्रिटडन ; यमिष अहेतान काकाकात हहे के, खनानि ভাঁহার। নিতান্ত নিমাম হইরা কাফি দি-গকে বধ করিছে পারিছেন না। দালের एकू इक्टल ভাঁহাদিগের ক্ষতি হইত। क्ष्मत्रित्तत (म श्वार्थ नाई ; এक क्रायान मितिटन आवात मन जन आमिरव । शृद्ध कारल मुनलमान ও हिन्छू ताक्रभन (यमन রাজ্য ইজারা দিতেন, गवर्ट मन्डे कार्याञ्डः (महेशकांत करशिमिमगढक हेकाता पिया थाटकन। छेपत भूर्व कतिया व्याहात (मञ्जा हत्र ना, हेहा कि मामाना আক্ষেপের বিষয় ? এক কান্সিয়া ও কুরতি প্রাইয়া এক মাদ রাখা হয়; তাহা যেমন হুগস্কা, সেইপ্রকার কট कत। मामाना श्रु कि पिटन कि । प्राप्त হয় ? তাহা প্রতাই ধৌত রাখা দাইতে

পারে, কয়েদিদিগের স্বচ্নতা হয় এবং ব্যয়ও অপ্প পড়ে।

উপরে যেরূপ বর্ণিত হুইল, তাহাতে জেলের কার্যাঞ্চালীর সংশোধন ও উৎ कर्ष माधन कि अकां छ आव भाव हरे-তেছে না ? বর্ত্তমান প্রণালীর দোবেই উংকোচপ্ৰোত প্ৰবাহিত उक्तिराट्ड । न ७ य इटल दैवतिर्वाजनार्थ दिनिएश-জিত হয়, দেই থানে তাহার ফল হয় না फिटल मछमान आहा देवहनियां जनार्थ है হইয়া থাকে। বৰ্ত্তমান প্ৰণালীতে হত-ভাগ্য কয়েদিদি গর আপনার ও পুরিধীর উপরে ঘৃণা হয় মাত্র। চরিত্রদোষ **সংশোধন দুরে থাকুক, মূতনপ্রকার** চরিত্র দোষ ঘটিয়া উঠে। অভএব কর্ত্তব্য **এই. ब्ला**लंड व्यक्षकागाय शर्याख दाउन দিয়া কমিদন উঠাইয়া দেওয়া উচিত। কমিদন থাকাতে অনেক পাপকার্যে উৎमाइ (मं अया इहेट उद्ध। धार्मिक लाक जिन काशाक्ष (बारान अधाक्र जाशास নিয়োজিত করা উচিত নয়। যাহাতে वक्नीमिर्गत हिवजरमात्र मर्ट्रभाधन इत्र, জেলের কার্য্য প্রবালী এরূপ করা উচিত। উদর পূর্ণ করিয়া আহার না পাইলে কোন वाक्तित्रहेश्यां मंडि थात्क ना; अंग्रे (यन स्रात्न थारक।

-----

ইংরাজীশিক্ষার শনিষ্ঠকারিতা।
পাঠকগণ উপরের লিখিত কয়েকটি
অক্ষর পাঠ করিয়া আপাততঃ চমংকৃত
হইবেন সন্দেহ নাই। ইংরাজী শিক্ষা
আমাদিগের দেশের যাবতীয় ইন্টের
মূল। আমরা যে মাধুবের মত হইয়াছি,
আমরা যে তেজবিতা, মনস্বিতা সভ্য
নিষ্ঠা ও কার্যদক্ষভাপ্রভৃতি সদ্ভাণ
অর্জন করিয়াছি এবং কর্ত্রাকর্ত্রা
বোধে সমর্থ হইয়াছি, সে সমুদায়ই ইং
রাজীপ্রসাদলকা। যে ইংরাজী হইতে
এদেশের এত ইউ হইয়াছে, আমরা

ভাষাকে অনিউকারিণী বলিয়া নির্দেশ করিভেছি এবাক্য কাষার বিসার উৎপা দন না করিবে ? কিন্তু ইহার একটা পুঢ় ভাংপর্য্য আছে, এরপ বলিবার একটা বিশেষ কারণ আছে এবং আমাদিশের

বাকোর অধিকারিভেদ আছে। देश्ताकी भिका कृति मत्नत शतक व्यमिकं कार्तिनी रहेशा छेठिशाइ । धार्यम, र्यमकल देश्त्रांक मान करत्न, क्षात्रकवर्ष ভাঁছাদিগের ভোগার্ধ স্ট হইরাছে: ভাঁহারা ভারতে আদিয়া প্রভুদমান ভোগী হইবেন, আর ভারতবাদীরা ভাঁহা দিগের ভৃত্যের ন্যায় অনুগত হইয়া থাকি বেন : ভাঁহারা সহস্র অন্যায় ও অভ্যাচার করুন, ভারতবাদীরা দ্বিকৃত্তি না করিয়া ভতের ন্যায় তাহা সহা করিবেন; পদই वल, व्यर्थ दे वल, उर्राहाता व्यत्र श्रह कतिहा यांश पिट्वन, छात्रजवांशीता मञ्जूषे हिटल মহাভাগ্য জ্ঞান করিরা তাহা ভোগ করি (रम : भन काना इडेक, कुछा इडेक, इडाँहा ভাষতে অসম্ভোষ বা অন্য কোন প্রকার উচ্চ ৰাচ্য করিতে পারিবেননা : ইংরাজী निका महे गर्कि उरे ताक मिर्न मरनावा श्रापूर्व इहेवांत विषया,वार्याञ समाहेशाटह याइँ। ता देश्ताकी मिश्विएण्डन, जाँशानि-গেরই মন অনাপ্রকার হইয়া উঠিতেছে। उँक्षिता इर्ताक्तिर्गत 'त्राच थन क्रिया हरक प्रिथिष्ठ भारेराज्य हन ; है श्रास्त्र श कि भार्थ जांश द्वारण भारित्जर्हन : ভাঁছারা দেবভার ন্যায় আমালিগের चाताधा कि ना डांश दुक्ति डिएडनी: चन-মাত্র দোষ দর্শন করিলেই স্পট্টাক্ষরে ভাছা বাক্ত করিতে সাহদী হইভেছেন: मर्वाष्ठाष्ट्रांद मगकरणात्र नाश वावशत ক্রিতে আরম্ভ ক্রিয়াছেন; তুলাসমান ও जुलाशन नहेशा विदान कतिएउएक बदः ৰিদ্যাবুদ্ধিতে অনেককে অতিক্রম করি-য়াছেন। তাঁহারা এতদুর অতিক্রম করি মাছেন, যে রাজপুরুবদিগকে শক্তি হইতে

स्रेशाटक अवर जाँशांविष्ट शत विष्टा बुद्धित করিবার নিমিত্ত অবৈধ উপায় अवज्ञवन कतिएक इहेग्राट्ट। डेलि-থিত অভিমানমত অসুদারচিত ইংরাজ बिरागत कि अ मकल महा इस ? ओ महा-পूरुटवता नवा मच्छनातात छेशदा এड वित्रक्क हरेग्नाट्टन (य, नवामच्छामांग्र यमि अक कारण छेरमञ्जू हरा, त्य क्रांत नदा मुख्यनां योग करत, मिछी यनि पर পড़िया যায়, তাঁহারা অন্তরের সহিত আহলাদিত ह्म। अथन পाठकशन विद्युष्टना क्रिया (मथून, इंश्त्रांकी निका कि এই व्यक्तिरंकेत कांत्र इत्र नाहे ? डेक महाजाता कि ইহাতে অনিউ জ্ঞান করিতেছেন না ? গ্ৰণ্মেণ্ট হইতেই এই অনুৰ্থ আপতিত हहेशाहि, अहे अविशा कि उँक्ति नम्द्र ममरा भवर्गरमालेत अञ्च मृखिविश्वास्त्र क्रिएडएइन ना १ तम दिन अक सन उत्ता-রাশয় ! সমাচারপত্রসম্পাদক মনোভাব মনে রাখিতে না পারিয়া স্পান্টাক্রেই कहिशाएछन, वज्रामा ७ व्याचा हेए शत नवा मध्यतीय ना थाकिटनई छाल इस । विजे कि मामाना चारकाण ७ (कारखत कथा। अटमनीधिमिरशत हेश्ताकी निकाह कि के महाश्रुक्षयितित अहे मत्नाइः तथत

দিতীয়, ইংরাজী শিক্ষা অলক্ষমনো
রথ ক্তবিদার পক্ষে বিষম অনিষ্ট
কারিণী ইইয়াছে। রাজনীতি ও সমাজ
উভয় সম্বন্ধেই ভাঁছারা অসুথিত হইয়াছেন। ভাঁহারা নেরপা যোগ্যতালাভ
করিয়াছেন, সেরপা পদ লাভ হইভেছে না। যেরপা শিক্ষা ইইয়াছে,
সেরপ কার্যা দেখিতে পাইতেছেন না।
যাঁহাদিগের নিকটে এই শিক্ষা ইইল দে,
পক্ষপাত করাবড় নোম, ভাঁহারাই নিজে
পক্ষপাত করিভেছেন, জা ভিভাই বলিয়া
সকল কাজেই টানিতেছেন এবং স্বজাভীর ও স্বদেশীয়ের অসুরোধে নাায়, যুক্তি

ও আইনের বিজন্ধ ব্যবহারেও পরাও-মুখ হটতেছেন ন।। ক্লতবিদ্যদিগের আর अक्ति वित्माय अनिट्यादित कात्र वह, क्तीहाता व्याचित्र भाग, देश्तारकता धर्म-াতি ধ্যানীতি করিয়া গর্ব করিয়া • छ। न : किन्नु **जातिक कारमहे स्मिटे धर्मा** ाहित् क्यांक्षित (प्रशः इतः। श्रानक সমায়ে দেই ধর্মনীতি মৌথিক বাকা ও ভারেই প্রার্থিত হয়। কোন ইংরাজ (कान शक्षिक कच्च कडिएन अथम अथम ভাগা লইয়া মহা ধুম ধাম পড়ে। **তর্কে**র স্থোতে পালিয়ামেন্ট সভা উচ্ছলিত कहेता डेर्फ, भारत मञ्जनाय निर्दर्श इंदेश খায়। যে গহিত কথা অনুষ্ঠিত হইল, ভাহা আজিও হইল, কালিও হইল, ভাহার আর প্রতিবিধান হইল না। হেটিংদের বিচার লইবা কছ দীর্থ প্রস্থাত হইয়া लाल , कछ भूम भाम इहेल, পরিণাদেই या कि इहेन। लांख (छन्डा इमि नांगर्भूत এঞ্তি রাজে রাজনীতির নামে কি আভাচার না করিলেন ্ভারতণর্বে বিজ্ঞো कांत्र প্রজ্বতি করিয়া দিলেন, ভাঁকার कि इहेल १ अवर्षत आधारतहरे वा कि इडल १ डॉहाक अखिनम्मन मिनाह कावात कड फेल्मांश (पथा (भला। हैं। इंटिक बुडन क्यां मिवात छियोात्र ক্রটিনাই ৷ এ সকল দেখিয়া এদেশীয় ग्रान्द्रिशासरभात **गरन किन्नाभ छ।र**वन डेम्स कुष्ट कर है । है । इसिंद मार कि देश मा चिट्ड एक इटेट डिए ना १ टे॰ ता**की लिका** কি এই অনিষ্টের কারণ নয় ? ইছারা या है । जी ना निशिष्टन, जाजशुक-বেরা অভুগ্রহ করিয়া যাহা বিতেন, ভাহাই কি ইছাঁরা ভাগ্য করিয়া মানি তেন না ্রজেপুরুরেরা নায় করেন, আর অন্যায় করনে, ইহাঁয়া কি তাহার अञ्चलकान क्रिएडन ?

ন্মাজসহকোও ক্লভবিদাদিগের বিষম সকট উপস্থিত হইয়াছে। উপধর্ম-

দূবিত হিন্তুদমাজের নানা দোষ ইহাঁ मिर्गत नग्रनभरथ छेभनी इंश्उट्य। हेहाँ ११७ नित निक्षे मखक नड क्तिए भारिए एहन ना। नमाम नश्राक কর্তুব্যের ব্যাঘাতভয়ে স্থাব্দ পরি-ত্যাগ করিতেও পারিতেছেন না। এরপ অবস্থা কি ক্লেশকর নয় গৃইংরাজী শিক্ষা কি এই অসুখের কারণ নয় ? ইহাঁরা यपि हेर्डाकी ना मिथिएजन, स्मेर बाला-विवाह, महे बल्विवाह, महे क्लीना কি ইহাঁদিগের গ্রীতি উৎপাদন করিত না ? অশিক্ষিত ব্যক্তিরা ঐসকলে যেরূপ অক্রবিম আনন্দ লাভ করিতেছেন, ইহাঁ রাও কি সেইরাপ করিতেন না ? এক ইংরাজী শিথিয়া ইহাঁদিগের ভাঁতিকুল বৈষ্ণবকুল উভয় কুলই গেল। রাজপুরু ষেরাও ইহাদিগের মনোরথ পূর্ণ করি-(तन ना, ममारक थाकिशां प्रथी इहे-(लग ना

রেবিণিউবোড় ও মদের দোকান।

आंगोनिरभंद विनाञ्चतां भे भव निरम्धे প্রাক্ষার বিদ্যাশিকার্থ এত বিদ্যালয় করিয়া দিবেন যে প্রত্যেক এক। আপন আপন গৃহত্বারের সমক্ষে বিদ্যালয় প্রতি ষ্ঠিত দর্শন করিয়া আপনাকে চরিতার্থ জ্ঞান করিবেন। সুরাপায়ীরাও দেইরূপ ভাবিভেছিলেন গর্ণমেন্ট ভাঁচাদিগের গুহের পাখে পাখে এক একটা मटमत्र त्यांकान कतिया मिटवन, उाहाता শয়নস্থ পাকিয়াও পুরাক্রে করিতে शांतिर्दम। किंख चांकि का न उँदिश দিগের প্রতি শনির কিছু বেংপদৃষ্টি প্জিয়াছে: রেবিণিউবোড বেখা সেথা দোকান করিতে দিতেছেন না ৷ ভাঁহারা আবার সুরাবিক্রেডার চরিত্রের অনু দক্ষান করিবার নিয়ম করিতেছেন। এটাও একটা অশুভ সমাচার। রাত্রি

দুই প্রহর হউক, আর তৃতীয় প্রহর হউক, क्षाराजन रहेरलहे अथन (यमन मण्डाम मन পাওয়া यात्र, मनः विकाशीत চরিত লইয়া ধরাধরি হইলে পাওয়া কিছু ষ্ঠিন হইবে। ভবে একবারে হতাশ্বাদ হইবার কথা নাই। রহস্পতির কিঞ্চিৎ অসুকুল দৃষ্টিও আছে। দোকানের ছান ও সুরা বিক্রমী মনোনীত করিবার ভার ডিট্রিক্ট স্পরিকেতেওকের উপরে নিহ্ত হই शाष्ट्र। जिनि य स्वयः मर्दामा क्रेमकटलत অসুসন্ধান করিয়া মাথা ধরাইবেন, দে मका नारे। अधीनक कर्माहातीत छे भटत ভার পড়িলেই অর্দ্ধোদয়যোগ। গবর্ণ মেন্ট যে ভাঁহাদিগের প্রতি এক কালে निकृष इहे-নিতান্ত নিদারুণ ও বেন, সুরাপাগীরা দে শক্কাও করি বেন না। গবর্ণমেন্টের মাসুলের লোভ অংছে। প্রাহক রবি হইলেই ভাঁহাদি-श्रित लाख। यभि कान ऋश्रिति एउने ছুর্র্নুদ্ধিৰ শৃতঃ রেবিণিউ বোডের কথা প্রমাণ করিয়া দোকানের সংখ্যা কমা-हेशा (मन, अक्षियक्षिक इहेर्द, व्यदिलाइ তিনি তিরক্ত হইবেন, রেবিণিউবো-ডের আজ্ঞা শিধিল হইয়া পড়িবে। স্বার্থ গ্রহ্ম थाकिला बाक्यश्वामरभव পুরাণ আজ্ঞার পরিবর্ত হইয়া নূতন आंछ। इरेट विखत कन लार्श न।। রেবিণিট বোডের এ আজ্ঞ। পরিবর্ত্ত হইয়া যাইবে; আর এক জন নূতন সুপ-हिट्लिए के व्यामिशा (माकारने त मःथा) বাড়াইয়া ভুলিবেন। মাদকদেবদে প্রজার ধন প্রাণ ও চরিত্র উৎসম্ন ও কলু विक इहेटक: इ. हेश मिथिशां अ त्य निवर्ग-**८म**न्छे व्याद्यत व्यक्तित ख्रा सामकटमवन निरम्ध कतिएक शांतिरक्राह्म मा, तम्ह গবর্ণমেন্ট আয়ের অত্পতা দেখিয়া বে মৌনাবলরী হইয়া থাকিবেন সুরাপায়ীরা স্থাপ্ত বেন হো শক্ষা করেন না।

. মুদাপায়িগণ ! ভোমরা ভাগেংশাহ

হইও না প্রণ্মেণ্ট হা করুল, ভোমা मिट्रात चात खत्र नाहै। ममाठात्रभटा লিখিত হইয়াছে আমেরিকায় এক প্রকার মদের থনি আবিকৃত হইয়াছে. - ভোমরা কোন থনিজ্ঞ বাক্তিকে নিয়ো জিত কর, ভারতবর্ষেও এক্লপ খনি বাহির হইবার অসভাবনা নাই। ভাষা यपि हम, कांदा इटेटल है (भादावात ! .

> বিবাহিতা বিধবা ও ডাইার উত্তবাধিকার।

সম্প্রতি প্রধানতম বিচারালয়ে পুনর্বি চারার্থ নিম্নলিখিত মকদ্মাটী উপনীত হইয়াছে। এক ব্যক্তি পত্নী এক পুত্র ও এক কন্যা রাখিয়া লোকান্তর গমন कतिरल भत के जी भूनकीत विवाहकरत। বিবাহের পর পুজের কাল হয়। এক: १ ঐ স্ত্রী পত পুত্রের উত্তর।ধিকারিণী विलिश विषयात अधिकात आर्थना कहि তেছে। বিচারপতি কেম্প ও ই, কাক্সন সাচ্ছের বিভারা**সনে আমীন হইয়াছিলেন** : উভয়ের মতভেদ হইয়াছে। কেম্প সাহেব वत्नन, ले जो एड शूर्वत উछताधिका হিণী বলিয়া বিষয়ের অধিকার পাই र्वन : कारुमन मार्ट्व वर्णन, शाहिर्वन न। । आभानिरशंत विद्वहनांत्र कांकनन সাহেবের ক্লত দিদ্ধান্তই ন্যায় এবং আই নকর্ত্তা ও হিন্দু শরস্ত্রকারদিগের অভি প্রায়ের অনুমেদিত ও সঙ্গত হইতেছে। (अष्ण मारहर Sees व्यक्तित Se को ধারার যে উল্লেখ য়াছেন ভাষার তাৎপর্যা পর্যালোচনা করিলে কোনক্রাম এরপে বোধ হয় না যে উলিখিত एত পুত্রের ধনে পুনর্ফিবাছ काबिनी मांछ। अधिकाबिनी इहेरव। के ধারায় আছে, সত স্বামীর যদি জ্রীর এতি পুনরায় বিবাহ করিবার স্পাট অনু মতি না থাকে, আবার যদি দে বিবাহ ! করে, ভাছার পূর্বে স্বামীর ধনে স্বত্ত

अधिकात थाक्टित ना । यति এরপ इटेन; | इटेवात मण्णूर्व मखावना । के टेश्ताकी कि দেই স্বামির ধন পুত্র পাইয়াছিল, পুত্রের স্ত্রুর পর বিবাহকারিণী মাতা পাইবে, ইহা আইন কর্তার অভিনারামুগত হই **उट्ड ना। काञ्चन मार्ट्ड यथार्थ कथाई** ক্ৰিয়াছেন, উক্ত মাতা উক্ত স্ত পুৱের यत अधिकातिनी हहेरन जाहात छे। दत তাহার মুতন পতির গ্রভুত্ব হইবে, তাহা হইলে এক পরিবারমধ্যে অপরের व्यत्वभाषिकात्रज्ञभ डेशम्ब घरित । हिन्द्र শান্তকারেরা পিওদানাস্থারে ধনাধি-कांद्रत निश्चम कतिशाद्यन, धनीत धन পিণ্ডানিধিকারী ব্যক্তির হস্তগত হইলে পিওদানের বাতিক্রম হইবার সন্তা বনা i বিশেষতঃ হিল্পুশান্তাসুদারে উত্ত हाधिकांत्रसक्त्रध्य ख्रीटलांटकत्र निवर्गण खन्न জমেনা। প্রস্তাবিত ছলে মাতার অধিকার হইয়া ঐ ধন পরচন্তগত হইলে ভাবী অধিকারীর অনিষ্ট ঘটিবার সন্তা-वना । ভবে যে ব্যক্তি বিধবার পালিঞ हनार्थी हहेरत, छाहात शक्त लाख। ভোজন ও দক্ষিণা উভার লাভ হইলে কে না পরিতৃপ্ত হয় ?

> ---------खास्त्र।

বন্ধীয়দিগের দৈহিক অনুন্তি: ( গত প্রকাশিতের পর। )

প্রভাববাছলাভয়ে পূর্ম প্রিকায় প্রথা গুলি বর্ণন করিয়াই লেখনী নিরস্ত করিয়াছ लाम। अपा विभालयममुह्हत निका अवानीत वर्गत अतुष्ठ इहेगान।

व्यथूनां उम विना त्याराय त्या निका প্রণালী ও কার্য্য নিষ্পাদক সময় প্রভৃতিই যে ছাত্রগণের শরীরনাশক তাহা স্পষ্ঠই প্রতীয়মান হইতেছে। মহোদয় পাঠকগণ यनि व्हित्रिष्टिङ ध्वक बात विरविष्टनः कर्तियः **प्राथन, ाहा इहाल महाखेह ज़**नरक्षम করিতে পারিবেন, একণে যে প্রণালীতে বিদ্যাধ্যাপনাকার্য্য निर्काष्ट হইভেছে, তাহাতে বিদ্যার্থিগণের শরীর ভগ্ন ও রুগ্ন

বাঙ্গলা উজয়বিধ বিদ্যালমেই কেবল মান্সিক পরিশ্রানর রাতি নীতি প্রচলিত দেখিতে পাওয়া যায়। কি আক্ষেপের বিষয়, কোন বিদ্যালয়েই ব্যায়ামপ্রভৃতি শারীরিক পরি-आरमत अथा अविक नाहै। विमानएप অধ্যাপক ও ভত্তাবধ্যাক্ষণ এভিদ্বিক্ত আপালীর আচার্ডনাকিছ মাত্র যত্ন ও চেই। করেন ন । বেুপ পষ্টিকর আহারভিল कीवनतकः। इस मा, प्रदेक्ण भारीतिक श्रीत শ্রমপ্রতি দৈছিক নিয়মপালনভিল দেই রকার পায়ান্তর নাই। অভত্র কেবল্যাত ছাত্রগণের বুদ্ধিপ্রভৃতি মানসিক প্রবৃত্তি চালনা করাইয়া ক্ষান্ত ও নিশ্চিত্ত থাকা সঞ্জ নহে। তাহারা যাহাতে ভিত্তবিধ পরিতামে প্রবাদ হও । প্রবাদ হও । স্ববিষেদক স্থানিককের কর্মা। অনেক স্থবিক্ত পভিত মহোদয় আপন শারীরিক স্বাস্থ্যবিধান বিষয়ক প্তকে ও চিকিৎসা সংক্রান্ত গ্রন্থে লিখিয়া গিয়াছেন যে শধীরের সহিত মনের অতি নিকট সম্বন্ধ আছে , স্বরাং ভাষা **मित्र धरकत दिनक्का घर्षित धरमात्र दिन्छ**-ক্ষণ্য ঘটিৰার সক্ষুৰ্ণ স্ক্রাধন।। আনর পূর্বয কালের শান্তকারেরাও কহিয়া গিয়াছেন মে. কোন কাৰ্য্যেই ৰাড়াবাড়ি ভাল নজে খিত এৰ একেবারে শারীরিক পরিশ্রম পরাত্ত মুখ হইয়া অবিরত অপরিমিত মান্ত্রিক পরিলেম कतिएल मंत्रीत क्रममाई पूर्वाच ও कीन इंडेएड থাকে ৷ মুত্রা সেই সজে বৃদ্ধি ভৃতি মান भिक द्रुंडिं याद्यश्रीकिशीन ও निरस्रक হইরা পড়ে। অতএব শ্রীর ও মনের সন্ম करण চोलमा करा विरश्य ও युष्टिन है। এক্ষণে কোন কোন থিল্যালয়ে; কর্ত্তপক্ষ ছাত্র भटनत एवं नदी होननाकारमा महनारयाओ হইতেছেন বড় মজালের বিয় 🕠

विमालास्त कार्यामाधक मगराप्ति माना অনিষ্টকৰ নতে: বেলা দশ ঘটিবায় কংয্য ] আরম্ভ করিয়: বেলা চারি ঘটিকার সময় कांग, विश्वान अविष्य विकास विकास स्थान লিত ভাছে। ঈরুশ সময়ের বশবন্তী এইর। বিদ্যালয়ের কাষ্য সমাধা করাতে সূকুমার

মতি বালকগণের বিশেষ ক্লেশ হয় ও পরি শামে তাহাদিগকে রুগ্ন এবং ভগ্নশারীর দেখিতে পাওয়া যায়। এ দেশ অভি য় উষ্ট ও গ্রাম প্রধান বেলা যত অধিক হইতে এচও মূর্ত্তি ধারণ করিয়া था क, ताव छर ক্ষািফুলিসনদৃশ কিরণ িস্তার করিয়া জাবগণকে দক্ষ করিতে থাকে। ছুই প্রহরের শন্য গুক্তির বাহির হয় ও পথে পাদক্ষেপ কৰে কাগার সাধ্য ? এই সময়ে আমাল তুক ব: নতা সকলেই স্বা**ন কলিত** নাষ্টো বিনুগ ইইয়৷ অনাতপ স্থানে আরোম করিতে বাধনা করেন, কেহ কেহ বা প্রক্ত প্রস্তার াৰ্জানস্থ ধ্যত্যে করিয়া থাকেন ৷ বোধ হয় শেন ভাঁহারা ভাঁষণ তগনভাপভায়ে ভাত হইয়া প্রজ্ল ভাবে রবিয়াছেন। মহুয়া কি সামান্য পত্ৰ পদ্মীয়াও স্বাভাবক সংকা রের বশরতী হইয়া নিক নিজ আহারা স্বেণে বিনুধ হ'ই : ছায়ায় বিশ্রাম করিয়া খাকে : 'গভেএৰ এৰূপ সময়ে শিশুগণকে কাষ্ট্ৰে नियुक्त कहा -कियुक्तिभिक्त ও नाशासूकत বোধ হয় ১ ভোডনাজে কিঞ্ছিৎ বাল বিশ্রাম कर, सिडांश्व आविशाक। देश अरमक अञ् কার ও চিকিৎসকগণ কহিয়া গিয়াছেন किन्छ कि छ्राध्यत विषय बालकशनक है। देवश्रतात्वा कार्या कतित्व ६व । विमानावात्र নিৰূপিত সময়মগো তথায় উপস্থিত হইতে না পারিলে পাছে শিক্ষক মহাশয় শান্তি প্রদান করেন এই ভারে ছার্গণ আহারের অব্যব্জিত পর ক্ষণেই কেছ কেছ বা অনশ্-त्न हे स्था शास्त्र प्रभाव हेस्स का उत्वर्ध विका। লায়ে ইপাত্তি হয়। পলাগ্রামত্ গ্রাম্কেন্ট माशायाक्र अधिकारभ देश्लाकी ও वन्नविना লয় গ্রামের প্রান্তে ও মাঠের মধ্যে স্থাপিত তথায় ছায়ার নামমাত্র নাই। চারি দিক প্র করিতেছে। ভাষণ রোজের সময় মাঠে বাদয়া কাৰ্য্য করাতে যে বিশেষ ক্লেশ হয়, ताभ कति श्राश करनद्वक श्रीकाः करद्रम । গৃহগুলির মেজে আর্জ, আলো ও বায়ু গমনা গ্ৰন্থ জন্য গ্ৰাফ সদৃশ বাতারন থাকাতে বিদ্যাগার কার্যারক্রণ বোধ হয়। স্কুতরাং এজপ ভানে ও সময়ে এবং গুছে বছ বালক মিলিত গ্ইয়া পাঠ করাতে ছাত্রগণের অভি

भग्न क्रिम बहेटल शहित । शब्दत क्रिम विष्णान য়ের ক্লেশ সূর্য্যতাপপ্রভৃতি নান বিধ ক্লেশে কট হওয়াতে বালকগন ঘর্মাক্ত কলে বর মুখর্গ ভূফ ও ও বিচলিতচিত্ত হটতে গাকে। স্ত্রাং তাহরো পাঠে বিশেষ কপে মনোনিবেশ করিতে পারে না। অধি কাংশ শিক্ষকই ভাহাদিগকে ভয়ানি দশী इंहा वलभूर्त्वक भारते नियुक्त करतम । जरनक শরীরবিদ্যাবিং (বিঞ্জিয়ালজিষ্ট) পণ্ডি ट्यता क इशा शियाद्धन तथ, अश्वित ও छो अ চিত্ত হইলে থ দা দ্রবা স্কচারু "পে পরিপাক হয় না। স্তা ছাত্রগণের ভক্ষিত সামগ্রী অন্ধীণাবস্থায় পাকস্থলতে থাকিয়৷ যায় বিদ্যালয়ের অবকাশের পর বালকগণ যখন বাটীতে আইগে, তখন ভাহাদের মলিন ও শুক বদন দেখিয়া কাহার না ছুঃখ হয়। যে প্রণালীতে বালকগণকে পাঠ দান করা হইয়া পাকে, ভাহাও নানাবিধ আনটের উংপাদক। বালক গের বুরি ও স্মরণশক্তি অতিকোমল ও সার। তাহাদিগকে অধিক পরিমাণে পাঠ দেওয়া কোন ভবেমই বিধেয় নহে। যেৰূপ ক্ষুদ্ৰ আগতের অধিক দ্ৰব্য ধ রণ क बाहिबात (छड़े। कतित्व (मह व्याधात छन्न হয়, দেই এপ স্কুমারমতি সল্লারণশতি বি মাষ্ট্ৰ শিশুগণকে অপ্ৰতিমিত পাঠ প্ৰদান করিলে ভারাদের মন ও শরীর ভগ হইয়া যায় প্রায় অনেক শিক্ষক বলপূর্বক ছাত গনকে দাগ্যভীত কর্ম করাইবার চেষ্টা শাইয়া থাকেন, স্থতরাং ভাষারা আহার নিদ্রা পরিত্যাগ করিয়া তথোরাত্র পঠো ভ্যানে রত হয়। পাঠের জন্য ছ'ত্রগণকে ভাড়না ও প্রহার করা নিভান্ত অকুচিত। কিন্ত পরিভাপের বিষয় এই, অনেক শিক্ষকই তাহা করিয়া থাকেন। একাদিত্রমে পাঠে নিযুক্ত না রাখিয়া মধ্যে মণ্যে অবকাশ দেওরা অভিবার আবেশ্যক। কিন্তু প্রায় কোন विमानस्ट वह ध्या अहमिङ नाहै। साध-निक विश्वविमानश्रीहे यक अनार्शत भूम इहे য়াছে। বিশ্ববিদ্যালয়ে প্রবেশার্থী ছাত্রগণকে দেখিলেই পাঠকগণের সকল আপদ্ভির নিপত্তি হইতে পারে। এইকপ নানা **অ**ত্যাচারে বালক্ষণ অগ্নিমান্ত্য ও বাত্ত

প্রভৃতি নানাবিধ রোগে আক্রান্ত হইতে থাকে। কেই কেহ বা পাঠদ্দশাতেই কাল-কৰলে নিপতিত হন, .কহ কেহ বা সাংসা রিক কার্যোর বাহির হইরা জীবসাত হইরা थाक्त। याँशास्त्र निष्कत्र दिन्दिक अवस्र। धक्र बहेन, डाँदारम्त्र मछानगन (य किंक्श वनवीर्यामानी अमीर्चा इट्रेंटन, खादा माधा রণে কেন বিচার করিয়া দেখুন না। এই मक्न अभि: हेर व भक्षांत्र (दांध कति, श्रुर्त्त स्म গণ্ডিভগণ ও নিয়মকারকেরা नमरत ও निव्रत्म विमाधार्थना कार्या नमाधा করিতেন না : পূর্ব্ব কালে চতুস্পাঠার অধ্যাপ কগণ ও পাঠশালার ও চমহাশয়েরা প্রাতে ও অপরাছে ছাত্রগণকে শিক্ষাদান করিতেন। এখনও চতুস্পাসী এবং গুরু মহাশয়ের পাঠ শালা উক্ত ৰূপ নিয়মের বশবন্তী হইয়া চলি ভেছে।

### विविधमः वाम।

७३ अ अधिक (मामदात् ।

আমাদিগের আহ্কগণ সোমপ্রকারের ভ্রম প্রমায় দর্শন করেলে যে অস্ত খত ও তৎসংশো । इस रहतान इस, अधि व्यासाम द्वार प्रवस्ता দের বিষয় ভলিমিত আমেরা ভাঁহাদিলের মিক্টে কুত জঙা প্রকাশ করিয়া থাকি। আজি এক ভার श्राहर आगां नरभव नियां नांचड जगतीव से छान করিয়া দেওয়াতে ক্রতজ্ঞতাভালন ক্রয়াছেন। ১০ আষাটের গোমপ্রকাশে আমরা ''ভারভব্যব প্রতি জার এক অবিচার শানোনামে এক প্রস্তাব লিখিয়া আক্ষেপ করিয়া বলিয়াছিল ম, মাবিদিনিয়াতে যেশকল দৈনতে গ্ৰাম কৰে. ভাহাদিগের ভাত। ভারতব্যা র ধনাগার চট্টে দেওয়া হইবে। কিন্তু একংগ নিশ্চয় সংবাদ वानिसार्छ, इंटल ७ अहे छोका श्रमान कविर्वन । খামাদগের ভ্রম নিভাও অনবধানভানিবল্লন इम्र नाइ । तिछित्रार त हिला नइ आमानित्रात खरभत कांत्रन। छेशास्त्र खाना याच्च नत्र शास्त्राह নর্থকোট ছয় মানেব ভাতা দিতে সম্মত হই-য়াছেন। ভারতব্যীয় সেক্রেটারি একথা বলি म्राहित्सम विस्त्रा मत्मक इरा। এ कथा श्राथमण्डः ইংলত্তের যুদ্ধদংক্রান্ত মন্ত্রীর মুখ হইতে বহিপত इंड्या फेंकिन किया यांश इंडेक, आक्यार्यन विषय এই. ইংলও আমাদিগের প্রতি এই অবিচারটী করিলেন না।

দিলীগেজেট বলেন, সম্প্রতি ঝননপুরের নিকটস্থ গড়াগ্রামে কডগুলি লোক বনভোজন করিডেছিলেন, এমত সময়ে তত্ততঃ সচকারী ক্ষিসনর টনি সাহেব (ইনি এক জন সিবিলি-য়ান) ও আর এক জন ইউরোপীয় ঐ দিচেগ শক্টারোহণে গমন কবেন। একখানি গরুর বের শকটের সন্মুখে পতিত হওয়াতে তিনি
কোধসংবরণ কবিতে না পারিয়া ভোজনকা—
রীদিগের মধ্য দিয়া বিগি লইয়া যান এবং হাঁছা—
। দিগের খাদ্য দ্রা নষ্ট করেন। সাহেব এই কাজ
করাতে করেক জ্ঞান জ্ঞানন্ত মসাল হাঁহার শক্তির উপরে নিক্ষেপ করিয়াছিলেন। তেপুটি কমিননরের নিকটে হাঁহার নানে নালীশ হইয়াছে। দিলীগেজেট বলেন, ভারতবর্ঘীয়েরা
হাকিনের নামে নালীশ করিছে সাহসী হন, এটা
স্থান্থের বিষয় কিন্তু এবার টনি সাহেবকে ভংসনা মাত্র করিয়া ছাড়িয়া দেওয়া উচিত। এরূপ
হাকিমের ভিরক্ষাবে কিছু হয় না। এদেশীয়েয়া
হাকিমের নামে নালীশ করেন না কেন দিল্লীগেজেট কি শুনিবেন? হাকিমে হাকিমে সে

ইংলাণ্ডের অন্তর্গত পাডিডটন গ্রামের জে, কে. স্মিথদ নামক এক জন ধারিষ্টর একপ্রকার বাস্পীয় পক্ষীর স্থিচ করিয়াছেন।

১০ ই জুল'ই রাজিতে গোয়াল শাড়ান্ন ছুমি কম্প হইয়াছে। বাটীসকল দোলায়মান হওয়াছে গাচ নিজিত বংজিদিগেরও নিজা ছঙ্গ হইয়া ছিল। পর দিবস বেলা দশ ঘটিকার সময়ে পুন-বার কম্প হয়। বক্ষাপুত্রের জল বৃদ্ধি হওয়াছে এখানকার বিধার শস্য নষ্ট হইয়া গিয়াছে।

काशीत कार्लीनसभे माखिरके एवं आता लाउ रहेराव अविमानाव शुल्लक छ नगत ६० होका। अभक्त उरेशास्त्र। नहताहत स्वत्र पहरेश थारक, बाउनाक्षरक पछ पिताव १० हो वस्त्र किन्छ क्र वा का भूक रहेशास्त्रन। कार्लीनसमे नाक्षिरके है दिश्व आतालक रहेराउ थाका छ होका हुत्व किन्न वा अस्तर लाक आहा।

ক ভগুলি ইংবাজ জীলোক এভালেশীয় স্থানোকদিগতে বিদ্যাশিকাও খৃন্টীয় পশ্ম অব লগন করাইবার নিমিত্ত এক সভা করিয়াছেন। ইংগারা এ দেশে স্থীলোক মিসনার প্রেবণ করি-বেন; ইংগিলিগের যে মূল্যন হইয়াছে ভাহা ইইতে প্রভিবংসর ৪০০০০ টাকা আয়ু ইইবে।

লেপ্টনন্ট গ্ৰন্থ মক্ষলে গমন করাতে বঙ্গদেশীয় ব্যবস্থাপক সভা বন্ধ থাকিল। এটা আৰু যেন মাখুলে।

লত্প্ৰত মিল কাপে উর ইপ্টই গ্রিয়ান আলোদিথে সন সভায় এক বজ্ব তা করিয়া বলিয়াছেন, ভার ভববীয় জেলে কোনপ্রকার উংকর্ব ইইবার ধাে নাই। জেলেব সাক্ষ্যরক্ষাপ্রকালী অভি জ্বনার। তথায় বর্ণমনীতির উরতি ইইবার সম্ভাবনা নাই। ভিনি তরিনিত প্রত্যাব করিয়াছেন, চরিত্রসংশোধন হয় এমত কারাগাব (রিফর্পেটার) করা করিবা। আমাদিগের গবর্ণমেটের ও কথা ভাল লাগে না। দৈনিক বারিকেব স্বাস্থ্যক্ষার কথা হইলে একণেই লগং লক্ষ্য টাকা বায় করিবার স্থাক্ষা। ইইডে।

প্রধান তম বিচারালয়ের গুই জন সুত্তন উকীল তত্ত্ত্য ডিক্রীনবীগ হইয়াছেন। এটা প্রধান বিচারপতির সুখ্যাতিব বিষয় কিন্তু উচ্চতর বেতনের যাবতীয় পদ ইউরোপীয় ও দিরিছিদি-গকে দেওয়া হইয়াছে। র্ণমেন্টকে জানাইর ছেন, মিউনিসিপাল লাইদের করের উপবে আবার সরকারী লাইদের কর হওরাতে লোকের অভিশর কপ্ত হইতেছে। একথা পূর্দেই উঠিয়াছিল। কিন্তু ব্যবস্থাপক সভা ইহার প্রতি মনোবোগ করেন নাই। আমা দিগের করস্থাপনপ্রশালীর দোবেই কর অধিক। তর কপ্তকর হইয়াছে।

আমাদিগকৈ এক জন বিজ্ঞাসা করিয়াছেন, কাপ্তেন ওল্ডের যথন প্রধানতম বিচারালয়ে বিচার ২ইবে, তথন তাহার মুক্তি নিশ্চর। তি ন মুক্ত ইইলে তাহাকে কোন পদে নিযুক্ত কল হইবে? তিনি হয় কোন স্থানের কান্টোনমেন্ট মাজিটেট নতুবা কোন বিদ্যালয়ের অধ্যাপক হইবেন। কাপ্তেন আইব্স, পরদারগামী হইয়া-ছিলেন বলিয়া ভাঁছাকে ইনস্পেষ্টরের পদ দেওয়া হইতেছে।

ভারতবর্ষীয় রেল প্রয়েছে বাঁধারা দ্রব্য প্রেরণ করেন, কোম্পানি উল্লেখির নিকটে যে মাশুল লন, তাহাতে সকলে অসপ্তপ্ত । ১ লা আগস্থ অবধি মাশুল আরো রন্ধি হইবে। এতদ্দেশীয় বিনকেরা এ নিমিত্ত এত্ত্রেলা বোডে আবেদন করিয়াছিলেন গতাহাতে কোন ফল না হওয়াতে ভালার লেপটনত গবর্ণরের নিকটে আবেদন করিয়াছেন। কিন্তু লেপটনত গবর্ণরের নিকটে আবেদন করেন নই। শামেনগবের হত্তাকাপ্তের পর গ্রাহেবন নিকটে রেলওয়েঘটিত অভ্যাচা-রের প্রতীকার প্রার্থনা করা রথা। আবেদন করিবাণ ভারতব্যীয় গবর্ণমেন্টের নিকটে আবেদন করেন।

ছিল্পুপেটি য়ট অবগত হইয়াছেন, জাড়বো কট জেনরলের প্রস্তাবাসুসারে প্রধানতম বিচা ংলায়ের নিষ্ণাত্তিসকল মুদ্রিত করিবার এক छ उन श्रेशाली इहेरफरहा अ निश्चित अक मछा इटेर्स । काछेडे नार्ट्स कामाक अपर स्वान्नियन अ श्रीक शारूर अवर वायु अञ्चलकार पूर्या. भागास में छ। इहरेवन । इहाता य ब्रिट्नाई खेलान করিবেন, বারিষ্টর গুডিব ভাছার সম্পাদক 🚜 वांतू मर्गाउगहन स्थान महकाती मण्यानक इहे. বেন বারিষ্টর উড্মান ও ইবাল আদিম বিভাগের এবং বোর্ক, মেকেঞ্জি, মনোমোচন ঘোৰ ও রাজেক্সনাথ মিত্র আপীলবিভাগের तित्थां कि कवित्व । भावर्गिय के अ कार्यात निश्चि वार्षिक ৫०, ००० होका मिर्दन। विर्णाईक लिक वार्षिक भूना ४ ६ होका इट्टेंब । भूना व्यक्षिक इड्रे-(उट्टा गरर्नाम हे यथन कड होक: बिट्डाइन) उथन मन्द्रक्षरे वास कुनान स्टेटन । आहेटनत রিপোটের মূল্য যত অল্ল হয়, ততই তাহার कांवेजि इहेशा शांकि। वार्षिक २० व्रांका कविरामहे भर्गाश्व इहेटव ।

নিম্মলিখিত সার্দ্ধ'ব ও জায়গীরদারদিগের উত্তরাধিকারের সময়ে নজরা না দিতে হইবে না। যে দকল শর্দ্ধার ও জায়গীরদারের সহিত সজি হইয়াছে । অথবা খাঁহারা দত্তকগ্রহণের সনন্দ পাইয়াছেন। যে দকল স্থার ও জায়গীর দার বার্ষিক কর দিল্লা থাকেন। ইহাঁদিগের আর না থাক্ক। বেনেকল জারসার । চরক্তেনর
অথবা কয়েক পুরুষের নিমিত্ত দেওলং হইয়াছে।
৩২ এ আঘাত মঙ্গলবার।

লেপ্টনান্ট গবর্গ ছই দিবস ছগলীতে ছিলেন। তিনি কাছারি ও আদালত এবং বিদ্যালয়সকল দর্শন করিয়াছেন। চুঁচুড়ার হিন্দু স্কুল দেখিয়া গ্রে সাহেব বিদ্যালয় থাকাতে প এই বিদ্যালয়গী স্বাধীন অবস্থায় উত্তমরূপে চলিতেছে দেখিয়া তিনি বিদ্যালয়প্রকাল কবেন। গ্রে সাহেব জিজ্ঞাসা করেন, বাবু ছগাঁচরণ লাংগ ইছার সাছাস্য করেন কি না? তিনি জানিতে পারিলেন, এই বণিক এক জন প্রধান সাহায্য করে। ভিনি আগরও অবগত হইলেন, লোকে সিসনরি বিদ্যালয়ে সন্থানদিগকে প্রেরণ করিতে অনিজ্ঞান হৈছে সন্থানদিগকে প্রেরণ করিতে আনিজ্ঞান হৈছে জ্ঞুল এক জন দরিজ লোকের বন্ধে এত উর্লিভ লাভ করিয়াছে। এব্যক্তির নাম যত্নাথ দাস।

এডওয়াড কাসিনামক যে সার্চ্জেণ্ট ছুগসা হিতে ভাহার জ্রীকে বদ করে, সামরিক বিচার লয় ভাহার এক বংসর মিরাদের আজ্ঞা দেন। কাসির জ্রী অভিশয় ছুশ্চরিত্র ছিল, সে স্বামীকে অভ্যন্ত কণ্ট দিত এই নিমিত্ত সার্চ্জেট এক দিবদ ক্রোধ সম্বরণ করিতে না পারিয়া ভাহাকে বং করিয়াছিল। এইসকল বিষয় বিবেচনা করিয়া প্রধান সেনাপতি এই হভাগায় ব্যক্তিকে ক্ষমা করিয়াছেন। নিয় প্রেণির ইউরোপীয় স্ত্রীলো কেরা কেমন ভয়ানক ভাহা এইসকল উদাহ বলে প্রকাশ করিবে। ইহাদিগের অপেক। আমা দিগের নিয় প্রেণির স্ত্রীলোকেরা শতগুলে প্রেণ।

লক্ষে টাইমদ টাইমদ অব ইণ্ডিয়ার প্রকা লিড চিরস্থায়ী বন্দোবস্তেব প্রতিকারপ্রতাব টীর প্রশংসা করিয়া বলিয়াছেন, '' অযোধারি চালুকদারেরা বঙ্গদেশের জমীদার দিগের অব স্থায় পতিত হন নাই, এটা উাহাদিগের অভিশর দৌভাগ্যের বিষয় এবং ভল্লিমিন্ত গবর্গদেশ্টকে ধন্যবাদ প্রদান করন। '' কিন্তু মহার'ল মানসিংহ বলেন, চিরস্থায়ী বন্দোবস্ত না থাকাতে ভালুক দারেরা যথোচিতরূপে ভূমির উর্নতি করেন না, কারল উন্নতি হইলেই রাজস্বর্জি করা হইবে। যাহা হউক, ভালুকদাব্যাল যে এত স্থাী ভাহা ভাহারা নিজে জানেন না। লক্ষ্ণৌ টাইমস অনা রাসে জানিলেন, এটা বড় আশ্চর্যের বিষয়।

লক্ষোরে অভিশর গ্রীম হইরাছে। অনেকের সর্মানরমি ইইভেচ্ছে পশু ও গৃহপালিত পঞ্চি সঙ্গল আভপভাপে প্রাণভাগে করিছেছে। এপর্ব,দ্ধ রুক্তি হয় নাই। শীঘ্র জ্ঞানা হইলে জ্ঞানকে লক্ষ্যে ইইভে প্লায়ন করিবেন।

কডকগুলি লোক সম্প্রতি হাউস অব কমপে এক আবেদন কবিয়া বলেন, মাগদালা প্রাহণ ও থিওডোরকে বধ করা অভিশয় অন্যায় হই য়াছে। ষ্টু য়াটি মিল এই আবেদন প্রদান করেন। আবেদন পাঠ করিবার সময়ে প্রতিনিধিগণ বার হার উচ্চবরে হাস্য করিয়া উঠেন। ইহান্ডে আর কিছু না হউক, ইংল্ডীয় ইংরাজদিগের ৭ঙাহারা কোন ক্রমে বিদেশীয় জাভিদ্মুহের ইট্রপরে কোন প্রকার অভ্যান্তার করিতে व्याधी नरङ्ग।

কলিকাভার পলিষেও প্রহার ও শারীরিক यहाना कियान প्रथा जाइ। नार्ट्यके होन सामक একু ব্যক্তি পি, এম, ওয়ামসলিনামক এক ভন ম্ভিলেকে থানায় আনয়ন করিয়া ভাছাকে ্নত প্রধার করে যে ভাছাতে ভাছার ছক্ত ভ্রম ভব সে কিছু দিন চিকিৎসালয়ে থাকৈতে হা গ্রহার প্রহারকারীকে সেসিয়নে সমর্পণ করা ্ল্ডাড়ে । ঘাঁহারা লালবাজার দিয়া প্রমাগ্যন ক্ষরের উচ্চার্থ দেখি**ডে পান, রাজধানীর ই**উরো 🕬 । श्रु निव श्रहतीया कि श्रकात मण्डलका मह कार्य त्याकावित्रिव महिक क्रुवाशांव कवि-্ডভে। মারামারী ও মাতা কটাফালী **ইইভেছে**। কিপ্রত্ব বিভাল যেমন ইন্ডর দেখিয়াও চক্ষ খুদ্রত করিয়া থাকে, প্রহরী সেইপ্রকার ক্ষম্য দিলে মুখ দির ইয়া চুরট টানিতে **থাকে। এই** সকল সোফার প্রহরাদিশের গুণেই হত্যাকারী ও চোরের। এত নির্বিত্বে অকার্য্য সাধন করিতেছে।

ইণ্ডিয়ান ডেলিনিউস বলেন, সম্প্রতি কতক গুলি অস্ত্রধারী গারো আমলি ত্রামে পতিত इंश्या कर्यक सन विश्वतित्र मण्येखि सूर्व कतिया द्य भनावन कतिशास्त्र।

### उना खोवन बुधवात ।

আবার ছিয়াঙর সাল আসিতেছে 🗦 ছর্জিঞ্চ হইবার বিলক্ষণ সভাবনা দেখা ঘাইভেছে। मिट्न का कार्य अधिक इहेशाएक, व्यावीत ,কান অংশে গুক্তি নাই। ধৃদদেশের আনেক শ্বানের প্লাবনাবস্থা। কিন্তু উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের জ্ঞানি বাংশ শস্ত্ৰের অনাবৃষ্টিনবন্ধন শুক্ত বৃহি का एक। का बाल शत का वर्ष वक्रा भर्ग एक वृक्ति ३ व नाई। कामी जर्वाध मुजाधुत्रभरीख सर्विक्षर स्हेग्नाइ । कानश्रुत, अ.हे.ब्रा, त्मध्योवान, काना হাবাদ ও ফভেপুরে অনার্থিনিবল্পন শস। वश्र बहेरफरङ्गा। मिली बहेरफ नियमा भर्गा (खतुक शह व्यवश्वा।

ফ্রাজিস রাইটনামক এক জন ইউরোপীয় আপনাকে পুলিষ ইনম্পেটর বলিয়া পরিচয় দিয়া কয়েক জন প্রেমারাবাজকে ধৃত করিয়া। ७५८/ वेका छैश्रकाह सहेब्रा भुक्क करत्र। 🛦 याकिएक मिनियरन मनश्न कता ब्हेबारक। जारहर की ए। करियां हरने (बाध कहर**ाह)।** 

মেলর লিজ কমল হাউদে প্রবেশ করিবার চেষ্টায় আছেন। মেজার লিজা নিঃশক্তি ভারত-বর্ষ ভাগে করিয়াছেন কেন, তাহার অলুসন্তান क विराम (वाध इस खाल इस । उपमहरक करनक श्रम अमत्य छेडियाटक ।

### ২রা আবেণ রহম্পতিবার।

রঙ্গপুরে বিদ্যাশিক্ষার ভাতৃশ অনুশীলন নাই ভূপনুক্র উকীল পাওয়া ভার। এই হেডু প্রধান ত্যান্ডারালয় আজা দিয়াছেন, ১৮৩৫ উত্তের ২০ আইন অন্থ্রসারে উকীলদিগের পূর্বাপরীক্ষান্ত্র ্য নিয়ম আগে, তাহা উক্ত জেলার ওকালভিত্ন 🖯

विकानियारतत भीमात्र भर्ताना मञ्चादृष्टि **স্থাতে দক্তাদিগকে দমনে রাখিবার নিমিত্ত** भवर्गसम्ह अक स्वन विहेन देश नक स्वाचित्रहरू নিযুক্ত করিবার সম্ভল্প করিয়াছেন।

চট্টমানে চার চাস উঠির। গেল দৈখা যাইভেছে। जिन वर्गत रहेश अथाति अहे हांग जात्र हा। है जात गर्मा के थान एक का एक करा बहेबार ह অনেক স্থলে চার চারাও উৎপাটিত করিয়া ফেলা হইয়াছে। চা-করেরা ক্ষতি এক হইয়াছেন সন্দেহ নাই; কিছে এ ক্ষতির নিমিত্ত ভাঁচারা অপেনার'ই দায়ী: চাস আর্ভ ছইবামাত মজুর দিগের উপরে অভ্যক্ত অভ্যাচার করা হর; অনেক স্থলে পুলিষের সাহয়ে ক্লুষকদিগের ভূমি কাভিয়ালইয়া ভাষাতে চা বপন করা হয়। कांशरके थाय (वस्त (मध्या इंद्रेस ना। ष्ट्रभागानियक्षन व्यातक हेटेर्डालीय कर्पाहाडी গুপ্ত চা-কর হওয়াতে নালীশ করিলেও ভাহার প্রতিকার হইত না। এরপ স্থলে যে ঐসকর ঘটনা হইবে, ভাহা আশ্চর্য্যের বিষয় নহে।

रमिम भर्तारख्य देभरत्य (तमश्रद्ध मधाश्र ষ্ট্রাছে। এক্ষে ইটালি হইতে ফালের মধে আলস পার চট্যা যাওয়াখায়।

**हे**श्लिमगान वर्शन वक्नाष्ट्रशास्त्र व्यक्तांशिख ক্রীভদাদের ব্যবসায় চলিতেছে। গ্রথমেন্ট ইহা জানিতে পারিয়া বিজ্ঞানর রাণীকে ৭০০ ক্রীতদাস ও দাসীকে মুক্ত করিতে বাধিত করি श्रोटक्न ।

र्यमकल शामित रैमनिक भिविदा निव्छ रहेरवन, डाँशमिशक वारी श्रञ्ज कतिवात নিমিত্ত ৪৩২০ ও ১৭০০ টাকা দেওয়া হইবে। প্রতিমাদে প্রথম জ্রেণির চাপলেনদিপের বেডর **ধ্ইতে ১২০ এবং দ্বিতীয় ভোলিব চাপলেনদি** গের নিকট ৭৫ টাকা কর্তুন করিয়া টাকা আদার করা হইবে। গৃহ প্রস্তুত হইবার পুর্কো কাহার मुड़ा इहेरल कि इहेरव ?

ক্রফোডনামক যে বংক্তির আলাহাবাদের অপের এক জান ইউরোপীয়ের জ্ঞীর সভিড ব্যক্তিচারদোষে এক বংসর মেয়াদ হয়, উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের লেপ্টনান্ট গ্রন্থ ডায়াকে क्रां क्रियो (क्रियो (क्रिया) विश्वास्थ्य विश्वास्थ विश्वास्थ विश्वास्थ विश्वास्य विश्वास्थ विश्वास्य विश्य विष्य विश्य विष्य विश्य विष्य विश्वास्य विश्वास्य विष्य विष् ইংরি জীর ভরণ পোষণ চলে না বলিয়া এই অন্ত্রহ করা হইয়াছে। জীর কণ্ঠ হয় বলিয়া কয়েদিদিগকে ছাড়িয়া দেওয়া যদি বৃক্তি সিদ্ধ ह्य, फारा इहेरन आनानफ ख खन फेर्राहेयू। দেওয়া কর্তব্য।

कारश्चन आहेरम भग जात्रजर्य कर जन ইনস্পেক্টর হওয় তে কে ওঅব 🕫 ওয়া বলেন, পর্ণার্গামভার মকদ্মার প্রমে এই নিয়ে। গোৱ প্ৰক্ৰাৰ ইয়, ই কিন্তু আইবদ সাছেবকৈ ইনস্পেক্ট র করিতে দেওয়া হইবে না; ভাঁহাকে রেজিমেন্টে প্রজ্ঞাগমন করিতে হইবে। ভাত্ । एवं के द्वाहरू

আমর উক্পত্রেদর্শন করিলাম মাজুলকের. ফীফ কোরের ক'ল্পেন ক'রে স'ছেব লঙ সাচেবের ন্যায় দক্ষিণ ভারতবর্ষীয় প্রায় ২০০০ প্রবাদ বাক্য সংগ্রহ করিয়াছেন। কাপ্তেন কার কভক গুলি সংস্কৃত প্রবাদবাক্যও সংএহ করিয়াছেন। য়াছে। জীলোকটা স্বাধীন ধর্মনীতে বিশিষ্ট

यावजीय अन अकटकानीयुनिशतक क्षमान कराटड ফে ও ভাষার প্রতিবাদ করিয়া বলিয়াছেন : " आमानिरात अक्टलनीय महत्यामी निरंशत व्यवगण्डित नि.मंख व्यामता देलिएकाइ, এতদেশी रावा छक भन आश्व रून, এ विष्ट्य जामानित्यव আপত্তি নাই। তাঁহারা উন্নত পদ লাভের যোগ্য ছইলে অবশ্য পাইবেন। কিন্তু ইংলভের কভক গুলি অঞ্চ লোক য বড়ীয় প্র এডফেনীয়দিগকে अमान कविवाद (य. कथा व तमन, जाहात छोट वान कताहे कामान्टिशत छेटल्ला। अक छन যথাৰ্য উপন্তৰ ভাৱতব্যীয় কলিকাতায় প্ৰধান क्य विठातामध्येत जागरन जारहन, प्रिथश আমরা আহ্বাদিত হই, মান্ত্রাজ ও বোলাইরে এ প্রকার কেছনাই বলিয়া আমাদিগের ছু:খ ছইতেছে। সর দিনকর্রাও গ্রণ্য জোনেরলের মন্ত্রিসভার এক জন বেতনভোগী সভাহন, अभि जामा मिर्गत काममा । यक्र रन्द्र नत (ल व्हेना के গবর্গরের যদি মন্ত্রিদভা হয়, ভাহা হইলে এক स्त এ । किनी ब्रुटक उन्नार्थ। बाहन करा जामानि গের মত। কিন্তু অসুপযুক্ত ভাবতবর্ষীয়ের। যদি मशैक्षातत ७ व्यक्तिक कार्यात मकल भन भाग, ভাহা হইলে শাসনকার্যের বিশেষ ব্যাঘাত **रहता " यामामिर्गत् अ के कथा। म्रास्मिर्धा** উপযুক্ত ইউরোপীয় কর্মচারী থাকেন, ভাহা কাহারও অনভিমত্ত নহে। উপযুক্ত এদেশীয় কর্মচারীকে পরিভাগের করিয়াও অনুপযুক্ত ইউ-রোপীয়কে কর্ম দেওয়া হয় বলিয়াই লোকে অস 通多!

### ৩ রঃ আবিণ শুক্রব'র।

ডেলিনিউস ভাবণ করিয়াছেন, দারজিলিঙ অপুণ করাতে সিকিমের রাজাকে প্রতি বৎসর যে ব্ৰত্তি দেওয়া হয়, গংগ্ৰেণ্ট তাহা ব্ৰহ্মকরি-বেন এটী ১৮৫৯ অব্দের ১০ আইন অনুসাবে इहेट एक मा कि ?

**উक्त श्रा वर्तन, कामाश्याम व्हेर्ट अस्म** পুর পর্যান্তের রেইলওয়ে যেদকল এতদেশীর রাজ্য হইয়া নিয়াছে ভত্তভা রাজগণ রেইলওয়ে পুলিবের বায়ে দিজে অসমত হইয়াছেন। যখন রেইলওয়ের উপরে ভাহাদিগের ক্ষমতা নাই. ভথন এব(য় গ্রহণ করা অসুচিত।

সম্প্রতি ভারতবর্ষীয় গ্রেণ্ডেন্ট নিছাস্ত করিয়ার্ডেন উত্তর পশ্চিনাঞ্জের যেদকল माखिएकि छ कालिही (तत खड़ इहेबात मगर व्यागित, डीइ!वा यांन (महे मगर्य थाकवस्ति व कार्यः नियुक्त थ एकन, खाङा इट्टल 🗗 कर्याहे कवित्वम र्रकेष क्षाटकव (बंदम भ.हेर्यम।

**এटिशन मार्ग मनः जातज्वरम् ३**५,५५,५६६ টাকা আয় ইয়াছে। ইহার মধে ভূমি চইতে ৮,৩৯,২৭৬ টাকা, লবণ হইতে ১,৪৪,৫৮৫ हाका। व्यक्तिताती हहेटच ७०,७७५ हाका छ होन्न **ब्हेरक ७२,**८८ • ठोका काशन्न ब्हेन्न!एक। क्षे मार्म ४.५०,७५४ में का चार् इंदेश्वरहा

ই গুয়ান প্ৰলিক ওপিনিয়নে একখন ইউ রোপীয় সামীর জীভজির কথা লিখিড হই-

হওয়াতে একটা উপপত্তি করিয়াছিল। উপপত্তি कतिरम श्राप्त अवहीरिक इत्र मा। जात्र अवही কটাতে প্রথম উপপত্তি ক্রোধান্তিত হইয়া ভাহাকে শিকা দিবার নিমন্ত এক দিবদ क्रमना वस्त्रक भविशूर्व कविष्ठा **উপপদ্ধী**র নিকটে शमन करता १ भरत एक नम छोड़ांत्र भरम ख अक নল আপনার ভলপেটে ঝাড়িয়া ভাষাকে আহত করে এবং আপনি হস্ত হয়। আহক্ত স্ত্রীলোককে চিকিৎসালয়ে লইয়া যাওয়া হইয়াছে। ভাছার আমী সকল দোষ মার্জনা করিয়া নিরম্ভর ভাষ্যক দেবা করিভেছেন। অসভ্য ভারতবর্ষীর স্বামী क्ट्रेटन व्यवनारे अञ्चल खीरक खान कविर्देशन । किन्न এवा कि यथार्थ थे जिल्लान। এक कारन हरशहे ষাত করিলে অপর গাল বাড়াইয়া দেন।

উক্ত পত্র বলেন, সুত্তন বিদায়ের নিয়ম হও-হাতে পঞ্চাবের সিবিলিয়ানদিগকে অন্য কোন च्टाराम वननी कता इहेरव मा । अंगे वकु স্থাব্য সমাচার। পঞ্চাবীদিগের শুণ পঞ্চাবেই थात्क अधि मकत्ववह हेन्छ।।

এক জন ইউরোপীয় স্তরাপান করিয়া অজ্ঞান হওয়াতে ছর্গের প্রবেষ্ট সার্ক্তেই ভাহাকে কুলিবাজাবে খানায় দিয়া আদে। गांजात्वत (कर्व ) । ही हाका किया नारक है अ ठेका स्टितिन रामक अन सम हेनाप्यृष्टेत छ थानात हेन एक्शक्रेव अग्राहे एकत शुरखत रहे विज्ञी 'थारेटन ! এ इहे वर्राक जी निका जाजानाव করাতে ইঙাদিগকে সেসিয়নে অপণি করা হই য়াছে। লোফার্দল **হইতে পুলিষ কর্মচারী যত** पिन मरनानीछ क**ा इंटेर्टर, ७७ पिन अ व्यवस्था** ষাইবে না। কিন্তু গ্ৰণনেণ্ট ভাবেন ইউরোপীর হুইলেই ধর্মের ছালা বাঁধিলেন।

৪টা আবেণ শনিবার ৷

গভকল, পোটকানিও কোম্পানির অংশী দিগের অধিবেশন হইয়া গিয়াছে। সুইনছো সাহের সভাপতির অসেনগ্রহণ করেন। **সিলার** সাহের স্বান্ধ্রে উপস্থিত হইয়া আপনার বাঁধা গত ঝাড়িয়াছিলেন। কিন্তু অংশিগণ বৰ্তমান অগ্যক্ষিণের উপরেই সম্পূর্ণ বিশ্বাস প্রকাশ করিয়াছেন। মকক্ষা চালামও ভাঁহাদিগের অভিমত হইয়াছে। সিলার সাহেব আদালতে যাইতে এও ভয় পাইতেছেন কেন ?

वातिष्टेत कारनक्षरमास्य ठाकूत ७ (तवरत्र ७ कृष्ण्याह्म दरम्हाभाषात्र शृष्णीव्र धर्म अहात छ এতদেশীয় খৃষ্টীয়ানদিগের অন্তরক্ষার নিমিত এক সভা করিয়াছেন। খু সীয়ান ব্যতীত আর কেছ এই সভার সভ্য ছইতে পারিবেন না। আমরা এ সভার প্রকৃত অর্থ বুরিতে পারিলাম

ना । क्षि अछाप्तभीय भृष्टीयानमन (मामत् এकाश्य विलय्ना यनि माजुजूमित मजलगायम विन्नालरात ज्ञान स्हेगारहम। উদ্দেশ্য স্থিব করিয়া খাকেন, ভাষা হইলে স্থাপুর

আমরা ইতিস্থান একজামিনারনামক এক খানি তুতন সাপ্তাহিক পত্র পাইয়াছি। পত্রখানি ষেপ্রকারে আরম্ভ হ্ইয়াছে, ঐ ভাব বরাবর थाकिएन छैन्न जिल्लाक कितिय गरम र माहे। अक খানি নিয়পেক ইংরাজী কাগজ থাকা অভিশয়

निम्नलिखिक मृत्या भवर्गमान्त्रेत काशक বিক্ৰীত হইতেছে:—

৪ টাকার সিকা	2811 · 1 284
8 <b>(क</b> 1९ .	28H4 128H
৫ প্রলিক্ওয়ার্ক	2-41-12-414
e * (本te	१०१६०८ । १४०८
ello » cote	2784 . 1 22G

### ইউরোপীয় সমাচার।

লগুন ৪ ঠা জুলাই। গভ বাবেতে অটওয়ে शाहित क्यम हा छित्र क्षेत्रांत करिहार्डन, अकरन মহাসভার হতে যেএকার কাভের ভিড় দেখা वाहेट्डिइ, डांश्टि छात्र्ड्यसीय माननश्रना नीत है २ कर्षमाधन विषयक आहेरनव शास्त्रल (श्रात विवदत्रत विरवहमा कता याङ्गरक शीरक ন। আপাততঃ উহা স্থগিত রাথিয়া ষ্টেট সেক্টোরির কৌশিলসংক্রান্ত পাও লেখ্য উপ ন্তিত করা কর্ছবা।

नव ष्ट्रीरकांक नर्यरकांके श्रद्धारु देव विनातन এসকল পদ অনিশ্চিতবাপ হইলে লোক পাওয়া ভার হইবে। তিনি, বলিনেন, কৌলিলের সভং पिरात **अवसामचाँगेड आ**हरमत भार**्रसर**शत ছয়চীমাত্র ধারা আছে। ভাহার একল আহ হইয়াছে। তৃতীয় পঞ্চ ও বঠের প্রতি প্রায় কোন আপত্তি করা হয় নাই; চতুর্থ धावांने विष्यानगरकां इटेट्डाइ, अर्न जना পাণ্ড লেখ্যের অন্তর্গত করিবার প্রস্তাব-চইয়াছে। অব শিষ্ঠ ধারাটী কেবল সংক্রান্ত ৷ তিনি তরিমিত প্রস্তাব করি-লেন এই অবস্থায় কমিটি ছারা পাও লেখ্যে বিধিবন্ধ হওয়া উচিত। যখন সভানিয়োগ ও ভূতন ধার। বসাইবার কথা হইবে ভখন রিপোর্টের সময়ে ইহা করিলে চলিবে। ঐ পাও লেখা পঠিত না হইয়া সভা ভল হইয়াছে।

গ্রব্যেন্ট সীমাসংক্রান্ত আইনের পাও -(मध्यम्बर्कः स्य व्यवहातं कतिहार्क्व, उद्दर्भनर्कः গত ব্যক্তিক লাভদিগের হাউদে অতিলয় উৎ সাচপুৰ্গ ভাক হইয়া গিয়াছে। বোহাই ব্যাহ্ম ষ্টিভ আইনের পাও লেখ্য বিধিবছ হইরাছে।

৭ ই জুলাই। ফাজ হইতে আমেরিকা পর্যান্ত ভার পাভিবার নিমিত্ত ফরাশী গবর্ণমেণ্ট বারণ আরলেঞ্স ও জুলিয়স রিউটার সাহেবকে সম্পূর্ণ ভার ও ক্ষমতা দিয়াছেন।

সর আলেক জণ্ডার প্রাণ্ট এডিমবরা বিশ্ব

भेज कना नाजिम्दिशंद हाजिया मीबामशकांख कार्टेम विधिवस इंडेग्नाइड। नवस्क्रानिया मध्य ভর্ক হয়। এবিষয়ে অসন্তোষপ্রকাশ করা হইয়াছে। किं अञ्चनकारमः श्रेषार अज्ञाहः इहेग्राटः। প্রতিনিধি মনোনীত করিবার সময়ে উৎক্রে:5 দিলে ভাষার বিচার ও দণ্ড এক বিশেষ আদা লতে হইবে বলিয়া যে ধারাটী হয়, ভাহা গভ कला कमन राजित्य खताहा रहेशाइ।

 हे खनाहै। ब्राब्धी महाम्खादक काङ्ग রোধ করিছোছেন, সর রবাট নেপিয়র ও ভাঁছার वश्मीत मकनारक वांदमतिक २०,००० हे।क। वृद्धि দেওয়া কর্তব্য।

আর ব্যয়ের হিসাব উপলক্ষে ফরাশী মহা পভায় যে ভাক হইয়াছে, ভাহাতে মস্ত্র কহার ও মুক্তিয়ার বলিয়াছেন ফবাশী গবর্গমেণ্ট শান্তি तकाम्र अख्यारी। कताभी रेमन्द्रान (मह हेक्ट्राव প্রতিভূত্মরূপ রহিয়াছে।

**"गार्डे**वेत भक्र बरमन, गत्र श्रीरमां अर्थरकां ভারতবর্ষের গবর্ণর জেনরল হইয়া কাজ ক্রিতে भातित्वन मा। भाष्ठ कला अञ्चानि अहेन इंडेट्ड गःवाम व्यागियारङ वेशारङ खाना याहेर**ः** নীচভদ্রশিল্প সাইমরকে সভা পতি ও সেমাপতি বেয়ারকৈ সহকারী সভা পতি করিতে অভিনাষী হইয়াছেন। উভয়েই **এই পर्देश क्षांची बहैएक मन्त्रक इहेग्रार्ट्स ।** 

৮ জলাই । গত রাজিতে কমস ছাউদে ক্রকোজ সাহেব ভারতবর্ষের भाकुल वृद्धित প্রসঞ্ করিয়া टेमबा किट्या **भ**टक কম মাত্রল করা जनाम स्टेग्नाइ । এড एउट्स (ऋहेत्रप्र गार्च विलालन, जारकत कार्या व कर्मावाती कि भारत । यात्रक्षि रखप्राएक माञ्चल वृद्धित श्रार्ट्सायन হইয়াছে। তিনি বলিলেন, মাস্তুলবৃদ্ধির পরীক্ষা কবির। ভালই হইরাছে। এওন্ধারা চারিলক পত্র কম মাস্রুলে লইয়া বাইবার প্রথারও তিনি সমর্থন করিলেন। সীমাবিষয়ক বিল এবং কট नश ७ पाप्नां तनरश्य विकास विन नां प्रित्त व हाउँटम विधिवच रहेब्राटङ ।

সর ষ্টাফোড নর্থকোট নেপিয়রকে এক (छाङ निशादक्त।

গভ কল্যকার এক টেলিগ্রাম ওয়াশিওটন इहेट्ड कानिसार्छ। हेरा बाता खाना गाहेट्डर्फ, नीहरूबिय प्रम जामनामिर्गत निम्निचिड दाक्रमी जि श्रित कतियाद्वन । সকলকে कर्र पिएड हरेंदिः भवर्गरान्देव कामराज्य स्मृत् छ होका नगम मिटक रहेटन, उटान संशास काना क्षकाव वरमावक चारक, (मधारम कम्प्रमारत काक इहेट्ड शांत्रित । यमकन लाक हेन्द्रेनाहेट्ड ड ষ্টেটে পুরুষামূক্ষমে বাম করিয়া তথার জ্ঞিয়া ক্ষেও যাহার। বিদেশ হইতে আসিয়া বাস করিয়া দেশবাসী বলিয়া পরিগণিত হইয়াছেন काशिरिशत वर्षत कान श्रास्त्र वा ।

### গর্ণ নেন্ট বিজ্ঞাপন। লেপ্টনন্টগর্ণরের আদেশাসুসারী

### निरम्भ।

৮ ই জুলাই। জে বক্লওয়েল সাহেব পুরীর বিদ্যাশিক্ষাসভার সভ্য ও সেক্রেটারি হইবেন।

জি, হেস সাহেব পুর্নিয়াতে এক জন ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি কালেটর হইয়া দিভীয় শ্রেনির অধীন মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন।

১২ ই জুন অবধি ২৩ এ জুনপ্রাস্ত লেপ্টনট সি. এচ. গার্কেট সিংহভূমের ডেপুটি কমিসন রের কার্যের ভার পাইয়াছিলেন।

যত দিন ভাকর তবলিউ, এচ, হেস বিশেষ সরকারী কার্যোপলকে স্থানান্তরে থাকিবেন, ততদিন লেপ্টন ট ই. জি, সিলিওপ্টোন সিংহছু মের প্রতিনিধি তেপুটি কমিসনর ও অধস্থ জজ হইবেন।

৯ ই জুলাই। বাবু উদয়চাদ দক্ত পুরীর চি-কিৎসা কর্মচারী হইবেন।

বাবু অন্তলচরণ কাস্তলিরি মালদছের চি-কিৎসা কর্মচারী হইবেম।

যত দিন এ, জে, এলিয়ট সাহেব বিদায় লইম্ম অমুপ'ষ্বত থাকিবেন, তত দিন জে, এফ আউন সাহেব দিনাজপুরের প্রতিনিধি সিবিল ও সেসিয়ন জঞ্চ হটবেন।

১ - ই জুলাই। ছাপরার সব রেজিটার বাব উমাচরণ বহু কিছু দিনের নিমিত্ত মতিহারিতে লাইকেন।

বার উমাচরণ বসুর অমুপত্মানকালে ডেপুটি মাজিক্টেট ও ডেপুটি কালেটর ই, এফ ফিলার সাহেব ছাপরার প্রতিনিধি সব রেজিক্টার হই বেন।

তৃতীয় গ্রেণির সব আসিষ্টাণ্ট সার্জন কা মাখ্যনাথ আচার্য্য ছই বংস্বের জন্য মেডিকাল কালেজের বিতীয় সার্জনের হাউস সার্জন হইবেন।

১১ ই জুলাই। বীরভূম জেলা হইতে সাঁও ভালপরগণার দক্ষিণাংশপর্যতে রেইলওয়ের যে অংশটি আছে, তন্মধ্যে ১৮৫৪ অন্দের ১৮ আইন অসুদারে বিচার করিবার ভার রাজমহলের সহকারী ক্মিসনরকে দেওয়া গেল।

১৩ ই জুলাই। যত দিন জে, এ, ক্রফোড সাহের বিদায় লইয়া অসুপস্থিত থাকিবেন, তত দিন আর, বি, কক্রেল সাহেব কলিকাডার প্রতিনিধি কষ্টম কালেটর হইবেন।

আর: বি, কজেন সাহেবের অসুপস্থান কালে আর, এচ, পসি সাহেব হুগলির প্রতি। নিধি মাজিকেট ও কালেক্টর হুইবেন।

আর, এফ, রাল্পিনি সাংহ্য বা**র্লেইরের** প্রতিনিধি জাইন্টমাজিকেট ও ডেপুটি কালেটর ফ্রনেন।

কসায়া ও জয়ন্তিয়া পর্সতের অন্তর্গত জন্ম ইয়ের সহকারী ক্মিসনর ১৮৬৮ অন্দের ৯ আইন অন্তর্গারে কালেইরের ক্ষমতা পাইবেন। কাপ্তেন এফ, এচ, হুড চট্টগ্রামের এক হন মিউনিসিপাল কমিসনর হইবেন।

নিয়ালখিত ব্যক্তিরা ছারভাসার মিউনিদি পাল কমিসনর হটবেন।

थक, **(छ**, **डिटक्स मार्**ह्य।

था । उर्वामके किएवम मि, है. I

নিম্নলিখিত ব্যক্তিরা জীহট্টের দাতব্য চিকিৎ শালয় চালইবার সভার সভ্য হইবেন।

এফ, ডবলিউ, বি, পিটসন সাহেব।
জে, সি, বিসি
এচ, এল, জোন্স
মেলবী আবু মহম্মদ আবছল কাদের।
আহাম্মদ বক্ত মজমদার

वाद् विख्यसमाध्य भूरबालाधास अन्नलह्या मान

এস. জে, কিলবি সাহেব ময়মনসিংহের সহ কারী পুলিষ ক্রপরিচেটতেও ট্রইবেন।

ডাক্টার এট, জনষ্টোন মেডিকাল কালেজের চিকিৎসালয়ের প্রতিনিধি হাউস সার্জ্জন হই বেন।

১৪ ই জুলাই। দারজিলিঙের অভিরিক্ত সহকারী কমিসনর ডবলিউ, সি. মলার সাহেহব ১৮৬৮ অন্দের ৯ আইন অসুসারে কালেইরের ক্ষমতা পাইবেন।

নিমূলিখিত সহকারী পুলিষ স্থুপরিন্টেক্ডেন্ট বদলি হইবেন।

জে, এচ, জনষ্টোন সাহেব মেদনীপুর হইতে ২৪ প্রগণতে।

ভ্ৰমিউ, কাৰেল সাহেব পুৰীল্লা হইতে মেদনীপুরে।

এচ, छ, छेहेनकिस माह्य श्रामी स्ट्रेट छागनशुरत।

রেবরেগু এ, ডবলিউ, আরু কুইনলান হাবভার প্রভিনিধি চাপলেন হইবেন।

এচ, এ, সি. বাউটন সাহেব শিবসাগরের প্রতিনিধি সহকারী পুলিষ স্থপরিতেউত্তেও হই

শিব সাগরের সহকারী পুলিষ স্থপরিটে গুলেউ এ, সি, বুষ্ট সাহেব নওগাঁতে বদলী হইয়া ভত্ততা প্রতিনিধি পুলিষ স্থপরিলেউগ্রেড হইবেন।

আমাদিগের কালনান্থ সংবাদ দাত। লিথিয়াছেন।

এখানকার জনেক লোক কৃষিকার্যের উপর
নির্ভর করিয়া জীবনষাপন করে। বাহাদিনের
এরপ জীবিকা, ভাহারা প্রাণপণে জ্ঞাপন জ্ঞাপন
মাঠাল জমিগুলির উন্ধৃতিপক্ষেয়র করিয়া
থাকে। যে রাজকর্মচারীর জনধানভাদোরে
গৈইসকল জ্ঞামর হানি হয়, রাজপুরুষগণের
উচিত যে তৎক্ষণাৎ ভাহার প্রতিকার করেন।
এক্সপ লিখিবার ভাৎপর্য্য এই যে, কালনা হইতে
পাপ্ত শ্লাপর্যক্ত যে রাজ্ঞাচী গিয়াছে, ভাহার

यथारयोगाः चारम गाँरका ( (मजु ) ना भाकाः व षात्मक योठील स्वयित स्वविष्टे स्टेटल्ड । अथान । কার উত্তর সীমার খেবকল মাঠাল কমি আছে. क्षात्रम् विद्नव कावभाक स्ट्रेस छ जिक्रेष जान वाँकी मामक शुक्रविभी हहें एक कल लहेगा जावना क মত কুলিকার্ক্য নির্মাধ হইত। একণে সেই পক্ষিণীয় পশ্চিম দিক দিয়া রাজ্ঞ। প্রজ্ঞত হওয়ার এবং ভবার সাহিন্দ না থাকার কুষকগণের विरमय काकि इहें एउट्डा मारा वर्षे (य अ वास्त ही करनक मिन निर्मिष्ठ इदेशार्क, खाहारख এত দিন ঐ অমিসকলের কোন অনিষ্ঠ হয় নাই এখনই কেন ছয় কেহ একথা জিজা সিলে একথা বলিতে পারি যে পুর্বে এ রাস্তাচী কেবল মৃত্তিকা দারা নির্দ্ধিত হইয়াছিল জল আনিবার আবদাক क्हें हा अक श्वास का हिंशा का नहें ता कार्य। সমাধা করিন্ড। পরে আবার ঐ স্থ'নচী উত্তম ৰূপ বাঁধাইয়া দিত। একৰে সে রাস্তাটী পাকা করিয়া প্রস্তুত কর। হইয়াছে। আর কাছার নাধ্য ইহাতে হস্তক্ষেপ করে ; স্কুড ়াং এখ :ন ( স ন वामीत পশ্চিমে। একটী সাঁকো করিয়া দেওয়া নিভাস্ত আবশ্যক। আমর। । ধ্রমানের জীযুক্ত কমিসনর সাহেব মহোদয়াক অস্থারোধ করি ভিনি অমুগ্রহ করিয়া বর্জমানের একজিকিউটীব ইঞ্চি নিয়ার সাংহ্রকে এজন্য অনুমতি করেন। ইহাতে राष्ट्र कांच नामाना , किन्न करनक श्रकात विस्तर উপকার হইবে।

এখানকার অতি নিকট সর্ম্মদ্রানামক স্থানে একটা আশ্চর্যা ঝড় হইয়া গিরাছে। একলা বেলা ৬ টার সময় সহসা পূর্মদিক হইছে বাতাসটা আগমন করে। যে যে স্থান দিয়া গিয়াছে, ওথায় যেন প্রকৃত একটা রাস্তা প্রস্তুত ইইয়া গিয়াছে। আশ্চর্যের বিষর এই যে গ্রানের উত্তর সীমায় প্রবল ঝড় বহিয়াছিল কিন্তু দক্ষিণ দিগের বৃক্ষাশাখাও আন্দোলিত হয় নাই। মড়ের বেগের কথা অধিক কি কহিব, তথায় এক খারইয়ারি পূজা হইয়াছিল, বায়ুর প্রবল্গেরে প্রভিমার মন্ত্রক উড়াইয়া প্রায় ৫০ হস্ত দুরে কেলিয়া দেয়। পাপ্তাগণ তরে অন্থির। প্রতিমা ছিলেন কালী, হইলেন ভিরমন্তা, তাহাতে পাপ্তা গণ ভীত হইতেই পারেন। আশ্চর্যা ঝড় বটে।

অহত প্রতন মুকেফ বারু যাদবন্দ্র চক্রাবারী মহাশারের বিচারপ্রণালী দেখির। সকলেই সন্তেই ইইয়াছেন। ইনি যেমন বছনলী তেমনি কার্য-কুলল। এরূপ বিচারপতিছারা প্রানের জীর্ছি হয় ও প্রজার যথার্থ বিচারে বঞ্চিত হয়না। আমরা প্রার্থনা করি ইনি ভারিরপ্রপ এখানেই অবস্থান করন।

व्यावात अधारन लाहेरमक हारक्षत स्काम छेल

স্থিত কভদিনে এউপদ্ৰব নিধারণ হইবে ভাষা বলা যায় না।

-200-

### আমাদিপের কোরহাটিছ সংবাদ-দাতালিখিয়াছেন।

>। जामता विक्रमेश्वश्रीतिष्व ष्ट्रम् अख्या कात उ नानाविषश्चिमी क्रनीं कि श्रमन कतिका প্রতিনিয়ত চীংকার ও অঞ্জাবিসর্জন করিয়া আসিতেছি কিন্তু চুৰ্ছাগ্যবশতঃ উজ্জ পুলিষ আভিও প্রকৃতিক হইতেছে না। কর্মচারী মহা মতিগণ কার্য্যতৎপর হইবেম কি, ছব্ত হাত পাতা রোগই ইহাদিগের সর্মনাশ সাধ্য করিতে ৰ সিয়াছে। ইহারা উক্ত মহারোগের প্রভীকার সহকারে প্রজাদিগের মঙ্গল ও দেশের জীবৃদ্ধি गांधरनत (हर्ष्टी भाग मा, अपूर्ण नगरत সময়ে ভাষাদিগের প্রতি নিরর্থক দৌরাল্ম্য করিয়া আমাদিগকে যার পর নাই ব্যথিত ও পরিভা পিত করিতেছেন । গ্রথমেন্ট কি এই জন্য সতন পলিষের স্থাটি করিয়াছেন? এই রূপেই ক্ষি দেশের শান্তি স্থাপিত ও সংর্কিত এবং क्वीजिमग्र मश्रमाधिक स्ट्रेट हेराई कि ভাহার প্রকৃষ্ট উপায় ? यमि ভাহাই হয়, ভবে च्याबारतत कुछन श्रीनरसद नाथ बिष्टिशारह। च्याद আমরা যেন নির্থক ক্রন্দন করিয়া অঞ্জলে ভাসমান না ই।

> । श्राय ६३ भाग खर्डील इडेट्ड इलिल. डाका ख्याम नियारमा ( लि डिस्मिडिक अमाहेलाम) নেটিৰ ডাজ্ফৰ বাৰ বামপ্ৰসাদ সেন মহাশয় কথা পরিভাগে করিয়াছেন। অনেকে বলেন, ভিনি এ কাজ পরিভাগের কবিয়া বড় লাভবান ২ইডে পারেন নাই এবং অন্পক ভিনি উহা ভাগ ক্ষিয়াছেন। আম্রা যাত দূব জানি, ভাষাডে ৰলিতে পারি, যাঁচার: ওরপ বলেন, ভাঁচাদের নিভাস্ত জ্ব । তিনি উন্নতুদিশের ধরোটিত हिकिएमा मण्यापन कतिहा वाणित्वत तानीनि গেরও আবশাকমত চিকিৎসা করিতেন। এই ক্রপে এত দিন চলিয়া আগিতেছিল। সম্প্রতি বা ইবের চিকিৎসা কৰা নিষিদ্ধ হয়। কিন্ত রাম প্রবাদ বাবু এরাগ আংলেশে পরিভুষ্ট চইবার লোক নন। ভিনি বন্ধু বাদ্যবদিগের চিকিৎপার क्यमा चीम्र श्रेम श्रीविकताचा कहित्सम । इंशास्त्र ছাছার পূর্ব্যাপেক। লাভও তল্প হয় না, অপচ পরাধীনভারপ শৃথালোগ্রক হইলেন। পদ खान तामधानाम व'दुव भटक क्ममनकत स क्रिजनक रहे नाहे।

৩। **আমরা অভিশয় সং**স্তোষসহকারে প্রকাশ করিভেছি, বিক্রমপুরের ছুতপুর্স্ন ডেপ্টী ইনস্পে ষ্টা, বাবু বৈকুঠনাথ সেন মহাশয় ফার্দপুরুর এসেমর ভেপুটি কালেইরী পদে স্থায়িরপে नियुक्त बहेया उथाव शंमन कविद्यारकन। शक वर्ष कर्खवा कर्म्य व्यवस्था शांतप्रनिष्ठ। अपर्यन कतिया क्रिन विश्वाह देवकुर्ध वावू आमाति शाम खाशी হইলেন। বিক্রমপুরের ডেপুটা ভব্বাবধায়কের भए छुएगाना बाबू अमुख्यान कथ माहामग्रहे नियुक्त बहिर्शन। प्रमुख वावू अक सन कर्डवः পরায়ণ লোক ভাছার সন্দেহ মাই। ইনি পরি वर्षन कार्या विकासन निभून । अहे विकारत हेर्गत श्वाद्वित्व व्यानत्क श्रीष्ठ रहेशार्ह्म । व्यामहो ভরসা করি, অমৃত বাবুর বারা বিক্রমপুরস্থ विम्हालयुक्त व्यक्तकालमर्थाई नमधिक छैत्रछ हरेंद्र ।

-202-

### আমাদিবোর মঞ্জরপুরের সংবাদ-দাতা লিখিয়াছেন।

मझः कत्रपूरत जनरात किছूमाज वृक्ति हर নাই • উত্তরোত্তর এন্থান অভিশয় ভয়ানক হইয়া देवि एउए । **का के कानि स्वत्र**भ की**य ও हो** स्तर প্রচণ্ড উত্তাপ, ভাষা বর্ণনা করা যায় না। अबल बीवा (कह कथन (मर्ट्श नाहे। श्राप्त ११ द्र সব গাড হট্ল, এক বার এই রূপ গ্রীম্ম ও অনা-वसि इत्रेषां इतः जाशाय जरकारन सवामि ঘাছার পর নাই, মহাব্যু হওয়াতে প্রায় ছড়িক উপস্থিত হয়। এবাবেরও ঠিক সেই রূপ অবস্থ एसिया अन्तरीय एकिएकत जामका स्टे**.**किए। बाखाम खाल काराणि कि इमाज वायल पृष्टे रह না; ক্লভৱাং দীন্ত যে বারিবর্গণ ইইবে, ভাছার आभा नाहे। रमुखकारत (स्त्रूभ भाष्ठीका सामू हर् এकर् कविकंत (प्रदेशन वाह वहिरक्र ভলাউঠা ও ভাহার সঙ্গে সঙ্গে বসস্ত রোগেরও অভান্ত প্রায়র্ভাব হইয়াছে।

প্রবারে এখানকার সেলিয়নে ১০ টি মকদ্না উপস্থিত হইয়াছে। জাল কান্ডের মকদ্না নিষ্পত্তি হইয়া গিয়াছে। উজ্ঞ দিগয়র সাহার ফার্টিন পরিপ্রধেষ সহিত্ত ৫ পাঁচ বংসর। মেয়াদ ও ৫০০ টাকা অথদও ফইয়াছে। ভায়িদেরও ৩ ডিন বংসর মেয়াদ হইয়াছে। অপর বংক্তি অব্যাহতি পাইয়াছে। আবও ছইটা সেলিয়নের মকদ্মা নিস্পত্তি হইয়া গিয়াছে। কিন্তু একটাতে বিচারপতির কিছু অন্যার লক্ষ্তি হইল। এথানকার সূতন সব রেজিষ্টার সৈয়দ আলি কুলি খাঁ কার্য্যভার গ্রহণ করিয়াছেন।

প্রেরিত

## মান্যবর ঐীযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক মহাশয় সমীপের।

महानय ! गवर्गसम्हे भन्नी ब्रास्य की की मादि টারের নিয়ম প্রচলিত করাতে প্রথমে অনেকেই আশা করিয়াছিলেন ভদ্ধারা দেশের অনেক मक्रम माधिक इडेरव : किन्दु . क्रफर्टन हे दुर्गत क्रम দৃষ্টি করিয়া দে আলা দূরে থাকুক, প্রভ্রাত অনিষ্ঠ घांडेताहे (मथा घाहेटलड्डा (य त्य त्यारम हेक् ष्ट्रीक क्षेत्रनिष्ठ कारक, ताहै ताहे द्वारत कोर्यः। দির নিরুত্তি না হইয়া বর্থ প্রান্নর্ভাব দৃষ্ট হয়: हैशंत विरम्भ कांद्रन अहे, शुर्ख क्रीकीशाद्वता ভাষাদের সীমার মধ্যে প্রভিগৃহক্ষের নিকটে মাসিক কিছু কিছু ( পরিমাণে অধিক নয় ) ্বতন পাইত এবং গেই অমুরোদেই প্রতি বাত্রিতে ভ'হারা গৃহস্থের বাটীর তম্ব লইড ৷ কি দ্ वक्रान देखा होक्रमर गृही क हो का बादा भारत মেন্ট হুইন্ডে উত্থারা বেজন পাইয়া গাকে। সুভরাং ভাহারা আর গৃহত্তের অস্তুরোধ রাখে না, পুর্বের ন্যায় পাহারাও দেয় না ৷ এরূপ অবস্থায় ছক र्भकाती (लारकता विलक्षन श्रञ्जात्र भाहेरजरह ! व्यभत व्यामता स्थानियां जिलाम (य. कोकीनांति कर इटेट कोलीबारतत (१७८मत याश निर्माह इटेशा य ठाका छेष्छ इट्टा महे ठाका ७ भवर्गमा শাহায়বারা এামের রাস্তা ঘাটপ্রকৃতির উন্নতি শাগন করা হইবে : কিন্তু তাহার কিছই দেখা यात्र मा. (करन कत्रखात्रहम्हे (लाटकत्र जात ब्हेब्रोट्डं। महामत् ! पृष्टीखन्द्रत छश्नि । स्त्रभाद গুলিপাড়া একটা জনসমাকীৰ্ণ ও বিস্তীৰ্ণ গ্ৰাম 🖟 ध्ये बार्म मानिक ৮० ग्रेका होकिनादि कर সংগ্রহ হইয়া থাকে। তথ্যা ৪৯ টাকা উক্ত গ্রামের চৌকিদারের থেতনে আর উক্ত কর আদায়কারীর বেতনপ্রভৃতিতে ২৩ টাকা বয়ে हम् । উष्ट छ ৮ টाका গ্ৰণ্মেটের নিকট ম**ঞ্**ড थारक। व्याप्त वर्ष शक इहेन के खिलाका बाह्य চৌকিদারি কর স্থাপিত হইয়াছে; কিছু আকে পের বিষয় এই, এপর্যান্ত রাল্ডা ঘাটপ্রভূতির कान के प्रकार का कि का कार्य कार्य পথগুলি পূর্মমত জল ও কর্ছমে পরিপুরিত হয় কেবল একটা মাত্র পথেব কিয়দংশ সংস্কৃত रहेशारकः किन्न जाशास्त्र भवनीयान्तेत्र (व होना

সংস্ত হইতে পারে। আরও ছঃখের বিষয় এই, উক্ত টাক্ল আদায়কারীদিগের দৌরাত্মো · अन्तात्र वावशास्त्र आमस् नकत्वहै वितक्क श्रेष्ठा (EA 1

গুপ্তিপাড়ানিবাদী এক জন প্রজা

---:•:---

সম্পাদক মহাশ্র! আপনার সোৰপ্রকাশ পত্র भार्त अवशंख इकेलाम, आधारमद मग्रामील हेलिया पर्वामिक मा कि जीन जीवृक्त लालीम के शवर्वत्र मर्द्शमग्रतक वर्षमान वाकाल श्रीनच সংশোধন করিতে অনুমতি গুদান করিয়াছেন। এইটা আমাণের সম সাধারণের মঙ্গলজনক সংবাদ সন্দেহ নাই। কিন্তু অমবা ভীত হই-তেছি যে, কর্তৃপক্ষীয়েরা পাছে এই সংশোধন প্রণালীটা, কেবল যাহারা উচ্চ উচ্চ আসনে উপবিষ্ট १ইয়া ও লমা চৌড়া রিপোট লিখিয়াই मिन शालन कतिश। शांटकन. **कार्थार** मिटक हेति, विखाशीय कशियनव, रूप भूम भ'खिएछेहे উাহাদের নিকট হইতে মত লইমাই মীমাংসা করিয়া কেলেন। আমরা নিশ্চয় বলিতে পারি विटिमां बहेवात प्रशासना नाहे। कात्रन, अपूष्ठ ज्ञाम इहेट अधिक मिर्मुद काम कुल अमार्थित প্রতি দৃক্তিপাত করিলে তাহা কথনই সুস্পষ্ট দৃষ্ট ও পরিচিত হয় না। গ্রণ্মেন্টের যত প্রকার क्षा धाक चारहन, छत्रारधः श्रृतिरवत नात्र निम् পদ আর নাই। এইদকল কর্মচারীর ভারাই जाधात्रत्वत्र भाष्टित्रकः हहेश्रा थारकः हेशास्त्र क्रमकां अभिन्य तिका वास । अपन हेहारमत हेन त्माहेत (सदमत्रम अवधि) गक्तात कूना क्रमणा i हेशास्त्र कथा (कश्हे बाहा काउन ना। यनिह वाकाल भूनिम अधन । शत्कर एत (मायभून) হয় নাই, তথাপি মুক্ত কঠে দীচার করা ষাইতে পাবে, বে এক্ষণে এই গ্রেণীতে অনেক নিরপেক্ষ, উপন্তুক্ত, ভদ্র লোক প্রবেশক বিয়াছেন कर्जुशक हेहारमत कथा खिलिटन, वाध कृति, (कांन जानकांत्र इंग्र ना, वत्र जातकांश्राम उप कांत्र इहेवात मञ्जावन!! (कान फू. मत उर्लात्रजा ; लिक क्रामियाव श्रद्धात्रन १हेटल, के क्रूब्रिय । उँहिश्ता विलिट्सन, वाक्टेश्रद्धत यूट्सकी क्रामा কুষকের নিকট জিচ্চাসন করিলেই ভূমির যথাব লতে। সোমপ্রকাশের সংবাদটী যে অযথাব নহে, অবস্থা সংজ্ঞে ও উত্তমরূপে অধগত হওয়া ভাষার তংকণাৎ প্রমাণ পাইয়া আনি অতঃপর ষাইতে পাবে। এক জন ভূষিদ্যাবিশারদ পণ্ডিত | কোন্ আদেশাসুসারে উলিখিত ভখন্য বন্দো कांश कथनहे महेक्रिण महाल छ निःमरमञ्जूष ক্রপে অবগত চইবার সভাবনা নাই। ভক্ষপ লাস, কিন্ত অবশেৰে জনিতে পারিলায় এ याम এই वालाल श्रुलिय पश्रमाधनभरक, विका क्षियमा वस्त्राव कान क्ष्मारम्भ नाहे । श्रवर्

বায় ংইয়াছে, তাহার অত্তিক টাকাতে ঐ পথ সীয় ইনসক্টের গণ অবধি ক্রমণঃ উপরি পদস্ত भाष्टितंककपिरात निक्रे हहेर्ड अफश्रहण केत्र হয়, ভাছা হইলে যথার্থ দোষ গুণের মীমাংসা সহজেই সম্পাদিত হইবে। আমি বে কেবল ইংাদিগের মত লইয়াই গবর্ণমেন্টকে কর্ম করিতে অনুরোধ করিভেছি ভাষা নহে, বর্ত্তমান পুলিব শান্তিরক্ষা সংক্রান্ত কোনকোন বিষয়ে কাঠিন্য ও প্রতিবন্ধ অনুভব করিয়াছেন গ্লার জীসকল বাধা রহিত করিয়া ভাঁহাদিগকে স্বাধীনতা দিলেই বা কভদুর দোষ গুণ ঘটিবার সম্ভাবনা জাচে এই সমস্ত বিষয়ের অঞ্সদ্ধান করিয়া কর্মা করিলে আর কোন দোষ হইতে পারিবে না। যাহা হটক, আনদ্য এই শুর্যান্ত বলিয়াই নিরস্ত ছইলাম। অহাপনার ও আপনার পাঠকবর্গের মত জানিতে পারিলে, এ বিষয়ে লেখনী भावत् नाक्ती क्ट्रेव : जनम्जि विस्तरत् ।

> পিয়ের জপুর ১৮ ৬৮ ৯ জুলাই শুভাকাভিকণ:।

মহাশয়: গভংশ জৈতেইর সোমপ্রকাশের विविधमश्वाप्त्राधाः अक शास्त्र দেখিলাম. আপনি লিখিয়াছেন যে '' কলিকাভার উপন-গরের লোকদিগকে বারুইপুরের মুঙ্গেকের निकटे मकदमा कतिए जागिए इस, जायह আলীপুরে ছই জন মুকেফ আছেন । আনমি এই বিষয় পাঠ করিবামাত্র বিস্ময়াপর হইলাম এবং মনে মনে ভাবিলাম, গ্রথমেন্টের এ কি প্রকার বন্দোবস্ত ? কোথার বারুইপুর আর কোথায় উপন্গর? আলীপুরের মুলেফের সহিত উপনগরহাসিগণের কি কোন বিবাদ আছে যে ভক্তরত ভাহাদিগকে আলীপুর ডিলাইয়া वाक्रहेशुद्ध याहराज ज्यारम्य क्रेब्राएक ? शवर्गरम-ंहेत (य कर्षाहाती वाक्रहेश्रत्य मूर्णास्टर डिझि-খিতরূপ অধিকার স্থির করিয়া দিয়াছেন. ভাঁহার কি সামান্য বুদ্ধিও নাই ? এইরূপ নানা চিস্তা করিবার পর, এক দিবস কলিকাডার উপ-नगरतत श्रुक्तां एर भेद करहक वा किएक कि कि आ করিলাম, ভাঁছারা দেওয়ানি মকদ্দমা করিবার नमस् कान कानान एक शमन कतिशा थारकन ? ব্স রহিয়াছে, ভাছার অস্থ্যকানে প্রবৃত ইই

(भएक्टेन ' वं केटलिन किमिनबन " हेर ১৮७० সালের ২২ এ অক্টোবরের ' নোটফিকেশন \* ख दा ( ১৮ ७० मारम इ ४३ हे नरवहादत किन काडा (तरकरणेत ७०१० भूधी (मथ) ननीय। বিভাগের অস্তঃপাতী নদীয়া, যণোহর ও ২৪ পরগণা এই ভিন ঞেলার মুগোফ,দিগের অধিকারদীমা যেক্সপ নির্ণীত করিয়া দিয়া ছেন, ভদ্মারা কলিকাভার উপনগরকে বারুই পুরুত্ব মুক্তেরে অধীন করা হয় নাই। উক্ত मिक्तिकारक निविष्ठ आहि (व, '' कानीशुः রস্থ মুলেনের অধিকার আলীপুর উপবিভাগ ": আলীপুর ও অন্যান্য উপবিভাগের সীমাসকল ১৮৬১ সালের হ্রামের কলিকাতা গেড়েটে अकाशिक इ**हेग्राट** । जाहा भाग्ने कतिया विश्व প্রমাণ হইবে, কলিকাভার উপনগর আলীপুর ভিন্ন অন্য কোন উপবিভাগের অন্তর্গত নহে। এएमाता क्षकाम পाইডেছে, উক্ত উপনগর আলীপুরের মুক্ষেফের অধিকারের মধে আছে ৷ বিস্ত কি জন্য ৰাক্ষইপুরের মুগেন্ট ঐ উপনগরের मकलन। प्रकल बाह्न छ विष्ठात करत्रन, वृक्षि छ পারিনা। কি গোল্যোগ!!! এক প্রকার বিজ্ঞাপন (নোটিন্দিকেশন) অন্য প্রকার কার্যনা

সম্প্রতি অবগত ধইলাম, বারাসতের মুগেন মহাশয় দমদমার মকক্ষমাসকল গ্রহণ করিডে অসমত হইয়াছেন এবং ওণাকার লোকদি शटक वाझ्डेशुत्रच भूरमराजत निकरे राष्ट्रेरक वील য়াছেন। এডভিক্তে দমদমার অনেক ভদ্র লোক মহামতি লেপ্টনত প্রবর্ণর বাহাছ্ত্রের সমীপে এক দ<sup>ীৰ</sup> আবেদন করিয়াছেন। দূরস্থিত বারুই शुरुत अकल्या कतिएए याहरू इहर महस्मावानी দিগকে কি কি অসুবিধা ও ক্লেশ সহ্য করিতে इष्ट, छोड़ा दें। होता के कार्यमस्य प्रमासकार वर्गन कतिशार्ष्ट्रन । छेख्न ১१७७ मारमय २२ এ प्यस्टि। বরের ''নোটিফিকেশন" (বিজ্ঞাপন) ছারা प्रमाशास्क वाद्रामाण्डत मूर्कारकत अधिकारत वाश्विटक भवर्गप्रके कार्यक कविहार्यकः किन्न ভব্রত্য মুকোফ্ ভাছা ক্ষরণ না করিয়া কি জন্য नगम्मात लाकमिनरक वाङ्ग्रेश्वत्र विधातालस्य ঘাইতে বলিয়াছেন, ভাচা বুঝিতে পারা যায় मा। छत्रमा कब्रि भवर्गरमाठे आरवलनकः श्रीमिरभव विषर्य क्रुविहात कतिरवन ।

मल्लामक महाभन्न ! शवरमर छेत '' वाछर छति কমিসনর ৯ উক্ত ''নোটিফিকেশন ই ছারা নদীয়া বিভাগাত্তগত মুঙ্গেদদিগের অধিকার সীয়া যেরূপ নিরূপিত করিয়া দিয়াছেন, ভাঙা অতি উত্তম হইয়াছে ৷ কিন্তু কি আশ্চৰ্টা क्षानीय कर्माहा देशरणत अनवधानका श्रद्धक जान ी

প্রযায়ী কার্যানা হওয়াতে প্রজাগণ রূপ। কট বতঃ মনোমোহনকে অপ্যানও ক্রিয়াছিলেন। ভোগ করিভেচে ও ভ্রুলক গ্রণ্মেটের উপর नकृत्तव व्यनात्वाच व्यक्तित्वाहरू। छेननश्हाव কালে বক্তব্য যে, কোলা ২৪ পর্গণার জল বদেংট সাহেব যেন এক " সার্কিউগার » দ্বারা উলিখিত নোটিফিকেসনের মন্দ্রান্তু সারে উাহার व्यापीनक मूल्यकानित्व सीश्वित्वत्र य च कांत्रशीमा ভानक्राण वृकाहेश (पन अवर नत-বিয়'র জেনেবেল আফিসস্থিত " বাউণ্ডেরি কলিব্যুর "মুহোদ্যের নিকট হইতে প্রভোক মুদেকির নক্ষা আনাইয়া তাহা অধীনস্থ भूत्मती जानातः **म**भूत्र द्रावित्त जानन करत्व । ब कृषा, मकल्या कतिवात ममग्र भूटमकी अधिकात भीमात (भानरवाभनिवस्त मर्ऋगाधा রণে উাহার উপরেই সাতিশয় অসভোষপ্রকাশ कविरवन, मान्स् नाहे

কলিকাভার উপনগর ) बिह श्रा ऽ सा खा.रण ১२१¢

আমরা হিসুপেটি য়টে নদীয়ার মাজিকেট বেল সাহেত্বর ব্যবহারের বিষয় পাঠ করিয়া বিস্ময়াপর চইলাম। এক দিবদ কুক্ষনগর কালে জের কতগুলি ছাত্র ময়দানে ক্রীড়া করিভেছি लन। क्रीज़ा नम इंदेशारइ अमल नमरेस खंखेला **ইউরোপীয় জেলদারোগা তরণসফোডের স্ত্রী** ভাহাদিগকে পুনর্কার জীড়া করিতে বলেন। ছাত্রগং ডাইটেড অসম্মত হন এবং এক স্তান দশক ' আমরা ফিরিন্সিনিগের কথা শুনি ন। বলিয়াছিলেন। সাহেব এ কথা বিবির मृत्थ स्थिनिया कारनिष्ठिनामक स्थात এक सन्तर्य লইয়া ছাত্রদিগকে প্রহার করেন। বারিষ্টর মনো নোহন ঘোষের জাতা স্কাপেকা অধিক মার चाहेशाहितन। अ विषय मानीन इंटबार्ड মাজিক্টেট বেল সাহেব ডেপুটি মাজিক্টেটকে আবেদন লইতে নিষেধ করেন। ভর্ণস্ফোড निएक (वल मारहरवत निकरि शिव्रा वस्मोवश्व क्तिक्रा व्याहेरमन । वावू मरनारमाहन धाय ಅ ৰারিষ্টর গ্রিগরি অর্থীর পক্ষে উপস্থিত হওয়াতে **उत्पृति माक्टिके** विनासन, " व्यामि विशास পড়িল্লাছি ৷ যখন আমার প্রধান নালীশ লইতে निरंषध कतिवारहन, उथन आमि कि कति। b অনেক পীড়াণীড়ির পর বেল সাহেব নালীশ लग। প্রত্যর্থিগণ কতক অংশে আপনাদিগের ceta चौकात करत्रन । विघारतत नगरम मास्ति-ক্টেট অনেক কথা লিখিতে অসমত চইয়াছি-ल्म । जिनि नमरम् नमरम् वातिक्षेत्रिनरक विरन-

প্রত্যবির সাক্ষিণা বিধ্যা কথা কহিয়াছিল, লেরা করাতে সকলেই পুর্দ্ধাপর বিশরীক কথা वरमः उथानि मासिएको खारामिर्गत सर्वाक्र वसरी निविद्ध मध्य हम माहै। शहरभरव वादि-ষ্টর্দিগের পীড়াপীড়িতে স্বীকার করেন, এট माक्किशद्वित कथा विश्वामद्यागर महा अवश्वाधी দিগের দৌষ সপ্রমাণ ছওয়াতে ভরণসফোডের ১০০ টাকা ও কেনেডির ২০ টাকা জারিমানা হইয়াছে। এ মকলমায় আরু একটা চহংকার এই (य, क्रक्मनगरतः अक स्थन क्रिकील क्रबंदा (माकुन्द প্রভাষী দিনের পক্ষমর্থনে উৎপ্রক হন নাই। তরণস ফোড অতঃপর অধী ও বাব মনো মোহন ঘোষের নিকটে ক্ষমাপ্রার্থনা করিয়া-ছিলেন। মকলমায় যাহা হউক, বেল সাহেবের व्यवहात्रमर्भन कविद्या ज्यामानिरशत त्वाध इहे-एटए, जिनि यां जिल्हे होते भारत यां का लाक নহেন। ডেপুটি মাজিকেটের জানা উচিত ছিল, বিচারসম্বন্ধে ভিনি পৃথিবীর কাহারও আজ্ঞা-মুসারে কাজ করিতে বাধিত ছিলেন না ! এই ছই ব্যক্তির চরিত্রের অসুসন্ধান করিয়া উচিত দণ্ড দেওয়া কর্তব্য।

গ্রীবি:--

১। পূর্বের আপনাকে জানাইয়াছিলাম খে. हिन्द्रहार्ष्टरात रामा विकास कार्या कार्या নাথ ভট্টাকার্য্য এম এ, বি এল, ও প্রীযুক্ত রাস বিহারী ঘোষ এম এ, বি এল, প্রভৃতি করেক क्रम (बाफारिवर यरच विश्व वर्ष्ट्रेल '' वर्ष्ट्रेल जित्विधिक्षाव<sup>भ</sup> नात्म अक्षी हेरत्वी तक स्विति হুইয়াছে। অত্ততে ক্রুবিধ্যাত বক্তা জীবুক কেশবচন্ত্র দেন মহালয় সভাপতিপদে বৃত ইই রাচ্নে। প্রথম প্রথম সভার আড়ম্বর দেখিয়া छाविवाहिलाम (य, देश खान्नी श्रेमा रहिलक वञ्चलभित्रभारिक छेलकात्रमाधन ছাত্রগণের क्रित्र । क्रिन्न मञ्जात क्राप्तक व्यक्षिरवणन शर्त्रहे का भारति व जाना प्रतिस्ति मरनातरथत नाज मत्त डिमिड हरेशा महत्र विनीत हरेशा शिल। স্থপরিটেডেণ্ট ঘারকানাথ বাবুর অবস্থান कारलई श्राम्न এक गांग व्याःक्राम्य मध्य जे गर्का मित मुक् इम्र । हातकामाथ वायु तामविशती वायु প্রভৃতি একণে স্থানান্তরিত হুইয়াছেন। একণে আমরা বর্তমান সুপরিদেটপ্রেণ্ট জীয়ুক্ত গোপাল চন্দ্র মধ্যদার মহাশয় ও বোডারদিগকে অনু-রোধ করিভেছি যে, ভাঁহার সচেট হইয়া সূভা निरक शूनक्रक्की विष क्रमा। स्टिन यम् भाव

ভাষ্তে একটা সভাত্ব পন করিয়া রচনা ও বক্ত তাদি শক্তির উৎকর্ষস্থান করা ছাত্রগণের পক্ষে অভিশয় আৰ্শ্যক চিত্ত পূৰ্ণের ন্যায় 🗳 ইবন ক্ষরভেত্তিত প্রকাশ না পায়। আমরা এই পূর্বোর্ণে আর একটা প্রস্তাব করিভেছি। একস विरम्य गङा कतिया खाहारङ प्रमीय खायात आरमार्गा कता जावना क। विकारीय छात्रा ख পেকা দেশীয় ভাষায় রচনা ও বক্তৃভাদি সংজ্ঞ र्छाप मरश्यकातक इहेर्य । अवस्य व्यानातकहे हैश्टरकी क्षित्र हहेग्रा मिनीय जीवात क्ष्णि वीज এক ধ্রয়াছেন গ প্রভরাং জামাদের এই প্রস্তা-विश खारुक्तमानवाज्ञी इहेटव, अञ्चल (वाव रहेए उरह ना। याहा हर्केक जामना कुनितिन्हे-(थके महामाम्बत श्राष्ट निर्धत कतिया तहिलाम, ভরনা করি তিনি ইহা কার্য্যে পরিণত করিবেন।

२। प्रात्मक निम प्रविध श्विति छिहि एर এীযুক্ত বাবু পারীচরণ সরকার মহোদয়ের প্রস্তা বাস্থ্যারে হস্টেলে একটা গুস্তকালয় স্থাপিত **रहेरव। हाजगर**नत्र পाঠোপযে<sub>।</sub>भी विविध পুস্তক ও সাময়িক পত্রিকা ভাষাতে থাকিবে ৷ এই প্রস্তাবটী যে 'মহোপকারক ভাষা সক লেই একবাকে স্বীকার করিবেন ; কিন্তু ছঃখিত व्हेरी क्षकान कतिएकहि या, इश अकृत भर्गाक कार्या भतिषङ इत्र नाहै। উक्त लाहे বেরীর ব্যয় নির্দাহার্থ চাদ। করু। হইয়াছিল। अदनदक हो नाव वहिएक आकत कतियादहन बर्छे। किन्न कर्यक कानवाडी छ। नकत्व है स्त्र प्र मुखा श्रमान करवन नाहे। जामतः निर्वाकाणिनध महकारत डाँशिविगरक खञ्चरताथ कतिरुष्ठि (घ, ভাঁহারা শীন্ত শীন্ত অস্পীকৃত টাকাগুলি প্রদান कक्षन। भगती वातू छ लाभानवातुछ छेमानीन না হইয়া সমীহিত কার্যাধনে তৎপর হউন › अक्रभ विषयः काम विनय करा विषय नय। मना বাল বাবণ দথিত বাজনীতিটা ভাঁচাদি গর স্মারণ করা কর্ত্বরে।

৩। পুর্মাপেক। হটেলে থাকিবার ব্যায়র্ছি হট্য়াছে ৷ ছগ্দ জ্ঞাল থাওয়া ধোপাপ্রভৃতির ব্যয় বড়ীত প্রথম খ্রেণীতে ১২ টাকা ঘিডীয় জোণীতে ১১ টাকা ও তৃতীয় মোণীর ১০ টাকা क्टेब्राट्ड। श्रुट्स श्राट्यानिक की मिट्ड ब्हेंड मा किन्न अकरन ১० होका करिया शास्त्र मिर्ड হটবে। ছাত্রবৃত্তিবিহীন মধ্যবিধ ছাত্রগণের পক্ষে ইন অভ্যন্ত কষ্টকর বলিভে ন্ইবে। নৃষ্টে -লের বায়বারুলাই এরাপ ছইবার কারণ বলিয়া निर्द्धालिक हत्र। अव्यत्न वाष्ट्री काष्ट्राटकह ১৬০ টাকা ব্যক্তিত হইয়া থাকে। ইহার উভরে चात्रापिरगत वक्तवा बहे, भवर्यस्पित बक्नी বাড়িতে হছেল স্থাপন করা উচিত। ভাষা হইলে

একপ অধিক পরিমাণে বায়ু হইবে না। ফলে

মধ্যবিধ ছাত্রগণের হাইলে প্রাকৃষ্টি মুখ্য করিব। প্রাবেশিক কী একবারে উত্তিয়া

দেওয়া করিব। যদি বিশেষ কারণ বশতঃ

নাথিতে হয় অস্তভঃ ৫ টাকা করা উচিত।

शिष्द्रश्*हेन* } 🕮 द्र ः—

২৪ এ কৈয়ে প্ৰক্ৰাৰ অৰ্থি ও রা আৰাঢ় शर्याच्छ मिवावाज्य व्यविज्याच्य वृच्छि इस्त्रा मार्ट घाট ও পুষরিনীপ্রভৃতি সকলই প্লাবিত হই-য়াছিল; কিছু ৪ ঠা আৰাচ বজপাভন্মপ আমাদের আৰু স্বাচীয় ছই ক্লেশে উভাৰ কেলে ঘাইবা কালন্দী নদীর দুক্ষণ খাঁদের স্থানে श्वारन हाना পড়িয়া এরপ প্রবল অলরালি श्रदाहिक हरेबाट्ड (य, ज्यात्रा व्यवस्थी, त्यात-পুর, ভুঞামুঠা, अनामूठी, विः शाहीत्रभुद्ध, প্রভা পভান, পাটাসপুর, প্রভৃতি ১০।১৫ প্রগর্বা अभर्गाख काल ভृतिया तिहराए। अक्रेश श्रारम च्यामत् कथन (मधि माडे। अमन कि चर्मी जियर्थ वयुक्त क्षांत्रीतवां अक्रिएउएक्स एक, अन्नर्भ दृष्टि ও বন্যা আমরাও কখন দেখি নাই। কেবল যে কেলেঘাইর অভ্যাচার ভাষা নহে। এখানে ब्रिटवर्गी क्षेत्राहिक विनित्तित क्षेत्राक्ति स्म मा। ष्ट्रहे पिराज्य पुत्रक्तिरी प्रचर्नेट्यचा लिका पित्र बहेटफ अवर करमावकी छिखबामेश बहेटफ क्षरन বেগে আসিয়। সগর্বে সহোদরার সহিত মিলিত इहेब्राट्डन। व्यक्षिकारम ग्रह जनमार हहेब्राट्ड, व्यविष्ठे व्यवर्षना स्ट्रेग्नाइ व्यविक्ष এই कर्यक প্রগণার মধ্যে এমত কাছার বাসস্থান নাই যে ভাষার উঠানে কি ভিত্তিতে জল না লাগিয়াছে। গোছাগাদি যে কন্ত মরিয়াছে ভাষার ইয়ন্তা নাই। क्षक मञ्चाल नष्ठे रहेवा शिवाहर जनगरन व्याप्तरक कष्टे नाक्षिरकत्व । नाटकत्र (मोकाणित्र একপদও অঞ্চর হইবার বো নাই, ভাহাতে कुषीरतत अमन जिल्लाच स्टेब्राट्ड (व, न्याट्क ष्यात करन ना पिएक नारत मा। हा छैन क करम উক্ষুণা হইডেছে, ভাষাক ও তৈলের সের 🕪 ज्याना अवर तवर्वत (मत्। ज्यानाम विद्विष हरे (फर्ड, खाइाउ गरन कृति शाउरा यात्र मा। ভরি ভরকারি কিছুই নাইণ সকলই নষ্ট গিরাছে। क्याकता (य गाँमा वनन करिय़ा इन कारा छ अटकवारत विम्रष्टे स्थेयारह ! वर्डमान वरमस्त श्रूमा রায় বে আবাদ হয় তাহারও প্রযোগ দেখি-एक ना। रा एक के शनामकत उपवृ १७३

चार्छ। इञ्ज्ञितिप्रदेश योधियात काम छेशाज्ञ করিতেহেন না। এ প্রদেশ অভ্যন্ত নিমুও ক্ষর্মাড়িমি, ভক্ষন্য প্রায় প্রত্যেক পরগ্রার চতু क्रिंत तीशावकी बज्ज श्री वां व कार्य । वनः कृत्तव जन कात्रित वात्रव दावा समन উপকার ভাষার ভিতবের জল বহিস্ত হইতে না পারিলে তেমনই অনিষ্ঠ ঘটে। জলনির্গ मत्त्रत (यमकम छान आहि जाहारक, जाना खन देविएक ना भारत अधना भवर्गमके स्टेएक रेड क्रमार्ग वाम मिल्या इस , किंख वर्षाकारन ভাষা ওভরশীয়রেরা সহজে কাটাইয়া দেন.না, এল্লন প্রায় প্রতিবংশর শ্লের অনেক ক্ষতি इस् । इकि नियुद्धता यकि मर्सका भक्ष्यत्वत कार्यः দেখেন, ভাহা হষ্টুলে আর এরপ ছঘটনা ঘটে ना। এ प्रकारन 🖣 क्रीकारम क्रुप्त २ समीनात छ ভালুকদার স্থতরাং সমরে উচিত প্রতিবিধান इस् मा । महाभस । का (म्ट्रानत त्व, कि इत्रवन्द्रा चाँदेशाद्ध छ। इ। इतक न। मिथित वनिवाद या নাই। শুনিলাম কাঁথি ও তমোলুক বিভাগের **৬েপটী সাজিটেটটন্নর বন্যাপীভিত্তদিগের যথো**-টেও সাহায়। করিতেতেন কিন্তু এপর্য, ত আন। (मत अ मिर्ग का**हेरलन ना**। मशलग्र! सङ्, इर्डिक ও वन्।। এই प्रकल्यात्। (मृन ए अरक-वारत जीशीन रहेल । जयन श्रमागरगत मत्रपणित গতি নাই। এই ছঃসময়ে প্রকা বন্দা করা রাজার প্রধান ধর্ম।

মেদিনীপুরের অন্তঃপাতী বাল্যগোবিন্দপুর

**a**:--

### —:·:— মুল্যপ্রাপ্তি।

জীযুক্ত বাবু কুন্দাবনচন্দ্র মণ্ডল वाटनस्व ১৮১৮ ख्लाई इहेटि ७৯ ख्न (भिमिनी शुत » » नशैनहन्त्र नांश ১২৭৫ আষাত হইডে ৭৬ জৈটে 70 ৯ " কেশ্বচন্দ্র পালচৌধুরী বাণাঘাট ३२१६ व्यायाम इहेर क १७ टेब्रा छे 70 यह शक्ति हर है। भाषा व চকদীখী ১২৭৫ আবেৰ চ্ইতে ৭৬ আবাচ मरहस्य नाथ बाग्रही ध्वी রাজপুর @ | . यहलाल मिलक পাপুরেঘাটা ८०१ हे हे हे हे हे विश्व के प्रकाश 7. হরিশ্চপ্র কাশী ১२१৫ आवित इहेट्ड 15 ताळकुक मू बानाबाज वश्यामधी है ३२१६ पा वाज स्ट्रेट कार्यश्रम

" " নবীনচম্ম বন্দ্যোপাণ্ড হাবড়া ১২৭৫ জৈ, ছ ইডে কাৰ্ডিক ৫॥

শ গোপালচক্ত গলোপাধ্যার চাঁপাওলা ১২৭৫ জৈচি হইতে ৭৬ বৈশাধ ১০

### নোমপ্রকাশনংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

অবিষ মূল্য ও ডাকমাস্থল না পাইলে, মধবলে নোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যার না।

ইংার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং
বাণ্যাসিক ৫॥০ টাফা গ মফস্বলে ডাকরাস্থ্রল সমেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং ত্রৈমান সিক ৩৮০। ডিন মাসের স্থানে অগ্রিম মূল্য গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাভি চিঠি, মণিত্রত রে, নোট ও স্থান্দ টিকিট, ইহার জন্যভর বাহাতে বাঁহার স্থ্রিধা হয়, ডিনি সেই উপার ভারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

বাঁহার। ষ্টাম্পাটকিট পাঠাইবেন, গুঁহারা ধেন এক অথবা জাধ জানার অধিক মুল্যের ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

বখন বিনি মফখন হইতে সোমপ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা যেন রেজিষ্টরি করির। জীযুক্ত বারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-ইয়া দৈন।

যাঁহাদিগৈর মূল্য দিবার সমন্ন অভীত বইরা আসিবে, এক মাসপুর্দ্ধে হাহাদিগকে চিট্টি লিখিয়া জ্ঞানান বাইবে, কাল অভীত হইরা গেলেও এক বার চিট্টি লেখা হইবে, ভাহার পর এক্ষাসকাল প্রভীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা ঘাইবে। শেব বারের পত্র বেয়ারিং পাঠান হইবে।

্লি ৰাজনা রেলগুয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ভাক ঘরে চিঠি আইলে আমরা দীল্ল পাইব।

ৰাহারা মাস্কল না দিরা পত্রাদি প্রেরণ করি বেন, ভাহাদিগের সেই পত্রাদি অহণ করা ঘাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইছ।
করিলৈ তাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংক্তি ।
আনা তাহার পর /১০ আনা দিতে ইইবে।
বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা করিবেন, তাঁহার সহিত অতত্র বন্দোবল্ড ইইবে।

এই পত্র কলিকভার দক্ষিণ পূর্বা মাতলা রেলওয়ের নোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চালভিপোডার প্রীয়ক বারকানাথ বিদ্যা-ভূথলের বাসীতে প্রতি লোমবার প্রাভারতন প্রকাশিত হয়।

# मियशका

১ শ ভাগ।

८५ मण्या

### " प्रवस्तां प्रक्रितिश्वताय पार्थिवः सरस्ति श्रुतिमस्ती न श्रीयतां

মাসিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১ দশ । সন ১২৭৫ । ১৩ ই আবিণ । ১৮৬৮। ২৭ এ জুলাই { বাণ্যাসিক ৭, ও ত্রৈমাসিক ৩৮ টাকা

### বিজ্ঞাপন। যন্ত্রন্থিত। সম্বরে প্রচারিত হইবে।

বিধবাবিবাহ নাটক
রাজা হরিশ্চম চরিত।
গাহিতদেশন ৩ য় পরিচ্ছেদ পর্যায়েনী টীকা
সহিত

এক মাসের মধ্যে যাঁহারা আছক হইবেন ও অগ্রিম মূল্য দিবেন কেবল ভাঁহাদিগকেই সাহিত্য দর্পণ ও নৈষধ এই ছই এছের প্রকালিত খণ্ড নিয় মিচলপে দেওয়া ঘাইবে। 'এক মাসের পর আর খণ্ডর খণ্ড বিক্রন্ন করা বাইবে না। এক বারে সম্পূর্ণ গ্রন্থ বিক্রন্ন হইবে।

### বিক্রেয় পুস্তক।

হেমচন্দ্র কোষ ১৬
ভামর. মেদিনী, ত্রিকাণ্ড শেষ, হারাবলী
একত্র বাগান
১০
মূচ্ছকটিক নাটক
১০
মিভাক্ষরা
১০
কলিকাভা
১নঠনে ১৭৭ নং
পাধ্যায়।

### সহস্রয়া পারিতোধিক।

এত দ্বারা সর্বাগারণকে জ্ঞাত করা যাইতেচে, যে গত ২ রা চৈত্র নামার ভবনের সন্মু
ধান্ত গবর্গনেই সাহাগকুত বিদ্যালয়গুহের
বারাতার উপর বেলুড় এমেবাসী অন্তান ষ্টিব্ধীয়
নবকান্ত নরস্কুলরনামক জনৈক পথিকেব যে
ভয়ানক হত্যাকাণ্ড হইয়া গিয়াছে, আজি অব্ধি
হয় মাপের মগ্যে যে জিল তাহার হননকারীর
অন্তুসন্ধান করিয়া দিতে পারিবেন, তাহাকে
সহত্র মুদ্রা পারিভোষিক প্রদান করা যাইবে।
হয় মাপের পর এত বৎসরকালমধ্যে অন্তুসন্ধান
হইলে সংযাদদাতাকে ২০০ পাঁচ দত্ত মুদ্রা

প্রদান করা হইবে। অভিশয় আক্ষেপের বিষয় এই, উল্লিখিত দিবস অবধি গ্রবধ্যেণ্ট পক্ষ হইতে এবং অপক্ষ হইতে নানাবিধ অস্থ্যক্ষান করা হইভেছে; কিন্তু কোনক্রমে কৃতকার্য্য হইতে পারা যাইতেছে না।

পাক্যেড় রাজধানী । ১৮৬৮ সাল । ১২ ই জুন

वाहकतरनत श्राह्माञ्चनरहजू निम्ननिश्चिष्ठ नश्कुष्ठ शुक्तकद्वरात किम्नमश्म श्राक्षाच्छ इहेन। श्राह्मकत्रन शूर्व छदाखीक निम्ननिर्माष्ट्रे तम्भूनं मूना श्राह्मकत्रन किंदिन श्राह्मक हेरवन। विरम्पन श्राह्मका श्राह्मक छाक मान्द्रन माजिरक।

মলিনাথের চীকা দঙ্গিও।

শিশুপাল বধ (মাধকুড) মূল্য ৮ রঘুবংশ (কালিদাসকুড) " ৫॥ • কিরাতার্জুনীয় (ভারবিকুড) ৬॥ •

বিদ্যার্থিগণের ক্রয়্মুবিধার্থ নিম্নলিখিত কতকগুলিন সংস্কৃত পুস্তক দেবনাগরাক্ষরে সদীক মুদ্রণারত হইবেক। প্রকাশের পূর্ণে গ্রাহক ভুক্ত হইলে গীতা বার পূষ্ঠা অপর প্রতি আচি পূষ্ঠা তিন পদ্নসার হিসাবে খণ্ডে বা সম্পূর্ণ যেমত প্রকাশিত হইবেক উক্ত নিয়মে মূল্য প্রদান করিলে পুস্তক প্রাপ্ত হইবেন। বিদেশে প্রেরণের স্বতন্ত্র ডাক মাস্কুল লাগিবেক।

ঋতুসংহার। মেদদুত। শকুজনা। নলোদয়।
মালবিকামিমিত্র। বিক্রমোর্মনী। মুদাবাক্ষম।
রহাবনী। মালতীমাধব। সাংখ্যত্তবকোমুনী
বা সাংখ্যোরিকা। মহাবীরচরিত। উত্তর্গাদচরিত। মুক্ষবোদ। দশকুমারচরিতের উত্তরার্ম।
পানিম। বসস্ভতিলকভান। অমন্তকোব। শাক্ষর
ভাষ্য, আনুন্দ্গিরি, জ্রীধরস্বামী ও ঋ্যুস্থন
সরস্বতীর দীকাসহিত জ্রীমভাগ্রত। মহাভারত।

विक् भूतान । कामबरी । अधिकावः । मानामस काराधकान । इङ्क । मार्कटलम इसी ।

কলিকাড়া সংবাদ আন ব্যাকর যন্ত্র নিমডল। । ক্রীভূবনচন্দ্র ব্যাক শ্রীট ৩২ সংখ্যক ভখন।

-: - :--

### বিক্র রার্থ।

গারডেন রীচ ২৪ নং বাটা গুলামসহ ১৯ নং শোড়া বাগান।

বিক্রয়ের নিমিত।

गातराजन तीर २४ न १ वाली।

উপরি উজ্জাগান ও বাটা বাঁহারা ক্রয় করিতে অথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নিয় আক্ রিড হাজির নিকট জানাইবেন।

> গিলেগুরিস্ জারবো-'থনট এবং কোং

ঠনঠনিয়া সংক্ষাত পৃস্তকালয়ে ও পটোল ভালা বাড় যে আদার কোম্পানির দোকানে ৎম প্রনীত ও মংপ্রচারিত নিম্নলিখিত পুত্তকংলি বিক্লম্ব হইডেছে:—

প্রণীত	कृ <i>ल</i> इ
<u>বী</u> দইভিচাদ	১ টাকা
(রামইণ্ডিকাস	2 %
ভূষণসার ব্যাকরণ	1•
নীভিদার ( ) মভাগ )	J
নীতিদার (২্য ভাগ)	J
প্রচারিত।	
मुक्तरवाध बहुक्त्वव	ч
	শ্বীবারকানাথ শক্ষা।

### विविध खवारि विकासर्थ

প্রস্তুত।

ইংরাজী বাজনা পুস্তক বাগজ কলমাদি নানা

বিধ দ্রব্য পা ওয়। যায় সফললে যড়ী জলুরি ইডাট্রি পাটাইয়া থাকি এবং পুজকাদিতে এক আনার হিনাবে কমিসন দি। যদি কেই অধিক লাহার দ্রাদি লায়েন ভাহা হইলে /১০ জানার সাবে কমিসন পাইবেন।

সাবে কমিদন পাইবেন। होका গোলভ স্মিথ পৈটিকেল ওয়ার্ক ৩৸ ÷ 4 তঃবেবিয়ান নাইট (म्ल)करविवेशक & W Ne (नालशान (लक्ठांत कारमनम खयार्क SH ইং রাজী ভগবং গীতা ঠং কাদৰরী डे॰ हिष्टेदी अफ श्राटनबरेन (बारे बिरेन 3 हें? भरूखना ٤ इर विकाशासन ۵ পুর্ষ পরীকা लगुल भागुन প্রিয়দশন 5 **फु**बकीत देखिशम h . রী ভমূল ١ काभ्रञ्ज भी निका স্পাতানদ লহরী 711 বৈৰণ চরিত 10 বিদ্যা মুখমুগুল কলিকাভার মানচিত্র ( উন্তম বাধান ) जातकारकली (कोमनी 11 0 রাম উপাখ্যান ভাৰতবৰ্ষের পুৰাবৃত ( ছতীয় বার মুদ্রিত ) মান ডিব্ৰ সন্থিত মূল্য স্থ্কাপ্ত রামায়ণ পদ্য ١ অষ্ট্রাদশ পর্বি মহাভারত পদ্য <u> भिकासनानी</u> গোলকের উপযোগীত। 40 खानकी नाहेक बौद्यांका। रही 4 . विश्वा दल नना 11 . কীচক্ৰধ কাৰ্য 510 চরীত মঞ্জী h কবিকক্ষণ চণ্ডী W कानीशख 11 প্রাশ্বর 7 কলীকৌন্ডক নাটক ক্ৰিকলাপ ৱামাভিষেক নাটক ठ अन्विलाय नाउँक <u>জীপ্রভাপচন্দ্র</u> রায় কলিকাতা (জাড়া-

न भग भूरमा विद्वाहा

नीरका ७८ नर

বসকামিনী নাটক ( মূল্য এক টাকা ) সংস্কৃত বজের পুস্তকালয়ে, চীনেবাজারে জ্রীযুক্ত বারু ভোলানাথ মুখোপাধ্যায়ের ৬৮ নম্বর দোকানে এবং সংখৃত যজেব অধ্যক্ষ জ্রীযুক্ত যারু ক্ষেত্রমোহন মুখোপাধ্যায়ের নিকটে প্রাণ্ডা ক্রেড্রাল্য ক্ষিল্য দেওয়া যায়।

### গ্রীহারাণচক্র মুখোপাধ্যায়সা

----- : 0 : -----

স্কেলের ব্যবহার ও জরিপী নক্সা প্রস্তুত করিবার নিম্নসম্বলিত বস্তু পরিমাপক বিদ্যা ও জরিপ "কলিকাতা স্ক্রিয়া জীট মহেশদাসের নাগানে ১৮:১৮ নং বাটতে এবং সংস্কৃত পুস্তকালয়ে বিক্রয়াথ প্রস্তুত আছে। মূল্য ক্মি সন শুদ্ধ ১ এক টাকা।

ত্রীপ্রসরকুমার দানিয়াড়ী।

### বিক্ররার্থ।

শব্দকল্পক্রম অভিধান। সর রাজা রাধা-কাস্ত দেব বাহাতুরের কৃত। উত্তমকপে সোণা দিয়া সূতন বাঁধান মূল্য ২৫০ টাকা। শ্রী সানক্ষচন্দ্রবেদাস্ত বাগীশ।

### কার। প্রকাশিকা।

এই মাদ গ্রুতে এক শিত গুইল। ইহাতে
সমুদার কাব্য নাটকাদির দেবনাগর অক্ষরে মূল
ও টীকা এবং বাঙ্গলা অক্ষরে বাঙ্গলা অন্ধ্রাদ
থাকিবে। নিয়মিত এ'হকগণেরপ্রতি প্রতি পণ্ডে
। ১ ছয় জানা এবং প্রত্যেক থণ্ডের ॥ আট আনা মূল্য নির্দাণিত হইল। হারা এইণ
করিতে অভিলাষ করেন, ঝামাপুকুর লেন ১৫ নং
ল।ইত্রেহিতে আমার নিকট পত্র লিখিলে পাইতে
পারিবেন। বিদেশীয় গ্রাহকগণকে অভন্ত ডাক
মাপুল দিতে হইবে।

७ द्वा व्यावन | ज्यावन सम्बद्धानातः । ১२१६। ---३०१--

ইফীরণ বেঙ্গাল রেলওয়ে। রিভার টার্মিনস্, অর্থাৎ সিয়াল

দহ হইতে গঙ্গাতীর পর্যান্ত

রেলওয়ের চলাচল

### আরম্ভ ৷

হাটখোলার নিকটব র্ডী বাগবাজারে ইস্টা-রণ বেলাল রেল্ওয়ে কোম্পানির রিভার টার্মি

নস্নামক রেলগুরে, আগামী ৩ রা আগষ্ঠ সোম বার অবধি স্ব্যাদি দেওন ও লগুন জন্য, খোল। বাইবেক।

ইষ্টারণ বেজাল রেল ওয়ে । ফাক্ষালিন নিয়ালন্য টার্মিন্স । প্রেপ্তেজ, ৯ই জুলাই ১৮৬৮! এজেট।

-000

### श्वाममाना ।

বঙ্গদেশীয় বিবিধ জনপদ ব্ৰেছার মূলক। এই
পুস্তক যাছার প্রয়োজন হইবে, ডিনি কলিকাডা
ক্ষুলুক সোলাইটীর গ্রণ্মেন্ট পেলেলের্ট্ট নং
ভবনে পার্থনা করিলে পাইতে পারিবেন।
মূল্য / শানা মাত্র।

----; • <u>2</u> ----

### निष्यात नमी ।

সন ১৮৬৮ সালের জুলাই মাদের ৮ ই হইতে ১৪ ই পর্য্যন্ত জলের

সপ্তাহিক রিপোট। नमीत नाम ফুট £ 342 মাথা ভালা নদী মহানার উপর পল্লানদীতে 3 নিজ মহানায় তথা হইতে হাট বোগ্নালিয়া ৪৪ মাইল হাট বোয়ালিয়া হইতে আপুকলিয়া ৬ ৯ আলুকদিয়া হইছে কুঞাঞ ৩৮ মাইল কুঞ্চাঞ্চ হইতে ছুনলি নদীপ্র্যান্ত ৩৪ মাইল ভাগীরগী। মহানার উপর পদ্মানদীতে 53 ৯ মহানায় 73 তথা হইতে জিয়াগঞ্চ 22 জিয়াগঞ্হইতে কাটোয়া ७॰ ग हेल C' কাটোয়া হইতে নদীয়া ৪৬ মাইল 2 ( नभी खलकी মহানা তথা হইতে,করিমপুর ১৯ মাইল ক্রিমপুর হইতে টিয়াকাটা ৩৫ মাইল क्षियाकाचा इंडेटक नमीया ৬ - মাইল সিয়াল মারির মহান\ খুলিয়াভে। সম ১৮৬৮ জুলাই মাসের ১৮ তারিখে বংর্ম পুর গজ যাটের জলের মাপ।

১৬ ৫ বহরসপুর বিষয়েক টি. (হেন্স উইক্স সি, ই ১৮ জুলাই ১০ জিলিক উটিব ইঞ্জিনিয়র ১৮৬৮ বহরসপুর চিবিজন।

**ই** 🅸

जीक्र उद्मावशान नाई। शवर्गटमणे मधा-न जी नः इहेटल ভाরতবর্ষে শীঘ্র রেলওয়ে চইত না, অতএব লাড ডেলহাউদির প্রাতি ভারা আকেপের বিষয় হয় নাই; কিন্তু গ্রজঃপর কোন শাখা রেলওয়ে অথবা পালখননকারী কোম্পানির প্রতি এ ভারুগ্রান্ত প্রদর্শন কর। বিধেয় নচে; টেলি আফ, কেশ্সানির ভ কথাই নাই। মূল-ধনস্বামীরা আপন আপন ধন বিনিযো 🗫 कक्रम: शवर्गरमन्छे आकाराष्ट्रक यङ উरमार मिट्ड शादतन मिन, जार्शाट्ड আপত্তি নাই: কিন্তু ' তোমাদিলের ক্তি হইলে আমরা অংশীদিগকে অন্ততঃ শত করা ৫ টাকা দিব" এ প্রকার প্রতিক্ষা করা গ্রণ্মেটের আর আব-भाक इडेट उट्ट ना। वाँहाता (व कांक করিবেন, তাহার লাভালাভফলভোগী उँ। हामिट्राब हे इअबा छे कि छ। उँ। हामि ্গের লাভের নিমিত্ত অন্যকে বিবেত कता विरक्षय इत ना

> ভারতবধীয় গ্রেগ্রেন্ট বল্দেশ্বংসী বল্দেশীয় গ্রিবালস্থানগ্র।

यलि (कान कीन स्नोका कलमा हा, खाइ। इहेटल दगाएक विश्वनञ्जनाम क**र**तन. ন: কিন্তু নূতন ও দুড় নহিছে নৌকা सरीशर्डम्पा आदम कवित्त त्यादक ८ वन य विचाशांधा इन अतथ नह মাজিকে তিরক্ষার করিতে জাটি করেন a: ) यञ्च कः कर्न्धारततः एमावराजित्हरूक এ প্রকার তুর্ঘটনা প্রায় ঘটে না। यनि कान निर्देश था कि कोन के कात जरम প্রিত হইয়া কাহার অনিফীনাধন করে, ल्लारक ठाइगरक निर्देश विरयहना করিয়া ভাত্রে অপ্রাধ প্রাহ্য করেন না; किन्द्र व वान्तित विश्वभन वृद्धि व्याद्ध, ভাল মন্দ বুরিবার ক্ষমতা আছে, দে यान कानिया अनिया कान व्यनात काक करत, ममाज डाहात डेनरत यात यत नाहे

वितृक्त इन। ८४इन माट्डरवत स्थारवाङ वाक्तित प्रभा घिताए । जूनितम मत उदे वक्रकोनटक या कशा वनि-য়াছিলেন, মেইন मारक्रवत विषय मर्क्यभाषातर्ग मार्चे कथा विनाउटहर, এমন তীক্ষ বুদ্ধি এপ্রকার পছিতি কার্য্যে নিখোজিত করিবার দৃষ্টান্ত অপেই দৃষ্ট হইয়া থাকে। পরমেশ্বর মসুষ্যকে স্বাধীন ইচ্ছা দিয়াছেন সতা; কিন্তু বুদ্ধিকে মন্দ প্রথামিনী করিবার কাহারও অধিকার नारे। प्रश्चित विश्व धरे, त्मरेन माट्र এই নিয়মে উপেক্ষা করেন। উাহার ष्पांत्रमनाविधि शवर्गरमन्द्रेरक माक्ता रमयुख्या চিন্তাশীল প্রজাগণের সহিত বিবাদ করিয়া অন্যায়পক্ষের সমর্থন করিতে इंटें उद्द। जना जना ममत्य शवर्रमणी কোন বিষয়ে ভ্ৰমে পতিত হইলে সরল হৃদতে তাহা স্বীকার করিতেন : কিন্তু মেইন मः ८६८वत्र व्यमः शदक्तत्र ममर्थनवटन गवर्ग মেণ্ট দেই সদ্ভেণে জলাঞ্লি দিয়াছেন। कान कारण गवर्गामर्लेड माइड श्रकामि ণের এর প বিচ্ছেদ হয় নাই। ভরতবর্ষীয় कर्मान्दिशन वतावद अहे विविधा शर्क কৰিয়াছেন যে ইংলডের ন্যায় এখানে তাঁহাদিগের দল বিশেষের মুখাপেকা करिया कार्या कतिबात आदशक्त स्याना। দলবিশেহের मुशारिकात यावणा-কতা না থাকাতেই বেণ্টিক্ক, মাল-কন, কেনরি লারেসাপ্রভৃতির সদৃশ মহানুভব ব্যক্তিরা আমাদিগের দৃষ্টিপথে व्यव छी व इन ; कि छ अक्तरव छे होत्र मुख्य व বৈপরীতা লক্ষিত হইতেছে : মেইন সাহেব উহাতে বাতাদ দিতেছেন। উহার কি कल कलिए उट्ट १ गवर्गरमण्डे वात्रमात अभन्य र्हेट उट्टन अहमाज। जिम्दतिन সাহেব ইংলতে আর ভারতব্যীয় প্রবর্ণ-মেন্ট ভারতবর্ষে দাধারণ মত পদছারা मधन कतिराउटहर, यह कातरन डेडरातहे উভয় স্থলে তুল্য সন্মানলাভ হইডেছে

वर्खमान भवर्गत (कनतल क्रिक्त धर्म्यत शतम भावक भूगलमानविद्यात नामत वक्रमण ७ वक्रमणीय निविधियानिकार क ঘুণা করেন। তিনি ক্রমশঃ এ প্রদেশের निविलियानिस्थित यावजीय व्यथान शह ছইতে বহিচ্চুত করিতেছেন। বঙ্গদেশের নামে তিনি জ্বলিয়া উঠেন। কাজের ভার ভাঁহার ক্ষয়ে; কিন্তু এই অসং প্রণালীর সমর্থনভার মেইন সাহেবের ক্ষপ্রে পতি ভ হইয়াছে। ভারতবর্ষের শাসনপ্রণালী लहेबा रवनकल उर्क इब, जाहाट मत বার্টল ফ্রিয়ার বঙ্গদেশের সুখ্যাতি করিয়া विविद्यारहर, ध स्टिमंत लाटकता वृद्धि বিষয়ে পৃথিবীর দক্ত প্রধান জাতির তুলা। তিনি মেকলের বর্ণিত বাঙ্গালী চরিত্রে অনাস্থা প্রদর্শন করিয়া এই অভিপ্রায় वाक करियाट्डन, वाजालीमिट्यात माहम कञ्क कम बटछे; किन्छ क्रे मार्यंत क्रान्ड मर्माधन इहेश जागिए छ। এ প্রকার भका श्रीपन भागन अक कन मामाना मिवि লিয়ানের দারা আর সম্পন্ন হওয়া সম্ভাবিত নহে। অতএব তিনি বলিয়াছেন, " আমি অকপটভাবে কহিতেছি ইউরোপের क्ति इह कां जित्क भामन कतिए ड যে বুদ্ধি ও পরিশ্রম আবিশ্যক হয়, বঙ্গ-मिनामान्य महिद्यकात वृद्धि, अधाव-সায় ও পরিভাষের এয়োজন, হইতেছে। माधातरगरे अहे मछ। मत क्रन लट्ड क्र ও উচ্চার দলের লোকেরা এ প্রশংসা-वाम अवटन मञ्जूष नरहन। उँगहाता क्वतन व्यमस्य रहेशार भोगावलकी इहेबा व्याद्यन, शार्श्वनान अक्रश विद्वहन। क्रि (यन मा। उँशिता वाकाली उ वक्रामणीत मिविनियानिएशत छेन्नजिविरात श्रीक-বস্থাকভাচরণে বিলক্ষণ তৎপরতা थामर्भन कतिएकत्हन। त्राहेन गारहत এ অংশে সকলকৈ অভিক্রম করিয়াছেন। किन भत्र वार्षेत्र क्रियादतत खेळ वादकात थगरम बरनमः-

" वंक्रांमभा धनी । मछा होन। এ স্থানের নিমিত্ত ব্যবস্থাপ্রণয়ন করিতে হইলে ধ্যবহ্রাপক সভার সভ্যের পদ क्रु जिवस वाञ्राली ও वञ्चरमभीश मिनिल हामिनिशतक मिटल इहेरव । किछ अहे इहे জ্রেণির এ রূপ ইউরোপীয় ভাব ও সং कात हरेश के जिलाह त्य, की हाता द्यान काटकत इरेटवन ना । त्नाटकत व्यवेष्टी अ মনোগত ভাব বুৰিয়া কাল করাই ভারত वर्ष भागतनत श्रामा मूल निहम । बीजाली ও বলদেশীয় দিবিলিয়ানের। ভারতবর্বের चना चना छात्नत श्रिकिश नरहन धरः ভত্ততা লোকদিগের অভিপ্রায়ক্তান ও ত १ श्रकाटम अपूरे न दहन । डी हा निरंगत পকে যেটি ভাল, দেটি সমুদার ভারত বর্ষের পক্ষে কোন তামেই শ্রেয়কর হইবে না। আমি ভূয়োদর্শনবলে বলি তেছি, ব্যবস্থাপক সভায় অধিকসংখ্যা ক্লত বিদ্য বাঙ্গালী গ্রহণের অপেক্ষা বিপদের কাজ আর নাই। তাঁহারা সর্বাদাই মৃত্ন নূতন পরিবর্ত ও উৎ**র্মের এতাব** করি. বেন। যদি ঐ প্রস্তাবগুলি অকপট হয়, উহার মধ্যে এরূপ অনেক প্রস্তাব थाक्टिव, य दवलेशम अप्रः मण्डलिक व्याकालिक विविद्या निर्द्धिम कितिएकन।" এই कर्यक शशक्तिएक स्मारेन नारहरवन्न মনের ভাব সুস্পষ্টরূপে প্রকাশিত হই য়াছে। বাঙ্গালীদিগের প্রতি তাঁহার যে দ্বের ও ঈর্ষা। আছে, তাহা অব্যক্ত রহি ट्टाइ ना । वक्रामण धनी ; वाक्राणी ख क्यांनकात निविनियादनता इछेदता भीव শংস্কার বিশিষ্ট, অতএব ইহাঁরা ভারত वर्षित जाना छान भागतनत श्वामर्भ निर्छ शादतन ना। इंशत अर्थ कि ? किटन नीक ও মহরাফীয়দিগের সুবিধা হয় ইহারা তাहा कारनन ना, এই कि इहात अर्थ नश् ? (महेन मारहर अ मत्रक्षन लारतका কি জাতিতে শীক? তাঁহাদিগের কি ইউ-

রোপীয় সভ্যতা ও সংকার নাই ? उँ। हात्रा ভात उरर्धत व्यवद्या त्यक्र भ दुवि त्वन, बाक्रालीता कि स्वतंत्र वृक्तिर्वन मा १ वाञ्चालीहा यनि शक्कारवत मीमात शाठीन **पिरात नाप्त** निकल्यन **अञ्** जिरु प्रत তার ন্যায় পূজা করিভেন, তাহা হইলে (वाध इस डाँहात। जात्रजवार्धत व्यवद्धा রু কতে পারিতেন। তাঁছারা ভারতব ৰ্যীয় , কিন্তু ভারতবর্ষীয় হইয়া সভা ও বিদ্বান হইলেই আর তাহাঁদিগের ভার তৰৰ্যের অৰস্থা বুঝিবার ক্ষমত। পাকে না ৷ বাঙ্গালীরা সর্বাপেকা অধিকতর विशासन कातन !! निशमन हिंकु क कर्य-ठांतिभटनत शटक मटक स नाहे; कातन **५ मरनरमारे उ**र्गशनिरगत जूत जात जानिता যায়। যাঁহারা পঞ্চাবে ও মধ্য ভারতবর্ষে ইন্দ্র করিয়াছেন, এখানে তাঁহারা সং मामाना ममानलाएउउ अधिकाती हह-তেছেন না; অতএব তাঁহারা যে বিদেশ প্রকাশ করিবেন, ভাষা আশ্চর্যোর বিষয় नरहा किन्छ भृथियी वंदनन, इंडिहान चीकात करतम धवर देश्ल श्रीय मर्कता थातर १त मा अबहे (य व त्नर मात्र त्नाक मान ও क्रजिया इंडेटनरे इंटन छ । जात्र जर्ब উভয়েরই মঙ্গল। নিয়মবহিত্তি প্রদে भात व्यवजातिमात अञ्चकात में अन्य नग्न, उँ। शामिरभन्न मर्ड अरमनीयमिरभन विमा भिका स्ट्रेल्ट् खिंगि मखाका स्ताहरू হইবে। এই নিমিত তাঁহার। অপেবুদ্ধি পঞ্জাবীদিগের দেশীয় ভাষায় বিশ্বিদ্যা লয় করিবার মৃত न अशा है शारहन। गेर्नरमत्तित मकल काक इंश्ताकीएड रुरेटव ; जाँशाहा (मणीश जाना व्यवसम कतिरदन ना ; किन्दु श्रका हिनीत जाया जिन्न भात किছू जानिदवन मा! अही শামান্য আশ্চর্যের বিষয় নতে? হস্ত भन व**ञ्चान क**तिशा तांथा इटेट उटह, आत বলা হইতেছে অগ্রসর হও; উপযুক্ত

হইলে ভোমাদিগকৈ সর্বপ্রধান পদ मकन प्रविशा हरेट्य। এ वर्फ क्लेजूकावह वाका। वाकालीता এ कथात्र जूटनन ना ; সুতরাং ভাঁধারা অভান্ত বিপদের কারণ मरमह कि १ रमहेन मारहर जिला उपनी সভাকেও আঘাত করিয়াছেন। সভা मकल विषया है इन्डरक्ष करतन अवन् चारनक ममरत अवर्गरमण्डेतक जाञ्चस শীকার করিতে বংগন, তাহা উক্ত মহা मिजिनिर्गत अकां छ कछकत इहेशारह। তांशांतिरशत मरनत जाव अहे, छाड़ाँदा शक्कार्य भागन कतिशाद्या ; दमान्ड महम्मन খাঁর সহিত সন্ধি করিয়াছেন ; ভারত সর্বাপেকা ভাধিক বর্ষের মধ্যে मध्याक इंडेटताशीय रेमत्नात अधिकाती इहेगा मिली आक्रमन कतिशास्त्र। उँशिक्तित्रत्र आवात्र जम स्ट्रेटि शादि !! यपि अ इत जार (म खम धतिवात लाक कि वाकाली ७ वक्ररमणीय मिविल য়া্নগণ গ

বিশ্বা পুত্ৰব গ্ৰেক প্ৰতিপালন করা ৰাখ্য বের অবশাকৰ্ষৰাকি না ?

অধিক দিন অ গ্রীত হয় নাই, এ ধান उम विठातानास वह वक्षी मकनमा इह য়াছিল, খণ্ডরকে পুত্রবপূর প্রতিপালন করিতে হইবে কিনা ? বিচারপতি (कम्भ ७ तक विविधिहितन, आहेन অনুসারে ভাঁহার এটি করা কর্ত্তব্য ; কিন্তু প্রধান বিচারপতি ও বিচারপতি মাক कार्मन निष्कांच करतन, धर्मनीजिमस्टक्ष এই কর্ত্তব্যত। যতই বলবতী হউক, রাজা এতৎকার্যো শ্বশুরকে বাধিত করিতে शारतम ना। अअनिरातं जुनार्म में ভেদ হয়; কিন্তু প্রধান বিচারপতি যে **फिर्टिंग में फिर्टिंग, जो हो है औहा, जे है** নিয়ম থাকাতে প্রত্যথী শ্বস্তর বিধবা পুরেবধূর প্রতিপালনের ভার হইতে भूक रन। किन्दु अस्मिनिताः व निम्हारम् महुष्ठे इन नाई। डाँकानिरगत क अनस्डाः सन्त विलक्षा कार्य बार्छ।

সর বাবেদ পিকক এক জন প্রাথান লোলির ব্যবহারাজীব সভা ; কিন্তু জামরা মধ্যে মধ্যে দেখিতে পাই, ডিনি हिन्छ आहेन ७ हिन्छू बावहादतत वियदा প্রায় নিরপেক হইয়া দিছাম্ব করিতে कारतन मा। जिनि मकल विश्वत है : हाकी ग्रिक मर्मन कर्तन। देश्ला छत आहेन उँ। हात मण्ड शृथियीत जामर्भश्वमा कृत्याश भारत जिनि क्यांग्र के चारेन এ দেশে প্রচলিত করিবার চেন্টার জেটি कटतन ना । जेथत्र एक स्थादित प्रकक्त्रभा উহার একটি প্রধান দুর্ভান্ত স্থল। এখান বিচারপতি <mark>মাল খ</mark>দের এক যুক্তিবিরুদ্ধ व्याच्या व्यवसञ्चन कतिया अटनटम्ब क्रुवक দিগকে দামান্য মজুর শ্রেণিতে পরিণত করিবার চেন্টা পাইরাছিলেন। কিছু দিন **इन्डेल, डिनि मिद्धांय क्**रिसाधित्समें, युनि ्रमान क्रुगाम स्वागीतीत्रदक स्रद्धाः, क्रु व्यक्त भी हो को निर्देश भी मात्र अक अध्य धकान करत, रम रकान करम ३৮৫৯ অন্দের ১০ আইনের ৩ ও ৪ ধারার অভি ८ छ क मा का की का किए का किए की एक का । नंकिन बालन, नामात मुला मकल ममारा সমান পাকে না। ১২৫৬ সালে চারি भाष्ट्र अक्षीरण हुई है। कांग्र विक्री छ क्रे । (इ. , अभाग काहा र मूला हाति हो का । हेशाट धाराण क्ट्रेट्ड , बाद शहिबर्ड ভইয়াছে অভএব প্রজাকে পরগ্রার নিরিকে কর দিতে হইবে। প্রধান বিচা এপটি ভাই হালে বিষম ভ্ৰমে পতি হাহই বাত্রন। ভংকালে ভাঁচার এই বিবে-চন। কর। উচিত ছিল, জবোর মূল্য লারবল্ভর ভাসুদারে **हे** कि इं মূলা পরিবর্ত ইইয়া থাকে। ১২৫৬ 🖟 সংক্রে ছই টাকা ও ১২৭৫ অকের চারি हे कात भूना नमान। उथन इरे हे किश्र (य क्तिं। পाउँमा बाहेड, वधन त्महे ज्वता

क्तत कतिएक हाति होका नात्र। मूटनात অর্থ কি ? ভাষার কি অপরিবর্ডনীয় शहिमान निर्कातिक चाट्ट ? चारेत একমাত্র হারের কথা উলিখিত আছে। क्षे कात श्रामान कतिएक शांतिता क्र दृष्टि स्टेटर ना, यथन खट्यात मुनाामुनाटत টাকার মূল্য নিরূপিত হইতেছে, তথন টাকার অপেকা উৎপন্ন জবোর অংশ षांता हात चित्र कताहे (अंग्र:कण्ण हहे. তেছে। সর বার্ণের পিকক कतियाद्य क भीना विकादक হুরূপ করবৃদ্ধি করিতে না দিলে সম্পত্তির मुनाइकि एव मा। धविषदा देश्मारकत ख मीमांत्रमिट्रगत वावशात है जाशात जामर्भ, তিনি কমর্দ্ধির পথ পাইলেই প্রায় ভ: हा করিয়া খাকেন। ফলভঃ ভিনি च्यविश भाहेरल दिन्छू भाट्य ७ हिन्छू नि গের ব্যবহারে উপেক্ষা করিতে তাটি করেন ना। हें लट्छत छेखताधिकाव ७ मात्रजान তাঁহার মতে স্থাক্ত্দর। তব্যীয়দিগতে খেনে প্রকারে ভদধীনছ কর। তাঁহার অভিমত। মেইন সাহেৰ बारकाशक मजाय विभिन्न वारकातां की द्यात कांक कडिएक बात मत वार्तम निकक विष्ठांताम्यः बनिशा वायशाभारकतः काळ করিতে ৰজ্ভাল বাদেন। এই উভয় व। क्लित अक विषया विलक्षण (भीमामुन्धा আছে: উভয়েই আপনার নির্দারিত কর্ত্তর কর্মের দীমাভিক্রমে অভিগয় বজুবান্। এই কারণ মেইন দাছেবের সরল ভাব এবং প্রধান বিচারপতির অপক পাতিতার উপরে লোকের তাদৃশ ভক্তি নাই

শশুরকে বিধব। পুত্রবগুর ভরণ পোষণ করিতে হইবে কি না ? ইছা লইয়া পুনর্কার তর্ক আরম্ভ হইয়াছে। দর্কিসাধারণে প্রধান বিচারপতির বাকো উপেক্ষা করিতেছেন। নিয়তর বিচারপতিগণও এ সিদ্ধান্তকে অপ্নি

फांछ विनश निटर्मम कितशाहिन। आमता শ্রবণ করিলাম, সম্প্র ত ২৪ পরপ্রায় छेनयूक मनत आगीन बाबू माग्यसन मूर्याभाषात्र अहे शकात अक्री मक्कमात्र নিষ্পান্তি করিয়াছেন। তিনি প্রধান বিচা রপতির দিজাত্তের অনুদরণ না করিয়া হিন্দুবাহারামুদারে ছির করিয়াছেন, শশু রকে পুত্রবধুর প্রতিপালন করিতে হইবে। अहे बीमारमाहे य नर मीमारमा मिविश्रास चनुत्राज माम्बर नाहे। ष्याभाषित्वत्र (मर्भ यथकात्र विवादहत প্রধা আছে, ভাষাতে যুক্তিও পুতরবধুর भकाभाषिनी इंडेटक्ट । शूरखंत विवाह कारत शिखाई मण्णूर्ग श्रकूष करतन , পুরের অর্জনক্ষতা হউক, স্থার না **হ**উক, সন্ধতি থাকুক, না থাকুক ভাড়া তাড়ি বিবাহ দিয়া বদেন। তাহার পর দেই পুত্রের एত্যু হইলে পুত্রবধু নিতান্ত নিরাশ্রয় হইয়া পড়ে। তথন শশুর হদি দেই নিরাজায় পুত্রবধুকে এতিপালন ना करतन, तक कहिरब १

বাল্যবিবাহ এদেশের সমাজের অঙ্গরকপ হইয়াছে। এটাব্যনিষ্টকব তাহা আমরা অশ্বীকার করিতেছি না।

বিচারপ্তিগণ বাবস্থাপক নছেন,
যেপ্রথা প্রচলিত আছে, ভদনুসারেই
তাঁহাদিগকে ক'জ করিতে ইইবে। যথন
বিবাহ হয়, তথন জীপুরুষ উভয়েরই পূর্বা
পর বিবেচনা করিবার ক্ষমতা জ্বমে না।
নাতাপিতা সন্তানদিগের মঙ্গল অপেকা
অপেনাদিগের আমে দেরই অধিক অস্থে
বণ করিয়া থাকেন। বিবাহের সময়ে তাঁহা
রাই সর্বে পর্বা ইন। কন্যার পিতা জ্বান্
তার ক্ষমতার প্রতি দৃতিপাত না করিয়া
বৈবাহিকের সন্সভির বিষয় বিবেচনা
করিয়াই সম্প্র হির করেন। বরের পিতা
ভরণ পোষণ করিবেন, অলক্ষায়াদি দিবেন
ইচা ব্রির ইইলেই বিবাহ ইইয়া গেল।
তিনি খত লিখিয়া না দিন; কিন্তু পরস্পারা

সম্বন্ধে যে অসীকার করেন তাহা আইন সমত চুক্তিশ্বৰূপ হইতেছে ৷ এক বাজি चात्र अक कानत्क होका शात्र फिल्मन ; उंडोत वाक्ति यमि (महे थटा कामीन हन, विष्ठातालय छाँशांक माधी करत्रम कि मा ? विवाद्यत शूर्ख य लग्न शत इस, जोशंद কি লিখিত খাকে? কন্যাকৰ্ত্তা ও বর कर्जा এই नियम करतन, अमूक मिवटम चमूक नगरत चःमता পরস্পরের কন্যা পুত্রকে পরিণঃস্থতে বন্ধ করিব। এই নিয়ম ভদ কইলে মদি কাহার জাতি ও সভ্রমের হানি হয়, বর কন্যা অথবা তাঁহা দিগের পিভাকে আদ,লতে দায়ী হন ? এক প কলে কি স্পায়ী প্রতী:মান হইতেছে না যে, এক ব্যক্তির কন্যাকে আপনার পুত্রের সহিত বিবাহ দি া খণ্ডরকে এই निहास वक्त इंडेएड इस स्य यिन भूज বধূর ভরণ পোষণ আবেশাক হয়, ভাষা क ब्रिट इहेरव। यथारन विवारहत मगर বরকন্যা একটা বাকা বায় করিছেও সমর্থ নয়, পিতা যাহা করেন, তাহাই হয়, সেখানে পিতা কি জনা দায়ী না হইবেন? যেখানে স্বেচ্ছাধীন কাজ হইতেছে না, সেখানে যি,নি কাজ করাইবেন ভাঁছাকে माशी इटेट इटेट बीकि चाहेटनत मून নিয়ম নহে : এক ব্যক্তি বলপুর্ববিক কাহার निकटि थेड लहेंदन तम थेड कि धोहा হয়, না সে ব্যক্তি দায়ী হয়? যিনি लिथाहेश लन, डाँहाटक मौरी हरेटड इस। সর বার্ণেস পিকক যে ধর্মনীভিসংক্রান্ত कथा व्लिशाह्म, এइटल छ दिवटशत् छ विट्या करा अञ्चानिक इरेटिट ना আমাদিগের দামাজিক ব্যবহারকে ধর্ম শ্বন হইতে শ্বতন্ত্র করা অভিশন্ন কঠিন। কোন ব্যবহার।জীবের স্থাম তর্কে তাহা হয় না। যেসকল লোক স্বছাব্তঃ অক্স, সমাজ যাঁহাদিগকে আপন আপন ইচ্ছা मठ काक कतिएक एमन ना ; चाहरन घाँहा দিগের সম্পতিঘটিত স্থার

कित्रिया क्रियाट ; बाँ हाती भाज उ प्रभागितत मण्युर्ग भ्रतिभी कें. हाणि भ्रात क्ष्रिक योहा धर्मनें क्रियः क्रियं कर्षि, क्राहा बाहेन मण्ड व हहें एक हा। या कथा ना विनिद्दल व्याप्ति क्षान काम क्रिक्शिय ना भ्राप्ति विन्द्री ब्राप्ति येपि क्ष्रान व्यक्ति क्ष्रित काम क्रिया ब्राप्ति येपि क्ष्रान व्यक्ति क्ष्रित काम क्रिया ब्राप्ति प्राप्ति क्ष्रान व्यक्ति क्ष्रित क्ष्रित क्ष्रित क्ष्रित व्यक्ति क्ष्रित व्यक्ति हहेदन ।

মুন্তন পুলিব ও মুন্তন চোর।

পুর্বে " চোর ও সাধ্ " একপ প্রবাদ বাক্য ছিল। গৃহস্থ জাগরিত হইলে চোর প্লায়ন করিত। এখন আর সেকাল নাই। এখন মৃতম পুলিবের এভাবে " वाटच अ शक्र " এक चाट**े कल था**त्र। চোর ও গৃহস্থ ছুই সমকক্ষ হইয়া উঠি য়াছে। বরং গৃহ**ত্ত্র অপেক্ষা** চোরের व्यक्षिक मान्म प्राथी याहेरकट्य । श्रेष्ठ मणल বার আমাদিগের মুদ্রাযন্ত্রের অদূরবর্তী রাজপুরগ্রামে কালীচরণ বারিক নামে এক ব্যক্তির গৃহে কয়েক জন চোর প্রবিষ্ট হয়। চে:বেরা গৃহ হইতে সিপুক বাহির করিতেছে, এমন সমরে গৃহস্থ জানিতে পারিল ! চোরেরা তৎক্ষণাৎ छ। हात मन्त्र थीन इहेश कहिल, " यपि ভুমি গোল কর, ভোমাকে ম্মালয়ে প্রের করিব। " চৌরদিগের হ**ন্তে ভীক্ষ ছু**রিকা ছिल। गृहय थान छटत नीत्रव हहेगा রহিল ৷ চোরেরা স্বচ্ছন্দে অভীষ্টসিদ্ধি করিয়া প্রস্থান করিল। এখনকার চোরের কেবল সাহস নয়, আর একটা গুণ বাড়ি शाटक । भूटर्ज डिशाता शृक्ष्यटक " नि मिनि » ( निक्वांकनक ) ঔषध मिछ, এथेन উহারা পুলিষ প্রহরীকে ঐ ঔষধ দিতেছে। চোরেরা যখন চৌর্যা সম্পাদন করে, পুলিষ এইরীরা অচেতন হই। ঘোর নিজা যায়।

কলিকাতার পুলিষের ৪৮৬৭ অন্দের রিপোট।

के बार्ष कलिकाछा ও উপনগরে তিনটা হত্যা হয়। ইহার মধে। ইত্দিনী प्रभारत्वत्र रुखा मर्ख्यक्षान । किन्तु भूति বের অবোগভোনিবন্ধন একটার সামান্য দওভিন্ন আর কিছুই হয় নাই। হতার বিষয়ে কয়েক বৎদরাবধি কলিকাভার পুলিষ কছूरे कतिएउ পারিতেছেন না। এনিমিত লেপ্টনাণ্ট গৰণর আকেণ क्तियो विनियार्थन, अविषद्य क्षिमनर्द्रत गरनारवां भी इंडवा कर्डवा। [ध्या नारइव শ্বীকার করিয়াছেন, পর্যাপ্তসংখ্যক এতক্ষেশীয় সুশিক্ষিত পুলিষ কর্মচারীর व्यक्तां विकास कार्याः अकला ध्यक् রীকে কেবল অপরাধী অহেযণার্থ রাখা উচিত। এ সকল লোককে প্রায় ছত্ম বেশে ভ্রমণ করিতে হয়। ইউরোপীর हिम्कू छानी धारतीतां आदितन ना। डेक वर्ष भूक वरमन चारभका हृति । वनाविध হুঘটিনা অপে হইয়াছে। অপে লোকের সম্পত্তি অণহত হয়, ফিন্তু ইহার অধি কাংশ উদ্ধৃত হইয়াছে। সামান্য অপ রাধ ও দাকা প্রভৃতি বিষয়ে পুলিষ বিল ক্ষণ যোগ্যতা প্রদর্শন করিয়াছেম; কিন্ত হত্যা ও ঘেসকল পাপকর্ম অতিশয় গোপনে সম্পাদিত হয় এবং বাহার আবিদি য়ার নিমিত্ত অধ্যবসায়, চতুরতাও তী ৰুদ্ধিতা প্রদর্শনের প্রয়োজন হয়, পুলি তাহার কিছুই করিতে পারেন নাই इंशंत कात्रण कि ? इन माट्ड बिट श्रीकात कतिशाद्या, कदाक अने बादि **रत्रदक इंडेर्ड्डाभीत कनएछेर्डलता श्रा**युर्वे व्यक्त्रीना ७ इम्हितिख। लोकात मल हरेए ইহার। মনোনীত হয়। সুরাপান ইহাদিগে স্বভাবনিত্ব। হগ পাছেব তলিমিত ইহা গের সংখ্যা কমাইয়া বেতনর্দ্ধি করিবা প্রস্তাব করিয়াছেন। কিন্তু আমাদিগে

আশঙ্ক इहेए उछ, हेहा उछ कन इहेर व না। নিয় খেণের ইউরোপীয়েরা নিয় <u>ब्योगित जातजवर्शीत प्राप्तका (व प्राप्तक</u> নিকৃত অংশরা ভাষার প্রমাণ পাইভেছি। त्वशास कृति डेश्टकांठ मण्यकं, त्मश्रास এই লেণির ইউরোপীয়েরা লোভসম্বরণ ক্রিতে পারে না। অতএব ৪০ জন নিয় (स्वित इंडेरताशीय कमर**खेदल मा क**दिया কয়েক জন মধাম শ্রেণির ইউরোপীয় इन्ट्रम्मकेत द्राधित्व घटनक डेनकोड परि वात मर्जावना। इन मारहद श्रीलम अह त्रीमिर्शत वांमकारमत छेन्निकिभाधरमत যে প্রস্তাব করিয়াছেন, আমরা ভাছার मण्डान अञ्चलामन कतिएङ्छ। अभारत त्पमकल थाना चारह, छाहा विशेष কারাগার বলিলে হয়। প্রহরীশিগের तिकनइक्तित श्रष्ठाव अक्षेत्र अक्रूपा मनीय ।

क्तमारक्रवंत तिरुपार्छ ঞী ভকর নছে। তিনি নিজে সংখ্যে প্রকাশ করেন मारे, त्ल्रेमांके भवर्गत मुख्ये गहरूम, मर्क माधातर्गत ७ कथाई गाँह। : डॉहां त तिर्भार्टित कराः भ षांठ को चुकावः क्हशाहक । जिनि बहलन, होजिएड वक काटन युवाविक्य निवादन श्रुनिद्वतः माप्ताहरु नर्छ। लखर्न कई श्रदाह আছে: পারিদেও রাত্রিতে গোপনে भूदा विको असा। लखन अभाविद्र तांजि তে পুরা বিজ্ঞাহয় বধাপ; কিন্তু সেপান कांत जाडांथी क्षांत शृतिरात हो ड अङ्गिट भारत ना। किन्न क्लिका ठात ভাহার বিপরীত। তিনি এই বুলিয়া अनटक श्राटवांथ विशादकन, ताजिटक स्ट्रा विकार्यत निरम्द्रित कात्रण अहे त्य, इक रिव द्वारकता क्रिक हहेश की शुक्रा कतिएक मा পारत। कलिकाकात स्रांज़िह (माकाटन शांश (जानरंशांत इस मा। प्रता हैशा रहत नीउ इरेशा भी ह रह, जाहा ভৈনি ছানেন কি নাণু যে কাল শুঁড়িব

দোকানে হয় না, তাহা বেশ্যালয়ে ও
মাতালের আড্ডায় হইয়া থাকে। দোম
প্রকাশে স্কাত্রে এই অনিটের উদ্বেধ
করা হয়। হগ সাহেব তাহা স্বীকার
করিয়া বলেন, এই সংবাদপত্রে শুড়ির
দোকানের কোন গোলযোগের কথা
লিখিত হয় নাই। সত্য; রাত্রিতে সুরা
বিক্রয় হওয়াতে উহা হত্যার ও অন্যান্য
পাপকিয়ার নিদান হয়, এই কথা
বলাই আমাদিগের অভিপ্রেত ছিল,
শুড়ির দ্যেকানে গোলযোগ হয় একথা
বলা আমাদিগের অভিসত নহে।

### —ঃ০ঃ— মুডন পুস্তক।

১।লকণ্মালা। এথানি সংকৃত
অলক্ষার গ্রন্থ। শ্রীযুক্ত গোবিন্দদন্দ্র চক্র বত্তী কাব্যপ্রকাশ, কাব্যা দর্শ, সাহিত্য দর্পণপ্রভৃতি অলক্ষার গ্রন্থ অবলম্বন করিয়া ইহার সক্ষণন করিয়াছেন। আমরা এথানি পাঠ করিয়া সন্তুক্ত হইলাম। এথানি মূল গ্রন্থ নয়, সংগ্রহ গ্রন্থ যথার্থ বটে, কিন্তু সংগ্রহকার বুদ্ধিপুর্বক স্প্রধা লীতে ইহার সংগ্রহ করিয়া বিলক্ষণ সহস্পাতা প্রদর্শন করিয়াছেন। অলক্ষারের জ্ঞাতব্য বিষয়গুলি ইহাতে সন্নিবেশিত হইয়াছে। যাঁহোরা অপ্যাসময়ে অলক্ষার শাজ্ঞের ক্ষুল বিষয়গুলি জ্ঞানিবার অভিলাস করেন, ভাঁহাদিগের প্রক্ষ

২। হিড শিক্ষা ছই ভাগ। কলিকাতা নর্মালবিদ্যালয়ের শ্রীযুক্ত বারু
গোপালচন্দ্র বন্দ্যোপাধ্যায় ইহার প্রণয়ন
করিয়াছেন। বালক ও বালিকাদিগের
মনোরঞ্জন হইয়া বিবিধ বিষয়ের শিক্ষা
হয়, এই উদ্দেশে এখানি প্রণীত হইয়াছে। আয়য়া দেখিয়া সম্ভূট হইলাম,
সে উদ্দেশ্য সিদ্ধ হইয়াছে।

ত। বর্ণাশকা হই ভাগ। এ হই-থানিও উক্ত বাবু গোপালচক্র বন্দ্যোপা ধায়েপ্রণীত। বিদ্যাদাগরের বর্ণ পরিচয়

সত্ত্বে নৃতনবিধ বর্ণশিকার প্রস্থনর নের প্রয়োজন দেখা ঘাইতেছে না।

৪। বঙ্গংমিনী নাটক। এখানি
প্রিযুক্ত বাবু হারাণচন্দ্র মুখোপাধারে
প্রণীত। বাল্লাবিবাহের দোষ কীর্ত্তন
করাই গ্রন্থকারের উদ্দেশ্য । বালি
কাদিগের অমতে বিবাহ দিলে পরে বে
অনিই ঘটে, তাহা এই গ্রন্থে বিক্তারিত
রূপে বর্ণন করা হইয়াছে।

ে। সুশীলাননা। ইহাতে একটা গণ্প করা হইয়াছে। জীযুক্ত বাবু অতু লচন্দ্র রায় ইহার রচনা ক্রিয়াছেন।

७। वर्गदाधिनी। এथानिও वालि कानिरगत वर्गनिकार्थ वित्रिष्ठि इहेशारह।

--- 202---

### विविधमश्वाम।

৬ ই আবৰ সোমবার।

উত্তর পশ্চিমাঞ্চলে অনার্টি নবন্ধন দিন
দিন লোকের কষ্টর্ছি হই ত.ছ। পির্নিয়র
বলেন, যদি শীতা রুটি না হয়, ভাহা হইলে সাধা
রণের কষ্টনিবারণের উণায় অবলন্ধন করিবার
নামত সম উই লয়ম মিয়র মফবলে গামন কার
বেন। ইভিমধ্যে ভিনি প্রত্যেক জেলায় শুসের
অবস্থা জানিবার নিমিত্ত টেলিপ্রামে প্রভাই
সংবাদ লইতেছেন। পুনর্কার ছভিজের আশক্ষা
সন্ধত্ত হইয়াছে।

গত শুক্রবার আর্দ্ধানি ছাটের নিকটে এক খানি নৌকা জলমগ্র হয়। এক জন হডভাগা আরোহী নিকটে একখানি নৌকা দেখিয়া ভাহার মাজিকে ভাহাকে ভুলেয়া লইতে বলে , কিন্তু এ হাজি সাহায় লা করিয়া ঘাইতে লাগিল। জলমগ্র গ্রুক তথাপি নৌকার নিকটে গেল , কিন্তু এক জন দাছে ভাহাকে দাছ দিয়া ঠেলিয়া দিল। আবকারী বিভাগের রাই-লাগু নাহেব তখন গলা পার হইতেছিলেন , ভিনি এই নির্দুরভাদশন করেয়া উক্ত ব্যক্তিকে নিজের নৌকায় লইলেন। নির্দ্যে মাজি ও ভাহার দাঁড়িকে ফৌজনারিতে সমর্পণ করাছে ভাহাদিগের এক সপ্তাহ করিয়া মিয়াদ হই-ভাতে।

মধ্য ভারতবর্ধন অন্তর্গত সাগরে এক জন ইউরোপীয় দৈনিক ভোলানামক এক জন ভারতবর্ধীয়কে এক সন্দিন্ধারা গুরুত্ব আঘাত করাতে সাময়িক বিচারালয় ভালা যাবজ্ঞীবন কারাবাদেব আক্রা দিয়াছেন। মাপ্রা জের ইাফকোরের কার্থেন জোসেক কানেরণ পারেডের সময়ে স্ক্রাপানে উন্নত্ত কইবাছিলেন বলিয়া ভাঁছাকে সেনাদল হইতে বহিন্দৃত করা হইয়াছে। প্রধান সেনাপতি সামরিক বিচারা-লয়ের আজ্ঞা গ্রাহ্য করিবার সময়ে বলিয়াহেন, এপ্রকার লোবের ক্ষমা করিলে গৈনিক সুস্থ লার ব্যাঘাত জনিবে। আলগা দেওয়াতেই ড ক্রমে অনর্থ বাড়িতেছে।

লিবরপুল হইতে এবংসর বিশুর লবণ আসাতে অনেক মহাজন ক্তিগ্রন্ত হইয়াছেন। আনেকে ইংলগু হইতে আহাজ আসিবার পুর্নের ১১৪।১১৫ টাকা শত করা মূল ক্রমুক্তিরাছিলেন।কিন্তু এক্ষণে ৮২।৮৩ টাকা মূল্য দীড়া ইয়াছে।

কলিকাতার পুলিষ এত অকর্মণা কেম, সর্বাসাধারণ তাহার প্রকৃত কারণ বুরিতে পারিয়াছেন, আমরা আজাদিত হইলাম, ভেলি নিউন বলি রাছেন, 'ইউরোপীয় প্রহরীরা ক্রমাপায়ী নাবিক দিগের দালা নিবারণ করিতে পারে মটে, কিছ যেখানে গোপনে অনুসন্ধান করিয়া অপরাধী দিগকে ধৃত করিতে হয়, সেখানে ইনারা কিছুই করিতে পারে না। কোন পলীয়ামে গমন করিয়ার অপরাধীরা ইউরোপীয় প্রহরীর ছআবেশ বুরিয়া উঠা অভিশয় কঠিন। অভএব তি ন প্রভাব করিয়াছেন, অপরাধীদিশকে পৃত করিবর নিমিত এক দল পৃথক এতদেশীর প্রহরীর গাণা অভিশয় কঠবা হইতেছে। সকলেরই এই মত।

উক্ত পত্র বলেন, সিকিমের রাজ্য ভারত ব্যায় গ প্রেটের প্রতি বিশেষ অপুরাগ প্রদর্শন করাতে ভাঁহার কৃতি কৃত্রি করিবার স্পন্ধরোধ হয় : সই ভালুবোধান্দ্রপথে ষ্টেট সেক্ষেটারি বিশ্ব টাকা চইতে রাজার রুত্তি ৯০০০ টাকা ক্রিয়াছেন

জলাওটর নামক একখানি উর্দ্দংখাদপত্ত বলেন, মাড়োয়ার ও সুক্রনিতে অন্যাপিও এই রীতে আড়ে, যে গুলে পীড়াশান্তি হইবার সন্তাবনা নাই, তথার পাড়িত ব্যক্তিনিগকে জীবি-তাবস্থার সমাহিত করা হয়। কুঠ রোগাক্রান্ত ব্যক্তিনিগের ভাগে এ প্রকার মৃত্যু রাজপুত-নার অনেক স্থানে ঘটে।

রেল ওয়ের নিম শ্রেণির ইউরোপীয়ের।
ক মল: ভয়ানক রুইয়া উঠিতেছে: সে দিবল
আগরার প্রধানতম বিচারলেয়ে এক জব এই
দলের ছরাত্মা একটা শ্রিলোকের মৃত্যুরে কারণ
হওয়াতে দণ্ড পাইয়াছে। আম্যা বোলাই
গেলেট পাঠ করিয়া অবগত হইলাম, থল
ঘাটের নিকটে বোলাই রেলওগের এক জন ইউ
রোপীয় কর্মানারী একটা এতকেশীর খ্লীয়ান
ভালোককৈ বলাককার করিয়াছে। জালোকটা

हीश्कात कतियां छैठि। भार्य त अक मक्ट अक क्रम बाक्सन हिरमन । फिनि हीश्कात खावन करतमः किछ मक्ट ग्रन्छ यान्यार्ड जानमात मक्ट रहेर्ड ज्या मक्ट याहर भारतम माहे। छिन्दम जानियामां इवाचा भारत विख्य रहेन। इंडागानियक्सन बाक्सन ও क्री लोक्स छारोक हिनिएड भारतिक्सन मा। दिस्म दिस्म क्रम हाती किराइ निम्न भूषक मक्ट कतिरम कि जान रय ना?

### १ अविन मनगरात्।

গত শনিবার ট কেশালের ঘাটে বেরেনিকা প্রেলিয়া নামে একটা খৃটীয়ান যুবতীর মৃত দেহ দৃষ্ঠ হইয়াছে। এই জীলোকটা ভি, আজ্রনামক এক ব্যক্তির বাটার পরিচারিকা ছিল। সে এক জন পুরুষের সহিত পলায়ন করিয়া আসিয়াছিল। জালোকটা হল্ল হইয়াছে এবং পুলিব হত্যাকা-রীকে ধৃত করিবার চেষ্টার আছেন। চেষ্টার কম্পুর নাই।

ডেলিনিউস বলেন, কলিকাভান্থ কাৰুলীয় বনিকগণ ক্ষনত্ত্ব তুলিয়াছেন, মধ্য আসিয়ার বাবভীর মুসলমান কিছু দিনের নিমিন্ত পরস্পার্র সভিড বিবাদ বন্ধ রাখিয়া একবাক্য হইয়া রুশী যদিগকে সুমারশ্লম হইতে বহিচ্ছত করিবার চেষ্টা দেখিবে। কাজে যেরপে হউক, কথাটা আপাত্তঃ মুসলমানদিগের শুনিতে মিষ্ট লাগিবে।

উক্ত পত্ত অবগত ইইয়াছেন, এবংস্রের শেবে মাজ্রাজের জে, বি, নটন সাছেব মেইন সাংহবের পরিবর্জে গবর্ণর জেনরলের কোলি লের আইনসংক্রান্ত সভ্য ইইদেন।

উক্ত পরের এক জন পরপ্রেপ্রেরক বলেন, জফি
সিয়াল আসাইনির হল্তে জনেক দেউলিয়ার
সম্পত্তি জাছে। কোন মহাজন এই সম্পত্তি
লইতে জগ্রসর ইইতেছেন মা। জন্তগ্রব ডিনি
প্রস্থাব করিয়াছেন, এসকল সম্পত্তি দেউলিয়া
দিগের উত্তরাধিকারীদিগকে দেওয়া কর্ত্রব্য।
প্রস্থাবচী মৃক্তিসিদ্ধ।

ষ্টেটসেক্টোরি ভারতবর্ষের ধারতীয় সাহা-যাকুত বিদ্যালয় ও লিক্ষকের সংখ্যা চাহিয়া পাঠাইছেন। লিক্ষকের সংখ্যা কেন ? ইংটিদ গোর বেতন বৃদ্ধির ফুল কি ফুঠিয়াছে ?

লাহোর ক্রণিকেল প্রবণ করিয়াছেন, ৫ গণিত ফিউজিলিয়র দলের লেপ্টনন্ট নিকল ফিরোঞ পুরের সংকারী কমিসনর ওয়েকফিলড সাহেবের নানে লাইবেলের নালীশ করিয়াছেন। এক দিন ওয়েকফিলড সাহেব বলিয়াছিলেন, লেপ্টনান্ট किरताक्षभूदतत (कतिमातभादिक श्रहात किन्राहि-लिन। अद्मकिक्षण मारहर कमा श्रार्थनां करतन । किन्न लिनेक जाहा श्राहर करतन नाहे। मातभा लिकेनिक नाम श्रहादत नालीण किन्न ग्राह्न। यथादन इक्षतिज्ञ लाहकत मरथा। अधिक, महिथादनह श्राह्म लाहेर्दरमत नालीण हम्न यथार्थ (मायी अमन करनक लादक अहे जिनादम काम्राह्म (भागादन हिट्टी) करतन।

কাদাপা ও কামালপুরের মধ্যস্থিত মাক্রাঞ্চ রেলইওয়ের একটা বৃহৎ সেতু বৃক্তিনিবন্ধন ভগ্ন হইয়াছে।

कार्रगितिशत श्रंड भर्तीकाम हाति खन है जीने हरेमारहन। रेशेनिश्तित इरेक्सन रेडेरतांभीय, इरे खन अडरक्मीय। इस खन भरीका मिरंड यान। हरे खावन दुधवात।

महामनभरतत इन्हाकार अत असम्बानार्थ विकास नियुक्त इन, डांशाता आभागित महान विद्या कर्ना करिया का भागित मिश्रा तिर्भिष्ठ क्ष्मान करिया हा । अधानि माधात भागित शिष्ठ क्ष्मान कर्ना ना इस किन? हिन्छू भिष्ठि सिया विकास निया करिया करिया

क्षिम क्षान कृत्त क्षथान जनत जानी तिता भूत्वकी जाणीनी सकलमात श्रूनकिंচातत निमिष्ठ श्र्वत कित्रतात जनत्त भूत्वकरक जत्त क्षमितन सक्ष्मकान कित्रतात काळा निया थारकना श्रूथधा नजम विघातालय रिल्याहिन, अजी जाहेनित्रक अवश्भूत्वकरितत जल्दात श्रीनकत। क्षानीय सक्षमकान कित्रता श्रूपत श्रीनकत। क्षानीय सक्षमकान कित्रता श्रीकर्म जनता किर्यात क्षि श्री किर्याहिक अन्ना कित्रिक निर्यं कर्ता हहे याहि ।

এ বার বর্ধা অভিশয় প্রবল। এ বংসর ১৪ ই জুলাই পর্যন্তে কলিকাভায় ৪৪.১৯ ইঞ্চ রুক্তি হুইয়াছে। পূর্মি ১৪ বংসরে এ সময়ে গড়ে ২৮০ ৫১ ইঞ্চ ফল হয়।

সম্প্রতি সর স্থাফোড নর্গ কোট ভারতবর্ষীর
গবর্ণমেন্টকে মহীক্সরবংশীরদিগের পেলনের
নিয়মের পরিবর্ত করিবার অন্ধরোধ করিয়াছেন।
টিপু স্থালভানের যেসকল পৌত্র ও দৌহিত্র
এক্ষণে হৃত্তি পান, উংহারা ভাহাই পাইবেন;
কিন্তু ভাহাদিগের মৃত্যুরপর উত্তরাধিকারীদিগের
কৃত্তি ক্মাইয়া দেওরা হইবে। কেন্ট ১০০০
টাকার অধিক পাইবেন না। পৌত্রীদিগের
মৃত্যুর পর, ভাঁহাদিগের স্প্রানগণকে কৃত্তি
দেওরা হইবে না।

উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের স্থানে স্থানে রৃষ্টি হইডে प्याद्रच इहेब्राइह ।

লেপ্টনান্ট ওল্ড্ অনেক খেলা খেলি-लामा बाह्यत लाहक खाल विरलत है।काव ভাগালা করাতে ওল্ড নিজের নৌকা ভরিশ্বা প্রথমতঃ বালি পর্যন্তে গমন করেন > ভৎপবে ভারাকপুরের দিগে আসা হয়। পথে কিঞিৎ বায়ু হওয়াতে লেপ্টনাণ্ট মাজিকে কয়েকখানি लोइ थेख भनाम क्लान करिएड दानरान। তাহার হল্ডে ক্ষত থাকাতে সে তাহা পারিল ना। लिक्ट्रेनान्डे निर्देश प्रदेशांनि किलितन কিন্ত ভূডীয়খানি ''হঠাৎ" নৌকার ভলায় পভাতে ভাষা ভাষিয়া অন উঠিতে নাগিন। মাজি ভীরে ই ঠিবার কথা কহিল : কিন্তু ওলড जाकार**ज अन्य ७ इहे**टलम मा श्रीवत्र : व्यामात ख्राव इड्रेइएड्॰ बिल्या (नोका घट्या बहुन कहिटलय । 🌯 ক্রমশঃ জল উঠিয়া মৌকা ভ্বিয়া গেল। লেপ্ট ्वल हे नहेश डिल्म । উड्टा मखर्ग पिट्ड লাগিলেন । মাজি ভীরে উঠিয়া এক বাঁশ বাড়াইয়া দিয়া প্রভুকে তাহা ধরিয়া উঠিতে বলিল চিন্তু ডিনি অসমত চইয়া ভাহাকে ७९ मना कतिया अकशानि जिल्लिकानिएउ दलि লেন ৷ মাজি আসিয়া দেখে লেণ্টনাণ্ট অভ वि**ड**े ब्हेग्राट्डन। अलड (मृत्य कामाहादार्य দেখা দিয়া কলিকাভায় আনীত হন।

স্তুবিধা পাইলে কেহই ছাড়েন না। সুডন ফরলো নিয়ম হওয়াতে এক চিদ্লিত কমচার विनाय महिवारह्म । (स् , शवर्शस व प्यानकरक অভুত্রহলভা বিদায় দিতে অসমত হইরা-(FA )

### ৯ ই আবেণ রহম্প ভবার

গারো পর্যাত, জয়জিয়া ও ছোটনাগপুরের कदम मश्टल लाइटमभ ठोक्न श्रीफ श्रेटन ना

७॰ 🗷 💐 व পर्याच्छ ১०,००,७४१.०४० हे। कात्र নেট প্রচলিত থাকে। ইহার প্রতিভূপ্রপ ৫,৬৬,৯০,৮৮১ টাকার অমুদ্রিত রৌপান ১.১৯ ७১,१১৮ होकांत होकांत अमूजिए पर्न छ ७,२५, ৬৪,৯৫৬ টাকার গ্রথমেণ্টের কাগ**ল** ছিল।

ইংলিসমান অবগত হইয়াছেন, বেসকল विक्तारी जिलादन चाइक, छारामिरभत अनाष्ठिम ও জানা অনা বোগ ইওয়াতে বেগম চ্করত মংল নিজ খালে একটা বৃহৎ বাসস্থান করিয়া দিয়াভেন। বেগম ভারতবর্বে প্রতাসমনের জন্তু ! মতি চাহিলালে বাব হয়, গ্ৰহ্মেন্ট ইহাতে। গিয়াছে। ধ্ৰেওর অভিপ্রায় এই, মেজর সন্মত হইবেন :

নাগপুরের ভূতপুর্ব রাজার দত্তক পুত্র ১৮ ৫१ जन्म जनिय विश्वाहरम् स्टब्स हिन्स हिन्स बीर्ट ।বাস্ করিভেছেন। ডিনি কাশীতে বাস ক্রিবার অসুমতির প্রার্থনা করিয়াছেন। দত্তকল্প স্বীকার করিয়া তাঁহার বিলক্ষণ লাভ হুইয়াছে।

বিওডোরের ভিনখানি খর্ণের মুকুট ও খর্ণ र्थ हे छ अक शहिन्द्रम देश्नाए चत्री क छे शहिन कम বরূপ প্রদান করা হইয়াছে। ভাঁহার পুত্রটা ইহার মধ্যে পিভার খাতু প্রকাশ করিভেছেন। অগিক लारक शुख्लिकात महाम्र प्रचिट्ड ब्याइटन শিশুটী বিরক্তিপ্রকাশ করেন এবং রাজপুত্র বলিয়া একটু সর্বা প্রকাশ করিবার ক্রণ্টি করেন

রাজপুতমার দক্ষিণাংশস্থিত সিরাইতে বৈত নার ঠাবে জডিশর দৌরাত্ম্য জারম্ভ করাতে **डॉहोर्टर पृष्ठ क**.देवाद स्थार ६००० हे।का शूर হার হোধনা করা হইগাছে। আর কয়েকজন নাল্ট সম্ভরণ দিবার নিমিত্ত পুর্দের সুইমিত বিচারুবত বিজ্ঞোহী হইয়াছেন। রাজপুতনায় न तिमा এই श्रकातं (नाम त्यान स्ट्रेश चाटकः

### ३ - हे खारन खक्काता

পঞ্চাবের পরিভীয় প্রদেশের অস্তর্গত মণ্ডি বালক রাজা এক জম ইংরাজি শিক্ষকের নিকটে কুলিজিত হইয়া স্বৰ্ণর জেনেরলের নকটে প্ৰীক্ষা দিৰার প্রস্তাব করিয়াছেন।

নাগপুর ও ঝারলপুরের মধ্যস্থিত রাস্তাহ মবস্থা অভিশন্ন মন্দ হওয়াতে হাউয়ার্ড বাণাশ विकाशन निवार्षन, वर्षात भर्षा प्यात फारकर গাড়ী চালাইতে পারিবেন না। এই রাস্তার্ট না সর রিচাড টেম্পলের একটা কীর্ত্তিস্তম্বরণ .इंग १

টিক্ষেব নবাব আপনার এক জীবনবৃত্তাত্তের সহিত লাওয়ার ঠাকুরের মৃত্যুর বিষয় সংবাদ িছে প্রকাশ করিয়াছেন। নবাব ধার্টি বরু বার সিংহাসন পাওয়া ভার। তিনি কেবল करव्रक स्थम धृर्ख रेडिटा भीरम् ३ डेप्स थूर्न कतिया গাণগ্ৰহ্ম ইইডেছেন।

ভালবাট লাইফ ইন্ত্রান্স কোম্পানির নিকটে মৃত ঈশানচন্দ্র বস্থার পারবার রীভিমত চিৎকিং দক ও পুলিবের সাটি ফিকেট দিয়া ১ होका श्राल इहेब्राइन।

क्ष्युक्ष हे छिधा जास्नामनहकारत निरस्त म्हारकटन द्वारा धित्र वर्षात्र भित्र वर्षात्र मशैद्ध রের মৃত রাঞ্চার খাড়া অস্থ্যকান করাতে মেজর हेवाज (रात्व नार्म ४०,००० हाका चंत्र (मधा ইবাকা বেলপ্রভৃতি আর্থের নিমিত এতদেশীর

वामापिरमत ननक्षा केरतन। (कुछ तथा आक्रा করিয়াছেন। এড় বড় খরের মুন্ত্রীর। অনেক लाटकत नाटम चत्र निट्यन म्युनिकानाटकत नवारवत्र चांचाम् बन्द्रामीम् शवर्गरानेत (मटक টারির নামে এক বার ব্যন্ত দেখা বিল্লাছিল? ভतिমিত কিল সেকেটারী **साधी? প্রধান**ভম विচারালয়ের অনেক মে জারের খাতার প্রধান বিচারপতির সরকারের নামে ধরচ লেখা আছে। কেন বিবেচক ব্যক্তি এসকল ধুৰ্জতঃ বুক্তিতে না

ं ১३ वे आवन मनिवात । ডেমিনিউন বলেন, বলিকসমাজ কলি কাভার উত্তর বিস্তাপে ডেন্স করিবার প্রতিবাদ कतिन्न। (स. व्याटक्सन करत्रन, जारा (लश्हेनन्हे भवर्षेत्र रूप गार्ट्स्वत्र निकृष्टि श्रिर्भाटीते सन्। (क्षेत्र**म क्राइन क्षेत्र नाटक्क क्षेत्र**) क्रिया (इस निष्म सारे। ध्या नाट्य जनस्नादः बाद्यम्य व्यक्षां कतियार इत। कात्रक्ष्यवीय शव र्वायम्बेश स्व किङ्क कतिरवन, जाहा त्वाय हन्न ना। ডেলিনিউস বলিয়াছেল, ' আমরা যেসকল काख (मध्याजिहि, जाशांट विमाणन वाध इहे . उटह व्यामासिटशत भवर्गटमन्त्रम् एक्त श्राम कन्य हाक्षीमिटभत के रवांच माहे (य, कांचावा कटम्टम ইষ্টা নষ্টের দারী । ইংলগুর লোককে ভারত वर्षीय भवन्द्रमान्त्रेय विवय व्यवश्र करान कर्छरः कर्ष इंदेरज्दह।" (ध म ८०८वत (यक्क्स) धर्व দেখা ঘাইতেছে, ভাগতে ভিনি ইউবোপীয় ও এতদ্বেশীয় উভয় সম্প্রদায়েরই বিরাগভালন **११८वस विमामन (वाध ११८७८**छ।

উক্ত পত্র বলেন, হিন্দু রাজাদিনের জ্যেষ্ঠ পুত্র কেবল রাজা উপাধি পাইবেন, এ বিষয়ে भवर्षात्रके काशका निष्म कविशाहन । कवाल কর্ত্তব্য। এক্সেশে রাজ্য ও কুমারের ছড়াছড়ি १हेरफाइ।

(वृश्विहें (भरवार्षेत्र अक स्वत भावरश्वक ज्व চারলস জাকসনকে কয়েকটা বিষয়ের অপ্রসন্ধান করিতে বলিয়াছেন। তিনি যাবভীর দেউলি य्राटक व्याद्धान कतिया जाँशामित्रत व्यवानविक अर्ग करून र खार। स्ट्रेटन खानिट्ड পाविट्न. श्रात्क (मिष्ठे निष्ठा) इदेश ए 🤯 किन्न किन्न वाई एड থাছেন । গাড়ী ঘোড়া প্রভতিরও অভাব নাই। श्री सामा कथा । इंदिताशीय एएकिया क विषया थायाना श्रम्भन करत्न।

### ইউরোপীয় সমাচার।

२৫ এ জून। चल्रकात मनिष्ठित शक्र वर्णन, শান্তিভঙ্গের কোন সম্ভাবনা নাই। প্রিন্স নেপলি য়ন বুকারেষ্ট নগরে উপনীত হইয়াছেন > তিনি कन्छान्द्रेरनालरल साहेरछर्छन।

(काष्ट्रांनि हेंगेलीय भवर्ग्यान्डेव निक्रि क्रमांटकत्र हेकात्रा महेश्राट्यन । ১৮५৯ व्यटक

इ अरचत्र त्य बकुशान हरेर्दा. अहे करत्र 'डं.ही भविश्वर्ग इहेर्द ।

তু এত্যের খালখনকারী কোম্পানির ইংলগু-্যুত ডিরেটর লেও সাহেব টাইমসের এক প্রস্তা বের প্রভাৱের ক্রম এক পত্র লিখিয়া খালের कःशः । । । । । वी व्यवस्थात विषय वर्गन क तिया । - অদা কতকগুলি লোক লাভ স্থানলির সহিত भौका कतिया श्रार्थना कतियारहम, स्थारक्य शालनदरक कान उ हेरलरखत निक स्वता कईरा ।

বেলগ্রেড হইতে সংবাদ আদিয়াছে, নার বি-शाएक (यशकल अकिनिधि मानामीक इहेगाएकन. ষ্ট্রাহারা সকলেই হত রাজকুমার মাইকেলের

জাতুল্প ব্ৰ মিলানেব পক্ষ।

৯ ই জুলাই। গাভ কল্য ক্রিষ্টাল বাটীতে সব বৰাট নেপিয়বকৈ এক ভোজ দেওয়া হয়; তিনি আপনার আফিসর্দিগের সহিত তথায় গমন করিয়াছিলেন। ভারতব্যীয় গ্রথমেন্ট সংক্রাপ্ত বিলের ছিভীয় ধারাটী কমিটীতে বিবে চিত হতৈতে। লাভ উইলিয়ম হে প্রস্তাব করি য়াছিলেন, ষ্টেইদেকেটারির কৌলিলের পুর্বিভন মুত্তন সভ্যের কার্য(কাল একরূপ করা উচিত) কিশ্লস্ব স্থাকোড নর্পকোট আপত্তি করাতে তিনি প্রস্তাব পরিভাগে করিয়াছেন। পুর্বাতন সূ ক্লাগৰ অ'র পঁচে বং বর বার্ষি চ ১৫০০০ টাক ্বত্নে কর্ম্ম করিতে পান, এই প্রস্তাবের বিবেচ ্<sub>টনায় সল প্ত কে:ড নপ্তকাট স**ন্মত ভ্ইয়াছে**ন।</sub> অট্রুয়ে সাত্তব প্রস্তাব ক্বেন, ১৫০ ১০ টাকার পরিস্কে ১২০০০ বেতন করা উচ্চত। ৭৩ लातित माज ७ २७ जातित ज्यादिक अके महत्त्वाभन লভাব লাধ্ ইইয়াছে।

(ताव हे १५ हे जुलाहे। मा ५ डेहेनियम (क চাউদ অব কম্পে বলেলেন, বর্তমান টে'লগ্রাফ अकल ्यप्रकल (मण क्षेत्रा श्रम्म कर्त्वश्राद्यक्र, त्यके ্দেই দেশের সাহত রাজনীতিসংক্রাপ্ত কোন ंनरवात्र घाँठेल *जिलिकारक म*रवान भा**रे**वात ব্যাঘাত হইবে। অভএব লোহিত সমুদ্র হইয়া এক প্রেণি টেলিমাণ করা তাঁথার অভিমাত।

त्रव द्वारकाड नर्गरकाड श्रद्धां खर्च विनासन, ভুই প্রেণ টেলিনাফ ভারতবর্ষপর্যান্ত গিয়াছে। প্রথমটী তুরস্ক হইতে ভারতবর্ষপর্যাত্ত সাইমেল ্কাম্পা।ন প্রশিধা, কশীয়া ও পারস্য হইরা 'ঘতীয়টা করিতেছেন। সা**ইমেন্স** কোম্পানির টেলিগ্রাফের অভি অল্ল'ংশ অসম্পূর্ণ রহিয়াছে। । जिन्न चलुनान कर्यन, जागाभी जीवाकारणह মধ্যে এই টেলিগ্রাফ সম্পূর্ণ হইবে। সর ষ্টাবেণাড नथरकां विलितन, अर् हिनिधाकरे पर्शाक्ष इहेर्ट। अहे हिल्जांक ब्रिप्टिंग नवर्गमान्त्रेत मञ्जूर्व कर्जुद्वाभीरम भार्कित्व। स्मिवद्रान्नवेद्वः स्टेग्ना ভুমধ্যস্থ সমুদ্র দিয়া টেলিগ্রাফ করিবার প্রস্তাব ভাঁহার মতে আবশ্যে। উপদংহারকালে मत्र द्वीरकाष्ट्र नगरकारे विन्तरनन, भवर्गमञ्जे स्वात প্রতিভূ হইবেন নাঃ অতএব লোহিত সমুদ্রে যদি টেলিমাফ হয়, ওঁ হারা ভাষার কোন সাহায্য कृतिया ভারভবর্ষের রাজস অপব্যয় করি-(रम मा।

नखन ३८ हे ज्नाहे। इंडेहेखिया इंडेनाहे

**डिफ नार्तिन इन्द नत्र** त्रवाउ स्थानग्रत्क अक **खाळ विदारङ्ग।** तत्र वार्डेन क्षित्रात (छारळत অধ্যক্ষতা করিয়া সর রবাট নেপিয়রের প্রশংসা করিয়া এক বক্তৃতা করিয়াছিলেন। সর ব্রাট तिशास अकु खित्रमानगमस्य दिनश्रीक्त, आदि-সিনিয়ার যুক্তে বিলক্ষণ প্রকাশ করিয়াছে ভারত বর্ষীয় ও রাজকীয় দেনাদল বরাবর একত্রিভ ধাকিবে। জিনি বলিনেন, জাঁহাকে লাভ উপাধি দিবার প্রস্তাব হইয়:ছে; কিন্তু তাহা গ্রহণ করিবেন কি না জিনি এ বিষয়ে জনেক টিস্তা করিয়া স্থির করিয়াছেন, এক জন ভারত ব্যীয় কর্মচারীর সর্প তিনি ইছা লইবেন।

রাজা থিওডোরের পুত্র প্লিমৌথে শছ্ছিয়া-

১৭ ই জ্লাই। সর রবাট নেপিয়ুর লাড় উপाधि পाইছাছেন।

রাজা থিওডোরের পুরুকে রাজীর নিকটে পরিচিত করিয়া দেওয়া হইয়াছে।

২**০ এ জুলাই। প্রতিনিধি মনোনীত করি**বার সময়ে উৎকোচ দেওয়া কর, ভাষার নিবারণ করিবার বিল হাউদ ভাব কমভাের কমিটি গ্রাহা कवियाद्या ।

(मनाषटकार शूनर्काटकार उड विषय महिया नाड দিগের হউদে জর্ক হইয়া গিয়াছে। কেদি,জের ডিউক সর হেনরি ষ্টর্কের প্রশংসা করিয়া এরপ মভিপ্রায় প্রকাশ করিয়াছেন গ্রব্মেন্ট ভাঁহাকে নির্ক্তিরে **আপন কার্য্য সম্পাদন করি**তে দিবেন।

ला ५ ष्ट्रीनलि वलिएलन. खनः (प्राप्त वाम्रजिक्यान ভত্তত্ত্বাসী বলিয়া পরিগণিত চইবার প্রস্থাবের निषदम् निख्नाङ मध्यत्र दरमावलः कविद्रच ∤िस्लिङ माष्ट्रेत ७ इहेर्द्रम । नुष्य छ हहेश्राहिन

গবর্ণমে**ও গেদকল রেলওম্বের প্রতিভূ ভা**হার हेरलक्षीय कहिता करम क्रम कतिएक भारतम. এবিষয়ে আয়াটন সাংহ্ব আপনার অসীকৃত বিল অপুণ করিয়াছেন।

মঞ্লবার সর রব টি নেপিয়র রাজীর সহিত ভোজন করিবেম।

শুক্রবাব রাজ্যসীয় ইঞ্নিয়র্লণ উছোকে কাথহামে ভোজ দিবেন।

শীতামহাসভায় ভুজন সভা মুনোনীত করু इहेर्र, এই व्यानाम करनरक आर्थी (मार्क्त्र वाञ्चभका कतिएए इन।

আরল খালমস্বরি বলিয়াছেন, মালটোলান हेरवाओं आहाज घाता व्यवस्तान कता व्याहेन বিরুদ্ধ করিবাব আহে৷ হইয়াছে। সেনাপত্তি আরবপনটের

२) १ क्लोरे। शहकता धिकवार ५९ प्रस्त সর রবাট নেপিয়রের ক্ষরণার্থ এক ভোজে দিয়া

পালিয়ামেটের উভয় কালী সর রবাট মেলি ব্রকে ধনবোদ কৈরাভে তিনি এক প্রথারা डीश्रामित्भव निकटि क्राउच्छा चीकात कति युट्डिन ।

কর্কের একজন বন্ধুক্বিজেভার দোকান ब्हेग्राट्ड

क्रेन छोन रहेए यापकत लाएक आएम निधितितन अपित्रान सम्बद्ध रहेएन ।

**त्रिकार जागमन करिल्डिंड्स, डाहामिर्श्व (दाउ** কার ভলাসী লওয়া হইভেছে।

গত রাত্রিডে কম্স হাউদে আডারলি সাহের গরস্থ সাহেবের প্রশ্নের প্রভুত্তেরে বলি, लाम, मिरश्रका लाकपिरगत स्व कष्ट स्वैद्वार्ह, ভবিষয়ে ভিনি ভত্তভা শাসনকর্ত্তার রিপো টের প্রতীক্ষা করিভেছেন।

### गर्गात्मके विकाशन। লেপ্টনন্টগবর্ণরের ব্দেশাসুসারী निद्योश ।

তরা জুলাই। লেপ্টনান্ট যে, জনটোন किस्मार्ड्य प्रविद्यानी कर्ष्यहातीत विरूप गर्ह कार्ती इंहेटवन ।

৯ই জুলাই।১৫ ই জুন অবধি সব আংসি ষ্টাণ্ট সাক্ষন আদর্য আলি কিছু দিনের নিমিন্ত কলিকাত। মেডিকাল কালেজর বাদালী জ্ঞেশির ধাত্রীবিদ্যার অব্যাপক হইয়াছেন।

১৪ ই জুলাই। যত দিন এম, বি, বচ্দে।ড সাহেৰ বিদায় লইয়া অসুপস্থিত থাকিবেন, ডঙ किन फर्चलिके. अन. अड, कर्मन मारहर इनलित প্রতিনিধি পুলিষ স্লপরিদেউগুলি ইইবেন।

১৫ ই জুলাই। মুকোরের ডেপুটী মালিটেট ও ডেপুটী কালেক্টর মৌলবী ওয়াজিউলা প্রথম (अभित अभीन माखिएकेटहेत फन्नल। পाইरवन।

কলিকাভার প্রতিনিধি কটন কালেটর আৰ বি, কক্ষেল সাহেব নিজ পদগুৰে প্ৰতিনিধ

১७ हे ब्युलाहे। यछ पिन 🚳 . 🖎 यात्, मन 🕫 मार्ट्य विकास सहैया फालूना क्षा का किर्त्या, ভুড্ডদিন এচ, হাঙিক সাহেব পুর্বিধার প্রাত মিধি সিবিদ ও সেদিয়ন জল হইবেন।

(ख, अम (खो॰ मार्ट्ड भूनमिनावारमञ्जू अन्धि निधि मासिस्डिंगे अ कारलक्षेत्र इटेरवन ।

३ त हे खुलाहेटम्रव (शटकट है काश्वरक किना क পুরের প্রতিনিধি সিবিল ও সেসিয়ন জ্জারুপে নিঘুক্ত করিবার যে বিজ্ঞাপন হয় ভাগে এড দ্ধ বা রহিত করা গেল।

যভদিন জে, এফ, 'ব্ৰৌণ সাহেব উপনীজ ना इन, जडमिन भूतिभागारमत প্রতিনিধি জাই के भाकि हो है । उन्हीं कारन हैत मि. ब, (किन গাহেব ভব্ৰত্য প্ৰতিনিধি মাজিটেট 😮 কালে क्षेत्र व्हेरनम् ।

गडमिन এ, एक, अलियुष्टे मार्ट्य विलाध कहेता মন্ত্ৰপঞ্জি থাকিবেন, ভতদিন ভবলিউ কৰ্বেল সাংহৰ দিনাজপুৱের প্রতিনিধি সিবিল ও সেসি म्रान खड़ा क्हेर्यन ।

কর্মেল সাহেবের অন্ত্রপন্থানকালে ভবলিউ, এম. সাউটাব সাহেব স্তাম্প ও স্টেশনরির প্রতি নিধি স্থুপারিন্টেগুন্ট হইবেন।

भि. फि. फिरक्क गार्ट्य (बां<mark>क्क्ट्र</mark>ीव (कानत লের কার্যান্ডির প্রেসিডেন্সিবিভাগের রেঞ্জি क्षे। द्वार कांध्र कविद्यम ।

জে, সি, ডজ্ঞসন সাছেব যদোহরের প্রতি

এচ, ডবলিউ, জালেকজগুর বাহেব যশো, টাইন্রি সাহেব হরের প্রতিনিধি অতিরিক্ত জ্ঞাজ হইবেন। পাইবা মাজেটে

সি. সি. ষ্টিরেক সাহাবাদের প্রতিনিধি মাজি যৌ ও কালেটর ছইবেন।

ভবলিউ, এচ, বার্ণার সাহেব সাহাবাদের প্রতিনিধি জাইন্ট মাজিকেট ও ভেপুটী কালেইর এইবেন।

২৪ পরগণার ভেপুটি মাঞ্চিটেট ও ডেপুট কালেক্টর কুমার হরেজ্যকুঞ্চ কিছু দিনের নিংমত্ত বিয়ালদহে বিচারকার্য্য নির্মাহ করিবেন।

ভে, মনরো স'ছেব রেবেণিউ বোডের প্রতি নিধি জ্বনিয়র সেকেটারি হইবেম।

দই জুলাইয়ের গাজেটে এচ, এ, কর্মেল সাংহ্রকে এই পদে নিযুক্ত করিবার যে বিজ্ঞা প্রদৃষ্, ভাষা এন্ডম্বানা রহিত হইল।

क्षि, उरब्रष्टेमा छ नारहत यानारावत श्रीक निधि माखिरक्षेत्रे छ कारल हेत् क्षेत्वन ।

জে, এ, হপকিল সাহেব নদায়ার প্রতিনিধি জাইন্ট মাজিক্টেট ও ডেপুসী কালেক্টর হইবেন।

সহ দারী মাজিতেই ও কাণে ইর জে, আর হালেট সাচের রাণীগঞ্জ উপবিভাগের ভার পাইয়া বাকু ড়াতে মাজিকেট ও ভেপুটা কালে ইবেব ক্ষরতা পাইবেন।

ডেপুটি মাজিক্টেট ও ডেপুটি কালেকটর বাবু ধাবকানাথ দে কালন। উপবিভাগের ভার পাইয়া প্রথম শ্রেণির অধীন মাজিক্টেটের ও সেলিয়নে সমর্পণ করিবার মকদমার প্রথম বিচার করিবার ক্ষমতা পাইবেন।

ই, ই, তুইন সাছেব রঙ্গপুরের প্রতিনির্দ্তি বিবিল ও সেনিয়ন জঞ্জ হইবেন।

জে, ওকিনলে সাহেব মালদহের প্রতিনিধি মাজিকেট ও কালেটর হইবেন।

त्रि, त्रि, कुछैन मारहर यटमाश्टतक श्वास्तिधि काहिले मास्तिर्धि ७ (छशुष्ठि कारलक्षेत्र इहेरवन ।

ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি কালেষ্টর ই, বি গড়ফে সাহেব জ্রীরামপুর উপবিভাবের ভার পাইয়া মাজিটেটের ক্ষতা পাইবেন।

জে, সি, প্রাইস স'হেব বাধরগঞ্জের প্রতি নিশি মাজিকেট ও কালেকটর হইবেন।

. এ5, क्लार्क मारहव मध्यमनिश्टक्त आहि निधि साहित मासिट्टिए अ एडमुफे कारमङ्ग इहेरवन।

২ ও পরগণীর ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি কালেক্টর বাবু শিবপ্রদাদ সাম্নাল কিছুদিনের জন বোরামত উপবিভাগের ভার পাইবেন।

১१ हे खूलाहे, यजनिम छव निछ. ८, ७, ५, ५एको मारह्य विभाग नहा ज्ञा खूल इंड था कि (वम, ज्ञानिम त्मणीमान्नी है, धम, छि, नार्छात कामज्ञल छेलिन स्मणीमान्नी छात्र भारतम ।

२३ शर्तानाय खिलिनिति बाई है माहि। केटलैं है इ. एड शृष्टिकाटल है ते हैं, एब, व डैन नाट्स ५ ५ ५ ६ काटक ५ ४ ७ ४ ५ ६ १ जाइन ५ जाई त्वर मक समाद का शीन खारन क दिएल शादितन।

১৮ ই জুল'ই। নিমুলিখিত ব্যক্তিরা দেবল ডের বিদ্যালকালভার সভা হইবেন।

ক্রেরগড়ের সঙ্কারী ক্**মিদ্নর পদ্ভ**রে।

ঐ সিবিল সার্ছন ঐ। এচ, ছুসন সংহেব।

गर्काती माल्डिहे उ कारलहेत छि,

টইনবি সাহেব ভদ্রক উপবিভাগের ভার পাইরা মাজটেটের ও প্রধানতম বিচারা-ল্যুত্ত সেম্যনে সমর্পণ করিবার মকদ্মার প্রথম নিচার করিবার ক্ষমতা পাইবেন।

২৬ এ জুলাইরের মধ্যে রঙ্গপুরের দিবিল ও দেনিয়ন জজের পরাধিকারী যদ উপনীত না হন, তাহা হইলে ভিনি নিজ কর্ষ্যভার ভত্তত অধস্ক জঙ্গের হস্তে দিবেন।

আর, এচ, পদি সাছেব বালেখরের প্রতি
নিনি মাজিটেট ও কালেটর ছইবেন। ১৫ ই
জুলাইয়ের গেজেটে ভাঁছাকে গুগলির প্রতিনিধি
মাজিটেট ও কালেটররূপে নিরুক্ত করিব র
যে বিজ্ঞাপন দেওয়া হয়, ভাহা এভস্থার। রহিত
হইল।

যতনির আর, বি, কত্রেল সাহেব সরকারী কার্যোপরক্ষে স্থানাস্তর থাকিবেন, তাভদিন ই, জে. বাটন সাহেব প্রিলির প্রতিনিধি মাজি টেউ ও কালেইর চইবেন।

এচ, এব. বীডন সাংহ্ব ২৪ প্রগণার প্রতি নিগি জাইট মাজিট্টেট ও ডেপুটি কালেইর ইইবেন।

ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি ,কালেইরই ই. এম, রিলি সাহেব কুড়ীয়া উপবিভাগের ভার পাইয়া মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন। ডিনি নার ও ডব্রতা প্রধান কষ্টম কর্ম্মতারী হইবেন।

যতদিন লেপটনান্ট এ, আর, উইলকিকান বিদায় লইয়া অনুপ স্থত থাকিবেন, ওডদিন পি, জি, স্ফট সাংহ্বে সাহ্ববেদ্ধ প্রতিনিধি পুলিষ স্থপরিন্টেগুটান্ট ইইবেন।

দেবগড়ের সি.বিল আসিষ্টাট সার্ক্তন এ সব আসিষ্টাট ক.মসনর ডাক্তর আর, সি. চক্ত সাঁওতাল প্রগণার প্রথম শ্রেলির অধীন মাজি টেটের ক্ষমতা পাইবেন।

২০ এ অসুণাই। নিমুলিখিত কণ্মচারিগণ প্রবাধ ও দ্বিতীয় প্রেলির প্রতিনিধি মাজিটেট ও কালেটার হইবেন:—

প্রথম প্রেণিজে (ইহ'তে ১৪ চী প্রতিনিধির পদ শুনা জ ভেঃ)

.बह, हाव्हि मार्ट्य । हे. हे, ब्रुहेन <sup>भ</sup> ।

এচ, ভে, রেনলড্স্»।

এচ, বেল <sup>7</sup> ।

ভবলিউ, এস. ওয়েল্স " 🗀

(ज, वि, अग्राणीन »।

এ, স্মিথ ১ ৷

সি, টি, মেইকাফ 🔭।

টি, ছে, দি, আটি ন। ভৰ্ৰিউ, এচ, ডিফাইলি °।

मि वि, भारति ।

(時, 97, 91布 7)

পি, এ, হশ্দি মা

এন, এস, আলেকুজ গুরি "।

(छ, मनर्वा १।

দ্বিতীয় **অর্থিতে (ই**হাতে ১১টী প্রতিন দির পদ কিছু দিনের জনঃ খুদ্র, আছে।

**फर्वामक, अरब्रव नार्व्य**।

.ab, मि, मन्द्रमा**ख**ै।

ই, এচ, হুই নিলড ।
টি, এফ, বিসনলড ?।
ডবলিউ, আর, লগদ্মণ ?।
আন, ভি, হাইন, এন, এ।
এচ, দি, বি, দি. বেবান ?।
জে, দি. গেডিস ?।
ই, জি, মেজিয়ুর ?
জি, মেছাম ।
ডবলিউ, ইয়াড ৬ এম এ।
ডবলিউ, কেলল ?।
জে, এন, আরমউঙ »।

নিমুলিখিত কন্মচারিগণ দ্বিচীয় জেণিব প্রতিনিধি জাইট মাজিটেট ও ডেপুটি কালে উর হইবেন। ( এই সকল পদ কিছু দিনের নিমিত পুনা আছে)।

क्राक् भारूव।

क्षि, क्र इशकिम ।

मि, मि, क्रूरेन ।

फर्वलिफ, क्र तानीत ।

क्र किफ, क्र तानीत ।

फर्वलिफ, क्र तिशाम ।

फर्वलिफ, क्र तिशाम ।

क्षि, कार्त, हालिह ।

क्षि, क्षि, कर्तिकान ।

क्षि, क्र तिरुक्त ।

क्षि, क्र तिरुक्त ।

क्षे, क्र तिरुक्त ।

क्षे, क्र तिरुक्त ।

क्षे, मान्यन ।

२> श खूनाहै। किट्छाट्र एन उद्यानी कथ्य हातीत विटम्स नहकाती लिलहेना है कक्टिन कर्टेट कर्त क्रमहालात नहकाती द्वारिट हें छ। हे १६ स माजिटकेट हैं कमणा शहरन।

্ ষত দিন বাবু কমলাকান্ত চক্রবর্তী বিদায় লইয়া অনুপঞ্জিত থাকিবেন, তত দিন বাবু চতী চরণ বন্দ্যোপাধ্যায় ত্রিপুরার অন্তর্গত জগলাথ দীঘীর প্রতিনিধি মুক্তেক ইটবেন।

শোহার চগার সাচি কিকেট টাক্লের আসেনর বাবু গোপালচন্দ্র মিত্র, ১৮৩৩ অব্দের ৯ আইন অসুসারে তথায় ডেপুলী কালেইরের ক্ষমতা পাইবেন।

পালা মাউএর সহকারী পুলিষ স্থপরিন্টে গুল্ট জে, এস, লার্ন্মিন সাহেব ঘশোহবের অন্ত গতি খুলনাতে বদলী হইবেন।

এচ, টমসন সাহেব চট্টগ্রামের সহকারী কট্টন কালেটার ও বন্দররক্ষক হইবেন, কিন্তু আপা ডভঃ প্রতিনিধি কট্টম কালেটার ও বন্দররক্ষ্ক থাকিবেন।

(अ, जननिष्ठे, अशास्त्र न हर्छे आरमत क्रिक्ट निधि महकाती कष्टम नारक हेत अ चनत्त्र करू इटेर्टरन।

নিমুলিখিত প্রক্রিনিধি ডেপুটী মাজিক্টেই ও ডেপুটী কালেক্টরনিগকে িমুত্তব শাসন কার্যের ষষ্ঠ প্রেনীতে সম্পূর্ণরূপে নিযুক্ত করা গেলং— বাবু অমৃতলাল পাল বি. এ. ভাগলপুরে। তথাগোদক্রেনিজ্ঞ এম, এ মালদহে।

্বেংগেশ চক্রান্ত এব, এ, সালদ হৈ।
নিমি লিখিড ব্যক্তি দিগকে কিছু দিনে র
নিমিন্ত ভেপুটি মাজিতেট ও ভেপুটি কালেইর
ক্রপে নিযুক্ত করা গেল:--

বাবু অরদাপ্রসাদ খোষ। যত দিন বাবু বেদ-मान वटमराभाषाय विरूप अवकावी कार्याभ मर्फ दानांखत शाकित्वम, ७७ दिम जात, मि, হামিলটন সাহেব, বাবু দীভাকান্ত ঘোষের পরি বর্তে । বাবু অভুলচক্র চট্টোপাধ্যাল্ল বাবু হর কালী মুখোপাধ্যয়ের পরিবর্ত্তে ৷

উল্লিখিত কর্মচারিগণ পশ্চালিখিত স্থানে थाकिया विजीय (अगीत अधीन माखिएउए) त कश्राका भावे(दनः --

(मनीश्रुद्ध । ব'বু অৱশপ্রসাদ ঘোষ আর সি, হামিলটন সাহের চাকা বিভাগে। বাবু অভুলচন্দ্র চট্টপাধ্যায় চট্টগ্রামবিভাগে। ১০ই জুনের গেজেটে বাবু অবিনাশচক্র মিত্রবি, এ পাটনা বিভাগের এক জন প্রতি নিধি ডেপুটী মাজিটেট ও ডেপুটী কালেইর বলিয়ানিযুক্ত করিবার যে বিজ্ঞাপন দেওয়া হয় ভোৱা রহিত হইল।

व्यामानिरभत व्याभूनिशाच् मः बानः मां जा निश्चिता एक ।

১ : কএক সপ্তাহ অতীত হইল, ''আৰু लिया विटेडियनी मजात अधिरवनन इरेशी লিয়াছে: সভাগণ এবং আমন্ত কভিপন্ন সহালয় ভদ্মহোদয় উপস্থিত থাকিয়া সভার কার্য্য সক্ষম ক্রিয়াছন । ছিতেবিণী সভার পূর্বা निर्पाक्षिण अरमने महानप्रमिर्भन नाम है जि পর্মে কএকবার সোমপ্রকাশে প্রকশি করা চ্ইয়া इंत. এकरन **এहे क**शिर्यन्ति ए के अक छन निष्ठक इहेबाइइन, डांशनिइधार नाम निद्य नाम ধেশিত হইল।

বাৰু কাঠিকচন্দ্ৰ চাট্টাপাধ্যায় কলিকাভা

 विरमानविकात्री इट्डो भाषास्य **১ বহুবনপুর** 

» ङ्गाहि स्ट्र वा स्

यटळाच्य हिट्छे: भाषतंत्र क्रम्भनगत कोटलंडा ।

 । শান্তিপুবের ইংরাঞ্চী বিদ্যালয়ের কতৃক গুলি অহিতক্ষ সংবাদ আবন করিয়া যার পর নাই হু খিত হইলাম। শুনিলাম উক্ত বিদ্যালয়ের শ প্রধান ও দ্বিভীয় শিক্ষক মহাশয়েরা সম্পাদক মহাশয়ের সৃহিত কলক করিয়া ভথায় স্থার একটা শুভদ্র স্থা করিয়াছেন। বিদ্যালয় লীর এত দিনের পর চরমকাল উপস্থিত। শান্তি পুর যেরূপ প্রকাণ্ড আম, ইহাতে অসূত্র ২০ । ২৫ হাঞার ঘর লোকের বর্গতে ; এখানে একটী সবর্গ (म. हे कूल इस्ता अकाल कर्दरा। शनवंशमें डेक विषयु आभाषितास निदास कावेश्री एवन, उथा थ সংশ্যা কুত বিদ্যালয়দীর ছারাও অনেক উপ কার হইতেছিল। প্রতি বংসর প্রবেশিকা পরী ক্ষায় ছাত্রদিগকে একপ্রকার উর্ত্ত"র চইতে দেখা

গিরাছে। শিক্ষক মহাশয়দিলের কার্য্য দক্তা বদ্ধনদীটীর উপর কভকগুলি প্রসিদ্ধ ভদ্র গ্রাম ध्दन विकामारप्रत घटमात्रानि अध्या क्रिन्छ वराणी হইয়া উঠিতেছিল, কিন্তু কি বিপদাং ! অক-ম্মাৎ কোথা হইতে ভয়ানক কলহ বাভ্যা উপ व्हि॰ इरेग्ना आमानिर्शत आमा अस अके काटन উৎপাটিত করিয়া ফেলিল। এই বিবাদের মূল कि ? (करहेवा निकक महानुद्राद्धाः मण्याहक महा শয়ের সহিত কলহ করিয়া শতন্ত্র বিদ্যালয় ञ्चाभन करतम अवर , (कन्हेंची मन्भानक महाभग्न निक्क महानध्रमिश्रदक अञ्चल क्यामामा करत्र ? আমাদিনের মতে পুথায়পুথ রূপে ইহার অসু সন্ধান করিয়া দেখা উচিত্ত। বিদ্যালয়ের অধ্যক্ষ-সভা ইহাতে দৃকিপাত করন, এ বিষয়ে যদ্যপি मण्यामरकत माथ लेकिन इंग्न, खाहा हहरन जात এক জন সুশিকিত সঙ্গরিত্র ব্যক্তিকে উজ भट्ट बद्दश कहा विद्याय । ज्याद यहि निक्रक यहां भवनिराज्य हेराराज प्राथानाथ यारक, जारा रहेरल छाश्क्तिशदक कृत हहेट विनाग्न निग्न। जना जना मिक्क नियुक्त करूम। म्हूरा এक्वर शार्थ अश রের দগু হওয়া কোন মতেই যুক্তি সিদ্ধ নহে। হবিবপুরের ইংরাজী ব্ধু লের সম্পাদক প্রতিদ্ধন্দ শান্তিপুরে এই রূপ ২ টী বিদ্যালয় হইলে উভয় যে উভায়েরই অনিষ্টের মূল হইয়া উঠিবে ভিষি ষয়ে অনুমাত্র সন্দেহ নাই।

৩। আমাদিলের রাণামাটের ভেপুচী মাজি ক্রেট বাবু মহিমচক্র পাল বনগ্রাম মহকুমার ভার পাওয়াতে তাঁহার পদে রুঞ্মগরের ডেপুটী মাজি ট্রেট ধার দ্বারকানাথ দে বাছাছর আসিয়াছেন। ইনি বহুদিবসাবদি উক্ত কার্যা করিয়া একণে विमक्त भारतमाँ इहेशाइन। हे जिमरा अथारन এক জান প্রসিদ্ধ মোক্তারকে কোন অপরাধের নিমিন্ত হাজত দেওয়াতে উক্ত মহকুমার যাবভীয় মোক্তার ভাষার ভয়ে দশক্ষিত হইয়াছেন!

৪। শুনিরা আক্লাদিত হইলাম যে, রাণা-चार्टित हेरताको विम्हानरम् अपकाचात रहेवात श्रक्षांव इहेब्राइ । क्रक बन बारगंता निक्रकरक ऋ ल इंडेट्ड विषान्न मिग्रा डीहामिर्गत भएन स्वतः | সুশিক্ষিত শিক্ষক নিযুক্ত করা হইতেছে।

ে সম্প্রতি পবলিক ওয়ার্ক ডিপাটমেন্ট হইতে এদেৰের অনেকগুলি হিতকর কার্য্য সম্পন্ন হইবার উপক্রম হইয়াছে: কডকগুলি খাল কাটাইবার প্রজাব মঞ্র হ্ইয়া আসি-য়াছে। নদীয়া জেলার মধ্যে রাণাঘাট সব ভিবি জনের অধীন ব্যুরা ইইতে মালিদা ও কলাই-ঘাটা পর্যান্ত যে খালটী আছে, ভাহার পক্ষো ভার করাও একান্ত আবদাক। এই স্থানে পুর্কে जिल्थनामिनी कनकनमा श्रवन हिलन। अह

and the first of the same and the first of the same and t चाटक, छथान्न अज्ञान अलक्ष्टे स्त्र, य निमान कारन जाबामिरशत जीवन धातन कहा क्रकंडिन হইয়: উচ্চে।

७। कृष्णनगरतत रामन सम् अधिक महाक्ष -नल সাহেব বিদায় লওয়াতে ভাঁচার পদে জীযুক্ত লুইন সাহেব আসিয়াছেন। ইনি ভদ্র ও সং বিচা

৭।নদীয়া জেলার অন্তর্গত কোভোয়ালি থানার অধীন কএক খানি গলা ভীরক্ত পঞ্জী গ্রামে (প্রেসিডেন্সি ডিবিল্লনের কমিসনর শ্রীযুক্ত চাপমান সাহেবের প্রস্তাব মত ) গবর্গ रमणे इहेरज वारिश्त कार्या जातज हहेग्रारह ।

৮। আফুলিয়ার ৩ মাইল পশ্চিম মালি-পোডা গ্রামে কভিপন্ন কুতবিদ্য যুবক মিলিভ **চ্**ইয়া একটা গ্ৰণমেন্ট সাহাধ্যকৃত ইংরাজী विम्यालय ज्ञाभरन यत्रवान रहेश्वारहन। स्थिनिला ভাছারা সাহায্য প্রার্থনা করাতে উহার নিকট' इहेश উঠिशाছन। कि जाम्हर्श मानिर्पाडा অপেকা হবিবপুর কি প্রসিদ্ধ স্থান ? মালিপোছার গ্রব্মেন্টের সাহাষ্য দেওয়া একান্ত কর্ত্র। ইহার নিকট আবসুন ১০ ৷ ১২ খানি ভদ আন कारकः इतिवशुरत मार्शयः इहेशारकः वनिशः कि भामिरभाकाय हहेरव ना ?

৯। গত ১৫ ই জুলাই বুধবারে আমাদিগের **मिल्डेमान्डे गव**र्वत जीवुष्क ्व गार्ट्य क्रुंक्षमणस्य আসিয়া পৌছিয়াছেন।

১ । कञक पिरम इहेल जागिषिरभत्र त्रांगांघा টের ডেপুটি মাজিটেট জীযুক্ত বাবু ধারকানাথ দে বাহাছর এ প্রদেশের ইনস্পেরিও পোঞ্ মাষ্টার বাবুদীনবন্ধু মিত্র এবং গুরুটে নিং স্কুল সমূহের ডেপুটি ইনস্পেটর বাবু নবগোপাল वरन्त्रां शिक्षां म्रहान्य काञ्चलिया वक्षवितानस्य উপস্থিত হইয়া বালকদিগকে পরীকা করিয়। काइलांब ध्यकाम कांत्रश निश्चारकन ।

५५। अस्मरम हाएँस श्रुकारभक्ता इन्स सर হইরাছে। শ্রুৎ শ্রের লক্ষ্ণ মৃদ্ধ নহে।

कामता अनारांताम रहेएक निम्नलि-থিত সংবাদগুলি প্ৰাপ্ত হইয়াছি।

🖚 ভিশয় ছঃখের বিষয় এই যে, এখানে ১৫ই অুন সোমবার রাজে বে বৃষ্টি হইয়াছিল, তাংার পর একালপর্যন্ত আর বৃষ্টি হইল না। পুনরায এীক্ষের অভ্যন্ত প্রায়ন্তাব হইয়াছে এবং মড়কও একপ্রকার ইইয়াছে। ক্রমশঃ ক্র্যিকার্যে,র-সময় উত্তীর্ণ ইইভেচে দেখিয়া ক্র্যকগণ হতাল হইয়া পড়িভেছে। মহাজনগণও জনাবৃক্তি দেখিয়া এতিক আলক্ষায় আপনাদিগের গোলার দার দুচরাপে কন্দ্র করিভেছেন স্কুতরাং ক্রমশঃ দ্বাসকল স্থালা হইভেছে।

ইহ'ও একটা সামান্য ছ:খের বিষয় নয়. যে এই কছের সময় আখার গত পরশ্ব ছই প্রহরের সময় এখানকার এক:উটেউ জেন রল আফিসের নিকটবতী একটা স্থানে অগ্নিকাও হইয়া গিয়াছে।

এবংসর এখানে অন্যান পাঁড়া অপেক। চক্ষুর পীড়া অধিক ইউডেচে।

এখানকার মিউনিসিপাল কমিট ইংরাজ
টোলায় ময়লা দেলিবার অস্তবিধানিবারণাপ
এই নিয়ম করিয়াছেন যে, কতগুলি করিয়া
দ্বখান্তের ফারম সকলের নিকট পাঠাইয়া দিতে
দ্বেম যখন ময়লা ফেলা গাড়য়ান কোন অন্যায়
করিবে, তখন সেই ফারমেন্ডে দ্রখাস্ত করিয়া
ভাকঘোগে মিউনিসিপাল কমিটিতে পাঠাইলে
উহারা ইহার বিশেষ ভদারক করিবেন। মহা
শয় ! ইংরাজ টোলায় ত এই প্রকার সন্দোবস্ত
হৈতেছে, এখন বাঙ্গালি ও হিম্মুস্থানী টোলার
কি হয় বলা যায় না।

### আমাদিগের ছাপরাস্থ ধংবাদদাতা লিথিয়াছেন i

১। বৃক্তির অভাবে স্থানীনাশ হইবার উপক্রম

হুইরাছে। চড়ুর্দ্ধিকে ত্রাহি ত্রাহি শব্দ হুইভেছে.

"ন দেবং স্থানীনালকং" এ বাকাটী আব অহুপ

হের না। ভাপমনে যারে ১১৫ হুইতে ১২২

পর্যান্ত পারদ উঠিতেছে ওলাউঠা প্রভৃতির

অনুত্রহেরও ত্রাটি নাই। এখানে ছার্ভিক হুইবার

সম্পূর্ণ সম্ভাবনা। গ্রগ্মেন্ট এই সময়ে ই্লাধবান

হুটন। এবার বেহার বুকি উ ড়িষ্যা হয়।!!

২) এখানকার মুদলমানের। সকলে মিলিয়া মাঠের মধ্যে নোমান্ত পড়িয়া ঈশ্বরকে তুই করিয়া, রৃষ্টি করাইনে, ইহা এটার করিয়া ক্রমশং অদ্যায়। ৫ দিবস এই রৌচে মাঠের বাধ্যে যুথ বন্ধ হইয়া নোমান্ত পিড়িভেড়েট কিন্তু এ পর্যান্ত এক বিশ্বর ব্যব হইল না। ইহাতে মুদলমান গণ আরু মুখ দেখাইতে পাতে না। খোদা যদি এখনও ফোটা ছই চারে রুশি করেন, মোলাদের

৩। আসরা আপনাকে লিখিয়া লিখিয়া
আতি হইলাস, আপনি একবার এখানকার
নিউনিসিপালসংক্রান্ত অরাজকভার সংশো
ধনের চেষ্টা করিলেন না; কিন্তু জগদীধর
আছেন, এখানকার দয়াবান জ্বজ্ব বালফোর
সাহেন কিছু কিছু শুনিয়া, হাইকোটে এবং
গ্রব্দেটে রিপেটি করিয়াছেন, অনুসন্ধান
হইলে জনেকেরি ভুর ভাঙ্গিয়া ঘাইবে।

মামাদিগের পোয়ালিয়র স্থ সংবাদদাতা লিথিয়াছেন'।

উজ্ঞ মাদের শেষে কিন্তুৎ পরিমাণে বৃষ্টি इंडियार्ड मान क्रियां क्रिनाम (स. এथानकात জীব্যের কথা যেরূপ শুনিয়াছিলাম, এবার বুরি দেরাণ হইলমা, কিন্তু সঞ্জতি আমার সে भ्रत्यात् । इत इहेबाट्ड । ज्यमः श्राप्त जायाः भार्मत (अस २३ल, जाश्रह এक विन्द्र छाल गाई। "লুব**ঁ** প্ৰভাব পুন্ধায় প্ৰাহ্ভুতি ইইয়াছে। अम्रित म्रुप लारकता उठेक व्हेन्नार्क अवर (कर्ज्य निम्मिक्त अक्षास हरे (उर्ह । मह नम् । व्यञ्च ह्यादिकत्। कर्ष्ट् (य अयोदन अज्ञानः व्यकान ( व्यवादृष्टि ) कथन हे इस नाहै। दन्द्रात **छल १८३ ना এখানে এ দিকে खल्द नाम नाहे।** ঈশ্বরের গঢ় অভিপ্রায় বুঝে কাছার লাগ্য। এখানে একে দ্রগাদি অত্যন্ত মহার্ঘা, তাহাতে আবার এই অনাবৃষ্টিনিবন্ধন ব্যবসায়ীরা আরও মহাঘ, করিতেছে ।

২। গত ২৪ এ আবাত সোমবার সক্ষা ৮ ঘাটকার সময় আমাদের ইংরাজী সভার প্রথম সাধংসরিক সভা অতি সমাবোহপূর্বাক সম্পন্ন জইয়া গিয়াছে।

০। গভ ২২ এ আঘাত শনিবার সন্ধার সময় কুল্
একটা শোচনীয় ঘটনা সংঘটিত হইয়াছে।
মেলর কুক সাহেব ও লেপ্টনানী ইরং সাহেব
একথানি নৌকা করিয়া মুবার নদীতে বিচরণ
করিছেছিলেন। এনন সময় মটিকা উলিত হও
যাতে নৌকা জলমগ্র হটল এবং ছই জন জলমগ্র
হইলেন। কুক সাহেব অনেক কছে উদ্ধার হইয়া
ছেন : কিন্তু ইয়ং সাহেব আনেক কছে উদ্ধার হইয়া
ছেন : কিন্তু ইয়ং সাহেব আনে উঠিতে পারিলেন
মা। অনেক অনুসন্ধানে রাত্রি প্রায় এক ঘটি
কার সময় ভাঁছার মৃত দেহ পাওয়া যায়। ২০ এ
রবিবারে উপাসনাও সম্মানের সহিত ভাহার
ভাই
সমাধি হইয়া গিয়াছে। মহাশায় ইংরাজনের
ঘিরাপ বদ্ধ পরিচ্ছদ ভাহাতে সন্তরণ জানিলেক
ইনি
হল্পদ চালনা করিবায় যোনাই। শুনিলান না।

हैन्नः नार्ट्य मञ्जतः कानिर्टन, मूतात मिने छ जाङ्ग्य जन्नानक नरह, (कवन शावारकंत पद्मन है डिटिज शास्त्रम नाहे।

৪। মহালয়! অন্যাপি চোরের প্রাছ্র্রাব কমে নাই। মাজিন্টের প্রভৃতি সকলেই এই অত্যাচারের কথা শুনিয়াছেন ও নানা বিধ উপায় করিভেছেন; কিন্তু কই কিছুই ও ইই ভেছেনা। ইহার কাবণ কি? অনেক সাহেবের বাঙ্গনাতেও চুরি হইওেছে, ইহারা চতুর্দ্দিকে চৌকীদার নিগুক্ত করিতেছেন, তথাপি নিবা-পদ হইতে পারভেছেন না। একে দ্রবাদি মহাঘা, ভাহাতে জনার্তিনিবদ্ধন আরও মহাঘা, ভাহাতে জনার্তিনিবদ্ধন আরও মহাঘা; ইইভেছে, পুলিষের এই জ্লা, কাজেই ইহা '' মগের মুলুক ৯ ইইয়াছে। '' মান্তর ক্লোম্ব ভাহার বাজ্য। "

ইটী আশ্বর্যা চোনের কথা শুরুন। এক দিন ব্যাঅসংক্রি আর্ড হইয়া এক সাহেবের ঘরে একটী চোর প্রবেশ করিবার উদ্যোগ করিডে ছিল। রক্ষকেরা ব্যাত্মের ভয়ে প্রায়ন করিল। অবশ্বে কএক জন মিলিত হইয়া লাসি লইয়া ভাড়াভাড়ী করাজে চোর ব্যাত্মের ন্যায় প্রথমে চতুম্পদে ভর দিবার ভুলঃ দৌড়ভে লাগিল। অবশ্বে নিউভি বিগভিক দেখিয়া দ্রায়মান হইয়া বেগে দৌড়িয়া বনমণে প্রবেশ করিল।

ভার একটি চোর বড় চমংকার। এক দিন কোন কুষক মন্তকোপরি ঘাদের বোঝা স্থাপন করিয়া গরুটী এক গাছি দীম্ব রসিদ্বারা কোমরে বন্ধন করত হাইতেছিল। গরুটীর গলায় একটা षणी वांगा छिल । हात जकत गला रहेट छ घ हा কাটিয়া আপনি লইল এবং গরুটীর গলার দড়ি काष्ट्रिया ভारात मधीत कार्ड जिला मधी गरू লইয়া প্রস্থান করিল। চোর গরুর ন্যায় ঘটা वां नाहेर ७ वां छाहेर ७ कुषर कंत्र मर न न र न हां न न . कुगरकत मस्टरक (वासा) । त्र (काम निर्क नृष्टि -ক্ষেপ করিতে পাবে না। এই রূপ য'ইতে याइटिंड यथन शक कम्बा इंडेल, उधन क्रांत कुम ককে কহিল আমি ভোর দাঁড় ধরিয়া ভোর সঙ্গে কত দুর যাইব। এই বলিয়া সে দৌভিয়া পলা य्रम कतिम । कुषक এই शाभार (म्यिश) किश्क-প্তিকবিমূচ ষ্ট্রা অবাক ফ্ট্রা রহিল। চোরকে ধরিবাব কেনে উপায় করিতে পারিল না।

৫। শুনিলাম দিনকররাও উহার বাটীতে আসিয়াছেন। লক্ষর সহরে উহার বাটী, এখানে উহার আই গর ও অন্যান্য বিষয় আছে। ইহার তিন পুত্র। জেও বেনারস কালেজে পড়ে। ইনি কভ দিন এখানে থাকিবেন, বলিতে পারি

প্রীক্ষাভিরেক এবং ক্ষরকার রে)দের উত্তাপ হৃদ্ধি হুইরাছে, যদি ছুই চারি দিবসের মধ্যে বৃদ্ধি না হয় তবে নিশ্চয়ই এবার আর রক্ষা নাই।

পাঁচ দিন হইল, মঞ্জঃফরপুরের ২৩ ফ্রেন্স পূর্মা বহেড়। প্রায়ে একটা অভতপূর্মা অভ্ত ঘটনা সংঘটন হইয়াছে। ঐ দিবস বেলা আলু-মানিক ভিন্টার সময়ে সংসা মভোমওল रमचाबद्रर्थ ज्याम्ब्स रहेशा हाति किश ज्यसकातमञ्ज **২ইয়া উঠে এবং ঘোরতর ঝড় ও তাহার সঙ্গে** • সঙ্গে বারিবর্ষণের ন্যায় ভাষা ও অক্সর বর্ষণ হইতে থাকে। এই রূপ প্রায় এক ঘটা কাল इहेप्राहित। পরিশেষে দৃষ্ঠ ইইল, সর্বান্ধান ভশ্ম ও प्यकारित वहां श इहेशार्क अवश श्वारम श्वारम खन्म ও অঞ্চার স্থাপার পতিত রহিয়াছে। এরপ ष्यञ्च छ वराभात (कह कथन सार्थन नाहे ७ एरनन नाहै। (करलमाज वरहडाआरम स्यूनाहे, উहात সামিধ্যে অপর ভিনথানি প্রামেও ঐরপ ভক্ষ ও অঙ্গার বৃষ্টি হইয়াছিল। কি কারণে এবড়ড অন্ত ত বর্ষণ হইয়াছে, অদ্যাবধি তাহার কোন ক্রিডা হয় না<sup>।</sup> শুনিলাম বছেড়া গ্রামের माबिट्धा এकष्ठी हेरन्त्रा आरह, छेड्रांत अरल নিরস্তর গন্ধকের গন্ধ আবি পাওয়া খায়।

এখানকার কালেন্টর ও মাজিটেট এইচ. এ, कटकन मरहामञ्ज किছू कारन अस्मा अस्मा अस्मित বোডের জুনিয়র ষেক্রেটারীর প্রতিমিধি হইয়া আমাদিগকে অনাথ করিয়া ঘাইভেছেন। महाच्या कटकरलद नहाम् छन्न, मनामग्न विष्ठकन ও নমপ্রকৃতি এবং দয়ালু রাজপুরুষ্দিলের মধ্যে অভি অল্লই দেখিতে পাওয়া ধার। ইনি এত দিন এখানে। রহিয়াছেন, किन्ত, এপহান্ত আমরা এক মুগুর্ত্তের জন্যও অস্থাই ইই নাই 🖂 এক্ষণে প্রার্থনা করি, ইনি যেন আমাদিগকে এক বাবে ভুলিয়া নাথান ৷ কক্রেল সাহেইবর জী পশ্বিভিকালপর্যান্ত এখানকার সুযোগ্য জাইকী माजिएकेरे थ, मि, माजिन्न मार्ट्य कारलकेत्र ल मास्त्रिके इंदेरियन। ज्यामता मान्त्रमाहरू বকে ষেত্ৰপ উত্তম ও সদাশয় লোক বলিয়া कानि, जाशास्त्र हेहाँव कार्या (कहरे अनश्रष्टे इहेर्दम मा । खाइन्हें माखिएक्रेट्टेंद्र श्राखिनिधिः **इहेश्रा, मधुबुनी मन् छिविज्ञात्वत विश्वास्य वि**हात পতি ডি, এম, বার্ধর সাহেব এখানে আসিতে (इन । खर्मा कति, हैनि आमिरात मधर्म भर् বুনীতে আপনার পূর্দা ঘভাব রাখিয়া আসি-বেল।

ত্ৰিভত। ১৬ ই ছুলাই ১৮৬৮।

महामञ्ज । कालमात् ১७ हे क्यानाहरत्त्र मध्यान পত্তের বিবিধ সংবাদ পাঠ করিয়া জানিলাম. আগষ্টসফিলিপ সাহেব সংবাদণত্তে লিখিয়াছেন ১१हे खुनाई एक्करात तक अवाटक खन्नानक सङ् इहेटव अर्लर्भ व्रतिञ ७७ हुत इस माई वर्ष किख जिनकाक्षनाताइ इहेशा शिशाद्या गंड ११ है जुनाई शुक्रदाद जिंछ श्रुहार जानान मश्रन মেঘাক্ষ হইয়া বিশ্ব বিশ্ব রষ্টি পড়িতে আরত হয়, কিয়ংকণ বৃত্তি হইয়া থামিয়া যায় কিন্তু আকাশ মণ্ডল ঘোরতর ঘন্য টায় আবৃত হইয়া বৃহিল। দিবা ১। ২ টার সময় খনঘটার গভীর গভন সমূভ ত ইইয়া বৃষ্টিপাত সহকারে দক্ষিণদিক হইতে প্রবল क्षेष्ठा এकवाद्व हाविषिक ৰাত্য উৰিত অন্ধকারে আচ্ছন্ন করিয়া তুলিল। তন্দর্শনে मकृत्म ভाবিতে नाशिन भावात कि विश्वन হয়। ঈশ্বরের ঈক্ষায় তেতদূর না হইয়া কিয়ৎ ক্ষণ ঝড়ও বৃষ্টি হইয়া থামিয়া গেল।

দাতনের পূর্মনিকে কুণুলচোর পরগণায় অললুরাই প্রামে এক ধনাচ; ওেলির বাটাতে হত্যাসহ একটা ভয়ানক ডাকাইতি চইয়া গিয়াছে দাতনকৈনের সবইনিম্পেটর মৃদ্যী একানৎ আলী এবং ইনম্পেটর বাবু অমৃত লাল মুখো পাধণায় অনেক পরিশ্রমে ৫০০ ৷ ৬০০ টাকার অপছত দ্রবসেহ ১৩ ৷ ১৪ জন ডাকাইত ধরিয়া ছেন ৷ শুনিলাম মেনিনীপুরের জন্যতর ডেপুটা মাজিটেট ও ডেপুটা কালেটর শ্রীমুক্ত বাবু রামাক্ষর চটোধ্যায় মহাশ্যের নিকট বিচারার্থে মোকদ্যো নীত হুইয়াছে ৷

১৯ এ জুলাই । মাং দাজুন

## र्मृनाथाखि।

ত্রীযুক্ত বাবু ভুবনমোহন বস্তু সীভাপুর ১২৭৫ আবেণ হইতে আখিন 19 4 C ৯ দক্ষিণার্জন মুখোপাধ্যায় বীরভূম ১২৭৫ জাবণ হইতে অশ্বিন on. » ভারিণীশস্কর মন্ত্রমার দারজিলিং ১২৭৫ আবেণ হইতে ৭৬ আবাঢ় 30 " গোকুল চাদ ছগড় বালুচর ) अन्त कार्याष इंट्रेट न ७ टेकार्च 70 <sup>3</sup> भवन भारत अंद्रे ভুলাবাজার ১২৭৫ জ্ঞাধন হইতে ৭৬ আবাট » হেমেন্সনাথ ঠাকুর জোড়াসাকো ३२१६ कावाइ विदेश १७ देवा के

#### সোম প্রকাশ সংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

---; . :---

অতিম মূল ও ডাকমান্তল না পাইলে মদ-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ কর। যায় না।

ইহার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং, 
যাণ্যাসিক ৫॥০ টাফা দ্র মফন্সলে ভাকমাসুল
সমেত বার্ষিক ১৩, যাণ্যাসিক ৭ এবং ত্রৈমাসিক ৩৮০। তিন মাসের স্থানে অগ্রিম মূল্য
গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিঠি, মণিঅভ'র, নোট ও স্থান্প টিকিট, ইহার অন্যতর
যাহাতে য'হার স্থাবিধা হয়, ভিনি সেই উপায়
ধারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

বাঁছার। ষ্টাম্পটিকিট পাঠাইবেন, ওাঁছার। যেন এক অথবা আধি আনার অধিক মুল্যের ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

যথন যিনি মঞ্জল হইতে সোমপ্রকালের মূল্য পাঠাইবেন, ভাছা যেন ব্লেক্সিষ্টরি করিয়া জীযুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

योशिक्टिशत मूना भिनात नमत कछीछ हहेग्रा कामिटन, এक मामशूटर्स छोशिक्तिटक किंद्री निश्चित्रा कामान घाटेटन, कान कछीछ हहेन्ना शामान अक्रीका किंद्रि लिखा हहेटन, छाशत श्रद्ध अक्रमामकान अछीका किंद्रित। कागक वक्त कन्ना घाटेटन। स्मिष्ठ वाद्यत श्रद्ध विद्यातिश श्राप्टांन हहेटन।

মাতৃলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ডাক ঘরে চিঠি আইলে আমরা লীজ পাইব।

ধাঁহারা মাস্ত্র না দিয়া পত্রাদি প্রেরণ করি বেন. ভাঁহাদিগের সেই পত্রাদি গ্রহণ করা ঘাইবেনা।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইচ্ছ।
করিলে তাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংক্তি ।
আনা ভাহার পর />
আনা ভাহার পর /
রিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা করিবেন, গাঁহার সহিত সভ্জ বন্দোবস্ত ইইবে ।

এই পত্র, কলিকাতার দক্ষিণ পূর্নী মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর স্টেসনের দক্ষিণ চাঙ্গগোতার শ্রীযুক্ত ধারকানাথ বিদ্যা-ভূষণের বাটীতে প্রতি সোমবার প্রাত্যকালে প্রকাশিত হয়।

## প্রেরিত '

#### মান্যবর ঐযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক

#### महानव नमीदभवु।

व्यक्त व्यवस्थित क्रममारक क्षी शर्भ क्रिक्ट व्यक्त स्था प्रक्ष क्ष्म क्

- ১। অধুনা সকলেই বিদ্যাবিষয়ে অভ্যন্ত যরবান হইয়া বাটাতে জ্ঞালিকক নিযুক্ত করিয়া আলমাদিগের স্ত্রী কন। ও ভাগানীগণকে শিক্ষা প্রদান করিভেছেন , কিন্তু ইহাতে সর্গাধারণের পক্ষে ক্রবিধা না হওয়াতে পঞ্চমাননি নবম বর্ষীয় বালিকাদিগের শিক্ষাপ্রদানার্থ এই বিদ্যালয় স্থাপিত ছইবে কিন্তু যখন বালিকারা বয়-শের আধিকাছেতু বিদ্যালয়গমনে অসমর্থ ছইবে, তখন বিদ্যালয় হইতে শিক্ষক নিযুক্ত চইয়া উহাদিগের বাটাতে বিনা বেতনে শিক্ষাপ্রদান করিবে :
- ১। ইহাতে সংহিত্য জন্ধ, স্তৃতীকার্য্য, এ চিত্রপ্রভৃতি জন্যান্য শিক্ষোপ্রদাগী বিষয়ে শিক্ষা দেওয়া ঘাইবে।
- ৪। উহার বায়ের উপধানী ধন সঞ্জের জন্য সর্কাষারণের নিকট হইতে কি: অং কি: অংশ দান প্রার্থনা করা হইবে।

এখন আমাদিগের দেশে সভাতার উরাও

হইয়াছে ও সর্বাপাধারণের বিদ্যাবিষয়ে অভাত্র
অনুরাগ জালিয়াছে; অভএব আমরা ভরসা
করিতেছি যে, দেশহিতৈবী মহোদয়গণ এবত্রকার বিষয়ে আমাদিগকে সাহাব্যপ্রদান করিতে
তাটি করিবেন না।

কলিকাতা একান্ত বশবদ ও রা আবেণ ১২৭৫ জীলে না বি

১। এবংসর এখানে কৃষিকার্য এক বারেই |
হইল না। প্রথমতঃ অভিবৃত্তিনিবল্ধন উৎপন্ন
ধানা বীজ্ঞাকল নষ্ট হইয়াছে, একণে জনাবৃক্তিবশতঃ বীঞ্জ জন্মুরিভই হইল না। প্রজাগ-

ণের ছাছাকার ধ্বনি আর ভাবণ করা যায় না। এঞ্চেদেশে ধান ই একমাত্র জীবনোপায় : উহার अजार्व श्रेटल क्ष्में जिल्लिया बाकिट्ड भाविद्व না ৷ একে ড এই সৰ্কনাশ, ছাছাতে আবার জমী দার্গণ খাজনার জন্য উৎপীতন করিতে ক্রটি करिएडएकन ना । जीहारणतहे वा अभवाध कि ? कालकृत नार्व डांशिमिंगरक व्यवसंक्षि मा मिट्न टीहाता श्रक्षां शन्तक किन्नार्य व्यथाहि उ দেন ? নিজ কোষ হইতে বা ঋণছারা কত নির্মাহ व्हेर्व। श्वनिनाम, स्मीनात महामन्नान कार्य ট্র সাংহ্রের নিকট গভ জন মাদের নিয়মিত রাজ্ঞপ্র সেপ্টেম্বর মাসে দিবার প্রার্থনায় আবে দন করিয়াছিলেন, ভাষা উক্ত সাহেব মহাশয় वार् करतम मार्डे : प्राड्यांट श्रेष्ठांत निक्री আদায় না করিয়া জমীদারেরা আর কোথা হইতে দিবেন। "মড়ার উপর খাঁড়ার ঘার ৯ এই पृष्टी खडन !

 কাথি অঞ্লেবন্যা হইয়া এয়াপুঞ্য়ের সর্বাত্ত হইবার সংবাদে গ্রগ্মেট বীজধানত বিভরণদারা ভাহাদিশের সাহাযদোনে সম্মত रहेशारह्म। উक्त थाना क्रम कविवाद स्नना গ্রীয়ক্ত বাব যাদবচন্দ্র ঘোষ ডেপ্টা কালেক্টর ও মাজিটেট মহাশয় এ স্থলে শুভাগমন করি য়াছিলেন। এখানকার অন্তের জীযুক্ত ৰাবু জয়নারায়ণ গিরিজ এক হাজার মণ এবং ভূতপুর্ন্ম নায়েব জীয়ুক্ত বাবু স্থুরভঝাম প্রধান মহাশ্র ছই শ'ত মণ্ধান্বিনা মূলে: দিবার অঙ্গীকার করিয়াছেন। এখানকার প্রজা গণের যে কিছু সাহায়। ই হারাই করিভেছেন। গত ১২৭২ দালের বন্যার পর এখানকার ও পার্শ্বক্ত অন্যান্য পর্যাণার বিপন্ন ব্যাক্তগণকে উভয়েই প্রায় ২০০০০ মণ ধানা বিভ্রণ করি शाहित्सम । वात भाष मन विख्यत करा छाहारमञ् শক্ষে বিচিত্র কি ? ধনশালী মাত্রেরই গিরি ও প্রধান মহাশর্দিগের অপ্রকরণ করা কর্তব্য।

দোৱো
সন ১২৭৫
২৬ এ আবাড়

#### व्यवावृष्टि ।

অতিরৃষ্টি ষেমন দেশের একটা প্রধান ছরবছার কারণ, অনার্ফিও ডজ্ঞপ যাবডীয় বিপদের আস্পদ। যে দেশে অথবা যে রাজ্যে অভি
বৃষ্টি কিয়া অনার্ফি উপস্থিত হইরাছে, তথাকার অবস্থা যে কিপ্রকার শোচনীয় হইরা উঠে,
বলা যার না। ও দিকে যেমন ছর্ডাগ্য বঙ্গদেশ
উপর্যু পরি দৈবছ্রিপাকনিবীন্ধন বিপদপরন্প-

রায় পরিণত হইয়া পুনরায় আবার আ ৰূপ অভিনৰ মহাসক্ষটে প্ৰিড হইয়াছে. এ দিকে অলাভাবে ত্রিন্তত্তের অবস্থাও প্রায় ঠিক দেইরূপ হইয়া আদিতেছে। এবার ব্রিছ তের দশা कि स्टेट बिनाया छेठा यात्र ना। सन किष्ट्रमाञ नाहे। त्रहे कात्रत्न कृषिकार्र्धात चान्। मभूम देम निख रहेएड इमिन। अनवत्र अइश्व मार्क्ट अप्रियम् निर्मत्र नाम् सात्रकत् कित्न कारम कर्षिक (कजनकम मार्यानम प्रम कार्यानीत ন্যায় ভীধন মুর্জি ধারণ করিয়াছে। স্থাম। (मक् या ও अनाव अक वादत खिनवा तिवादह । পুनরায় **আর যে হইবে এরপে সম্ভাবনা নাই**। শ্যামা মেড় রা ও জনার, এখানকার ইওর লোক पिर्गत कीयन शांतरनत श्रशांत खेशात्र हे छातार क्रमणाहर इश्यी लाकमिरशद म्या कि इहेरव ভাবিয়া স্থির করা বামু না। যেসকল ক্ষেত্রে ধান: বীজ রোপণ করা হইয়াছিল জলাভাবে সে नकन अकराति शुक्क हहेवा शिवाहि। इन्ह পরিমিত চারাগুলি নিদাঘদীধিতির প্রখার কিরণ श्रकार्य व्यवस्य प्रवृत्ति श्रीश इरेग्नाइ । এवाद আর নিস্তার নাই ৷ আজি জ্ঞাবণ মাস, এখন ৪ বারিববঁণের নামমাত্র নাই। কোথায় এ সময়ে মাঠ, স্বাট, পুরুরিনীপ্রভৃতি কলে পরিপূর্ন हहैरव, ना धराखन पृथ्णपुत मधुर्व खरनत नहार र्गं कदिशा बहिशाहि। यथा এक मिवन कं अर বিশ্বমাত্র অভাবিশ্বর ন্যায় বারিবিশ্ব নিণ ভিড ্ছওয়াভে, পূর্দাণেকা আরো এীলে: অভিনয় বৃদ্ধি হই গ্লাছে। এমন এীবাকধন দৃং इयु माइ । महत्व्यतिमात श्रापत ज्यास साह প্রভাবে দিবাভাগ এরপ উত্তপ্ত ও ভয়প্রদ হয় (य श्रुट्ट्र वाश्ति इब्र कारात माधा। म्रान कर যার, রাত্রি উপস্থিত হইলে একটু বাঁচা বাইবে কিছ দেও কেবল আশামাত্র। বস্তুতঃ প্রা আৰু বাঁচে না, এবার গেলেম। গ্রীমাভিরেক নিবন্ধন রাজে নিদ্রা হইবার যো নাই 🔻 স্থতরা बारक विज्ञा ना शिटल क मिन खीवनवृक्ता रह এক দিন আমরা নিশীথসময়ে পায়ে পাং: বেডাইতে বেড়াইডে মঞ্চালরপুরের নানা স্থানে অমৃণ করিয়া দেখিলাম, নগরবাসী যাবজীয় अपनीवी द्रः भीः (लारकता नमत्र द्रान्डात डेनरत কেহবা খাটিয়ার উপর কেহবা অবস্থান্তরূপ এঞ चार्नि नामाना প्रजानरन, र्कर्या पदानरन मस्न করিয়া অতিকপ্তে রাত্রি যাপন করিভেছে। জাহা मिश्रादक (मिश्राद्या **आ**श्रादमत स्मार्थ विकासीत ष्टः रथत छेनग्र हरेन । छाविलाम, नेश्वत अवात्र कि করেন। ফলডঃ এবার এখানে যেরপ অনুষ্ঠপুর্না

# मायकाग

১ - ম ভাগা

्ळ म**रचा**।

## " प्रवक्ततां प्रक्रतिहिताय पार्थिवः सरस्ती अतिमहती न हीयतां।"

খাসিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১০ দ্রশ্ ।

স্বাহ্য প্রাধিক ১৬ কর্মার বার্ষিক ১৬ দুর্শ ।

স্বাহ্য বার্যাসিক ৫॥ সাড়ে সাচ টাকা।

স্বাহ্য বার্যাসিক ৩৮০ টাকা चार्वात्र मान्।ातिक था मार्ड शाह होका ।

## বিজ্ঞাপন।

ত্রীয়ক্ত বাবু মংশচক্র वर्क्ता भाषां श्रं ज्यानाहाराष हरेए जामाषित्यत निकारी करे ভাবের এক পত্র লিখিয়াছেন যে, 'ভাঁছার জম্মু-দ্বিষ্ট লাভা ভারতেক পত্রস্থারা জানাইয়াছেন, मामश्रक'न यहानास मरवान (श्रत्न कवि**रम** তিনি জানিতে পারিবেন। মহেশ বাবু যেপ্রকার কাতর হইয়াছেন, ভাহাতে ভাঁহার সহিছে উ'হার অনুন্দিষ্ট ভাডাব এরপে ব্যবহার করা আর বিশেষ হয় না। অবিলয়ে তিনি আপনার অবস্থা নাগিরভান্ত বিন্তারিভরণে লিখিয়া আপুনার. ভাতার উৎকঠা দূর ও বারীতে প্রভাগিনন करतम, अहे भागाभिरतत अञ्चरत्राथ।

(मामधकाम मण्लापक।

## इचेइिएशान (तल अरह) ଓ দিলী রেলওয়ে। बिवरे पिश्वा भाषादाखा

সর্ক্ষরাধারণকে জানান ঘাইভেচে যে, अकर्ण यावजीय यानिका प्रवा क चारताहितर्गह মিরট হইয়া ইপ্র ই জিরা রেল ওয়ের श्रमान श्रमान (हेन्द्र भ्रजायां ४ इत्।

ইষ্ট্ৰন্থিয়া বেলভয়ে ডেলহাউপী সোধাৰ কলি } সিবিল্ডিফেন্সন महासम्बद्धाः ) अस्त्रिका तोड

যন্ত্ৰ স্থিত।

সন্থরে প্রচারিত হইবে।

নিধ্বাবিবাছ নাটক রাজা হরিশ্চন্ত চরিত। সাহিত্যদেশৰ ৩ য় প ব্ৰিচ্ছেদ পৰ্যন্তে পুর্ব্যবিষ্ণ চরিত ১ ম দর্গ নারায়ণী চীকা महिज

अक मारमत मर्था याँशाता आहुक इट्टेंग ও অতিম মূল্য দিবেন কেবল তাঁহালিগকেই সাহিত্য দর্শন ও নৈষধ এই ছুই গ্রন্থের প্রকাশিত খণ্ড নিয়মিতরূপে দেওয়া যাইবে। এক মাসের পর আর শতন্ত্র থণ্ড বিব্রুম্ব করা ধাইবে না। এক বারে সম্পূর্ণ গ্রন্থ বিক্রে**য় হইবে।** 

বিক্রেয় পুস্তক।

(र्बंट्स (कांव অনর, মেদিনী, ত্রিকাণ্ড পেষ, ছারাবলী একত্র বাঁধান मुक्किकि नांहेक মিভাক্তরা কলিকাতা ो औरकपात्रमाथ वरमगा-ठेमठेरम ५११ मर*्* 

-200-

বাহক্গণের প্রয়োজনহেডু নিম্লিখিড ৰংক্ষৃত পুল্কতায়ের কিয়দংশ প্রকাশিত হইল। क्षारकाव श्रृप्त छवाजील निम्ननिर्मिष्टे मध्युर्व भूमा थ्यतन कतिरम थान्य इहेरवन। विरमरम প্রেরণের স্বভন্ত ভাক মাসুল দাগিবে।

मिलनार्थत जिका महिछ। শিশুপাল ব্য (মাঘকুত ) মূল্য द्रधू**दश्य (कालिपानकृ**ख) ¢ || \* কিরাতার্জ্জুনীয় ( ভারবিক্লড)

বিদ্যার্শিনাবের জ্বন্তমুনিধার্থ নিয়ালিখিত কভকগুলিন সংস্কৃত পুড়িক দেখনাগরাজারে স্টীক মুদ্রার্ভ ইইবে। একালের পুর্মে গ্রাহক ভুক্ত হইলে গীতা বার পুঠা অপর প্রতি আট পুষ্ঠা তিন পয়সার হিসাবে গতে বা সম্পূর্ণ যেমত 🕻 প্রকাশিত হইবে উক্ত নিয়নে মূল্য প্রদান क्तिम शुष्यक श्राक्ष श्हेर्यम । विस्मान (श्रद्धानत সতন্ত্র ডাক মাত্রল লাগিবে।

ঋডুসংহার। মেঘদুত। শকুন্তলা। নলোদয়। मानदिकाधिमञ् । विकासार्सनी । मूनाताकम्

क्रमावली। मालकी माधव। मारबाज्यको ध्रेमी वा मार्थाकाविका। महावीवहविछ। উखत्रवाध **इतिक। भूक्षरवाध। मन्यक्रमात्रहतिरण्डा** পানিত্রি। বসস্ততিলকভাণ। অমরকোর। শাক্তর कायः, ज्यानमनिति, क्रीध्वत्रामी ७ मधुष्टम्ब স্বস্থতীৰ চীকাসহিত শ্ৰীমন্তাগৰত। মহাভারত 🗓 বিষ্ণুপুরাণ। কাদ্ধরী। ভটিকাবা। মাগানন্দ 👸 काबाधकाम । इङ्क । मार्करखन्न हर्खी ।

কলিকাভা সংবাদ জ্ঞান ) क्रिव्यवहत्त वनाक, বুদ্ধাকর যন্ত্র নিমতলা क्षीत ०२ गरचाक कान।

#### বিক্ৰশ্বাৰ্থ।

গারডেন রীচ ২৪ নং বাটী ওদামসহ ১৯ নং

ক্লোক্তা ৰাগান।

বিক্রয়ের নিমিত। गातरजनती हरह नः वांगी

উপরি উক্ত বাগান ও বালী বাঁলারা কর করিতে অথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নিয় বাক ব্লিড ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

जित्लिखात्रम् व्यान्त्वा-থনট এষং কোং

हेमहेनिया मध्य छ शृक्षकानएर ७ भटिन् 🗿 ভালা বাড় খে: আনার কোন্পানির দোকানে ৎক্ত প্ৰদীত ভ মংগ্ৰহাৰিত নিয়লিখিত পুজকগুলিক্ট্ৰ विक्रय क्षेट्रिए .---

SHI 819 3 . ३ हेक्स গ্রীসই ডিছাস 12 135 35 7 ভাষৰসাৱ বংকিবৰ ন"(তদাব ( , ম ভাগে ) নীতিগার (২ র ভাগ) প্রচারিত। মুদ্ধবোদ ব্যাকরণ

द्या हा दका नाथ नामें

#### বিবিধ দ্রব্যাদি বিক্ররার্থ প্রস্তত ।

ইংরাজী বাঙ্গলা পুস্তক কাগজ কলমাদি নানা বিধ এবং পাওয়া থাকে এবং পুস্তকাদিতে এক ভুল্পানার হিসাবে কমিসন দি। যদি কেহ অধিক টোকার দ্রব্যাদি লয়েন ভাগা হইদে /১০ আনার ভিসাবে কমিসন পাইবেন।

क्रभार्य काममन शाहरवन ।	
	ট কা
েছিলড স্মিথ শইটিকেল ওয়ার্ক	t h
' <b>খ</b> :টেরবিয়ান নাইট	ું કેત્
স্পেক টেটার	୯୭
বেলেয়ার্ম কেকচার	N¢'
্জাদেদস ওয়ার্ক	On
ই∘রাজী ভগবৎগীভা	ą
ইং কাদধনী	ર
ই॰ হিষ্ট্রী অক প্রশেষ ইন গ্রেট ব্রিটন	5 11
ইং শকুন্তলা	۵
इर विकासिम	7
পুর্ষ প্রীক্ষা	۵
ल श्रमा <b>मञ्जू</b> न	۷
<b>श्चियम</b> न	۵
ভুরকীর ইভিহাস	>
র <b>িড</b> মূল	4 *
কায়স্ত দীপিকা	;
সন্ধীতানন্দ কহনী	1.
ীনধ্য চরিক	٦١,
ৰিল্ফ মুখনগুল	10/
কলিক'ডাৰু মনেডিজ্ৰ ( উত্তম র্রাণান )	₹
<b>क</b> ातकादकली (कोमुनी	7#
সাম উপাধ্যান	<b>†</b> •
'ভারেন্তবর্দেব পুরারন্ত ( দ্বিতীয় বার মুক্তি	<b>3</b> )
মান্ডিএ সহিত মূল্য	ا • لعا
বিপ্তা <b>কাভ রাম</b> রোপিগ	; ·
व्यष्टोक्रम <b>शर्क प्रश्</b> वाक अल्	₹#
:শক্ষাপ্রণালী	٠ •
্গালকের উপযোগিত।	<b>4</b> -
क्ष:नकी महिक	ا د
बौतवा कडा वर्णी	۱ •
१ सप्त यो दङ्गिका	# .
ক³5 <b>ক</b> ৰ্প ক‡ৰং	<b>H</b> •
5'রত মঞ্জী	31.
ক(ব্ৰহ্মণ চণ্ডী	h
को नी थ छ	h
প্রভাগের থাও	31
কলীকৌডুফ নাইক ক্রিকলাপ	3
4:44.8().)	> /

রামাভিবেক নাটক
চন্দ্রবিলাস নাটক
তলিকাভা জোড়াসাকে। ৬৪ নং
নাদ মূল্যে বিক্রেডা

বজকামিনী নাটক ( মূল্য এক টাকা ) সংস্কৃত যথ্রেব পুস্তকালয়ে, চীনেবাঞ্চারে জীযুক্ত বাবু ভোলানাথ মুখোপাধ্যয়ের ৬৮ নম্বর দোকানে এবং সংস্কৃত যাত্রের অধ্যক্ষ জীযুক্ত বাবু ক্ষেত্রমোহন মুখোপাধ্যয়ের নিকটে প্রাপ্ত ক্রেক্ত্রমাহন মুখোপাধ্যয়ের নিকটে প্রাপ্ত ক্রেক্ত্রপাকে ২৫ প চিল টাকার হিসাবে ক্রিসন দেওয়া মার।

জীহারাণচক্র মুখোপাধ্যায়স্য

#### বিক্রয়ার্থ :

শব্দকল্পজন্ম অভিধান। সর রাজা রাধা-কান্ত দেব বাহাছুরের কৃত। উত্তমকপে সোণা দিয়া প্রতন বাঁধান মূল্য ২৫০ টাকা।

**बिवानमहस्मरकार वार्याम।** 

----

#### কাব্য প্রকাশিকা।

এই মাদ হইতে প্রকাশিত হইল। ইহাতে
সমুদায় কাব্য নাটকাদির দেবনগৈর অক্ষরে মূল
ও দিকা এবং বাললা অক্ষরে বাললা অমুবাদ
থাকিবে। নিম্নমিত প্রাহকগণের প্রতি প্রতি থতে
কি ছয় আনা এবং প্রতেকে খণ্ডের ॥ আট
আনা মূল্য নিশ্বারিত হইল। যাহারা গ্রহণ
করিতে অভিলাঘ করেন, ঝামাপুক্র লেন ১৫ নং
কি, পি, এমন্ যথে অথবা কালেজ ক্রীট ১১ নং
লাইত্রে রভে আমার নিকট পত্র লিখিলে পাইতে
পারিবেন। বিদেশীয় গ্রাহকগণকে অভন্ত ডাক
মাক্রল দিতে হইরে।

৩ র: আবেণ ) শ্রীবরদাপ্রসাদ মজুমদার।
১২৭৫:

---000

ইফীরণ বেঙ্গাল রেলওয়ে। রিভার টারমিনস্, অর্থাৎ সিয়াল দহ হইতে গঙ্গাতীর পর্যান্ত

রেলওয়ের চলাচল

#### व्यात्र छ ।

হাটখোলার নিকটব ঐ বাগব'জারে ইষ্টা রণ বেলাল রেলওয়ে কোম্পানির রিভার টার্মি নস্নামক রেলওয়ে, জাগামী ওরা জালষ্ঠ সোম वांत्र व्यवधि प्रवासि स्थित । संग्री स्थाना वाहरूकः।

ইষ্টারণ বেলাল রেল ওয়ে । ক্ াক্সলিন নিরালনই টার্মিনস ৯ ই জুলাই ১৮৩৮! এজেট।

-002-

#### श्रवाम्यामा ।

বঙ্গদেশীয় বিবিধ জনপদ ব্যবহারমূলক। এই
পুস্তক ঘাঁহার প্রয়োজন হইবে, তিনি কলিকাতা
কুলবুক সোগাইটীর গ্রথমেন্ট পেলেগের ৯ নং
ভবনে প্রার্থনা করিলে পাইতে পারিখেন।
মূল্য। / জানা মাত্র।

হরিশ্চন্দ্র চরিত মুসা । । হরিশ্চন্দ্র চরিত ক্রীযুক্ত জগম্মাহন তর্কালকারকর্ত্বক সক্ষলিত হইয়া মুদ্রিত হইয়াছে।
এই গ্রন্থখানিতে পৌরাণিক আলৌকিক বর্ণন নাই, পর্জ শুদ্ধ বালক বালিকাদিগের সভাদনিই। শিখাইবার নিমিত রাজা হরিশ্চন্দ্রের উপাধ্যান যভদুর আবশ্যক, ভাহাই আছে।
কলিকাতা

र्वनिकेटन ३११ नर

## निष्यात निष्या

সন ১৮৬৮ সালের জুলাই মাদের ১৫ ই হইতে ২১ এ পর্যন্ত নদী হায়ের দর্মকম ভ জলেব সাপ্তাহিক রিশোটি।

नशीत नाम शुक्र ₹ **%** মাথা ভাঙা ন महागात छेलद लगामनी एड ð নিজ মহানায় ভথা হইভে হাট বোষালিয়া ৪৪ মাইল হাট বোয়ালিয়া হইতে আনুক্রিয়া व्याञ्चकवित्रा हरेएक क्रक्रम ৩৮ মাইল কুঞ্গঞ্ হইতে ছগলি নদীপ-ৰ্যন্তে ৩৪ মাইল ৯ ভাগীরখী ৷ মহানার উপর পঞ্চানদীতে মহানায় ð তথা হইতে জিয়াগঞ্চ जिल्लानम स्टेट कार्टात्रा ৬ মাইল

কাটোয়া হইতে নদীয়া

৪৬ মাইল

নদী অললী

মহানা

তথা হইতে করিমপুর

১৯ মাইল

করিমপুর হইতে টিয়াকাটা

৩৫ মাইল

৩৫ মাইল

৬০ মাইল

মহানা গত ৪ ঠা জুলাই খুলিয়াছে;

সন ১৮৬৮ জুলাই মালের ২৪ এ ভারিখে
বহরমপুর মঞ্জ ঘাটের অলের মাপ।

## বিজ্ঞাপন।

পূর্নবাঙ্গাল রেল হয়।

হাটখোলার নিকট বাগ্রাজ্ঞারে গলার গারে যে রেশ-প্রের জাড় ডা খুলিবার কথা ছিল, কল্পজনীয় কারণবশতঃ ১০ ই জাগ্রাষ্ট্র

শিয়ালদহ । শুক্তলিন প্রেক্টির এলা আগ্রন্থী ১৮৬৮ । এজেন্ট

## সোনপ্ৰকাশ।

২০এ গ্রাবন লোমবার। ভারতবর্ধের ভাষী অনিষ্ঠ।

ইউরোপথণ্ডের সভ্যতার সহিত্ত তথাকার কতকগুলি কুসংস্থারও যে এ দেশে বদ্ধমূল হইবে, ভাহার বিলক্ষণ লক্ষণ দেখা যাইতেছে। ইংলও এ দেশে ভাপনার প্রভূশক্তি বিস্তার করিয়া ভারতবর্ধীয়দিগের রাজনীতিসংক্রান্ত স্বর লোপ করিতেছেন বলিয়া ইহাঁদি-গের অপকট ক্তজ্ঞভাভাজন হইতে পারিতেছেন না বটে; কিন্তু অন্য অন্য বিষয়ে যে অদৃত ও অক্ষেত্রপূর্ব উন্নতি-সাধন করিতেছেন, ভন্নিমিত অক্তিম উষ্ণ ক্কৃতজ্ঞভার ভাজন হইবেন সন্দেহ নাই। ইংল্ডের গোরবও সহলাংশুর

ममथा इहेबा हिन्दा क्यां क्यां व इहेर्द। রোনকদিগের পর অন্য কোন ক্ষেতৃকাতি ুপরাক্ষিতদিগের মান্দিক উন্নতিবাধন विवरस इंश्वर छत्र महमा यञ्ज श्राक्षां करतम নাই।বে বুদ্ধিমতা তেকবিতা ও সভা ভার প্রভাবে ইংরাজদিগের পর ভারত वर्षी देशता ज्या दिनाम विद्यामीय जारितक व (राम भाषाका हानन निर्वत ना, हेश्नक छोड़ा आमानिनरक थामानं कतिराज्यस्य । जिनि आमामिशाय कन स्थाभी हरेट पिटनन ना गडा ; किंह यं वीज वर्गन कतिहान, छाहा कालकर्म व्रहर वृष्ण हरेवा व्यष्ट कत डेर्पामन করিবে, দে বিষয়ে অণুমাত্ত সংখয় নাই। किन्त चारकरशत विवयं करे, कक एन ইংরাজ স্বদেশের এই ভাৰী গৌরবের বিশ্ব কথাইতেছেন। যেদকল কুদংকার ইউরোপে পরিত্যক্ত হইতেছে, যাহা नहेश हेडेटबांटन स्नम् न निज्यादह এই দল ভাষা এ দেশে বদ্ধমূল করিবার চেন্টায় আছেন। আমরা জানিতাম, ইংলভীর দেনাদলের পুরাতন অস্ত্রই কেবল এখানকার বৈনাদিগের নিমিত প্রেরিত হয় ; কিন্তু ইংলণ্ডের পরিত্যক্ত কুশংকারও যে এখানে চালিত হয়, ভাহা জানিতাম না।

বে যে কারণে ভারতবর্ধের বর্তমান
গবর্ণমেন্ট সাধারণা প্রজার অপ্রিয় হইরাছেন, ইংলণ্ডেশরীর ক্ষত স্পাটাক্ষর
অঙ্গীকার ভঙ্গ করিয়া গৃত্তধর্ম প্রচলিত
করিবার চেন্টা তম্মধ্যে প্রধান। এক্ষণে
এখানকার কর্মচারীদিগের মধ্যে যথার্থ
রাজনীতিজ্ঞ লোক অতি অন্প আছেন।
প্রধানের অসুকরণ করা প্রায় সকলের
বভাব দাঁড়াইরাছে। প্রধানের দৃষ্টাস্ত
অসুসারে প্রায় যাবতীয় ইউরোপীয় কর্ম
চারী সানিবারকেও বিশ্রামবার করিয়া
তুলিয়াছেন। ধর্মাসুরাগ নিন্দনীয় নয়;
কিন্ত যদি শাসন ও রাজকার্য্য উহাতে

অনুস্তে করা হয়, তাহা হইলে অনিটের ছইলা উঠে। হিন্দুদিলের বাবতীয় বিষয় ধর্মদত্তক বলিয়া অনেক উৎক্লেই বিষয়ও একাত হতাদর হইলছে। ইউরোপে শাসনকর্তৃকগণ ধর্মের সহিত সংক্র ভাগে করিতেছেন। আয়ারলতে স্বতন্ত্র প্রোটে को के धर्ष मच्छा राग्न न। पादक हेश्यार ७ त অধিকাংশ লোকের মন্ত। জিনরেলি লাছেবের চেন্টার লাভেরা প্লাভকোন পুরোহিত নিয়োগ ছগিত করিবার বিল এ বৎদর অথাই করিলেন वटि , किस्तु मूजन महामुखा हरेटन आहात লতে আর দরকারী বেতনভোগী এক জনও পুরোহিত থাকেন এরূপ বোধ হয় **हे** १ न ८ ७ त পুরোহিত নিয়োগ প্রথা রহিত করিবার এটা প্রথম স্ত্র হইতেছে। ইউরোপ মহাধ্যের বে প্রকার মত, কিছু দিন হইল তাহা লিজ নগরে প্রকাশিত হইয়াছে। তথায় ইউ. सारभात व्यथान व्यथान विश्वविद्यानरम् ছাত্রেরা এক সভা করিয়া প্রকাশারূপে বলিয়াছেন, ধু উথর্ঘ বর্ত্তমান সভ্যতার অনুরূপ নহে এবং ধর্মের সহিত গ্রণ-মেন্টের কোনপ্রকার সংস্থাব রাখাও বিধের হয় না। সুমাট নেপলিয়ন সহত্র চেন্টা করিয়াও খৃষ্টধর্মের প্রতি লোকের শ্রদ্ধারতে পারেন নাই। ফরাদী বিমবের সময়ে যে মত প্রকাশিত হয়, একণে তাহা স্কৃত্র পরিগৃহীত হই-তেছে। বহু অর্থ ব্যয় ও বহু আড়েশ্বর করিয়া পদ্ধতিবদ্ধ কতকগুলি শব্দ উক্তারণ করিলেই থে ঈশরের প্রতি ভক্তিপ্রকাশ रहेल, हेडेटतांश ও আমেরিকা উভর थए अहे क्र ठिवाम खनी व कथा श्रीकात করিতে সম্ভনহেন। ইটালিতে পোপের প্রতি লোকের ভক্তি অন্তর্হিত হইয়াছে। অন্ট্রার সমাট প্রকাদিগের মতে উপেক। করিতে অসমর্থ इहेश विकार-লয়ে কাথলিক ধর্ম অবল্য লিক্ষা করিছে

ইংবে, এ নিয়ন পরিতাগি করিয়াছেন।
বিদ্যালয়ে ধন্ম শিক্ষানা করিলে নয়
এ মত ইউরোপে আর অ'দৃত ইইতেছে
না। ধর্মকার্যের অনুসাম করা আর না
করা ব্যক্তিবিশেষের স্বায়ক; কেই
কার্যে ধন্মধর্মকলভোগী হন না।
গ্রন্থেন্ট ঘদি সামাজিক বিষয়ের উপরে
প্রান্ত করেন, তাহণতে সেনন অনিষ্ট
হল, ধর্মবিদ্রের প্রভুত্ব করিলেও দেই
রূপ ইইয়া থাকে।

ष्यारम्बिकास यथन हे प्रवर्गरमार्गेह সহিত ধর্মের সংজ্ঞান নংটা এ বিষয়ে ভাঁহারা সকলের অঞ্সর হইগাছেন। যত দিন কোম্পানির রাজত্ব ছিত্র, তত দিন ভারতবর্গীর গ্রণমেন্টের মন্ত্রব রোগ তত বলবান ছিল না; কিন্তু ক্রাম উহা শাংছাতিক হট্য়া উঠিতেছে। **(क्वल** हो ब्रक्तर्या नश, आंश्रीनर्भत निकाधन निम्ति अ जन्म जन्म श्रेष সংখ্যা ও লেখা ও দেওলা । তৈছে। श्वग्रायको विमाधिरात आ किएई एकति লেখাৰ কারণ ধলিয়া প্রিগান্র **হই**তে পারে, ডাক্তর ডক দেখিলেন, মিন্নরি रिकारितर छ। अपन (अनिराष्ट्रीम काटनक শংহাসূতির ছাত্রগাংগর সুমুক্ত ছয়াও কথান शहीयः भिष्ट शहिर्देग सः । यक मिन रैममग्री (१७)(वश्यक्ता श्वर्रम्ट्लेड र्वित रेनद्वात कुना कता है। छड़े, छड़ निम अवग्रमाणी विन्तान्य বৈবার কথা বলিলে ভাষা মঞাহা হয়বে। আত্রব ভিনি নিধনতি বিদ্যালয়কে উল্লভ करिए अवर्गरम्के विकासिता सम्बक्ष वर्ते ११ जन्म अस्तिमा विष्युक्त कतिहा গ্রন্থেটি গ্রন্থেরগুটিটেল স্থাপ্তিত ক্রিয়া ১৬ চার সম্ক্রিভাষেপ্রেন স্ইজ বেছি কাল্যন এলে প্ৰস্তুক কৰাইবাৰ একার কার ় গ্রের্মণলগ্রভাও क्षाकात वाद्धा विद्यापिक क्षेत्रका পাঠা বুস্তক কৰিয়া গোল 🔻 अ हे

কারণেই মিদনরি বিদ্যালয় পূৰ্ব্বাদেশ অধিক বহিগত ETE হুণ্টতভেন: তদ্বারা মিদনরিরা প্রথমে ভৌর বিদ্যালয় উঠাইবার প্রাস্তঃর করি বার স্থাবিধাও পাইয়াছেন ৷ সম্প্রতি এक ही घटना इहेश हर, छाहाट यागा मिरगत भिकाशनानीत मण्यान विशन আশক্ষিত হইতেছে। আবারক্ষর गताविद्धान थ छेवचात्क भून कतिशा লিখিত হইরাছে। বর্ত্তমান সভা কালে মনোবিজ্ঞান তর্জ ও গ্রন্থতির নিয়মামু-সারে স্থিরীকুত হইবে। ডাক্তর আবার ক্রম্মি তর্কের স্থলে বাইবলের ক্তকগুলি व्यक्तिक वाका क्षमान मिता खवाका मम র্থন করিলাছেন। এই পুস্তক্থানি বিশ্ব বিদ্যালয় ছইতে রহিত করিবার প্রস্তাব হয়। বারু ক্লঞ্মোহন বন্দ্রোপাধায় প্রথমতঃ আবাংক্রমি রহিত করিবার কথা কহিয়াছিলেন : কিন্তু অপর মিসনরি গণ টীংকার করিয়া উঠাতে, তিনি নিরস্ত হইলেন এবং কর্ত্তব্য কর্ম বিস্মৃত হইগা সেই মতে মত দিলেন। কি শাসন व्यवाली कि मिका व्यवाली बाव और विवत এই রূপে ধর্মদন্ত ভ্রমতে আমাদি গেব ইন্ট না হুইয়া অনিটেরই আশক্ষ। क्रांचिट्ट । यामानितार थे छेनची कूतरू রাজপুরুর ও মিদনরিগণ মনে করিছে ছেন, যে বোন উপায়ে হউক, **খৃ উ**ধর্মের বকুল প্রচার করিতে পারিলেই ভারত বর্ষের মঙ্গল করা হইবে ্কিন্তু একণ-কার সময়োলতি প্রভিক্লগামিনী, এখন লোকের মনের যেপ্রকার ভাবে দেখা याहेटलाइ, जाहाट के टिकी अनर्थ-कार्तिनी इहेटव मटन इ नाहै।

শ্কিবসমাল ।

ভাগলপুৰে শিক্ষকসমাজ নামে এনটা সভা হইয়াছে। এতকেশীয় শিক্ষ

कर्मन अच्चरन य भगन्छ क्येर्डाम क्रि. তেছেন, ভাঁহাদিগের বেভন ও পদর্ভির নিশ্চিত নিয়ম না থাকাতে যে অনিট হই ट्टाइ, **डाइां**त প্রতিকার করাই मगा-(कात डेएफ मा। अहे मभाव शांव छीत শিক্ষকের প্রতিনিধিম্বরূপ হইয়া বঙ্গদে-শের ডিরেক্টর ডবলিউ, এস, আটকিন্সন मारहरवत निकरि अक आरवमन धात्र कतिशार्ण्य। छाहाता वर्णम, मिक्किनि रात डेझ डिलाट्डत निर्मिष्ठ निश्चम नाइ। অনেক শিক্ষক এরপ আছেন, যাঁহারা বহু কাল কর্ম করিতেছেন, কিন্তু এক পদও উন্নতিলাভ করিতে পারেন নাই; व्यथह विमानाराह कर्खाहा वहावह छाँहा-मिट्रां कार्या महुके इहेशार्डन। अनामना विভাগে निकृषे कमडानानी लातिहा সময়ে সময়ে যেপ্রকার বর্দ্ধিত বেতন লাভ করিতেছেন, তদ্দর্শন করিয়া শিক্ষ-কের কার্যা নিভাস্থ কটকর বলিয়া প্রতী-श्रमान इस महत्त्वह नाहै।

একণে শিকাবিভাষের পদ শ্ল্য **१३८ल धारत िश्विकारितत छोळ्क्लिंग्टक** (म ५३) हर, **घ्यठ** घटनक निक्क निक কের প্রশংসাপত্র পাইয়া কাজ করিতে ছেন। গভান ইয়াও সাকেব ১৮৫৭ অনেদ च्छित करिशाहित्सन, त्कान श्रमभाना इडेटन বে ব্যক্তি নিয়তর পদক্ত থাকিয়া কুদ্র क्षरभ कार्या कडिया अधिश्राज्ञिकां कडिय য়াছেন এবং যাঁচার প্রশংশাপত্র আছে, **ँ।** इंटिक के अन (में उसे केंद्रिया) এছলে মুড়ন প্রাথীর গুণ কিছু অধিক इंदेरन ७ जाहा धर्छ वा इहेरव ना ; किन्द একণে কার্যাতঃ এনিয়ম বৃহিত হইয়াছে। नभाक वरनन, विश्वविनानरात छाजिन-গের অনুরোধে পূর্বতন উপযুক্ত শিক্ষক मिश्रादक डेक्र श्रम श्रमान ना कहा व्यनाह। এ অভিযোগের কারণ আছে। বিশ্ববি-म, भलरत्रत होज्ञ भगरक উৎ माह (म उत्रा কর্ত্তা ভাহার সন্দেহ নাই; কিন্তু পূর্বেতন

উপযুক্ত শিক্ষকদিগকে নিরাদ করিয়া উरमाह प्रख्या विद्यय नय। विश्वविद्या लरशत छेशाधि मा थाकिरल (व त्यारक উপযুক্ত হন না, এ কথা অকিঞ্ছিতকর। क्रांट्यत शिलिटिकिनिक विकासित विश्व वाखित्तदक বিদ্যালয়ের প্রশংসাপত্র शादिण कतिवात त्या हिल ना: किन्न যথন নেপলিয়ন কন্সল ছিলেন, ভৎকালে এক যুৱক ভাঁহার নিকট আদিয়া বলি লেন " আমার পিতা আমাকে গৃতে शिका पिराट्डन: काटलट्ड प्रशासन कति আমাদিগের এমত নজতি নাই: কিন্তু (मनाम्राह्म श्राटवम कतिवांत केण्हा कति-হাছি: আমি উপযুক্ত কি না তাহা মহাশয় স্বয়ং পরীকা করুন। " নেপলি হন দেখিবামাত্র লোক চিনিতে পারি-তেন। তিনি নিকে বালকটার পরীকা লইলেন : তিনি নিজে অদামান্য অল-বিদার্শবিৎ ছিলোন, ভাঁহাকেও ঐ যুবকের প্রশংসা করিটের হইল: এ যুবক পলি টেকনিক বিদালায়ের নিয়ম ভদ করিয়া ख्यां शांत्रण कतित्वन, (भारत स्मारनत যুদ্ধকালে এক জন গণনীয় দেনাপতি ﴿ইয়। विलक्ष यरमोलां कतिशाष्ट्रिंसन। विश्व विज्ञानतः गृह अर्थका माधातर्ग उदक्र শৈকা হয় যথাৰ্থ ; কিন্তু ভাষা বলিয়া উপাধিহীন ব্যক্তিমাত্রেই অরপযুক্ত এ সিদ্ধান্ত হইতে পারে না। শিকা विভাগে ध्रमकल लाक बाह्मन, जाहा मिर्शत अधिकाः में छे**लाधिशाती न**रहन। इंश्रीता आश्रनामित्यत कीवनकान निक কভা কার্যা অভিবাহিত করিয়াছেন। শिक्षक डो हार्स्या अदन दक्त म्कडा क्यांतरह। दक्वन विमा शक्ति-লেই উত্তন শিক্ষক ছওয়া বায় না। আমে রিকা ও ইউরোপ উভয় থডেই শিক্ষ-দিগের বি:শ্য শিকা আবশ্যক হয়। সেই শিক্ষা প্রতিন শিক্ষকদিগের আছে। এগকল ব্যক্তি कार्याधी

ধাকিতে মুক্তন ও শূন্য পদ অন্য লোককে প্রদান করা আর পদত ব্যক্তিকে শিক্ষাবিভাগ তাগে করিছে বলা সমান কথা। পরীক্ষোকী গিবি-লিয়ানগণকে যদি প্রত্যেক নুক্তন পদ দেওয়া হইত যদি ভিন বৎসবের এক জন কশ্লিটিনান প্রয়ালা বিংশতি বংসবের এক জন কালেইবের মন্তক লভ্যন করিয়া জল হইতেন, তাহা হইলে কি হইত ? কার্যাকঃ শিক্ষাবিভাগে তাহাই ঘটিতেছে।

শিক্ষমাজ একটা ভ্রমে পতিত হইয়াছেন। নিয়মিতক্রপে সমুদায় কাজ विश्वविनान्तरम्ब हाजिनिश्दक (मञ्जा ह्य, 🖪 কথাটা যথার্থ নহে। ভাহা হইলে उ बक्षे थानानी खबर्द्धि कृषे इहेछ। বস্ততঃ শিক্ষকদিগের কোন প্রণালীই नाई। इंग्रंड् मारहरवत এक পুস্তক ছিল, তন্মধ্যে যাবতীয় শিক্ষকের নাম লিখিভ থাকিত। যাঁহার যে সুখ্যাতি অখ্যাতি হইত, ডিরেক্টর তাহা ঐ পুস্তকে লিখিয়া রাখিতেন। কোন পদ শূন্য ছইলে ভিনি প্রশংসাপত্র ও কার্যকোলের সুখ্যাতি বিবেচনা করিয়া লোক নিযুক্ত করি তেন। দূর ও অস্বাস্থ্যকর স্থানের কম্চা तिश्रा छेखम ऋर्तम वक्ती इहेट छन। ইয়ঙ্পাহের কাহারও অনুরোধ শুনি তেন না। এই নিমিত সকলেই জানি তেন বে, সময় হইলেই ডিবেক্টর সুনিচার क्तिरवम ; किन्तु अक्टल मकलहे विकृष्ठ रुहेशारह। अनुरद्राधवल वः किरतरक आहे किना मारण्यत निकटि का स कि इ इत ना। कर्याथीत मध्य खन थाकिता अ ডিরেক্টর ভাষা দেখেন না। ভিনি প্রায় **चन्न्रदर्शावको इहेश काळ** कहिशा थांदर्ग। द्यांन छात्न धक खन वि. ध, ২০ টাকা বেতনে শিক্ষকের প্রে আছেন, कान चारन वा अक कन निखंग लाक व्यथानक इरेशार्हन। व्याप्तिकान मार्ट्य

किছूरे प्रथम ना। उँश्वांत निकटि পূর্বতন শিক্ষক ও বিশ্ববিদ্যালয়ের উপা-ধিধারী ছাত্র বলিয়াবিচার নাই ; যাঁহার সহারবল ভাঁহারই উন্নতি। অভ এব ममाम तथा विश्वविद्यालद्यः हाजिपिट्धत বিষয় **লই**য়া ক্ষোভ করিয়াছেন। উভর मृत्न इहे गर्भाग कर्छे इहेट छ छ । भर्मा अ পৰ লক্তয়াক বিভাগের ন্যায় ছয় মাস चन्न निक्किमिश्त क किट्रिश छ তালিকা এন্তৰ করিবার যে প্রস্তাব করিয়াছেন, তাহা উত্তম। কিন্তু তাহা করিতে পরিশ্রম ও মনোযোগ লাগিবে আটকিন্সন সাহেব কি তাহা করিতে পারিবেন ? সমাজ যে क्राचेत्र कथा वित्राट्टन, डाहा यथार्थ, किन्दु आमानि-গের আশক্ষা হইভেছে, আটকিন্সন সাংখ্য ধাকিতে কোন প্রকার উন্নতিই হইবে না। ২৫০০ টাকার বেতনের পদ অচি-হ্রিত কার্য্যে আর নাই: অতএব আমা দিশের বর্তমান ডিরেক্টরের পেন্সনের দ্ময়প্র্যান্ত শিক্ষাবিভাগ (यश्वादन चारहन, त्रहेवारनहे तहितन। नमां कर আবেদনের প্রভাতরশ্বরণ আপটকিন্দান দাহেৰ নিম্নলিখিত কথা লিখিয়াছেনঃ---

' নিম্নতর শিক্ষাকার্য্যের কর্মচারি গণের উন্নতির বিষয়ে সমাজ ধারা বলিয়াছেন, ভাহা নপির সামিল থাকিল। '

নাহার অধিক বৃদ্ধি, তিনি ইহার তাংপথ্য বৃদ্ধি, পারিবেন: আমাদি-পের সামান্য বৃদ্ধি, ইহার কিছুই অর্থ করিতে পারিলাম না। গ্রণ্নেণ্ট শিক্ষা বিভাগের প্রতি দৃষ্টিপাত করিবেন না প্রতিজ্ঞা করিয়াছেন। বঙ্গদেশে আর ইংরাজী বিদ্যাশিক্ষার উন্নতিসাধন করা বর্ত্তমান গ্রণ্মেণ্টের অভিপ্রেত নহে। আটকিক্ষান সাহেব সেই উদ্দেশ্যমাধন করিয়া শিক্ষাবিভাগকে উৎসন্ন দিতে-ছেন। যদি উহাই উদ্দেশ্য চইল, তিনি

२००० छे। कास विवास किति छ छ न, গমের সাচের ৩০০ টাকায় তাহার অধিক করিতে পাবেন , ভবে এভ টাকা ব্যালা ব্যালাস এই বাবে ভ আরে এক मन हैनाम इहेट्ड भारत ।

र भगाउँ व आधीन छ।

ভ মাণ পারস্পরা শুনিয়া বিস্থানয় करेशान, गुद्रान**्युत स्य स्वीतीतका हे**ल्लाक का. 57 ोहिंच्ड **७, मन्छू** ७ छ। तर्वड धालत, य श्राधीनडा धनार कतितालाङ সেটকাফ চিরশারণীয় ও ভারতবর্ষীয় কিথের অর**প্ট ক্রত**ভর হার ভাষন হই া, দেন, যে স্বাধীনতার গুলোরে এদেশীয় #ইল ডারিলতে: যাহার গুণে এখান श्वीतानीमध्यत या अशाहित्यकानियात अवर व्यक्तिरात अभिधास धनान इ.क शुक्रम् লিগের গোচর করিয়া **এত মঙ্গ**ল मारित 🐒 🗥 ४०% । याचात्र ४८० वाल শীক্ষি শীলেরা দিন দেন ধাও তার ওচ্চতের दम्हानादम क्याउशाक्त यहिन्दक्रम, द्या প্রিটান হা মতপ্রপর ঘ্রিত বিচারপ্রবা লাল এই ভাষা গ্ৰাৰন করি**তেন্দ্, যে** क राम दः कमानः छोतः वाकालीनिशतक শাংশী কলিয়া ওলিয়া সংখ্যান ভাব শিক্ষা দিতেছে, যে ধংগীন হার আহ্মায় রাজ সংঘটারী<sup>প্</sup>নপ্রের আছে, চেচ্চ मक्ष हिड करेशा धारिस्ट शहर पर काहीन भवन्। १८। कथा ভ: ভ:গ অনি,ত পাইতেছেন ও যাধ্ জুনিল ि(कांता यथासमान अप्राय ଓ जम र भारतामध्य कहेट स्टब्स अवर (य भारतीचा लेश मिट्यात व माम शकु শালিক ভালিক প্রসাধন উপায়সকল अक्षातक, १८० ५० १९१६) सः **उत्तरात्रक** সাধানত। নাম এটা চটাতেছে। রাজ श्वक्रविन्द्रभाग (४ के ८३ के किट्डाइन) · अटक्कीतः ः वास्त्रभावतः दशह भारकाह

ও ধ্উ তা আরে সহাহয় না৷ " এই সমা চার্টা यथन আমাদিপের প্রাভিগোচর इहेल. गुग्राथे गांगा छात छनि छ हहेगा তিভকে আবভিশীল দাগরের ন্যায় অভির कतिहा जुलिल; किन्छ ऋगः। ই हाट्छ विश्वाम कितिना। आमापिटमंत वर्समान बाक পুরুবেরা এত নিকুট হইবেন, আম্রা ज्ञरमञ अक्रिश विद्वष्ठमा कृति मा कि अंदशह वा हेश आशासक हहेदव १ हेश्लक चाधीन डाक्षितः भू मायद्वतं चाबीन छ। कथा कात महत्य। ভाइ ठवटर्संद्र याव छी. বিষয় ক্রমে ইংলতের তুলা হয়, তব্রতা भवन्द्रमधे ७ छळ्डा लादकत कई हेम्छा। যখন এগ্ৰপ ফইতেছে, তথন তাঁলারং সাধীন হাভোগা থ,কিয়া ভারতবর্ষকে छाहा इडेटड वृक्षिष्ठ वृद्धिन, इहा छ আমাদ,গর বুদ্ধিতে লয় না। ইংলতে শ্रीत त्रक्ष रहता कि अहे हेण्डा इहेहाटह, य ভারতবর্ষের নবারের। সকলোর সূত্র বন্ধা করিয়া যে মথেজ্ঞারসুগভোগ করিণা গিয় ছেন, তিনিও দেই সুধেত্র भाषाणधारू करित्वम १ त्य जार्गत **भूशे** না হয়, তাহা খতিশ্য অপকারক हरेशा डे.ठे, हेशा कि आमाहिताह পুরুবের অবগত ত্রালা আমালিগের চোধ মু-টাইরা निशाद्यनः, किन्नु किन्नु दम थए छ मिद्दन না। নাগুলেলায় বুঝিবার ও বলিবার ক্ষমত। বৰিলা দি. ছেন; অংগচ কিছু विलाह किरवन ना। व कियन कथा १ আম্বা অন্যায় দেখিলেই व द्वाव ; वाभानितात यह अ ख्रिकाहरूत्वाहकी। (मधिटल हे ही शहात कतिवः य**ड क**न ভাষার প্রভাষ্ত্র না হইবে, বিবাদ कतिव ; किन्छ अथन हा द्वेवि व्यवनाटकी व। अञ्चर्धातम कतिब ना । यनि क्रांटात स्म इल्डिको इर. जाहात जमछअन कडिहा मिल निवातनामधी शाह्य, अहे आमता क्यांग।

मिनीय मा विसमीय

. ... ..

উপा भ मिहे ? ডেলিনিউলের এক জান ইংরাজা প্রপ্রেরক একটা উত্তম প্রশ্ন উত্থাপন করিয়াছেন। কোন কোন ভারতব্যীর हेरताक्रमित्तत नात "मिकात" अ " ८८काशत " डेलाधिनाडाची इहेता. (इन। পর্তাপ্রেক বলেন, " এক্ষোয়ার " উপাধি গ্রহণ করিবার ক্ষমতা ভারতবং श्रीव्यक्तित नाहै। डेक अञ्चमन्त्रीपक প্রত্যেরকের ক্রছ প্রতিবাদের অনুমো. দন করিয়াছেন। ভারতবরীয় হইয়া ভার ত্রবর্ণীয় উপাধি ত্যাগ করা আমাদিদের विट्वहनां विज्ञान विज्ञान विव्रा " वातु " डेलापि बटलका कि " गिष्ठात " **बदर " बदका**शांत " উপাধি অধিক गिछे १ ७ डेलाधि कि मचानसूहक नट्ट् १ তবে বিদেশীয় উপাধির প্রতি লোভ (क्न? (दाबाहेट्यत शांत्री गाँउ) প্নিটার প্রইলাছেন। ভব্রতা অনেক गराता ही : 3 अरे डिलामि मान्टर अहर कतिशार्जन। भाक्यार के ३ हो। लेका शास्त्र व ≢ইয়াছে। বঙ্গদেশে ভারতব্রীর ও নিটা রের শ্বংখ্যা অংশ; উত্তর পশ্চিমা थादन आंत्र मुखे इयं म बढछे, किन्दु अदन गीः ग्रदा विक्रमीय উপादिएक लाजमा বান্ কইলাছেন, শুনিলে মন অলুগিত <sup>হয়।</sup> আমানিগের স্বলেকের ভাতি যে আক্রিও অনুরাগ হণ নাই, এতফার। তাঙা गथनान हरे डि.छ। এड एक की व ये छीता-নেরাই ও মিফার ও এক্ষেরের উপাধির অধিক ভক্ত। ভাঁহারা দেমন ধর্ম পরির্দ্ত क्रियाट्डन, (मह्कूल महल विव्यवस् পরিবর্তের ইচ্ছাও ভান করিয়া থাকেন। ভাষাতে লোকে ভাষাদিগকৈ উপহাস করেন এইমাত্র। ধর্ম প্ররিবর্ত হইবামাত্র ष्यानाटक इंडे अहिन्ह म बाहोत बावहात मक-लिइडे शहिबर्ड इस्। ब्यानित्क श्रेकीशांन हरेशा (मोका वाकाणा कथा जुलिया यान ।

এক জন এদেশীয় খৃটীয়ান ইংলও क्ट्रेट अखाभमन क्रिया श्वटमभीय জাবাই বিশাত হইয়াছিলেন। স্বদেশের জল বায়ু আরে উাঁহার সহা হইত না; जिनि मर्था मर्था विकास लहेसा इंश्लर्ख याहेवात क्था कहिएलन । इंग्रा हिन्छू ७ मूनलमानक्शितक '' वाङ्गाली '' विशः घ गा करतम, रमन आभागता आत (काथा হইতে আদিয়াছেন !! দেশীয় বস্ত্র পরি ধান করিলে আমাদিগকে যে প্রকার দেখায়, ইউরোপীয় বস্ত্রে তাহার বিপ রীত বোধ হয়। ইহাতে ইউরোপীয়ের। घुणा ७ ভाরত वरी दिश्ता हाना क्दबन। বন্ধ প্রভৃতির অংশকা ইংরাজী উপাধি প্রহণ অধিকতর উপহাসকর। ইহাতে यथार्थ मन्त्रानदृष्टि इश ना, तक्तल श्राम भीव ও विदमभी विमालत निकटि जुम्ह क्इंटिंड इत्। " जन मूर्थाभाशांत्र " ও " মাইকেল বসু " প্রভৃতি নামগুল कि अक्षिति ॥ এগুলি कर्त (यमन मधुवर्षन करत, मिकोत तामहत्त्र मूर्या পাধ্যায় একোয়ার বলিলে তেমনি মধ্ णिशा मिट्र मट्मइ माहै।

-:0:-

রাজকর্মচারীদিগের গুণাসুষাবে প্রণার্কির ব্যবস্থা করা আব্দাক।

মধ্যে মধ্যে গেজেটে এই বিজ্ঞাপন দেখিতে পাওয়া যায়, অমুক মাজিট্রেট অমুক কালেক্টর অমুক জাইন্ট মাজিট্রেট অমুক ডেপুটি মাজিট্রেট, উচ্চ পদ লাভ করি লেন; কিন্তু কে কি গুণে এ পদ লাভ করিলেন, তাহার উল্লেখ থাকে না, হারিসন ও রাইলাওপ্রভৃতির যেমন ইন্ন-তিলাভ হইতেছে, মনরো ও ওকিনলেপ্র ভৃতিরও তেমনি হইতেছে। "মুড়ি মিছরির এক দর।" এ রাজা মুধিন্তিরের রাজস্থ যজের দান নয়, বারু দেবনারা রণ দেবের রাসপ্রণাধ্যায় পড়ানও নয় বে সকলেই সমান দান পাইবেন। গুণা-

সুদারে উন্নতিলাভের ব্যবস্থা করিলে কি ভাল হয় না ? এ নিয়ম হইলে আমা मिर्शत **अधान शूक्तर्वामर**शत रकवन य खनक डांखरात পরিচয় হয় এর প নয়, যে मकल कर्महाती जनमार्थ व्यक्त्रीना ও अम করিত্র, তাহারাও শুধ্রিয়া যাইতে পারে. এবং প্রজারাও সদ্বিচারলাভে আপ-नानिगटक চরিভার্থ করিয়া মানে। ভবে यनि श्री नांट्र अज्ञान नक्षण्य कतिशा शांदकन, य कर्चाहाती अभनात अभाध ব্যবহার, অন্যায় ও অভ্যাচারদারা ভার তব্বী মদিগকে অসম্ভুক্ত করিয়া তুলিবেন, अ मार्ट्य डैंग्हार्ट्ड डेक श्रम अन्नान করিবেন, দে স্বভন্ত কথা। নিবিলদর্কিদ পরীকায় উত্তীর্ণ হইতে পারিলেই লোক **छप्र ७ कोटब्रत (मांक इन न!। कर्मको**-লের সুখ্যাতি ধরিয়া যদি এে দাহেব फेक शम निवात निशम कटतन, छाहा इह लाहे चल्लाकानगरमा (मधिरक, लाहिरवन याँ हाता अक्टन कल्डक्ष्यक्रम इहेशा अका গণকে স্থানায়ভন করিভেছেন, ভাঁহারা€ मान्द्रात मा इहेशा डेडिशाट्डन।

----

মুত্তন পুস্তক ও প তা চা।

১। কার্প্রকাশিকা। শ্রীযুক্ত বরদাপ্রাণাদ মজুমদার ক্রমান্তরে সংক্ত
কার্গুলি প্রকাশ করিবার সঙ্কণা
করিয়া এক খণ্ড মুদ্রিত ও প্রচারিত
করিয়াছেন। এখণ্ডে শকুত্রলা ও কুমার
সম্ভব টীকা ও বাঙ্গলা অনুবাদদহিত
স্নিবেশিত হইয়াছে।

২। উত্তরপাড়া মাসিক পত্রিকা।
বঙ্গভাবার উন্নতিসাধন করা পত্রিকা
প্রচারকদিগের উদ্দেশ,। উত্তরেতর
উৎক্র্য বিষয় সকলের আন্দোলনে
প্রেক্ত হইলে এ ইদ্যোশ্য ক্রমে সিদ্ধ
হইতে পারিবে।

ও।কলিকাতাক্ষরক সোলাইটার পঞ্জিংশ (১৮১১। ৬৭ অকের) तिर्भिष्ठ । धेर मिनारे हो ३৮३१ खरक व जुलारे मान প্রতিন্তিত हुन । दिर्भिष्ठि मृष्ठे रहेल, क्रमणः कार्यात उन्निष्ठ । इहे-তেছে । विक्रांभनी श्रेषात कता धक श्रुल इश्येश्रकाण कतिन्ना लिथिनाह्न, य मकन পুস্ত रू अस्वानि व हरेनाह्न, जारा वफ् विक्रान रहेल्डि ना । एक्मिकत वाम श्रुणि मामानाश्रकात श्रुण्डरकत अस्व वान एकी भतिजाश कितिना येनि छेरक्के लाकहाता छेल्क्के श्रुण्डरकत अस्वान मण्णानन कता हर, अधिकशतिमाल विक्रान हरेल्ड भारत ।

৪। "বেনারস আনোদিয়েসন "সভার ১৮৬৭ অন্দের কার্যবেবরণ। এই সভাটা বে প্রকার চলিতেছে, ভাছাতে ইহার দ্বারা অনেক কাজ হইবার সন্তাবনা। সভাগণ সামাজিক উন্নতিসাধনবিবয়ে মনোনিবেশ করিবার সক্ষ-পা করিয়া ছেন। কাশীতে এই কার্য; ছইলেই সব

> —:--প্রাপ্ত। বঙ্গীয়দিগের দৈহিক অসুন্নতি।

এক্ষণে গবর্গমেন্ট ও বৈদেশিক ব্রিকগণের কার্যালয়সকল বেকাপ নিয়ম ও সময়ের বলী ভূত ইয়া চলিতেছে, ভাহাতে কর্মচারিগণের শরীর ভার ও রুয় ইইবার সম্পূর্ণ মস্তা না আছে। বিচারালয় ও সরকারী ধনাগারাদি শাসকীয় কার্যালয় ও ব্রিকগণের কার্যালয়ের কার্যালয়ের কার্যালয়ের কার্যালয়ের কার্যালয়ের কার্যালয়ের কার্যালয়ের কার্যালয়ের কার্যালয়ের কার্যালয়ির পূর্বের কার্যা আরম্ভ হয়, বোগাও অপিক বেলা যাইলে কার্যাবসান হয়। পূর্বের প্রতাবে ইলিথিত হয়য়ছে য়ে, এ দশ অভিশার উয় ও গ্রীয়প্রধান। ভতেরে এরপা সময়ে এ দশে বিয়য়কার্যা সমাধা করা কিরপে গুজিসিদ্ধ হইতে পারে।

ধবন সামান্য প্রথকিগণ উদুশ প্রচাত বৌজের সময় স্বাস্থ আঞালাক্ষেত্র বিদ্যা ইইয়া অনাতপ স্থানে বিজ্ঞান কায়, গাকে, িতখন মনুযোৱ কি প্রকারে এপ্রকার জস মরে অতি ভাগণাধ্য বিষয়কর্মসাধন সঞ্চত ক্টানে পারে ? ইহাতে কি **ভাঁহাের ক্লে** (व)प क्य गा। उदय कि कदतम, उपदितं क्रमा । স্পল্ট করিতে হয়। **ইংরাজদিগের দেশ** আডিময় শীতপ্রধান এদে**শ অতিশয়** গ্রীম ও উষ্-প্রধান। ওগাকার লোকের আহারা কের কিয়ম ও ীতি নীতির, সহিত অতাতা লোকের সৌমাদৃশ্য নাই। ভাঁহারা প্রতি দিন চারি বার, **এখানকার লোক ছ**ই বার আংশার করেন। তথায় শীতাধিকাথেতু প্রাতে। ও অপরতের কার্যা করা ঠুক্র হয়। তথায় সগির ও স্থোর উত্তাপিতির এক মুহ্রু काल शांकियांत रेश नाई। ताध कति, धाई জন, তথাকার যাৰতীয় বিষয় কাষ্ট্রাপন নিমিত্র দশটা, চারিটা কমা নির্দারিত অ:ছে: অডএব শী ল প্রদেশের কার্য্য भारक निव्रम ७ ममत्र डिक ४.८५८म निरसाकिए করা যুক্তিসি ৯ ও ন্যায়ান্তগত হইতে পারে

রাজা ও বণিকগণ পক্ষণাত জাতি বিদ্বেষ ও জাত্যভিমানালি নানা কারণবশতঃ धटन×ीें (निगटक धार यज्ञ (व ६२, मार्मान) क ग्री अ श्रम । अमान क तिया शांतिन : किन्छ শ্রনার বাব্যভিত শ্রম করাইতে বিলক্ষণ গ্রুট্ট এখানকার লোক **গুরিক পরিভা**নী, প্রশিক্ষিত ও ক্ষিণ্ডিক ইইলেও ভাঁহার। প্রায় অধিক ্রেলন ও উচ্চ পদের পারে কউত্তে প্রের্থ না ৷ কথাকারক দিপের **অ**নে तक्ट्रे श्रवाणी। कै.का किंगका १के अब (व) । त मः मातिक ও প্রবাদের বা: निर्देश के किए। ইয় । উল্লেদিগের অধিকালে অশিকিত ও সংস্কৃত্যাপল নহেন ব্রিয়া আনেকে আনেক প্রবার ক্রিয়ার আসেজ হন। **ভারাদিগে**র উল্লিসেবাভেও গ্রাম **লগ্ল বেতনের কি** কিড**ুবা য় ৪ হট্যা**াকে। **স্তরাং ভাঁহাদি** পাকে বং সামানা কুংমিত স্থানে ও গুছে বাস, পর্যবাস্থ্য পাঁডাজনক দ্রব্য আহার ও স্থানঃ অভিল ৮৭০ প্রিধান ক্রিয়া কাল অবের ক্যালয়ের यात्रम को उठहरू নিক্লিড সম্বন্ধ্যে উপস্থিত ইইডে না পারিকো এতুরা কুলিত ংইয়া পাছে

বেতন কর্ত্তন, পদাঘাত, মুখ্যাঘাত জভলী ध्यमर्गर्न প্রভৃতি করেন, এই ভয়ে জীবন ধারণোপ্যোগী যৎ গামান্য আহার করিয়া পদপ্রকে জভবেগে ছুরন্ত স্থাতাপে দক্ষ इटेट इटेट भनम्यर्भकत्वदत कर्म द्वारन উপস্থিত হন। তথায় **উপস্থি**তির **অ**নতি विवास निक निक कार्या नियुक्त रहेश अवि প্রাস্ত বেলা চারি ঘটকা বাসজ্ঞা অথবা কত্ক রাত্রিপর্যন্ত কর্ম করিয়া থাকেন। এ দিগে পথক্লেশ ১চত রৌক্ত গ্রীষ্ম, ও দিগে প্রভুর কোপবাকা, তপের দিগে অতি রিক্ত পরিশ্রম, এ সকলে শরীর কত দিন স্থাবস্থায় থাকিতে পারে ? বিল সরকার, বাজার দরকার প্রভৃতি ধর্মচারিগণের ছ্র-বস্থা মনে করিলেও হ্ন বিনীর্ণ হইরা যায়। আ ারান্তে প্রচণ্ড বৌজের সময় গলি গলি, বাড়ী বাড়ী ছারে ছাবে, ভিক্সুকের ন্যায় তাহাদিগকে ভ্রমণ করিতে হয়। একণে কাছার প্রতিই বা দোঘারোপ করা যায় ? আমাদের দেশস্থ লোকই যত অনর্থের মূল। हेर्डो दा नामाना निर्वाखक नरहन । हेर्डो एन द জাতাভিনান অত্যন্ত প্রবল। রুমি বাণিজ্য প্রভৃতি স্বাধীন বৃত্তি, ইহাঁদের নিকট আদর ণীয় হয় না। ঐ গুলি আসাদরণীয় হইলো ইহাঁর৷ সেচ্ছামত সময় ও কার্যাবিভাগ করিয়। স্বচ্ছুনদ ভাবিক। অর্জ্জন করিতে পারেন, তাহা হইলে স্বাস্থ্যব্যাঘাত ইইবার অণুমাত্র সম্ভাবনা থাকে না।

আনরা এই কপ নোষার্পন করাতে সানাক সানক প্রকার আপত্তিও উত্থাপন করিতে গালেন। কিন্তু তাঁহার যদি পক্ষপাত শুনা হইয়া স্থিরচিত্তে এক বার ভাবিয়া দেখেন, ভাগা হইলে সহজেই সবল আপত্তির থপুন হইয়া যাইবে। অত্যে শরীররক্ষা করা নকলেরই সর্প্রতোভাবে কর্ত্তবা; পশ্চাৎ বিষয় কর্মা যদি শবীরই অপটু হইল, তাহা হইলে বিষয়কার্যা কিন্দপে নির্বাহ হইবে। এইসকল জানিটের আশস্কায় পূর্বে কালের রাজা, মহাজন, দেশীয় বিকিপণ, এতাদৃশ সময়ের বশবর্তী না হইয়া নিজ নিজ বিষয় কার্যা প্রাত্ত ও অপরাছে সক্ষাদন করিতেন তাহারা কি এতই জ্বিবেচক ও হ দুরদ্শী

ছিলেন ? তাঁহাদের বিষয় কার্য্য কি বিষয় কার্য্য নহে। তাঁহাদের কার্য্য কি স্থাপুলা ভাবে সম্পন্ন হইত না ? ই রাজের। এদেশ অধিকার করিয়া অনেক দিবসাবধি ত প্রাতেও বৈকালে স্ব স্থ কার্য্য নিস্পাদন করিয়া ছিলেন। দেশীয় ক্ষমিদার, মহাজন বনিক এড় তি প্রাতংকালে ও অপরাস্ত্রে আপন আপন কার্য্য সম্পাদন করিতেছেন। ইহাঁরাও কি এ৬ নির্ম্যোর ও হিতাহিতকাম শুন্য। ইহাঁদের কর্ম্মচারিগণের সহিত কেরাণী প্রভৃতি কর্ম্মকারকগণের শারী রক বলবীর্য্যে। তুলনা কালে বহু বৈলক্ষণ্য বাধ হইবে। অভএব দেশ কাল পাত্র বিবেচনা করিয়া কার্য্যনির্মাহক নিয়ম ও সময় নির্দ্ধারণ করা জি ক্রম্বগণের কর্ত্ত্ব্য কন্ম।

#### विविधमः वाम । ১० हे जावन भारतात।

এক ব্যক্তি সংখ্যাদপত্তে লিখিতেছেন, সপ্রথ শনে পূকরের কোন অনিষ্ট হয় না: পূকরেরা নপকে আহার করিয়া থাকে। আমেরিকার বন্য পূক্রিরা রাট্ল সপা ভক্ষণ করে, ইহার প্রমাণ আছে। সপের বিষে ত ছাদিগের কিছু হয় কিনা, ইহার পরীক্ষা আবশ্যক।

শ প্রতি প্রধানতন বেচারালয়ের প্রধান বিচার
পতি সূত্র উকীলদিগারে খাগ অংশীলের বিষয়ে
নার্বান করিয়াছেন। যেদকল খাল আপীল
ভাল ভাল উকীলের। গ্রহণ করেন না, মোঞাল রেরা ভাগে স্তুত্র উকীলদিগার দ্বারা রুজ্ব করাল ইয়া লন গ কিছু আপীলের প্রায় জাল কারণ থাকে না। প্রধান বিচারপতি বলেন, যখন উচ্চালিখের অপেক্ষা বহুদ্দী ও উপায়ুক্ত বরে হারা জীবেরা মকান্যা লইতে অসমত হুন, শখন ভাছ দিগার ভাষা গ্রহণ করা ভাস্তু হিডা।

১ - আইনের মক সমা দেওয়ানী জাদালতে
লইয়। যাইবার প্রস্তাব হওয়াতে মফস্বলের
মোজারেরা অভিশয় অনস্ত্রন হইয়াছেন।
আনেকে এই বলিয়া আনেদন করিছেছেন।
যদি দেওয়ানী আদালত বিচার করেন, তাহাহইলে ইছারা যেন তথায় গিয়া প্রয়োতর করি
বার অনুমতি পান, ভাছার। বলেন ১৮৬৫
আন্দের ২ আইন অনুসারে ভাছার। রেবেণিউ
একেন্টের পরীক্ষা দিয়াছেন। প্রাপ্ত প্রশংসা
পত্রের বলে ভাছার। কংঘটিত মকদ্বায় প্রশো
ভরকার্যে, তল্পন্ত হইয়াছেন। জাইনে বখন

পুর প্রদত্ত অভুলোপ করিতে পারে না। জভ এব ভবিষাৎ রেবেশিউ এক্সেন্টরিগের পক্ষে না হউক, ঘাঁহার৷ জাপাততঃ এইসকল মকক্ষা চলাইভেছেন উছিদিগের অত্ব না যার। প্রদত্ত খাতু লোপ করা অসম্ভত সন্দেহ নাই. যদি অসুগাবন করিরা দেখা যায়, প্রভীয়মান इहेरवः किन्न भाष्कारतता क्रुणवसाल भकस्मा চালাইতে প'বেন না। উঁহোরা সতেতে মিধ্যার রঙ দিয়া প্রকৃত বিষয়**দীকে বিকৃত ক**রিয়া उत्नम ।

विकिलिटशत कारवनमाञ्चलादत वन्द्रांतीय त्रवर्गरम्भे (बटवर्ग्येष्ठे व्हाट्डिट्ड मन्येखि **महेन्रा** भाषामा भाषा अध्यात खल्क कषाहेशादहर ! পঞ্চ वी প্रविक् अभिन्यम भव अन गरिएमव দিবিলস্পিদিসংক্রান্ত ছাত্ররুত্তি বিষয়ে ধলি श्राट्डन शवर्गरमध्येत वर्षेत्र व्यम्भन खत्रकवर्षीत्र দিবিলি, ান ও চিকিংশক প্রভৃতি হইবার নিমিত इं-लाख्तामन कतिएयन, उँहा मित्रातक अहे श्राव्यका व तं कता कर्छवा (य य'हाता क्रु कराया इहेरवन, কাহারা ক্রমশ এই টাকা প্রত্তপেণ করিবেন। ভিনি ৰাখন খিনি । এইপ্ৰকার সভৰ্ক না ছওয়া इष्ठ, खाइ। इहेटल (बाउवर्न भन्नीकायी मिरंगत অপেক্ষা কুঞ্চবর্গদিয়ের প্রতি অধিকতক অনুত্রাং श्रम्भन कता हरू, এই कथा विनिशा हे लिए চীংকার উঠিবে। এই প্রকার চীৎকার ছওয়েছি তি চত । কারণ আমানিদের গ্রণ্ডেন ট বেপ্রকার वाल निक ও अञ्चक मग्रात वनवर्जी हरेशा छा छ ভাড় একটা কাজ করিয়া বদেন, ভাষা এড ন্ধু রা নিবাহিত চট্টের। আমর। **আরেও প্রস্তা**র করেভে,ছ, ১ই এক ব্যক্তিভিন্ন যাবভীয় পরী-ক্ষাধীর সচ্চরিভাতার নিমিত ১০.০০০ টাকায় का भन लख्या कर्डवा । योहाता मिवित नार्वित त्रत भतीकाम **উत्तीर्भ इहेट्यम, लाहा**मिश**्कहे** ्करण अहे काश्मिम मिट्रक इंडेटर । भदी भाषीटक আরও আছে ও সচ্চরতার প্রমাণপত্ত দিডে হইবে। ° এদেশের যে বংক্রি সিবিল সার্কিস भन्नीका क्षितात कथा मूर्य खासिहदम, डीहाड र्हेर्त, अककारम अर् ১००० भिना प्रख প্রকার আটন করিবার প্রস্তাব করিলে ভাল ১ইত না।

গ্রেপ্টের উপ্পারণ মতে উপেক্ষা না করিয়া कारक्षेत्र व्यावकार ६ विकादिकाश ३३१७ वर्ष 有一个有一个

এভদিয়ের পর দিল্লীর পুরাতন নৌকার (म इ केंत्रिया भाषा खाइ । अहे (में कु तथा। कतिएड ষে টাকা বুর ংইয়াছে, তাহাতে একটা প্রথম ত্রেণির লৌগ্রেট ইইছ।

স্থানেট্র স্থানে বৃষ্টি উত্তর 'শুমাঞ্পের क्ट्रेटच जावज १८वाइड ।

কলিকাভার ছোট আলালতের জিজাসা क्राय श्रधान क्य विहातालय निष्या करियारहरन. कांत्र वक्त्रवाष्ट्र यक्ति क्रवानिताय चित्री थारक, তাহা হইলে বিচারপৃত্তি নিজে সেই আপত্তি উত্থাপন করিতে পারিবেন। পূর্বের অনেকের সংস্কার ছিল, প্রভাগী নিজে না করিলে ভ্যাদির আপত্তি প্ৰাৰ্য হইত না। এসিদ্ধান্তলী যুক্তিসিদ্ধ।

গত শুক্রবার বিচারপতি ফিয়ারের বাদীতে न्यास्त्रिकः विकानग्रभात देख्यानिकः व्यथिदंवलन इहेन्ना नियारङ ।

(बाक्र द्वीरंशत एउत्तर अञ्चनकान अमराशि क्टेट्डिट । माधव <u>क्ट्र</u> म्हट्क शूनर्तात्र भनिवात পুলিৰে আসিতে হয়। গ্ৰ4মেটের আটণী कात अक मान नगन नहेबाटडन।

#### **३८ हे ज्यायनं यजनवाद**ा

রেলগুরে বিভাগের কার্য অনেক রুদ্ধি হও য়াতে গবর্ণমেন্ট এক জন অভিবিক্ত ভেপুটি কন नलोरि । देकि नियत्रक नियुक्त कतियात आका विश्वाद्यम ।

গ্রোট সাহেব আসিয়াটক সোসাইটির সভ। পতির পরত্যাগ করাজে সোসাইটি ভাঁছাকে এক क्षिनम्बर्भात श्राम क्रियाट्या

**उनिनिष्ठेग वालम, व्यक्तित काश्य ४०**० কাছার লইয়া অনেসলি আখাত হইতে কলিকা ভার আসিয়াছে। জাহালের লোকের: কাহার দিগের প্রতি অভিশয় অভ্যাচার করিয়াছে। आफिन(त्रता छाङानिभरक श्रहांत क्रिट्टन ভাষাদিগের রক্ষনের পাত্রসকলের চতুর্থাংশ কাভিয়া লওয়া হয়। ভাহাদিশকে শৃগাল কুক্ . तत मात्र मरकीर्न कारम ताथ। १३७। अहमकन গুর্মবেহারে এত কষ্ট হয় যে কলিকাভার নিকটে আসিলে প্রভাহ ২।০ জন করিয়া প্রাণভাগি करत । जाव किছू मिन छ'शास्त्र थाकिरन मक्न কেই প্রাণত্যাগ করিতে হইত। সর্বাশুদ্ধ ২৭ জনের মৃত্যু হইরাছে। নাবিকদিগের পদাযাত, व्याकिनत्वित्रात्र मुख्यिश्वतः अनाशत ७ मःकीर्व স্থানে বাদ ইহাতে যে মৃত্যু হইবে, ভাষা আশ্চ র্বের বিষয় নহে। য়াহা হউক, যেমন হইর। थाटक, अवर्गस्थ अञ्चनकारमञ्जू आक्का निर्माटन । কয়েক জন ভারতবর্ষীয় কাহার প্রাণভাগি। লেন, বড় আংকেপের বিষয়। করিয়াছে, ভাছার আবার অসুসন্ধান কি?

আগামী অক্টোবর অবধি কলিকাভার ছোট আদালতে ষ্টাম্প চলিৰে। পুছা নিকট হওয়াতে भकलमात भाषा कारमक दृष्टि इहेशास्त्र । खर्कता বলিষাভেন, এ সমরে মুক্তন প্রণালী প্রবর্তিত कतिरम विरम्प शामर्याभ हरेवात मछावना ! द्वविवात ब्राजिएक अक इत्राचा र्वनर्रिन द्वात

এক বেশ্যার বাদীতে অবস্থিতি করে। এই ব্যক্তি खीटनाक्षीत भना काष्टिया वध कतिया छाङ्ग्र অলক্ষার লইয়া পলায়ন করিয়াছে। পুলিধ ত মুসন্ধান করিতেছেন। অনস্ত কাল অনুসন্ধান

কাৰুল হুইভে সংবাদ আসিয়াছে আজিম ৰী কাৰুলে প্ৰভাগমন করিয়াছেন। জাকুব আলি খা গিজনির নিকটে আগিয়াছেন। উক্ত कारन जालिय थाँदि कल है रेमग कारह । नियाद জালি औ। কান্দাছারে আগমন করিয়াছেন। আবছুল রহমন খাঁ সাহায় করিতে পারিতে ছেন না। একুপ জনক্রতি, তিনি শীতা রুলীয় সেনাপতির নিকটে গমন করিবেন। কাবুলের [लाकमिरभन **केशरत का**डाफारतत वाध माहै।

मक्ष्यनाहे वरतम्, (প्रामात्रश्चि এक छन ইউরোপীয় দৈনিক ভাঁহার নিকটে এক পত্র ক্লিখিয়া আক্ষেপ করিয়াছেন, এক জন আফি সর উট্টার জ্রীকে ব্যক্তিচারিণী করিবাব চেষ্টার আছেন। ঐ জীলোককে পুপত্ৰদাৱা আপনার বারীতে আহ্বান করিতেছেন। মকস্বলাইট তরি মিত্ত এই আফিসঃকে এই বলিয়া ভয়প্রদর্শন করিয়াছেন যে, যদি তিনি এই ছুক্টেণ্টা ভ্যাগ না করেন তাহা হইলে ইংহার নাম শুদ্ধ পঞ গুলি প্ৰকাশিত হইবে। আজি কালি সৈনিক শিবির বড় গুলজার।

সর উইলিয়ম মিয়র সম্প্রতি এক মিনিট লিখিয়া দেখাইয়াছেন উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের महिक्किन विकासकार्र्या ३१ छन छात्रज्यसीं प्र छ ২ জন ইউবোপীয় নিযুক্ত আছেন। রাজস্ব বিভাগে ২০৬ জন ভারভব্ধীয় ৬২৪ জন ইউরোপীয় রহিয়ণছেন। বিচারবিভারে পরীক্ষা দিয়া প্রবেশ করিতে হয়, অভএব আচিত্রিত कार्यः (य त्वां नेत्र इंडित्तां लीटप्रता व्यास्त्रन, त्म পরীকা দেওয়া ভাঁগদিগের পক্ষে বড় সহজ নয়। রাজম্ববিভাগের ২৩৬ জন ভারতবর্ধীরের মদেকে জ জন ভঙ্গিলদার ও কভ জন ডেপুটি कारनकृत ? এই श्राटक्ष कृतिया (वक्त्रत्व प्रविक्ति क्षित इंडेर्जाभीम्लित मध्यत व्यक्ति इंडेर्ज সর উইলিয়ন মিয়র পঞ্চাবী দলে মিঞিত इই

#### ১৫ ই আবিণ বুদ্ধাব।

প্লীছার পীড়িতাবস্থা হত্তাপরাধ হইতে মুক্তিল'ভের বেমন উপায় হইরাছে, ভূতেরে শ্বাধ্যতা তেন্ন বেভন্লান হইতে নিজুতি लाटख्य ज्ञानाम रहेतादा । ज्यानक रेखेदताभीत এই চল পাইয়া ভূত্যদিগকে বেতন দেন না। তাহায় ভাহা চাহিতে শাসিলে অন্ধিকার

क्षरंग ७ गांनि विवास अनदाध निश्चा नानीम कदा रहा। मामिटकेटनेताल मधी नेटल हाएकन मा। किन शक कमा कलिकानात्र माक्टिकेट त्रवार्टन शांद्रिय এक आफर्षा विष्ठात कतिवाद्वा, छारा সকলকে অভিক্রম করিয়া উঠিয়াছে। হারবাট নামক এক ইউরোপীয় গাঁহার আয়া ও ভাষার খানীর নামে চৌর্যাপরাধের নালীশ কবেন। চুরি এমাণ চুইল না, কিন্তু ্েছবে অপুরুত ফল ক্ষার ছিল, আরা তল্পারে প্রবেশ করিয়াছিল প্রমাণ কর্ত্রাতে রবার্টিস সাহেব চুরির অপরাধে मुक्त कतिया जनविकातशास्त्र व्यवहार्य অংয়ার দশ টাকা জ্বিমানা ক্বিয়াছেন !! **উভারে ও প্রভার সকল গুরুই প্রবেশ করি**য়া থাকে। আয়ার কি সে গরে প্রবেশের নিষেধ किस ?

গত কল্য কলিকাভার পলিয়ে আর্এক কাণ্ড হইয়া গিয়াছে এক জন নাবিক ভাহার কাপ্তে न्तर नारम नानीन करत। এরপ স্থলে সচরাচর যেরপ হইরা থাকে, ভাছার সাঞ্চিপণ সাক্ষ্য দিল ना । मासिस्केरे जारातरे एख निरलन । नाविक देशां कि निःमस्य कारश्चरमत निकार जानित्र উাহাকে এক ভয়ানক ঘুষি মারিল। মাজিক্টেট এনিমিত্ত ভাষার ছয় মাস কারাবাদের দুও দিয়া বলিলেন, তিনি যত দিন উত্তর বিভাগের मामिएके हिलान, एक मिन अधकात काल कालालाट इस नाहे। हिक्कित दिखार्शत श्रुलिय কর্মচারিগণ জাপন আপন কর্ত্তব্য কর্ম্মে মনো (यागी नरहन; এ विषया अञ्चलनीय विकाशीय क्षम्बाहित्रम वेशिष्टित्रत अर्थका श्रेषात । के যানতে উক্ত বিভাগের প্রশংসাভিন্ন কি আর কোন বিষয়ের প্রমাণ হইল না ?

ভেলিনিউপের দার্জিলিঙস্থিত সংবাদ দাতা অংক্ষেপ করিয়াদেন, তথায় এবটা গিরজা করিবার নিমিত যে চাদা হহয়াছে, তাহাতে উজ্জ ঘাট প্রস্তুত হইবে না। তাবনা কি? গ্রবর্ণ গেটের নিকট জাবেদন করিতে বল .

উক্ত পত্রপ্রেবক বলেন, এপর্যন্ত দার্জি লিঙে ৬৯ ইঞ্চ বৃষ্টি ইইয়াছে।

कर्गक छ महत्र भूति इति वाहिक हहेट छ ।

(व'शहेट सत्र लाहेट मा निक्र कारल हेत्र लाशि
छ इंट एस अल्डा वास्त्रात्त (संश्रहे अवर्तत्त्र कारल हेत्र अल्डा वास्त्रात्त्र (संश्रहे अवर्तत्त्र कारल हिया के विद्या कारल हिया के विद्या कर हिया है है।

क क काटल मिर्ट्स, ऐंग्या (स्वार्य कारल है।

क छ । रहेट ने स्वार्य कारल है।

क छ । रहेट साल है।

क छ । रहेट साल है।

सह सालाय है। साल है।

ভाইরের দৃষ্টাভ দেখির। কলিকাভার ক্লইলাও স'ংহর এবং এ প্রদেশের আসেসরের। জ্ঞান শিকা করিভে পারেন।

খোকদের খোদাইয়ার খাঁ ইয়ারখদের কুল ব গর বিক্ষে র্ছ্পজ্জা করিবেন।খোকদ ক্লীয়ার অধীনক্ষঃ অভএব দীল ক্লীয় দৈনঃ গণ ভিরতে প্রতেশ করিবে।

১५ हे ला'वन बुहुन्म 'खवात।

উত্তর পশ্চিমাঞ্চলে হঠাৎ অতিরিক্ত বৃষ্টি ধ্রুয়াতে নদীর জল অতিশয় বৃদ্ধি হইয়াছে। এক দিবসের মধ্যে মৃচ্চাপুরের নিকটে ৯ ফুট জল বাড়িয়াছে।

আগামের দীমান্তির সিন্ধু, মিস্ম, কুকি প্রভৃতি বন্যবাণ সর্বাদা দৌরান্ম্য করাতে লেপট নাপট গবর্গর সিন্ধুদিগের আম দক্ষ ও ভাষা দিগকে জব্দ করিবার নিমিত্ত এক দল সৈন। প্রেরণ করিবার তমুমতি প্রাথনা করিয়াছেন। পঞ্চাবের দীমার এসকল কাপ্ত শত শত বার হই য়াছে, তথাপি বনেরে। সুযোগ পাইলেই জন্ত্যা চার করে। বনেবো দপ্ত স্মরণ করিবার লোক নাত সুহাত্যাবে ভাষানিগকে সংপ্রে আনিবার চেষ্ঠ,

আরবে,র ওহাবিদিগের গৃহধুদ্ধ হইতেছে।
মকাটান্থিত বিটিশ রোগডেও এ বিষয় বোষাই
গবর্ণমেন্টকে জানাইয়া বলিয়াছেন, ওহাবির।
পরস্পাবের মন্তকভেদন করিলে মক্কাটপ্রভৃতি
রাজ্যের স্থান্দান করিলে মক্টাটপ্রভৃতি
রাজ্যের স্থান্দান করিলে মক্টাটপ্রভৃতি
কালের স্থান্দান করিলে মক্টাটপ্রভৃতি
ভাল শুনাই ভাকবেলি মুড আই রেগত হইলে
ভাল শুনাই ভাকবেলি মুডুকোলে ভিনি বলিয়
যান, ভাঁছার কবরের সময়ে যেন কভক গুলি আই
রিগকে স্থ্রাপানের নিমিন্ত ৫০ টাকা দেওরা হয়
ভাঁহার বৃদ্ধান এই ব ান্ডা কার্গে বিস্ময়

প্রকাশ করাতে কুড বলিরাছিলেন " আমি উহাদিগকে ভাল বাসি বলিয়া টাকা দিভেছি না স্থানান কবিলে উহারা পরন্দারের মন্তক ভাম করিবে। এই বীজ যত কমে কর্নেল পেলিও লুডের ধাড়ু পাইয়ানেন!

সিমলার যে বাসীতে সংবর জেনরল বাস করেন, তাহা বিক্রীত হইতেছে ৷ সর জন লবে লের পর জন্য কোন শাসনকর্ছা বংসরের অধি কংশি আলদে৷ যাপন করিতে পাইবেন না, এটা কি তাহার লক্ষ্য ?

शूनात अधिवामीता मत माहेमत कि हे म ताएडन कि ताएडन कि ताएडन कि हा आदिमन कि ताएडन या मक्स राख्यि कि कि मिन भीन आदिन कि ताएडन या गिरिशत वार्श्यात कि निमान कि न

১৮৬৯ অন্দে সুরেভের খাল দিয়া জাহাল চলিবে। এই খালের জার্ড অবধি ইংলংশীর গ্রথমেন্ট ইহার নানাপ্রকার প্রভিবন্ধকভা করিয়া আদিভেলেন। কিন্তু এক্ষণে ইংলণ্ডেব দংবাদপত্রসকল ক্রমণ স্থীকাব কবিভেলেন, করাশী ই প্রবিধ্বরা কৃতকার্য্য চইবেন।

এক জন ইউরোপীয় উত্। পশ্চিমাঞ্ল জমণ করিয়া মুসলমানদিগের নিকটে কোরান পাঠ করিভেছেন। তিনি সম্প্রভি ভাগলপুরে গমন করিয়াছেন। এ ব্যক্তি জ্ঞাপনাকে সুইজব লগ্ডীয় বলিয়া পরিচয় দেন। পুলিষ ইইার উপর চক্ষু রাখিয়াছেন। এবাজ্জি ভ কনীয়ার চর নংকন? রুশীয় চরগন যে পঞ্চাব ও উত্তর পশ্চি মঞ্চলে আসিয়াছে, ভাগার অনেক লক্ষণ দেখা বাইভেছে।

আগামী অঞ্চাবর মাদে মিদ কার্পেন্টর ভার ভবর্ষে আদিবেন। তিনি বে'ষ'ইয়ে এক নন্দ্রালবিদ্যালয় স্থাপিত করিবেন। এই কারেণ এক জন শিক্ষাত্রীকে ই'লও ইইতে আনম্বন করিবেন। এই নন্দ্রাল বিদ্যালয়ের বাম মিদ কাপেন্টর নিজ হইতে এবং চাদা করিয়া দিবেন মিদ কাপেন্টর দেশ কাল পাত্র বিবেচনা করিয়া কাজ কবিতে ভানেন, উচ্চার বিদ্যালয়ে খুন্টীয় ধর্মের সংপ্রাধ থাকিবেন।

অভিশয় চটা ছিলেন। মৃত্যুকালে ভিনি বলিয় আলাহাবান স্থিত ১০৭ গণিত ইউরোপীয় যান, তাঁছার কবরের সময়ে যেন কভক গুলি আই রিসকে সুরোপানের নিমিন্ত ৫০ টাকা দেওরা হয় বেজিনেটের কর্ণেল পেটনের নামে ১০০০০ ভাঁহার বন্ধুগণ এই ব নিড়ো কার্য্যে বিসময় টাকা দাবি দিয়া নালীপ করিয়াছেন। লেপ্টনাঞ

यरनम, कर्नन (भव्ने चित्रवार्डम, स्व विविधिम रवितामनायक এक स्थम कमिन्दि अहे कर्ने है। दिव निकट्ढे ६०० होका छेल्टकाड बहेबाटइन। इति রাগর ১০০০ টাকার দাবিতে কর্পেলের নামে नालीन कतिश'रहत । इंडिबंट्या लिल्हेनार हेंद চ**িত্রের ভন্নগন্ধানার্থ দৈনিক কমিসন বসি** াছে। এই ক্ষিদ্ৰ বিপোট না দিলে আলাছা-वार्ष्टत अभव्य एक विहात अ'त्य क त्रितम मा। ক্ষিস্বিএট ও প্রলিকওয়ার্ক বিভাগসম্বা किशो कि उसे पूर

কয়েক মাস পুাৰ্গ জন মাবনাইট বোষাইয়ের এক জন প্রধান বালক বলিয়া ল ভিনি ४০০ টাকা भाषी ভাড়া दिएकन। शाफ़ी, ্ঘাড়া, কুকুর ও ভুতেত্ত সংখ্যা ছিল না। গত সপ্ত হে এই মাদনাইই সংহেব কুলাপানে অচৈতন, হইয়া রাস্তায় পতিত থাকাতে ভাঁহার इडे हें कि खाँत्रामा रहा। ब है कि निवात क्षेत्रहा মা থাকাতে সাহেবকৈ অন্তাহের নিমিত্ত কারা বাদে ব। লভে চইরাছে। ইউরোপীরেরা এদেশে का भिया नवान धन र कहा (ल'रक कांत्रन करका ৰু মায়া কাজ ক.scs পাৰেন ৷ অনেককৈ শেধে क्रमु'नक कर्ष्ट **लाहे**टल व्या

ভারতবর্গার ও বস্পালনীরউভয় গ্রথমে-लेंड प्रश्नाम उनर्ग एक पृक्ष राज्ञाना (राज्य ষ্টের। সীমা বৃশ্দ করিবার প্রস্তাব করিয়াছেন। = Ca 51 Pi ७ घटना, क्वित्राय, छ न चा २क्टिक । विना স্তাদ গ্র গ্যন্গ্যান্ত্র কুবিধাভিল্ল দার্জি-লৈ চিলেওটো ক্র্থার আরেড কোন লাভ (मा गाउँ । शाई मा ।

महो छात् (४.इ१)ई त का हैन ७ ১৮५४ 🗷 📆 ১০ আইন সাচ,পাত ইইয়াটে ।

रवन तिन्नरक शृथक छात्म ता युग्न छ लन्दन (व)भ। क्राष्ट्रांकशरक अक ।हिक्शालरम् । त्रांचितात भगत। भिक्ते नामभा नातिमधुर्दक (मञ्ज्ञा क्रे ্ডুড়া এ নিমিপ্ত ব,বস্থাপক সভায় এক বিল कार्यन कता क्षेत्राह्य। विकित्रालयात याध থিত ন সপালটি ও স্থানীয় গ্ৰণ্মেন্টকে দিভে ৰউবে। বেশ্যাদিগের নেকটে রেজিষ্টরির যে খী। লভয়া হইৰে, ভাহ'তে বায় গুলান হয় এমত ্প্ৰণানী বিস্তাৱিত কবিবার প্রস্তাবের প্রতিবাদ বকোবস্থ কর। উচিত।

এক সেপোট করিয়ারেন, এই দিপেটি প্রীভিক্ত इस साई। ए. कत् (कालिस (सम प्रारंग श्रीतक, मकल विषास (१४) अफ्। २३८७ (भारत के। हारक ्ध्याप्त (अञ्चल व लेव व छेडम्बन) विक्रम इहेरब। রাজা রণবীঃ সংহ যেপ্রকার লোক হউন,

ভারার সাহত পরামশ করেয়া সকল কাজা করা। চেষ্টায় আছেন। ভারতবর্ম গাঁহার অশ্ময় প্রতি-कह्या ।

নে মাসের শেষে গ্রামেটের ভিন্ন ভিন্ন ধনাগারে ১১,৪৯,৭৩,১-৪ টাকা জনা ছিল জনা টাকা প্রতিবংসর ক্মিতেছে। এবার বালীও করেকজন মনুষ্টের জীবন নষ্ট ইইয়াছে: আবিসিনিয়ার যুক্তের ও জর আছে 1

र्फामिकिय वरलन, नलशाहित **माचा त्रम**छरम् ক্রম করিবার নিমত্ত ভারতবর্ধী দ্ব প্রবর্ণমেন্ট ष्टिनियानि तित कष्ट्रमाचि हास्यिक्तिन । किन्न भव ष्टी रकार्ड सर्वरकाउँ **इंशांट कामवाक एन**, नद सन नटरफा श्रूनक्षीत अञ्चरताथ कविद्योहरून। अनकन काळा छ हे हे देवें (काल्लामित, भवर्षक · छेत्र नटर. अप्रि आश्वामिरशत शवर्गरमा हेत्र स्वाध रह ना (कन ?

रकु छ व्यव देखिया क्रमीयमिद्रशत अक राव হার দর্শনে বিক্ষায় প্রকাশ করিয়াছেন। স্থুমার यन्म अरुव कर्रा रुट्याट्ड विश्व क्रमीप्र शवर्गस्यन्त्रे এমত অসভোষ প্রকাশ করিভেছেন, যেন উক্ত নগর প্রভাপন করিবেন। ফ্রেন্ড এটাকে রুলীয় চাতুরী বলেন। এ বিষয়ে রুণীয়া গ্রিটিশ্ব গ্রুণ श्वर हेत अञ्चलत्र क्रिक्ट क्रिया क्रिक्ट क्रिक क्र क्रिक क्रिक क्र क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क বলেভেন ত্রেটিশ গ্রহণ্মেট ভারতবর্ষ বাদীদি ্গর নিকটে স্থলাদনের অস্পীকার করিয়াছেন। अहे कात्रण क्षरणन कतिया छिल्ल अध्यान्त बर्ग करतन । किश्व लाएक (मचिद्रमत, ताडानी। छ गरकाख वय लाभ इहे ता (काम महक्काहे धी जनायमी रक्ष मा क्ली (यता अ मर्ग जान র র এই মঙ্গল সাধন করিতেছে।

क्षि अव हे खिशा अंड एम मीश देशना परणत किश्वमर्ग्यक छण्डल राहेकन मिनात्र अञ्चात्र ४ कित्रार्क्न। मभरक्षत्र वि व्यान्त्रशः भ छ अवर भएक। त । क माहा का । भवन (मए हत अहे 5 हिकाद अकरण (जनामन अक खंड कार्यांत्र अवासीत প্র ত দোষারোপ পরিত্যান করিয়া এতদ্দেশীয় বৈদ্যাদগের এতি অবিশ্বাদের প্রতিবাদ করি য়'ছেন ' এই ভাব এখন থাকিলে হয়

উक्ष भन्न मत ष्टेरिकाण नर्भरकार्येत निका क तथा चरलन, '' छ द उचयी य जयनं रमने रक ডাক্তর কেলি কার্মীর ও লাগার বানিজ্যের অর্গভা উচ্চতর ইংরাজী শিক্ষার নিমিত বিস্তর টাকা ব্যন্ন করিতে হইবে । কিন্তু এক্ষণে প্রবর্ণ ध्यत्त्वेत त्रायमी क इंश्ताकी निकाद्धत्त विरा धिमी हहेब्राट्ड. " गडा कथा वाहित हहेब्रा शिंड श्वादका मत्र क्षम नदः या वाकानी किरशत है भरत ব'দ সাধিয়া ইংরাজী শিক্ষাই বন্ধ করিবার

मूर्णि कतिरवन ।

#### ১৭ ই আবেণ স্থাক্রবার।

मिलिएड এड इसि स्हेब्राट्ड य करवक्षांनि বছ দিবসের পর রুষ্টি হইলে প্রায়ই অধিক পরি मार्टन इस अवर छ। इन इन्ट्रेंड बङ्डत अनिष्ट

গত কৰা অব্ধি প্ৰধান্তম বিচারালয়েৰ আদিম বিভাগের বাটীতে প্রধান বিচারপতি विচারপতি মাক্রি, মাক্ফাস্ম, লুই জাক্স্ম ও ছারকানাথ মিত্র পাঁচ জন বিচারপতি একটা আপীল ভাবণ করিতেছেন। সিবিলিয়ান ও এতদ্বেশীয় বিচারপরিগণ এবিভাগে প্রায় আগমন করেন না। কিন্তু বিচারপতি লুইজাক সম ও ছাবকানাথ মিত্রের সদুশ জজেরা আদিম বিভাগে আসিলৈ ইহার অলস্কার সরাপ চ্ট্রু भारवन ।

२८ शत्रागात मिक्किगार्भित (लोकिस्ट्रिय অভিশয় অন্নক্ট হইয়াছে। প্রায় ৩০০ দ্রিড কুৰক রাজধানী বিভাগের ক্ষিণ্নরের নিকটে আলিয়া বলিয়াছে, এমন কণ্টের সম্য়ে ভাঙানি--্যর জনীদার মাড় আছের নিমিত্ত টাদা চাহি-তে bcमन । जभीमां तमिरगत अहमकल व । यहारतत নমিত্রই অংমরা কুষকদিনের সহিত চিরস্কারী ্যনোবস্ত করিতে বলিয়া আসিছেছি।

व्याप्त्रितकाम् कर्म ल्यार्माइन इडेट्ड्इ : নারি সারি গাদ রাধিরা প্রতেতে দের বাঁটে রখা -্বর মল দেওয়া হয়। যাবভীয় মল একটা বুহুং বাত্র স্কৃতি বুৰিগতি বুরুষাটেড হুল ভাষাটেড গিয়া পড়ে। হক্ত অথবা বাম্পদারা দূর হইতে কল চলে এবং যেপ্রকার ছঞ্জ বাচরে টানিয়া भारक, तिरीक्षकांत्र गर्म काकर्यन कर्व। इन्ह वाता (माश्टनत आर्किक भगग्न गटना अहे कहन भारत रहा। हेराय जात এक क्लब्सा এই भा जीत चम्हन्म (वांध इहेश्रा शास्त्र)

ठेमठेनियादङ मद्यां । पुरुषामादम (ग तन्त्र) ছত হয়, ভাছার ছত।কারীরা পুত হুইয়াছে। হুই,বাজি হতার রাজিতে হব বেশার গুছে नश्न कविश्वाष्ट्रिता स्थलते स्थिनीकन्ता । চার জন প্রতিবেশী এ ব্যক্তিদিগকে চিনি-

#### ১৮ ই প্রবণ শনিবার !

ডেলিনিউস বলেন, কিছু দিন "হইল, ভারত ব্যীয় গ্রব্নেট প্রীক্ষা করিলা দেখিবার निभिन्न बन्नरमण ए उछत्रभाकिमाकात मानिक ১০৯৫ টাকা ব্যয়ে ৪৬ চী ভাক্ষর স্থাপন করি- য়াছিলেন। ব্যয় অপেকা আয় অধিক হওয়াতে क्ष्ट्रात्, त्वरे चार्यरे खाय नाज रहेर्त ।

প্রজাদিগের নিকটে মাতৃপ্রাদ্ধ বলিয়া ভিক। চাহিয়াছেন। তহুপলক্ষে ভেলিনিউস বালয়া-्डन ''खभीमात्रभग कर्त क्रमक्रमिरभत् श्रांड অ'পনাদিগের কর্ত্তব্য**্রকণ্ম** ব্রিনেন 🕠 অথবা গ্ৰহ্মিট ভাছা ক্সিডে বাধিত ক্রিবেন? এ প্রবের মীমাংসা শীঘ্র কর। উটেড ন দেলিয়া রাখা **উচিত নছে। »** তেলি, ন'ডণ চিরস্থায়ী বলেবস্থ ভঙ্গ কারবার প্রস্থাটো করিয়া হল-**७१ वर्षिका धर्**याम क तिरलम ना उम ?

কাশীর এক ভান মেন্ত্রী সৃত্তিকার ভিতর একথানি ভাত্রফলক পাইয়াছে: ইহুতে প্রাকুত ও সংস্কৃত ভাষায় কিছু লেখা আছে : এই লেখার মন্ম কি, ভাহা এপর্যন্তে কেচাম্বর। কবেন নাই। এখানি তত্রত্য চিত্রশালিকায় অ'ছে : কাশীর নিষ্টে একটা স্থান আছে : ভগায় সর্বাদা অলক্ষার ও অল্পপ্রভূতি লাঙ্গলে উঠিয়া থাকে। অনেকে অনুগান করেন, এছানে रङ्कानपुरार्त अक्ती नगत हिन। अञ्चान धनन করিয়া দেখা কর্ত্তবা।

निम्नलि थे भूरता भवर्गिय हेत कानक বিক্ৰীত হইণেছে:--

8	টাকার সিকা	à ६५√ · । ৯५
8	<sup>8</sup> (ক¦९	केरे । केरा-
¢	প্ৰবিক ওয়াৰ্ক	· · 610/ · 12 · 611 ·
æ	<u> </u>	1.9h-1 27.
all.	a (8)	22844 1226

## रेडेरताणीय मगाठा

लखम २२ এ छनाई। शह कना तिल्डान বাটীতে সর রবাট নেপিয়বকৈ লওন নগুরের অধিবাসীর সত্ত্র ও 🕶 গিনি মূল্যের এক তল বার প্রদান করা হইয়াছে।

সন্ধার সময়ে ভাঁছার সৈমানাথ লাভ মের বের বাটীতে ভোলা ইইয়াছে।

সর রবাট নেপিয়র**কে গুশংসা ক**রিয়া যে সকল বঞ্জা করা হয়, ভত্তরে ভিনি বলিয়া ्छ्य, पारु'रक **कारमक (लाक प्रार्ट'श) कर्**द्रम বেশ্বিষ্ট: ভাবভবাবের স্বর্ণর জেনরল এবং (वाबाहे १ भ'सार्क्षत भवन्तात निक**्**टे फिनि ব্রণিক ৯টি এট মূজে গেণকল ভারতবর্ণীয় ও ইউরে পীয় ১০০ চনন থানে, ভিনি ভাছানিদের भवरमत श्रम्परमा करता १३५ ।

গত রাত্রিতৈ সর রবাট আন্তর্নার সর अर्थन विवक्षायी व्हेप्राटकः। जाकचत्र यथारन । श्रेप्रकाज नार्थरकावेरक किकाना करत्रन, विका য়ের পূর্সতিন নিয়মানুসারে ধেসকল সিবিলি २४ পর্গণার যে अधीलाর এই কটের সময়ে ! য়ান বিদায় লইয়া ইংলতে আছেন, ভাঁছাদি गरक पुष्टम निष्नमाञ्चनारत चन्नमा मिरल कर्ष्ट हरेरा। अविषरम कान बरम्नाव छ हहेग्राह् कि না ? সর স্থাকোড নর্থকোট বলিলেন, এমন স্থলে वाकि विर्मारवत व्यवमा कष्ट इहेर वृह्ण निवा রণ করা অশাধ্য। তিনি বলিলেন, এই কছের একটা মাত্রে প্রতিকার আছে ৷ যাঁহারা প্রতি নিধিমরপ কার্যা করিডেছিলেন, ভাঁছারা ভার ভবর্ষে প্রভিগমন করিলে ভরণ পোষ্ণের টাকা ভিন্ন আপন পদের বেতনের শতকর ৭৫ টাকা পাইবেন। এই টাকা ভারভবদের রাজ্ঞ হইতে দেওয়া হইবে। তিনি আরও বলি লেন, জাগামী সপ্তাহের মধ্যে ডিনি এডৎসং ক্রান্ত যাবতীয় বিষয় অবগত ধ্ইয়া মহাসভাকে ভাষা জানাইবেন।

> क्रम इ'डेन (हेलिअ) कृत्र का ख विव विविध ক্রিয়াছেন।

> ২৪ এ জুলাই , গত রাত্রিতে কমন্স হাউদে িম্মথ সাংহেবের প্রশ্নের প্রভু\ত্তরক্ষ**রণ** সব ষ্টাফোডনাগকোট বলিয়াছেন, তিনি আগামী সোমবাব ভারতবর্ষের জায় বায়ের ছিলাব মহা পভান্ন প্রবেম। ভিনি আরও বলিলেন श्यित प्रमास पतिवर्ष कतिवात मामण कत। इत्र बाहे।

> ভারতবর্ষের শাসামপ্রণালীর উৎকর্মসাধ্য বিষয়ক যে ছই আইনের পাগুলেখঃ হয়, ভাৰা পরিত্যক্ত হট্মার্চ।

## गर्गत्मके विकाशना *(ल॰*टेन•डेगर्गर्त्त्र व्यादमभाष्ट्रभाती निद्शांश।

২১ এ জুলাই : মুক্তেরের ডেপুট মাজিটেট उ एड पुष्टि कारमहोत्र सोलवी अञ्चा छ हो। পুর্নিয়াতে বছলী হইয়া প্রথম প্রেনির অধীন मा खिए छेट हे इ क्य का भा हे दिन।

२० এ जुलोहे। छि, এम, वास्त्रस मारहर মঞ্জ:ক:পুরের মিউনিসিপালিটের সংকারী সভা

ডি, এম, বারবর সাহেব ত্রিভ্রের ফেরিফণ্ড কমিটার সেক্রেটারি হইবেন।

यक मिन तक, जात, मण्याचे मारहव विभाग नहेबा अञ्चलव्छि थाकिर्यन, उउनिनं आहे, আলেকজান্ডার সাহেব পুর্বিদ্বার প্রতিনিধি সিবিল ও সেসিয়ন জজ হইবেন।

. अष्ट, हास्कि मारहव युविमाबारमव अधिनिधि সিবিল ও সে'সমূন জল , ইইবেন।

२२ এ खुनाहेटयुद्ध (शटखरते हाक्कि म्हारहरवद পুর্ণিয়ার প্রতিনাধ সিবিল ও সেসিয়ন জ্ঞাজের পদে নিধেতাগর যে বিজ্ঞাপন হয়, ভাষা এত-खाता विक्छ इहेल।

২৪ এ জুলাই। শিয়ালদহের তেপুট মাজি ক্রেট ও ডেপুটি কালেইর কুমান হরেক্সকুঞ্ বাহাত্র ১৮৫৪ অন্দের ১৮ আইন ভলুসারে দক্ষিণ পুৰা হেইলওয়ের সমুদায় আংশে ক্ষতা भाहेटबन ।

এচ, বি, বিম্দ্ সাহেব রাজ্মহলের স্ব আসিষ্টাণ্ট কমিসনর হইয়া সাওভাল প্রগণার দ্বিতীয় প্রেণির অর্থীন মাজিটেটের ক্ষমতঃ পাইবেন:

২৫ এ জুলাই : নিমুলিখিত তুওন নিয়ো-জিত তেপুটি নাজিষ্টেট ও ডেপুটি কালেইটেরা পশ্চালিখিত স্থানে থাকিবেন।

বাৰু যাদবচন্দ্ৰ গোস্বামী বি, এ, ময়মন-সিংছে। মৌলবী সিরাজল ইসলাম বি. এ. এছিটে।এ, মিলার সাংহ্র বাধরগঞ্চে।বাব পার্মতীচরণ রায় চাকাতে।

নিমুলিখিত ব্যক্তিরা আপন আপন কার্যা ভার এইশ্দিবশ্বদি প্রথমশ্রেণির প্রতিনিধ माक्षिरकेषे ७ काल्लेहरतत अभका भाहरवन।

(क, अक, (होन मारहर .. মুর্সিদাবাদে। खि, अन, कि शतिन इ:वड़ार्ड। এফ, জে, আলেকজা ওার রাজসাহীতে। िल, अ, इशक्त<sup>भ</sup> পাৰনাতে!

নিমুলিখিত ব্যক্তিলা যে দিবস পশ্চালিখিত কৰ্মচাৰীদিগেৰ ২ন্ত হইতে কাৰ্যভোৱ প্ৰাপ্ত इंडेर्यम, (मधानम अम्पि क्षणम (खानित क्षांकि নিধি মাজিটেট ও কালেটারের ক্ষমতা পাইবেন। ভবলিউ ওঘেল সাংহেব এচ, এ, কক্ষেল সাংহ বের পরিবর্টে।

है, এচ, इंडेनिकिड नाइ्ट जात, वि. ককেল সাহেবের পরিবর্তে।

**उद्गिष्टि, ञाद, लाग्मिनि मार्ट्स हे, हे जुहे**म স'তেবের পরিবর্তে।

আর, ডি; হাইম্ সাহেব এম, এ, জে, মনরো পাছেবের পরেবর্জে।

अह, मि, वि, मि, (दवाम माद्दव छव्लि है। वि, कि, दिनव मार्ट्स्वत भविवर्त्छ।

নিম্নলিখিত ব্যক্তিরা দ্বিতীয় লোণির এতি निधि माणिएको है के किए लहे है इन्ट्रिन।

(ज. एकिन तारहर।

का. प्रश्निक तारहर

का. भि. भाजन म् मारहर

का. भि. भाजन म् मारहर

का. भि. भाजन म् मारहर

का. भाजन में प्रश्निक व्याप्त भाजन ।

का. भाजन में प्रश्निक मार्थन व्याप्त भाजन ।

का. भाजन का. भाजन मार्थन ।

का. भाजन का. भाजन मार्थन ।

का. भाजन का. भाजन

যে দিবস ডব লিউ. এচ. বার্ণার সাছেব শিয়া লাদ্ ভাগে কবিয়া শাভাবাদের প্রথম, শ্রেণির লাইট মাজিটেটের পদে নেযুক্ত হইবেন, সেই দিবস অবসি ডবলিউ, বি. ওলড্ হাম স'হেব বিভীয় শ্রেণিশ প্রতিমিদি জাইট মাজিটেট ও ডেপ্টি কালেইর হইবেন।

২৭ ৫ জুলাই। ব'লেশ্বরের প্রতিনিধি মাজি রূপে ইটিও ক: এটকর আরে, এচ. পাসি সাহেব নিজ রূপে ইটিও পদত্ত । করদ মহলের সুপরিটেওটের সহ হিইয়াছেন। কাবী হইবেন।

ডবলিউ, ভেবি সাহেব কুমিলার এক জন মিউনিলিপাল কমিবনর ফ্টবেন।

নিয়নি খিও শেপুটি মাজিটেট ও ডেপুট কালেটবেল ১৮৬৮ অন্দের ৯ আইন কয়ুদানে নদীয়াতে কালেইবেব ক্ষতা পাইবেন।

वाव किनगाथ आहा।

» भारतीयाश्च वरमाशासास्य ।

২৮ এ জুলাই। জি, কে, ওবেষ্টর সাংক্র বদ্ধানের মিউনেসিপালিটর সহকারী সভা প্রতি ও চরলিউ সেপাড সাংহ্র অন,তর সভা ভ্রবন।

## আমানিটোর বীরাভূমের শংবাদদাতা লিখিলাছেনঃ---

১। বে দিন বনয়ানী আবাদ স্কুলের পারি কেপিকবি তর্গভাগ আছে সমারোহে সম্পন্ন হইয়া গিয়াছে। অন্তান ৬০ টাকা মূল্যের পুস্তক বিভরিত হহয়াছে। এই উপলক্ষে স্কুলগুণে যে সভার আধ্বেশন হইয়াছিলা, ভাগ্র সভা-পাতর আসেনে এখানকার মহারাজ আসীন হইয়াছিলোন।

না গত ২১ এ জুলাই অপরাহ্ন ২ ঘটিকার
সময় লেপ্টনাল্ট গ্রন্থর কাণ্টোরায় উপনীত
ক্রীয়ছিলেন। ২০ এ এখানে জাঁহার আগমন
ক্রীয়ে, এরূপ গেছেন ইইয়াছিল। কি কারণে
ঐ দিন পৌ ছিতে পারেন নাই, বিশেষ জানা
যায়ন ই। এখানকার মহারাজ সপুত্রক হইয়া
ভাহার সাক্ষাৎকারলাতের অলায়ে উপস্থিত
ছিলেন। দেখিলান, ভাহার সঙ্গে, অভি সমাদরের
সভিত সাক্ষাৎ ক্রীয়া, গলা। অন্তুনন ১ ঘটিকা
কালে উল্লেন সময় গ্রন্থর মহোদয় আপন বিষার
ক্রীতে কাটোয়ায় অবতরণ ক্রিয়েন, এক্লপ
ভ্রা গিয়াছিল গ কিন্তু অবত্রণ ক্রীয়েন, এক্লপ

ঘটিরা উঠে নাই। আমানের মহারাজের সংদ বিত্তব লোক, হন্তী, ঘোড়া গিরাচিল। ডাহাডে কাটোরার হুল স্থল পড়িরাছিল। পর দিন প্রাতেই কিমার ছাড়িরাছিল।

- ৩। রাইপুরে একটা রাজি ও একটি বালিক। বিদ্যালয় স্থাপিত হইয়াছে। রাইপুর, বীরভুমের অন্যান্য স্থান হইতে সভাতম জনপদ। এখানে অনেকগুলি কৃতবিদ্যালাকে আছেন। ঈদৃশ স্থানে এই ছই বিদ্যালয়ের যে এ পর্যান্ত জভাব ছিল, ইহাই আক্ষেণের বিষয়।
- ৪। শুনিলাম, বী: ছু:মর সকল স্থানে ফুচারু রূপে হৃষ্টিপাত হয় নাই। সকলেই সশক্ষিত হুইয়াছেন।
- ৫। এখানকার ক্ষতি নিকটে বহরান নামে এক বাম আছে। গুনিলাম, দেখানে এক ব্যক্তি জালকার্য্যে অতিশয় নিপুণ চিল। এই কাষ্ট্যী তাহার জীবনে পায় হইয়া পাঁড়াইয়াছিল > কিন্তু এত দিনে এ বিষয়টী প্রকাশ হইয়া পাঁড়য়াছে। কাটোয়ার প্রযোগ্য ডেপুটী মাজিটেট ভাহাকে যজ্রবছ গ্রেপ্তার করিয়াছেন। সে ব্যক্তি এখন বিচারাধীনে আছে।

৬। বেরমপুরের ডাকাইভির বিষয় সোমপ্র কাশে পুর্নের প্রকাশিত ছইয়া ছল। স্থানীয় পুলিষে ভাহার কোন জ্ঞান্ত্রনান করিতে পারে নাই। শুনিলাম, কাশ্বির ডেপুরী মাজিক্টেড সেই স্ফ্রান্সের কয়েক ব্যক্তিকে ধরিয়াছেন।

## আমাদিনের মজকেরপুরস্থ সংবাদ-দাতা লিখিরাছেনঃ—

গত ৬ ই আবেশ রাজি ৮ টার সময়ে মঞ্চাণ রপুর ব্রিটিশ ইণ্ডিয়ান আমোসি এগন ও বিজ্ঞান সভার অধিবেশন হইয়াছিল। সভাত্তলে অনেক দেশীয় বিদেশীয় সভাত্ত লোক সমুপস্থিত ছিলেন। বিশেষতঃ এখানকার জল্প মাজিক্টেট প্রভৃতি প্রধান প্রধান রাজপুরুষেরা সমাগত হন। সভার আড়ম্বরের ত কিছুমাক্র ক্রেটি হয় নাই; কিন্তু কার্য্য কিছুই দেখিতেছি না গকেবল জাক জমকই সার ইন্টতেছে। আমরা পূর্দের ভাবিয়াছিলাম, এ সভাত্বারা দেশের বিশেষ ট্রিকলাভ হইতে পারিবে। কিন্তু আফেপের বিষয় এই এপর্যাক্ত এমন কোন কার্য্য দৃষ্ট ইইল না, যাহার নিমিক্ত সভাকে ধন্যবাদ দেশের।

>। সাতিশয় বিধাদের সহিত প্রকাশ করি -্তিছি, ব্রিহুতের স্থানে স্থানে অন্যাপি দু:স ক্রয়

थ्या क्ष्रांत्र चार्टा ये त्रक्त मात्रक नक्ष्र करहा नक्ट देवा अजूद जक्य कार्य है कि देवा থাকে। ভদ্মিনিত্ত উহার। শুভন্ত বেতন পায় না । কেবল সামান্ত্রপ অর ও বস্ত্র পাইয়া থাকে। ভাষাতেই ঐ হতভাগোনা যাবক্তীবন কায়মনো वादनः यामीत व्याच्या वहन कतिया थादक। পালিত পশুর ন্যায় ইহাদের সন্তান সন্তাত্তর উপরও সামীর সত্ম জালিয়া থাকে৷ কিছুতেই अ पद नाम रहा मा। याशी मान कतित्व हिन पिशदक विक्रय कतिए**छ** সমর্থ হ্ন। १०।৮० টাকায় অথ্যা তদপেকা ভান মূল্যেও দাস দম্পতী বিক্ৰীত হইয়া থাকে। প্ৰকাশ্য স্থলে বড় ক্রন্ত বিক্রন্ত হয় মা > কিন্তু গোপনে গোপনে पारनक प्रात रहेग्रा थारक। এक मिन (कान জ্মীদারের সহিত ঘটনাক্রমে আমাদিনের হইয়াছিল। তাঁহার সহিত একটা শীর্ণকায় চীরধারী চাকর দেখিয়া क्षिकाना कहाएड ब्रांभिनाम, (म सक्द्र। के ब्रांभि দাবের পিতা ঐ নফরের মাতা/পভাকে প্রথমে ক্রায় করেন। ভদবধি ঐ ভর্তাগদেম্পতী এক वारत मामञ्जूभारल वश्च कहेशारक अवर উহাদের যে কয়েকটি সম্ভান জলিয়াছে, ভাগা রাও ঐ প্রভূব দাসরপে পরিগণিত হইয়াছে। ইংরাজরাজত্বের ভিতর এরপ ন্যা রূপরায়ুণ নাায়বিক্ত ঘুণিত প্রথা প্রচলিত আছে, ইচা অপেকা লভা, বিসায় ও আকেপের িয়ে আরে কি হইতে পারে। এক্ষণে গ্রণ্মেণ্টের निकटि नविन्द्रा क्षार्थना याहाएउ अनेख छ লোমবর্ষণ কুংসিক প্রথা অচিবে ভিরোধিত १श, ७ दिगरशत विरम्भ अञ्चनकान समेरा या यानान १डेन !

কংগ্রক দিন হইল এখানে উত্তম বৃষ্টি হই-তেন্তে আপাততঃ আর ছতিকের আদস্কা দেখিতেছি না । কুষকেরা সানন্দে ধান্যচার। রোপণ করিতেছে।

কালেইরী আদালতে পুনরায় আর একটী ভাতনপ্রকাব আল গুড হইয়াছে। আমরা কালে ইয় সংহেবকে অনুধ্যোপ করি, আদালতের পুরা তন কলেও পর ভাল ক্রিনিয়া পরীক্ষা করুন স্ভাচ্চ হইলে আবো কভ বাহির হইবে।

আমাদিগের কালনাস্থ সংবাদ্যাতা-লিথিয়াছেন।

১০ জুলাই লেপটনা ট গবর্ণর বাহাছর কাল নাম আদিবেন এই নিশ্চর হয়। সেদিন বেলা ৬ টার পর এথানকার সদর রাস্তায় লোকাংশ্য, ताक्षनाथ को किमात कनष्टियल ७ कन्याना ताक ক্রতারগণের গমনাগমন, মহারাজ মহাতাপ हञ्च वाहाइदात निकारे ७ कर्महातिन्तालत नाजा ভীরে অবস্থান এবং অন্যান্য দর্শকগণের वित्नम कोलोहन e लोखा इहेम्राहिल। कीमा বের গুমের প্রতি সকলেরই লক্ষ্য। শৈষে জানা (तल, खिलाड़ांब निक्रे वताताथात श्रीमात চড়ায় লাগিয়া গিয়াছে। অনেক উপায়ের পর ১৫ जुलाहे राला 5 होत भन ही गांव भूनताय চলিতে আরম্ভ হয়। বিশিষ্ট গো বোহাছর ধর্মন कालनात निक्रे खेशश्चित्र श्रेट्लन, उथन डीशांत्र সন্মানের জন্য সকল রাজকর্মচারী গঙ্গাভীরে উপস্থিত হইলেন ; কিন্তু স্থীমাৰ চড়ায় লাগিয়া ছুই দৰ বিশব হওয়াতে তিনি এখানে উঠিতে পারিলেন না। স্থতরাং যিনি যে আশা করিয়া (इंट्रानन, मकनह वार्थ इहेग्ना (शन।

আমঃ1 অভান্ত ছং থিত হইয়া প্রকাশ করি তেভি যে, অত্তত্য এসিষ্টান্ট মাজিটেট জে, আর হেলেট মহোদয় এখান হইতে রাণীগন্তে বদলি इहेरलन। हेनि (युत्रयं)ख এখানে **जा**तियाहि-লেন, সেপর্যান্ত এ সবভিবিজ্ঞান কোন গুরুত্ব 🖦ত্যাচার হইতে দেখা য'য় নাই। পুলিষ বিশেষ छेरमार्द्द महिक कार्या कतिरक्षांक्रम, अलागन খবার্থ বিচারে ব ঞ্ড ছিল না। কালনার উন্নতি नाथनजन हिन छत्नाती हितन। हिन वाछ, পীড়িত লোকের সাহায্যনিমিত বিশেষ পরি অমসহকারে ৮ না সংগ্রহ করিয়া নিরাতার ব্যক্তি গবেব উপায় করিল্লা দিয়াছেন। যাহাতে এখানে এकी উত্তম ऋन रम्न, विधिमण्ड तम (इर्छ) করিভেছিলেনঃ কিন্তু লোকের ভারুশ ধর না थाकाट्य कृष्ठकार्यः इहेट्य शास्त्रम् नाहे। हेनि এখানকার রাস্তাদির কান্ট ইপ্রথা রহিত করিয়া রাস্তাপ্রভৃতির বায়ের -বিষয়ে অনেক স্থবিধা कतियारहर । देशेत्रहे छेरमारह छ यहा अञ्चल সাহিত্যবিষয়ক সমাজ্ঞী স্থাপিত ২ইয়াজে। ইনি যেমন কাৰ্য্যকুশল, তেমনি স্থাক্ত। ইহ'র প্রকৃতি এত নম্র যে অভিমান ইহার শরীং আংছে এমন বোধ হয় না। যিনি ইহার সহিত অংলাপ করিয়াছেন, ডিনিই শ্বীকার করিয়া থাকেন, যে সিবিলিয়ান বিচারপতির মধ্যে এমন নিরভিমান ও সুশীল লোক অল্ল দেখা যায়। আমন এরণ গ্রাশা কবিতে পারি না যে, ইনি চিব্ৰকালই এই স্থানে অ'কুন ; কিন্তু এমন সদাশয় হিচারপতি ভানাভবিত হওয়াতে এখানকার क्षारिकत विरमध कवि इहेन, धक्था मुक्कवर्छ

कहा शहरक भारत। है न बालाना कायान প্রীকাদিয়া সহত্র মুদ্রাপারিভোষিক আপ্র হুইয়াছেন ফুভরাং এ ভাষায় ইহার আনেক অবিকার জামিয়াছে। বিচারকালে আমরা হঃনিয়াছি, ইনি উন্তম ধান্দালা কহিয়া থাকেন। व्यव्य निन रहेल ऐक् छाषा भिका कतिएउएहन, বুদ্ধির ভীক্ষতাবশত ভাছাতে অনেক অধিকার জিমির!ভে। ঘাই। ইউক ইহার সহিত ঘাঁহার পরিচয় হইয়াছে তিনিই এই লেখার যাথাবং অস্ত্রত ও স্বীকার করিবেন। একণে আমরা প্রার্থনা করিভেছি যে এমন সদাশয় ও ন্যায়বান বিচারপত্তিক আমরা যত উন্নত পদে আরোহণ করিতে দেখিব ভতই আহ্বাদিত হইব। পরে अनिनाभ हेनि यास्त्रिष्ठ हहेग्रा शहराज्य। আহ্লাদের বিষয়। বাবু ধারকানাথ দে মহাশয় এখানকার বিচারপতি ছইছাছেন।

১২ ই আবেণ রাজি ৮ টার সময়ে এখানে বিছপে আলোকের ন্যায় একটা আলোক হই য়াহিল। আলোকটা সহসা উখিত হইয়া ৫ সেকেও মগ্যেই আন্তহিত হয়। আলোকটা কোন দিক হইতে উখিত হয় তাহা নির্বা, করিতে পারা যায় নাই। অনেকেই ইছা দর্শন করিয়াছেন। বোধ হয়, উল্কাপান্তনিবন্ধন এই আলোক হইয়া থাকিবে।

এথানকার অধিকাংশ লোকে একতা হইরা

ত্রীয়ক্ত লেপ্টনান্ট গবর্ণর বাহাছবের নিকট এই
ভাবে আবেদন করিয়াছেন দে, দব আনিষ্টান্ট
নারজন বাবু নবীনচন্দ্র মিত্র মহাশয় এই খানে
থাকেন। ভাষার বেজনের জন্য দকলেই চাঁদা
দিজে সম্পূর্ণ দক্ষত আছেন। দেই চাঁদা আদা
য়ের গোলগোগ না হয়, ভজ্জনা উহা চৌকি
দারি টেন্দের সহিত আদায় হয়, ইয়াভ দকলে
প্রার্থনা করিয়াছেন। আবেদনকারীরা পূর্ণমনো
বথ হইলে এখানকার দর্কালীন মঙ্গলসভাবনা।

বর্দ্ধনানাধিপতির প্রেরিত সুতন ডাজ্ঞার বাবু মংহল্রলাল গুপ্ত মহাশল্পের সহিত আলাপ করিয়া আমরা সবিশেষ তৃপ্তিলাভ করিয়াছি। ইনি খাবলঘনবিধয়ে বিলক্ষণ পরিদ্ধনী। দাতব্য চিকিৎসালয়ে এরপ সদাশয় লোক থাকিলেই যথাপ কাজ হইয়া থাকে। ক্রমে ইহার বিষয় বিশেষ করিয়া লি.খতে ইচ্ছা রহিল।

আমাদিগের গাজিপুরস্থ সংবাদ-দাতা লিখিয়াছেন:---

্যমন অভিতৃষ্টিতে বালালা দেশে হলসূল লাগ্যাছে, সেইরূপ উত্তর পশ্চিম প্রদেশে অনাতৃত্তিনিবন্ধন হালাগার উঠিতেছিল।

সাজপুবের অকঃপাতী কুইক্কুসুর (গাজি পুরের ৮ ক্রোশ অস্তর) গ্রাম হৃই,ত, এখানকার মাজিটেট আফিসে সংবাদ আসিয়াছে, তথার ১৬ জুলাই মৃত্তকাবর্ষণ হইয়াছল।

গালিপুনের দেড় ক্রোশ পশ্চিমে সরাইয়া নামে একটা ক্ষুদ্র পলী আছে। তাহাতে অন্তান ছুই শত লোক বাস করে। প্রায় এক পক্ষ কলৈ **इहेम ख्यारा खना छे**ठात व्याङ्ख श्राप्ट की व ब्राट्ड। इहे हाति स्नम कर्तिहा। श्राप्त श्राप्त हरे काल প্রাদে পাতত হইতেছে। এপর্যান্ত মৃত্যু সংখ্যা ক্রশের কিছু অধিক হইয়াছে। গবর্ণমেট এক জন নেটিভ ডাক্তরকে চিকিৎসার্থ প্রেরণ করিয়া-ছেন। ভাছার তথায় গমন তবদি মৃত্যুদংখ্যা मिन मिन **कहा १३८७८३। ए**निलाग, २।० मिन হইল গাজিপুর সংরেও বিলক্ষণ উলাউঠ। আরক্ষ र्हेशाह्य। (बाग इय्र. এপर्याच छ (बर्मय छेशांप्र अवलक्षिक इस माहे। इहेरवह ना कि अकारत? এখানকার অহিলেনবিভাগীয় ইউরোপীয় দিগের চিকিৎসাব নিমিন্ত এক জন সিবিল भार्कन कार्यन। छार्शत्क अध्वित्त ३७ समा দর্শনী দিয়া চিকিৎশা করান সাধারণের পক্ষে কত দুর সম্ভাবিত, ভাহা অনায়াদে বৌধগন্য ফইন ভেছে। এভ ভন্ন এখানে একটা গবর্ণনেটের দাতব্য চি.কংগালয় আছে। তাহার কার্য। এক अन प्रव का गिष्टा हो पाछ ने बादा निकारिक না হইয়া এক জন নেটিব ডাক্তর ও এক জন কম্পৌত্তর দ্বারা হইতেতে। গাভিপুর একটা সিবিল ষ্টেসন ৷ ইহাতে অনেক ইউরোপীয় ও বাঙ্গালী ভন্ত লোক সপরিবারে বাস করিতে ছেন। কিন্তু অভিশয় আংকেপের বিষয় যে এখানে এক জন স্থৃচিকিৎসক নাই। গ্ৰগমেন্ট এক জন সব আসিষ্ঠাণ্ট সঞ্জিন নিযুক্ত করিয়া গাজিপুরের এক্সী প্রধান অভাব পূবণ করন।

এখানকার খেয়ম্ঘাটের বন্দোবস্তটী সাধাও বের অভ্যক্ত কষ্টনায়ক হইরাছে। যাত্রিগণকে এক বার প্রপাবে বাইডে হইলে ছই পর্সা দিস্তে হয়। সময়ে সম্বে ঘাইওয়ালেরা তিন চারি পর্দা করিয়াও লইয়া থাকে। রাজপুরুষনিগের এখানকার ঘটিওয়ালদের ব্যবহারের প্রতি চৃষ্টি রাখা উচিত এবং বাহাতে ভাহারা দীন ছঃখী দিন্যের নিকট হইতে সকল সময়ে এক পর্সার অধিক না লইতে পারে এরপে নিয়ম করিয়া দিলে ভাল হয়।

-----

আমাদিগের মেদনীপুরস্থ সংবাদ।
দাতা লিখিয়াছেন-।

গত ১৫ দিন ব্যাপী অভিবৃক্তি নিশ্বন এ প্রদেশের অনেক কভি হইয়াছিল; কিন্তু পুনরায় প্রায় তির-সভাকাল সৃষ্টি না হওয়াতে, ধান্যের আশা একেবারে রহিত হইয়াছে। হয় ড আবার কয়েক দিন অভিবৃষ্টি হইয়া নষ্টাবশিষ্ট ধাহা কিছু আহে ভাহা গ্রাস করিবে।

১: ছিল, এফণে ২ টাকা মণ হইয়ছে। জেমে
য়লরেছি হইডেছে। এডলিবল্ধন অন্যান্য
দ্বরেও গুর্মান্ত হইয়া উঠিয়াছে।

১। আডর্নিটনিবন্ধন লোকের ত যার পর লাই কণ্ট হইগ্র'ছে, ভাষাতে আবার ১৭ই জুলাই ঝড়ও প্রাবনের কথা শুনিয়া সকলে মহা শক্তে হইয়া ছলেন। কিন্তু ঈশ্বরের অন্তু-এছে ভাষা আন ঘটে লাই। তবুও সংবাদদা ভাকে আমরা বন বাদ দিই বে ভিনি পুর্কে সাবধান কর্যা নিয়াছিলেন।

৪।ই তপুলে কচিব কোন কোন মোকলমার
থাইকোটের উংকল ও বারিষ্টরেরা এখানে
আনীত হইতেনে কিন্তু একণে সচরাচর উঁহার।
আনীত হইতেনে । ঘাটালের সুপরভাই
জর বাবু মাববচন্দ্র চট্টোপাধ্যায়ের নামে জমো
লুক ডিবিজনের একজিকিউটিত ইঞ্জিনিয়র
গোপনে ঘাববিক্রেয়ের এক নালিস উত্থাপন
করেন, অত্রত্য জাইন্ট মাজিকেট কর্তৃক ত হা
সেশনে অপিত হয়। গত কল্য জল সাহেবের
স্থবিচারে মাধ্য বাবু নিশিম্মে মুক্ত হইয়াছেন।
মাধ্য বাবুর উকিল ও বারিষ্টর আনিতে অনেক
বায় হইয়াছে।

৫। সময়বিশেবে অনেকের অভাব গারিবত্ত হর : কিন্তু আমাদের এখানকার মুলাদী কাছ। রিচীর অভাব এপর্যন্তে স্থুধরাইল না। ছই প্রহরের কমে তাহার কার্য্য আরম্ভ হয় না এবং ৬ টা ৫॥ • টার কমে ভালে না। ইহাতে সাধারবের যৎপরোনান্তি কন্ত হয়। কর্তৃপক্ষের মনোখোগ দেওরা উচিত।

攻। वितम्न अ तम्रहाटक येख काम 🛛 रम्न, बन

ও তেজ্ঞ প্রকাশ দ্বারা ভাষার শভাংশের একাং শ হওয়াও স্থকটিন। সেদিন অব্রভ্য একটা তেজী য়ান বারু আপন বেহারাদিগকে প্রছার করাতে ভাষারাও ভাষাকে উত্যাসধ্যমরূপে শি । দিয়াছে।

প। শুনিরা আক্লাদিত হইলাম, অব্রভ্য ইংরাজী বিদ্যালয়ের প্রধান শিক্ষকের সূহিত জন্যান্য বিদ্যালয়ের প্রধান শিক্ষকের সূহিত জন্যান্য বিদ্যালয়ের প্রথম করিয়া ভিন্ন করিয়া দিয়াছেন। শিক্ষদিগের মিলিয়া ভক্তম করিয়া দিয়াছেন। শিক্ষদিগের প্রস্থার অনৈক্য অটনেক্য অটলে কেবল ভাঁহাদিগের বভাব যে কল্পিত হয়, এক্সপ নতে, বিদ্যালয়ে রও উচ্ছেদদশা ঘটে।

দ। এখানকার ক্লেলে পুনন্দার অভ্যাচার
আরম্ভ ইইছাছে। জেল ইনসপেইরের একটা
আশ্চর্যা নির্ম এই বে, খুন্তখর্মাবলম্বী না হইলে
জেলর ইইতে পারিবে না। আমরা ক্রমাগত
০া৪ টা ফিরিটা জেলরকে ত একরপেই দেখিলাম
মধ্যে মেন্ডি, জনামে এক জন ভদ্র খুন্ত ধর্মাবলম্বী
আসিয়াছিলেন, তিনি জেলের ব্যাপার দেখিলা
কর্মাভাগে করিয়া গিয়াছেন। জেল এক পক্ষে
জনীলারী ও জনপেক্ষে যুমালম্বরূপ। ধর্মোন্
প্রতেদ না করিয়া যুদ্ধ দিন উপযুক্ত লোক না
নিযুক্ত ইইজেছেন, তাত দিন আর কারাবাসীদি
গের পরিক্রাণ নাই।

আমাদিগের তমোলুকন্থ সংবাদ দাতা লিখিয়াছেন।

১। জনশ্রুতি এই বে, এখানকার ওরুপাঠশালা
সমূহের ডিপুটী ইনশ্পেক্টর জীয়ুক্ত বাবু জানন্দ
গোপাল সেন বি, এ, স্বীয় কার্য্যজার পরিত্যাগ
করিয়াছেন। তাঁছার পদে শংগতে এক জন
স্থাবিদেক, এতক্ষেশীয়গণের পরিচিত্ত ও
ক্রেয়ে ব্যক্তি নিযুক্ত হন, ডজ্জন্য জামরা
জীয়ুক্ত বারু স্থাদেব মুখোপাধ্যায় মহাশম্বকে
বিশেষরূপে মনেমোঘাণী হইতে জানুরোধ
করিতেছি। তাঁহাকে বুঝাইয়া বলিতে হইবে
না যে প্রস্তাবিতপ্রকার এক জন কর্মচারিদ্বার্য
উক্ত পদোচিত কার্য্য যেরূপ স্থচাকরূপে নির্মাহ
হইতে পারে, কেবল বিশ্ববিদ্যালয়ের উপাধি
ধারিদ্বারা জন্ধপ হইবার স্কাবনা জন্ন।

७। शृर्त्व ध्यकाम ब्रियाहिनाम या, भी में कान वाली वर्षाएक छ क्षावरम अध्यानरम वीक धामा करनक विमष्ट श्रेया नियाहा यकि कृषरकता विभून धाममहकारत किছू किছू बीक छैए भन्न क्षिए छाहा छ । य विक्र श्रेया कृष्टि

কার্য্য সাধনোপযোগী হইয়া উঠে ইহার বড় সভাবনা নাই। এক এক বার এরূপ মুণলখারে রুফি হইয়া থাকে যে, বীজসকল ভাহাতে মরা হইয়া থার। ক্লযকেরা জাবার সেই জলা ভুলিয়া কেবিরার নিমিন্ত জভতে পরিপ্রম করে থাহা হউক, এজ প্রম করিয়াও যদি ভাহা পেরে কার্য্যকর হয় ভবেই মলল, নচেং সন্থান পত্রসমূহে ক্রেপ স্থানে স্থানে জানামী বর্ষের বিষয় ভাবিতে গেলে হলয় ব্যাকুল হইয়া উচে। ভবে এই একমাত্র জ্বলা হলয়ে জাগরাক রহিয়াছে যে, বে মহালার প্রদলী রাজনীভিজ্ঞভাতবে গত প্রতিকে উড়িবা) জনগুন্যপ্রায় হইয়াছিল সেই মহাল্যা ভারতের পুণ্যবলে আর বলনে নাই।

প্রেরিত মান্যবর শ্রীযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক মহাশয় সমীপেয়।

महामात्रा देवल्यांकी खारम अक्जी ख्रांनक জুরাচুরি হইয়া গিয়াছে। একখানি পাটবো-काइ भोका ताइभक्ष हहेएक व्यामिटकहिल। अक मिन श्राटमायकाटन त्रीकाशानि देवनावा **गिएक का**निया खेनिक्छ इहेल। तकानीरवारण গমন করিলে পাছে কোন ৰিপদ ঘটে, এই আদ-স্কার কাবিক ভথায় সে দিবস নঙ্গর করিয়। রহিল। পর দিবস প্রাতংকালে নাবিক কলিকা-े डांडिम्ट्थ चाडा क त्रवात डिटमांग क्तिटड्ट इ. এমত সময়ে এক অনে জুয়াচোর ভাহার নিকট উপদ্বিত হইয়া কহিল, ''মাঝি! আমার এক শত र छ। भारित श्रद्धां कन खाड़ , कि म अक्रन করিয়া লইবার অনেকাশ নাই ুবিশেষতঃ ভোমাকে গমনোদোগী দেখিতেছি, অভএব আন্দান্ত করিয়া একটা দর করা যাউক। নাবিক ভাষার বাক্যে সন্মত ধ্ইলে, এক শত বস্তা পাটের মূল্য পাঁচ শভ টাকা ধার্য্য ইল। অন-ত্তর ঐ পূর্ভ ফ্রেডা এক শত বস্তা পাট উঠাইয়া লইয়া নাবিককে উত্তয়রূপ মুখ বন্ধ একটি ভাষ মুদা (ডবল পয়সা) পরিপুর্ণ থলিয়া প্রদান করিল। ন্যাবিক খণ্ণেও ভাবে নাই যে, ঐ ব্যক্তি তাহার সহিত ঈদৃশ ব্যবহার করিতেছে • স্থতরাং ভোড়াটী খুলিয়ানা দেখিয়া অস্দিদ-হানচিত্তে নৌকায় প্রত্যাগমন করিলু:

প্রবঞ্চ নাবিকের অক্সভার বৃত্ত হইরা অধিকতর উপার্জনলালসার কিয়ৎক্ষণপ্রে তৎসন্ধিধানে প্রতিগমন ক্রিয়া কহিল, নাবিক ই

ভোমার নৌকায় যন্ত পাট আছে, আমি সকল ক্রেয় করিতে বাঞ্ছা করি। নাবিক **ভাগার বাকে**য় অসমত হইলে ঐ পামর কাহল, ' বদ্যপি আর व्यधिक शांगे मिटन मा, उटन क्यामात मुम्रा किता-ইয়া দিয়া ভোমান পাঠ ফিরাইয়া লও। " তথ্য ও ঐহতভাগা নাবিক ভাহার কাপটাচক্র ভেদ कतिएक भारित मा। किश्वकारतहै वा भारित ? একেড অলিকিড ভাষাতে আবার ভাষার এমত বিশ্বাস ছিল যে, গঙ্গা যাঁহাকে হিন্দু धर्मावनश्रीता साकनाजी व्यानधा विट्याना कटतम, জাধার ভীরে কেছ কখন কুকার্য্য করে না। যাহা হউক, নাবিক ভাষার খেড়া ফিরিয়া দিয়া পাঠ ফিরিয়া চাহিলে ঐ নবাধন ভোড় খুলিয়। কছিল, ''মাঝি এ কি ? জামাৰ টাকা কোথায় ? এত প্রসার ভোড়া। ১ এই শক্ষ নাবিকের কর্ণ-কুহুরে প্রবিষ্ট হইষামাত্র, ভাগার হৃদয়ে এগপর অমনুভূতপুর্ব ভয় ও বিস্মারের আবিভাব ৯ইল। এত ক্ষণের পর ঐ ছর্ভাগ্য বংক্তি জানিতে পারিল যে, সে এক জন শঠের হস্তে পতিত হইরাচে গ কিন্তু কি করে, একে বিদেশ ভায় আবার উপায়ধীন অনেক চিন্তা করিয়া পরিলেষে জ্রামপুষের মাজিক্টেটসমীপে আবে দন করাই স্থিবীকুত হইল গ কিন্তু ভাহাদিগেল যুক্তি, মুষিকের বিভালের গলায় ঘণ্টা বাধিবার ন্যায় বিফল হইল। কাহার এমন সাহস নাই যে माख्यिक्किटित निक्षे भवन करत। अकरन अक জন দ্য়ালু ভদ্র লোকের সাহাবে, জাবেদন করা इंदेग्नाट्ड। खनिलाम, के ख्रुवाट्डात रहकालाविध এইপ্রকার অসং ব্যবসায় অবলয়ন করিয়া मक्त्म कालाजिপां कतिया व्यामिएए । **ই**বন্যবাটীতে পুলিষ্**দত্ত্বও যে ঐ পাপাত্মা** স্বীয় चक्रमार्थ। वशाद्धत देवमान्यम छेत्र जिलाधान क्रूड कार्य। हरेएछ इ. हेरां ७ क्षा विकास वर् যাহা হউক, আমরা ভর্মা করি, জীরনেগুরের शक्ति छिट भारहर मरहात्र विरम्य एस्त्रकान कतिया इर्ष्ट्रेत म्यन व तर्वातन। एव. लेखे. ७६, दाइट्रेलिश मार्ट्स्वत महोता अक अन क्षत्रकृत. লে মনীল, কাৰ্দেক ও পদ্পতিশুনামাজিটেটটের श्च य अहे **मकलमात वि**च्यासात मा**ख रस. हेराहे** আমানের একান্ত অন প্রেড। ইনি সম্প্রতি किलकारा अधिकि कारलेखेत इंदेश थिय কার, স্ট্রান্ডা, এই ভো, চতুরভা ও পঞ্চ-পাতশুন/ভার স্থিত ল'ইলেকা টালের কার্য। कदिएक (धन, छोशारण । १८५५ हेर्गेत श्रीफ नित्यय म बर्डे इहेशाटकत । मा नरमहत्त्र नाम कर'त **উ**र्क्तिटिया छ। अभिक श्रमन (नर्भ श्रवा रिन्ड १३%, २८५ मा । *७५*मा कति, **स**राप्तकरण से

পদে অভিষিক্ত इहेरन हेहाँ ते अधिक्रकत कार्याका तिली सिक्क इहेरव।

কলিকাডা । একান্তৰশ্বদ ১২ প্ৰবিশ । জনৈক বাগৰাজার বাসিনঃ। ১২৭৫

ঘাটালস্ত্রিহিত প্রায় ২০ খানি আমে জ্বল **धारान (रामकल प्रतिष्ठ প্रजा**द गृह ख्रा हरे**या** छ, खाशांकिशतक काशांनीवारमत (उभूजी मा केटिके বাবু ঈশ্বরচন্দ্র মিত্র মহাশয় ২া৪ টাকা করিয়া গবর্ণমেন্ট ভছ্বীল হুইতে সাধাষ্য করিয়াছেন। অমুসন্ধানদ্বারা জানা গেল, উক্ত ডেপুটী বাবু স্থানীয় ভদ্র লোকের সহিত প্রামর্শ করিয়া অবস্থাসুসারে কতকগুলি দরিদ্র প্রজাকে উদ্ধ সংখ্য ১০।১৫ দশ পনর টাকাও প্রদান ক্রিয়াছেন ৷ যেগকল লোককে ১৫ পনর টাকা করিয়া গৃহ প্রস্তুত করিতে দিয়াছেন ভাহারা পাইবার <mark>যোগ্য পাত্র সন্দেহ নাই।</mark> **इंगरन्ड कारनरके इं शर्द्य काव्यापिक रहेशारहन** । ইহার পর ডেপুটী বাবু প্রায় ১০ দশ দিবস আহার নিদ্রা পরিত্যাগ করিয়া অজ্ঞ জ্ঞান शूर्तक काहानावाम महकूमात रा य आरन जनशा বনে যে যে প্ৰজাৱ বিশেষ ক্ষতি ও গৃহ ভগ হই य्न'रह, **ভা**হাদের ছব**বস্থা अ**বলোকন করিয়া ভুখিত হইয়া ভাহ'দের সাহায্যের নিমিত अञ्चरताम कतियादान । खट्ट (कन अहेमकन দরিদ্র প্রজা অদ্যাপি কিছু কিছু পায় নাই? ঘাটালের প্রজারা যেরপ সাহাঘ্য পাইয়াছে, (महेन्न् क्रमाना शास्त्र शकाता । गर्नरमध् হইতে পাইতে পারে। ইহারাও ভ প্রবর্ণেরের श्रकाः भवर्षावर्षे श्रकावर्ष्ण रहेश्रा अज्ञल लक পাত (कन करतन ? घाँगेलित मर्फनकृत গুট্টী সেইরপ ভগাবস্থায় রহিয়াছে। ইং। প্রস্তুত হইবার কোন উদ্যোগ দেখিতেছি না। क्तिलाभ, भूरक्रकी कांडातीवाधी भाका स्ट्वांत কল্লনা হইতেভে। ৬০**০ ছয় শত**্টা**কার** কিরূপ भाका इदेशा हेखि

अकाख वर्गश्रमर।

## मृलाश्राखि।

শ্রীযুক্ত বাবু মথুরামোহন পাল বালিডালা
১২৭৫ প্রীবন হইতে ৭৬ আবাচ
১২৭৫ প্রীবন হইতে পথ আবাচ
১২৭৫ প্রাবন হইতে পৌষ
১২৭৫ প্রাবন হইতে পৌষ
১২৭৫ প্রাবন হইতে ৭৬ আবাচ

ষশোহর পবলিক লাইত্তেরির সেঞ্টোরি ১২৭৫ আবণ হইতে ৭৬ আবাদ ১৩

-----

#### সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা

#### বিশেষ নিয়ম।

অত্রিম মূল্য ও ডাকমান্ত্রল না পাইলে মফ-বলে গোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইংর অগ্রিম মূল্য বার্ধিক ১০ টাকা তবং বাণ্যানিক ৫॥০ টাকা গ মফরলৈ ভাকমান্ত্রন সমেত বার্ধিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং ত্রৈমানিক ৩৬০। তিন মাসের ম্বানে অগ্রিম মূল্য এহণ করা বায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিঠি, মনি-অভার, নোট ও স্থাম্পাটিকিট, ইহার অন্যত্তর বাহাতে বাঁহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই উপায় দারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

যাঁহার। স্থাস্পটিকিট পাঠাইবেন, তাঁহারা যেন এক অথবা আধ আনার অধিক মুল্যের ওরদীদেরটিকিট প্রেরণ না করেন।

ষথন যিনি মফল্বল হইতে সোমপ্রকাশের
মূল্য পাঠাইবেন, তাহা খেন রেঞ্জিষ্টরি করিয়া
শ্রীযুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠাইয়া দেন।

যঁ ছানিগের মূল্য নিবার সময় অভীত হইয়া আসিবে, এক মাসপূর্ণে গুছানিগকে চিটি লিখিয়া জানান ঘাইবে, কাল অভীত হইয়া গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাছাব পর একমাসকাল প্রভীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা ঘাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং পাঠান হইবে।

মাতৃলা রেলওয়ের সোণাপুর প্রেসনের ভাক ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

যাঁথারা মাজুল না দিয়া প্রাদি প্রেরণ করি বেন, ভাঁহাদিগের সেই প্রাদি গ্রহণ করা বাইবে না।

. কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইক্ষা ক্রিলে ভাষাকে প্রথম ভিন বার প্রভিপংক্তি । আনা ভাষার পর /> ভানা দিতে হইবে। যিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা করি-বেন, ভাষার সহিত স্বভ্রে বন্দোবস্ত হইবে।

া। 

ক্রের এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পুর্বা

ইল বাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ

প চাঙ্গড়িপোতায় জীযুক্ত হারকানাথ বিদ্যাগ্রাম ভূষণের বাদীতে প্রকি সোমবার প্রাক্তঃকালে
১০০ প্রকাশিত হয়।

उ । व जान

8 • मर्थरा।

## · प्रवक्ततां प्रक्रतिदिताय पार्थिवः सरस्वती अतिमहती न हीयतां।"

মাসিক মূল্য ১ এক অঞ্জিম বাৰ্ষিক ১০ দশ অবিষ: ৰাশ্যানিক ধা সাড়ে পাঁচ টাকা <sub>।</sub>

र्मन ১২৭৫। ३१ व खादन। ১৮৬৮। ১० हे जानके

# পুরাণ প্রকাশ विक श्रेतान।

অমুবাদ ও টীকা সমেত প্রত্যেক খণ্ড ৮. পৃষ্ঠা ( অগ্রিম মূল্য ) ॥ •

विनि बङ्गाजिलायी इट्टेंदन जिन्न अक्रानुह कामहर्ष्टकी । ७४। । नर करत कारा 'अवीन यक्ष कथेया कनिकाचा मश्य- की विषयना क्षीवृक्त अभरवाहन एकानकारतत मार्म यह খণ্ডের ইচ্ছা অগ্রিম মূল্য পাঠাইবেন। অগ্রিক না পাইলে বিদেশে বিষ্ণুপুরাণ পাঠাইবার নিয়ম নাই ইভি।

अध्यक्त वायु मर्ग्नहां वरमहाभाषात्र व्यानाहावात हरेए व्यामानिक्षेत्र निकरणे এह ভাবের এক পত্র লিখিয়াড়ের যে, তাঁহার অনু-फिन्ने जांजा जांशादक शबदाता कामारेशाद्वम. रमामश्रकान प्रवासाय मुश्वाम 'खातन' कतिरम किनि जानिएं भातिर्यमें। मर्ग्यं वांदू स्थलकात কাতর হইয়াছেন, ভাইণিড ভাঁহার সহিত উঁহার অনুনিষ্ঠ ভাতাব এরপ ব্যবহার করা আর विर्पय रम् ना। कविनास जिनि कार्यनात जनका নাদিবভান্ত বিস্তারিতরূপে লিখিয়া আপনার আভার উৎকঠা দূর ও বারীতে এড্যাগমন करत्रम, अहे जामानिरशत जञ्चरदाय।

(मायश्रकाम गण्नापक।

#### रेकेरेजियान दिमक्टम ।

**७ मिनी (ब्रह्मक्ट्रा** । मित्रहे विद्या गंकादांक ।

সর্বাসাধারণকে জানান যাইতেছে যে. , अक्टरने यावजीय वानिज्ञा जवा ७ जाटब्राह्मिटनं 🗟

मित्रहें क्रेया हे हे किया तमा उटग्रंत मुझ्ला क्रिएड अध्या महेर्ड क्ला करतम, नित्र पाक . धर्मन क्षमान (हेम्दन भेजान्ना क स्टेटन ই**ট্টাভ্**যা রেলওয়ে ভেলহাউসী জোয়ার কলি সিনিল্ডিক্টেলন একেনি বোড

#### যন্ত্ৰন্থিত।

मद्भ क्षेत्र व हरेता বিধবাবিবাহ মাটক রাজা হরিশ্চন্ত্র চরিত। সাহিত্যদুৰ্গুৰ ৩ যু প বিজেদ পৰ্যন্তে श्रृक्तित्वय हति छ । य नर्ग यात्रावनी जिला महिष

अक मारमत मर्पर चौहाता आहक इट्टबंक 🗢 व्यक्तिम मूना मिरवन (कवन छाहानिशरकहै नाशिका वर्षने क रैनवर्ग अहे हुई अरहत्र क्षकानिक चेख निष्ठमिष्ठसार्थ (मख्या योहेरवः अक मार्यत्र পর আর শতন্ত্র খণ্ড বিক্রন্ত করা ধাইবে না। এক বারে সম্পূর্ণ গ্রন্থ বিক্রেয় হইবে।

#### বিক্লের পুস্তক।

(इम्डल किव व्यवत, (यतिनी, जिकांख (भंग, शहावनी একতা বাঁধান মুক্তকটিক নাটক মিতাকরা े औरकनावनाथ वरमा-ठेनठेरम ३११ नर्

#### বিজ্ঞার্থ চ

शाहरखन द्वीह २८ नर वाही खलामगर ১৯ नर (ভাড়া বাগান।

বিক্রয়ের নিমিত।

গারডেনরীচ ২৪ নং বাটী। উপরি উক্ত বাগান ও বাদী খাঁ**ংীর**্কির ব্লিড হাজির নিকট আনাইবেন।

शिरमधात्रम चात्रवा-খনট এবং কোং

ঠুমঠমিক্লা সংস্কৃত পুস্তকালরে ও পটোল ভালা বাভূঁযে; ত্রাদার কোম্পানির দোকানে ংম প্রবীত ও মংপ্রচারিত নিম্লিখিত পুত্তকগুল विक्रम स्ट्रेट्ड हिः—

্লানী'ড	মূ <i>ৰ</i> ণ		
वीत्रहेखिशांत्र		১ টাকা	
রৌমইভিহাস	a S	2 %	
ভূষণসার ব্যাকরণ		1=	
নীজিলার (১ম ভাগ)		J	
নীভিসার (২ য় ভাগ)		J	
প্রচারিত।		•	
মুখ্যবাধ ব্যাক্রণ		'n	
-			

প্ৰীয়ায়কানাথ শৰ্মা।

## विविध खबामि विकशार्थ

#### প্রস্তুত।

ইংরাজী বাজলা পুস্তক কাগজ কলমানি নানা विध ज्ञेता भाउषा याद्रः मकवान घड़ी व्यक्त तिः ইজ্যাদি পাঠাইয়া থাকি এবং পুত্রকাদিতে এক আনার ছিসাবে কমিসন দি। যদি কেই অধিক টাকার দ্রব্যাদি লয়েন ভাহা হইলে 🔑 - স্পানার किमार्ट किमान शाहरवन।

	हे।का
গোলড স্মিখ পইটিকেল ওয়ার্ক	ch
व्याटतविद्यास साइष्टे	wh
त्भक ए <b>डिवा</b> न	<b>٤</b> 4.
বেলেয়ার্গ লেকচার	৬4
<b>লো</b> দেক্স ওয়ার্ক	vo
ইংরাজী ভগবং গীতা	' <b>ર</b>
देश क्रांनवती	3

डाँशियात्र मछ वह यमकन गाठभानात उँ। हात्रा माहाया किटबन त्मथाटन वाहेबल शक्ति इंदर । इसटम्भक्ति वात् कृत्नव মুখোপাধায় ইহাতে সমতি দেওয়াতে ডিরেক্টর সমত হন ; কিন্তু তিনি স্পাঞ্চী ক্ষরে বলেন, যেদকল বালকের কর্তুপুক व्याशिक करिद्यम, जाशामिश्रदक वाद्यम भार्ठ कतिएक वला इहेटव ना। अहे कथा হিপোর্ট মধ্যে থাকাতে গত মে মানে ভারতবৰ্তী সভা বঙ্গদেশীয় গ্ৰণ্টমণ্টকে এতদিবয়ে এক পত্র লিখেন লৈডা বলেন, গ্রব্নেটের বেতন গুরু মহাশয়েরা ভোগী; অতএব উাহারা গর্ণমেন্টের সহিত সাক্ষাৎসম্বন্ধে সম্বন। এরপ ছলে निमनदिविद्यात कथाय वाहेवल आहलिए कतिया फिट्डिकेत भवर्गामा बाह्यात প্রকাশিত ধর্মণ্ডোত নিরপেক রাজ নীতির বিরুদ্ধ কাল করিয়াছেন। ভাঁহারা বলেন, পলীগ্রামস্থ লোকদিগের সমতি গ্রহণ করা হয় নাই। যে তেপ্রের শিশুর शुक्रभाठेमालाय **आहेरम, छाहास्टिश**क কর্তৃপক প্রায় মুর্থ; তাহাদিগের দক্ষতি কাজের নহে। তাহার। আপনাদিগের স্বার্থ ও স্বত্ত এবং মিসনরিদিনের অভি-প্রায় ভালরপে বুঝিতে পারিলে কখন এ मचा जित्ति ना विकिश शवर्गरमकी विक्रभ डेमात्रकाराभञ्च, श्रकामिरभव মূর্য্তা ও ভীরুতারণা উপায় এছণ করিয়া তাঁহাদিগের ধর্মের প্রতি হস্ত-ক্ষেপণ করা অথবা অন্যকে করিতে দেওয়া তাহার অনুরাপ নহে। ধর্মের इस्टक्किंपन क्षिति (यमक्न উপরে অনিষ্ট হয়, ভাহার উল্লেখ করিয়া সভা বলিয়াছেন, আজি যশোহরের মিসনরিগণ পুস্তক, মানচিত্ৰ ও টাকা দিয়া বাইবল भार्क कत्राहेटनन ; कना खना धर्माकान्ड याजकश्रय उद्दर्भका अधिक कान चीकात कतिता जाननामित्वत धर्म शुक्रक भाव कताहेटवन । विमानिया ७८५ अकथाकात

नीनारमत छाक इटेट छिन्न । छाका । हिला । हिला

মিদনরিদিগকে গুরুপাঠশালায় বাই বল পাঠনার অসুমতি দেওয়া যে অভি भग्न अनाग्न रहेशीरह. उदिवस मजरेवश नाहे ; किन्नु आंग्रा आक्लानिक इहेनांग, व्यक्तां च च्टल फिरहक्केत ७ शवर्गरमान्छेत তাদুশ দোষ নাই। চুই জন ভারতবর্ষীয় এই अनिरकेत्र कात्रण। जूनियत तनरक-होति दातिनन रालन, उप्पूर्ण देनान्यकेत শিশির্কুমার ঘোষ প্রস্তাব করাতে रेनट्याकेत फुटनव मूटथा भाषात रेहात অসুমোদন করেন। ডিবেক্টর ভাহাতেই সম্বতি দেন। লেপ্টনান্ট গ্রবর্গর গুরুপা-ঠশালাগুলিকে গ্রুণ্মেণ্টের অস্বীকার করিয়াছেন। গ্রণ্মেণ্টের পরি पर्भक्षा छञ्जावश्वान करतन **ध**रेमाज। हातिमन मारहर भरजत छेभमः हातकारल বলিয়াছেন, ডেপুটা ইনস্পেক্টর য়ে প্রস্থাব করেন, ভদসুগারে এপর্যান্ত কোন कार्यात्रहे ब्यात्रख एश नाहै।

প্রভাবপর্যন্ত হইয়াই যে শেষ হইমাছে এটা আহ্লাদের বিষয়। ডিরেক্টর
নিজে ইহার স্ত্রপাত করেন নাই, গবনমেণ্টও এ বিষয়ে কোন উৎসাহ দেন
নাই, এটা অধিকতর আহ্লাদের কথা।
ইনস্পেক্টর ও ডেপুটা ইনুস্পেক্টরের
উপরেই দোষভার পতিত হইতৈছে।

এই কর্মচারিদ্র খৃতীয় ধর্মের প্রতি অভিভত্তিৰশতঃ একান্স করিয়াছেন এক্ল'শ বোধ হয় না, তাহা হইলে ভাঁহারা अब मिन वृष्टीशांन स्टेटजन। मिननतिमि-लात अञ्चरतारथ यमि इहेत्रा थारक, जाहा रहेरन कान कानरान वजीकुछ रहेगा चटरं नीयनिटनत चिनिकेशाधन कतिता एव त्माय म्लारम्, जाहा **जाहामित्**शत इहेग्राटह । " वारेवल भाठे कतिरल ऋडि कि-? मकरमदे किছू कृ शिशान इदेर उटह ना ; ১००० ठामात मरश अक अपन थ छीतान हहेल . কিন্ত প্রতিমানে মিদনরিগণ কত টাকা पिटनम ; आंत्र बाहेबन পড़ित्नहे थे छी-য়ান হইবে এমত কথা নাই। " তাঁহারা यमि हेहा काविया काव्य कतिया थाटकन. তाहा हरेल मिननति मिगरक প্রতারণা कत्रा हरेग्राटह । वारेवटन जना श्रुक्त অপেকা অধিক ধর্মনীতি আছে। এ मःकारतत वभवजी इहेशा यमि कान कांच क्रिया थाटकन, मिर्जे उदिश इय ৰাই। কেবল অপেপাঠী কুষীবল বাল-किमगरक अदे धर्मनी जित्र निका मित्रा মদেশীয় অন্য সকলকে বঞ্চিত রাখা कि উচিত ? अनाज वाइरल शार्ठ कडाई-বার প্রস্তাব করাও অন্ততঃ উাহাদিপের कर्डवा ছिल। जामता এইরপে यে निदक र्लामा, त्मरे मिर्करे र्जायाम रहेलाम : কোন দিনেই উক্ত ডেপুটা ইনস্পেক্তর **७ हेन(म्लिक्टे**द्वत लक्तमपर्यत नमर्थ हरे-लाम ना। उंश्हाता ऋतम्भीतिनित्तत अनिके माधरन छेमाछ इरेश। लारिक अधिश इरे লেন এবং গ্রথমেন্টকে ভ্রমে পাতিত করিলেন এইমাত্র। গুরুপাঠশালা গবর্ণ-মেন্টের নছে, এ উত্তরটী বড় কোতুককর इहेब्राट्ड। यपि शवर्गप्यत्केत्र ना इहेल, जित्तकेत्त्र मचि लहेवात कि श्रीता कर हिन १ भारे नाना छलि यपि आमक् लोकप्रितंत्र हरेल, फिरतकी जरकारन এ উত্তর দিলেন না কেন, ''থামছা

. n = 0 - 1 - 1 - 2 - 2 - 2 - 2 - 2 - 2 - 2 - 2	
हेर हिप्टेंबी ज्यक श्राटन हैने (अप्रे जिन्हे	<b>4</b> 2
इं: मंकूखना	
हेः हिड्टानादन	
পুরষ প্রীক্ষা	
ढ मु ग;बजून	~
প্রিয়দশ্র	
পুরকীর ইভি <b>হাস</b> 💛 🔻 🕌	:
বলৈমূল	4
ক'য়স্থ দীপিকা	;
স্থীতানন্দ লহ্মী 🔧	1
নৈষ্ধ চরিভ	3
বিদক মুখমগুল	ją
কলিকাভার মানচিত্র ( উত্তম বাঁধান	)
<b>बा</b> तकाटकली (कीशूमी	3
ः घ উপाचराव	11
ভাঃত <mark>ৰৰ্ষের পুরাহৃত্ত ( দ্বি গীয় বার মু</mark>	ES ;
মান্চি <b>ত্ৰ সৃহিত মূল্য</b>	العا
সপ্ত কাণ্ড <b>রামায়ৰ প</b> দ্য	3
অস্টাদশ পর্বা মহাক্ষারত পদ্য	₹∦
मिकाश्रनामी	ર
রোলকের উপযোগিত।	h•
জানকী নাটক	7
ৰীরবাক্যাধ <b>লী</b>	1 -
বিধবা বঞ্চালনা	11.
কীচকবধ কাৰ্য	H-
চরিত মঞ্চরী	21.
কৰিকক্ষণ চণ্ডী	h
का भी थ छ	h
<b>গভাগিখণ্ড</b>	31
'क्लीकोड्रक माउँक	>
ক্ৰিকলাপ	>
রামাভিষেক নাটক	2
চন্দ্রবিশাস মটিক	٤
িলকাতা জোড়া- 🤰 শ্রীপ্রতাপচন্দ্র	373
िकः ७४ सर ∮सशक्ष भूटका विद्र	কুত্য
-,	

বজনামিনী নাটক (মুল্য এক টাকা ) সংস্কৃত ব্যোগ পুত্তকালয়ে, চীনেবাজারে জ্রীয়ক্ত বাবু জেলানাথ মুখোপান্য হোর ৬৮ নম্বর দোকানে এবং সংস্কৃত মান্তব জনাক জ্রীয়ক্ত বাবু ক্লের্যান্ন মুখোপানা হোর নিকটে প্রাপ্তা ক্রিক্সাণকে ২৫ প্রিচন টাকরে ছিলাবে ক্রিমান দেওয়া মান্তব

विश्वदान्त्रमः भूगाशास्त्राह्मः

बिक्रयार्थ।

শালকলক্তম অভিধান। সর রাজা রাকা কান্ত দেব বাহাছরের ক্ত । উত্তমকপে নোণা দিরা হতন বাঁধান মূল্য ২৫০ টাকা।

প্রিয়ানকচ্চত্রবেদার বাগীশ।

--- ; 4;----

कारा श्रकानिका।

এই মাস চইতে এক: লিত হইল। ইহাতে
সমুদায় কাব্য নাটকাদির দেবনাগর অক্ষরে মূল
ও টীকা এবং বাল্লা অক্ষরে বাল্লা অনুবাদ
থাকিবে। নিয় মিত গ্রাহকগণের প্রতি প্রতি থতে
। ১০ ছয় আনা এবং প্রত্যেক থতের ॥ আট
আনা মূল্য নির্দারিত হইল। যাঁহারা গ্রহণ
করিতে অভিলাব করেন, কামাপুকুর লেন ১৫ নং
বি, পি, এমস্ যন্তে অথবা কালেজ ক্রীট ১১ নং
লাইত্রে রতে আমার নিকট পত্র লিখিলে পাইতে
পারিবেন। বিদেশীয় গ্রাহকগণকে স্বভন্ত ডাক
মান্দুল দিতে হইবে।

ওরা আবেণ } জীবরণাপ্রসাদ মজুমদার। ১২৭৫।

---:0:---

ইফীরণ বেঙ্গাল রেল ওয়ে। বিভার টারমিনস্, অর্থাৎ সিয়াল দহ হইতে গঙ্গাভীর পর্যান্ত

(तल ७ ( यत ए न रहन

व्यात्र छ ।

হাটখে লার নিকটব ্রী বাগব আরে ইপ্তা বন বেলাল বেলওয়ে কোম্পানির বিভার টার্মি নস্নামক বেলওয়ে, আগামী ও রা আগপ্ত সোম বার অবধি দ্রব্যানি নেওম ও লওম জন্য, খোলা বাইবেক।

ইষ্টারণ বেক্সাল রেলওয়ে । ফু ক্সিন নিয়ালন্দ টার্মিনস । প্রেপ্তেক, ১ই জুলাই ১৮৬৮! । একেন্ট।

-----

श्रुत्तवाकाना (तन अरम्।

হাটখোলার নিকট বাগ্ৰাজারে গলার খারে যে রেলওয়ের অভিছো খুলিব'র কর্থ। ছিল, অনুস্কানীয় কারণবল্ড: ১০ ই আগেষ্ট্র, পর্যন্ত ভাষা হইল না।

শিয়ালদহ 

স লা আগাই ১৮৬৮ 

এজেন্ট

প্রাদমালা

्रत्यस्त्रभीत्र विविध स्निश्म प्रावहात्रमूनकः। अहे भूक्षकं वांशात्र श्राद्धाक्षम इहेरवः, जिनि कनिकाजः। स्कृतपूर्व कांशाहेशित शवर्गयम् लगत्वात्र ॥ नर स्वयान श्राप्ता कितिल शाहिरक शाहिरवन । सूत्राः।/• स्थाना बात्र ।

----- ; • ; -----

হরিশ্চন্স চরিত মূল্য ।•

হরিশ্চন্স চরিত জীবুজ্ঞ জগল্মাহন তর্কাল
লক্ষারকর্ত্ত্ব সক্ষবিত হইয়া মুদ্রিত হইয়াছে।
এই গ্রন্থখানিতে পৌরাধিক আলেক্সিক বর্গন
নাই, পরত্ত শুদ্ধ বালক বালিক্সাক্রির সত্তঃ—
নিষ্ঠা শিখাইবার নিমিত রাজা হরিশ্চন্ত্রের
উপাধ্যান যতদূর আবশ্যক, তাহাই আছে।

किंकाण।
ठेमठेटन ১११ नः

बीटकमातनाथ वटनगामानाम् स

--: • :--

অনওয়াড স্থার অব কোটিয়া ওয়ার উইক এবং রুটিস প্রিন্স জাহাজে সম্প্রতি আমদানী হইয়াছে।

বন্দ্যোপাধ্যায় এবং কোং এতদ্বারা সর্ম সাধারণকৈ জানাইতেছেন বে উপরি উক্ত জ্ঞাহাজসকলে ভাঁহাদিগের লগুনক একেন্টগণ হইতে যে সকল দ্রব্যানি আমনানি হইতে ভাঁহারা ভাহার ইনভয়েল প্রাপ্ত হইয়াছেন।

উক্ত কে ম্পানির প্রধান উষধালয়, আমহ ইন্টিট ২৩ নং ভবন মৃঙ্গাপুর মেডিকেল হলে এবং সভাবাজার বিট্ট ৩৯ নং ভবন শাখা উদ্ধানয়ে টাটকা, বিশুদ্ধ এবং উৎকৃষ্ট উদ্ধানকল পরিমিত মূল্যে খুম্বা বা এক কালীন অদিক পরিমাণে বিক্রমার্থ মিয়াত প্রস্তুত আছে।

সোমপ্রকাশ।

২৭ এ আবন সোমবার । বশোদরের গুরুপাঠশালা, মিসনরিগ্র গুরুদদেশীয় গ্রন্থেন্ট।

পাঠকবর্গের স্মরণ আছে, যুপোছ-রের গুরুপাঠশালাগুলি মিদনরিদিধের হস্তে অর্পণ করা ছইয়াছে বলিয়া কিছু দিন হইল এক গোল উঠে। শিকাবি-ভাগের গত রিপোর্টে ডিরেইর আটকি-কিজন লিখিয়াছিলেন মিদনরিরা মান-চিত্র, প্লোব ও গুরু ক্রান্সিদিধকে কিছু কিছু পুরক্ষার দিব্লি ইছ্যা ক্রিয়াছের। क्लाटकता य विटवहना कतित्वन. छाडाडे इंदेरव । "

পরিশেষে নিগনরিবিগকে - কিছু: বলাও আবশাক হইতেছে। লোকে ভাঁহাদিগকে যেপ্রকার ভাতিত করেন, ভাঁহাবা ভাহা অনবগত নহেন। কিন্তু ত্তার বিষয় এই, ভাঁছাদিলের প্রতি ভক্তির মূল কি ভাঁছারা তাহা জানেন न।। डाँशमिट्शत उँ९मार अक्षावनाग দৃদ্ধতিজ্ঞতা ও লোকহিতৈয়িত। দেই কারণ। ভাঁইাদিগের অবলম্ভির্ম কারণ নহে। তাঁহাদিগের উপরে ভক্তি আছে, ज्ञथठ डाँश्वामिर्गत धरण विश्वाम नाहे, अध्यक्ति (लाटकत मःचाह अधिक। डॉकाता निटक विकालश कतिश वाहेवल পাঠ করান ভাষাতে আপত্তি নাই. **डाँश्रामिश्रित विम**ानरा याउत्रा साधीन ইচ্ছার উপরে নির্ভর একরিছেছে। কিন্তু চক্রনাপ্ত করিয়া বাইবল পাঠ করান षाडियात निकानीता छहा छ। सामिता त्राप्त्र लारकत कानकारम कर्छवा नरह ! शुर्ख मुनन माद्रवहा रयमन श्राप्तरन श्रीका खरना গোরত মিলিড করিয়া হিল্ফাদিগকে धार्शनामिश्वत श्राम आनश्चन क्रिटिंग, ় ধিশবিদালেয়ে আবরক্ষির অধ্বপনা ए पर्यट्याच क्षाप्रमीन कड़िया खुक्रभाठे. भागात वाहेदल आर्थना दमहेक्य हरे-তে:ড়া ভারতবঁদীয়ের৷ এই চল্লো ভেদ কাবে। অভিশয় পটু। মিদনরিরা এদে अटक मध्यातरना थ् कीवान करिवात आ**मा** काल कक्षमा विकासिया मा एकेक, क्रूड विनामार्भाई वृद्धिम शाहिकतिहा शास्त्रमः ाध्य कछ अन थ छीशान **इहाउट** इन ? विकासिक शांक कतिदस में की शांन क्रेट्र, डाइल अभाग कि १ यकि दक्ष कावनाश्वतको हुउ इरेबा থ ফীয়ান হয়, তাহাতে হত্যিত্তি কি ? সেনাপতি हिशाम ५५०१ चाय वाताकश्वाहरू मिलाकी निशाक (न क्या विलिशाहित्सन,

जाहा मिमनतिशन विष्णुं हन दिन १
तक । तमानि वत्मन, थृषीत थेथे
काजित जेनदिन नम, याभीन हेण्या, नार्षे उन्दर्भकादित जेनदिन निर्जत किति उन्दर्भकादित जेनदिन निर्जत किति उप्ति । अदेखानित थृषीयान कि हामा आस्मत छन्ननित्रां । इहेट्ड वहिर्गड हहेट्ड नादत १ क मिनति मिनत कुम्नकात मृत कताह निमनति मिरात कर्जत कर्या विमानियमकरण वाहिवल मिका ना हहेगां। अहे जेटम्मामाधन हहेट्ड हि।

> নোমপ্রকাশ, সাজন লারেক ও পত্রগ্রেক।

দোমপ্রকালের সন্পাদকত। যে নীতিতে নীত হইতেছে, তাহা সহজে मकरल इत्रब्रध्य किति एक शीरतन ना। मामध्यकां वर्षाः याँ हात नवनश्राध উপনীত হয়, তিনি মনে করেন্ সোম-अकाम लारकत निमा निधिराउँ कान वारमन, रकर् वा अज्ञाल कारवन, रकारकत স্তব করাই দোমপ্রকাশের কর্ম। কিন্ত কাহার নিন্দা বা স্থগাতি করা সোমপ্র कारभात अख्टिश्च नतः, त्माय द्वात्रितारी विलय, खन (मिथिताई जाहात वर्गन कति व. এই আমাদিগের অবলম্বি নীতি। ञामहा यथन याँ इति । ताद्विह्मिय कहि, শক্রজান করিয়া করি না; যথন ঘাঁহার खगवर्गन कति, भिज्ञकान कतिहा कित ना। যাঁহার দোষ বলা হয়, তিনিই আমা-দিগ/ক শক্ত্ৰ, আর বাঁহার গুণ বলা হয়, তিনি স্থামাদিগকে মিঞ্জান করেন। যুক্তিরূপে আশ্রয় করিয়া স্কর্ত্তব্য সম্পা-हन कर्तन, उाँशांपिरिशत वियरस लारिकत প্রায়ই এইরূপ সংকার জল্মিরা থাকে। अड़ अब यमि (कह कमाहिए इहे अक्षांनि নোমপ্রকাশ পাঠ করিয়া বিপরীত সংস্কা ताविके हन, छाहा आमानिरशक विचाय उ (काट छत्र दियम इस मा। किन्छ याँ शहा

निका दर्गामञ्जाम लाठ करतन, डाहा-मिर्भन विभन्ने मः कान किर्लं ष्याष्ठ (कार्यंत्र इत्। वस् मित्नत त्राम-প্রকাশপ্রাহক নদীয়ার এক অনুনিদ্ নরি উলিখিত প্রকার বিপরীত সংকা ताशन हरेल जामानिशक स्य अक शब লিখিয়াছেন, তাহাই আজি আমাদিগের এইরাপ আত্মপরিচয়দানের ছেতু হই য়াছে। উলিখিত মিদনরি রান্ধ্র আকেপ कतिया निथियारहन, शृत्कि चामना मत জন লারেন্দের নাধুতা ও ন্যায়পরতার প্রশংসা করিতাম; কিন্তু একণে ভাঁহার নিন্দা করিয়া আনন্দ অসুভব করিতেছি। चामता इः विषठ हहेनाम, পর্তেরক অতিশয় ল্মে পতিত হইয়াছেন। এ খন আর তথন বলিয়া নয়, দর জন লরেন্সের যে অংশে দোৰ আছে, তহুলেপের অব-সর উপস্থিত হইলে আমর। যেমন তাহার উলেখ করি, তুণবর্ণনাসময়েও তাহাতে बितं छ हरे ना। मत अपन लटतका व्यक्तिनाव দদাশয় ও ন্যায়পরায়ণ ভাহার কোন **गटम इ नाहे। यिगि जिनि जनाय विल्हा** . कारमन, शृथिवी अञ्चलका कहित्स अ তিনি তাহা করেন না; কিন্তু তাঁহার একটা বিষম অনিউকর ভ্রম আছে।তিনি करमक विवरम सन्तामरक नाम विलया चित्र कतिया वार्थिताहरूनः, कानकदम তাহা পরিকাপ করিছেছেন না। নিয়ম বহিতৃতি প্রশালীর উপরে দেশশুদ্ধ लारक विश्वकः, किन्छ मत अन अरतन्त्र উহাকে ভারতবর্ধের পক্ষে মহেরপকারক জ্ঞান করেন। ভারতবর্ষে জ্ঞিটিশ সামাজ্য দাধারণ মতের উপরে নিভার করিতেছে। ইহার অর্থ এই ত্রিটিশ জাতির যে অদা মান্য সাধুতা ও ন্যায়পরতা আছে. डोराहे डाँश्विरगत अ विषय स्वाहित्युत्र কারণ। লাড রে নিউক্প্রভৃতি চিরকার-ণীর প্রবর জেনরলেরা এই উদার অভি-थात्र अकोणे कतिया गित्राद्रहर । किन्नु नंत्र जन

म्टबट्सब मर्कात और यक भर्त व वन প্রকাশ করিবে, তত্তই এ দেশে রাশত मृतीकुष इरेटन। छेममन माटन्द क स्मरणा উচ্চতর শ্রেণীর পরম পক্ত ছিলেন, नत क्रम नटतका रमहे मः काटतत वंभवाती। खाँब छवर्ष ७ इंश्वट ७ व था व नमुनाव लाटक विवारिकत्वन, व स्टाम विवारिका भठ व्यक्षिक शतियादन श्राहण इरेदि, তত ত্রিটিশ সামাজ্য বদ্ধমূল ও বেশের मक्त हरेटव : किन्द्र नद सन तर्वस्म लाख এলেনবরার ন্যায় বিপরীত শংকারগ্রন্ত इहेग्राट्म । उंश्वित मःकात वहे, हर ताजी শিকার সমধিক প্রাতৃতীৰ স্ইলেই এ দেশ ত্রিটিশ দাতির হস্তপরিভার্ট হইবে। श्रकाशन वाधीनक्रमग्र ७ माहनी इहेग्रा সকল কথা গ্ৰণ্মেণ্টকে ৰলিলে "এবং গ্রণ্মেন্টের দোষ দেখিবাসাত্র ভাছার প্রতিবাদ করিলেই দেশের প্রকৃত মঙ্গল হয়। ইংলতে গৰণনেতের নিয়মিত এক দল প্ৰতিব্যাকতাকারী আছেন; বিস্তু मत्र क्रम कारतमा कांत्रकर्राय के व्यवहा প্ৰতিবন্ধকভাকে অবাধ্যতাও বিদ্যো: ইর शुर्का लक्ष्य छाने करतन। देखेरता भीत রাখা मর अन्न लातराम्बर तासनी छ। সংক্ষার ও মূল নিয়মের বিবয়ে এই গেল। কার্যোও দর জনলরেন্স কভকগুলি অন্যায় করিয়াছেন ও করিতেছেন। উহার মধ্যে বল্পের প্রতি ঘূণা প্রদর্শন मर्द्यक्षान। चिडीश, श्रदर्ग स्थानतम क (परम जारामन कतिहा जन्दि वक्र रम भी श्र मिबिनियानिष्मितक श्रीय मक्स উচ্চতর পদ হইতে বৃহিষ্ট করিয়াছেন ভৃতীয়, তিনি দৈনিক ৰায়, বিস্তৱ বৃদ্ধি করিয়াছেন। চতুর্থ, ভিনি খৃষ্টীর প্রিকা ও খ টীয় পুরোহিতদিগের নিমিক বার इक्ति कति एक एक । शक्षम, किति बक- वामाना नवर्गत क्यानत एक एमर किया (क्रमीय्वित्भत मिविनमेक्टिम आदिएमत द्वाटन कर्णेक निर्माल कतियादहर्गा वर्छ,

উৎকলের হৃদ্ধিক দর্শন করিয়াও ভিনি वक्रमध्य अरु क्रम शवर्रात्र इर्छ मिनात क्षांत्रते क्षांत्रक्षका कतिया-ছেন। দিশুম, তিনি বংস্কের অধিক ক্ল কাল পর্বতবাস করাতে লাসনকার্যের विशक्त बाघाउ अविदेशाहा अछेग, তিনি প্রথম প্রথম মেপ্রকার কর্মচারি দিনের কার্য্যের প্রতি স্থৃতি রাখিয়াছি. त्वन, सात त्वत्रभ नाहे। स्विक सांचा चौछित शत रेमियमा स्ट्रेंट्स स्य विषय विशृष्णा रह, जारा घडिशाटक। मद्रेश, जिनि नाज कर्णजानित्तव अनीकात **७** क्रिश क्रुमित कत त्रिविवटा क्रूफ मकण्य रुदेशास्त्र । क्रुक्तिरगत केन्नि সাধন করা ভাঁছার অভিপ্রেড বটে; किंख व कार्या जिण्णिनारम कुनुक হইবে, তাহা করিয়া ক্রবকদিগের উন্নতি माधनटच्छे। विदश्य नश्च कित्रकाशी वरकावक छन्न कतिरमहे या क्रवक्तिराज प्रविधा स्टेटन, जानां व टामान नरह। के बटकावल खराहर ताबिहा वृति क्रुवरुषिरभव महिल काम श्राकां प्राची বন্দোৰ জ করিতে পারেন, ভাগাই কুরক मिटभन देखे कटलाश्यानी इहटक शादन। डीसात चात अक्डी विट्यांच त्साय धरे, अरमणीय निश्वामगजनकत उत्ति होत तांबनीजित स्वाय मिरल जिनि जात्रज्यार्थ चेत्रीत श्रीक विद्याराह्य विद्वहना करत्रन। छिन्दत्रिन नांद्रस्टदत्र कार्याञ्चलाः नीत निष्मा कतिरन कि देशन एपाती क निका करा इस १ ना वतन्म् छहेशक हां कर्म अनिर्गत हां करी छ । ধর্মদংক্রান্ত স্বস্ত রক্ষা করিয়া আসিতে-(इन दिना वांशांतलर ७ त धर्मा मध्यन गर् উঠাইয়া ब्रिटिंड विजिटन ताजवर्भ स्नारभत किया का कि वाक्टर्यात विषय और तित्र विश्वा मिविल मर्किम क्रिम्मतिल्ला (साम कार्ट्यंत्र क्षांछ । त्यांवारतानै कदिन-

लाई भवर्गत स्मातन सामामिशतक विद्याही (वांध करतन। वाजिनविरंभोट्यत तांकनीजित गरिक यं त्रांबव र लोत (कान् मृह क्यव नाहे, रमिन व कन नारतस्मत तूवा छेटिछ। তিনি অণাধুভাবে কোন কাজ করেন না णाहा व्यामता मुख्य कर्छ दुवीकांत कति ; किन्द्र वर्षन कार्या चनिके हहेट उठलिल, তথ্य देख्या मर উट्या नहेशा आमता कि कतिब १ मत सन नारतरकात अधि দোবারোপ করিবার প্রকুষ তাৎপর্যান্ত এই 🛚 আমরা অভিশয় হঃখিতচিত্তে জীহার রাজনীতির প্রতিবাদ করিয়া थाकि।

আমাদিণের মিদনরি বন্ধু মেইন माटक्टवंत विषया एवं कथा कहिशादहन তাহার বৃংশিপ্ত উত্তর এই, তাঁহার বিষয়ে যত অধিক বা্ক্য ব্যয় করা ন। इश, ७७३ जान। शत्रुटक खन्टयान स्टेटन তাহা নত হর, কিন্তু শরে গুণ্যোগ स्ट्रेटन छेरा स्पादतत वक्तः हम विमातन क्रतः। (यहेन मारहत् वक्ररमरभत्र व्यक्तिक माधनविषदा महेखनयूक महच्याहर করিয়াছেন।

व्यामानिश्वत मिननति वश्च वरतन, व्यापता वाकानिक्शितक ভाরতবর্ষের मझ्ळाधाना श्राहात्मत्र (हच्छे। शाहिया शाहित এটা তাঁহার ভ্রম। আমর: দাধারণ্যে ভারত্বর্ষের নিমিত শাসন সম্জীয় উচ্চতর ক্ষমতাপ্রার্থী হইয়াছি। ভারতব-तीय इंडेटल हे एवं উक्त ज्ञान का का का का कि व व्यक्षिकाती इहेटव, এ कथा वना व्यामानि-। গের অভিপ্রেত নহে। উপযুক্ত ব্যক্তিকে ভাষার গুণাস্থারে ক্ষমতা দেওয়া रुडेक, **এই धार्मान्ट्रभंत** व**क्रव**ा। लख् थ्यतक वर्णन, वाकाणीतः श्राधाना लाख कतिरल व्यामानिक्षेत्र कावा ७ जूमाजा ৰাদীদিলের অবস্থা ঘটিবে। উচ্চতর खानि मिन्न खानिएक शाम मन्न कतिर्दन

ইকার উত্তর দানস্থলে আমাদিণের বক্তব্য এই, ভারতব্য জাবা নহে, যে কারণে জাবার অত্যাচার হয়, ওলন্দাজ দিশের নায় ত্রিটিন গবর্ণমেন্টের জ্বীনে সে কারণ ঘটনা হইবার সম্ভাবনা নাই। ইউরোপীয়দিগকে দেশবহিচ্ছত করা আমাদিগের অভিপ্রেত নহে। উভ্রে ভ্রেড সম্বাভাগী হইয়া সম্ভ্রিটিতে কাল মাধ্যন করেন, ইহাই আমাদিণের মনের

খানাদিগের পাত্রপ্রেরক বাঙ্গালী
দিগের বে কতগুলি নিন্দা করিয়াছেন,
দে বিগয়ে উপেক্ষা করাই তাহার
ক্রেত উত্তর। আজি কালি পরস্পারের
নিন্দা করা বঙ্গভূমির একটা প্রধান অভি
নেয় বিষয় হইয়া উঠিয়াছে।

আমালিগের পরেত্রেক যৈ আর একটা কথা লিখিলছেন, ভাষা নিভান্ত (क्रिक्ककत। य पिट्न जेथेत य शकात গ্রবর্থেন্ট করিয়াছেন, ভাহার এতি घुना कहा आह देखहरक अर्ज्ज कहा ममान। ध कथा छैनिविश्व माठाकी छ এক জন পাদরির মুখেও ভাল শুনায় না ্রাজা ঈশ্রের প্রতিনিধি, এটা একণে কুশীয়াভিন্ন আর বেশন সভা रंगरम यीक्ष उक्ष गा। भवन्द्रभन्छ अञ्च। দিগের প্রতিনিধি: প্রকার অভিপ্রালার मारत अवर्गरमण्डल काम कहिटा १३८४ ; এক শ্কার মত এই। আমাদিলের মিন লবি বস্ত্ৰ মতে কাজ করিলে কজুইকো, ওলানি ওটন, গারিবলডি প্রভৃতিকে মহা भागी बलिट इस अबर मिने स्मर्करण ত্রিদির লিখন টেচ করে খাওন স नीवित्री भिट्टाशार्यः कृतिशा देखिशाम् अ मर्भनभाजात जाङ्गीजात निरमने করিতে হল। মিধনরি বাহার নিশ্চয় काल्तिका, भागनकर्जुलेटकात सम अप-শীন করিবেল ভাছাকে সুণা বলে না। ्रे**भ्र**म्भानिरणेत वर्ष्ठमान त्राज्ञ शुक्तमनिरशत

ভাবেন, তাঁহার। যদি বাস্তবিক দেইকাপ হইতেন তাহা হইলে তাঁহারা বাহিরে গবর্ণমেন্টের সকল কার্ম্ব্যের স্থানতি করিয়া গোপনে তরবারি শানিত করি তেন। আমরা এপ্রকার হই এই কি প্রা প্রেরকের ইন্ছা ? সতা কথা কহিলে কি ইংরাজেরা একনে রাগ করিতে শিথি তেছেন ? যথার্থ কথা কহিলে যদি তাহারা রাগ করেন, আমাদিগকে মুধ্ করিয়া রাথা যে ভাল ছিল। তাহা হইলে তাঁহারা স্থী হইতেন, আমরাও স্থী থাহিতাম।

#### त्रोमक्रमान (प ( ) )।

লালা বাবু ও ছুদাল সরকার এভৃতি करतकी नाम अ एमरमंत आवालकृष বনিতার পরিচিত; কথা এসকে প্রায়ই উনা স্ত হইয়া থাকে। এতদ্বান্পন্ধ প্রতীর মান হইতেছে, রামলূলাল এ দেশের এক জন প্রধান ও বিখ্যাত লোক হইয়াছি লেন। অনেকে ইহার নাম শুনিয়াছেন मका ; किन्त घटनत्व हेडाँत की नत्रुखान्त অ গত নহেন। বড় লে:কের জীবনচরিত প टि देवन य में भिकात नाउ है। এৰপ না, লোৱের স্বভাবত: কৌভু হল জহিলা থ কে। বাবু গিরিশচন্দ্র ঘোষের রূপার আমাদিগের সেই কৌতু इल बिट्यापटनत अक्षी छेशाव इडेवाटह । নিরিশ বারু মার্চে মালে (১৮৬৮) রাম ष्ट्रनारलत जीवनत्रखा लहेश दशनी कारलक इरल धक शब्द भारे करत्न। উহা সম্প্রতি পরিবর্ত্তিত, পরিবর্দ্ধিত ও পরিশোধিত হইয়া মুদ্রিছ ও এচারিভ हरेशारह । यामता छुलाल महकारतत খীবন চরিত অবগত হইয়া যেমন প্রীত इहेलाम, शिद्धिम वःदूत लिशिरेनशुग দর্শনেও তেমনি প্রীতিলাত করিলাম। ( ) ) देनि इमान गःकात वनिशाई अभिका

षेठ। **षेठराष्ट्र भा**ंछार्यस्य कतिहारस्य

রামছলালের অনেকগুলি অসামান্য গুণ ও অসাধারণ ক্ষমতা ছিল। তিনি ঘাঁহার ঔরসে কাগ্রহণ করেন, তাঁহার কপদক মুলোরও সম্পত্তি ছিল না; কিন্তু রামছলাল স্ভ্যুকালে কোটি টাকার সম্পত্তি রাখিয়া যান। তিনি আধুন চোঘাঁ, অপত্রব অথবা অনা বিধ কুক্রিয়া করিয়া উপার্জন করেন নাই; আপনার অসামান্য পরিশ্রাম, বুলি ও সাধুতাগুণপ্রভাবে অর্জন করিয়াছিলেন। পাস্ত্রান ইহা-তেই তাঁহার ক্ষমতা অনুমান করিয়া লই বেন।

রামত্লালের পিভার নাম্বলরাম मद्रकात । प्रमम्बात निकट्ठे द्वक्कानि নামে একথানি প্রাম আছে, ঐ স্থানে তিনি বাস করিতেন। গুরুমহাশ্র গরি তাঁছার জীবনোপায় ছিল। গুরুমহাশায় গিরিতে ঘর্ত লোকের সঙ্গতি ও সুথস্বচ্ছন্দ হর্ন, তাহা আমাদিলের পাঠদণণের অবি रें कि नाई। वर्णतीय (म मंदूर्णदेशत जिल কারী ছিলেন। ভঁ.ছার বাসার্থ এক কুটার हिन। जिन ছाज्ञ हात्रक निकटि यद কিঞ্জিৎ যাহা পাইতেন, ত হাতে কথঞিৎ मिन्न क किर्देशका के नम्राय महाता-ষ্ট্রীয়দিগের অভিশার উপত্রব (বর্গির इष.म ) हिन । २९६२ । ৫२ चारक यथन উহরো বঙ্গদেশে অক্রমন করে, তৎকালে রামতুলালের পিড়া প্রাণ্ডরে আম পরি তাগ করিয়া পলাবন করেন। ত্থন তাঁহার পত্নী গভবতী ছিলেন। পলাংন काटन পथिमत्था त्रामळूलात्नत कग रहेल । जाहात माठा भेडा पीर्घकाल জীবিত ছিলেন না; তিনি স্থাপ কাল मर्दश निवालीत सरैता श जुरलम । कलिका তায় তাঁহার মাতামহাতায়। ভি.ন সেই থানে গিয়া ভাঁহার মাভামহের শ্বলগ্রহ ছইলেন। ভাঁহার মাভামটের নাম রাম मुन्दर विश्वाम । विनिष् चित्रमा पहिला

हिटलन । किति शृष्टि,केका कतिया अवर ठी शतक कर कक्किल खेवा किनिया चानिएक তাঁহার জী ধান ভানিটা জীবন ধারণ कतिएकत। किंद्र जिन्नभारत मनना इन দভের বাদীতে ভাঁহার মাতামহার পাচিকা कर्ष हहेल । अपनारमाहन एएखा अधन ৌভাগোর সময়। ভিনি পরবিটের দেওয়ান ছিলেন। শত শত লোক উইার गृरह काहात ७ व्यवस्था क तर्कमः बात অবারিত ছিল। রামছনাল ভাহার माठामनी । महत्र निवा के द्वारत शांकिएक আরম্ভ করিলেন। ভাঁহার নৈস্থিক বিনয় न्यकापि खन हिल ; किनि क्राम मणन দত্তের প্রিয় হইয়া উঠিলেন সদনদত্তের প্রদিগের সলে তিনি লেখা পড়া করিছে অরম্ভ করিলেন। তিনি স্থাপকালমধ্যে বাদালা উত্তমৰূপে শিথিলেন, অঙ্কে বিল कन भए इहेटलन धवः हे दाकी कहिएक शिविद्यान । त्रामक्ष्मारलत चक्कःकत्र मुक्क-জ্ঞতারসে পরিপুরিত ছিল। কিব্রপে তিনি তাঁহার মাভামহের কট ছুর রুদ্ধি-त्वन, काहात जेहे किया हहेला छथन তাঁহার বে ডশ বর্ষ বয়:ক্রম। ভিনি তাঁহার महारयुव निकटि अक्टी विलम्बकाती कर्णत आर्थी इहेरलन ; छै। होत कर्य हहेल। তিনি যেমন আমসহিষ্ণু ও তীক্ষর্তি তেমনি সভানিষ্ঠ ও বিশাসপাত ছিলেন। অতংপর যেরতেপ তাঁহার উপরে সৌভাগ্য লক্ষীর অনুকূল দৃষ্টি পঠিত হইল, অভ.পর পাঠ গণ ড হা আবণ করুন।

उँ। इटक मर्जनारे खनामाश्रीत भन्नी কার্থ ডারমণ্ড হারবরে যাইতে হইত। যে जकल काइ:क कलमध हरेश होलात. নীলামে বিক্রা হইত, তিনি ভাহার অবস্থা ७ मुला। पिरियरग्रत अनुमान क्रिंडिंग । धक्ता धक इहर (बावाई काइक कल-মগ্ল হয়। রামতুলাল ভাহার অবস্থানা, দি विवत्र यञ्जभूर्वक कानिश व्यामिशहितनन, উशांत व्यवाविष्ठ পर्ति हैं वक मिन छैं। हात निर्माक्षिण है।लाज नीलाम इरेट

बद्धान । त्यम्बद्ध छना कात कतिए बला इक्क किनि मेलारम छेशकि इहेवाइ व्यवनिक शूर्व विकास व्हेला वास। त्रायक्रतांन छेशिक्ष इहेश अधितन, নীলামকারী একখানি জলম্ম জাহা-জের বিক্রয়র্থ ডাবিভেছেন । তিনি মনে क त्रातन, विनि इंकिश्राव अ आशास (मीर्यता व्यक्तिताद्वर, व त्रेष्ट् थावि वहेरव । जावात निकट हे 58000 है। का हिल । किमि छेश धना कतिरमम । अवावहिछ शटतेर कर सन रेश्त्राक के बाहान कर्त করিবার নিমিত্ত আগমন করিলেন ভিনি खनित्तमं, छेरा विकास हरेशा शिक्षात्छ। তাহার পর তি,ন রামছুলালকে অধেষণ করিয়া প্রায় লক্ষ্ণ ট্রাকা লাভ দিয়া উহা क्रम क्रिटलन । (य क्वीकांस के लाख इहेल कारा तामकुनादलक निर्मत नग्न , भे लाख काहात क्षण्डे शाहेर्त्यम, बहे चित्र कतिशा ये होका काहात निकटि निजा छेशकिक कतित्तन । यमन मखु बहानुखंद हिल्लन किनि वामकुलाटलत् मन्न ७ विश्वक छ। द

(मानश्रुतंत्र (मना ।

मर्भात दिखिक। ७ माहिक इंदेश के

छा वा काश्रादकरे पिटलन ।

এই মেলাটা অভি প্রদিদ্ধ। ইহাতে मर्भनदर्गा अदनक शरार्थ आहेटन । देश **अट्डोवंड मार्ट्स इहेडा बार्ट्स । मम्ब म**न्नि হিত হইয়াছে বলিয়া ছাপরার প্রদিদ্ধ डेकीन बाबू द्वनवनान स्वात देशत একটা বিস্তারিত বিবরণ লিখিয়া আমা बिट्रात निकटि दश्तन क्तिशांद्रम । (मन। বসিবার স্থানের এক মান্চিত্রও প্রেরিড इदेशाटक। उँद्वात फेटलामा अहे. उँद्वात दाक्षवर्गद्भत अदमदक ले दबलामर्भटनत देका श्रीकार्ण कतिवादहरना स्मनाकृत छननी व स्टेश स्कामान स्टेटक स्टेटन, यनि (क्ष अत्रथ मत्न करतम, अहे मिनिक

जिमि जात्य छेशांत मिरिश्वत विवत्रन निधिशं नाश्राद्रमञ्ज क्लाह्य क्लिएक्ट्म তিনি এরপ অভিপ্রায় প্রকাপ করিয়া-ছেন, যদি তাঁহার কোন আত্মীয় • दाक्षर के स्मना सिंबिटड यान अवर षा व उंदिएक कामान, याहाटक (कान धाकांत कर्षे मा इत्र, जिनि बधकांत बर्मावल कतिया निरुष्ठ शास्त्रम । जामा-

निर्गत श्रविधा मी इंडबॉटेड गौनिष्ठिकी थकांण कहिएक शाहिलाय मा, विवेशनी জ্ঞানাঃ একাশ করিতে আরম্ভ করিলাম।

১ ন । ঘোড়ার হাট। মরনান অন্ত্রান छ्टे माहेल। এই मः नात्म माना श्रकात अभिक्रार्वणी, द्रिवादी, मिक्नी, श्रेश्वादी, কাৰুলী প্ৰভৃতি উত্তম উত্তম অৰ্থ শ্ৰেণীবন্ধ-ৰূপে অতি হুচার শুখলায় বন্ধ থাকে। शाहर नकरणत शृष्टपण बाखतन्याता माजिक मुझे द्या क्याकातीता भगन कतिता रखा উল্লেখন করির। সভদাগরের। অশ্বের মনো-इत मुर्कि मने म कतात ; এই ছানে खमन क्तिला हमश्कूछ स्ट्रेट इत्। कान अन्यी छाल छ दांत्र निर्णय कता छ्कट रहा।

২ ন । এটাও ঘোড়ার হাট। ইহাতেও ৰড় বড় অসম থাকে। এ ময়দানটাও তিন मा दलत मान रहेरव म।।

ত নং। টাটুর বাজার। এ চড়াটি ছই महित्वत सान नरह। अहे महानान है हो हुट उ পরিপূর্ণ থাকে; কিন্ত টাটুবিকেভারা আপন আপন টাটু শীম্র শীম্র বিক্রয় করিবার লাল-সায় অতি ফুডবেগে দি**খি**িক শুন্য হ**ই**য়া দৌড়াইয়া লইয়া বেড়ায়। স্তরাং এ স্থান 🗣 মসুষ্যের গমনাগমনের পক্ষে অতি কটকর হর। বেরূপ সজ্ঞার সময় কলিকাভার গড়ের মাটের রাস্তার এং চৌর্লিতে সাহেইট্রের क्किंग ଓ कुछित आनक्षात वा मिन्दन वड़ রাস্তায় ছেকড়া গাড়ির ভরে মসুব্যকে প্রতি নিমিষে চ্কিত ও সাবধান ১ইরা পদনিকেপ করিতে হয়, এখানে সেইকপ তীক্ষ দৃষ্টি না রাখিলে আক্ষত শরীরে ফিরিয়া অ'না ভার হয়।

. 8 नः । **७ महमान**णि भवर्गस्मदेशीत নানা ডানের হৃজাতীয় অশ্বাবকসমূহে পরি शूर्ग। अंगकत अथ निवास विद्धो छ सह। কথন কখন অভি উচ্চ মূল্যের আহ্বসক্ল অতি বল্ল মূল্যে পাওরা যায়। গ্রন্মেন্টের অক্ষান্ত অসুস্কল এখানে বিফ্রীক্ত হয় বটে; কিন্তু সেগুলি গাড়ী, জুড়িপ্রভৃতি वावशास व्यक्ति अभारमनीत, देशा किरणत कार्या **চনৎকার स्थिकः** (मिन्द्रा अवान वरे उद्या देश्याक कर्माहा विशालक স্থিকায় গমগুলি এমনি স্থাকিত থাকে বে, বিগলের শব্দে সমস্ত কর্ম নির্বাহ করিতে भारक। माना चाहेवात शूर्व्यः, माना चाउहा भाष कहेव।त शूर्यंत, कमशास्त्रत शूर्यंत, शांज মার্জনের আরস্তের পূর্বে গাত্রমার্জন শেষ হটবার পূর্ফো, বিসল্পানিদায়া সঙ্কেত করা হ্য অমলি অধ্যা ফ্লিকিড মহুবা গেকাও হাশুখালা ও সমুর গতিতে সমস্ত কার্য্য নিৰ্বাহ করে. তৎতৎ কালে সহস্ৰ সহস্ত অংশ্ব এককালীন আচারজন্য अवष्ट इंड्रा चाहात मगावि, कवलान, भाज भो की नजना अल ५ व असे ध्वर मसन हिन्द्रभन গ্রেজ্তি নানাবিব কার্যাকলাপ নিমিষের भारता निक्तां र क्षिट छ प्रियेख विकास कृट्य নিসল সইতে হর। ই রাজভিগের কি চমৎ কার শিক্ষকো ল! পশুগাকেও মনুষাবৎ করিয়া তুলিয়াছে । সমর কেত্রন্থ অব্ধ বলদ, করি, উ**ট্র প্রভৃতি সামরিক এন্ত**গলের রণ পাভিতা, যুদ্ধশিকা এবং গভিভিকার্ড ८ मिला प्राप्तिक काउनु कि कड़े एउ कहा. ११३१०१ শাক্রবংগর গোলা শুলির আক্রমণ হইতে পরি ন'ন পাইবার জন্য রণভূমিতে এরপ বদিয়া **७ ७३॥ १८५ ५ वः काराकात्म धमनि** শর্র উলিও পাবিত ও চতুর্দ্ধিকে চালিড अप्रत्य, काका वृ**ष्टि,गाठ**त मा कतिरम वर्गम वाता (बारकत अत्यक्त कता कठिम।

ন নং। এ ময়দানটা টাঙ্গন এবং টাটু
গোড়ার পরিপূর্ব। ভূটান নেপাল, রঙ্গপুর,
দিনাজপুল, শিকিন, দার্জিলিংপ্রভৃতি।
নানা স্থানের উত্তন উত্তন অদৃশা ও স্কৃত্
প্রথচ প্রামৃতিক অনুস্বল এ স্থলে এর

विक्रम रहेमा थाकि। धरे हुरे स्थान हुई। मार्टेश्नम स्टेश्नमा।

পুনং। হস্তার বাজার। এ বাজারটী
গণ্ডকী নারি ধারে একটা আত্রের বাগানে
ছইয়া থাকে। বহুসংখ্যক হস্তার আমদানি
হয়। এমন কি কখন কখন ছুই সহস্রপর্যাস্ত হস্তা একত্রিত হয়। মদমন্ত হস্তিসমূহের
নিনাদে সে স্থান কম্পিত হইতে থাকে।
কুদ্র কুদ্র হস্তিগাবকসমূহের ক্রীডাদশনৈ
অত্যন্ত আমোদ হয়।

নং। ই স্থানে কলিকাতা, পাটনা, কাশী, দানাপুর এবং অন্যান্য বহুদূর ও নিক টবর্ত্তী স্থানসমূহের নানা প্রকার উত্তম উত্তম দ্রব্য সামগ্রীর দেকান বসে। এত-দ্যারা ময়দানটা ভাতি চমৎকার শোভা ধারণ করে।

৮ নং। গঢ়র বাজার। এ বাজারটা এক ধাবে অভি প্রশস্ত চড়ার উপর হইয়া থাকে এত গঢ় একত্রিত হয় যে গণনা করা ছুঃসাধ্যা মহাভারতের বিরাটরাজের গোটের বর্ণন ্র স্থলে মনে পড়িয়া যায়, গরুণকল একপ ারক্ষরিক্সশী হইয়া দীড়ায় যে, মঠিটা শ্বেত বৰ্ণ হইয়া যায় এবং যংকালে ভাকাল পর স্পার গাল্লচালন করে, তখন অবিকল জল-হিলে,লম্কপ বে:ধ **হ**য়।শোণপুৰবাদীয়া প্রকৃত ডাক,ইড। ইতিপূর্কে দিবা ছুই প্রহরে দৰ্মনাক ডাকাইতি কৰিয়া জিনিয়পত পশু পক্ষী কাড়িয়া লইউ। একাণে গবর্ণমেন্টের ফুলাসনে সেৰূপ গোল নাই; তথাপি বন মাইদি ছাডে না; স্থাগে পাইলেই একটা শুক রর ছুনা ধরিয়া জনতবেগে সেই গো মঙ্লনধ্যে এমনি নিক্ষেপ করে যে, শুকরের ছানা গরুর মধ্যে প্রজিয়া চীৎকার করিতে আরম্ভ করে; গরুসকল ভাহাতে ভীত এবং वाख रहेश हर्ज़र्फरक शंनांत्रन चात्र ब करत, **এই अतमदत बनमाहेटमता भड़ मकल धरित्रा** নানা স্থানে গোপন করিয়া ফেলে।

৯ নং। এই ময়দানে এতদ্দেশীয় এবং বিদেশীয় রাজনে জাতি সমারোহে তাজ সামিয়ানাঞ্জভ ডি খাটাইয়া বস্তগৃহে বাস করিয়া খাকেন। ইহাদের এক এক জনের আবাসজনা আরি ২০।২৫ বিয়া ভূমি আবন্ধ হয়। সমুদার রাজোচিত আড়বর<sup>্ট</sup> সকলের সলেই থাকে। ইহালের হইতেই সেলার অধিকাংশ শে;ভা নিজাদিত হইয়া থাকে।

> न रो **अंदे कूल ज्ञानींट**ड शामति नाट्य

বেরা আপন জাপন দল বল লইয়া জব্স্বান करत्रम । धर्यास क्षांत्र ५६ मिवनशर्याञ्च পৃথক পৃথক দলবন্ধ হইয়া পৃথক পৃথক স্থানে গ্রীষ্টধর্ম প্রচার করিরা বেড়ান। এখানে विकर्ण कांबोब्दिन स्माठा विदेश शहक करने জেপ জনতা প্রায় অন্যত্ত হয় না; স্তরাং তাঁহাদের 'ধর্মপ্রচাত্মের বিহ্নাল স্থবিধা বলিতে ছইবে। যাতা হউক ইংরাজদের ধর্ম্ম निष्ठी धर्माठकी धर्माठिख। धर्माञ्चताश लाक হিতৈৰিতা ও ভভচিন্তাশীলতা এভৃতির প্রশংসা করিয়া শেষ বয়া যায় না। ভাঁহারা बाजीव, बक् शिवांत चरमम छ्यत्री जाता नमूनाय छ (च कथा अनि निया करन कशनी শ্বরের প্রিয় কার্য্য সাধনার্থ এই মহাভীষণ সক্রীপার হইয়া এত দুর আগমন করিয়া কেবল নিংস্বার্থ পর্বিতে বিব্রত থাকেন, কিন্তু খামাদিগকে কি আর অধিক ধিকার দিব, আমরা এ দেশের ম মুধ হ'হয়া এ দেশের-মকুষাৰগেরি ধর্মোন্নভির একবারও চিস্তা করি না। আমাদিগেব দেখে। অজ্ঞান ভিমি রনাশক উন্নত ব্রাহ্মনম্প্রদায়িক ভাতৃবগ কি করতেছেন? তাঁহাদের কি এসকল স্থানে আসিয়া ধর্মপ্রচার করা কর্ত্তব্য নয় ১ বো াইরের অতুল এমর্ব্যবান গনিগণভিন কি এতদেশীর সামান্য পর্মাঞ্চ ব্যক্তি ত্রাকাধনের উপদেশ ভাবণের যোগ্য নহেন ? আমি বাবু কেশবচন্দ্র সেনকে অনুরোধ করি, তিনি আ গামী মেলায় শোণপুরে শুভাগমন করিয়া विधिष्ट धर्माहकीचात्रा अञ्चलकोत्र धर्माक-গণের জ্বজান ডিমির নাশ করেন। >> नः। ध सामग्री हीटचे ७ महिल इहेटव।

সমস্ত স্থান আ মুর্কে আচ্ছাদিত, দেখিতে

শতিশর রমণীয়, এই স্থানটীতে প্রায় ২০০০

হারার ইংরাজ দপরিবারে মানা দিগুদেশ

হইতে আনিয়া শৃত্যলপূর্বক বস্ত্রগৃহসকল

নির্মাণ করিয়। বাস করেন। তাহাঁরা এমনি

হৃদ্য প্রণালীপুর্বক আপন আপন বাসস্থান

ध्वेष्ठ स्टब्स्ट्रिंग नाट्य व वात्रा चना ब्राटन है जाना चा हैएक शादन, नकन नारहरवता **জাপন জাপন জারাদের চিহ্ন জ্থবা নামা** ক্ষিত করিয়া রাখেন এব এক এক জন ইংরা क धकुल मधुकिमहकादित का स्थान करतन (व বাগানটা আমর পুরী বলিরা বোধ হয়। **প্রা**র**ী** সমুদার বজগৃহই অস্থ্রিত ও আলোক্ মালার স্থােডিত থাকে । গাল, বাদ্য, দুঁতা, प्याप्तान, श्राप्तान, त्यन छथात्र पूर्वियान . जोता जानावात विश्वास क्रिक्स क्षेत्री स्ट्रांस क्रिक्स क्षेत्री स्ट्रांस क्रिक्स क्षेत्री हैं। নের মধ্যে কলিকাতা অপেকাও প্রশন্ত একটা সদর রা হা ্ পার ইইতে ওপারপর্মান্ত (याता थारक। शर्थी स्मनात शूर्ख विकक्त পরিষ্ক ত ও পরিচ্ছন করা হয়। বেই পথে देश्त्राक्रापत गाफि, र्याफ़ा, कूफ़ि, किंग्रेन, वादात्रक करतन। প্রভৃতি প্রাতঃকাল হইতে রাজি ভৃতীয় প্রহর পর্যান্ত অবিজ্ঞান্ত কলি গাড়োর গড়ের সাঠের ন্যায় চলিতে থাকে। বলিতে কি **এড ইং**ৱা ক্ষের জনতা এ দেশের কোন মেলায় হয় না। বাঙ্গালা, আগরা, পঞ্চার, অব্ধি নাগ্যসূত্র প্রভৃতি প্রেসিডেলি; স্বধকাংশ হাকিমেরা আগমন করিয়া থাকেন। বেহার এট্রেশের জেলাসকলের ছাকিমেরা এক কালে ঝাঁটিরা বাহির হন, জেলাতে চুই এক জন সামান্য वाकिम क्वा तक्कारिकनार्थ थाकमा **旬季:**何 (इन वर् **53** लिएक হওয়াতে এব দীঘ কাল আফিসসকল বন্ধা থাকাতে কলিকাতা আগরা লাহোর লক্ষো এছেতি রাজধানীর বড় বড় সিভিলিয়ান বারিষ্টার. ইত্যাদিও আগমন ক্রিডে আরক্ত করিয়াছেন এবং ক্রমে বোখাই মাজাঙ্গ প্রভৃতি প্রদেশ হইতেও দেশ বিদেশীয় ভোগবিলাশিগণের আগমন হইবার সম্ভাবনা।

১২ নং। খোড়দোড়ের ময়দান। প্রত্যক্তর্পাতঃকালে এক , বা ছই হাজার
টাকা ব জী রাখিয়া তিন বার করিয়া খোড়
দৌড় হয়। প্রায় ১৫।২০ দিন এবাপ ক্রীড়া
তে বায় স্থতরাং ফু ন্যাধিক ৪০।৪৫ কাত সর্ব্বা
ভদ্ধ খোড়দৌড় হয়। খোড়দৌড়ের সময়
সিগোলি মোকামের সোওয়ারেরা এবং
প্রিয়্ প্রহ্রিগণ স্থানে স্থানে দণ্ডায়মান

রহিরা শান্তির্কা করে। এক এক বার বাজি হইলেই দানাপুর মিলিটরি ক্যাম্প হইতে নাগত গোনা বাল্যকরেরা অনধর ইংরাকী বাল্য আরক্ত করে, আনার বান্য বল্ল হইলেই ঘোলুকেটি আরক্ত হয়। যেদিবস ঘোলুকেটি ফর ভারার পরাদিবস ঘোলুকেটি করে করে হংরাক্তদের ঝানা হয় প্রক্রিকেটিছের র,ন্তাটি ৩ মাইল হইবে। এই চক্রাক্তার বোড্রেলিডের র,ন্তাটি ৩ মাইল হইবে। এই চক্রাক্তার বোড্রেলিডের র,ন্তাটি ৩ মাইল হইবে। এই চক্রাক্তার ঘোড়ুকেটিডের র,ন্তাটি ৩ মাইল হইবে। এই চক্রাক্তার ঘোড়ুকেটিডের র,ন্তাটি ৩ মাইল হইবে। এই চক্রাক্তার ঘোড়ুকেটিডের রান্তার পক্টারোহণে বায়ুকেবন করেন এবং অনেকে ৩ টার পদ্ম ফ্লাচ্ছাদিত মাঠে বেটসবল ক্রীড়া করিরা বান্তার্ক্তি করেন।

১৩ নং। এটি নাচ্ছর। ইহাতে সাহেব বিবি, ারাজি ৯ টা অবধি ১২ টা পর্যান্ত নৃত্য গীড়াদি আমোদ প্রমোদ করিয়া থাকেন। গোরাবাদ্যকরেরা বাদ্য করিয়া থাকে। এখানে ইংরাজীভিন্ন এদেশীরের গাননের অধিকার নাই।

## विविधम १ वाम ।

২ : এ প্রারণ সোমবার।

গত বংগর দল্লিপ্রদিগের সাহায্যথি ইংলতে ১০.৬৯,২১,৮৮০ টাকা সংগৃহীত হইলাটিল ইংলও ঘেষৰ ধনী দানও তেমনি সমূত্ব। ভারতবর্ষে নিজা নৈমিত্তিক ক্রিয়াকলাপাদিতে যে বাল্ল হয়, ভাহার সমষ্টি করিলে ভাল হয়। পরিণামে ভাষারা একটা মহৎ কার্য্য সাধন সভাবনা আছে।

বোদ্বাই গ্রেপ্ডেন্ট সিশ্বাস্ত করিয়াছেন, একা মুভুজ পরিবাধের সকলের আয়ে একত্রীভুড করিয়া লাইলেন্স টাক নিশ্বায়িত করা হইবে।

সর স্থাকোডনর্থ সপ্রাভি জিখিয়াছেন, এত । দেশীর দৈনিকগণ পুলিমে প্রবেশ করিলে দৈনিক পেশান পাইবে লা। দৈনাগণ যভ আপনাদিগের কাজ ভাগে করিয়া খানা কাজে নাযার, ভতই ভাল।

আগামী নবেষর মানে প্রণার জেনরল লাহোরে একটা দরবার করিবেন। উহা শালগ্রাম সেবার নগায় নিত্য হইয়া প্রতিল স্ উহার আর চম্বকারিতা নাই।

व्य नार्ट्य अकी देखम कांक कतिराज्यका।

जि स सक्षात शिया पहर्क गैंकल प्रभीन कतिएछ हिन । मेळ्डिफ फिनि कृष्णनगरत सभीनातिपरगत साद्यान कतिन्ना निगा भिका, नीरगत होग छ १००० मर्फ्न १० जाहेन घडिंड सक्त्रमात स्वया विकास करतन । कारणकेतिपरगत हछ हहेएड १० जाहेरनत सक्त्रमा एमछन्नानी स्वीगित्रड सहसा याख्या উচিত कि सा, छोहा छिनि गत-गरक सिद्धांग कतिनारहन । स्वामत स्वयामिन हहेगाम, समीनारतना क्रम्यामन कतिनारहन ।

ায়ত শমিশার পোট কানিও কোম্পানির এক অধিবেশন হয়। এই সময়ে সভাপতি সুইন ्हा नार्ट्ह्यू विरमम, मिलात नार्ट्ट्वत नहिन्छ। বিবাদ করা কাহারও অভিপ্রেড নহে। তিনি वर्षमें क्लाम्नामित्र है।कात्र कृषि क्रत्र करित्र। क्रेक তর মূলে। কোম্পানিকেই বিক্রু করেন, তথন ভনি যে মদ্দ কাজ করিছেছেন এক্সপ বিবেচন। कर्वन नार्डे ; किन्नु व्याहेन व्यञ्जनादत डॉहारक :माघी विलिए इहरत। मिलाव मारहर कृषिछ **१हेशा हेरलक्ष इहेटल यथन क्षर्जागमन कर**्नन ভখন উাহার সহিত এ বিষয়ের মীমাংসা হওয়া कठिन स्ट्रेशकिंग। मिलात जाएरव यमि क्रिक शुद्रम करदम, खाश इंहेरल अथन खनाशारम नीबाश्मा एकेट्ड शास्त्र। जात राष्ट्रांशांकु ना করিয়া শিক্ষার সাহেবের বন্ধভাবে মীমাংসা করাই উচিত।

হালিসহরে ' পরস্পারের শুভাকাজ্জী শ এই নাম হিয়া এক সভা প্রতিষ্ঠিত হইয়াছে। সভাগণ পরস্পারের সাহায্য কবিবার সন্ধান করি-য়াছেন। এপ্রকার সভা প্রাপনীয় সন্দেহ নাই। কিন্তু সভাগণ দেখিবেন শেষে যেন সভার কার্য্য দলাদলিতে প্রথবিদ্যান ব্যা

উজ্ঞাপত বলেন, প্রতাপগড়ের ডেপুটা কমিসনর আর, এন: কিও ইংলপ্তে গমন করাতে তত্রতা লোকেরা এই সদাপর কর্মচারীর সন্মানার্গ সভা কহিয়া এক অভিনদনপত্ত প্রদান করিয়াছেন। ভারতরবীয়দিগকে ভিনি যে বস্তুভাবে সর্ভান সমাদর করিতেন, ভাষার উল্লেখ করিয়া কিও সাংহ্রের হিজেম্বিভার বর্ণন করা হইয়াছে। কিও সাংহ্র সাধারণের উপকারার্থ রাজ্ঞা, বাজার ও কতকগুলি উল্লান করিয়া— ভেন। মাদের কার্থানাসী নগরের মধ্যে ধ কাতে

লোকের কণ্ঠ হইড, ভিনি ভাহা দুরে স্থাপন করিয়াছেন। তাঁহার যথে এক জন সিবিল সর্থান व्यागिशाह्म । व्यानक समीमाती निष्ट्रेशां इंड-ष्ट्रांट किंड म: ट्रिव म्यक्षिति खरां खानान-তের হস্তে দিয়া রক্ষা করিয়াছেন। ভাঁছার কুত कृषित रान्नावन्त्र मन्त्रार्थका व्यक्ति है प्रकादक হ্ইয়াছে। এই অভিনন্দনের বখন উত্তব পেওয়া হল, তথন অনেক লে'কে অঞ্পাত করিয়াছিলেন। ভারতব্যীয়ের। ইউরোপীয়দি-গের সদ গুণ দর্শন করিলে যেমন কুভজ্জা द्रांत जाज रून, (राव प्रिचित्न एउम्रीन विवस्त

শনিবার ভাষধি প্রধানতম বিচাবালয়ের আদিম বিভারে প্রাত্প চলিয়াছে : সামান্য কাগজে লিখিয়া ভছপরি ষ্ঠাম্প বসাইয়া দেওয়া व्हेर्य। इहे अन श्रीकाविद्युष्ठा निएक इहेशा-(इन । हेर्गमिन**ाटक कवित्रन (मञ्जूश हहेटत** । निज्ञ মিত বেতন দেওৱা উচিত চিল।

গত जुलाई बारम ३६.२१७ कान रहाक ভারতব্যীয় চিত্রশালিকা দর্শন করিছে গ্রমন करतन । हेरामिरगत भर्षा ১०,६७१ स्थन स्रावुक বীর ও ৬২৯৫ ইউরোপীয় পুরুষ এবং ১৩৪৩ জন এতদেশীয় ও ৬৯ জন ইউরোপীয় স্ত্রীলোক कित्न । গড়ে প্রত্যুত ৫৮१ सन प्रभंक शिहा-ছিলেন। আমরা আফ্লাদিত হইলাম, চিত্রনা-লিকার রক্ষকগণ রবিবারে দর্শক্ষিগকে প্রবেশ করিবার অসমতি দিয়াছেন।

ডেলিনিউস বলেন, সম্প্রতি কতগুলি আন্ত্র-भारी भारता जारमानिए जानिया जुठे कतिया জগলে পলায়ন করিয়াছে। ত্রিপ্রার রাজা ब्हामिशदक मध्य मिवात निमित्र कात्रक स्वन সিপাহীকে প্রেরণ করিয়াছেন।

ख्क পত चारता वरनन, (क्षेष्ठ (मरक्रके।वि काका निवारहन, कर्यामहाय अक कारन होका मिटल (य त्र क्रु. चिक्कत एक छत्। इहेरव ना । (य क्षांत वांत्री, कांत्रशांता, क्षेत्रांत छ (कड़ इहे-श्राह्य, जारात भूमा मिर्ल निकत (मध्या स्ट्रेत्)

আনরা হিম্মপেটি য়ট দর্শন করিয়া অভি শয় আহ্লানত ইইলাম, সিবিল স্পিন ক্ষিস্মৰ গণ ভারতবধীয়দিগের প্রতি একটি স্থাবিচার করি शाहित। मरका उ छ आवित समात ७१६ इछ स्राटक मार्थातरवत (य ज्यनरञ्जाय ज्यात्म, कस्त्रमञ्ज-গণ ভারবারণার্থ পুনর্মাব ঐ ঐ ভারবর নার্য ৫ • • করিয়াছেন, ক্মিসনরগণ আরও নিশ্বন্ধ করিয়াছেন, পরিকায় উত্তীর্ণ হইলে মুভন সিবিলিয়ান ২৪ বংগর বয়স ন। ইইলে ইংল্ঞ ভ্যাপ করিতে পারিবেন না াভারতব্ধী র পরী

कार्योनिगरक किছू अधिक निन देश्नार्थ ताथ। जिन्न देता वर्णन लास्कृत अक कहे इदेशार्थ एक उँशिक्तित अभिटशक। आक्लाटनत विषय अहे, भित्राखीर्व वाक्किनिशक (क्षेष्ठे मिटक्रिनिश প্রথম বৎসর ১০০০ ও ছিডীয়া বৎসরে ২০০০ है।का शुरुकात निरदम।

#### २३ এ आविन बज्जनवात ।

गण कना वनदम्भीय वर्गास्त्रत कश्मीमिरगत সাৰ্থসরিক সভা হয়। এই সভায় স্থির হইয়াছে, বর্তমান সেক্টোরি ও ধনাধ্যক্ষ ডিক্সম সাহেব পদত্যাগ করিবো ভাঁহাকে মাসিক ১০০০ ট্রাক্রা পেন্সন দেওয়া হইবে। বোৰাইয়ে যে শাখা স্থাপিত হয়, ভারতবর্ষীয় গ্রন্মেন্ট ভাছা উঠা ইয়া দেওয়াতে অসত্তোষ প্রকাশ করা হইল। কারণ ভন্ধারা বেখাই ব্যাক্ষের কার্যেত্র প্রভি হস্তার্পণ করা হয় না है।

वाँभता बाह्नामिख हहेनाम, हेखिन्नाम (छनि নিউপ রাত্রিতে সুরাবিক্রয়ের বিবয়ে আমাদি গের মত অবলগ্দ করিব্লাছেন। যখন স্কুরাপায়ী লোকের সংখ্যা রুদ্ধি হইডেছে, ভেখন ভাহারা অবশং স্থরাপন করিবে। রাত্রিতে প্রকাশং রূপে বিক্রয় করিবার যো নাই । কিন্তু শুঁড়ি,1 এ লাভের লোভ ভাগে করিভে পারে মা। ভালার ও মাভালেরা আইন লঞ্জন করে; পুলিষ প্রহরীরা উৎকোচ লর। শুড়িরা পশ্চা তের ধার বন্ধ করাতে বেশ্যালয়ে প্লবা বিক্রীত रम। इराशास है किय के एक किक हम ह क्रुन ও বেশা এক স্থানে উভয়ের যোগ হইলে কি হর ভাহা সকলেই বুঝিভে পারেন। ভরিমিত ডেলিনিউস বলেন, যথন স্থ্রাপান বন্ধ করিবার যে। নাই ভখন অনিষ্ট যত নিবারিত থাকে. ওড়েই মঙ্গল। অভেএব মাস্তুল বৃদ্ধি করিয়া দাব্রিতে মধ বিক্রয় করিতে দেওয়া কর্তব্য

हेरनिक्यान रहनन कारकवरीय शवनीय প্রেক অনুরোধে (?) অংবাধ্যার রাজা আর ' ওয়াজিদ আলিশাহ "বলিয়া আক্র করিবের না। ভিনি শাহ উপাধি পরিভ্যাগ করিভেছেন এ উপাধি**তে তাাহার কি ক্তি** ছিল আমরা কিছুই বুঝিতে পারিলাম না।

গবর্ণমেণ্ট জাজ্ঞা দিয়াছেন ভারতব্যীয়লি গের ন্যায় ফিরিজিবাও গিলক্রিস্ট ছাত্রসুভি পাইতে পারিধেন। এই বার ত ডিক্রেরে বং भौग्रमिशतक '' (माँहेव ".माम लहेरक इहेन। नाटकत (वना (माच नाहे!

সক্রাভি রাজধানী বিভাগের কমিসনরের বাটীতে ২৪ পরগণার দক্ষিণাংশের কভকগুলি অমীণার, বিসন্তি ও প্রজার এক সভা হয়।

माहावर ना किटन चात हटल मां। समीकादतबाड উহার আবশ্যকত। স্বীকার করিয়াতেন সন্দেহ माहे । किन्न मन्नाटलका डांगमान माह्य वाश्वति कतियाद्यात्मा जिमि अधकविशास विविद्याद्यम, यण्डे कष्टे इक्षेत्र मा (कम. कद कारमा मिएक रहेरव। कथिमनद्र कि अहे रशुमांचा वाका छना ইবার নিমিত্ত ভাষাদিগকে এত দুর আনিয়াছি

मिली शक्ष वर्षी रहता छ छत्र अभिमाधारम वांग कविबाव ए प्यार्थमन करतम, छोड़ा जत श्रीरकां ज नर्थ कांहे अहे विनया व्यक्त कविया किन या. ता अनी किमस्टल गार्टीन न असरविम्हरक थात्कन, फार्र किरगद वानकान भरनानी छ कदि वात मामर्थः नाष्ट्र। अधकात श्रार्थना ज्याहा করা অপরামর্শসিদ্ধ হয় নাই। উত্তর পশ্চিমা ঞ্চল থাকিলে রাজকুমারগণের কুলোচকর মন্ত্রণা জালে বন্ধ অথবা চক্রান্তে পতিত হইয়া বিব্রত হইবার সমধিক সভাবনা।

দিক্ষিয়ান বলেন, কাপ্তেন মিঞ্চিনের অধীনে ভারণপুরের সবিশেষ উন্নত হইতেছে। কাপ্তেন কয়েকটী জলসেচক খাল খনন করিবার নিমিত্ত টাকা কর্দ্ধ করিতেছেন। দাউদপুত্র প্রকৃতি क्षीताषाद्वातीता निवल्ड इहेग्राट्ड । युवक नवाव अरे पृष्टीच्य न्यावन तात्वन अरे कामाहित्तव প্রার্থনা। ভেলে। বংলীয় লেষ রাজ্ঞার অপ্রা ৰ্যবহার কালে ব্রিটিশ ব্রেশিডেন্ট নাগপুরের अकुछशूर्स छेवछिनाधन करवन किन्न ताला নিজে শাসনভার লইবামাত্র সকলই নষ্ট করি ল্লাছিলেন। মহীপ্রাও ভাওলপুরে ভাতা চইলে আর কোম ভারতব্যীয় এতদেশীয় শাসনপ্রণা দীর অন্থমোদন করিতে সাহসী ছইবেন না।

আবিসিনিয়ার যুক্তে হার হওয়াতে রাজী সর রবাট নেপিয়র ও সৈন্যদিগকে যে ধন্যাদ पियारइन जाग ,शस्त्र अकानिक इहेबारइ। व्याभहा प्रत्यिक क्रेमाम, ज्यामाकाव श्रयुक्त छेहा প্রকাশ করিতে পারিলাম না। ভারতব্যীয় देनमा भिगातक विरम्भाजः अख्यास्त्रीय देनमा मिगारक ताकी वित्मय श्रमश्मा कतिशास्त्रन । मृत सारणास्त्रः " নাথকোট বলেন, ভারতবর্ষীয় ( এতদেশীয় ) टेनन मिशटक धनः बान मिवात छात्र आयात् হক্তে পতিত হওয়াতে অংমি অভিনয় আহলা भिष्ठ रहें एक छि। नर्का नावातर । हेरा एक ता ब्लीत নিকটে অবশ্যই কৃত জ হইবেন। এই প্রকার এক কথায় ৰভকাক চয় কেবল বল প্ৰকাশে ভাষ্। ब्हेट्ड शास्त्र मा।

আমরা আফালিড হইলাম, মাজাল গ্ৰ4 (म-छ ज्यामाण्टिशत शवर्गदम्द छेत नाम स्टूबत

নিরম করিয়াছেন। নিয়মবহিছু ত প্রদেশে বোধ হয় এরপ হইবে না

#### २२ এ आवन वृधवात ।

ইণ্ডিয়াম একজামিনর অনুমান করেন, আয়ারলতের বেভনভোগী প্রেটিছান্ট ধর্ম সম্প্রদায় উঠিয়া ঘাইবার পরেই ভারতবর্ষেই বেভন ভোগী পাদরিরা অস্তহিত চইবেন আমাদিগের সহিত খুসীয়ামদিগের এ চেটা করা করেবা। আমাদিগেরেই বলা হয় যে আম্বাদ্

আগামী ভাতুরার মাদে আর্কডি এন প্রাট্টি নিজ পদতাগ করিবেন। আর্কডিকন প্রাটি বিশপ উহ' দন ও কটনের পর কলিকাভার বিশপ হন ইছা সকলেইই ইচ্ছা ছিল। কিজ ইংলভীয় প্রবর্গনের পোলবিরা আর্কডিকনের সমর্বার্থ এক সভা করিডেছেন।

কাবুল চইতে সংবাদ আসিয়াছে আজিম খাব অনীৰে কাবুল ও গিজনি আছে। জেলে ল'বাদে বিদোহ চইয়াচে। আবচল রহমন খ নিজে তুর্ক ভানে বিত্রত এবং তাঁহ'ব সহিত সিয়ারআলি ধার গোপনে সন্ধি হইয়'ছে। জাকুব মালি খা গিজনি আক্রমণ ক্রিতেছেন, এবং নগরবাসিগণ তাঁহার শুভাকাজনী।

বরণার রাজার অভ্যাচার ক্রমণঃ অসহা হই তেছে। গুলবাটানক্র বলেন, ভান ক্রেক জন

সাহকারকে বিনা দোষে কার্ক্ত ক্রিয়া
টাকা আগায় করিয় চেন। রেসিডেটের অস্থ্র
রোগন্ত রক্ষা করেন নাই। এক বা জের ইছে
বেলদ হয় কিছ গুইকুমার ভাঁহার ৫০০০০
টাকা জায়মানা কবিয়াছেন। প্রজাগণ ক্রস্ত্র
ক্রিটেটেন এবং কেই কেই দরিক্তা ও
ভাঙাটার সহ) করিতে না পারিয়া জাত্মহত্যী
ক্রিটেটেন। গুইকুমার বা জ্বিক এইরূপ অথ্বা
গুলুরাট মিত্র অত্নতিক ক্রিটেটেন, ইহার অন্থ্র
করা উচিত।

বোষ है। इस के कि का कि विकास के अपने के कि कि कि कि अपने के ब्रिक्ट कि ।

#### ২৩ এ জাবণ বৃহস্পাতবার

সম্প্রতি পেইন কোম্পানি ছান্নদরাবাদের নিজামের এক জন কর্মচারীর নামে প্রধানতন বিচারালয়ে নালীল করেন, উক্ত বা জ্ব বলেন-তেনি ফির্নিজ, ৩৫ বংসরকাল নিজামের রাজ্যে অ'ছেন, তিনি বিটিশ প্রজা নছেন। কিছে বিচা রালয় এই আপান্ত এ'ছা না কবিয়া ডিক্টা নিল্লাছেন। লাড প্রানলি পারসান্তিক কল্লেক জন ভারতবর্ধীয়ের বিষয়ে বলিয়াছেন, ছই পুক্ষের অধিক বিদেশে বাস করিলে সে বাজ্যিকে জ্বার নিল্লীল প্রজা বলিয়া গণা করা হই,ব না।

(लिंग्डेना हे माक इत्नलना मक य आफिन्त इंड्रडाइड टेन्सिक सिट्शत डलट्लटित क्यारना )

भवीका कविष्ठ जनक हम, नामविक विहातानव जाराटक छरनमः कित्रश्राहमः। श्रथाम दिमान्छि वटनम द्रिक्त अकि श्रथादात खाका नकाम कित्रश टेनमिट्क अकि श्रथाम कर्चवः कर्णात खान्या हत्व कित्रश्राहमः। श्ररणिक द्रिक्ताहम श्रथादात खाक्षा ज्यका खेवन क्रिट्ड इन्टेंदि, जान्छि वाद्य जाक्षानाम करिया क्रिट्रमः। क्राह्यम द्रिक्त जाक्षानाम करिया क्रिट्रमः। क्राह्यम द्रिक्त जाक्षानाम क्रिया क्रिट्रमः। क्राह्यम द्रिक्त जाक्षानाम क्रिया क्रिट्रमः। क्राह्म माहै। भीकात नम्रद्रम जाक्तिन्द्रश्रान्त हेन्। क्रा

মাক্রাক্স গবর্ণমেন্ট টমাস জোলা সাহেবকে জিক্রাকা ছোট আদালভের সূত্রী বন্দোহন্ত কবিবার অন্তুরোধ করিরা বঙ্গদেশীয় গবর্গমেনেটর অন্তুর্জিত চাহিয়াছেন। ভিনি ভক্রাতা আড়কাটী দিগেব বিষয়েও উৎকর্ষসাধন করিবেন। এখান কার আড়কাটীদিগের প্রতি করে দুর্বিস্থিত করা ইটবে। ইহাদিগের দেখে দিক্তি শুক্ত মন্ত হইয়া থাকে।

ষ্টেটনেকেটারি আজ্ঞা দিয়াকেন বেডন অল্ল বলিয়া হউক আর পুরস্কার বলিয়া হউক যথম কোন অচিক্লিড কর্মচারী অভিরিক্ষ টাকা পাই বেম, বিদায় লইলে বেতনের সহিত্র ভাহারও বর্জন হইরে। গবর্ণর ফেনরল পুরস্কারের লগু পরস্কা অভিরিক্ষ টাকা কর্ডন না হয়, এই প্রস্তাব করিয়াছিলেন। তাঁহার প্রস্তাবই যুক্তিনিছ বোধ হইতেছে।

মধ্য ভারতবর্ষের ভুলার কমিসনর বিষেষ্ট কাপাক সাহের রিপোট করিয়াকেন গভ বর্গে বেরার
হইতে ২০০৪০০ বস্তা এবং মধ্যভারতবর্ষ
হইতে ১৬০০০ বস্তা ভুলা রপ্তানী হয়। এবার
পূর্করবসর অপেক্ষা ১৮০০০ প্র ১৮০০০ বস্তা
কম হইতেছে। কর্মাক সাহের ইহার কোন কারণ
প্রদর্শন করেন না। এবার প্রথমে অভিবৃত্তি ওৎ
পরে অনাকৃতি হওয়াতে ভুলার চাসের ক্ষতি
হুইবার যে সম্ভাবনাক হইগাছিল, সৌভাগ্যক্রমে
ভাবন মানের প্রারক্তি স্থানি হুইগাছিল, সৌভাগ্যক্রমে
ভাবন মানের প্রারক্তি স্থানি হুইগাছিল, সৌভাগ্যক্রমে

#### २६ अ स्थापन म्लंबन्यात ।

আগষ্টদ ষ্টার্টনামক বে আটণীকে এক বিনামী বিদেয় কৰলা প্রস্তুত করিবার অপরাধে প্রধান বিচারপতি বিচারালয় স্টট্ডে বিভিচ্ন করেন, তিনি প্রিবি ক্ষোলিলে আপীল করিয়া পুনর্মার নিযুক্ত স্টর্গছেন। প্রিবিকোলিল বলেন বিনামী দলীল করা অন্যায় কিন্তু যখন তথারা অনোর অনিষ্টের চেষ্টা পাওয়া না ইয় তথন ইয়া দণ্ডনীয় নচে। এতন্ধারা বিনামীকে এক প্রকার প্রশ্নয় দেওয়া স্টবে।

মধা কারতবর্ধের কনিসনর ওত্রতা আদালত লমুহে নানাপ্রকার ভাষা বাবহুত হওয়াতে গোল বোগ হয় ব লয়া আকেপ করাতে ভারতবর্ধীয় গ্রাহাট উল্লু উঠাইয়া দিয়া মাহ্রাষ্ট্রীয় ভাষা প্রচলিত করিবার আক্রা দিয়াহেন

ৰাজ্ঞিরা পুনর্কার দীমা অতিক্রম করিয়া

मोवाचा कताएँ कार्य कार्य स्ट्रेंट अक मन देशना जाराजिक ममन कतिएंड शमन कतिशाहित

আগামী সুর্ব্য এইণদর্শনার্থ ক্রমণ: हুইউবো পের সকল দেশের ভোটতির্দিৎ আগমন করি জেছেন। তিন জন জাশ্মেণীয় ভোতির্দিং সম্প্রতি আগমন করিয়াছেন।

#### २६ क छारन मनिवात।

ইউরোপীয় লোফারদিগের অত্যাচার অসহ रहेशी উठिशास्त्र । मणयत्व हेशमित्राव बाहा গুরুতর অনিষ্ঠ সাধিত হয়। ইহারা সহজে ভিক্ষা मा भारति वस्थुर्भक छाहा सर्ग्ना थाक । अत् শের দানশীলতা প্রসিদ্ধ, তথাপি ইহারা আর পারিয়া উঠেন না। জনাথ আলয়প্রভৃতি করা रहेन, छाहाएछ किछ्हे रहेन मा। आत्मक युर्त इडिरहानीय खीरनारकता जानमाभिरगत वाहीएड লোফার্দিগের হারা নিপীভিত হওয়াতে গধর্ণমে ন্টের চক্ষু উন্মীলিত হইয়াছে। সম্প্রতি মেইন সাহেব ভারত ব্যায় ব্যবস্থাপক সভায় এক বিল অপুণ করিয়'ছেন । ইংল্ডের নাায় এখানে এक्षी व्यासम् १हेर्दः व्यनम लाक्षांत्रिकरक ভথায় খাটিরা উদর পূর্ণ করিতে হইবে। রেল श्रद्ध काल्लेनि अ आहाओं। कारश्रदाहर व्यथि केंद्र (बाकात इंजिया (पन। हेर् ति (यमकल लोक का मरवन, डाँशिमिश्तक देशनर अ नहेश <sup>্যাইবার</sup> স্থার ইং<sup>শাদিনের</sup> উপরে পড়িতেচে। এक दरमुद्रात व्यक्षिककाल स्ट्रील भवन्यक कछक वार्यय मार्थि कर्तिराम । श्रास्त्र क लाकांतरक এक प्राप्तव (थे।वाकी मिस्रा है १ वटल शामि हेस्रा (मंख्या हरेट्य । अहमकल वर्शक लाय कतिहल भक्षक जामानर हेर्। भरतत पछ रहेर्व । क्छ अहे, आयार्थ एवं व्यालस स्हेटन छेशानिगटक ख्याञ्च भाष्ट्राहेशा (५७म् १३८४ । (महेन भारहर्दात এচেষ্ঠাতী অভিনয় প্রশংসনীয়। লে ফারদিগের विषएस कानश्रकात मिहरवामा ना कहित्न (क्रवल (च छाहाड़ाई कर्ड शाउँदि अक्रश नम्न, অন্টের মহাকপ্তের হেডু চইবে।

ব্রহ্মদেশর রাজা আপনার বৈন্যদিগকে যুক্ত শিখাইবার নিমিত ফাকা, জ্ঞান্দেণী ও ইটালী হটতে করেকজন আফিসর আনাইতেছেন।

ফেন্ড অব ইণ্ডিয়া বালন, সর চারলস জাক সন মেইন সাংহ্বের পদে নিযুক্ত হইতে পারেন। এই কথা বলিয়া ফেণ্ড বলেন, '' আমরা ভরসা করি সর চারলস জাঙ্গন আপনার কর্ত্তর্য কর্মে জলাঞ্চলি দিয়া সিমলাবাস করিবেন না। এ আমাদিগের মিসনরি প্রপ্রেরক দেখুন, সর জন লবেকের চাট্বাদীও প্রকারান্তরে ভাঁহার দোব কীর্ত্তন করিয়াছেন।

## ইউরোপীয় সমাচার

২৯ এ জুলাই। সর স্থাকোত নর্থকোট সিবিলিয়ানদিগের স্ততন বিদায়ের নিয়নাবলি লোক্ করিয়া প্রচারিত করিয়াছেন। সর রবাট নেপিয়র লাভ কডিলে আসন গ্রহণ করিয়াছেন।

আরল নালমণবরি ক্সেড রাজিতে লাঙ কাউনে লাড হাউনের এক প্রশার উত্তরে বলি রাছেন, আবিসিনিয়াব বন্দীদিনের বিষয়ে কি করা কত্তর ভাঙা গবর্গনেউ বিবেচনা করিছে ছেন : গবর্গনেউর টেল গ্রাফ বিল ও মহাসভায় প্রতিনিধি মনোনীত করিবার সময়ে উংকে: চনবারণের বিল লাডাংশলৈ গ্রাহ্য হুইয়াছে:

কাৰল কামেরণ ইংলতে উপনীত চইয়া দেন গাক ভালি আভিশয় পীড়িক। ফরানী মহাসভা বক্ষ হইয়াছে।

সার্কিরার রাজজুমার মাইকেলকে বধ করি বার অপবাধে বেল তেডে 1,8 জানের প্রাণদ্ও করা হইয়াছে।

নিউইয়র্কে ৩০০ লোক স্বাদি গ্রুমিতে প্রাণ ত্যাগ করিয়াছেন। ইংলত্তেও এপ্রকাবে অনেকের মৃত্যু হইরাছে।

ই'লতের গমের ফদল অন্তি উত্তম ইয়াডে।

২৯ এ জুলাইয়েব এক টেলিগ্রাম গড কল্য গুয়াশিওটন হুইভে আলেয়াছে। ইংগতে জানা ঘাইভেছে দেপ্টার মাসপর্যন্ত মহাসভ বন্ধ থাকিবে।

আমেরিকার সহিত চীনেব এক স্বিপত্ত আক্ষরিত হইতেছে। এতন্ধারা চীনের যাবজীয় বন্দর নদী ও স্থান আমেবিকার বাণিজ্যাথ খোলা হইয়াছে।

শুক্রবার সর রবাট নেপিরর গৈনিকদিগের কন্যার আলায়ে এক সভার অধ্যক্ষতা করিয়া ছেন। শনিবার তিনি উইশ্বলডনে বলন্টিয়র্দিগত পুরস্কার বিভরণ করিয়াছেন এবং সন্ধারে স এয়ে রাজকীয় গোলন্দাজ আফিসরগণ ভাঁহাকে ভোঞা দিয়াছিলেন।

শনিবারে উইম্বলডনে যে বলন্টিয়র প্রদর্শন হয় তাহা উত্তম ২য় নাই।

সম্প্রতি যে টেলিগ্রাম আসিয়াছে, ভাষাতে ভাষা যাইভেছে বলগেরিয়াতে বিদ্রোহ চলি ভেছে। ভুরক্ষ সৈমেরা সীমায় গিয়াছে এবং অনেকগুলি ক্ষম্ম মুদ্ধ হইরাছে। লাভ জনগ এন'গের মৃত্যু ইইরাছে।

ওয়াশিওটন হইতে টেলিগ্রাম আসিয়াছে পুনরায় বন্দোবস্ত হইবার আইনে যেনকল প্রদেশকেইউনাইটেড স্টেটের চক্রবাটেড়র অস্থ গত করা হয় নাই মহাসভা ডগ্রন্ড। লোকদি গকে সভাপতি মনোনীত ক্রিযার নিমিত্ত মতা দিতে দিবেন না।

ু কার্ড কা

১ লা জাগষ্ট। জনবেবল জর্থর কিনাডের প্রশের উত্তরদানকালে গত রাজিতে সর স্থাকোহ নুগকোট কনন্দ হাউদে বলিয়াছেন সীমান্তিত দৈন্দিগকে মেডাল প্রদানের প্রভাবের তিনি নিজে স্তরপাত করিতে পারেন না। এটা সর জন লবেনের ঘারা হওরা উচিত।

আবের করণের মারকুইস ডিউন্কের পদ পাই রাছেন, আরও কয়েক জনকে লাভ করা চইবে।

জটলাপ্ত ডানবস সাহেব ভারতব্যীয় রেল ওয়ের সাম্পরিক রিপোট প্রকাশ করিয়াছেন। বর্তুমান ব্যে ৫,০০.০০,০০০ টাকা ব্যয় চইবে।

বোষাইয়ে জলপুর্ণ ডক করিবার যে প্রস্তাধ হয় তাং। সর স্তঃকোড নর্গকোট ও তাঁহার কৌনিল আছ্য করিয়াছেন।

লওন ৩১ এ জুলাই। গত কল্য মহাসভার কাঠ্য বন্ধ হইয়াছে: ইংলণ্ডেশ্বরী সভাদিগকে সভাষণ করিবার সময়ে বলিয়াভেন, বিদেশীয় গবর্গদেন্টির সহিত ভাষাব বন্ধু ভাব আছে। ইউরোপে একণে যুদ্ধ ঘটিবার কোন আশক্ষা নাই এবং যাহাতে শান্তির ব্যাঘাত না হয় ইংলণ্ডেব সেই রাজনীতি হইবে।

আৰিসিনিয়ার যুদ্ধে জয় ও জয়ের অস্বাহিত পরেই সেনাদল উজ্জ দেশ ত্যাগ কবাতে আহ্বাদ প্রকাশ করা হইয়াছে। মানববর্গের উপ কার ও সমাজের প্রতি কর্ত্তবা কর্ম্মণাধনার্থ এই যুদ্ধ হয়, তাহা আবিসিনিয়া ত্যাগ করাতে প্রকাশ পাইতেছে।

ফেনিয়ান্দিগের দৌখাবোর উল্লেখ কবিয়া ताको विविधारहर्म छ क पन आधारमाख लाम यांग क विष्मार घडाइवात (इट्टी कवाएक शवर्श मिके यमकल कठिन छेलाव व्यवस्य कविद्रा ছিলেন, উদারা ভাষা হইতে বিয়ত হওয়াতে ভাষ। অনাবশাক হইয়াছে। হেবিয়স কর্পস আইন রহিত হওয়াতে কোন ব্যক্তি এক্সনে আঠ হাজতে নাই, কোন দেনিয়ান বিচারার্থ রুদ্ধ नरम। गर्फ व्यविद्यानकारत स्वत्रकत कार्यः हरेशाइ. जाहात है। सब कतिया ता की है भनश-रातकारम विलियन, महाम्खादंक भीख छन করা হইবে। রাজ্জী এই সম্ভাবনা করেন বে সকল সভা মনোনীত হইবেন, ভাঁহারা দেলের নির্দ্ধারিত আইন ও শাসনপ্রণালী অনুসারে বাঁহার প্রজাদিগের প্রাপ্ত ধর্মা ও রাজনীতি সংক্রাপ্ত অত রক্ষায় যম্বান হইবেন।

টেলিগ্রাফে সংবাদ আসিয়াছে, বলগেরি-য়'র বিদ্রোচীরা প্রাজিত হইয়া চিন্ন ভিন্ন হই য়াছে।

> গবর্ণ নেতি বিজ্ঞাপন। বঙ্গদেশীয় লেপ্টনতগর্ণরের আদেশাসুদারী নিয়োগ।

ং ২৫ এ জুলাই । ফরিদপুরের পুলিষ স্কুপরি-

ন্টেপ্তান্ট কাপ্তেম এপ, এ, টি, জজ উন্নতি লার্জ করিয়া ডভীয় প্রেনিজ্ঞ ইংইবেন।

२१ ७ खूनाहै। ० ता खूनाहेरतत (शटकरणे अ. जात्र. डेमनन ७ व्य. छि. अग्राज नार्ट्टरम् श्रथम (खानित मास्त्रिकेणे ७ कार्ट्यत विद्या (य निर्माभ कता हम, छाहा २० ७ म जविष हहे-ग्रार्क।

২৮ এ জুলাই ৷ বেহাবের অধারোহী রাইকল দলের নিমুলিখিত নিয়োগ আহ্য করা গেল-

এডওয়াড, ডনবার, অরকাহাট সাহরণের প্লটনের কর্ণেট হইবেন।

ক্তান্ত, উইলিয়ম, লিভ্ইসিন সাংহ্ব ত্রিভ্রত্ব প্লটনের কর্মেট হইবেন।

বালেশবের সহকারী পুলিষম্পরিনেট ভাতি এফ, জি, টমাণ সাহের শিবসাগরে বদলী হই

ইছ্মানের সহকারী পুলিষ সুপরিদেউগুণি এচ, এন, হারিস সাহেব গরাতে বদলী হইবেন। হারিস সাহেব যত দিন বর্জমানের প্রতিনিধি পুলিষ সুপরিদেউপ্রেট কার্য্যন্তার অন্য হত্তে না দিতে পারেন, তত দিন গরাতে বাইবেন না।

ওচ, এ, সি, রাউটন বালেশ্বরের সহক'রী

পুলিষ সুপরিক্টেণ্ডান্ট হইবেন।

্র ১৫ ই জুলাইরের গেজেটে রাউটন সাহেবকে শিবসাগরে বণলী করিবার যে বিজ্ঞাপন হয়, ভাছা এভন্দারা রহিত হইল।

৬০ এ জুলাই। যত দিন ই. টি, ট্ৰের সাহেৰ বিদায় লইয়া অমুপস্থিত থাকিবেন, তভ দিন দি, এচ, কাধেল সাধেব রেবেণিউ বোডের এক জন প্রভিনিধি সভ্য ইইরেন।

যত দিন সি, এফ, মন্ট্রের সাহেব বিদার লইয়া অনুপস্থিত থাকিবেন, তত দিন এচ. এ, কফেল সাহেব বর্জনান বিভাগের প্রতিনিধি কামসমর ইইবেন।

যে দিবস ডাক্তর হেস কার্যভার দিবেন, সেই দিন অবধি লেপটনান্ট সিসিগুষ্টন সিণ্ড ভূমের প্রতিনিধি ডেপুটি কমিসনর ও অধঃস্থ ক্রম হইবেন। তিনি আরও বাসনঘাটিতৈ মাজিটেট ও কালেইরের ক্ষমতা পাইয়া উচ্চ অঞ্চলের অধঃস্থ ক্রম হইবেন। কিন্তু ক্টাকের করদ মহলের সুপরিন্টেগুটির আক্রাধীন থাকিবেন।

এচ. ডবলিউ, আলেকজণ্ডার নাহেব পুন-র্ন্মার প্রথম শ্রেনির মাজিস্টেট ও কালেটার হইয়া শাহাবাদের মাজিক্টেট ও কালেটার হইবেন।

১১ এ জুলাই। যত দিন জে, সি ড জগন গাহেব সরকারী কার্য্যোপলকে জ্বানান্তর থাকি বেন, তত দিন জি, এগ, পার্ক সাহেব যণোহ রের প্রতিনিধি জতি হিচ্ছা জন্ত হইবেন।

২২ এর গেজেটে এচ, ডবলিউ, আলেক জাগু'র সাহেবের উক্ত গদে নিয়োগের যে বিজ্ঞা পন হয় ভাষা ইচা ছাবা র ছিড হটল।

টি, নন্দাণ সাচেব ফ্রিনপুরের প্রতিনিধি নাজিকেট ও কালেক্টর ইইয়া উন্নতিলাভ ক্রুরিয়া দিতীয় প্রেণিভুক্ত ইইবেন।

ভবলিউ, এচ, বার্ণার সাহেব বাজসাহীর <sup>1</sup> প্রতিনিধি জাই উ মাজিটেট ও ডেপুটি কালেইর হইবেন।

২২এর গেলেটে বার্ণার সাহেবকে সাহাবা দের প্রতিনিধি জাইন্ট মাজিটেট ও ডেপুটি कारन हेत दिनाया (स सिर्माभ क्या एम, जारा। अन, शांतिमं मारहर वर्षमारनद श्रेष्ठिनिधि शृंतिय এতদারা রহিত হইল ৷

े यं इ पिन এइ, अल, क्ष्मांत्र मंद्रिय विश्वास লইয়া অনুপত্তিত থাকিবেন, তত দিন জে, 🗞 গোড সাংহব জীহটের প্রতিনিধি পুলিষ সুপরি <ि छ' के एके एके दिन ।

অংখাধ্যার রাজার নিকট স্থিত গ্রথর জেনর লের প্রতিনিধি এছেন্ট কাল্পেন এচ, পি, পিক্ট রাজার বাটীর মধ্যের মকক্ষমা নিপ্সত্তি করিবারি নিমিত ২৪ পরগণার মাজিটেটের ক্ষমতা গ্রাই মোলবী আলিহোদেন কিছু দিনের নিভিত লাও

किश्रक्षार्क्त प्रविद्यानी कर्माहातीत विरम्य मह कारी (लल्डेसा-टें/इंट, अन्तर्ष्ट्रीय येख मिन उथाय থাকিবেন, ডত দিন অধস্থ জজের ক্ষমতা চালন করিবেন।

যত দিন মেন্তার টি, লাম্ব বিদায় লইয়া অনুপ ক্সিড থাকিবেন, ডড দিন মেজর এ, কে. কোষার ছরজেব প্রতিনিধি ডেপুটি কমিসনর হই বেন। মেজার লাম্ব কার্যানার জ্বপণ করিলে যভ দিন মেজর কোষার উপস্থিত নাছন, ততে দিন लिक्टेना है हैं, वि, बिरहन इत्रक्त श्राफिनिधि एए भूगि किश्रमनद शांकिरवन।

गठ भिन कारक्षन अ, इ, क'रबल विनास লইয়া অনুপাস্কত গাবেন, তভ দিনটি, বিরথ সাহেব গোয়ালপাড়ার প্রতিনিধি ডেপুটী কমি मनत् रहेशा ১৮७२ कार्यन्त ১৫ कार्रेटनत् ३ धात्र

ক্ষত। পাইবেন।

যত ৮ন চী, স্মির সাহের স্থানান্তর থাকেন, 🗄 भिन कारधन एवं लाडे, अह, स्का, लाख कूछ বিহাবের প্রতি নধি ডেপুটী কমিসমর হইবেন 🔧

১লা আগষ্ট। যত দিন এস, ওয়াকোপ সাহেব বিদায় লইয়, জনুপুঞ্জিত থাকিবেন, ভঙ निन है, 🗇 प्रार्ट्य विश्वभाग, इन्नी छ २८ প्रतन লার প্রান্ডেনিধি আন্তার্জন জ্ঞা হইয়া হাবভাতে (म, मध्रम छार्छ तः क्षम का भा**हे**रतम

সংটেব ও রং নে অব্ধে ২৬ এ মে প্রাপ্ত লাছারা লের প্রতিনিধে পুলিয় **স্থুপরিপ্টেগুণ্ট ছিলেন**।

(৬পুটা মাজেক্টেট ও ডেপুটা কালেইর বাবু अन्य स्थाइन मञ्जूषकात किছु नित्नत निभिन्न বারাসত উপবিভাগের ভার পাইয়া ২৫ পরগরার না,জ্ঞেটে, ক্ষত। পাইবেন।

ত রা আগষ্ট। নিম্নাল্যেত ভদ্র লোকেরা হারভার চিকিৎদালয়ের সভার সভা হুইবেন।

**डांक**त कार्ने ।

(द्रवर्द्ध हिं, (ऋनहेन।

কাণ্ডেন বারাট।

ভাক্তার এফ, এ, দেরিস:

নিমূলিখিত ভদ্র লোকেবা হাবড়ার বিদ্যা

লিক্ষা সভার সভ। হইবেনঃ---

धन निविधन शास्त्र।

ভাজ্ঞর বর্গেদ।

द्रिवद्रिख अ, खर्वाल छ, कूह्नेनाम ।

বাবু গিরীশচন্দ্র ঘোষ। কেনারনাথ ভট্টাচার্য।

यङ्क्षिम लाल्डेनान्डे चात् हिस्स, छेड्या ल विनास लहेशा अञ्चलिए अधिक दिन, उपनित अह, स्वितिराज्यान्ते व्हेरवन्।

নিম্নতিখিত ভদ্রলোকেরা বাঁকীপুরের চিকিৎ দালয় চালাইবার সভার সভ্য হইবেন।

(ख, लाबाँहे जादहर ।

वाबु इर्गाशिक वरमाभाषाम् ।

. वाबू देवखनां थ श्रमाम ।

ूं भित्र मा गञ्चल छला।

ণ্যার ডেপুটি মা**জিটেট ও ডেপুটি কালেই**র য়াদা উপবিভাগের ভার পাইবেন

ানমলিখিত ভদ্র লোকেরা নিছেভের ফেরি ফণ্ড কমিটির সভ্য হইবেনঃ—. . .

উপবিভাগীয় कर्चहारी निक्र भन्छ । **िल, निष्ट्रेभिन मारहर ।** 

এম, গেল। 🏲

জ্জীয় আেণির সব আংসিষ্টাণী সার্জন নরুড় हटा वरमाणाधाय विविधातम् माज्या हिकिए নালায়ের ভার পাইবেন। তৃতীয় ত্রেণির সব আনেপ্তান্ট সার্ক্ষন উদিত উল্লাচট্টগ্রামের দাত ব্যচ্কিৎদালয়েব ভার পাইবেন।

महकाती পुलिय स्मार्थित छान्छे प्राप्त भि, ব্ৰোউচসাহেব ১৪ই মে অস্বধি ৩০এ জ্বন পর্য কটকের প্রতিনিধি পুলিষ হংশরইন্টে ত্তান্ট ছিলেন।

৪ ঠা আগউ। কাছাডের সহক:রী কমিসনর ও. ভি, আর, মাকউইলিয়ম সাহেব ১৮৬৮ **छर्पत् ৯ कार्ड्न अपूर्तारत कार्ट्स छैर्द्रत क्**राज्य

আসামের ধাক্ষন্তির নিয়ুলিখিত কর্মচারি গণ আপন আপন বিভাগে ১৮৩৩ অব্দের্১ व्यक्तिव्यञ्जाति कारमञ्जादत्व क्रमण। शहरवन ।

**কামরূপের প্রথম বিভাগের সহকারী** রেবে निष्डि मत्रत्वच्चत लिल्हेनान्हे अ. कि. वहात । लच्ची সংকারা পালব সুপরিটেন্ডান্ট এচ. মনবে। পুরের দিন্তীয় বিভাগের সহকারী রেবেণিউ সর (बध्र (म न्डेनान्डे एवलिए), बांतन्। मिनगागर्यत পজিত ভূমি জারপের নিমিত্ত প্রীকার্য সহকারী ्तरविविधे महरवश्चन अठ, वि, वेशनवर्धे मार्ट्स्य

> बिम्नलिथि ७ कर्न्महाति १० ४५८৮ व्यास्त्र ३.० আইনজমুসারে আপন আপন বিভারে কালেই রের ক্ষমতা পাইবেন।

জি, এচ, বাইথ সাহেব দ্বিতীয় বিভাগ লক্ষীপুৰের সিবিল আসিষ্টান্ট সরবেয়ব।

লক্ষীপুরের সিনিধ আসিষ্টাণ্ট সরবেয়র ভব লিউ, সিক্ষুয়র সাহেব । প্রথম বিভাগ কাম রূপের দিবিল আসিষ্টাণ্ট সরবেম্বর সি, ভ্রাউন **किम्फ मार्य।** 

व्यामानिरभन् वास्तिहाक मर्वातः मां जा निश्विद्यार छन्।

১ মহাশয় ! কুঞ্নগরে জ্বনশং বারবিলাদিনীর সংখ্যা রুদ্ধি হইতেছে। সুরার প্রভাব মূল নহে। श्राम् शिन श्राम सामन सामन सामन सामन

क नद बाड्डा लचा गारेटिंड । व निटंड कि, हैशांत अक वरमत भूटक्त अभारत मानक म्यान्य অতি অগ্নই প্রাছ্ডাব ছিল। শুনিয়াছিলাম. मरनत উপর গবর্ণমেন্ট বিশেষ কর নির্দ্ধারিত করি यारञ्ज अवर तक्रजीएक महाविद्यात्कालालान আপন দোকান বন্ধ করিয়া আপন আপন স্থানে প্রস্থান করিবেন। কিন্তু কৈ এখানে ভার क किइहें (मिश मा।

'' উদোর বোঝা বুদোর ঘাড়ে"। পাঠকগ্র প্रবলিক इञ्चार्ट्स व कही क्षाइत्रत्य कथा राष्ट्रमा নদীয়া জেলার মধ্যে কোতয়ালি ও নাকাশী পাড়া থানার অন্তর্গত কএকখানি পল্লীরামে गमन गमरत कनकष्टेनियमन शकाणिरगत् শোকাবই মার্ডনাদ এবলে গ্রেণ্টে প্রভ্রেক बार्य कुष धनन कतियात क्यारमण मिन्नाहिरशनः এক বংসর অভীত হইল এই কার্য, এখানকার প্रविक खराक रहेर्ड मन्भाषिक हहेर्राहा শুনিলাম উক্ত আমসমূহের মারীভয় নিবারণ নিষিক্ত এই ভূতন উপায় আবিক্ত হয়। কুপের বন্ধ জলে সান ভাহার করিয়া শরীর কিরূপ স্থুস্থ থাকে বোধ হয় আপনাদিনের অনেকের, অবিদিত নাই। বিশেষতঃ আমাদিগের দেশের প্রথামুসারে হিন্দুও যবনজাভীয়েরা | এক কুপে জল গ্রহণ করে না। গ্রীম্মকালে व्यक्ति व्यक्त পরিমাণে জল থাকে 🕫 । ১ জনের कार्या (मय रहेएज ना हहेएज छोहा निः स्मिषिज হয়। ইহাতে সাধারণের উপকার হওয়া সভা বিজ নহে। প্রজারা সরোবর খনন ও পক্ষোদ্ধাব করিবার নিমিত্ত জাবেদন করাতে প্রবর্থমেণ্ট कुलबन्दनम् व्यादनन निम्नाहित्सन, यनि छ।श्री থাল কাটার প্রস্তাব করিতেন ভাষা হইলে ইং রৈ যে কি করিতেন বলিতে পারি না। যাহা **ংউক প**বলিকওয়ার্ক ডিপাটিমেন্টের কর্মচারী মহাশ্রেরা এই সকল জানিয়াও যে এরপ অর্থ অপ্রয়ে করিয়াছেন, ইছা অপেকা আশ্রের বিষয় কি ? যৎকারেল এই সকল কুপ খনন করা। क्रेग़ाइन, उपकारन अद्याता हेरात मिगुए उच र्जानिए भारतम नाहे। जाँशामत এই বোধ १३ याहिल (४, এ मगून्य राध भर्गातमे हहेए बहे তেছে। ওাহার। ইহার নিমিত্ত পরিণামে দায়ী हरेरवन न।। अकरन वर्षात ध्यवन करन कुशक्ती পঞ্জি। যাওয়াতে গ্রণমেন্টের আদেশ হইয়াছে, যে, ইহা প্রস্তুত করিতে যে ব্যয় হইয়াছিল, ভাষা ञ्चानीशं अकामिरशत निक्षे जानाश हरेरव । यपि প্রজারা দিতে অসমতে হয় তাহা হইলে জমীলা (तत्रा উरा ज्यामात्र कतिया भिरवन। इंशत ज्यर्थ कि ? शूर्का कि देशत कांन ध्यक्षांच इदेशा हिन?

জমীদারেরা কি জানিতেন যে, গ্র**ণ্মেণ্ট ২ইডে** ভাঁহাদিগের ক্ষতিপূরণ পরে করিতে হইবে? প্রজারাই বা [কেন ভিষার ব্যয় দিবে ? গ্রথমেন্টের এ প্রস্তাব করাই অসমত ছইগ্নাছে। দেশের হিতদাধনের নিমিত্ত প্রবলিক গুয়াকের খন্টি। যদি বৃষ্টি কি দৈব বলভঃ কোন রাস্তার পুল ভালিয়া যায়, ভাষা ধ্ইলে সাঁকোর নিকটবর্ত্তী আমের লোকেরা উহার ব্যয় দেয়। -राज्यान कलकष्टेनिवसन क्षकाभिरशत विভाগ इंश इंदेश दिल, उत्य श्रकाता देशत निभिन्न माशी হয় কেন ? জাবার প্রত্যেক কুপের প্রতি যে পরি মাণে ব্যয় ধরি**য়া বিল প্রে**রিভ ইইয়াছে, বোধ হয়, ভাষার **অর্থেক টাকায় জনীদারে**বা উথার অপেকা শতগুণ উৎকৃষ্ট কুণ কাটাইটে পরি তেন। আমাদিগের পবলিকওয়াকের কর্মচারী कश्वाद्यंता चत्र हाम महेका मार्टिन मा। कुछवार সকল কাজই ভক্ষে ঘৃতাহৃতি প্রায় হয়। যেরূপ কুপ খনন করা হইয়াছিল, যদি ভাহা ভাল করিয়া বাঁধান হইত ভাহা হইলে কথনই এরপ অপবায় হইত না

সংপ্রতি এ আরুলিয়া তামে অবের অভাত্ত প্রাহুর্ডাব হইয়াছে। অনেকে জ্বরাক্রাক্ত হইয়া শব্যাগত আছেন। রাণাঘাটের সুযোগ্য ডাক্তর বারু যছনাথ মুখোপাধাায় এবং এখানকার নেটীৰ ডাক্তর বাবু কালীপ্রসন্ন<sub>ন্ধ</sub> ভট্টাচার্য্য মহাশন্ন আন্তরিক যদ্দহকারে চিকিৎস। করিভেছেন। क्षमग्रविधि (कर्हे कालशास्त्र अखिष इन नाहै।

গত ১২ আবৰ রবিধার রহানী ৮॥ • টার সময় কৃষ্ণনগরে একটী ভয়ানক উল্কাপাত দৃষ্ঠ হ্ইয়াছে। আমরা তৎকালে করেক জন বফুর সহিত একতে বিসিয়া আকাশ মণ্ডলে শশগবের পরম রমণীয় শোভা অবলোকন করিতেছিলাম। হঠাৎ এই অতু, অন্তল আলোক আ্মাদিগের সমক্ষে প্রকাশ হওয়াতে উংব (क् कृडे निकाल कतिएक **शांतिनाम ना** । शत मियम स्थमा (ताल **देश दछम्य भेगांख** क्**देशांट**म्) উল্পাত একটা মহও অমললের চিহ্ন। বঙ্গ দেশের আর ভদ্রস্থ নাই। বাকির মধ্যে রক্তর্ষ্ট।

व्यामानित्रत त्रांशालिशतच् मः वान-माजा निर्विशाष्ट्रिः ---

্ ১ ৷ বে বর্ধার অনাগ্যন লন্য এ অঞ্চের त्रकत श्राम क्षेत्रकात भानि छेटियाहिल, व्यावन

मात्मत अथरमरे त्मरे वर्षात्र काविष्ठीय रहेतारह ७ ता आंतन अवादन वर्षा आंत्रष्ठ इहेन्ना अकारहें लगाटकत महरकाहे छ छ इन्न । প্রায় বৃষ্টি পতিত হইতেছে। অনাবৃষ্টিনিবন্ধন (मारकत (गमकम कर्ष्ट इहेबात मञ्जाबना हिन, এখন ভাহা আর নাই 😉 গুক্ত প্রান্ন শ্বাদি পুন क्तीं वेष रहेप्रार्ट अवर खबड़ानित भूगाल शूर्रवर **१**हे८७८५ ।

এই বর্ষার সময়ে 'পেবলিক ওয়ার্কের ম বিশেষ মাহাত্ম প্রকাশ হইতেছে। এখানে যত গুলি সূতন বারিক ও পুরাতন বারিক আছে, ভাহার ছাদগুলি এরপ পরিপাটী 🔞 মজবুং যে.🕳 রুক্টির জল প্রায় বাহিরে পড়ে নাঃ ঘরেই পুক্ষাইণী **হইতেছে** টেমন্যগণ আর বারিকের ভিড<sup>ু</sup> পাকিতে পারে না। স্থপরিকৌণ্ডিং ইঞ্নিয়াব मिथ्या गवर्गमाने ब्रिट्या के कवियार इन।

আগ্রা হইতে ডাকপ্রভৃতি আগিতে বড়কট্ট स्टेट उट्टा तास्त्रात मगावर्ती हवल मही ऋीस स्टे য়াছে। ত্রোভের প্রভাবে শকটপ্রভৃতি পার করাইতে বড় কষ্ট হইতেছে। চম্বলের ভীরবন্তী রাস্তার অনেকথানি ভালিয়া গিয়াছে। মহ শয়! এই রাস্তা নির্মাণ করিতে এত খরচ **হইয়াছে বে, যাদ টাকা বিছাইয়া রাস্তা ক**রা হইত, তবু উদৃত্ত থাকিত। তথাপি রাস্তার ত্রী দেখুন। পরালক ওয়ার্কের এইসকল ব্যাপার দেখিয়াও গ্ৰণমেণ্ট যে কোন সছপায় করিতে (इन ना (कन, इंश वना याग्र ना।

২।রাজ্মন্ত্রী রাজা দিনকর রাও বাহাছর এখানে ভিন দিনমাত্র ছিলেন। গভ ১৩ ই জুলাই দিনকর রাওয়ের পরিচিত অত্তত্ত্রক ব্যক্তির (আন্মাদের বন্ধুর)সহিত আনমরাদিন কর রাওয়ের সহিত সাক্ষাৎ করিতে গিয়াছি-লাম। যে ব্যক্তি। নাম জগদিখ্যাত, উচ্ছের সহিত সাক্ষাৎ করিতে লোকের সহজেই কৌ ভূ-হল বৃত্তি উত্তেজিত হয়

মহাশর! যেরপ শুনিয়াভিলাম, সাক্ষাৎ করিয়া দিনকর রাওকে তদপেক। সদ্তবসম্পন্ন (वाध इटेन । वक् (नार्क्त मर्था अक्रेप, नम, মিষ্টালাপী ও নিরহক্ষার মনুষ্য অভি বিরল। লোকটা দেখিতে থর্মাকার, বয়স অনুনে পঞ্চাল वर्त्रव इहेरव, वर्ग क्रेयर महामल, श्राद्रिपद नामानः পরিক্ষদ, মশুকে মহারাজীয়দিগের ন্যায় রহৎ পাগড়ী আছে। ফ্লিকু ধর্মের এতি ইহার বি (मय बिर्श आर्ह, हैनि वारेत निक्वेवर्डी रह्मान দেবের মুর্ভিকে খ্যান খারণা ও উপাসনা করিয়া

এक घन्डा পরে উঠিলেন। আফুডি দেখিলে

জামানের বে'ধ হইল, রেওয়ার মন্ত্রিত্ব व्यश्न विषया किছू भक्षायर्भ कतिवात क्रमा यहाता क्षित निकरे व्यानिशाहित्सम ।

৩। অদৃগশি চোরের প্রান্তর্ভাব ক্ষেনাই। क अक मिन : हेम, अक अन भारकाञ्चारन त গোয়ালের দেওয়াল কাটিরা ৬ চী গরু চুরি করিয়া नरेशा शियारहः ज्यात इर्डी फ्रिन. शक्र इति ना मा अवारक नहेन्रा याहरक भारत नाहे। इक ভাগ্য গাড়োয়ানের **গরুগুলিই উপজী**বিকার উপায় ছিল;! অদ্যাপি গল্প কোন সন্ধান পাজয়া যায় নাই।

এক দিন পুলিষের ঠিক পশ্চাভাগে আধা দের এক বন্ধুর বাটীর উপরে অভি অল রাত্রেই এক জন চোর উঠিয়াছিল। বার্টীর লোক জানিতে পারাতে চোর লক্ষ দিয়া পলায়ন করিল। পুলি (यत लाकनिशरक छएकवार अ विषय वनार्छ ভাগরা কহিয়া উঠিল, ''ও চোর নছে। বিভাল কি কুনুর হইবে। এই অস্প্র রাজে চুরি হইবার সম্ভাবনা নাই। »

৫ ৷ কণ্ডক দিন হইল, ক্ৰিসব্লিএট ডিপার্ট-মেন্টের মধ্য বিভাগের ডেপুটী কমিদারি কেনা রেল কর্ণেল মাক্ষীন খাছেব জব্রুড্য ক্ষিদ্ধিএট আফিল পরিদশনার্থ আসিয়াছিলেন। মহালয়। কোন বিষয়ের পরিদর্শন করিতে হুইলে, ভাহার अञ्च खत श्राप्तम मग क् ऋ ल भारति प्रमान करिएक হয় ; কিন্তু কই এ পরিদর্শন ত সেরাণ দেখি-

৬ | ভারতব্যীর ক্র'কা সমাজ গৃহ নির্দাণাপ ব্রিগেডিয়ার কেনাবেল, আসিষ্টান্ট কমিসারি জেনারেলপ্রভৃতি সাহেত্বরা বিশে**ব সভো**বের সহিত চাঁদা পুস্তকে সাক্ষর করিয়াছেন। তাকা यर्ग्या श्रांष्ठ (अनारवन मार्ट्रवय वर्ड छिन्। यथन उथन (नय) रहेरत बाकारर्फार कथा किकाम करत्र।

৭। মহাশন্ন : ' ফ্রেড অব ইতিরা ১ (मनीप्न সংবাদপত্রসমূহ इहेट कान कान अश्म अञ्चलक कतिया श्राप्त श्रकाम कराता। कि इ रिश्व विविध श्री कि कि विश्व উপকার হইবার সভাবনা, ভাষা প্রায় ক্পার্শ करत्रन मा। '' हिन्सू (अ हे बूहे व यनि चीत्र करत-বর বৃদ্ধি ক্রিয়া দোমপ্রকাশপ্রভৃতি কাগজ হইতে উপকারী বিষয়সকল অহ্বাদ করিয়া श्रकान करत्रन, खाश स्ट्रेश रफ् कान स्त्र।

শাসাদিপের কোরহাটীছ সংবাদ-দাতা লিখিয়াছেন:—

১। সত্রতি বিক্রমপুরের বিদ্যালয়গুলি নিভাত হীনাবত হইগ্ল উঠিগ্লীছে। শিক্ষকগণ ( ) गर्थाहि अध्नार्गात्रम्कारत हाङ्कित्रहेक निका धर्मान कतिएए इन ना। कान काम সার্কেল বিদ্যালয়ের ছাত্রেরা পণ্ডিত উপস্থিত ना थोकाट अधि के एत बाहेबा किছ कान् থেলিয়া পুনরায় বাচীতে চলিয়া আইলে। প্রায় প্রতিনিয়তই আমরা শিক্কদিগের অমনোযোগ ও অমুপস্থিতিনিবন্ধন ছাত্রগণের শিক্ষার বিদৈর বিষয় অভ্নিয়া আসিতেছি। কোন कान विष्रान्दात भिक्ककत हतिज्ञ अधन क्रचना (नारवंत कथा श्वना यात्र स्व, काहाँ निश्रिट ड লেখনীও লক্ষা বোগ করে। এরূপ দোষাগ্রিত শি কগণ শিক্ষাবিভাগের কলক্ষ্মরূপ। ইছ বি ছাত্রগণের শিক্ষাবিষয়ে যত মনোবোগ করেন, ( इंडीएनर मरनारवाश कि करनई का आईरन ? পাঠকবর্গ ভাহা অনায়াদেই জনমুক্তম করিতে পারেন। শুনা ধায়, এইসকল শিক্ষক আবার श्राप्तरे निक्रवेचची राष्ट्र वाकातक (वन्तानरत त्राजि याभन कतिया थारकन। शुःखरे छे छ इहेशास्त्र अधिकाश्य विष्रालाम मिक्क वांबुरान्त्र अभरता रवारण हाज्ञभरभत यरथाहिक भिका बहेरकरह না। এই দ্বাল লিক ক কি যথে চিড পারি-ভ্রমিক (বেডন) পান না? রীভিম্ভ বেডন अभ्यश्चिक कडेवर मण्यामन ना कहा (स स्माय | ভাষা কি ৰুকোন না? বলিভে কি, ২! ৪ চী বাতীত বিক্রমপুরের প্রায় সকল বিদ্যালয়েই मिक्क करावरक मिका विषद्य अमरनार्याभी तिथा যায় ৷ আমবা সাপেপে জিজ্ঞানা করি, শিকা বিভাগে ইনম্পেটার ডেপুটী ইনম্পেটার কি জন্য जारहर ? कार् विमालाय किन्ना निका इय, তাহার ভত্তাবধানের নিমিত্ত কি ভাঁহারা নন? বিক্রমপুরস্থ স্কুলগুলির আধুনিক অবস্থার প্রতি मृष्टि कितिता (वाथ इम्र मा ता, श्रथाता **अञ्चा**वशास्त्रत अनः (कह नियुक्त जात्हन। छेक्क इन कर्द्ध भएक व यथाहिक भागन ना शाकित्य क्वारीन कर्प्यहा-हिशन (य कार्या देन येना कहिरत आकरा कि? আমরা অনুরোধ করি, বিক্রমপুর বিভাগের ডেপুটী ইনস্পেটার মধানর সাভিনিবেশ দৃষ্টি-गरकारत ७ ज ए। विकासमभूरहत अवस्थांत अष्ट-

সন্ধান করুন। অনুগ্রা শিক্ষাসমূহে এখাবে গ্রহণমেন্টের অর্থবায় শুদ্ধ বিভ্রনার হইবে।

-> -> -

২। কতিশয় দিবস গত হইল. মুশ্রিগঞ্জ সব ডিবিজনের জ্বনীন কোন এক গ্রামে এক পূর্ত্ত পুলিৰ কর্ম্মচারীর বেলধারণপূর্দক ভিন জ্বন জ্বন্তর্দ্ধ করিছে ক্রিজালারীসংক্রাভ মকদ্দমার ভদন্ত করিয়া বিশ্বৰ জ্বৰ্ণ উপার্ভ্তন করিছেছিল। সম্প্রতিক্ত সব ডিবিজনের ইনম্পেটর ঐ ধ্রতকে গৃত করিয়া মাজিটেটীতে সমর্পণ করি রাজেন। জানা গেল ঐ ব্যক্তি না কি পশ্চিম দেশীয়। ইহাকে সম্প্রক্ত প্রতিক্তা না করা কর্তৃপ ক্রের স্প্রতিভেশ্বে কর্ত্রা।

৩। ইতিমধ্যে বছৰ মুক্তেনী আদালতের এক জন উকীল জাল অপবাধে সেসনে সমর্পিড ছইয়াছিলেন কিন্তু জুরীর বিচারে অপবাধ সপ্রমাণ না হওয়াতে মুক্তিলাভ করিয়াছেন। জুরিগণের বিচারে অধুনা অপরাধীনিগকে প্রায়ই দণ্ডভোগ করিডে হয় না।

৪। গতে ৫ ই জাবণ ববিবার মুলিগঞ্চ ইংরালী বিদ্যালয়ত্ব সভায় বার্ধিক অধিবেশন মহাসমাবাহে সম্পন্ন হইয়া গিল্লাচে। তত্তত ভেপুটী মাজিটেট, বহরের মুন্দেকপ্রভৃতি কয়েক জন প্রধান প্রধান লোক সভায় উপস্থিত ছিলেন। সভার কার্ব। স্থান্দবরূপে সম্পন্ন হইয়া গিয়াছে। শুনিলাম, ব্যক্তিবিশেষকে না কি দারহ অনুরোধনারা সভায় উপস্থিত করান হইয়াছিল।

৫ ! ১৭ ই জুলাই অত তে ঝড় হইবে ব লিয়া যে জনবৰ উঠিয়াছিল, তাহাতে এডদঞ্চলীয় লোক বড়ই শক্ষিত হইয়াছিল। ঝড়না হও য়াতে একণে তাহাবা স্থিব হইয়াছে।

> —:•:— প্রেরিত

মান্যবর শ্রীযুক্ত সোমপ্রকালসম্পাদক

মহাশয় সমীপের।
'' ত্রিটিশ ইণ্ডিরান এসোসিয়েসন
ও মেমোরিয়াল ফণ্ড।»

মহ'লর! ইহা কি আমাদিগের পক্ষে ছংখের বিষয় নহে, যে ধখন খে কোন মহৎ কার্যে,র অনু ঠান হয় এবং ধখন কোন মহাত্ম'র নাম চিরক্ম-রণীয় করিবার সক্ষল হর, তখন সেই সকল কার্য্য প্রায় কলিকালা রাজধানীতেই অনুষ্ঠিত হয়। আমরা এমত কথা বলি না যে, ঐ স্থানে অনুষ্ঠিত হওয়াতে বার নিজ্ঞল হয়; কিন্তু বিবে চনা করা আবশ্যক যে. যে স্থানে যে বস্তুর मण्यूर्व अकार शक'रड (नारकत मर्कता अनिष्टे रहेम्रा थाटक, यनि (भरे श्व'तन (भरे खाकाटनत किय দংশও দুবীভুত করা হয়, তাহাও সামান মহৎ कर्षिः गरह । कनिकाष्टः प्र प्यत्नकः, प्राप्तवा ठिकिৎসাमग्र चार्ड. च्यातक সাধार्तन প্রস্তকালয় चारहः प्रवतः एथान काशापत चारता दृष्टि করা অভিনিক্তমাত্র। কলিখাভাব দক্ষিণ কুল্লি ৫॰ পঞ্চাশ মাইল অন্তর। हेशाबु মধ্যে একটা লাভবং চিকিৎদালয় স্থাপিত ছইলে কাছার না বিশেষ উপকার হয় ? আপনি কি অবগত নহেন যে, এই প্রদেশের অধিবাসিগণ পীড়াক্রান্ত, হইলে কভিপয় ব্যক্তিভিন্ন অনেকেই প্রায় बी उपा किक्शा विमा अकारन कानकदान निপত्তिक हर्रे। (मधुन दम्बि हेर्।त कर्णका क्रमस विनादक विशव ज्याद कि ज्यादन। अहेनकन कातर वामामिर्गत अहै रक्तरा (य, जिंगि हेल्डि मान अमिरम्मरनद इर्ड अहे करन (यमकन (मरमावियान कथ आहा. काशव के काम এक डिकिएमालय जालन करून। छाहा इहेरन সাধারণের কেবল যে প্রকৃত উপকার হইবে এমত নহে, স্বর্গীয় মহাত্মাদিগের নামও চিরক্ষ त्रनीय इक्टरव

ৰজু। ও ই <u>ক্</u>ৰাবণ ১২৭৫।

অবগত হইয়াছি মহাত্মা গৰণর জেনরেন্নের কী উন্তর্জে প্রস্তরখোজনা আরম্ভ ইইন্
য়াছে। যদি ইংরাজী নিক্ষা এ দেশ হইতে উঠিয়া
যায়, বোধ করি দেছ ছ খিত হইবেন না। জামি
ভ কিছুতেই হইব না। ইংবাজী ভাষায় শিক্ষা
প্রাপ্ত আধুনিক সুবকদলের বৃদ্ধির সহিত ভাঁছানের
প্রভাগ্র কৃদ্ধি পাইডেছে, একি অল্ল ছংখের
বিষয়।

মহাশর। আমরা একটু ইংরাছী জানি
ভাহাত ভূলিতে পারিব না, অথচ অগদীশ্বর "
প্রসাদে ইংরাজ রাজ্যও থাকিবে। ইহাতে
নিশ্চর জানিলাম যে, আমাদের মত হতভাগ্যদের আর অন্নচিন্তা থাকিবে না। আমরা ভন
করেক দেশের চাকরী "মনপে লাইঅ" করিয়া
লইব। আহা কি সুথা বয়ংপ্রাপ্ত ( অথাথ
স্প্রাচীন ) ইংরাজীজ্ঞদিগের দক্ষিণাভিমুধ
করা ও বালকদলের ইংরাজী শিক্ষা বন্ধ ত্ইলেই "লরেশ" পেড়ে কাপড় উঠিবে সন্দেহ
নাই। এটি কি আপনার পত্রিকার স্থান পাইবে ?

२। मनामनिएक किना इसा द्वारिश्व छ लाकमूरथ एक नाम, कारणेखात वनकि दूतव औ

<sup>(</sup>১) অবশ্য স্বীকার্য্য যে, সকল শিক্ষক এরপ প্রকৃতির নন, যাঁছারা প্রকৃত দোষী, তাঁহা-বাই আম'দের কথার একমাত্র লক্ষ্য।

ৰিডী নামক আমে মহাপুমধামের এক 'বার ইয়ারি পুজার আধোলন হইতেছে। আমে प्रमाण्डन আছে। निक्षण् विशक्त के**त्रण अ**क পুজা করিয়াচে বলিয়া, অপর পক্ষীয়, "গজ পতি বিদ্যদিগ্গভোর " জেণীভুক্ত কত্তক গুলি বলক্ত প্রায় ১০০০ তিন সহত্র টাকা · একিনেট " করিয়া চাঁদা আদায় করিতেভেন: **ভক্কাধ্য**নি **उना**ग्र ্য বংক্তি ভথায় উপস্থিত নাহন, ভড়ই ইউন জার অব্যাই হউন ভার্যাকে ক্লেশভোগ করিতে इग्न। উদরালের अपना नाम्छ भीन महिप्यमिश्यत ३२.३१।२६ विका श्रीत्रगार्थ होत्रा इहेप्राइक । विवाद नक्षि नाहे, ना नित्न नर्सनान । अहा-রের ভয়ে (?) কেছ নালিশ করিতে পারে ন।। विद्रानय कृषिकी विकास अकरन अक मूह ई गुण ভুলং বোধ হয়। এরপে সময় ও নালিশ করিবার বায় বিধান ভায়ে কেই অগ্রাবর ইইভেছে না। মহাশয় ! বিনতি করিতেক্রি, আপনি এবিবয়ে কটাক্ষসভ্যাত করিয়া উপায় করিয়া দিন। স্থানীয় বিচারপতি কি এ বিষয়ে হস্তকেপ कहिएक भारतम ?

কলিকাডা कनःहिर श्कि श्रवानाध्वम **जार ७ वा व्यागष्ट्री प्रश्रप्टमा**ठमाका छिन्।

অদ্য আম'দের এখানে একটি বিলক্ষণ ভূমি कष्ण इरेब्रा शिवाटक। मिवा ১১।৪৫ मिनिष्ठे नमरत पूर्त छेड्डिकिंग श्हेट निशी व्यव वा কোন প্রকাল অশ্বানের গভিশদ্বং একপ্রকার ধ্যনি হইতে আরম্ভ হইয়া প্রায় ১৫ সেকেও কাল ভূমি দোতুলমোন হয়। আমরা ভূকপ্রের পরাক্রম বিলগ্ধণ অস্তুভব করিয়াছি।

এ জিলার বহি নামক সবডিবিজনের নিকট আটকা নামক স্থানে এগটি উক্ত প্রত্রবণ আছে। अं अध्यवर्गत व्यवस्टिह्रत तृहर পर्वाखरवानि আ**ছে। প্ৰসাৰণ্টারি ভাল** এত উচ্চ যে ভণ্ডল নিক্ষেপ করিলে **অন্ন প্রস্তাত হ**য়। বেংপ হ্র ্রিচার মিষ্টে**স্থ কোন পর্যন্ত হইতে** অন্যকার ভক্তপের উৎপত্তি হইয়া থাকিবে। যে দিগ इहेटल माम जानियाहिल, तारे मिर्गारे में शब्स বৰ। য'লা হউক এই ভূমিকম্প কন্ত দূর ব্যাপিয়া इहेशार्ड, कात में धटावर्ट्य निकडेश श्रेहीर्ड কিরাপ্থইয়া ছিল আমি একাণে উহর অসুদ-কারেন প্রবৃত্ত হার্মে।

,७) ज्व बीह्रिनान भूरथाशांशांश

खना मूत्रनिगरारमत **अवः भाजी थाना स्ट** भ्राम मुवाई एवर ज्योदन नानरभाना नात्म अवनी অনভিবিন্তীৰ্ণ গ্ৰাম আছে। প্ৰভিৰণ্যু বৰ্ষ। कारत उथाय खन वायु এटनूत कनर्य। इस (य. যেই সময়ে স্থানপরিধর্তনব্যতিরেকে সুস্থ পাকিবার উপায়ান্তর্নাই! একমাত্র বঁশেই উহার মূল কারণ। প্রামের মধ্যে মধ্যে এক একটী বিস্তীর্ণ বাঁদের বাগান। উক্ত বাঁদের নীটেংএক এক গভীর গর্জ। বর্ধাকালে সমুদার দেশ জালে প্লাবিত চইলে উক্ত গর্ভেনকলও অলপূর্ণ হয় এবং বাশের রাশি রাশি পত্র উহাতে পতিত হুইয়া পতিতে থাকে। ছুই এক দিন পরেই উক্ত গলিত পত্র ছটতে এক প্রকার কর্ম্য বাস্প উলিত হইয়া সর্দাত্র বাপ্ত হয় এবং দেশবাাপী মহামারী উপস্থিত করে। ইহাতে আমের যে প্রকার ছর্দ্দশা উপস্থিত হইতেছে ভাহাতে বোধ । গানা মূল্য প্রেরণ করিবেন। रश (य ज्ञञ्ज पितिहे जाय छे क्टिन श्हेति।

ইহা কি সামান্য আক্রেপের বিষয় যে, প্রতিবং সর ঈদুশ হুর্গর বাম্পজনিত মহামারীতে অনেক লোক অকালে কানের করাল করলে পতিত इन्टेर्डिट्ड ज्यां शिलाटक यद्वश्रृप्तक के वार्ष-द**रे जावान क**तिया थारक। ज्यान करिएल ল'ডেও হয় স্বাস্থারকারও ব্যাহাত জ্ঞাে না, किन्न (लारकत (कमन प्रश्यात (माघ (म मिरक কেইই যান না৷ গ্রামের প্রধান বাজিদিগের कर्डवर, डीहार्ता अकवाकर इंहेश्वी हेहात अक्री সছপায় করেন। কস্যচিৎ

উল্লিখিত গ্রামবাসিনঃ

#### मृनाव्याधि।

ক্রীযুক্ত বাবু হৈলোক্যনাথ রক্ষিত ভাষালুক ১৮৬৮ আগষ্ট হইতে ৬৯ জলাই " **" गटश्या** छा लाल को धुकी কুমার টুলী **५२१ ६ ट्यांवन स्ट्रे**ड १७ व्यायाह ٥ ز » **" রাখালচন্দ্**রায় ক\*†িথ ১२१६ ट्यांचन इड्टंड १७ व्यांगंड 30 » " উমাচরণ সেন রঙ্গপুর ১৮৬৮ আগষ্ট হইতে ওচ জ্বাই " अर्थकिम्स अर বানরীপাড়া ১৮৬৮ আগষ্ট হইতে অস্টোবর 10h = ৯ ভোলানথে পাল সিমুলিয়া 3. », > निवम्स । तर्ह সিলং १ न केन का गड़े इंडेएड एवं मा लाहे 70 ৯ ৯ খ্রাম্ধন মুখোপাদ্যার ভবানীপুর ১০ খ্রীয়ক ছে, ওয়েলও সাহেব সিমুলিয়া राम अम जांशह इंट्रेंट खुवाहें-

<u>जीपुर</u>ु है, अंक, हातिमन मा**रह**व ১২१८ व्यावन स्ट्रेट १७ माशाह

## নোমপ্রকাশনংকান্ত করেকটা

विट्यंत निव्रम।

অতিম মূল্য ও ভাকমাসুল মা পাইলে মক-यटल (मामश्रकान (ध्रत्न क्त्रा यात्र ना ।

ইহার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং ষাণানিক elle টাকা**, মফস্বলে ভাক্যাসুল** गरभाउँ वा येक ५७, यः गुर्ग निक १ अवर देखमा-সিক ০৮০। তিন মাসের স্থ্যনে অগ্রিম মূল্য গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিঠি, মনি-অভার, নোট ও স্থাম্প টিকিট, ইহার অন্যত্তর যাহাতে ঘাঁহার স্থাবিধা হয়, ভিনি সেই উপাত্ত

याँहाता श्रीष्टिकिक भाष्ट्राह्मता, काहाता যেন এক অথবা আদ আনার অধিক মুল্যের अ तभी रनत छिकि छ। अतुन ना करतन।

যখন যিনি মফখল হইতে সোমপ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, ভাছা খেন রেজিপ্টরি করিয়া জীযুক্ত দারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-इसा (पना

गाँशिंगितात मृत्रा निवात त्रमञ्ज अखीं करेड्डा चानित्व, এक मानशूटर्का डाहाविशतक किसी লিখিয়া জানান ঘাইবে, কাল অভীত ধ্ইয়া গেলেও এক বার চিঠি লেখা হইবে, ভাহার শর একমাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা যাইবে। শেষ বারের পত্র বেধ্লারিং পাঠা**ন** हरेट्य ।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ভাক খনে চিঠি আইংল আমনা শীয়া পাইব।

याँशेत्री बाञ्चल वा निष्ठा পঞाদि প্রেরণ করি 'त्वम, कार्यम्प्रियात स्मारे भाजामि विषय कता षाईटद मा।

কৈছ গোসপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইচ্ছা করিলে ভাঁছাকে প্রথম ভিন বার প্রতিপংক্তি 🎶 কানা ভারার পর 🖊 ১০ কানা দিতে হইবে। যিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা করি-<del>ষ্ট্রে,</del> টার্চার স্থিত অতন্ত বন্দোব**ত চ্ইবে** ।

🔐 এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পুর্বা শাভলা রেলওয়ের সে:শাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চাঙ্গড়িপোডায় শ্রীযুক্ত দারকানাথ বিদ্যা-ভূবণের বাচীতে প্রক্রি সোমবার প্রাক্তঃকালে क्षकां निष्ठ रहा।

#### बिक्कश्रार्थ।

শক্ষক্রম অভিধান। সর রাজা রাধা-'কান্ত দেব বাহাছুরের ক্লুত। উত্তমকপে সোণা শিদ্যা পুত্ৰ বাঁধাৰ খুলা ১৫০ টাকা।

🎒 बानमहत्त्वरवहास वाशीम।

के कि सम् क ति व भुना কপেচন্দ্র চারিত জীয়ক জগুলোহন তথা-ল্ফারব র্তুক সঙ্গলিত হইয়া মুদ্রিত হইয়াছে। ্রই এডখানিতে পৌরাণিক অংলীকিক বর্গন शक्त भव स स्थल वालक वालिकानिरशव भक्त-নিষ্ঠা শিখাইবার নিমিত্ত রাজা হরিকান্দ্রের উপাখ্যান যভদুর আবেশ্যক, ভাহাই আছে। কলিকাভ। ब्रीक्नाइनाथ वस्मानाकार रेमर्रात ३५१ मध

অনওয়াড় স্থার অব স্কোটিয়া ওয়ার উইক এবং রুটিস প্রিক্স জাহাজে সম্প্রতি আমদানী ₹हेश्राट्ड ।

বন্দ্যোপাধনাম্ব এবং কোং এভদ্বারা সর্ম পাধারণকে জানা-চ্ছেছেন যে উপরি উক্ত জাহাজসকলে ভাঁছাদিগের লওনও এছেন্ট্রণ रहेट ए नकल प्रवापि जामगानि हरेट व डाहात ভাষার ইনভয়েন প্রাপ্ত হইয়াছেন।

উজ কোম্পানির প্রধান উষ্পালয়, আমং ষ্ঠ বিটি ১০ নং ভবন মূলাপুর মেটিকেল হলে এবং সভাবাজার ফ্রিট ৩৯ নং ভবন শাখা উদ শালয়ে টাটকা, বি ৬% এবং উৎকৃষ্ট উধ্ব সকল পরিমিত হলো খণ্ডরা বা এক কালীন অসিক পারমানে বিভয়াধ নিয়ত প্রস্তুত আছে।

#### विविध जनगानि विकशार्थ প্রস্ত ।

हेश्ताक्षी राज्या भुष्ठा कानज कनग नाना বিধ এবাদি পাওয়া যায় এবং পুস্তকাদিতে ৴ এক আনার হিসাবে ক্ষিদ্র দে। অবিক টাকার প্রক লইলে /১- আনার ছিনাবে া হাৰেন। কোন বজ্বালা কৰ্ত্তক দৰ্পদী কৰিত। রাগত এলা ১/১০ আনা ৮ ভারেক পাঠাইভে হইলে ঠ**ু আন**া বোহালিয়া ধর্মসভায় জীবজুৰ ৰাৰু হবিশ্চন্দ্ৰ নিজেৰ নিকট **ঢাকা ক্লন্ত মতে** এবং এই পাস্তকাল্যে পাওয়া যায়।

অপুর্বা উপাধ্যার অবাং সেরুপিয়রকুত নাট (क्षेत्र,श्यो द्वाराष

व्योगहाराब्रक > म व्यवसि ১२ इस वार THI

ত্রী শ্রীহরি ভ জিবেল স সম্পূর্ণ \* গ্রীমন্ত্রায়ন ছই বতে সম্পূর্ণ চক্রপাৰিচিকিৎসা গ্রন্থ সিক্তরীয়া の引 নিবাসী বার কাশীনাথ মলিকের প্রথমে উত্ম পত্তিভারা হল্ডের লিখিত নিভ্যধর্মা ক্লরঞ্জিকা পত্রিকা বার্ষিক O वोड्डक विनाम शाहाएंड लामानकाएइत কৌতুকগুলি সম্পূৰ্ণ আছে 3 **इ.स. १९७७ ) देश**िक हरेट ड ভাব ভ डेक् उ ١ ব্ৰহ্মতন্ত চূড়ামনী অৰ্থাৎ ব্ৰহ্মনিৰ্থ 3 8 নীলাঞ্চন কাব্য প্রঞ্চান কাব্য V মণিকুণ্ডলা কাব্য অভিমন্ত্র বধ নাটক 10 দ্ব'দশ শিশুর বিবরণ র্দ্ধেশ্রমা গদ্য কবিং कोत्रविद्यांश नाहेक নিভিল গাইড মার্শমেন সাহের কুত २• পদাগন্ধা উপাধ্যান h मत्मनादनी चक्रशहस्य मामक्र छ 34 পিশাচোদ্ধার নি ডিপ্ৰস্তা এটলাস বাং ৮ খানি মন্ত্ৰ গবেশচন্দ্ৰ শৰ্মা ভুতত্তদর্শন পৃথিবীর মানচিত্র ভারতবর্ষের ম্যাপ দেবনাগর অক্ষরে নীতি শক্ষা व्यवतः (मारीनी পানসীক शका भवा কাৰ( কুমার সম্ভাব সংস্থাত হই তে পদা ভাতু বাদ ১ ভারতবর্ধের ইতিহাস কেলাব্নাথ দক্ষেত ১ ओ शावियनहरूप : भन कुछ ₹. ৰমজভুসারসংগ্রহ ١ প্রাচীন ইতিহাস সমুক্তর ঐ মার্মান সাকেবকুত ছই খণ্ড ર নাট্য পরিসিষ্ট নাটক 3 চাৰত মঞ্জী भक्षक क्रम श्रीविभिष्टे কলিকাতা জোড়া-গ্রীপ্রতাপচক্র রায় नगम बिद्धान्त । সাঁকো ৬৪ নং

## নাদয়ার নদী।

त्रव १८७८ मार्टात खांगडे मार्टात १ न। इहेट १ है भग्ने अमीश्वात नेनी हारपूर দর্মকম ভ জলেব সাপ্তাহিক शिर्शिष्ट श्री है।

সর্বাক্ষ ডি মস্তব্য কথা স্থানের নাম

নদী মাথা ভালা মহানার উপর প্রানদীতে

মহানার তথা হইতে হাট বোলালিয়া 88 महिन शाहे (वाक्षा निम्ना शहरण जानक किया 30 व्याञ्चक मित्रा हरेएक कुकश्रक ७৮ मोईन क्रक्शक श्हेट छ्नानि नही পৰ্যন্তে ৩৪ মাইল खानी तथी नहीं। মহানার উপর প্রান্দীতে মহানায় তথা হইতে জিল্লাগঞ लियाभक्ष रहेटच कार्टिया ७० महन কাটোয়া হইতে নদীয়া ৪৬ মাইল २३ खनकी मधी মহানা ¢ তথা হইতে করিমপুর ১৯ माईल করিমপুর হইতে টিয়াকাটা ७१ माइल 2.2 विद्राकाना इट्ट नमीता ৬০ মাইল স্ব ১৮৬৮ আগ্রন্থ মানের ১০ ই বহরমপুর গজা ঘাটের জ্ঞালের মাপ। हैंशिष्ठ कु है

२२ 8 11

) जीवुक हि, दश्त छहेक्म ति, इ বহুত্যপুর अकिकिकि है दिव है अभिदेश ১০ ই অ:গ্ৰু ) বহুনমপুর ভিবিজন : 7000-1 ------

## বিজ্ঞাপন।

जल्लां वक्रप्रभीय शवर्गमणे नियुट्य निरू দেশীয় ভাষায় শিক্ষা দিবার এবং রাস্তা প্রস্তাত করিবার অভিপ্রায়ে কর করিবার এবং ভূমাধি-কারীদিগের স্কলে সেই করভার নিকেপ করি-বার প্রশ্ন উত্থাপন করিয়াছেন। এই কর যাহাতে महाज्ञ । नहां याञ्चनारव धार्यः এবং পরিমিত রূপে আদায় হয়, তাহিষয়ে মত দিবার নিমিত্ত উক্ত গবর্ণমেন্ট ভারতব্যীয় সভাকে অসুরোধ করি ু शाह्न। गण ४७ हे स्य स्कामनीय अवर्गमणी व शक निर्वत, डाश्ट्र वना स्ट्रिक्ट---'' अष्टे (वाथ वेटे(कृष्ट्, कृषित कैंप्शासत केंपरत कृत शार्थ। क्याहे अप्राथितिक स्ट्रेट्टिश क्योनात्, मार्थताक्षमात्र, भंडनीमात्रः देखातमात्र, मीमाविष

मगुरुषी (लाक अंवर वाखावक (यमकल कुरुएकत्र **ভূমির উপরে স্থায়ী স্বার্থ আছে, অর্থাৎ ব**'হার। উট्रक्मी श्रक्षा मरहम अवर घाँहाता हिए नमी श्रकात महात्र वांकात पटत कड़ (पन ना, डाहाता ভূমির উপশ্বত্বের যে অংশ পান, তমুপরি ও তংপ तियारिन कद्रशर्या ७ ज्यानाच कताहै महाज छ युक्तिशिक त्यांथ इटेट्डट्ड : " केंद्रमी श्रमा ব্যতীত ভূমির সহিত ভার বেসকল লেকের (य (क न महत्त ও चार्य कार्ड, এই श्रञ्जार डांशिक्षित्रात नकलाकरे न्थ्रान कतिएडाइ खित्र মিত্ত ভারতবধীয় সভার কমিটা গ্রথমেটের **এই পত্রের উভর্গানের পুর্নে সর্মসাধারণের** মত আনিবার অভিলাষী হইয়াছেন্ত্রমূপারে . প্রতারা বিজ্ঞাপন দিয়া অনুবোধ করিতেছেন, ১৮৬৮ অন্দের আগামী সেপ্টেম্বর মালের ২ রা (रजा अभवाह 3 घळिकाव नमरम नार्किन লেনের ১ নং ভারতব্যীয় সভাগতে একটা श्रकाम्। मछ। बैरहेरवः मर्मामाश्रद्धाः मे मगर्त्रः ঐ স্থানে পিয়া আপনাদিগের মত প্রকাশ করি-(वन।

> ঞীযতীক্রমোছন ঠাকুর ভারতবর্ষীয় সভার অবৈ-ত্তনিক সম্পাদক।

(हामिट्राभिक हिक्सिन), क्षथम मर्था, च्यागदण्क, यूना हात्रि ভানামাত্র।

कनिकां जात्र (हावदावादन असलव्के अधाम। ঠনঠনিয়ার সংস্কৃত্যন্তের ভুজানবার এব सामवास्त्राद्य (वांत्रभी १०१९ १५० १० ५० পেথিক ফারমেণীতে পাওয়া 👬

#### সোমপ্রকার

্ ২ রা জ্ঞান্ত সোমবার :

भामता अञ्चलक म्हेश सर्१. গোচর করিতেছি, ২ রা সেপ্টেম্ব ে ৪ ঘটিকার সময়ে ভারতবর্ষীয়সভাগু:: গ্রবন্মেটের প্রস্তাবিত শিক্ষা ও রথনা-সংক্রান্ত করের বিষয়ে সাধারণের মত श्रह्मार्थ केक श्रक्तांना मछ। इंहेरव । सभी-मात्र छाल्यकमात्र, देखांत्रमात्र, शक्तमात धवर मधनी ७ रेगांतमी खखनान् था छ छ যাৰতীয় ব্যক্তির তথার উপস্থিত হওয়া

কর্ত্তব্য। প্রস্তাবিত কর প্রদারিত হইয়া उठवन्त्री क्षकाष्टित चना थर्ग कतिरंव ।

> ডেপুটী বাবু।

াৰফন্তনের প্রতি মহকুমায় এক অথবা কয়েক জন করিয়া ডেপুটি सांकिट्डें पाद्धन। मिदिलियान नांकि-ট্রেটেরা দকল কাজ করিবার অবসর পান না বলিয়া বিচারপতি সুগভ করিবার निमिल एकपूरि मालिए द्वेटित स्थि इत। ब म्हान्त्रकृतिमा ७ मखामुबर्भीय-मिश्राटक ब्रांककार्या नियुक्त कतिशा नक-त्नतः **উ**रमास्वर्कन कत्रां गवर्गरमट्गित আ্র এক উদ্দেশ্য ছিল। তরিমিত খনেক দেব, রায়, ঘোষাল প্রভৃতি ডেপুটি মাজি कि ए इसि हिलन। धार्यम कराक बन উপযুক্ত লোক নিয়োজিত হইয়াছিলেন, এখনও অনেক উপযুক্ত লোক এ পদে व्यारहन। किन्छ करग्रक जन व्यश्नरार्श्व लोक ब পদে প্রতিষ্ঠিত হওয়াতে এ পদ সাধা-রণের নিকটে হাদ্যাস্পদ হইয়া উঠিয়াছে। **ए** शूषे वादू विश्वत स्थन अविष्य ভার আমাদিগের সমুধে বসিয়া আছেন, এইজপ বোৰ হয়। এ শ্রেণির এরপ ছন্দি-পারে তিন্টা কারণ **আছে। প্রথমতঃ** ्रांतरण नारक्रवत धामारण विख्य थान স.ম ও দগুরির পুত্র, আমলা, কেরাণী ভ মুখার এক কালে **ভেপুটি হইয়া উঠেন।** িচ্চা তা টিচিগকে পরের মাথা কাটিয়া 👉 🤟 ্র্বিটে হয়। অন্য অন্য 🔧 😘 🕟 🕍 🎫 हिया ऋस्यांगाजा कर्मा हाती निरमान ৰ ব্যাহ্য বিশ্বাহন **লভ্যে নিয়োগ** গ্ৰুড় হ' বিশ্বি । **এ পদ ও এ** काम है कि का अधिमाना १ पृत्तीयणः **८७ शृ**ष्टि २११ ६ ११६ हे । सर्भात अरका वर्षक কার্যাভার প্রিও ২০১৮তে ঘাঁহার বে কিছু বুদ্ধি থাকে, তাহ: লোপ পাইয় যার।

निविश्वितारनदा दिस्कत धाक अक्षेत्रने कतिशा कठिन शतीका विशा कर्य शान, আমাদিগের অচিত্রিত বিভারপতিদি-গেরও বিজ্ঞান শিখিতে ও কঠি পরীক্ষা দিতে হয়। উকীলদিগের পক্তেও এই নিয়ম। চিকিৎসাপ্রভৃতি অন্য অন্য বিভাগ দর্শন কর, দেখানেও পূর্কে পরীক হইয়া থাকে, কেবল ডেপুটি মাজিফো্-টেরা বিনা পরীকায় "গাড় পার শ हरेशा थाटकन।

আমরা উপরে কহিয়াছি, ডেপুটি माक्टिड्रेडेरिश्वत मट्या व्यटनक छेन्युक লোক আছেন ; কিন্তু তাঁহারা উলিখিত ভেপুট বাবুদিগের সঙ্গে পড়িয়া মারা যাইতেছেন। ঐ গুণায়িত মহাপুরুষ **मिर्भित अकृष्टि मान्छित शांठकगर्वत** অত্যে উপনীত হইভেছে, পাঠকগণ এক वात निज डेमीनन कतिया मर्मन कक्नन। ঐ নেখ, চোক্ত পেণ্টুলন, রঙ্গিন চাপ-কান, ভত্নপরি জোকা, মাধায় শালের পাগড়ী (কেছ কেছ এতদেশীয় খৃ দীয়া মদিবের ন্যায় বিবর টুপি পরিধান ও শ্যামল চদমা ব্যবহার করিয়া থাকেন।) এবং চাপুপাই গোঁপ কেমন শোভা পাইতেছে। কেবল এইমাত্র শোভা নয়. (मथ. भामना ও মোক্তারদিগকে ভয় প্রদ র্শন করিবার নিমিত্ত কেমন কপোডদিগের निक्रे इंडेट्ड नयुनिहासांत अन क्रिया লওয়া হইয়াছে। সাসুদ্রিক শাস্ত্রকারের। बत्तन, संवादन आकृष्ठि, त्महे शारनहे खन। आमहां ९ (उमनि यनिए उहि, समन পরিছদশোভা, কাজের শোভাও তেমনি। উহাঁরা ধমকাইয়া প্রায় অনেক কাজ मातिशालन । উशामिटशत व्यटनटक भी ुव वर्षन कतिया माकी व्यर्थी ও প্রত্যথীর শরীর শীতল করিয়া দেন। যদি প্রাতা দেখা যায় ' আদালতের প্রতি অবজ্ঞা ' बहे निदंत्रहे अधिक अदियाना अपूर्ध त्रिष्ड भाउमा माम। श्रीकर्मण हेरा-

for Armen man - commen amendment of the house ८५३ 🖎 महामिडिनिर्गत कार्यः नक्षात পরিচয় পাইলেন এরপ বিবেচনা করি (र्न ना डेहाँ फिर्भन अस्नटक मकक्षमान অৰ্ছাবুঝিতে না পারিয়া অর্থী ও **अ**डार्थी উ**छ**श्रटक्टे तिमिश्रत मगर्भन করিতে উদ্যত হন। ও দিকে পাখে মেক্তিরেরা " থেরোখেরি " আর্ড करतन। एक भूगि वात् मध्या मध्या ध्यान थामहिट्ड वटनन, मटमह नाहे। उँहित কার্যাদক আরদালিও পাথাওয়ালার পাশ্বস্থ ভিভি আলম্বন করিয়া ঈবমাু-जिडनश्रास व्यक्ड मिछ्या मर्था **म**८६३ " চুপ ! চপ ! " করিতে থাকে ; কিন্তু क इम करत ? (अशूषी बाबु निरमह একা এক সহস্র। তিনি স্বয়ংই আসর পরম করিয়া রাথেন। এই সকল মহাম-**ভির নিকটে ১০ আইনের মকদমা উপ**-নীত হইলেই মোলার বাড়ীর কাও উপস্থিত হয়। অধী প্রতার্থীর। কীবন্ত कवारे हरेएड थाटक। कान कटन वारी श छोका बाकी कटतत निमिष्ठ धार्यमन कतिशारहन, प्रशालू शांकिम उँशिक ধানের অংশের ডিক্রি দিতেছেন ! কোন স্থানে অর্থীকে বলা হইতেছে, তোমার \* বড় বেআদবী " হইয়াছে, ভাহার পর তিনি দহ্তা প্রমাণ দিয়াও জয়লাভ করিতে भातिर उर्ह्न मा। (कनात करकत निकटि ध्यमकत मकलमात आशीत हत्, দেশুলির বিচার কতক সাবধান হইয়া করা হয়, কিন্তু কালেক্টর পর্যান্ত যাহার শীমা, উক্ত " ঘটিরাম " ভেপুটি বারুরা रमछानि छ मिहाबारको नात ताख इ थान, या हेळा (गई आफ्रा (मन । जाईन वा-सुमारत यथार्थ विष्ठात कहेरव हेवा छाविशा वाङ्कि উक्ट खनधनम्बन নিকটে যান না ; ঘাহাঁর চতুরতা অধিক, ভিত্তিই জয়লাভ করেন। ফৌজদারি मक्कमां द्यश्चित त्रितिहरून याहेवात

ーマッシー जावन योगात जाशीन कटकत निक्टि इहेवांत्र मछावना शांटक, त्महे खेनित्र বেলা যে কিছু চিন্তা; কিন্তু যাহাতে ना है, দেচি স্থা ভাহাতে (मश्रांष ७ ৫० টाकांत्र এক মাদ অধিক দও দেওয়া হয়না। কারণ তাহার আপীল নাই। অনেক ছলে त्याकारतता कान माकीत विरमह कथा অথবা বিশেষ আগত্তি লিপিবদ্ধ করিতে বলিলেও অনেকে তাহা করেন না। যিনি উ দীল লইয়। যান, উক্ত মহামতিরা তাঁহার উপরে জ্বলিয়া উঠেন। " আমি তবে मकक्षम। दुवि ना ; आगातक छत्र धन्मन করিবার নিমিত্ত উকীল আনমুন করা हरेशारह: पिथि कि अकारत এ मकनमांश ব্যবাভ করা হয়। " এই ভাবিয়া ঐ वाक्तिक हाताहैवात गांत शत नाहे (हस्र) कता इता डेकीटलत मचुत्थ थात्र व्याख्या (मुख्या इत्रुमा। वर्षमाय शिवा **अ**टनक विटव চনা ও লবাম শ করিয়া যদি কোন ছিজ न शान, जारा हिल्हे खारा, क लाज या মাদিগের ভাদ্ধাস্পদ এতদেশীয় উপযুক্ত মুন্দেফ দদরআমীনপ্রভৃতি বিচারপতিরাণ উকীলের সহিত তর্ক করিয়া সকল বিষয়ের भी भारता करतन : किन्छ छ छ छ छ छ भानी ভেপুটী মাজিট্রেটেরা ভর্ককে " আদা ल ड (क व्यव्छा ११ छ्डान करतन। शक्रा আমরা গ্রণ্মেন্টকে অনুরোধ করিতেছি

যাহ্রা ওকালভির পরীকা দেন নাই, এমন

লোককে ঘেন আর ভেপুটি মাজিট্টেট

नम अमान कता ना इह, अछ मिन यांदा इह

ৰার হইয়াছে, এখন উপযুক্ত লোক

সুলভ হইয়াছেন। ফোজদারি বিচার

नर्कारभका कठिन: इंशरेड लारकत्र

সাধীনভার উপরে দাক্ষাৎদরকো হস্তক্ষেপ

कता इम्र । ८यमकने लाटक पारिटनत

किছूरे जारबन नां, जांशानिशत्क विठात

পতিপদে নিয়োজিত করা আর অবি-

চার করিতে বলা ভুলা কথা।

## विवर्षायी वरमावंखः।

वनरमरणंत्र हित्रचात्री वत्सावछ अक्षी চিরস্থায়ী বিবাদের কারণ হইয়া উঠি-शारका धरे वरमावस सम्भानक, अहे ভ্রম কেবল করেফ জন সমাচারপত্র সম্পাদকের নয়, ভারতবর্বের বর্ত্তমান थ्यथान त्रा**जभुक्र**यमित्भत्र व्यत्नद्वत्र इहे शादह। आर्थम अक्षी ध्याम छेशामक। সর চারলস উড, লাড কানিও ও কর্ণেল বেয়াড় শিৰ ছুডিক অপদ হইতে य डेशरमम आंख इन अवर यज्ञिवस्त्रन **উত্তর পশ্চিমাঞ্চলে চিরস্থা**য়ী বন্দোল कतिवात चार्णम इत, हमामत्नत श्विंडिंड मस्रापाय (मणीदक निर्वृक्षिक) विलया विव कविटल्डिन। अ मस्यमारतत मरकात धरे, चाकर्व व कतिदलहे याहात तम वहिर्श्ख हत, চির কালের মত সেই ভূমির একবিধ কর খাপন করেয়া আকর্ষণের পথ বন্ধ করিয়া দেওয়া নিভাস্ত অবিবিচাশারীর কার্য্য। ইহাতে यে कि छेशारमग्र कल लाएछत मञ्जादना चाह्य, उँ। हाता । उत्तादि ममर्थ नटक्त । क्रमामः दित्र। (यक्त भ क्रयक मिरभत নিকটে লন, দেইৰূপ মধ্যে মধ্যে ভাহাঁলা জমীদারদিগের নিকট হইতে রাজস্ব वाफ़ाइश लहेटदन, वर्खमान तास्र भूक्रविष গের এই উদ্দেশ্য। ফলতঃ ইহাদিগের মতে শরকারী আধের একটা পথ এক কালে वञ्च कता अकर्छ । किस्तु यनि अनुधावन क्रिया (मथा यात्र, अ यूक्ति जात्रवृत्ती বলিয়া প্রতীয়মান হয় না। বেখে কর, धक राक्षि अवधी दृष्ण वर्ष्डन कतिल ; যাহাতে রক্ষটি সভেজ হইয়া উঠে, সভত তাহার এই চেটা রহিল; ভাহার মনে मत्न जाना बहे, इक्ति बलवान 🛡 कलवान रहेत्न डाहाइ माथा शहरद डाहाइ त्रक्षत्वत्र कार्छ अवर यन विकास बाह्य जना जना उनकहन मर्थाह हरेटव । भार बन शक्ति बेबन बन्धि रेक द्वानन

कतिमः; देखि मृत्या कामात कार्कत क्षरताकत रहेल, म जबूकाय भाराभन्नव **६ मन क्रिश हुक्किएक निरस्क क्रिश** किलिल। बे छेड्ड वांक्तित मरश कान वास्कि अधिक बुस्सिमान् ? जुमित हित्रस्थिते ্বন্দোবস্ত করিয়া লাভ করিবার ইচ্ছাটী রুক্তে সভেজ রাখিনা ভাষার শাধাপর্য ও ফলছারা সংসার নির্ধাহ করিবার रेफ्रित जूना । शकाष्ठदंत मध्या मध्या ভূমির রাজ্যর্ভি করা এক কার্ছে সমুদায় শাখ ছেদন করিল বৃক্তক নিভেঙ্গ করিবার ভুলা হর। কলভঃ ভূমির চিরস্থানী বন্দোবস্ত করিলৈ সম্পত্তির মুল্য বৃদ্ধি হইয়া ক্রমে যে আয় হয়, সাম গিক রাজস্বতৃদ্ধিতে তাহা কথন হয় न।। বোদাইয়ে ক্ষকদিগের ৩০ বংসর মেয় দী জোত ৩০ গুণ পণে বিক্ৰীত হইতেছে। সতা: কিন্তু কি কারণে যে এরপ হই-তেছে, কেছ সেই প্রকৃত কারণের উল্লেখ करतन म'हें। (किन छटल (मण! अथधा উৎসব হইলে তথ্কালে মাটের মধাঞ্চিত অন্ধকাঠা ভূমির ৮.ড় ভিন দিবসের बि**बिख प्रभा रा**त है। को किए। कि**ख**्यालात পর **ওঁ ভূমির বিষ**। দশ টকোয় প্রভিয়া যায়। বোদাইরে ভূলার বাণিকে একপ **উহার খুল্য বৃদ্ধি হইয়াছে : অ**ংমেরিকার ভুল প্রচুর পরিমাণে নাঞ্চেন্টরে রপ্তানী इट्टल ७ट्टे अक्टी कमा श थाकित्व मा। ভূমির উৎপক্ষ অধিক ও তাহার অধিক मूता न। रहेटल कथन जूबित मूता वृक्ति ছয় না। এক বিঘা তুলার চাস করিতে গ্रাড়ে ১২ টাকা ব্যয় পড়ে। किन्न क्रमक ्वाश वाटम 🚅 👺 • छे कि श्लोश, चांत ७ অধিক পাইবার আশা আছে; সেই निमित्र छ होते मुखा र अधिक हुना पिशो বোরাইন্মে ক্ষেত্র করিকেট্রে । তুলায় (बाबाहेरमत प्रश्निमान विकासन लाक वर्षेट्ड । एक मिन लोख प्रक मिने बुना ; कारात भटन जैमकल कृति इहै वस्तरतत

করের প্রেও বিজ্ঞীত হইবে না। আমরা শুনিষাছি, তুলার ভূমির যেরপ মুলাধানা ও আনা অনা শলোর ভূমির সেপ্রকার মূল্য নহে। পকাস্তার বলদেশে ধান্যাদি শলা দশ সহত্যের মধ্যে ১৯১৯ বিঘাতে ইংপাদিত হয়। ভারতব্যের কোন স্থানেই এইসকল ভূমির ৩০ গুল মূল্য নাই। কলিকাভার নিকট্র অভি উর্বর ভূমির বিঘাও বার্ষিক করের ২০ গুণের অধিক মূল্যে বিজ্ঞীত হয় না।

क्रित्रहाशी वटन्नः वस्त्रः अपरामत्र अपृत्रि इ.कित একটা প্রধান উপায়। উহার গুণে ভূমির বছওণ মূল্যর্দ্ধি হর। সহদেয় ব্যক্তিনাত্রেই স্বীকার করিবেন, প্রভি বংশর যে ভূমির কর বৃদ্ধি হয়, লোকে তদপেকা অ,ধিক মূলা দিঃা চিরস্থায়ী বন্দোব**ন্তভুক্ত ভূমি ক্র**র করিয়া থাকেন। पिक्कि कर्त पिटल कि उँ९ श्रम अधिक हरा : क्यीमात्र मर्जमा लायन कडिएन कि अजात धनवृक्ति इंदेर्ड भःदितः यिमकल इःदनव क्यीमातिरङ मिश्रामि बटम्मावस आहर, তত্ততা জমীদার্গণ রাক্ষম্বর্দ্ধির ভয়ে **ন্ত্র বন্দোবস্তের ক**রেক বৎসর পূর্ব অবধি **অনেক ভূমি অক্টে** কেলিয়া রাবেন। ভূমি পভিত ধাকিলে কি কুবি, বাণিজ্ঞা, রাজ্যর, প্রস্থার জীবিকা ও দেশের धन वानि इस ना १ जित्रकाशी वरमावस्त्र নিবন্ধন সম্পত্তির মূল্য এবং ছাহার সহিত বাণিছা ও কী**ম্পে প্রভৃতির মূল্য যে অধিক** চ্ছীরাছে, একধা বলাবাছনা। দেশের বাণিকোৰ বৃদ্ধি ও **ভ্ৰব্য সাম্প্ৰী মহাৰ্ঘ্য** হুচ কে ক্রিকাত দ্রব্য এখন পড়িতে তথাপি ক্লফদিগের যেৰাপ সচ্জ হওয়া উচিত, ভাহারী সেৰূপ **ছ্ইটে** পারিতেছেনা। ভাষার কারণ কি ১ कांब्राह कातन कभी मात अ महाकन। सभी मात्र मर्जमारे त्यायन कतिहा कत्र सम বলিরা ক্রবকগণের অসপতি দুর ইয় ন।; সুতরাং ভাহাদিগকে মহাজনের আতার

গ্রহণ করিছে হয়। পুরুষানুক্র। **क्रे प्रमिना हरे** हो चानिहाल्ड ংস্পোবস্ত অব্ধি উহার কতক ৮ 🗸 রাছে: ১৮১২ অব্দের ৫ আইন यथनं स्भोतनी भाष्ट्रः मिनात नि (महे व्यवधि कृषक पिरशः मण्डा चात्रुख क्रेशाटक् । भर्तना कत्रवृक्ति কি চাসে তেমন মন লাগে 🤌 মা काशटक मनल रहा ? (काटर दि: থাকিলে কুৰক অৰ্থ ও প্ৰম कतिए उदमाही इस मा ; करवा त শ্বীকার ক রবেন? তাছা বায় না করি ভাহার তুর্দশা সুচিবার সন্তাবনাম অত এব কুষ্টের উপর করের জিনা এটা কাহার অভিধ্যেত না হইবে ? ি यमि सभीमारवत भरधा मरधा कतद्र হয়, ভিনি কি প্রজার নিকটে কর হা 🛚 ক্রিছে বিশ্বর হইবেন : জমীদার ক্ষবে क्यु क्य कतिएक भातित्वन मा , प्रश्री मभी पादत्रत ताजवत् कि हहेरव, अंगे ना সমত হইতে পারে না ৷ ১৮৫৯ অব্দের ১০ আইনের সৃত্তিকর্তারা এছ যুক্ত করিয়া যে অভী ট সিন্ধ করিবার প পাতিত করিয়াছেন, তাহা রুজ ছুইয় गारेटव ।

ভারতবর্ধ ক্রবিকী বী দেশ। যাহাতে এথা ক্রিকাবোর উন্নতি হয়, সর্ক্ষেমতে গার্গনেতের সেই রাজনীতি অবলয়ন কর্ত্তবা আমরা পুনরায় বলিতেছি, ই কাথোর উপর ভূমির রাজস্ব ও ব জ্যোর শুক্ত নিভর করিতেছে। বিক্রবর্গণ সঙ্গতিপুন্য হইলে এ অভীকী হওয়া তুর্ঘাট হইবে। ক্রব্রুদ্ধিগের এ যে অবস্থা, অভাস্ত সক্ষ্প হইলেও এক বৎসরের অধিক স্থাদ্য সংগ্রহ মা। স্বিদ্ধি স্থিরতর কর থাকে, ইইলে দশ বৎসরের মধ্যে যাহাই গোলা ভাহার তুই গ্রোদ্ধী ধান্য

चावद्याय कुर्डिक वर्षवा व्यवा তাহারা অনায়ালে আত্ম ठ अमर्थ इस् । शहात्र अस्न ।। हे त्म देवकेकथामा वहिएछ क्रमकिषात पित्नत अज्ञ । कठिन, खर्चन छेश्क्रको कृषि মুত্রবিধ শ্সা উৎপাদন করি किकार कटलालवाडी इंदेरव थ्लामिका मञ्जि द्रिजिनिवज्ञन ह, (महे न: उरे नाउ। क्टा ্য়া শোষণ করিয়া কর লাইলে কি না তাহা মুসলমান সমাটেরা র্খিয়াছেন। আসিয়া মাইনরে বাটেরা সে পরীক্ষা করিতেছেন। का मिक्कि दक्षि इट्रेगमाळ कत তে উজ (দশ <sup>हे</sup> सम इट्रेड्ड्ड्। ারন্ধে ক্লবিকায়ের উপরে কর ... कृषक समीकात ও গवर्गरम**ें** मक ারই ক্ষতি হয়। প্রজার উৎপাদিত শুসা ারা বাণিজ্যের যে এর ক্লিক এবং সম্প ন্তর মূলার্দ্ধিনিবন্ধন সরকারী আংয়ের রুদ্ধি হয় তহেই প্রকৃত লাভ। ফনতঃ ■িন্ধান দেশের গার্ণনেক্টের ক্র্যিকা উৎসাহ দেওয়াই কর্ত্বা। রুবক-ব সহিত চিরস্থায়ী বন্দেবের না ল এই উদেশা সাধিত চইবার मा माहे। क्रवक प्रिंट गत क्रव এक विध চ গেলে কাঘাতঃ জমীদারের সহিত शी पटनमावछ इहेगा छे.ठेटव । बटना ভূমির কর বৃদ্ধি করিলে আন্ত লাভ भारत वर्षे ; किस भहित्भारय চদ রদ্র ও গ্রণ্মেন্টকে ক্ষ**্ত গ্রন্ত** इहेटव मटक्र बारे। এই विभिष् । क्रमीमात्रमिश्रदक मध्या दाशिक्षा েগ্র স্থিত চির্তাণী বলেবেল্ড ् विभिन्न श्वर्गत्मन्द्रेत मृद्धः मृद्धाः ্ত করিয়া থাকি।

> वायक्षान मनकाव। होका स्वत्रद्वी बास्ट्रनान महका

রের হস্তগত হয়, পাঠকরণ ভদ্তার व्यवशं इस्याट्न । के मक्ष्म मुखाई डीहान ভাবী অতুল **দশ্যতির মূল ভিতি হ**য়। বাণিজ্ঞাকার্যো উহার সাভিশার দক্ষতা क्यांचाहिल। कारम कारम जीशांत वाकात সমুস হইয়া উঠিল। তিনি কথন কাহার সহিত অসাধু ব্বেহার করিতেন না। সকলেই উাঁখাকে স্নেহ ও বিশাস করিত, সকলেই ভাঁহার প্রতি কার্যভার সমর্পণ ক্ষিত ? ভারদাতা যাহাতে লাভবান हन, बक्राण छिनि डाँहांत कार्या मण्येत করিয়া দিতেন। ঐ বাণিজ্যসহস্কে আমে রিকার বণিক্দিগের সহিতই ভাঁহার অধিক সংস্ত্রব হয়। ১৭৮৩ অব্দে আমে-রিকা স্বাধীনত। প্রাপ্ত হয়। তাহার পর ভত্তত। अधिकमः था त्नाटक वांक्रनाटमरम बा,्नकः कतिएउ पाईटमन। तामङ्गाल গরকারের এমন প্রতিষ্ঠা হইয়াছিল যে मकत्नहे उंपहाटक व्यवस्थित कतिर्देशका। उं। किश्वत कार्यामण्यापन-বিষয়ে অগুমাঞ<sup>ু</sup> বৈমুখ্যপ্রদর্শন করিতেন না। তৎকালের পামর কোম্পানি প্রভৃতি প্রধান প্রধান ব্লিকলণত ভাঁহার পরা নশ গ্রহণ করিছেন। রামত্লাল স্বরং একটা হাউন করিয়াছিলেন। অদ্যাপি উাহার দেহিত্র বাবু লগেষচাঁদ, অসুপ চাঁদে ও অতুল চাঁদ মিতা ঐ হাউদের করিতেছেন। कार्या मन्त्रीमन त चान कांशक हिल, ले कांशक डॉहार দ্রধ্য সামগ্রী ইংলও চীন মাল্টা প্রভৃতি ছানে নীত হইত। এই রূপে রামস্লালের শত শত আয়দার উদ্যাটিত হইল। তিনি ध् निमुक्ति अहम कतिएक नानितनम, चर्न मुकि इरेट नानिन।

রামগুলালের অন্যান্য গুণ যেমন
অসাধারণ, ভদ্রতা ও কৃতজ্ঞতাও ভেমনি
অলোকসামান্য ছিল। একদা ডিনি
অনেক মরীচ ক্রেয় ক্রেন, আর এক জন্দ ইংরাজও কৃতক ক্রেন ক্রিয়াছিলেন। এ देश्योद्भन्न भार्यन बार्याभन स्वताद्य তিনি মনীচ ব্যাক রাখিরা কিছু টাকা कर्ण हान । श्रामह्मान वस्त त्राबिट দমত না হইয়া এক কালে ক্রয় করিতে ष्टां**क्टलन। इं**रतांक विट्यम्मा कतिया উত্তর দিবেন কহিলেন। শেবে ভিনি विकार कतिएक मध्यक इंडरनमा अ निर्दे মরীচের প্রায় চারিতাণ মূল্য রুদ্ধি হইল রামহুলাল আপনার ও ঐ ইংরাজের মরীচের ক্রেতা ছির ক্রিয়া বে চতুতাণ লাভ হ্ইল, ভাহা আপেনি না লইয়া, ইংরাজকে ভাঁহার মরীচের সম্পূর্ণ লাভ श्रमान कतिरंगन। बाजारत स्य डेहात मूना তত হইয়াছে, উক্ত ইংরাজ তাহার কি ছুই জানিতেন না। রামগুলাল অনায়াদে উাহার সহিত যে মুল্য নির্দারিত হইয়া हिन, छोड़ा बिहा बाशिन ममूनाह लांड লইভে পারিতেন; কিন্তু তিনি তাহা করিলেন না। তাঁহার ভুগা ক্বডজ ব্যক্তি **অর্প্র দেখিতে** পাওয়া বায়। **ভাঁহা**র অশারণ অবস্থায় যিনি তাঁহার কোন প্রকার উপকার করিয়াছিলেন, ভিনি দৌভাগাসম্পন্ন হইয়া ভাঁহার আশাতীত প্রজ্যুপকার করেন। এই উপকারণছক্ষে छिनि ष्यानकारक (शक्तन एका। यहन মোহন দত্ত ভাঁহাকে আশ্রয় দিয়াছিলেন ৰলিয়া তিনি কুতাঞ্জিপুট না হইয়া তাঁহার আবাদে কথন প্রবেশ করেন নাই। এ কুডজা চাপালে বৃদ্ধ ছিলেন ৰলিয়াই ডিন লক্ষ টাকা বায় করিয়া कानीश्रमाम मदलत ममद्य करतन।

স্চরাচর দেখিতে পাওয়া যায়,
যাঁহারা অধিকতর ক্লেশ স্থীকার করিয়া
অর্থ উপাক্তন করেন, উহিার। প্রায় বার
কুঠ হন, কিন্তু রামন্থলাল মুক্তহন্ত
হিলেন। তাঁহাকে কেহু কোন দার জানা
ইলে ডিনি ভাহার উদ্ধার করিভেন।
তাঁহার নিভাবায় ২৫০০০ টাকা ছিল।

ভত্তির প্রতিবেশিদিশের অনেককে রতি দিতেন। মান্তাম্পে এক বার হৃতিক হুইলে ভিনি নগদ লক্ষ্য টাকা এবং ক্রঞপান্তি লক্ষ্য টাকার চাউল দেন। তিনি হিন্দু কালেজের প্রতিষ্ঠাকালে ৩০০০০ টাকার কালেজের প্রতিষ্ঠাকালে তিনি এত ঐপব্যার প্রতিষ্ঠাকালে কালেজিন হইয়াছিলেন; কিন্তু কথন গর্কোজ্বত হন নাই।ভিনি অভিশার বিনায় নাম্ ছিলেন; তিলো অসম্ বস্থ সাম্বান্তার পরিপ্রতি অভ্যান্তার পরিপ্রতি ব্যান্তার পরিপ্রতি অভ্যান্তার পরিপ্রতি অভ্যান্তার কালি ৭৩ বংসর ব্যাহক্রম কালে (১৮২৫ অন্তের ১ লা এপ্রেল) পক্ষা হাত্রোলে প্রান্তান্য কালে হলেন।

कुनक भएक राज्य () न का ख (न का सरका छ

निम्रत्अधित विमानिका दश, अ विन्द्यं कुछिबिना ७ मञ्चल । वान्तिमाद्धे हे একম্ভ হইয়া মত প্রদান ফরিবেন: व्यक्तव गवर्गामणे अ विश्वास य कियो शाहिट डाइन. डाइवरत मार्ग्यामारन कर्रे विश्व इहेटवन मा; किन्छ शवर्गदमके के विमानिकांत वाज निर्दर्श (य डेलांश অবলম্বন করিতে উদাত হইয়াছেন, তাম্বি ষয়ে গবর্ণনেতের সহিত প্রায় কাহারই क्षेत्रका मुखे इहेरलहा ना। अध्यक्ष e कांत्रा (यमकन विषय **प्यक्**किंद्र) बिता क्ति कतिता ताचितारक, वनपूर्वक ভাহাতে নিয়োজিত করা প্রণ্মেট্র कर्डरा नम्र। विजीवण: यनि बनश्रक्तक বিদ্যাশিকা করান আবিশ্যক হয়, ভাহা হইলেও বৃহদেশের নিমিত স্বাস্ত্র কর कता विरश्य एवं ना। मद्य शकात बाब করিয়া তথাপি বৃদ্দেশের প্রায়ছয় काणि है। का छेब् ज बारक। अक कालि টাকা উত্তরপশ্চিমাঞ্চলের লবণ ও অহি क्टिनर व्यक्त बाम मिटन पाँठ काहित विषया मान्य बारक ना। अञ्चल देव ह

টाका इ स्वां**टर** ; a টाका अना अना প্রদেশে থাকে না, আন্তর্ম তথার স্বতন্ত্র निकाकत एव एडेक: किन्दु आमामित्सत কৰো কি নিমিত শিকাকরভার নিহিত स्ट्रेंद्व ? हेरात कहें कर छेलत चाटक. कात उदर्व बक्ती जन । नामाका ; देशा मधाष्ट्रा अक मकाका आञ्चलकि विशा मान चारह। घड ०व यथन शृङ्क टार শীঃরাজ্যপ্রালী ভাপিত হয় নাই, ভর্মন সাম্রাজ্যের একাংশের উভ্ত টাকা অপরাংশে বায় করা অবৈধ হইতেছে না। মুগনিয়ম বেরূপ হউক, এ তক আপা ভতঃ যুক্তিনিদ্ধ বলিয়া প্রতীয়দান হয়। কারণ ভারতবর্ষের ভিন্ন ভিন্ন প্রদেশ একত্রীভূত হইয়া বস্কুতাবে পরক্ষারের শুত চিক্তা করে এটা প্রার্থনীয়। কিছ कार्या वक्कांव एउझा कठिन। वकविश ভাষা ব্যতিরেকে প্রকৃত জাতীর একতা হয় না। জাতীয় ভাষা সমান হইলেও नक्त मम्द्र अक्षा इत्या क्रिन इत्र আয়ারলও কিছুতেই ইংলতের সভিত अक्षावाशम इहेन ना। वशादन धारम विरमात व्यवकारकर धव १ व्यवद्याख्या नामनश्चनानीत ভেদ রহিয়াছে। **তবে যে রাজ্যসহক্ষে এক**তা पृथे हर, (मणे (कदल अनिष्धेत मूल । যত আয় হইতেছে, কিছুতেই কুলাইতে. ছেনা। এতদ্বারাই অনিউ সপ্রমাণ क्ट्रेट्ट्र । अञ्चव वक्ती डेट्क्रके প্রণালী ছাপন করা উচিত। সেই 💆 : कुछ নাই বলিয়া वक्रामा भ শিক্ষা কর করা . বিশুদ্ধ রাজনীতির অনুমোদিত হইতেছে না .

গবর্ণমেন্ট দৃতপ্রতিজ্ঞ হইরাছেন; যথেচ্ছাচারী গবর্ণমেন্টকে রাজস্বদহস্যে নিবারণ করা রুখা; এপর্যান্ত কোন আপতি প্রবণ করা হয় নাই। তদুপরি যথন বিদ্যাদ্যনের গল্পা রহিয়াছে, তথন ইংল্ডীয় গ্রন্মেন্ট কথন বিদ্যাশিকার্থ

ছানীয় কর ছাপন করিবার বিষয়ে भगक कतिरवन ना। यदि अहे निष्कांक कता यात्र, उथानि शवर्वत्र (सम्बद्धन समी দারির ভহ্দিল ধরিয়া শতকরা যে কর ছাপন করিবার সক্ষাপ করিয়াছেন, তাংগ युक्तिनिष रहेएछह ना। श्रक्तिरमत সমান আয় হয় না; স্ভুা, পলায়ন, অগসতি, হর্ভিকপ্রভৃতি কারণবদতঃ यक्त वर्मत सभीगाद्वत ममान साहत्मशा यांग्र ना। এ विट्याना न विद्या श्रीम कत्र कता इस. इनकमंत्रीत्ज्ञात कके ও चान ভোবকর অসুসন্ধানের সহিত যথেকা চার ও চিরস্থায়ী বন্দোবস্তভক্ষের দোষ ण्यार्भ कतिरव। अभीमात्रमिरशत आंत्र तथ मांग थाकृक. उाँशता जिणि 'शवर्ग মেন্টের ছায়িছের নিরস্তর প্রার্থী। এই थकारत कत महेरल वित्रष्टांशी वरमाविष्ठ নামমাত্রদার হইবে। ভারতব্যী যেরা করের বিষয়ে ভূনোভিরেক বুঝিতে शांद्रम ना ; गुर्का मिटल स्टेटर कारा अक कारन मंद्रा इंडेक अ कथाई मक्टन बटनन । इनकम टोट्झत मुळाच दनका अवे क्रक्षां भनमभारत व्यानक (मार्टक अक्रकारक अद्याजनमञ्जाका निवा कत एकेट कमून स्टेवात क्षार्थना कतिशाहित्सन। , शृक्ता वास्त्रन करे श्रकार जात्नाक्त्रा টাকা লইভেন; ভাঁহারা অনেক লইতে वटणे, किन्छ अ**च्य**ान नित्र छत्र कत । चाना হওয়াতে যত অসম্ভোগ হইতেছে, তাঁহা পের শময়ে ভাত ছিলানা। অর্থের এয়োর হইলে বাদ্যাহ জমীদারদিগকে ডার্মি টাকাচাহিতেন; ভাঁহারা চাঁদা क ठाशमिएकम। के भर्यास्त्र भाष इहे বৰ্ত্ত মান বাৰ্ডাশাজে যাহা বলুকৰ এইপ্রকার कत्रह (नत लारकन्न दुक्ति शमा। बिर्टा व्यवसाय वित्यंत कत षामापित्रत शक्त ष उन्ह কর। **অত**এব তহুশীলের উপ্ত

ভাগন করিলে জমীদারগণকে গবর্ণ-নেন্টের অমঙ্গলাকাজ্জী করা হইবে। স্বেচ্ছাগুস্থকি এক দল ক্ষমতাশালী প্রভু ভক্ত লোককে বিপক্ষ করা বিশুদ্ধ রাজ ভিতিত্ব অভ্যোদিত নহে।

नीजित अनुस्मामिक नरह। क्रमीमादत्र निकटि जिकाकत छ रन कडित्व याशीमार्गत हैत्येत निभिन्न अहे চেটা হইতেছে, ভালাদিগেরও অনিট कता रहेटव। अभीमादिता धना भां क नन বে নিজ ভহবিল হইতে এক কপদক Cमन। (य cकान केश्राहत इकेस, श्रकांत ক্ষরেই স্বাহ্য ভারক্ষেপ করিবেন। ইন কম টাকুই নিদর্শন। উহাতে প্রদর্শন করিয়াছে, জমীনার নিজের লাভ কিছু-তেই ছাড়েন না। অদ্যাপিও মেদনরীপু वक्षमान ७ मूत्रिमावारनत त्कान त्कान कभीमातिए इनकम होएकत नाम करिया क्यीबाटवता छाका लहेट छट्टन। कमी मात्री छाक कमीनात्रमिरशत छेणार्छ्यानत ্ব গকটা প্রশস্ত পথ হইরাছে। জমীদারের। के बारम असात निक्षे इहेट किছू किছू ু ধরিয়া লাইতেছেন। যতই কর ছাণিত ্কর না দেন, জমীলারকে বিভুতেই স্পর্মা ामकन सभीमाइ किएक शाहित्व \* +লগপ্ততি স্থাপন করিয়া বাহ্বা দ্যানসন্দ্র एकाइन, छै। होता दक्षा इंद्राठ बहे গ্লালান ?া ভাগ জনকের ক্ষাকে, न्ना समीनाद्वत । कत्त्वः व द्यान क्रोंश भवर्गामण िष्ट्राइड क्रमीन हत्क क्र किलिएंड भातिर्वन मा। अवर् ট ভাবিতেছেন ক্রনকের) শিক্ষিত ্ল আগন আগন সত্ত বুবিধে এবং ্রিদাবের অভ্যাচার থানিবে না। এটা ीत्र एमन, काट्य टिमन नश् । क्रमी ্র প্রতি দৃতিপাত কর; মাকেদিপের ा नृत्य थाकुक, समकल क्रमीय াখীন ও কুত্বিদ্য, তাহাদিগকেও নিকট শ্ভাচারের भवत क क्षिए इहेड। स्ना कथा

ーンカビー कृत्तं बाक्क, वक्राम्टानंत क्षृ छविमानिरशंत यार्गाता इंडागाकत्म त्कान समीनातत এলাকাণ জমী জমা রাখেন, ভাঁহারাও মক্দনার ভায়ে মন্তক উত্তোলন করিতে माहमा इन ना। कृतकी प्राप्त अज्ञाभ व्यव স্থাও নয় যে তালারা আপন আপন महानटक तिथा পड़ा भिशहिट भारत । व निर्म क्यीबारतद भारेक विनिश्च थीक चात्र कांशामा कतिएकछ, ७ मिर्ग घरत अन्न नाहे, श्वटक शांत काण्टिङ शाठी-हेटल इहे प्याना উপार्क्डन हशा अभन আবসার কোন্ রুষক স্থেচ্প্র্কক भू ब निगरक चिमामात्य अत्र किटिव ? हामाज्यात नाव त्लाक मर्सना जमा अहन करहन ना अवर गर्नस्य के अपन निकास किट्डिइन ना त्य क्यादकता जालनानि-रभत चत्र त्रिया समीनारतत अञाहात निवाहरण मगर्थ इन्टेर । ध श्राम कि कर्जवा १ कभीनाटवत छङ्गिटलत छेनटत কর ধার্যা কর, আবে একত বাজস্বের উপারে কর লও, শেষ ভার ক্রয়কের ক্ষে প্তিত হইবে সন্দেহ্নাই। ভার পড়িলেই विनामिका ভাইদিপের क ले हरू जा शब्दान इहेरत । अहमाज नह, क्रमीनादतत भाउताचादतत चात बक्छी न्य निविक्ष् छ इहेर्य। एथन क्रवर्रकरी এই ভাবিবে, ইহার অপেকা আমাদি গেব মুন থাকা ভাল ছিল। আমরা ভ শিক্ষার্থ কর গ্রহণের এই অনিট দেখি टिছि, तो**क** शूक्र तिता चास इहेश यनि এ অনিষ্ট দেখিতে না পান, সাকাৎ मद्रास्त्र क्षरकिराधिक निकार कहा क्रिका कताहे कर्तवा। यथन शतकातामयाः তাহারা অব্যাহতি পাইতেছে না, তথন মধ্য इहेट छ मीनाइनिशटक चनछुछ करा (कन ? जाहासित्यत जेनकातार्थ अहे बाद उ रहेट उटह, माकार मद्दल जीहानि मिट्रात निकटि कत अश्वे नामा इग्रा कगीतांइटक मधाष्ट्रल दाविशा बहे नटक

সঙ্গে ক্লবকদিগের সহিত চিরভারী वरम्मावस्य कहा कर्खवा। जाहा कहिरल কৰ্ণপ্ৰয়া,লদেৰ কু ত यजी-প্রতিপালিত হইবে। প্রজাদি গের জোক ভিরতর হইলে আহারা कानसम्बद्धाः अव ठाकात श्राम का ठात আন। দিতে কাতর ছইবে না। যথেই টাকা উঠিবে, বিশ্বাশিকা হইবে ; কাহা রও অসংস্থাবের কারণ থাকিবে না। প্রতি वर्गत कत तृ जित्र खत्र ना था कित्ल कुरक মনোবে:গ দিয়া কৃষিকার্য্যের উল্লভিদাধন করিয়া শাস্ত আপন আপন মূলধন সং গ্রহ করিতে পাছিবে। একণে এক পরগণার মধ্যে বেমন কেবল একমাত্র জমীদার ধনী আছেন, তথন আর নেৰূপ थाकित ना ; वर्ष ठातिया পড़ित । कनी দারের এখনকার মত আড়েম্বর থাকিবে না বটে; বিস্তু পতিত ভূমি কর্যণ আরম্ভ করিয়া ভাঁহারা নিজের জ্মীনারির উনতি দাধনত্রপ কর্ত্তব্য কর্ম্ম দম্পানন করিতে শিকা করিবেন। তথন জমীদার ও প্রজা छेज्यात मोशर्फ ७ मोजागा इकि इहेटव मदम् स्भारे।

वाथ।

শোণপুরের মেল্য। (গত প্রকাশিতের পর।)

১৪ নং । এটা অতি মনোহর ময়দান,
বৃদ্ধানিতে আফাদিত। ইহার মধ্যে নানাদিক
নেশীয় উত্তম মধ্যম ও অধম ত্রিবিধ লোক
অবস্থিতি করেন। বড় বড় ধনীয়া তাস্থু সামী
য়ানা থাটান মধ্যবর্তী লোকেরা অন্য একারে
অবস্থান করেন এবং নিরুপ্তেরা বৃদ্ধতলায়
অবস্থান করে। স্থানটা অতি বিশাল গান্তবৃদ্ধে
পরিপূর্ণ, অভিশর মনোহর, পরিষ্কৃত ও পরি
ছেয়। পা না হইতে বড় বড় নবাব, রাজা
ও ধনাতা ব্যক্তিরা আনিয়া ভারি ধুম ধাম
করেন। প্রত্যেক বড় লোকের আবানে প্রতি
নির্তই মহা জাক অমক হইতে থাকে
বড় বড় লোকের পৃথক প্রক্ বাসস্থানে
লোট, নহবৎ পানা, বারবান, সপাই, সামী
প্রস্তুতি অন্নিরুত্ব পাকে। রজনীতে বজালের

সম্মুখে হাতার ভিতর মহা সরগরম মজলিস দ্য । কাড় লাঠন, দেয়লিগিরিপ্রভৃতিতে দামী ব্যানা অকমক অকমক করিতে থাকে। বাইরা विश्वक जान, मान बाब्रमश्रवादश मर्भाकशर्भव চিতত্তরণ করে। বড় বড় মজলিলে ৰড় বড় সাহেৰ পৰ্য্যস্ত গিয়া আনোদপ্ৰমৌদ করিরা থাকেন ; কিন্তু ঘোঁড় দৌড়ের নাচ যরে এ দেশীয়েরা যাইতে পান না 📳

১৫। মিনা বাজার। এ বাজারটা হরিহর ছত্র মেলার ভূষণসভ্তা হরিহর **নাথের** মন্দিরের নিকটনবাস্ত প্রায় ছুই মাইল পথ এই বাজারটা লোসারি বসিয়া **যার**। केक्ट्रिक स्थारक देश विकास **विद्या** शरक । वसप्र ছুধারি এ↓প পরি পাটার যাঞ্চাব হয়, যে রক্তঃ তে দেখিলে চমৎকার হাে হয় ৷ কাঁফ ंट द्वारा. চীনের, কাচের, কোণার, কপার, নানা একার শিল্পজাত জব্যের দোকান বদে। বস্তা বনাত, मान, (मामाना, कि:यांग, क्रींब, क्रेंब्र, क्रिंग्सी अ ভৃতি কোন বস্তুরই অভাব থাকে না : এমন कि धक धक्षी (मार्कान २,,,, १२६ + ) চাজার, কোন কোন দোবানে ৫০০০০ হাজার টাকার সামান সামান্য জিনিস সাজান গাকে। দিব। রাত্তি **লোকে**র একপ জনতা इय त्य, आप वित्कल कहिन इहेश উठि । ठिना ঠেলি করিয়া যাইতে হয়। বড় বড় সাহেব মেম এবং বাবু ভেরের হক্তী পৃষ্ঠে আৰো-इ० कतिशा जिया तकनी मिना बाकाएतत শোভা সন্দর্শন করিয়া ভৃপ্ত হন। ক্রয় বিক্ রের কথা কি বলিব।

১৬। এই স্থলে জেণীবন্ধৰূপে যোড়ার ज्यागवादवत प्राकान मार्काम बादक। देश्याकी विक्यानी, लारती, मकिनी, माना म्हान জিন, জিনাপাৰ সাজ, লাগান, চাবুক, কোড়া कानि निर्दिश मध्य ख्या श्रीश्रम यात्र।

১৭। এখানে হ **ভীর না**ারপ পরি**ছ**দ্ भृष्ठीखद्रग ७ भिन हि करी काँ हित, कार्ष्ट्रह, क्षात ७ क्यांना वश्वत नाना धकाव हा करा विक्रम स्हेमा थाएक।

১৮। এই স্থানে মুদিরা নারি দারি শত শত খাল্য জ্বোর দোকান খুলিনা বলে চাউল, ডাউল, লবণ, জাটা, খৃত, ছাতু, বুটং বৰ গম, কাঠ ও ছেরিডরকারিপ্রভৃতি বাব তীয় ৰম্ভ বিক্ৰয় হইরা থাকে।

১৯। এ ऋण এक शास्त्र मिष्टीप्रदिस्क्रांडा হালু ইকারের শত শত দোকান এবং পাটনা কাশীপ্রতি ভানের হিন্দুত্বানী নিখ ও ব্রাজ্ঞা প্রভৃতি মিঠাইকরেরা নানাবিধ মিটার্মারা দোকান্দকল পরিপুরিত করিয়া রাখে। রাজনীতে ঝাড় লাঠন দেওয়ালগৈরিছারা এমনি দোকানসকর স্থাক্তীভূত করিয়া দেয় যে, আলোক ও মিষ্টান দেখিয়াই অনেক লোকের উদর পূর্ণ হইরা যায়। উহার এক দিকে **ब्बागीयकक्टल** मानाकांत्रस्ति स्नाकांन वरम। নানাবিধ স্থাবিল পুস্পৰার৷ ঐ ভানটা অভি শর আমোদিত হয়। ভক্তি না থাকিলেও লোকে ঐ গন্ধ প্রাপ্তির আশরে হরিহরনা-থের মন্দিরপর্ব্যস্ত গমনাগমন করিয়া থাকেন।

২০। এই ময়বানটীর সাধ দিয়া একটা পথ গিয়াছে। সেই পরের কতক দুর পর্যান্ত নানাপ্রকার কাচার, সন্দেশ, নিঠাই, পুরী, কচুরি, তরকারিপ্রভৃতি হিল্ফুদিগের ভোজা বস্তুর দোকান সকল স্থপজীভূত থাকে। এক এক দোকাঁৰে ১০০ এক শত কিছা তদবিক প্রকারের আচার পাওয়া বায়। এ অদেশে আলু সিম বেশুন, ওল, পটোল অ:অ, লেবু, শাক, পুঁইৰাড়া, কলা সুলাপ্ৰ ভূতি এমন বস্ত্র দাই বাহার আচার হয় না।

২১ ৷ এই পথের কতক দূর বেমন হিন্দু (भत्र थोना छ्राटात द्वाकान ख्राक्कोकृंड थारक, त्रहे,, श्रे मूननमान शाहकरनत्रथ দোকাদসকল থোঁক। এইসকল माकारन युगलमान शाहरकत्र। ऋषे विकीष পোলাও কালিয়াপ্রভৃতি নানাবিধ খাদ্য জ্বব্য প্রস্তুক করিয়া বিক্রন্ন করিয়া থাকে। দিন্দানে না হউক, রজনীতে এইদকল त्नाकान উইन् नन नारश्यत्र रहारण्यत्र অতিনিধিশ্বপ হয়।

২২ : এটা **গোরাবা**হার। দানাপুর हरेट आपंड मिनिक ও वामास्त्रमित्रत কারাৰ এবং মলক্রীড়া স্থল।

২<u>খ্</u>য এটা দোরারদের খোকিবার ক্লাড়ি । अन्दान भवर्गरमार-छेत्र हैरतकामा न्यारकन

e sa ili die ile independent il salam del salam del salaman দৌচ্ছের মাঠের শোভাসম্পাদন করে, এবং भौखितकार्थ निभागित निक्षेत्रें निभागिना মক ছা নি ছইতে ২০০ জোয়ান প্রতি বংস: মেলার আসিয়া থাকে। ইছারা এক এক দিং ব্দাপনাদের রণপাণ্ডিতা ও যুদ্ধকৌশল অস্ত্র ও অর্থানকা প্রদর্শন করে। ইহারা বেরূপ কৌশলে ক্রতগামী অশ্বকে বসায় শোয়ায় এবং খোঁটা ভূমিতে পৃতিয়া বলম্বারা জনতগানী অশ্বের পৃষ্ঠ হইতে ভুলিয়ালয় এবং ছোট ছোট লেবু র মালে বাঁজিয়। ভূমি:ড ফেলিয়া ক্রতগামী অশ্বপর্চ হইতে ठिक छ्रे ভाগে काणिया क्ला, त्मनक मिथित हम्दक्ट ट्रेट इस्।

২৪। শহেবদিগের গমনাগমনজনা বে একটা প্রকাণ্ড পথ প্রস্তুত করা হয়, তাহার छ्टे शास्त्र देश्त्राक मछनानतरम्त्र नामा প্রকার দোক:ন প্রসজ্জীভূত থাকে। **খাও**য়া পরা ও বিলাদের যাবভীয় বস্তু এইসকল मिकारन शास्त्र यात्र। तम्मवितमात्रेत हे तास দোকানদারের। অংগমন করিয়া থা কন।

ं नर २९।२७। २१। २৮। धर्शाः भक्त प्रक्रित ध्वरा हेडा, भक्ती भूकिपिक প্রবহ্মাণা, জার সর্যু এবং শোণভাল গলার পহিত নিলিতম দিবরের নিম্নে মহাসভ্ম বলিয়া এস্থানের অতিশর মাতাল্যা হইরাছে। এখানে লক্ষ লক্ষ ছিন্দ্ৰ অৰগাছন করিয়া আপনাকে পবিত্র জ্ঞান করেন।

# वजीग्रामिरभन रेमहिक অনুন্তি।

जारा मामकरम्यानत । भाषत्रीत अञ्चल इंस्या भिन । जिंड शूर्य कारन व स्तर्भ मानक দেবনপ্রথা অন্সচলিত ছিল। তথমকার শাস্ত্রকারকেরা এবং ধন্মব্যবস্থাপক ও উপ-দেশকেরা ইহার ভূরি ভূরি নিন্দা ও নিষেধ করিতেন। ইহা দেবন করিলে ধর্মে পতিভ ছইতে হইবে বলিয়া ভয়প্রদর্শন করিতেন; মুতরাং এই ভয়ে অনেকেই ইহাতে বিরত **ছইতেন। তবন কেহ** কোন প্রকার নাদক ख्वा वावरात्र. क्षित्व जनभगारक निकाल, ষ্ণিত ও অনাদৃত হইতেন। এমন কি রির স্বাহারেরা আছ ড করে। ইহারা যোড় অম্পূল্যবোধে তাহাকে কেহ 🛶 👸

कितिएजन ना। धारे जना उथन मानक सता সেবীর সংখ্যা স্বন্ধমাত ছিল। এখন তেমনি বিপরীত হইয়াছে; মাদকদেবীর সংখ্যাই कथिक। य मिन हे ब्रास्क्र हा अ एमरणे व तोका इहेब्राइन ७ हेश्वाको विशाव आलाहमा हरेट आवस हरेब्राइ, तारे फिन अविध এ দেশে বিলাতী ধরণের সভ্যতাও চলিতে আরম্ভ হইয়াছে। যে পরিমাণে ই রাজী विशाद बालाइन। बुक्ति क्षेट्डिइ, म्बेर शति মাণে স্থরাদি মাদক দ্রব্য ব্যবহারও বাড়ি তেছে। এখন প্রায় প্রতিপদ্ধী গ্র'মেই শৌগুকালয়, তাড়িখানা, গাঁজা গুলি: আড্ডা ও আফিনএভূতি মাদক জবোর দোকান দেখিতে পাওয়া যা।। সহরের ত কথাই নাই | তথায় প্রতি গলিতে ও প্রতি প্ৰপাৰ্ফে পুৰ্বোক্ত আড্ডা ও দোকান সকল বিরাজমান রহিয়াছে। কি ইভর, কি ভক্ত, কি ধনী, কি নিধান, কি মূখা, কি বিভান্ প্রায় অনেকেই ইহার গেবক হইয়াছেন। ছুংপর ও লক্ষার কথা কি কহিব, এ দেশের অনেক অবলারাও এই পথের পথিক হইয়া (ছ्न। अन्ताना मानक क्रावात अल्लकः स्त्राहे অধিক প্রচলিত অনেক ভদ্র নামধারী মহা-আরা এই পথের প্রদর্শক ও আদর্শবরূপ তুইয়াছেন। মাদক জব্যের এমনি গুণ যে, ভাল পরিমাণে সেবন করিলে চিত্তসভোষ হয় ना। ইহার পরিমাণ দিন দিন বাড়িয়; যায়; ইহার স্পৃহা ও আশা ক্রমণই রুজ্ পাইতে থাকে। ইয়ার এমনি মোল্নী শক্তি বে, এক বার ইহার রসাম্বাদন করিলে প্রায় যাবজ্জীবন ভূলিতে পারা যায় না। ইহা এক প্রকার মায়া খাল; ইহাতে এক বার পতিত ও লিপ্ত হইলে উদ্ধার হওয়া কঠিন। অনেক বিজ্ঞান পণ্ডিত ও হ্ৰিজ হুচিকিৎসক স্থর-চিত প্রস্থে লিখিয়া গিয়াছেন, মাদক জব্য সেৰ.ন বুজি ভাই ও কলুষিত হয়; হিতাহিত विरवण्ना थारक ना; नानाश्रकात प्रकर्णा প্রবৃত্তি জন্মে; স্মরণশক্তিপ্রভৃতি মানদিক মুক্তি দকল নিজেজ হ'তে থাকে; নানা ব্দির উৎকট প্রীড়া জন্মিবার বিলক্ষণ সন্তা बना चारक निर्मात किन पिन भीर्ग ७ व्यक-

কোনপ্রকার পীড়া জনিলে স্ব্র আরোগ্য লাভ করা ভুকহ হয়; বরং ক্ষকালে মৃত্যু মুখে পতিত হইবার্ট সমধিক সম্ভ বনা। कान विक हिक्शिक किस्प्राह्न, खुत्रापि मानक स्वा (भवन कता अ बहरख शीप कवत খনন করা উভারই তুল্য। কোন শাস্ত্রকার वित्रारह्न, अधिअदबन, कनमक्तन, विष्णान ও উল্লেনম্বা প্রাণত্যাগ কর।যেরপ সাপ ও লোষের হেতু, মল্যাদিনেবনও নেই প ्रांश ও माश्रवहः উভয়ই धर्मा ও माजः विरुक्ष। (कह (कह करहम, मापकरमवरम मन्तर क र्डि ७ जानक दृष्कि ध्वः क हाना ७ বজ্ঞাণজির প্রবলতা হয়; কিন্তু বিবেচনা করিয়া দেখিলে সে আমোদাদি অতি অকি-ঞিংকর বলিয়া প্রতীয় মান হয়। অলকাল মাত্রস্থায়ী আমোদাদির জন্য ঈশারদত্ত অমূল্য ধন যে জ্ঞান ভাছাকে বিষ্তুল্য মাদক দারা বিনষ্ট করা কি বিজ্ঞোচিত কার্যা ? সনে কেই জানেন, মাদক দেবন করিয়া মাতুৰ পশু-বং ব্যবহারে রত হয়: কথন কথন রোগ वि: भरिष अञ्च পরিমাণে মাদকদেবনে উপ কার হয় সতা; ভাহা বলিরা মানক সেবন প্রাশংসনীয় ও কর্ম্বরা বলিয়া আদর্ণীয় হইতে পারে না। রোগবিশেষে সর্পব্যেও উপ कात मर्भा, डाइ। बलिय़ा कि नर्भविष रनव-নীয় হ তে ? কি পরিতাপের বিষয় ! এ দেশে | चारन कहे अहे भवन जुना मानक रमवरन वज ष्ट्रेग्राष्ट्रमः। अथन वक्षरमाण खुतानमी ध्ववन বেগে প্রবাহিতা। ইহার স্রোতে কত শত লোকের ঘর বাটা ভাসিয়া বাইতেছে ও কত ধনীলোক নিধ্ন ও নানাপ্রকার বিপদ্এত্ **र हेट ७८ छ**न्!!!

# —ःः— विविधमश्वाम ।

२१ आवन (मामवात ।

ভবটন কালেজের ছুতপূর্ব ছাত্র এল, এ, মেত্রিস সাহেব লওনের বিশ্ববিদ্যালয়েব মহাস ভার নিকট ভি, সি, এল উপাধি পাইয়াছেন। মেত্রিস সাহের এক জন বারিষ্টর। ইনি আভিতে ফিরিস এবং কসাইটোলার নীলামকারী মেত্রিস সাহেবের পুত্র। উাহার এক জাভা সিবিলিয়ান হইয়াছেন।

সম্প্রতি মালোভের প্রধানতম বিচারালয়ে,
ধর্মপরিবর্তির সহিত্য পদান্তর এইপবিধরের
ক্রুমকলমার বিচার হইপ্লাছে। এক বাজি হিন্দু
ধর্মী ভাগা করিয়া খুলীপ্রান হইয়া এক জন
খুলীরান জীলোককে বিকাহ করেন। পরে
ভিনি প্রায়ণিত করিয়া পুনর্বার হিন্দুস্নাতে
প্রবেশ করিয়া হিন্দুস্বী প্রকাশ করিছে প্রায়তির
বিচারকর্তী ভাষাকের প্রথমিতির

विठातानम् वानभारम्य, म्लू धर्णा वश्चन यस् व-वारस्य विर्वशं माम् अवर मान्य क्षेत्रं व्यक्ति । व्यक्ति धर्मा शूनमाम् अवर क्षिमा अक क्षी आकिरफ साम्रत अस्य कवित्रारम्य, कथन क्षामान मध्य स्ट्रीरफ गार्य ना। (स्ट्रेन गार्ट्यम क्षिमानम् रमस विवाद्यवन्नक कार्य स्मूच कन्नाम स्ट्रम।

মালবে অহিচেনের চাদ এক লাভকর হই-রাচে বে, অনেক লোকে জন। চাদ ভাগে করি-রাহে।

সম্প্রতি বন্ধনেশীয় গ্রথমেন্ট রেইলওয়ের ইসাবে ১০,০০০ টাকা ব্যব্ন করিবার আফা দেওয় তে ভারত ব্যব্নি গ্রথমেন্ট বলিয়াছেন, তাঁহালেগের মত না লইয়া এই ব্যয় করা অন্যায় ইইয়াছে। লেপ্টনন্ট গ্রথম বলেন, তাঁহার এ কাজ করিধার ক্ষমতা আছে রিবাদ এখনও চলি-ভেছে। এসী প্রনেশীয় শতম্ব রাজস্মপ্রশালী করিবার আব্দক্ষেতা প্রতিপাদন করিছেছে।

কালীর কালেজের কর্তৃপক্ষ আছা নিয়াছেন, ভত্ততা শিক্ষকদিগের সন্তানগৰ বিনা খেতনে ভথায় পাঠ করিখে পারিখেন। ব্যালাভা

শ্বোধ্যার করসংক্রান্ত বিজ বিধিবছ হইয়াছে। এটাতে দখলী পান্ন আঁকার করা
হয় নাই। কয়র্ছির যসকল ছার মুক্
রাখা হইয়াছে, ভাহাতে কোন ব্যক্তিরই নিজ্
বাস্তর স্থায়িত্বের উপরে বিধাস নাই। সর জন
লবেশ কুরকনিগের বন্ধু গভিত্ত ভিনি শেষে
সেই কুরকনিগেরই শক্ত হইয়া নাড়াইলেন।

দেওয়ানী আদালত সমুদের নামে বেজিপ্টরি আফিশসকল পুজার সময়ে বন্ধ করা উচ্ছ কি না এনিমিত্ত বেজিটার জেনরল মাবভীয় রেজিটার ও স্ববেজিটারের মন্ত চাহ্মিটেন। রেজিটার সময় জন্ম, জন্ত এব জামর। এইস কল আফিস ১০।১২ দেনের অধিক বন্ধ রাখা জন্ম ভিত্ত বিবেচন। করি।

দনদমার পুলিবের সাইত গাড়োয়ান দিগের বিবাদ চলিতেছে। গাড়োয়ানেরা একবাকের, প্রতিজ্ঞা কার্যাচে, পুলিষ কর্মচারীদিগতে কথন গাড়িতে লইবে না। বেবে হয় কিছু নিগ্ত

আমরা ২৪ প্রগণার মাজিটেট ও রাজধানী বিভাগের কমিসনরকে জানাইডেছি গোপাল ও সুগমর রক্তক নামক ছই বাজিল লাচ মাসের অধিক কাল হইল দমদমার জেলে হাজড়ে আছে। একটি হত্যা ইওয়াতে এই ছই ব্যজিকে সন্দেহ করা হয়, কিছে পুলিষ এপ্রান্ত কোন বিশেষ প্রমাণ বাহির করিতে পারেন নাই। এড কাল হাজড়ে রাখা অভিনর জনগায়।

शिक्ष (शाहे यह वर्णन मुख्य कि ताक्ष्यां नी विका शांत क्षिमनरेत्र वार्णि एक १८ भवगनात कभी-मात क्ष्मक के सिन्म विभिन्न या भक्त ११ काशांक कृषरक्षा क्षमी नाद निर्मात का का हा हा दित काम कथा है वर्ण मोहे, को हाता करना कत काम करें कि मुख्य के हैं तात का की निर्मात शांकी की नात भी मुख्य ना इंटेर्स का हा निर्मात शांकी की निरम्भ का है रेस्ट भारत ना हा भाम भारते की नात भी स्वाहरे का हो है ।

ष्ट्रियाटक । अहे भाक भावा भारत्यम् ज्ञाटस्य भावर्य-स्किटक कानाइयात्क्रम विकासिकात निर्मिक कृषित कर तक्षि करा विश्व गए । कामी शक्कि भारन समीमारवदा (चेन्ह्रांश्वर्यक अहे कर मिर्ट्ड ছেন বটে কিন্তু ভথাৰ ক্ষমীদার্দিগের অভি नामाना न माना समीमाती आद्य माज । विमा लास्य बादा डाइमिट्ययहे डिमकाय स्टेश्नाटको जनव समायमा लहेश हस वुत्नव छेलद्रव कर् লওয়া টোহার মতে অভিশয় অন্যায় । ডিনি বলিয়াছেন সকল স্থানে লোকে খেলাপুর্বীক विमानव जानम कविट्याहम। এश्रीव छेप जाह मिलाहे । या थप्टे हहेरन : जाशावन मछहे এই। ভ্রির উপর কর স্থাপন করিলে প্রদর্শি शांव नहां विष्या निका खरना कर्त्वा अभड काइम मा कदिएल इलिएर मा। बिकिन मास्म कलक बहेर्त ; कामी मारत्या प्रमा बहे बहेर्तम ; कवकिम्हिश्व कष्टे वं डिट्रं अथह निम्त निका इहेर्द मा। भन सम सार्यम अ (हर्ष्टी) ভাগে করুন।

२৮ এ खा वन महानवादा

গত বংগর ৬৯ খানি জাগাল কলিকাভায় আসিবার সময়ে ভূমিতে লাগে, গবর্গমেন্ট এবিষ বের অনুসন্ধান করিবার আজাজা দিয়াছেন। কলি কাডা বন্দর থাকিতে এ ঘটনা ছনি বার।

গতকল একশেচপ্রগৃহে নিমুলিখিত টাকার আহিকেন বিক্রীত হইয়াছে:—

প্রতিসিম্পুক সিম্পুক মোট টাকা বেছারের ২,৩০০ ১৪০৮৮১৫ ৩২,৪০,২৫০ কালীর ১৭০০ ১৩৮১৮৮৫ ২৩৪৯৩০০ মাসি সাহেব যে অসুমান করেন, ভদপেকা অধিক অহিফেন বিক্রীত হইভেছে। ইহাতে রাজস্ম র্ছি হইবে সন্দেহ নাই। কিন্তু গ্রামেন্ট যদি কালের হন, অঞ্জে বায় ক্রিয়া বিসিন্না থাকি

সম্প্রতি প্রধানতম বিচারলয়ের আদিমবিভা গের যে আলীলের বিচার প্রধান বিচারপতি, বিচারপতি মাকলাসন, মার্কবি, কুই, আকরম ও ভারকানাথ মিত্রের নিকটে হইডেছিল, ভাহাতে একটা গুরুতর বিষয়ের মীমাংলা হইরাছে। ১৮ ৫৯ অন্দের ২৪ - ধারা লইরা এই প্রশ্ন উবিত হয় যে যদি এক জন ডিক্রীদার কোন সম্পত্তি কোরু করেন, আর অধিকারী, মেই সম্পত্তি অন্যকে বিক্রয় করেন, বিক্রেয় এক কালে সকল মহাজনের পক্ষে অথবা ছেবল ক্রোকলারী ডিক্রীদারের পক্ষে অসিক্ষ হইবে ন বিচারপতি গুণু মীমাংশা করিয়াছেন; ইংতে ক্ষেবল ক্রোক

कातीत वर्षानि वर्षेत्व मा। काछः भत काना (कह क्लाक कतित्व क्लाको तम होका मिन्ना मण्डि तका कतित्व वंश्विक नत्वन। हेशांक मूर्कात क्षाब (वश्वा वर्षेण) हरे मक होकात मण्डि तकार्ष कर्म कामनात्र क्षक आंबीत्वत ५०,०० होकात क्षक जिल्ली काति कतिह्या मण्डि क्लाक मिन्ना विनामीत्व विक्षत्र कतित्वत । क्लाककातीत होको मित्नहे काना कान महाक्षम कात के मण्डिल्ड इन्डल्क्श कतित्व मर्मा

দিলীগেজেট বলেন, বোদাই গ্রন্থেটের প্রস্তাবাস্থ্যারে ভারতবর্ষীর গ্রন্থেনট সিদ্ধান্ত করিয়াছেন, একারজুক্ত পরিবারের সকলের আর্সমন্টি করিয়া তর্পরি লাইদেল কর লওয়া ইইবে। চুণাপুঁটি না এডায়।

সম্প্রতি জাগরায় এক জন ছ্শ্চরিত্র ধন জীলোক হত হওয়াতে এক ব্যক্তি এই বলিয়া পুলিবের হত্তে জাত্মসমর্পন করিয়ারে, জামি হত্যা করি নাই; কিন্তু জামাকে অবশ্যই সন্দেহ করা হইবে বলিয়া অত্যে ধরা দিলাম। এ লোকটী কাজের বটে।

ঝৰলপুরের নিকটস্থ একরাজ গড়ের এক স্থানে উত্তম গৌহের খনি বাহির হইয়াছে।

গভ কল্য প্রধানতম বিচারালয়ের সপ্তম কৌজনারি সেসিয়ন আরত হইয়াছে। বিচার পতি নর্দ্মাণ। লেপ্টনান্ট গুল্ড আত্মদোর কীকার করেন কিন্ত ভাগার বারিপ্টর রাজন সাহেব ভাঁগার আভি, পদ ও চরিত্রপ্রভৃতির উল্লেখ করিয় বিচারালয়ের নিকটে ক্ষমাপ্রাধনা করাতে বিচারপতি ভাগার কঠিন পরিশ্রমের সহিত্ত ছই বংশর মেরাদ দিয়াছেন। হিসাব করিলে যথেষ্ঠ হইস্কাছে।

ডেলিনিউস বলেন সম্রতি ভারতব্যীর রেলওরেতে একটা ছম্বটনা হইয়া ৬ জন হড হইয়াছেন, ছই জনের জীবনসংলয়। নারায়ণ গঞ্চের রিকটে পর্যাত উড়াইয়া দিবার সময়ে এই লোচনীয় ঘটনা হটয়াছে। হছ ও আহড দিশের সকলেই ভারতব্যীয়া যম ভারতব্যীয় দিগকে লইবার নিমিত্ত নানা ছার খুলিয়াছেন।

কলিকাতা ও উপনগরে হত্যার ক্রমণ: বৃদ্ধি হইতে লাগিল। ঠনঠনিয়ার মুজ্ঞা রেশ্যার হত্যাকারিগণ ধৃত হইল না। ডেলিনিউপে দৃষ্ঠ হইল, চিৎপুরের এক ব্যক্তি এক বৃদ্ধ বেশ্যার অলক্ষারের লোডে ভাহাকে মাতৃ-সংবাধন ক্রিড। কিন্তু বেশ্যাল শীল্ল প্রাণ্ড ভারাকার রাজিতে

ভাূহাকে বধ করিবার চেষ্টা পার। বেশ্য: বোস করাজে এই ছ্রাত্মা পলায়ন ক কিন্তু পুলিব শীস্ত্র ভাহাকে ধৃত করি। বৈশ্যানীর গলার কিয়দংশ কাট্যাছে মাত্র।

२৯ এ आयन वृष्वाद्र ।

১৩ই আগ্নই লেপ্টনান্ট গ্ৰণ্য মুচ্ছে। উপনীত হইবেন। তংপারে পাটনা, স্থাকই এবংন মান ইইয়া ২৯ এ অথবা ৩০ এ কলিকাভায় প্রভ্যাগ্যন করিবেন।

আছুরারি অবধি ৭ ই আগষ্ঠ এই তে ২২.৬৬
ইক্ষ বৃশ্চি হইরাছে। গভ ১৪ বংগরে এই সময়
মধ্যে গড়ে ৩৯.৯৯ ইঞ্ জল হইরাছিল।
কল্য রাত্রি অবধি নিরন্তর বৃশ্চি পড়িতেছে। কলি
কাডার অধিকাংশ রাস্তায় দেড়ক্ত জল দাঁড়া
ইয়াছিল। মফসলে পুনরায় বন্য হইবার বিলক্ল লক্ষণ দেখা ঘাইডেছে।

সর রখাট নেপিয়র " লাভ নেপিয়র অব মাগ— ।
দালা » উপাধি পাইয়াছেন। এরাণ জনতাভি
তিনি সর উইলিয়ম মানস্ফিলডের পদে প্রধান
সেনাপতি হইবেন। কেং কেং ভাঁহাকে গবর্ণর
জ্যেন্যবের পদ দিভেছেন। প্রধান সেনাপতি ।
হউন, ভাহাতে আময়া নিরানন্দ নহি । কিছ
কোন ভারভবর্ষীয় কর্মচারী যেন গবর্ণর জেনর
না হন।

সোমবার রাত্রিতে কাপ্তেন হেনরি ক্লোলের বিজ্ঞানে মৃত্যু হইরাছে। পাঠকবর্গের স্মরণ থাকিবে, আলবাই হেপার নামক এক ব্যক্তিকে ব্যক্তির চয়ফ মেরাদ হইয়াছিল। এ ব্যক্তির এক জন ভয়া মন্ত্রী ছিল। যেমন আকৃতি, প্রকৃতিও তেম করণারের অনুসন্ধানে উদরাময় । মৃত্যুর কারণ স্থির হইরাছে। এই অনুসা, একটা অভিসন্ধ স্থাকর বিষয় প্রকাশিত , য়াছে। প্রেসিডেলি কেলের ৯৯০ জন এ শীর ও ১৬৮ জন ইউরোপীয় করেদির মধ্যে তিন মালের মধ্যে এই এক জনের মৃত্যু হই

ই প্রিয়া টাইমস বলেন, সিন্ধুর রাব হারদরাবাদে একটা রাজুলালায়ের জনন , কৌরাসজি জাহালির ৫০,০০০ টাকা , করিরাছেন। এক জন বেশ্যার একটা কন্যা হওয়াতে

নীতিমত রেজিষ্টরকে সংবাদ দেয় নাই।

্মবক্ষ পা বিশিল্পালা ভাহাকে পুলিষের ভয়

নদশন করিয়া ৪ টাকা উৎকোচ লওয়াতে
বিচারপতি নশ্মাণ ভাহার ছই বংসর মেয়াদ
দিয়াছেন। টাকার পরিষাণে ভার ছই বংসর
ভাবিক হইলে ভাল হইছ।

· , 5

চোর ও দক্ত প্রেক্ত ডি ধরিবার নিমিত কলিকা ভার পুলিষে এক দল গুহনী নিমুক্ত হইয়াতে।
এটা আনন্দের বিষয় । কিয় এ দলের মধ্যে
উপযুক্ত এতদেশীয় কর্মচারী রাখা আবশাক।
এই দলের শীর্ষভানে যেন ইউনানপ্রকৃতির
লোককে নিযুক্ত করা না হয়।

মাস্ত্রাজের ডাক্তর শট সাগন্ত ব্যক্তিনিগের
একটা তালিকা করিয়া বলিয়াছেন, ১৮৬৩ অফে
মাস্ত্রাজ প্রেনিডেলিতে ১৮৯০ জন লোক
সপাঘাতে প্রাণত্যাগ কবিয়াছেন, ইহার মধ্যে
এক মাস্ত্রাজেই ১৬ জনের মৃত্যু ইইয়াছে।
ডাক্তর পট বলেন, অন্য অন্য রোগের ন্যায় সপ্ ভাতে বিস্তর লোকে প্রাণত্যাগ করেন, কেবল
হিসাব সংগ্রহ করা হয় না বলিয়াই সর্লাধারণে
ডত মনোয়োগী হন না। সিক্ষুতে প্রভিবংসর
প্রায় ২০০০ লোকের ইহাতে মৃত্যু হয়। এলা
উঠার ন্যায় এ রোগের প্রকৃত উবধ আবিক্ত হইতেছে না, এটা অত্যক্ত উবধ আবিক্ত

রাজ্যকুমার আলফ্রেড নিশ্চয় এ দেশ দর্শন করিতেছেন। কয়েক বংগরাবধি ইউরোপীয় দর্শকদিগের সংখ্যাবৃদ্ধি হইডেছে। রাজবংশের শুক্তিই এ দেশ দর্শন করেন, এটি প্রাথনীয়।

আমরা আহ্লানিত হইলান, ২৪ প্রণার

া দ্রাহ্মপ্রতি শুলি বারু নারায়নদীন তেওয়া

ছাল্মপ্রিনেট শুলি বারু নারায়নদীন তেওয়া

ছাল্ম করিয়াছেন। ইহাঁর তুলা পুলিষ কার্যা

চুহাজি অল্ল দেখিতে পাওয়া যায়। এপ্রকার

কের উন্নতি হইলে সকলেই আনন্দিত হন।

প্রধান নিচারপতির সহিত বিচারপতি আক

ব্রুলা অন্য অভের পূজার ছুটি লইয়া পুন

মতভেদ হইয়াছে। সর বার্ণেস পিকক ছুই

ব পরিবত্তে এফ মাস বন্ধ দিতেছেন। অন্য

বিভারপতি ইহাজে আপত্তি করিভেছেন।

ত অল্ল হয় সেই ভাল:

ায় প্রতিবারের কলিকান্তা গেকেটে ত পাওয়া যায়, পুর্ম সপ্তাহে কারাকে স্থানে নিযুক্ত করা ভইয়াছিল বর্তমান আনিক্লিটে নিয়োগ চলিত করা হটল। বের বিচারের

এক জন বেশ্যার একটা কন্যা হওয়াতে মত নাকি? এক বার ডিক্রী, আবার প্রত্যেশীর

গত বংগর সমুদায় ভারতবর্ধের নয় কোটি টাকার নোটের মধ্যে এক খানিও জাল ইয় নাই। আফাদের কথা।

৩॰ এ জাৰণ হৃহস্পতিবার।

মুক্তন স্থান্স আইনে স্কুবিধা অধবা অসু-বিধা হইয়াছে এবিষয়ে গ্ৰণীর জ্বেনরল ছোনীয় গ্ৰৰ্থমেন্ট, বিভাগীয় কমিসময় এবং যাবভীয় ইউরোপীয় বিচারপতির এডফেশীয় ও घण विकामा करतन । आंत्रता अरगण हरेनाम ক্ষেক জন নিয়মবহিস্তুতি কর্মচারিভিন্ন আর প্রায় সকলেই ইহাকে পরিদ্রপীত্নকারী আইন यिन्ता निर्मित्र कतिहारहरन । এक स्तर श्रमान नम्ब आभीन वर्मन, व काइन स्लग्नारक मकप्तमा श्चित्र धनवान धृर्खिनिरशत्र सकलम्। वस रुग्न नारे, ভাষারা আরো স্থবিধা পাইয়াছে৷ দরিদ্রেরাই ষ্টাস্পের মূল্য সংগ্রহ করিতে না পারিয়া ন্যায় হইতে বঞ্চিত হইতেছে সুবিধার মধ্যে মকক্ষমার সংখ্যা কমাতে বিচারপতিদি .পর অনেক অবসর হইয়াছে।

জীনশ্বাল বিদ্যালয় লইয়া মান্দ্রাজের শিক্ষা বিভাগের ডিরেক্টরের সচিত গ্রবর্ণরের মতভেদ হইয়াছে। ডিরেক্টর বলেম, অন্য জ্ঞাতিকে ভদ্র বংশীর জীলোকের সহিত অধ্যয়ন করিতে দিলে চাত্রী পাওয়া যাইবে না , কিন্তু গ্রবর্ণর জ্ঞাভি ভেদ করিতে অসম্মত হইয়াছেন। সময় ও সমাজের অবস্থা বুরিয়া কাল বরাই কর্ত্বা।

সর রিচাড টেম্পল একটা উত্তম কাল করি ভেছেন। প্রতি জেলায় এক একটা সেবিঙ ताक रहेएउएह। धरेनकन वाएकत पाछि শুরুপ কয়েক জন ইউরোশীয় ও এডক্টেশীয় ভদ্র লোককে নিযুক্ত করা হইবে। याँ हाরা स्रमा দিবেম, ভাগদিগকে শতকরা ৫ টাকা স্থুদ (मल्या इहेट्य। अक वर्णत ১००० अवर नर्स শুদ্ধ ২৫.০ টাকার অধিক কাছাকেও জনা निएक (नखरा इहरव ना। अहे ठाका मर्था मर्था कुषक्षित्राटक व्यक्त इष्टरम् धातः स्मिख्याः इहेटव । স্ত্রমালঃ যাবভীয় উপবিভাগে এইপ্রকার সেবিঙ वाक्य रहेर्य। स्थारम वारक्षत माथा प्रारक (मधात डाइएक्ट्रे (मित्रिक्ताक कर्ना इट्रेंट)। আমরা এই বন্দোৰন্তে অভিশন্ন মণ্দা দেখি তেছি। মহাজনদিগের সর্মাঞাশ বন্ধ হইলে कृषकिरात्र यथार्थ উद्यक्ति इक्टर ।

কিলোড় হইতে সংবাদ আসিয়াছে, তত্ত্তা অধিকাংশ বিদ্রোহী শাসিত হইয়াছে। বিদ্রোহী বাসিত হইয়াছে। বিদ্রোহীয়া দেওয়ানকৈ বধ করিয়া ধনন প্রায়ন

করিয়াছে। পুলিষ ও নাজাজী নিপাছীরা ক্রমশঃ বাবভীর পল্লী গ্রামে নিয়া ছল্ডেন্ডিড ব্যক্তিদি-গকে দমন করিছেছে। যেসকল স্পার বনে পলারন করিয়াছেন, তাঁহারা অধীনতা খীকারে সম্মত হইয়াছেন।

যে ছই ব্যক্তি ঠনঠনিয়ার মুক্তা বেল্যার হত্যাকারী বলিয়া গুড হয়, করণার ভাঁহাদিগকে ছাড়িয়া দিয়াছেন। সম্প্রতি উভয়ের যে সুজন প্রতিপত্তি হইয়াছে, ভাহার যে রক্ষা হইল এই আমাদিগের আক্ষাদের বিষয়।

আজেলিয়া হইতে বিস্তর লোফার জাপানে গিয়াছে। তত্ততা ইংরাজ অধিবাসীরা ইংগদি গকে বহিদ্ ও করিবার চেষ্টায় আছেন। আমরা দেখিতেছি, লোফারদিগকে বলপূর্ণক ক্রীড দাসদিগের ন্যায় খাটাইয়া আহার দিতে ইইবে।

৩১ এ প্রাবণ শুক্রবার।

আমরা শুনিয়া ছংখিত হইলাম. প্রসিদ্ধ আটণী বাবু সিরিশচক্র বন্দ্যোপাধায়ের মৃত্যু হুইয়াছে। ইনি এক জন উপযুক্ত লোক ছিলেন। ইহার নিত্যু আনেক সং ব্যুয় ছিল। অনেককে অস্ত্রদান করিতেন।

গিজনি জাকুৰ আলি খাঁর হস্তগত হই রাছে।
নগরের লোকেরা উঁহাকে ছার খুলিয়া
দিয়াছে। বোখারার রাজা বলিকদিগের নিকটে
৫০.০০০ মোহর কর্জা করিয়া পুনর্বার ক্রাণীর
দিগের সহিত যুদ্ধ করিয়া পরাজিত হই রাছেন।
ক্রাণীয়েরা বোখারার নিকটে আসিয়াছে।
যুদ্ধেব পর অবধি রাজার দেখা নাই।

গশুকী नमी প্লাবিত इहेग्रा (तश्वमा माहे व्यवसि मामश्रम्भग्री, ख कामम महेम्राट्ड।

পিরনিয়র বলেন, নরেম্বরের প্রারম্ভে আগ রার প্রধানত্ম •বিচারালয় আলাহারাদে উঠিয়া আসিবে। সকল বন্দোবস্ত না হইলে প্রধান বিচারপতি আসিবেন না। তিনি ও আর ছই জন বিচারপতি আরও ৩।৪ মাদ থাকিবেন।

মেণ্ট খনেশীয় আক্ষণনিগকে ভোজন ও দান দিয়া সে নিনদার পথ বন্ধ করিয়া দিলেন।

নাশনাল পেপার বলেন, বাবু প্রসেরকুমার ঠাকুব ক্রমশঃ আরোগলোভ করিতেছেন। তিনে মূলাজোড়ে একটী সংস্কৃত বিদ্যালয় করি বার নিমিন্ত ৫০,০০০ টাকা দিয়াছেন। এই টাকায় বাটী হইবে। মূলাজোড় ভালুকের উপসত্ব হইতে বিদ্যালয়ের বার চলিবে।

#### ৩২ এ জ্ঞাবৰ শনিবাৰ।

মুবলিহাটাতে ভারতবন্ধী র সভাগৃহ ক্রয়করা

ছইয়াছে দ্বলা ৪০,০০০ টাকা। বাটার নীচের
ভালায় ইরিশ পুস্তবালয় এবং উপরে ভারতব

ঘাঁয়সভা ইইবে: বারু প্রসরক্ষার সাকুর,রামনাথ
সাকুর ও ঘতীল্রমানন সাকুর এবং রাজা সভা
শরণ ঘোষাল বাটার অছি হইভেছেন। যদ

কবন ভারতবন্ধীর সভা উঠিয়া যায়, আর ঐ
প্রকার উদ্দেশ্যে কোন সভা প্রভিত্তিত হয়,
সেই সভাকে এই বাটা দেওয়া হইবে। কিয়
এক বৎসরের মধ্যে এ সভানা হইলে অছিরা
বাটা ভাড়া নিয়া সেই টাকা সাধারণের হিড
কর কার্য্যে বায় করিবেন। ছরিশ পুস্তকালয়
বরাবর থাকিবে। ভারতবন্ধীয় সভা চিরস্থায়ী

হয়্ ইহাই সকলের প্রাথনীয়।

৫ ই আগষ্ট বোষাই ব্যাহ্ম কমিদনের সন্মাথে श्चिष्ठीम ताव्हीएमत खावानवन्ति इहेवाएक। **এই দালালের জবানব কিতে বোঘাই ব্যাক্ষে**ব ক্যুকজন ডিভেরের অনেক গুণ প্রকাশিত হুইয়াছে। প্রেমচাদ প্রায় যাবভীয় ব্যক্তিও ক্লাইন্ট ষ্টক কোম্পানির স্থতিকর্তা ছিলেন স্থীকার ক্রিয়াছেন। তিনি প্রথমতঃ সামান্য খতে লক্ষ লক্ষ টাকা ধার দিবার প্রথা প্রচারিত করেন। ড়েনেইর বেরুয়ার অংশ ক্রয় বিক্রন্ন করিছেন। < शब्द के रिवृत्त नारम होका किया (महे होका व्याप নারা নিড়ে লইডেন। সব চারলস জাকুন প্রেম চাদকে আপাতভঃ বোষাই ভাগে করিতে নিষেধ ক্রিয়াছেন। এবার যদি ছল্চরিক্স গুর্জনিগের দণ্ড न। अब्र, कांका इ**ट्रल कमिनन वनादेवा**त केएलाना বুধা হইনে। বেরুয়ার, স্কট ও ট্রেসি স'ছেব কোথায়?

#### -----

# इंडेरताणीय मगाठात ।

লগুর ৭ই আগেট। গতকল আলভরশটে বৈন্যদিগের রুণকৌশল দর্শন করিবার সময়ে সর রুবাট নেশিয়র উপস্থিত ছিলেন।

রাজী সুইটকরলতে ধাইতেছেন। তিনি পারিসে উপনীত হাইয়াছেন। ফরাশী রাজধা নীতে অবস্থানকালে রাজী ইউজিনি তাঁহার সহিত সাক্ষাৎ করিয়াছেন।

বারণ বন বিউষ্ট সম্প্রতি এক বজুতা করিয়া বলিয়াছেন, ইউরোপ মহাখণ্ডের ভাব শান্তিস্থানক।

মালটা ও আলেকজণ্ডিয়ার মধ্যস্থিত সমুদ্র গাউছিত টেলিগ্রাফ সংস্কৃত হ**ইয়া** পুনর্বার সংবাদ গদনাপ্রম করিতেছে।

আগরাব্যাক্ষের অধ্যক্ষ গণ '' এ " চিদ্রিন্ত অং শের শতক্ষা ৮ টাকা লাভ প্রদান করিয়াছেন।

৮ ই আগষ্ট। সর জন লরেজের পর জারল মের ভারতবর্ষের গবর্ণর জেনরল হইবেন, এই জনরব ক্রমশঃ দৃটীভূত হইতেছে।

মাত্রষ্টোন সাহেব লাক্ষেণিয়ারের দক্ষিণ বিভাগের প্রভিনিধি মনোনীডকারীদিশের নিকটে এক বজুজা করিয়াছেন। রাভিকাল দলের মডাক্ল্যারে কাজ করিবেন ভিনিষ্ট এক্লপ অভিপ্রার ব্যক্ত করিয়াছেন।

#### 

# গবর্ণমেণ্ট বিজ্ঞাপন। বঙ্গদেশীয় লেপ্টন্টগ্রণৱের

# वारमभाज्ञमाती

# निद्याभ ।

ও রা আগেষ্ট। ডবলিউ, কর্ণেল সাহেব রঙ্গপুনের প্রতিনিধি সিবিল ও সেসিয়ন জ্ঞা হটবেন।

यड पिन जा, जा, जिलाय मारहर विपाध लहेया जारू शिक्ष धार्किरवन, एड पिन है, है. लहेग गारहर पिनास शुरुवत अफिनिधि मिंवल छ राजियन संस्था हहेरवन।

২২ এ জুলাইদ্বের গেজেটে কর্ণেল নাভেবের দিনাজপুরে ও লুইস সাংহেবের রঙ্গপুরে নিয়ো-গের ধে বিজ্ঞাপন হয় ভাছা এভদ্মারা রহিত হইল।

যত দিন লেপ্টন্ট কর্ণেল এ, এচ, পাট্দ্রন বিশেষ সরকারী কার্যেণেপলকে স্থানান্তর থাকি— বেন, তত দিন অপরাবী ধৃত করিবার বিভা-গের ডেপুটি ইনম্পেট্র জে, এচ, রেলি সাহেব অংপনার কার্য্য ভিন্ন চতুর্ব চক্রবাড়ের পুলিষের প্রতিনিধি ডেপুটি ইনম্পেট্র জেনরল হইবেন।

যন্ত দিন লেপ্টনন্ট এল, কুইদ বিদায় লইয়। কলুপন্থিত থাকিবেন, তত দিন জি, জে, বি. টি ডালটন সাহেব ছিতীয় জেণীর প্রতিনিধি সহ কারী কমিসনর হইবেন।

৫ ই আগস্ট। ই. এচ. রডক সাহেব হারভা-ভার মিউনিসিপালিটির সহকারী সভাপতি হই বেন।

নিমুলিখিত ভয় লোকেরা মালদছের দাতব। চিকিৎসালয় চালাইবার সভার সভ্য হইবেন। বারু রাজকুঞ্চ সেন।

भ (बार्शिक्**टल मिज्र वि. এ**।

২৪ পরগণার প্রতিনিধি জাইন্ট মাজিট্রেট ও ডেপুটি কালেক্টর এফ, ডবলিউ, জে, রিজ সাহেব ১৮৫৯ অন্দের ১০ আইন ও ১৮৬২ অন্দের (বংবাং) ও আইনের অনুসারী মকদ মার আপীল প্রবণ ক্রিবার ক্ষমতা পাইবেন।

যত দিন ডি, লেসি সাহেব বিদায় লইয়া অনুপস্থিত থাকিবেন, তড দিন ডবলিউ, আর, এণ সাহেব পুরীর প্রতিনিধি পুলিব স্থপরিল্টে গুলুট ইইবেন।

টি. এচ, উইকস্ সাহেব বহরমপুরের বিধ্যা শিক্ষা সভার জন্যতর সভ্য হইবেন।

জে, সি, উইলিয়মগন সাচেষ
সম্প্রতি বর্ত্তমানের প্রতিনিধি তেপুটি
ও তেপুটি কালেইর নিযুক্ত করা হয়। ১
ই জুলাই জুলীতে বাইবেন।

মর্মনসিংহের জন্তর্গত নসিরাবাদের জ্ব রিজ্ঞা মুলেফ বাবু তৈলোকানাথ মিত্র বি, এং মাদারগঞ্জের অভিস্থিত মুলেফ হইবেন।

৭ ই আগষ্ট কালনার ডেপুটি মাজিটেট দ ডেপুটি কালেক্টর বাবু ধারকানাথ দে বর্ধমানে মাজিটেটরে ক্মতা পাইবেন!

১০ ই জাগষ্ট। মূলি বনয়ারিলাল ছাপরার মিউনিসিপাল কমিটির জন্যভর সভ্য হইবেন।

যত দিন এস, ডবলিউ, ফালান সাহেব বিদাং লইয়া অনুপঞ্জি থাকিবেন, ততদিন পাটনা কালেজের অধ্যাপক এ, ইউহাক্ষ, সাহেব এম এ, নিজের কার্যা ভিন্ন উত্তর পশ্চিম বিভাগের প্রতিনিধি স্কুল ইনম্পেটর হইবেন।

--: • : --

# আমাদিগের মেদিনীপুরস্থ সংবাদ দাতা লিখিয়াছেন।

পুনরায় অন্য করেক দিবস অল অল বৃষ্টি হইডে আরম্ভ ইইয়াছে। কিন্ত পর্যাক্ত সুচারুর পে বৃষ্টি না হওয়াতে কৃষিধার্য্যের সুবিধা ঘটি ডেছেনা।

২। একজিনিউটিত ইঞ্জিনিয়র মাধব বাবুর নামে ফৌজদারিতে আবার তহবিলঘাটির এক নালিদ উথাপিত হইয়াছে। দেখা যাউক এবারে কি হল। গুনিতে পাই ইলাতে যদি কিছু না হয়, আরও এক নম্বর রুজু হইবে।

ত। আমলাদিগের বেতনর্দ্ধি লইয়া এখালে ছলপুল পড়িয়া গিয়াছে। অব্রভ্য ব্যক্তর ও মুক্তকের আমলাদিগের ৩০ টাকার স্থলে ৩৫ ও ৪০ টাকার স্থলে ৩৫ ও ৪০ টাকার স্থলে ৩৫ ও এবং ১০ টাকা বেতন ভোগীদিগের ২০ টাকা হইয়াছে। আবার স্থই বংস্রাভার ২ টাকা করিয়া বাড়িতে থাকিবে। যদি গবর্ণমেণ্টের সকল করিয়ালায়ে এইরূপ বেডনের নিয়ম হয়, তবে বর্জমান সময়ে লোকের এক প্রকার চলিতে পারে।

৪। আমি সাভিশয় ছংখিত হইয় প্রকাশ
করিতে ছি যে, অত্তত্য ইংরাজী বিদ্যালয়ের
প্রধান শিক্ষক বিখ্যাত বাবু রাজনারায়ণ বস্তুত্যায় ২ বংসয়ের অধিক কাল পীড়িত। এখনও
ভূটিতে আছেন। কিন্তু শুনিলাম ডিরেটর আট
শিক্ষন সাহেব তাছাকে কটক হাই জুলের তৃতীয়
শিক্ষকভাকার্যে নিযুক্ত করিয়াছেন। মহালয়!
রাজনারায়ণ বাবুর ভুল্য বিদ্যান, বুজিয়ান, এরং
সংশীল লোক আসর। অল্প দেখিতে প্রেই
ভিনি যদিও ১৫০ টাকা বেতনে মেলিনীপুর
ভুলের প্রধান শিক্ষক, তথাপি ইহা ভাহা

গৌরবের পদ ছিল। কয়েক বার জাহার

গুদ্ধির সহিত স্থানান্তরে উয়ডিও হইরা

কিন্তু তিনি এখানকার জল বারুর উৎতা জনা সে উর্লিতে উপেক্ষা করিয়াছেন।
ক্রে এখানে এক এক জন ইংরাল হেড মান্তার

বাকিতেন এবং জাহার। ৩০০ টাকা বেডন পাই
তেন। শিংক্রিয়ার সাহেবের পর রাজনারায়ণ
বারু সেই পদে নিযুক্ত হন। কটকের হাই ক্লের
ভূতীয় শিক্ষকতা ইহার পক্ষে যে অপমানকর
ভাহার আরু সন্দেহ নাই। ইনি ঘেরপ বিদ্ধান
ইহার পক্ষে তথাকার প্রধান শিক্ষকতাই উপ
যুক্ত পদ। জাহার এরণ নিয়োগে আমরা ডাইরে
ইবের জম্ভিন জাব বি বলিতে পারি। বালে
স্থানে আফিনি এটিং ছিলেন, ভিনিই) মেদিনী
পুর ইংরাজা স্কু লের প্রধান শিক্ষক হইলেন।

্। এখানকার হাই স্কুলের কথা, কথামাত্র হইল গ্রায়েক হাজার টাকার কোম্পানির কাপজ ও জনবেৰল হব হাউদ সাহেবকে মনে রাখিয়া ভাষরা কাভে হইয়াছি।

৬। মেদিনীপুরের ডিন্টী, ত্র পুলিষ স্থারিকেট ওেও আডাম সাহেব কিছু দিনের জন্য অবসর গ্রহণ করাতে কাথি বিভাগের আসিষ্টান্ট পুলিষ স্থারিকেটেও উজনষ্টন সাহেষ ভাঁহার কার্যের নিযুক্ত হইয়াছেন। পুলিষ কর্মচারিগণ! এ বার যাবধান।

---- :----

আমাদিগের **জ্রীকটের সংবাদদাতা** লিখিয়াছেনঃ—

গত প্রশ্বঃ অত্ততা সেখঘটি ও নওয়াসড়ক
মিসন ইংরাজী বিদ্যালয়ন্ধরের একটা ভুতন বন্দে:
বস্ত হইয়া গিয়াছে। জুলের ব্যয়সংক্ষেপ্রের ট
এই বন্দোবস্তে, উদ্দেশ্য। এডাম্বারা ছই জুল
এক করা হইয়াছে। কিন্তু সমুদায় প্রেণি এক
ফানে নীত হয় নাই। প্রথম, দিভীয়, মঠ ও
অস্তম প্রেণি সেখঘাট ক্ষ্লে এবং তৃতীয়,
চতুর্গ, পঞ্চন ও সপ্তম প্রেণী নওয়া সড়ক ক্ষ্লে
রহিল। এতয়পলক্ষে ভিন জন অভি প্রিজমী
ও প্রব্যাসং শিক্ষক পদচুতে হইয়াছেন।

১। তত্তিতা নবাগত ডেপুট গ্রাফিটেট সিনাজ ইনলাম বি. এ, তবিষাতে এক অন উত্তম বিচারক হইবেন, বোপ হয়। তিনি পরীকায় উত্তীর্ন চইয়া প্রথনেই এই স্থানে আগমন করি সাহিত্য স্তত্ত্বাং এক্ষণপর্যান্ত তাঁহার সকল বিহুলে স্তত্ত্বাং এক্ষণপর্যান্ত তাঁহার সকল বিহুলে স্ত্রাং এক্ষণপর্যান্ত তাঁহার সকল মধ্যে সংগ্রেশ স্থান কিট কোন কোন

গৌরবের পদ ছিল। কয়েক বার ভাষার বিষয় জিজ্ঞাস। করিতে হয়; কিজ সকলের জিল সছিত স্থানান্তরে উন্নতিও হইয়া নিকটেই যে তিনি সং পরামর্শ পাইবেন, বোধ ক্যু তিনি এখানকার জল বায়ুর উৎ- হয় না। অভএব আমরা ভাষাকে সাবধান করি না সে উন্নতিতে উপেক্ষা করিয়াছেন। তেছি, তিনি যেন তাঁহারা যাহা বলেন, তাহাই খানে এক এক জন ইংরাল হৈছ মাষ্টার : গ্রহণ না করেন।

৩। কিছু দিন হইল, 'ছুজন্ততে কালেইরীর রিকাডবুকের কোন অংশ জাল করা অপরাংশ তুই জন নকল নবিস ও এক জন মুহরের কর্ম-চুতে হইয়াছেন।

৪। গত পূর্দ্ম শনিবার একটা উল্কাপাত হঠতে দেখা গিয়াছে।

৫। এখানে ঝুলানের বিলক্ষণ ধুমধান আরম্ব চইয়াছে। চতুর্দিক গান বাদ্যের ধ্বনিতে প্রতিধ্বনিত হইতেছে এবং প্রতি রাত্রিতেই দেবালয় ও বৈঠকখানা সকল দীগ্নালায় আলোকিত হইতেছে।

৬। অত্রভ্যসাধারণ পুস্তকালয়টীর কার্য্য-ভার এখানকার নবাবভালার বঙ্গবিদ্যালয়েব পঞ্জি মহাশায়ের হস্তে পতিত ইইলে আমরা ভাবিয়াছিলাম, বুঝি ইহার ছর্দ্দশা অস্তহিত হইয়া সোভাগ্যস্থ্য পুনক্লিভ হইল কিন্ত ক্ষুদ্ধচিত্তে প্রকাশ করিতেছি, আমাদিগের সে का भा भलवाजी इस नाहै। जिनि क्षणम करमक मिवनमाज छेरमाइश्रमनंन कदिशाहितनः मञ्चिति নিক্রপার ইর্যাছেন। না ইইয়াই বা ুকি করি-বেন, পুস্তকালয়ে ভাল পত্ৰ বা ভাল পুস্তক নাই; সুভরাং কেবল ভাষার উৎসাতে কি হইতে পারে ? যাঁহারা দেশের সভাতি লোক गांशिक्रियत करन्त लाहेरळात्रत कीवन मत्रालत कात नाज तिहाराह, डाँशतारे मधीर्वहत्ता नकल विषरमुद्दे यनि की का निजरक अदेवाश वाम কুঠ দেখিতাম, আমরা ভাদুৰ ফ্র হইতাম না যাত্রা গান কি বাইল্লের নাচের সমলে ত क्टिक्ट्रिफ़ मुक्ति चुलिया (पन ) किन्न हेशेत नारम अक् भग्नां कारक छेर्छ ना। देश नाहे ত্রেরিরই ছর্ভাগ্য। আমাদিগের অধিকতর ছংখে? विषय এই, औयुक्त , आवष्टल कारनत म'रहरनत ন্যায় এক ভান ভোঠ জনীদার ও প্রধান ধনী (मटक्रोति थाकिएड७ हेश्टक व्यकारन कान-ঞানে পাতত হইতে হইন।

--:-5--

আমাদিগের কোরহাটীস্থ সংবাদ দাতা লিখিয়াছেন।

পত্রবাহকের অক্সভানিবন্ধন কাঁচাদিয়া চক্র কর মহাশার মক্তবল অসপকালে নশ্বায় আদি পোষ্ঠ অপিনের পত্রাদি বিলি করার পক্ষে যে অভ্যন্ত অফুবিধা ইইরাছে, ডিন্ধিয়া আমিরা উক্ত মধ্যেদর বহু যত্ত ও পরিশ্রেসসংকারে

भूनः भूनः সংবাদপত্তে विश्वित्रा श्वानि छि । কিন্তু ছুৰ্ভাগবেশতঃ কর্ত্তুপক্ষ তৎপ্ৰতি কিছুমাত্ৰ घरमारयाभ कदिए एइन मा । कांत्र कि, विनार इ भाति मा। मिक्टेन डी सम्बाद्य अञ्चानि धार्खि ও श्रामिविष्य विस्थय क्रुविधा इहेरव विविद्याहे भवर्गक बारम बारम लाष्ट्र कालीन मरकाल নের নিয়ম প্রবর্তন করিয়াছেন > কিন্ত আংশিক ভ্রুটিবশতঃ যদি লোকে সে সুবিধা ভোগ করিতে অক্ষম হইল, ভবে সমূবে ডাক্ষর স্থাপ त्व क्ल कि? এই आंकिन इट्ट भारत भारत যে আরু হয়, ভদ্মারাই উলিখিত অভাবের পুরণ করা ঘটেতে পারে ৷ অভএব কর্ত্তপক্ষের সমীপে আমানের সনির্দান্ত অস্তুরোধ এই, তাঁহারা সত্তর পত্রবাহকের সংখ্যারুদ্ধি করিয়া লোকের यथानमरम् পতानिश्राखितिषरम् स्रुतिनातिनान **ক**ጅብ /

২। নবাবগঞ্চ ভৌসনের অধীন এক প্রামের এক ব্যক্তি সমাজসংক্রান্ত বিবাদে আর এক ব্যক্তিকে এরপ প্রহার করে যে, ঐ ব্যক্তিব মাথাব হাড় ভাজিয়া যায়। এই প্রহারের ৫ দিন পরে সে জন্মের মত সমাজ পরিভাগি করিয়া মৃত্যুগ্রাসে পভিত হই গছে। শুনিলাম, প্রহারক পুলিষ কর্ত্ব দৃত হইয়া মাজিক্টেটীতে প্রেরিত হইয়াছে।

৩। অবগত হইলাম, বিক্রমপুরের এক জন বিচারক বথাসময়ে বিচারাগারে উপস্থিত হুইয়া কার্য্যদি করেন না। কোন দিন ১। ২ টাব সময় কাছারিতে আলিয়া ২। ১ টা মকলমার নিজ্পত্তি করিয়া চলিয়া যান, কোন কোন দিন এক কালেই কাছারীতে পদাপন করেন না। এই বিচারক মহাশয়ের আরে আর দোষের বিদ্ধা বেরূপ শুনিতে পাই, যদি ভাছা সভ্য হয়, ভাহা হইলে বভ্রই খেনের বিষয়। যাহা হউক, ইহাঁর সাবধান হওয়া উচিতে ।

৪। ইভিপুশের যে অনবরত করেরক দিন রুষ্টি ইয়াছিল, ভাহাতে জাদের অভ্যন্ত রুদ্ধি হইয়া এতদঞ্চলর শদ্যের অভিশয় ক্ষতি করিয়াছে।

আমর। ২৪ পরগণার অন্তঃপাতী মগরা হইতে নিম্নলিখিত সংবাদগুলি প্রাপ্ত হুইয়াছি।

১। এত দিনের পর মগরার সৌভাগ্যের উদয়
হইবার সঞ্চাবনা। ডায়নগুহারবরের ডেপুটি
মাজিক্টেট ও ডেপুটী কালেন্টর ক্রীযুক্ত বাবু হেমচক্র কর মহালয় মফ্তন অমণকালে স্প্রায় আদি
য়াছিলেন। এথানে ইংরাজা বিদ্যা র নাই
দেখিরা উক্ত মহোলয় বহু যম ও পরিশ্রেমণ্ডগারে

প্রায় ৪০০ টাকা চাঁদায় সংগ্রহ করিয়া মগরা ह रहेत मतिहिङ এक স্থানে স্কুল ঘরটি প্রস্তুত করিতে আরম্ভ করিয়া দিয়াছেন। এ বৎসর বর্ষা श्रद्धक घरति (य मण्युर्व हम्न এ ए मञ्जावना (मश्र যাইতেতে না। যদি ছাত্রের অভাবে বিদ্যালয়ের कांन विमुधना ना घटि, जाहा हहेटन अक्षान्तन **হে**মবাবুর যে একটা কার্দ্রিভয় প্রতিষ্ঠিত হইল, তাহাব আর সক্ষেত্নাই।

२। এ अक्षरम वमल (वार्त বহুসংখ্য গরুর মৃত্যু হইতেছে।

৩। ১৫ দিবন ত্র-মাগত বৃষ্টি হইয়। অকন্মাৎ মাঠ জলে প্লাবিত হওয়াতে গত বংসর অপেকা এ বংশর সপের ভয় অনিক ইইয়াছে। এ সময়ে यि (ममहिटेज्यी श्रक्षाभावक शवर्गामके मिक्न প্রদেশের প্রভাক প্রলিষ ষ্টেসনে কিছু কিছু সর্প-मश्रमत উত্তय छेषध भाठाहेब्रा (मन, **छाहा हहे**रन যথেষ্ট উপকার দশিতে পাবে।

8। अ श्राप्तरम कृषरकता भारतात रामकल বীজ বপন করিয়াছিল, তংগমুদায় কৈছে মাদের মহার্ফিতে এক কালে বিনষ্ট হইল্লা গিয়াছে। সম্রতি যেদকল ভুডন বীজ রোপণ হইডেচে, শামুক ও কাঁকড়াতে কটিয়া ভাষার বিলক্ষণ অনিষ্ঠ করিতেন্তে। এ বৎসর কুষকের **কিছুতে**ই क्रुविन। साहै।

৫। দক্ষিণ বাজাব হাট ও মুভন হাট লইয়া महान विवास रहेर ७ एक। यनि श्रु निष छिद्रौ है স্থানিভিটি ভেটি সাহেব কিয়দ্দিনদের জন্য এক ध्यम (रूप कमदीवल ए कर्यक खन कम्रेश्वलहक বিবাদস্থানে নিশুক কবিয়া রাখেন, ভারা হটলে উভয় পক্ষের কোন পক্ষই কাহার প্রতি কোন প্রকার অভনচার করিছে পাবে না।

ভ। গত ৫ ই আগষ্ট বৈকালে বৃষ্টির সময় ব'জার বেভিয়া গ্রামের এক ব্যক্তি বাদায় লাল চুসিডেছিল, নৈৰাৎ বলাঘাত হট্যা ভাষা ও একটা গরুর আন নপ্ত হুছ্মাছে :

# প্রেরিত

# মান্যবর শ্রীযুক্ত দোমপ্রকাশসম্পাদক महागर ममीदभव।

महान्त्र ! शक २) अ आर्य मन्त्रात् (दला গ্রীনামপুরের সন্নিকটম্ব ভাতুমান ৪ টার সময় मार्ट्स बार्म अक्षे (माहनीय घटना इहेश्व क्षणद्वार्थ (एर्दद शिष्ठोरङ। (यथारन चाट्ड, ভाषांत्र निकट्डे वसु महाभग्निएशत् वाहीट्ड চৌধুৰী মহাশস্পের পরিবার नकरम ছিলেন। রুক্তি ইওয়াতে অক্তঃপুরের বেখানে

পরিবার সকলে ছিলেন, ভাগার কভকটা পুনঃ সংখ্রণে ) ব্যয় করিলে জনারা বারাণ্ডা ভাজিরা পড়াতে ৫ তন লোক চাপা পজিয়াছিলেন ৷ ঐ বারাতা পজিবার শব্দ मच्यु च वांनीत लाकिक्टिशत कर्गशान्त इंड्रेस ভাঁছারা তৎকণাৎ দৌজিয়া গিয়া দেখেন, যে সকলেই হাপা পড়িয়াছে। পরে ঐপভিক্ ''ৰারাণ্ডা" খুড়িয়া ঐ ৫ জনকে বাহির করা रहेन। इहे कारनत शांग विष्तांत रहेबाटक । তিন জন জীবিত আছেন গ কিন্তু আর কিয়ৎ কাল বাহির করিতে বিলম্ব ইলে ভাঁচারাও বাঁচি-তেন না; অভ্যন্ত আহত হইয়াছেন।

<u>জীরামপুর</u> ২৩ জ্ঞাইণ ত্রীকুঞ্জবিহারী রায়। 329¢ 1

महानम् । श्राय नाख व्यक्ति वरमत शख हहेन. ত্রীযুক্ত বাবু রাধিকাপ্রসন্ন মুখোপাধ্যান্ন মহাশয়ের श्चयद्व अहे लाजाभी इर्शः शुद्र खार्म अन्ती भवन मिन्द्रिक देश्ताकी वक्षवित्रामञ्जल प्रश्नाः পিত হয় ৷ ভদবধি ইহার কার্যপ্রধানী অভি ञ्चनाङ्जरभ मण्यम इहेश्रा चामिरङहा। १७७ वर দর একটা ছাত্র বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রবেশিকা পরীক্ষায় ছাত্রবৃত্তি সহিত উত্তীর্ণ হইয়াছে। এবারেও স্কুলের হেড মান্তার পবিভানসহকারে নিজ কর্ত্তবাসাধন করিছেচেন কিন্তু আছে পের বিষয় এই যে, রাধিকা বাবু ভিন্ন আন কাঞ্ কেও এই দেশহিতকর কার্য্যে কিঞ্মোক্ত मत्नारमान कतिराख (मधा याया ना । हेबार काउन কি, আমাদিগের **অন্ত** বুদ্ধিতে আইদেন। উাহার। বড় লোক, ভাঁহাদের বড় বুদ্ধি।

মহাশয় ! এই খানে উপরি উক্ত মহাশ্রের প্রয়াভিশয়ে একটা বালিকাবিদ্যালয়ও স্থাপিত इ**देशाएए । श्राजिमिन २**९ । २৮ जी कतिहा वानिका পড়িডে कामिया शाका निकक्षी অব্তিসকরিতাঃ কিন্তু অল্লবয়স্ক। যাত্র চ্উক, কাঁহার দ্বারা কার্য্য উত্তম রূপে চলিতেছে। আম বাদী কভকগুলি ভণ্ড তপস্বী বিদ্যালয়টার উন্ন ভিন পক্ষে নানা প্রকার ব্যাঘাত জন্মাইতে ক্রটি कदत्रम् मा । छाँशांकिरशत्र कि खाक्तर्यः विरवन्मा !!

मश्रभाग्र । अथानकात्र ता खाजित्र प्रिक पृष्ठि পাত করিলে আনবাদীদিগকে শত শত বার ধিকার প্রদান করিতে হয়। পথটা বর্যার কথেক मान नर्त्तमार्वे शिक्षम शास्त्र । हेराएक श्रीयक-मिरभंद्र (य कञ कष्टे रुग्न, जोरः विनय्ना (भय कवा यात्र ना। इंद्रीनिटभत याजाध्यवत्न ও वात्रहेशा-विष्ड य तानि तानि धम वशा वाशिष्ठ क्हेएउटह, k তাহার কিয়দংশ এই শুক্তকর কার্য্যে (রাস্তাটীর

the second হইতে পারে।

> মহাশয় ! পরিশেষে আর একটা বিষয়া নাকে ও আপনার পাঠকবর্গকে না জীন थाकिए भाविताम ना। এই খানে कंडकर নীচ তেলের লোক অংগাৎ গয়লা, ঘোণ পাটুনী, বারুই ও জেলেপ্রভৃতি মিলিয় 🖫 রাত্রিতে গৌরভজন করিয়া থাকে। ইহারা রাজিতে জাপরিত থাকিয়া গৌর গৌর বলিয়া উচ্চৈ স্বরে শব্দকরিতে থাকে। ইহাতে প্রতি विनीमित्रत रा कछ कष्टे हरा छ। श विलाख भारा ফার মা। মহাশয়। বুঝিতে পারিতেছেন, নিঞার ममश विश्व हहेला क् क क्ष्टे (वांध हन्न : इंशाप्तत গৌরভঙ্গনের সময় কতকগুলি জীলোকও উপ श्चिष्ठ थोटक। कृष्ण श्यमम बुन्नावटम (नानी मिटनब महिष्ठ लौना कतिग्राहित्सम, এই माभुदा छ **७जान धेनकन जीरमाकिम्बारक नरेम्रा रह्यस्त्र**न প্রভৃতি করিয়া ধর্মোপাদনা করিয়া থাকে। কি ভয়ানক বলপার ৷ ধর্ম ৷ ভোমার কি এত **क्टिन এই हमा च**ित्र !!!

গোসামী আপনার অনুগৃহীত: ছর্গাপুর b है आगर्छ € ঞ্জিশাভাতে বি চটে!পান্যায় 1 46.45

সম্পাদক মহাশয় ৷ মন্ত্রাদিলের প্রাণনশিক विकायमध्या मर्थान्थाविकात । एम**ताथ छ**य्रासक ও আভিপ্রাণ্যভী, বুঝি এমন অব র দৃষ্ট হয় ম।। अथगावित क्षेत्रिका ना इहेटल वीर्यावान छव-পও নিকল হইয়া যায়। আমি ও আমার কল্পেক জন বন্ধু সপাঘাতের চিকিৎসক। আমাদের भरोकास (यमकल अयन छें छीं इइसाइक अवर य अवश्वाय शक्ति अमन वावहात कतिए इस. ভাহা সর্বাসাধারথের বিদিতার্প ক্রমশঃ প্রকাশ করিব এরূপ বাসনা করিয়াছি। তন্মধ্যে অদ্যকার লিখিত করেকটী ঔষধের বিশ্বয় আপনকার বিশ্ব বাণিনী পত্রিকার উপাস্তভাগে প্রকাশ করিয়া চিরবাধিত করিবেন, পাঠকবর্গ পরীক্ষা করিয়া मिथिलिই চরিভার্থ ३ইব।

প্রথমাবস্থায় চিকিৎসার অচিন্ত্য প্রভাব। দপ্তস্থানের চারি পাঁচ অঙ্গুলি উর্জভাগে দৃঢ় ঃচ্ছু বন্ধনপূৰ্ণকৈ তীক্ষ অন্তৰারা ক্ষত স্থানের মাংস খণ্ডকে ছিন্ন ভিন্ন করিয়া কতকটা রক্ত নির্গত করিতে পারিলে রত্তের সঙ্গেই বিষ বাঞ্জি **ब्हेश योष्ट्र, ज्यांत 8 1 c ही कमली कल ज्यांत्र**ी काली इरक्त की हो। अने मध काल्य हर्त्रण का किया

া সপ্রিষে কোন বিকার অন্যায় না বিষ ইয়া বাছ।

सूथ ও नामा इटेट कर वा कर्न रहेट मना हित्र कितिया वाम इटलात जनाभिका जल निधाना क्षण्यात स्मान कितिया विस्तृत विषय थाति ना । केश प्रश्मातत भात हुई अक प्रश्नात्माहे वाव-हार्य ।

দংশনস্থানে মনুষ্টের মৃত্র একঘাটাকাল জন উচ্চতর কন্মিচারী) আপনার শ্যালকের সেচন করিলে কিয়া কত স্থানে শ্বরং প্রস্রোব হতে উৎকোচ লইয়া থাকেন। এই উত্তর আইলে করিয়া দিলে অথবা এক বস্তবগুল নরমূত্রে ভিক্তা জল সাহেব আশ্বর্ধ্য বেধি করিলেন। পরে আপ ইয়া জলপ্টীর মত বন্ধন করিয়া রাখিলে সপবিষ নার পূর্ব্ধ জন জানিতে পারিয়া প্রধান সদর জল হইয়া যায়।

আমীনকে রীভিমত তালিকা প্রেরণ করিয়া পূর্ব্ধ

खरेऽखन, इंडेरल

মাসাজই ফটিকারি জলে ঘৰিয়া পান করা ইলে সপ্রিধ থাকে না। শীপ্র চৈতন্য হইয়া আংরোগ্রেয়।

া চারি ভোলা আত্তৰ তপুল এক পোয়া জলে মর্দ্দন করিয়া দেই জল ছফ্ৰবৰ্ণ ইইলে ভাষা হুইতে অর্দ্ধপোয়া জল লইয়া তপুলীয়শাক অগাৎ ফুন্দুটীয়া, বা চামলাই, কিয়া খুদে নতীয়া শাকের মূল ২ ভোলা ঐ অর্দ্ধ পোয়া জলেন সহিত পিষিয়া পান করাইলে সপদংশন জন্য ঘেদকল বিকার জ্বেম ভাষা শীত্র নষ্ট ইইয়া যায়। এক ঘন্টামধ্যে আবোগ্য না হুইলে পুন র্মার এক্সপ প্রস্তুত করিয়া দিতে হয়। ভাষা হুইলে অরশ্যে আনোগ্য হয় সন্দেহ নাই।

ভেলা মুরসিদাবাদ আজীমগঞ। ২০ এ শ্রোরণ

মহাশয়া আমি কোন বিশ্বন্ধ বা জির নিকটে নিং
লিখিত গল্লটী প্রবন্ধ করিলান, এটা কতক পুরা
ভান হইয়াছে বটো কিল ইহার কৌতুকাংশ কিছু
মাত্রে পুরাতন হয় নাই। বসদেশের এক জেলার
প্রশান কর আনীন ভট্টাচার্যা প্রেলির অন্তর্গত
এবং প্রনেক ভট্টাচার্যার নায়ে, প্রকৃত রসিক
দিলেন। জ্ঞুজ সাহেবের নিকটে একটী মকল্মায়
প্রধান সদর আনীনকে সাক্ষী মানা হয়। ভাহাকে
ক্রুলানে না আহ্বান করিয়া করেকটী লিখিত
প্রশালিকাল ব্যা সন্মানের সহিত্য মকদ্দমার প্রবন্ধা
করিয়া করেলা করেলা
করিয়া করেলা করেলা
করিয়া করেলা করেলা
করিয়া করেলা

्बरम् कथा। कुमि कि वाम ?

পুর উত্তর । জামি বর্ণকরণ, মাঘ্, জিলানি।

র্ঘিতীয় প্রশা। তুমি কি দেখিয়াছ? দিতীয় উত্তর। আমি উত্তরপশ্চিমাঞ্চল, কাশ্মীর, পঞ্চাবপ্রভৃতি দেশ ও নান। প্রকার আশ্চর্য্য আশ্চর্য্য বস্তু দেখিয়াছি

ড়ভীয় প্ৰশ্ব। ডুমি কি শুনিয়াছ?

ভতীয় উত্তর। আমি নানাবিধ গল্প শুনি-য়াছি। আর শুনিরাছি মৌলবী সাহেব ( এক জন উচ্চতর কর্মচারী) আপনার শ্যালকের रट उ উৎকোচ नहेग्रा थारकन !! এই উত্তর অ ইলে জ্ঞ সাহেব আশ্চর্য্য বোধ করিলেন। পরে আপ আমীনকে রীভিমত তালিকা প্রেরণ করিয়া পুর্স্ব কার উত্তর গুলি ফিরাইয়া লইতে অনুরোধ করি লেন : কিন্তু সেগুলি " নথির সামিল " হওয়াতে ভট্টাচার্য্য সদর্যজালা ভারাতে অখীকৃত হই-সে ভাগক্রেমে ভঙ্গ ভালমান্ত্ৰ বলিয়া আর কিছু উচ্চবাচ্য করিলেন না কিছ এমত কর্মচারির পেন্সন লওয়া কর্ত্তব্য বলিয়া বাৰ্দ্ধকাপণ্ড ভি ভাহার করিয়া প্রধানতম বিচারা-कथात ऐस्तर लग्नटक वरलम्, " श्रधीम मनत् व्याभीरमत् (लचा এত মন্দ্র হোহা পাঠ করা যায় না 1৯ ভট্টাচার্য্য অন্য অন্য প্রমের উত্তর দিয়া বলিলেন '' যদি लिখा जनविष्ठ व निया भन्छान कविष्ठ हयू, ভাহা হইলে অনেকের '' জঞ্জিয়তি » ছাড়িভে হর। আমাদিগের জল সাহেবের ভ কর হর না ৷ ৯ প্রধান সদর আমীনের বৃহদ্যের অভাবে अय हात्र प्रदेश कतिएक शतिरम्य ना अवः কোন মতে ভাঁহার ক্ষতি করিতে ইক্ষু ক হইলেন ना । कहा हार्या अकरन (अञ्चन महेदारहन, अवर এই सस अकरन अक खन छेनयुक निविनियान বিচারপতি বলিয়া বিখ্যাত হইয়াছেন

জীবিঃ---

# मूला धार्खि।

ত্রীপুক্ত বাবু কুলদানন্দ মুখোপাগ্রেম্ব (91 ১৮৬৮ আগষ্ট হইতে ৬৯ জ্বলাই " শ্রামাচরণ রায় চৌধুরী বেড়বলভপুর ১২৭৫ ভাদ स्ट्रेड माघ (६८ इविनी मडा व्यभाक्त श्रुत १ १ ५५ का प्रकृष्ट के अलाह 20 " শিবচন্দ্ৰ পাল গোয়াডি ১৮৬৮ আগপ্ত হইতে ওঠ জাতুহা র (कड़ नाथ राम्स्राभ थ) य ১२१६ काम हरेएव १७ व्यावन 20

# গোৰপ্ৰকাশনংকাৰ করেকটা

# विटलेय निग्रम।

অবিম মূল্য ও ডাকমাস্থল না পাইলে মক-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইহার অবিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং বাণ্যাসিক ৫৪০ টাকা গ মফখলে ডাকমাস্থল সমেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং ত্রৈমানিক ৩৮০। ডিন মাসের ক্যুনে অবিম মূল্য গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাভি চিটি, মণি-অর্ডর, নোট ও ষ্টাম্প টিকিট, ইহার অন্যতর বাহাতে বাঁহার মূবিধা হয়, ডিনি সেই উপার বারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাঁহারা **ষ্টাম্পটি**কিট পাঠাইবেন, ভাহার। যেন এক অথবা আধ আনার অধিক মুল্যের ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

বধন বিনি মফবল হইতে সোমপ্রকালের মূল্য পাঠাইবেন, ভাষা যেন রেজিপ্তরি করিয়া শ্রীযুক্ত বারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

বাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অভীত হইয়া আসিবে, এক মাসপুর্শে ভাঁহাদিগকে চিটি
লিখিয়া জানান যাইবে, কাল অভীত হইয়া
গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাহার পর
একমাসকাল প্রভীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ কয়া
যাইবে। শেব বারের পত্র বেরারিং পাঠান
হইবে।

মাজলা রেলভয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ডাক ঘরে চিটি আইলে আমরা শীল্ল পাইব।

ৰীহারা মাজ্ল না দিয়া পত্রাদি প্রেরণ করি বেন, ভাহাদিগের সেই পত্রাদি প্রহণ করা ঘাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিছে ইচ্ছ।
করিলে ভাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংক্তি 
কানা চাহার পর />
হিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা করিবেন, ভাহার সহিত শুভদ্র বল্যোবস্ত হইবে ।

ক্ষেত্র এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পূর্ব মাতলা রেলওয়ের গোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চালভিপোডায় উত্তর্জ ধারকানাথ বিদ্যা-ভূতবের রাজতে প্রকি সোমবার প্রাক্তকালে প্রকাশিত হয়।

# मियशका

১ - ম জাগ।

8२ मर्थता

# " प्रवक्ततां प्रकृतिचिताय पार्थिषः सरस्तती श्रृतिमच्ती न द्दीयतां।"

মাদিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১ - দশ । অগ্রিম ধাণাাদিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা ।

मन ১২१৫। २६ छोत्र। ১৮৬৮। २८ व षांगरी

্মসম্প্রনে মাহালসনেত অব্যিম বাধিক ১৩ স্বাণ্যাসিক ৭. ও ক্রৈমাসিক ৩৮০ টাকা

# বিজ্ঞাপন।

# वत्माशाशाश कार।

এত দারা সর্লাধারণকে আত করা বাইতেছে যে, সম্প্রতি কন ওয়াড, টার অব স্থোসিয়া,
ওয়ারউইক এবং ব্রিটিশপ্রিকা আহাজে উষধ
সকল আমদানী হইয়াছে। এসকল আহাজে
উক্ত কোং দিগের লওনস্থ এজেন্টগণ হইডে
বেসকল উষধ ও অন্যান্য দ্রব্যাদি আমদানী
হইয়াছে এবং ঘেসকল দ্রব্যাদি আমদানী হইবে
তাহার ইন ভয়েদ প্রাপ্ত হইয়াছেন।

উक कान्नानित ध्यान अवशानम श्रामहत्र है की है २० नर ज्यन मृष्ठा नूद प्रित्तन इत्य क्रमहत्र में जावाकात की है ०० नर ज्यन माथा अवशानम हो हो है । विश्व क्रमहत्र ज्यान क्रमहत्र व्यवस्थान विश्व क्रमहत्र व्यवस्थान विश्व मृत्ता च्रमहा वा अक कानीन व्यक्ति পति-मात्व विक्रमार्थ निम्न ध्रमहा वा अक कानीन व्यक्ति पति-मात्व विक्रमार्थ निम्न ध्रमहा ध्रमहा वा अक कानीन व्यक्ति पति

কলিকাতা ১৮ই আগষ্ঠ -১৮৬৮।

---:--

# रेकेरेलिया (तल अरय।

সর্বাধারণকে আড় করা যাইতেছে যে, হাবড়া হুইতে উত্তরণশ্চিমাঞ্চলের কোন কোন প্রেশনে ভাত্র ও দস্তা লইয়া যাইবার নিমিত যে বিশেষ ভাড়ার নির্ম আছে, আগামী ১ লা অক্টোবর অবধি ভাহা রহিত হইয়া সকল প্রেসনে, প্রবাতন ভাড়া প্রচলিত হইবে।

তাম ৩ র শ্রেণী
দন্তা ২ র জ
ইট্টেইণ্ডিরা রেলওরে
ডেলহান্টনী স্কোয়ার কলি
কাডা ১৭ ই আগষ্ট।
১০০১

# डेश्क्रकेंक्ररण गः गृ**शी**ख (मखः

# शानी कार्याविशान।

উক্ত ব্রম্থে ওকালতী পরিকার্থীদের পাঠ ও সধারবের উপকারার্থে ১৭৯৩ সাল হইতে ১৮ ৬৮ সাল পর্যান্তের প্রকাশিত বাহালী দেওয়ানী मभूमां ब्राइन माकूमत कड़ें ते, कनकेक्रन, अवः নজীৱ, (ব্যাখ্যাসহ ) ও নিদর্শনতত্ত্ব, মটগেজ कके रिक्टेंत जात । अ हिन्दू महन्त्रभी । अ इंश्ताब मिरात वावका ७ हेश्मरखत गर्कि छ भामन श्रवाभी मश्मशैष्ठ इहेग्रा কর্ত্তপক্ষপ**াক**র্ত্তক भरानायमानखन्न दक्षकायात्र मूजिक १६८७८६। মুল্য ভাক মাজুলব্যুকীত ১০ টাকান কিন্তু बांहाद! कीवुक बांव वामहस्य एक) बिरुक्त नारम কলিকাতা জোডাগাঁকে৷ ব্ৰাকা সমাজে ব্ৰীয়ক <u> আনন্দচন্ত্র বেদান্তবাগীশ মহাশরের নিকট</u> ( মণি অন্তর কি এক আমা মূল্যের ভাক টিকেট ছ'রা অথবা অন্য গতিকে) ৮ টাকা অগ্রিম মূল্য পাঠাইবেন, ভাঁছারা ঐ পুত্তক ক্রমে প্রাপ্ত হইডে পারিবেন। পুস্তকের প্রথম ভাগ২০এ ভাত্ত, ২ ব্লভাগ ৩০এ আহিন ৪ শেষ তাগ २०० कार्खिक श्रामांत्रक इट्टेंग ए एक बाइन করিলে আট আনা মান্তুল দিতে হইবে। ওকা লডী প্রীঞার্থিগণ সম্প্রতি অন্যান্য আইন শিক্ষা করন। এই দেওগুংনী আইন ক্রেমে প্রাপ্ত ছইরা অনায়াসে শিক্ষা করিতে পানিবেন।

# भूनः धार कारे।

নিম্বলিখিত অপজ্য অন্ধ ও পূর্ব নোটগুলি পাওয়া গিয়াছে । নোটের অধিকারিগণকে জানান ঘাইতেছে, নিমু সাক্ষরকারীর নিকট আবেদন করিবেন।

	मरस्या	भूला	পূৰ্ব জথবা অভি	
€b-	<b>च</b> ्छल व	7 • •	व्यक् नाइ	
e ¢	F2884	<b>«</b> •	*	

"I		্বাণ্যাসি	<b>ም</b> ዓ. ල	ক্রৈনাদিক ৩	भ॰ है!क्।
	હ્ય <b>૯</b> ૨	\$845.	:::: ±::::4 <b>₹•</b>	*	
	÷. <b>%</b>	3.59	₹•	'n	. '
-	এ ৩২	8 98 4 2	২•		•
	8 2 T	<b>৮</b> ৯৯৩१	₹.•	•	a
!	<b>.</b> 8 <b>€</b>	<b>७६</b> • १8	২•	<b>4</b>	
-	18 8 5	<b>৯৯</b> ৬ <b>৬</b> ২	<b>&gt;</b> •	<b>%</b>	_
-	वि २२ वि	• > 9 @ @	<b>ર</b> •		ভঞ্জিগা পটাম
	. १ २२ . 9	*> 948	<b>3</b> •	») . (=	।টি,স।
	8 <b>3</b>	• 1910	7 •	'n	
-	8. 20.	*• 58 <b>\$</b> \$	۶.	7.7	•
	8 3 9	<b>**</b> 8 **	7 •	পূৰ্ব	
	8 20 49	8৮ባ፥ኤ	7 •	<b>অর্থ</b> মে	प्रि
	<b>.</b>	३७४६६	٥.	n	
1	च इ.इ	b २ <b>४२३</b>	••	a a	
	8२ এ ১ <b>৯</b>	•৮২ <i>৬৯</i> ৩ <b>৫</b> ৪•১	7° 7.	»	
!	: ৯ এ ১৯	8 <b>৮৮</b> ३२	<b>?</b> •	'n	
	7 h (ð	<b>৩</b> ৭৮৯৬	۶.	a	•
	સ ? હ્ર	७५४६१	7 •	*	
į,	হ ৩১	\$>>.	7.	*	•
4	5 S	957 · 5	۶٠	a	
٩	) <b>)</b> 4 ) <b>)</b>	€872€	۶.	*	

🕽 ডবলিউ. এইচ. মন্ত্রান্তান্তান

পোষ্ট মাইরে ।

কলিকাডা পে:**ই ভা**ফিস

# (इमछकुमाती।

(६म छत्यांत्रीमामक এक चामि नावेक छटेनक वाकि गर्ध कविश्वा नाष्ट्राहेटनत क्योमात की गुक वाव (गाविक्क छत्र सामग्रदक छेल्हात ध्रमान कविश्वाहन, छाहा मूक्ष इंट्रिड्ड, खाकत-कातीत कना। • जाना, विना खाकत कातीत कना में शामा भूका मिक्कातिक श्हेश्वाहन, खाकतकाती (ख्राी हाक श्हेरक घाँश्वा वामना करतन, दोशता विश्व खाकतकातीत निक्क श्रा निश्वितम ।

কলিকাত।
নামাল ক্লা।

কলিকাতীপ্রসন্ধান ওও:

#### লক্ষণমালা।

কাব্যপ্রকাশ, সাহিত্যদর্শন, কাব্যদেশ, কাব্যদেশ, কাব্যদেশ, এবং দশন্ধপপ্রভূতি সংস্কৃত অল ক্ষর এত হইতে প্রয়োজনীয় অংশ সমুদায় এইণ করিয়া 'লক্ষণ মালা ৯ নামে এক খানি সংস্কৃত অলক্ষার এত মুদ্রিত ও প্রচারিত হইয়াছে। এইনাখিগন কলিকাড়া পটোলডাঙ্গান্ত বাড়ুর্যারাদর্শ কোং নিকটি এবং চাকা মন্দর্মার গুই ও
কে, সি, রাদাশের পুন্তরালয়ে তত্ত্ব করিলে
পাইতে পারিবেন। মূল্যদ্ভ আনা যাত্র।

১৫ ই আগেষ্ট। \ প্রবাশক ১৮৬৮। \ ত্রী গাবিকচন্দ চক্রবভী

# পুরাণ প্রকাশ। ক্ষিপুরাণ।

অফুবাদও টীব। সমেত এতেয়ক খঞ ৮. পৃষ্ঠা (অগ্রিম মূল্য )॥ ।

থিনি গ্রহণাভিলাধী হইবেন তিনি গৃজাপুর আমহার্ট্রটীট ৩০ ১ নং ভংগে কবি প্রাকাশ যান্তে অথবা - কলিকাজা সংস্কৃতি বিধানলয়ে প্রিয়ুক্ত জগলোহন ভাগালস্কানের নামে যাত্ত প্রতের ইচ্ছা অগ্রিম গুলা পাঠাজবেন। অগ্রিম না পাইলে বিদেশে বিদ্ধুপুর্বি পাঠাজবার নিয়ম নাই ইভি।

--- 808----

# বিক্র রার্থ।

গারডেন রীচ ২৪ নং বাটী গুলামসহ ১৯ নংগ্রোড়া বাগান।

উপরি উজ্জ বাগান ও রাটী যাঁহার। ক্রয় করিতে অথবা কইতে ইচ্চা করেন, নিম্ন স্বাক্ষ রিজ ব্যক্তির নিকট জানাইটোন।

> ফিলেণ্ডারস্ **আরবো-**থন্ট এবং কোং

াসনসনিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়ে ও পটোল ডাঙ্গা বড়িবে ব্রাদার কোম্পানির দোকানে মং প্রাণীত ও মৎপ্রচারিত নিম্নিখিত পুস্তক্তনি বিক্র হউডেছে:—

প্রনীত

থ্রীসইন্ডিহান

গ্রোমইন্ডিহান

গ্রোমইন্ডিহান

গ্রামইন্ডিহান

গ্রাম্বর্গাকর

।
থ্রাজিনার (১ ম ভাগ)

থ্রাজিনার (২ য় ভাগ)

প্রচারিত।

থুক্ষবোধ ব্যাকরণ

শ্রীজারকানাথ দর্শ্মা।

বঙ্গকামিনী নাটক ( মূল্য এক টাকা )

সংস্কৃত মত্তের পুস্তকালয়ে, চীনেবাজারে
জ্ঞীনুক্ত বারু ভোলানাথ মুখোপান্যয়ের ৬৮ নম্বর
দোকানে এবং সংস্কৃত মত্তের অন্যক্ষ জ্ঞীনুক্ত
ধারু ক্ষেত্রমোহ্ম নুখোলাধ্যায়ের নিকটোপ্রাপ্রে
ক্রেন্থনিক ২৫ পটিন টাকার হিসাবে কমি
সন দেওয়া যায়।

श्रीहोता वहन्य मूरणाणाधा समा

--:•:--

#### ষিক্রয়ার্থ।

শব্দকগ্রহ্ম অভিধান। সর রাজা রাধ্-কাস্ত দেব বাহাছুরের ক্তে। উত্তনকপে সোণা দিয়া পুতন ৰাধান সূল্য ২৫০ টাকা। শ্রীসানক্তন্ত্রদাস্ত বাগীশ।

--- 2 • 2 ----

# হরি**শ্চন্দ্র চ**রিত মূল্য ।

হবিশ্চন চরিত জীবুক জগনোংন ত্র্কা এ লঙ্গারকর্ত্ত সঞ্জলিত হইয়া মুদ্রিত হইপ্লাছে। এই এওখানিতে পৌবালক অলৌকিক বর্গন নাই, পারপ্ত ক্ষেত্র বালক বালিকাদিলের সত্য-নিঠা শিখাইবার নিমিন্ত রাজা হরিক্চন্ত্রের উপাধ্যান ঘটদুর আবশ্যক, তাহাই আছে। কলিকাভা

-----

# विविध खवाानि विकाशार्थ

#### প্রস্তুত।

ইংরাজী বাঙ্গলা পুস্তক কাগজ কলম নানা বিধ দ্রব্যাদি পাওয়। যায় এবং পুস্তকাদিতে / এক আনার হিসাবে কমিদন দি। অধিক টাচার পুস্তক লইলে /১০ আনার হিদাবে

পাইবেন। কোন বন্ধবালা কর্তৃক দশপনী কৰিও।
ব্যক্তিত মুলা ১১০ আনা। ভাকে পাঠাইতে হইলে
১১০ আন। । বোয়ালিয়া ধর্মসভায় জীপুক্ত বাবু হবিশ্চন্দ্র নিকেট চাক। স্থপত যত্ত্বে এবং এই পুস্তকালয়ে পাওয়া বায়।

অপুর্ম উপাখ্যান অর্থাৎ সেক্লপিয়রকুত নাট কের মর্মাসুবাদ ব্ৰীমভাগৰত ১ ম অবধি ১২ কক বাং শ্ৰীশ্ৰীহরিড ক্ষিবিল স সম্পূর্ব **এীমদ্রানরসায়ন ছই খণ্ডে সম্পূর্ণ** চক্রপণিটিকিৎদা এস্থ দিশ্রুবীয়া নিবাসী বাবুকাশীনাথ মলিকের প্রয়য়ে উডম পণ্ডিতবারা হস্তের লিখিত 2.9 নিভাগেৰ্মা সুৱঞ্জিকা পত্ৰিকা ৰাৰ্ষিক O' বৌভুক বিলাস যাছাতে গোপালভাঁভের কৌতুকগুলি সম্পূৰ্ণ স্নাঙ্গে **ठटा १९म**ः देशीमिनि *र*ेट ड উদ্ভ ব্ৰহাত্ত চূড়'মনি অৰ্পাৎ ব্ৰহা নিৰ্বয় 311 নীলাজন কাষ্ পুরঞ্চান কাব্য मानकु छना कावा অভিনয়ু,,বৰ নাটক घ तन निरुत्र विवृद्ध तर्षा द्या शका काचा क्षित्रविद्वाभ महिक লিভিল গাইড মার্মেন সাংখ্য ক্লুভ भणगम्ना छेभायतान मान्यना वली अञ्चलहरू मामकृष्ट পিশ'চে ছার া, ভপ্ৰভা এটল'স বাং **५ খানি ম**াপ গাংগৰচঞ শক্ষা ভুতত্ত্বদৰ্শন পৃথিবীৰ মানচিত্ৰ

অনবর শোহীলী গদ্যপদ্য পার্সীক বেঃ ১॥
কুমার সন্তব সংস্কৃত হইতে পদ। অসুবাদ ১
ভাবতবর্ধের ইতিহাস কেদাবনাথ দক্ষ্য ১
ঐ গোবিন্দ্রন্দ্র সেন কুত ২
মনতন্ত্রসারসংগ্রহ
প্রাচীন ইতিহাস সমুক্ষর ১
এ গাস মেন বাহেবক্ত হই শশু ২
নাট্য পরিসিষ্ঠ নাট্ক

ভারতবর্ধের ম্যাপ । দেব্যাগর জ্ঞারে

নীতি লগা

্রিডমঞ্জী ১।
শব্দক্ষম পরিশিষ্ট ২৫
কলিকাতা লোড়া- ব্রীপ্রভাপচন্দ্র রার
শাকো ৬৪ নং নগদ বিলেজ।

ভারতবর্গীয় সভা।

मच्छा विकासनीय अवर्तामे विदेशमानित দেশীয় ভাষায় শিকা দিষার এবং রাস্তা প্রস্তুত করিবার অভিপ্রায়ে কর করিবার এবং ভুমার্থি-कार्तीमित्रत ऋषा तहे कर्नात मिरक्त करि বার প্রশ্ন উপাপন করির।ছেন। এই কর যাছাতে সহজে ও ন্যালুসারে ধার্য এবং পরিমিওরূপে कामाय इत. कियरम यक मिवात निश्चित केन भवर्गस्के ভाরভবर्भो संत्रज्ञातक क्रम्युतास कति-য়াছেন।গভ ১৩ই মে বক্দেশীর প্রথমেন্ট যে পত্ৰ লিখেন, ভাগতে বলা হইয়াছে:--' স্পাষ্ট বোগ ছইডেচে, ভূমির উৎপদ্মের উপত্রে বর ধার্য, করাই ন্যায়সিদ্ধ ্ইতেছে। জনীদার, लार्थबाजनात, भ इनीमाब, हेळांब नव ७ मानादिश মণ,বভী লোক এবং বাস্ত বিক ঘেদ্দল কুষ্কের ভূমির উপরে স্থায়ী স্বার্থ আছে, অর্থাৎ যাইাবা छेडेवन्दी शका नहरन अवः घाषावा छेठेवन्दी श्रकात महाय बाक्षात महत कह (मन मा. ॐहाहार) মির উপবদ্ধের যে অংশ পান, তছুপরি ও তংপ রিমাণে করবার্য। ও আদায় করাই ন্যায় 🔉 वुष्कितिक रवाथ स्ट्रेट्डर्हा भे क्रिन्स्ती श्रक्षा বাতীত ভূমির সহিত আর যেসকল লোকের (य (क'न भवक छ चयु कार्ड, এই श्रञ्जाव ভাঁদাদিগের সকলকেই স্পর্ণ করিভেত্তে ভরি মিত্ত ভারতবধীয় সভার কমিটা গ্রন্মেটের अहे भारत्वत छेङ्यमार्गत भूटकी मर्श्वमानाबर्गत মত জানিবার অভিলাষী ইইয়াছেন, ভদ্মুগারে ठाहाता विष्ठः भन मिन्ना अञ्चरताथ कतिएउएहन. ১৮৬৮ অনের আগামী সেপ্টেম্বর মাসের ২ রা বেলা অপরাত্র ৪ ঘটিকার সমরে লার্কিছা লেনের ১ নং ভারতব্যীয় সভাগুরে একটা **टाकाना मछ। इहेरत। मर्मामाधान्न के मन्द्रा** ঐ ভানে গিয়া অপনাদিগের মত প্রকাশ ক্রি-(रन।

> জ্ঞীবভীক্রমোহন ঠাকুর ভারতবর্ষীয় গভার কবৈ-তনিক সম্পাদক।

বোমিওপেথিক চিকিৎসা, প্রথম সংখ্যা, আমরক্তা, মূল্য চারি আনামাত্র। কলিকাভার চোরবাগানে ক্ষুদুর্ক প্রেরে ঠনঠনিরার সংক্তযন্ত্রে পুস্তকালয়ে এবং লালবাজারে বেরিণী কেন্সোনির হোগিও পেশিক ফারমেণীতে পাঞ্জাবার।

- 909

المنجو وازنيد

# श्रामाख लाहे।

যে ব্যক্তি ১৮৬৮ সালের ৮ ই আগন্থ পত্র মধ্যে পটনার জীক্ষাগে নিম্নিধিত নোট সকল পাঠাইয়াছেন । তিনি নিয়ম্মাক্তর কারীর নিকট স্বিশেষ লিখিয়া পাঠাইবেন। এ ৫৮ ৮৯০০ নং ১০০ টাকার এ ৫৮ ৮৪৮৬৯ নং ১০০ টাকার জবলিউ, এইচ, মন্গোয়ান। কলিকাভার পোষ্ঠমান্তার।

# शेषा मः अह।

অল্পাতী ছাত্রদিগের পাঠেপেযোগী কোন নংকৃত গদ্য প্রস্ত না থাকায়, সংস্কৃত কালে জের অধ্যক্ষ প্রীয়ক্ত বাবু প্রসমন্ত্র্মার সর্কাধি কারী মহাম্ব্রের আদেশাসুসারে উক্ত কালেক্তের অন্যত্তর অধ্যাপক পণ্ডিতবর প্রীয়ক্ত মহেলচন্দ্র ন্যায়রত্ব মহার্ম্বর মহাজারত ও বিশ্ব পুরাল্ ইইছে কতকগুলি নীতিগর্ভ গল সন্ত্র লন করিয়া ' গদ্যসংগ্রহ " নামক এক খানি পুস্ক প্রচার করিয়াছেন। পটোলভাক ৮৬ নং আঘাদিগের পুস্তকালয়ে পাওয়া যায়। সুল্য ১ এক টাকা মাত্র।

বাজুখ্যাত্রাদর্শ এবং কোং

# निष्यात निष्या

সন ১৮৬৮ সালের জাগপ্ত মানের ৮ ই হইতে ১৪ ই পর্যন্ত নদীয়ার নদী হায়ের সর্বাক্ষতি জলের সাপ্তাহিক রিপোট।

कारमव माम সর্মকম্ভি या म ফুট ्ट्रे¥ নদী মাথাভাল। মহানার উপর পদ্মানদীতে 10% মহানায় ख्या रहें छ हो है (ताम निप्रा 83 माहेन **३**३ कांके (बोझा लिखा क्हेराड জান্তুক দিয়া 13 **षाञ्चकतिया ६३८७ कुन्छ अ** ८५ माइन 19 क्षणाध रहेट छन्नि मनी পৰ্যন্ত ১৪ মাইল 12

जागीतथी नहीं। भशंभात है अत अधाननी छ 3 মহানায় एशा रहेर जिन्ना तक क्षियां शक्ष रहेट का छोता ৬ • ম ইল মধ্যে 20 काष्ट्रीय। इट्ट नहीया ৪৬ মাইল মধ্যে ₹8 छ हाओं नहीं মহান'য় 3.5 ভপা হইতে করিমপুর ১৯ মাইল 77 कतिमश्रत रहेट छिन्ना काही ৩ মাইল 2.2 विशानाना इहेट निर्मा ७० माहेल 7.0 मन ১৮৬৮ आंगर्ड मार्टनत ১१ हे जातिर्य वर्वतन्थ्रव शका घाट्रते काटनत माथ।

ফুট ইঞ্ছি ১৩ ১৩ ১৩ ১৩ ১৩ ১৩ ১৩ ১৩ ১১ ১৭ ই আগস্থ । ইনিগুক্ত টি. হেন্স উইক্স সি. ই১৭ ই আগস্থ । ১৮৬৮। ১৮৬৮। বহরমপুর ডিবিজন ;

# সোমপ্রকাশ।

৯ ই ভাদ্র সোমবার। এবার বঙ্গদেশে অভিনৃত্তির বংশর। रेकाछ अ आवाह माटन ১৫ पिन वार्गिश वृक्ति ६७ शाट ७ व्यानक इनेशाहिल, লোকে তাহা হইতে মন্তক উত্তোলন করিতে ন। করিতে প্রাবণ মানে আবার पण निम दाािशिया व्यक्तित्रिक इहेगा शिल । এটা পুর্বাণেকা অধিকতর অনিটকর क्रेग़रिए। टिकार्छ भाग वर्षात अर्थम् षांत छकाल, षाठ এव ज्यान स्वृक्तियात्त्र শ্সাজনিবার বিলক্ষণ আশা ছিল; কিন্ত শ্রাবণ নাদের রাইতে দে আশা উষ্লিত করিয়াছে। বত্ল পরিমাণে অনিষ্ট সাধিত में (मात লোকেরও ঘ্রদার পতিত হইয়া যারপর नाई कछ इहेब्राट्ट। व्यामानिरगत शत्राध्यत কেরা আর্জনাদ করিয়া চতুদ্দিক হইতে ; পত विचिट्डिट्डन, এবার সোমপ্রকাশে नमूनांत्र भटजत स्थान गर्भाद्यभ क्रेन न।।

স্থান অনেক ঘরবাড়ী পড়িয়া গিয়াছে, গৃহপাতাদিকারণে অনেক লোকের স্ত্রাও 🖟 চইয়াছে, আগমৌবারে ঐ পত্ততি অবজারিত গ্রাঠকগণের नरनश्रध इहेर्त ।

#### --:•:--

## निवित्त मितिन भवीका।

নিবিল স্থিকি ক্মিস্ম্রগণ ভারত ব্যাহ্যর চীৎকারভাবণে নিতান্ত বিধির হন নাই। ইংলতে গিয়া পরীকা দেও য়াই ত কঠিন, ভাছাতে আৰার কমিদ নরগ্রহার ও সংক্ষেত্র যে নবর क्याइग्राहित्वन, जाहाटक अकातास्ट्र ভারতবর্ষায় পরীক্ষার্থা দিগকে বঞ্চিত করা হইয়াছিল: কিন্তু আমরা আহলা मिक इहेशा পाठक्त्रात्वत लाहत कति তেছি, উাহার। আপনাদিগের ভ্রম কতক ष्यर्टमं मर्टमंश्मि क्रियोर्ट्न। ৬৯ অবেদ যে পরীকা ছইবে, তাহার বিয়মাবলৈ প্রকাশিত হইয়াছে। রাজ্ঞীয় সকল শ্রেণির প্রফাই এই পরীকা দিতে পারিবেন। উক্ত ১৮৬৯ অন্দের ১ লা ক্ষেক্রয়ার অথবা তৎপুর্বে প্রত্যেক পরী काथीं एक मिविल मर्किम कमिमनद्रिम्दशंत নিকটে নিম লিখিত বিষয়গুলি লিখিয়া भागहर् इहर्यः-

প্রথম, ১৮৬৯ অব্দের ১ লা কেক্র श्राह्म श्रीकाषीत वश्रकम ১१ वर्गदात मृत्म नव्र, २১ वट्मटत्रत्र अधिक इव्र नाहे। विक्रीय, अहे बिलाई अक कान विकिट्स দের এক লিপি প্রেরণ করিতে হইবে নে পরীকাথীর কোন বিশেষ পীড়া নাই এবং শ্রীরের অবস্থ এরপ নয় যে, তিনি দিবিল স্থিতিদর অযোগ্য इरेट भारतम। ज्डोश, भन्नीकाची तमक রিত্রতার প্রমাণপত্র। যথন কোন পরী কাৰীৰ ৰয় ক্ৰম, বাহু৷ অথবা দচরিত্র

শালিপুৰ, জনাই, জাহানাবাদ প্রভৃতি তার বিষয়ে সন্দেহ জলিবে, তথন কমিস নরপণ আপনার। ভাহার অসুসন্ধান করিতে পারিবেন। চতুর্থ, নিম্নলিখিত বিসয়ের কোন্কোন্ **শাখায় পরীকার্** शहीका सिट्यम ।

নম্ব বিষয় ইংরাজীরচনা • • • ৫০০ ইংলত্তের ইতিহান; (ইংলত্তের আইন नामन श्रामानी ইহার থাকিবে) • • ইংরাজী ভাষা ও নাহিত্য ০ ৫০০ দাহিতা ও ইতি-ত্রীদের ভাষা, राम • · (2) ফ্রান্সের ঐ ০ ঐ ০ ০ ৩৭৫ 39C 0 0 12. कार्त्यावत के ॰ ইটালির ঐ ০ ঐ ০ ০ ৩৭৫ অন্ধ (বিশুদ্ধ ও বিমিশ্র) (১) রসায়ন; (২) ইলেক্ট্রিসিটি ও মাগনেটিজম ; ( ৩ ) ভূতত্ত্ব ও ধাতু তত্ত্ব; (৪) পশাদির ইতিহাস এবং নায়, ও ধন্মনীভিভত্ত ০ ৫০০ সংস্তভাবা ও সাহিতা ০ আরবি ভাষা ও সাহিত্য ০ ০ ৫০০ পরীকার্থিগণ স্বেচ্ছাপুর্বক পুর্বেক্ত বিষয়ের যেটা ইচ্ছা পরীকা দিতে পারি বেন। কিন্তু প্রীক্ষিতব্য বিষয়ে পরীক্ষা থীর বিশেষ বৃৎেশ্তি থাকা আবশ্যক। र्रेटक्टर আশহা আমানিগের এটা কথার কথামাত্র হইবে। ২১ বৎস রের মধ্যে এসকল বিষয়ে প্রাপাত বুংং পত্তি হওয়া অধিকাংশের সম্ভাবিত

পরীকায় উতীর্ স্ইবামাত কে কোন্ প্রেসিডেন্সিডে যাইবেন, ভাহ। क्रियममत्रविभटक खानांबेटक बंबेटव । अव পরীক্ষার পরে পরীক্ষার্থীকে আর চুই वर्मत देश्मरक शाकिएक क्ट्रेस्। अहे কালের মধ্যে সময়ে সময়ে নিম্নলিখিত वियस शतीका गृशीक हरेत:--

বিষয় নম্র ১। मरफ ड (too বিনি যে প্রেনিডেনিতে যাইবেন, ভাহার চলিত ভাষা ০ • ২। ভারতবর্ষের ७। व्याहेन ৪। বার্তাশাস্ত 0 0 0 930 সাময়িক পরীকা, তিন বার গৃহীত हहेर्द। हेशाल छेडीर्न हरेल मिनिल দর্বিদ কমিদনরগণ পুনর্বার পরীকা র্থীর স্বাচ্চ্য ও সচ্চরিত্রতার অনুসন্ধান कतिया भारत थानश्मानख मिर्वन । ভথন নুতন সিধিলিয়ান ভারতবর্ষে আনিতে পারিবেন। ২৪ বৎসরের অধিক **बंब**्रक्रम इंट्रेल (क्ट्र मिविन मर्किएम প্রবেশ করিতে সমর্থ হইবেন না। প্রথম সাময়িক প্রীক্ষায় উত্তীর্ণ হইলে, প্রত্যেক भतीकाथी ्टाउँ एट केट मा केट के निकट है ১००० हाका 'छ चिकीय वश्मदत २००० টাক পাইবেন k শেষ পরীক্ষায় উত্তীর্ণ **इहेंद्रल ७५ छे। कांद्र. अक छोटला इहे बन** कांभीनमात नरेश ें ५०,००० छोकात अक চুক্তিপত্তে স্বাক্ষর করিয়া ভারতবর্ষে যাইবার অস্পীকার করিতে হইবে। শেষ পরীক্ষায় যিনি অকুতকার্য্য ছইবেন, ভিনি আর পরীকা দিতে পারিবেন ना ।

নিবিল দর্কিন কমিননরগর্ণ সংকৃত ও আরেৰির নহর রুদ্ধি করিয়া অভি উত্তম কাজ করিয়াছেন। কিন্তু ভারতব র্বের ইতিহাস, ভূগোল ও ভাষা অপেকা धीक ७ लागित्वत साधाना व्यवान कता

<sup>(</sup>ক) শেবোক্ত শাখার হুটী প্রশাখা মাত্র बाबित यथ्डे स्ट्रिं। भूतीकाथी (अकाश्रर्कक इहा मानी ए कतिए जमर्थ रहे (वन ।

অনুচিত। গ্রীক ও লাটিন কানিলে इंश्डोकीटड डेखम बादशिख स्व मडा: किन्द्रं छेशात महिक ভाর ভবর্ষের আইন ্ও বিচারপ্রণালীর কি সংভাব আছে, काहा आमता त्रीतिक शातिलाम ना। (बाध कत, धक बन जीक, लाहिन, कताभी ও हेरोनीत जाता छेडम बारनन : किछ जिनि डेफ् ७ वांधना कारनन ना, जिनि বঙ্গদেশে আসিয়া কি করিবেন ? অত এব ভারতবর্ষের চলিত ভাষার নম্বর অধিক করা উচিত ছিল। অক্ষেপ ১২৫০ না হইয়া ভারতবর্ষের ইতিহাদ ও ভূগো লের নম্বর রুদ্ধি বরিলে ভাল হইত। আইনের ১২৫০ নম্বর করা অতি উত্তম ষ্ট্রাছে। পরীক্ষার পর ইংলতে ছই বংসর থাকিবার যে সিয়ম করা ছইয়াছে. প্রীক্ষাগ্রহণের নিয়ম না করিলে এদে লের প্রতি ঘথার্থ স্থাবিচার করা হইবে না, তাহা আমরা বারম্বার বলিয়াছি ও বলিতেছি: কিন্তুষত দিন এ নিয়ম না इरेटिए, उठ मिन देश्ल याहेटि ছইবে। ইংলতে গমন করিয়া কয়েক মান মাত্র অবস্থান করিলে বিশেষ ফলো **पत्र इड्डांत मञ्जाबना नाहै।** ক্ষার যোগ্য বয়স আরে এক বৎসর রুদ্ধি করিলে ভাল হয়। ২১ বংসরের পুর্বের विश्वासिक विश्वासिक वि. व. छे शांधि श्र अया यात्र मा। यह छेशाधि लहेट छ নেলে দিবিল দর্কিদের বয়:ক্রম অভীত হয়। অভএব বর্তুমান নিয়ম থাকিলে এখানকার বিশ্ববিদ্যালয়ের कुड विमा ছাত্রগণ নিবিল সর্বিদে প্রবেশ করিছে পালেন না। বি, এ, পরীকার বয়স ২০ ৰংসর করিয়া দিবিল দর্কিদের পরী कात वश्कार २२ वट्गत कताहै कर्खना। य तम जातजवर्गीय मिविनियान इंडेटनई त्व जामता जानिक इहेलाम, এ कथा र्यन (कह मान करतन ना। उभयुक्त जात

তবর্ষীয়ের। এই পদ পান, ইহাই আমাদি গের অভিপ্রেত।

-----

কোট ইনশ্পেটর।

প্রতিনিম্বতর ফৌজদারি আদালতে কোট ইনস্পেট্র বলিয়া এক এক অন পুলিব কর্মচারী আছেন। ইহারা যাব-छीत को बनाति मकलमा हाला हैरवन, এই অভিপ্রায়ে ইহাদিগের প্রথম স্টি र्य ; किन्नु कार्याण्डः देशाता त्मरे त्मटेकटन নাজিরের পদে দথারমান হইয়াছেন। হাক্সতের কয়েদিদিগের হিসাব, ও ফৌল मातित প্রতাধী দিগের হাজিরি করা देशी-मिर्गत काक इरेग्नाइ, ताक्की ७ थडा-র্থির পক্ষের গ্রাক্ষীর বিষয়ে দৃষ্টি রাখাও ইহাদিপের একটা কর্ম। তদ্ভিন্ন কোন ব্যক্তির জামীন লইতে হইলে কোর্ট हम्याकेत्रता तमकार्या मण्यामन कतिता थाटकम । के प्रतात मरका वाहाता समर क्षे बानाती जार्गिनितात डेनार्कात्वत्र এक है। श्रमेश्व शथ। डेर्ड क्तिरात व्यमा ধুতানিবন্ধন অনেক অনিউও ঘটিয়া थाटक। दांध कत, ऽला भक्फमात किन चित्र इहेग्राष्ट : किन्छ च्यम हेनरम्भ क्टेरतत खर्ग २० इहेशा छेकिन। जामीरन हाका, नाकीत शक्तितिट हाका, वर्गन बिक्टि होका। नामित्रभग (मटकटन मलक हिटलन: डॉइनिटिशन ठक्कल छ। हिल, चाल्या नद्वछ इंस्टिन अवर चर्र ছিল। একণকার যাঁহারা অর্দ্রশিক্ষিত অস্ব কোর্ট ইনস্পেট্র ভাঁহার। ভালার লোক ৷ ওঁছোরা কিঞ্ছিং ইংরাজী कार्तन, उद्मिवनान कडक मार्म चारह. কেছ কিছু বলিলে " ভ্রমতের দাবি " मिट्ड यान । पर्विधि अमर्गन् कटतन। हेर्रामिश्तत घरण्य (यहे छत्त मा। हक्त का काहारक वरन छाहा हेहाँ हा कारनन ना। श्वकर्त्वरा माधरनते श्रहक इंट्रेंट्र की व्यक्ताई श्रामंश्रानीय: किळ

ইহাঁদের এই লজ্জাহীনতা কেবল প্র-সার বেলা।

যথন অনিটের নির্মিত হইভেছে, তথন এই সকল কর্মচারীর পদ উঠাইরা দেওয়া कर्तवा। প্রতি चामानट क क क क न পুলিষ কর্মচারী থাকুন; কিন্তু তাঁহা निर्भात कार्यात मीमा कतिया तिवस উচিত। यामीतिहे व्यथिक तेका छेलार्छन रत। श्रांत्र आमानएकत त्माकादत्रती कारीन इन ; याँशत होका काट्ड, नगन **ठाका क्या (एन। अ ऋ**टन माकिट ट्रेडे निष्क धनाशाटन कामीन बहेट नारतन, चाग कान बाकि चानीन इरेटन कान বিশ্বস্ত কর্মচারিদার। ভাঁহার অর্থ-मक्जि काना याहेटक शादत। मकसमा চালাইবার ভার কোন পুলিদ কর্মচারীর হত্তে দেওয়া উচিত নহে। প্রতি আন। লতে গ্ৰন্মেণ্টের পক্ষে এক জন উকীল নিযুক্ত হরা কর্তব্য। ইহাতে অপেব্যয় रहेदर। डाहाटड क्लाजमाती मकसमात যথাৰ্থ বিচার হইবার সন্তাবনা আছে। কোন পুলিষ কর্মচারীকে কোন স্থানের আদালতে চুই বৎস্রের অধিক রাখা উচিত নহে। আদালতে অধিক কাল थाकित्न धमकन छन श्रुनिय कर्महादीत আৰশ্যক ভাহা থাকে না। আদালতের কার্য্য সম্পাদন করিয়া যদি কোট ইনস্পেঠরের পদ রহিত করা হয়. তাহাতে ইট বিনা অনিটের অণুমাত্র मञ्जादना नाहै।

> ছে। **জ**নী ভাষ্টে সংগ্ৰহণ কৰিব কৰে। প্ৰতিক্ৰোপৰ

অন্ত্রার সমটি ও মহাসভা শিকাপ্রানীর সহিত বিশেষ ধর্মশিকার
সংভ্রুর ভাগে করাতে ইংলিসমান বলেন
গ্রেণিমন্টের সহিত যে ধ্যের কোন
সংভ্রুর থাকিবে না, অন্ত্রি তাহার
প্রথম স্কুলাত ক্রিয়াছেন। ইংলিস
মান আরও ভঙ্গীক্রমে এরণ অভিপ্রায়

ব্যক্ত করেন, ক্রনশঃ খৃষ্টায় ধর্মের প্রতি লে,কের যে অবিশ্বাস হইতেছে ভাহাতে व्यक्तितकानगत्था भृष्ठीय शित्रकानकन প্ৰিকা আলিজন করিবে।ইহাতে ডেলি িউন্ময় এক জন পত্রপ্রেরক বিওক্ত হর্মবলিয়াছেন, নান্তিকেরা আগনা দিগের মত সাধারণক্রান্য বোধ করিয়া शास ; किन्नु अकरन शृथिकीत मास गड क् डरिका ल्याटक श्कीत भट्य विश्वान ফরেন, এত লোকে দোন কালে বিশ্বাদ यहात नाहै। " विश्वाम । अविश्वाम टग्राम इंडेक, चाक्किं,शांत्उ विक्रम इंडे-লাছে এবং প্লাডফোন সাহেব আয়ার व्यक्ति मारण त्यक्रभ करिएक छेनाक इहे-शार्ष्ट्रन, लाकार्ड व्यनशास्य निर्देशन कहा गाहिएक भारत, भवन्यात्केत भूष्रमण्यमा-য়ের সহিত সংভাব বংগিবার কাল অতীত হইয়াছে। ফ্রাশী বিপ্লব্যটিত धाकाकात ना इन्ट्रेल वश्योदेवद्वत वान এত দিন থাটীয় ধৰ্ষকে ছিল্ল ভিল্ল কৰিয়া (कतिक । अभाषी विष्माद द्यानकात इडेट्डा श्रीवनिरामा निर्द्धारमाण्य व क्षीव ্ধ্যারুবাগ প্রাজ্গিত করিয়াছে: কিন্তু एका त्य मीयकांश अध्विष्ठ वर्षाकरत, धाजां (दाव हत गा। य हो भट्य व अभन खाइडीवको:न श्रीपात्मरा प्राप्तक মৃহ্য করিরাছেন। ধর্মের উপারে লোকের भृष्ठ छोटि कमिर्छ। ए ७३३ প्राप्तितः। कामहिस्क् इहेट ७ (ছन व्यामानिस्त्र अमी য়াজিত মিদনরি বজার গাএ ভিলোব मृष्ठे। यामविख् छ। इन्हेरशहे धरशंत इत्म हरेल खित मिखांच करिएड हरे(४) श्री। धःसंत महकाति छातः छित्रतक ता ख নীতি ও সমাজদংক্রার উন্নতি সাধিত एरेटन ना, धक्या इंडिश्नेमिक मझ छ বংক্য নতে। বোমকেলাবে অদৃত ও **অঞ**্ তপুলি সহত্বভাভ করিয়াছিলেন, খু উষ্থ দ্যাহার কারণ নহে। জুপিটরের 🚉 🥸 ভিজের কালেই রোমকদিপের ঐ মহস্ত

লাভ ইয়। কোন্ সময়ে রোমকদিগের
পূর্বদিগের সামাজা তুরক্ষদিগের হতে
পতিত হয় ? নৃতন বাইবেল অনেক পরে
হইন ছে বলিয়া ইহাতে বড় অধিক অদ
ভব কাণ্ড লিখিত হয় নাই বটে; কিন্তু
নিশু গুট ইহাদিগকে ভলাইবার নিমিত্ত
পূরাতন টেউমেন্ট গ্রহণ এবং ওাঁহার
ভা মাজা শিমাগণ উহার অন্তুত কার্যের
কান্তিন করিয়া প্টধর্মনাশের গে বীজ্
বপন করিয়া গিয়াছেন, দেই বীজ্
এক্লে রুহ্ রক্ষ হইরা কোলেঞ্জোপ্রভ্
ভবেক প্রাব করিতেছে। যতই মার্জিভ
হউক না কেন, উপধর্মকে সত্তার নিকটে
মন্তক অবনত করিছে হইবে সন্দেহ নাই।

कर्षे। हैं बाहेन।

कणुँकि व्याहेनिये व्यष्ट्रविलक्षा পদার্থ হইয়া উঠিল, মহাকবি ভারতচন্দ্র বলেন, ''দেবাসুরে ১দা ধন্দ অমৃত লাগিয়া " অমৃতের নিমিত্ত দেবাসুরেই কেবল বিরোধ হইলাছল; কিন্তু আমরা দেখিতেছি, এই এক কন্ট্রাক্ট আইন লইনা দেবতায় দেবতার অস্তর অসুরে এবং দেবতার অসুরে সর্বনা বিরোধ হই **ंटरहा मीलकरत्**त्रा हेहारक अर्मान साहन মস্পুত করিয়া দিয়াছেন খে, আমাদি গের এধান রাজপুরুদেরা বিমোহিত ভইয়া ইহাকে ছাড়িয়াও ছাড়িতে পারি ভেছেন না। বজ দিন অবধি নেইন সাহেব इंश्टर विधिवक कतिशो क्रयकिमशटक नीलकरतत की छमाम क तिहा मियात ध চেটা পাইতেছেন, তালা সামান্য বিস্ম त्तत निषत् नरह। याहा इंडेक, व्यामानि গের অ হল দের বিষয় এই, আমাদিগের वर्डमान भवनंत किनतल मत जन लरतन्त्र, ক্টেটেসক্রেটারি ও নীল ক্মিসনরগণ ইহার বিরোধী হইয়াছেন। আমরাসর জন লরেন্সের যে ন্যায়পরতার এভ প্রশংসা করিয়া থাকি, কণ্ট্রাক্ট আইনের

বিপক্ষতা ত হার অন্যতর ফল। তাঁহার ধর্মপ্রবৃত্তি সমধিক প্রবল। তিনি ন্যায় পরতারারা উহাকে সাল সমরে নিয়-স্ত্রিত করিয়া রাখেতে পারেন না। এই নিমিত্ত আমরা সময়ে সময়ে তাঁহার ধর্ম প্রবৃত্তির নিকটে ন্যায়পরতাকে পরাস্ত দেখিতে পাই। এ বিষয়ে আমাদিগের পুনরায় হস্তক্ষেপের ইচ্ছা বহিল।

\_\_\_\_

छुटम পুস্তक । 🕐

১। গদ্যেং গ্রহ। এথানি সংকৃত।
কলিকাতা সংকৃত পাঠশালার অসকারশাস্ত্রাধাপক শ্রীশুক্ত মহেশ্চন্দ্র নাার
রক্ত মহাভারত ও বিষ্ণুপ্রাণ হইতে
সংগ্রহ কবিরাহেন। একণে প্রায় ঘারতীর বিদ্যালয়ে সংকৃতচ্চ্র আরম্ভ
হইয়ছে। সংকৃতে পদাগ্রম্থ অধিক,
গদ্য গ্রন্থ বিরল বলিয়া অনেকে আক্ষেপ
করিয়া থাকেন। এ সময়ে নাায়রত্বের
সক্ষলিত গদাগ্রম্থ যে সমরিক সমাদৃত
হইবে ভাহার সংশ্র নাই।

২। বিষ্ণুপুরাণ, প্রথমখণ্ড। এখানিও সংক্ত। ইহাতে বাঙ্গলা অনুবাদ
ও শীধরস্থানিকত টীকা আছে। শীঘুল বরদাপ্রদাদ বসাকের যতে মুদ্রিত ও প্রচারিত হইতেছে। এখানি লোকের পক্ষে মহোপকারক হইবে।

প। হরিশ্চপ্রচিরত। প্রানিদ্ধ পূর্ববিংশীয় রাজা হরিশ্চন্তের চরিত লইয়া প্রিযুক্ত জগনোহন তর্কালক্ষার ইহার সকলন করিয়াছেন। রাজা হরি-শ্চন্তে সত্যনিষ্ঠা, দৃঢ়প্রতিজ্ঞতা ও ধর্মা-সুরাগের আদর্শস্বরূপ। তাঁহার চরিত্র পাঠ করিলে বালকদিগের স্বিশেষ উপ কারলাভের সম্ভাবনা আছে।

৪। অবোধবস্থা এই নামে বে মানিক পত্র প্রচারিত হয়, তাহার কতন্ত লি একত্র বদ্ধ হইয়া মুক্তিত হইয়াছে। -6601

৫। বন্ধবালা। ইহার প্রথম পৃষ্ঠে লিখিত আছে, ''কোন বন্ধবালাকর্ভুক বিরচিত।" ইহাতে কতকগুলি বান্ধনা কবিতা রচিত হইয়াছে। এ দেশের জ্ঞী লোকের। যে এরূপ কবিতা লিখিতে শিখিতেছেন, ইহাতে আমরা অভিশর আহ্লোদিত হইলাম।

७। श्रेयक बाद जीवांन मुर्भाशा-भारियत क्राउ मार्ट्यात व्यक्ति। ১৮৫৫ অক্রের আইন, ১৮৫৯ অক্রের ৮ আইন এবং প্রধানতম বিচারালয়ের নিজারি অবলম্বন করিয়া শীরামবারু এই পুস্তক খানি সংগ্রহ করিয়াছেন। গ্রান্থকার যে नकल अलिथाय धकाण कतिशादहन, ভাহার সমুদায় আিনসক্ত: ভাঁহার **पृ ठोख्छान यथारमाना हरेशारह। थाउा** ভল্দিগ লইয়া মফস্বলের আদালভে विरमंत्र (भागरगांश इयः, य म वाकि থাতা, জমাওয়াদীল বাকীর কাগজ-প্রভৃতি প্রমাণ বলিয়া আহা করান। প্রাম বাবুর পুস্ত হ পাঠ করিলে অনেক त्माक्नारतत व विषया मिक्ना इहेरव। আমরা বোধ করি, এই পুস্তফখানি মোক্তারি পরীকার নিমিত ছির করিলে विकास उपकार इहेटल भारत। भारतात মাত্রেরই এই পুস্তকখানি পাঠ করা কর্ত্তব্য /

# वारा

শোণপুরের মেলা। ( গত প্রকাশিতের পর ৷ )

২৬। এটা হরিহর নাথের মন্দির। এই
মন্দিরে হরিহরনাথনামক প্রকাণ্ড প্রস্তরের
শিবলিঙ্গ প্রতিষ্ঠিত আছেন। ইনিই শোণপুরের মেলার কারণ। প্রবাদ আছে জেতা যুগে
দশরধাল্লজ নহারা ল রামচন্দ্র জানকীলাভার্থ
ধংকালে অযোগ্য হইতে জনক পুরে
যান, সেই সময়ে পথিমধ্যে নানা স্থানে
শিবপুজা করেন, এটা সেই সময়ের শিবলিজ।
কার্তিকী পুণিমাতে ইহার মহাওমারোহে
জর্জনা হয়. সেই স্থত্তে মেলা হয়।শিবলি দটা
হরিছরনাথনামে প্রশিক্ষ। এই জনাই এই

মেলাকে " হরিহরছত্র " বলিয়া থাকে ; কিন্তু ইংরাজ মহলে ইহা শোণপরের মেলা বলিয়া প্রসিক। তাহার কারণ এই, যে গ্রামে এ মেলাটী হয় ভাহার নাম শোণ ্র। যাহা হউক, এই মেল। উপলক্ষে ভূরি ভূরি অর্থ ও জব্য সামগ্রী হরিহরনাথের জীচরণে সম-পিতি হয় এই মেলাছাপরা অম্যবা সার্ণ (जनात्र शहेता थाएक। मात्रन टक्नमात्र शुर्मा দিগের শেষ দীমায় এই শোণপ্র; স্থতরাং মেলার পূর্বাধীমা তিছত, দক্ষিণ শীমা পাটনা এবং আরা পশ্চিম সীমা সার্ণ জেলা হও शांटा भक्त (क्रमा) इंडेएडंडे आकिमत्रभा छ श्रीवय अवती रमनात्र भौखितकार्थ नियुक्त হন; কিন্তু মেলাটি সারণ জেলাতে হওয়াতে गांतन जिलात शनिव ও माजिए हैं है है है है है कांखि ७ मिन्दर्शत अधिनात्रक इन। ' तिक রভ্কোদ্ ও "মিউনিদিপাল কোদ্ » হইতেও ২০০। ২৫০ কনষ্ঠাৰল তথার গিয়া प्रशासन थाक।

২৭। এন্থলে তাখু ও সামীয়ানা বিক্রয় হয়। এন্থ:লর শোভা দেখিলে বোধ হয়, খন লক্ষে কি আগিরায় সর জন লড়েন্স মহোদ্দরের ভাইনবয়েল এবং তালুকদারি দরবার হইতেছে।

২৮। এ শ্বলে কমাইদের দোকান। এখানে অনবরত জবাই হর, রজের স্রোভ বহিতে থাকে।

২৯। গলা ও গওকীর গর্ভ। এ স্থান্টা নৌকাময় দেখিতে পাওয়া বায়। স্থল ভাগে বেয়প মনুষ্য, গো, জম্ম, পঙপ কপ্র-ভৃতির নিমিত্র পাদবিক্ষেপের স্থান থাকে না, কলেও সেইকপ নৌকার হুড়াছড়িতে স্থান করিবার স্থান পাওয়া কঠিন হয়। রজনীতে বেকপ ময়দানে তামু ও সামিয়ানাঞ্জুতিতে বাবুরা জালো ফ্রালিয়া নৃত্য গীতানি আমোদ করিয়া থাকেন, নৌকাবাসারাও সেইকপ আমোদে মত্ত থাকেন।

৩০। এই পথটা এদেশীরদিগের গ্যন।
গমন জন্য প্রস্তুত হয়। এটা বড় রাধা
বিলয় পরিচিত হয়। এপথের ছুট ধারে
হিন্দুশানী বাঙ্গালী পশ্চিমে ইহন্নিপ্রভৃতি
নানা জাতীয় দেশ বিদেশীর বণিক্গণ নানা

प्रमापनीत स्थरमया ज्या नामशी विक्य करन।

৩১। চিড়িরাখানা কিখা পদ্দীর বাজার।
এটাও জডিশর মনোহর স্থান। এখানে
নানাবিধ পক্ষা ক্রের বিক্রর হইরা থাকে।
এক এক স্থানে এক এক একার পক্ষা রাখা
হয়। পশ্দিপণের স্থাধ্র শক্ষে মন প্রফুল
হইতে খাকে।

৩২। এটা কালীদেবীর মন্দির। ইহা
পাটনার স্থিখাত দেওয়ান রামস্দার মিত্র
মহোদয়ের কীর্ত্তি। দেওয়ানলী মহোদয় বালা
লিনিগের মধ্যে একটা রত্ত্ত ছিলেন। লক লক্ষ্
লোককে অন্ন ও বস্ত্ত দান করেয়ছিলেন এবং
বছদংখ্য লোককে চাকরি করিয়। দিয়াহিলোন।

৩৩। ৩৪: ৩৫। ৩৬, ৩২। ৩, । ৩৯
৪০। ৪১। ৪০ এওল দেশীর মদের ভাঁটী,
অনর্থের বীজ ও সর্কানাশের মূল। গবর্ণমে ট
এজাপুঞ্জের মাতা পিডাস্থানীয় হইয়া প্রজার
মহৎ অনিপ্র করিয়া এই সামান্য অর্থসংগ্রহ
করিতেছেন! এক দিগে চৌর্যের ও দফাতা
প্রত্তির নিবারণজন্য পুলিষ স্থাপন করি
রাছেন, অন্য দিগে চৌরের ও বদমাইসদি
গের আপ্রের ও প্রথম দিবার জন্য ভাটা
পুলিয়াছেন!!

—:০:—
বন্ধীয়দিগের দৈহিক অহুত্মতি।
(গত প্রকাশিতের পর)

পূর্ব্ব পূর্ব্ব পতিকায় ক্রমান্তরে শিকাপ্র-গালী রাজকীয় ও ইংরাওাদি ভিন্তাতীয় বণিকগণের কার্যালয়ের কার্যাপ্রধা, মাদক সেবন এবং নারীগণের মৃদ্ভার বিষয় লিখিত হইয়াছে। আদ্য জলের বিষয় বণ্ণায় হট-ডেছে।

অনেকেই জলকে বিমিশ্র, বিষার, গলা ও বর্ণহীন স্বচ্ছতরল পদার্থ বলিয়। আনেন। বাস্তবিক ইছা বিমিশ্র নহে, লগায়ন বিদ্যা-বিং পণ্ডিতেরা পরীক্ষাধারা সিফান্ত করি। য়াছেন, যে ইছা জ ইন্ট্রেন ও অক্লিকেন নামক ছই পার্থির সংযোগে উৎপন্ন। স্কাবত ইছা নিশ্বল নহে। ইহাতে জরগ্যা বিক এব। ইন্জরগ্যানিক দ্বিবিধ পদার্থ

দোলিয়ম্অখাৎ লৰণের আংশ থাকাতে লব্বাখাদ হর। এইৰূপ ভিন্ন ভিন্ন করণার। জালেও ,ভগ্ন ভিন্ন বস্তু দেখা যায়। কাছাভেও কাৰৰ নক এসিড গ্যাস কাৰাতেও হাইচ্ছো লাল্ফ সটেড গ্যাস ইত্যাদি নানা বস্তু প'ওয়া ग्राप्त तृष्टि। कल यञ्चाव छः निर्वाण वाउँ , कि स ইহা ধার নিপতিত ২ইলে নানাবৈধ দ্ভার সংযোগে এবং বছবিব কারণে অল্লেন্ন্র ইংগ্রামি নুজারা বিষষ্ট ইয়া কটেই । আন সং 년 **가**토함 পরিয়ার ও স্বচ্ তথা পাওয়া ন্তে : 66কিংসকেরা কচ্ছেন, নির্মাণ ও বিশ্বর জন্ম ব্যবহারের উপবৃত্ত ও শরীবের পালে বিংশ্য উপকারী। কিন্তু কয় জন দোৰ काराह अं है (५ १५) वेल कारहात करतम ? আনাদ (সচ্যাচর প্রয়োজন।ভলছার। ে হ ना इंड (४) इंड्स कल शान का गांस রলন দ গ্রিকা **শ গৃংকা**য়া অল্যারা নিস্পা দিত ১য় । ছ ট্ভাম বৈর জাবনপারতের এ চমাত্র টপায় বোধ করি, এই খন্য বেলর এফটানান জাবন গ্রাছে। আর হুগলীস্থ ২ও দেই জন্য খ্যাপে । জলের ভাগ িছু অধিক করিয়া দিয়া ছন। ইঞা আবশ্যক হা ও উ ক বিশে গুণ কেনিয়া বিবে চনা হয়, পূর্বা কাল্যের শাস্তকারে বা তহাকে सात्राप्रभावकार वर्गन करिता विद्याल्य । अस यमि ९ (राम्य 'श्रकारी' ३ निडो छ कार्यमान, किन्नु हेट, आज हे सूचित है। जनः विभिन्नान स्पारं । कात्रास्थ सहे घटी। छविष्ट छ्िकरमन মারে (৮,র)) বলিয়া গালেন লেন প্রকাশ কাদুজ্জ ও প্ৰশেষ ভাষা কলে প্ৰচিত্ৰ কিংব, অন্যাত্রান কারবে জল দুবিত ত্রী েটাই কইটেড কোলেনিয়ানামক একংক ও প্যাস कटबा, दमञ्ज्ञात विज्ञान । 👫 🕬 প্রাঞ্জিবের অধকানী নেলে ১৪টা বংশ্য বিবৰণ এক্তাৰাপ্তাং এক, ৮ক ্ৰা যেক हेरा८**७ (मर्ट्स** माहा ⊌हा উ<sup>™</sup>ाड • - १ । हा।**क** ंकत नानाधकात (वाभाकास २३८) প্রের্কেই কেই বা অবিগণে জ্যুদ্ধি নিপাঁত হয়। আনেটে চির্রায় বল ও অকর্মণা হইখা াকে ও বছ এমন অনেক দুৱান্ত দেখা গিয়াছে (कान)कान (नामा अस ब्राह्म अ प्राप्त च अश्रीर : ८०के टमके **८न:न**्मामा धकात<sup>े</sup> ९ নট উচ্চট প্ৰীয়াং জাড়িল্য হয় আৰং বছ भ भारत है। के काल काल काल व्यक्ति के हैं है। - अत्य कनशुनाः कितिशा**याय**। 674 ্লার সার হাইতের ান ্রার পানিয়া ধ ; হ ও ডি:ক্ষা ও জীবনাত. **ष्ट्राष्ट्र**तम । चार्यात्व नामाचित्र छेलाटह

... - 692-সার্ভির স্বাহারির জলে ক্লোরাইড অফ ও বছবিধ মন্ত্রেজল পাছিত হওয়াতে নেশ গুলির এক একার বক্ষা হইয়াছিল। কোন কারণে জল দূষিত হইলে পাছে দেশের 'বলেশ শরীবের পক্ষে অপকার ঘটে, এই ভাগে পূর্দাকালে ধর্মাব্যবস্থাপকেরা ধর্মভয় प्याहिया विलया निवाद न त्य, यिनि कान প্রকারে জল বিক্লভ করিবেন, ভাঁহার পাপ ্হইনে এবং পাপের শান্তিসকপ নানা প্রকার শারারিক ও মানসিক রোগ ও ক্লেশ ্ডাগ করিতে ছইবে। কিন্তু এক্ষণকার লাক ্রের ধর্মভয় শিথিল হওয়াতে জলের উৎ ক্ষ্ রক্ষাবিধা**য়ে হ**ভাদির ইইয়াছে; ভজ্জনা দে শেও নানা প্রকার জুর্গটনা ঘটিতেছে এবং বছ বিদ পীড়ারও প্রান্ত ই হৈছে ৷ এ দেশ অভিশয় নিমা; স্তরাং এখানে নদ. নদী. বিল ধাল, খানা, ডোবা পুন্ধরিণী এড়িত জলাশয়ই অসংখ্য পরিমাণে টেংতে পাওল শ্র। এত তুল জলা ও অন্যান্য নিশ্ন স্থান ্কল প্রতিবংসর বর্ষার জলে গ্লাবিত হওয়াতে সাগার ও সবোৰ্য্যকার ধারণ

ত্রথম পাঙ্গরিলী। পূর্ব্ব পা বের। ধর্ম বৃদ্ধিতে হউক বা লোকের জ্ঞানকট নিবারণ জনা হউক, অথবা অন্য কোন কারণ বশত হ ক, নিজ নিজ দেশের নানা স্থানে ছোট বড় নানাগুকার পাঙ্গরিণী খুনন করিয়া গৈয়াছেন। প্রায় অধিকাংশ গুলা গ্রানের

প্রায় ও অপ্রকাল্য প্রথামেন धाय व्यक्ताक शुं रखत थिएकि ७ भरता এব এানের মধ্য স্থাল ও প্রাপ্ত ভাগ প্রজানে বছবিধ অসংখ্য ও অনাবশাক কলাশয় নেখিতে পাওয়া যায় ৷ দেশের উপ कातार्थ এই मकल ४१७ व्हें इं ছिल मध्यक गहि, किन्छ अक्षरण (दुननि अठकातक)ी গ্রন্থাছে: এক সময়ে ইহারা **ভ**ীবনরক্ষক ভিল: একণে জীবন্যাশক ইইয়াছে : অধি কাংশ জলাশ্যে ব্রুনাস জল ঘাকেনা মনেকগুলিতে অনু পরিমাণে জলখাকে। র্বালের জলে ইহাল পরিপ্রিভ চইয়া প্ররুত তলাশয়ের আকার প্রতি হয়। মনেক মনেক প্দরিণী পানাপ্রভৃতিছার। সাল্ডাদিত হইয়া গিয়াছে। কোন কোন পাছ বিনী একপ ভাচ্ছানিত চইয়াছে যে, ভাষা पिशतक क्रमान्य वालया त्कान श्रकादब छेश. লব্বিহয়ন। প্রায় অধিকাশ জলাশয়ের তারে নাণাপ্রকার রুকাদি হওরতে এক প্রকার জঙ্গলনয় হুইয়া সিয়াছে; বোন করি बाजानि विश्व कन्नभा अनामारमधे लेका ইয়া থাকিতে পারে ৷ ঐ রুফাদির প্রতিত প্রাদি জলে নিপ্রিত ইইয়া ভলকে বিক্লত করে। বছবিপ ভীৰ ঋদ্য জলে পচিয়া

জল দূগিত হয়। নির্ম্ব ক্ষি ক্রমকেরা অজতা বশতঃ আপনাদের ক্ষিজাত পাট ও শোণ প্রভৃতি জলে পচাইয়া উহাকে বিক্ত করিয়া তুলে। এই দকল কারণে কেবল জল বিনপ্ত হয় এমন নহে, বেশর লোকে প্রভ্রতাবশতঃ বা আলস্যহেতু জল দূষিত করিয়া থাকেন। মল মুত্রাদি ও আহারাবশিঠি বা পরিশুজা জ্বাসকল জলেই কিপ্র হয়। জলপাত্র ও ভোজনপাত্র এভূতি প্রায় যাবতীয় গৃহসজ্জা ও সামত্রী জলেই থেটি ও মাজ্জিত হইয়া থাক। তাহানের কলক্ষে লেও নলাকিত হইয়া থাক।

দ্বিভায় নদী। প্রায় প্রতি পরীত্রমে ও शक्ति नगात अक अकरी मता पृष्टे दश । अध्य শটি কিছু পুরাতন; ক্তরাং অধিকসংখ্য गत नवाछ भी बाइन अधीर अधारण दह রাছে। অনেক ননা, দঙ্রিরা গিয়াছে এবং कान कान ननी अहा ધ मिक । आमिट उट्हा অনিক্র খ্য ত্রেট্রটার ত্রোত্বন্দ হইয়া গিয়াছে ভাষাদের ফল গননাগমনের পঞ একেবারে নুদ্ধ হইয়। গিয়াছে। কান কোন नहीं अक्ष मिख्या भियाद या, लाटक छाइन স্থানে বাঁধ বাঁধিয়া প্দরিণীয় ন্যায় করিয়া अश्म कविशा बहुतारह्म। अक्षर्य शहरामि গকে नमी बिन्धा किन अवादाहे विशिष्ट्य না। যন প্রুরিণীর শ্রেণি হইয়াছে। अधिक मनीटक या। मांग छन शांदक मः, ক্ষ্য ক্ষর মতে ও অভ্যন্তরে লডা গুলনানি উদ্ভিক্ত ক্র্যা জলিবাতে জঙ্গল ময় হটয়াছে। কোন কোন ননার ধারে বাবে রুজানি অভয়াতে তজল হইয়া গিয়াছে। চিকিংসকেরা কছেন, স্রোভের জল শরীরের প্রকে বিশেষ উপকারী: কিন্তু নির্মাল স্থোতের ওল পাওয়া স্থকটিন। যেনকল ध्याहय शेएक बात भाग कव शास्त्र धनः জোয়ার ভাঁটো হয় डाशारमत कल गाग কায়ণে অপরিষ্ট ও দ্যিত হইয়া গাকে: মলমূলানি এবং নত্বোর ইট দেহ ও নানা विष मृश्र शक्ष शका देशामत जाल निकिश्व श्व। (यश्वीय वर्षात काटन ननी विविधा शांत চিত হ্টয়া থাকে, ভার্ছাদের জলের কথাই নাই। নান!বিধ পশু পক্ষা ও তাহাদের ভট্ছরুক্ষাদির পত্রাদি ও স্বভাবজা ইলহা, গুলমপ্রভূতি উদ্ভিদ্ধ দ্বা প্রিয়াহলকে এ মুপ ভুগজিমর করে বে, ভাহাস্পর্শ করিতে ঘুন বে।ধহর। এইত দেশের करमत खब्दा, ब ष्ववद्या अन्यद् स्मारकत শরীরের অবস্থায়ে কিকপ হইবে তাহা खनावारभेके क्तरक्र क्या

শ্রীরা সাং **প্রনাই** 

# विविधमः वाम।

হরা ভাদ্র সোমবার।

লক্ষে টাইমদে বুলেন শিবনক্স বিংহ ভুত পূর্ম ৪৮ গণত দিপাই দলের, এক জন দৈকিন ভিলেন। বিদ্রোহকালেইনি গবাদেনের পক হয়দমুক করেন। বিদ্রোহ শান্তির পর শিব মধল সিংহ পুলিলে প্রবেশ করিয়া ভুতপূর্ম অনেক বিদ্রোহীকে পৃত করাতে অযোধ্যার প্রান কমিননার সঞ্জতি উলোকে ১০০ টাকা মুলোর এক তলবাব প্রধান কবিয়াছেন। আব্দে পের বিষয় এই, এটী কমিননর নিজ হইতে দিতে

উক্ত পত্ৰের এক জন প্রপ্রেরক বলেন, माकिनारकात व्यक्त विषय महाराष्ट्रत ताहे है नामक এক জন ইটিনিয়ব সুরাপানে উন্মত ইইয়া ভাষার বস্তুর গটাস কে গুলি করিয়। বর করি য়াছে গটস ওলাইটএক বাটীতে থাকিত। রটস ক্রিট্টাশ কল্প কার্য়া **লেবে ভাগ** ্টিভায়ের মনোভঙ্গ ইইয়া कायोका वर ান্ত করে। এক দিবস গট্সু কোন কলে 🛒 ার লাইটের বাটীতে স্মাসিয়া এক খানি কাগতে প্রয়া লি প্রেড অ'রভ করাতে লুবোলাত চাইট ভালাকে বলে, হয় ভুমি এছান ত্তার কর, মতের এক খত লিখিয়া দাও। अप्रेम ४३८प्रव निक्ना कराटक बाहें। खाहाटक वश् कतिशाद्यः। एड । कित्रकविवामाञ क्राहेर्णेव ইচতন(হটল। তখন দে নিজ কেনাণীছার। अलिटन इकतात मा नाम , थवन कतिया निक्षिण ্র:বর ইড়ংলপীয়েরা কেমন ভয়া নক লে! গ ভাষাৰ এই এছ দৃষ্টাম্ভ। :

কাতান হেনবি রাইট নামক এক জন ইউ
বোপীর গ্রাচোন আপনাকে এক জন পুলিষ
ইনসেগ্টর বলিরা প্রিচর দিয়া ছই জন একদে
লীয় দুক্ শীড়াকারীকে গুড ক্রিয়া ৩ টাকা
উৎকোচ লইরা কাড্রা দেয় । বিচারপতি
নর্মান এ বংক্রিব কঠিন প্রিজ্ঞানের সহিত ছর
মাস নেরান দিয়াচেন। বৈজ্ঞানের সহিত ছর
মাস নেরান দিয়াচেন। বৈজ্ঞানের গোয়ালা
নামক এক জন প্রাচারাত্রালা রাইটের সাহাধ্য
করাডে ভাষার প্রস্থ মাস মেয়াদ হইরাছে।
ইউবোপীয় ও এড্রেন নীয় বলিয়া আইন ভেদ
কর নাই, উহা দেভারা কোন ব্যক্তি এ কথা
বিশ্বিত প্রাহ্যী হবৈন ?

ৰাজ্যার পর্কতবাসীলিগকে দ্রু দিবার নিমিত্ত ভ এক দল গৈনা প্রেরিত হইয়াছে। প্রাল্ক ওপিনিম্ম বলেন, কোহাটের সীমান্তিত একটা পলীগ্রাম কিছ দিন হইল কৃষ্ঠিত হওয়াতে তথারও এক দল গৈনা প্রেরিত হইবে। এই সকল সীমান্তিত মুদ্ধ অমললের কারণ। অবা লার মুদ্ধ হওয়াতে দেশের অনেক অবদল হই রাছে।

#### ৩ রা ভাদ্র মধলবাব।

রাজা থিওডোবের পুত্র আলামের ইংলও দর্শন করিয়া এত আজাদিক ইংইয়াছেন (ব. তিনি উক্ত দেশ ত্যাগ কটিও চাহেন না। রাজকুমার ইংলভীয় পৃতীয় সম্প্রদায়ের ধর্ম শিক্ষা পাইবেন।

আগামী মার্চ্চগালে ভারতপুরের রাজা প্রাপ্ত ধ্যবহার হইয়া খীয় রাজ্যের শাসনভার এহণ করিবেন।

বিচারপতি নন্দাণ সম্প্রতি সিদ্ধান্ত করিয়া ছেন, যদি কুলাচার না থাকে ভাষা চইলে সন্তান হীন বিধবা জীলোক দেবসেবার ভারা পাই বেম না।

সম্প্রতি প্রধানতম বিচারালয় মীনাংসা করি 
য়াছেন, জজ যদি জুরির নিরুটে মক্রমার প্রকৃত
অবস্থা বর্ণনা করিতে না পাবেন এবং তরি মত্ত
জুরি যদি সাক্ষ্যের বিরুদ্ধে মত দেন, তালা হইলেও প্রধানতম বিচারালয় জুরির মত রহিত
করিয়া পুনর্বিচারের আজ্ঞা দিতে সমর্থ নহেন।
এটা পূর্বাকার এক মীনাংসার বিরুদ্ধ হইতেছে।
যেখানে বাস্তবিক জবিচার হয়, সেখানে প্রধান
তম বিচারালয়ের পুনর্বিচারের আজ্ঞা দিবার
সম্পূর্ণ ক্ষমতা আছে

১৮৬৭।৬৮ অন্দে বঙ্গদেশে ১,৮৭.৮৫ ° থানি দলীল রেজিন্টরি করা ইইয়াছে। ৩৩৯,৭৮১ টাকা লিভাগীর ব্যয় এবং ৮৯,৬০০ টাকা উদ্ভূত ইইয়াছে। পূর্দ্ধ বংসর অপেক্ষা শক্তকবা ৩ টাকা অধিক আয় ইইয়াছে। রেজিস্টারি করিছে লোকের কত সমন্ত্র নিয়াছে, ভাছার এফ্টা ভালিকা দিলে ভাল হইড।

২৪ প্রগ্নার দক্ষিণ অঞ্চলের উপরে ইব রের কোপদৃষ্টি পড়িয়াছে। গত বাবের ১৫ দিব সের বৃষ্টির পরও বাহারা পুনর্দার ধান্য রোপণ করিয়াছিল, এই বৃষ্টিছে তাছা পুনর্দার জ্লমগ্ন হওয়াছে ভাগদিগের ছিতীয় বারের পরিশ্রম বিকল হইয়াছে। এই বেলা এইসকল দরিদ্র লোকের সাহাব্য করিবার উপ্য় অবলম্বন করা করিখ্য হটভেচে।

कांत्र करार्धत मामनक्षणामीत केंदनर्भन कांत्र करार्धित विकर्ण महिला कर्मार्थित कर्मार्य कर्मार्थित कर्मार्थित कर्मार्थित कर्मार्थित कर्मार्थित

ইউবোপীয় ও এডেনে নীয় বলিয়া আইন ভেদ । বোধায়ার রাজার মৃজু,দংবাদ অমূলক ভয় নাই, উহা দোলয়া কোন ব্যক্তি এ কথা। বলিয়া প্রভিপন হইয়াছে। রানীয়েরা বোধারার। বিভিন্ন বাহদী হবৈন ? । নিকটে আসিয়াছে। বোধারাভে একটী হুসু

ও বাণিজ্যসংক্রান্ত কডকগুলি খন্ন পাইলে ভাষারা সন্ধি করিবে বলিয়াছে। যাহা হউক উধার ভদ্র নাই।

দিলীগেজেই আবল করিয়াছেন, গবর্ণমেন্ট এই বন্দোবস্ত করিবার মানস করিয়াছেন, জাতঃ পর কোন হিচ্দুখানী রেজিমেন্ট দিলীর উত্তরে যাইবেনা; জার কোন পঞ্চাবী রেজিমেন্ট দিলীর দক্ষিণে আসিবেনা। উক্ত পত্র যথাগই বলিয়াছেন এটা নির্ম্ম জিতার কাজ।

উক্ত পত্র বলেন, মধ্য ভারতবর্ষের প্রধান কমিদনর আজ্যা দিয়াছেন, সহকারী পুলিষ সূপ রক্তেভালের নীচের কোন কর্মচারীর বিরুদ্ধে যথন কোন মাজিটেট কোন অভিপ্রায় প্রকাশ করিয়া ভাঁছাকে পদচ্যত, স্থানিত অথবা ফৌজ লারিতে অপিত করিবার ইচ্ছা প্রকাশ করিবেন, তখন ডিট্টি সুপরিলেটে থেন্ট ভাঁহার সহিত এক নত হউন আর না হউন, উক্ত কর্মচারীকে স্থানিত রাখিবেন।

কিছু দিন হইল, আগারার প্রধানতম বিচারা লয় দিলাত করেন, লক্ষোএর অক্টরই কর আইন বিরুদ্ধ। গবর্ণর জেনরল ভল্লিমিত ব্যবস্থাপক সভা দ্বারা সদ্য এক আইন করাইয়া এই করকে আইন্লিদ্ধ করিয়া ভূলিয়াছেন। এ ব্যাপার্কী অভিনয় ক্ষোভুককর।

৪ ঠা ভাদ্র বুবার।

এবার ইংলত্তে ভারতববর্ষের ন্যায় এতিয হইরাছে। ছায়াতে তাপনান যত্ত্রে ৯ - ডিত্রি এবং রৌদ্রে ১২০ ডিগ্রি পর্যান্ত পারা উঠি-তেছে। অনেক লোকে সর্দি গ্রমিতে প্রাণ ভাগিকরিয়াছেন। তৃগও বৃক্ষপল্লব 🕫 🤊 হই **उट्ट। (लोटक शवीक मा चुलिया धाकिएड भारतम** না। সকলকে অভি লঘু বন্ধ পরিধান করিতে क्टेटरहा कार्नक स्मरकटन छोदछ वसीं **प्र** हे दाखा খস, খস্ভ পাখার নিমিড চি≺্∓ার করিতেছেন वत्रक ना बहेरल घनकाल हरल सा। हेल्लर छत বিচারপত্তিসান সেকেলে ব্যবহারের অভিশয় গোঁড়াৰ কিন্তু এমনি ভয়ানক জীলাযে বিশ্লচা প্রতি ওয়াইলড নিজে প্রচুলা খুলিয়া বারিষ্টর দিগকে আপন আপন পরচুলা খুলাইয়াছেন। ल छरमत मिकाम नकल क्राप्त, अपन हिम अधान স্থান বলিয়া প্রায় কোন ঘনের বারাপ্তা ন।ই। ভিন্নিক্তন এবার অভিশয় কণ্ট হইভেছে। জামরু प्रचिद्राङ्क हिन्**म ७** जीव**ल्वतं क** काधिकात করিয়া ইহার বাধিজ্যের গৃহিত উঞ্চতার আধি काती स्ट्रेलन : प्रत्ने वरशताबिध देरलाए जीवा। ্তেশ্যা ইইয়াছে।

গতকলা বেলা ৯ ঘটিকার সময়ে সূর্যা গ্রহণ হয়। অর্চ্চেনেরও অধিক গ্রাস ইইয়াছিল। মেঘ থাকাতে অনেকে ভাল করিয়া দেখিতে পান নাই।

বোৰাবাৰ রাজার মৃত্যুগ্ণবাদ অমুলক ধলিয়া প্রডিপর হৃহয়াছে। রুলীয়েরা বোধারার। আমরা শুনিয়া ছংবিত হুইলাম, বিখ্যাত নিকটে আসিয়াছে। বোধারাজে একটা হুর্গ হোমিওপেথীর চিকিৎসক ডাক্তর টি, বেরিণী -860-

প্রীজানিবজন ফালে বাইবার সনয়ে এডেনে व्यावकत्तां कतिशाह्म।

মান্দ্রাজ টাইমন বলেন ৩৫ গৰিত এতকে 🖯 ীয় রেজিমেণ্টের বাদকের জোনেফ আণ্টিয়কের ঞ্রী বংভিচারিণী হওয়াতে বাদ্যকর উপপতির नाम नानीन कतिया छाहारक छाएन प्रशः এধানতম বিচারালয়ে এই দও হইবার অন্তি পরে বাদ্যকর অধান বিচারপতির নিক্টে জিয়া रिलिस, मर्शनिय जामात खीत क এই प्रसा इट्टेस । আমার এক**টা সন্তান আছে**, ইহাকে ল'লনপালন করিবার সোক চাই। অভএব আন্না পদ্ধান্তর এছণ করিতে পারি কি না ? যদ ত'্য না হয় ভ ঠিকা জী রাখিতে আমার ক্ষমতা আছে কি না ? প্রধান বিচারণতি ব'ললেন ভাষা নাই। ইঙ্গুতে বাদ্যকর অতি ছুঃখে বাটীতে প্রত্যাগমন করিল। মেইন সাহেতের বিল বিধিবদ্ধ ত্টালে লাদ্যকরের দলের লোকেরা কুলটা জীর ছস্ত ৬ইতে রক্ষা পাইবেন।

১২ ই আগেট কর্ণেল র্থনী ছাত্ররার বন, দিগকৈ আক্রমণ করিয়া প্রাঞ্জিত ও আগভ উপভাকা হইতে দুরীভাত করিয়াছেন: ব্ন্যদি श्रित ७॰ जान इंछ इहेशाइ। कर्नल हुश्मी छ চারি জন দিপাছী সামান্য আঘাত পাইয়াছেন। হাজরাতে শান্তি স্থাপিত হইয়াছে।

কুইন স্লাভেব ইক্ষ ও তুলকরের চীন मभूटमत धीलवामीनिगटक मृख कतिया सहसा ্রনীভদাস করিতেছে। এইসরল্গ্রন্থ বন্দি গাকে প্রথমতঃ এক বংগাবের নিমিত্ত আন্যুন করা হয় > কিন্তু একবার জানিতে পারিলে জাত कां पृथ्य ना । आवं मकत्त्रता अहेमकल इन्छ। श. বাজিকে ধৃত করিবার নিমিত্ত জাহাল প্রের্গ करत । कूरेनमनारः शूर्या ভाরভवधी, कूल श्चित्रत्व श्राच्यात हरेगा ध्या किन्तु जवर्गरम हे हेशएक मन्त्राच रम माहे। कुत्म म लाएकत प्रवर्ग মেন্ট ইহার নিবারণে টেটা পাইণ্ডর্ডুন ৷ আব্রাদ कविष्टित्रत चडाव भक्त इंटिंग्डे भगान ব্যবিষ্ণ ক্রমক্রিপাকে কার্য্য জ্ঞাতিদ্যুল করিবার নিমিত্ত কটাই আইনের নিমিত্ত কভই চেষ্টা क्टेश्'ट्रा

चक्राप्टरम्ब नगत (य'बाहर्य अध्यक्ति है करेश:एक। (व'यारे छ दत्रनात दाम अरुप्त कुछ। स्य इंग्राहरू अन्य क्या दिन विकास स्थाप । स्थाप क्षा क्षा क्षा क्षा का स्थाप का स्थाप का स्थाप का स्थाप का स् কিয়নংশ্নশ্মিণ ও ভাপুরি প্রাণনে এক কালে জালমগ হইয়াছিল। দৌভাগ্রেনে রাজ্যার कान इनि इस नाइ। अक इन्द्रन श्राय हा विकृति ज्य भी **का** देशा हल ।

ক্লিকাভার কতকভালি, রাটী বৃষ্টিতে ভাম ধ্ইয়া कर्यक्षेत्र मधुष् इख इहेन्नार्छ ।

ওয়ালটর, জেনিসন মেয়ারনামক এক জন वृद्ध व्यात्मश्रीकाम ल्एटनत् धाक्यत्वत्र कन्यहात्री বলিয়া পরিচয় দিয়া বলে সে ইংলগুীয় পোষ্ট মাষ্ট্র জেনরশের অভ্যেত্রগারে একখানি ভিন্নে ন্ত্রীর প্রস্তুত করিতেছে। অনেক বলিক বিজ্ঞাপ मात निभिन्त हेशांक है। का पन । अ व्यक्तिक বোষাইয়ের সেলিয়ীনে অপুণ করা হইয়াছে। মেয়ার কলিকাতা ও মাজোমেও জ্বাচুরি করি রাতে। মেইন সাহেব ক্লাভ লোফার বিল ঠিক मभरत्र हे हहेशारहः

দর ছেনরি দ্রাও ছয়মাদের বিদায় পাই शाद्भम ।

ভাগলপুথের সার্দ্যধান জনীদার রাজা লীলানক সিংহ ভাগলপুর ক্ষালের নিমিত টাকা প্রদান করাতে গবর্গমেন্ট উ। হ'কে ধন্যাদ প্রদান করিয়াছেন

১লা জালুমারি অবধি ১৪ই আগে প্রথাত ৬৭ ৮৭ ইঞ্চ রুক্তি পাড়িয়াছে । প্রায় সম্পরের রুক্টি ছুই মাসের মধ্যে ছুইল।

र्यादाहरमञ्ज्ञ नातिष्टेत राष्ट्रमाफ नाटर्य दान ওল্লের ছুম্টনায় হত হওয়াতে রেলওয়ে কো-ম্পানি ভাঁহার জীকে ১৭,৫০০ টাকা ওদান করিতে বাধিত হইয়াছেন :

# ৫ ই ভাদ্র রহস্পতিবার।

ইংলিসমান বলেন, ভূটানের গ্রেণ্মেন্ট অস म्यान क्षप्रमान कर्ताए छात्र उवसी स गवर्ग स्मर्के হাঁহাদিগকে যে টাকা দিভেন ভাহ। আর দিবেন ना। अहे छोका 'छोटियां '' कब्र ' विनिष्ठा नहेंड हरा महस्र छाहामिरगत ग्रह विवास स्टेटडर्ड ।

दिनिधाय जानियारह (य. निद्रातजानि भौत रित्रांशन कांव्रात श्रात्म कतिशादि ।

शास्त्रारखात्र क्षरान (कारल ज्यानिशृदतत नर्राष्ट्र এकी मूम्रायस स्ट्रेटिंग्डा अट्टेक्कात अक्षी ছ,পাখানা হইবে। আলিপুরের জেলে গবর্ণ ্মন্ত চট প্রস্তাকরিভেছেন । এই সঙ্গে গবর্ণ ्मन्हे कि এक्षी वरश्चत कन किन्ना मकनरक দুষ্টান্ত্রগর্মন করিতে পারেন না ?

্প্রচলি রায়টাদের জবানবন্দী আপাডভঃ শেষ eইল। সর চারলস জাক্সন এ ব্যক্তির পুনরায় क्रवानवन्ती लहेटवन । এই क्रवानवन्तीएक क्षकान : लाक माता पांच वना याच ना । भाइष्ट्राट्ड ४৮७८ छ ४৮७८ छाट्स (श्रमहीमहे. বোধাইরের টাকার বাজারের হর্তা কর্তা হইয়া- ় নিয়মে দক্ষি হইয়াছে, ভাষা বোধাইপেজেট ছিলেন। ভিনি নানাপ্রকার ব্যাক্ষ ও কোম্পানি করিয়া ভাহার অংশসকল বিক্রয় করেন।

जिनि ६० - টাকার অংশ ১৫ - ० - টাকার বিক্রয় করিতেন : ক্রেডার টাকা না থাকিলে তাঁহাকে ''বিশ্বাদী " প'ত্ৰ বলিয়া, বোষাই ব্যাক্ষ হইতে कर्फ (मध्याहेद्रजन । (धमहोदन भद्रामान বোৰাই ব্যক্ষি কেবল থড লেখাইয়া লইয়া টাকা भात एटफ कार्लक करतम । बहारका अस्तिकोती বেলেয়ার ভাঁহার সহচর ছিলেন ; ছই ভনে সকল কাজ করেন। প্রেমচাঁদ অনুরোধ করিতেন এবং (वरलहांत्र याहारक 'डाहारक होका कर्ज बिर्डन। যাহা ১টক, এক্ষণে কথা হইতেছে যেসকল मुखं ताष्ठ'हे वास्क्रित महिन्छ ज्यानक हिन्द लाटकत नर्कानां कावशादक, खाशांक्रिशंव वर्ष **इहेर्त्र कि मा** २

যণোহারের অমৃত বাজারপত্রিকার নামে ভত্তভা ডেপুটি মাজিটের রাইট সাংহ্ব য়ে नालीन कतियार्डन, एडि मकस्यालित विठात ভার, হয় কোন বারিষ্টাঃ বিচারপতি নচেৎ জল কোফোটের নায় কোন সিবিলিয়ানের হত্তে (मंख्या कर्डवा। এই মক**स्त्रमा केंशल**क्क याना रतत पृष्टभूनी माजिएकी । खादेकी माजिएकि অভিশয় গহিত ব্যবহার ক্রিয়াছিলেন। লাই (बहुलंब मकस्माय कर्व काम्युक्तिक गृह হইতে গ্ৰেপ্তার কৰা হইয়াছে? এক জন প্ৰভাৱী गतकात्री कर्षां अति कितन । भाक्षित्ये हेश्यक স্থাতিকরিয়াছেন। এসকল মকন্দমার দণ্ডের পুরের স্থগিত অথবা পদছু,ত করা অন্যায়। সিবিল স্থিপের প্রধালীকে ধন্যবাদ ! যিনি এই সকল কাজ করিয়াছেন, কোন এডদেনীয় যদি ভাঁহারা অর্ছেক গুণ ধারণ করিতেন, ভাঙা रहेटल छाहाटक এड निम পाछान प्रिथिटड 1 235

ডেলিনিউস আগণ করিয়াছেন, কটলভের সম্প্র मायुक्क ज्ञानवत ७. मिनियुत চाপलानिक গের বেডন সর্গার একবিধ করা হইবে

উক্ত পত্র ভাবণ করিয়াছেন, ভারতব্যীয় शवर्गामन्ते वलामाल्या अवान वे स्थिनियवाक विल-য়ান্ত্রে, আন্মাণ অথবা যে ঘাটে ভিনি ভাল বুঝেন, সেতু প্রস্তুত করিতে পারেন । পথা ও গোরাই পারের নিমিত ছ**ইখানি** বাস্পীয় জাহাজ রাখিবার এন্ডাব হইয়াছে। এটা করা অভিশয় অবশ্যে । প্রতিবংশর **প্রায় যে ক**ড

বোখারার রাজার সহিত রুশীরদিগের যে যে প্রকাশিত হইয়াছে। রাজা প্রতিবৎসর দেভ लक् यर्ग विंता क्याच्या पिरवन। ठाविक्यी,

কার্শি এবং কার্মণিতে এবটা রুলীয় শিবির **स्टेटन । इप्यातकः स्वत्र छित्र व्यत्र** शिएछ अन्त्री क्रमीय पूर्ण इहेरव। श्रुमात्कम इहेर<sup>ड</sup> বোখার।পর্যান্ত রাজা িজ বায়ে একটা রাস্ত করিয়া দিবেন ৷ বেসকল বোখারীয় রুলীয় সেনা প্ৰতির হল্ডে বন্দীর ন্যায় আছে, ভাহাদিগের গ্রাড়েকের মুক্তির নিষিত্ত ১০০০ আর্থ টিকা मिट इहेट उट्डा **अट्ड** १२ इहेट **ए भक्**म ধ্বিক আসিবেন উল্লিদিগের কোন ক্ষতি না হয় ভাহা রাজাকে দেখিতে হইবে। রাজা যত দিন এই নিমুসানুগারে কাল করিবেন, ছাত দিন ভাঁহালে বোখার। শাসন করিতে দেওয়া ছইবে। রাজা ইহু তে সম্মন হওয়াতে রুশীয় সেনাপতি আপন গৈন্যদিগকে এইয়া ভাসধন্দ ও জিজাকে গমন করিয়।ছেন । স্থ্যারকন্দ গোয়ালিয়রের गाप्ति अक पन कनीय देशनाचात्रा त्रक्तिक स्ट्रेटन ।

ব্রোচের মুক্ষেফ বাছরাম মন্তিরাম সরকারী টাকা ভছরাপ করিয়া তৎ পরে তারা মিলাইয়া নাদিবার চেষ্টা পাওয়াতে ভাঁহার এক বংসর মেয়াদ ও ১০০০ টাকা জ্ঞারিমানা হইয়াছে।

প্রধানতম বিচারালয়ের অদিম বিভাগ ১২ ই দেপ্টেম্বর পর্যান্ত বন্ধ থাকিবে। মফস্বলৈ এক মাস ছুসী হইতেচে। প্রধানতম বিচারালয়ের বিচারপাতগণ এত বিনায় পান কেন অ'মরা তহো বুঝিতে পারিলাম না।

প্ৰলিক ওপিনিয়ন বলেন সম্প্ৰতি পঞ্চাবেয়
সীমার ৮০ বাজি গ্ৰাবি জেনেরপের নিকটে
আবেদন করিবার নিমিত্ত সিমলার গমন করে।
সর জন লবেন্দ বাছের ইইরাইন, এমত সময়
ভাষারা দি ডিরা আদিল গলিপ্ত প্রহরীরা ভাষা
দিগকে গোঁড়া কভাকারী স্থির করেয়া এখার
দ্বারা ভূমিলাই করিল। পরে ভাষাদিলের ইস্তে
আবেদন পত্র দৃষ্ট ইইল। এ হাজিদিগকৈ কি
মাডিটেটের হস্তে দেওয়া বিপেয় হাই কলি
কাভার এক ব্যক্তি এ প্রভার করিয়া এক মাস
হরিব বাসিতে বাদ শ্বিরাভিল।

ক্ষেক দিনগাবধি গঙ্গায় জ্ভিনয় বান ভাকিভেছে। তিন দিবস হইল জুইখানি গানা বোট জলমন হইয়াছে। জাহাজের কোন ভ্নিষ্ট হয় নাই।

জ মরা গে গুলব ইতিয়া দশন করিয়া আছে।
দিত হইলান, জার্ক ডিকন প্রাট, বস্থুগণের অন্থ রোধে আব কিছু দিন ভারতবর্ধে থাকিবার নিমিত জাবেদন কার্ছাছেন। বঙ্গদেশীয় ও ভার ভববীয় গবর্ণনেউ এবিষয়ে ষ্টেট সেক্টোরিকে ভন্নবাধ করিয়াছেন।

উक्र शब रालन, कड़े। है आहेन ना रहेल

কৃষকদিগের মঞ্চল হইবেনা। যাংগর জনিষ্ট করা হইডেছে ভাহাকেই আবার কৃডজ্ঞ ইইডে বলা এটা কেবল ফেড্ড অব ইণ্ডিয়া ও মেইন সাহেবের বৃদ্ধিডেই আইনে।

উক্ত পত্র বঙ্গদেশের জ্ঞমীদারদিগকে এই বেলা গতর্ক করিয়াছেন উাহারা এই বেলা গবর্ণর জ্ঞেনবলের প্রস্তাবে সন্মত হইয়া স্থেছা পূর্মক শিক্ষাকর প্রদান করুন, নচেৎ কারও মন্দ হইবে। এমন ফুও ঘাহাদিগের সহায় ভাহাদি গের ভাল হইবার সন্তাবনা কি।

# ৬ ই ভাদ শুক্রবার।

গেজেটে পাটনা ও মেননীপুরের বৃদ্ধি ও শাস্যের অবস্থা প্রকাশিত ইইয়াছে। সামানতেঃ পাটনাবিভাগে দশ আনা শদা ইইবে; কিছা মেননীপুরের অধিকাংশ স্থানে প্রশাবন হওয়াতে বিস্তর ক্ষতি ইইয়াছে। গড়বেভায় কেবল ভত বৃক্তি হয় নাই। মেদমীপুরের কালেকর অমীদার দিগের উদাসীনেরে নিমিত্ত বিশেষ আচে প করিয়াছেন। বাধ রক্ষার নিমিত্ত অনেক জনীদার রাজাম হইতে অব্যাহতি পান; কিছা কেইই স্বক্তব্য সাধন করেন না।

রেলুণ টাইমস বলেন, ব্রিটিশ ব্রংক্ষার বিদ্যাশি কার ডিরেক্টর হডারণ সাহেব লিখিয়াছেন, সম্প্রতি আকাবের গ্রহণ্মেন্ট বিদ্যালয়সমুদায় আসবাব ও পুস্তকের সহিত ভস্মীভূত হইয়াছে। কোন ছন্টেষ্টিত লোক একাজ করিয়াছে । কিছ এবাজ্ঞি দৃত হয় নাই।

शिक्षां है विषय वटनन, खांत खरवी श्र शवर्व स्माने मही स्टूर्तत देवना मश्था क्याहेवात व्याख्यः निशाहन । शवर्व मटिने किलिए हे खित अवस्माने नीत वाकामपूरक देवना ताथियात क्यान श्रहां क्या नाहे।

গত শুক্রবার নড়াইলের জমীনার বাবু হরনাথ রায় ৭৫ বংসর ব্যুদে কালীপুথে প্রাণভাগি করিয়াছেন। হরনাথ রায় দেকেলে জমীদারের এক ক্রম আদর্শ ছিলেন। ইখার ঘারা অনেক সং কর্ম হইয়াছিল।

ভেলিন্টিস প্রবণ করিয়াছেন, উপনগরের মিটনিদিপালিটের সহকারী সভাপতির পদে আর এক ব্যক্তিকে নিযুক্ত করা হইয়াছে। উক্ত পত্র ভূতপূর্ম সহকারী সভাপতির হিসাব দর্শন করিবার অন্তর্গাধ করিয়াছেন। আমরাও এই কথা বলি। হালভেন লাহেবের বিষয়ে অনেক জনরব প্রকাশিত হইয়াছে। জামরা মফখলের মিউনিসিপালিটির ক্র্বিখা ও ক্রনামের নিমিত্ত এই প্রস্তাবের অন্ত্র্যাদন করিতেছি ।

উপনগরের পুলিষ এত সতর্ক যে গড় বাহির মূজাপুরঅ'মে সম্প্রতি ৬ টী সি দ হইরাচে কিন্তু এক বারও পুলিষ অনুসন্ধান করিতে আই দেন নাই। একানচীতে কুঞ্চপক্ষে প্রায় পাহারা ওয়ালাকে দেখা যায় না। এখানকার যেমত রাস্তা সেই প্রকার পুলিষ। গত মড়ের সনরে সর্সাত্র সাহায্য দেওয়া হয়, কিন্তু এখানে এক ব্যক্তি এক পর্যা পান নাই। এই সলে যদি কর্সংগ্রহ প্রতাব্যি বিস্মৃত হন তবেই কতক সম্ভোষ।

# ৭ ই ভাজ শনিধার ৷

সুব্ধিক আইনসংক্রান্ত বিপোট প্রকা শের বে সক্ষয় করিয়াছিলেন, ডাহার প্রথমবণ্ড প্রকাশিক হইয়াছে। গ্রাহকগণকে বার্ষিক ৪৫ ও ডাক্মান্তুল সমুায় ৪৯ টাকা দিতে হইবে। এত টাকা দেওয়া অল্ল লেকের সাধ্যায়ও হইবে।

প্রেলিডেলিকালেজের ছাত্রনিগের এখন ১২ টাকা বেডন দিতে হইডেছে, ১৫ টাকা করি বার অভিপ্রায়ে ছাত্রদিগের রক্ষকগণের আয়ের এক ডালিকা করা হইডেছে। যদি অধিকাংশ ছাত্র ধনিসস্তান হয়, ভাহা হইলে বেভনবৃদ্ধি হইবে। ভার যভ দূর ইচ্ছা টানা যায় না।

মদশলের যাবতীয় কালেকে ছই জন
করিয়া ইউপীয় আইনের অধ্যাপক হইবেন।
আপাততঃ এক জনকে নিযুক্ত করা হইতেছে।
তিনচী আইন প্রেণি হইবে। তিনবৎসর উপদেশ
প্রবণ না করিলে পরীকার্দিতে দেওয়া হইবে না।
এক্ষণে যেনন ৯॥ ঘটিকা অবধি ১০॥ ঘটিকা
পর্যান্ত উপদেশ প্রবণ করিবার এখা
আছে, ভাহা থাকিতে কিছুই হইবে না।
উপদেশপ্রবণের সময় অধিক হটক এবং
ভিন মাস অভ্যর পরীকা হইতে থাকুক। নচেৎ
এত বায় রুণা হইবে। এক্ষণে দেখিতে পাওয়া
যায় ছাত্রেরা আগে কিছু করেন না, শেষে
ভাড়াতাভ়ি করিয়া যা কিছু করেন এই নাত্র।

ডেলিনিউন অবগত চইয়াছেন, ভারতব্যীর সভা রাজক্ষরকা প্রাথশ দিবার নিমিত্ত যে সভা স্থাপনের প্রস্তাব্দ করেন, স্টেটসেকেটারি ভাষা অগ্রাহ্য করেয়াছেন। অন্য অন্য সভার, চেষ্টা ডাগ করিয়া ব্যবস্থাপক গভাকে প্রতিনিধি সভা করিবার চেষ্টা পাওয়াই কর্ত্তব্য '

উজ্জ শত্র বলেন, বেহারের জনসেচন খালের নিমিত্ত ভূমি লইবার জন্য এক জন ডেপুটী কালে ইব নিযুক্ত হইয়াছেন। এটা শুভ লক্ষ্ণ। নিয়লিছিও মুল্যে গ্রথমেটের কাগজ বক্তি ক্ইডেছেঃ—

8 টাকার সিকা
8 ° কোং ১০৩ | ১০৩ | ১১৫ |
6 শবলিক ওয়ার্ক ১০৩ | ১১৩ |
6 ° কোং ১০৩ | ১১৫ |
6 । ১১৫ | ১১৫ | ১১৫ |

-:0:-

# ইউরোপীয় সনাচার ৷

১৬ ই আগন্ট। সর জন লরেশার পর আরল মের ভারতবর্ষের গবর্ধর প্রেন্ডল হইবেন, সংবাদপত্রসমূহ এই জনরস লইরা আন্দোলন করিভেচেন। প্রায় সকলেই বলির'ছেন, জিন এ পদের উপযুক্ত নহেন। প্রায় ডি পত্র বলেন, জাহার নিয়োগের প্রতি ইলেগান্তর নিগাঁচ পত্র বলেন, জাহার নিয়োগের প্রতি ইলেগান্তর নিগাঁচ কারণ এই, যে তিনি কনসারবেটি। দশসূক্ত। এক স্প্রেন পত্র হলেন, শেষ জনরস্থ এই যে আরল মের ভারতবর্ষে ঘাইবেন না। উক্ত পত্র আরও বলেন, আরলমের নিজে এপদের নিমিক আবে দন করেন নাই, তিনি উহা গ্রহণ করেন, এ নিমিত্ত ভারতে অস্থ্রেষ করা ছইয়াছিল। সাধারণ মতে সর্প্রতিন ভারতবর্ষ স্থান্তের স্কৃত্তে আছে।

১৫ ই আগষ্ট। সন্ত্রাট নেপলিয়ন পারিসে মহাসমারেংহে বিস্তর বৈদেশর যুদ্ধ কৌশল দশন করিয়াছেন। লাড নেপিয়ব ঐ সময়ে উপদ্বিত ছিলেন। লাড নেপিয়র অভঃপর সালকের শিবির দশনার্গ গমন করিয়াছিলেন।

আয়ারলপ্তের অন্তগত টিপারেরিতে একটা ভন্নানক ও ঘৃণকির অন্তগাচার হইয়াচে। এক জন বেলিক ও কনষ্টাবলকে বধ এবং জ্বীদার ও জার চারি জনকে আহত কবা হইয়াছে।

গত কলে (র গেজেটে আবিসিনিয়ার সেনা দলের কতকগুলি আফিসরকে যে পুরস্কার দেওছা হয় ভাছাব ঘোষণা হইয়াছে।

১৭ ই আগষ্ট। লগুনস্থিত আমেরিকান মূতন দৃষ্ঠ রেবাডি জনদন গংহেব লগুনে উপ নীত ফইয়াছেন।

ফবাশী গ্ৰণমেন্ট গ্ৰন্থত চাৰিয়াছিলেন. ভাষার টাকা আলায় হইয়াছে।

আয়ারলতের অন্তগত ২০ লের এক জন পাদরির বাটী আক্রান্ত ২০ কর আক্রমণ কারীরাদুরীকৃত হইয়াছিল।

নিউইয়ক হইতে টেলিঅম অসিরছে: তথার বৃষ্টি হওয়াতে জার্জিয়া, দে বিভা ও মিসিসিশির তুলা নষ্ট হইয়াতে।

১৯ এ আগপ্ত। আদ্যানর প্রাভঃকালের টাই
মনের এক প্রস্থাবে আবিদিনিয়ার দেনাদলের
আফিনবদিগকে পুরস্কার দিবার প্রশালীর প্রতি
দোগারোপ কবা ইইয়াছে। দেনাপতি স্থানেল
ও মেলর বেবিলেব নাম কেন উলিখিত হয় নাই
ট ইমন ভাগার কোন বাবল নুঝিতে পারেন না,
কর্মন মেয়ার ওয়েদার কিজনা বেবেট কর্মেল
ও কাল্পেন হলাও কেবল মেজর হয়য়াছেন,
নাংগ্র ইট্মনের বোগগন, নহে। সব স্থান্তেন

নথ কোট ভারতব্যীয় স্থার গ্রহণ করিতেছেন বলিয়া ঐ প্রস্তাবে বিস্ময় প্রকাশ করা ইই য়াছে। টাইমস বলেন, এক্ষণে প্রকাশিত ইই য়াছে, ভারতবর্ষে কোন সাধারণ হিতকর কার্য। না করিলে এই চিত্র পাওয়া যায় না।

প্রোটেষ্টান্টেরা আপনাদিগের পক্ষর্থনার্থ লিডনছালে যে সভা করিতে চহিয়াছিলেন, ইষ্টি হওয়াতে সে উদ্দেশ্য বিফল হইয়াছে 1

মহাসভার নভ্য মনেনীত করিবার সময়ে উৎকোচগ্রহণের মঞ্জনা স্থীকার করিবার নিমিত্ত সালগিটির জেনরল সার্জ্জেন্ট ক্ষক্তিংম এবং আলালি ফ্লিসবি সাহেব কিউ, সি, সুত্তন জ্ঞান নিযুক্ত হৈয়াছেন।

# নার্ন নার বিজ্ঞাপন। বঙ্গদেশীর লেপ্টনন্টগর্ণরের আদেশারুগারী নিয়োগ।

১৪ই আগন্ত-ভারতব্যীয় বেলওয়ের পুলিবেন প্রতিনিধি সহকারী ইন্পেটার জেনরল লেপ্টনন্ট এচ, এম, রামসে উক্ত বেলওয়ের বঙ্গনেশার মধ্যস্থিত অংশের মধ্যে মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন গকিপ্ত বেলওয়ে কোম্পানির ভূতাদিগের বেজিইরিভিন্ন লেপ্টনন্ট রাম্যে মাজিটেটের অন্য কোন ক্ষমতা চালন করিতে পারিবেন না।

্চ এ জুলাই অবধি ই. ডি. গডফি সাংহৰ জীৱামপুৰ ও উত্তর পাড়ার মিউনিসিপাল কমি সন্ত্ৰ হইয়াছেন।

त्रि, এচ, कारबल गारहर भरीकक गमारखः मजाभाव कहेरवन ।

নিমুলি খত ভদ্রলোকেরা প্রীক্ষকসমাতের সভঃ হইবেনঃ---

জে, মনবো সাহেব। ডব্লিউ, এম, স্টুটার।

১৫ ই আগস্ট। ১৫ ই জুন অবধি বাবু মহেশ চন্দ্র বন্দ্রোপাগ্যায় প্রেসিডেন্সি কালেক্সের এক জন প্রতিনিধি সম্কারী অগ্যাপক স্ইয়া-ছেন।

২৪ এ জুলাই অবধি বাবু মহেশচন্দ্র বন্দোপা ধার লিকাবিভাগের চতুর্পজেলিক হুইয়াছেন। যত দিন এফ, আডাম্ন্ সাহেব বিদার লইয় অনুপস্থিত থাকিবেন, তত দিন জে. এচ. জন প্রোন সাহেব মেদিনীপুরের প্রতিনিধি পুলিষ স্থাবিদ্যোজন ইইবেন।

--; • :---

# মগরাছ সংবাদদাতা লিখিয়াছেন।

গত ৭ই আগষ্ঠ ভারমগুহারবরের কাছারিব মালখানার এক গিল্পুক ভগ করিয়া কওকগুলি টাকা চুরি করিয়া লইয়া গির'ভে: পুলিষ নানা বিধ্যক্ত সন্ধান করিভেছেন্য কিছুই করিভে পারি ভছেন না।

আজি চারি দিবস ক্রমাগত রাড় ৪ র্ফি হও

शारिक अक्षरनरमत माठे क स्क्रिक्रम के का का का ला काल श्रानिक इंदेश में महीविभिष्टे धारमात गाक मकन कानमा इंदेश एक, अ वरमत मरमात गरम गुरम कानि इंदेरक हा आदीन लाकत मूर्थ हिया खरित मध्यरत्त कथा कि नियाहिनाम, बूका काणा जिराज का गाजिय का शाहिनाम वुका काणा जिराज का गाजिय का शाहिनाम वुका काणा

পপ্রদেশে একে ত রাস্তা ঘটি ভাল নাই
যাহা আছে ভাহা বর্ষাকালে এর ন কর্মা হয়
যে বালী ব্যাহির হয় কাছার সাধ্য বিশেষতঃ
বর্ষায় জলে অনেকাংশ ভগ হইয়া যাওয়াতে
সাধারণের যংপরোনা স্তি কন্ত ও ভাক গমনা
গমনের অভিশয় ব্যাঘাত ঘটিয়াছে। এ বিষয়ে
কর্তুপক্ষের বিশেষরূপে দৃষ্টি রাখা্ট্চিত।

ইতিথেকে থানা স্থলতানপুরের এলাকার এক ডাকাইতি হয়, পুলিবকার্যদক্ষ সব ইন স্পেটর চাদ চৌধুরী মহাশয় নানাবিধ অনুস দ্বান ও পরিশ্রম করিয়া জেলা মেদিনীপুর হইতে মাল সমেত দক্ষাদিগাকৈ গুজ করিয়া ডায়মণ্ড হারবারের বিচারালয়ে প্রাইয়াছেন।

---; • ; ---

# আমাদিগের কালনাস্থ সংবাদদাতা লিখিয়াছেন ৷

এখানে अन्नाष्ट्रभीत हिन अवधि अन्नाथ कृष्टि হইতেছে যে, ভাহাতে জলপ্রাবন হইয়া গিয়াছে, জনবৰত পাশ্চম দিগ হইতে হঃ হঃ শক্ষে ৰাডাস **অ'সিডেন্ডে, ভাছার সজে সঞ্চেই রৃষ্টি। বৃষ্টি** রারার বেগেরই সীমা কি। কালনার নিকটস্থ প্রায় সকল আমই জলে পরিপূর্ণ। অনেক আম এক। বাবে লোকপুনা। নিরাজ্ঞর ব্যক্তিরা গে'বংস ও অন্যান্য সামত্রী সমস্ত লইয়া এখানে লোকের व्यक्षित्र वाञ्च क्रिएफ्ट्रिं। व्यक्तिकत् पूर्वनात् পরিসীমা নাই। মাঠে প্রায় ৩ । ৪ হাত কোথায় व एटडाधिक क्रम माज़ाव्याटक। भारतात विरम्स क्षा विश्वादक । अधिक कि अ अध्यदन भागा रहरव अज्ञान (वान इस ना । व्याट्या इस्टबंद विषय এই .য, আউদ ধান্য প্রায় পাকিরা উঠিয়াছিল. छन्नांनक खन्यायरन नमन्छ नष्टे बहेशा (मार्क्त मर्यानान इहेस: भिक्षाटक । भारतात छ এहे. खादात লোকের বাসগৃহেরও ভয়ানক অনিষ্ঠ দেখা ধাইতেছে। ভীৰ গৃহ ত প্ৰায় মৃত্তিকালাও হই-हारक, व्यानक छेडम छेडम अझेलिकावस पूर्व-मीत (मर (एस) याहेराजहा । अधन ७ तृष्टि इहा ্ডছে। এদিগে গলা, নদী পুকরিণী সকলই পরিপূর্ণ !! এখন যাহা, ইইতেছে ভাহাই আধিক। ঘাহা হউক, এবার যে কি ছদ্দশা উপ্রিত হুইবে, ভাবিয়া স্থির করিছে পারা যার না। আট্রেস ধান্য নষ্ট হওয়াতে ইহার মধ্যেই চাউলের कर्खनः (य श्रक्षांमिरशत नाश्यः) करिया छानानि शरक आशी करतन

व्यामानित्यंत्र मकःकत्रपूरतत्र मःवासः माछ। निधियोटस्य ।

गढ > ఏ अ सुनाहे वृथवात अथातन अक्षे ত্রাকাণ যুবার ফাসী হইয়া গিরাছে। ঐ ব্যক্তি কোন রভঃপুত রমনীর প্রণয়পাশে বন্ধ হয়। এক দিন বাজিতে এ যুবতীকে প্ৰলোভন দেৰাইয়৷ উহার পিত্রালয় হইটেড ছানান্তরে লইয়া যায় এবং একটা বিজনস্থানে এ প্রণয়বিমোছিতা জীর জীবনসংহার করিয়া উহার বস্তালকার সমুদার আত্মদাৎ করে।

এক নৰপ্ৰস্তা নারী প্রসবের কভিপয় দিবস প্রতিবাসীদিগের পরে, এক দিন ভাহার वातिएक शिया करिन, विषि श्हेरक स्विम स्वान ব : চিব না, অতএব এ লালের নিমিত ভোমালি গের নিকট বিদায় লইতে আসিয়াছি। উলার #ভিবাসিগণ প্রথমে তথাকে। বিশ্বাস ন: করিয়া বরং উঠার সভিত নানাপ্রকার कृतिएक लाजित। अन्छत् जे तमनी (यमन चीत বালীতে আসিয়া প্রাক্তে উপবিষ্ট হইল অমনি উহার প্রাণবায়ু অসার দেহাগার পরিত্যাগ ক্রিয়া নিভাবায়ুর সহিত্সংমিলিত ইইল। हेशांकहे वाल हेव्ह मृह्य ।

শুনিয়া সাতিশয় ছংখিত চ্ইয়া প্রকাশ করি एक चि.स. अवादत अ अधिन नेपीत वाप भूनतात्र ভগ্ন ১ইস্নাচে। গত বংসর ঐ বাধ ভালিয়া কভ वाम छ रमन निषादक जुला यात्र मा। अ वादत अ যদি আবার ভাগাই ঘটিল, ওবে আর ভছতা নার : বিপদের উপর বিপৎপাত অসম। মার্চা (मत गंदेवात खाहारमत्वे गाहेर्त, कारतात ि বল। বাঁধের ওভরসিয়র কি করেন है টাকা ত कम वाय इस मा।

মজঃফবপুর হইতে হাজিপুরপর্য,তা একধানি ডাকের গাড়ি হইলে এবানকার লোকের বিশেষ উপকার দর্শে। আমরা ভারতবর্ষস্থ কোম ডাককোপানিরে অনুরোধ করি, এখানে এক थानि ভাকের গাড়ি খুলুন, यर्थन्टे लाख स्ट्रेस्ड পারিবে ৷

পুনরায় এখানে এীআডিলয় ও প্রচণ্ড রেজি क्षंस्र कुछ इहेट छट्ड क्षेत्रक मिन दृष्टि न। इलग्राहे ইংর প্রফুড কারণ। ফলতঃ এবর এখানে রুক্তির ভাগ অল্প ; কিন্তু এখনও যেরপ সমাচার । ছারা আঘাত করে। আমাদিগের দিয়ালু মাজি

मत वृचि **स्ट्रिट्ड। अक्टल अभिगत्रिंगरात शालका साट्टिड एक छाराटेड** त्रिन्द्रात पड़ शनि स्ट्रेटव मा। धारमात शरक किছू शानरयाम।

शाद मिट्नत यट्या अधानकात नमीमकन करन পश्चिप्नं इहेबार्ट्। डेहार्ड डीतविड শস্যাদির অপকার হইবার সম্ভাবনা। 🐪 🎉

> ---:0:----चार्मातिरभत अमाश्यामच् मश्याम-

माजा निधिवाद्वन

১। গত ৬ ই বৃহন্দাভিষার এলাছাবাদ ত্রাহ্মানমাজের ভূতীয় সাধৎসরিক সভা হইরা

২ মহালয়কে পূর্মে জ্ঞাত করিয়াছিলাম. এখানকার সদর বোডের প্রধান মেষর সি, বি, ধ্রন ছিল সাহেব পীজিত হট্রা কেপে গমন করিয়াছেন। সত্থতি আমর। ওঁংগর মৃত্যুর কথা শুনিয়া যাহার পর নাই ছঃখিত হইলাম। मझ्रायात्र श्राताख्ये नकरल वांधा हत, छाहात भरत्नक नाहे। कि. च्यान्हेटर्वा व विषयु, स्य व उक्ति উক্ত মহাত্মার মৃত্যুর সংবাদ এচবণ করিতে क्रिन, जिनिहे प्रथित हरेएउर्डन। हेक छनान क्रु क मह्यम्ब अख्यम्मान ममत (वार्ष्टत প্রধান মেশ্বর ও একজন যথাধ দেশহিতভবী ছিলেন বলিয়া এখানকার বাজালি ও হিস্তম্বা নীরা ভাঁহার প্রভিমুক্তিস্থাপন অথবা জন্য কোন প্রকার কার্য ভীহার স্মঃগাপের চিইস্বরূপ করিবার মানস করিয়াছেন। জীয়ক্ত বারু নীলক মল মিত্র ও 📾 বুক্ত লালা গয়াপ্রবাদ ১০০০ এক হাজার করিয়া টাকা স্বাক্ষর করিয়াছেন এবং যাহাতে এ কার্য্য সম্পর হয়, ভাদধ উল্লার होत्।त्रश्यट्व अखिल्य व्यवन् आट्वेन।

 । व्यानत्यंत विषय वितास कहेत्र (य. अ श्र দেশে কএক দিবসাবধি ক্রমাগত বৃক্তি হইডেচে।

এখানে বৃষ্টি হওরাতে ত্রীবের প্রাচ্ঠাব তত নাই এবং চকুর পীয়া ও ,ওলাউঠ। (वार्शत करनक स्ति स्टेशार्ड

৪। এখানকার বর্ত্তমান পুলিব স্থপরিক্টেণ্ডেন্ট ক্লার্ক সাহেব ও কোভয়াল নারাম্বণ সিং এখানে আগমন করিয়া অবধি পুলিবের বন্দোবন্তের विषयः प्रविद्यान मुद्यारयाशी इहेम्राट्या। श्रृणिय প্রহরীরাও এখন স্বকর্ত্তব্য সম্পাদন কবিতে वात्रक कवियारहरू।

 ध्वनकद्दित्तिक्षेष्ठ मात्रिक् वास्थित এজেন্ট ছই জন হিন্দুত্ব নীর প্রতি কুকুর নেলা ইয়া দিয়া আপনার। জী পুরুষ ছই জনে ভাষাস। (मर्थम । कुकुत यादेवा थे छहे वास्क्रिक मरखत

क्षिक्र गार्ट्स्ट्र निक्वे अहे मक्षमात्र छेनन्छि হইলে তিনি এজেন্টের ১০ দশ টাকা জারিমানা कतिया । लीह है कि है वास्क्रिटक मन এবং বাকি পাঁচ টাকা গ্রণ্নেটের খাভায়

-000.

व्यामानित्भत मंजीनश्रुतक मःवाम माजा निथिशार्मन।

জেলা ২৪ প্রগণার অন্তর্গত জয়নগর থানার এশাকার মধ্যে অভ্যক্ত চুরি হইতে আর্ড रहेब्राटकः वास्ति वाम यात्र मा। প্रভितादिक ছুই এক বার্টাতে দিশ ক্ইতেছে ও স্করেরা দিশ দিয়া চুরি করিতেছে। কাছার বা পোলা হইতে थानः सहसा याहरण्डह, थानात ह्यूः भार्त्वह চুরির বড় বা ড়াবাড়ি, কেবল চুরিও নয়, কোন कान वाजीटक कर्ष काकाहे कित नाम हहेटकहा. 'क्टमरक भू तिव भयुष्तित्रितात (हक्सोप्न ७ काल লতে ধাইবার ভয়ে কতি অস্বীকার করিভেছে। মঞ্জীলপুর জ্বারণার ও ডংস্রিহিত গ্রামসমূহেই চুরির অধিক প্রাচ্ডাব। এদিগে চুরির 🕏 अहे की दृष्टि. अ मिर्टन (को की नांत्री के राइन त কেমন কড়া কড়ি, এজাদিগের কি খেয়ার কড়ি দিয়া ভূবে পার হওয়া হইতেছে না > একে ভ शूमित्वत्र कर्मत्थामणा, ভाहाटक कादाद शुनित्वत অনেক মহাপুরুষের হাতপাতা রোগ আছে. क्षु ज्वार क्ष्मारमार्कत निवाभाम शाकिवांव नहा বনানাই। অনুধিকাংশ কলে যথাই বিষয় গোপনে থাকে। যাহা হউক পুলিধ সত্তর এ की १ जा मिवांतरण यत्रवान् इडेन।

এ প্রদেশে অত্যন্ত বর্ষা হওয়াতে ধানের ांगाइ नक्त करन पूर्विया পहिया यहिएछह, हास्त्र অতি অসুবিধা ৷ কুষকেরা হা হতোশ্মি করি (BIE)

आमापिरात कानीच मःवापनाचा লিখিয়াছেনঃ---

১। कामता स्थमिशः प्रःचित रहेनाम, व्यक्तका सद बीयुक (ज, अइंड, वि, वाहेतन माहेड मरहा দুর এখান হউতে আগুরায় বদলি **হইলেন।** ইনি এখানে আসিয়া ্ৰপৰ্যান্ত মাজিকৈটের कार्यः नियुक्त छित्नन, (मश्यांख अधात स्मान গুরুতর অভাচার ধইতে শুনা যায় নাই। ইনি স্দিচারবিভরণ ও দেশের উন্নতিসাধন ক্রিয়া थस्रोत मरनात्रक्षक रहेम्राहित्सन । हेनिहे खंजाखा হোমিওপেধিক চিকিৎসালয়ের ক্ষমানাভা धमन स्विवादक छ प्रमहिरेख्यी वा**क्ति साम**ि স্তারিত হওয়াতে এখানকার লোকের বিলক্ষণ ক্ষতি বটে; কিন্তু এমন ব্যক্তিকে আমরা যতই উন্নতিগোপানে আবোহণ করিতে দেখিব, ডতুই আমাদিগের আহ্লাদ বৃদ্ধি হইতে থাকিবে সন্দের নাই।

২। গত ৭ ই আগষ্ট শুক্রবার এখানে
" অাণবার পুলের ৯ নিকট একটা ষ্ঠবর্ষীয়
বালক সপদিংশনে প্রাণ পরিভাগে করিয়াছে।

ত। গত ৩০ এ জুলাই অবলি ৮। ৯ দিবস মধ্যে এখানে ৩। ৪ টী হত (কাণ্ড হইয়া গিয়াতে। এত জিন আবি আবি করেক স্থানে দাসা ইইয়া ১০। ১২ জন আহত ইইয়াতে।

খালিসপুরের হত্যাকাগুটী দেখিয়া আমাদি—
গার এবং সমুদায় কাশীবাসীর সংকাপ ইইরাছে
আজি কালি রাত্রি ৮ ঘটিকার পর প্রায় পথ দিয়া
গামনাগমন করিতে শক্ষিত হন না, এরপ
ব্যক্তি অতি বিরল। হত্যাকাগুটী প্রায় রাত্রি
১০ ঘটিকার সময় সংগাদিত হয় গিছে পুলিষ
এরপ গার পরিত্রম ও সতর্কভার সহিত্র কার্যনি—
র্বাহ করিয়া থাকেন যে, সমুদায় রাত্রি এবং পর
দিবস দিবা ২ দণ্ড পর্যান্ত ঘেখানকার মৃত দেহ
সেই খানেই পতিত ছিল।

, গোহামী ছুর্গাপুর হুইতে এক ব্যক্তি লিখিয়াছেন।

নিরূপায় কৃষকদিগের আর কিছুতেই ভার দেখিতেছি না । অভিবৃত্তিনিবজন এ বাব এখানে ইহাদিগের সর্বানাশ সমুপত্তিও। প্রায় সমস্ত মাঠই খান, শূন্য দৃত্তিগোচর হইতেছে। যে ফেল্লে ধান্য আছে, তাহাও কোন কার্য্য কর নহে। কৃষকগণ ছংখ্যসন্তগুল্পয়ে রাভার রাজ্যায় হ'হাকার ক্রিয়া বেড়াইভেড়ে। এ বংসর কিপ্রকারে পরিবার্দিগকে প্রভিণ লন করিবে এবং কি বলিয়াই বা মহাজনদিগকে বুঝাইবে ইহাই কেবল ভাহাদিগের একমাত্র চিন্তার বিষয় হইয়াছে, এইপ্রকার আর্হ্যালিস্কৃত কাভরোজিভির আর কিছুই ভাহাদিগের নিক্ট হইতে আত্তিগোচর হয় না।

আমরা সহকালাবধি এই আশা করিয়া
আসিডেছি যে, এখানে একটা পোষ্ট আশীস্
সংস্থাপিত হয় সম্প্রতি এক দেশছিতিবী
বহালগ্রের যত্ত্বা তলয়ে ভামানিগ্রের সেই আশা
কলবাড়ী হইয়াছে! তিন মাস হইল, এখানে
কেন্টী নাখা পোষ্ট আশীস সংস্থাপিত হয়।
তার কার্য্যপ্রনালীও একনে উত্তমরূপ চলিতার ছে। অক্রতা ইংরাজী বিদ্যালয়ের দ্বিতীয়

**णिकृक (शष्टिगक्षीतित कार्य) कतिरछरह**न्। এথানে পোষ্ট আপীস্না থাকাডে বে আমানি গের কিপর্যান্ত কষ্ট হইত ভাহা লিখিয়া শেষ कता याग्न मा। अक्टा अप्ती स्वाप्ती इट्टाइ शतम त्रो**ञारभात विषय विला**ख **इहरव। व्यामाणिर**भात श्चिय्र वक् बीयुक्त वां बु बीक्रक वरमहानाशहरव অকাল মৃত্যুতে আমনা যে কিপর্যন্ত ছঃবিভ **रुहेग्राह्मि विनारक क्षमञ्ज विमीर्व क्हेग्रा याश्चा এहे** মহাত্মা হইতে আমাদের আমখানির ভবিবাৎ উন্নত হইবে আমরা এ রূপ জালা করিয়া তানে ভেছিলাম : কিন্তু ছূদ্দান্ত ওলাউঠা আমাদিগকৈ সে আশা হইতে সম্পূর্ণরূপে নিরাস করিয়াছে। মহাশয় ! আমরা যে কেবল জীকৃষ্ণ বাবুর মৃত্যু তেই শোক সম্ভপ্ত হইয়াছি এমত মহে, এবার কার ওলউঠা আমাদিগের অনেক আত্মীয়কে विनष्ट क देशाएए।

সোমপ্রকাশ।

· 620--

महानग्न । এখানে একটী হোমিভপেথি উষ ধালয় আছে। পূর্দো অনেকেই এই ঔনধ সেবন করিতেন। কিন্তু একণে ক্ষার সেক্সপ দেখা যায় না ইয়া কারণ কেবল উপযুক্ত চিকিৎসকের অভাবভিন্ন আর কিছুইনহে। এখানে অনেক গুলি হাডুড়িয়া আছে ; ইহারা যদি চিকিৎসা শাল্পের এক থানিও পুস্তক পড়িত, কিংবা লেখা পড়াও যদি জানিত ভাগ হটলে আমরা কিছু বলিভাম না। মহাশয়। এই সমস্ত मूर्य हिकिएमा कतिया थात्क। इहानितात निक्षे হইতে রোগী আলোগ্যলাভ করিবে কি, চিকিৎ সক আসিবার ৰখা শুনিলেও প্রাণ বায়ু উত্যি याग्र (১)। व्यक्त अवस्थामि (भन्न मग्नोन् भन्न (मर हेन निक्**ष** निरंदान य जिन এখানে এक জন উপযুক্ত ডাক্তার প্রেরণ করিয়া প্রজাপুঞ্জকে মৃত্যুর করাল আস হইতে রক্ষা করুন।

# <u>্র</u>

নান্যবর শ্রীযুক্ত নোমপ্রকাশসম্পাদক মহাশয় সমীপের।

মহাশয়! কলিকাভা মিউনিসিপাল কমিস্নর (১) মর্ল্ড চ্লিৎসক্তিপের নিজ্ঞানা ক্রিয়া

(১) মূর্য । চকিৎসকদিগের নিকা না করিয়া আমাদিগের আপনাদিগকে ধিকার দেওরাই উচিত। আমর । যদি তাহাদিগের ছারা চিকিৎসা না করাই, ভাংাদিগের উৎসাহ রুক্তি ও প্রীরুক্তি হইখার সভাবনা কি? কাপুরুষের মাত্র কেবল রুখা আক্ষেপ ও গ্রন্থেন উক্তে উত্তে ভাল রাস্তা ঘাটাদির নিমিত্ত আমাদিগেরই যদ্ধান হওয়া উচিত। স্ব।

দিগের কার্যদেশনে স্পৃষ্ট প্রতীয়মান ছইতেছে, যে নগরের রাজপথাদি সুস্থালে রাখিবার নিমিত্ত যেসকল কর সংগৃহীত হইয়া থাকে, ভাষার সমুদায় ইউরোপীয় প্লীসকলের সংস্কারার্গে পর্যাবসিত করাই উন্মাদিগের প্রধান উদ্দেশ্য। উ গাদিগের এই অদেশশক্ষ পাতিভার বিষয় আধুনিক এক ঘটনাদ্বারা আমাদিগের সম্পূর্ণক্রপে হ্রদয়ক্ষম হইয়াছে।

জানবাজার্ডীটনামক প্রধান রাজাপ্থের নেউগীপুকুর ওয়েষ্ঠলেননামক একু দাখা আছে। প্রায় এক বৎসর গত হইল, ইহার পশ্চিম পার্শস্থ ইষ্টক নিন্মিত সীমার কিয়ুনংশ ও ভরিক টস্থ এক সাঁকো ভাষা হওয়াতে যাভায়াতের অত্যন্ত অসুবিধা হয়। সংক্রোভগ হওয়াতে রাত্রিতে হস্তপদাদি ভঙ্গের [স্বিশেষ আশস্কা। शूटर्स कामामिरशत मश्कात किन एए, त्राक्र शंशीम च्या इटेरल जाहा करिलास मध्य कहा है कि स যখন এত দিনেও পূর্কোক্ত বিষয়ে কমিদনৰ मिर्गत किश्विचा**ज म**्नार्यां न इहेन ना, उथन আমাদিলের সেই জম দুব হইল। বছ দ্বস্পরে वाजनथ नःस्रावार्य नियुक्त कर्यहावीर्पिगरक জিল্ডাসা করাতে ভাহারা কছিল, '' সাহেবেরা मत्नारंबात्र ना कतिरत आधरा कि कतिय । " है हा खनिष्ठा नशीय छन्न लात्करा अदङ्गीती भार বের নিকট এক আবেদন পত্র প্রেরণ করেন : কিন্তু ছুর্ভাগ্যবশতঃ বঙ্গজনিগের প্রতি কোন षाउरे উपचाष्टिक नारे। किनिए क्षधान विषया কিঞ্জিয়াত্র মনেংযোগ নাকরিয়াগলির ভিতর क्विम किथिए (चाम्रा (श्रुत्र क्रिय़ा क्रांख हरूँ লেন। কমিদনরদিগের অমনোযোগিতার কোন कारवह (मक्षिट्ड भाखक्ष भाषा ना। এই गलिय ুই পার্ছে জ্নেকগুলি ভদ্র লোক বাস করেন। নগরসংস্কারার্থ করের অবিকাংশই অস্মদেশীয় দিগের নিকট ইইতে এছণ করা হয়। অভএব डाँशिक्टिलन इस्विमान खेलत किश्विर मरनार्यान क्या शवर्गस्य हेत खब्मा कर्खना कर्मा।

কলিকাভা } নিভাস্ত বশস্থদ ৬ ই ভাস্ত স্থানিকদারনাখ দেবশব্দির

# কুভজ্ঞতা সীকার।

সম্পাদক মহাশায় ! আমি ক্তান্ততাত্তীকার ক্রিতেছি বে, রাজনিয়ম ও ব্যবস্থাসংছিত্য প্রথম খণ্ড (নেওয়ানী কার্যনিধান ) মুদ্রাক্ষনার্থ জ্বেলা মন্তমনসিংহের অধীন আটিয়ার জ্মীদার মান্যবর প্রিয়ুক্ত ছাদ্ত আলী খা সংহেব ৫০০

টাকা ও নাগরপুরের প্রাসন্ধ ধনী জীবুজ চিকে আশাসুরূপ উর্ভিত্র গোগানে আরো ৰাৰু বছনাথ চৌধ্রী মহালয় ২০০ টাকা এবং কলি কাভার हाईटकाटिंद मधीत अञ्चर्तास्क बीयुक वाव प्राप्त मान वस्त्र महासम् ১৮७१ সালের জুলাই হইতে ১৮১৮ সালের জুৰ মাস 🖁 চ.লে পাপএ হের দৃষ্টি থাকিলে যতই কেন শান্তি পর্যন্তের প্রকাশিত হাইকোর্টের বাঙ্গালা সাপ্তা-हिक ति (भाष्टें वहि विना भूटना आभारक अनीन করিয়াছেন। একণে অটিয়ার মান্যতম জনীদার এবং ভারতবর্ষের ব্যবস্থাপক সভার মেষ্ট ( हांकात ) जी गुरू चार्य का नहमंत्रीन मार्ट्स नभीत्य शाजनम् कार्यनः बहे, जिनि देख वारहः। দ্বিতীয় ও তৃতীয় খণ্ড ( রেবেনিউ ও ফৌজদারি विषयुक जाहेनामि ) मुसाक्षमार्थ ३६० होक। প্রদান করিলে ঐ খণ্ড ব্যু মুদ্রিত ও প্রচারিত रहेशा यात शेत नाइ जाधात्र के प्रकार मण्या हिन् इहेट भारत । अवश्विध महर कार्या मण्यामने সম্বন্ধে সাহার করা দেখীয় ব্যবস্থাপক ও প্রসিদ্ধ এবং कु उविना अभीनावि एगत निश्च क**र्ड**न। कर्म र्वालगाई चाटल मार्ट्स्व मभीरम अहै शर्थना कतिमाम, यनि छिनि এड विषयः कुणः প্রকাশ কবেন, ভাষা ধ্ইলে কলিকাভ। জোড়। সাঁকো প্রাক্ষাসমালে আমার নিকট পত্র লিখি-লেই আমি প্রাপ্ত হৈতে পারিব।

> क्षांख वाहा 🗃 রামচত্ত্ব ভৌনিক।

अभारत अवती शवर्षध्यके हेश्याकी ऋ म कारका क्षांस २०० २७ दरमत व्हेल. हेश क्षांक िष्ठ इहेशारक। आफरन ६ खन देश्हाडी निकास э জন ফৌলবী ও ১ **জন মুগী**খালা ইছার অধ্যাপনা कार्यः निकं व इवेदा यात्क । अवजी स्वाभी स क्रिजी স্থাছে। ঐ কমিটি ইহার ভদ্মাবধান করিয়া थार्कन । (मर्नीक्ष ७ विटन बीत मकल मञ्चामार्वत ष्ट्रे अक खन कदिशा मधाख वाकि. वित्नवछः এখানকার প্রধান প্রধান রাজপুরুরের ঐ কমেসীর मक्राप्ता भविष्ठ । ऋ त्मन कमा अवधी পুস্তকাগার আছে। পুস্তকাগারটি অভি সুন্দর **७ धन छ। উशास्त्र हे** श्रताकी, छेर्फ ७ भावनी श्रकृष्टि नाना धकात श्रुष्ठकं बदेर चर्लान कृत्रान রসায়নপ্রভৃতি বিদ্যাসম্বনীয় নানাবিধ যন্ত্র ও नाना (मर्गत छेर्ज् ७ इंश्ताली मामहित्र चाह्य। খলতঃ বিদ্যালয়ুরীঃ কোনপ্রকার অনস্থতি দুষ্ট ছয় না । তথা প আগরা বয়াবর দেখিল। আসিতেছি জ্লটীর ভাবস্থা প্রায় সমভা-(परे बहिन्नारक । कथन এই হতভাগ্য বিশালয়

হণ করিতে দেখা গেল না

বিধাতা যাহার উপর রুষ্ঠ, হাজার করিলেও কিন্সিনকালে ভাহার ভাল হয় না। (যমন জন্ম বস্তারন করা যাউক না, যতই কেন শুভাকাক্ষা করা যাউক না, কিছুভেই কিছু হয় না, তদ্ধপ मजः कत्रपुरत्व भवर्गमणे काली कमन कूलरा জন্মগ্রহণ করিয়াছে, যে এপর্যান্ত ইহার কিছু তেই এহুশান্তি হইতেকে না। কোন্ পাপএছ যে রুপ্ত হইয়া ইহার উন্নতির পথে দণ্ডায়মান বহিয়াছে বলা যায় মা। মঞ্ফরপুরের স্ক্ কিছু মৃতন প্ৰতিষ্ঠিত স্থল নছে; কিন্তু কেমন বিধাতার বিভ্রনা, কোন কালে স্কুলট ভালর গ প্রতিষ্ঠালাভ করিতে পারিল না৷ আমরা এ दिम्हानग्रेषीत व्यवहात्र मायकीर्जस्य अतु इ इहे-ग्राक्ति, मझत्य भाठेकदर्ग अयन विद्वहन। कंदिरवन না। পাঠকগণ ইউনিভর্গিটির আংশ্যোপাত ক্যালেণ্ডর একবার দেখুন, তাহা হইলে জানিতে লারিবেন, এই গবর্গদেউ অংলটির কিরুপ উন্নতি इहेप्राट्ड ! यनि क्यारमध्ये मन्ध्र किया ना পারেন ভবে আমরা বলিতেছি ইউ নিভাগিটির স্কী হওয়। অবধি এ পর্যন্ত ৮ টী মাত্র বালক প্রবেশিকা পরীকায় ক্লডকার্য্য হইয়াছেন, ভাছাত ভাকেপের কথা আবার ভালরপে নয় । হার কি বলিব, গত বংসর এখান হটতে ১ ক্সন বালক প্রধিশকা পরীকা দিছে যান.. इष्ट्रम र ভন্পে ৪ আনে বাঙালী, ২ জাচ ७ जन हिन्द्रश्वामी वामक हिलाम । किन्नु ७क छ। মারে বাজালী অতি কায় ক্লেশে ততীয় তেনীতে উতীৰ ইইয়াছেন।

বর্ডমান প্রথম শিক্ষককে আমরা যেরপ কুতবিদাও বছদশী বলিয়া জানি, ভাগতে হাঁহার প্রথম আগমনে আমাদের এরপ আশা জন্মিয়াছিন, যে এ বিদ্যালয়টি ক্রমণঃ ভাল হইতে পারিবেঃ কিন্তু ছুর্ভাগক্রেমে এপর্যন্তে व्यामारमत तम व्याचा करमामुच इहेर ७ एक मा कामद्रा এ विमानस्यत्र कर्डुशक ও शिक्षकि গর উপর রথা কেন দোষভার অংপণ করিব? সকলই আমাদের অনুষ্ঠের দোব। আমাদিগের मञ्जात्मता कुछविना स्टेर्स अ मिछा गर गर्मा वृति ঈশ্বর আমাদিগকে করিতে দিলেন না। স্ক লে ভালরূপ বিদ্যাদান হয় না, ইচার অংশকা আংক শের বিষয় আনর কি হইতে প'বে। আমরা निम्हय स्रानि, बामला अ (वहादत्तव कान भव-र्वरमन्द्र करता कारहा अज्ञान क्रमकृष्टे स्ट्रा सांश रुडेक, जिल्हाब्य मार्या हेरा अधान खुल।

ইহার এক্সপ অবস্থা থাকা অভিশয় পরি-ভাপের কারণ। একণে শিক্ষাসংক্রাক্ত কর্ত্ত্ব-পক্ষের সম্রেহ দুটি নিপতিত হয়, ইহাই প্রার্থনীয়।

**a:-**

---000---

মহাশ্যু: গত ১৬ ই আবেলের অমৃতবালবৈ পত্রিকায় কলিকাভান্ত সংবাদদাভা মহাশ্য হিন্দু হক্তেসমুধ্যে থেরাণ অভিপ্রায় প্রকাশ করিয়া-্ছন, তাছা স্পাল বিশুদ্ধ হয় নাই। আম্বা नरवानको छाटकद्विति सम्बद्धाल खानाई वात्र निमिष्ठ প্রতিবাদ করিছে বাধা হইলাম।

मध्यालाक। श्रष्ट्रेटन व ठा कि वित्रत विषय केटल थ कवित्रा विभिन्नादक्त (य, '' श्क्यू रहिनदकः भीष्रहे কালগ্রানে পতিত হইতে হইবে ৷ " এটা অযুত वाका। श्राप्त ৮ वरमत घरेल इस्टिल ज्ञाभिज घरे-श्राद्धः ज्ञात्मरे देशांत छेत्रजि स्ट्रेट्डिश भूटर्स (यथारन २१ स्ननमाद्ध (वाष्ट्रांत हिल्लम, amio (महेबारन 8e खन इहेग्राड्न। धर्या ভাকিয়া আনিয়া বোডার করা হইত কিছ এक (व कारतरक यक्षतान इहेशा श्रादिनिक की निया प्रयुश्हे श्रविष्ठे इंडेएउँ(इस । इष्टेरलत ठार्क বৃদ্ধি ছভয়াতে মধ্যবিধ ছাত্রগণের কিছু কষ্ট হইয়াছে বটে : কিন্তু চাঞ্জ বৃদ্ধি অসাম্য়িক হয় নাই। সংবাদদাতা বাটীভাড়াখটিত একটীমাত্র কারনের উল্লেখ করিয়াছেন কিছা আমরা ঠাণাকে আরো ওটাকত বলতেছ। প্রথমতঃ নীচের ঘরে ওসাম থাকাতে ভাষার ভাড়াগুরুপ মানিক ৪০ টাকা পাওয়া যাইত ০ এ প্রাম ইঠাইয়া দেওয়া হইয়াছে। দিতীয়তঃ পুর্দেষ ্ৰাড়াবাদিগের পড়িবার জন্য লঠনের ব্যবহার প্রালাক ছিল 🤞 কিন্তু ভাহাতে পড়ার অফুবিধা হয় বলিয়া রিডিং ল্যাম্পু ও (मरक्षत्र व। रहाव इडेग्रार्ड ; हेगर्ड शूर्तारभक्का জ্ঞালাইবার উত্থের বায় প্রায় দ্বিকুণ বুজি হই য়াছে। ভূডীয়তঃ বাসকারীর সংখ্যা বুদ্ধি হও য়াতে চাক্তের সংখ্যাও মুদ্ধি ইইয়াছে। ভরি वक्षत श्रृक्तीरशका (कांम धाका वाष्ट्र इहेटक्ट्र চাৰ্জ্জ বুদ্ধি না কবিলে এ সমস্ত ব্যৱস্থার বে वर्ग कांद्रदेश मधानशाका मञ्जूषात बार्य अवर्थ মেটের স্করে নিকেপ করিতে চান > কিছা গ্রহ্ণ-মেন্টের সহিত এরণ কোন নিয়ম বিধিবছ হয় नाइ (य डाँशास्त्र वास निर्माह कहिएक इहेटव) ছাত্রেদিগের থাকার আয়ুসবিধা ও চরিত্র माय खत्य रिनिधा श्रीयुक्त रांदू भारतीव्यत अत कात मरहामरम्ब श्रक्तावाञ्चनारत स्टिन वाणिक इम्राध्ययणः भवर्गामान्त्रेत्र निक्षे १देखहे माना

--070--

इ'हे' त्मत्र व्यवस्थ क्षेत्र उ इहेर्स हार्क तृष्टि कतिया ভাহা হইভেই ব্যয় নির্দাহ করা হইবে এইরূপ কথা হইয়া খাকে। একণে সেই অবস্থা উপ ক্তিত হইয়াছে গ্লুভরাং গবর্ণমেন্ট অধিক টাকং দিবেন কেন ? গভ এতেল ও মে মালে আছের উপরেও প্রায় ৩০।৩৫ টাকা ক্রিয়া বায় হইয়া हिल, এ মাদের বায়ের যেরপ অবস্থা দেখা য!ह ভেছে, ভাছাতেও বোধ হয় অন্টন ২ইবে। **এगबळ हे।का अवर्गसम्बद्धे मिश्राधारकत, इह**'त উপর ভাছাকে অভিরিক্ত ব্যস্ত ভার বহন করিতে অলুরোধ করা কি শৃষ্ঠতার কার্য্য নতে? মাসিক এক টাকা করিয়া চার্ল্জ বৃদ্ধি হইরাছে, তাহা তেই হিন্দুহটেল উচ্ছিন্ন হইবে, ইয়া নিভাত্ত অসমত কথা। আমরা সহাদদাতাকে জিজাসা कांत, शूर्त्य (व विखित्वन कारताल छाउद्रिष्ठ খানে ছাত্রদিগকে বেতন দিয়া পড়িবার নিয়ম প্রধর্ত্তিত হওয়াতে, ভাষা কি উচ্ছিন হইভেচে?

াভরে থেদিন বালালিরা প্রথম মৃতদেই দিন্দ্দে করেন, সেদিন ইংবেজেরা কত আন শোৎসৰ করিবাছিলেন, ছুৰ্গ হইতে আনন্দসূচক **एका अध्यक्ति इहे** ब्राह्मि । किन्न अक्तर्ग नकतन मण्डाकाष्ट्रा कांख कन्न कतिराखर्डन, देशाउ कि ছাত্র পাওয়া ঘাইতেছে না? না নেডিকেল কালেজের অবনতি হইতেছে?

সম্বাদদাতা মহাশয় দ্বিস্ত ব'লকগণের অব ভানের বিষয় যাহা লিখিয়াছেন, ভাষাতে **উলেকা क**ाई डिव्ड। श्रस्त य পরিমানে চাৰ্ক ছিল, ভাহাতেও নিভান্ত দ্বিদ্ৰ বালকগণ থাকিতে পারিত না। স্বাদ্যাভার লিখন ভৰী দেখিয়া স্পষ্টই বোগ ধ্হ'তেছে যে, ডিনি क्षिक् करहेरलत विषय किहूरे छ। तन ना। अब অনরবের উপর নিউঃ করিয়া লিখিয়াচেন।

नवाननः । वाकारतत स्वका याः। निध-স্নাছেন, ভাগও বিশুদ্ধ হয় নাই। পুর্বাদেশক। **इ.हम, छाड़ेम, कार्थ हेउ**ाहिए इ(छे(ल प्यधिक होको वाञ्च इहेटल्ट्स

হিলুহাইন ২রা ভার 🌡 🛍:— --- } • ;----গলাটিকুরী আম ৷

মচানয় টিলিখিত গ্রাম কাটোয়ার অতি নিকটবর্ত্তী। আঘটি দিন দিন জীর্ছির সোপানে অধিরত হইতেতে দেখিয়া বড় আফাদ জান্ত্র एक्ट्र कि स प्रदेशत विषय अहे, (य आध्यातावर्ती हाज भाग " (फती भटखते " श्टल ना**ल भाकाट**ण

ल अप्रा रहेशाहिल वटी । कि स छेखत कारण रिक्स खाजा । लगान अ मकरेगारिशकृष्ठ अपतापत मकरमर् मर्मिक दिल्ल भारेर छ रहन । वरमहाधिक कान व्यक्तीं व ब्हेन, উक्त भरवत मरकातकार्यः আর্থ হট্যাছে কৈছে আমের মধ্যে এখনত ङासू भर्गाष्ट्र कर्काम निमय इहेग्री यात्र, अन्नभ স্থানই অধিক। "কান্দর" নামে একটি কুদ্র नमी आदमत भार्भ मिया विषया थाएक। এখানকার ' ওবরাসয়ার " বাবু একটি পুল নিশ্বাণ্ডারা ''কান্দরের "বেগ কথ ঞ্ব জাববোধ করিয়া-ছেন। ভয় ধ্ইতেভে, পাছে জলোচ্ছাদে আনা দের লস্কেত্রসমূহ প্লাবিত হইয়া আমাদের मिक्न इटलात बरमावल वस्त्र करता। वर्ष बर्ष '' কান্সরের' বেগ দেখিয়া আদিতে ছি, নির্ণ্মিত পুলেরও দাট্য পরীক্ষা করা গেল গ একণে ব্রোভযভী বয়ং আমাদের ভাবনা দূর করি

> গাড় ফেব্রুয়ারি মাসে প্রামে একটি বঙ্গ বিদ্যা লয় স্থাপিত হইয়াছে এবং মে দাস অবধি, গ্রথমেণ্ট ভাষাতে মাসিক ১৩ ভের টাকা সাহ: য।দান করিভেছেন। ছঃখের বিষয় এই " উৎ गार " जिन्न विमान रम्न व्यक्षिक कि इ " श्रु जि " नाहै। खत्रमा कति, ब्रामचामी वनशाती व्यावादमत মধারাজ এবং নিকটস্থ ভদ্রমগুলী বিদ্যালয়টির চিন্নস্থায়িত্বের দিলে দুফিপাত করিয়া জনদীয় রের প্রসাদলাভ করিবেন। মহাশয় : সরিবের कि विन्तानाक हरेरव मा ? व्यवना हरेरव ! प्रश्न '' দশের লাঠি একের ,বাঝা "। ইতি।

हाउँदशाला একান্তাপ্রগৃহীত আমবারী তাং ১৬ ই আগ্ৰ **এ** প্রিনারায়ণ ঘোষাল

मूना धार्खि।

শ্রিণুক্তা বাৰু স্থ্যিকুমার রায় মিবুচি তলা ১২৭৫ ভাদ্র ইংডে ৭৬ আবেণ ن د \* कार्नाहेलाल उद्ध तां ग्रमा ১২৭৫ ভাত্র ২ইডে ৭৬ আবেণ 30 মভিৱাম গৌহাটী ১২৭৫ জ্ঞাবণ হইতে ৭৬ ফাষাত 30 » রাজেজনাথ মুখোপাধ্য मा यु र छ भा ১৮৬৮ অ'গণ্ড ইইডে ৬৯ জুলাই ৯ গ্রেশচম্র সিংহ প্রকল ১২৭৫ ভাদ্র ধ্ইতে কার্ত্তিক WW » अञ्चनाध्यनाम तात्र हो धुती বড়িশা ১৮৬৮ আগষ্ট হইতে অক্টোবর CH ॰ १ (कमात्रनाथ त्राप्त ঞীণ র उर्१८ जास रहेए कार्षिक OF

জীগুক্ত ৰাবু কালীকৃষ্ণ দত্ত কলিকাণা <sup>ক</sup> " কুঞ্জাল বন্দ্যোপাধ্যায় ভৰানীপুর ৫#

# গোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা বিশেব নিয়ম।

অতিম মূল্য ও ডাক্মাস্ত্রলু না পাইলে মদ-সলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইহার অংগ্রিন মূলা বার্ষিক ১০ টাকা এবং ৰাণ্যাদিক ৫॥ • টাফা ঠ মঞ্ছলে ভাক্মাস্থল नरमञ् वार्धक ১७, बान्यांत्रिक १ अवर देखमा-সিক ৩**৮ । তিন মালের স্থানে অগ্রিন** মূল্য এছণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিটি, মণি-অডার, নোট ও স্থাম্প টিকিট, ইছার অন্যক্ষ আহাতি যাঁহার ক্লবিধা হয়, ডিনি সেই উপান্ধ ষারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

बाहाता क्षेप्पिकिंकि भाष्ट्राह्म हाहाता যেন এক অথবা আধ আনার অধিক মূল্যের **९ इ**नी एन इ छिकिन श्रेष्ट का करबन 1

यथन यिनि मक्यल इहेट्ड सामश्रकारणव মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা যেন রেজিষ্টরি করিয়া জ্রীযুক্ত দারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-हेग्ना (मन।

যাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অতীত হইয়া আসিবে, এক মাসপুর্বের তাঁহাদিগকে চিট্ট লিখিয়া জানান যাইবে, কাল অভীত হইয়া গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, তাহার পর একমাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা যাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিৎ পাঠান हहेरव ।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ডাঞ্ ঘরে চিঠি আইলে আমর। শীত্র পাইব।

বাঁহারা মাস্কুল না দিয়া পত্রাদি প্রেরণ করি বেন, তাঁহাদিলের দেই পতানি এছৰ করা पाइरव मा !

কেহ সোম্প্রকাশে বিজ্ঞাপন দিয়েও ইক্ষা করিলে ভাঁহাকে প্রথম জিন বার প্রতিপংক্তি 🎺 আনা ভাষার পর 🖊 ১০ আনা চিতে হইবে। धिनि अधिक काल विज्ञापन निवात हैका कान-विन, कैशित मिक्क चेक्ख वर्गाने छ स्ट्रेट्र ।

😝 এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পুর্বা माडला दिम ७ एत्र माना भूत हिन दिन सम्बन हाक्षि (भा जान्न औपुक बातकानाच विमर्गः ভূষণের বাটীতে প্রতি সোমবার প্রাত্তঃকারে क्षकाभिष रहा।

১০ ম ভাগ

৪৬ সংখ্যা

# " प्रवक्ततां प्रकृति इताय पार्थिवः सरस्ति श्रीतमहती न हीयतां।

অবিষ ধাণ্যাসিক e॥ সাড়ে পাঁচ টাকা। ∫

मानिक मृत्र ১ এক অপ্রিম বাধিক ১০ দশ । সন ১২৭৫ । ১৬ ই ভারে। ১৮৬৮। ৩১ এ আগষ্ট

# বিজ্ঞাপন।

# বন্দ্যোপাধ্যায় কোং।

এতদ্বারা সর্দাসাধারণকে জ্ঞাত করা ঘাই-তেছে যে, সম্প্রতি অনওয়াড, স্থার অব স্ফোসিয়া ওয়ারউইক এবং বিটিশ্রিশ জাহাত্তে উষণ नकल जामपानी श्हेशाद्य। धेमकल खाहात्स ऐक कार मिर्गत मधनक এक्सिकेशन इक्रेंट रामकन अवध ७ अन्यान्य स्वामि आमानी इडेबाट्ड खदर (यनकन सर्वानि व्यामनानी इडेट्ड ভাহার ইন ভয়েদ প্রাপ্ত হইয়াছেন।

উক্ত কোম্পানির প্রধান প্রধানয় আমহরষ্ট ক্রীট ২৩ নং ভবন মূজাপুর মেডিকেল হলে এবং मकावासाव क्रींग्रे ७৯ नर कवन माथा अधनामर्घ है। हे को, विश्वक, अवश् छेरकृष्टे अवश्रमकल পत्नि-মিত মূলে: খুজরা বা এক কালীন অধিক পরি-মাণে বিক্রয়ার্থ নিয়ত প্রস্তুত আছে।

कलिकारा ७५३ अगिष्टे 14646

# देखेहे खिया (तल ७ ८ या।

সর্দাসাধারণকে জ্ঞাত করা যাইতেছে গে. হাবড়া হইতে উত্রপশ্চিমাঞ্চের কোন কোন ঠে দনে তাম ও দন্তা লইয়া বাইবার নিমিত যে বিশেষ ভাড়ার নিয়ম আছে, অগামী ১ লা অটোবর অবাধ ভাহা রহিত হইয়া সকল প্রেসনে পূৰ্মতন ভাড়া এচলিত ছুইবে।

ढांब	৩ য়ু জেণী
দন্তা ইষ্টইণ্ডিয়া রেলওয়ে ভৈনহাউনী স্নোয়ার কলি } কাভা ১৭ ই আগষ্ট।	२ ग्रुट

# উৎরুষ্টরূপে সংগৃহীত দেও-शामी कार्याविशाम।

डेक बाइ क्ष्मामञी भविकार्यीत्मत्र भार्र क সধারণের উপকারার্থে ১৭৯৩ সাল হইতে ১৮ ৬৮ সাল পর্যন্তের প্রকাশিত বাহালী দেওয়ানী সমুদার আইন সাকুলর অউর. কনউক্লন, এবং নজীর, (ব্যাধ্যাসহ) ও নিদর্শনতত্ত্ব, মটগেজ কল্বাক্টের সার ও হিস্তানসম্পীয় ও ইংরাজ দিশের ব্যবস্থা ও ইংলডের সংক্ষিপ্ত শাসন लवानी मःशृशीख बहेग्रा কর্ত্তপক্ষণাপকর্ত্তক সংশোধনানস্তর বলভাষায় মুদ্রিত ইইতেছে। মূল্য ডাক মাস্থলব্যতীত ১০ টাকা। কিজ যাঁহার: ভীযুক্ত বাধু রামচন্দ্র ভৌমিকের নামে কলিকাতা জোড়াদাঁকে৷ ত্রাহ্ম সমাজে ত্রীয়তঃ আনন্দ্ৰজ্ব বেদান্তবাগীশ মহাশয়েব নিকট (মণি অভর কি এক আনা মূল্যের ভাক টিকেট ঘারা অথবা অন্য গতিকে ) ৮ টাকা অগ্রিম মূল্য পাঠাইবেন, ভাঁহারা ঐ পুস্তক ক্রমে প্রাপ্ত হইতে পারিবেন। পুস্তকের প্রথম ভাগ ২০এ ভাদ্র, ২য় ভাগ ৩০এ আগ্রিন ও শেষ তাগ २৫ এ कार्द्धिक श्रष्ठातिष्ठ इहे (व। छात्क श्रह्म করিলে ভাট আনা মাস্তুল দিয়ে ইইবে। একা मछी भूरीकार्थितन मुख्या कारामा कार्रेन শিক্ষা করন। এই দেওয়ানী আইন ক্রমে প্রাপ্ত হুইয়া অনায়াদে শিক্ষা করিতে পারিবেন :

# পুনঃপ্রাপ্ত নোট।

নিম্নলিখিত অপহত অধ্ব ও পূর্ণ নোটগুলি পাওয়া গিয়াছে। নোটের অগিকারিগণকে জানাম বাইভেছে, নিমু আক্ষরকারীর নিকট ष्मार्यमन कतिर्वन ।

	সংখ্যা	সূল্য	পূৰ্ব অথবা অৰ্দ্ধ	
44	4000H		वर्ष भाष	
<b>9</b>	F\$888	¢•	A	

	بدائم المحالية				
	१२	<b>৬৪</b> ४৯ •	<b>२</b> ०	**	
	9 29	ऽ∙÷ेऽ	<b>२•</b>	22	
	ज ७२	8 % 8 ¢ ×	ર •	ŭ	
	এ ৪৪	৮৯৯৩৭	۹,۰	"	
	8 6	oc • 93	٠ ډ	ŭ	
	80	৯৯৬৩>	۶•	a	
	2 5	• > ^ & &	२ ल	" {	ভিজিগা- পেটগম
	वि २२	.7343	<b>\$</b> *	» )	নাট্স। নোট্স।
	4 8 &	• 9 9 9 9	۶.	'n	•
	82	• 58%)	7 •	33	•
ı	83	<b>%•8</b> &•	۶•	<sub>શ્ર</sub> ુર્વ	
	88	६ <b>५</b> १२ <b>३</b>	7.	অৰ্দ্ধ	নোট
	4.	Sarce	7 •	"	
	89	p 5P 5 2	7 -	v	\$
•	. 3 <b>२</b>   এ	৽৮২৬৯	5 *	45	r
	د د ه	2.810	٥ د	'n	
	১৯ এ	8৮৮৪২	۲.	'n	
	्व १४	৩৭৮৯৬	۶.	13	
	9 AC	७३५४१	7 •	"	
	च	\$ > 1 . 0	7 •	33	
	3)	\$>> \ \$> \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	<b>`</b> "	n N	,
	زن .۹	487;4	) ·		·
	<b>9</b>	ry	).	**	
:	ए म. चे ५ म	৮ ខ ৮ % ఏ	2	•	
İ					

) ডবলিউ, এইচ, ম্যালে ছোন

পোষ্ট মাষ্টার।

ফ লক ভা

# इन्छ्थाका नाहिक।

ষ্ট্যান হোপ যন্ত্রালয়ে এবং চীনাবাজ্ঞার, পটোলভালা ও যোড়াসাঁকোর পুন্তবালয়ে পাওয়াযায়।মূল্য ১ এক টাকা।

> শ্রী গোপালচন্দ্র বন্দ্যোপাধ্যায় কলিকাতা বাগ্রাজার।

\_\_\_\_\_ \_ \_\_\_\_

১৮৬৯ অদের ইংরাজী এন্ট্রান্স কোসের নোটবুক, এথম ভাগ পোইট্রী, টেনিং আকা ডোমর ভূতপুর্ন হেড মাষ্ট্রার এইচ, দত্ত বি. এ, কর্তৃক প্রনীত, ৫৮। ৫ গিরিশ বদারেছ যান্ত্রে এবং সংস্কৃত যান্ত্রের পুস্তকালয়ে প্রাপ্তা। মূল্য ১ টাকা।

#### ---202---

# হেমন্তকুমারী।

হেমত্বক্ষারীনামক এক খানি নাটক জানৈক বাজি গংগ্রহ করিয়া নড়াইলের জমীদার জ্রীপুজ বাবু গোবিক্ষচক্র রায় মহাশগ্রক উপহার প্রদান করিয়াছেন, তাহা মুদ্রিত হইডেছে, আক্ষর-কারীর জনা। আনা, বিনা আক্ষর কারীর জনা। আনা মূল্য নিদ্ধারিত হইয়াছে, আক্ষরকারী প্রেণীভুজ হইতে ঘাঁহারা বাসনা করেন, বাহার। নিমু আক্ষরকারীর নিকট পত্র লিখিবেন।

কলিকাভা মুদ্দাল স্কল। } শীকালী প্রসন্ন গেন গুপু

কাব্যপ্রকাশ সাহিত্যদেশন, কাব্যদেশ, কাব্যদেশ, কাব্যদেশ, এবং দশরূপকপ্রভুতি সংস্কৃত অল কাব্যা গ্রন্থ হইতে প্রয়োজনীয় অংশ সমুদায় এহণ কাব্যা গলক্ষণ মালা » নামে এক খানি সংস্কৃত অলকার এছ মুদ্রিত ও প্রচারত হইয়াছে। এহ লাগিগন কলিকাতা পটোল এক'ছ বাড়ব্যা— এদেশ কোং নিকট এবং চাকা নক্ষ্মান গুহু প্রদাশকাং নিকট এবং চাকা নক্ষ্মান গুহু প্রদাশকাং নিকট এবং চাকা নক্ষ্মান গুহু প্রদাশকাং বিশ্ব পুত্তকালয়ে তথ্য কানি লোপাইতে পারিবেন। মুল্য দং আনা মাত্র।

ু ই আগষ্ঠ। প্রকাশক ১৮৮৮। শ্রী,গাবিক্ষচন্দ্র চক্রবড়ী —১০১—

# পুরাণ প্রকাশ। বিষ্ণুপুরাণ।

অসুবাদ ও টাকা সমেত প্রত্যেক খণ্ড ৮. পৃষ্ঠা। অগ্রিন মূল্য )॥। । ; ।

ষনি গ্রহণাড়িকাষী হইবেন ক্লিক্টি মূলাপুর আমহনষ্টক্রীট ৩৪৷১ নং ভবনে ক্লিক্টি প্রকাশ ব্যু অথবা কলিকাতা সংস্কৃতি বিদ্যালয়ে প্রিয়ক্ত জগনোহন তর্কালক্ষারের নামে যত।
খণ্ডের ইচ্ছা অগ্রিম মূল্য পাঠাইবেন। অগ্রিম
না পাইলে বিদেশে বিষ্ণুপুরাণ পাঠাইবার
নিয়ম নাই ইতি

#### বিক্ৰয়ৰ্থ।

গারভেন রীচ ২৪ নং বাটা গুদামসহ ১৯ নংক্রোড়া বাগান।

উপরি উজ্জ বাগান ও বাটী বাঁহারা ক্রয় করিতে অথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নিয় আক্র রিড ব্যক্তির নিকট জানাইবুন।

গিলেগুারস্ আরবো-খনট এবং কোং

--: • !---

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত সুস্তকালয়ে ও পটোল ভালা বাড়ুঁয়ে আভার কোম্পানির লোকানে মং প্রণীত ও মংপ্রচারিত নিম্নলিখিত পুস্তকশুলি বিক্রয় হইতেছে:—

প্রণীত
প্রীসইতিহাস
রোমইতিহাস
হবণসার ব্যাকরণ
নীতিসার (১ ম ভাগ)
নীতিসার (২ ম ভাগ)
প্রচারিত।
ব্যবেধ ব্যাকরণ

শ্ৰীষারকানাথ শর্মা।

# -- 000-- .

#### বিভেয়ার্থ। অভিনয়ার সের বাজা বাং

শব্দকল্পজন অভিধান। সর রাজা রাধা-কান্ত দেব বাহাছরের ক্ষত। উত্তমকপে সোণা দিয়া স্থতন বাধান, মূলা ২৫০ টাকা।

জী আনন্দচন্দ্ৰবেদান্ত ৰাগীশ।

# বিবিধ জব্যাদি বিক্রয়ার্থ প্রস্তুত।

ইংরাজী বাজলা পুস্তক কাগজ কলম নানা বিধ দ্রব্যাদি পাওর। যার এবং পুস্তকাদিতে /• এক আনার হিসাবে কমিসন দি। অধিক টাকার পুস্তক লইলে />• আনার হিসাবে পাইবেন।

অপূর্ম উপাধ্যান অর্থাৎ সেক্লপিররকৃত নাট কের মর্মালুবাদ ়

জীমভাগৰত ১ ম অব্ধি ১২ ক্কুবাং গদ্য

**अञ्चरतिक कि विगान मन्त्रुर्ग** 

জ্ঞীমদ্রামনসায়ন ছই খণ্ডে সম্পূর্ণ চক্রপাণিচিকিৎসা গ্রন্থ দিশুরীয়া নিবাসী বাবু কাশীনাথ মলিকের প্রথমে উত্তম পণ্ডিতদ্বারা হস্তের লিখিত 24 নিভাধর্ম সুরঞ্জিকা পত্রিকা বার্যিক কৌতুক বিলাস যাহাতে গোপালভাঁতের को जुक्छित मण्यूर्व खाइ **ठळा १९७ ; देळ मिनि** रहेर क জার'ড **देह**ु उ ব্ৰসাতত্ত্ব চূড়ামণি অৰ্থাৎ ব্ৰহ্মনিৰ্ণয় 34 নীলাঞ্ন কাব্য পুরস্থান কাব্য মণিকুগুলা কাৰ্য অভিমন্ত্ৰ বধ নাটক 110 ष मन मिश्रुत विवत्न রয়েভিমা গদ্য কাব্য कोत्रविद्याश नावक সিভিল গাইড মার্শমেন সাহেব কুত পজগন্ধা উপাধ্যান गरमानावनी चन्ना भारत्य मानकु उ 64 পিশাচোদ্ধার নী তিপ্ৰভা **क्रिमांत्र वार्ष्ट थानि मार्ग गर्गमहत्त्र नर्मा** ভূতেজ্পন পুথিবীর মান্টিক্স ভারত্বহর্ষর ম্যাপ দেবনাগ্র আক্রের নীতি শক্ষা व्यवदे (नाही मी शमाश्रमा পারসীক न (व) কুমার সম্ভব সংস্কৃত হইতে পদা অনুবাদ ১ ভারতবর্ষের ইতিহাস কেলাবনাথ দত্রুত ১ ঐ গোবিন্দচন্দ্র সেম কুড মন ভব্র দার সংগ্রহ প্রাচীন ইভিহাস সমুক্তর ये मार्ग प्रम नार्श्यकुरु हुई चल नागा भदिनिष्टे नांवेक চারভমঞ্রী मक्तज्ञक्रम পরিশিষ্ট কলিকাতা জোড়া-শ্রীপ্রতাপচন্দ্র রাম্

# ভারতব্রীয় সভা |

नगम विद्वा

मारका ७४ नर

সম্প্রতি বলদেশীর গবর্ণনেন্ট নির্মান্তিন্দ্র দেশীর ভাষার শিক্ষা দিবার এবং রাস্তা প্রস্তুতি করিবার অভিপ্রান্তে কর করিবার এবং ভূষ্যদি-কারীদিনের ক্ষুদ্ধে সেই কর্ম্পার নিক্ষেপ করি-

वात क्षत्र छिथायन कतिहार्ष्ट्रम । এই कत याहार् अकन महरक छ नहाराञ्चमारत धार्च, এবং পরিমিডরূপে व्योगाय ह्य, छिष्ठरय मछ निवात निवित्व छेक গবর্ণমেন্ট ভারতব্যীয় সভাকে জনুরোধ করি -शाष्ट्रमा भाष ১० हे स्म रक्षामधीय भवर्गाम है যে পত্র লিখেন, ভাহাতে বলা হইয়াছে:---'' স্পষ্ট বোধ হইডেছে, ভূমির উৎপল্লেৰ উপরে বর ধার্য্য করাই ম্যায়সিত্র হুইতেছে। জুমীদার, লাথেরাজদার, পত্তনীদার, ইভারণার ও নানাবিধ মধ্যেন্ত্রী লোক এবং বাস্তাবিক যেসকল কুষ্কের ভূমির উপরে স্থায়ী স্বার্থ আছে, অর্থাং যাইাক फेउंबकी श्रक्ता गरहम । धदश घीडावा देवेबकी श्रकात नहारा वांस्रात परत कह (पन ना, कांहाता ভূমির উপস্থরের যে অংশ গাম, ভতুপরি ও তৎ প त्रभार्ग कद्र धार्य। अ व्यामाघ कताहै नाग्र अ যু'ক্রসিদ্ধ বোপ হইভেচে।" **উ**টবন্দী প্রজা ব্যাহীত ভূমির সহিত আর যেসকল লোকের (य किंन महस्र 3 चर्च कार्ड, এই श्रस्तांव উ:হাদিগের সকলকেই স্পর্শ করিতেছে তিরি মিড ভারতব্যীয় সভার কমিটী গ্রাথেটের এই পত্রের উত্তরদানের পুর্নে সর্বাসাধারণের মত জানিবার অভিলাধী হইয়াছেন, ওদরুগারে ভাঁহারা বিজ্ঞাপন দিয়া অস্ত্রুরোধ করিভেছেন. ১৮৬৮ অনের আগামী সেপ্টেম্বর মানের ২ রা বেলা অপরায় ৪ ঘটিকার সময়ে লার্কিল লেনের ১ নং ভারতবধীয় সভাগৃতে একটা श्चर्यभाग्यका इटेटवा मर्यामाधाइटन के मगर्य ঐ স্থানে গিয়া আপনাদিগের মত প্রকাশ করি-(371

> **और डीक्स भारत ठाकू**त ভারতব্যীয় সভার অবৈ-ভনিক সম্পাদক।

हाभिउरमधिक हिकिएमा, अथम मर्था, व्यागद्रक, मृना हा वि আনামাত্র।

কলিকাভার চোরবাগানে ক্লর্ক প্রেসে ঠনঠনিয়ার সংস্কৃত্যন্ত্রেও পুস্তকালয়ে এবং লালবাজারে বেরিণী কোম্পানির হোমিও পেথিক দারমেশীতে পাওয়া যায়।

# भूनः श्री छ नि है

যে ব্যক্তির ১৮৬৮ সালের ৮ ই আগষ্ট পত্র घटमा भावेतात जाकरवारण नित्रलिथिज त्मावे

शारीकेशाया । তিনি নিয়খাকর कांत्रीत निक्षे मविद्या लिखिशा लाशाइटवन । ba . . 9 43 টাকার ४८४ १० वर फर्वाल्डे, এইइ, मत्राशामा । কলিকাভার পোষ্টমান্টার।

#### निरा मः अर

अञ्चलाठी इक्षिकिश्वत लाटि। ल्यां भी कान সংক্ত গদ্য আছু না থাকায়, সংস্কৃত কালে জের অপাক জীগুক্ত বাৰু প্রসম্কুমার সর্বাধি কারী মহাশয়ের আদেশাস্থ্যারে উক্ত কালেজের অনতের অধ্যাপক পণ্ডিডবর জীযুক্ত ম্ছেশচন্দ্র নায়েরত্ব মহাশয় মহাভারত ও বিঞ্পুরাণ কভকগুলি নীতিগর্ভ গল্প " গদাসংগ্ৰহ " নামক এক খানি পুস্তুক প্রচার করিয়াছেন। পটোলভাক। ৮৬ न९ व्यामामिरगर श्रुक्तालरत्र शाख्या यात्र। मुना । कार्य कि ८ १ ना जा ।

বাজু য্যাত্রাদর্শ এবং কোং

## निषदात नहीं।

मन १४७४ मार्लंड जागरे भारमं १३ हे हरेएक २५ अ भग्रस नहीचात ननी हारवत দর্শক্ষ ভ জলের সাপ্তাহিক बिटाउन है।

कारनद नाम সর্বাক্ষা ভি 77 ফট **È**\* মহানার উপর পদ্মানদীতে মহানায় ۽ ۾ তথা হইতে হাই বোন্নালিয়। ৪৪ মাইল इपि (नाया लिया इहेएड আপ্রকদিয়া 23 व्याञ्चकिष्ठा इहेट इत्याक्ष ৩৮ মাইল 3 'S कुक्तक इंडेएड इशिल में ۽ ڊ প্র্যাম্ভ ৩৪ মাইল अर्जीत्रशी सभी। গহানার উপব ) ¢ महामाद भी(इ 1 6 তথা কইতে জিয়াগঞ্জ क्षियां १४ व्हेट कार्याया " ? »

🗣 म हेल मट्रा

कारवामा स्ट्रेंग्ड नमीमा

৪৬ মাইল মধ্যে करती नही মহানায় ٠÷ ৯ 33 তথা হইতে করিমপুর :৯ মাইল २ऽ 5 . করিমপুর হইতে টিয়াকাটা ७१ माइन विशाक्ति इंड्रेड नहीं या ৬ - মাইল नन ১৮৬৮ আগ্রন্থ মাদেব ২৪ এ. তারিরখ বহরমপুর গজ ঘাটের ভালের মাপ।

कुह \$ 40 57 जीपुक हि (क्ल ऐक्कम मि. के वहवरभाग এক জিকি টেটিৰ ই জিনিয়ুর ২৪ এ আগেই 1 42.45 বহরমপুর ডিবিজান :

# ইউইপ্রিয়ান রেলওয়ে।

वाकिश्रुत राज्य अध्यास्त्र निकटी जिस খানি কবেলি নোট পাত্যা গিয়াছে। প্রত্যেকের मला २० छाका।

যদি কেই উচার কোন প্রকার সমাচার দিতে পারেন, তিনি নিমুখাক্ষরিত ব্যক্তির নিকটে

इष्टेहे चित्रा त्य सर्व হাউস একেসি বোড क'लकांखा २७ व আগ্র :৮৬৮।

সিলিল শিংকশন **এভেন্সি** বোড*া* 

# সোনপ্রকাশ।

১৬ ই ভার সোমবার।

এবার সোমপ্রকাশের অধিকাং শ স্থান অতিবৃক্তিঘটিত অনিষ্টের নমাচারে পরিপুরিত হইল। প্রধানপুরুষেরা এও-লির প্রতি এক বাব দৃষ্টিপাত করিবেন। গত ছভিফের সময়ে ভাঁহার৷ যেমন স্থানীয় ক্ষ্টারীদিগের উপর নির্ভর क्रिया श्राज्या क्रियां हित्तन अवः আপনারাও তিরস্ত ও অপমানিত क्ट्रेशिक्टिना, এ वांत (यन (मत्राभ ना क्य। অত্রে সাবধান হওয়া উচিত। কোধায় কি ক্তি চ্ইল, প্রজাগণের কি প্রবন্ধা ঘটিল, ভাহার অভিবিধানের উপায় বা কি ? কর্তুপক পরিশ্রম স্বীকার করিয়া স্বরং **অনুসন্ধান** ও প্রতিবিধানের ডপায় व्यवस्था क्यून।

বিষ্বিক্রবিষয়ে এত শক্তাশক্তি क्ति ? माजून जमधमानपूर्व, जानगा मृति ७ तागाप्त्रशामित लागि । भिष्ठे মাসুষের যেখানে প্রাত্মন্তার, নেখানে বে य रखन मामानामान मन्तर्भ महर व्यक्तिके घरिकात महावना, (महे (महे বস্তুর ব্যবহারবিদয়ে অতি সাবধান হওয়া पारभाकः किन्नु भागः। চন্থকার त्रिएड शाहे, यांबडी: गांबज्र ह भना থেঁর ব্যবহারকালে মুখেট্ড স্থেধান क्ष्या का ना। धानल्या ककी विभव गांत्रज्ञक शमार्थः, किन्द्र व्यानक मन्नद्र এতংসংক্রান্ত কার্যাকালে বিলক্ষণ অন वशानका पूछे एता। शक स्माननारत पूछे क्टेल, इहे **जन ट्**डेटशशीय अह प्राकात গাড়িতে পূর্ববাঙ্গণা বেলওয়ের শিয়াল मट्ड रछेम्टनत ११८ छे । ८४मा क्षतिट छहन, এমত সময়ে দক্ষিণ চইতে সহসা মিঙ নিদিপাশ রেলগাড়ি আসিয়া সেই গাড়ির উপরে পড়িল। ঘোড়ার গাড়ি शानि छ्नं इहेन, (बटनत शाष्ट्रि द्वटनत বাহিরে পড়িল। অখনক টারোহী ছই বাক্তির এক বাক্তিকে অভিশয় আঘাত लाशितः व्याञ्चारमत विषय अहे, छे। होत ्थां शतकः इरेशांट्या यथेन छ कृष्टिक রেলগাড়ি আর ৪ হইল, তথ্য অংগ व्यानिश्ठा निकार्शन छेला किना ভাষার কার্য্য আরম্ভ কণা কি ভাচিত নয় গুমে যে পথ পার হইয়া নিউনেদি शान लिला शांकि यारिकाछ, तमहे तमहे ছানে গাছির গমনকালে মালুষ ও অখা मित भक्ते हिन्दि ना शांदि **ध** सावश् কর। কি উচিত নছে ? যদি বল পথিকের। व्यागनाता मार्यमान इहेट्यन, ब्री काटकत কথা নর। আমবা ভপরেই কহিয়াছি, मान्तः भन अमध्यानानिष्ठ भून। जामरा शुक्त एवं इच उना ही त श्राम कतिनाम, ভाषा अधनकिष्य हेस्ट्राभीत द्राप्त क्रमनिवस्तर यिष्टि हिल। उथन

বেলা ঠিক ৫ টা। তথন পূর্ববান্ধলা রেলওয়ের গাড়ি ছাড়িবার একটী সময়। যে ইউরোপীয় আছত হন, তাঁহার চাণকে যাইবার প্রয়োজন ছিল। বিলম্ব হইলে গাড়ি চলিয়া যাইবে এই ভাবিয়া তিনি আপনার কোচমানকে গাড়ি চালাইতে কহেন। তিনি ভাবিয়াছিলেন, মিউনিসিপাল রেলগাড়ি আদিতে আদিতে ভাঁহার গাড়ি গেট পার হইবে; কিন্তু বিপরীত ঘটনা হইয়া গেল। এইরূপ ভ্রমপ্রমাদাদিনিব্যান অন্থ ঘটিবারই অধিক সন্তাবনা। অতএব আমরা পুনরায় বলিতেছি ইহার নিবারণের আশু সত্ত্বপায় করা ডিতত।

কটাই আইন।

वह पाइन है। त्रहेन मारहरवत्रहे অধিক ভাল লা,গগ়াছে। তিনি হথন अध्य भ (मर्न आरमन, उर्कात्न बिन्ध ছিলেন, চুল্ডিক্স হইলে বলপুৰ্বক তদ. সুসারে কাফ করাইয়া লওয়া ইংলঙীয় ব্যবস্থার মূল নিয়মের বিরুদ্ধ ; কিন্তু कानि ना कि काटरा किছू फिनशदत ভাঁহার মতের পরিবও হইয়া গেল। ভিনি अभारत महरलत अमार्थ न्याकी करत अ কথা বলিতে পারিতেছেন না যে এ আই নটা ইংলত্তের বাবস্থার মূল নির্মাসু গত, কিন্তু বলিতেছেন ইংলভের আই-নের মূলগাত দোল আছে; এ বিবরে ফাঙ্গপ্রভৃতি ইংলও অপেকা প্রথান এবং ইংলওকে শীঘ্র ব্যবস্থাবিষয়ে ভারতবর্ষকে আদর্শ জ্ঞান করিতে **हरे** ( ि कि कि इंशिक हरेशा नीलकतिन-গকে ভংগিনা করিয়া বলিয়াছেন, তাঁধারা প্রথমে কণ্ট্রাক্ট আইনের নিমিত্ত এত शालरात यमि ना क्तिएजन, छाहा इहेरल धनाशारम विधिवन्त रहेश याहे छ ; क्हिहे इंहात वांशा किएंड शांतिएखन ना। अमन

न्य मञ्जी व्यत्य क त्वरम व्याहरमन नाहै। कींग नीनक तिवति प्रकारनात विवत निम्म नाहे।

(महेन माट्हर जाभनांत श्रञ्जादिफ **७७२म**्कास शांताछिनित ममर्थनार्थ (म **७क अवनम्न क**िशाहिन, **छाहा नि** छ। छ व्यमञ्ज्ञ। जिनि बर्लन, এ प्रिंग मर्सा नात जात कात्रश शुद्धवासूक्तरम (५७-য়ানী ডিক্রী জীবিত করিয়া রাখা হয়। जिकी विकीठ हरेगाउ थातक ; याँ होता फिक्की करतन अथवा कता करतन, তাঁছারা বরাবর ক্লবকদিগের উপরে তাহা থড়্গস্ত্রপ উত্তোলিত করিয়া तात्थन। इंहाटक काशामिशतक मर्वामा শক্ষিত ও ডিক্রীদারের প্রানত হইয়া থাকিতে হয়। কিন্তু চুক্তি অনুদারে कांच कताहेश लहेटल अहे प्लाय घरिवात मखावना थाकिटव ना। विज्ञी स्महेन जाटह-বের প্রধান তর্ক ৷ ইছার উত্তরস্থাল व्यामानित्यत वक्तवा এहे, वाश्वीहरवत কোন কোন অংশভিন্ন অন্য স্থানে পুরু বাস্ক্রে ডিক্রী জীবিত রাখা সচরাচর मृक्षिरद्याहत स्त्र ना। ১৮৫৯ व्यक्ति ५० আইন হওয়াতে বঙ্গাদৰে ত উচার বহু ব্যতিক্রম ঘটিয়াছে। কণ্ট্রাক্ট আইন করিয়া এক শ্রেণির মহ্থ অনিউদাধন না করিয়া ডিফ্রী জারির, নিয়ম পরিব-র্ভন কি শ্রেম:কংশ নয় ? পুরুবাসুক্রনে লোকে ডিক্রীজারির যে স্থাধি লাগ, आहेरनत स्माय कि छोड़ांत कातन नग्न ?

আইন কমিদনরগণ ও দর জন লরেন্দ্র স্পান্টাক্ষরে কহিয়াছেন, নীলকরগণ যে প্রকার অভ্যাচার করেন, ভাহাতে আদা লত যদি চুক্তি অনুসারে কাজ করান, ভাহা হইলে অভ্যস্ত অনিউ ঘটিবে। মেইন সাহেব বলেন, রেজিউরি না করিয়া যে কনীকি করা হইবে, ভাহা অসিদ্ধ হইবে এবং গে চুক্তিপত্তে কাল ও সন্যান্য নিয়মের স্পান্তরূপে নির্দেশ না থাকিবে, তদসুদারে কার্জ করিতে वना इट्टा ना। मत जन नटः का देशत সং উত্তর দিয়াছেন। তিনি বলেন, যথন এত বাঁধাবাঁধি করিবার চেটা ইই তেছে, তথন প্রকারান্তরে মেইন সাহেবের निष्यदेशीकांत कता हरेट डाइ, आंताल ड ন্চরাচর চুক্তি অসুগারে কাছাকে কাজ क्ताहेट वाधिक कति देवन ना। यनि এরপ হয়, তাহা হইলে এমত আটনের আবিশ্যক্তাকি ? এতদারা কেবল নীল করপ্রভৃতিকে কট দেওয়া হইবেমার। ভাঁহারা বলিবেন, ' চুট্ত অসুদারে বে কাজ করান উচিত, তাহা গ্রণ্মেন্ট ও ব্যবস্থাপকগণ স্বীকার ক্রিয়াছেন ; কিন্তু কার্য্যে ভাষা ছইভেছেনা, অভএব আইন পরিবর্ত কর।" উলিখিত প্রকার কণ্ট্রাক্ট षाइन इहेल नीलक्द्रताहे উ२পाড পড়িবেন, সর জন লরেন্স এই যে কথাটা क्रियार्ट्य, डाइएड न्याउँ द्वाध इरे-তেছে, তিনি স্বদেশীয়দিগের গুণ ভাল कारनन ना। भक्तास्तरत (महेन नारहत चारिकीयिकिशतक जालकार हिनियारहर । नीनकदत्रता ভাবিতেছেন, সহজ दश्चन थाकूक ना दकन, अकवांत ठूकि अनुमादत कांक कताहेवांत विधि इहेटल इस, छाहांत পর আদালতের জকেরা আছেন।

মেইন সাহেব এই আর এক তর্ক
করিয়াছেন এ দেশে প্রায় সকল লোকেই
বিনামীতে সম্পতি অর্জন করেন, অত
এব ডিক্রটী ইইনে তারা জারি করিয়া
টাকা আদার করা সাধারত নয়। কেন
নয় ? বিনামী সলো কাহার না কাহার
নামে সম্পত্তি থাকে। বিনামদারের নামে
কি ডিক্রটি হয় না ? সেই ডিক্রটি ড
বিনামী সম্পত্তিকে স্পর্ম করিছে পারে?
কন্টোক্তসময়ের শে জেনির অধিকতর
সম্পর্ক হইবার সম্ভাবনা আছে, সে
জেনীর একে ত সম্পত্তি অংশ; তাহারা
ভাহা প্রায় বিনামী করে না; করিলেও

जाशांपिरशत विनाभी अनाग एउसा कठिन मञ् । याहा इडेक, आंशानित्शत এই এक नी व्याण्डिया (वाध इन्ट्रेट्स्, क्रुबक ও व्यावान কর, এ উভ্যের মধ্যে কাহার অনাধু হা श्विक, भारेन भारहत अक वांत रम विटव हन। कट्रतन नाहै। इडेट्रांभीत व्यायां कर् গণ কি ধাতুর লোক, ভাছা এখন আর অনেকের অবিদিত নাই। আবাদকরগণ বিশেষতঃ নীলকরগণ বলব্যতিরেকে কাজ कताहर कारमन मा, व कथा अरनरकह कारममा इंग्रा इंडेर्ज्ञाश्यक क्रेट्ड मून धन व्यानश्चन करतन, এ वाका व्यक्ति शिंश्कत । अहेथारन कर्जा कतिहा सिह টাকায় লাভ করাই প্রায় সকলের চেটা। টাকার সুদ, কর্মচারীদিগের চুরি, আপ नामिटशत वातुशिति अ अभूमांश मङ्गीदश উপাজ্জন করিয়া সম্পন্ন করা ভার; সুতরাং বলের আপ্রান্তাহণ করিতে হয় : कले छि चाहेन वलश्वांक कार्या कताहे-बात उरक्रके उभाग । नीटनत मामन এक वात लहेटन या छाहात शतिरनांध हरा ना, भारत कि हैश्त अधीकाटन माहनी इहेरबन १ थां हिशा मिटल हे कि क्रवरकता পরিত্রাণ পাইবে ? পুরুষাগুরুমে নীল করিয়াও ষথন তুই টাকা শোধ ষায় নাই, তথান এক জান খাটিয়া দিলেই যে নীলকরেরা ভৃপ্ত হইবেন, তাহার প্রমাণ कि १ अक्टल श्रेतां कि कि निस्तात व्याष्ट्र ; शांजात निथित मामरमत होकः अक कारल मिरल तका चारछ, किन्छ स्पेडेन मारहरवत श्राप्त विधिवन्न इहेरल धर्म ख्डानमृता नीलकरतत रूख क्रयत्वत किছू उडे शित्जान नाहे। नीलक्रतता आशे नाता (य यएथळ्ड् वावशत कतिए छान, তাহা বৈধ হইয়া উঠিবে। ত্রিট্রিশ গব-र्ता के इंदर क्रिक के कार्य कर विकास अन छेना नी दनत की छना न कहिशा (मण्डा इंड्रेट माञ्र। "आमानक यनि औरवानक রের প্রার্থনা যুক্তি ও ন্যায়দক্ষত বিবেচনা

না করেন, তাহা হইলে কখনই চুক্তি অসু मारत काक कतिएड बिलायत मा। " अजी কথাৰ কথামাত্ৰ হইবে দদ্দেহ নাই। कान जानान इडेरताशीय नीनकरवत विक्रम्ब चाहत्र करिएड महिमी इहेरवन ? এপর্যাস্ত কর জন নীলকর জালথাত। नाथिन कतिशा । पछ भावेशा एक ? माधा त्रद्वा (म अहानी व्यातालक विलय कतिहा मकन्मभात निष्णिखि करतम এवर स्विनात करतम ना, এ कथा नीलकतमिरशत महिछ **८महेन मारह्य ३ वात्रमात व**िलट्डिएन । দেওয়ানী অদালতদকল যেন মন্দ, আমরা তক মুখে স্বীকার করিলাম: কিন্ত যে वानालंड वर्षीत शक्त मन्त्र, त्य त्य थान्। थीं। পरक मम इहेरत ना, ब किजाश কথা ! যে বিচারপতি সামান্য ক্ষতি পুরণের বিচার করিছে পারেন না, ভিনি কি কোন চুক্তি অনুনারে কাজ করা উচিত এবং কোন্চুক্তি অনুসারে কাজ করা অসুচিত বুঝিয়া স্বিচার করিতে ममर्थ इहेरबन १ मामाना विषया गाँचातः বুদ্ধি খেলে না, তিনি কি সুক্ষম ও কঠিন আহিনের ভক্রিবিডে পারিবেন 🧞 ' नीनकरवत भरक स आमानक जिक्की (मन, डाहाई डाल, आंत स आमानड डाँहामिदशत व्याङ्गांहात निवातन कटतन, ভাহা মন্দ্র মইন সাহেবের তকের কি এই তাৎপ্রাণ মেইন সাহেব বলেন, क छै। के चारेन ना इहेटल इंडेरता शीत मभाकारण व्यवभाग कहा इहा এ वात এ তর্কের নিকটে আমনা হারিলাম। এ দেশীর সমাজা দাতে দেলাম ন: বরিয়া ইউরোপীর সমাজের ক্ষাপে গ্রন্-গমন করিলে ভালতে ইউরোপীয় সমাজ যদি অবসান বেলে করেন তথন মেইন, माद्रव कि कतिद्वम ? गाङा इंडेक, स्मडेन সাহেবের সহিত তর্ক করা রথা; রাজ नीजिन्छरक मक्त विषय अत्राति जनशतन मर्भन कतिएक इशा व्यागता व करन

একটী দুটান্ত প্রদর্শন করিতেছি। বোধ কর এক ব্যক্তি চুক্তি অনুনারে এক বিখা ভুমিতে নীল বপন করিল; ভাহাকে আদ করা নীলকরের অভিপ্রেত হইল; খতএব এক বিভক্তি পরিমাণে চারা হইনাছে এনত লময়ে নীলকরের ভৃত্যেরা होंका शक्त होता चा उत्ताहेल ; इत भूनर्यात बाल का कर करदकत खगांका इहेल, অথবা নীলবপ্ৰের সময় অতীত হইয়া গেল। নীলকর আদানতে চুক্তি অমু-मारत काक कताहैवात नालीम कहिरतन, কুৰক নীলকরের দেীবাত্মা সপ্রমাণ করিছে পারিল না, সুতরাণ্ ভাচাকে धक वरगातत निभिष्ठ की उनान इहेट उ **ह्हेल। यहेन शा८ १८ वत भाषानुहार**त क्ले हें चाइन मिस् विधिवक्क इरेड, এर একার কাও চচত সন্দেহ নাই। পুরে গ্রথমেণ্ট নীলকর্দিগের সাহায্য করি তেন না, ভাহাতেই প্রতি নী একুঠিতে করাগার ছিল এবং ক্লয়কদিগকে বল शुक्रिक शांकेरिया लाउमा इहेन्छ। यान ष्याहैत विभुक्षक (अहे चाहे। इहा बहेबार केंद्रा इंडेज, 'E | E | ্দশের যে কি হুদিশ ঘটি হ **বিলিয়া শে**ৰ করা সায় না। এ । জানাধা क्कामणाः मछ। १९ या.सीन हारमञ्ज है। ह ८६न : स्म्यन्दननीटश्रहा चाटमहिकात व कां क किशाहिल, धर्मन जारा छात उन्हों করা শোভা পান না। যাকা ক্টচ্ সর कन लाइन्न पूर्कित काम कतिहार इन। করেক জন ছিন্নপুফ আবাদকরের মনো ব্রান করিতে গিয়া যদি ভিনি **মেইন** শাংহেরে মড়ে অনুমোদন করিতেন कित्राप्तर मोशिष्टिशत निक्छे छित्रनिक्रनीत **४१८७न महस्य नाहै।** 

ইংগভীয় একুইটি আইনের মূল নয়ন এই, বেদকল ক্ষতি টাকাছারা পূরণ হয়, তাহাতে বিশেষ কাজ করিতে

বলা बहेरে ন। । এক রাক্তি অপরের ভূমি লইয়া প্রত্যপুণ করিতেছেন না ৷ এই ভূমির অবস্থা যদি এরপ হয় যে, ঐ প্রকার ভূমি অন্তর পাওয়া না যায়, তাহা হইলে আদালত অধীকে ভাহার मूला ना निय के जृतिह (न उत्तिहितन। এক ব্যক্তি অপবের কিঞ্ছিৎ অলকার লইলেন। ঐপ্রকার অলক্ষার যথন তথন বাজারে পাওয়া যাইতে পারে। অভএব এছলে ক্তিপূরণম্রপ টাকাই দেওয়ান क्हेरव । এই नियमशास्त्रभारत यमि विरवहना করা যায় চুত্তি ভঙ্গে থাটাইয়া লওয়া ন্যালার্গত হইতে পারে না। আমি যেরপ বস্ত লইব, তদসুরপ বস্ত প্রত্য-পুণ করিব, ইছাই ন্যায়। আমি টাকা म्राप्त लहेलाम अवर প্রতিজ্ঞা করিলাম, रमहे छे कात चारू तथ नील मित्र नील कत নীল লইয়া বিক্রয় করিবেন, ভাছাতে ठाँहात होका लाज इहेरव। এएटल টাকাভিন্ন অন্য কোনপ্রকার ক্ষতি পूर्व अपनान कति (ल आहर्रात मूल निम्न মের অলুমোদিত হয় না। দিলাম এক, লইব আর এক, ইহা কথন ন্যায়সিদ্ধ গ্রহতে পারে না। ফলতঃ ক্ষে ও বাণি**জ**ে मश्रदक्ष এक श्राकात पूर्विक करिया व्यन्त था. কার (পাটাইয়া) লওয়া অভিশয় অনাায় इहेर इर्ड । इंश्लिट्ख यकि अई आईन कता इश्. काभीनात ७ क्रवक्शन कि उटलन १

কণ্ট্রাক্ট খাইন লইয়া বিস্তর তর্ক ইইয়া গিয়াছে। আর ইহার পুনঃ পুনঃ আন্দোলন করিয়া লোককে বিরক্ত করা কেন? এ দেশে ইহার আবশ্যকত। নাই। নীলকরভিম অন্য কোন ইউরো-পীয় আবাদকর ইহার নিমিত্ত আহার নিদ্রা পরিত্যাগ করেন নাই। এতদেশীয় দিগের পরস্পরের ক্রেয় বিক্রয়াদি বাবহার বিনা চুক্তিপত্তে সম্পন্ন হইয়া থাকে। যেদকল ভারতবর্ষীয় ইকু, ধান্য

় প্রভৃতি উৎপাদন করেন, ভাঁহারা ক্লয়ক দিগকে তল্লিমিত যত টাকা দেন, প্রায় তাহার কোন লেখাপড়া থাকে না। মুখে মুখেই কার্য,নির্কাহ হয়। আমর। সচরাচর দেখিতে পাই, এক ব্যক্তি অনা शारम मन्य महत्य गिकांत जलकांव अक জন অপ্প দিনের পরিচিত লোকের निकटि विना तिमाल वेकाक मिता आहे-त्मन ; मट्या मट्या (य होका (पन ) छाहा-রও রদিদ লওয়া হয় না; কিন্তু কোন ব্যক্তিকে ঠকিতে হয় না। বোদাইয়ের महिकारतता भवन्मरतत थाकाय जन्म বিশাস বরেন যে, খাতায় যাহ৷ লেখ৷ থাকে তাহাই প্রমাণ হয়। ইহারাও রিদিলন না। আমাদিগের ভ্তাগণ कर्यन तमिष लग्न ना अ तमिष (प्रा ना ; অথচ ছোট আদালতে কত জন ভৃতা বেজনের নিমিত্ত নালীশ করিয়া থাকে ? যে ডিক্রীর জান্য তিনি এত আক্ষেপ করিয়াছেন, তদ্বিরয়ে অনুসন্ধান করিলে জানিতে পারিবেন, কোন ভারত ব্যীয় ডিক্রী জারি করিয়া সকল টাকা পান ন। সমাজের অনুরোধে সকলকেই व्यात बाम मिला है। का लहेट इ.स.। क्रयक-गन क्योलाद्वत (गाना इंडेटक विना লেখাপভাগ ধান্য লয়; কিন্তু যথা সময়ে তাহা প্রভার্পণ করে। এ দেশে চুক্তি পত्रित উৎপাত नाहे; भिरेन नाट्रत अ রোগ আনিবার কেন চেন্টা পাইতে-ছেন १ এ রোগ এ দেশে এক বার প্রবিষ্ট হইলে সকলকে ব্যতিবাস্ত করিয়া তুলিবে।

মক্ষালে সেবিং ব্যাঞ্জ।

সর রিচাড টেম্পল এদেশের একটা বিশেব উপকার করিলেন। পূর্বে প্রতি কালেক্টরিতে এক একটা সেবিংব্যাস্ক ছিল, কিন্তু কয়েক বংশর হইল গবর্গনেন্ট দেশুলি বস্থা করিয়া দিয়াছেন। বাস্ত্রিক

ओ मक्त (मवि: बारिक्रत कास रा टार्गा नीटक मण्यामिक इरेक, काशास्त्र वाकि বিশেষের বিশেষ উপকার অথবা গবর্ণমে ণ্টের লাভ ইহার অন্যতর কিছু হইত না। कारलक्षरतत हर्छ अहमकल অধ্যক্ষতাভার সমর্পিত ছিল; কিন্তু কলিকাভার কর্ত্ত্বকের অনুমতিকাতি েকে কোন ব্যক্তি আপনার জনা ए. का कितिहा भा**हेट उन ना। এ व**टका वर्ष्ठ अवर्गस्य वाह इंड वर हो हा বাহির করিবার অসুবিধা হওয়াতে लारक उ उ क्या पिट इन ना। कार्ल ক্রারের উপরে উহার **অধ্যক্তা ভার ছিল**্ ভাঁহারা নানা কার্য্যে ব্যস্ত: স্কুতরাং মথোচিত যতুদহকারে উহার ভত্তাব ধান করিতে পারিতেন না। এইসকল क्रांतरण के खाल फेकिश बाब । डेकिश बाख য়াতে কাহার বিশেব ক্ষতি হয় নাই বটে किन्द्र योशटङ श्रकांशन विट्यायण्ड महिल শ্ৰেণ সিত্ৰায়ী হইয়া কিঞ্ছিৎ কিঞ্ছি সঞ্য করিতে পারেন, প্রত্যেক গ্রপ্নে च्छेत (म (हचें। পाउँहा कर्डवा। ताक ধানীভিন্ন অন্য কোন স্থানে টাকা জ্বমা রাথিবার উপায় নাই। **অভএব স**র রিচাড টেম্পল মকস্বলের যাবতীয় মহ কুমায় এক একটা দেবিংব্যাক্ষ করিবার প্রস্তাব করিয়া মতি উত্তম কাজ করি য়াছেন। প্রভ্যেক স্থানের কয়েক জন मध्य इंडेरराभीय ७ वडरमनीय छन লোক বলাক্ষের অধ্যক হইবেন। ভাঁহারা बगा है। का अप सूर्य क्रवकिशतक कर्ड पिट्वन । कहे व्यक्ति हो हो को भी हो हो। त्त लाख इंडेटव. याँशामिरशत biai তাহার ভাষা অংশক্রমে লইবেন।

আমরা কারমনোবাকো এই এন্তা- সুদলইতে হইবে। যদি এই প্রকার বলো বের অনুমোদন করিতেছি; কিন্তু এক বস্তু করা হল, সর রিচাড টেম্পালের বিশয়ে আমরা রাজস্বসংক্রান্ত মন্ত্রীকে প্রভা ত সেবিংবাাস্কুর্ভলি ফলোপথাটী সাবধান হইরা কাজ করিতে অনুরোধ হইবে সন্দেহ নাই। তিনিমেবিংবাাস্ক ক্রিতেছি, তিনি যে সকল লোকের ক্রিয়া ক্রমকনিগের স্বিশেষ উপকার

হক্তে অধাক্ষতাভার সমপাণ করিবার বাদনা করিয়াছেন, ভাঁহাদিগের হত্তে मच्यान जात हर, अही ब्यामानितात व्यञ्च মোদিত নছে। ইংলপ্তের অনেক নেবিং বাক্ষ কতকগুলি চুন্টাশ্যের দোঘে উৎসর দরিদ্র इ.उग्नार ङ বিস্তর দর্ববান্ত হইয়াছে। বোম্বাই বাংক্ষের क्षिमत्नत मच्द्र ए मञ्च निश्व রন্তান্ত প্রকাশিত হ্ইত্তেছে, তাহাতে विलक्षन वा नक्षा कि जातिए । व्यश्कान কোনপ্রকার লোভে পড়িয়া বাকের টাকা নিজের কার্যো বিনিয়েজিত कतिएक ना शादतन, तम वियस विस्था मावधान इउहा कर्खवा। काटलक्के बिम्टशब অসুমতিবাতিরেকে যেন এক পয়সা काहादक कर्ड्ड (मुख्या ना हरा। आंमानि গের আর একটা বক্তব্য এই, প্রস্তাবিত দেবিও ব্যাক্কণ্ডলিকে যেন কলিকাভার সেবিও ব্যাক্ষের লাপাসরাপ कता इता याँ होता छाता क्या निद्वन, ভাঁছার৷ যথন মনে করিবেন, তথনই होक, क्षाहित कतिया महेया याहेटल भाति বেন, এ সুবিধা করা আবিশ্যক। সকল বাংক্ষেরই মুলধন একপ্রকার হওয়া উচিত। তাগ না হইলে यে ছানে समा অপ্স, অথচ কুসিকার্য্যের নিমিত্ত অনেকে कर्ज लहेरव, मिथारन चन्न विशे घरित। मत तिहां उ लिलात अख्यान मार् यमि दीजिया कांक रहा, आंशामिरशद ক্লবকগণের অবস্থার পরিবর্ত ইইবার विसम्बन मञ्जादना चारह। यमकल महा জন এখন আনজত সুদ লইয়া ক্ষকদি शत्क डेरमञ्ज किट्डिट्डन, डाँशां मिशत्क হয় অনুহিতি হইতে হইবে, নতুবা সজত चूनगरेएक इदेरव । यमि এই शकात वर्णाः বস্তু করা হয়, মর রিচাড টেম্পলের অ,তা ত দেবিংবাকেগুলি ফলো শথাধী इट्रेंद , मरम्बर नाहे। जिनि (मृति स्वाक्त

করিতে চলিলেন। যদি তাহাদিগের সহিত চিরস্থায়ী বন্দো স্ত করিয়া জাতীর শিক্ষাপ্রণালী স্থাপন করিতে পারেন, ভাহা হইলে তিনি অবিনশ্র যশোলাভ করিয়া অফপ্ত ক্তজ্ঞতাভালন হই বেন সন্দেহ নাই।

বেশারোক্ত নিভারন।

विष्टत समयामान मृखे इत वटहे ; किन्दु অনৈক বিষয়ে তাঁছারা ইংলডের আদিশ **হউতেছেন । এ দেশের আইনসংগ্রহ ও** मारकात क हैन या हैश्लर्खत अरशका डेश्क्रके त्म विवत्त प्रश्मव नाई। छेशप्रश्म রোগ নিবারণের আইন ভারতবদে ই व्यथरम : हेतारह. उ० श्रीत हेल्ला ७ हहा। ইয়। কিন্তু আমরা একটা আদ্দর্যা দেখি ভেছি, ভারভবর্ষ অপেকা ইংলণ্ডে ক্লে व्यक्षित व्हेटल्ट् । वेश्लट्ख श्रथमण्ड कट्स की रमदा अहे बहिन अहति हा। এইসকল ছানে বিস্তর উপকার দশি शारक । मालंके बोरल खेलमः म द्वान चांत নাই বলিলে হয়। মহাসভা ক্রমশঃ धरे चारेन रेश्नर छत भर्च छ अठलिए कति। বার মানস করিয়াছেন। ঐ পীড়া যে কেমন ভয়ক্ষর তাহা চিকিৎসকগণই ফানেন। যে থাজি ইহাতে আজান্ত হন. কেবল তিনি নহেন, ঠাছার তিন চারি পুর্যপ্য স্থিত ইহার ফলভে গী হন। অনেক পড়া এরপে আছে ভাহাতে লেটেকর মৃত্যু হয়; কিন্তু এপ্যাস্ত ভার নিদান নিবাতি হর নাই। ইউরোপের কতকও লাচি গ্রামক সিদ্ধান্ত ক্রিয়াছেন, পিডা আবে পিড,ম-হের উপদর্শ গোগ এ সকল পীড়া ও गुड़ात काद्रगा २३%**८० म**र्ता**त रगमन** ति, छ । क्ते, धमस कि छूट **ब**हे हैं। मा । छात्रक ব্রে এ বিবয়ে অধিকতর সভক্তা আং শাক। এখনে অনেকের ধাতুর পাড়ু

লয়। আমরা শুনিয়াছি এটাও উপদংশ । तार्धित नाश विभागमः त्यां व विट त्क হর না। এই পীড়ার শরীর অভিনয় তুর্বল ও নিজ্ঞে হইয়া যায়। অভ এব গ্রন্মেন্টের কর্ত্তব্য ঘ্রাতে অটেনটা স্থান প্রচ लिख इहेश। উপদংশনিবারণের সবিশেষ (ठ ी क्य, ज'का करत्न। क्रिकेनिशिश्रा লিটিসমূহ এ বিষয়ের বার ভারবছনে ध्यमणा इन्हेराच (वॉध इस्चा। हैइ।हक বার বলা নয়, বায় বাঁচান বলাই উচিত। কত রে:গ উপদংশ ও ধাতুর পীডা হইতে উৎপাদিত না হয়; এত শ্লিবসান লোকে কি ব্যয় না করেন > উপদংশ ার গাক্রান্ত জ্রীলোকদিগকে চিক্তিমা লয়ে বলপূর্বক আনয়ন করাতে ইংলজের অনেক বেশ্যা অপেনাদিগের লজাকর ব্যবসায় ভ্যাগ করিতেছে। আলাদিরের মতে রক্ষিতারকিত বিচার না করিয়া যাব তীয় বেশ্যার পরীক্ষার নিয়ম দর। উচিত।

الراب والمنطاطون

विविधमः वाम।

व हे खास (मामवाद।

দিল্লী গেলেই বলেন, অযোননের ক্লমক দলেন বিষয়ে যে আইন হহয়তেই, ভাইতেও ভালুকদা ব্রেরা বিশেষ অসভেষ প্রকাশ কর্যাছেন। উলোৱা বংলন, গংলি, নাই ক্লিগালালের সন্তালন বিপরীত কাজ করিয়াছেন। অসু গণা হল্লা কেবল অনের উপকারাপ কাল করা ভালুকন বের জনীদারদিশের সভাবসিদ্ধানহে সমন বসলেশে ১০ ভানে করা হল্লাছে, সেইপ্রাল ভালুকদারদিশের মুখাশেকানা করিয়া ক্লেক দিগের দখলী স্বর্মীকার করা উচ্ভ ছিল। ক্ষকগন সহায় খাতিল কোন গ্রন্থেটের ভিতা গ্রেক না। স্নাট নিপালয়নকে দশন কর।

প্রথা, ভাগনিপা, গঙ্গা ও একাপুত্র প্লাবিত ক্রীয়াছে। গনেক স্থানে একজন দাড়াইয়াছে যে, লোকে গননাগ্রন করিতে পরিতেছেন না আমরা এই বেলা সভক হইতে বলিভোছ। পাটনার দর্বাব ও স্থাভ্যা না করিয়া, ত্রে সাক্রেক অভির্নি নবজন বস্তান্ত্রেক অনিষ্ঠের গল্লান কর্মন। পঞ্চাবের সীমার নেকটে যে ক্সন্ত যুক্ষটী ইইতেতি, তাহাতে ক স্মীরের রাজা গোপনে বাতার
দিতেতেন, এ কপা চই এক মহামতি বলিয়ারি
লেন। কিন্তু এ দিগো শুনা যাইতেতে গোল্যো
গোর সংবাদ পাইবানগার রাজা র্লবীর সিংগ্
বন্ধনিগাকে দমন করিবার নিমন্ত চারি রেজি
মেন্ট দৈনা প্রেবণ করিবারেন।

সর কালেকজ ও'র প্রান্ট নিশ্চর য়ুএছিনবরার বিশ্ববিদ্যালয়ের অধক্ষেতাপ্রহণ কলিছেছেন। তিনি আপাতিতঃ ধোল ইয়ের বিদ্যাশিক্ষার ডিনেক্টর ও ব্যুখজাপক সভার সভঃ আন্তেন বটে, কিন্তু অফ্টোবর মাসে এ দেশ ত্যাগ কবি বেন। সর সালেকজ ওার প্রান্ট গমন করেল শিক্ষাবিভাগে মার প্রকৃত উপযুক্ত লোক রহি লোন।।

কারুল হইটে সংবাদ আসিয়াছে, জাকুব আল খা গিলনি আনকার করিয়াছেন। এই সংবাদ পাইয়া আজিন খা নিজে ভাতুল্পাত্রের সহিত যুদ্ধ করিছে গমন করেন। এই যুদ্ধে তিনি প্রাজিত ইইয়াছেন এবং সিয়ারআলি খা প্রায়ার কারুলের সিংহাসনে জারোহণ করিয়া ভুন। আবছার রহমন খাঁ তির টের দিগে যাই তেছেন। হিরটে উল্লেখ্য প্রদান করিয়া স্থি কলা ইইয়াছে। এবার যন সিরারআলীকে যথো চাত উব্লাহ দেওয়া লয়।

বোখাবার রাজাব সহিত রুশীয় দিনের শেষ সংক্ষ কর্মতে বোখারা রুশীয়ের করাদ রাজা ক্টস রোজার ভোষ্ঠ পুত্র আরাও যুক্ষ করিতে ইচ্ছুক ভিলেন কিন্তু রাজা উহিলকে রুশীয়িদ গোর হল্তে অপান কবিয়া দিতীর পুত্রকে উত্তরা লকাবী বলিয়া ঘোষণা করিয়াছেন রুশীয় সম টের জাশা কাল্পির ছাদে জনন করিছেছেন তথায় এক ভাগাজের উপারে ভাঁহার সহিত পার্যের রাজাব সাঞ্চাৎ হট্যা ছন।

মতী কুবের কতন্ত্র ল সদ্ধার গ্রন্থ ভেনরলের নিক্টে এই ভাবে আবেদন করিয়াছিলেন, যথন ই লেন্ডেশ্বী মহীকুব প্রত্যেশি কর্য়াছেন, তথ্য বর্তনান অপ্রাপ্তব্যহার রাজ্ঞাকে আড়ে হবে সিণ্ছাসনে অভিগিত করা কর্তব্য কিন্তু গ্রব্ধার না হইবেন এবং তাহাকে শাসনকার্য্যের গোগ্য দেখা না যাইবে, তাত দিন এপ্রকার আভিবেক হইবে না ব্যান্তপুত্রের লেখা পড়ার প্রাতি কিন্তুপ মনোযোগ্য দেশ্বা হইডেছে?

১•ই ভাজ मन्ननातः। मा ভারতবর্ধে ও রাজপুতনার প্রচুর বৃক্টি ধ্ইয়াছে। ইন্দোবে এত বৃক্তি ধ্ইরাছে যে, রাস্তাসকল প্ল'বিত এবং একটা বৃধ্ধ সেতু ভগপ্রায় ধ্ইয়াছিল। কলিকাভায় এত বাটী পতিত ধ্ইয়াছে। য়, ইটের মূল্য হাজার করা বার টাক: দাড়াইরাছে।

হাজরাতে মৃদ্ধ হওয়াতে দেশগ্রন্থ টেলিপ্র' ক্ল করিবার প্রয়োজন বেং। দিলী হইতে তার প্রেরণ করিবার আজ্ঞা হয়। কিন্তু তার লইয়া যাইবরে গাড়ী চিল না। দেপুটা কমিদনর ফিটজ পেটি ক দাহেব এই অবস্থার বলপুর্দাক কতকগুল ভাকের গাড়ীতে তার লইয়া গিয়াছেন। অনেক আবো হীকে ভাড়া দিয়া প্রব্রেজ গমন করিতে হই য়াছে!! দ্রনাপাত এ ক্লন ১৮৫৭ অন্দে খাদ্য দ্রবের প্রভাবে দিলী আক্রমণার্থ অপ্রদর হইতে পারিতেছিলেন নাঃ পঞ্জাবী শাদনকর্তাবা ভাহাকে দেশবাদীদিগের যাহা কিছু থাকে, ভাঙা লুঠ করিতে কহিতে যাইতে বলিয়াছিলেন!!

আব এক জন ইউবে:পীয় জুয়াচোর ধরা পঞ্য়াছে। মাৰ্শলনানক এক অসন ধৃতি সংবাদ পত্রে বিজ্ঞাপন দিয়া এক জন নীলকুঠিব অধ্যক চাহিয়াছিল। স্মিনোনক জুপালের এক জন भाकानमात्र भी लकुटित अवाक स्ट्रांचन दिल्हा আবেদন করেন : মার্শার গাঁহাকে নিয়োগ প্র अप । ইভিমদে পে বলিয়া পাঠাইল **নীল**কুঠির कडक व्याप्त विक्री उस्थात । स्त्रिम शहे (लाए अ পাড়িয়া ক্রমশঃ ৩০০০ টাকা অলান করেন। পুত্ত অনেক দিন নানা কৌশলে স্মিথকে ভুলা ইয়া ভূপালে রাখিয়া ভল । মাশল কাহাকে ৮০০ होका भारथम् बिरव व निम्ना उथाम <u>बारच र किस</u> পাথেয় অথবা নীলকুঠির অংশের কৰল। না कागाटक (खुश वाज इसेश) मिलीटक शबन कवि লেন। মাশল তথ্য আগরয়ে প্রায়ন করিরাছেল স্মিগ ভখন জানিতে পারিলেন, নীলকুঠির ৰুগ। দকলই ।মথবা। জুরাটোর মার্শল ধৃত হওয়াটে পঞ্চাবের প্রধান বিচারালয় ভাঁহার কঠিন পার অন্মের সহিত আমাড়াই বংসর মেয়াদ দিয়াছেন। এ দেশের ইউরোপীয়েরা নতর্ক হউন।

আনরা হিশ্চপেটি যুটে দেখিলাম লাল। বাবুর স্ত্রী রাণী কাত্যায়নীর ৯০ বংসর বয়সে মুবসিদাবাদে মৃত্যু হইয়াছে।

### ১১ ই ভাদ্র মঙ্গলবার।

বাবু গোশীনাথ সেন বলেন, বর্ত্তমান বর্ষের ১ লা জান্তুরারি অবধি ২১ এ আগস্থ পয়স্ত কলিকাভায় ৭৩:১৪ ইঞ্চ বৃক্তি পতিত হই-য়াছে। সধ্বসরে গড়ে ৬৯ ইঞ্চুক্তি হইয়া পালে। পূর্ম ১৪ বংসরে এই সমস্থের মধ্যে। গড়ে, ৪৫-৮৪ ইঞ্ র্টি চ্ইয়াছে।

অদ্যকরে কলিকাতা গেছেটে যশোহরের ছুতপুর্ম কালেন্টর ছে, মনরো সাহেবের লিখিত দেঁকো পাকার বিষয়ে এক বিশোট প্রকাশিত হইরাছে। এই কীট পল্লথমধো, থাকে। স্পর্শ করিলে মৃত্যু ইইয়া ভূমিতে পভিত হয়। মনরো সাহেব বলেন, সদর উপবিভাগের প্রায় চারি বা ছর আনা অংশের আউস ধানা এই পোকায় নষ্ট করিয়াছে। নড়াইলে শেঁকো ও ম ক্ল্যা বলিয়া একপ্রকার কীট লাগিয়াছে। চিক্রশালিকার অধ্যক্ষ বলেন, শস্যের শীষ কাটিয়া লইরা বিচলি দক্ষ করিলে এই বীট নষ্ট হইতে পারে। বর্গাধিকা হইলেই এইসকল কীটের প্রাছর্ভাব হইরা থাকে।

সিংহলের লোকেরা উক্ত ছীপের ভূতপুর্ক শাসনকর। সর হেনরি ওয়াডের এক প্রস্তর মগ্নী প্রতিমূর্ত্তি স্থাপিত করিয়াছেন। ইংতে শাসনকর্ত্তাদিগের সদ্যাণের পরিচয় ইয়।

আগামী অক্টোবর মাসে সর সাইমর ফিট জারলড মহারাতীর সন্ধারনিগের সভাজন নি মত্ত এক দর্শার ক্রিবেন ব্লিয়া উদ্যোগ কারভেছেন।

়> ই ভাদ্ৰ রহম্প হ্রার।

উৎকলে বিস্তর পুরাতন বাদী ও ত্বর্গ আছে।

এপয়ন্তে এ শুলর কেই ইভিহাস লেখেন নাই।

নারু রাজেন্দ্রলাল মিত্র লেপ্টনান্ট গর্বরকে

কানাইয়াছেন. পূজা, বন্ধের সময়ে তিনি
ভথায় বাইবার আভলাষী ইইয়াছেন। ভনর্থ
ভিনি মাগিক ১২০০ মাত্র টাকা প্রার্থনা করিয়া
ভেন ছই জন চিত্রকর উল্লের সঙ্গে থাকিবেন গ
ভালাদিগের নিমন্ত্র আর ১৫০ টাকা বায়
পভিবে । লেপ্টনান্ট গ্রন্থর এই প্রস্থাবের
সম্পূর্ণ অনুমোদন করিয়া ভারভব্যীয় গর্বন্দে
ভক্তিক জন্মুরোধ করাতে গ্রেপ্র জ্বেনরল কাজ্লাদ
সহকারে এই প্রস্থাবে সন্দ্রত কইয়াছেন।

গ্রহণের দিবস দিনাজপুরের নিকটে একটি বৃহৎ জলস্তম্ভ উঠিয়াছিল। যেসকল স্থান হইতে সংবাদ আসিয়াছে, তাহাতে দেখা ঘাইতেছে, এক ক'লে সর্ম্মাস কোখায়ও হয় নাই।

নিজামের রাজ্যে লোফারদিগের সংখ্যা বৃদ্ধি হওয়াতে ভত্তেতা গবর্গমেন্ট ভাগদিগকে ৰলপুর্দিক বহিদ্ধৃত করিবার প্রস্তাব করিয়াছেন।

मधः ভाরতবর্ষের কমিসনর জর্জ কাথেল লাহের মহাসভায় প্রবেশ করিবার চেপ্তায় ভাছেন। কাথেল সাহেবের চেপ্তা সফল হইলে ভারতবর্ষের বিশেষ উপকার হইবে। কান্থদাস নারায়ণদাসনামক বোধাইয়ের এক জন বণিক্ দেউলিয়া হইতে গিয়া অপনার সম্পত্তি গোপন করাতে গাঁগার ছই বংসর মেয়াদ ধইয়াছে। এ দণ্ড শোচনীয় নম্ম।

পবলিক ওপিনিয়ন হাজরা হইটে সংবাদ পাইয়াছেন:— '' এক্লপ জনজ্ঞান্তি, পুনর্জার তথার যুদ্ধ হইয়াছে। সেনাপতি ওয়ালভ আহত হইয়াছেন। ১৯ গণিত পদাভিকের বিস্তর লোক নষ্ট হইয়াছে।

এত সিবিলিয়ান ফুডন বিদায়ের নিয়মাল সারে আবেদন করিয়াছেন যে, গবর্ণমেন্ট সূতন নিয়ম করিতে বাধিত হইতেছেন।

পারসেরে রাজা ইংলণ্ডের নিকটে কয়েক খানি বাচ্চীয় যুদ্ধজাহাজ চাহিয়াছেন। ইংরাজ জাফিনরেরা এইদকন জাহাজের অধ। কতা করিবেন। পারদেরে উপকূলের বানিজা রক্ষা করা রাজার অভিপ্রেড। জাহাজের অধ।ফ দিগকে ভাঁহার আজ্ঞাধীন থাকিতে হইবে বর্ষে বর্ষে কিন্তিবন্ধিতে জাহাজের মূল্য দেওয়া হইবে। শেষে যেন এটা মস্কাটের ইমামের প্রতি বলপ্রকাশার্থ না হয়।

বাদাই ব্যাক্ষের কভগুলি অংশী সর ষ্টাফোড নর্থকোটকে অনুরোধ করিয়াছিলেন, উজ্জ ব্যাক্ষের যে ক্ষতি কইয়াছে, গ্রব্ধেন্ট ভাষার কিয়দংশের ভারবছন করেন। আমরা আক্ষাদিত হইলাম, ষ্টেট সেক্টোরি এই অস্ক্র জভ প্রার্থনা অগ্রাহ্য করিয়াছেন।

পাঁচ দিনের বিচারের পর জুরিরা মনিমাধব সেনকে নিক্লোম করিয়াছেন।

আগোনী শনিবার লেপ্টনাণ্ট গ্রাবরি কলিকা ভায় প্রভ্যাগমন করিবেন। বিবি গ্রে প্রভ্যাগভ হুট্যাছেন।

ক্ষেত্র অব ইণ্ডিয়া বলেন, সোদ্বাদের আখুন্দ গুহাবিদিগকে বহিষ্কুত করিবার চেষ্ট্রায় আছেন সীমাস্থিত বন্যেরা পরাজিত হইয়া প্লায়ন করি তেছে।

উক্ত পত্তে দৃষ্ট হইল, গত সপ্তাহে মুলমিন হইতে বাহাছর কাঠ লইয়া কুসভাননামক এক খানি জাহাজ সাভলা নদীতে প্রবেশ করে। জাহাজের তলায় এক রুহৎ ছিদ্র হওয়াতে জল উঠিতে লাগিলা। একখানি বাম্পীয় জাহাজ ঐ সময়ে যাইতেছিল, তাহার কাপ্তেন মধ্যোমা খা জাহাজকে টানিয়া লইয়া যাইতে চাহিলেন। কিন্তু কুলভানের কাপ্তেন ভাড়া অধিক বিবেচনা কৃরিয়া অসক্ষত হইলেন। এক জন গোলস্বাজ ও

ছয় জনমাত্র লস্কার রক্ষা পাইয়াছে। কাপ্তেন নিজে কোথায়, ইহ'র অসুসন্ধান করা উচিত।

#### ১০ই ভাজ শুক্রবার ৮

১ লা নবেশ্বর অবধি ১০ আইনের মকদ্ম। নকল পেওয়ানী আদালতে যাইবে। মোজনবেরা তথায় এই মকদ্মা চালাইবার যে ক্ষমভা প্রাথনা করিয়াছিলেন, তালা অগ্রাহ্য হইয়াছে।

গত এইন উপলক্ষে অংবাধনার বিস্তার লোক কাণপুরে গঙ্গান্তান করিতে আসিয়াছিলেন। দিলীগেজেটের এক জন পত্র প্রেরক বলেন, থানেশ্বরে প্রায় ৩.৫০, ০০০ বাত্রী সমাগত ইই য়াছিলেন।

সেনাদলের জার এক লক্ষাকর কার্য্য প্রকা শিত হইয়াছে। দিলীগেজেট বলেন স্থলতা নের এক অন দৈনিক চিকিৎসক দৈন্যদিগের জীলোকগণের প্রতি ছর্ম্মবেহার করাতে তাহার অনুসন্ধানার্থ এক কমিদন বসিদ্ধাহেন।

সর উইলিয়ম মূর একটা অভিলয় প্রশংস নীয় কার্য্য করিয়াছেন। জিনি ঘোষণা করিয়া ছেন হিন্দি ও উর্দ্ধ ভাষায় ইভিহাস, জীবন চরিত, জ্ঞান, বিজ্ঞান, শিল্প ও দর্শনশালে সহকে যিনি উৎকৃষ্ট গ্রন্থ রচনা করিতে পারি বেন, ভার্থকে ১০০০ টাকা পুরস্কার দেওয়া হইবে। ধর্মসংক্রান্ত জ্ঞাবা ধর্মনীতির বিরুদ্ধ কোন গ্রন্থ স্থাত হইবে না। সংগ্রহ গদ্য জ্ঞাবা পদ্যে লিখিত হইবে, ভাষা উত্তম চাইণ

#### ১৪ই জাদ্র শ্নিবার।

আমর। শুনিয়া ছংখিত চ্ইলাম, কাথিড লি মিদন কালেকের অনতের অধ্যাপক উইলিয়ম ছপর সাকেব একটী ছাত্রকে অভিশন্ন অবমা ননা কবিয়াছেন। ছাত্রটীর অপরাণ এই ভপর ঘেঘনে পড়াইভেছিলেন। ছাত্রটী ভাহার ভিতর দিয়া য'ইভেছিলেন। অন্যান্য ছাত্র ও অধ্যাপকও দেই স্থান দিয়া অত্রে গিয়াছিলেন। শিক্ষকের কোপকল অবমানিত ছাত্রটীর উপর দিয়া ফলিয়া গেল। মিশনরির অধীরত্ব অভি শায় নিক্ষার নিমিত্ত হয়।

# ইউরোপীর সমাচার।

লওন ২০ এ আগষ্ট। ব্রেক্তিল হইণ্ড লেছে গে সংবাদ আলেয়াছে, ভাছাতে জানা বাই ভেছে, দলবল্ব গবর্গনেটের সৈন্যান ভ্রেটা আক্রমন করিয়াছে। পারওয়ার সৈন্যান ভাছাদিগের প্রভিবক্ষকতা করিয়াছিল। জ্বা সভাপতির পদের প্রাথী আছেন।

মহুর রচলোটের এক বংগর মেয়াল ও ছেল, ভিনি) ১০,০০০ ফুল্ক জরিমানা হইয়াছে।

नक्षी खतला छ वाषीटक व्यक्ति ला शिवा व्यक्ति मे । स्टेम्राट्डन । प्य गष्ट कतियाद्य।

২১ এ আগষ্ট। গত কল (চেষ্টার ও ছোলি হেড রেইল ওয়েতে একথানি মেইল ট্রেণের সহিত দিন আর, এচ. রেণিসাহেব কিছুদিনের নিনি मांहे रेख्न (नाकाई अक नक अविद भाका लाशियाटक । २० जाटवारी मध करेया आगण्यां ग कतिष्ठाटक्रमः।

গত কলা নিউইয়ৰ্ক হইতে যে টেলিগ্ৰাম আলিয়াতে ভাষাতে ভাষা যাইভেছে, বুধিয়ান आप्तनिति (भागर्याभ स्टेट्डएइ। (कलेकी প্রাদেশে নীচতন্ত্রপ্রির দের প্রতিনিধির জয় লাভ কটগাছে। এই দলের সংখ্যা ৮৫০০।

২২ এ জাগষ্ট জনকোর প্রাভঃকালের मंश्रिम जनमूह यानग, ताञ्जी विष्टातियानम न्य कविनात উष्फ्रान अक मन क्विनान यूरे **कतनार्थ भगन क**िशार्छ ।

ওয়েল্সের রাজকুমার রাইফল ব্রিগেডের कर्नन इहेग्राहिन।

(हमियाणि दैनियाजातिय ख्राप्ति प्र আলেকভাণার উভফোড বলিয়াছেন, সেনা পতি রুপেল ও কর্ণেল মেয়ার ওয়েদার ভারত ধ্বীয় স্থারনাইট চইবেন।

লাভ ফারণভাম ও ভাঁচার স্ত্রী চেষ্টার ও ্হোলিহেড রেলওয়ের ছুঘটনায় হত হইয়াছেন '

# भवर्गरम् विकाशन। वऋष्मभीश त्लक्टेनकेशवर्गदत्त्र

## আদেশাসুদারী

নিয়োগ।

ও ই আগষ্ট। নিমুলি ইত ব্যক্তিরা চট্টগ্রা খন্ত অংলিখার মসজিলের কাহ সুপাদন নিভিত্ত সভ্যস্ত্ররূপ নিযুক্ত হইবেন।

भिन्दी श्राम्ब्रह्मा था।

मूजि महात्क जाली।

- » বসিরুলা।
- » ইয়ার আ**লি খা**।
- ১১ ই আগষ্ট। সবডেপুটি আহিফেন এজে 🗟 এ, এচ, টবণবুল সাহেব কাশীর প্রধান সহ কারী অভিচেন এফেন্টের কার্যালয়ের ভার পাইবেন:
- ১৯ এ জে: 🗀 । এচ, আর, রেলি সাংক্র ( বিনি সম্প্রতি বাজসাহী বিভাগে ভেপুটি মাজি কেট ও ভেপুটি কালেটরের পদে নিযুক্ত হইয়া

রাজশাহীতে রেলিসাহেব ১০ই আগষ্ট উক্ত স্থানে উপনীত

२) এ का गष्टे। येख भिने एक कात शेरल है সাহেৰ বিনায় লইয়া অসুপঞ্জিত থাকিবেন, ভঙ ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি কালেটর হইয়া রাণীগঞ্জ উপবিভাগের ভার পাইবেন। জিনি প্রথম প্রেণির অধীন মাজিট্রেট্রের ক্ষমতা পাইয়া বিচাবালয়ে ও সেনিয়নে অপণ ক্রিবার মক্দমায় প্রথম বিচার করিতে পারি

বাৰ্জন জে, মাকডোনাল্ড্ কটকের সিবিল मार्श्वन इहेर्टना

নিম্লিখিত বংজিরা গ্যার বিদ্যাশিক। मञ्जात मञ्जा व्हेर्यन।

টি, এন. পিপ সংহেব।

বাবু অনন্তরাম ঘোৰ ,বি, এল, 1

ব'বু ইজ্ঞারায়ণ প্রধান ভ্যোলুকের দাতব্য চিকিৎসালয় চালাইবার সভার অনতের नका इहरवन।

২২ এ আগষ্ট। ব'বু ব্রহস্থ দর । মিত্র ( বি নি একণে বিশয় লইয়া আছেন) ২৪ প্রগণাব एअलि माक्टिकेटे ७ । ७९ कि नात्म हेव इहेवा খ্রথম খ্রেণির অধীন মাজিটেউটের ক্ষমতা পাই । বিচার কবিতে পারিবেন।

বৰ্ষানেৰ ডেপুটি মাজিকেট ও ডেপুট काल हैत वांबु शांभान हक्क स्मान कि इस्तित्व निभिज्ञ २८ পরগণায় বদলী इडेया मास्मिर्छ हित क्या भारतिम ।

वांदू कानीक्षमत्र महकांद्र वि, ७, घरमाइरह প্রতিনিধি ভেপুটি কালেইর হইয়া প্রথম খ্রোণীর মধীন মাজিটেউটের ক্ষমতা পাইবেন।

২৪ এ আগষ্ট। দেবগড়ের সহকারী কমিস নর জি, সি, স্মিধ সাহেব মুক্তেরের প্রথম (कानित कारीन माकिएकेएमेत कमा शाहरवन। জিনি সাঁওতাল পরগণা ও ভাগলপুনের ভেপটি কালেইরের ক্ষত। পাইবেন। তিনি আর্ভ মাজিকেটের অনুমতির অপেকা না করিয়া अक कारन नानीन बाइन कतिएक शाहिरवन।

येख रिन (मञ्जूत अ, हैनक दिर्मय कार्यहां भ नटक किटबारफ थाकिरवन, उठ मिन क, भांह गार्व कामक्रांत्र श्रष्टिनिधि श्रीवय क्रुशित्र है (७७ इहरनम्।

পাচ সাহেব যত্তদিন কামরূপে উপনীত ना हन, उउनिम जि, अह, 'स्कू क नारहद शकि

वाकित्व । मिथि शुनिय स्थाबिट हेट ए वाकित्व । .ब. (ब बाद मारहर विरूप्त महत्त्वाद्वी कार्यत **भगत्क किंद्रभारक वाहेदक्रहम वनिष्ठा कि, ७**व লিউ. দ্বিট সাছেব যে দিবস ভাঁহার কার্য।ভার লইবেম, সেই দিবস অবধি সিংহছ্রমের প্রতি निधि श्रीनय छुश्रीत्र है वा के क्रेट्यन

> যত দিন বাবু ব্রজ্ঞিলোর সেন বিদায় লইয়া অনুপাত্মত থাকিবেন, ভড়দিন বাবু মাধ্বচক্র চক্রবর্ত্তী বাধরগঞ্জের অন্তর্গান্ত মাদারিপুরের প্রতিনিধি মুক্ষেক হইবেন। পুজার বজের পর এই নেধোগটি আরম্ভ চইবে।

> ২৫ এ আগষ্ট : সাওভালপরগণার ক্তর্যাত ছমকার, সহকারী কমিসমর ডবলিউ, এস স্মিথ সাংহ্ব নিমুত্তর শাসনকার্যে,র তৃতীয় প্রেণ্ডিক इदे (वस ।

> वायु बङ्गहस हाही भाषाच मञ्जू कि है। আমের প্রতিনিধি ছেণুটি মাজিকেট ও ছেপু ন कारल हैंद्र इरेश। ১१रे बागडे खबाब खेलभी छ रहेश्वार्ट्स ।

> বাঘের হাটের ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি कारल हेत्र वांचु श्रजां भारत हर्हि। भाषा ह्या वि. अन. भवन महकूमा यटनाइट्स बल्ली इट्टेंबन ।

> यरनाइरवत (प्रशृष्टि याक्टिएरेटे उ (एश्रोहे कारमञ्जू शिक्ष जीमहत्त्व विमात्त्व वार्धत व উপবিভাগের ভার পাইবেন।

> ডেপুটিমাজিকেট ও ডেপুটি কালেইর বাবু बैतानान मूर्यामरात्र वित्रवाहे छेशविकार्यत् ভাব পাইয়া ২৪ প্রশ্বার প্রথম ভোলির অধীন मास्त्रित्वेद कमाचा शाहरवन : जिनि का 18 সেণিয়নে অপেণ কবিবার মকদমার প্রথম

মৌলবী ইয়াদত আলি বাকুড়ার অধংস্থ कक इट्टेंदन ।

ব'ৰু রামতারক বার ব রসালের ছোট অ'লা गर्फत सम अ वार्थनगर्शन अभाग सक हरेट्नम ।

अम, ভাকত সাহেব সাহাবাদের অধঃস্ব জঞ हरेया जाताएउ कार्य जानानएउत कार्यात क्यांत পাইবেন।

# षामामिरभत औश्रुष्ठेत मः वामनाजा লিখিয়াছেন।

অক্সভা সেখবাট মিদন ক্ষুলে বিদ্যোৎ সাহিনীনামী একটা দভা আছে। প্রতি পনিবারে ইহার জ্বধিষেশন হইর। থাকে। ছঃবের বিষয় এই, यनवर्गि दिवादत्य छवनिष्ठे आहेळ मह्नानग्र উজ্জ ক্ষুলের সম্পাদকতা এবং প্রীয়ুক্ত বাবু জয়গোবিন্দ গোম এম. এ. প্রধান শিক্ষণভা ত্যাগ করিয়া গিয়াছেন,সেই অবধি ইহা (সভা) অত তে ছরবহায় পণ্ডিত ইইয়াছে। একণে আর निश्चिङ्करण मछात कांधर्यना इहेर७८६ ना, अभवी श्रेरमञ अञ्चल अञ्चल (लाकरे छेभन्दिक হ্ইভেছেন ৷ কোন বিষয়ের ভর্ক উপস্থিত

ইট্লৈ কাহার আর বড় বিশেষ মীমাংসা হর মা । আবলা আর লিখিতে ইক্ষা হর মা। লিখিবার প্রভাগে সভাগণ ভাগেৎসাহ হইয়া ব ইড়েছেন। সময় ইহা ধেরপ থাকে, সোমপ্রকাশে প্রকাশ প্রাইজ সাহেব ও জয় বাবুর বিদ্যালরপরিভাগে হইবার সময় প্রায় ভাহার বিপরীভ হইয়া থাকে। গাত বাবে লিখিয়াছিলাম, এখানে বর্ধার সমাগম হইয়াছে এমত নহে, ভ্লের আব্রো অনেক হইয়াছে। ভখন প্রাবণ মালের প্রথম সপ্তাহ গবিবরে বিশ্বনেত। ঘটিরাছে।

গত সপ্তাহে আফাদিগের কমিসমর জীযুক্ত সিমসন সাহেব এখানে আগত হইয়াছিলেন অব্রত্য জজ আদালভুরে উকিলেরা তাঁহার নিকট ত্রীহটে একটা গ্রন্মেন্ট জুল স্থাপনের প্রার্থনা করিয়াছিলেন। ডিনি ভাহাতে সম্মত হইয়া डाँगिनिशक विश्वा शियाहिन, जाशनाया शवन মেট ক্ল স্থাপনসম্ভে আর কখন কোন কথা विनिष्ठ रहेरन कारमञ्जेत সাर्ययक स्नामाहेरकम्, ভাহা হইলেই আমি জানিতে পারিব। ফলডঃ জীহটে একটি গবর্ণমেন্ট বিদ্যালয় প্রভিষ্টিত হয় পূर्ताविधि डाँहा (किश्विनत गारहरवत) हैन्हा ছিল। তিনি ইতঃপুনো তত্ত্তা অফিসিয়েটিং कारमञ्जत बाक्तिरकेषे बीपुक क्यम मारश्वतक किकामा कविषा भाष्ठाहेम्राहित्वन, बिहर्षे अवर्ग মেউ জ্ল স্থাপনোপ্যোগী গৃহ আছে কি না। এডদিবয়ে একণথৰ্য ভ কিছুই স্থিরীফুড হয় नारे। व्यामानिरगत विरवहनात्र श्रुटर्कत गवर्गयन्ते স্কুল গৃহ এডদর্শে প্রদান করা উচিত। যথন দেই शह \* क्वन १०१(म हे ऋ त्त्र का नाहे निर्माण ষ্ট্য়াছিল, ডালতে কাছারি রাখা কোনক্রমেই ন যেসছাই নতে। আর যদি কাছারির স্থান পরি वर्कन करा ,नकां छ ज्याधा ह्य, जाहा ह्हें ल একটী নুভন গছ প্রস্তুত করিয়া দেও**য়া হউক।** একে ও অত্তর ভদ্র লোকেরা আপনাদিগের সন্থানগণকে মিসনরি স্কুলে দিতে ভাল বাদেন না, ভাগতে আবার মিগন বিদ্যালয় আভাজ জুববস্থায় প্রিত হইয়াছে, স্লুভরাৎ গ্রণ্মেন্ট বিদ্যালয়স্থাপনে কোন কারণে বিলম্ব করা विरुधन्न नरहा

করেক দিন হইল জাত্রাত রে'কা সমাজের ইত্রহাসিক অধিবেশন হইয়া সিয়াছে।

কিছু দিন হইল, এক ব্যক্তি কোন কারণে রাগান্তি হইয়া দাব্রান্তিত তীয় দ্রীকে বধ করিরাছিল। অক্তর জলাধারবারবিচারে ভাষার ফাঁসি স্থির করিয়া ছাইকোটে লিখিয়াছেন। ক্রক্ষণপর্যন্ত কোন উত্তর আইসে নাই।

२ ता फाछ १ ऽ२१६ मोला

व्यामापिरात्रत श्रीमाणिसतक् मः वाष-माजा निधित्रारहन।

------

)। महानदे! अधानकात काटनत ( अपूत )

भवका आहे लिखिए हेका इस ना। लिखितात मनत हैं एवं एक थाएक, मान्यकारण श्रकां वर्णान है वाज मनत श्राप्त थात थात । त्यां के नाम श्राप्त थात थात वर्णान त्यां के मान्य वर्णान नाम श्राप्त वर्णान मान्य वर्णान मान्य श्राप्त वर्णान मान्य भवत वर्णान मान्य मान्य वर्णान मान्य मान्य वर्णान मान्य मान्य वर्णान मान्य वर्णान मान्य मान्य वर्णान मान्य मान्य वर्णान मान्य भवत वर्णान मान्य मान्य वर्णान मान्य मान्य वर्णान मान्य वर्णान मान्य वर्णान वर्णान मान्य वर्णान वर्णान मान्य वर्णान मान्य वर्णान वर्णान वर्णान मान्य वर्णान वर्णान वर्णान मान्य वर्णान वर्णान वर्णान वर्णान मान्य वर्णान 
২। ঋড়ু পরিবর্জনেই হউক বা বর্ষা না হও রাতেই হউক, এখানে সংপ্রতি অ্ববরোগের প্রায়ভাব হইয়াছে। কিন্তু যেরূপ শুনিতে পাই অন্যান্য বৎসরে এমত সময়ে এখানে বেরূপ ওলাউঠা রোগের প্রায়ভাব হয়, সৌভাগ্যক্রমে এবার ভাছার কোন চিহ্ন দর্শন বা প্রারণ করা যায় না।

০। গভং ২) এ প্রাবণ, ভানসানের সমাধির
নিকটবন্তী মহম্মন গৌজ খার যে সমাধি মন্দি
রের কথা পূর্বের লিখিয়াছিলাম, উক্ত স্থানে
''চাকিয়ার মেলা শ নামে একটা রুহং নেলার
হইয়া গিয়াছে। মন্দিরের একটা উচ্চ চূড়া |
লক্ষ্য করিয়া ক্ষুদ্র ক্ষুদ্র চক্র স্থানীয় স্কুদ্র বন্ধ
করিয়া উহাতে নিক্ষেপ করাই এই মেলার
উদ্দেশ্য। যে বাক্তি চুড়ার উপর নিক্ষেপ করিতে
পারে, সে ব্যক্তি নাকি রাজকর্ত্ত্ব পুরস্কৃত হয়;
কিন্ত এবার কেই ইহাতে ক্ষুতকার্য্য হয় নাই।
এই মেলাক্ষেত্রে মহারাজের পোষ্য পুত্র
উপ্পত্নীপুত্র ও জামাভা বিবিধ সক্ষায় সজ্জী
ভূত ও রুহং বৃহৎ হস্তিপুঠে আরোহণ করিয়া
আসিয়াছিলেন। সলে অনেক সভাসদ ও অখারোহী পদাতিক লোক ছিল এবং অপর সাধারণ

প্রায় লক্ষ লোকের সমাগম হইরাছিল।
আধের ও লোকের ভিড়ে অনেক লোক আহত
হইয়াছে। স্থানে স্থানে লাঠিথেলা মল্লযুদ্ধ
প্রভৃতি ব্যায়াম ক্রীজা হইয়াছিল এবং মধ্যে
মধ্যে বেলগে ও অপরাপর জীলোকের ভিড়ের
মধ্যে এমন এমন কুৎসিত ঘূণাকর ও লব্জা
ক্রমক কৌতুক হইয়াছিল যে, ভাহা দেখিয়া
বোধ হয় লয়ভান বা লৈভ্যেয়াও কুঠিত হয়;
অথচ মির্কিকারচিতে জী পুরুষে ভ্রাতে
আমোদ ক্রিভেট্নে এ অঞ্চলে অসভ্যভার ও

মুখতার কত দূর প্রভাব রহিয়াছে, তাহা এই মেলা দেখিয়া অনেক অংশে অনুভূত হইল। এই মেলার উদ্দেশ্য কি, তাহা আনিতে পারি বাই।

৪। মহারাজ প্রমেষ, উদরাময়প্রভৃতি রোগে আক্রান্ত হইরা ইংরাজ ভাক্তার্য রা চিকিৎসিত হইবার জনা কতক দিন হইল, পলিটিকেল এজে ন্টের বালীতে আসিয়া অব্স্থিতি করিডেছেন। যখন সন্ধার সময়ে বায়ু সেবনার্থ বহিগ্তিহন ডখন উলোকে দেখা যায়। শুনিয়াছি উলোর রোগের জনেক উপলম হইয়াছে। ভাক্তার সাহেব বিশেষ যরের সহিত চিকিৎসা করিডেছেন এবং পলিটিকেল এজেন্ট একান্তঃ করতে সংকার করিডেছেন।

ে চোরের দৌরাত্ম নিবারণার্থ কএকদিন
হইল, মুবার ছাউনীত্ম অধিবাদীর: একত্র হইয়।
ক্যান্টনমেন্ট মাজিটেটটের নিকট যে আবেদন
করিয়াছিলেন, তাহাতে মাজিট্রেট সাহেব পুলি
বের উপর কঠিন কঠিন নিরম করাতে আর
ছুরির কথা শুনা যায় না। এক এক গলির
ভার এক এক কনটোবেলের উপর অপিতি হই
য়াছে। সেই গলির শান্তিরক্ষার অন্য সেই সেই
ব্যক্তি দায়ী হইবে। শুনিতে পাই ছই একটা
চোর ধরা পড়িতেচে।

৬। এক দিন সন্ধার প্রাক্ কালে এক জন
গাড়োয়ান ছাউনি হইতে গ্রামান্তরে যাইতে
দিল। এক জন চোর প্রথমতঃ বফুভাবে ভাহার
গাড়ীতে উঠিয়া, যখন জন শুন্য স্থানে
পৌছিল, ডখন গাড়োয়ানকে ঐ গাড়ীর
চক্রে দৃচ রূপে বন্ধন করিয়া ভাহার নিকট
হইতে টাকা পরসা হ। দিল, ভাহা এবং গরু ছুটী
খুলিয়া লইয়া গেল। গাড়োয়ান সমস্ত রাত্তি
সেই মাঠের মধ্যে ঐ ভাবে দিল। সোভাগ্য
ক্রমে ভাহার প্রাণ ব্য কবে নাই এই লাভ।

৭। সম্প্রতি এখানে ছটা বলাৎকাররূপ ভয়া
নক হক্ষা হইয়া গিয়াছে। প্রথমটা পুলিবের
এক জন কনষ্টেবল একটা দশম বর্ষীয় বালিকাকে
বলাৎকার করাতে বালিকার মাতা ও জন্যান্য
আত্মীয় পুলিবে এই বিষয় জানাইল । কিউ প্রনি
লাম ভাষার কিছুই হইল না। বিতীয়টা বজ্
ভন্নানক। এক জন সব্ ওজর্সিয়ার একটা
বারইরের (পাণবিক্রেভার) অবিবাহিত
বালিকা কন্যাকে ভাষার (স্বওজর্সিয়ারের)
এই ভিন জন সনীর দ্বারা বাড়ীতে ধ্রিয়া লইরা
গিয়া ভাষার উপর চারি পাঁচ জনে এরপ অভ্যা
চার ক্রিয়াছে বে, ভাষার জীবনসংশয় হই

অন্যান্য আত্মীয়ের। উক্ত ওভর্গিরারের নামে মাজিটেটের নিকট অভিযোগ করিয়াছে। এখন এ ব্যক্তি হাজতে আড়ে। শুনিতে পাই, আমলা গণ এ ব্যক্তির হাতধরা এবং ইহার টাকা খরচ করিবারও ক্ষমতা আঁচে: মাজিকেট যেরূপ ভাছাও আপনাকে পুৰেম লিখিয়াছি। এখনও মকদ্মাটাৰ অবস্থা শেষে কি হয় বলিতে পারি

१। जिर्शा हत्राव (छम्द्रात क्ष कालिम्समे মাজিকেট ছুই জনে ছুই দিন এখানকার সকলের বাড়ী কিরুপ পরিকার পরিভন্ন থ'কে, ভাষা দেখিবার জন্য প্রভেরকের অন্দর মহলে প্রবেশ क्रिज्ञा পরিদর্শনপূর্দ্ধক বিরক্ত হটসাছিলেন। কারণ, প্রায় আহনেক বাড়ীতেই হুর্গক্ষয় কাব-হর্ম ও পরঃপ্রণালী আছে: আমাদের নবীন বাবুকে ও অন্যান বালাল। ও এতক্ষেশীয় মহে। দন্ত্রনিপ্রকি প্রামর্শ করিয়া একটি ''মিউনিদিপাল কনিউ ৯ স্থাপন করিয়া (ছন ৷ এস্থান যেরূপ অস্বাস্থ্যের ভাহাতে এই ৰূপ একটি ষিউনিসিপাল কমিটি নিভাস্ত আব শ(ক, ভাইর সকেই নাই। (ম্রুপ নিয়ম কর) इहेब्राट्ड, छाहाटख (बाध श्या, এই ছाউনী পরি ষার ও পঞ্চিত্র কংস্থি। আনেক অংশে এস্থানকে পীড়াশুনা করিছে পারিবেন। মহারাজ রাজ धानीत मत्ता यमि अक्रण करहन, छाहा इहेटल खःल ३३।

৮। व्यतः अहर्शभाषास्य म्हाताखः ' दुला " াকরিয়াছেন, অর্থাৎ প্রায় দশ সঙ্কা মুদার সহিত श्रद्धका इहेम्राट्डन । উक्क कर्य दान्त्रानिकारक विष्ट রণ করা হইয়'ছে।

## षाभाषित्वत कात्रहाती ह मःवापना छ। निधिशारहनः-

১। ভাক।ব্যস্ত্রে আজি কালি বিভ্রমপুন ৰাসিগণ বিলক্ষণ স্থবিধাতেগা করিছেছেন। दहर, टेक्समात, काँहामिया, भागांतक, जीत-গর, রাজাবাড়ী, মুনশীগঞ্ঞভূ.ত স্থানে পোষ্ট আফিন সংস্থা,পত হওয়াতে জত্তত। লোকের পর পত্রিকাদি প্রাপ্তি ও প্রেরণসম্বচ্ছে वाड, छ स्वित। इइशारह। धूर्त तक्ष्युत, कामान, কাছাড় এড় ড দুংব প্রী স্থান ইংডে প্রাদি আমানিতে গ্রায় দেছ মান তুই মানের কম লাগিত মা গকৈন্ত এখন আরে সে দিন নাই। সংপ্রতি . **ঐ সকল স্থান**বাসী ব্যক্তিরা পত্র পাচাইলে ১০। ১২ দিন পরে নির্দিষ্ট স্থানে আসিয়া উপস্থিত

রাছে বলিলেও হয়। কন,ার পিতা মাতা ও হয়। ইইংতে বিক্রমপুরীয়ের। যে কেমন হংখ ভোগ করিভেছেন, ভাছা বলিবার নয়। কিন্তু ছংখ এই যে, কোন কোন ডাকছরের পত্রাদি विष्कर्गविषर्ग किह् किह् विभूधना ७ निका-রিও মাসুল অপেকা কিছু কিছু অধিক পয়গা अश्रुव श्री छ पृष्टे रम्न। ख्यामि भूमीर्भका जारनक जान व लए इहरवा श्रुट्त शाहि इग्न পয়সার সূচনে একখানা পত্র হস্তগত হইত না। এখন চারি পয়সার বড় অধিক দিতে হয় ন:।

> २। कर्यक मियन ४३त. जीनशरतत हार्ष এক কৈবর্ড মংস, কাটিডেছিল, এমন সময়ে ক্তকগুলি লোকের জনতা হইয়া তাহার উপবে পড়াকে, সে সন্মুখ্যু অল্লের উপর পতিত হয়. তাহার এীবাদেশের কতক জংশ এমন ভাবে কাটিয়া গিয়াছে যে, ভাহার জীবনসংশয় হইয়া देशियादह

ত। বিক্রমপুরে মালদহনামে এক গ্রাম আছে। তাহাতে এমন ভয়ানক জঙ্গল যে. ভত্রত্ত অধিবাসীর প্রায় বার মাদই ঐ জঞ্জ-नप् वाञ्च, भूकद्रश्रङ्गि हिल्ड्य खश्चमकरनर উপদ্ৰৱে অভংক্ত ব্যতিৰংস্ত থাকে। স্থানীয় শান্তিরক্ষক মহাশয়ের এতং প্রতি একটু দৃষ্টি করা উচিত।

৪। ৩। ৪ দিন হইল, চড় কোরহাচীবাসী এক চণ্ডাল ও ৯।১০ বৎসর বয়স্কা একটা বালিক: नर्भनश्मात इंड इंदेशार्छ। अवात अ अधारम नर्भारमात्रत किছू श्रोह्ध (मणा याहेएए) শুনিলাম এক সপ্তাহেই জীনগর ষ্টেসনে ২০ টা नर्भ प्रष्टे अव जाभी उ रहेशा किया।

c ৷ মহাশয় ! ১.ত বৈশাখ মাসে আমরা বিক্রমপুরের পুলিবক্লভ একটী অভ্যাচারের রন্ত**েন্ত গোমপ্রকাশে প্রকাশ করিয়াছিলা**ম দংপ্রতি ইনশ্পেষ্টর জেনরলের আদেশালুসারে গত প্রশ্বঃ এক জন পুলিষ ইনজ্পেট্র; ভাষার গ্রন্থ নের জন্য এখানে আগমন করিয়াছি লেন। তিনি অসুসন্ধান করিয়া আমানের লিখিত বিষয়ের যাথাপ্য এক প্রকার আব্গত ছইয়া গিরাচেন। বোধ করি উক্ত অভ্যাচারে সংস্থৃত্ব মহামতিগণ এ যাত্রা এড়াইতে পারি (यम मा।

৬। গত শুক্রবার বানীগাঁনামক স্থানে अक्टी वानक **करन ए** विद्या मित्रशास्त्र।

-:0:--

३०३ ज म 13961

चामहा माखिश्व इहेट अहे मःबात গুলি প্রাপ্ত হইয়াছি:---

मल्लानक महास्या, अंड ३० हे व्य शहे (माम বার রাত্রি হইতে বৃষ্টি আরম্ভ হইয়া ক্রমাগভ ১৭ ই আগষ্ট রাত্রিপর্যন্তে অবিশ্রান্ত রুক্টি হওয়াড়ে শান্তিপুর আমে ৩০০০ দালান পঞ্জা গিয়াছে। অবশিষ্ট ঘাহা আছে, ভাগ প্রায় আংশিক ভগ এবং কোন কোনটা ফাটিয়া গিয়াছে। দালানসকল পত্তিভ ছওয়াতে ১ জান লোকের জীধন নাশ হইয়াছে এবং কভ ক্তি হইয়াছে ভাগার অসুমান করা কঠিন। অনিকাংশ লোক পাথ পথে ছাছাকার করিয়। বেড়াইভেড়ে। প্রকাশ্য পথসকলে মনুষ্যসম্ন ब्राजित (व्यां व पाहे (व्याह्न । तुम्बन व नि, व्याह्म , ভাঁছারা এপ্রকার রুক্তি দেখেন নাই : একটী लाक छरन हाँ हिया याहेट छिन, मर्भ पर्मन कताएक श्रानकति कतियाद्या । व्यक्तिकार्य म् म অরাভাবে ফ্লেশ পাইতেছে। বাক্ষারে চাউলের मूना विश्वन स्टेबार्छ। व्यक्तिक्छ (हारतत व्यक्ति শয় প্রাত্তার ক্রয়াছে; সকলেরই ভগ বারী, जाशामितरक चात क्रिन भारेर**छ र**त्र ना । देश (प्रत भएस) श्रे लिएचाएतत अश्चेता अभिकः । श्रे लिय সতর্ক হইলে অনেক উপকার হইবার এডাবেনা :

२। ১० ई का गष्टे (य सुर्य) बहन वर्ग, भर्त মধ্যে তাছা দেখা গিয়াছিল, হিন্দু মহালয়েরা গঙ্গাতীরে আপনাদের তপ লপ নির্দিলে সমাধা

৩। গঞ্চাতে অধিক পরিমানে অলহুদ্ধি হও ষ্ণান্তে অভিশয় ক্ষতি হইতেছে। বিশেষতঃ व्यास्थ्याना अलक्षावतन नष्टे इहेशा शिश्राटकः क्रय কেরা ছাহাকার শব্দে রোদন করিতেছে, ভাহা দের এক বংশরের পরিজ্ঞান এক জলপ্লাবনে গৌড कदिया मिला

৪। গভ ১৪ ই আং গেই আমান দের আঙুল ইন ্স্পষ্টর উড়ে। মহোদয়, শাজিপুর স্থানের বিবা দের কারণ অনুস্থান করিবাব জন্য আগমন করিয়াছিলেন। ক্রনের কাগজ পত্রদর্শনে भएखायमाञ कतिरञ भारत्म ना**रे।** कांशक भएज অনেক গোল দেখিয়া ডিনি আপন সঙ্গে সকল लहेब्रा शिवाद्वन । स्थ्ना यहिए एक्, कोशस পত্রের গোল দেখিয়া সেক্রেটারি মহোদয় নিজ পদত্যাগ করিতে প্রস্তুত হইয়াছেন।

৫। রাণাঘাট ও শান্তিপুর সব ডিবি**জানের** ভেপ্তী মাজিটেট ব'বু রামশঙ্কর সেন মহাপয়ের जागमत्म माम'स्व (म'दक डीहात व्यवहादत अवर চরিত্রে সঞ্জ হটয়াকেন। তিনি অতি উচ্চ প্রক্র ভित्र लाक धान्धिक अवर फ्राप्ट कार्या नगरबन ধাহার অভিশয় সুখ্যাতি। আমরা প্রার্থনা করি

(यम फिलि शाही श्रेष्ठा अहे श्रकात माधातरणत

८ **३ छा**स ∙ऽ२१८ ।

--: -:---

আমাদিগের গড়বেতার সংবাদদাতা লিখিয়াছেন।

- ১। গাত ২২ এ জুন পুলিষ ষ্টেশন বিসনপুরের জন্তর্গত আমচুড়া এমে যে প্রীলোকটা হত ইয় তাহার স্থামী ও স্বস্তুরকে হত্যাকারী বলিয়। সেসনে সূপ্য করা হইয়াছে।
- ২। ইতিপুর্নে সোমগ্রকাশে বাকুগুর যে হিন্দু বালিকাবিন্যালয় স্থাপন হইবার কথা লি উড ইইয়াছিল, ভাষা প্রকিষ্টিত ইইয়াছে, একণে ভাহাতে তলু,ন ২০ টী বালিকা রীভিমত অধ্য হন কর্তেছে।
- ত। গত ১৯ এ জুলাই ব'কুণ্ডার পুলিষ্টে দানের নিকটার মুগলমানজাতীয় একটা বৃদ্ জীলোক সংহাবর হইডে জল আনিবার সময় হঠাত পথিমদে। পতিত ইইয়া শমনস্দানের আতিবা শ্বীকার করিয়াছে।
- 8। ছঃথের বিষয় পুলিবট্টেসন বিসনপুরের প্রসংশিত ইনিস্পেট্র মৌলবি আবছল আলির স্থানি জেলায় পরিবর্তন ছইয়াছে। বিষ্ণুপুরে শিবচক্ত বন্দোপাধ্যায়নামক জনৈক ইনস্পে-ইব শিউডিয়েলা হইতে আসিয়াকেন 1
- তা সংগ্রাহ বিষ্ণুপুরের অবস্থা কিছু ভালা বোর হইছেছে। গড়বৈতার ডেপুটি মাজিটেট বাবু রম্মলাল ঘোদ মহোদয় বিষ্ণুপুরের বিদ্যালয় প্রাকৃতির প্রতি গুড়দুর্মি নিক্ষেপ করিডেছেন। গহরবিষ্ণুপুরের মধ্যে অবেদ স্থান জালাকীর্ণ ও পুকরিনাপ্রভৃতি মধুলা মধ্যে পরিপুরিভ থাকাতে সাধানধের অনিষ্ঠ হইতেছে। এখান কার প্রভাগন প্রায় সকলেই নিভান্ত দরিদ্র। ইছাদের ঘাবা ভগ্য দি পরিস্কৃত হওয়া কঠিন। এরপ স্থানে এসাল্য কার্যে আপাততঃ গ্রন্থনি টের মন্যায়েগ দেওয়া আবেশ্যক।
- ভাগত্বেতার ভূতপূর্ল তেপুটমাজকেট জীকে বাবু হেমচক্র কর মহোলয়ের ছারা এখা নকার প্রাচীন হিল্পকীর্তি মান্দরানি সংক্ষরণ বিষয়ে বেচানা সংগ্রহ হইয়াছিল, একনে বর্ত্ত মান ডেপুটা মাজিকেট জীবুক্ত বাবু রম্বাল ক্রাধ মহালয়ের ব্যুত্ত জ্বারা সর্বমঙ্গলা দেবীর মন্দির সংকৃত হইছেছে। রম্বাল বাবু যে প্রকার লারীরিক ও মানদিক পরিক্রম সহকারে মুক্ত ক্রিভেছেন, ভাহাতে তিনি

श्राधातर्वत कार्या धन्यार्वत भाज व्हेश्वर वन ।

- ৭। গড়বেতার দাতব; চিকিৎদালয়ের কার্য, সংপ্রতি এখানকার কের্ছদালী লৈর নেটির ডাক্তরছারা সম্পন্ন হইতেছে। ছংখের বি বন্ধ দাতব্য চিকিৎসালয় মুংচার ইবার মধ্যেই ছাদ কাটিয়া জল পড়িতেছে। সংস্কার না ছইলে দ্বরায় বাটাটী পতিত হইবার সন্তাবনা। গুহনিন্দানের ভার প্রাপ্ত অবংক্ষের অনবধানভাদোবে এট রূপ ঘটিয়াচে সন্দেহ নাই।
- ৮। গত ১৪ ই জুল ই গড়বেভাপুলিষটে
  শনের অন্তর্গত বলদঘাটা আননিবাদী আননদ
  মাইজি:মামক এক জন ধনাচঃ ব্যক্তির বাটীতে
  একটা ভারি ডাকাইভি হইয়া গিয়াছে। ডাকা
  ইতের সংখ্যা অন্তান ৫০।৩০ জন হইবে। সমু
  লারে ৫০০ টাকার দ্রবা অপজ্যত হইয়াছে। মেদি
  নীপুর জেলার পুলিবক মিচারিগণ এমনি ক্ষমডা
  বান্ধে এডবড় ডাকাই ভিটীকে পুলিষের
  (সি) ফারম রূপ হজমিশুলি দিয়া এক বাঁরে
  জীণ করিয়া কেলিলেন, আর ভাছার কিছুই
  হইল না।!

--:0:--

আমাদিগের মেদিনীপুরস্থ সংবাদ দাতা লিখিয়াছেন।

- হ। এবংসর বর্ষাবিক্যপ্রযুক্ত সহবের রাস্ত।
  গুলি এপ্রকার কলর্যা ছইয়াছে যে বৃষ্টি ছইলে
  বাওয়া আসা প্রকার হইয়া উঠে। শুনিলাম মিউনি
  দিপল কণ্ডে অধিক টাকা নাই বলিয়া বাস্তা
  গুলির সংক্ষরণ হইডেছে না। কিন্তু ইংরাজ
  টোলা, গুনোগোড়া ও কর্পেলগোলার বাস্তাগুলি এ নিয়মের বহিছু তি। মিউনিদিপালিটির
  দলা কি স্থাত্তই স্মান ?
- ত। মাধব বাবু তহ বল ঘাটির সকল্যা তেও মুজিলাভ করিয়াছেন। মা চ্ছ বই বা কেন? স্তেরেই জয়! মিছামিছি এক জনকে দানে কেনা বড় সুইজ নহে। ইহার পর জারও এক নম্বর ক্লমু করিবার কথা ছিল। কি হয় বলা যায় না।
- ৪। এখানকার বন্ধ বিদ্যালয়ের বেতন
  রুক্তির বিষয় ত ইতিপূর্ণে মহাশয়কে জানাইরাছি
  অল্লনি হইল অত্ততা ইংরাজী বিদ্যালয়েরও
  বেতনর্জি হইয়াতে। ছই টাকার পরিবর্গে
  ২॥• টাকা ও ১॥• টাকার পরিবর্গে এই টাকা
  এবং এক টাকার পরিবর্গে ১॥• টাকা হইয়াতে
  বধন এই বিদ্যালয় স্থাপিত হয় তখন পুতকও
  স্লোটালি লইয়া বিনা বেতনে ছাতোরা পড়িতে
  পাইত। ক্রেনে লোকের ক্রির সহিত।•॥• ৬•

১ টাকা বেডन रहेशांक्रम । विकृतिन भटत वसन अन्द्री (जान २ हो क्रांम (थाना इहेन, उथम ১३ व्यागीएक र हाका ख विकीय व्यागीएक এবং নিম্ন জ্ঞাণীসকলেতে এক টাকা মাত্র ধ্যা ভাষাতেই অনেকে উচ্চত্রেণীর বেতনদানে ज्ञानमर्थ हरेशा विनासन्न ज्ञान कतियाकित । वर्ष भारन मर्क्ताक ट्यांनी एक २ इहे हे का जाहे जान। ভাষার পরের প্রের প্রেণীতে ২ টাকা এবং অন্যান; ानग्रद्धानीरण अ। • इहेग्राटन। कटल होका अधिक क्रमित्रा विमानिएवत छेत्र छ इयु, छ।इएछ ष्यामहा अगष्ठश्चे नहि अदः छानविष्मस्य छाहा করিতেও হয় কিন্তু মেননীপুর কলিকাভার নিকটবন্তী কোন স্থানের নাগে উন্নতিলীল নতে এখানকার অধিবাদিগণ তাদুশ সঙ্গতিমান্ ও विष्णासूत्राणी महरू य अधिक त्यचन इहेटलक ভাহার। বিরত হইবে না। সরকারি কার্যোপলকে ञ्चित्र किन्न कु रमत (यनकल व) कि अर्थात्म कार्रक्रम. विष्णामरप्रत अधिकारम हाजह डाँशामिरशत সম্ভান। ভাষাদেরই শিক্ষার দার উদয়টিত থাকি য়ানিমু ও মধাবিধ তেগীর সভানদের ভারকভা श्रहेरकहा विद्यवकः अद्भावकर्तका भी कर्पणः রিগ্রের ত আরও বিপদ। এখন অন্যান্য দ্রোর महिक क्रांच मिकात्व मत्र देखि रहेएक इ.सम ! স্থানীয় লোকেরা এ বিষয়ের প্রতিবাদ করিয়া কমিটিভে এক আবেদন প্রদান করিয়াভেন।

৫। ইংরি মধ্যেই পুলিষের হেড কেরানী ডিশনিশ ও সংরের সবই নিম্পেটর সমপেট কইয়াছেন। আমরা পুলিষ স্থারিটেওেউকে আরও বিশেষ অনুস্থানের অনুরের করি। পুলিষে অনেক গৌজা দেওয়া লোক আছে। কেন্দ্র নির্দেষ অপেকা অপরাবীর দও হইলে আমরা অধিকতর প্রথী হইব।

—:•-— আম,দিংগর মঙ্গরপুরের সংবাদ দাতা লিখিয়াছেন।

এখানে বেলা ৯। টার সন্থে ক্রম্থিক।
আবি হয়। আকাশ্যন্তর প্রেক্ত নংথাকাতে
প্রথমে ভালরাল দুষ্ট হয় নাই। কিন্তু
পরিশেষে কিঞ্জিন্ত হন পুরের এখানকার এক
আন স্থানির ক্রেটি কিন্তু পিন্তিকে প্রহণের
কথা জিজ্ঞাসা কবাতে তিনি কহিয়াছলেন,
তরা ভাতের গ্রহণে ক্রমের কিঞ্চেধিক অর্জ্ঞাস হইবে এবং উহার বিশেষ প্রমাণ্ড দেখা
ইয়াছিলেন। সন্ধানারা ভ্রাকেরে সক্রন্ত।
লশা করিলাম। গ্রহণকালে গণ্ডক ননীতে প্রান্
করিবার নিমিত্ত ক্রতকগুলি লোক ফেলিনি
নৌকায় প্রা্যা ঘটে পার হইতেছিল, সেই সম্মে

এখানকার পুলিষের মহাপুরুষেরা স্বাক্ষাবে ঐ
নৌকার উঠিয়া বলপূর্দাক মাজিকে পার করিছে
কছে। বছলোকের, ভারে নৌকাখানি মগ্রপ্রায়
হওয়াতে মাজি প্রপমে পাব করিছে অনিচ্ছা
প্রকাশ করে , কিন্তু কি করে, পুলিষের প্রতাপে
ভীত হইয়া অগভাগ পাবে ঘাইতে সম্মত হয়।
ধার্মে ধার্মে নৌক'খানি কিনারায় অসিয়া জল
মগ্র হইয়া গিয়াছে। সোভ'গেরে বিষয় এই এক
ব্যক্তিরও প্রাগধানি হয় নাই।

গত ১ ল: ভাদ্র অবধি এখানে স্থচার বৃষ্টি চইতে আরম্ভ চইরাছে। এফানে বর্ম:কাল বলিয়া বোধ হয়।

আমবা শুনিয়া আফলাদসহকারে প্রকাশ कतिएउडि अथानकात ज्यानाल उनमूरहत ऐक् বিভাগের কর্মচার্গিণের প্রায়ুরূপ বেতন त्रक्ति बहेग्राट्ड । किन्न भक्तः इहेर्ट्युङ (य উर्फर्स গ্রন্মেণ্ট বেভনর্দ্ধি করিলেন, ভাষ্ণ স্ফল হয় কি না? এক জন মাসিক ১০ টাকা বেভনে যখন মল গ্রাকার টাকা উপার্জন করিয়াছেন, তথন ২০ টাকা বেতনে এক্ষণে যে তিনি বিশ হাজার होका छेशाईक मा कविष्टमम कमम किन्साई वा সত্তব হর। পুর্দে আট আনায় মন উঠিত किन्न अकरण अक गिकांत करम आत कथनहे इंहोद्रा घाड़ পालिरान मा। मि केड च्हांकि मि গকে আমলাব পদে নিয়োজিত না করিলে এ कष्टे मृत इड्रेटन ना। मछः कत्रभूत स्कृतिकरम क्तित अञ्चीवनिवस्तम भट्ना भट्ना स्वात विशटन পড়িতে হয়৷ আমরা গবর্ণমেউকে অনুরোধ করি এখানকার সব এসিষ্টান্ট সার্ক্তনকে স্থানা च्छारत वहनी करून अवर अधारन अक सान श्रुरयोगा पर अपिष्टी के माञ्चन (श्रवण कतिशा कामानिरगत नका पूर करून।

> ্র প্রেরিত

মান্যবর @ যুক্ত দোমপ্রকাশসম্পাদক মহাশয় সমীপেরু।

গত আখাত মাসের অলপ্পাবনে আখানাবাদ নংকুমার অভংগাতী শত শত আমের প্রজাগ নের যেরপ ছরবস্থা ঘটিরাছিল, তাহা মহাশয় বিশেষরূপ বিশিত আছেন। প্রজাগনেগর সেই স্যা প্রকার ছরবস্থা দেখিয়া স্থানীয় ডেপুটী মাজি টেট বাবু নিশ্বচন্দ্র মিত্র মহাশয় কভকগুল আমের হতাত দরির প্রজার ভিন্ন গুরু প্রনিন্দ্রা শার্ষ বাবে কথাকাং সাহাধ্য ক্রিয়াছেন। অপরা শর প্রামেও নাসাব্ধি ভ্রুমণ ক্রেয়া ভাহানের

ছঃখ বিক্লোচনের উপায় ভাবিতেছেন।ইডি মণ্যে ২৬ এ আবেণ হইতে অক্তন্ত ১০ দিবন মুসলধারায় কৃষ্টি হইয়া শিলাবভী ভারতে-श्वत, करमावजी छ नारमानरतत्र खल श्रव्छ (वर्ग প্রবহমান হইয়া পুনর্কার এখানকার প্রজাবর্গের (ঘরুপ ছুরবস্থা ঘটাইয়াছে, ভাষা ব্যক্ত করা ছুক্র। একে ভ গত আ্ষাত মাসের জলপ্লাবনে যেসমস্ত গৃহ ভগ্ন ইইয়াছে, আনেকেই অল্যুপি ভাষা পুননির্মাণ করিতে পারে নাই ভাষাতে আবার হতভাগা প্রজারা পরিত্রম সংকারে জাউদ ও হৈমন্তিক ধান্য রে:পণ করিয়া জীবিক। সংস্থানেও এবং আপাততঃ আউস্ধান্য **চ্চে**দন কৰিয়া সংসাবনিৰ্কাহ ও কডক গানং বিক্রু করিয়। জমীদারের খাজন। দিবার যে অনুশাক বিবাচল, আহাবণের ভয়ানক বর্ণায় ভাগাদের যে সকল আশা উচ্ছিন করিয়াছে আর এমত বীলগান্য নাই যে, পুনর্লার জনীতে রোপন করে, অসময়ে রোপন করিলেও তাব পানা হইবার সভাবনা নাই। ইফু ও হরিদ্রারও যথেষ্ট ক্ষতি হইয়াছে। গত বন্যায় যেসকল গৃহ কথঞ্ছিং দণ্ডায়মান দ্লিল, ভাছাও আবিশের বর্ণায় সম্পূর্ণরূপ ভগ হইয়াছে। সম্পাদক মহা শর! যাহার৷ কৃষিকার্য; অবলম্বন করিয়' দ্মিশাত করিয়া থাকেন, এ বংসর ভাষাদের কি গতি হইবে! কি উপায়েই বা ভাহার। জমী দারের খাজনা আদায় দিবে, এবাবের বন্যা গত বন্যা অপেক। সুনে নছে। সমভাবই বলিতে इहेरव , ७८व विर्मिष अहे, अर्ज कलश्रीवरम বেরপ বছসংখ্য গরুও মহুষ্টের বিনাশের কথা শুনা গিয়াছিল, এ বার সেরপ শুনিতে পাওয়া যার নাই। ঘাটাল ও চল্লকোণা থানার পুলিষ ইনস্পেটর বাবু শীতলপ্রদাদ মিত্র মহাশয় এবার বন্যার সময় প্রজাগণের অনেক কণ্ঠ নিবা বৰ করিয়াছেন : শীতল বাবুর কৌশলেই অনেকে জলমজ্জনরূপ বিপদ হইতে পরিত্রাণ পাইয়াছেন। ভূয়োভূর: এরপ বিপদ্ উপস্থিত इइटल श्रक्षांगन किन्नरं वं एक ? शवर्षांभके উত্তমরূপ ব্লোবস্ত করিয়া নদীসকলের সেতু নিশ্মাণ করন। শিলাবভী নণীর পরিসর অভি অল, এই কারণেই জল দেড় অভিক্রম করিরা বাঁধ ভগ হইয়া দেশ ভাসিয়া বায়। ঘাটালের দক্ষিণ নিমংকা হটতে শিলাবতী নদীর শাখা নিশ্মাণ করিয়া রূপনারায়ণের সভিত যোগ করিরা দিন, তাহা হইলে জল অক্রেণে নির্গত इडरेर । हेरा कतिरम श्रकांगन अक्रेप करहे পড়িবে না। প্রথমেন্ট কার্যাদক ওভর্সিয়র

নিযুক্ত করুন । এমত বিপদের সময় খাটালে को की नाती है। कृत जानार युव जारम बहुतारह । প্রজারা জাহার নিদ্রা পরিত্যাগ করিয়া এক প্রকার সমুদ্রের মধ্যে বাস করিতেছে। চৌকী मारतता इंशामित कि कतिरव ? अगल नगरत अवर्ग মেন্ট দরিদ্র প্রস্তাব প্রতি কুপাদৃষ্টি করিয়া আপা ততঃ কিছু 🚁 নের জনঃ ইছাদের সাক্স মাপ করুন। ঘাটাল হইতে যে রাজপথ**ী চন্দ্রকে**। প্রাপ্ত নিয়াছে, ঐ পথে টোকদেটে পয়স। আদায় হয় ৷ পথটা যেরপে কদর্য্য ভয়ক্ষর মূর্ত্তি ধারণ কাংয়াছে, ভাছার কথা কি বলিব। প্রভাছ দশ পনরটী করিয়া গরুর পা ভাঙ্গিয়া যায়, অনেক মনুষ্টকেও পভিত হুইতে হয় এবং পায়েও আঘাত লাগে। রাস্তার ত অবস্থা এই, কিন্তু টোলগেটে পয়স। আদায়ের বিলক্ষণ কড়া কড়ি। গবর্ণমেন্ট আত্রে পর্থসকে ইষ্টকনিন্মিত করন পশ্চাৎ পয়সা আদায় করিলে ভাল দেখাইবে ৷

একাস্তান্ত। ১২৭৫। ক্রিশঃ। —:০:--

মহাশয় ! গত ১৮ ই আগষ্ট মঙ্গলবার বেলা
অনুমান ৬% - সাড়ে ছয় ঘটিকার সময় দামুব
হলার নিকটয় কাপাশ ডাঙ্গা গ্রামে একটী
লোচনীয় ব্যাপার হইরা গিয়াছে। কাপাসডা
লার পশ্চিমদিগে ককিরাখালিনামক একটী ক্ষুদ্র
খাল আছে। তথায় চতুর্দ্দিবর্ধবয়য় একটী
কায়য়্বালক মংসা ধরিতে গমন করিয়াছিল।
অকস্মাৎ মৃগী রোগাক্রান্ত হইয়া কলমগ হর
য়াতে প্রাণ বিসর্জন করিয়াছে।

কার্পাসভাক. } এ আনুষ্ঠি আনুষ্ঠি আনুষ্ঠি।

কিম্নদিবস হইল সোমপ্রফাণের প্রেরিত পত্র
ভাজে আমাদিসের বাস্থাম জিলা হাবড়ার
ভাজে আমাদিসের বাস্থাম জিলা হাবড়ার
ভাজেগত গড় ভবানীপুর ও তরিকটবতী গ্রাম
বাসীদিসের ডাকঘরের অভাবনিবন্ধন কটের
বিষয় প্রকাশিত হইয়াছিল। বোধ হয়, তৎপা
ঠেই পোষ্টমান্টার জেনরল সাহেব মহোদয় হাও
ডার পোষ্টমান্টার বাবুকে উজ্ল গ্রামটি ডাকঘর
স্থাপনের উপযুক্ত শ্বাম কি না ভাহার অক্সমন্থান
করিয়া ভাহার রিপোট করিতে আদেশ করেন।
পোষ্টমান্টার বাবু এমনি কার্যাদেও যে তিনি
আপ্রকার্যালয়ে বিস্থাই রিপোট লিখির।
দিয়া ডানীয় প্রভুজজির পরা কার্চা প্রদর্শন করিয়।
ভিনি বলেন খে জ গ্রামে একটিয়াত্র ধনাচা
লোকের বাস আছে এবং ভদ্র অপিবাসীর সংখ্যা

ও অধিক নাই। মহাশয়। ইনি জ্যোতিষে কি
অসামান্য বুংপতিই লাভ করিয়াছেন। যে
উত্তান মাদশ ক্রোশ দুরে থাকিয়াও এথানকার
অযুষ্ঠা স্বিশেষ জানিতে পারিলেন। পোষ্ট
মাষ্টার মহাশয়কে জিজ্ঞাসা করি যদি এই প্রামে
ও ইহার পাশ্ববর্তী গ্রামসমূহে অনেক ভার
লোকের বাসই নাই ভবে ভ ভাঁহার ইত্তা এখান
কার ইংরাজি বিদ্যালয়ে গ্রব্দেন্টের সাহায্য
দান অন্যায় হইয়াছে। এ জিলার বিদ্যালয়সমূ
হের ভিপুটা ইনশ্পেটর প্রীযুক্ত পণ্ডিভ মাধ্বচক্রা
ভর্করে মহাশ্যের নেত্রময়ের কি ভিন্ন প্রকার
দর্শন শক্তি ? না গ্রব্দেশ্টর ক্ষভি করাই
ইহার জীবনের একমাত্র উদ্দেশ্য ?

এক্ষণে পোষ্টমান্তার জেনারল সাহেব মধ্যে দয়ের নিকট আমাদিগের প্রার্থনা এই, বদি আমাদিগের প্রার্থনা এই, বদি আমাদিগের চীৎকারে ভাঁহার জনত্ম দয়ার সঞ্চারই হইয়া থাকে, তবে এখন একটা লোকের প্রভিত্ত এবিবরের ভার দিন ধে, তিনি শ্বচক্ষে এই আঘটা দেখিয়া রিপোট করিবেন। অথবা শিক্ষাবিভাগ হইতে তিপুটা ইনস্পেইর মহাশায়ের প্রদর্ভ রিপোট আনাইয়া দেখিলেই আমাদিগের বাকেরে যাথার্থ্য সপ্রমাণ হইবে। পোষ্টমাইর জ্ঞাবলার যাথার্থ্য সপ্রমাণ হইবে। পোষ্টমাইর জ্ঞাবলাক হবার দেখুন, যদি গ্রেবনিমিন্ত একটা ভার্থ্য স্থাপন করিয়া দেখুন, যদি গ্রেবনিমিন্ত একটা ভার্থ্য স্থাপন করিয়া দেখুন, যদি গ্রেবনিমিন্ত হয়, তিঠাইয়া দিবেন।

ভ ই ভাল ১২৭৫ সাল } গড় ভবানীপুর নিবাগিনঃ—

১ : গত রলনীতে আমি নিস্তিত অবৃস্থায় আছি, অকস্মাৎ রাত্রি প্রায় ডিন ঘটিকার সময় আদূরবর্ত্তী মহিলাগণের ক্রন্দনধানি ও পুরুষের কোলাহল জামাকে জাগরিত করিল। তখন ৰাসার আরু কুয়েক জনের সহিত ছাবে আরো হণপুর্বাক কোলাহলপুর্ব বাটীর প্রতি দৃষ্টি করিছে লাগিলাম। একটা জীনোককে অংশ কাকৃত উচ্চৈশ্বরে ক্রন্সন করিছে শুনিয়া, সেই বাটীর এক জনকে জিফাসা করাতে জবগত ্ শ্ইলাম যে, চারিজন ভক্ষর ভাছাদিগের বাটী প্রবেশপুর্ত্মক একটা কুঠরির ছার খুলিয়া क्यारशा माइवात (हर्ष्ट) करता (मह चरत योशात) ছিল, ভাষারা মারোণ্যাটনের শব্দে ভাগরিড हिरा अवर व्यामा व्यामित्रा वाहित्त व्यामन। ভক্ষরেরা পলাইরা বাটীর প'শ্চাভারে গেল এবং কুণা হইতে ঢ়িল ছুড়িতে স্বারম্ভ করিল। একটা

ও অধিক নাই। মহাশর। ইনি জ্যোতিষে কি। চিল এক জন বিধবা রমণীর মুখে লাগিল সে জ্ঞামান্য ব্যুৎপত্তিই লাভ করিয়াছেন। যে তজ্জন্য ব্যুখিত হইয়া ক্রন্সন করিডেছিল।

> २। २৮ व्यविनाविधि कश्चमिन अमिटके छात्रि বৃষ্টি হয় কিন্ত ৩২ আবণ রাজির ঘোরতর বর্ষায় কুঞ্চনগর জলে প্রায় প্লাবি এ ধ্ইয়াছিল। ইংরাজ টোলার ওটীকডক রাজ্বাভিন্ন প্রায় সমুদার রাস্তা অনে নিষগ্র হইয়াছিল। কড শত ষর প্রতিত হইয়াছে, আউদ এবং আমন ধান্যও नष्टे स्टेश शिहारक। मास्त्रिकेट रवन मारहव स्त्रन वास्त्रि क्रिवाद जना जानक ८५ है। क्रिवाहि-्लम कडक कुउकार्याः ७ इहेशाइन । कला (स्रोज একাশিত হইয়াছে। বাবু ছারকানাথ সরকার প্রকৃতি কয়েক জন ওভারসীয়ার এবং মাজি ট্রেট বেল সাহেব রুফিডে ভিজিয়াও জল বাহির করিতে নিরুত্ত হন নাই। ভাঁহাদিগকে আমরা धनावाम मिएएकि। अञ्चल वृष्टि कथन मिथा याद्र महि। यन शुकाहेश बाहेरन अकड़ी मज़ क रहेवांव मुख्यावना ।

হাট গোরাড়ী ৫ ই ভার

महामग्ना प्यानक (त्रार्थित प्यानक छैवध আছে, কিন্তু সর্পদংশনের ও ওলাউঠ। রোগের जान अवन पृष्टे इस ना मगरा मगरा क जशकात भूजन सूजन अवस छिठिएउएइ, कुछ या हेए उर्ह তাহার পরিসীমা নাই। ভাল ভাল ইংরাজী চেকিৎসক্রনণ ও এমত উদধ নাই যে উক্ত রেংগে এক এক বার ব্যবস্থা না করিয়াছেন গ কিন্তু এপ র্যাপ্ত কোন ঐষধ প্রকৃতরূপে স্থিন করিতে পারে ন নাই। সম্পাদক মহাশয় ! বড় মঙ্গলেব বিষয় ! বলিতে হইবে যে আপনকার শুড ১৭ ই আগ ষ্টের সোমপ্রকাশে এক জন কবিবাজ বহু যয় ও পরিশ্রম সহকারে সর্বাদারণের হিডার্থ কডক शुनि मर्भवर्भातत्र सूजन खेवर (श्रांत्र अरज्ञ প্রকাশ করিয়াছেন। তাহা দেখিয়া আমরা यात्रं भन्न नाइ मज्जके इट्लानः किन्त खेर्यस्थलि त्रপ्रिश्मात्वत्र यथार्थ अयथ कि ना श्रीका विना विमार्क भाविमात्र मा। कविद्राक्ष महामन्न मिथि भ्राट्टिन " भूच ও नामा स्टेटिंड करू वा कर्न स्टेटिंड मनः वास्ति कतिया वाम रुष्डित जनामिका অঞ্লি ধারা ক্ষতভানে লেপন করিলে বিধের विषय थारक ना। अञ्चल वामहर छत्र स्नामिका অনু লির উল্লেখ করিবার তাৎ পর্যা কি ? কবি-वाक भशनपुरक किकामा ना कतिया काल शांकि (७ পারিলাম না)। यहि वायश्ख्य प्रतामिका অঙ্গুলি না দিয়া দক্ষিণ হন্তের অনামিকা অথবা

জন্ত জল্লি ছারা ক্ষত স্থানে ঔষধ লেপন করা হয়, তাহা হইলে কি বিষেৱ বিষত্ব নষ্ট হুইবে না।

যেগকল আমে বসন্ত রোগে থকা মরিতেছে, সে দকল আমের প্রজাগণকে অন্য আমে বসন্ত রোগগ্রন্থ গরু লইয়া যাইবার নিষেধ সরকার হইতে হইয়াছে। এটি যুক্তিসিদ্ধ কাজ হই য়াছে।

মগরা ২- এ আগন্ত

পাঠকগণ ! আপনার৷ নানা স্থানের অভিহৃষ্টি ও অনার্ফির সংবাদ সোমপ্রকাশে পাঠ করিয়। থাকেন, অদ্য আমাদের দেশটির ছরবস্থার বৃত্তাপ্ত भाठे कक्रन । এ धामिति नाम सनाहे । এটি একটি প্রধান পলীত্রাম। বোধ করি জ্ঞাপনারা জ্ঞানে (कहे हेर'त्र नाम खिनियां शिकित्वन। अवादन অনুসূত্র পাঁচ ছয় শত ঘর ধোকের বাস। বা.কা ণের সংখ্যা অধিকঃ ভাঁহাদের মধ্যে অধিকাং শই কুলীন; কায়স্থ প্রায় নাই। ডেলি মালি প্রভৃতি নবশাক বি'ওব আছে। অনেকগুলি বড় মাতুদ আছেন। ভাছার মধ্যে ভিন্মর প্রধান বড় মালুব। ইট্রিজ নিনার। এখানকার अधिकारम लाक हात्र व । कुषरकत मरचा অতি অল্প। অবশিষ্ট প্রায় যাবতীয় লোক পণ্য লীবী। আমটির একংশ উন্নত অবস্থা বলিতে इट्टा अक्षि हेश्टर भे उ अक्षी दक्षिणाय এবং একটি পুস্তকালয় আছে। সম্প্রতি: মূত্র একটি পোষ্ঠ আফিন ইইয়াছে। এক**জন সৰ** এসিণ্টেণ্ট সারস্কন আসিয়াছেন। একটি **বান্তার** व्यारकः। श्रालमात मूमियामा, महाता होलूहेकत প্রভৃতির দোকান অনেক আছে। অনেকগুলি প্রকাশ্য ও অপ্রকাশ্য পথ আছে। তথাংখ্য ष्ट्राह्माज इष्ट्रेकिनिर्मिष्ठ: এই खामिए व्यम्पाना भग्रत्य भागाना मरुटतत नाम रवाध रवाध रुप्ता कि ह वर्षाकारन अपितक नदक चिंगल त्यां कित অভুঃক্তি হয় না ৷ এই বর্ষায় দেশটির যেরপ হর্দ্দশা ঘটিয়াছে, ভাষার বিষয় কিছু অবগত इडेन। १७ २०० देवार्थ च्छान्यात व्यवधि अका প্রকার জলপ্লাবিত হট্যা চল। লে'কের কষ্টের तीय। ছिल ना । ऊँ। शास्त्र वरणदाना खि कि अष्ट्रत्वका इहेम्राहिन। शतिस्थास किष्टू पिवन धत्रभ कत्रार्फ डाँशिता आश्रम आश्रम इकिमान त्रश्याधरमञ्ज छेलाञ्च क्ष्रेत्र कतिर्विहर्मम । किन्न प्रकारकरण ८६ व्यावन मक्नवात्रविधि व्यविश्वारम मूयमभारत व्यष्टेश्च बातिवर्षन इन्छाएड পুর্কাণেকা অধিকতররূপে দেশটি ভাগিয়া

গিমাছে। লোকের গতিবিধি বন্ধ ইইয়াছিল। এমন কি গৃহ হটতে গৃহাজ্যরে এবং এক বাটী হইতে অন্য বাটী যাওয়া অগাধ্য প্রায় হয়। অধিকাংশ গৃহত্তের বাটার ভিতর জল জমিয়া ছিল।কোন পথে ভিনহাত কোথাও চারি হাজ কোথায় বা ডভোগিক জল স্থিত হয় ৷ জলা গুলি সাগরাকার ইইয়াছে , অধিক কি বে দিগে দুষ্টিপাত বরা য'য়, কেবল জালই দেখিতে পাওয়া যায় : জল্মান ভিন্ন গমনাগমনের ট্রপায় নাই। লোকের ক্ষণ্ডির **ও ফ্রেশের অ**বধি নাই। অনেকের গৃহ ও প্রাচীরাদি পভিত হইয়া গিয়:৮ে। গহাভাবে অনেককে অনোর বাদীতে আগ্রেয় লইতে হইয়াছে। তাহাদের বস্তু দেখিয়া মন বিধাদসাগরে নিমগ্রহা। একটি বিশেষ **त्या**धनीय **घटना इहेग्राट्ड**। अक घत टेवस्थ्टवत রাটীতে ভিনজন বিদেশীয় লোক অসিয়া আপ্রায় লয় । তাহারা এক দিবস রজনীতে দেয়া লচাপা পড়ে। প্রতিবাদীরা অনেক পরিজ্ঞাম শ্বীকার করিয়া ভাহাদিগকে উদ্ধার করিয়াছে। এক জানের পদ ভগ্ন হয় , তাহার জীবন সংশয় ; এक कारतत वकःश्रुश याघाष लार्ग। এककारतर সর্ক্ষরীরে আঘাত লাগিয়াছে। তাহারা সকলেই अध्यत् उ व किशा कार्ष्ट्, भरत कि इस वला यास नाः যাহা ২উক, সম্পাদক মহাশয়। এবৎসন্তের গতিক কিছু বুঝিতে পারিতেছি না। কিছু দিবস পুর্বো এখানে একটি উল্কাপাত হইয়া গিয়াছে। এবং সর বিলেষ ছর্মাৎসর, কৃষিকার্য্যের সম্পূর্ণ ব্যাঘাত 🚁 ষকদিলের আশা ভারদা একে বারে ভাগিয়া র্জায়াছে। দেশে ইভিমধ্যেই হাহাকার রব উঠি স্নাছে। সম্পাদক মহাশয়। ডিঞিট মাঞ্চিষ্টেট 😝 এপিডেমিক এবং সেনিটারি কমিসনর মহো দয়েরা এখন কি করিতেচেন ই উাহাদিগকে গ্রহের বাহির হইয়। এক বার চারি দিকে চাহিয়া। কের কারণ স্থির করিতে পারিবেন। এখন টুরে বাহির হওয়ার পরিজ্ঞম ও ব্যায় স্বল্ল হইতে পারে গাভ়ি যে ভার আবশ্যকতা নাই। খরের ছ'রে (बोकान्न छ। शुन, अथनि मसूनन वन्न दन कटन ·জ্ঞানে ভ্রমণ করিছে পারি**বেন**।

ভাগ ১৯ অ'গ্ৰু একা**ত অনুগত** সন্তভ্চ স.লো ভাগ অনাই

সহাশায় ! আর রক্ষা নাই ! গাত ২৫এ তৈছাই
ভাষাই ৫ই অংশাচন্যাপী অতি বৃটিতে বিল
আঠ ছাই সকল সমান ও তংপরে কেলেয়াই
এইড়াড নদীয়ালল একেবারে দেশকে প্লাবিত

कतितो शैथिया।इन । यनिछ विकालत এकिकि-কিউটিভ ই ঞ্নিরর উক্ত ন্দীর হানাসকল কডক পরিষাণে বন্ধ করি 🥸 লেন, তথাপি फार्श नाममाज स्टेग्नाकिल अवर् मार्फत जलक ভেদবস্থায় চিলঃ পুনরায়: 💐 এ আবণের অভিবৃত্তিতে কেনেযাইর জল শঞ্জি হইয়া সেই नकल कर्कतक होनारयार्श धारवन कहिया श्रृह বং দেশকে প্লাবিত করিয়াছে। মৌকাভিয় বার্চী হইতে এক পদও অগ্রসর হইবার যে। নাই গত বাবেই অনেক গৃহ ভুমদাং হইয়াছিল। ्यक्ष कि कल लाभियों छ भएड़ माई अवर (यक्ष नित मिख्यांन विश्वा शिक्षा कृत, छाहा अवादत काल-সাৎ ইইয়াছে। লোকে বছ । আয়াসসঞ্চিত গৃহ সামতী ও পরিবারবর্গ লইয়া কোথায় গিয়া যে কাশ্রর গ্রহণ করে, ভাহাব উপায় নাই। উচ্চ ন চ প্রায় সকল ভূমি**ণ ওই জলে নিমগ্র ইয়া**রহি ঘাছে। প্রক্রিবেশীর বাদীতে যাইতে হইলে সম্ভরণ অথবা ডোঙ্গা ভিন্ন গভি নাই। অনেকের ঘেধে ত অন্নাই। যদিও কেই কেই অনেক কটে কিছ কিছু ধান্য রক্ষা করিয়। বাঁচিবার উপায় করিয়াছে, ভাহারা আবার ভরিভরকারি এবং লবণ নাপাইয়া আছে ভাত খাইয়া দিন যাপন করিভেছে। তৈল ভামাকের ভ কথাই নাই। পলীআনবাসীদিবোর বিশেষতঃ কৃষক-গণের গরুই একমাত্র জীবনোপার বলিলে অভু:তিক হয় না। ভাছার অধিকাংশই গত বারে হ'ত হইয়াকে, অবশিষ্ঠ যাহা আছে, ভাহাও এব'বে আহারাভাবে মরিতে বসিয়াছে। এক গাছী তুণ বা এক আটি খড় পাওয়া इक् र इरेग्राइ। जावात जीवनम् है नक्तनकन গোও মনুষ্টেশাণিডের আতাদ পাইয়া আপন আপন দৃশ°সর্জি চরিভার্য করিবার জন্য স্থানে স্থানে জলোপরি বিচরণ করিয়া বেড়াই ছেছে। ধান্যক্ষে কোধাও ৫ কোধাও বা ৭ গাত হস্ত অল আপন আপন হিল্লোল ও বেগ বিস্তার করিভেচে। যাধা ছউক এক্লে এদে শের লোকরক্ষার উপায় কি ? ধানতে গিয়াছে। এখন প্রাণ লইয়া টান। টানি। এদেশ ক্ষুদ্র ক্ষুদ্র জমীদারী ও ভালুকদারিতে বিভক্ত ভরিবল্পন এদেশের কোন উন্নতিই নাই। আবার মড় ও इंडिट्स अवर शुमः श्रमः क्षावरम खमीनारतता । নিঃস্ব হইরা পাড়য়াছেন। প্রজাদিগের সাহায্য करा पूरत थाकूक, अवाद्र डांशामिशक वा আভ্ডার ভাত খাইতে হয়। কয়েকটা পরগণা करन रवज्ञा कृतिहा कारह, देकिनियदाता हुत्तु ধারুন বরং দেবতা আলিয়নও ভাষার আর

कान श्राचीकात रहेरच ना । तारे बाच समझने मार् रहेल जात जन अकाहित मा। सन निर्मेशस्त्रतः **পরিষ্**ত ও প্রয়োজনোপবোগী পূর্ব না প্রাক্রা 3 ভেই এড অনিষ্ঠ ষটিভেছে। অনাথবলু মন্ত্রা-বান্রাটে সাহেব কাঞ্জিবিজনে না পাঞ্জিলে: रिकामी प्रश्नामत लाटकत धन थान स्का কঠিন চ্ট্য়া উঠিত। তিনি আপন সাহায়ের জন্য অভিরিক্ত ছুই জন ডেপুটি কালেক্টর জানা ইরাছেন। চাউল ও ধান্য এবং টাকা সাধ্যমত 🕽 উপযুক্ত পাত্তে দিয়া প্লাবনাক্রান্তদের প্রাণ রক্ষা করিতেছেন। ধানে।র রপ্তানি বন্ধ করিয়া দিয়া। (इस) अवर कांस खात कांग्रेश कि धातात्र ইতরবিশেষ দেখিলে তৎক্ষণাৎ ভাহার অসুস ন্ধান করেন। শুনিলাম ভাঁহার সহিত বোড ও কমিগনরের এ বিষয়ের লেখা প্রভা চলিতেছে। হিজলির জন্য তিনি আহার নিদ্রা ভ্যাগ করিয়াছেন। যদিও ভিনি বিবিধ উপায়ে এপর্যান্ত এ প্রদেশের রক্ষা করিয়া আসিভেছেন 🥍 কিন্তু বোধ হয় এবারে হতাশ হইয়া। পঞ্চিবন। অকৃতির পুনঃ পুনঃ বিভ্ৰনা হইলে ভাগভে কাহারও হাত নাই। যাহা হউক আমরা ভারাকে व्यमतमी दक्षत्रपुर कालागुरे। ও ভূঞ্যাगुरे।त অবস্থা এক বার দেখিতে অনুরোধ করিতেছি। ভিনিদেখিতে পাইবেন কাঁপি অপেকা এ অঞ্লো অবস্থা এত মন্দ (য, দেখিলে চন্দ্ৰ্যুদ্ধীয়া অল পড়িতে থাকে। একণে এই এসা হইতেছে যে, এপ্রদেশের প্রজারকার উপায় বি:? খাজানা দেওয়া দূরে থাকুক, প্রজারা এযাত্রা वाँ हिटल अभी मां त्रिक्तित्र तो जाता बलिए ह इटेर्ट । जात जावी प्रार्किक निवातर बड़े वा উপায় কি? জলামুঠাভিয় অমরশীপ্রভৃতি চিরবন্দোবস্তী পরগণায় গ্রধ্মেণ্ট ভ কভা কভি है। एरवन ना, छ दिएंग क्रमीदाद छ श्रका छैनाव ধীন হইয়া পড়িতেছে। এ বিষয়ে মহাত্ম। शिर्मिल गार्ट्रव नाम वर्षमान (सन्ति कारन ষ্টবের তাদুশ মনোযোগ দেখিতেছি না।

वीस्त मारहत ए कानावृधिनित्यन हर्डिक कारतारवात विश्व वित्रकाश क्रम क्रिया तिया एका । कामारवाद वर्षमान क्रिये नामनक्षा व्यामारवाद कि कार्डिव्य क्रिया क्रिया निवाद नामायावन क्रिया 
বালাগোবিন্দপুর অনুগত ৪ ঠা ভাষ

-١٠ وهي

(बहान तारम कान क्रुत वाली,

· विमन्नभूर्यक निरंदनमरमञ्ड । मण्जि পটোলডালা নিৰাসী জীবুক বাৰু রাখালদাস মিত্র ও জোড়াসাকো হালসাক্ষ রামবা-গান নিৰাদী জীবুজ বাবু প্ৰাণ্কৃষ্ণ মু:খা পাধ্যার মহাশর্দিগের মধ্যে বেহাগ উপরা-গের কোন হুর বানী, মুর্থাং প্রধান হুর এই প্রস্তাবে, বিবাদ উপস্থিত হয়। ভাষাতে 🕫 ত্র वांवू गांकांत्र अनुस्थाशाधात वांवू नियापत এধান হুর বলিয়া তর্ক বিজর্ক 'ক:রন ; কিন্তু কোন মীমাংসা না হংলাতে ভাঁহার৷ উভ-রেই সঙ্গীতবিদ্যাবিশারদ 🕮 বুক্ত ক্ষেত্রগো ह्न शायामी, अधूक वातू भोडी खरमाहन ঠাকুর ও সঙ্গীতবিদ্যাব্যবদাসী শ্রীবৃক্ত ছোয়া ল প্রসাদ দীচ্ছিৎ মহাশয়দিগকে শালিসী নিযুক্ত করিতে আমাকে অনুরোধ করেন। व्यक्ति উक्त मर्ट्यामग्रगनमगीरम श्रञ्जादात भीभारमार्थ निरंत्रमन कताएक छाँशाहा दक्ष्य প্রাচীন সংক্ষৃত সঙ্গীতশাস্ত্র হইতে নানা প্রমাণ কৃত করিয়া মীমাংশাপতা স্বাকরিত করিয়াছেন। ভাহাতে বেহাগ উপরাগের বাদী অর্থাৎ অধান হুর গারার কিছান্ত হইল। সজীতপ্রিয় সর্কাসাধায়ণের গোচর:র্থ আমি উক্ত মীমাংদাপত মহাশ্রের নিকট করিতেদি, অনুগ্রহপূর্বাক তাহা আপনকার দেশবিখ্যাত পত্রিকাতে এচার করিলে চিরবাধিত হইব।

কলিকাতা ৬ **ই ভা**জ ১২৭৫। সাং বাগৰাজার।

" বেদাং প্রমাণং ক্ষ তরঃ প্রমাণং ধর্মার্থযুক্তং বচনং প্রমাণং। বস্য প্রমাণ ন ভবেং প্রমাণং কল্পস্য কুর্যাব্রচনং প্রমাণং।» ইতি মহাভা,তং।

প্রম। বেহাগ রাগে কোন হার বাদী?
উত্তর । পক্ষপাতশুন্য হইয়, লিখিতে
গোলে গ্রাকার হারকেই বেহাগ উপরাগের
বথার্থ বাদী হার বলিতে হইবে। কারণ
সংস্কৃতশাল্রে লিখিত আছে বাদী, সংবাদী
অন্ত্রাদী বিবাদী চেতি।

" चामिरचननाचामी म द्राम अछिनामकः। वाक्रिमा मह मश्वानाद मश्वामी मिल्कुनाकः। मूट्य छमाम्बननामस्यामी ह क्छाप्र।

ख्था विवामांश्टरकटेमय विवासी टेवन्निय**द्धा**य ः 🌣 **जनार्थः । तुः इत जमाना इत जरशका** कान द्रारण श्रवीम सर्वाः श्रामित्र**ः सात**्रांक ভাহার নাম বাদী। রাগে মন্ত্রিবং বে স্তর ব্যবহার হয়, ভাইার নাম সম্পাদী সম্বাদী 🔒 পরে অবশিষ্ট বে হুর সচরাচর হর তাহার নাম অতুবাদী, রাগভট্টকর স্বরের নাম বিবা ী। এসিয়াটিক, রিসা চঁস ভৃতীয় বালমে দর উইলিয়ম জোন্দ সংহেব হিন্দু সঙ্গীত বিষয়ক প্রতাব খাহা সোমেশ্র প্ৰণীত রাণবিটোধ এবং অন্যান্য গ্ৰন্থ रहेट महत्वन कतिया ध्येनसम कतियाट इन, তাহাতেও বাদী বিবাদীর বিষয় উপরি লিখিত সংকৃত রোকার্থের পোষকতা দেখিতে পাওয়া বার। সন্ধীত রত্নাকর নামক গ্ৰন্থে লেখা আছে।

রাগানৌ স্থাপিতোয়স্ত স এইসরউলতে ন্যাসম্বরক্ত বিজ্ঞেয়োয়স্ত্র্বাগ্সমাপকঃ। বহুলংয়ঃ প্রয়োগেয় স অংশব্দরউচতে।

জ্স্যার্থঃ। কোন রাগারস্তে যে স্থ্র ব্যবহার হ। তাহার নাম গ্রহ।রাগের বিশ্রমিক যে সুর ভাহার নাম ন্যাস, আর ধে জুর কোন রাগের মধ্যে বছল প্ররোগ হর তাহার নাম অংশ। এসিয়াটীক রিসাচেস নবম বালমে জে, ভি, প্যাটরসন गांद्व शिक्ताकी अविषयक या आखाव नि য়াছেন তাহাতে প্রহ ইত্যাদি সম্বন্ধীয় উপরি লিখিত সংক্ত লোকা র্থর বিশেষ সম্ভা দেখা বায়। (১) প্যাটরসন্ প্রস্তাবে বাদী এবং অংশ এই ভিডয় শব্দ ই এकार्थरवाधक विका প্রতিপন্ন পুর্বে লিখিত হইয়াছে, রত্নাবলীর মতে রাগের মধ্যে যে ছবে স্বামী অর্থাৎ প্রধান বলিয়া গণ্য ভাছাকেই বাদী ৰলে এবং রড়া করকর্জার মতে যে হুর রাগমধ্যে বছ धार † श क्या कार्था १ (व क्या नर्या न) वावक्छ হয় ভাহার নাম ঋংশ; হুতরাং যে হুরের व्याथामा च एक् , त्मेरे खतरे वह ध्यातान व्यर्थाः नर्समा बाँवरात्र कर्मा केउँवा । वष्ट धारताभ ना इहेरन दर्गन ख्र अथान व्यवश्

(১) বন্য সর্বত্তে বাহুলাৎ বাদাংলোপ কুলোভ্য। ইতি সদীভনারারণে। গণ্য হয় না; প্রাধান্য থাকিতে গেলেই সেই

হরের বছপ্রােগ হইয়া থাকে। যেমন

রাগিণী কেলারী এবং মালকোশ রাগ এই

ছইয়েতেই মধান সুরের প্রধান্যপ্রযুক্ত উত্তয়
রাগ রাগিণীতে মধ্যম সুরের বছপ্রােগ

ছইয়া থাকে ৷ মধ্যমের বছ প্রারোগ না

হইলে কেলারী অথবা মালকোশ ইত্যাদির
কপ সংস্থাণ্য করা কঠিন এই কারণ বশতঃ

মধ্যমকে রাগিণী কেলারী ও মালকোশ রাগ

ইত্যাদির বাণী অথবা জান (>! বলিয়া
বিজ্ঞেরা ব্যবহার করেন। তালা হইলে প্যাট
রসন সাফোরর প্রস্তাবে বাণী এবং অংশ

এই উভয় শক্ষই এক বলিয়া প্রতিপন্ন হওয়া
ভামরাও অংগাজ্ঞান করি না!

এক্ষণে প্রকৃত প্রস্তাব আনাদের দেখা কর্ত্তব্য, দেং গিউপরাগে কোন স্থর প্রধান অর্থাৎ বেহ' গে কোন স্থরের বছল প্রয়োগ হয়। বেহাল উপরাগ আলাপ করিতে গেলে গালারের যত বাবহার নিয়াদের তেত বাব হার নাই। যি কেহ বলেন, গালার অপেক্ষা নিয়াদের ক্রহার অধিক, তারার সন্ত্রর এই, প্রথমতঃ নিয়াদের প্রভগিদ্ধান্ত বেহাগে বড় অধিক দেখা ধার না, যখন নিয়াদের প্রয়োজন ২৪ তখনই যড় জ্যোগে ভাগ ব্যবহার হইলা থাকে। যে স্থরের স্থানিত্র আছে অর্থাৎ বাদী স্থর সে অন্য স্থরের সাহাযোকি প্রকাশ পায় ? কখনই নহে, সে

ছিতীয়তং সুপ্রসিদ্ধ সঙ্গীতাগাপিক বীণ কর ও লছ্মীপ্রসাদ (ওতাদজীর) নিকা আমাদের বেহাগ উপরাগের ক্রিয়া যেরপ শিকা এবং তজ্যে সমহামহোপাগার সঙ্গীতবিৎ প্রীযুক্ত সারদাসহায় ওস্থাদজী মহাশয়কে ও অপরাপর সঙ্গীতবিদ্যাবিশা রদ মহাশয়দিগকে বেহাগ বাজাইতে যে প্রকার দেখা যায় তাহাতে স্পষ্ট লক্ষিত হয়, বেহাগের প্রথম আরম্ভ মহাধ্যেগ নিয়াদ অথবা শুক্ষ নিষাদ হইতে হইয়া খ,কে। নিয়াদ হইতে বেহাগের আরম্ভ জন্য পূর্বালিখিত সঙ্গীতগ্রন্থমতে নিয়াদকে গ্রহ্মর

() ) कालहार ध्यानदार कारणाकीत-कतः चत्रा हेकि (तारमचतः। বলা কর্ত্ব্যা, যেহেতু রত্নাকরকর্ত্তা বলেন।

"রাগানৌ স্থাপিতোমন্ত্র স গ্রহ্মর উচ্যতোশ

অস্যার্থং রাগের আদিতে যে ম্বরের ব্যবহার হয় তাহার নাম গ্রহম্বর, গ্রহম্বর এবং
বাদী সর এই উভয় একার্থপ্রতিপাদক নহে,
বাদী সর এবং অ শমর এক বলিয়া শাস্ত্রকা
রেরা প্রতিপন্ন করিয়াছেন, তবে নিষাদের
বাদিত্র কোথায় ? বদি কেন্ন নিষাদের গ্রহম্ব
অহীকারে বাদিকপেই গণ্য করেন, তবে
শাস্ত্রাভ্রন্ত যুক্তিছারা বেহাগের গ্রহম্বর
কোন্টী তাহা প্রতিপন্ন করেন।

ড়ডীয়তঃ স্থানিদ্ধ সঙ্গীতগ্রন্থকার ভরত धवर अमाना मश्रीककर्जात् तारशत सक्त নিৰাণলৈ কলিয়াছেন, যে ধানিবিশেষ ছারা লোকের চিত্তরঞ্জন হয় তাহাকেই রাগ কহে। कलाङ कार्पाट उ प्रथः गहिए उ द्वा ताना **पित सिष्ठेल क्लबाहै भूल ऐटफाना । मासानालः** বাণা অথবা সেতার যন্তে কোন উভ্ন বাদক কর্ত্তক একবার নিখাদ চিকারি অপর বার পান্ধার চীকারিযোগে বেহাগ বাদিত হ'ইলে विष्क्रता मकल्बेहे वृक्षित्वन, शाकात वामी এব প্রাধান্যহেতু গন্ধারের টিকারিই মিষ্ট লাগিবে, নিঘাদের টিকারি আমর। বোধ করি গান্ধার অপেকা কথনই স্থ্রাব্য হইবে না; তবে গান্ধারব্যতীত নিষাদের বাদিত্ব কিৰূপে স্থাকার করিব স্থাদ নিষাদের বাদিত্বৰূপ ক্ষমতা থাকিত, তবে গান্ধারের পরিবর্ত্তে নিষাদের প্রাধান্য এবং তদযোগে বেহাগ স্থভাব্য হওয়ার সম্ভাবনা ছিল। যখন রাগিণী কেদারীর ঝারা অথব। ছেড় বাজান বায়, তথন জান অথবা বানী মধ্যম স্থ্যবশতঃ হুলাব্যের নিমিন্ত চিকারিও মধ্যম করিয়া লওয়া ব্যবহার আছে, কিন্তু কেদারীপ্রভূ ভিতে গান্ধার কিম্বা ধৈৰত মূর বদাপি চিকারি করিয়া বাঁধা যায় তাহা হইলে ঞাতি কটোর বোধ **ছইবে 'সন্দেহ নাই। চিকা**রি পঞ্চম করিলেও কেদারিতে মধ্যমের ন্যায় জত সুমিষ্ট হইবে না। বে হেতু কেদারী রাগিণীর মধ্যম স্থরই বাদী, বেহাগসম্বেও গান্ধারের যোগ সেই ৰূপ জ্ঞান করিতে २ हेरब।

ा <u>→ ७०० — व्या</u> इड्बंटः खत्रछ बरनमा

চতুথাতঃ ভরত বলেন। ''বাদিবরসম্রোধে আফ্রী প্রতিপদ্টে ।

यभा श्राद्याका वास्त्री है । भ वासी है जिसी ब्राइ । भ অস্যার্থঃ: বাদিধর্বোগে আহায়ীটী প্রতিপন্ন করা কর্দ্ধব্য এবং যে স্থর বছল ব্যবহার হর তাহারই নাম বাদী। উপরি লিখিত শ্লোকে স্পষ্ঠ দেখা যাইতেছে যে, বাদী স্থুর সর্ব্বত ব্যবহার্য্য। বিশেষতঃ আস্থা ब्रीटि अठि श्रद्धाकनीय। यनाशि नियान একেবারেই পরিত্যাগপূর্বক ষড়জ হইতে উত্থাপনপূর্বাক গান্ধার মধ্যম এবং পঞ্চন ষোগে বেহাগের আহায়ী সম্পন্ন করা যায় তাহা হইলে কি বেহাণের ৰূপ সাধারণের বোধগম্য হটবে না ? বোধ করি অবশ্যই হইবে , কিন্তু যদি ষড় জ্যোগে নিষ্ট অথবা কেবল নিষাত হইতে উত্থাপন করিয়া গান্ধার একেৰারে পরিত্যাগে মধ্যম এবং পঞ্চন যোগে ঐ রাগের আন্থায়ী বাজান বায়, তবে সেই আস্থায়ী কি বিজ্ঞেরা বেহাগের আস্থায়ী বলিয়া বুনিতে পারিবেন ? কখনই নয় ইং তেই সঙ্গীতনিপুৰ মহাশয়ের৷ বিবেচনা ক্রুন, বেছাগে গান্ধারের বাদিত্ব কি নিষা দের বাদিত্ব। নিয়াদগরিত্যাগে বিহাগের আস্থায়ী এবং ব পদংস্থাপন অনায়াসস্থা; কিন্তু গান্ধার পরিত্যাগ করিলে তাহা কোন ক্রমেই নিষ্পন্ন হইতে পারে না। আস্থায়ীটা রাগের মুখবন্ধার্প (১) যদি প্রথমেই শুনি-বামাত্র নিষাদ ব্যতীত প্রকৃত রাগটা বোধ হ**ইয়া যায়, তবে আ**র বাকী কি **্ব স্থ**তরাং शासातरकरे विदारभत वामी खत बना व्यव-भाइ कर्जवा। यपि त्कड् अ विषयः मत्मह করেন, তবে উপরিউক্ত প্রমাণাদি খণ্ডাইয়া नियादित वामिज मध्यान कः न। পাথরিয়াঘাটা ) স্বাক্ষরকারী।

পাথুরিয়াঘাটা স্বাক্ষ ২৬ এ জ্ঞাবণ স্ব জীবে ১২৭৫ সাল স্ব জীবে

বাক্ষরকার। প্রীক্ষেত্রমোহন গোস্বামী প্রীশোরীক্রমোহন ঠাকুর শ্রীছোয়ালাপ্রসাদ দীচ্ছিৎ

নকল।

**জীরাজেন্দ্রনাথ বন্দ্রোপাধ্যায়**।

—::--ই্রা প্রান্তি।

ীযুক্ত বাবু চক্রশেখন শান্তাল কুলবাড়িয়া ১২৭৫ ভাদ্র হইতে কার্ত্তিক ৩৮০

(৩) যত্রোপবেশ্যতে রাগঃ আস্থা চ্যতে হি সং। সদীতদর্শনে।

## দোমপ্রকাশসং ক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

অন্তিম মূল্য ও ডাকমাস্থল না পাইলে মধ-বুলে গোমপ্রকাশ প্রেরণ করা ধার না।

ইপার অন্তিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং
বাণ্যাসিক ১৪০ টাকা সক্ষমতে ডাকনাস্থল
সমেত বার্ষিক ১৩, ধাণ্যাসিক ৭ এবং তৈত্রমান সিক ৩৪০। তিন মাসের স্থানে অন্তিম মূল্য
এইণ করা যায় না। ছণ্ডি, বহাতি চিঠি, মাণঅভার, নোট ও স্থাপ্প টিকিট, ইহার অন্যতেব
ঘাহাতে যাহার স্থাবিধা হয়, তিনি গেই উপার
ধারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাঁহার। ষ্টাম্পটিকিট পাঠাইবেন, ওঁছোর। যেন এক অথবা আন আনার অধিক মৃত্যুর ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

বখন বিনি মফবল হইতে সোমপ্রকালের মূল্য পাঠাইবেন, তাহা যেন রেজিস্টার করিখ্না জীযুক্ত ছারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

বাঁহাদিগের মূল্য দিবার সমস্ত্র অভীত হইয়া আসিবে. এক মাসপূর্কো তাঁহাদিগকে চিট্ট লিখিয়া জানান ঘাইবে, কাল অভীত হইয়া গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাহার পর একমাসকাল প্রভীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা ঘাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং পাঠান হইবে।

মাতলা বেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ডাক ঘরে চিঠি আইলে আমর। শীগ্র পাইব।

যাঁহার। মাহুল না দিল্লা পত্রাদি প্রেরণ করি বেন, ভাঁহাদিগের সেই পত্রাদি এইণ কর। যাইবে না।

কেই সৌম্প্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইচ্ছ। করিলে ভাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংক্তি 🔑 আনা তাহার পর 🖊 ১০ আনা দিতে হইবে। বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা করি-বেন, ভাঁহার সহিত অভন্ত বন্দোবস্ত হইবে।

এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পূর্দা মাতলা রেলওয়ের গোণাপুর ষ্টেশনের দক্ষিণ চালড়িপোতায় জীযুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যা-ভূষণের বালতে প্রভি সোমবার প্রাভঃকালে প্রকাশিত হয়।

# मियकिन

2 . N Win ;

88 मश्चराः

# ' प्रवत्तनां प्रकृतिहिताय पार्थियः सरस्वती श्रुतिमहती न हीयतां।"

মাসিক মূল্য ১ এক জাত্রিম বাহ্বিক ১০ দশ আত্রিম ধাশ্যানিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা।

र्मन ১২१৫। २७ व छोत्र। ১৮७৮। १ हे स्मर्ल्डे इत

মকস্বলে মাস্তলসমেত অগ্রিম বার্ষিক ১৩ বাল্যাসিক ৭, ও ক্রৈমাসিক ৩৮০ টাকা

## বিজ্ঞাপন। পুনঃ প্রাপ্ত নোট।

নিম্নলিখিত অপফ্ত অন্ধ ওপূর্ণ নোটগুলি প'ওয়া গিয়াছে। নোটের অধিকারিগণকে জানান বাহতেচে, নিমুখাক্ষরকারীর নিকট ভাবেদন করিবেন।

	श्रद्भातु	<b>पृत्र</b> (	পুৰ অথবা কৰি
بي. س ج	⊬ <b>ሂ</b> ጛ:৮	7 • •	कार्क माउ
.s,	b 2 9 8 3	a •	*
<u>دي</u> و ع	৺ १ ৮ <b>৯</b> •	<b>2</b> •	a
رون خ فع	و۵٠٠٠	٠.	2)
્લ ૯૨	8.68.65	٠.	"
્લ 8 8	৮৯৯৩৭	٠.	'n
8 F	04.98	<b>&gt;</b> •	'n
હ 8 ૭	৯৯৬৬২:	ર્∙	a
र्व २२	->946	٠,٠	" ডিঞ্চিগা- পেট্যাম
वि २२	•.7 J <b>G</b> 8	٠ ډ	" <sup>)</sup> নোট্স⊹
্ৰ ৪ ৯	• 9 9 9 5	2 4	ه
এ 8 ৯	- 58 \$>	۶.	х,
آپ مز 8	. <b>9 ·</b> 8 <b>· 9</b>	7 •	পূৰ্
₹ <b>%</b> *	8४ <b>५</b> २ठ	7 •	व्यक्त । नाष
.ભુ ભ•	> 2 4 4 4 4	۶.	*
এ ৪৯	A3237	7•	*
છ	• 45 99	7.	*
ه ک	A48 • ?	7•	n
এ ১৯	8 8 8 5	7•	*
S.	७१४३७	۶.	<b>3</b>
7 A 78	७५८ १	7.	*

	70	ই আফিস ই আগষ্ট	<b></b>	পোষ্ট মাষ্ট	ার ।	
•	कृति	ৰকাত <u>া</u> সংক্ৰিয়	) खर्गाने	, এইচ. ম	ाटभादान	
	e b	৮৪৮৩৯	7	• •		•
;	a a	FD 1	٠ ٤	• •		-
	<b>এ</b> এ	<b>6877</b> ¢	2 •	a	•	-
-	رد. و	\$57.5	<b>3</b> •	2	•	
!	رد. ا	\$ 57 - 7	۶•	a		
	ب د ی	257.0	7 •	a		-

# वत्माभाधाः दकार्।

এতদারা সর্নসাধারণকৈ জ্ঞাত করা ধাই-ভেছে যে, সম্প্রতি জনওয়াচ, ষ্টার অব স্কোসিয়া ওম্নারউইক এবং বিটিশপ্রিল জাহাজে ঔবধ সকল আমদানী হইয়াচে। ঐসকল জাহাজে উক্ত কোং দিগের লগুনত্ব এজেন্টগণ হইছে বেসকল ঔবধ ও জন্যান দ্রবাদি আমদানী হইয়াছে এবং যেসকল দ্রব্যাদি আমদানী হইবে ভাহার ইন ভয়েস প্রাপ্ত হইয়াছেন।

উক্ত কোম্পানির প্রধান প্রবধালর আমচংষ্ট ক্রীট ২৩ নং ভবন মূলাপুর মেডিকেল হলে এবং সভাবাজার ক্রীট ৩৯ নং ভবন শাখা প্রবধালয়ে টাটকা, বিশুদ্ধ, এবং উৎকৃষ্ট প্রযাসকল পরি-মিত মূল্যে খুলুরা বা এক কালীন অধিক পরি-মাণে বিক্রয়ার্থ নিয়ত প্রস্তুত আছে।

কলিকাতা ১৮ই আগষ্ট ১৮৬৮।

## हेक्ट्रेखिया (तन्यद्य ।

সর্কাধারণকে জ্ঞাত করা যাইডেচে ধে, হাবড়া হইডে উত্রপশ্চিমাঞ্চলর কোন কোন

ষ্টেশনে ভাষ্ণ ও দস্তা লইরা ধাইবার নিমিত যে বিশেষ ভাতার নিরম আছে, আগামী ১ লা অক্টোবর অবধি ভাছা রহিত হইরা সকল টেশনে পুর্বতন ভাতা প্রচলিত হইবে।

ভাষ	ত্য জোগী
দ ন্তা	र्म्य वि
ইট্টেইণ্ডিয়া বেলওয়ে ভেলধাউনী ফোয়াব কলি } কাডা ১৭ ই আনষ্ট ।	সিনিল্ডিফেন একৈনি বোড ২০০৯৭

## इन्द्रश्रामाहिक।

ষ্ঠান হোপ যন্ত্রালরে এবং চীনাবাঞ্চার, পটোলভালা ও জ্যোড়াসাকোর পুস্তকানরে প পাওয়া যায়। মূল্য ১ এক টাকা।

জ্ঞীগোপালচন্দ্র বন্দেনপাগায় কলিকাড়া বাস্বাব্দার।

: \$

১৮৬৯ অন্দের ইংরাজী এট্রান্স কোর্সের নোটবুক, প্রথম ভাগ পোইট্রী, টে নিং আকা ভেমির ভূতপূর্ব্য হেড মাষ্টাব এইচ, দন্ত বি, এ, কর্ত্ত্বক প্রণীত, ৫৮। ৫ গিরিশবিদ্যারের যন্তে এবং সংস্কৃত মন্ত্রের পুস্তকালয়ে প্রাণা। চূল্য

## হেমন্ত্রসারী।

। कार्ब ८

হেমন্তরুমারীনামক এক খানি নাটক জাইনক ব্যক্তি সংগ্রহ করির। নড়াইলের জমীদার জীগুজা বারু গোবিস্চত্ত রায় মহালয়কে উপহার প্রদান করিয়াছেন, ভাহা মুদ্রিত হইডেছে, স্থাক্ষর কারীর জনা। কানা, বিনা সাক্ষর কারীর জনা। আন। মূল্য নির্দ্ধারিত হইয়াছে, স্থাক্ষরকারী জ্যোভুক্ত হইডে ঘাঁহারা বাস্না করেন ওাহার। - 1080

্নত্ব আক্রবারীর নিকট প্র লিখিবেন ৷ কলিক ভি শ্রীকালীপ্রসন্ন সেন হার। नवा'त अला। --20%---

কাৰ্থেকাশ, সাহিত্যদপ্ৰ, কাৰ্যাদৰ্শ, কাৰ্চেন্ত্ৰিকা, এবং দশরূপকপ্রভৃতি সংস্কৃত অল শর্মারকুত कार अन्न इहेटक धार्या बनीय व्यश्न मधुनाचे अहन ক্রিয়া '' লক্ষণ মালা » নামে এক খানি সংস্কৃত খলকার এম মুদ্রিত ও প্রচারিত হইয়াছে। এহ-वार्थिशन कलिकाछा भरहालछात्राञ्च बार्ड्यं,1-अभिन कार निक्रे अवर छाका नमकूमात छए छ। .ক. সি, ত্রাদার্শের পুস্তকা**লয়ে তত্ত্ব** করিলে भ.हेर्ड भारित्वमा मुला ५० **कामा माता**।

১ १ ३ का गष्टे । 🔊 গোবিস্ফচন্দ্রচন্দ্রবর্তী 1 26 AC

## বিবিধ ডব্যাদি বিক্রয়ার্থ প্রস্তে।

ইংরাজী বাঙ্গলা পুস্তক কাগজ কলম নানা বিধ দ্বাদি পাওয়া ধায় এবং পুস্তকাদিতে 🥕 এক আনার হিদাবে কমিদন দি। অধিক हेक्त्र अञ्चक लहेल 🔑 आनात हिमारन

অপুৰ্বা উপাধ্যান অৰ্থাং সেঞ্পিয়ুৰুত নাট কের মধ্যাপ্রবাদ

अभिकाशनच्छ > म अवांच ४२ अस वाः ঐত্তীহরিত কিবিল স সম্পূর্ণ ъ আম্ভাম্বসায়ন ছই খাওে সম্পূর্ ¢ <u> इक्षणानिकिकितमा अप त्रक्तीया</u> নেতাপী বাসুকাশীনাথ মলকেব এঘনে উভম প্রভবারা হস্তের লি.খড নিভ্যদর্মান্তরঞ্জিকা প্রিকা বানিক ्के कुक विलाभ याश्राष्ट्र आशाल और क्रिय ाः इक्छलि मन्धुर्ग व्याहर अप्रदेश , देशियांन 14:13 क हैं एक By 3 ذ একতেও চুড়ামৰি ভাষাৎ বল নিৰ্ব 2 14 ने त्राक्षण कारा প্রস্থান কলে। या के विद्यास्थ्य के वि ١ অ ভয়ন্তু। বগ নাইফ क्रमा बिरुष विश्व বুরোত্তম: গাঁধা কারা ۲

.कोत्रवारिष्टाः भागेक

লিভিল গাইড মাল্মেন স্'হের কুড

। পদ্মগন্ধ। উপংখ্যান h मर्टन्यावली अञ्चलकत्त्र मानकुड OH পিশাচে:জার ١ নী ভগ্ৰহা क्रोनाम बार ৮ चानि मान अर्गनाम ভূতব্দশ্ন পৃথিবীর মান্টিব্র Œ **७** तं के वर्षत स्ताप (हवेसागत व्यक्तत्त নী তৈ শিক্ষা অনবর শোহীলী अमाश्मः পারসীক 211 কুমার সম্ভব সংস্কৃত হইতে পদা অসুবাদ ১ ভারতব্যের ইতিহাস কেদারনাথ দক্ষেত্র ১ ঐ গোবিন্দচন্দ্ৰ সেন কভ মনভব্দার্দংগ্রহ ۲ প্রাচীন ইন্ডিকাস সমূচ্য ۲ ঐ মার্স মেন সাংক্রেক্ড ছই খণ্ড नाहे। পहिमिष्टे नाहेक ۲ চবিত্ৰমঞ্জী ١, শক্তরভূম পরিশিষ্ট কলিকাতা জ্বোড়া-এ প্রতাপচক্র রায় मीटकः ७४ सर् নগদ বিক্রেভা।

# পুরাণ প্রকাশ। रिया श्रुतान।

অমুবাদ ও টাকা সমেত প্রত্যেক খন্ত

धिनि धहना छिलासी १३ दन छिनि भूका भूत আমহন্ত দীল ৩৪-১ নং ভবনে কাব্য প্রকাশ गरख व्यथवा कलिकानः मःस्राक विष्णालस्य প্রীযুক্ত জগ্নোহন তথালক্ষাবের নামে যত খ্যেওর ইন্ড: অবিষি চুলং পাঠাইবেম। অবিষ না পাইলে বিদেৰে বিষ্ণুৱাৰ পাঠাইবাৰ

৮. প্টা অগ্রিম গুলা 👍 !

नियम नाहे हैं छ।

#### ---- 707 ----

#### বিক্রয়ার্থ।

পারভেন রীচ ২৪ নং বাটী গুলামস্ত ১৯ নংজোডা বাগান !

উপরি উক্ত বাগান ও বাটী দাঁহারা ক্রয় করিতে অথবা লইতে ইঞ্চ। করেন, নিয় স্বাক্ষ রিড ব্যক্তির নিকট জানাইবেন :

> शिरमञ्जादम् जादरगा-धनडे अवर (कार

বিক্রয়ার্থ।

শব্দকরজন্ম অভিধান। সর রাজা রাধ:-**কান্ত দেব ৰা**হাছৱের ক্লান্ত। উত্তম**ৰূপে** সোল: দিয়া হতন ৰাধান মূল্য ২৫০ টাকা: **জী মানন্দচন্দ্রবেদান্ত বাগীল**ঃ

रहाभिछरपथिक हिक्टिशा, अथम मन्यता, व्यागतक, मुला हाति আনামাত্র।

কলিকাভার চোরবাগানে স্কুলবুক প্রেদে ঠনঠনিয়ার সংকৃত্তরজ্ঞের পুস্তকালয়ে এবং লালবাজারে বেরিণী কোম্পানির হোমিও পেথিক কারমেশীতে পাওয়া যায়!

## ----পুনঃ প্রাপ্ত নোট।

যে বাজি ১৮৬৮ সালের ৮ই আগত প্র মধ্যে পাটনার ভাক্ষোগে নিম্লিখিত নেট পাঠাইয়াছেন, তিনি নিয়শাক্ষ কারীর নিকট সবিলেব লিখিয়া পাঠাইবেন : ৮৯০০ গ নং ১০০ টাকার 46 5.86 50 46 एनलि छै. এই 5. भारताञ्चास ।

#### अमा मः श्राहा

কলিকাভার পোইমাইটার।

व्यक्षभावी हाजांमरभव भारताभरवाभी ्कान বংক্ত গদ্য আন্ত না থাকায়, সংস্কৃত কালে জেব অবংক জীয়ুক্ত বাবু প্রস্নকুমার স্বাসি काती मश्रमदश्चत आहमभाष्ट्रभारत हिन्स कारलहस्र অনতের অধ্যাপক পণ্ডিতবর উন্যুক্ত মহেশঃন্ত্র ন্যায়ব্য মহাৰ্য মহাভার্ত ও বিক্ষ্পুর্ভ হইতে কভকগুলি নীতেগুলি গল্প সক্ষ-লন করিয়া '' গদ্দেংগ্রহ্ " নামক এক খানি পুস্তৃক প্রচার করিয়াচেন। পটোল্ডাক্স। ৮७ नः आयोग्रित शुक्षकालाय পाउस याद्य। मृत्र । कर्म काका

বাড় যালেদৰ্শ এবং কোং

-- 20 3---

সাবিক্তীচবিত

कादाः

গ্ৰীভোলানাধ বক্ৰবৰ্ত্তি প্ৰনীত।

মূল্য ১ এক টাকা।

সংক্ষ ত যদ্ধের পুস্তকালয়ে পাওয়া যায়।

রেলওয়ে।

रे छे

विज्ञाभन।

১৮৬৮ সালের ১ লা অক্টোবর তারিখে এবং ভদবদি ২০ হনড়ে ওওয়েট মোট ওজানের এক টন হারে তথবা প্রত্যেক গাড়ির ওজন পরিমান क्रम् मारत जुला श्वाममानी कहा इहरव ।

ī			ì		····	1		ক	1		7	1		<b>T</b>	j		18	
	.घ ःष्टेृपन ६३८७	- <b>আ</b> ঘলানী	ी <b>१</b> ३७ व	मिया इक	4 (4 ) 4 (6 ) 4 (6 ) 4 (7 ) 4 (7 ) 4 (7 ) 6 (8 ) 4 (7 ) 6 (8 ) 4 (7 ) 6 (8 ) 4 (7 ) 6 (8 ) 4 (7 ) 6 (8 ) 6	कर्मा ३६	स द्वात ३८ मान्त	MINISTER STATES OF STATES	न्त्र किहावक	जना ७. जन निहे	मार्गात हम् । हम् । हम् । स्थापन । स्य	134 FAT 5 1	A THE STREET OF THE PARTY OF TH		विरिक्त	٠	কিন্টাবিং মাছে, অ পাটেণ্ড সিমূৰ্য অনসিধ	মথবা প্রিমিট ৫ কিউ ইই-
•						-		-	. <del>-</del>							অনাগক হহ ভাড়া।	Cal sill.	জ্ প্ৰ <b>ি</b> পা.
<b>:</b> ৮	     जिल्ली छ गाडिक	(প্রতেজ	क हेर्न	b1.	আৰু,	웩,	61,	591, h∕	পা,	₹1, @8	खा. 12	Pil.	है।. ३७. ७	<b>31</b> ,	9(i,	ট'.	<b>©</b> , ,	-11.
ะ้ง ษา		্ প্রজ্যের জন্ম	म् भ⊺।≷। मुख्य	৩৭	ا افا	° a	68	40) 11:	'n	43	اد ما ده	a n	8 % , %	الع ارا	. v	\$3.5	1	ů
2.	জ্ব <i>িলগ</i> ভ	িপ্রনেজনে প্রাক্তেনে	দ পাই (	. ৫ %	40) /,	ņ	8 5		th Ck	( •	110	<i>22</i>	88 . y	4.00	ņ	939	[n]	•
	হাত্র!স	্ প্রতে	ক গাই	ا <sup>م</sup> اِق: 8 که	l છે ખર્ચ	'n	e' 9	نو	ú	8.3	12	17 18	33 , 39	•	יי פ	৩০৯	برداه	5
\$ ?		্প্রত্যে	गाईर्ट	83	11	« «	45	ارہ 1	»	86	بماا	'n	8 5 : (t	ed ned	# 77	, e o	Mg/	•
• (t		(প্রত্যে	म भाइँए	_	ادها مراا	»	8 2	e hel	'n	89	110	» »	83	/ /	>) ?>	ระด	1-1	. »
۲ ۶		े श्रुटार	গাইটো		ل	r,	8 2	り	» *	8 9	اا العا	'n	. 83	11	)- *	255	•	*
৬৯	, লেকে!য়াবাদ 	। প্রত্যের	2) 16C	<b>3</b> , 9	אלים אי	si n	*	<b>'n•</b>	<b>»</b> .	· 88	کرہ ا کر ہا	r.	າ (ເ	ll el Vary	יי מ	>25	4/	*
<b>ા</b> લ	<b>इ</b> टहेर्स्रा *.	) প্রত্যে বি	ক গাইট	ì	いと	7	87	11.	"	ัง	•	<i>1</i> 2	: a	1 e) 1 e)	"	<b>ઝ</b> પૃવ	112	х.
8 <b>1</b>	कानभूत	্প্রত্যে প্রত্যে	क छेटन इ जा हेट	38	الع	a	8 8	4/	"	¢.	11	ŭ	8	V. c.)	<b>~</b>	20 e	ز،	2.
? ৯	ः • खालः श्वान	(প্রত্যে (প্রত্যে	क हेर्न क भाई	इंडे ६	11/2	'n	8	اعا ارده	y,	<b>8</b>	りか	"	<b>3</b> ^ 8	ارد) ب	n r		•	22
9 3	্ মূজাপুৰ	্প্রক্রে প্রক্রে	চ টনে ক গাই!	. 5 3		7	8	11°	7 79	ა• 8	۱۹ ف	יני קי	•	h h			;	a
8•	्रे <b>वादानभी</b>	{ মতে। ( হাতে।	ক উচুন	99		<b>v</b>	) °	اها <b>لو</b>	77 T	2 > 8	•	r	2 .3	11/		,	•	•
• %	জুমানিয়া	(প্রতে		. 0.		77	34		n	. સ્વ	ej H	<i>8</i> . V	່ ລ ຊ ູ ອ	17	•	,	e;r ir	"
১৯ ৬	পুটেনা		কে চ্যু	,   a :			1 -	الوا -	n n	23	ا / الم يا	r v	) hr	4 ed 11 ed	5. A	233	*	•

১। প্রত্যেক টনের ভাড়ার পরিবর্ত্তে প্রত্তিরে লাইটের ভাড়া লওয়া যাইতে পারে, যদি প্রত্যেক গাইটের মোট ওয়ান ১২৬ পাউত্তের অন্ধিক হয়।

১। আত্রাক তলের তাড়ার নির্ভন বাড়ার নির্ভন তাড়ার নির্ভন তাড়া প্রতিন তাড়ার নির্ভন তাড়া প্রতিকে নাইলে । পরা ঘাইবে।
২। খোলা তুলার ভাড়া চতুর্য প্রেণিষ্ঠ দ্বোদ্ধ ভাড়ার সমান ধরা হইবে । কিলার প্রতিক্রিটাল রেট দিতে হইবে।
৩। তুলার প্রতিক্রেটাল টেন। এ আনা অথবা গাইট করা এক আনা ছিসাবে হাওড়ার টার্ট্রিটাল রেট দিতে হইবে।
সিলার প্রতিক্রেটাল বোড অব এ্জেনি

२४ म जाता १ १४७४।

বোড তব এছেশি।

া শিক্ষক ব্যতিৱেকে সঙ্গীত শিক্ষা। শ অর্থাং ্র

ইউরোপীয় অরলিপি সম্বাত দেতার, নেহাল এস রাজ, বংশী, হাগোনিয়ম ও গান প্রভাত শিখিবার সহজ উপায়, মূল্য ও তিন টাকা চলালদীঘীর পূর্বা পাধ্য দে কোম্পানির নিমার সংস্কৃত যন্ত্রের পুত্তকালয়ে বিক্রীত ২ইতেতে চ

কলিকান।
ত্তন সেণ্টেম্বর

স্পটোলভালা পোটোটোলা

ক্তিন্দ্র (লম্ব)

#### --- 202---

ত ই ভাগে ও ১৬ ই ভারিখের সোমপ্রকাশের বিজ্ঞাপনের বিশিত দেওয়ানী কার্যবিধান এখের প্রথম ভাগা প্রচাবিত চইরাছে, দিতীয় ভাগত ০ এ ফান্থিন ও শেষ ভাগা ০ এ কান্তিক প্রচারিত হইবে । সমুদায় পুস্তকের মূল্য ভাকমান্ত্রল বার্ডীত ১০ টাকা। প্রথম ভাগেদ মূল ভোকমান্ত্রলমহ ৪।০ অপর ছই ভাগেস মূল্য ৬।০ টাকা। কিন্তু বাহারা ভাকমান্ত্রলম্ভ ৮॥০ টাকা অগ্রিম্নলা, নিম্নলিখিত ঠিকানার প্রায় পার্যইবেন, ভাঁচারা সম্পূর্য পুস্তক ক্ষে প্রাপ্ত হইবেন।

কলিকাত। আড়াগাকে। এজেনমাজে জ্রীণ্ডেবার রামং পদ (ভী নকের নিকট অগ্রিম মুলং পাঠাইবেই হইবে।

-- :0: .--

কলিকাভাব মানচিত্র সুদ্রিত চইয়া বিএয়াথ আসাত আছি (উত্তিম বাধাই) যুলা ২ টাকা। উ)কিলিভিসান সন গুপু কলিকাতা নকাৰে স্কুল

## निष्यात नमी।

সন ১৮৬৮ সালের আগেছ মারেস চন এ জ্বীতে ৩১ এ প্রয়ান্ত নদীয়ার নদী হায়ের নার্মক্ষ ত জলের সাপ্তাহিক বিশোটি /

<sup>স্থানের নাম</sup> স্প্রিকনভি জ্ঞাল ফুট ইঞ্চ

ফুট ইঞ্চ
নদী মাথা ভাষা।
১০মার উপর পদ্মাননীতে ৪০ ৯
১০.নায় ২৭ ৬
৩০-২২তে হাট গোয়ালিয়া
১৯ ৬
ইচি গো লিয়া হৃইতে
আহুক্দিয়া ২৩ ৯

जाञ्चक्षिया हहेट कुक्षशक्ष कि महिल 23 कुक्श क्षेत्र इति इति मही প্রত্তে ১৪ মাইল 29 ज्ञानी तथी नहीं। মহানার উপর ₹ **(**t সহানায় " 31 उथा इहेट जिल्लानक ٠ د লিয়াগঞ্চইতে কাটোয়া 23 ७० म हेन मर्या 19 কাটোয়া ছইতে নদীয়া ८७ भ' हेल भार्या खनशी नहीं। মহানায় তথা হঃতে করিমপুর ১৯ মাইল করিমপণ হইতে টিয়াকাটা ৩৫ মাইল >> ١ र्षिया काष्ट्री इहेटच समीया ৬০ মাইল

সন ১৮৬৮ সেপ্টেরর মাসের ১ র: তারিখে বংরমপুর গজ ঘটেব জলের মাপ। ফট ইঞি

ফুট ১

বহংসপুর ৩ সেপ্টেম্ব ১৮৬৮ ৷ জীগুড় টি. হেলা উইক্স সি, ই এক বৈকিউটিব ইজিনামূর বহসমপুর ডিবিজন

## त्मागथकान ।

२० अ छ छ (भाषवात ।

আমাদিগের নদীরান্থিত মিদনরি বাজাব আমাদিগকে যে দ্বিতীয়পত্র লিখি যাচেন, আমরা তাহার অনুবাদ করিয়া স্থানান্তরে প্রকাশ করিলাম। এ বিষয়ে আমাদিগের যে কিছু বজরা উপস্থিত হইতেছে, আগামী বারে তাহা ব্যক্ত করিবার ইচ্ছা রহিল।

বহুজ ব্যক্তির বাকে; উপেকা করিলে কেবল যে আপিনার অনাশ্রথতা দোষ ঘটনা হয় এরপে নয়, ইন্টানিফ্টেরও বহু বাতিক্রম ঘটিয়া থাকে। বাবু জয়ক্ষণ মুখোপাধ্যায় ও দিগধর মিত্র অনুনান করেন, এদেশে রেলওয়ে হওয়াতে পূর্কের ন্যায় স্ক্রেরপে জলনির্গম হয় না;

ত্মতরাং প্রামগুলি ক্রমে আর্ড্র ইয়া **উঠিতেছে, উहाई वऋतियात माती अस्त** व्यथान कांत्रण। ताक्ष्णूक्रस्तता वाक्रांनित কথা বলিয়া হউক, রেলওয়ের ব্যয় র্দ্ধির শঙ্কাতেই হউক, অথবা অন্য কোন কারণ বশতঃ হউক, এবাক্যে আস্থা করিতেছেন नाः, किञ्च এ राका रा উপেক্ষণীয় नग्न, आमत्। মধ্যে মধ্যে তাহার প্রমাণ প্রত্যক্ষ করি. তেছি। সম্প্রতি আবেণ মাদের খোনে रम वर्षा इहेश निशाष्ट्र, डाहा डेहात अक्छी দুউল্ভ আমাদিগের দৃষ্টিপথে উপনীত করিয়াছে। শিয়ালদহের ফেসন হইতে শোণাপুর দিয়া মাতলার দিগে যে রেলের পথ গিয়াছে, তাহার ছই ধারে ধান্য জ্বিয়া থাকে। প্রাবণ মাদের चित्रिक्टि উভয়দিগেরই ধান্য জলমগ্ন इहेशा गांग, किन्छ पृथ्ठे इहेल, तान्छात উভরধারের জল শীঘ্র নির্গত হইয়া খালে গিয়া পড়িল, ভাহাতে ধান্যের অল্প याज जिनके इहेन: किन्नु पिकन शादतत জল নিঃস্ত হ্ইতে বহুবিলয় হইল, ধান্য প্টিয়া গেল। যথন এরপ ইইল, তথন জল বদিয়া ক্রমে প্রামকে যে আর্ড্র ও অস্বাস্থ্যকর করিয়া তুলিবে, তাহা বিচিত্র নহে। এক্ষণে আমাদিগের বক্তব্য এই রেলের রাস্তার মধ্যে মধ্যে যে দেড় আছে, ভাহার পরিমাণ, সংখ্যা ও অব-য়বাদি রিদ্ধি করিয়া দেওয়া হউক।

## বিদ্যাশিক্ষাথ কর।

শিক্ষাসংক্রান্ত করা করা বিধেয় কি না, ইহার বিবেচনার্থ ভারতবর্বীয় সভাগৃহে যে সভা হইবার কথা ছিল, গত ২ রা সেপ্টেম্বর বুধবার তাহা হইয়া গিয়াছে। অধিকাংশ জমীদারই সভাস্থলে উপজ্ত হইয়াছিলেন। বারু রমানাথ ঠাকুব সভাপতির আসন গ্রহণ করেন।

সভায় নিম্নলিখিত প্রস্তাবগুলি হয়। প্রথম প্রস্তাব, সভা বলেন, একণে

माहाय मात्नत त्य धारानी चाटह, उहिन्ह नर्कार्णका उरकृष्ण। वनपूर्वक कत সংগ্রহ করিয়া শিক্ষাপ্রণালী প্রবৃত্তিত कंडा महाशासूत्र उ नत्र। विकीत, निका ও রাস্তার নিমিত্ত কর করিলে চিরস্থায়ী वत्नावस्त्रविषदः भवर्गामत्तेत व अभी কার আছে, তাহার ভদ্দ হইবে। তৃতীয়, বস্থদেশের জগীদার ও কুত্বিদাগণ দাত্রা জ্যের অন্য অন্য অংশের জ্মীদার ও রুত विमा व्यट्शका विमानिकाश छेरमारमाटन প্রামাণিক विष ल्यान्त, নহে। চতুর্থ, রাস্তাপ্রভৃতির উন্নতিসাধন করা দভা গবর্ণমেন্টমাতের কর্ত্বা, এ নিমিত্ত স্বতন্ত্র কর করা বিধেয় নয়।

ছঃখের বিষয় আমরা উপরে সভার कृ उ (य क्य़ ही श्रष्टादित डेट्सर्थ कतिलाम, তদারা স্পাত প্রতীয়মান হইতেছে, স্নামা मिर्गत गवर्गत **अ**मनत्त ও ल्लार्क्टेमके शवर्गत (श मारहर त्य मः छेल्फ শোর বশয়দ হইয়া সভার নিকটে শিকা गः कान्न करतत अमन कतिशाहित्तन, मना जरमम्भानत्व यरशाहिक छैताश व्यवज्ञासन करतन नाह, (क्वल व्यापनात স্বার্থপরভার পরিচয় এদান ও অনৌদার্ঘ্য প্রকাশ করিয়াছেন। ক্রবকেরা জমীদার দিপের সন্থানতুল্য। অন্যের বলিবার পূর্বে স্বয়ং প্রার্ভ হইয়া তাহাদিদের लिकात मङ्भाग कता अजीलातिमाणत कर्जवा। क्याटजन विमन्न अहे, डाँशाना ज्ञ ७ अत्मोनार्य निवक्तन तम्हे कर्ल्टरवात व्यताथाठवर्ग कतित्वत । उँ। हानित्भव जम এই, ভাঁহারা ভাবিতেছেন, ক্রবকেরা क्रुजिना इहेटल उँ। हामिर्गत श्रार्थत ব্যাবাত জানিবে ; কিন্তু ভাঁছার। শুচি মনে यनि চিন্তা করিয়া দেখেন, দেখিতে পাইবেন, সন্থান মূথ' ছইলে পিতার যে कक्षे हश, श्राका मूर्थ इहेटल अभीकात छ त्राका छ बदात्र हे तम्हे कछ। छटव छाँ होत्रा विलादन, भवर्गरमण्डेत (य मास्यामान)

প্রণালী আছে, তাহাতেই ক্রকদিণের
শিক্ষা হইবে; কিন্তু দেখা যাইতেছে,
তাহাতে যে উদ্দেশ্য দিয়া হইতেছে না;
হইবার সন্তাবনাও নাই। ক্রকদিণের কথা
দূরে থাকুক, এ প্রণালীতে অনেক ভদ্রবং
শীয় দরিদ্র সন্তানেরও শিক্ষা হইতেছে
না। স্তরাং ক্রকদিণের নিমিত্ত একটা
স্বতন্ত্র শিক্ষাপ্রণালীর প্রয়োজন হইতেছে। দেই প্রণালীর সমুপার করা জমী
দার ও গ্রণ্মেন্ট উভয়েরই তুলা কর্ত্রা।
আমাদিণের গ্রণ্র জেনরল যে

वरलन " विमामिन कहित्रक विभएत अवर्ग (मण्डे कान ज्यञ्जीकात करतन नाई अवर তাহা করিতেও বাধিত নহেন " কোন ব্যক্তি এ অসুদার বাক্যেরও অসুমোদন করিবেন না। যাবতীয় রাজ্যের স্থায়িতা ও উন্নতি প্রকার বিদ্যাশিকার অনুরে! ধিনী। অভএব গ্রথমেন্টের ক্লফ্দিগের বিদ্যাশিকাবিষয়ে স্বিশেব আসুকূল্য করা যে অবশাকর্ত্রা তদ্বিয়ে অণুমাত্র भरमह नारे। जर्द এक कथा चाहि भवर्गमण्डे बिलट्ड शाद्यम, क्रमकिएशत ব্যয়নিকাহার্থ বিদ্যাশিকার उँ। हाता दकाथां । शाहेरवन १ वज्रामा যেমন টাকা উল্ব ত হয়, তেমন স্থানীয় স্বতন্ত্র আয়ব্যয়প্রণালী না ঐ উদ্ভ টাকা অন্যত্র ব্যয় হইয়া যায়। অতএব মত দিন স্বতন্ত্র আয়ব্যয়প্রণালী अ याव कीय द रमभीय वाय मः रक्त करेडा । मध्यून ना इंडेटल्ट्स, जांदर क्रुगक भिरंतत विमानिकात वायमः शहर अवनी छेलाय कत्रों कर्डवा। भागता भूटर्क कहियाछि, শिकाकत कतिया सभीमाउमिरशत निक्छे ২২তে তাহ। দংগ্রহ করিবার চেটা পাইলে মে ভার ক্লকদিলের ক্ষেত্রেই निक्छि इहेरव, लाएछत मर्या हेड्। जमी দারদিগের একটা উপার্জ্জনের ও অত্যা-চারের পথ হইয়া উঠিবে। এতদ্ভিন্ন बह बक्ति कथा चारह, यांवद क्रवकति-

পের অনুসংস্থান হইয়া সদ্ধল না হইবে,
তাবং যে কোনপ্রকার শিক্ষাপ্রণালী
প্রবৃত্তি কর, ক্রবকদিগের শিক্ষাপ্রান্তের
স্থাবিধা হইবে না; তাহারা কোনজ
মেই নিযমিতরপে বিদ্যালয়ে উপস্থিত
হইয়া বিদ্যাশিক্ষা কবিতে শক্ত হইবে
না। অতএব জ্ঞমীলারকে মধ্যে রাখিরা
ক্রবকদিগের সহিত চিরস্থায়ী বন্দো
বস্তু করা হউক এবং তাহাদিগের
নিকট হইতে করপ্রহণের এরপে ব্যবস্থা
করা হউক যে, তাহার। জ্ঞমীলারদিগের
প্রাপ্য সঙ্গতমত থাজনা জ্ঞমীলারদিগের
প্রাপ্য সঙ্গতমত থাজনা জ্ঞমীলারদিগকে
এবং আপনাদিগের বিদ্যাশিক্ষার্থ গ্রব্যেক্টকে কিছু কিছু দেয়।

সীমার উপদ্রব ও গ্রুগমের্টের রাজনীতি (

দ্রেও অব ইণ্ডিয়া বলেন, " স্থানীয় ( পঞ্জ रवत ) कर्जु क भीमात निकटि २०,००० रेमना ध्यत्रं कतिवात श्रष्टांच করিয়াছেন। আমরা অগবত হইলাম, প্রধান সেনাপতি ও কৌ লানের দৈনিক সভ্য সর হেন্রি ডুরাণ্ড ইহাতে সমত इड्सार्ह्स। श्रीडानात युरक्ष गर्छ रेमना হেরিত হয়, ভাহার চতুও'ণ ইসন্য প্রেরিত হইতেছে।" পঞ্চাবের উত্তর পশ্চিম শীমার নিকটে যেসকল পাঠান জাতি আছে, তাহারা সর্বদা দৌরাখ্য करता मस्त्राडि হাজরার পাঠানের! विधिन भीमा इ दियम केत्रिश अकी থানা আক্রমণ করিরাছিল। ইফাদিণের স্থিত যুদ্ধ চলিতেছে। গ্ৰণ্টেণ্ট কোন मःवान्हे ५काम करत्न माः भरता भरता পঞ্চাবের সংবাদপ্রসমূহে প্রস্পর-বিরোধী সংবাদ প্রফাশিত হয়। ১৮৪৮ অক্ষ অব্ধি সীমার নিকটে এইপ্রকার लालर्याः। हिल्दछर्छ। विस्तत रेमना পর্বলা এই স্থানে থাকে। নিকলসনপ্র-कृष्ठि (मनोना: दक्ता अहेमकल देगद्रात ভাষিনায়কতা করিয়াছেন। পাঠানেরা
নখন দেনন দৌরাস্থা করে, পঞ্জ বের
নৈমাগন অমনি ভাহাদিগের প্রাম দ্ব্য ও
বিস্তর লোককে ব্য করে; ভথাপি শাস্তি
হইতেছে না। বিংশতিবৎসরপ্যাস্ত
দৌরাস্থা, বৈরনির্যাতন ও বলপ্রকাশ
চানিয়া আসিতেছে; এত দিনেও যখন
পাঠানদিগের চিতন্যোদ্য হইল না, তখন
আমাদিগের গ্রনির্যোত্তর অবল্যিত রাজ্
নীতির পরিবর্ত্ত হওয়া আবশাক। বিংশতি বৎসর অপ্য সময় নছে, এত দিনে
এত দণ্ডেও গখন দৌরাস্থা কমিতেছেনা,
তখন উপার্যান্তর প্রহণ করা অবশা
রাক্রা।

সে উপায় কি ভাষা নির্ব করিবার शृद्ध प्रक्षाव भवर्गस्मत्छेत अभीरम या धक-দল স্বতন্ত্র দৈন্য রাখা হুইয়াছে, তাহা *হইতে* উপকার অথবা অপকার হইতেছে, ভিৰিবদের বিবেচনা করা কর্ত্তবা । যে অবস্থায় সর তেন বি লারেন্দ এই পুথক দৈন্যদলের সৃষ্টি করেন, তংহা আর माहे। यथा काटलत इंडिट्स शीत बात्रका ণের পরস্পার যে সম্বন্ধ ছিল, রাজপুতনার टेट एउ ७ व्यापायात । छ लूक मात्र विराध ह প**्रमा ए। मध्या इ**रेशाएए, शङ्काद शदगरमदन्छेत महिन्छ तमामिरशर सिट्टे मध्यक्ष দীড়াইয়াছে। যুদ্ধে পরাজর বরিং। गाम नक्ष कता मध वरहे : किय शारी। নেরং বজকাল অব্লু এই দণ্ড দেখিলা আ,সিতেছে, সুতরাং ইলা তাহালিগের প্ৰেফ সামানা বোধ হয়। এইমাত্র দেবে ন্দ্র । উ্তিথিত দৈনগোণের वनामिर्भत अक्षा भात अविद्या भिका ক্ষ্যা উঠিয়াছে। বনোরা **অবসর পাই** লেট টারেনিবালভন করে , সুতরাং দৈনের। কে দণ্ড লেট, বন্যেরা ভাছা বৈরস্থান क्य'न करत । वर्षन एकान श्रञ्जावमाली भदनंदमके ,लोबाद्याकार्ती लेकटक मञ्चलन, তহো বিচরেল তের সর্ভর ন্যায় মনে

তরের সঞ্চার করিয়া দেয়; কিন্তু পঞ্চা বের, স্থানীয় সৈনাগণ যে দণ্ড দেয়-ভ হাতে ভাষা ।য় না। ব্রিটিশ গ্রণ্মেন্ট दमानिश्वा चारा का (कदन वरल मश. ভদ্ৰতা ও ধৰ্মনীভিদয়কোও যে সহজ্ৰ शुर्व अवान, वनानिर्वात यह निन ध मःस्वात না জা মতেছে, ভত দিন যত দণ্ড দাওনা ्कन, किछूटठरे छारु। मिटना मोहाशा मुर्डेट्ट ना। পঞ্চবের স্থানীয় দৈনাগণ হইতে ঐ শংকারের উদয় হুইবার সম্ভাব না नाहे। जात এक कथा এहे, प्रश्लादवत कर्जु পকে। এই সংস্কার আছে, মধ্যে মধ্যে সহস্র সহস্র সৈন্য একত্রিত করিয়া বল-প্রদর্শন কবিলে বন্যগণ ভীত হইবে। দে সমণে তাহারা ভাত হইতে পারে সন্দেহ নাষ্ট্র, কিন্তু সে ভার ভারী হর না। ভারতব্যারি গ্রণ্মেণ্টের কত বল ত'হা তাহারা জানে, পর্বতভিন্ন অন্যত্র তহোরা কথনই সম্মুখ যুদ্ধ করিতে সহেসী হর না ভাহারা এটা যেমন জানে इंगाउ (डमनि कार्त्स, शवर्गस्म मर्जन। ২০,০০০ দৈনা একত্রিত করিয়া রাখিতে পারেন না এবং যত দিন ভাহাদিলের পর্ত থাকিবে, ভঙ দিন ভাহারা নিরা भएम थाकित्व। त्का का वदलन, छेशाप ণার দেশ আজাদাথ কর। বর্ত্তমান অব স্থান এটা করা অভিশার **অবি**নেচনার কা**জ** হইবে। রুণীবোরা ক্র শশঃ অগ্রসর হই-তেছে। এ সমরে আফেগনেদিরের সহিত সুহান্তাবই করেবা। ভাহারা যদি জানিতে পারে যে, ত্রিটিশ গ্রণমেন্ট ভাহাদিগের श्राधीनकां इत्राह्मन, जेना के इर्शाह्मन, ত হোৱা তৎক্ষণাৎ রুশীবার অনুগত হুই বার চেকী পাইবে। তাহারা যে রুশীয়ার ष्यधीन है। श्रीकांत क तरत, अहात विस्था कात्र ( अहे, श्वाक्शान । ও পाঠारनहा यञा वकः जुर्ठ छान वारमः। ভারতবর্ষ কে ত:হারা বরাবর লুগিত করিয়াছে। ভারত वर्य निक्रि । लाह्य नार्श्व, पिली

প্রভৃতি স্থানকে আফগানেরা স্বর্ণরিপূর্ণ জ্ঞান করে। অভত্রব রুশীয়া আপ নার ক্ষমতা স্থাপিত করিয়া এই লুঠের লোভ প্রদর্শন করিলেই আফগান ও পाठीरनता (माहिक इहेरव । हेश्नद धत ন্যায় রুশীয়াও প্রাজিত জাতির মধ্য इरेट रेनन मर्थर क्तिएडएइन। अ पि শের সিপাহীরা পাঠান ও তাতার দৈন্য দিগদে ভার করে। এক্ষণেই ভারতবর্ষীয় रैमनागंग (भर्डे (मरकटल वन्द्र्क लहेश পাঠানদিগের অপেকারুত উংরুষ্ট জিঞ্চা লের নিকটে যাইতে সাহসী হয় না; যখন রুশীয়ার সেনাপতিগণ এ সৈনাদি গকে রীতিমত শিক্ষা দিয়া সর্ব্বেংকুষ্ট षद्भर दश्यकटळ ष्यानशन क्रिट्रिन, তথন কি আফগান ও পাঠানেরা সম্বিক উৎসাহসহকারে ব্রিটিশ গ্রব্নেটের বিপক্ষ ভাচরণ করিবে না >

তবে কি কর্ত্বা ? আমীর দিয়ারআলি
সিংহাসনস্থ হইয়াছেন। তঁ.হাকে সৈন্য
ছারা সাহায্য করিয়া পাঠানদিগকে তঁহার
অধান করিয়া দিবার চেফী পাওয়া
কর্ত্তব্য। সিয়ার আলি সপক্ষ থাকিলে
রুণীয়েরা কথন হিরাটের এ দিকে আসিতে
সাহসা হইবে না। এই সীমাস্থিত দৌরা
জ্যোরও ক্রমে লোপ হইবে। সিয়ারআলি
স্বরংই সে বিষয়ে যত্মবান হইবেন।

শ্যামনগ্রের তুর্য টন্যসংক্রান্ত কমিটির রিপোট।

গত বুধবারের কলিকাতা গেকেটে
শাননগরের হৃষ্টনাসংক্রান্ত কমিটির
রিপোর্ট প্রকাশিত হৃইয়াছে। আমরা
যে শক্ষা করিয়াছিলাম, তাহাই ঘটি
য়াছে। কমিটি যথোচিত অনুসন্ধান ও
সাক্ষীদিগের রীতিমত জ্বানব্দী গ্রহণ
করেন নাই। রেলওরে ক্র্যাচারীদিগের
অনেকের নিকট হৃইতে লিখিত প্রশ্লের
উত্তর গ্রহণ করা হ্ইয়াছে। এতদেশীয়

293

না দী দলের কেই কেই কুফিয়াতে হত দেহ লইয়া যাইবার কথা বলিয়াছিলেন; কিন্তু কমিটি ভাঁহাদিগের কথায় বিশাস कट्राम मार्ड। अ मश्रदका काहारके अकिही প্রশ্র জিজাদা করা হয় নাই। যিনি যাহা विशाहिन, छारा खना उ लिथा रहे-इर्गाइ, बड़े माज। शवर्गस्य श्रीतिष কর্মচারীরা টেসনে জবেশ করিতে পান নাই বলিয়াছেন; কিন্ত রেলওয়ে পুলি নের অধ্যক্ষ সে বাক্য অস্থীকার করাতে কমিট ভাঁহার কথাই প্রমাণ করিয়াছেন। ইউরোপীয় সাক্ষীদধ্যের কাহার প্রতি একটাও জেরা করা হয় নাই; অথচ উ'হাদিগের বাক্যের পুর্ব্বাপর বিলক্ষণ বিরোধ দৃষ্ট হুইভেছে। এই ত্রুঘটনা উপ लाक कि कांद्रप अपनीय नमाजगर्धा জুমুল আন্দোলন হয়, কমিটি তাহার ীনাংশা করিতে পারেন নাই। ভাঁদারা বিসায়সহকারে কহিঃ ছেন, কতকভালি ক্লতবিদ্য ভারতবরীয় কি জন্য মিপা। नाका नियाद्या, जाका आमन्ना तुनिएड शांतिलाम ना । डाँशां पिरणत अपन्छ माच्या কিসে মিখ্যা হইল, ভাষার কারণ নির্দে শিত হর নাই। কুন্টিয়া হইতে শ্যামনগর প্ৰযান্ত ২৪ খানি শকট আইদে; কমিটি রেলওয়ে কথাচারিদিথের এক প্রেরিভ ভালিকার উপরে নির্ভর করিরা ভা**হাতে** २१२ अनमाज आतारी हिन कित कति द्राट्यन । किन्तु शटकाक क्षिमन भाषीहरक আহ্বান ক্রিলা জ্বানবন্দী গ্রহণ করা যে কর্ত্তর ছিল, তাহা করা হয় নাই। প্রস্তাবিত রিপোর্টের যে এইপ্রকার পরি-ণাম হইবে, আমরা প্রারভেই তাহ অরুমান করিয়াছিল।ম। অতএব ইহাতে আমাদিলের বিষয় জনিতেছে না।

ভ বাবু প্রগন্ধমার ঠানুর । -বঙ্গদেশ আর একটা উপাযুক্ত লোক হারা হইলেন। গত ১৫ ই ভাত রবিবার বেলা ১০ টার সময়ে প্রশিদ্ধ বারু প্রেসর কুমার ঠাকুর শংশারলীলা দমরণ করিয়া ছেন। তাঁহার ৬৩ বংশর ব্যুক্তন হইলা ছিল। তিনি যেমন তীক্ষরুদ্ধি ছিলেন, তেমনি গুণও অর্জন করিয়াছিলেন। তিনি যে কেবল এদেশীয়দিগের নিকটে লক্ষপ্রতিষ্ঠ ছিলেন একাণ নল, রাক্ষদা রেও বিলক্ষণ প্রতিষ্ঠা লাভ করিয়াছি লেন। রাজপুরুষেরা তাঁহার গুণের দমানার্থ ভাহাকে সম্মানতিম্বুদারা অস কুত করেন। তাঁহাকে বন্ধদেশীয় ও ভার তব্দীর ব্যবস্থাপক সভার সভাগদ প্রদান করা হইয়াছিল।

সংস্কৃতের প্রতি তাঁহার স্বিশ্যে অসুরাগ ছিল। তিনি মূলাজোড়ে একটা সংফ্ত পাঠশালা করিবার নিমিত যে मिष् लक्ष है। का निया शियाहिन, छम्।-রাই তাহার সবিশেষ পরিচয় হইতেছে: আইনেও ভাঁহার বিলক্ষণ পারদশি**তা** ছিল। তিনি স্বয়ং ওকালতী করিয়া घटनक वर्ष छेशां ब्लंग करतन, व्यनं व्यनः लाकटकछ चारेनमः कान्य विवस्तत प्रेश **(मर्ग मान कतिएकन)** अविग्रास उँकात স্থিতেশ্ব অসুরাণ ছিল। ইহার উৎসাহ ৰৰ্দ্ধনাৰ্থ তিনি প্ৰেনিডেন্দি কালেজে আইন শিকাৰ্থ তিন লক্ষ্ টাকা দিয়া গিয়াছেন। তাঁহার আইন ও বঃবস্থা **সম্বন্ধে সম্পিক অনুরাগ থাকিবার** অপর প্রমাণ এই, তিনি সংক্ত দায়ভাগাদি সম্মত ব্যবস্থা সঞ্চলন ও দায়ভাগাদি करत्रकथानि अञ्चत मुजन उ क्षानातन করিয়া গিরাছেন। তিনি খন্য অন্য ব.ক্তি कुछ अञ्चाहातन्तिमाता ७ छे श्नाहमारन विश्वश हिटलन न।।

তিনি আজিতপ্রতিগালক ছিলেন,
মৃত্যু কালে তিনি আপনার কন্চারীদি
গকে আগন আপন দশ বৎসরের প্রাপ্য বেতন এক কালে পুরস্করে দিয়া গিয়া ছেন, তদ্বারাই ওাঁগার আজিত বাংসল্য সপ্রমাণ হট্টতেছে।

তী গ্র অংক্তি থক ছিল। আর তিটা দেখিলে এরপ বোধ হইজ, বৃদ্ধি বেন ফুটিয়া বাহির হইতেতে। তিনি তাদৃণ বৃদ্ধিমান হইয়াও চিত্তদেকিলা বিনিম্ম জি ভিলেন না। প্রথম চিফ্ দৌর্হলা এই, তিনি আচার ব্যবহার ও কার্যাহারা হিল্প ও ইংরাজ উভয় জাতি বই মনোবঞ্জনের চেন্টা পাইতেন। দিতীদ, তিনি অত্ল ঐশ্বর্যার অধিপতি হইয়াও একদা ব্যবস্থাক সভার এক জন সহকারী কর্মচারীর পদ গ্রহণ করি য়াছিলেন। ভৃতীয়, তিনি যে উপ্যর্মেব মন্ত্রেক চরণামাত করিয়াছিলেন, সময়ে সময়ে ভাহার নিক্টে মন্ত্রক নত করিয়া

देष्टेहे छिन्नान कारमामिरसम्ब।

নাও নছ ইউই ডিয়ান আমোনিয়েদনের ক্রমণঃ যে উন্নতি ইইতেছে, এবারের
রিপোর্টছারা ভালা স্পান্ত সপ্রমাণ কইতেছে। এবারকার রিপোর্টে দুন্ট ইইল,
এক্ষণে দর্মশুদ্ধ ৫১৪ জন সভা ইইলা।
ছেন। তথালো ৩১০ জন ভারতব্দীয়
এবং ২০৪ জন ইডরোপ্রিয়। ভারতব্দীয়
সভোর মধ্যে বোলাইখের সভা সক্রাধিক,
তহপরে বৃদ্ধদেশ, তৎপরে নালাজ ও
দাক্ষিণাতা। ভারতব্দীর সভোর যত
পারিনার রুলি হইবে, ভাতটি ভারতবর্ধের
ভিন্নতিন্ধার চন যাটিত ইইবে।

এই বিশোটি সংখ্ কথেকটা পঠিত প্রবন্ধ প্রকৃতিত ইইনাতে লগতে প্রবন্ধে বার উন্দেশা দ্ব লগতে লগতে প্রস্তাব করিয়াছেল উন্দেশ নাম্য প্রস্তাব করিয়াছেল উন্দেশ নাম্য প্রস্তাব করিয়াছেল উন্দেশ নাম্য প্রস্তাব করিয়াছেল ইইবোগ্য সুবাতীর প্রশারপাশে বিদ্যাবভাইইবোগ্য সুবাতীর প্রশারপাশে বন্ধ ইইবেন, তথ্য উচ্চার প্রথম বিবাহ श्चनभीन कतिहारछन। छात्र उवर्ष वालावि वारहत ती कि थाकार छ स्थीन हेल्हा एटल कि कु विलियन ना। व्यक्षिक हहेरल कैं। होता না। শেষে পাত্রীর সহিত প্রণয় হয় লাইটেন না। নো সাহেবের বাক্তের ন। 🕮 প্রস্থার শৃষ্কে পুরুষকে বন্ধ রাখা! <sup>†</sup> কি এই অর্থ নয় বে, ভারতবর্ষের 🛛 হইয়। অভুচিচ। তিনি আক্ষেপ করিয়া বলি-राएका, देश्लारक का होता मानाम क কর্মনীর স্থিত পরিচয় ইইয়াছে; কিন্তু ध्यपम क्षी कलेक श्रुज्ञभ ইংরাজী রমনীৰ পাণিগ্রহণ করিছে পারিতেছেন না। জীলোকও যদি মনো মত সামিলাভ নিমিত্ত এই বিবাহ নিয়ম পরিবর্ত প্রার্থনা করেন, ভাষা क्रकेटल मगाटकत कि व्यवका घिटव १ चारान्योत जीवारवत छेन्ना छमाधन कतिवात हिसी कि व्यक्षिक श्रमंश्रमनीत नहिंतु हा পুরুষ ও মনোমত গন্ত্রীর লোভে এথম প্রিণীভাচে ভাগে ক্রিছে পারেন, जिल्ला के इमर शक्त के दक्की जी भारेरन विভी। পত্নীকে छात्र करिएड शाहत না পু উমেশ বারু নিশ্চর জানিবেন ভ হা এথানার অভিপ্রায়ের বিদ্যা অবগ্র क्टेटा कोन मखान हेप्रेट्सालीह हम्बी উভিরে পারিতার্থে সমত ভইবেন না।

विशेष शत्ब म मांडा है नात्वाकि ্ভারতবর্ধের ক্ষরের আবিদিনিচার মুদ্ধের বয়ে ভারের কিয়দঃ শানিকেশোর প্রতি বলৈ করিয়াছেন। তিনি সে যে যুক্তি এদ স্থান কারেন ভাগার জাল ভাগাণ্য এই। यभि ६। इ. इ. वर्ष वात्र भिट्टम द्वारा छ। প্রভাৱি নাদেন কেন্দ্রখন ইংলও क अन रेमिनक पिटन ठाकाव वात नन, आगरां ना लहेव (कन १ यांत्र अंछ रेमना प्यव्हरता (2) तन कतिरत कि कि मा हरा, छोड़ा **इहेरल क्षेट्रियरक दाया इहेरजर्ड (कन १** राषाचारे अक कथात एरमिशीयनिर्गत একত অভিগ্ৰে কাক করিয়াছেন: • অর্থাচাইতে পারিলেও যদি বাঁচান |म| इरा, 'ठमटभक्ष'। 'अभाराम जात कि

ভঙ্গ করিছে দেওয়া কর্ত্ব্য। তিনি এই যুক্তি । আছে ? গ লো। সাহেব এতছুপলকে বলেন, অ'প টাকা বলিয়া মহাসভা প্রতিবাদ করেন, এমন লোক মহাসভায় माहे बिलशाहे अहेत्र महिट्ड ए

> ভূতীর, কাতিওয়ারের রাজগণ দর বার্টন ক্রিরারকে এক অভিনন্দন প্রদান করিয়াভেন। এই বিষয় লইরা সকলে সৰ ৰাটল ফিল্যারকে ধন্যবাদ দিলে তিনি প্রানুভরদানের সময়ে সে যে অভি প্রায় প্রকাশ করেন, ভাষাতে ভাঁষার थकातामुद्रत स्वीकात कता इहेडाएड. প্রজার প্রতিনিধি হইয়া শাগন করিলে जेबारवत अञ्चाह रहा, बहे मानन शनालीहे जातकर्यंत भएक अक्र अभागी।

> **ए दुर्थ १८ ज म**त आर्थत क्लेन शामा বলী খনন করিবার বিষয় লটয়া বঁক্তুতা करत्व। भत्र कार्थत करेन शास्त्र एक एग कांका कतिहार्छन তাহার প্রশাসা कतिए इ इरेट गत्मह गारे : किस कथा **এই हरेटउट्ड, शांनावडीटउ या जु**र्विश হইয়াজে দৰ্বত্তি গে ভাহাই হ<sup>২</sup>তে ভাহার প্রমাণ কি ? ইঞ্জিনিয়রগ্রের এ বিষ্ত্রে মততেদ হইয়াছে।

> (बोराहेरबर निकाशनानीत असा वर्षे अञ्च डेल्म क्रेशांटा जाताकवरमंत्र পর্বেভ্রমমূতের উপধোগিতার বিষয়ে যাহা বলা হইয়াছে, অনেকাংশে তাতা স্বপ্ন-বং বলিয়া প্রভীয়মান হুইবে। ভারত-বর্ষে ইউরোপীয় উপনিবেশ করিবার (हकी भाउश द्रशा

> > वारा ।

वजीयमिर्गत रेमहिक का निवास धन 21 नो नी।

পূর্ব্যক্তাবে লিখিত হইয়াছে, এদেশ অভিশঃনিয়। সামান্য বর্ষার জলে জলা,

বিল, খাল পুক্রিণীপ্রভৃতি ভলাশয়গুলি পরিপূর্ণ হইয়া উঠে। আবার বর্ষারজে মধ্যে। মধ্যে किছু विस्थि असुतूल इन । कान कान বংসর এত বারি বর্ষণ করেন, যে ভাহাতে দেশ ভাবিয়া যায়। অন্যান্য স্থপত্য দেশে कल निःमत्रागत यक्ष श्रापि चाष्ट्र, इड ভাগ্য বঙ্গদেশের প্রায় কোন এদেশেই (मक्तभ नार्ड। भगात ७ मनमीश्री वर ५८५ শের প্রধান জলপ্রণালী। তুর্ভাগ্যবশতঃ সেগুলিতেও গোলধোগ ঘটিয়াছে। প্রায় প্রত্যেক গ্রা মর বাহিরে ও ভিতরে প্রকাশ্য অপ্রাকাশ্য নানাবিধ পথ আছে। প্রায় প্রতি পথের উভয়পাখে ছোট বড় নানাকারের नक्षामा ( शशांत ) प्रिचिट्ड शांख्या बाग्र। এতদ্ভিন্ন উদ্যানাদির চারি ধারে উক্তপ্রকার পগার থাকে। এইগুলিই এখানকার প্রামের মভাতরত্ব জলপ্রনাী। পূর্বাকালের লোকে প্রায় প্রতিবৎসর ঐ প্রঃপ্রণালীভলির সংক্ষার (মেরামত) করিতেন। একলে ভাগের ও সাধারণের মা হওয়াতে প্রায় শংক্ষার হয় না ; স্থ তরাং অশেষবিধ ুতাসংখ্য লতা এল মাদি জিলায়। থাকে। এই তন্য এগুলি একপ্রকার অর্ণাবং হইয়া উচি য়াছে বর্ষার অধিকাংশ জল ইহাদের মধ্যেই शांकिश शांश। এই जात उट्ट उद्घिकानित পত্রাদি এবং অংশধ্বিণ মত জীব জন্ম প্রচিয়া একপ তুৰ্গল হর ও এমন ভীষণা কার ধারণ করে যে, নিকট দিয়া যাইতে ভয় ও ঘূণার উদয় হয়। বিজ্ঞ চিকিংসকেবা কহিয়া থাকেন, যে প্রাভন নর্দ্দামা হইতে হাইড্রো সালফরেডেটপ্রস্থৃতি নানাপ্রকার গ্যাস উপিত হয় : সেই ব স্প মমুষ্য শ্রীরের পক্ষে বিশেষ অহিতকারী : মন্ত্যা কি, স'মান্য পশুপক্ষিদিগের শরীরে যদি কোন প্রকারে তাহাদের স্বল্ল অংশ প্রবিষ্ট হয়, ভাহা হই লেও তৎক্ষণাৎ তালাদিপের মৃত্যু ঘটে। অতএর এদেশীয়দিসের সাস্থাব্যামাত হইবে বিচিত্ৰ কি ?

विशेषा नम नमी अथानश्राम के पारमात প্রধান कण्डलानी। পুর্বে গ্রামের প্রায় यावजीय कल नानाविध आवर्ष्यनात्र उहात মধ্যে পভিত হইত . পরিশেরে ভাছাদের

জ্রোত প্রভাবে নানাস্থানে যাইড, একণে বিষম ব্যক্তিক্রন ঘটিয়া উচিয়াচ্ছ : কেদার মতি, দামোদর অভয়, মাডাভাঙাগা, সরস্বতী **এবং कार्यानमी अभगता এवং वालि ८ ए** छित थान छ न नानाकातरन अध्यक व्हेशारक। क्रिकार्यात खनिधाणना क्रुवरकता अवश् क्रमी দারেরা স্থানে স্থানে বাঁধ বন্ধান করিয়া কত ক ওলি স্রোভাদি বন্ধন করিয়াছেন। কতক গুলি সভাবতঃ নজিয়া গিয়াছে। অবশিষ্ঠ কতকগুলির স্রোত রেলওয়ে প্রভৃতির সেতু-षाता अवस्य व्हेगाटहा कन अगानी धनित বিশৃখ্ৰতা ঘটাতে পলাগ্ৰামগুলি বৰ্ষাকালে যমালয় সালপ হইয়া উঠে। প্রায় যাবভীয় গৃহস্থের বাটীর ভিতর কোথাও এক কোথাও ব৷ ততোধিক হস্তপরিমিত কর্দ্দম হইয়৷ शांदक : उहांदन हात्नि ज्ञानि कल ८ एन था যায় পথ ঘটিও নির কথা কি বলিব, বোধ ভাগদের অবস্থালিখনে শেখনী निष्टा छ १ १ कम। अ एमर में देशेका निर्मिष्ट পণ অপেকা মৃতিকানিক্সিত পথই অধিক। কি প্রকাশ্য কি অপ্রকাশ্য উভয়বিধ পথের अति हान नाकति कवरानभकत अना য়াদে গতিবিধি কতিয়া থাকে। কো**ধাও বা** মন্ত্রাদি জীব তুগণ সম্ভরণদারা পারাপার ÷য়: ন:ন:ক,রণে বাটাধ এবং প্রথের কর্দ্দম এব ভেল পচিয়া এৰূপ বিক্লুত ও পুভিগন্ধি হয় যে ভাহা সস্ম<sup>ি</sup> করিছে **এবং ভা**গতে গলাপণ বাবৈতে মনোমধ্যে বিষম শক্ষা এবং घ भारत छित्र क्या छटन अटमनीय्रमिट । त अस् ফ্ৰাণ্ডণ কিছু অধিক, সেই গুণে এবং অভ্যা সবলে এ ৰূপ স্থানে বাদ ও এ ৰূপ পথ দিয়া য তায়াত করিয়া গাকেন। যিনি বর্ষাকালে পলাঞানের অবস্থা বচকে দেখিয়াছেন, তিনিই আমার লেখার িশাস করিবেন। এ দেশ সভাবতঃ আদ্র, তাহাতে প্রতিবংসর জল জমিয়া খাকাতে আবো অধিক আকু খইয়া উঠিতেছে। অ.নক স্থবিজ্ঞ চিকিৎসর্ফ বলেন, আন্ত্ৰান হইতে এবং পাশব ও উত্তিক্ত দ্বাপচিয়া মেলিরিলা নামক এক প্রকার গ্যাস উথিত হয়। এই মেলিরিয়ার धांखादन बातनामिनी, .पाग्नातहाणि, नातामर,

ই বুবেড়ে, হগলি প্রভৃতি দেশগুলি একেবারে ছারখার হইয়া গিয়াছে। ভারাদের ছুরবস্থার কথা মনে পড়িলেও মন ব্যথিত হইয়া যায়। আজি কালি প্রায় প্রতি ও দেশেই বংসর বংশর মারীভয় উপত্তিত হইতেছে। প্রতি বংসর যে দেশের কত শত লোক নিধন প্রাপ্ত হইতেছেন, তাহার সংখ্যা করা নিভাস্ত কঠিন। আর যাঁহার। জীবিত আছেন, তাঁহা দের কথাই নাই। এরপ ভগ্নশরীরে জীবিত খাকা আরু না থাকা উভয় তুলা, সে কেবল বিভ্ন্তনামাত। দেশের এই ছুর্ঘটনা নিবার ণের অনেক দিবসাব্ধি অনেকপ্রকার উপায় হইতেছে। স্থানে স্থানে এপিডেমিক ও মেনিটারি কমিদন নিযুক্ত হইতেছেন। তাঁহারাও সময়ে সময়ে জঙ্গন পরিষ্কারের ও कननीत्रक कर्डरनत পরোয়ানা করিতেছেন; অথচ অভিপ্রেত কার্য্যের কিছু হইতেছে ন.। ভয় এই পাছে গবর্ণমেন্টের লব ণের গোলায় আগুন লাগার ন্যায়ই বা হয় দেশের লে।ক সকল মরিয়া যাউক পশ্চাৎ একটা দল্পায় হইবে। ভাল পুর্বেও ভ ध (मर्थ कक्त किल এৰ : कलाशां हु अ ছিল, তখন একপ পীড়ার ও মৃত্যুর প্রাত্নভাব ছিল कि : यपि छारा ना थाकि, उद इस श्व ভিন্ন আর কি কারণ হইতে পারে ১ এচিন ব্যক্তিরাও কহিয়া থাকেন যে তল্মিগলিন পথ না থাকাতেই দেশের একণ তুর্দ্দশা হ তেছে। অতএব গ্ৰণ্মেট ও দেশস্রাজ। জনিদার, বণিক্ এবং অন্যান্য ধনবান ব্যক্তিরা যদি জলপ্রণালীগুলির প্রতি দৃষ্টি করেন, তাহা হইলে দেশ হথের স্থান হয়, ক্লষি বাণিজ্যপ্রভৃতি কার্য্যগুলিরও স্থবিধা হয়; বংসর বংসর कारनकमर्था कीवन ए রক্ষা হইতে পারে। অতএব গ্রণ্মেণ্ট কল ध्यनानीश्वनि शतिकात करिया फिन । अश्वनि বেমন ব্যয়সাধ্য তেমনি স্বার্থ জনক ; বংগর বংশর অনে: অর্থলাভ হইতে পারিবে। দেশের ১শাকের নিকট কোন কথা বলা षात्रा (त्रीपन व द दि नगाय निक्ता इंट्रांट्स्त यमि प्राप्तत **উন্নতিসাধনের** ইচ্ছাথাকি ব, তাহা হইলে দেশের ছুদ্দশা এ क्षेत्र थांकिरव रक्त ? এक वाक्ति मित्राशारम ।

উন্মত হইয়। নৰ্দামায় পাতিত হইল। একট কুকুর আসিয়া মৃত দেহ বিবেচন। করি তাহাকে দংশন করিতে লাগিল। মাতাং न मानत कोलाय अन्तित रहेत, निवातरणः কোন উপায় করিতে পারিলনা।কেবল মধ্যে মধ্যে কালীকে শ্বরণ করিতে লাগিং এবং কুকুরটাকে গালি দিতে লাগিল। আম নের দেশের লোকের প্রায় অবিকল এই बदश घितादह ! कल अनानीत अखाद दिः ছার খার হইয়া যাইতেছে। ইহাঁরা ভিতে ঘরের মেক্সেডে পড়িয়া পড়িয়া কেবল গবণ মেল্টকে গালি দিয়া থাকেন। অধিক সত্তপাঃ করেন ভ কষ্ট সূর্ত্তে রক্ষাকালী পুজা করিয় शांदकन । इंडॉटमत क्छ, श्राप्त, तुन्ति धवः वर्ष আছে, অখচ কোন উপায় করিতে পারিতে ছেন না। গ্ৰণ্মেন্ট ইহাঁদের উঠান, পথ, ঘা অল ্গালী গুলি পরিষ্ঠার করিয়া দিন, আর हेर्होता निरम्छे छ ए भनार्थत नाम वित्रमा थाकून ; देशहे देशां पिटगत शीतरवत कर्मा।

-- 303---

# विविधमः वाम।

३ ४ छ 'इस् (भागवात । •

উত্বপশ্চিমাক থেব এক ব্যক্তি গ্রণ্থেটের নামে নার্নীশ কর্ম। লেলার জ্ঞান্তের নিকটো ৫০০০ টাক, ফাভিপু নের ডি এনি পাইয়াছিলেন। আপীল করা উচেত ছিল। কিন্তু কমিসমর কানবেলে জক্ষা মুখ এ বিষয়ে এমনি আলেম্য ও ওদার্গনির কানসালেন যে, আপীলের সময় অহাত হর্মাছে। উত্তর্গনিমাঞ্জলের লেকট নাট গ্রণর এটাকা ক্মিসমন্ত্রক দিতে বলি গ্রাছেন। এপ্রকার ছই একটা উদাহরণ প্রদশ্ন আহশ্যে

'छ। भन्न पुरत्व स्वित् हिन्द्यात अस्ति । विद्वार अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति । अस्ति अस

কলিকাভাব পুলিধ সম্প্রতি কয়েক দল দৃত্ ক্রীড়াকারীকে ধৃত করিয়া উত্তম কাজ করিয়া-ছেন। ইংগদিগের সকলের জ্ঞারিমানা ও ক্রীড়ার টাকাপ্রভৃতি বাজেআপ্র ইংয়াছে।

১ বা ভাদ শোলাপ্তরে স্থায়ের প্রায় সর্বাস ায়াছেল। ঐ স্থানে অনেকৃণ্ডলি ভাবা দেখিছে क्षा य तु । ब्रीदल श्वाकन । छत्र भावेता चुकेरि त छन्ने नाम विस्मान्द्रत मण्यूर्व अवस्थित ?ংভিল। এমন ক্লিকুই কাচার মুখ দেখিটে य बाहे अनकत दिस्ति अञ्चलक प्रवास स्मापन প্ৰভেজিলা।

জ্ঞান কাষেল সাহেব ক্ষ্টলত্তের আপর্গত য়াইনেৰ এতিনিধি ভইয়াছেন। কাৰেল সাহেৰ त्राप्टलर छत् । श्राप्ताच्छामाञ्च निर्देशमा (सर्वात াস্তাবের সপক্ষতা করিয়াকেন। <mark>ভারতবর্ধীর</mark> দেনকট্গণ একতে কৈ বলেন ৷ প্তীয় গিরজা ঃ পাদরিব সংখ্যা কি আবোর দ্ব কৰিতে **ই**77 2

গশ বংলাঃ মাজগ্রের বেলিক্রারি বিভাগ इ.ज २.৮৪.७৮३ होका खानाय ७ २२२००० াকা ব্যন্ত হয়। সর্বাত্র বেজিস্টারিটেড লাভ হই-ডসে। পটা কর্মাত রেজিটরির ফীকমান উচিত কিনা, ভাষা এক্সণে বিবেচনা করা

হাজবাজাতির সহিত যুক্তে সেনাপতি ওয়াই াচ আহত হইয়াছেন বলিয়াযে জনরব ইং, তালা অমূলক। বনগের পলায়ন করিয়াকে।

এতিনবরার ডিউক আগামী শীভকালে ভার হরটো আসিবেন, নিশ্চয় **হট্**য়াছে : গ্র**র্বর জেন** লে ভল্লিমিত শেষ দর্বারটী স্থগিত বাখিলেন। দুট্টক আ সিলে যদি ভাঁছার ইচ্ছা হয় ও দরবার

আমরা আঞ্চাদিত হইলাম, ছোট নাগপুরের ঃদ্বীলারের সহিতে প্রজার যে বিবাদ হইণেডচে, डाहात भी भारता कता इहेटन। त्यस भी भारता हतकांधी वरन्तान छ विना इहेरन न 🕟

विविद्धहेनद्दः नाटम अक अन इंडेरवाणीय নীলোক এক জন মালিকে ১চাৰ বলিধা। পুলিদে ন্ন চবিচারের সময়ে প্রকাশ পাইল, মানী ্রের বিবি স্তুইনছোর ভূত্য ছিল। ভিনি তাংক্র ্টটাকার তৈলে ১৫ দিন আলোক দি.ভ ক্লাড়ের সে বলে ভাঙা **হইডে** পারে না: ভন্নি शह डाङाटक अप्रष्ट्रांड काद्रशा विचि ज्ञालन अर्थ কে মাতির উহাত্মকান করিছে। বলেন। মেথর বলুনকান কান্যা ভাষার এই খ্টাভে একখণ্ড শ্ৰুম ক'হি । ক'ৰে ! বস্তুতঃ ৰে মালিকৈ ক'ক িংক মুক্ত কবিরা বলিজেন, গলকার চরগন্ত

গোর দিও ৰা, হইলে এ রোগের শান্তি হইবে না । বিকল্প প্রমাণ না থাকান্তে দে মুক্ত হইয়াছে।

हेलियान फिलिनिकेंग खादन क्रियाटइन, भारताञ्च भवन्यान्त्रेत कञ्चकत्व कतिया वश्रामणीत् 🚶 গবর্ণমেট অসাত্র জঙ্গদিগকে ফৌজদার বিচারের ক্ষমতা দিবার প্রস্তাব করিয়াছেন। ভাষারা ইউরোপীয় ও আমেরিকানদিনের বিচার করিতে পারিবেন না। অন্য অন্য বিষয়ে সেসিয়ন জঞ্জের व्यभीन हरेतः ভাঁছারা বিচার করিবেন। ইউ রোপীয় ও আমেরিকানদিগের অপরাধের কি বংশ্য বৈলক্ষ্য আছে? যার ভার কাছে কি সে বিচার হইবার যো নাই 🏻

সম্প্রতি মুকুরিতে অভ,ত ভূমিকম্প ইইয়া ছিল। কণ্পের সময়ে কামানের গোলার ন্যান্ত্র শব্দ হয়। কোন ক্ষতির সংবাদ আইসে নাই।

পিয়'ন্য়প্ত বলেন, ডাকমাস্থালের নাার গবর্ণ মেন্ট একবিধ মুলেন সর্বত্তি টেলিআম প্রেরণের নিয়ম প্রবিজ্ঞ করিতেচেন। আপাওতঃ দশ্সী कथात्र माजः अकविष मृला लक्ष्मा इहेरव।

এখানে চতুদ্দিগে জন। কিন্তু উক্ত পত্ৰ আফেপ করিয়াছেন, আলাহাবাদ বিভাগে জনা द्रिकितिकन अंत्रात्रकत नष्टेश्वास स्टेश्नारक।

नक्ति विश्वमा वर्णन, शक वर्ष व्यवस्थात्र ১১২৭ জন সপদিংশনে ও ১৫৯ জন ব্যায়াগ্রাসে প্রাণভ্যাগ করিয়াছেন। সপ্দিষ্টদিগের মধ্যে ম্বীলোকের সংখ্যা অধিক। অনেক শিশু ব্যাদ্র ধারা হত হইরাছে: গশাবিভাগে নেকজিয়ার সংখ্যা সন্মাপেকা অধিক : কিন্তু লক্ষ্ণো, উনাও इतम है, सञ्चल्लाताम ७ इर्जाडानश्रुद्ध (भीतांचा) **१५ कम बाहै।** 

প্রবিক্রিপিনিয়ন বলেন 💩 ই আগস্ট প্রভা বের প্রায় গকল স্থানে ভূমিকম্প হইয়াছিল।

উজ্জ পত্র প্রবন করিয়াছেন ভত্রতঃ লেপ্ট নাউ গ্রেপ্র বংশরের মধ্যে তিন মাদের আহসিক প্রত্ত বাদ করিছে পারিবেন না। নানাসাহে । वत् नाम्र अ जनतरम चात्र विश्वाम क्या ना ।

ভালভলায় ওলাউঠাৰ আছুৰ্ভাৰ হওয়াচুড ক লক্ষাভার পুলিষ কমিদনর ভেপুটা কমিদনর 🕻 ও শাস্থ্যক্ষক ভথার গিয়া একটা চিকিং! সালয় স্থাপন কবিয়াছেন। দরিদ্র লোকেরং। ख्याय विमा वार्य देवस शाहरवा

গিরীশচন্ত্র মঞ্জ ও কেলারনাথ মিত্র নামক ফলতের কলিয়া এব নি ভেপায় লোপনে রাখিয়া ি যে ছই আছে ফারিসন সাহেতবর নামে ১০০০ সর্দ জ্ঞান দেয়। মাজিটেট র্ষাটন প্রভঃ টাকার এক ভণ্ডি জাল করে, আলাহাবাদেব দেনিয়নে ভার্দিগের প্রথমের সাভও দ্বিতী ক্ষিয়া চোর বলা অন্নায় । এই নানীশ কেবল বিষ্ণ গাঁচ বংসর মেয়াল ইইয়াছে। কেলারনাথ বিষ্কৃতা করিয়া ভ্রমণ করাতে মকবলাইট পুলিষ

রালক্রনেই,হইয়াছে। এরূপ মিধ্যাপবাদকারীদি । দে নামক যে বাক্তি হুতি ভালাইতে যায়, ভাহার

নামে ও শাখাবেল ওরেতে গত এংণ উপ लटक २१००० आह्यांकी कानश्रुत भगनाभगन কবিয়াছিলেন।

১৭ ই ভার মদলবার।

मरको छ।हैमम ख्रावन कतिहार्छन, अस्तिनव-র'র ডিউক ভাপায় ১৫ ই নবেশ্বরের মন্ত্রেমন করিবেন । কিন্তু রাজনুমার এক দিবসের অদিক नरशोरय थानि देवस वधा

छरकनभी भक्ता कहेरकत खाहेले माडिएके কার্কউড সাহেবের বিরুদ্ধে ছটা গ্রন্থাৰ লিখিয়া ছেন। প্রথম, কার্নউড সাহেব বিলাডী ভেরেন্ড। গাছ কাটিভেছেন , স্বিতীয় জিনি সঃকারী নৰ্ছঃ মায় কাহারও জল আসিতে দিতেছেন না সক-লকে বলা হইতেছে, আপন আপন বাটীতে গতি কাটিয়া ময়লা রাখেন। আমরা কার্ক উচ সাতে-বকে এক জন উপযুক্ত কর্মচারী বলিয়া জানি : ভাঁছার নামে এগ্রকার অভিযোগপ্রারণ ছঃরেবর নিমিভ ক্র।

ু ভোল নিউস অবগত হইয়াছেন, ট্যাস-(स्कूम मार्ट्य मास्तार्क्षय वायकीय कामासरस्य কার্য্যন্ত্রীয়ের বন্দোবস্ত করিবার নিমিত্ত নিযুক্ত **६६३**(८७न ।

উক্তিপিত্র প্রবেশ করিয়ার্ডেন, ১৮৬০ জন অবাধ ১৮৬৮ অন্দের মার্ক মানপ্রভানত তারকের ষের কভগুলি উভরাধিকারহীন সম্পতি গ্রণ (मानि नाइस अप्रिक्शाहित अने प्राक्त करें कि কত টাকা উঠিয়াছে, গঘৰ্ণৰ জেনৱল স্থানীয় अवर्गमन्त्रभूरक छार्ति এक शक छात्रिक। ্দতে ব*ি*ল্যাছেন :

টেলিকাম আগিয়াছে, আরল মেয় ভারত वर्षित भवर्गत्र ध्वनतरलत भन भःहरनम् 🕻 🤻 ১৮ ই ভার বুধনাক।

জানৱা শ্লম্যা আজ্লাদিত শ্টলান, একেৰ एताभ कतिवाच शहर्त मच छन १८.म शाल অটিন সংশোধন করিবেন। ক্যুদ্র শ্রুত মক্ত্রেনার उन्हर्भ क्यांन इड्डिंद , कि इ खातक निकात मकक मात हो एका समान था किएत। १৮७२ व्यटकत ३० অটেন অল্লসারে যে পারমাণ বিরাক্ত ক্ইয়া ভিল, ভাষ্টে বজায় রাখা কর্ত্তর।

অংশোগার ছই জন তালুকদার দালাও জনায় ভবস্তি করাতে উহোদিগকে সেনিয়নে দেওয়া हहेर ७ (इ।

দিলীতে কয়েক জন মোলা সরকারী রাস্তায়

কলিকাতার পরিশ্রমানত্তার অধ্যক্ষ বিজ্ঞা পন নিয়াছেন, উক্ত বাটিতে বেসকল লোক থাকে তাহারা অল্প মূল্যে বিশুদ্ধ প<sup>®</sup>,উরুতী বিক্রয় কবিতে প্রস্তুত আছে। অনেক ইউরোপীয় এটাকে উপকার জ্ঞান করিবেন।

সম্প্রতি সব স্থাকোড নর্থকোট গবর্ণর জেনরলকে লিখিয়াছেন, সিবিলিয়ানদিনের ঘেদকল পরীকা 'এদেশে ছইয়া থাকে তাহা একণ অপেক্ষা অবিক কঠিন হওয়া কইবা। ঘেদকল লোক পরীকা দিছে অসমর্থ ছইবেন, উটাদিনের নৈমি স্টেট সেকেটারের নিকটে পার্চাইতে ছইবে। উটাকে না জানাইয়া কোন ব্যক্তিকে উচ্চতর পদ দেওয়া ছইবে না। দেশীয় ভাষায় পরীকা নামমাত্র ছইয়া খাকে। সকল বিদয়ের উন্নাভ ও উৎক্ষ ছইভেছে কিছ দেশীয় ভাষায় সেই পেতে সেকেলে প্রক্রিত সেই সেকেলে পুরুক ত্রিবং দেই সেকেলে প্রক্রিত নিক ভ্রতন সিবিলিয়ানের বাঙ্গালা ও উদ্দু কথা শ্রেনিলে লোকের হাসা আইসে।

শিক্ষাকর জমীদাবদিগের উপরে করিলে ক্ষ্ণদিগেরই কাই চইবে, এ বিষয়ে ডেলিনিউস, বলিয়াছেন, জমীদারের। যাদ উন্নতির প্রাত্ত লক্ষকত। করেন, তাহা ছইলে উাহার দোখনেন এ প্রনালী এফাণে অসল্য ইইয়াছে। সকলে একরাকে ইইয়া রুদ্ধকিগের সাহত চেরডায়া বন্দোবস্থের দেখিত যুদ্ধ করিলে জমীদারগণের কেন চেন্তাই সকল ইইবেনা। ডেলিনেস্থান জমীদারি প্রনালীর বিষয়ে যা ক্ষিমন নেয়োগের প্রাত্ত করিয়াছেন, আমবা ভাহার স্প্রের অনুমাদন করেন্ডেছিন ক্রেট্রনী দিগেরই আছাড় খাইতে ইইবে।

্যসকল পুলেষ প্রহুবী স্থান ইব, সাগনে বিশেষ দক্ষতা প্রদৰ্শন করেন, মারস্থার গ্রহণ মেট তাহ্যাদগকে প্রথমতং কোশার মেডাল, পরে রোপ্যের মেডাল গ্রহণান করিয়া থাকেন। এই প্রশালী আমাদিগের এখানে প্রচারিত করা ক্ষতিশয় করেব।

খদকোর গেজেটে জার চারি জ্বন এতদ্দেশীয় সহকারী কমিসনরেব নিয়োগ দেখা গেল।
ইহার। পুতকারী বিভাগের অভিরক্তি সহকারী
পুলিষ ক্রপরিন্টেণ্ডেট ইইয়াচেন। আমর।
ভরদা করি নারায়নদিন ভেওয়ারির ন্যায় ছই
এক জন লোককে গ্রহণ করা হইবে।

क्षत् अधारेमन त्रीद्रशामक अक क्षत हे है

রোপীয় ডাহার নিকা জীর কন্যার প্রতি অভিশ্র নিষ্ঠুর শ্বহার করাতে বালিকাটির মাতামছ তাহাকে আপনার অধীনে আনিবার নিমিন্ত প্রথানতম বিচারালয়ে আবেদন করেন। বিচার পতি মার্কবি এই আবেদন গ্রাহ্য করিয়া বলিয়া ছেন, এপ্রকার নালীশ করিয়া প্রনাণ দিলেই তিনি তাহা গ্রাহ্য করিবেন। ছুর্ভিক্ষনিবন্ধন রটারের ন্যায় ইবোপীয়ের সংখ্যা ফ্রেমণঃ বৃদ্ধি হুইতেছে।

বাবু রাজেজনাল নিত্র ২৪ প্রগণার মাজিতৈঁকৈ এক পত্র লিখিয়া বলিয়াছেন, শিক্ষা
কর করা কর্ত্তব্য বটে ; কিন্তু এই কর চৌকিদাবি
টাক্ল বৃদ্ধি করিয়া আদায় করা উচিত। পঞ্চায়ত
গণ তত্ত্বাবধায়ক হন ইহা ভাঁহার ইক্ষা। কাল
ক্রমে মিউনিসিপাল বিদ্যালয় অবশ,ই হইবে।
কিন্তু জ্ঞাতিসাধারণ শিক্ষাপ্রণালী মিউনিসিপা
লিটির হস্তে রাখা অনুচিত।

ব্রাহ্মগণ আপনাদিগের বিবাহসি দ্বি নিমিত্ত ব্যব স্থাপকসভার আবেদন করিয়াছেন। গাঁহারা অল্ল সংখ্যক বলিয়া আপাত্ত করা উচ্চত নহে। যদি। পাঁচ জ্বনত এক গর্মে থাকেন, তথাপি ঐ পাঁচ জনের সন্তানদিগকে আইনের সম্মুখে বিজ্ঞাতক হইতে দেওয়া অনুচিত। আতএব আমরা কায়ম নাবাক্যে আবেদনকারীদিগের প্রাথনায় অনুমো দন করিতেছি।

আগামী সোমবার প্রধানতম বিচারালয়ের অস্তম সেসিয়ন আরম্ভ হইবে। আদিম বিভা। গো যেপ্রকার কার্যের ভাব ভাহাতে আপীল। বিভাগ হইভে.এক জন বিচারপাতকে দেসিয় নের বিচার করিতে প্রেরণ করা কর্তব্য।

পারসং \_গবর্গনে উইংলভের । নকটে যে
করেকথানি যুদ্ধলাহাজ চাহিয়াছেন, গবর্গর
জোনেরল ভাহা প্রদান করা হয় বলিয়া অনুরোগ
করিয়াছেন। পার্স)কে মঝাটের নায় বফু ক্রা।
করিব।।

#### २॰ अ छा**प्र वृश्य्यां छ**वात ।

দেও অব ইণ্ডিয়া একটা ভূতন গুলা গরিয়া ছেন। যে কোন এত দেশীয় কর্মচারী দণ্ড পাই তেছেন তাহা ধরিয়াই তিনে সমুদায় এত দেশীয়া দিগকে গালী দিতেছেন। ছই জন কেরালী সম্প্রতি দণ্ড পাওয়াতে ফে ও বিজ্ঞাপ করিয়া বলিয়াছেন, যাহারা সামাজিক বিজ্ঞানসভায় ভারতব্যীয় কর্মচারীদিগের এত সুখাতি করি লাছেন, ভাহারা এক পে কি বলিবেন সভামলাদেগের স্থাতি কৈ কবে করিয়াছেন সভাদেশি বিচারপাত্তগণকে লাইয়াই কথা হইয়াছে।

লোফারদিগের দৃষ্ঠান্ত ধার্যা কি ইউে ়ের কান্তেনদিগের চরিত্র ভিত্ত করা কর্ত্তর ?

উক্ত পত্র বলেন '' দেশীয় ভাষার শিক্ষা করের বিরুদ্ধে যত তর্ক হইয়াছে, তল্পথ্যে সোম প্রকাশ যে একটা আপত্তি করিয়াছেন, তাহাই কেবল গুরুত্র। তিনি হলেন, ক্রমীদারদিগের উপরে কর স্থাপিত করিলে যে কুষকদিগের উপকারের চেষ্টা পাইতের তাহাদিগেরই অপ কার করা হইবে। এমন নীচ উদ্দেশনিবন্ধন যে আপত্তি হয় ভাহা গবর্ণমেন্ট প্রবণ করেন কিনা দেখা যাইবে "। ফ্রেণ্ড আমাদিগের যথার্থ উদ্দেশ্য বুবিতে পারেন নাই। আমরা বিদেশ করম্বাপনের প্রতিবাদী নহি; আমরা বিদেশ করম্বাপনের প্রতিবাদী করি। কুষকদিগের উপরে কর স্থাপিত করে। ইহার প্রত্যাপকারের ন্যায় ভাহাদিগের সহিত চিরস্থায়ী বন্দোবস্ত হউক।

্রকিনিবন্ধন শান্তিপুরে প্রায় ৩০০০ বাদী পড়িয়া গিয়াছে। লোকের কপ্টের সীমা নাই। কিন্তু এখানে এত জল। পাটনার লোকে রৃষ্টির প্রার্থনা করিতেছেন।

আমরা পিয়নিয়র দর্শনে আফ্লাদিত হইলাম, উইন সাহেব আরোগ্যলাভ করিভেছেন। মহা রাজ দিন্ধিয়া অরোগ হইয়াছেন, কিঞ্ছিৎ হুক্তল আছেন মাত্র। দেওয়ান ও রেগিডেপ্টের উপরে কার্য,ভার দিয়া রাজা কিছুদিনের নিমিত্ত পাকুড়ে বায়ুদেরনার্যানন করিবেন:

গত জুলাই মাদে কলিকান্তার টাঁকে শালে ১৫,৬৫,২২৭ টাকা , মাদ্রাজে, ৬৬,৯১৫ টাকা ও ব্যেষ্ট্রের টাঁকিশালে তথ্,৯৮,৯৮ টাকা মুদ্রিত ইইয়াছে।

গভ কল্য এক্টেঞ্জ বাটীতে নিম্নলিখিত টাকার অভিফেন বিক্রীত হইয়াছে:—

সিশ্বক প্রতিসিশ্বক মোট বেহারের ২২০০--- ১৪০০৮৫-- ৩০,৮৬,০৭৫ কাশীর ১৭০০-- ১৩৭৪।১৫--২৩,৩৬,৩২৫ কপুরতলার রাজার সম্পত্তিবিভাগের যে আজ্ঞা হইয়াছে, ভাহার আপীল করিবার নিমিত রাজা প্রেট সেক্টোরির নিকটে আর ছয় মাস সময় চাহিয়াছেন। রাজা এক লক্ষ টাকা জামীন শ্রমণ রাখিয়াছেন। আর এক লক্ষ টাকা বিক্রম সিংহকে দেওয়া হইয়াছে। কপুরতলার রাজার প্রতি বড় সুব্যবহার হইতেছে না।

মলু মাণিকনামক মধ্য ভারতবর্ধের বিখ্যাত দল্লু চারিঙ্গন সহচরের সহিত হত হইয়াছে। সিবন্দি দৈনিকগণ এই কাজ করাতে গবর্ণ মেন্ট ভাহাদিগকে ধন্যবাদ দিয়াছেন।

গবর্ণর জ্ঞানরল আজ্ঞা দিয়াছেন, কোন ইউ রোপীয় গুরুতর অপরাধে ফৌজদারি দণ্ড পাইলে তাহাকে কোন পদ দেওয়া উচিত কি না, ভাহা গবর্ণর জ্ঞানরলকে না জানাইয়া ফ্রির করা হইবে না। সম্প্রতি এক জন ইউরোপীয় দণ্ড পাইয়া সরকারী কাজ পাওয়াতে গবর্ণর জ্ঞানক সে বিষয়ের রিপোট চাহিয়াছেন।

প্রয়াগদুভ বলেন, 'বিলাভে একটা বড় কৌতুকাবহ ঘটনা হইয়া গিরাছে। মাডোম (त्रांन नामी এक जन हेड़नी खीरनाक, वर्ड क्षि हो बकार पाकान चुनिया, त्रका खीरनाकाम গের যৌবন ও সৌন্দর্য্য পুনরুদ্দীপন এবং বিবা হের বন্দোবস্ত করিত। ভাহার বিলক্ষণ পদার ও লভা হইভেছিল। সম্প্রতি বয়ডেল নামী এক खन धनौ विदी वयुत्र ६० वर्गत्, छाइ।त लाकारन প্রস্পরী হইতে যান। সে ছাঁহাকে ভাহার প্রকরণ धाता ऋत्मत्री कतिता अक स्वन ऋत्मत शुरूरवत म क्षि डोइाब विवारहत वरमावस्य करत । लाउ बनि ল্যাগে ভাঁছার নায়ক হটয়াছেন বলিয়া, চাতুরী পুনাক ভাঁহার মত অপর এক ব্যক্তিকে বেরাডে ্রেলর নিকট উপস্থিত করে। সমুদয় স্থির হইলে বিনীর নিকট হইতে বিবা भावीं नायक ७०००० होका हारहन, विवीध छाहा धनान करत्न। পर्त छेक इंस्मी खीरलाक विना হের সময় এক চাসাকে ও ছোর পালিগ্রহণাথ উপস্থিত করাতে তখন তাহার চৈতন্য হয়। **िन मानरवाता कि रहे, म द्वात कक्र गारहरको** निकटो शिष्ठा ভাবদতাত অবগত করেন। নক शार•व फेक श्रवक हेरूकी खीरलाकरक कोख माती आमानराज **ममर्गन क**तिशारहन् । लाख् तानि লেগ উপস্থিত হইয়া বলিয়াছেন যে, ভাহার সহিত বরতেল বিধীর উক্ত ইছদী ,স্ত্রীলোকেঁর দোকানে এক দিন সাক্ষাৎ হইয়াছিল বটে, কিন্তু তিলি এ সকল বুভাল্ত জানিতেন না। "

বিজ্ঞাপনী বলেন, বোয়ালিয়া ধর্মসভা একটা মহং কাঠা করিতেছেন। সভায় মহৎ

মহৎ এম্পকল সংগ্রহ করা হইডেছে। এপর্য,ত্ত কাব্য নাটক ব্যাকরণ অভিধান পুরাণাদিতে প্রার ২০০ খণ্ড পুস্তক সংগ্রহীত হইরাছে সভার এই মহৎ কার্য্যের জন্য আমরা সর্কান্তঃ করণে ধনবোদ দিতেছি। ময়মনসিংহস্থ সভা কি করেন ? "

#### ২• এ ভাদ্র শুক্রবার।

ব্রহ্মদেশের রাজকুমার মেক্সুণ মেওম। ধৃত হইয়াছেন। এ ব্যক্তি বিদ্রোহী হইয়া এপর্যান্ত রাজাদে অত্যক্ত বিরক্ত ক্রিতেছিলেন। কর্ণেল ফি চি ইইাকে কলিকাতায় প্রেরণ ক্রিতেছেন।

পঞ্চাবের ছই জন তহসিদানার উৎকোচ গ্রহণ অপরাধে গৌজদারিতে অপি ভ হইয়াছেন। পঞ্চাবের কর্মচারীদিগের এক বার পঙ্গোদ্ধার করা উচিত।

গবর্ণমেণ্ট হাজারাতে একটা দৈনিক আছে ডা করিতেছেন। এটা ভবিষ্যৎ গোল্যোগের হেডু হুইবে। অন্য অন্য পাঠান জাতি জ্বির করিবে ক্রমশঃ ভাহাদিগকে জার করা গবর্ণমেশ্টের উদ্দেশ্য।

জর্জ সিমপ্ত নামক কলিকাভার জন্টিসদিগের
এক জন করসংগ্রাহক বাবু যে গেপ্রেচন্দ্র বস্তুর
নিকটে টাক্লের বিলের খরচন্দ্রপ আট আন।
মিথ্যা করিয়া গ্রহণ করে। পরে প্রকাশ পায়
কোন প্রকার খরচ হয় নাই এবং সংগ্রাহক এই
জাট আনা আআসাৎ করিয়াছে। মাজিট্রেট রব
টিস সাহেব এই জুয়াচোরের ভিন মাস মেয়াদ
দিয়াছেন। জন্টিসদিগের করসংগ্রহের প্রণা
লীর প্রতি মাজিষ্টেট দোষারোপ ক্রিভেট্টেন।
এ প্রকার মিথ্যা করিয়া লওয়া কেরল কলি
কাভায় নহে, অন্যান্য স্থানের করসংগ্রাহক
গণও এপ্রকার জুয়াচুরি করে। অল পয়সার
নিমিত লোকে নালীশ করেন না।

#### ২১এ ভাদ্র শনিবার।

লক্ষেটাইমদ বলেন, গোয়ালিয়রে কতক গুলি বারিকও চিকিৎসালয় প্রভৃতি প্রস্তুত করি বুরি আজ্ঞা হইয়াছে।

আমরা ডেলিনিউন দৈখিয়া আক্লাদিত হইলাম, গবর্ণমেন্ট ভাজমহলৈর ভিভরের দেয়া লের প্রস্তারের পুল্পময় চিক্তগুলির সংস্থারাধ ১৯০০ টাকা বায় করিবার আজা দিয়াছেন এই বাটানীর রক্ষার্থ গবর্গমেন্ট বিশেষ যমবান্ হইয়াছেন। এত দিন ইহাকা করা শুক্তরা কন্ম বিক্রম কাজ ইইয়াছিল।

নিমুলিখিত মূল্যে গ্রথমেক্টের কাগজ বিক্রীক হইতেছে:—

1 104	- 140-05-	
- 8	টাকার সিকা	- 28 4√12 €
8	(ጥ1९	केटा । केटम
¢	পবলিকওয়ার্ক	> • ell • 1 > • 4
Œ	» (कार	١٠٥١ ١ ١٥٠١
411	नाकः <i>व</i>	2261226%.

---: • : ---

# ইউরোপীয় সমাচার।

লগুন ২৭ এ আগষ্ট। সর রাউণ্ডেল পামব বলিয়াছেন আয়ারলত্তের ধর্মসম্প্রদায় উঠা ইয়া দেওয়া ভাঁহার মতবিক্ষা

ল্ডন ২৯এ আগষ্ট। আরল মার ককার গৌথের প্রতিনিধি। তিনি সম্প্রতি তক্ততা লোক িগের নি টে বক্তৃতা করিবার সময়ে বলিয়া ছেন, তিনি ভারতবর্ষের গবর্ণর জেনরলের প্র বাহন করিয়াছেন।

ইংলগ্রীর সংবাদপত্রসমূহ এ উপলক্ষে অদ্যাপে তর্ক করিতেচেন। পালমাল গেজেট এই নিয়োগের প্রতি বিশেষ দোষারোপ করিয়া ছেন । পক্ষান্তরে গ্লোবপত্র একটা দীঘ্ প্রস্থাবে ইনর সমর্থন ক্রিয়াছেন।

এমন জনক্রতি রাজা থিওডোরের পুত্র ঘাহাতে ভারতবংগির সিবিল সর্বিসে এবেন করিতে পারেন, সেইপ্রকার তাঁহাকে দিক। দেওয়া হইবে।

মিদবের পাশা ভারতবর্ষীয় স্থারের নাইট এাও ক্যাওার উপাধি পাইয়াছেন।

ব্রজন ইইডে শেষ যে সংবাদ আসিরাছে ভাষতে জান। যাইডেচে, পারাওইয়েরা হুমেটা ভাগ করাভে ব্রেজনীয়ের। ভাষা জাধকার কার্যাছেন।

## ্ৰ আমাদিগের কালনান্থ সংবাদদাত। লিখিয়াছেনঃ---

দেশের উন্নতিস্থান ও প্রজ্ঞার মঞ্চলস্থান করা রাজপ্রতিনিগি দিগের নিহান্ত কর্ত্বর কর্মা ইইলেও অনেকে তাহা বিলক্ষণ প্রকাশ পাইয়াছে। সেরূপ স্থার্থনাধনতংপর ও নিলাসী বিচারপ তির অধীনে থাকা কেবল যন্ত্রণামাত্র। আজ্ঞাদের বিষয় যে, এখানকার স্তুতন ভেপুটু মাজি টেই এবং কালেইর শ্রীযুক্ত ধারকান্ত্রি দে বাচা হর সেরূপ আমোদপ্রিয় বিচারপ্রি নেবাচা হর সেরূপ আমোদপ্রিয় বিচারপ্রি নিহেন। আমরা প্রবমেই ইং ার একটা মহন কার্যের অল্লু প্রান্ত বিহার ক্রিয়া ভাগ আবাত ইয়াছি। গভ জল প্রাবনে এখানকার নিকটব ভা স্ক্রিমঙ্গল রাজেশ রপুর প্রভৃতি জনেক গ্রাম্ব প্রান্ত হওয়াতে ইনি পুলিষ ইনেস্পেইর ও সব ইনেস্পেইর বারু জ্যুকে নৌক্রেয়াগে ক্ষকগুলি চাউল লইয়া

ঐ সকল স্থানে ঘাইতে আদেশ দেন এবং করাবে অলাভকর ইহা কেং প্রমাণ করিতে অভুক্তিরকে তঞ্লবিভরণও নিংজন। বজিক পারিবেন না। দিগকেনৌকা করিয়া আনয়ন করিয়া আঞ্র मि, उ जाका करत्व। यमिक अभाश्या अधिक कर्तरण इय्र नाहे, खथाह विहात्रপण्डिय अकासही व्यवमारे धमश्मात कार्यः। এएमरमत्र कि क्रूब्र कि রুহৎ সকল বিষয়েই বিচারপতির বিশেষ দৃষ্টি थाकित्न क्षेत्रागरभद्र मित्रीन मनल रुग्न मत्मर নাই। যাহা হউক আমর। আর্ক ন থ বাবুর বেরপ সুখ্যতি শুনিরাছিলাম একবে ভাষা এন্ড,ক করিভেছি। এই ওল্ল সময়ের মধে। क्षामता याहा (मधिलाम, फाहाट्रफ विलक्षन काङ्स खब इरेग्नाइ, देहाँत भागनश्रनांनी विश्वक्षा এতাপও বিলক্ষ্ণ প্রবল ই হার ভীক্ষ্যুটিভে ধুর্ত্তদিগের নিস্তার নাই, কিন্তু ভদ্রগোকের শঙ্কার বিষয় নাই !

অৱভাডেপুটী বলেটর বহুর ছারা লাই সেক টাক্লের (ভানলাম ইগার নাম আবার সাট क्षिक्त हो क्र ) श्रुवर स्मावल इहेर उर्ह। कामवा গঞ্জের বাহ্য শোভা দেখিয়া অনেকে মোহিত হন বটে কিন্তু বাস্তবিক গঞে: সেরপ জন্তঃ সার নাই। পুরের এখানে যেরূপ ধনী লোকের কারবার ছিল, সেরাণ আর দেখা।যায় না।উত্তম भशक्षत्र मा थाकार्ड दादमाग्रंड दिल्क्ष्ण चर्ता क्रेब्राइड, अथन সামानर इनाक निमाद्य मध्या है অধিক। অভএব আমরা প্রার্থনা করি ভেপুটী कारलकेत वानु राम विरमय न्नार्य (मारकत चाका পত্র দেখিয়া টেকস গায়, করেন। ব্যাক্তবিশে ধের কথায় মিউর করে৷ ইহারে নারে বিজ্ঞান বঞ্চদী বিচারপাণর উচিত নহে ৷

এখানকার জনেক লোকে মিলিড হইয়া শাখারেল ৮মে কোম্পানির নিকট এই বালয়া आर्वनन कांत्र एएइन (य, डांशांता भवनं स्मर्लेंद्र স্থাত লহয়া পাওুয়া ইইতে কালনা প্ৰাভ একটা শাখারেলভয়ে ক্ষত্ত করুন। আমর। क्षांथना कति याम । **कार्यमनका**तीता शूर्यभ**र**नादश **६६८७ পারেন, কাল্মাগঞ্জের পুনরভূ**রদয় **३**ই चात्र मण्णूनै भद्रावना अवर नायाद्रमध्या (काम्लानिक्छ क्षिक्ष व्हेट व्हेट वा । এ প্রদেশের এও লোক পাও ছার গমন করে যে काशांतरभन्न धाताहै वर्णय नाक इंटेरक भारतः व्याधिक ख कोलनाय (क्षेत्रन इंस्ट्रेंग व्यानक महास्रम পুনর্কার কার্বার কারতে পারেন, অন্যান্য দেশের कारबाहोत मरचा ७ कार्यक हरेए भारत । यथन भावादामक्रम अक्षा व्हेरण व्यातक व्हे ব্লাছে তথ্য কাল্নাগঞ্পধাত এ রাভা নিশ্মাণ

वावू श्रांगनाथ চङ्गवर्सीत यदः अथारन अक्षा ইংরাজি স্কুল স্পিত কইয়াছে। মিলনরি স্বে वालक (श्रवन क्रिट्ड यार्गाहन मक्षा चाट्ड ভাঁহারা এই জুলে বিশেষ যদ করুন। নতুবা क्ष्मिष्ठासी इहेरव ना। कातन व्यत्नकश्री বিল্ল দেখা যাইভেছে। কেবল প্রাণনাথ বারুর যদে ইহার স্থায়িত্বের বিষয়ে নিঃসন্দেহ হওয়া याय ना।

আমাদিগের মগরাস্থ সংবাদদাতা লিখিয়াছেনঃ—

२७ अ जागष्टे मकतंत्र मध्य प्रक्रिन निरक नृहर একটা কাল মেই উঠিয়া অকস্মাৎ "একটা প্রচণ্ড वारिका प्रक्रिविषक स्ट्रेंट ध्वयादार्ग मणतात পশ্চিম এক রসি ব্যাপিয়া উত্তরাভিমৃত্ত গমন করে। ইহাতে বিশেষ কাহাবো অনিষ্ঠ ঘটে नाडे, किन्छ नकरलई विन्यशास्त्रिक इहेग्राहिरलन আমরা কেবল শব্দমাত্র শুনিতে পাইয়াছিলাম।

🗝। গত ৭ ই আগষ্ট ভায়ম ওচারববের কাছা। বিরমালখানার একটা সিন্দুক হইতে টাকা চুরি গিয়াছিল। ডিভিজান ইন্সেটব জীয়জ বাবু দেবনারায়ণ বনেলাপাধারে মহালয় ভাতু সন্ধান করিয়া একজন কনেপ্রাবলকে টাকাব থলিও একখানি নোট সমেত ধৃত করিয়া ठालान विदाद्घन।

৩। এদেশে কুষকেরা ঘেসকল ভাওনধানা কর্জন করিভেছে, ভাষার অধিকশশ চিটা र ठाऊँन विशेन थान() पृष्टे ध्वेट उट्छ।

৪ ৷ পুর্নাপেকা একণে বসন্ত বোগে অল সংখাগরের জীবন নাশ হইতেছে, শুনিলাম गर्न**ार**न्द्रेत्र श्रितिष अक क्षम ए: क्रव व्यानिश গোচিকিৎসা করিভেচ্চেন :

 মফলল রাজার হাটের হাজত গারদ হুইতে **ছুই বংসর মেয়**াদি এক গরু চুরির আসামি 🗍 পলায়ন করিরাছে। পুলিষ অনুসন্ধান কছিতে (FA 1

> ২৯ এ আগষ্ট : pap 1

আমাদিগের মজঃফরপুরস্থ সংবাদ माठा निथियारहन।

বে রাজ্ঞাচী মজঃফরপুর হইজে হাজীপুর পর্য্যন্ত

গিয়াছে, প্রতিচন ভাহার উপর দিয়া বছ लाटकत भवनाभवन रहेश थ'एक। अहेने भारता **হইতে ত্রিভৃতে জাদিবার এক মাত্র প্রধীন রাজ**-পথ। স্থুতরাং এই পথে কলিকাতা ও উভর পশ্চিমপ্রভৃত্তি স্থানের ব্যবসায়ী লোকেরা এবং (मभी । अ विष्मिश्च कावर्रमारक मर्जामा যাভায়াত করে। কিপ্ত এ রাস্তানীর অবস্থায়ড় ভাল নহে। পুর্বের এই রাস্তায় দ্বসুত করাদির বিলক্ষণ উপদ্রব ছিল। সম্প্রতি পুলিষের কুপায় স্থানে স্থানে ফাঁড়ি হওয়াতে আপাতভঃ শক্ষার विषय (पश्चिर ७ कि स वर्ष ) कि स वासाजी को हा বলিয়া লোকের গমনাগমনের পক্ষে বিলক্ষণ কষ্টদায়ক হয় । বিশেষতঃ বর্ধাকালে মাটার রাস্তায় কিরূপ কষ্ট ভাগ বোধ হয় কাহারও অবিদিত নাই। ত্রিহুত একটা প্রশিদ্ধ জেলা। এ জেলায় রাজপুর কাচা থাকা অভ্যন্ত ক্লোভের বিষয়। আমরা গবর্গদেউকে অন্নুরোধ করি, এই রাস্থাটী পাকা করিয়া এজালোকের কষ্ট দূর

২। পাটনা শ্বতে ত্রিহুতে আসিতে হুইলে तका छ म खकी ननी भात इहेटल इस्र। भारतत নিমিত্ত কএকখানি[খেয়া নৌকা আছে।নৌকা-গুলি এরাণ জঘনাযে, তাহার উপর সহস্থ উঠিতে কাহারও সাহস হয় ন।। আবারে ছাটো-য়াল,দগের এক্সপ দৌরান্ত্র্য তেহে, বলিবার गर्छ। তोहारा स्ट्रायांग भाहेरल समरक्ष भगरम बारवारी मः अत निक्षे रहें एक अवर्गमाने निर्मिष्ट পারাণী অপেকা থিওণ কথন বা চতুওৰ লইয়া থাকে। মধ্যে মধ্যে অনেবকে পার ছইবার সময়ে दर्भ वास के देख इस । व्यक्ति कालि नक्षा उन उकी নদী যেরাপ ভীষণ মুর্জি গাংল করিয়াছে, উল্ .मध्दल महाद्रिश्व .मानिङ एक्स्यात इहेस्रा যায়। ফুডরাং জার্ম ওঘন নৌকায় পার হওয়া ক উদ্ধ অনুমূদাহ সিকের কাজা বলা যায় না। कामता अधनरमर-छेत्र । नक्षे निवस पूर्व्यक क्षार्थना করিভেছি, অক্ততঃ বর্ষাকালের নিমিত্ত এক পান ইটীমার পাটনার দাটে পার(পারের নিমিজ রাথিয়া সাধারণের কণ্ট চুর করুন।

সম্প্রতি ৪ জন কসাই এক জন বাহ্মণের সন্মুখে গোবৰ করাতে ব্রাহ্মণ অত্তত। সূৰোগ্য क्षाहेन्द्रेनाखिएकेरहेन (भावत करतम । ब्याईन्हे माखिएके हे के बागुवताकरान्द्रात नख करिया -ছেন। আমরা মহোদয় বাকার সাহেবের স্থাবিচা বের কথা সৰ্মানা শুনিতে পাই। বস্তুতঃ ইনি এক জ্ঞন ন্যায়পরায়ণ বিচারপাত।

श मानिनगदत त्रागदञ्ज मार्क नारम क्क

ন্তান বিখ্যাত জমীদার আছেন। ইনি অতিশন্ত দ্যাল্ ও সরলস্থাবা । সম্প্রতি কোন ভদ্রলোক উহার নিকটে ৪০০০ হাজার টাকা খাণ করিয়া ক্রনশঃ অবস্থা মাদ হওয়াতে উহা পরিশোদ করিতে অপারগ হইলে উক্ত জমীদার ঐ চারি হাজার টাকা ছুরবস্থাপর ভদ্রলোককে দান করিয়া স্বীয় বদান্যতাগুণের পরিচয় প্রদান করি য়াছেন।

৫। প্রাবণ ও ভাদ্র মালে এখানকার কি ভদ্রবংশীয় কি নীচধংশীয় সকল প্রীলোকই দিবদের অধিকাংশ সময় দোলায় ছলিয়। অতি বাংন করে। দোলায় ছলিতে ইয়্দের বড় আমেদি। রুফের শীলাকে ধন্র।।

আনরা শুনিয়া সাতিশয় সন্তোধের সহিত প্রকাশ করিতেছি, এখানকার গ্রাথেনট স্কুলের ভেড মাইরের বেছন ২০০ শত টাকা হইয়াছে। বিবেচনা করি এবার স্কুলটার অবস্থা ভাল চইতে পারে। পেটে ক্ষ্পা থাকিলে কার্য্য করিতে কাহা। রই ভাল লাগেনা, ভর্মা করি এক্লে যেন অসস্ত ক্ষ্পা না হয়!!!

ভা যেরপ সমাচার পাওয়া ঘাইতেছে,
ভাহাতে স্পষ্টই বলা ঘাইতে পারে। এবারে
ক্রিক্ত জেলার অবস্থা বড় ভাল নয়। ও দিকে
গণ্ডকীনদীর বাঁ দ ভালিয়া বছ সংখ্যক গ্রাম
এক বারে উৎসর গিয়াছে। এ দিকে ক্রিভ্তস্থ
ক্রুর রহং ভাবং নদীতে ভয়ানক বন্যা আসিয়া
ভারসন্নিহিত শসকেক্র সকল প্লাবিভ করি
লাছে। প্রচুর র্ফিপাড না হওয়াতে সম্যক শস।
ছইবারও এপর্যান্ত সন্ভাবনা দেখিতেছিনা।
আবার বেগবতীনদীর স্রোভ উচ্চুলিত হইয়া
পুশার বাদ ভালিবার উপক্রম হইয়াছে। যথন
কপর্যান্ত জল কমিতেছেনা, তথন ভাল লক্ষণ
বোদ হইতেছেনা।

## প্রেরিত

## িমান্যবর শ্রীযুক্ত দোমপ্রকাশসম্পাদক মহাশয় সমীপেযু

মহাশর ! গত ১লা জুলাই এখানকার স্কুল হাছে পারিভোষিক প্রদান উপলক্ষে এক সভার অধিবেশন হয়। সে সভায় অনেকগুলি ভদ্র লোক সমাণত হইয়াছিলন। এখানকার মহারাজ ও রাজকুমান উপস্থিত ছিলেন। স্কুলের অন্যতর সম্পাদক জ্রীয়াক বাসু রামলাল দত্ত মহাশায় প্রধ মতঃ আয়ুবায়্যটিত আয়ুলস্তাত্ত আপেন করি লেন। তথেপরে সকল শিক্ষকেই এক এক

ন্ত্র বিখ্যাত জমীদার আছেন। ইন অভিশয় বক্তা পাঠ করেন। অনন্তর অস্থান ৩০ টাকা

চয়ালুও সরলপ্তাব। সম্প্রতি কোন ভদ্রলোক মূল্যের পুস্তক বিভরিত হয়। এই সমস্য টাকা

উত্তির নিকটে ৪০০০ হাজার টাকা খাল করিয়া রাজকোষ হইতে প্রদন্ত হয়।

প্রধান শিক্ষক যে বক্তৃতা পাঠ করিয়াছি লেন, তাহা মহাশয়ের নিকট পাঠাইলাম। (১)

সহস্ত রোপিত বৃক্ষকে ফলোকা থ দেখিলে | যে অপরিমের ঐীতিরসের সঞ্চার হয়, সেই ভানন্দ উপভোগের অবসর আজি আমাদের মহারাজের উপস্থিত হইয়াছে। কত স্থানে কত अप्र, कण धनम हहेग्रा माहेएएएइ, धमन कि অনেক স্থানে মূলও উৎপাটিত ধ্ইতেছে। [কিন্ত आभाष्ट्रित এই বিদ্যালয় ही মहाता छात्र यथाहि छ করুণাবারিবর্মণে বদ্ধমূল হইয়া বরং সভেচ্চেই বাড়িভেছে। এ বিদ্যালয়টির ডিনিই কেবল এক মাত্র নিদান। এই বিদ্যালয়টী স্থাপিত করিয়া এ প্রদেশের যে কন্তবুৰ উপকার করিভেছেন, তাহার উল্লেখ বাজলামাত্র। এই যে ছাত্রগণ আমাদের সমূথে আসীন রহিয়াছে, ভাহাদের শিক্ষার উপযুক্ত হৃষোগ কি ঘটিয়া উঠিবাব সম্ভাবন। থাকিত ? তাছাদের হৃদয়মন্দির বিমল বিভায় কি উজ্ঞালপ্রভ হইতে পারিত ?

विनानिकाय (य क्रुनामय कन क्षत्र करत, কতদূর যে পরিবর্ত্ত সংঘটিত করে, উনাহর প স্তুলে আমাদের বর্তমান রাজপুরুষ্টিগকে এছণ कविरम छोडा क्यांग्राटम (वांधनाया इहेरव। যখন রোমপতি বীর জুলিয়দ দিজর খু অন্দের ৫৫ বংশর পূর্ণ্যে আপন জয়পতাকা উড্ডীনকরণমানদে ইংলত্তে অবতরণ করেন, তৃখন তিনি যে তদ্দেশ वानीरमत्र व्यवश्वा व्यवस्थानम् कतिशाहिरमन, ভাহা আমাদের দেশীর পর্যন্তবাদী সাঁওভাল জ্ঞাতির অবস্থা হইতে কোন অংশে মূলে নছে। ভাঁহার৷ বিবস্তাবেশে পর্যাতগুহায় অবস্থান করি (उन, मृशशालक <u>फ्</u>रवाहाता क्लीविका निकाह করিতেন, অঙ্গপ্রতাক রঞ্জিত করিয়া ব'ভেংস মুর্জ্তি ধারণ করিকেন, উাহারা কি উপায়ে এই ১৯০০ শত বংগর মধ্যে পৃথিবীভালে এক মাত্র সভাতম জাতি হইয়া উঠিলেন, ভাহার অনুগন্ধানে প্রবৃত্ত হইলে এই জান। যায় যে যারসহকৃত বিদ্যাশিকাই তাহার মূল। আমা দের দেশ এখন যে ধীনাবক্ত রহিয়াছে, ভাহার কারণ, বিদ্যাশিকার প্রতি তাদৃশ আহ্বা নাই। এখন আমাদের দেশে খালাডে নিক্সার বছল বিস্তার হয়, ভাছারই উপায় দেখা ভ্রেম্বর হইয়া দাড়াইয়াছে। সেই উপায়টী ভাগ্যবান ব্যক্তিদের হঙ্গে নিহিত রহিয়াছে।

(১) দীঘ বলিয়া আমরা উহার সমুদার প্রকাশ করিতে পারিলাম না। সু।

প্রিয় ছাত্রগণ ! ভোমরা যে সমস্ত বংসর পরিশ্রম করিয়াছিলে, তাহার জন্য আজি পুর স্কার পাইতে চলিলে। ভোমাদের মধে যাধারা পরীক্ষায় পারদর্শিতাপ্রদর্শনে সমর্থ ইইয়াছে, ভাহাদিগকেই পুল্ডক বিভব্নিত হই,বে ৷ অপরের আমরা পুরস্ত হইলাম না বলিয়া নিরুৎসাহ হওয়া বিবেয় নহে। পরিজ্ঞান কর, আগামী বংসরে ভোষাদের আশালভা ফলবভী 📑 হইবে। অথবা বিবেচনা করিছে গেলে এ পুরস্কার অতি অকিথিংকর। উত্তর উত্তর শিক্ষিত ছও বিশ विमानिस्त्र উপाधि खाख इछ, ताजनगीপ আদৃত হও, এই ভোষাদের উপযুক্ত পুরস্কার। कारिय (एस कामरिम्द (मर्ट्यंत कारका य এ छ মন্দ হুইয়া রহিয়াছে, কুসংস্কারত্রো হ গে অনবর্ত প্রবাহিত হুইতেছে, ভাহার প্রতিবিধানের উপায়শ্বরূপ তোমরা একমাত্র লক্ষ্য স্থল যখন তোমাদের প্রগাঢ় প্রথমে অজ্ঞান তিমির তিরো हिन्छ इहेन्ना विम्हारनारक एम छे ऋतः इहेरत. ভখনই ভোমরা আপনাদিগকে যথাথ পুরস্কৃত জ্ঞান করিবো

বনয়ারী আবাদ

खुन। खनावात्रपूर्म। **3**):-

নদীয়ার মিংন রির ছি গীয় পত্র।

আপনি আমার পত্রের যে উল্লেখ করিয়া-ছেন, ভন্নিমিত্ত আপনাকে ধন্যবাদ প্রদান করি ডেছি। কিন্তু আমি ছংখিত হইলাম, আপনি অদ্যাপি ধর্মের প্রতি অবিশ্বাস ও ভাদাস্য क्तिएक्ट्रब। \* \* \* \* कर्म्बनी कि अमन নির্কোধ যে, গবর্ণমে উক্তে প্রজার প্রতিনিধি জ্ঞান করেন ? সেখানে এসংস্ক রের যে লোক আছেন, ভাগ আমি ত্বীকার করি ৷ কিন্তু এই সকল 🔾 লোকের চরিত্রের অনুসন্ধান করন। ইহার। (क ? यक व्यतम এवং मानिष्ठक ल नारी दिक मायमण्यन लाक अहे मलक, हेर्गता धनीनिएगत শিরশ্ছেদন করিয়া তাঁহাদিগের সম্পত্তি লইবার অভিলাষী হইয়া দেশের স্ক্রিসাধারণের হিতার্থ ্নয় আপনাদিগের আব সভ্ত স্থার্ দেশশাসন করেবার বাসনা করেন।,আমেরিকা ও ইউরোপের রাজনীতি বিবেচনা পূর্ব্যক দর্শন করুন, তাহা করিলে জানিতে পারিবেন জাপনার মত বেখানে বভ গ্রাহ্য হয়, সেই খানেই সেই পরি भारत-माखिकन, मञ्जूष्ठी, रूळा छ विश्वव घटि । आश्रीन क्यांनी विद्वार्यत উल्लंख क्यियाहन ! किन्न हान्न। উक्ष इच्छेन। जारभभ जात এक्री বে ভাষানক ছুম্টন। ঘটিয়া ইষ্ট সভ্য ও প বিত্র

धन्म महे कतिरव छाष्ट्रा महा। हेशत कांत्रव कि ? ঈশ্বর যে সভ্য নিজে প্রকাশ করিয়াছেন এবং বাইবলে বেদকল নীতি আছে, তংপ্ৰতি অবি শ্বাস এই ভূষ্টনার কারণ হইবে। সভ্য ধর্মনাল हहें एवं विश्वादक वर्डमान कारत व विकास অবাধ্যতা, যদ্ধারা ঈশ্বরের বাকাকে অগ্রাহ্য করা হইতেছে, ভাহাই এই অনিষ্টের কারণ হইবে। वांभनात चामनीयमिशतक में खण्डेरक व्याखत করিতে শিক্ষা দিন এবং তলিমিত উত্তেজনা कर्कन, कारनक कानिष्ठे এएकाता निवातिक इहेर्द ।

আপনি ভেপুটি নাজিটেটদিগের প্কর্ত্তবং দীনতা ও অযোগ্যভার কথা বলিয়াছেন। ইচা সভ্য। বিচারালয় ও পুলিষের এই ছক্ষরিব্রভার কারণ কি? পাপের আহুগত্যই ইহার প্রকৃত কারণ। অভ এব বঙ্গদেশ অকপট হৃদরে ঈশুখ্ ষ্টের প্রতি ভক্তি বৈরুন, তাহা হইলে এই সকল অনিষ্ট দূরগত হইবে ৷

আপুনি বলেন, সুপাঘাতে অনেক লোকের মৃত্যু হইডেছে : ইতিহাস পাঠ করিলে আপনি জানিতে পারিদেন, পনর শত বৎসর পূর্বের জন্ম নীর বন্দকল দপ ও বিংশু জন্ততে পরিপূর্ণ ছিল : একণে জার্মনীতে গদন করিলে আপনি একটা বিষ্ণক্ত দৰ্শন্ত দেখিতে পাইবেন না। मृत्ता मृत्या काल जिल्ला नौराम् अविन इनि নেক বিশ্ব ভাষা বিষয় পড়ে। কিছ उरक्रवारं भूतिय शक्ती व भीकातीता अक्जिक ভট্যা করেক ঘটিকার মধ্যে এট পশুকে বিগ করেন। আপনি আরও দেখিখনে, জর্মণীর প্রতি অঙ্গলী ভূমিকবিত ইইটোচে৷ কেনিং यु:(न अवन बाहे (काथावन हरें अ भेखें দপ থাকিতে পায় না। এসকল কি হইতে হই য়াছে ? গ্রণ্মেটের স্থ্রিচার লোগের সাধুতা ও পরিশ্রম। এই স্কুবিচার সাধুতো ও পরিশ্রদেব আবার কারণ কি ? ঈশবের অমূল্য পরিত্র বাণী ( नृक्ति व्रधन्य) এই कातन। श्रुत्त अर्थानी (वृत् বন্য অসভা ও মুখ ছিলেন গ কিন্তু বাইবলে डाँश्पिशाक मञ्ज कत्रियाद्या देश यात्रारे उाँशता शृथियोत मर्दा अक्री मर्सेश्रधान यमची कां कि क्षेत्रार्क्त। कांप्रनाता अवेशकांत कक्रन । हेराव निमिछ्डे- आश्रनात चाननीव्रमिटगत अहे छेनकात्र निविष्ठहे-स्व वि अर-रनं शतिस्वयं করিভেচি। ইতি।

মহাশয় বিশাসনার কগ্রিখ্যাত প্রিকাতে

---: \* :---

করেক বার ওপ্তিপাড়ার ছরবস্থার বিষয় প্রেরিউ ক্তাল পাঠ করিয়া বোধ করি অনেকেই ছঃখিড হইয়া থাকিবেন। দত্রতি একটা উন্নতির,বিষয় আপনার পাঠকগণের গোচর করিতেছি। গুপ্তি পাড়া বে বছজনসমাকীৰ্ ইহা কাহারও অবিদিত নাই ; কিন্তু এপর্যান্ত তথায় পোষ্ট আপিস চিল না। দিগড়া গুপ্তিপাড়া হইতে ও মাইল দুরে অবস্থিত। তথায় সকলকে পত্র দিয়া আসিতে চ্ইত এবং সেই পোষ্ট আপিস হইটেড এক জন হরকরা আসিয়া গুপ্তিপাড়ার চিঠি বিলি করিত, ভাষাতে প্রভ্যেক পত্রে 🗸 • এক আনা করিয়া পদ্মদা লাগিত। ইহাতে সাধারণের যে কড কষ্ট হইত ভাহা বলা বাঙ্গ্য। বিবেচনা করুন, কলি কাতা হইতে কোন ব্যক্তি বাৰীতে প্ৰতিসপ্তাহে ছইখানি করিয়া পত্র লিখিলেন, ওাছার ডাক মাকুল ছাড়া হরকরাকে মালে॥ । আমা দিতে **হইল, এক্লণ অবস্থায় নিতান্ত প্রয়োজন** ব্যতি রেকে বাটীতে কেহ পত্র লিখিতেন না। মহালয় গুপ্তিপাড়াৰাসীদিগের একট দুব হইয়াছে। প্রজাবৎসল গ্রব্মেন্টের অনুগ্রহে গুপ্তিপাড়ায় একটা পোষ্ঠ আপিন হইয়াছে। উহার জন্ম ডিখি ১৫ই আগষ্ট। আমর। কৃতজ্ঞতাসইকাবে শীকার করিতেছি যে গ্রীযুক্ত বাবু রাধাগোবিক্ষ মলিকপ্রভৃতি উক্ত আমবাদী ভদ্ন মহাশয়েরা कामाहिरात এই মহোপকারক विवस्त विस्थय ८५४। कतिम्राट्≢न। ७०४। छात्र এकर्ग व्यानक क्र्डियम् लोक च्यार्ट्स, हेडाहा यह क्रिस्स हेर्डात व्यटनको९८मं बङ्गत क्हेर्ड शास्त्र । बहर्गस्य । এ স্থলে আর একটা বিষয়ের উল্লেখ করা কর্ডন হইতেছে। ওপ্তিপাড়ার ক্ষ লের আ'ক্র' হীমাবস্থ বলিলে অভুঃক্তি হয় না। অভএব জ্রীযুক্ত বাবু রাখালদাস সেন ও বেণীমাধব মজুমদারপ্রভৃতি স্কুলের মেম্বর মহাশন্ত্রদিগকে এবং উহার সেংগ্র-টরি জীযুক্ত বারু মহেক্সমোহন রার মহাশয়কে আমরা অনুরোধ করিতেন্তি তাহীরা বেমন পোষ্ঠ আলিদের বিষয়ে চেষ্টা করিয়াছেন, সেই রূপ স্কলের প্রতি বিশেষ কুপাদৃটি করিয়া গ্রামত্ব সকলের ভাবী স্তর্গের সোপান করুন।

২৫ এ আগষ্ট } ---:0:---

मण्याप्तक महासह। अशाहत २० अ जाता है বৃহস্পতিবার একটা বঙ্গীয় ভদ্র বংগাল কুলকা-মিনীর হঠাং জলে ভুবিয়া প্রান্ত্যাগ, হইয়াছে। इंदेश्व वयुः क्रम हकू प्रभवर्ष व्हेश्राहिन।

भीय हेण्यवश्मीय तमनीत ऐक श्रकारत श्रान्यांभ হুইয়াছে। ইহার বয়স প্রায় ১২। ১৩ বংগর इहैरव । खेरिनाक्षी कूप इहेरड खन ऐ हेरहेरड ছিল এমন সময় অসাবধানতাবশভঃ পভিত इहेश्वा श्वानज्ञान कतिशाद्धः।

এখানে दृष्टि न। इउग्नाट्ड फिन फिन लाटकत (विद्यायक: कृषकिंग्रत) खिलिया खलक्ष्ट হুইভেছে। যদ্যপি ছুই এক সপ্তাহের মধ্যে আব वृक्ति ना इस, जाहा इहेटल धाना अ त्रविधटमन्त भ**८क विरम्ध शनि रुटेर्द** ।

लिक्टेनके गवर्गत ३७ हे जथारन व्यक्तिश এখানকার সকল আপিস, পাটনাকালেজ, নন্দাল কুলপ্রভৃতি দেখিয়াছেন। এখানে গত मर्वश्व मारम भावेमां ए छत्रताकि परिशत व्यक्त-कूरता वालकपिरगत अक्षी छ वालिकापिरगव এक ही विष्णालय मश्याणिष हहेगा है। डेक বিদ্যালয় ,টীতে উক্ত মহামান্য মহোদয় আসিয়া পাঠ এবন ও বালিকাদিগের শিল্পকার্যপ্রকৃতি দর্শন করিয়। সাতিশয় সম্ভষ্ট ইইয়াডেন ।

পাটনা একান্ডানুগত २० ज्यात्रष्ट ক্রীত্ম:--

--:-:--

মহাশ্যুর সম্প্রতি ভবানীপুরে চুরির জতি-नम् व्यक्तिंव क्षेत्राह्म। (हार्यु (माद्रार्चा) बामान्टिशत व्यवकान कतार प्रकृत श्रेष्ठा छिति-য়াছে।প্রতি রাজ্রতেই ২। ১ টা করিয়া চুরি হইতেছে। কর্ত্রপক্ষকে জানাইবার নিমিত্ত কয়ে কটা চুরিব বৈষয় নিমে লিখিত ক্ইল:--

ুগত ১৬ ই আগেষ্ঠ নোরাপাড়া রোচে ছটী ছুরি হয় : প্রথম্সী রামকুমার কক্ষোপাধ্যায়ের वाजिएड क्हेंच्रा जारमक्छिन रङ्गूना जनकात ও তৈজগানি অপহাত হইয়াছে। দিভীয়নী দাতা ताम भारतव वाजीरङ । इकारङ (ठारवत्। व्यवसा রাচ্চেত্র প্রায় সহজ্র টাকা অপহরণ করিয়। লইয়া গিয়ংছে। ভাহার পর রাত্রিতে (১৭ই ভারিখে ) চারিটী চুরি হয় : তন্মধ্যে উজ্জ নোয়া পাড়া রোডেই তিনটা। প্রথমটা অক্স কুণ্ডুর্ वाजी उ बहेबा खांब ६० होको मूर्तात व्यनका-রাদি অপকৃত ২ইয়াছে: দ্বিতীয়টী ক্ষচস্তা हरहे। भाषारम्य वाषीरा रहेवात छे भक्तम हहे-য়াছিল। ইহাতে চোরেরা কুতকার্য্য স্ইতে পারে নাই। বাড়ীর লে'ক জাগরিত হওয়াতে ভাহারা পলায়ন করিয়াছিল। एउँ। यहाँ माछ भी खीत वां ही एक । इंशास्त्र क्रिंग, वालकृशकृतिएक व्यानक গুলি জিনিস চুরি গিয়াছে। চতুপটী নারিকেল ২ঃ এ জাগষ্ঠ দোমবার জার একটি এতকে বাগানের ক'দোরিপাড়া রোডে উল্জুলী বেশ গর

নটীতে হয়। ইংরি পর উলিখিত স্থলে আরও

একটী হয়। ১৮ই আগষ্ট ডেলিপাড়া রোড়ে
নাড নেশ্যর বাটীতে। ইংগতেও অলক্ষরেদিতে
প্রার ৭০০ টাকা অপজ্যত হইয়াচেণ্ড এডজিন
ভবানীপুরে ও ডংপার্শবরী স্থানসমূহে প্রতি
রাক্রিভেই উক্তপ্রকার চুরি হইডেছে। উপরি
উক্ত চুরির প্রায় সমস্ত বিষয়ই পুলিশের আহি
গোচর হইয়াছিল। কেবল দাভাবাম ঘোষ পুলি
যকে জানায় নাই। কিন্তু পুলিয় গোষের কিছুই
অপ্রসন্থান করিতে পারেন নাই। মহাশয়।
ভবানীপুর কলিকাভার অভি নিকটবার্তী স্থান।
ইহাজে এইরূপ অরভিক কাও হওয়া নিভান্ত
আশ্রুষ্ঠ ও ক্ষোভের বিষয় বলিতে হইবে।
ইহার ১০। ১৫ বংসর পুর্কে ভবানীপুরে এরূপ
চুরির নাম গন্ধও ছিল না।

১০ ই ভাত 🐧 কেষাঞ্চিং ভবানীপুর ১০১৫ 🔰 বাদিনাং

-808.

### বিদ্যার্থি যুবকগণের নীতিশিক্ষার আবেশ্যকতা ও উপায়।

অধ্না অস্মদেশের বিসালয়সমূহে নীতি বিষয়ক সাহিত্যদি শাল্লের ভূবি আলোচন। হ্ইতেছে। যেমন ভানেক ছাত্র নীতিবিষয়ক छेएकर्ष लाख कतिएउएइन, एउमनि खरनएक भौछि বিরুদ্ধ কাল করিয়া আপেনাদিগকে হীনপ্রকৃতি করিয়া ভুলিতেভেন: এ দিলে ছাত্রগণ যেমন বিদলেশয়ের নিয়ামতকাল শাস্তভাবে অতিবা-क्टिंक करतम, अमिर्ग (क्यमि विम्हानम् इंडेट'क वारित इहेग्राहे मानाविष इक्टर्स लिख इहेटल था কেন। এই কারণেই সুবাপান বেশ্যাসজ্জি চৌর্যা এড়তি ঘূৰিত পাপত্রোত নবাদলের অনেককে দুবিত করিতেছে। বালকদিগের পিতামাত্য ৰা তংগদৃশ অভিভাবকগণ যদি তাহাদিগের চরিত্রসংশোধনার্থ সচেষ্ঠ হন, ভাষা হইলে এর প ভঘন্য কার্য্য সংঘটিত হইছে পারে ন।। ষুৰক্দিলের মন শ্বভাৰতই তরল থাকে, এত মিবজন ভারারা প্রকোভনকারী বস্ত সংমূরে দেখিতে পাইলেই তদাসক হইয়া বিচলিত **হ**ইয়া পড়ে - অভনৰ অভিভাবকদিনের উচিত যে, ব'লকগণকে বিলাসসূসভ প্রবাভক ব স্থ **इहे: ७** मर्त्राम मृत्रदर्शी तार्त्यम । अ**कर्त व**िष्ठ खादकशन दालकमिन्न किम्। लास (स्र ६०) करि মাই নিশ্চিত থাকেন বিশ্বভাগারণ চরিত্র খ नी विविधिनी ऐक्षेत्र भागत यात कि मा ए दिन्ह জমেও একবার প্রীক। কলেন মা। এরপ্র দেখা বার যে, 'পিতামাতা সন্তানের ছক্টি এতার

বাটীতে হয়। ইংার পর উলিখিত স্থলে আরও খিষর অবঁগত হইলেও অস্টিত অপভ্যমেই একটী হয়। ১৮ ই আগষ্ট ডেলিপাড়া রোড়ে পরবল হইয়া ভাহাদিগের চরিত্র সংশোধনার্থ নতি বেলার বাটীতে। ইংাতেও অলক্ষারাদিতে যরবান হন না, ইংাতে সন্তানগণ প্রশ্রম প্রাপ্ত প্রবান হন না, ইংাতে সন্তানগণ প্রশ্রম প্রাপ্ত প্রবান হন না, ইংাতে সন্তানগণ প্রশ্রম প্রাপ্ত প্রবান হন না, ইংাতে সন্তানগণ প্রশ্রম প্রাপ্ত কার্যায়ায় প্রশ্রম কার্যায়ায়ত প্রভিত্ত থাকে।

আল্লবন্ধ সূক্মারমতি বালকদিগকে যে পথে
লইয়া ষাওয়া যায়, তাহারা সেই পথেই যাইয়া
থাকে। এই সময়ে চরিত্রগত দোষ সংশোধন
করিয়া সাধ্ দৃষ্টান্ত প্রনর্শনপূর্দাক তাহাদিগকে
সংপথে লইয়া ষাওয়াই ফর্ডবা

জীর:— হিন্দুহর্চেল।

#### '' বঙ্গভক্তিভাজন।

জীযুক্ত বাবু প্যারিচরণ সরকার মধাশয় সমীপেয়।

১ | এগো | সরকার মহাশয় ! যথাথ নির্দেশ করি, শঙ্কাভয় পরিহরি, গবর্ণর সাংক্ষেবের পড়িলে কোপেডে। সাধুবর অকাতর ভোমায় নিনিতে !! ২। ভাহে বোধ করি অপমান, গ্রুর লাভের পথে, কাটা দিলে নিজ হাতে ভেজস্মিত। মনোমাঝে করিলে ধাবণ। व्यर्शलभ्मा कृषि इहेए कृति विमर्कन। ৩। আমারা ভোমার ছোট ভাই। আমাদের ক্ষুদ্র মনে, বোধ মান অপমানে, সুপ্রকৃত ভেচ্চাবিতা শিখাও এরূপে, ভব্তি উপহার দিব ছোট ভাই সবে! 8। धनः ७ इत्यक्तं कृषणं ! শ্ভোমার চয়ণ দূলি, দাও করি কুভাঞ্চলি, চির্ভাঞ্জিমান তব থাকিব চরণে, করিব ভোমার ধণাম ছাদিনিকেডনে। प्राष्ट्र इंच > > 9 @

#### —:·:-মূল্য প্রাপ্তি।

মেদিনীপুৰ

ভক্তিমান ভাত্যণ

डी हों ब्रीयुक्त वायु शाविसम्हल्स मात्र ১২৭৫ জ্রাবণ হইতে ৭৬ আবাঢ় 20 मिली ৯ প্রসরকুমার দাস १४७८ जूनाई व्हेर्ड ४० खून 30 বেলিয়া গ্রাম भ ভक्षशाविक हाकी उन्कार जाराष्ट्र इहराज क्षेत्र खुनाह 20 ननराजी শ রসিকলাল রায় ১২৭৫ আৰিন হইতে অগ্ৰহায়ণ 96 ড বিভহর " कार्जिकम्स रजन्य ১২৭৫ আবেশ হইতে ৭৬ ভাল

<sup>৯</sup> ৯ আনন্দচক্ত চক্রবর্তী চট্টগ্রাম ১৮৩৮ সেপ্টেম্বর হইতে মবেম্বর ৩৮০

## সোমপ্লাকাশসংক্রান্ত কয়েকটা বিশেব নিয়ম।

অতিম মূল্য ও ডাকমাস্থল না পাইলে মদ-খলে সোমধ্যাশ থেরণ করা যায় না।

ইহার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং
বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা; মফস্বলে ডাকমাস্থল
সনেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং ত্রৈমাসিক ৩৬০। তিন মাসের স্থানে অগ্রিম মূল্য
গ্রহণ করা বায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিটি, মণিঅডার, নোটা ও স্থাম্প টিকিট, ইহার অন্যতব
বাহাতে বাঁহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই উপান্ধ
দ্বারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

বাঁহারা ষ্টাম্পাটিকিট পাঠাইবেন, ভাহারা যেন এক অথবা আধ আনার অধিক মুল্যের ও রদীদের টিকিট প্রেরণ না কবেন।

যথন যিনি মফস্বল হইতে সোমপ্রকাণের মূল্য পাঠ।ইবেন, তাহা যেন রেজিস্তরি কার্ত্ত্ব: জীযুক্ত ধারকানাথ বিদ্যাভূদণের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

যাঁ কালিগের মূল্য দিবার সময় অভীত হইর। আসিবে, এক মাসপুর্নে তাঁকাদিগকে চিট্টি লিখিয়া জানান ঘাইবে, কাল অভীত হইরা গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাহার পর একমাসকাল প্রভীকা করির। কাগজ বল করা ঘাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিও, পাঠান হইবে।

মাতলা রেলওয়ের সোনাপুর ষ্টেসনের ডাক ঘরে চিট্ট আইলে আমরা লীঞ্জাইব।

মাঁহারা মাজুল না দিয়া প্রাদি প্রেরণ করি বেন, তাঁহাদিগের সেই প্রাদি প্রহণ করা যাইবে নাঃ

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইচ্ছা
করিলে ভাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংজ্ঞি 
আনা তাহার পর 
/>
ঘনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা করিবেন, ভাঁহার সভিত স্বাচন্ত বন্দোবস্ত হইবে ।

এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পূর্বা মাডলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চালভিপোভার শ্রীবৃক্ত ঘারকানাথ বিদ্যা-ভূষণের রাটীতে প্রতি সোমবার প্রাভ্যকাণে প্রকাশিত হয়।

# मियशका

১০ ম ভাগ

१८ भर्भा।

# " प्रवक्तंनां प्रकृतिहिनाय पार्थिवः सरस्त्री अतिमहनी न हीयतां।"

মাসিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১৮ দশ । সন ১২৭৫ । ৩০ এ ভারে। ১৮৬৮। ১৪ ই সেপ্টেম্বর বার্ষিক ১০ অগ্রিম বার্ষিক ১০ অগ্রিম বার্ধাক ১০ অগ্রিম বার্ধাক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা।

	4 1P	বিজ	াপনু ৷		
•	e A	FF	রা	44	æ
À					2

প্রত্যেক খণ্ড ৮০ পৃথা মূল্য (নগদ) ॥০ এই পুশুক প্রথম অবধি দ্বিতীয় সর্গপর্য স্থ তথ্য সংখ্যা নাগরাক্ষরে রামা জের দীকা ও বালাল। অসুবাদের সহিত কাব্যপ্রকাশ যন্ত্রে अफिड हहेन्ना विख्तिष हहेटल्ड । हेर्हाएक मारह-ষর ভীর্থ ও নাগোজী ভট্টের চীকাও স্থলবিলেষে উদৃত করা ইইভেছে ও ইহা প্রতিমাদে ১০ দর্মা অর্থাৎ৮০ পূ ঠা করিয়া মুদ্রিত ও প্রচা রিভ ছইবে। মূল্য॥ - আমনা। যাহারা আছক ত্রেণীভুক্ত হইতে চাহেন, ভাহারা আমার নামে কাষ্য প্রকাশ যন্ত্রে পত্র লিখিবেন।

औरहमहन्य छ्योहां हा

कलिकां जा निमञ्जन। चाउँ क्वीडे ०२ मश्याक ভবনস্থ সংবাদ জ্ঞানরত্বাকর যত্ত্রে সাহিত্যদর্পন মুক্তিত হইতেছে। গ্রহণার্থিগণ পত্রাদি লিখিয়া बाहक (अनी कुक हरेल ) अक होका मूला পুস্তক প্রাপ্ত হটবেন।

जीपूर्वनहत्त्र वर्गाक।

কুমুৰজী নাটক। षिनद्वाभरवाती।

कनिकाला क्रिका क्रीड ১৫ नः छत्रान এীবুক কৃষ্ণগোপাল ডক্তের নিকট ও সংস্কৃত যত্রের পুত্তকালরে প্রাপ্ত। মূল্য বার জানা।

পুনঃ	প্রাপ্ত	নোট	1
-			•

িনিমুলিখিত অপজ্ড অৰ্ছ ও পূৰ্ণ মোটনুলি পাওয়া গিয়াছে। নোটের অধিকারিগণকে कार्मान बहिरंखरह, निम्न याच्यतकातीत निक्र व्यादिषम कतिद्वन ।

		সংখ্যা	মূল্য	পূৰ্ব গ	মধবা আৰ্
	A C	4000	7 • •	অৰ্	নোট
_	4 t	৮৯৪৪৪	٠.	, <b>,</b>	
1	এ <b>৫</b> ২	<b>\$88</b>	<b>২•</b>	4	
	3 (A)	३०२५७	₹.•	ħ	61
	<u>વ</u> ૭૨	8 & 8 ¢ ≥	ર∙	*	
	8 8 T	<b>८</b> ४४७१	₹.	*	, ,
-	8 ¢	ve• 18	₹•	*	. *
	8 0	৯৯৬৬২	<b>₹•</b>	a	
	वि २२ वि	->966	<b>.</b>	*}	ভিঞ্জিগা- পেট্যাম
	२२ <b>अ</b>	*>168	٠ +	" <b>)</b>	নোট্স।
	48 4	• 111%	ź •	<i>»</i>	
	8 2	·	<b>&gt;</b> •	"	
	च 8 १	4.844	7•	<b>9</b> ! #	
	& & .A	8४१२क	2,	অৰ্জ (	মাট
1	¢•	surte	7 •	å	
	.વ 8 ৯	<b>४२४</b> २५	<b>?•</b>	'n	
i	요 8 ද	• ৮২ ৯৯	7 •	<i>3</i> 3	
	ه د د	Ø\$8·7	3 •	<b>25</b> }	•
1	ब ५५ ब	8 P P 8 3	7.	.*	•
ĺ	9 2 F.	७१४४७		, p	, <b>L</b>
	<u> </u>		. '		₹

	957·7 957·4	7 •	'n	(4)
20	257.5	7•	*	1,
	€877€	>.	2	
44	49.00	7	• •	
er	F8F49	2	• •	,
পো ১ খ	লকাতা প্টে আফিস ট আগষ্ট ৬৮ ৷	} ডবলিব	ট, এইচ, ম পোষ্ঠ মান্তা	•

# इन्छ्रथङ। नाहिक।

हितान् रश्य यञ्जानस्य अवर हीनावानात, পটোলভালা ও কোড়াসাঁকের পুত্তকালয়ে পাওয়া যায়। মূল্য ১ এক টাকা।

> 🗃 গোপালচক্র বন্দ্যোপাধ্যায় কলিকাভা ৰাগ্ৰালার :

১৮৬৯ व्यक्तित्र हेःताओ अन्द्रोत्र कार्मित (नार्वे दुक्, अध्य जात (लाहेरे), हि निर स्वाका ভেমির ভূতপূর্বা হেড মাষ্টার এইচ, দক্ষ বি, এ, কর্ত্তক প্রণীত, ৫৮। ৫ গিরিশবিদ্যারত্ব ব্যস্ত अवर मश्कृष यद्वत शुक्रकानरम् धार्गः। मृतः ३ है। वर्ष

## विविध खवामि विकाशर्थ প্রস্ত ।

हेश्त्राकी वाजना शुखक कामक कमम माना ৰিধ ভ্ৰব্যাদি পাওয়া ধায় এবং পুস্তকাদিতে এক আনার হিসাবে ক্ষিসন দি। অবিক্ টাকার পুস্তক লইলে 🖊 ১০ আনার হিসার্কে भारे (वन ।

অপুন্ম উপাধ্যান অধাৎ দেক্লপিয়রকু	. 1
কের মর্মান্ত্রাদ	٩H
জীমভাগবিভ ১ ম জবদি ১২ আছ	ष वार
<b>117</b> 5	. <b>b</b>
নীগ্ৰীহরিভ জিবিল'ন সম্পূর্ণ	<del> -</del>
শ্ৰীমন্ত্ৰায়ন ছই খণ্ডে সম্পূৰ্ণ	(t
চক্রপাণিচিকিৎসা এত সিদ্ধুরীয়া	পটী
নিবাসী বাবুকাশীনাথ মলিকের প্রথমে	,
প্রভিত্তারা হস্তের লিখিত	<b>૨</b> ૭
নিডাধর্ম্মণ সুরঞ্জিক পত্রিকা বার্দ্দিক সৌক্ষা ক্রিয়াল কার্যাক্র প্রাঞ্জিক	<b>9</b>
কৌজুক বিল্ঞাস যাগ্যতে গোপাৰভ কৌজুকগুলি সম্পূৰ্ণ আংড়	? ≀८.क.स
•	रहेर <del>ङ</del>
च्यार्थन १ ६६/माम चाय्र । <b>উদ</b> ্ভ	
অ <b>ন্নতৰ চূড়াম</b> ণি অৰ্থাৎ ব্ৰহ্মনিৰ্ব্	Σ∦ ,
নীলাঞ্চন কাব্য	- H
পুর্ঞান কাব্য	
ম্পিকুণ্ডলা কাব্য	, h
অভিমন্ত্ৰেধ নাটক	ک ااما
ধাদশ শিশুর বিবরণ	11 er 14
রফোডমা গল্য কাব্য	3
कोत्रविद्यानं नाहेक	٠ ২
বিভিন্ন গাইড মার্লমেন সাহেব কুড	₹•
পতাগন্ধা উপাথা;ন	` b
मस्मनावनी अञ्चलहरू मामक्र	ভূ
পিশাচোদ্ধার	1
নাভিপ্ৰভা	
এটল'স বাং ৮ খানি ম্যাপ গংল	र्ग <del>हिन्</del> य
শূর্মানকুত	७ र
্জু হত্ত্বদশ্ন পৃথিবীর মানচিত্ত	¢   3
ভারভবর্ষের মালপ দেবনাগর অক্রের	۹ ۹
নী ডি শিক্ষা	
व्यग्नेत्र (मार्शिमी अन्तर्भक्ष भाव	भीका व
<b>本</b> [2]	24
ু কুমার সম্ভব সংস্কৃত হইতে পদ। অপুবা	
ক্তারভবর্ষের ইতিহাস কেদাবনাথ দক্ষ্কু	5 2
ঐ গোবিন্দচন্দ্ৰ সেন ক্লুত	₹
<b>ষন ভন্ন</b> রসংগ্রহ	2
প্রাচীন ইতিহাস সমুস্কয়	>
ৰী মাস্থেন সাহেবকুত ছুই খণ্ড	২ ব
নাট্য পরিমিউ নটেক	<b>5</b> 19
চরিত্তমঞ্জরী	<b>3</b> !
শব্দকর ক্রম প্রি.শ্র	ર્¢
কলিকাতা ভোড়া- প্ৰীপ্ৰভাপচক্ৰ	
সাঁকে 🔸 নগদ বিজেগ	; re

## ্ ইউই ডিয়া রেলওয়ে। কারাগোলা ঘাটে রেলওয়ের সর্বত্তে রপ্তানির নিমিত্ত মাল লওয়া যাইৰে।

এতদ্বারা সর্কাসাধারকে জ্ঞাত করা যাই-তেছে যে, যথন কারালোলা ঘাটে পারাপারের বিমার থাকিবে তথন 'ঐ বিমারে বেলওয়ের সর্বত্তিরপ্রানির নিমিত্ত সর্বপ্রধার দ্রব্যাদি লইতে ইপ্টইন্ডিয়া রেলওয়ে কোং প্রস্কৃত আছেন।

রেলওয়ে দ্রব্যাদি পাঠাইবার ভাড়া অন্ত্র্ব সারে ভাড়া লওয়া হইবে।কেবল ষ্টিমার হইডে সাহেবগঞ্চ ষ্টেসনে লইয়া যাইবার নিমিত্ত বোঝাই খরচা ও ভাড়া প্রতি মণে এক আনার হিসাবে অধিক লওয়া যাইবে। যে প্রেসনে দ্রিব্যাদি রপ্তানি হইবে সেই ষ্টেসনে

ইপ্টইণ্ডিয়া রেল ওয়ে হাউস এজেলি বৈডি সিদিল উিফেলন কলিকাভা ৭ ই এজেলি বোডি । সেপ্টেম্বর ১৮৬৮ ।

# পুরাণ প্রকাশ। বিষ্ণুপুরাণ।

অমুবাদ ও টীকা সমেত প্রত্যেক খণ্ড ৮. পৃষ্ঠা। অগ্রিম মূল্য )॥• ।

বিনি গ্রহণান্ডিলাধী হইবেন তিনি মৃত্যাপুর আমহরষ্ট উটট ৬৪।১ ন° ভবনে কারা প্রকাশ যত্তে অথবা কলিকারা সংস্কৃতি বিদ্যালয়ে গ্রীযুক্ত জগন্মোহন ভর্কালক্ষারের নামে যভ খন্তেব ইচ্ছা অগ্রিম মূল্য পাঠাইবেন। অগ্রিম না পাইলে বিদেশে বিষ্ণুপুরাণ পাঠাইবার নিমুম নাই ইতি:

#### বিক্রনার্থ।

গারডেন রীচ ২৪ নং বাটা গুলামসহ ১৯ নংক্রোড়া বাপান।

উপরি উক্ত বাগান ও বাটী যাঁহার। ক্রয় করিতে অথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নিমু ত্রাক্ রিড ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেগুৰিস্ আর্বো-খনট এবং কোং

বিক্রের্য বি ভাককরক্রম অভিধান। সর রাজা রাধ্- কান্ত দেব বাহাছরের ক্ষত। উন্ধনকপে নোণ্:
দিয়া স্তন বাঁধান, মূল্য ২৫০ টাকা।
শ্রীষানন্দচন্দ্রবেদান্ত বাগীণ।

হোমিওপেথিক চিকিৎসা, প্রথম সংখ্যা, আমরক্তে, মূল্য চারি আনামাত্র।

কলিকাভার চোরবাগানে ক্ষর্ক প্রেস ঠনঠনিয়ার সংস্ভ্তযন্ত্রের পুস্তকালয়ে এবং লালবাজারে বেরিনী কোম্পানির হোমিও পেধিক ফারমেশীতে পাওয়া যার।

# भून: श्रीख त्नांचे ।

যে ব্যক্তি ১৮৬৮ সালের ৮ ই আগষ্ঠ পত্র মণ্যে পটিনার ডাক্ষোগে নিমুলিখিত নোট সকল পাঠাইয়াছেন, তিনি নিমুত্বাক্ষর কারীর নিকট স্বিশেষ লিখিয়া পাঠাইবেন। এ ৫৮ ৮৯০০৭ নং ১০০ টাকার এ

> ডবলিউ, এইচ, মনগোয়ান। কলিকাভার পোষ্টমাস্টার।

> > —ঃ০ঃ— সাবিক্রীচরিত

জ্রীভোলানাথ বক্রবর্ত্তি প্রনীত। মূল ১ এক টাকা। সংস্কৃত মস্ত্রের পুস্তকালয়ে পাওয়া যায়।

১ ই ভাদ্র ও ১ ৬ ই তারিখের সোমপ্রকাশের বিজ্ঞাপনের লিখিত দেওয়ানী কার্যবিধান গ্রন্থের প্রথম ভাগা প্রচারিত হইয়াছে, বিভীর ভাগা ৩০ এ অখিন ও শেষ ভাগা ২০ এ কার্ত্তিক প্রচারিত হইবে । সমুদায় পুস্তকের মূল্য ডাকনাস্থল বাড়ীত ১০ সাকা। প্রথম ভাগের মূল্য ডাকমাস্থলমহ ৪। ত্রপের ছই ভাগের মূল্য ৬। তাকা; কিন্তু যাহারা ডাকমাস্থলমহ ৮॥ টাকা অগ্রিম মূল্য নিম্নলিখিত ঠিকানায় ব্রায় পাঠাইবেন, ভাঁহার। সম্পূর্ণ পুস্তক ক্রমে পাপ্ত হইবেন।

কলিকাতা জোড়াসাঁকো প্রক্ষেসমাজে শ্রীযুক্ত বাবুরামচন্ত্র ভৌমিকের নিকট অংগ্রিম মূল্য পাঠাইলেই হইবে।

-------

# दिन अद्य

विकाशन।

় ১৮৬৮ সালের ১ লা অস্ট্রের্ব্র ভারিকে এবং ভদষ্দি ২০ হনটেড়্ড এছেই মোট ওজনের এক টন হাবে তথ্য। প্রজ্ঞেক গাড়ির ওজন পরিমান **जञ्जात दुना कामनानी कहाँ हैं(द**ा.

মিমুলি বিত টেবেলে তেনী বিভাগ অনুসাতে হাওড়ায় জানিবার ভাড়া দুর্শনে যাইডেছে ।

	(MAIO) (MS)		*				<del></del>			r ''. '			·			<u> </u>		
হাওকা হইতে ঘড মাইল ছ	्य (क्टें नस ६३८	ভ আংমনানী	ै इड़ें द	त्य द्वात २०	जिल्ला	2 4 4 4 4	14 6 15 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16		F	स जाता ७ भारत	16 50 2175 0 2 2 16 60	10 (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1)	स्मित्र १०० मारिक	5 53 ATT	国生 医多种的 医二甲二甲甲基甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲甲	পাউও এ প্রিমিড বাছার ৬ এক গাইট বিক ফিটে হাছে।	ক কিডে। হইরাচেট ইক্সিস্থ কৈসিথ	, জ্জুৰী প্ৰ প্ৰিছিছ 1 ১৫ কিউ নিক ধ্ই-
سد بيس				1		• , •	1)	_,_				•				তান ধিক হ	३७ द <sup>ा</sup>	. পা <b>ট্র:ধ</b> র ড়ি প্রতি
> "	क्रिझी ७ गाहि ग्रादीका	চাত্যায় / হাত্যায় /	চ টুনুন গ <b>াই</b> টো	   61.   40   6	खा. ' र्य	Mi,	61		ં ઝા,	61. 68	खा, 1०/	MI.	ीर्ग . चंड	बा. 11/	જા <i>i,</i> •	ভাড়া: টা. ৩৬.	<b>1997</b>	41,
৯৬৭	! } =st.a.8911	্ প্রড়ের।ক প্রভাব	টনে গাইটে	4 9	اا <u>ما</u> لاما	a a	48	4 od 11 =	a	42	لوما نړه	ä	8%	الرا	γ 7:	<b>৩</b> ৪ ৬		•
৯৪•	ু আলিগড় '	্প্রত্যেক প্রত্যেক	টনে	· • •	العا	a a	40	Z	å	4.	11 • 4 • <i>j</i>	'n	88	کوہ یا کرہ	z. n	৬৩৬	الوما	•
ನಿ ২ ১	<b>হা</b> ত্রাস	্প্রতোক {প্রতেক	<b>ট</b> নে	· 68	نه وا 11	a" u	4 2	<b>"</b> /	ä	8 <b>à</b>	n d	7 7	3.3	•	77 127	৺ঃ৯	11.,/	c
à• t	্ জাগরা	্প্রত্তাক প্রত্তাক	<b>े</b> ८स	48	الروا	u,	13	1/	<i>3</i> 1	86	110	, n	8 o	الع الع م	n , n ;	७२०	ned	,
L 6->	্ ফিরো <b>জা</b> বাদ		ট্রে	(¢ >	ارا	a	83	भर्ग भू	ů	89	1/	<i>a</i>	8 <b>२</b>	' / h	» »	<b>૦</b> કે લ	V	, , ,
<i>ኮ</i> % <b>አ</b>	্ লেকোয়াবাদ	•	<b>छ</b> इ.स	ל 2	אמ	'a'	82	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	*	8 <b>%</b> <b>%</b>	اها اما	77	\$ \$	اا العا		৩১১	•	77
<b>५</b> ७६	<b>इ</b> ट्डाया	্প্রভ্যেক প্রভ্যেক প্রভ্যেক	টনে	82	4/ 4/	ה ה	8 <b>1</b>	1/	'n.	88	4/	,	<b>৩৯</b> ৫	لد، اوا	*	392	4/	4
986	কানপুর	্প্রত্যেক প্রত্যেক	<b>छे</b> दन	38	الم	å	82	." ایما ادیا	ש. מ	8 •	e II	a	જ ૧ 8	112	a	<i>&gt; જ</i> ુ ૧	12	»
৬১৯	আলা হাবাদ	্প্রত্যেক প্রত্যেক	টনে	59	راا	a	ot 8	ll ad	»	<i>७७</i> 8	4/ 112/	77 77	<b>8</b>	1	77	\$ > 6	۰,۱	a
690	মূজাপুর	্প্রত্যেক (প্রত্যেক	ઉંદન	98	رد الع	à	ۆ چې 8	اا ا	» '	* ¢. 8	n	ů.	<sup>સુ ક્</sup>	10'	'n	₹• <i>*</i>	۲	*
68.	वातानभी	্মক্রেক ব্যুক্তিক ব্যুক্ত	ট নে	92	1 • 1 • 1	ן קיי	্ত ৩• ৪	ارما العا	; 77 70	۵ 8	•	7	3 ft	4/ 11/	מ מ	٥ 🕹 د	1	. 22
4.9	জুম নিয়া	্প্রভোক বিজ্যেক	ট্ৰে	9.	ي ما	ת א	٠ ١	ilei hei	n W	2 q 9	n N	a	\$ 8 •	المحا	יי ד	26-2	a)	*
৬৯৬	প:টনা প:টনা	্প্রত্যে প্রত্যেক প্রত্যেক	57.4	2 9	ص اما ا•	а а.	<b>২</b> ২	ره د د	3)	* \ *	1/	7	خ ېه.	hed Hund	s) p	১৪১ ন ৩২ - ৮::	h	<b>1</b> 6

১। প্রভাক টনের ভাড়ার পরিবর্ত্তি প্রত্যেক সাইটেব ভাড়া লওয়া যাইতে পারে, যদি প্রত্যেক গাইটের মোট ওয়ন ৩২- প্রভূত্তির এনাকে হয়।

বোড অব এছেলি বোড হব এড়েশি ! रम म जाराष्ट्र रमकम।

২। খোলা তুলার ভাড়া চতুথ তেনির দ্রবেরে ভাড়াব সমান ধরা হইবে । কিন্তু এক খানি গাড়ির নির্ভম ভাড়া প্রেড্রে মাইবে । ৩। ভুলার প্রভেকে টনে। এ অনে। অথব। গাইট করা এক আনা হিসাবে ছাওভার টার্মিন্যল রেট দিভে চইবে।

া :শক্ষক বাতিরেকে সঞ্জীত শিকা। " अर्थार !

ইউরোপীয় অর্লিপি সম্বলিত সেতার, (नकाल), अन वाका, वश्मी, कार्या विश्वप अ अपन প্রভৃতি শিথিবার সহজ উপায় , মূল্য ৩ তিন होका। लालमंघीत श्रक्त अंद्र एम काला निह ও ঠনঠনিয়াস্থ সংস্কৃত যন্ত্রের প্রস্কালয়ে বিদেতি । ब्राटाईइ

क लिकाका তবা সেঠেইমর ) श्रीवाकसम्मा थ हर्ते भागतध् लाउ। अडाका (भारतारके स्वा ्ला व

---- :0?---

কলিকাভাব মান্তিপ্র মুদ্রিত হইয়া বিক্রয়ার্থ প্ৰায় হ আছে। (উত্যবাগাই) মূল ২ টাকা। जीकामीक्षमतः भन छ छ কলিকাত। নন্মাল স্কল

-----

ভদ্ৰদ্য প্ৰম, দিনীয় ও ট্ৰীয় প্ৰ যুগ্টিত সংশোধন ও অবিশাক্ষত পরিবর্তন পুৰ্বাক দ্বভীয় বাব মুদ্ৰিত হইয়া কলিকাত अक्तिम्बाद्यात् । मध्ये ७ महसूत्र भूष्यभागास्य বিদ্রাধ প্রস্তুত অনুদ্র মূল ে া টাকণ জিবিজেশনাথ সাকুর

## (गागथकान।

७० च स्तित जाशवात ।

আমাদিগের এক জন পর্তারেক এই বলিয়া অংকেণ করিয়াছেন, অনেক বিচারপতির এরপ সভাব আছে. মক क्रमानिष्यां देव विश्वातिक भारत वाधना. मिर्गत तोह ध्वकांल कर्रन ना । डोहार्ड অগীও এতাথীর অতিশাল কট হয়। कर्डि ३ इहेश थात्क। দ্র হুদি পের আমরা প্রপ্রেরকের এই বাক্টের সম্পূর্ণ সমর্থন করিতেছি। ৬ । ৭ নামপরে রায় প্রাধান করিলচ্ছন, এমন বিচারপতিও व्यामाणिद्धाः नवनद्धाः इत इरेशार्ड्न। ताम अकाम कतिएठ अमझड विलय रहेटल विठाउन हिस्टिशन मकलागांत অবস্ত ইইবারও দম্পূর্ণ সন্তা वना, शजात्यातक अहे त्व कथा कहिशां. ছেন, এটাও ঘর্থার্থ। এ বিবয়ে প্রধানতম

শ্যক। জটিল মকদ্দমাপ্তলির সহসা রায় প্রাকাশ করিতে গেলে ব্যতিক্রম ঘটিবার দন্তাবনা আছে, একথা আমরা স্বীকার করি ; কিন্তু ভাহা ৰলিয়া মাস, পক্ষ, ম্থাম ও বংশর অতীত করা কোনক মেই সঙ্গত হইতে পারে না : কোন্দিনে উकीलिम्टिशत छर्क विछर्क इत्र, छाहात পর কত দিন অন্তর রায় প্রকাশ হয়, প্রধানতম বিচারালয় যদি ভাষার অসু भक्तान कतिवात अक्जी निश्चम करतन, তাহা হইলে আর রায়প্রকাশে অসমত विलय हरेए भारत ना।

----201----

মানিব মকদ্দনার বিচার।

कक्टन कि कमाति आहेरनत मः भा ধন আরম্ভ হইয়াছে। অভএব এই সুযোগে আমরা দণ্ডবিধির একটা ধারার পরিবর্ত্ত করিবার অনুরোধ করিতেছি। ১৮५० भारकत १० मारेटनत ७०५,७०२ গু ৫০৩ ধারামুদারে অভিযোগ ইইলে ভাহার শেব বিচার এক জন মাজিট্রেট অথবা মাজিটেইটের ক্ষমতাপ্রাপ্ত ব্যক্তির षाता इडेबात विधि आहि : किन्क यनि অসুধাবন করিয়া দেখা নার, এটা আমা-षिद्वात **काइटनत এक्**टी श्राथांन प्राथ বলিয়া প্রতীয়মান হইবে। প্লানির মক-দ্দন। করিতে পেলে বিশেষ আইনজ্ঞত। व्यावभाक। इंडिट्रांश ७ व्यादमितिकाश অতিশয় উপযুক্ত বিচারপত্তিগণও এই मक्न मक्कमा क्रिएड शिशा व्यानक मगर्य অবিচার করিয়া বদেন। এমত ছলে আমা দিগের অংশশিকিত মাজিট্রেট, মহকারী उ जारे के माजिए हैं है, वा उप्यूषी माजिए है **ं** छेत निकटे य हेरात चुम्नत विठात स्ट्रेटन. इश (कानकटमइ मुखाविक नट्ड। बामा निरात रात्य क्या निरात क्रिया विष्ठात रहेट ७ एक । आमका श्रास्त्रा विद्या তেছি প্রানির মকদ্দমার বিচার জুরির

व्यक्तितिहरू मित्र मुखिलां व्याप-्रे दांता कतार कर्डवा । अक सर्व हेश्तां स वावहाताकीय बटलन, "विहात मिल्रिशन যদি বিমাজুরিতে গ্রানির মকদ্দমা করিতে भारतिएकन, **काहा इंदे**ल पृष्टे पिर्दागत मर्था मः वामभराबत याशीनछ। लाभ পাইত। ভাঁহারা যতই বিশুদ্ধান্তঃকরণ इडेन ना किन, खथानि भवर्गितक कर्या-हाती: शवर्गत्मट्फेंब मिट्य होन इहेवांत विनक्त मर्खादना चारह। अकरन जुरहा দর্শনে मध्यमान कतिशाहि, शवर्गमिन ख ধ্বর্ণমেন্টের কর্মচারিগণ অনেক সময়ে সংবাদপত্রের সম্পাদকের উপরে বিরক্ত हन। " यथन देर्ल ए अवल माधातन মতের সমাথে এবং অপক্ষপাতী বিচার. পতিদিগের নিকটে অবিচারের সম্ভাবনা, তথন ভারতবর্ষে যে মাজিটেটগণ সুরি-চার করিবেন, ভাহা সম্ভাবিত নছে। মক यटला विठात भारति मनदात विठातकः দিগের নাম স্থিরচিত ও সহিষ্ণ নহেন। পংবাদপত্রের নামে নালীশ হইলে যে ভাঁছা দিগের অনেকে দণ্ড নিবার নিমিত ব্যক্ত হন, যাঁহার৷ অস্তবান্ধার পত্রিকার নামে নালীশের রক্তান্ত শ্রেবণ ক্রিয়াছেন উাহার। এই কথার যাথার্গ্য রুকিতে পারি**বেন। আমর। ত**ল্লিমিত পুনরায় ক**হি** তেছি, দওবিধির ৫০১,৫০২ ও ৫০৩ ধারার মকদমাদকলের বিচার জেলার জজ ও জুরির হতে দেওর। কর্ত্রা। ক্রমশঃ সর্বাত্র সংবাদগত্র স্থাপিত হই-**उट्ट। मन्त्रीएकशन माइमनइकाद्य मकल** বিব্যেরই আলোচনা ক্রিতেছেন। যাঁহারা वाखिविक व्यवताधी, डाँशानित्मत मध হউক, তাহাতে কাহারও আপতি নাই : किछ राजुड़िया विषातर्शाङ्गित्धत इत्छ (एन मृजू। न। इहा। व्यक्तवर करें मनदा ফে) জনারি কার্যাবিধির সহিত দওবি-ধির পুকেতি স্বারাগুলিক সংশোধন कता व्यवणा कर्त्वता।

श्रिकान श्रकु खत मान ।

चामता शंखवाद्वत अध्यक्षाञ्चादत चना चार्मानिर्भन निमीशांच्छ निमनति वाकारवत विकीशभाज्य व्यक्ताखरमारम প্রার্ভ হইলাম। আমরা বেমর জন ল্বেন্সের প্রতি বিদ্বেষ্থপতঃ কোন বি রুদ্ধ বাক্য প্রয়োগ করি নাই, ভাষা মিদ নরি বাহ্মবের দ্বিভীয়পত্তের ভাবে স্পাট क्षजीश्मान इहेरल्डा थाहा हकेक, सागरा তাঁহাকে অসুরোধ করিতেছি, কোন গব. र्वत (स्मारण स्थवा वास्क्रिविट्माट्यत तास নী ভার প্রতি দোষারোপ করিলে রাজা বা রাজীর প্রতি অশ্রদ্ধা প্রকাশ অপবা বিপক্তাচরণ করা হয় না, এটা যেন তিনি যাবভীয় ইউরোপীঃকে বুঝাইয়া (पन। अक्टा व्यानक इंडेट्रांभीरवृत একটা রোগ দাঁড়াইয়াছে, কোন বিষয় অনভিমত হইলেই ভারতবর্ষীয়দিগকে विट्यंबडः मःवाम्यद्वतं मण्यामकमिशदक व्यक्तारा, ज्रुहाड्ड ও तांबरमाही विनिञ्ज गानि मिया थारकन ;

আমরা ছঃখিত হইলাম, মিদনরি বন্ধুর সহিত এখনও ছুটা বিষয়ে আমাদি গের মতভেদ হইতেছে। প্রথম, তিনি वालन, " गवर्गमणे श्रकात श्राकिनिधित এ সংস্কার বেখানে আছে, সেই খানেই হত্যা, দক্ষাতা, বিপ্লবঞ্জতি নানা রোলযোগ ঘটিয়া থাকে। তিনি আমা **पिर्**गत ज्ञानश्राधनार्थ जारमतिका ७ ইউরোপের প্রতি দৃষ্টিপাত করিতে ष्यक्रद्रताथ कतिशारहर । इंडेटबारश य. এ সংস্কার বলবান, আমরা তাহা পশ্চাৎ সপ্রমাণ করিতেছি। আমেরিকায় কেবল धरे मः कारतत का विना नय, ख्थाये छन्। जुनाती काख ७ इरेट्ड । अकाताह चारमतिकात नामनकर्जुभगरक मरमानी छ कातन, এ कथा क्लान् वाक्तिः श्रवीकात कहिर्दन १ व्यना क्यान् (मर्म अवाह कड कमडा बारह ? बना कान कान

भागनकर्द्धगर्भारक् अञ्जल माधात्रव्याञ्च. বর্ত্তী ক্ইয়া কাঞ্চ করিতে হল না। কিন্তু আমেরিকায় কি নিরস্তর দস্তাবৃত্তি, হতা। ও বিপ্লব ঘটিতেছে ? ইংলতে রাজার স্ত্রার পার লোকে মৃতন রাজাকে মনো नो करवन ना बटहे, किन्न यति अनुशा বন করিয়া দেখা যায় এতীয়মান হইবে रमश्रीदम् द्राकात ताकालां अवात ইচ্ছাকুত হইরাছে। বরণুরউইক রাজ वर्म উভराधिकांत्रज्ञाम ना जग्रश्राधार हेरला अन्ताधिकात इहेबाएइन १ जाहा षिरात अथम शुक्रव कि **मर्क्त**माधातरनत মতাসুদারে আগমন করেন নাই ? সমাট নেপলিয়ন সর্ক্রদাই বলিয়া ও লিখিয়া থাকেন, " আমি তৃতীয় নেপলিয়ন ঈশ রের রুপায় ও লোকের ইচ্ছায় শাসন করিতেছি ইত্যাদি।" ফ্রাক্সে একনায়ক-তন্ত্র প্রচলিত সত্য; কিন্তু ভৃতীয় নেপ लिय्रत्मत नार्य कार्क स्यम्न नियम श्रीकात করেন, তাহা কোনক্রমেই উপহান বা উপেক্ষাযোগ্য নছে। भिन्नति वाञ्चव य প্রাচীন জর্মণীয়দিগকে অসভ্য বলিয়া निर्फिण क्रियोट्डन, म्हे अम्डानन হইতেই কি ইউরোপ খণ্ডের বর্তমান স্বাধী নতা শাসনপ্রণালীর মূল পত্তন হয় নাই ? কোন্ইতিহাদৰেভা এ জন্য এই অয়ভা मिरात निकरि कुछक्क **अवाभ** ना করেন ৃ যে দিন আর্ক বিশপ লডের শিরশেছ দন হয়, সেই দিনই ''রাজা ঈশ্বরের প্রতি নিশ্বি গ এই মতটা ইংলতে লোপ প্রাপ্ত इहेशार्छ। १७৮৮ प्रायमत विश्लव-ছারা " রাজা প্রজার প্রতিনিধি " এই **मठी वलवंद एवं । इ**र्ज्याग्रानिवक्कन একণে কর্মনীতে ইহার তাদুল প্রাবল্য नाहै। अन्भातिष्ठ काउँ विममार्कत श्राचारत প্रতিনিধিসভাই मुर्क्त मर्का হইয়াছেন। জর্মণী ইউরোপখথের মন্তক - दूषि ও চিন্তার স্থান ; क्षाञ रेख — कार्या করিবার উপায় ; ইংলও পদ—দাঁড়াই

বার স্থান। ইংলতে যে মত বদ্ধমূল হইয়াছে, তাহা যে দীঘ কাল ফুান্সে ও वर्षनीटंड च्लक्षभर थाक्टिंब, কোন ক্রমেই সম্ভাবিত নহে। গবর্ণমে ভির অনুসংকার বিষয় কি ? প্রজার মঙ্গল छ ? আমার कछे आমি নিজে शেমन कानि বুঝি অন্য কেছ তেমন জানেন ও বুঝেন नः। य गवर्गमणे माभावत मञ अधाहा करतन, ऊँ। का जिल्लात भरत भरत जम क्य. अभि कि कान वाक्ति अश्रीकात कतिएड পারেন 

প্ ভীয় নেপলিয়নের সদৃশ लाक गर्दना अवाधह्य करतन ना: ভাদুশ অলোক দামান্য গুণ্দপন্ন ব্যক্তি-কেও স্বীকার করিতে হইয়াছে, এক অথবা কয়েক ব্যক্তির বুদ্ধিদ্বারা যাহা উদ্ভা-वि इ इश् छोड़ा मह शाहत न क न क लाक त्नार कत মঞ্লকর হয়না। প্রজার মত, প্রজার অবস্থা ও প্রজার অভাব বুলিয়া ও জানিয়া কাজ করাই প্রত্যেক প্রণ্মেন্টর কর্ত্র। কর্ম এটা যথন স্থিরতর হইল, তথান গ্রণ্মে-তকৈ প্রকার প্রতিনিধিভিন্ন আর কি বলা দক্ত হইতে পারে ? আমরা इ:थि उ इहेलाम, आमानिटभत मिननति वाञ्चव এই मःकाद्वत (लाक मिश्र क कतांभी काकरिन ও मामिशालियां पिरात मृद्ध भेगा कतिशाद्या । भवर्षिमणे श्रकात প্রতিনিধি হইলেই যে সম্পতির প্রভেদ রহিত করিতে হয়, এটি প্রামাণিক বাক্য नट् । मभूनाय मण्यति मक्नाटक मभान অংশে ভোগ করিতে দিলে সমাজ এক षिम ७ हाल ना। श्वास्त्रिमिश्यवर्गायकार অধীনে এরপ হরগাও সাম্রাবিত নছে। আমতা স্থাকার করি, প্রাচীন কালের অর্থানীর দুণাভাগ রোমের অধিকৃত প্রদেশসকল জন্ন করিয়া যাবভীয় ভূমি ও গম্পতি জুলাংশে বিভক্ত করিয়া লই তেন; কিন্তু দেটা অভিনিধি ভাৰালীয় लाय नटहः जनानीयन वास्किविद्रभट्यत चाविषयक अश्कारतत्र (मायहे (म श्रकात

স্টিত। যে কণে অগভোরা রোমের ভিন্ন ভিন্ন ভানে ভাগী হইলা বসতি করিতে আরম্ভ করিল, সেই কণেট পুনর্কার সম্পত্তির প্রভেদ আরম্ভ হইল।

শারলমনের পরপর্যান্তও রাজা।
ননেনীত করিবার প্রথা ছিল। তাই।
হুইতেই বর্তমান প্রতিনিহিপ্রগালীর উৎ
পতি হুইয়াছে। প্রজার প্রতিনিধি হুইয়া
শাদন করাই যথায় বলের করিবা; এ
অবস্থান্ত কোনপ্রকার করন্তাপন করা
কটকর হল না; নগন গ্রন্থেবিদন্টের
স্থার্থকৈ প্রজাব আপনার সার্থ বলিয়া
বোধ হয়, তথন দেই গ্রন্থেন্টের রক্ষার্থ
প্রজারা কোন ফ্রেশকে ফ্রেশ জ্ঞান করেন
না।

মিদনরি বাহাব জানিবেন, আমরা शक् स्थावनश्रीमरगत श्राक्त या व ग्रा किशा विद्वाय कति नः। श्रोधेश्य दक्त, दक्तीन थएमा विद्यास करा। आमामिरगर अञ्चल्छ न दि। आभारा थे छितान नहि अवर स्राप्त भीदिवता शृक्तिवान इंडेटल रे य जाँगाति ু গের উন্নতির পরা কাঠা হইবে, এ সং-ক্ষার নাই বলিয়াই যে, আন্রা নস্তিক হই लाम, अप्रिंश व्यक्तिभिष्टकत वांका। श्रवनंत জেনরলের অবলয়িত রাজনীতির প্রতি (माशादराभा कतिदल जाकादक विरम्रातक्त ८७ है। बन्धा स्थमन व्यम्भात, ये जिथ भट्यात বিরুদ্ধ বাদকে নাল্ডিক'ডা বলাও ভেমনি আনায় । মিধনরি বংল্বর আংকর অংপ कारण मार्गी वन नाहे। हेक्केरतारण এক্রে সাধারণ মত বে প্রকার আকার ধারণ করিয়াছে, তাহাতে যে শীঘ্র থট ধ্যের অক্তিত্ব লোপ হইবে, তাহার नगरिक मधावना अवर आभाषित्रात दक्ष फाश - कि श्रीकात कतिहारइन : किन्छ জিনি খাষাদিগকে বলিতেছেন " যে আনিই, - টাবলে হইচে চলিল ভোমরা ক্ষিত ক্ষিত্ৰ ভাৰনা কলিয়া তাহা হইতে केल्क्क्किन्य अञ्चाहा यामान्द्रभत

মিদ্নরি বাহ্মবের ধর্মানুরাগের স্বিশেষ প্রিচয় হইতেছে, ত্রিমিত ভাঁচার প্রশংসাও করিতেছি; কিন্তু খুট পর্মাই ব্য যাবজীয় জাতির উন্নতির কারণ, তৎস্বীকারে আনরা নতি। সমুদ্রের হাস রুদ্ধির নাায় মকল জাতির উন্নতি ও হাদের সময় আহে। প্রাচীন কালের জীক ও রোনকেরা জুপি টরকে পূজা করিয়া কি না করিয়াছিলেন গ इंडेरडार्ट्स अकर्न म संस्थानिक शिक्ता উন্নতি নয়নগেচর হইতেছে বটে ; কিন্তু ধর্মবিশাস যে দেই উন্নতির একমাত্র কাংণ, ভাষার প্রমাণ কি ? ভবে কেন र्चितिमग्र अभिक ताका जुतकितिशत হস্তগত হইয়াছিল ্ স্পেন কি খা টায়ান দেশ নছে? মেকনিকোতে কি অধিকাৎশ लाक थु छीतान धर्म अहर करतन नाई ? মিশন,র বস্তা হে ইতিহাদকে প্রামাণ मानिशाष्ट्रन, स्मेड्रे डेडिस्य्हे বলিয়া नित्रहरू, श्रीदिभया इहेर्ड সম্বোদানৰ মন্ত্ৰীর অনেক অপকার र्हेशार्ड । अभग ठाउँवार पर मन्त्र मङ् लाकमिर्धत अक शांखाशीर केहिमि গের অতি মহুং উদ্দেশ্য বিসময় ফল अम्ब क, तहार्द्ध । थु की हान ना इहेरल ভারতবর্গ পুনর্বার মস্তক্ উত্তোলন করিতে পারিবেন না, এ বাকা আছেয় নছে।

মূত বাবু প্ৰসন্মান ঠ কুৰ ও ইংহাৰ কুতে উইল।

আমরা সত বারু প্রদন্ন কুমার ঠাকুরের কৃত উইলের মর্মা অবগত ইইলা চুটা বিষয়ে অধিকতর প্রতিলাভ করি য়াছি। প্রথম, তিনি নিজ জমীদারীর প্রজাদিগের বিষয়ে যে প্রকার ব্যবস্থা করিয়া গিয়াছেন, তাহাতে কেহ যে কর্মন তাহাদিগের উপরে কোনপ্রকার পীড়ন করিবেন, সে সন্তাবনা নাই। জমীদারী ইজারা ও পাতনপ্রভৃতি

দেওয়া দূরে থাকুক ২০ বৎদরের আধক কাল কাহাকে পাট্টা দিবার নিদেধ করা ছইরাছে। দেলামীপ্রভৃতি কোন বাব করিয়া কেছ প্রজার নিকট ছইতে,নিয়মানতিরিক্ত অর্থ প্রহণ করিতে পারিবেল না। এরূপ ব্যবস্থা করিবার ছেছ্বাদ স্থলে লিখিত ছইয়াছে, জমীদারেরা সচরাচর ঐদকল বাব করিয়া প্রজা পাড়ন করিয়া থাকেন, অতএব তাঁহার জনীদারীমধ্যে ঐ রূপ না হয়। এত দ্বারা স্পট প্রতীয়মান্ছইতেছে, তাঁহার আল্রতবাং সল্লের নাায় প্রজা প্রতি পালকতা গুণ বিলক্ষণ ছিল।

দিতীয়, তিনি নিজ বিষয়ের যেৰূপ উত্তরাধিকার ক্রম নিরাপণও ব্যবস্থা করিয়া ্গয়াছেন, তাহাতে তিনি যেন চিরজীবিড এইরূপ বোধ ভাঁচার বিবৰ あかれ গোরামর গত হইবার সম্ভাবনা নাই। তিনি निজত্তিত। ও দৌছিত্রদিগকে অধিকারী না করিয়া নিজ ভাতুপার বারু যতী-स्राइन ठेक्ट्रिक अधिकादी करिया বিয়াডেন। যতান্ত্রাব্র পুজ পৌজাদি रेकाछा जुमारत अधिकाती इस्टबन । यही পুত্রপৌত্রাদির ज्यान्य উাহার কনিষ্ঠ ভাতার পুত্রপৌত্রাদি **ब्लाफेक्टम अधिकादी ध्टैर्नि । हे**हीनि রের অভাবে প্রদর্বার্র পিভামহলাত मन्डित। क्रेन्स रेक्क्रोन्सारत अधिकाता **হইবেন। আম**রা যে উত্তরাধিকারীদি-গের কথা কহিলাম, ভাঁহাদিগের যথেজ্য উপভোগ বা বিষয়ের যথেচ্ছ বিনিয়ে গের ক্ষমতা থাকিবে না। ভাঁছারা কেবল উইলের লিখিত নিয়মানুসারী উপস্বত্ব ভোগী হটবেন এই সাত্র। যিনি যথন অধিকারী হইবেন, তিনি তথন প্রদন্ধ বাহুৱ ব্যবহৃত বৈঠকথানায় উপবেশনাদি कड़ि(वन ।

षामता इंदेरनत बदावद्धांत रग बड

কলাপ উপস্থিত হুইলে ভিনি নিমন্ত্ৰপত্ৰ ও বিদায় প্ৰাপ্ত হইয়া খাছেন। পূৰ্ব্বোক্ত গালদত্ত উফীকই এখানকায় পঞ্জিছিদেশের প্রধান সন্থান চিন্ন। বিনি ছারত কায় রাজবাচীর পত্নীকায় অকৃতকার্য্য হন, ভিনি অধ্যাপনা কার্য্য করিছে অথবা পণ্ডিত বিদায় গন্য হইক্সে পারেন না। অপর কোন ছানে নিমন্ত্রণ হইকে অপেকাকৃত বিদায় অল পাইয়া বাহেনন। আজিও বে এখানে বালালাদেশ অপেকা সংস্কৃত লাজের সম্বিক অনুশীলন হইয়া খাকে, রাজা ও এখন প্রধান অনীদায়দিশের উৎসাহদানই ইহার য়ল।

মহারাজ রুজিগংছের সময়েই বর্তমান রাজ বালী এবং জন্যান্য ইহৎ ব্রহৎ জ্ঞালিকা ও রম নীর উন্যান্যকল প্রস্তুত হয়। ইহার ৫।৬ সহত্রে সৈন্য ৩।৪ শত হস্ত্রী ৩ ৪ শত জ্বা ও অসংখ্যা দাস দাসী ছিল। ইনি ১৭ বৎসর রাজত্ব করিরা অগাবোধন করেন। ইহার সময়ে বোড়াল লক্ষ্যাকা বাংসরিক জায় ছিল। মহারাজ রুস্তুসিংহ এরপ দানশীল ছিলেন, বে, ১৭ বংসরের মধ্যে ২ কোটি ৭২ লক্ষ টোকা রাজত্ব এবং পিতৃত্ত ৯৫ লক্ষ্ টাকা ব্যয় করিয়াও সজ্যোবলাভ করেন নাই। পুনরায় ৭৭ লক্ষ্ টাকা ঝণ করেন। ইনি জনেক স্থাবর সম্প্তিও জনেকক্ষে দান করিয়া থান।

মহারাজ ক্রসিংহের মৃত্যুর পর ভাঁহার জ্যেষ্ঠ তন্ত্র মহারাজ মহেশ্বর সিৎহ রাজা হন।
ইনি পিতৃ খানে বিলক্ষণ জড়ীভূত হইরা হিলেন।
ঐ খাণ সম্পার পরিলোধ করিয়া উঠিতে সমর্থ হন নাই। ইন পিতার ন্যায় ধার্মিক হিলেন।
সর্বাণা দেবার্চনা এবং ধ্যান ধারণায় ভাঁহার:
অধিক সময় বায় হইত। ইনি ১০ বংসর রাজ্য করিয়া ১৮৬১ অব্দের আখিন মাসে ছটা লিভ্
কুমার রাখিয়া পর লাক প্রমন করেন। বর্ত্তমান অপ্রথবহার রাজ্যকুমার মহারাজ লক্ষীনারা রণ সিংহ উইার জ্যেষ্ঠ তনয়। আজি কালি রাজ ন্যারের বয়্বাক্ষম প্রায় ১০ বংসর। ইনি বয়াপ্রান্ত ভাঁলে উত্তর কালে পৈতৃক রাজ্যর প্রাপ্ত হইবেন।

মহারাজ মহেশ্বর সিংকের পরলোকপ্রাপ্তির
ার রাজসুমার অপ্রাপ্তব্যবহার থাকাতে এবং
ালসংসারের অধিকতর ঋণ ছেওয়াতে, আমা
দলের প্রহিতিথী প্রজাবংসল গবর্ণমেন্ট
ারভালার রাজ্যসম্পতি কোট অব ওয়াতের
মধীন করিয়াছেন। ফরলঙ্ সাহেব ঐ বিষয়ের
জনেরল ম্যানেজার। ইনি ন্যায়পরায়ন, দয়াল্য
দাশের ও কার্যাক্র এবং যে কার্যের ভার গ্রহন
গিয়াছেন, তল্পিয়ে বিশেষ পার্বদ্দী। ইনি

यं कार्टन विषय्विक व"कार्ड अव अत्रार्ट्ड अधीः र्य. ७९कोटन ताजमश्माद्यव मुद्राधिक এक कांगि छाका प्रमाहिल क्रुब्र गाइव खेखमर्वि গের সহিত ৭৭ লক চাকার চুক্তি করিয়া ৮ বৎস বের মধ্যে ঐ সমুলায় ঋণ পরিলোধ করিয়াছেত কোট অব ওয়াডের ব্যবস্থা হইবার প্রর্ফে ছারভা শার রাজামিনের কোন বিষয়ে ক্রশুঞ্চলা ছিল না মুতরাং বেরূপ বিভব তদ্রুপ আয়ু হইত না অনেক অপরিমিত বায়ত হাইছে এবং রাজসং শারে এমন কতকগুলি অসং লোক ছিল ভাছার নিমুত্ই কেবল আপন আপন উদর পরিপ্রবেশ্র এবং বাজসংসায়কে উৎসন্ন দিবার চন্টায় থাকিছ অর্থ আত্মগাৎ করাই উহাদের প্রধান লক্ষ্য ছিল কেট অব ওয়াডের অধীন হওয়াতে আরু রাজ भरभारत्व कशक्तकशांक अन बाहे । श्रृकारणकः। कारमुत नग/ + वृष्टि स्टेम्नार्ट अवश् वर्ष वर्ष गाप्त वारत किथिए किथिए केष छ इटेरजरहा आबि कालि शवर्गाम होत्क छुनित ताक्षण निश्चा দমুদায়ে বাৎসবিক আয় ফুনোধিক প্রায় ৩. मक मेका रहेब्राट्ड धवर काम्लानित काशक अन्तिक शक्त होकांच्र क्रम रहेवारक।

এ দিকে আহের যেমন বৃদ্ধি হইয়াছে, ব্যয়ন্ত নিভান্ত কম ইইভেছে না। একাণে বাংসরিক বায় প্রায় ১৬ লাল ৪ ছাজার টাকারত অধিক ইইভেছে। আজি প্রস্তার বাছলাভয়ে আমরা আর অধিক ছুর অগ্রসর ইইলাম না গঞ্জান করলং সাচ্বেকে অসংখ্য ধন্যবাদ দিয়া অদ্যকার প্রস্তাব শেষ করিলান।

## विविधगः वाम ।

২৩ এ ভাদ্র সোমবার।

এবার - আমেরিকার পূর্মের নাায় তুলা । অমিয়াছে: আমেরিকার তুলা ভারতবর্ধের তুলা ।

व्यापका छेल्क अवर व्यक्ति शतियात् छैर्शा-विष्ठ इत्र विष्ठ यथा छ शक्तिय छात्रखर्द (व श्रकात एक्षा स्टेएक् विव छिरात वाखित्यम ना इत्र, ष्टार्थ स्टेर्ग व्यायाविर्णत (काम भक्ता चाकिरव ना । क्राय छात्रखर्दात्र छून। छेर कर्व नाष्ठ कतिरव मरम्बर नाहे ।

কলিকান্তা ও উপনগরের মিউনিসিপালিটি। একতা করিবার প্রস্তাব হইয়াছে।

রেলওরে ও তৎপরিপোবক রাজাসকল ছারা জলপথ বছ হইয়াছে, এ কথা গবর্ণদেওঁ অপ্রমাণ করেন। কিন্তু সম্প্রতি বারাসতের মাজি ক্রেট কয়েকটা রান্ধার মধ্য খনন করিয়া জল বাহির করিয়াছেন। হালিসহরে কেরিকও রাল্ধার জনেক স্থান খনন করিতে হইয়াছে। আমরা জনা জন্য স্থান হইতেও সংবাদ পাইভেছি, সল শীজ বাহিও না হওয়াতে বিশ্বর বাটা পভিয়া গিয়াছে। জলপথ বন্ধের একটা বিশেব প্রমাণ এই, গত কয়েক বৎসরে সর্বাক্র বেমন জলল হইতেছে, এমন আর কখন হয় নাই।

গড় শনিবার উপনগরের মিউনি দিপালিটির দহ
কারী সভাপতির পদে এক ব্যক্তিকে নিযুক্ত করি
বার অভিপ্রায়ে এক সভা করা হয়। আপাভতঃ
লাইন্ট মালিটেট এচ, এল, বীডন সাহেব সহ
কারী সভাপতি হইবাছেন। হালডেন সাহেবের
হিলাব দশনার্ব একটা দব ক্যিটি, নিযুক্ত হইরা
ছেন। কেবল হিলাব দেখিয়া ক্যিটি যেন সক্তই
না হন। কর প্রদায়ী দিগের ক্রেক্তনের জ্বান
বিদ্দি গ্রহণ করা উচিত।

প্রশিক ওপিনিয়ন বলেন, স্থাগড়ের বিখ্যাত নৌরাত্মকারী সদ্ধার আভামহম্মদ খাঁ ধৃত হইয়া লাহোরে আনীত হইতেছেন। এই ব্যক্তির মন্ত্রনা হইটেই সম্প্রতি হাজরাতে এত গোল হাগ হইয়াছে।

পুনর্মার জনরব উঠিয়াছে, নিজানের সহিত মন্ত্রী সালারজকের মনোমালিন জন্মিয়াছে। সালারজক যেপ্রকার আনিপ্রা করেন, ভাহাতে মনোভঙ্গ নাহওয়াই আশ্চর্যা। মন্ত্রী নিরন্ত্র করিবার আইন করাতে বিভার লোকে ভাহার শত্রু হইয়াছেন।

ভেলিনিউস প্রবণ করিয়াছেন, পঞ্চাবের অন্ত
গতি মালিরব কোটার নবাব লাছোরের দেশীয়
ভাষাব বিদ্যালয়ের নিমিত্ত কয়েক বংসরপর্যান্ত
বার্ষিক এক লক্ষ করিয়া টাকা দিবেন। বাংস
রিক ৩৫০০০ টাকা ক্লদ কয় এত টাকা জমিলে
ভূবে ভিনি ক্লান্ত হইবেন। নবাব নিজে ইংলন্ডে
ভাইবেন এবং ভাছার আতুম্পুত্র কে ভবাগ্র
বিদ্যালক্ষাব প্রেরণ করিবেন।

ংরেন, মাতলার উন্নতি হইয়া লাভ হ্ইবে टन्स्ट नाइ । भावदवार्ज ७ मूट्यक थाल প্রভৃতির দুষ্ঠান্ত দর্শন করিং। পরিকর कान क. 1 विद्यस इस ।

#### মুক্তন পুস্তক।

১। মহাক্ৰি কালিদাস্কৃত কুমার মলিনাথকুত টাকা **স**হিত্ দিতীয় সর্গের কিয়দ্রপর্যান্ত। 🖎 যুক্ত বারু হরিমোহন মুখোপাধারের নূতন ৰংক্ষ **ত যন্তে** শ্ৰীযুক্ত কেত্ৰমোচন মুখো শাধায়ে মুদ্রিত ও প্রচারিত করিয়াছেন। প্রচারকের উদ্দেশ্য এই, ভাগ ক্রামে প্রকাশ করিবেন। সল্লিনাথ যে যে छात्न ममामानिएक छेल्या क्रियार्डन. ক্ষত্রমাহন ছাত্রদিগের স্থাবিধার্থ দেওলি পুরণ করিয়া দিয়াছেন। পুস্তকথানি হ্রন্দররূপে প্রিশোধিত হইতেছে।

২। বিবিধ পুস্তক একাশিকা, রঘু बरम। 🖹 युक्त बातु देवकुर्धनाथ पछ ইহার প্রকাশক। বহু দনপূর্বে বে রঘু বংশ আরম্ভ হয়, এই সংখ্যায় (৮ সং খন) ভাল সম্পূর্ণ করণ হইয়াছে জীয়ুক্ত হেলচন্দ্র ভট্টাচার্য; ইহার ৰাঙ্গালা অসুবাদ করিয়াছেন। অসুবাদ গুলার্যায়ী ও বাঙ্গালার বিশুদ্ধ বীতির মনুগত হইয়াছে।

৩। এ বানিও বিবিধ পুস্ত চ প্রকা শিকার অন্যতর থণ্ড, কিরাভার্জ্নীয়। 🖺 যুক চেমচন্দ্র ভটাচার্যা ইহারও অনু वाम क्रिशास्त्र ।

৪। প্ৰমঞ্জী। সংক্ত ঢাকা: **সংস্কৃ**তের कारमरकत at stat অধ্যাপক শ্ৰীযুক্ত দোমনাথ মুখোপাধাার ইহার প্রণেভ<sub>া</sub> : য'হারা প্র**থমে সংক্ত** আরম্ভ ক,রবে, তাহাদিগের সংস্কৃত नकार्थ हेशएड ক্তকগুলি সংস্কৃত ' বা সকলেত হইরাছে। সংস্ত প্রের পিলগণা এএবং উহার দক্ষিণালরপ অভু। ও্ ই

मार्थी निरंगद्र भटक बश्चान विटमय छेन-काती इहेरव ।

৫। जान्तित्रमा अश्वान । नाहेक। नक्षीतात य बक्ती श्रामिष्ठ छेलनाम আছে, তাহা অবলয়ন করিয়া এথানি निथि इ इहेश्राइ।

৬। নীতিরত্বাকর। শ্রীশ্রীনাথ গুপ্ত ইহার রচয়িতা। একটা গণ্প অবলম্বন করিয়া ইহাতে কতকগুলি নীতির উপ तम (म अया क्षेत्र**ाट** ।

৭। রাজনিয়ম ও বাব ছাদং হিতা। শ্রীযুক্ত বারু রামচন্দ্র ভোমিক ইহার সক লন করিয়াছেন। ইহার যে কয় ফরমা আমাদিণের হস্তগত হইয়াছে, তাহাতে ত্রিটিশ শাসনপ্রণালীব স্বরূপাদি বর্ণিত पृष्ठे स्टेल। (प्रथमानीम:कान्ड क्षात्राहरू व्यावमाक व्याहेनमकल हेशाउ मःगृही छ হইতেছে। এখানি ইংরাজীর অনভিজ্ঞ উকীলপ্রভৃতি ও বিষয়ী লোকদিগেব भक्त विस्थित डेशकाडी इहेरव।

৮।মনোরঞ্জ রতু। এখানি সাম হিক পত্রিকা। ইহাতে গুজরাটা ইংরাজী হিন্দুস্থানী ও উদ্দু ভাষায় লিখিত কয়ে কটা প্রস্তাব দরিবেশিত দুট হইল।

৯।ভাৰতব্দীয় শভার ক:যা বিব इं व

প্রাপ্ত।

#### দ্বারভাঙ্গার রাজ্বংশ।

আ জি কালি বাজালাও বিহারে যভ প্রধান ভ্যাপিকারী আছেন, ধারভাঙ্গার রাজাই সর্জা-্পক্ষা শ্রেষ্ঠ। মহেশঠাকুর এই রাজবংশের আদিপুরুষ : ভিনি সদংশদ্ভ ভ আক্ষাণের সস্তান। প্রবাদ আছে, যংকালে ভিনি**ত্রীয় অ**ধং भक् भट्टमहर<u>स्ट</u> हुँ निक्षे भाखाभाषन कृद्वन, स्त्रेडे সময়ে ভদীয় গুল দিলীখব সমাট্ আকৰণের রাজসভার উপঞ্চ ইইয়া, আপনার অসংধারণ বিদ্যা বুদ্ধির পরিচয় প্রদান করাতে সমাট দাতিশয় সন্তুষ্ট হইয়া এক তায়ফলকে সনক পত্ৰ লিখিয়া ভাঁহাকে জেলা জিহুভের অন্তর্গত হাটী मुकामाना अकृष्ड शाहित्का विक श्राना करता । मर्रमार्कात विष्णुत शक्ति किष्ट्रमां अञ्चान ছিল নাঃ স্থাতবাং ডিনি খীয় প্রিয় ছাত্তের रोनावज्ञानन्त्र,कृषात् वहेवा मर्वनकाकुः एक थे नक विख्य प्रमुहात मान करतन। खन्दी गट्रणठाकुत त्रमूणाद्वत अधिकाती इत।

মংগ্ৰাকুণের পর ক্রেমাখ্যে ভাগণ পুরুষ গভ **হটলে মহার'জ ছত্র: দিংহ রাজা হন। এপর্যান্ত ভাদ** শপুরুষ মধুৰ ী আমে (য় ছারভালার ১০ কোশ ान च उरकारन ) कवन्नान करतन । यहिन के हा हन পুরুষের কীর্ভিকলাপবিষয়ে তেমন বিশেষ किছু अभिटि পाउम्रा याम्रना, एश्लि च्युं}ह हला याईएड भारत, इंडाता (समम वर्षण कर्य মাহণ করিয়াছিলেন, उम्बूज्ञभ क्छ्री कर्ष निष्णान्तन अक भूह्राईत स्ना अ स्नाविटिक ছিলেন না। স্কৃত্তৰ ধৰ্ম্মচিত্ত। লাজালাপন-প্ৰভৃতি সাধুদনোচিত কাৰ্যে, রভ থাকিতেন धवर ज्याभनानिरशत विषय्विक्टवत् अभःक ত্রীর দ্বি করিয়া যান।

মহারাজ ছত্রনিংহ রাজা হইরা কোন কারণ এশত: মধুবনী পরিভাগেপুর্বাক দারভালার बा महा वाम करतन। व्यमहाणि सदूवनीरङ अह ्भीदाता अवस्था कहिएउएस । महातास इत সংহ ত্রিশ বৎসর রাজত্ব করিয়া পর লোচ প্রাপ্ত ন। তিনি মৃতুংকাৰে পঞ্নবতি লক্ষ টাকা নগদ ত ভিন্ন বিশুর স্থাবর সপে 😇 রাশিয়া যান। াহার পর ভদীয় জে, ৬ পুত্র মহারাজ রুদ্রসিংহ এতুল পৈতৃ চ বিভাৰের উল্ভারাধিকারী হন। মহা র!জ রাদ্রসিংহ অভিষয় দাতা, ধর্মপ্রায়ণ, বভ্রমিষ্ঠ ও দীমপ্রতিপালক ছিলেন। ইয়ার অবারিত হার ছিল। ইনি নানা স্থানে দেবালয় प उर्छ। इ सम्बार छोट्न बुहर बेहर खलानव धनन, বপর পথিক ছানর নিমিত্ত পাস্থালা সংস্থাপন বভুত বছবিধ সংক্রিয়ার কার্যকেরেন। ইনি মখিলাৰ পণ্ডিভগলেৰ এক জন প্ৰধান উৎসাহ ণাভা ছিলেন এবং পাণ্ডভিদিগের বিদা ৰুদ্ধির **डे**रकर्षः स्वाटक **का**टनक स्वाकटक विखन्न स्थावन সম্পতিদান করিয়াখান। অব্যাপি রাজসং-দারে কোনপ্রকার ক্রিয়াকলাপ উপস্থিত হইলে মিথিলার ভাবৎ পণ্ডিভের সমাগম হইয়া থাকে। ব্যাক ণ. জ্যোত্ত্ব, ধর্মনাল্ল, ন্যায়প্রভৃত্তি শাক্তাধ্যায়ী চাত্রদিলের পরীক্ষা গৃহীত হয়। রাজ্ঞসভায় প্রনিদ্ধ প্রসিদ্ধ প্রাচীন পণ্ডিত আছেন, ভাঁচারাই প্রীক্ষক। যে ছাত্র প্রীক্ষায় উত্তीर्ग इहेट्ड मक्त्र इन, डॅंग्हाटक क्षमरमाश्रद्ध অরূপ এক উঞ্চীধ প্রদক্ত হয়। ম দিবলে খাভায় উঁহ'র ন্যে সনিনিষ্ট হইরা থাকে। কোৰ ক্রিয়

কলাপ উপস্থিত হইলে তিনি নিষন্ত্ৰপত্ৰ ও বিদার প্ৰাপ্ত হইয়া খাকেন। পূর্ব্বোক্ত রাজ্যত উক্ষীবই এখানকার পশুিক্তদিগের প্রধান সন্দান চিব্ল। বিনি ছার্ডালার রাজবাচীর পত্নীকায় অকৃতকার্য্য হন, তিনি অধ্যাপনা কার্য্য করিতে অথবা পশুিত বজরা গণ্য হইতে পারেন না। অপর কোন স্থানে নিমন্ত্রণ হইলে অপেকাকৃত বিদার অল্প পাইরা থাকেন। আজিও বে এখানে বাঙ্গালাদেশ অপেক্ষা সংস্কৃত লাজের সম্বিক অনুশীলন হইরা থাকে, রাজ্য ও ৫খন প্রধান জমীদার্যদিগের উৎসাহদানই ইহার মূল।

বারী এবং অন্যান্য বৃহৎ বৃহৎ অট্টালিকা ও রম
নীয় উদ্যান্দকল প্রস্তুত হয়। ইইার-১।৬ সহত্র
ইসন্য ৩।৪ শক্ত হস্ত্তী ৩ ঃ শক্ত অধ্য ও অসংখ্য
দাস দাসী ছিল। ইনি ১৭ বংসর রাজ্য করিরা
অর্গারেগে করেন। ইইার সময়ে ঘোড়শ লক্ষ
টাকা বাংসরিক আয় ছিল। মহারাজ ক্রম্পেংহ
এরূপ দানশীল ছিলেন, যে, ১৭ বংসবের মধ্যে
২ কোটি ৭২ লক্ষ টাকা রাজ্য এবং পিতৃনস্ত
৯৫ লক্ষ টাকা ব্যয় করিয়াও সজোষলাভ
করেন নাই। পুনরায় ৭৭ লক্ষ টাকা ঋণ করেন।
ইনি অনেক স্থাবর সম্প্র ও অনেককে দান
করিয়া হান।

মহারাজ রন্তর্সিংহব মৃত্যুর পর ভাঁহার জ্যেই তনয় মহারাজ মহেশ্বর সিংহ রাজা হন। ইনি পিতৃ খানে বিশক্ষণ জড়ীভূত হইয়া ছিলেন। ঐ খান সমূলায় পরিলোধ করিয়া উঠিতে সমর্থ হন নাই। ইন পিতার ন্যায় ধার্মিক ছিলেন। সর্বালা দেবার্চনা এবং ধ্যান ধার্মায় ভাঁহার, অধিক সময় বয়ে হইড। ইনি ১০ বৎসর রাজত্ব কবিয়া ১৮৬১ অব্দের আশ্বিন মাসে মন্ত্রী লিভ্ কুমার রাখিয়া পর লোক গমন করেন। বর্জমান অপ্রাপ্তব্যহার রাজকুমার মহারাজ কাম্মীনারা-রুণ সিংহ উহার জ্যেই তনয়। আজি কালি রাজ কুমারের বয়ঃক্রম প্রায় ১০ বৎসর। ইনি বয়ঃপ্রাপ্ত হইলে উত্তর কালে পৈতৃক রাজত্ব প্রাপ্ত হইবেন।

মহারাজ মহেশ্বর সিংহের প্রলোকপ্রাপ্তির পর রাজকুমার অপ্রাপ্তব্যহার থাকাতে এবং রাজসংসারের অধিকতর ঋণ ,হওয়াতে, আমা দিপের প্রমহিতিষী প্রজাবৎদল প্রবর্গনেও জারাজালার রাজসেম্পতি কোট অব ওয়াতের অধীন করিয়াছেন। ফরলঙ্ সাহেব ঐ বিষয়ের জেনেরল ম্যানেজার। ইনি ন্যায়পরায়ণ, দয়াল্ম সদাশ্ম ও কার্যদেশ এবং যে কার্যের ভার এহণ করিয়াছেন, ভিষ্কিষ্টের বিশেষ পারদলী । ইনি

এত দুর উদারচরিত্র কোন ব্যক্তি বিধিমতে ইইার অপকার চেষ্টা করিলেও ভাহার প্রতি করি হন না গ্রহণ মথাসাধ্য ভাহার উপকারের চেষ্টা পান । কেছ কেই উক্পপ্রকৃতি বলিয়া মহো দর করলং সাহেবের আংশিক চরিত্রগত্ত লোখো দেখামণ করিয়া থাকেন ; কিন্তু আমরা ভাহার প্রতিবাদে বলি, বৃদ্ধ হইলে মালুখের সভার কথা নই অবিকৃত থাকে না । ইইার কিঞ্ছিৎ বাগের বুদ্ধি হইয়াছে সভ্য বটে ; কিন্তু ভাবৎ গুণরাশির সঙ্গিত ভুলনা করিলে সেলোৰ অকিঞ্ছিৎকর বলিয়া প্রভি র্মান হইবে। করলং সাহেব আপনার অধীন লোকদিগকে সন্তানবৎ দেখিয়া থাকেন।

ষৎকালে বিষয়বিভৰ কোট অব ওয়াভের অধীন ह्य. ७९काटन ताखनश्त्रात्त्व सुनाधिक अक काछि छाका प्रमाहिल । क्वल गारहर छेख्मर्गि গের সহিত ৭৭ লক্ষ টাকায় চুক্তি করিয়া ৮ বংস रतत्र मध्या में अभूनाम अन शतिरनाथ क्रियाहकन কোর্ট অব ওয়াডের ব্যবস্থা হইবার পূর্ব্বে দারভা शत वाकाधिरतत्र काम विषर्य क्रमुखना हिन मा সুভরাং ষেরূপ বিভব ভদ্রণ আয়ু হইত না: অনেক অপরিমিত ব্যয়ত 🗱ত এবং রাজসং সারে এমন কতক্পলি অসং লোক ছিল ভাছার নিযুত্ত কেবল আপন আপন উদর পরিপ্রবেব এবং বাজ্ঞসংসাহকে উৎসর দিবার চষ্টায় থাকিত कर्ष खाषामार कताहै छिहादमत श्रथान मका हिन ্ক ট অব ওয়াডের অধীন হওয়াতে আরু রাজ সংগাৰেৰ কপত্তিমাত্ৰ ঋণ নাই ৷ প্ৰবাপেকা कारमुत मगाक दृष्टि स्टेग्नारक आवश्वर वर्ष वर्ष मात्र वादम किथिए किथिए छेन् छ हहे एउट्डा ৰাজি কালি গৰগমে-টকে ভূষির রাজব দিয়া সম্লায়ে বাৎসবিক আয় স্থানাধিক প্রায় ৩০ नक होका रहहेब्राट्ड अवर काम्लानिव कांशस १ इर्गाहर हक हेका हे कार १ १ ९ ९ ९ ५ ५ ५

এ দিকে আবের যেমন বৃদ্ধি হইয়াছে, ব্যয়ও
নিভান্ত কম হইতেছে না। একণে বাংসরিক
ব্য়ে প্রায় ১৬ ল ৮৪০ হাজার টাকারও অধিক
হইতেছে। আজি প্রস্তাব বাহুল্যভয়ে আমরা
আর অধিক দূর অপ্রসর হইলাম না; একণে
করলং সাহেবকে অসংখ্য ধন্যাদ দিয়া অদ্যকার
প্রস্তাব শেষ করিলাম।

# विविधमः वाम।

২৩ এ ভাদ্র সোমবার।

এবার ১ আদেরিকার পূর্কের ব্যায় তুলা \ যাইবেন এবং তাহার আতুস্ জন্মিয়াছে। আমেরিকার তুলা ভারতবর্ষের তুলা \ বিদ্যালিকার্থ প্রেরণ করিবেন।

चर्लका উख्य এवर व्यक्षिक शतिवार छेरला-विख् इत्र किख मधा छ शांकिय छात्र छवर्र य श्रकात रुष्टे। स्ट्रेस्टिक् विवि छेरात वाखिक्य मा स्त्र, छारा स्ट्रेस्त व्यावाविर्यत रकान मद्या थाकिरव मा। क्रांस छात्र छवर्षत छूनः छैर कर्ष नाछ कतिरव शर्मक माहे।

ক্লিকাতা ও উপ্ৰগৱের মিউনিসিপালিটি একত্র করিবার প্রভাব হইয়াছে।

রেল ওরে ও তৎপরিপোধক রাজ্ঞাসকল

দারা জলপথ বছ হইয়াছে, এ কথা গবর্ণ ফেন্ট অপ্রমাণ করেন। কিন্তু সম্প্রতি বারাসভের মাজি ক্রেট কয়েকটা রাজ্ঞার মধ্য খনন করিয়া জল বাহির করিয়াছেন। হালিসহরে ক্ষেরিকও রাজ্ঞার অনেক স্থান খনন করিতে হইয়াছে। আমরা অন্য অন্য স্থান হইতেও সংবাদ পাইভেছি, জল শীপ্র বাহির না হওয়াতে বিজ্ঞার বাটা পজিয়া গিয়াছে। জলপথ বজের একটা বিশেষ প্রমাণ এই, গত কয়েক বংসরে সর্বাক্ত বেমন জলল হইতেছে, এমন জার কথন হয় নাই।

গত শনিবার উপনগরের মিউনিসিপালিটির সহ কারী সভাপতির পদে এক ব্যক্তিকে নিযুক্ত করি বার অভিপ্রায়ে এক সভা করা হয়। আপাততঃ জাইন্ট মাজিটেট এচ, এল, বীতন সাহেব সহ কারী সভাপতি হইরাছেন। হালতেন সাহেবের হিসাব দর্শনার্থ একটা সব কমিটি নিযুক্ত হইরা ছেন। কেবল হিস'ব দেখিয়া কমিটি যেন সভ্তপ্র না হন, কর প্রদায়ীদিগের করেকজনের জ্বান বিন্দ গ্রহণ করা উচিত।

পর্বলিক প্রণিনিয়ন বলেন, আগড়ের বিখ্যাত দৌরাঅ্কারী সন্ধার আতামহম্মদ খাঁ। পৃত হইয়া লাহোরে আনীত হইতেছেন। এই ব্যক্তির মন্ত্রনা হইতেই সম্প্রতি হাজরাতে এত গোল ্যাগ হইয়াছে।

পুনর্মার জনরব উঠিয়াছে, নিজামের সহিত্র
মন্ত্রী সালারজকের মনোমালিনং ক্রনিয়াছে।
সালারজক দেপ্রকার আধিপতঃ করেন,
ভাছাতে মনোভঙ্গ না হওয়াই আশ্রুতী। মন্ত্রী
নিরস্ত্র করিবার আইন করাতে বিভার লোকে
ভাহার শত্র হইয়াছেন।

ভেলিনিউস ভাবণ করিয়াছেন, পঞ্চাবের জ্বন্ত গতি মালিরব কোটার নবাব লাছোরের দেশীয় ভাষাব বিদ্যালয়ের নিমিত্ত কয়েক বৎসরপর্য্যন্ত বার্ষিক এক লক্ষ করিয়া টাকা দিবেন। বাৎস রিক ৩৫০০০ টাকা স্থুদ হয় এত টাকা জ্বমিলে তবে তিনি ক্ষান্ত হইবেন। নধাব নিজে ইংলতে যাইবেন এবং তাহার আতুষ্পুত্ত কে তথায় বিদ্যাশিক্ষার্থ প্রেরণ করিবেন। হরন, ম তলার উন্নতি হইয়া লাভ হইবে ल्लाह नाहे। भारतार्भ ७ मुत्यक थील ভেতির দুর্বান্ত দর্শন করিয়া পরিকর तर क ! विद्धश इस ।

-----

মুড্তন প্ৰস্তুক!

কুমার ১। মহাক্ৰি কালিদাস্কৃত বে, মলিনাথকুত টীকা সহিত **डीश मर्ट्यात किशक तथ**र्था छ । श्रेष्ठ ্য ছরিমোহন মুখোপাখায়ের মৃতন ক্ত যত্ত্ৰে জীযুক্ত কেত্ৰনোহন মুখো গোয় মুদ্রিত ও প্রচারিত করিয়াছেন। व्हिटकत छेटमा अहे, छ। कटम ল করিবেন। সলিনাথ যে যে ন সম;দাদিতে উপেকা করিয়াছেন, মোহন ছাত্রদিগের সুবিধার্থ দেওলি कतिशः निशास्त्र। शुक्षकथानि রূপে পরিশোধিত ইইতেছে।

> া বিৰিধ পুস্তক অকাশিকা, রযু श्रीयुक्त वात् रेतकूर्यनाथ पर প্রকাশক। বহু দনপূর্কে যে রঘু আরম্ভ হয়, এই সংখ্যায় (৮ সং তাল সম্পূর্ণ করা হইয়াছে

ভট্টাচার্য: "ইহার (ইনচন্দ্ৰ ভাসুৰাদ করিয়াছেন। অসুবাদ াষী ও বাপালার বিশুদ্ধ নীতির হইয়াছে।

এ থানিও বিবিধ পুস্তক প্রকা व्यतां छद थ ७, किशा ठाळी नीत्र। ংমচন্দ্র ভারত হিংবারও অসু নিয়াছেন।

প্রমঞ্জী। সংক্ত ঢাকা বাজালা ও পংক্তের জীযুক্ত দোমনাথ মুৰোপাধ্যায় ণুণত।। যাহার। প্রাথমে সংক্ষ দ্রবে, ভাহ্দিগের সংস্কৃত <sup>হিহাতে</sup> কভকগুলি সংস্কৃত ্তি চ্ইয়াছে। সংক্ত প্ৰবে পিলগ্ৰ এবং উহার দক্ষিণাক্ষণ ক্ষ্যুব্রই

শার্থী দিগের, পক্তে এখানি বিশেষ উপ-काशी हरेंदि ।

६। जाखित्रहमां अशानि। नाहेक। लक्ष ही गांत पा अवनी क्षानिषा छेननान আছে, তাহা অবলয়ন করিয়া এথানি लिथिक इनेशिए।

ও।নীতিঃড়াকর। প্রীনাধ ভগু ইহার রচয়িতা। একটা গণ্ণা ভাবলয়ন করিয়া ইহাতে কতকণ্ডলি নীতির উপ দেশ দেওয়া ইইয়াছে।

৭। রাজনিয়ম ও বাবস্থানং হিডা। খ্রীযুক্ত বাবু রামচন্দ্র ভৌমিক ইছার সঙ্ক লন করিয়াছেন। ইহার যে কয় ফরমা আমাদিগের হস্তগত হইয়াছে, তাহাতে ত্রিটিশ শাসনপ্রণালীর স্বরূপাদি বর্ণিত मुक्क इहेन। (मध्यानीमः काष्ठ अहातिक আবশ্যক আইনসকল ইহাতে সংগৃহীত हरेटिहा अथानि देश्ताकीत व्यनिष्ठ উকীলপ্রভৃতি ও বিষয়ী লোকদিগের भटक विट्रभन्न डेशकाती हहेटव ।

৮।মনোরঞ্জ রত্ন এখানি সাম য়িক পত্রিকা। ইহাতে গুজরাটা ইংরাজী হিন্দুস্থানী ও উদ্দু ভাষায় লিখিত কয়ে কটা প্রস্তাব সন্নিবেশিত দুউ হইল।

৯। ভারতব্যীয় সভার কর্ম্য বিব त्न ।

প্রা ও।

श्वांत्रकाकात ताकवर्म।

তাজ কাল বালালা ও বিহারে যত প্রধান ভুগ্নিকারী 'গ্রাতেন, দ্ব'র ভাঙ্গার রাজাই ধর্মা-্পকা প্রেট। মহেশঠাকুর এই রাজবংশের আদিপুরুষ: তিনি সদংশস্ত ও ব্রাক্ষাণের সম্ভান। প্রবাদ আছে, যংকালে ভিনিম্বীয় অব্য পক মটেশচতের টুমিকট শাল্পাধংয়ন করেন, সেই সময়ে তদীয় ওক দিলীগর সমাট আকবদের রাজসভায় উপল্পিড হইয়া, আপনার অসাধারণ विमा बुखित श्रविषय अमान क्राएक महाहे সাতিশার সম্ভষ্ট হইয়া এক ভাত্রকলকৈ সনন্দপত্র लियेश डाँशाक क्षमा जिल्ला अवर्गक शकी

मुकामाना शक् छ शाहिएकाधिक क्षेत्रोन केरहरू। शहरूहरमुप विषर्शत क्षेत्रि किष्ट्रमाञ्च प्राप्तुताश्च किन ना । कुछतार फिम चीव शिय हाएजन रीनावञ्चानमह्त्राकुभाक् इहेशा महरूप्राकृत्य मे लंब विख्य সমুদায় एन करतना छन्। মহেশঠাকুর সমুদায়ের অধিকারী হন।

মংশঠাকুরের পর ক্রমান্তর দাদশ পুরুষ গড हरेतन महात्र'क छाजिएर त्राका इन । अभर्गाष्ट्र साम শপুরুষ মুখুৰ ী প্রাচেম (🏿 ছার্ভালার : - জাশ নেখাতকোৰে) অবস্থান করেন।্যদিও ঐ দ্ব দশ প্রধের কীর্ত্তিকলাপ বিষয়ে ভেমন বিলেশ কিছু শুনিতে পাওয়া যায়না, তথালি স্পৃট্ট 4मा गाइटाड भारत्. हेइ।ता (यमन तर्म खन्न গ্রহণ করিয়াছিলেন, ভদতুরূপ কর্ত্তর কর্ত্ম गम्भाम्रान अक मुहार्खत स्वन ७ स्वत्वित हिल्लानाः नर्ककन धर्माहेखानास्त्रानाना-প্রভৃতি দাধু নোচিত কার্যে, রুত থাকিতেন এবং আগনাদেগের বিষয়বিভাবের স্মাঞ্ कीवृद्धि कविशा यान ।

মহারাজ ছত্রনিংহ রাজা হইয়া কোন কারণ বশতঃ মধুবনী পরিভাগেপুর্সাক ভারভাজাত श मधा वः म करतम । व्यन्तां शि मधुवभी एउ अहे ংশীয়েরা অবস্থান করিভেছেন। মহারাজ ছত্ত্র সংহ ত্রিশ বংসর রাজত্ব করিয়া পর লোচ প্র:প্র व्या छिनि शृह्यकार । शक्षमविष्ठ सक्ष है।का নগদ ভ ভন্ন বিস্তৱ স্থাবর সংক্ষেত্র বিশ্বঃ ধান : শহার পর ভদীয় জেঞ্চ পুত্র মহারাজ রুদ্রসিংহ এড়ল পেড়া বিভাবে উত্তরাধিকারী হন। মহা রাজ ক্রেসিংই অভিশার দাতা, ধর্মপরায়ণ, নভ্নিষ্ঠ ও দীনপ্রতিপালক ছিলেন। ইইার অবারিত হার ছিল। ইনি নানা স্থানে দেবালয় भ जिली, ह मधुना इंटिन बुहर बुहर खनान्य धनन, রপর পথিক জনের নিমিত্ত পান্ত নালা সংস্থাপন थाछ एक वस्तिम मर्शित ग्रांत कार्यः करवन । इति মথিলার পত্তিতগণের এক জন প্রধান উৎদাঙ নাতা ছিলেন এবং পাঞ্জনিগের বিদা বৃদ্ধির উ<कर्षः सुप्तादत **च्यानक लाकरक विख्य स**ावत দক্ষতি দান করিয়াযান। অদ্যাপি রাজসং-গারে কোনপ্রকার ক্রিয়াকলাপ উপস্থিত হর্তে মিথিলার ভাবৎ পণ্ডিভের সমাগম হইয়া থাকে : दहाकरन, ख्यां जिय, धर्मानाश्च, नाग्रशक्ति শাল্ল'ধ্যায়ী ছাত্রদিগের পরীক্ষা গৃহীত হয়। রাজগভার প্রনিদ্ধ প্রাসাদ্ধ প্রাচীন পরিভ আছেন, উঁহোরাই পরীক্ষণ যে ছাত্র প্রীক্ষার উত্তীৰ্ণ হটতে সক্ষম হন, উংহাকে প্ৰদংসাপত चन्नुन क्रक द्वेश्रीय श्रमख एक् । ये नियरन चार्काव উচ্চার মাস সরিবিষ্ট হুইরা থাকে। কোন ক্রিয়

লাধাট বাটী প্রস্তুত করিবাব দ্রব্যাদি আনয়ন
করিলে রাণী চুক্তিভঙ্গ করেন. এই নিমিত্ত ছই
খানি করাণী যুদ্ধ ভাইকে উঁহার রাজধানীকে
ভাষাগাৎ করিয়াছে। রাণী ফরাণী সমাটের
নিকটে ক্তিপুণে লইবাব নিমিত্ত পারিদে গ্রনন
করিয়াছেন। ছার্লিলেরা নির্দ্ধ জিতা বশতঃ ভয়
ভ বৈদ্ধে প্রেলর সংসর্গে আইদে, শেবে
বিপাকে পড়ে। বর্ণিত ব্যাপারটা বোধ ইয়া
এই ব্যক্তির অনাতর উনাহ্যণ হইবে।

পঞ্চাব সীমাব যুদ্ধ ক্রমণঃ ভরানক হইয়া উঠি য়াছে ৷ সোরাছে ৷ আখুদদ বিটিশ গ্রথমেটের বিক্তন্ধ জিছাদ (ধ্র্মার্থ যুদ্ধ) ঘোষণা ক্রিয়া বলিয়াছে, তিনি ছই লক্ষ সৈনের অন্ত ও খাদ্ ভব্য যোগাইবেন ৷ বন্য জাতিসমূহ অন্ত্রপার্থ ক্রিক্তেনে ৷ সেনাপতি ওয়াইল্ড সলৈনে সিম্বার এ পারে আছেন, ব্যন্ত্রা অপর পারে শিবির স্তিবেশ ক্রিয়াছে ৷

১ ই আগষ্ঠ আমেলাবাদে ১৮ ইঞ্চ ইছি ছইমুগ্রে । তপ্পণে আর ছই দিবসে ২৪ ইঞ্চ প্রল গ্রে । এতরিখন্ধন প্রাবন ইইমা প্রায় ১০.০০ ব'লি ও ২৫ লক্ষ্যাকার সম্প্রে নষ্ঠ করিয়াছে বক্তমাণ শুল্পানে এমত জলপ্রাবন ইয় নাই। স্থানীয় ক্মিচারিমণ লোকের সাহার্য্যের বন্দো বস্ত ক্রিভেছেন। গুলুরাটী বংশক্রণ ইইার মধ্যে অনেক টাকা দিয়াছেন।

১ বা জ মুনানি, এবনি ২১ এ আগত প্রান্ত কলিকাত র ৭৭ ইঞ্জল ইইয়াছে। ওদিকে অব্যান্ত্র অনাতৃতি নির্কন এগা নাই ইইবার উপক্রম ইইয়াছে।

হাজরার গোলবোগ সংক্রণক রোগের ন্যায় সমুদায় সীনাব্যাপী হট্য়া উঠিতেছে।

সিজিয়ান বলেন, ামধুন কোট ও কসমারির মধ্যে পর্মতীয়েরা বস্তুক হস্তে জমণ করিতেছে, সিজুর বাস্পীয় জাইগজসকল আক্রান্ত হইবে এই আশজ্ঞা করা হটতেছে। ইহারা কন্ত শক্ত হইয়া উঠিল।

বৃদ্ধনীয় গ্রেণ্মেন্ট মৃতিলা বন্দর ও বেল ওয়ে ভাগে কবিবার অমুরোধ করিয়'ছেন। এতংসংক্রাক্ত কাগজ পত্র গেজেটে প্রকাশিত ইইয়াছে। গ্রব্ধ জেনরল সাধারণ মত ভানি বার মিমিত্ত আর ১২ মাস অপেক্ষা করিবার মানস করিয়াছেন। গত বংসর কানিত্তে ৯খানি মাত্র জাহাজ অইনে। গকা অপেক্ষা মাতলাতে অধিকসংখ্যক জাহাজ নষ্ট ইইভেছে। এগুল লোচনীয় বটে, কিন্তু আমাদিগের গ্রেগ্রহিট্র ঘাদ ভূডীয় নেপলিয়নের অর্জেক ডেজানিতা থাকিত ভাহা হইলে কানিওবন্দর ভিনাক্তি প্রদর্শন করিত। শার্বোগ্রেক দৃষ্টান্ত স্থানে রাখিয়া কর্ত্বর কাল কর।

ইণ্লিসমান বলেন, সম্প্রতি ষ্টেট্রেট্রেরির কৌদিলে রাজ্যানী স্থানান্তর করিবার প্রস্তাবেশ বিষয়ে তর্ক বিতর্ক হইয়া কলিকাত ই বাজ্যানী হইবে এই নিদ্ধান্ত হইয়াছে।
নগরের উল্লেখনাস্মন্ত প্রতিবংসর রাজ্য কোষ হইতে অটিলক্ষ টাকা বায় হইবে। এটা করা অতিশন্ত কর্তবাং। বন্ধনেশ্ব যে আয় তাহার কিয়নংশন্ত রাজ্যানীর উল্লেখনাশ নায় করিলে কলিকাতা নগরটা প্রমান্ত্রের স্থান হইতে পারে। নগরবাসিরা আর মিউনিসিপাল কর দিয়া উঠিতে পারেন না।

२७ এ छ। म त्रक्ष्ण उतात र

প্রার্থিক ট জীলোক কলিকাভায় হত হই য়াছে। বামনবস্থির নিকটে একটা এভদেশীয় খন্টীয়ান যুবজী এক জন হিন্দুর উপপদ্ধীসম্মপ্রিল। পূর্ব্বে এক জন খন্টীয়ান ভাহার উপপত্তি হয়, এবাজ্ঞি ভাহার সহিত্ত এক বাটাভে থাকিত। সম্প্রতি গৃহ হইতে শোলিত বাহির হই ভেলে দিখিয়া পুলিষ ভালা ভালিয়া প্রবেশ করিয়া দেখেন, ভাহার গলদেশ দ্রেদন করিয়া ভালেক এক সিত্রকের মধ্যে রাখা হই য়াছে। প্রীর স্ফুভি হওয়াতে সিম্মুকের ভালা ভালিয়া গিয়াছে। জীলোকটার খন্টিয় ন উপপতি গুড় হইয়াছে। এবারও ঘলি পুলিষ হত্যাকারীকে গুড় করিতে না পানেন ভাগা হইলে কলিকাভার পুলিম প্রবালীর সংশোধন বিষয়ে আর ভিল বিলম্ব করা উচিত নয়।

আমরা আফ্রানিত হইলাম সুধময় ও গোপাল

রজক কামে যে ছই ব্যক্তিকে পাঁচমানের জাধিক কাল দমদনার জেলে হাজতে রাখা হয়।
২৪ প্রগণার মাজিটেট তাহাদিগকে মুক্ত করি রাছেন দৈনিক মাজিটেটোরা যথন কলিকাভাব এত নিকটে এ প্রকার জাইনবিরজ কাজ করেন, তখন নিরম্বিভিত্ত প্রদেশে যে কি কাও হয়, তাহা সকলে অনুমান করন। ইংলতে সাম্বিক বিচারালয়ের ভার বারিস্বিদিগের হাও নেওমা হইভেছে। এখানে কি সৈনিকের হতে মাজি ফেটি ভাগ দেওয়া আর উচিত হইভেছে?

গাত বংশবেশ বাতালি জিভদিকের সাহাযাগিনহণ্ হীত টাকার মধ্যে ১.৫০.৪৫২) ৫ টাকা বয়ে হয় এবং ২৭,৩০৮৮/১৫ টাকা জনা আছে। এই টাকার কিরুপ ব্যয় করা উচিত, ভাহার বিবেচনার্প গত কল্য এক সভা হয়। সভাগণ উহাব লালা প্রদেশীয় দাতব্য সভার বাটিসকল সংস্কাব করিবার প্রস্তাব করেন। আমাদিগ্রে বিবেচনায় এটোকা একণে ভ্রমা রাখা উচিত। ২৪ প্রগণার দক্ষিণাংশের কৃষক দিগের সংহায়দান অভিশয় আবেশকে হই-

# ২৭ এ ভারে শুক্রবার।

বর্ত্তনান বংগর জালুয়ারিতাবদি জুনপর্যাত্ত মধ্য ভারতবংশ ১.৯৮০টী বন্য জ্ঞার বগ ইই-য়াছে এ নিমিন্ত গ্রহ্মেন্ট ২৮.২৭০ টাকা প্রদান করিয়াছেন।

প্রধানতম বিসাগালায়ে তিন জন বিপোটাব নিযুক্ত ভইবেন। ইহাদিগের প্রকেটের ৫০০ টাকা বেডন হইবে। বেগোটের এত স্থাবিধা ছইল, তথাপি নালির বাহগুলির অসমত মূল্য বহিল, গাটি অভিনয় গলগায়। মদস্যলৈ উকীল ও মোক্তগরেষ। ক্রয় করিছে না পারিলে এও । লির ভাও ফল চইবেন।।

রাজপুতনার অনেক স্থানে অনার্থী হও মাতে সকলে ছড়িজের আশস্কা করিতেছেন। কোথায় অনার্থী কোথায় অভিরুদ্ধি। উভয়ই শক্ষার কারণ।

চেলি নিউদের এক জন গত্রপ্রেরক উপন্যা নের মিউনিসিপালিটির ভূতপুক্ষ সহকারী সভা পতির হিসাব অন্তুপদ্ধানকারী কমিটিকে এই কয়েকটা নিময়ের অন্তুপদ্ধানকারতে বলিয়া ছেনং— হালছেন সংক্রেব কন্টাইদাবদিণের নিকটে দন্তবি লইতেন কিনা ? রাস্তাসংস্ক রের সময়ে যথেষ্ঠ পোয়া পড়িত কিনা ? নিঃ তর কন্মচারিগণ ভাঁচাকে উপচৌকন দিতেন কিনা? পদ শুন্য হইলে তাহা বিক্রম্ম হইত কিনা? পত্রপ্রেক বলেন, বর্তমান নিম্নতর কর্মচারিগন হালডেনের দোমের অংশী। অতএব ইং ারা যথার্থ বিষয় গোপন করিবেন। ইইদি গকে কর্মে স্থাগিত না করিলে যথার্থ বিষয় বাহির হইবে না। আমাদিগোরও এই মতে। উপনগবের মিউনিসিপালিটের নিম্নতর কর্মচারিগণের যে তাল ভালেন।

২৮ এ ভাদ্র শনিবার।

২৫ এ জাগছ প্রত্যত পঞ্চাবে বৃক্তি হয় নাই।

চট্টপ্রামের পাণ্ডাঞ্চলের অগ্যক্ষ কাপ্তেন লিউট্ন কুকিনিগকে টাকা দিয়া দৌবাত্ম বিরত করিবার বে ধন্দোবস্ত করিয়াছেন, লেপ্ট নাল্ট গবর্ণর ভাছার অন্ত্র্মাদন করিয়াছেন। আমাদিগের বিবেচনায় এ বন্দোবস্তৃটী ইপ্তফলো প্রধায়ী চইবেনা।

নিঃলিখিত মূলে গ্রণমেটের কাগজ বিক্রীত হইতেছেঃ—

8 টাকার সিরা

8 " কোং ৯৫৶-৯৫।

6 "পবলিকওয়ার্ক ১০৬০-১০॥

6 "কোং ১০৯০-১০৯।

6 "কোং ১১৫--

# ইউরোপীয় সমাচার।

লগুন ২ রা দেপ্টন্বর । টোরি মজিবর্গ যে
বার্ত্ত্বিজ্ঞ করিয়াছেন, ত্র্ত্বপ্রক্ষে সংবাদপত্তে
তর্ক বিত্তক ইইতেছে। সেনাপতি পিল এবং
্রেত্ত্বাডইট সাহেব টাইনস পত্তে এক এক পত্ত্ব লিখিয়া মজবর্গের পক্ষসমর্থন করিয়াছেন।
ক্রশীয়েরা আলিয়াছেত যে যে দেশ জয় করিতেছে,
গংবাদপত্তে ভাষ্যয়েব পুন্রান্দোলন ইইতেহে।

ফরাশী রজিবসংক্রণত স্থী তুসুর্গান সম্প্রতি এক বংক্তাক রয়া বলিয় চেন, শাস্তি রকার সম্পূর্ণ আলা আছে।

যাছারা ১৩ এ ১ শবংসর কাজ কলিয়াছে গ্রেপ্রকার যাবভীয় সৈন্যকে কশীয় গ্রণ্যেন্ট বিদায় দিয়াছেন।

লাড হাটয়াড ডি ওয়াডেনের মৃত্যু ১ই-গ্রাছে ৷

্ উপদেশক মংফিকে পুত করিয়া জানীন দিকেবলা ইইয়াছে।

১৯বেবাল্ডি দেশের ওলাকের অধিমায়কত। প্রিভাগে করিয়াছেন।

নট্টরাক হইতে টেলিগ্রাম আসিয়াছে, গ্রাড়মটির প্রতিন্দিকে সাদারণতন্ত্রপ্রিয় বস্তর লোকে মনোনীত করিয়াছেন। তথার ইদলের সংখ্যা অবিধা ৪ ঠা সেপ্টারন। গত কল্য শেকলত নগরে কর্মকারদিনের ভোজ হইয়াছে। সূতন জামে রিকান পুত উপস্থিত ছিলেন। তাঁহার সন্মানার্থ যে সুরাপান হয়, তিনি ভাহার প্রত্যুত্তরে বলি লেন, তনি শান্তির বর্যাক্রী হইয়া ইংলণ্ডে আসি য়াছেন। আমেরিকার লোকেরা ইংরাজদিগকে বন্ধু জ্ঞান করেন, এক্লণে বন্ধু ভাব উভয় জান্তির হইয়াছে। তিনি জারও বাল্লেনে উভয় জাত্তির এক্লণে আর কোন প্রকার মনোমালিনা নাই। তাঁহারা এক্লণে একলাতীয় বলিয়া প্রস্পারকে জ্ঞান করিতেছেন।

५ हे (मण्डेचत्र । (इंडीत छ (हालिट्ड वल खरत्र एक एडँन। इहेशाएड, खाहाट कत नारतत खुति भालगाणीत (अक थातीरक मञ्चाना (मत खणतार्थ खणतार्थ विलयार्डन।

আমেরিকার ফুতন দুর্ত রেবাডি জনসন সাহেব শেকলড়ে আব এক বজু লা করিয়া কহি রাছেন. ইংল ও ও আমেরিকার সন্তাব থাকে, আমেরিকার গবর্গমেন্ট ভাঁহাকে যথাসাধ্য সে চেষ্টা পাইতে অমুমতি করিয়াচেন। সংবাদপত্র সম্পাদকের অমুমান করিডেচেন. এক্ষণে মনের মালিনের যে কারণ আচে, জনসন সাহেবের. বকু তা ঘাবা ভাহা অস্কুরিক্ত চইবে।

ওারস্থ ইণ্ডিয়া মেটল কোম্পানির সৌদামট নের কুঠিসকল অগ্নি লাগিয়া দক্ষ হইয়া গিয়াছে।

अफिनवताव फिউट्टित क्रीवनशक्तानिवक्तन किनाका, मास्त्रास, मारहात, महक्ती, व्याराधन १ होको इट्टेट ताक्कीटक या क्रिस्टिनम्बन क्षर्मान कर्ता इटेग्लाइन ताब्की जाहा क्षांस्ट इटेग्लाइन।

৯ ই সেপ্টেমর। বিদেশীর গবণমেন্টের পর
স্পারের দোযে পরস্পারের হস্তে অপরাধীদিগকে
অপণ করিবার যে আইন আছে, তদিশয়ের
বিবেচনাপ যে কমিটি নিযুক্ত হন, ভাঁহারা আই
নকে আরও প্রশস্ত করিবার অন্তরোধ করিয়া
ছেন।

দ ই সেপ্টেখরের এক টেলিআম নিউইয়র্ক হৈতে আসিয়াছে। ইহাতে জানা ঘাইতেছে, সেনাপতি আণ্ট দক্ষিণ বিভাগের দেওয়ানী কর্তৃ পক্ষের সাহায্যার্থ সৈন্দিগকে অনুষ্ঠি দিয়া ছেন।

# गदर्गामक विकाशन।

बङ्गरमणीय (सन्धेनन्धेशवर्गदत्त्रत

আদেশার্সারী

निद्याभ ।

२७ अ जाग्रष्टे । भागामाछे अत সहकाती भूगिय स्भितिर छे छे, जि, हातम् म् किङ्क् जित्तत निभिन्न २८ भन्न भागा दमली १३ (वन । २१ अ आगष्टे। यड जिन कार्यन एवनिये, गर्फ न विनोय महेश। अञ्चलिक शक्तिवन, उद्धा जिन अठ, अन, शक्ति गोरहत श्वजान अजि-निधि शुनिय स्थादिर एक हेर्दिन।

২৮ এ আগষ্ঠ। বাবু শ্রামাচরণ সাম্রাল ১৮৬৮ মন্দের ৯ আইন অসুসারে ফার্দপুরের আসেশর হইয়া তথায় উক্ত আইন অসুসারে ক্রালেটরের ক্ষমতা পাইবেন।

ি গভ ১॰ ই জুনের পেজেটে বাবু বৈকুঠনাথ পেনের উক্ত স্থানে আবেদর নিয়োগের যে বিজ্ঞাপন হয় ভাহা এত দারা রহিত হইল।

ৰ'বু দিননাথ বজুয়া তেজপুরের মুলেক ছই । বেন।

বারু রাধাকান্ত বড়ু য়া ( যিনি একণে বিদায় লইয়াছেন, ) বড়ুণেটার মুলেক ছইবেন।

বাবুরাগাকান্ত বজুরার অনুপঞ্চানপর্যান্ত বাবু দারকানাথ ঘোষ বজুপেটার প্রতিনিধি মুলেফ হইবেন।

ুক্ত এ আগষ্ট। নিমুলিখিত ভদ্র লোকেবা পুলিষের ধৃতকারী বিভাগের অতিরিক্ত সহ-কারী পুলিষ সুপরিন্টেণ্ডেন্ট ছইবেন।

वार्व नवकृष्य ध्याय अथम চ क्रवार्ड ১৮৬१ व्यक्तित अभारम व्यविधा

মূলি বকাউলা চতুর্গ চক্রবাড়ে ১৮৬৭ অদের ১ লা যে অবধি।

ৰাৰু বৈদ্যোপ মুখোপাধ্যায় পঞ্ম চক্ৰবাড়ে ১৮৬৭ অংশের ১লা মে অবধি।

মৌলবী এলাহি বক্তস তৃতীয় চক্রবাড়ে ১৮৬৮ অস্কেব ১ লা সেপ্টেম্বর অব্ধি।

বারু রামচরণ বস্থা সম্প্রতি চট্টগ্রাম বিভা গের অন; তর প্রতিনেধি তেপুটি মাজিক্টেট ও ডেপুটি কালেক্টর ছইয়াছেন। উলিকে নওয়াখালিতে স্থিত করা গেল এবং তিনি তথায় ৬ ই জ্বলাই উপনীত ছইয়াছেন।

বি, এস, রবাটসন সাহেব গত ২৪ এ জুন অবধি ১৫ই জুলাই পর্য,স্ত হাজারিবাগের প্রতিনিধি পুলিব সুপরিকেতি গুলী ছিলেন।

সহকারী মাজিটেট ও কালেন্টর ই, এচ, রডক সাহেব ১৮৬৭ অন্দের ২১ এ অন্টোবর অবধি ২৯ এ নবেধরপর্য্যস্ত চম্পারণে ১৮৬৭ অন্দের ২১ আইনাসুসারে লাইসেক টাকস আসেবরের ক্ষমতা চালন করিয়াছেন।

৩১ এ আগস্থা ডবাল্ড, এফ, মিয়াস সাকেব বাখরগঞ্জের প্রতিনিধি জাইন্ট মাজে-উট ও ডেপুটি কালেইর হইবেন।

ত্রিপুরার ভেপুটী মাজিপ্টেট ও ভেপুটি কালে ইর মৌলবী গোলামহে:দেন চাকাবিভাগে বদলী হইয়া মাজেটেটের ক্ষমতা পাইবেন।

১৫ ই আগস্ট। এন, মারসন সংক্রে বদলেশীর ব্যবস্থাপক সভায় ১৮৬৬, অন্দের ৫ আইন
অনুসারে হাবড়ার ঠিকাগাড়ী ও পাল্ফার রোজ ক্রীর হইবেন।

२) श क्षांशष्टे । छवनिष्ठे, এচ, छक्ति म एक्व महकाती वनतक्षक हहेग्रा मिक्टिस अवास्त्र छ क्रियन । ্ ২৮ আগষ্ট , বাবু আনন্দ্রময় বৈত্র শান্তি পূবের মিউনিসিবালিটির সংকারী সভাপতি হইবেন।

১ লা 'সেপ্টারর। এচ, এস, বীডন সাহেব কলিকাভার উপনগরের মিটনিস্পালিটির প্রভি নিধি সহকারী সভাপতি হইবেন।

৩ রা গেপ্টেরর। বি, সি, কুইন সাছেব ঘশো হরের একজন।মউ ন সপাল কমিসনর এবং মিউ মিসিপালিটির সহকারী সভাপতি হইবেন।

ভবলিউ, কে, ক্লিমেটেসন দাঙের শিলচরের সহবেজিটার হইয়া উপবিভাগ কাছাভের সদর মংকুমায় অব্যক্তি করিবেন।

মুদ্রের মিউনিসিপালিটির সভাপতি বঙ্গ দেশীয় ব্যবস্থাক সভার ১৮৬৬ অন্দের ৫ অইন অনুসারে ঠিকা গাড়ী ও পাল্কির থেজি ফ্রার হইবেন। ১৮৬৭ অন্দের ১লা জুলাই অব্যি এই নিয়োগ হইয়াছে।

৪ সেপ্টেরর। ২৪ প্রগণার ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুট কালে ইর বাবু গোপালচক্স সেন পুন-কার বন্ধনানে বদলি হুইয়া তথায় মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন।

৫ ই সেপ্টেরর। টি, এ, ডনো সাহের ফামা লপুর উপবিভাবের ভার প'ইয়া ময়মনসিংহে মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন।

নিম্লখিত সবচ্ছপুটি অহিনেন এজেটনি গকেবদলীকরা গেল---

জে, কসারাট দাহেব মভিহারী হইতে পাট নাতে।

এপ, কুপার সাহেব ছাপর' হইতে মতি হারিতে।

জি, ফিল্ড স'হেব পটেনা হইছে ছাপরাছে। সংহ্ছমের চ কংসা কন্মনারী ডাক্তর এশ জে মানুক নেজ কার্য, ও কিছু দিনের জন। ভেরতে, প্রতেনিসি ছেপুটি ক্মিসনরের কার্য, ক্রতেন।

৭ ই গেণ্টেম্বর। বাবু ভ্রনমোলন রাহা (যিনি সম্প্রত এক জন প্রতেনিধি ছেপুটি মাজিক্টো ও ভেপুটি কালেট্র ফ্ট্রাছেন) হাবভাতে এবস্থিভি ক্রিবেন। ১৬ এ আগস্ট ভিনি উঞ্জ স্থানে আনিয়াছেন।

এফ, ভবলিউ, আৰু, কাউলি সাহেৰ চটুৱা মেৰ স্থানীয় বিশ্যাপিক। সভাগ্ৰ সালাদক হুই

বাব রামণপ্রা সেন রাণাগটের এক জন। নিউন্ন,স্পাল কমিগনর ও তক্ত দিউনিসিপা। লিটির সংকারী সভাপতি ছইবেন।

যতদিন কাপ্তেন পি, দি, ভালনেকর বিদায় লইয়া অনুসন্থিত থাকিবেন, তত্তিন ভবলিউ, লি, টমান সাহেব বঙ্গদেশীয় লেপ্টনান্ট গবর্ণয়ের সীমাস্থিত ভারতব্যীয় রেলওয়ে অংশের পুলি খের প্রতিনিধি সংকারী ইনশ্পেটর জেনরল ভব্যবন

১৮৬৮ অব্দের ১ লা জুন অব্ধি নিম্লিখিত ক্ষাচারিরা তৃতীয় ত্রেণি হইতে ভিতীয় ত্রেণির সহকারী কমিসনরের পদ প্রাপ্ত হইপ্লাছেনঃ-

अ, ति, कारबन मारहर । भि, हो, कारविंग। (लिक्टेनोक्ट हि, वि. शिरवल। अम. अ, वाहेफ जारहव। कारश्चन अन व अनुस्रहे। विक्टेनोक्ट (स्म. बहेलाहू।

ষভদিন নি. ই, লাজ সংহেব বিদায় লইয়া অনুপত্তিত থাকিবেন, তভদিন মেদিনীপুরের প্রাক্তনিধি আইউ নাজিউটে ও ডেপুটি ক'লেইব টি, এচ. এচ, শটি সাহেব আপনার কার্য্য ও তত্ত্তিতা নিবিল ও সেদিয়ান অজের চলিত কার্য্য সকল করিবেন।

৮ ই দেপ্টধর। মুক্লেরের ভেপুটি মাজিক্টেট ও ডেপুটি কালেক্টর জে, এ, কেবণ সাহেব ১৮৫৪ অব্দের ১৮ আইনের ৩১ ধারাস্থ্যারে জামালপুরে রেইলওয়ে ঘটিত মকদম। এইণ করিতে পারিবেন।

২৪ পরগণার সহকারী পুলিষ স্থপরিন্টেগুন্ট এচ, বি, এচ, রবাটিন সাহেব পুর্ণিয়াতে বদলী হটবেন।

আমাদিগের কোরহাটীস্ সংবাদ-দাতা লিখিয়াছেন।

১। হিতৈষী ব্যক্তিমাত্রেবই প্রথমে নিজ পরিবারের তৎপরে সাধ্যাল্পসারে সকীয় গ্রামের উन্নতিবিধানে यह कहा कर्छस्य । हेहात शह शह कीत्र (मर्भत बीत्रिक्षित्राधन अर्खता वर्षे । किन्न স্বীয় পরিবার ও স্বীয় আমবানী আতৃবর্গের কোন উন্নতি সাধন না কার্য়া দূরবন্ধী অপং कार्यत छेलकात । अझंजनानर गण्या शाकि । ल জন্মভূমির নিকট অক্লভজ্ঞ ইইডে হর। জন্ম আমরা এতৎসম্বন্ধে একটা উদাহরণ প্রদর্শন করিতেভি। অত্ততে হতে পরিধারসভাত বান শশিভ্ৰন দত্ত ও বাবু ধারকানাথ দত্মহালর জ্যু শিক্ষিত হইয়া আনেক দিন য'বং বিদেশে शांकिश विनक्षन व्यथं छेला क्रिन करिए होने। শনি বাবু মিল্ল আসামের ডিপুটী ইনক্ষেটরের এবং দ্বারিক বাবু উত্তর পূর্ব্ব বিভাগের ইনপে ক্টরী **আফিদের হেড** ক্লাকেব পদে নিযুক্ত আছেন ৷ লোকপরম্পরায় শুনা যায়, উটোৱা আসাম অংগ্রেল বিদ্যালয়প্তাপন প্রকৃতি বিবিধ हिन्तकत्र कार्या (य क्षकारत्रहे रुष्टेक छित्रः হিছা প্রদর্শন করিয়া থাকেন । কিন্তু কি আ শচ্চ্য এ প্রাপ্ত আমরা ইহাদিগড়ক নিজ ব্রামের হিভোলেশে একটা প্রসাও কর করিচত দেখিলাম না।

২। এবার চাকাতে ৮ ব্যক্তি মোজারি পরী কায় কুতকার্য্যভালাভ করিয়াছেন।

ত। শুনিয়া হঃখিত হইলাম, কস ব'গ্রাম নি বাসী কতকগুলি অর্ক্যচীন কুসংস্কারানিষ্ট লোক ভক্তজান্ত্র লাটীর উচ্ছেদ পক্ষে চেষ্টা করিভেছে। এ আনসক্ষত্ত লের পণ্ডিত বাবু নিত্যানন্দ চুক্রবর্তী মহাশয়কে ্বলি, ভিনি এ বিষয় কর্পক্ষকে জ্ঞাপন করন।

৪। প্রায় মাসেক কাল যাবৎ নুবাবগঞ্চ ষ্টেশ ।
নব অন্তর্গত স্থানসমূহে চৌর্যের অভ্যন্ত প্রাছ্
ভাব দৃষ্ট ইইভেছে। প্রায় প্রতি দিনই ছুই একটা
চুরি ইইরা থাকে। এপর্যান্ত আমরা অনেকগুলি
কুদ্র কুছ চুরিব সংবাদ অবগত ইইয়াছি, নিভাত্ত
বাজ্লাথিবেচনায় এ স্থলে ভংগমুণায়ের
উল্লেখে বিরত রহিলাম। কেবল একটা চুরির
বিষয় লিখিলাম। ও দিন পারামান নামক প্রামে
এক ব্যক্তির বাটীতে রাজিযোগে কয়েক চোর
প্রবেশপূর্বাক একটা প্রীলোকের উপর সম্যিক
অভ্যাচার করিয়া নগদ ও জিনিশে প্রায় ২৫০
শত টাকা অপহরণ করিয়া লইয়াছে। শুনিলাম
পুলিল অনুসন্ধানে ঘাইয়া মালসহ এক
ব্যক্তিকে সৃত করিয়াছেন।

আমা, দংগর গাজিপুরস্থ সংবাদদ।-ভালিথিয়াছেন।

বা এ আগষ্ট শুক্রবার বেলা ছইপ্রহারেসময়ে
গাজিপুরের নিকটবন্তী পিথাপুর নামক আমে
মৃত্রিকা বর্ধ ছইগা গিয়াছে। ঐ মৃত্রিকা দেশনার্থ
গ্রান্ধার, মান্ডটেট সাহেবের কাছারিছে
এনিটি ইইগাছিল। অবগত হইলাম, মৃত্রিকা
শুজ্র ও উন্ধর লাল। প্রায় এক মাস হইল,
আমরা কুত্রপুরের উক্লপ অঘুত ঘটনার
বিষয় গোলপ্রকাশে প্রকাশ করিয়াছিলাম।

আমর। এখান ২ইতেও কাশীমবাজারত্ব রাণী ক্রম্মীর প্রশংসেরত জাজান করিতেছি। তেনি সংখ্যাত এখানকার ভিত্তোরিয়া কলে এক হারে ২০০ টাকা দান কার্যাছেন। দয়া-মরী রাণী প্রমিষ্টা এক বাবে চারিশত টাকা না দেয়া, যান কিছু মানিক চালা দিতেন, ভাষা কর্মান্ত নিন্তাল্যালা রাজা দেবনারায়ন সিংহ একনে উপরি উজাবিদ্যালয়সীতে মানিক ৫০ ইক্রা চালা দিতেছেন। অধ্যক্ষেশীয় ঐশ্বর্য শ্রমিষ ক্রেণ এরাল শুভকর কার্যো রাজা দেবনারায়ন সিংহ এবং রাণীশ্রশ্রমীর অনুসর্ব কোনা করেন?

এখান হার অধিবাসিগণের ক্ষমে চুলী ও নিউনিসিপাল কর ভার নি. হত করিবার অনুষ্ঠান হুইভেছে। গভ কলা উক্ত করদন্ধ প্রবর্ত্তিক করি লভঃগল নানা কারণবশভঃ কিছু স্থির করিতে প্রেরন নাই। শুনিভেছি, আগামী সোমবার

আরে এক সভা হইবে। ভাহাতে বেরূপ পদ্ধতি। অবলম্বিত হয়, পরে জানাইব।

গাভিপুরের ৭ জেশি দাক্তন জৈমনিয়া প্রামে পুর্দা ভারতবর্ষীয় রেলওয়ে কোম্পানির একটা काष्ट्र कार्ट । ज्याम (तल नरमत् माजि भरनत ভাক **গাড়ি এন্তও থাকে**। ভাষাবা ভাষ্'দের याखाद्वाद्व काधिक कष्टे उ त. प्र १ वर्ग । अवन्यान এই অফুবিধা দূব করিবার নি মন্ত এখান হইতে অসমনিয়াপর্যান্ত ট্রাক সন ইঞ্লি চালাইবার অভিপ্রায় করিয়াছেন। তদ্মধানে রাস্তা এবং व्यमनामः, हेलकत्रव श्राप्त्य इहेर्ड हा (व'४ इहा, আর এক বংগরের মধ্যে গাড়ি চলিরে। ভাষা হইলে যাত্রিগণ একা আবোহণরাপ ত্রুসহ যন্ত্রণা হইতে পরিত্রাণ পাইবেন।

व्यवाद्वकि,निवन्नन श প्रदेशन्त महमाद অত্যন্ত কৃতি হইয়াছে: দ্রব্যদি ক্রমশঃ এগানে महाचा क्रेया छिठिएएटा अक भाम श्रुत्ती (य **इ: डिल ॥) त्मत प्रति दिक्की उ इहेग्रा इन, जाहा** এক্লে। • সের করিয়া লইছে হইতেছে , যদ্যপি আর কিছু দিন দ্রব্যাদি এই অবস্থায় থাকে, ভাষ্টা **रहेल (य** সাধারণের অত্যন্ত কণ্ট হুইরে, ভাছাতে সংশ্বয় নাই।

৬ ই আষ্ট

3696

व्यामानिरात कामी इ मर्वानता छ।-় লিখিয়াছেন।

অব্রত্য কালেইর আফিসের একজন কর্মচারী ক্ষয়েক খানি জাল '' নাউচার " হস্তত করিয়া জ্ঞাসাহেবের আমানত টাকা হইতে ১৪০০০ क्रोका वास्त्रि कविया लग्न । तन्त्र न विधाव स्हेग्न। ভাহার ১২ বৎসর কারাবাস ও ৬ সংভ্র টাকা জেরিমানার আভেরা হইয়াছে।

রাভ্যটে ষ্টেশনে অমৃতলাল ঘোষ নামক ১৬ ১৭ বংশরবয়ক্ষ একটি বালক করেক জন যাত্রীর নিকট 😗 ভোমরা ভিডের ভিডরে গায়. টিকিট আনতে পারিবেনা, আমিবছবারুব শালা, আমাকে টাকা দাও ভোমাদিগকে টিকিট আানয়া দিতেছি .» এই বলিয়া টাকা भहेत्रा भनायम करत, भकार २৮ এ जाशके खळा वाद वाशांभदमानाइ (कान वाताननानात श्रूमा) কর্তুক গুড ২ইয়া কৌজদারেন্ডে নীত হয় হি রা: - स्मरण्डेयत दूववाद्य भाकिएकेटे मार्ट्स्य विहास **ভাহার ৪ মাস মিলাদ ধইয়াছে**।

व्यामी १६ नेशा यात्र शत नाहे व्याक्रामिक **১ইলাম যে, খলিস পুরের হত্যাকারীরা ধুত হই** য়াছে। হত্যাকারীদিগের মধ্যে এক জন এতদ্দৈ শীয় মুসলমান আরেছই অসম নাবিক আন্তে। পুলিষ যে ছই ব্যক্তিরে পুর্নেষ ছত্যাকারী বলিয়া গমনাগমনের নিমিত কডকওলি একা ও প্রিয়া লইয়া গিয়াছিলেন ভাহ'রা নিজ্ ভি প্রাপ্ত হ্ইয়াছে। মকজমা সেশনে অপিত হুইয়াছে। 8 की (म**रल्डेश**व

व्यामानिरात मक्कश्यतभूतक् मःवान দাতা লিখিয়াছেন।

कर्यक निवम इहेन, अथारन किছूमाज বুন্দিপাত হয় নাই । অত্যন্ত এীশ্ম বোৰ হুইভেছে: ফলকঃ এবার এখানে বৃশ্চির ভাগ अहा । मकल खलाई वांकालारिएन वर्षि छ इहेल ।!!

 । সাতিশয় সম্ভায়ের সহিত প্রকাশ করি ক্তেছি, মঞ্জঃকরপুরের বিজ্ঞানসভার দিন দিন শ্রুদ্ধ হইতেছে। সভানীর প্রতি এতদঞ্লের প্রায় অনেক সন্থ্যান্ত ব্যক্তির সাম্রাগ চৃষ্টি পাতিত হইয়াছে। সভার উদ্দেশ অভি মহৎ; ভুনিমত আমবা সভার সেক্রেটারি মহাস্তুত্তব डेममामाली भी वाहाछत्रक व्यम्प्या धनावाम প্ৰদান কৰি ৷

৩।গত ৩রা আগতেরপত্রিকায় ভেলা ত্রিস্তত্তের দাসক্রয়প্রথা প্রচলিত থাকার বিষয়ে যাতা প্রকাশিত হইয়াছে, উহা সম্প্রপে জ্ঞাত इहेशा लिथिए इश नाई। अक्टल असूनकान ছাবা দে সংবাদের সভ্যভার বিষয়ে বিলক্ষণ সন্দেহ উপ স্থিত হইতেছে।

8। अञ्चलित इट्ल, এখানে এक्টी निर्धा রাণি প্রেস আসিয়াছে। ঈশ্বরেচ্ছায় উছার দিন দিন औद्विष्टि रहेक।

থেরিত মান্যবর শ্রীযুক্ত সোমপ্রকাপদক महाभग्न मभी (भष् ।

( প্রামাপাঠাশালা ও পণ্ডিভগণ )।

মহাশয়। আজ কাল আমা পাঠশালাসমূহের ছুৰ্ফশার এক শেষ হুইয়া উঠিতেছে। আমাদি লের গ্রণ্মেন্ট থৈক্সপ সাহাঘ্যপ্রদান করিছে क्रिन, खांश कता मा कता **डेक्स**रे डूना। পखिड মহাশয়েরা মাসিক ৫ টাকা করিয়া বেভন পান

अवर काहात काहात के खेलाजीविका हरेट कान টী পরিবার প্রতিপালন করিতে হয় 🗦 ক্রুডরাই 🕫 এই সমু বেডন্ছার। হস্তভাগ্য প্রতিভদিগোর गरमात्र मिक्तीर कदा कि ब्रोग इकड साठिकशंग একবার বিবেচন। করিয়া দেখুন। ব লের ছাত্র দিলের বেডন বংসর ওয়ে ' ধানে চালে 🕈 আলায় হওয়াও ছুরুই। শুনিলাস অনেক প্রায়ে,ভারাও পতিতদিলের ভাগে ঘটিয়া ভিঠে मा । ইহাদি গৈর মধ্যে অনেকে ভদ্রবংশে অক্সঞ্জহণ করিয়া इन, क्रुष्ठद्वार काना किन्न भीत व्याचनाम् काननमन করিতে পারেন না, ইহাতেই এক প্রকার (মা कविरम नम् विनम्भ ) श्राष्ट्र विमामिरम ्या ६म्। আসা করিয়া থাকেন। শিক্ষক মহাশয়দিটোর गर्प, व्यान रक्डे ऋ रल भमन कतियां घरत 🕻 हा 🗟 ल নাই 🗸 তেল বাড়ান্ত 🤊 ময়রার টাকা 🥫 রজকের বেতন ইত্যাদি ভাবিয়াই অধিক সময় অতিবা हिड करत्न। वालकमिर्गत निकडे এक এक बात পাঠ গ্রহণ করিয়া সত্ত্ব ভাহাদিগকে বিদয় (पन । sam करिता कि श्रकारत विकास स्थत কাৰ্য্য চলিতে পাৱে ? গ্ৰহ্মটে সকলঃ ডিপাট মেটের কর্মচারীদিগের উৎদাহাথ বেতনর্জি कविद्यार्ट्स, किन्न अहे भारवहावासिर्गत है श्व এफ निर्मन्न क्रांत ? এই विषद जारमालन क्रिया কভবার কভ সংবাদপত্রের সম্পাদক মহাশয় চীংকার করিলেন, কতবার উক্ত হতভাগা পণ্ডিত্র কোকেপদানি আবণকুহরে প্রতিষ্ঠ **इहेन, कथन र्श्वनियाम हेर्गिरशत (व्यवन्द्रिक्** ब्हेरव, कथन श्रीन न'म ब्हेरव ना। मर्था श्रीन माहिलाम এই विषय लहेग्रा अपनक वानास्वान इंहेरजिए, वानास्यानरे मात्र। यख ना स्त्र जिल्हें মঞ্চলের বিষয়। শিক্ষাবিভাগে এডটাকা অপ ব্যয় কেন? আমরা এক্ষণে গবর্ণমেন্টকে অস্থ त्वाभ कंतिएडिइ (य, याशएड विम्हानमुख्न থাকে তদ্বিষয়ে যন্ত্ৰান হউন। উপযুক্ত দক্ষিণা ना भारेत्य (कर्रे मश्रुष्टे रून ना, खारा अक्दात বিবেচনা করিয়া দেখা উচিত।

কুষ্ণনগর কালেজ ও তাহার নিয়ম।

क्रक्रमध्र कारलट्डात कार्यः (यज्ञात जन्मः) **षिछ इहेट्छ। इ. छाहात क्या क्या क्राम्यत** গহিত তুলনা করিতে হইলে অনেকাংশে প্রভেদ বোৰ হয় ৷ যদিও উক্ত কলেজের প্রিলি পাল সাহেব মহাশ্রোর এই নিয়ম বিদ্যালয়ের উপকারার্থে করিয়া আসিতেছেন এবং ভদ্মারা কলেজের কার্য্য স্থানরক্ষণ সম্পন্ন হয় বটে, কিন্তু वानकिंदिशत हैशे श्रिष्टिशानन कर्ता मगरप्र नगरप्र

্ষিতাত কটুকর হইয়া উঠে। অন্য অন্য কলেজ कर्मका अधारन काउनित्वत रवकन कानारमत निष्नमि व्यर्भकाकुष मकः। मारमत श्रवम निव বৈই বালকদিগের নিক্ট বেডন লওয়া হয়, यि (कह कान शिख्य मिर्फ ना शास्त्रन, छाँहा इट्टा श्राप्त कियम पूरे याना कतिया संतिमानात महिछ (वजन मिट्ड क्हेर्टा अहे पछ कि ছाजिनिरगत शक्त छेहिछ ? ना हैश रथानमर । जानांत्र कता करतरकत् व्याप्रमण्ड ? विद्यवन्त्रा करिया प्राचित्व मृत्य विद्यानीय हाज দিগের সংখ্যাই অধিক। ভাঁছাদিগের স্ব স্ব আলয় হইতে মাস মার্স আবিশ্যক খরচ আসিয়া থাকে। ভাঁছারা মাসাত্তে প্রাণ্য টাকরি আগমন श्रेका कतिए श्रांतिन, यनि कान गेडिक টাকা না আলে ভাষা হইলে লাটের খালনার মত কলেজের বেতন ধার করিয়া দিতে হয়। etste e व्यत्नकत घष्टित्रा छेटी ना ফুভরাং অগতা নিয়মানুস'বে √ছই আনা कदिशः हिशा थारकन। अरनक करलाख्य मारमञ ১৫ ই পর্যান্ত বেতন আদায়ের নিয়ম আছে. এখানে ভত দুর না হউক অন্ততঃ ১০ ই পর্যান্ত করিলেও বালকেরা স্থান্থির হইশ্লা স্থান্থ বেডম দিতে পারে এবং তাহাতে অধিক বস্ত করিতে क्ष मा! शवर्गायानेत्र हेशांख वित्वय काछि प्रशि मा । उदा हैश कतिवात जाशांख कि ?

 क ब क मियम अङ्गल ध्ववन (वर्षा दृष्टि हहे-যুক্তে, যে ভাষাতে কার্ভিকের বাড়ের অপেকা নিরাতায়ের সংখ্যা অধিক হইয়াছে। আছুলি भाव भएना कर्यक्री वृहर योजी व्यवनित्र रहेशी विश्वकित करि इंडेशाइडा व्याक्षारमत विश्व अहे, কুছার প্রাণ্ড্রাগ হয় নাই।

**3**:--

বোধ করি, আপনার পাঠকবর্গের অনেকেই ভিবেক্টর এটকিখান সাহেবের ১৮৬৬ ৷ ৬৭ चार्यात तिर्भार्टित छेशनरक वीयुक्त व्यागारश्य ষে শ্বমত বাজ্ঞ করিয়াছেন, ভাষা পাঠ করিয়া थाकित्वन । दिश फूछशूर्व हेनत्न्भक्षेत्र छ वर्छ-मान क्ष्मियुत मिटक्रिंगित श्रांतिमन मारहरवत छेखा বিভ। হারিসন সাহেবের শিক্ষাসংক্রাম্ভ অনেক বিষয় জানা আছে। অভএব ভিনি ডিরেইরের कार्यक्षिशालीत (य पांच खनश्रकारन नमर्थ हरे বেম, ভাহা আশ্চর্যের বিষয় নতে। কিছ व्यानक विषया जाहात खमल मृष्टे हरेल । व्यामि ভিষিষ্য কিঞিৎ লিখিয়া আপনার নিকট প্রেরণ করিতেছি ৷

· शांतिमन मारश्य अरणाक स्थारनत्हे यात्र वृश्चित विषयात छेलाथ क्रिविद्याद्य । किन्त তাহার কারণ কি ভাহার ভাল অমুস্কান করেন नाहे । श्रवण्डः कारमस्यत व्यव्हानकार्त्रत বেতন বৃদ্ধি হওয়াতে যে প্রত্যেক ছাত্রের শিক্ষার ব্যস্ত্র বৃদ্ধি হইয়াছে, অথচ অধ্যাপনার কোন श्रुश्रनाभी इस नाहे, जाहा जातिक वह विलक्षन काना चारक वर्षः किन्त (करहे लाहा धर्त्वतः करतन ना। भिक्तकिराधत (य विख्न बृद्धि रहा, ভাহাতে আমাদিপের কোন আপত্তি নাই। কিন্ত ''গাধা পিটিয়া যোড়া করা » আমাদি গের অভুমোদনীয় নয়। যে হ্ল লে শিক্ষক ৩০০। 8 · · টोकांग्र विलक्षन कुष्टे ছिल्मन। এक्रान তাঁহাদিগকে চতুত্ত । বেতন দেওয়া হইতেছে। এ বিষয়ে তো সাহেব যে ছঃখপ্রকাশ করিয়া ছেন, ভাষাতে আমাদিগের হাস্য আইসে। অধিক "মূল্যে গ্রদা মাল কিনিলে প্রে প্রা व । एक रूउई

হারিসন সাহেব লিখিয়াছেন যে. প্রথম শ্রেণীক ক্ল ও তাহার ছাত্রসংখনে রুলি চই ধাছে এবং দ্বিতীয় শ্রেণীস্থ কলেও ভাৰার বালকসংখ্যার হাস হইতেছে। ইহা দেখিয়া তিনি ভাবিয়াছেন যে. কেবল বাজলা শিক্ষোপ যোগী জ লের প্রতি মনোযোগ না করিয়া এবং উरकृष्ट हेरदाकी नित्कांशयांशी य तत् शिष्ट অনাদর করিয়া মধ্যবিধ শিক্ষা দেওয়ার জন্য হিতীয় মেণী ক্ষুলের উৎসাহ দেওয়া ১১ তেছে। এটি নিভান্ত অম। পলী আমত্ব দাই দ্ৰ বালকদিগের পক্ষে এই প্রকার স্কল অভিনয় হিতকর। প্রথমতঃ তাহাদিগকে মগ্রে বছ সংয় এবং পিত। মাভার চফুর অগোচরে পাকিতে হয়না। ছিতীয়ত: ছিতীয় শ্রেণীর কালে অংগ धन कवित्त माहेनत कलामिल शाहेवांत छत्रना থাকে। এইসকল বিবেচনা কবিলে হারিসন সাহেষ বিলক্ষণ বুঝিবেন যে দ্বিভীয় প্রেণীর স্ক লের উৎসাহ দিলে দেশের মলল।

वालिकाविष्ठानम् উপলক্ষে জীগুক্ত গ্রে সাছেব লিখিয়াছেন যে, यनिচ व्यावृद्धि वरे য়াছে, তথাপি এ বিষয়ে কোনপ্রকার উৎসাহ (महत्रा कर्डवा। वालिकाविमालय यं अधिक হয় ভড়ই ভাল; কিন্তু যে যে স্থলে বালক विम्रानम् नाइ ज्या डिस्क्र हेन्राल शुक्तरमत निका इन्न ना, उथान्न वानिकामित्रत निभिन्न वान করা বিফল। আমি আসামে যেপ্রকার বালিকা ্বিদ্যালয় দেখিতেছি, ভাষার অবস্থা মনে করিলে 🖟 রপতির্গণৈর অনেকেরি একটী মহৎ রোগ দৃষ্ট বেধ হয় বে, অন্য স্থানে যাহাই ইউক্, এত্ব কুট্রিছ । মকলমার দোষ গুণের প্রমাণানি এংগ ও

वालिका विष्णानरशत निविद्ध वाय ना कविशा वामकिषिरात छन्न छमाभन कताहै कर्छता।

व्यामानिरात कर्द्धभाष्टक डेप्समा (य, तम्मीय দরিদ্রসম্ভানেরা কোন প্রকারে শিক্ষা এবপ্র रम । कि ख कि स्टें विद्युवना करवन ना (य. हेडा फार्रामराध नाधाधीन किना। तथा शका শিক। করিবার অবসর সবিশেষ আবেশক। किछ धन ना शांकित्म व्यवगत कि श्रकाद्य स्ट्रेंटिंड भारत । याराता (काम धकारत कार्य)कम इंट्रेट्स्ट्रे গৃহকর্ম করিতে বাধিত হয়, ভাছারা যে লেখা পড়া শিখিবার সময় পাইবে, ভালা কোন একা (तके विश्वामत्यांका नत्र। के द्वात्यादा वित्वहना করেন না যে, ভাঁহাদিগের দেশে যে উন্নতি ৪। ৫ শত বংসত্ত্বে সম্পাদিত হইয়াছে, তাহা এদেশে এক বারে কিন্নপে হইবে। রাজার চেষ্টাভেই यनि प्राप्तत केविक इंडेड, काश इंडेटल अक पिन পৃথিবী শুর্গভুলা হইও। কোন কোন অদুর্দনী नारहर विरयहमा करवन त्य, निम्न (खनीत लारक শিক্ষা পাইলেই দেশের উন্নতি হইবে কিজ আমরা এ পর্যান্ত কোন দেশের এক্লপ কথা গুনি नाई (य. थे छेशारत छे ज्या नाधिक इहेतारह ।

৫। গ্রে সাচেব লিখিয়াছেন, ব্যয়সংক্ষেপ করিবার ভিনটি উপায় আছে। (১)ধনীদি गत्र এই श्रकात উপদেশ দেওয়া কর্ত্রা (য, উ হারা প্রধান প্রধান কর্ম্ম শাইবেন, অভএন डाहामित्रात भिकात वाग्र डाहाताह निकाह কজন: (২) ভাষার নিমুখ্রেণীস্থ লোকদিশ কেও ঐ প্রকার পরামর্শ দেওয়া কর্তব্য। (৩) क्षित्र मित्र क्षित्र के वास्त्र कार्य के देश वास्त्र वास्त्र कार्य कार् শিকা দেওয়া উচিত। এটি শুনিতে মিষ্ট वर्षे रे किन्तु कार्या श्रीवन्छ कहा। महस्र सञ्चा व्यानतक वित्तरमा करनम (य, भिज शांव मूर्था পাধার নামবারীনাজেই বুঝি ধনী। ইহারা · ' अप्र » कुरलाखन वर्षेत्र ं किन्न व्यक्तिक गांत् भव नाहे निर्दान । (कवन काउन्हादार्थ हेर्होत्रा नीव वादनात करतन ना। नरव् क्रमाना प्रधन এই অবস্থায় মন্ত্রেরো ইতর কর্ম করিয়া থাকে। এদেশে यान প্রকৃত ধনীৰ সংখ্যা করা হয়. कां का का बादा शक्त पनी नयन (शाहत रन)

গোহাটী o क काशह 35001

মহাশয়! জেলা জাদালতের অধুনাতন বিচা

----

উভয় পদ্ধের উকীলগণের তর্ক বিতর্ক লেষ হইয়া গেলে সেই দিবস বা ভাছার পর দিবস ও বিচার পত্তিৰ অভিপ্ৰায় ৰংজে হয় না ৷ কখন কখন দশ বার দিন কখন বা অধিক বিলয় হট্যা যায় ট এডনিবন্ধন অর্থী ও প্রভাগীকে কন্তনুর কণ্ঠ সৃষ্ট্য कतिएक इष्ठ, छ। शामातिक वृक्षिएक शास्त्रम । कान कान मकद्भाग अमेन उ परिश्रा श्राटक (य. মকদ্দমা প্রাবনকালে বিচারকের তর্কের ভার जभी एक व्यवीत जेकील भरन कहिरलम रा व्यवीत खन्न २३८२ : कि.स. **अक मक्षाइ** भरत **२७**क. चा ভুই স্থাই পবে ইউক, রায় প্রকাশ ইইলে দেখিলেন যে, ভাঁহার (উকীলের) আশালভা ফলবতী হয় নাই। উঁহোর অধিকতর ক্ষোভের বিষয় এই যে, বায়ের বিরুদ্ধে একটাও ভর্ক কবি বার সময় পাইলেন না। নীরব পাকিতে না পারিয়া যদি কোন কথ: কহিছা ফেলেন তৎ-ক্ষণাৎ আপীল করিবার উপ্রদেশ প্রাপ্ত হন। আমি স্বীকার করি, ১৮৫৯ সালের ৮ আইনের ১৮০ গারাম্রসারে বিচারপতিগণ মকদমাব প্রমা नामि अहम कविशा '' व्यक्तिहम किश्वा काम कान मिन " आशनारमत अভिशास शकान করিছে পারেন। কিন্তু '' অন্য কোন দিন্দ বলিলে পক্ষান্ত বা মাসান্ত ভিন্ন কৈ আরু কিছ द्याय ना ? अक वा छहे जित्नव व्यवमत कि शर्वतिश्व मञ्जाति (यनकत्र भक्तस्य। सहस्य त्याध अभा मा रुष्न, खाबात है भी भारताएक के जान विल ষের আবশ্যকভা হয়। সামান্য মক্ষমাঞ্জিব যে কেন ' অবিলয়ে " নিজ্পত্তিনা হয়, ভাচা আখার অলায়তন বৃদ্ধিতে আসিল না। মকদ্দ্য। **धा**दगान छत । एकीय च्यां छ शाय निभित्त ना করিলে বিচারপতির পক্ষেও অনেক অন্তরিধা धारिवात मकावना । किख्यभक्षीय है की लगा वत ভক আৰণকালে অভিযোগদংক্ৰান্ত আমূল इन्हां कें बार मरनामरण धार्वके व्या : अव्याद তিনি অধীর দোষ কি এডাখীর দেশে বিলক্ষণ कार्भ विरम्हना कतिए भारतमः छुटे हाति निम পাৰে নিক্ষাভিপত্ত সিধিতে চইলে মক্তমার অবস্থা স্মর্ণ করিবার চেষ্টাজন্য ্রেণ লইতে হইবে। দিন্তীয়তঃ এইরপে সার্ণ করিতে পারিলেও বাদী বা প্রতিবাদীর পক্ষের অমুকুল কোন কারণ স্থান্তার সমু তিপথের দুরবন্তী থাকিছে পারে। অভএব এ অবস্থায় যে বিচার হয়, তাহা কত দুর ন্যায়দকত পাঠকগণ অন্যাংসে বুঝিয়া লইবেন। ব্যবস্থাপক মহাল (शक्षा क बाइरन मकप्रमा निष्णाखित पित्र सि**र्विट** করিবার নিয়ম করিয়া অর্থী প্রায়খী উভয়ের কেশের অনেক শুক্তি হইবার উপায় করিয়া

দিয়াবছন । কিন্ত বিচারপতি সহালয় দিগোর প্রসাদে উত্তরো এর ঐ ক্লেনের বৃদ্ধি হইটেড্ছে। ২৩ এ ভাল । ক্লেনেকা বিলঃ।

---: • :---

महामञ्ज ! कोलीमाक्षया शहालेख थाकारफ निन निन (य. कण कामना, इटेएएएक, फाटा नि चित्रा (नग कता यात्र ना । हेक्टिमर्ट्स, कामा দিগের এখানে একটা বিংশতিব্বীয় যুবতীর সহিত এক জন সপ্ততিব্যীয় পাত্ৰের উদাহবন্ধন সংঘটিতভিইয়াছে। পাত্রীটা অভিনয় রূপলাবণ্য বতী : কিন্তু ভাহার পিতামহদমবন্ধক ভর্তার शीम्मर्थ। এবং छोट्नेत कथा विलिया (संव कता ৰায় না। সমস্ত গ'তা দক্ত এবং দোতবৰ্ণ লোম পরিব্যাপ্ত। মুখখানি দেখিলে হরিভজি উড়িয়া यात्र। व्यामता श्वामिनाम, राममस्य स्त्रीतनाक আপনাদিমের শিশু সন্তানদিগকে কোড়ে লইয়া বিবাহ দেখিতে আসিয়াছিলেন, ভাঁহাদিনের ক্রেছেন্ড সে শিশুগণ বরপাত্রকে দেখিবামাত্র উলৈঃ বরে ''মামা" বলিয়া চীৎকার করিয়া উঠিয়াছিল। বরপাত্রকে বর্ষাত্রীর জন্য অধিক কষ্ট পাইতে হয় নাই। দৌহিত্র, পৌত্র, ভ্রাতু-ষ্পাত্র এবং ঘটকঠারা (স কার্য্য সম্পন্ন হইয়া গিয়াছে। হায় কি পরিতাপ !!! এই **इत्रदृष्ट** ! व्यथवा অদৃষ্টেরই বা দোষ কি? কেবল একমাত্র কৌলীনাপ্রথা থে এই সমস্ত অনিষ্টের আকর তাহা কে না মুক্তকণ্ঠে স্বীকার করিবেন ১

এবার এখানে বর্ষার জাতিশয় প্রাছ্রতীব দেখা ঘাইভেছে। জাউদ ধান্য একবারে বিনষ্ট ছইয়াছে। জাবান ধানাও ধে হইবে দে জালাও নাই। জাবার বুঝি ছার্ডিক্ষ দেখা দেন। ভাহা হইলে এ বার দরিদ্র প্রজাদিগের নিশ্চয় মৃত্যু। গোলামী ভূর্গ পূর > লাপনার বশস্ক

--- 20° ---

**a:-**-

# মূল্য প্রাপ্তি।

শ্রীগুক্ত বাবু ভবানীচয়ণ মুখোপাধায়ে ডিছিরি
১৮৬৮ সেপ্টেম্বর হইতে নবেম্বর ৩৮০
শ শ গুরুলাস শর গণকর
১৮৬৮ সেপ্টেম্বর হইতে ৬৯ আগপ্ট ১৩
শ গৌরীবলভ শর্মা দিক্রগড়
১৮৬৮ সেপ্টেম্বর হইতে ৬৯ ফেব্রুয়ারি ৭
শ চক্রকুমার রায় নড়াইল

১२१९ काम स्टेटक १७ व्यावत । व्यावक कृतिवादिकता त्रेकनृत (२ वस्ती) देखा

সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেক্ট্র বিশেষ নিরুষ।

জ্ঞিম মূল্য ও ডাক্মাস্থল না পাইলে মক-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইহার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এইছার বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা । মফদ্বলে ভাকমান্ত্রন সমেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং ত্রৈমান সিক ৩৮০। তিন মাসের স্থানে অগ্রিম মূল্য গ্রহণ করা বায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিটি, মণি— অভার, নোট ও স্থান্দা টিকিট, ইহার জন্যভর বাহাতে বাঁহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই উপার্ছ ঘারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

वाहात। ष्ट्रीष्णिकिक भागिष्ट्रेयन, डीहाता यन अक अथवा ज्याध ज्यानात ज्याधक मूटलान उनगीरमत क्रिकेट (क्षत्रण मा करतन।

यथन यिनि अक्षण इहेट्ड लामश्रकारमञ् भूला भागिहरतन, छाहा यम त्रिक्षष्टेति कतिन्ना जीयुक बातकामाथ विषाण्ड्यरणत नास्य भागि-हैन्ना एमना

याँ शिनिएशत भूमा निवात ममन अखी छ इहेन्ना आमिरत, এक मामशूर्ट्स डांशिनिशतक हिंदी निश्चित्र खानान याहरत, काम अखी छ इहेन्ना शास्ति अक वांत हिंदी लिथा इहेरत, छाहात भन्न अकमामकाम अखीका कतिया काशक वन्न कना याहरत। स्माम वारतत भाज रामानि शामिन हहेरत।

মাত্রলা রেলওয়ের সোণাপুর প্রেসনের ভাক ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীল্প পাইব।

বাঁহারা মাস্ত্র না দিল্লা প্রাদি প্রেরণ করি । বেন, আঁহাদিগের সেই প্রাদি গ্রহণ করা বাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইক্ষা

করিলে তাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংক্তি ১৮ জানা তাহার পর ১৮ জানা দিতে ইইবে।

বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা করিবেন, তাঁহার সঞ্জি শুজন্ত বন্দোবস্ত ইইবে।

এই পত্র কলিকাকার দক্ষিণ পূর্ক্ মাতলা রেলওরের সোণাপুর প্রেসনের দক্ষিণ চালড়িপোতার শ্রীকৃত দারকানাথ বিদ্যা-ভূবপের বালতে প্রতি সোমবার প্রাতঃকানে প্রকাশিত হয়।

# मियशका

১০ ম ভাগ।

8७ मश्या ।

# ं प्रवक्तनां प्रकृति इताय पार्थिवः सरस्वतो अतिमदती न हीयतां।"

মাসিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বার্ধিক ১০ দুশ অগ্রিম বাণ্যাসিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা।

সন ১২৭৫। ৬ই আশ্বিন। ১৮৬৮। ২১এ সেপ্টেশ্বর

িমক্তনে মাজুলসমেত জাগ্রিম বাধিক ১ ধাণ্যাসিক ৭. ও ত্রৈমাসিক ৩৮০ টাকা

Fit december The Act	বিজ্ঞ	<b>াপন</b>	1	re sauce the AL A
\$ P.	FF	রা	47	. <del>)</del>

প্রত্যক থণ্ড ৮০ পৃষ্ঠা মূল্য (নগদ) ॥
এই পুস্তক প্রথম অবধি দ্বিতীয় সর্গপর্যান্ত
প্রথম সংখ্যা নাগরাক্ষরে রামান্ত্রকরে টীকা ও
বাঙ্গালা অমুবাদের সহিত কার্যপ্রকাশ মন্ত্রে
মুদ্রিত হইয়া বিতরিত হইতেছে। ইহাতে মাহেশ্বর তীর্ব ও নাগোলী ভট্টের টীকাও স্থলবিশেষে
উক্ত করা হইতেছে ও ইহা প্রতিমাদে ১০
শ্বনা অর্থাৎ ৮০ পৃষ্ঠা করিয়া মুদ্রিত ও প্রচা
রিত হইবে। মূল্য ॥০ আনা। খাহারা আহ্ব
প্রেণীভূকে হইতে চাহেন, ভাহারা আনার নামে
কার্য প্রকাশ যন্ত্রে প্রে লিখিবেন।

আবিণ ১২৭৫ খ্রীচেমচন্দ্র ভট্টাচার্য্য। বা**ন্দাস**মাজ

কলিকাতা নিমতলা ঘাট জীট ৩২ সংখ্যক ভবনস্থ সংবাদ জ্ঞানরত্বাকর যত্ত্বে সাহিত্যদর্পন মুক্তিত হইতেছে। গ্রহনাধিগান প্রাদি লিখিয়া গ্রাহক জ্বেনীভূক্ত হইলে ১ এক টাকা মূল্যে পুশুক প্রাপ্ত হটবেন।

**अ**क्वनहन्त्र वनाक।

বিক্রয়ার্থ।

গারডেন রীচ ২৪ নং বাটা গুদামসহ ১৯ নংক্ষোড়া ৰাগান।

উপরি উক্ত বাগান ও বাটী যাঁহারা কয় করিতে অথবা লইতে ইক্ষা করেন, নিমু স্বাক্ষ বিতে ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> নিলেণ্ডারস্ আরবো-থনট এবং কোং

# পুনঃ প্রাপ্ত নোট।

নিম্নলিখিত অপহাত অর্থ ও পূর্ব নোর্ছিল পাওয়া গিয়াছে । নোটের অধিকারিগণকে জানান খাইতেছে, নিমু স্বাক্ষরকারীর নিকট আবেদন করিবেন।

		সংখ্যা	মূল	পূৰ্ব অথবা আছি
	14 b	৮৬७১৮	۶••	व्यक्त भाष्ट
	Ç Ç	F9888	¢•	'n
	এ <b>৫</b> ২	<b>৬</b> 849.	<b>ર•</b>	<b>A</b>
	<u> ३</u> ७	7.39%	۶.	»
	9	<b>१</b> ७४ <b>१</b>	<b>૨</b> •	* ,
	9 88	৮৯৯৩৭	₹•	×
	8 F	96.48	<b>ર•</b>	* "
	8 E	৯৯৬ <b>৬</b> ২	ફ.•	S)
	वि २२	•3966	₹.	ভিলিগা- পেট্যাম
	वि २२ इ	* > 9 & 8	٠ د	"। নোট্স।
	83	• 9 9 9 9	7 •	'n
	8.5	• 58.67	۶.	<b>n</b>
	<b>1</b> 87	<b>9-899</b>	2•	পূৰ্ব
	8 <b>5</b>	8४१ <b>२</b> ळ	<b>" 5 *</b>	অৰ্দ্ধ নোট
	4.	subte	7.	<i>»</i>
	8 & 8 &	<b>ज्या</b> २५	7 •	a
	3 3	•৮২৬৯	2 •	"
	38	Ø\$8•3	3 •	<b>»</b>
	25 E	8448>	. 2.	*
	30	७१४३७	2 •	•
ì	1	· 52 + 49	٧٠	*

10	257.0	7	-	
9 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	\$57.7	۶•	*	
ه ده	৯২১・২	۶.	a	
9	€877¢	7•	ů	
1	<u></u> ተ ል • •	7 (	•	
6p 0	48429	2	• •	

কলিকান্ডা ) ডবলিন্ট, এইচ, মাগোরান পোষ্ট আফিদ ১৩ ই আগষ্ট ) ১৮৬৮। পোষ্ট মাষ্টার।

इन्द्रथा ना हेक।

ষ্ঠান হোপ যন্ত্রালয়ে এবং চীনাবাজার, পটোলডাঙ্গা ও জ্যোড়াসাকোর পুস্তকালয়ে পাওয়া যায়। মূল্য ১ এক টাকা।

জ্রীগোপালচন্দ্র বন্দ্যোপাগ্যায় কলিকাত। বাগ্বান্ধার।

১৮৮৯ অন্দের ইংরাজী এন্ট্রান্স কোনের নোটবুক, প্রথম ভাগ পোইট্রী, ট্রেণিং আকা ডেমির ভূতপূর্ব থেড মাষ্টাব এইচ, দত্ত,বি, এ, কর্তৃক প্রণীত, ৫৮।৫ গিরিশবিদ্যারক যজে এবং সংস্কৃত যথের পুস্কালধ্যে প্রাপ্ত। মূল্য ১ টাকা।

# বিবিধ জব্যাদি বিক্রয়ার্থ প্রস্তুত।

----:0:----

ইংরাজী বাললা পুস্তক কাগল কলম নানঃ
বিদ দ্রব্যাদি পাওয়। যায় এবং পুস্তকাদিতে

/ এক আনার হিদাবে কমিদন দি। অধিক
টাকার পুস্তক লইলে / ১০ আনার হিদাবে
পাইবেন।

अश्रुक्त हिलाचडान व्यथार : नक्रांश्यूक्ट नार्षे কেব মার্যান্তবাদ 211 শ্ৰীনভাগৰত ১ ম অৰ্থ ১২ স্কল্প বাং 3: # 1 জী বীহনিভ কি বিল'ল সম্পূৰ্ণ ь শ্রীমদ্রামবদায়ন ছই খণ্ডে সম্পূর্ণ Œ চক্রণাবিচিকিৎসা গ্রন্থ দিশ্ব বীয়া নিবাসী বাব কাশীনাথ মলিকের এবতে উভয পাঁওভয়ারা হাস্তর লিখিত ર∙૭ নিত।প্রাল্পরিকা পত্রিকা বার্ষিক বৌত্র বিলাস যাহাতে গোপালভাতের কোতৃকতাল সম্পূর্ণ আছে **६ एक ६८म** 🕠 🖰 द्वासिन इहेर्-ड ভারত B 3 ব্ৰহ্মতন্ত্ৰ চূড়ামণি অৰ্থাৎ ব্ৰহ্মনিৰ্ণয় 311 নীলাগ্ৰম কাৰা श्वकान कावा মণিকুগুলা কাৰ্য অভিমন্ত্ৰ বদ নাটক 110 ছাদশ শিশুর বিবরণ ব্ৰুব্ৰেমা গ্ৰাহ্য কাৰ্য ١ कोवनविद्याग नाउक ₹ নিভিল গাইড মাশ্মেন সাচের কুড अधारका डेगागान मत्मन्यारमी वज्रभव्य प्राप्तक **ન** ખ পিশাচোদ্ধার ী,তপ্ৰভা अधिनात्र वार् ४ थानि महाल नार्वकार् শর্মারক ত ভূ হত্ত্বদশ্ৰ পৃথিধীৰ মানজিব্ৰ 'छोडा ७ १८५४ माले अन्यतालय जाकार्य নীতি শকা অন্বর শোগীলী 517 : S'R পারসীক क तः 211 ্রমার সম্ভব সংস্কৃত হইতে পদা অন্ধ্রাদ ১ ভারতব্যের ইতিহাস কেদারমাথ দককুত ১ ल । ।। विकार का ताब कुछ মন ভঙ্গারগংগ্রহ 5 প্রাচীন ইতিহাস সমৃচ্যু এ মাস মেন সাহেবকুত ছুই খণ্ড ર লাট্য পরিশিট নাইক চাসভমঞ্জরী 31 শক্ষরজ্ব স্থানিত ৰুলিকাতা জোড়া-बीध अंगिम्स ताय जीदका ७८ वर नगम विद्युष्टा

# ইউইপ্তিরা রেলওরে। কারাগোলা ঘাটে রেলওয়ের সর্কত্ত রপ্তানির নিমিত্ত মাল লওয়া যাইধে।

এত দ্বারা সর্বাসাধারণকে জ্ঞাত করা যাই-তেছে যে, যথন করোগোলা ঘ:টে পারাপারের টিমার থাকিবে তথন ঐ ফিনারে রেল প্রয়ের সর্কত্রে রপ্তানির নিমিত সর্ক্ষপ্রকার দ্রব্যাদি লইতে ইপ্তইতিয়া রেল তয়ে কোং প্রস্তুত আছেন।

রেল ওয়ে দ্রব্যাদি পাঠাইবার ভাড়া অয়ুসারে জাড়া লওয়া ইইবে। কেবল টিমার চইতে
সাহেবগঞ্জ প্রেসনে লইয়া ঘাইবার নিমিস্ত
েব ঝাই খরচা ও ভাড়া প্রতি মণে এক
আনার হিসাবে অধিক লওয়া ঘাইবে। যে
প্রেসনে দ্রব্যাদি রপ্তানি হইবে সেই প্রেসনে
সমুদ্যে দিলেও চলিবে।

ইষ্টইন্ডিয়া বেল গ্রে ছাউন এঞ্জেন্স বোড । সিসিল ফিন্দেন্সন নালকান্ডা ৭ ই । এজেনি বোড । সেপ্টেম্বর ১৮৬৮।

-- 202--

# পুরাণ প্রকাশ।

विक्यु शूतान।

অসুবাদ ও টীকা সমেত প্রত্যেক ঋত ৮. পৃষ্ঠা। অগ্রিম মূল্য)॥• ।

যিনি এছণা ভিলাণী ক্ইবেন তিনি মৃত্যাপুৰ আনহয়ই কীট ৩৪:১ নং ভরনে কার্য প্রকাশ যন্ত্রে অথব। ফলিকান্তা সংক্ষাতে বিদ্যালয়ে শ্রীযুক্ত জগন্মোহন তর্কালক্ষানের নামে মত খণ্ডের ইচ্ছা অগ্রিম মূল্য পাঠাইবেন। অগ্রিম না পাইলে বিদেশে বিশ্বপুরাণ পাঠাইবার নিযুম নাই ইতি।

---- 202----

## বিক্রয়ার্থ।

শব্দকরাজ্ঞন অভিধান। সর রাজা রাধা-কাস্ত দেব বাহাছরের ক্কৃত। উত্তমকপে সোল দিয়া সূতন বাঁধান মূল্য ২৫০ টাকা। শ্রীমানক্ষচন্দ্রবেদাস্ত বাগীশ।

হোমিওপেথিক চিকিৎসা, প্রথম সংখ্যা, জামরক্ত, মূল্য চারি জানামান্ত্র।

কলিকাভার চোরবাগানে ক্লবুক প্রেদে

ঠনঠনিয়ার সংস্কৃত্যন্তের পুস্তকালয়ে এবং লালবাজারে বেরিণী কোম্পানির হোমিও পেথিক কারমেশীতে পাওয়া যায়।

-- 000

# भूनः धाख ताहे।

ধে ৰাজ্জি ১৮৬৮ সালের ৮ ই আগস্থ পত্র মধ্যে পাটনার ভাকঘোগে নিমুলিখিত নোট সকল পাঠাইয়াছেন, তিনি নিমুখাক্ষর কারীর নিকট সবিশেষ লিখিয়া পাঠাইবেন। এ ১৮ ৮৯০০৭ নং ১০০ টাকার এ ১৮ ৮৪৮৬৯ ন° ১০০ এ ভবলিউ, এইচ মাগোয়ান।

----202----

কলিকাভার পোষ্টমাষ্টার।

# '' শিক্ষক ব্যতিরেকে সঙ্গীত শিক্ষা অধাৰ।

ইউরোপীয় সরলিপি সম্বলিত সেতার.
বেহালা, এস্রাজ, বংশী, হার্মোনিয়ম ও গান
প্রভৃতি শিখিবাব সহজ উপায় দ্লা ও তিন
টাকা। লালদীঘীর পুর্ম পার্ম্ম দে কোম্পানির
ও ঠনঠনিয়াম্ব সংস্কৃত যন্ত্রের পুস্তকালয়ে বিক্রী ভ

হইতেছে।

কলিকান্ডা ১ বা সেতেইশ্ব ১৮৬৮ : শ্রীমতেন্দ্রনাথ চট্টোপাপ্যায় পটোপভাপা পোটোড়েল।

---202---বঙ্গানের অস্তঃপাতী ফোট উইলিয়ম प्रश्नित व्यवीम हाहरकाष्ट्री व्यव कां उरकारत्व **उष्टिरमधीत ७ हैन एवर हिंवे क्लाइम फिल्मन ইইডে কলেকাভানিবাসী জনীদার মৃত অ**নরে বল প্রারকুমার ঠাকুর সি, এস, আই, মহালয়ের नाष्ट्रे एडेन अ छिट्टेर्स लिंद अ इंडे कार्फ नित्त व श्राबंधे, ऐक मृज वाकित नाष्ट्रे हें न ल 🕫 🕏 .मट्लेंद्र लि चे छ जिस स्तर अक्छि कि छे दे किल কাত। নিধানী প্রীউপেক্রমোরন ঠকের ও জীয তীক্রমোহন ঠাকুর ও জ্রীছর্গাপ্রসাদ মুখোপা-प्राप्ताक ज्यमा (मञ्जू। इहेल। ज्याङ এव घाँ हाता উক্ত মৃত ব্যক্তির প্রতি কোনপ্রকার দাবি রাখেন, তাহারা উক্ত একভিকিউটারদিগের নিকট তাহা সত্তর জানাইবেন এবং ঘাঁহারা ভাষার নিক্ট ঋণী থাকেন, ভাষারা উক্ত একজি किউটার্দিলের নিকট অবিলভে আপন আপন ঋণ পরিশোধ করিবেন।

কলিকাতা ৭ ই সেপ্টেম্বর ১৮৬৮। ১ इस्ट

# ইতিয়া

রেলওয়ে।

ا آ

—:•:——:•:— বিজ্ঞাপন।

১৮৬৮ সালের ১ লা অস্টোবর তারিখে এবং তদব্দি ২০ হন্তে ও যেট ওজনের এক টন হাবে তথ্বা প্রত্যেক গাড়ির ওজন প্রিমান অপ্রসারে তুলা আম্লানী করা হইবে।

্নিমুলিখিত টেবেলে খোনী বিভাগ অনুসাৰে হাওড়ায় আনিবাৰ ভাড়া দশনে যাইতেছে।

_				1	r	. 1		*	a. 1	}	6		1	je-	İ		હ	
EN' - 9 7 6 38 4 (6 9) 6	य∶ष्ट्रेनन इहेऽछ	<b>অাম</b> দানী	ो <b>६३</b> ′.द	N. IS.	SEAN AND A CONTROL OF SEAN AND A CONTROL OF	त्रश्री १६	कुना व व भारत इन विकादम्	지 : 보이 주었었다. 명, 명, 명, 명, 명, 명, 명, 명, 명, 명, 명, 명, 명,	एक बाज कि कि व ब्रम्सिक ब्रहेप्टर्डि	म दिन्द्रिक क	10 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	(4) (4) (4) (4) (4) (4) (4) (4) (4) (4)	(स जुना '9ए न	5 स्ट्र्याटि, द्रिय 6 • १ व्याप्ति स् 8 श्रीमित्र	(47.74)	্য ভুলা পাউগু এক পরিমিত হা বাচার ৩০ এক গাইট বিক ফিটের য়াছে ।	কিউ ব ইয়াছে: ' পাউ গু কসিয়া অন্ত্রিব	প্রিয়িত ১৫ কিউ ১৯৪
· ····			•	: _ · · · 		Phone series					.,			,	, -	্ প্রজন অন্ধিক হ ভাড়া।	১৩.৭০ ইলে গা	ূপা টুং <b>ও</b> ড় হাজি
* > b	मिली ७ शांखि याराम ।	্প্রত্যে প্রত্যের	क हेंद्रब हुन हैं	है1. ७०	खा. र	পা.	61, 69	911, 4/	જા1, •	B1,	खा. 1०/	পা.	है।, ८४ ७	'의1,	위), *	ট:. ৩৩•	<b>129</b> 1,	۶11. •
৯৬৭	1	্ প্রতে ক ( প্রতে ১ব	ট্রেন	69	lled had	v	68	h/ 11 •	ä	43	h el	*	83	ال	7) 7	\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\	/	•
৯৪•	ু <b>অ</b> বলিগড়	( প্রত্যেক ( প্রত্যেক	हेट्ट १ भाइर	/ ( 5) <b>ይ</b> ዓ	العا	a	49	1/	v	4-	11-	<i>2</i> ,	88	4,00°	<i>2</i> 0	008	10)	•
৯২১	্ হাত্ৰাস	্প্রতেব (প্রতেক	१ ष्टें गः≩र्षे	4.8	nei 11	z, z,	   / 3 	ر لا	a a	83	4	7) 19	8 8	•	r	₩: ħ	119/	•
à• ¢	ু <b>অ</b> নাগরা i	{ প্রত্যের { প্রত্যের	क वेटन क भाइट	. es	ام	2) 2)	43	!/	»	8 br	110	77 23	1 .	نور	77	। ७२०	May	•
ታ· <mark>ታ ን</mark>	किर्ताबावान	) B(3)4		(e 2   9	الا	a	8 & 'y	ned n/	a	8 9	*	a	8 3	4	'n	974	1/	33
* ७৯	ं ब्लाटकाश्चावान !	্প্রত্যেক প্রত্যেক		63	had	å	82	N •	*	8.9	العا الإدا	77	85	11	*	6),	•	•
rot	<b>ह</b> र्देखा	) প্রত্যেব ) প্রত্যেব		83	4/	79	8 <del>9</del>	i/-	a a	88	4/	77 19	<b>60</b>	12	"	226	<b>4</b> /	44
18 br	কানপুর	্প্রত্যেক প্রত্যেক	हेटन भा <b>€</b> टि	88	110	n n	8 3	101 10/	<i>"</i> 2	8 •	ا	'n	<b>७</b> € 8	112	<i>"</i>	<b>১</b> জুণ	ll es	. <b>\$</b>
৬>৯	অলোহাবাদ	{ প্রত্যেগ { প্রত্যেগ	টনে গাইে	5° ¢	11/	'n	<b>9</b> 16	112	'n	8	4/ 110/	` 1) 7)	8	ر	r r	\$ : A	•/ •	**
190	মূজাপুর	। অক্টোক । অক্টোক	हेट्स भाईहा	8 %	اد اد اا	35 35	% 8	12	0 79	່ ວ <sub>ີ</sub> 8	الو"	r	\$ 9	r r	77	3 " 4	2	
t 8 •	বারাণশী	প্রত্যেব   প্রত্যেব	ह हे टूब ह भा हेट	ত ২ ট 8	1.	79	٥٠ 8	الم	יי פ	<sup>2</sup> እ 8	¢	7	,	11/	77 78	1 38:	1	3) 9
9	জুমানিয়া	্প্রত্যের প্রভ্রের	ह छेट्न ह शा≷ट	§ 8	ال م	נר דר	र १५	11 ed 4 ed	7 2	ર ૧ <b>૭</b>	n d	25 °	÷ 8 • •••	9		)	6y/ 10	? **
8	পাটনা	প্রতেত্ত প্রতেত্ত		2.0	10	a Z	۶ د ق	انوا د	33 77	\$ 7	1/ hei	יד מ	ج ع د	(e,v  c	22 24	1 285	ч	

<sup>্</sup>য। প্রত্যেক টনের ভাড়ার পারবর্ত্তে প্রত্যেক গাইটের ভাড়া লওয়া যাইতে পারে, যদি প্রত্যেক গাইটের ঘোট ওজন ৩২• পাউত্তের জনদিক হয়।

বোড অব একেনি ২৮ এ আগষ্ঠ ১৮৬৮ ৷ গিসিল **ডিকে**গন বোড অব এলোগ।

২। খোলা ভূলার ভাড়া চতুর শ্রেণির দ্রব্যের ভাড়ার সমান গরা হইবে - কিন্তু এক খুনি গাড়ির নিয়ত্তম ভাড়া প্রত্যেক নাইলে - পর যাইতে :

৩। ভুলার প্রভেকে টনে। এ আন। অথবা গাইট করা এক আনা হিসাবে হাওড়ার টার্নিন্টাল রেট দিতে হইবে।

সাধিরীচরিত কাব্য

কি ভোলানাণ চক্রাও গ্রীত। য়ল(১ এফ টাকা। সংস্কৃত যুক্তের পুষেকালয়ে প্রত্য়া যায়।

কলকি।তার মান ১০ মু দি**ত হইয়। কি**লেয়াখা। ৩ খ • এছে। (উভ্নবাগা**চ) মূল**ে ২ টাগা। জীকালীপ্রসাম সম ওলু। কলিকাতা নামালি সূল।

# পো**নপ্রক্র**। জুই আ**রিন** সোম্যার ।

দুর্গোৎসর উপলক্ষে আগামী বার ভাব্যি ছই সপ্তাহ গোমপ্রকাশ বন্ধ থাকিবে। ইহার জন্ম অব্যি এই বীতি প্রবৃত্তি হইয়া আসিয়াছে।

कलिकाला रशरकरहे छशली कुम्बन्धत ও গোহাটির মিউনিসিপালিটির সামুৎ স্থিক বিপোর্ট প্রকাশিত হইয়াছে। क्यामराज्य अक काटल मर्जन ११० है। का বাটার টাকা লইছে আর্ছ করিয়াছেন। কর্ত্বাপন ও অভ্যাচার বলি না থাবিত इ.स. १६८० चालता विद्यारिकारी मञ्जूके হইতাম ৷ হুগালির রিপোটটা কাগাজে প্র করিতে জন: সভাপতি আকেপ করিখাছেন, ক্মিস্মর্গণ মধল্প্রেড্ডির নিনিত্ত সাহান জিলমানা মাত্র করেন !! সর্বত পুলিষ ও কমসারী নিগের বেছনেই অ ধকাংশ টাকে। নিৰ্নেশ্যত ভইতেছে। কোন কোন স্থানে (মাজিট্রেটের কছেছির निकटते ) बाखा ७ (बन १८४१ १६) हि তেছে। কুক্ষনগরের মিউনিসিপালিটির রিপোর্ট সর্বাপেক। এী তিকর। কমিসনর গ। কাষা বিভাগ করিয়া লইয়াছেন। भूकतिनी जन एक उपानापूर्व इड शाद्य किनगत्रश्व थर्डमणी इट्ट वक्षी খুত্ত গলে করিয়া সহল পুক্ষরিণীর সহিত যোগ করিবে দিয় ছেন । এত দ্বারা স্বাধ্যের উর্ল্ড হইতেছে। সভাপতি दिल मार्ट्य भीगत क्रिजा क्रिजा क्रिजार्ट्स,

' যুখন সভা ও বিশ্বান কমিসনরগণ আছেন एशर्न वादल जीद्रक्षि इहेट्य। " क्रुड्यिमा দিগের হস্তে ভারার্পণ করলে যদি এরিদ্ধি না হয়, কাছার হত্তে হইবে ? দুঃথের विवस अहे मकल इस्म कुड विरमात अस्य ঘণ করা ছয় না। ছাগলি **অপেকা গৌহাটির** কমিদনরগণ অধিক কাজ করিয়াছেন। সভাপতি ক্লে এফ, শেরার বলেন পুক্ষরি ণীসকলের পক্ষেদ্ধার ও পানা পরিস্কার করাতে সাম্ভোর পক্ষে অনেক মজন হইয়াছে। আমরা অন্য অন্য স্থানের মিউনিসিপ:লিটির রিপেট দেখিবার নিমিত্ত কৌতুহলগ্রন্ত হইয়া রহিলাম। উৎকোচগ্রাহী কর্মচারী, অসমত কর. ভাষা ও অপরিষ্কৃত রাস্তা এবং চৌকি দার্হীন প্রী এইসকলেই কলিকাভার উপনগরের মিউ, নিসিপালিটির গুণ প্রকাশ করিতেছে। দেশের মধ্যে এই মিউনিসি পালিটির সমকক নাই !!

छभी होद्र ५ कुथक ।

भागात्रमञ्ज अवकारमामात्र क्रियोगात् ও ক্লাবৰ্দিগোর পারস্পার বিলক্ষণ সৌধা দৃশ্য আছে। এখানদার জমীদারেরা যেমন স্থানান্তরে থাকিল নায়ের ও গমস্ত। দিগের উপরে সমুদায় ভার অর্পণ করেন, षाञ्चात्रन एउत्र कभीना द्वता ७ (मन् थाकार कहिशा थारकन। अथानकात क्रमीलारहश যেমন কোন ভূমিতে **প্র**জার কোন প্রকার স্বত্ববিকার ও স্বস্ত্রণনে অনিচ্ছ, ইহাঁরা যেমন যত ইচ্ছা করবুদ্ধি করি-বার চেন্টা পান, প্রজারা তাহাতে সম্মত ना इहेटल जाशामिशक छेठाहेहा एमन, चातातल ७ व अभी भारत ता अ तमहे त भा कतिहा थाटकन। क्रमीमात कथन उठा ইয়া দেন, এই ভয় থাকাতে যেনন এখা নকার ক্রবকের। ব্যয় করিয়া ভূমির কোন প্রকার ভির উন্নতি সাধন করে না ष्पांशांतन ८० ७ সেইপ্র লার क्रवदक्रा

ভূমির উন্নতিদাধনে পরাপ্তমুখ। এখানে षाहेटन रामन समीलारतत य: अऋ्छा. রের প্রতিরোধ না করিয়া প্রত্যুত দপ: वाशांतन एउ दमहेता न कडा कदत, कविशा थारक। अथानकात नाम आशीत लएकत समीमारतताङ क्षमात विमानिका সভ্যতা ও উর্তিলাভের প্রতিদ্বন্দী। তবে এভেদ এই, আয়ারলতে বলপুর্বক **চ্**ণের গুদামে বস্থা করিবার যো নাই এবং মিপ্যা মকদ্দমা করিয়া জাগ্র লাভের সন্তা বনা নাই। অপর, তথাকার ক্লকেরা অধি কতর সাহদী, ভাহারা মধ্যে মধ্যে অধার্য হইয়া অভ্যাচারকারীর উপরে অভ্যা চার করিয়া থাকে, এথানকার কুষকের। তত দুর করিতে পারে না। উভয় দেশের क्षरकत्रे मातिजा ममान, छेहाता निन আনে দিন থায়় অতঃপর উভয় দেশের কুষকেরই অবস্থার উন্নতিসাধন একান্ত আবশ্যক হইয়া উঠিয়াছে।

चामता (य कातरन अहे विमयत প্রদক্ষ উপস্থিত করিয়াছি, ভাষা এই. আয়ারলভের টিপাবেরি বিভাগে উই-লিয়ম ক্ষলিনামক এক জন জমীবার আছেন। এক জ্বন পত্রপ্রেরক ভাঁহার 6 ति अ वर्गन क दिशा विलिशा एक न, १५ के नि कप्रेगारी, এक्छाँरा, धुर्ड उ पृष्ट छिछा, (क्वल श्रार्थभाधन कताई उँ। इति अभी-मात्री कार्यात श्रांत । अस्त छेटमाना। " व (म) ऋ लित मगानधर्य। व्यानक स्निनी-দার আছেন সন্দেহ নাই। তাঁহারা যাহা ধরেন তাহা ছাড়েন না : যাহাকে জক করা অভিপ্রেত হয়, লক্ষ টাকা ব্যয় হইলেও তাহাতে নিরস্ত হন না আইনে ভাঁহাদিগের বিলক্ষণ দক্ষতা ও প্রজার প্রতি অভ্যাচারকার্য্যে স্বিশেষ পটুতা আছে। অতএব ফুলির সহিত যদি এ দেশের এক জন রায়, চৌধুরী অথবা मूर्याभाषार्यत जूनना कता यात्र, जन-জত হয় না। ক্ষলি সম্প্রতি একটী মৃতন

क्रमीवाति कत्र कतिशास्त्र। पूर्वास्त জমীদার অভিশয় ভদ্র ও দয়ালুগভাব ছিলেন, কুষকপণ কথন ভাঁচার এচ পয়না ধাজনা বাকী রাখিত না। তিনি यथम कभीनाति विकार करतन, क्रवटकता তাঁহাকে নিষেধ করিয়াছিল; কিন্তু অবস্থা মন্দ হওয়াতে তিনি দেই অসু (तांध तका कहिएक शाहतन नाहे। कति क मीनात इहेग्राहे क्रवकिनगढक विलियन, .. তোমরা নৃতন করুলভি দাও এবং এই-স্বীকার কর যে বৎদর বংদর মৃত্ত পাট্ট। লইবে। কেই কোন ভূমির কোন প্রকার উন্নতি গাধন করিলে যদি আমি সেই ভূমি হুইতে ভাঁহাকে বহিন্ধ ত করি, তিনি क्किन्वन भाडेरवन मी अवर २১ मिन शृत्कि मः वाम मित्न कृति काश कतिज्ञा याहेट इहेटवा च्यानक क्रवटेकत श्रुक्रवा সুক্রনে ঐ স্থানে বাস ছিল, ভাষারা ভদ্রা नत्तर माशाय अहे अकार्य व्यम्य क इहेन । किल इरे कन श्रामा अक्राफ्क कन পুলিষ धहतीत्क मक्त लहेता कः म क्रांम श्रकाटक छेठिश याहेवात मः वाम भिट्ड शित्नन औरम अर्वभ क्रिवामां कारक ভাঁহাকে গালি দিভে লাগিল। যে বাটাভে (भटलन, मिरे वाँजी भीना (मिश्वासन) এইরপে ভ্রমণ করিতে করিতে উাহার। य्यमन अशावनामक अक क्रमरकत वाणित निक्षेच स्हेश्रार्ड्ग, ध्यमनि क्रांकिंग विक्रक হইল। ছুই ব্যক্তি হত হইল ; কলি নিজে শুরুতর আঘাত পাইলেন; হতাকেরীরা প্রস্থান করিল।

এই घडेना लहेशा है लटक जुमूल আন্দোলন হইতেছে। করণারের জুরি হত ব্যক্তিবিধের মুজুরে কারণের অনুসঃ कारनत नमरम अभीकारतत निष्ठुत वाब-कारतत উলেখ कतिया घुनाध्यकान कति श्रोट्टन । मर्वाप्यट्जन मण्योपक्रान्य ঘুণা প্রকাশ করিতে ক্রটি করিতেছেন ना । इत्रदक्ता य कांच्र क्तिशारक, (18)3

অতিশয় সহিতি হইয়াছে; কিন্তু কথা । মক্ষলের ভ কথ:ই নাই, কলিকাতার अहे हरेटज्राह, दक्त जाहाता अञ्चलात कर्तिन १ आधारना शु कि स्त्र । महबाहत এঞ্চার ঘটনা ঘটিয়া খাকে 🤈 বজনেশের ক্ষুব্ৰের বে এত ভীকুও শাধুপভাব ভাহারাও নীলকর[দরেগর অভ্যাচার সহা করিতে না পারিয়া নীলকুঠি দাহও कृष्ठित लाकप्रिशतक चाक्रमण कृतियादह। ध्यथान वास्ति यति विद्युष्टनाशूर्वक काल ना करतन, क्रमटकत देश्याभीमा चांड का छ इस । इंश्लाट ७ त तृष्तिमान् ७ विटव চক লোকেরা আয়ারলতের কুষকদিগকে সমধিক স্ত্রাদান করা হয়, এই প্রস্তাব করিতেছেন। জন ফুরাট মিলের সদৃশ ममानात्र (नाटकता वित्र कांग्री वटमाव स्टाक ह षडााठात्रनिवाद्यत्व अक মাত্র ঔষধ বলিয়া ভিরকরিয়াছেন। বে ভূমিতে १।৮ পুরুষ বাদ করিতেছে, ख्या करेटक छेडिया वाद्या विकक्क ভুক্তভোগিভিন্ন **क**ह, **ड**181 विनाटक श्राटियम मा। (वांश कर, अक वांखि আপনার অর্থ বায় করিয়া একটা পাকা वां ही कतिरलन। कभीनात गनि दशक्ताञ्चनारव ভাষার করর্দ্ধি করিতে অথবা প্রাথিত कत ना मिटन अजारक छंठाहेशा मिटल পারেন, ভাষার অপেকা বিষয় আর কি ছইতে পারে ? আকেপের विवन्न अहे, आमातला ७ ७ छात्र उदर्घ डेख्य शांतिरे भारेटन भभीमात्रक वारे क्रमाङा निशाद्य । व्याहेदनत नाात्र विहाद পতিরাও দমরে দমরে জমীলারদিগের অত্যাচারের স্থ্রিধাক্রিয়া দিয়া থাকেন। বঙ্গদেশের বর্তমান প্রধান বিচারপতি দাখিলা ভজনিগ করিবার যে কটিন নিয়ম করিয়াছেন, ভাষাতে ১৮৫১ অব্দের ১০ আইনের ৩ ও ৪ ধারার বৈফল্য সম্পা দিত ধ্ইয়াছে। এইদকল অনিটের নিবা রণ একান্ত আবিশাক। আমরা অহ্রহঃ স্বচক্ষে এই অনিষ্ট দর্শন করিতেছি।

উপনগরের এক জন सभीतात कर्यक भर शकारक এक कारत छेद्रमञ्ज निर्देशका। क्रयक्तिरभाव विमानिकात निमाल कातक वर्ष ও आधावल ७ डेख्य श्रामत है भवर्ग মেণ্ট অভিশয় ব্যস্ত চইয়:ছেন | কিন্তু কি थारेश डाश्वा विकासिका कतित. এক বার বিবেচনা করা উচিত। আগ্রে क्यीमात्रमिरभत वासत्रक्तित क्या का मक्रा-চিত কর ; চিরস্থায়ী বন্দোবস্ত কবিয়া ভাহাদিগের জীবিকার স্বচ্ছল করিয়া। দাও, ভাষার পর ভাষাদিগের বিদ্যা भिकात (**एक) क**तिक। राजित निकटण অভিথিশালা থাকিলেও বিবস্ত্র ব্যক্তি অন্নছত্তে আদিতে পারেনা। যাহার পদে भक्ताचाक, भ किक्राभ भिष्ठात यहित, বোধ করু এক জন ক্রবক সংবংস রপরি শ্র করিয়া শাদ্য উৎপাদন করিল ; বিস্তর শস্য কৰিল। কুষক ইর্ষেংফুল নয়নে ভাবিতে লাগিল, এ বংশর সুথে অতি বাহিত করিবে; এমত সময়ে জমী मार्वत मार्थिय कह वृद्धित छिक्की आहि क्तिशा नकल विक्रत क्रिशा नहेंदलन !! ইছার পুর কয়ট আরে কি আছে ১ পরিতা মের ফল ভোগ করিছে না পারা কি শামান্য ক্ষেত্ত ও হ:খের বিষয়! আজি कानि जानान छत्र माहार्या य व्यक्ति कत त्रिष्ठ अ लाक्टक वाख्रशीन कता हरे তেছে, তাহাতে ছু:খিত না হইতেছেন। এমত লোক নাই। তব্ৰ জমীদ'ৱেৱা যে किष्टु चनुश्र कत्त्रमः किञ्च की शामिद्रात मःशा खाँउ जन्म।

ষাঁহারা ক্রকদিলের সহিত চিরুছালী बटन्सावस्य कतिबात विक्रांक मंड श्रांकान कटतन, खाँदावा वटनन, छ। इ। इहेटन छ। वत সম্পাতিৰ মূলা হৰয়া ভার হইবে। লোকে क्य क्षिए डेम्ब इहेर्द मा। क्षेत्राह्म করিতে পাওয়া যায় বলিয়াই জ্মীদংরির व्यक्ति ● भूना रहेशा थादिक। हेरात उन्नर

क्रिक्टल आभागितात्र व छन्। अहे. (यमकल দ্রার উপস্বত্ত লাভের বিশেষ মূনাতি রেক ন। হয়, কিরুপে ভাগার ক্রায় বিক্রায় **इड्डि:इ १ अभीनात्त्रः आश्रमाता** ह न्दीकात करतन, अभीनादित काम विकास व व व व श स्व स्व १ । स्व यन । स्व १ दिक १ श व व ६ स ल्किन काशक क्रम कर्दन, काँचातात सम् लाहार कर्नाहारिक किलिया शादकन। यथन हाको विविधा**लि उक्तोई छेटल**ण इडेल. एशेन क्राफ्निश्व সহিত চির্ত্ণী वरकावक करेट्या एवं एवं केरफारभात ৰাংঘাত জালাবে, ভাছার কারণ কি ? গ্রব্যোটির কাগজের স্থা ত রুদ্ধি হয় ना, उपापि लाएक देश कात करतंन cकन y अभीकातित आति छित **१३८७**७ थ अहे श्रकार लाएक क्या कतिर्वन तम विषया मार्याक माहि। वतः अकार्य 'यहमारक मक्फ्रभाव छट्य क्रशीनार्वि क्रिय करवन ना ষ্ঠিরতর আয়ে ও সুন্দর বল্দোবস্ত থাকিলে সে ভা পাকিৰে না। আত্ৰ आ) कि। ता अन, केशिक कि सनीत शिक्ष : ক্র, ম বিসুখ ইইবেন প্

करे अस्ति देत लियन मान करें लि ! े १ हे *(मर्क्षिप्*दत रक्ष ७ व 🔻 ७३)। थ्यानातरशत साम्य श्री ७७ वस्त । व्यासता বহুট্দনপ্ৰয়ান্ত যে বিষয়ী সংখ্যাবেৰের काम अक्ष करिया मियात (एछ) आहेर्ड ছিলাম, ফেণ্ডেও গেছ বিসয়ে প্রস্তাব করি शार्ट्या जिल्लिक कहिर ७ रहन के नक नि নের সহিত চিরস্থায়ী বন্দোবস্ত করা উচিত। ভংকৃত প্রস্তাবের কিয়দং শ এই হুলে ভদ্ধ ত কৰিয়া দেওয়া গোল।

• এলওয়ে ও খান প্রভৃতি ২০য়া, চ (नमान काम डाक्सीड क, त्रशाट्ड, ভত্তত রুবেদলিগের সহিত যদি চিত্রস্থায়ী । बर्म्यक्त कहा इते, छोश हरेल बहे अबू ('कुमित । १ अकात बद्धानिक कता

উচিত 🖁 ) ভিন্ন রূপ ধারণ করিবে। জব্যের ও ধাতুর মুল্যরুদ্ধি অসুদারে কর বুদ্ধির ক্ষমভামাত্র প্রব্যেত্তকে পরি ভাগে করিছে ছটবে। কিন্তু গ্রণ্**মেন্ট** এই যংগানানা ক্ষতা ত্যাগে বিলক্ষণ लाजवान इहरवन। लाहक भोछ:शा मानी इक्टरान अवर अमार**ज**त खेन्निक टरेरत: अथा कान विषया इंडार्थरन्त अर्द्धाकन हाथिएव ना। लाएक महुचे था किर्यन, तुक्षि तृष्कि इंडेरव, मूलधन জমিৰে এবং বাণিজ্যা সৃদ্ধি হইয়া গারম্পারা मद्भाकतत्त्वि ६३८४ । (क्वन बड्टे मकन डेशकात्रमाल नाइ: अडनारशका अकि 📆 🚁 छत के ने का त अहे हहेट त (य. व्यासत) ( इंदर्स्कता) लक्ष लक्ष विरमणीय नामन क छ। হ ইয়া लक्ष लक्ष (नारकत मन अक्षर्भ इत्र করিব যে আমাদিগের বিপদ্কালে किरिता यथानामा माध्या कविद्रत। कोत्रग भगा ८४मन अवर्गाभन्छ त्रनकिमिर्णत अङ् গাঁহার। মোহরপ্রভৃতি ক্রা করিয়া টাকা স্বিত্র স্থাকরি করিবেন না ১৮৫৭ অকে भागीत अतिपादीता गणाताता आभा দিগকে দূরাভুত করিবার চেটা পান, ্টিছ লেটেক কাঁচানিগের সালাজ্য না कराइड (भन्ने (एक) मर्गन कर गाने। कार्य धामता बहे ज्ला हे जेलातमा लाहे রাছি, অযোধার নারে আমণা স্বয়েং फेलात **इन्डाक्**लान कतित मा; शकाखाः **चनु**्गापनीश अभित्रप्र आयाहित्यत হ্টবে না। আমাদিপের সভা ও সহজ শাসন প্রণানীর যদি পুনব্বার কেঃ उट्रफ्ट्र क्रियाच एए छै। शान, दम एए छै। विकन इहेर्व। क्रीकट्याँच नाशावरना विष्य हो ना इट्टा आमानिरभंद शकुव लाल इंडेट्व मा। चाउँ वर बाई क्रावर्गन ভূষির যে বান্দাবক্তপ্রার্থী হইয়াছে, তাহা প্রদান কর , ভাষারা ভাষা পাইলে অবশাই আশানাদিগের দৌভাগ্য ইংরাজ

রা**লত্ত্বের অভিতে**র উপর নির্ভর করি (करक क्रांनित्व । अठी कथन घटि नाई : পরীক। করিলেকানিতে পারিবে, যদি ভবিষতে ক্লয়কলিগের চিরস্থন সর্দার গণত আমাদিগের বিশক্ষন, ভথাপি তাহারা আমাদিগের পাখেরি দ্রোয়মান इहेश माइया कतिर्व। याँ हाता स्मराजि वत्कावटलात्र व्यष्ट्रमानन कंटतन, डाइनि भित्र कथा ए निया तुहर प्रभीमात्रमिशतक ব্হিজ ত কৰা উচিত নয়। আৰাৰ বঞ্ **प्रत्मत क्रमीनातशन याचा नटनन, उन्**यू সারে অপাশর সাধ্যরণকে পদ্মারা দলন করাও আমাদিগের কর্ত্তবানহে।যেখানে ক্রকদের ভূমির উপব স্বস্থ আছে, নেথানে স্বিধামত ও সর্বদিগ রক্ষা পায় এমত করিয়া চিরস্থায়ী বন্দোবল্ড কর। নিশ্চর জানিবে প্রতি মেহাদি বন্ধোবত্তের শেষে আমরা যেমন সকল বিষয়ের কুক্মাকুদক্ষান করি যদি ভাহা হইতে ধিরত হই সমাজ আপনা আপনি डेबर हरेदा " (क् ए অব ইতিয়ার श्रकारवत (भगार्म) में छवियाचानीत नागा गवर्गः मर्द्धित **३ मर्द्धमाधा**तरमत स्तान कता উচিত। তিনি উপদং হারে ওলিয়াছেন, ' এক আদম্পে দকল স্থানের সমালকে ে স্ত করা কাহারও দাখা নছে। টমাদ নের মন্তাবলহীরা যে প্রণালী প্রবন্ধিত করিবার অভিনায়ী, ভাষা ত হইতেই भारत ना। हेर्स हे इंडेक, आंत अभिकेह इडेक, घटेनांटि वहे इहेट डट्ड (स. ५% ान के **कर्**वाक्षात दृहर दृहर क्रमीमात আছেন। স্থানীয় গ্ৰণ্নেটের উচিত এই य अभीमादतहा याशादक अकर्चवा माधन करतन अवर जाँक मिरात का छिन्न যাহাতে সাধারণ উপকারের নিমিত্ত হয়. দেই চেটা পান। ভারতবর্ষের অন্য অন্য অংশে রুষক ভূস্যধিকারীরা আছে। ডভৎ স্থানের গবর্গমেন্ট তাহাদিগকে শিক্ষিত

ও ভূমির অবস্থা ভাল করিয়া শতকরা bo টोका करत हित्रशांधी वरमावस करून। **ইহাতে** ধনাগারের কথন ক্ষতি হইবে না। সুকাদশী লোকেরা **इंडिय!**श क्रवकिरशत छुडे अक कारक छात्र छात्र অতিশয় উপযুক্ত দর্শন করিতেছেন। এটা প্রহারভার शतिवर्डिष्ठ मत्पर नाई। बई পরিবর্তপুষ্প কালে উৎকৃষ্ট ফল প্রদান করিবে। এতদ্বারা আপামর বুদ্ধিমান, সৌভাগ্য শালী, প্রভাতত এবং বোধ হইতেছে ধর্ম ভীত হইবেন। क्रमक मिट्शन यमि সহিত চিরস্থায়ী বন্দোবস্ত না কর, ভাচা क्ट्रेटल एव श्रीतवंडिंगे इट्टेंटन, जाहा मिट োকেলে মূর্ত্তি ধারণ করিবে। স্তান্তের মুল ( নিম্ন শ্রেণী ) স্ফীত ( বিপ্লবপর-তম্ব ) হইয়া চূড়াকে ( উচ্চ শ্রেণিকে ) ভুতল শায়ী করিবে। ''

বাৰু জয়ক্ষ্ণ মুশ্োপাগ্যে ও দৌসপ্ৰকাশ।

আমরা জমীদার্দিগের উপরে শিকা কর করিবার প্রস্তাবের প্রতিকৃলে যে স-মস্ত আপত্তি করি, তাহার অন্যতর কারণ এই, জনীদারেরা এৰূপ লোক নম যে, ভাঁহারা কোন নুতন কর সহজে নিজ ভংবিল হইতে প্রদান করেন, তঁ.হারা যে কোন উপায়ে হউক, তাহা প্রজার নিকট হইতে সংগ্রহ করিবেন। আমরা জনীদারী ভাকের বিষয়টা উদাহরণস্থৰূপে প্রদর্শন করিয়া স্থপফ্সমর্থন ক বুয়াছিল।ম। ১৭ ই সেপ্টেমরের লেও অব ইতিয়ায় मृष्ठे इहेल, बाबू **क**ाकूक सूर्थाभः धास উচার ও তিবাদ করিয়া লিখিয়াছেন. আমরা (সম্পাদক) যে কথা কছিল ছিলাম, ভাছা অমুদক। তিনি বলেন, ভিনি নিজে এবং বর্জমানের অভঃপাতী রাও ইন্কম টাকাও জনীদারী ডাক বলিয়া এক প্রসালন নাই ৷ ইহার উত্তর স্থলে আমাদিগের ধক্তবা এই, আমরা অপোততঃ বর্জমান ও অন্যান্য স্থানের

जभीमारतत कथा विनर्छ भातिरहि ना বটে কিন্তু ঘাঁচার অধিকরে আমাদি গের নিজের বতক্ওলি জমি আছে, ভাঁচাকে প্রতি টাকায় আধ প্রসা করিয়া ক্ষমীদারী ড.কের বার দিতে হয়। আমা । मरभव भाषां येखी क्रमीनारवता ७ वेकभ लहेश शादकत। छत्री नात अञ्चात निक्छे হুটতে প্রতি টাকায় আধ প্রসা করিয়া নইলেন, কিন্তু তাঁশকে ঐ আধ প্রসার অনেক কম দিতে হয় ৷ একণে विद्वहना कतिहा (पथा कर्खवा. अभी पाती ডাক জমীদাবের উপ জেনের একটা পথ হইয়াছে কি নাঃ যে জমীলার ঔদার্যা গুণসম্পন্ন ও প্রজার প্রতি দয়াবান্ হই-বেন, তিনি মা লইতে পারেন, কিন্তুবাঁহা রা তাদৃশ গুণসম্পন্ন নন, ভাঁচাদিগের লইবার বাধা কি : যখন পথ মুক্ত রহি রাছে, তথন লইবার সময়ে কে আসিয়া इन्द्रधात्व कतित्व :

আমরা আর একটা উনাহরণ দিতেছি. ইহাতেও পাঠকগণ বুঝিতে পারিবেন প্রজার নিক্ট হইতে অর্থাে ছনপট জমীদারের সদৃশ বিভীয় নাই। এক জন अभीषात এकषः अक्षे ऋल कतिलन। তথন সাহাযাদানের এই নিয়ম ছিল. বিদ্যালয়স্থাপয়িতারা যত টাকা দিতেন. গ্ৰণ্মে ট সেই প্রিমাণে সাহায্য ক্রিভেন : ছাত্র দক্ত বেতন তমধ্যে পরিগণিত হইত न। छेक्क जमीनात विमानतः निक (मन অর্থের সংগ্রহাথ নিজ জমাদারীতে গেলেন वर अक्षां फिश्र कर्य क्या विल्लान. তাঁহার পুত্রের অধাননার্থ তিনি একটা বিদ্যালয় **স্থাপন করি**াছেন। অতএব ভাহার বাল সমাধানাথ হিনি পাঁচ বুং বংসরের নিমিত্ত প্রাক্তালিগের নিক্ট হইতে কিছু কিছু গ্রাথ না বরেন ; পাঁচ বৎসরের পর ভাঁহার পুত্র কলিকাভায় था करवन, जथन जात फिर्ड इट्रेंट जा। প্রজারা ভাঁছার প্রাত্যর্থ একটা বৈঠক করিয়া একবাকা হইয়া তাঁহার প্রার্থনা পরিপূরণ করিল; কিন্তু জমীদার পাঁচবৎ সরপরে স্বকৃত প্রতিজ্ঞ মুরূপ অব্যাহতি দান দূরে থাকুক, প্রজারা কয় বৎসর তিক্ষাস্বরূপ যাহা দিয়াছিলেন, তাহাই জমাভুক্ত করিয়া লইলেন। এটা আমা দিগোর সাক্ষাৎ বিদিত বিনয়। আমরা কেবল নয় আমাদিগের নিজ ও পাশ্ববিত্তী প্রামের অনেকেও এ বিনয় জানেন। বোদ হয়, এক জন স্কুল ইনম্পেক্টর ও ডেপুটি ইনম্পেক্টরেরও ইহা অবিদিত নহে।

# क दंख्य दर्भन कांध्र वास्त्र ।

ভারতবর্ষের আয় ব্যারের হিনাব এ দেশ অপেকা ইংলতে অধিকতর পরি ক্ষতরূপে প্রদত হইরা থাকে। ইংলতের একথানি পত্তে ভারতবর্ষের ১৮৬৮ অব্দের নিয় লিখিত আয় ব্যায়ের হিনাব দেওয়া ইইয়াডেঃ

# আয় ৷

ভ্ৰির ও অধীন /

विमा भिका

শ্টীয় গিবজা ও

পাদরির নিমিত্ত 🕽

রাকদন্ত কর	<b>२ ७,8 ७, १</b> १,०००
<del>ए</del> स्क	<b>ঽ,৫৪,৫</b> ঽ,৽৽৽
লবণ	৬,৽ঽ,৪৩,৽৽৽
অহিকেন	۶,۶۷,۵۰۰ کې ل
को न्त्र	২,৩৯,৩৯,০•০
ডা কঘর	30,20,000
টেলিগ্রাফ	<b>₹%,৮%,১%</b> °
लाहरमञ्ज कत	38,50,000
মোট	85, 53, 22, 330
	4.81
(मन्दर्भ	55,00,00,000
ঋণ ও হাদ	5,22,49,220
প্ৰলিকভয়াক	5,93,9 <b>৮,</b> ৮৮0
বিশেষ ঐ ( বারিং	₹) २.१७.5२,०००
রণভরির <b>জ</b> নঃ	bb.26,94°

95,52,000

36,68,000

(भाडे

2,06,02,000 পুলিষ 5.2 a, 08, 8**2** 0 শাসনকার্যা 2.86,63,000 বিচার পেলান রাজনীতি দংক্রান্ত বিষয় 2,82,02,600 প্রভাষ্ট 80,28.20,200

वाकी जाउँ कांग्रिका देश्या छ। ব্যয় ব্যাহা প্রনা করিতে ছইবে। বিচার বিভাগে ৭৮.৭১,১১০ টাকো, পুলিবে ২৬. ১৭,০০০ টাকা, রণভরিতে ২৫,২২,০০০ টাকা এবং শিক্ষাবিভাগে ৭,৩৪,০০০ টাকা আয় দেখা যাইতেছে; অতএব স্থির হইতেছে প্রায় ৯ কোটি টাকার হিনার স্পাটরাণ দেওগা হয় নাই। এই হিমাব দেখিয়া আমাদিগের ছটি জনের সংশোধন চইল । আমরা জানিতাম, श्रुकीय मञ्जलादयत निभिन्न बाजदकात इहेट्ड ७० लक्ष है कि वाह इहा ; किन्द्र **कक्ट्र** (कथा याहें/ ०८६, ३४,४४,००० क्रीकार्यात वास क्रिया थाएक। आधारी সেনাদলের বায় ১২ কোটি জানিতান; কিন্তু এক্ষণে ১৬ কোটি ( অগাং বিদ্রো হের সময়ে যে ব্যয়পজ্তি ) ব্যয় হই (হছে। আমর। আরও জানিতাম, রণ ভার উঠিয়া খাওয়াতে ইংলণ্ডীয় গবর্ণ त्यत्वे आमापिशतक अ ७१३ वर्गेट मुक क्षिशाद्यम ; किन्दु डिलिश्चिक विभादन (मार्ट्ड भाहेलाम, आमामिश्रक धार এক কোটি টাকা দিতে হইতেছে। কি कातर्त आंभामिर्गत करका अ वाज्ञ । निएक्ष क्या इहेग्राट् ? क्रांकशीन काहाक हीन ও आत्रव ममुद्र शांकिश इंश्वाद्धत वर्शकातुका क्रिएण्ड ध्वर আছিকার ক্রীভদ্যব্যবসায় নিবার-পার্থ ক্ষেক্ষানি আছে। ইহার অন্যত্তর ভামাদিগের (कांन काशक दातां है বিশেষ উপকার হইতেছে না; তথানি আমাদিগকে ৮৮ লক্ষ টাকা দিতে ২ই তেছে কেন ? আনরা বিষয়ায়িত হই :

लामा, ,शर्वर्रश्ले अथारन स्य हिनाब প্রাদান করেন, তক্ষধ্যে এনকল ব্যয়ের न्य के हिमार्व (एन ना। इंडाताई वा कांत्रन कि ? कक रेमिनक वादय आध्र अर्फिक রাজ্যের ক্র হইতেছে। ১৬ কোটি টাবাভ বেভন ও **জাহামভাড়াতে** यांगः , किन्न राजित्कत वाग्र आहि। अ অংশে মিতবায়িতা না হইলে আমা দিগের নিস্তার নাই। চির কালই আমা দিগের ক্ষেন্তন নৃত্র করভার নিকে (भेत (ठणे) इंहेटव ! त्रांकश्वभव्यक शवर्ग মেণ্ট কবে ন্যায়াসুগত ব্যবহার কবিতে শিখিবেন ? ফান্স ও প্রশিয়া অপেকাও ভারতবংষরি দৈনিক বায় অধিক: व्ययह देमनामः याना व वच्च देवलक्षा আছে।রাজস বিষয়ে ভারতব্যের সহিত ইংগত্তের কিরূপ সম্বন্ধ হওয়া উ,চিত্ তাহা স্থির করা যে একাস্ত আবশ্যক, তাহা এই অস্পাট হিনাবছারা সপ্রমাণ **२३८७८छ। ভারতবর্ষের পৃথক্ সেনাদল,** পুথক্রণভরি কর। সংবংগ্রে আবশাক। টেট শেক্রেটার স্বেচ্ছা পুর্বক ব্যয় করিতে না পারেন, ভাষার উপায় করা ক ত্রি। ভারতব্যের ব্রেক্টাপক সভার হত্তে যত দিন না আহ্বায়দশনের ভাব আসিতেছে, তত দিন সহস্তিধ কর দিলেও আনাদিগের নজ্গ নাই। অশুভ कः । ३१ ला. ७ त गरिष्ठ छात्र छवर्षत स्मा দলের এক তা হইয়াছিল।

ष्यक्षः भूविष्यक्षा धना ले ।

এ দেশে যেদমন্ত বিষয়ের উন্নতি এক্ষণে নয়নগোচর হইতেছে, মিদনরিরা তাহার অধিকাংশের সূত্রপাত করিয়া **ट्या वज्रस्यात अन्यः शूरतत छी**गन आंकि कालि य निकान्ताभी इहेगा ছেন, মিদনরিদিগের যত্নই তাহার প্রথম কারণ। আমরা প্রায়ই দেখিতে পাই, कर्यक अन श्रेथभारतिमा तम्भी अ

দেশের অন্তঃপুরস্থিত জ্রীলোকদিগের শিকার নিমিত্ত কয়েক বিৎসরকাল বিল কণ পরিশ্রম করিতেছেন। তাহার কি ফল ফলিল, বোধ হ্ পাঠকগণ ভদ্-ভাত অবগত হইবার নিমিত্ত একান্ত कि जुरुलाकां छ रहेरबन शक्त माहे। হত বিবি মলেফা প্রথমতঃ আমাদিগের वर्जमान अष्ठः शूर्तान का श्रवानीतं उद्धा-বন করেন। ভাঁছার পর বিধি মরে নামে এক গুণৰতী মিদনরিপত্নী এই প্রনালীব भन्न महर्ग ध्वज्ञ इन । विवि महत्र कुछ গুলি ইউরোপীয় ও এতদেশীয় খুটায়ান निकशिबीटक कार्म कार्न (क्षेत्रन करतन: ' ভাঁহার৷ লিখন পঠন 😮 স্থচির কাজের শিকা দিতেন। বিবি মরে সুষ্ লের তত্ত্বাবধান করিছেন। ঐ ওপরতী রমণী ইংলতে গমন করিলে পর ভাঁখার বিদ্যালয়দকল মদ জিউনের হস্তে পতিত হয়। ইনি আমেরিকাৰাদিনী। ভাকুর জারবোব দাহাগ্যে তিনি অন্তঃপুরের শিক্ষাকার্যোর ভারপ্রহণ ক'রন। ভাঁহার यशीरन ১१ अपन देडेटहा भीत ७४९ ५७ জন এতকেশীয় শিক্ষয়িত্রী আছেন। তাঁহার প্রযন্ত্রে স্থানে স্থানে বালিকাবিদ্যালয় ছাপিত হইয়াছে। মিদ ত্রিটন এ দেশের ञ्जीलाकिनिरभन्न चर्चाव ও অভাব ৫ कृड রূপে অবগত হইলাছেন। অনেক ইউবো भीत, धना कि विচারপতি ফিরারপর স্থ आमानिगरक अहे विनशा खर्मना करतन যে, এ দেশের পুরুষের। এত ক্লভবিদ্য इहेश अ श्रीत्माक मिन्नाटक नर्स्त माधान देवन ममार्थ वाहित हहेए एतन ना; किन्छ মিন জিটনই আনাদিনের এরপ বাবহা রের কিঞ্ছিৎ মর্ম অবগত হইরাছেন। তিনি বলেন, সহ্যা ওরূপ হওয়া সাধ্যায়ত नश । डाँश्व मड धरे, धक्त (यगकन बालिका जन्म श्रह्म कतिर उट्ह, डांहानि भारक उक्रमनः निका निका आहीन कारन हिन्दूनगांद्रकत नाव याथीन । अनुन

করিতে ছইবে। ঘাঁহারা পিঞ্চরবদ্ধ পক্ষীর नारंत्र मीचकाल चन्द्रःश्रुटत क्रम्ब हरेता . भारहन, डाँशांनिशटक महमा श्वाशीनछ। थानान कतित्व जनिष्ठे कन उर्शन इहेत्। এ বিষয়ে ভাঁহার দহিত মিদ কার্পেণ্ট রের মত ভেদ হৈয়; কিন্তু ঘাঁহারা এ मिनीय विक वाकिनिरशत मानत चाव জানেন, ভাঁহারা মিদ ত্রিটনের বাক্যকেই क्यां मानिक विलिश आपत कति दिन मरणह नाहे। मिन जिप्तेन अहे श्राकतंत्र मः कार्यत्र বশবর্ত্তী হওরাতে তাঁহার প্রবর্ত্তিত শিকাপ্রণালীও তদ্মুরপ হইয়াছে। थाँ हाता लिका कतिवात अधिनायी हन, তাঁহাদিগের বাটীতে 'এক এক অন এড দেশীয় খৃটীয়ান শিক্ষয়িত্রী ৫৫রিত হইয়া থাকেন। আপাততঃ সাহিত্য পুল্ডক, অঙ্ক, ও বিদ্যাসারের थक्र (मणीश हे जिहान शांठ कतान हता। ছাত্রীগণ স্চির কাজও শিক্ষা করেন। প্রতিমপ্তাহে এক জন ইউরোপীয় শিক্ষ धिजी ছाजीम्रिशत উন্নতির পরীকা कदतन। त्रिम जिप्ने निरम मरशां मरशा शिशा भक्त विषय अहरक कर्मन करिया থাকেন। ছাত্রীরা প্রায় ২ টাকার অধিক विकन (मन ना। विथाति हेर्त्राखी निका হয়. তথায় ৪ টাকাই উর্দেংখ্য বেতন। বিধবাদিনের নিকটে এক পরসাও লওয়া ह्य ना, दत्रः व्यत्नदक भिष्ठ खिष्टेरनत निकटि मार्श्या शान। जिनि विश्वामि গকে নিজের বাটীতে আনিয়া সংগীত ও অন্য অন্য বিষয় শিক। दिवांत हि छी। পাইয়াছিলেন, **डाइइड** हहेटक शांदतन नाई। अहे श्रकांदत श्राप्त ৮০০ শত এতদেশীয়ন্ত্ৰীলোক ও বালিকা মিদ ব্রিটনের যড়ে শিক্ষালাভ করিতে ह्न। १४र्गरम् विष्टाजीए होका मोहांच मान करतन। आरमतिकात विमनतिता मामिक ১২०० छोका पिया থাকেন; কিন্তু যে ব্যয় হয়, তাহাতে

শিক্ষরিত্রী ও মিদ ব্রিটনকে নিক্লে অভি
সামান্য অবস্থায় অবস্থান করিয়া কাল
হরণ করিতে হয়। যিনি লগু সাহেবকে
নিজের বাটীতে দর্শন করিয়াছেন, তিনি
মিদ ব্রিটনের বাটীতে গমন করিলে
দেখিবেন, মিদনরিদিগের ন্যায় তাঁহাদি
গের স্ত্রীগণও অভি সামান্য আহার ও
পরিচ্ছদ পাইয়া জগতের হিতদাধন
করিতেছেন।

भिम खिडेटनत विम्तानसम्बद्धन मर्की (भक्ता व्यक्षिक ष्टांजी पारहन। ডাক্তর রবদনের জ্রী প্রায় ১৫০ জ্রীলোক ও বালিকাকে শিকা দিতেছেন; কিন্তু বিৰি রবদনের শিক্ষাত্রীগণ ইউরোপীয় বলিয়া অনেকে উচ্চ বেতনের ভয়ে ভাঁহা मिगदक नहेशा याहेट छ भारतम मा। **डांकुत द्वरमन निटम व्य**टनक माहाय। करतन। ডांच्कत त्रवमन अक क्रम मिमनति हैश विनिद्वा की होत निर्माश निविद्य হয়। তি,ন এ দেশকে এত ভাল বাদেন त्य, जीशांक बक कन वाजानी विलाल अ অত্যুক্তি হয় না। যাহা হউক, আমরা বিবি রব্যনকে প্রামর্শ দিতেছি, তিনি কতশুলি এতদেশীয় শিক্ষাজী রাখুন. <u> শুমাকরূপে</u> কুভার্থভালাভ করিতে পারিবেন ন।।

ভৃতীয় মিদন স্ঞাপুরের মিদ নিকল সনের অধীনস্থ। এই মিদনে বিস্তর এত দেশীয় শিক্ষিত্রী আছেন। উহঁ দিগের স্থাকা ও দচ্চরিত্রতানিবল্ধন অনেক উপকার হইতেছে। বিবি লুইদ নিজের ব্যয়ে প্রায় ১৫০ ছাত্রীকে শিক্ষা দিতে ছেন।

এই প্রকারে বিনা আড়ন্থরে কতগুলি খৃটীয়ান জীলোক আমাদিগের অন্তঃপু রের বিশেষ জীর্দ্বিসাধন করিতেছেন। আপাততঃ এতৎসহক্ষে আমাদিগের কি কিং বক্তব্য উপস্থিত হইল। বিবি রবসন ডিল্ল আর সকল শিক্ষ্তীই শুট ধর্ম

পুস্তক পাঠ করা শিক্ষার একটা প্রধান অঙ্গ বলিয়া জ্ঞান করেন এবং মিস ব্রিটনপ্রভৃতি নিজেই বলেন, থাটীয়ান क्वारे उँक्षिरात श्वान ऐक्स्या। উাঁহাদের স্বধর্মের প্রতি যে এত ভক্তি ভারমিত ভাঁহার৷ প্রশংসনীয় হইবেস. দন্দেহ নাই; কিন্তু এতন্নিবন্ধন ভাঁহাদি (शंत मिकामान कार्याक्ती मण्डान कटना-পशाशी स्टेटकट्ट ना। जाहाता धर्याटवार्टध আদম ও ইবপ্রভৃতির উপাধাানের যে শিক্ষা দেন, বাটার পুরুষেরা ভাষা गामाना गण्य वह कथा विद्या जिला তাহাতে জ্রীগোকদিগের অশ্রদ্ধা কথা-इशा निशा थाटकन। शतम्भदतत अ०कात ও অভাপের বিষয় বিবেচনা করিলে এরপ ছওয়া আশ্চের্যের বিষয় নছে। थ छी। भिक्षा हिन्दू धर्म किथा। ও খ কীয় ধর্মকে সত্য ধলিয়া তদসুরূপ मः कात अपना हेश निवात (यमन (**ए**क)। कतिराज्यह्न. हिन्छू सामी अ ভেমনি আপন জ্রীকে ভাহার বিপরীত বুঝাইয়া एन। यथन এएम भीरमता च च श्रुकान-श्वत वाहेवल मिकामात्म मम्ब नाइन, তথন যে জ্রীলোকেরা তাহা পাঠ করি-বেন তাহা কাহার অভিপ্রেত হইতে পারে ? আমরা এ ছলে মিদ ত্রিটনপ্র-ভৃতিকে একটা কথা বিজ্ঞানা করিতেছি, यमि এक अन खोलांक अधीशांन इदेश মেইন সাহেবের আইন অনুসারে জেলার কজের নিকটে আবেদন করিয়া স্বামীকে नमन किशा बटलन, ''इश इश माटनत মধ্যে আপনি আমার সহবাস কবিতে আসুন, নচেৎ আমিবিবাহভঙ্গের নালীশ করিয়া পভায়ের গ্রহণ করিব। ১০ ভখন ममारकत कि जांद हरेंदि ? य मिन करे ज्ञान बक्षे मृक्षेष चरित, महिम्बई कि অন্তঃপুর মিননের শেষ হইবে না ৄ অত এব বিবি রবসন বাইবল পাঠ করা আর ना कता (चण्डांशीन अहे स दानांशी व्यद-

লখন করিরাছেন, তাছাই সকলের অব
লখন করাই উচিত। অবস্থা বুঝিয়া সকল
কাজ করাই উচিত। কেবল অন্তঃপুর
প্রণালী বলিয়া কেন ? ডাক্তর মাক্তরিজ
যে পরামর্শ দিয়াছেন, তাহা মিসনরি
বাহ্যবগণের অবলয়ন করা সকতোভাবে
বিধেয়। শিক্ষা দাও এবং কুসংক্ষার দূর
কর; নেত্র রোগের শান্তি ছইলে লোকে
কোন্টা অর্থ আর কোন্টা গিল্টি করা
শিক্তল ভাহা অলেনারা বাছিয়া লইবেন।
মিসনৱিরা যদি এ দেশের কুসংক্ষার দূর
করিতে গারেন, কি উপকার করা না
হইল প

# ন্তন পুস্তক।

---

১। মছর্ষি বাল্ মীকিপ্রণীত রামারণ, বালকাণ্ড, প্রথম ও দ্বিভীয় সর্গ। এখানি রামানুক্ত টীকা ও হেমচন্দ্র ভট্ট চার্য। ক্রত বাললা অনুবাদের সহিত মুদ্রিত ও প্রচারিত হইয়াছে। যাঁহারা ইহার মুদ্রা কার্য আরম্ভ করিয়াছেন, উাহাদিগের উদ্দেশ্য এই, খণ্ড খণ্ডক্রমে ইহার প্রচার করিবেন। আমরা এখানি পাঠ করিয়া অভিনয় ভূপ্তি লাভ করিলাম। ইহার প্রভাব ভ্রমি অক্রম কাগজ ও মুদ্রাকার্য। প্রভূতি সকলই সুন্দর হইয়াছে।

ই। কাশীর কুইল কালেজের অধ্যক্ষ

শীসুক্ত আর গ্রিকিশ সাহেব রামায়ণকে
আশ্রা করিরা অন্যোধ্যাবর্ণন অব্ধি সীভা
হরণ ও রামের বিলাপপর্যন্ত ইংরাজী
শালা প্রধানন করিয়াছেন ৷ পদাওলি
প্রসাদগুণবিশিক্ত ও অভি মনোহর হই
যাতে। ইহাতে মহাকবি কালিদাসকৃত
মেঘদুন্তর অনু দি এবং মহাভারতের
কপোতি ্তেভ ও আনের হুই একটী
বিষয় বনিনোশত হুইয়াছে। সমুদার
প্রনিই বুদর হুইয়াছে।

্ কবিতা কুসুমাঞ্চলি। **জীযুক্ত** ফু**ক্টিশো**র বন্দোপাধ্যায় কম্পনা ও প্রভাগত প্রভৃতি কভকগুলি বিষয় লইয়া বাদলা পদ্যে এই গ্রন্থখানির প্রণায়ন করিয়াছেন । কুফাকিশোরকে প্রথম প্রেণির কবি সম্প্রদায়ের অন্থনি বিষ্ট করা ন্যায়ানুগত হয় না বটে; কিছু তৎকৃত কবিতাগুলি যে বালকদিগের পদ্যানিক্ষো প্রোগা হইয়াছে, সে বিষয়ে সন্দেহ নাই।

৪। সাবিত্রীচরিত। মহাভারতের অন্ত গভ সাবিত্রীচরিত অবলয়ন করিয়া এখানি পদ্যে প্রণীত হুইয়াছে। ক্রীযুক্ত ভোলানাধ চক্রবর্ত্তী ইহার রচ্যিতা। এখানিও উত্তম হুইয়াছে।

৫। তত্ত্বিদ্যা। শ্রীযুক্ত বাবু ছিজে
ন্রুনাথঠাকুর প্রণীত। ইনাতে জ্ঞানকাণ্ড
ভোগকাণ্ড ও কর্মকাণ্ডের বিষর বিস্তার্
রৈত করিয়া লিখিত হইখাছে। এখানি
ভিতীয়বার সংস্কৃত হইয়া মুদ্রিত হই
য়াছে। এতৎপাঠে তত্ত্ব্রুৎসুবা,ক্ত
দিগের পক্ষে বিশেষ উপকার দর্শিবে।

৬। জুংখদর্পণ। শ্রীযুক্ত অভয় কুমার সেনগুপু ইহার রচনা করিয়াছেন। ইহাতে পাপাত্মার খেদ বর্ণিত হইয়াছে। বর্ণনাটী মধুর হইয়াছে।

१। নিদানপরিশিষ্ট। এখানি সংকৃত।
শ্রীযুক্ত হারাধন বিদ্যারত্ব কবিরাজ নানা
গ্রন্থ হইতে ইহার সকলন করিয়াছেন।
বৈদ্যশাক্রোক্ত চিকিৎসাব্যবসায়ীদিগের
পক্ষে ইহাতে বিশেষ উপকার দর্শিবে।

৮। বসন্ত রোগেয় নিদান ও চিফি
ৎসা। উক্ত হারাধন ক্রিরাজ ইহারও
সংগ্রহ ক্রিয়াছেন । এখানি বাদালা
ভাষায় প্রণীত হইয়াছে । বৈদাশাক্রে
গোও মনুষা উভয়েরই বসক্রের বীকে
টীকা দিবার বাবস্বা আছে। কিন্তু সংগ্রহ
কার, মনুষারাকে টীকা দেওয়া গ্রেয়া
কংশা বলিয়া বিবেচনা করেন। মনুষা
বীজে টীকা দিবার যে, দোষ সচ্তাচর
দৃষ্টিগোচর হয়, ভাছরি ভিনি এই

কারণ নির্দেশ করেন, টাকাদারের। সুব-সন্থ বিবেচনা করিয়া প্রায় অহণ করিতে পারে না, ভাছাতেই অনিষ্ট হয়।

৯। ইউরোপের বিবরণ। শ্রীযুক্ত শ্রীনারায়ণ মালিক ইছার সঙ্গলন করিয়া ছেন।

# -:·:-विविधमः वाम ।

৩০ এ ভাদ সোমবার ৷

ষ্টেই সেক্রেই বিব নিকটে আপীল করিবার নিমিত্ত কপ্রতলাব রাজা হুই জন প্রতিনিধি প্রেরণ করিতেছেন। ১৮৫৭ অন্দের দিন মনে করিলে কপ্রতলার রাজার এডি অধিকতর উদার ব্যবহার করা কর্মব্য।

ষ্টেটসেক্টোরি হারড়াকে জ্ঞাপাড্ড: একটী স্বান্তন্ত্র জেলা করিতে জ্ঞান্ত হইয়াছেন। সর স্থাক্ষাত্র নির্বাদিন চিয়াছেন। হারড়া ও লিবপুবপ্রভৃতির নির দেন ধরপ জ্রীর্জ্ব হইছেছে, তাহাতে হয় পুথক জ্ঞো, নচেৎ জ্গলি হইছে হারড়াতে কাড়াবি গুলি জ্যার্য করা আবশ্যক হইছেছে।

এরপ জনজ্ঞতি, টেট্সেকটার গ্রার জেন রল ও লেপ্টনন্ট গ্রার্থিতিগের সফ্রলভ্রমণের গ্রের সীমা করেয়া দিয়েছেন। গ্রার্থির জেনরল এনিমিক্ত ২৮০০০ ও লেপ্টনন্ট গ্রাহর্ণরের। ১২,০০০ টাকা প্রক্রিবংশ পাইবেন। সমল। গ্রমন মফ্রল ভ্রমণ বলিয়া পরিগণিত ভূইবে কি

এরপ জনজ্ঞতি, জাগামী জন্মারি ভবধি
পাঁচ টাকার নোট প্রচলিত হইবে।ইংগর সঙ্গে
অর্থমুদ্রা প্রচলিত করা কঠিব। আর যাহাতে
বিভাগীর ধনাগারে নোট ভালান যায়, এমত
বন্দোবস্ত করা জাতশর আবশ্ব ।

কানিওবন্দর ভাগে করা না ধ্য় এই প্রার্থনা করিবার নিমিত কয়েক জন , সেতে গাড় ও ক্র বার লেপ্টনত গবর্ণরের সংহত সাক্ষাং করিয়া-ছেন। এভ বার করিয়া পরিভাগে করা কেনেক্রে নেই বিধেয় হয় না।

বীজে

হাজ াব মুখের কারণ প্রকাশত হইরাছে।

বন্যান শুলক না দেরা গোপনে বাণিচ্ছা করিছে।

পঞ্চান্যবন্ধেত ভাষার নিষেধ করাতে আল্মুর সদ্দার আভাষহম্মদ হাঁ। ভাষাদিমকে উল্লে
মনুবা

ভাষা করিয়াছিলেন। আভাষহ্মদ লাখোরের
বারির
ভোলে আছেন, কিন্তু বন্যান একন প্রা,তত্ত্ব

गाळ्यारक जुनकीक भीतनस गांग कृषि क्षे रिए हिं। काशीणाः त्यातातः विगाति श्र गाळाक विकारणः तिकार कृतिरक नील-क्षेटकेटकः। मिक्सन कार्यकारणे अने गांग क्षियरका । भीतित गार्य कार्याकिरणेत में ति : तास्मिक इस । कार्याकिरणेत श्रामे अहे माळाटक स्वन भीत नाज्यक कश्चिमस

The state of the second

এশ্বপ জন প্রতি সববিচাত টেম্পল নিজের বঙ্গটে টেঘুত প্রদর্শন কবিবার নিমিত গুট ১০ডাত ক্রয়াকেন । এপ্রকার প্রতিজ্ঞা আবশ আলোদের বিষয় সন্দেহ নাই।

উত্তব পশ্চিমাঞ্চলের বেবেনিউ বোড আক্সা দিরাতেন, গার্গমেনেটর বিরুদ্ধে যখন কোন ডিক্রী চইবে, তথন অবিলয়ে যেন মকদ্মায় বয়ে প্রাস্ত দেওরা চাঃ। বিলয় হওয়াতে অনেক স্থলে গার্গমেন্টকৈ স্থানের হিনাবে ভানেক ইকা দিভে ইইরাছে।

বর্ষনান বর্ষে ৪৮.০০০ সিল্পুক অহিকেন বিল্লীত ছইবে। বিশ্বকাদগের অহুরোধে স্থানীয় ব্যবহারের নিমিত্র গ্রেপীয়ন্ট ৬০০০ সিল্পুক পথক কর্যা রাখির'ছেন।

ডেলি নিউস অবণ করিরাছেন, কেবল হাজরা জাতিকে দমন করিবার নিমিত টৈসন। প্রেরিড হইবে। বাবতীয় বনাদিগকে আক্রমণ ক্রিবার যে কল্পন। হব, ভাচ। পরিভ্যাগ করা হইভেচ্ছে। গেনাদল শিক্ষুপায় ইইবেন।

উক্ত পত্র স্থাম্প আইনের স্থাধানের প্রস্তাব উপলক্ষে ব লাছেন, বাকী খাজনার ন লাখের বস্থা কমান আবশাক। প্রপ্রাক্তির করেন করিবার ইচ্ছা থাজিলে জমীদার করেন করিবার ইচ্ছা থাজিলে জমীদার করেন করিবার করিবার ইন্দ্র জ্বাহার বার্থিক পরিবার করিছে হইবে, ইহারা মনে নির্ভাগের করিছে হাইনে, করেছেনে, করে উপার অব্যাধন করেছেনেন, করেছেনেন, তাহাতে হক্তাদিলের প্রাক্ত প্রম ক্রান্তেনন, করিছেনেন প্রকাশ পাইতেছে। বিদ্যাশিক্ষার করে জ্বাহার দেগের উপরে হইবে।

দিলীগৈলেট বলেন আঘোষার ছার্জিক ছানি
বার হওয়াতে গবণমেন্ট অবিলব্ধে প্রজাবক্ষাব
উপ য় অনলগন করিবেন। খাল বিল ও পুজারী
খানন করিয়া দ্বিপ্রদিগকে কর্মা দেওয়া চইবে।
অহোধন ও রহিলখণ্ডের বেইলওয়ের কাল ফ্রন্ড গুলানিকে উত্তেজ্জে করিছেছেন।
ক্রেকে ক্রোনিকে উত্তেজ্জ করিছেছেন।
ক্রেকা ক্রোনার কেন, উত্তর পাশ্রমাঞ্চল
ক্রিকাত নানা স্থানেও ছার্ডিকের' বিলক্ষণ আশ্রমা

> নটন সাংক্র নামক বেৰি ইয়ের এক জন ভূত পূর্ম পিবিলিয়ান পূক্ষত্বন বোষাই বাংক্রে ১,৫০.০০ টাকা আমা কাজিয়া ক্ষতিগ্রস্ত হট ছিলেন। সমস্ত জীবনেব উপার্ক্তন নই হলয়াতে স্থাকোত নগকোট রাজকোষ হটতে এই টাকা দিবাব আজ্ঞা করিয়াছেন। যেদকল ব্যক্তি ভার ভবর্ষের কার্যে জীবন্যাপন করিয়াছেন, ভাঁহা দিবার সাহায্য দানে কেইই জনাত্বা প্রকাশ করে

বেন না। কিন্তু বে সকল ধর্ম এপ্রকার ব্যক্তিবিলে বের ও গ্রহমেক্টের ক্ষজি করিল, ভাহাদি গের দণ্ড হইবে কিনা ১

The second of th

ভুলার কমিসনর বিষেষ্ট কাথাক সাহেব ভারতবর্ধে আবেরিকার ভুমাক চাসের চেষ্টার আছেন। উভর পশ্চিমাঞ্চলের কোন কোন ভানে এই বীজ বপন করা হয়। ভালুল কল হয় নাই বটো কিন্তু কাণ্ডিল সাহেব অনুমান করেন, ক্রমূল। আমেরিকার ভুমাক এদেশে হইতে পারিবে। রীভিমত্ত চাস বইলো কেন না হইবে আমব ভাষার কোন কারণ দেখিভেছিনা। বল দেশে পরীক্ষা করা উচ্চিত্ত।

# ৬১ এ ভাস্ত মখলবার।

রাজপুটনার কোন কোন সন্ধার কভক্তলি
দক্ষাকে আগ্রায় দেওরাতে ষ্টেট মেক্রেটারি এ
বিষয়ে গবর্গমেউকে মনোঘোগী হইতে বলিয়া
ছেন। রাজপুটনার এজেউকে সভক হইতে
বলা চইয়াতে।

১ লা সেপ্টৰর অবধি দলীল ও আদালত ব্যৱহার্য স্থান্স পৃথক হই য়াছে। দুলীলের স্থান্স গুলি অভি জনম।

পিয়নিমার বলেন, গাজারাজাতিকে দমন করি বার নিমিত ৬.৫০০ মাত্র দৈন্য প্রেরিড কই-ডেছে। ফে গুজার ইতিয়া বে ২০.০০০ দৈনের কথা বৈলিয়াছেন, ভাগা অধুলক। ১০০০ দৈন। হাজাতে থাকিবে।

ভাজ্ঞব ভাউগাঞ্জি কুটেব বে চিকিৎসা করি-ভেচেন; ইউরোপে ডল্লিমিজ সকলে আশ্চর্য বোধ কবিজেচেন। টাইমস অব ইণ্ডিরা দাল্লি ভাজ্ঞানের চিকিৎসা প্রধানী সাধারণ গোচব করিবেন: এপর্যান্ত এই চিকিৎসক যত কুঠ বোগীকে দেখিয়াছেন, তাহাদিগের সকলেহ আরোগ্য লাভ কবিয়াছেন। ৬ ৭ মানের পূর্দে অ'শোগলোভ হয় না। উৎকট রোগ হইলে এক বংগর লাগে। ভাজ্ঞাব জাউদাল্ভি মধাবহি "মানব মণ্ডলীর উপকারক দ এই উপাধি পাইতে পারেন।

भवेलिक अभिनेत्रम कावल क्वेट प्रश्वाम পাইয়াছেন, কাকুব খা পুনর্কার আঞ্জিম খাঁকে প্রাজ্ঞিত ক্রিয়াছেন। এপর্যাক্ত আক্রিমের रेमन श्रम शिक्रनिव पूर्व स्थित कात कतिया हिला। কিন্ত এই যুদ্ধের পর ভাষারা ভাষা ভাগে করি য়াড়ে আৰ্শিম খা কোষ্মে প্লায়ন কৰিয়া (इन १ हेनप्राहेल चा के क्षकात नप्रश्रमित चारक প্রাঞ্জিত করিয়া কাবুলের ছুর্গ বালাহিসার काफिया महेवार्कन । निवास प्राणि भौ शुर র্বার রিজিনিতে গমন করিয়াছেন। সমস্থাদনকে भुश्रामध्य करिया छोडात सिक्ट (धार्य करा হইবে। রুশ্ব নসিরলো খাখা গোপি আবিম খার হটয়া অংশোবাদ অধিকার করিয়া আছেন। এই স্থান লটবার নিমিত্ত দৈন্য প্রেবিত হইবে। আব इन तक्ष्मन था जालिय चारक कानश्रकात সাহায়( করেম নাই ৷ আজিম খার রাজত্ত্র শেষ ₽ট°ল একধার সিহার আলির আবছলরছমনের मिक्छ बुकाक्षण रहेरव ।

উজ্জপত্র বলেন, সৈদ আহাম্মন স্থানীমক একজন ধ্রত আরব সাহোরে আসিয়া কতক ওলিবস্তু প্রদর্শন করিডেছেন। এই কুয়াচোন

এ গুলিকে মহম্মনের বন্ধ বলাতে বিজ্ঞার লোকে প্রসাদিয়া ভাগাদর্শন করিতে ঘাইভেছেন।

আন্মদাবাদের কালেক্টর এলিয়ন্টস্'চেব গণ্ড প্লাবনের এক রিপোর্ট করিয়াছের। রাষ্ট্রার উপরে প্রায় ৮ হাত জল দাড়াইয়াছিল। এলি স্কট সাহেব এই কপ্টেব সময় ব্যোচিত সাহায়্য করিয়াছেন। বোষাই গ্রথমেন্ট গৃহহীন লোক দিগের সাহায্যাগ ৩০০০ টাকা প্রদান করি।

# ১ 'হান্থিন বুধ বার।

নৰীন ও কৈলাগনামক যে ছাইবাজিব নামে मानामहिमी (वन । ता वर्णत व्यनताथ प्रकृश हत फाइमिनाटक (मानवटन भग्नर्ग कवा इहेग्राटक) হত জ্রীলোকের গ্রহে জ্বপরাধীদিগের এক জ্ঞানের জুড়াও জার এক জানব পালামা বাহির ১৪ য়াছে। সেসিয়নে অপণ করিলে নবীন মাজি ्केरिक वनिम, **जा**यात स्व किङ সম্পত্তি আছে, জ্ঞাহা যেন আমার পত্র ও পিতাকে দেওয়া হয়। खोटलाकिने(क देकलाम वाडिमार्तिनी करत्। श्रीतित अभिनेतिक विवाह करिएक देशक इंडेब्राइन । यत्नार्याह्मी जाहारक धात ভর আপত্তি করে। পুলিষ এবার যেপ্রকার **इन्द्रका धकान क**ित्राहिन, भीत अम्छ हिथा यात्र नाष्ट्र (मरकरम क्रुप्तिर हैर खन्देशन या जिन াবদায় ন। পাইতেছেন ভজ দিন কলিকাভার अलिहरत यथार्थ केंग्रीक रहेटव ना।

# २ वा जाश्वित दश्ला उदाद !

উত্তরপশ্চিমাঞ্চলর প্রধানতম বিচারালয় এই নিয়ম করিয়াছেন, তাঁগালিলের অধীনে যত আদালত আছে, ভাগার মুক্তরিলগকে প্রভিদিন ক্রমা টাকার হিসাব পাঠাইতে বইবে, ঐ সঙ্গে ত্রেষ্কুরির কিসাব পানিবে। মধ্যে মধ্যে প্রধানতম বিচারালয় এই সকল হিসাব দর্শন করিবেন। সন্তির এই নির্মাকরা উচিত।

কাশীরের রাজা লে নগরে আগানী আই।
ববে একটা নেলা করিবার বিজ্ঞাপন দিয়াছেন।
ভব্ একাশীবৈও এই প্রকাব মেলা হইবে।
রাজা বিটিশ ভারতবর্ধ ও তুর্কিছানের ব্যক্তি
দিগকে পুরস্কারদিবেন বলিয়া আহ্বান করিতে
ছেন। রাজা যেমন এইসকল উন্নতির চেষ্টা
ভারত করিয়াছেন, তেমনি নিক্ত প্রজ্ঞাদিগের
প্রতি সদম দৃষ্টিপাত করিবেন।

আমরা আহ্লাদিত চই নাম, লেপটনত গবর্ণর বর্জমান, ভাগলপুর, কটক, ভোটনাগপুর, চক্ষারণ, রালনহ, পাবনার স্থানীয় কথাচারীদিগকে এই কথা রাছেন, এইসকল স্থানেব লোকেরা রাখিবেন ও ভাহার কার্য্য করিতে পারিবেন হারীরা এইমাত্র দেখিবেন ভাহারা গহিত ক না করেন। ফলতঃ এসকল স্থানে নিরম্ভ আহন উদ্বিধা বাইতেছে। কুচবিহার, চাকা, চট্টগ্রাম, মুরসিদাবাদ, গায়া, পাটনা, রক্ষপুর, বগুড়া, ও দিনাজপুরে অহুম তপ্রব্যভিরেক কেহ অল্ল ব্যবহার করিতে পারিবেন না। আমাদিগের মতে এ আইনটা জনাবশ্যক। জন্ত কাড়িয়া কার্য করিতে পারিবেন না। আমাদিগের মতে এ আইনটা জনাবশ্যক। জন্ত কাড়িয়া কার্য করিতে সমর্য হন নাই। প্রজাকে নিস্তেক্ত ও ভাক্

করিয়া ভাষার শাসন কঠা ছইলে গৌরৰ নাই।
কাবুল ছইতে সংবাদ আসিয়াছে, এত দিনের
পরে আবছল রহমন খা আজিম খার সাহাযালপ
গৈন্য প্রেরণ করিয়াছেন। বামিরেনে তাঁহার
বিল্যুর দৈন্য আসিয়াছে। সিয়াবআলি
খা সর্বিত্র দৈন্য সংগ্রহ কবিডেছেন। সিয়ার
আলি খা যদি আবছল রহমনকে শীল্ল দমন
করিতে না পারেন, ডাংগ ইংলে ভাছার
শান্তিলাভ ছক্ষহ হইবে।

ওয়া আধিন শুক্রবার।

গবর্ণর জেনরল আজা দেয়াছেন, কলিকাতা বোষাই ও নাঞ্চাল হইতে যত কুলি ভিন্ন ভিন্ন উপনগবে প্রোরত হইবে ভারাদ্যের মধ্যে শভ করা অক্তাতঃ ৪০ জন জীলোক বাকিবে।

কুমার রাজকুমাব র'য় উ'ছার ভলাতি ( बाक्षा टेवलभारथत (भोज) अन्तरभाविका বায়ের নামে এই ব'লয়া কলিকাভার পলিষে मानीन करतन (य का नरनत निवन खर्दाताविन কাঁহার বাটাতে নিমন্ত্রিত হন স্বাক্ত জুরাপানে फिन्नफ ब्रहेशा केशिक गामी मिन्ना विनशा हितन. नवकावी मण्यति इहेर्छ (स्वर्मवा इस्, छाहात উপয়ত্ত তিনি রীতিমত ব্যয় না করিয়া সামানং বংগ্নে অতি জঘন্য খাদ্য দ্রব্য প্রস্তুত করিয়াছেন। ব্যক্তকুমার রায় এই নিমিত্ত সন্মানের হানি বলিয়া মালীশ করিয়া ভ্রান্সন সাতেবকে বারিষ্টব নিযক্ষ करवन । माखिरकेरे नानीन पात्राका करिया. বলিয়াছেন এসকল বিষয়ের গ্রে মীমাংসা कदा दिन्द्र अ निभिन्न जानामर्ख्य माहाय. ্বের্ছণ আভিশয় ছাস্কর হয়। মাজেটেট বথাব ক্ষাই কছিয়াচেন ; জন্মান্য বিচারপতিরও এপ্ৰকাৰ বিবাদে অসংগাচ দেওয়াই কৰ্মবং।

মফশ্বলের আরে এক বাছাছর জাশনার ওব পরিমা প্রকাশ করিয়াছেন। নেটিব ওপিনিয়ন 'वर्तान, (वाषाई ७ वतमा खन अर्घ वर्तात क्षेत्रहरू একজন ভিকুক দশ টাকা মুল্যের ইভন कृति करोट्ड लाइटिक को अमाहिएड (मश्र . क्या होनाव गालिएकहे हे जब नाटक विहास कर्फ़न: (ष्ट्रेमनमाष्ट्री निर्देश माकी इन। किन्ह এটে বিচারপতি বলিলেন যখন অংশামের চাঁহ স্থেন মাষ্ট্রেণ নিকট ছল, ভখন ভিনি অব भारे a p.वेद भाराया कविशाहब्स । क्षांकार **উপরিপদক্ষের বলিলেন, দিনি সক্ষ**িক্ত । প্রেমাণ হইল এই চাবি যে পে ভ্রু লছতে - পানিত। তথাশি এই রহস্প ত ,ষ্টদন মাষ্ট্রের क्रहे मान काहा वादनत व्याख्या निरम्भ . प्याभीन করিবামতা গে**লিয়ন জল মুক্তিব আজ**। দিয়া ডেন , কিন্তু তথাপি ভাঁছাকে ১৫ দিন জেলে थाकिएक हम्न : कहे कन्प्रहातीत भारम अकारन काराह्य'' पद नालीम नाता कर्ज्या। अहे छनश्रुक्रव िएडाय इस्ट क्ट्रेंटिकट्व विहाद्वेद स्थात **लख्**या **₹₹₹** 

# ৪ সা আধিন শনিবাৰ।

প্রবিধ ওপি নয়ন ব্রেন, '' মিথ্যাক্থা প্রভা ুরণা প্রচাচ্বিত ও হাচচ্চিত্র শেষ করিয়া পঞ্চার ব্রেপ্তায়েব ভূতি হুনি এজেন্ট করিল বি, এলাক্ষ-স্মান্ত্রীন একানে গভানের স্কায়াটোরদিগের দলে

মিজিত হইরা ভট লোক সাজিয়া বেড়াইডে ছেন। এপ্রকার লোকতে বিনা দত্তে ভারত বর্ষ ভ্যাপ করিছে দিয়া প্রবর্গনেন্ট ভাল কাজ করেন নাই।

ইউরোপীরেরা দও পাইলেও যে সম্পূর্ণ কাল ভেলে থাকে না, ভাষার আর এক দৃষ্টাও পাওয়। গিনাছে। ক্ষানামক পঞ্চাবের যে রেলংরের কর্ম চারীর ১৮ মাস মেরাদ হয়, পঞাবাল্ববর্ণমেন্ট ছয় মাস পুর্শের ভাষাকে ছাভিয়া, দিয়াছেন। ইডি পুর্শের এব্যক্তি অন্তুমভিপত্রে লইয়া ভোলেব বাহিলে ছিল। যাবৎ এই সপক্ষপাত ব্যবহার পরিত।ক্র না হইবে, ভাবৎ ইউরোপীয় দগের অভ্যাচা রের স্থনাতা হইবার সভাবনা নাই।

# ইউরোপীয় সমাচার।

লওন ১১ ই লেপ্টবর। লগুনের ঠিকাগাড়ো রানের। যে ধর্মঘট করিয়াছিল, ভাষা ভাগা করিয়া পুনর্কার ভাড়া লইয়া গাড়ী চালাই ভেচে।

পিটরসবর্গ ইইতে টেলিগ্রাম আসিয়াছে, বোখারার আমীরের মৃত্যু হওয়াতে ভাঁহার পুত্র সিংহাসনে আরোগ্গ করিয়াছেন।

মাগদালার লাভ নেপিয়র এডিনবরাডে

১২ ই সেপ্টবর। রাজী সুইটজারলও হইতে প্রত্যাগমন করেয়া একণে উইওসর সুগে আচেন।

বেবরেণ্ড জগলাম বোৰাইদ্রের বিশালের পদ গ্রহণ করিয়াছেন।

(त्वरत् छ हिन्छ नील ताइश्रास्त्र फिन इहेश्रार्ह्य विलग्न (गरेकर्ष विकाशन इहेग्नार्ह्म तिहाउ वागारल नार्द्ध कि. हे, श्रि. श्रि. मालान हेत खनवल इहेग्नार्ह्म।

ক্ষেত্ৰ হইছে টেলিগ্ৰাম আসিয়াছে ইটা লীয় গ্ৰণমেন্ট ফরালী গ্ৰণমেন্টকে রোম হইতে আপনাদিগের সৈনা লইয়া যাইবার অস্ত্র রোধ কবেন, কিন্তু ফরালী গ্ৰণমেন্ট ভাছ। করিতে অসমত ইইয়াছেন।

্সনাপতি গারিবালতি এক পত্র লিখিয়া বলিয়াছেন, শারীরিক দৌর্মল্যই কেবল ওঁছোর মধাসভার সভেত্রে পদত্যাদের একমাত্র কারণ।

जारभितियान पृष्ठ द्वविष्ठ अनमन मार्ट्य आल नात भवर्गस्म होते विकास इंद्रेस्ट क्रमणा शाहेष्ट्रा इन जानावामा घष्टिण विवादन जिल्लि विदेश यादा विरवहना करवन जम्मेमारत विवादनव भीमारमा क्रिस्ट भा तरवन।

> गवनके विकाशन। वक्रमनीत त्वल्येनकेन्नवर्गदत्र बारमनाज्ञान निर्मात्र।

१ हे (नक्षेत्र) निम्नामिक महकाती क्या एउत शिलिमि अध्य क्रम धार्किट्ना

नमदलन चानारम मान्यरकेटमे कम्छ। शाहे

(लक्षेत्राने का, ६ बहेद कात्रकृत्यी।

कारश्रम अन्नः च यस्त्रेष्ठ विक्रमीन्त्रेष्ठ अञ्चल र्जाण भाषाक छिपीवस्त्रासः

আসামের ফামসনরের নিজ সহকারী লেপ্ট নান্ট জে, বইলার।

 ३ रमण्डेबर्त । वाबु बमझाम मिलक श्रृक्तवर्क्त मात्मत अच्छर्गक मध्यमात मृश्मक इट्ट्रेंट्र ।

১১ ই দেপ্টধর। এচ, এ, সে রাউটন সাহেব কৈছুলিনের জন্য কামজনের প্রভিনিধি পুলেষ স্থানিটি তাকী হইবেন। ২৬ এ জাগটোর গেজেটে জে, পাচ সাহেবকৈ কামজনে নিযুক্ত কারবার বে বিজ্ঞাপন হয়, ভাষা এডজারা রহিত হইল।

১৪ ই সেপ্টারর । যতকিন বাবু প্রজ্ঞকাপ্ত বিনায় লইর। অস্ত্রপন্থিত আকিবেন, তত দিন বাখরগঞ্জেব ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি কালে কর মৌলবী দিলদার হোনেন আহম্মন বি, এ, পিরুচপুর উপবিভাগের ভার পাইবেন।

ক।মন্ত্রেপর অধস্থ জঞ্জ বাবু কুল্লানন্দ মুগো পাধার প্রথম প্রেলর অধীন ম,জিক্টেটের ক্ষমতা পাইবেন।

कामजारात गर्काती क भगनती (म की ना के भग, ज, वहें ५ ५ ६ ३ चर्कात ३० चाहेन चतुर्गाती भक्तमा कातराज भावित्वन।

নিম্নলি থিড ভন্ত লোকের৷ কৃষ্ণনগরের মিউ নিসিপাল কমিদনর হইবেন:---

(का. 🗷, इपाक्त मार्ट्य।

*(क्षाइव बिन, ज, मात्रम*।

ডাক্টর জার, মাকলিয়ড।

বাবু রামচক্র মুখে(পাধ্যার।

वाबु मृष्टुश्यम त स्।

হণকিক সাংধ্য আরও কুঞ্মগরের মিউনি নিপালিটিব্রুলহকারী সভাপতি হইবেন।

২৬ এ আগটোর গেছেটে ১১ ই অগটোর যে আজ্ঞা প্রকাশিত হয়, ভাহা পরিবর্ত্ত করিয়: বিজ্ঞাপন দেওপ্রা ঘাইডেছে যে, য দিন্য অবাধ এ, এচ, টরাবুল সাহেব ডাক্তর ক্রিটিসনের নিকটে ভার পাইরাছেন সেই দিব্য অবধি ভিনে কাশীর অহিদেন এক্সেটের প্রতিনিধি প্রধান নিজ সহকারী হটরাভেন।

ৰ তদিন বাবু কালীপ্ৰসন্ধ স্বকার স্বকারী।
কার্যোপলক্ষে স্থানা স্তর থাকিবেন, ততদিন বাবু
কানিনীকুমুল মুখোপাধ্যার পূর্ণিয়া ও কৃষ্ণাঞ্চের প্রতিনিধি বিশেষ সব বেজিটার হইবেন।

দিন'জপুরের অবস্থ জল এস, রাইট সাংবি তৃতীয় প্রেণিতে উন্নত হইয়াকেন।

বার ভূপতি রায় রক্ষপুরের অধস্থ জন ধ্র বেম কিন্তা অন্য কোন আজা না হঙ্গা পর্ব জিছ তের প্রতিনিধি অধস্থ জন থাকিবেন। वाबू मरहमहोता रहान ठकूर व्यक्ति जाय करा इटेशा किर्देश किरवेगा

বারু মংহজ্ঞানাথ বহু চতুর্থ শ্রেপির আগধন্থ কাল হইনে চাকার অভিনিক্ত আগস্থ কাল হই বেন।

বাৰু কুগদানদদ মুখেগোধাছি চতুৰ্গ জেণির অধ্যক্ত ভাইয়া কাষ্ঠ্যপে থাকিবেন।

নিম্নি বিভ কর্মচারিগণ ফৌজদারি আইনের ৩৮ ধানাসুণারে সেগিয়নে ও প্রধানতম বিচারা সয়ে অপণ করিবার মকদ্মার প্রথম বিচার করিতে পারিবেন:—

নদীয়ার সহকারী মাজিটেউট ও কালেকর কেনবি লটমান জনসন সাচেব:

যশে ছবের সহকারী মাজিকেট ও কালেটর 'সি. এচ. বাউঞ্জ সাহব।

ধীর চুমের সহস্থাবী মাজিক্টেট ও কালেই। ভবলিট, বি পাউয়ার সাহেব।

নিমুলিখিত ভদ্র লোকেরা বরিসালের স্থানীয় বিদ্যালিকা সভার সভ্য ইইবেন:—

ই, ব্রৌন সাহেব।

মৌলবী দিলনার ছোদেন আছে আদে বি. এ। সংআসিষ্টাউ সাজ্জন নকুড় চক্রে বন্দ্যোপা ধায়।

১৫ ই দেপটারব। যজালন জবিবাউ, কেম্বল সাহেব বিদায় লইয়া অসুপত্তিত থাকিবেন, ভজ দিন এ, লিবেন সাহেব ব্রীহট্টের প্রতিমিধি মাজিট্টেট কালেক্টর হইবেন। ই, জে, কোব রণ, সাহেব যে দিবস লিবেন সাহেবের মিকটে প্রীহটেব সিবিস ও সেমিয়ন ভাভের কার্যভার গ্রহণ করিবেন, সেই দিবসাবধি লিবেন সাহেব পুর্মোজ্য পদে নিযুক্ত হইবেন।

গত্তিন বাবু ভগবানচন্দ্ৰ বস্থু বিৰায় লইয়া অনুপত্তিত থাকিবেন, তত্তিন ব্ৰিপুৱার তেপুগী মাজিকেট ও তেপ্দী কালেটার বাবু গোলকচন্দ্ৰ বুংগুন্দির নগর টোবিভাগের ভার পাইবেন।

সংকারী পুলিব কুণারটে গুলিট এ, বুরার সাচেব (যিনি কিঞােচ্ছে বিশেষ কার্টে, আছেন) পালামাউরে থাকিবেন। ২২ এ জুলাইরের কেজেটে পালামাউরে টি, জি, চারলস গাঁহে বের নিয়োগের যে বিজ্ঞাপন হয়, ভাহা এড জ্ঞার রহিত হইল। চারলস সাহেব ২৪ পরগ লায় অব্যক্তি করিবেন।

আব, পচ সংহেব পুর্বিয়ার প্রতিনিধি আইন্ট মাঞ্চিটেট ও দেপুটিকালেউর হইবেন।

चार्मामरभंत अनाहावामच मःवाम माठा निधिद्योर्ट्सः —

গত ১৫ ই আগস্থ এখানকার সভাগতে মৃত থবণ হিল সাহেবের স্মরণাথ চিক্ত স্থাপনের উপার অবলঘনের জন্ম এক সভা ক্ষা। স্মত্রস্থ অন্যত্রস্থ বছসংখ্য ইউবোপীয় ও দেশীয় লোকের সমাগম হইরাছিল। এখানকার ক্ষিসনর এম, এইচ, কোট সাহেব সভাগতির আসন পরিবাহ ক্রেন। চাদার বাহতে দেশীয় লো

কোরা প্রায় ৭০ কিন্তু ক্রিলার টাকা স্বাক্তর করিয়াটের।

थत्रवित गार्ट्रवेत शास सन हे शिन गार्ट्रवे, हेश्मिन गार्ट्रवेत शहर अहेर, अग. विष्ठ गार्ट्रवे शिक्षित हे हेर्द्रार्ट्यन । स्था हेश्मिन गार्ट्रवे स्थापन भन्द्रिक कलन, जामता स्थान उत्ति वात। क्रिक्क हे हहे।

হোমিওপেথিক ডাজ্ডর থেরিনী সাহেবের মৃত্তুতে, উঁহোর পরিবারের সাহায্যার্থ এখান কার হোমিয়পেথিক ডাক্ডর জীযুক্ত বাবু প্রিয় নাথ বস্তু চাদাসংগ্রহ করিডেছেন।

এখানে অনাবৃত্তিবশভঃ দিন দিন দ্রব্যাদি ছর্ম্মুল
হইতেছে, ইন্ট্রিপুর্কে যে গনের মণ ২ • ছিল,
ভাহার ৬ টাকা এবং যে চাউলের মণ ৩ টাকা
ছিল, ভাহার মূল্য প্রায় ৪ টাকা হইয়াছে।
এইরূপ সম্বন্ধ দ্রবাই ক্রেমণঃ মহাঘ্যেইতেছে।
ভারভভূমির যে কি দশা ঘটিবে বলিতে
পারিনা।

আন্ত্রপাঁচ দিবস গত হইল এখানে আতর সূইয়াবন্তির নিকটে একটি পুন্ধবিশীতে এক ব্যক্তি অসময় হইয়া প্রাণত্যাগ করিয়াছে।

গত কল্য অত্ততা রেলপ্ররের এক বাবুর এখান কার মাজিট্টেট সাহেবের বিচারে এক বং পর পরিপ্রমেব সহিত কারাবাদের অনুষ্ঠি ইইরাছে। বাবুলী এখানকার বেলপ্রয়ে বুকিং আফিদের একজন কন্মচারী ছিলেন।

্এলাহাবাদ ৮ ই সেপ্টশ্র ১৮৬৮ ৷

আমাদিগের মগরাস্ত সংবাদদাতা লিখিয়াছেনঃ—

মহালয়! আলার কি অনির্মাচনীয় শক্তি!
আলা না থাকিলে কেংই জীবনধারণ করিছে
পারিত না। দেখুর এদেশের কৃষকণণ নামারূপ
প্রতিবল্ধক সত্ত্বেও আলা পরিত্যাগ করিতে
পারিতেছে না। এখনও কোন কোন স্থানে আলা
প্রযুক্ত কৃষকেরা ধানের বীজ বপন করিতেছে,
অন্য বৎসর এমন সময় কেইই বীজবপন করে না।

অন্য বংসর জ্ঞাবণ ও ভাল মাসে
এখানে থেরাপ ভারানক জ্ঞার ও বিকাব হইরা
অসংখ্য লোক অকালে কাল্যাসে নিপভিত
ইর্যা থাকে, এবংসর সেরাপ হয় নাই;
অনেকে অধিক রৃষ্টিশাভকেই উহার কারণ ক্রমু
মান করেন। ভানিভেছি ডেপুটী মাজিটেট
শ্রীযুক্ত বাবু হেমচন্দ্র কর মহাশ্র পুনরায় নগরায়
ভাসিয়া কাছারি করিবেন।

8 है। ६ हे छ ७ हे न्दर्लियत मधतात अल्लाकात

মধ্যে ছটী পুরুষ ও একটা জীলোক সপদংশনে প্রাণ্ডগুল করিয়াছে।

मगरा ३० (मर्ट्सब् मन ३৮७৮।

ধূৰজীক সংবাদাতা লিখিয়াছেনঃ—

১। কয়েক দিন এখানে অভিশ্য বৃত্তি হইতে আরম্ভ কইয়াছে। দিবারাত্রি বিশ্বতি নাই । ঘরেব বাহির হওয়া কঠিন। ইহাতে শলে।র বিল কণ অনিষ্ট ইইবার সভাবনা।

সম্প্রতি এখানে মোটাচাউল গড়ে হুই টাকা মূল্যে বিক্রীত হইতেছিল, বৃত্তির আধিক্যকেতু থাও টাকা ২৮০ টাকা হইয়াছে।

এখানে একটা মহকুম। সংস্থাপিত হইরাছে কিন্ত আজিও কাছারিঘর প্রভৃতিব স্থান নি পিত না হওয়াতে নির্মিত কার্যাদি হয় তেছে না।

এই মহকুমার অভিবিক্ত আসিষ্ঠাণ্ট কমিসমর জীযুক্ত বাবু গুণাভিরাম বড়ুয়া রার বাহাছর ও জীযুক্ত বাবু রাগানোছন গোত্থামী মহাশল য স্থ ঐকান্তিক পরিপ্রমের সহিত সন্ধিচার বিচ্চ রণ ও ন্যায়পরতানি ছ'রা প্রজাপুঞ্জের সন্মো রঞ্জন করিভেছেন। সম্প্রতি ঐ 🕳 মহাত্মাত্তারের ধরে ধ্রভীর ভল্লাদি পরিকার হইতেতে এবং ভার্তেদর অধ্যবসায়ে গত ১৮৬৭ আন্দের **৯**ই সেপ টেষরে এখানে একটা বস वদ্যালয় স্থাপত ইইয়াছে। বিদ্যালয়টীর উন্নতি ভ अधित भएक छेशीयन अकाष्ट्र यह आएह। আজি কালি আমা দগের গোয়ালপাড়। জিলার অমানলাগনের বেভনরুজি লইয়া ধ্মধান পড়ি রাছে। সম্প্রতি কালেকটারির ও দেওয়ানীর करशक खन मार्ड्ड এवर नषत चामिनी अ यूनरम ক্ষির নাজির ভিন্ন আয় সকলেরই ভুতন নিয়ুহে

আমাদিগের গোয়ালিয়র সংবাদ-দাতা জিথিয়াছেন।

বেত্নবৃদ্ধি হইয়াছে। কিন্তু ছন্তাগ্নাজিল

(वहाबाबा कि व्यवहार कहिल?

্ , অন্য ভাদ্রমানের শেষ সপ্তাহ, এখন ও
কক বিন্দু বৃষ্টি হয় নাই, শীল্প ষের্টি

হইবে ভাহারও সন্তাবনা দেখিতেছি না

এবার এখানে বর্ষাকাল পড়িল না। প্রাবেণ মানে

এখন সপ্তাহে কয়েক বিন্দু বৃষ্টি হইয়া এ বংগ

রের বর্ষাকালের নিয়ম রক্ষা হইয়াছে, প্রয়ের

এখন কিরণ ক্লিকাভার প্রচণ্ড গ্রীপ্রাক প্রাক্ত

করিতেছে। ক্ষেত্রের ভূণ পত্র শ্রাহা

প্রকৃতি সকলি শুক্ষ হইল; ঘোটক, উট্ট, গরু 🖟 প্রভৃতি আর ঘাস পায় না। গ্রুণ্মেন্টর इस्त्री वर्णमध्यकृष्टिक स्थानास्थ्य भागाहरू অসুমতি ইইয়াছে: পুরাতন ঘাদ এতংজ অদিক মুলো বিক্রয় বুঁহইডেডে: গম ছোলা চাউল প্রভৃতি ত সহজেই মহাধ্যা চাহাতে এই অন্ दृष्टि निवधान लाग्न , जि. धन्त पृत्ता विक्रश्न हरेति आत्रक इहेश्वारक । त्रोति वहेरा वाश्वान आमि-স্থাছে পেখানে অনাধৃন্টিনিবজন সম্বস্তর হই-বার সম্ভাবনা হইয়াছে। মহাশ্য়। নিকটস্থ কেনে কোন এানে কুদ্র কুদ্র চাকাইতি ও লুঠ চইবার কথা শুনা ঘাইতেছে। অনেক লোক মুরার শাউনিতে উপাস্কত চ্টক্তেছে, এ বাধ বোগ হয় িভারতবর্ষে সর্বাজব্যাপী ভয়ানক মধন্তর ২ইল। এখনও রুফি ছইলে কানেক রক্ষা হয় । কিন্তু কৈ আবাণে নেঘের চিক্মাত্রও লাক্ষত হইতেতে ুনা। সৌভাগক্রেমে ওলাউঠাপ্রভৃতির পরাক্রম প্রকাশ হয় নাই । মুধলমান ও চিন্দুরা নানা विव देलवाञ्चर्शन कतिया काल इहेब्राटइन। यनि तक्रामर्गत के अक हेथा खल अधारन इहेख. एतु व्यानक छेपकाव १३७। जिल्ली (भएकावेत ७ ७ অঞ্লের অন্যান্য সংবাদপত্রের श्राम्य मश्याम पाष्ट्रगर्भव श्राद्ध हर्जुन्मिर्कत অনার্টির কথা শুনিয়া মনোমধ্যে নানা আশকা হইতেছে।

২। মহারাজ সিধিয়া পীড়া হইতে অনে काश्या भुक्त इड्झा हिन, अथन कृतवारण जाव-স্থিতি করিতেছেন। এখানকার যে নেটিভ ডাক্তন अञ्जाकारक छिष्य भथा क्षमान कतिएउएइन चिनि कहिरमन, जाममान रेमरनात्र ডाक्टर महोक्रवंश नारःव विरमय यराज्य निरुष्ठ कि কিংসা করতে মহারাজের পীড়ার শীল্ল শান্তি क्रेडिक । भक्तिल फांक्त गार्टिक इरे मध्य টাকা পুরস্কার প্রদান করিয়াছেন। তিন পুজার भारत इंखेक, वा भारताई इंखेक, वाश्वभ**ं**तवर्खनात এখান হইতে যাত্রা করিবেন, ভাঁগার অনুপ-श्विष्ठिकात भनिष्ठिकन अस्मिने कर्नन माछ-য়াব সাচেব ও প্রধান মন্ত্রী রাজকার্য্য নির্কাহ क दिएक मा । शवर्गत (कन दिल ना मार्ट्य ना कि मार्थ ब्रास्कृत कारक्या भरवान नहेराव्हरून। श्वाननाम, মহারাতের প্রধান পীড়া বহুমূত্র মহারাজের निरुत्तांक्षक अत्मक शांकिम अर्देश आह्म । কিন্তু ইংরাজের এতি ইহার যেরপ বিশাস আছে জাপনার পরিবারে প্রতিও তাদুশ नारे।

৩ ৷ আক্রতা পুরাতন রাজধানীতে কনেক

मगरम मर्टर्भन मोवान्त्रा इस, करमक मिरमन মধ্যে অনেকগুলি লোক সপাঘাতে মৃত্যুৱাদে পতিত হইয়াছে। সম্প্রতি মুরার ছাউনিতে ছই अनरक मर्ला प्रत्यन कित्रप्राहित, कामता कानिएक পারেয়া সংবাদপত্তের লিখিত ব্যবস্থানুসারে উক্ত ছইবাক্তিকে ডিখপ্রমাণ ফট কিরি এক মাস জ্বামিজিত কবিয়া সেবন করাইছে বলি। দৌভাগ্যক্রমে ছুটী রোগীরই ভেদ বম ত্ইয়া আবোলা লাভ ত্ইয়াছে, একটা রোলী অচেতনপ্রায় ফইয়াছিল।

৪। যে বলাংকারের মকদ্দমাটী মাজিটেট আলিনে লম্বমান ছিল, দোষী ব্যক্তি ভাগতে সংখ্যতি বিনাদত্তে মুক্তিলাভ করিয়াছে। এই মকক্ষম। সংক্রান্ত সকল সূভান্ত নানা কারণে লিখিতে নিরস্ত হইলাম।

৫। এত দিন পবে বোদ হয়, মুধার ছাউ-নীতে একটী উত্তম বিদ্যালয় হইল। গত ২১ এ ভাদ্র ওবর্ষিয়ার জীগুক্ত বাবু গ্রহনাথ চৌধ্রীর বিশেষ যুদ্ধে একটা সভা হইয়াছিল। সভায় ব্রিগে ডिয়ার জেনাবেল, পলিটিকেল এজে-ট, ক্যান্টন (म.के माध्यरक्रेंगे, भावती त्रविमनन भारत्य & অত্তে প্রায় সমস্ত ধনী মহাজন ও বলিক ও ৩!৪ শত লোক উপস্থিত ইইয়াছিলেন। এখানে य এकी फूज विम्रालय आहा, भाषती नारहर প্রথম ভাহার একটা িপোট পাঠ করি लम। उरभरत रष्ट्रवाद् छेक् छावाएछ विन्ताह माशाया ७ विन्तालस्त्र উদ্দেশ विषय এक न इनीयं वक्कृषा भार्र कतिरलम्। वाबू मधीनहस्त চক্রবর্তী মহাশয়ও উর্দ্ধভাষাতে ভারভবর্ষের পূৰ্ব্যতন গৌৰবের বিষয় কিঞ্চিৎ বলিয়া অত্যত্য বালকদিগকে উত্তেজিত করিলেন। তৎপরে क्षिनात्त्रल मारहर डिफ्ट कांचारक विम्हामारनंत्र छ विमा नियुद्धां भारत कि कि ए मन वर्गन कविरासन। অবশেষে ইংবাজীতে জেনেরল সাছেৰ কছি লন যে, যাপালিরাই ভারত বর্ষের প্রধান গৌরব अञ्चल, निष्ठाविषरञ्ज, धर्माविषरञ्ज, ब्राजनीजि विषर्ग व कालिताई (आर्थेज श्रांख इंडेएड(इन) এই দূবদেশে সামান্য জীবনোপায়াপ অল্লসংখ্যক বাঙ্গালী আসিয়াও সভাস্থাপন করিয়া নানা विषरञ्जत जारलांहमा ও সাধারণের উন্ভির জন্য অবকাশ সময় অভিবাহিত করিতেছেন। দর্শনার্থ আধিয়া একাপ ক্ষমভাপন্ন জমীদারকে বাঙ্গালিরাই বিশেষ যন্ত্রণীল। এইরূপে বাঙ্গালী । জেলার জঞ্জের সেরেস্তাদারের পদে প্রতিষ্ঠিত मिगरक नाना स्थापिक कतिया छे भरतभन कतिरल ताथा अरेवर विरवहना कतिया धार्शक गयाय পলিটিকেল এজেণ্ট সাহেব কিঞ্ছিং বলিগেন। পাঠান ঠকিছ ভিনিকি গন্না কাশী বাইবার ज्यवर्त्तव भीमा मध्यह हरेल, ज्युष्टान महत्व्य पूछा | लाक, खश्कनीर भम छ। ज कतिरलन। अकरन

পুরাভন ও ভাষাবলিষ্ট ঝাড়্ট্র থাকাতে এই এক কালীন চাদা হইল। জেনারেলপ্রভৃতি गारकरवद्वाल कोमान्न वाक्कत्र कतिन्नारक्तः हेहा ব্যভীত মাদিক প্রায় ১২৫ টাকা ট্রাদা ১ই-য়াচে। গ্রণ্মেট নিয়মত সাহাষ্য করিলেই একটা বৃহস্ক হয়।

> ७। এখানে একয়ন সব্তাসিষ্ঠাণ্ট সর্জন হই दांत मखानना इहेसारक । करशक जिन इहेल नवीन বাবুর উদ্যোগে প্রায় ১০১ লোকের স্বাক্ষর क्रिया भवर्षेत (जनद्वरत्वत अटब्बन्डे कर्रांत भारह-(यत निक6 এक आदिषन करा इहेरा एक । जिएक ডিয়ার জেনারেল সংহেব বিশেষরূপে উহার সমর্থন করিয়া লিখিয়াছেন। শুনিয়াছি, মীড সাংক্রে যাহাতে দর্থান্ত মঞ্জুর হয় এ বিষয়ে वित्यय मत्नार्याभ कतिर्वन।

৭। নবীন বাবু ভিন মাদের অবকাশ লইয়া কলিকাভায় যাইভেছেন। তিনি এই স্থানে দশ মাস আসিয়াছেন। ইহার মধ্যে এখানকার যে সকল উন্নতির স্থাতাত করিয়াছেন, তাঁহার অমুপান্ত ডিহার অনেক ক্ষতি হইবে। ইইার গমনে সকলেই ছঃখত হইয়াছেন: (वाध इस इति अथान बहुँ एक वप्ति बहुँ बात (हर्ष्ट) क्रिंदिन। अने वायु मन्त विलिश (वाथ इंग्र अर्थातन আর আসিবেন না। ভাছা হইলে এখানকার वफ् क्यनिष्टे क्षेत्र । क्यामारम्य मकरसद ईम्हा य जिमि अभारत चातल किङ्ग मिन चारकन।

আ্মাদিগের ছাপরাস্থ সংবাদদাতা-লিখিয়াছেন।

১ : भवर्गस्मरन्द्रेत व्यञ्ज्ञिया । अ कार्या मन्त्र অভিনয় বিশ্বয় ए को टूहनाउनास इंहेए ६३। अ मिर्ग अक विषर्ग अक श्वकात वरनमावच्छ क्षेत्र। হইতেছে, ও দিগে আবার ভাহারই ভঙ্গ করা ১ইতেছে। আমলাদের পদ্যেশ্রতি, বেতনর্দ্ধি এবং স্থানাস্তরকরণ, এই তিনদী উপায় উৎ-কোচত্রোত ক্রম্ব করিবার জন্য এচারিত হয় গ किन्न (खनाएक य कि वमरकांत्र काल इहेएकहरू, खाङ्ग এक वात (मधित व्यवाक इ**रेट** इया। धर्मा এখানকার এক छन युम्लमान स्मीनांत्र এ জেলার জজ আদালতের সেবেস্টাদারের পদে নিযুক্ত ছিলেন। লক সাহেব জেলার ভাবস্থা डांशात चार्न डांशांकि अन जीन चार्चीय कूर्रेश जागाताम संबोगात सिपुक्त इतेशास्त्रमः। विद्र ह्या करून, अन्नण बरम्मावर्ण्ड कि देक्के नाज इतेन?

ই। প্রচণ্ড ত্রীন্মকালেই সকল আফিসের

ক্ষেত্রক সকলে জ্বল প্রভৃতিরও প্রাভঃকালে কার্য্য
হয়। আবার আফিসণ্ডলির নিয়মের পরিবর্ত হইয়া
হয়। কিন্ত এখানকার জ্বলের সকল কাশ্রই
আন্ত ট্রীন্ম গেল, বর্বা গেল, শরংকালও
আন্ত ট্রীন্ম গেল, বর্বা গেল, শরংকালও
আন্ত ট্রীন্ম গেল, বর্বা গেল, শরংকালও
আন্ত ট্রীন্ম গেল, বর্বা গেল, শরংকালও
আন্ত ট্রীন্ম গেল, বর্বা গেল, শরংকালও
আন্ত ট্রীন্ম গেল, বর্বা গেল, শরংকালও
আন্ত ট্রীন্ম গেল, বর্বা গেল, শরংকালও
আন্ত ট্রীন্ম গেল, বর্বা গ্রালক্ষিণার সর্ব্য

७। এ मिण ७ जनादृष्टि एउ भिन, जात दृष्टि इहेवात जाम। मारे अवर इहेरलख किहूरे इहेबाब बर्ट, धारबाव (बाध रहेल, क्वल बकाब क्छ করিবে। আমি ম্পষ্ট দেখিডেছি, ভয়ানক ভুর্ত্তিক করাল মুখবাদান করিয়া বিহার ও क्षमहामह क्षांसक श्राप्तनादक आकरादित श्रीम করিতে ধাবমান হইয়াছে: বেহারের অবস্থা যেন উভিষ্যার ন্যায় না হয়। অ মাদের গবর্ণ (यक्ते अहे (वनः त्रावधान रहेन। विह्नी रहामा ষেন কাবার না হয়। গভ বার ভারভবর্ষীয় গবর্গ धिके विकास शवर्रागरित करक स्विधारताथ করিয়া পরিত্রাণ পাইয়াছেন। এখার আর (मन्त्र) इहेवात मञ्जावना नाहे। शूर्व वर्षात আভেপ চাউল ১ এক টাকায় /া৫ সের করিয়া विकास रहेक, अकरन ३ अक ठेकिन 🖊 १७ त्नत পাওয়া ভার এবং উপনা চাউল ১ এক টাকায় ৴৸ সের বিশ্রেষ হই উ, একণে টাকায় ৴৷৮ সের পাওয়া কঠিন হইতেছে। গম টাকায় / দ সের বিক্রু হুইড, এফাণে টাকার 🖊 ৯ সের পাওয়া यात्र ना । এই ताल अकल प्रवाहे अधिमूला क्रेग्री উঠিয়াছে। আবার নিত্য নিত্য বাজারের বেরপ গতিক ভাষতে প্রভিক্ষ সম্পাগত বোধ হই ভেছে। অভএব গ্ৰৰ্থমেন্টের আর মিশ্চিও থাক। উচিত নতে। রাজার প্রজাপালনই প্রধান ধর্ম। श्रुर्स वरमावस्य मा कतिया श्रात होता दाता श्रमाभागरम् (हष्टी क्रवा विक्ता ।

# প্রেরিত

मानादत औयूक (मामध्यकामनण्यापक

महानव नमी(शंषु।

মহাশয় : আমরা হং খিত হইয়া লিখিতেছি, যে রসাপাগ্লা হাস্তা হইতে কালীঘাটরাস্তা

নামে বে একটা লাখা রাজ্য বহিগত হট্নাছে, তাহাতে অনেক গাড়ী ও অনেক লোক শমনাগমন করে, তাহা কাহারাও অবিদিত নাই; কিন্ত হুটাগ্যবশতঃ সেই রাজ্যার এক্সণ অবস্থা হইয়াছে বে, শকটাদির যাতারাত করা কঠিন। দে পথ দিরা বেসকল শকটাদি গমনাগমন করে, তাহার আরোহীদিগের গাত্রবেদনা হয়, অধিক কি সেই অর্ছক্রোশ পথ আসিতে শকটাদিরও এক ঘণ্টার চতুর্থাংশ অপেক্ষা অধিক সময় অভিবাহিত হইয়া যায়। কর্ত্বপক্ষ কর সংগ্রহ করিতে ক্রাট করেন না; বিলো না হয় সমনে, তাতে না হয় নিলামে, বিক্রেয় করিয়াকর আদায় করেন; কিন্ত ওাহার। কিনিমিত রখ্যাসংস্কারে অবহেলা করেন, তাহা বুরা ভার।

· ভবদীয় অন্তগ্রহাকাঞ্জনী জ্রীজঃ---কালীঘ্ট

----

মহাশয়! যে প্রাম্প কাগজে দলিল বেজিপ্টরি
হইত, তাহার পরিবর্জ হইয়া একপ্রকার মূতন
প্রীম্প হইয়াছে। মহাশয়! প্রীম্পের পরিবর্জ
হওয়াতে এখানকার অনেকের ক্ষতি হইয়াছে।
য়াহায়া মূতন নিয়মের বিষয় জানিতে না পারিয়
পূর্বের স্থাম্প খরিদ করিয়া দলিল লিখিয়া বার
দিবসের মধ্যে রেজিপ্টরি করিবার মান্য করি
য়াছিলেন, তাঁহাদের সেদকল দলিল অগ্রাহা হই
য়াছে। ইহাতে অনেক লোকের অনেক টাকা
নপ্ত হইল, অভ এব কর্তুপক্ষের কর্ত্তব্য যেদকল
পুরাতন প্রাম্প লোকে ক্রয়্ম করিয়াচে, তাহা
৪। ৫ দিনের মধ্যে ক্রিয়াইয়া লইবন, এইরূপ
একটী ঘোষণা করেন এবং নিয়্মিত সময়ের
মধ্যে ক্রিয়াইয়া লইয়া টাকা দেন।

গত ১১ ই সেপ্টেম্বর জীবামপুবের '' বেজি ইরি আদালতে ৯ ইছা প্রকাশ হইয়াছে। পুর্নের কেছ্ই জানিতে পারেন নাই। যদি ৩ 1 ৪ সপ্তাহ পূর্বের বিক্ষাপন দেওয়া হইত, তালা হইলে কেহই এমন কর্ম করিতেন না।

২৮ এ ভার } ১২৭৫ সাল : জীরামপুর।

মহাশয় গত ৬ ই ভাদ্রের এডুকেশন গেজেট পাঠে অবগত হইলাম, উক্ত পত্রের সম্পাদক মহাশয় স্বীয় সম্পাদকীয় কার্যভাব পরিভাগে করিয়াছেন। ইহাতে আমাদিগের অস্তঃকরণে এক কালে হর্ব বিশাদ ও বিস্কায়ের

উদয় হইয়াছে। হর্ষের কারণ এই, ভিনি যে কার্যভার অবলয়ন করিয়াছিলেন, পক্ষণাতশুনা হইয়া ভাষা সম্পাদন করাই ভাঁহার কর্ষের
কর্মা বাস্তবিক ভিনি ভাষাই করিয়াছিলেন।
যখন ভাষাতে কর্তুপক্ষের অসম্ভোষ জন্মিয়াছে,
ভখন ভাষা পরিভ্যাগ করাতে ভাঁহার সম্বিক
ভেজনিভা ও স্লাশ্রভা প্রকাশ হইয়াছে।

বে মহাত্মার ব্যা এড কেশন গেজেটের পূর্ব্ব আকার ও পূর্ব ভাব ( এই প্রকার পজো-ভার বলিলেই হয় ) পরিবর্তিত হইয়া দেনের অশেষবিধ উন্নতি সাধিত ও পাঠকেবর্গের আশা লতা ফলবতী হইয়া আসিতেছিল, সহসা ভাঁহার পদত্যাগ যে অভ্যন্ত ছংখের কারণ ভাহার সন্দেহ নাই।

সম্পাদক মহালয়। অর্থের ত আশ্চর্য্য মোহনী শক্তি। কিন্তু পারী বাবু যে অকুন্ধ- ।
চিত্তে ভাহার আন্ধর্ণ অভিক্রম করিলেন, ইছাই অভান্ত বিশায়ের বিষয় (।!!) যাহা হউক, উক্ত মহোদয় যে এক জন উন্নত:ত্মা ভাহা এই উপলক্ষে বিলক্ষণ সপ্রমাণ হইল।

অবশেষে, শ্রীযুক্ত বারু প্যারীচরণ সরকার
মহোদয়ের নিকট আমাদিগের প্রার্থনা এই.
কর্তৃপক্ষের যে পত্রখানি হাঁহার সম্পাদকীয়জ্ঞা
পরিভ্যাগের কারণ, সেইখানি এবং তিনি
ভাহার যে উত্তব দিয়াছেন, ভাহার অনুবাদ,
সাধারণের গোচরার্থ অনুমহপ্রকাশপুর্দ্দক
সোমপ্রকাশে প্রকাশ করেন। তাহা হইলে
হাঁহার কন্মপরিতনাগগহল্পে ইন্রজনভিজ্ঞেরা যে
নানাপ্রকার জনরব তুলিয়াছে, ভাহা অপনীজ
হইবে এবং ঘাঁহারা হাঁহার কন্মভ্যাগের প্রকৃত
হেতু জানিতে অভিনাধী হইয়াছেন ভাঁহাদেরও
আশা সক্ষ হইবে।

১৭ ই ভাদ্র ক্ষাচিং এড় কেশন ১২৭৫ সাল গোলেট পাঠকস্য।

সম্পাদক মহাশয় ! গত শনিবার কলিকা—
তাশ্ব মহামান্য ছাইকোটের সাত জন বিচারপ
তির ঐকমত্যে হিন্দুলাত্রপ°ক্রান্ত একটা মকদ্দ—
মার চমৎকার বিচার হইয়া গিয়াছে । দ্দেত্রমনি
দাসী, ভ্রানি পুরনিবাসী কাশীনাপ দাসের
কনিষ্ঠা পুরবদূ ৷ সন ১২৬০ সালে কাশীনাথের
কমিষ্ঠ পুরের সহিত ভাহার বিবাহ এবং ১২৬৬
সালের ১০ ই আহিনে তাহার আমীর পরলোব
প্রান্তি হয় ৷ ভ্রনাবস্থাতেই বৈধব্যদশা সম্পা
হইয়া ক্ষেত্রমনি ভাহার আমীর মৃত্যুর পর ছ
চারি বংসর আপন পিতৃগুছে বাস করিয়াছিলেঃ

কিন্তু ভাঁহার হীনাসম্ভাহেতু ভিনি শ্বশুরের নিকট इरेटक लामाकाप्रमापि भाइवाव लार्यमाम् मानिन করেন। জেলায় মকদ্দ্রাটীর ডিক্রী হইল, কাশী নাথ তথিকদে মহানান। হাইকোটে আপীল করি (लगा ১৮७१ अर्फित २२।२० भार्फ लाह स्वन विहा त्रक এक ब इरेश। ये भक्षभा करतम, खरमबर्फ अदनक वार्वाञ्चनाम् इस् । ১৮७৮ च्याटकतः ७) ७ মাৰ্চ্চ ব্ৰায় প্ৰকাশ কৰিবাৰ সময়ে ঐ পাঁচ জন বিচারপাঙর মধ্যে অমরেবল টেবর সাহেব বিচা রাসন কটাতে পুর্গ্র অপহত হুট্যাছিলেন ; সূত্রণ অব্বিষ্ট চারি জন বিচারক আপন আংপন নত প্রকাশ ক্রেন। জানরেবল সর **বার্ণে**স भिक्क क एक शि महाक्तत्वन अक्**मडा**वनश्ची হুইয়া ক্ষেত্রমানর বিক্রের এইরূপ নিচ্পত্তি করিলেন যে, যদিও গ্রশ্র পুরুবসূকে প্রজিপালন করিতে ধর্মাতঃ ব্যাল, তথাপি ভাঁছার জীব-फनाय छीकात অবিভক্ত অপ্রাপ্তবয়ক পুরের মূত্য হইলে ডিনি হিন্দুশাল্পসমত ব্যবস্থা মুসারে বিধ্বাপুত্রবগ্রে গ্রাসাঞ্চালন দিতে বাধ্য हमभा । श्रक छार खमरवदल छि, लक छ छक्. वि. (कण्ण दिशाभरशंतु गरंड यंड ना भिया क्षाज्यानत অনুকৃত্ৰে এইকুপ নিম্পত্তি কার্যেলন, যে ছিল্ফু শাস্ত্রপ্রসারে পুরবরু এপেন শ্বশুবের নিকট इड्रेंट जामाक्राक्त भाइतात अधिकातिनी वट्टे न কিন্তুপীডনাদ কেন বিশিষ্ট কারণ না থাকিলে शुक्रवपरक शृक्षकालाता नान कतिएक इंडेरव । এইরপ চারি জন বিচারপতির স্থল্যাৎশে মতের অবৈক্য ইওয়াতে কেন্দ্রমণি হাইকেটিনংক্রান্ত भावेग्रात्व १८ वातात विनाम'स्थादत शहेरका-रिदेश मकल विद्रान किया निर्मीत भागील **करि**(लगा ओ। क अनदत्त्वन अडेड, कि, (व'ल (ब्रा, नि, नम्बान, कत, कम ब्राक्रम, (क्ष. ति, ফিয়ুব: এফ. এ লেবির, ও জি, মাক্ফাসন ও সি. नित्र हर राष्ट्रिम कह माछ एन निहांत्रभणि २३ এ ज्याबर्ध वामना ४४ है छ. म. विष्ठावानरम छेलिबर्ड क्षत्रा कालीलाः हेत् हिर्देशन वामाध्याम व्यवन ক্র্যিয়া স্বর্জ একবাকের প্রধান বিচারপ্রির भारत भारत अर्मन अन्य या निर्माण तीय शहन দিবেন বলিয়া অভিনায় প্রকাশ করিলেন। কিন্তু লাম্বান্ত বিচারপতিদিনের অাস লিখিত রায় প্রকাশ হর নাই। লাপাদক মধাশয় । দাত জন ব্যাপেডির কুত এই বিচার ও হিক্সশাস্ত্রা বৈর এইরূপ ব্রেখ্যটো যে কক্ট্র শ'স্ত্রসক্ষত হই खारक, उन्न भशनस् ও नशन्रधत्त्रभून स्ट्रान्छ। ৰাপ্ত হাজিৰাই বলিঙে গাবেন ৷ কিন্ত বিচা की (य मिनाहात निकारा छ जुल'हातदिकक इड्डाट्ड क कथा कि मा बीनाद । मश्मातकार्यः

লিপ্ত শাল্তানভিজ্ঞ ব্যক্তিরা এপর্যন্তে পুত্রবধূকে অবশা পোষ্য বলিয়া জ্ঞান করিতেন। কিন্তু এত কালের পর মহামন্য হাইকোটের বিচারপত্তি-গণের এই অভিনব শান্তব্যাখালারা ভাঁহাদিগের বহু কালের ভ্রান্তি একণে দুরীকুত হইল। একণ कात धर्मावकारत्वा এই ज्ञाल करहन (य, च्राच्यत. रेक्षकामञ्जनाननम्या शुज्जवम् एक अञ्जनम করিছে ধর্মতঃ বাধ্য কিন্তু ঐ পুত্রবদূকে গ্রাসাচ্চাদন দিতে অম্বীকার কবিলে পুত্রবর রাজ্ঞার নিকট নালীল কবিয়া আপন শ্বগুরের निक्र इहेर्ड (य छाइ! भाईएड भारतम अन्नभ कांग विधि वश्राम्यकालक हिन्द्रभाखगरमा দৃষ্ট হয় নাঃ স্কুতরাং রুদ্ধ পিতা, মাতা, অন্ধি कार्तिनी भड़ी, भुद्धतम । अ अधाकाभिनारनत কলত্র পুত্র কন্যাদির জীবিকা পাইবার যে ব্বেস্থা শান্ত্রে পাওয়া যায়, ভাগা এরপ মকন্দ-মাতে খাটিতে পাবে না। এ বিশয়ে তর্ক বিতর্ক করিতে হটলে পত্রবাজন্য হয় > আমার এইমাত্র वक्कवार्य ब्रायाफ भी सुभाव्य वेद शक्षिणन अहे পুঞ্তব বিষয়সয়্ধ সামা আভিপ্ৰায় প্ৰকাশ **ではる**1

১৮৩৮ ) ক্স্যচিৎ জিজ্ঞাসেও। ৯ইনেপ্টেম্বর

# मूला প্রাপ্তি।

রামপুরহা ট कीयुक बाबु ध्यूनाथ वास ১২৭৫ আগ্রেন ২২তে গাস্ত্রন " दिनलाइत्य स्ट्रीहार्था **B**, 本1 ১৮১৮ সেপ্টেম্র কইটে ৬৯ আগস্থ 20 শান্তিপুর » জী <del>হবি বাস</del> १२न र जाबिस इहेटल १७ छात्र 50 ভা গ্রারহাটী भ (अञ्चनाथ (होन ती ১२१४ व्यक्ति इटेट मास्त ৯ মাধ্বচন্দ্র মূখোপাধ্যায় (জলা ্বতিয়া পাথু নিয়াগাটা १२१४ व्याचित हरेए १७ छात्र 📍 श्चमनमाथ गुरवाशायावि कुरूनधत ১২৭৫ আগপন ১ইতে ফার্জন » खाउकाराथ (घाष গে:বিদ্যঞ ১২ 1৫ আলিন চইতে ভাগহায়ৰ a नगराजी शद्रभाषायात्र मियुनिया eu » गर्धसमाथ महकात मांकाहिए होना e॥ » মহিমচাদ্র বস্তু ওয়েলিংটনকীট ১٠ ৯ হারানচন্দ্র মুখোপাধ্যায় আলীপুর ৫॥ » वामाहदूव वरमहाशाधात्र मानन धा

ঞ্জীয়ক্ত আর, ত্রিফিব সাহেব ্বারাণসী ১৮৬৮ সেপ্টেম্বর হইতে ৬৯ আগষ্ট ১৩

# সোমপ্রকাশসংক্রান্ত কয়েকটা বিশেষ নিয়ম।

অগ্রিম মূল্য ও ডাক্নাস্থল না পাইলে মদ<sup>্র</sup> বলে সোমপ্রকাশ থেরণ করা যায় না।

ইহার জন্তিম মূল্য বাধিক ১০ টাকা এবং বাণ্যাদিক ৫॥০ টাফা সফল্বলৈ ভাকমাক্সল সমেত বার্ষক ১০, বাণ্যাদিক ৭ এবং কৈমানদিক ৩৮০। তিন নাদের স্থানে জন্তিম মূল্য এইণ করা নায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিটি, মণি-জার্তর, নোট ও স্থান্স টিকিট, ইহার জন্যভব বাহাতে বাহার স্থাবিধা হয়, তিনি দেই উপায় ধারা মূল্য প্রেরণ কারবেন।

ষাঁহারা স্থাম্পটিনিট পাঠাইবেন, ভাঁহারা যেন এক অথবা জাধ জানার জ্ঞাবিক মুল্যের ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

যখন যিনি মফস্বল হইতে সোমপ্রকাশের মূল্য পাঠ ইবেন, তাচা ধেন রেজিপ্রবি করিয়া জীযুক্ত দারকানাথ বিদ্যাভূধনের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

योशिक्तित मृत्या क्रियांत मगत्र क्राडीं इहें स्थानित, अन मान्यूटर्म होहिक्तित किष्ठि लिख्या क्रामान योहेट्स, काल क्राडीं इहें स्थानित किष्ठि लिखा क्रियां क्रामान योहेट्स, काल क्राडीं इहें स्थान क्रियां क्रामान स्थानिक क्रियां क्रामान स्थानिक क्रियां क्रामान स्थानिक विद्यां क्रामान स्थानिक विद्यां क्रामान स्थानिक विद्यां क्रामान स्थानिक विद्यां विद

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ঔেদনের ভাষ ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীল্প পাইব।

ধাঁহারা মাস্ত্রতা না দিয়া পত্রাদি প্রেরণ করি বেন, ইাহাদিগের সেই পত্রাদি এহণ করা ধাইবে না।

কেই সোমপ্রকালে বিজ্ঞাপন দিতে ইচ্ছা করিলে ভাঁহাকে প্রথম ভিন বার প্রতিপংক্তি । আনা ভাহার পর /১০ জানা দিভে হইবে। ফিনি জবিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা করি-বেন, ভাঁহার সহিত স্বতন্ত্র বন্দোবস্ত হইবে।

এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পূর্দ্দ মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর প্রেসনের দক্ষিণ চালড়িপোতায় জীয়ুক্ত দারকানাথ বিদ্যা-ভূষণের বাটীতে প্রতি সোমবার প্রাত্যকালে প্রকাশিত হয় :

১ - ম জাগ।

89 मर्चारा

# " प्रवक्तमां प्रकृतिहिताय पार्थिवः सरखती श्रृतिमहती न हीयतां।"

মাসিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বাধিক ১০ দশ আত্রিম ধাণ্যাসিক ধা সাড়ে পাঁচ টাকা।

| मन ১२१৫ । २१ व्याचित । ১৮७৮ । ১२ हे व्यटक्वीवत

# বিজ্ঞাপন।

প্রত্যেক থও ৮০ পৃষ্ঠা মূল্য (নগদ) ॥০ এই পুস্তক প্রথম অব্ধি ছিত্তীয় সর্গপর্যান্ত ध्यथम मरच्या नामताकरत त्रामासुरस्य भिका छ বাঙ্গালা অমুবাদের সহিত কাব্যপ্রকাশ যন্তে সুদ্রিত হইয়া বিভরিত হইতেছে। ইহাতে মাছে-শ্ব-ভীৰ্য ও নাগে জী ভট্টের চীকাও স্থলবিলেষে উদ্ভাকরা ইইভেচ্ছে ও ইয়া প্রতিমানে ১০ করমা অর্থাং ৮০ পু গা করিয়া মুদ্রিত 😻 প্রচা রিভ হইবে । মূল্য॥ • আংনা। খাঁহারা আহ্ত खनीकुक स्ट्रेंट हार्टन, डांशांता कामात नारम কাষ্য প্রকাশ যন্ত্রে পত্র লিখিবেন।

बीर्म्मस्य प्रक्रास्य ।

# বিক্রমার্থ।

# গারতেন রীচ ২৪ নং বাটী গুদামস্ছ

১৯ নংজোড়া ৰাগান। উপরি উক্ত বাগান ও বাটী ঘাঁহারা ক্রম্ করিতে অথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নিমু স্বাক্

ব্লিন্ড ব্যক্তির নিকট জ্ঞানাইবেন। गिलिखावम् व्याद्धा-थनहे ध्वर (कार

------

# বিক্রয়ার্থ।

শব্দকরজন অভিধান। সর রাজা রাধ্-কান্ত দেব বাহাছরের কৃত। উত্তমকপে পোণ্ দিয়া মুক্তন বাঁধান, মূল্য ২৫০ টাকা। **अवानम्बरुक्टरमास्रवानीम** ।

# शूनः व्याश ताहै।

নিমুলিখিত অপছত অৰ্ছ ও পূৰ্ণ নোভটল পাওয়া গিয়াছে। নোটের অধিকারিগণকে कानान याहेएउएक, निम्न याक्त्रकादीत निकृष्ट आर्दिनन कतिद्वन ।

मुला

र्श व्यथा वर्ष

সংখ্যা

Q		3,0	SI 441 44
-   br 	<b>FUUOF</b>	7	শৰ্জ নোট
t	18884	•	<b>x</b>
्र १२	\$ \$ \$ \$ \$ ·	<b>২٠</b>	•
এ ২ <b>ড</b>	ऽ • २ <b>৯</b> ७	₹•	*
<u>લ</u> ૭૨	8 <b>%</b> 8 <b>¢</b> २	<b>२</b> •	<b>3</b>
<b>.9</b>	৮৯৯৩१	<b>२</b> •	*
8 &	<b>७</b> ¢•98	<b>२</b> •	*
8	৯৯৬৬২	<b>ب</b> ٠	ÿ)
ৰি ২ <b>২</b>	• > ? @ @	<b>२</b> •	ভিঞ্চিগা- (পট্যাম
वि` २२ अ	*>948	<b>২•</b>	» নোট্স।
8 2	• • • • • •	7 •	å
6 8 A	· 108 % )	١.	*
8 > E	<b>**</b> 8 <b>**</b>	7 •	সূৰ্
8 2 9	8४१२৯	7 •	ष्मर्क (मार्घ
¢ •	Surte	\$•	Z.
. <b>ቋ</b> ጸል	<b>レミレミン</b>	7 •	4
8 <b>₹</b>	• ४२७৯	. 2 •	*
7.9 'a	<b>⊘</b> ¢8•3	7 •	z,
এ ১৯ .e	8448	2.	Sh.
7 2	७१৮১७	2 •	, ,
a SF	73767	١.	*

	इ जानष्ट ७৮।	<b>,</b>	পোষ্ট মাষ্টার	11
(91)	কোডা ভূ আফিন	ু ভৰ্নিউ	, अहें हें, मा	टमामान
45	r8r49	3	. • •	
ab ab	ra·•1	3	• •	
03	48774	7 •	*	
\$ \cdot \text{\$\mathbb{P}\$}\$	\$57.5	7.	*	
A CC E	957•7	7.	*	
60	257.4	7.	<b>A</b>	

# विविध खवामि विक्रमार्थ टाइउ।

ইংরাজী বাজনা পুত্তক কাগজ কলম নানা বিধ দ্রব্যাদি পাগুরা ধায় এবং পুস্তকাদিজে 🏒 এক জানার হিসাবে কমিসন দি! অধিক টা চার পুস্তক লইলে ৴১০ আনার হিসাবে পাইবেন।

অপূর্দ্য উপাধ্যান অর্থাৎ সেক্লপিয়রকৃত নাট (कत्र मर्था स्वान জীমদ্রাগবন্ত ১ম অব্বর্ণ ১২ SIFT

জ্রীক্রীহরিভ জিবল'স সম্পূর্ণ খ্রীয়দ্রামরসায়ন সুই খতে সম্পূর্ণ **४%** भारतिकित्रमा अप निष्युतीता निवामी वातु कंशीनाथ महितक अगरत छिउम প্ৰিভ্ৰায় প্ৰত সিখন নিভ্যধন্ম 🖫 🖒 ৮ পত্ৰিকা বাংকি কৌতুক বিলাস ঘাহাতে গোপালভাত্তিব

কৌডুকগুলি সম্পূৰ্ণ আছে **इ.स्ट्रह**्य 🕫 देखिनि 📑 र हे इन्ह ভাৰত डेम् ड

ব্ৰহাতৰ চূড়ামণি অৰ্থাৎ ব্ৰহ্মনিৰ্ব্ 5 # নীলাখন কাব্য

भूदर <b>मि का त</b> ः	Ŋ
मनिश्कलः कः। वर	3
অনিমন্ত্ৰ যেওঁ মাৰ্চক	110
ख <sup>ा</sup> म्बा लिल्हा दिन्दन्	Ŋ
রুমে ওম্ব জন্য কাবেং	>
<i>को</i> वर्षिट्सक्ष <b>माउक</b>	ર
দৈতিল গাইড মার্শমেন সংক্রে ক্রন্ত	<b>ą</b> .•
भणतका छेभाशाम	h
गरमागानी चन्नाशहस मान्याङ	eh
শিশাংসাদ্ধার	٤
নী, ব্লহ্	Į!
अनेवान वार ज शांकि <b>गांश शर्व</b>	577
শ্বাংরকুড	e)
ভূ ভ্ৰদশন পুথিবীয় মান্চিত্ৰ	ŧ
ভারভব্যের ম্যাপ দেবনগের জ্ঞ্যের	٩
নীণ্ডি(ৰক্ষ্)	4
অন্বৰ শোহীলী গ্ৰন্তপ্ৰ পাৱ	F 1 7
योगर	311
কুমার সন্তব সংস্কৃত হই <b>তে পদা অনুবা</b> দ	13
ভারতবংখর ইতিহাস কেদারনাথ দল্পকুত	5
ন্ম গোণিদ <b>চন্দ্ৰ নেন ক্লা</b> ড	2
<b>নব ভ</b> জ্মরিসংগ্রহ	3
প্রানি ইতিহাস সমুচ্যয়	3
ঐ মাস মেন সাংখ্যকুত চই খণ্ড	2
गांग श्रांतिषष्टे माउक	١
চরিত মঞ্জরী	ا ۱د
শক্ষরভাত ম পরিশিষ্ঠ	2.4
কলিকাভা জোড়া- 🤰 জ্রীপ্রভাপ্যস্তর	রায়
সঁকো ৬৪ নং 🌖 নগদ বিজেড	., [
annig & Junear	
স:বি <b>ত্র</b> ীচরি <b>ত্র</b>	
व- वि ।	
পিভোলানাধ চক্ৰবন্তি প্ৰবীক।	j
भूतर ३ अह हो की	- 1
সাধ্য ব্যাহর পুজকালয়ে পাওয়া দায় ————————————————————————————————————	1

প্লিক'তার মান্চিত্র মুদ্রিত হুইয়া বিক্রোর্থ পক্ষত আছে। (উত্য বাধাই) মূল্য ২ টাকা।

जीकानी धमन (मन छ्छ। কলিকাত। নৰ্মাল স্কুল। ٠--- و ١٠--

# हेकेई जिला (तन अरहा)

ফারাগোলা খাটে - রে**লভয়ের দর্কত্র** রপ্রনির নিম্ভ মাল লওয়া याहरदा

क उम्बादा मन्दर्भावादगरक च्छांच करा यहि-न्द्रदृ (य, य्थन क[हार्गाल] प रहे भाराभारतत्र

ফিমার থাকিবে তথন ঐ ফিনারে রেলওয়ের সাগত্র রপ্তানির নিমিত্ত সর্বপ্রকার দ্রব্যাদি লইতে **रेटें हे** जिल्ला (इस एराइ क्लार **श्रेखांड कारहम** ।

্রেল ওয়ে দ্রন্তানি পাঠাইবার ভাড়া ভয়ু-সারে ভাড়া লওয়া হইবে। কেবল য়িমার হইতে সাংক্ষেপ্ত ষ্টেপনে লইয়া যাই**যার** নিসিত্ত বেরাই ধরচা ও ভাড়া প্রতি মণে এক আনার ছিলাবে অধিক লওয়া যাইবে। এ क्षिमान प्रवर्गाति तुलानि इष्ट्रांच मिट्टे छिमान गमुम ब्रामितन उहिन्द्र ।

के हे हैं दिया दिन एस मिनिल किरक्षम চাউগ এপ্রেলি ব্যুদ্ कामकान्ता १ डे न्धरकांभ (वाड । (म्राक्टेबन १०-४० ।

# পুরাণ প্রকাশ।

বিষ্ণু পুরাণ।

অন্তবাদ ও টাকা সমেত প্রত্যেক খণ্ ৮. পৃষ্ঠা। অগ্রিম মূল্য ) ॥ ।

শিষ্টন প্রহণতিলাধী ইইবেন ডিটন মূজাপুর व्यामहत्रहें के 58-3 नर खरान कांचा क्षकान यरक अथवा कलिकाला मरस्य विमालस्य শ্রীয়ুক্ত অগমোহন ভবালকারের নামে যড় र्यट्स्टर हेम्हा व्यक्तिम मृजा भागे।हेटनम । व्यक्तिम না পাইলে বিদেশে বিষ্ণুপুরাণ পাঠাইবার নিয়ম নাই ইভি ৷

-- 000-

# श्रनः श्राध तारे।

যে ব্যক্তি ১৮৬৮ সালের ৮ ই আগষ্ট পত্র মধ্যে পাটনার ভাক্ষোগে নিয়লিখিত নোট পাঠাইয়াছেন. তিনি कांतीत निकरे मानित्वव निधिया পाठाइएनन । ১০০ টাকার ba . . 9 75 & b-F85-69 46 **फविन्छ, क्रे**ह, महार्ताञ्चान । কলিকাভার পোষ্টমাষ্টার।

'' भिक्तक वृज्जित्तरक मन्नीज भिका।

ে শিক্ষক ব্যতিরেকে সম্বীত শিক্ষা » বলয়া যে বিজ্ঞাপনটা ইতিপূর্মে সোমপ্রকাশে প্রকাশ হয়, তাহার স্বাক্ষর স্থলে '' জ্রীমহেন্দ্রনাথ চট্টো পাণ্যান্ন শ এই নামটা জনবধানতাবশতঃ প্রকা শিত হইয়াছিল। তাহাতে সানেকে গ্ৰেক্লা-

थटक वाउकर्छ। यभिष्ठा दित कतियादहरः वाखितक मर्ह्याचा अष्ठकर्छ। नर्हन ।

মহামতেশিখায়ে বরদাচার্য,কুত বসস্তুতিলক ভাগ নেপালম্ব পাধ্যিত জীগুক্ত ভয়ক্রনভ পস্ত কর্তৃক সংশোধিত হইয়া দেবনাগরাক্ষরে মুদ্রিত रहेशाद्या भूमा ॥• जावे जाना। कलिकाछ।, সংবাদ জ্ঞানরত্বাকর যন্ত্র নিমতলা স্বাট ফ্রীট **၁२ म**९थाक खबन।

बी बूरनहन्द्र रहातः।

निष्यात निष्

मन १५७० भारतात (मर्ल्डेशत भारतव ५ ह करें एक ३३ के পर्यास नहीं बाद नहीं क्रायुव শর্মাণ ডি জনের সাপ্তাকিক রিপোট ।

নাম স্থানের স্মাক্ষতি জল

ফুট ইঞি। নদীয়া মাধাভালা মহানার উপর পজানদীতে নীজা মহানায় ভথা হইতে হাট বোয়ালিয়া ८९ भाईल : 9 हा। (बाह्यानिया इंदेर्ड অ'হ্লক,দয়। 7 'बाञ्चकांभन्ना १३८७ कुकाब ०५ माइल कुक्शक इहेट इंगलि नहीं 25 ٩ ৩৪ মাইল काशीत्रथी मने । 5 9 মহানার উপর 0 নীজ মহানায় 35 তথা হইতে জিয়াগঞ্ श्चित्रामञ्ज ६३८७ कार्छ हा 🖦 - ম'ইল ) ¢ कारिंग्रा रहेर्ड नतीया 12 ৪৬ মাইল असमी ननी। নীল মহানায় ¢

তথা হইতে করিমপুর

১৯ সাইল कत्रिवशूत रहेए छित्राकारी ৩৫ মাইল >> × %

वित्रा काहे। स्ट्रेट नमीता

७- महिल ५-

শন ১৮৩৮ সালের দেপ্টেবর ম'লেব,১৭ ই ভারিখের গজ ঘাটের জলের মাণ।

ুকুট*্* ইঞ্চি গলহাটের উপর**্ট**ে ৩

ষহরসপুর ১৭ই সেপ্টেম্বর ১৮৬৮। ্টি আযুক্ত সি টি. উইজ একজিচিবি উদিৰ ই জ নিয়ব বহঃমপুর ডিবিজন।

# সোনপ্রকাশ। ব্য জাগিন সোমবার। স্থানীর কর।

অনেক পলীপ্রামে ভাল রাস্তা, ভাল পুক্ষিণী ও বিদ্যালয়প্রভৃতি নাই। ডতৎ ছানে এগুলি করা আবশ্যক। বায় বিনা এডব্লিকাছ সম্ভাবিত ময়। त्म वर्ष कोषा स्ट्रेट वाहरम । य य স্থানে সেইগুলির আবিশ্যকতা, সেই সেই ছানে কর করিয়া তংসংগ্রন্থ করা कर्छवा। चाक्षि कालि चिश्वकार में है बा (कत बरे मछ स्हेशार्छ। क्रान्टक बरे उंशाश्रीकिर मुक्षा ७ धकान व्यवनवीय कान कतिएक एका। किन्द्र आभागित्रत विद्विष्ठनाय के छेशीट्यंत्र अवश्वन कान ক্ৰমেই শ্ৰেষ্ট্ৰক্ষ ৰলিয়া প্ৰতীয়মান হই-(अट्ड ना। अप्री त्य (करल अफा) हाद्वित मृत रहेर्द अक्रम नग्न, अ कार्यां ही चक्रम. ভই অভ্যাচার। যাহার যে বিষয়ের মর্ম-গ্ৰহ ও ইচ্ছা নাই, তাহাকে যদি বল-शृक्षिक त्महे कार्र्या श्रविक्तिक कहा यांत्र, সেটা অভ্যাচার সন্দেহ নাই। কোন জমীদার নিজ প্রজাগণের উপকারের **फेट्फटमं जरुरी हान्छ। वा विमार्शन कहि.** वात निमिष्ठ यनि त्नहे त्नहे श्रकात निकृष्ठे रहें उ दल शूर्वक वर्ध अहन करतन, वा छा-চার বলিয়া চতুর্দিক হইতে চীংকার **७, ७७ इरे(व माम्यक् नारे। अभीवा**रत যে কাজ করিলে আমরা অভাচার बिन या बिटर्फ म करित, शवर्ग रमन्छ कि दिल গ্রেটী যে অভ্যাচার হইবে না, ভাষা ः कथन इहेटक शास्त्र ना।

িউলিখিত বিষয়শুলির বিনিষ্ঠ বে नकल स्थाब क्रेटिज कर महेबान कल्लामा করা হুইতে ছ. ডব্রুছা অধিকাংশ লোক छेशात मध्य नत्कन : पू ठतार डाँशाता य रेष्ट्राभृद्धक छछि वराय अक कर्णक्रक मान कतिर्धन छोटा मखाविक मरह। আমরা উচার অনভের কোন কোন कार्ट्या है सा कतिवात हिन्दी कतिहा सिथिशाष्ट्रि, कुडकार्या स्टेट्ड शांत्रि माहे। এতদারা স্পাত প্রতীয়মান হইতেছে. এসকল বিষয়ে দান করিতে আজিও श्विकार्म लादिकत हैका करवा नाहै। তাৰা জান্ধিলে তাহারাচাঁদায় অর্থদানে কোনজমে বিমুধ হইত मा। ভাহারা অনিচ্ছ যখন এটা স্পান্ত বুকা বাইভেছে, उथन जाहामित्मत निकृष्ठे हहेट य कि हू গ্রহণ করা যাউক, দেটা যে অভ্যাচার চইবে, ভিদ্বিরে অ্ণুমাত্র সংশয় রাই। আমাদিগের মতে ত্রিটিশ গ্রণ্মেণ্টের ममुभ गवर्गस्यात्केत द्वांभीत निश्वक्यात्वत নার বলপুর্বক উপকার প্রজার গল প্রবিষ্ট করিয়া দেওয়া বিধের হয় না। **भूर्ककात (य मकन ताक। दलभूर्कक** क्षां पिरमत होता के मक्न कार्या मन्त्री দিত করিয়াছেন, উচিরা অভ্যাচারকারী विनया निर्फिणिक इहेशा थारकन।

ত হলে আর তকটা বিষয়ের বিবেচনা করা আৰশ্যক হইতেছে। পদীপ্রামে
ভাল রাস্তাপ্রভৃতি না হইলে চলিতেছে
না, ত কথা পদীপ্রামবাদী অধিকাংশ
লোকে কহিতেছে, কি ঘাঁহারা স্থানীর
করস্টির প্রস্তাব করিতেছেন, ভাঁহারা
কহিতেছেন ? নৃতন্বিধ করস্টির প্রস্তা
বকারীদিশের দৃষ্টিতে যত কট লক্ষিত
হইতেছে, ঘাঁহারা পদীপ্রামে বাদ করি
তেছেন, ভাঁহারা তত কট অমুভব করি
তেছেন না। তকের অমুমিত কট
শান্তির নিমিত অপরকে বাস্তবিক কটে
নিপাতিত করিয়া উদ্বেজিত ও অসুথিত

कता विट्वहरू शवर्गटमट्केंत्र कर्खवा इयमा ।

তবে কি পলীগ্ৰামের যে অবভা चाट्य डाइ। इं थाकित्व ? जामामित्रत গ্ৰৰ্থমেন্ট ভদ্বিয়ে উদাদীন থাকিয়া किकारण हिल्लास्थाय विधान करतन ? এ এक कथा चाहि। हेशत उन्हात व कुरा এই, अवन्त्रकी तथानियान ও विमान्य প্রভাতির প্রতিষ্ঠাবিষয়ে যে সাহায়: দানপ্রণালী অবলম্বন করিয়াছেন, তাহা কিঞ্ছিৎ বাহুলাব্ধণে ও সচ্ছলে প্রবর্তিত করিতে আর্জ করিয়া আমের প্রধান वाक्तिमिन्नदक उखिमरा उँ श्रीह मिट्ड चात्रष कक्रम. खेरमभागिष्ठ इहेट्य। যাবৎ প্রজার। স্বয়ং উৎকুট রাস্তাও বিদ্যালয় প্রভৃতির মর্মজ্ঞ না হইতেছে তাবৎ প্রব্নেন্ট যক্তবান ছইয়াও যথো চিত্রপে অভীউদাধনে সমর্থ হইতেছেন না। কলিকাডায় নানাবিধ টাক্স ও স্বাহ্যরক্ষার নানা উপায় অবলম্বন কর। स्हेग्राट्ड : किन्द्र (य त्य श्वाटनत क्षणात्र) পরিকার ও পরিচ্ছন্ন থাকা যে কি উপ-কারের ও অখের বিষয় ভাষা বুঝিতে न। পারে, সেই সেই গলির মধ্যে প্রবেশ করিছে হইলে প্রাণবিয়োগ ও পৃতিগল্ধে ভাগশক্তি বিলুপ্তপ্রায় হইয়া যায়। পলী গ্রামেও যে এরপে হইবে না, ভাষার প্ৰমাণ কি ?

. --- 202----

কুষ্⊈ণ সহিত তায়ী ব্ৰোক্স :

যদি কুষকদিগতৈ জ্বমীনারের অভ্যাচারমুক্তা, শিক্ষিত ও সোজাগাশালী
দেখিবার ইজা পাবে, ভূমিতে ভাষা
দিগকে হাটী অন্ধ্র প্রদান করিয়া একটা
পাকা বন্দোবস্ত করা করিবা। জ্বমীদারেয় অভ্যাচায়নিবাধনের যত উপায়
করা হউক, এখন প্রজা ও জ্বমীদারে যে
সম্বন্ধ আছে, ভাষাতে জ্বমীদার অভ্যা
চার করিব মনে করিলে প্রজা কোন

क्रांसरे श्रीत्रजान शाहेटक शास्त्र मा क्षांशी वटमावखर के अव्याहादवव दाव রুদ্ধ করিবার একমাত্র উপায়। প্রস্লাকে বিদ্যা শিখাইবার নিমিত্ত স্বিশেষ (हकें। आत्र इ रहेशाह्य ; किसु यक हिकें। वडा इंडे १, यावर डाहा निश्रात अमनाज मक्ल कहा ना इहेरव, छाहाहा ट्यान जारम मिकाकार्या मतारवाकी इहेरव না। দেই সচ্ছল করিবার উপায় তাহা-দিগের সহিত চিরস্থায়ী বন্দোবস্ত अथन ठाइर, निर्मात रम्त्राभ व्यवश्रा, उर्रहाट ভাহাদিগের শিক্ষার উপযোগী সমুদায় ष्ट्रेशकहरुवत यक्ति मश्राबाखन कहिया रहेखा क्ष, ज्यांनि जाक्षांभिटशत भिकाकाट्या অভুবাগী হইবার সম্ভাবনা নাই ৷ তাহারা ্রখন অনু বস্ত্রের নিমিত্ত সভত ব্যাকুল। ·৭ ভারতার ভাষারা যে কেন্তের কার্যো ভাগ কোন ক্রমেই সম্ভাবিত নহে। कानार्कन ও कीरिकात पर्कन व छेड रवत मर्था कीविकार्कातत्र क्षथांना रक ना श्रीकात कतिर्दन १

व अवस्था क्रयक्तिरभव निकार्श ব্লিদ্যালয় করিলে ভাষা বিভ্রনাস্ত্রপ " क्हेंर्त। क्रवक्तिरगत (कान **डे**शकात व्हेटव ना, वाटकत मट्सा क्तमः धट्हत গুম ধান পজিয়া যাইবে; ভাছাতে বে (बान शक्कत हडे हे, क्र शक्कत श्रीकृत क्रेटर अहे माजा। शीएन क्रिया । एवं अर्थ সংগৃহীত হইবে, তাহা কয়েক জন ডেপুটা ইনস্পেঠার ও অর্দান্দিত গুরু मधानदात छेन्द्रमार इहेटव मटलक नाहे। কিন্তু যদি প্রজাদিগের সহিত চিরস্থায়ী বন্দোৰস্ত করিয়া ভালাদিগকে সৃচ্ছল कतिहा कुला गांस, क अनिद्धत आनका थादक ना। ज्यन डाहाता (श्रव्हा ? त्रव **स्वेश। विकाशिता श्रमम कतिरव, कारम धारामिटशत** विकास्त्रतां विकास स्ट्रिक क्रान चात्र मुक्नावध कत्र अहन अनानी

করিয়ার প্রয়োজন হইবে না; তথন বর্জনান সাহাযালানপ্রশালীই তাহাদিপের
ইউকলোধারিনী হইবে। আমরা কেবল
অসুনানের উপরে নির্তির করিয়া এই
বাকা কহিতেছি না।

বর্তমান দাহায্যদান প্রণালী হইতেই
ইহার প্রমাণ হইতেছে। দিন দিন লোকে
যত বিদার মর্মজ্ঞ হইতেছেন, ততই
অধিক ব্যয়দান স্বীকার করিয়াও আপন
আপন দন্তানদিগকে বিদ্যালয়ে প্রবেশিত করিতেছেন। ১৮৫৪ অন্দে লোকে
যেখানে চারি আনা দিয়া দন্তানকে
পড়াইতে কাতর হইতেন, এখন দেখানে
অমানবদনে এক টাকা দিতেছেন। বদি
এরপ হইল, ক্রকদিগের সহিত ছায়ী
বন্দোৰস্ত করিয়া অত্যে ভাহাদিগকে
দক্ষল করিয়া তুলাই কর্তব্য।

প্রতিছয় বৎসর কাল ক্রমিক এই
সোমপ্রকাশে এই বন্দোবস্তের প্রস্তাব

হইয়া আনিতেছে; কিন্তু আমরা আজি
কালি দেখিতেছি, অনেকেরই ইহার
আবশ্যকতা হালয়ক্ষম হইয়াছে। আয়ার
লভের প্রসক্ষেইংলপ্তেও ইহার আন্দো
লন আরম্ভ হইয়াছে। মথন অধিকাংশ
লোকে ইহার পক্ষপাতী হইলেন, তখন
এটা যে অবশ্যকর্ত্তর কর্ম, সে বিষয়ে
অণুমাত্র সংশ্র নাই। ইহার প্রতি যে
কেহ কেহ আপতি করিভেছেন, ভদ্বারাও
প্রমাণ হইভেছে, এটা অগ্রাহ্য বিষয়
নর।

সম্প্রতি ইহার প্রতি ত্রটা আপতি উপাপিত হইয়াছে। প্রথম, এখন বাল্লালা দেশের জমীদারদিলের সহিত প্রবর্ণমেন্টের যে চিরস্থায়ী বন্দোবস্ত আছে, তাহাতে জমীদারেরা নির্দিষ্ট পরিমাণে গবর্ণমেন্টকে থাজনা দিয়া থাকেন, লাভ ও ক্ষতির ভাগী তাঁহারাই হন। যদি প্রজার সহিত স্থায়ী বন্দোবস্ত হয়, আর কোন স্থান ভ্রা স্থাই বা নদীর

उन्त्रमश्रा अवश्रावान् नात्रामा निक्षित्र इहेत्रा उद्धात्रणिक्ति । अव्यक्षित्राच्यात्र व्यादाना हत्र, जाहा हहेत्त अहात्र वाव्यक्ष किन्ना नः शृहीक हहेत्त ? विक्रीत, य य चात्म वाय, वाल ७ भूलश्रक्षि कत्रा व्यादणाक हहेत्व, जाहात्रहे वा कि जेनात्र हहेत्व ?

এ আপত্তির উত্তর এই, আমরা কুষ कमिट्रात महिक हाती वत्यावरकात व প্রদক্ষ করিতেছি, জমীদারদিপকে পরি-ভাগে করিয়া ভাহা করি নাই। জাঁহারা মধ্য ছলে থাকিবেন। তাঁহাদিগ্ৰহে পরি তাাগ করিয়া প্রজার সহিত ছায়ী বন্দো वस इदेवात छेलात्र नारे। खारा इदेरल व्यनाम् व्यक्तानात अध्यन्तिर्वेत चक्र ह धा छिळाचन कता इरेटन। समीमाती विकाशिष्ठांत्रा वस्ट्यांच्य स्टेबाट्य। এখন তাহ। ফিরিয়া লইতে গেলে গবর্ণ মেন্টকে ক্ষাত্ৰপ্ত হইতেও হইবে। অত এव कभीमादतना यमि भशा कटन त्रहितनन, এখন খাল পুলপ্রভৃতি যে নিয়মে চলি ভেছে, ভথনও দেই নিয়মে চলিবে, सभीमादत्रहाँ छाडा कतिद्वन। यथादन বাঁধপ্রভৃতি করা আবশ্যক, অগ্রেই প্রায় তাহা আনিতে পারা যায়; প্রজার সহিত বন্দোবস্তকালে অসুমানে তাহার কিছু बाग्न भतिया लहेरल हिल्ह निर्देश । আর যেওলি আগন্তক হইবে, ভাষার বায় সমাধানার্থ প্রজার দিক্ট ছইতে किছू किছू हाँमा महेटन हनिट्य। त्य कृति नशीनर्छन्छ अथवा वालुकात्राणियात्रा পরিপুরিত হইবে, দে ক্ষতি পর্বনেন্ট क्टे महा कडिएक हहेर्द। स्थमन अक् फ्टांटन अवर्गरमञ्जे क्या छिन्ना इंहरवन তেমন জন্য স্থানে চর পড়িয়া প্রণুমে ब्लैंड नाफ इरेट्र । क्रनडः क्रिंड ७ नाड পুरिया याहेटव : वतर दकान कान चाटन माज्ये अधिक स्टेटव। शत्रभवात ज्ञामत পরিষাণ ও গবর্ণমেকে বের করের নির্ পৰ আছে। যে অমীদারীর যত জুমি নউ 
হইবে, হারাসুসারে কর ছির করিয়া
তাহা হইতে অব্যাহতি দেওরা কঠিন কর্ম
হইবে না। প্রজার ইউসাধনার্থ এই
অপ্পানাত্র কট স্বীকার কর্তব্য।

# ভারতবর্ষের ভাবী গবর্ণর জেনবল।

আমাদিপের বর্তমান গ্রণ্র জেনরল সর্জন লরেন্স পদত্যাগ করিলে লাড মের ভংগদে প্রতিন্তিত হইবেন ছির इरेग़ार्ट । अमिटक हेल्ला अत्र अ अवीमकात्र অনেক ইংরাজী সমাচারপত্রসম্পাদক এ নিয়োগে অনম্মেষ প্রকাশ করিছে-ह्न। धरे छक्नजत श्रीज्याम मर्मन করিয়া আমাদিগের কি প্রকার সিদ্ধান্ত করা ন্যায়াসুণত হয় ? আমরা কি এক कन व्याताः माननकर्त्ताः व्यक्षीनक इट्रा विश्व माधात निमध स्ट्रेंट अथवा এक क्षत छे पयुक्त भागतक खाँत भागत पूर्व অসুভব করিতে চলিলাম ? বদি লাড कानि (७३ मुकेश्व पर्मन कतिशा निश्वाय করা যায়, লাড নের ভারতবর্ষের যোগ্য भागनकर्छ। वित्रा श्राष्ट्रीयमान इहेरवन मत्मह नारे। अधानकात अक्थानि हैः त्राची भाज बहे कथा विलय्ना लोखरमस्त्रत প্রতি অনুষ্ঠের প্রকাশ করা হইয়াছে रव जिनि পরিশ্রমী লোক বটেন : किन्न ভাঁহার মূতন রাজনীতি উদ্ভাবন করি-वात कमका नाहे; काहारक खिन्द मरक টারির আজ্ঞাবহ থাকিয়া কাল করিতে হইবে, তিনি স্বাধীনর্ভি হইয়া কেংন কাল করিতে পারিবেন না।

একণে ইংলণ্ডের সহিত ভারতবর্ষের বেপ্রকার সমন্ধ ও টেলিপ্রাফ প্রভ্ তির মারা নৈকটা হইয়াছে, ভালতে আর ভারতবর্ষের নিমিত্ত স্বাধীনরতি প্রবর্গর জেনরলের প্রয়োজন নাই। ইং লণ্ড স্বর্গই দিন দিন স্থামাদিগের শুভা ভঙ চিডাদীন হইতেছেন। কেটনেকে

টারি এখন তর তর করিয়া ভারতবর্ষের

সকল বিষয় দেখিতে আরম্ভ করিয়াছেন।

এ অবছার স্বাধীনরাত প্রধার জেনরলের স্বপুমার আবশাক্তা দেখা যাই
ভেছেনা। স্বাধীনরতি প্রধার জেন
রল যেন ভারতবর্ষে আর কখন না আই
সেন। তিনি ভারতবর্ষের যে হিত করিয়া
গিয়াছেন, ভারতবর্ষ আজিও তাহার

ধাকা সামলাইতে পারেন নাই।

লাড মের ভারতবর্ষিত ভাবতববৃদ্ধ ইউরোপীয় উভয়ের ভেদ না করিয়া
তুল্যরূপে উভয়ের শাসন ও পালনকার্য্য
সম্পন্ন করিবেন, এই আশঙ্কা করিয়া ইং
রাজী সুমাচারপত্রসম্পাদকেরা কি
তাঁহাকে অযোগ্য বলিয়া নির্দেশ করি
তেছেন গুলাড 'ভেলহাউনি যে রূপ করিয়া
ছিলেন, যিনি সেইরূপ ভারতবর্ষের
অনিই করিয়া ইংলও ও ইংরাজ রাজ
পুরুষদিগের ইউসাধন করিতে পারেন,
তিনিই দি যোগ্য ব্যক্তি গু

ইংলভের সহিত দিন দিন ভারতব-र्षत्र (यथकात मक्का हरेटज्रह, जिल यत्र विद्वास्त्र क्रिक्त क्रांत्र क्रांत्र স্বতন্ত্র গবর্ণর জেনরল নিয়োগ আবশ্যক विनिशा विजीशमान इश ना। वाषाई ७ मालाटक बक बक कन श्रवंत आहम । বান্ধালাদেশ ও উত্তর পশ্চিমাঞ্চলে লেপ্ট নান্ট গৰণ্য উপাধি বহিত হইয়া এক এক জন গবর্ণর নিয়ে। জিত হউন। ঐ উच्च प्रत्मंत्र मीमात পরিবর্ত্ত ও বৃদ্ধি করিয়া অধোধ্যাপ্রভৃতিকে উহার অন্ত র্গত করা হউক। নুতন গ্রুপ্রদিগকে কতকণ্ডলি বিষয়ে স্বাধীনতা প্রদান করা रुकेक। छाँराता धक कारल माकार मयस्य एकेटिमरक्ति होतित निकर्षे खक्रजत विषयमकटलत तिट्यां कतिद्वनं। १ के हे (मर्क्किवित क्लिन मछ। चारह, मछ।

मिर्गित अक अक करनत उंगरत अक अक वियत पर्मानत ७ अक्रजत विययत क्रिकि कतिया भीभाष्मा कतियोत नियम पाकिए मदत ७ च्यमतक्राण कार्यामण्योतन हरेए। मरस्त्र नाहे।

ভারতবর্ষে স্বতন্ত্র গবর্ণর জেনরল নিয়োগপ্রথা রহিত হইলে কেবল থে, বায়নংক্তেপরপ লাভ হইবে এরপে নয়, নময় নংক্তেশরপ আর একটা মহালাভ হইবে। এখন ফেটসেক্তেটারির নিকটে কোন বিবয় প্রেরণ করিতে হইলে গবণর জেনরলের হস্ত দিয়া পাঠাইতে হয়, ভাহাতে অনেক সময়াতিপাত হইয়া থাকে।

বহুদূরবর্তী ইংলও হইতে ভারত-বর্ষের শাসনকার্যা স্পান্ন হত্যা সভা বিভ নয়, ধৰি কেছ এক্লপ আপত্তি क्टबन, जङ्ख्दा बक्तवा अहे, यमि मात-विविध हरेए वर्षे कार्या मण्येत इत. ইংলভের সহিত আজি কালি ভারতব-र्खिव रिम्नु रिनक्षे भयन इहेगाएए. ভাহাতে ইংলও হইতে শাসনকার্য্য निकाह ना हहेवात विषत्र कि? शुद्ध ইংলপ্তের সহিত ভারতবর্ষেয় বহুদুরতা हिल। अक्रवकांत नाम (हेलिआफ छ জাহাজপ্রভাতির গমনাগমনের স্থাবিধা हिल ना। उथन देः लशु हरेट अनुमिक व्यानाहेश कान कार्या कतिए इहेटन দে কার্যা ধংস হইয়া যাইত, পুভরাং এক জন স্বতন্ত্র গ্রাণর জেনরল নিয়োগ ও ভাঁছাকে সম্বিক স্বাধীনতা প্রদানের व्यावणाकडा इहेशाहिल। शर्यन तम अगू-দায়ের পরিবর্ত ইয়া গিয়াছে. এখন चात (कन ? अधन शुक्तवर श्रशीमछ। প্রদানের ফল কেবল অনিষ্ট। অত্তত্ত্য भवर्गत (कनडरमत यनि एक वेरमरक विश्वत অধীনতা না থাকিত, তাহা হইলে नौलक्टब्रब क्रवक मिशरक ক্ৰীডদাৰ্মী क्रान्त मरहोष्यक्रिश क्लोके आहेन

কবে বিধিবন্ধ হইয়া থাই ছ। স্বাধানরান্ত গবর্ণর জেনরলেরাই ভারতবর্ষের অর্থ কচ্ছেনুর কারণ। উাহারা জকারণে অথবা সামান্য কারণে নান। স্থানে সমরানল প্রজ্ঞানিত করিয়া ভারতবর্ষকে ঋণজালে জড়িত করিয়াছেন। কার্নের যুদ্ধ উহার জনাত্র উদাহরণ।

# ्डोकोमाठी हो के ख खामर (डोकोमाठी हो के ख खामर

আমর৷ প্রস্তাবান্তরে স্থানীয় করের शिक्तिवाद कतिलाम । माक्ति मदस्क कत्र क तिभीश अक्षानित्यत बकान विविधि। কর্মচারীদিগের কর সংগ্রাহক ्रमार्थ (कदल (य व्य ट्रांচार्ड्ड निम्नान इय এরপ নয়, তদানে অনেকের সামর্থও नाई। छोक्सिनी छाज्ञदक्र चाकि चामा क्रित्व वादकात अभाग ऋत्त अहन कति लाम। गाँशता (हिक्सिती है। देशत त्यांना शांख बिर्नत कतिशाट्डन, फैल्लामि গের ভ্রমপ্রযুক্ত অনেক অযোগ্য পাত্রও छहात अवनिविधे हहेताए। ব, ক্তির গৃহের কণাট ও গো মেনপ্রভৃতি বিক্রম করিয়। টাক্স আদার করিতে হয় খাদি ভাছার স্থান অপুসন্ধান হয়, ভাছ। इड्डाइ श्रमान हरेंद्र, कड लाक पिट ड অনুমর্থ।

এ টাছে আমরা প্রজার অণুমাত্র
ইঠিও দেখিতে পাই না। যে কিছু অর্থ
সংগৃহীত হয়, প্রায়ই তাল সংগ্রাহক কর্ম
চারীও প্রহরীদিনের বেতনে পর্যাপ্ত
ক্যাযাল কিছু উদ্ভ থাকে, তালারাজ
কোষণত হয়; তালার পুনরারতি হয়
না। যে গে খানে ঢৌকিদানী টাম হই
লাছে, আর যেখানে হর নাই, উভয়ের
অবস্থাত কিথিনাত্র বৈলক্ষণা লক্ষিত
হয় না। দেশ খালেরই রাস্তা ঘাটপ্রভ্
হির অর্থা তুরা। রক্ষাকার্যাও তুলা
দ্বানে সম্পাদিত ক্ইতেছে। ব্রং স্থানে

ভানে, দোৰতে পাওরা যার, যেখানে চোকিদারী টাক্স নাই, এরূপ প্রামে চোর্যোর প্রাহর্ভাব অপেকাক্ত অংশ।

यथन अभाग इहेल, हाकिसाती छैं।अ প্রভৃতি অপরোক্ষ করের প্রতি প্রকার নিতান্ত বিদ্বেষ, তাহাতে অনেকের অসা मर्था अवर त्यथादन कितिनाती हो अ चारह, আর যেখানে নাই, উভয় আনের অবস্থা সমান, তথন চৌকিদারী টাক্স डेठाहेश (मक्शाहे कर्खवा। छेहा अन्नात श्रमश्रम्द्रलत नाम स्ट्रेस खनर्थक छाहा দিগকে উদ্বেক্তি 🛊 অসুথিত করি তেছে। যদি পুলিষ কর্মচারীর। রাজিতে গ্রামে গ্রামে ভ্রমণ করিয়া চৌকিদরে मिशरक मर्ड्स करतम, कोशामि इंटेल ভাহা গোপন না করিয়া ভাহা লইয়া ধূম ধাম করা ও চে)কিলারের দও করা হয়, এবং এরূপ একটা নিয়ম করা হয়, বিনি নিয়মিতরপে মাদে মাদে চৌকি मारतत विकास ना प्रित्यम, जाइ.इक 🔄 বেভনের ক্রিগুণ বা চতুর্গুণ দও দিতে **इहेर्द, छाड़ा इहेरल आमा क्रोकी**मात দারাই স্থানরতে গ্রাম শাসন হইতে পারে। আমরা দেখিতে পাই, বেখানে অধিকতর কড়াকড় আছে, দে গ্রামের तकाकार्याः चुम्हत्रतर्भ मण्यानिष्ठ इहे তেছে ৷ এখন সচরাচর দেখিতে পাওয়া নায়, গ্রামা লোকদিগের একটা অভূত পুরু গুণ আবিভূতি হইয়াছে। উহার ছারাও রক্ষাকার্যেরে স্বিশেব আন্তর্কুল্য क्क्टिष्ड। भृत्वि औरमत्र मरशा को वानि হইলে গ্রামের লোকে পুলিষের উপদ্রব ভয়ে তাহা গোপন করিতেন এখন আর প্রায় দেরপ করেন না, এখন গ্রামের অধিকাংশ লোকে সাহসী হইয়াছেন এবং এসকল বিষয় য়ত প্রকাশ হয় ততই মঙ্গলের বিষয় ইছা বুঝিতে পারিয়াছেন। ফলভঃ যাব্ গ্রামস্থ লোকদিগের এই

नक्ष खटात्र शृष्ट्यः एरशः द्वार्यक्र त्रमात ভার তাঁহাদিপের হস্তে নাস্ত না হইতে ছে, তাৰৎ मण्पूर्गक्राप अजीके मिश्व इहेवांब ণস্তাব্না নাই। ফলিকাভাই ইহার এমাণ। मिथारन **পুलिस्बत वरमावस्थित सू**गन्छ। ना है, প্রহরী অদংখ্য, ইনস্পেন্টর ও ইন স্পেক্টর জেনেরল প্রভৃতি অবস্থান ও বিরাজ করিতেছেন , কিন্তু হত্যাদি গুরু তর হচ্চিত্রার অনুষ্ঠানকালে উহা ধৃত **१३८७८**ছ ना, পरित्र उहात पञ्चान रहेर उद्धा अठ वर स्वित हहेर उद्ध, को की नाती के किया कि इसी अपने की वार्था। ष्यिक क्रिएंड नातित्वई आरगत ञ्चलब्रज्ञ न तका ह्या ना। उटव कोकिलाती টাক্স वहेशा धक्यां पिश्वरक ज्ञानां श्रञन করিবার আবশ্যকতা কি 🤊

# এনেদীয়নিশের ইংলগুগমনে কি উপকার ইইতেছে ?

वांद् উटमनहस्र वटनहाशासाव वार्ति-फ्रेंत रहेश करत्रक मिन रहेन हेश्ल छ হইতে কলিকাতায় প্রত্যাগমন করিয়া (इन। **चा**रिश कर्यक खन हेश्ला ७ शिशा এদেশে ফিরিয়া আদিয়াছেন। আমরা পুর্বের আশা করিয়াছিলাম, এদেশীয়েরা ইংলতে পথ পাতিত করিলে এদেশের বিশিষ্ট উপকার দর্শিবে ৷ কিন্তু কার্যো हेशत रेवशतीडा लिक्ड इंहेएडाइ । ণ বিনি লক্ষায় যাইতেছেন, ডিনিই রাক্ষদ रहेट उट्टा " याहाता हे एन ७ रहेट उ প্রত্যাগত হইতেছেন, ভাঁহাদিগের আর এ দেশের কোন বিষয় ভাল লাগিতেছে ना। व्यमा कथा कि, इंग्लिएशत व्यक्ष কাংশ পুর্বাপরিনীত পত্নী পরিত্যানেও উन्ना व इडेटल्ड्न। याँशिमित्मत अ एम्ट्यत कान विवश्हें काल लांगिल ना, उंशिक्ति গের হইতে দেশের উপকারপ্রত্যাশা मही हिकांश जननां छ छ हा भार नाम्

নিক্ষন সন্দেহ নাই। তাঁহারা বিলাত
হইতে কেবল আত্মত্তাভিলারী হইবার
ভাষতি শিবিয়া আলিতেছেন। বােয়া
ইয়ের বিলা চপ্রতাগত পারশীর জী
পারতাাগের মকদনার বিভারকর্তা বলিয়া
ছিলেন, পারশীর জী পরিতাগে বলি
ইংলও গননের ফন হয়় তাহা হইলে
এদেশীরেরা বেন তবায়গনন না করেন।
আমরা আরো কছু অধিক বলিতেছি,
এদেশ যদি তাঁহাদিগের ভাল না লাগে
ভাঁহারা যেন আর ইংলতে না যান।

--- 000

প্রাপ্ত।

बजीविम्टिशत रेमस्कि अञ्चल्ला । वागु ।

( গতপ্রকাশিতের পর )

वाशु खिंछ स्यू এवर छत्रम भनार्थ । मर्टना विक्ल खलगर्वा निमन्न थोरक, जामत्री अ সেইक् वायुगांगदा निमध बाहि ! निमांग প্রস্থাস প্রভৃতি জাবন রক্ষণোপবোগী কার্য্য শুলি বায়ুৱারা সন্পাদিত হয়। ফলতঃ বায়ুই कीवनधात्रावत अक माज उलाव । वायुत विश्व कटा जातारे विनर्ध स्टेटड शास्त्र। देश विन খনা কোন বিত গাসের সহিত নিব্রিত হয় কিংবা ইহার স্বাভাবিক অংশের কিছু ব্যাঘাত ঘটে, তাহা হ'ইলে ইহার নির্মানত্ত শুণ বিনষ্ট হইরা বায়। নির্দাল বায়ু শরীরের পকে বেৰূপ উপকারী, দূষিত ৰায়ু সেই ৰূপ व्यथकातीः अकत्व नामा कांत्रल अ स्टब्स् वार् দূৰিত হইরা আসিতেছে। অন্যান্য দূৰিত বাযুর মধ্যে মেলিরিয়াট অধুনা এখানে थ्यभ् न हेन हिनाहि। शूर्व शूर्व श्वाद ইছার নাম ও কতক দোবোলেধ করা হই-রাছিন। অন্য তাহার সংক্ষেপ বিষরণে প্রবুত্ত ए अहा भाग । इंशा महीरहर अरक महानिष्ठ কর। ইহার গুণ মসুষ্য মাত্রেরই অবগত शाका कर्डवा। मिनितियाणि य कि शमार्थ, एर्दात निक्रशनकना चारनक त्रमात्रनिका বিশার্থ পণ্ডিত মেলিরিয়া প্রধান প্রদেশেস্থ জন ৰায়ুকে রাসায়নিক পদ র্থ ও অমুবীক্র

বক্রদারা পূনঃ পূদঃ পরীকা করিয়াছিলেন; क्षि डीशास्त्र (म ८०१) मक्स श्र माहे। वा उविक देश भागारनत कान हे छित्रात्रत পে; চর নহে। ইহার উৎপত্তি বিবরে নামা প্রকার মত দেখিতে পাওরা যার। অনেকেই ৰলেন ইহা সভাৰতঃ ভুগৰ্ভ হইতে মিঃস্ত रमः। भटा बायुत महिल नि क्षा ह स्टेब्रा यात्र উক্তাতে ইহা উপন্ন হয়। শীত কটিবজে हेरा करत्र मा। जनामा जानारभका क्टल নিকটবর্ত্তা স্থানে ইহার প্রবল প্রাত্ত্তাব এরং অনিঠকারিতাগুণ প্রধান কলে লক্ষিত ছয়।কেহ কেহ কহেন, আন্ত্রতা ইহার উৎ পত্তির একটি কারণ। আর্দ্র ও জলপ্লাবিত প্রদেশগুলির মধ্যে মেলিরিয়ার আধিকা দেখিতে পাওয়া যায় কোন কোন স্থবিজ্ঞ চিকিংসক বলিয়াছেন যে, কেবলমাত আর্দ্রতা ও উফতাকে ইহা ক্রমে না মৃত্তিকা জন, তেজ এবং বায়ু এই চারিটি ভূতই ইহার উংপত্তির হেতু। পরস্ত পচা পাশব ৬ উদ্ভিদ্ধ দ্রবা হইতেও ইহা উৎপন্ন হয়। বে দেশ অধিক উষ্ণ ও আর্ত্র তথার অসংখ্য পরিমাণে উদ্ভিক্ষ দ্রব্য জন্মিরা থাকে এবং (महे खबार्शक व शतिमार्ट शिंदि शांक. মেলিরিরাও সেই পরিমাণে অব্দে অনেক পণ্ডিত বলেন, এমন অনেক দেশ আছে বে তথার পাশব ও উদ্ভিক্ত দ্রব্য পচিতেছে না অবচ মেলিরিয়া উৎপন্ন হইয়া থাকে। সেই স্থানের মৃত্তিকার কেমন শোষণশক্তি ও ৩৭ व देश क्लक्षे विक इंडेरन क्रमनि अमूपन क्रम শোষণ করিয়া লয়। পরে সূর্য্যকিরণ খরতর হই | ঐ সকল স্থান বত শুক্ক কি তে থাকে ততই মেলিরিয়া উপিত হয়। ইহা গরল जुः । भार्ष । मानवटक्टब्र भटक विटनेय अभ কারী। নগরস্থ কলুষিত বায়ু বদিও অসাস্থ্য কর ও রোগমূলক কিন্তু ভাহা মেলিরিয়া নহে. মেলিব্লিয়া:ত একষর পালাষর প্রভৃতি ষর উৎ भन्न **रत्र। जार्ज ७ जनशावित्र ज्यानवात्री**तः পর্বদাই মেলিরিয়াঘটিত জর ভোগ করিয়া থাকেন। ভূগ ই,নিঃস্ত উক্ত সংহারক বায়ু অবস্থাডেদে মান্ধ দেহোপরি নানা ক্ষমতা **প্রকাশ করিয়া থাকে। বেখানে ইহা ু**্রুর পরিমাণে উংপদ হয়, তথায় ইহার অহিত

কারিতা গুণ আগু লক্ষিত হয়। কোন কোন ব্দর্শবপোতের নাবিকেরা কোন স্থানের ভূমিতে অবভরণ করিয়া এক রজনী অভি বাহিত করিয়া োতে প্রত্যাগমনের পুর্বেই অরাক্রান্ত হইয়াছিলেন। বথার ইহা অল পরিমাণে উৎপন্ন হয়, তথায় ইহার অশুভ ফল বিলম্বে ফ.লিয়া থাকে। উক্ত বায়ু সেবনের मश्रीर, १क, वर्षा मागार्छ, व्यत्नरकहे खताळाख रहेश शास्त्रमा के नम्दत्रत मृद्धा পীড়াট শরীরের মধ্যে আন্ধুরিত হয়, পবে কোনপ্রকার উত্তেভক করণ পাইলেই পরি বর্দ্ধিত হয়। সর্বা সময়ে মেলিরিয়ার সংগ্র প্রাত্রভাব থাকে না। বে সময় ভানসকল জলমগ্ন থাকে, তথন ইহার তেজের কিছ থৰ্মতা দেখা যায়। পরে ধখন ঐ স্থানগুলি শুরু হইতে থাকে, তখন ইহা সংহারমূর্তি পারণ বরিয়া চারি দিগে বিস্তৃত হয়। মৃত মহাত্মাবিদপ হিবার আপন লিখিত উত্তর প্রদেশের ভাষারভারে তৎ তৎ স্থানের মেলিরিয়ার প্রাছ্ভাবের বিবরণ লিথিবার সমরে লিখিরাছেন বে, " আমি নৈছার বুল ভারদনকে জিজাদা করিলাম মেলিরিয়ার উপান সময়ে বানা হো ফারণ্য পরিত্যাণ করে কি না > তিনি উত্তর করিলেন বানর কি প্রাণ मार्क्ष्य यो विक मश्यादित वर्गवा दिया এং এল মাদের প্রারম্ভে উক্ত স্থান সকল পরিত্যাগ করে। ব্যান্ডেরা পর্বভোপার পলায়ন করে। কালমার ও বনা বরাহসকল ক্রিছ ক্ষেত্রে গমন ক্রিয়া উপদ্রেব করে। ডাকবাহক ও সৈনিক প্রুষ্দিগকে এ অরণ্য দিয়া গমনাগমন করিতে হয়। ওাঁহার। मकत्व धकवाका इहेबा बत्वन के अभरत के প্রাণিখুন্য ভয়ানক স্থানে একটা পক্ষীর রবও শুনিতে পাওয়া যায় না! বর্ষাবালে সর্বাদা বারিবর্ষণ হয় ও আনাশ মেঘাছল थाक । एक वाष्ट्रीतीम वक्त थाक विश्वा ঐ অরণ্য দিয়া কণ্ডিৎ কপ নির্কিল্পে যাতা রাত করা যাইতে পারে। গ্রীত্মকালে ও বর্ষার অবাবহিত পরে অর্থাৎ নে এবং আগষ্ট মানের শেষে ও দেপ্টেমরের ভারতে ইং। অতিশয় ভাষণাকার ধারণ করে: পলায়িত अधिकतन अवस्मित भारत श्रे नत्। ग्रम्म

করে। ঐ মাদের শেষে কাঠুরিয়া ও
াপালকের। সংবধান ইইয়া তথার
গন্দন করে নবেশ্বরের অংজিকের পর মার্চ্চ
নাসপর্যান্ত সেনাগন তাহার ভিতর দিয়
গন্দনাগন্দন করে। স্থানের উফ্চতা ও উচ্চ
ভাভেদে মেলিরিয়াঘটিত অরেও ভিন্ন ভিন্ন
আকার দৃষ্ট হয়। এতন্তিম ই ার কএকটি
বিশেষ গুণ আছে, তাগানিয়ে প্রদর্শিত
হইল।

> ম। ইহা জলোপরি দিয়া এক স্থান হইতে অন্য স্থানে গমন কলিতে পারে না। বোধ হয় জল ইহাকে আকর্ষণ করিয়া লয়।

२ য় । ফুবার্ড ও ছ্র্বল বাক্তির। ইংগ ছারা সহজেই আফ্রান্ত হন।

ত। যে নেশে ইহার বিশেষ প্রান্থভাব, তথাকার লোক অপেক্ষা ভিন্নস্থান বাদী-দিগকে সহসা ভীষণকপে আক্রমণ করে। মেলিিয়া এগান প্রদেশবাসীরা সর্ব্যবাই ঐ বালু দেবন করিয়া থাকেন ব'লয়া উহা তাঁহা দের এক প্রকার সহ্য হইয়া গিয়াছে। অভ্যা সের কেনন নহিনা যে, নেল্ডিরিয়াটী তাঁহা দের বিশেষ অনিপ্র করিতে পারে না।

8 थी। स्वित्याधान ६ एमननकल দিবন অ.পকা রঃনীতে ভীয়ণ আকার ধারণ कदत । ये नकन व्यक्तिस्ति अमातूष्ट श्राटन यम নিশ যালিত হয়, তাহা হইলে স্বর হইবার ৯ম্পুর্নিভাবনা। ইংরে কারণ হয় ত পুরু নিঃসত মেরিভিয়া মকল রজনীতে ঘনীভূত ও সক্ষিত্ৰইয়া পাকে; নিয়া রাজিতে উলা অধিক পরিমাণে উৎপন্ন হয়; অথবা লোকেব भानूत छरवहे बडेक, धरे बादव छलित मरश् कान ना कान बातरण खत र या शक। কেনে জগৰ যানের ২৯৬ জন নাৰিক কোন कि । विविधि द्वा अभान अपन्य । यन कृति । র ছির। তথ্যধ্যে ২৮০ চন দিবসেই জাহাজে এত্যাগমন করে। অবশিষ্ট ১৬ জন তথায় রঃনী অভিবাহিত করে বলিয়া জ্যাক্রান্ত হয়।ভাহারে: মধ্যে ১০ জন মৃত্যু প্রাদে নিপতিত হয়। কিও বাহারা দিবসে প্রত্য,গ মন করে ভাহাদের এক জনও পীড়িত হয় नाई ।

৫ম । ইহা নিঃজ্যালগ্রের। বার্

অপেকা শুক্তা প্রযুক্ত হউক বা পৃথিবীর আকর্ষণ শক্তির শুণেই হউক, অথবা পৃথি বীর নিকটবর্তী বারু সকল শাল্পপরিপুরিত হয় বলিশা ভাহার সহিত মিপ্রিত হয়। বে কোন কারণে হউক ইহা নিম্ন স্থানে থাকে। অনেক মেলিরিয়াপ্রবল প্রদেশস্থ সৈন্য দিগের বাদস্থানের ভালিকায় দেখিতে পাওরা বার বে বেসকল সৈন্য ভূই বা ভিন ভালা গৃহে বাদ করে ভাহাদের ভ পেকা এক তালা গৃহবাদীরা অধিক পীড়িত হয়।

৬ ঠ। ইহা বায়ু ছারা সঞ্চালিত হইয়া
নিকটবর্তী স্বাস্থ্যকর স্থানসকলে গমন
করিয়া ভাহাদিগকে পীড়াজনক করিয়া
তুলে বাদার সন্ধিতে নগরগুলির প্রতি
দৃষ্টি করিলে সহঙেই উপলক্ষি হইতে পারে
যে, যখন বাদার দিক হইতে বায়ু আইসে
তখন নগরবাসীরা পীড়িত হন। যখন
অন্যান্য দিক হইতে বায়ু বহিতে থাকে
তখন নগরগুলি স্বাস্থ্যকর থাকে।

৭ ম। ক্বিজ্ত শাখা প্রশাখা বিশিষ্ঠ বৃহৎ বৃহৎ বৃহ্দসকল ইহাকে আবর্ষণ করিয়া লয় এবং উহা পেই বৃক্ষসমূহে আবদ্ধ থাকে পদি কেহ সেই পাদপসমূহের তল দিয়া গমমাগমন করে , কিখা ভাহাদের তলে নিদ্রা যায় ভাহা হইলে মেলিরিয়া ভাহাকে আ মণ করিয়া খাকে । যাহারা মেলিরিয়া ভাহাকে আ মণ করিয়া খাকে । যাহারা মেলিরিয়া ভাহাকে আ মণ করিয়া খাকে । যাহারা মেলিরিয়া ভাহাকে আ মণ করিয়া খাকে । যাহারা মেলিরিয়া ভাহাকে গল ওকা অন ভিক্র ভাহারা সেই সেই গাছের তল দিয়া গমনাগমন করে; স্ক্তরাং নীজ্ত হয়। গাছওলি এক পক্ষে বেমন অধ্বারক পক্ষান্তরে মেনি উপকারক । ইহা তে গীকে বৃক্ষ গুলিকে অতিক্রম করিয়া স্থান: গুরে যাইতে পারে না।

মেলিরিয়াটি কেবলমাত্র অরোৎপাদক
নহে, ইহা শাবারণের স্বাস্থ্যনাশক। ডাজর
ওয়াটসন সাহেব বলিয়াছেন, বেখানে মেলি
রিয়া অধিক পরিমাণে জন্মে এবং যথার ইছ:
বছকাল ব্যাপিয়া থাকে। তথাকার লোকেরা
মলন ও পাংগুবর্ণ হয়। তাহাদের শারীর
ভার ও এয় হইয়া যায়। অধিকন্ত তাহারা
ধ্রকার হুয়া পড়ে এবং তাহাদিগের
অলবয়ক তনয় তনয়াদিগের আকার প্রকার
দেখিলে বোধ হয় যেন ভাহাদের হয়্য়ের

আ ধকা হইরাছে। যে পরিমাণে ভাষাদের माही दिक वन बीट्यांत्र हान बद्ध कहे भन्नि मात्व मामनिक दुर्विश्वनिश्व निरस्क रहेना आहेरम । পाठकवर्ग धक्रवाङ्ग धदानकात লোক*দি*গের **প্রান্তি দৃষ্টিপাত কল্পন**। ভাঁহার। शूर्वाङ धकात कृत मा अन्त इहेरलाइन कि ना, दिवर इ भारेदन। ध्यादन दिन दिन বেৰুপ মেলিরিয়ার আছুভাব হইতেছে ও অত্র ্য লোকের বেরূপ দৈহিক অবস্থা হইয়া আগিতেছে; বোধ হয় যেন দেশটি শীপ্ৰই लब्र शिख रहेरव। कृषिकार्या ७ हम ६ नामी व्यर्थार क्षम निर्भासनत डेशांत्र हहेता ः नि রিয়া, উৎপত্তির নিবারণ হইতে গারে। বাণিজ্যের ও চিয়ন্থায়ী বন্দোণজ্ঞের কল্যানে এখানে কৃষিকার্য্য এক প্রকার হইয়া থাকে , क्य जन आवानीगछ दिनक्र पाय चार छ। कल अनानीव वर्गना नमस्त्र व निवाहि धवः সদ্য বলিতেছি যে, উহার প্রতি দয়াবান প্রজা वरमन भवनंत्र ७ प्रत्मेत्र लोक मत्नात्याभी হউন, অবশাই **শুভ ফ**ল ফলিবে।

---: • ;---

# विविध भरताम।

७ रे माधिन त्र मवात ।

কাশীরেও ছুর্ভিকের আলক্ষা হট্টাছে। এদিনে রুক্তি আর ধরে না উত্তর পশ্চিমাঞ্চল এখর সুধ্যোভাগে সক্তর্ভ দশ্ধ ২২তেছে।

সম্প্রত জালাহাব দে প্রংল বাড়া। চইয়া বস্তুর বাটী নষ্ট করিয়াছে। গ্রবন্ধেটের ছাপা ধানার ই জন লোক হও হইয়াছে। এই বাড়া। অভি জন্ম স্থানে হই ডি.। ইহা ক্ষুম্ম নদীর জ্যো তেব নায়ে যে দেগে হেইয়াগন্ন হৈ দেই দিনোর বৃদ্ধ ব ব বি ভূমদ ৎ হইয়াছে।

ভূজবল সিংহনামক এক জন হজাপুত ঠ কুর নাল্লাপর গণার নিকট ত্ব ব'দল সিংহ নামক এক রন হ মীনারকে বধ করেবার কার্যে লিপ্ত পা নাতে গবর্গনেই ঘোষণা করিয়াছেন যে ব;জি ভূজবলকে পুত করিবেন, তিনি ৫০০ টাকা নগদ ও কি খং ভূমি নিজের জীবনপর্যন্ত নহার পাইবেন ওঁইনার মৃত্যুর পর ভলীর উত্তরাধিকারীকে নিয়নিত হুবের ভূতীয়াংশ মাত্র দিতে হইবে। রাজপুতনার ঠাকুরদিগকে শাসন করা অভিশার কর্তব্য। মধ্য কালে বার এরা ইউরোপে বেরপ করিভেন, নবাৰ আমালে অংবাধ্যার ভালুকদারদিগের ঘারা যে কার্য্য হুত ভাষা একণে রাজপুতনার হুইতেছে।

• हे जाचित्र मलनवात् ।

অল্লবয়ক তনয় তনরাদিগের আকার প্রেকার বিভাগের আর এক দেখিলে বোধ হয় যেন তাহাদের হয়সেং জন কর্মসাইর হও হইয়াছে। লয়েকা বাস বাষক এক বলিকের নিকট হইতে ৩3 ° টাকা করের এক বলিকের নিকট হইতে ৩3 ° টাকা লও ছাতে ভাহার ভিন বংসর মেল্লাদ ংইরু টো এক আর স্নোনাম চ এক জন ইংরাল কেরানী এই বিচারের সময়ে প্রস্নাপর এক্স, বেপরীক্ত ক্ষরান বন্দী দিয়া হল যে বিচ লগতি অভিশয় অসভোষ প্রকাশ করেন।

আজিম খার সকল সৈন্য গাঁহাকে পরি ভাগি করাতে তিনি প্রায়ন করিছে বাধিভ ইইয়াঠেন। জেলেলাবাদ সিম্নায় আলির হস্তগা হইয়াকে। আবছল রহমন খাঁ রুলীয় সেনাপ ভির নিকটে দুক্ত প্রেরণ করিয়াছেন।

যে ইউরোপীয় আপনাকে লৈওবের ডাক ঘরের এক জন ইনজ্পেক্টর বলিয়া পরিচয় দিয়া অনেককে ঠক ইয়া টাকা লয়, ভাগার কটিন শরিতানের সহিত ক'ট স স মেয়াদ চ্ইয়াছে।

**४ हे जासिन द्**वतात ।

সে'মবার রাত্রিতে বেচুয়ানামক এক জন মালাই কয়েক ব্যক্তিকে এছ ছুরিকা ছারা আঘাত করিয়া পুত হইড়াছে। এক ব্যক্তির মৃত্যু হইয়াছে। মালাই উপ্রত্তাব ভাল করি তেছে। মালাইয়া আফিনের নেলায় মধ্যে মধ্যে অকারণ লোকনিগকে ব্যক্তে। জাবাতে এట কার দৃষ্টান্ত সর্মনা হয়। তথায় এমত লোককে যে সেব্যক্তির ব্যক্তে।

# ৯ ই আগ্রিন রহম্পাত্রার।

চেত অব ই ওয়া বং । ন, বাবু প্রসমকুমার ঠাকু বিব পূত্র বাবু জ্ঞানেন্দ্র মোহন ঠাকুর পিডাও সংলাভ পাইবার নিমিত্ত প্রধ নতম বিচারালাও নাজীশ কবিয়াছেন।

১ - ই জাখিন শুক্রবার।

আগষ্ঠ মাসের শেবে সমুশার ভারতবর্ষে ১০ ১২,৫০,৮১০ টাকার নোট প্রচারিত ছিল। ইহার প্রতিত্বরূপ নগদ ৩,২৮,৭৩ ৩3১ টাক: অমুদ্রিত রৌপ্য ৫৬,৬১,৭১৮ টাকা, ১৪,৭৪. ১৫০ টাকার অমুদ্রিত বর্ধ এবং ৩,২৫,৬৪,৯৫৬ টাকার গ্রাব্যুক্তির কাগজ ছিল।

33 हे व्यक्ति न निवात ।

গত কল্যের গেজেটে সহকারী মাজিটেট প্রজাণর পরীক্ষার সুত্র নির্মাবলী প্রকালত হইরাছে। জামরা আক্ষাদিত হইলাম পূর্বা পেক্ষা স্থান্তর পরীক্ষা হাবে। কিন্তু পরীক্ষক পরিবর্ত্ত করা কর্ত্ত। যাহারা আপনারা দেশীর ভাষা জাবেন না, তাঁহাদিগতে প্রীক্ত করেলে। কান উদ্দেশ্যই সকল চইবে নাঃ

३७ हे जाचिम (मामवातः

্বাঞ্জনার (এওন মেওয়া কলিকাতায় উপনীত ইংছেন।

ভাজর রক্তমজি বাইরামজি একটা দিপাছী রেজিমেটের আগিষ্ঠান্ট সার্জন হইধাছেন। ইংলগু হইতে প্রভ্যাগমন অবধি তিনি আপন দ্বীকৈ তগেগ করাতে পারসী বিবাহের আইন প্রসারে সম্প্রতি উছার জী উছার সহবাসের নমিন্ত নালীল করেন। তাক্তর এই আপতি কবেন, প্রথতঃ তিনি প্রশানভম বিচারালয়ের লাদিম বিভাগের অধীনত্ব নহেন এবং বিতী মুভঃ হাছার স্ত্রী এমন মুখা যে উছোর সহবাস ভাছার পক্ষে কষ্টকর হর। প্রথম আপতিতে নক্ষমা ক্রান্তা ইইয়াছে। বিচারপতি টাকার দ্বিতীয় আপত্তি উপলক্ষে বনিয়াছেন, যদি বিবা হিছা জী ত্যাগ ইংলতে ঘাইবার ফল হয় তবে গ্রায় গ্রমন না করাই কর্ত্বা।

38 हे चाधिन रज्ञतवात्।

২১ এ নেপ্টেবর সিমলাতে এক শিল্পপ্রদর্শন হই সাছে। কড চণ্ডলি শকের চিত্রকর চিত্রকর চিত্রকর চিত্রকর চিত্রকর কি কটনা কছিল। ইহারা সকলেই ইউরোপীয়া বিশপ কটনের বিদ্যালয়ে প্রদর্শন হয়। সর রিচাড টেম্পল এই উপলক্ষে এক বজা, বা করেন এবং গবর্গ জেনর লানিজে প্রদর্শন খুলিয়া, ছলেন।

বেরারে রুক্তি ছণ্ডয়াতে শদ্যের পক্ষে কৰক সুবা হইয়াছে। পঞ্চাবেণ্ড কতক প্রতি হই যুছে। কিন্ত হিসার বিজ্ঞানী কনাধুন্তিতে উৎ সন্ত্রহান বিজ্ঞান লোকে গৃহ ত্যান করিয়া গুল্পাটের দিকে পলায়ন করিতেছে। ময়দানে তুল নাই; এক বড়া জল ছই আনায় বিক্রীড ইতেছে।

कानुन । रहेए । १०९वान चानिवाह, नियात कालि च। ७ उँ शत गर्नात्रान खिण्नि गर्निय १ केत्र महिल महत्व्य एए ग कतियत । बानम कित द्वाहिन। चाभीत अक नियम नत्रपादा विलय्नाहन, अर्डिन गर्नियक काशादक्त विलयत ममस्त्र माह्य कारन ना। ठाँशात्रा वन्यान वर्डेनः किल चिन्य चार्यभाव नियात चालि एव अकथा विल ्यम, एक हा शूर्णके खाना चाल।

) दे हे काश्चिम दूपवात ।

ভোলনিউদ অবগত হুইয়াছেন, ভারতব্যীয় গ্রবংম ট আজা দিয়াছেন, ক্রেমণা উদ্ধির পরি বর্ষে ঘারতীয় জাগালাডে এদেনীয় ভাষা এচ লিভ কর হুইবে। এটা বুল্বি ক্রিয়া

উক্ত পত্র প্রবণ করেয়াছেন, ষ্টেট্দেক্রেটারি আক্রান্থগারে প্রতি প্রেসিডে জিতে এরপ এব এক ডালিকা থাকিবে যে, গকর্মমেন্টের কর্মচারি গণের কোথায় কছ ভূমি আছে ডাহাডে ডাহার ছিসাব থাকিবে। চিছিও কর্ম্মচারিগণ কোবরণে আপন আপন প্রেসিডেজিডে ভূমি রাখি ডে পারিবেন না।

১৬ ই আন্ধিন রহক্পতিবার।
গবর্ণর ভেন: লের অপুবোধাপুদারে স্টেটদে
ক্রেটারি বসদেশ, বোঘাই ও মাস্রাজে জীনন্দান বিদ্যালয় স্থাপন করিবার কারণ পাঁচ বৎসরের নিমিত্ত ১২০০ করিয়া টাকা ব্যয় করিবার আজ্ঞা দিয়াকেন।

১৭ ই আখিন শুক্রবার।

ষ্টে গুজার ই ভিয়াতে টোনসেও সাহের লিখি য়াচেন, সর জন লড়েন্সকে লাভ উপাধি দেওয়া হইবে।

১৮ ই আন্থিন শনিবার।

সীতানা হইতে বিস্তর ওহাবি বিটিশ সীমার পলায়ন করিয়া আসিতেছে। সোয়াতের আখুদদ ও অধ্যের নবাব তাহাদিগকে বিব্রত করিতেছেল। উহাবা ছিল।ভল ০ইলে সীমায় শান্তি বিরাজ মান হইবে সন্দেহ নাই।

२ • ७ व्य'बिन मामवात।

আমির সিয়ার আলী খাঁ ভারতবর্ষীর দূতকে বলিয়াকেন, তিনি ত্রিটাল গ্রেপ্টের গাইত বস্তুত্ব করিতে জনিচ্ছ নহেন। শুনা ধাই ডেছে, গ্রেণ্ড জেনরল নাকি আহ্লাদসহকারে এই প্রস্তাব প্রাস্থ্য কর্মাছেন।

আজমিরে অনার্টিনিব্যন ত্রপ্রত্ত হুত্ত হিন্তু লোক স্থানা ত্রেপ্রায় হুইডে বিজয় লোক স্থানা ত্রেপ্রায়ন করিছেতে:

२১ এ काबिन प्रकृतितात ।

लादश्व क्रिनिक्श लिखिल हैहहैशाह, अक क्षम कृति अक क्षम हेट्रिटाली द्वार निकट दिल्म पाहेल। ये दिल्म श्रीमा किरिक योख्याटल हेट्रेट्यापीय काश्यक श्रीमा कर्य। त्मीकाम्यक्रमा क्षित लाटा नाहे। श्रीमा ये द्वारक्रक ब्रुक किरिक गिया प्रीकृत हम। प्रदल्ख व्यापक कर्षे बहे देन क्षमा प्रक्रियादि। भूनकारम्य ग्री कर्ममन्य १८०० होना क्षाभिन्दिक बहे राक्तिक भूक करशासन।

२२ अ का च्या दूपवाद ।

এরপ জনজাতি। হাইদরাবাদের নিজাম ভারত বর্ণীয় গ্রেপ্টেব যে টাকা ধারিভেন ভাল শোগ দিয়া বেরার প্রভঃপণ করিবার জন্ন বোধ করিয়াছেন।

२० व्यक्ति दश्याः इवात्।

ভারত ব্যীর সেনাগন উত্তর পাশ্চম দীমা পার হইয়া বন্য দগকে আক্রমণ করিয়া প্রাজিত করিয়াছে। বন্যগণ এগণে সন্ধ্রিপ্রার্থনা কবি ভেছে।

২৪ এ আধিন শুক্রবার।

ক্তেমৰ ইভিয়া অনুমান করেন, আগামী বৰ্ষে কলিকাভার পদ্মপ্রধানী সম্পূর্ণ হইবে। ৩০ এ সেপ্টেম্বর পর্যন্ত কলকাভায় ৭১-১৮ । ইইঞ্ছ জল ছইয়াছিল।

# २६ अ जाचित मनिदाद

রাজাদেবনারায়ণ সিংহ, কণুরতলার কালী ও চোল পুরের রাজগণ এবং উত্তর পশিচ মাঞ্চলের অনেক জন্ম লোক একতা হইয়া টাকা চাঁদা করিয়া ভত্রভা প্রধানতম বিচারালয়েব ভূতপূর্ব্ব বিচারপতি এছগুয়াড্য সাহেবকে স্মরণার্থ চিত্র সর্প ৮০০০ হাজার প্রদান করি স্লাছেন। নগদ টাবার অপেক্ষা বিচারপতির স্মরণার্থ সাধারণের হিতকর কোন কাজ কাংলে ভাল হইত।

# --- :0:---

# ইউরোপীয় সমাচার।

শতন ১৬ ই সেপ্টেবর। ২৪ এ নবেম্বর পর্যাপ্ত মহাসভা স্থানিত থাকিবে।

व्याचित्रः नत्रातं (गनाम्टलतं व्यक्तं उ (वल्कि त्रिक्षित्र एकेत (यक्षव (४विल क्ष्णानिय्रम स्वतः) वाथ উপाधि शोहेशास्त्रमः।

পিরু ও ইকুরেডরের ভূমিকদ্পের প্রকৃত সংবাদ টেলিগ্র ফে আর্নিয়াছে।

প্রশীয়ার রাজা সম্প্রতি এক বকু তা করিয়।
-বলিয়াকেন, ইউরোপীয় শাল্তিকলের কোন
আনক্ষ: নাই। তিনি আরও বলিয়াকেন, শাতি
রক্ষা যে ইইবে ভাষার আব এক লক্ষ্য এই
প্রশীয় দৈন্য ও নাবিকলা সুসত্ত্ব রহিয়াকে
বাধিত হইলে ভাষার যুদ্ধ করিতে পরাধ্যুদ্ধ
ইইবে না। প্রতিনিধি মনোনীত করিবার ক্ষমত ক্রির করেবার নিমিত যেসকল বারিষ্টর মকসলে
গিয়াকেন, ভাষারা জীলোকদিগকে এ ক্ষমত।
দিভে অসমত ইইয়াকেন। এই সিদ্ধান্তের বিরুদ্ধে
আপীল কারবার অভুমতি দেওয়া হইয়াকে
দাল্লেনিওকে ভারতবর্ষের ভাষারহার এক প্রতারে
দাল্লেনিওকে ভারতবর্ষের ভাষারহার রাজগানী
করিবার প্রস্থাব করা ইইয়াকে।

১৭ ই গেপ্টেম্বর। মাগনলোর লাড নেপিয়রবৈ এতিনবরাবাসীনিগের অন্ধ ও আবীন তা দেওয়া ১ইয়াছে । ইনা এছন কবিবার সময়ে তিনি বলি য়াছেন এটা উচ্চার নিজের ও সহযোগী যোজা দিগের স্থান চিয়ের অক্সপ এছণ করিলেন উপসংহারে তিনি অন্দেশিক প্রশংসা করিয়া বলিলেন, ধর্মাবারন হওয়াতে খাঁহারা এড সৌভাগ্যশালী হইয়া থাকেন।

গত কলা মুখ্যে জনবৰ হওয়াতে পারিসের সকলে আ শার ১০০ চত হইয়া চলেন ; কিন্তু করাশী গার্গান টেব সপঞ্চ সংবাদপারে লেখা হইয়াছে, প্রশারার বাজার বক্তৃতা শান্তিস্কাক : সমাট নেপলেয়ন একাল ব্যাবিটজে আছেন ।

१८ है (नटिलेबित । धन छन, हेन्न १ काना छात भारते र (खनत्म । कहेंग्रा, उन । काम कात कारक नारत है हेंग्राट्स अक कार्यात जातक न कता हहेंग्राट्स अव विशेषात (याका गटक कार्य कुतकात जिल्हा है। कारक

হালাম, ফ্লেট, ওহল এবং মেজর স্থানলিন। ডের নাম কবা হইয়াছে:

ইটালীয় গ্রথমেন্ট করালী গ্রথমেন্টকেরোম হইতে দৈন্য প্রভ্যানয়ন করিবার অঞ্চল বাধ করিয়াকেন বালয়া যে জনবর হয়, ভাহা কর্ত্ত পক্ষ বালয়ায়েন।

তুর্কিছানে সংখ্যাকারী রাশীর সৈত্র প্রেডিছ। দ্বৈর। সেনাপতি কফমান সেকী পিউরস্বর্গে নাইবার কল্পনা আপাডভঃ ভ্যাগ করিয়াতের।

গুরিএটল ব্যাক্ষের অধ্যক্ষরণ শত করা ১২ট কালাভ দিয়াছেন। নাশনাল ব্যাক্ষের অধ্যক্ষাণ শতক্যা ও টাকা ও এক টাকা পুরস্কার দিয়াছেন।

১৯ এ সেপ্টেরর। কর্বেল উইল্সন পাটেন আরল মেয়ের পরিবর্ত্তে আয়ারল**েওর প্র**ধান নেন্দেটার হইয়াচেন।

গত ক্ল্যু স্থাট নেপ লয়নের সহিত শেপ্যের রাজী ইসাবেলার সাকাৎ হইয়াছে।

২১ এ সেপ্টেরর। স্পোনের বর্তমান রাজ্মবং লেব বিপদ্দ হইয়া কাভিজের দৈন,গাপ ও রণভারিব নাবিকলপ বিদ্যোলী হইয়াছে। ছর্গের দৈন,গাপও বিদ্যোলী ইইয়াছে। লাটোনের ডিউক বিদ্যোহী।দগোর ক্ষম,ক্ষতা করিছে ছেন। লাককল সেনাপতি দেশবহিচ্ছ ভ ইয়া ইলেন, উ হারা প্রাক্ষেন করিয়াছেন। মাড় বিভাগে গাধ্বনে, বিরু প্রক্রের প্রভাবি মনোনীত হইয়াছেন। বার বিভাগেও প্রব্যেত্ন প্রক্রের প্রকর প্রতিনিধি মনোনীত হইয়াছেন। বার বিভাগেও প্রব্যেক্তির প্রকর প্রেক্তর লোক মনোনীত হইয়াছে।

আধারণণ্ডের ধর্মদশ্রেদ মুসং ক্রান্ত কমি সনেব বিপোট প্রকাশিত ছইয়াতে। কমিসং চালেস, কিলাহো, কিলমোর ও মিথের বিদ্ পের পদ উঠাইঃ। অন্য অন্য বিশপের এলাকার বনপের পদ ও আটি বভৌত আর সকল ডনের পদ উঠাইয়া দিবার প্রস্তাব ছইয়াছে ঘেখানে প্রোটেষ্টান্টদিগের সংখ্যা ৪০ জনের কম সেখানে ধর্ম্মায়ক রাখিবার আবশ্যক্ষিতা নাই, এই প্রস্তাব করা ছইয়াছে। সেন্ট্রিন্টর্স বর্মাদে রলীয়ার সহিত বোধারার বুদ্ধ আরম্ভ ছইবে।

২২ এ সেপ্টেম্বর। স্পেন হইতে শেষে হে টেলিগ্রাম আসিয়াছে ওদ্মারা জানা ঘাইতেছে বিদ্রোহীরা সেববিলত ও আগু লু লুমার সমুদ্র অংশ অ ধকার করিয়াছে। সেবাপতি প্রিম মাডরিড আক্রমণার্থ অগ্রসর হইতেছেন। মন্ত্রিগণ পদজ্যাগ করিয়াছেন। সিনোর কঞা কৌলিলের সভাপতি ও প্রধান সেনাগতি হইরাছেন।

প্রশিরার রাজা সম্প্রতি আব এক শান্তি
প্রচক বক্তাত। করিয়াছেন। তাঁথার পূর্বাকার
বক্তাতার ভিরার্থ কেন করা ইইয়াছে তাগা
তিনি বুর্বিডে পারেন না। জ্বালে মোর্বিলিভে
গর মেণ্টের পক্ষের লোক প্রতিনিধি মনোনীত
ক্টয়াছে।

২১ এ সেপ্টবরের এক টেলিএাম নিউইয়র্ক হইতে আসিয়াতে। ইহাতে আনা যাইতেহে, ঐ

াদৰস মহাসভা ৰসিয়া অক্টোৰর প্রাক্ত ভূমিত ইউয়াতে।

২ ০ এ সেপটবর। স্পেন হইতে খেব যে টেলি প্রাম আন্মিরাচে ভাহাতে আনা বাইভেছে, বিলোহ ক্রমশং বাজিয়া উঠিতেছে। ভুত মন্ত্রিগণ ফাজে পলায়ন ফাবিরাছেন। ভাপাজতঃ শাসন করিবার নিমিন্ত প্রতিঃ নাবস্থাপ বয়েক বঃজি নিযুক্ত হইরাছেন। সেনাণাতি এগপাটো সভা পাত হইরাছেন। রাজী ইনেত্রকা সান সিবা ভিনে আছেন।

এরপ জনজ্ঞতি কথাপী গ্রেণ্ডেন্ট ৮০০০০ বৈন,তে আপন আপন গৃছে যাইবার অনুমতি দিবার মানস কর্মাছেন।

ক'তেখন টেক পদত্য'গ করাতে গত রাত্তির গেতেটে দেখা গেল, সর রবটি মন্টগমারি ভারত বধীর কৌগিলের সত্য হইরাছেন। সার্জন লম সত্তেন ও লন আবি সনিয়ার যুদ্ধে ভিলেন বালয়া ভাঁহাদিগাকে উচ্চ পদ দেওয়া ধুইয়াছে।

शङ करनात अक होनिश्चाम निष्ठेहेमुक इन्टेफ व्यामिमारक । इंशास्त काना याहरकरक, कार्किमा श्वरात कमाना इन्.१ ७० क्षम कार्यि इक इन्द्राह्य ।

এবার মিদরে ৪ লক্ষ বস্তা তুলা হইয়াছে। ক্ষুর হইয়াছে।

२८ এ সেপ্টবর। লিডসের লোকের থ অভিনশন পর প্রদান করিয়াছেন ভাহার প্রভা অরদানের ১ময়ে রেবাডি জনসন সাহেব বনি য়াছেন, আমেরিকা ও ইংলগু উভয়ের স্বার্থগড় জ্ঞেন নাই।

শোন হইতে শেষ যে টেলিগ্রাম আ সিরাছে,
চাহতে বিদ্রোহের পরস্পা বিরোধী সংবাদ
শা সরাছে। কিন্তু বিদ্রোহীরা পাই জর লাভ
করিতেছে। ভাগারা বোরবগারীরাজবংশকে দুরী
কৃত করিয়া জাভিসাধারণ প্রভিনিধি লভা
স্থাপন করিবার কথা ক হয়ছে। রাজী ইলে
বলা সান্তিবা টনে আছেন।

২৫ এ দেক্টার। চারল্প মিস্স্পাছের বারণেট হটয়াছেন।

শ্পেন ইইডে শেষ যে টেলিআম আদিয়াছে ভাছাতে আনা যাইডেছে, বিজোহীয়া যুদ্ধ হা লোক জালা আনত আভাবাদিয়া, এন্টি মাড়ুরা, করনা গালিদিয়া ও সালীভার প্রদেশপর্ল অধিকার করিয়াছে। ভাছাদিগের প্রধান দল সেববিলে আছে গভাছাদিগের প্রধান দল সেববিলে আছে গভাছাদিগকে দমন করিবার নিমিক্ত সৈন্য যাই ভেছে।

ঃ৮ এ সেপ্টবর। স্পেন হইতে শেষ বে টেলি রাম আসিয়াছে তাহাতে জানা বাইতেছে করত বার নিকটে সেনাপতি লবলিকসের ও সারঙের গহিত দীপ্র বৃদ্ধ হইবে। সেনাপতি নবালিক স সেনাদলের অঞ্জাগ লইয়া সরাভেব সহত মিলিভ হইয়াছেন। সেনাপতি প্রিম তিনধানি। ক্যাইগেট গইয়া কার্বেজিনা আক্রমণ করিতে ছেন। তত্রত্য দাসনকর্মা আ্লুসমর্পণ করিছে ক্ষাম্মত হইয়াছেন। বৃদ্ধ দীপ্রই হইবে। ব'লেড লিভ এবং পুরাতন ও 'সুতন কার্ফিলের অধি কাংশ লোকে বিজেটি ইইয়াছে। রুদীয় স্মাট প্রদান রাজার সঞ্জি সাক্ষাৎ করিতে গমন করিয়াকেন।

ি ৩১ এ অক্টোবর মাগদালার লাভ নেপিরর বোষাইরে প্রভাগমন করিবেন। মাডাম রাচে লের দোষ সপ্রমাণ হওয়াতে ভাষার পাঁচ বৎসর মেয়াদের আজ্ঞা হইয়াতে।

২৯ এ সেপ্টম্বর। স্পেন হইতে শেষ বে সংবাদ আসিয়াছে ভাষাতে প্রকাশ হইয়াছে, কার্থেজিনা ও প্রাণেডা নগবের লোকেরা বিদ্রোহা ইইয়াছে। রাজকীয় সৈন্যগণ উক্ত স্থান ভাগা কবিয়াছে। বিদ্রোহী দল এক পোষণাধারা আপনাদিগের সন্তব্য প্রহাশ করিয়াছে। ভাষাবা সকলকে প্রভিনিধি মনে নীত করিবার ক্ষমতা, মুদ্রাষ স্বের স্থাধীনতা, ধর্মের ও বাণিজ্যের স্থাধীনভা দিবার অভিলাধী ইইয়াছে। বর্জমান রাজবংশকে দূব করিয়া দেওয়া ভাষাবিগের অভিলেশ্ড।

# গবণ্দেণ্ট বিজ্ঞাপন। বঙ্গদেশীয় লেপ্টন্টগ্ৰন্ত্ৰৰ

# व्यादमभा भूमाती

# निद्याश ।

১৬ই সেপ্টেখন—যত দিন তবলিউ, ওয়ে বেল সাহেব বিদার লইয়া অনুপস্থিত থাকি-বেন তত দিন ই: এল, মোমাল সাহেব বঙ্গাতে দ্বিতীয় শ্রেণিব প্রাত নবি মালেক্টেট ও কালে উব হইবেন :

শ্বার, সি. হামিলটন সাহেধ ( িন সম্প্রতি চাকাবিভাগে ডেপুটী মাজিটেট ও ডেপুট কালেকর কইয়াছেন ) ২৯ এ আগষ্ট বাধরগাঞ্জ কাষভোর এচন কবিয়াছেন।

নিম্নি প্তমুশেদনৰ অধন জেৰিত হইলা ছেন:---

ৰাৰু জয়গোপাল সেম, সাহাৰাদের অভানত বনসায়।

- » देशक्षवहत्रन मात्र ह कार्य !
- 🌯 ७ क श्रमात्र (मन, इस्प्रुट्स ।

(मानवी स्कलरशास्त्रम **इद्विश्यत् अवर्त**क भाककानग्राह्यः

বারু উমাচরণ কাস্তগিরি ত্রিপুরার অস্কর্গত

মৌশবী ংশম হুলা ত্রিপুরার অন্তর্গত বেগ্রু গজে।

वातू टेनक वह जन मान हाकात मूरणक कहेरवन।

বাবু গুরুপ্রসাদ সেন, মালদছের মুজেফ দুইবেন, কিন্তু যন্ত দিন আর এক জন কর্মচারী রঙ্গপুরের প্রতিনিধি মুজেদ্বের কার্যোর ভার না লন তত দিন তিনি ভখার পাকিবেন।

নিম্নিবিত মুক্ষের। বিতীয় জ্লেনিস্থ হইয়াছেন।

মৌলবী গজকর আলী হাজারী বাগের অভ

🔭 করিদবক্ষ গল্পার অক্তর্গত বেহারে:

৯ ডনিজুন্দিন ভাগলপুরের অন্তর্গত তেগভাতে।

ৰ'ৰু চক্ৰপ্ৰসন্ন দত্ত বৰ্জমানের অন্তৰ্গত বাম নাজাতে।

- <sup>ত</sup> কালীচরণ চট্টোপাধ্যায় চট্টগ্রামের জ্বস্তুর্গক দিয়াতে।
- ু হরপ্রসাদ সেন, রঙ্গপুরের অন্তর্গত অলিপুরে।
- ত্ত প্রানচন্দ্র সেন, ময়মন সিংহের অন্ত-গত নিকলিতে:
  - " रविष्ठक मिज वर्षभारमत मुर्कण हहेरवम ।
- " মহেশচন্দ্র রায় কাউখালৈতে তৃতীয় জেনির মুগেফ হইবেন।
- » পার্বতীকুমার রায় হাজারিবারে ভূজীর শ্রেণির মূলেফ হইবেন।

বাবু ত্রৈলোক্যনাথ মিত্র, বি, এল, রাজদা হীর অন্তর্গত বেল মাড়িয়ার মুলেক হইবেন ৷

যত দিন বাবু বাদবচক্র বোধ বিদায় লইয়।
অন্ত্রপন্থিত থাকিবেন, তত দিন তেপুটী মাজি
কৌট ও তেপুটী কালেক্টর রামকুমার বহু তমো
লুক উপাবভাগের ভার পাইয়া মেদিনীপুরে
মাজিক্টেটের ক্ষমতা প্রাপ্ত হইবেন।

যত দিন লেপ্টন ট কর্নেল ই. এ, রাউলাট বিদায় লইয়া অসুশব্যিত থাকিবেন, তত দিন এফ, প্রাণ্ট সাহেব পশ্চিম ছ্য়ারের প্রতিনিধি তেপটি ক্মিসনর হইবেন।

১৮ ই সেপ্টেশ্ব— জে, জি, এন পোগস সাহেব ইংলগুীয় বিইন্মির ১৪ ও ১৫ জন্দের ৪০ আইন ও ভারতবর্ষের ১৮১২ জন্দের ৫ ভাইন জন্মারে চাকায় বিবাহেব রেজিস্টাব হইবেন।

তবলিউ, এচ, ওকলি সাংগ্র দার্জিলিঃ ওব এক জন মিউনিসিপাল ক মসনর ১ইবেন।

নিমুলিখিত ব্যক্তিরা বালেখ্রের বিদ্যাশিক্ষা ১৯ছার সভ্য স্ট্রেন

(तरवरद्रश्च है, ति. वि. होनाम ) वायु (महबक्तनाथ व्यूटः

্জ, ওয়েষ্ঠলাও সাহেব যশেহারর বিদ্যা শিকা সভার সম্পাদক হইবেন।

ষত দিন বাবু ব্সংগ্রহ্ম চট্টোপাধাার বিদার লইরা অনুপঞ্জিত থাকিবেন, তত দেন ব্সিরহাটের ডেপুটী মাজিক্টেট ও ডেপুট কালে ইব বাবু হীরালাল মুখোপাধ্যায় বারুইপুর উপবি ভাগের ভার পাইবেন।

বর্দ্ধনানের মাজিকেট ও ডেপুট কালেটর আর. টি. সিবেইার সাহেব তথায় মাজিটেটর ক্ষমতা পাইবেন!

১৯ এ সেপ্টেম্বর। মেলিবী ইরাদত আলী বীরভুনের অগস্থ জজ ছইবেন। ২৬ এ আগিঞ্টের গেড্রেটে উচিণর বাকুড়ার নিয়োগের বে বিজ্ঞাপন হয় ভাচা এতদ্বারা বহিত হইল।

২৬ এ আগতেট গেভেটে বারু রানতারক বস্তুকে বাধরগঞ্জের অধঃশ্ব জজের পদে নিযুক্ত করিবাব যে বিজ্ঞাপন নেঙ্য়া হ্যু, তাছা রহিত হইল।

बाबू नवकुमात चरन्याभाषाम चतिमारमञ्

(कोंके कामानार जत काम । अ वाध्य गर्भ त काथ । अस्त काथ ।

বংশাইরের প্রতিমিধি অভিরিক্ত কাক্স কি. এম, পার্ক সাহের আপনার কার্যভিন্ন কিছু দিনের জন্য তত্রতা প্রতিমিধি সিবিল ও সে.স রম কাজের কার্যভিনিধি সিবিল

ষত দিন ডাক্ষর এস, এল, শারকোর বিদায় লইয়া অপ্লপন্থিত থাকিবেন, ডত দিন । এর ভে, ফকস ২৪ পরগণার প্রতিনিধি দিবিল আসিষ্টাণ্ট দার্জন চইবেন।

গোয়ালপাড়ার অন্তর্গত ধ্রজিতে সম্প্রতি যে দাতব্য চিকিৎসালয় হইয়াছে, ভাষা চালা ইবার নিমিত্ত নিয়লিখিত ব্যক্তিদিগের এক সভা হইবে।

পোয়ালপাড়ার ডেপুটী কমিস্নর। সিবিল সার্জ্জন।

বাবু প্রভাপচন্দ্রবড়ুয়া রাল্প বাহাছর। ব্রজির মুলেক।

বাবু কার্ত্তিকনারায়ণ চৌধ্রী।

- ্শ কাশীনারায়ণ সিংহ বঁড়ুয়া।
- " अवादगाहन शायामी।
- म शास्त्राकनाथ शास्त्रामी।

ধুর জ্ব অভিবিক্ত সহকারী কমিসনর উক্ত স্কার-সম্পাদক হইবেন।

২১ এ সেপ্টেরব। যত দিন ডবলিউ, এচ, ডি, অইলি সাহেব বিলায় কইরা অনুপত্মিত থাকিবেন, ডভ দিন ডবলিউ, ই, ওয়াড সাহেব এম, এ, ভাগলপুরের প্রতিনিধি মাজিটেট ও কালেকীর হইবেন।

ভেপুটা মাজিটেট ও ভেপুটা কালেটঃ
থোলথী গোলাম হোসেন (খালাকে চাকা
বিভাগে বৰজী করা হয়) মধ্যমন্দিংত অব ডিড করিবেন:

या कि ब. हाटी भारत्य विनास नहेश।
अञ्चलक्षा था किरनन, कड़ जिन कालिमी शुरत्य
महकारी मा किरकेंट ए कारणकेंद्र अक. क्ष्य,
कि कार्यक मार्टिय की थ छिल्यिकार्यन काल्य
गाहेश (मानिनी शुरुत मास्किरकेंडे एक एड्यू कि कार्य
केरात कमार्डा भाईरनन।

२२ अ (गटण्डेनदः अह, क्षार्क मार्ट्स्य स्थानस जिल्हान विकास निकास अन्तर मण्लाकि स्टेटनसः

य छ जिन अठ, नि, नि, नि, नि, तिवान मार्ड्य विकास सहस्र कल्ला इन्ह जाकिरवन, उक्त जिन एक, वक्त शरहण मार्ड्य जुनीत श्राक्तिथि माक्ति (सँगे छ कारल होत्र अव र जनकृत्व करेत्व भारत महकाती स्नावित हेर छ के हहेरवन। किन विश्व (सावित श्राक्ति श्राक्ति है कारन हेर वहेरवन।

ভূতীর ত্রেনিক সব আসিষ্টান্ট সাক্ষন নবীন চক্ত গুলু পালমাউ সদর মহকুমায় দেওয়ানী চিকিৎসার ভার পাইবেন।

যত দিন এফ. টি, প্লাটদ নাছেব বিদাৰ্থ লইয়া অঞ্পত্তিত থাকিবেন, তত দিন ভে মাষ্ট্ৰাস সাহেব চাকার প্রতিনিধি পুলিয় ক্লাল টেক্তণ্ট ইইবেন।

২৮ এ সেপ্টেম্বর। এল, প্রেবদ স্থাতের ২০ প্রগণার প্রভিনিধি সহকারী পুলির স্থাপন্তিতে ও ট ছইবেন।

২৯ এ সেপ্টেম্বর। কটকের করদমহলের প্রপারিন্টেগুন্ট আপাততঃ যে ক্ষমতা প্রাপ্ত এইরাছেন, ভর্তির উক্ত মহলসমূহে মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন।

আমাদিগের এলাহাবাদক গংবাদ দাতা লিখিয়াছেন:—

মহালয়। গত ২৬এ আগষ্ট এলাহাবাদ গব ৰ্মেন্টস্কুলের ছাত্রগণকে পারিভোষিক বিভ রণ কর। হইয়াছে। ২৬২ জনের মণে ৬০ জন ছাত্র পারিভোষিক প্রাপ্ত ছইয়াছে।

অত্যন্ত আক্লানিত হইয়া প্রকাশ করিতেছি, বে গত ১২ ই সেপ্টেম্বর শনিবার রাজিতে গগন মণ্ডল মেঘাক্ষম হইয়া রবিবার অবধি এখানে রৃষ্টি হইতে আরম্ভ হইয়াছে। সোমবার প্রাহঃ কাল অবধি রাজি প্রায় ১১ ঘটিকা পর্যান্ত এক্লপ রৃষ্টি হইরাছে যে বড় বড় পুক্ষরিনী, নালঃ ডোবা প্রভৃতি সমুদ্য় ভাসিয়া গিয়াছে। অলের অভাবে যে সকল শস্য শুক্ষপ্রায় হইয়াছিল, ভাহা দের আর হানিসভাবনা নাই এবং রবিশসেনে আবাদ আবন্ত হইয়াছে। সম্প্রভি সমুদায় দ্রবা ভাকায় ছই ভিন দের শস্তা হইয়াছে।

বৃষ্টি ছওয়াতে দেশের সম্পূর্ণ উপকার হই বাছে, সম্পেহ নাই। কিন্তু ইহাছারা এথানে যে কিছু অনিষ্ট ঘটিয়াহে ভাহা দেখিয়া বড় ছঃখিত হইলাম। গত সোমবার বেলা প্রায় তুই প্রহরেই সময় বৃষ্টির স্কে সঙ্গে গঙ্গার নিকট হইতে হঠাই একটি প্রবল বাড়া। উবিত হইলা অনেক বড় কড়ে বক্ষ ও গুহাদি একে বারে ভুতলশারী করিল্লা দিয়াছে। এখানকার গ্রহ্মিন ভাগা খানা বাটাটি পড়িয়া যাওয়াতে ছই বাজি চাপা পড়ে। ভাহার মধ্যে এক বাজি একেবারে জীবন হারাইরাতে ছিডীয় ব্যক্তি মৃত প্রায় হইরা ভাগাভালে আছে।

গত সোমবারের বৃষ্টিতে এখানকার আতর স্থাইয়া বসজির নিকটে একটি পুক্রিণীর নিকট একটি পুক্রিণীর নিকট একটি দহ পড়িরাছে। ইহা ম্যুন্যাধিক অর্জ নাইল দীঘ ২০২৫ হস্ত পরিনালে প্রশস্ত এবং ৭৮৮ হস্ত গভীর। আশ্চর্যের বিষয় এই যে, এখানে কোন জলনিকালী রাস্তা ছিল না। উচ্চ তর পগার ভোলা আবাদি জনী ছিল। কেবল বৃষ্টির জলের প্রেড কি প্রকারে এত নাটি স্থানাস্তরিত ক্রিল বলিতে পারি না।

একটা মুবর্ণমেন্ট বিদ্যালয় হইবার প্রার্থনায় আমাদিগের প্রতিনিধি কালেন্টর মাজিটেট শ্রীযুক্ত কেবল সাহেবের নিকট আবেদন করিয়া ছিলেন। ইতিমধ্যে উাহার (কেবল সাহেবের) নিকট কর্তুপক্ষ '' ব্রীহটের পূর্বের গবর্ণমেন্টকু দাউ টিয়া যাইবার কারণ কি? প্রীহটবাদীরা ওখার গবর্ণমেন্ট ক্ষুল সংস্থাপনের উদ্যোগে আছেন কি না? এবং ভ্যায় ক্ষ ল স্থাপনের উপযোগী ভাল শ্বহ আছে কি না? এই ভিন বিষয় জানিয়া রিপোট করিবার আদেশ করিয়াছেন। এই কারণে দে দিন কেবল সাহেব এক সভা করিয়া ছিলেন। সভায় দ্বিৰ হইরাছে, আপাডভঃ স্থানীয় চাঁদা দ্বারা একটা গৃহ নিন্মিত হইবে। ভক্তন্য এপর্য্য ৭০০ অপেক্ষা অধিক টাকা আফরিত হইরাছে।

ক**এক দিন আজতা বৃষ্টি চওয়াতে অকশ্মা**ৎ জল বৃদ্ধি হইয়া গিয়াছে।

-:::-

আমাদিগের গাজিপুরস্থ সংবাদ দাতা লিখিয়াছেন।

প্রায় দেড় মাস কাল বৃদ্দি না হওয়াতে এখানে ভয়ানক এীম বোধ হইভেছে, ভল্লিবন্ধন পুনরায় ওলাউঠার বিশক্ষণ প্রাপ্তভাব হইট্লাছে। গভ সপ্তাহে ৩০ জন লোক উক্ত রোগাক্রান্ত हत, खन्नार्था ১८ व्यन क्रेन्ट्रातत क्रुशाच्च व्यारताना লাভ করে অবশিষ্ঠ হডভাগোরা অচিকিৎসায় প্রাণভাগে করিয়াছে। এখনও পীর নগরে (যে অংশে ইউরোপীয়দিগের বাস) প্রতি দিন ছই ভিন্টীর প্রতি ওলাউঠার প্রকোপ पृष्टे ६६८७८६। प्रिचिएकि, अ भर्षाच्य मिवातर्गव কোন উপায় অবলখিত হয় নাই, হইবেই বা কি প্রকারে? পাঁচ ছয় বংসর পুর্বের এখানে এক हल इक्टितालीय रेमना हिल। उपन अधानकात গ্রবর্ণমেন্টের দাভবা চিকিৎসালয়ের কার্য্য ও रेमन। मिरभव हिकिएमा এक खन विहक्तन मव আসিষ্টাণ্ট সৰ্জনম্বারা নির্মাহিত হইত। কিন্ত विद्य कात्ववण्डः देवनाग्रद्य चाउ छ। এবান হইতে স্থানাম্ভরিত হয় এবং তৎস্কে मह्म मव च्यामिष्टा निकास मत पे किया গিয়া তৎস্থানে এক জন নেটিব ডাক্তর নিযুক্ত হন। এক্ষণে ইনিই সব আসিষ্টান্ট সর্জ্জনের বেশ ধারণ কয়িয়াছেন, প্রতিবারে সব আসিষ্টাল্ট गार्कातर नाय पर्मनी मा शाहरन जिमि शाय কাহার বাটীতে পদার্পণ করেন নাল ক্লডকাং डांगत बाता नंकनश्रकातः (मारकत किक्ट्नाः মালে গাজিপুরের নিকটবর্তী গ্রাই নামক প্রামে

যথন ভ্যানক ওলাউঠা আর্ম্ম হয়, তথন ইনি
(নেটব ডাক্তর) ভখ য় চিকিৎসার্থ প্রেরিভ

হল এবং এখানে ইং ার কর্ম এক জন কম্পাউভার করেন। তথারা যে ঘোরতর অনিষ্ঠ সংঘটন হইয়াচিল, ভাহা আমরা ঘচকে প্রভাক
করিয়াছি। যাহা হটক, এক্সনে আমাদের সদয়
গবর্গমেন্টের নিকট প্রার্থনা যে সব আসিষ্ঠান্ট
সক্তনের পদ পুনঃ স্থাপিত করিয়া গাজিপুরের
একটা প্রধান অভাব পুরণ করেন।

১৫ ই সেপ্টেম্র

१ १ १ १

-----

আমাদিগের কালনান্থ সংবাদনাতা লিখিয়াছেন।

अधानकात (यमकन मश्याप (मामश्रकारम लिया इरेब्रा थाएक, फाहात मर्गा अधिकालन স্থাদ্ট অন্যতর রাজপুরুষদিগের দুকিপথে পভিত হয় এবং ভাগার বিশেষ অসুস্ফান कतिएक प्रभा यात्र। किছ पिन इड्ल शास्त्र शा हहेएक कानाना भर्याच्या स्वाचानी हहेन्नाएक, छेल যুক্ত স্থানে অর্থাৎ কালনার উত্তর দিকে জীবধা রার মাঠে একটা সাঁকো করা নিডাপ্ত আব শ্যক প্রভিপন্ন করিয়া সোমপ্রকাশে যে লেখা हत्र, देक अभर्याच्य च छाहात्र कान श्रकीकात हरेल म। वर्षमात्मत अकिसिक छैछिव रेक्षिमियुव मारहर किन देशांख मानार्याती इद्देखाइन না, তাহা আমরা বুঝিতে পারি না। শানবাদি পুক্রিণীর পশ্চিম দিকে, সাঁকোনা থাকার कार्वित वरमात कनामहान एकम् क्रम काहा शूर्का (मथा इवेब्रारक), खावाव खिन्नकि उ वह नकन बार्छत मण्युर्व किछ इहेग्रा পাকে। অলে মাঠ সকল পারপূর্ণ হইলে ভল নির্গমনের হ্রবিধা না পাকায় শস্পেকল প্রিয়া উঠে। এই বৰ্ত্তমান বৎসরে অভিবৃষ্টিনিবন্ধন জীবধারার সর্বমঙ্গলাঞ্জ ভূতি গ্রাম ও মাঠসকল शाविक इहेग्रा याय, अन निर्शासत छेलात ना थाकाव अ नकल कृ'त्वत विट्लंब क्वि इहेब्राइड । যদি শানবাধের পশ্চিমে একটা সাঁকে৷ থাকিড তাহা হইলে ঐ মাঠদকলের একতি হইত না। धी शास्त्र लाकमकल अत्नक (हरें। क्रियाहिन, किन्द्र भवर्षरम् लेव वान्त्रा कि कारिया जन बाहित করিতে পারে ১ যাহা ২উক, গভ কর্মের আর অনুতাপ করিবার প্রয়োজন নাই ৷ এখন আমরা ্র অবগত হইলাম যে প্রলিকওয়ার্কের সুপর ভাইজার জীবুক্ত বাবু অমৃত্তনাল মুখোপাধ্যায়

মহালয়ের উপর এ রাজা মেরামত করিবার ভার ইইয়াছে। অমৃত ব'বু যেরূপ ভার, কার্যা কুশল ও পরিশ্রমী ভাষা অনেকেই অবগত আছেন। ইনি নিজ সাগুভার ও অধ্যুষসায় গুলি ক্রামে এত ছুব উন্নত ইইয়াছেন, আমরা ভারসা করি ইনি এই সাকোর বিষয়ে বিশেষ মনোযোগী হইবেন। ইহার ক্ষন্য সমূহ লোকের অনিই হ তেছে।

श्राप्त अक वर्त्रदेव कि विक इडेटव अर्थात একটা প্রাহ্মসমাজ স্থাপিত চইয়াছে। সমাজটীর স্থাগ্নিত্বের বিষয়ে সালিকান ক্ইয়া এ পর্ব্যস্ত श्वाबता हेशाएँ वाक (वाय कति मार्डे : अकरन ইচার ভাষিত্রের পক্ষে অনেক ভরুষা হইয়াছে। বালবাদীব পূর্ণতন স্থপ রিন্টেগুল্ট বাবু শশি ভ্ৰৰ লাহিভিব যথে সমাজনী পাপিত হয়। বৰ্জ মানাধিপতি মহাবাজ মহাভাবচন্দ্র বাহাছর ইহার সমস্ত্র ্রায় দিতে স্বীকার কবিয়াছেন> কৈন্ত্ৰ এখনও ভাষা কাৰ্ষে। পবিগত ষ্যু নাই। সভাগণ অবেক চেষ্টা ও যদ কবিয়া সমাঞ্চী कतियार्कमः जल्लान हाँका अर ग्रह कविशा अक्षी श्र कहिवांत छिएमाएम আছেন। যদিও সভাও ছু- কৈড বাছি मार्ट्यात्रहे हेकारण यह कता कर्हता, । ख च्यास्कर् फारा नारे। (यर वटनन, मभारकत व्यवका कार्य फु:ल इक्रेक, दिवह व(ज्ञान हेहाटा काल लाक নাই: ভাবিয়া দেখিলৈ এ আপান্ত অকি গুৎকত ম,ত্র। ধর্মাণংক্রান্ত বিষয়ে অভিমান থাকিলে किछ्डे क्डेर्र ना। উচ্চপদ স कि, व्यात व्यानाती वालिजा कि, जेवर शक्ति मुक्ता कार्ड. ডিনিই ভাল ্লাক। কিন্তু কেমন যে কডগুল লোক আইছন फॅब्स्टिन मकन दिस्टयूरे (को नन हिन्द्रिट्ट) যাহা হউক, এক্ৰে বৰ্ত্তমান সভ্য মহাৰয়দিগকে জন্ত্রাধ করি, কাঁথারং আন্তরিক বন্ধ করিয়া স্মা क्रिके तका करून। मर प्रष्टी छ (प्रचिद्वित लाह्यद সং প্রবৃত্তি পরিমাক্ষিত হইতে পারে।

ছেপুটী মাজিক্টেট ও ডেপুটি কালেইর জীযুজ বাবু বারকানাথ দে বাছাছর এখানে একটা বালিকা ও একটা বালকবিনালয় স্থাপিত করি বার বিশেষ যয় করিভেছেন। সক্ষল্ল উত্তম এবং দেশহিতৈথী বিচারপভিদিনের ইহা কর্ত্তর কর্ম সন্দেহ নাই, কিন্তু এখানকার গঞ্জপ্রভিভি ছানের লোকেব চাঁদার উপর নির্ভিণ না করা হয়। আমরা বিশেষ অবগত আছি যে স্থানীয় চাঁদার উপর নির্ভির করা বিভ্যনামাত্র। যে

विष्याम्बद्धके कार्यव क्रक्रिया । विर्मित्यः अधीन कात हामात्र केंगत व्याभारमञ्ज किक्रम'अ विश्व'म চিকিৎসালয়চীর নাই। এখানকার দাওবা জনা পূৰ্তন शक्टिकें इस मारहर (व চাদা সংগ্রহ করিয়াছিলেন, ভাষা দেখিয়'ই আমালের বিশেষ বিশ্বাস জামিয়াছে ৷ সেই সাধা বুণ চাদার উপর নির্ভিণ হইলে কোন কালে চিকিৎ সালয়টার শেষ দশা উপস্থিত হইত। কেবল বৰ্ডমানাধিপতি মহারাজ বাহাছর সম্পূর্ণ ভার महेबारे देशद बीदृष्टि कृतिशाह्य । अधिकात বাহ্য শোভা যাহা থ'কুক; কিন্তু ঐত্বৰ্গলালী लाक नाई विलाल अञ्चास्ति इस ना। कालनाव निकर्वेवकी (यमकल ब्राट्स हुई अक सान अध-र्यामानी लाक आरहत, खाँहारमत हाता मण्युर्व नाहायः शहिवात अक्रामा कता याच्च ना । বাস্ত্রবিকও এসকল বিষয়ে তাঁহাদের ভাদুশ ষত্র নাই। আমরা ভেপুদ্ধী বাবুকে এই অসুরোধ করি, তিনি নিয়লিখিত উপায়লী অবলয়ন कांब्र लाहे विषताल सुनि इहेवांत्र क्लांस वाथा थाएक না। সেই উপায় বঙ্গানাধিপ তির সাধার। महादाख गाहाचा कतिरमहे श्रेथात विन्। मध हरेए भारत अवर श्वाशिएक भएक निःमस्मह হওয়া যায়। স্থানীয় লোকের নিকট হুইতে अक्कामीन किছ किছ अर्थ नहेरन कहरे जाशास्त्र काज्य १हेट्य मा । अथ्य अ के क है। का मः अरु रहेशा ऋषा शृहरत दिएनव चासुकृतः। इटेट्टा व्यामदा \ख्रद्रता कृति धातकःनाथ यात् উলিখিড উপায় শ্বলম্ব কার্য়া এ স্থানের महाशकात किहाराम । जिमि गर ७ (५ है। क तिहन বৰ্মানাধিপতি ইহ'তে মনোযোগ কবিতে भारतम । विरम्प विद्यारन्त भाष्ट्रिके भाइक किছू विलिटन छैहा मिश्व हहेवात मुम्पून प्रशासना : এ বিষয়ে আরও বজ্জব্য আছে । ভাষা ক্রমে লিথিতে ইক্ষা বহিল।

confirm

# প্রেরিত

মান্যবর জীযুক্ত দোনপ্রকাশনতা দক মহাশয় সমীপেয়ু।

১। ৮ই আখিন দিবসের রাক্সিতে এই ভাজনখাট গ্রামে, এক বাবে চারিটী সিঁদ চুরি হইরা পিয়াছে। তন্মধ্যে তিনটীতে তম্ববেরা বিশেষ ক্ষতি করিছে পাবে নাই, কিন্তু অপর টাভে গৃহক্ষের সর্বানাশ করিয়াছে। ইহাত্ত, একটি নিদ্রিত কন্যার প্রিছিত প্রায় ১০০ এক-

স্থানের দাধারণ চাদার উপর নির্মন্ত, দেই স্থানের লাভ টাকার অলক্ষার অপজ্ ভ ইর্নীছে। এই বিদ্যালয়েরই অশেষ ছন্দিলা। বিশেবতঃ এখান কার চাদার উপর আমাদের কিছুমাত্র বিখাস নাই। এখানকার দাকব্য চিকিৎসালয়টীর মাত্র করিয়া গিয়াছেন। অসুস্থানকালে, জন্য পূর্ণজন মাজিউটে হল সাহেব বে তক্ততা চৌকীদারেরা, কয়েক ব্যক্তির উপর চাদা সংগ্রহ করিয়াছিলেন, ভাহা দেখিয়'ই আমাদের বিশেষ বিশ্বাস অন্মিয়াছে। সেই সাধা রুণ চাদার উপর নির্মাণ করিয়াছেল কোন কালে চিকিৎ পারি না।

১। ১২৭৩ সালে, জনার্টির জন্য, দেশের সক্ষানাশ হইয়াছিল। বর্তমান বর্ধে তাহার বিপ্রীত ঈতি উপস্থিত হইয়াছে। শরৎকাল শেষ প্রায় হইল তথাপি মুখলখারে অবিজ্ঞানে বারি বর্ধণ নির্ভ ইইল না। এই ভূয়োবর্ধায় এই প্রদেশের খাল বিল প্রভৃতি সমুদায় জলাশ্য় একবারে পরিপ্র হওয়াতে, জনেক ভূমি শন্য সহিত জলমর্ম হইয়াছে এবং তীরস্থ ভূপ পত্রাদিঘার। উহাদের জল দূষিত হওয়াতে, পরে চতুর্দিকে মারী বিহীর্ন করিবে, ভাহারও সভাবনা হইয়াছে। বালালা দেশ, কিল্লন্য যে পুনঃ পুনঃ বিপং সকুল হইভেছে, ভাহার কারণ অস্থ্য নকান করা আবশ্যক।

अधिवाजीत राष्ट्र अध्यावज्ञाय छ । अध्याक्ष्य अधिवाजीत राष्ट्र अध्यावज्ञाय छ । अस् अध्यावज्ञाय छ । अस् अध्यावज्ञाय छ । अस् अध्यावज्ञाय छ । अस् अध्यावज्ञाय छ । अस् विद्यालय का । अस्व विद्यालय का । अस्व विद्यालय का । अस् विद्यालय का । अस्व विद्यालय का । अस्व विद्यालय का । अस्व विद्याल

৪ : গত ২৭ গ ভাদ্র প্রতি:কালে, ছেভাজন
ঘাটের সরি ইত ' টুজি ই নাবক ব্যামের গোড়ে বক্ষু বন্ধ এক মৃত্যুত্ত রুক্ষে শ্রমান দৃষ্ট হইয়া ছেল। জাহার পরিধান একখানি জীব ছিল্ল কর্মা মাত্র ছিল। পরে সংবাদ পাইলে পুলিদের অস্ত্রুক্তনে এই স্থিত ইইলে যে মৃত্রুক্তি একটা সাংসাধিক সামান। বিবাদে অন্তর্গ ঐ ক্লাপে আ্ডা হত্যা সম্পাদন করিয়াছে।

ধা এই বর্ষায় পজীপ্রামের বেরূপ সুরব স্থা।
হয়, ডাহা পজীগ্রামবাসিভিল্ল আর কাহার ব
হারুসম হইবার সন্ধাবনা নাই। নগবে অবিপ্রাস্থ বারিবর্ষণ হইলেও সন্হলেন সর্বত্তি গভিবিধি করা ঘার এবং জলনির্গমের পথ স্প্রশাস্থ হওয়াতে,
জল তৎক্ষণাৎ বহির্গক্ত হইয়া, নির্দিষ্ট স্থাতে,

इडेटनरे अक्वारत अभूगांत्र कर्मभग्र रूट्यारक গ্ৰমনাগ্ৰম ছংসাধ্য ছইয়া উঠে এবং বারিনিং সরণ পথ না থাকাতে তৃণলভাদিপুর্ব আবাস গুৰ্**প্ৰান্তবন্তী ক্ষুদ্ৰ** মাৰ্ছে, অথবা ভদভাবে, গুৰু धाष्ट्र खन मक्षिष्ठ इत्र। वर्षाकारल श्रूनः श्रूनः বৃষ্টি হওয়াতে উক্ত জলাশয়সকলের জল, তাদুৰ দূষিত হইতে পাবে না ; কিন্তু বঁৰীবিগমে ( শর্থ শেষে ও (হ্মক্তে ) উলার ফ্রিক্ডর্য তুল প্রজাদি পচিয়া চতুর্দিকে মেলিরিয়া বিকীর্ণ করি **एक श्रांटक। कु**कतार और नगरधरे भली आद्य ता গের প্রায়ন্ত্রাব লক্ষিত হয়। এই অনিষ্ট প্রত্যেক গৃহস্থের যদেই নিবারিত হইতে পারে। স্ব স্ব আলম্বের জল, যাহাতে সক্ষ্যুদ বিদুরিত হয়, সঙ্গলে ভাহার উপায় করিলেই এই অনিষ্ঠ নিবা রণ হইটেড পারে। উচ্চ ভূমিতে বাসগৃহ নির্মাণ कंतिरमे असन वामू शक् फित अप्तिश हम्र अवर সকলে হ'ব গৃহস'র হিছ বছা ভাগ পরিজ্ ত ও মৃত্তিকা বন্ধ করিয়া রাখিলে গভায়াভের ক্লেশ कांत्र इस ना।

৬। বেলল রেলওয়ে সর্বা প্রথমে সদাবহার করিয়া লোকের সুখ্যাতির ভালন হইয়াছিল। কিছ সদ্যোজাত দধির ন্যায় যতই পুরাতন হই **७८६, ७७३ छे**रा वितंत्र **रहे**त्रा व्यातारीमिशस्क পীড়া প্রদান করিভেছে। গতপুঞ্জার পুর্কে আমরা কয়েক বন্ধতে মিলিয়া উজ্জ রেলভয়ে (वार्श भवन कदिएकिकाम । २ व (अप) द छिकिए नहेंग्रां के जो माहिशरक व्यक्तिक अहन श्रृक्तिक इजुर्य (खनीत भक्टि जार्त्ताहन किट्ड स्ट्रेल कार्टिक (यज्ञापि प्रवा घनमज्ञित्याम (वाकारे ভাষাভেও আমাদিগকে সেই রূপে ध्दर्भि इहेर्ड हहेग्ना हिन। (म मिन. अहेन्न्र জনতার মধ্যে ভয়ানক কণ্টে পড়িয়া আমাদি গের অনতেমের স্কিণ্মি উপস্থিত হওয়াতে **छि ने भृ**ङ्धात्र इहेत्र: विश्वतात (ह्रष्टे) कविद्यान । কিন্তু সুনোভাব বশতঃ ভাইাতে অকুভকাৰী क्हेम्रा ज्यामानिरात्त ऋक्षशातन **श्रीक उथाग्र**हे **চ্ডায়মান থাকিতে বাধ(ক্ইলেন্) ম্লাশ্য়!** ্য দিবস আমাদিগের ষেক্সপ ক্লেশভোগ ইইয়া ভিল, ভাগ লেখনীছার। সম্পূর্ণরূপে প্রকাশ ক্রিভে পার যায় না: ভাষাদের বিলক্ষণ প্রস্তায় জন্মিয়াছে যে, ব্দেন্বস্ত একটু ভাল क्तिरमहे, कार्यकी भएतत क्षिम निवादन हहेएछ পাৰে। অধিকসংখ্যুক শকট যোজনা, অথ্যা অভিন্তিক শক্ট আনি চালনা কাবলেই ত এই

গমন করিতে পারে। কিন্তু পদীপ্রামের ভাব, কষ্টানিবারণ হইতে পারিত। কিন্তু বর্জনান ইহার সম্পূর্ণ বিপরীভ। ইহাতে একবার বর্ষণ প্রেল্ড সাহেব এদেশীয়দিগের স্থাবিধার জন্য হইনেই একবারে সম্দায় কর্দ্ধময় হইনাতে তালুল বন্ধলীল নন বলিয়াই এইরূপ অভ্যাচার গমনাগমন ছংসাণ্য হইরা উঠে এবং বারিনিং ও জন্যার ব্যবহার জ্ব্যাচ্চ ভাবে ক্রমাগত সরণ পথ না থাকাতে তৃণলভাদিপূর্ণ আবাগ চলিয়া আসিতেছে ৷ তিনি এদেশীয়দিগের গ্রহ প্রান্তবন্ধী ক্রম গর্ভে, অথবা তদভাবে, গ্রহ বিদ্যা, বুদ্ধি, ক্রমভা, আক্রম, জীবন প্রভৃতিকে প্রাদাণেই জল সঞ্চিত হয়। বর্ষাকালে পুনংপুনং সামান্য জ্ঞান করেন। ইছার এইসকল ওবে ব্যক্তি হওরাতে উক্ত জলাশয়সকলের জল, রেলওয়ের কোন কন্দ্রচারীকেই ভাহার প্রভি অমু ভাদুল মুবিভ হইতে পারে না । কিন্তু বর্ষাবিগ্রমে

(खला महीहा। ) छवनीत व्यवग २२ व काश्विम ১२१६! (लथक।

--:0:--

সম্পাদক মহাশয় ৷ ২৩ এ ভাটের প্রভাকর भारि अवनाष्टि इहेन (य, (वहान छिभन्तितन বিভর্কের এ পর্যান্ত উপসংহার হয় নাই। কিন্ত আম্রা সকলেই জ্ঞাত ভাছি যে, এই ভর্কের মীমংপা কর্ণাশ্রে জীপুক্ত বাবু রাখাল্লাস মিত্র ও 🛅 মৃত্য বাবু প্রাণকুঞ্ মুখোশাধায় इंहांद्रा উভয়েই পাপুরিয়াঘাটানিবাসী সঙ্গীতো পাশ্য জীয়ক কেব্রমোহন গোস্থামী মহাশয় প্রভৃতিকে ইহার মীখাৎদক নির্দারণ করিয়াছি লেন। ভাষারতে উপযুক্ত সময়ে একথানি মীমাংসাপত্র পাঞ্চর করিয়া ভাঁচাদের নিকট প্রেরণ করেন। আমরা সেই সিদ্ধান্তপক্র বিশেব করিয়া পুনঃপুনঃ আলোচনা করিয়াছি, ভারতে व उ इस्पत्रत्र भी भारमक्त्रन वारहास्क समान প্রয়োগ ও বৃদ্ধিযুক্ত বাক্ষরা অংশ, এঃ बराम, वाली, **अञ्च**रानी, मशानी, विवा**नीत विरा**णव ঘীমাংসা করিয়া গান্ধার শুরুই ঐ উপরাগের ঞান বা বাদী স্থির সিদ্ধান্ত করিয়াছেন।

প্রত্যার জ্বার এমন কেইই নাই বে
সভ্যার অনান্ত্রান্তর করিতে সক্ষম। যদি কেঃ
ন্যার্হারিক্ত করিতে সক্ষম। যদি কেঃ
ন্যার্হারিক্ত করিতে সক্ষম। যদি কেঃ
ন্যার্হারিক্ত করিতে সক্ষম। যদি কেঃ
ন্যার্হারিক্ত করিতে সক্ষম। যদি কেঃ
নার্হারিক্ত করিতে প্রকাশ বাক্যবং বোধ করি
বনে সন্দেহ নাই। পত্রপ্রেক নহাশর সঙ্গীত
শাল্লে নিরেট পণ্ডিত অন্তমান করি, য হেতু
ভিনি বাদী অর ও গ্রহ অর এক অর বলিরা প্রতি
পাদন করেন। আবার মীনাংসাপত্র বেহাগকে
উপরাগমধ্যে পরিগণিত করাতে তাহাতে ও
বক্ট পত্রপ্রেক কটাক্ত করিয়াছেন। কলতঃ
সে কটাক্ষ কটরাক্ষ মাত্র। শাল্লেস্ক বেসকল
রাগ নহে, প্রার্হার তৎসমুদায়কেই উপরাগমধ্যে
পরিগণিত করা বাহার অভিত্র নির্বাহিক বিরা লিখিছেন। অত প্রব হে পাঠকগণ গ্রাহাছেন, মূলে বাহার অভিত্র নির্বাহিক প্রথানি লেখা হইয়াছে। সংস্কৃত
ভারাই উপনিক্ষে করিত্ব হয়। প্রেক্তিত প্রে

থানিতে বঙ্গুলি শব্দার্থ তিনি ব্যবহার করিয়। (इन, **एक्राप) छे**न म सार्व की सञ्जन ।(क्रथा । इहें -ब्राष्ट्र। यथन कान क्षांठीन महीख मखानिएख বেহাগের অভিত্ত দেখিতে পাওয়া যায় না, তখন বেহাগকে উপরাগ নয় ভা কি ৰলিব? नशीखिश्र निधिन्नारहन, बानकृष्ण वायू आरमक छन्त्रि मह्बारम मिष्ठात राष्ट्राहरू भिका करत्रन, ्म क्था अमीक नरहा , नालाबि छ डाँहात किहू (वाय नाई फथन पर्वाप्य किय़ क्रिक क्रिक क्रिक भाष (यांव रेग्न मा। পত्रश्रितस्य अर्थात ভঙ্গীতে বোধ হয় হসুমক্তমতে যেন বেহাগ লিখিত আছে। ৰহুমন্ত মতের আছে প্রাণকৃষ্ণ बार्व कथा पृद्ध थाक, न'ब्रहानहां स विदेश (प्रि য়াকেন কি না দক্ষেত্। তবে যদি শারদাসহায়ের মতই উক্ত মন্ত হয়, ভবে হানি নাই। নতুবা হ্মুমন্ত মডের সেই বচনটী (যাহাতে বেহাল রাগ বলিয়া দিছাত হইয়াছে ) প্রচার করিলে বভ বাধিত হইব। সঙ্গীত প্রিয় বলেন, হিন্দু স্থানে হলুমত মতই প্রচলিত। কিন্তু ভোগাব व्यान व्यामत्रो अ पर्याख छ त्काथात्र पाइ बाइ भवः स्मूम**स गट**लत वाष्ट्र वक् अकडे। (मस्टिए পাওয়া যায়ৰা। তবে শারদাস্থায়ের মত অথব। প্রাণকৃষ্ণ বাবুর মুহই যদিউক্ত মুহ বলিয়া আপাভ হঃ গণা হয়, হউক ক্ষভি নাই। এ বার অবধি উক্ত মতদ্বপ্তকে উক্ত মত বলিয়াই আমরা ব্যবহার করিব। ক্ষেত্রমোহন গোখামী ক্রিয়াল কডকওলি লছমীপ্রসাদের निका कतिब्राहितन, तिकथा यथार्थ वर्षे , কিন্তু সক্লপ বলুন দেখি, শারদাসহায়প্রভৃতি উহারা সংকৃত মতাসুবায়িক সদীভনালে এ প্ৰয়ান্ত কাহ'কেও শিক্ষা দিয়াছেন কি না ? এসকলের শান্তবিষয়ে অন্ধিকারচর্চার প্রয়ো জনকি দেখিলাম, ইমনও সংস্তুমভাঞ প্ত রাগমধ্যে গ্রাহিট্যাছে। ইমন যে সংস্কৃত শাল্লোক্ত রাগ নহে, তাহা সংকৃত এছ,দিতে अञ्चनकान कतित्व खानिएड পातिर्वन। हेमन मक्रहें (य मरख्य अस्य नरह, खोशांट खार्टिक মহাশয়ের চৈত্র নাই। তবে যদ অধুনাতন হিনিদ্দে হাযুক্ত হলুগন্ত মতে থাকে বলা যায় ना। (बालाधान करे नक कि कान धून সংস্কৃতে আচে ? না সংস্কৃত গ্রন্থকারেরা **डेहारक रवनावली दनिया निर्फिन क**रिया**टह**न? भूत्न थाकित्न (वाध कवि (धत्नायान अर्थवाद-निक नक्षी क्षरग्रात्र कदिएकम भा, व्यवनाहै (वना বলী বলিয়া লিখিন্ডেন। অভএব ছে পাঠকগণ ! এইরূপ আধুনিক হতুমত মডের প্রমাণ দিয়া

মতের নাম গাক্ত নাই। আমাটের গোতামীজির সংস্কৃত ভাষায় লিখিত প্রাচীন ংক্রমন্ত মতে श्रमानामि (प्रथा जाइ), जिनिनाकि जाधुनिक म्लूमखगड (मर्यम नाहे धवर (मिथ्ड इन्हा করেন নাই। স্তত্ত্বাং সঙ্গীতপ্রিয় মহাশয়কে ভাঁছার পত্রে যথোচিত উত্তর দিতে গোলামীজি क्षक्तम । जाम्हर्यात् विषय । भज्ञद्रश्चेतक महानरम् প্রাণ্ড্রফ বাব্রজন্ত এড অনুর্থক রাগ কেন ? ভিনি কি প্রাণক্ষ্ণ বাবুর নিকট অধুনাতন হন্ত মখু মত শিক্ষা করিয়াছেন? প্রাণক্ষ বাবু কি ভাষার গুড় অথবা ভিনি বয়ংই প্রাণক্ষক বাবু? धिक जिमि चप्रश्हे आंशकुक बाव हरसम, जत स्रोध হুইখুরি এবং বেহাগকে লাগ বলিবার বিলেধ করিল आह्न। यहिङ् भक्षानि । किश्वाब्रिट कि হ এয়া তাহার পক্ষে বিশেষ ক্ষতিই বলিতে হইবে এবং গাত্রজ্বালা হওয়াও তাঁহার পক্ষে বিচিত্র न्द्र। छ। दाशांस दायुव निकं हारितस्य विधि করি, তিনি উক্ত টাকা খ্যুত্বাথ দিতে পারিতেন। ভাষাতে যদি অপনান বোধ করেন, ভবে উপ রাজ প্রাপ্ত হইয়া নিরপরাধ মহানন গোলামী जित्क क्ट्रेकिटमान विष श्हेन।

ত্ৰা আৰিন ৷ क्षा हिना क्षा । 13941

স্পান্ত মহাশ্য়! আপ নি কি নিরীই কুষ্ক ্ছিগের অবস্থা নেখিয়াছেন ? আমি বয়ং ভাছা দিলের **অনুটান** কায়নেশ প্রস্তান করিয়াছি। ্জামি প্রীয়াম্মিবাদী। ভাষার প্রথমে ভীষ্য व्यक्तिकट्ट प्रक्रकट्यवत रहेशा क्राम्कर्यन करहा भूद्य (घोत् वर्धात्रभट्य अमात्र्य मण्डरक धानः हादा ईएल लहेता कर्फनमध् क्षाट्य मी प्राहेश (ब्रांशन कांद्र ७ शांतक, मख (क जानवत्र वार्व সম্প্রতা আবার বেশেগকালে এরণ কুডের ্নার দাঁড়াইডে হয় যে অভ্যন্তালমণােই मदीत ও মন নিরুংশাহ এবং একান্ত ক্লান্ত হইয়া

িদ্য মহাশ্র ! ঘাহারা এইরূপ এবং অন্যবিধ বছ \* একার কষ্ট স্বীঞ্চার করিয়। প্রথমে ভূমিকর্ষণ ज्ञमञ्जू नगारवाथन करत. याहाता नारमात हाक्ष **इंडेटन** फन्दिय माना फेर्पाड इंडेटड तका कःतिहा यश्रीमध्य भवासाता मञ्जासात ज्यापीय कनाग সাধন করে, ভাহাদের পুরস্কারস্ক্রপ ভূমিতে अक्या अवस्ती यञ्चारहः (म चत्र कृषामी-पिर्धत कूरिल इन्ड इट्टेंड निर्तिष्प तका कता प्यें फिलेंब्र क्ष्ट्रेनाया। यनित कानजाल दक्ति इंद्र জ্ঞাণি করত্ত্তির অধীন হওয়াতে শ্রানুরে

काशाह विभन विखननानी खनामी; व्यथं छ मामर्ग्र विविध উभाग्नवादा श्रद्धामिक्टक शैनवल করিয়া ভাছারদিলের আমের ফল অনায়াদে কাড়িয়া লন, ইন্স কি সামান্য পরিভাপের विषय २

অভএব আমরা ন্যায়পর গ্রাবিদ্ধিক সাত্র নয় অপুরোধ করিতেছি, প্রজাকে ভূমির একটি स्थित यह श्रमान करून, त्र यह त्यन कृषार्भी मि-গের কুটিল কৌশলের অধীন না হয়। মহামতি লভ কৰিয়ালিস জমীদায়দিগকে যে বস্তু দান করিয়া গিয়াছেন, গে অত্ব প্রকৃত পলে কুষকদি-গেরই প্রাণ্য, ভারারা ঐ স্বত্তে অধিকারী হুইলে ভূমির যে অপেকাকুত উন্নতি ও গৌরব র্দ্ধি হইড তৎপক্ষে বোধ হয় মন্তবৈদ না ছইতে পারে। উপসংহারকালে-পুনর্কার অনুরোদ कति, शवर्वसम्बे कहिला अखिष्या मुन्देशान করিয়া প্রজাদিগকৈ রক্ষা করুন / বারাজেরে এ पत्रका जारता किছू लिथात हेव्हा तडिल।

১৮ है जासिन

मन्यानक महासय। विकासित (कोलीबाळावा প্রচলিত থাকাতে যে কভপ্রকার অভান ক্র উৎপর হইতেতে, ভাহা আগুনিক বিরুম সূত্র গ্ৰাণ বিশেষ ক্সাপে জামিতে প্ৰাণ্ডিয়াচেন এবং কাহাদিকোর বত্বে কৌলীন্যাভিমানের ভারেক इटेग्राट्ड , कि स निर्मात कुलक्याक जामतालि (चित्रा) हिन्द इम् माहे । কৌলীন্প্রথা এখনও অনেক ভাত্তক্র কল ध्यम् किर्डिट । स्थाकन थार्म निकान নিৰ্মাণ জোডি: প্ৰকাশিত হয় মাই সেচ সকল স্থানের কুলীন মহাত্মারা কুলাভিমানের দাস ছইয়া বিবিধ অহিতাচরণে প্রবৃত্ত হইতেছেন দেখিয়া, আমার বাকুগুাস্থ কভিপন্ন কুলীন হন্দ '' কুলীন কুলস্বাস 🕆 নাটকের অভিনয় করিতে दामन। करतन अन्य छाँ हो भिरमत गरह 😿 🔞 है জেলার মাজিটেট জীল জীয়ুক্ত জে. পি, এটেট मारहरवत माहारगा ७ भवर्गमा ऋ त्वत्र (इफ মাষ্টার শ্রীযুক্ত বাবু বিশ্বনাথ সিংছ ও গ্রহণমেন্ট লিভার জীযুক্ত ৰাবুহরিহর মুখ্যোপাধ্যয় মহা শম্দিণের আহুকুল্যে ভাঁহারা গত ৭ ই সেপ্টে ষ্র উক্ত অভিনয় শেষ করিয়াছেন। মহাশ্রু। নটিকখানি যেমন উৎকুষ্ট, ইছাঁদ্রিপ্রের অভিনয় ও क्क्रा रहेम्। खुक्तिय्राकाय

উচ্চতর লাভ, কদাচিৎ এঞাদিগের ভাগের প্রধান প্রধান কুলীনসন্তান ও কভিপয় রাজ ঘটে! কোথায় কুৰিজীবী সামান্ত প্ৰজা, প্ৰথ আমন্ত্ৰিত হইয়াভিবেন। সভাভকের প্র नक लड़ अक्रवारका अभिनाशक भिरुपत संधािष्ठ कृतिया क्षर्या कुलकार्यात राधके निकाराम करिषाट्डन ।

> স্তর্পাননিবার্থেদেশে উক্ত बायुक अश्वानात्त्रता शुरकी सिबिज ग्रहानग्रनिरवस উৎসাছে ১৬ ই সেপ টেম্বর পুরুষলে কি না ৯ নামক নাইকের [অভিনয় [কেরিয়াও] সুখ্যান্তি खांखन इदेशारहन। इंशारङ ७ जारनकारमक দেশীয় ভারদপ্তান ও কডিপয় রাজপুরুষ নিম দ্ৰিত হইয়া ছিলেন।

১१ हे (मुल ट्रियंत 3696

বাকুণ্ডাস্থ কোন দৰ্শক

क्षवर्गरात (६ छोरा चनार । 🐣 🔭

উখ্যের যে কি অভিপ্রায়, ভাষা ভিনিই | আনেন। কিন্তু থেক্লপ উপর্পেরি দৈববিপদ আর্থত ছ্রাডেটে ভালা দেখিয়া বৌধ হয় যে, क (मध्यद छ। एका नाक्रश हाथानल भीघं काम शक्कां म हं शांकित । या छ, छ छिक, जनशावना कि ्ग्रेंकल इंबैंग्रेग इहे जिन सरमंत्र शूर्या घष्टिया जिम्राहरू, रममकर्मन कथा मुद्र थाकुक, बाह्रम গাগ গত না ২টকে ইইকেই চারিটা উপদ্রব मध्यप्रिव्हेत। काश्चिक मार्ग श्रेष्ठ, स्वाह्म गरम भिनावृधि, आयाक्रभारम छीयम् खन्या वस अतः वेटियान बारम श्रेनास अह जाका वनाह . छैन। एक इंडेग्रा मञ्जूबर्गन ८० द्वांचा, द्वान छ विश्वन নাশিতে আক্রাকরিয়াতে: আ্যাতের বনাক্ত বিবান ১৫ এ আ বাজের সোনপ্রকারের প্রকৃতিছে क्रेशादक, अकटन (नरमास्कद्धात विश्वय क्रिक्टिश विज्ञान के हरा है है, मर्गा भार्र कर्म ও श्रामाहि टे अवी द्वाष्ट्र शुक्रवरात शालितानशृक्तिक अव (म्हन्सू इन्**श्वरमाहरून मर**नार्याभी क्ट्रेस ।

গত ভাদ মানেব ছিতীয় প্ৰজ অনুধি প্ৰায় श्रीकालेमके वाशिवधन करेएए ५ त लगार्था ज्यान धुरे मित्रदानत ( २৮ A, २४ श स ) तुन्धि व्याच-खाः 🖷 😗 (यात्राह्म । ५ ला जा चित्र वृत्रात् असारक कंग- लाहिडांड बन्दाःश आमानिर्वात উত্তর ও দানি ও উত্তর দিবের বিজীপ মাটে প্রবেশ করিল। এ সম্প্রে অ'বার নারভর বুলি, চতুৰ্দ্দিক বন্যাবাহিতে বেটিড হইয়াছে, নজে:-মগুলে বিছাদমি ঘন ঘন নৃত্য করিতেছে, জ্লদজ্ঞাল ঘোরতর গভীর নিয়ে যে মেদিনী मर्ग कम्म्यान कतिया भुवनशास वास्त्रिभर्तन

করিকেছে। আহা ! এ সময়ে গৃংহীন ভগ কুটীর বাসীদিগের কি কষ্ট !!! একে ডাহাদের বাসস্থান অভি অপ্রশস্ত, ডাহাডে আবার গোবংসাদির সক্ষে একত্রে অবস্থান, সেই আত্র স্থান্ধ দূ যিছ ক্থান টুলু আবার বর্ষাজ্ঞলে আপ্লুড হইছে লাগিল !! চ্ছুর্ফিকে ভীষণ জলরাশি পথ ঘাট সকলি জলময় ! বনাপৌড়িড আগ্লুড়িন লোকদিগের অসহা ফ্লেশ স্থারণ করিলে শাষাশ্রপ্র

প্রতাবিত বন্যা প্রথমত ছই তিন দিবস ক্লি পাইরাতিল; তাহার পর কিঞ্ছিৎ হাস হইয়া যায় : তৎপরে পুনরায় অত্যন্ত রক্তি হইয়া প্রায় সপ্তাহকাল স্থিতি করে। বন্যার সময় উচ্চ প্রদেশ হইতে ভূতন জল প্রধাহ সুবর্গ দেখা নদীতে পতিত হইলেই ঐ রূপে পুনর্ফা কি সংঘ টিত হয়। এরূপ বৃদ্ধিকে এদেশে ' জাতিনী প্রতাশ ক্ষে।

বর্ণিত বনায় পূর্মপ্রাবনপ্রপীভিত জিলীন
ছর্মনাগ্রস্ত জনপদগুলি পুনর্দার ঘোরতরপ্রপে
উপদ্রত কর্ট্য ছে। এবাবের বন্যা আকারে
ইহার অগ্রন্ধার ভুলা না হউক, অনিষ্টকারিভায়
দ্রান বলিতে পারা ঘায় না। ইহা অন্ধের ঘটি
হরণ করিয়াছে, দরিদ্রের ধন আত্মদাৎ করিয়াছে, বুভুন্দিভের প্রস্তুভারে ভঙ্গা নিক্ষেপ
করিয়াছে, বিস্তারিত বিকট ক্ষান্তাপরি বিষম
আলাকর ক্ষার সমর্পণ করিয়াছে। গত ভ্রানক
বন্যার গৃহহীন ও হতসর্প্রত্ম হইয়াও প্রজারা
বন্ধ কারদ্রেশে ঘে ধানা জ্মাইয়াছিল, প্রস্তারিত
বন্যা সে সকলি বিনষ্ট করিয়াছে। স্প্রক ও
অন্ধপর আতিদ ধান্য, ইক্ষু, কলায়প্রভৃতি নানা
প্রকার নাণ্যের ঘার পর নাই জনিই ঘটিয়াছে।

গত বন্যার পর রাজপুদ্ধের। প্রজার ক্লেশ
নিবারণ ও কৃষিকার্যের স্থাবিদার নিনা অনেক
উদ্যোগ করিয়াছিলেন । কিন্তু দৈবপ্রতিস্কাতায়
সগলি রুথা ধট্ল । ইতিমধ্যেই এ দেশের শান্য ধ
। উলের দর বিলেশ কৃষ্ণি হইয়। উঠিয়াছে জন্মশ
নিধ্যার আজিশ্যাই সম্ভাবিত । প্রজাদিকের
অনকাংশাই নিংল । প্রায় সকলেই হর্তার্শ হইন
হাছে। অর্কীন লোকের সাথ্যাও অর্ক্ত ইইবে
না ভাগদিগাকে নিংলার দেখিয়া মহাজ্ঞানেরাও
আনান বক করিয়াছে। এ দিলে হানাসমুদার
বক্ষ কর্ণাপ্লকে যে কাজ হইডেছিল ভাষ্টাও
ক্রিজিত হইয়াছে। এখন নিরম সোকদিশের
চাবিদিক পুন, দেখিকেলি। দরালু রাজপুরুষণা
সন্তর এ দেশের প্রতি ক্রত দক্ষি নিপাতিত করুন
নতুবা ইক্য উৎসার হইয়া যাইবে। এককে অন্তর্ভা

এক মানকাল বন্যাপীড়িত গ্রামনকলে ওপুল विकृत्व कृता कारमाक । यमि जनन श्रकारक विভवन कवा मा हम, खाइ। इहेटल याहारित हान ও বাস উজয়ই গিয়াছে ভাহাদিগকে বিভরণ আর যাহাদের একপ্রকার ক্ষতি হইয়াতে ভাহা দিগকে প্রচলিত দরের অর্থেক দরে চাউল विक्य कहा कर्डवा। शृष्टीने श्रक्षांतिरात्र शृष्ट निर्मानार्थ स्विदिकनाश्रामक खर्थमांश्या कता छिठिछ । स्मृत छप्तका विभएनत भूतः प्रश्मेत्रेन ना इग्र खळ्ना छ्राकोमनप्रकारव एउएत अ छेक ভর ব'লে নির্মাণ করা নিভান্ত আবিশ্যক। শে ষোক্ত কাষ্য ত শাজপুরুষেরা করিবেনই, জন্যান্য কাৰ্য্যন্তলি ধনাচ্যবৰ্গ রাজপুরুষণৰ উভয়েরই দিলিত হইয়া সম্পন্ন করা উচ্চিত। গত কার্তি-কের বাজ্যাপীজিত লোকদিগের আহুকুল্যার্থ আমাদের লেপ্টন্ট গ্রহ্ বাহাছর অধ্রদান कतिमारिष्टालम् ४वः वर्गकमञ्चनाम् ५६ व्यवसामः धनाष्ट्रा लात्कदां इ विश्वत है। का निवाहित्वन । এখন উাধা । এক বার এ দেবের প্রতি এই প্রীহীন দরিদ্র ঘোরতার বিপদএস্ত দেশের প্রতি সেই কুপাকটাক নিক্ষেপ করুন। অনাধাদীন হীন লোকের জার কোন মডেই পরিতাশ নাই। এখন এ দেশ দানশীল দয়ালু মংগ্রাদিগের महिमाधकारमत छेभयुक द्वाम श्रेशाष्ट्र।

উপদংহারকালে আমরা কাথির ডেপুটা
নাজিটেট অনাথ বলু রাট্রে সাহেব ও বালেখরের আফিসিয়ে নং কালেইর উদ্যুদ্ধীল পণী
সাহেবকে ভন্তরোধ করিতেছি, তাঁহারা আপন
আশন এলাকার বন্যাপীড়িত গ্রামগুলি পুনরায়
দশন করন। আঘাচের বন্যার পর যেরপ দেখি
য়াছিলেন, এখন অনেক স্থানে ভদপেকা সমধিক
নৈরাশ্য ও ছর্দ্দশা দেখিতে পাইবেন। একণে
গৃহদীন ও নিরম্ন লোকদিগের রক্ষার্থ আছে
কোন উপায় অবলয়ন করা অবশ্য কর্ডব্য
সংক্ষেত্ব নাই।

দে**ড্**ড়ান্ ১২৭৫ ১০ আখিন

গ্রিকলাশচন্দ্র রায়

## मृना धार्षि।

জীয়ুক্ত বাৰু চন্দ্ৰকুমার মুখোপাধ্যায় চন্দ্ৰকোশ। ১২৭ è আধিন ছুইড়ে দাল্ গুন

- » " উমেশকক চটোপাধনার লখীসরাই ৭
- » এধর্মনাস হালাদার কলিকাডা
- n n চন্দ্রকুমার বিত্র রক্তপুর
- » ৯ দৃতিরাম বড়ভাগ্রার বছু দ্বা ক্রীতির

শ » রাজকৃষ্ণদাস নবদীপ ১৮৬৮ সেপ্টেরে হইতে ৬৯ আগষ্ঠ ১৩ জ্রীযুক্ত হারিসন সাহেব বাফইপুর ৫॥

# দোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

অগ্রিম মূল্য ও ডাকমাসূল না পাইলে মক-খলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইংর অগ্রিম মূল্য বার্ধিক ১০ টাকা এবং
বাল্যানিক ৫॥০ টাকা সফসলে ডাকমাস্থ্রন সমেত বার্ধিক ১৩, বাল্যানিক ৭ এবং ব্রৈমান নিক ৩৮০। ডিন মানের স্থানে অগ্রিম মূল্য এহণ করা বায় না শছন্তি, বরাতি চিঠি, মনি-অডার, নোটা ও স্থান্প টিকিট, ইহার আমাডের বাহাতে ঘাঁহার স্থাবিধা হয়, ডিনি সেই উপায় গারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষ্টারা স্থাস্পটিকিট পাঠাইবেন, গুছারা যেন এক অথবা আধি আনার অধিক মুল্যের ও রবীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

যথন যিনি মফত্মল ৌ,ড সোমপ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, ভাষা যেন রেজিষ্টরি করিয়া শ্রীযুক্ত বারকানাথ বিদ্যাভূদনের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

याँ शिक्तित भूना क्रियांत ममन खाँ छ इसे आमित्न, এक मामशूर्ण डीशिक्तित क्रिस्ति । विश्विमा खानान याहेर्त, काल खाँ छ हहेश्वा कारमञ्जू कर वात क्रिस्ति लिथा शहेर्तन, छाहात भन्न अक्रमामकाल अंडीका क्रिस्ता कांग्रेख वन्न कन्ना गाँहेर्त । त्यव वारतत भूज त्वमाति शाँठीन शहेर्तन ।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ভাক ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীল্প পাইব।

শাহারা মাজ্ল না দিয়া প্রাদি প্রেরণ করি বেন, গাঁহাদিগের সেই প্রাদি এহণ করা ঘাইবে না।

কেং সোমপ্রকাংশ বিজ্ঞাপন নিতে ইন্ছা চরিলে ভাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংজ্ঞি । জানা ভাহার পর /> জানা নিতে হইবে। ঘিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইন্ছা করি-বেন, গাঁহার সহিত শ্বতম্প্র বন্দোবত্ত হইবে।

ক্রে এই পত্র কলিকান্তার দক্ষিণ পূর্দ্ধ মাতলা রেলওয়ের দোগাপুর স্টেসনের দক্ষিণ চালড়িপোতার শ্রীযুক্ত দারকানার্থ বিদ্যা-ভূমমুখ্য বাটাতে প্রতি সোমবার প্রাক্তিক্ষ্

# (मायशकांक)

১ । জ জার।

१ महश्रा

# ' प्रवक्तनां प्रकृतिविताय पार्थियः सरस्वतो श्रुतिमदती न दीयतां।"

মাসিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বার্থিক ১০ দল অগ্রিম যাশ্যাসিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা।

ন্ন ১২৭৫। পুরা কার্ত্তিক। ১৮৬৮। ১৯এ অক্টোবর

িষদত্তলৈ মা**স্থলসমেত অ**ত্তিম কাৰ্ষিক : - মাণ্যাসিক ৭, ও ত্ৰৈমাসিক ৩৮০ টাক

# বিজ্ঞাপন।

हिक है।

421

**4** .

शास्त्र चेस ५० लंडी मून (नगम)॥।

केर भुस्तक क्षत्रम कार्यस विकीय भर्गलक क्षत्र क्षत्रम कार्यस विकीय भर्गलक क्षत्र क्ष्यम मरचा नागताकरत तामास्यक किया क्ष्यम मरचा नागताकरत तामास्यक किया क्ष्यम मरचा कार्यापत मिक कार्यापत कार्यस कार्यस किया कार्यापत कार्यस

खार्वन १२१६ बाकानमाख

------

ৰিক্ৰয়াৰ্থ।

গারভেন রীচ ২৪ নং বাদী ওলামসহ ১৯ নংজোড়া বাগান।

উপরি উক্ত বাগান ও বাদী যাঁকারা ক্রয় করিতে অথবা লইতে ইন্ডা কবেন, নিমু আক রিত ব্যক্তির নিক্ট জানাইবেন।

> গিলেগুংরস্ আর্বো-খনট এবং কোং

-- 00;---

বিৰিম্ব জ্ব্যাদি বিজ্ঞাৰ্থ শেক্তত ।

हेरताको राजना भूछक काशक कनम नाना

বিধ প্রবাদি পাওয়া ধায় এবং পুত্রকাদিতে

্ৰক আনার হিসাবে কমিসন দি। অধিক

টাকার পুত্তক লইলে /১০ আনার হিসাবে

পাইবেন।

অপুর্দ উপাধ্যান অর্ধাৎ সেক্লপিরবক্ত নাট

কের মন্মান্ত্রাদ জীমভাগবভ ১ম জ্বধি ১২ স্কল্প বাং

জী বীহরিত জি বিল স সম্পূর্ণ দু জীমতানরসায়ন ছই খণ্ডে সম্পূর্ণ ৫ চক্রপর্যপর্শিকৎসা গ্রন্থ সিম্পূরীয়া পটা নিবাসী বাবু কাশীনাথ মলিকের গ্রন্থ উত্তম

প্রতিজ্ঞারা হত্তের লিখিত
নিভাগর্মা সুরঞ্জিকা পত্রিকা বার্ষিকা ত
কৌতুক বিলাল বালাডে গোপালভাঁত্তের
কৌতুকগুলি সম্পূর্ণ আছে

চন্দ্রহণ : বৈলমিনি ভারত চইতে উদ্ভ

ব্রহ্মতত্ত্ব চূড়ামণি অর্পাৎ রক্ষনির্ণয় ১৮ নীলাঞ্চন কাব্য দ পুরঞ্জন কাব্য দ

মণিকুগুলা কাব্য ১ অভিমন্তু,বধ নাটক ॥১ ছ'দশ শিশুর বিবরণ দ

রয়োত্তমা গান্য কাব্য ১ কৌরব্বিয়োগা নাটক

২ •

4

বিভিন্ন গাইড মাশ্নেন সংহেব কুত প্ৰাণ্ডান

সন্দেশাবলী স্বরূপচন্দ্র দাসকুত্ত পিশ**্র**চাদার

নী ডিপ্রস্তা

এটলাস বাং ৮ খানি ম্যাপ গণেশচন্দ্র শর্মারকুত্ত

ভূতত্ত্বদর্শন পৃথিবীর মানচিত্র

ভারত্বর্বের ম্যাপ দেবনাগর অভ্নে ব নীজিশিকা অনবর শোহীলী গদ্যপদ্য পার্দীব কাব্য কুমার সম্ভব সংস্কৃত হইতে পদ্য অস্তব্যন্ত

ঐ গোৰিন্দচক্ৰ দেন কৃত .২ মনস্তস্ক্ৰদারসংগ্ৰহ

ভারভৰ্ষের ইভিহাস কেলারনাথ দক্তকত ১

প্রাচীন ইতিহাস সমূচ্য

ঐ মনে মেন সাংক্রেক্ড ছই খণ্ড নাট্য পদ্দিষ্ট নাটক

চরিত্তমঞ্জী শব্দকল্পজন পরিশিষ্ট কলিকাডা জোড়ার্ন ট্রীপ্রভাগ

কলিকাতা ক্লোড়া- বিক্রেড ।
সাকো ৬৪ নং সাক্ষী নগদ বিক্রেড ।

দাৰিত্ৰীচরিত

কাৰ্য।

बीखानाना र एक व ई शनी छ।

मृना ১ अक शिका ।

2.4

বংক্ত যজের পুস্তকালয়ে পাওয়া যায়।

শব্দকর্মজন অভিধান : সর রাজা রাধ্-কান্ত দেব বাহাছ রের কৃত। উত্তমক্ষণে সোলা দিরা সুতন বাঁধান সূল্য ২৫০ টাকা। প্রিম্নিস্ক্তেরেদাপ্রাগীশ

মহামহোপাধ্যার ব্রদ্ধিথে র ত বসস্ততিলক ভাগ নেপালস্থ পণ্ডিত জীগুক্ত ভগরাবল্লভ পণ্ড। কর্তৃক সংশোধিত হইয়া দেবনাগরাক্ষরে মুদ্রিত হইরাছে। মূল্য ॥॰ আটি আনা। কলেকাভ, সংখ্যাদ জ্ঞানরস্থাকর যন্ত্র নিমতলা ঘাট ইটীট ৬২ সংখ্যক ভবনা

बीजुरमध्यः रेगाकः।

---- 503----

# পুরাণ প্রকাশ !

## বিষণু পুরাণ :

অস্বাদ ও টীকা সমেত প্রত্যেক **খণ্ড** ৮. প্রা (অগ্রিম মূল্য)॥• ।

যিন গ্রাহণাভিলাধী হইবেন ডিনি মৃঙ্গাপুর আমন্ত্রইন্টাই ৬৪।১ নং ভবনে কাব্যপ্রকাশ যন্ত্রে অথবা কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে শ্রীযুক্ত জনমোহন ভর্কালক্ষাবের নামে যভ গঙ্গের ইচ্ছা জনিম মূল্য পাঠাইবেন। জনিম না পাইলে বিদেশে বিষ্ণুপুরাণ পাঠাইবার নিয়ম নাই ইভি।

হিন্দী পুস্তাকের বিজ্ঞাপন।

রাম, রযুপ্রভৃতি কৰির বিরচিত লোক।
চৌপাই আদিতে মানবের ২৬২ প্রকার লাগাণ
কাবি নালু জি লালের ওচিত মাধব সুলোচনার
গালেরে সহিত মাধবিলাসনামক পুত্তক দেব
নাগরাক্ষ্যে মুদ্রিত ও প্রচারিত হইল । মূল।।।
জাট আনা ভাক মাসুল ১০ আনা । কলিকাত।
সংবাদ জ্ঞান, স্বাবর যন্ত্র নমভল। ঘাট জ্ঞীট
৬২ সংখ্যক ভবন।

🕰 पुरुष हुन नम् का

# निष्यात नर्मा।

সন ১৮৩৮ সালের সেপ্টেম্বর লংসেব ১৫ ট কইতে ৭ ও অংক্টাবর পর্যান্ত নদীয়ার নদী কায়ের সর্বাক্ষাত জালের সংস্থাতিক বিশোট ।

कारनत नाम नर्त्तकमण्डलन कृष्टि हैकि।

নদীরা মাথাভালা
মহানার উপর প্রানদীতে ৭ ৯
নিজ মহানার
ডথা হইতে হাট বোলালিরা
৪৪ মাইল ৭ ৩
হাট বোলালিয়া হইতে
আকুক্দিরা ১৩ ৯
তালুক্দিরা হইতে কুক্পক

৩৮/মাইল >9 क्रकंत्रक इंडेएक क्षत्रीत अर्गी ৩৪ মাইল 36 कागीत्रकी मही। महामात्र छेलत ₹. • উহার নীচে নিজ মহানায় Ċ, 35 তথা হইতে জিয়াগঞ্চ জিয়াগঞ্ হইতে কাটোয়া ກ ७ म हेल 36 কাটোল্লা হইতে নদীয়া ৪৬ মাইল ۵ ₹5 कलकी नमी। নিজ মহানায় তথা হইতে করিমপুর 8 ১৯ মাইল করিমপুর হইতে টিয়াকটো ७० माहेल हिंद्राकांका इंटेट नमीया ৬ - মাইল

ত মাহল ৮ ৮
সম ১৮৬৮ সালের ১০ ই অস্টোবর ভারি
খের বহরমপুর গঞ্জ খাটের শ্রন্থের মাপ।
ফুট ইঞ্চি

বছরমপুর ১০ ই আটোবর । আগিজে সি ই, উইফ ১৮৬৮। বছরমপুর ডিবিজান।

# সোনপ্ৰকাশ।

তবা কার্ছিক সোমবার।

আমাদিগের শরিচিত এক বিশ্বস্থ যাক্তি কহিলেন, মক্ত্রুকরপুরে লোকে দাস রাখেন কি না, ইহার অনুসন্ধান হই তেছে। তাঁহার মুখে যেপ্রকার শুনা গেল, ভাহাতে যে ক্রুম অনুসন্ধান হয়, এরপ বােধ হয় না। " যে সরিষার দ্বারা ভূত ছাড়ান হইবে, ভাহার ভিতরেই ভূত রহিয়াছে।" যাঁহারা অনুসন্ধান করিয়া বাহির করিয়া দিবেন, তাঁহাদি পের অনেকে ঐ দোষে অলিপ্ত নহেন। আমাদিগের পরিচিত ব্যক্তি বলিলেন, গ্রণ্মেন্ট যদি নিমু লিখিত বিষয়গুলির অনুসন্ধান করেন, কুত্রার্থতালাভে সমর্থ হইতে পারেন।

১। " नकत " এই शक पात्र। निर्फाः ते शिंड हैंग, सक्कत्रश्रुद्ध धमन लिकि

२। मेरुत भटकत वर्थ कि ?

৩। বাহারা নকর শক দারা নির্দেশিত হইয়া থাকে, ভাহাদিগের অবস্থা কিরুপ ? ভাহা,দগের কাজই বা কি ?

৪। যে সকল লোকে মজঃকরপুরে সচরাচর সাক্ষ্য দেয়, তাহার মধ্যে নফর বলিয়া পরিচয় দিয়া সাক্ষ্য দিয়াছে, এমন লোক আছে কি না ?

আমাদিগের বিবেচনায় এই উপার অবলয়ন করিরা অসুসন্ধান করা মন্দ হই তেছে না।

--- : • : ----

গবর্গমেন্ট ক্রমে ক্রমে সমুদায় ডিপা টমেন্টের বায় সংক্ষেপ, অপবায় নিবারণ ও স্থানালী ছাপন করিয়া স্পৃষ্ণলক্ষণে কার্য্য সম্পন্ন করিবার সত্রপায় বিধান করি-তেছেন; কিন্তু পবলিক ওয়ার্ক ডিপার্ট মেন্ট ও রেলওয়ের কিছুই করিতে পারি ডেছেন না। আমাদিশের এক জন পত্র প্রেরক ওপবলিক ওয়ার্ক ডিপার্টমেন্ট ও বহরমপুর কালেজ ও এই শীর্ষ কা য়াছেন, প্রধানপুরুষেরা ভাহার প্রতি একবার দৃটিপাত করিলেই জানিতে পারিবেন, ঐ ডিপার্টমেন্টের কার্য্য কিরপে সম্পন্ন হইতেছে।

व ि शार्टियने वक्षः। अवना अव-श्वाप्त विश्वादि, कावन कि १ व विकारित कि उप्रताक श्रदिण करवन ना १ देशि नियात परन श्रिविष्ठ रहेला कि लारकव श्रम्बान ७ मकविवकांकि विलुश रहेशा वाव १ वाहावा श्रवांक खर्माक खिशोंके (यर्ने श्रादिण करवन, काहावा वाका-वाकि श्राप्त रुन, श्रद्र्य कि विष्ठी श्राप्त श्रम्ब रागांचे श्राप्त वक्षा का

প্রাক্তের ক্রিয়াছে যে, প্রকার ওরাকের ক্রিয়ারীরা পুনরার আদিবার পর্য না রাখিয়া কার্যা সম্পন্ন করেন না, প্রেরাং কাল শক্ত হয় না; ছদিন বাইতে না বাইতে মেরামভ করাইবার নিমিত তাঁহালিগকে পুনরাহ্বান করিছে হয়।

এই मोहारणाह निवादनार्थ आमा विश्वत विविचनात्र निम्नविधि छ छेशास्त्रत्र कारताचन विद्या हरू। यथन य निर्मा नाषि कार्या उनिष्ठ रहेत्व, हेक्किनिया-রেরা ভাষ্র নক্সা ও ব্যাহর অনুমান कतिया अक अक्षा हिमाव मिटवन अवः রীতিয়ত কার্যা হইতেছে কি না, মধ্যে মধ্যে ভাষার ভত্তাবধান করিবেন এবং कार्या (अप इंटेटन जाहा (मिश्रा नईदयन) কিন্তু ব হোর ভাবে খনিঞ্জিনিয়র সচ্চরিত্র शाचिक (भारकत स्टब्स मिट्ड स्टेटर । क्रक वास्तित रूट्य कंकिएमरे ও वाश्चात एक कार्या नमर्शित इहेटल श्वनिक ওয়াক ভিপার্টমেন্টের চৌর্ঘা নিবারণ इहेशा (य जुम्मतक्राट्स कार्या मण्डेच इहेटर, কোনক্রমেই ভাহার সম্ভাবনা নাই। कामण (य लाटकत ब्रह्म वासकात नमः প্রের কথা কহিতেছি, ভাষার নিয়োগ সাব্ধান হইতে कारल विटलवद्भार इंदेर्द। अञ्चल धार्चिक लाक निरशंश আৰশাক যে সমুখাগত অৰ্থৱাশিতে মতিভ্ৰম জনাইতে না ভাঁহাদিগের পারে। আমরা শুনিয়াছি, অনেক সাগু শীল ব্যক্তিও পৰলৈক ওয়াৰ্ক ডিপাৰ্ট ামেণ্ট প্রবেশ করিয়া হওচরিতে হইয়া-ছেন। আমর। যখন উলিখিত উপায় অবলয়ন করিবার পরামর্শ দিতেছি, रुथन भवर्गमण्डे कि छहा मा করিতে পারেন, ইঞ্জিনিয়রদলে কি এক জনও खान (नाक नाहे ? ब श्राट्स चामानित्रत छेखत अहे, के मटन (कहहे छान (नाक नारे, अ कथा वना आमानिरगत अछि

প্রেত নহৈ। অংশ হউক, অধিক হউক, ভাল লোক থাকিতে পারেন: কিন্তু যথন ঠাচাদিগো দার: চেট্রের নিবা রণ হইতেছে না, তথন আমাদিগের নির্দ্দেশিত উপায় অবলহন করাই কর্তব্য হয়।

ं वक्षात्व महायह वहवस्य प्रमें छ । नभरत ममुबात विषय्हे इल छ । মহাঘা এবং মফসলে তুলভ ও অপ্পা-মুলা। নগরে পিয়া বাদ কর, কত বায় পড়িবে, জানার্জনের চেক্টা পাও, কভ ৰায় পজিৰে, পীড়া হইলে চিকিৎসা করাও, কভ বায় পজিবে ; কিন্তু মফস্বলে এ मञ्जूषाञ्च याला वाटत मानाम हत । यक স্থলে কেবল এক ন্যায়। বাংহার ছুন্ভ। ত্ৰিহুত হইতে এক ব্যক্তি আদিয়াছেন, তিনি কহিলেন, মফস্থলের অবস্থা অভি শোচনীয়, তথায় বিচারপতি পর্যান্ত নাায় ও আইনসিদ্ধ ব্যবহারে অসুরাগী नरहम । जाँचति । स्त्राभ वावहात करतम, তাহা দেখিলে কোন রূপেই এরূপ বোধ **इम्र ना (य**ं **ड**ीइमिट्शत डेलट्त टक्ड चारहन । उत्तार महिहात ७ नहाया वाव লার নিভান্ত ভুল ভি। এরূপ হইবার করে क्षे कारन चारहा क्ष्यम, उभरत्त লোকেরা ভাঁহাদিগের কার্যোর তত্ত্বার धान करतन ना ; उँ। हात्रा अन्तराय कतिरल नीट हत लाटकता चार्यमापिट्रा व चिनके শকায় কিছু ৰলিতে পারেন না ; সুভরাং ভাঁহারা বৈরাচারপরায়ণ হইয়া উঠেন। মকস্বলে অনেক বিধিবিক্লদ্ধ কাৰ্য্য অনুস্থিত হয়। অহত হইতে আগত ব্যক্তি বলি। लেन, अशाकात अधिकारम हाकिम नील করদিগের স্বিশেষ गः मर्ग कतिहा থাকেন; সুতরাং ভত্ততা প্রজাদিগের দহিত নীলকরের কোন বিবাদ উপস্থিত क्हेरण श्रकात कर्ताक द्वर्घ हरू। अज्ञल इंख्या विकारत विषय नटह। बहेक

ইউবোপীয় বিচারপতিব ইউরোপীয় নীলকরের প্রতি স্থানেশীয় বলিয়া স্থভা বভ; স্থেৰ স্বাহ্মিয়া থাকে; ভাহাতে আৰার ঘনিষ্ঠতানিবন্ধন সুক্রার হয়। কালে কালেই বিচারকালে বিচারপতির ইচ্ছানা থাকিলেও চিত্ত নীলকর পক্ষ-পাতी इहेश छेटो । এরপ ছলে সহিচা রের সম্ভাবনা কি ? মফস্বলের প্রবল ব্যক্তিরা আপনা আপনি অভ্যাচরি **इहेट दिनिवृक्त इहेटवन, ८४ मछा**वना ७ নাই। সচরাচর ভাঁহাদিগের এই সংক্ষার चारह, व्यवन वास्क्रिनिशह नमान ताथाह উচিত; কোনরূপে ভাহাদিগকে বাড়িতে (म अश कर्ड दा नश । इर्क्ट नश आ भारता मि (शत माय धारा गछ। वृत्यिया सहेवात टिको शाहरताई जाहानिश्वत दुखि हरेन, প্রবলেরা এইরূপ মনে করেন।

আমর। মফস্বলের বিচাপতিদিগের রোপের বিষয় জানাইলাম, এক্সণে গ্র-র্ণমেন্ট ইছার প্রতীকারচেন্টা করুন।

क**्रिक्**लाहा ।

এবার অনেক স্থানেই স্ভিক্তির আশকা ক্ষারাছে; স্ভিক্তের যে স্থাটী প্রধান হেতু অভিরুক্তি ও অনার্কি; এ বর্ষে ভালা ঘটিয়াছে বন্ধদেশে অভিরুক্তি ও উত্তর পশ্চিমাঞ্চলে অনার্কি। বন্ধদেশের অধিকাংশ নিম্ন ভূমির শাস্য অভিরুক্তিতে নক হইয়াছে। গভ বর্ষেও ঐ সকল স্থানের লোকে ভালারপ শাস্য পায় নাই। তালাতে ঐসালা স্থানের লোকের স্থিশের কক্তি ইইয়াছে। ২৪ প্রগ্রামার দক্ষিণাংশের কভক স্থানের লোকের কট অধিকভর রুদ্ধি হইলছে। পক্ষান্তরে উচ্চ ভূমিতে উত্তন শাস্য অফ্যানিছে। ব্যক্তি ভূমিতে উত্তন শাস্য অফ্যানিছে। ব্যক্তি ভূমিতে উত্তন শাস্য অফ্যানিছে। ব্যক্তি ভ্রমানের একটু ব্যক্তি ভ্রম্য সম্পূর্ণ শাস্য লাভের সম্ভাবনা।

তমোলুক, ঘটোল ও কাঁথিপ্রভৃতি ছানেও স্বিধা নাই। গতবারে ও স্বর্ণ রেখার দ্বিতীয় বন্যাণ এই শিবক্ষযুক্ত গেথোরত গ্র নোমপ্রকাশে প্রকাশিত হণ্ডাছারা উহা সগ্রমাণ হইতেছে। আসামে অঞ্চল হইতে এবার যে একখানি কুল্পত্র আগিয়াতে, ভল্লারা তথায় কুল্পত্র আগিয়াতে, ভল্লারা তথায় কুল্পত্র আগিয়াতে, ভল্লারা তথায় কুল্পত্র আগিয়াতে, ভল্লারা তথায় কুল্পত্র আগিয়াতে, ভল্লারা কুটির ভিছে: উত্তর পশ্চিমাঞ্চলে যেপ্রকার কুটির গতি শুনামাইতেতে, ভথার এথনি ভূর্তিক আগ্রে হইয়াতে বলিলে বলা যায়। অনেক ভলে ভ্রিক্স্লাে শ্রম বিক্রীত হ

ध्येन डेलाइ कि १ विश्वनाशव शादनह লাহায়,দান একান্ত আৰশ্যক ; কিন্তু কি थकात माहाया मान करा कर्डवा ? 2298 भारतात ३७ हे कार्हिटकर **बा**रफ बार्कान्टवर शृक्षांत उद्य इत, कार्कान्टवर (य भागामा मान कहा बहेशां छ्ल, जांब। मिथिया आमामिटभन मः कांत्र कियावाटक, ওঞ্জকার সংহায়াদনে করা ছারে। না করা कुला । ऐक्कि छिलि द्रवा नके इतः योगात একথানিত বাসসূহ ছিল না, সে৪। ৫ টাকামান সাহায় পা'। ভাছাতে ভাষার কি উপকার দর্শে 🕆 পক্ষায়রে अक्शानि शृष्ट्य हिलाद मुहन ध्य मा। ভাততাৰ উলি,খত गाह्याम् विश्वाया श्रेविक ना व्य कर वामासिरात रुखा। त्म त्म कारन इर्डिकमास्त्रावना क्रेस्सिक. क्यांत बड़े मगर्य श्रद्शकानानुनाटत याँच খাল ও লাস্তাগুড়াত আবস্থ করিয়া দেওয়া হাডক এবং যে ছোলে ভালারপ भगः क्रांब्शांट्र ज्या धरेट्र ध चाटन भाग गाहे, तम्रे शाहन भटमात आभागानी ক্রা হউড়া গ্ৰহ্মেট রয়ণ এই ভাব धक्य करून। ्य शृत्या भागा वन्त्र करा হট্রে এবং শ্ন, লটয়া যাইবার যে ব্যয় লাগিতে ভাগর গন্মা ব্রিয়া লাভ ন। लहेगा मञ्जाति ७३ छिंक खर्थता द्वार्डिक পীন্ডিত গদেঃশ বিক্রন্ত করিতে হইবে 🖟 া ভেগারি অ।রাম্ভ হইনৈ ভত্ৰভা

लात्कता इंडिंट्सिन छामून প্রকোপ कान्टि भाहित्वन ना, গ্রন্মেটেরও गार्गा कर्तिया स्थान উপকার করা इहेर ।

#### --;0;---

'' ১৮৬৮ অজের এদেশীর্দিগের বিবাহের আচেন। শ

**ज'रका**शे **पाशमामित्रात विवा**रहत একটা স্বত্ত পদ্ধতি প্রবর্তিত ক্রিয়াছেন। র্থ প্রতির অনুসূত বিবাহ্যদি রাজার অনুমোদিত না হয়, তাহা হইলে উহা অবৈধ বলিয়া পরিগণিত হইতে এবং ভদ্বিবাহজাত সন্তানেরা ধনাধিকারবঞ্চিত ছইতে পারে। এই আশক্ষা করিচা जारका व विदाद इत देवश्रकात्रम्मा मनार्थ **थार्ट्सिन करत्न। धाम**ी अख्रमःकाख এक जी प्याहेरनत পा खुरलशा ५ ला (मर्स्स ষ্ট ৰাব্ভ,প্ৰসভায় এচেবশিত দৰ্শন করিলা **চমহক্ত হইলাম**। **উ**হার শিরস্থানে লেখা আছে, '' খুফী ধর্মার-লম্বী নয়, এৰূপ ক'ইকগুলি জ্ঞারতব্য, য়ের विवाहरूत देववडामम्भामनार्थ **आहे**रनत পাওুলেখ্য । পরে আছে, র্ণ যাহরে। थृ के भगावलधी ना ध्वः हिन्छ्, सूनलमान বৌজ, পাট্টমী, ইজনীদিগের প্রবীত পদ্ধতি অনুসারে বিবাস করিবার আপেন্তি করে।" এরপ লেখার উদেশা কি: খুট ধর্মের (बला शृशें धर्मादेल श्री नग, এই कशाही म्भार्गे कार्य (लथः इक्टेलः। किन्नु हिन्दु ধর্মাদির এসজে নেধা হইল, তত্ত্ পদাভিলমে বিধাহ করিতে স্নাপত্তি করে। বোধ কর এক ব্যক্তি আর সমুদায় কাষা ছিল্ছ প্রথানুসারে অনুষ্ঠান করি তেছে, কেবল বিবাহের সময়ে ঐ প্রথা পরিক্যার করিয়া অন্য প্রথা অবলয়ন • तिलः काहात विवाह । **এই आहेर**नत अनू मारत रेवथ इक्टाव कि ला ? य, म इस, এটা সমাজের উপকারক না হইয়া অপকা तक इकेश **फे.ठिटर मदल्यह** नाङ्गायांच

কোন হিল্ছ ছুই টাকা রেজিকরী ফী, দিরা এবং তিন জন সাফী রাধিয়া কোন বেশ্যার পাণিগ্রহণ করে এবং সেই শেয়াকে লইয় আপনার পৈতৃক বাস ভূমিতে অবস্থিতি করে, সেটা সমাজের উপকারের না অপকারের হইবে ?

ত্র কোরা যধন বিবাহের স্বতন্ত্র প্র-তির স্থিত করিয়াছেন, তখন মেই পদ্ধ ভির অনুসারে चिनि विवाह করিবেন, उँ: हात विव ह मिक्ष इट्टेंब, बहेबान. आहेन कदिएन कि मर्त जीन मजन इहेड ना ? डाहा कदिएल हिन्छ्थम् नित न्यात् ত্র স্বাধর্মের স্বতন্ত্ৰ হ স্বাকার করিয়া উহার গৌরা রুদ্ধি করা হইত সন্দেহ নাই। আমরাযে অনিটের আশক্ষাকরি তেছি, ভাছাও থাকিত না। ব্রাকোর वबलिबक्ल कहा किंग्न वित्वहना করিয়া পাগুলেখ্যকন্তা উক্ত ্কার পাखु त्लथा कतिशह हा, (तह (कह अहे क्ष यदनमः, विद्धः आभाषित्वतं विद्वहमः। এটী অভি অকিঞ্ছিত্রর বাকা। ব্রহ্ম দিগের অবলম্বিত নির্দ্ধিক পদ্ধতি অনু भ. दत य दिवाङ इट्टेंब, छाङाहे खाळा বিবাছ। যদি এ লক্ষণনা হয়, হিল্ছুও মুসলম ন প্ৰভৃতি বিব হেরও लकन क दरक इस। हिन्द्र्यभाञ्चलाद्र িবাহ করিলা ভাহার অপত্রুব নরা ষ্ট্র সহজ নাহর ব্রহ্মবিবাহের অপহুর कताई वा किसरल भड़क इहेरव ह

পণ্ডি লেখে বরের ১৮ বৎসর এবং ক
নার ১৪ বৎসর বিবাহের যে বয়স ির্দারণ
করা হইয়ছে, এটা অতি উত্তম হইয়ছে।
কনারে ১৮ বৎসর বয়স পূর্ণ হইবাব
পূর্বে সে যদি বিবাহার্থিনী হয়, পিতা
মতোর অনুমতি প্রহণের এবং বহুবিবাহ
কারির দত্তের যে বিধি করা হইয়ছে,
দেটা ও উত্তম কম্পে। এই পাতালেধা
একটা অসম্পূর্ণতা দেখেও লক্ষিত হইল।
প্রী অথবা স্থানী পরিত্যাগের একটা

ধারা ইহাতে এবেশিত করিয়া দেওরা কর্তব্য।

> কলিকডা রাজবানীব যেগে: স্থান কি না ?

যথন কলিকা ভায় নিউনিদিপালিটীর এত ধুম ছিল না, ডে ্ণ ও পয়ঃ প্রণালীর নাম গদ্ধও ছিল না. তথ্নকার প্রব্র জেনেরলেরা কলিকাভাকে অস্বাস্থাকর विविशा निर्फाण करतन नाहे, उाहाता निमना व्यवधानात्रकिनिष्ठ ह कनिका छात त्रामधानी कतिवात कथन श्वश्च (मर्थन नारे; किन्न कि चाम्हर्या, मंख वर्गात्र পর কলিকাভা হঠাৎ এমনি অস্বাস্থ্যকর **उ वारमत व्याया १ इस्ता डिजिन, रा** अक्रनकात ध्रधान शुक्रापता निध्यवकात আর এখানে থাকিতে সাহগী হন মা! व्यथवा अक्रम द्वरा व्याम्हर्यात विषय नत्र। शृक्वकात क्षश्चन ताकश्करवता সন্ধিবিগ্রহানি বিষয়ে সত্ত লিপ্ত ছিলেন তখন ৰূতন নূতন রাজনীতি ও কার্যাঞ্চ নালীর উদ্ভাবদের আবশাক্ত। ছিল: স্মতরাং তাঁহারা পরের অর্থে আপনাদি গের ভোগবাদনা চরিভার্থ করিয়া কালাতিপাত করিয়া যান, এরপ অব मत शाहरजन ना : कारक कारकह किल কাতা অস্বাস্থ্যকর, এখানে বাদ করিলে भौवि उकाल मः किथ इहेशा आधिर्द. **डीहामित्र**त এপ্রকার আ ভত্ত क्रप्रकान थाल हरेड ना। প্ৰ প্ৰ **रक**न्द्रली प्रश्तित উৎপাত নাই; সন্ধি বিগ্রহাদির ভাদুশ চিন্তা নাই: এখন আর কোন বিষয়ে আয় ভুরবগাছ চিম্বায় মগ্র ইয়া ক্লো পাইতে হয় না: এখন কোন आটি । বিষয় উপস্থিত হইলো (केंद्रे (मर क वेर्ग इ তা हात्र मीमाः मा कतिया पिया थाटकन ; कारण कारण है अभगकात शवर्गत (जनत লের। ভোগাভিলাষী ব্রয়া উঠিয়াছেন।

যে পুত্র পিতার অতুল সম্পত্তির অধি
কারী হইয়া অর্জনকেশ হইতে মুক্ত
হয়, শাহকে ভোগের উপারস্কিতেই
বিশক্ষণ পটু দেখিতে পাওয়া যায়।
অতথ্য এক্ষণকার গ্রন্থ ক্ষেন্যলেরা
বিলাদী হইয়া যে শৈল্বাদের অস্থেষণে
ভৎপর হইবেন, দেটা বিস্মায়ের বিষয়
নহে।

উপরে যেরপ প্রদর্শিত হইল. जाशांट अरे श्वित हरेट छह. रेमानीयन গ্রন্র জেনেরলদিনের ভোগপ্রিয়তা ও অলীক শক্ষা ছানাস্তরে রাজধানী করি-वात शक्कारवत श्र्यान कात्रण। व्यानात অথবা অন্য সুবিধা অসুবিধা পরিপণিত इहेटकट्ट्ना। अक्टन यामता रम घटनकटक रेमनिवहाती (पिश्टिंग भारे, मिने खरा নের অমুকরণমাত্র। শত বংগরে কলি কাতা যে জীশভার হইয়াছে, গ্রণ্র क्ष्मत्रन हेशांक भतिकाश कतित हैश य जन्म (महे बीजके हहेर्य, व अनि-ফটীর বিষয় কেছ চিন্তা করিতেছেন না। প্ৰৱেডবাস করিয়া শাসন কার্যেরে যে কি সুবিধা হইতে, ভাষাও আমরা হাদয়সম করিতে পারিতেছি না।

🗸 কলিকাতা অস্বাস্থ্যকর, ইহা সপ্র. মাৰ করিবার নিমিত্ত লাভ কানিত, উট লসন ও রিচিশাছেব প্রভৃতি কয়েক প্রধান ব্যক্তির হতাকে উদাহরণছলে প্রদর্শিত হইয়া থাকে। আমাদিগের বিবেচনায় এ আপত্তি যুক্তি সহ নছে। এক শত বংগরের মধ্যে কভ প্রধান লোক কলিকাতায় শানিয়াছেন এবং সুস্ত শরীরে স্বদেশে এতিগমন করিয়াছেন। কলি कां जा यिन यामत १४१ महात हहे छ. আমরা কাছাকেই স্বদেশে প্রতিনিরন্ত দেথিতে পাইতামনা। পকাদ্রে ঘাঁহারা क्लिकाठाएउই রাজধানী পাকুক, এই মতের সমর্থন করিতেছেন, ভাঁহার। উইল দন প্রভৃতির মৃত্যুর বিশেষ কারণ পদ र्भन कतिशाद्यन।

কলিকাত। পরিত্যক্ত হইলে রাজধানী কোপায় হয়, ইহা লইরাও বিলক্ষণ নতভেদ হইতেছে। কেহ কহিতেছেন দিনলায় রাজধানী হউক, কেহ কহি তেছেন দারজিলিঙে, কেহ বোদাইয়ে। বখন এ বিষয়ে মতের ঐক্য হইতেছে না, একটা স্থান সর্ক্রাদিসম্মত হই-তেছে না, তখন রাজধানী যেখানে আছে, সেই ছানেই থাকুক, এই সিদ্ধা

- V

এপ্রকার দুন্দুত্বে আমরা গভ বারে যে সম্পায়ের নির্দেশ করিয়াছি लाम, उपलब्द (खाशुकल्या। भवत्व জেনরলের স্বাস্থাপাস্থা লইয়াই প্রধান কথা। কিন্তু যদি ভারতবর্ষের প্রতি প্রেসিডেক্সিতে এক এক জন প্রণ্য वाश्विशा भवनंत रक्षमत्रामत अपनि छेठा. ইয়া দেওয়া হয়, সমুদায় আপতি দুর হুইয়া যায়। যিনি বাঙ্গালা প্রেসিডেন্সির গবর্ণর হইবেন, উাহার যদি কলিকাতা দহানা হয়, তিনি উত্তর পশ্চিমাঞ্চল वाम कतिर्वन। हेर्ल छहे आमामिर्शत वाकशानी इडेक। दथन मकल विष्ठा है সুবিধা হইয়াছে, এখন ইংলও হইতে ভারতবর্ষ শাসন হুরুছ হইবে না। ইংলও जातक वर्षत दाक्यांनी इहेता जातक वर्षी য়েরা অধিকতর উৎসাহসমস্থিত इहे-বেন। এদশীয়দিগের ত্রিটিশ লাজের প্রতি ক্রমেমম গাভিমান জিমিবে। ইংলতে স্বাধীন শাসনপ্রণালী, এখানে তাহা নাই। এখানে ব্যবস্থাপক সভাপ্রভৃতিতে স্বাধীন লোকদিগের প্রবেশাসুমতি প্রদান করিয়া স্বাধ্ন শাসনং পালীর বাজ বপন করা হইয়াছে। ইংল্ড রাজ্যানী হইয়া ग्रिट्मिय रेनक्छे। मश्या १३८ल (गई वीक অঙ্করিত ও বৃহৎ বুকে পরিণত ২ইং৷ ভারতবর্ষীয়দিগকে শবর ভাষার উপা (मह कना जाती कति व मान्स् नाहे y

भाउना (दन श्रा

আ্মাত্র কার্য্য সম্পন্ন না করিয়া বিশ্ব ভয়ে পরিভ্যাগ করা ইংরাজ জাতির ল্বভাবশিদ্ধ নহে। এ স্বভাবের যে বার্চি ক্রম ঘটিয়াছে. दक्षरमान वर्छमान লেপ্টন্ট মাতলা রেলওয়ের পরিভাগে ডদ্যত হইয়া ডাহার পরিচয় দিরাছেন। বল্লক টাকা বল হইয়া গিয়াছে, আৰ बर्यय नक छोका वाय कतित्व डेशत গতি হইতে পারে, এ সম্ভাবন, থাকিতে উছা ত্যাপ করিয়া আদা কাপুরুষের লকণ সন্দেহ নাই। অন্তরের সহিত যদি চেটা পাওয়া হয় বিলক্ষণ লাভ হইতে পারে। শিয়ালদের ইইতে দোণাপুর भर्या न चारताहीत मार्टि विम लाज व्यादकः। गरशः मरशः **Balthugists** লাভ হয়। মাতলা ইইতে আবিদ কালি कारकेत कालिकात कामजानी इहेटकरहा श्रमत वन काम्यानित्क भवन्ताक श्रम অসুংশাহিত না করিতেন, ভাষা হইলে উচার অধিকতর আমদানী হটত। এথ गड भवर्गालेह कर्छवा चालना प्रिशं অসুদারভাব পরিতাগে করিয়। উহাদি গৈর উৎসাহ বর্দাকরেন। মাতলায় চাউল এক্সত হটবার ক্ষেক্টী কলও क्ष उ रहेट उ जिल्हार । क्षेत्र व रहेल উহাও একটী আয়ের ডংকুই উপায় ष्यात गनि श्वन्यान যত্ৰাৰ হইয়া মাতলায় জাহাজাদি অসি বার তপায় করিয়া দেন, ক্ষতি ইইবার (कानध्यकात अधारना धारिक्द ना।

অপ্র, মাতলায় আর অর্থবার করা ও তথা জাহাজাদি গমনাগ্মনের ব্যবস্থা করা যদি গ্রণমেন্টের একান্ত অন,ভ মত হল, দোণাপুর হুইতে কুম্পিপর্যন্ত একটা গোল গুলুন। তাহা খুলিলে কেবল যে হাহাজ গমনাগমনে লাভ হুইবে এর গলহ ঐ লাইনে অধিকাংখা লোকের

গমনাগমন এবং কাঠ ও আতব ত্তু লের ব্যবদায় ছাংগ ও অধিকতর লাভ ছইবার সন্তাবনা। দক্ষিণ অঞ্চলে ত্তু লের একটী বিলক্ষণ ব্যবদায় আছে, অনেক টাকার ক্রের বিক্রয় হইয়া থাকে 1

> সিয়ার আলি ব'। ও ভারত-ব্যুমি গ্রুণ্মেন্ট।

নিয়ার আলি পুনরায় পিতৃদত্ত সিংছ, সন প্রাপ্ত হু ই্য়াছেন । তুরাত্মা আজিম খাঁ। দূরীভূত ছইয়া অবেদুল রহম-নের শ্রণাগত ছইয়াছেন আফিম যে সমস্ত অত্যাচার করিয়াছিলেন, সিয়ার আলি তাহার এতীকারচেন্টায় আছেন! তিনি বলপূর্বক যেসকল লোকের অর্থ গ্রহণ কর্যাছেন, সিয়ার্থালি তাহাদি গের কেনে উপায় করিয়া দিবেন, এই রূপ অস্থাসংদান করিতেছেন। **যে**স-কল সর্দার সিয়ার আলির বিপক্ষ চইয়াছিলেন, তিনি তাহাদিগাকে জন্ম করিয়াছেন ৷ এইকপ তিনি আপনার উদার্যাদি গুণের পরিচয় প্রদান করিতে त्ह्रम । त्वाथ इ.। अहेमकल विद्रम्य छन দেখিয়<sup>াই ত</sup>ের পি**তা** দো<del>ন্ত মহম্ম</del>দ ভ,হাকে সিংহাসনের অধিকারী করিয়া যান। কিন্তু দ্রুংখর বিষয় এই আমাদি গের গ্রণ্মেণ্ট আঁচার ঐ সবল গুণ গ্রহণে সমর্থ তন নাই। অ'মরা প্রথমা-ব্যৱহাত ক্ষায় প্রশ্মেণ্টকে ভাঁহার সহিত মৈত্রী বিধানের অনুরোধ করিয়া আদিতেছি; কিন্তু কি বুঝিয়া বলিতে পারি না, গবর্ণমেণ্ট তথ্ন তাঁহার সহিত সৎ वा: इति करत्र नाहे। कि छ अक्रान कृष्णियारक षाधामत प्रिथिया षार्मिक है ঐ অমুরোধ করিতেছেন। আহল:দের বিষয় এই, আমাদিগের গবর্ণমেণ্টেরও ভাবপরিবর্ত্ত হুইয়াছে। সিয়ার শালি ও ভারতব্যায়ি গ্রণমেণ্ট উভয়েই পরস্পর रेमज विकारन उदमुक इरेम्राट्डन।

कृष्णिद्यती मधा व्यामियाय (यथकात জাল বিস্তর করিয়াছে, তাহাতে কোন ৰূপে এৰূপ বোধ হানা যে, উহারা ঐ स्रात्तरे जग्नाख कति । तनकश्रु विटनाः দন ও রাজাবর্দ্ধনলালসাকে চরিভার্থ করিয়া কুতার্থন্মন হইবে: স্বর্ণপ্রস্থ তারত বর্ষ জয়লোভ পরিভাগ করা সহজ নয়। মহাবীর আলেকজাগুরের ভারতবর্ষ একান্ত र्हेशाहित । লে'ভনীয় **ই**ংরাচ**জ** ভারতব্বর অধিকারলাভকে গৌরবের বিষয় বলিয়া বিবেচনা করিয়। থাকেন। ইংলতেশ্বরীর মুকুটশোভা যে এত উদ্ভল হইয়াছে, ভারতব্যে আধি-পত্যলাভ ভাছার অন্যতর কারণ। এরপ লোভনীয় বিষয়ের লোভ পরিভাগে করা রুশীয়ের সাধ্যায়ত্ত নহৈ উহারা বহু দিন ভারতব্যের প্রতি দৃষ্টিপাত ক রতেছে।

যাঁহাদিগের মুসলমান ধর্মের প্রতি আতারিক বিদ্বেষ আছে, তাঁহারা ভাবি टंडरहर इस्मिरत्रता एपि यथा आत्रियात क्रम কার্যের প্রভু হয়, মুসলমান ধর্ম উন্মূলিত হইবে। ভাঁহাদিগের মতে এটা একটা পরম লাভ সন্দে নাই; অতথ্য রুশিয়ার জয়কার্যা ত হাদিদের অনভিপ্রেত নহে। ভঁহারা যে ক্ষণে এই চিন্তা করিছেছেন, (मर्थे कार्यके छात्रकवर्षत विषया छावि-क्निएसस। ये के धर्म वनशी, ইংরাজেরও ধৃষ্টপরায়ণ, অতএব উত য়ের বিৰাদ ঘটিবার সম্ভাবনা অংপ। आमाणिरशंत शवर्गस्यके एवन के जरम পতিত না হন। উত্তরের সীমা পরস্পর म्भनी इहेटल अखावजहे विवादमत नाना কারণ ঘটিয়া উঠে। এই নিমিত্ত সংস্ত শাস্ত্রকারেরা বিরয়ানন্তর রাজাকে শত্রু विलग्ना भन्ना कवित्राहरून । विटमयणः य রাজা জিগীযু হন, তাঁহার বিবাদ ঘটাইবার কারণের অসদ্ভাব হয় না। ধর্মের একভা विषय घणिक विद्यारध्य निवादर्ग ममर्ग हुन

না। ধর্ণের সে সামথা থাকিলে কুরুপা গুবে, আমেরিক ইংরাজে এবং আমেন রিকেও আমেরিকে মুদ্ধ ইইত না। এ যুদ্ধগুলি সামান্যও নহে।

বুষীন কোন বেগবান নদ স্রোত্যে

কৃষ্টি হইলা অংসিতে খাকে, পর্বত
অথবা তৎসদৃশ কোন বস্তু তাহার সন্মুখে
পাতিত করিতে না পারিলে তাহার গতি
রোধ হল না। ক্লিরেরা বেগবান নদের
ভুলা, উহাদিগের ভারতবর্ষ তিমুখে গতি
রোধ করিবার প্রধান উপায় সিলার্লালি।
ই ন উহাদিগের গতিরোধবিষয়ে শৈল্রপ
ধারণ করিবেন। অভ্যান আমাদিপের
গবর্ণমেন্টের একান্ত কর্ত্বা যে সর্বতা
ভাবে ভারার সপক্ষতা বরেন।

#### सुद्धत शुक्का

১। প্রসুর असा। এধানি সংক্ত নাটক। প্রীযুক্ত রামতারণ শিরোমণি इंकोद्र ३ हमा करिशाहिन। मः क उ নাটকে গদা পদা ও প্রাক্তত যেশকার তিনই থাকে, ইহাতে ভাহা আছে। আজি কালি সংক্ষত ও প্রাক্তের চর্চা त्यक्त प दिवल इहेशारह, व अकाव नाठेक त्रक्रमा व्याप्तात विषय मटक नाहै। हेट्या बार्थनात्रगात बिङ्ग अञ्चल वक्तानाक रेम्ट्रकःत क्रतार्थ ट्यातन क्ट्रनः। फ़बार के रिएछ त क्या शकाव छीत সহিত প্রস্থের পরিণয় হয়, ইহাই এ নটিকের বৰ্ণনীয় ইতিরত্তের সারাংশ। নাটকথানি দাভ অংক প্রণীত হইরাছে। শিৰোমণি প্ৰথম অথবা বিভীৰ শ্ৰেণী কৰি নহেন ; কিন্তু 'ভাঁছার কৰি তাওলি গদ্য ও প্রাক্তির অপেকা সম্ধিক জ্লা वाही हरेगाए। शाकु उछनि गना यान कां अधिक उत्र भी तम इहेद्राट्य। अज्ञल इहेबाव कात्रण बहे, शाक्तरण्य बल् श्राकात ব্রাচীনকালের टक्स चारह। রচয়িতারা ভদ্র লোক ও ইতর লোকের

পরশার কথোপকথনকালে সহস্ত্র সভস্ত্র প্রাক্তের প্রাহার কথিয়াছেন, কিন্তু শিরোমণি ভাল কথিছে পারেন নাই। ট্রেড়ীর বীতি অবল্যন করিয়া প্রস্থানি লিখিত হইয়াছে। শিরোমণি গোড়ীর কবিদিধের ন্যায় অনুনাপ আড়ু-যুরপ্রিয়া পাঠকগণ ভালতে এরপ অনুমান করিবেন না যে, ভাঁহার সমুদ্র কবিতাই আড়্যুরপূর্ণ। কভকগুলি কবিতা বিলক্ষণ প্রাাদগুণবিশিন্ত, প্রাঞ্জল, স্তরাং সম্বিক মনোহর হই য়াছে। ফলতঃ অনেকগুলি কবিভার রচনা প্রচীন কবি দ্বোর ন্যার হইরাছে।

२। अत्रशंयाजा। बदानि वाकाता। কলিকাতা দংক্ত পাঠশালার অন্তের অধ্যাপক প্রযুক্ত ছরিনাথ নারিরত্ব বাল-कवालिका पटनात छेलकातार्थ तामहत्स्त्रत অরণ্যোত্রা অবলয়ন করিয়া এখানি लिथिशार्धन। आपि कवि वालीकि अरे অংশে রামচকু, ভরত ও লক্ষণ প্রভৃ তির যেপ্রকার চরিতাবর্ণন করিয়া-**(इब, जाहाटि अडर्भार्ट वालक वालि** काष्ट्रित महाराजां का मार्चना , व्यू वामक निधिशास्त्र, " रेक्टकशीत यार्थ পরতা, দশর্থের সভাপালন, রামের वाकानिकी, পিতৃত कि, देश्या ও গাডीयं, লক্ষাণের সরলভা, বীরভাব ও গুণাসুরাগ কৌশলার পুত্রবাৎসল্য, সীভার পতি প্রায়ণ্ডা ও মহাসুভাবতা এবং ভরত্তের মহীয়াৰ উদাৰ্ঘ্য, গুণাসুৱাগ ও ধৰ্মপ রতা, এগুলি ভগবান্ বাল্মীকি এই অংশে অতি সুন্ধ্রন্তে বর্ণন করিয়া-(इन: " अनुवान चाँ उ देशक स्हितिह।

ত। কাব্যমঞ্জনী। এখানি ত্রীযুক্ত বলদেবপালিতপ্রণীত। ইহাতে নানা-বিধ পদো কবিতার জন্ম, কামবন, প্রভাত, মধ্যাত্র, প্রদোষ ও রজনীপ্রভৃতি কবি বর্ণনীয় করেকটা বিষয়ের বর্ণনা

করা হইয়াছে। এগুলি পাঠ করিয়া গ্রন্থ কারের যে বিলক্ষণ ক্রিত্ব শক্তি আছে ভাষার প্রিচয় পাওয়া গোল।

8 । कुभूष की नाष्ट्रिक वटनायातिलाल রায় বহার প্রণানকর্তা। অবস্তীপুরের রাজা কিলোরকেতন এই প্রস্তেব নায়ক कन्।1 क्रम्ब डी বিদর্ভনাথের নায়িকা। কিশোংকেতন এক দিবস অপ্রে দেখেন যেন এক তাপসকুমারী তাঁছার নিকটে আসিয়া তাঁছার পাণি গ্রহণের অসুরোধ করিডেছেন। পশ্চাং কিলোঃকেতন তুর্বাদা মুনর প্রার্থনা नुमारत जिल्लाबरन भगन करतन। सिहे থানে দভাতত মুনির শালনে কুমুছতীয় দ্ভিত তাঁহার সাক্ষাৎ হয়। উভয়ের প্রাণ্যার হইয়া পশ্চাথ বিবাহ হয়। বিদর্ভনাধ খীয় কন্যার বিশ্বশান্তির নিনিত সভালতের আলোনে রাখিয়া नाउत्थानि पणि चानिशाहितन । नग्रत्याचा इहेबाटह। ८न्यां ही सूचत POTE !

ে। ইন্দু: ভা। এথানিও বান্ধালা
নাট হ। গিরিশচক্ষ বন্দোপথ্যায় ইহার
গ্রন্থান করিয়াছেন। গ্রন্থকারের প্রাশংসা
করা যায়, ইহাতে এমন কিছু দেখিতে
পাওয়াপেলনা। গ্রন্থকার নানা গ্রন্থের কিছু
কিছু লইয়া রচনা করিয়াছেন। রচনা
ভাগদেও বিশেষ চমৎকারিতা নাই।

ভাগনাল স্মাগতিঃ। এখা,নঞ্চনাটক। জনীনারের অভ্যাচার বর্ণন কঃ।টকার জনীনারের অভ্যাচার বর্ণন কঃ।টকার বিশ্বনাথ মুখোপাধ্যায় আপা-নার আভূগুতোর হতার চেকা পান। ধর্মো ভাঁহার রক্ষা করেন এবং ধ্যের প্রভাবে ভবা প্রকাশ হইয়া পড়েন্নালের চেকা পাইয়াভিলেন; কিন্তু ধর্মের এমনি কথা, মাজিট্রেট সরকিটে পিয়া উচারিপের কৌশল কানিতে পারিষ্কা সকলকে বর্দা করেন: দেবনের বিচারে উহা দিবের দণ্ড হয়। ইহারও কি গণপা রচনা কি ভানা বিষয় কোন অংশে প্রস্কুকার চুচমং কারি চাপ্রেদ করিছে পারেন নাই। ৭। মনোজমা। এখানি একথানি গণেপার বহি। কন্যাদন্তানকে লেখাপড়া করান আবশ্যক, ইহা প্রভিপন্ন করিবার নিমিন একটা বিদ্যাবতী রমণী ও মূখা আমী: ব্যথার গণপাছলে লিখিত হই যাছে। এপ্রন্থেও কিছু বিশেষ চাতুর্ঘা লাকিত হইলানা।

৮। বর্ষাবিহারহেতু বিরহিণীবি
লাপ। বীযুক্ত গিরিশচন্দ্র লাহিড়ী পদে।
ইহার প্রণয়ন করিয়াছেন। সংস্কৃত ছম্ম
অবলয়ন করিয়া এখানি লিখিত হই
য়াছে।এই ছম্ম পাঠকপণের হাদয়গ্রাহী
হইবে কিনা, ভাহার পরীক্ষার্থ আমরা
করেকটা কবিতা এই ছলে উদ্ধৃত করিয়া
দিনাম।

काइन विवास की विवास । क्रवाओं । (३) न निष्यमञ्जय वर्षी (मिनिष्ट (मध्य कुड्मी ॥ সিজস্বসিক্ষাভা উল্লেখ্যে বিভাৱে मत्रम ग्रहम राज्य (चात्र वीना । ५८%। १८ क्रिक अवत विदय वाल भोत क्षकाटन । विनाम (२) वहन पण धीं छ वाटण विकारन ॥ क्रुकेंग हिक्क वनी माजनी गरा माल खतन विभव का खिला खाला अनारन म मञ्जूषमञ्ज्ञान्य क्षीर्यान डीलिस्टान । व्ययंत्र ५ वतः, भूकः क्का । दल् खर व्यक्ता दल्या अञ्चल वाष्ट्र होता । साथ भी श्रा आहा हुत । সর্ব মধুব ভাষা ভাষ জাব এ লাসে । bi. भ विश्वाकत श्राप्तक कार्य ( ) ষ্ণাহিনৰ বাৰিদ স্থন এত গো। हार (भभ भारत भाषत 'नदन्या। 💌 धराष्ट्र दालत ,गायन (वर्न ॥ 🖫 চাপ য় ডা ছত ছব সুয়েক্ত পে। ব্যক্ত সালাল শর মহেন্দ্র নালে।।

(১) মা, লানী ছালে রাচত।
(২) খোজ,
(২) খালেনী ছালে রাচত।
(২) খোজ,
(২) খালের
কারে মান্তি। এবং এই ছালের জাবিক কাবত।
খন গাল বলা হুইল মা।

ভাড়ত জলৰ দল বিঘার নাদে। সংজ্ঞ সমরত বিরহী বাদে। সাধ কাপিত অধ্র ঘোর ঘনে : যন চাওক বোলত ভোষ মনে॥ ধন আগড়ত ভাডায় মেম দলে : रिल नी हम असक श्रृत छटन ॥ নচেয়ে শি শকুল গুলছাৰসারি। (১) রশ মদ পাগর নীর নেহারে॥ ভেকত্ত ভুছদ্দম বৈর উপেথি।(২) প্ৰেষ্ট খেলভ ভয়দ দেখি। दम्युल । हो.माल दान (०) दिनार्ग। म्पूरम ऐसाम संबूध विलाहमा। मव छन (माञ्च महाभग वर्तन) ঋতুবর আভিত মন্তর গমনে॥ कीवग नामक কেছক গোৱক, भवाश ना प्रक शास्त्र । লোচন রোচ্যি कुल यकुक्तीय. ष्ट्रेन्स् (काल श्र श्रुष्ट ॥ আধাৰদানৈত, মালভী পুজ্পত, সৌবভ ব:হত বাতে। কুষাত ভীতব. वार्ष द्भाग चन्न, मां हे के के अपन सार्व ॥ শোজি স্বোবন, शक्रभारताक्त, 🕶 शिक्ष भीत भरी हम। मा। यम रामात. বাল ভ্ৰাকুর, রাজাত রম, প্লিংন: ला वि मह्याम्य. म यम ५ छ छ। ক্রাড়ান কুঞ্জাক ভীরে। इरम् ८लाक र देनदन (अंडांर्ट्) ६४० जित्न श्र<sup>की</sup>रत्स প্রারপ পর্য শোভত ওঞ্জা। ि, इस वक ,य क्षा कर्राटा। যে র মনীড়াই রাজানী পারেশ 🖟 ছে ব গ্ৰন ধন প্ৰাণ উদাসে॥ कान उकी সূত্র কলক আভাসে। উঞ্জ, ব .খত তল ন্যন ৰিলাসে॥ ধানা (গাছ যাত অবনত গাতে ' (इस इ / हाम उ वा अ व्याघार उ ॥ मुत्रकृत (मान्ड त्रहम (बङ्गा छटा। শার্ভ শশার দল ইত উত্ত ধাওয়ে॥ ভূকর খেলত পঞ্চ মাঝাবে। মহিষ ক্লাৰভাচত সরজি সাভাবে॥

৯। হিত্যাধিনী। এখানি আসিক পিত্রিকা। প্রথম থও ও প্রথম সংখ্যায় পিত্রিকাব উদ্দেশ্য, ঈশ্বরজ্ঞাত্র বিদ্যা, বর্ষা ও শারদের দ্বন্থ এই কয়টা বিষয় সন্নিবেশিত দৃত্ত কইল। ইহাতে স্থানা এবং নিত্রাক্ষর ও অনিত্রাক্ষর ছন্দে বিষয় কয়টা লিখিত ইইয়াছে। এক্সপ্রথমিকা স্থায়ী হইবে, আমাদিগের এক্রপ্রথম হয়না।

# वाथ ।

নর রিচাড টেল্পালের ষত্রে ক্রবকনিগের উন্নতিজন্য প্রতি মহকুমার সেবিংব্যার স্থাপিত ছইতে চলিল। জামরা এই সমর মফস্বলের অবস্থা ব্যাপ্তস্থাপনকর্তাদিগের স্নয়লম করিরা দি। প্রার্থনা এই কর্ত্ত পক্ষ বেন মক্ষ্যতের অবস্থার প্রতি দৃষ্টি রাখিরা ব্যাক্ষের নির্মাবলী স্তাপন ও স্পৃত্যলা পূর্বক কার্যানির্কাহ করেন।

কুষকেরা সহকুষার ২০ মইল, তুল বিশেষে হভোধিক দুরেও বসতি করে। প্রায়শঃ শভকরা মাসিক তিনটাকা চুট্ चाना छात महाकातत निकड़े होक। कर्छ-नम् । (कान दकान चूरन क्रमनः नश्वर महत् টাকা লইয়া চৈত্র মালে শতকরা ৩১। সোয়া একত্রিশ টাকা হিকাবে স্বন্ধী দেয়। ভাষ্ট্রে সময়ে সময়ে নিভাপ্ত দায় পড়িলে আড়ি টাকার সানিক তিন পাই স্থমত দিয়া থাকে 🖂 চৈত্ৰ হুইতে আমাঢ় মাসণ্যাত ৰংৰ কুষ্ক (एत्र घट्तत धाना नि: ग्राम्य स्टेब्र) निटास्ट আহাবের ক্ট হয়, সেই সময় মহাজনের निकटि (व धाना श्राम कतिमा सुन् महाज न्त्रा देशांक भाषन वर्षा आविश छ ভালে ভাত ধানো পরিদোধ করিলে শিকি রুজি ও অগ্রহারণ মালে আম্ম ্ধান্যে পরি শোধ করিতে হইলে জর্মার ছি । বিভে ইছ। 🖈

বেসকল মহাত্র মফ্রলে বস্তি
করে ও ক্রকনিশকে নাকা কর্জন দিয়া থাকে,
তাহাদের মূল ধন হাজার টাকার অধিক প্রার
দেখা যার না। শতকরা ২।১ জন অধিক ধনী
দৃষ্ট হয়। এই সকল লোকের টাকা আদান
প্রদানের প্রণালী এই—ক্রমকাদপের সহিত
সাক্ষাৎ সহজে টাকা আদান প্রদান করা অভি
শর ক্রকর যাহারা এবংপ বিবেচনা করে ও

<sup>(</sup>১) বিস্কার করিয়া। (২) উপেক করিয়া

<sup>9 )</sup>刘强!

<sup>(</sup>১) বক্ষেৰী (২) ঝিলা জন্নই, (৩) সরোবৰে

লাক ই আক লোগ্য ইয়। ও অজ্যাত্ত্র
লেডা বলে।

,ৰপে মৰ্থ ব্ৰহা ক্রিছে ভাল বাংস, **এহারা গণিয়ান মহাজনের নিকট টাকা** গচ্ছিত রাখিয়া প্রারশ শতকরা বার্ষিক ১৮ ্টাকাও কোন কোন স্থলে ১২ টাকাও স্থল বিশেষে অধিক টাকা রাখিলে স্থান কল্পে ৯ টাকা স্থ পাইরা থাকে। যাহারা মহাজনের নিকটে টাকা গড়িত রাখিতে অল লাভ বিবেচনা क्टब्र, अथे एक देश का बाह्य ने बाह्य ने बाह्य কৌশলে নিজ ব্যর পোষাইরা লইতে চার; ভাহারাই কুষকদিশের নিকটে উক্ত নির্মে स्म बहेत्रा होका ও धाना कर्ज मित्रा शदक। ইহার৷ কুষ্কভিন্ন অন্যান্য লোককেও সোণা ৰূপা বন্ধক রাবিয়া আৰশ্যকনতে শ্ৰতি টাকার মানিক আধ আন৷ অথবা তিনপাই **पूर्त होको कर्क** (प्रमु । भक्षप्रानंत अक्श অৰ্ম্বার ৪॥ - টাকা হলে গচ্ছিত 'কো রাখিয়া c টाका स्टान क्रयक मिश्रक টाका कथा पिटन খ্যাস্কের কার্য্য স্থ্রিধানত চলিবে কি না ও ভবিষ্যতে উন্নতি হইবে কি না, তাৰা ব্যাস্ক ञ्चाश्रवक जीनिरगंत श्रुत्ति है विस्वत्ना कता उंडि इ।

ক্ষকদিশের সম্পতির মধ্যে কৈবল করে কটা বলনগড়; মূল্যবান বস্ত আর কিছুই খাকেনা। সই গড় উত্তম হইলে তাহার মূল্য ১৫ ও অধম হইলে ৫ টাকা হইতে পারে। অত্যেক ক্ষকের প্রতি লাজলে ছুই অথবা তিনটা করিয়। বলদ থাকে শ্রানা ক্ষিলে তাহাই বিভার করিয়া মহা ওবের ঋণ পরিশোধ ক্রিতে হয়।

কৃষকদিগের এখনও একপ সংকার বন্ধা মূল রহিয়াছে যে ইংরেজের। ফাকি দিরা লোকের যানের্কাশ্ব লইয়া দেশে চলিয়া যাই বে। কাগজ (নোট)দিয়া টাকা লওয়া তালার শ্রমাণ দেখার। এ.প অবস্থার ব্যাস্কের নিরম কর্ত্তাঃ বছটিস্তাল লভা আবলাক এবং ব্যাস্কে র অধ্যক্ষগণের একপ ভন্ততা আবলাক যে কার্যাপ্রধালী দেখিয়া কৃষকের। গ্রন্মেন্টের লদভিপ্রায় ও আপনাদের ভবিষ্যত্বতি এবং আও উপকার সহজেই হ্নর্জ্য করিছে

# বন্ধীয়দিপের দৈহিক অসুন্তি। ( গভপ্রকাশিতের পর )

পূর্ব পূর্ব পত্রিকাসকলে পরিণয় ও শিক্ষা প্রণালী, রাজকার এব ইংরেজানি ভিন্ন জাতীয় ব নিক্রিগের কার্যালয়ের কার্যাপ্রথা ও মানকদেবৰপ্রভৃতি বিষয় লিখিত ছট রাছ। জন্য নেশীয় নারীগণের ফুড়ভা বিষ রর বর্ণনা করা যাইতেছে।

विमा अधूना धरन विमान अञ्चल जिनित বিনষ্ট হয়, হিতাহিত বিবেচনা হয়; বিদ্যা লোকদিগকে নত্ৰ বিনীত সরল ও সং সভা বাপল করে। বিদ্যার রসাস্থাদনে কোমল রসনাৰ অধিক কোমলস্ভাব তাপ্ত হই ৷ মুধানমাৰাক্য ৰান্ধি বৰ্ষণ করিয়া শোৰসম্ভপ্ত লোকদি শর তাপিতান্তঃকরণ শীতল করে। বিদায় স্থসক্ষতা ও সমৃদ্ধিরুদ্ধি ইইটে পারে। বিদ্যারূপ কল্পবুক্ষে নানা বধ স্থা ও শুভকর ফল প্রাপ্ত হ ভরা যায়। কৈন্ত কি পরিতাপের বিষয় ! এমন অমূল্য বিদ্যাধনে এদেশীয় প্রায় যাবভার অঙ্গনা নিডাস্ত ব্ঞিত। এদেশীয়ের। আপন তাপন প্ত **मिगाटक विमाण्याल ज्या क** त्रियात छ न, দাতিশয় যত্ন ও চেঠা করিয়া থাবেন , কিন্ত কন্যাগণের বিদ্যোপার্জননিমিত কিছুমাত্র यञ्च ଓ (कान क्षका। हेश्राय व्यवस्य करहर मा। ८७ ही अञ्चल थाकूक, ভाश्मिग्रक > की প্রদান করা আবশ্যক কি না বোধ করি অনে **কেই তালা আখেও এক** বার ভাবেন না। अञ्जानन अकाबाक्त वाक्ति। यातकोदन দাসীয় ন্যায় গৃহকার্যসকল নির্জাত করেন বোধ করি ইহাই ভাঁহাদের অভিক্রেভ প विद्यावीन इरेटन व , न प्रति अ শংসারের উপকার হউতে পারে, **প্র**ীপণ বিদ্যাৰতী ৰ্ইলে দেইকপ অথবা ভদপেকা অধিক পরিশাণে দেশের ও সংসারের জীবুদ্ধি সাধৰ হওয়া অসম্ভৰ নহে। জীপ্রুষ केम्प्र इस्मत निक्ति हारेल नश्मात वि **च**डाम्ब्सं **च**निर्स्तव्यीत ञ्चान्यम् हता। কোন হবের জগভাব থাকে দা। গৃহস্থার্য্য শুলি কেমন ফুচারুৰপে নির্বাহ হুইডে পারে। শিশুগণও বেম্ন ফুন্দর্কণে প্রতি

and the control of th পালিও 🏓 সং স্বভাষাপন্ন ইতে পারে -আৰ্লাগন চির কাল মূর্ব থাকিবে, ইহা ব'দ जगनीयात्रं अভिध्यत रहेत, लाहा रहेत **जिनि गाँडीगंग्य क्रमित्रांद्र नाद्र बुद्धि छ** শরণশক্তি এভূতি মান্দিক বুভিগুলি এদান कतिराउन मा। व्यथना व्यवस्थित हो निका £ ह नि उ कदिवांत कवा विरमध यत्र € क्रिम সীকার করিভেছেন এব-'অনেক দেশছিতৈষী ভত্ৰসন্তান স্থানে বালিকাৰিদ্যালয় স্থাপিত করিয়া বালিকাদিগকে শিকা প্রদান করিতেছেন : এওলি দেশের গুভলক্ষণ সন্দেহ নাই। সাংসারিক অধিকাংশ কার্য্য ও স্থ ছাথ জীপণের অভি নির্ভির করে: ভবে স্ত্ৰীগণকে অজ্ঞানায়ত রাখা কি প্রকারে যুত্তি যুক্ত ও নায়ে সুগত বলিতে পারা যায়। ভাতৃবিগোষ, গৃহবিক্ষেদ, প্রভিবাদী ও অন্যান্য আগ্রীয় স্বচনগণের সহিত বিবাদ বিস্থাদ নি প্রায় ব বতার সাংসারিক বিশুখ লত। স্ত্রীগণের মূর্ব ভানিবন্ধন ই ঘটি পাকে। স্ত্রীজাতি ছেন, হিংসাও পরনিন্দাঞ্চড়ি গুণের কিছু অধিক বশীভূতা। অবভিজ্ঞ অবলাগৰ শিশুপালনাদি কাৰ্য্যে বিশায় অজ ইহাতা প্রপ্রদায় বাস্থ বিক मः ऋ दिवं व नाव छी। इट्टेंग डिस्ट कार्या महत भनाभा करियाबादकन। किन्नु कि जीम्हर्वा আমরা তাহাদেরই হতে এন প ৩.৮ওর বিষ য়ের ভার দিয়া সম্পূর্ণম্প নিশ্চিঃ থাকি भूथ कि करन स्र्निय क बहेटड शादत ? अस कि क्यम अभ अमार्क इंडेटक शास्त्र है निक গণকে প্রতিপালনার্থ কিতাহিতকানাদ মুগ স্ত্রীগণের হড়ে অর্পণ করা ডাইনের ছাতে পো সমর্পণের ন্যার হয়। অবেশ অবল গণ শিশুপস্তানগণকে সর্বাদা ভূতাদির ভয়প্রদশন প্রচার ও তাড়না করিব: शास्त्रमः। वालकवालिकाशन अहे थान हहे-তেই ভর শিক। করে 🏓 ভারুষ হাব হয়। অনেক মূৰ্থ সাভাৱ দৌৰে অনেক বালকে; চৌৰ্য্যের অভ্যাস হয় | ৰালকগণ অসৎ কাৰ্য্যে আরুজ হইলে অনেক মুখি মাতা কেহ বা বাং ললাবশতঃ ভাহাদিশকে নিষেধ করেন না; ক্রমে এনে ভাছাদের সেই পহিতি কার্য্য গুলি এমনি অভ্যান হ'ই, ৰায় যে, অধিক বর্ষেও তাহারা তাহা ভূসতে পারে না

শিশুগণ মাতার ষত্নে ও যেতে এটিপালিড 🍴 ব লয়া পি ভার অপেকা নাভার কিছু বিশেষ গ্ৰিষ্ঠ ও অনুস্ত হয় এৰ মাভাৱ নিকট সর্বানা থাকিতে ভাল বাসে। শাস্ত্রকারের। करहर मक्रप्राट्य अधःव महे बद्धः याद्यात বেমন সহবাস ভাগাব ে:মনি অভাব হয়; ন্ত্রা° বালকের। মাতাদিগের সমস্ত দোষ व्यक्षिकांत कतियः तरमः धरे बरश कडा মাতারা বালক বালিকাদিপের বিভন্ধ কোমল ধভাৰ বিনষ্ট ও দূখিত করিয়া ক্ষান্ত হন এক্স নতে, নানাবিধ কারণে ভাষাদের স্বাস্থ্যভঙ্গত করিয়া থাকেন। এদেশীয় স্ত্রীগণ পুরুষের অপেকা কিছু ধর্মভীর। তাঁহারা নেবতা, উপদেৰতা ও ভৃতংগুভানিতে ভক্তি ও বিশ্বাস করিয়া থাকেন। এডলিবজন বছ-ভর **অনি**ঔ ঘ**টিয়া**পাকে। সন্তানের পীড! হ**ইলে অনে**ক মু**র্ষ মাতা** উপদেবের আবি-स्रोब कान करिया (बाफा) चानां वा आज़ाई বার বাবস্থা করেন : ভালাতে অনেক বালক মৃত্যুমুধে প্রিড হয়। অনেক মুখ **য**ধারী ডি म खात्न व আহারের 41 51 ব্যবস্থা করিডে পারেন না। ভাছাতে অ.ৰজ ৰালক উদ্যানয় ও অজীৰ্ণতাদি নানাবিধ রোগাঞা অ হন। কেই কেই বা চিপ্তক্র হুইয়া থাকেন ও সাংসাদিক কার্য্যের ব†ছিব হৰ ৷ কেল কেল বা অচিয়েই মৃত্যু মুবে নিপতিত হুইবা মুখ্ মাতাদিগকে খণ ডিম্প্রস্বিনী হংসীর প্রতিপালফ ছুরাশা নাম্ভ গৃহচ্ছের ন্যার হাড়াল ও লো,কার্ড করিয়া यात्र ।

~~~ , c . .....

# (विविध भश्य म । াও এ জাবিন সোমবায় ।

ভাৰ্জবৰীয় প্ৰশ্ৰেক কলিক ভাৰাসীদি । এ ব্যক্তিত সক্ষ্ময় ৷ ্রার একটা ।বলের উপকায় -কার্যাছেন। ভাষি .मद्रा मक्त्या धाँखरान कथाना कारहा अख्टाह শীল্প বজালে ওছুপ কবিবার মান্স করিয়াছি ्न्य । १ (राहा अभिनेत्र ए छ रहे, छ। व्यवहरू ক্রিয়া লেকে ভাগান্ত্য গ্রেগ্মিট্টের নিকটে भ'क्षि हा,केष्र,<sup>हे</sup>ं । त । श्रद्धेत **८समद्रत** चाँल्या ক্ষেন, তিনি 🚁 । ধালায়, দিতে । ধাৰতে নহেন। ভেতুৰেৰ যে জাবন সম্পূৰ্ণ কইয়াতে, ভাৰোডে জি

डिलकात रहेल, हैंका यक जिल जा आजा शहेरित, पण मिन पात (णुन कर्दा कर्डन, नरह। क्रक्टिन দিগের পক্ষে এটি এক শিক্ষা।

আজমীরে রামাৎ মহাজদিলের যে আবেসপ অংচে ভালার ভণ্ডল মহাত প্রীয়ান হইয়া মঠ ও কংবংক্রা**ভ সম্প**্রি আত্মসাং করিবার <u>েপুটী কমিগনর সিদ্ধান্ত করিয়াছেন বিশেষ</u> ধ্যস্থানে ডেব্ৰু নিজিত্ব যে সম্প্ৰিক থাকে, ভাইচ বংশিক বিশেষের নাছ : আন্তেএব পুনীয়ান মহা-उटक कठे ए। अ क∫रूए दहेट्ट एइ। ऐखन हहे-

मह वर्शिम शिकात्मव महान्न वह्यादाकीय এদেশে অভিকারই আলিয়াছেন। কিন্তু আমের। পেখিতেটি এগণে প্রধান বিচারপ্তির অংনক নিদ্ধান্ত মৃত্যি ও চিরাগন্ত বংবছারের বিরুদ্ধ হয় ক্রেচ। িনি সম্রেডি নিক্ষতি করিয়াছেন कार विक्री निर्भातनिहा वश्यि कहें दिसा छ ক্ষেত্র'য়ে যে ক.জি. কাল্লমিক **ঋণী**ৰ সম্পত্তি নীল'মে জায়ে কবিয়'ছেন, ভাগা প্রভাপণ কবিতে চচ্বেনা পুত্ৰপুকে ভরণ পোষণ নং করিবাং 'ব্যুর্র সিদ্ধান্তও এইপ্রার। বার্দ্ধান্ত ক্রমণঃ অপিনার ক্ষমতা প্রকাশ করিতেতে কি ১

কমিগরিএটের এক কমা বেরাণী ৭০০০ ই।ক' জালো। অপাবে ধুড হইয়াছেন। পুজার প্ৰয়ে লাভ জ চ ড়িবার একটা মরপ্লম।

েল্লেয়ার বস্তার ঐতিহ্যক্ত ভ্রবাদি শইয়া গাইবার নমজ গ্রাপ্মেন্ট একখানি অভস্ক জাগভার য় কবিয়াছেন। আপাতভঃ ভ্রন্সদেশে भगनगील *काशाक्र* चार ७ यखधक्रक गाउ ग्रा८ के महाभागक त्याकां महात्र कर्षे इत्याहरू उट के भाग कार्यक्षा करा **इट्डाक्ट** 

খাসেবল ও বহিলখাখের শাখা রেলন্ত্রে किंग्या न नज़राहि नाचा (बलक्ष्य हानाईवार छ । ॥ १८५१ । छ छत्रायी इहेहा (इन । छाह्रत्रा আর ছটী টেমন ও বি'ঞ্চং ভাড়া স্কৃত্তি কলিবান अञ्चल करियाद्रमा ऐतिहा सार्वाः करणक

मकस्वाइके वरलन, किलीत स्थाककिर्धन সংস্কার ন্যস্তের, কার্টেশ যাইবার নি,মত হাজ-त्रांध्र देनमः। मध्यार्थः कता स्हेशात्रः । काबुल छ र्सनीक्षी शहरी महात (मेरिक्स मन ५०० म इंडीहरू है

এ পর্যান্ত পঞ্চার গ্রেব্যান্ট আপনাদিলের वर्षानादी भगरक मर्याम्प्रस्त निधिष्ट निर्मा কবিয়া আসিতেছিলেনঃ কিন্তু কাষ্যতঃ জল্ল

লোকেই এই নিষেধ আছে৷ কৰিছেনণ পৰ प्रशिक्ष्य पर्यात. शवर्गम् अक्टब्र भाकाः দিয়াছেন, লেখাতে বাধ: নাই: কিন্তুকেই श्रकामः अल्लाहकछ। कहिएक शहिरवन को : এক । খে চি ভথাপি চ'ই।

উক্ত পত্র ধরেন, এক ঘল পাঠান ভারত ্চক্টা পান ৷ এ নিমিন্ত মঞ্জন, ২০ছাতে ভয়েও, িবর্ষে ভ্রমণ করিছে ছল, - গ্রন্থেটি ভালাদিগের ा अवन निरुष्ठ कहिन्द्रारहन । इक्षेत्रियन नर्गन की. शुक्रम ७ र लक ४५० सन। हेश निर्भात বন্দুক বিক্রয় কবিয়া সেই টাকায় ই্ছাদিগোর পাথেয় দেওয়া হয়। স্থলভানপুরে উপনীক হইয়া भागात्मता कालमान्द्रात दक्क्क हारह। आहा না পাইয়া তাহারা লগুড় হত্যে পুলি।কে আঞ্ मन काइया करव्रक धन्यक आह्य करद्र। घरनक कर्ष्ट्रे हेहांश भवा खंख ७ इ.स. इहेशाहिल। ८.हे व्यवकाषकारक थाहेवात এकृष्टि व्यान विक्षा वरिष्ठ ११८४ । अख ना शांकरण हेर्'हा कान এনমে স্থান্ত পাৰিবে না। সভূতৰ ইহা টিলোর বন্দুক কাড়িয়া লাওয়া নাড়ান্ত অপরামণ 「有権 発きにき」

ডে.লানউদ্ভাবন করিয়াছেন, হীবালাল भिक्रमामक अक स्मन स्ट्रातमात्र विष्टाः उच्च मगरत्र मरकोरब बौद्रप्त शकाम क्षाप्रक शदर्शक नेक्ट्रिक 16-2 है। है। कार्यत अक काब्र भीत निद्वा

(वास है। भट्डि कावून बहेट अस्यान स्वीहे सार्कन, व्यानप्रम त्र्यन यो यः प्रव्याक्षिय गौरक व्यथिन का कर्यन, कारा ६३८म । भर्षा व्यक्ति यो হালকৈ আভিমণ করিতে যাত্রেম। বিশ্বার আলি সিংহাসনে পুন্লার আবোহণ করিয়া कर्यक्रिने यथार्थ दास्त्री इंट्या वास क्रिया-.ছন। আভিম খাঁরে প্রধারকৈ ধাঁকার নিকটে अक्षतन करा कडेग्राटङ । (यनकल अक्रिक्त द्वाइ क्रि উঁটোৰ প্ৰতিৰ শত্ৰাভাচৰত কেৰেন, ই কায়া ক্ষম श्री श के हे शार क्रिया । प्या क्रिया थी। व माश्री में प्रा विकास मिट्राव मिक्टी ए राक्य है।का सन अस्ति पाना দিয়েত চাৰিয় কেন। কিয়ান আবলিয় বিলেখ শ্ৰণ নাথাকলে দোভ ১১লন বাগাকে মনোনীত क हा उनका । भग उन्न अन्य क का युक्त १०००० क्षशीन सहेत । डा राख्यमं का प्रायम का ब्रायम ।

우৮ 원 역사적이 외투려하기 :

করেক জন সুদ্র হাজা আপেন কপেন সীমার কৌজনার বিচার কভিবরে এর্থ ডেচাভিয়াছি-লেন, কিন্তু ভারতবর্গীর গ্রন্থীদাট হৃষ্যুক্ত অসমত ক্রীয়াছেন ৷

সক্রতি গক্ষৌবিভাগের ক্ষিস্নর ভব্রত্য

বলভিন্নবদিগের বস্ত্র ও অন্তের নিমিত্ত স্থানীর
কণ্ড কইতে বাস্থাকরিবার অনুমতি চাহিয়াছি—
লেন। আমরা আজানিত কইলাম, অংশাধ্যার
প্রধান কমিগন্ত্র বলিয়াছেন। এ সকল চালা
ভারা হওয়া কভিব। ইংলভের ন্যায় এনেশে
কথনই বলভিয়ার চইবে না। এখানকার 'শীত
কালের বীবলা প কেবল সরকারী বারদ্র ও
ভানাই করিতে আছেন।

আগরার আন্ত্রক্সমূহ ইহার মধ্যে মুকুলে কাবিপুর্ব হিছাছে।

লক্ষো টাইমর অবগত হইয়াছেন, তত্ত্তা ২০ জন অধিবাসীকে অবৈতনিক মাজিটেট করিবার প্রস্তাব করা হইয়াছে।

উক্ত পত্র বলেন, কাম্মীবের রাজার সহিত,
শালের ভষ্টনার গণের বিবাদ হওরাতে কয়েক
হল এতদেশীয় রাজা আপন আপন রাজে;
শালের কারখানা করিভেছেন। অনেকের সং
কার আড়ে কাম্মীরের জলবায়ুর গুণে তথায়
এত উত্তম শাল হয়, কিন্তু আমানিগের বোধ
হয়, উত্তম প্রমান কুপ্ত হইতে পাবে।

বাজ্ঞালের হেরালডের এক ভান পত্রপ্রেরক মই ।

স্থারের এক জন সহকারী কমিসনবের অভাগিচা
বের এক দৃষ্টান্ত দিয়াছেন । সহকারী কমিসনর
একট্রন্থন লেকটন ট । ইনি মধ্যে মধ্যে মুগায়
কাবতে আসিয়া ক্রক দগকে বলপুর্দক অপ নার শীকারী করিয়া লন, পর্যায়ক্রমে গছে যাইয় ইচাদিগকে কাল করিছে হয়। লেপটনাট এমত সাহনী যে একটা বাজে আসাভে নিজে এক রুক্তে প্লায়ন করিলেন। ব্যান্তাভন জন হভালাগ ভাজাহীন ক্রকক্তে ভিল্ল ভিন্ন করিল এবা ভিল বলপুর্বক লাকের নিকট হইতে আপ্রান্ত আদা ভালার করে। এই সুরাজ্মা কেই ভালার বিশেষ অস্কুদ্যান আবেশকে।

#### २ळ अ स्थानिन नुभवात ।

বোষাই গেন্ডেটের ভূতপূর্ন সম্পাদক জে.

এন, মাকুলিন সাহেব লগুন হইতে উজ পত্রে
লিখিয়াছেন, চিরস্থায়ী বন্দোব ও ভঙ্গ করিলে
লোকে এডদেলীয় রাজাগ্রহণ আপেক্ষাও গবর্ণ
মেন্টের উপরে অধিক অসম্ভপ্ত হইবেন। মাক লিম সাহেব বলেন কৃষকদিগের সহিত চিরস্থায়ী
বন্দোবস্ত করাই ভাঁছার অভিমত। বোষাই
বানিগন সর্মন। আক্ষেপ করেন, ক্যেনেলে সাম্রা জোর বায়র্থে যথেষ্ঠ টাকা পাওয়া যায়ন। কিন্তু
মাকলিন সাহেব বলিয়াছেন, বঙ্গদেশের টাকায়
বোষাইপ্রভৃতি স্থান রক্ষা ইইভেছে। বোষাই

রের ছ মির কর অধিক বলিয়া ভত্রত। লোকে মনে করেন অধিক 'দেন। কিন্ত যদি প্রদেশীয় রাজস্পপ্রণালী হয়, বোধাই ফানিতে পারেন বঙ্গদেশ অথবা বোধাই ইহার কে অধিক টাকা প্রদান করে।

গত মাদে ভাবতবরীর চিত্রশংলিকার ১৬. ।
৬৫৭ জন গগন করিয়াছিলেন। ইইাদিগের
মধ্যে ১৪,৭২৩ জন এতকেশীর পুরুষ ও ১৪৩০
জন জীলোক গ ৪২৩ জন ইউবোপীর পুরুষ ও
১৬৮ জন জীলোক ছিলেন। প্রত্তর্হ গড়ে ৬৫০
জন গগন করিয়াছিলেন। প্রত্রহার ছাত্র ডির জার কেছ এখানে যাইতে পাবেন না। রবি
বার যাইবাব নিষেধ নাই।

১ লা আসুয়ারি অবধি ৭ ই অক্টোবর পর্ব জ কলিকাভায় ৯১ ৪৯ ইঞ্চ বৃট্টি হইয়াছে। গছ ১৪ বৎসরে এই সময়ের মধ্যে গড়ে ৬০ ৬৪ অল হইয়াছিল।

সম্প্রতি নৈগাটর ষ্টেসনের নিকটে করেক জন দক্ষা রাজিকালে রেলওয়ের গাজিনিগকে প্রহার করিয়া জুঠ করিয়াছে। ঐ স্ক'নে একটা থানা আছে। কিন্তু আমরা থেপ্রক'র প্রনিত্তে পাই, ভাছাতে সব ইনম্পেটর ভিন্ন আর কেন ব্যক্তি কোন কাজের নহে।

#### ৩ • এ শবিন বৃহম্প ভিপার।

সকল থানায় বদম'ইশদিগের এক এক फालिका चार्छ। किछू मिन क्टेल ख'लाशवार्म्द **उच्छि हे स्व**পतिर छेट छट हैं व कार्यताल देश व करे हो -লিকাতে বাবুলালনামক এক হাজির নাগ থাকে পুলি্বকর্মচারিগণ এই বভের নাম যথার তথার প্রকাশ করাজে বাবুনাল নালীশ ক্ৰেন আপীলে প্ৰামশঃ মক্ক্ষা প্ৰধানতম বিচারাস্থ্রে যায়। বিচারপ্তিগণ বলিয়াচেন. नमारसर निकार्य नकत (कर्न वस्त्र:इटन्द ভাশিকা রাধা হয় ৷ কিন্তু এগুলি অভি লোপনে ताथा कर्फवर। ध्वरमक मगर्य मञ्जूषानिवस्ता चारिकत नाम अहे थांखांत्र किर्हा अवस्क्रमात উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের পুলিষ ইনম্পেট্র কেন-রল যাবভীয় কশ্মচারীকে আজ্ঞা দিয়াছেন, বদ ঘাইশের ডালিকা কোন মতে বেন প্রকাশিত ना रग्न: आमता अल्लानिज रहेनाम कर्तन निष्टे **बहै धकांत्र रमएमएम अक महकुमह मिहाएइस** ।

বিভাগীর ত্রেজুরিরক্ষার্থ প্রহরী দিগের সূত্র বন্দোবক্ত চইয়াছে। দিনের বেলা প্রহরীরা দান্য বক্তক লইয়া চৌকি দিবে, বিক্ত রাজিতে সকলের বক্তক বাক্তর পূর্য থাকিবে। ত্রেজুরির নিক্টে সকল প্রহরীকে থাকিতে হইবে।

পুলিবের হল্ডে গ্লাগার আগা। আবধি এক রিভাকার্যে। আনেক বিশুঝলা ঘটিয়াছে।

করেক জন ইউরোপীয় লোকার মাজ্রাজে মাজিনিরি করিডেচে। সম্প্রতি করেক ব্যক্তি জাহাজ হইতে ডটে লোক জানিবার সময়ে জর প্রদর্শন করিয়া প্রতিকে আরোহীর নিকট ১৭ টাকা করিয়া ভাড়া লইয়াছে। ধানচোবেব এই এক সুভন নীলা।

সম্প্রতি বিচারপতি লক এক ডিক্রীঞারি
মান্দ্রমা উপলক্ষে আজ্ঞা দিয়াছেন, দেউলিয়া
০ইবার অব্যবহিত পূর্দ্ধে যদি কোন ব্যক্তির স্প্রতি নীলামে বিক্রীত হয়, তথাপি আফিসিরাল
আসাইনি ঐ টাকা উঠাইরা লইতে পারেন।
এক ব্যক্তি দেউলিয়া হন দিনাজপুরে তাহান
সম্পত্তি থাকাতে আফিসিয়াল আসাইনি ডক্রছ,
জ্ঞাকে উক্ত সম্পত্তি দিতে বলেন। ইতিপূর্বেং
এক জন ডিক্রীদার তাহা নীলাম করিয়াছিলেন,
তৎপরে ৩০ দিন গাড়ও হইয়াছিল। তথাপি
ডিক্রীনার আগন টাকা পাইলেন না। এ মিছাজের সহিত বোরাইয়ের প্রধানতম বিচারালয়ের
সিদ্ধান্তের ঐকা নাই। আমাদিগের মতে এটা
অনিষ্টের মূল হইবে।

## ১ লা কাৰ্ত্তিক শুক্ৰবাৰ।

দে ওঅবই শুরা বলেন, ত্রিছত চলপারন ও জারকটন্থ প্রদেশে ছড়িক ছইবার বিলক্ষণ সভাবনা । এবর্থে উক্ত প্রদেশে আর্থ্য পরিমাণে একি হইয়াছে। যদি বন। আত্তর লেবে ব্রফিনাছর, ভাগ ছইলে শীক কালে শলোর বিলক্ষণ হানি হটবে এ দিকে তগলি জেলায় বর্ষার আধিকা হেতু ছটবার চাস নষ্ট হইয়া গিরাছে। ওবাকার লোকের ভৃতীয় বার বপন কার য়াছে। ওগলিতে ব্রাগ তীম্বাকারে দশনা দেয়তে।

কলেকভায় এক জন ব্রাহ্মণ ছবিবান পিরণ নামে এক নেখরণিটো ভবানক রূপে জন্তা হত করিয়াছে: উক্ত ছবিবান ঐ মেথরাণীর প্রতি মাদক্ষ হয় বিশ্ব ঐ ব্রীলোক ভাহার ইচ্ছার বলবাধীনা ছন্যুগতে সে ভাহাকে শুদ ভর রূপে আহত করে, ভংগত্বে আত্মহত্যা করিবার চেষ্টা পায়। কিন্তু কুতকার্যা হন্ত্রু

छे छ त भीक्षाकाल इंडिएकत आगका आत्नक पूर्व कहेगारहु। मह्मा उ त्रिक क्षार क भारतात आत्नक स्थान स्थारहा कि ह आगा भ भारतात भूता करम माहे।

एक मूना करन नास । वस्त्रीक्षरभव स्माठमार्थ स्ट्रोन्डिस्मालस्त्रक বাজ্যপ্রিত ধর্মাধ ক্ষকে আবিসিনিয়ার রাজ পুর তথায় থাকিতে অসুযোধ করিয়াছেন। ২ রা কার্তিক শ্নিবার।

ইত্তো ইউরোপীয়ান ক্বসপতে ভ বলেন, ক্তিপ্র ফরাসি মিসন্তি উত্ত আফি কায় এক আবিদ্যা ক্রিয়াডেন: গলজিবিরা ও সেনি গালের মধ্যবিত ভূমিতে ক্তিপয় খৃষ্টিয়ানের ব্যবাস আছে, ইহাদিগকে পুর্দ্ধে কেহ জানিতেন না: মুসলমানেরা ইহাদিগের পূর্দি পুরুষদিগকে আফি কা জায় কালে ভাড়াইয়াছিল, ভদবিধি ইহারা এইপানে আছে।

দক্ষিণ আমেরিকার সম্প্রতি ভয়ানক ভূমি কংপ্রইয়া গিয়াটে ! বিস্তব প্রাণিইড়া। ইই য়াতে । এই কংপ্রী আনক স্থান ব্যাপিয়া ইইয়। ভিলা।

#### ----- 20 8 -----

# इंडेटनाशीय गमाठात ।

লগুন ৫ই অক্টোবর: শেসন হইতে টেলিগ্রাম আসিয়াকে সেনাপতি সেবানো মহাসমা-বাহে মাভবিছে প্রবেশ করিয়াছেন। সনা পতি প্রিম বার সিলোনাতে প্রবেশ করিয়া সাতি শন্ত সমাদরে পরিয়হীত হইয়াছেন। রাজী ইসেবলা উহির রাজত্বনাশের প্রতিষ্ঠাতি হাজার প্রজ্বনাশের প্রতিষ্ঠাতি আগ্রয়া কিন। পোপা আপেন রাজ্জা রাজীকে আগ্রয়া দিতে সম্বাত হইয়াছেন।

সেনাপতি কলমান তুর্কিস্থান হইতে পিট্নস বর্গে অসিয়াছেন।

্ কনষ্টান্টিনোপল ছইতে সংবাদ আসিয়াছে, স্থলতানের যে বিপক্ষের। যড়যন্ত্র করে, বাহারা গ্রা প্তিয়াছে।

মালটা ও সাংলোকসভার এমুদগতে টেলি আফ সুদার্ক্তপে পাড়ে কইয়াছে।

৭ ই অক্টোবর । প্রক্রের প্রেসিডেনিটে এক একটী জীনশ্মাল বিদ্যালয় করিবার কা. এ পাচ বংসারের নিমিছে ১৫, ৮০০ টাক। করিয়া দিবরি আজে। ইইয়াকে।

চারেলম মিলস সাহেত্বের প্রদে সর ংশুছোরিক কেলিডে ভারতব্যীয় কেলিডেলের সভা হইয়া এন. মাটিন হেলিডে সাহেব ন্তেন।

কর্দের ডিন পিটরবলের বিশাপ **ইয়াচেন।**৯ ই অক্টোবন, মত জনজনত সেনাপতি

প্রিম এডিনবর, বাড্ডিক্কে স্পানের রাজা :
করিবার জ্ঞাব করিয়াচেন :

 इ चार्टिया । शङ्कता प्राप्तिः। সাহেব ভাছার মনোনীতকারীদিকের অন্তে করপ্রধান না रकु छ। कतिष्ठा विनिद्याहरून. করিলে কেম প্রতিনিধি মনোনীত করিবার মত দিতে পারিবেন না এ নিয়ম রহিত করা উচিত अवर्गरम्भे (य चांडिविक्त होका राष्ट्र कविटिक्ट्स ভাহা কন্যায় এবং সবিশেষ মিতব্যয়িতা আব লকে। ভিনি আপামর সাধারতের শিক্ষাবিষয়ের मुलका<u>डी करित्समा खोद्यादस</u>रखंद धर्ममुख्य দায় উপ্লক্ষে ডিনি বলিলেন, ভাঁচার মত অপ विवर्भिक प्यार्ठ। आधातमास्थ धर्मानप्यानास আন্ত্রের স্তম্মক্রপ র্টিয়াছে এবং ট্রা বহিত কৰ অভি কৰ্তহ্য। একপ্ৰয়াক্ৰান্ত লোক দিগের টাকায় অন্য ধর্ম শিকা দেওয়া ভাঁহার মতে অংডিশ্যু অন্যায়।

গভারাত্রির গেজেটে বান্দাও কড়াইয়ের জুসের টাকা পুনরায় বিশ্বাগ করিবার আজ্ঞা প্রকাশিত চইয়াছে।

পালমাল গেলেটে ছাতপূর্দ্ধ এক আন গবৰ্ব জেনতলের সেজেটাহির পত প্রকাশিত চইরাছে। তিনি বলেন, বোরাইকে ভারতবর্ষের রাজপানী করা অভিনয় আব শকে।

#### -----

# গবণ্ডেন্ট বিক্লাপন বঙ্গদেশীয় লেপ্টনন্টগবৰ্ণরের

# **बारमनाज्ञा**ती

#### নিয়োগ।

৮ ই অক্টোবর। আহ, এচ, হেনি সাহেব চল্পাবৰে (ডপুনী মাজিটেউট ও ডেপুনী কালেইর হইয়া প্রথম শ্রেণির অধীন মাজিটেউটের ক্ষমতা পাইবেন।

বর্জমানের ডেগুটা মাজিটেট ও ডেপুটা কালেরত বাবু গোপালচক্র সেন কিছু দিনের জন। মানভূমে বদলী হইরা মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন।

निग्राथ । क्यां। दिश्व ३৮२२ खार्क । ३ १৮२६ कार्का के बाहिन क्यांदा इसली, वाकूण, वर्षणान छ । मिनीश्रुत वार्क्डेटरन क्यांग भाइतिन।

. १४, (ख:म मार्ड्य मि, अम ।

বাবু ভারেকনাথ ঘোষ:

" (शाविकत्त्व वस्त्र ।

৯ ই শটোবর। এফ, এচ, মাকলিন সাহেব |হাবড়ার সহকারী মাজিপ্টেট ও ডেপুটী কালেইর

হইরা প্রথম শ্লেনির জানীন মাজিকেট ও ডেপুরী কালেটবের ক্ষরতা পাইবেন।

এচ, এল, হারিদন স'হেব বেরিনিউ বোডের প্রতিনিধি জুনিয়র সেচেটারি ছইবেন।

উট্টোর ভাসপ্রত্যনকালে এ, মেক্তে সাহের বঙ্গনেধীয় গ্রহ্মেট্টের প্রতিনিধি জুন যুর সেক্টেটির ইইবেন।

১০ ই অটোরর। জে. ডি. ওরাড স'হেব প্রথম প্রেণির মাজিটেট ও কালেটর হইবেন। কিন্তু আপাতভঃ চট্টগ্রামের প্রতিনিধি অভিবিক্ত অভাধাকিবেন।

জে, এল, ব্রেণ জীহটে বিভীয় গ্রেনির মাজে উটও কালেটর ছইবেন; কিন্তু আপাতভঃ মুবসিনাবানে প্রতিনিধি প্রথম খ্রেনির মাজিট্টেট ও কালেটর থাকিবেন।

ধে দিবস জে, সি, ডজ্ঞ সন সাহেব ভাবভ বর্ষ ভাগে করিয়াছেন, সেই দিবসাবধি পুর্যাঞ্জ নিয়োগরয় হইবে।

কলিকাতার কালেকটর ছে. মেকেঞ্চি সাহেব ১৮৮৮ অকের ৯ আইন জনুসাবে কলি কাতা, ২৪ প্রগণা ও ছ্গলিতে কালেইরের ক্ষমতা পাইবেন।

যত দিন এচ, ডবলিউ, বাষার সাহেব বিদায শইয়া কমুপস্থিত থাকিবেন ডভ দিন সি. ফেনিওস সাঙেব বগুডার প্রতিনিধি পুলিধ স্থাবিক্টেণ্ডেট হইবেন।

এ, ইরাড লি দাহেব কিছু দিনেব নিমিত্ত বাকুডাতে দিতীয় শ্লেণির প্রতিনিধি মাঞ্চিটেট ও কালেইর ইইবেন।

ঘত দিন এ জে, জার, বেপ ব্রিজ সাচেব বিদায় সইয়া অনুপাস্থত খাকিবেন, তত দিন জি, কে, ওয়ে গ্রন্থর সাঙ্গেব বর্ত্থানের জিনীয় ক্রেণির নাজি ষ্ট্রেট ও কালেটির হইবেন।

১ লা আটোবৰ অবধি নিমুন্তর লাসনকার্যে,র নিমুলিখিত কর্ম্মচারেগণ পঞ্চম হইতে চতুর আমেণিভূক্ত হইয়াছেন।

বারু রাখালদাস মুখেপাধ্যায় ডবলিউ. এম. শ্রেথ সাহেবের পারবজ্ঞে। (যিনি উচ্চ পদ পাই য়াজেন)

আর, টি, সিবেইর সাহেব, যাবু রামনারায়ণ সুমালারের পরিবর্তে ( যিনি পদত্রাগ করি-য়াছেন)

জে, আর, বি. রস সাংখ্রের মৃত্যু হইবাজে নিমুত্র শাসনকার্থ্যে পক্ষালি বত ক্ষুচারিন সণ হরা অক্টোবর অবধি উচ্চ পদ পাইয়াছেন।

াৰভীয় জ্বোণতে।

D. हेडेडि मार्ट्य।

ভঙীয় গ্রেণিভে।

বাবু হেমচন্দ্রায়।

इंड्रथ (खनीएंड) वायु मधीका ख बाद्या .

५० हे करहें वर । यक जिन (मझर्ज क्ष), ध्या, ্শবার বিদার । লইয়া ফলুপ স্বত থাকিবেন ভাত -দিন লেপ্ট্র-উ এম. ও, বইড কামরূপের প্রক্রি मिति (प्रशृति कमिनमत हरेत्न।

- ৪ পং গণার তেপুীমা জটেট ও ডেপুী कालिकेंद्र योबु खड्डाक्याम्ब मेख शाकवन्त्र विकारित वस्ती इदेश छलनी, दर्खमाम, वीक्षा अ समि नी शुरुत ३४२२ जारकत १ काइन छ ३४२० অধ্বের আইন ভতুসারে ক'লেইরের ক্ষতা শ:ইবেন ।

व्यामापिरभव व्यानुस्तिशाक नःवान माका निविद्योदहर।

ऽ। शक्त ५१ हे काःचिन हैश्व छी २৯ (गएके ষুরুমস্ট বার দিবা ০ ষ্টিকার সমর প্রাক্ত यान्य । इटलियो निकार वालिद्रयम इहेशा निश्राहरू আমত্বমুদ্ধ ভদ্লাক, এবং সভার সভাগের क्षेत्र अर्थिया प्रशासमाद्या मान्य कार्यः भुष्या कविशाहित्समा वानाचारवेव वर्धमान প্রায়ের সাধুসাকারসাধের স্থাবিজ্ঞ ক্তিবী ডিপ্টী মাজিটেট জীলুকা বাবু রামশক্ষর সেন মতালয় উপস্থিত ভিলেন এবং ভাঁচারি আগ্রছ रमा कः द्विक । ध्वत माञात व्यभित्वणमा व्या , अध মুক্তঃ স্প্রামিক শর্ম বাবু গাড় বর্ষের এবং । বর্জিনঃ मा कर गड़ात राभुष्य व्याग्रवत्य दृष्टा छ। शार्त ক বলে ভংপারে রামশক্ষর আবুর প্রান্তবিক্রামে, ि छिथि है तहा कड़ेएड नमाएकत निमेह ध 'বস্তু'ৰ অটেচালা গৃহ প্ৰস্তুত ইইতেছে উহাব क विभिन्ना निष्याता । क विवास कांग्र अवर सभाकाः। গুন বিদ্যালয়ের সাবশকে দ্রব্য সামগ্রী প্রস্তেত क त्वात वास भन्न महम्ब ३०५ है। कात अक्टी हिनाव इकेल । छेश्त मर्पः आमस् मरशामध्रारवत निकरे स्हेटड त- धाका याक्तिड स्हेश्यह অবলিষ্ট বয়েক টাকা সংএহ করিবরে আভি श्चारम त.समझत वांतू इनीम्न स्पर्भेभात सर्भम् शगटक পতा किथिहाटइन। भारतमरम निवा ৫ টার সময় সভাপতি বাবু কেব্রগে পাল রায় महाभाष्म এकरी द्वार्गांगा वक्कुकः करतम्, वक्कु ভাটী অভিশয় মধুব হইয়াছিল। টাহার বক্তুতা भित्र हेर्या करनक भरत है में का छन हहा।

**छिनमश्हातकारन ज्याम**ना झानाचारहेत छिन्नु मे भाकिएरिंगे व्यानय खनाचित्र त्रामनकत रातुरक धन।वाप धनान ना कतिश्वा निवुष्ठः घरेट्य भाति लाम मा। उँ हात कहे हिदे अधिनी माजाद अधि

আ রোহিত আলার সার সন্দেহ লাই। ইনি এট সভার এক बान श्रधान मण्डा स्हेग्राट्यन । व्याञ्चलियात स्व শ্বিত রাজধ্যাওলির প্রতিও ইটার বিশেষ যত্র আ'ছে এবং শুনিলাম ছুনায় উহার প্রতিবিধান করিবেন। রামশক্ষর বাবুর ইতিপুর্বো সংবাদ পত্রে সুধ্যাতি অবণ করিয়া আসিয়াভিনাম; কিন্তু একণে উঁহেরে কর্মা স্বচকে অবলে;কন করিভেছি। ইনি যে প্রকৃতির লোক, ভাছাতে কোন্ব্জি ইইার কার্য দেখিয়া ধন্বলৈ প্রদান ना किस्टिन ?

২। এখানকার ভাকঘরটা স্থানররূপ চলি (फाइ । अवर्गायके एवं अफिलिन व भारत हेशांत श्राप्ति নেত্রপাত করিয়াছেন সেও সুখের বিষয় ৷ পুর্রা हैरात व्यावमाक स्रवापि मनुषय श्राह इहेया ছিল এবং কএফ সপ্তাহ অতীত চইল আলিদেহ ব্যবহ'রাপ্রোগী মোহর প্রভৃতি অসিয়াছে একৰে গৃহ প্ৰস্তুত করিবাব বিষয়ে এক ট মছবান र्डेन आमामिट्शव क्षेकान्त्रिक धार्यनः।

किছু पिन रहेश अधानकात अक खन नी ह **ভাতীয় পীড়িত বাজি রাণাঘাটের স্বভিবিজ্ঞা** .नत्र प्रतिक**ष्टेश्च औपुष्ठ** वातु क्रूबन्द्रभाष्ट्रन प्रस महानरम्ब वाजारम्य मरश भगमञ्जूनं क शक्तरम्य वक्य वसमा । करिया बुटकाम ब লীলা সম্বরণ করিয়াছে £के दा कि चित्रः ক্রিয়া জীবন भारन क देखा इर्राए এই ছুর্পাতি হইবার কারণ কি বু কালে পাত্রাম না। পুলিব নিয়মমত অসুসন্ধান কনিয়াভিলেন : কন্ত পরিশেষৈ অ'আইডা'রই প্রম ণ পান।

8 । च्यां **डब्ब्य व्यास्त्रा**रमंत्र विसन्न এड ्य । সংপ্রতি রাণাঘাট নিবাসী জীকে বাবু ভুবন .साहस अञ्चाहार्य। अञ्चल कर्यक्रक विद्यार नारी आध्यात यद्याच्याच अक्षी हे 117**न**ः नभाक मरशाभागत मरकल ६६ ७८३। छ। विष्ठिम वर्षे, किन्नु माधन हुए शहन हुक्टिन हे स्था छ छ। या । শুনিলাম তথাকার কি ধনাচা কি দরিম সকল সম্প্রদায়ের লোকই ইহার সম্পূর্ণ প্রভিদ্ধনী হট্যা । জন , ডাঙ্গায় ধাচ্য ডাড্গা, বনবস্থিতে ডোজাটি क्रिकिंग्राह्मन । खेला मुख्या । इटेट्ड (म्ट्रम्ब स्म अप वन रहेर वेहार वहें काहा मिर्ताय प्रज अकाप হইয়াছে। আক্ষাণ পণ্ডিভগণ ভ রাগ করিতেই भारतम, कातन मकरनई हक मूचि कतिएक শিখিলে ভাঁহাদিগের অল্ল সার্যায়।

৫। শুনিয়াছ: খিত হইলাম যে কএক দিন रहेल भागां ज़ित खब जानां न छित्र निकृषे व तांनी অর্থমন্ত্রীর প্রকারণীতে উক্ত নগরস্থ জানৈক প্রত

यक्रण यत्र विचित्र ह, जाशास्त्र हेश य भीछ । विशेषा त्रमें। स्वात जिल्लात्र तक्रमीत्र **ब्हेटव**े चीत्र इञ्चलम लिखिट्य दशमधाना वस्त्र कतिया खीवता खीवन नमश्रा कविद्याद्य: अजार क পুলিৰ কৰ্ত্তক পৰ জোলা হয়।

७। এश्वर अभिन्त वन,वश्वाहित छेलम्रव 🕶 -বিক। এমন আম নাই যেখানে ১০৫ টী বিবাজ मा करता हैश्रता मिनाकारन प्रमुख्य इरेग्ना समाकीनं कृत्व अवर शास्त्रतः गमन कवियः রামত্ব রাজির অনেক ক্ষতি করিয়া থাকে। **बेबाहिर तत्र व्यवद्वर खद्वानक। मञ्ज प्रजी हिचिरत** কুডাস্তের অন্ধ্রশ বলিয়া বোদ হয়। আপুল शांत महश्र के बक्जिन व्यागमन इत्रेश किल, खब्रह्य ২ টী কএক বিজিকর্ত্ত্ব হত হট্যাছে অপর কএকটী গভিক মন্দ দেখিয়া অন্য স্থানে গমন করিয়াছে। প্রথম বরাছটি মরিবার পুর্বের একটা অবলাব প্রাণহত্যা করিয়া বরার স্বান্তারের मः। सुन्य नाचित्रा जिल्लाहरू ।

আমাদিগের মগরাস্থ সংবাদদাতঃ निर्विशारहन।

महालग्नः । जामना भाउ ⊭ ₹ ८म८ व्हेपटत्र वामना अवर्गरम हे आहमर्ट क्षथम हत्य क्रियुक বাবু নংকুঞ খে'ষ, তৃতীয় চক্তে জীয়ুক্ত .भोनरी अनाहि उक्त, इड्रब्र इटक्र 🖏 पुरु भूभी वक्तादिल। ७ एक्टन हर्द्या खिलुक्त नातु देवमह नाथ मुखालाधास मधानासका फिट्टेक्टिव ্রপাটিমেটে পুলিবেদ অভিনিজ্ঞ আদিষ্টাই स्था तर हो ए हे इहेग्रांदान मर्भन कतिया यात পর নাই আক্ষাদিত «ইলামঃ কিন্তু 🗃 যুক্ত अंगिक था। (अमि (खला २८ भारतनात फिट्टेक --क्षित हो भए स्थापन (इस्टा) कि कांत्रान (इस्टोक -छैव श्रुलय कड़ाठ शासिल कहें(लब, खाका জানেতে পা বলাম না। ইংনি মত পুলিষ কার্য্য দক্ষ এ জেলায় অ'ব কেওই নাই । উপযুক্ত दर्शकात है १४ का भिर्म स्वर्गक महत्त्व महत्र

) । श्वरात्र नगर हे ल्हित चाल किया के aक জनमध रूथाएक छहे व कि काल ए विश्वा কোথায় ভাগিয়া গিয়াছে, ভ'হার নির্বত্ত नाहे। अर्थक अहि खानत श्रापत्या क्या

२ ! এ शाएम्ट्रल वावश्य हैन १ श्री ७ वस्त्र छात्र नम् अक काइन महें । भारत शब्दान पृथ्व भन्न नाहे कंद्रभरकरत 👈 अ कि.ब्रेटस्ट्राइ श्रमन कि किन किन किन इड्रे अक निन अनाहादव थाकिएक हुन्न, इहें 🦠 PE 31 গবর্ণনে শ্রের নিকটে সাধ্যেরে আকান্তকার চাত কর ন্যার ছিল, অনুষ্ঠ ক্রমে আসেসার মহাশ সেন ১ লা অক্টোবর মগরায় আগমন ম্ট্রাছে। আগান্ধের বিষয় কি করেন বলা যায় না, প্রকার অবস্থা বিবেচনা করিয়ে টাক্ল ধার্যা করিলে ভাল স্থা, ধেন মড়ার উপর খাঁড়ার যা না হয়।

৩। বর্ষা শেষ না হইতে হইতে প্রজ্ঞাগনের উপকারারে স্থানে স্থানে সরকার রাজা সকলের গবর্ণনেও ইইতে সংস্থার আরম্ভ হইরাছে, ইছাতে আবাল র্ছ অনেকেই মজুরি খাটিভেছে বটে গকিছ কট শাইভেছে না। কিছু সাহ ধ্য দিলে ভাল হয়, অধিক কটে পছিলে নানা উপায়েও লে কট শীয় যায় না।

৪। ইতিমণ্ডে থানা দেবীপুরের এলেকা আবাসবেড়িয়া আমে ছটা স্ত্রীলোক পরক্ষার নাথিবাদ করে, সেই সুত্তে একটীর প্রাণ নষ্ট হয়। কভাাকারী পুলিষের হারা পৃত্ত হইসা প্রেরিড ধইয়াছে।

৫। ভারমণ্ড হারবরের সনিবিত হাঁড়ার শ্বর্গমেণ্ট একটা প্রভন হুর্গ নির্মাণ ক্ষতিভ ভারত করিয়াছেন: বোধ হয়, এটা স্মুদ্রপথ ক্ষার জন্য ইইভেছে।

৬। এখানকার বাদা ও মাঠসকল এ বংগর ফলে এরপ পরিপূর্ণ যে প্রধ্যের প্রথমতা হইলে চতুর্দ্ধিক হইতে কুজ্মাটকার নায়ে বাস্প উঠিতে দেখা যার।

१। ७ हे च्याकि। वाद्यत मार्गा धनारन धनाती वाश्यिकात ७ अन्त्री खेरिलाइन प्राप्तिकात नहीं हहेशारक।

মগরা। ৭ ই অক্টোবর ১৮৪৮।

আমাদিগের ওমেলুবস্থ সংবাদ দাতা লিখিয়াছেনঃ—

১। এখানকার সুযোগা ডেপুটী মাজিটেট বিদায় কর্মানের প্রায় বাটি ঘাইতেছেন। তাঁহার এই দীঘাকারে হিছেদ এ দেশের পক্ষে অভজ্ঞে গুংখের ইত্তেছে। তিনি যেলপ বারা ল অভ্যাথ ভাবে এদেশের হিছেদ। তিনি গুলুর্বান বিলেন, তভ্জনা ভালি সামার্থের ভাজ্ঞির বা কিনি গুলুর্য় এস্থানে আগো মান করিছা কিবি বা ভানি গুলুর্য় এস্থানে আগো মান করিছা

বেন। জীযক্ত বাবু রামকুমার বহু মহালয় এই জাবসরকালের নিমিত ভানীয় স্থলে জাগমন করি রাছেন। ভাঁহার নিকট আমাদের এই প্রাধ্নাথ, ভিনি যেন যাদব বাবুর ন্যায় দেলের হিত্ত সাধনে কায়মনে যদ্ধান্ছন।

১। আফাদের সহিত প্রকাশ করিছেছি যে প্রথানকার অন, তর জ্ঞমীদার কলিকাভানিবাসী বাবু স্থাপনাথ দে মহালয় প্রধানকার ইংবাজ্ঞি বিদ্যালয় নির্দ্ধানের নিমিন্ত শত মুদ্রা দান করিয়া ছেন এবং কিছু কিছু মাদিক সাহায্য করিবেন, এরূপ অভিপ্রায়ন্ত প্রকাশ করিয়াছেন। মন্ত্রথ বাবুর এই দানকার্য, দী প্রশংসার সন্দেহ নাই; চক্ষ্রনা আমরা উভিত্ব অসংখ্য ধনবাদ প্রদান করিয়া প্রার্থনা করি, যেন তিনি স্থীয় অধিকার্ম্থ ছম্ম প্রস্থাবর্গের মানসিক ও সাংসারিক উভয় বিশ উন্নতিসাধনের চেষ্টা করিয়া অনুল যশো ভাজন হইতে থাকেন।

৩। দেখোগ নিবাদী ব্রীযুক্ত বাবু ইক্সনার।
রণ প্রধান এখানকার বিদ্যালয় ও দাতব্য চিকিৎ
সালয়ের মেশ্বর পদে মনোনীত হইয়াছেন।
উচিব ছারা বিদ্যালয় ও চিকিৎসালয়ের বিশেব
উপকার ইইবার সভাবন।

৪। এখানকার দাতব্য চিকিৎসালয়ের নেটিব ডাক্টর ঐায়ুক্ত বাবু চন্দ্রকুমার গুপ্ত প্রায় প<sup>\*</sup>চি বংশঃপরে তিন মাসের বিদায় লইয়া বাদী গমম ফরিয়াছেন। এখানকার প্রলিক্তয়াক ডিপাট মেক্টের ডাক্টর বাবু অধিকাচর্য রুক্তিত্র উপর উক্ত কাধি।লিয়ের ভার অপিত হইয়াছে।

ে মহ'শর ! এব'নকার মিউনিসিপাল রাস্থাভাশ কোন কান জান নদীজলদ্বারা ভয় হইয়া সাগাবেশের গাঁভবিশির জ্বস্থাবিধা ঘটিরাছে এবং গলি বাস্তার কোন কোন স্থালে মন্ত্রলা পাভত থালিতে দেখা ঘাইতেছে। ইয়া দ্বারা প্রমাণ হইতেছে যে, মিউনিসিপাল কমিটার স্বক র্ত্রব্যাধনে বিশেষ মনোযোগ নাই। ক্যান-টাব এ সকল বিষয়ে ভীক্ষ দৃষ্টি রাখা ভ্রাহান্দ্রের।

৬ জনজ্ঞতি এইরপ মে. মফবলের কোন
প্লাবনজ্ঞলা করে একটা বোয়াল মংসং
একটা অষ্টানশংবীয় মুবককে অন্ধ্রাস করিয়া
ছিল। উভয়কেই মৃত ভাসিতে দেখিয়া ভরতা
লোকে এই অভূতপূর্ব্ব পনার্থটা কাঁথির মাজি
টেট রাটে, সাংহবের নিকট প্রেন্ন করিয়াছেন।
সভং হইলে অভি আক্ষর্তের বিষয় বলিতে হই
বে সন্দেহ নাই। মৎসাসী নাকি নম্ন হস্ত
দীয়া।

প। এখানকার কোট ইনস্পেক্টর বাবু ইশান
চক্ষ মুখোপাধারে, গড়বেতার ও তথাকার কোট
ইং এখানে পরিবর্ডিত হইরাছেন এবং এখানকার
প্রতিষ্ঠাবান পুলিষ ইন্সেক্টং বাবু ডগলাধ চক্ষ
বত্রী মোননী পুরে বদলি হইতেছেন। শুনিলাম,
ইহার স্থলে বাবু অন্তলাক মুখোপাধার আসি
তেছেন। ইনিও আমাদের পুর্মাপ র চন্ড। ইনি
শামসহিষ্ণু, উংলাহপুর্ব, কার্যাক্ল যুবক।
অনষ্টন সাহেব এখানকার ডিক্টীট স্পুপরিন্টে
গ্রেণ্ট হইরা কেবল পুলিষের লোক্লিগকে
এখানে ওখানে যুরাইয়াই মারিতেছেন কেন

৯ ই অটোবর ১৮৬৮। ---:

আমাদিগের বীরভুমত্ সংবাদ দাতা দিখিয়াছেন।

मशानग्र! काम्हछ। बारमत शन्तिम इकेट क्रेंक्ट्री, वनश्रातीशक किया काट्याश भर्गाल अक्री রাস্তা গিয়াছে। এটা মূভন প্রস্তুত হইয়াছে। ি ফেরি <sup>৯</sup> আয় ছইতে ইহাব বাল্ল নি লাহিত হয়: পাকা রাস্তা কেবল প্রিক্ষের গ্রমনাগ্রনেব মুগমহেতু , কিন্তু এই রাস্থাটী পৃথিবগণের বিড় বনার ব্ডু মাত্র ক্ট্য়াচে 🖟 এই রাস্থার 🤇 হান कान कान अपन कर्मभगत १डेवा मी ए। इस एड त्य त्रक राष्ट्रदेव 'ड कथ'हे माई, रेलराम क्छी छ रेमबार (धाथिष क्षेत्रा (भटन ऐट्डानिष्ठ करा হল্প কটসাধ্য হল্প না। প্রিকগণ এ রাখ্যা ভ। ११ वित्रः। यानि १८० भगन्तः अञ्च क्रम कत स्थान करतन । (मधुन, अभन स्थयपृश्य भाकः ब्राच्छा निर्म्म (शत केयन्त्र) कि विकत बहेन मेर ह অংশরা কাটোয়ার ডিঃ মাজিটেউট কালিসাস বাবুকে বিলক্ষণ জ্ঞানি। এ জ্ঞোনীর মধ্যে ডিনি এক জান কার্য,ক্ষম কর্মচারী। তিনি যে এ বিষ (য়ের অনুসন্ধান করেন না, ইছা অল্ল ক্ষেত্রি विषय नर्हा

২। মংশের। এখন ক্লের সঙ্গে সংশ্ প্রায় প্রতি মানেই শাখা। পাপ্ত আন্ফিল স্থাপিও ংইতে দেখা যাইতেছে। কোন গ্রাহের কার্যা করিতে । কোন স্থানে আবার স্বত্ত লোক নিযুক্ত ছেন, কোন স্থানে আবার স্বত্ত লোক নিযুক্ত ছইতেছেন। কলে এ সংস্থাপন কিছু ক্ষম্প স্থানিবধায়ক ইইতেছে না কিছু ক্ষম্প ক্ষিনার লোকেরা এই ডাকঘরতাল স্থায়ী করিবার জন্য যে অসং উপায় অবশ্বন কারতেছেন, ইহা অল ছংখের বিষয় নতে। সে দিন

দেখিলাম, কোন এক শাখা পোষ্ট আফিল হইতে রাইপুরের কভিপর ব, জির নামে কডক গুলি 'ব, বিং শি পত্র আইলে। শিরোনামার দরকারী শি প্রাইভেটিশ প্রভৃতি কথাগুলি লিখিত থাকে। যাহাদেশ নামে ছিল, খাহারা পত্রগ্রহণ করিয়া দেখেন অভ্যন্তরে কিছুই লেখা নাই। এখন 'বারিং শাজ আইলে সহসা কেহ গ্রহণে সন্মত হইতেছেন না। আদ্য এই মাত্র ইলিত করিলাম। এই কুরীভিত্রোত রুজ না হইলে সেই শাখা পোষ্ট আদিসের নাম উল্লেখ করিতে কান্ত ভইব না।

৩। দেখিলাম, রাইপুরের রাত্তিবিদ্যালয়টী অতি উত্তমরূপে চলিতেছে। ৩৭ জন ছাত্তের নাম ছাজ্রিরা পুলকে দেখা গেল। ছাত্রগুলিকে জতি মনোযোগের সহিত জধ্যমন করিতে দেখিয়া যার পর নাই আক্লাদিত হইলাম, বস্ততঃ এরূপ ক্ষ্ল স্থানে স্থানে স্থাপিত হওয়া এখন ভারী প্রয়োজনীয় হুইয়া দাড়াইয়াছে। নিয় গ্রানীর লোকমণে জ্ঞানত্তা সম্ধিক বলবতী দেখা যাইতেছে।

৪। ধ্মকেতুর নারে বীংছা ক্ষলের

 ব্যাডিংহাউন শ নির্দাণের কবা মধ্যে মধ্যে ।

 উঠিয়া থাকে। পূর্দের এই গৃহখানি কাঁচা হইবে

 ক্রে হইয়াছিল ৷ এখন শুনিলাম, কর্ত্বক

ইহাকে পাণা করিয়া ভূলিবার জন্য এয়াস

বান হইয়াছেন ও বয়েশ্রুরপ আয় সংগৃহীত

চইতেচে ৷ মূল কথা এ শুভ কাইট সম্পাদনে

 ভার দীয় স্ত্রী ভওয়া ভাল দেখায় না ৷

ে পি দিন রাইপুরে এক শেচনীয় বাপোর সংঘটিত ছইয়া গিয়াছে। জনৈক ব্রাক্ষাণ আগামী কালীপুজার জন। কাইসংগ্রহমানদে এক বৃক্ষ ক্ষেদনে কয়েক জন মজুরকে মিযুক্ত করেন এবং সেই বৃক্ষী হইতে কিছু দুরে উপবেশন করেন। তাঁহার পুত্র সঙ্গে ছিল। বৃক্ষণী ভালন বৃক্ত নর্মাণ কিছু বিধির লিখন কে খণ্ডন করে? বৃক্ষণী পভনোধা বুখ ইউলে সকলেই তথা ইইডে প্রস্থান করে। কৈছু হভভাগা ব্যক্ষণের পলায়ন সাধ্যায়ত হইয়া উঠিল না। বৃক্ষণী ঘাড়ে প্রিয়া গোলা ভৎক্ষণাৎ ভাহার প্রাণবায়ু

৩। বনয়ারী আবাদ রাজ সংগারের আন্টেডর দেওয়ান জ্রীয়ুজ্ঞ বাবু রামলাল সরকার মহাল-য়ের বাটাতে পূজার সময় ''নলদময়ন্তী দ নাটকের অভিনয় হয়। অভিনয়কার্য্য অভি ক্রম্বরুপে নির্মাহিত হয়। অভিনেত্রণ বেরুপে।

আপন আপন কর্ত্তব্য কার্য্য সম্পাদন করেন, ভাহাতে ভাহাদের ভূষ্ত্রী প্রশংসা করিছে দ্রু। ২৫ এ আখিন

13951

# থেরিত

# মান্যবর জীযুক্ত দোমপ্রকাশসম্পাদক মহাশয় সমীপের।

ধানা নাকাশীপাড়ার অন্তর্গত স্থনতানপুর, আড়পাড়া, নারার্ণপুরপ্রড়তি করেকথানি ब्राध्यत निक्र मित्रा वस्मृत ब्राभी अक्षी बृह्द विन चार्ड। कामेशन नारम छेहात একটি প্রসিদ্ধ খাল নিশ্চিত্তপুরের কুটীর পূর্ব্ব দিয়। ভাগীরবী নদীর সহিত সংযুক্ত থাকাতে বংশর বংশর তথায় বন্য আসিড স্কিন্ত काभीतथी मृत्य शाकारक वन्। जानून श्रवन (वर्ग व्यामिष्ठ भाविष्ठ मा। हेश्रांक विद्नाव স্থানে স্থানে পুর্ফো বিস্তান শস্য উৎপন্ন হইত। এক্ষেপানদী অভিশয় নিকটম্ব ছওয়াতে ব**ন। প্রবলরপে আসিতেছে।** তিন চণার বৎসর काल मध्रुत नामा खलभञ्चन(इंजु नहीं इट য়'তে ক্ৰমান্তরে ১৬। ১৭ বানি তা'মের প্রকা সকল একে বাবে নিঃম্ব হইয়া গিয়াছে : এমন কি এ প্রদেশে ভিয়াভরে ছার্ভিক মন্যাকু ভড়ে অন্দর্গ বিরাজ করিছেছে। এ বংসর আমা দিগের ক্লেশনিবারণজন্য প্রভাবৎনল 🛎 শ্রীগভী অসুহাহে তথ'য় একটি মৃত্ कांत्र वीध (मञ्जूष इयू। छेशाएक এ श्राह . भत्र विरम्भ छे भकारतत मुखारमा वर्षे , किन्न वा छोट छत्र क्रूथ देनकूर्व अ नाई. (त कथा मिथा) নহে। যে হেতু ঐ খালের উভর পাথের সমতল ভূমির স্থানবিশেষে বাগ ভগ্ন হুইয়া অনেক হৈম खिक श्रांना *खन*मम हहेग्रा शिशाह्य । (य खाटन বাঁধটি ভগ হয়, উচ্চতা প্রযুক্ত ঐ স্থান দিয়া আর खन वहिर्शं छ हरेवात छेशात्र नाहे । वर्षात छ एल বিল পরিপূর্ণ এবং নিমু ভূমি সকল জলমর বৃদ্ধি : য়াছে ৷ ইহাতে খাজেরে ও ক্ষিকার্যের বিস্তব ক্ষতি ও ভীরন্ধিত তুগ ও কুলাছা প্রভু তি পঢ়িয়া ভগন্ধময় বাজেপ বায় ক্রমে দূষিত হইতেছে। পীড়িত হইডেছে। विषय এই या अ शार्मरम जानानि छाल्जन চিকিৎসলয় স্থাপিত হয় নাই, এ দিকে আশ্বিন মাস উপস্থিত। নিমুকু নিম'তেই জলমগ্ৰ विक्ति, व्रविभागः वशास्त्र के शास्त्र नाहे। अकारन जे चारतत मर्थर (कान निष्नु श्वारन वाध कारिया कल विश्रीक कतिया ना नित्न (कानक्रां) नग

হইবার সন্তাহনা নাই। ইহাতে এ প্রদেশের এক প্রকার সর্বানাশ উপস্থিত, মহিমার্থ। প্রীযুক্ত গ্রবর বাহাছর দীন হীন প্রজাগনের প্রকি কুপাকটাক করিয়া ঐ বাধটে কাটিয়া সম্প্রভি কুল বহিগাত ও পশ্চাং তথায় একটা কপাটিয়া পুল প্রস্তুত কবাটয়া এ প্রাদেশের মঙ্গল সাধন করুন। যদ্যপি বিলের জল বহিগত না হইয়া বন্ধ থাকে, ভালা ছইলে অন্তান ২০ ছুই হাজার বিঘা উর্বর। ভূমি পতিত রহিবে এবং প্রজাগণ একেবারে উল্ভিন্ন দশা প্রাপ্ত হইবে ভালার আরু সম্পেহনাই।

২৬ ভাজ } জীহারাধন মুখোপাধ্যায় । সাং আড় পাড়া।

জেলা করিদপুরের অন্তঃপাতী থানা ভূষণাব অধীনস্থ গ্রামসমূহ জঙ্গণে পরিপূর্ণ এবং ভদারা ভত্তত্য লোকদিগের অনেক পরিমাণে আনিষ্ঠ ংইডেছিল দেবিয়া কিয়দিন হুইল, ভথাকার পুলিষ কর্ত্তপক্ষ উহার প্রতিবিধানার্থ মনোযোগী হন। তদনুষাৰে তথাকাৰ পুলিষ হইছে এক শেয়ালা একখানি প্রযাণা লইয়া ভাপাদানীয়া নামক গ্রামে উপাস্থত হওয়াতে তথাকার लारकता छेक अनुसार्व निक्र च च छुत्रित অঙ্গল পরিকার করিয়া দিবেন এক্সপ অঙ্গীকার করিয়াভিলেন , কিন্তু জলল পরিকাবে প্রভুষ অর্থ গ্রহার ক্রিয়া উঠা কিন্তুৎ পরিমাণে পরিক র করিয়া ক্ষান্ত র ইয়াছেন। মহাশ্রঃ সম্পূর্ণজন্প পরিক্ঠ হই:ল স্ক্রিধার্থের ্যরূপ মঙ্গ হইজ, কিয়ুদংশ পরিছারে ভাহার কিছুই হয় নাই ৷ অধাকার লোকেরা এরপ অন ভঞ্জ ্য জগণ সম্ভুত নানাপ্রকার অনিষ্ঠ সহা কৰিতে এবং ক্ষম এক প্ৰীকৃষ্ণিতে 🚓 😝 ৰ অথ বায় ক ব্ৰুত সন্মত, অথাপি সংক্ষাৎসমুক্ত এক কথাদিকও বায় কবিতে সন্মত নহেন: ভাত্রভা পুলিষ ১ংগ্রে পুনর্নার এ বিষয়ের অল্প-मकाम स्वतन जान क्य

গবর্ণনেও প্রার সকল স্থানেই ছই একটা বিদ্যালয় স্থাপনপুথক তথাকাব লৌভাগেরে সোপান করিয়া দিছেছেন গ কিন্তু ঐ থানার অস্ত্রগত প্রায় অধিকাংশ স্থানেই ভাল বিদ্যালয় নাই। যদিও কোন কোন স্থানে ছই একটা সামান্য বিশ্বালয় আছে, ভাছাতে কিছু হয় না ' শিক্ষাবিভাগের কর্তুপক্ষ অসুসন্ধান করিলেই ভানিতে পারিবেন। প্রক্রোজ্বিভ কাপাসাসীয়া প্রাম ও ভাহার নিকটবর্জী প্রায় ১০ ১১২ খানি প্রামে একটীমাত্র বিদ্যাল; শাই। ঐসকল স্থানে ধেসকর ভার লোক আং নুগ্যে অধিকাংশই প্রক্রিকান্ত জেলা বিভাগের ভিনিল লোকোর এবং ভালুকানর ও জোভদাব নিম্যা পরিগণিত। এইনকল বাজির এবং ভালার সন্ধানারনের সন্তান সক্রতির লোকার নিমান্ত যদি গবর্গমেন্ট ইইছে ছেবায় এব দী বিদ্যালয় প্রতিষ্ঠিত করা, ভাঙা হুইলে ক্বর্গমেন্ট ভালার প্রদেশের ন্যায় ভবাকার লোক দিপের নিকটেও কুতজ্জভাভাজন ইইংনা সন্দেহনাই।

ণু ই আন্টোবৰ ১৮৬৮ ৷

লোয়ার আসামে অধিকতব র্টি ইওয়াতে গানা অনেক নষ্ট চইয়াছে। যে কিছু ছিল, ডাগাও এক প্রকার কীটে বিনষ্ট করিতেছে। সুস্রাৎ ছার্ভিক্ষলকণ এ দেশে লক্ষিত চইতেছে

> —:•:——: ে-প্রবলিক ভয়ার্ক ডিপাট্টনেট ও বছর্মপুর কালেজ শানী।

প্রান্ত্রীক ওয়ার্ক ডিপার্টিমেটের স্বোক্তর (यक्षण माध्यभवाडा व प्रकारत भावत कार्य कतिया शाद्यम जारा काराव अविभिन्न माहै। वश्वमाश्वक एल अ वाही निष्मार्ग डाँशास्त्र अ অনুৰৱ পৰা কালা প্ৰদাশিত কইয়াকে ৷ ১৮৫২ अर्टन इंक्टिंड ब्राट्ट्रिंड मगर के बाही निधानी हिल्लान इस । आने नाट्यत मस्य शाम शक्ष করিতেই পর্যাবসিত হয়। বীভন সাকেবের প্রথম আমিলেই অব্যাৎ ১৮৫৩ সালের ১৯ ৭ জুলাই উদার তিত্তিপ্রস্তর নিখাত ১ইয়া ছিল : ভিৎপুৰে অজ্ঞাগরের গভির ন্যায় উহার কার্যন अद्भ कद्भ हिन्द शाहक। शक गरमह ५१ भारत्व **अध्यक्ष**ति मध्य के वार्षे भावम क्लेट्ट हेटा मकरलबहे (दीव ५ हेंग्।। इन । विश्व मर्थः ब्बालक्षेत्राटन वाजित ब्याजा लगाए। कालिया याध तकरत रहत, हैशे (अंश्वाह धून वन वन के कि कित है देशिसमुद्ध (४) नम्भान मार्टश्य चारमा आखान कर्तन भारव है ने हिंचे पहले करानक জনলৈ ইজিনিয়ার সাঙের অংশিয়া তাটা প্রীকা रहित्सम्**यक्ति । याम बाक्सलीट कुछ** कोऽयेः अञ्चल दर्भाषा ७ वर्ष है । अहा अहाल (वर्ष कर् 'শংগ্রম্ভে: কাটা মাইড: বিনি প্লান করিছা ্দন, তেনিও সাকেৰ এবং যি ন গাঁথেট্যাচ্ছন 'দানিক সাক্তির জালা এবা জোলাকর লগতের জ্ঞার क्ष रहशा (प्रश कहि। কৈ ছোক বাসং भंभे मनल সেয়া সানা হয়। ভাই।ই

ষ্ট্ৰত **ংইতে বৰ্ষাকাল আসিয়া উপশ্বিত**। छारभत कल घरतत् वाहित्त किछ्डे भए जा. मुस দায়ই যরে পভিতে লাগিল। সেই সময়ে আবার .ल ॰हेन छ भवर्गत मुद्देश्य अधारन ज्यामित्वस स्नन রব উঠিল বর্মাচারীরা বছ বিজ্ঞত হইলেন ছ দের উপর তৈল সিক্ষ রপ্রভৃতভার। রও করিয়া দিলেন। স্বৰ্ণর সাহেৰ ভারাভেই ভুলিয়া ्गालम् । नर्भागातीतातः " वाममः अल प्रव ७ ल'क्न कुटल भव " ककेटलन । इस भारत (य कर्य। নঃ ১ইতে পারিত গবর্গর সাত্তের আসিবেন विस्था श्राय २० किंद्रिय मृद्धि (मृष्टे काष्ट्रा इटेशा हिल। ডिনি যংকালে **ভাইদেন, ত**ংকালে ঐ বাটী ব প্রালারিব আসমগুলি নির্মাণ করা ছাড়া আর কোন কার্যা আকী ছিল না। কিন্তু প্রায়ুণ মাস ২৯তে চলিল, ডিনি এখান হইতে গিয়াছেন 🔻 ইভেম্পের আবে কিছুম্তে कार्यः इस्र मार्ड । विविधान भारकर वतः स्मारबहे बहुक, अथवा श्रामकर्षा खाल्डिन बार्ट्स्ट्र ्र 'र्ष हे कहिक, शक तत्य व की माहिस। शिया किस স্থা বটে বিজ্ঞ আম্বা অচকো দেখিয়াছি. বিবিধান সাহেব বিশেষ কার্যদেশ লোক ছিলেনএ ্ভনি এই বাসীয় কাৰ্যদেশনাথ প্ৰতিদিন অবাবে এই বার করিয়া আগমন করিভেন; কিন্তু ভার পদে যে উইক স সাহেব নিযুক্ত ! इडेश'र्डिन डेनि लामा कि काल कि बाखा लाक. ভাগ বাধ হয় বাহার আফিসের লোক ছাড়া এন কেইট দেখিতে পায় না। তিনি এই স্থানে আসেয়া অবধি কয় দিন কালেজা ৰাটী দুৰ্শনাৰ্থ গমন কবিয়াছেন, ইছা ভাঁছাকেই জিজাপ: करा कंडचा ' कल करा, आंध्रहा लल्डेमचे अवर्वत সাত্ৰবাক অন্তৰোধ কবি যে, তিনি এক বাব ই জন্মার সাহেবকৈ জিজ্ঞানা করিয়া পাঠান ्य डाधान भगरमञ्जलन वर्ष न्यत्रमञ्जल कार्यकाराधितः कट पुर कार्य। इहेशाटक अन्य के नाही कारल छ আ ফিসরদিগের হক্তে অর্থান করিবার আর কভ বেলয় আছে? ইচা হটলেই ভিনি সমুদায় লানিতে পারিখেন। আমাদগরেক আর আবিক লিখিয়া কষ্ট পাইরার প্রয়োজন নাই। এই বাটীর বিষয়ে আমাদের আর্ও কিছু ব্জুবার্তিল।

## मृना क्षांखि।

শ্রীয়ুক্ত বাবু শশিভূষণ মুখোপাধ্যার পুরী ১২৭৫ কাজিক হইতে ৭৬ জাগ্রিন ১৩ ১ ম রাধানোহন গোজানী খণ্ডপুর্ভী ১২৭৫ কার্ভিক হইতে ৭৬ জাগ্রিন ১৬ ৯ জমৃতনারায়ৰ আচার মুক্তাগাছা ১৩ ৯ শনীলমনি ঘোষাল ক্ষ্যিকাভা ১০

# দোমপ্রকাশসংক্রান্ত কয়েকটা বিশেষ নিয়ম।

অতিম মূল। ও ভাক্যাসুল না পাইলে মদ-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইংর অগ্রিম মূল্য বাবিক ১০ টাকা এবং বাল্যাসিক ৫॥০ টাকা গ মফস্বলে ডাকমাসূল সমেত বার্ষিক ১৩, বাল্যাসিক ৭ এবং ত্রৈমান্সিক ৩৮০। তিন মাসের স্থানে অগ্রিম মূল্য এইণ করা যায় না। ভৃতি, বরুতি চিঠি, মলি-অডার, নোট ও স্থান্স টিকিট, ইহার অন্যত্তর যাহাতে যাহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই উপার দারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

বাঁহার। ষ্টাম্পটিকিট পাঠাইবেন, ভাঁহারা বেন এক অথব। আধ আনার অধিক মূল্যের ওরনীদের টিকিট প্রেরণ না ক্ষেন।

यथन यिनि मक्षणण स्ट्रेट लामश्रकारण स्ट्रा लागे। स्ट्रा लागे। स्ट्रा लागे। स्ट्रा लागे। स्ट्रा लागे। क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क

योशिक्तित यून, क्वित ममम अजील श्रेम जामित. এक मामश्रामं होशिक्तिक किन्न निर्मा जामान याहेर्दा, कॉल अजील श्रेम कार्ला अकील श्रेम कार्ला अकील विक्र कार्म कार्या कार्या विक्र कार्या कार्या विक्र कार्या कार्या विक्र कार्या कार्या विक्र कार्या कार्या विक्र कार्या कार्या विक्र कार्या कार्या विक्र कार्या कार्या विक्र कार्या विद्या कार्या विक्र कार्या विद्या कार्या विक्र कार्या विद्या कार्या विक्र कार्या विद्या कार्या ार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्या कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य

মাজলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ভাঞ্ দরে চিঠি আইলে আমরা শীল্প পাইব।

যাহার। মাজুল না দিয়া প্রাদি প্রেরণ করি বেন, তাহাদিগের সেই প্রাদি এহণ করা যাইবে নাঃ

নেং সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইচ্ছা করিলে ভাঁহাকে প্রথম ভিন বার প্রতিপংজ্ঞি ৮০ আনা ভাহার পর ৮১০ আনা দিতে হইবে। বিনি অনিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা করিছ ক্রিট্র ভাঁহার সহিত প্রয়ে বন্দোবস্ত ইইবে।

ভারত এই পাত্র কলিকাভার দক্ষিণ পুর্স্থ মাতল, রলগুয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চালডিপোভায় ত্রীগুক্ত ধারকানাথ বিদ্যা-ভূষণের বাটাভে প্রভিদোমবার প্রাভঃকালে প্রকাশিত হয়।

# मिश्का

3 - N WIN !

१५ मर्था।

# " प्रवक्तंतां प्रक्रांतिविताय पार्थिवः सरस्ततो श्रातमवती न वीयतां।"

মাসিক মূল্য ১ এক অবিম বার্ষিক ১০ দশ ) অবিম বাশ্যাসিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা।

मन ১২१৫। ১১ই कार्किक। २५७। २५० परिशेषत्र

্মকল্মনে মান্তুলসমেত অত্যিম ৰাধিক ১০ বালাসিক ৭, ও ইত্ৰমসিক ২০০ টাকা

# বিজ্ঞাপন।

প্রত্যক খণ্ড ৮০ পৃষ্ঠা মূল্য (নগদ) ॥
তই পুল্ডক প্রথম অবধি দ্বিতীয় সর্গপর্যন্ত
প্রথম সংখ্যা নাগরাক্ষরে রামান্ত্রুরে নিকা ও
বাঙ্গালা অনুবাদের সহিত কাব্যপ্রকাশ যন্ত্রে
মুদ্রিত হইরা বিভরিত হইতেছে। ইহাতে মাহেখর তীর্য ও নাগোলী ভট্টের নিকাও স্থলবিশেষে
উক্ত করা হইতেছে ও ইহা প্রতিমাসে ১০
করমা অর্থাং ৮০ পৃষ্ঠা করিয়া মুদ্রিত ও প্রচা
রিত হইবে। মূল্য ॥
ত আনা । খাঁলারা আহ্ব
কোবা প্রকাশ যন্ত্রে পত্র লিখিবেন।

ध्वाचन ১२१६ खामामाञ

**बिर्वन्यः खडे**कित्।

-- 803-

## বিক্ৰয়াৰ্থ।

পারডেন বীচ ২৪ নং বাসি গুলামসহ ১৯ নংজোড়া বাগান।

উপরি উজ্জ বাগান ও বাটা যাঁহারা ক্রয় করিতে অথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নিয় খাফ রিড ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেগুরিস্ আর্টো-ধনট এবং কোং

-----

ৰিবিধ জব্যাদি বিজ্ঞাৰ্থ প্ৰস্তুত্ত।

ইংরাজী বাজলা পুশুক কাগজ কলম নানা

विध सवामि भाउरा यात्र ध्वर शृक्षकामिए 🖊 এক ভানার ছিদাবে কমিদন দি। অধিক টাকার পুস্তক লইলে 🖊 ১০ আনার হিসাবে পাইবেন। विन्राष्ट्रमद्भ नाष्ट्रक कुक्कुशाबी नार्वे क পদ্মাৰতী নাটক 401. শ শিষ্ঠা নাটক मरीनज्ञा नाहेक চন্দ্ৰবিদাস নাটক গ্ৰামাভিন্যক নাটক पन उक्षन नांदेक व्यानकी नाइक (धमाधिनी नाटेक 11000 ইকুপ্ৰভা নাটক नलमगुडी नाहेक साज्यिक्त माहक की इक वर नाहेक 40 पर्गथम नाइक বেশ্যাসজি নিবর্ত্ত নাটক कलिएकोङ्क माक्र লীলাবতী নাটক · # • कुञ्चमकुमादी नाष्ट्रक (को तबिरम्भाग न हे क শিববিবাহ নাটক \* সথক সমাধি মাউক मध्यी नाहेक পুনৰ্কিবাহ নাটক 11. व्यवी नांग्रंक

প্রেমকরা বিষমদায় নাটক

ন্বনাটক বছ্বিবাহ্ নিবেধ

कामबती नाहेक

मुकावली नाहेक

জীবৎস রাজার উপাধান নাড্য

| the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the s |           |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------|
| नवत्रभनी नाष्ट्रक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              | 11 -      |
| মুচামটিক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       | # -       |
| श्राद्यापहरत्यामञ्ज्ञानिक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      | 2         |
| প্রাণেশ্বর নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | 21.       |
| ৰঙ্গব্ৰহার মাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | 100       |
| वाल (विवाह गाँउक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | 10/       |
| বালোদ্ৰাট্ক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 10/0      |
| বিধবং পরিণয়োৎসব নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          | \$        |
| বিধ্বামনোরঞ্ল নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | 11 -      |
| फेर्ननी नाउंक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | 3         |
| এবঁহি আবার ৰড়লোক নটেক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         | v; •      |
| কিছু কিছু বৃঝি নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | Ha/ •     |
| বিক্ৰম নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | H •       |
| কলিকাভা জোড়া- 🍦 🕮 প্ৰভাপচা                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | क्षा का स |
| সাঁকো ৬৪ নং 🌖 নগদ বিচ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          | াত কৃষ্ট  |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |           |

শংবিক্রীচরিত কাব্য।

জীভোলানাৰ চক্ৰবৰ্ত্তিপ্ৰদীত।

মূল্য ১ এক টাকা :

সংক্রত **মন্তের পুজ্জকালয়ে পা**ওয়া যায় :

বিক্রপ্নার্থ।

শব্দকলক্ষম অভিধান। সর রাজ: রাধ:-

কাস্ত দেব বাহাছ বের বুড়ে। উত্তমকপে সোল দিয়া মুত্তৰ ৰাঁধান, মূল্য ২৫০ টাকা

श्रिमानमध्यात्रमाख्याभीनः

------

পুরাণ প্রকাশ।

विक्तु शूत्रान ।

असूराम ७ हीना महमक आहा 🐠

্য় ে ৮ প্টা ( জাহাম মূল্য ) ॥০ 🕟

যিনি গ্রহণাভিলাধী হইবেন তিনি মৃঞাপুর ভামসরষ্টাটি ৩৪:১ নং ভবনে কাষ্যপ্রকাশ ধল্লে অপরা কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে শ্রুপুক্ত জগুযোহন ভর্কালক্ষারের নামে যত খাপুর ইন্দা জ্ঞাম মূল্য পাঠাইবেন। ভ্যামি না পাইলে বিদেশে বিষ্ণুপুরাণ পাঠাইবার নিয়ম নাই ইভি।

# शिकी श्रुष्ठरकत विकालन।

বান, রখুপ্রভৃতি কবির বিরচিত দোহা
চেপাই আদিতে মানবের ২৬২ প্রকার লক্ষণ
কবি নল্লি লালের রচিত মাধব স্কুলোচনার
গদেরে সহিত মাধববিলাসনামক পুস্তক দেব
নাগরাক্ষরে মুদ্রিত ও প্রচারিত হইল। মূল্য ॥
আট আনা, ভাক মান্ত্র ৯/০ আনা । কলিকাতা
সংবাদ জানব্রাকর যন্ত্র নিমতলা ঘাট কীট
তং সংগ্রক ভবন।

#### श्चिक् वनहत्त्व दशकः।

## वत्नाशिशाश दक्षेर्।

এত জারা সর্বাসাধারণকে জ্ঞাত করা যাই ভেছে যে, সম্রাভি জনওয়াভণ্ডার অব জ্ঞানিয়া ওয়ারউইক এবং বিটিশ প্রিল্ জাহালে উ্থা সকল জামদানী হইয়াছে। ঐসকল জাহালে উপ্ত কোং দিগের লগুনস্থ এফেন্টান হইছে ফেল্ল্ উৰধ ও জন্যান্য প্রব্যাদি আমদানী হইয়াছে এবং বেস্থল ক্রব্যাদি আমদানী হইরে ভাহার ইন ভয়েস প্রাপ্ত হইয়াছেন।

উক্ত কোণ্ণানির প্রধান উ্যধালয় আমহন্ত ক্রীট ২৩ নং ভবনে মৃপ্তাপুন মেডিকেল হলে এবং সভাবাজার ক্রীট ৩৯ নং ভবন শাখা উষ্ দ লার টাটকা, বিশুজ, এবং উৎকৃত উ্তমন সকল্পারমিত মূল্যে খুজুরা বা এক কালীন অধিক প্রিমানে বিক্রয়ার্থ নিয়ত প্রশ্বত আছে।

কলিকাতা ১৮ ই আগষ্ট ১৮৬৮

ন্তুত্বন পুস্তক।
ভাগ মানের নক্রা।
বার্দের স্থাপিব।
( হুডোমি ভাষা। )

কলিকাটা পটোলভালাত টুনীং ইন ষ্টিটি উসন বিশালাদের প্রধান পণ্ডিত প্রীযুক্ত রামস-র্ন টোটোগোর নিকটে অথবা প্রীযুক্ত বর্লাল স্মন্ত্রের পুত্তকালারে প্রাপ্য। মূল। মাজ। नित्रात नही।

সন ১৮৬৮ সালের ৮ ই আঠোবর মাস হইতে ১৪ ই আইটোবর পর্যন্ত নদীরার নদী হারের সর্বাক্ষতি জলের সাপ্তাহিক রিপোট।

স্থানের নাম সর্রাক্মতি জল ফুট ইঞি

নদীয়া মাথাভালা মহামার উপর পভারদীতে 3 2 মহানাস ভথা হইতে হাট বোরালিয়া 88 माहेल w बाहे (बाग्रालिया हहेएड व्यक्तिश 30 আসুকদিয়া হুইতে কুঞ্চগঞ্চ ৩৮ মাইল 39 कुछन्छ इड्रेड इनलि नहीं ৩৪ মাইল 34 काशीतथी मधी।

মহানার বার ২৩
মহানার নীচে ১৫
ভথা হইভে জালিপুর ৫
জালিপুর হইভে কাটোয়া
৬০ মইল ১১

৬০ ম ইল ১১ কাটোয়া হইতে নদীয়া ৪৬ মাইল ১৪

জলদী নদী।
মহানা ১০
তথা ক্টতে কলিমপুর
১৯ মাইল ১ শ
কলিমপুৰ ক্টাভে টিশ্বাকাটা
৩৫ মাইল ৪ শ

টিয়াকটো হইছে নদীয়া ৬০ মাইল ৪ ৩ সন ১৮৬৮ সালের ১৯ এ ভারিখের

বহরমপুর গজ ঘাটের জালের মাপ। ফুট ইঞি গঞ্জঘাটের উপর ৮: ৬

বছরমপুর ১৯ এ অক্টোবর ১৮৬৮। জিলেকিউটিব ইঞ্চিনিয়র বছরমপুর ডিবিজন।

সোমপ্রকাশ।

১১ই কার্ত্তিক সোমবার। উপনগর ও তাহার অবস্থা। কলিকাতার উপনগরবাসিদিণের

পুর্ব ও সম্থাদ হার সম্পাদনার্থ ভত্রভ্য श्चिमिनिशानिणित स्वि इरेग्राट्ट, व्यथवा ভাঁহাদিগের নিকটে কর প্রদানার্থ উপ-नगत्रवानिषिटगत स्थे हरेबाटह, जामता তাহার নির্ণয় করিতে পারিতেছি না। এক মাত্র কর দান বিষয় श्रुवियं अफृष्टि चात्नक वियत आष्ट. ভাহার সতা দেখিয়া **१४र्व ( मन्द्रे में छ**। অনায়ালে অসুমান করা যায়; কিন্তু এক কর দান সম্বন্ধ পরিত্যান্ত ইইলে উপনগ মিউনিসিপালিটির এমন কিছুই পাকে না যে তদ্বারা ইহার সন্ত। অসুমিত হয়। রাস্তা প্রস্তুত করা 😮 তাহার সংস্কার করা, নর্দমা ও পুক্ষরিণী প্রভৃতির পরিকরণ বিষয়ে দৃষ্টিপাত করা, এ নকল ক্ষুত্রকার্য্য মহামহিম মিউনিলিপালিটির अ अकल विषय लक्ष्य स्य ना । कले । कु দারেরা যে পরিমাণে টাকা লন, তৎপ-तिभार्य काम कतिरलन कि ना ? यर वाहिक খোয়া দিলেন, কি পুরাতন রাস্তা ধনন করিয়া কেবল স্থানে স্থানে কভগুলি (थाशा निया कांक भियं कडिएनन ? (कांन ব্যক্তি ভাহা দেখিয়া লন ? প্রতিবৎসর কণ্ট্ৰ:ক্ট লইবার বিজ্ঞাপন দেওয়া হয়, কিন্তু কমিদরিএট ও প্রলি-क्ष्रांक क्ले एक्ट्रेन गांश वित्रकारमत क्ले । ক্টদারের হস্তেই কণ্ট্রাক্টের ভার পতিত इया इंदांता वक्काटनत शासा लाक ! इंग्लिश्तित क्वांठ कार्या (य मन्त्र इह्न, এ কথা বলিতে ত আমাদিনের দাহ্স र्य ना ! इाजिट्ड अ वर्षाकारम स्मारकत शन ७ नकट्डेत एक ता**न्डात मधाग**ड গর্ত্তে পতিত হইয়া যে ভয় হয়, ভাহা-তে কণ্টাক্টদারের দোষই বা কি ! যে शथ **हत्य ७ (य नक्**षे हालाम, **कारा**न्हे त्तिय। दिवा श्रं हित्त न्रद्धंत म्रद्ध পড়িতে হয় না i

কলিকাতা ও উপনগর এ উভ্যের

मर्था नवस्नात हताल माहन अवस्त्र विक्रितिनात रहकार साक्टिक छन वालक ताका भारक। भागता अक कात देशाह अवद्यावर्गमा कतिहाहि। हेशाह नरकात कतिवात कांत्र कतिकाकांत्र विक्र मिनिशास्त्रितः स्टब्ड त्यवता स्टेशादित। कात महिता मजूत वाणिएक्टर ; क्रिक ब शर्वात इकीशाबन्दम चामत। अक्षादमत निमिन तालाहीत छिन्न स्वयु कहिटळ शाहिलाम वा। हास्त्राह शुक् नित्र मिडेनिशियाम (तमक्दम । देशारक রাস্তার অল্নিগ্রের পথ এক বিকে वसः व्हेप्राटकः । यनित्रः मुद्धः घटनाका (तनश्रदात्रः এ ७ ७ ७ छ। ्रव व्यक्तिक्र के नक्षेत्रि श्रमाशमन मन्त्र रहा। अह याज नव, पिडेनिनिशान दबल बरवब अक পাৰ' ছাড়িয়া কলিকাতার দিগে **डाटतत (वड़ा प्रवा इड्टडट्डा अड**-দ্বারা কত লোকের যে বাটীর ও গলির वाहिटत व्यामिवात भथ क्रम इहेट डट्ड, काश वना यात्र मा। मट्या मट्या हात আছে দতা; কিন্তু দেড়ী লোকের স্থাৰিখা तुर्विशा शिक्षा क्रेटिक्ट मा। इक्टिक বোধ হইতেছে, অনেক ভাড়াটারা ভূমির প্রজাপলায়ন করিবে এবং ভরিবক্ষন त्महे (महे खिमन मूना ७ कमिया याहे (व । উপনগরের আর একটা कछ এই, দিনের दिना बानबातिषत्र व्यनाख किनेमात्रक पिथितित स्था नाहे। व्यक्तकात ७ वर्षात রজনীতেও পাহারাওয়ালা বড় দর্শন रान ना शिक्षांत्र आहम এक विवन विनि वान करतन, उँ। हात्रहे वह मः कात कर्या। জিটিল সমাক্ষার মধ্যে এই অংশ मित्र चाक्रिय चात व्यक्तिम विवश व्याव रहा (समन ताला, त्महेशकांत नावितकात कार्य। वाकातकात बरका बट्डित छ कथाई नाहे।

মিউনি নিপালিটি यक्रवामाध्य क्रिएउट्डन ना विनेष्ठा व्यामता व्याटक्त क्तिनाम रहि ; किस यक चिन ब धाकात

तिन त्रोखा २ एडिंड डेट क्स नामन e विकासकात मञ्जास विवास सहस्रोह सञ्जा नमा भाषा । आधुनाजित्यत कांच माण माता मा करिटन कात हा मा। व्यापना त्व छात्य वान कति, छथाकात ब्रांखाञ्च एक उरक्क रहेल सामना किन दक काशंत्र कराकाती शहरत ? अववद के छनित छेर केर नास्मविष्टत सामानिटन वहे मिरिनान राष्ट्रवान २७३। जानभाकः किक भावता वहर वज्नान् ना इहेगा भन त्वत्र **राख** त्वहे खात्र अभर्णन कृतिवाहि। वधकात कार्यात कन त्व भागाञ्चल रहेटर ना, जारांत अक श्रकांत निषांच रहेगा আছে। ৰে পিত। ভৃতিভুক্ত্তোর হত্তে भूटजर नामांबकाणित ভারসমর্পণ कतिशानिकिन्द्र थाटकन, डाँश्त मता बाइम आत पूर्व का ना। अउवव कामा निरमतः कर्डवा, व्यामता क्षेत्रकण विष त्यत छेर्≒भन इटल श्वतः रङ्गान इहे এবং গবর্ণমেণ্টেরও কর্ত্তব্য, ক্রমে পঞ্চা য়েতের ৰচ্ছোৰস্ত ফ্রেয়া আমাদিগকে **ঐ বিষয়ে শিক্ষি** করিয়া **ভূলেন**। चनाचा भवर्गरमा इहरव मा ; व्यामतोख कारणत लाक इडेर मा

ভরণমতি গুৰক্তব।

নব্যুৰকদিপের চতুরতা, দক্তা, व्यक्षत्व नाम्नः व मृत्य विकार। पर्णन कतित्व मानव्यात्वत्रहे चास्ताम कत्य। छिमदिली नारम्ब भक्त कतिशाष्ट्रिनन, यूवकपिरभव चीता त्व रेवन त्रका शांत्र ७ त्व त्वर्भत अहिम इस कारात (भीतव ताथिवात ष्ट्रांन इंग्ना। डीहात त्वश्र अत्नाखमान নর। কিন্তু বখন চতুরত। কেবল রুখা আড়ম্বরে পরিশত হয়, অধ্যবসায় আপ নার বাহা সন্মানলাভচেষ্টায় পর্যাবসিত ৰয় এবং অমূলক ও অসভাবিত প্ৰভাব नहेवा (मट्नंत कन्गानमाधन मो फान,

ख्येन चित्रमञ्जाह चारकर्भत विवन इदेश केटके। यूनकतिरभव जन व्यक्तिमात्र कत्रतः, তাঁহাগিরের অনুস্নশক্তি, শতাক প্রকা व्यक्त मत्या मत्या कांशाता व व्यक्त धाक्षाव कंत्रिद्वन, खाश विश्ववास्ट् स्टर्। किंद्ध त्नरे श्रास्थान थित सामान क्नानिविद्धारी इश, जाहा इदेश केंग्स मिर्भन मूर्च वद्या कतिवाव करें। शांबद्राहे कर्खना। भाषावित्त्रत यूनकम्बानादत्रत मदश बर्थकांत्र बक्षन लाक प्रचिद् পাওয়া यांचेटकट्र य, जांचाता चिन्त আড়ব্ৰপ্ৰিয়। কাল যত হউক না হউক, धुमधाम इहेटलहे डाँहाता चालमानि পকে চরিভার্থ-জ্ঞান করেন। রাজার विद्राधी एडेक, मगाटकत विद्यार्थी হউ p, আর দেশের উন্নতির প্রতিবন্ধক रछक, विष्टू मूछन रहेत्वर डाहाता मन করিলেন, দেশের উন্নতি, সমাজসংক্ষার अक्तीिकनः द्याधन हरेन। फाँसाताः যদৈ একটা পুস্তকালয় অধবা ভৰ্ক বি तर्भ में जादालन करतन, वावर लिल् हैं नणे शवर्वत व्यथवा विष्ठातशकि कियान क्षिष्टिशायक व्यथका सम्मीक ना इहेटलन ভাৰৎ ভাছা সার্থক ও পরিভাম স্ফল त्वाथ क्टबन न।। यति (क्ष्य कृष्ठी भागानः श्चवका शार्ठ कतिवात व्यक्तिगांनी इन, उद्यावनार्थ अग्रजः तम सन हेफेरतानीत चप्रताकरक चास्त्रात करा इह, किन् ইউরোপীয় ভদ্র লোকেরা উপস্থিত হইয়া कि खारण करतन १ कान जूडन विवह १ তাহানতে প্রগাচ্চিতা ও সবিশার পরিতান করিয়া উছোবা বিজ্ঞান, মাছিত; व्यथा देखिहानभरका १ तिन श्राद्धत भीगांश्या कतिए छ एवं, इन्डिया भीरतहा নভাষ্তে উপস্থিত হট্য কি ভাষা দেখিতে পান ? ভালা নতে। ও আনি কত দুর শিকা করিয়াছি, গভাছা প্রদেশন করা হর এই মাত্র। ইউরোপীরের। স্বাভা विक जन्नजीनिवज्ञन अकामाज्ञरभ किः

বলেন না; কিন্তু ভাঁহার। মনে মনে

বিজ্ঞাপ করেন। যাঁহার। এ নেশের প্রকৃত

বন্ধু, ভাঁহাবা চ্থিতি হন ; কিন্তু অনেক

শলে অনেক ইউরোপীয় এই দকল ভবলমতি বালককে বর্ণমান বংশীলিগের
আতিনিধি ভবান করিয়া থাকেন। এইটাই
অনিষ্টের ইইতেছে। প্রভাক বাজির
আপন আপন জনগ্রত ভাব ব্যক্ত করি
বাব অধিকার ও স্থানীনভা আছে, কিন্তু
যথন দেই ভাব দেশের যাবতীয় লোকের
মনের ভাব বলিয়া বিবেচিত হয়, তথন
ভাহার ভিবাদ একান্ত আব্দাক

ইইয়া উঠে।

আসরা বেদলের প্রসম্ব কাংতেছি ভাগ্তিঃ এক কালে যাবভীয় বিনয়েত্র शहिबर्ख प्रमीत्नक्यु इहेशार्छन्। उपरमान विवास्थ्यथा छेटिया नाडेक, वर्डमान "विविचांभ हरित क्टक, समार्वत হজ্ঞামত যুবকেরা অংগন আপে । গারি নীক গত্নী পরিভ্যাগ করিছা ভারায়র खहन करून, इँ इमिर्टाट खेरे अखिलांग । आहे रिश्वताहात मर्गान करिया 'आभव' অভিশয় বিশ্বিত ও ছঃথিত ইটয়াছি। बाई पन शक्ता उमा का है। मार्थित भारता **भारता इस्टर**काल कविटाई हैविश्वय इस ন: আমরা শুনিরা অভিলয় ভূকিছ इंडेडाम, हेर्रेन्ट्रात क्रिक क्रिक करामी हरामानदार धारतमा करिट्ड छेना छ हरे-सार्छन्। रेमानरकत काञ्च । विजिध स्पर त्वत काञ्च महत्त्रह नाहे; किन्नु , व व्हांक শ্বনেশ পরিক্রাগ করিয়া কেবল অর্থ ও व्याञ्चालीतवल एकः कानाम् (वर्तनीव बाकाव करेया जाबादियांत्रण कटरन, ভাঁহার ভাহা ধ্যানের না হইয়া অগো রবের নিমিত হয়। এই সবাদন ছির कारवारहर, यमि जिन्नि शदन्राके चे १४१ विद्रशत अर्थिन। পরিপ্রণ না व १०, १कान विदन्तीय जास्त्रात स्मना राज श्रादम क्रिया बर्जिका ७ वर्षी

রুষপ্রকাশ করিখেন।কভকগুলি উফশো निष्ठ व्यविनाममभी यूवक अहे ध्वकार चा प्रवत कति एउट हम। इंहाँ पिर्शत সংস্কার এই, বিশ্ববিশালয়ের উপাধি शाहरलाई विषतांत्र ७ कर्ज , जन्मां परनत শেষ হইল, তথপরে উাহারা না পাবেন এমত কাজ নাই। আমরা রাজপুরুষেতর ইউরোপীয় ভদ্র লোক ও রাজকর্মচারী দিগকে অনুরোধ করিভেছি, ভাঁহারা (यन कहे मकल टलांकटक (मटानंत व्यथवा কুত বিদামগুলীর প্রতিনিধি বলিয়া জ্ঞান না করেন। ইহাঁর। এক বিজ্ঞাতীয় ছল। **(मट्य इंड्रॉफिट्शंड क्यांन क्यां का** नाइ এবং ইহাঁদিগের সহচরভিত্র ইহাঁদিগের कथा जात (कह खादन करत्रम ना। अ স্থলে গ্রন্মেণ্টের প্রতিও আমাদিগের व क्टबर कहे, छाहाता विक्छ विद्वहना कितिहा नव युवकिषिटशेव तमनामदन अदिवर्ष কবিবার বামনা চরি ভার্থ করিবা আপে-गानित्रात कर्डवामस्थापन करतन।

## লাভ নিশেয়র, শালীবিক দণ্ড ও বালক অপ্রাধিগণ।

মান্দ্রাজের শাসনকর্ত্তা লাভ নেশি য়র যথার্থ তত্ত্বভর নারে এ দেশের দ্ম'ল ও শ দ্বপ্রণালীর প্রতি দৃষ্টি दाशिया कार्या कतिया थाएकन। जिनि **शक्तभा**डम्बा ६६श **अ**टन नीयनिटश्रत হিছচিত্তা করেন। অপক্ষপাতী বলিয়া তি न मकल मग्रद्य श्राप्तभीयपिरशत क्षान्य काकन इटेटि शास्त्रम ना। य एव कातरन তিনি ভারতবর্ষন্থিত ইউরোপীয়দিশের व्यश्चित्र रहेशांट्रम, छेनात्रकाट्व नकल বিবদ্নে ছাভিপ্রায় প্রকটন করা ভাহার অন্যতর কারণ। যে দল বিবেচনা করেন. ভারতব্যীয়দিশের উপরে যত ক্ষমতা अरुग्न कतिर्द, यह उँ। हामिर्गत थाना লাভের প্রার্থনা অগ্রাহ্য করিবে, ততই ত্রিটিশ রাজ্য বন্ধসুগ হইবে, লাভ নেপিয়র

त्म प्रमण्ड नट्टन । काँचात्र मरकात अरे, थकात मत्नातक्षत कतिया भागत । कत्राहे তণপনা, "ভৌমরা আমাদিগের অধীনছ, षायता याहा मत्न कति कति क्ष भाति, भ अधि मर्द्धमा ভারতব্যীश्रमित्रक गाउँ পথে উদিত করিয়া শাসন করা একণে ष्यटनदेकत्र मञ ; किन्द्र लोख निविद्यदेवत कार्या (मधिशा (वाथ इश, शताक्रिक निगटक उँशिक्तित शैनावचा विच् क कताहेश শাসন করাই ভাঁহার মতে শাসনকর্তার প্রকৃত কর্ত্বর কর্ম। এই নিমিত্র ভিনি यमकल श्रद्धांव करतन, जन्मत्या श्राप्ति মহেচ্ছতার পরিচয় পাওয়া থার। তিনি मर्राना मकल विषय क्रिक क्रिकार्या इहेट इ পারিতেছেন মা এটে; বিস্কু তাঁহার প্রতি ভারতব্যীয়দিগের ভক্তির উভরোতর বৃদ্ধি হইতেছে !

किছू मिन इंग्रेश, लांड (निशित्तत अक्डी उंदक्क ध्राष्ठाव कतिवाहित्वन। তিনি ভারতব্যী গুলবপুমেন্টকে বলেন, ाशश्ची निरंशह চঃ ত্র অংশ বয়ক मः (भाषनार्थ काताभात चालन कता कर्डवा । जाह अववीत्र शवर्गरमणे मुन्ही मृष्ठम वर्रा ८ कहाँ निमिष्ठ ६० लक्क होका वाश कता अनात स्टान क्रान ना ; किन्छ এ বিবয়ে ভার্থের অসক্ষতির আপত্তি করিয়া প্রস্তাব অগ্রাহ্য করিয়াছেন। লাভ নেডিয়র ভরিমিত সাক্ষাংসমূকে खें एनटक है। विव मिक्ट भाग निरंथन । **এक्टर** करशक क वर्षतिशिक्त প্রায় বে এবিত করিয়া ছাড়িয়া দেওয়া एक्र । लाफ (नश्यत बटलन, अथानकांत्र ममारक्षत (स व्यवज्ञा अवर ताकिहि भारत व्याप्त्रम्यात्नत व्यवकात मःकात चार्ट, जाहारक य वाक्टिक अरु वांत्र मात्रीतिक प्रक (प्रथत। इत्त, वित काटनत निमिल जारात मन्यान विमये इहेश यात्र। ৰালকগণের পক্ষে চির কালের নিমিত ना **र**ेक, वस्काल भया खाँच अरे कलक

থাকে। সর ভাকোত নর্থকৈটি ইংরি উত্তর দিয়া বলিয়াছেন, চির কালের নিমিত্ত কলম থাকে কি না, ইহার অসুস্কান কুরা আবশাক।

भौतिक मटकत विषदा बद्रमणीत দিপের যে মত, তাহা সমাচারপত্তে बातबात क्षकानिक व्हेबाएक। क्षित्र हुः (चंत्र विवय कहे देश्मधीय कर्चुणक कथान कांत्र करमक अन कूनश्काताविक देखे রোপীয়ের মন্তকে সমস্ত ভারতববীয়ের মত অংশকা গুরুতর ও অধিকতর অ্ল त्रशीव स्थान करत्न । मण ८४७ आर्थका ভিন বৎসর মেয়াদ খাটিতে অথবা সর্বব শরিমানা দিতে প্রস্তুত, এরণ लाटकत्र मध्यारि क स्टाम अधिक। कक बात भातीतिक ए७ स्टेटन ति बास्किटक চিন্নকাল ৰভমস্তক থাকিতে হয়, এ কথা ৰে সে ভারতবর্ষীয় বলিবেন। আইন কারের। অগত।। দওদানব্যব্ভা করেন। ष्य । ताथीत प्रतिज्ञातमायमः ट्रामाथमह मा ७ त फेटक्न, देवजनियांकन व कितकारनंत নিমিত্ত হেয় ও অপমানিত त्राथ। बाइटनत केटमणा नटर। किस भारी तिक मटल डेहाई चाहेरनत डेल्ममा इहा অতিপত্ন করিয়া দিতেছে। আমাদিলের भवर्गरम**े हे**हा श्वीकांत्र करत्रन ना । ভাঁহারা এ বিষয়ে আমাহিপের আত্য मचारिनत मःकात ७७ व्याहा करतन त्य, देश्नाधीव कंर्कुशक भागावि:शव गता গত ভাৰও জানিতে পারেন নাই , গ্রণ (मणे **म**डकं कतिहारहन, क्यानच्य विहा রাল্য় বারস্থার নিয়ম করিয়াছেন, তথাপি মাজিকেটের বেবিবেচনাপুর্বক শারী तिक मर्ख दमन ना कांका दकान् वास्त्रिक च्यीकांत केतिए माहमी इहेरबम ? अटह मा इकेटहा भी रहत। १४७८ घरमत ७ भारेतनत बच्चन ११८७ कार्याण मुख्या इंश्लट्ट बहें हुए माहे; स्माहत्व ब हुए 🖟 উঠিয়া বিয়াছে। কিন্তু এই অসভ্যকালো ু

সীমাজিত বনাজা ভগ্ৰ। द्रामदारकात (भवावसाय म्याहेशन वनाकाडिनिशटक प्रमुख कतिएं अनुमर्श চন এবং অৰ্থৰারা ভাহাদিগকে বদীভূত করিয়া নিরস্ত করিয়া রাখেন। ইহাতে डाहाता किছू मन निवृत्व हहेक वटि, কিন্ত অর্থলোভ পুনর্বার বলবান হইত, এবং পুনর্বার অভ্যাচার করিত। পার (भारत कहे बनार्शनहें तोका नके करत। ত্রিটিশসিংর কোন যুক্তে পরাজয় স্বীকার করেন নাই। একপ প্রভাপশালী হইয়াও ব্রিটিল গবর্ণমেণ্টকে রোমক সম্রাটের नाष अर्थवाता जीमान्द्रिक वसामिशतक বশীভুত করিয়া রাখিতে হইতেছে, वनाभव भाना चारतत नात नास मर्था मर्था मांबाय व्यक्तिया (क्या क्रिटक्टक, भवर्गस्यके छाशीलक्षत ममनार्थ रेमन, ध्यत् कृति .ভট্রেন। বন্যগণ সম্মুখ সংগ্রাদে পরা-ক্লিড ফইতেছে, কিন্তু ভাহারা স্থািপ্রার্থ मा क्रिवामाळ श्वर्गसम्बे निवृक्त हरूरिक ছেন। ইহাতে कि कत इहेटकट ? शीड़ा পীড় দেখিবামাত্র পর্বতীয়েরা ক্ষমা প্রার্থনা করে; কিন্তু যেইমাত্র ব্রিটিশ रेमन भाग शामा भाग करत. त्म इं कार्य इं অসভা শত্ৰগণ পুনৰ্বার পূৰ্ববং অভ্যা-চার করিবার চেষ্টা পায়। ধনক্ষয়, टेंगनाकश ७ ममदत ममदत श्वनदमदणैवं मचामकत्व इहेता थाटक। अ व्यवस्थाः कड मिन शाकित्व ?

वरमाना हेडा, गत्र मंत्रामाली क्ला এতি বেপ্সকার সভ্যানয়নে দৃক্তিপাত করিত, সামাভিত বনোরাও সেইপ্রকাল ভাঃভববের প্রতি দৃতিপাভ করিভেছে আগন্তক আক্রমণকারীর সংস্কৃতাহায় চির বাল ভারতবর্ষ লুঠ করিয়াটে । চির काल काबानिरभव विशक्षण मधा कावि য়াতে বাণিক্ষা করিবার পথ মুক্ত করিবার निशिष्ण वनः मिश्रादक कर्त्र मिश्राद्यम । बिष्टि भवर्गत्मत्केत व्यथीतम आहा इस मान करे लटखंत हाहेलखादतः। (यक्तभ लूठे छा। क्तिहा क्वकड्रि चवलक्न क्तिशटक् चलन हेनककाशी छ **শোয়াড়ীপ্রভৃতি** সেৰপ করিতে অনিচ্ । পরস্থন ভাষ্ দিপের কুলক্রম:গত ব্যবসায়। ব্রিটিন भ . र्गटमन्छे छाङ्। दक्ष कर्रिमाट्डन । अश्रन भिं जा समहासान परिशत धर्स शृथीत धरमंत्र मण्णूर्व दिरदायी। एहे विविध কারণে শত্রুতা ঘটিয়াছে। যে সে ব্যক্তি ২০মার নাম করিয়া শত শত বলোর ভার-उर्दार्श्व चाक्रमान अवृद्धिविधान कहिएक भारतम । धारमरेकत भरक भय धारभक्षा অর্গলোভ আক্রমণগ্রন্থতির এধান কারণ য়। ইহারা স্বেক্তাপূর্বক ভারতব্দীয় গ্রণ: (मर्लें महिन् भिक्त म कतिर्व, नाइ। (वास

বনাজাতিদিগকে নিংশেষিত করা ছউক, আমরা এমন নিঠার প্রস্তাব করিতেতি নাংকিন্ত ভারানা ঘাছাতে আর অভ্যাচার করিতে নাংশারে ভারা করা নিভান্ত আবশাক। সিন্ধুন অপর পাবে আর সাম্রাজারিদ্ধি করা আমাদি পের অভিমত নছে। সীতানা, সোরাজ্ গুড়িতি ভান শাদন করিতে গিয়া ভার ভবর্ষকে আর বিজ্ঞত ও বিশন্ত করা বিধেয় নয়। ভবে কি উপায়ে উহা দিগকে দমনে রাখা হইবে, দক্ষণকার প্রশ্ন এই। আমরা পূর্কে কছিয়াছিলান, এখনও কছিডেছি, একটী সমুপার

आह्र। चाभीव निग्रात व्यानि था। जिल्ल গৰণ্মেক্টের সহিত বেহিলাবেশনে বাতি শয় সমুৎস্কুক হইয়াছেন, তাঁহার অভি लाय भून कहा व्यवण कर्डवा। भारतमध्य विकृत्य माख महमान थी त्य नाहासः नाइटङन, क्रमी,हाड विक्रास्त्र (सह माठाया দিয়া নিয়ার আলির নৃহিত আরে এক बद्यावस क्या कर्डवाः लिखाविनगरक (व दाशत समन कता इस्र. स्वेद्ध मात्र श्वामीत्वत ७ छात्र ठवर्षत देमनाभग अव এক করিয়া প্রত্যেক বন্য জাতিকে আফ यन कक्रक । त्राशिट्ड व्यार्थ्यक मृण **ত্রউ লোকদিগকে বন্দীভূত ক**রিয়া कातकवर्ष जानवन कता इडेक। हिन्छू मण्युर्वद्वर्थ क्या क्रिश चानीविश्रदक क्षात्र छदर्घ अछा। प्रमन कतियात व्याख्यः (प्रवश्च इंडेक । इंश्वानित्यंत इंडेट ड व्यल्ड अनिए इरेटडाइ ना। श्राम्ब काहिए পরাঞ্জ করিয়া আমীরের অধীনস্থ কর क्छक । अइंडाकारत यावजीह **জাতিকে নায়ক**হীন করিয়া আমীরের **इटला ममर्थन क**तिहल जात छे । छ । थाकिर्य ना। अहेज्ञा कतिरल बानात া অন্যান লুপ্তনপ্রাহৃত্তি পরিভাগে করিয়া কুটি वियदा मामानित्वभ करित्व । क्रुडे वर्श्व चाद ५ ५०,००० देमना ( अदर व्यक्त का काटन ৫ 5,000 देवनायाता कार्यः मण्यन করা অভিশয় অবেশ্যক।

> भक्षामाञ्चा । अ जास्त्र माम्बर्गाम म कातः

'' পান ও ভোজন কর এবং **আ**লেনে কালাভিপাত কর শঞ্চ ব'কোর সাথ কড়। जम्भाषनार्थं ७ खुन्द्र ६८१ खुन्ताल । भत्रकात ভাক্তরী শিক্ষা করেন নাই। **যথন ভাঁ**ছার भक्रेक्न । **७**९काटन बक् किन क्षा धन**्य** त्तन, ''ড:क'ो निविदत यपि **यामा इरेट**के দেশের কিছু উপকার হয়, এই নিমিজ

অ'্ন শিবিতেছি।" ভাঁহার এক্ষণকার कारा होते। स्मार्के क्षणीयमान इरेट्ड्र তনি সেই পূর্বমনোরধটী বিশাত হন নাই। চিকিৎসাক,যে ই যে ছি**তেবিতার প**রিচয় था । याहेरहाइ अक्षेत्र मरह किमि अर्गाल অব মেডিসিন নামে যে পত্ত প্রচার ক্রিতে আরম্ভ করিয়াছেন, ভাতারাও कात'त अधिरमय भतिष्ठ इटेटब्ट्ड ত হার পত্রধানি কেবল চিকিৎসাসংক্রাম্ব বিষয় লইগা পরিপুরিত করা হয় না! किसि मट्या मट्या अ प्लटमंत्र चाहात वाव-কার'দি বিষয় লইয়া ভাহার দোষ গুণ वर्गन कतिया थारकन । हिन्द्रा या किंदू क्तिमाटक्स, ८४ मसूमाम्**र सम्म, एर मट**लाइ এই প্রকার সংক্ষার, তিনি ভৎপ্রবিষ্ট নতেন। সমাজ সংস্কার দর্শনোৎসুক হিটেণী ব্যক্তিরা সচরচের যেকপ হইয়া ধাকেন, মহেন্দ্র বারু সেইরূপ লোক। বেভিসিন জর্ণালের অইন সংখ্যায় কিনি গলাবাতা প্রসংখ হি**ন্দ্ লাজ্যেক বচ**ন উদ্ভ করিয়া উচার যে গুণ দোষ নিচার করিয়াছেন, তন্তারা ভাষা সঞ ান কইতেছে। লোকে বৃদ্ধ পিতা মাজাবেক গৰায় হত্যা করিছে লইয়া যায়, কিনি একথা বলেন না। তিনি বলেন, আনেক ছলে গলাযাতার বিচশ্য উপকার দর্শে, তিনি স্বরং তাহা পরীকা कतिता (पवि १६ वन । इसात स्म (पाय चारह, जिति उठूरब्रस्थ विव्रष्ट हम नाहे। किन यटमभीविष्णिटक केशेत मः स्माधन ियाय यञ्जबान इरेएक चनुरद्राध कतिशा (ছন। **অ'ম**াদিলের সমা**রজর এফ**ণে যে-कुल व्यवसा छ। इ.टक वहे श्राशाली व्यवल আংশিক युन्हे व्यावमाक। य विषद्स्त्र দেষে আছে কালা এককালে পরিকালি ना कतिहा उद्मश्रमाधनरहरू शाख्यार তিনি এই অভিপ্রায় প্রকাশ করিয়াছি ক্রিকর্ত্তব্য। ভাষা চইলেই স্পানাদিবের সমা (कत् यथार्थ मकत हहरव।

মহারাজ সিভিয়া।

রাজার যুদ্ধাদি আপদ্ উপস্থিত হইলে প্রফা অনুরক্ত কি না তাহার ষেমন পরিচর হয়, প্রজার বিপাদ\_ হইলে রাজা প্রজার প্রতি স্নেহবান্ কি না ডাছা রও তেমনি পরিচয় ছইয়া গ.কো বিশ मकालके खरनत निकवय्वाभा । एव ताका প্রজাকে বিপদাপন্ন দেখিরা ত হার উদ্ধার চেই। না পান, তিনি রাজাগনের যে গ্য নতেন। আমরা প্রজার বিপদ্কালে व्राकादक छेमानीन मिश्रित क्विश इः বিভ হই, রাজাকে প্রজার বিপত্তার চে া পাইতে দেখিলে সেইৰপ আনন্দিত ছইয়া থাকি। মহারাজ সি স্ক্রা স্বরাক্তো ছুর্ভিক্ষপ্রাছুর্ভাব দর্শন করিয়া প্রফারক্ষার্থ যে উপায় অবলয়ন করিতেছেন, ভাষা যে क्तिवल व्यामामिट्शत व्यान्तमत निमिक्त চইয়াছে এক্স নহে, ভাগা অনেরেকর শিক্ষার আদর্শ স্বৰূপ হইতে। পাঠকগণের ধ্যাচনার্থ আমরা তাঁহার ায় ধ্বা পদ্মের অনুবাদ উদ্ভ করিয়া দিনাম ৷

''এ বংগর জনারুষ্টিলিবজ্ঞান শাগ্য জন্মে ৰাই এবা দেশে ছবিক উপস্থিত হইরাছে। এমপ সংবাদ গাঁডরা পেল; আনেক প্রভা গুহভ্যাগ করিয়। প্রায়ুদ করিভেছে। প্রকাদিশের প্রায়ন রাজ্যের পাক্ষ অভিনয় विश्वक्षतक व मिट्ड श्हेरवः (माटक दामश्वान ভাগিকরাডে প্রীথাৰণকল শূৰা হই **८७७** । अज्ञानात्व त्यारक छोर्यमि । कुक्रत्व नर्ष्य हे अत् ्र ३८ **८५** त्रांटकात करोक यक्त मञ्जानम जुल्लि स्ट्रेट्ट्स् । व्यञ्ज्य মহারাজ নিজিয়া এই বিপাতির সময়ে প্রজা দিগের পাহাখের নিমিত এমন অসাধারণ উপায় ও সভর্কতা অবলঘন করিবেন স্থিয় করিয়াছেন, যাহা হইতে তালারা এই জুংস-মন্ত্রে প্রান্ত করিতে পারে।

ভদসুদারে দাধারণের বিশেষভঃ জন্ম দার, পাটে রার, ক্ষীদার, চৌধুরী এড়ভির অবশতির নিমিক বিচ্চাপন করা বাইতেছে ধে, বর্তমান ছুর্ডিকের সময়ে প্রক্রামিণের মুলুলের রিমিক্ত এবং তাহাহিদের উপর **ছোৰ ৰূপ পীড়াপীড়ি না হয়, এনিমিত্ত** গ্ৰণ্মেটের প্রাপ্য ব্লাক্তবের প্রথম কিন্তি (वर्षाष्ट्रे (मध्यः (भवा।

আরও বিজ্ঞাপর করা বাইতেছে .য, এই चारक्रम्यात्र मगरत्र चामानरक्षम् चर्ची करा। খীর সকালে সমনাদির খরচা বাবে অধিক গ্রহণ কর বাইবে না। নি**ভাঞ্জ আ**বিশাক ডিল অনাৰশাক বার কাহারও যেন না # 1

यांगाएक ध्रकाता य च आदम चत्रकहे া শাইয়া বুশলে এবং বিরুশন্তৰে থাৰিতে ারে, এ ট্রমিষ্ট প্রানের জনিলা অভৃতি ध्यान लात्कता वित्नय यह शाहेरवन । अक पर्ध बाहा बात्र हहेरब छाहा छाहाता तालकीत ধন্গার হইতে আগু হইবেন। ভাঁহার। निःच श्रक्तानिगरक की विकाशमारन कार्राना कहिटवन ना वाम छोडाटमत निक्ट अर्थ नाड बारक ्वांत्र य य महत्करमत निक्ठे थान कर्तिता ध कार्या नमांगा कतिरवन । येक मिन গ্রণ্ডেন্ট সরকারি কার্যা বিস্তার করিয় व्यथनः व्यमा अकारत प्रतिक्ष अक्षीनिरगत कीव না ায়ের কোন বিশেষ উপায় না করিতে ছেন, ভছ দিন উপৰি উক্ত পদ্ম অবস্থনীয়

वाश्राह्य आकारा जाराताचा व (मन ছইতে জ্লাত প্লায়ন নাকরে এ বিষয়ে সভক্তা ভাৰলখুল আ শাক। ওলিনিত ব্যুক্ত্যের সীমাৰ এ সময়ে সতক্রপে রক্ষণীর এডলিমিত যাহা অতিনিক্ত ব্যৱ ইইবে তাঞ্ থাজকোষ হ'ইতে ? দান করা যাইলে ,

এই ঘোষণার অসুসারে কার্দুর কার্য্য क्ष, कविष्यंत्र ग्रावर्शमणी यहर गाउकेका हाचि (यम : मक्षांतारकत वंश्मश्रीतम्भतात (यक्श অজারঞ্চনরতি ও বদাব্যতারে আদের আছে: সহারাজ এ সময়ে ডাফা আদশ্ল করিতে क्रिके कहिए में मा। महावाक धावरात बाटका প্রধান ও মন্ত্রান্ত কর্মচানী এবং ভূমামীদিবের উপর বিশ্বাস পূর্ব্বক অধিক নিভর ক'লেন , জা গাঁভতঃ (রপৎ প্রতিকারে, উট্টার্ন) সকলেই **प्राच**रतम् समिति ८५**४।** कृति वन । अ

लेकन ध्**च**ण ६ ५ जाके. र >। भार्यक विष्णांत अर्थां । अञ्चन मूर्वः शिक्षां य भारताकत *क्रम* हेहात প্রাথমন কর্মাছেন। গ্রন্থকার বিজ্ঞাপন प्रति लि अग्राह्म ' अभिश्राकत इस वर्षन ७ घटनटकत अधिकत साटह, তাহাতে অব্যৱ প্রস্থকরে কবিভুগজ্ঞি होत। " "अधिदाक्तं कृत अद्भटक अञ्ची ভিকর " এবাকাটা খেমন স্বরূপবাচক হইরাছে, " এছকার কবিস্থা,জৈহীন গ अ वाकाण (मस्त्र हा मारे। आमता अह अरच्य वरू चंटल अञ्चलात्वत कविज्ञन জ্বিপরিচয় পাইয়া ঐতিলাভ लाग । পःठेकशर्पत श्रीकृश करम्की কবিছা এছলে উদ্ধৃত হইল।

'' ংচন ট্রভিবলে, জারা মুনি জন মড় ক্ৰেশি পাঞ্বাত্ৰক, ডেটো বাল্ছু, वीधिक्रा कृष्टीत, असि विण्डल्पत्, বিজনে কেপিলা কাল দীনভাৱে ভায় ংচস মাগণ তথা, খালদ প্রাষ্ট্রী ष्ट्र<sup>™</sup>क वेश्यम कट्त कुशका मातः। ह रस्की वे वया. खाइम अधिता भारतन सिविष् कार्यना अटब कवित्र मृत्रहा পোষিলা উদর মুনি ঋষ সংহাদে क्कु ख्रेमिल्डे, कावेखिला काल मुन लिष्टे काल'भरम, किया (मन-घण-क'र्यः

২।বিষ্ণুপুরাণ, রিতায় থও। ইহা তেও প্রথম খণ্ডের ন্যার উৎক্রই বাস লা অস্বাদ ও ঞীধর স্বামিক্সত টাক। আছে।

🍽। বোধবিকাশিনী। এখানি অর্দ্ধ मामित পত्रिका। ইहाएक जिम्मेत्रस्त, जुमित् কা, স্ত্ৰ শিক্ষা, বিজ্ঞান ঘটিত প্ৰয়োজ্য ও জড় প্রতেথ র স্বরূপে এই ক্যুটা বিষয় সন্তিবশিক দুখ্ট চইল

४। उद्धत १९ इ। मा. भक शक्ति अ॰ यतः। क्रम्भः वृद्धः खेश्यम् ल्यां स्टब्ट व्हेर्ट्य

> 2131 क्की शील उपास है जिस्क MAR' 5

প্ৰথম চুন্দি পত্ৰিকাৰ পত্ৰিবন্ধ ৰ বিকা প্রশালী भवर्गदमन्त्रे ७ देश्टरकापि किन ন্যু (ধ কৰে। জীযুজ্জ বাবু কালিদ্দে কাতীয় ৰণি কগণের কার্যালয়ের ক্ষেত্র প্রা

म। पक्राचिम, कन 🕶 जन अनानी, बाहु, 🖼 গণের মুধ কালি বিষয় লিখিত হইরাছে। আং ए िना । दिवस अथोद वर्गन करा बाहर छ छ जवारम ृथक चारम ७ शृथक शृरह अनुव ष्ट्रेवात ७ वक कृति अकानिकारम करत्रक দিবৰ আৰম্ভ থাকিবার এবং জন্যান্য কড়ি रात्र मित्रम ७.डियानसम्ब साथा साम्निस भाक्षा कान् नमात्र वह अथा आहेलिए হটতে আরম্ভ হইরাছে, তাহা বলিতে পার। বার না: িছ অংখাটি বে পুরাতন ভাত, विवक्त क्रमान इहेट्ट हा। (वन मा लाहर ्क्वाच्याम केक अधान्गाद कार्य। श আদিতেছে দেখিতে পাওয়া বার। অথাটা वरू जारन जेरकुई। ध्वनवनवत्त्र ७ धानबारक् अञ्चितिकात भन्नीत रहेटल गर्कमा स्मानि शीन निर्माष , बहराट धारक चलिया छो । मि গকে ভিন খাৰে ও ভিন গৃহে বাস করাইভে <sup>इत्र ।</sup> भ*र्वे*ऽमहिनाटस्ड माना कात्र्रम **উ**ट्रासिटभत नदीरतन चकारु १४ यञ्चभकत विभूचन काना लज **८ जा**या के जा शांदक । क्षेत्र हार स्वास्त्र स গতে কিছু নিবশ এক ভালে আবন্ধ রাখা বর্ত্তবা ৷ এ সময়ে শরীরচালনা করিলে জ্প শৌণিভগাতের সভাবদ। থাকে। अवस्तिको स्टब्स महीह । क भाकस्तो अफ़्रीन (बहरायुक, चरण e ह्याँग वतः बहे करः ভালাদিগকে উফা উংধ ( ঝাল : ভাগ, লযু ৰ বলকর আহার দিবার প্রথা আছে, কিছ चवरा चार्षिक (हारक्र) किंदा बाहबहिन। छात्र अहि लिए। ४ क्या बन म निष्क कतिका ভুলিরাডেন ! এংনকার কোকেরা দারীর ওক্ষানোপাৰে(প) নিৰ্মাণ্ডারে এএপ জগতিত \$ (4 # 3) c শ্ব পরে র কুদীর অপেকাও নিরুত্তৰণে কিলাণ করিবা 刘[c春开:[97年前 赠]司 甄[j]光京 哪个强富 城海· এ প্ৰস্তুতি ক্ৰিন ক্ৰেন্ত (ব)জেৱ মুখাৰ ।मार्का करते नाहे, **का**ष्ट्र अवस्थित स्थाउनके টুৰণ্ডলি নিজিতে কয় আধিকাংশ ক্ষেত্ৰগুত

দীমে প্রায় হারি পাঁচ হাত ও এপান্তে ও াস

ৰপুণ্ডিমিত উচ্চ হট্যাধাফে। আয়ু যাৰ

কীৰ সাঁতুক্নৰে ছেড়িয়ালৰ ভাত

ও কান্ত । ভাকার মেজে কাঞ্চন কান্ত

متوعب المساوات ويعتروني وإدار ধরুষা, সাবিংকল বা ভাল প্রাদ্ধারা छ। ७३। ७ (गर्ग मिस्टिंग्ट्स अ समाद्र আবৃত করা হর বে, বালু গললাগনন ও আলোক অবেশ করিছে পারে দা কদেশী বেরা ব্রেটাবদ্যার বে কিক্রপ পার্যপর্নী ভাষা সৰ প্ৰস্তি ও সৰক্ষাত্ৰ বাসক বাসিকা-গণের লাজন পালনের নীতি নীতি বেখিলেই (बलकत क्यूक्व करेट ह शादत । अहे बाहनहे ভিষ্কার নিজ্ঞ নিজ নিভব্যবিভাওনের পরি চৰ প্ৰকাৰ করিয়া গাঁকেৰ। নৰ অস্ত্ৰিয়া অবিৰ ল কলেনি কাসানী সমনগার, স্থা अव॰ अभग वनगं कि विषदा कृत्यक्रिकिटभन्न অংশেকা ৰৱঞ্ উহাদিনের কিছু অধিক कृतिण्यः (मध्यः महि । कटब्रामिटियंत्रः (महित्यत মেরাদের স্থানাধিকা भुप्रवाधिका। भुग्नाद्व वृत्रः शास्त्रः (किन्द्रः विकासम्बद्धः कालः) এক বাবে নির্দ্ধাবিত করা আছে লে এক গ্ৰহাৰ চিয়ন্থ দী ৰন্দোৰন্ত, অধিকাংশ প্ৰসৰি দ্রীকে প্রাপ্ত এক সাদ কাল কমেদির অবস্থার থাকিতে সন্তঃ উল্লিখের আলাজের ব্যবস্থা। শ্ব্যা দেশসা বিশ্বের। পরিস্থার পরিচ্ছেন পরি आपि एमर्कात् । तक तका अव मृष्टि का भाष्ट, केशनपूर्ण ९ (म) क्या । माहा अरू ८२व. कन्नत्यादण काठिविदाः वत्रः भावः अवः अक्ष ঋ্যদ্য যে, ভাছার কথা বিবিত্ত ও ঘূলা ইছ। साइके (१६ छ। माञ्चल वा ठके। सावके (१६ छ। । प्रशासिक अधिकः । अपन्ति नाष्ट्रे अस्थानि । ্য কর্মগুর ्रीय छ। मालिन राग्ने £ 15. घटरच मुक **८५ फ**िल च्याः उ ः⊈ श्रीतानगप्तः ५नः गर्व প্রেম अधित करिशो १ १८४३ । यस हिस्रोगिनस्य ্ত্রপ্রস্থারন করিছে জ 🐠 🕻 🛎 🕏 😇 হয় अरीष्ठानि करण्य स क्रियामधी माख ন বর্ম প্রতুপ্ত আলোলিত করা হয়। এবে লীয়ের) **অ**(লচ্চের বিশেষ ৰশীভূত। জেনি কাৰে টে ডৎপথ লঙেল: প্ৰাসৰের অভি জন্ম বিৰণ পুৰে ৰা ১ নাড বদৰে প্ৰণৰ গুলেছ ক ও আল্ডাৰ কালে সামানিকন স্ভাবাং কাও ধান গুৰুটা প্ৰিগুৰিত হয়। উৰাতে প্ৰসূতি 

করির। তাহাদিগকে পীড়িত করির। ডুলে। গুছের প্রথার বে পরিবর্ষ্ক বিরু একপ সন্তঃ প্রসূতিধিলের তুরবস্থায় কথা অধিক কি বনা ধেখি না। এখানভার অধিকাংন ৰলিব, তাৰাদিগাকে অধ্চি জ্ঞানে কেছ স্পাৰ্শ লোকেই অণিকিত: স্তরা ভাৰারা সকল পর্য, করে না। একটা নীচজাতীয় জীলোক বিবরেই আনজ্জিন। অতি অলস ব্যসাত্র উহাদিলের সেবা সুজাবা করিরা থাকে। অস্তিদিপের যে ছুর্দশা, শিশুদিপেরও েই শিশিকতনিপের দলে পড়িয়া বারা বাইতে ছুৰ্দ্দলা দেখা ৰায় : সক্তাতি ফুডন একটি নৱ এচলিত হইয়াছে। ইহাকে হরির লুঠ বলে। ইছার নিয়ম অভি বিশারকর। এসবাডে 2 ফুতিহিপকে ও সদাঃ আফ্তে বালক বালি কাদিপকৈ স্থান করিছে হয়। বিশেষ কোন নি, মই নাট, ৰথেচ্চাচারী বলিলেও অনুচক্তি হর না। অংশক ধাজীবিদ্যাবিং পণি ত বলি য়াছেন, বে গুলে নিৰ্মাল বারু পমনাপমন ও আংলোক ৫ বেশ করি 1 থাকে ও বাহার মেজে ৩৯৯ এমত গৃহট প্ৰাস্তি ও বা ক ৰালিকাধিপের বাদের উপযুক্ত তাহাছি শ্বের খ্যুবার্থে পরি**জার পরিজ্**ল ও জ্কোমল ধান করান আবশ্যক : জনবাস্তে কঞ্জ দিবল স্থির ভাবে এক স্থানে। আবদ্ধ রাখ্য কর্ত্তব্য। লখুও পৃষ্টিজনক আহার দেওয়া উচিত লঘু ৭ কৈ ৰস্ত্ৰ(নিছার) শিশুদিসের গাত স্কানী আৰুত রাখা কাৰণ্যক। ভাহাদিগকে ছাগ এবং গৰ্মভ ত্থা পান করান কর্ত্তব্য । উ।হারা বলেন যদি এই নিরমের ব্যক্তিফন ষ ট, ত্রো কইলে এফুডি ও শিশুগণের খরীরের বিশেষ্ডঃ জীবনের সংক ব্যাঘাত ঘটিতে পারে ৷ কোন বিচ্ছ পণ্ডিত পরচিষ স্বাস্থিবধান বিষয়ক প্তকে 'জ বিরা গিয়াছেল বে, এক সমরে লওন নগ ইছ্∵ক মাল ৰ ল, চু∂ নেসা ছুই শ্<sub>ন</sub> খাইতে<sub>?</sub> বস্থ স্তিকাগারের দোৰ থাকাতে আতি বং ভৰ ভাপ বিধাৰ দৰা সু**ভিকাপাৰে এক ৰা হুটা<sub>।</sub> সৱ তৰাৰ য**ত ৰালক ভূমি**ট হইড, তা**হার अधिकारमहे यमन स्टान अधिभ कहेल ; আর বাহার। জীবিত থাকিও, ভাহারা আছ চির্ক্ল হইর। থাকিত। প্রস্থিদিগেরও উক্ল ৰূপ জুদ্দিশ ঘটিত : অত্তৰ এদেশীৰ এক্তি ও শিশুগণের .ৰ আব্যাভল ক্ইৰে, বিচিত্ৰ ভাল আৰু ভিন্ত হয় ৷ উক আন্ত কাঠের ুকি ; এবানকার স্টিকাগৃহের এবার্ডাবে অধিকৰ বা শিশু ও এইডি আনৰগৃহেই जीवनविश्वान कतित्रा शास्त्र । अत्नरकरे

বালক বালিকাদিণের গলমধ্যে এবল চির গ্রহর। পড়েন। কিছু ভারতা সুক্তিকা ় যে স্পিকিড খলাক আছেন, ভাহারাও ছেন : দেশের সু এখাজ্যোক শিক্ষাবাঁধ ভিন্ন ক্র শ্ইতে পারে বা: নেই শিকাভার গ্রণ करतः , अञ्चादान अञ्चाबदम्य भवर्गमः আপন কভবা কর্মা এক একার নির্বাহ করি তেছেন। দেশীর ভাগাধান বাজিরা হ'ড গুটাইর: ৰ সরা আছেন জাঁহার: জলীক 👁 व्यवर्थक व्याप्तामिति । विक निक है सिन् দেবাতে প্রভিবৎদর বে রালি রালি অর্থা बात्र कतिता थाटकत यति कावात कक्र ४.८४ माज विमानिकार्थ ଓ स्टिन्स मिहिकापन क्यमा ध्रवास करतम, कामा महेरत करमन খন্যান্য স্থান্তা দেশের সহিত্য সকল বিষয়ে नमक्क रहेर्ड भीरत्।

## ----विविधमः बाम ।

ঃ ঠা কাভিক সোমবার।

कामता ष्ट्रः चक रहेग्रा अकान कतिएकहि. ষারভাঙ্গার রাজার সম্পত্তির ভব্তবিষায়ক জেম্য कत्रमञ्जलारहर हेरमरख याहेदातः समरक्ष व्यान-ভাগে করিয়াছেন। কালঙ সাথেব নীলকর । बट्टशब मध्या थाल्यकः (इटलनः)। नील कांग्रहत्व भद्ग किमि में ले १ यान भविष्यां स्थान कविष्या हैनकम উল্লেকসিনৰ হন। অনজ্ঞর তিনি হারভাকার র্মন করেন। ইছিবে ৰঞ্জে ভূতপুর্বি রাজার ক্ষর क्षित्री क्षाप्त ७० लक्ष होको क्षित्रीरह । क्रेबेक नार्ट्य कृषकान्तित वर्था वे भिक्न हिर्देशन । छाहात ছেষ্টায় বেহারের নীলঞ্বদিগের সহিত কুষক क्रित्तत भूमकीत भोशका द्रैग्रीको अधकात বদ্ধনাৰিত লোক অভি অন্নই দেখা বার। তিনি ाञ्चलः त दास्रात जात्मक स्विधा कतिहा विज्ञाहिन নটে , কিন্তু এখন ও অনেক অপব্যুদ্ধ আছে। ভাষার নিৰারণ হইলে আরে৷ অধিক টাকা मध्यम् रहेटक भारतः।

ইভিয়ান প্ৰলিক ওপিনিব্ন অৰ্গত হট্যা 🔑 ছেন, গ্ৰহৰ জেন্ত্ৰণ ও প্ৰধান সেনাপতি পাল্ল পেৰোয়াৰে গ্ৰন করিবেন। তথার আনীর

1444

সিপ্তার আলি আঁ৷ গবর্ণর ফেনরলের সহিত সাক্ষাৎ করিতে আসিবেন : ভারভবুরীয় এগবর্গ (म(क्रेंब पूर्व बुक्क्यों छेड़) त्य भ् ब्रेंबर्फ स्ट्रेबार्ट). अमि जाभर्कित्मक जामश्र काक्षात्मय विवयः।

महाताक निश्चित्र। इकिंक रीक्किक अकाबिगटक चानमान कविद्यादकाः अस्तिश्रहेत् त्राकाः नदम ३ स्थान केर्राहेश भिशाइक अवस्थानी स सामान अके कामार्थ विलय कालान करिएएइन। चामदा श्रामानिक लाकशुक्त स्विनाम, स्वर পাত হয় নাই।

पिती वक्षरम **भना के के आह**र्क र क्रेग्राटक (य ( मक्यमाहित व्यक्तिक ) यमुनात मधा पियो शक्त भाष्ट्री या**ই**डिस्

्र त्रद्र कारण रू अधात का है नवकार कंत्राहरू বিল্লেইট্নের বিশ্ববিদ্যালয়ের মহাগভা কুউজভা প্রকারে উল্লেখ মহুৎ কার্য। স্বীকার করিয়াছেন। विश्वाहितात कुछ निमायश्री डीशाटक अक चांड मन्मन लब्बे अक्षान करियाद्यन । देशीत अञ्चाहः বরূপ সর আলেকজগুরে এটি আক্ষেপ করিয়া प्रतिपादह्रमः अवर्गदम् अनिष्य महस्यापी साम (का अंक कहा इटा ६० हाका (तसाम्राम् काष्ट्रीक किया कार्या क निभिन्न वास करतन, ানিভেলেন ৷ এটা অসু (河南京 山下町) 町間直 अक कर मना नरहा।

भुक्त मानवार कलिकाचात किकिनिधरभन्न এক সভা হয় সভাপতির প্রস্থাবাস্থারে পুন আয়ার বারীর কর শাভক্ষা ১ শুটাকা নির্দ্ধারিভ ভ্রত্তিকে চল্প সাত্রের জায়েরজিব বিশ্বয়ে বেল্লগ ४५ तः स्वास्त्र मरद्राकरणद्र विषद्यः अ**त्रक्षण स्ट**र्गः

हर्ता का का की है। अरु सुन ही की माजिना दिन। 🛥 চ চাজার নেজটে পত্র লিখিয়। জীগার স্কিট चिव'वधार्भिमी इहेब्र'रङ्ग ' **⊕र्**बलभीव माळ्यमः इत्त अक शुरु १ वृष्ट अक श्राज्ञवाता कानावेदार छन बुद की में। मक दिखा । अयो अधिका किरमान आयो নভার কাত, এই, নিমিত পুক্রে প্রভাব না क देवा चीरलाटकत्रा निटक विवादकत अखाव कार्ट एटरज्ञ

कात्रक्षत्रभीत श्वनीय है सरीक्षात्रत क्रिक्श बाखाव (बालमीत क्यारवत अक्षत्रकान करारक हेरलकी । जनवातभाजनमूह **भग**रकाव सकान। कितिष्ठीदेशमः (सम्बद्धे हेवान्तः वदन्तरं मार्गद्रमः ३० টাকা খরচ লিখিত আছে ৷ কিছু মেলর বেল বেদকর পুস্তক প্রকালিত করিয়াছিলেন, ভারা बुक्षिक कान्नरात लिजिक अरे के का गरेश किरानन निरसम् পরিঅসের পুরস্কারশরণ লন । नारे।

ी भारती अवंतरमानित भारक काष्ट्रिला सक्काकत !

भवर्गम् वे व्यवश्य रहेद्वादङ्ग, (यहार्य स काशामाञ्च कान कान कवाडी नकत नहेश भारति व्यागान कमिन्नते अहे जानाम चानकारतह नियातनार्थ अक अक्ष शत्रकृताय कृतिहारहरू। ীস'নক কৰ্মচাত্ৰিপৰ প্ৰতিমুখ বৃহিত্বত প্ৰণালী शासिएक अहेनसमा यहबेश्वा स्ट्रिस मा !

वाबु अनेत्रकृषांत क्रीकृत्यतः পतिवर्धः यनदान वर्षाकाल करानुद्रश्रकृषि वृद्धि विक्शांक वृष्टि . भूटन्य ब्रांका मिथिकत निरव काश्वादविध वाव হাপক সভার সভা হইরাছেন।

> कनिकारात्र सिद्धैनिनिभाम रामस्टब्स् वास्ताव निरंत्र कार्यदे हेव का (मेन्स्र) महरकर । वियोग्न कर्त् अगटकत् सानविष्त्राधनका (नवादन नावधान क्षत्र) व्यक्तित्र व्यावभागः।

অমুড ৰাজার পত্রিকা বলেন, ''সংগ্রাভ নড়া हेन वायुन्द्रशय अन्त्री वृष्ट्य हेक्ष्य निर्म्धित है। हो का निप्रा भश्चित्रारक । अहे हा मनीता नी एक नाह গ'ন ভোজন ইক্টালি দেওয়া চইডে ৷ যে সময় डोमनीती कॉनिया शटफ, खथन राहात पटन ७ क्रम बाष्ट्रांक्षाकात क्षतिएक छिन्। वेश्विरतात्र o क्या (गोक्सी) क्षरम ही एसी कुछमनान्नी वृह्दक वो व्हेरफ भगोष्ट्रम करत् । जाभत किन करनद मर्ब 歌作 电子子管 医糖 化多 医神经 医骨 医骨 化 व्हेसारक् । जांत्र अक क्या हेडे छाना निष्मा शानकाश कविश्वादस्य अहे मनश्च मङ्ग्रेश आध হ'কার আমলা উপস্থিত ৷ সৌজাগ ক্রেমে তার্ (नर (क्यू क्षार्टन महे क्रेन माहे । अक्र क्षान आधनः वह चड़ेनांकि इ.कृष् क्षकः क वह स्म । किनि व गरमन्, यथन क्रीलुंब्रेड्डी छ। सरा भएक्। प्रथम करप्रकी कामारम जिल्हा करन राष्ट्रभ नक হর সেইরুণ ধড় ধড়া করিয়া একটী ভগ্নাভ लक्ष भ्रेन अवर कांद्र भन धुनिहाल फिल्हा अक नोद्दर व्यवकासमञ्जल किन्ना । एक जिल ভাৰত কোটা ভালি ক'লিয়া উটিল 《春日》[日 চালনীটি ভাজিয়া পজিয়াছে, সেধান কইছে 🖟 अध्य शर्थ 😘 पड़ा प्रका च कित १३८७८६ । अहे क्षत्रा व्यरमारक व्यानका किरिवाहमा स्वा क्षा प्रश्नात का निवित्रा अर्किक है। क्षा का निविद्रा व्यारता बाह्य हाना निक्ता मतिहारम । बाबुरमन व्यात करवक्ति । शुद्रान (काम) व्यादक । व्यापता कब्रुद्धांच कति, त्यक्ति वैद्वाता मञ्ज कानिता

क्षप्रात्तपृष्ठ वर्रमन, '' मञ्जाषि क्षप्रारम क्रम्मि . বক্লোচনীয় ঘটনা হইয়া গিয়াছে ৷ এক জন 🏻 প্রধান কেরানী বাবু গণপভবাও 📑 ইংলাভেড कुषक अक गोड़ी श्रेष्ठ महेद्रा बाब्याद्र विक्रम कुछ ''कामान्टिशन संस्था बारमन मृज्याः অরিজে **আইলে। সমত্ত দিনে "৩**০ টাকার পম নামক পুত্তক মহারা**ত্রী**য় ভাষায় অসুবাট ন্যাঞ্জিবিলেবের চরিত্র কর্লক্ষক করিবার চেই। বিজ্ঞানীরের বাকী গাড়িতে বোকাই করিছা। করিবার অসুমতি পাইরাছেব। অজরাকী

काशत क्षेत्रव मध्यक निद्धा वाजिएक मिला पहि (कश्चिम : हेर्फिमेंटर्ग अक् अन मक्का फाश्य कार्यमध्यात कतिया भ्यायन कर्ताः नै: देकन । ब्रोडम्ब्रोदारम्ब (दिनिएक-डे अ करना 'यमन रेग अहे कांछ कतिया भेनाविन कतिर्दे मध्न (मह शाफ़ी क्रेट्ड निकश्यकी आहे अफ খানি গাড়ীতে প্তিত হওয়ায় গাড়বান চিং--कात कतिया किट्डा रे भूगिय हैशाय किन्नुहै अन्नन्त्र काल कटरन साहै। व्यायका कार्यक श्रेट किस श्राज्यकारम प्रदेशकरम हैनकि स्रेश स्तिब काम, इंड राखिन शंकात्र चंद्रा जन्ममात्र (बंद्र 外間 明代第二

> ''शक्तिकार्त मेखर्य भगा भिष्में अक्षी वासक ग्रंटर क्षांजामन कविराविता निविधारका এক জন দক্ষা ভাষার নাগিকান্ডেদন করিয়া यशकातामि काञ्चित्रा नरेशास्त्रा व

8 है। के 'खें रू बक्र नवास ।

चारमरकत मरकात कारण, मानीरनीत शह अ:हेर्ज्ञ तहेर्स कार मुख्य मा। किन्न गुल्लाक करे १४ तिक मालिएके इंग्लिक मार्ट्स कुक (काष्ट्राध्य कहे व्यवदाहर see होका कश्चिक्षेत्र) इन्द्रिश्हम । किश्व कुरु स्थाल्लानित्र वा**लेट**का स्थ ्लग्राका कवित्रामात्र है। १ व्याकान कन्निएक यान (म शक् क क्षेत्र। शक्तांत्रमम कतिकारक । विकास-स्वायक्त इंडिट्साली जिल्लाम (व काळाडू (इस 专制 电传谱 粉件引通 [

हे अप्रात (फांग निकेश कावशक हहेप्रार्ट्न त्र के मेश्वार एत अरू तो जिए के भागमणुद्ध क्रहेंचाहि वाल्लीय अकटके माहा व्यक्तिया भाषा छ अल्ले एरेक्ट्राइस्त । भूत फ एत नारे ख**्न कान काम नकारमा (मह शारक्ष) कान कि** ।

প্ৰাংকৰ সীমা কইকে সংবাদ আসিরাচে : করে। চা পশ্চাপ গমন কবি**রাডে। আশ্চরের বি**া स्कृतस्य भरत्य व्यट्टपक्ता "कायवर्षीय (म्साहट्ट) रक्कार । व्याहिष्ट कर्गाल का काव काल, संभाज (अयः) भ ५ ६३। हेल ५ (व ध्यं के ख्रि मुख्य क ख़िएखर्ड़ छ। अधिकत्र महरू।

शकार्य बाह्र स्थान क रहा वाह्य होत्र शुर माहाय । ये फिन सक्त होका निग्नाटक्स । (बाह्याः রুরের নিধ্যা ছলি বৃহৎ পুর্কারকী হইতেছে। ব হীন কোকেরা ভবার পরিভাষ করিয়া ভার পাই (राभकारतत त्रारका कक्क ग्रेकि रहेवारक

(वाबाई विश्वविमान्द्रप्त भूखकायाकः

তমুবাদ হইবে । মধ্য ও পশ্চিম ভায়তবর্ষের একেন সন্ধার এই অমুবাদের নিমিক্স ব্যাক্স প্রকাশ করিয়াছেন। বঙ্গ হাবাল ইয়ার অমুবাদ করা উচিক্ত চইতেছে।

সম্প্রতি যথন একথানি ৰাম্পীয় লকট প্রেণি লোগ নগের সেতু পাব কটটে ছল, তথন এক কম বেইলভয়ে ট জানিয়া বিপদের সাজেতিক চিক্ল প্রদান-কবিয়া লকটের গতি বন্ধ করেন। লকট চালক, প্রহ্বী ও আলোচিগল ভাবিলেন সেতুর কোল্ডান বা ভয় হটয়াছে, কিন্তু জনতি বিশ্বেই ইঞ্জিনিয়া একটি ইউরোপীয় জী লোকের সভিত লকটে উঠিয়া ভাষা চালাটতে ব ললেন। সভু ইইতে ইেসনপর্যাত্ত পদেন জ যুইটে না চয় ব লয়া ভিনি এইকৌশল্ডারা লকট স্থাতি কবিয়াছিলেন। এ বাজিকে কোল্পানিব কার্য, হইতে জবিগারে দুর কবা কর্মবা।

ভ ই কার্ত্তিক বুধবার '
ভ ইলিসমান আবণ করিয়াদেন, গ্রন্থার সৈতৃত্ব
গনমিত্ত গর্বগমেত আব করিয়াদেন, গ্রন্থার সৈতৃত্ব
গনমিত্ত গর্বগমেত আব করি নিমন নিমুক্ত কবি
বেন। এ বিষয়ের অর্গের শেষ করে হই বে? কের
আংগেনী ঘাটে কের হাট্রেখালার কের কানী
পুরে সেতৃ করিবার কথা বলিতেছেন। ভ 'রড
বর্ষীয় গর্বগমেত চাকদহের নিকটে সেতৃ করিবার
ভিলাষ করেন। করেন ব্যক্তি ব্যক্তিনী ঘাটে
একটী নৌকার সেতৃ করিবার বিজ্ঞাপন নিমুগ
ভিনা হাটখোলার ঘটে সেতৃ করাই প্রামদ
এ ভার এক শুভার কোপানির হতে
দেওয়া কর্ত্তর।

পাভিয়ালা, ঝিক ও নাবার রাজস্প সিম লাভে গ্রহ্ম জেনরসের সাহত সাক্ষাং কথিয়া ছেন। কান্দীরের প্রধান মন্ত্রী জোরালাপ্রসাদ র লেওয়ান কুপারাম কথালায় সাক্ষাং করিবন ২ রা নবেছর সহ জন লাভেল জ্বোলাপ্যতে রেলওয়ে খুলিবেন।

্কুর্গের এক জন ইউবোপীয় লিক্ষক হিন্দু ভোজনিগকে চা পান করাইবাতে প্রায়ন্ত লোকের ভাঁক্ষ বিরুদ্ধে নানীল করিয়াছেন। ফুথ্রিটে ভান্ট ও পঞ্চায়তের। এ বিষয়ের অসুস্কান করে ভেছেন।

রবাট মন্ট্রমারি মাটিন সংহ্রেব মৃতুঃ হই
য়াছে । ইনি পুরে ভারতবহীয় রণভরির
বিভাগে ছিলেন। মাটিন সাহেন ভারতবর্ধর
বিভাগে ছিলেন। মাটিন সাহেন ভারতবর্ধর
বিশয়ে কয়েকথানি পুজক লিখিয়াছিলেন।
পক্ষপাত কালাকে বলে, তাহা তিনি জানাতেন
ন: ভারতবর্ধের আনেক প্রধান কন্মচারীর জ্ববলব্ভি রাজনী তর প্রকৃত্ত ব্রনা কর চ্ছ অনেরে
তানার শত্রু হইয়াছিলেন। তাহার খেব পুজরে
তানি প্রারী মহামতিদিগের কার্মসক্রের
পালি আভিনায় দোহাপের বর্নন। সর কান লবেল
পর রবাটি মন্ট্রমাবিপ্রস্কৃতি মাটিন সাভেবেন
পক্ষাকার বর্নন। হইতে রক্ষা প্রানাই।

সংখ্যাত প্রিটিশনকে এক বংশি একাশ্।

হ'লে না হইরা লোলের মধ্যে দাশ্রী হইয়াতে গ গলাপ্তে এই নিউম হইরাতে ৷ মাঞাজের শাসন চলাপাদ গোপ্তব এ নির্ম এখানেও করিবার নমিত্র ভাগাহব্ধীর গ্রেশ্যেক্তিক স্পন্তব্য করি রাজিন। ৬ ই কার্ত্তক বৃহক্ষ্প ব্রবার।

ারত ব্যার গ্রন্মেন্ট বোরাই গ্রন্থ ক্রেটিক মঞ্চাট একটা ধনাগার স্থাপন করিব'র আক্রেটা নিয়াছেন পারেস আবাতের ও আফ্রিকার রণ ভারসমূহের সমুার বার ভারতবর্তের ক্রেকা ক্রেপ্রের এই প্রস্থাক্ষণ।

মাল্রাকের অভগতি মাহ্বা ফেলার শার্প সাহেবনামক এক জম সিবিলিয়ান ছইমাস মাত্র জালেব কাজ করেন। তিনি স্থানাভারত হইলো ড এক জন উকীল উল্লেখ্য এক জন উকীল উল্লেখ্য এক জন উকীল উল্লেখ্য পূর্ণা বিকাবীর প্রতি কভক নিকা ছিল। মাল্রাজ গবর্গনেই সংবাদশত্রে এই বিষয় অবগত হইয়া লাপ সাহেবর নিবটে কৈ ফিয়াড চন। শার্পা সাহেবর নিবটে কৈ ফিয়াড চন। শার্পা সাহেব বলেন, ডিনি অভিনক্ষন লইটে ছান নাই। মাল্রা ডালে করিয়া লেড্রেলা আ সা রাছেন, এলভ সমত্রে পূর্ণোজ্য উকীল জালতকে অভিনক্ষন পার দিয়া স্থান কিন্তু তিনি ভালা পাঠিত ক্রেন নাই। মালা ইউক এই অভিনক্ষন লাভা ও প্রতীত। উল্লেব্রই গৌবর প্রকাশ করি তেছে।

দেলেউ. ক্লো সাহেবনামক বোৰাইরের এক জন বুবক সিবিলিয়ান উজ্ঞানিসেকিন জাগাল এ যাবজীয় স্থানের সংক্ষিত্য ই<sup>লিড</sup> লি থবার ভাব পাইয়াছেন হন্টার সাহেব ইংল্ ও ইড়েছ এড্যাগমন করিয়া বজ্লদেশের এই প্রকার জুগোল ও ইভিহাল লিখিনে প্রবৃত্ত ১ইবেন

সন্ধ উই লিয়ন নিম্ন উত্তব পশ্চিম কলে।
ইউংস্পীয় অধ্যাপকদিলের এদেশীর ভাষায়
পরীকা দিবাং আজা দিয়াক্সেন। যাংলাদিগের
এদেশে কাজ করিবার বাসনা থাকে, ভাদুল শিক্ষকমন্তেরইই এদেশের ভাষা জানা আব-

গুজারাট মিত্র বিলেন, সম্প্রতি পুনাতে ধে দেববার হয়, ভাষতে অনেক সন্ধার ব্যৱেব ভংগ ঘাইডেচ ন নাই পালিটেকাল এজেন্ট মেজ ব, ল ওছোলিখাকে ভয় প্রচলন করিয়া লইয়া কিছাছিলেন। পথে কেন্দ্র পাছে পলায়ন করেন এই নিমিপ্ত মেজর, ল উানালিগের জানা প্রহরী নিযুক্ত করিয়াছিলেন। আমরা ধে দর্বারে জান্ পত্তি করি কেন, প ঠকগন দেখুন।

বালকুমার কিরোজনার সীমান্তিও বন্ধ অনুদ্র ইইডে কারুলে গ্রম ক্রিয়াছিলেন। আমীর সিয়াৰ আলি মা উছিকে অবিলয়ে উজ্জ স্থান তাগ্য করিছে বলেন। কিরোজ পান্ আর্থের অসক্তির ছল করাতে আমীর উছিকে কিছু টাকা ও কভকতিলি অস্কুলিয়া বিষায় করি য়াছেন। কয়েক দিবস কিলোজনাথ কারুলে ছিলেন, কাছার ও সহিত আলাপ করিবার অপ্র মাত পান নাই সিন্তার আলি মিত্রের কাজ করিভেচেন লিক্সিল আলি মিত্রের কাজ করিভেচেন লিক্সিল আলি মিত্রের কাজ করিভেচেন লিক্সিল আলি মিত্রের কাজ করিভেচেন লিক্সিল আলি মিত্রের কাজ করিভেচেন লিক্সিল করিয়া না ভুলেন।

গোয়াজের আখুন্দ দিয়ার আলির সভিত মিলি ত হইয়া ভারতবর্থ আক্রমণের প্রভাব করিয়া ছিলেন। আমীর জাভাব পত্রেব কোন উত্তব নেন নাই। এটিকেইবাহার ভারতব্যীয় প্রবর্গমন্টের প্রতি ফুক্ডাপ্রেই

কলকাভার বিশ্বৰ সম্প্রতি এক দল দমুতেক গৃত করিয়াছেন। ইংরি উত্তর পাশ্চমাঞ্চল অব্ধি কলিকাভাশর্যন্ত আমন করিত। দমুদি গের সন্ধার ভিংপুরে গ্রা পড়িয়াছে। ইংলি গের নিকটে আনেক অলক্ষার পাওয়া গিরুছে। ভাকাইতি কমিসনর উঠিয়া যাওয়া আব্ধি এই সকল লোক পুনর্কার প্রভান্ন পাইয়াছে।

ভেলি নিউলেব লক্ষেত্ৰিত সংগ্রান্থত ছব্রতং পুলিবের গুলবর্ণনা ক্ষতিয়া বলিয়াছেন ও ইউ বোপীর ইনস্পেইবেরা আলনাদির্গাব কর্ম্পর ক্ষা বুরেন না। এত্রগোলীয় প্রভাবিগ্র প্রথান দিগেব অস্থাবরণ করে। আলস্য ও আত্যান্থ ইর্লিগেব অভাব সন্ধ্র সে দিবস আ মি অচ্জে সেখিয়াতি এক জন চৌকিদার প্রকাশ্য র স্থায় মাডাল ক্র্যা আপনার পাল ও ক্ষান্তার প্রিচম দিভেন্তে ভিজিপ্রবিক্ষন পুলিবের দশা স্ক্রিপ্র সমান। কন্তেবলেরা আভ্যান্য ক্ষেত্র ইন্স্পে

(मृ. ७ भव हे छित्रा बहलन, अ वाव ১৮०० छ। छ श्राद्धिका ७ १८० सन अल अ भीका निहक इन । अक छ अ अक छाटन नगरव हुन अन अन्छ बाम कलिका छात्र ना धाका एक (स्नत्रल छाटन छ क्रिके छ । श्री कि का हिल्ल महिला हुने हुने । अवात क्षिण छनात वफ्र स्विधा हुने हुने

गड मिनवारतत कातक वर्षीत (शिकारि ध्वा मिड इहेग्रार्ड, रेग मेंग छ गिनि लग्नामगर्ग्य मात्र ग्रव्यार्ड, रेग मेंग छ गिनि लग्नामगर्ग्य मात्र ग्रव्यार्ड, हाश्रास्त्र शाहरतम । ग्रव्य क्वास्त्र प्रीकः मिला शृतकात शाहरतम । ग्रव्य क्वास्त्र कालार्ट्य कालार्ग्य शाहरतम शाहराय प्रका हेटेल हालाम्यार्ग्य शाहरतम । ग्रव्यार्थ हालार्थ कालार्थ्य हालार्थ कालार्थ कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां कालां काल

বেংখাই গ্ৰহণিমটের অনুরোধে ভার্তব্যীর গ্রহণ মাই উজ্জ প্রেনিটেজির স্থরে জিউরেলিগকে বেংল জিল রেজিপ্টবির ফীর কমিসনর লইবার আজ্ঞা রিয়াছেন। ফী দিবার ব্যবস্থা মা করিয়া প্রিয়াপ্ত বেংল দিবার ব্যবস্থা করাই বিশেষ। ि मिन मृत्राह अञ्चलकान कविश्वक प्रमाद करनाद्वत श्रवाक विका भवति भविष्यात्व श्रवाद्य वाष्ट्र श्रातम कर्ष मा अवर छ'हात रामावक काम बहर मक्क रेश मिट्डमी (काम अरु क्रम फायांक ख्यावर यक्षेक्ष एवस । विभिन्नाश करून, सर्वार्थ क्या वर्णा कर्षका । आयोगित्यत दियान अहे

> অবোধ্যায় কড জন জীলোক শেলন ভোগ ক্ষেত্ৰ ভাষাৰ বিশ্বি করিবার জন্য এক জন केर्पार्वाहीरक निवुष्क कहा स्टेब्राइएल

আছে, ভাজের নিক্ষ বাকিতে এই অলের প্রকৃত

देशक स्वाम हे होटर मा

ভেলি নিউস বলেন, পাছনের রাজা যান লি'হ উাত্তিয়াভোলিকে ধৃত করিয়া বিয়াছি লেন বলিয়া প্ৰ4্র ফেনরল উঃহাকে পেলম नियात आका नियाद्या । এ शक्ति निर् तिस्यादी प्रदेशकितन। काँछिप्राधानि वर भाखत यात्रा कांक करियां किश्वन : किश्व व बाक्ति प्रिज्ञाको, अक श्रवार्थ भवन्द्रमाले व काशांदक श्राकात सम्बद्धा आवाशायां के वर्ष इस् मार्डे ।

क्रिक भाव बहुलाम बक्कद्राहरू व ा व्हिमा है शव र्गावद (जिल्हास विश्वया वार्षिक (१ ५००० है।क। (मक्या इव अवर्ष कामदल कब्रुगरि माद्रितमा मान नहरू हाहिया हिटनमा । स्नर्भे मान्ते अवर्गत कहें काशिति करतेन, कहें हाका अफ कहारी জাঁহার গোপনীধ সেকেটাছির বংছ গেজ ছইটে (मध्या इष्ट्र, व्याष्ट्र के इष्ट्रांत के प्रधानम ব্দন্যত্ন। গ্ৰন্ত ক্লেন্ডল ভদ্নিত্ৰ ক্রডাগ ক্ৰিয়াছেন। বেদকল ব্যক্তি ১০০ টাকার फैलत मलतिबाद्य मिक्क कदबन, क्षांशामिरणत निकार के करवाहन कट्टेक्स नाह्य !!

## १ हे कः विक श्राद्धकात्र !

৯ • . • • के कि वार्ष क्या का मान इर्गिन अ'ताक बाहास स्ट्रेडिंड :

(स. ७ व्यव है शिक्षारक शिक्षा आता वाक्षप्रकारी अक वर्षक कुछन विवाहरत विहलत मण्युर्व अकु **मागन कृतिया चलियारहर्न, विवाहकालय क्र**िवधाय निभिन्न कर्यक्री श्राद्धः क्या फे.हेरु । श्राद्धायक বলেন ক্ষতিচার, রুক্তিশজিক্ষীনতা, এরতর भाभाग्य । भवन्यत्यं मध्यक्तिक विवादकाम्य কারণ বলিয়া নির্ফেশিত করা কর্ত্রের। বিনি वीशिटक हैका विवाह करून ग्रांकिए (वर्षा) विव हिणा स्त्री रेफेकं ता वालि कान मान्नी एवं विश्वा वालिया समूत्रण रहेशारक । জীয় সহিত ব্যক্তিয়ে করিতেছেন, আইনে ভাছা

नचेक स्टेटन अ काम स्टेटिक बाकुक। मर्याद्वात क झर्चत व्यवका क्षेत्रण लागा शांक ও महता वाकारतत अविकासी स्वीतनक अकानत परम रहेट अनिरमंत्र, हेंद्रा कि बाह्य जामात्म्य

रावंत्य (जनवन कव्युट्टवन प्राकात इंकिकिनिवक्त-.वायना **कारकवरीय (गरमार्ड शकान** करिया अहे विक्तार श्रकान कतिहाटहरू, भना भना ताला ताक रक्त अरे प्रकारक व व्यवसान कटान व्यासता वर्ग मन सम गरतमा भागानात विषयत AI WERN:

(केंद्रेग्याकोती अरक्षेत्र अंश्राम क्राम्य বেডনর্জির আজা দিরাছেন। ছটলপ্রের नर्चनत्थानःदश्चेत । वनकत्र वाजदश्च १०० हे का পাইতেন, উাহার। ৮০০ টাকা পাইবেন। চাপ लामता निका । विश्वतिकारमत कर्महोतीन 'शत महोष्ट (भक्तन भाग अवर्षत्र (क्षमतम् अहे क्षष्ट लाथ कविद्रार्ट्य । होति बद्धिवर्ग अकृतः श्लाङ द्रीन गार्ट्स्वर फाइनाइ (क्रीड़ा) च कियान वह प्राट्डन, अञ्चर आमानितात भागति शवर्रत .कनत्रम त्य श्राष्ट्रीय करत्रम, देशमार्थ छोरा (व बाह्य क्टेंटर कांद्रा जाफार्का र विवय महि। कि **ड**!त्रख्यस्त्र मर्त्तमाधायन अवश विख्य होहित्या শীয় সৰ্ব্যেন্টের ধ্রাস্থ্যান্ত রাজনীতিয় संविष्ण्या PECAR RIP ्धार्देष्ट्रीके मध्येगारम्य केरक्रकत शव अयाम कात धर्षानश्काचि व.म महेशा छड़ा छ 💗 व्यात्र **४३८व महस्य २ ४ ।** 

### ৮ ই कार्श्विक भनिवाद ।

**উত্তর পশ্চিমাঞ্চ**লর সংখ্যাদপাত্রসমূহ नत्तन, जागदा । भितारहेत कारमहेत्वा वाका রের নিরিশ করিয়া দিয়াছেন। একখানি সংবাদ পাত্র বলেন জাগরার কালেটর কল্পেক জন বলি ককে কভো মারিয়া আঞা দিয়াছেন, প্রতি गेकान्न ॥२ त्मरवन्न स्थान चार्ग विक्रमः कन्निरमः। গও হইবে। উত্তর পশ্চিমাঞ্চল ও পঞ্চাদে সক नरे (नाका भारा। बाभमकारम प्रकाशियन युक्तः कता म्हान ने अका कि के काम बनिया स्वका बाहिएक रहे, जाबदा शूरक कानिकाम मा। बाहा क्किक, क्ष्णा बाजा काळाडी केखन अभिन्याकारमञ्

वंकारमात्र (ध्यामक वरमन, निकास का का लियाटबन, फाँक्ष ब्राह्म शावनी 🐠 मान्याची 🖟 निष् वतिहा श्रीकात क्ष्मक । श्रामी वीलाकवित । कर्षणाती विश्वक कता क्रेट्य ना । मालाकीरिशाक

ररेटन की विकार विवास के किया ने काल कर के किया के कारण के कारण के किया किया के किया के किया के किया किया किया के जर्ग कर्न । किंदू कांग महवारंत्रत नत जाबी | अवटक देशकाहती हो स्थेनवीतिरंगत रहण विहा जना नहीं व नक्षि जना जी बारन कतन, देकात तात कात तावनाटक वीवाटन ३। १०० विका कतियामा निटक स्टेशांट्य । केकीस्तर्न निर्शिद्यनः কুড হৈদঃ পায়সীত যাজ্ৰাজীগৰ গেলেৰ 🤛 মৌ लंबीयन्य प्रविद्यान मा । काश्य वात्रा विकास 1 8334

> हिन्दू हरेखिनी तरमन, ह अ व्यवस्थित निक्रण बारक, बाक्कीय कर्नाडाबीया अक वर्गरंत अक बान कतिका प्रति म देखा नरक्षण अवर्गदक्षे जिन्नम् प्रतिहारहर अक्षिकीक कार्य कार्य प्रमाणक बट्ट्य हुते नाहेचा बाटकर, खाहा खान ( सर्वाद वरमरवृत्र भर्षा २ वाय ) कविष्ठा अवन कविष्ठक শানিবেন। কিন্তু তৎপর বৃদ্ধি কিন্তু অবলিষ্ঠ পাকে कटन कांगा ककीय कांगा विशेषा अन्त क्षितिक भावेत्वम मा । किख (मह अवनिष्ठे क्रके अध्यक्षांत्र त्वन चम् बट्टर पूर्वी भावेद्यन, खब्म काश्य मस्चि वक्षक्र क विद्वा २ कार्टश स्थान क्यारिक शांत्रि (44 | 4

#### 

# ইউরোপীয় নমাচার।

मध्य ६ इ अर्डावत्। (भ्या १६८७) हिंग ্রাম জালিয়াছে সেনাপতি পেরালো মহাসমা .ब्राट्ट माक्सिएड शार्यम् कतिशाहक्तः। स्नामिकि क्षत्र कार्र जिल्लामार्ट अटरम करिया व्यक्तिमङ नमानरत পরিপ্রীত হইগ্নছেন । রাজী ইসেবেলা भागाव वाक्यवनारमंत अः छितान क्वियारक्रमः পোপ আপৰ ৰাজে৷ বাফীকে আতার দিছে नन्त्रक व्हेश्वर्ट्स ।

সেনাপতি ক্ষমান ভূকিস্থান হইতে শিট্রস वर्षा कानिवार हम।

कर्मा है। जिल्लामन इकेटम मध्याप मानियाएक क्रमा (मन्द्र) (मन्द्रमा करते. जाना 431 9/ 58/CF 1

মাল্টা ও অংশেক্সাবি সার সমুস্তার্থ ्डे निर्धाण कुम्बर्स्स (भः भारते व्हेडार्ट्ड ।

न हे कोहो। हा हा का का स्थान है कि जिल्ला के an and श्लीमन्त्र'ण विज्ञानम् कविवास कालन नेहररमात्त्र रियक १४००० है। के किश्व क्षित्रं व व्यक्ति क्षेत्राहरू ।

हात्रसम्भागि मार्करदत अर्थ मत स्माप्त বিষ্ক কেলিতে ভারতব্যীয় কৌলিলের সভঃ क्रकेश्वरकत : अहिँज (क्रिया मेर्ट्स नट्स्स )

मक्ष्य ५० वे प्यारक्षित्व । प्राप्तरक्षीयः नार्यस egifgeইনে এক বক্ত তা কবিয়া আপিনাব রাজস্ব সংক্রান্ত রাজানীতির সমর্থন করিয়া কনপ্রেবেটির দলের অসিভবায়ভার क्षाचारवाल करियारहरू किनि अहे विक्रमा **लबर्गट्यट-छेत्र (माथ मिग्राट्डम, व्यालनामिश्त**क् ্শলের প্রজিনিধি মধ্যেলীত করিবার নি.মঙ ভাঁহার। সরকারী টাকা বল্পে করিছেন। আরারলভের ধর্মে সম্প্রদাস রহিত করিবার বিষয়ে ভাঁহার ৪৪ প্রতিক্ষা হইয়াছে।

আদাকরে প্রাতঃকালের টাইমস বলেন, পঞ্চাবের সীমার যুদ্ধের বিবরণ বিজ্ঞাত করিয়া ক্ষেত্রা হইরাছে: ভারতবনীয় প্রক্ষেণ্ট ৬৫০০ মাত্র দৈন। থেরণ করিয়াছেন।

১৫ ই জ্বটোবন। অদ্যকার প্রাঞ্জালের মধিওছেরালতে এক প্রজাব লিখিত হইরাছে, ওজ্বার) ইংলভ করা হইয়াছে আক্সানক। নের আমীর সিয়ার আলি খার সহিত পুনর্বার বক্ষুতা করিবাব প্রভাব ফ্রডেডে!

ষেমরিয়াল ডিপ্লমেটক পত্র বলেন ৩০,০০০ করালী লৈনা গৃছে যাইবার আনেশ পাইয়াছে।
১৬ ই অটোবর। ছির হইয়াছে বরোর (নগর
সমূহের) প্রডিনিধিপনকে ১৬ ই ও ১৭ ই নবে
ববে মনোনীত করা হইবে। ১৮ ই অবধি ২০ এ
গায়াভ কাউলির (জেলার) প্রভিনিধিপন
বনোনীত হইবেন।

১৭ ই আকোৰৰ। স্পেৰ বৃষ্ট্ৰে টেলিগ্ৰাম ।
কালিগ্ৰাছে, সকলে অনুবাৰ করিছেছেন, পটু গা
লোৱ ব্যক্তান্ত্ৰিক সিংগদন দিবার প্রভাব
ক্টবে।

নিউইরর্ক ইইটে শেব বে সংবাদ আলিয়াছে ভারতে আনা গেল, ইতিয়ানএলেলের প্রতি
নিবি মনোনীজ্ঞানীদিয়ের সংগ্যা জ্বাতে
প্রকাশ পাইরাছে গুলুপ্রিয়দলের
সংখ্যা নীচভন্ত অপেক্ষা ১০ নাত্র অধিক
ক্ষরাছে ৷ নীচভন্ত প্রকাশ নী কল আপনা
দিগের ক্রভনন্ত বলিয়া দাওয়া ক্রভেড্রের
ক্রমত ক্রভান্ত বাইমরের পরিবর টেকে সভা
প্রতি করিবরে চেক্টা ইইবে ৷

গ্ৰণ্ডেন্ট বিজ্ঞাপন বঙ্গদেশীয় লেপ্টন্টগ্ৰন্তের

**मारम**ाञ्चनाती

निद्यांश ।

ः १ व स्टिशियय--- इतिहासः । इतिहासः विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । विकासः । वि

্রই শেটেইবের : টি. এম. মাচেল সাচের কিছু প্রদেব জন্য কলিকাড়ার প্রতিনিধি ধিন্দীয় ডেপুটি শিপিত মাষ্ট্র চট্যেন:

अभिक्र दर्भभगद्रत् अवस्थाक त्रावानशहत्रव

এতি নিধি মুক্তেক বাবু প্রমধনাথ বস্পোপাল্যায় দিতীয় জোণির মুক্তেক ক্টবেন।

যত দিন সৰ আসিষ্টান্ট সার্জন সনোহর মুখোপাধ্যায় বিদার কইয়া অসুপস্থিত থাকি-বেন, তত দিন দানাপুরস্থিত ১১ গণিত এতদ্দে লীয় রেজিমেন্টের নেটিব ডাজের সেখ সাহাদড় ছাপরার দাতব্য চিকিৎসালয়ের ভার পাইবেন।

ষভ দিন তবলিউ, রাইট সাহেব বিদায় লইয়া অসুপস্থিত থাকিবেন, তত দিন বারু গলানারায়ণ সরকার কটকের ছোট আদালতের প্রতিনিধি জল ও অধ্যস্থ জল ফ্টবেন। তিনি আরও কটকে মুলেন্ডের ক্ষমতা পাইবেন।

বাৰু গলানারারণ সরকারের অনুপশ্বানকা-লে বাবু রাজরাজেশ্বর ভট্টাচার্ব্য মুরসিদাবাদের প্রতিনিধি মুশ্বেক হটংনে।

১৫ हे 'कालें:बह---(लण्डेमणे कि, अम, अन, चात्रमात्र किছू पिरमत समा (लण्डेमणे मवर्गस्त्रत अक सम अभिकश कहेर्यम ।

রেজিছার জেনরল এচ, বেবরলি সাছেব নিজের কার্য্যের উপত রাজধানী বিভাগের রেজিছারের কার্যেক ভার পাইবেন।

পি, ডি, ডিকেশ্ স'কেব বজনেশীয় গাবৰ্ণ মেকেটা প্ৰডিনিধি জন্তৱ সেকেটারি ফইবেন:

মৌল বী আদান দেকে মন বাকু ছায় এক জন তেপুনী নাজিটেট ও তেপুনী কালেইর হইয় প্রথম প্রেনির অধীন নাজিক্টেটের ক্ষমত পাইবেন

নাজে আধিক। নগুগার রেখ্যেও এডওয়াড পেসমকট লশ আপেনা বিবাচনৰ বেজিপ্টায় চটাবেন।

> ৰত দিন ভাজার এ. জে, শেরিডান বিদার প্রথা অপ্রপঞ্চিত থাকেবেন, তত দিন স্ব আনিষ্টান্ট সার্জন কাশীকিক্ষর মিত্র সুক্রইরের চিকিৎসার ভার পাইবেন।

> ১৬ ই অটোবর---নিয়লিখিত অভিরিক্ত তপুদী মাজিটেট ও ডেপুটি কালেই গণ নিয় ভর শাসনকার্যের বর্গ জেনিছে স্থারিয়াপে নিযুক্ত হইবেন:---

শ্রীয়ক্ত মোলবী কামরার উদ্দিন আফ্রাফ ন বর্মাধালিতে

এচ বি, বিষ স সাংক্ষে বন্ধ জেলির ছেপুটা । মাজিটেট ও ছেপুটি কংলেজন চইবেন

এ. বি. মেট সংহেব মুলেরের এক জন নিউনিবিপাল কমিসনর ভাকেরিকও কমিটির সভাচ্চবৈন্য

২'জ্মকলের লাজব্য চিকিৎসালয় চালাইবার নিসিক নিম্নলিখিত ভজ লোকেরা সভ্য হইবেন कर, वि, विम्श्र भारत्व।

(ण, क्ष, माझक्रद्वन भारत्व।

वातु मगानिवनाम।

আর, সি, স্টারণচ্চল সাংহ্য কলিকাভার উপনগরের মিউনিসিপালিটর সম্কারী সভা-পাত হইবেম।

े १ वे करके बहन्त व विवन कह, शक्ति गार्ट्य कातार्थंय करिजार्ट्य, त्या विवनार्थां वे, त्या गार्ट्य मूत्रिशाचारण्य क्षितिर्थं गि देश करनित्र मक्ष्य क्षेत्र विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्यं विवनार्थं विवनार्यं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्थं विवनार्यं व

यक दिन कि, कि, महिश शाद्य शहकारी कार्याभनरक श्वानाश्वत वाक्रितन, श्वश्व दिन कि, वानरकात शाद्य वर्षाहरूवत क्रिनिय श्वारित के के क्रियन।

্জ, এফ, ত্রৌণ সাংহৰ বাধরগঞ্জের প্রতিনিধি অভিরিক্ত জল হইবেন।

বাৰু গলানায়ৰ সোম ব্রিসালের (৯)ই আদালতের জল ও বাধ্রগঞ্জের অধঃস্থ জল কহঁবেন:

ই. এ. ব্রাডৰরি সাহেব বাজসাহীর সহক: । মাজিটেট ও কালেটার হইয়া ছিতীয় জেনির জ্বীন মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন।

যত দিন তথলিউ, এচ, তিয়ই ল সংক্রে বিদায় লইবা অনুশস্থিত থাকিবেন, তত দিন ভবলিউ, এস, ওয়েল্স সাহেব ভারনপুনেব প্রতিনিধি মাজিকেট ও কালেইর হইবেন।

२० व भारते वह-विश्वाश्वीश्व ७ त० हेल ब्राधिकान महादेश कार्त्वत कि, भारते कमाहा उ कड़िया अर्थिक मिक्टिकेट क्रमण। भारतिया।

আর, এচ, পদি সাহের চট্টপ্রায়ে প্রতিভান ধ বিজ্ঞীয় শোশির সাজিটেট ও কালেটর হইবেন

যত দিন বাবু উপরচান দত্ত বিদার লইরা অনুপত্তিত থাকিবেন, তত্তদিন ডাজের ডবলিউ, ডি, ফিব্যাট পুরীর প্রতিনিধি সিধিল আসি-ষ্টাকী দার্ক্তন হইবেন।

মেজর রিবলির সৃত্যু হওয়াতে দিন্তীর পুলি বের দিনীয় জোলর ডেপুটা ইনস্পেটার জেনদল ই, বি, বেকার সাহেব প্রথম জোলতে উন্নীক্ত ফইবেন।

ভৰ্মিউ, স্থার, গড়ন সাংহর হিডীয় প্রেণ্র ডেপুটা ইনস্পেটার ছেনরল বইবেন

७ - अ चार्श्य व्यवि श्रेट्सीक निर्द्राध्यक कार्या स्थेत्वी।

চট্গাবের অস্তর্গত সাভকারার মুক্ষেদ ামালবী সুকল হোগেৰ বীর্ড মর অন্তর্গত রাম शुक्ष शहर यमभी श्रहरका।

स्त्रि, दे, (भाषात मार्ट्य उप्रभुट्दत महक'ती मां क कि व कार्यके वहर्तन । कि बालाक क कि इंदिन स्वा कारा कड़ाडा श्रक्तिकि कार्ड के मान्दिके । एन्डी कात्महें व्हेर्यम ।

चामाहित्तत शांकिश्रुक् मः वामः मां जा निविद्याद्वन ।

थाव एक मान काल दक्षि मा इन्द्राएक अधारत छशानक श्रीषा (वार्य स्टेटकट्ट, फ्रांबरक्रत श्रमतार अमाष्टिकात विलक्षण आक्रकाय स्रेमाटक . গত সপ্তাহে ৩০ জন লোক উজ্ঞানোক্রান্ত **इब्र. ज्या**रमा ७**३ छन अधारतत क्रामान कार्**तामा লাভ করে। অবশিষ্ট দঙ্কার্গেরো অচিকিৎ-সার প্রাণত্যাগ করিয়াড়ে : ভেখনত পীর নগতে (্য অংশে ইউরোপীয় দিগের বাস্) প্রতিদ্বি इडे जिन्हीर छाडि स्लाइर्राव सार्काण पृष्टे हरे. (काक) (न चेटाकि अथर अ मिवावर शत काम छिशाय अदल्खिक वृत्र माई , व्हे(देवे वा किश्र-कराय । भ ५ इस वस्त्रत श्राति अवादत अक करा ইউবোপীড় বৈনা ছিল। তখন এখানকার গব-.नर्केत पाकरा विकिष्म'लरभूत कार्यर सः देशनाः-भिर्मात विकित्मा अकस्यम विव्यक्त भव स्थापि ষ্ঠিকি সাজ্জন দ্বা নিয়াহিক এইড। কেনে बिल्म नावनवन्छ। देशन। गट्य आफ छ। এখান হইতে স্থানাঞ্জিত হয় এবং তৎ সূত্রে সংক্রমণ আলিটাত সাঞ্জনের পদ উরিল্লা शिष्ठा उरम्ह (न अक स्मन (मिहिव फाम्बर नियुक्त क्ना आफरण हेनिके त्रव आतिष्टां के त्र क्रान्त्र বেশ ধরের করিল্ল' বলিলাভেন। প্রভিবারে সর कारिष्ठां के शक्करनंत्र महाह धर्मनी मा शाहरत ण्डिनि श्राष्ट्र काहात वाग्रीए७ भगार्थन करतन मा । সুভরাং ভাঁহার হারা সকল প্রকাব লে'কের চিকিৎসা হওয়া কঠিন ১ইরা প্রিয়ারে । শ্রস্ত গড় অনুসংই মাংসর গাঞ্চিপুরের निक्वेवर्की नदाई नामक बादन वस्त छन्नानक ওলা উঠা আরম্ভ হয়, তথ্ন ইনি ( নেটিব ভাজার) তথার চিকিৎসার্থ গ্রেবিভ চন এবং अवादन इष्टात कन्द्र अक राम कटको छव कट्टन . ভন্দারা যে গোরভর জনিপ্র সংঘটন চ্ইয়াছিল कारा चावत वर्गक श्राप्त कतिशाहि। यहा

इंडेक, अक्टल क्षांबाहुनक नवज नवर्गकार केत्र विकास । इन्नांबा नाहि । जावितककारनत हेनाहे किल्लि थार्थना (व नवं क्यांत्रिष्टान्डे नार्काहमश्र भन भनः क्षांभिक कतिका शांकिल्द्रांत अवंति क्षेत्राम काल्य প্রবুধ করের 👉 👵 .

১৫ ই সেপ্টৰঃ ১ 36.20

मामानित्रत देशका शिक्ष मध्यामः माठा निश्चित्राद्यम् ।

)। कटलक मान श्रीक व्हेल, दिश्म शुरुश्य मार्काण (वावाइन शह अक्षेत्र) (वाहे चाकिय श्रांकिक व्हेब्राटक । फांकाटक एकवल अक काल ডিপুটী পোষ্ট মাষ্ট্রার নিম্নোজিক আছেন: কিজ भजनाहरू नियुक्त कहा हुए नाहे। थान व उनाका कुछ होकिनावन्दिनत झाता भाजानि विका कता रत्र। शक्रवर्णनार्थ (हो कीमाद्वत्रा, चन्त्र (व क्रम পায় না বিভাগত বা ভাষার নির্বারিত মাক্রন मर्गका त्य फाजितिक भवना सर्दे बाक्धा কি? শুনিজে পাই ভাষায়। নাকি প্ৰভিশৱে অভিবিক্ত ছই ভিন পয়সানা পাইলে চিফিন্ন वाक्तिक शक्त मिरण हारह ना, किवाईमा महेना य अंदिश कि काळाडां इस में ? आयाया कारशक ংইয়াছি, ডিপুটী পোষ্ট মাষ্টারের বেকন দিয়া এই आकिर्य ७।१ होका मानिक देखाल थारक এড আরোকি এক জান প্রাতিক নিযুক্ত করা याम्र न। ? यमिन अक स्मनदाता बन्देन कहाईतन किছ विलाइ भाषानि (लाटक्य इन्द्रभाष इहेगान সম্ভাবনা, তথাপি অভিন্নিক প্রদা মিণ্ডে যত কষ্ট ৰ্যু, ভাৰ্তিত ভাত বোধ ধ্ৰুবে মা । আভএন देनरम्भहीर (शाक्षेमाष्टरित प्रमीर्थ कामारवद माञ्चनम् धार्यना, कविनाम भक्रदाहरू नियक कतिष्ठा (मारक्य प्रदूष्टिश प्रयुक्त करून ।

२ विक्रमभूद्रेय स्थामा (नोकालश ह्याद कंकनात्क, कुखतार (मार्कत अवनानश्रत्मन পক্ষে অন্তান্ত অক্ত্ৰিখা হয় বলিয়া ইভিপুৰ্নে স্থানীয় শান্তিরক্ষণণ, আবিরপাড়া, বাছের ঘটো, ছুটফটীয়া ও মোরাদাবাদপ্রকৃতি খান श्रुनित सम्मानिकाराणं कर्जुनाकत मनीरन तिर्लाष्टे करत्रन, कम्झूनारव केलिविक चालकतित क्षेत्र श्रांत्मत्र अधिकातीनिरशत निकट्ठे शहतः यान। स्टेबा वाखा शतिकृष अट्याटक। श्वनि नाम छात्राविक, वनावेन ও छोत्रमञ्जन अहे जिन बाटनत विषयात केळाला विट्यांके कवा श्रहेतारक । **এই मक्न (बीभव भारक्र छ । इंट्रा लाटकर (ब** क्ष केनकात ७ क्षतिथ। माधन केन्द्रित, काहात

W145 1 .

্ 🔞। বলাইদেল (পান) বাজীত 🕬 बण्डकामि च्यारश्चन्न चरश्चन व्यवशत्त्रे कतिरम कर्नित माखिकाक एक्टव .. अहे बनिका गर्बर्टमेकी इंडेटड माथाइटवर स्थाननार्थ अक. सारम्म क्षरा 🖟 शिष्ठ इबेश्वरह । किन्न जावता विना शरिने क्षरनकटकडे चक्ककालि चावशंत्र कहिन्ना क्रिमेर्ट्स कीरवर क्छा। मन्नामम कतिएक मिश्रीबीकि।

allog with his market (after लाम अर्क क्षेत्र शांक श्रांत्रक लिक्नारहम (म. ११ रेकेन् (कर् (योग) शास्त्रत श्रम्थ्य) अवन कंत्रित व्यवः कत्। नित्रिक्षण्य (दशमा श्रांख संदेश बाटक म व्यापता भव्यत्वात्रकत्क क्रीन क्रम दिट्यक्र विक नदावम (क, (व (वांशा शाहकत क्रक (वांशा कार्यात यर्था हे छ अन्तरमा स्थितिया कास्त्र हत है কিন্দ্ৰ পত্ৰপ্ৰেরক মহাপয় ইছাও বেন মনে বাথেন ्य. व क्रिविधारम्य (क्रम्स क्षमश्या मीधन क्षित्म है इस मा, फारांत कार्ति शा करन, खर श्रुष्टि कृति कृति छिडिक । माञ्चरवद्ग चंचावनिष में .ग. त्य माहाधाता त्कानिक्यत्य खेलकुक क्या त्म ए हात् खुर्गत् विषयु**धे विलया श्रीत्म, छ**द विभूदी के भिर्क वर्ष अक्षेत्र पुष्टि करता ना ।

a : श्रीय क्रके मान यायए अ अध्यक्त (जीका इ ब्रित विभक्षण धान्न होंचे . तथा याहे (काइ) भी मान कर्षात्राही सर्वात मृत्य कारताक एउम्रा (गाम् उँहरी । मश्चार कारता मध्यारे ७.५ सम लोका ্চান্ত্র মেঞ্চিউটিলে প্রেরণ করিয়াছেন। বোধ क्या, कार्ट्य प्रश्नी का छ है हैशत कावन ।

থোরিত মান্ত্র জীযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক মহাশয় সমীপের।

भेळ १ मा बार्डिन खक्रवान व्यवहारक सबी माथ मुख १०८मा १न मा बाबुब फिल्हारमध रेबर्रका चानीय अखरफर्नन इत्रक्षः व नवारमाहनाः **७८७ होता: । त. हिलास वमान निमित्र यक्तिम्**त्री विषे के सभी माजाय अवकी जिल्लाम व्यक्तियनम इस । खाशाञ मिन बरानक कर अन्य कि बाख्कित আগিমনে সভাপুল আভিলয় উজ্জল যেল ধাৰণ: ক্ষিয়াছিল । সভারতে সভাপতি 🕳 জীলাব জীবুন্তা ব'ৰু ছবিদ'ল লক্ত পেলের বর্তমান ক্ষমখা वियरम् अकृति क्रुलीय भरतास्त वाक्षुका करत्त । ভারার মধ্য নিয়ে প্রকৃষ্টিত ক্টডেছেঃ—

हैं छि शूर्का मस्मिनशुरत मध्य, छ मारखन निम क्त अञ्चलीनन हिल, किन्न क्रांत्र क्रांत्र क्रांत्र সম্পূর্ণ বোপাপত্তির সম্ভাবনা দেখা হরতেতে देश निकाष कारकरणत विवश्च विलाध वर्गात

স্থাপন করা গোবদ্যক। টংরাজী লিকার নিমিত अक्टन अक्टनवर्के कञ्चरात्र (मचा गांत्र, किन्ह चाराष्ट्र युर्ग्भ खनाच बहेरच भारा अक्रभ । **नकः। स्टेटफर्ड** मा 🗧 मळीलश्रुत दहे**ट** ५ देशकी विम्रालय डेरिया गया, विकासकर्य क्यासगव छ <। जुटु प्रदेशि अवर्गाम माहाया था छ। वन्। नाम कारक, फबाता कामारतम करनक अविभाष्ट-द्वारकः अहे प्रकेषि विन्तानरात्र भिनाम इतेशा ज'कारण अकरों अधान चिनाविश्व रह जाशह भेगोत्र विका कवा हि विश्वका त्रामामा त्रामान <sup>'वपरावर्</sup>ष क्षांगासूप निकास्ता अधनकात नगरबुद्ध श्रीकान निष्क कहेरान भारत मा । कहिति 'बम्हामग्र अक्'ब्क ब्हेर्स इ'खगरथा। दुसि, শারর দি স্রাচন শাক্ষার নিয়ম উৎকৃষ্টভর বইয়া এ লাদেশের যে মহও উপকারসাধন হটাছে পাৰে, ভাগ বিবেচক <u>ৰাজি মাজেই বু</u>ুুুনাজে প্রেন। বাদ্যো ধ্যের এক্ষরে অনেক উন্নতি ब**हे**श्राह्य करर प्रक्रिलालुक वश्रविशालक्ष इटेट्स ভানেক সাত্ৰ মানাল ক্ষা, মেডিকাল কলেই ভ फेकरत २०४१म निम्तालस्य मिक्क स्हेशः केलाजीसम् । ११७५ किश्वनक मृत क्यांमा कर्या गांध्र हैका ११६७ जिल मुद्र फल ला ७ क्हेरफर्ड ा निर्माय श्रञ्जात । अधिक है। इ ं इति राज्यान्य **स्**रुष् नक बन्दालएका दीर्द **इन्हों २** ७ ए एक १ वर्षेत्र। तमरम १ व्यासक केल कार १४५ (७) १५ ई अमर्रा १ एक हेर्साओं एक ib कि यथा विकास का भिरुष्ठ अपितर उर्द्धन सा, 💐 🗈 अवनी भार १.७ व व स**्छ ३३**(व । शुक्रारशक माम् १ 💬 , नत् का एक्ष्मग्र आफ्र ५१ व व वेग्र एक जातः 🥫 म् प्रति हाल भारतः हैकात 1 20 'हेराज म'ना क्षणामा हैया के हरेर ठ**रह**े 🚜 क्षांक (सर्वा: १५४ केल. कः अन-प्रके हेश्राटक रमारमाख्या स्थापन 🖟 हो स् ५४१५व । चिनस् । १ ंकष्ठ रम्बीस ,सारक्या यभि नृष्ट्यांकक्क इस এदर् ' तक ब्रेक्क श्रामियात काना गढ़ के (यम. **क्या**क हाक) क्रीरक परितः (ल्ट्राम्य क्यांक्रक गुना विकास, क्रिकाः সংখ্যাপন ক'ব্যা থাকেও আলস্থ 779 ল ফু'ডি - সুভাৰণ ডি'ছ'দের মধ্যে। মান कांत्र (मध्ये १ स्व । युवाभिष्यंत्र फेलव अनुकास् উद्योक विचेत्र कांब्राटरक, आफाबत विकास का दिकार (१९००) हा हर १९५१ वर्ष है ।

.मनीव आकार পश्चिकितिर्गत अगबरे हेश्त

अभान क'त्रन । अकति छेरकृष्टे भरत्र ७ ठकुण्याठी

**च्याच्या १८० व्यक्त विषय् । अध्याप्त १५७** 

🛡 হৈই। বাগুত থাবিজে পাহে। এরপ উপ্যাক্ষ্য

হইরা নিম্নী খত করেকটা প্রস্তাৰ ধার্য্য হইলঃ
১ : প্রতিমানে মজিলপুরহিতৈবিশী সভার
এক একটা জ্বিবেশন হইবে।

২। একটা সংস্কৃত চতুম্পাঠী স্থাপনরে অন্য আপান্ততঃ দেশের কোন সংস্কৃত্ত প্রতিত্তিক অনুবাধ ও সাহায়দানের চেষ্টা করা হাইবে।

ত। মাজিলপুর বলবিদ্যালয়ের পৃষ্টিশ্রাণ ও তাহার উল্লিডির নিমিন্ত দেশস্থ ক্ষমীদার্গণেব নিকট আযুক্তাপ্রার্থনা ও সংধারণের নিবট লাতবদেংএছের চেটা দেখা যাইখে।

৪। জন্ত্র ও বংজুর বিদ্যালয়ন্ত্রের সন্মিলন জন্য উচ্চ উচ্চর বিদ্যালয়ের সংপাদকনি সকে অনুরোধ করা যাইবে।

खामितिसत मिण्य मिकिनिशत गायात्व हिज्यत विषया भूगीरिणका यावत रेमिथिला करे साइ. अहे समा छेत्र जित मकल छेलास थाकियाल कामणि विरम्भ करमान्धासी इंडेर्डिए मा। भैश्रतक्षमारम अहे मकाणि यमि वित्रकाशी हस् व्वर मिन्दिख्यी वाक्तिभाव हेशव छेरमान मकत माननक्षमा मिर्दिश्य छेरमान ए यह क्षण्यान करतन, कास इंडेरिंग खिलार अ मिर्टिश प्रवस्था धटनक পরিমাণে ছाम स्टेरिंग छाश्रत महम्मक माडे।

भक्के अनुव ८ डा का दिक

মহাশয় ' আ তর্তি ও অমার্কি ৻য় ৢ জ :

ক্ষেব কাবল ইংতিত সংলয় মাই › বি ঝ ৢ ৢ ৢ ৢ ৻

মূলি বালাম চাউল উৎপন্ন হইত, একা ঃ ৻বছা
ল (কোই)) পাটের চাস হওয়াবে বিভার
চাউলৈর আমদানী কমিয়াছে, এটার নিছাও
উদ্পক্ষনীয় ক্যান্য

সঙ্গানিক নী, বনয়ারী গঞ্জ ও কার্টোয়ার নেক বি

মন্তার্থান ) রাজ্ঞার শোচনীয় অবস্থান বিধান ।
পুলে আনরা সোমপ্রকাশে প্রচারিজ কারয়া ছ
লাম আদ্য দেখিলাম আপনার বীবভূমত সংবা
দদাতাও ভিন্নিয়ের উল্লেখ করিয়াজেন। আমার
পরামশ এই, সে জন্য আমাদের বাধাবি হাল করাই কখন আমাদের চীৎকার করা অবলা বোদনমান্ত ই ভ্রসরে, সঞ্চাটিকুরীর কাম্দেনে উপার পুল নিশ্মত ইওয়াতে বে যে উপরার
দশিয়াজে, তার্ব উল্লেখ না করা সঙ্গান বেশ করানা ) ম পুলে উজ্জ নালীর কলে নেম্টা প্রশালীয়ারা ব্যালাভ ইয় গ্লোলের ক্রা

রাতে কান্সরের জন;তর পার্যস্থ সমস্ত ধানং (क्याहे क्याम इहेग्रा शास्त्र। अव्यक्त बाँहारा এক্লা আপতি করিবেন যে অভি পুরের একটা याळ बनानीपाता नमून्य कन्हे निःस्यविष्ठ **क्टेफ, फाँक्टिन स्माउन द्वाचा फेंक्टिक (व स्म्हे**जे কান্দরের অভোবিক খলেত বি শীর্মী হস্তনিখাত, च्यदक, व्यत्रकोत এवः चन्नाष्ट्रवन, क्रुक्ताः कराउत चारमञ्ज अक ठड्ड्योर्य क्रमधातरन्त प्रक्रमः २ व वर्षनः प्यक्षिक कारणः,महुाप ३ व्र **७ धन हे श्रुलिय व्हिन्स विश्वा (क्यांक: दक्शा ना**दक এবং তথন ঋয়ানক বেগ হইয়া যে। অনিষ্ঠসভা वमा रुप्त, अक्षी पृष्टीख मिलाई छाहात विद्यान উপল্ৰ ইংবে। পূজার পুর্নে কয়েক জন পুক্ষ ও একটী জীবোক এক দিবস ডেক্টায় পাব হুট্ ভেছিল। ডোঙ্গা ধ্বন পুলেও টান অলে উপ স্বিভ হইল, নাবিক আর তাহাকে রাখিতে পারিল না। পুলের স্তাঞ্জ ধারা লাগিয়া ডেক: कृतिशा (भवा। मनीकीटत वानद्वकू मक्दलके সম্ভরণক্ষম বলিয়া পুরুষ কয়েকটের কট্টে প্রাণ রক্ষা ইবং কিছ ক/থিড়াল কালেভের ছাত্র <u>जीवृक्त बाद् हेस्प्रनाथ वरमगाशाक्षाक अलव ८क</u> बन बकुर माश्रद्धा व्यक्ता खीरनाकश्रदक ऐ<sub>कार</sub> না করিলে নিশ্চয়ই ভাহাকে প্রেট ( অস্ত্রান ১ ১ इन्द्र शहीत) जनसभः লি: বি শ্ৰন্থ লাবে याजा कतिएक भ्रेख। ० य स्वत्रिक स्हर्नेड পুলের উভন্ন পাশ্বেস মৃতকা ধুইয়া যায় এবং **७७९ व्राम गर्ख १हेग्रा भुत्मत ७ कवाहे नक**् বাস্তারও কর্মনাডে৷ নষ্ট হয় : ভখন, যে ডে:৯৷ সেই ডোক্স, বেসীর ভাগে প্রবেদংশয়। ভবে কি পুল ভাকিয়া ফেল'ই আমানের উদ্দেশং ? ভাগ নয় ৷ পুলের ফুক্তারে সংখ্য বুদ্ধি করিলেই डिज्य किंक रूपा क्ष्ट्रीय मान्सक नाहे।

्यपविद्यालयः, जाङ्जहः, क भनाषिक वीत विश्वतिक विश्वति । स्वित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व्याप्त । क तिल, नितरण्य (लोजिया किया कानर्गमा हेत हें अधारण कार्याहरू, जिला दिवा स्थाप ने प्रमान (मत क्षय करत मार्डे। विम्हालप्त अफ्रान श्रर्ध्य ज्ञमः (हस्ति ७ कार्ष्ट्रः। भकत्वतः कार्ष्ट्रङ् क्रुकुमः स কস্তু পাডিডেচে, দেখিয়া কি কাহারও দর্যব উদ্ধান समेश अ श्राप्त विश्वभाष । 'स्हेरव मा ? नमञ्जाही कार्यातम्ब मध्यक्षास ७ (मोनक्षाक्रिका) করিয়াক্তেন, এদিলে দুর্ন্টিপাত করেবন না : না করুন। উত্রশেলিভ যুধক ইন্দ্রবারু ইহার পিডা, **অক্ষ হয়, স্বীয় অন্নটিস্তা ভ**্যাগ করিবাও ভিনি आ त्रष्ट्रा हेरात श्रष्टभातन क त्र (यस) 🌢 अभाष যাদ কেচ বিদ্যালয়ে সাহায়্যান করেন, সাপা-

लक्टक (म नोडाया (मिछत्र) **এवर पाळवत्रक** मन्त्रामत्कत छविषा दक्षा कहा इहेरव।

আপনার বীরভূমস্থ লংবাদদাতা লিখি म्नारङ्ग " वनम्रादी ज्यावारण 🕈 \* \* अगुक्त वानु রামলাল সরকারের বাটীতে পূজার সময় ৯ নক नश्रासी म नामे (कत स्व किनय इस केटा) निम জামরা কলিকাভায় থাকি, নাটকাভিনয়ও (म.चित्रांकि । श्वसांत मध्य चनवाती कांवाटक গিল্লাছলাম। কৈ শরকার বাবুলীর বাটীতে भाष्टिक क कि कृष्टे (मधिलाम मा । "नलमममुखीद" भाना 'यादाः नाम « इहेग्राक्रिम, बट्टे । फाहा छ विमक्त राजार, (राध ना रखप्राटक कामानिशटक অংনাভাবে হজনী যাপন করিতে ইইয়াছিল। गरवामनान्त्रा महाभग्नरक a s श्रांति " शक्ति शख" কভিতে ভদ্রনয় করিয়া বাধিত করিবেন।

: ৯ ७ च हो त्।

बहानव ! पूर्व्स भावधकारन हिन्तू हरहे रनव लादिनिक की विषयक लाजिवादि जामदी बनिहा हिनाग व विरमय कात्र वण छः शास्त्र कि রাখিতে হইলে অস্ততঃ ৫ টাকা করা উটিত। अकरन बाह्यारमंत्र महिक बालनारक खानाहै **उड़ि, आभारित भिट्टे श्रन्थावधी कर्नानधारी** क्रेब्राट्यं: अञ्चलित क्रेल खेषुक नार्तीहरून সরকার মহাশয় ও ভাইরেক্টর মহোদয় প্রাবে लिक को ६ है।का क्याह्या विद्यारक्षम ।

**बी बीनारायन , यायाला।** 

। নিবাদ গল। চিকুরী।

নিতান্ত দুঃ খিত হইয়। প্রকাশ করিভেড়ি যে, काष्ट्रीतात बार्खा वाड लाई(खिति में क्रमन्पर्यास्त्र अ সংস্থাপিত হয় নাই। পাবী বাবুও স্থারিটেট (अन्धे (माभास बाबू कि समा अञ्चित्रहाँ छेना সীনতা প্রকাশ করিতেছেন বলিতে পারিনা। ভাষাদ্রশ ভিডকর বিষয়ে উট্টোদ্র্গের এরপ শিপিলপ্রয়ম ছওয়াউচিত নয়া প্রথম প্রথম लाहे (अतीत स्रमा कफ हे जा एवर करा बहेग्राहिन। কিন্তু শেষে পর্বতের মূখিক প্রশ্বের ন্যাম সক नहें निक्त हहेत।

আমরা আত্রচসহকারে প্রারী বাবু ও গো भामबातुरक अञ्चरतात कत्रिएकि ए छाशांत्रा সমীহিত সাধনে তৎপব হউন। ভাহার। সচেষ্ট না হইলে আমরা আর কাছার মুখ চাহিয়া थाकिव ?

विषरमुख (यन कुण्डिए हेर खन्छे महामम् महना (याजी कम ।

হুষ্টেলের চার্জারুদ্ধি দটিত বিষয় লইয়া

আময়া অমুদ্ধবাজার পত্রিশার কলিকাভাত্ত স্থান্দাভার বিক্তে বাহা লিবিয়াছিলাম, গত ২০ এ অধ্যের অযুত্তৰাজ্ঞার পক্তিকায় ইবৰাদ দাতা মহাশয় ভাষার প্রতিবাদ ক্রিয়াছেন। আমরা উচ্চার লিখিত কথ'তলি মুনাযোগ महकाद्व भार्र कविद्या (मधिलाम, मश्वामहाछ। काषात्मद्र श्रधाम श्रीक्रियाम्बी क्रमयुक्तम मा कहिया कछकश्रमि निवर्षक कथा लहेशा आ जबत कति बार्डन। मरवाक्यांडा अक्ट्राल विवार्डन. কেবল বাবুণিয়ির জন্য রিডিংল্যাম্প প্রভৃতির व्यवहात शहालिक कहा इहेग्राह्य भरवाह्यांकाव এই ज्ञान लियम छत्रीएक श्रकातास्टर नहारी वार्टन मायी कता इटेटल्ट्ड । आमत्रा मरवाममाखाटक क्रिकामा कति भागीयांत्र महाय अक सम सुधी वह हिटेख्यी महानय कि विमार्थि वानक्षिशरक সৌথীনতা শিক্ষা করাইতে ভাল বাদেন? পাঠ করিবার নিমিত্ত পূর্বে বেরূপ আলে৷ দিবার निश्नम हिम कार्गएक शकात कक्कविथा, विश्नवकः হত্তেরে স্থানসকল অপরিক্ত থাকে বলিয়া পারীবাবু ভাষা রহিত করিয়া দিয়াছেন -মুভরাৎ বোভারনৰ অবস্থামুসারে বিভিৎল্যাম্প **७ मिळा उन्हा कतिहारहरन । देशरफ है** कि वाव जिति कर्ता **एडेल ? ज्वजनम्हार विरव**हना मा करिङ এক জান মান্বের সদাশর বংক্তির ক্ষরে দোষ ভার নিকেপ করিয়া চাপ্স্য প্রকাশ কর কি সংবাদদাভার উচিত কাল ক্রয়াছে ? না ইকাতে হাতার কোন আপ আছে ৷ এরূপ করিলে 🌤 নিন্দুকভালেটেৰ দুখিত হইতে হয় নচ্চ আমর: পুর্বেষ যে কয়েকটা যুক্তি প্রদশন করিয়া 'পাথা **পক সমর্থন করিয়াছিলাম, সংবাদদাতা ভংস** बर्क अवधी कथा ७ वरमन नांचे, हेरार उहे न्भ्रष्टे বোধ হইতেতে চাক্তরুছি অসামরিক হয় নাই: অৰ্ডা ভিনি ছাড়িয়া কথা কট্ডেন না সংবাদদাতা ৰোড়ারদিপের বিষয় যাতা লিখি য়াছেন ভাহাও সন্ধালমুন্দর क्श नांहै। इर्ष्ट्रेटल (बाँखादतत मर्था। हिर्काल ममान भारक ना। व्यवस्य भन्नीटक खीर्ग बहुन्ना छ। जिल्ला যান, পকান্তরে অনেকে পরীকা সময়ে আলিয়া 🗄 थारकमः সংবাদদাতা এখন এক বার হঠেলে ज्याशमन कक्रम, (मिर्डि शाहेरबन जांत्र e to स्त्रम श्राप्तिकिको भिग्ना (वाष्ट्रांत क्रेग्नाएकन । आमानिश्वत श्रृति श्रव्याविक त्रका इड्डेनित । आमता त्रश्वामनाकारक कार्य आमृत निका বুঝাইয়া দিডেছি, যে ৬ জন বোড়ার হছেল क्रांडियादिम, डाँशामिय गर्भा १ खनहे खेनर्निध অপ্লুবিধা নিরাক্রণার্থ গিয়াছেন, চার্চ্চরুদ্ধির क्या नरहा

गरवाहताका रहिता शाकिवात स्वविधा है क्षारव निकासी सबस्य याश विश्वादक्षम छ। हा ष्यायामिरात्र श्रीष्ठवारमङ् हेरसमा बरह । क्षाउतार অন্ধিকার চর্চার আবেশকেতা নাই বলিয়া निवस्त इहेमार ।

**সংবাদদাতা মহাশন্ত আমাদের প্রতিবাদের** মর্ঘাঞ্চল না করিয়া যেরূপ চাপল্য প্রকাশ করি য়াছেন, ভাষাতে আমরা প্রকৃত ছঃখিত হই-বাছি।

গত পরবঃ পুরুলিয়ার ডেপুটা ক্ষিদ नत जीवुक बाजू बाधानमान शामकात (विनि हेश्यक्ष कृति विभव शक्य (तम जक्य जमन कतिया कामियारस्य ) महानय स्टब्रेटन न्यामिया **इटनम । जिनि शंख प्रहे मियम ताखिकारन चौध** ভ্ৰমণ ব্ৰহ্মান্ত বৰ্ণন কৰিয়া বোডারগণকৈ স্থানিক कतिचा शिवादहर। वाचामनाम बाबू अन कर क्षित्रहरूका (माक। उँहार अध्यारम अक्टनह भश्रेष्ठे इदेशेष्टिनम्।

िम्हरू **ह**ेर है ल **હ ફે** કિં≅ં )२१६ मान

---: মহাশ্রাত্থিপাড়া এতেম যে ইংরাজিক वम्यानग्री कार्ष्ट्, कार्यरक भवन्द्रवर्णेत मार्थ्यर নাই : কেবল ছাত্রবৈত্তন ও গ্রামক্ত কভিপত্ত ব্যক্তিৰ সাহায়ে প্ৰায় চাৰে বৎসৰ হুইল চলি (छाङ्का मुक्का ७ वर्जभाग वर्ष **देशत जा**ञ्च. বায় আপেকা অনেক জান হত্যাতে উহার স্থায়িরের প্রতি অনেকের সংবয় জন্মিয়াছে। ( क नहीं थाकारण फेक वा रंगव एग कक फेलकांव न्हाहा यहा बाह्य हा। य'हा इंडिक के विन्ताल देशव दर्खेशाम व्यवस्था महाबाद्य वर्षमामार्गिया देव (१०१५) ক্রাজে নাজাগিরাজ বাখাছৰ ভাগার বিশেষ भागमा करीबार्कन । बङ्गात हेश ५ वळाला (म পুজিলাড়। এমেটী মহাল'লের অণিকার্ডুও মতে। আন্তর্র ডিনি যে টিং : প্রাক্তিরপা দুর্বি কবিবাছেন, ভাগ্তে ভাগ্র পরছিতৈবিকা থেপের পরিচয় অসমি করা এইয়াছে। এক্সং माम प्रधान हिन्द्रकत छ'इ' किन्हे अधीकात कति (दन मा) आमतो कृष्ठकान महकारह सीकात कान **्रक्ष, महाराख्यके ज्यामाजिएशत स्टब्स्टाय विका म**श त्रक्षीरक धूनः शक्तिक क्रिक्स । दक्ति कि, यमि घटमभीश धनाउँ। महमामग्रतन मका अडे क्षकात मध्कार्यः छिरमाहित इस. र क्ट्रेंग्ल (प्राम्ब श्रुक्त प्रक्रम ग्रिक अग्र ध्यामापिरभव विम्तालय तुक्कश्रीत कलवान भारत महस्क माने हो छ

छ थुना छ। ऋ म BIACE BICATER 8 का खिंक ३२१४

काछि कालि एम्बीस देश्याकी कागटक म्बाटनाम ्गांश डितिश्लोट्स । यस यस अल्लाहरू ुन्वकालम् कालम् यफ् यक् युक्ति अञ्चलारः त्वभीवारवश्चाक हेबाटक दिनास कदिवात । 这时内閣 带有孔下25mg 1

水色 不能信用作用者 医脂毒 (特爾內 钙质等)。 "不管现面 ্যায়াচিত এইকুপ একটা বিবাহপদ্ভি আইন ্রহত হা নিভাস্ত আবদাক। যাহারা হিস্ত গ্পুস্বলম্নেপ্ত∳তি এচলিও ধ্ৰেম্ব নিয়মা÷ यशान्य विदाह करिएण धाम ना, जाशाम त्रव विश्वपृक्त पुरु देश समा असाहि देखियी ন সাংখ্যে ঐ প্রতি ক্তিটেত্র । এরপ িদ্যাৰপ্ৰতি না ইইলে দেশেয় 🦇 ८१७४ मछारमा, स्महतीर (एरलस डिव्ह) उत জনা ৰাষ্ট্ৰত একপ একটা বিবাহপদ্ধতি আইন त्रेष्ट क्षेत्र । अत्यात् मकटलहरे ८० देशे कहा विकितः कक्ष र रुपत विश्वय कड़े (प्. मण्णामक महामद्वता रहात निषदीराठ काग्रमस्मानारकः (छर्छ) कर्निराठ 331

এই ব্ৰভন বিবাহণক্তি আইনগৰ হইলে लंगाकिताक छ अ भएड श्रमालिक ह वा छाड़ा ক্ষেত্ৰ সম্ভাৱ সম্ভাভিত্তিৰ নিবাহ ক্ষিত্ৰ धवर्गरम्के वामा कतिराक्ष्य मा, करत कीकावा ভকাৰ মুল্লাম্ভনন কৰিছে উল্লাভ ব্লয়াংগ্ৰাকেন? टकात कातून किकृते बुता माध्र सा . उहे छिलसह न া যাদের গাদার কুদুরের শা গলঙ্গী আমার মনে लाखिल । डेकाइक विनाल करा आल्यकः याहाराज পদ্ধকি সংস্কৃত হটলঃ আইনবন্ধ কয়, ডাহাব (क्ट्रेश अकरण है के समा )

এই ফুডনবিধ বিবাহপদ্মির অসী ও চক निश्चम यनि शतिव**र्खिक २३**३३ थाञ्च. ४१३१ ४५) व भागातरमत क्राविधा वहेटल भारत ।

स्वर्ष कहरत मा, अक्रम मा ४३६' शाममञ्जूष कर के नकार प्राधिक हरा। देश काल इस।

২ যা। বিবাহসভায় রেজিপ্টালনের উপ্লেক্ত 6271

(क) विवादकत्र मधुन्य क्षान्तः, यन करता . ীয়ু প্রজন সভাও ১৯৯৫৬ কিছা কেনে ; (\*1°3; ্বাঞ্চিব্যর জেপু সভা द्विशक्षिक स्ट्रेड अश्वितन २०० अहे सन। বাহ বহিতে হুইবে এটা কে'ন মতে যুক্তি ध इस मा।

खिक्किष्टेवरक विवाहमकार कार्यस्य। আধিক বায় জাবদাক, কিন্তু সকলে

মেন সাংহ্যকৃত লুতন বিবাহপছতি কইয়া । অবস্থা সমান নহে, সুক্তরাং দরিক্স লোকদিগের शक्त विवाह इन्त्रना प्रः नागः इहेन्ना छिटित्व।

> (গ) যদি এক স্থানে এক সময়ে ৩:৪ টী বিবাহ হয় ভাষা হইলে রেজিপ্টরমহাশয় সকল স্থানে এক সময়ে কি প্রকারে উপস্থিত হইতে পারিবেন।

এক সমরে আনেকগুলি বিবাহ ইওয়াও কিছু च्यत्रखेर महरू।

ভয়া রেজিপ্ররে সম্মধে এই বলিয়া প্রতিপ্র' করিছে ইইবেয়ে " ঈশবের সমক্ষে অংইন অনুসারে আমি ভোমাকে জী (আমী) ক্রপে গ্রহণ কবিলাম।

'জভাবের সমক্ষেণ বলিবার আবেশ্কেডা মাই দ কারণ মধন রেজিইরকৈ বিবাহসভায় আনিয়ন করিবার আবেশকেও। বোধ হইতেছে না, তখন प्याल क्षेत्रक ममाल विवाह हहेगा याहरत পরে বিবাহ রেজি ইরী করিবার সময় আ বার केबात्रत नभाक विन्यात धार्माकन (मधा य:हेटल्टाइ मा ।

৪ : বিবাহ রেঞ্জিষ্টরী করিবার সময় যে সকলকে (धिक्रप्रेडी आफिरन गा**टेर्फ स्टेर्ड क्ली महाग्रमण** ड ताथ इस मा । पश्चिम प्रखारमञ्ज (तकिष्टेतीत मगर ্যমন রে কিষ্টারকৈ বাটাডেও আনা হয় এবং আপিদেও মতেয়া হয়, সেই রূপ হটলে লোকেব क्षत्रिमः स्टेएक भारत्र ।

क । यह विनाह राजाण क्लाष्ट्रीकात निरम्भ कहा क्षेत्रारक, विश्वाविवाक अवर जिल्ल জাভিতে নিধার মেইজ্লপ স্পষ্টাক্ষরে আদেশ करा रहेट्स एएहेटमद शास्त्रामाण कालिया याधः াগ্রন্থভন পরিকার হয় ভড়ই সাধারণের पुत्र विष्यु ।

লমবেধ ইচ্ছায় এই প্রভনবিধ পঞ্জিটি भा । क्यारिक इक्क्ष्मिन १९६४ नगर भारताह का १०० गाँ १६ छ देहें। अस्मिनक देहेंदेन अस्मिन अक्षि

> 5部1部計不多 (內)無對都同 好店不了 1२५७ हाला 🖡

## अगामार्थि।

জীলুক বাছা সংক্রেন্থায়ণ দিওত যুক্ত ১২০১ ক'ভিক ইইটেড ১৬ জানিখন नियुक्त व'तु । जांकनक्षाच्या वर्षभास 7.0 शिक्षक बाद, माউश्राम कुष्णत शह ১ বিধ কাত্তিক হইতে ৭৬ আবিন 30 গোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা विरुगेष नियम।

অতিম মূল্য ও ভাকমান্তল নঃ পাইলে মুক্-সলে সৌমপ্রকাশ প্রেরণ কর। যার না।

ইহার অগ্রিম মূলা বার্ষিক ১০ টাকা এবং ষাণ্যাসিক ৫॥ - টাক। মকসলে ভাক্ষাস্ত্র সমেত বাৰ্ষিক ১৩, ৰাণ্যাসিক ৭ এবং ট্ৰেমা-সিক ৩৬॰। তিন মাসের স্থানে ক্ষরিম মূলা গ্রহণ করা ঘায় না। ছণ্ডি, বরাভি চিটি, মলি-व्यक्तंत्र, त्मांगे ও श्रीण्य विकिष्टे, इंशात क्रमा छत যাহাতে বাঁহার প্লবিধা হয়, ভিনি দেই উপার षाता मृत्रा (शत् कार्तरका)

याँशाता ष्ट्रीम्अिंकिक भागिष्टितन, जीवासा যেন এক অথবা আধি আনার অধিক মুলোর ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

ষ্থন যিনি মফক্ষল ইইডে সোমপ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা যেন রেঞ্চিষ্টরি করিয়া <u> औयुक्त षांत्रकामाथ दिन्हां ज्ञारत मार्घ भारत</u> हेश (मन।

याँ शिनिरगत मृत्य भिवात नमञ्ज अकीष्ठ इहेहा আদিবে, এক মাসপুর্বের ভারাদিগকে চিট্ট লিখিয়া জানান যাইবে, কাল আভীত হুইয়া গেলেও এক বার চিঠি লেখা হইবে, ভাহার পর একমাসকাল প্রভীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা गहिएव । भ्यस् बाएतत्र शक्क दश्काति । श्रीता इहेर्च ।

মাছলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ভাক ঘরে চিঠি অইংল আমর। শীল্প পাইব।

योशंत्रा माञ्चल मा निज्ञा शक्तानि श्रिद्धन कृति বেন, ভাঁহাদিলের সেই প্রাদি এছৰ ক্রা गहित्व मा।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইচ্ছা করিলে ভাঁছাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংক্তি 🔑 व्याना छारोत পद /> व्याना मिटछ श्रेटन । र्शित क्रिक काल विज्ञालन मिवात हेका करि-্রন, কাঁছার সহিত অভন্ত বন্দোবন্ত হইবে। 🗳

😝 এই পত্র কলিকান্তার দক্ষিণ পূর্বর মাভলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেদনের দক্ষিণ চাক্ষড়িপোডার জীয়ক হারকানাথ বিদ্যা-कृषतित वांनीएक श्रीकितामबात श्रीकःकारम बक्लिक इत्र ।

3. 有 电讯点

4 . NEALL!

# · प्रवक्तमां प्रक्रिति इताय पार्थिवः मग्लानो श्रातमहती न हीयतां। "

সন ১২৭৫। ১৮ ই কার্তিক। ১৮৬৮। ২রানবেশ্বর

মদস্বলে মাস্তুলসংমত অধিম ৰ'বিক ১০ न्याभिक १, ५ ट तमामिक ०५० है। का

| বিজ্ঞাপ | ন। |
|---------|----|
|---------|----|

4 श्राद्धःक चेख ৮ · পृष्ठी मूला ( नगम ) ॥ •

এই পুস্তুক প্রথম কবেধি দ্বিতীয় সর্গণিষ্ঠান্ত टथप्र मर्चा नागताकरत तामानुरक्षत्र जीका छ বালালা অনুবাদের সহিত কাব্যপ্রকাশ যন্তে খুদ্রিত হইয়া বিভরিত হইভেচে। ইহ'ডে মাছে: শ্বর ভীর্য ও নাগোজী ভট্টের চীকাও স্থলবিলেযে উজ্ভকরা হইভেছে ওইংগ প্রতিমাদে ১০ শরমা অর্থাৎ৮০ পাঠা করিয়া মুদ্রিত 🛊 এচা ति ७ ६६८व । मृना ॥ • । वाशा वाहरू क्षाबीकृतः वहराज हारहन, दीकाता व्यामात नारम কলিকাড। ত্রাহ্ম সমাজেপত্র লিখিবেন। বিদেশীয वाहकांप्रताक 🗸 • এक च्याना जाकशास्त्रम पिएड

काखदुखि भद्रीकार्यभारत भारताभारयांभी ভভক্ষরমূলক মানসাক্ষ মুদ্রিত হইতেছে। হাবড়া (बानात का नगगुरम्य (७ श्री है सर्म्भ हैत जी एक প্তি । মাধ্বচক্ষ ভক্সিদ্ধান্ত মহালুহের নিকট এক পত্রসহ ঐ পুক্তকের পাগুলিপি প্রেরণ করাতে ডিনি এই উত্র দেন, " এরাণ একথানি এত্তের বিলক্ষণ অসম্ভাব ছিল, আপনি ভাষঃ <sup>্র</sup>পুর করিয়াছেন। প্রতেকে ধালাল। স্কুলে ছাত্র कृष्टित (अनित छ कथाई माहे, क्रमहामा ऐक श्चिनिश्वतिराष्ट्रक खे खड़ निक्कि वड़, देहा ज्याबात बाखितिक हैका। इंगलि मर्चाल स्टूटनत (यागावत व्यक्षक अपुष्क वाबु तकारमार्ग

দ্খিতে দি, তিনি লিখিরাছেন যে কালীপ্রসর বাৰুর মানসাক্ষের অধিকাংশ দেখিয়াছি এবং মুক্তকঠে কহিতেতি বে গ্রন্থকারের উদ্দেশ্য नक्ल इहेब्राट्ड । कलाङः वाकाला अ नमग्रहरूत পক্ষে গ্রন্থানি বড় কাভের চইয়াছে এবং অক্ষ বিষয়ের একটা অভাব প্রণ করিয়াচে <sup>স</sup> क्रिकाली शतम शतमानाभाषा

#### বিক্রয়ার্থ।

গারেতেন বীচ ২৪ নং বাটা গুলামসর

a वश्काका वाजान ।

छिल्दि छेक वातान e वानि गांशता कर করিতে অথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নিয় খাং ब्रिफ वान्त्रित निकरे सामाहर्यन

शितिखादम वादा

গুনট এম কে

--- :0:----

## विविध जवामि विकशार्थ 图图 5 1

इर्ताकी वाकला शुख्यक कांत्रक कलम माना বিধ দ্রবাদি পাত্রণ ধার এবং পুস্তকাদিতে 🗸 এক আনার হিসাবে কফিসন দি অধিক টাকার প্রস্তুক লইটো ৴১০ জানার হিসাবে रिक्तां सुन्द्र वाष्ट्रक कुक्कुशाबी नावेक পদাৰতী নটেক শ্ৰিষ্ঠা নটেক নবীনভপ্তিনী নাটক

চন্দ্রবিলাস নাটক

রামাভি..ৰক নাটক वत्यात मध्यम

জানকী নাটক

| ( distillate the ser                              |                |
|---------------------------------------------------|----------------|
| প্রেমাধনী নাটক                                    | 117            |
| ইম্প্রভা নাটক                                     | ٥              |
| महात्रप्रकी माउँक                                 | د              |
| खाल्डिहरू मध्य                                    | ۵              |
| কীচক বধ ম'ইক                                      | h, •           |
|                                                   | 11.            |
| ত্ত্বিশ্বাল নাউক                                  | ٠              |
| বেল্যাসজ্ঞি নিবৰণ মাটক                            | 10.            |
| कतिहरू जिल्ला मानव                                | 74.            |
| লীলাবভী মাটক                                      |                |
| कुक्षकुष(वी नाउक                                  | 3              |
| (को त्विविष्यः) भागा माहिक                        | ,              |
| नियंचित्रोह माहेक                                 | ) e./ •        |
| সম্ভন্ন সমাধি নাটক                                | 7              |
| সপ্ত্রী নাটক                                      | :              |
| পুনলিবাহ নাটক                                     | 1.             |
| রুমণী নাটক                                        | • ,            |
| (श्रमकता विसमनाय गाउँक                            | 1.             |
| 🗃 বৎস রাজার উপাখনম নাটক                           | ų,             |
| ন্ব্ৰাটক ব্ভবিবাদ নিৰ্প্                          |                |
| काम्बरी माउक                                      |                |
| भूकावली नाहेक                                     | , ·            |
| নৰৱমনী নাটক                                       | 11             |
| भव १३ दिन                                         | # ·            |
| প্রবোধচন্দ্রে মাটক                                | 11 '           |
| खार्यबंद गाउँक                                    | \$1            |
| वज्रवावहात मार्केक                                | 110            |
| বাল(বিবাং নাটক                                    | lo             |
| বালোগ্ৰান এটক                                     | 1 <b>a</b> y 1 |
| বিধৰং প্রিণ্ডোৎস্ব নাট্ক<br>বিধ্বাসন্মাৰ্জন নাট্ক |                |
| ્વવવાનાનાવજન ન.૪૧<br>ઉત્સાન કે ન∖ઉજ               | 4.             |
| এরটে জাবাধ বভারোক লাউক                            | <u>.</u>       |
| किङ्क (१६ वृश्चि नाइक                             | • کوراا        |
| विक्रम निर्धेक                                    | <b>.</b>       |
| কলিকাড়া ক্লোড়া 💡 জী                             | धकानाम्स र     |
|                                                   |                |

সাবিত্রীচারভ कारा । ही इक लागाना न इक्तर खील की उ 聖明、これで 計制 1 লাক ৩ মন্ত্র পু**স্ক**শল**ে**ছ পাভরী যায় :

#### विक्रमार्थ।

শাক্ষর দ্রুম । অভিধান। সর বাজা রাধা-का छ । त्रव वाश्तेष्ठात्रत्न क्रान्त । উन्दर्भवत्म अमान 1980 : इस ब (थान मुझा ३०० छ। वर्गः

ओ याममहस्मद्यप्रश्चित्र शंभ ।

------

# भुराप अक्रान । विक्षु श्रुतांगः।

অনুবাদ ও টাকা সমেত আছোক ৰঙ ৮. १ छ। ( अधिम भुद्या )॥ ।

ागान अक्ना किलागी रहेट्सन एउन मुझालुह भाष्ट्र १९९६ है । इ.स. इ.स. १८ एक एक स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन यक्त अवनः कलिकासः जन्यः ७ दिनः। नद्य लिएक क्षराधाइन एकालक टाउनाटम यङ শংওব ইচ্ছা মান্তিম মূলা পাঠিকেনে ৷ মান্তম ना भारतेहल विद्यासम्बद्धाः श्वान िरधुभ न'ई है ७

## दर्भाः शिशिशः दक्षः

电连缩性性 野星 对"别"的"我们在 血红色 佛母" 海湾 (प्यदेश म. मुख्युरिस अ० यम् ५७१त । खवानक्रिकेत अवर विकास काम साधारण छपन अवन अविनानी दक्षाएक के का कार्या किर्मात के धनेखा का माम हो गा करें हुए (प्रमुक्त वृक्ष । क्रान्त क्रान्त । स्वाप्त व्याप्त । स्वाप्त व्याप्त व्याप्त । 电影引起力 网络人门对外部内 ्रदर्शन अध्यानहरी कर्नेहर जिल्लाहर कीन कि.एम १८१ था क्रेसाहकर १

**উक्त को क्या निव धन्न ने उथ एए हैं अ गई ग**ई वी दे रे रे रे रे अस्ति भूकाल्या (महिर्का अहन) अदर मक्ति वाखात फीर्ड ६५ मर अन्य माना देव बाल(भू नैकिका, वित्यक्त, बना के कुष्टे छेमा सकता পরিষদ মূলে। খুলবা বা এফ কাঞীন জাধিক 网络南门州 法人物的 有效压 数据图 斯拉塞耳

10 5 X: V. Y.

মুডন পুস্তক : काम मार्ज्य नक्ना। चाबुरमञ्जूषार्गारमव। (জু:ভামি ভাষা:)

क जिक् का शहरे जिल्लाका का दे हैं भीर हैन हि है উসন বিদ্যালয়ের প্রধান পণ্ডিত এীযুক্ত রামদ-র্মান্ন ভট্টাচার্য্যের নিকটে অথবা ব্রীধুক্ত ঈশ্বর-हस्त वञ्च (कान्नामिव है।।नरहाभ घट्ड शाना।। मुद्दा 🖊 । व्यामा माज ।

# निवात नहीं :

भूम ३५%। भारत्य ३५ ई अहते।वर मान हरेटल १) अ अञ्चातित भर्गस्य मनीयात नदी हारपुर नर्जन में उ छारन ह সাপ্তাহিত বিশোটি /

সর্মাকমতি জল নাম 78:17.7 মহানার উপর পদ্ধানদীতে মহানায়

ভথ্য হইতে জ্ঞালপুর ५ जा भारेक भएता ফ্র'ঙ্গপুর হইডে বছর্মপুর্ ३५ माईदलेन मद्धा वहदम्भाग हरेत्छ कार्ष्ट्राया

a । बाहेर्क्रव भएषा कर्त्तेश्च कडेट्ड समेन्।

१ ५ भारतील भारता

भन ३ ७ ७४ भी भी मेरी त्रत्यम् । प्रचार्ति सहलत् याण्

\$ 80 क्षापार्वित स्वाद ।

श्रीतकांत्र है, देहक ० ५ व लाहि तव भक्त कर्ता करियो है से जिस्स বহনমপুর ভিবিজ্ঞান। , p. 7 m.

## সেমপ্রকাশ।

১৮ই কার্ডিক সোমবার :

खातकवर्षत विरम्भष**ः वन्न**स्मरमातः প্রতি কোন এফ বিশুণ হইয়াছে, আমরা বলিতে পারিনা, উপর্যাপরি বিপৎপাত इहेट उट्ह, हेरात नाष्ट्रि नाहै। य वर्ष नारमात विलक्षन राभिक हहेल। टेक्स छेत अवारित मार्टमत स्थरण बाह्यांश किं ্নহা ক্রিয়াও ক্যট্করা পুনরায় যে ধানা

রোপণ করিয়াছিল, কার্ত্তিক মানে বৃষ্টি না ৰওয়াতে তাহার অনিষ্ট হইল। আর বৃষ্টি र्य, अक्र महारमा (पथा याहेट कार আমরা এখনও সকল স্থানের সমাচার भारे नारे। कि भहिमार्ग **श**िक হইবে, তাহা নিশ্চয় করিয়া বলিতে পারি ভেছিনা। এই সময়ে নিম্নলিখিত দুই विषए त्राक्ष शुक्रयमित्रत मावधान इउग्रा উচিত। প্রথম, কোন্ প্রদেশে কি পরি मार्ग शाना कत्रिन, ज्यामद्राप डाहात अञ्चनकान करा। दिखीय, महमा विकास हा डेल त्रश्रानी हरेएक (मध्या ना इय ,

**जीवुक वाद्र यञ्जाब ठक वर्जी विश्वत्र** कुष्ण भाषामी ७ नीलक्मल प्रव देहाँ है। স্বনাম স্বাক্ষর করিয়া আমাদিপের নিকটে একখানি পত্র প্রেরণ করিয়াছেন; ভাষ্ প্রচারিত হইল। আমর: (मायकार्भत ভাগ আহকদিগকে বিশেষরূপে অসুরোধ করিতেছি, তাঁচারা যেন অভিনিৰেশসহকারে প্রথানি পাঠ करतम । शबाद्धारकहा श्रेयुक्त वातू (कन 4b छ (गानत ଓ उँ। शाद अञ्चरत खाक्राम. (शब्र वे वे धार नर्भन कहिया विश्विष 3 হুবিত হুইয়াছেন, কিন্তু ভদ্তাৰ আবৰ क्रिश अधुना भागानित्रत इन्नत्य अन् মার কুজন বিশার অথবং ছাত্রের ইদর इहेल ना। किमार वानु ध्य किन खान्त्र महीर्जन आवश्च कारशाद्वन, त्महे मिनहे, कैशि इनेटक यामानिकात (मरणत मन्न **इडेरव व**ित्रशः स्य किष्टु व्यान। **कवि**शाहित ভাহা অসেব পরিত্যাপ করিয়াছি। कामता (भने मगरसहे क्विकेटन कहिया-ছিলাম, কেশব बातू हेह छना ও श्रृकी। দির ন্যায় অব্তার মধ্যে পরিগণিত হই. বার ব্যেনায় ব্যেষ্ট্রাছেন। তৎকালে ष्यत्वरक्षे व्यामानिगरंक जामान्त्री विद्यः চনা করিয়া কুপিত হইয়াছিলেন; কিন্তু একণে ক্লৱারা ভাষার পরিচয় হুইল।

কেশবের অসুচর ত্রান্মেরা তাঁহাকে পরি ৰলিয়া ভির করিয়াছেন। ্বশিশত ও চরণরেণু লেহন করিতেছে । শব্দ টা আবণ্ডুছবে প্রবিষ্ট ভাগেই উল্ছা **इति अ वेरे** कृतः कात ७ इसीव शास्त्र त ম প্রয়ন চেষ্টা পাইতেছেন না: শুনি नाम, बत् डेहाटड अमुरमानन कति-তেছেন। এখন কেবল ছই চারিটী উং-करे भीए। चारतांशा कता कार्यां है चव-শিউ আছে, ভ হা হইলেই তিনি পূর্ণ অবতার হন। এখন আমাদিগের জিজাস এই ভাঁহ'র শিষেরা ভাঁহাকে কোন্ অবভার বলিয়া গণনা করিবেন ? তিনি हि उत्पात जनक्षमकी र्वन वहेशाद्यन अवर খ টের ত্রাণকর্ত্তর লইলেন, নৃসিংহাবতা टतत नाम डाँकाट डेंड्स खनडे मुळे इडे তেছে। উনবিংশ শতাকী বলিয়া কি ঈশ্ব ভাঁচাকে এই অন্ত অবভাৱ করিয়া ভূমগুলে প্রেরণ করিয়াছেন ?

क्रेटेरहा भी श्रीमहात अविष्य ।

যাঁচারা কতকগুলি অসৎ ও অপ मार्थ वाकालिएक आमर्भ कतिया गांव छो। बाङ्गानित डेश्ट्र जाश्मामिट्यत केर्यत द्रांख हाति छार्थ कटवन, डैं। हामिशदक किछू वला व्यामानिर्धत । এ शक्तार्वत डेएमनः नाइ, यथन इंग्रा प्रस्त उ माइमशीन হইয়াছেন তথ্য যত দিন এই অবস্থায় ধাৰিবেন, তত मिन গালিভালন इडेएवन । द्वर्रत तरक यिनि या वर्णन, जाहे োভা পায়। তুর্বলকে অনায়াদে মিখা । বাদী রুতম, প্রবঞ্চপ্রভৃতি যা ইচ্ছা बला यात्र, छानात अमन माधा नाहे (य व्यञ्जिम करत, প্রতিবাদ করিলেই বঃ কে ভাষা কর্ণগোচর করে ? অভএব ঐ मकल बांख्ति चार्यानिशतक य गानि मन, ভাষতে আমরা দুঃবিত নহি। আমাদি গের দ্বংখের বিষয় এই, বেদকল লোকের উপরে আমাদিগের ধন প্রাণ ও জাতি

মানরকার ভার সমর্গিত হইয়াছে, उँ। गामिर्गव चार्तरकत सेलिशि विभ তাঁহারা তাহাঁর চরণে প্তিত হইয়া। বীত সংস্কার আছে। প্রাক্লিণ এই দিপের অন্তঃকরণ বিচলিত হয়। এতরি वकान व्यत्नक मचरत्र व्यत्नक व्यनर्थ घरिता थारक। बिर्मियकः स करल इडेट्राभीश ও বান্ধালি লইয়া কার্যদেশকা উপস্থিত হয়, সে ছালে অধিকতর অনিষ্টঘটনা হর। বিচারপতিরা মনে করেন, মানুষ र हे देशारण अध्यक्षक कित्र लाहे मकल मन् श्रापंत चाकत, प्रशांत चांधांत. माजात আশ্রাও ধর্মের আলয় হয় এবং বঙ্গ (मर्भ कविर्त नकल (मार्य व्यानिश) ज्ञानातम आम कतिया (कत्ना वहे नःका रित वर्णवर्की इहेश छैं। होता श्वकर्त्वता সম্পাদন করেন: সূত্রাং আইনও ন্যায় मक्त्र डेशक्ड क्हेश यात्र। डीक्पिएश्रत जगड्यार्थ फिडेक व्यव अर्शन्छिर्गत পারের কিয়দংশা ফেণ্ড অব ইণ্ডিয়া क्रेट छेद्ध छ क्रिश (म अश (भना गर्थन আবাকান জয় করা হল, তংকালে তথায় इंडेर्ट्सा ीय डेशनिरवंग चार्यन कतिवात श्रास्त करा हरेशाहिल। रेशटा उटालि इ चेन विनशिश्चिमः-- · इडेट्डाशीय विटम গতঃ ব্রিটিশ চার্ত্র কার্যাকালে কত নিকুট ভাব क्षकांना कटन, जोका cata कर, মহাশ্য (বেণ্ড অব কণ্টোলের সভা প্রি) সবগত নহেন। যেদকল ত্রিটি:: প্রজা (ইহারা কোম্পানির ভূতানচে) নীল বপন ও প্রস্তুত করিয়াছিল, তাগা ্দিগের চরিত্র ও কার্মের প্রতি দৃষ্টিপাত করুন। তথাপি উহারা উপনিধেশী নতে। কোম্পানির অনুমতিবাতিরেকে এইদকল লোক ভারতব্বে ভাসিতে পারিত না: কোম্পানি মনে করিলে हेशामिश्रास मृदीकुछ कहिएक भारिताकत । ভথাপি ইছারা লুঠ ও অভ্যাচারের এক শেষ করিয়াছে , এ সকল লোককে কিছু :

আফ্রিকার মরুভূমি অথবা আমেরিকা अञ्चलियात नाम लाकशैन स्टाप्त ( पत्र कता इहेरव ना। हेशमिशक ्यथात्न दश्चत्रव कतियात कथा स्ट्रेटिट्स, তথায় বিস্তর লোকের বাস আছে এবং তাহাবা অনভ ও নহে। আমিও ত্রিটিশ काडित अनुर्भेड बहे भट्दि हेशांता (य तम পাপ ও অভাচার করিবে। ভাহাদি গের কামালি রিপু যত আছে, ভাগার मकल हे हति छार्थ इहेटव. अथह आहिटन इंशामिटभव किंडूड़े कविट्ड भावित्व ना। हेशिक्शत काट्य लाटकत विधिन জাতির উপরে অশ্রদ্ধা ক্ষামেবে; ইছা হ'-লেই আমরা উপনিবেশ হইতে বঞ্জিত हरेत की विभव्य स्वानित्वन। स्वासता गडहे मछ। इहे ना (कन, आहेन ७ क्षेत्र গ্ৰব্মেণ্টভাৱা শাসিতনা হইলে আম্রা সর্ববিধার কুড়খ করিয়া থাকি। আমা দিগের মত নিয়মভঙ্গকারী জাতি ইছ-रवारभाव मरमा आत नाहे। न

> कृष्टिलाईम् ।

कलिकां छात । शक्तांत निर्क क्रमभू চড়। পড়িতেছে काहाज जामियाः पूर्विश नाहे; या इगाउ महत्क वस्त **११८७८७ मा, अयर जाल दक्छी ब्रम्स** ना कडेटन हिन्द उट्छ ना। कृष्णिनारेन হইতে এ অভীত সিদ্ধা হইতে পারে। अहे दि:दि। कतिशा भवनंदमन्ते **माउ**ला (बलभायत बनारम इहेट कुल्धि धर्य ए अक्की तटलत हान्छ। कतिवात প্তাব তাক। কবিয়াছেন। সত্তর কার্যা भारण क्हेर्त व्क्रम (बाध क्हें क्हेर्क्ट्र डाहात डेशक्तम (मथ: यहिंद ६८५।

वक्रमानीय स्थलीयकी शार्भत मा उनाटक ্চটা পরিভাগের वण्डत क्रिबाह ष्यञ्चताध कतिशाष्ट्रिन, किन्छ ভाরতব্রীয शवन्त्रमधे कानिक्षत्भार्षे कान्त्रमानित गुज जिथा ७ गहना भागी भागत विना

शिविद्यां कर्ता व्यविद्यं विद्यामा कर्तियां व्याप्तां कर्त्ता व्यापां कर्तियां व्यापां व्याप्तां व्यापां व्या

কুণিপা লাইনের বিষয়ে আমাদিগের বক্তব্য এই, এটা যেন লোকালয় দূরে রাখিয়া কেবল মাঠ দিয়া করা না হয়। গাস্তাটা প্রামের নিকট দিয়া গোলে কেবল যে মাহুবে লাভ হইবে এরগ নয় দুবা সামগ্রীতেও লাভ হইবার সম্ভাবনা আছে।

জ্যা কোন

ष्यामः मिर्शत जन सन প्रज्ञास्त्रक कानी इंदेर जिल्लियार्डन, ख्लाय (न्छमा লীর সমলে জুলা খেলার অভিশার ধুম इत्। छेइट्ड प्यानाकत मक्तनाम कहे।। यात्र। किन्दु शक्त श्रृक्तत्वता छेहात निवातगढण्यो कट्टम मः। প্রপ্রেরক बर्णन, त्कान त्कान हास्त्रभूतः तह এরপ ভ্রম আছে যে, ভহার সহিত পর্যের भवत्र वात्र, उनिभिन डाहाता छेहात्उ হস্তকেপ করেন না। যদি একথাটা বাস্ত বিক হয়, বড় ছু: থ ও আকি: যে র বিবর। (थिलिशा मक्तेयाय क्ट्रेंट व क्ट्रेंटन, हिन्छू শাত্রে কুজালি এরণ বিধি নাই। যে बावष्टालक अधकात वावष्टा (मन, छिन कथन लक्ष था ५ छ इहेट । शास्त्र ना। भाजकारतता कहित्राह्म, तांका खलाका হইতে দুটে ( অপ্রাণিধারা কিলমান) পাশক্রীড়াদি) ও সমাহ্বর ( প্রাণিয়ার।
ক্রিনাণ পশাবিষ্ক ) দূর করিরা দিবেল,
উহাতে রাজার সর্কানাশ হয় (১) তবে দূতে
প্রতিপদ্ তিথিতে ক্রীড়া করিবার
বিধি আছে সত্য (২)কিন্তু পণ রাধিয়া অব
শ্য ক্রীড়া করিতে হইবে, কুরোপি এরপ
বিধি নাই। ঐ নিবদে আমোদের নিমিত্ত
ক্রীড়া করিতে হয়, এইমাত্র শাত্রে
আছে; এইনিমিত দূতেপ্রতিপদের একটা
নাম কৌমুদী হইয়াছে। (৩) মাদকাদি
দেবন হেমন অনর্থকর দৃত্তে তদপেক্যা
নিক্রন্ট নহে। ইহা বহুদোবের আকর
ও চৌর্যের আশ্রেয়। (৪)অভএব গ্রেণ্সে

(:) দ্ভেং সম'ক্ষরবৈশ্ব রাজা রাক্টাল্লিবর্ত্যেও।
রাজাজকরণে চৈতে । দোষো পৃথিবী কিতাপ
প্রকাশমেত ভাক্ষরিং বাদেবনসমাল্লাফো।
ভয়ো নি ভাগ প্রতীয়াতে নুগতিবন্ধনান ভবেও।
ক্রাণিভির্য ক্রিয়তে ভলোকে দুভমুহ তে।
প্রাণিভির্য ক্রিয়তে স্থান বিজ্ঞায় সমান্ত্রেঃ।
দুভেমেতং পুণা কল্লে স্টুং বৈবক্তর মহ্ব।
ভানাদ্ ভেং ন সেবেত হাস্যার্থমিপ বুজ্মান।

(২) শক্ষরণ পুরা দাতং সমার্ক্ত সুমানাকরং।
কাটিকে শক্ষপালে ভু প্রথমিক হনি ভূবিত।
ক্ষিত্রণ শক্ষা স্তান্ত জায়ং লোগে চ পার্কাতী।
সালে হবা জ্বলার হার্যী গোটা নিজাং সুখোষিত
ভাষা দাতং প্রকর্তির প্রভাতে ভার মানবৈঃ
ভাষান সালে জায়োয়স্য ভাস্য সাববস্বঃ শুভঃ
প্রাজিয়ো বেরকাচ লক্ষনাশক্ষের জাবেং।
নিজাপুরাণ।

्यारयामान्शास्त्रका चित्रेष्ट्रांशां श्रृष्टित। व्योगमान्याम्या उस्त खन्ना वर्षर श्रृष्टां हि। खविषाखित।

(८) इष्टायर कालिक जमा सक्का या श्रास्त्र कि जिल्हा विकासिता मही फाउ को मूनी मा म्यू जा दूरेशः। कुनद्वन मही (कारा मून) हाई ह देव कि मा। बाजुटेका मकनक देखा माह देव (को मूनी म्यू जा। नाएका जात थे।

(४) किएल पृष्टिक तार्क्षिक वस्तारम् भागमः।

स्मारक वश्रवारम् साल्लकाः ।

क्रिक्टल यमि वा पृष्टेः भारत्वाहि युधि हेतः।

प्रताकाः स्मार्थः गोर्कः आकृ भारतिमानमान्

पृष्टि हित्रकवान म प्रताकार्यः पृष्टिश्वाहितः।

है के महाकार्य विवाहिन्सं।

ক্রের ইহার নিবারণে সর্ক্তোভাবে বত্ত বান হওরা উচিত। কোন জামে এ বিষয়ে লৈথিগাও দর্শন বিধের হয় না। সম্প্রতি জ্যা বেলা মূল হইতে বে একটা জনর্থ উৎপন্ন হইয়াছিল, আমরা তচ্ছাত্ত এডুকেশনপেজেট হইতে উদ্ধৃত করিয়া দিলাম।

ও গত শনিবার পুলিষের ভেপুটা कियनदात निक्षे अक्षे पाण्ट्या जूबा বেলা ও জুয়াচুরির রিপোর্ট আলিয়াছে ! উহার পূর্বে রহম্পতিবার মহানক্ষরায় नारम रवज्ञन वृह्मरक्षत्र करत्रजी जिलार्हेटमः ণ্টের এক জন কর্মচারী অকস্বাৎ আফিস हरेट वाहित हहेगा शिवा मक्तात किथिए পূর্বে আফিনে প্রভাগমন করে। যেন-कन (नां विषयाहैश लादक के आकिन **क्टरेंट गिका नम्न, त्मरे ममल नाठे छहा** हेश त्रांक्षा महानटस्मत्र कर्य। नश्चाहनूटका মহানদের নিক্ট এক ব্যক্তি আলিয়া उँशिएक वटन, भ कछ शकांत्र छोकांत्र নোট ভোমার হাতে প্রভাহ পড়ে, আর তোমার এমন ছ্র্দ্লশা ! জুমি উহার কিয়-मर्म लहेश जूश (थं,लाल ज्लाकान মধ্যে এমন ধনাচা হইতে পার ষে, ৩. টাকা বেভনের প্রভাগার **থাকিতে** হর না।" মহলেক বলেন "আমি জুরা খেলিতে জানি না। " আগস্তুক ব্যক্তি ভাঁহাকে আশ্বানধাকো কহিল, '' অংপ কালমধ্যেই আমি তোমাকে উত্তর্যরূপে বেলা শিখাইতে পারি, কিছু টাকা मः अरु कि दिला है इस् । ११ महानम अहे প্রলোভনে পতিত হইয়া **জীর গ**হনা বন্ধক দিয়া ঐ কপ্ট বন্ধুর সহিত করেক বার জুখা থেলিলে পর ঐ কপট বন্ধু উাহাকে নিশ্চয় করিয়া বলিল " ভুমি खंडाण्योकोनमर्थाई উचमज्ञय विनिष्टंड লিখিয়াছ। '१ ইছার পর তিনি মহান. माटक अक जन धनाण बांद्रह महिन्छ ্থলিতে লইয়া যান। সহানক্ষ ভাঁহার

निक्ते ১৯ छ।का (क्यांकनी) जाहात शृह शनाण बाबू प्रशासकारक बर्धन, '' मामि , ভোমার সহিত আর খেলিব মা, ভূমি व शाका (बरनाग्नाफ् मिबरड शारे।" महानमा अधि हर्षयुक्त हहेश वाणि भमन करत्रम । ভাঙার পর দিবশ 🔄 कপট बजू उँशित महिक माकार कतिया वटनन, " के धुनाछ। बाबू बालहरूत्र निक्छे शता জিত হইয়া অভান্ত রাগায়িত হইয়া বহি शारहन এবং ভোষার গৃহিত অনেক টাকা नदेश ध्वित्वन श्राष्टिका कृतिशाद्यन । वज् माणूय इहेवात धरे नभर। किया २००० सामात होका बाक स्टेट ह लहेश बरमाटलत चाटि भौकात छेशत के ৰাবুর সহিত ক্ষেক ঘন্ট। খেলিলে পরই कृति निष्ठत कती इरेशा, बाटकत छाउना পুনर्कात वाटक ताथिश वाकि चाजनार ক্রিতে পার। " মহানক্ষ ইহাতে সমত इडेटल **উल्लिखि इंड्ल्य**िकात वश्मारतत चाटि के क्ला बक् उ वात अवः डीहात ज्ञा करमक स्म कह त्नोकाम थाटक करः महानम बाक इरेट अनकन तारि ওছাইতে পারিয়াছিলেন, ভাষা হইতে টাকার ৩০ কেন্ডা নোট লইয়া নোকায় উপস্থিত হইয়া জুয়া থেলেন। टाबरम महानम ६० छाका ब्लट्डन, काहात शत ১०० चाका हाटतन। स्मरव কপট বাবু কছেন " আমি ৫ - বা ১০০ টাকার দানে সমত নাই। আমার নিকট २००० हे हिंग बार्ट्स, जामि अक बारत मन ধ্রিব। "মহানন্দ সন্মত হইলে খেলা हरेल এবং जाहात्रहें हात हरेल। छथन े ३००० **छे।का निया वाकि ००० छे।का**व माशी हरेलन । अनमुत डेन्ट बाउत कथए গোমতা মহানন্দকে একটা আফিল **इहेट ७००० छोका कर्ज (मश्रुवाहिट्यन** वित्रा नहेतायांना महानक अहेक्रारी ক্ষিণ্ডিয়েট গুলামের নিকট আনীত ब्हेबा करनक कान शांकिएड वरणकः

क्टब्रम अवर ज़ाहांत नत के कनहें रत्रोमको काशादक बटल एवं आधिन वस रहेशारक : प्रकार कमान होका नावका बाइरव ना। महानेक कारल घारल छ छात्र मध्य बार्ट्स कितिया आहेटमन। আফিলের কর্মচার্ট্রা ভাষাকে ঐ ৩০ **কেতা লোটের কথা জিল্পানা** করাতে তিনি সমস্ত ভুতাত বলেন। তথ্ন পুলি বের ইনজ্পেক্টর মোরিয়াটা মহান্দের नक्त वानीटक निशा नाना क्लेमनपाश क्रे कराठे बाबूटक डायांत्र वाणि व्हेटख ध्यक्षांत करतन अवः छरभरत के भूती (थेटनाहाफ्टक्ट व्यक्तांत कटतम 'उ छथा रहेट ७ महिल पृत्त निहा के माहिश ल वाहित कर्त्रम। य वाक्ति महानम्हरक ८००० छैक्। कर्ण (महन्नाइटक छाड़िना. ছিল, ভাষার বাটীতে গিয়া একখানি ৫০ টাকার নোট পাওয়া যায়, ভাচাতে चात এक बाना (नाट्डेन (०) वनाहेबा ৫०० छैका कतियात (छकी कता इहेश-**584 1"** 

## . বিদ্যালয়ে সাজ্য। এছণের স্থাতন নিয়ম।

আমাদিগের শিক্ষাকাথ্যের ডিঃইরর
প্রীযুক্ত ডবলিউ এদ, আটাককান দাহেব
দারজিলিউ ইইতে ৪ ঠা দেপ্টেম্বর ইন
স্পেইরকে বে একপত্র লিখেন এবং তাহার
দহিত বে একখানি করম পাঠাইয়া
দেন, ভাহা দর্শন করিয়া আমাদিগের
অন্তঃকরণে এক জনিক্র চনীর ভাবেব
উদয় ইইলা চিঠিতে লিখিত আছে,
১৮৬৭ অব্দের আগস্থী নাদে দাহায়া
দানের যে পরিবর্তিত নিয়ম করা হইন
য়াতে, তদসুদারে ঘাঁহারা দাহামাত্রহণ
করিয়াছেন, অথবা শতংশর করিবেন,
ভাহাদিগকে এক্লাকার নির্দেশিত কর
মের নিয়মানুসারে আবেদন করিতে ও
ভাহাতে এক টাকা মুলোর দ্বালা ব্যাইয়া

विट्ड स्टेट्ट। क्येट्ट निविक फोटक, बीकांश चारवसम कहिरदम, की कानियर लि चंडा बिटक प्रदेश्य (व, व्यामहा कारकाटक कुटनम वंदाविधि कर्दिनच्नामम क चार्वत वर्षावय विनिद्यायविवर्तते वाही हेरेएड मचेड चाहि ; '' এड कहिन निवस व विवास कालन कि १ (बाब इस क्लोम नाहरी बाखें हैं जा अधीतना कतिशारहमें। हेर्न डीशंत माटम चाक्टवांशी किंदू केतिएक शादन मार्क क्दि উतिथिक के अबुक बाह्दम्स পত্তে স্বাহ্মর করাইয়া লইলে আর ক্রেই क्षणात्रण कतिएक शाहित्वम मा. जानी नटड अनाशादन अकिरवात हिन्द्र । এত हिन चान अपनी नांच अहे. अ छेनारक किकिश अर्थाभम ७ स्टेटन । , लगरकत यक विमालक कतिवात है छ। धातक 'वहेंदेक: ভঙ অধিক সুলোর छोल्ला मिर्वास निश्चम<sup>ा</sup> कतित्य कारम आवत्य इरेटंड श्रीकर्टन **ডि(? क्टेंत जाना जाना विवहकटर्यंत** नाश अणित्वं अवणी प्रक्रिकार्था कतिशा ভুলিতেছেন। কিন্তু এটা দেরপ বিষয় কি না, এক বার বিবেচনা করিয়া দেখা আৰু শ্যক। বিষয়কর্মমাত্তেই পরস্পুরের वार्थभक्क थारकः गाँठातः विमानग প্রতিষ্ঠা করিয়া সাগাষাপ্রার্থনা করেন. उँ। हामिर्भव (काम चार्थ मदया चार् कि ना १ डै। होता कि दक्षण शहताशकांत्र डेट्सम कतिहा हेशाउँ ध्वाड कन ना १ यमि भट्टाभकात्र विमानश्रशिक्षात केटमाना बनेना य वास्ति उदकादमा श्राहर

ছইবেন এবং নিজের অর্থ ও সময় ব্যয়

कतिया काशत डेम्बाडिनाधनत्वकी कति-

(बन, डाँकात निक्षे करेट डिलिंड

কি ক্রান্তিত ব্রেছার কটতেকে ও

लग्न टाठिका कतिया अर्थमान करदन,

निथाहैश

যাঁহারা বিদ্যা-

প্রকার চাক্তপ্র

श्राचीश्रमान इक्ट्रेंव,

যুদ্ধ অনুধাৰন ক্রিয়া

डांशता मानाः ८ माहायामाडा अवर्ग-८मालेत समकका भवन्त्रके यति उँ। हा দিগকে অবিশাস করিয়া চুক্তিপত্ত লিখা हेगा जन, छाहारा ३ व्यनाग्रातम विकासन, शवन्द्रमुट्टेंत ३ - इन्ह्रण्याक्चेत्र हाता । अहेश কার একখানি ছুক্তিপত্র লিখাইয়া দেওয়া र्ड 5 5, मान श्राटन कुटलत विन चाहेटन इंग्रेशकेर उरक्तार डाइएड शा-ক্ষৰ ফাড়বেন, ক্ষুল কমিটির দোষ দেখা इ.। डिनि गर्निम्लित माश्यापान वजा कविट्ड लाहिट्बन ना अवर दकान व्यक्तंत्र पालि कि का बन्ना कोलिबलम् कितिएवन ना । ক্রিটি বৃদ্ধি আ/ানার প্রতিক্রাপুরুপ कार्यशाञ्चलेगिनियद्भत प्रानाधावत कतिया श्राटकन, देना न्या होत जाँदात नाटम नालीन करिद्वन ; किछ म भा पिछिट जिक्क भिर्मत (वंजन वंक्र भिर्दिक भारत मा। क्लिन र्यान करन अक्रल घतिया पारक, কামটির শহিত ইন্সেস্ট্রের গোল্যোগ ठइता निक्तिक्तिहरू व्यक्ततन भ ि । क्रिमा महा का ए इस्

অনেকে অনিক আশিক্ষা করিয়া এ স্তাবিত ফরমে স্বাক্ষর করিছে সাহসী क्षेत्र मा, अर्ग्यक अध्याम छ। ग क्रिय ार्राङ्क इहेट्रान अवर् योहामिट्रान अर्थ क्रांन व्यक्तिक क्रारोही भग्रतालक्ष्य या कर करिएक ना । कराम लिथिश किएड ক্টার ও আমি বিদালায়ের নপাবিধি नःश्रीमण्डानगरित्रहा स किस धार्य पिर्विटिक भाउमा यात्र (य शोहाता माहायाकु विकासियात प्राय क्ष ठा जात प्रकृष करतम् छ। होता काया बहुत बार्ष्ट्र कारकन, क्षत्रान निकटकत উপরে ভত্তাবধান আদি করিয়া অনেক কার্মার ভার সম্প্তিছয়, অগকের (ममक्त काया क, हवात व्यवभव क्य न!। ष्मातक अक्षेत्रक विद्वारण यहत्त्व। अवन विरुव्हनः कविवा स्मर्थ, विकासरस्य यहथा कि एखावस्मानि भ्रेन किन', जिनि कि

ক্রণে ভাষার নির্গয় করিবেন ? বে অধ্যক্ষ সমস্ত দিন স্বয়ং বিদ্যালয়ে উপস্থিত থাকিয়া ভত্তাবধান না করেন, জিনি ধর্মগার্ফী করিয়া কথনই লিখিয়া দিতে পারেন না যে আমি বিদ্যালয়ের যথা বিধি কার্যাসম্পাদনের দায়ী হইব। ত

ডिट्टिंड मार्ट्य श्रष्टाविष्ठ क्रम তাহাৰ পাঠ ও তাহাতে ফ্টাম্প ৰদাই বার রীতি কি ইংলও হইতে অহণ করি য়াছেন 

পূ অথবা স্ববুদ্ধিরারা কম্পানা করিয়াছেন ? যাহা কারণ ছউক, আমা मिट्रात **मात्र हरेट्ड्स, এक्**वांत्र निव्यम হইয়াছিল, যে আমের পশুতে কোন ক্ষেত্র উপদ্রব করিবে, দেই প্রামের याव जीत (लाटकत प्रश्न इहेटव । श्रञ्जाविक ফরম ও টাম্প দিবার নিয়মটা ইহারই महामत्। এक जन व्यविश्वरस्ति काक করিল, ইন,স্পাট্র বা ডেপুটা ইনস্পেষ্টর व्यक्तिमारमारम व्यथवा क्रम. ८ हाम कातरन ভাছার দওদানে সমর্থ ছইলেন না, শেষে ताक, एक त्याहकत मधनाम कतिया वनि त्मन। (य हु<sup>हे</sup> जाति अपन व्य**िश्वार**स्त কাজ করিয়াছেন, ভাঁহরোও স্ব ইচ্ছায় ক্রেন নাই; যিনি অধাক্ষতাভার গ্রহণ করিয়াছিলেন, হয় ও তিনি চাঁদা আদায় कतिएक भारतन नाहे, खंबरभार कें हात ! ক্ষমে যাবতীয় ব্যান্তার পতিত হইয়াছে। তাঁহার এমন গঞ্চত নাই যে ড্নি নিজে मगुनाध तिथा উट्टिन। शक्तान्द्रतः डाहात ধ্যানীতিও কঠাবাজ্ঞান এত প্রকাও विश्वक नघटम जिलि उएकनाए के विषय ইনস্পেক্টারে কণ্গোচর করিয়া নিক্ষ ভি लाङ करन्म। शीष स्मानत समूरतार्थ পজিয়া শেষে প্রবঞ্ক হইয়া দাঁড়ান।

নূতন পুত্তক ও পত্তিক।।

১। ধ্যীধর্মের সহিত জনা জনা
ধর্মের বিরোধ। এখানি ইংরাজী ভাষার
বিধিত। শ্রীযুক্ত রেবরেণ্ড জে, মুরে

बिक्टन बन, बन, छि, बश्चान विधिशा-(इन । इंशत छेटकमा अहे, च्यानादक खाक्रा धर्मित श्रीइडीव मर्भन कतिहा मान कति (करहेन**, क**शर क जाका धर्म श्चरन थ छेश्रद्यात छेराक्क्रमाधन करित्। किन्न मिर्हिन मास्त्र वर्तन. अधि त्यारकत जमाञ्चव छान। थ् छे धर्म स जात जवर्ष বাাপী হইবে. এটা তাহার পূর্বে লক্ষণ। ঐধর্মের স্বাধিকার বিস্তার হইবার প্রথ क्ट्रेज्ञ भ नक्ता व्हें हो स्टेश भारक। (अथक ইতিহাদ অবলয়ন করিয়া প্রমাণ করিয়া (इन, (ताम ও **औ**रमे अई श्रकांत्र श्रद्धन क्र चरिशाहिल। के के बारका अभागा উপধ্যাবিমোহিত ছিল এবং বিদ্বান ব্যক্তিরা তদানীস্তন দর্শন শাস্ত্রের **७ क ७ व्यक्**तक हरेश थे हिश्दर्यत थे**उ**टन প্রবৃত হইয়াছিলেন; কিন্তু কুতকার্য্য क्टेटल शास्त्रन नाहे। स्मारव अ के बदाह क्तित धर्म इहेश छेटि । आमानिश्व নৰ যুৰ্ক ভাক্ষ সম্ভানায় ( ৰাসু কেলাৰ (मर्गड मध ) (य शकांत वाव हात कतिरूक ছেন, ভাষাতে মিচেল সাহেবের অনুমান বড় অংহতু চ হইতেছে না। কিন্তু আমা দিগের মতে "মচেল সাহেবের একটা ভ্রম **হয়াছে। তিনি ধর্মদহকো** গ্রীদের দৃহিত ভারতবর্ষের যে সাদৃশ্য বিয়াছেন, তাগ প্রশঙ্গত হর নাই। রেংম ও জীলে তৎকালে যে দর্শনশাস্ত্র ছিল, ভাষার মূল ঈর্থরামুস্তে নছে। অগেনিক বলিয়া লোকের ভাহাতে ভাদুণ আস্থা ছিল না, কাজে कारक हे एका डिट्मिक इहेश कारम উন্মূলিত হয় এবং খৃষ্ট ধর্ম ডেং স্থল অধিকার করিয়া লয়। কিন্তু ভারতবর্ষে य बक (बन अंडलंड चाइह, जाहात मर्वाप कर, जेवंत मरमाज्ञाण धात्न क्तिया (वन क्रियां हिटलन । ट्लाटक्त উহাতে দুঢ়তর বিশ্বাদ আছে, অভএৰ উহার উন্মূলন সহজ নতে। আমরা

(बिंदिष्ठ शारे, विद्यान् ७ व्यविद्यान् डेक्स विथ बाक्तित्र है अक अक क्षकाटत छेशाटक मिंदिणिय स्त्रिक्षा चार्टि । अञ्चल अ विदय-हना कद्रां व्यावमाक, शृ छेश्यं व्यापमा ৰেদোদিত ধৰ্মের এক অংশে প্রাধান্য আছে। ধৃ ই ধর্ম এক জন মনুদাকে ঈশ रतत शूल विषया निर्मिण करतन धवर তাঁহার আশ্রয় বাতিরেকে মুক্তি লাভের मजाबना नारे, अहे कथा बालन। किछ (वह छोड़ा बटलन मा, व्यामत अधान প্রতিপাদা অদ্বিতীয় এক, তাঁহার चालात श्रह्म कतिएक इंद्रेश चनाएक मश ৰতী করিতে হয় না। অপর, যে জাতি थ य धर्मा व्यवज्ञधन करतः, मिहे क्यां जिहे स्व উন্নতিশালী হয়, তাহাও সপ্রমাণ নছে। মিচেল নাट्य রোম ও औरमत स छेना হরণ দিয়াছেন, তদ্ধারা বৈপরীতাই धामान हरेट उटह। यथकाटन त्रांम उ औरत थ छ धर्मात नाम शका हिन ना, নেই সময়েই উহা অসামান্য উন্নতি मन्भन्न इत्र । किस्तु शृष्टेश्टर्यत अधिकाटतत প্র আমার সে রোম ও সে গ্রীস নাই।

২। সমাসদর্পণ। কলিকাতা গবর্ণমেণ্ট বাজালা পাঠলালার জন্যতর পণ্ডিত
জীবুক্ত জাদ্যানাথ ভট্টাচার্য্য সিদ্ধান্ত
কৌমুদী ও সুপত্মপ্রভৃতি ব্যাকরণ অবল
অন করিয়া এখানির সঙ্কলন করিয়াছেন।
বাজালা ভাষার যতগুলি ব্যাকরণ প্রকাশিত
হইয়াছে, ভাহার সমাসপ্রকরণ অভিশন্ত
সংক্ষিপ্ত, এই প্রকরণটি বিস্তারিত করিয়া
লোখাই সমাসদর্পণ চারের উদ্দেশ্য। সে
উদ্দেশ্য সিদ্ধ হইয়াছে।

। কবিতাকদম। সংকৃত আলকা

রিকেরা কান্যকে দৃশ্য ও প্রবাভেদে ছুই
ভাগে বিভক্ত করিয়াছেন। প্রব্য কাব্য

শাবার গদ্য ও পদ্য এই উভয় ভাগে

বিভক্ত। আজি কালি বাদালা ভাষায়

এই ত্রিবিধ কাব্যেরই প্রাচুর্য লক্ষিত হই

তৈছে। সোমতাকাশের একটি বিজ্ঞাপন দিবিলে কত যে নাটকের স্থানী ইইয়াছে দিবি । পাঠকগণ চমৎক্ষত ইইবেন। যাহা ইউক এই ভিনের মধ্যে পদ্যময় কাষ্যা গুলি অপেকান্ধত উৎকৃষ্ট দৃষ্ট হইডেছে। এবারেও একথানি উত্তম কার্য আমাদি গের হয়গত ইইয়াছে। এথানি উত্তম বারু মদনমোহন মিত্রপ্রণীত, নাম কবিতা কদ্য। আমরা ইহার উৎক্য পরীক্ষার্থ পাঠকগণের অপ্রে ক্রেকটা কবিতা উপ্তিত করিয়া দিলান।

কুন্তকর্ব যুদ্ধবাত্তাকালে ক্রোদে হত (চতনপ্রায় হটয়া এইল্লপ বাক্রা
 ব্লিয়াছিল।

इंडिएकत भीरत स्था बज् निर्क्रभन, किश (वर्गाटन यथा अप्रिम्मगाछ. (मह क्रेप गूटक (मादत नाठाटन तावन. कि औड़क ? जमाबीरी कतिता निभाउ। লক্ষেলের শত্রু আছে, কলক আমার. ভाशं व प्रक्रिक स्था अगर्था अगर्म, ভাষাত্তে জলদি লক্ষি রোধিয়াছে দার, জাও যে কানর নর, সহিব কেমনে। कि खाम्छर्ग, এउ बीब जिल्हित जल्हात, (कह कि माविस मेत्र वामेत्र विधिष्ठ). ধিক ধিক লক্ষা ভোৱে ধিক শভৰার, विकीताकि इति हुई देवक्य वाकिएं। এই অ্মি চ.लेलाम नमत मांबारत. ধরিয়া আয়দ দও অদ্রিশৃঙ্গোপন, मक्कान्न प्रचास कौर्य व्यवस्था कि गारत, ভীষণ মহিষারত লপ্তপর যম। क्ता जात्न व लिक्सिवीरी व महमाद्र. পারি উৎপার্টিতে মিরি শুষিতে সাগর. जक्षिक्तिवानन (पश्चित व्यामारत, बस् भव वर्ष क व नमाव मध्यः তা ভিত সমান কেলে যথা কথা বাস, किया गुणा एकतास मनिवादिस्तत, श्राविक कप्रमीवन करत विनिभाउ, সেইক্লপ যুক্তে পলি প্ৰকাশিব বল। भवि सुनीरदत दुख क्षित्त धर्वन, সে ঘ্রাণ ভূমে ৬৪ **উপাঞ্চির টানে**, অকুড আই ক্ষ্ৰিয়ে বাধিয়া আমিৰ, ভূৰাত্ৰৰ সিঞ্জাতে **ঋষ্য জাৰ্বানে** !

व्यावश्व ते इत इत कित काकारेय,
यक्ति काल आर्थ नाति तीर्य य तियारा,
विश्व काल आर्थ नाति तीर्य य तियारा,
विश्व काल अस्त्र काल स्टब् अटक्यारय ।
लईएडल रिमानस्त्र छेदलाहिय :तार्य,
रफ्तिय मागस्त्र कित स्म्यात्र व्यति,
वेश्व विश्व व्यत् कालिय ग्राह्मीत्र विश्व व्यत् व्यत् कालिय क्रिमातिर्य यत् वी ।
व्यत्निय व्यति स्टा क्रिमातिर्य व्यत् ।
व्यत् व्यत् व्यत् कालिय व्यत् वी ।
व्यत्निय व्यत् व्यत् व्यत् क्रिमातिर्य व्यत्,
पृष्ट्रिक यतापृष्ठे स्ट्रेस झाविष्ठ,
रयताण मशीर्य विरक्ति तमावन
नगर्य महिष्यक्ति अक्तिय-स्माहिक।

व्याज्य जिर्माक लाक स्टब युक्काकुन, होतिरव टेकनीरमधाय मञ्चत कामन, गर्किरव जिम्हा काम निकृत जिम्मन, रव मिथान्न वीर्या जान मध्न कीरन।

--খণান ভুম দৰ্শন করিয়া---

কেন্ডে ভূমি ভত্তপ্তক ভীষণ মূবজি:
আগে শব জন্মলেপ নরহাজ্যালী,
নীর্বে দিতের শিক্ষা সংসারে বিরুতি,
লোম নাহি কড় বড়ু যগ্নি কুণ্ড আনালি?

পরিহিত প্রেতবাস নুকপাল্দারী, প্রেতকৃত্বক্ষগুলু জলে জভিষ্কে, তব সহচহ মৃত্যু সর্লগর্সাহারী, প্রচারিত প্রেভাসনে ধ্রিয়া বিবেক। শুনিয়াতি ভূতনাথ যোগী ভজ্জানী, বড় ভাল বাসে নাকি তব সহ্বাস, কি বাহে ভোমার নাম ? শহে। জানি জানি, ক্ষু কভু দরশন করি জভিলাষ।

শিখরে ভুষাররাশি হয়ে বিগলিত। জনশেবে করে যথা সাগরে বসভি, দেশ্লপ জীবন হতে হইলে স্থালিত। জানেকার তব সঙ্গ বিনা নাই গাতি।

शका, श्रष्ठा । होत, मध्य काल महनाहर, लक्ष्म कहेंग्र दह काश्चप्र (डायाव. स्थ्मिया अक्षी त्या (स्थिया का कार्यत, देवतीरमत शत्राष्ट्राच देवत माहे ध्यात । बालटक खामूकी कार्य (मथाहरू छी। छ. खातुक खात्रद्वा कत खाय्रस्यमाय. ध्रमणमगर्सिर्ड्स निथाहरू मीडि, देमागीय वत्रभीत दुस्य (ह व्यानाम र

प्र। क्लिका ' 'त ছোট ' आमानटकत १५७१। ७৮ नद्यत तित्या है। शख्यस ৩১,२১৪ है। मकफमा वर्षाय शृक्त दयमत ष्याभुका ७৯৯० है। मरुक्सा कम सम्बू इडेग्राहिन। क्षाजार ১১১ ৯৫ है। मकसमात व्याद्यम्य कता इहेश्रां हिल । श्रुव्यं वद्तरहत्र वाकी ১৯৯৯ है। सकसमा लहेश ७১৮৮० মক্দমা প্রবণ করিবার নিমিত্ত নির্দ্ধারিত হয়। ইহার মধ্যে ১৩,০০০ টীতে অর্থীর सत्र इरेत्राट्स, वेरात मत्था ७७७৮ है। बक তরফা হয়। ১৫৬৫ টা অগ্রাহা ৩৬৯৮ **जि नम्स्टेट, ५६८२ तका ७ अधीत अनु**न-चान (हजू ७०५৮ ही थातिस कता इस । वर নরের শেবে ১,০৩৯ টা বাকী ছিল। এই सकरनत मर्या ७३ है। ५००० है। कांत्र छेश রের মকদ্মায় ৪০০ অব্ধি ১০০ টাকা ভাজিয়াদিয়ারুজুকরা হইয়াছিল।মক क्रमात्र मुला ३७,8৫,9,8150 हिला। हेरात मध्या ७,०८,७৫১५/১৫ व्यक्तिक (मिछवा इव अव: कर्शिन ७,०२,७२० **गिका यहत्य शाहेग्रा तामिनामा** पिश ছिलान । शुक्त वरमात ১৯,১১,७৮८५० विकात मकलमा इहेशाबिल। ३৮७१। ७৮ षाद्भव सकलमात भी अक्रम २,३७,०७० ५/১० देशका भाषता इता सक्तित्व ্ব **ভ**ন, वाष्ट्रिक: ए', व्यामनामिद्रशत ८४ जनअज्**डिट ७ ১.৫** ५,२ न्यांव के कि बार की त्या ५०, ७५७॥/ हे। का व व वे बार हा क बद्मत मकक्त्यः क्षित्राव कार्य कहे. भूटर्स भूटर विश्व कुराटा कानान ও মে।ক্তার মিখা। মকদ্দমা করিত। ইহা क्रिश्राक मृथीकुछ कहार इ अन्त्र हो बाह्र जुशां पृति भून सकल्या क्याहर ; किश्व व्यक्तिक है। काल मकलमा वत् वृद्धि इह शादका दलक्षेत्रके अवर्त मटकार धाकाण क्रिशाह्य वर मध्या लहेश। यङ मृत कथा जाशांक आमानितात्व अमरहा (बत बादण सारे ; किन्दु (छाडे ज्यानात

তের অপক্পাতিতা ও সুবিচারের छे भटत लाटकत किन किन विश्वाम त्रिक् হইতেছে এ কথাতে আনরা সমত इरेट अाहिनाम ना। इंखेरबाजीबनरवत এ সংস্কার থাকিতে পারে। কারণ विচারপতিগণ মকদমার কাল ও সংখ্যা অথাহ্য করিয়া ভাঁছাদিগের মকদ্মা ভাগ্নে করেন এবং এ ছালে অধিক মনো যোগ ও দেওয়া হয়: কিন্তু এতদেশীয় মকদ্দমা কালীঘাটের পাঁটাকাটার ন্যার হইয়া পাকে। প্রত্যপীর সহিত व्यर्थी तकात कथा करिएडएक अभव नमरा यार्थत छेकीन मकममा जुनिश এক তরফ। ডিক্রী করিলেন; প্রভার্থী এই জুয়াচুরির সহস্র প্রতিবাদ করিলেও তাহা গ্রাহা হয় না। এতদেশীয়মাজেই कार्यन ও विल्यायाटकन, एष्टांठे जामा लट्डत मकप्रमा शांकि (कलात नाप्त, यथार्थ विष्ठात नाहे। छटव बाट्यत छट्य लाटक व्यनाज यान ना ; कि स वर्गटमणे এক মুন্সেফে কাছারি করিয়া যদি লোককে স্বেক্ষারুদারে ছোট আদালতে অথবা मुस्मारक तिक हो या है एक बर्लन, काहा इंदेर कि शिटा भारेतन, कान अक्टाफ-भीव (हा) जातालटक यहित्व मा। यक দিনপর্যান্ত প্রধান তম বিচারা লয়ের এক জন বিচারপতি ছোট আদালতের মক দ্মার আপাল প্রবণ করিতে নিযুক্ত না क्हेटल्ड्न, फाठ मिन काशरक **पू**र्वाहि रहेट भारत: किन्ह लारकत जिल्ल किइट उरे रहेरव मा।

৫। ভারতবর্ষীর সভার যোড়শ বার্ষিক রিপোর্ট। সভা আপনাদিগের বিশ্বনাত সদাশরতা ও খনেশহিতৈবিতা ছেতু যেপ্রকার কান্ধ করেন এ বারের রিপোর্টেও ভাহা প্রকাশ করিতেছে।

२ ता म्टिल्डेवत सभीमाद्रशन जातक-

বীর সভার শিক্ষা ও রাস্তার করের विकृत्य व नका करतम, खाशत नन्तुर्न রিপোর্ট। এই সভার বিষয়ে আমরা পূৰ্কে বলিয়াছি, নৃতন কিছু বলিবার नाहे। आध्वा अभीनात्रनिरशत नहिड य এकमड ६६एड लाहि मा, डाहा पुरस विवशिष्ट्। वर्डमान आञ्चला मानवानी ক্লবক শ্রেণিকে স্পর্শ করিতেছে না ও कतिर्व ना । छोड्।विटमंत्र निमिष्ठ शुक्र विमानम आविभाक। अभीमातमिटभन উপর করভাপন ও ক্লবকণীড়ন সমান। क्रवक्तिरशंत मिंड हित्रकांशी बरमावक कतिया भिकाकत खाशकिरभत निकटि लखहारे भेतामर्भ। निम्न समीलातभन याहा वलुन, उँक्षिप्रिशत मध्य विनि यङ विमा लग्न कतिशां एक्न, ज्वाहात आधि ममुलाग्न बाग्न क्ष्यकपिरभव निक्रे लख्या इस्ट उट्ड विमा लग्न कार्यात्म श्री विश्व क्या अग्न সিল বাকী কাগকের দহিত বর্তমান हिमाद्वत कांश्रास्त्रत তুলনা করিলে আমাদিগের কথার যাথার্থ্য সপ্রমাণ **इहेरव । अ**भीनाविष्णात प्राता क्रुयक मि গের শিক্ষা হইবে এ আশা ত এক শত बर्ट्यत महत्रा शक्त इहेबात श्राह्मावना नारे। ভाরত वर्षीय मछ। समीमातनिटभन चार्थमत क्षार्वत अमुस्मानन कतार्क भामती प्रशिव व व्हेशांकि । बहे अक विवर्ष অ:মরা সভার প্রতি দোবারোপ করিছে वाधिक इटेलाम। मछात्र समीलाहतक मः था अधिक विजयारे हेरा स्हेबार्छ। कर्व चारीन म्हान লোক সভার मछा इन्टें आत धु कतिर्देश आभावि গের উকীলগণের ইছা করা অভিশন্ত षावनारः। षठिनात्र षाटकटणत (वयतः देशाँता इंडेटबाटशत बावशांताकीविपटनत नाव वाषनीजित छे नदत क्ट्रबन ना ।

থাক।
বৃদ্যাদিশের দৈহিক
প্রমুখি।
(গভপ্রকাশিতের পর)
বাসগৃহ।

অনেক বিজ্ঞ পণ্ডিত আপন আপন শারী রিক সাত্যবিধানবিবরক পুত্তকে লিখিরা গিয়াছেন বেঁ, বাসগুৰের ভল উচ্চ ও পরি <del>७६ रहेरवे। जाहा चार्च रहेरव ग्रह</del> স্থিত বাসু আর্ফ্র ইন্ডে পারে এবং সেট বারু সেবন করিলে নানাঞ্জার পীড়া বইবার সভাৰনা। বাবু ও আলোক প্ৰবেশ কন্য ৰাজা শ্বৰ থাকিৰে। বেসকল দূষিত ৰায় প্ৰশাস ৰারা শরীর হইতে বহিগতি হর, তাহা পুন द्राप्त त्मवन कतिता नदीरत्रत १८क महानिष्ठे ষ্টিতে পারে। কিছু বায়ু গ্রনাগ্যনের পথ থাকিলে উক্ত দূবিত বাদু গৃহ হইছে বাহির हरेड़ा यज्ञ क्लब्रार प्रट्ज कान कानिडे हरेट शाद ना । मधन अ मरनक कृष्टिकमा नानाविध मानावत बह्माता शृक्षिण स्म ৰ্জ্ঞীভূত রাখা কর্তব্য । গৃহ ও তাহার দিকট বার্ত্তী স্থানসকল পরিষ্কার ও পরিষ্ক্র রাখা সর্বতোভাবে বিধের। দুবিত জলাশরাদির নিকটে ৰাসগৃহ নিৰ্মাণ করা অনুচিত। উল্লি-বিভ জাণসম্পদ গৃহে বাস করিলে স্বাস্থ্য **फाल व बढावन। थाटक ना । किन्द्र धारमध्येत्र** কর জন লোক এ একার ঘরে বাস করেন ১ কেৰল ধৰাত্য ব্যক্তিরা সূর্য্য হর্ম্যে বাস করিয়া থাকেন। অবশিষ্ট লোচেরা বেছপ **ज्यारन ७ शृंदर वाम कर**्न, विद्यहमा रह, **भ्यमाना क्रमका फिल्मत कीम भ्रमस्था**न बारकतां अ रमक्त द्वारम अ न रह बाम करत না। অধিকাংশ বাসগৃহ একভালা কোঠা ও খড়ো দেশটি কিছু নিম ও আছে বলিয়া গৃহ ভল প্ৰায় আজি হংয়া থাকে। বাযু ও चारनाक अरवनार्थ वाजात्रनामि आत थारक না। বৰি বা কোন পূৰে থাকে, ভাহাও चारां नानांदिय वसचाता वच्च कतित्रा ताना হয়। কোন কালেই উদ্যাটিত হয় না। গৃহ ওলিংক কারাগার বা জন্ধ কুপ বলিলে বোধ रत्र चड्डाकि । स्टार्स गृट्टत स्त्रसा ও পরিক্ষতা বিষয়ে একাক উলাসীন | ভাঁহা |

নিসের প্ৰেয় বেয়ালগুলি আর পানের পিক थ गर्ताः। विचाता विका स्था । इसे। ভাগ পেঁটরা ও বার হাঁডি, কল্সী প্রাভূ-कित्क शृहस्ति सम्बद्धित रहेव शहक। भूदे करण गृरक्षि अंगड जलदिकांत कतिता THE RECT. WHERE MICHAEL PROPERTY. খুণা বোধ হয়। অঞ্চল 'ও ্ৰাটার নিকটবর্জী স্থানসকল পুহ অপেকা অধিক জলন্য 'अ कमर्या । **अ विवास धर्मी, निध्**म हेरू हू. ভক্ত, আৰু সমান। এতানগুলির এরপ দূর বঙা দেখিয়া ৰোধ হয় হে, ভাহার বিবর বর্ণন করিতেও সক্ষা ও ঘূলা বোধ হয়। অধি का न बामित एठाटन नामा अकात कावकाना রাশিপ্রমাণ দেখিতে পাওর যার। অত্যতা गाकनिरभद्र भक्तत्र **अकि क्**मन अभाष्ट चकि বলা বান্ন লা। প্রায় প্রত্যেক গুংস্থের বাটার ভিতর বা তাহার নিকটবর্তী স্থানে গোলালা मृष्ठे दश्च। श्रीष्र प्यत्मत्क हे न इ वाहूत छ ছাপ সহ এক গৃহেই বাস কবিয়া থাকেন। বাডীগুলি প্রান্ত লাকে। কোন কোন বাটা এনপ ভাবে আরুত আছে ৰে প্ৰায় সহসা দৃষ্টিপথে পতিত হয় না। ৰাটীর চারি ধারের বে কেন পাম্মে হউক প্রায় একটা করিয়া প্রার্থী থাকে: ইচাকে थिछकि बाल। योहाता वस मासूब ও वाहा দের বন্ধ পরিবার ভাষাদের খিড়কিরও বড় कुर्मणा । देशात वर्गमात्र উट्शका क हि जान । नाना अवात अक्षांत ७ ज्ञानी के उ दे व পুভরিনী ও ভাষার চতুস্প যে নিকিংপ্ত मृहे हत्। शुक्कतिनीत कालतं करा अधिक कि বলিৰ তাহাকে বিৰ বলিলেও হয়। এই ত कामारमञ्ज रम्टानंत्र बानगृरहत । ও স্থানের व्यवस्।, देशास्त्र (व अरहनीय्रक्तिशत स्राप्त) सक হইবে, বিচিত্ৰ কি ?

## विविधमः वाष ।

১১ ই কাৰ্ত্তিক সোমবার;

প্রেসিড়েজি কোলের ডব্রাববারক ডাক্টর লিঞ্চের সতর্কভার আর এক দৃষ্টান্ত পাওয়া লিয়াছে। জোলানারক এক জন যুবক সৈনিক কারারত্ব হয়। কারাপ্রবেশের সময়ে সে সবল কায় ও প্লুক্ষ ছিল। কিছু দিনের পরেই ভাহার मृज्य रहेशादक । नहीं तर्णकृत सहित्रा देखें त्राम खाराज जीरा के बहुत्वर्गकृति स्थिति जीर्कित नीक्षि कहा जित्य नव खाराद सुम्बद्धि स्थिति देखें क्यान हर : क रम्प्य सुम्बद्धि सुम्बद्धि स्थिति व्यक्ति । क्रिक् स्थान हर : क रमप्य सुम्बद्धि स्थित रहेशे । क्रिक् स्थान क्ष्य : क रमप्य सुम्बद्धि स्थान । क्ष्य म स्थान किरमक । नीक्षाना खिल्ले के ब्रिक्ट स्थान के ना ? छाश डीशात सामा क्षित्र के ब्रिक्ट स्थान क्रिक्ट स्थान स्थान के स्थान स्थान के स्थान स्थान जनमें मक्ष्यत्म कि स्था समावद्धि नां।

লিয়নাত, কার্থেল ও রোগ সাহের পুন সার গলার সেতুনির্মাণের বিষয়ে কমিগন বয়প নিযুক্ত হইবেন। কমিগনের কাল ক্রিটার হইয়াচে, একণে কাল চাই।

সর জন লাগেল আপনার শাসনকালে কি
কি কাজ ক'রয়াছেন, ভবিষয়ে এক বিনেট
লি বিভেছেন । সেকেটারিগণ সকল বিশ্ব
সংগ্রহ করিপার আজি পাইয়াছেন। সর জন
শরেক ভারতবর্ধ জ্যান করিলে মিনেটটা প্রকা
শিক্ত হইবে।

এবার সীনাস্থিত যুদ্ধসন্ত দৈনিকগণ व्यक्तिमञ्जानभुष्टे रहेश्वाद्यानः। अञ्चल युक्त विद्यूष्टे भ्य माहे। अक भिरम रेममांगन अक्की (बांनरक नक्षरम्भावनकारम् मधन्त्र राजि (शाम) वर्षन क द्या दिला !! (कथल बाउरन क (नावा संदेश দার কটয়াচ্ছ । যথম দৈন্য ও আফিসরগন क्षीत् अक्षमन्त्रित्र कष्टे भावेषात्वन, उधन । ५४ য়ানী কল্মচারেগণ রাজ্যর নামে বিকাসভেগে nieश्राह्मसः क्षित्रसम् (मङ्गत अजातनः केलान প্ৰেক্ষণভোই বিৰক্ষ বৈদন্গেন বলিড়েডভো, ইনি वना प्रभारक विनिधास वर्षा साम कराईएकएकमा धशकात लक्षांकव द्वाभाव क्रीएमंख ह्यू बाहे . त्र क्षम भर्यका अधिक वर्षे ५८% वर्ष अर्थ्य महिल প্রাণিত কাড়তে চালেন বলিয়াই বাধ লয় বন্ধ-.भट्राय अक (यानाट्याम करा क्रेयाटक । माहा क्रेये ক্ এৰং ত্রে সীমার যুক্তে অন্ত ক্ষর্য ভীক্ত আন্ধ ্বান কাজ হয় মাই ৷ বনংগণ আনতঃপর ছলি ব্রিটিশ ক্ষমভাবেশ ভুক্ষ জ্ঞান পরে ভবে ডাইা বড় श्रम्भाव क्षेत्र माः

কলিকভার গ্রমির পীড়াব চিকিংশলেরের গাধিক ব্যার ৭২,০০০ টাকা নিজাবিত ক্রীয়াড়ে মালোকে ইবার চতুর্থাবল্প ক্রীয়ের না। এখানে বে সে বিধারে অসংখ্য কেরালী, ফিব্রিক তথা ব্যায়ক, পেয়াদাপ্রভৃতি না রাখিলে কোন কাল ব্যায়া।

बाबु अमहकूमात ठाकूट्यत न्यवतार्व छातः-रात अध्यक्षवाम ग्रह अक भका क्रेरव ।

काक्नाभिक क्हेग्रा অস্বা অভিনয় क्रकाल कांद्रएकक्रि, कात्रखनभीय (तथक्रप्रद क्रामः लकुर्वाञ्च । स्माक्रमिव सूभातान्तर छन् का तक স্তেত্বের যুক্তে ভথায় একটা বিদ্যালয় স্থাপত ১ইগ্রাচে। রেইলওয়ে কোম্পানি এজন। মালিক ১০ টাকা আকুকুল, প্রদান করেন ৷ বেলওয়ের र हेर्दाभीय व क**च**रम्मनीय कष्मभावित्रभव हीता। দেটেডটেন। ইছার মধ্যে ৬০ জন ছাত্র হইয়াছে : कारतक मार्थ्य अञ्चलक्षीयभिट्यात्र विम्हानि कात् (बटलब উৎসাছ प्रिम्न) पाटकन ।

ট। চন্দ্ৰ অনুষ্ঠ ইণ্ডিয়া বলেন, মধ। ভারেওবর্থ इंडेटड ,यगकत (लाक छक्कि नेदक्कन प्रक्रिश:-काल अपन कार्यप्राटक जाकाता (उक्केन कर्य ও পৰ এক ওয়াক বিভাগে কৰ্ম পাইডেছে: কভক্তলি বোৰাই ও হায়দ্ৰাবাদে গমন করে-्टर्छ। शास्त्रम ७ नग्नाम स्ट्रेस्ड आत्मक सन्। **प्राप्तर**ेट 📭 ।

ইউরোপীয় ভন্ত কোক সমণ করিতে করিতে ! উভয়েই যুদ্ধার্থ প্রস্তুত হইতেছেন। সাজিম খ এক মুখ্য জ্বাসে একখানি পাবসঃ (দাস্ধা দর্শন । আবছল রহমনের নিকটে সাহ্যিন। পাইয়: ক রলেন । ইহাছার। রাজকুমার কিলোল শাং । উহিার শ্বশুর বদক্ষানের রাজার নিকটে সাহায ক্রাছার প্রজ্ঞাদিগকে ও ব'লয়াছেন, ভিনি শীন্ত্র পার্থী হইয়াছেন। কিন্তু এক্সলৈ ভাঁছার মনোরথ क्रनीम्र्राष्ट्रशत माहार्यः है रनाक्षाप्रशत रुख इहेरल पूर्व उडेनात मखानमा नाहे। करम्रकथन क्रनीम्र ভারতবর্ষ কাজিয়া এইবেন : পর দিবস সংপাদের । আফিসর বদকসান জরিপ করিছেছেন। निट्या । भग्ना । प्रतिदलन । चात्रनाचानि । ज्याप अपित माहे। अधकात (चायन) मट्सा मट्सा महा। शांटक , किन्न प्रत्यंत भिषत्र बहें अ नकाती (कर्हे ५क्ष स्टे(दन नाः

लाटकात क्लांबटकम बटमम, अथराख वायीम ৰাজগণ গ্ৰন্মেন্টেৰ অনুমাত্ৰভৌত লেওয়াই দিগকে পদ্ধুতে করিতে পারিতেন না। কিন্ত मुख्यां कि भवनीयमध्ये व्याद्धाः निम्ने एड्न, योज्ञान-্ণর আনভিমত কাজ করিলে ভাঙারা মঞ্জিদি 🖠 भटक छाष्ट्राकेट्ड भा वटनम ! काम्रानाटकत . নজ্মে ্বান হয় এই আনু স্বাংগ্রে চালন কবি-ু

অবলিক ও প্রিয়ন বলেন লাভোবের দেশীয় প্রাক্ষারী পঞ্চার, মন্ত ভারতব্য, বঙ্গল प्रम् छ कार्नुल क्टेड्ड खाणम्म कत्रहार्ड्मः রুৰে,শকা পরীফাব নিমিত ইংবাজী জ্ঞানা भावनाक क्षेत्रं व अहे वर्षात्रातरस्य het अकट्टन क'मा य हेर्न :

अक्**लम्ब त्रोक्रमामक अक्ष्म क्रम (क्**रानी स्माहे

খেলিতে শিধিয়া এক দিবস ১৯ টাকা লাভ कादशाहित। त्रीकात छेपत अक अन " वर्ष म भूरमत " महिन्छ क्यो का इत्र । शक बृङ्ग्ल किवाब এ ব্যক্তির হত্তে ১৫০০ টাকার নেটে দেওয়া हरा। प्रहे अक घाँठेका क्लीफ़ा करिया हो हो नास्थ করেয়া গবর্ণমেন্টের টাকা পুনর্বার প্রভাপে কারবার আংশায় এই বংজি গত বুরুস্প ভবার ঐ स्थि लहेब्रा क्लीका कतिएक शमन करतः कि**ख** मभूनाय होका हातिया आहेरमः এ व्यक्तिरक পুলিবে দেওয়া ছইয়াছে। ক্রীকাকারী " বাবু ও পাঁহার সক্ষরপাণ পুত হইলাছেন। এই ছুরাত্মারা निवशुत व वीनिएड शास्त्र। निवशुत विस्तर पुरक्रकीकाती आहा वश्वतः अहे स्नीका ক্রমণঃ বাজিতেছে। পুলিষ জানিয়াও কিছু वरमन मा। मक्यरमण्ड पृष्ड क्रीपात म्युई माहे. অভএব প্রকাশ্য রূপে ইচা ফইডেছে।

५२ हे का खिक मननवात्।

(वाबाई (शास्त्र) कावूल इड्रेएड मन्वान आहे লক্ষেটাইনস বলেন, সম্প্রতি এক জন ! য়াছেন, সিয়ার আলি খাঁও আবছল রহমন খ

> गण खक्रवात क्लिनानी जनर्द (मणिकाल) कारमध्य हिकिश्मानम् मर्गन के दिख्य विद्याहि ्मन। উদ্দেশ্য এই চিকিৎসালয়ের আয়তন वृष्टि करा इरेट्य । अहे निभिन्त भाक्याश्यम पृथि ক্রম কবা হইবে: গলির রাস্তাপর্যন্ত সমুদায় कुमिन दश छै हिन्छ। शक्तिम भिर्म करण कर्सन নিমুদ্রোণির মুসলমানের বাস আছে। ইহাদিপের বাসস্থানের সন্মাধে একটী ভয়ানক নদ্দাম। রহি রাছে: মুদলমানদিগের বাসস্থানের পুতিগক এই ন্দামার অংশকা কুনে নতে। চিকিৎসাল ्धतः नक्षे श्हेर्ड बहे वाशाहे पूर् करा अधिनश **药\*4时;**存:

চট্ট ব্রামের পুর্লসীমা উত্তমরণে নির্দ্ধারিত ভাষ্ট্র বিশ্ববিদ্যালয়ে প্রীক্ষা দেববৈ জন্ম নিঃ পাকাতে ভাত্তিত কমিসনবেব অনুবোধে করেকজন কর্মচারী জরিপ করিছে প্রেরিড इड्डार्ट्न.।

> আংগিয়াটিক সোসাইটিড গড় অধিবেশন দিবদে এচ বুকমান সাক্ষর উপু রংগভানের ুপাত্র রাজকুমার আভিছেকন ফুড একথানি कार्या अनाम क तहारहतः हिंभूत व्या हे भूज ।

এভাগে কর্ম করিছ। এ ব্যক্তি সম্রাতি প্রেমারা। মহন্মদ সভর উল্লা জীয়ার পিডা ছিলেন। আজি बुक्तिन त्रष्ठ (मदल्डेब्रह बाह्य व्यावकाशि कतिया ছেন। ডিনি অভিনয় পথিত ছিলেন। কাব্য খানি টপণায় পরিপূর্ব।

মক্ষাটে পুনর্দার বিদ্রোহ ব্রবাছে। পিতৃ चालक टेनम मिनम भवाक्तिक इहेम्रा এक प्रगमरधा बार्ड्न। डाँशत পরিবারবর্গ আহাজে পলায়ন क्षिप्राह्म। विस्मिश्तिन क्षामश्रकात जाना চার করিতেচে মা, সলিমকে দুরীভূত করা ডালা मिर्णत अवसाज छेरकमा। कानिक्वरतत छून कान कामाणिरभन्न गवर्गरमानेत कक्षरतास मका টের ইমানকে যে কর দিতেন জাহা বল্ধ করিয়া (इन। अहे भरवाम भारेष्ठा (त्रिहफ्के कर्दन (शिल अविनाद कहा हि रहेट शहरा अथारक গমন করিয়াছেন।

ভেলিনিউস অবগত হইয়াছেন প্রয়োজ মাসু ক্লপ স্থান্স মা থাকাতে কলিকাভার ছোট আলা नएक है। च्या अप्रतिक इंद्रशा आदेव कि के निर् স্থাগত বহিল।

উক্ত পত্ৰ অবগত হইয়াছেন, অচিক্লিও বিচা त्रभाष्टिम् कर्ष्यशैन स्ट्रेल काहानिमरक खर्ग পোষ্পের ব্যস্ত দিবার যে আকা কয়, ভাক। এক্ষণে ডেপ্রাট কালেক্টরদিগের পক্ষেও প্রচলিত क्या ब्हेल । डीक्री १०० होको क्हेर्ड ३०० টাকা পঃইবেন। এটা একটা বিশেষ শ্বন্ত্র সংস্কৃ

## १७ हे का छिक वूषरात्।

किছू मिन इहेन, राज्यानीय श्वर्गमान জিজাসা করেন, গিরজাপ্রভৃতির নিষিত্ত বাজি विरमय हेर्डे (वान इंट्रेंड (यनकम प्रवा ज्यानाई-বেন, ভাহার উপরে শুল্ক এচণ করা হইবে কি না ? शवर्षत (कानतल এ क्छ खरव विलिश्ना क्रि. शुक्क क्षर्व करा स्ट्रेटर: यमि काम विरुग्ध कृत्व शक्क मा मञ्जा दिविष्ठ रहा, उथायन शूर्त्य खाइ। विक्रा तिहे होका गवनं स्वर् है विकटि मुख्या ब्हेरव ।

काशाम (व क्रमणः कार्याधाः श्रेष्ट्र नाम अक स्थम क्षराम कभित्रमारदद्र व्यवीमञ्ज स्ट्रेटन, ভাছার পূর্ব লক্ষণ দেখা ঘাইভেছে। গ্র**ণ্ডে**ট সম্প্রতি আজা দিয়াছেন, তত্ত্তা সুপরিন্টে-গুল্ট ইঞ্জিনয়র কমিসনরের প্রলিক ওয়ার্ক (मह्युक्ते विश्व का स्था के किया का स्था क्षा का स्था क ब्रिट्स ।

প্রধানতম বিচারালয় সম্প্রতি নির্দ্ধারিত (मञ्जानी अथना क्लोकमानि कतिशाद्यम,

(क्षरत्व (काम कर्यावक कार्यकाक क्षर्यक्रम व्हरत श्रवन्त्रः कालासरक कार्यन्त्र कतिएक स्टेरव । क्षे कारयम्ब (क्रमात क्रम्यूत क्षांता (क्रमा (श्रामिक वर्वेटन । कृषि स्थानः स्थानाम् क्राप्तनी पाटक, खाना চটলে প্রধানতথ বিচায়ালয় সংবাদ প্রেরণ क उट्टब । (व कामामटक माका मिनोत श्रेट्याकर क्टर्ब, खाश्रंब e- खाम पूर्व यनि काम करवने थात्क, क्रामनबंदा आधात अन्यानविक श्रद्रश केश रहेट्या (साम रहेट्ड काम्रिट्ड आमिएड य यात्र इहेरंब, य भाषी मानित्व छाहात्क पिटड इहेट्या विटम्प कावन श्रामन ना स्विट्स कान ছাজি কোন কয়েদিকে আদালতে আনৱন कढ़िएक श्विद्यम मा। (समात्र सम ও श्रधान-তম বিচারালয়ের অনুসতি লইবার বিধিটীতে (करल कालरबन कर्त रहेटन। (य जानालटड বিচার চুটুবে, ভত্রভা বিচারপভিকে সাক্ষাৎ नवत्य करे कमका (नश्रा केहिक।

अध हात्री कार्यात मितिराम जिल्ल स्ववारिके (बाबाइट्स का म कर्यक्रमा अवस्थि विकेषिक केकि निरंत्र निरक्ष करा स्टेटन ।

এলে । १००० होका छह्दिन छह्सून कदिया थवा পভাতে প্রথম হঃ পরিবারবর্গকে জানাভতে প্রেরণ কার্যা এক শিশুল্থারা আত্মহত্যা ₩. 33175A I

मिल्लीरगटकारे बरनान. निष्कृत कालि क्या काछा। कारक कराहक महाक कि कि कराय (मार्क কালার উপরে বিরক্ত ক্রয়াছেন। তিনি ছযু भारमत भरवा श्रन तीत गिरहामनहु, छ इहेटवन। काबुदलव महिन्छ देवजो मा हन्न अमि मिली (शहन (हेत हैका)

মহারাজ সিজিয়া ও জন্নপুরের রাজার দুষ্ঠান্ত দর্শন করিয়া রেওয়ার রাজ্ঞাও শ্রের च्छन्क डेठाइम्रा नियारहर। जामानिरगत भवर्ग स्तर्षे कि क्रिन्द्रित ?

श्रुर्त्तकात्र मिशाशिक्टिशत (व अज्ञात) क्रिल, । अकरकात अञ्चलका देवन मिर्वा कारा कारा মাই। শীক, পাঠনে ও নীচলাতীর সিপাই। भवर्वदयट छेव ज्यापद वीस वहेदाटक । बावाक পুরস্থ শীক দৈনঃদিগের কল্পেক কন ছই জিন ৰার ভাকাইভি করিয়া ধৃত হয়। সম্প্রতি ২৬ त्रनिक भक्षाव भवाजिकमद्ग्रम कृत्यूक क्रम देत्रमिक हेटकांड हरेए (महिनिशुंद्र धम नहेवा याहरू हिल, अवक नवटंड लिबस्टिश इहे अस देनतिक ६००, होको लहेबा भनावन करवः हेराता धुछ र्हेब्राइ

चामना इश्विक म्हेन्ना आकान कतिएकहि, एगली, २८ भवत्रना, वर्षमानश्रकृष्टि फारन जाफ मञ्ज खत रहेरफर्छ। अफ वर्ष त भत्र खत रहता चाफार्यात्र विषय नरहा वीत्रकृत अञ्च चाच्चाकत স্থান ছিল, ভথারও বিস্তর লোকে প্রাণডগ্রেগ कविएकदश्व ।

मकारणेत्र निवा तामारू एक स्टेबा कानान वन्तरत भगाव्रम कत्रिवारङ्गः विक्रिन भवन्रमण्डे डाँशांत माश्या कतिर्वे आभा हिम, विख शवर्रमण्डे अ विषात् इन्डाक्तन कविद्यान मा। বৈদ ভুরকী মঞ্জাটে খাইবার নিমিত্ত ব্যস্ত व्वेषाट्य ।

#### **) ३ वे कार्जिक वृक्ष्मिक्रिया**त ।

প্ৰলিক অপিনিয়ন বলেন, লাছোৱের বিশুৱ বিহুৱে मूनलमान अफार नगरत्त वास्टित भिन्ना सेश्टत्त । निकाष्ट्रे काला निकास आर्थना कविएकाइन। गटनात्र भूमा मिन मिन तृष्टि स्वतार्थ महिल्ल वावणीत्र स्थानाकरकात्र सात्रमानिकिरमत्र (वकन लात्कत अधिमत कष्टे रहेताहा अ वात छेखत शिक्ति श्राप्तित अखिमय (माहबीय अवक्रा।

७ - व मिट्टियत अधूनाम कात्रक्रार्थ 5",855a, •७ • होकात साहे खहानिक हिना। ক্লবাটের সাধারণ উদ্যান ও পশালরের নিমিত্র गवर्गय**े २०,०००**, छोका निवाद्यम । होना घाता ६ - - - क्रीका कितियादक अवन विकेश म शामिष्ठि ६ - - • होका विद्यादकन ! आदे के हैं। नरभ्रही**७ इहेरव**ा मारहार्य अक्षकांत्र हिम्सान्त्र ह भवात्य **इहेग्राह्म।** कलिकाणाय हेश इहेराह मात्रक विश्वध चार्छ।

মহী ক্লেরের অংধান কমিসনর মাজারে এপি ন রমকে লিখিয়াছেন, উক্ত পত্রের ভূতপুর্য সম্প্র দকরাজার সপক্ষতা করিয়াছিলেন বলিখা हैं। इंदिन अपि १४,००० होना (१६वा वर्ष) इंशाफ अध्योधन आकवत बहुलम, मुहिम्ब हेरताकी मण्यामकरान अक्टामनीय ताकामिरतात নিকটে কিছু না পান, ভভ দিন ভাইটিচ্চাব विकृष्ण निर्मन । अकथा वर्ष मिथ । नश्

वक्तरमरभव वाका निरंकत वार्य अक्ती विक्रः ও ১০০০ ৰালক পাঠ করিতে পারে এমত এক বিদ্যালয় স্থাপিত করিবার অঞ্চীকার করিয়া ছেন। রাজা নিজের ১ জন পুত্রকৈ মিসনহি মার্কেসের নিকটে অধ্যরমার্থ প্রেরণ করিয়াছেন

টেলিপ্রাক্তবা ইংলভের স্থিত ভারতব र्षित्र मिनक्षकत् अनानी इत् এह अञ्चात । स्राष्ट्राष्ट्रहरू

প্রধান সেনাপতি এতদ্বেণীয় প্রতেকে চেষ্টায় জাতেন। *(त्रक्रिपान्तेत ज्यंशकारक क्षेत्र औ (त्रक्रिपान्तेत्र* ইভিহ্ত मिथिनात आकः। निष्नाद्द्य। कथ्यः जीनिनिनित्राद्य (नथकात नगदाता कुन क्तिप्रा

श्रमण (इक्षित्रकी गरवरी छ स्व अक्षत्र क्ष देशमा इंक्टिक्सा द। कमान हरेसाएक दकान क्षान युद्ध व्हक्तित्वके हिल अवकृत्काम कान चाकित्रत क टेनमिक चटलीत्रव श्रकान कतित्रा (क्रंग का एक क्षेत्राटकम केलामिटनत मान निधिटक व्हेटव । कट्नि अन निभाविक्टिनव व देखिशा विविद्धिक्रिया. रहेश ?

व्यानाश्वादात्तव अशास्त्र विनातानव्यक्ति थकाछ क्वेबाटक। २ ताः नटक्कतः विहातमाक्षतान्। कार्यः कात्रक कविद्यंत । व्यामानिद्यंत विष्ठाञ्चालग्र १०७৮ मास शाया वहेतान वहेता भारत । विश्वविष्यानारम्य वाणित जात्र किछ विश्वव

छिलिनिकेन सर्वतक इरेब्राट्डन सम्मार्थन भवर्गस्य केत्र काम् द्वार्य कात्रकवरीच भवर्गस्य के इबि करियात काका मित्राहमा अ काकामि वंति हडेग्रा शांतक, छात्रा वहेंद्रमा निकाश्च अभवत रात कातन इहेशाटक । आतुलामिता कि**क्टे** कटव নাঃ ভাষের খনেদামার কাজ করে। আগালভেড काटकत्र मट्या (व शटकत्र कत्र हत्र, हेहाता खाहान निकटहे वक्तिम लक्षा हेशमित्यव छेलाक्स्म অধিক অথচ কিছুই পরিআম নাই:

वामपुर्देव सवाव भारतात खल्क छेठाहेस। 海里775可!

#### Je व का क्षिक खालावा र ।

, টনাস জোন্ধ কাছেৰ ছাপ্ৰনক্তের ছোট আংনা न छ व कार्य श्रमानीत स्व भनिवार्धत शक्राव ক'বয়'টেন, ভাৰা ভত্ৰিডা গ্ৰন্মেট আহে কবিয়াছেন জোপ সাড়েব আরও কিছু দিন घष्ट्रात्य विस्त्रय कमिनवद्वत् एजाण धाकिन्ना ड.ब.च. कारिकमनमृद्रक्त वटकावस्त्र कविद्वन । नकरम्द्रभाव अक क्षत्र कर्माशांत्री अहे काल कराइड भाक्ताहल्य मध्यामभाज भागम विवस्त स्टेबाटक्य हो

वाषहरम्ब भिडेलिनिमाउँ कश्ची कतिएड व्यादक करियादकन। डाँशांता ५ हेक्का स्ट्राप्त क्रिका तक है। के। कि क्व वहरवन मानम कविश्वरिक्षन ! भिडेनि। न पालिष्टित देकरशक्तमान कर्ष्यकारी महाव वामीमिटाव में का आधानार कढ़ाटक कांक्रियाव म छ रहेश्राटक । अधि व्यामानिट्यत अ निट्या सहेवाव

म्बन्त निक्र प्रकामकाय श्रादक कड़िवात

हे।हेमन चार है खिन्ना श्राचन कतिहारहरू

তপ বাহির করা হটরাছিল, গাজপুতনাপ্রভৃতি ।
তানে সেই সকল নল আনরন করা কর্ত্তা।
১ক্তা: এই প্রকার নল থাকিলে লোকেব অভ
ভ: পানীর জলেব কন্ট হয় না। ইহা দ্বারা প্রতি
কিন্তে ৬ দেব হাল উঠিতে পারে।

ছিল্পটিটেমিনী বনেন ' ক্লে সমূহের ইন শেশকৈ প্লাক সাচেত্রের ক্লের লিক্ফনিগের ভিন্নভি সমূহে এক বিশ্বীভ স স্থার রহিয়াছে। ভিন্নভিল্পটেনে বি এ, এম, এ, পান বলিয়া ব্যান শিক্ষকনিগের উন্নতি অন্ত্রেন কোলা ক্রের হেড নাষ্ট্র পাশুরা বার । শ আমরা বলি ৬০০ টাকা বেডনের এক জান লিক্ডি লোক হই লোক স্কুল পরিদশনকার। স্থান্তর্কে অন্থাক বারে, ভিনে গ্রহ্মিনি মার্কি সাহেবকে অন্থাক বার বিভ্না দেউছেন কন্ত্রি

हाका श्रकान नहत्त्व, कार्कित वाक्वीव (मनः नीखर व्यक्ति वर्ड्ड अडे (बनाव शांडित हाका कथान अनाकि। तार्शव कार्यक कप्र कि वा, कथिय क्रम्यकान कवान कना मां कर्षित नार्वि शृक्तिय क्रांक ज्यादिन कविष्ठार्डिन अडे कार्की व्यामास्य विरवहनाम श्रुलस्य नाडार्या निवित्त मार्क्ड(बन शांक व्यश्न कता द्वीक्ट हिना म

उभारे का जिंक मानिवात ।

এড় কৈশন ্তে তেওঁ বলেন, তেনামবা প্রকার বলেন তেওঁ হংশসহলতে তেওঁলৈ কাবতে ভিন্ত পাত কলা বুধনারে কলিকাভাব ১৯৯ নিয়ানিলাদী বাবু গোরাহীদ দক্তের কলালা কে ভিন্তসমাজালয় হালি বাবু অতি নদান কে ভিন্তসমাজালয় কাবি হুলী ও বাল্ডনার কাহারাদ দাম কবিয় ইছলোকে অংখাকে বাবিভূপ ক নহা গিয়াকেন ভাষাক আমি আবিভ বলেন প্রকার কান্ত্র আভি হীনাবস্থা হলতে অধিয় কিলেন । বিষয় নই যে, আভি হীনাবস্থা হলতে অধিয় কান্ত্র বিষয়ে কান্ত্র হলতে আভি হীনাবস্থা হলতে অধিয় কান্ত্র বাল্ডনার হলতে আভি হীনাবস্থা হলতে অধিয় কান্ত্র বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার আভি হীনাবস্থা হলতে আভি হাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার কান্ত্র আভি হাল্ডনার আভি হালিক আভি হালিক বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার আভি হালিক আভি হালিক আভি হালিক কান্ত্র ভিন্ত আনি বাল্ডনার বাল্ডনার আভি হালিক আভি হালিক বাল্ডনার বাল্ডনার আভি হালিক আভি হালিক বাল্ডনার আভি হালিক বাল্ডনার বাল্ডনার আভি হালিক বাল্ডনার বাল্ডনার আভি হালিক বাল্ডনার বাল্ডনার আভি হালিক বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার আভি হালিক বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার আভি হালিক বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার আভি হালিক বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল্ডনার বাল

পঞ্চাবের অমীদার ও কুষকের বিল বিধিবন্ধ হইরাছে। সাত ঘটিকাপর্যাক্ত ইহা লইয়া তর্ক হইয়াছিল।

ভারতবর্ষীর গবর্ণমেন্ট আফা দিয়াছেন, গবর্ণসেন্টের কোন বর্ণমহারী বথন কোন আদা লভে দণ্ড পাইবেন, ভথন বিচাবপতি নিজের আজ্ঞার এক নকল লইরা ঐ কর্ণমহারী যেখানে কর্মে করেন, ভথাকার কর্ভাব নিকটে প্রেরণ ক্ষিবেন। কর্তা যাহা ভাল বিবেচনা করেন, ভদ্মসাবে কার্য্য ক্রিবেন।

(प्रचित्रा काहेन मर्गापन करा रा क्रांख कार्याक, जाश धृष उ मृत्रप नशेन वार्याभी प्रतित मान्यवारा मध्य मान्य हें एट हिल्ले मान्य बहेल कम्मेट हैं। लाद एकेन्य म ज कक्षिमुद्रमामक प्रदे वार्क्ति कर निलामव है। वर्ष जाशाना है होत मर्गा (पिष्ठ लिय बहेवाव कार्यमन क्रिया है। क्रिक्त क्रिया क्रिया कार्या का

मध्य ७ धनान छ। बानान छ भीमानमा क देश इन कान खेलाकित नारम डिकी छ। ही इनेटन भमानमी न लगा छ। इनेटन छन्। इंडिन छ इनेटन मा छं इन्टिक कार्यक्ष कर्ता ६ हेटन । छ नश्मी एक अर्थन छेथक इनेटा कि अभाव अरमका धार्यकार्य भये देख इनेटा कि अभाव अरम नश्मी असिष्टेक्त ६ हैश ८ ३ । यमकल खोटन के नाख वक मातिष्ठानिवस्त्रम स्वापित्र देखाल कार्यक्र कार्यक हिलाक वाख वक मातिष्ठानिवस्त्रम स्वापित्र कार्यक्र कार्यक हिलाक कार्यक्रम इनेटा मिनाइक कार्यक्रिस क्रिकेट

অমৃত্র জার প ত্রকা বলেন, '' আমেরিকায় একটি সুভন নগর নির্দ্ধ ন হইলে উহা যত শীপ্ত জনাকীন হয় এরপে আর কুত্রাপি দেখা যায় না। ১৮৬৬ খ তেনে লুইবেলীব বাসক্ষা সংখ্যা ৮০ হাজাব মাত্র ভূছিল। ১৮৬৭ জাকে ভ্রমাকার বাসক্ষাব সংখ্যা ১৪৫০০ নিনীত হয়। তুই বংশরের ম্যো ৬৫০০০ হাজার বৃদ্ধ।

মেধাশাক্ষর উন্ধতিসাধন বাংগ হয় যাত দুর ইচ্ছা ভাত দুয় করা যাইতে পারে। ভূরি ভূরি দকী ক্ষরা এই বাক্য সম্পিত হইপ্লাচে। গ্রিকার ফেলেলের নিকট এল খ্যাক্ত ভাঁধার মধাশাক্তির পরীক্ষা দিতে উপস্থিত হন ভাগাকে একখানি সংবাদপত্র পান্ন করিয়া , ভাগাক সমুদায় কথাগুলি পুনক্তি করিতে ব্যাং হয় , ভিনি অবলীলাক্রমে উন্নপ করিলেন এবং প্রথম এইটে লেব পর্যান্ত উহান্ত একটি কথাও জুল এইল না। কেনেল ইয়াতে আকর্ত্তা প্রকাশ করায় ও ব্যক্তি বলিলেন, ''এ ত অল্প কথা, ঐ পত্রিকাখানির লেবের লেবপংভিত্ত শেষ কথা এইভে আরম্ভ করিলা গোড়ার প্রথম কথা প্রাত্তা আনি পুনক্তি করিছে পারি শ এবং সভাহ ভিনি অভিলয় সহল ভাবে ও কিকিলা ত্রও ভূব না করিয়া ভাষার কথাল্ল্যায়ী কাহা কর্বলেন।

এডিন বরার উন্লিয়াম লাইয়ৢলনামক এক জন যাত্রা এয়ালারও অসাধারণতর মেধা ছিল : তিনি ডেলি য়য়ডভাইসর নামক সংবাদপত্র এক বার পাঠ করিয়া ভালার সমুদায় বিজ্ঞাপন, সংবাদাবলী ইত্যাদি বলিতে পারিতেন। ফল স্মান্দারিক যে এইরূপ অসাধারণ পরিমাণে উৎকর্ষিত চইতে পারে ভালার বিজ্ঞার দৃষ্টাক্ষ স্থলা আছে। কেহ বলেন, পদ্য ও গদ্য প্রতিদিন মুখ্য করিলে, মেরা দক্তির বিজ্ঞার উৎক্ষ করা বার্ড্য পারে। ৯

নয়াল(থাত মুলো প্ৰ4্মেটের কাপজ বেন্টাত হইভেছে।

| 3 है (कांत्र निका |    | ात निका      | <b>≥8.</b> • ! ≥3 k • |  |
|-------------------|----|--------------|-----------------------|--|
| 8                 | 'n | (কাং         | \$811 . \$84 ·        |  |
| æ                 | 'n | পৰ লকভাৱাক   | 3 · 4 ·   3 · 4H ·    |  |
| ¢                 | 'n | 77:0         | 3-611- 1 3-64-        |  |
| ¢                 | *  | <b>(事)</b> 代 | 27 off - 72 on -      |  |

# ইউরোপীয় সমাচার।

লপ্তন ২০ এ লাই বিষয়। শেপন ছইছে টেনি আম অংগিয়াছে, আপাডডঃ শাসন করিবার নিঃমত্ত যে গ্রণমেন্ট নিযুক্ত ছইয়াছেন, উংধার। এক আজ্ঞাখারা মনাষ্টারি ও ধর্মালয়সকল বছ করেয়া সেসমুদায়ের ভূমিসকল বাজে এপ্ত করি য়াছেন। ১৮৩৭ জন জর্দি যেসকল ধর্মারাটী চট্যাছে সেইসকলের প্রতি কেবল এই আজ্ঞা

মন্ত্র অলকাগা ও রণভাবের অধ্যক্ষ টণিটী বলি নাছেন, এক জন রাজা স্নোনীত করা উচিত। নাচভন্তপ্রিয়গণ সাধারণ ভন্ত চারিয়ান ক্রেন কিন্ত উল্লেখ্য বলেন, যদি দেশেখ সকলে রাজকায় পাসনপ্রণালী চাহেন ভ উলোৱা ভাগতে সম্মত ক্ইবেন।

নিউ ইয়ক ক্টতে ১৯এ তারিখের যে টেলিপ্রায় জানিয়াছে, ভদ্মারা আন। গেল, ইণ্ডিয়ান ব এভিনিধি সাধারণভন্তপ্রিয়নলত্ত ক্ইয়াছেন। >> है अंदरवात पूर्व के क्षारविद्यकात वरून का वक्ष प्रक्रियेत्र ।

২১ এ আইোবর। শেশন হইতে টেলিপ্রাম আবিয়াছে, মাডরিডছিত ভাডিসাধারণ সভা আপনা আপনি ভক্ত ছইয়াছে। আপাডভঃ লাসনকারী গ্রহ্মেন্ট নিশ্বর জানিয়াছেন,রাজ নীতি ও ধর্মাংক্রাজ আধীনভা সম্পূর্ণরূপে শেশনে কুপিত হইবে, ইহ'র পূর্ম্ম লক্ষণ দেখা বাইডেছে। তাঁহারা আশা করেন, বিদেশীয় গ্রহ্মেন্টসমূহ ভাহাদিগতে খীকার করিবেন।

আমেরিকা ছইতে টেলিগ্রাম আদিরাছে, নীচভন্তপ্রিয় দল বলিয়াছেন, উচ্চাদিগের রাজ নীতি অপরিবর্ত্তিত থাকিবে।

२२ अ कार्क्टावतः। अयत्य कन्नक्षात्तिः, त्म्भासतः म्राक्ती इत्मादना झाहेण्टन वाम कतिरवनः।

নিউইন্নৰ্ক হইতে ২১ এ ভারিখের টেলি আমে প্ৰকাশ করে, নীচ্ছদ্ৰপ্ৰির দল নিরুৎ-সাহিত হইন্নাছেন এবং সেনাপতি আন্ট যে সভা পতি হইবেন ভাষার সম্পূর্ণ সম্ভাবনা হইনাছে।

गामका गिरकार अधिन त कृषिकण हरे बारह, किंख कान सीव महे इस नारे

২৩ এ অক্টোবর । গত কলা লিবরপুলে
রেবাড জন্মন্ স'হেব ও লাড তানলিকে
এক ডোজ দেওয়া হইয়াছে। উভারে বজ্তা
করিয়া বলিয়াছেন, আমেরিকা ও ইংলাণ্ডের
মনান্তরের অনেক কারণ গিয়াছে। আলাবামা
ঘটিত প্রশেরও মীমাংসা হইবে, ভাহার সম্পূর্ণ
সভাবনা হইয়াছে। লাড তানলী বজুভাকালীন আর ওবলিয়াছেন, বিদেশীয় গবর্গমেন্ট
সকল ঘেসকল সৈনা সংগ্রহ করিয়াছেন, ভাহা
সভাতার কলক্ষররপ । সন জন বরগাইন
লাগ্রনাগীর নার অলু ও স্বাধীনতা পাই
য়াছেন।

কর্পেল টেলর লাক্ষ্ঠার ভচিধ চালেলর ক্রয়াছেন

. .... : . : .... .

# গ্ৰণ্টেশন বিজ্ঞাপন। ৰঙ্গদেশীয় লেপ্টনন্টগ্ৰন্তিরর আদেশাসুসারী নিয়োগ।

১০ এ আটোবন—৩০ এ আগষ্ঠ আবধি নিম্নলিখিত পুলিষ সুপরিন্টেণ্ডেন্টগণ উন্নত ইইলেন:---

প্রথম জেনিছে। লেপ্টনন্ট কর্নেল সি, বিয়া। ৰিভীর জ্লেণিডে। আর, ডবলিউ, কিঞ্সাহেব। ভৃতীয় শ্লেণিতে। এফ, টি, প্লাটস্সাহেব।

চতুর্ব আন্বিজে।

a. ap. कारेन् ग् मार्ट्य।

ডবলিউ, ডি, প্রাট সাহের গাড ৩০ এ আগষ্ট অবধি পঞ্চম জ্ঞেনিয় পুলিব স্থপারিক্টে তেওঁট চইবেন।

২১ এ অক্টোবর—:জ. কলেট সাহেব আরার । এক জন মিউনিসিপাল ক্ষিসনর হুইবেন।

বারু সর্প্রচন্দ্র মিত্র খলোধ্য়ের এক জন মিউনিসিপাল কমিসনর হইবেনঃ

জি, কে, মিয়াস সাহেব রলপুরের প্রতিনিধি পুলিব্দুস্পরিকেটে গুল হইবেন।

২২ এ অস্টোবর--বাৰু রাধাগোবিন্দ রায় দিনাতপুরের সাধারণ বিদ্যালিকাসভার সভ্য হইবেন।

সব আসিষ্টান্ট সার্জন বেনীমাধব ঠ'কুর পশ্চিম স্থয়ারের অন্তর্গত ময়নাগড়ি মহকুমার দেওয়ানী চিকিৎসার ভার পাইবেন।

সব আলিষ্ঠান্ট সার্জন কালীকুমার দাস ব্রিছতের দাভব্য চিকিৎসালরের ভার পাই-বেন:

২৩ এ আটোবর মৌলবী ইরাজত আলি গয়ায় অধক অঞ্চ হবেন।

২৭ এ অক্টোবর—জি, জে, বি, ডালটন সাহের মুদ্দেরর সহকারী মাজিক্টেট ও কালেইর গ্রহা আপাডাড় ভিতীয় জেনির প্রতিনিধি জাইন্ট মাজিক্টেও ডেপুটী কালেইর হইবেন

্সি. জি. বেকার সাহেব বি. সি. ( বি ন একানে বিদায় লাইয়া আছেন ) পঞ্চম চক্রবা ড়ের পুলিধের ডেপুটি ইনজ্পেটর জেনরল চইবেন।

মেজর ডবলিউ, জার, গড়ন প্রথম চত্রাবা-ড়ের পুলিধের ডেপুটি ইনস্পেটর জেনরল হইবেন।

(मन्द्रेम के करनत नि. तिश्र कामादिवारतत । भारतिक स्थादिर केरल है इंडरनम ।

মেজর ভবলিউ, টি, ফেগান বালসাহীর পুলিষ সুপরিক্টেগ্রেন্ট ছইবেন। কিছ আপা-ভঙঃ পঞ্চন চক্রবাড়ের প্রভিনিধি ভেপুটী ইন স্পেক্টর জেনবল থাকিবেন।

মেজর এ, সুণালিস (বিনি একংণ বিদায় লইয়া আছেন) মানভূমের পুলিব ভুপরিটে-থেণ্ট হইবেন। কালেন এচ. পি, ভবলিউ, উইক কাইজি: তের পুলিব স্থপরিটেকেক হইবেন।

कारश्वस्था, नि, नि, छ छै वि, नि ( वि.ने कारश्वस्था कहेबा कारश्व) शाहेबाब श्रुनितः सुश्वित्वे छुश्वर्था

त्नक्रेनके ख्यानिके, हैं, क्रियान कानन नूट्यत भूनिक स्मातिद्वेट क हे हे द्वत । अस, अस, द्वान नाट्य (विस्ति अक्टन विनास नहेशा काट्य ) तक्षभूद्वत भूनिक स्मातिद्वे एक हहेट्यस ।

ভৰলিউ, ভি, এটি নাচ্ৰ শাহাৰাদের পুলিৰ স্থপরিটেডেউ হইবেন।

্জে যাষ্ট্রাস সাহেব কাষরপের প্রজিনিধি পুলিব স্থপরিক্টেন্ডেন্ট হইবেম।

লে, পাচ লাহেব জীহট্টের পুলিব স্থাপরিত ভেত্তেত হইবেন।

नियंगितिक भहकाती भूगिव क्षणतिर केटकार्ड जन वस्त्री क्षेट्रिन ।

এচ. এন, হারিণ সাহেব গরা হইছে স্বাঞ্চ পাহীতে।

জে, বি নাচ স'দেব খলোবর হইতে গরাতে।
সহকারী পুলিব স্থপরিকেতিঞ্জ জে, জি,
ফারকোহাসন স'দেব হাজারিবাগ ংইতে
যশোহবে।

#### ----

আমাৰিগের আলুলিয়াছ সংবাদ-দাতা বিধিয়াছেন।

ष्णाञ्चलशा (व व्यक्ति व्यक्ति काटलक व्यक्ति ভাগ অনেকেই অবগত আছেন ৷ গ্রামটী দীঘে (येक्रें प्रभार खार महाने नर्ष । काहाव कांत्र आंर अंत निरंप हुनी नहीर् अधिष्ठवरत्रव पारनक पूर्वि डाजियः राष्ट्रः वर्त्तमान ब्रह्ममणीत गार्ष्टिनम् প্রবল বেলে অনেক নিরীক প্রজার বসত বাটী मधीतर्ज अधिक इहेब्राट्या अक कारम में क्रम ভাজিয়া যাওয়াডে প্রায় ১০ ৷ ১২ ইস্ট মাসীর नित्र क्रकी श्रकांख काणाव जिल्ल बास्त्र वह शारकः (स अरज दिनः पृष्टे देव, कार्शाव केलदेव আন্তঃ ১০০ বংসর পর্যন্ত অপর সোকের বাস ছিল ৷ ভাতারা ইতাব কিছুমাত্র ভানিতে भारत बाहे। बेंधेक्षी भूमां कारणत (क्षेत्रे (क्षाप्रे ইটের নার। সম্রতি এডেদ্ গ্রামত্ব ভব্র মঞানত্ত গণের আদেশমত অত্তক্ত '' हिटेडियिनी मछ। эইতে এই ভিডি খু ড়িবার কল্পন। হইভেছে।

২ ৷ ইভিপূর্বে এই আফুলিয়া আমের ৭ মাইল পশ্চিম মালিপোডা ইংরাজী জুত্র গাহাব্যোনের বিষয়ে লেখা ইইয়াছিল ৷ এড व : इं अवर्गसन्ते के अस मान इंडेएल नाश्चाधानान कि विवास कि स्रमा कुनि छैशास कार्केटन ? स्र कतिर अट्रक्रम । जिन्हालयुप्ति खासी कछेक हैक् है क्षांमिर्वात शार्थमा ।

# কৃতিয়াছ এক বাজি লিখিলাছেন

সত্যতি কু' ऐसू, সৰ ডিবিলানেৰ পুলিৰ কৰা চাৰেগৰ গাড় নিদ্ৰায় অভিচুক্ত থাকাতে কোন वीर के ५ की (काम बार के लो के हो जिल के इंटिस्ट हैं। व्य मनायु । यात्व ७ है। भिंभ इडेग्राटक - जनादम् । আয়োৰ বাসায় সিদ দিয়া নগদ ৪০ গাকা ও ৰজা किट्रफ ७० वन है। को अकटन ने निव है को नहेंची भित्राहर : old मिन क्वेंस श्रामाय अक्षाकार अवश eইয়'(রু ৷ একাল প্রা-তে লার্গা আ-স্মা ख्यावक करत्रन नाई।

मुख्यांच कामनात निकटी हुए तथा हा আন্তে কুষ্ণের জী এক কালে বলান প পুরে ৪ টি সন্তান প্রস্ব করে। এক ক্রে ১৯ কন্যা ১ পুত্র কার ১ কলে ১ কন্যা। তথাকে ১ 🖲 কন্যার সেই দিন মৃত্যু হয়। এক দিবের ঃ স্ত্রান্ডুমিও চইয়াহিল। ও জান জীবত আছে। দেখিতে নিডান্তে ক্ষুদ্র নংক।

# প্রেরিভ

মান্যবর ত্রীযুক্ত সোমপ্রকালসক্ষাদক महानग्न ममीटलंग।

बहासका है, अवत्या व्यावानिताल उपान अक्षे चिक्तिय (माठनीय घटना करेता भिराटक লোখামী মুগাপুরের নিকটবতা চাঁপাগামী न वक आहम के चहनाहि मण्यतिक स्म । करमक ात्वम अफ इड्डा, अक सान श्राह्य अकि প্ৰধানব্যীয় শিশু সম্ভান ছারায় ৷ হওতাগ গুৰুত্ব সময়ত বাজি নিজ সন্তানের আসুস্কান काञ्च किन्न किन्नु एउं के उकार्य। इहेट जा भारित्र च्याकः। हार् श्रक्तानम्य कन्निष्ठ वाचा स्त्र গ্রানিষ্য এক বৃহৎ গার্ডের অভাজ্যে উক भिक्ष है कि संस्कृत का या वा तिक स्कूत स्कूत । **प्रत्य**  (९ क्वांनर) पर्तम (म अग्ना क्या) भीवर प्रव 'ধ্র' ৮ াকপ্রকার অনুসন্ধান इस राम्स 🗓 व ্জ ংক্তর নিক্টবাড়ী গৃহ करत्व ३ भी . अब बाहीएफ हेल हर. ্যা কারণজ্ঞাস্ত মুৰহাতে গুলাকা : ১০, ১ একটা বিধৰা যুৰতী तुत्र क'रश, चा महे श्री वाश्यक व्हेप्र

किन পরে আমত্ব তাজিগানের অভীষ্ট্রাধন হই উহাকে কাটিয়াছি। স্বইন স্পেটর জিজাস্থ शकु छत कतिम " (काम कातन बाहे, खरव अहे পঠ্যস্ত বলিতে পারি আমি উচাকে যখনট দেখিতাম তখনই উহাকে কাটিয়া কেলিতে हेक्। इहेड । कला क्वांकारम (यथन आधारित्य বালীতে আসিয়াছিল, অমনি উহাকে কাটিয়া क्लिशाकि। छेरांत्र गास्त्रत व्यवस्थातानि व्यामात নিকটে মাছে (১ এই বলিয়া সমস্ত আনহান ক্রিয়া সৰ ইন্তেপ্ট্রের স্মীপে রাখিল श्रीत्व क्रम्म छत्र का बादक कुष्णमश्रद विष्ठातार्थ (श्रवन करत्न । प्राप्त श्रव विकारत कीन कहेवांव व्याच्छा एडे प्राटक

क्षेत्रात को कीमारत । श्राप्त दे दाखिए प्रमा (मृष्ठ मा। मारुगत मह्या अक वात सम्या क्हेरलहे वक् कान । श्रुतिव हेन एश्ले हेत्र कि कार्त्रन ? केंबिता এখন এ विषया यह कतिरदन किन ?

এ বার এখানে অভিকৃতিনিবন্ধন আমধানি এত অপরিক্ত হটবাছে, তাহা লেখা যার না প্রায় সমস্ত গঠই হর্গক্ষময় ফলে পরিপূর্ব। ত নেক ভাদ মহাশয় এ বিষয়ে উদাদীনা প্রকাশ कविराखर्डन। डाङ्क्षिर्धव वाजीर्ड याख्याख চুঘট। অভিএব জাম্বা স্কুলকৈ অন্তুবোধ कविहरूकि, कंकाता जा विधास धवनाम कर्डेम । জাপনার বশস্ত রোকামী ছুগাপুর २५ ९ थ्वर है। वर्ष **3:-**16-20

----:03----

বিশ্ববিদ্যালয়ের উপাধি ও পেনকলম। कर्शक वित्र कर्नेल के हैं वित्रहमन जिला है सब्हे ্বঙ্গাল এক্ষড়িন্ট কাষ, জেনারাল আফেদে কডক अ म शहरीत आवन क हसप्राट्ड मुनाविक हुई ग इ स्थारतन्त्रकावी स्थारतम्त करदन् । स्थारतम्त कातीर्षत् भर्षाः वश्वः विमालरमृत् श्रात्विका, अल e. e বিএ পরীকোষ্টার্কেই কেই ছিলেন। किञ्च भरी स्थालीन विलया (कहरे पान नाहे) গ্ৰুচেই প্রীক্তি হইয়াছিলেন, প্রশ্নগুলির গুট একটা নমুনা দেখিয়া পাঠকগণ বুকিয়া लच्ना १४०० शास्त्र कि कि श्रधान श्रधान খচনা ভাষার সংক্ষিপ্ত রচনা এবং লাটিন গ্রীক ও লমাণ শব্দ কতকও লির ডিকটেশন মাত্র ছিল। গ্ৰেব গৰা অং আণ্মাত্ৰ কড গুলি আবেদনকাৰী প্র পৃত্ চইতে দিনকতক বাহির হয়েন নাই? গ্ৰুৱ কডকণ্ডলি অপাৰ্যমাণে প্ৰশোৱৰ কৰিয়া निसः हिन्छ क्रेसार्हन। विश्वविष्यासरस्त छेलाचि রক্ষেত্র এই ফল। চিরকালটা পরীক্ষা দিয়া আবার लक्षे का ना कित्न कर्ण्यत कका निक्ति छ। श्राद्य भिक कि अप विश्वात की विश्वविद्यानगरिक न्यत्र शर्मक होत्य ३ द्याहर्ड कार्यहर्क स्वतान गारत कुछन ऋदिन स्हेधारङ, के आहेब जन्न यांग्री माम्रवास १ वीकार्यिशनरक च च ग्रह इहार ्रभावकाम महेवा माहेट्ड इहेटव । माहा एडिक আহ্লাদের বিষয় বলিতে হটবে যে হেড কাগচ कानी ७ (पाग्राक नहेंग्र) यहरक कहेरव ना।

२४ क का छो बर काम शवर्षामाने व्यादान 14.96 ) उउथर्स शकि ि कफक भ । बातिकाना

मञ्जानक महानग्रा छप्त कालाक कालाक वाल ? केंद्रम (बन कुषा, प्रशक्ति प्रवा काल लियन, ताड़ी धाड़'य जारबाह्मश्रङ्ख कर्ति लाहे कि खन्न इत् ? खन्न लाक ख दादका (यहें ब्राना घाय। धिंन नहायुप्य हिलेका नहास সঙ্গত বাবহার করেন। তিনিই ভার। সম্প্রতি এক জন ভদ্র লেছেকর আচার ব্যবহারের কথা সাপনাকে আবন করাই : ৯ ই কার্ছিক স্কগন্ধার্ত্ত পুরে:পল্পে আমাদিগের এই মহানগ্রীর মধের \* \* \* \* (कांग मुक्का ख \* \* \* \* \* म শন্তের বাসীতে বিদ্যাস্তব্দর সীতাভিনয় হয় 🕆 সাধারণভঃ যেপ্রকার গীভাভিনয়ের কথা श्वन कतियार्डम अवर (यत्रक्त , श्रीष्टास्टिन्य স্বচ্ছেদশন করিয়াছেন এ সেপ্রকার নাং : এই অভিনয়ে স্ত্রী ও পুরুষ উভয় আছে। কি প্রকার স্ত্রীলোক ভাষা বুনিজে পার্যাছেন -দকলেই (বল্যা) আমবা কৌতুহ্নাক্রান্ত হইয়। দশ্নেচ্ছায় প্ৰমন কবিয়াছিলাম, সিয়া,দ্থি, বাটী প্রায় ধেশন ও মান্ডালে পরিপ্রর্ণ। একে ৬ বিদ্যাক্তক্ষর, সক্ষর আদের্গ ঘটভেদ ভারতে আহার বেশালেল আভনেত্রী আভিনয়কার্য ৰত সভাৰূপে সম্প্ৰ হইয়াছে ভাগ বুঝিটে পারিয়াছেন। ভ'হাদগের আচরণ দেখিলে अवाक कहेत्छ क्या वित्नव्यः मार्डालिपिश्व জন্ত্ৰীল বাবেশুক্ত'রণ, নব্য বাবুদিপের উত্তেজনা জলে পদে পদে সভাতাবিনাশ, ছকু বাবুর (ছকুবাবু একটী সং) কুংসিভ ব্যবহার ও বেশ্বাগাণের সভিত একত্রে নৃত্য, সুন্দরের ধরা পঞ্চিবার কালে বেশ্যাব সহিত কুৎসিত ব্যবহার উপহাসজ্ঞাল রাণীর বীরসিংহের প্রতি নিন্দ-নীয় আচরণপ্রস্তৃতি এডদূৰ গৰিত হুইয়াছে যে, সেসকল আচরণ (দ্ধিয়া কোন ভদ্র লোক না দক্ষতিত হইয়াছেন ? মহাশ্র ! ক্সলে কের স্তা बन्ना कि श्रकारत व अध्यकात व वहात कतिरनम ভাষা বুঝিতে পারি না। বিশেষতঃ গৃহত্তের বার্টীতে গুরুত্ব কুলাকন দিগের সম্মুখে 🤇 আনেক কুলনারীনিমন্ত্রিত হইরা দুর্শনক্ষ্তে আলিখাছি

(मन) बेलकाव निमनीय चाह्य क ज्योत ৰাক;ঙলি কভয়ুৱ সঙ্গাড ও সভাতাপ্ৰকাশক महेबार्ड कारा बनारक पाति ना। वावुकी महा भव (र फेक्क ब्राभाव निक्र वांगेटक मन्भव करों। धनान करों केंगार भविद्वांका चना. हागद हेर्निन (कानशकांत्र मध्या (बाध कविरामन नः ভাৰা অভি আশ্চরের বিষয় ৷ উঁহোর যদি যাত্রা ৷ भिवात अछहे हेका हिल, अक प्रम (अमापारतत याजा विश्वा का छ तरिहलन ना (कन ? छार्। **एडेटन मकन निक तुक्कः भ**'हेड এবং ডিনি এড पृत् निक्तनीय इंटेरजन ना। अवरमस्य आवन कति माम, अक संम दृष्ट, शक्तांक मनी उविमाविका सुन हेक मन्ध्रमारवृत अधान। वृत्त वयरम अहे | সকল কি প্রকারে করিতেকেন, ভাষা বুঝা ভার याहा इंडेक, बाबुखी मछ, जात फेक (मानारन আংরেছেণ করিয়া বিলক্ষণ সভ্যতা ও ভদ্রতার পরিচয় প্রদান করিলেন। ধন্য বলবাসিগণ! एडामबा पिन पिन विलक्ष्य गांडा क्ट्रेटिक !!

**কলিকাডা** ক্সাচিৎ দর্শক্সা : निगडनाकी है

আসরা দেখিয়া অভিশয় বিশ্মিত ও ছঃখিত ছুইলাম যে, কভিপয় ভ্রাহ্ম খ্রীযুক্ত বাবু কেশব চক্র সন মহাশারকে ঈশ্বরপ্রেরিড মুক্তিদাতা আন করিয়া ভাষার চরদে প্রভিত ধইয়া ভাষার निक्रे भविद्यार्ग्य खना व्यार्थना करतन अवर (कड (कइ डेश्वांत छत्नध लि (लड्न है। हाइने विवास (य अकरन अहे जातज्यार्थ के इति इत्राध्ययानु जीक काहीत मू कि इहेरव नी. ि नि अक साम प्रेश्वत विषातः धीमकतः बार्टकात्र भाषा (कह (कह छैं। हारमत भटक कमन नातुरक '' নয়'ল প্রভূ শ ' পাপীর গতি শ প্রকৃতি শক্ষে मुख्यान कविया शारकता कथन कथन छोराङ्ग ৰাৰ্কে লটয়া কোন বিশেষসভীত করিতে করিতে রাজপথে প্রির্জন করেন अरक्षाण मनारक छ छ। इता अस्ति मः कृष्ठिक ভাষার আদোপাস্ত कवित्रा कि लग्नारकम स्व (चार्रामान करा अक्टिन हरेग्राट्स । (कनव वायुटन मध्यक्षीं कृतिया क्षेत्रदेव निक्रे क्षार्थना कता वारका: शत्रवात अक कामवस्त्र करा बहेत्रारहः चामता এक पिरंग এक छन खाना क अहे अप श्चार्यना कतिएक धारन कतिनाम, "(व् प्रश्नान-প্রকৃ : আমি অভ্যস্ত পাপী, ঈশ্বর আমার বাক্ত व्ययन कतिरास मा, काछ अर जाभाने जामातः ভন ডাহার নিকট প্রার্থনা করুন: "পরেতেও छाँशक निसिश (कह (कह अहे छा) व

विशिद्धः भ

(कमर राष्ट्रक এই सूप अवधः अधिकात् নিকট পরিক্রাণের জন্য প্রাথনঃ কল্প: উল্লেখ চরণ লেহন করা, জাঁহার নামে বিলেধ সঙ্গীত द्रव्या कित्र्या भारत भारत व्यवस्थ अभारत अवस्थ कवा बाक्तारर्भत मण्युर्ग विक्रम कार्वः। (यनकल जाका अहेन्राभ काठवन करता, खावता उँ।इक्ति দিগকৈ সভার ও আড়ি ছাবের অলুবোদে সালু मन्न वाटका कविटलाङ्क (व काँकाता एक न काइतन कतियां ज्याननारमत । अस्य नायुत्र अअस्य व भाष क के क रहा भागा का द्वा । याँ हात्र निक्रे आमता छेलकात मास कतिएकहि, छाँशास मध-वाक्तिक अधा काकि कहा चरमाहे कर्त्वरः . কিন্তু ভাছাকে '' পরিব্রাভা ৯ '' ঈশ্বরাবভাব ১ বলা অপৰা নীচভ'ৰে ভাঁচার চরগ্লেহন কর: नेषत अवर महरूरत कारमानना विभिन्न कामहित्व বিশ্বাস হইতেছে ৷

ব্ৰাহ্ম ধৰ্ম কেবল একমাত্ৰ অভিতীয় প্ৰিক্ত পর্মেশ্বরকে মুক্তিদাতা বলিয়া की का ह करवन । मञ्चरवात छेलानन। कता बक्क धार्माव সম্পূর্ণ অনমুমোদিত কার্য। যে ব্যক্তি অনন্ত-ग कि रहेश। छक्कित महिक (मई मक प्रजान, नताप অক্সপ, মদলঅক্সপ, পবিত্র করুনাময় স্বাস্থিত गण्डि । व्याध्यप्त भन्नरमभातन भन्न । भहेर्यम প্ৰং ভাষার নিক্ট ফ্রেন্সন ও প্রাপনা ক্রিবেন, জিনি তাঁহাকৈ মুক্তিদান করিবেন। প্রভেকে মন্ত্রবার ছবয়ে তিনি উহিংকে লাভ কবিত'ব ইন্ডা নিক্তি করিয়া বাথিয়াছেন। কোন মপুণ व। পুস্তককে ভিনি ঈশ্ব। ও মুক্তিলাভের জন। निरम्भाग कर्टन नाहै।

উপদংখারকালে কেশ্য বাবুধ নিক্ট আমা . एवं निरंतरन : य केन्द्र त्राकाल । केन्द्रा व । त्रश्नरक ्यसान काहत्र कतिराष्ट्रहम, काहा चिम है। हार ণছিভি বলিয়া বোধ হয়, ভাষা ভটালে ঐ ত্রোভ বন্ধ করিবার কোন উপায় ভাবলধন क्रिटियम र मञ्जूषा जाभावर्गय अञ्चल विश्वास ক্ষজিৰে যে, ভিনি উক্ত কাৰ্য্য অসুযোগন करदम् ।

**अ**१श्विश्रम् क्रियहराथ हक्त्रको ५ को चिक ७ को चिक क्रिविक्यत्रक्ष (गामानी **जिमोनकथन (हर** 

काशनात ३५ व कालावावम দোষপ্রকাশে ভূবণানিবাসী এক ব্যক্তির প্রেরিড পরের শেষ ভাগ পাঠ করিয়া যার পর নাই আক্র্যান্তিত হুইলান। পত্রপ্রেক মহালয় কাপা

্বাকেন 🕆 আপেনার দ্রাল পিডাকে এই কথা বিষয়েও ভাষার নিক্ষতী 👀 । ১২ খানি প্রার্থে । এक्षी ও विकासिय ना थाकाएक ख्रेथाकांत्र ख्राप्त (लाइकड छ छेकीन, (म स्काइ, फालुकशांत्र न क्षां छनात महान्युगर्गत मक्षामगर्गत विन्हां भि कात भिमात अवर्गाम है इटेट अकरी विद्यालय श्रांके केल कहेतात काला कांत्रकरक्ता 🛥 **कें**हित কেমন আলা বলিতে পারি না। যে আম এক ভঞ্জ लाएक पतिथुने । बाहात जाधिकायम, संबीधात (काउभाव, (माळाव च डेकीन, उधाकांव बानक গণের বিদ্যাশিকাষ ভাষনা কি ৮ কেখার ভাবে ट्यांच क्ट्रेटफ हा शहाया निर्दास महक्त, फट्ट (कुन র্তাহারা সকলে এক ব্রিড হইয়া যন্ত্র, পরিজ্ঞান महकारत होना निया अक्छी विन्तानम् जालम करवन मा ? भवर्षभएन्डेत निक्टडे माहाया अहर वत व्यावन(क्ष्ण) कि? .य कृत्त श्रक्षांत्रन ब्रह्म कृतिहान विन्तासक्ष **क्षेट्र** भारत, रम **खुरम विमा**सम् मन्यः भन करा भवनंत्रत्यते छ दक्षना नद्य ।

역되다범권투 लिचिग्राटइन, লোযার আসামে আসক্তর মুক্তি কন্তমাতে নষ্টান व मेरे भागायकन अक धकात की एक विमेरे के त ्डट्डं। यम क्रुवकश्व खंडा हुन थाना शाद्धत Belg एकाहेश्वः (भग्नः उप्तः इटेस्स कानाब्रगः म की वेगकन अहे इवेगा अध्यक शास तका इवेटक भारत । स धारमामा क्षकशन ब्रह्मन कृतिसा क्षारम क्षारम भागक बना तका कविशाहक, काव षयम धामक्षिम करा इहेट्य, छायम धारमानु भाष गरम् का काछित्र (करल भीव काहिता ग्रहेश खर्ग नष्टे अन्त यजिलाता **ख**ान्छश निहल की वेत्रकत अक कार्य विश्वेष्ट्र विश्वेष्ट्र भर जन्मर भी दर्जन के प्रशास्तित काल काल का व्यान्तिहत स्था।

य में ६६६ ने जन्दित अमाक, अभाक हा नवाभी अक अन का गुन्न है जिमान विश अन भीत महित्र वर्तात कोवस्र। **ब**ाक्षम प्रमान काष्ट्रप्र लग्रनमन्द्रल अविश्वति काव के मुत्रहरू ।

সংখ্যাতি প্ৰাপুত্ৰ 🕼 আন মা এক বা 🚳 🛊 वाधीर उन्हार हो । इन्हार क्षा विश्व का वाधिक हो । वाधिक हो । बाइट क ब्रा वाजित्वारम अवस्थान बाजितक वज्ञभूक्तक लहेच्, य य ंकि थि व लहेश , अस 'ज!रात कि हे कार्युनक्षांश श' <u>क्या या</u>त् बाहे । পরে ব্যাকপুরের সব ইনশ্রেপ্টির 🖼 ্রাক্ত र्ड (म रुट्रां) भाषत्य (प्रश्चिक्यमान हेम्ट्राञ्चेत श्चीमक्र ्रियम् अस्ति वस्र यह १८ भी तुआग्रवक्राहर 四部五部(出於) (बोक्टिक रुद्धांक करिया के राम "ब्रांभारी के সুক্ত করিয়া চালান দিয়াছেন - বিচার এগধ, শ हर् बाहे : मुल्ल'हरू मह'ब्रु : अर्बक फु|काहे -ভিরক্ষা ভাষা কাছে৷ বিভ্রবী লই্যার নি মন্ত্ৰ ডাকাইভির কথা এই প্রশ্ন শুনিলাম । বিভিন্ন সপ্তাৰেণ মধ্যে একটি বালক সপ্তিহ স্কান্ত্ৰ স্থাৰেণ মধ্যে একটি বালক সপ্তিহ

বং এ অটে≀বা জীঃ

38 45 A14

-----

এড দিনের পর কাশীণাতে প্রসিদ্ধ কাশি क्ष्मनदी औरक यात्र कलवण्डा तम श्रकानः कृष्ण आध्यम क्रिशाहित्सम । हेर्लि पूर्वी स्थाति ভুছ এক বাব ডিনি এখনে আসিয়াছিলেন বটে (कृष्ट यावस्ति । भूष्यधारतित (कान **मर्**शिवनी नः (म. राष्ट्र) हैनवाटनाव गर्किंड श्रञ्जान करतन। व भागन का भी वागी मिरशत विश्व धर्म एकि क्ष अ क किया जिन कविश जिल्लाम (य, काणीएड সাক্ষাণ্ম অক্ষু বিভ গ্রহণার আনেক বিলয় আছে। . इ. श्राह्मात्व एक क्षित्र का का का कहेगा कि प्त । शक्त प्रभावतीय किङ्क पिन भारत । कर्युक छान এক্স এখালে ট্রপস্থিত হন এবং এখানকার श्रीमञ्जाली हिक्लिनक बीगुक्त नार्वे रहाकनाथ रेशब डीहारमूत्र काछ।र्थना कर्यनः উপঞ্ছ নান্ধাণ লোকনাপ নৈত্র প্রভৃতি কয়েক ताकिष्याता तथारमाञ्चिक्षेत्रेया काशास्त्र मन्त्रा श्कटक अधारम जामसम कतियात अधिकारध क्षांत्रियम कर्त्रम् । २५ अ व्यक्ति मक्स्यवाद 📷 ्यन्तर शंतु निमाप्तम् सहस्र। अधात्म छिपविष्ठ क्षेत्र अवर क्षेत्र कियम क्षेत्र कि कित्रिका भारतिका यां कि कार्रकेत्र ममय अधानकात सम्बाम विद्यालय পুরে পৌড়লিক ও বিশুদ্ধ হিল্ডখনের বিষয়ে **इं-ब्राब्हीट** अकर्ने बच्छ छ। करतम । व्यदनक हेडे স্থানতে তথার গমন করিয়াছেলেন। বস্ত্রুতাটী त्य छेरकुर्छ । विशुष्त इन्ताकीटण वर्षशक्ति ্বাধ হয়, অনেক ইউবোণীয় তাহা স্বীকার করি ्रिया हिमग्रहात्रकारम (क्या बाबू बिलिस्स्य) किलुध्रान्ध्र त्यावन कांडककाल त्याय अ क्षांस कार्यक्र. জামহা দেইল্লপ উহাতে সভা ও পবিত্র ভাব ট্লিলাতে পাই। এতএব 'ধ্যুপ্মেব অপকৃষ্ট ভাগ বাদ দিয়া, উৎকৃত্ব আংশ প্রাক্তা করিলো 'রভাল্প ও প্রিক্র সংল্প ( :বার হয়, রাজ্যসংল্প ) লাভ ছইলে। যে দিবস ভারতভামর সামার প্ৰিয় দ্ৰ্ম বিস্থাবিত ১্টবে, মেই প্ৰিস ক্ষাৰা উন্নজিংসাপানে পদাপ্ৰী কয়িব স জ্ঞানের বাহি দল স্টিকার সময় সঞ্জা ভিঞ্ন হয় : ল্যান্ন (১৬ কিক) প্রাভঃকালে লোকনাথ বিষ্মা মহালয়ের বাজীকে কেলব বাবু শ্বংগবিষ্ স্টিজ্ঞাল দাক"তন করিয়া অপরার ডিনটার

मयग्न अथान क्षेट्रक स्थानां स्था अथन स्थिति।

(मछत्रानी উপनक्ष अंधारन अक्रश्लकात अभिष्ठकत आस्मान सहेता चाटक । अव्यक्त नीत्र मिट्डात घट्डा कि बनी, कि निर्देन, कि चालक, कि तृक भागाशृक्षात शृक्षिम क्रांक स्रेटिक ঞ্চনগেড ভিন রাত্রৈ জ্বল খেলিয়া ঞে বা সক্ষরান্ত হন, কেই বা প্রচুর অর্থলাভ करत्वा । (मर्गत अहे महर व्यवर्थ निद'तन मा अ केरे द्धेष्माम अथानकात त्राहरूत अन्त वरत्र स्थायन। क'त्रश्चा किशाहित्यन या, काम बाल्कि मिन्द्राभीत्य स्वत्रा शिलाख প্রের না। তথাচ গুপু (খলার ঘারা যে কত ्लात्कृत मर्यामा इरेशाहिल, 'डाई। आ'यता নিশেষ অবগত আছি। গভ বংশর ভ জ্বা (थिलिएक भाहेरव मा विलया किछ किछ व'हराज्यह इत्रेम्नाडिल, अवात छाशत किছुहे ल्डीमाए পাইলাম মা अनुग्राद्यका एवं अट्रमर्थे श्रीमध्यक मर्फामार्भाव এक क्षयामाँ कात्रण . (वाथ इत मकल বাল্পপুরুষ ডাড়া অবগত মচেন: যদি ভাই'রা इंडे छ।विद्या काश्व इहेद्रा थाटकम (य. खुद्रा (चना) नेवादन कविटङ (भटन भएधव विषद्धः इन्डरक्रम कता इत्र, फाइर इडेर्ज़ फाँझारण्य मन्धुर्ग क्रम इडे सार्क । तासक्त सम्बद्ध मानि देवन, अनुवा ্থলার স্বভিত শর্ম্মের কোন সংভ্রেষ নাই। দুভে श्रांडिणात्म क्वीष्ट्रा कांद्रदव मारख बई माद्र मारक. किन्न गर्नापाय कविष्ठा स्ववारभना (थनिति. এরপ বিধি নাই। রাজা যুদিষ্ঠির নির্বাদ্ধিত। করিবাপণ াথিয়া ক্রীড়া করিয়াছিলেন, এই ্নামত উছেরে অভান্তে ছরবস্থা হর্যাছিল। चल अने काम्राट्यमा सामारक अटमण *म्हेट*ल अक वादत ज्ञानतीज इम्र. मनम् अवनं स्वर्णते विकार है व्यासारमञ्जाहा का का का धार्यभी छ।

১৯ এ অক্টোবর ১৮৬৮: শ্রীবর্নাপ ভট্টাচার্য্য বারান্দী

### मूनाव्याखि।

• स्पारमध्यकाल बाज भारतालूब

নোম প্রকাশসংক্রাস্থ

विटलंड नियम।

\* 30

विश्व भूता ७ जोक्साञ्चल का भावेदन करू-परन त्यामध्यमान (थावन करा वाव ना)

ইবার অপ্রিম মূলাআর্থিক ১০ টাকা এবং বাণালিক ৫॥০ টাকা মফখলে ভাকমান্ত্রী সমেত বাধিক ১৩, বাণালিক ৭ এবং জ্রৈমানিক ৩৬০। তিন মাসের স্থানে অপ্রিম মূলা এতণ করা যার না। ছণ্ডি, বরাভি চিটি, মানিক অভার, নোট ও স্থানল টিকিট, ইবার অন্তর্ভর বাহাতে যাভার স্থাবিধা হর, ভিনি নেই উপাস্থ দ্বারা মূলা প্রেরণ করিবেন।

वाहाता ही म्लाहिकिक लाहिहरवन, क्रिक्शवा स्वन এक अध्या आध्य आनात अधिक भूरतात अतिराम हिकिक स्थान स्वासी करता

यथन विनि यक्षणण हहेएक त्यांमधकार नन मूना शांक्रोहेरचन, खाश (यन द्विक्क्षेद्रि कृतिहा श्री मुक्त बातकानाच विष्ठाकृष्ट्यहा नारम शांक्री-हेन्ना (एस ।

মুলা দিবার সময় অভীত হই ছা
আসিবে, এক মাসপুর্দে তাহাদিগকে চিট্ট
লিখিয়া জানান বাইবে, কাল অভীত হইছা
গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাষার পর
একমাসকাল প্রভীক্ষা কবিয়া কাগজ বন্ধ করা
ঘাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং পাঠান
ইইবে।

মাত্রণ রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেশনের ডাঞ্ বরে চিঠি আইলে আমরা দাত্র পাইব।

ব হোরা সাজ্জন না দিয়া প্রাদি প্রেরণ করি বেন, ভাহাদিপ্রের সেই প্রাদি এহন করা ঘাইবে না।

কের সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইছা।
চরিলে জাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংজি ।
জানা ভারার পর />
ভানা দিতে বইবে।
াবনি আধিক কাল বিজ্ঞাপন দিয়ার ইছা করিবেন, ভারার সহিত প্রত্তে বিশোর ইছা করি-

এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পুর্বা মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চালভিপোভার জীয়ুক্ত খারকানাথ বিদ্যা-ভূষণের বালতে প্রভিগোমবার প্রাক্তকালে হয়।

# সোমপ্রকাশ

33 中 事計1

न्द्रभग ।

# प्रवस्तां प्रक्रातिश्वतायं पार्थिवः संरखतो श्रुतिमस्ती न श्रीयतां

মাসিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বাৰিক ১০ দশ ১ অঞ্জি যাণ্যাসিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা ।

मन ১২৭৫। २ हा अध्यक्षिय ১৮७৮। ३७ हे मर्द्यक्ष

मक्त्रात माञ्चलमाम् अधिम व विक १०

# বিজ্ঞাপন।

সাধারণকে আছাত করা ঘাইতেছে বে, সংস্কৃত মলেবিকামিমিত্র নাটক প্রাস্থ প্রাকৃত ভাষায় **ীকাসম্বলিত বঙ্গাক্ষতে কলিকান্ত। প্রাকৃত্যন্তে** মুদ্রিত আরম্ভ করিয়াছি, বোধ **হয় মূল্য** ১৪০ निर्कातिष क्षेट्र । व्यक्त व हेश्टल व्यात (क्र হস্তাপণি করিবেন মং।

পাথুবিয়া খাটা -> এ কাৰ্ট্ডিক বিশিক্ষানন মুখোপাধ্যায় জব্দ ১০৭৫

# বাল্নীকি রামায়ণ।

टाटिंक पंछ ৮ · श्रृष्ठी यूना ( नग्रन) ॥ · এই পুস্তক প্রথম অবধি ছিডীয় স্গণই।স্ত দিটীয় সংখ্যা নাগরাক্ষরে রামান্তকের টীকা ও विज्ञाता अञ्चलकार महा काला अलाभ यह युक्तिक रुवेक्षा विकासक रुवेटकर्छ । वेश्टक मारहर चंत्र कीर्य अनारमास्त्री करहेत मिकाक ऋमविरमास উদ্ভকরা ইইভেচে ওইহা প্রতিমাদে ১০ করমা অবাং৮ পুঠা করিয়া মুদ্রিত ও এচা রিভ হইবে: মূল(॥ - জানা ৷ বাঁছারা আহেক (अविक्रिक कटेएक bicea, डांकांवा कामाव नाएम কলিকাতা ত্রাক্ষ সমাজে পত্র লিখিবেন। বিদে भीत्र बाह्कन्तिगदक 🏸 এक छान। । हाकमा सङ् मिश्ड स्हेरव।

**बाखवृ**खि প्रवीकाचित्रदेश शास्त्रे। भाषाती শুভঙ্গরমূলক মানসাক্ষ মুন্দ্রত হুই,ভেছে। হাবড়া **भिनात क नम्याद्य (५९%) है मराभावत जीवका** र्णा के नाथ बहुतक कर्ता निकास स्वान एवं विकास

এক পত্রসহ ঐ পুস্তকের পাশুলিপি প্রেরণ ৮ পৃষ্ঠা ( অগ্রিম মূল্য )॥ । কবাতে ভিনি এই উত্তর দেন, '' এক্সণ একথানি এত্বের বিলক্ষণ অসম্ভাব ছিল, জাপনি ভাষা प्रकिशास्त्र । প্রভেক বাজাল। ऋ লে ছাত্র इंखित (अनित क कथाई माई, काताना के শ্রেণিয়লিতেও ঐ এছ শিক্ষিত ২৪, ইহা আমার আছরিক ইছো। ছগলি মন্দ্র্যাল ক লের रवाशाबत व्यक्षक जीयुक वाबू उचारमाहम মলিক মহাশয়কে অহাপনার মানস'য়া আহি प्रिचिट्ड मि. डि.बि. विचिद्वार्ट्डन य कालीक्षत्रज्ञ ব'বুর মানলাক্ষের অনিকাংশ দেখিয়াছি এরণ मुख्यकर्ष्ट करिएखिक ्य वाष्ट्रकार्यत हिर्द्यमा সকল হইয়াছে : ফলভঃ বাদালা ক্লসমূহের भरक वाष्यानि वक् कार्शित क्रेग्नाइ ज्वर **অক্ত বিশংগর একটা অভা**ত পুৰণ করিয়াছে। »

জীকালীপ্রসর গরেশপাধার।

ठेमठे मिन्ना मध्यकृष्ट शुणकानाम । शाहीन कामात बाक् रवी जामात काम्मानित (माकारक মংপ্রণীত ও মংপ্রচারিত নিয়লিখিত পুস্তক গুল বিক্রম ইইডেছে:---

| প্রণীত             | মূল্য  |              |
|--------------------|--------|--------------|
| <b>ত্রীসইভিহাস</b> | 3      | <b>है।का</b> |
| (রামই ভিহাস        | ٤      | ক্র          |
| ভূষণদার ব্যাক্ষরণ  | 1.     | জানা         |
| নীভিসার (১ ম ভাগ)  | ٠. ن   | \$           |
| নীজিদার (২ য় ভাগ) | j.     | šr           |
| শ্বচারিক।          |        |              |
| भूषाचाच द्यास्त्रन | h •    | <u>چ</u>     |
| <u>্রী</u> দারক    | ানাৰ × | শা           |

অসুবাদ ও টীকা সমেত প্রতৌক মুগু

াষিনি এইণাভিলাৰী ইইবেন ভিনি মুজাপুর कामध्यष्टिकीते ७८।३ नः उत्तर काराधकान् शृक्ष ज्ञान्य कलिकाए। मश्य- ७ विम्यानस्य ত্রীযুক্ত জগলোচন ভর্কালক্ষাবের নামে বড খণ্ডের ইচ্ছা জাগ্রম মূলা পাঠাইণ্ডম। জাগ্রিম মা পাইলে বিদেশে বিষ্ণপুরাণ পাঠাইবার নিয়ম নাই ই ডি।

বিক্রমাথ।

শব্দকরজন অভিধান। সর রাজা রাধ্-কান্ত দেব বাহাছরের কুত। উত্তমকণে সেলি: দিয়া মতন ৰীধান, মুলা ১৫০ টাকা;

जी जानमहस्तरका खवाशीम ।

বিক্যার্থ।

গারভেন রীচ ২৪ নং বাটা ওলামসক

३५ नश्काष्ट्रा बालान ।

উপরি উক্ত বাগান ও বাচী যাঁথারা ক্ষ ক্রিন্ডে অথবা লইতে ইচ্ছ। ব तिष्ठ व्यक्तिन निक्**ष्टे कानाह**रवन !

> शिरलक्षां क्रम् वास्त्रा থনট এবং সোণ

विविध खवार्गिम विकासर्थ

প্রস্তুত 🖟

টণরাজনী ব'ললা পুজাক কাগলে কল্ম নানা ् विष अवसमि পछिष्ठः गया । ६व० श्रृष्टकः निरुष्ट ৴৽ এক আনাৰ ভিসাবে কলিসন দি, আহিক होकांत्र शुष्टक महोता 🔑 व्यासात विभारत भारे (यन।

विष्यास्त्र माहेक कृष्णकृषाती नाहेक প্ৰাবতী নাট্ৰ

| A 2-A CANADA AND A |                        |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------|
| শ্ৰিণি নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |                        |
| নবীৰভপশিনী নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |                        |
| চন্দ্ৰিলাস নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |                        |
| রামাভিঃৰক নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |                        |
| पत्रकथन गाँउक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | ŀ                      |
| कानकी नाष्ट्रक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |                        |
| প্রেমাধিনী নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | <b>!!</b> •            |
| ইপুপ্ৰভা নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | <i>,</i> , ·           |
| ननप्रश्रुकी नाउक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |                        |
| <b>अःश्वित्रहमः ना</b> ठक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |                        |
| कीठक वंश माठेक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 | <b>.</b>               |
| অৰ্ণুগুল মাটক ,                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | ٠. ا                   |
| বেশাসজ্ঞিনিবর্ত্ত চন্ট্রেক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | ŕ                      |
| कलिएकोजुक माक्छ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | h o                    |
| লীলাবডি নাড:                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   | <u>.</u> H             |
| কুলুমকুমারী নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | • "                    |
| ्कीवर्ववरागा माहेक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | ,                      |
| শিবধিবাহ নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | . لره!                 |
| राषक मधार्थि बाँहेक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | 3                      |
| मभनी नावेक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | :                      |
| পুনবিবাহ নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | <b>y</b> .             |
| द्रमणी नाउँक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   | /-                     |
| প্রেমকরা বিষমনায় নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         | l! •                   |
| औतरम तामात छेलायतम मन                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          | in p                   |
| नवनाउँक वस्तिवाक निरम्                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         | :                      |
| कान्यवी माजक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   | :                      |
| मुकानली नाउक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   | μ.                     |
| नवत्रभनी नाउक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | {*•                    |
| <b>अहां मा</b> के क                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | <b>‡</b> 1 •           |
| कार्रायहरूत निष्यं भावेत                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       | :                      |
| कार्यम्ब माहिक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 | 31+                    |
| बक्रवादशत नाहेक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | l .,/ *                |
| वांसाविवाह माउक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | l. <b>,</b>            |
| বালোছাই নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   | · 4/ *                 |
| বিধবা পরিশয়েন্দ্র নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        | ;                      |
| বিশ্বামনোবঞ্জন নটেক<br>উৰ্জনী নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | N >                    |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | 7                      |
| এরাই আবি'ব বড়ুলোক নাটক<br>কিছু কিছু বুঝি নাটক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 | lq •                   |
| ारकू रककू वुन्त्र माण्या<br>रिक्कम नाष्ट्रिक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   | 11.2                   |
| ক্রিকাল্ডা কোন্দ্র                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | •                      |
| į,                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | ) <u>এ ভাপচজন রায়</u> |
| र्जाऽकः ७३ सः ्री                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              | माम 'बाइक्डा ।         |

নি মাসিত্তের বিলাপ শ<sup>ী</sup>র মুদ্রিত ভইয়। **প্রকা** 

लि १ वहात मृत्रा जाक्य कार्योच श्राप्ति॥ • अवर

বিনামাক্র কারীর প্রতি দ বার আনা যদি ইতি মণ্ডেক হ স্বাক্ষর করিতে চাইেন, সোম खकाम महासरम नाम ७ ठिकान। निध्या भारे। 31741 524R 25 4: 44 . 000.

এ দেখার সার্ম সাধারণকে জ্ঞাত বরা যাই ক্ষেত্ৰ মু মিয় লিখিত অবয়ৰ বিশিষ্ট আমাৰ া'বলু প্রায়ক্ত লিবিশচন্দ্র মুর্বোপাধায় ीया पा बहेरान जिल्हामा बहेशाएक ংয∵ন कार्या आवस्य कशिया विना क्रांटिंग ामारः मःवाम मिट्ड शावित्वन, आमि छाहात्क ু ৫ টাড়া। প্রস্কার দিতে নশ্মত আছি। আর र्वत :श्राह्यक्षित्र क्रिमानी विश्वा कामात निक**र** ে ক্ষাড্যোলিতে পারেন, ভাছাই**ইলে সমুদায়** ाट्या राष ७ श्वयात ६० ठाका शाहरवन।

व्यवप्रवामि यथा।

নাম গিরিশচন্দ্র মুখোপাধ্যায়, পিতার নাম व्यवहत्त्व पूर्वाशायायः मार्किन हाल्कि छान्। ্জনা ঘ্ৰোহর, হাল সাকিন কটক স্থল, জেলা াকব্গঞ্জ, বয়স ১৮ ৷ ১৯ বংসর, উত্তম শ্যাম-त्त क्रम नवीत, भूरभ में फि शीरभन्न (इथा इह साहि, किंकिर फेक मंद्र, माथाय चाँ हुल, ध्य न १ भी ८६ । ११ कि हुई उ अक हरकत कुकरक । এক ও দ'কণ 🖅ও বা ভূতে এক অস্তাঘাতের এবং করপ্রায় জীকার দাগ আছে। পিছের চুল ক্রমণঃ এইবার উপব লগা ১ইয়া লামিয়াছে करातकी छ वाक्या कारम, (सारमव महिक मथा कृष्टि जीक्षका श्रकान शाहा ना ।

ষ্টেঃম হামালপুর **बी.भारतांक्डक तांत्र** ! েললা ময়মন্দিইছ P & MC444 भव हैनए शहेत।

## নদিয়ার নদী।

मर्क अन्यान नार्मत अ ला नर्वयंत्र मान इहेरछ १ हे नरत्रवंत भवास काशीवधी ननीत দর্শকমতি জালের সাপ্তাহিক ब्रिट्पांडे ।

नर्ककमाँ जन च्चारनः कुट्ट हैं। क महानात উপর পঞ্চানদীতে ₹• মহানায় ¢ ख्या स्ट्रेंख क ज़िश्र ১ । भारेल मध्य

कानिश्व स्ट्रेटिं वस्त्रमश्र ३७ माईटलत मर्सा २ বহরমপুর হইতে কার্টোরা e माहेरलय मरध कारिया हरेएड नहीया ८७ माहेल मर्धर

नम ১৮৬৮ সালের ১০ই নবেশ্রে বছর্মপ্র গজহাটের জালের মাপ।

कुढ़े हें कि গঞ্চাটের উপর 10 শ্রীঘুজ্ঞ সি ই. উইক একজিকি **উ**টিব ইঞ্জিনিয়ুর ১রম পুর ऽ°े**डे** नेंद्रवस्य 1 484 1 ) বছরমপুর ভিবিজ্ঞান।

#### मः क (अधम् क L

মলিনাথকত সঞ্চীবনীনামক উৎকৃষ্ট টীকং এবং উইলদন সাহেবেরকুত ইংরাজী পদাালু-বাদ এবং নোট ( চীকা ) সমেত মুদ্রিত ১৪-য়াছে। মূলা ১॥ টাকা কলিকাত। সকল লাইৰে রিতে পাওয়া যায়।

#### সোমপ্রকাশ।

२वा व्यवस्थित (गायवास । ইউরোপীয় দৈনিক বাবিক এ निभारी कृषीत्।

र्य रय काहरन मह सम करहन श्रिक ष्ठीनाटक व्यममर्थ इहेटलन, व्यक्तान टेमनिक व श दक्षि कता जाकात आधान। टेमनिक দিগের নিকটে ভাঁহার প্রশংসালাভের व्यक्षिकं उत्र हेल्हानिवञ्चन महकाही हाज्य इहेट >> क्लिंगि ग्रेका वास कता इहेल। পুর্বতন বারিকওলি অস্বাস্থানর নহে। त्रीयत मध्या बहे नाज (जनहाडेनि मृत চারল্ম নেপিয়রের প্রতিবাদ অব্যাহ করিয়া ছানে ছানে উপরের ঘরগুলি বড় অধিক উচ্চ করান নাই। স্থানের य प्लाप्त प्रविद्या इत, त्रिती अक्टू कथा নয়। প্রকৃত কথা এই, প্রত্যেক শিবি-त्र क क क क क इंग्रेस का क क क क क क क क क मत क्रम लटतरकात कामका এই, পাছে मकन लाटक विष्माही इरेश रेडेटनाशी-यमिटशत्र मित्रटम्हतन क्टबन। अहे निमित्न এতদেশীর দৈনাদিগকে নিরুষ্ট অক্ত.

निकृषे रहा ও निकृषे मिका (१७॥ इक्टिक् । देश्याकीय कर्जुभक कांकार বা**ৰুটেক ভূৱোদৰ্শনসমূ**ত্যিত বোধ কৰিয়া (दश्वाका जूना खान करतन; किंदु ष्यामता न्थ्राको करत এই ष्यञ्चलात बावकाः রের প্রতিবাদ ফরিতেছি। কোন শাসন कर्त्वा ध्वकामाज्ञाल लाकतक वड व्यवि-चान कतिया भागन करतन नाहै। मह खन लातम इहेटक काञ्चित व्यात अ इन्ति হইল। বাবভীয় ভারতবর্গীয় কি শুপ্ত विष्याही १ এक लक मिशाही विष्याही इश : किन्दु जाशांनिर्गत ममनार्थ महत्त সহস্র ভারতবর্ষীয় অক্সধারণ ক্রিয়া-हित्नम। काशांपरभव माश्राया পঞ্চাব রকাপায় ? কাহারা দিলী জার করিয়া দেয় ? ইহাতেও এত অবিশাস প্রকাশ প্রকৃত রাজনীতিজ্ঞোচিত কার্যা নহে। करतक वर्मत्रशांत हेर्द्राष्ट्रका प्रिथिए भाहेर्यन, भव जन सरवर्ष्म्य व वाकनीिक ইট ফল বিধায়িনী নয়। কত অৰ্থ অনৰ্থ वाशिक इडेल। अक्लाकात रेमिनिक वाश विद्वादकत मगरमत वाद्यत खाम जुना इस्तर्ह । (लाइ मार्ट्र क धकाउत रहारी করিয়া যাহা কমাইয়াছিলেন, তাহার वक्छन दक्षि इहेशाइ। এই काहरन লোক্ষে এত করভার বছন করিতে হইছেছে। এভ টাকাত গেল; কিন্তু मकल रेमानात श्रीक कि ममान विदय हन। कहा इन्टिएट १ अञ्चलनीय रिनना গণের আদ্র জুদু কুটার কি ঘুচিয়াছে? इंख्रेजाशीय रेमनाभग य ज्यान इंट्रेज মনোনীত হয়, ভাষার। জকাবভিছুরে ভার ভৰুৰের বারিকের ন্যায় বাটাতে থাকে ना : किन्नु स्य एक्कां इन्हें एक मिला ही दा আইদে, ভাষারা গ্রণ্নেটের পর্বৃটীর करशका উख्य शृहह वाम करत। त्यारक यानि अक्षा मान करतन, या भवर्गामक मान क्तिरत गर्ख गर्ख मिणीश रेगनिक शांन

विनया काशिम्शित वामहान अशिष्णात विनया के माना विविध के स्टेट्ट १ क्षण का काश्मिक वास्त्र विविध के स्टेट १ क्षण का काश्मिक विनय विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विष्टा का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विविध का विध का विविध का विध का विविध का विविध का विविध का विविध का विध 
--- 200

ভারতবর্ষর সংক্রেন আইন। ভারতবর্ষের আইনসংক্রাম্ম ক্মিসন त्रशनं बाड्डीब निकट्डे अर (कट्कांत नाकः) विषयक आहेरनत स्व भाशुत्मका अमान कतिशारहर, डाहा ও कशिमनहिम्दर्भत মত গেজেটে প্রকাশিত इहेशाছে। কমি দনরদিমের এ বিষয়ে যে দময় অভিবা हिछ इहेग्राट्ड, छिद्द्रगत विद्वहरा कतिल ভাঁহাদিগের পাঞ্লেথের প্রশংসা कहा याह ना। जाकत लिल उनेन श्रिव কে বিশ্বের এক আক্তঃ প্রচার করিবার সময়ে আংকেপ করিয় ছিলেন, ভারত বর্ষের নিয়তর আদাল চন্মুচে আনেক অপ্রাদ্ধিক দাক্ষ্য ও দল্পে প্রমাণ্রদেপ গৃহীত হয়। কিন্তু প্রস্তান্ত পাঞ্লেখ্যে আইন কমিদনরগণদ্বারা ঐবিষয়ের অংশ মাত্র উৎকর্ষ দাধিত দুট হইল। ডাক্তর शिभिक्षेरेलंत महाञ्चमात्त छै। हात (क्यूक निथ लघु कतिवात (ठ छ। প दिशाद्वा, ७३ भाव। वशर्यात्र (यमकः। माकः ও मनीन প্রমাণ বলিয়া গুলীত **হইত <sup>গ</sup>উলো**রা তাহার অধিকাংশ পারভাগে করিয়াছেন

वटि ; किन्न उदगतिवदर्ख ध्यमानश्चरत्व विद्यात निवस कन्ना स्त्र नारे ।

डेलिथिड शांखुरमस्थात कथम शाहार ज जारह, जानाम ज मारक रम्ख ब्रामी ७ क्लिमारि डेखब्रिय विচার लब्ब व्यर्गाट व्यादेन व्यवता व्यशी व्यक्त थी त नचाँ छ क्राट्य यी शांति (शतः नामाः व्यक्तः कतिवात अधिकात आट्ड, डांश्विगटक त्वारेट्य १ (क्ल्रेजनाति व्यारेटनत ১৪६ शहर चूमारत अकरन श्रुतिय कथाठातीमिर्जात उ विटलंश धरेनात .अजूनकानाथ जाका গ্রহণ করিবার ক্ষমতা আছে, উাহারাও चारांगठ गटक चिंडिंड इड्रेंवन कि ना, विरमात कतिशा (लर्था डेडिड हिल्। रक्षेत्रमाति आहेन अञ्चरादत श्रीतरुत्र রিপোর্ট সাক্ষাবলিয়া পরিগণিত হয় না, এটাও স্পাঠ্য করিয়া বলিয়া দেওয়া উচিত ছিল ভবিষাতে গেলেঘোগ ইই . বার সম্ভাবনা।

रथन (व विषय लहेशा मककना छेप-স্থিত হয়, যদ্বারা ভাষার প্রমাণ ছইবার मञ्जाबना शास्त्र, स्म मञ्जूषात्र ध्वकात माकः, इहेट वहरव, किन्द्र विচারপতিগণ गाका नहेत्नहे जाहा अभाग विनया भगः कतिरवन मा। এक वाक्ति ए जीव वाक्तिक ষে বিষয় বলিতে শুনিয়াছেন, অথবা विथित् प्रशिशास्त्रम्, **जाहा शाह**े क्हें(व ना , किन्दु यि च्हान अज़ैके मून विष्ठार्मः इंडेरव, अर्थाए यथन श्लानित मक क्रम। डेपछि ७ व्हेर्त, रम ममरा এই माक श्रमान पश्चिष्ठ भूको इक्षेत्र । अहे इति भारत के एक है अने सार्व । उपलब्ध व्यादकत क्रहे आहेत ध विनश्य विदेश विश्व माडे। এই ছুটা পারং ६৬৮। েও আনেক আনক্ষ ১ **७ चथामञ्चित गाणः चथाहा इडे८**४ ।

किमिनद्रशन न्द्रलग, चा छात्र का हा ब गाम स्माग विशिष्ठ धाकित्य है या छात्रा आहा हहेत्व छात्रा न्द्रहा अधि छात्र ह्या गोहै। व्यक्ति ख्रुल अदल्लीय महा- নেলওয়ে ও খালপ্রভৃতি সামানতেঃ
দেশের জীর্দ্ধিসাধনের প্রধান উপায়।
সংকৃত নীতিশান্তজ্ঞের। নদীধীন
দেশকে বাদের অযোগা বলিয়া নির্দ্ধেশ
করিয়া গিয়াছেন। খাল নদীব প্রতিনিধি।
জামরা যে খালটার প্রশঙ্গ করিতেছি,
এটা চইলে কেবল যে বাণিজ্যের স্থবিদা
চাইন দেশের উন্নতি সাধিত চইবে ভালা
নাহে, রুনিকার্যােরও বিজ্ঞান উপক্র
চার্শিরে । স্থান্তর্মণ জলনির্গমের পথ
ও ফোরে জল দানের উপায় না থাকাতে
স্মতিরাটি ও অনার্টি উভয়েতেই শাসের
অনিষ্ট ঘটিয়া থাকে। খাল হইলে উভ
যেরই সদ্বুপায় চইবে।

দক্ষিণাঞ্চলের প্রতি সময়ে সময়ে গম ওবরুণ উভয়েরই কোপদৃষ্টি নিপতিত হয়। তরিবন্ধান ভত্রতা লোকদিগকে মার পর নাই কটি ভোগ করিছে হয়। কট ভোগ বাতিরেকে সৌভাগোরে উদ্য় হয় না। দক্ষিণাঞ্চলের লোকেরা এত দিন যে কট ভোগ কার্যাছিলেন, তাহার ফল স্কর্ম এককালে দিওল সৌভাগা লাভ করিলেন। এক দিকে কুল্পি যাইবার রেলওয়ে অপর দিকে থাল হইল।

অসনয়ে ঐ ছটা মহোপনারক
পারকার্যা আরম্ভ করাতে রাজপুরুষের।
ধন্যবাদের বোলা পাত্র হইয়াছেন। অভি
বৃটিনিবন্ধন দক্ষিণাঞ্চলের লোকের।
অভিশয় কন্ট পাইছেছেন। অসমযে
ভাঁহালিগের কন্টনিবারণের উপায়
বিধান একার আবশ্যক হইয়া উঠিয়াছে।
বেলওয়ে ও খাল এ ছটীই দেই সৈত্রপায়
হুই ভছে। কেশাপন্ন ব্যক্তিদিলক
কিন্তেই অর্থনান আনাদিগের অভিমত
ক্র না। থাটাইয়া দিলে তাহাদিগের
প্রতিদিনের একটা আর নিদ্দিন্ট থাকে,
প্রতিদিনের একটা আর নিদ্দিন্ট থাকে,
প্রতিদিনের একটা আর নিদ্দিন্ট থাকে,
প্রতিদিনের একটা আর নিদ্দিন্ট থাকে,
প্রতিদিনের একটা আর নিদ্দিন্ট থাকে,
প্রতিদিনের একটা আর নিদ্দিন্ট থাকে,
প্রতিদিনের একটা আর নিদ্দিন্ট থাকে,
প্রতিদিনের একটা আর নিদ্দিন্ট থাকে,
প্রতিদিনের একটা আর নিদ্দিন্ট থাকে,
প্রতিদিনের একটা আর নিদ্দিন্ট থাকে,
প্রতিদিনের একটা আর নিদ্দিন্ট থাকে,
প্রতিদিনের একটা আর নিদ্দিন্ট থাকে,
প্রতিদিনের একটা আর নিদ্দিন্ট থাকে,
প্রতিদিনের একটা আর নিদ্দিন্ট থাকে,
প্রতিদিন্ত বিধানিত স্টিয়া হারা। তবে

একটু বিশেষ বিবেচনা করা কর্মবা,
শচ্ছলের সময়ের নির্দিন্ট মজুরী দিবার
নিয়ম না করিয়া যাহাতে লোকের সং
সার নির্বৃত হয়, এইরূপ বিবেচনা
করিয়া মজুরী দেওয়া উচিত।

জামরা অনেক বার যে বিষয়ের প্রদ ক কবিয়াছি, এই প্রদক্ষে তাহার উল্লেখ করা অবৈধ হইতেছে না। বারাদতে ও নদীয়া জিলায় যে কয়েকটা নদীর প্রোভ বন্ধ হইয়া যাওয়াতে জলনির্গমের পথ বন্ধ হইয়া গিয়াছে, দেগুলি কাটিয়া তাহার প্রোভ প্রবল করিয়া দেগুয়া কর্ত্তবা। তাহা হইলে ঐ স্থানগুলি কেবল যে স্বাস্থ্যকর হইবে এরপে নয়, ভদ্বারা বাণিজ্য ও ক্ষিকার্য্যাদিরও স্বিশেষ উন্নতি হইবার স্থাবনা।

## বাৰু কেশ্বচয়ৰ দেন ও শাহাব অনুসরগণ

এ বারও বারু কেশবচন্দ্র সেনের অসু চরগণের ব্যবহার বিষয়ক প্রেরিভ পত্র দ্বারা দোমপ্রকাশের অনেক স্থান পরি-পুরিত হইয়াছে। অনুচরেরা কেশব বারুব আভায়ব্যভিরেকে মুক্তিলাভের উপায় নাই ভাবিয়া উাহাকে পূজা করিতে ( भूष्भाष्टमानिष्ठाता नह) অ;রন্ত कतिशार्ष्टम, (मिथिया १००१) १ त्रार्किया বিশায় চকাশ করিতেছেন। কিন্তু পৃথি वी: इ. ति अकिल भग बिलहा श्रहाल इ. व्यव লবিত ও আদৃত ফইতেছে, কুসংকার শুনাচিত্ত হইয়া তাহার স্বরূপ নিরূপণ করিয়া দেখিলে বিসায় জামিবার অণুমাত্র কারণ থাকে না। প্রক্লভূধর্মের ভত্ত্ব গুহায় নিহিত হইয়াছে। যেগুলি ৰাস্তবিক ধর্ম নয় দেই গুলিই ধর্ম বলিয়া অসুস্ঠিত **इड्टिছে। প্রকৃত ধর্ম যদি জগতে প্রচ** লিত হইত, সকল লোকেই একধৰ্মাৰ লম্বী বলিয়া পরিগণিত হইতেন, কথন ধর্মজেদ হইত না। মসুব্যের ভ্রমপ্রমা

पापिनियक्षन कराउँ श्रद्धकु अर्थात कारात হরত হইয়া উঠিয়াছে। কি খু ট কি মুনল मान, कि हिन्छू, कि नवति छ खाश्वधर्य, इंहात व्यवज्ञवज्ञात विषय यानि পर्या लाइना कतिया (मर्थ, (मर्थिट अभिहेटव, কভক্তালি প্ৰণালী ও পদ্ধতিবদ্ধ ক্ৰি: मुक्षानहे धर्म विलग्न चामृड इहेग्राटह। शृष्टियात्मता बालन, वाहेबल श्रामानक अर्था, हिन्छू वा वटन स्वास्थानक अवर सुमनः মানেরা বলেন কোরাণপ্রমাণক ধর্ম। वर्रवेदाः कलमः या । जि. सूमलमानधार्यः चकरहन,नि धवर हिन्छ्यटर्च छेलनव নাদি কতকগুলি ক্রিয়াসুষ্ঠানের বিধি আছে। সকলের সারসং প্রহ্ করিয়া থে আধুনিক বাক্ষধর্ম বিরচিত হইয়াছে, তাহাতেও অমস্ত্রক অর্থাশ নাদি এবং উপাদনাকালে একত্র দম বেত হইয়া নয়নমুদ্রণাদি কভকগুলি ক্ৰিগান্তান প্ৰবৰ্ত্তিত হ্ইয়াছে।

মাসুষের যেমন ধর্মপ্রান্ত আছে, তে मनि अवन कियोश्रेष्ठीन अवृति ଓ कृषे इहे. তেছে। ক্রিনার্জান হাতির প্রাব্লা निरम्बन এक क्रेचटतत छेलानना याव-তীয় ধর্মের প্রতিপাদ্য হইলেও ইহা भगवाता निराकतत्त्रतः नाप्तः छेशावात्। শমাজ্জন হট্যারহিয়াছে। অভ্যাদৰশতঃ ক্রিয়াসুষ্ঠানগুলির প্রতি লোকের এমনি पृष्ठिक कमिया शिवाट्ट (य, छेरात अब् माज जामाथाहर व इस्टिंग स्टिंग मान करत, अधर्याम्भार्म इहेन এवः क्रितां छनित অনুষ্ঠান চইলেই মনে করে, ধর্ম রক্ষিত ७ शूग जेनार्क्किं ड इहेल। काट**क काटक** हे প্রকৃত ধম যে ঈশ্রোপাদনা ভাষার वलक्या रुहेबा याता; तम निटक द्वाटकत ভাদৃশ দুটি থাকে না। পদ্ধতিবদ্ধ ক্রিয়া মুঠান ধর্ম বলিয়া আদৃত হওয়াতে ধর্মের যে কভদূর অপকর্ষ্য, ভাষা রোমান কাপলিক ধর্মদার। সপ্রমাণ হইয়াছে। প্রতে छ। के निरंत रा शृष्ट धर्म, डे निरंत

त्र ति स् केंग्री; किंद्ध छेर्गे विश्व नी तो स्नापि स्पर्धा किंद्रोक्षीन पृष्ठे इत। क्षिणित स्वर्धान करतन विश्वा कार्यनिकता छेर्गे विभादक स्वर्धा स्विक दोध करतम।

(बाध क्ष, वश्रम भाठकभग त्विएड গারিলেন, কোন পদার্থ জগতে ধর্ম विद्या चामुक इदेशाह्य । এक क्षेत्र রের উপাদন। সমুদায় ধর্মের প্রতি भार स्रेटन उ क कातरन (य मक्टलप म्हेशटिष, जाहां वांध एवं भारे क्षन वृक्टिक शाहित्सन। किशास्त्रीन ক্রিয়াছুন্তান নিষামক প্রস্থ এ সমু দারই মনুবাকণিপত। মনুষাকুত विनियां दे धर्मविषया ७७ (अप एडेवा छेडि রাছে। একের ক্তুত অনুসানপদ্ভীতে অপরে অদা করে না। স্তরাং সকলে अक्रपंश्विची इरेटिए ना। किन्नु श्रक्र ধর্ম যে অদিতীয় ঈশবের উপাদনা, . তাহাতে মতট্বেথ নাই।

এখন পাঠকগণ বিবেচনা করিয়া দেখুন কেলাৰ বাব্ৰ কভকগুলি অনুচর যে তাঁহার পূজা করিবেন, আর কভকগুলি যে তাহাতে বিপ্রতিপতি করিবেন তাহা আলতর্যের বিষয় কি না ? ক্রিনানুষ্ঠান পদ্ধতি হইডেই মনুযোর পূজা ও উপধর্যের স্টেট হইরাছে। ক্রিয়ানুষ্ঠানপদ্ধতিতে মনুবোর খনকে এম ন মুর্বল করিয়া তুলে যে, কিঞ্ছিদ্ধিক ক্ষমভানন্দান ব্যক্তির পূজা দুখিত বলিয়া বোধ হয় না। অনা আনা অনুষ্ঠানের সহিত এ অনুষ্ঠানটাও আদৃত হইয়া উঠে।

रनाई कार्या कारन धर्मवक्षम भ्राप एडेश यात्र । व्यक्तवाद कर्जवाद, वात्राकाटन वयन बांगटकता बिष्ठांनट्य चराय्रम कटन, रमहे मभग्न व्यवश्र विष्णा श्रवक्रमाप्ति शक्तिकान **উপদেশের নাবে 'ঈশ্ব বিবয়ক উপদেশ** (मखरा कर्डवा। जेचंत जामानित्भन एकि ও পালন কর্ত্তা। পাপ কর্ম করিলে ভিনি श्रं कारण खाहांत प्रश्न विशास कतिद्वम, बहेज्ञल डेल्एम माधात्रा প্রদান क्रिट्ल ক্রেম केष:तत्र पृष्ठ खिल के बिट्ड थोरिट बंबन भाभकरचात्र चात्रकोरम कात्र व चार्चा क्षिया डेठिटर । अध्यकात माधात्रम डेम प्रताम हिन्छु भूगलमान ७ च के धर्मावनदी কাহারই বৈম্ভা ও আপতি হটবার সম্ভাবন। নাই। এরপ কোন ধর্মাবলমী নাই যে তিনি ঈশ্বকে স্টিক্তা ও পাপের क्लपांका ना वर्णन। जर्द कर कथा चाट्ड, (कड़ कि चार्शिं कतिर्वन, वाल एक इ क्रेश्वरवज्ञा विषय दुवित्व एक न १ अवर (कांन अक्श्रांनि धर्म भुक्तक बिक ना इंडे(मंडे वा किथ्यकारत जाहाएँड তাহাদিপের সংক্ষার জন্মিবে ? ইহার উত্ত রে বৃত্তা এই, ঈশ্রের বিষয় বুঝা বাল क ७ वृद्ध मकरणतहे मग्ना योगित एक कि ने लोब प्रमान करण वृता योव না, মানুষ যে উচ্চার স্বরূপ নিরূপণ ও ভাঁছার বিষয় বুঝিবার চেন্টা পান সেটা ভাঁছার অহকারের কর্ম। আমরা ষে ভাঁহার স্বরূপ বুঝিতে পারিনা ভাহাতেই ভাঁহার মহত্ত প্রকাশ পাই তেছে। আসরা যদি উহাকে জানিতে পারিভাম ভাষা চইলে সময় বিশেষে ভাঁহার প্রতি অভক্তি ক্ষিত। ভাঁহার প্রতি ভক্তি করা এবং পাপকার্যে। সুণা कत्र, वालाावनि व्यागितिशत वजार कहिएक इहेर्द। यथन व्यवसत लाहेर ভখনই তাঁহার উপাসনা করিব, ভাহাতে (मण क'ल रिट्यहरा ও একরে সম্বেড হটবার প্রয়োজন নাই। তাঁহার সহিমা ও সৃষ্টিকে পদজ্ঞানার্থ কোন এম্ব ব্দবলম্বনের আবেশ্যকতা নাই। ব্লগতের প্রত্যেক পদার্থই দেই এন্ত ৷ তাদা দেখি য়াই নিয়ন্ত কাল তাহার এতি, ভক্তি भिषा कृदिव।

#### পোষ্ট আফিস ও আহার অন্যায় নিষয়ন

मिष्टम्। चटनक डाकरत्रकत्रा घथानमस्यु भव एक मा, **चटनटक शब्द किलिका** एक्स, चटन क्त्र निकृष्टे स्ट्रेटिंग क्लोम्सल पार्कितिक्र প্রসালয় যথাসমুহে পত্র না পাওয়াতে ষনেকে ক্ষতিগ্ৰন্ত হট্য়া থাকেন। লেকে ७ नगा। तथा वस्त्र महकदा (भारे चाकि দের প্রতি উলিখিতপ্রকার দোবারোপ করিয়া সচরচের ধে আক্ষেপ করিয়া : पं.दक्त, भागता भा अ (म भारक्रिश कृति एक स्था । व्यामानिकात व्याटकाल अहे, বিনা মাসুলে অপবা অপব্যাপ্ত মাসুলে यमनल পত প্রেরিড হয়, পেটে আফিস ভালার মাসুল্পাহণের যে নিয়ম করিয়াছেন, সেটা অভ্যন্ত অন্যায় ছইয়াছে। এ নিয়ম षात्रा भरतत् व्यभन्नार्थ भरतन्त्र मश्च कन्ना व्हेरफरह। এक राख्ति मामूल मा पिश চিঠি পাঠাইল, অন্য ব্যক্তির দও হইল 1 আমা হিণ্ডণ মাসুল লইবার কোন यु किरे (परिष्ठ পारे (ठिक ना । इस नमा চারপত্তের নাায় অগ্রে টিকিট দেওগ मा ६३८ल চिठि छाक्यता लख्या इट्रेट्स না এই নিয়ম ঃউচ অথবা যদি 55টি হিণ্ডণ य:मूल म ७ ता P विना नःभूतल পত্রতাদ ববে, ভালার বিভুমাত্র অপ রাধ নাই। যাহারা মাসুল না দিয়া পত প্রেরণ করে, ভারু দিগেরও ইচ্ছাজনিভ बक्र्यां ही इस्ता। अत्मक द्रःता हिक्छि পাওয়া যায় ৰা. চিটি না পাঠাইত ও কাৰ্যাক্ষতি হয়। অগ্ৰহা ভাহা বিনা बाबुत्त भव श्राठीहेश शादक। धक्रभ স্থান কি প্রপ্রচীতার বিশুণ মানুল গ্রহণৰূপ দণ্ডবিধান বিধের হয় ? যাহার্য পৰ্যাণ্ডৰূপ মাসুল না দিয়া প্ৰঞ্জেৰ करतः, भिष्ठि छ। इ। प्रत्या अनिष्ठः प्रश्रुष হয়। তহোৱা পত্তার ওজন বুরিতে পারে না।পত্র ওজন কবিয়াবে প্রত্তের। करतन क मूर्ति। मक्टलत नाहे। छ,कथरः এৰপে পত্ৰ গ্ৰহণ করাই অনুচিত। শাহ म्पारम क्षेत्र, এटवतः अभवाद्य अभवत দত্ত ওগাইতি প্রবাত অনার্গ ভালা প के व्यादाद (अहं प्रश्न विश्ववद्गाल गुही इत्र। अञ्चल अहे निः मेरीत भः दनाध ক্যা অভিশায় উচিত।

#### বিবিধনংবাদ। ২৫এ কার্দ্রিক সোমবাব।

१८६७ व्याप्त श्राप्त १३ माईन (वहेल कृत्य (बान) इम्रे) अकृत्य ०५३ ० मास्त स्ट्यार्ट । मर्रास्य ५३ वि :कान्मामी बार्डम । हेर्डानिया নক্ত্ৰ ৯০৭ খানি কল. '২৭০০ ছান कार्याही नकरे खर काक सामि मानगा की कारक । अवर्गम हे ६.५०० माहेल (दलकाम कवि यान आका (मग्राह्मन, अधनक १७७७ माहेस चाकी बार्डा कहमकल द्वर्गस्य किसीन ্মিমিক গাওল্ডেমাট ৮৪ কোটি টাকা জালাভে प्याप्ता (प्रमा: इंड न म्पा १७.०१,००, ०० है। क क्रिक्षारक अवर १० ८काछि बाग्न कन्ना इहेग्राट हो। का व्यो त ४०, - ३ . २००० है। तह समू एक तह का स् ५ ५,५०, • • • • दे कि। यह लिया निवाह कराः क्रमार्ड। १८०५ व्यास्य बहे होक। हेरिहारक इंश्व माप्ता इंश्वाद्ध ४०,२२५ व छात्रकवार्य 8:3 अ: भी गृशेष्ठ इदेशाद्य । युष्ठ है। का अरुग्र ছীত চইয়াচে, ভাষার মধ্যে কল, শকটপ্রস্থ-াওর নিমির ইংলাওে ৩০ কোটি ও ভারত नद्य ४५ (काछि छाका वर्शयात्र स्टेश्वार । अस्त . व्यक्त व्यवित १४ ७१ अस भया छ । (वहेन छण्डाए प्यानप्रनाथ ८, ००० था न छाई छ निर्वाकि छे हरू (बडेल क्लानिया बरलन, मर्क अब ఏ ၁, ১১, ७० ··· इति। ने, स्ट्रेश प्रयूरीय (ब्र्ट्सिट्स £क्कि

कहेंद्र मा। জির ভিল বেই শুণুর কাম্প্রির নিয় ল পিড মূল ধন সংহী হইরাছে। 2,33,40.40. 3 <u>ئ</u> F . 66, 4 634 خلا ŝ. 14,02,84 F. 9 F. 63 **△ ∞** 34.28, F3. F. 8 3 3 0 . a . . 80,92,5V 3.6t, -8.85. 33.56 · 5 6 8 5 6 . 2384 g 2b 54, .... . . 8 (%) S SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERVICE OF THE SERV 5161 h · Karie मेद'कारत Ø \$18183 1

দকল বেইল-গ্রেব অংশেক। ভারত ব্যীর বাইল-গ্রেব মূল ধন ভাবিক। ভিন্ন ভিন্ন এইল-গ্রেব যাস্ব খোলা চইয়াছে ভাষ্ট এই:-- ভাবত ব্যীয় বেল-গ্রে ১,৩৫৬ । এটাই গুরান ৮৭৪ মাজ্লোল ৬৪৫ বোষাই ও वहमा ०० ७, तिश्व ३३৯ शकाव २८७ मिली ६० श्वर्कवाणामा ३५८ १ १६ माख्या २४ १६० माख्या २४ १६० व्यापाता । व विश्वचा १६० स्वर्ण वर्ष १६० माईटन नक्ष १ वर्ष १६० ।

বেল ওরে ছত্তরা অবধি বিজ্ঞার লোকেব জীবি কানিবাছে হইতেতে । গ্রব্দৈন্টের আফ্রিনের নার বেলওরের কল্মচারীর সংখ্যা। স্মুদার রেলওরেতে ৩৯-৯৯ জন কল্মচারী আছেন। ইহাদিগের ৩৬-৪৮ জন এতক্ষেশীয় ৩৩-৫১ জন ইউরোপীয় ও ফিরিজ্ । কিন্তু উক্ততর গুলভর কার্য, ভার ইউরোপীয়দিগের উপর আছে লক্টচালক ও ২ক্ষক্মাত্রই ইউবোপীয় একটী আশ্চয়ের বিষয় এই, শক্টচালকদিগের য প্রিমাণে হিমপ্রধান ইংসপ্তে প্রাণ্ট্যাগ হয় এখানে স্ক্রেপ হয় না। অভি অক্সক্রালে আমাদি গের রেলওরেসগ্রেন উর্ভি হইতেছে।

গবর্গমেন্ট বন্ধমানের রাজার সম্মানার্গ ভো পের বংবস্থা করিবার বিষয়ে অসমাজি প্রদর্শন করেয়াছেন। রাজা বদি মদেশের উপকারব্রতে নীক্ষিত চটয়া লোকের চিন্ত আকর্ষণ করিভেন ভাষা হইলে ভাষাকে এমত ক্ষোভ পাইতে হইত না।

গত ১৬ ই কার্জিক শুক্রবার ভূপালের বেগম প্রাণডাগে কর্মাছেন। সেকজা বেগম একজন প্রধান তো গর স্ত্রীলোক ছিলেন, যে সাম গ্রীতে এলিভেবেথ ছিত্তীয় কার্থেরিণ লক্ষীবাই প্রভূতি নির্দ্ধিত হন তিনিও তাহাতে নির্দ্ধিত হইয়াছিলেন। তাহার অগীনে ভূপালের অভূত পূর্ব্ব প্রিক্ত হুইয়াছিল। উ:হার সিংহাসন একটা ক্রারে প্রাপ্ত হুইডেছে।

বোধপুরে অভিলর অন্নকষ্ট হইরাছে। তথা হইতে বিশুর লোকে স্থানাজর পলায়ন কবিরা চন, তথাপি টাকায় চার সর গম বিঞ্চিত হইতেছে। তৃন ছল তও ছন্মুলা হওয়াতে বস্তর পশু প্রানতাগ করিতেছে। রাজার অস্থা সকল অস্থাটে প্রেরিড হইয়াছে। তল পাওয়া ভাব হইরাছে। অভিলয় ছংখের বিষয় রাজা কান সভাষ্য করিতেছন না।

মান্ত্রাংজন রেবেংগ্ট বাড়ের ক্রিষ্ঠ সভঃ ই, এস. ফর্মস সংহেব ভারতবর্ষীয় ব্রেক্সাপক সভার সভঃ এই চিঃন। ফর্মস সাহেব এক জন উপযুক্ত মান্ত্রাজী সিবিলিয়ান্।

মাস্ত্রাকের উপকূলে প্রায়ই প্রবল বাড়া।

চইতেছে, ভরিবন্ধন মাজিরা জাহাজ হইতে
কুলে আরোধীর আন্যুনার্থ প্রতিবারে ৪০

চাকা করিয়া ভাড়া চাহিতেছে

এবার পালমপুরের মেলা ছই সপ্তাহ পর্যন্তে বাকিবের। সর রিচাড় টেম্প্ল এ সময় উপস্থিত বাকিবেন।

প্ৰবিক ওপিনিয়ন ৰলেন, চন্তার রাজা অকারণ উচ্চার এথম স্ত্রীকে বালী দুইতে বহি-কৃত করিয়া দিয়া জানার ৰাষ্ট্রীয় সম্পত্তি বালেজাপ্ত করাতে দানার পিতা গ্রহ্মেটের নিকটে অভিযোগ করিয়াকেন।

ইণ্ডিয়ান চর্চ গেকেট বলেন, গবর্ণমেন্টের কলুবোগস্থানে স্থেট সেট্ডেটারি আর্কডিকন

ধ্য টকে ১৮৭২ মন পর্যন্ত ভারতবর্ষে ধানিতে বলিয়াছেন।

ইংলণ্ডের যাবতীয় রেলওয়ে কোম্পানি ভ্যাক খাইবার নিমিত্ত পৃথক শক্ট করিবার আজা পাইয়াছেন।

२७ अ कार्डिक म्लनवात्।

গত ধলা একন্চেঞ্ল গুছে নিম্নলিখিত টাকার অহিকেন বিক্লীত হুইয়াছে।

সিম্মক প্রান্তিসিম্মক মোট বেছারের ২,৩০০ ১৩৫০ ৩১,০৫.৩২৫ কাশীর ১,৭০০ ১৩৬০।১০ ২৬,৩১,৪৭৫

৯০ গণিত ইউরোপীয় বেজিমেন্টর পে
নাষ্ট্র কাজেন লগ ৭২০১ টাকা ভছরপ করাতে
নামরিক বিচারালয়ের ভাজ্ঞাপ্রনারে উহাকে
নানালল হইতে বহিজ্ভ ক রয়া ছইবংসর কারা
কৃষ্ণ করা হইবে। ভাহাকে আরও ৭২০১ টাকা
কৃতিপুরণ নিজে হইবে। মেয়াদ খাটা বেল
কাত্রন কনিঙ্হামের নারে নাহর।

লক্ষেটিটেম্স্ অসুমান করেন, কানপুরের গলার উপরে বে রেইলওয়ে সেতু হইতেছে, ভাষা প্রস্তুত হইতে ছই বংসর লাগিবে।

গত তিন বংশরে মধ্যভারতবর্ষে ১৬০৪ চী কেনে বাছ, ২৬৩৭ চী ছুমো বাছ, ১৪৩৯ চী জলুক, ৭৪২ চী নেকজিয়া ও ১২৯৫ চী সাগম ধাংস করা হইয়াছে। এই কালমধ্যে ১৭৫১ জন মান্তব্য বাংগভারা ও ১৮৭৪ জন সপদ্ধ-প্রে হত হইয়াছেন। প্রায় সমান স্মান।

निन्नीरगरका बरनन, উत्तत পশ্চিমাঞ্চল ৫
तकारव विञ्जत काम श्रीम्म श्रेष्ठ इन्टेस्ट इ ।
करत्रक वृद्धि मिलीरण वृष्ठ इन्हेश्वर । एउस्ट ।
इन्हों कामानर वृद्ध क्रम वातिष्ठेत कार्तिरक्षन
मारहव हेर्डामरगत्र विकरक समस्य। हानाहेश्य
साव मानेश्वरहन ।

উক্ত পত্র বলেন, দিলীবাাক্ষ দেনাপতি গদিস ও সর ডোনালত মাকলিয়ডের নামে যে নালীশ করেন, তাহার মধ্যে সর ডোনাল ডের ১৫০০০ টাকার দাবি ত্যাগ করা হই য়াছে দাবির অধনিষ্ঠাৎশের বিষয়ে বিচা বপতি এপথ্যন্ত কোন আক্ষা দেন নাই।

লেপটন ট চাটাটননামক এক জন আন্যসর টাহার বালক ভূড,কে ছগ হইছে ১৯১ ট কা আনিতে বলেন। এই টাকা অ সিলে লেপ্টনট অন্য অন্য বায় করিয়া ভূতাকে বলিলেন ২৪ টাকা কম হইভেছে। সে বাজি প্রথমতঃ আপনার নির্দ্ধেখিতা সপ্রমাণ করিবার চেষ্টা পায়। কিন্তু উত্রস্থাব সৈনিকের ভাড়নার ক্ষাত্রিয়াই ড. ক্রেন্স স্থাকায়

करत । फवालि फेशरक भूमित्य (मक्ता रह । देशामरणत अकि विस्मव विरुक्ता कतिरवन माक्रिक्टेरेंग्रे निकरणे दिनाव ति ब्याएक तिन्हें मन्त्रे बरनम, हिमाब विक स्टेबाटक । छमञ्चनादम কোন টাকাই পাওনা থাকে না। তথাপি रेमिक विभिन्न, बालक हाव चौकांत्र केन्त्रि हारिकः। त्रवाष्ट्रिंग् मार्ट्य विनिद्यम्, अञ्चल व्यवस्थाः ष्मश्रामी श्राव लाग प्रीकात करत । कादन छा **फ्ना क**िंद्रा (नाय चौकांद्र कतान इस । दानक मुक स्रेप्नाट्ड । श्रुलिय हेनटच्छेडे प्राक्त विद्याद्य ভাছার সমূত্র লেপ্টন্ট বালক্টীকে ভিন্বার श्रहात कतियाहित्वन । त्वर्णेनले अक्सन हे छ রোপীয়, ক্তরাং মাজিক্টেট এ দেখের কোন क्रम्भ न कतिराम ना। এই সকল का किन्त मारवर मारकत क्यमः हेरताम हतिह्यत উপৰে অভক্তি জান্নতেছে।

আমেরিকার এক ব্যক্তি এক চক্রের এক लक्षे कतियाद्या हटकात यह शार्त्व आद्राही দিগের বলিবার স্থান। ভাছার মধ্যদেশ আবৃত। कार्य ७ हानक मक्ट्रेंड मर्था बारक। कार्य तोज **७ वृक्टिएड क्ष्ट्रं** ना भाव अमन नक्छे स्ट्रेटन व्यानक के नकांत्र इहेरवः

यक्ष्यमाहेडे क्रनंत्रत क्षरंग कतिष्ठारहम, शर র্ণমেন্ট আমীর দিয়ার আলিকে টাকা ও অস্ত काता नाहाया कतिएख नवाख इहेबाएक्स।

कः जिल्लारत जिल्लातः जनकष्टे स्टेन्नारहः। लाटक निक्तत व्यक्षर्गं उन्हानतावाम व्हेटच भगः লইয়া যাইভেছেন। আনেকে বাসস্থান ভাগগ क्रियाद्या

**डिनिबिडेंग वरनन, मान्त्रास्त्रव ऐनकूरन** প্রবল বাড়া হওয়াডে পেনিনভুলার কে। স্পা নির মেইল গাহাল ভিড়িতে পারিতেছে না। আরে ইটিদিনের কোন আশক্ষা নাই, তবে আ राम व्यानिएक विमय इंदेरवः।

উক্ত পত্র অসরবে প্রবণ করিয়াছেন জামু ब्राति व्यविध ब्राट्टिकिटिका जिल्ला वक দেশীর গবর্ণমেন্টের একটা বিভাগমাত্র হইবে: এতদসুসারে প্রলিক ওয়ার্কের ন্যায় রাজ্ঞ विकारभन এक स्रम शृथक (मास्कोनि इहेरवम। ডিলেম্বর মালে ইডেন সাহেব আসিতেছেন ভিনি জাগমন করিলে প্রধান গেকেটারী ও ভাল্পিয়র সাংহর রাজখন প্রকাজ সেকেটারি হইবেন। আছি রিজ্ঞ দেকটারি বেলি সাংহ্রকে স্থানান্তর খাই ্রে ছইবে। রেবেলিউ বোডের আসল্লকাল किल चित्र वहेवादङ । अक्षरण देश वहेदछ वदर কার্য্য ব্যাঘাতই কইতেছে। ভবে কতকগুলি কেরা नीत क्षत्र मात्रा य'हेटव । (वाथ कृत्रि श्वर्वटबन्हें

हिन्द्रहिष्किविनी शक्त बटलन, कटब्रक विम

#### ২৭ এ কার্ডিক বুধব'র।

शक विवाद अक स्मन स्पूराहराव शहरचा-লার এক জন মহাজ্বের নিকটে গিরা বলে (मरविक्रमार्थ (साममामक এक वार्ष्टि er... টাকার কোম্পানির কাগল বন্ধক রাখিরা ৩০০০ होका कर्क नहेर्दन। अधिक दूप मिवात लाख (मधारेवाटेल मशस्त्रम निरस्त अक सम महकारहरू राष्ट्र ७००० है।का श्रीतृत् कहिर्द्रामा त्रार्वस्य বাৰুর সহিত সাক্ষাৎ না হওলাতে অধাচোর সরকারকৈ বলিল যদি তুমি প্রেমারা খেল, দ্বিশুণ টাকা পাইতে পারিবে। হতভাগ্য সরকার ভাগতে সমাত হওয়াতে এক ব্যান্তিতে ¢à·· णेका र'त्रम । ভाशास्त्र (सभा कत्रा हेश (मनियम कथान हाथा हम्। भन्न नियम-त्म भूनर्त्ताव পড়িরা অবলিষ্ট (司门事) ১০০ টাকা হাত্তে। জুল্লাচ্চারের। এপর্বাজ ভাষাকে ছাড়ে नाहे। ১٠ ह। वासिन:माज खाशमिर्गत्र এक वालि स्वावेश क करतन्त्र আফিলে ভালাইতে গেলঃ কিন্তু মংগলন ইভি श्रुर्कि मर्थानं स्मब्द्वारुख (म धूख इहेन । माख्यम : वर्ष भूमिरव व्यर्भिक रहेबारङ, श्रवम इतावा व्यन्ता পি বুকান্বিড<sup>্</sup>অ'চে । দুজ্ঞীড়ার অভিশয় श्रद्धांव व्हेष्ट्रांद्ध । एक कश्रूमकान ও एक मध বিধান আৰশ্যক :

বুদায়ার ও দিরাজের মধ্যে শ্রী পারস্য টেলি ল্লাফ পুনর্বার ছিল হইয়াছে। বন জ্ঞারবল্য এই কাজ করিভেছে।

১৮ हे नरवषत्र भवर्गत (स्थमत्म किनिकाणात्र ) উপনীত হইবেন:

**लिश्वमिग्नत राज्य मिकाम मालादकारक**त ১•্••• টাকা ভরিমানা করিয়াহেন বলিয়া :य जनत्व हैश्लिनमारन धका निष्ठ हसू, छाहा অমূলক i

देश्माख्य अधान अधान नगरत मधानित्य मरचे। क्विमनः दृष्टि श्हेराक्राः । नेखरम श्राप्त ১০০০ মর্ন্মণ পরিবার আছে। মর্ন্মণেরা বছ বিবাহ করিয়া 'থাকে ৷ খেদকল ইংরাজ मर्भन हरेट छट्ट, छ।शता धाम् जामित्रिकात অন্তর্গত ইউটানগরে বাস করিভেছে। এই बशद्वी मर्चविष्ट्राव द्रमावन। मर्चवनार्म क्रम मः अत्मरक वह्विवाह कतिरवनं। धृक्तिश्च बेर्ल्यन्तर अहे जात अक देशभर्ग स्टेब्र'एह।

अकंटन ৯८ अन वक्रमणीय (हेरात मटन উত্তর শশ্চিমাঞ্চল ও পঞ্চাবকে ধরিতে হইবে ) वावर अथारन अवाष्टिकांत्र विनक्षण वृद्धि स्हेशा निविनियान विनास नहेसा हेश्नरक जारहना বিদায়ের সূত্র নিয়ম হওয়াতে অনেকে বিলায় महेट एड हा । अहे चात्र अक्ति वाद्यः बात केम्बा िक श्हेम।

> गवर्वत (कानतम प्याच्या मित्रारहम, इंश्मश्च 🗷 व्यक्तिमात नरात्र मूहा ১ । होका सूरमा अरमरम क्षात्राज इहेरतः कर्कमवरवान 🔞 थ किरव । शवर्गरमणे निरक अर्थ मरत्र महेरचन ।

**ভারতবর্ঘীর গবর্গদেন্ট সিদ্ধান্ত করিলাছেন.** কোন দিবিলিয়ান বিদার লইয়া হদি সরকারী कार्याः स्ट्राइध श्रष्ठाः शमन कतिएक वाधिक हम, তार। रहेरन विनादात व्यवनिष्टे छान इसं मारमङ मर्था आर्वनम कवित्म भाहेरवस ।

गवर्गमाने जात ७ व्हित कहिताहरू, रह काल কাজ করিয়া যাঁহার৷ পেকান লান, জাঁহারা পুন नीत महकादी कार्य। क इत्त (बडन ও (शनम উভয় পাইবেন। পীড়া,নবন্ধন যাহারা পেলব गरेवार्डन, डांरामरशत भरक अ निवय यार्क

#### २৮ এ कार्खिक वृश्म्भविवातः।

अला कटलेखन लहारमञ्जू नामान मृजूह इके शारका शक बहन मर्भन कतियात निर्देश के ब्राह्म समरम पारेषः भी एक स्रेग्नाइतम्ब । ७४ वंशमत यवःक्रम ब्हेब्राह्मि, हेहाब मर्पर फि व ১৮ यरमञ् ताकक कतिवाहित्यन। ताका हेरब्राकी, कदानी अकृष्डि कामक कावा कानिएवन! विकास्म**्** প্রতি তাঁহার বিশেষ বন্ধ ছিল। তাঁহার ছেষ্টার महाम मार्मिय व निरम्भात मृतिरम्भ 🕸 वृद्धि 🕬 য়াছে। ভারতবধ ভিন্ন আর কোন দেশে এত वानिका काहाक माहे। हेडिद्राभी ग्रमिटनद अप्ति ग्राहा द निर्मास प्रधानक हिम अवर या शास्त्र व्यक्तिमन चाक बेडिरता रीध फाँकात ताकवानीटक बाज कतिहा वावनाय करत्रम, किमि नर्कामा (म हिन्दी कत्रि १७४म । जिएिन वृष्ड मत कर वोविष्ड नार्मत विवर्ध (व इइवेच शुक्तक निविद्यादक्त, जाना शार्ठ क्रियत वाळाव महामञ्जूषा ७ महत्त्वत विषय सामा बाहिएक

(वाबाहरम् काथिपुन्न शक्षण कत्रियात নমিত বিদ্যালয়ের যে টাকা এছণ করা হয়, তাহা প্রভাপেন করা ইইয়াছে। এটা বুদ্ধির কাঞা।

ক্ষেত্ৰনাথ মিত্ৰনামক এক ক্ষম স্বাহ্ম কালি है। के मार्क्कन अक रवन्। हा वाशिएक निम्ना फाशांत বারবানকে প্রহার করাতে উহিলে এক মান (महाप स्रेहाट्ड। अधिकारम नव आनिहाके

अवश्वाद शद (दनरामाम्ब द्वादाशास्त्र खेवाह व्हेग्रा কালাভিপাত করা ইইছিলের পক্ষে লক্ষাকর নচ্ছে। সমাজ্ঞ কৰে আপিনরে কর্ত্তব্য কর্মা বুঝি :বন ? ইউবোপে মাজাল চিকিৎদককে কেটই यात्रीहरू श्राप्तंन कतिएत हमा मा, असारम माला लाभी डाक्करवद्र काखवन इहेम्सरह ।

ग्र'(इस ।

भित्रक्षि मञ्जूषि भित्राम् एष्ट्रांला भक्षार वाटक পোদ্ধার ছিলেন। ই ন জুরাচুরি ও জাল করাজে इहाँद्र भाष्ठ दरमत कार्ताचारमद्र व्याप्तिम हहे 1175 1

के कि वाद्यमध्यक्रण कहा बहुवार्य ।

আগোমী শ্লিবাৰ বলদেশীয় ব্যবস্থাপক সূত্ৰ অধিবৈশন জ্ইবে -

बाबाबी नर्ष शूक्ति। (राज (भवनिक छग्नार्केड) ন,মন্ত্র অট কোটি টাকা বল্পে বুকবিবাৰ আছে: कड्यारङ । श्रुक्त व ११व व्यारभक्षा अवाव ५० मण ते का कांशक (अथा माईएडएड । এई कांडे कांसि श्राप्ता २,२४००,००० है।कः टेम्बिक व विटक वास्र कदा बहेरत । २ : कर्षि शांत्र शक् छ कृषिकार्शः এবং ৩২় । ক জনা খন। বৰংগু বংশ্বিক ইইবে লয়েকটী ফুডন কোল কটবে ৷ পৰাৰ বোগাই e · লক্ষ টাকা অংগক পাইলেন । তথাপি বোৰা **इत्युत्र मर्त्रामश्रद्धमान्त्रीमत्यत् । अत्याहमान कट्ट्र** वश्रद्भद्भव निष्मेख । छोत्र न्यद्धित अपि मकल स्नाम वष्ट भान।

উত্তর পাশ্যাঞ্স ও পঞ্চিব শ্সা জ্যাবি 'অ'ব আশানাই। এব'বর সাধারণে ছ.ভিক ংখল। সব**জন লাবেলোর অধিকান কালটী কোষল** न 🏶 १८५ (शन।

न्त व क (वृंक् क् क्रांक्रावा)

ं फ∫ल'न केन - कें°न नजरूत्त्व । या के नाजिला (सिक्किट)। अपद वातकात क्रीम प्रांश (म. म. वाट्याट अप) मान करिक्का (भाषी का कि फिराइक एक भिद्राक पहल्लाम া <sup>নী</sup> থাকণগুছ ক্ষ হাল্ডেন 'ন্ত ক**ভূই করেনে নার** ইভান পরেছে। করিকে ছেন - डेरन । **अ**डे. ने ने ने तिहित काशः स्वास्त्रीः रूप । भारत केश । में अ'लाक । स्वाया चुनारामा हराहक न्द्रसम्, क्रिमि भएनोमभटक (साथश्राक्रिम, व्यक्तिन क्षाइंटिक शिष्ट्राक केंद्री बहुन । या दबरप्र अपानी स

সার্ক্ষন আবকারী একচে নিয়া করিয়াছেন । ইইনা ক্ষিণনরগণ সভাপতির হতে আপীন অবংশর ভাব দিয়াছেন ! এম্বলে স্থবিচার ধ্ইবাং .य मणावसा जाना महत्त्व बुक्षा बाहेरज्ञ 😉 । 🗚 মত্যাগারের প্রতিবাদ করিয়া ডেলিনিউস বলি য়াচেন কিছু কাল আমা। এদেশের লোককে বু জমান ও সঞ্জিত্র করিবার চেষ্টা পাইয়াছি। **এই हिंदी करुक मान्त्र ब्हेग्राह्य। अक्ट्र**न মগবাল হোলকর শ্লের শুল্ক মৃতিত করি বিশক্ষ লোকেব সহিত আমাদিবের বংবহ'ব क विटान करें (कटन, किंदाज़ा देशवास्त्रिम्य भागा সং ও ভন্ন লোক ৷ জাছাদিলের প্রমার ববেকার পার। অবিশয় জান। র । ৯ ছ: বের বিষয় এই সিবিলয়'নদিগের অনেকের সংস্কার ভাছে ভারতবর্ষীয়ের। গেই সেকেলে আছেন। এই 'ন'মন্ত সচ বত্র নব্যদলেব সহিত র্নালাদেশের সভত विवाह ব্যবহার না थाकित সাধুত। থাকা ভার, কিন্ত খাধীন ব্যবহার অনেক কণ্ড চারীর চম্মুল। গ্রথমেন্ট কি মিউনিসিপালি টির কার্যপ্রশালীর অসুসন্ধানার্য স্বাধীনরতি ক্ষিস্ম নিযুক্ষ কাব্তে সাহাসী হইবেন ?

> खिवाकु एवं वाका भने रहत शक्क क्रमाहेग ্ছন। প্ৰতি পাঁচমণি বস্তায় ৯ টাকা ছিল ए गिका कतिष्ठाट्य

कुनारमय विज्ञासय स्कृत क्लब्राटक अवर्गर ভারত ভারত ব্যীয় গেলেটে লোক সূচক (पांचना कवियादाना

কেও অব ইতিয়ার লওনত্ব সংবাদদাতা नत्त्रम, माप्रदेशम मार्क्य मही इहेरल व्यक्तित्तर ভিউক ভারতধীয় মন্ত্রী হইবেন। আনামবা যদি नाफ शतिकः क्रांक श है, वेष्ट्रांक भन्तावाम विव । লাভ কার্গেল ভেলফোসির এক জন গোড়া, ক্ষে ডেলছো সর দশমাংশ ক্ষমতাও গার্গ कर्वन मा । जि.मे भम्य इंडेटन भूनकीत भ्रत्ताका अर्ग ७ कर्ने। जन्म अरु। हात जावण रहेर्व ।

৩০ জ কার্ডিক শানবার ৷

বঙ্গদেশের পুলিষের ইনস্পেষ্টব জেনর 🤛 ফোরুন বায় মেউ নিসিপ্লেলটির এক জন কেয়ানী ্ কর্ণেল পেউ বিদায় লইয়া **ইংলতে গমন করাতে** ভিলেন। মালডেন সংগ্ৰহের এই নে যেলকল , যুগুও অব ইভিয়া বলেন, **পুলিখের বথার উন্ন**ভি চা'র্লে চ'কবি কমিসনর সিমসন সা**রেব অ**থবা गः न रहत हु प्रस्त भाष्ट्रिक मनदा व्यथता यज्ञ न प्रशिष्ट्यतम् अहे भएन नियुक्त करा छि इछ । ७ वा क्रेस्ट अपून्।

> করেক দিবস কাল কলিকভোর নিম জেনি এই জনরব ভুলিয়াছে, খিদরপুরের সেতুর নিকটে নংখ্জা ধ্ইতেছে। এই নিমিড সঙ্গার भार कात (तक के व्यान निमा बान ना। अहै

करदत कडक कात्र कारह। करप्रक क्रम निप्र জেণির ইউরোপীয় দৌরাত্মা আরম্ভ করিয়াছে। रेशका प्रकोषि काष्ट्रिया मरेका अर्थकिक আঘাত করেঃ ভারাতেই এই ভর দাঁড়াই 3.C2.1

## গবণ্যেণ্ট বিক্লাপন 1 वक्रमाभीश (लक्टेनन्डेशवर्गदत्र **बारिमाञ्च**माती নিয়োগ

২২ এ অক্টোবর। ভূ ছীয় ত্রেবের সর আসি ষ্টাট সংজ্ঞন জনবঞ্জন পাল সাঁওভাল প্ৰগ ণায় গোবীলে লিকার ডেপুটা স্থপরিষ্টেভেন্ট

২৯ এ অক্টোবর। যত দিন বাবু তিলকচক্র গুপ্ত বিদায় লইয়া জন্মপঞ্চিত থাকিবেন, ডভ দিন ব'বুহরিরাম দাস ছবডের অভগভে মুমলন ।দ.টর প্রতিনিধি মুক্তোক হইবেন।

হুবানবেশ্ব।ভূতীয় প্রেণিব সূব কর্মে ষ্টাণ্ট সৰ্জ্ঞান ভাগৰভীচৰণ মুখোপাধনায় সিবাজা গঞ্ উপবিভাগের চিকিৎদার ও ভারতা দাভন ं ठः करमानाः युव छाव भागात्वा ।

যত দিন বাবু ভগবতীচবল মুখেলাধায় উপনীত নাহন, ডত দিন তৃতীয় তেলিব সং আন্তাটিস্ভিন হরনাথ রায় সিবালগ্রেখ क्रिकरमात्र अमाज्यः क्रिकिरम'लक्ष्मत छात्र भाइ

8 ठी सरवंबद । व्यात, अक, ता.क्लिय मार्ट्ट **1**ाटल**ध**्वज्ञ াবদ্যালক্ষা সভার সুম্পাদক

৫ ই নবেম্ব। নিমুলিখিত ভারলোকের। ছমকার দাভব্য চিকিৎসালয়ের সভার সভ্য *वेहेर्न्बः---*

মির সাহদত আলে। वीवु मात्रमा धनाम (घाष ।

» हात्रान्हास उ**ञ्** ।

স্মকার সহকারী ক্ষিস্নর উক্ত সভাব मण्यानक इहे (वन :

ভূতীয় শ্রেণর স্ব আসিষ্টান্ট সাক্ষন বীবে শ্বর প্রাল্ভ কুচবিছাবের চিকিৎসাব ভার भार्कानन :

জৃতীয় ক্লেণির স্ব আমাস্ট্রান্ট সংক্রেম 🖫 माभाग ७४ भावनाव अक्षेत्र इलाइ(सर লাভিষ্, চিবিৎসা**লয়ের** ভাষে পাই হেন -

७ हे मटतब्रत। च्यांत शह शाहनत पूर्िहाय धक धार बिडेनि मुल स कबिमनव क्हेर्रटर

क्रबनग्रहालय बाद्धभाष्ट किर्द्धार्थ्य विद्रश्य जरकारी भूतिम स्पिति देशको लाजेन हे (क) कान्द्रित स्वाहित्वे (अर्डित क्या पाइर्टिन । डिड्रम्पूर्म विकार्णय विकासमम्हरू देव ल्लुक्ट्रेय क्या, (बर्टिड मार्टिन এम, এ, ज्डीस (अनिर्क डिनीड क्ट्रेटिन।

নিমুল্থিত ভদ্রলোকের। প্রেট সেক্টোবি ছারা বৃদ্ধশের শেক্ষাবিভাগের চ্তুর্থ জ্ঞেনিতে নিযুক্ত হওয়াতে পশ্চালি, থিড কালেজান্তি । ২ইলেন।

- अ. छवलि छै, शाद्वक्रें भारक्व क्राक कारलेखा
- ঞ, লেখ্ডিজ সাছেব কৃষ্ণনগরকালেজ। জার, এস, মাজেলগ সাহেব রেবেনিউবোডের প্রতিনিধ সেক্টোরি হইবেন।
- ভে, মনরে। সংহেব রেবেনিউ বোডের প্রতি নিধি জুনিয়র সেকেটার হটবেন।
- এ, খ্লে, আর বেনাত্রও সাহেষ দিনাজপুরের প্রতিনিধি সিবিল ও সেসিয়ন জল ক্ইবেন।

এচ, এল, श्रांतिमन माहित वर्षमात श्रथम क्रिनित श्रांकिनिधि माखित्रिके अ कारणेटेंद्र इंडर्बन।

যত দিন জে. এস, আবমউও সাতের মফ খানে থাকেবেন তত দিন কটকের দিবিবে ১৮৬৪ অব্দের ২২ জাইনের .১৯ ধারামুঘারী দোষের বিচাব করিবার ভার কটকের প্রতিনিধি জাইন্ট মাজিটেট টি, কার্কউড সাহেবের হস্তে দেওয়া গেল।

যতানিন বাবু ল্গানিথ বড়ু য়া বিনায় লইয়। অনুপঞ্জি থাকিবেই ততানন মৌলবী আছ্মান আলী লিবসাগবের প্রতিনিধি মুক্ষেক হইবেন।

ষত দিন বাবু রাজরাজেশ্ব ভট্টার্গি সর কারী কার্যোপসংক স্থানাস্তরে থাকিবেন, ভত দিন বাবু বামদ্যাল ঘোষ ভার্মন্ত হারববের শুভিনিধ মুক্ষেক ইউবেন।

्वीनु कांसाईनाल भूत्थालीकांच वि, अल, इंडे ब्रॉट्सब अञ्चल क्षांदक्तांव आउपने व भूत्राण

ठ हे बद्दाष्ट्रवा । उद्योग छै. श्रेष्ठः, श्रिशाण म'रह्य व्यविमारणव विमानिका मछोत मण्णानक ३ हेर्नुन

याना १८४५ (छश्रुष्ठी माछिए छ छ छ छ छ । कारमञ्जे । भोनवी आकातम इक अधीन इनामन कार्रात वर्ष । ध्यानि छ नियुक्त इहेरनम ।

নিমুলিখিত ভদ্রলে'কেরা পুরীর বিদ্যালিকা সভার সভা ২ইবেন'—

চৌধুরী কাশীনাথ দাস। বাবু রাণিকাপ্রদান মুখোপ'গ্রায়। ৯ চিমঞ্জি যাচক। ० नक्किएनात लाग ।

১০ ই নবেছর। সহকারী মাজিটেট ও কালে উর জে, এ, হপকিল সাহের চুয়াডাঙ্গা উপবি-ভাগের ভার পাইয়া মাজিটেট ও ডেপুটী কালে উরেব ক্ষমতাচালন করিবেন। ডিনি আরও দিতীয় জেশির প্রভিনিধি জাই ট মাজিটেটের পদস্থ থাকিবেন।

আমাদিণের এলাছাবাদস্থ শংবাদ দাতা লিখিয়াছেনঃ—

া এখানে ভাজি কালি ধর্মালোচনার প্রাত্ত ভার দ্বৈত্বা আমরা অভন্তে আনন্দিত হইলাম, এখানকার চকের রাস্তারধারে প্রায়প্রভাহ প্রাত্ত কাল ও সন্ধারি সময় এদিকে পাদরিরা বাইবের ঘোষণা করেন, ওদিকে মুসলমানেরা কোরাণ অনা দিকে হিন্দু পশুভেরা হিন্দুলাস্ত্রাঘাষণা করেন, সকল ভানেই লাকের এত জনতা হয় ঘ এক এক দিন প্রাস্থায় যাতায়াত করা কঠিন ভইয়া উঠে। এতজির এখানে ছইটি ব্রাহ্মাসমাজ। প্রতিষ্ঠিত হইয়াছে।

२। এখানকার छुটि खाक्तभगटळात महस्र ভারতবর্ষীয় শোধাসমাজটির উপর জীবুক্ত বাবু ्कनोवहन्त्र (त्रम महानंदम्ब विदल्य यत्र प्यादह দেখিতে পাওয়া যায়: কেশৰ বাৰু আপন শিষ্পেলসম্ভিব্যাহাতে সিমলা শ'হাড় হইজে প্রভ্যাগমন করিয়া এখানকার ভারভবষীয় শাখা স্মাঞ্জের স্তগোণকে লইয়া এক দিবস প্রাতঃ काल इस चंडिको इड्डिया जिल्ला मन घरेकालय ज खारकारनव करवन अव । डें!श्रे मिश्र के नाना श्राम छिभरतम (प्रम । सिष्(प्रतासम छत्। शाहत । १० सन् । वांबुद किरमवश्रवाली अर्थार शार्थमा, भार्र 'बारताहमा, मक्कीर्सम ७ (थान कहारतत समन প্রভৃতি উত্যাসটে কিন্তু বা ক্রিক লে উংস্ব ভ্ৰেন্ত সময় সকলে দণ্ডায়মান ১ইয়া কেশব বাৰুকে দাষ্ট্ৰাঞ্চ প্ৰবিপাত কৰা ৮ টাহার চরণ ধরিয়া উক্তঃশ্বরে রোদন করাব মর্মা বুনিডে না পারিয়া আমরা বড় ১ঃখিত। চইয়াছি। मण्यानक महान्य । यमि आयमकात अञ्चरतार्य क्रिन्य वायु व्यामानिशास हेशत मन्त्र बुसाहेश (बन, 'डाठा इहेटल 'अप । च वाधिक इहे।

ত। ষেত্রপ ইসেংশের উপজক্ষে ব'লালা বিচারপ দেশের জোকসকল আয়েমাদ প্রমোদ করিয়া অদ( হই থাকে, ভক্ষণ এদেশের লোকসকল রামলীলা আরম্ভ উপলক্ষে নানাপ্রকার আয়েমাদ করিয়া থাকে। ও বিচ পঞ্চমীর দিন হুইডে আরেম্ভ হুইয়া বিজয়া দল্ । ইইগান

মার দিনপথান্ত রামলীলার আজ্বর হয়। দশ
মীর দিবদ সন্ধাবি প্রারালে রপক্ষেত্রের এক
দিকে আপন দলবলসমন্তিবাহারে রাম্য লক্ষ্য
আনা দিকে দৈন। সামক্ষমভিব্যাহারে রাম্য উপ
স্থিত দন । তংপরে উত্তর দলে ঘোরসং
ান হয়। রাম (ব্র ক্ষাণ বালকে সাজে) অন্য
লাভ করিয়া সীভার উদ্ধারপূর্যক মহা আড়ম্বরে
গহে প্রভ্যাগমন করিলেন এবং কাগজেও
নির্মান্ত বাবন রলে পরাভূত হইয়া রলম্বলে আভ
স্বাজির সহিত ভব্মসাথ হইলেন। এই সকল
দেখিয়া ব্রেভান্থগের ইভিহাস স্মাণপথায়ত ।
হইয়া মনে করণার উদয় হয়। মেলাস্থানে
লোকেবও হাতি ঘোড়ার এভ ভিড্ হয় যে
ভাইয়ে সংখ্যা করা অভি কঠিন।

৪। পুর্নাবিধি দেয়ালির সমন্ন ( ল্যামাপুজাব সমন্ন ) এদেশে দীপদান ও জুয়াখেলার বড় দুম ইইয়া থাকে। এমনাক আমরা এখানে চড় দুনী ও জ্মাবসা এই ছই দিবস রাস্তান্ন পর্যন্তে এরপ জুয়া খেলার ধুম দেখিয়াভি যে খেলার ভড়েও লোকের কলরবে রাস্তাচলা ভাব হইড, কিন্তু এবংসর সেরপে দেখি নাই।

का करहर किया गठ इहेल अचारन अकरि वफ काक्या वालाव चित्राक्रिल । अक कामलि उ इहे भारत अकि मक्षानरक भरतत चात इहेरल अकि वानर किंगे होंगा नहां। जिल्ला अक स्थाला । घारण केलव वालकित महिल स्थला कृति। इ एक्ल, अमन ममस के वालरकत माठा (पश्चित्र) केरिक करत वालन किल्ला केगर कामला वाल हता यात्र । जरलान काला होंगा वाल कामिला वाल किरिक धार हरेंगा माना वाला हेंगा यात्र । वाला किरिक धार हरेंगा माना वाला हरेंगा स्थान ।

- ७ । छ वं व भान्ध्राभारतय ( यक्षमत इहेट्ड महीभागाः ) भागाः भारत देशस्ट्य भुतिस्थ इस्टान्त्रेय । इस्सारम्य व्यवकाश्र सञ्ज्ञारस्य ग्राम्स्य । भागाः स्थापाः क्षमा व्यक्ति हिन्द्र कार्याः स्युक्त इहेम्राह्म।
- ৭। করেকদিবসাব্ধ মহারাজ সিক্ষিয়া বাহাছৰ এথানে বাজা বাইয়েব শিলালয়ে অধ স্থাত কবিতেছেন। এ দেবালয়ট মহাবাজেব তপত্ক।
- ৮। আগরা ইউডে হাইকোটের এক জন বিচারপতি এলাহাবাদে আগিয়াচেন এবং অদ্যাহটতে এখানে বিচাবকাষ্য সংশার হইডে আরম্ভ ইইবাচে। আমরা হাইকোটের বালিটি ও বিচারাসন প্রস্তৃতি দেখিয়া আঞ্চাদিভ ইইলান

আমাদিগের পোয়ালিয়রছ ক বাদ দাতা লিখিয়াছেন।

১। ভারমাসের শেষ সপ্তাহে এখানকার প্রনার্ফির কথা লি:খয়াছিলাম এবং ভল্লিবলন क्षा छेट्यन्त 'या'छात्र छ। त्राक्ष कतिशाहि। 'या स्व মাধ পাড়বামাত্র এ অঞ্চলে ছডিকের লক্ষণ क्षकाम পाञ्च, फाउँ को अध्यक्षकरम के मारमञ् क्षश्रम श्रीहरू अक लगुजा। दृष्टि वस्त्राराज नगा সকল দম্পূৰ্ণ ধ্বাস্থূধে প্ৰিড মাংইয়া এক 'धाबा (अपु फार्बा तकस्वत क्यान केश्यत हरू-स्रोत्छ। हेश्यांक्रे अभया अन्य अन्तिक लकारम फान्द्रांश (क्या यात्र नाहे। यथन भाषा प्रता अभवतः महासा इहेट आवस्र वस् अब शक्तवाइखब अदेनक शब्ध वः क्षत्रास्त्री खलग्र ल दर्फ छेन्। क क्हेग्र किना अभादा छ अब प्रध्यान ব্যাস্থ্য ইইয়া ছয় সামের কর্মকণ 👺 গভ কারেয়া এক পোষণাগাত্র প্রকাশ করেন এবং ८। क्र) यहना निदालाय (वा १८५व अनः या गर्गात कि पश्चिम करवन अवतः भागानाः , लाहक वाकार ह ज्यक्ष wa डिलाक्कन कविट्ड लाइव. अहे सना कारन क्षात्व कृषधनमानि काम। आदश्च कहेदाव आएग्रा क्षा क्षेट्राष्ट्रकः । अव्ययद्वात्र । वहे । याप्रवाशाञ्च भारतक मध्यामगरक । भागान्य । व्हेरारक । धरः 'अप्तिन अवनंद्रभन्ते महत्राक्षदक धनःचानः भिष्ठादङ्ग আবাপ্নিও এ সংবদে অবগড চটয়া দেশ<sup>0</sup>য় নাঞ্জার স্থান, সা ও উদার ভারের প বচয় প্রে-4 (154 )

এখানে ঘাস বছ মাহাল, হইয়াছো। ২ । বর্ম টাকা ঘাসের মধ্য ভাষাও পাওয়া বার না। গ্রেণ্ডানেপ্রের হস্তা ও বলন ছানাভাবে প্রেরিড কর্যাছে: প্রেণ্ডান্মপ্রছ ড লগতে অসম্ভব মহাঘা। দিন স্বিদ্র লোকদেব। গরপ কর্ম হচতেছে ভাষানে ধরা কে জানাইর ভাবে প্রপানে পর লক-প্রাক্তির প্রসংগ্রে সামানা, প্রেরে কর্মে পাই—ভিছে এই বিফা। কা সব অবস্তা এছ কোলাই। ভারে জার্মি প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তির প্রাক্তি

ন হ মহার জা গুজার গুরু ই বগান হইছে আয়ু পালবমনাথে গ্রেরটোন কছু দন লাজেই ব্যৱহার হৈ কিন্তু দন লাজেই নান্য স্বাহ্রটার মান্ত্রতার কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু

ত। মহারাজ, রাজ্যের জীর্জির জন্য আর একটী শুভ কার্য্যের কল্পনা করিছেছেন, অর্থাৎ খাল খনন করিবার জন্য ইন্সিনিয়ারের নিক্চ একটা নক্ষা ও আনুমানিক ব্যায়ের তালিকা চাহিয়ারেন। এই কার্য্যেট করিলে ভাবী ছর্ভি-ক্ষের আলক্ষা ঘাইবে ও প্রজাদের স্থলসূজ্যি রুজি হইবে ভাষার সন্দেহ নাই: অক্সন্তঃ মহারাজ্য এভদিন সাধারণ কার্য্যে বড় হল্পক্ষেপ করেন নাই। এখন ভাহার এইসকল কার্য্য দেখিয়া সক লেই সুখা হইভেছেন। রাজবানীতে বিদ্যা

৪। এখানে বাঙ্গালী বাবুদের বে কালীবাড়ী আছে: পুজার ভিন দিন ঐ স্থানে ধুম ধামে বাবরা আমোদ আফাদে করিয়াছেন। এক দিন নিপ্তকাদের নাচ ও অত্ততা কোন বিখ্যাত গায়-কেব গান হইয়াছিল, ভাহারাদিরও মক্ষ আয়ো জন হয় নাই।

৬। আগিষ্টাট এ শ্বিয়ার বাবু ক্ষেত্রনাথ
চট্টোপাধ্যার গাঁড সেপ্টেশ্ব হইডে ৪০০ টাকা
্বভনে প্রথম এলগীড়ে উন্নতি পাইয়াছেন।
হান ঝাঁজিব খাস্তা নির্মাণবিষয়ে বিশেষ
প্রবাভি পাইয়াছেন। ইংবাজ হইলে এই কর্মের
ক্ষম একজিকিউটিব ইজিনিয়র হইয়া বাইডেন।

প । বাবু নধীনচন্দ্র চক্রবান্তীর অনুপঞ্জিতিতে

অন্তঃ সভাসকলের অনেক ছ্রবস্থা হইয়াছে।
নবীন বাবু এখান হইছে বদলি হইয়া অনংজ্

বাইদ্রন এইরূপ জনরব শুনা ঘাইছেছে।
ইহাতে অনেকে ছুংখ প্রকাশ ক্রিছেছেন। কিন্তু
নবীন বাবু শীল্ল এখানে আসিবেন, এমন
আভাবে চিটি লিখিয়াছেন।

৮। আংশির মানেস ব মধ্যে এখানে ক একটা ভয়নিক তার (চহারাছে। তেম্ধের নিম্লিখিত ব্নিটোরেড়া ভয়নেক।

্রক (নম প্রকাশা বাজাবের মধে। শ্রাণির বারা মহাত্মা রামমোহন রার মহাত্রের প্রচা হলে প্রলি গাড়ি এক বিভি হইয়া রাজিয়াপন বিভ পত্ম ভারতবর্ষ বাজি হইবে। ই হার উপ কলিডে ছল । ওলাগে এক জনের গলা লে । দেশগুণে অনেকের মন ইইভে ঘূণা হেষ আহ কল্লেয়াও করাতে সেঁদুত হয়। ঐ হত্যার স্থাবপ্রভৃতি পশুব্ধ ব্যবহার একেথারে চুণ

৯। সব আসিষ্টাণ্ট সার্জ্জনের জন, গব্যর জেনরলের একেন্ট কর্ণেল মীড় সালেরের নিকট যে দরখান্ত করা কইয়াছলং ভাংলাম ভাগ্র উত্তরে হাস্পটালের ইনস্পেট্র জেনরেল সাকের লিখেয়াছেন যে, ভদ্ধ ছাউনিতভ র 'লক হাস্পটালাণ আছে, দেলীয় ডাজ্জারের হাতে ভাগ্র ভার দেওয়া যাহতে পারেন। ভবে ইংরাজ ভাজারে অধীনে যেমন এক জন নেটিব ভাজার দেওয়া ঘাইতে পারে। এ ব্যায় নেটিব ভাজার দেওয়া ঘাইতে পারে। এ ব্যায় দেয় কি হয় বলিতে পারি না। আমাদের নেটের ভাজেরের উপর বিশাস ও শ্রন্ধা নাই।

১০। এখানে শীত অনুভূত হইতেছে। খাতু পরিবজের নামক ব্যান স্থান্ত আব্ধান হর্ ভেছে, এখানে সেইরূপ হইতেছে।

## গ্রেরিত

মান্যবর জীযুক্ত সোম প্রকাশসম্পাদক
মহাশঃ সমীপেছু।

অদ্ধোর ছই বংশর অভীত হইল, মুক্লের একটা রাক্ষাসমাল স্থাপিত হইরাছে: এই শমাক্ষণী শ্রীণুক্ত কেশবচক্র সেন মহালারের যথে ক্রমশা উন্ন ভগোপানে পদাপণ কারতেছে। আমি অগ্রে মনে করিভাম, ভারতভাম এত দিনে একটা সুসন্তান প্রশ্ব করিয় ছেন ইফার ঘারা মহাত্মা রাম্মোহন রায় মহালারের প্রচা রিভ গল্ম ভারতবর্ষ ব্যাপ্ত হইবে। ই হার উপ দেশগুণে অনেকের মন হইতে ঘৃণা হেম অহ ক্ষারপ্রভৃতি পশ্ববং ব্যবহার প্রশেশরে চুণ

**२३मा ४८मा: अफ: धकालड इं३८वे ७ शेन्यल** । ভারতভূত্তির সন্তালগণ 'এ হতাসুত্রে বস্তু হট্যা। উছোর বন্ধকালের অপজ্ঞ স্বাধীনভারত্তক क्षाके। पैन करिया सूची कायर । किन्न कि प्रश्रायत . दिवस् । यथम प्याःम काँहातः नियः प्रश्नास्यः नयम निर्कल कति, एच न उन्हित्तत व्यक्तिरूप अभन्न वासाइवरतं (क्यून करत्म । प्राचित्क मार्हे। যখন খোল কর্তাল শব্দাদির বালের সমাজ্য निस्त्र भावेशू त्रष्ठ हन्न, यथन देवस्थ्य फर्श्वत इहे চারি জন লোক লইয়া একভার সহিত গীড়া तक करैंबन, यथन टीहाबा अष्टान्तमी प्र याकि मध्रमधा मिया नगतकी खन कतिए व र्गाउ रन, ভখন কার কামরে উক্ত আশা ক্ষণমাত্র ও হান্যে क्र'न शाप्त ना। कि काफर्श। वेश्वत्वत्र निकरे क्षा র্পনা করিবার জন্য এত বাহ্যাভ্যব ও লঙ্খান্দ্ধা নির যে কি আবেশ।কতা ছইয়াছে ওছে, জানি না। याश रुष्ठिक अधानकात क्षित्र आका ज्ञाकृतर्गरक ক্রিজ্ঞাস। করি যে পুর্নে কলিকাভাত্ত ভেবুতলাব র'কাসমাজকে কি এই জাড়ধর জন। উপহাস করা হইত না ় তবে কেন ভাঁহারা সেই প্রথাতে अकर्ण अंड आपन्न कतिरुड्डिन ? मा उपमकान চক্ষু অক্সাছিল, একানে ভাষা খুলিয়া গিয়াছে ব'লয়া ভাল লাগিতেছে কেনই বা ধীমান দেবে अन्त्राथ ठे कुत्र महाना एवत् ने नास क्ष्ट्रेएक दि व्हिन क्षेत्रा व्यक्ति व्हरक घारत घारत फिका करिया কলিকাভায় একটা ভারতব্যীয় প্রক্ষাসমাজ স্থাপন কবিবার চেত্রী করিভেছেন ?

কেশৰ ৰাবু লিখ্যদিয়ের আপনার চৰণ্য লৈ ्लाइस क'र्य√ (কল অসুমোদন क्ति क्रेब्ट्रप्रतक म्हित्त क्रिकेट स्ट्रेड कारथः ভ दिन अङ्ग कि हो। यस कि निकृष्टे करवस १ (कस জ্ঞানিগদে চৰণভালে নিপতিত দেখিয়া পায়ণ (पर्वत महासु प्रकाशमान शाहकन ? "भाग दश्चन দেখি, এগুলি কি পাম পিতার অভিপ্রেভ কার্য ২ (क्रम् व (मन । आभिन्नि आहमन (य. निर्धा मञ्जूषः মাত্র ; জাপনি স্বার্থসাদে আনক ওং পাই মান্ত্ৰ, ভাষা কেবল উচিত্ৰ মঙ্গল অভিপ্ৰায় भाषसञ्ज्ञात कि मु अनाम लहेदात जना गढ़ । १०७ মালে কাপনার যে বিনয় দেখা গিয়া,ড় बिर्ड भक्तर्य ५'भ बंख চাৰিয়াছিলেন ও অনেকক্ষণ ভূমিতে পঞ্জি। সকলের চবল্ধুলি লইবারও বাসনা কংকাকরি রাছিলেন। এখন দেবিষয় কে'থায় গেল? আমাপনার শিশ,গর যুত্তদিন আপেনাকে অর্ডার 🖟 জুল্য জ্ঞান করিবে এবং চরণধূলি লেংন করিখে। ক্তভদিন ক্ষান্ত্রা জ্ঞাপন র উক্ত বিনয়কে

একান্ত বৰ্গন্দ } জী হী! জামালপুৰ

-00:-

মহলেয় গিত বারের সোমপ্রকাণে ঐক্রাধন্দ প্রচারক প্রীযুক্ত বিজয়কুক গোলামী ও ক্রিপ্রকার বিজয়ক গোলামী ও ক্রিপ্রকার বিজয়ক গোলামি ও ক্রেপ্রকার বিজয়ক বিজয়ক বিজয়ক বিজয়ক করিয়া উত্তরস্থানে আ মাক্তু লিখেতে বাদ্য হইলাম, ক্রেয়াহ করিয়া সেমপ্রকালের পাঠকবগের বেগহর করিলোচরবাবেত হহব।

কোৰ কোন এক্ষা প্ৰধাস্পৰ জীযুক্ত কেশব हु<u>भ्रम मन महान</u>रप्रत ल. डिस्ट्रेस भवा कार्श প্রদর্শন করিয়া তাছাকে '' প্রন্তো গ পরিব্রাত, ''ওপাণীরগতিত প্রভৃতি শব্দে সংখাধন করিভেছেন এ কথা সভ্যা ভালার। যে কেন अत्राप्त करवत, छाष्यक्ष्यां । यां क्रियमान বাবিচার করিতে চাহে না আংনার এইযাত্র क्षञ्जात्रा, উक्त महाया अक्रम चावशात हारहर कना, देश डीकात कञ्चरमाधनीय कि ना, ভেন ইংতে সভাই কি বিৱক্ত, আন্মেষ্ঠ দুৰ लान डाँशांद भक्त मध्येन करिएड शबूख् इहेता ध यथन मूर्ण दत क विषद्य मश् कार्यकालन अध यथन भूष्ट्रा अ कारमाहल है। लहेसा अ काहण गर्ना **भक्रक्ष इ**य, (महे मध्य महायू। (कल्वहस्र (त्रम विभव) इहेर्ड गुर्क्त क्रश्तिमन क्रित्स्म : সকল বিষয় ভাঁছার কর্ণপ্রেচর চইল। তিনি ः हे कार्ष्टिक त्रिवादतत्र आह्छ भूटक्रव्रमभाटका Beiवनात्र १४ अक्टबर (४४८४ BYerm brain ज्**रम अवनी इस्तीर्घ देख**्या काइएलन । आस्त चत्रः मभास्मभान्तर्व छिन इष्ट थाःकप्रत्ये हत শুনিয়াছি মুক্তকট্ঠে বলৈতে পাবি তিনি এরপ रावश्य हार्ट्स मा । वनः हैहार् ७ जिल्ला विवक्तः বজ্ঞার মধে ছই ডিন ফানে বলিয়াছেন ं व्यामि (काम) विभादक (यमकल केंशदूरन्य विश्वः शांकि, उपदूराधी कार्या करत्त्रहे 'अन्नान क्ष ७ याब्दे जिल्लिन क्रडेक्टजा धकान कहा । ३५१ व বাতেরের সক্ষান প্রকাশ করিয়া কেন আমার নিষ্টপাধন কর? জামিএ সম্মানচাটিনা, আমানি ইহাড়ের বিভিন্ত হুট : জানে জব্দের আছু ह्हेट्ड **फा**नि साहे, क्षेत्र छव : भाकपिर्वत हब्न

আমার এ চাকুরির অভাব নাই : বেখানে যাইবং त्नरे थार्त्वरे ७ ठाकूति सूटिर्व। » उञ्जनकार् কথাতে কি বেধি হয়? যদি গোখামী মহাশ্রা লে দিন মুক্তের সমাজে উপস্থিত পাঞ্জিতেন ভাৰা হইলে বোৰ করি ডিনি' জালার পত্রের উপসংক্ষারকালে अक्षामण महीनद्वत छेखा চাহিতে দু.না । অভঃপর কামার বিনীত ভাতেব∃ धार्यमा अहे याहाता खन्तानम महाभन्नतंत्र व्यवकारी वटल श्रीकार कतिएएएइम डीइक्लिएक हैशेद কারণ জিক্ষাদা করিতে পারেন। কিন্ত যাহাকে लहेत्रा अमकल शांगरयात्र जिनि मण्युर्वक्रत्य 'नट्रम्हास । विना कायरण डीहाटक (कह जनगाड কহিলে আমাদের সহা হয় না। আপনি এক স্থানে निधियार्ष्ट्रमयथन डाजानमार्क अजानकीर्यम् আরম্ভ হয়, তথনই জানিয়াছি কেশৰ ধারু স্বাৰ ভার হইবার বাসনায় ব্যান হইয়াকেন। কীজ নেব প্রবর্গী কিছু মধুৰ, ইয়াতে শীক্স চিত্ত আবে দণ কৰে, খেছাল কি প্ৰশাদ ভাল। ব্ৰহ্মণদীত भक्तल शाहरण कि वृक्षित न शांत्व मा । कीर्बान কিচাসা কি ভয় কৈ ছালোক সকলেই যোগ म् एक भारतम । এই समा महत्व की संत्यत हुए स গীত প্রস্তুত হয় এবং সেই ফুরুরের অলুরোরের भुष्टम व्यवहात कवा इप्ता हैशात क्यांन खाटन क्यांन বাবুর কাবভার হটব'ব বাগ্রভাপ্রকাশ পাই-७ (इ. ? এই উপ: १ क वाल न 'डेक महाबादक ''আস্বেছ অবভার শিপ্তস্থে ডারেনে। বিজ্ঞাপ করি। हार्ड्डन । वर्षमान । १९न म डेंग्ड्र म्ड कि. विद्रभाग करण या का विद्रा याका भटन आहेल जाराहे (क्या वालगान मती क्षा व्यवस्ती प्रका कर्यद करावडे ६०७ वर्ग वाहे। अकरन অংপ রে ও অংশনার পাঠবরগোর মনে কেশব वार्व का कि ्य भएकि व वेशवाहित को स्वाह कर् ेक्षके का मधी के.का.न दस्।

१० अकाशिक है अनुकर्भका उन्हें कि क्रिक्ट्या का उद्घेष्ठित्।

প্রধান করেণ। সভ্যবটে এই ঋতু আমাদেশের স্থায় রাজেন কিপ্রকার শাসন হইডেছে তাহা বৈত্র মাহার। হঞ্ভবন্সম আট্টালবার মণে। খদ্ খদের টাটির বায়ু দেবন করিতে থাকেন: ভারাদিলের পঞ্চে ঐ কছে। স্থাকর হয়। ভাষার | লাঘর না হুইয়া বরং রাদ্ধির সম্ভাবনা। শিবিব্যধ্যে সন্দেহ নাই।

अहे अक्षात्मत कृष्टभूति (मण्डेरमंडे अपनित्र) 🕮 যুক্ত অনৱেবল ডুমও গংকেব যে পাঁচ বংগন काल मामबञ्जाद बर्ग काव्या हिटलन ख्यारि। र्छ। हाटक ७ मान चाल ७ हा छन भी भएगा था। कर ७ ्रम्था याग्र माई । वर्षरत्त्र व्यक्तिरम् त व्यक्ति কাল প্রান্তে বাম করিছেন।

स्था गाइंट्रिइ, এ श्राप्तानत् वर्डमान । लक्ष নেন্ট সবংর জীমুক্ত সার উইলম খীয়র সাহেব पुमछ गारहरतत भाग्न । जागा जिलायी भरहन কন্ধ কৈ ভাষার প্রমাণ ও কিছুই দখিতে পাওয়-भाष्त्र मा । है। म छ। कार्य । छात् । धाहरशत । व्यवस्थि কলিবিলয়েই নাইনীভালের পাহাড়ে ঘাত্রা প্রিয়াছেন।

সম্পাদক মহানয় যেতি এপ্রদেশের শাসন কন্ত্রাদিপের বংস্বেব জিন ভাগ কাল প্রসূতে থাকাই নিশিচত চইজ, তেৰে কৈ নিমিত জনপ্ৰ - • । • १ वाक होको वाग कर्त्या अवाधायास अर ণ্মেণ্ট হউদ্ এবং আরে আর সরকারি প্রহ ানশ্বিত হঠান্ডাড় :

भदर्ग मन्द्र यक्षक हिला का सुवन्द्र सुन्त प्रक्रि পাড়ক রেন, চাপবাসি গ্রাভূ ভট্ মার, যায় কৰ এক বংক্ষিব সোগাভিলায় েতু বাঞ্চ য কভ নষ্ট কয়, জাহা এক বার চফুচ টুন্টিলন রিয়া দেখেন না। প্রধানের অঞ্করণ স্করিই हेग्रा **धारकः। त्मञ्जे**रम् हे गवन्त्वत् (प्रचार्न्स् ध निहानिह अधीन कर्षाठातीयान उरकाश्वासी ইতে থাকেন, ভক্ষনা সরকারী ধনাগান eছটে প্ৰতিৰংসৰ গেকত অগৰংগ্ৰহণ ভাগ শংনিলে বিশারাখিত কংক্তে কয় !

ত্র বংসর (বাহিল্খণ্ড, ১৯৫)ট আলব। লাভূতি স্থানে অনার্ষিট্ড্ডু এখনি ছভিক্ষয়লেও लगः विक्री ७ ३३८७१६ लगात्कव गाव भव नाई कष्टे व्वेद्वार्ड। त्रिकार (ध फ्रेड्सक्र क्रा.स. **७ इ**चि लक्क्न (मण) माई(फ्राइ न।

গ্রেণ্টে ছাউচ পাছভাব দশন কর্মা প্রস্থা আপ্রপ্রক্রে সাঠে জল দীভাইয়া র্কিয়াছে প্রক্রার আবে কট্টরান্ধ হয় ভারার উদেয়েগ কট<sub>া</sub> সমুদায়েই ন<u>ই ইইয়া গিয়াছে ৷ ভরি ভবকারি</u>

নায়েছঃধী লোকের পক্ষে অভ্যন্ত ফ্রেশকর। দশন কারবার মানস করিয়াছেন। সেচী ভাঁছার করিব্য কর্মা বটেং কিন্তু যে আভেমর করিয়া যাই েছেন ভাষ্তে প্রজাদিগের এ সময়ে কষ্টের बाद्यानिक तनावत है। इस्की, ५००।५०० अन्य २००,२৫० वलम, ७००।८०० 📆, ७/७४ रेगम। সামস্ত এবং ডিন্ চারি হাজার লোক থাকে । भातामान एम्ब शब्दाता अर्थान व्यक्ता छार्। कर्रे भाइराउद्देश, खबाब बाबात त्य ब्हेन के भवान (मा ५ न लहेशा श्राय अक भाग काल शांकर्यन সম্পাদক মহাশয়া এইকাপ আড়েশ্ব করিয় াবপদাপর স্থানে যাওয়া কি এক জন স্থাবিভ শাসনকভার সমুচিত কার্যা হইডেচে?

> **छेन्द्रशतकारम बोधत मारश्य निक** এই প্রার্থন। যে, এক্লের রাজধানীতে উত্তর রালবাটী প্রস্তুত হইল, আর মেন পালড়ে থাকিয়া অনুৰ্থক ধনাগার থালি না করেন এব ও ভিজ্ঞী, ড়ত স্থানত লৈ যদি দেখিবা মানস থাকে, ভাহা হইলে যেন জনেক পুম ধান कः तथा भाषाना

> > कम्। हिर মোবাদাবাদ বাসিনঃ

মুর্সদাবাদের অস্তঃপাডী কিয়াগঞ্চ, বংলু **চর, মহিম'পুরপ্রাজুডি স্থানে অভিলয় জ্বর হই**য় कार्तरक कल्टे भारे (कर्ष) खारतत अहम था छ र्ভाव कथन मृत्तिद्वाहत इस नाहै। अभिक्छः च्यारुकर्भत रियम् अहे (य. अक्रभ क्यार्ग वक्षी छिडम (हाकरमानय नाई। अशास व्यक्ति धन বান লোক আছেন, জাঁছারা কেবল মাত্র মালার এবং উত্তম আভরণসংগ্রাহেই বাস্ত কিছ একটা ভাল ভাজেরখানা করিবাং কাহার চেষ্টাও নাই। জীগো:

-----

সংশিয় গত আঘাতও আবেশের বনগ্র तियग्न ए जापिनाहक ङानाईग्नोड्, किञ्च ७० ५ ভাদে ভঞ্জ একটা বন্য হইয়া দেশকৈ পুনর: 🖟 প্লাবিত করিয়াছে। স**ত ছই বারের ন**ষ্টাবনি<sup>ত</sup>়া আবাৰ মড়াব উপয় শাড়াৰ সং েকাথায় সৈচে ছিল, এ বাবে আৰু ভাষাৰ কিছুই নাই -হক্ষার উপায় অবলয়ন করিবেন, না যাহাছে। প্রজাগণের ধান্য ইক্ষু ভুক্ত কাপাস ইকণ্টি। ভেছে। সংবাদ পাত্যা মাইটেছে মার উইলম কিছুই পাওয়া যায় না । কলিকাঙা অঞ্চলের গাঁঘামিডেছে না। মীয়র সাহেব বৈলাবহার। পান্তবাগ করিয়া নায়ে এ দেশে প্রভাহ ভরি ভরকানি ও জনানের 🖯

अरवात बाब्बात बरम मा। मान त्रवि श्रकृष्टि निर्मि ष्टे वादत २१७ त्कान चाल्यत अक्की अक्की हात्रे বলিয়া খাকে। লোককে তৈতা লবণ ও জ্ঞানঃ कावभाक प्रवामि १ ৮ मिटनत भतिमार किनिया রাখিতে হয়। 🗷 ছরবস্থার সমধ্যে সে হাটও मकल क्षारन अवर मकल चारत वरम ना । य मञ .কান স্থানে বসে গভাষার এবটাদি দেখিতে দেখিতে কে কোন্দিলে যে লইয়া যায়, ভাহার ইয়ত। থাকে না। ধান ও পাওয়া ছক্ষৰ হই-য়াছে: অধিকতর আকেপের বিষয় এই যে, দেশের এত ছববস্থতেও আমাদিগের রাজপুরুষ দগকে এ অঞ্চলের প্রজারক্ষার কোন উপার অবলম্বন করিতে দেখিতেছি না। প্রথম বন্যার পর আবাদ ও বন্যাপীভিত্তদিলের সাহায্যার্থ যে ধান্য ও চাউল আসিয়াছিল, তাহা ভিন্ন দ্বিতীয় ও তৃতীর বন্যাতে আর কিছুই আইদে নাই। তাহাও সব ডিবিজ্ঞানের নিকটবর্তী স্থানসকলেই বিভবিত ক্রয়াছিল : দূরবর্তী স্থানে ক্র নাই : আমর। এরপ সাহাযে।র চোন অভিপ্রায় বুঝিতে পারিনা। কাথি অঞ্চল যদিও বন্য হইয়া-ছিল, তথাপি সে দিগে আবাদ হইয়াছে। কিন্তু অমরশী, বরজপুর, ভ্ঞামুঠা, প্রজামুঠা ও জলামুঠাপ্রস্কৃতি যেসকল প্রগণায় কেলেঘাইর জল প্রবেশ করিয়াছিল, তথায় একটা ভূণও নাই। মাঠসমুদর পুন্নাকার হইরা ওথিয়াছে: অপিবাসী দগের অধিকাংশ গৃহ প্তিভ ইইয়া ছরবস্থার এক শেষ হইয়াচে । লোকে এক বংস্ধ কাল কি খাইয়া যে বাঁচিয়া খাকিবে, ভাহাব -কাৰ উপায় দেখিতেছি না। খাজনা, প্রিবার প্রজিপালন ও আগামী চাদের বায় যে কিনে নির্সাধ্ হইবে, লোকে ভাষা ভাবিয়াই অফ্রির ৽ইয়াছে। কাঁথিব ডেপুটা কালেক্টরের এর দকল পর্গণার প্রতি বিশেষ দক্ষিপাত করা উ হৈ ত।

**डे ह**िथंड भ्रतिशामिकत्त व्यविभिन्। इ.स. য়াতে আমরা অন্য অন্য স্থনের ধানের উপর িনিউর করিয়াছিলাম ৷ কিন্তু পূলার প্র অবধি প্রায় ১ মাসের অধিক কাল রুটি না হওয়াড়েড ধানেরে অভাত ব্যাঘাত হইতেছে। ইহার মদে।ই **इ.क्. १ व्हेट का का का का का का कि है।** ও চাউলেব দর দিন দিন বংজিতেছে। লোকে পুনরার ছার্ভিকাশক্ষা করিভেছেন। গ্রণ্ডেনের এই বেলা সাবধান হওয়া ও উপায়বিধান কব। উচিত। আমাদের জেলার কালেইদের এখনও

পরিশেষে সাজিশর ছংখের সহিত প্রকাশ

कतिएकि रव, जामारनत পत्रम वक्क् मशका এ, রাট্রে সাহেব ডেপুটী কমিসনরের পদে প্র ড ষ্ঠিত হইরা আসাম অঞ্চল বাইতেছেন। গ্রাহার উর্বাড সকলেরই প্রার্থনীয় ; কিন্তু ভাষার ন্যায় প্রস্থকাতর ন্যার্বান্ মৃত্পভাধ মহামন্য लोकं (वाध इम्र कामता कात नाहेव मा।

#### कुछी मारेन्।

नम्रं नु नवर्गस है माछना (तन सरम् त अकार्य हरेए कुन्नी नाहेन हरेवात श्रेखांच बाहा कतिया (इस। এ श्राह्मवामिशन अहे मश्वाम अवन कत्रियः कि भवाश्व काश्नामित स्ट्रेज्डि, जाहा লেখনীছারা প্রকাশ করা যয় না। কেছ কেছ विमारकाइ, अंख मिर्नतः भन्न प्रक्रिय प्राप्तित (मोखारगांत खेमच श्हेम । (क्ह क्ह कहिरखरङ, कात्रमीयत व्यामानिरगत श्रान्तकात व्यात् अक উপায় উদ্যাটন করিয়া দিলেন, আরও কেই (कर् क्षकान कतिएक्राइ स्, क्राज्यकान नर्या उ মাঙলা বেল হয়ে কোম্পানি যে ক্ষতি সহ্যকরিয়া आनिवारध्म, अहे बारतहे छ। हाव मिः नरमह পূরণ হইবে। ইভিপুর্বের আমবা ২। ৩ বার ঐক্লপ প্রস্থাব গ্রাহা হইবার সংবাদ আবেগ করিয়া অভিশয় আনন্দিত হ্ইয়াছিলাম, ভাষার পর কোন কাৰ্য্যাল্লুটান না হওয়াডে গে জনেন্দ অন্তঃ করণ হইতে দুরীভুতহয়। কিন্ত গত ৮েই কার্ত্তিকের সোমপ্রকাশে এ কার্য্য আরম্ভ হইবার উদ্যোগ হইভেছে দেখিয়। পুনরায় আমানগের काष्ठःकत्रुर्ग दङ्ग कान्यस्य मध्यति व्हेन । अकर् व अ: प्रता विनो खंखारव । अवर्थस्य केंद्र **अ**ह क्षञ्चरत्रां कतिरंडिह य, याश्रां । ष्ट्रेगन छनि পলিগ্রানের সলিকটে হয়, সে বিষয়ে যত্রবান **৯উন এ**বং অভি সত্তর উক্ত কার্য্য আরম্ভ কার্ট্যা मिछन।

এ বংসর দেৰভার অভ্যাচা র জেলা ২৪ প্রথগার দক্ষিণ প্রদেশের শঙ্গের বলক্ষণ অনিষ্ট इर्बेब्राट्सं के कार्या बादक स्ट्रेटन कीन श्रेन श्रवा গৰ পরিজ্ঞান করিয়া দিনাতিপ করিতে সক্ষ क्ट्रेट्ट अवर अवर्गामा क्षेत्र मार्थ विदल्य आर्थ माश्रास कतियात व्यावनाक रहेत्य मा ।

अ भ्रांक वक्राम्म विम्रा, मञ्जूषा । अ मन्त्र क्रीत क्रावाडवर्षत काना काना श्राप्त क्रिया

। श्रीपाना द्राधिया ज्यानिएउएइन । र्यथारेन अक **ब्रम बाजाली आएडन, ्रेलई स्थारनहे छै**र्नाछ, **महे चार्नहे मानाक्षिक अवस्थात लाहि । किन्र** भाषता प्रधायक इट्रकिष्ठ, वाकाली विरान्त मकत कार्यात अक्री मीबा चार्छ, त्र भीवा (क्रम्बे च्यक्ति ান কবিতে সমর্থ ইইতেছেন না: আমাদিগের 'डेब.'कर अर्थ क**्**या क**ी भ**र्मार्थ लला। या**हे** (क्र. छ । প্রথমতঃ **এক ব্যক্তি বস্থু পরিস্থম। করিয়া বিশ্ব**-विद्रालाल पर केशाया नेश्रेस्ट । ५२ भारत विष्ट ত্রামে একটা বিদ্যালয়, ভৎপত্নে একটা রাক্ষাসমাঞ স্থাপিত করিলেন। অনস্তপ্ত একটা সাংহত্য সভা **इहेल। (मचारम मर्**ष- म**र्**ष- १८ - क्रमाठे ७ फर्क বিভর্ক হয় ৷ কেই কেই রাজনীতিসংক্রান্ত ছুই একটা বিষয়ের ভর্ক করেন : কিন্তু উন্নভির এই (नव मौमा। कनिकाछ। **भवधि मार्**हात्वभव्छ (य थारन वर्ष वाक्रामी ब्याह्मन, मकरमद्रहे উन्नजिद এই পরা কাণ্ঠা। বিদ্যালয় ভগাগ কনিবামাত্র অধায়নের শেষ হইল। ওকালডি, ডেপুটি মাজি টেটী, কেরাণীগিরি অথবা অন্য কোন কাল পইবামাত্র বিলাস আসিয়া জটিল। বেলা আট होत् शूर्ट्य निष्ठा कल इत्र ना। केलम काहत्र, উত্তম পরিচ্ছদ সটকায় ভমাক খাওয়। ও খোস शक्ष करा अरे ज्यानाम माञ्चाम । रेडिस्सार्थ विमा लग्न छ। एभेर भेर (यक्षकात याथार्थ भिका रहा. वाजाली पिरंत्रत छाहा नाहै, वेतर व्यरतरक साहा विष्णां मार्य भिका कार्यम, भरमानिक कार्या श्रवान इहेग्रा डाहा क्रममः (कामानाथरक हैरनर्ग कतिया भट्ड शांटकमा। (काम विषद्ध ष्यामापिरभव क्षत्राह् | बह्मार्यात इष्ट्र मा, (कांच दियस स्वामवी स्थान-नाता अञ्चनकान कतिया कित कित नाः आयापि গের শিক্ষা পরের পারপ্রমেন উপরে নির্ভর करता (कान डेभयुक्त ब्रह्मात य'हा वर्तन. কোন দেশমান্য ব্যক্তি যাহা করেন, ভাষাই व्यामानिर्गत बाहर ७ ऋष्ट्रशानभीय हम : व्यामतः বে জনরবের উপরে এত বিশ্বাস করি, ভাহার ' कारवह अहै। धिनि याश दलिएलन, जाबदा 🖯 ভাষা বিশ্বাস করিলাম, কথা কভ দূর সভা, ভাষা বাভাবিক আলদ্যনিবক্ষম আমরা অনুস্কান ক্রিয়া স্থির কারতে পারি না: এই নিংমত , সভাবতঃ সভ্যপ্তির হইরাও কার্যভে: আমবা 🖰 विरननौन्निमिर्गत निकरि मिथ्यावाभी विनया शवि চিত হইতেছি। আমরা অভাবত ভীক্ষুদ্ধি। वंद्यानीमिट्राव प्यटेशका आहेन कान छाछिहे मिका कहिएक भारत्रम मा उधानि अहे जालगा निवचन सामात्रमिटगर विठातभाउत्र । भाउनाति **অপেক্ষা দেওয়ানী মকদ্**ম। ভাল করিতে 🏻

নির্ভর করে। অল্লায়াসে দলীনের সাল্ভা 👁 🖯 ঘাথার্থ। স্থির করা যায়। উত্তর পক্ষের সাক্ষিগণ লপথপুরক আপেন্ নিগ্ রাখিবার /চটা পায় বাহালী বিচারপাত সভাগেঁডা ভাল বুক্তে পারেন নাঃ স্থুতরাং অনেক প্রায়ে অ'বচ'র করেন। এই আভাবিক আলেস্যুমিবল্বন আমরা এপহাত্ত একটা প্রকৃত মৃতন কঠা গ্রন্থকার দেখিতে পাইডেছি না। যেসকল এছ লি থিতে পরিশ্রম ও অবিচল বিবেচনাশক্তি চালম क्तिएड रुप्त, व्यामक्ष (अनक्ष्यत्य गात्रः यात्रि माः। नार्वेक, शहा, ष्वाञ्चरानश्चकृष्ठि व्यावानितात श्रमान अष्ट रहेएछ । भक्त कारक है जामाभित्तव शांधव श्रकांन भारे (उट्टा जागता (कान शांधः রণ ছিডকর কার্য্য করিবার সময়ে বথার্থ কাঞ অপেকাশত গুণ আড়ধর করি। আমর। সভঃ कतिनाम, भीषं भीषं २ भृषा इहेल, भाष्ट्रवात विषयः वक्षान भागांत्रांभरभत नतात्र प्रदेषिका कालक्ष्यी छेश्यान पिटलम किन्न किन्न होता विरुप्त शाक्षरत्त्र (वन'रे काज्ञा हाने। हेनात কারণ কি ? আম্বা কি স্বভাৰতঃ কুপণ কাডি ? ভাহা নয়। আমাদিগের আলস্য প্রবল ও বুদ্ধিব প্রগাটতা নাই, ইছাই আমাদিগের যাবতীয় অনর্থের মূল। আমরা এক ঘটিকাকালের ক্ষষ্ট লইয়া এক জন ছঃখীর উপকার করিতে পারি मा । इंडिरवारमानमील जारकत्रा चहरक पति प्र e नी/इंड लाक/म्हारक प्रमान करत्न। **यहरू** কট্র দেখিলে পরের ছাখ যত জানা যায়: জন ঞ্তিতে তাহ: হয় না ৷ আমর৷ নিকটস্থাড় (बनीत (वाध धर्मन कतिएड शांति मा 🤊 👺 छताः। वयाभ मारतत प्रवास इंडिटमा भीराजन व्यावा मिरण र अर्भका अंक क्रांचाका अंक अं कर्तन। महाप জীবনরস্তাস্থ ভঙায় নেপলিবন ाम् । । । । । । । ্শবির ও রণ লেখিবার সমুয়ে আচ্জেন व ४४। आहेरमन । W 18" a. (काम नाम, ती हरा भारतमा अ छ धर आगता ्य । महत्त भागन का ना । अहा निहामके । मिल्का**ल अहा** অবৈদ্যাস প্র ক্রানার **ক্রান্তর প্রভাব** विवस्त व्यासका एक है। निर्मात है भी भात शास *इकेर्*फ शास मा ।

किश्व जातज्वातत अमे। अमा खारमद (मार्क्ष) ক্রমনঃ অ'মাদিগোর **অগেকা ডেজিডা প্রদ**লন করিতেছেন। অমে!লিগের প্রাচীন কালের গ্রস্ত कात, बाकक्षात छ बीवशन ज्यापन ज्यापन वान , मार्म अवृष्ट करेगांद शूर्य अ के वानमार्मन ्याकितिए । कार्यप्रभित्न । जाङ्गानिह्यत्र वामकाहत जन्म किंद्राज्य। क्ष्य पूर्व क्ष्री अधिभाष्ट्र পা**রেন। দেওলানী মক্দ্**যা দলীলের উপরে শিষ্য **জ**াসতেন। রাজকুমারগণ যে দেশের

- জার ক্লখনতি, ধান করি<mark>ছেন, তথারু রাজ-</mark> ীতে ও যুদ্ধ 🕬 ) করিতেও সাইতেজন। কর্ণ লভাতির বি 🕟 রবায়ে, 📭 কট্মহিদ্ভো ভাবি প্রিলার না ছিলা, এই বীজ এক কালে ত্র লিভ হয় নাই: উত্তর প শ্রমাঞ্জা ও মহারাত্যে करा अव(र्शिप विकास के बदर क**हे** मकल अर्हात ५ ई हाति स्थल याँ। । ता विश्वित इहेग्नाह्म छाँ। । महात्र कुला (लाक क्षाप्ताल (५ श्वात (स) माहे काकृत्रकाष्ट्रिमां अपे नाम स्थापन स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापन > न आशिष्टी के मार्कन प्रतात भाषा कि अव क्षत्र भारत्व व खामाभिर्धिय खातीन कारलत ব'র্চাপ্রভৃতির অনুসন্ধানবিষয়ে বোপ হয় প্রায়াচ द क छ। छ। बिरत वार छ छ। बाल कि वा वार शक। काराम बीलएफ इबेएद। ब्रामहत्त्व मार्खी अ दारम প্র নেত ওয়া বিবাস হাত রাধানাথা শিকদার অথবা ातीनाथ अध्यय मध्य कुलना कहा नाशास् গাত হয় না। দনকর বা ওপ্রভৃতির ভুল্য। লোক राक खान अ चक्र (महान व अर्थ) एक माई नगरका (म नगः आम मित्राय अहे न्नाष्ट्रे निश्वास ४४/७/४, नारु, हेबान ७ आड्स्ट्रॉडब आह সকল বিষয় উত্তৰ ল ভ্ৰমাঞ্চলের আন্দ্রিস্ক ব্যক্তি बद्दा विकार के केदन ना । नाकाली मा निक अस्त. পোশীমার ক'ড়ে কর ভেত্ত প্রানিখন বুহুব করাজ , ধার্ষ ১৯ ভীক্ষ বলে, কেন্দ্র বড় বড় राधाप्रत एक्सम कविहाक भग्नण बंधान मुद्रोहालत रक्रम आयता सकती हमारुत्त क्रिएक है। आयता প্রিল সংব্যাপ্রভাবর জন্য চীংকরে করিছে ছি. ক্রী আলিখনে ছয় সভা চাদে৷ করিয়া করেক জনকে ইউরে'পে শিক্ষা ও নম্পু করিতে প্রায়াছ ্ৰেট্ৰেন - জ্বোৰা গ্ৰোল্যালে ও আভ্ৰান্তে যু চা না পানেটেড আমাদেরের ক্ষেত্রনী জাতার. ार्धि अर्थि क्रांति क्रांति क्रांति क्रांति क्रि १८६म । अभिवा अकल अगाप शावन भुका "哪! 不 ( ) (本集 管付点 电轮(对 ) 國田人內 भारता तरिशाति । भागतः स्थापे विनिष्ठ भारति, रु।भा मारत वार्कक नामः हेल्द शन्तिम भारत क्षेत्र व कार्ल भिर्मत स्थावतान त्र अथव (कान चार्यसभा नहीं स्थान

राभव कि लड़ावकः विकट्टे । आसता क क्य वाल में . . . कही कवित्त आधार मुझ ·गांत कातान कड़ेएंड आहत आठीम कार्यात িল' ক বজানেকৈর দ্বার, কয় নাই 🔻 এ লালেকের অনিকাশ্ৰ আপ্তৰৰ জ্ঞাত ৰ লগ্না বিশ্বনেক : িব্য ৬৮টন লন ক'লে ভ'বভেল্যের প্রকৃত মঙ্গুর ১৯৮৮টেশ্নতান, ১৯১৭ চনে সামন্ত্রা করিলে भई एमोर ने क्षेत्र के भारता भारता है। का बाहिन

্গাং বছনত আড়ধরালালতা ভাগে করা উচিজ। 🖰 🤌 মধ্রালাল রায় ্কাল বাকাব্যারে কাজ হয় না গ কিন্তু জ্বাস্থাত ১৮৬৮ নবেশ্ব হইতে ৬৯ অঞ্চোরর क्षत र केमान वर भी ग्रमण **चारवन मर्कामा**धालन নত পে হে ছে গলা করিয়া বভ চীৎকার ক এতে প: त उ ७३ यम: **इट्टा । तिर्मत भवन ज**्लक अश्वित्व माम वाङ्ग्हेवाव (हरी अहे (बाइगव মুল । ইকার পরিবটের দেশের উন্নতি প্রধান छान कता छेठिछ। यनः इतेन न १६५ हेश्टक कीवरनत छामाना জ্ঞান করা উচ্চত নছে। আমরা সর্বদায়দের (bहा करा किस यमा अ खीरनाटका प्रचार अक्सकात्। (व का फि ক্রম'গভ औरनारकत शक्तराज नारधन, खीरनाक आध পাছাকে ভাগে বারেন, যশেরও ঐ ভাষ। ইচান प्रशेष राष्ट्रानी महाभन्न महार पूर्व कृति व्याहर । वा।श्राद्धाः व्यास्तरका साम न्याटका किन्तु 'छन्छ দেখিলে ধুণানা করা যায় এমত বংক্তি আমাদি গের <sup>গে</sup>বড় লোক:দেগের <sup>খ</sup>েমধেয় ক্ত জন্ আছেন? আড়ধ্বপ্রিয়ভার ভঞ্চ পুরস্কার। ষালসের ও কথাই নাই। অভএব যসাপ আমরা ইউরোপীরদিগের অধ্যবসার, অক্লান্ত পরি ভাষ, প্রগাট মনোখোগা, ও অক্ষাথপরতা বিক্রা ন। ক'র বিংশভি বর্ষমধ্যে আমাদিগকে ভারত বংবৰ অনঃ অংশঃ ক্ল'নের নিকটে নত্তক অবনত कतिएक श्रहरव । मात्रीतिक यटन कामता निकृत्रे, धर तुष्टि धाराना व्यक्तिहारक, त्मेंगेव कि कि ঘটাতেছে ভাষা আমরা বলৈবাম ে একতে আনটোটোর কি অবস্থা ঘটিবে, আমরা ভারত तरमञ्ज्ञात भागार्थ इन्हें शा शांकित कि आ छ। ध জ্ঞানাদিলের জ্ঞানার উপর নির্ভর করিভেড়ে জামৰ' পুনৰ্কার **ৰ'লিডেছি রুখাটুআড়ন্ত্র**, যে সে টু धकारव भाग सहेवात (हर्ष्ट्री), अ आजना आयानि ্গৰ প্ৰধান শুক্ৰা।

#### ----म्ला खाखि।

औषु के बानु महानक्त नाम জাম লপুর १ ५ ५० बालियत स्ट्रेंड ५० मार्क " ল'শল'রজন মুখেলপাধালে বীর্ভুন ত**্** " अ अञ्चल अभाग पुरचाणाधाः । छलातीत महात १२५५ व्याक्षेत्र स्ट्रिक १७ करा छ १ কুম্খ্রাপাল ঘোষ পাইক পাড়) ٠ د তল, এইচ, এল, বি.ৰ সংক্ৰ ۶. क ली कुक इर्डिशानाम वक्रमः तः ५२०५ कार्किक इंड्रेड ७५ कार्रबन मधुस्रम । याष

১২৭৫ অবেহায়ণ হটুতে ১৬

का अंक ५०

जा स श्र 3 3

## সোমপ্রকাশনং কান্ত করেকটা विट्यंय निव्रम्।

ष्यविष मृतः ও छाक्माञ्चल ना भाईरल पण-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা ছারু না।

हेगत अधिम मृत्या वार्षिक ३० होका अवः वान्त्रांत्रिक ell- होकाः मक्कारत खाक्माञ्चन গমেত বাৰ্ষিক ১৩, ষাণ্যাসিক ৭ এবং ত্ৰৈমা-াসক ৩৮০ জিন মাসের জানে অঞ্জিম মূলা গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিটি, মণ্-अड द, ताष्ठे ও शाल्य विकित, इंशांव सम्बद्धव याहाएछ व होत अविधा हत्र, खिनि त्महे खेलाइ धाता भूला क्षित्र कांत्रिका।

गोहाता है। लाहिकिह शाही हेटबन, काहावा গেন এক অথবা আগ আনার অধিক মুলেরে उत्तरीत्मत हिक्टि (क्षत्रन मा करत्रम ।

वचन विनि मकयल स्टेटफ लामश्रकारमञ् भूला भ ठाइँदिन, खाहा (यन दिखिक्टेंदि करिक्का জীযুক্ত ছারকানাপ বিদ্যাভূদণের নামে পাঠা-हेशा (मनः ।

याँ शामित्राव भूमा मिवान ममन अकील बहेन कामिर्व, अक माम्युट्सं डीइमिन्नट्क 🎏 🕏 निविन्ना कानान साहेर्ड, काल अठीफ हहेन्ना गरतक अक वात्र किटि लिथा क्हेरन, काहात **ल**ह একমাসকাল প্রভীক। কবিয়া কাগঞ বন্ধ কর। যাটারে। শেষ বারের পত্র বেল্লারিং পাঠান इकेट्रव ।

माजना जनस्यात तानाश्वत हिनामत छा। খরে চিঠি আইলে আমরা শীল্প পাইব

যাঁকারা মাস্কুল না দিয়া প্রাদি প্রেরণ কৰি বেন, জাকাদিগের সেই প্রাদি এইণ কবা वाहेदव नाः

কেং সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইক্ষা চরিলে ভাঁছাকে প্রথম তিন বার প্রভিপংঞ্জি 🎺 আনা ভাষার পর ১১০ আনা দিতে চইবে: যিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা করি-বেন, জীকার স্কিন্ত পাত্র ব্যক্তবন্ত কছরে।

🐠 এই পত্র কালকান্তার দক্ষিণ পূর্দ্ধ माजना दिनस्टाइत त्रागाश्चर क्षेत्रस्य मिक्न চালড়িপোভার জীয়ুক ভারকানাথ বিদ্যা-कृषर्भत वाणिएक श्रामित्रामवात श्राम्हः कारम শ্রকাশিত হয়।

# मियशका

১১ ল ভাগ

२ मर्था ।

# " प्रवक्तनां प्रक्रितिह्ताय पार्थिवः सरखतो श्रीनमहती न हीयतां

যাসিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১ - দ্বল ) অগ্রিম বাণ্যাসিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা ।

मन ১২१৫। ৯ हे व्यक्तकार १५७४। २७ व महबद्दर

্মকন্তনে মান্ত্ৰসমেত অতিম বাৰ্থিক ২৩ খাণ্যাসিক ৭. ও ক্ৰৈমাসিক ৩০০ টাকা

## বিজ্ঞাপন।

সাধারণকৈ জ্ঞাত করা যাইতেছে বে, সংস্কৃত ম'লবিদামিত্রি নাটক এছ প্রাকৃত ভাষায় 
চীকাসন্থলিত বল'করে কলিকাটা প্রাকৃত্যন্তে 
মুদ্রিত করিতে আরম্ভ ক'রয়াছি, বোধ হয় মূল্য
১॥ • নির্দ্ধারিত হইবে। অভএব ইহাতে আর
কেহ হস্তার্পন কি: বেন না।

পাধুরিয়া ঘাটা ) ২১ এ কার্দ্ধিক ব্রীশকানন মুখোপাধ্যায় অব্দ ১২৭৫

## বাল্নীকি রামায়ণ।

#### দিতীয়ধণ্ড।

এই পুত্তক তৃতীয় অবধি নবম সর্গপর্যাপ্ত ছিতীয় সংখ্যা নাগৰাক্ষরে রামান্ত্রের দীকা ও ৰাজাল। অনুবানের গহিত কাব্যপ্রকাশ বন্ধে মুদ্রিত হইয়া বিভরিত হইতেছে। ইহাতে মাহে-খর ভীর্থ ও নাগোজী ভট্টের দীকাও স্থলবিশেষে উদ্ধৃত করা হইতেছে ও ইহা প্রতি সংখ্যায় ১০ ফরমা অর্থাৎ ৮০ প্র ঠা করিয়া মুদ্রিত ও প্রচারিত হইবে। মূল্য ॥০ আনা। যাহারা প্রাহ্ প্রেণীভূকে হইতে চাহেন, গাঁহারা আমার নামে কলিকাভা প্রাহ্ম সমাজে পত্র লিখিবেন। বিদে শীয় প্রাহ্কদিগকে 🗸০ এক আনা ভাকমাগুল দিতে হইবে।

আছিন ১২৭৫ একোনমাজ

-- ° 0 ? --

ভাত্রহৃতি পরীকার্থিগণের পাঠোপধোণী শুভক্তরমূলক মানসাক্ষ মুদ্রিত হইতেছে। হাবজা জেলার ক্ষ্লসমূহের ডেপুটি ইনস্পেটির জীগুজ পঞ্চ মাধ্বচন্দ্র তর্কাস্থান্ত মহালয়ের নিকট এক পত্রসহ ঐ পুল্ডকের পাণ্ডুলিপি প্রেরণ করাতে ভিনি এই উত্তর দেন, '' এরপ একখানি এছের বিলক্ষণ অসভাব ছিল, আপনি তাহা দূর করিয়াছেন। প্রভাবে বাজালা কলে ছাত্র বৃত্তির জেণির ভ কথাই নাই, জন্যানা উচ্চ জেলিগুলিভেও ঐ এছ শিক্ষিত হয়, ইহা আমার আন্তরিক ইক্ষা। ছগলি মর্দ্যাল কলের যোগ্যবর অয়ক শ্রীযুক্ত বারু রক্ষনোহন মলিক মহাশপ্তকে আপনাব মানস'ল আমি দেখিভে দি, ভিনি লিখিয়াছেন যে কালীপ্রসম ব'বুর মানসাল্ভের অধিকাংশ দেখিয়াছি এবং মুক্তকঠে কহিভেছি যে অম্বলাগের উদ্দেশ্য সদল হইয়াছে । ক্ষণতঃ বাজালা ক্লাসমূহের পক্ষে এম্বখানি বন্ধ কাজের হইয়াছে এবং অল্ক বিষয়ের একটা অভাব পুবণ করিয়াছে।

क्रिकानीक्षमत गर्काभावाता ।

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুস্তকারয়ে ও পটোল ডালার বাড়ুর্ব্যে রাদার কোম্পানির দোকাকে মংশ্রনীত ও মংশ্রচারিত নিয়লিখিত পুস্তক ওলি বিক্রেয় হইতেছে:—

| <b>શ</b> નો જ                             | <b>4</b> /33 |           |
|-------------------------------------------|--------------|-----------|
| <u>নী'দইতিহাস</u>                         | 7            | টাকা      |
| ্রোমই তিহাস                               | 3            | <u>``</u> |
| ভূষণসার ব্যাকরণ                           | ì            | ভাষা      |
| নীভিদার (১ ম ভাগ)                         | *}           | Ċ         |
| নীভিসার (২ <b>ন্ন ডা</b> গ )<br>প্রচারিত। | d            | , in      |
| भूमह्वाध वर्शकत्रन                        | ri,          | ,क        |
| की शतक                                    | नगंभ न       | , THE     |

----

পুরাণ প্রকাশ ! বিষ্ণাপুরাণ :

াৰকু শুরাগ।
অনুবাদ ও টীকা সমেত প্রত্যেক খঙ ৮০ পূর্বা (অব্রিমধূলা, ৪০। ঘিনি প্রহণাজিলাধী হইবেন জিনি, মুজাপুর
আবহুরইটীট ৩৪।১ নং ভবনে কাব্যপ্রকাশ
যন্তে অথবা কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে
জীযুক্ত অগবোহন তর্কালস্কারের নামে যক্ত
থতের ইচ্ছা অগ্রিম মুলা পাঠাইবেন। অগ্রিম
না পাইলে বিদেশে বিফুপুরাণ পাঠাইবার
নিমুম নাই ইডি।

—: · :— বিক্রন্বার্থ

শব্দকরক্রম অভিধান। সর রাজা রাগ্রিকান্ত দেব বাহাছরের কুত। উত্তমকণে সোল: দিয়া মুড্ন বঁধান, মুলা ২৫০ টাকা।

श्री मानमहस्यदमाखवाशीम ।

### বিক্র য়ার্থ।

গারতেন রীচ ২৪ নং বাটী গুদানদ। ১৯ নংক্ষোড়া বাগান।

উপরি উক্ত বাগান ও বাটা ঘাঁহারা কর করিতে অথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নির খাক্ষ রিড বাজির নিকট জানাইবেন:

নিবেভারস্ভারবো-ঘনট এবং কোং

विविध स्वतामि विकासि

2751

ইংবালী বাললা পুত্তৰ কামজ কলম নানা। বিধ এবাদি পাওয়া যায় এবং পুত্তকাদিজে: / এক জানাব হিবাবে কমিসন দি। অধিক ট টাকায় পুত্ৰক লইলে /: আনার হিসাকেট পাইখেন।

বিদ্যান্ত্রনাটক ১ কৃষ্ণকুমার্থা নাটক ১ প্রথাবতী নাটক ৬৬%

শ্বিষ্ঠা নাটক ١ नवीनजन्धिनी नाष्ट्रक ۵ हक्त वजान बाहे क ٦ वामाहिः एक नाहक 3 महाज्ञान नाउँक क्षांसकी नाएक 7 থেমাপিনী নাটক 110 इन्द्रश्राचा नाष्ट्रक ۵ नलप्रमुखी बाउक ٥ দালিব ১ম মেটেক कें इक वन माहिक अर्गेष्ठा वाहिक 11. বেশ্বাসন্তি নিবর্ত্ত নাটক ١ পলিকৌডুক নাকট 110 লীলাবতী নাটক 211 কুপ্তমনুষ্থারী নাটক ۷ त्कीत्रविषयुग्नाभ नाष्ट्रेक ٥ भिव्यविवाह आहेक :4 **अबक्ष मधाधि नाउक्र** ذ भणकी नाहिक > প্ৰনিৱৰাছ নাটক j! त्रभ" नाष्ट्रक : श्रमकरा विषयप्रति संक्रिक ļ. खीर ति ताकात है लाल विकास ş. नवगारिक नक्षतिवाह । कासर क'न्यति संरक भुक्तात्त्री भाउक 11 नवत्रको सङ्क ķ 取りには 海 į, वार्तापहरकावय ना देव কার্যেশ্বর নাটক 31 यम गायश्रीय वाजिक lla वाल (विवाह बाहर) 16 বালোধান মাটক 140 'तमवा পरिवास'रश । ... हे क ٤ 'वरवामानावस्य साहेक į, TIM Alda 3 कराहा भागाच नम्हाना माहेक Ŋ 中部 印度量制 要件 11.1 निक्य संदेश H कलिकाखा (ब्राइन-नी भाजानकता वारा **分で巻: 53 a2** नगम 'न्याना।

ल्क १६ । एक सम्बद्ध करतीत् अधि ।

বিনা সাক্ষর কারীর প্রতি ৮০ বার আনা যান ইভি মধ্যে কেহ স্বাক্ষর করিতে চাহেন, সোম श्रकः न यद्यानास नाम । विकास विविद्या भारति। हेर्वन ।

329¢ के नि ३) को विंक

#### ग°क्ष ७ (यथप्र७ ।

मलिनाथकुड मधीरनीनामक छेरकृष्टे मिक अव । छिहेनामन मार्ट्टवहकु । इरवाकी भागानु । বাদ এবং নেটে ( চীকা ) সমেত মুদ্রত ২২ য়াছে। মূলা গ্ৰাটাকা কলিকাতা সকল লাগেল रिट्ड भ उस् यास्

# निवात नि

यन अल्डल यादनत के हैं। सदबबत मांग हहेता ३८ हे नरवस्त अगाळ काशीवकी समीव শর্কাক্য ত জ্ঞানের সাপ্তাহিক बिर्शाष्ट्रे /

নাম नर्वकर्वा छन স্থানের **4** ≥ ₹ ₹ মহানার সহিত প্রান্দীর জ্যোগেরস্থান Á মঙানাগ 5 . उथा स्ट्रेस्ड खनिन्द उट्या माईल मह्य, 22 9 অ'লপুৰ হইতে বহনমপুৰ ৪৬ মাইলের মধ্যে Ł ¥ নত্বমগ্ৰ হছতে বংটেড্যা कर मास्ट्रात महार ₹ ৩ कारणाम् इंड्राड समीग्रा ८ ४ मार्कल महत्र मन अम्रक्षेन मार्टित स्टब्हात अ१ हे 3034 पुत्र अक्षपार्वेत करमत माभुः

40 \$ 34 वहत्र शृद **बीयुक्त मि है, हेई क्र** ११ हे मेर्वश्व अकं स्विकि है कि विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व व 1262 ) वहवमभुव डिविसन।

দাধারবৈর জুবিধার জন: এলাহারাদ ও লাহোর গেপার করেলি আফিলে কলিকান্তা চক্রবাডের নাট ভ'লাইয়া টাকা দিবার আদেশ দেওয়া ইইয়াছে। অধাৎ বে আফিসে কলিক।ভা চক্রবাড়ের নেটে যে পরিমানে থাকিবে সেই अवर । गाहेरव । मञ्चालि त्व अञ्चाहेम भावमा लिमारह

তন্দু প্তে কলিকাভা আফিসের ক্ষাখরচ দ্ধু টু প্ৰকাশ যে নমু লিখিত আফিলে (নিমুলিখিত পর্মাণ টাকার কলিকাতা চক্রবাড়ের CATE SAIRS

अल. श्वाम का शिक्ष 33,22 58. मारहार का फिर्म \$8.89,28. কলিকাতা আফিলে নিম্নলিখিত টাকার भविमान (मांडे खाटडा

में भाग वाम हक्त्राट्य तारे = 30,28. \*\* ''क्षेत्र ठक्कराटकत (नाहे b .... ॰ अर्थ व व दिशि अकर्**ण्डळ** TER OF IP किंगिनवर अम (भ 'लकाए। ४८ मटवस्त्र পার করেন্দ্র নিদ্র भाष्टियन इत हा

## (मामधकाम।

৯ ই অগ্রহায়ণ সে:মধার।

अ बकाम्डक डि भाष्टर के

षामता " वीतक्रम " वह मीर्वता-ক্ষিত পর্বানির প্রতি রাম্পুরুষদিগের मृक्षित्करभेत मनिर्मित बाजूरताथ कति-छि । उश्रद्ध ले श्रांतत इंगे अनिस वित्रत वर्णिङ इहेताटक । तास्त्र शुक्र वित्रत দৃষ্টেলাতে ভাষার প্রতীকার সম্ভাবনা वार्ड ।

धवादतत इडेटता भीत गमाहादत मुके इहेल, आयाजिटभग्र छावी भवतंत टक्कन तन लाफ समय हे॰ न छ हवेट छ विनाय नहेता লানিবার মন্ত্রে যে বল্তা করেন, তাহাতে এর শ অভিপ্রায় প্রয়াশ করি-शांटहन, जिनि পঞ্লখার আভ্যর না कतिया याशाट काम श्रम, (महे वियता -विट्ममन्तरण व्यविष्ठ इहेरवन। छाँहात विषया हेरडाको ममाठात गर्छ मण्यान. क्रिता (य अভिश्लोश वास्त क्रियाट्डन, এতদ্বারা ভাষার বৈপরী গ্রাই সপ্রমান इहेट उटह । वक्रास्टमात नव्यूवक अस्थाराः. श्वत नाश कामानिश्वत ताकश्वरायताः चा छत्रतिश इहेशा एवं। डाँहाता मीय! কার রিপোর্ট ও মিনিট লিখিয়াই চিত্র निक्त कि करतन। याँ होता कार्यात अयुत मर्भन ना कतिया (मह तिर्भाष्ट्र भाव

कटतन, उर्राह्मता हम्बद्ध हरन । उर्राह्मता मान करतन, कछई कांस ଓ कड़रे स्टान **উत्रति इहेटल्ड : किन्नु य**ाँशाता कार्य व षायुत्र प्रभाग करतम, डीवीया हजान হন। লার্ড মের যদি এই বাহা আড়ববে **উट्टिक्स्मान इहेश कार्यामण्यामध्य बाधा-**মনা হন, ভাষা হইলে ভিনি যে এক জন मात्वान कार्यापण लाक, हेशहे मध्यमान इहेर्द। এখন मध्यि विश्वरहत्र मभग्न नग्न। এখন এইক্ৰপ কাজের লোকই আমাদি लের প্রার্থনীয়। আমাদিলের বেশের कलांन्कत कार्या धर्यन अदनक अव-निष्ठे चाडि । मृतागर्छ तिरमार्छ निथि-বার ক্ষমতাদ্বারা তংপরিপুরণ সম্ভা-বিত নয়। কোন্ প্রদেশে কোন্ বিষয়ের অনঙ্গিত আছে, কোন্বিষয়ে বিশ্র্লা আছে, এ দেশের লোকে কোন বিগয়ের নিমিত খিদামান আছেন, ইহারা কোন প্রাথনা প্রিভ না হওয়াতে কাট অসুভব করিতেছেন, এ श्वीत मिर्गिय अमूभक्षांत कृतिशा यिनि ले मकरलंद शाजीकांत कविराज शांति. বেন, ভিনিই এক্ষণকার যোগা গ্রপর (कनतल। এथन लाफ क्राहेव, अशास्त्रन (इकि:म, लाख (उनगर्धिम 2 पृष्ठित मृत्रां त्यांदक कार्याप्तर्धत अर्थाक्रम नाइ। उद्ध आंधामित्रत अक मत्यन चारह, পारह डिनि श्वाधीनजार कार्या ক্রিতে গিয়া ভারত্বস্থিদিগের বিরোধী श्वादर्य अञ्चल्लान कतिहा इष्टताशीयनि (शत मत्नातक्षात अट्टा इन। योवाजीत विषय व्येष्टेरमुद्धकेषेत्रित आहत कतिहा ক্তিতে ছইবে, এ নিয়ম থাকিলে যেমন किक्षिर कार्याक्षिण इस वर्षेत्र, विश्व मधान অনর্থ সম্পাদিত হয় না।

भवर्गाम्हेव कहे। है कर भामता महताहत (मधिएक शाहे, अञ्चटि अर्थाक्षेटे उ मर्थान्या भव

র্ণমেশ্রের ভিন্ন ভিন্ন বিভাগের কার্বের নিমিত্ত কণ্টাতের বিজ্ঞাপন দেওয়া म्हेश शास्त्र। भवनिक्षमार्क ७ क्रिम রিএট বিভাগে অধিকতর বিজ্ঞাপন मिखना इतः । *लाटक चा*ट्यनः (स दाख्ति नर्काट्रभक्ता व्यल्भ मत्र (मन ও छेन्डम রপে কাল করিবার প্রতিজ্ঞা করেন, जिमिरे कर्ले के आश हन, किन्न देशह জুলা ভ্রম আর নাই। বিজ্ঞাপন দেওয়া হয় সভা: অনেকে আবেদন কদেন ভাষাও সভা, কিন্তু হভোক বিভাগে কয়েক चन कतिया कणे कियात चारहन, डीहाता ভিন্ন আর কেই কণ্টাই পান না। কমি দরিএট কৈভাগে আলু অথবা অন্য प्रतात करो । के स्वता कहेत. यथन এই বিজ্ঞাপন দেওলা হল, তাহার পুর্বে পূর্বতন কণ্টাক্টদার সহস্র সহস্র টাকায় सिहे सिहे प्रवा काश करहन। खाझात व्यर्थ कि ? डॉहारा व्यापनन,---फनाड: তাহাই হয়,—বিজ্ঞাপন হডক, আর मक्ट्य लाटक प्यार्वमन कक्रम, उँ।शाम গের কণ্টার কিছুতেই ছাভছাড়া কইবে ना। याँ हाता शृष् त्रु का अादनन, उनहा দিগকে বুঝাইয়া বলিবার আবশাকতা नारे। भवर्गमणे जल्ला मृत्ता छेखम प्रता পाइटबन कि ना, बहे व्यक्ति शास्त्र विख्ला প্র হয় না। বিভাগীর সহামতিগণকে যিনি পূজ। করিতে পারেন, তিনিই কণ্টাক্ত পান। নিয়মিত কণ্টাক্তদারের। কোন্দেবভার কিরুপ পূজ, করিছে হয়, ভांका कार्त्वम । जाँकामिर्शन क्र छ रकाव काक है मृति इ हिक्क मु हे हत गा। अर्काश शातर्ग महत्राहत प्रतिशृक्त भाग, अक अन वाखात केले छि नहेशा था उपरा (मर्नात कामा हे**डे** (तम ध्वर मण्डूर्न मः ऋति मा कतिया छ एतः छ एमः असम कतिया (कनल पूरे ठाति क छि (भाशा ) (कतिशा (मन ; किन्दु देखिनिस्टर्भन अण्डि रएमत कर्ण किनाद्वत ।। র্যোর প্রশংসা ইর্গরো প্রধানদিবের অনুস্

कृतिया दिर्ला के कृतिया शारकम । श्वर्ग (मण्डे हेशाट**ड मक्क इन। मतकाती** ज्ञेत्वा याय : तांखा चां**छ अधना स्त**ः प्तरामित क कथारे नारे। (स्त्रण अक मन (ठाटहर डिन्ड पूर्व इस माज । तम मिवम कर्णे छि मिवात करग्रक चरिकामां अ भृत्कः এक विकाशन (मध्य हरेग्नाहिन। वाहिटतत कले छिमातटक मिनात यथार्थ इन्हा थाकित कि व श्रामत इहेड ?

এই অনিট নিবারণ করা উচিতা। কণ্টাক্টের কাজ যে ভাল হয় নঃ, ভাষা मकत्व श्रीकात करतन, अथह कर्ती है ना पिता दर्गन कांच्य कतान इय ना। क्रमनकात कलें कि थानानीतक ल्राकेत অপ্র নাম বলিলে হয়। ইঞ্জিনিয়রদিগের (कतावीत अर्थाष्ठ राष्ट्र माजून इटेंट उट्टन। कर्ते । क्रेनाटिक अयम छः विकारगढ आयो-নের পূজা করিতে হয়, তংপাবে খাতা-ঞ্জির, তৎপতে কেরাণীদিপের। এইরপো भंडकरा आध ४० छे। का डेव्टकाछमाटन उंट्युके क्या । ने के किरतत निरमत मान मर्कार्य प्रारं । बेहार न कांक जान बंदे বার সম্ভাবনা কি ? স্থানীয় প্রধান বাজি यथन छैकि। लहेशारहन, खर्थन किंदिन काटकत निन्मा कता माधातिल नव। भव-रमले ভार्यन, इडेरहा भीत बहरतह छज अफ्रतिख कन ; किन्नु कोट्या व्यानादकत ভালুতাও সক্রিজ্ব। লক্ষিত হ্যনা। विट्रमय इट के क्षिनिशतमरल त्र व्यक्तिकारणात উপরে লোকের অণুমাত্র বিশ্বাস নাই। व्यवस्था वाल्यि अत्मनीयमित्रात व्यनिक माभुजाकभुत्क आह्न इहेशा स्थाननाता गाव छीत व्यक्तार्थ कतिह अट्टन । এ स्ट्रन इंदेरता भीरवत में के नाई; यू उवार मकरमह निर्द्धाः ऋकार्यामाधनः कहिराष्ट्रहरून । भाव लिक अप्रोर्क । क्रिमिति शहित अहासभी व क्यां हिनादन शास न हरता ३० जन যে চোর, ভাষা বলা বাভলা

মাত্র। চুরি না করিলেও চলে না।
আমরা অনেক ওভরনিয়রের মুখে শ্রবণ
করিয়াছি, যথার্থ হিনাব দিলে ভাষা
সঞাল হয়। অভএব হয় ২ টাকার
ভাগেন ৫ টাকা করিয়া চুরির অংশ লও,
নচেহ দূর হও, এই রীতি দাড়াইয়াছে।
করেক জন ভাগু ক্মাচারী ইহা করিতে
না পারিয়া গদ চাকা করিয়াছেন।

योहाता कर्षे छित्रमात कार्यात आखि मृति अधितन डीहाता निरमहे अथन भण डिशन यथार्थ काम हहे वात मरण मण्यकं कि १ प्राप्ति मिर्श पृति, प्राप्ति मिर्श सूठे। आमामिरशत शव गरमके काश्रक अध्यान काश्रक अध्यान करतन। श्राट्याक विद्यारात क्याप्तिनी स्थितममनिर्शत नात श्राप्तित प्राप्ति स्थापन कि स्थापन करिया शर्मित स्थापन करिया आर्थामत स्थापन करिया स्थापन करिया आर्थामत स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन करिया स्थापन स्थापन करिया स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्

-- 303---

क्रिमाञ्चर्यात्मत् आक्रिकारिका ।

ভাষরা পাত্রারে প্রতিপন্ন করি-उनगरना प 对行家。 新月代 格特 কভঞ্জি কিশ্ৰসান ধৰ্ম বলিয়া আদু চ छ मित्र इहेशा थाएकः जाशास्त्रहे জনতে এত গ্ৰুতেখন হইষাটেছ। ক্ৰিয়াসু ক্ষানপুলি গানি চাক হছয়। একমান ঈশ্ cবৰ অব্রোগনা সাথ ব<sup>ৰি</sup>ল্লা আ**দু**ত ভগলে এক বিনা ছি তীয় ধন্ম জগতে প্রব Tub क्र ७ ना । श्वापता अक्लरकरे এक বহাবন্ধী লেখিটে পাইতাম! ক্রিয়ার क्रान्त्वत्वत्व भवाराज्य भववार ज (कर्न ध्य ১৯ নির্মাধ্য স্থান কর্মার কর্মাব্ল ধার অকপট গোহাজ ও দমস্থহ;গতা क वा अट्टा मा, कडेमां नम्, श्राह्या ৰজ ৩ব স১২ গন্থ বটিতেছে। জিলার भारत अवस्थि अभव है। इंडशाट 5 वर्षनी ১৬০ বন্ধন স্থান হইয়া পড়িবা**ছে। জগতে** অন্নেকা শ্বাক অপুক্ষদশী। ভাছার

মনে করেন, স্ব স্ব ধর্মশাস্ত্রোক্ত কভগুলি कि ।। मूर्वान कतिएक भातिएवह धर्मत का করা হইল; তাহার পর মিথ্যা প্রবঞ্চনা পরদারগমনাদি যা কর কিছুতেই ক্ষতি নাই। উ: হারা ধর্মনীতিকে ধর্মের অঙ্গ विनिया विद्वहमा करत्रम मा। এই मिसिख জগতে মিপ্যা প্রবঞ্চনাদির এত প্রাত্ন-ভাব দেখিতে পাওয়া যায়। এরপ इउसा **व्या≖**5.यात विवस न**्ह**। व्यव**ञ्ज**टक বস্তু জ্ঞান করিয়া তাহাতে দৃত ভক্তিমান इडे(ल वख्रा ५ धडेताल व्यनामत इडेशा थातक। अहे कांत्रत्वहे स्य अर्थः व्यक्षिकः मध्या कि शब्कारनत विधि चाटक, तम्ह थारन है निया छादक्षनामित नमिधिक शाक्ष्म पृथिताहत इस। तम्हे तम्हे ধর্মাবল্যীর নিকটে ধর্মনীভিঘটিত উপদেশারত্বশুলি একান্ত অনাদরোপইত इंद्रा श्रीक्याट्य। (म डेमात डेश्रामण এদান করিয়া খৃষ্ঠ দেবত্বভাত করিয়া লিয়াছেন, যে উপদেশগুৰে খুটাধৰ্মবৈল भोता ज्ञालनामित्रक अञ कोहरामिङ क्टान करवन, हिन्छुअटच उर्घमृण बरनक गहार्व डेलामण आहर , किन्दु दिन्दु निरंगत ক্রিয়াসুষ্ঠানবাভুলা এব দীর্ঘকালীন প্রাধীনতা ও মুর্খ চার প্রাচ্ভাবনিবস্থন দেগুলি একান্ত ভাষ্য আছে। আমরা পাঠকগণের দর্শনার্থ ভাছার ক্ষেকটা এ ছলে উদ্ধৃত করিয়া দিতেছি .

"ন পাপং প্রতি পাপঃ সাংহ সাধু রেব সদা ভবেং। আত্মানৰ হতঃ পাপো যং পাপং কর্তুমিক্তি। ১। অনিট্কারীৰ প্রতি অনিট্কারী হইবে না, নিয়ত কাল সাধুভাবাপর থাকিবে। যে পাপাত্মা অন্যের অনিট করিবার ইচ্ছা করে, সে আপনিই হুত হয়।

" তে গাধবঃ স্ক্রান ক্রৈরিয়ং ভূষিতা চ ভূঃ। অপকারিষু ভূতেষ্
বৈ ভবস্থাপকারিণঃ। ২।
বেদকল বাক্তি অপকারকারী
প্রাণির উপকার করে, তাহারাই স্কন্ম।
সাধু, ভাঁহাদিগের কর্ত্ব পৃথিবী ভূষিত।
হইয়াছেন।

উপকারিষু যঃ দাধু ব'দ তদা হি কোগুণঃ। অপকারিযু যঃ দাধুঃ দ দাধুঃ দক্তিক্রচাতে।

ষে বাজি উপকারকারী বাজ্তির প্রতি সাধু ভাবাপত্র হন, উাহার গুণ কি ? যে ব জি অপকারকারী ব্যক্তিতে সাধু ভা বাপত্র, পত্তিবো ভাঁহাকে সাধু বলিয়া নির্দ্ধেশ করিয়া থাকেন।

ছ:খিতেভাটি ভূতেভাটস্তুবোগজনাদিভিঃ
ভূতঃ বোহঃখমপ্র
মঘ্বোদাভুমহটি ।
প্রাণিদকল সভা বোগ ভ

প্রাণিদকর স্তু রোগ ও জগনি স্ক্রেক স্বভাবতই ছুঃগঞ্জ চইনা আছে, নিচুব হটনা ভাহাদিগকে অন্ সুন্থ দেওটা ডচিচ নয়

> অত্যেকঃ ধকাভূতেম্ মডোগ: সভামাজাবং। মকোঁজনজন্ম ক্ষান্তি-স্তপ্ত স্বান্ধিনং।

कान शानित श्रानिकेष्ठिको ना क्या भूमा भएतात. मूड निष्ठा, मृतस्त्र हात. चीर डेल्लिक्ट्रक्ट, क्या এগুलि स्वर्ग मुख्या

বিষয়েশিল তি যে দোষান্
ন বলন্ধ কলচন।
ক্ৰিছান্ত জানংকৈচন
তে নরাঃ স্বর্গগামিনঃ।
যেদকল ব্যক্তি শাক্তর ও দোষ বলেন
না, গুলই কেবল ক্ৰিনি করেন, ভাঁছারা
স্বর্গগামী হন।

ষে পরেষাং জ্রিনং দৃষ্ঠ্। ন তপান্ধি বিসংদরাঃ। প্রান্দর্যান্দরিক বিদ্বাহ্য । তে নরাঃ স্বর্গ্যামিনঃ।

বেদকল বাক্তি পরের দাপতি দর্শন করিয়া তাপিত না হন, প্রকৃতি ন্থ্যন শুনা ও আনন্দিত হইয়া তাচাতে অভি নন্দন করেন, তাহারা স্বর্গগানী হন।

> আকোশন্তং স্তবন্ত্রণ তুলাং পশান্তি যে নরাঃ। শান্তাত্মানোন্দিতাত্মান স্তে নরাঃ স্বর্গামিনঃ।

বেদকল মনুষা শুরকারী ও নিন্দা-ক্রারী উভয়কেই তুলারূপে দর্শন করেন, দেই শাস্থাত্মা ও জিতাত্মা মানবগণ ভুগগামী হন।

> পরিঃ পরিপূরীতং ধং ভূগমপাটগীগতং। মনমাপি ন হিংসন্তি ভে নরাঃ স্বর্গগামিনঃ।

যেদকল বাজি পরপরিগৃহীত অরণাস্থ তুবেরও মনে মনে ছিংলা করেননা, ভাছারা স্বর্গামী ছন।

> কর্মণা মনদা বাচা নোপ চাপয়তে পরং। সর্বাণ শুদ্ধভাবোষঃ সুষাভি জিদিবং নরঃ।

যে ব্যক্তি কাৰ্য বাক্য ও মনে আনাকে ভাপিত না করেন এবং সর্বভোজাবে ভাদ্ধভাবাপদ্ম হন তিনি স্বর্গে গ্রমন করেন।

ভিন্ন ভিন্ন ধর্মাবলম্বীরা ধর্মাবোধে অনিউফলক কিরাসুষ্ঠানে রভ না হইয়া যদি উপরিলিখিত উপদেশগুলির অনুরূপ কার্যোর আচরণে যত্রবান্ ও দৃচ প্রতিক্র হইতেন, সংসার অর্গনম স্থাময় স্থান হইত সন্দেহ'নাই। যে যেধর্মাবলা স্থার প্রতিমাপুকা দেখিতে পারেন না, সেই স্থার দেই সেই গেই গেই ধর্মাবলারীর বিকল কিরাসুষ্ঠানে যে কিরপে

ष्ममूटभावन कटतन, ष्मामदा छोहा वृत्तिट छ श्राति नर्।

> मक्त्रतः कोक्ताती जानागड धारिया नाज कि ?

मक्चन क्लाकाती आमानट्डत नह হাচর যেরূপ বিচার দেখিতে পাওয়া যায় ভাহাতে আমরা অলাভবিনা কিছু-মাত্র লাভ দেখিতে পাই না। ঐসকল वामात्र अधि मचित्र इस ना, व्यक्त के चानान उछनि बाकाट अवनंत्रके ও প্রজা উভারেরই বিলক্ষণ ক্ষতি হই-তেছে। প্রণ্মেণ্টের ক্ষতি এই, মাজ-(ड्रेड, जानियोर्क माजिएके है, जारेके माबिएकु हे व एअपूर्ण मानिएकु हिन्दिशंत (दंजन ७ हेर्डे मिर्भन आर्जार्कत जाम लात (ब छन ७ धना वार्ष गवर्गमालेक অন্প অর্থ ভস্মীভূত হইতেছে না। প্রকার অনিষ্য এই, ভাঁছারা অন্যকর্তৃক পীভিত হইলে ক্রোথাদির বশীভূত চইয়া নায় র্য चालागटक यान, किंगु (मर्गाटन नार्रा रुअता मृदत थाकूक, उँ।शामि:शत किवल व्यर्थ उ ममत्र मस्डे अ यर श्रहामास्डि कर्छे হয়। একটা অভি দামান্য মারিপিটের मकम्मात्र (कह ब्रावक्टण्ण ६० छ।का बाह्र ना कतिया भात भान ना। भारत व्यक्ति-ভিভ इहेश चानिया विशर्कत निकटिं लब्छिड ७ शिक् छ इन।

(क) जनारी प्रकल्पमात नाया विठात हरेवात अपनैकेश नि अञ्चित्रकार आष्ट्र। ध्राथमे, क्षिजनारी प्रकल्पमात विठात मालित डेशातर निर्कत करत। किन्छ प्रमाणीत। वारका विद्याम कतिया भीमाः मा कतिरन नापा विमा सन्ताया हरेवात महावना नारे, जानुस मजावानी कृष्ट माली महस्क कोजनारी आंनाला यान ना। भिन्ना भाका, निया कीरिका अर्जन याहा दिशा भाका, निया कीरिका अर्जन याहा दिशा नाका किया कीरिका अर्जन याहा दिशा नाकी एउटे शतिशृतिक। प्रश्री वा

श्री विकिश्य बाह्य कतिताई छोड़ाबि-াগকে অনায়াদে আলালতে লইয়া **ৰাইতে** 🖔 भर:तम । **कामृभ माक्तिवादका निर्कत**े ক িলে বভ নায় বিচার হয়, ভদসুমান 🖣 क्छेमार्थः इरेटक्टल्ला। आमता अक्ली উদাহরণ দিতেছি, এতদ্যারা আমাদিগের बादकात ভाएनचा भाठकविद्यात अवश्वभ **१३८४ । (मर्वमञ् यस्त्रमञ् छिन्द्र छिन्द्र** প্রভৃতি ৪:৫ জন নৈত্রেয়ের (১) বাটীমধ্যে अविषे इहेशा जाहारक क्षहाव कतिल। উহারা যথন প্রহার করে, তৎকালে रमचाटन क्ष्म हिल ना। रेमरजा शहान বেদনায় চীৎকার করিয়া উঠিলে পর यना यना (मांक घाउँनाम्यद्व उथात গিয়া উপস্থিত হইল। ভাহার। স্থন বৈদ্রেরের বাটার মধ্যে ধার, তথন দেবদত প্রভৃতি । প্রহার করিয়া নিমুত্ত হইতেছে। পশ্চাৎ মৈজের আদালতে অভিযোগ করিল এবং যে সকল ব্যক্তি দেবদত্তাদিকে ভাষার বাটার भारता (मधित्राहिन, छाहामिनाटक माक्नी মানিল। সাক্ষীয়া আদালতে গিয়া विनित्त । श्रीकांग्रह যাথার্থ কলা व्याध्यापी प्रवष्टापि कडक्खांन मानी শাকাইয়, নিয়া এই প্রমাণ করিল যে তংহাৰা সৈত্ৰেয়ের বাটাতে যায় নাই ্রিবং ভাষাকে প্রহার করে নাই। বিচার-প্রিভাষাতেই বিখাদ করিয়া মৈত্রে रशत क्यार्थना अधाना कतिरमन । हेहाए छ (क्वम त्य अविषादक्षण अनिके इहेल (म्बम्खां मृत কৃতিনায় क्रमा नयू. धालाव (मध्या स्रेम।

ছিতীর, কোন্ সাক্ষী সভা কৰি ভেছে, আর কোন্ সাক্ষী মিথ্যা কৰি ভেছে, সকল বিচারপতি সে স্ক্ষম ভেদ বুঝিতে পারেন না, বুঝিতে পারিলেও পরিশ্রম স্থীকার করিয়া বুঝিবার চেইটা

যুগ্ৰ

<sup>..)</sup> सामकल के झड़ वर्ष 'वनवर्ष' के द्वित

পান না। অধিকাংশ বিচারপতিই আই नित विक्रम्ब ना ६व्र बहेत्राण काम्न करिया । ধান। যে সকল সাক্ষীর নিথা দাক্ষা দেওয়া ব্যব্দায়, ভাছারা অভাষ্মপে राकः (सर, ८३)न व ८० खनन इत्र ना। ष्यात माश्रानिर्शत रम अख्याम नत, कथन आमालाइ यात्र ना, ভয় প্রমানানি -ভাহাদিগের নিব্দান बादकात । অনে কব্যতিক্র ঘটে। ঘাঁহারা অলস সভার অস্থামদশী বিচারপতি, ভাঁহার: निक्टि मिथानामी माकीपिटनत वाका মত্য ও মতবোদী অশিক্ষিত সাক্ষীর বাকা মিথনা জ্ঞান করিয়া থাবেন; জুত্রা। যথার্থ বিচার হয় না।

তৃথীয়, আইনের ভয় বিচারপতিরা ভিত্তোন্তেদে সমর্থ কইলেও আইনলঙ্গ নের ভাগ অনেক সময়ে নাথা বিচার বরিতে পারেন না। বোধ কর, যাহার নাগ্য পক্ষ, ভাহার সাক্ষিণানের প্র-স্পারের বাফো আংশিক বিরোধ ঘটিল; কিন্তু থাহার পক্ষ মিথা, ভাহার সাক্ষি বাক্যের এনৈকা কইল না বিচার তি ভাহা বুলিতে পারিলেন; কিন্তু পাছে পাইনলঙ্গনান্তে ভাঁহার ভন্নতিব বাহাত কন, এই শক্ষায় যুপ্পে বিচাল ব্রিতে শক্ত কইলেন না:

চতুর্থ, পূর্বের পুলির সাজিটোটাদি পের অধীনে ছিল : দক্ষ্ ভক্তরাদি ধারি বাব ও ভালার বিচার করিবার ভার ভৌলাদিশের উপরেই ছিল : স্কৃতরাং ভালারা এ বিসয়ে দায়ী ছিলেন। পুলিষ সভান্ত ভর্তাতে এখন গার ভালারা দায়ী নান। ইহার বিচারকার্যো শৈথিলা ও সাহিচাব্যাপতে জ্যাবার একটি কারণ ক্রীয়তে।

स्माधिक इंडिंग, यथन अधिहात व्यापाल का राज्यक, कोकमाती आमा लाड समाधिक स्टान विष्ण्यनास्त्रम क्रेग्राट्ट श्वर अवर्गनास्त्रेत वास उद्यास्त्र

ध्वर्मनाभ, मन्त्रनाभ उ कर्छ इहेट उद्दू অবচ উধার অনুক্রণ ফললাভ হইতেছে क्षिनाती जानानएउत না, তথ্ন त्लान कहाई विरश्य इंडेटडर्ट । आनालड লোপের কথা শুনিয়া অনেকে চম্কিয়া क्ष्किर्यन मस्प्रह गाई। ভাবিবেন আমরা অরাজক কাও প্রস্ত হইবার প্রামর্শ দিতেছি। गाहाह (य हेळा (म डाहे कहिट्व, ४व त्मता हुन्द्र लाटक शीफ़न कहिरत, प्रश्रुष ভদ্দরেরা দিবাভাগেই অন্যের দ্বরা অপ हरूप कतिर्दे, लम्भरदेश भरतीय मञीव নাল করিবে, ইচার বিচার ও প্রতীকার इहेटव ना। श्रुलिएयत উৎকর্ষদাধন করিয়া উহার উপরে প্রতীকারভার সমর্পণ করি लाहे ज मन्ना पृत इहेटत । जसन कीर्यापि ঘটনা হইলে পুলিষ ঘটনান্থলে উপস্থিত हहेश च्यूप्रकान ७ तिट्यार्टे क्ट्रन, মাজিটে টের আদালতে ভাহার বিচার इय । शूलिटनव इटल्ड अञ्चनकान ও विहात উভয়ভার সমপিত হইলে কেবল যে कार्यालायव ३३८५ अज्ञल नश, अक्षान नाशी हरेटन कार्या**७ जून**नतक्षण मण्डल हरेवात मञ्जाबना । इत्त क्याक्री विट्निय নিয়ম ও বিধান করিতে । ইবে। ফোল मात्री मश्काम स्य कान घरना इडेक, পুলিদকে ঘটনাস্থলে গিয়া তাহার অসুন স্থানকালে প্রতিবেশী সচ্চরিত্র লোক प्तिशतक आध्वान कविशा किख्डामा करि তে হইবে এন্তলে এরপ একটা আইন कविटल इन्देव या, श्रुलियक खेठाती यथार्थ বাদী ও সচ্চরিত্র জানিয়া ঘাঁহাকে আহ্বান করিবেন, ভাঁচাকে তৎক্ষণাথ তথায় उপস্থিত হইতে হইবে। यिनि मে বিষয়ে উপেক্ষা করিবেন, ভাঁহাকে দওনীয় इडेटड इहेर्द। अज्ञुश इहेरल श्राप्त द्रखाय निः, मान्य श्रकाम इरेशा পড़ित। এইরপ অসুদক্ষানের পর ভিনি যে রিপোর্ট করিবেন, তদসুদারে কাজ

रहे(व। यान (कह छाहाटड विक्रांड পজি করেন, উপরিপদত্পুলির কর্ম। **छ। बीत निकट** छ। हात आशीन हहेटव। बशकादत कांच इंड्रेटन (क्वन (य गिथा। मारकात शाइन्डांव काम इहेश नगया विष्ठात हहेर्द अञ्चल नग्न, भवर्गस्य ন্টের ব্যয়লাঘৰ ও অধী প্রভাষীরও विलक्षन कृषिका इहेबा छेटिरव। जत्व পুলিৰ কৰ্মচারীগুলির সচ্চরিত্র ছওয়া অবিশ্যক। পূর্বের পুলিষ কর্মচারীর। নিভঁয়ে উৎকোচ প্রহণ করিয়া বেমন কার্যস্থার করিভেন, এখন আর দেরপ ६६ । त म छात्रमा नाई। उथन काटलत ष्यत्मक পরিবর্ত इहेश्चरह । এখন পুলিষ কম্চারীর। उरक्षाम्ब करिएन छाटमत लाटकता आध्र त्यांनावलची **रहेशा थाटकन ना। 4 छे**थाश व्यवसंदित इहेटल दक्षण दय श्रीलाद्वर मः रामाधन म्हेरव शक्त भावण नग, **अकरत मानिएके ए**केश মिथामाचिवादका निर्देश कतिशा अक्षाप् विष्ठांत केरिहा स्य व्यवशा विष्ठांत करित Ceceन, छाश्य निवातन, कार्यालाचक ও বায়লায়ৰ প্ৰভূতি আনেকগুলি বিশেব नाम इहेर्दा

> —ः ८२ — ब**र**तमञ्जूतः।

ममधिक अट्याक्षनीय त्वादध क श्रा थानि कई छात्नई मृद्धि 3 आहाति 5 कहेल।

পাট স্বাট হয় আঘাট ঘাট হয়।
এই একটা প্রটিন প্রবাদ আছে।
করেক বংসর হগল, ক্রফননর, বর্দ্ধমান
প্রভৃতি বাজালার অত্যুংক্ট স্থানসকল
যখন সংক্রামক কবে উৎসন্ন হইনা যায় তথন
চির্গ্রাসিক অস্বাস্থ কর মুরলীদাবাদে
পীড়ার প্রাচ্ছাব কিছুই ছিল না বলিতে
ইইবে, স্তরা ইহা নেবিয়া পুর্কোজ প্রবাদ
বাক্য সর্বান সেই প্রাচীন কালের মুরলা বাদ হইনা উচিয়াছে। সত প্রভার
পূর্ব অব্রভা নিবাসী ও প্রবাদীদিশের মধ্যে

এমন লোক গতি অৱই ছিল বাহাদের স্বর

ভূজ निकरकतारे भवारेट भारतम नारे। इहाता अक्रू मीन दीन। अध्यक्ष निकरण হর নাই। অরাক্রান্তদিগের মধ্যে যাছাদের এখানকার বারিকে পাঁচ কোঞ্চান ইউরো-

এৰপ কুষক এ দেখে অলমাত দৃষ্ট হয়।

লোক চিকিৎসার অভাবে যে কত মারা পড়িরাছে তাহার সংখ্যা নাই। ৰহরমপুরের 🤞 কান্টনমেন্টটি উৎকুণ্ঠ স্বাস্থ্যকর স্থান বলিয়া প্রাসিক আছে; কিন্তু ঐ সময়ে ইউরোপীয় হাঁস পাতালে :রোগী রাখিবার স্থান ছিল ना। करहक कन टेमनिक त्राहा । अ ज़िहा नि (ইউরোপীয় বিশেষতঃ দৈনিকদিগের পীড় इहेटल भवनंदमल्डिब यक्तन यञ्जानि इहेबापाटक তাহা হইতে ত্ৰুটি হয় নাই। এক জন স্বাস্থ্যা মুদলারী হেলথ অফিদব জাগমন করিলেন শুনাগেল তিনি এখানকার বিল খালাঞ্জুতি মাপিয়া গেলেন : ঐ গুলি পূর্ণ করিয়া পাকুত পয়ঃপ্রণালী করিবার ও নাকি প্রান্তার হইল ( अ अ अ । क रनक दिन भूर्र्स इहेरा द्विन । किर কাজ যে কি দাঁড়াইল ভাগার কিছুই আমরা বুনিতে পারিলাম 📳 ঐ অরের প্রাত্তীব কিতৃক্মিটেন ক্মিনেট আর এক রোগ ভয়ন্তর রোগ ওলাউঠা দেখা দিয়াছে। ইকার প্রভাবে খাগড়া বহরমপুব কা হৈ গোরা वाकार अञ् ७ यान भकरत धारक वाद इन স্থুল পড়িয়া গিয়াছে। আমরা এখানকার প্র বাসী নিবাসা নহি স্ত্রাং আমাদের পরিচিত প্রবাসাদিশের মধ্যেই যাহার পীড়া হইতেছে আমরা ভাষারই সংবাদ পাই; নিবাসীদিগেং मध्यात अधिक शाहिना। यथन आमारानत श्रवा मोनिरगत मर्याष्ट्रे धक शीका 🛡 এक आन शांनि इष्टेट एक उथन नियोगी मरभत देशाप्तत श्विकाश्मेहे माभागावक (य किकाश क) छ। बहैटलुट्ड डांबा चित्रा उदिहर शाहि मा। এই পীড়ার উপস্থিতিতে বহরমপুর্ট্রিং কুল আলো ৪ ঠা অগ্রহায়ণ হইতে ভিন্স প্র **ছের জন্য বন্ধা হাইয়াছে। বহর** পার কালে-জের ছাত্র সকর ( যাহাদের অন্থকাংশাই বৈদেশস্থ ) অভিভাৰকদিগের কর্তৃক নিজ নিজ দেশে ধেগুরিত হইয়াছে; কংলেজে ছাত্র নাই বলৈলেই হয়। কেবল যাহার। আগা মি বিশ্ববিদ্যালয় পরীকার্থ এক্ত হট্--ভেছে তাঁহারা এবং গ্রণমেন্টেম বেডন

তেছে। দেশীর দৈন্যেরা স্থানাস্তরে শ্রেরিড হয় কিনা তাহা এখন স্থির বলা বায় না

शूर्वाहे डेक बहेबाह्य इंडिटलाल बनिरगत পীড়া হওয়াতে গ্ৰণ্মেট সাৰ্থান ব্ইয়া ছেন , किन्न मिनीयमिरगत अहे शीजा छाहा দের কর্ণগোচর হইয়াছে কিনা তাহা বনি তে পারা যায় না। অভএৰ আমানের এই পত্ৰ লিখিবাৰ উদ্দেশ্য এই যে, এই বিষয় প্রবর্ণমেন্টের পোচর হয় এবং অতি সৃত্তং ইহার কোন প্রতীকার চেষ্ঠা করা হয়। व्यामारमञ विरवधनाम भकात हन अवादत वस দৃষিত হইয়াছে। অন্যান্য বংগরে ফান্ত নে বেৰূপ জল কমিয়া যাইত এবার ইতি मध्या है . महेक्य क महाएक, लाशास्त्र आवाह गर्राताहे भव धाकित्र बहेटहरहा। कारु धव আমাদের বিবেচন য় গলার মোলানা করিয়া জলব্রোত কিছু প্রবল করিয়া দেওয়া হয় হিতি শ্ৰক্ষেপ এক ৰাবে নিৰিস্কাহয় এবং চেরিটেবেল ডিস্পেন্সরিস ক্রান্ত আর ছুই জন নেটিব ডাক্তর কিয়-ি নের জন্য নিযুক্ত করিয়া দেওয়া হয়; ভাঁহারা ১মনাপমনাস मर्थ (लाक्तिरभन्न वामार्ड भिश्र छिष् धानः न मिश्रुक्तक हिक्टिमा करतन। आभारमत निভान्त आर्थना शहे (य भवर्गरमः है नक्तारआ এই তিন উপার অধলম্বন করিয়া পরে বাহা কিছু অন্য উপায় থাকে, তদ্বিষয়ে। অনুসঞ্জান

(मन्दी स क्रमक मरभव अवद्या 1 व: विद्रका दशट इंग्लोश हम्भी रहम्भी हम्भी व उपर्कताक (मधायार छिकायाः हेमव हेनव ह ध म्हिन्द क्रिक्टिश्व (सक्ष) अवस्तुः, ত গৈতে প্রি**লিখিত** স্থেকটীর অর্থ **অসু** গত হয় না : অসুধাবন করিয়ে - দেখিলে স্হ জেই এতীয়মান হ'ইবে, চারিপ্রকার বাব मारीत मध्या कृषिकीवीता है कि विभएत छर्मना পল। এখানকার কুষক নগের ধেকাপ ছব

- - (---

क्रयरकत्र कृषित्रमृभ अक वा छ्रेथामि यत । ष्ट्रारचेत्र कथा कि वालव मक्लकात मकल घरत्र চালে थড़ ও নাই । অনেক क्ष्यक है अर्काणन বা অনশনে দিনাতিপাত করিয়া ধাকে। অনেকের একভিন্ন খিতীয় পরিধানবস্ত্র न है। अधिक कि, अप्टनरकत (डांकनशांक अ জলগাত্র পর্যান্তও নাই। শান্তকারের। বলেন যাহার৷ পরিভানী, ভাহার৷ কথন কট পায় मा , किन्छ क्रयकिरिशत व्यवक्षा मर्भ न कतित्व উक्त बारकात गांशी श्री दक्षा दश्र मा क्रमरकश অভিশয় আনপ্রারণ ক্লেশনহন্দীল ও নির্নাহ; কিন্ত উহাদেরই অধিকতব স্ক্লা (मध्दिक ला ७३) यात्र । **च्यान्यक हे** ते हारमत পারভান দেখিয়া পাকিবেন। উহারা গ্রীমকা লের প্রচণ্ড রেডিদ্র দক্ষ হইয়া এবং বর্ষকালেব मूर्यमभात दृष्टिए ভि.कि.स. था अन्ति अन्दिस সন্ধ্যাপর্যান্ত ক্ষেত্রের কার্য্য করিয়া থাকে ৷ ভারাদের কষ্ট দেখিলে বোধ করি পাষাণ্ড अवीच् र वस । यनि त्कर क्यक निष्तात । इत्व-স্থার কারণভিজ্ঞান্ত গন, তাগার উত্তর এই रेमव विष्यमा धवर क्रमीमात छ मशकारमत। অন্যোচারট ভার ধারণ ইহার প্রণোকের বিবৰণ নিয়ে বিশেষ করিয়া লিখিত ১ইল।

अन्म। देवविष्णमा । अभानकात क्रिक कार्या टेम्टवस १९५० मण्यू कारण विक्र कर । देवर अधुनुष । । । । । इहेरलाहे मभा आल्पित किंदु जामा धारक, अভिकृषा হইলে একবারে হতাশ হইতে হয়। আতি বৃষ্টি ও অনাবৃষ্টি গ্রন্থ টোৰ বাাঘাতৰশতঃ প্রার প্রতিবংগনত্ শংস্রে হানি হইয়া থাকে। এতগিবন্ধন ক্রমকেরাও [ৰপদ] अन्य वस । कामाना समाना अमाना अस्तिका-ব্যের যেৰূপ অ্শৃডালা আছে, এখানে যদি সেইৰপ অশুভাল¦য় ক্ৰষিকা<sup>ৰ্চ</sup>ানিকা≑ হয়, ভাৰা হটলে প্ৰভিৰৎসর ১৯চুব পরিমানে শুস इंदलत बहेरा शास्त्र। ७ (मर्गत कृष्यः .বন্ধ উর্বারভাশজি, উশ্ভেটে শংস্ভা ৰস্থা, বেশি করি একপ ভারে কুজাপি নাই। ব্যাঘাত হয়, বড় ছংগ ও লক্ষার বিষয় ।

থিত র। জমীদার। এখানকার জনীদা বরা থে কিরপে দরাশীল ও প্রজাবংগল ভালার বর্ণনার অণুমাত্র জাবশ্যকতা নাই। পাঠকগণ একবার ৬ দেশের রুয়ক্দিগের

विन। क्र किमरक श्रीड्रम । अञ्चापिभरक प्रक्रिमा धास्त्र कर्तिनात कना है त्यांव क्रिक्र क्रिकी দারের। জগতে : বাগ্রহণ করিয়াছেন। ই সারা একপ্রকার সম্বাংশাবন। ক্র্যকে?। পরিশ্রম করিয়া ধাৰা কিছু উপাৰ্জ্জন কৰে, অমীদার িনিগের উদর পূণ করিতেতেই প্রায় সমস্ত নিংশেষিত হয়: প্রথমতঃ বাংস্রিক কর আছে। তৎপরে পিতৃম,তৃত্রাদ্ধ পুত্র কন্যা मित्र शतिंगद्रोमित्र डेभवाक कि वा अना कान বাব করিয়া প্রায় প্রতিবংসর নির্বাহ ক্লয়ক দিশের নিকট হউতে কিছু কিছু লইয়া थात्य न । मत्भा भत्भा कभीनार्वाट अभन कत्रा ভাছে।রুদকদিগের নিকট হইতে **নজ**র ्रियक्षण कि कु संख्या क्या क्यीनावीत मध्या বাঁধবদ্ধন বা জন্য কোন কার্য্য করিলে কৃষকদিশের নিকট কইতে বায়ের অভিরিক্ত 📱 সাদায় করিয়া লন। বারুদের পারিষদ্বর্গের ना अन्य दिन्न आधीर अध्या अञ्चल या कि কোন একার দায়ে বা শুভকর্ম উপস্থিত इकेरल किछु कि<u>छु भाग काँव 1 भारक</u>म , किन्न ভাগাও ক্রমীদারিতে ব্রাভ দেন। গোমস্তা, इद्गरकिभटन शीफुन कर्तिश आनाम नरत . किएक उकार यशान्यत्र बहुएउएएमः केय हाश्रीता याँच अध बर्गत श्राक्रमा ५८७ वक्ष र इस् डाका इंडेटल जायान उपाय इम प्रतिश वटमम । ७ भव ख्रानव श्री ह जक क्षकात नट्ट : क्रमीनाद्वन ठेक्कृति छेलद्व निर्छत् তার কেম বংগরে টাকায় চারি আন্ ক হ ব সাভ অ'নাপর্য স্থ লাইরা গাকেন। লেকেরা যদি থাজন। নিয়ন্ত বিলয় করে, চাহা হইলে ছুদ্দশার অব্ববি থাকে না ছि। तिर • भातता व्यानाम अस् । व्यनावारत होतज्ञ नगारी । ८ ४शन 👅 धरातः कात्रमः হাতেও য'ল আদায় লাহয় পারে পে রাশা ন্যু জ করিছা দেন : পেরাদারা উহাদিগের प्रको क्रेट्ट (क्षेत्र क्रांक क्रांक्र) (क्ष्या वा

आहे जाना कतिया वहेब्रा थाटक। अवस्ति। বাকী থাজনা ও নিরিখপ্রভৃতির নাঙিশ শাছে। গ্রায় ছুই তিন বংসর অন্তর কর্মীর কার্দ্ধি করা হয়। ক্লযকেরা খদি দিতে অপন্যতহয় অমূন মিরিখের নালিস ওকু করিয়া ব্দেন: এই কর্র্দ্ধির উপলব্দে জমীদার ও রুষ্কে প্রার দ্বালা হেকাম **এইয়া থাকে উভয় পক্ষের ছুই একটা হত** আহত হইতেও দেখা যায়। এইৰূপ বিবিধ अज्ञाजात क्रमांकता अस्तवादत अस्तवास व्हेग्रा शर्फ । व्यत्नरक त्रम क्षांड्या व्यना দেশে গিয়; বাস করে। এই ড জ্মীদারের অভ্যাচার, এভদ্রির উহ্যাদিগের আমলা বগের অভ্যাচার আছে। ইহারাও হিদাব আনা, পার্মাণা প্রভৃতি বাব করিয়া বংসরের মধ্যে •িন চারি বার ক্লযকদিগের নিকট হইতে কিছু কিছু লইয়া থাকে যদি দিকে অক্ষম বা অসম্মত হয়, তাহা श्टेटल थाकनात होका स्टेटल कर्छन कतिया

তৃতীয়। মহাজন। কুষকদিগের কাছারই প্রার ঘূল ধন নাই। ভাষারা প্রতিবৎসর मराजनिमिश्वत निक्षे हहेट होक! कर्क লইয়া খাজনা ও আবাদপ্রভৃতির বায় নির্বাচ क त्या शांटक। शटन भागा विकास कतिसा म जिल्ला भाग भारताथ करते। महाक्रमिन গ্রের নিকট ধানাও কর্জন পাওয়া যায় ইহাকে বাড়ী ধলে। বাড়ীর নিয়ম এই. কুষক নগের ঘরের ধানা ফ্রাইলে মহাজন फिला विकिए करेट थाना सहसा थाटक। পরে ফুলে ধানা হইলে প্রভার্পন করে মহাজে রে: স্থায় এপ কেছ শলী প্রতি পাঁচ (कर वा आंधे भाषि कतिया धाना नम । क्रम-क्तित्र धाना निष्ट अवस स्ट्रेश बाकात नद भारतात भूना न्द्रित करिया यक ठीक भार्या হয় সেই টাকার গত লিখিয়া লন।টাকা 'কর্জ্জ লইবার বিবিধ রীতি ভাছে। খত किचिया के उसे इत्र, यर्ग (तीशांकि अप्तः वा জুমাবন্ধক রাখাহয় এবং কিন্তী ও চোটা দেওয়া হয়। খতের এই। ইহার হুদের 🖘 🚁 মাত্র শ্বিতা নাই। মহাজবেরা ইচ্ছা মত ফুল লইরা থাবেন। সাধারণতঃপাহার এক

. দড় বা ছই পরবার হিসাবে লেখা থাকে, কিন্তু মৌখিক একটা ৰন্দোবত্ত থাকে। সেই বিদাবস্তের জন্মগারে কেহ প্রতিমাদে টাকার তিন কেহ বা চারি পরসাপর্যাপ্ত স্থদ লইয়া থাকেন।

চোটার নির্মটা বড সহজে না। মহাজ্ঞানের যত ইচ্ছা ততাই হাদ লইরা থাকেন। কেহ মানে টাকার এক, কেহ ছই, কেছ তিন, কেহ বা ঢাবি আনা, কেহ বা ভার ও অধিক যদ গ্রহণ করেন।

किछी। ইशांत निग्रम किছू प्राधिकत्त्र शीषाकाती। इंश अक श्रकात नी बात म मन। প ৰুষ সুক্ৰমে প্রার শোধ বার ।। कान बाक्ति यनि धक छोना कि ने नय ভাহার নামে খাতায় এক ীকা খরচ লিখিয়া এক মাদের অগ্রিম স্বত্ই আনা হিগাব আনা এক প্রসা এবং তাপিদদারের এক প্রদা মোট দশ প্রদা কর্ত্তন করিয়া লট্যা बर्गार्ड शांद्ध (छत ब्यान) श्रामान कत् । १व। विनि ये छ है। का लग अहेक श निग्रत्म आगान করা হই। থাকে। স্থলসমেত উক্ত টাক। এক মাস কয়েক দিবসের মধ্যে পরিবেশ্য করিতে হয়, কিন্তু নি প্লেড সময়মধ্যে বি শোধ না কা লে কিন্তী খেলাপী ফুদ ধ রয়া ভাহার নামে কিতীখরচ লেখা হয়। স্থ ्तोला नि <u>भवा ५ ज</u>निया टक्त निव्रम धे हे স্বৰ্ণজ্ঞাব্যর মাদে টাকার একপর্যা, রোপ্যের দেড় পর্বা, পিত্তল ও **ভাসার চুই** প্রদা করিয়া জ্বল দিতে হয়। ভূমিবন্দকের ও থতের নিয়ম প্রায় এক প্রকার। কৃষকের। এकरण गिका श्रीह कर्क्क महा का हव ভাহাদের নিজ দুর্মাও নাই ও স্বর্ণ রোপ্যাদির সামগ্রীও প্রায়ে নাই। কৃষকেরা যাহা ৰিছু উপার্জ্যন করে, জর্মীদার ও মহাজনদিগের পূজাতে সমুদয় শেষ হইয়া ধার। পূর্বেটি উলিখিত হ'ইয়াছে যে, ক্ষকেরা শসীবিজ্ঞয় कतिया महाकत्मत थाग शतिर्माध करत। किस रेत्वकाचां वनकः यमि नमा ना अस्य ভাষা কইলে কৃষকদিণের ছুরবস্থার পরি-मीमा थाटक ना। महाकारनता उँशीमगढ़क धिता आनाहेबा कमिनातिमध्यत नात्र थी. त ও প্রচার করেন। পেরাদা নিযুক্ত করিয়-

(पन । व्यवस्थित वजन गक्र (विष्ण) व.न । भक्तचाख करत्रम । ख्विश धरे, महाकरमत्रा নালিশ বড়ভাল বাদেন না। বলে, কলে, कोमाता छोका चामाम् करतन। (कह क्र কৃষকদিগের নিকট হইতে ভাহার ফোড জমি এর করিয়া জনীদার সংসার হইতে जाशन नार थातिक कतिहा वहेबा है हास्क ভিটেছাড় 'হেন ৷ কৃষকেরা জমীদার ও मणाकरः नक्षे क्वीटलार्भत्र नाम् श्रांदकः। क्रग 🚊 ्माथात्र (भव्र कन्या) भव्यक्त छ 🔊 विम <sub>্রহা</sub> তাহাদের পরিশ্রম স্তুত ক্ষিকাত ্র তক্ষণ ও ব্যবহার করিয়া আসরা জীবন ধারণ ও হুব অন্তলে কাল যাগন করিতেছি। কিন্ত ভাহাদের প্রতি একপ অভ্যাচার ও ভাহাদিগকে ঈদুৰ ছুৰ্দ্দৰ গ্ৰন্ত কথা কি মান ৰোটি ড্ৰক্ষ ১

আমি এক জন পলাগ্রামনিবাদী এবং বে ব্যবসায় করি, ভাহাতে আমাকে নানা স্থানে ও মনেক গৃহস্থের বাটাতে ষাইতে হয়। আমি ক্রবক, জমালার ও মহাজবলিগের वाणे ७ कमीनारतत काश्वातिरख • या गा থাকি। কৃষকদিদের পরিজনগাণার **ছর্দা**শ। ও ক্র্যক্দিগের প্রতি অমীদার ও জাঁহার कर्महाबिशन धवर महाक्षान्त्री (बक्रश অভ্যাচার করেন, ভাহাও স্বচকে দেখিয়া थाकि এই इ.ज.गा नित्रीह स्कपिरगत कारकः कि कि। कानरे वक भाभ थाकि व ? কথন কি ভাহার উন্নতি হইবে না ? দয়াবান গ্রণমেট কি ইহাদের প্রতি কুপাবলোকন क ब्रिट्बन ना । भवनदम छ छशानिभक विन्ता **ज्**वरन ज्ञी के कितात क्रमा विश्वय केंद्रियां भी **७ यहँगीत इर्ह्माट्डन । हेरा डाँशाम्बर** क ईवा क्या वटि ; किन्द क्षक मिरात स्वक्र ৰৰ্ত্তমান অৰম্ভা, ভাহাতে যে উহা.1 আপন সম্ভানদিগকে জ্ঞ নাৰ্জন করাইতে শক্ত ধ্র, कान मट इसे अक्षेत्र विवयन है। वाराजी আন বস্ত্রের দিমিও সদাই লালায়িত ও याकाता क्रमीमांद ও महाक्रान्त अव्यक्ष जाता চারে দক্ষ হইতেছে, ভাহার। সন্তানদিগকে কিপ্রকারে শিক্ষাদান করিবে। অত্যে তাহা मिना,क अन बद्ध मञ्चल कर्न ; क्रमीनात अ

नार्ज कर्न अज्ञानित क्यी नात निगरक रव चर्च नित्रां त्रिशांट्न, ८०१ वज् कृषकनिशांक अनान कतिया छाडामिशरक चारीन कक्रमा এবং তাহার। বাহাতে অল ফুদে মহাক্ষন দিগের নিকট হইতে টাকা কর্জ পার এমত উপায় कहन, जारा इंडेटन यनि शदर्गरमान्छेत्र. मत्नोत्रथ कथिए भक्त एतः। क्रूषकिएशत निका पियात सना (य उँशांत व्यवज्ञ कति তেছেন ভাছাতে কেবল ক্লবকদিলের ছুদ্দিশা ও রেশ বুন্ধি করা হইতেহে। কারণ জমীখার পতনদার, ইজেরদার ও লাবেরাজদার ভোগারা আপন খর হইতে কথন নির্দারিত क्त्र मिरवन ना ; क्रूवक्षिणरक श्रीफ्रम क्रिजा चाम म कत्रिरबन । পরিশেষে বক্তব্য এই रेवा দিশকে শিকা দিবার জনা হতন কোন প্রকার উপায় করিবার **ভাবশাক**তা নাই। क्रयक्तिरगत्र मर्था वाबारमत अवन्। किष्ठ ভাল ভাহারা আপন অবস্থামুদারে নিজ निक मछान्तिगरक छ क्ष्मरान्द्रिक शाठेना नाम ७ गवर्गस्मर केंद्र नाराय क्रांक वण ७ है स्त्रको विम्रामस्त्र निकार्थ क्षित्रः थाक। উद्योगित्मत अवश्वात उप्ति हहेला উহারা ভাছা করিতে পারিবে সংক্ষেহ নাই :

জনাই ১ ই মৰেব্য ১৮৬৮। বশখদ।

#### विविधमश्वाम ।

२ तः का अव्यक्षिण (माभगातः)

श्रामदी भक्त व द्र गैलित च एसत अ । रिक गिष्ठिम हहेटक या चील हहेबात कथा लि चया दिलाम, मर्वाममाजान लाइब का गाउँ का गिर्म स्म हहेबाट । जे चालचनन काच हुए गाउँ हहेटक मा। स्म भाक है का छता शुक्त हेटक माउँ हहेटन।

अभाग कांधकारण यान स्टेट्डिस खाउन टाइडिन्गरनाम भाईटिडिम। हेश भाटि मर्श-मात्वत खाद्वत नांध स्टेश मीडिम, अहे लक्षा खाटि। खाटन खाटन गर्नापाडेत देवनाया स्टेटिज माह्या (मेंद्रश) स्टेटिडिम, किस ठाडा भर्गा अन्टि।

সম্প্রতি মাজালের প্রধানতম বিচারালয়ের বেসিয়নে এক কব এতাদেশীয় উকীল এক

নহাজনদিপের অত্যাচার হইতে মুক্ত কর্মন। বি,ক্তির পক্ষমর্থন করিছে আইসেন। বারি লাড কর্ণপ্রালিস ক্রমীদারদিগকে বে বজু ইরেরা এই বলিরা আপতি করেনা উকীলোল দিরা সিরাছেন, দেই সজু ক্রকলিগকে আদিন বিভাগে উপস্থিত ইইয়া বজুলো করিছে প্রদান করিয়া ভাহাদিগকে আধীন কর্মন। পাবেন নাঃ কিন্তু বিচারপতি সর্ব আভাষ বিট্ ল্ পৌরেন নাঃ কিন্তু বিচারপতি সর্ব আভাষ বিট্ ল্ পৌরেন নাঃ কিন্তু বিচারপতি সর্ব আভাষ বিট্ ল্ পৌরেন নাঃ করিছালে করিয়াছেন। বারি ইরদিগকে সকলে টাকা কর্জ পার এলত উলার কর্মন, ভাহা হইলে যদি গ্রেণ্ডের আল ক্রমান করিছাল দেরার করিছে সকলে হয়। ক্রমকদিগের আলে । কলিকাভার প্রধান ভ্রম বিচারালয়ের ও ক্রমান দিরার ক্রমান বে উপার অবলম্য করি ।

मास्टाटकत উপकृत्य अम्।िश श्री श्री का वा वाका इरेटक इन्न महानी भारत का श्री का वा ही महारक नाम। इटक समुख्य बारता है अ आक नहेंटक क्षणमर्थ इरेशा श्रीकश्री का कार्य कार्य वा वाटक।

অংবছলানামক যে ব্যক্তি ১৮৫৭ অংশ দিনীতে কাপ্তেন ভগলাসকে বধ কবিয়াছিলেন বলিয় ধৃত হইয়াছেন, উচ্চাকে সেসিয়নে অপন্ করা চইয়াছে।

মকস্বলাইট আৰণ করিয়াছেন, লাহের অবধি পেলোয়াব পর্যান্ত যে রেলভয়ে হইবে, ভাগাব ভূমিপ্রিমান কাব্য শেষ হইয়াছে। লাহের অবধি রাজল প্রিপর্যান্ত শীতা রেলভয়ে কার্ড হইবে।

পঞ্চাবের খোকদিলের ছাস হইতেছে।
রামসিংহের এক্ষণে করেক শভ্যাত্ত্র শিষ্য
আছে। ইংহার ক্যাবে মুক্তরিপ্রভানিবক্ষন
উংহার উপরে লোকের আভান্তি অন্মিয়াছে।
বাবিইবলিব্যার ধাবা মুক্তনা ক্বান ক্ত

বারিষ্টর্লিগের থাবা মকদ্রনা কবান কর বহল বিষয় ভাতার এক দৃষ্টান্ত পাঞ্চা গ্রাক্ত। গাত শনিবার টার্টোনামক এক জন ইউরোপীয় দেউলিয়া আদালতে এই বলিয়া আকেন কংন না তিন পুর্টো গালিকার লবলের গোলায় এক জন কন্মচারী ছিলেন। ইংচাকে কেন অপনায়ে ফৌজদারে সেমির্নে অপন কবা হয়। ইচাতে ডিনি রক্ষা পান। কিন্তু এত টাকা খারিষ্টর দগকে দিতে ইইয়াছে থা দেউলিয়া আইনেব আল্পান। লইলে ভিনি আব নিজ্ তি পান না। তথাপি সব বাইনি বিকক প্রধানতম "বিচারলৈয়েব উকীল্লিগকে আদম বিভাগে উপজিত চইতে দিতেঃ চান না।

पक्षारयव मागः शक कारण महे वहें । (मरणः शाव छत्र भाव मान प्रश्निक छः १ नव मान प्रश्निक । भाव छत्र मान प्रश्निक । भाव छ मान प्रश्निक । भाव छत्र मान प्रश्निक । भाव छत्र प्रश्निक । भाव छत्र प्रश्निक । भाव छत्र प्रश्निक । भाव छत्र प्रश्निक । भाव छत्र प्रश्निक । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव छत्र । भाव

**्ल को**नोको च्यात्र, छि,वाधनामक सितार्हेल

এক জন আফিসর বিশ্বর খণ করেয়া তংগ লোগে অসমণ হইয়া আত্মহত্তা করিয়াছেন দ্ভেত্রীড়া, ক্লুরাপ'ন ও বেশ্যাসক্তি যুদ্ধ দ্দিকদিশের সালনাশের হেডু হইয়াছে।

গাবর্ণমেন্ট পঞ্চাবে এক্ষণকার আপেক।
আধিক সৈন্য রাখিবার মানস করিয়াছেন।
কয়েকটী পরিভেক্তে শিবির পুনকার সৈন্ধোর।
পরিপ্রভি ১ইডেডে।

মিদ মেরি কাপেন্টর বোধাইরে উপনীত হইয়াছেন। উঁহার সহিত একটা বালিকা অপস্যাছেন। ইনি মিদ কাপেন্টবেব পালিত কন্যা। বোধাইয়ের অনেক সম্মান্তর্তীলোক মাজেগল বন্দরে নিয়া উঁহার অভার্থনা করেন। কয়েক অন শিক্ষরিত্রীও এই সঙ্গে আসিয়াছেন। জীনামাল বিদ্যালয়সমধে তেঁট সেকেটারি মিদ কাপেন্টরকে সম্পূর্ণ ক্ষতা দিয়াছেন। তিনি আপ ভাতঃ আমেদাবাদে গমন করিবেন। মিদ্যকাপেন্টর ঘদি অবস্থা বুলিয়া চলিতে পারেন ভাচা চেইতে অনেক বাজ হুটতে পাবে।

#### ৩ রু, অগ্রাহয়ণ মঞ্চর রু ।

ইংলগু ইন্ডে টেলিগ্রাম আসিয়াছে, কমিস নের সন্মাথে বোধাই বাান্সের ভূ হপুনা; অধ্যক্ষ বলিয়াছেন, ব্যাক্ষেণ সন্দাশুন্ধ ১৮৮ লক্ষ টাকা কাভ হইয়াছে। কিন্তু কভ জন ইংচ্ছে বড়মানুষ ইয়াছেন গকত নিগন্ন ইংবাজ ইংলত্তে ডিয়ে। নন্ধী কবিভেছেন গ ভাছা কনিসনের কনুস কান করা বভাষা।

ক্রেডিবিক বেশ স্ক্রনীনাক এক জন জ্রাচোর ইউনো র বেববেও থারসমের নাদে এক চাদা পুত্তকে স্বাক্তর কবিয়া চাদা আদার করিছেছিল। সিনসন কোলোদির অংশী সদরলাও সাহের এ বাজিকে পৃত্ত করিয়া পুলিষে। নিয়াছেন এক জন মুসলমান এ ব্যক্তিন স্ক্রনারী ছিল মাজিকেটিট রহাটিন সাহের ইই গোলীরের ছয় মাস ও মুসলমানের ছই মাস কার বাসের আন্দেশ দিয়াছেন। এব(জিকে জালে শ্রাবে সেনিয়াছেন। এব(জিকে জালে

পঞ্জান বংক্ষের প্রক্ষান্তর জ্যাচুরিতে
ক্রান্তর স্থানাশ হইল । সিলিয়ান বলেন এব
লৈন পারসী বলিক আগ্রাস্ত হইয়া বিষপানে
আল্লাহাত্য কবিদ ভোল । আর এক জান মধাজান
শিল্পের কড় বলে তেখা কবিতে না পারিয়া গল
লেশ জ্যোন ক বলাল (চ্টা পান । বলক্ষাকলের
ব্যোধ্য যে সকল জ্যাচুবি হয় ভাগাব শেষ ফল

। ে ব্যয় এই কমচারী ওাডরেটর মনোনীত। কারবার সময়ে সাবধান হত্যা হয় না।

কলকাভার ক্ষতিস্থিতির ইঞ্জি নম্নন্ত সার্ক ব কলিকাভায় প্রজ্যাগমন করিয়াছেন। দান্দ্রাবিভাগের ভে বের পরীক্ষার পুর্নের উত্তর বিভাগে ডেবুণ ছইবার আজ্ঞা ইইয়াছেন। অভ এব প্রার্ক সাহেব আর ভিন বংসর কলিকাভায় না কিন্তু ভিন্ন এত দিন মিউনিসি পালিটির বেডন খাইয়া ইংলডে কি করিলেন, ভিন্ন স্থানিতে চানঃ

লাছ হিয়ের জন্তিদেরা তেন করিবার মানস করিবারেন । নাজাত্তের মিউনিসিপাটি প্রঃ প্রণালী করিবার নিমিক্ত গ্রেণ্টের নিকটে ১২৮০,০০০ টাকা কর্জ্জ চাহিল্লাছেন। মাজা লেন ইস লগকেই সক্তাপেনা বুদ্ধিনান দেখা মাইডেচে।

সম্প্রতি পেসোয়াবে ছটী অমিকাণ্ড হই: নিয়াচে প্রথম অমিতে ছটী জীলোক ও সন্তব আলী হাজার টাকার দ্রবা নষ্ট হইয়াছে দিতীয়নীতে ৮০ মন বারুদ জ্বলিয়া নিয়াছে, একটী জীলোক প্রাণভ্যান করিয়াছে এবং প্রায় এক লক্ষ টাকার সম্পত্তি নষ্ট হইয়াছে।

#### ৪ ঠা জাগ্রহায়ণ বুধবার।

গাঞ্চামে পুনর্দার ছ উক্ষ হইবার সন্তাহন.

দইয়াছে। জনার্দিনিবন্ধন সর্দ্রপ্রকার শসংই নষ্ট

হইয়াছে। এবার যখন সর্দ্রপ্র জন্মনষ্ট ভখন

গবর্ণর জেনরল দববার না করিয়া জনাায় করিল
বাছেন। এডকেশীয় রাজগণ ভাছা কইলে

এই বালয়া ভয় করিছেন যে, এড কষ্টেব।

বময়ও ব্রিটিশ গবর্ণমেন্ট কোন ভয় করেন না।

্ডলৈনিউস অবগত চ্ইয়াছেন, ভারতবর্ষীয় গ্রণমেট লব্দের মাসুল সর্ব্ব একবিধ করি বার প্রভাব কার্ধাছেন। এটা অভিশয় আব-শ্যুক।

উজ্জ পত্র প্রবণ করিয়াছেন বিস্তর কলিকাচাবাদী এই বলিয়া আবেদন করিছেছেন
যে, চৌর্জিতে না হুইয় কলিকাতার মধ্যমানে
ভাট আদালত স্থাপিত হয়। এই আবেদন
গ্রাচ্য করা কর্ত্বরে। এতকেনীর অর্থি প্রতর্গের সংখ্যাই অধিক। চৌরালতে আনালত
থাকাতে বিশেষ অন্ধুবিধা হয়।

ফিরোজসার একণে ক'বুলে আছেন।
আমীর সিয়ারজালি খা উ'রুংকে বালাহিসার
ছর্গে বাসস্থান দিয়াছেন। ভারতবর্ধীয় বিদ্যোহী
নিজ বল্পেও আমীবের নিকটে পাইতেছেন।
সোয়াজের আখুন্দ যুদ্ধ সর্জা কবিতেছেন।
কিন্তু ব্রিটিশ সবর্ধ মেন্ট ভাঁরার বিরুদ্ধাচরণ না
করিলে ভিনি গোলখোগ করিবেন না।

বোধাইয়ের পারদীরা মেইন সাহেবের স্তুতন বিবাহের বিলের প্রতিবাদ করিতেছেন।

শিয়ালকোটের এক জন অর্থকার এক মহা
ত্যের নিকটে ৩০০ মহম্মদ শাহী মুদা বন্ধক
রাখিয়া ১০০০ চলিত টাকা কর্জ্য করে! যথা
সময়ে দে প্রতাগমন করাতে মহান্ত আদিয়া
থলিয়া খুলিয়া দে খংলন, সকল টাকাই মে.কঃ।
ধূর্ত অর্থকার ধৃত হইয়াছে। পুলিষ তাহার বাটী
হইতে১১৬০ দী মেকী টাকা বাহ্নি করে
য়াছেন। কলিকাভায়ও অনেক মেকি টাকা
৪২৪ত হয়।

আমীর সিয়ারআলি খাঁর ই রুপর্যান্ত পেরে।

য়ারে আসিয়াছিল। অবছল রহমন কেবল

য়এসর হওয়াতে তিনি গ্রাবর জেনেরলের

সহিত সাক্ষার করিতে আসিতে পারিসেন না।

#### ৫ ই অগ্রহায়ণ বৃহস্পতিবার !

ভারতএথীয় ব্যবস্থাপক সভায় গেণজনার জাইকের সংশোধনার্থ যে পাণ্ডুলেখ্য উপস্থা পিত হয়, ভাষা জাপাততঃ স্থানিত রহিল। পাণ্ডু লেখ্যপানি জাইন কমিদনরদিধের দর্শনার ইংলণ্ডে প্রেরিত হইয়াচে।

এ বার মধ্তারতবর্ষে উত্তম তুলা জনিয়াছে।

অন্য অন্য বংসর অপেকা এবার এক মান পুরে

অমরাবতীর বাজারে তুলা প্রেরিড হইয়াছে।

এখানকার তুলার খাঁস আরও উত্তম না হুইলে
আন্মেরকার সহিত প্র ত্যোগিতা সন্তাবনা
নাই।

बिडेकिनाएउ भूनकांत युकात्रक स्हेग्नाएक। कानियनानीता मच्छिक अन युटक देश्नाक टेम्मा नित्त कार्यक कार्क कित्रियाक। डेश्मीटियांन याना स्हेग्ना थाएक खानाहे स्हेट्डक भारत भद्राक्ष स्डेक, कानिय वाभिश्वक

পুषिवी छाभ कांद्रख श्हेरव। इंडेरवालीय সভাতা জন্য জাতির অবস্থান বড় সহিতে। য়াচে। শিবসাগরে চা ভাল হয় নাই भारत मा।

বোৰাইয়ের মিউনিসিপাটের খাতাঞ্চি যশ বস্তু বাও ৭০,০০০ টাকা ভচন্নপ কৰায় জবি দেরা উাহার বিরুদ্ধে ফোজদারিতে নালীশ করিয়াছেন : কিন্তু নালীবের পূর্কো ঘশবস্ত भनाम्न कतिमारहन । (वाषाहरमत क्किनिरिश्न श्रमश्मा कता आरमस्य । अवादम हाल्एउम मार्ट्यटक किंडू वना काहार माउ इस बाहै। বস্ততঃ ভূত্যদিগের ক্ষতি কর এখানকার মিট্ট নিদিপালিটিব অভিমত নতে। কলিকাভার छन्छिमहिरात এक छन अउएमनीय चुकीसाम ওবরসিয়ার কুলিগণনার ব্যতিক্রম করিয়া পদ চুত इस कि क कि कृतिस भारत कावान कन्द्र **भःहेब्रा**ट्डन ।

অগ্যামী সেম্বার প্রধানত্তম বিচারালয়ের লেগ গেলিয়ন বলিতেছে। বোগ হয়, বিচারপান্ত ফিশ্বার আসনগ্রহণ করিবেন। এবার জাবেক श्वकार जानवारगत् मककमा चार्छ ।

भक्त करलात (भरकरहे । लक्ष्मान्हे भवर्षेत्र अक ষে'ধণাম্ব'রা সাঁওভাল প্রগ্রার অভারত সংক্রেপঞ্জ ও বড়ংটে দু,ভত্রীড়া নিবেধক কাইন জারি কবিয়াছেন।

গত কল্য সর ভান লরেন্স কলিকাভায় আগ মন কাবয়াছেন।

শব রিচাড টেম্পল বোদাইলে প্রম করি য়াছেনা তত্ৰতা রাজস্বসংক্রাপ্ত বিষয় দশন করা ইংহার অভিপ্রেক।

মিদ কাপে টব এদেশের ভেল প্র•শ্লীর क्षां ज मियादवाल कवाराज काताजवर्षीध शवर्गरमान अनकनमयंन न अक भीष तिरुपार्वे अञ्चल कति **उर्डन। এই उ (वांग, ज्यामाहित्यव लाग्न** धनानीत (करन कानारकत डेनरत निर्देत। व्यक्ति षा । वा भिन्ना तिर्भाष्ठिन निविद्य भातिराम काळ व्हेबा (गंज । काष्ठाकतम्मातत् वादमाकछः भारक माः

কেন্ত অব ইতিয়া বলেন, ভারতবর্ষ **হইটে অধিক পরিষাণে বিলাভী বস্ত্র ও চা** প্ৰাকৃতি মৰা আবিৱাতে যাইতে না পাৰে এই रिफारमा क्रमीय शवर्गस्य में उक्ता २६ छाका শুল্ক করিয়াছেন। রূশীবার অধিকৃত জানিয়ায় ই বাজ কলসপ্রেরণের সমগ্র আসিয়াছে।

कामतो बाक्नानिक स्ट्रेग क्षकाम क्रिएकड्रि, े डाकुत्र (मो क्रेड श्राह्मक (खाल ब्री लाक निर्वाद থাকিবার ক্ষতন্ত্র স্থান করিতেছেন। দেওয়ানী त द्विमिनिद्राञ्च था कितात स्थान च छञ्ज हहेरतः

अवात जागारम बटवर्ट हा- व शाना असि । ताक ममदवक इदेशाहित्समा अहे चारम ३,१७

नागश्रेत व्यवसादवत निन्धत विनिवादस्य, यथः **खात्र** छर्कि (कत कामका माहै। দকলের প্রার্থনা ও ভাহাই : কিন্তু আমাদিগের जाना (स भारतेशूर्न इष्न (बाध इक्सन) ।

ं भक्काद्वत स्मुक्तिनान्छे शवर्वत क्षानः भि দীমার নিকটে আছেন ৷ দিয়ারআলি ধাঁ .भरताम देश चात्रिर्वत अधन छ । त्रहादवा कारक। क वहन वहन्यानत महिक वृक्ष (भय ना रवेदन देश रहेदछट्ड ना। आवश्न ब्रह्मन त्य अशी रन वाथ इंडरफंट्स ना फिनि व साम পত্রিভাগে করিয়া আসিতেত্বেন, তথাকার (काटक्त्र), विद्यादी बहैदण्डक, श्रीवात देनवान्त्र वक जातु ।क अदर ।

🦟 ७ हे जबहाबन छक्रवात ।

সেকজা বেশমের কন্য সাঞ্চিত্ন বেশম क्रणारमञ्जलित्र जिरशामध्य कार्याहन कविदारस्य ।

কারুল হইতে সংবাদ আলিয়াছে, সন্দার ावश्य द्रम्म थी। जुलिकारमत विस्ताह्याछि করিরা বাহিল্লান উপত্যকার আসিরাকেন। তথার সিম্নারকালি খাঁর বেসকল দৈন্য ভিল তাহারা ভরে পদারন করিয়াছে। কড়কওলি र्गफाटतत मटन कृतिहाटक । क्रांक कानुटन काना ত্রীহ'র অভিথ্যেত। সিয়ারআলি ধাঁ। আপন পুত छात्र जामि ও गर्फार हैनबाहेन भारक वाभिशाद्यत मिट्रा ध्यवन कतिशाद्यम । किन्त টেসনাগৰ বেছন না পাওয়াতে অস্ত্রেষ্ঠ হইবাছে। এরণ জনজ্ঞতি কাবুলের অনেক সন্ধার গোপনে আবিছ্ল রচমনের সাহায় করিতেছেন। বোধ रशं तियावचानि थ। काबुटन संधिक काल থাকিছে পারিদেন না।

#### **৭ ই অগ্রহায়ণ দ্**নিবার :

लारहारवद विश्वताङ शिखक त्राधात्रक माञ्जी যাবজীর সংস্কৃত গ্রন্থ সংগ্রন করিবাব ভার পাই য়'ছেন। প্ৰশ্ব জেনবল এই কাৰ্যের নিমিত্ত वर्षिक २४. • • । । । जिल्लात मानन कतिया (क्म । छ्हेंवेशि (हेक्स मारहरवा यरच अहे महर कार्यः इहेटल्ट्रहः।

আর এক জন এডদেনীয় বারিষ্ঠর বেংলা हैराव अधानकम विवादालात श्रादम करिया

त्मरण्डेचत मारम (य छम्र माम । भग स्म.। তাৰ্ডিভ মধ্যভারতবর্ধে ১৮ টী মেলা ফইছাছিল -हेराब मट्या मध्येता विकारण ১৪ में रुख । नर्त्ता পেকা চাদার মেলাড়েড অগিক অগাঞ্চঃ ...

हाकाष्ट्र अवर विक्रीष रहा। अन्य अवर श्रारन गरफ e - • • (माक व्हेत्राक्रिस्)

निश्वनिथिक मृत्यह शवर्गस्य हेत सामक विक्रीक महत्त्वरम् ।

| ९ हे। काब जिका                | 384 - 1 384 - |
|-------------------------------|---------------|
| 8 * ( <b>4</b> 15             | 2884 1 284V   |
| e <sup>क</sup> अवशिक अर्थार्क | 3-2413-6      |
| e a (#12                      | ١٥٠٥ ١٥٠٥     |
| 付 な (事性                       | 7701-177011-  |

#### -: - :-ইউরোপীয় সমাচার।

मधन ६ हे नरवषद्व । व्यक्तिश्रात द्वाचा निर्देश वरात्रकात कार्य। त्रक कतियार्थन । प्राक्षा (करल দেশের অভ।জয়ীণ অবস্থার বিষয় লইয়া বক্তু ভ। করিবাছেন। ডিনি উৎকর্ষ সাধনের অজীকার कश्चित्रा विनिद्रार्श्वमः विरामनीय अवन्द्रमन्त्रेमभूत्वत দৰিত হাঁহার সম্পূর্ণ সম্ভাব আছে। তিনি স্পো स्य विश्वरवद्ग विष्ट्य अञ्चरभामन क्षित्राह्म ।

भारतकार आहेरे मार्ट्यक अधिवृत्त्र। नगर्तत्र খাবীনতা প্রদান করা ইইয়াছে।

त्य ए श्रधान श्रधान नियद्ध फिनि लिख व्हेशार्ड्य काश्व हिर्मित क्रियांय मगरम बाहेंहे भारकत बिलियार्डन, जात्रस्टर्यत जिल्लार केत फिद विष्**र्व (काम वर्तमावश्व क्या क्य मोहे।** मक्स (कहे क्षे प्राम्यत श्रांक कामाना ह्यां भी प्रभा याता। ভান আৰুও বলিলেন, প্ৰদুৰীয়া 'ও আই মাৰ লেন যুদ্ধই ইউবোপীয় রাজগণের ঘেষর দি করি वात अधान कर्त्वन ।

भिष्टिकेश्व क्रेटफ. 8 के। महत्वहरूव या कि लि व्याप्त काशिशाहरू, जाहाटाङ कामा याहेटाउट । निक्रेश्वर छ निक्रमात्रीम मी ह अधि श्रापन क्षर्मरम कालनामिरशय लक्ष्यं क्षिनिध् मरना मैं कि कवाइश्वाद्यन ।

७ इ महत्वयतः १ ६ इ महत्वष्टवत् এक हिलाधान निर्देशक क्षेट्रक ज्यागियार्थ । देशट्य क्षेकाल कृत्य, २५ है। शहभटनव (लाहकत (ममानिष्ड शाह हेव महालांड कहेवाब विषयु २०७ ही घड भाइमन मार्क्त्वर अञ्चल्दल मेष्ठ क्षरम्दलव ४४की भक्त करेवारका भी क्षत्र खिश्च करले २५ सम প্রতিনিধি মধাসভায় প্রবেশ করিয়াছেন। পুরে भाषात्वाकृतियां भरत्य भरवते व्याप्त मन व्या-(भक्का फिल कार्यनद्व इन्हें कर्टन कामिक हिन, हैंग किमिश्राद्धः।

१ हे नद्दबर । क्षत्रक्षद्वित वार्यत्रक त निमिल है। हैमन अब है लिया है एनंद्र स्व कि निवि ्रे मरमानी छकादी निरुपत्र निकट्ट एवं कार्यक्त

করিয়াছেন, ভবিষয়ে অন্যকার টার্ডমণ পত্রে अन्ति भीष अञ्चान काहि। मञ्चारित नाष्ट्र गानि श्दति मारक्ष्ट्रेस्त यास वस्तृतः कतियारक्रमः ভারার অনুকরণ কবিরা টাইমস ভারতবর্ষে ভুলার চালের নিমিত্ত শৃষ্ঠা পাইবার প্রস্তুতি कविद्यादकन। शुरू १ १ । श्रीटकां कर्वटकां है काछ संबद्धक ि ११ अस्ति विद्याहरू में १ ६°° পটু গিজা মোজা গ্লের মধে জ্বাক্রমণ করিছে शिया भवा कि व व वृत्ती कुछ वह दाए ।

৯ हे मरवहत । तत्र होत्तां ड नर्गरक है । छावड 4নীয় খালকটো কোম্পানির উৎকলব্যিত খাল नक्ष क्षप्त कतिवात निभिन्न वरमावस्य कतिहा | .SA 1

ইপ্টইগুরান আংশাসিরেসনের এক অভিনন্দ নেৰ প্ৰাক্তান্ত্ৰর দিবার সময়ে ল'ড মের বলিয়া দেন, ভাৰতবৰ্ষের সৰ্মস্থানে কৃষিকাণেৰ উন্নতিব নিমিন্ত খাল করা অভিশয় আবশলে৷ ভিনি विश्वरहरून, इंश्लट्य य खनानी करनवन कर en ভারভবর্ণেও ভাহা সহজে করা ঘাইতে भःद्विटव । अकत्न छात्रख्यत्वत् मान्नमार्थः করিছে যে প্রকার নিস্তর পত্ত লেখালেখি চইয়। খাকে, তৎপ্রতি লাভ মেছু দোষাবোপ কবিয়া ধলিল্লাছেন, পত্র লেখার পরিবর্ত্তে কাল কলা উল্লায় অভিপ্রেড ইইলাড়ে। ডিনি আংবর বলি क्र'रहून, क्रांनीय क्षंत्राजीवित्रय कृत्यावभवादः याकारण छेलकान वृद्ध, (महे छेटपटन नामम करि यात्र स्था अंकि विकास्त भूषक श्रमानी करा

সেনাপতি প্রিম স্পেনীর সেনাদলের মা<sup>ন্</sup>ন ও প্রধান অধ্যক্ষ হইয়াছেন: ভিনি ধ্ব আঁলু গৈনিককে সাধারণ সভাসমূহে ফাটেছে वित्यम् कत्यम् छन्।

**कु**क्षृक्ष तास्त्री हेनार्यकः भावित्र केंपशीय · 医电影性多数

# शवगटमने विकासना वज्रामनीय लिल्पेनलेशवर्गत्त्र আদেশাসুসারী নিয়োগ।

१० हे महत्वधव । क्रि. स्मा. शि. शांडिएडम স্তেব ২৪ গ্রগণ্য সহকারী মাজিটেট ও া কংলেইর ১ইয়াং ভীয়া ক্রেণির আংশীন সাজি ्रिकृति क्याला श्र 😸 बहेर्रायम ।

নিমুলিখিত ব্যক্তিরা রাচির স্বাভবং চিকিৎ । স্বালয় চালাইনার সভাব সভা কই,বন।

.**ल व्हेब के** करवेल .स. .धा. .फ.वगा

. अ. १ हे मरकार्य मारहर I खात् जनामके. किंड मार्ट्य। বাবু গিরিশচন্দ্র মিত্র। মুলি সদানক সহয়।

ঞে, কেলি সাহেব কলিকাভার মেডিকাল কালেকের চিকিৎসালয়ের ধাত্রী বিভাগের हार्डेन मार्कन स्टेट्रन।

- ১১ इ महबन्नतः (संवश्रष्टकः भूरकाकः वाबू भी क লচন্দ্র মুরোপাধ্যায়ের আপাততঃ যে ক্ষমণা আছে, ভারিল্ল ভাগলপুনের নিমলিখিত স্থানের বেলওয়ের কভ' লাইনের মকক্ষা নিশান্তি कृतिवाव क्षत्र छ। शाहै देन ।
- चम्बद्वाका. श्विष्ठ भवताना हकाहै, शिविद्या, ও সালিমাবাদ।
- (२) मूल्यटतत मूल्यटक्द नीमात मध्यक्ति পরগণা পর্মাতপাড়া।
- ( ১) ভাগনপুরে মুন্দেদের সীমার মধ্যক্ষিত भव्रत्रभा चम्म (मः।

করবাজের ভেপুটী বাঞ্চিটেট ও ভেপুটী कारमञ्जू अ, क्रिट्स न मार्ट्स अ४७८ व्यक्तित १ काहेम कञ्चनादत्र मकत्रमा कत्रियात क्षमका भाइट्यन ।

যত দিন মৌলবী গোলাম মকলম বিদায় লইয়া অনুপস্থিত ধাকিবেন, তত দিন বাবু সুষ্, কাল্প চৌগুরী নত্তগার প্রতিনিধি মুক্তেফ

) २ हे मरवष्ट्र । खबलिखे. वि. अलख्ड<sup>+</sup>म नारहर मात्रज्ञिलाएउन अजिलिध ग्रहकाती क्रि-সনর হটয়া মাজিটেট ও ডেপুলী কলেইবের ক্ষতা প্রাপ্ত চইবেম। আর খত দিন ভবলিউ, বি, ডি, মটন সাংখ্য মদায়লে থাকেন, ডাড দিন তিনি ভত্রতা ছোট আলালতের প্রতিনিধি कक्ष रहेरवन ।

কে, টুইডি সাহেব কৃষ্মগরের এক কন মিউনিসিপাল কমিদন ও মিউনিসিপালিটের भक्कावी भञ्जाभ (७ इकेरवन ।

লেপ্টনন্ট এম, টি, সেল ( বিনি ক্ষণে ছোট । প্রেণির প্রতিনিধি ডেপুর্সী কমিননর হইতেন। নাগপুৰের কবদ মহলের থাক্ষজ্ঞি কার্যে। नियुक्त कारहन जिनि । यह मिन .इकि नामपुरत থাকিবেন ডভ দিন নিঞ্পদপ্রভ'বে ভত্তভে কমিসমধের সঙ্কারী ইইবেন।

নিমুলিখিত বংক্টিরা ত্রিপুরার বিদ্যাশিক্ষা मञ्जूष मञ्जू इहर्यम ।

এ, ভৰ্ষিট্ট, কফেন সংহেৰ। ডবলিউ, ডে'ব স'হেব।

वाबु (बाह्मीरबाइन वर्षन।

काङ्गारकृत महकाती कशिमनत छ, खि, जात, माक्टिहे लियम कुलिवक्टकत कम्बा शाहरवन , কিন্তু ডিনি ডব্ৰেডা প্ৰতিনিধি কমিসন্থ জে, ভবলিউ, এডগার সাহেবের অধীনত্ব रहेग्रा **এहे क्या**डा क्षां **स्टे**र्वन ।

**एवंनिके, इंगाम भार्व्य भार्विना, भन्ना छ** माहात (म ১৮ ১० कार्कत के बाहेन अञ्चरा त (एश्री कारमहेरदा क्षत्र था शहरवन।

১৪ है मर्वच्या । यक शिम वावू अनम्भाव नर्जाधिका ौ विषान्न महेन्ना अञ्चलिख्ड चाकिएनन, **७७ मिन पश्चिष्ठ दावकानाथ** বিদ্যাভূষণ (১) পুর্বাগড়ের মুক্ষেদের সীমার মধ্য সংস্কৃত কালেকের প্রতিনিধি অধাক্ষতা क्रिट्रिन ।

३७ हे न(तक्त । फाफ्कत (क, स्क, मन्दिय এদ, বি, কাছাড়ের প্রভিমিধি দিবিল আদিষ্টাণ্ট मार्क्डन इट्टिन।

वाव हैयान, मर्क्सलाल रङ्ग वर्षमान ए छन लित श्रांकिनिधि विरुग्ध मय (विक्रष्टीत हरेरवन ।

১৭ ই নবেশ্বর। নিশ্বতব লাসনকার্যের নিম लिखिक कर्म्बराविजन वर्ष इहेट्ड शक्य धार्निएड द्वितील बहेरवस ।

(मीलवी मस्मान।

বাবু সীভাকান্ত মুৰোপাগয়ে।

\* **国**[3 47 5 25 (7 4 )

नवर्तत (स्मानहरमत मामाजिक्याम (मान्हेंय हे গনৰ্র বাবু ঈশ্বনচন্দ্র হোগালকে বলদেশীধ ব্যবস্থাপক সভারে অনাতর সভাপদে নিযুক্ত क्षियाएक ।

যত দিন লেপ্টনন্ট কর্ণেল জে, এস, ভেবিধ রিদায় স্ট্যা অনুপঞ্জি হাকিবেন, ডাড দিন लिक्नेन कर्वन हे, ब. ताडेनांवे ছांवे नागश्र (बृद्ध क्षिकि विश्व किमन्द्र स्ट्रेट्स ।

क्षिक्रमें कर्मन द्वाष्ट्रनार्हेव अञ्चलक्षाम कारम छवनिष्ठे. 😸 अ. (यरक्र) जारहर शिक्तम দুয়ায়ের প্রজিনিদি ডেপুটী কমিসনর ইইবেন।

(m, फवलिफे, avnia शांद्वत फ्रेडिस ·

---:0:---

यात्रापिरभव याञ्चलशाच्य मः बान माजा निर्विशास्त्र।

)। शवर्वताहे **काकि** कांगि म्हानं हेर्न छ माधनार्थ প्रवानमञ्ज्ञार्क डिमाहरमस्ट अथः বৃষ্টি করিতেছেন > কিন্তু উৎার কর্ম সকল স্থানে সমান হয় না। সভাতি নদীয়া জিলার

ষ্টিতে পারেন। আমাদিগের এতৎ সংক্রান্ত মেন্টের গোচর করা কর্তব্য :

(माभक्षकामभाठेकवर्णत अस्तर्के अवश्रक कार्डन य, कलिकांडा इहेट्ड कांद्र इहेब्रा একটী ছুবিস্কীর্ণ রাজপর বারাসভ, জাভ ল, इंग्लाघाउँ, छेला, कुक्षनगर, प्रच्यांम, कालिश्रक, नाचुनेसाक्षक जिल्लाममगुरस्य मधा हिद्या *(क्रमा वर्तमभूतित कानिमवास्नात्रभर्य।* स्ट्रामन করিয়াছে। ঐ রাজপথটাকে সহবাচর লোকে '' কোম্পানির রাস্ত। শ কাইয়া থাকে। ই রাস্তানী श्राकांत्र अ (मर्ट्यत (य कांड डिलकात इर्हेन्नार्ट्स) ভাগে বৰ্ণনাভীত । উগার স্থানে স্থানে সাঁকো कदर का'तमाक मा वृहर वृहर भूल व काएहा খড়ে পার হইয়া রংরমপুরপর্যান্ত এই সীমার সন্ত্র অনেকগুলি পুল প্রস্তুত হইয়াছে। কুঞ नगत अ माग्रारकारला। भवावखीं अक स्थारक गान्द्रान्हे क्यक वरमत हहेल, एक्स वृद्ध्यत अक्डी সেডু নিমাণ করিয়াকেন। ওদ্ধারা পথিকদিগের व्यानक कष्ट्रेनिवादन इध्धाद्य वर्षे , किन्न পুলটী সুধিধাঞ্জনক নছে। প্রভিবৎসর উছার भाकात कतिहरू हरू, छाङ्गाट्छ बिनाक्रम राष्ट्र इडेश्व थ. एक । डेडाव निविख अ श्राहन । खालवुक चुना इहेन। य: श रुष्टेक, आधाषिरगत मण्ड अहे अमि भाग कहा श्रकाव्टिंड में भवन हम लिंद क्षां के स्वति ए हेड्ड एवर में एक राज्या कार्याः शन(क अंतर्व उभव निया गमन कवियाहि लाश। (प्रतिनाम, छेड़ा जात्न छात्न छा इडै-য়াছে। ভাষার উপর দিয়া পাজিপ্রভৃতি চলিতে পারে না ৷ পথিবদিগ্রেও জতি সাব ধানে গ্রমাগ্রম করিতে হয়। এটা পাকা হইলে कात्र अ डेलप्रव थारक नाः

২। সোম্প্রকালে শান্তিপুর ইইতে ছোট काशमञ्ज ও सूनरमिक काशमा उत्रागिषा है। कितिया बाह्या अ अन्त्र हाहेब्रा (ग हहेथानि भज अकाल व्हेब्राट्ड, ७विष्ट्य व्यामानित्तत व्यात किष्टु बना बाह्ना। महानव हिराट य मह व्यक्तांन कतिहारइन, छाहाहै अन्धूर्न वनुरमान নীয়। শান্তিপুর অপেকা রাণাঘাট আজি কালি लर्क्ष७८० क्रुविधात क्रांस क्हेब्राट्ड। अधारती,

अखरमरकाख कानक कार्य। मात्रख इहिमाइ। विभागत प्रदूशि चालिए ए उम्र विश्व । मालि अवारत 8 i ६ क्या है कि नियुत्र का शियु एइन । शव शिवुत्र शक्य श्वित्र व्या व्याशिक कहियारहरू, ৰ্ণমেটের ইহাতে মাস্মাস যেরপে বয়ে হই- । ভাহা কোন কার্ব্যে নহে। শাল্ভিপুয়ে অধিক (कर्ड, जारांत अञ्जान कर्ष रेक ? अञ्चन कान- (लाट्कर वाम दःलघ्वार कि फथाय जालामाफ अमेखि य कंशकी थाल काने न रहेंद्र किन्न थाकिरत ? खिनि लिथिएखरहन य यप्ति अधानकान काराज (व करव कावक वहेर्य, कार्यावाह विद्वारालयास्य वाकाषाट देविया याय, कारा হইলে তথায় দক্তা তক্ষরের প্রায়্ডীবি অধিক अक्षी बळाव, कार्ड, अहे कावमरत छाहा भवर्ग इहेरवर हैशत महिन्द काहालरुक्त कि मरखाव आहर यान मास्मिक्टिक्त कालानिह देविया (शन) এ हुई आमानक बाकांब कन कि? (कवन गवर्गम (नेत मुल्य शाकिरशहे डीहामिरशह मरवाहा) पूर्व इहेट ज भारत । कात्र अक्ती विषय् .. अ श्रुटन राष्ट्रक क्या व्यवना कर्ख्या शानावारे मबद्धिविक्य भूके विराध अधिक विख्य अवः अस्वक अप ভস্ত আম আছে৷ উছাদিগের কোন ব্যক্তিকে मकसमा छेननएक माखिनुदत छेनविक स्ट्रेट **२हरेल कीर्यवाजांत्र मनात्र भारतत्र महरक एत्र ।** कर्ष्ट्रेड अदिगीमा धारक ना। अधिवस्र शङ् বাবের পত্তিকার প্রবর্ণকীর এক মহাপয় বিস্তা ব্রিক ক্ষিত্রা বলিয়াছেন ৷ উপসংখ্যিকালে कामन अन्य अनः श्रवन्य केंद्र क्षेत्र्य कति . छड़ि, बाहोर्ड विहातामध्र हुन वांनाचार्ट स्त्र, । महत्रक हिल्ला

৩। গভ বাছের পত্রিকায় খনপ্রাম মহকুমা १६८७ (४ )) सन कामाहेक (गरतकात रहेंग्रा কুঞ্চনগরে আসিয়াছে সেখা হইয়াছিল। কঞ্চ जेस ६६ल काशांद्र (मगरन विद्वात ६६ छ। शियारक । ऽऽक्टमञ्ज्ञास्यः ऽकटमञ्ज ६ ठाति वरणत कावः वान वनत्र । अस व्यवतार्शेष्ठ नाहेब्राट्ड ।

৪ ৷ সম্প্রতি আফুলিয়া ডাক ছবে প্রতি দিন এক প্রাক্তি ছে বে, এক জান পোক काता छेहार चलीम कविद्यक्त कहें। स्थानाव्य हास ्लाहकता, सिव्हेबिक नवरस्य पत्र भावटक भारतम मा। हेरा डांशिशिश्व अक्ष खिले व निर्देश হট্রে। আমিরা কএকবার এবিষয় সোমঞ কাৰে ও অম্য অন্য পত্ৰিকায় একাশ করিয়াছি amer शिथिएकड़ि, शवर्गरमाडे (यज्ञाम महामाताकड़ इहेग्ना छेहात आवण्डक खरगमि अर्थन कतिब्राटक्स. (महेन्न्य केश्व निश्चिष अक सन चक्क १३क्था নিযুক্ত করিয়া আফাদেদের অভাব দূর কয়ন ৷

e । अ श्राप्तरभाव गारिश्व शास्त्रिक वर्ष मन्छ । हाज्जिन क स्क्रमने हे हमी लह इहेर हर है। देवम किन धारतात लक्ष काल नरहा भवश्रमके उञ्चानी यक्ष कक्षम, मञ्जा (मर्गत कर्ष्ट्रेत) गीमा थाकिएन

यामापिर्गत स्मिनीश्रद्ध मध्याव माजा निधिशाहन।

मरान्य ! शाय हरे मान स्टेल केल ना स्ववाटक कुरत्कत्र। धारमध्य ज्ञानाञ्च अक अकात्र निर्वाच व्हेष्टाट्ड अवर मिन भिन भएमात मुनावृद्धि व्हेश ठ वृक्ति क व्हेट छ छ छिकालका छ। वाहाकाञ्च अन উठिंदादकः। वर्षाद्यः निम्नश्चरम्भकल च शक्तिका विद्याहित, व्यावात व्यनातृष्टिनिवसन नेत्रानानी স্থান ও লিও নষ্ট ধইতে বসিয়াছে। স্লুডরাং ডিয়া ভারের মধ্বর যে পুনরায় উপাস্থত হইবে ভারার मध्मम् लक्षन तथा बार्टिहा अहे (बना माव धान ना क्रेटन भाव व्यक्तिवादी क्रेडा डिविटन।

२। गवर्गमण हेश्वाकी विमानद्वत कुरुम्स তৃতীয় শিক্ষক বাবু শ্যামাচয়ণ দাস চাইবাসা रहेटछ পরিবর্ত্তিত हरेया পুনরার এখানকার विकीय निकक् भागितयुक्त रहेब्रास्का। हैनि यक्कभ বিহান তেমান সক্ষরিত্র ও নম্ন এখন আমাদের चु त्वत श्रांक (श्रह क्रांब्रद्व।

 । क्षांतकात भूमिष डि.18, डिममिन টান সাক্ষা ও সদ্পেও ইত্যাদি নানা হলাৰ इलिएक्ट । इट्डेंब स्थन निट्डेंब भागन इक्टनई स्टब्स (वेष्ट्र) माक्टनात्वत्र भाषा काना

 8 । कांबामिटलय अन्द्रकांबिन वांबुब श्रृत्तं मायकी कारत खाधताईटफाइ किंग नामांक णांशत अवली कार्य। सर्वटल आभवा अवश्वर्ष्ट इहे-

१। अशास उमक्षाल खात्र आहर्ष व . मचा चाईए ७ १५ । तास्र भुक्तविम्दर्भ आविष्दर्भ भट्या .याभ कता केठिक। महुवा (कवल मिडेनिमिन) ंगिष्ठित ६ स्तामाक अध्वयानाच कि**ड्डे इडे**ट्ड

(स वसी शुन ऽतः अञ्चल्लासः }

व्यामानित्यव दकात्रहाष्ट्रिक् मश्वाम-माजा निधिष्ठारहनः ---

वेल्डिमर्ता विकामभुर्व इति वृहर हुति इवेशः ্গায়াছে। ড'হার একটা জীনগর ষ্টেস্নের জ্ঞান क्षणहिल कामांनवाली अक फ्रा बाक्करनब वांगिएछ एनेपाटक। अरे हूं ब्रेटक ब्रांस, बनास, स शिना स्थाउ करकावशक्षित **वार १**०१५५ চাল্লার টাকার দ্রব্য অপকাত হৈইয়াছে। অপর্টা वाक्षवाही थानात अञ्चर्गंड हैलाइक्रम बस्मबुद्ध (कान विधान)वनाही सराकटनत शिद्द रहेशा सत्तर

व्यवखातमा क.त्रमाम छ। हात्र छेट्समा अहे।

পু প্রবাদিতে প্রায় ৫। ৬ হ'জার টাকা **অপত্**ত इप्राह्म छ छत्र प्रतिबंद कामीत्र श्रामिष गरमा ্যাগসহকাবে ভাত্মসন্ধান করিভেছেন > কিন্ত ঘর্ষনপর্যাক্ত কিছু করিতে পারেন নাই -্লাঘেক্ষ চৌৰ্যাটী যে অনেকসংখ্য বাক্তি এক ব্রেড হইয়া করিয়াছে, তাহা স্পষ্ট লক্ষিত eया डिस्क मशक्षात्व (vivia গৃংহর পশ্চাৎ দিকে অন্দিক স্থান ব্যাপিয়া কতক অঙ্গল অ'ছে, ভথায় লোকের বড় যাভায়াত নাই। म ताब्रिएक हुद्रि हथू, खर्मिय क्रिम क्षार्टक मृष्टे- वेस, जे सक्रालव गएए। अमन अवनी श्रमण्डः रांच्या रुहेग्रार्ड स्वन खाझ निया चारनक त्याक গ্যনাগ্যন করিয়াছে। এতদারাই অসুমান হয়, এই চৌৰ্য্য অৱসংখ্য লোক্তব্ৰ্ক অনুষ্ঠিত হয় माहै। वात इस विक्रमपुरक मलवद म्यूर्गिराव ছারা ইহা হইয়া থাকিবে। যাহা হউক, পুলেষ भरनार्याभभूतिक अञ्चनकान कतिरम इतामातः क्षेष्ठाहेर्ड शाहित्व मा।

২ ৷ গভ ১১ ই টেবের সোমপ্রকাশে মদাবী পুর মহত্বমার নিকটবন্তী কুলপদীনামক স্থানের দক্রতোর বিষয় যে প্রকাশিত হয়, অস্বগতি कहेल, विदिलाएलय এक स्थल श्रुलिय हेनएम्ब्रोडिट कर्कृक व्याधिन मारम छेक्क मञ्जाडामः निश्च ह्या प्राता पुरु रहेशा विहासाधीत सीख आहर এই मञ्चाडामन्भर्कः (कलांत कर्कुभक्तिरात (य कां छथारा व्हेंप्राहित, कामता विश्व सुक्रूर्ण कव গাড় হইয়া ভ'হা এখনে প্রকাশ করিভেছি। स्थम वित्रमारमत (७ कि. हे अभित्रिक छा। है गारिक ज्यामा कर्वम त्य, हेशामञ्चाला मन्न, আম্ভাচরিভ মহাজানের সহিভ কোন ব্যক্তির শক্তজা থাকাতে সে নৌকালুঠন পুর্মক টাকা ! क खरानि बहेश शिशाहर । अल्लाव जाकाई छ। না বলিয়া পুঠ অভিধোগ বদি কোন দরখান্ত পড়ে, ভাৰা হইলে। তদপ্ৰায়ী অপুসন্ধান কর। শাইতে পারে। এই আভিপ্রায়সহ তিনি ইনস্পে रेन (समझन मारहरवड मभीरण अक दिरशाई गांत्रीय। धेमरागतित क्षिम्त्र मरकामत्र अख्र সগকে কোন আদেশ না করিয়: ভাহাতেই তখন এক প্রকার নির্ম্ভ থাকেন। কতিপয় দিন भरत (क्वांत वर्क्करकत मधिएन अक्रवालग्रः **अवि**त्रम क्षाइर्म स (गामधकार्म जामा शिन, भामाते शुरतत । नक्टि वाखावकडे **काका** किछि रहेशाहर । अङ्क्षेत्र म वेटनम भटनाट्याभ সিক জন্মকান কার : ভাকাইডগণ্কে পুত করা পুলিবের জাবন েধ্র। ১ ভদসুসারে বরিশা त्मात स्थातिर के उन्हें भारत्य आहेवन भी नेरीएक अक क्रान हमाप्याहेश्क मिर्शिक्षक

करवन । इनराष्ट्रिय वाबूख सुम्मत कोममगर কারে ছরাত্মাদিগফে ধৃত করিয়াছেন।

৩। কোন বিশ্বস্ত লোকের মুখে শুনিলাম, व इन कामानियाव निकरेष्ट्र श्राप्त धुर्व स्टल একখানা নৌকা ডুবিয়া ৩ তিন মান লোকের **মৃ** हु। इरेम्राट्ड : (थेट्नज विकास महस्र मा**इ** ।

व्यामानिरभन्न गभनाष्ट्र मर्यमनाष्ट्रा লিখিয়াছেনঃ---

৩০ এ অট্টোবর সক্ষার সময় মগরার সলি रिष्ठ এक वराष्ट्र भूलरवनमात्र यञ्चनाम् धकनि वृहक **উदक्तवः अभागवनीना नवतन कतिशादः।** 

২। এখনিকার রাজাসকলের সংস্কার ও মজুরদিগকে খাটাইবার নিমিত্ত এক জন অভি রিক্ত ইংরাজ ডেপুসী মাজিটেট ও ডেপুচী কালে लेत प्यानियाद्वन ।

৩। কার্ত্তিক মাদ শেব হইল, এপ্রয়াত্ত বিশ্রমাত্র রুক্টি না ছওয়াতে ডেক্সা জ্বমীর ধান। সকলের বিশেষ আনষ্ঠ , ষটিভেছে।

४। यक्ति है किमर्त्या क्यांत काम रेवत श्रास्त्र न क्षक ना इस. जारा इट्टन नष्टाव मुद्रे धारन व मर्पा इहे कि जिन काना क्ष्मल इहेरन, সকলে **এইরূপ অসুমান** করিতেছেন।

৫ हे मरवष्ट्र

----

প্রেরিত।

मानावत अयुक्त त्नाम शकालामणानक महाभन्न ममीदलवु। ধীরভূম।

मश्रानत । प्रक्रिक जैशक्कि स्ट्रेस हादि किर्द হল পুল পাড়য়া ষায় ? কিছে কি উপায় জ্বল ঘন করিলে, ভাষা পুনঃ উপস্থিত মুইভে না भारत भूति रहेर७ ७२ छाछ काशकि । यहवान দেখা যায় না। এ বংগর কোন মূলে বা অভি वृक्ति। त्रिका यात श्रु नाई (काटका क्रिम हरेपू. গায়াছে, আবার কোন স্থলে বা বৃক্তি অল হই-श्राट्∌। भटल गमिक भःतटख (शटल এ वरमद ফনল প্রচারকাপে ক্রেনাই। একুও ছার্ভিক্ষ না ♦উক. চাউলের ছলাু;পাতানিবগন সাধার-**१७३ भन्न १८ । अ.स्व:या इकेट्ट, जान**ारक ক্ষণ প্রভায়মান ২৯ ছেচে। নিয় ভূমেতে জল। । मगमरानद भाष शक्ष छ । उ छेक श्वारन कुल्यनन कात्र्या । महल, अहं श्रमय्यिनातक वा। शाल् । व পুনঃ সংঘটিত হয় না. এ কথা সাহস করিয়া बना गाहेटच १९८४। जाना त्य अहे श्रास्त्र १ १ १ वाहेटब ना त्यशास १। जान श्रहतात्री

वीत्र इस ध्यापना निया (य निर्माशः न विद्या थारक, ७:शाम्ब मध्या महुबाकी का धकछत्र (बजवजी । त्य त्य कान विश्वा हैश वेहमान जाएक, वर्षा कारत प्राचन २६८न, ७७२ स्थारन्द अल অনিষ্ট সাধন করে না। ধানা ময়ুরেশ্বরের অংশ্ত র্গত খড়দ, ছাতেয়া, উদানপুরপ্রভৃত আমের धात निम्ना वह काल ध्हैएड अक्जी वाथ हिन।

করেক বংসর অভীত হইল, ভাগ ভাঙ্গিয়া সেই প্ৰাধ वर्षाकारम फेक्ट वामवामीटनत ক্লের একলেব হই-ভেছে। বন্য আইলে চারে দিকে জলভিন্ন আর কৈছুই দেখা যায় না। আধ্বাদীরা কট সঙ্গু

थारंग थारंग वीक्षित्र बाटक वरहे ; किन्न उन्हा দের গৃহগুলি এক বাবে ধরাশায়ী হয়, যার পর দসলের ক্ষাত হইয়া বায়। আর ভাছার। সমস্ত

वरमत का व्यव का व्यव कत्रिया व्यक्तात्र । टेन्दार রাত্রে অভাকিভন্নপে বন্যা আইলে য প্রাণ্ হানে হয় না, ভাহারইবা নিশ্চয় কি ? হার '

তাহ'রা কি শোচনীয় হ্বত্বার পঞ্জয়'ছে ! ' ' कारा.पगटक रुखानसमान वर्तम अभन क

কেংই নাই? শুনিলাম, অধিবাসীরা কোন

উপায় করিয়া দিবার জন্য স্থানীয় বিচারপতি बहामधामत्र मधीरभ भूतः भूतः चारवमन कविशा

ভিল। কিন্তু ছঃখের বিষয়, ভাহা উঁ:হাদের দৃষ্টি নানের যোগ্য বিষয় হইয়া উঠে নাই। ভাঁছারা

महे कार्यक्रमधील किछूमाद म्यानित्व करहन नाइ। अधन अ विषद्यंत यथायश्च काळूत-

कान इटेशा किङ्क छिलास कात्रसा (५७सा इस्, अहे আমাদের একান্ত প্রাথনা।

২।বীরভূমের **জল বায়ু আফ্র**কের বলিয়া ্ব প্রসিদ্ধি আছে, আজি কালি ভারার ভাবা-खत्र (मच) विहेरिखर्छ। करिनकक्षील कामश्रम নানা পীড়ার আকর ক্ষল ছইয়াছে বলিলে বাধ করি, অবজুংজিক হয় না। রাইপুব, ফুকল প্রভৃণত এটেম যক্রং রোগের বিলক্ষণ প্রাচ্চভাব (৮৬) बाग्रा शूटर्य कामारनत्र कहे मुल्यक्षीत क्रिन (य. যাঁহারা পানদোধে আপনাদের শ্রীরংক নবীয়া কৃতিয়া ভুলেন কেবল ভাঁহারাই এই পীড়ায় অভিভূত হন। কিন্তু এখন স্থামর। काचरण्डि (य बद्धान्यक्र निकाशनक अ भी छ। इटेट युक्त नरह। अधिकाश्य अत्वह वानकाम्ब এই পীজা বহতেছে। আবাব দেখুন, কাটোৱা १इटा १वजुनधरी ए आत्मक्छलि वाभ आहि। সেখ 🚁 🗃ৰ জাত ভাষত 🔻 ব পাবন কৰিয়াছে। (मिथा) (वाभ कड़ाफाइ, ा हेहा जान ামক আর। এমন একখানি পুরু দেখিতে

এই রোগের কঠোর যত্রণা ভোগা না করিতেছে। জন্যজ্বানের কথা বলিছে পারি না, বনয়ারী জাবাদে ১৫ দিন স্থেও স্থানাধিক ১০০
শত লোকের মৃত্যু হইয়াছে। এই হারে বে
জন্যজ্বানে প্রাণ কর হইডেছেনা, এ কথা কে
বলিয়াছে? এমন অবস্থার, ইহা এপিছেমিক
আব বটে কিনা, দেবা জাবদাক হইয়াছে।
এই শীড়ার প্রথমবিস্থার শক্ষণ মাত্র দেখা
দিয়াছ। এই সময়ে প্রত্তম্পে প্রভিবিহিত
হইবো ইহার প্রকোশের লঘুড। সম্পাদন করা
হইবে বাধ ভালিয়া গোলে বেগানিবারণ করা
জারকষ্ঠসাধ্য হয় না।

८ है। कार्डिक्द्र (मामधकारन (कान শাখা পোষ্ট আফিসের প্রতিকূলে বাংগ লিখিড হটয়াছিল, তৎপ্ৰতিবাদে এক জন পাঠক সে দিন যে বাকা বায় করিয়াছেন, ভাছা জনধিকার চৰ্চা বলিয়া প্ৰতীয়মাম হইল। ডিনি পুঝারপুঝ করিরা দেখিবেন সে পত্রের কোতে স্থলেই এমন यथा विश्व नाहे, (व मिहे नाम) (পाष्टे जाहि সের কর্মচারীর দোধনিবন্ধন বিবদমান কুরীতি ক্ষোভ (ব্যারিং পত্র লিখিয়া আরু বৃদ্ধি করণ) বৰুমান হইয়'ছে। ঘাছাব প্রতি দেই ভাকথবের কাৰ্য:ভাব অপিত আছে, ডিনি ধে কিব্লুগ ধাতুর লোক ভাষা বিলক্ষণ জ্ঞানি। ভিনি আমার পরমন্তস্ত্র। উাহার সভূশ ধার্ন্দিক জমান্ত্রিক লোক অল 'দেখা যায়। আমি স্পৃষ্টাভবামে ब<u>लिएक दि व तिष्ठा मन्त्राहा निष्ठमा अस्त्राह्य</u> भाष माहे। उदद कामि अधिक व्यक्तिकाती भार्रिक কে « সভৰ্ক » করিয়া দিতেতি জিনি যেন ভবি ষ্টেড কোন বিষয় ভাল করিয়া বুঝিয়া প্রতি বাদে প্রবৃত্ত হয়েন।

ननग्रादी का नान (कला दी खूर २१ अ का खिंक

গত ১২ ই নবেশ্বব বৃহক্ষতিবার মৌলবী আব ছল নাখক সাহেব মহাসমাবোহে শ্বনীয় কন্যার বৈবাহিক কার্য্য সম্পন্ন করিয়াছেন। লক্ষ্যে ও আঘোধ্যার নবংব এবং অন্যান্য বিশুর সম্ভান্ত লোক নিমন্ত্রিত হইয়াছিলেন। এই উপাসক্ষে দল পনর দল বাইয়ের নাচ ও অন্য অন্য আনেক ব্যাপার হয়। ভাহাত্তে দলকগণের নিকট ভাহার বিশক্ষণ স্থায়তিকাত হইয়াছে। বাজ্ববিক এই মহাত্মা স্থায়তিক ঘোগ্য পাত্র। ইহার মৃত ধার্ম্মিক দয়াল্ ও পর্বিতিষী লোক আত্রাল্ল নয়নগোচর হইয়া থাকে। শুনিলাম নাকি, মৌলবী সাহেব এসকল কার্য্যপাদ নাথ বিস্তার বল্লে করিয়াছেন প্রাধিক বিশা ভাইাতে অবকাশ নাই যে বাটা গামন করিয় সহজ্য টাকা হইবে। পরিবারের স্থান জ্যোল স্বাহ্

शक ३८ हे मनिवाब, बह्वाझाटतत वाबू वाम-শীলের লেমনিবাসী প্রপ্রসিশ্ব বারু যাদবচক্র **দত্ত কার্ত্তিক পুলার উপদক্ষে প্রায় সাত** আট महत्व होको वाय कविहा व्यवनाटनीवा विकीर्न कतिष्ठ' एक अवर विष्ठ व इंडिरवाणीय छ मिलीध নিষ্ট্রিড সম্ভাক্ত ব্যক্তি অভুক্ত ব্যায়াম্তিন্যা দশন কবিয়া নেত্রের চরিভার্যভা সম্পা ध्व कतियार्ह्म। কৌডুকদর্শনার্থ সমাগত বিস্তর অপরিচিত ব্যক্তিও নিমন্ত্রিতবং সমানৃত ংইয়াছিলেন। বছুসংখ্যে অভিথিও প্রম পরিভোষ লাভ করিয়াভেন। বলিভে ইকি যাদব বাবু এক জন উদার্বেডা সং প্রকৃতির লোক ও नीनवर्यमः। याशं रुक्रेक, खेळा धंनाहर महाजाता **ध**्रिकरण्डल (कन , वन्नद्वन व्हेटड्र । प्रक्रिक्शीक्ष्णं म्हामत क्रम क्रमन सनि উक्त मधाश्च महाशा ¦नत कर्नकूर्द्र कि श्रविष्टे श्रेटि एक मा ? रेशादा कि यान कदिल इकि कांत्रि निर्मान इंडेटफ शास्त्र मा ? अवंगाई वर्डेटण পারে। আভএৰ আম'র সামুমর প্রার্থনা এই যে হাঁহারা ,ভিক্তীভিত দেশে কুপাকটাক এব तात निर्फाण कर्तन, खांहा इहेरल महाणकात नाधिए इहेरव ।

ুংরা অংশ্রহারণ } স্বাকারিটোলা ১৯৭• সাল টিঃ—

মহাশার ! রেল ওয়েবারু নামটী কি ভারানক !
বালুদের বাবহার দেখিলে ভার শক্তি
হইয়া লক্ষা লক্ষায় নাল্যুখ কারয়া, ঘুণা
ঘুণার জাড়ীভূত হইয়া ও মান মান লইয়া পলা
ঘন কাব। আমি বালুদের চারতা বিশেষকাপে
অবগত আছি ৷ কারল আমি \* \* \* \*
ইহারা একপ হইবেন না কেন্দ্র লিক্ষক শেরপ
কারেন, চাত্রবর্গত ভাহার অন্তুক্ত নে প্রবৃত্ত হয়।

ইश्मिशित विश्विष्ठः हिं. विश्वास्कित वाबुद्ध द्रक्षिणात भीमा नाहे। शूट्स देशाम्हणात याचा निक विख्याद्विष्ठ हरेड, शद्य वार्षिक हरू अदर अक्टल इहेर्स्यहेत् कि कि हर्म ना, ख्यांनि वाबु क्षित खाइकी व स्मार्थ के ह

वावुद्दात इतिज्ञ नर्शाधदात त्य इति जिलाय । व्याद्ध, छोड्डा व्यवस्था कतिद्वाक । श्रामक छेल कात इतेट्डा लादि । अहे विकारण व्यक्षिकालमा नवा मध्यमाद्वय (लाक । (योजनकादन त्य यदम नामाध्यमात कुळात छत्र मध्यात १व, छोड्डा मक त्वाहे चौकांत्र कविया भादकन । अद्रक छ गुरा, ভাহাতে অবকাশ নাই যে বাটী গমন করিয় পরিবারের সহিত অংমোদ শমোদ করেন ফুতরাং পরিবাব নাই মনে করিয়া সুর্মিণ। এরূপ কুব্যবহার কারতে প্রযুক্ত হন।

ইই দিগের বংগরে ২১ দিনমাত্র জব-কাল পাইবার নিয়ম জাছে। কেচ কেছ বা ভাহাও প্রাপ্ত হন না। জত এব জেনরা এই বিভাগের কর্তৃপক্ষকে স্থিনর জন্মবাধ করি তেডি, যেন ইই দিগের জবকাশ ছয় মাসে ১৫ দেন করিরা দেন।

২ ৷ অপর উপায়দীর বেলগুয়ে কোলামি পরংব।বস্থা করিয়াও করিতে পাবেন নাই। मुखीक बाम कतिरम १४ हिन्ज मश्टमःथन इटेरवः ভবিণয়ে বড় সংশন্ন নাই। কর্ত্তুপক্ষ সপরিবারে নাস করিবার বাবসা করিয়া'ছেন ও পরিবার দিগকে কন্মস্বানে লইনা ঘাইবার কালে পাদেও अविशास कवित्रा थारकसः किञ्च इः८चत्र विषय्र এই যে এ পাস এখন আনেয়নকালে প্রদত্ত ক্রীয়া **থাকে** , ভাকার পর আরে কেওয়া হর না, প্রভাগ কল্পেরতন্তেই কেই পরিবার আনিজে ाइन करवन गा। विटम्ब के शास्त्र कर्डुशक श्रथका किए गाँव आशिवाद था। बाहे। कर्जुशक न। इहेटल (कंवा डॉं) हान्दिशत छति खा नश्टनाथन ग्टब ७ (कहे का श्रिवादब ब्र ब्र शादक्ष करवा) **डेलमण्डातकः(ल तक्कता क्रहे** त्व द्वानात छान चवलवन कार्या छेशांमरभव भारत्रव नियुम छ कि अव । तक वह हिल का करण करिए । जर मानव বৈলার আনিয়ন ও ভদাবা চরিত্রসংলোবন **१ইটে পারে** :

মধাশয়, সভা ত কলিক জায় বারামবিদ। ব বিলক্ষণ চচ্চ হহডেচেছে। এই বিদ্যার যে কার হব উলকারিত। আছে জাছা এফাণে আনেকে বুদ্ধি ব্যাতে পানিয়াছেন , কিছা আনেকে বুদ্ধি লোকে নই বিদারে অসং ব বহার কবিতেন্তেন , উলোর ইহাকে একটা আন্মোদস্থল করিয়া ফোল তেনে । আমার বিলেষ জ্ঞানি, কলিকাভার কোন সঙ্গান্ধ বাবুর আলায়ে কএক দিন রা ও কালে এই ব্যায়মিশ্যার প্রদেশন হয়। কলক জান ভবলমতি অবিক্ষিত লোকে ব্যায় ন কারয়া বারুলিলের মনোবজ্ঞন করেন। যদি শীতি মত রক্ষভূনি প্রস্তুত করিয়া বঙ্গসংখ্যা দেশিকের সমক্ষে এই কার্যা হইত, ভাষা হইকে ভাষা ক্ষোভের হইত না। কিছা পুদ্ধ নাচ্যম্বালাদের মত অনাত্রত স্থানে বিদ্যাপ্রকাশ ক্রাডে কিছু

ারিব হইতেছে। এইরূপ হইতে থাকিলে। 'ধ্যমন্ত্রা ভৈপকার না হইয়। অপকার ঘটিতে 🖯 वर अस्तरकत हरक हैशा बुल बुल लए हैं अष्ट अं नाश शकारि छात्रामात्र छिनिम विमिशः शंभ इहें(वै)। क्षक्रक क्षप्त लात्कित जात हेंश्रक ्ट्रिक्ट थाकिएव मा।

🖟 উপদংহারকালে বাবুদিগকে কহিডেছি থে, ছোদিলের যদি ব্যায়ামবিদ্যায় টিওবাং দিবার हि। इस्र, 'होड़ा कहें लि खाड़ात अटनक **१थ आंट**फ. भाषात्म एकः व्यवलक्षम क तत् । किञ्च ই নূপে কতক্তলি (নুখাৰ্ম) বওয়াটো ছেলেকে -২সাহ দিয়া ব্যায়ামবিদ্যাৰ অপকৰ্ষসাধন करा दिष्ट्रभुक्ष क्षा भाग

क लिका छ। ত ব। জাগ্রহায়ন।

營;---

. >911

श्रुर्ति यथन आयारभत्न बार्य काक्षत हिल া, এস্থান ংইতে পাঁচ ফ্রোশ দূবস্থিত সোণা ্থী গ্রামের ডাক্ষর হইতে মহাশ্যের পত্তিক লাপ্ত হইতাম, তখন উহা রহম্পতিবারে পাই ভোম : কিন্তু এ স্থানে ডাক্ষৰ ইণ্য়াতে রবিবার 🕏 থবা সোমবানের পুরের উৎা পার না। জন্যান্য ৈ ত্রাদিও পুর্যোতি স্থান নে সময়ে পৌছিত। নিক্ষণে ভাষার গিওল স্ময় অভিযাহিত হয় েবং এ স্থান হইটে খান্য'ন্য স্থানে পৌছিতেও नेबल मगप्र लाइन । जानकार्य (लाकई के प्राक ফরের সাহায। এছণ না করিয়া সোণামুখী অথব। ্রুদবুদ অথবা কোভলপুরের ভাক্ষরের দ্বা াত্রাদি প্রেরণ ও এছণ কবেন। আমি যে ভাক পিরের কথা কছিলাম, ইঞা এক্সনে বিফাপুরের <ाचा विलिश किष्मिष्टे इहेए७(इ ÷ किश्वयम्)(भ 'र'**एट्यार्य**न 'भाक्याद्वन महिक (य) ग**्र**ह्या दक्ष ানের ডারঘরের শংখা হয়, ভাছা হইলে উক্ত প্রেয়বিধাৰ দুবীক্ষণ হয় এবং ভাগ ইইলে স্বর্ণ (भारकेंद्रेड अभिक सांस इंड्रेंड भारत। कांद्रेन এক নেও ইধার নিকটৰ ী কৃষ্ণনগরনামক कारम अस्मक वानएकानिकोरी लाक जाएम, क्षांबा भन्नामि मोच आख इन्ट्रेस धनामा अः त्नत अवशापित स्वश् व्यवभाव इहेवात स्वतः ান্ত্রদা পত্র 🚾 । মোগে প্রেবণ করিতে পারেন।

পাত্রসাম্বের . जना वाजुङ्ग 🏋

নিভান্ত বশ্যদ জীবগুরাম হাজুরা

विश्वविष्णान्द्रीयतः शाधनिष्टाः (तृष्टियानृत्त्र विश्वविष्श्रीनारप्रत । त्रिकाकाव मशानप्त भाष् । १२१० कार्ष्टिक स्ट्रेरफ देहजा

নিমায় অভিভূত আছেন।এভ গোলখোগেও নিপ্ৰাভন্ন হইভেছে না। এমন খুন ও বাবু কখন কেই প্রায় দুক্তিগোচর করেন নাই। কোপায় কভ माउ माउ श्रकाल काल भम्भन्न इहेन्न। याहेए छ ए কিছুরই খবর হয় না। কডকগুলি নিম্ন করাই দার, কার্যো কিছুই হইভেছে না। যে কোন স্কুলে **रुक्रेक, श्रादाणिका भद्रीकार्थितन अख्या नियामिल** একবৎসরকাল পাঠনা করিলে স্কালের কর্তারা ভাহাদিগকে পরীক্ষার্থ প্রেরণ করিছে পারি (वन ना विश्वारा निश्वम आहि, छोड़ा थाका আর না থাকা উভয়ই তুলা। ইহার কারণ কি ? ষেদকল পরীক্ষার্থী নির্দ্যাচনী পরীক্ষায় অনে ৰ্মাচিত হইয়া থাকে, ভাহারা প্রায় কেহই বাকি भारक ना । जकरलहे कान ना कान अकेंग क रलद ज विलक्षा शिविष्ठ प्रिया विश्व विलग्न सरप्रव शती কার দিন উপস্থিত হয়। কোন কোন স্বলে কো-ब्राम्म श्राप्तांनका (खिनिष्ट्रिल कि ना जान्म् ३) कि ह তথা হইতে ২০০৫ টীর কুনে প্রায় আগমন করে না : যে যে জুল ২ইতে উক্ত কাণ্ড গুলির गम्भावन इप्र एउर स्ट्राम्य रहनमी कर्द्धभटकत ফ্রাধর ও ছাত্র লওয়াই কার্য্য, ভাহারা ছাত্রগণের (यांगाफा व्यायांगाका (सचित्रा स्थित कार्त्रम मा স্কুকরাং প্রতিবংগর অনেকেই অসুতীর্ণ হইয়। थारक । यथन अभव, विश्व विष्णालरस्रत निश्चमविष् র্ভ কার্য হইতে চলিল, তখন রেক্সিটারের গাঢ় মন্রা ভিন্ন আর কি বলা যাইতে পারে ? জাতাদব পাকিলে এপ্রকার ঘটনা হইত না। যাহা ছউক রোঞ্জীরে আমার কথার সভতো বিনয়ে ভাণু ি থিবানা করিয়া প্রমা করন, নিশ্চয় জানিতে পারিবেন।

একান্ত বলম্বদ म कात्रिका। ৫ ই অগ্ৰহায়ণ ---: • :---

## মূল্য প্রাপ্তি।

জীযুক বাবু জয়গোপাল চক্রবর্তী মগরা ३२३ ६ कांडिक **३३८७** (भोय ৬ % ° ৯ ৯ ছারকানাথ বন্দে।পোধনায় কুঞীলোপালপুর १२१२ काश्रद्धां इंड्रेट्स १७ का खेंक শ ইরিনারায়ণ রায় वारूहेशूत ता। a autalea भूरशां भाषा स १२९५ को ईंग ध्वेट्ख देहजा 4110 ा जाभुक्त उस्त खर् বানরীপাড়া :৮৬৮ নবেশ্বর হইতে ১৯ জাত্মাবি 01. · <sup>৯</sup> শাধ্যসূত্র সিদ্ধান্ত वाली ती **हाईवाना विधिक्क्टन**व সেরে জটারী

क महाबा हरून खीबानी , निश्च लग्ना

» " (केमबहुद्धा (शांव क्वां भूता

@ ||

١.

#### সোমপ্রকালসংক্রান্ত করেকটা

#### विट्यंव निव्रम।

व्यक्ति भूता ও ডाक्याञ्चल ना भाइटल मक-খলে সোমপ্রকাশ থেরণ করা ধার না।

ইংর অপ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং বাণ্যাদিক ৫॥- টাক্ট মফখলে ভাক্মাস্থ্ৰ मरमण वार्षिक ১৩, सान्तामिक १ अवर देखामा-সিক ৩৮ । ভিন মাসের স্থানে অধিক মূল। এহণ করা যায় না। হুগুি, বরাভি চিটি, মণি-अर्फात, (नार्षे अर्ष्टीम्भ विकिने, बेहात स्वमाफत যাহাতে বাঁহার স্থাবিধা হয়, ভিনি সেই উপার দারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

বাঁহার। স্থাম্পটিকিট পাঠাইবেন, ভারারা र्यन अन अथरा आंध **जानात अधिक मृत्न**हर अ तभी रमत हिंकिन श्वित्र ना करत्रन।

यथन विनि मक्षत्रल इहैएक लामक्षकात्मय मूला भागे।हेटवन, छाहा (यन द्विक्किट्टीं क्वित्र)। এীযুক্ত ধারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-रेक्षा (एम।

याँशिक्तित भूना कितात नमन खालीक रहेशः व्यानित्त, अक यामधूटर्क डीशमिनेट किहि লিখিয়া জানান ধাইবে, কাল ঋতীত হইয়: গেলেও এক বার চিঠি লেখা হইবে, ভাহার পং একমাসকাল প্রভীক্ষা করিয়। কাগঞ্জ বন্ধ কর। গাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং পাঠান रहेर्य ।

মাতলা বেলভয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ডাক ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীগ্র পাইব।

गाँशांत्रा মাফুল না দিয়া পত্রাদি প্রেরণ কবি त्वन, डांशामिरशत त्रहे भजामि जर्न कदा शहरव ना।

क्टि मामधकारम विकाशन निष्ठ हेन्हः র্নরিলে ভাঁহাকে প্রথম ডিন বার প্রতিপংজি 🤿 আনা ভাষার পর ৴> আনা দিতে হইবে: টানি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা করি-্বন, ভাহার সহিত শ্বতন্ত্র বন্দোবস্থ হইবে।

🐼 এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পুসং মাতলা রেলপ্তয়ের সোণাপুর প্রেসনের দক্ষিণ हाक्ष्णिए<mark>क जीपुक धातकानाथ वि</mark>पत ভূষনের বাদীতে প্রতিদোমবার প্রাভঃকানে श्रकामि इ हम् ।

# (मायशका

55 时 事所;

# ं प्रवर्त्ततां प्रकृति इताय पार्थिवः सरस्वतो श्रुतिमदती न दीयतां।

অপ্রিম বাল্যাসিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা।

मानिक भूता । এक अधिम वार्षिक । जन । त्रा १०० । १७ दे व्यक्ष होत्य । ১৮ ७৮ । ७० ध ना विद्वत

্বান্যালিক ৭, ও ত্রৈমালিক ৩৮ টাকা

# বিজ্ঞাপন। " हिन्म गहिल। गाँठक। "

( যোড়াদাঁকো অভিনয় সভা হইতে পুর-

ক্ষার প্রাপ্ত।)

डेक नाहरक किन्द्र महिलाशरभत प्रतयश्रा ৰণিত হইয়াছে। ঠনঠনে করণগুরালিস জীট :- ७ नर म<sup>ेस</sup>्ड ग्राह्मतः श्रुखकानात्त्र श्रीखेतः। মুল্য ১ এক টাকা।

জীবিপিনমোহন দেন গুপ্ত।

क्लिक ए। विश्वर्ग इ (बाइ क्रिंग्स्कांत वाता नती । भारतव की जिंद भरता मुख वापानाथ कुर छव मक्त आयात भारतमा ३/३५०/ विषा पूर्व विका यार्थ कर्छ। छोर्गक्ष डिखन अनकाती सक्षामाः দক্ষিণ ১ এব রাস্তা, পশ্চিম লাস্তিরাম সিণ্ডের बोल्या ५ वे ( तम् इ वाली । भागा । भू मं ताम লোচন প্রের পুর্করণী। কেন্তুগণ গাড়পার মুলাপুরে::০৪ নংবাসীতে জীয়জন বাৰু বিজ্ঞা भाग रक्तातावहारस्य निकटी व्यक्तमान कविटल क्रांभिएक शाविद्दम ।

🗃 रेवक्रश्रेमाथ छस्र ১০ ই অনুহায়ব্য সাং গালিসহর

সাধারণকৈ জ্ঞাত করা হাইডেছে (য, স°স্কুত গ'ল,বিদাখিমিত্র নাটক অন্ত প্রাকৃত ভাষায় বিকাসমূলিত বঙ্গান্ধরে কলিকাছে। প্রাকৃত্যন্তে মুদ্রিত করিতে ভারেত করিয়াছি, বৌধ ইয় মূল্য Me निर्दातिक इक्ट्रेंग अञ्चल केर्गाक कात ষেত্ৰ হুম্পুণ কহিবেন না।

পাশ্বরিয়া ষাটা ) ১১ এ কাক্তিক }

শিত হইবে মূল্য আক্ষর কারীয় প্রতি ই । এবং বিনা স্বাক্ষর কাড়ীর প্রতি ৮০ বাস্ত্র জানা যদি ইভি মধ্যে কেহ খাকর করিতে ছাছেন, সোম क्षकाम बद्रामास मात्र ७ हिकास विचित्र शाही हेर्दन।

# ৰাল্নীকি রামায়ণ।

ছিভীয়ুখণ্ড।

এই পুস্তক ভৃতীয় ভাবদি নবম সর্গপর্শংস্ক জিন্ডীয় সংখ্যা নাগরাক্ষরে রামান্ত্রেজর সীকা ও बाकाला काञ्चवारमंत्र मधिक काराध्यकांन गर्य মুদ্রিত হুইয়া বিভব্নিত হুইতেছে ৷ ইহাতে মাহে बंद कीथं अभारतासी करहेद मैका अज विश्वास উদ্ভ করা হইতেতে ও ইলা প্রতি সংখ্যার :-শরমা অংথাও৮ - পৃষ্ঠা করিয়ামুদ্রি - 🗷 প্রচা রিভ হইবে : মুলা 🏨 🕶 নো : 🗷 'হারা তাচন .লেণীভুকু হইতে চাহেন, **উংহার**ে সামার নামে কলিকাড়া ভ্ৰাহ্ম সমাজে পত্ৰ লিখিবেন ( বি. भीव वाह्यमित्र 🖊 । এक यात्रा । एकशास्त्रः শিশুছ হটবে।

**ब्री** (६म६ स्म ए हैं 'हार्र) ! .

**ছাত্ৰবৃত্তি প্**রীক্ষার্থিগদের প্রতে <u>শেলে</u> **अञ्चलक मानभाका मुक्तिक म्हे**डान्ट्र । हे बिहुः (क्लांश क लगगुरक्त (**उ**भूषि व्सरलाहेन शिक्स প্রিড মাধ্বচন্দ্র অর্কনিছাক্ত সংক্রিটে তিবট এক পঞ্জাহ ঐ পুন্তাকের পান্ডুলিপি ধেরণ क्रदार छ कि ने श्रेष्ठ छ छ । अन् । अन्तर्भ ने व भानि

নি মাসিতের বিলাপ শীল মুদ্রিত হইয়া প্রকা। গ্রন্থের বিলক্ষণ অসম্ভাষ ছিল, আপনি ভাগ দুর করিয়াছেন। প্রভেক্ত বাদাল। জ্ব লে ছা এ वृश्वित (अभित छ कथाई माई, क्रमाना ऐक रखनिएसिए**एड जो बाद मिक्कि** ६४. रेस्स স্থামার আন্তরিক ইচ্ছা। হুগলি নর্মানে স্কুলেব সাগারর অসংক্ষ জীয়ুক্ত বাবু ক্রক্টেনাংন মলিক মহাশয়কে আংশনার মানস্ক জাংম দ্ধিতে দি, তিনি লিখিয়াকেন যে কালীকাসর বাবুর মানবাক্ষের অধিকাশন দেখিয়াছি এবং मुक्ककर्छ कहिएछ है या अन्नकारस्य, फुरक्का भूक्त क्ट्रेब्राट्ड र कमारः चात्राला । यह लगुनाहर भएक अष्ट्रशामि वाइ कार्याद स्हेस्राहा जन् শক্ষ বিষয়ের একটা আভাবে প্রথ করিয়াতে 🖽

🗟 काली धमद्र प्राक्रां भागा ।

केमके मेग्रा मण्यु छ। युखनानामः । ७ १८०। त ভালাৰ ৰাজ্বে। আদার কোম্পানের পোকাকে মংশ্ৰণীত ও মংপ্ৰচাৱিত নিম্নলিখিত পুস্ক গুল বিক্রম ১ই তেছে

| ल्ला कर , करक                  |          |            |
|--------------------------------|----------|------------|
| E 6/3 12                       | भूक्ष    |            |
| লী স্থাতিছাস                   | 5        | І₫:        |
| ,तार्थः वकाम                   | :        | ं          |
| ভূমণুসার ২৮ করণ                | 1        | 180 1801   |
| ম <sup>শ</sup> ভিদার (১ ম ভাগ) | Ł        | جي         |
| बीजिमाद (२ मृ क्रांकां ।       | IJ       | <b>£</b> ; |
| क्ष है 'विष्टे ।               |          |            |
| मुक्ताृक्ष भगकरन               | v        | , Řį       |
| ર્વે <b>હ</b> ે ∂              | د لزاید. | 4. T.      |

# পুরাণ প্রকাশ।

विश्व श्रुतान

असूर्वाम ଓ हीक। नरमः शहरान सन् ৮० श्रेष्ठाः अशिमपृत्राः) १०।

খিনি এছণাভিলামী হইবেন ভিনি মূলাপুর খামছরষ্টিটি ৩৪।১ নং ভবনে কারপ্রেকাশ মান্তে অথবা কলিকারা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে জীযুক্ত জগামোহন ভর্কালক্ষাবের নামে মুভ খাপ্রেইচ্ছা অগ্রিম মূল্য পাঠাইবেন। অগ্রিম না পাইলে বিদেশে বিদ্যুপ্রান পাঠাইবার নিমুম্ব নাই ইভি।

#### ---:>১--াব-ভ-য়াৰ ি

শব্দক প্রক্রম অভিধান। সর রাজা রাধা-কাস্ত দেব বাহাছবের ক্ষত। উত্তমকপে সোণা দিয়া প্রভন বাধান, মূল্য ২৫০ টাকা।

श्री बानन्त्रक्रद्भरवार्तान ।

#### বিক্ররার্প।

গাবড়েন রীচ ২৪ নং বাটা ক্রদায়স্ক ১৯ নংজোড়া বাগান:

উপৰি উজ্জ ৰাগান ও বাদী যাঁছাবা কর করিতে জ্বথবা লইজে ইচ্ছা কৰেন, নিমু আক বিভ ব্যক্তিশ নিবট জ্বানাইবেন

> গিলেগু'রণ্ আরবো-খনট এবং কোং

#### --:0:0:--

# বিবিধ দ্ৰব্যালি বিক্রতার্থ গ্রাপ্ত ।

ইংরাজী ব সংলা পুলক কালন কলন নানা বিধ দ্রবাদি পাওয়া খাল এবং পুল্কোনতে শেং এক আনার হিলাবে কনিসন দিং অপিক টাকার পুল্কক লক্তা সংগ্রহ আনার হিলাবে পাইবেন।

জীগুক্ত গারু কালী প্রসার সোহ মধোদয়স্থীত গাদ্য ১৮ শাধা মধ্যভারত ১৫ খণ্ড ও ভাগুগা উত্য সংখ্যত করা

লগুন ফারেমা কে(পিয়া স্থাৎ উদ্ধাক্ষ্ণা-বাল

নহাল্যদের জীবনচনিত ইক্স র'জ ক ১ কল্যাকুথপ্রাকৃত প্রচৌন কবি ওয়াল্যদেশের গভীসগাল শারি রক আক্তবিধান প্রশাস্থাবাদ্য উৎকৃত্র কাব্য

আ শং সবিদ দার্নী । এমথ তর্জিনী । বছন,থ ছোক্ত সংগীতমনেরশ্বন ২

যছন, খ ছোঠ্কত সংগীতসনোরখন হ নয়নামজ লুকাব্য কবিবর ছারকানাথ রায় শেণীত নাসবসামৃত সংস্কৃত ও পদ্য ॥
গীত গোবিন্দ কায়দেব গোলামী প্রণীত মূল
ও মছনাথ ন্যায়পঞ্চান্ত্রকুত গদ্য ১০
কৌতুক করলিণী ইংরাজি কেমেষ্টরি হইছে
বিবিধ আক্ষর্যজনক বিদ্যাদশন হয় ১৯
কাতমূর্ত্তি সহিত ১২৭৬ সালের ফুল পঞ্জিকা॥
এই হাফ শ্রিকা

ছগামঞ্চল পদ 5 কমলভারিণী স্টীক চণ্ডী মুল ও অসুবাদ সহিত æ চরিতমঞ্জী इंड.८३ মিউটীনির বিষয় विष्यमार्थ वर्षिक इहेग्राइ 5 . हेरताबि १४७३ मालत अने।त्मा कि 2110 কুমারীকুমার পদ্য জাদিরস্প্রধান কাব্য ১ স্থের মোহিনী শক্তি গণেশচক্র শব্দির প্রতীত ব'ললা এটলাস উত্তম বিধবাবিবাহ নাটক ৩ বার মুদ্রিত কাগমে উত্তম অকরে মুদ্রিত কামিনীকুমার রসরভাকরান্তর্গত নায়ক নায়িকাঘটিত ক্লুৱন কাৰ্য মণিকুগুনা কাৰ্য প্যাণীমোহন বল্পোপা-দ'রপ্রনীত হর্গেশনন্দিনীর মত লেখা अवनिका मध्यी ٠H٠ ভূচিত্ৰাবলি ৩২খানি বাঞ্চালা NITH **স** চিত্ত 8 11 -महीक देह जना ह बिखामुखा श्रम् ٩ कामधिनी नाष्ट्रेक व्याहेनमश्युक्त २ थए a sta खेबास्त्रत श्रमः क्छिप्राम दिक्ष मन्द्र। मन्त्रकी छ কলিকাতা ক্লোড়া-শ্রী প্রতাপচক্র রায়

# निवात नहीं।

नभन (बाद्धाः ।

সাঁকো ৬৪ নং

সন ১৮ ৬৮ সালের নবেশ্বর মাদের ১৫ ছইতে ২১ এ নবেশ্বর পর্যন্তে ভাগীরশ্বী নদীর সর্বাক্ষ ভ জলের সাপ্তাহিত্ব রিপোট ।

স্থানের নাম সর্মাক্ষতি জ্ঞাল ফুট ইঞ্চি মহানার সভিত পজানদীর জ্ঞোলেরস্থান

২০ প্রমন্ত্র হিলের মধ্যে ২ জ্বাক্রিক স্থান কর্ম পুর

ভালপুর কর্মের বহরমপুর

৪৬ মাইলের মধ্যে ২ ৩

বছ্রমপুর ২ইজে কাটোর।
৫০ মাইলের মধ্যে ২ ৩
কাটোর। হইছে নদীয়া
৪৬ মাইল মধ্যে ২ ৩
সন ১৮৬৮ সালের ২৪ মবেশ্বর বছরম
পুর গঞ্জঘটের জালের মাপ।

কুট ু ইঞ্চি গলের উপর ১ কি

\*নুম্**পু**ব ১৪ নুবৈ**য়** ১৮৬৮ ীয়ক সি ই. উইক একভোক উটিব ইঞ্জিনিয়র বহনমপুর ভিবিজন।

## ্বাগপ্ৰকাৰ।

১৬ ই অগ্রহায়ণ সোমবার। এতদেশীয় সেনাদল।

**এउ**टक भीव देमनामित्रत भिक्षा अ অস্ত্রবিদয় লইয়া ইংলও ও ভারতব্য উভग्न चलाहे जर्क विजर्क हहेर छ। रिमनाम ममः काम्य প্রধান সংবাদপত্র ' আরমি ও নেবি গেজেট " আকেপ कतिशा विनिशास्त्रम्, छात्र छवरीत्र देमनापि भटक इंडेट्र ताशीय टेनना मिट्य अप्याका निक्रके वाज करान कता इः वित विवत । य ऋटन छे छ प्रतिष टेमना अकल युक्त कतिर्दे , उथाय अंडरक नीय रेमनानन अंक ७ मिकार निक्र हे शनिवन्तन अधिक श्रीत मार्ग इन इहेर्द मस्मह नाहै। छेक शब এ কথা স্বীকার করিয়াছেন ; কিন্তু ভিনি मत क्या लारतरमात गाउटक विकासिक भएकत नहास व्यविष्ठार्थ। उद्योग कतिसा विल য়াছেন, মূল নিয়ম ধরিয়া বেরূপ ২উক व्यवच्छ। विद्वाहना कतित्व मिलाहोसिशःक चारें छत ताहेकन (मध्या डेविक र्या मा, ভারতবর্ষেও অনেকের এই মত। बाहा इडेक, এতদেশীরদিগকে প্রকাশ্যরপে অবি-चाम कतिया कार्या कता मत स्नन नात-কোৰ অভিমত। কোন খাপনকর্ত্ত। ভার. ভরবীয়দিগকে এপ্রকার অপমান করেন নাই। বিজ্ঞোহের সময়ে তিনি অ্পনেক कांच कतिशाहित्नन, षाठ धर उँ। होत অন্ততঃ কানা উচিত ছিল, যে দৰ্মণ थात्रद्य नार्थिया ना कतिर्देश दक्षण नाम

রিক আইনে, এনফিলড রাইফলে ও करमक महद्य देउँदानिश देनट्या ভात्र वर्ष तथा कतिएक समर्थ इटेंड ना। तामात প্রজাদিগের আস্তারক ভব্তি থাকা একাস্ত আৰশ্যক; িস্তু ?াজ। यिन প্रकानिरात शांड व्यविश्वाम करत्न, তाहा हहेटल छल्जित उपन्न हर ना। व्याविमिनियात यूटकत ममत्य भीत्यहा न्म को करत व्याभना किरभत व्याख्यत निक् শ্বভাবিষয়ের অভিযোগ করিয়া উৎকৃষ্ট ष्य शार्थना कतिशाहिल ; किन्न जारानि গের প্রার্থনা পরিপূর্ণ করা হয় নাই। এ অবস্থার এদকর লোকে যে অকপট প্রভুভাক্তশালী ইইবে, এ আশা করা विख्यना मत्म ह नाहै।

ভারতবর্গীয় দৈনাদিপকে নিকৃত অস্ত্র দিবার কারণ কি ? এই কারণ (बाध रुश, जाराता विष्णारी स्टेटन देखे (दाशीय रेमिनटकता छा समिनटक स्रमा. शारम प्रमा कतिएक शांतिरव। यपि अह কারণ হয়, ভাষা হইলে ত দিপাছীয়া क्लेक्य्यात इहेल। अर्थवाश क्रिशा ध क्के ह ता श्वात आर्याक्त कि १ जाहां नि शतक ता कि छि: प्रभारे वा मिष्क हरे (উ(ছ ?

ান্ত্রক লইয়া তাছারা কোন বৰ্ত্তম इंडेरतार्थी रेमगम्हलत ममुर्थ व्यक्तनत হইতে পাঃ বন। সীতানাপ্রভৃতি স্থানের বন,গণ ও আফগানদিগের তোড়া দার ও জিঞ্জালেরও দিপাহীর ত্রৌণবেদ অপেকা প্রাধান্য আছে। এগকল শক্রর সহিত্ত তাহার৷ তুলা প্রতিযোগী হইয়া যুদ্ধ করিতে শক্ত হয় না। তবে কি তাश्मिश्रक क्वल केडरफ्लीय बाक शन उ चरमणीयमित्रात खर्माभागाय ताथा इहेशारह ? जात उवसीरमता क यव স্থায় কি ভাবিবেন ? বুদ্ধিমান ও স্বদেশ । নাই, এটা বুকিয়া, ভাঁছারা মনে এনে हिरेडियो रैमिनिक ও आकिमत्रभग कि अहे कि खाविर उर्छन १ अरमभी स्थान स्थान

विकात बिटवन मा १ रेमनाभन विश्वासन व्याक्तमन स्टेटक व्यामभ तका करत विन-য়াই ভাহাদিলের ব্যবসায়ের এত পৌরব किस आयामिरशंत वर्षमान शवर्गरमद्धेत রাজনীতি এমনি চমংকার বে, বৈন্যগণ चटमणीयनिरात त्रकाक्छ। मा इरेशा **च्टारत कांत्रन ७ घुनात शांज ६३८ उटह**। আত্মারবভ্রান टेनिंदकत महर छन। यानभीशिमात्रत काकभावे अनु রাগ ও গৌরবলাভ তাহাদিগের পুরস্কার। ৰতিমান গ্ৰণ্ডেন্ট কেবল যে ভারতব্দীয় रैमनामिश्राक बहे खुन ७ बहे शूतकात रुरेट विधिष्ठ कति एउट एन बक्रा भन्न नग्न. আশীনারাও স্নেহ ও ভক্তির অভাজন रहेए उद्दर्भ।

तांक्यमदाकाउ अरमभीत रेमनाभन গলপ্রক্রপ হইতেছে। যাহাদিগের र्हे**एक श्रीकृष्ठ काया** रहेन ना, जारापिटशत নিমিত্ত এত টাকা ব্যয় করা বিধেয় ছয় ना ; मत बन लरतका 'रिमनिरकत वसू ' বিলিয়া গৰ্বক করেন; কিন্তু তাহা কি সকল रेमतात मद्राक्ष इटेट छट्ट १ मिला ही नि গের স্বাস্থ্য, ৰাস্ভানপ্রভাতর নিমিত তিনি কি করিয়াছেন ? বর্তমান প্রণালীর व्यक्षीत्म (य भाउकता ৫० व्यन मिला) পীড়ায় প্রাণত্যাগ করে না, ইহাই चाम्हर्या । युष्पत उ कथा है ना है, । " এक जन गिविलिशान " हेश्लिममारन विथि-बाटहर, हाजातात युट्य अना अना यांव তীর রে**জিমেণ্টে** যত লোক হত হর २०७ २८ गिष्ठ श्रकादी पत्न उड দৈনিক হত হইয়াছে। শীকগণ কি ইহার কারণ বুঝিতে পারিতেছেন না ? তাহাদিগের অপেকা বন্দিগের বন্তুক ভাল।ভারতবর্ষে উত্তম বন্দুক্ত আছে . ि किञ्च भवर्रामणे जाहां प्रिशतक जाहा त्रम অবস্থায় মাণনাদিগের ব্যবসায়ের প্রতি 🖢 ইউরোপীর মাফিদরগণ 🖰 উচস্বরে জর্ই

**फत ताहेकटनत बना जीदकात कतिएछ-**

ष्यामाहिरभव वर्खमान । भवर्गमार्खेत উলিখিত দৃষিত রাজনীতিতে যে একটা মহতর অনিষ্ট ফল উৎপন্ন হইবার সন্তা-বনা আছে, এ স্থলৈ তত্বলেখ একায় আবশ্যক হইতেছে। দিক্ষুকুলে ভারতব ষের নিমিত রুশীয়ার দহিত ইংলভের যুদ্ধ ঘটনা হইবার সম্পূর্ণ আশব্ধা আছে। ইহার উদ্যোগলকণও লকিত एक्टिए। পেদোয়ার অবধি করাচি পर्यः इ इरात इरात इर्ग इहेट इह । **शक्षार्य व्यक्षिक**ख्द रेमनः यारेट्डरङ। व्यामामित्वत तर्गत्मत्षेत्र छेल्टत व्याक्ष গান্দিগের मण्णूर्ग विश्वाम नाहे। मिशांत वालीह थाकून, बात बावइन तहमनह इडेन, ভाরতবর্ষীয় গবর্ণমেটের স্বার্থপর मिञ्जार दक्हरे जामतवान इहेरवन ना। व्याकगानिकात क्रियोत शक व्यवस्य করিবারই সম্ধিক সম্ভাবনা। ভারতবদে লুদ্ও একটা সামান্য লোভনীয় পদার্থ नहर । ভারতবদায় গ্রণ্মেন্ট यদি উলি चिड बावहात्रचाता এ मिनीयनिशतक অন্তঃশক্র করিয়া রাথেন, রুশীয়ের। व्यक्तिमान श्रद्ध इहेटन (क्वन ७०,००० इन्द्राभी। रेममा कि जे उँछ। भंजन्त ারাজ্যে সমর্থ হটবে ? রুশিয়ের। ভাভার ও বোখারীয়দিগকে ইউরোপীয় প্রণালী অনুসারে রণশিকা দিতেছে। के खनानीएड भिक्ति इंहरन उपहासि (शत कत्र करिनाक्ष कहेटन गटनक नाहे। চাহার। আবার যথন আফগানদিগের নহিত মিলিত হইয়া রুশীয়দিগের সহিত ভাৰতব্বে প্ৰবেশ করিবে, তথ্য ভার ভ্রতীয় গ্রব্মেটের যে কি বিপ্ত উপ-ছিত চ্ইবে, এই সমণেভালা একবার बिर्द्रा कि हो । कि विकास की रहा।

छे भग्रे भारत कार्य आमा मिर्गत व कवा এই, গ্রব্মেণ্ট উলিখিত দুখিত রাজ

নীতি পরিত্যাগ করুন; যাহাতে এদে मीत रेमना ও প্রজাপণ অনুবক্ত इन তাহা করুন; দৈনাদিগকে উচ্চতম শিক্ষা **७ উ**० कृष्णे अञ्च क्षमान कक्रन। आंगांनि গের যুবকগণ দেনাদলে প্রবেশ করিবার **खना** উৎস্ক इडेश्स्ट्रन, हिंश्हे **हिर्श**त মনোবাঞ্চা পরিপুর করিয়া প্রজাদিগকে मार्कामक कता शवल्यालीत अवभा कर्डवा। बिटलक अधा (कान काटका १ देशाँता रम्बन द्यान धानकं कतिएक शादतन ना, त्महेश्वकात विभन्नात्म उभकात क्रिएंड शास्त्रम ना। हेर्द्राक कांडि এ দেশ পরিভাগে করিলে ইহারা सार्टिक बाजादकार्य बारगाद नरवाशन না হন, ভাষা করা গ্রন্থেনটের একান্ত क देवा।

> ছিল্পুজাতির স্ত্রীপুর্যানর পরাপান্তর প্রাটি পরাপান্তর ভার ও ক্রিকার :

কুৰিয়ার এক জন প্রধান প্রস্তু সন্ত্রিক একনা বস্দলের এক व्यक्तिक बिक्कामा कतियाकितनन, ट्यामान्दिशत प्रतम्म विवाह च्याद्व কিনাণুণ তিনি ভার ১বর্ষর বিষয়ে ভক্ল মনভিজ্ঞ যে এ দেশের অভিপ্রা धीन कारनाय हो। उ. त्य विवाह जाहा । ভিনিঅবগ্রন্থেন। ঐকুণ অনভিজ্ঞ वाक्तित। मरन कटतन, ভाব ठवशीरशता স্ত্রাজাতিকে আপনাদিগের সমকক জ্ঞান न। क्रिशा मामीय नाश विष्वहन। क्रान এবং দেই দাদীর মত হীনাবস্থার রাখি ্রছেন। অজ্ঞ চানিবন্ধন এপ্রকার ভ্রমাত্মক সংস্থার হওয়া বিস্ময়ের বিষয় নহে। বাঁহাদিগের এইপ্রকার সংক্ষার আছে নিমোদ্ধত প্রাণীন স্লোকগুলিছারা कें(काफिएभा**त रिव्यालक्ष्य स्टेटव सटका**ह मार । किन्छू का शिव जी शुक्तरवत शतन्त्र নের এতি গ্রেম্পারের যে কি উনার ভাব

ও ব্যবহার ছিল, এতদ্বারা তাহা সুস্পা উর্পে প্রতীয়মান হইবে।

> ন ভুংক্তে ম্যাভুক্তে সা নাম্বাতে স্থাতি স্বতা। তিন্তভূতিন্তমানেচ শেতে চ শয়িতে ময়ি।

পতি ভার্যার নিধনশঙ্কা করিয়া
কহিতেছেন, আমি ভোজন না করিলে
ভিনি ভোজন করেন না, আম না করিলে
আন করেন না, আমি উথিত হইলে
উথিত হন এবং আমি শরন করিলে
শরন করেন:

হৃতে ভবতি সাহাটা প্রথিতে নয়ি হৃথিতা। কটে তুদীনবদনা অনুদ্ধে চ প্রিয়বাদিনী॥

व्यक्ति इस्छे इहेटल इस्छे इन, इः विख इहेटल इः विख इन, व्यक्ति इस्ट इहेटल डाँकात वनन आन क्य अवश क्यू क इहेटल श्रियावीका क्यांगात मास्युना करतन।

পতিত্রতা পতিপ্রাণা
পত্নঃ প্রিয়দিতে রতা।
যান্য চৈতাদৃশী ভার্যা
দ ধন্যঃ পুরুষোভূবি।
পতিত্রতা পতিপ্রাণা পতির প্রিয়
দিত কার্যোরতা, যাধারভার্যা এপ্রকার
দেই পুরুষই পৃথিবীতে ধন্য।

রক্ষুলে হি দয়িত।

যত্র তিন্ঠতি তদ্পৃহং
প্রাসাদোহণি ভয়া হীনঃ
কাস্থাকুতিরিয়তে।

যে রক্ষুলে দয়িতা থাকে সেই গৃহ,
আর প্রাসাদও যদি দয়িতাহীন হয়,
তাহা কায়াত্রা হইয়া উঠে।

নান্তি ভাষান্যমাবস্থঃ
নান্তি ভাষান্যমঃ সুক্রং।
নান্তি ভাষান্যমারাজন
নরস্যার্তিন্য ভেষজং॥
ভাষাত্ত্বা স্থলন নাই, ভাষাত্ত্বা

মিত্র নাই, মহারাজ ! প্রীজিত বাজির ভার্যনাতুল্য ঔবধ নাই।

ন দান্ত্ৰীতঃভিভাষ্যেত বদাভেৰ্তা নতৃষ্যতি। তৃষ্টে ভৰ্তার নারীণাং তৃ্টাঃ স্থাঃ দৰ্মদেৰতা :।

এক আন্ধানের গুছে একদা এক অতিথি আদিয়া উপস্থিত হন। বাদ্ধানির গৃহে তাঁহার এবং তাঁহার জ্রী ও পুত্র এই তিনের উপযুক্ত শক্তুমাত্র সংগৃহীত ছিল; অন্য কিছু ছিল না। আদ্ধান আধি নার ভাগ অতিথিকে প্রদান করিলেন, অতিথির তাহাতে উদর পূর্ণ হইল না। আদ্ধান অতিশায় খিদ্যমান হইলেন। তাহা দেখিয়া আদ্ধানী বলিলেন,

কিং বিষয়োহনি ধর্মজ্ঞ বিদ্যানের শক্তুরু। জুন্তার্থনভিধেরনা মন্তারোহিপি প্রদীয়তাং।

হে ধর্মজে । শক্তু গৃহে থাকিতে আপনি বিদর হইতেছেন কেন ? এই অতিবির প্রী চার্থ আমার ভাগও প্রদান করন।

আক্লণ উত্তর করিলেনঃ—
অপি কটিপ হজানাং
মুগাদীনাঞ্চ শোভনে।
প্রিয়াবক্ষনান্চ পোদান্ত
ভবরবং বজুমহাদি।

হে স্থানি ! স্থাকী লৈ ভন্ন ও মৃগা-দিরও স্থারকণীয় ও পোষণীয় হয়, অতএব ভোমার এরপ বলা যোগা হই তেছে না।

থশ্মকাসংর্থ চার্যনি। শুদ্ধারা কুলসন্ততিঃ। দারেষধীনঃ স্বর্গশ্চ পিতৃ গামাত্মনস্তথা।

ধর্ম অর্থ কাম শুক্রার। ও বংশরক। এবং জাপনার ও পিতৃলোকের স্বর্গলাভ্ জীর অধীন। নাত্ৰ-পতি যোনারীং
ন কলেতীৰ পোষণং।
মহাতে ক্লেশমাপ্নো,ত
নরকঞ্চ স গচ্ছতি।
যে বাজি জীর প্রতি দয়া না

যে বাজি জীর প্রতি দয়া নাকরে এবং তাহার ভরণ পোষণ নাকরে, দে মাহৎ ক্লেশ প্রাপ্ত হয় এবং নরকে গমন করে।

ত্রাহ্মণী কহিলেনঃ—
সহধর্মচরৈ। ধাত্রা
স্বাহ্টী ভার্যনাপতী দিজ।
তত্মায়াহতি ধর্মে মাং
ন বাহাং কর্তুমহ'দি।

বিধাতা ভার্মাও পতিকে সহধর্মচরু করিয়া স্থান করিয়াছেন। অতথ্য আমাকে মহুং ধর্মের বহিভূতি করা আপ নার উচিত হুইভেছে না।

> পতিনায়নঃ পরোধ্যঃ পতিরেবহি দৈবতং। পতিরেব পরোধ্যঃ

পতিরেব পরা গতিঃ

পতি স্থার পরম ধ্যাসরপ, পাঁত দৈ। চম্বরপ, পতিই প্রেষ্ঠ বন্ধু, পতিই পরম গতি।

ধর্মর্থ কাম্য ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ বিশ্ব ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ ব্যাদ্ধ

কন্মণা মনদা বাচা

যা স্ত্রী প্রিমন্ত্রতা।

হহদৈর মহাভাগা

না দেবৈরপি পূজ্যতে।

বে জী কর্মান ও বাকে। পতির প্রতি অনুরক্ত হন, ইহ লোকে থাকিতেই। দেবতারাও ভাঁহার পূজা করেন।

এতদারা ভারতবর্ষীয় স্থীগণের

সতীত্ত্বেরও সবিদোষ পরিচয় পাওয়া याहिएक । अटलमीय त्रमनीशन शृहकट्या त्र थारकन रिलग्ना व्यानतक छार्यन व म्हिन श्रुक्रत्यता नातीमिश्रत्क मामीत ক**র্তব্য কাবে** জই নিয়ো**জিত** করিয়া রা**খিয়াছেন। অতএব ভাঁ**হাদিপের অব স্থাও অতি হীন; কিন্তু যদি অনুধাবন করিরা দেখা যায়, প্রতীয়মান হইবে, এতদ্বারাও ভারতবরীয় জ্রী ও পুরুষের नमकक खारवत मिवरिंगेय পরিচয় इहे उट्ट। श्रुकरमङ्गा **अर्था**भार्कनकार्दा ৰাাপৃত থাকেন এবং জ্রীগণ ভাষার तक्कारतका ७ गृहकर्ममण्यामत्तत छात গ্রহণ করেন। ভারতবর্ষীয় রমণীদি भटक द्य तकामि कार्या निर्द्धाइ कतिएछ হয়, অংগ্রে অসকতি ও জাতিভেদ তাহার প্রধান কারণ। হিন্দুজাতি मकाजीरयन मकरनन हरस मृत्त थाकूक, चानीत मकत्वत भाक করা দ্রবাও ভক্ষণ করেন না; স্ক্রাং জীদিগের উপরে এ ভার বমর্গিত হুই-शारह

আমরা উপরে ভারত বর্ষীয় জ্ঞীপুরু বের যে সুখমর অবস্থার বর্ণন করিলাম, অধুনা সুরাপান ও লাম্পটাদি দোবের প্রাত্নভাব হওয়াতে উহার বহু ব্যতিক্রম ঘটিয়াছে। যে যে পুরুষের অন্য মতি হইয়াছে, তাহাদিগের জ্ঞীদিগেরও তাহা দিগের উপরে উপরিলিখিত শ্লোকবর্ণিত ভক্তিও প্রথাদি নাই।

-- 2 - 1 ---

শসের ক্রবস্থা।

রেবেণিউ বোড সম্প্রতি অক্টোবরের শেষপর্যান্তের শাসেরে যে অবস্থারতাত্ত প্রকাশ করিয়াছেন তাহা এই;—

আনাম। কামরূপে আঁতর্ফিডে ও কীটে শাসের মত অনিষ্ট করি গাছে মনে করা হইয়াছিল, তত হয় নাই।নওগাঁ, কনায়া ও জয়ন্তিয়া প্রিতে উত্তম শাদ্য কৰিবার সম্ভাবনা। ছুরঙে মধ্যবিধ শাদ্য হইবে। লক্ষ্মীপুর ও শিব দাগরের শাদ্যের অনুস্থা উত্তম।

ভাগলপুর। কালেক্টর অনুমান করেন, আট আনা অবধি বার আন। পর্যান্ত শাবা জ্বামিতে পারে। ক্মিন্নর বলেন, দক্ষিণাংশের অবহা অতি মন্দ, ख्यात्र खेर्बन<sub>्था</sub> व्यक्तिक लेना इहेट्य। ভেপুটী মাজিছেট ৬।৭ আনার অধিক षश्मान करतन नाः धनात्रकिनिव्यान অর্কেক চারা নক্ট হইয়াছে। আমন ও রবিশস্য নক্ষপ্রায় হইয়াছে। যত দিন ভাদ্র মাদের শাদ্য না হয়, তত দিন বিশেষ কণ্ট ছইবার সম্ভাবনা। ইতিমধ্যে इच्छि इडेटल রবি শাদ্য বাঁচিতে পারে। अमारि क्रिक मिर्गत अक्र क कर्छ इस नाइ; किन्न खानजीवीमिटशत विटमध কেশ হইতে খার এ হইরাছে। পুলিব उ ब्रमीमात्रमिशटक बला एहेग्राटक, इर्ভिक स्हेवामाज (यन उँ:हाता मश्वाम (मन) किमनत विलिशाद्यात, आमकीवीनिशदक क्ष (म इश्वा व्यावमाक इर्शाट्ड।

मूक्षता जाउँग धाना जान इहेशाटकः जामन हाति जामः। जाधिक इहेटव ना। जानित्रकान इधिनानः नहें इहेटज्र ह। क्षत्र इर्जिक इस्तानः , किन्नु माहासा हान जावनाक इहेटव ।

পূর্ণিরা। আমন ভাল হইবে, কেবল উচ্চ ভূমিতে হয় এই। রবিশ্সের অবস্থা উৎকৃটি। শব্যের মূল্য সধ্যবিধ।

সাঁওতাল প্রগণ। রাজমহল।
আমন ভাল হইল না। রাই না হওয়াতে
রবিশ্যা অপেমত্রে জাঁলয়াছে লোকের
গোলায় অধিক শ্লা স্পিত নাই; ক্ট
হইয়াছে। দেবগড়। আউদ উত্তম হই
য়াছে, অর্জেক আমন হইবার স্থাবনা।
ছমকারও ঐ অবস্থা। গুগায় নশ আনা
আমন হইতে পারে। ক্সিস্তর অনুমান
করেন, যদি রবিশ্যাভাল হয়, . ভাহা

क्रेट्स प्रिमिश्मिताजिट्डटक आह जनस प्राटन वाष्ट्र कर्छे इहेट्य मा। हिन्सिमा ज्ञास मा इहेटस इहे साम्प्रेटत क्या प्रिटक इहेट्स। प्रतिज्ञानी ट्याशास क्रियेट सिमिल याहेट्स, क्रिममात क्रिके कथा जिल्लामा व्यटन । त्याप विद्यारण्य, याप दिस्सा व्यटन । त्याप विद्यारण्य, याप दिस्सा व्यटन क्या प्रालगा यास ज्ञास। इहेटस अवर्गिक क्या प्रालगा व्यटनाव छ क्रिटन ।

বদ্ধনান বিভাগ। বাঁকুড়া। আউস ভাল হয় নাই পামন ও ইন্ধা অবস্থা একণে ভাল; কিন্তু হৃষ্টি না হুইলে চারি আনা নট হইবে। রবিশ্যা হইতে আরম্ভ হইরাছে; কিন্তু কি পরিমাণে জানিবে ভাছার ভিত্তত নাই।

বীরাভূম। আট অনা অব্ধি বার আনা প্রায়েশ্য হইছেপাচে ভুর্ভিকের আশিক্ষা নাই।

বদ্ধান। অ'ট আনা আধি তার আনা শ্যা জন্মতে পাতে। কুণ্টেকরা কেত্রে জল পেচিনা দিতেতে।

ङ्शली। सभा जाना लागा करेर्ड भारत। स्मारक इचिंद्रफार जानका करहन नो।

हाराष्ट्रा, ७७० समा कविष्यतात सहार्या। अगात्रकिमिनक्षम कुण्डक्ताः द्विक्तिम् द्रशम वट्डस्ट

रमिनीপूर प्रमार्गिनियल भगा समें इहेट १८७। १ छात १ उ कु ला हुम भारत्रेशाय मकार क्रिकेट्स इन्ह्याट । सम्मारका अपन्त्रियो द्वार इन्हिंक इहेट्य। उत्मान्तिर यह सम्मा ख्वल हो दिखिलिए बार सामा सम, इन्हेट भारत । डिमि उ हेकूर स्विमार इन्द्रणा। स्मानियूत यह किलिश त्रिकाम याना इस, समाद्रि निव्यम डाहा अवन करा इस महि।

চন্ট্রপ্র রেপ্রবর শাস্ত হইবে, প্র্যাপ্ত করা গিয়াছিল, অনার্কি নিব জন তাহা হইল না। সিকি শাস্য নত হইয়াছে প্ৰতি অঞ্চল ও উচ্চ ছানে কিছুই হইল না। আর একটা বিশ্ব এই, অনেকগুলি জাহাজ চাউল লইতে আসি তেছে।

ছোট নাগপুর। লোকারডণা।
মধাবিধ শ্লালাভের সন্তাবনা। পালা
মাউয়ে আমন ও রবি শ্লা নফপ্রায়
হইংছে। গড়ে হুই আনা অবধি চারি
আনা শ্লা হুইবে। শ্লোর মূল্য দিন
দিন রিদ্ধি হুইডেছে। গয়ার অনেক
বাপারী যাহা কিছু চাউল ছিল ক্রম
করিয়া লইয়া যাইডেছে। ডেপুটি কমি
শনর চাউল রপ্তানী বন্ধা করিবার প্রস্তাব
করিয়াছেন; কিন্তু কমিসনর ও বোড
ইহাতে স্মত নহেন।

নানভূম। মধ্যবিধ শাস,লাভের
সন্তাবনা। শাসের মুশ্যর্দ্ধি হয় নাই।
নিংহভূমেরও ঐপ্রকার অবস্থা; কিন্তু
স্থানে স্থানে টাকায় আট সের চাউল
বিক্রীত হইতেছে। হাজারিবার ও খড়প দেবার অবস্থা ভাল; কিন্তু শাস্যের মূল্য অভিশয় র্দ্ধি হইতেছে।

কটকবিভাগ। বালেশ্বর। সুবণ্রেখার উত্তরপর্যান্ত আমন ছয় আনা পরিমাণে চইতে পারে। তথা হইতে বস্তানদীপর্যান্ত ডুই আনা এবং সদর বিভাগের অনাত্র দশ আনা হইবার সম্ভাবনা।

পুরী। শদ্যের অবস্থা সন্দ। স্থানে স্থানে মুলা দিয়াও পাওয়া বাইতেছে না। চাউলের মূল্য প্রভাই র্দ্ধি ইইভেছে।
গাবশানেটের গোলার ৩,৯৭,৫৪৭ মণ
চাউল আছে। রেবেণিউ বোর্ড এদেশী
য়দিগের ছঃখে কাতর হন না বলিয়া
ইহার মূল্যর্দ্ধি করিবার আজ্জা দিয়াছেন।

কাছাড়। ফরিদপুর ও ময়মনসিংছে উত্তম শস্য হইবার সম্ভাবনা। পাটনা বিভাগে অধিকাংশ শস্য নহা হইয়াছে। গড়ে তিন আনা পাওয়াও কঠিন বাথর গঞ্জের অবস্থা অন্য অন্য বংস্তের ন্যায় নতে।

রাজধানীবিভাগ। ২৪ প্রগণার पिक्त भाग धककारण नक्षे इड য়াতে দরিদ্রদিগকে কর্ম দেওয়া হইতেছে। কমিদনগ্ৰকে আজঃ দেওয়া হইয়াছে প্ৰতি পক্ষে তিনি এক এক বিপোর্ট প্রদান করেন। সাতক্ষীরায় শদ্য কতক জাল हरेशांटह। विमिरहाँ छ वाक्रहे भूटत वात याना मना स्ट्रेटन । वाताकशूटत इह আনা মাত্র পাওয়া যাইবে। বারাসত ও ভায়মণ্ড হাবৰৱে বিলে ধানা জিয়ালছে ; कियु **ডाঙ্গ**्छिमात सम्मानके श्हेशार्छ। महत्र বিভাগের অবস্থা তাল নছে। যশোহরে উত্তম শাদ্য জন্মি:।एह। नमोद्याटङ क्लक ভাল ংইয়াছে; কিন্তু রবিশ্সা হইন না। রাজনাহীর অবস্থা ভাল। পাবনায় वात ष्याना इंदर्य। मालम्टइत व्यव छ। जान गट्ह।

উপরে শদ্যের স্ববস্থা সে প্রকার বণিত হইল, তাহাতে কোনরপে এরপ বোধ হইতেছে না যে, এ বার লোকের শচ্ছলে চলেবে। এখন যদি রপ্তানী বফ করা না হর, ছর্ভিক্সক্রেশ সহ্য করিতে হইবে সন্দেহ নাই। বিপদকালে শাজ্রের নিয়ম রক্ষা হয় না।

কলিকাভা মিউনিসিপালিটা ৷

'দদো মিলে করি কাজ; হারি জিনি নাছি লাজ।" আমাদিগের মিউনি

সিপালিটিস্কল धई क्षवापवादकाः **उद्य**ित्राध्यात्र अक्टलव कति । एक्स । हेर्द्राभिटशत मश्कात बहे, मण करन कर-হইয়া অভি গছিতি কাম করিলেও লজ্জা নাই। মিউনিসিপাল ক্মিসনরেরারাজ নাতি, বার্তা ও রাজস্বসংক্রার ইতন মুক্তন নিয়মের স্থাটি ব্রিভেছেন। বোদ্ধা-रेटाव भिष्ठिनिजिला लिए वानिटकात छेलटत एक्क कि वात रहें। शहेश खांश ख्रवर्ट क বিশায়াখিত করিয়াছেন। মফখলের মিউনি সিপালিটিনমুহের সহিত ত ভুলনা হয় না। সেখানে যেমন অভ্যাচার উৎকোচ ও চুরির প্রান্তর্ভাব কাজেরও ভেমনি বিশৃষ্টলা । কিন্তু কলিকাভার कछिटनता कटशक विषदा शृथियोत आफर्म হইয়াছেন। ইউরোপীর ও এতদেশীয লোকসংখ্যা করিয়া ছফিস নিয়েছিত कता यवि नामा इत, ७ हा इहेटल २० अन এ দেশীর আর এক জন ইউরোপীয় **धरे निग्रम निर्शिक्ट क्यो कर्ज्या। किन्द** সে নিয়েগ দুরে খাকুক, উভয়কাতীয় ক্ষয়িসের সংখ্যাও সমান নছে। সভ:পতি আপনার ইচ্ছানুসারে কাজ করেন। লোকে আর কর দিরা উঠিতে পারেন না। যে বাটার দশ টাকা ভাড়া হয় না, ভাষার ভাড়ো ২০ টাকা ধরা হয়। নাম মাত্র আপীল আছে; কিন্তু এক শত लाटकत मर्था छूटे करनत कत करम कि না সল্পেছ। এই অনিষ্টনিবারণার্থ বায় **সংক্ষেপর্য উপ**রে অবলম্বন করিবার त्या नाइ। श्रधान महाशुक्तनिरगत श्रिय পাত্রেরা মিউনিসিপালিটিকে একচেটিয়া कतिशारह्म । छाँदामिशरक हाज्ञान इट्रेट পারে না। কেই পূর্ণ বেতন পাইতেছেন. ! अथि किहूरे कतिए इटेएएइ मा। কাচার ব্রহ্মদৈত্যের চুল গেজা করা ক'জ হইগাছে। লোকের ও ডবের সীমা नारे। कथात्र कथात्र नालीम ७ कतिमाना षाहेन चनूत्र दह अधि

সদিগের মতে সভাপতির কাজ করা कर्खवाः किन् कार्वा छः ऋगित्मता दश माटह বের **আজা রেলিফরী করিতে**ছেন মাতা। এই **ত অবস্থা। ফর্ফীসদিগে**র গত অধি-(व्यमनिषया व अक श्रेष्ठांव इरेग़ार्ड. ङ। **गर्बाटभका अधिकछ**त्र विश्वतकत् । ं कर **जन जर्दीन शला**व करतन, श्रास्त्रकः विष्निनिभागिष्ठित निरंगत एक धक्छी वाकात क्या अथय कर्डना कर्य । यह जून नियम वित्र कतिया छेका अवस्थितितनन, धर्मकलात वाकारत नकला वराई क्या ला ; বাজারটী সমলায় পঞ্জি ও বিশ্বাল; ষত এব খার একটা বংগ্রের করা উচিত। প্ৰস্তাবিত ৰাজার ইউরোপীয়দিগের নিমিত क्ट्रेंद ; किंक अन्द्रामानी प्रमिन्नदेक है।का मिटि हरेट्द । मञाभिष्ठ ७ कर्यक सन इंडे दिशानीत असीम आधारमहकादत कहे क्षा दिवत निविद्यं च च दूरम मन व दत्र । भौडाभाक्राम अवस्मिनी । ও অवनिशे জন্তীবেরালজ্জিত হইলা এই পক্সাত পূর্ণ প্রস্কাবের প্রক্তি খোরতর স্থপত্তি করাতে ইহা স্পাততঃ স্ঞাচ্য হইয়াছে . আমরা "আপাতত: " শক্টি এয়োগ করিলাম, ভাষার কারণ এই সভাপতি যাহা মনে করেন, ভাহাই হয়; ভবিষাতে अक नकाम भवनंदमदन्छेत धामाधना क्रकिन फ्शिंदक चार्वान कतिशा दश नाटहव (य স্বীয় অভীক দিল্ধ করিবেন, ভাছা স্পর্যই वाध करेटल्ट्या

কি লক্ষাকর বাবহার! ধর্মতলার वाक्षात अक कन अकटफानीरशत विल्याह यक भानायात्र । हेरात व्यवसामिकाम् যে কথা বলা হয়, ভাছা অমূলক ; যদি এক জন ইউরোপীয় কোনক্রমে ইচা হয়গত করিতে পারেন, তালা চইলে পার মিউনিসিপাল বাদারের এলোচন हत्त सा । भक्त मारहर कि हु मिन क्रमाशक मकक्षमा कतिया वातू ही तक्ष्ताल सीलटक বাতিবান্ত করিয়াছিলেন । উল্লের এই

অভিপ্রায় ছিল যে, হীরালাল বাবু বাজার ভাগে করেন, কিন্তু তাঁচার সে (5 रो) मकल इम्र नाहे 🗸 धकरन सूहत বাজার করিয়া পুরাতন বাজার ভ:জিয়া দেওয়া হস সাহেত্বের চেফী চইয়াছে। ব্যক্তিবিশেষের প্রতি এপ্রকার ব্যবহার অপেকা লক্ষার বিষয় আর কি আছে बक्क : इन मारहव ७ करहरू कन हे छेट्टा পীয় ক্রফিনের ব্যবহার দেখিয়া আমাদি গের লক্ষা হইতেছে, ইহারাই আবার **छात्रक ,वींग्रमिरशत्र व्यामर्म्म इहेरक हा**न ।

কুলিলাইন। মাতলা রেলওয়ের একাংশা হইতে कुण्णिनाहेननाटम (य (तन७८म्र इहेवाव দংকণ্টা ছইয়াছে, এখনও ভাষার ভূমি পরিমাণাদি কার্যা শেষ হয় নাই। কর্মচা রীরা পরিমাণাদি করিতেছেন, অভএব এসময়ে ভাঁহাদিগকে পুনঃ পুনঃ সাৰধান করা আমাদি:গর কর্তব্য। আমরা ভাঁহা দৈগকে পুনরায় অহুরোধ কয়িতেছি, তাঁছারা যেন আনের নিকট ছিল্লা র:ভা **लहेशा यान । हेहाट उपनि किथिए २** वऽग्र ৰান্ত্ৰ্যা হয়, ভাহা খীকার করা উচিত: পরিবামে লাভ ছইবে। যদি বল বেখানে ষ্টেদন করা হউক আম্বাদীরা দেই গিয়া আ্বোহণ করিবেন; এ বাক্য যুক্তিসহ নছে। একটা উদাহরণ श्रमर्भन कतिरमहे हेश्त स्मात्छ। मध-मान स्टेटव। मानाशूटत कथन अक्टी **८ छेमन आह्र । गाल्यक, गाहिनशत, इति-**হরপুর প্রভৃতি ৫। ১ মাইল দুরবর্তী व्यारमञ्ज्ञ लाटकरा अना शिष्ठ नाई बिलया **अभन** रमानाभूरत निशा दिन्ता क्रिक कादिराङ्ग कदतन ; किन्छ यपि मालग्रश्र আমে একটা টেসন হয়, ्रे व्यक्ष-লের যাবভীয় লোক ঐু ফেসনে আরের इन अ अवरहाइन कहिरदन छेडारक कि दबल ७ दब्द ना १ ७ । ७ मारेन পথে यादारी ७ वंशिका प्रदा

य उपार्क्यन इत, छाहा कि मांडकत নহণ পশাস্তরে অধাক্তনে ২।৩টা किमन ना कतिया यपि (मानाश्वर 's नाम नशंत এই पृत्रको (छेमन इत्. मानत्रथः-প্রভৃতি প্রামের লোকেরা ভগনও সোণা পুরে পাড়িতে উঠিবেন, ভাগা হইলে কি के द। अं भारेल शरथत लाज का उ रहेल ना १ दोधनशत छछ शास्य निक्रे विखी नत्ह। शाहमत निकडे पिया बाह्या ना পেলে অমের) যে কাতির পানা করিলাম जाका इहेर्द मरम्ब नाहे।

चामापित्रत वहे. इन्डाविंग लिथा नमाध इहेटन जामता अनिलाम, कुल्लि লাইন এক্ষণে স্থাতি এছিল। আপাত্তঃ গতিয়া হইতে খাল কটি। আরম্ভ হইবে। পাঠকগণ এই প্রস্তাব পাঠ করিয়া আমা দিগতে অব্যৰ্ভিত মান কবিতে পারেন: कियु विरूप्त विरवष्ट्या क्षिया (मर्थिएन शर्वापालीत व्यवस्थारे व्यामानिश्वत অব্ভিতত্বের কারণ বলিয়া প্রতীয়মান इरेट्य ।

### मध्य, क अध्यत है शाहा

भर खन कारताचा व्यक्षिताताताता আর একটা মহ্য হার্য, সম্পাদিত হুইল। এডদোৱা কেৰল যে ভাঁহার নাম সার नीत इंडर्स कक्षण नय, जात छन्दर्भन विमा শোষ্থ দংক্ 5 গ্রন্থলৈও কিছু দান স্থায়ী হংল। অমেরা গে নিনিত ইংগর প্রেমক করিয়াছি, নিম্নেদ্ধি ত এড়কেশন श्वादकर देश कार्य कि नार्य करिएक পরিক্ষুটরপে ভাহা পাঠকগণের হৃদ अम रुट्रे ।

ভার হবর্ষীয় প্রথমে ট প্রাচীন সংক্ষৃত গাহিত্যের ভুয়ঃ আবিদ্ধার ও রক্ষাবিধান विचास यहनान व हैसाट्डन । लाटहाटबब अनिक এবং প্রধান পান্তি বাধার্য ৮ গবর্ণর ফেনরে त्वत गमोरश को **जार्य**मन करतन रस, बखरम শীয় রাজাদিগের পুত্তকালাে এবং ইউবো

পের কোন কোন স্থানে খেনকল সংস্কৃত अप विकामान बाट्स, त्यहे अमूलान गरशह করিয়া মুদ্রিত ও প্রচারিত করা হয়। ঐ আবেদনপত্তের বিষয়ে মত জানিবার নিমিত গ্রবর্গ জেন্ত্রের ব্যবস্থাপনবিভাগের সহ कार्ती (महक्रों दि हाम्राहेष्टे लि होक्न महि বের প্রতি অর্পণ করার তিনি বলেন, এ কার্য্য क्वित हे प्रतिरिध निर्धायक्षण के प्रति **रहेट अार्तिट. अक्टर अ (58) कांग** শাপে क। যাহা ছউক্ ভারতবর্ষীর গ্রন্মে **उत्र अपूर्णामनाजून रह जिनि ध विषया म**ङ দিরাছেন এবং ্হাম সেফেটরি পত্রছারা দমত স্থানীয় গ্ৰণ্মেণ্টকে জানাইয়াছেন (व. . प्रकोत ताकां पिटणत श खकां वाद्य यक একার অমুদ্রিত সংখ্যত পাস্তক আছে, দেগুলি দেবন.পা, অক্সারে আটপেজি থাকারে মুজিত হউবে এবং বালালার বাবু রাজেক্তলাল মিত্র, মাক্রাজের বর্ণেল সাহেব मनवा व्यापाहरवत जाकत बस्तादात नाव এক জন উ যুক্ত সম্পাদকের ছারা মুদ্রাক্তৰ कार्या ममाना इहरवा । अच्छाक भे खटकत ६० काशि केतिया खात उवधीय भवन्दमत्नेत दशम जिनागैरमत्ते अमान कतिर**ः इहेरव। अव**निष्ठे অর্থাৎ ১৫ কাপি ( ছুই শত্তের অধিক यक्ति कतिवात आवश्यक मार्डे भाषाताना বিক্ৰীত হইবে, অথবা স্থানীয় গ্ৰহণমেন্ট ৰা শাসনকর্ত্তার উপযুক্ত বিবেচনা করিলে অন্য প্রকারেও বাবহার করিতে পারিবেন।

कांत्र निर्फाण कहा इहेबाएइ (य. कड़क গুলি উপযুক্ত কুভবিদ্য লোক পুত্তকসকল বাছিয়া এবং পর কা করিয়া জানিবার নিমিত্ত এবং ভূতন পুস্থক **অসুসন্ধান** করি বার নিমিক প্রতি বংসর সমস্তাৎ প্রেরিড इहेरबन। 'डें। हात्रा स्व स्वारम अपन कति रवन, क्यांत्र कांशामित खमरनत फिल्म्या লোককে বুঝাইর। দিবেন। প্রুকের অধি-काती मूला हाश्रित, डाँशारक न्याया मूला দিয়া পাত্তক ক্রেকরিতে হুইবে। ভ্রমণকা बीबा छाटारम्ब च च चानी। भवर्गस्य इत निक्षे तिर्भिष्ठं अनान कतिर्यम। अनक्ष রিপোট হোম ডিপাট মেন্টে গ্রণর ফেন (तरमत निक) ध्वति छ होरव। **फात्र उर्द ∤िक विश्वाम (सत् २:৯**५,२०० छे। श्वर्ण (स

এৰ ইংলও উজয় স্থানের স্থানিকতেরাই **এই ভার প্রাপ্ত হইবেন** 1 ইউরোপে নিযুক্ত বাজিরা ভারতবর্ষের ঠেট সেকেংরিয়ারা धवः ध म्हण नियुक्त वाक्तित्र। चाशनाहमत व्यामीत भवर्गस्य केवात् भवर्गत स्थमस्त्र नरक প্रवामि निश्वित्।

शुक्रकानि कन्न कतिए इंदेश वा अना ৰূপে পাইতে হইলে বে ছানে উহা এর করাবা অনাকশে প্রাপ্ত হওয়া বাইবে, তত্তৎ স্থানীর গ্রন্মেট বা শাসনকর্তারাই ভবিষয়ে বিবেচনা করিবেন , পর্ণর জেনে त्रम हेन् (को मिन विरयम् करतम, हेउँ रत्रो পীরদিগের বেসকল প্ততক অধিকতর অভি मल अर्था९ (वन, (वनाम धवः जाहात्नत টাকা, টিশ্পনী, ব্যাকরণ, অভিধান, স্মৃতি अ नर्गन এইमकल शब्दे अधिक श्रादाकः নীয় বিৰেচিত হইবে। নিৰ্বাচিত পুস্তক সমূহের মুদ্রাঙ্কণ একণকার দেবনাগর অক্ষরে প**ि**পাটীकरिभ मभाधा इंहेरव। गवर्गसन्छे এবদর্থ বাংগরিক ২৪০০০ টাকা বায় মঞ্জুর कतिशाहिन। हेश विकास छ। एउ कार्या ভাৰতে আমাদের বোধে আরও কিছু বেণী रहेटन काम हत्।

## **क** मिलीत इकिएम'सञ्चा

ष्यामता डेक्ट हिक्टिमालदात ३४-७१ बारक विराणि। शांख बहेशांकि विख्य हेडे রোপীয় ও এডক্লেশীয় ভদ্র লোক ১৭৯২ मस्य এই চিকিৎসাল। স্থাপন করেন। এতদেশী দরিদ্র পীড়িত লোকদিগের দাহাঝার্থ ইচা ছাপিত হয় ; কিন্তু ক্রমশঃ भवर्गरमणे माहाया कहाटक मकत ट्यांनित काटक माहाया भारेटकट्डन । ३৮७६ छ ১৮৬७ घटम हि ९मान्दवत बाद्यान (यांशी व्यर्थ न। थांकाटक मर्द्यमाथात्र द्वान निक्टि माहाया आर्थना कता इत्र। छन त्रमादत ७८.२ होका हाँचा डेटर्र । मरबर সরে ৫৬,১৯৩। ১৫ টাকা জায় হয়, **जबार्या ८৮,१२৯ ८३० छोका बाह्र इहे**हा वारक १८७८ होका क्या इहेशारह।

(क्रित 'क्शनक क्राट्ड। नत्र नहाँहा, हिस्सू त्र, क्लार्कि एक वक्षेत्रभाषा चारह। চিকিৎ সা ১৮৬१ चटक हाँपनित লয়ে ১৩২০ জন রোগী ছিল এবং বাহির **२२८७ ১,१०१७८ जन (त्रांभी ज्या**नित्रा हिकिৎमा क्यांच्या बाय । बाचाया ঐ हिकिৎ লয়ে ছিল ভাহাদিপের গড়ে ১৬.৭৪ ব্দলের হতু। হইয়াছে। পূর্ববংশরে ২৪ • ৬ एका इडेबाहिन। वाहित्तत (दशीद मर्था ১,१०,७१७ व्यन व्यास्ता পালাভ করিয়াছেন। এভদ্বারা চিকিৎ সংলয় ও চিকিৎসকদিগের বিশেষ গুণ প্রকাশ পাইতেছে। ডাক্তর বেলির মশ সৰ্বত্ত হইয়াছে। কোন চিকিৎ সক সর্বসাধারণের এড প্রিয় হইতে शादिक नारे। एति छापिटमेत अञ्चल खन्ना-न्भान व्यक्तिवाला लाक मुखे रन। हाँ न नित्र हिक्टिमकश्य कान्नाउँथातिएशत উপরে নির্ভর না করিয়া আপনারা নকল काळ कतिया थारकन। इशह के विकिद ध्यांन क्रांत्रण। দালয়ের সুধ্যাতির अत्रांश हिकिरमालव ममुद्दत कार्यः विवत्रगंड मिंदान्य व्योजिकत् । होमनित हिक्दिः मानग्रद्वाता प्रतिख्यित्वात्र भवित्याय छेप कात हरेएउएह। अडयब रेहान उन्निञ करण्ये मकरनत यञ्च ७ महि।य. हान कत्रा कार मां कर्छवा ।

## विविधमः वाम ।

**৯ हे व्य**अहां सुन (नामवात।

গত শ্নিবার পিপল্স্ ৰাজ বনাম ট্যাস পি চবু মকলমার নিজ্পতি করিবার সময়ে ছোট आमामा दाव श्रीमा समा एक निर्माण भारति आर्थिन कार्रियादिन त्य, अध्य इश्रा व्यविध विका अहे गकलभात नाम अना काम मकलभाग अक विश्व कालका प्रमान करतम माहे, अक स्ना युवक प्याहे পাঁর অভাত নিৰ্মন নিম্নের সীমা অভিক্রম **७७ (मार्यत हम्र ना : किन्त এक स्नन आहेनऋ** ও পণ্ডিত বারিষ্টর চীংকার করিয়া এক অন ইংরাজ বিচারপড়িকে নিরস্ত করিবার বে চেষ্টা 🗎 भात, फ़ारा काविनम्र प्रमणीमः। हेरताक नातिष्टेतः कानिक (कान्नानित ठा**উ**ल्नमं **क्न** प्रथिमः

 चांगेनित झार्कशिरगत्र आत्र। উठिछ ১-।১६ **●रम्य अक कारम ि ९का**त्र क **ब्रहात्र पद्य भक्षपरम**त फेकीमनिकरक अल्या छेडिछ। अहे मकस्मात অর্থীর শক্ষে আটিক নৃত্ত ক্লার্ফ আডকিন ও প্রভাষীর পঞ্চে বারিষ্টর জাকসন ছিলেন। মঞ্চ परमत्र (बनक्म आहात) छ (शान इब्रु अ बिट्टे ख्यमभाष्ठि खांश्वामित्भव्य इहेग्राह्य । खत्य मक्त्य । <sup>शा</sup>रव । लित छेकील ७ नम्ख जामानस्टर्क नाधातरना ভৎসুনা করা কেগান সাহেবের উভিড হর নাই .

कनिकाणाम् जार्ट्यनी विकासरवर श्राम निक्षक काष्ट्रकाव गार्ट्य हाजनिश्रक चार्ट्यनी **ভাষার কথোপকথন করিছে নিষেধ করেন।** এক দিন ভোজন কালে কায়েকটী ছাত্ৰে যাড়ভা यात्र कथा कहाट्ड कार्डकाव डाहान्त्रिक व्याकाखिक श्रद्धांत्र कतियाहित्यम्। श्रीताय नामिन रखराष ७ । होका स्वतियाना **१**३ प्राप्त । भागन वर्षे ।

क निकाणां इत्रों का नामरण अक्रमन मर्ज मानान चार्ट। देशता (कदन खुराहति कतिया डेनाक्व करत्। श्रुप्त देशकिन्दक (पांकात विनिया शना करा रहेखा किछू पिन रहेम (क्शान गाह्य देशमिनाद मृत्रोष्ट्र कतिब्राद्वन । छथा পি ইহার৷ আদাসত পরিভাগে না করাতে गारेमम जेड्ड चारममत देशवित्राक कत विरक्ष विनिमाद्द्रम । भागारम् ता विद्या करेवा कर्णात निकटने अहे नार्विकिटक्ने हाहिश्राटक त्य. छा ही-विश्व जानाम्छ (याख्नात यान्या शनना कर्वन না ৷ কেবান সাহেব বলিরাছেন আলালভ ভার न। कतिर्म फिबि बहे गाउँ किर्के मिर्ट ब वा। क्रिकाचात कांग्रे चामलंड वम्माई(मत्र वामा) भागारमञ्ज काशत श्रदान त्रक्र ।

यदः फाइर्व क ताम्र पुष्टमात्र आहरूहे पिन भिन **ह ६ २६८७८६।** भारत्य (मार्टकंद्र मिम्नाल कता जात रहेब्राएए। का कारित विषय करे अवर्ष्य क्षित्रदेशक वर्षमान अटम्ब्रन्डिकर्रन मिछ द्वाका मगरक पूर्वकार्य। जात्रक कतिया भाकमिगरक কর্মা দিতে প্রবৃত্তি দিতেছেন। কোন কোন कृरेल व्यवस्था करी इंडेरव । व्यवस्थान वर्त्रव अरबन्डे मीक्षकारम खबरनत अबरब्र विश्वत लाक लहेशा शमन करवन। करनेल मिड धनात हम सन माख लाक लहेशा खमन कतिरक्षका

গত সোমবারে লেপ্টমণ্ট প্রণর মেজর ्रार्विट कार्कि गर्क महिष्टा कार्निक वस्त्र দর্শন করিতে গিয়া কয়েকটী মুক্তন বয়া করি-वाब व्याका मिराटक्स । शवर्यमट्टिव स्वत द्वासाह চারি বানি জাহাজ কানিঙে জনিভেচে লেটি

গ্ৰেসাহেৰ সম্ভণ্ট ক্ইরাছেন। ইহাতে বোধ ক্ই-ভেছে প্ৰণ্মে ট কানিও ভাগে করিভেছেন মা। এ পর্বাস্ত করেক জন জুরাচোরে অর্থ অপহরণ করিয়া কেবল অনিষ্ঠ করিরাছে। গ্রণ্মেন্ট নৎ ও উপযুক্ত লোকের হত্তে ভার দিলে কয়ে ক वयमहम्बद्धः कानिदंखत मविद्यान छेत्रां इहेट्ड

কালিকাভার পুলিব কমিদনর সম্প্রতি ইউ (ताशीम इंग्राम्भाडेत । कगरहेवन्मिग्राक आका विवाहन, त्रविवाद डांबादा भूनिय जानगर्छ न। আসিয়া বাঞ্চার ও দোকানগ্রকণ দর্শন করিয়া वाहात। क्य व हिंचता ब्राट्यम छाहानिगटक धट्सन এই আঞ্চাল্ল কর্মচারীরা অসভত হইলাছেন उद्देशका बरमान इविवाद किळामवाद । अ मिवन शितकात ना शिवा वाकारत वाकारत खमन कता हाहा मिट शत शतक कर्ष्ट्र कता आना मिटन कि जे कार्ष है इहेवात छ्विधा माहे ?

সম্ভত্তি একটা যাজ্ঞান্ত্ৰী জীলোক ভাষার উপপত্তির সৃহিত বিবাদ করিয়া এটায় দেক্চ मेक नाउनम भाग कतिया श्रांग्डात कतिया (ह । क्रानात वचन **अध्**तक्कान क्रात्रन, क्र**चन এ**क्की काम्हर्गः वृक्षांख क्षकामिक श्रेगार्क। मार्था कर्त जनामक अक कान हेरदांक काकिनदुब खीत वाजन स्ट्रेंट इंड डांगा मान्यांकी वीरनाक्षी লাভনম পান করে। বিবি ওবেকা প্রভাই এক পোয়া লাভ্যম খাইয়াবাকেন। বে দিবল লাভ নৰ নাপ'ন সে দিন এক কবি আছিলেন थान !! वाचनाकारद्वेत '' हरा, है आकर खेवरन मिर्देश हैतित्व।

#### > र वामायुग मक्तावाव

मुख्यां नारहात्र (भरमाग्रात, सन्ता हेन्साहेश र्या ७ अवन्। भूतः कृ. भक्ष्म स्टेब्राहः। बातन शूद्ध थाय कक्षिति है कम्ल हिन।

कुक्तगद्व खलाडिका एखबाटक भवन्द्रमञ्ज तक सान व्यक्तिक गर व्यामिष्टी की गार्कान क कथ'त याहेबाद काका निवादकत। नर्तात भीका । बाजाईक

धर्ग नः कत्रांटक कट्युक ব্যক্তির নামে পুলিবে নালীল হয়। প্রভাষীতি গের বিরুদ্ধে প্রমাণ দিতে বলাতে মিউনিসিপা लक्फांडो विधि नाटहव घटलन, खाँहान काम अभाग नाइ, इंश्इड अरेवजिक माजिएके जान कक मारहत अधकात मिथा नामीन:कतिया वित्रह করিয়াছেন বলিয়া উঁ৷হাকে ভৎস্কা করিছ विश्वत मकल्या थातिक कतिवादक्तः (भूटः বেলি সাহেব শীকানিবকন আদালত ভাগ

्हे(खर्इन !

विकारमञ्ज्ञ शारकात श्रामा स्थानवीत अम्हा-তির রুদ্ধান্ত বালালোর হেবালড়ে প্রকাশিত व्हेब्राट्ड। अक ब्रावीत अक सक्तमान तारी भोनवीरक अक लक है का छे ९१का ह सम । গাঁহার বিপক্ষ ছুই লক্ষ টাকা দিয়া জারকাভি य दत्र । तानी मञ्जीत विकटण व्याभीम कतिरम অনুসন্ধান হইল। ইংগ্রে প্রকাশ পাইল একটা মোরবার কালার মৃথে নেটে ও মোহর হাখিয়া छे भटत स्वावका जिल्ला स्वील बीज जिकटे इसे नक रिका (मध्या क्षेत्रकित । खाना चुनिया (मचा গেল, বেরুপ দেওয়া হইয়াছিল মোরবা ও নোট প্রভৃতি সেই ভাবে আছে। মৌল্মী বলিলেন, কুৰুগে টাকা ছিল ভাষা ভিনি জানিভেন না . कदल (मातका विनिद्री क्षाइन कविद्राद्वितन । গালার অঞ্চ বলিলেন, যথন ভাছার নিজ্প।ভর क शील माडे, खबन (भातना खहन छ कारात्र ! शोल वींत्र प्रदे वश्यत (अञ्चाम स्टेग्नाट्ट) आत इह सम (योगवी नपहू (छ इहेम्राट्डम । अहे मकप्प মায় যে ছই জান মুদলমান উকীল ছিলেন আঁহা । मनात्क शाम्रमशायान इहेट व वक्ष छ कता वह बाह्य। छेपटकाठआहीमिटनव यटलाठिक मेखे स्व ना विनम्राहे डेडापिटगढ़ वे इण्ल वृष्टिव निवातन **≱डेट्डर्ड** न। " गर्सीम् ७ किट्डाटनाटकाड्स . जाहि श्रांकिन देश । "

श्राक्षवकातनत (व'बाई (वलश्रुव भहेके मानलितात अक्ती का छ गांक छ कवाधाडात দৃষ্টাত্ত প্রদর্শন করিয়াছেন। কক্ষট স্থেপ নের এক অন পইন্টমান বিনা অনুমতিতে मन मिव**न खङ्**भाष्ट्रक दाकारक शम्कृत्व क्या। ১२ हे नरवंचत (यला ১॰ च**िकात सम**रस বাবভীয় পইন্টমান বলিল, পদচুতে বংজিকে পুনরায় কশম না দিলে ভাষারা জার কশম করিবে না। তখন ১৪ খানি শকট পথে ছিল. हेश्व महार १ मान बाह्यामेत्र नक्षेत्र (हेनन মাষ্ট্রব ও তৎস্থানীয় বাণিজ্যাগ্যক ভাগারা কি भाष क.त्राउट्ड खोशांत्रिगरक तुसाईरतन । खाश ! বুঝাইবার জন্য বেলভয়ে আইন পঠে করিলেন ভথাপি ভাগরা শান্ত হইল না। ক্লন্ত শক্ট আ সক্তে লাগিল। বিপদ উপস্থিত, তখন 🗫 কবেন। (क्षेत्रमशक्षेत्र ও वालिका। भाष्यकृष्टि डेकाउर कर्म कार्तीता शहेन्हे भारता ज्यारवाकी मिरशत आगराणा क्षित्राम्य । ज्ञान्याधी मग्राक कथकारमञ्ज त्राम श्रुत्व (मल्या क्षेत्राट्ड वेश्विएश्व छक्त न्छ विधास क्या कर्खवा ।

विविधाककृतान अश्विताम भीन विविध

করেন। মিউমিসিপাল কর্মচারীরা বড় প্রশংসা; হত হইয়াছেন। হত্যাকারী।দগতে ধুত করিবার खना मा अरङेष २०० ष्टेक्श शुक्रचारुतत (चायन) কবিয়াছেন : ছটা এতদেশীয় জীলোক ও একটা নিশুর হত্যা ধরিবার নিমিছ ৫০ ( পঞ্চাশ) होका मियात विकाशन व्हेब्राट्ड । बाट्याट्ड त পুলিষ কমিসনবের দ্বলেইয়া এক জান চৌকি দার পলায়ন করাতে ভাষাকে খুড করিবার নিমিভ ১০০ (এক শত টাকা) দিবার বিজ্ঞা शन इहेश्राट्य । ब्रहेसन हेस्ट्रेशनीय खीरनारकत कीवन उकांमगनदृत्व कि स्थिर प्रका नमान। গুই দ্ৰব্য ভিন কন এডদেশীয়ের জীবন অপেকা অধিক মূল্যবান।!!

> ইভিয়াম প্রজিক ওপিনিয়র থাবণ করি शारक्रम, व्याक्षिम थाँ। क्रमी ब्रिक्टिशत व्यक्षीरम कर्म्म স্বীকার করিয়াছেন। তিনি ক্লশীরুদিগের বেতন **्छाती এक हम जाक्जान टेम्स्ट्रा**त व्यथाक एडेग्रा আমুনদীর দিলে প্ররিড হইরাছেন। সিরারজা লিব পুত্ৰ আকুব খাঁও সেনাপতি ইক্ষাইল খাঁ ग्रुग्विक्टि छेल्बीक हरेब्राइन । काराब रेमन्द्रिक्तरक ठाति भारमत (बजन पिम्नार्कन । সিরার আলির অর্থের অপ্রভুগ হওয়াতে অভা sta कवित्रा है कि नहें खाइन।

কলিকাভার ছোট লালালভের মোজারের जाहित्रज कर्तान हरेट खराहि। जाहिता कन किए अव्यक्तिभित्राक (इंडियानामा वाहरू (मध्या के हिन्द नरहा

हीत्वता अकरन हेफ्टबान । जारमविकात फाक्**डे**ग्ल्य बाता श्रहत स**ल्यान मस्सिख** कति :ডছে। এই নিমিত্র চীনস্থিত বিসমরির। জাগে विका ७ इंस्ट्रेटारनत्र वावश्य डील्न माखवा খুরুপু জানাইয়া দেড় টাকার ১০০০ স্তাম্প বিক্রম্ন করিভেছেন। যে সকল চীন শিশু ম.ডা লিভার কর্ত্তক পরিভাক্ত হয়, ভাষাদিশের রক্ষা क्र राका विनिध्याक्रिक **रहेर**व।

গভকল্য নীচজাভীয় এক জন ইউ রাপীয় এক নাবিকের ২ টাকা কাজিয়া লওয়াতে ছয় মাপের নিমিত কারারজ হইসাছে। উত্রোভর ইরাদিগের উপদ্রব বাড়িভেছে।

३५ हे काळा हा जुल पुषवात ।

উদরপুরের রাজা শলোর শুল্ক উঠাইর। দিয়া ছড়িকপীড়িত লোকদিগের দাহাব।পি शृक्षकार्यः कविवात माळा निवादक्तः। जामानि গের এবর্ণমেন্ট কেবল কাগতে রিপোট লিখিয়া त क्षेत्रे इहेरवन मा कि?

ভারতব্বীয় গ্রেণ্ডেন্ট আজ্ঞা দিয়াছেন ১৮ ७৯ व्यक्तित । काष्ट्रशांति ध्वववि विनवस्त नाज मार्थ। होका छ । जाहे धर्मकर्ष, फाहा प्रवणा

दिक्षिष्ठेति कांत्रेट्ड स्ट्रेट्न । दिक्षिष्ठेनि भी क्रिट्स আর চারি আনা দও হইবে।

मकचनारें। अञ्चयान करवन, आशामी मार्क मार्टित मर्गा मिलीत (इनश्रदा कृषियामान्धः स

আসামের সীমার পুনর্কার দৌবত্যা আরক্ত ংইয়াছে। মণিপুরীয় ও খোরমাজাতির প্রস্পুর বিবাদ হওয়াতে ভাহার৷ পরক্ষারের আমসমূহ লুঠ করিভেছে।

करम् कर कार कार के शहर वारी के किए-ম্পানি করিয়া চারিখানি বাম্পায় আছাজ জেঁয় করিয়াছেন : উাহারা ভারতবর্ষ হইতে বুসোরা ও বোগনাদপর্যন্ত এইসকল আহাজ বাণিজার্থ श्चित् व कित्रिट्वन । कामामिट्यत् विकिशन कामरा পি একটা বল্লের কলও করিতে সাহসী হইলেন

গুজধাটে এক জন সুতন কেশবচন্ত সেন দেখা দিয়াছেন। ছরিকুঞ্জ সহারাজ জীপুর্বের এক পলীগ্রামের শিক্ষক ছিলেন। ডিনি পুর:৭ ও ন্যায় উত্তমক্সপে শিক্ষা করেন। কিছু দিন হুইল ভিনি আপনাকে ঈশ্বের প্রেরিড বলিয়া খোৰণা করিয়া দ্বী পুত্র ভ্যান করিয়াছেন। र्तिकृष्ण श्रथमण्डः चामिनात्राध्ननमामक अक सन देवकारवत्र व्यवा कित्यम । डीहाव अस डीहारक अंड काल वा। महत्त्वम (य व्यवह व्यवह देवक्षवहक ভাঁহার মত এহৰ করিয়া চলতে আফা দেন। অনতিতিলয়ে হারকুঞ ওকর বিক্রছে ধর্ম্মাখনা করিয়া নিজের মত বিশুদ্ধ বলিতে লাগিলেন। टेरक्थ प्रम फाँश्व किष्ट्रे कविष्ठ भावित्य मा। ভাষ্টার এক্ষণে অনেক শিষ্য হইরাছে। হরিকুক बालन धर्माप्ताधनार्थ ज्ञारन ज्ञारन अधन कतियात বাসনা করিয়াছেন। একবার কলিকাভার আদি (यम कि? फाड़ा इट्टांग भराताल की "अ उ प्रयास शक्त " अकवात म्हाई (मथा साम्र)

সম্প্রতি আরাকানের উপসূলে ঝড় হইয়া विद्यम् । जिः कांद्रशाद्यः।

লা স্তপুর হইতে রাণা**য়াটে আ**দাল**ত**গুলি देविया ज्यानम्।

प्यामतः अतुननीय लाकनिशदक अक विषयः मदना ষোদী ২ইতে অসুরোধ করেডেছি। কলিকাডার ছোটআদালতের এলাকা বৃদ্ধি করিবার বিল শীল বিবেচিত হইৰে : মেইন সাহৈৰ ২০০০ টা না পর্যান্ত ক্ষমতাবৃদ্ধি কবিবার প্রস্তাব করিয়াছেন। इंडि:वाणीय बनिकगरनत्य अहे भउ: अमाना বৃদ্ধি হউক, কিন্তু আপীল প্রথ' হউক। এতাদ শীয় মকজমাসকলের বেরণে নিস্পত্তি হয় স্থাহা चाँहोत। (मचित्राट्डन डाहाताई जारनमः अवर्थ

(मे के व्यवसाई काशरण कात त्रियान मण्डेटे

আঘোধ।। আকবর আলোরাতের রাজার কার্টের প্রতিবাদ ক ব্যাছেন। রাজা অসৎ মন্ত্রিগণভার। বেটিত ধ্রুয়াছেন। প্রথমে বে আশা ক্রা গিয়াছিল ইনি তাহা পূর্ব করলেন না।

১২ ই জন্মহ'য়ণ বৃহস্প ভবার ।

(बाबाहरम अकशकात चुक्त खुन्नाहरि কা সম্ভালিমামক এক পুস্তক दिविद्यादः । বিক্রেভাব বাসীতে মেনকা বাই নামে একটা खीरबाक जानिया विनन, ' जुनि अक्षी खीरना करके । तका कब्रिट्य ? मध्य मध्यक इत्रश्नाद्रक মেনকা ভাগাকে যমুনা বাই মাখে এক জী लारकत वाजिएक लहेन्ना शाला मिह वाजिएक भिका इंडेल । (यनका चर्डिकालियक्स e • हैकि) शहिता शुक्रकावर एक। इस्मती खी शहित्रा জ্ঞাপন অ জীয়দিগের নিকট ছইটে ২৫০ টাকার অনক্ষার চাটিয়া আনিয়া ভাছাকে সক্ষিত ক্রিয়া ৰালিতে লইয়া গেল্। কিছ কি ভাগ। দোষ ! তিন ঘটিকার পর নব বিবাহিতা যুবতী कालका वनरमञ्ज अलायुक कतिल। कासूनवारक श्वकाण लाईल यभूगा अवसी (वणाः । हेश्किएशव नारम श्रृलिय नालीन स्हेशाएक। यसूना जाय किङ्ग मन दिलस क वटन (भड़ेन नाइन्ट्रेस आहेन অনুসংবে অলক্ষাবগুলিকে স্তীধন করিয়া ন্ত্ৰাত পা বত।

মণ্ডোহারের করেগত আওবার ও গলুরের কয়েক জন ভূতপূর্দা বিছোলী ঠাকুর অদেশে প্রভোগমন করিয়া আপন আপন আয়গীব বলপূণক অধিকার করিয়াজেন। ইয়াদিগকৈ দমন কবিবার উপায় ইইডেছে।

ষেণপ্রের রাজা প্রজান্ত্রের কট্ট নিব বুলার্থ গুজারটি হইতে শাস্থা আনম্বন করটে ছেন। কিন্তু এপর্যান্ত শাসেরে প্রাক্তর র্থিড কােন নাই। যোধপুর জালোয়ার ও গুজাটের নায় ছাছাভাগে, রাজা ভানতবার আরু নই।

অবোগা জ গগৈ ল খত হুট্যাতে, ওত্রতা রাজা দেশের বিখনতে কাইসর গগৈ ক্রমণঃ ভগু হুট্টেড়ে রাজিতে ইহার মধ্যে পুগাল ও দেশের ব্যমাইস ব'ল করে। ইহা পরিকার করা হুলু না । গবেশ্ব টি এই বাজিটা দেশুকদার দিগকে প্রদান কবিয়াছিলেন। ইহারা ইহ'র ধাতে যদি খুরুপ্রনাশ না কবেন, ভাহা হুট্টে গ্রথমেটের প্রহণ করা কত্র। অবোদ্ধার ভালুকদারদিগের মুখ সর্বাশ্ব দেখা ঘাইন্তেহে।

রংমকুঞ্দেনামক এক ধার্ত এক জান মেডাল ও কয়েকখানি ভাল প্রশংলাপত্র করিয়া লাভোবে কন্ম লট্বার চেটা পাওয়াতে ভালার কঠিন পরিজ্ঞানের সহিতে জাটার মাদ কারাবাদের আন্দেশ হইয়াছে। মেডালখানি চারল্প নেক্ট কোম্পানি প্রস্তুত করিয়া দেন; ইহাতে লিখিত খাকে রামকুঞ্চ বিদ্রোহেব সময়ে আনেক কাজ করাতে গ্রন্থানি ভাহাকে এই মেডাল পুরস্কার দিরাছেন। যে ব্যক্তি প্রশাস পত্রগুলি মুল্লিড করে তাহার

ক) কি কি বিশান। হইছাছে। চারল্স্
ন কউ কাম্পানি গবর্ণমেটের অনুমতি না
লইয়া এই মেডাল ভরিয়াছিলেন ভরিয়াছিলেন 
কি হইবে?

বালিকাবিক্রয় আদ্যাপি চলিতেছে।
নাল গংগাজেট বালেন, মাজোজ হইডে ক্রফাদেশে
সর্বালিকা আনিয়া বিজেয় করা হয়।
সম্প্রতি এক জন মুস্সমানের এই অপরাধে
প্রতি বংগর মেয়াল হইয়াছে।

অক্লেডের বিশ্পের কন্যা ও ভাষাত।
কাথলিক ধর্ম জন্মন্তন করিয়াকেন। আমাডা
এক জন প্রেটেষ্টান্ট পাদবী ছিলেন। বাবভীয়
উপধন্মের যে গতি খুনীয় ধর্মের সেই গতি
ক্ইতেছে। যখন খুষ্ট সেই "দুয়াল প্রভূ ই রহি
নেন, তিনি মধ্যস্থ না ক্ইলে ক্রোধান্ধ ও বৈর
নির্ঘাতনপ্রিয় ঈশ্বর ত্রাণ করিবেন না। যখন
অলোকিক কাণ্ডে বিশ্বাস করা খুষ্ট ধর্মের মুল
ক্ইডেছে, ডখন বাজাকে ধর্মের মন্তক বলিয়া
লোকের মন পরিভূপ্ত হয় না। উপধর্মের বিহু
আজ্বর আশাক। সম্রুভি রিচুয়ালিস্টেরা যে
প্রণালী অধলবন করিয়াছেন, ভাষতে অধিকাং
শ ইংরাজ পুনর্মার কাথলিক হইবেন। অবনি
ষ্টাংশ প্রকাশার্মপে খুল্ডধর্ম পরিভাগে করি
বেন।

মাস্ত্রোজের লাসনকর্ত্তা লাড নেপিয়র জল প্রণালীর উন্নতিসাধনার্থ সহিশেষ বন্ধ বান হইয়াছেন। ডিনি কেবল রিপোটে ভুট নন, কাজ চান। জামাদিগ্রের ডাক্টের লিঞ্চকে মাস্ত্রাজেব জেলসমূহের উন্নতিসাধনার্থ প্রেরণ করিলে কি ভাল হয় না?

চন্ধাৰ রাজ্ঞার নিজ জীর সহিত বিবাদের পাকত কারণ প্রকাশিত হইয়াছে। রাণী ছণ্চ বত্র হওয়াছে রাজ্ঞা উচ্চাহে নিজ বাটী হইছে বিচ্ছুত করিয়। পানীগ্রামন্থিত এক বাটীতে প্রেণণ করেন। গাঁচার অলক্ষার গ্রহণ করা হয় নাই। রাণী পিতার নিকটে যৌতুক পান নাই, অভ কব উট্টার ভূমিসকল বাজেজাপ্ত করি বার কথা মিখ্যা। বাজা গ্রহণ্টাক বলিয়াকেন মাসুসন্ধান করিলে রাণীরই দোল প্রকাশিত গুইবে। তিনি যথেষ্ঠ রুতি দিতে সম্মত জাহেন। বিজ প্রষ্ঠা জীকে আর গ্রহণ করিবেন না। এ বিষয়ে গ্রহণ্টাক জার গ্রহণ করিবেন না। এ বিষয়ে গ্রহণ্টাক জার গ্রহণ করিবেন না। এ বিষয়ে গ্রহণ্টাক জার গ্রহণ করিবেন না। এবিষয়ে গ্রহণ্টাক জার গ্রহণ করেন ও শত শত বেশ্যা রাখেন, ভাছার ফল এই ম্থার্থ বিবাহিত। জীকেনে পার পুল্লবকে গ্রহণ করেন।

১৮৫৭ অংক শোবাপুরের রাজা বিদ্রোণী ছইয়া গণ্ডের তথ্য আত্মহতঃ। করেন। বিদ্রোহ শাল্ডির পর গবর্গনের হায়দর।বাদের নিজামকে শোরাপুর পুরক্ষার দেন। সম্প্রতি এক জন ধৃত্তি আগিয়া আপনাকে শোরাপুরের রাজা বলিয়া প্রিচয় দিয়া উজ রাজা প্রভাগিন করিতে বলে, হায়দরাবাদের রেসিডেন্ট অনুসন্ধান করিয়া ইছার ধুর্তি। ভাষিতে পারিয়াছেন। দাক্ষিণা তেরে এই প্রভাপতাদকে অমনি সভর্ক করিয়া ছাভিয়া দেওয়া ইইয়াছে। ১৩ ই অগ্রহারণ শুক্রবার।

সাপ্তাহিক সংবাদপত্র বলেন, '' বাবু প্রিম্ন নাথ ঘোষ আসিষ্টান্ত সাক্তন হইয়া ইংলগু হুইড়ে প্রভাগেষন করিয়াছেন। ভিনি রেপুণে কর্মাপ্রাপ্ত হইয়াছেন।

ইংলিসমান এক টেলিপ্রাম প্রাইয়াচেন।
এডজারা ভানা বাইডেছে, সদার আবছল
রহমন বা বামিয়ানের নিকটে এক ঘারতর মুক্তে
সম্পূর্ণরূপে পরাজিত হইয়াচেন। সিয়ার আলির
সমাপতিগণ উহিরি পশ্চাৎ ধারমান হইডে
কেন। আজিম প্রার সহিত সিয়ার আলির
যুজদেশপর্বান্ত আবছ্লারহমন চুপ করিয়াচি
লেন। আর কিঞ্ছিৎ বিলব ক্তিলে ভিনি অয়
লাভ করিছে গারিডেন। কিন্ত বাহার মাতাকে
অপমান ক্রাতে ভিনি শীত কালেই যুজার্থ জ্বর
সর হন। আমাদিগের গ্রেবিনেটের কর্ত্বা কর্ম্ম
কি, ভাষা বলিয়া দিবার প্রয়োজন নাই।

সিয়ারয়ালি খা এক প্রকার পারস্বের অধীনতা সীকার করিয়াছেন। ছিবাটের নিকটস্থ পারস্ব কৈনাগাণ উপনগরের শাসনকর্তাব নিকটে রসল লইভেচে। শাসন কর্তা সম্প্রতি অনিচ্ছা প্রকাশ সরাতে আমীর উচ্চিকে বলিয়াছেন, পারসীক সেনাপতি ঘালা চাহিকেন, ভালা দিতে হইকে। সস্থানর খা পারসের অধীনতা শীকার কারয়া কর দিভেচেন।

দে গু অব ইণ্ডিয়া বলেন, ৬৩৭ জন ছাত্র বায় ইংগর বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রবেশিকা পরীক্ষা দিভেকেন। গত বংগর অংপকা ১০০ ছাত্র অধিক ক্ইয়াছেন। ১০ জন এম, এ পরীক্ষা দবেন। বি, এলের নিমিত্ত ৬ জন আবেদন ক্রিয়াছেন।

উক্ত পত্র অসুমনি করেন, ১১ ই জালুয়ারি লাভ মেয় কলিকাভায় উপনীত হইবেন।

উক্ত পত্র প্রবংশ কবিয়াচেন, মেইন সাহেব মার এক বংশর ভারতবধে থাকিবেন। কেন আর কন্ঠ পাইবেন?

इरल्ड अवस्थान करिएक याहेबात निमान ্য ছাত্রবৃত্তিটী পরীক্ষাধারা প্রাণ্য, সেই পরীক্ষা আগ্রামি ৬ ই ৭ ই ৮ ই জানুয়ারি প্রেসিডেলি कारसर्ध्य भारतांत्राङ इद्देश प्रदेशांनि व्यक्त छ मनाथ विभाग मधास, अक्षांबि केंद्र से 🧐 😇 व क्वतमञ्जूष्टिशम । छ छुरभासमध्याख अव° ানাসক বিজ্ঞান ও ভজ্ঞাল্লসম্বেষ চইবে। প্রত্যেক প্রীক্ষাধীকৈ বয়ংক্রম ও সচ্চ ইত্রভাব প্রমান্পত্রভিন্ন চিকিৎদকের, এই স্টিফিকেট क्रिक क्रांट (ये, किनि इंडिस्तार्थित बाल वासु मह कविशा अधायम कविएक शाहितम। शरीकात aकामरमपूर्वा ecreto भन्नेकार्शेटक २० है। कः की निकाकार्यात जिल्लेखन निकटी (अ१० কভিত্তে গ্ৰহণৰ। আৰু কিছু দিন পৰে প্ৰীক্ষা मिन करित छाल इहेछ। भक्तपालन खानात छाहा श्हेरल भद्रीकाधी स्हार भारतराजन।

প্রধানভম বিচারালয় যাবজীয় অধ্যক্ত জং ও মুক্তেফানিগের নিকটে কয়েকথানি করিয়া আইন পুস্তক, সাক্ষেত্র আইন ও ১৮৬২ অব্ অবধির নজির পুস্তক প্রোবণ কবিবার মানা করিয়াছেন। এট অভিশয় কর্তব্য। ১৪ ই অগ্রহায়ণ শ্নিবার।

मिलीरगरकरहें मिथि इहेरार इ ५० ई नरत बत এक खन मनफानी हे हे दुर्गभीय (नाममाध्र ৰ সার এক কন ইউরোপীয় পেলোয়র করতে आहित्क शमन करव । छ।इस्ता उन्न (माटकव (बर्ग ভত্তিত ডাকবাঙ্গালায় গগন ক'বয়া প্ররাপনে-श्चक्रकि मीहकार्या करता देवकारण प्रदे स्थान ভ্ৰমণ করিতে গিয়া এক সংক্রি এক জন আফি সরের ভারতব্যীয় ভাত্যকে অকারণ বণ করি श्राटकः (भट्नाधार्वतं कः गमन्दवतं **नवार्य अहे** क (या क्य । इन्हर्गक (विष्कु (म मग्रास्त । सब्दा । इन्हें शाहक। देव विहास निहास नामश्चिक विकास निहास नामश्च इंडेर्च। এই इंडरानियक्षन आंडेर्क्स लाहकता অভিশয় বিহুক্ত কইয়াছেন। ইউবোপীয়দিগকে মফধলের আগোলভের অধীনন্ত করিতে যভ विलय इडेट्र, 'डाएडे भीभविष्य स्टेट्र (मन क्रमन: এক বিজ ইউবোপীয়দার। প্রিপুরিত ইইটেছে।

শ্রামরা আহ্বাদিত হইয়া প্রকাশ কবিতেছি. অন্য টনসন স'হের বলনেশীয় ধবেস্থাপক সভায় ! ·क िल अर्थन करिया आधना मिश्क रहनी কবিবার প্রস্তাব করিয়াছেন। TOTAL CRESTOR यक्तमा (पञ्चामी आणानहाइत कर्ण्ड पितात विरागत कि एई ग?

অদ্য রাত্রি ৮ টার সময় বরাহ্মগর্মিবাসী সকোপবংশীয় औगुष्क इस्त्रनाथ होत् तीत्र म हरू **ब्यामनिष्म वरकाशीय एवत विश्वा काशिएनयो** कुळ बिनी अवीद अक्तिगटक विवाध एक्टव।

ানমুলিখিত মূলে গ্রেণ্যাট্র কার্লজ 'ৰঞ্জীত চইতেছে ৷

| ė į  | ী ক | ার সিক।        | 28: 884.              |
|------|-----|----------------|-----------------------|
| 8    | 'n  | ( <b>*</b>  °  | \$81 . <b>\$811</b> * |
| ¢    | 4   | প্ৰ'লক ওয়াৰ্ক | 3 * 8 h   2 * ¢       |
| ŧ    | 'n  | ረক†ኖ           | 2 . P. N 1 2 . D      |
| e li | *   | ( <b>क</b> !र  | 2224- 223             |

বিজ্ঞাপন।

इस्डेजियान (तल अर्थ।

করবার কনীক্ট।

১৮७৯ व्यक्तित १ ला का प्रशासि व्यवति इत् म'मकाल अहे (काल्या नव भाग तथा कशन व প্রয়োজন। আগামী ডিগ্রেরৰ মানের ৭ই সাম-ধার ছই প্রহরপর্যন্তে নিমুখ্য ক্ষরকারী कें इ हे खत बहन क बिर्वन ।

प्यार्यमन कविर्म , हे छ द्वा यह वस भा उग्ना ালতে পারিবে।

मिनिल किंद्रकन दा छ अपन आहा नि हेक्ट्रेडिक्शि, वलक्र्र्य एक्ट्रिकिंग्डिमी स्थापन न (सका छ। १४५४) বোড অব একে গ · ॰ नटदश्व

---: , ;---

ইউরোপীয় সমাচার।

नक्षत ११६ नरवंदत्र। जानः महामङाख्य रहेर्त । व्यातम भिन्न हेश्म अ रहेर्ड छात्र अतुर्ध याज्य कतिप्राट्म । कन्। व्यवधि वासाई वहाक কমিশন কার্ব্য আরম্ভ করিয়াছেন। তাঁহারা শুক্র বারপর্বাক্ত কার্য্য স্থাসিত রাখিবেন। এটাদ্রস फिरब्रहेतिकरभव विगाव (मधा वहरव)

क्ष्यात्वत खोरलारकता खाँखनिध **मरनानी**क করিবার সনয়ে মত দিবার ক্ষমতা পাইস্বাচ্চন: त्म्भरमत् माहायाकावी देममात्रभएक किछवाहीत्म (धात्व करा इहं शाहा

১২ই নবেলর। সুত্র মহাস্ভার স্ভ মনোনীত করিবার প্ররানা বাহির হইয়াছে इेफिटमबटबर घटका कार्या (भव कहेटका)

সর রাউত্তেল পামার অক্সকোডের প্রতি নিধি হইবাব চেটা ভ্যাগ কবিয়াছেন।

সম্প্রতি আফ শ্যার রাজাযে বক্তাতা করিয়া ছেন, মণিটিউর পত্র ভাষার প্রশংগা করিয়া-ছেন : লাভ মেছে : ভোজের দিবস ভিস্*রেলি* नारहत (ग तक छ। करतन अवर लां छ द्वीनलि মধ্যস্থাবা শান্তি।ক্ষার যে প্রস্তাব করিয়াছেন काश्वेत अथराष्ट्रिक कवा बहेबार्ड ।

আলাবাদাঘটিত বিবাদের নিষ্পাত্তির নিমিত্ত <sup>हे</sup>ं लेख छ आर्थ तका **समीकातभारत पाक**र ক:রয়াছেন। উভর জাভির ক্রেক্লন ক্ষিদ নর ও এক জন বিদেশীয় রাজা মধ্যস্থ হইবেন।

১० ई मदब्बत । कालावाबाघिष विवासित নিজ্পাতির নিমিত্রপ্রালীর রাজা মধ্যক্ত হইয়া (BA )

সানজুয়ান জাগৃজ্যটিত বিবাদের নিষ্প ত্তব জন। সুইটজরলত্তের সভাপতি স্বধ্য इक्षा (छन ।

এরপ জনজাতি সব উইলি: ম মানুস্ফিলড ্ষ্টেখনেৰণের পরিবর্জে আয়ারলত্তের প্রধান সেই পতি रहेंद्रेन । (नाथ रुग्न, दिव्यंश (हेहें कान्हें। अ-বরির আক্রিশ্প ছইবেন। মাগদালার লাভ নেপিয়র ভাগতবর্ষে যাত্রা করিয়াছেন। ভিনি আপাডভ: ক্রেরেল আছেন।সেনাপতি ফেরা :त्र मुक्त क्रेबाट्ड ।

১৪ই নবেশ্ব। কানাডার মুডন গবর্গর জেন রল সর জান ইয়ঙ ব'প চিছের নাইট গ্রাপ্ত अभ्य इडेग्राइड्य ।

গভকলা অবধি বোধাই ব্যাক্ষ কমিসনৱের পুনবার অংধবেশন হইতেছে। গ্রেণ্মেটের পঞ ः ডिर्রেট्टर्विप्रिय अवास्यन्ती लक्ष्या व्या क्षित्रं বলিয়াছেন, অগকে কেবল নিজ প্রাতিভাবে টাকা কৰ্জ দিজেচেন, ভাষা উভাবা জানিতেন না। এ বিষয়ে ভাগ্রক বাঁহাদিগের অনুমতি लहेश कोड करत्व माहे।

সেনাপতি থিয় এক সরকুলার্দারা প্রকাশ क्रियाटकन, माध्याटक माश्याकारी देवनः .প্রবণ করা ভাঁচার আভেষত নহে। স্পেনের যাবভীয় দল এক ঘোষণা করিয়া ৰলিয়াছেন বাজার দারা শাসন করা অভিশ্র কন্তব্য হট্ য়াছে। গীভথগুডক'রী রসিনির মৃত্যু 🕫 म्रोट्हा

১७२ न(वधत। विभाग क्रिंड कान्हें।ब्रुव्हिन व्यक्तिम् स्ट्रेग्नाइम ।

वित्रकत वाक्षि नाज शामितिक महमानीज करवन. ভाন গতকল্য ভাঁহাদিগের অন্তে ৰক্ত্যকালে वटलन, इंजेट्साभीत भवर्गस्थलम्बर स युक्तमका কাইতেছেন, ভাষা উদ্বেগের কারণ বটে ; কি 🖁 भाखितका इहेरत अही यमि इनिन्छिक इन्न छाहा **হইলে এদ শরার অংথীনে সমুদার ভাশ্ম**ীয় अक्ज स्हें के कि का का भिक्त कि विद्या में। তিনি আরও বলিলেন, তুরস্ক রাজ্য বিপর रहेगाइ। धे अक्षरन (गामस्याग रहेवात ,म्बा বনা : উপদংহারে ডিনি ব'লিলেন, আয়ারলণ্ডের वर्षमञ्चानीत्वत (य कृथ्य। जार्ह डाहात मश्राना ধন করা আঁহার অভিহেত। কুৰক্ষণ যে উন্নত সাধন করিবে, ভালা হইতে ভালার। বঞ্চিত না হয় এ চেষ্টাও ডিনি করিবেন।

প্রতিনিধি বাজেন ঘটিত মকদেমায় কয়েক क्षत्र कताभी प्रश्वान भाषा मार्कत प्रश् इहे

গলইন্ সংবাদপত্তে মিথাা বড়যন্তের সং वाम श्रद्धाः इंदेग्नाः इंदिन वित्राः मण्याम्दकतः मुख : हेश्राह्य

বিহ্নবিয়স পর্বাতে ভয়ানক অগ্নংপাত **इहेटल्ड** इ

২৪ এনবৈশ্ব : এপ্র্য ফ্রাস্ভার যভ প্রতিনিধি মনোনীত ব্ইয়াছেন, গাঁহাদিগেব अधिकाश्म लिवद्रम ममञ्जूकः । २৮० सम् निवत्न ও ১৫৬ জন কনসার্বেটিৰ সভা হইলাভেন ।

২৩ এ নবেশ্র। এপর্যস্তে যভ প্রতি,ল'র मत्नामी ७ व्हेश्राट्टन जाबाट ज मथा यहिं उट्छ ७० अन 'लव्यल ७ ४৮ चन कनम्यदि चि म्बाहरी, दिना

২১ এ নবেশ্বর শনিবার আরল ও কাউটেন মেয় ব্রিণ্ডিসিতে জাহাজাবোহণ করিরাংদ্ম। यारक्ष्ट्रेटत (यनकल (क्रिशास्त्र भृदु। ७ ० व ভাহাদিগের সম্র্লার্থ গভ কল্য হাইছ প'কে অনৈক কেনিয়ান সমবেত হইয়াছিল।

মাড়টোন সাহেবকে পরাজয় করিয়া লাভ জন্টিস জেনরল ইও লিস এডিনবরা বিশ্ববিদ্যাল (स्व চाट्यानत क्रेन्नाट्या ताइके खनद्वतल (क्रम म् मनक्रिक डेक विश्वविकासरस्त्र (तक्रस व्हेब्राह्म ।

भागरभात विश्वविक्रालरस्त्र अङ्केरवृत शर्मत निभिन्न ला पारहर अ लाफ होनलि आर्थी इन : উভয়ের দিগে সমান মত হওয়াতে চাপেলব ডিউক অৰ মন্টোজ নিজের অভিরিক্ত মত लाफ क्षेत्रमित शक्त निया छ। एक दि होत कर् े हे श्रीट्रह्म ।

# গ্ৰণ্থেন্ট বিজ্ঞাপন। ब करमणीय त्लकीनकेशवर्गतत **जारमभाग्र**माती

निदश्चा ।

১१ हे मरवष्त्र। (योनवी लानाय कानानी अध्वात मूर्णिक इहेर्द्या। स्थील दी शालाम काला নীর অনুপস্থানকালে বাবু ত্রগাদত আরার व्यक्ति। भ भूटक्रिक रहेर्यन ।

भोगरी अध्यक्ष मिल कालनात प्रकार हरे (44 )

১৮ ই মবেষর ৷ ছাঞ্চারিবাগের অভিরিক্ত সহকারী কমিসনর সি. এ, এস, বেডফোড न रब्द मानकृष्म वननी स्हेश मास्तिरकेष अ (इज्ही कार्लहेरद्रवें क्षत्रका शहरवन।

গত ৬ এ আগটের গেজেটের আঞা विक्रिक कार्रमा कार्यम वर्दे एउट विकासी की विक्र মাকডোনালড কটকের প্রতিনিধি সিবিলীসার্জন इंडे(वन ।

১৯ এ নবেছর। ২৪ প্রগণার এতিনিধি সহ क दी श्रालय छश्विर देखान अक, (अन्य मार्ट्य श्री एक यमभी इहरवन ।

(क, हे, माकलिल नारहर हात्र**कार**क विकीह ভোণিৰ জাইন্ট মাজিকেট ও ডেপুটি কালেইর क्रकेर्दस ।

यं अपन वायू नदीनहत्त्व त्यांच विषास महिमा জন্মপস্থিত থা কবেন, ভত দিন মেংগপুরের मूरमक यांचू जार्गन्छ कोष्त्री कृष्णनगरवद প্রতিনিধি মুক্ষেফ ইইবেন।

নিমুলিখিত ভদ্রলোকেরা গৌহাটির বিদ্যা শিকা সভার সভ্য হইবেন।

लिक्टेमान्हें ज ए. वहाता बादू क्रमहक्त 两旬11

২০ এ নবেশ্ব। বাবু অমূলচেক্ত মলিক নাগ পুরের অন্তর্গত লোছারডগার ডেপুচী মাজিকেট | ও ডেপুটা কালেক্টর হইয়া দ্বিতীয় জ্বেনির অধীন মালিটেটটের ক্ষমতা পাইবেন।

১১ এ নবেশ্বর। খত দিন ধীরভূমের মাজি ষ্টেট মদবলে ভ্রমণ করিবেন, তত দিন ভেপুটি মাজিটেট ও ডেগুটী কালেক্টর বাবু উমাচরণ विक्तां शांधां में १४६८ कर्यं रे अ'हे तर १ ধারাস্থ্যান্ত্র সাক্ষাৎসন্থলে নালীল গ্রহণ করিতে नमर्थ स्ट्रिंग ।

कि, अम, छि, हादिम मारहत जीतकृत्य अथम ত্রেলির প্রতিনিধি মাজিটেট ও কালেইর হুই CAN 1

खबलिके, के, खब्राक भारकत वर्षमात्मत्र श्रांक নিধি আইন মাজিকেট ও ডেপ্টা কালেট্র इटेट्टन ।

कि, कि, अरबरेश नारक वर्षमारमञ्जू नक कांनी मास्त्रिकेष ७ कारल हेत इहेग्रा मास्त्रिके **ও ডেপ্**স कालहेर्वि कमका भाहेर्वा

या किन शोलवी कावहन थानिक विकाश লইয়া অনুপঞ্জি থাবাৰন, ভড দিন বাব বঙ্গচন্দ্র চক্রবন্তী চাকার অন্তর্গত প্রাদের প্রতি निधि मुलाक करेरिक

২৩ এ নবেম্বর ে ভুডীয় প্রেশির সৰ আসি क्षेत्र मार्कन शिव्रमाथ वक्क विटलंब कार्या नहीं য়াতে প্রেরিড হইবেন।

ि, अम, विभवना भारत्व २७ अ पार्टीवर पकार्या अञ्जाभमन कतियाद्वन । के निवन অবণি তিনি বালেখনের প্রথম তেণির প্রতি নিধি মাজি:উট ও কালেটর হইয়াছেন।

जे, शि, बोकेफरनन बार्ट्य होजावियात्रव गहकात्री मालिक्टिंग अ कालाकेत कहेगा वक्षक উপবিভাগের ভার পাইয়া প্রথম ক্রেন্ত্র জদীন মাজিক্টেট ও ডেপুটী কালেইরের ক্ষমতা পাই .(বন। ডিনি আরও প্রধান্তম বিচারালয় ও সেসিয়নে অপুণ ক্রিবাব মকদ্মার প্রথম বিচার করি**তে** পারিবেন।

गरकाती मास्त्रिकिंग अ कारण हैत है, है, कक् হেড সাহেব মেহেরপুর উপবিভাগের ভার পাইয়া মাজিকৌ ও ডেপুটা কালেইবের ক্ষমতা পাইবেন। জিনি আরও প্রধানকম বিচারালয় ও সেসিয়নে অর্পণ করিবার মক্ষমার প্রথম বিচার করিতে পারিবেন।

महकारी मास्टिकिट छ कारलहेत (स्र. अ. ংপকি**ল সাহেব মাগু**রা উপবিভাগের ভার भारेया म ब्लिकिंग छ एउभुनी का (महेर्य क्रम्स) भारे (वत ।

महकाती बाब्बिट्डिंगे छ काटनकेंद्र अस. अह. মাকলম্বি সাহেব চুয়াডাকা উপবিভাগের ভার পাইয়া প্রথম জ্রেণির অধীন মাজিটেট ও ডেপুটা কালেইরের ক্ষমতা পাইবেন। তিনি আর্থ প্রধানতম বিচারালয়ে ও সেদিয়নে অর্পণ করি বার মকন্দমার এথম বিচার করিতে পারিবেন।

নদীয়ার জাইণ্ট মাজিটেট ও (ডপ্টী কালে ক্টর জে, টুইডি সাহেব ১৮৫৯ অন্দের ১০ আইন তি ৮৬০ অকের ৬ জাইনের সকল্মার আপীল वार्ग क्रिएक भारत्यन ।

मात्र**किलिए** अत्र एङ शृष्टी क्रियमत (प्रक्रत छ व erB, वि, छि, महैन निरक्षत कार्गा छन अध्य विচারপতির কার্য্য করিবেন।

গোরালপাড়ার প্রতিনিধি তেপুটী কমিসমর টি, শ্মিপ সাহেব নিজের কার্য্যভিন্ন প্রতিনিধি व्यथ्य क्षरकत कार्यः कदित्वमः

পশ্চিম ছন্নারের প্রতিনিধি ভেপুটি কমিসনর **ভবলিউ. ও, (ब:कडे मार्ट्स निट्छ**त कार्याक्रिस প্রতিনিধি অধ**ত্ব চতে**র কার্য্য করিবেন।

২৪ এ নবেশ্ব। রাজসাহিত্র ডেপ্রতী মাজি खें ७ ७ ७ प्रति कारमहेत मू जि मतिकासिन आह মান মেদিনী পরে বদলী হইয়া মাজিতেউটের ক্ষমতা পাইবেন।

পালামাউয়ের ডেপুটী মাঞ্চিষ্টেট ও ডেপুটি कारमञ्जूत योलवी घटेल हा वाक्रमाहीर उंचनमी **ষ্ট্রা মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন** ।

মেদনীপুরের প্রতি নিধি ডেপুটি মাজিটেট क (छ शृष्ठी कारल छेत नायु अधनाक्षत्राम (चाय নিয়ুত্র শাসন কার্ব্যে ষ্ঠ জেণিতে নিযুক্ত बहैदलन ।

যত দিন বাবু কালিদাস দত্ত বিশেষ কার্য্যে অসুপস্থিত থাকিবেন্ ডড দিন বাবু কালীনাথ र द्वा को एकत आंद्रिनिध (द्वापुष्टि बाक्षि द्विष्टे द ডেপ্সী কালেটর ইইয়া খিতীয় জেলির অধীন মাজেটেটের ক্ষমতা পাইবেম।

সংকারী আপথিকারী সি. হাট সাহেব নাগপু রক্ষিত ৪ নং থাকবচ্ছের কর্মচারীদিগের চিকিৎ भाव कात्र भारतिया

कि, कि, अर्थिक्ष मार्वि (लाहाब्रेडभाव প্রথম তেলির সহকারী কমিসনর চইয়া মাজি-किं । एजिए कारमञ्चरतत क्रमण भाइरवन ।

# প্রেরিত।

মান্যবর ত্রীযুক্ত দোমপ্রকাশসম্পাদক मध्यम्य ममीर्भष।

মহাশয় ! প্রাচীন প্রত্তীক্রামসমূহের ইভির্ত্তের অসুস্কানে প্রস্ত হটলে, প্রতীমান হয় যে গ্ৰামনী যতই প্ৰাচীন দশায় উপস্থিত হইতে धारक, क्षारम जिरम विविध कातरण ভाहात कल नाय प्रयोज स्य अवर (नारे (नार अक नामास व्यक्तितार्थः व्हेश्रा शातावत लाइनीय व्यवका छेर भाषम करन । अहेन्नार्भ अक बात रच बाम इहेर छ বাস্ত ক্রম অভিহিত হয়, ভলিবাসীরা ভাল পরিজ্ঞাগ করিলে, আর কথনই ভারাভে প্রভ্র গমন করিতে সমত হয় না। তখন গ্রামটি জন माना वनमञ्ज इहेशा छिट्ठे। अहेसाटल वस्त्रः था.क बीम किस खिस अ विनष्टे इहेशादक ।

আষাদের নিধাস ভূমি ইচাপুর একটা প্রাচীন পলিগ্রাম, হুডরাং কালপ্রভাবে বে ইছার মুখ 🕮 विनष्टे रुष्ट्रेरव देश व्यान्द्रर्शक विषय नरहा ইশ কি আড়াঙ্গীকীক বাঞ্ कारन

াপ প্রাচীন কালের উত্তম উত্তম দেবালয় ৮ সুবিস্তীৰ্ণ জলাশয়প্ৰভৃতি ইহার পুরাকা-লের সৌভাগ্যের পরিচয় প্রদান কবিতেতে । किन्न होन्न! कारलत कि श्वाक्या पांत्रवर्जन! প্রকেরি যে রম্য । হর্মা,সমূহের । শিশুনৈপুলের দর্শক। গালের অভাকরণ আকর্ষণ করিয়াছে, কাল গ্রভাবে ভাহার ভিমাবসা উপস্থিত হওয়াতে বিভীযিকাজনক মূর্তি হইয়াছে। **যেসকল** অব্যাধ্য ব্যথিয় শৌভাসম্পাদ্রের ও বছ স্ত্র্য প্রাণীৰ প্রাণ্ডফার একমাত্র প্রধান <कड़ ० हेग्ना ज़िला. (यनकता कान व्हालनम्याकीर्य न्द छेरशवतूर्व किला १ **अक**र्ण **छारा अवश्वता** প্রশ্যের হট্র। বন( জালাবেশ্ব জয়ানাস रहेगाउँ ।

গত ১০৬৮ দালের মহামারিই (এ অঞ্ ্লের মারিভয় প্রথমে এই গ্রাম হইতেই উলুভ ২৪ ) আমাদের ক্ষাভূমিব উক্তরূপ জীলংশের এক্ষাত্র প্রধান কারণ। সেই ছোর্ত্র ছুঘ্ট ার সময় ইহার প্রায় ভূতীয়া ল লোক অংকালে कालकर्तल कर्नलाङ रुष्ट्रा এट ल्यांक्रेसीय ज्याव क मू आमामिरशत मम्राज्य अवर्गर । हेत ईक्षांत श्रीख করুণ দৃষ্টি পভিড হয়, আমক অপকৃত পুষ্ विभीक्षात्र भाक्षाकात् स कारमत ज्ञानात्रत কয়ৰী প্রঃবললী প্রস্তুত **জ**লনিৰ্গমনাৰ কবিবার জন ভৌদেশগ হয়, আর এরপে প্রস্তাব হুইয়াছিল, কডকওজি রাস্থান গ্রন্ধ ভাইবে: তভ শয়ার এখানে ভদমুদারে একজন আসিয়াযে যে রাস্তা ও 🔻 রণীশুলি পরি **জুত হইবে, ভাহার প্রিম**' ল,ন,র,প্র ফরিয়া প্রস্থানে প্রস্থান। করেন। ৮ - রব প্রস্তাবিত কাৰ্য্যনিকাছাৰ্য চীদা কৰিছ ङ्गः वनवाभ মংকুমার এক জন কর্মচাবী এখানে আসিয়া कामश्रालारकत्र निक्षे १३८७ । श्रामक्षाल है।का সাগ্রহকরিয়া চলিয়া যান। এরতেশ প্রার স্বই নংসর আহীত হইল। তৎপরে একটা পুক্ষরিণী প্রকৃতনা ১ইতে ২ইতেই অভ্যস্ত রুক্টি হও হাতে ভাহার কাষ্য সেইপ**র্যান্ত শে**য হইল। ं ही लग्नः खना नी यनम कदिवाय कथा किन, किकू ंग्निशस्य क्रुहेंकी। कथिक्षश्रक्तरभ चाष्ठ इंडेब्राहे 'अक्षायुर्क अविज्ञारक» इंडलिन वीरकात সার্থকভা সম্পাদন ক'রয়াই সকল প্রস্তাবের (अप्र इडेला अभरत कात (काम निष्युत माम গন্ধও নাই গপুনরায় খেম ইইটে ভাগারাও কোন নদশন\_দে:খতে পাইতেডি না ৷ এ বংসরও / ংইতিছে। অনেকে সপরিবারে প**িজ্জ হইয়া / ধাকেন, রাজি স্মাগত হইলেই** পেচকের স**লে** 

সর্বাপ্রকার শোভাতেই স্থানাভিত ছিল। খদ্যা | অভিকত্তে ক ল্যাপ্ন করি**তেছেন। সম্পাদ**ক মহাশয় । আমর। বড় আশা করিয়াছিলাম, আমা দের দয়'লু গ্রণমেটের কুপায় অভঃপর আমরা বাস্থ্যসূত্র প্রথী হইব : কন্ত রাজকীয় কার্য(কারক **मिर्भित (मार्वहे वलून, अथवा आमामिर्भित्र हुत** पृष्टे व भाष्ट्रे व भूग, काशाहक विकास हहा কি সামান্য আফেণের বেষয়া সংপ্রতি 🗟 যুক্ত বাবুমতিমচক্র পাল মহোদয় এই মত্কুমায় (বনগ্রামে) আগমন করাতে আমাদের চির সঞ্চিত আশা বলবতী হইয়াছে। ভরসাকরি তিনি তাঁহার অনামন্য দয়াগুণের বশবর্তী হইয়া ভাহা সফল করিবেন। এক্ষণে ভাঁহার নিকট দবিনয়ে প্রার্থনা এই যে, উক্তে সংগৃহীত অধ্বারা হ'টক, অথ্বা আরে কিছু চ'লো সংগ্রহ কবিয়াই ছউক, অথবা যাহাতে পুরা প্রস্তাবিত বিষয়গুলি স্থাসম্পন্ন হয়, তদ্বিষয়ে যত্রবান হইয়া এই ছুর্মশাপর বাংমবাসী ব্যক্তি বর্গের স্বাস্থ্যবন্দার ুউপায় করিয়া আপনার মহাত্মা এই নামের সার্থকত। সম্পাদন করুন।

व्यवर्गाय हेरान्य वच्छावा (य, अ.हे द्यांभवानी জীযুক্ত দীননাথ মুখে।পাধ্যায় ও জীযুক্ত মদন ्याह्न हर्ष्ट्रां भाषतात्र यरहामग्रेषस् अधान উल्हां भी **হইয়াকিছু চাঁদা সংগ্রহ করিয়া কভক** গুলি রাজ্যা সংস্থার করিতেছেন। এইস্ক্রপ । দেশহিত কর কার্যে; প্রবান্ত হওয়াতে যে ভাঁহাদিশের সদা শয়তা প্রকাশিত হইয়াছে এবং ভক্তনা যে **डॅार्!**य़! व्यमश्या धनावारनत **পाछ स्**रेग्नाहन. ভাহার সন্দেহ নাই।

১৯ এ কাৰ্ডিক

মহালয় ! গোলামী ছুর্গাপুরে প্রভিবৎসরই वामयाजा উপলক্ষে একটা बृहर (भना इहेग्रा থাকে, এ বারেও হুইয়াছে। মেলাভে দুর দেশ বাণিজ্যব্যবস্থী আসিয়া इहेएड छारनक থাকে এবং বিলক্ষণ লাভ করিয়া প্রতিগমন करत । এই সমধে এখানে কভ লোক যে সমা গত হয় ভাষা লিখিয়া শেষ করা যায় না। প্রায় এক মাস কিশ্বা ডভোগিককাল এইরূপ থাকিয়া পরিশেষে মেলাটীব ভঙ্গ হয়।

(भ्रमात प्रक्रिन प्रिक आनम् नाखान्नामक একটী বাজার বদে। এখানে নানাপ্রকার কুংসিভ আমোদ প্রমোদ হইয়া থাকে। সন্ধার পর অনেক ভদ্রসন্তানকেও এখানে দেখিতে দ্রবাদন আহব বোগের বিলক্ষণ আ, ভাব লক্ষিতে। পাওয়া যায়। ইহারা দিনেরটবেলার চুপ করিয়া। गरम व्यागिया (मचा (मन। बरन करतन (कह তাঁহাদিগকৈ দেখিতে পাইল না ; কিন্তু সে যে কেবল ন নকে চোক ঠার হইয়া দীড়ায়, ভাছা विरवध्या करस्य मा ।

প্রতিবংসরই জুয়া খেলার বিলক্ষণ ধ্র क्रेब्रा थाएक श्रुलिएनव इएएचव निम व्याव कि ? भिलात पिटन अक वात वाःइत इट्टेलाई भएकुँ ८ शक्त है इन साम्रा महानम् ! जानहर्यात्र दिवस এই, ৰখন মাজিক্টেট কিংবা উপরিতন কোন পুলিষকশ্বচারী জাসেন তখন আর উহাদিগকে দেখিতে পাওয়া যায় না।

এ বার মাজিটেট সাহেব সেলা পরিদর্শন कतिएक काणियाहिएलमा इमि मीलकत्रास्त्र मर्ज र जारमन ना।

(भाषामी इर्भाभूत।

সম্পাদক মহাশন্ন। কয়েক দিবস হইল, আমি ক'ৰ্য্যোপলক্ষে ওসমানপুৰে আসিয়া উচাৰ চাইপ্পাথের গ্রামগুলির ছববস্থার ক্ষরা শুনিয়া অতঃক্ত ছঃখিত ইইলাম। কুঞ্পুর, জনবলী उ व बहेन श्रकृष्ठ क्रम क्रम भनीत हाउदिरा মহিষগাড়ীয়া ও ক্লফপুানামক বৃহৎ বৃহৎ क्री विल फार्हा थे हुई विस्तृत खन काल सू সাবে পচিয়া অভ্যক্ত পুভিগক্ষে ব্যাপক আরের প্রাত্তাব হয় ভাষ্তি অনেক नहीं अक कारन छेरमझ इहेरड्डा कर्ड्राक এসমুদায়ের প্রতি দৃশ্চিপাত করিয়াও করিতেছেন না। জ্ঞাবিকভার ছঃখের বিষয় এই, গ্রামের জাস দার মহালয়দিগের হইতে ইহার সম্ভূপায় হইতে পারে. ⊦কল্প পরস্পর অনৈক্যছেতু ভাছা হই **एट्डिमा। दश्रप्तः भव अधुनाय दिरमद धैक्य** वक्त क्षम काम कोममकान वाहित कातल অনেক উর্দার ভূমি বাহির হইয়। ভাষী ছার্ভ কাশক্ষার নিবাংগ হইতে পারে। অত্এব আমার প্রাথনা এই, আমাদিগের হিটেমী গ্রুণ (मणे ब्टिक्सी दा कि निरुगत माहाया लहेशा এবিষয়ের সম্পাদনে যত্রান হন।

श्रीत्रक्षभीकास देग (ब्र ३२१७ माल ऽला अधहास्तर } ওস্ম!নপুৰ

-----

সবিন্য নিবেদন ৷

ইত্তিয়ান মিরার নম্পাদক আম'দের ইবিরুদ্ধে भियानियान (धार्यना कर्तन, उधिवरम २० काँड কের সোমপ্রামানে বে পত্র প্রকাশিত হইয়াছিল,

ভছ্তরে উক্ত সম্পাদক পুনর্দার লিখিয়াছেন বে মিরাবে ডিনি আমাদের আপন্তির উভর सन नाइ / फिनि फिकिविटक्वीमिलत विक्राइ लिथियारकन अर्थार टीक्ष्य श्रष्टावर्ण प्राथावन श्रक्षाव : काम विरमय घरेमा वा व किरक न का করিয়া লেখা হয় নাই। এই উদ্ভৱ শুনিরা আমর। ১মৎকৃত হইলাম। তাঁহার প্রস্তাবের উপসংহাৰকালে সম্পাদক ষত দূব হুইতে পারে न्नेहोस्थितास्य वर्डमान (नामस्यारभद कथा केटलच कतियादहर। किसे वित्रयाहरू, " अक्र ব্যার ভাব্তির ব্যাপার লইয়া আমাদের কোন क्षान वस्त्र वाणिस देवालन कतिहारहन। ), একৰে জ্ঞাস্থ ই ব্যু কে? ভক্তির ব্যাপারগুলি ৰা কি ? পনন্ত, '' বিশ্বাদের অল্পড়া, বিষয়বুদ্ধি ও ভৌরুশানিবন্ধন এই বিধেষভাব সঞ্ারিত क्रेब्राह्म । " এই विश्वयक्षाय काशास्त्र लका कतिया वना इहेग्राट्ड ? जिल्हा डाँहाता विनय मञ्जा ७ म प्रमम्पर्गत्व जावत्क द्वेनामीमा अवर ভজির ক্রিয়াসকলকে কুসংস্কার ও পৌতালি কডা বলিয়া প্রচার করিছেছেন। \* এসমস্ত ভজির চিহ্কি? কোন্কোন্কার্যে এ वित्रव नम्ला ७ छल्डि हिरू बना व्हेर्फ्ट् पुन्दर काजाता छेशांक व्यवशासाल श्रात कतिएए ? बिवाद मालामक खामारमत अहे करहकती , श्राद्यव উত্তর দিবেন। এসমস্তত কি ভিনি সাধারণ এই প্রস্তাবের লেখক*∴*শেব বাবু ভাগার সন্দেই নাই। তিনি বলুন, আমাদেব সহিত ভাষার পশ্চি মাঞ্চলে ভক বিভক আপত্তি ও প্ৰতিবাদের পর তৎসহপ্রে ডিনি এই প্রস্তাব লিখিয়াছেন কিনা ? ভিনি আমাদের কোন্ পত্রেয় উত্তর निधारकन जाहा, व्यामता किक्क विन नाहे. व्यामता কেবল ৰলিয়াছি যে, আমাদের আপত্তির উত্তর (म अधा हहेब्राह्य । काउ बद । जामता क्रिकामः करि, जिन बार्यामिशहक ও बार्यात्नत मजाव बमधी मिगरक मका कतिया छेपमरहातकरम जामा দের ক্লড আপভির কথা উলেধ করিয়াছেন

> কেশৰ বাৰুত্ব সৰক্ষে ভাঁহার লিবলেগ যেক্সপ ব্যবহার করিয়'ছেন, ভাহা সকলেই স্বীকার করি ভেচ্ছেন। ইঞ্রান মিরারসম্পাদকও ভাত্ত व्यक्तीकात कतिएक माश्मी हम माहै। बाहा इंडेक আৰৱা কেশৰ ৰাবুকৈ ভজনা আপৱাৰী कति नाहे। किन्न এक्टनकृष्ट्य जाँहाय मछ कि আৰৱা জানি,না, ডিনি, আমাদিগকে ভাছা স্পষ্ট कतिहा अरमन नारे । (गई कन) व्यापता उदिवस्य অনভিজ্ঞ এই কথাই বলিয়াছি৷ এলাহাবাদে উঁহোর সহিত আমাদের যে ভর্কবিভর্ক হয়

कि ना?

काराफ किनि बहेन्ना कामार्गत श्रापत के दत (क्य ।

या बाक्सरम्य वर्षमान (शामरवात । अ जाह त्रां वाष्प्रत्यारकत अनिष्टे इहेर ७ हि. आपनि নিবার্থ করুল :

उ। जन्हि बहेरफर्ड कि ना, जाहा जामि आनि : याश वहेटन जाकानमाटकत हेर्ट वृत्र, जानि ভাৰাই করিব ৷ সে বিষয়ে ভোমাদের পরামর্শ रामिय मा।

था जाननि अकारमञ्ज अहे व्यवस्थाति बिराद्रभ करून ना (कन ?

के। जामि कान विवय न्नाष्ट्रे निवादन कवि ना. देशक कतिव ना ।

প্র। এই কার্যন্তলি পৌন্তলিকভা কি না ?

উ। ভোষরা এত কাল আমার সলে ছিলে. তথাপি এপ্রশ্ব করিছেছ। পৌত্রিকডা কি ছোমানের জানা উচিত।

প্র। আপনি কি আপনাকে পরিক্রাভা মনে करत्र ?

উ। আমাধে কখন বলিতে গুনিয়াছ ?

প্র। আপনার শিবেরা আপনাকে '' এেট मान भ बटनान, छिष्क्रिय आणनात मे कि?

🕏। আমি ষডদিন জীবিত থাকিব, ভডদিন এবিবয়ে উন্তর দিব না। ডাডদিন এবিষয় লইয়া (बाल्ट्यान स्ट्रेटन ।

**द्या ज्यानमारक शहरमञ्**त विजया श्रुष्ट हिन्ना বলি কেছ আপনার পূজা করে, আপনি নিবারণ করিবেন না ?

छ। आभात भारत रिशे दिएम कावि राधन नवात्रन कति ना, भूक्त मिर्टेन अ त्मरे नाभ कतिय

म्पर्य जिनि अहे कर्ष्यकरी कथा दलिएन **ढान्नधर्म ककि अवर कार्**मव मधानव । खाकुत অপব্যবহার করিলে কুসংস্কার ও পৌত্রলিকভা अवर क्कोरनत काशवातकात कतिरम स्वक्र का নাজিকত। হয়। ত্রাকা উভয়ের সামক্ষ্য। রক্ষা कतिरवन ।

व्यामता अ कथा कथनहे विल जा (म, (कमव वांबू जाननारक मूक्तिनाका ज्ञान करवन , किन्न (दाध इत डाँशात असरत असरत असर विश्वान चारक (य, खिनि अक सन " (बारे बहान » डाँकाव भियागन हेश पूक्करत बरमन अवर डीशव কধার ভাব ভগীতে ইগ প্রকাশ পায়। প্রাক্ষেবা ভাঁছার সম্বন্ধে বেরূপ ব্যবহার করেন, ভাহা ভিনি जनाव गरन करतन कि ना, गरमञ्जूषा। यथन

क्रमन ७ शार्थना करतन, जिनि कहनकारन मधायमान थाकिया जो बाख्यित मखदक मिक्स रुष्ठ ज्ञापन करतन। हेरात कर्य कि, कामता वृक्षिट्ड পারি না এবং ইহাতে অনুমোধনের ভারই श्रकाण भारत । कामहा डॉहाएक के कारतक ব্রাহ্মকে একটা প্রতিনমন্ধার করিতে ( বাছিরে ) मिथ नाइ। कथन वातु वस्त म्माष्ट्र छेखत प्रत न। अवर शकाखरम अहेम्रा बावहान करत्रम, छस्म मायाद्रत्य हेशहें मिश्वाख कतिए बाध इन व. छिनि अनक्स कार्यः प्रश्नुसामन करतन । भिता রের এক জন পরেপ্রেরক বলিয়াছেন, এরপ্ वला खनराम, त्य त्यक्त (कलव वाबु मुह्मद्र विलम्न) (इन, ''कामारक कृरकात मतात्र (तथ, श्रक्त मतात्र দেখিও না। ১ কেশব বাবু আপনাকৈ প্রস্তু না বলিয়া ভূত্য বলাতে তাঁহার বিনয় প্রকাশ পাই प्राटक गरम्मह माहे हे किन्छ । जाशनाटक तकह श्राकु विलया (यायन) करत्र मा। याहा रुक्कि, (कनव तायुव अहे कथा। बलाएड किছू अमन श्रमांन सह ভেছে না যে, তিনি উক্ত কাৰ্য্যসকলে অনুযো-मन करतन ना। देशकावा अवेगाज अवान इवेटक পারে যে, জিনি আপনাকে প্রভু বলেন ন।। কিন্তু কেশৰ বাৰু ভাঁছার চরণাবস্থুভিড ব্যক্তি भटनर शिक (बज्रभ व्यवशास करतन, छेभटत কথিত ংইয়াছে; ভাৰার মীমাংসা কি হইল ? ভিনি আপন'কে ক্ষান্ত বেলন, আব্র প্রণ্ড শিংদিগের মশুকে দক্ষিণ হস্ত স্থাপন কবেন, ইণার মীমাংশা কি ? আমাদের পদ্ধপ্রেক धार अकवान " केक प्रदा » आश्रामित्राक के छन धनान करून, आयदा आदेश कति ।

- শাস্তিপ্র গ্ৰীণছনাথ চক্ৰন্তী

वाका भरतत दक्षाम (गान गार्त पानरकह .कन्द वादूरक माधी बर्ज कविश्रा नाना धकाव मा मानाम कशिएउएहर। व्याप मानक निर्म .কশব বাবুর সংসর্গে ছিলাম, আমার চক্ষ हाहार्क कथन खनाविष्यं भवनिरक्षभ कविष्य দর্শন করে নাই। বস্তুতঃ তাঁহার মত সাপু নিশ্বল চিত্ত লোক সূত্রৰ ভ। কভিপয় রাক্ষেব ভাল क्रिक वावद्यात्रसम्भा काहार् क (भागी कहा विद्वक युक्त मञ्जूषात कर्षता नाइ। कामि धलाकादाहरू डीहाटक क्रिकाता कतिशा इकाम तम, महान्ध । আপনি ত ছর্মলভাবশতঃ আপনাকে পরিব্রাভা মনে করেন না? ভাহাতে লব্জিত ও ছঃখিত हरेता छेडत कविटलन (व, भटतव कथांत्र समह আমাকে দায়ী করিতেছ কেন্ আমি যদি कान बाचा छोरात भमकरन विज्विक स्रेम। कान मिन अन्नभ कथा वित्र थाकि, छत्व

কামাকে ভিরক্ষার কর। ঈশ্বরভিন্ন মন্থারে ত্ইয়া যাইবে। ভবে কথা এই বে, যাহা করা প্রিক্রাতৃত্ব নাই। তিনি আরও বলিলেন যে, কভকগুলি রাক্ষ ভক্তির অপব্যবহর করিয়া भो छनिक हरे (उद्दिय अवश्यक्त कामा २८**ञ्ज जन्मवादश्य ए**तिहा गाल्यिक इ**३**८७८७२ । अञ्चलको अञ्चल माहिनार छत छेभोग्न। भरत कामि व ललाम ता, आहे ताल খোগে মহাশারের কোন দেখে দেখিতেছি না, তেবে যাঁহালা আপনতের পরিক্রাভা বলেন ভারা দিগকে স্পষ্ট নিষেদ করা কর্জব্য।

যাঁকারদিগোর কাষে কেশর কারু বিন। এগতের জাগতের কল জ্বিত হুইডেছেন, গ্রাহাদিগকে 'গনেক অনুনয় বিনয় করিলাম**্** কিছু তেই ভারাদিগোর উদ্যান্তস হইলামা। অবলেধে ্রবাদপত্রভার। সাধারণের (গাচর কারলামু) लाम्या (कन्त वांबुद मायट्यायना कवि नःहै। . क्वत উक्र कार्यः। निष्यत कदिएक का्वाहक পঞ্জোধ কবিয়াছি। কারণ আনেকে কেশ্ব বাবুর মনের কথা না ক্লানিয়া উচিত্রেই দেনী করিবেন : উক্ত কালাদিগের প্রতি অমার বক্তবং, उं अधिराव अञ्चित्र यावहाटर रगम त्कम्ब গাবু কলঞ্জিত ন। ছন। কেশ্ব বাবুর প্রতি জীকারা ভাজি করিভেকেন না, কিন্তু সুতীক্ষ शक्तिभाकि का दशक्ति।

যাহার: কেমান ধাবুকে কটুজি কারভেড়েম উলিলিলের পদ্ধবেল করিয়া আমি এই নির্বেদ্য করিতেছি, উচ্চারঃ কেশব বাবুর মনের ভাব প্ৰবৰ্গত না হইছা ধেন উচ্চাৱ নিন্মণ চ্বিত্ৰে (१ वि द्वारा मा कर्य वा

क्री विकासक्ष न चार्मे।

গড়ভংকীপুর কারেম भाक्षत दाश्यात रिसर्य (পाष्ट्रेमछि।द महाबस (१ व्याशिक कट्या, জাপনকার স্থাবখাতি প্রিকার ভারার প্রতিবাদ विवाहि गाँउ अप भारत व्यामकात (पाष्ट्रेमाके,व राचुर धाल केवात शुनतश्चनकारणत कारहन ৯০ ইনি বিলক্ষণ বিচক্ষণভাষ্টকারে ইচার : 'কন্ত্রকান কবিষা ভখানে কাকন্তর স্থাপনের নিমত অলুদেশ্য করেলেও পোষ্টমণ্টার জেনা ্বল প'তেব মাঞ্চলত এ বৈষয়ে উলস্থেন বছি-কাড়েছন । সঞ্জালায় বিশেষ প্রেক্সপের বিষয় এল। য এক। দুশ সকরন অঞ্চ ক্রেণ্ড ব্রাবার সভাসাক্ষরালে অর্থর কর ধাকাৰে প্ৰাণেৰ ফটলা আমার এলন আশ্বয়া र हेटल्टल बहु (य), अङ्कष्ट्रक (५)६१। जनुलाम विकास

**रहेरव छारा भीख कहा रहेरमहे छान रहा।** 

এ বাবে যে ভয়ানক বন্যা চ্ইয়াছিল ভাছাতে এ প্রদেশক প্রায় সমস্ত ধাণ,ক্ষেত্রই উৎসন্ন হইয়াগিয়াছে। যাহা অবশিষ্ট ছিল ভাহাও अनातृक्ति नेवसन राज्य हरेग्रा लिल। वृक्ति ना इंडब्राटक (करल धानाई (जल अब्रुप नर्ड, कुरक গণর্বিখন ও লভাদসলের আশাও পরি ভ্যাস করিয়ারে। এই সমস্ত দর্শন করিয়া ক'হার क्रांत्र अवन किन्दात छिन्त्र ना क्यू, (य क्रक्रिक পুনরায় ভীষণ মূর্ত্ত প্ররিগ্রহ করিরা আমবি লয়েই : আগমন করিবে ?

প্রায় এক সপ্তাহ গাভ হইল, এখানে একটা আশ্চর্য। ঘটনা হইয়া গিয়াছে। থানা আনভার অন্তর্গত সাইজবৈভিয়ানামক আন্দের প্রান্তরে একটী ৩।৪ মাসবয়ক্ষা কন্যা শ্রান থ'কে ! उज्जा होकिनात अहे वालिकाजितक स्नीविष्ठ ুদ্ধিয়া উহাকে থানায় লইয়া গিয়া এক নীচ জাতীয় জীর নিকটে রাখিয়া দিয়াছল। পালন কত্ৰী ব'ত্ৰিযোগে কন 'কে আপন শ্ৰায় শ্ৰন কর্মইয়া নিম্রিত ছিল, পর দিবস প্রাত্তে জ্ঞান রভ ছইয়া দেখিল বালিক। শ্যায় লাই। এই বাপের থানার হেডকনষ্টেরলের গোচর ছঙ য়াতে ডিনি বয়ং কাদিয়া চৌকিদার এউ গীকে পুত করিলে টিছারা কহিল যে ভাছারা কনার অদশনের বিশ্ব বিশর্গত অবগত নছে। পারে উছাদিগকে ধানায় শাইয়া যাওয়াতে हमराश्रुवेद भकाभार्ष्य निकारि अञ्चाकात क्रिय ्य कर्शनकारीय रुठाए मुझ बर्माएक के बादबाहे ড্ছারা ভাছার মৃত্তক। পংক্ষার করিয়ারেছ। हैनट्म्पंडेंत महासम् हेहाटम्व क्रिन्नाटक् हा उन्नान गाँकि खिए हे व निकडे (धर्व करिय्नो हिन । विष्ठ रेब्र क हर পरि काशनकाव शार्वक्वरर्शत । गाहत ক বিব নিবেদন ইভি।

গড় ভবানীপুর ক্স্যাক্তিং केंद्र के कि 3346 718 क्ष्मणकातिनः ।

-- :0:---

## मृगा योखि।

জীয়ক বাবু কালীপ্রসন্ন মুখেপাধায়ে কান্দী ১२१¢ कार्षिक श्रेटिक १४ कार्यिन 5 3 <sup>भ</sup> विश्वतिमान वरम्माभाषात्र ঝান ୍ଧ୍ୟ अभिक्रम न**्वत्यत वृह्**टि ७० **का**लुश्राहि भी भनी " অধিক চলগুমজার २५ ४५ **नर्नध्य क्**रेट्ड ७० चार्टे व्य 30 भ गष्टकुष्यः (होश बी क गौत्रधश्र

১২৭৫ আগ্রিন হটতে ৭৬ ভাল 30 🌥 व्याख्टाचाय वटक्यांभाषात्र সাগ্র ১२१६ जशहात्र रहेटल १७ देवणाच

व्यवस्थान विश्व निश्व

١.

\* नयौनाताय्वनहट्य शहरवाना é |

🟲 यजीक्तरमाहन ठाकूत भावतिग्राघाता ५ -

 দেবনারায়ণ মুরেখাপাধ্যায় সিমুলিয়া ১০ मनघता हेरवाकी सून (माम श्रक्षाण मर का ह कर सक है।

> --:•:--বিশেষ নিয়ম।

भवित्र मृतः ও ডाक्याञ्चले ना शाहेरल घक-খলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা বার বা।

हेशत अधिम भूमा वार्षिक ১० होका अवर বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা সফসলে ভাকমাস্থ্ৰ সমেজ वार्त्विक ১৩, बांग्रांत्रिक १ अवर देखमा-নিক ৩৭ । ডিন মাদের ক্রানে অঞ্জিম মূল্য এহণ করা যায় দা। ছণ্ডি, বরাভি চিটি, মণি-अर्ज त. (नांवे छ होल्ल विकिन, देशव कमाकव গারাতে বাঁরার ক্রবিধা হয়, ভিনি দেই উপায় वीता मृला (श्रत्न कविद्वन ।

बाहात। क्षालाविकित शाहीहरवन, हाहाबः .यन अक काल्या कांच काःनात क्यांकिक **मृ**ट्रमास अ तमी रमत छिकित श्रात्रम मा कर्नम !

यथन विनि शमुखल व्हेट्ड लामक्क्षकाहुनात मृत्राः भाक्षांकेटवन, खांका स्यतः । तक्किक्टेति कात्रभा ি এতি কারকানাথ বিদ্যান্ত্রণের নামে পাঠা-हेब्रा (मन्।

যাঁহাদিলের মূল্য দিবার সময় অভীত ক্ইয়া व्यागिट्यं, क्रममामधुरभं होगामिश्राक विवि লিখিয়া জান্ন যাইবে, কাল খাড়ীত ১ইয়া গেলেও এক বার চিঠি লেখা হইবে, ভাহার পর একমাদকলে প্রভীক্ষা করিয়। কাগজে বন্ধ করা ষাইতে। শেষ বাবের পঞ্জ বেল্লারিং পাঠ।ন क्ट्रेट्व ।

মাত্লা রেল্ডরের সোণাপুর ষ্টেসনের ছাঞ্ দরে চিঠি আইলে আমর। শীল পাইব।

मां भारत मार्थ र ना निया প्रवानि । अत्व क द .44, चेक्किंग्रिश असे अस्ति । स्वरंग करा य:हेर्न मा ।

কেই সৌমপ্রাণ বিজ্ঞাপন দিয়ে ইফ্টা করিলে ভাঁছাকে প্রথম ভিন বার প্রক্তিপংক্তি 🗸 कानः 'छारु। त १६ / ) । ज्याना मिट्ड करें द । াধনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন 'দিবাব ইক্ষা কৰি तम, कैश्व गाँठ न नाम्य वृद्धावास क्वीतः ।

🐼 এই পত্র কলিকাকার দক্ষিণ পূল মাতলা বেলভারের সোণাপুর টেসমেউঞ্জিক **हाम**्डियाङाष्ट्र जीवुष्कं धातकानाच विभागः ভূষণের ৰাটাতে প্রভিদোমবার প্রাভঃকালে क्षांगड ३३।

# (मायशकांक

1) # WM

8 गरभा ।

# · प्रवक्तनां प्रकृतिविद्याय पार्थिवः सरस्ततो अतिमदती न दीयतां।"

যাসিক মূল্য ১ এক অঞ্জিম বার্থিক ১০ দশ অবিদ বাণ্যাসিক ১৪ সাড়ে পাঁচ চাকা ৷

বন ১২৭৫। ২৩এ অঞ্চারণ। ১৮৬৮। ৭ ভিনেহর वान्। বিদ্যানিক ৭, ও জৈমানিক ৬৮- টাক

# विজ्ञाशन। " शिम गरिला नाठिक ( ৰোড়াসাঁকো প্ডিময় नका स्टेटक भूत-कात बाव।)

फेक नार्रेटक हिन्दू यहिनाशर्वत्र इत्रवहा वर्षिक इहेबाटइ। उन्हेटन क्यूबब्यानिम विक्र ১१७ वर गरबद्ध वट्यतः शुक्षकानात्त्र शाखेवाः मूना ३ अक ग्रेका।

🕮 বিপিনমোহন সেন গুপ্ত।

ক্লিকাতার অন্তৰ্গত লোড়াগাঁকোর বারা ণদী বোষের জীটের সধ্যে মৃত্ত রাধানাথ কুণ্ডের मक्रम काशांव चंत्रिमा **३/১५**८ विचा कृति विक्र बार्य चाट्ड। क्री शक्ति छेखत नतकाती नक्तिया, प्रक्रिन शनित द्वाखा, शिक्ष माखिताम निश्दक्त धित्रण वामें ( तमक वामिव मरलभ ) शूर्म दाम লোচন রায়ের পুরুরিণী। ক্রেড্গণ গড়পার মুলাপুরের ১-৪ নং বাচীতে জীযুক্ত বাবু বিঞ मान वाल्याभाषां रवत निकटी अञ्चनकान कतिरम ভানিতে পারিবেন।

क्षिरेवक्श्रेनाथ ७% কলিকাডা 77 329 £ সাং হালিসহর LAKISEP 5 .C

## वाल्मीकि त्रामात्रण।

#### विजीवयथ ।

এই গতক ভূডীয় অবৰি নৰৰ সৰ্গপৰ্যাত विजीय गर्था नाशताच्यत त्रामास्टकत जिला छ ৰাজালা অভুৰাদের সহিত কাব্যপ্রকাশ হত্তে कृष्णिक व्हेन्ना विकतिक व्हेरकरः । हेरारक मारह-

কলিকাভা ত্রাক্স সমাজে পত্র লিখিবেন। বিজে নিয়স নাই ইভি। भीव बार्क्षिशस्य 🖊 । এर जाता । जाववास्त्र मिएक स्ट्रेटन ।

আখিন

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুজকানয়ে ও পটোল फामात्र बाक् दर्श जामात्र काच्यानित साकाटक মংশ্ৰণীত ও মংশ্ৰচান্নিউ নিম্নলিখিত পুস্তক্তলি विकात स्ट्रीक्ट्स-

| वनीष               | बूगा    | •        |
|--------------------|---------|----------|
| এীসইভিহাস          | 3       | 計本       |
| (রামইভিহাস         | 2       | B        |
| ভুৰণসার ব্যাকরণ    | }       | আন       |
| শীতিশার (১ ম ভাগ)  | J       | <b>S</b> |
| নীভিসার (২ য় ভাগ) | J       | Ø        |
| প্রচারিত।          |         |          |
| मुफ्रवाध बहाकद्रव  | h       | \$       |
| <b>ঞ</b> ী ছারৰ    | দানাৰ ফ | ণৰ্মা    |

# পুরাণ প্রকাশ।

# विक् श्रुवान।

অসুবাদ ও টীকা সমেত প্রত্যেক খণ্ড ৮- भृति ( व्यक्तिमम्मा ) R• । ? विनि बह्नाकिनाची स्ट्रियन किनि मुकानुत

वन-जीर्य क नारशांकी जरहेत्र होकाक कृतिरामरत । आंग्रह प्रष्टेकी १०३१३- नर जनरत कांवाधकांम केष क्या रहेटकर्ड क हेरा क्षेकि मेरकाल ३० विद्या क्या क्रिकाका मरक्ष विवास है করমা অর্থাৎ ৮০ পার্চা করিয়া কৃত্রিত ও এচা **উট্টেড অপ্তে**ছারন তর্কালভারের নাবে যত तिक रहेटर । मुना 🖟 कामा । योहाता बाहक परश्चत हेम्हा कविम मूना शांताहेटरन । कविम আৰীভুক্ত হইতে চাহেন, বাহারা আনার নাবে না পাইলে বিদেশে বিকাপুরাব পাঠাইবার

#### विकासर्थ।

্ৰগারভেন রীচ ২৪ নং ৰাটী ঋলাখসছ १ कर (बाका बाबान ।

উপরি উজ্জ বালান ও বাটা বাঁহারা কং क्तिएक व्यथना महैएक हेन्छ। क्टबन, निव पाक त्रिष राष्ट्रित निक्षे साना**हरदत**।

> গিলেগ্ডারস্ আর্রো-थनडे अवर (कार

# विविध खबामि विकासर्थ প্রস্ত ।

हेरदायी र'नाता भूतक कांभव कतम मा विधासवाहि भाजशा यात्र अवर भुक्तकाहि 🖊 এক আনার হিসাবে কমিস্ম দি । আ होकात भुष्कक नहेंदन 🖊 ४० जानात हिर পাইবেন।

अज्ञीबुक्क बाबू काली क्षत्रज्ञ निरम् मरशास्त्र (र<sub>ण्ट</sub>्र গদ্য ১৮ পর্ম মহাভারত ১৭ খণ্ড ৬ ভাগে 📆 🔀

ল্ভন ফারমা কোপিয়া অর্থাৎ **উ**ৰং <sup>মাক্</sup>টে

वहात्रात्वत्र कीयमहतिक केन्द्रम द्राव হয়তাকুরপ্রভূতি প্রাচীন ক্ষরিওয়া मछीगरः

শারি রক আন্তর্ধবিধান প্রত্যাপার উৎকৃষ্ট কাব্য ञासः সञ्जित नाधिनी প্ৰমণ তর্লেণী বহুন,থ যোষকুত সংগীতন্ত্ৰেরঞ্জ ন য়নাম্ভ জু কাবে কবিবর আরকানা**থ রায়** ที่ 👅 বাসবহামুক সংকুতি ও পদ্ধ भी कर्मा विका अग्रहार (भाषाओं अनी अ मूल 1 为资制"对一四代资价价值和基础 問問 সাভুক ভ্রাস্থী ইণ্যাজি কেমে**ষ্টরি হই**ভে বিবিধ ভাশেচ্ছ(জনক বিদ্যানশন <mark>হয়</mark> ळा उभु दे ग इंछ : २९७ भारत्य कुल अक्षिका ॥ जे इंग्लंभ क्षेत्र एशीयङ्ग भन्। ক্ষলভাৱিণী সদীক চণ্ডী মুল ও অনুবাদ সঞ্চিত চারতমঞ্জী ইহাতে মিউটানর বিষয় विर्ममञ्जाल वर्षिड इहेमार्ड इन्द्रा छ ३৮७३ मात्सव बहे 'दम। कि নুনাবীকুমার পদ্য আদিরসপ্রধান কাব্য ১ ব্ৰপ্লের মোহিনী শক্তি 3/ গৰেশচন্দ্ৰ শৰ্মাকত ব জনা এটলাগ ইন্ধম লাগতের ও উত্থ একটো মুনিজ विभवाधिवाङ नाहिक ۶ कामिनीकुमात द्रमत्रभीकतास्य ह নায়ক নাগ্রিকাঘটিত সুস্স কান্য ম্পিকুগুৰা কাৰ্য পঢ়া "ক্ষাচন বংক্ষাপা-भाग्नश्चनीक इर्णमनांक्रनीय मङ्ग्लेश উদ্ধলিফু লহ্রী 211. ভুচিত্ৰাবলৈ ৩২খনি ৰ'ঈ'লং अतान । ্গীক বৈচাৰন্চবিক্তামূভারাম্ব 'न धनी ना है क আইনসংগ্রু ২ থত ্যাক্রণ পদা হতপদেশ হিচ্ছুল'লী সংস্থীত <u>জ্</u>রীপ্রভাপচ<del>ক্র</del> রায় কোতা কোকা-🏋 🧰 ४२ मह নগদ বিক্রেড। ।

श्रीकाः विश्व अध्यक्षि ।

भिक्तः विश्व अध्यक्षि (भाषयात ।

भाषा विश्व अध्यक्षि (भाषयात ।

भूषा विश्व विश्व अध्या ।

भूषा विश्व विश्व अध्या ।

भूषा विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विषय विषय विषय विष्य विषय विष्य विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय व

া যতুবান্হন, বছকালাৰ্থি আম্রাএই (चर्छा शाहेरछहि। (म पिन এक जन शन-नीय क्मीलाब आमालिरशंत अावा करे विषयात व्यमक जुलिया अहे व्यक्तियात প্রকাশ করিলেন, আমরা যে প্রস্তাব করিতেছি, ভাষা যদি স্পাধ্য হয়, ভিনি উহার অসুমোদন ও সম্পাদনবিষ্থে একান্ত যত্নান্তইবেন ৷ ডি:ন স্পান্টা-ক্ষরে কহিলেন, '' এমন পামর কে জাছে, यमि कटशक वाक्तिमारज्जत अधानात इडेश লক লক লোকের ওপকার হয়, তাহাতে সাহায্যদান না ক্রেণ্ড এই কথা বলিয়া তিনি এই অপত্তি করিলেন, আমবা **श्रकात महिन्छ** अश्री वरम्पविट्डः स्व প্রস্তাব করিতেছি, ভাষাতে জনীদাবের সংখ্যা রুদ্ধি কবিবার চেন্টা পাওয়া হই-তেতে এইম.এ : বেশ্ব কর, এখন এক জন প্রজাএক শত্বিঘাভূমির জোড করিতেছে, ভাহার সহিত ছায়ী বন্দো वस्त इहेन, ति धाव†त मि**हे** जूनि व्यक्ति করে ধরাইল, তাহাতে প্রথম ব্যক্তি জমীলার স্থানীয় চ্ইল এইমাত্র; আমরা যে অভাচারনিবারণ ও ক্রমকগণের উন্নতিসাধন চেটা পাইতেছি, তাহা भकत इंदेश ना । काँचात अहे वाका व्यवन করিয়া আমরা ভাঁহার সংশ্রচ্ছেদ-विधान ८० छ। भारेशाम ; कि छ क छ पूर কুতকার্যা হইলাম, বলিতে পারি না। (बाध इत्र, प्यटनटकत ऋपत्रकमत अह প্রকার সংশরতিমিরে আচ্ছন হইয়া व्याष्ट्र। এই ह्यू व्याख्य व्यामता এই প্রস্তাবের অবতারণায় প্রবৃত হইয়াছি। প্রজার প্রতি অত্যাচারনিবারণ ও

প্রজার প্রতি অভাচারনিবারণ ও ভাহার উন্নতিলাত ইহাই আমাদিণের কৃত চিরস্থায়ী বন্দোবস্ত প্রতাবের উদ্দেশ্য। বেরূপ বন্দোবস্ত করিলে সেই অভীট দিল্ল হর, ভাহা করাই কর্ত্ব্য। এরূপে কর, ওরূপে করিও না, এ কথা বলা আমাদিণের অভিথোত নহে। মুদি मरमार्भावनगत्र अवः समीनात छ গ্ৰণ্মেন্টের প্রাপ্য ধরিয়া ভূমির উৎপ ত্রের দহিত মিলাইয়া লাভগণনা করা যায় এবং দেই লাভ গণনাতুদারে প্রতি विचाय निर्मिष्ठे शंदत ऋषिक्रभ श्रीवनाः वावचा कता इत, जाहा इहेटलहे महत्व मभूनात ज्ञाभिक्ति थे अन इहेटक भारत। প্রতি বিঘায় ছায়িরূপে নির্দিষ্ট থাজ-नांत वावचा थाकिएल यिनि शाहादक ধরান, কিছুতেই তাহার হাস রৃদ্ধি হই বার সম্ভাবনা নাই; আরে আংমরা যে অত্যাচারনিবারণ ও উন্নতির আশংসা করিতেছি, তাহাও সুনিদ্ধ হুইয়া উঠি:ব। व्यागारक बजावयाज कर मिर्ड इहरव, हेशत व्यक्षिक ब्रिटल इंडेटर ना, अधि বুঝিতে পারিলে কোন প্রজা স্বাধিক ত ভূমির উন্নতিশাধনচেন্টায় যুদ্ধবান ना इहेरव १ रथ रथ अप्रीत रिवत महिन **डितच्हाँगी बटम्मावछ हहेबाट्ड, भवर्ग्ट्रमण्ड** যেমন ভাঁহাদিগের নিকটে মাজনপ্রভৃতি अहर कटरन न!, अव्यात महिक ऋशी रत्माव छ ब्हेटल असीमाट इतां ७ टिसनि लहें (७) शाहित्वन नः।

পূর্বে কালে ভারতবর্ষে ভিন্তু জাতি-রই আধিপত্য ছিল। হিল্পু রাজগণের দময়ে ভূমিতে রাজা ও প্রজা এ উত্ত रात खब्मप्रक्त विरवहन। क्तिल स्ला छेहे বোধ হয়, ভূমিতে গ্ৰাজা ও প্ৰজা এ উভ য়ের ভিন্ন অন্যের স্বাহ্ন ছিল না। প্রজার যে স্বন্ধ ছিল, পেটা ছায়ী স্বন্ধ; জমীনার নামে এক সভাস্থ শ্ৰেণী ছিল না। রাজা প্রজার নিকট হইতে জুমির উৎপদ্মের चारण व्यक्ते ज्या यष्ठे जात्र अहा করিতেন, শাজ্ঞাপুদারে ইহার অধিচ গ্রহণ করিতে পারিতেন না। যুদ্ধ এরূপ **इ**हेल, कभीनां दब्रबा अथेन ध्यमन व्यक्तिकत করলোভে এক প্রজার হস্ত হইতে ভূমি ছাড়াইয়া দ্বিতীয় একাকে দেন, তথন দেরপে হুইত লা, সেটা স্পাইই বুঝা ঘাই:

ंटकट्ट। अहे निष्माद्याता प्रम्माके कार्जीविमान ় ব্রতেহে, ভূমিতে এজার ভারী স্বত हिन, धीका त्राकाटक नित्रमिष्ठ कत मान कतियां निकृतिकामशीस्कःम अ क कृति চির কাল ভোগ করিতে পারিত। সমুতে थानाधित दावन अके ये व वर्ष जान अश्टन व वाक्षा जीटक, त्रिकी जीजात हेम्हाकुछ मंत्री विकासात कुन्नु संख्ये ভাষার এই মীমাং দাকরিয়াছেন, ভূমির **উৎकर्ष ७ जनकर्ष अवर् कर्यनीपि:क्रांण**व माचन ७ भीतन निटन्हें को कहिया न काशानिकद्वनिक्षण कता इदेशाहि।

আমরা ধে ৰাক্যগুলি কহিলাম, ইহার প্রমাণ নিম্নে উদ্ধৃত হইল।

> যথা ফলেন যুদ্ধাত রাজাকর্তা চ কর্মণাং। छवारवका नृत्रीतारके কপ্রেৎ সভতং করান্।

याहाटक ताका काटबक्क नामि काटबाव ध्यदः क्रुयापिट्यहर्षः वाक्तिता कार्यात कलकाशी इन, रमन्त्ररी ताका রাষ্টে গতত কর্ত্রপানা করিবেন।

यथान्त्रीत्त्राम् ग्रामार बार्यनादश्मयष्ट्रमाः। खबाल्यारल्यां अशेखरवा त्राक्षेत्राञ्चाक्काक्षिकः कृष्टः।

ষেমন কলোকা বংগ ও ভ্ৰমর অংশ অংশ রক্ত কীর ও মধু পান করে, রাজ: দেইরূপ মূলচ্ছেদ না করিয়া त्राक्षे हरेट बार्विक कर शहन करिएन।।

> भक्षेत्रहात चाट्न (त्रा রাজ্ঞা পশুষ্কিনগুয়ো: 🖯 ধানগানামন্তমোভাগঃ वर्षांचाममञ्ज वा।

त्राका भूग स्ट्रेट उर्भन्न राश्चित्र ন্যের পঞ্চালত জাগ এবং ভূমির উৎক্ষ অপক্ষ ও ক্ষ্পাইটকুশের भीतव विटव्हन। कतिश्रा शाटनात पापणी व्यक्ते व्यवन यह जान अर्ग कहिर्दन।

প্রতিপ্রভৃতি একিতৃপুরুষ নিয়েশিত कतिराजन, काश्रांता कठा व लग्नाई निर्देश-चित्र पर्दाक्तः समीतात्रकानीत वर्षेत्र **अनीत द्वाक हिटलन ना। हेरातक ध्रमान** देश ज क्हेरजरह।

यानि ताम शास्त्रानि ्यकारः आमनानिष्ः। बाब भारतका नानी न आमिक्खामाबाद्री गार्थ।

व्यामनामीता वार्षिक कत्रजित्र ता बाहुक. शकितिन य अब शान काकाति श्रमान করিত, গ্রামাধিপতি আপনার জীবি कार्थ कांका अक्ष कतिएक। भएक भाषितक द्रखित क्षेत्र भ किन्न केन्द्र व व छ।

মনু এইরপ আমপজিগুড়তির নিয়োগ ও ভাঁচাদিসের রুতিবিধানধাবতা করিয়া भिट्य विश्विशास्त्र ।·

রাজ্যোহি রক্ষাধিক্লভাঃ ा श्रीमाबिक्क **मे**ठीः। क्षांक्रियारान **्डंट्डांबटक्तिमाः ध्वा**ः।

থৈ হেতু বাহারা রাজার রক্ষাধিক্ত হয়, ভাহার৷ প্রায়ই প্রস্তাহণশীল ও বঞ্চ হয়, অভ্ৰেৰ ভাষ্দিগের ছইভে तोका निक, क्षका त्रका कतिद्वत्।

উপরে ধেরূপ প্রদর্শিত হইল, ভদারা স্পান্ত প্রতীয়মান হইতেছে, দাকাংদ মজে একার সহিত রাজার চিরভারী विकार के बार्डिक किन्न विकार कार्य ंबर्धन (मज़र्ग इहेबात मुखाबना मारे। भव नेत्मनी चाडां क्रिमावृतिरशत স্থিত ছামী বন্দোবস্ত করিয়া প্রতিজ্ঞা भारम वेष्क इरेशार्डन। এখন वेर्चक शवर्ग त्या, छेत उराइन ने माधाविक नव। এখানে ममीनांतरक मृत्यः हाथिया श्रकात महिल স্থায়ী বন্দোবস্ত করিতে হইরে। তবে त्य त्यं ऋारन अभीनादतत महिन्छ कांग्री ৰম্পেৰিস্ত নাই, তত্ত্ত স্থানে প্ৰজাৱ

्यांको बाकातकः। ७ कर्त्र मर्थासार्थः महिन्छ माकार मध्यक् कांग्री बरकारकः र्य आमर्गाल, विश्माजीम, भटकम, जनका कंत्रीय कर्षवा । खिष्टिमू अवर्गरमेल (र ब्रोक्टांके निकटि एवं त्रांका खरून कतिया ब्रेट्सन, भिर त्राचात्र स्मर त्रांट्या स्मध्यात्र क्षेत्र क्षिण, अवर्गस्मरकेत छ इक्का विद्वार । आमना भूरकार मध्यान कतिशाषि, विन्छु तांचीत तांटवात नगरत প্রস্থার ভূমিতে চির শৃত্ব ছিল।

मुख्य विनिष्यामा (केंद्रेस )।

इइ बदगरतत अधिक काल इहेन. জারতবর্ষীর গবর্ণমেন্ট, একটা গুরুতর विषय मर्वामधावरनव मञ्ज्ञहनाथीं हह शिष्टिनने। ১৮৯৫ व्यक्तित ১० व्यक्ति हिन्छ, युनलगान ও বৌদ্ধভিদ্ন সমুদায় শ্রেণির লোকের উত্তরাধিকার ও দায় রিনিয়োপপত্রপ্রভৃতির वावचा र्म । हेल्ल्ट् मण्यां खिविक्षांभाषित (व निश्रम प्यारक, करे पार्ट्स जातकवर्षक्रिक हेर्त्राक्षित्राक डाहात् घटनक्खिल इहेट्ड मुक्क कता स्हेशारह। अहे काहरनत ( ७७ রাধিকারের ) যে অংশটাতে দায় विनिद्यांगानि बावचा जाटक, रमहे धारा গুলি ভারতব্বী রদিগে: বিষয়ে প্রচলিত करा डेिक कि ना, ावनीयन्ते छात्रा আনিবার অভিলামী হন। তথন ১৮১৫ षरका ३० व्यारेन नृष्ठन क्षात्रां हरेशा-ছিল; এই ফেডু সক্ষদাধারণে গ্রন্মে-**्छेत এ श्राह्मत छेरुतमान का**दन नाहै। লাড কাণ্বোরণের মত কিজাসা করাতে ভিনি তৎকালে উহা ছাপিত রাখিতে বলেন। তথপরে গ্রপ্নেণ্ট ভিন্ন जिन्न कानीय गवर्गरमण, किमनाह, विष्ठान পতি এবং কয়েক জন এনেশীয় ভট্ন लाटकत मठ किन्छान। कटतन। हेर्हाता **भाग मक्ट**नाई बिन्धाट्यन, देश्हां कृतिहान माग्रविगिटशांश वियदश বেদকল প্রতিপালন করিছে হয়, ভাব চববার मिगरक उपधीनक करा छेति है।

अवादन वस्कालाविध मुगलमानिहर भत লায় বিনিয়োগধ্যৰন্থা প্ৰচলিত আছে। কিন্তু সভুৱে অব্যৰ্থিত পুৰ্বে ব্যচনিক দায়বিনি রোগ করাই অনেকের অভ্যাদ। রাজধানীর निक्षेष्ठ लात्कताहे तक्वल निश्चित शाम विनिद्यांश क्रिया थाटकन : हिन्कु विरम् এতং দংক্ৰান্ত ৰিশেষ ব্যৰহার ও বিশেষ नियम नाइ बट्टे किंद्य मार्ग्वनिद्यांच विषय निष्यभेष नाहा वतः म्याचान কার যে অভিপ্রায় প্রকাশ করিয়া নিয়া ছেন, ভাহাতে नामविनियान हिन्छ শান্তকারদিকের অনুমোদিত ইহাই প্রতী সমান হয়। দায়ভাগদার বলেন, পিতা अधिक्छ धन बाहारक बाहा मित्रा बाहे (वन, जाहा निम्न इडेटव । नाटनत वियटत সদি ভাঁহার ইচ্ছাক্কত বিনিয়োগ শিদ্ধ अस, व्यन, विषद्य न। **इहेट्ट दक्त** १ व्यन्त প্রকার বিনিয়োগ করিবার নিষেধন্ত নাই। দেক্ষতা না ধাকিলে পিতার वाधिक्छ धरनत आधि विनिद्यार्थ एव নৰ্কভোমুখী প্ৰভুত। আছে, ভাহার ৰাগিত জন্মে। माय्यिनित्याग्रविष्ध वहेश नानाथकांत मिथा। सकस्मा उ ध्यावक्षमानिक चरिक्षा थात्क। व्याहरूव ३৮ ७৫ अटमत ১० आहितन बाह्यविन्तरहा अमः क्रांच निश्मक्ति गाहाटक किन्छ अ মুদলমান শাধারণো প্রচলিত হয়, ভাক कता कर्खवा। कृटव क्लान क्लान विवृद्ध इंश्डाकिनिश्व क्षथात महिल कामानि ८भव धारात देवलकता इत्रवा छेडिछ। विवाह इन्टल शृद्धकांत्र मात्रविनिरमान् विकल इटेटव, अनियुविन अटलकी अमिटशत পাকে করা ভচিত নতে; উভয় দেখের ৰিবাছনিয়ম ভিন্তিধ। অপর চির काटणत मित्रिख (कान मान वा वटम्मावस्थ हेश्नर्ट कार्य व्याहा इस् কিন্তু আমাদিগের সমাজের যেপ্রকার অবস্থা, ভাশতে চির কালের নিমিত্ত ৭ল্পেবি**ন্ত করিবার ক্ষ**সভা

উচিত। দায়বিনিয়োগবিষয়ের সাক্ষা এইণ প্রভৃতির যে নিরম করা ইইয়াছে, ভাষা আমাদিনের সম্পূর্ণ অনুমোদনীয় ইইতেছে।

#### আবা দলের যু কেগ . বর ব য়িংমচর্চা '

व्यामता वात्रचात वितारकृष्टि, बाह्य আড়মর আমাদিগের নব মুবকগণের अक्षे महर cath इहेश्टह । **अहे** कांब्रल আমবা এপর্যন্তে ষাহাতে উপকার হয়, এরূপ কোন কার্যাসম্পাদনে नमर्थ इहेलाम् न।। व्यामानित्रात नित्कत উপকার হয়, এরপে কার্যাও আমাদিগের बाता बण्यां माधिक इंडेटक्टा प्रमौक ও প্রশংসাকারীর সমাগমবাতিহেকে নৰ যুৱকগণ কোন কাৰ্য ই উৎসাহসহ कारत कतिएक ममर्थ इन ना। य माहम **७ व्यक्षात्रभाव्यक्षत्र श्रृक्षकात इप्रेट्सा**भी য়েরা আমেরিকার বন পরিকৃত করিয়া वनानिर्भन रुख रहेर्ड व्याचात्रका करतन, (य मार्क्त ७ व्यथ विश्वाय प्रदेश कार्याय জাহাজের একমাত্র জীবিত ইউরোপীয় नाविक निर्द्धान घीटल या शहरानदिक्ति छ হইয়াও আত্মরকা मण्योपन कट्डन, त्महे माहम अ काशामात्र कामानित्नत इत्र, क्री मानवा कांब्रटमानवाटका आर्थना কবিয়া আদিতেছি। এই নিমিত যথন আমাদিগের কভকগুলি যুৰক প্রথম बाधामहर्कात यात्र कट्रान, खरकाटन भागता अधिनात आस्तानिक इहेशाहि. লাম। শারীরিক বল মানদিক তেজ্বি ভার প্রধান (ছতু। বায়ামের আপ্রয় আহণ ব্যক্তিরেকে শারীরিক বললাভ इच छ। अञ्बद आर्माम्ट्राय यूदकशन প্রকৃত উপায়ই অবলয়ন করিগাছিলেন। किंद्ध यामता इंचिड इरेट्डिइ, शृक्ता ক্ষরের আমের নাায় আটি বি শ্বিমান कीवे अदब म कितिहार है। य बाज्यतिहा त्रका व्यामानिरात शतम भक्त, वन्त्राटम् जारा नक्षर्यम र्देशार्ड् ।

यूवकशन भावीतिक रनवृद्धिक छोत्र छ छ বত্নবান না ছইয়া কোশল শিক্ষার প্রতিই मितिटमय घटनाटबाकी क्हेग्राटक्त, व्यवि কতর আদেশের বিষয় এই, নৃত্য গীতের नामि वर्षमास्यमित्रमः बाजित्क बामाद्रमः " अकिनग्र १ ४ हरेटक्ट्या · अकिनतः " अविषे अद्योश कतिमात्र ; कांत्र हेहा এक क्षकांत जामाना माँ ज़ाहे তেছে। যাত্রা, পাঁচালি ও নাটকাভিনয় क्टलत नारत बार्तिरमत् क्ल इहेब्राट्ड। नृ डाभी जकाती सम इंड्रेट व स्मरमात स्व কি অনিটোংপত্তি হইতেছে ভালা কাহা त्र अविकित्र गां**रे। अ (क्टमंत्र शां**यक मार्डिहे शांत्र (अर्थन ও माजान ; नर्छ-কীবা কতদুর সক্তরিতা ভাষার পরিচয় निवात अद्याखन नाई। वाद्यामकाती मत्लाख क्षेत्रकन खरणत व्याविकांव इहे ates 1 भागवास भिका चना चना (मर्म भिकाञ বলিয়া পরিগ্রিত্ত र्वः, किन्नु क प्रत्य किंग्र स्वित्छेत कारण इहेशा छेट्ठ। घोडाता भान वालः निर्श्विट यात्र, ভाइति शात्रहे मानकः মেৰী হয় ৰলিয়া পিউ। নাত। সন্তানলি शटक के विमय निर्वाट करन ना। व स्थाम শিকাও यन গান বাদের নায় অনি-(केंद्र क्रिक्ट्रिंग ; हेक्रिक शत्र क्रःटचेत्र विगय আর কি আছে? অভএব আমরা বস্থ ভাবে युवकनिभटक मञ्ज कहिट्डिंड, ভাঁহার৷ সদস্তান করিয়াছেন; কিন্তু সাবধান হইবেন, কলিকাতার আংন্য অন্য দলের নায় প্রজুনকুত্বর 🖭 মন রক্ষা করিবার নিমিত্ত ইহাকে যেন একটা তামাদার বিষয় করিয়া না জুলেন। पूर्व काटल द्वाम & औरम मक माभात-लित मेचुर्य बाह्यसम्ब्रहा इहेड ; किन्न कांदात महिक वास्क्रिनिटमरमत वांग्रीटक ब्राग्नायकका ध्रमणीतित जुलमा इरेटज निद्रत ना। भागता भूनवात कहिएछहि. युक्षिकता स्वन काशनामित्रव निकारक

(काक्षरिकान नाम क्विक्क्षि क्रान, विवामिश्रित, मापक्रमंदी वेली विवादकत्र चाटमार्टनत्र कात्रन मा करत्रम् भागमन उत्तिक्षित्क व्यात वक्षा वहनवामन मिटलिक्। त्वरण कार्की वर्णातंत्र नानिक शन्कन द्याज्ञकन अवृत्ति निश्चित्वई बाग्रामिका नाक का ना क्ष्मिरिहीकर त्नीवादन, मृगताशक्ष निका कता क्रकान चारमाक । युक्टकरा (नमास्ति श्रदमनिभिन्न बकाब चिकाभी हरेगा-(इन। अई डेकामा चक्रिमंत्र क्रमंश्न नीत । अवर्गरम्ग्डे अधित कारणत मर्था अ मत्नातय भूनं कतिदवन नत्न नाइ। किन्दु क्रणीय अथेवा कताणी काबादनत মুখে তলবার হতে দ্রায়মান হইবার भूट्स भूट्सा कथना मार्गिक कार्याः लिका करा अकाम कर्खना।

> गवर्गामक अवर कमा वसन ।

ख्रुम मारहर वाविनिनिद्रांत समन वृक्षाश्वद्या निविद्यार्थन, डेक व्यटमात चानगमादा बक कर्न माक्ष्णि लाह । बाहात कर्त अक्षामाज माक्कि, थारक, ভাছার বিষয়ে আবিনিনীয়দিলের দংকার अहे, ताजिकात जाराता स्थानाय रहेता थाटकः अहे निमित्त नक्टन साननामानि প্রকে অভিশয় ভয় করে। থানদামারাও ভাৰাদিগের স্থাধনার্থ লোককে ভরপ্রদর্শন করিয়। অর্থ উপার্জন করে। ভারতবর্ষে এইপ্রকার একমাকড়িব লিউ কতকতালি ভ্ৰাবাঘ ইয়াছে। "cett क रेशांसिशक खत्र करतन मा ; किन्ह भवन्य देशिकात আমাদিগের নিমিত বিভাত কট্য়াছেন।

সীভানার যুদ্ধের পর নৌলবী আহ্মন আলীপ্রভৃতি কয়েক শ্বন ওলাব म । भाग । अहे अकेन्स्यात्र क्षकां में एस, পুর্ববাদালা; পাটনা ও পঞ্চাবের ক্রি ष्ट्रण उद्धिता निव्यास्त्र

व्यक्तिक क्रिक्ष बाटक। जिप्तिन नवर्गटम-केटक देख् अन कतिबात केटक्ट्रण करे है।का मर्क्री का । भटन र लाट र वर्षायाची रहेवात व्यक्तिकारत कार्यास्त्र व्यापुरमात निक्टेंक्र चिन्न कितिश चाटक। मट्या मट्या चंदारिय त्योगवीता भवर्गतमत्येत विक्रतस्य ৰুক্ত কৰিবা নামা ছানে জমণ করিয়া अवस्ता । देवसिटमत यज्यक्षकाति कात्र बीक्षि कि , धनर किटमरे वा देशना नगटन थाटका काशान करूनकान हरे **ट्टर । भवनेंटमले कानीह कर्यहाहिशन ७** श्रुनियदक मछर्क इहेटछ विनशास्त्र। चनतर अहेत्रभः, स्वत्र छश्वि सोलवी नव, इंटिन स्ट्रांटन हुई अक सन जानाव विट्याश्ट्यायमा कतिर्छट्डन। शाभटम ष्म्यकान स्रेटाइट्स ; मकल विषय मर्वाम পত्रित गांहत इड्या महाविक न्यः কিন্তু আমরা এপর্যান্ত যত দূর জানিতে পারিয়াছি, ভাহাতে এইমাত্র বলিভে लाजा यात्र, भवर्गस्य किन्निः উषिध र्हेग्राट्स्न ।

चामता উচ্ছেদের কোন কারণ দেখি তেছি না। ওহাবিরা গণনায় অতি অণ্ণা মাত্র। তাহাদিপের অধ্যবসায়ও তত্রপ। क्ष्मकरव्यक स्वत शुर्ख प्राच्या व्याप्त्रत ক্রিয়া কিছু কিছু টাকা সংগ্রহ করিয়া चारमान कतिरङह् अहमाजः। हिन्दूनि-त्त्रतं कथाहे नाहे। यूनलभारनता हेशाह-भटक धर्मार्थ यूट्य अवर्खिक करिवात ए (हकी शाहरजरहन, जाहा विकल। उरव व्यक्तिकार्वात्मत शिक्षात्र नाम इहे अक জন ওহাবিদি গের অর্থ লইয়া ঘোষণা করিতে পারেন:, কিন্ধ ভাষাভে ফিল্ফুর महत्र विकात कचिवात अञ्चादमा স্থা করেন। মুদ্রমানকাভির স**ি ৮৯: ুও স্বতন্ত ফোল**দারী আদালতের ব্যবস্থ শের সহিত ওহাবিদিগের আংহার

कि कमका जारह १ मात्रवरम महाबद्धक इर्जाः जारहः 🚄 क श्रीहार्ट्ण व चांचूम चार्ट्स . कैश्वात क्यूका कि ? धरे वाकि नदस्य बंदन कार्यान काट्यान हिन। यादा कडेक, वयम अवादि क्षि नेत्य र कविताद्य छ्यन ए त्तत्र व्यक्ति मुक्ति ताबा अक्ता नग्न ; भैर्गरके दियाकात आएका कति हम, जाशास्त्र बहाविमिगाक चार्ना व्याधाना रमकता स्ट्रेट्डा अधिकाः ভারতব্বীর ভাষাদিখের কোন সংবাদর कारमन मा। श्वनीयक विरवहनाभूकक काक ना कतित्व हेशका आविजिनियात स्यायाच स्रोम क्षेत्रित्य। श्राकाणात्ररण देशिष्ट्रभन औं छ उट्यका कहारे कर्डवा ।।

----ं अक्ष्यदेशी देशीकानाती ज्यानातट्रहरू -माभका कर्षा

ं भामरा मट्या गट्या मकच्या (कोळ. माती जामीलाक (व धावनत जाविहात (मिथिट अ भारे, कोश:क करण बक्रण हेक्का इंग्रना (य, मक्क्षरः रक्षेत्रकारी ज्यानामञ्ज ज्यात्र मीचंद व्यविलुश थाटन। छेहा त्राचित्रा शवन **ं**छेत्र वक्र धार्यवाटत (करण धाराम ● व्यथम व्यव कता क्षेट्रक्षा व्यव पिबिट भारेट हि, पिन पिन क्षिप्रकृत कोलमांदी वामानटउत अठि प्रवेशकांत्र इष्टि इडेटडर्छ। श्रुलिय भौतिप्रभारत व्यथान गाथन । श्रुणिय न। इट्रेट्ट (क्ल-ক্ৰেচলিৰার সম্ভাবনা নাই। আমংদিপে: পুলিষও উৎকৃষ্টাবস্থ নতে সংশোধন একান্ত আবদ্যাক চইয়া উট্টি ভদ্ সুসলমানমাজেই ওহাৰি ক্ষ্মান্তিছে; কিন্তু এখন বেপ্ৰকার অভন্ত পুলিছ 💮 🏋 আছে, এরপ থাকিতে অন্তর কাহারৡ হার লাই। অতএক সুসলমানুনাজের আইবির চইবার সভাবনা নাই। উভয়েই **अण्डि माम्बर्ध करा क्रमारिश कराविभिष्ट्यत** । अक्रिकाम कर्ज्या । अक्रिका

म, वयन वह आश्वत उपानन भिन्ना इसात खेखत्यल कि পুलिय क्षित्रमत्त्र । जिद्विष्टे ्भतिर्केट ७ दिन । योभा े हे अ खाना एज शूहि मानिट है है ক নিয়োজিত করা এবং ভাল मिश्री श्रीसद्यत्र खना खना क्य tal इके हैं। के हैं किट श्रव (व cata ८ए उहा इंडेक, छाहाटक आमानि ্নত্ৰ আপতি নাই; আমরা ভাল কাজ ं हे, जूर्विकात का**र्डे जवर आश्वा**तका हिंहे। এখন ध्यम विष् चंत्र सिवा नात्त्र मात्त्र (ज्यूषे मानिएके हे निरम ক্ষিত করা হয়, তথান বেন বেরূপ না হয়। विवाहहत समस्त्रहे चत (एथा ज्याविमाक হ্য, কা**ক্ষের সময়ে ভাহা দেখিবার** व्यायान नाहे। यिनि छेशयूक इहेर्बन, जीकाटकरे जनश्लाम निर्माक्किक करा **३** छ । श्रानित्व डेट्कू छे लाक नित्यान रिता छेरात (मधिनः टमायन ७ छेक्ट्यूत कछ। इर्टल (य उपकात जान १३८४, নরা করেক দিন হইল, ভাহার পর্যা हना कतिष्ठाहि। शूनिय क्याहातीता क्ट्रिंग नित्रा अन्तरमान अनु क्षें कतिट्**ल प्र्यम** विष्यत रहेवात मैन्श्रें मुद्रादना। काल लाटक यनि चारमत कत ७ मकति ब लाक लहेता अपूर्वान ७ अपादाद्वत विष्ठात कटतन ase धानीत्मत्र कावका ७ (य अनू ःक्तानकातीत स्नाप ध्वामा इहेटव. हाहात शब्दू हि, शबावनाष्ठ्रशङ्ख প্রের নিয়ম হয়, ভাষা হইলে সুক্র वहात मा इन्ट्रेंट किन १

বে কারণে এ প্রস্তাবের অবভারণা ারা হইরাছে, ভাষা এই--- হারীত অপি রে ( ১ **) কম্বর্জন** জব: চুণী করিল। াজনাৰ্য ভাষা ৰাজারে নীভ চইল। পুলি ) नामश्रान किहाक रटके । के इ चुँडमाने

读 台 开赞。

বের লেংকে ধরিয়া চোরিত ত্রবাসহ উরিংক অরণার্থ এক কলা ছোট আলা চোরকে অন্যতর মকবল আদালতে উপা । লত । व व्हेराहिन। নীত করিল। ষেসকল বাজিক সাক্ষা দিল, ত:হাদিপের বাক্য ছারা অপরাধির দোষ नश्यमः १ इहेल । किन्दु कि आकर्षाः। विष्ठात्र काटन छू है अनुत्रकी जामिश বিচারপতির কল্পে অধিষ্ঠিত হইলেন। সমুখার ওলট পালট হইয়াগেল! চোরের স্বহস্ত লিখিত এক খানি চিঠ ছিল। ছুটী টাকা পক্ষবান হইয়া উড়েইয়া লইয়া গেল। মক্দমা ডিস্মৃ ছইল; চোর महामाद्रष्ट्र शृट्ह ७.का:श्रम्म क्रिन।

হয়, সে আলালত গ্রাখা কি উচিত ?

य जामालटा अहे अकात विहान

वाबु इवहायः ,घादवत्र मृकृति। चार्याप्तरभाव (मर्ग्यत अन्तीय लाक-श्रीत कर्य कर्य भागाविशक शति-जाभ कतिया यारेट जट्या । वक्षटम्म अक একটা করিয়া ভূষণধার। ছইডেছেন। কলিকাভার ছোট আদালতের ভৃতীয় জজ বারু হ্রচন্দ্র ঘোষ বৃহস্পতিবার शाबि ১० केति मध्य शांग काति हा ছেন। তিনি প্রখমে মুক্তেক হন। তং-পরে নানা কাজ করিয়া কলিকাভায় वि कीत माजि**ट** छे उठ २ पर द **का वे मा**ना शहाजत स्व करेशां हित्यम्। मक्य विश য়েই এত চ ভাঁচার পুর্বাভি শুনা যাইত। कि बेडेरहाणीय कि अरमणीत मकरणह তাঁছার সদ্ধিচারে সম্বট চইতেন। अभर्यासः डांश्य हतिज्ञानाम स्थामानि গের শ্রেণতিপোচর হয় নাই। সকলের महिन व्यमाहिक बादबात, निकेतित. অতিধিনৎকারপ্রভৃতি ভাঁচার কয়েকটা বিশেষ গুণ ছিল। জিনি এমনি লোক-ত্রির ছিলেন, শস্তুনাথ পণ্ডিতের স্তুরে পর ভাঁহার উপরে অনেকের দৃষ্টি নিপ-ভিত হইরাছিল। এএকার লোকের ত্তু ব্যতিশয় পোচনীর ব্রেচ্ছ নাই।

## ভারতবর্ষের মেল ও ভারত্য । हावारहा

चात्रकवर्द्य (करनत मर्या त्य मक्त कां इह, कर्णाड खन्। শরীর রোমাঞ্চিত উঠে। वहे (लामक्ष्य वार्गात धाकान পায় না, ডাভার কারণ কি ? কারণ क्षांनीत क्षंघातीता शतम्मारवत रशय গোপন করিয়া डाद्धन। अरमणीव नमानात्र पट्ड छेहा श्रकांच इंहेटन अवा र्गटमन्छ छेका आहा कटबन मा। भवर्ग भिष्ठे छाटवन ५ अष्टकभीत मःवा-न्थटजन कथा विश्वामटवाना सटह। अपसूह **ৰেলর অভি উপযুক্ত লোক**; ভাঁহা हरेट अक्रुण कांक हरेट आदि ना "। वाहा इडेक, अवर्गामके विटलाएँ क्यालव वाठ आणारमा खावन कक्रम, कर्षाहातिमन ও ইনস্পেক্টৰ জেনরল গুপ্ত রুতান্ত প্রকা लिक रम्भिता यकहे चातकानग्रन व्हेन, অদাপিকে:লর মধো ভয়ক্কর পভা∢ং चालाहात वहेश चारक। खातकवर्ष इत्र व्यवर इक्षेप्रतालीयाता क्रमात्र व्यक्षिकार्यमत অসুষ্ঠান করেন, এই বলিয়া বে কিছু লোভা পার। দিকুনিউদ একখানি ইংরাজী मर्वाप्त পঞ । हिमि बेल्सम, कराहित **ब्बट**न भिषेत कर्यमी ना श्रीकाटक व्यवःक ডাক্তর মটন করেক শ্বন মুসলমানকে পাইখানা পরিকার করিতে বলেন। এক ব্যক্তি অসম্মত ছওয়াতে মটন काशत পुट्छ २० विक मातिया এक मश्चार এक निष्क्रन कुत्र शृद्ध बन्ध कतिया রাধেম। পুনর্কার ঐ কাজ করিছে बलाटक रम शूनर्सात चन्नीकात कतिस । আবার ১৫ বেত ও এক সঞ্চার নির্জ্জন কার্যাবাদ হইল । ভূতীর বার আহত্য করা ও ভূজীর বার অস্বীকার করা হইন।

म, वयन वह श्राम्बन देखानन ामजा इशांत छेखतच्या किं পুलिय कमिननत क छिद्रिके ्भितिर्केटखरकेत करण व्यामा र् हे अ खाना ए पूरि मानिटके है ्क निर्माणिक कता अवर जान मिश्रिश शूलिट्यत्र खना खना क्य tal इके हैं। के हैं किट सूत्र दव दक्त न (पड़श इंडेक, छाशाटक आंभाति ুর<sup>ত্ত</sup> আপ্তিনাই; **আমরা ভাল কাজ** ं हे, जूर्विकांत का**र्डे अवर आश्व**तका हिंहे। এখন ध्यम व्**ष् चंड तिथि**श नात्य मात्य एज्युही मानिएके हे निरम লিত করা হয়, তথান বেন বেরুপ না হয়। तिवारहत समस्त्रहे चत (एथा) व्यावभाक চ্য়, কাক্ষের সময়ে ভাষা দেখিবার প্রযোজন নাই। যিনি উপযুক্ত হইবেন, किछ । श्रीनद्य उरक्षे लाक निर्धात [दिश के होत । द्वाच म १ टम्माधन १९ के कार्यत कछ। रहेटन (य उपकार नाच रहेटन, भता कराहक मिन हरेत, जाहात शर्या हना कतिष्टाहि। পूलिय क्षीहातीता व्यवस्थातम् व्यक्त ক্রে পিয়া क्षेप कतिह**ल प्रका** विषात रहेवात में भुं मुझाबना। जाल लाटक यनि चारमा कत अ मकति । लाक लहेश धनुमकान ও अभारतद्वर विष्ठात कटहन च्यर पानीत्वत्र वावका ७ (य अनू ·क्षानकातीत (नाप ध्यकामा **इहेर्य,** পদাবনতি প্ৰভৃতি চংহার পদচুতি, প্রের নিয়ম হয়, ভাষা হইলে সুক্র वहात मः इंडेटर किन १

বে কারণে এ প্রস্ত:বের অবভারণা ाता करेबाटक, काला अहे--- शांतीक व्यक्ति ার ( ১ ) কম্ভকণ্ডলৈ জব: চুণী করিল ংজনার্থ ত.হা **বাজারে নীত হই**ল। পুলি

 नामश्रीन किहाक बढाउँ । किन्न चेंडेमीछों 读 文 严谨

বের লোকে ধরিয়া চোরিত জবাসহ তাঁহের অরণার্থ প্রস্ক কলা ছোট আলা চোনকে অন্যতর মকবল আফালতে উপ- न क वस ब्हेग्राहिन। নীত করিল। ষেসকল বাজিক সাক্ষা দিল, ভঃহাদিপের ৰাক্য দ্বারা অপরাধির দোষ मध्यमः व इहेल । किन्दु कि चान्हरी! विष्ठात काटन छू है जत्रवर्की जानिया বিচারপতির কল্পে অধিষ্ঠিত হইলেন। সমুখার ওলট পালট হইয়াগের! চোরের স্বহস্ত লিখিত এক খানি চিঠ ছিল। ছুটী हाता शक्करान इहेश केड़ाहेश लहेश शिल। **भक्ष्म्या डिन**, भन इहेल ; हात महामाद्रपटन भूट् ७.फा:शमन क्रिन।

य जामालट के धकात विहान হয়, সে আলালত গ্রাথা কি উচিত ?

ा रक्ष् क्रांष्ट. च्यत्वक कृति

আমাদিপের দেখের গণনীয় লোক-नाहारक रे जनश्याम निर्माणिक कना जिल्ला कार्य कार्या भागामिशाक शति-छ। भ कतिया यारेट छट्टन । वक्रटम । वक् একটা করিয়া ভূষণধারা ছইডেছেন। কলিকাভার ছোট আদালতের ভূতীয় अञ्चलां वृक्तहत्त्व (चाय तृक्ष्णणां विवास রাজি ১০ টার দমর প্রাণভাগে করিয়া-ছেন। তিনি প্রখ্যে মুক্তেক হন। তং-পরে নানা কাজ করিয়া কলিকাভায় ষি চীর মাজিটেটুট ও তহপরে ছোট আবা शर्छत कक स्हेग्राहित्यम्। मकल विश য়েই এত চ ভাঁচার সুখ্যাতি শুনা যাইত। कि इंडेरहाणीय कि अरमणीत मकरणह তাঁহার সদ্বিচারে সস্তুট হইতেন। ज्ञार्थासः डाँशाव চतिज्ञाताय व्यामानि भारत व्यापिक क्षित्र क्षेत्र नाहे। मकत्वर गर्किक व्यमाशिक बावशात, निकोत्तात. यिविधिन एका ब्रिक्ष इंडि डी हो इ. कर ब्रिक्डी विष्य ७ १ हिल। जिनि अमनि लाक-প্রিয় ছিলেন, শস্তুনাথ পণ্ডিতের স্ত্রে পর ভাঁছার উপরে অনেকের দৃষ্টি নিপ-ভিত হইয়াছিল। এপ্রকার লোকের স্তু দাতিশার শোচনীর সন্দেহ নাই।

# ভারতবর্ষের জেল ও ভারত্য

चात्रकवर्द्य (करलव मर्या त्य मक्न कांच इत्र, কৰ্তাত রোমাঞ্চিত শরীর উঠে। वह (लामस्वन वालात धाकान পালনা, ভাষার কারণ কি ? কারণ स्रामीत क्यंगातीता शतम्भारवत स्थि গোপন করিয়া डोट्चन । नयां होत ने देव कि कि कि कि कि कि नि र्गटमन्छ छेका आहा कट्यन ना। भवर्ग भिष्ठ काट्यन ५ अड्डिक भीत्र मर्या-म् शटकत कथा विश्वामटवामा मटह। अपू ह **লে**লর অতি উপযুক্ত লোক; তাঁহা इरेट अक्रण कांक इरेट आदा ना "। বাহা হউক, পরর্ণমেন্ট রিপোর্টে জেলের वाठ धार्मा खावन कक्रम, क्यांगातिशन ও ইনস্পেক্টৰ জেনরল গুণ্ড রভান্ত প্রকা णि**ङ एर्थिश यखहे ज्या**तस्कृतस्य व्हेन, অদাপি জেলের মধে ভয়ক্কর পশুবং व्याठाहित बहेश बाटक। खातकदार्थ इत्र **এবং इक्टे**ब्रालीक्षता फेरुड अधिकान्ट्रमत षञ्चीन करतन, এই बलिया (व किছू भाषा পার। দিকুনিউস একখানি ইংরাজী मर्बाम প্रज्ञ। हिम्मि बेल्लम, कराहित **ब्बर**न (मध्य कर्यमी ना धाकाट क स्थापन ডাক্তর মট্ন করেক শ্বন মুসলমানকে **পাইখানা** পরিকার করিতে বলেন। এক ব্যক্তি অসম্মত ছওয়াতে মটন काशत পुट्छे २६ (बङ मातिहा এक সপ্তাহ এক নি**ৰ্জন ক্ষুদ্ৰ গৃহে ৰক্ষ** করিয়া ब्रास्थिम । शूनकांत के कांच कविएक ৰলাতে দে পুনৰ্কার অস্বীকার করি<del>ল</del>। আবার ২৫ বেত ও এক সপ্তাহ নিজ্জন কার্বাস হইল । ভূতীর বার সাজা कता ও ভূজীর বার অখীকার করা হইল।

পूनकात ३६ व्यक्त अवश् इष्णामा करत्रमिटक विक्रीत भारत वस्त्रम कतित्र काक्षत भारत विक्री मिवान अनुगठि क्रेम। विक्री माथाहेन कर्शत काहात मक्टरूत केंगटत कलान क्रमान जन काला क्रेम।

बरे वंदिक स्वरुक्त यञ्जना, करे । মনংকোতে শীর্ণ ও রোপাকার হইয়া रखात्र इहेबा शिक्षारक। कि निर्के-क्षा ! कि निक्षित्र हा । यांश्रेत नामाना ৰোধশক্তি আছে নে ৰাক্তিও এমন কাজ করে না। ভারতবর্ষেত জাত্যভি-मान श्रवन : विवादन चाजिएक नारे, रमशास शरहत अध्याम आहर। cate कत, अक सन चल देश्तांस cकान व्यानशाह्य कटत्रम महेग्राह्म. व्यक्षक की हाटक स्मर्थतंत्र काक कतिएक ৰলিলেন, তিনি কি ভাষা করিবেন ? शवर्रमणे कि हेशांक हति । मर्भाधन कान करतन ? स्थरतत का मामनामान করিলে ভাষার জাতিনাশ হয়, এ কথা कि व्यामासिटमा नका श्वर्गट्या की विटव इनाट्यांशा ७ आंशा क्रेटन मा १ मत जन गरतका अहे (क्याध्यश्यक्त कि मक्री थान कटतन भागता फलर्मनार्थी इहेश প্রতীক। করিয়া রহিলাম। তিনি নিশ্চয় णानिर्वन, এই श्राकार गर्त्विष्ठ ও উদ্ধান कर्मगाती इहेट उहे अटनक नगरत अटनक व्यात्म देशहिक हम्।

### िक्याञ्चर्थामः।

আমরা পূর্বে পূর্বে পরে এতিপর করিয়াছিলাম, মনুষ্যপ্রশীত কতকওলি ক্রিয়াবিশেষের অনুষ্ঠানই জগতে ধর্ম বলিরা আদৃত হইয়ছে। তাহাতেই অপতে এত ধর্মতেদ দৃত হইতেহে এবং তরিবজন ধর্মনীতিবজন প্রথ ভইয়ালি য়াছে এবং প্রকৃত ধর্ম বে অদ্ভিনীর

উপরের উপাসনা ও তাঁহার প্রতি ভক্তি শ্ৰদ্ধা তাহার বহু বাতিক্রম ঘটিলাছে। আমরা দেখিলাম, কোন কোন সমাচার প্রস্পাদক আমাদিগের অভিপায় नमाक समझम कतिएक भारतन माहै। ভাষার ধর্মনীভির বিষয় যে প্রেগণ कातांकि व बटर्बाम विवत दा मेचंदरां भागना এ উভরের অভেদ করিরা উভয়কেই ধর্ম मः को छ किशास्त्रीन विलिश निर्मान করিয়াছেন। এ উভারের মহৎ অন্তর। পরোপকার আমাদিপের কর্তব্য ; কিছ অসক্তি ও অন্য অন্য কারণে বদি আমরা ख्द मणानत्न चर्चक रहे, आमहा भागी हरेव ना । शक्काश्वटत यकि चेत्रांशांत्रमा ना कति, भागी इहेर। धर्मनीकिरिश्दम রও কতকণ্ডলি এরূপ আছে, ভাহার भक्तर्भ कार्या अन्त्रशाहत्व भागी रहेटफ क्या आमता यनि क्रियानि :कार्द्या मण्ड इहे, धार्यवा मणा वारकान অন্থাচরণ করি, পাণী ও দওনীয় एरेंब। अध्यकात किंग्राञ्च छात्रिः বাদ করা আমাদিলের অভিপ্রেড নছে। मञ्हासात . चाल्यस्थार्ग मनगर कात्र. করিয়া মুক্তিলাভের চেন্টা, মনুষ্যপূজা ও তৃক্ জেলাদি ক্রিয়াসুষ্ঠনই আমাদি গের বিদিষ্ট। ঐসকল অলুষ্ঠান অনি ट्रिंड मून । फेरा व्हेटकरे उश्वयं थाप्र कृष वर्षेग्राटक। उदा व्हेटक स्थापक धर्म ভেদ হইয়া জাজিবৈর প্রভৃতি প্রস্তুহই श्रोद्धः। याँश्राता (कन्नवहन्द्रः उक्तानकर्दः, यांकात्रा थ्वेटक, जांत याकात ताम . अ ক্ষাকে মুক্তির গোপান ও ঈশ্রাবভার बिलाश विद्वाचना करतन, छेशधर्य मध्यक उँ। होनिर्शत शतन्त्रारतत (व कि कार्डक मारह, भामता छोहा दुविएड शांति ना। त्य केष्टतत यावजीत कार्ट्या शतम क्षाचा मिक्क इहेटकटक, वाक्किविटमटवन षां अत्र शहनवाष्ट्रिटक मुख्यिमा छ<sup>१</sup>हरे (ब ना, किनि त्य अहे विश्वान कतित्वन, अहि

নিতাম্ব অমুদারের কং धक्य हरेश छेभानमा मध्क প্ৰীতিগাত হয় না, মনি কা मः,कात थारक, खादाध वि मार्थाष्ट्रविक मत्मह नाहे। শায় কাও বিশাল ও প্রাণত শক্ত বিধান যে তাঁহার रहेटव, जाश कान कटमहे मङ्ग ভাঁহার উপাদনার ছাল, ক काल, भाव देकात काल नितः उँहित बढ़ उ रुक्ति विश्व श्र्या कतिंद्रा यथन छाटरामग्र स्ट्रेटन, उँश्वांत आधाधना कतिएक इट्ट्यः बटन करज इहेता क्षेत्रत छे कतिरम चरमाम स्म । गौहाता আনন অনুভৰ্নিমিত একতা উপা क्तिएं होनं क्क्रन, छाराटक आश्री नारे। किंद्ध बाराता भी ह करन अन रहेश कैशामना ना कहिटन केशामना ह एत ना अहे आकात विद्युष्टनः कटत्रन उ यमकन दान्ति वेशकात्र हेशाः नंधक ना रून, छाश्रामित्मत मध दि छेराक इन, काँशमित्तत जूना जाय नाई। मध्यप्रश्नमन्त्राता मठी, यामध्याक माधु बन्द संवा शाचिक काउदाव (हम्हात खुना আর নাই

নতা প্ৰত্য প্ৰথানি
কাশীর সালার সভা পতিত ত নিবাসী প্রত্যাল তালাচন্দ্র পার্কা সঞ্চলন লভিত হল ইন্নাতে ক নায় শালার সাল লাভাগ করা সইনাতে বাঁহারা অংশকালে নাম্যাইসম বিষয় গুলি জানিবার বাসনা বংশত দির্গাই গ্রেম এই লি উপকার স্থামবর্গ হিলাই গ্রেম এই লি উপকার স্থামবর্গ হিলাই গ্রেম এই লি উপকার স্থামবর্গ

্ বি বি কিল সুধী বি জীক । প্ৰক্ৰী

চরতে আদ্যোপান্ত জীবন
বর্ণিত হইয়া থাকে, এছ
গ্রন্থ করেন নাই।
ন সংকৃত কবিদিগের রীতি
রিলা ইছার প্রণান করিয়া
কিতার এসিক রাজা রাধাযে প্রকার সকরেল ও ধার্মিক
বং ভাঁছার বিয়োগে হিল্ছধর্মের
ছইলাছে, এই সকল নানা ছলেদ
ইয়াছে। গ্রন্থকার ইছাতে আপ

। এইচ, টি কোলত্রক সাহেব
দারভাগের ইংরাজী অনু। হাই কোর্টের ইংরাজী অনু। হাই কোর্টের ইংরাজী অনুক্র
ারিশচন্ত্র ভকালকার পরিলিতের
ছিত এখানি মুদ্রিত ও প্রচারিত করিয়া
। আইন বাবসায়ী ইংরাজীজ্ঞ বাজিল
গের পক্ষে এখানি বিশেষ উপকারক
বে । এখানি অভিউৎক্ষি কাগকে
ম অক্ষরে সুন্দর্শ্বশে মুদ্রত হই-

8 | रिन्छू महिना नाउँ क | @ विनिन ন দেনগুপ্তপ্রণীত। ইহা হিন্দু গণের বর্তমান হীনাবস্থাজ্ঞাপক ার্য। ইহার সম্পাটী এই। কুপুর গ্লারাম রারনামক এক গৃহত্ত্বর াার ও বদস্তৃমার নামক ছইটা ্সুমতি ও গোলাপী নামী হুটা । কনাছিল। প্রশন্তমার পুত্র ার দিতীয় দারপরিগ্রহ করেন (मनीत व्यथान्नारत चन्न वयटनह (मह्म्क्रूमाप्टनन विवाह इस् । नवेवत व्यम्ता ना शांद्रमा मरू वक कन क्षांजिद्दणी न्य ज्ञाकत्वत मत्नात्रथनात्री कक्षी में किया कनात यमीठ वर्षाधक र्गेक्करव । है बत्रभाटखत महिक विवादश-कर्ता अर्थाः नतं चटत्र अवर दनस्क्रमाटतत

17. 树柳 气氛。

छीत टब्लांहर्मन डेशलट्स कारात्र मयग्न জ্রীগণের নির্লজ্ঞ ব্যবহার; প্রসন্তুমা-রের জীঘরের পরস্পর দাপত্বা ব্যবহার ও কোন্দল; অসন্তুমারের দ্বিতীয় জ্রী শশীমুখীর শ্বঞ্জ ও ননান্দ দিলের সহিত ছ্র্ব্যবহার; বসম্কুমারের জ্রীর অংশ वशरम गर्जशादन ७ जृभिष्ठ रहेवामाज नहारिनत मृङ्), शर्क ও नद्गानियाता जीनित्रत चनु छे । जामिनमान मन्ना , হর নাপতিনীর নিকট শশিমুখী ও নিস্তারিণীর স্বামি বশীকরণ ঔষধগ্রহণ: সামিত্রখে বঞ্চিত ছইয়া কামিনীনামী वक्षा छाडिदिनी कूनीनकनात गृह-कांत्र ७ मांगाबिट व्यव्हान बदर তথার তৎস্বামিদ্যাপম; প্রাসন্তুমারের প্রথম জ্রীর গর্ভজাত শিশু সন্থানের भीका देशनटक जीनित्रत उवादाता ডান ঝাড়ান ; হর নাপতিনীয় দাহায়ে क्रभावादमत कनिका विधवा कना शाका পীর গৃহত্যাগ; প্রসন্ত্রারে: পুত্রের मृजुः ও ७२ जीत शगरमरण क्त्रथानान এবং এই উপলক্ষে প্রদন্নকুমারের সঞ্জীক वक्रगावारम मान्विष्टु होत काहाती भमन-প্ৰভৃতি বৰ্ণনায় গ্ৰন্থ পেষ হইয়াঢে थानि त्य फेरफरण व्यनी व स्हेग्रारह, द्धिमञ्जू क्षेत्राटकः। इक्टिकः व ए जी दना कि बिर्गत অবস্থাসূচক ব वाणि श्रमवद्गाल वर्गिक इडेशरह।

। সীতার বনবাস। প্রীযুক্ত র।সবি-হারী মুখোপাধায় বাখালা পদ্যে ইহার প্রনায়ন করিয়াছেন। পদ্যগুলি মন্দ হয় নাই। ঢাকাসুশভষ্ত্রে মুদ্রিত ও প্রচারিত ইইয়াছে।

৬। নীতি পুলাঞ্জা । এখানি প্রযুক্ত লোহারাম শিরোরত্ব প্রণীত, বিভীয়বার সংক্ত। ইহাতে কতকগুলি নীতিবিষয় পদ্যে রচিত হইয়াছে। পদ্যগুলি কিবুপ হইয়াছে, ভাহা পাঠকগণ খৃষ্ণই, প্রীকা

क्रमः। भागता क्राक्कि क्रविष्ठा विद छेक्छ क्रिया क्लिम ।

গৌজান্ত । এक्सांकि छक्तवरत, अक्सांकि कन धरह, कर्ण करन मरह मना काव, च ने क्षां क मांग यह, शत्रान्तः अकम्छ, गर्दं ना र्ष्ट्र (अम काव, अक शर्ष प्रमुख्य अक्षादि मृद्य द्वा, (महेल्ल मट्ड्राम्बक्टन, এই হেডু নিরস্তর, একভাব পরস্পার, रदि, भव अहे छादि महन ह হলে ভার বিপরীভ সবে ভাবে বিপরীভ, कूर्रोष्डि बनिश्चा. स्नाटक शास्त्र, मदर्शमध्य किन्न कार्य, अप्ति वक्र कृषकार्य, चकाव-विक्रम वांग माद्र । অজনে শত্রুতা যার, অপরে মিত্রতা তার, কখনই নহে সম্ভাবিত 🕫 अहै कथा मध्य करव, माहि जान-बारम भरव, মুণা করে অপরে নিশ্চিত। रमान्द्रत अपन बर्ग, ना यात्र व्यक्त तरम् चित्रामम् क्षेत्रः त क्षेत्रः मञ्जूषाच नाहि जात, त्महे भर्छ महाकात, (प्रकृत्या यथा পर्धातन । कार्वे क्यीतन यक, यन व्य अक्ष्यक, সবস্থুৰ নিবাসে ভধায়, ্ভাহার বিরল ভাবে, এ ভারত দীন ভাবে, कारङ्गाञ निकीरवत्र क्षात्रः যত মাতৃত্মি-ক্লড, হইলে সেভি ভবুত, (भर्मत क्षेत्रकाल क्षेत्र मूच, সে ভাগ, শশির করে, স্কেশসংখ্যাল হবে, शक्रण्यात शाह तहकुशः

## विविधमः वाम ।

১ ক ই অগ্রহায়ণ গোষধার।
আন্ত বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রবিশ্বাকা ও প্রথব পরীক্ষা আর্ড হইয়াড়ে।

পরশ ক্ষাপ্তি নাগগুবের রাজাবিকাগের এক জন উচ্চতর কমচারী ভঙ্বিল তছ্ত্র
করাতে জাঁগার চাবিস্তের অস্থ্যকান করা হইবে
নিয়মবহিছুতি এনেশের দশাই এই। কেবন
কাগতে সুধ্যতি হইলেই ছইল।

লক্ষেট্রে টাকার ২ সের গৈস বিক্রীক হই। জেকে !

পঞাৰ প্ৰণ্যেত সম্ভান্ত এক নিপুৰ ভাজা দিয়াকেন। কাশীর বৈজ্ঞাকা হইলে অপ রাধী বে করেক দিন জীবিত থাকে, সেই কর দিন ভাগার খোরাকিম্মণ প্রভার, এক গাকা দিবার নিয়ম আছে। শেব করেক দিবস ভাল করিয়া আগুর করান ইর্লির উল্লেখ্য। বস্তুভঃ निक्षे मृत्रु जानित्त लार्क्य महरसरे जक्र के स्त्र । (जरमत निक्षित्र काम्य क जनमान जाम मान मारा ना । रेशर्ड व्यक्त क्षिक शर्क ना । महराहत व्यक्ति का जाने क्ष्म जानात भाग जाश्व करता। किंग्र भविष्य किंग्रिक क्षित्रियम महराम अस्त वावर्गर करता। किंग्र भविषय क्षित्र व्यक्ति कर्मा करता वावर्गर करता महराह का क्ष्म क्षा वावर्गर क्ष्म करता महराह का क्ष्म क्ष्म करता वावर्गर क्ष्म क्ष्म क्ष्म करता वावर्गर क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष

भिष्मविष्ट्रिक कर्षाजीप्रात्र स्विज्ञात्र ख নাবপরতার আরে এক দৃষ্টাত পাওয়া বিষ্ণাইত্র नार्डकन्निरंशत चाँतव शांकिएड नार्ट्स के किएँ। নামক এক জন সীমান্তিত সন্ধার লেপ্ট্রনট এে নামক এক জন ডেপুটা কমিদনম্বকে ধু,জু,করিয়া महेवा विवाहित्वन। (मर्चादन काहीत क्षारि य(बाहिक मुर्खान क्षप्रभन कहा एयू । (मुश्टेन है मुख्तिमाच कतियां किष्मिर्गाक समा करतम। जन्मात विलिए एक्न, (लेल्ड्रेन के ८० म्लेड्रेन किशास क्रकोकाञ्च कत्रियाहित्यमः महीत्र यसि खाँशित्य ছাজিয়া দেন, ভাষা ষ্টলে ভিনি ভাষার বিরুদ্ধে (कान काक कतिएव ना। क्षरान विज्ञानात्र **अविष्टात वर्षन कक्ष्मभाग एत, लिन्हेगान्हें (ब्र** मफीटतत अक माफीत क्षतानवस्मिन। इस अ**ह**े केरकरण अवस्य जानामक व्हेरक भूक क्षिन्न। দাইয়া গিয়াছেন। এপৰ্যান্ত কোন ছক্ত্ৰ আক্র म्य नाहे । याहाश्क्रिक, टेमनिक विष्ठावंगीकत कार्या किन्दा पृथवीय (वाथ व्हेटकट्रा) किनि, काविद्राहिरणम, अङ्गलभौद्रिप्तितः महिष्ठ स्थ इक्ति इस, छाड़ा क्रम कतिरम राम बाहै।

মহমদবর্রনামক কলিকাভার ডাক্ষরের এক জন পেয়াদা রেজিষ্টরি পত্র হইজে নোট চুরি করাতে ভাষার পাঁচ বংসর মিয়াদ হই য়াছে: ডাকের পেয়াদারা অভিশন্ন ধৃত্ত : উহাদি গের অনেকে দরিলে, মুখা ও স্ত্রীলোকদিশের নিকটে নিয়মিত মাস্থল থাকিলেও প্রভিপত্তে এক পরসা কবিয়া লয়। রেজিষ্টরি পত্র হইলে নক্সিল বেন অব্রে চাহা হইয়াছে:

নয়নাসংচ বলিয়া কুমাউটে ধে বাজিকে করেক বংগর জেলে রাখা হয়, ভাষার জাপীল সম্রতি জাগরার প্রধানতম বিচারালরে নিশান্তি হইরাছে। এ বাজি বে নয়নসিংহ নহে. এবং প্রকৃত নয়নসিংহ ভীশান্তরিত ইইরা প্রাক্তাগ করিয়াছে, ভাষার শান্ত প্রমাণ হইয়া ছিল। তথালি কুমাউনের তেপুটি কমিসনর ফর্পেল রামণে ভাষাকে ছাড়েন নাই এবং কর্পেল ক্ষমন ভাষার দগুবিধান করিয়াছিলেন। প্রথমতঃ এই মক্ষমা সিবিলিয়ান কল বিন শাহেরের নিক্টে ইয়়া ভিনি এ ব্যক্তিকে

নিরপরাধ জানিতে পারিয়া মুক্ত করিবার মানস করিয়াজিলেন। কিন্ত দীয়ে দুছলী হও য়াতে পারেন নাই। ছুর্নেল রাম্বে জানিব। মাত্র উহার পরিবর্ত হইরা বেলা। ছুর্নেক জন জানলার চক্রান্তে এই ব্যক্তি এক কৃষ্ট পাইল। প্রধানতম বিচার্জনির আপীল নিজ্ঞতি করিবার সময়ে সৈনিক বিচারপজ্ঞিবের প্রভি বিশেব দোনীরোপ করিয়াছেন। এইসকল লোক জনক রোনাদলে থাকিলেই ভাল হয়।

गण भनिवात प्रचन विवादक विराणत वाणि वेश्वन कर्तिवात नवरत महेन नारहर विवादहन, व्यामा करित्रत श्रव्यात्रवरक व्यापता पार्थिन के निर्द्ध कार्ति के किन्छ के कार्ति कार्तिक कार्ति कार्ति किन्छ कात वृत्तिएक मा शासिया क्वित कृष्ठ के करिया धर्म छ क्याकात परिवा (भागातात विद्धाः (इस । ''व्यामात्रिरात श्रव्यात्रव के क्विया गर्व गरिर्देश किन्छ कार्तिक कार्तिक कार्तिक व्यापतिक कार्तिक क

আন্ত্রেরল আসলি ।ইডেন সাহের কলিকা ডার উপনীত হইয়া খীয় কার্যজ্ঞার গ্রহণ করি রাছেন। ডাম্পিরের সাহের অভিরিক্ত সেকেটা রি ও ই রাট বেলি সাহের মক্তরের এক অন জ্ঞান হইভেছেন। এরপ জনজ্ঞাভি ইডেন সাহের শীল্প ভারতব্যীয় গ্র্ণমেন্টের এক জন সংক্রেটারি হইবেন।

कामता अवन कतिनाम काक्यतम्बद्धः अक अन महकाती किरत्रकेत (कानतन हरेरवन। अन (मत काम अरहाक्षम (मधा यहिएक मा।

বলদেশের প্রলিকওয়াক্রিভাগের প্রধান
আকাতিউ আফিলে ডোমন খানামক এক
ব্যক্তি ৩৯ বংসর ছয়মাস জালাবের কাজ
করাতে গর্বর জেনরল ভারাবেদয়া ভারিয়া
মাসিক ও টাকা পেজন দিবার অনুবোধ করেন।
সর জন লবেল আরও প্রভাব করিয়াছিলেন,
দল টাকার নীচের ষত ভূত্য আছে ০৫ বংসর
কাজ করিয়া খারীরিক অসামর্থ্যনিবজন পদ
ভ্যাগ করিলে ভারাদিগকে মাসিক ৪ টাকা
পোজন দেওয়া কর্ত্রা। সর স্থান্টোড নার্থ কোট
উভয় প্রভাবে সন্মত হইয়াছেন।

পিশ্বনিয়র আবন করিরাছেন, বারাকপুরের কাপ্টোনমেন্ট মাজিটেট নেজর বরণ ধারভাদার রাজার সম্পত্তির ওজাবধারক কইবেন। এটা একপ্রকার শুভ সংবাদ। তাকা কইলো বারাক পুরের সীমান্থিত লোকেরা ক্লবিচার প্রাপ্ত কন। এ ধ্যক্তি দেশীর ভাষা জানেন নে। আইনেও কলিকাভার অন্তর্গতিক এক ব ব্য করিয়া ভাষার অনুন রাছে। করণার অনুসকা যোজে ক্ষুরা থাকে হত্যা নাই।

ডেলিনিউস অবগত হ

ক্রাজার বিভালের

ইউনান সাহেব অস্প্র

বিভাগের অধ্যক্ষ

নিউস যথার্থ বলিরাছেন

মধ্যে বে করেক্টী ইভ্যা হ

গরা পজিল না। ইনি সুমা

অসুস্থানের সমস্তে কর্মে

এমন অপ্রপয়ক্ত লোককে

বিভাগের প্রধান করা অগি

न्हें. अ, मिलिन नार्ट्स डि श्रधानकम विश्वानद्वत हिन मीनामकाती स्मिल हेहाँ बात अक खाका नि कनिकाकाम नर्मक्षक किन । हेहसन ।

खन्न क्रांकात शिक्र का का खन्न क्रिका का खन्न क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रि

क्षांकाश्यकाम वहनन, ''

(मकाटण वमक्क काहेन्न। ख

व्यानि क्रम चिक्कन कतिएण

तक्ष्म विक्रम कतिएण

तक्ष्म विक्रम कर्निएक

हरेस्ट १ क्थां भिक्का कर्निएक। वा

किर्मिन्नी मौकातिवानीस काण

करेना ३० रे नरवंदन मन्नात

क्षिण्यम व्यक्त भागत

क्षिण्यम व्यक्त भागत

क्षिण्यम व्यक्त भागत

प्रकेशीय शाहर सन शादबादन च्यात्रिया वानीत - ৪৬০॥ - জানা মুল্যের পুর্বাক কাজিয়া লইয়া । व अव इंबरम्भ है व अ इंब द्वाभाषराष्ट्र अपट्ट अपट्ट হওয়ার সভাবনা নাই। <sup>৯</sup> ायुन मह्मन्यां सु । .

বর্ডাত প্রকাশক হই বৃক্ষ পড়িয়া গিয়াছে: এককালে রাস্তার উপরে अक थानारकत्व जारहा अ भाग (वाष्टे विनष्टे हरे इफ इड्झाइड (व, अथ हना मूत्र व्हित रहेशाटक खाराटक मुकु बहेशारक (मधा याहे .त्रक कच्छ इड्डेब्राट्ड। अड्डे ননামক এক জন ইংরাজ इक्तियात कार्यक स्टेटक গ্রেক ভীরে আনম্বন করিয়া

ক যে ব্যক্তি করেছি আফি টাকাব নোট লইয়া প্রমারা म, नाड कना विहार्त्निङ ঠিম পরিশ্রমের সহিত ছই :ছন। এবাজির পুর্মসচর मधुम्थ इहेब्राट्डा अटडा ार्চात डाहारक श्रद्ध कि प्रा াংসর জোলে **থাকিতে হইবে** ৷ ীড়াকবের ১৮ মাস করিয়া

জ্ঞানে হন্দে বিস্তর কাজ কজন কতিবিক্তজ্ঞ প্ৰেরণ हैयार 🤊 🗄

द ग्रह भारत कर होक वैस র এক দৃষ্টাস্ত প্রদর্শন করিয়া রেষ্ট্রনামক এক ব্যক্তি জ্বাপ রা পরিচয় দিয়া রেজ্ল হইডে ' করিয়া *শিক্ষাপুরে* প<del>লায়</del>ন ন সে নাম পরিবর্ত করিয়া ধনিসন্তান এবং রেঞ্চের এক 🦠 कर मरपा का उब हु के बहुत्व ।

राताबह्या वरमहानाशाञ्च कथित्रविश्वे विका शात कर्तन अञ्चानहरूत माम कान कर्तिया ৭ • • টাকা চুরি করাতে ভাষার ছই বংসর भिन्नाम एडेग्राट्स ।

कलविनगामक काङ्गाएकत 四季 可利 চা কর এক জন কুলিকে প্রহার করাডে ভাষার মৃত্যু হয়। জুরি সামান্য আঘাতের অপ बार्य मार्थी वलाएक विहातन्त्रि कियात अक বংশর মাত্র নিয়াদ দিয়াছেন। ভগাপি কসাই টোলার জুরির কভক উন্নতি বইয়াছে বলিতে रहेरवा विना पटछ अवशहिष (भन नाहे।

वासाहेरमञ्ज अधान उम विज्ञाताल रमूत अस সর জোসেফ আর্গল্ড্ পদত্যার করিতেছেন। এমত জনআংডি, সর বার্গেস পিককও দীয় পদত্যাগ করিবেন। তাহা হইলে সুর্ভগালটুর মর্গাণ কলিকাভার ও বিচারপতি ফিয়ার উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের প্রধান্তম বিচারালয়ের প্রধান বিচারপত্তি ছইবেন।

বৃংস্পরিবার বেলা ৪ ঘটিকার সময়ে গ্রেণ্ট্র জেনরলের বাটীতে দরবার ছইবে :

भक्षादवत कष्ट पिम पिम तुक्ति इहेटफ : छ । छ पिन রারপুর হিষারপ্রভৃতি কোনে কেবল ছঞ্চি নহে পীড়াও হইরাছে। গুরগাতে ছার্ভিক্ষ সীক্ষ उमिरात्र (य नाकास। (मध्या क्हेरफिल व्यर्था ভাবে তাহ। বন্ধ হইয়াছে। শৃসং অমিমূল্য।

৮৪ गनिष रेफिरताणीय (तिकारमर लेख मार्क्स মেজর ক্লার্ক ভবলিনের চিত্রশালিকার কানপুরের विष्यारी खोनाधनात्मत्र व्यक्तिमाजावनिष्टे त्वर প্রদান করিয়াছেন। জৌলাপ্রসাদ জ্বাভিত্তে ব্ৰহ্মণ ছিলেন। ১৮৫৭ অব্দ্ৰে তিনি নানা সাহে त्व अधीरन अक सम्म जिस्मिष्टियात स्टेग्नां हिल्लमः কানপুরের হত্যাকাতে লিপ্ত থাকাতে ১৮৬০ অকে তাহার ফাঁশী হইয়াছিল। এই মৃতদেহ ভাক্তব ক্লার্কের হল্তে কিপ্রকারে গেল? আমরা ভাবিয়াছিলাম, মৃত ব্যক্তির প্রতি অপুমান কর कर्णल नीरलंब नरकरे शिवाद्य ।

ৰহারাজ হোলকার বলিক ও ক্মিসন এজেন্ট উপাধিতে বোষাইয়ের আদালতে এক ব্যক্তিয় नाटम नालीन कविश्वा ১२०१৮ है।कांत्र छिक्की পाईब्राट्स्म। महाताम श्रकामान्त्राभ वानिका ভাগর বিস্তব সম্পত্তি আছে। করেন ও টাকা ধাব বেন। তাঁহার মঞ্জুনাসক্ষ (नक होका कर्क कविश्व'रह। ' नर्ताना जानावट्ड रुग्न' स्रवास कविरन किस् . १ क्यानिशः (इन. १ वः क्षित्र क्षुप्रा फिक्कोक्यांति कतिया धाका व्यानाय करत्न । किन्र ঃর্জান করিয়'ছেন গলেক নাই। ভাঁকার বিরুদ্ধে ডিক্রীকারি করিছে গেলেই े ताब्यात चय ध्यमणीन कता रहा। (सामकात चूक्

मान् लाकः डाहात् वर्डमान् मुजीव अल् सन উপযুক্ত লোক। কিন্তু বে কাজ করিভেছেন, ভাহা অভিশয় লক্ষাকর:

১৮ रे ज्याशायुग यूथवातः।

अ वरमत व्यवधि कलिकाखरत (वाञ्चरहोड़ था ७: काटन ना स्हेशा देवकाटन स्हेटन

অদ্যকার গেভেটে একটা উত্তম আজ্ঞা প্রকা লিভ হইয়াছে। যেসকল স্থানে সিবিল গাৰ্জন অংছেন, ভত্তং স্থানের জেল ভাঁহার অধীনক **হইবে । মাজিক্টেটেরা আপন আপন প**দ छत्न वर्णक्याज स्ट्रिक्ट्न। याक्षिक्किवेत्रितात्र र एक अफ काम (व, (महान क्या क्या काम মাত্র হইরা উঠিরাছে। মুবসিদাবাদ 🄏 চাকাব निवित्त मार्क्कनिरिश्वत रहन्छ श्वलकृत कार्यक्राव থাকাতে ভাঁহার। জেলের ভার পাইতেছেন না। আলিপুর, গ্রেনিডেনি, হাজারিবাগ ও দিঘার জেলে পূর্কাবধি সিবিল সার্জ্জন ভঞ্জাৰ গারক আছেন। এই অভিবিক্তাকার্য।ভার হও ग्राट्ड निवित्न मार्क्कमिन्गटक करग्रानत পरिमार्टन বৰ্জিত বেডন দেওয়া হইবে। অৰ্থাৎ ৫০০ কৰে मित्र काभिक इहेटम see है।कार ७०० कार्यस ৫০০ পৰ্যান্ত ১০০ টাকা > ১৫০ অব্যবি ৩০০ भर्ग। 🐨 १ ६ में का अवर ५ ६० करम्रोनित कम स्टेरन क्रीका (मञ्जूता क्क्ट्रेंच । क्ट्रामि क्रिस्टिंग বাঞ্চিলে, বেডনও কমিবে, বাজিবে। সব আসি ষ্টাণ্ট সার্জনেরা এদেখীয় বলিয়া কেনের छात शाहरवस्ता। এ एम्सीय छ हेऐरवाशीय বলিয়া কাৰ্যা দিবার রীডি কবে অস্তৃত্তি ভ

কলিকাভার আনাদেবিও ব্যাক্ষে এ পহাস্ত ১০০০ টাকা মাত্র ভাষিয়াছে। লোকে গ্ৰণ্ডে **'छेत त्रिक त्रार्क्कं होका मिटक हान। कक** अव "आना व्याक्ष छेत्राहेश। (मध्या कर्षक् इहे (G(é |

लंड मारहर अवात माळारक खमन कतिएक গিয়া একটা মহৎ আবিজিয়াকেরিয়াছেন। তান্দোরের রাজ্যার পুস্তকালয়ে বিস্তর সংস্কৃত ও ডামিল পুস্তক আছে। পুরাণ, ন্যায়, ধর্ম পান্ত, আন্তুর্কোদন্তীক অনেক পুঞ্জক রহিয়াছে। मंड् गार्ट्य अनकरमत्र अक छानिका कब्रिका ছেন। পুস্তকালরের ভারঞাহীরা পুনঃমুদ্র ক্লন वनः भुक्षकनकन निरुक्त शक्षक चार्हन । माख्यां व्याप्त श्री कार केंद्र के जिस्सा मार्गाटका भी किल्या

🤲 गण्ड वरनात्वत महाव्र । अवायक अधनमभुरवव् -मनाप्र नाना रहन १३८७ विस्मृ असिङ् चानिया and the same and the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of t

ভিলেন। ইহার হারিকর্তা কর্ণেশ কর্সিথের ক্ষ্ম বোধ (পঞ্চারী অভিধানে ' আজা । জ্বস্থ সারে করেক জন সর্জার ঐ সময়ে উপস্থিত থাকেন। কিন্তু বত লোক আসিরাছেন, সে, প্রকার প্রবাসকল ক্রীত বিক্রীত হইতেছে রা। পঞ্চারীরা দরবার, মেলাপ্রভৃতি আভ্রমের, কাতেই অধিক পটু।

চীনক্ষিত বিটিশ মুক্ত সম্প্রতি আঁকো দিয়া।

চেন, ঘেসকল ছিলাভীয় চীন বিটিল প্রজান

বলিয়া বিটিশ গবর্ণমেন্টের আজার লইতে

চান, তারাদিগকে চীনের বল্প ভাগা করিতে

ইইবে। বল্পে জাভি প্রকাশ পায়। এটা এই
প্রথম বার স্বীকৃত হইল। ও দিকে চীনের গবর্গ

বেউ এক ছোবনাঘায়া প্রজাদিগকে খৃতিয়ান

হইতে নিমেধ করিরাছেন। ভিল্লভাতীর ও
ভিশ্নপ্যাবল্যীর পানশ্যর সমাগম হইলে প্রায়ই
এইরপ অসমঞ্চল ব্যবহার হইয়া যাকে।

লাড মের ও মাগদালার লাড নেপিরার একত্র এক আহাজে ভারতবর্ষে অগিমন করি ভেচেন।

নত্তির গোলবোগ লাজি ছইরাছে। ইদদ লান্যকে সকলে পরিভাগে ক্ষিরাছে। ইদদ ও উাহার। ভূরকীর অনুস্তরেরা কুজন ইমামের অধীনতা স্থীকার করিয়াছেন। ইমান উদ্দ জ্ঞান উপযুক্ত লোক এবং লোকে ভাহার শাসনে কুষী হইডেছেন। কর্মেল প্রতিধ লি সানব্যব এই ব্যক্তিত সহিত্য লিয়াছে।

#### ুঠ' এ অগ্ৰহ'য়ৰ যুহস্পতিবার ৷

সম্প্রতি এক য়াবে যে প্রবল হাড়া হল, ভালতে ইউবোপীর বনিকলিগের ১,৭০,০০০ টাকার সম্পত্তি নই হলয়াকে। বিশুর চাউল ভিজিয়া গিয়াছে। ৫৮২ টী গো মহিম মূল্য ৭৯৮৭ টাকা, ৩২৭০ বিশ ধান্য মূল্য ১৭৯২৭ টাকা ও ৫৮৪,৩০৫ টাকা মূল্যের বাটী ও ভন্মার্থ প্রত্যাকা নই হইয়াছে: ঐ প্রদেশে কার্ভেম নাটা হয় বলিয়া ক্ষতি আরিও অধিক হইয়াছে। মাড়ের সময়ে মারে প্রার ছই হজ্ঞ জল লাক্ষাই রাজিল। বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বের প্রত্যার হাই হজ্ঞ জল লাক্ষাই ব্যক্তিল। বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বের প্রত্যার হাই হজ্ঞ জল বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বের প্রত্যার হাই হজ্ঞ জল বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বের প্রত্যার হাই হজ্ঞ জল বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্প হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা এড প্রবল্ধ হয় বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বাজ্যা বা

नार्डे (मद्र कृषकार्यः) अधिनम्मसूत्रकः। खाँशत निर्मत हत्र क विष्युत शतः क मामन हिमः खांत्रकवर्षः आगिवाद्य ममन्न किनि क खान विक्रम कतिनारहन । कृषिकार्यास्त्रकः मामनकर्षा स्ट्रेट खांत्रकवर्षतः सविरमयं छैपः कातनारकत आमा आरहः।

শক্ষণে নিয়ম আছে, সিবিলিয়ানের। ২৫ বংগর কাল করিলে বাংগরিক ৬০০০ টাছা শেলন পান। বোৰাইয়ের কজকললৈ সিবিলি রাম স্কুল পেজন ও বিলায়ের নিয়মে ও এই পেজনে সম্ভুট না ছইয়া ৮০০০ টাকা পেজন আর্থনা করিডেছেন । সমুদার রাজত ভাগ করিয়া দিলে ভাল হয় না

जामता आवन करिताम, छात्र उदर्वत विशिष्ठ भूनकीत भूषकं त्रगछति पत्र वहेटवी और महत्र शुक्रक रामानम् कृता कर्तवा ।

- नरीन ७ टेकंझानंसायक (व इंडे स्नेन अर्फ क्षिमीय पश्चिम महनारमाहिनी नामी अंकर्ण दिन्हा क्ष कर्मावनविश्वास्त वह करते. शक कर्मा खाहा मिट्याव (काम मध्यमान इहेग्राट्ड । हेरावा इहे करमहे फर्स्मवर्ग । मदीम (समराग्रिक वर्गहर कंदियाहिन। नाद खाहाय महिख टेकनारम्ब कानितीत विवादन्त्र महक्ष इष्ट, मस्मारमाहिती ভাষাতে যোরতর আপতি করাতে ছই কলে ভাষাকে এক দভি পলার দিয়া বধ করিয়া এক निष्केरकत्र मंदर्भ त्राचित्रा यात्र । (वन्यानी वजूना नाषी (बन्दात वाहीटक श्राकिख। इन्द्राकातीता ष'ते क्रम कतिया बाहेबाब मगदत्र काशदक बटन, মৰোগেৰাহিনী ভাষার মানীর বাটাভে विश्वार्टक । यह क्रम क्षाकांत्रम मा करत कावात गुरुनि (विवेदव । वे इहे जिस मियन शाम ज्यानि महनारमाहिनी लाख्यानमन ना कदारक घटना काक्षात्रं श्रदेशस काद्य शिवा (मिसिन) (मानिन्ड छ। क्रम वाहित इंहेटड्र अनियं मनवान प्रस য়াতে ইনশ্পেটর রিড ছার ভাঙ্গিরা প্রবেশ कृतिया (मृश्विर्णन, श्वीर्णाक्षीर मृष्ठ (मृह अक्षी নিশ্বকের মধেন রাখা হয়, দেইটা স্ফীত ছওয়াতে ভালার পশ্চাতের কবলা ভালিয়া ভালা উঠি शाह्म । यदं हहे (बाज़) खुडा व का ने ना कि **बॅड्डा १ देश पश्चिम प्रश्नमकान २५** । भटा नवी रमस् विक्रमर्था जिन्दामि क्रमकान क ग्रह्त हाति ৰঙ্গিছ জ ইয় । বিচারপতি মাক্বি দ্যার কোন कोञ्चन मन्त्रम मा कश्चिष्टा सामीत साक्षाः प्रिष्टाटक्रमः

#### २० अ अप्रवादत श्राप्तवाद ।

इतिरुष्धित विष्यु हिटाय अहे छ्वाचारा प्रश्च

পাইল। প্রপরিটেওে ট ইউরান লিক্ষা করুন।

स् अवार देखियात मक्षम विक महरामाछ। यहन, माफ्टहोन माह्य मखी हदेल बादेव भारत्य कात्रकवर्षेत्र (महक्ष्णोती हदेशन । बादे वेमांट्य (महक्षणीती हदेश कार्केयर्य्व (मोक्षा मा बान्टक हदेश । यक्षकः माफ्टीयान, मानि मयति संगिषक, अबादेव माह्यक्षित्र कार्यक

বর্ষের সেক্টোরি হইবার উপযুক্ত লোক তে আয় দেবা যায় না । 🙅

शिक् शिष्ठिमिनी यरनम, 'मिन्टिक हो। अयारम अमार्किशंत निममन देखि श्हेना श्रोटिक । ज्यानम लाग्य महिट्छ । अयम अमार्किशंत निर्द्धाः ममञ्जाक । अ

छेक शक्त वरमन, '' क्रीनशन छेशतन काम अने पन व्यवस्थानी होत्र ७०००८ व गरमर्थम् मानभर ४ ७ व्हेन्नारम् । कर्जक व व्यवस्थानम् पृत्ति कन्नात्र सथा चीकात शाहेग्रा देशास्त्र परम परमास्टत्रत्र कक्षक स्माक व्यार पृष्ठ व्यक्तिना विहातानस्य (श्रीतिक व्हेन्नारम

२> अ व्यवहायन मनिवत्। দেনাপত্তি ব্যাণ্ট আমেরিকার সভাগ इडेर्यम (मधा याहरण्डाइ । व्यक्तिश्म लार मक कीशाव अञ्चल्दान रहेश्वरह । विना आफ (क्वम निक्कारन किल्मासूत्र वृद्धेवात अहे <sup>त</sup> श्रधान पृष्टीखः। व्यामानिरशत् अक्षानमनिरः माखं तमार्शिक क्षां है मिल क्षमंत्रा स्नामाईद निमिष्य कथन परम्बीयनिशतक सन्तानी छोत मार्थापन कार्तन नाई अवर छिनि कछ : (याक्षा नाहे जानाय काश्य अविषय (मन माहे (फलिमिक्टिंग २**८लन, छुड़ेछिन ७** क्युकोंब्र मारः इंश्मर्खंड नहाच हिमावस्थानी कदारक समग्र व्यर्थं के का के इहेशार्क, कांश्र कात्रव बींच गवर्ग्यके स्थानीच भवर्ग्यस्केत्र नि জানিবার নিমিত্ব লিখিয়াছেন ৷ কে কি লিং त्मचा चोक्टिक, क्याबदा क व्यक्तिक्टिकि. नाच एव नाई।

পিয় নিয়র বলেন, উত্তর পশ্চিমাঞ্চলয় থ নতম বিচারলৈয় উত্তন প্রদেশের ছোট আলা ল টঠাইবার প্রস্তাব কারয়াছেন। গর লটর মার্গান বলেন, এইসকল আলা অধিক কাজ নাই। ছোট আদালভের উ লোকের এত অবিশ্বাস যে পঞ্চায়ত যদি টাকার ভূলে ৫০ টাকা দেওয়ান, তাহাও লে এইপ ক্রেন। বল্পেলের ছোট আদালভ শংকাতে কয়েক সহজ্ঞ মিথ্যবাদী সাক্ষীর রাজ্য ভোগ হইডেছে।

নেম্বলিক্ত মুল্যে গ্ৰণ্ডের ক বিক্রীক চইকেচে।

| 4 64. | , • | 4000E.       |                |
|-------|-----|--------------|----------------|
| 8 1   | 有   | ার দিক্স।    | 28   28        |
| 8     | *   | <b>(</b> ₱)₹ | 3811 28        |
| ŧ     | ¢   | প্ৰশিক ওয়াক | 5-8415         |
| ŧ     | *   | <b>C</b> 奉tt | 5 - 34 1 3 - b |
| 4 H   | *   | (事代          | 3334015        |

## ইউরোপীয় সমাচার।

मखन ३৮ वे नरवस्त्र । अक्रमम् अर्थे स्थ প্রতিনিধি মনোনীত ষ্ট্রাছেন, ইহাদিগের १ १४ ४ व्यव मिन्द्रम ७ ७४ व्यव करणात्र 'व। এक स्नम कममात्र (विधि मार्थिष्ट राज्य इमिधि इहेब्राट्डन । लाउन, जानरमा, यत হাম ও বাবভীয় মুতন প্রতিনিধির নগরে 'वलनरलंद मंखा हरेग्रारहन। यद देशाँडे लिल রে হেনরি বুল ওয়ার টামওয়ার্থেয় প্রতি ध भरतानीक इरेग्नाट्य । ला नाट्य विका পতিতে লণ্ডন বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রতিনিধি द्राष्ट्रमः माउएक्टोन विविधेरहम् श्रीकिषि য়াচেন। রিফরমলিগ ও বিশ্ববিদ্যালয়ের क प्रकाशन (यमकन (माक्टक श्राप्तिविधि ारेवांद्र ८५ छै। भारेग्राङ्ग्लिन, खाँशांद्रा नकरनरे ডাজ হইয়াছেন। লিখু কলনের বিশপ টেটের ंप नियुक्त इड्रेब्राइन।

১৯ এ নবেশ্ব। গভ কল্য পর্যক্ত ২৪ জন গ্রারবেটিব ও ১২৯ সন লিখ্রল সভঃ মনো চুহুইয়াছেন।

তরেল, সের রাজকুমার সঞ্জীক পারিদে উপ তে ব্রীয়াজেন। অল প্রাক্তংক্যকে জার্মদালার তে নেপিয়র ত্রিভিসিতে জাহাজারোংগ রিয়াজেন:

২৫ এ নবেশ্বর। এপর্যান্ত ৩৫৪ জন লিখরত ৪৭ জন কনসারবেটির প্রতিদিধি মনো গুড়ইয়াছেন।

মাগদালার লাভ নেশিরর আলেকক্সন্তি ভ উপনীত চইয়াছেন।

আলাবামা ঘটিত কমিদ্র ওয়:লিওট্রে বেন।

অদ্য মিগবের পাশাকে ভারতব্যীর ঠার । প্রদান করা হইবে।

७ अ सर्वष्ठत अभवै। ७ ०৮ ॰ काम निवत्र न । ७ ४ काम कममात्रविधित अफिनिधि मरमा १९ हात । एए जारक के हेकरमत अकि द हात । एए जारक के हेकरमत अकि द हात । एए जारक के हिम्म कि किमरमत । निधि हरेवांत (१९ होत्र कृष्ठमार्थ) इस माहे । ए विक्रमण एमस्विश निश्चारत भवाक्षिक । एम । अकि, कार्युक्षिम, कार्मताहे मारह्य । कार्युक्षिम्म रुद्रात अकिनिश्च हहेरमा ।

ভ রাত্রির গেলেটে আকবিশপ টেটও গম বারমেটের নিয়োগ প্রকাশিত হই

हेन। शर्का इं हरेट इं बक्की महर अंत्री उरशास्त्र । इ.1

৩০ জ নবেশ্বর। বোশাই বাাক্ক কমিসনের কার্যা, ৪ ঠা ডিসেশ্বর শুক্রবারপর্যাক্ত শুগিত হইয়াছে। য়বাটসন সাহেবের জবানবন্দী তিন দিবস হয়। সেবাপজি স্টার্নলি সেনাপজি শেলসনের পদে পশ্চিম বিভাগের সৈন্যাধ্যক্ষ হইয়াছেন। প্রিশ্ব জব ওয়েল্স সন্ত্রীক কোপেন হেগনে উপন্থিত হইয়াছেন। মাজরিজের কডক শুলি লোক সাধারপজ্ঞ স্থাপনের জন্য মত প্রকাশ করিয়াছেন। পাঁচখানি ফরানী সংবাদ পত্র বাতেনের বিষয় প্রকাশ করাছে। একখানি করানী বান্দীয় জাহাল স্থ্রজ্বের খালের মধ্য দিয়া গ্রমন করিয়াছে।

রাজকুমার চারল্স্ রুমেণিয়ার মহাসভা খুলিবার সময়ে বলিয়াছেন, নিরুপেকভাব অব লঘন করিয়া কার্য্য করা ভাঁহার খাসনের প্রধান কর্ত্তির কর্ম হইয়াছে। মন্ত্রিবর্গ পদত্যাগ করি য়াছেন।

# ন: :গবণ্টমণ্ট বিজ্ঞাপন। ৰঙ্গদেশীয় জেপ্টনন্টগৰণ্ডির আদেশাসুসারী নিয়োগ।

২০ এ নবেশর। তবলিউ, ফিডিরান সাছেব কটকেব সহকারী সাঞ্চিত্তেট ও কালে টর হইরা ভিতীয় তেলির অধীন সাঞ্চিত্তেটের ক্ষমতা পাইবেন।

२८ अ स्टब्बर । निश्वनिश्वि कर्मागतीया निका निका भागाय (कामात । कामाय कामाय (कामात । कामाय कामाय (कामात । कामाय कामाय कामाय कामाय । कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय कामाय

२६ अ नरवषत । मूत्रनिशावाह्मत माख्यिकेट छ कारणकेत अरु शक्ति गाह्मत श्रवम, (आनित श्रक्तिविध मान्यहेंचे छ कारणकेत संस्टित ।

্ত ২৬ এ মধেষর ৷ শত দিন ভাৰলিউ, অধলিউ, তালি সাংধ্য সরকায়ী, কার্যোপলকে ভারভারে

श्रीक्टरन, उष विय अ, अव, वाक्षित्रव नाटश्य काक्षारकृत अधिनिधि शूनिय स्थितिहरू स्टेटरन ।

বই প্রাণ্ড বাবু তৈরবচন্দ্র চটোপাধার বিদার
বাইরা ক্ষরপান্তি বাদিবেন, তত দিন চাকার
সহকারী মাজিটেট ও কালেটা ক্ষে. কো, লাইসব সাহেব আপনার কার্যাভিন্ন ভ্রমতা
প্রতিনিধি রেজিটাবের কার্যা করিনে।
মর্মনসিংহের ভেপুটি মাজিটেট ও ভেপুটি
কালেটর বাবু চক্রনারার্থ সিংহ এম, এ মান
ভূমে বদলী হইরা মাজিটেটের ক্ষমতা প্রাপ্ত
হবনেন।

২৭ মবেষর। সি, এ, উইলফিল সাংগ্ৰ ভাগলপুরের সহকারী মাজিটেট ও কালেটব হইরা ভিতীয় জেণির অধীন মাজিটেটের ক্ষমভা পাইবেন।

হাবড়ার দিনীয় জেবির কাইট সাজিটেট ও ডেপুটিকালেটর জি, ই, মাফ্লিল সাংহব মেদিনীপুরে প্রথম জেবির প্রভনিধি জাইট মাজিটেট ও ডেপুটিকালেটার চলবেন।

শিলভের চিকিৎসাকশ্মচারী ও সব আদি ষ্টাক কমিসনর ডাজনর জে, চ্ছানটিইডি কথারা এ জয়ভিয়ো পর্বতে বিভৌগ এঞানির অধীন মাজিটেটের ক্ষতা প্রাপ্ত ইইবেন।

ৰত দিন বাৰু তৈ স্বচন্দ্ৰ মত্ৰ বিদায় লইয়া অসুপশ্চিত থাকিবেন, তেও দিন বাৰু আনক্ষ খোহন মন্ত্ৰমদার দিনাঅপুরের অন্তর্গত বীর গালে প্রাতিনিধি মুক্ষেক হইবেন।

২৮ এ মবেশ্বর । ই, জুমগু সাবেশ করিদপু রের মাজিটেট ও কালেটর হইবেন।

अत्र, ति, विकि तार्व भाष्टित भाषित्रेष्ठे । त कारमञ्जूत स्ट्रेट्य ।

এ, বি, পালার সাহেব মুক্তেরের মাজিটেট ও কালেটার হইবেন।

ষলোহরের সহকারী মাজিকেট ও বালেইর সি. এচ. বৌশ্রল সাংহর চম্পারণে বদলী হইরা প্রথম প্রেণির অধীন মাজিকেট ও ডেপুটি কালেইরের ক্ষমতা পাই,বন

ময়মনসিংবের ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি কালেটর বাবু ব্রহ্মনাথ দেন আজিয়া উপৰি ভাগের ভার পাইবেন।

করিদপুরের ডপুটি মাজিটেট ও ডেপুট কালেটর বাবু ভগ্বানচজ্র সমু ময়মন্দিংহে বংলী হইরা মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন।

क्षितात (छण्डे बाक्षिक छ । छण्डे कारमञ्ज्य है, अब, त्रांग मारहर के विषणुर दश्मी इहेबा माखिरक्षेत्रेय कमक शांश कहेर्यम । দদীয়ার সহকারী মাজিকেট ও কালেটর টি, ডবলিউ, গ্রিবান সাহেব কুষ্ঠিয়া উপবিভা গের ভার পাইয়া মাজিকেট ও ডেপুটি কালে ইরের ক্ষমতা প ইবেন। ডিনি জারও কুঠিয়ার প্রধান শুক্ত বশ্বচারী বুইবেন।

জি, বাংলট সাংহ্র পদ ভাগ করাতে জে, জি, এন পোগস সাংস্কে ছাকার মিউনি সিপালিটির সংকাটী সভাপতি হইবেন।

ব'রুমহেক্স নাথ বিদেয়াপাধ্যার ছুমকার লাভব্য চিকিৎসালয় সভায় সভ্য হইবেন।

মুসি ক্ষ্তলাস লোহাধ্তর;র প্রতিনিধি মুসেক হইবেন।

এল: বি, রবাটিস সাহেব আরার বিদ্যাশিক্ষা সভার সম্পাদক হইবেন।

৩০ এ নবেরর । যত দিন জে, এ, হপকিল সাংহব উপস্থিত না হইতেছেন, তাত দিন যগে। হরের ডেপুটি মাজিজেট ও ডেপুটি কালেইর নাবু প্রভাপচন্দ্র টট্টোপাধ্যার মাঞ্চর। উপবিভ গেব ভার পাইবেন

মৌলবী ফরিদবক্স পুর্ণিয়াব আছেগত আছে। রিয়ার মুদ্রেক হইবেন।

রাবু গোকুলচান গন্ধার **অন্তর্গত** আহ্যান বাদের মুক্ষেক হ**ইবেন**।

বত দিন মৌলবী মোলাঞ্জিম হোদেন বিদায় লইর: তলুপড়িত থাকিবেন, তভ দিন সেরাজ গঞ্জের মুক্তোল বাবু কলীপ্রবল মুকোপা পাধ্যার বি. এল, বোরালিয়ার প্রতিনিধি মুক্তাক হটবেন।

শত নিন মৌলবী আবেছল জনার বিদায় লইনা অসুপক্ষিত থাকিবেন, ডাত দিন মোলবী আমীস্থাদিন চট্ট নামের অস্তর্গত ছাত্রলাব প্রতি নিদি মুলোগ ছইবেন।

জে, আগুলান সাহেব কিছুদিনের জন। ভাগলপুবের প্রতিনিধি জাইন্ট মাজিটেট ও ভেপুটিকালেটর হইবেন।

যত দিন ডবলৈউ, ও. এ বেকেট সাহেব উপ ক্তিন। হন, ডত দিন এল গ্রাণ্ট সাহেব পশ্চি মহরারে চড়ুর্থ মেণীর প্রতিনিধি ডেপুটি কমি সনর থাকিবেন।

১ লা ডিসেম্বর। ডাজের সার, মাকলিয়ত মশোহরের চিকিৎসা কর্মচারী হইবেন। কিন্তু বভদিন সার্জ্জন এফ, জে, আরল প্রত্যাসমন না করেন ডভ দিন নদীয়ার প্রতিনিধি চিকিৎসা কর্মচারী থাকিবেন।

যত দিন ডি, লেসি সাহেব বিদায় লইয়ু অন্তুপজ্তি প্রাকিবেন, ডাড দিন ডবলিউ, জার ত্রিণ সাহের পুরীর প্রতিনিধি পুলিষ ক্লুপরিন্টে তেওঁ ইইবেন।

णामानिरभत क्षित्रहेत मध्यावमाणा निधित्रारकमा

এখানে এক দল ক্ষারী আছে। তাইার।
লাইনা পুলিবের সমক্ষেই জ্বা থেলিয়া খালে।
কিন্তু কিজনঃ যে পুলিব তাহানিগের প্রতি
ভূলিপত করেন না, আমরা বুঝিছে পারি
তেছি না। আমরা অক্তঃ মাজিকেট সাহেব ও
পুলিবকে অপ্তরোধ করিতেছি তাঁহারা এই
দর্মবান্তকর ক্রীড়ার সত্তর নিবারণ করিরা মহৎ
উপকার সাধন করন।

ফন্তরি, আগ্না, সিংহচাপড়, পাগলা, বনভাগপ্রভৃতি প্রগণায় ওলাইঠার প্রান্তীব ব্ইরাছে। ঈশ্বরের ইন্ধায় এখান এখন পর্যন্ত এক প্রকার ভলি আছে।

এখানে মিউনিসিপাল কমিটি স্থাপনের প্রস্তাব হইরাছে। কমিটি যদি কেবল প্রজানীক্তন পূর্ম্মক কর গ্রহণ না করিয়া কাজ করেন ভবেই ভাল।

অত্তর নবাগত আইণ্ট মাজিটেট কেবল নাহেব এ দেশের বিষয় ভাল জানেন না। বিশে বতঃ বাজলা ভাষা ভালরূপে না ভানাতে ফরি-য়ালি, আসামী কিয়া সাজিগণের সনের ভাষ ফুল্ফর রূপে বৃদ্ধিতে পারেন না। অভএব আমরা মাজিটেট জীয়ুক্ত পিটাস্নি সাহেবকে অনুরোধ করিভেছি তিনি যেন আপাডভঃ ভাঁহার হতে রহৎ মোকদ্মায় ভার অর্পণ না করেন। কেবল শাহেবের আর একটা দোষ এই, ভিনি সাক্ষিণ ধকে জানেক দিবস ক্লেগ দিয়া থাকেন।

গভ অভির্থিতি ই অনেক ধান্য গাছ পচিয়া। গিয়াছিল। আবার গভকার্ত্তিক নালে বৃদ্ধি না হওয়াতে নষ্টাবশিষ্ঠ ধাকা ছিল, ভাষারও অভিশয় ক্ষতি হইয়াছে। চাউলের দর দিন দিন বু'জ পাইভেচে। পূর্ণে বে চাউল ১: ১ ১ ১ ৮রে বিক্রের হয়, ভাষা একলে ২: ০ ৷ ২ ১ ১ ২ইয়াছে। ক্রনে আবো অধিক মূল্য হইবার সম্ভাবনা।

গত সপ্তাহে জত্রতা জল জাফিসে একটা খুনের মকল্মার বিচার হটয়া গিয়াছে। হত্যা কারী চারি ব্যক্তির যাৰ্জীবন কারাবাসের আনেশ হটয়াছে।

जागांशी कना कड़ाना सहितात खनानिण भतीका ग्रहीक हहेरत। अवंत अहे भतीकाह भती कावी नरचा। कर्तक हहेब्राइह। नवातकृक खन, वानविश्वती क्व. इंडिंग क्व अवर मन् क्रू ता क्र.मधिक ३ - इक्षिण क्व इंडेटवा अ क्षा त्रचार्वे क्व व इंडेट्ड क्षरक्षिता व वीं व नाष्ठ क्षम क्षरमामीष्ठ इंडेग्राट्डम । ১१৯ - मक ४६ क्षर्यश्वराप्तका

আমাদিপের মগরাস্ত্রাদদ লিখিরাছেন:---

अधिक्रमक्षत्रवात् । अभूने मास्ति । अभूने मासि । अभूने नात्रक्ष कत्र व्याप्ति । क्ष्मिन । क्ष्मिन वाक्षित्र छे । अभिकृति वाक्षित्र छे । व्याप्ति । विभवक वाक्षित्र छे । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप

२ वाकीशृद्धतं मन हैनटण्लेहेत क्षेत्रका निमाहेगान इट्डोलामहास महानस स्मानते यक्खवर मण्लामन कताटल कांशतं समा है। तकत्रक्षि इहेस्टाइ।

৩। ইভিমধ্যে মগরার মধ্যে ছই ব্যক্তি কনে মানবলীলা সম্বরণ করিয়াছে।

৪। গত ১ • ই নবেছর অব্ধি ১৫ দি ডেপুট বাবু মগ্রায় কাছারী করিবেন। বি প্তিরা সর্কলা মক্ষাল অমণ কবিলে। অভি মগল হয়।

>७ हे महबद्द ) ১৮७० माल

আমরা মালিপোতা হইতে নিয়া
থিত সংবাদগুলি প্রাপ্ত হইয়াছি।

মালিপোভার মুবকগণের গছে এবানে ্ ইং বাং বিদ্যালয় স্থাপিত হইয়াছে। গভা মাস অবাধ ভাষা ২৪ গৈক। করিয়া গ্রন্থ সাহাম প্রাপ্ত কইয়াছে।

গভ ১৬ ই নবেশ্বর ভাবনি মালিপো; একটি লাখা ভাকখন খুলিয়াছে। ভাকখ কার্নের ভাব অক্তর নক্যালয়ের এক নক্ষকের উপর অপিতি হইরাছে বিদ্যাল। ভাকখবের কার্ব্য ক্লচাক্রপে চলিভেছে।

শীভের প্রার্থ্য এই স্থানে একটী আসিয়া উৎপাত্ত আরক্ত করিয়াছে। মহামাসমর অবধি প্রায় জ্ঞালসময় হওয়াতে ক বংশরাৰধি শীতকালো এইরূপ উৎপাত তেহে। সে দিন বেলগড়িয়ায় একটা গ্রু

कियुष्मिद्ग अडीख रहेत. (वलश्रीकृष्

ात्न श्रांनणात्र कत्रियाद्य।

ारमत नत स्ट्रेडिं अ श्रामत्न हमांख अना ্ আবিষ্ঠাৰ হইয়াছে। কয়েক ব্যক্তি এই াক্রাস্ত হইয়া মানবলীলা সংবরণ করি-্য একে এই দাকৰ পীড়া, ভাৰতে এখানে किरमद्यत्र अखाव, इंशाउ कि विवसम् कर्म ा बाटक काविया प्रभून।

## --:---चार्यापटभत कांत्रहां छोच् नश्वाम-

চা লিখিয়াছেন: —

১। সম্প্রতি জীনগর পোষ্ট জাফিনের कत्र भूलिका देखनगात, त्रांगातक अ नाता-। 🕊 হইয়া ঢাকার পৌছিবরে নিয়ম 🛚 হইরাচে र जीनगत रहेएक भूमिका महेवा पाईवात । कर्जुनक रेक्रनगात किंदिक इरे धन भना । নিযুক্ত করিয়াছেন। আমরা বুঝিতে পারি ছুনা, এতদারা জীনগরের ডাক চাকায় ছিবার কি স্থবিগা হইল দ প্রভুতে সময়ে ८म्न कालविस्य एहेवात्र**हे मखावना।** आमानि । বিবেচনায় অভিরিক্ত ছুই জন পণাভিকের গুনার্ছ্মি করিয়া কর্তুপক্ষ সম্ভ কাজ করেন া আমরা জানি বন্টনকারীর অক্সভানিবখন গরের ভাক ঘরের পত্রাদি বিলি করিবার ।विधा रहेम्रा थाएक। व्यख्नव व्यामन्। निर्माक शास्त्र कर्जुनरकत्र अमीरण कन्न्रदाय कति. ্থিত নিয়ুষ রহিত করিয়া পূর্মবং ডাক গম मरनत निव्रम कता इंडेक अवर जे अछि ः इतकताच्युरक 🕮 मगरत्व পঞ वन्हेन र्ग नियुक्त करा इंडेक, छारा स्टेरलरे ্কর পত্রাদির শীল্পপ্রান্তিবিষয়ে বিলক্ষণ वा इहरव ।

যুলিগঞ্জের ভেপুটে মাজিকেট বিমলাচরণ ৷ কোন কোনে কার্ব্যে আমরা অভিনয় াষলাভ করিয়া থাকি: ভিনি সম্প্রতি ্বাগিনী হইতে মীরকাদিম পর্যাত্ত একটী 1 निर्मार्गव शक्तांच कविता होना सर्अङ् তেছেন। কতক টাকার আস্থানিক ছিসাৰ ा जाहात कार्किक क्षांशिक्ता अवर्गमान्हे াট করিয়াছেন। স্তানীয় চালায় প্রায় ১২। শাভ টাকা সংগৃহীত হইয়াছে : ভরমা করি, शंस शवर्गरम हे विभला वाबुव बालसा श्वरण कतिरवस मा। अहे ताखाती निर्मित हहरम चार्शिमी कार्श्वरणतः । मार्यात्वतः । य कछ छेलकात . ज्वारा बना यावा मा। अहे ताखाव

ং রোপের যন্ত্রণ সহং করিতে ন। পারির। বিদলা বাবুকে চির স্মরণীয় করিবে। ছংখের विषय अहे (य, (अश्रुधी वांबू विक्रमशूरतत शिक्षमार শের প্রতি বড় একটা দৃষ্টিপাত করেন না।

> ৩। বিশ্বস্ত লোকসূধে শুনিলাম, এবার वाक्रवी (मनाब श्रुनिय कवष्टावन श्रेटफ ज्याष्टाक অভ্যাচার হইভেচ্ছে । ইহারা অনর্থক কোন একটা ছল করিয়া লোককে যন্ত্রণা দিয়া চারি আনা আট আনা করিয়া বলপুর্বক লয়। পুলে বের উপরিভন কর্তৃপক্ষ কোবায়? উাহারা कि हेश (भरधन ना? शुनिनाम मूजिशस्यत ডেপুটি মাজিটেট বাবু নাকি নিম্নত মেলায় থাকিয়া ভত্তাবধান করিভেছেন। ভিনি কি উলিখিত দৌরাজ্যের বিষয় শুনেন নাই ভিত্তে প্ৰবিষ্ট হইয়া ভজাবধান না করিলে काळ रहा ना । लाक इंशाबी कन द्वीर न स्टेटक ধার্থতে কোনরূপ জভাচার না হইতে পারে তৎপ্রতি বিষলা বাবুর সবিশেষ মনোযোগ (में बड़ा के छंदा।

 8। उक्तरमङ्क काकारन धान हाउँ न कृष्म नः হইয়া উঠিতেছে। পুরের যে চাউল ৩০ দের টাকায় পাওয়া যাইজ, এখন ভাষা ২৬ সেরের অধিক পাওয়া ধার না। গত ছর্ভিকের পুর্বেও এই সমল্লে এই দরে ধান চাউল বিক্রীত হইত। এবারও যে ছডিকের করাল প্রাস হইতে মুক ইওয়া যায়, এমন সভাবনা নাই।

 कार्राविद्या (भाष्ट्रे ज्यक्तिस्त्रत कार्या क्रूल्ल्ड রূপে চলিভেছে। ইহা ডব্রেড; ভেপুদী পোষ্ট মাষ্ট্রারের অমকুশলভ। ও কার্ট্রনিপুণভারে কল गरमार मारे। किन्न कर्जुशक्तात्र अरे शाक्षेत्राक्षाः রের প্রতি সুদৃষ্টি ন'ই ৷ ইনি আছি আলু বেডন পাইয়া থাকেন, ডৎপ্রতি ইনজ্পেটর পোষ্ট মাষ্টার মহাশয়েয় দৃষ্টিকেপ একান্ত কর্ত্তর।

## उत्मालू कच्छ नः बामना छ। निश्चित्रा ছেন:---

১। আমি আকেপ সরকারে প্রকাশ করি : खिक् (य. अथानकात हेश्ताओं) राजना विमा লয়ের ছাত্রগণের ব্যবহারোপযোগী মানচিত্র ্পালকপ্রস্থৃতি কিছুই নাই। এই গুই বজ্ঞা অভাবে শিক্ষাকার্য্যের যে কিন্তুপ ব্যাঘাত घ्रिया थाटक, छाहा ज्यमाद्वाटम वामभमा हहेटछ লারে। ভরসা করি কমিটীর অধ্যক্ষ মহাশয়গণ ও ধুনপোষ্টর শ্রীযুক্ত মাটিন মধ্যোদর এই অক্সাব ष्ट्रित व्यथमञ्जदन अनिराधि मरनारवाती वृहेरतमः।

- (२) এখাবকার নবাগভাভিঃ মেভিক্টেট জীযুক্ত বাবুরামকুষার বহু মংশবর বিদ্যালয় চি কিৎসালয় ও মিউ নিসিশালিটার উর্ভিন পক্ষে जितिएनय राष्ट्रयान स्टेबाएइम । श्रंख २२ अ स्वयंत्र कीरात वाक्षणाटक अंकन्नी मञ्जात व्यक्षित्वनंत रुप्र। **काराकि नभूनोत्र (भवत ७ 'क्रम**्रामः) ⊬रे हाति क्षेत्र ने**काक (कारकेश नेवाध्य क्षेत्रा**हिन। বিদ্যালয়প্রভৃতির উল্ভেশাধন সভার মুখা উল্লেখ্য। অল্লবৈতনভোগী হতভাগ্য শিক্ষ গণের উপর কি তাহাদের গুভদুকী নিপতিত হইবার সময় উপস্থিত হুইয়াছে,?
- (७) अ,वरनद अ अर्षण्य धारमञ्ज वक् क्ष्विया दिया वाहे एक इन । श्राचन का क वृष्टिनियसन कृषिकार्यात्र वाशाष्ट्र ७ वीव्य रमात्र বিনাশ এবং শেষাবস্থাতেও আনার্টিজনিত অনিষ্ট। এখন পরমেশ্বরের নিকট প্রার্থনা এই বেন, পুনরার হভাবান্ত ব্যক্তিগণকে ছডিক प्रथम नाष्ट्रकत्र व्यक्तित्र (प्रथित्र) प्रवृष्टे ६३८७ ना रुष्ट्र।
- (৪) আমরা বছ দিন আব্ধি তমোলুক বিভাগের একজিকৈউটিব ইঞ্চিনিয়ার সাংহ্রেব কাছারি তমোলুকে উঠাইয়। জানিবাব অহ রোধে চীৎকার করিয়া আসিতেছি। কিন্তু করে कार्ट्डिया विम कात (करे या खटन। क्षयान রাজপুরুষগণ নিজেই যখন ্বিলাসভিয়তা निवस्त वास्त्रवानी ज्ञान कविश्वा देवनवामाभएज সময়ক্ষেপণ করিতে নিভাত অভেলাঘী, তখন काशका व्यथीनक कर्णाहात्रीमिट्राज (धनामिक्षेत्र ভার বিয়াছে কি কোন কথা বলিভে পারেন ? व्यामता ही दकाम कतिरक कतिरक छ गरतरम বাহাছরের শাসনকালনী অভিবাহিত করিলাম। मिया बाउँक (मेन्न मट्डास्ट्रेंड मान्यकाटन আমাদের মনোভীষ্ট সিত্ত হয় কি না ইতি ৷

## থেরিত।

---:-:--

## मानावत्र जीवुक त्यामध्यकाणमञ्जाहक

## महालंब गर्मी(शवू।

মহাশর! পড় সপ্তাহের সোমপ্রকানে বীরভূমি শীৰ্ষকাব্ধিত পত্ৰধানি শাঠ কবিয়াছি: পত্ৰপ্ৰে রক ধীর**ভূমির জল বায়ু এবং** পীড়ার অবস্থা ধে ऋण निधियार्ट्स. खाद्या ख्रश्चकुछ न्हा এधरन (नंत कारन कारन क्यरतांश विशक्षण क्षवण इ-ইয়া উঠিয়াছে। উপযুক্ত চিকিৎসক নাংখাকংকে দিন দিন যে কড দল্লয় মৃত্যুলুৰে পডিড ংই-

**्डरङ, खाहात प्रश्वा (क कतिरव। किन्न हे**हात कता भवर्षायर केंद्र जिक्के द्वालम क्यों दूची। वश्रामाण्य त्य त्य अपरम स्वातः स्वातः छिपमञ् প্রোৎসম ষ্ট্রা গেল, গ্রথমেন্ট ডভংস্থানের कि खेनकात कतिएउ शाविष्ठारहर, संचित्न ्ञिथवा अवर्शस्यक्ति जिल्लाहिनी क्रिकेश नर्वे। स्ति इना कतिरल काराक हरेएक इत्र । कामारमव बाळ शुक्र (यंत्रा क्षेत्र छः अहेत्रश वृत्येत्रा शहेत्रा रहत रा, मर्--- र अप्ता गरमा गरमा (तादस्त्र) निन रहेरमञ्जाभाषाः (दनीय वाज्यवत কোন ক্ষতি হইবে না : স্তরাং ভাইার ট্রিপ্র मुक्तिमात्नत ७७ शहरायन कि? योश्रामेन अहिष व्यामारमद किवन व्यर्थ महेन्नाहे महक, व्यथ्य बेज्रान योहाता स्कान कतिया श्रीकन, उँ। हारमञ्ज्ञ निकृष्ट जात किছू द्वेशकात श्राह्मा কয়া ৰিড্ৰনামাত্ৰ।

পরত্রেক ময়ুরাকী নদীর বাঁধের বিষয়ে যাহা বলিয়াছেন, ভাহাতে হাঁহার আংশিক জন আছে অথবা হইতেও পারে, জিনি অস্তুরোধ পরতন্ত্র হইয়া ঐরপে লিখিয়াছেন। ময় রাক্ষী নদীর উভয় কুলে ৰভগুলি বাধ দৃষ্ট হয়, প্তাবং ভত্তংস্থানীয় **জনী**ধার্গণ নিজ প্রজা বংগৰি মঙ্গলাৰ্থ প্ৰস্তুত করিয়া বছকালাৰ্থি অ'পনারাই ত'হার রক্ষার উপায়বিধান এবং কখন কোন বাঁপ ভগ হইলে পুননিন্দাণ করিছা भारतन। ছाভিয়া ও শঙ্গদ্ধাঞ্চি আংবর वाभक्ष केंद्रण क्रमीमाहत्त्र कुछ अवर तक्षिछ। ० व श्रव शंक इहेंग, बस्ताब खटन के शंकि ভালিয়া বাওরাতে অসীদার গত বর্ষিভাল च राष्ट्र श्रमानिक्षित्र मरनावकार्थ श्रमवाञ्च अभावता কাবে উহার নির্মাণকার্যা সমাধা করিয়াছিলেন. ময়ুরাকী এ বার ভাহাও গ্রাস করিয়া (ফলি-য়াহে। বাধটি বংখাচিতরংশ **প্রস্কৃত** করি**য়া** না मिटल, क्ष**कांग्र**ागत ध्य मर्किमांन क्हेर्य छोड़ाह अरम्पर नार्डे । किन्न छेरात जना ताक्यभुक्तवितास উত্তেজন। कतात कल कि ? अधीमात यथन औ नकन शास्त्र नाष्ठ जाज्ञनाए करवन, खबन সেই লাভ ছাশ্বিছের মুলাধার উক্ত বাধটি নিক वारत शक्क कतिया जिल्ला जाननात शकानि शहक वृक्ता करूता।

বীর্ভুম मन बहनार LAKIBE PC ३२१४ माल । कमाहिष्ट्रहिण्डराज्य

জার, সি, এচ, এ, ড্যাল সাহেবের পত্ৰ প্ৰাপ্তি ও বজু ডা। रेड्रम् कृत् कार्डम् कृत्वत्र वर्षमान श्राप्तिवि

অধ্য জীবুক বাবু মারকানাথ সিংহ আংখে-রিকানিবাসী বিভরেও ভাল সাহেবলেরিভ क्रम्यानि पद्ध २० क मरवष्ट्र द्ररूप प्रशास्त्र श्रांख रहेका श्रीविश्वकृत्राचः कत्राव उक्कार्च ছাত্রগণের ক্ষাপ্রার্থ সি নয়ার সেকেও মাষ্টার এছক বাৰু জীমোহন চক্ৰবন্তীর হত্তে পত্রখানি ्त्रमर्शन करत्रम्। किष्ठ जिल्ला राति । ज्ञाचानुः विवस्त छेक कार्या १ छ एक एन जनमर्थ एहेता উজ কুলের সিনিয়ার খার্ড মাষ্টার জীযুক্ত वाबू अस्किक्क मृत्याभाषात्रव्र रूउ कर्णन कतिरममः। विरमयञ्च ७ कार्य। मण औहिक बाबूद अञ्चयकाञ्चनादत कृ दनक अक्ती क्षण्य गृदह याच তীয় ছ'জ সমবেও হট্গে উক্ল বাবু নিম্নলিখিত श्रकारत व्यक्ति कविर्त्तन। " अशास मकन শিক্ষক মহাশয় ও যাবতীয় ছাত্রগণ উপস্থিত এ:ছেন। আমাদের ক্ষুলের বর্তমান প্রতিনিধি লিল্পাল ৰাৰু ছাৰকানাথ সিংহ মহালয় ভ্যাল লাংহ**বের নিক্ট হইডে অল্য ( ২৬ এ ন্ৰেষ**্ রুঞ্জা ভবার) যে পত্রথানি পাইয়াছেন, ভাছার মর্ম জানাইবার নিমিত্ত তিনি নিভাত অভি नायी एरेप्ट्राहित्नमः किन्न कार्यतास्त्रत्व बताश्रुक थाकारण निरम जामभर्य रहेश्वारक्रम । असमा আমি সেই পত্তের মর্ম্ম ভোমাদিগকে জানাই (७) । भ अहे विशिश भ(आप्तवाहेन कविश्वः श्वान क्रांशरकृत छेन देख इवित नराम्न अरु बंध काश्रक **इंजिन्दिन मिचारेडा करितन, '' (४४ ७३ (४** আমার হত্তে কাগজখণ্ড দেখিতেছ , উহা কি অনু মান কর? যি নি বলিজে পারিখেন, তিনি জিল ৰুন্য কেছ্ই যেন ছভোড়েভালন না করেন। ভাষা। · अ अक्तरकर निकडिश्रधाय (मिश्री निष्ठिहें) विन्दान, य महाचात्र कृतन क्लामता भाठे कति (अर्थ, (मर्थ मनावास स्वाकास के कार्राल मार्ट्स वन অনেশ্প্রচলিত নেটি। ইহা সেই দেশভির অন্য কুত্রাপি প্রচলিত ছইবে না। সেই মহাদেশ कारमञ्ज्ञका अहे नारम थांच अवर धे मश मिन चार्षीनका मिरीव कावात्रशन्मित कथिड · हरेग्रा थाट्कः। ज्यामादम्ब स्मरम् ১० টाकात स्वंगरथा'त (नाइ इम्र नाइ) खनिएक शाह টাকার নোট প্রচলিত হইবে। কিন্তু আমার इंख्यु करे रा लाविशानि (मधिए७४, देशत मृत्यु 🖟 नै। ज्याना माजा। हेश किवल जारविति। वामीक्षिरभव अञ्चिषात । अन्तर । उत्तर मारक्य चानुबेश्व अहे (नाष्ट्री किन न (डामार्मित पर्मानार्थ श्चित्र कित्रार्हन अवर भर ज अहे लिथिबार्ह्स त्य '' आमात हर्षित इच्चवह्म प्रतिअमी निक्ककः

महानिद्वाच च ছाज्ञनभगर कूनरेन खारकर ভ ় ঈশ্বকুপায় আমি শারীরিক স্তুম্ব আছি কিছ মানসিক আস্তেভাগীনটি। আমাম একটী আচুল বাগ জেয় করিবার নিমিত্ত কত **डीमा पर अर् कतियाहि अकतिहरू हि। नेयुना**ः চাদা সংগ্রহ করিভে করিতে বোধ হয় ডিসে ৰৱ মাণ অভিবাহিত হইবে৷ আনি আগামী জামুয়ারি মাসে কলিকাভায় উপনীত হইয়া अक्री वानी अन्य कतिव अवर औ वानिएक इंहुमक्ल वाष्ट्रि खून, बाक्ष खन व्यर्शर व्यरेक्डिक मतिखिविम्यामप्र ও वालिका विम्यानप्र अहे किन कृत रथम সামकर्ता शांकर्ड (प्रचित् ख्यम बाबारक मुम्भूर्व क्रुन्न कानिरयन इंग्डि 🔭 विरयहना कतिया (मर्थ, ज्यायानत मार्ट्य (क्यम नत्रिटेक्सी a विषयाञ्चलक । अभन दिन कि छेनविक इड्टेंब, विकिन् छा'ल नाट्डेब नहाम छाना मित्र हिटेखिणाङ्गिङ वनवंखी हहेशा विश्वन पूरव थाकूकः परमर्गत जीवृद्धिमानमार्थ अकाण **बस्वक बाकिटड (छामामिशक बारमम क**हि**रव** ? বখন ভোমরা হিতৈবিভা বৃত্তির আজাপ্রভি भागन क वृद्ध अवर यथनं विदेशिषावृद्धि है एक क्षिफ ध्हेम् कि चरमण कि विरम्भ नकरलएक चसूरक रहेटड (फार्यामिनाटक करिट्र এवर অকৰ্ত্তৰা বোধ তৎসম্পাদনাৰ্থ বন্ধ বান ক্ইবে, ভখন ভোষরা ভ্যাল সাক্ষেবের ন্যায় মেরণীয় হইবে। আর ভৌমাদের জন্য শিক্ষক মহাশয়ের। এত যে ক্লেশ ও পরিআন করিতে ছেন, বে সমুণীয় সার্থক হইবে।

मा था विद्वीता ro a acada 2000

अकाख वजदम ।

--- } • {----মহালয় বিজ দেশ সভাতার্দিকে দৌজি (फर), फड़रे । मर्रे मर्ट्स मर्ट्स (य (लार्ट्स) কচি পরিবর্জিত হইতেছে, ভবিষয়ে জাণুমাত্র मर्नप्रांमार्डे, अथन (य जाति मिट्क काखिनप्रक्षय)। **इलिफ इंड्रेएक 'अत्रष्ठ इंडेग्नाट्ड', फाइन এ**ई कार्मत मह्माल कार्यः इहेटचर्डः। य खयनः याखा क्षडांगड जाएड. 'छाश क्रिवियर्डन নিবক্ষন আর ডোদুশ আ'মোদিপ্রদ হয় না: আলামী আলুয়ায়ারি নাস অবধি এখানে পাঁচ তৃত্তিকর হওয়া দূবে থাকুক, যেখানে যাত্রা হয় ভাহার বিদীমায় পদাপণ করিভেও মন ১য়না। এমন অবস্থায় ঘাঁচার। এই অভিনয় श्रथा श्रम्भात कविएक केट्रानां । श्रम्भागवान काशांक्रारक (य धकारव) इक्केन, फेरमार्शकत *बाधुरमार (व ७ग्र) (आ*यं ऋदं निर्हा याहातः कृष्विष्क, मन्त्रपञ्जाव, जीशांबाई क्रिप्त व्यट्मवन कवित्रा अकृष्टि (प्रथाहेश्रा थात्कन । काशाय ः स कीश्रास्त्र प्रशासित्का वा खेतार्थ। श्रामा शाव ना, हैश बला व'छ्टामाङ्गः

গত প্ৰদার সময় ধনরারী আবাদ রাজসং ারের দেওয়ান রামলাল বাবুর বাড়ীতে বে নদসম্ভী নাটকের অভিনয় হয়, ভাহা স্থপ্তাৰ श्रिक्रफस्राप क्रिकीफ रह नारे, এरेस्रण । विषयुर्व भव সেদিনকার (गोमश्रकारण जिक व्हेब्राइ. (प्रशिक्षाम । াহা লিপিয়াছেন, আহার প্রতিবাদ করিবার ামার ইচ্চা ছিল না। কিন্তু আমার এতি যে ক্ষর কর্ষ্যভার (সংবাদদান) অপিত াছে, ভাহার ক্ষতি হইতে পারে, এই বিবে নায় অগভা। ভবিষয়ে প্রস্তু ক্টলাম। প্র धत्क वरमन, '' देक माहिरकत फ किछ्हे (प्रथि-াম না নলমমুক্তীর পাল। যাত্রা চইয়াছিল টে<sup>ট</sup> । কি আশুর্ব্য বাহার। রাজ্যন্ধ কিবা ाषित, षाहात्रा चित्र च नकरमहे प्रचित्राहिरमन य अक्यांनि নাটকের অভিনয় হইভেছে। उद कि मा, याहादा निफाश्व (दाधमञ्जिमून) ्करण करिटारमञ्जू समरत्र काहा मन्त्रधाराय हथ নাই : কিছ আপনার পুরুপ্রেরক ও এক জন ভাল জানা শুনা লোক, তিনি যে যাত্ৰা ও অভিনয়ের ভারতম্য করিতে পারেন নাই, ইং। अब क्लाटकत विवय नटह । এই ननममूखी नाउन খানি জবিকল মাহাভার মেঘনাদ বধ নাটকের পছতি অবলম্বন কব্নিয়া রচিত ইইরাছিল। পাড়া গাঁহে অভিনীত হইবে বা বা সচরা চর নাটকে যতগুলি গীত থাকে, ভাহার মপেশা ইহাতে গানের ভাগ কিছু অধিক সরি ৰশিক করিয়া দিয়া প্রীগ্রামের অভিনয়োপ ্ৰামী করিয়া দেওয়া হইরাছিল। ইহাতে নট নিটী নেপখ্যবৃহপ্ৰভূতি সকলই ছিল। ভবে ষ ক্ষেত্র আপনার পত্রপ্রেরক এ অভিনয়কে ार्गना " भाना याखा " वनियः हित्सथ कति-লন, বুঝিতে পারিছেছি না। বোধ করি, शिरापत्र এ अञ्चिमरम् मः ध्वतः बाह्म, डाँशिन াকে অপ্রতিভ করাই ভাঁহার মুখ্য উদ্দেশ্য। টুপসংহারকালে জাপনার পর্ত্তেরককে অসু রাধ করিতেছি যে, তিনিই একখানি '' শুদ্ধি 'ख ' मिन्, नषुरा त्रक्त विवय श्रकाम म्बिया पित्र।

वनप्रातीकावाम (कना वीत्रष्ट्र्य ১७ हे जक्षशासन) २२१६

বলদেশনিবাসী হিল্প পুরুষেরা পর লোক ভ হইলে দায়ভাগের ব্যবস্থাসুসারে অনেক ইলে আইন্নভর সম্মী বর্তমান থাকিতেও দুর-

कत कुट्टेरबत्रा काहात्रप्रित्मक धरम रविश्वकाती सम विभिन्न प्राप्तभारत धनवामीत छेखनाविकाती-मिश्रास जे अमधिकाती निक्रिश्यकीरमूत्र करून (भाषान्त्र स्वतः वाधिक क्रा रहेब्राह्म, ख्यानि मून धनीत माम्रामवर्ग, कहिए थे विधान भानन হরিয়া থাকেন। ফুডরাং ধনীর মৃত্যুর সঞ নম্মে তদীয় হতভাগ্য পরিবারগণকে অরাচ্ছা- \ দনের নিমিত যার পর নাই নিরুপায় হইতে হয়। এমন কি. অনেক শুলে উচ্চানিপকে ভর্ণ (भाषन ও जनजानाणित कना जातात भनकर পর্যান্ত হইতে হইয়া থাকে। নিরূপায় ব্যক্তিদি পের রাজহারে প্রার্থনা রুরা এক মাত্র উপায়; কিন্ত আমারদিগের প্রধানতম বিচারালয় শক্তাভি পুত্রবধ্র ভরণ পোৰণ শুগুরের जनभा कर्जन वश्र विश्वा निष्णां कर्ताटक मुख ধনীর হওভাগ্য অন্ধিকারী পরিবারের সমস্ত আশা ভরসা একেবারে চ্ছিন্ন হট্ডা গিয়াছে। মহালয়: পুত্রবধুপ্রভৃতি জীপরিবারেরা যদি ধনস্বামীর নিকট বা জদীয় বিষয় হইতে জরণ পোষণ পাইতে বঞ্চিত হয়, ভবে ভাহায়া কি উপায়ে উদরার সংস্থান করিবে 🏞 যাছারা श्रकामा क्रांट्स (भटन क्योनिक ब्याहान ब्राह्मान ভদজন্য অপবাদগ্রন্ত হয়; যা**হারা অভাবতঃ** লক্ষাপরভন্ধতানিবলন গৃহ বহির্গভা হইডে भारत ना, याहाता वामहावधि **चडः नृत्रवामिनी** কামিনীগণের এবং একমাত্র পভির মুখভির দেখে নাই, সেই কুলকামিনীরা কি একটন উদরাল্লশংস্থানের अन्य পথে পথে **ঘারে ছারে** ভ্ৰমণ বা ভূত্যবৃত্তি অবলয়ন করিবে? সম্পা पक महानग्र ! विट्वहमा कक्रम, अधामक्रम विहा রালয়ের এ সিদ্ধান্ত ছিলুদিগের কুলধর্ম্মের मञ्जूक श्रम्भाता मध्य कतिएउए कि ना ?

কলিকাতা।
১ ৫ই জগ্ৰহায়ণ
১২৭ ৫।

কীকৈলাসনাথ বস্তু।

#### नःः-मृनाधोशि ।

**डेकी**लावान ত্রীযুক্ত বাবু ঈশানচক্র রায় ১२१६ व्यवश्चिम वहेट्ड १७ का विक 10 <sup>৯</sup> কিমুসিংছ রায় রলপুর ১৮৬৮ फिरमब्द हर्हेए ७० नरवब्र 30 ৯ ব্লসিকলাল রায় नलशंकी **३२१६ (शीव व्हेटल क्**किन 94. स्ट्रमहों। " रुविरमास्य वाब क्रोकि ७१ काउईड़ १ एवंदिक १५ र ١. আসাবের রাজা (भी हाजी ১२**१६ जनहां त्रन हरेएक १७ कार्किक** 📑 ५०

अ छेनाइतन इट्डोलाथात इडालाला
 अ छेनाइतन इडेटफ ७३ नरनवत्र
 अ मनियादन लामहोत्र्ती मीजनवत्री

## সোমপ্রকাখসংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

व्यक्तित्र वता क लाल्यांकरण व शहिरत वरू-वर्षा शामध्यकान (क्षेत्रन क्यू) बांद्र वा ।

ইংর অঞ্জিন মূল্য বার্থিক ১০ টাকা এবং বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা । মক্ত্রলে ভাকমান্ত্রল সমেত বার্থিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং জৈমানিক ৩৬০। তিন মাসের স্থানে অঞ্জিম মূল্য এইণ করা বার না। ছণ্ডি, বরাতি চিট্রি, মনি-অভার, নোট ও প্রাপ্ত টিকিট, ইহার অন্যত্তর বাহাতে বাহার স্থাবিধা হয়, ভিনি সেই উপায় ধারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

बाँहाता द्वाण्णिकिके शाक्षित्वन, द्वाहाता वन अक अथवा आध आनात अधिक मूटमान द तमीरमम विकिके (सेतन ना कटतन।

वर्धन विनि मक्चन व्हेट्ड लावश्रकार्णत मूना भागिहरवन, छाहा त्यन (ब्रक्तिक्टेड्र क्रिज्जा क्रीवृक्त बात्रकानाथ विनाष्ट्रवर्णत नात्य भागि-हेज्रा तम्म।

याँ शिक्तिशत यूना क्रिनात नमत्र चकीक स्टेत्रा चानित्व, अक्सानशृत्ति होशिक्तिक क्रिन्ने निभिन्नो खानान बाहेत्व, कान चकीक स्टेत्रा शासक अक बात क्रिन्ने स्वाध स्टेत्व, काशत शत अक्सानकान क्षकीका क्रिन्ना काशल वस कता बाहेत्व। त्यां बाह्यत शता त्यत्रातिर शामान् स्टेत्व।

মাতলা রেলগুয়ের লোণাপুর ষ্টেসনের ভাক বরে চিটি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

বাঁহারা মাজ্য না দিয়া প্রাদি প্রেরণ করি বেন, তাঁহাদিগের সেই প্রাদি গ্রহণ করা বাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিছে ইক্।
করিলে ভাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংক্তি 
আনা ভাহার পর 
৴>
ভানা, দিতে ইইবে।
বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা করিবেন, ভাঁহার সহিত শতত্র বন্দোবন্ত হইবে।

এই শত্র কলিকাভার দক্ষিণ পূর্না নাতলা রেলওয়ের লোণাপুর ষ্টেশনের দক্ষিণ চালভিশোভার জীয়ুক্ত ছারকানাথ বিদ্যা-ভূষণের বাসতে প্রভিদোনবার প্রাভঃকালে প্রকাশিত হয়।

# मियशका

) ল ভাগ<sub>!</sub>

8 मण्यात ।

## " प्रवत्ततां प्रक्रतिहिताय पार्थिवः सरस्वतो श्रातमहती न हीयतां।"

যাসিক মূলা ১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১০ দশ অগ্রিম বাণ্যাসিক ব॥ সাড়ে পাঁচ টাকা,

দন ১২৭৫। ৩০ অঞ্চায়ণ। ১৮৬৮। ১৪ ডিদেহর

নিশসলে মাজুলসমেত অগ্রিম বাধিক ১২ বানাসিক ৭. ও তৈমাসিক ৩৮ টাকে

## বিজ্ঞাপন।

## " हिन्म गहिला गाउँक "

( সোড়াসাঁকো অভিনয় সভা হইতে পুর-

কার প্রাপ্ত।)

উক্ত নাইকে ছিল্লু মহিলাগণের ছববস্থা ব্যক্তি ছইয়াছে। ঠনঠনে করণ্ডয়ণলিম নীক ১৭৬ নং সংস্কৃত হাস্ত্রের পুস্তকালয়ে প্রাপ্তবাং দুলা ১ এক টাকা।

ত্রীবিপিনমোধন দেন গুপ্ত।

वेग्धेवे जिल्लान (तल ७ (त्रा

वड भिरमत इति नमरम्ब विकिते।

ত্ত জারা সর্কাশধারণকৈ অবগত করা

যাইতেছে যে গ্রদক্ষ এপ্টেমন হইতে বর্তমান
ভেমেশব মানের ২১ এ তারিখে বা ভংপরে
যে সকল রিটরণ টিকিট বাহির হইবে
ভক্ত রা আগামী জালুয়ারি মানের ৪ ঠা
সোমনার পর্যান্ত প্রভাগেনন সাধিত হইবে।
বোড অব এডেলি
ইপ্টের গুয়ারর

বলিকাত: ১৮৬৮ } বোও অব এজে স ৫ই ডিসেম্বর।

দির্দ্ধানিতের বিলাপ মুদ্রিত হইয়া প্রকাশিত।
ইইয়াছে। পুত্তকের কলেবর ৮ পেলী ফরমার।
১৪ ফবমা অথাব ২১২ পৃষ্ঠা। মূল্য ৬০ আন:
যাচার আবশ্যক হয়, ঠনঠনিয়া সংস্কৃত যন্তের।
পুত্তকালয়ে অথবা পটোলভাকা বাভুয়ে প্রানর।
এও কোর পুত্তকালয়ে অনুসন্ধান কার্তেই
পাইবেন। ইণ্ড

১২৭৫ সাল ২৫ অগ্রহায়ণ সংস্কৃত কলেজ

ঞীশিবনাথ ভটাচার্ন

কলিকান্তাধ অন্তর্গত জ্বোড়ার্গাকের বারা
গদী ঘোষের ক্রীটের মধ্যে মৃত রাধানাথ কুণ্ডের
দক্রণ আমার খরিদা ১/১৮৮/ বিষা ভূমি বিক্র রার্গ গাছে। চৌহন্দি উত্তর সরকারী নর্দ্দামা,
দক্ষিণ গলি রাস্তা, পশ্চিম শান্তিরাম সিংহের খরিদা বাটী ( বসত বাটীঃ সংলগ্ন) পূর্ব রাম লোচন রায়ের পুন্ধরিদী। ক্রেভ্রাণ গাড়পার মৃত্তাপুরের ১০৪ নং বাটীতে ক্রীযুক্ত বারু বিপ্র দাস বক্ষোপাদায়ের নিকটে অনুসন্ধান করিলে

> কলেকাত। প্রীবৈকুণ্ঠনাথ গুপ্ত সম ১২৭৫ ১০ ই অনুহায়ণ সাং হালিসহর

> > वाल्गीकि तामायग । विजीयव्या

এই পুস্তক তৃতীয় অবিধি নবম সর্গপর্যান্ত ।

ক্ষিতীয় সংখ্যা নাগবাক্ষরে রামান্ত্র্যুক্ত দীকা ও ।

বাঙ্গালা অনুবাদের সহিত কাব্যপ্রকাশ যদ্ধে ।

মুদ্রিত হইয়া বিভরিত হইডেছে । ইহাতে মাহে ।

বা ভীখাল লাগেজী অট্টের দীকাও স্থলবিশেষে 
উক্তি করা টেভেছে ইইচা প্রতি সংখ্যায় ১০ 
করমা অথাতি ও পাঠা করিয়া মুদ্রিত ও প্রচা 
রিড ইবৈ । মূল্য ॥ ও আনা । যাহারা প্রাচক 
অবীভূক্ত হয় ও চাহেন, লাহারা আমার নামে 
কলিকাতা ভাক্ষা স্মাজে পত্র লিখিবেন । বিদে 
শীয় প্রাচক্ষিপ্রকে / ও এক আনা ভাক্ষা প্রলা

জান্থিন ১২৭৫ - জীহেমচন্দ্র ভটাচায়। ভারাকাশগণা

) ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়ে ও পটোল । ডাঙ্গার বাড়ুহোঁ আদার কোম্পানির দোকানে মংপ্রণীত ও মংপ্রচারিত নিম্নলিখিত পুস্তকও লৈ বিক্রের হইতেচে —

| . 1. //0 - 20      |                |      |  |  |  |  |  |
|--------------------|----------------|------|--|--|--|--|--|
| প্রণীত             | भूना           |      |  |  |  |  |  |
| <b>এ স</b> ইতিহাস  | , <b>, , ,</b> | होका |  |  |  |  |  |
| (রামই ভহাস         | ١              | Ē    |  |  |  |  |  |
| ভূষণসার ব্যাকরণ    | ١              | জানা |  |  |  |  |  |
| নীতিযার (১ ম ভাগ)  | J              | Ē    |  |  |  |  |  |
| নীভিদার (২ য় ভাগ) | J              | Ŷ    |  |  |  |  |  |
| প্রচাবিত।          |                |      |  |  |  |  |  |
| भूभद्रवाय द्याकत्व | h              | ú    |  |  |  |  |  |
| - 🚨 ছারকানাপ শক্ষা |                |      |  |  |  |  |  |
| °0°                |                |      |  |  |  |  |  |
|                    |                |      |  |  |  |  |  |

## পুরাণ প্রকাশ। বিষ্পুরাণ।

অন্ধবাদ ও টীকা সমেত প্রত্যেক খণ্ড। ৮ পৃষ্ঠা। অগ্রিমমূল্য )। • ।

গনি গ্রহণাভিলাদী হইবেন ভিনি মুঞ্চাপুর আমহর্প্টাটীট ৩৪।১ নং ভবনে কার্প্তকান দক্ষে অথবা কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে শ্রীযুক্ত জগনোহন ভ্রনিলক্ষারের নামে শ্রু খণ্ডের ইক্ষা অলিম মূল্য পাঠাইবেন। ভারিদ না প্রেটলে বিদেশে বিদ্যাপুরাণ পাঠাইবার নিয়ম নাই ইতি।

## বিক্রার্থ।

গারজেন রীচ ২৪ নং বাটী গুদামসহ ১৯ নংক্রোড়া বাগান।

উপরি উক্ত বাগান ও বাটী যাঁপারা ক্রথ করিছে জ্বাথা প্রকৃতে ইচ্ছা ক্রেন, নিয় আক্র রিড ব্যক্তিব নিকট জানাইবেন

> কিলে গ্রারণ জারবো-থনট এবং কোং

### বিবিধ জব্যাদি বিজয়ার্থ

#### প্রস্তুত।

ইংরাজী ব হাল। পুত্রক কাগজ কলম নামা निव खबाकि भाउता मात्र এवर शृक्षका करण ৴ এক আনাৰ হিসাপৰ ক্ষিত্ৰ দি । অধিক डाकात शुक्रक महाम 🔑 । जानाव हिनादव भाइतिमा

এীবুক্ত বাবু কালী প্রদান সি 'হ মহোদয়প্রণীত গদ, ১৮ পদ্ম মহ'ভ'রভ ১৭ খণ্ড ৩ ভাগে উত্তর

लक्ष्म कारमा कालिया व्यथीर जैवन कन्ना-4 ' 77 211 .

মহাম্মদের জীবনচলিত উত্তম রঞ্জিত ১ হর্মসংক্রপ্রভুতি প্রচীন কবি ওয়াল্যনিগের

াীক্রংগ্রহ भाड़ी ब्रक च:क्<sub>र</sub>िवन'म

প্রভন্নপ্রবাহ উৎকৃষ্ট কবি, ্ आस्य मधिन नाधिनी

এমথ ভর্লিণী

ষত্নাথ ঘোষকৃত সংগীতননোবঞ্চন নমুনামজ্জু কাণ্ড করিবর ঘারকানাথ রায়

শ্ৰনীত

রাসরশামৃত সংস্কৃত ও পদ গীতগোবিদ্ জয়দেৰ গোৰামী প্ৰণীত মূল ७ यष्ट्रमाथ । नायु भक्षानम्कू ए ११मा কৌভুক ভর্মিনী ইংবাজি কেন্দেষ্ট্রি হইনে

বিবিধ আনেচ্যাজনক বিদ্যাদশন হয় व्यक्तिमुर्खि महिख : २९७ मार्स्स क्ल प्रक्रिका ॥ जे अक शिका

हुन्। रङ्गा शह ٤ ক্যলভারিনী স্টীক চণ্ডী মুল ও অলুবাদ সংহত চবিত্যঞ্গী ইংটেছ মিট্টা ন্ বিষয় दिर्भ्यक्षरण द्विक व्वशास ٠ د

इरक्रा 📾 ১৮ ५० मारला १ वर्षे (द्रभार की কুমারীকুমার পদ্য আদিবসপ্রণান কাব্য ১

সংগ্রের যোহিনী শক্তি গণেশচন্দ্র শর্মাক্ত ব'কলা এইলাস ইতিম কাগালে এ উত্তম অপত্রে মুলিত Ċ,

दिश्वाविवाह नाष्ट्रेक কংমিনীকুমার রসরত্ব'করান্তর্গাড নায় ক

নাহিকাঘটিত ভূগেস কাৰ্য **h** • मधिकुछन। कादा भारतीयां इस वास्ताभा-ধ্যেপ্রণীত ছর্গেলন ক্রীর মত লেখা

छेषभः मञ्जू ल ० दी 211. **₹** 53:4.7 **५२थानि बान्नाल**ः मा। প

8 H .

P P

সতীক চৈত্ৰ,চাৰ্ডামুক্ৰাস্থ काम (बनी नाष्ट्रेक) काइनमरगुक २ चंख £3712 উষাহরণ পদ্য াংভোপদেশ বিষ্ণ শর্মার সংগ্রীড

প্রী প্রতাপচক্র রায় কলিকাতা ক্লোড়া-नगम (वरक्रा मारक। ७१ मर

## निवशं निवशं नि

मन ১৮७৮ मार्लिव मरवन्त्र मार्मित् २२ इंहेर्ड ७० এ নবেশ্বর পর্যান্ত ভাগীরথী নদীর দর্মধমতি জলেব দাপ্তাহিক বিপোট ।

সর্বাকমতি জল স্থানের कृष्ठ हें कि পলানদীর সহিত ভাগীর্থির মহানার যোগের স্থান ₹• মহালায় ١. তথা হইতে জলিপুর ১৩॥ মাইল মধ্যে ર জ্ঞাজিপুর হইতে বহরমপুর ৪৬ মাইলের মধ্যে २ বছ্রমপুর হইতে কাটোয়। ৫ - माइटलत मर्यर ર কাটোয়া হইতে নদীয়া **८७ मा**डेल गर्पा

সন ১৮৬৮ সালের ও ডিসেম্বর বছরম প্র গল্পাটের জলের মাপ।

3 33 গভের উপর तक्ष्र श्र ) जीएक ति है, ऐहेक े धर्क छिन छेनी व है कि नियुव र वहतम्भुव छिविकान।

### সোগপ্রকাশ।

C (1.84 144 44

ত। এ অগ্রহায়ণ গোমবার।

আমরা গাভবারে ব্যায়ামচর্চাবিষ য়ক যে প্রস্তাবটী লিখিয়াছিলাম, এক জন পত্রপ্রেরক ভাহার প্রতিবাদ করিয়া নিকটে একথানি পত্ৰ আমাদিগেয় প্রেরণ করিয়াছেন, তাহা যথান্থানে প্রকটিত হইল। আমরা পত্রথানি দেখিয়া जुके इहेलाम। পত্ৰপ্ৰেরক ৰলেন, কয়েক कन क्यन, बालक नाम्राम निका कतिया অভিনয় করিয়া বেড়াইভেছে; কিন্ত

व्यक्षिकांश्रानत व कृष्णु इखि नाहे। व्यक्षि কাংশ লোকই যাহাতে বথাৰ্থ হয়, এইরূপে ব্যায়াম শিক্ষা করিছে ছেন।

আমের। ব্যায়ামচর্চ্চাশীল কতকগুলি ব্যক্তির ব্যবহাররভান্ত শ্রেবণ করিয়া नांधातरना (सं अञ्चान कतिशाहिनाम, তাহাতে আমাদিগের দোব হইয়াছে मटमह नाई ; किञ्च आमत्। नवसूवकशत्नत র্থা আড়মরপূর্ণ ঘেসমক্ত কার্য্য দর্শন করিতেছি, ভাহাতে আনমশঃ আমাদি গের হৃদয়ে এই সংকার ধন্ধুল হই তেছে যে, **डाँशिं ए**गत हरेट आंशिति নাই। যেদকল কার্যো শারীরিক তাম, উৎসাহ ও অধ্যবসায়ের প্রয়োজন, আমা দিগের নৰ যুবকেরা ভাষার কেছ নছেন। কণ্পনাশক্তিমান্ অলম লোকেরা যে ममल कार्या भर्रे इन, ० (नरमंत्र नव যুবকেরা ভত্তৎকার্যেই পট্ডা প্রদর্শন করিতেছেন। আমাদিগের পূর্ব পুরু সাংসারিক বিষয়ের উন্নতি ষেরা **डेमा**भौन **इ**ङ्ग्रा (य अधा नहेशा कान(कान क्रिशा ্রেন, নৰ যুবকেরাও ভাহা লইয়াই কলোভিপাত করিতেছেন। <u>এ</u> বিদয়েই ইহাঁদিগের দিন দিন দল রুদ্ধি হইতেছে: কিন্তু অন্য কোন ভোয়ক্ষর বিবয়েদল इक्ति नाहै। वानिकाशी इहेश काहाटक করিয়ানানা দেশ জ্মণ করিতেছেন, পাঠকগণ এরপ কয় দল দেখাইতে পারেন १ দলবদ্ধ হইয়া বস্তা ও কাগজ এভৃতির কল করিয়া**ছেন, বঙ্গদেশে** এপ্রকার কততালি নব যুবক আছেন ? পলীগ্রামে গিয়া কুষিকার্যোর উৎসাহ দিতেছেন এবং স্বয়ং কুষিকার্যোর অসু ষ্ঠান করিতেছেন, এরপ দলবদ্ধ কভতালি নবযুৰক আছেন পু এটা আমাদিগের एन ल्ला कन वास तहे त्राव। भागता कथन

शंटक्षत लाक स्ट्रेंटिक भारतिय मा । बाहाटक গালগণ্প আছে, चारमान चारह. পরিশ্রম নাই, এইরুণ কার্য্য করিয়াই व्यामता काल काहाहैव (वाश हम, विधि এই নিমিত্তই আমাদিগকে স্টি করি রাছেন। গালগণ্প ও আমোদ ভাল বাদি ও পরিশ্রম করিতে পারি না विशाह " इत्ख्याति " आमामित्रत অধিক ভাল লাগে এবং যে ব্যক্তি ধর্মের नाम कतिया आत्मान शासातित डेलीय कतिशा निएठ भीटतम, छिनि नेसंतातुर्ग হীত অথবা অবতার বলিয়া আদৃত হইয়া थात्कन, उाँशत भाउरे भीख शाहिलक इरा। धरे मून इहेट ज तिर्म कर्तां जना ও কিশোরীভলকপ্রভৃতি দলের স্থি ইইয়াছে। আমরা উপরে আমাদিগের পূর্বপুরুষদিগের नव यूवकशालंत य मामृना मिलाम, मिली অনুচিত হইল। ভাঁহাদিনের ক্লেশ-সহিষ্ণুতা ও বিষয়বিশেষে **শ্রম** ও व्यश्वनाग्रमीत्र । हिल बदर डाँशिक्टगत যাবতীয় কার্য্য নিয়মবদ্ধ ছিল। ভাঁছার। অনেক বিষয়ে অনৈক ক্ষমতাও দেখা-ইয়া গিয়াছেন। তাঁহারা একটা অস্তুত সংক্ত ভাষা প্রস্তুত করিয়া গিয়াছেন। कांकतर्वत तहनारकोणन (पश्चिरन दक नः हम्यकुष इन १ नाहेकानित खात्रा লালিতা ও পশোরচনার চাতুয়া দেখিলে কাহার জ্বর বিসাংরশে আলুভ না হয় ? দশনশাস্ত্রগুলিও তাঁহ।দিগের অনামান্ বুদ্ধিমতা, ক্ষমতা ও চিন্তা-শীলতার পরিচয় প্রদান করিতেছে। ष्पामानिरशत नवं युवरकता कि हेशत একটা বিষয়েও ক্ষমতা প্রকাশ করিতে পারিষাছেন ? আড়েয়র ও গালগণ্পাই इंश्वामित्रत मञ्जुष्टिङ्क अवर घटश्रकाषा রিভাই ইহাদিগের উম্ভিন্ন পরা কাষ্ঠা। পাঠकशन विव्रक्त इहेरवन ना। आमापि भारत मन युनकमटल दक्षे छेरभाषामि

গুণসম্পন্ন নাই, এ কথা বলা আমাদি গের অভিত্রেত নহে। আমরা যখন যে বিষয়ের পর্যালোচনা করি, অধি কাংশের দোষ গুণ ধরিয়া তাহাতে মন্তামত প্রকাশ করিয়া থাকি।

------

মক্তিপরিবর্ত ও ভারতবর্ষ। ্ডিন্রেলি সাহেব ইংল্ডেশ্বরীর মক্তি পদ পরিত্যাগ করিয়াছেন এবং প্লাড 'ফৌন দাতেহৰ প্রধান মন্ত্রী হইয়াছেন। इंश्लट ७ मनामिनि विनक्त शवल, जाहात শহিত আমাদিগের কোনপ্রকার স্বার্থসম্বন্ধ নাই; কিন্তু এত্যেক মন্ত্রিদল পরিবর্তের শহিত ভারতবধীয় দেকেটারির পরি বর্ত্ত হওয়াতে কার্যতঃ আমাদিগকে পুথ হথের ভারী হইতে হয়। উইলিয়ম প্রাড টোন সাহের মহাগভার এক জন অগ-কারস্বরূপ। রাজস্ববিষয়ে তিনি ইউরো-পের মধ্যে না হউন, ইংলতে অদ্বিতীয় কিন্তু যে মহেচ্ছতা, প্রাণস্তচিন্ততা, স্থির প্রতিজ্ঞতা ও গড়ীরপ্রকৃতিতানিবন্ধন लिष, भामत्रकेन, छोनली अस्ति विशास হইয়াছেন, প্লাডফোন সাহেব তলিমিত খাতিলাভ করিতে পারেন নাই। বিষয় বিশেষে উচ্চার পরম প্রাবীণা প্রদর্শন मामर्था चाटह वटहे : किन्छ मर्काकीन দক্ষতা নাই। প্লাডফৌন সাহেব কোপন সভাব ; তিনি নিজ মতকে অখঞ্চীয় छान करतन , जीहात प्रवास दर्शक ভাঁহার অমতে কার্যা কাংতে পারেন ना। जिनि मकत्त्वत अधनी वर्तनः किछ (करहे छाँहाटक भागूतिक जाल वात्मन ना। डिनि बारमहिकात मिर्न विचारत जीडमानथनातीत तक्न विषया यदक्ष শাহাযা করিয়াছিলেন ; ভাহার সংস্কার এই, याशामिरणत शारशत वर्षा अञ्चल नग्न. ভজ্জাতীয় লোকেরা নির্ফ এবং তাহা निगटक को छन्।म कतिया आधा आहेवश নয়। ভারতবর্ষের প্রতি উাহার ক্ষেচ্ছটি नाहै। जिनि कथन छात्रज्यस्वत कान छे अकात करत्रन नाहे। छात्र छववीर वता मारमुब नाम् थाकिका देश्वरखत यार्थ নাধন করুন, এই ভাঁহার সংস্কার। তিনিই প্রথমে এ দেশের রাজ্য লইয়া हेश्लाटका निष्मत काटका वाम कतिवात পথ প্রদর্শন করেন। ভাঁছার পরামর্শা-মুণারে লাড পামর্ফন চীনের যুদ্ধের বায়, পারদ্যের দূতের বায়প্রভৃতি আমা मिर्गत निक्छे इंडेट्ड खर्ग करतन। भ्राज्योन मारहर हेश्टर अंत निकारे প্রশংসা লইবার নিমিত্ত ভারতবর্ষের नात्म हेश्लकुष्टिक कर्यक महत्य रेमरनात विजन निधिवात श्रथा श्रविक्ति करतनः ভারতবর্ষের প্রতি উদার ব্যবহার করা এবং ভারতবর্ষের শাসনকার্যোর বিষয়ে প্রশস্ত নেত্রে দৃষ্টি পাত করা ভাঁহার অভ্যাস নয়। ঘাঁহার সভাব ও অভ্যাস এইরূপ, তিনি প্রধান মন্ত্রী হইলেন। ভারতবর্ষের বিষয় যথন তাঁছার বিচার পথে নীত চইবে, তথ্ন ভারতবর্ষের কল্যাণ প্রাপ্তি হইবে, আমাদিসের ত এরপ বোধ হয় না। তবে উপন্যাদ বর্ণিত বিক্রমাদিতোর দিংছাদনার্চ ব্যক্তির স্বভাবপরিবর্তের ন্যায় গ্লাড क्षांत मारहरवत यकि श्रञावश्रीतवर्जन, हर दला यांग्र ना।

গ্লাডটোন দাহেব প্রধান মন্ত্রী হ য়াছেন, শুনিয়া আমাদিগের চিতে বেদ অদত্যেন ক্রিরাছে, ত্রাইট সাতে ভারতবরীয় দেকেটারি হ্ইয়ালে শুনিয়া ভেমনি আনন্দ ক্রিরাছি সোমবার টোলগ্রাম আইদে, জন ত সাহেব ভারতবরীয় দেকেটারি হ ছেন। এই মহাম্মা দেকেটারি হ ছেন। এই মহাম্মা দেকেটারি হ করে পর দিবদ বিপ্রত্তারে ও করিল, বাণিকোর ভার ত্রাইট সাথ হুন্তে দিয়া প্রাডটোন সাদেব

অব আর্গিলকে ভারতবদীয় সেক্টোরি করিয়াছেন। এদংবাদ আনাদিগকে অধিক তর বিবাদিত করিতেছে লাড আর্গিল ভाর তবর্ষের বিষয় ব তক জানেন বটে; কিন্তু ভারতবর্ষের প্রতি ভাঁহার উদার দৃষ্টি নাই। তিনি লাড ভেলহাউদির রাজনীতির অনুমোদক; অবলম্বিত আত্মন্ত্রিনলের এক জন প্রধান ছাত্র। ভিনিয়ে প্রশস্ত নেত্রে সকল বিষয়ের বিবেচনা করিতে পারিবেন, এরপ বোধ इयु ना। अर्थात आगता निवित्त निर्दित ग मिनामल ६ मामन कार्यात द्वात डेम्या है स्ति । निवास को देवा के विकास के विकास के कि एक कि एक कि एक कि एक कि एक कि एक कि एक कि एक कि एक कि एक कि एक कि भारहत अथवा लाउ छ।नलित महुन महा भुख्य लाक रहेंहे भारक होति इंदेश अहे চেন্টার অনুমোদন করিছেন; কিন্তু লাড আর্গিল এমকলের প্রতিবন্ধকতা কয়াই শ্রেয়ক্ষর রাজ্বনীতি জ্ঞান করিবেন। आप्रत! सिवा हरण सिथिए शाहेर डि. মন্ত্রিদল পরিবর্ত্তি হওয়াতে আয়ারলতে याङ्ग इष्टेक, आभामित्तत अनिये इहेवात विलक्षण महावना। कलाउः या पिने প্রাদ্রটোন যাবে প্রধান মন্ত্রী ও লাভ ভাগিল দেজে টারি उदिन्द्र भीव क्लिक्ट्रिन, उड फिन आयाम्टिश्त डेर्झाड तं उदश धार्कित मत्मह नाहै। देश्य র দল্পালর সহিত আমাদিগের मन अनाजीय कथानात मन्त्रके थाका াস্কর নছে। এই কুপ্রণা রহিত করি ८ छो। शाउसा छेडिल कि ना, ता मर्जमाधातरगत जाय अहे धर्ध ছত ক্রিলাম।

> ষ্টাম্প আইনেব ভূতন পাওুলেখা। ক্ষেল সাহেব ব্যবস্থাপক সভায় আইনের যে ভূতন পাওুলেখা তে করিয়াছেন, তাহা আমরা গাগপুর্বক পাঠ করিয়া দেখিলাম,

বর্ত্তমান গ্রণ্ডেমণ্টের রাজস্বসংক্রান্ত রাজনীতির পরিবর্ত হয় নাই। কোন প্রকারে রাজস্ব রদ্ধি করাই মুখ্য উদ্দেশ্য হইয়াছে। এ দেশের পূর্ব্বতন ভূপতিগণ পুতের বিবাহ, कन्যांत विवाহ, कन्यांत অন্ত্রাশন বলিয়া টাকা লইভেন, আমা **मिट्या त्रांक श्रुक्त एवता आहेन ও विচারে त** নাম করিয়া সেই টাকা লইতেছেন। কফেন নাহেব গর্ব করিয়া বলিয়াছেন তাঁহার প্রস্তাবিত পাঞ্লেখে ফাল্পের মুল্য কমান হ্ইয়াছে; কিন্তু-যদি অসুধাবন করিয়া দেখা যায়, এগর্কের কারণ লক্ষিত হয় না। 'কেবল খত, কবলা, পাট্টা, করুলভি, একরার ও বাণিজ্যানং ক্রান্ত বিষয় লইয়াই প্রস্তাবিত পাণ্ডুলেখ্যটা হইয়াছে। ১৫০০০ টাকার নীচের খতের ভীম্প ক্যান হুইয়াছে সভা; কিন্তু ভাহার উপরের থতের ফ্টাম্প অসঙ্গন্ত রুদ্ধি कता रहेशार्छ। करकान मार्ह्य बर्लन, অম্পে মূল্যের খত ও কবলাই এ দেশে অধিক ; কিন্তু যদি মূল্য ধরিয়া বিবেচনা করা যায় অধিক টাকার খৃত ও কবলা হইতেই ফাম্পের মূল্য অধিক পরিমাণে সংগৃহীত হয়। কোন্ব্যক্তি ২০০ থানি ৩১ টাকার কবলাকে এক লক্ষ টাকার कर्वालांत मर्यान ड्डान क्रिट्न १ (यथारन চারি টাকা ছিল, দেখানে ভিন টাকা হইয়াছে। এ দিকে বেমন কিছু উপকার হইয়াছে, ও দিগে তেমন অপকার হই রাছে। আট আনার নীচের কাগ**্রে ধত** ও क्वला इहात ना। ক্রলার मश्र क লাভ: কিন্তু থতের সম্বন্ধে ক্ষতি। কক্রেল মাহের ভান করিয়াছেন যেন নিম্ন শ্রেণির উপকারার্থ গবর্ণমেন্ট রাজস্ব ত্যাগ করিতেছেন ; কিন্তু ভাঁহার জানা উচিত ছিল, ব্ধাকাল পড়িবামাত্র সংজ্ঞ সহস্র ক্ষক ১০। ২০। ৩০ টাকা করিয়া अन करता वाश्ता शूट्स इह जाना 🐠

চারি আনায় কাজ পাইত, ভাহাদিগকে আট আনা দিতে হইবে। আবার এক বৎসরের অধিক কালের পাটা। ও করু লতি হইলে ভাহাকে কবলার ন্যায় জ্ঞান করিয়া ভদমুদারে ফ্রীম্প দিতে হইবে। এক বিঘা ত্রেক্ষাভরের কর বার্ধিক ২ টাকা। ফ্রক পাঁচ বৎসরের মিয়াদ করিয়া পাট্টা লইল। একণে ভাহার কি বায় হইবে, ভাহা এক বার বিবেচন। করিয়া দেখা হউক.

পাট্টার ফ্টাম্প 13 করুপতির ঐ 10 বেজিউরি ফী 10 মোকার সনাক্ত করিবেন তাঁহার ফী ٤ রেজিফরের আমলাগণকে পাথেয় (ছই দিবদের) মোট 8110 পাঁচ বংশরের কর দশ টাকামাত্র; কিন্তু ৪॥১ টাকা আইনের যাইতেছে।

উল্লিখিত পাঞ্লেখ্য প্রস্তাবকারীব অবিবিচ্যকারিতার আর একটা পরিচয় পাওন যাইভেছে। धक्टन মুল্যের को (स्त्र লিখিত দলীলের २० छन मछ मिरल পর্যাপ্ত किन्द्र भा जुरल (या क्लोक नाडी म छविन: नित वावकः। कता इहेट छ । इच्छा कतिस Çक्ड ध का जिमहाक दिन ना। स्ट्रीएका লিথিবার কারণ কিণ্ড দলীল পাকা इहेरव विविधा छ ? कोन् वाक्ति अर्थवाश क्रिया काँ। प्रभीन क्रियन १ निखान व्यवष्टारेव छन्। व्यवता आखिना इहेरन কেছ অপ্শা মূল্যের ফান্সে লেখাপড়া करतन मा। करकन मार्ट्य धक क्षकात মাথার দিব্য দিয়া বিচারপতিদিগকে বলিতেছেন, এরূপ স্থলে দলীলপ্রদাত্ত मिशदक को अमातीहरू अर्थन कहिए इ इहेर्य। कुष्ट्रांट्न कुष्टर्मर्कान्त्र

ুক্টী বিষয়ের উলেধ করাও অনুস্ত **ब्हेटल्ट् मा। वर्कम माट्य या अम्ब**न चारेन कतिया पति एकिशटक चानाकड **হইতে বহিষ্ঠিত** করিয়াছেন, দেই আহ त्नत मः रामाधन कतिशा ना नीरमंत्र तस्म ক্ষান ক্ত্রি। অজ্র কাড়িয়া লইরা ও ध्यक्षां निगटक निटखक कतिया भाष्टितका করা এবং ভাতাদিগকে বধ করিয়া विट्यांक्निवादन कडा विक्रथ, ब्रष्ट्रमहिक করিয়া মকদ্দমা ক্মানও দেইপ্রকার ৷

উপদংহারকালে দম্পতিঘটিত কব-লার রসুমর্দ্ধির একটা মুলনিয়মঘটিভ ষাপত্তি উপস্থিত হইতেছে। সম্পত্তির মূলা বাড়ি:তছে। ১০০ টাকার ভূমি ४०० টाकाश विक्रीड स्ट्टड्ट 13 छोकात प्हाटन क 8 के कि विश्वा हहेता आबात तस्यामत हात इन्ति (क्न ? इहाटक कि এক বিষয়ে ছই একার কর লওয়া বলে ना ?

> ১০ আইন ঘটিত মকদন। ও বঞ্চ (मनीय शवर्व दबले ।

এ দেশের কালেক্টর ও ডেপুটা কালে ইবেরা :০ আইনসংক্রাস্ত একান্ত অপটু। ভাঁহাদিগের হইতে অভি শার অবিচার হয়, ইহাতে বিরক্ত হইয়া माधानता এই मकल सकद्मा दिखानी আদালতের শিক্ষিত বিচারপতিদিগের হত্তে দিবার নিমিত্ত বহু দিন অব্ধি চীৎকার করিতেছেন। আট বংশর काल ताअश्वमः काल कर्मानातीमिश्राक পরীক। করিয়া দেখা গেল 📭 मময়ের मक्षा डाँहाता लाटकत . 51 कतिएक शांतिरलन ना। व्यामानिरशत वस्मनो सम ७ कमिमनत्रान, উকীন ও ব্যবস্থাপকগণ, জমীদার ও প্রজাগণ मकरलाई এकदारका मिखशांनी आंमालएड र्व मर्काषु भक्षमा नहेश गहेवात अञ्च ाध **७ थार्थ**न। क्रिटिडिएन। लिक्टेनले

গবর্ণর স্বরং মফস্বলে গিয়া জমীদারদি। ভালারা গবর্ণমেন্টের নিকটে এই প্রার্থনা গকে বিজ্ঞাশা করিয়া অবগত হন, এতৎ मयक अकटन वि कथा कहिर्छिहन তাহার মূল আহে। এক জন বত্দশী डेनगुर जुडिन्स जज এड ११का छ এक পাश त्वदा श्रञ्ज करतन। हेम-मन मारहर नहीशांटण हिस्सन। नहीश **ब्बि**न ८ इ.स. व्याप्त कर स्थित कि स्थाप দ্দমা হয়। টম্দন নাহেহব নিজের ভূয়োদ র্শন বলে জানিতে পারেন, কালেন্টর ও ডেপটি কালেক্টর হইতে এ বিষয়ে সাধা तर्गा श्रुविष्ठात हत्र ना। लाट्छत मर्था अहे हर, ६५ उँहिता भागनकार्या यशाविधि মনোনিবেশ করিতে পারেন না। এ ममस भर्ताताहना कतित म्म छेहे अडी য়মান হয়, পূৰ্কোক্ত পাও লেখা বিধিবদ্ধ করিবার আর আপত্তি নাই। অধিক কি, ष्यत्तरक ष्यञ्चमान कतिशाहित्वन, ) ला नरवश्व अविध रम अहा नी आमाल टक करम् ज्ञास मकलमा निष्णानि इहेट्य: কিন্তু হঠাৎ গ্রে সাহেবের মন্ত পরিবর্ত্ত হইয়াছে। অনিষ্টতরুচ্ছেদনার্থ কুঠার উ उं लिंड इरेंग्राहिल, महमा व्याघाउका রীর হ**ন্ত রুদ্ধ হই**য়া গেল। ইহার কারণ কি ? ইহার যুক্তিসদ্ধি, ন্যায়সিদ্ধ ও রাজনীতিগঙ্গত কোন কারণ্ট প্রভাক হৃইতেছে না। আমরা শুনিতে পাই-তেছি, অতি দামানা কারণে উলিখিত विगरणित मञ्चामत्म विश्व कचित्राहि। কডঙলি দিবিলিয়ান এই আপত্তি করি शार्ष्ट्र, ३० आह्नचिष्टिः, सकल्मा (५७. য়ানী আদালতে পেলে তাঁহার। বিচার कार्या निका कतिएड शाहित्वन ना। ध আপতি অকিঞ্চিৎকর। এক জনের স্ক্রিশ হইয়া আর এক জনের শিক্ষা হউ হ, এটা নিভান্ত যুক্তিবিক্তন্ধ বাকা। ইহার অপেক। অন্যায় আর কি

यमि विष्ठातकार्या मिथिए अष्ट हेम्छू के,

ककून (व, विष्ठांत कार्यांत अना छैं।श-দিগের এক দলকে পৃথক নিয়েক্তিত कता हता जना महकाती माजिएके हे কল্য থাক বস্তির তত্ত্বাব্ধায়ক, পরশ্ব: व्यक्टिकतन महकाती, शहत कात्मक्केत्र ও বিচারপতি, আবার কিছুদিন পরে द्यादिनिके द्वाक वा वक्तानीय भागप्त. ल्डित क नियत भारक छाति, शूनकीत মাজিট্রেট, আবার সেকেটারি, তংপরে अक्काटन (कनात कक, याँ शामिनाटक এই ज़ट्न मर्खकाट्या भिक्किक कतिबात (ठको कता इत्र, **डाँ**शनिर्शत **अ**रनटकड् य कोन काटकत इन ना, शवर्रमण्डे এটা জানিয়াও জানিতে পারেন না। তাঁহাদিগের অনেকে বিচার কাষা ভাল कारनन ना ; डाँशामिश्वत स्विश स्ट्रेल उँ। हाता स्पनाद्वाटम विष्ठातकार्या इहेटछ অপস্ত হইয়া नोगनकाटकी श्रमन कतिर्वन ; किन्न म्हिनात मझनार्थ उँ। हा **हिट्यां क्रब व्यक्तियोत्यात्यात्या क्रिट्ड** গেলেই তাঁহার। চীংকার করিবেন, এটা আশ্চর্যোর বিষয় भवर्गस्टित अज्ञल वार्थशत लादित কথা শ্ৰেণ করা উচিত কি না ? ঘাঁহার। এक बात विष्ठांतकार्य) व्यांत वांत नांमन কাষ্য এইরতেপ নানা কাষ্য করিয়া বেড়ান তাঁহাদিগের হইতে বিচারকার্য্য ভাল ছইবার সভাবনা আছে কি না, প্রণ্. भिक्त खार्ड किन छाडा बक्तात विद्या-ठना कतिया (प्रयुच ना। जांश्वापि(श्व हरेट छ दर्गन विष्णतहे छोल इस नाः **উভয় পক্ষেই** আগील करतन। हानि मकक्तमात ७ व्यवित नाहे। कारकतः उ व्यथान छम विष्ठाता नात विद्रक छम : नत्रकाती व्यथं नक्षे क्य ; विकास प्रिल-त्वत नमस त्रेश वासि ठ इस ; अवी ८ है। হইতে পারে ? বিভাগীয় কর্মচারিগণু । থীদিগের সময় ও অর্থ নাশের ত ক্রার্ नाइ। मनक्रमा श्रिय व्यव त्यांकितिरग्रह

কেবল এ অবস্থা প্রার্থনীয়, কারণ একবার এ আদালত আবার ও আদালত কয়েক বার এইৰূপ করাইতে পালিলেই ভূকিল শক্ত শানিত হইয়া আইদে।

खेशनः हात्रकात्म जागता त्य नार ह-बत्क न्या के फिर्ट कहिए छि. ५० जाहे-त्वत संकलना यिन त्व ह्यांनी विष्ठातान-त्यत हत्य त्व ह्यांना हत, कानिया स्थिनया नाभात्र (१० जनियों कता हहेता।

## নূতন পুস্তক।

১। विश्वषष्ट्रं मम्लारमञ्जून। 🖺 युक्त वातू কিশোরীমোহন মুখোপাধ্যায় এই নাটক খানির ও এয়ন করিয়াছেন। লোকে যত বিপদগ্রস্ত হ্উন না কেন, পরিণামে ভাছার সৌভ'গালাভের সম্ভাবনা থাকে, ইহ। প্রতিপন্ন করাই এই গ্রন্থের উদ্দেশ্য। নীলগদর পত্তি এলগন্দেনপতিরে আক্রমণ করাতে বিদরের রাজপুত্র মনোহর তাঁহার সংহায্যার্থ গমন করিয়া এলগন্দেলপতির সহিত নালগদরপতিকর্জৃক পরাজিত ও বন্দীভূত হন। নীলনগদরপতি স্বহত্তে এনগন্দলপতির মন্তক্তেদনপূর্বক মনো হরকে বন্দী করিয়া উমারপুরে আপনার কাৰাৰুদ্ধ কনিষ্ঠ ভাছার নিকট প্ৰেরণ करतन। পर्य याहेर्ड याहेर्ड मरनाइटत्र ज्यवत्थाञ्जनमध्यस्य। मत्नाष्ट्रं नेपी তর্জে ভাসিতে ভাসিতে অজ্ঞানাবস্থায় ভীরে সমুক্তীর্ হন। তথার ভারের বান প্রস্থ ধর্মাবলম্বী পি ভুৱা ভাহারে দেখিতে প:ইয়া ভাঁহার মুচ্ছাপনোদনপূর্বক তেঁহোরে আপনার আশ্রমে আনানন করেন ; কিন্তু আপনার পরিচয় এদান করেন না। একদা মনোহরের পিতৃব্য ত হার নিমিত্ত কলাহরণ করিছে গিয়া আর আশ্রমে প্রতাগত না হইয়া সেনা-नी नगमत প ভित **अ**िंड दिएम মণ করিছে গমন করেন। মলেছের পাদ চারে সমস্ত রাতি ভাঁহার জীবনদাভার

অম্বেৰণ করিয়া পরিশেষে বন উত্তীর্ণ হইগা চিনুরের রাজার রাজধানীতে সমু পদ্বিত হন। তথায় যোগিন ও মোহিন নামক ছুই ব্যক্তির সাহায্যে বিছুরের রাজার সহিত ভাঁহার পরিচয় ও রাজবা টীতে অব্স্তিহ্য। ঐ ছুই ব্যক্তি বিছু রের রাজপুতের সহচর। উহারা ঘোরতর मामकरमवी রাজপুত্র অতিপানদূষিত ছিলেন বলিয় উহাদের প্রতি অত্যন্ত সেহ করিতেন এবং উহা দের অন্যতর মোহিনকে অপেনার ভগিনী প্রদান করিবার মানসে স্থীয় পিতারে অন্ রোধ করিয়া তাঁহার মত করেন। কিন্ত রাজমহিধী উহার স্বভাব অবগত হইয়া উহারে ভনয়া প্রজান করিতে কোন মতেই সমাত হল ন।। রাজা মহিবীর অনুরোধে উহাতে নির্ম্ভ হইয়া নবাগত মনোছরকে কন্যাপ্রদানে কুতসংকণ্প হন। রাজপুত্র উহা অধগত হইয়া আপ নার সহচর বয়কে উহা জ্ঞাপিত করাতে তাঁহারা মলোহরের হতা সম্পাদনে প্ররোচিত করে। মনোহর ঐ বিষয় অব গত হইয়া রজনীয়েনে শ্যা পরিতাগ পূর্বক নীলগদররাজো পলাইন করেন প্ৰং মে'ভিন দৈৰছৰিপাক্ৰশতঃ ভাঁহার শ্যায় শ্যান থাকে: ব্রাক্তপুত্র মনোহর বোধে মোহিনকে হন্ত করিয়া যোগিন দ্বারা অন্তঃপুর্রাদ্যানে প্রেরণ চিনুরপভি এ বৃত্ত স্থ অবগত হইয়া স্বীর পুত্র ও যোগিনকে নির্ন্নাসিত করেন। পরিশেষে মনে হর নিলগদরপতিরে পরাজয় করিয়। স্বীয় পিতৃবোর পরিচয় প্রাপ্ত হইটা পুনরায় চিনুরে আগমনপূ র্বাক পিতৃবোর অনুমতিক্রমে রাজ কন্যার পাণিগ্রহণ পূর্বক পিতৃব্যের সহিত শীর রাজধানীতে প্রতিগমন করেন। গ্রন্থ श्वाबित व्यारमानाम भागे कतिया (म्या शिल उठना मन्त इत नाहे

#### जम मर्ट्याधन।

জ্ঞান্ত্ৰাস ০০ এ নর, অমক্রনে ১ লা পৌর ন হইরা কয়েক স্থানে ৩০ এ জ্ঞাহারণ ক্ইয়াছে।

#### विविधमः वाम ।

#### २० अ व्यवसीय शामवात ।

ম ক্রাজ গ্ৰামেণ্টের ক্যোতির্মিদ প্রাসন সাথেব আর একটী ফুডন এছ আবিকৃত করিয়া চেন। এটি অভিশয় ক্ষুদ্রা রুহ্ৎ ছরবীক্ষণ দ্বাও ফুন্দর রূপে লক্ষিত হয় না।

সিন্ধু নিউস করাচির জেলের অধ্যক্ষ ডান্ডার মটনের বিচক্ষণভায় জার এক দুষ্ঠান্ত প্রদর্শন করিছাকে একাদান করেদির প্রভি অভ্যাচার করেন, ভাষার বিষয় সংবাদ পত্রে প্রকাশিত ছওয়াতে ডেপুটী জেলরকে সংবাদদাত জ্ঞান করিয়া কর্মেদ্দিন করিয়াছেন। রবিবারেও কয়েদিন দগকে পরিজ্ঞান করান হয়। সিন্ধু নিউস গ্রহণিন করিছে ব্রিয়া ক্রান হয়। বিষয় অন্ত্র্গনান করিতে ব্রিয়াছেন।

উপনগরের মিউনিসিপালিটির গত অধি বেশনদিবলৈ মৌরবী আবছল লাভদ প্রস্তাব করেন, আরও কিছু দিন দুবিদ্র লোকদিগকে চৌকিদাবি কথ ংইডে মুক্ত করা উচিত। কিছু গুলিষ সুপরিটেপ্তান্ত কাল্পেন বার্চ বলেন, কড়ের আনষ্টের ক্ষতিপুর্ণ হইয়াছে । একণে আর ছরবস্তা নাই ৷ আভ্রব মিউনিসিপালিটির আর ক্ষতে করা উচিতে নছে। আদায়ের বিষয়ে ক্ষনা নাই কান্স্যব্যাণ চতুব ব্রৈমান্সক বিল লিখিবার নামত ২০ টাকা বেতনে চারিজ্ঞন অভিরিক্ত কেরান্টি নিযুক্ত করিবার মান্স করি

#### इंडिंग

एहें सप्तम निम्मामक छात्र छ्याँ प्रश्निश्च । त्रम्भ स्वतं अक स्वम मान्य कि सक छात्र मान्य है हिम्स मान्य क्रिया मान्य क्रिया मान्य क्रिया मान्य क्रिया मान्य क्रिया मान्य क्रिया मान्य क्रिया मान्य क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क

লালচাদ জুগী ও নবীনচন্দ্র রক্ষিত হত্যার জগরাদে সেবিয়নে অপিত হয় গ কিন্তু জেল অধ্যক্ষ ডাজের লিঞ্চ উল্পাক্ত ইয়াত বলাছে ইহাদিগের বিচার স্থানিত রহিল। সীভানাথ ঘোষনামক এক ব্যক্তি হত্যা কারিবার চেষ্টা পায়; এব্যক্তিকেও বাতুল বলা কুইরাছে।

नक्षेषि कृष्णवाशास्त्र विश्ववद्गीताची (व জ্ঞালোক হড় হয়, ভারার হড়াকারিগণ ধৃড व्हेताट्ड । व्ह्नभूदीमामक अकला कि विश्ववतीत পুত্রবধ্র উপপত্তি ছিল। সেরা ত্রতে দেরম্বীর "খ্ৰে থাকিত। দিসম্বীর প্রায় 🐠 👓 টাকা ছিলঃ লে অলক্ষারাদি বল্প রাখিয়া কর্জন निष्ठ। इत्रभुत्री यट्या मह्या जानाव मिक्टि वाय-সায় করিবৈ বলিয়া ।কিছু কিছু টাকা লইভ। এক দিন ২০০ টাকা চাছিবা; হ দিগৰ্মী ভাছাতে অসমত হইয়া পূর্সাকার ঋণ পরিশোধ কবিয়া स्वरक छ। इति वाली अहेर् छ थाहेर छ वटन । इत পুরী ইহ'তে ভাহাদে দর্মনা বালভ ''ভুমি अक मिन का निएठ भागिए। 🗼 रूपात कर्युक निवन भूटर्स इरभु ी टेरक्कव डिन्डि, इद्रक ली बाब 😘 হয় ভূঁয়া নামক ভিন বঃজ্ঞিকে দিগম্বীর वाजिएक व्यानस्य करता भित्रभवी खाशामितरक আংসতে নিষেধ করে। হত্যার রাজ্ঞিতে হরপুরী গুৰের বার খুলায়া দেওয়াতে পুর্বোজ্ঞ ব্যক্তির खबार्वा श्राटन करत्। ६३७।५६ स्त्रीरमाकरक अक कुत्र घात्रा यश्र करता इत खुँशा व्यापन छ मङ्ग्रमिर्गत (मास श्रीकात कतिश्राष्ट्र ।

আবিছল রছমন খাঁব পরাজায়ের নিশ্চিত সংবাদ আবসিরাছে বামিয়ানের যুদ্ধে প্রায় ৪০,০০০ বৈদ্যা একতা হইছাছিল।

গত অক্টোবর মাসে কলিকাভার টাক শালে ৩,৭৬,৯১১ টাকা ও বোধাইয়ে৯৯,৯৬৯ টাকা মুদ্রিত ১ইয়াচে। মাজ্রাজের টাকশালের অনেক ক্ষেত্রিক ছাড়াইরা দেওয়াভে অক্টো ববে কাল বন্ধ ভিল:

ঃ ঠা ডিসেম্বর পর্যান্ত ভারতবর্ষের ভিন্ন ভিন্ন ধনাগাবে নিমুলিখিত টাকা জম। ছিল:— 🍅 अञ्चदसीम् भदनदम् छेत्र ₹**۵**,₹**۵**, • ₹ ₹ दक्र, मृभी य 3,80,72,010 এটিশ একোর 42,50,202 উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের 🕈 1 9418888 च्या था । इ 0878886 **गश**्दनत् 225028. (बाषाईरग्न 12.90 WOF 5 मन, जान बदर्सन **●かいかりか・** A ST CER > 46 4 222 4

্ষাট টাকা ৮, • ৭,১৪,৩ • ৪ গড় বংসর এ সময়ে ১ • , • • .১৮,৩ ৭৮ টাবা ভিলা। প্রতি বংগর জমা টাকা ক্ষিতেড়ে।

২৪ আ আন্নল্প স্প্ৰার : বেজুব টাইসস অফচদেশের রাজার নানি

कतिया अवेत्रभ निरिद्धाः नः (य ताका वेक् पूर्तिक चावामिरशत शर्म परनेत महिन कृष সন্ধি ভল করিছেছেন। 🦩 ন গোপনে বারুদ थात २०,००० । शन्कि: । उ ताहेकन महेग्रा शिव्रा देशवामिश्यक् भिका मिट्ड एक्व अवर धकामाः क्रटण वनिष्डिएहन, छारानिश्रहक मौज बिणि भवन्दमर्भेद ्छ युष्क कतिए**ण स्टे**रव। রাজা মিসন্তিদিগ্রের সাহায্য করেব এবং আপ नात करत्रकणी शुक्तरक विश्वनति वार्रकत्र व्यक्षी न রাখিরাছেন। তথাপি রলুণের সংবাদপত্র तरमन, मच्छा छ अक सन । ता निक्क श्रीक निरंगत ( बक्कारमनीय शूरवाहि मिरगंत) विक्रम कथ বলাজে কাঁহ'কে বধ করা স্ইয়াছে। বভাৰান রাজ निक्तीय, जारा आमता विश्वान कतिएक शांति; किश्व वाशीन बक्त अधिक इ कशा (असून हे इस নের অভিধেত। অত ব আমরা পুর্কো:ত मिष्यं मत कथाय विवाप कतिएक माहिलाम

পুনার জেলের বে জমাদার তত্রত্য এক জন করে তিবালের বাত্রিবালের বাহিব করিছা লাইর প্রক জন আয়ার প্রাণ্ডৰ করিবার চেপ্তা পাত্র, জাহার ও করে দির বাবজ্জীবন দ্বীপান্তব বানে? লাজ্যা হইয়াছে । জেলের প্রহরী কয়ে দলে হাজ্যা দেওয়াছে ভাচারও ছই বংসর নিয়াদ হইয়াছে । বোলাই গ্রহণিক ছই বংসর নিয়াদ হইয়াছে । বোলাই গ্রহণিক ই জ্লোলের ইন্সেপ্টেল হাজ্যা দেওয়াছে বাহারিও ছই বংসর নিয়াদ হইয়াছে । বোলাই গ্রহণিক ই জ্লোলের ইন্সেপ্টেল ভাবন এদেশীয় সংবাদ পত্রের কথা সভ্যা নহে, এবং প্রদি কথায় বলের প্রানিল জেলে বাস্যা সকল কাজ হয়। আমুলারা উৎকোচ লন, কেনা জানেন, কিন্তু কোন ব্যক্তি কোন আমলাংক দক্ষ দেওয়াতে পাবেন ১

বোষাই গেজেটের এক জন পঞ্জ প্রেরক বলেন, করাশী মনিটিউরের নায়ে ভারতবর্ধীয় গবর্গনেন্ট এক পঞ্জ নিজ মুখপাত্র করিবেন। সৈটনকার সাহেবকৈ সম্পাদক করবার কথা হয় । বিজ কাহার কর্তব্য বর্ণেয় সকল সময় জানিবাহিত হওয়াতে ভিনি অস্থাত হট্যাছেন স্ব বিচাত টেম্পাল ও সর উইলিয়ন মাজফিলছ সম্পাদকতা করিবেন। সর বিচাত টেম্পালের কি এত অবসর আছে।

্ডেলি নিউস আৰণ করিয় ছেন, কুন্টিয়ার ছোট আদলিতের আল বাবু ,গালাসাদ দোষ বাবু হচ্চত্রে যোদেব পদে নিৰ্জ হট্বন। বাবু চুক্তিপ্রসাদ যোষ অভিশয় উপযুক্ত বিচাবপ্দি। কৃষ্ণগড়, কিবৌলি, ভবতপুৰ, আলোয়ার उनियुत् ७ वेटक इडिक्नियक्त मटनाय एउक् विश्व ३० शास्त्र जामया वृश्विक इहेतीय. जादना यादनय शाका । नस्क श्रक्तानित माहत्यार्थ यक्त २० शो भार्ष इट्लिन. ना । अकुश्विन मश्यामभञ्ज १८०१न, । ७ नि शास मयस्त्र । जिन माजाल इहेश भारमन । अहँ वृज्ञकत इतिज्ञ मश्रमायदनय । कि रमान जिनास नाहे ?

२६ अ व्यवस्थित वृक्षात ।

मेहिनम अब है लिया बल्जन, मुद्र केरिकाफ नार्स ्काछ ३ ॰ • छाका कदिया दशबाहे विचरित्राल ्त भी कर्षे शुरुषात दिवात देव्हा कदिवादहर्म। জালা হাবাদের মাজিতেট সম্প্রতি এক আদ্ধ্য আন্তঃ দিয়াছেন। প্রয়াগদৃত বলেন গ্রাক पूछा :क जारमान कांन कांत्ररगई अख्राक भीम গণ পাণাছাৰাদের মধ্যে কোন ভারতব্যীর যন্ত্র ।কোইতে হা গান করিছে পারিবেন ন।। রাভার वाद्याहरण इहेरन शूर्त्स अञ्चम् जि नहेरण इहेल । একণে রাস্তায় দূবে থাকুক সন্ধার পর কেছ' सिद्धात देवडेकथामावु**छ (हालक सामावे छ शाः**व .वस ना । शिव्रानेवव वाजित्के के कार्यात जन्म याम्य कात्रष्टा वालप्रश्टह्म, स्वचाटम हेऊद्वाली ब्र দিগের বাস সেংখানেই কেবল এতদ্বেদীর্ম গৰ ভারতব্যীয় ষ্ত্রশ্রভৃতি লইয়া গান্বাদ্য করিতে পারিবেন ন।। ভারতারীয়াত ইংরাজ দিগের হৃদর ভাতিবৈর 🗢 কুশংক্ষার্থারা 🕫 পরেপুরিক এটা ভাষার জনভেব দৃষ্ঠাভ। এক জন ভারতবয়াঁছের প্রভেষাসী এক জন, ইংরাজ্ **ংইলেই ভারাকে চোলক ভানপুয়াঞ্জ**্ভ তা করা ফোলতে নচেং ঐ স্থান ত্যাগ করিতে **१३८व। ध्यमन माजिएकेट (फमनि मार्गवाका**जी गः नामभाजः। भवनीयार नेत्रव कि अहे मछ ?

দলকার বাতুলালয়ে বাতুলের সংখ্যা অধিক ক্তুসাতে আলীপুরে একটা অভিনিক্ত বাটা প্রস্তুত কৰিবাব আজা চইয়াছে:

মূলাপুরের রবটন নামক এক জন ইংরাজ ? ভারতা ভারতবদার বেলওয়ে ট্রেসনের সককারী ট্রেসনমান্তরকৈ অপানান করাতে জাঁচার ১০. টাকা ফাবিযানা হচ্চাত্যে। আনেক মহামাজ এতাদেশীর ট্রেসনমান্তরদিন্তের সংহত্ত রুখা বিবাদ করেন।

আমর' ছ: খড ইয়া প্রকাশ করিছে ছ রাণাঘাট উপনিভাগে উর্জ্বগথা চাবিজ্ঞানা লাস্য আন্মান্ত । পূর্বে গেপ্রকার জনুমান কনা গিয়াছিল ভাষা হয় নাই। পূর্বে পূর্বি বংসবে এসময়ে নদীয়া বিভাগ দিয়া বেল-ওয়েভে গমন কবিবে উভয় প'বে যিত ছুব দুক্তি চাক্ত, ভড় हुंत अन्दर्भा निवस। 😗 अन्। अन्। २-वन्नः गूर्वः গেত্র দুই হুইট, এবার সন্মিয়া অতি সমান ধই 🖯 ब्राह्म । अपना अपना भएन। इ. फ कथाई नाहे।

২৬এ শ্রাহ রণ বৃহস্পতি বার।

বরদার শুইকুমার মকায় প্রেরণ করিবার নিমিশ্ব হীরকণচিত বে চন্দ্র তপ প্রস্তুত করি ब्राह्मिन, ভाषा (धार्तिक बहेन ना। त्राकात्र ব্দর্থের অসমতি হওয়াতে তাহা বিক্রীত इंदेरव। देशांत भूता २० जक छाका ; वानि ধরিলে জারও লধিক হইবে ৷ কেইই জ্বও চন্দ্রাতপ এর করিতে সমর্ না ছওয়াভে ইহা **খণ্ড খণ্ড করিয়া বিক্রম করা হইবে**। এই সকল রাজা রাজসিংহাসনের অবমাননা করিবার নিমিত্ত জন্মগ্রহণ করিরাছেন।

**हजूर्फिट्स अञ्चलक्षे रखत्राट्ड मधाक्षात्र** र বর্ষ ও উত্তরপশ্চিমাঞ্চলর সেলা সংখ্যা ক্ষকরিয়া স্থানাস্তরিত করা হইতেছে:

সম্প্রতি উত্তর পশ্চিমাঞ্লের পুলিষ आगारावास्मत्र निकटि धक अन ठेक्टक श्रृङ कतिब्राट्मन । अ वाज्यि देवब्राभीत-(वःम धाब्र ২০ জন লোককে বিষপান ক্য়াইয়া তাহাদি ८भार मर्खन ज्ञानभारतम करियाहितः हेशार बज মধ্যে ধুতুরার বীজ বাহির হওয়াতে ঠক ৰলিল সে প্ৰত্যহ ঐ বীজ ভক্ষণ করে। সে দকলের সম্মুখে ধুজুবাভগণ করিয়া অচে ভন হইয়া রহিল , বিল্ক শরিশেষে এ ব্যক্তি অব পৰ দোহ স্বীকার ক**িয়াছে**। এই ঠক विद्याहकारण इंडेटबालीयनिशतक হ ভ্যা করিবার কাণ্ডে লিপ্ত ছিল।

মান্ত্রাজের এক জন মাজিটেটট প্রস্তাব कविष्टार्ट्स, (प्रकल व्हिष्ट हाउँ देरे वन हों है.-**क्तित्रत इंख्याकादीकिं। इक वृ**क्ति करिकां कि निमिछ मृख्रुम्ब्बन्धिक अरु अक्ष याक्ष भर्गा धानाय द्राचा रहेत्। मारहाक गवर्गमणे कहे शखाव क्षार् क्षित्राट्य । (जकाटन रेक्टिशाटण न काव ছিল, হজাকরৌ আন্সৰামাত্র হড় ব্যক্তির গাত্ৰ হৃতিভ শেলিত ৰহিগতি বৃইভ। মাজাজ भवर्षसम्बद्धाः सहस्रकात्र माद्धा ना कि? है छै (बाजीश्रामरभव मृख्यत्व अधकात्य अक्तूक, कि इ विष्यु ७ भूभनमार्यन मृज्यवर्गत मश्कात कविरक मा भित्न बर्त्याः श्रांष्ठ रूखस्मन्य स्त्री रहेत्य।

পঞ্চৰের সীমান্তিত কডকতাল বন্য পুন-

कांत्र काराया आवस काववादक। देखि शूर्त যাহ'রা "বিনীভভাবে স্কি প্রার্থনা " করি- 🖟 দ্বাভিল ভাষাদিনের মধ্যে একটি ভাতি এবি বরে প্রাধানঃ প্রহর্ণন করিভেচ্ছে। ভারতবর্ষ ভ্যাগের পুর্ফো শাভিস্থাপন করা সর জান করে দের আডপ্রেড ছিল। সুতরাং বন্যদিগকৈ অনুর ভ করিয়া সংশ্রপ্রাথন। করাইতে ছইয়া ছিল। তাহার ফল এইক্লপই হইবে।

মহারাজ জন্ম বাহাছুর শীল্প কলিকাভায় कानिर्वन। यव अपन नर्त्ररन्त्र निक्री विलोध লক্ষাওলাড় মেয়ের সহিত আলোপ করা अन दोश्डू (तत है (फ्ना)। मत क्रम अर्जुण यांन क्षक वार्ष्वप्रतक वर्षार्वेत्र वान्तिकः,त अक्षार्वित्रा कः। शंकत्र हेए अशास्त्रम, फार्श हहें एवं वर्फ फाल হয়। রুণখীর সিংহের সহিত জল বাহাছুরের व्यापक भित्राप्तमा आह्य।

महादाख (हामकाव शवर्गमान्डेत निकाम कर्म কটা খনি জমা করিয়া লইয়াছেন। রাজা বালিজ। উত্তয বুংখন। শাসনভার অন্যহণ্ডে দিয়া :कवन वरवमांध्र कविदन कि छान रुप्र ना ?

সম্রাতি প্রধান বিচারপতি নিচ্পত্তি করিয়া क्रिय, यथम ग्रेव (विष्केति (काम एम्)ल (वृद्धि हेत्री कत्टिक व्यवस्थाल इंडेरबन, खबन माँकार का का व विकर्ण (र्राक्ष है इ क्विन तम भवार एक निकटने जालील का कार्रहा अक कारण (एउप्रामी काशनटाङ बालील घंनटव बा। निर्दारवष्टे मानिकार्य्यम् । मत् 'वार्षम्भिकरकत् देश्रमेखः এक এक निष्णांखि पर्यन कविद्या प्यायक्षा विन्याम । ब्राट्याइक रहा

গত শুক্রবার সর রিচ্নাড টেম্পেল কলিকা खांध्र श्राक्षणां कार्या हिन्। श्रामान रमनाप ा**७ ७ छेल**ं कुड हरेब्राइका । यत दिहाड किल्ल ल्द न्यवनार्थं नामभुद्र अक पत्रवात व्हेष्ट्राहिल।

२१ अ का अ अ अ स्तु न श्रीत

विकार के विश्वतिक श्रुटिक स्वारक स्वारक न्भन रहेश थारक, खारा मानक म्हेरफट्य। वः उननाभक अक अन कवानी श्राप्तिक ५१८५ च्ट्रक्त (भानस्यारमं १७ वृत्र । (मारक सञ्चाहेटक এই হড়ার কারণ বলিয়া আন্নেম: সভ্রতি क्षक्रश्रीत (माक् अक कोमा क्रिया विप्रानंत अक्टी न्यद्रशार्थ क्षत्र कृद्रियात मात्रम करियारक्ष्य । वाद्रात हैश न्यवनार्थ छड हरेटन, किन्न करन अञ्चात्र। लाटकत्र मनदेक विद्यारक छैरमा इछ कता इक्षां काही भिटमत अजिरश्रक। कर्यक

क्षिक क्रियो मध भार्याएवन; एषाणि शाम বোগ বাইজেভে না। সমাট নিক্ষা মুখপত্তহার। मानारेप्राट्य, विश्व त्वत्र हारी शारेत किन कर चत्र मेख विशान कतिर्देश। किखेल्लालर्याभ জ্নিবার্ব্যর্ভে বোধ ২ইডেভে। স্থাটের (करण मध्यम् कामेन्यधाता । वासाध्याचित्रः रहरी ना पारेशा त कान्रत्न में न्नुप चिटि उद्धू, जारात अञ्चलकान कत्रिया जारात जैस सन्दर्भा পাওয়াই কর্ডবা।

थ्रष्टेत स्थाविष देशसरक गवर्गमाने छ विविक्तिरात्र काञ्चित्रत्रपूर जालायी वृह्य्यक्ति व्यविध त्रविशत भर्ष, खेवेच चाकित्य ।

**भन**िकेन : एदन इंदेश. क्षशामकम निहाता गरङ्गत ज्यापिय विकारभ अक्षी मकसमा स्ट्रेटक्टर । अभीत नाम मर्क्षणना (मनी र अफाबी तामहत्त्व ष याम। गर्ने मक्त्रमा तामहस्य (बायात्मव छाष् वधू। व्यवस्थात क'व्रिशा महेशा राष्ट्रिः ह कृष्ठ कहा इह अहे कारन श्रम्भन कहिन्ना नाशीभ

ररेब्राट्म। जावीत भटक वाविष्ठेत्र भिकास माहक **७ উरम्माञ्च राम्मानाशास्त्रः श्रक्षासीत नर्**क गतिष्टेत উसक ए अध्यान विश्वादकन । खीरना (कड़ मकलमा वलिया माटक शाहरत ও वाबू फेटम नहन्त्र वटन्यानायात्र विना कर्यस्ट्रा করিতেটেন। আনালতে প্রভার বিস্তর লোক शांगद्रफद्रध्यः यसम्बन्धाः कामान्तितातः वावकाः পক ও ভূতিমূল ডেপুটী মাজিকেট বাবু ইশ্ব চক্র হোণালেরও আ ভ্ৰন্। ঈশু:চক্র হোষাল विकासमा कृष्यः वाः बङ्गाद्वः वान्त्राहरू আজার সংখ্যা করাজে আনেকে আশ্চয়ান্তিত व्हेय्।देशन । किथा व्याप्तर्था व्यान्हर्यात् (क स कार्य (माचद अहि सा ।

সাপ্তাৰিক পত্ৰ বলেন, '' ব্লিচাড প্রধার माद्य अभ काम ८५१ वर ३३२ वरमत वहत्म हर मर्टि श्रीन्द्रशित के त्रशाहि । A

काभग्ना का नमाम, मञ्ज्ञिक शाकिनुद्वत्र मण्ड चानातं अवशी भुज समित्राहिन, खाश्व इति मक्षक इत्र । त्रशि को विश्व नाइ।

२४ अ व्यवश्यन मास्वात्र ।

क्षा व.वे व ।क क.समन वेश्वाटक (व मकन राकित्र मध्या मर्याद्या, जारावितात्र हरेएज অভুত ভভুত বিষয়সকল প্রকাশিত হুইয়াছে। **कु**ळशूर्य (मटक्टों ब्रि (वटलब्र'ड मार्श्य शक वरम्ब भूगाएक अन रहेट । शंकक रहेना (यक्तर्रक् व्याचार थास स्म। फिनि भी एक माका ना चानि तरपार्वराज्ञ । तत्व्यावक लाकर्क छेटच । किन्ना निवित्रा शाहिरवार्यन । किन्नु नव हातन्त्र ভারন ভাঁহাকে খাং উপাশ্বত হইতে বলিয়া হেন। এস, ডি, বার্চ সাহেব এক জন সিহিসি
রান ও গ্রবন্দেওর ডিরেটর ছিলেন। ইনি
নিজে খীকার কার্য়াছেন, ব্যাজের টাকায়
জংশ ক্রয় করিয়া প্রার চারি লক্ষ টাকা লাভ
করেন! এইসকল ব্যক্তি জাবার ভারতব্যার
দিনের চারতের আদর্শ হইতে চানা বস্তব্য
এক্শকার ভারতব্যস্থিত ইংরাজগণের ধর্মন
নী ত অনেক নিক্রান্ত হ্রিয়াছে।

फिल निर्म गवर्गमार के के रिवेद कात जा कि कि निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा कि निर्मा के निर्मा के निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्म कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्म कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्म कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्म कि निर्मा कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म कि निर्म

টাকার থাজার ক্রমশঃ মন্দ ইইডেছে।
গ্রেপমেটের কাগজ আধিক পরিমানে বিজ্ঞীত
ইইডেছে না। ব্যাক্ষ গড় সপ্তাহে সুসর্ধি করি
য়াহিলেন। পরপ আবার ক্রম বাড়াইয়াছেন।

াময়ালখিত মুলো গ্ৰণ্মেটের কাগজ বিশীত হইডেছে।

| 3 2 | 1 4 | রে সিক্স।            | \$\$ 1 \$8 √ · 1 \$3. |
|-----|-----|----------------------|-----------------------|
| 8   | ħ   | (作)?                 | 284 : 281.            |
| ł   | Ħ   | <b>पदानक स्थार्क</b> | 3 * 8 h 1 3 * @       |
| ŧ   | À   | কোং                  | 3.9413.6              |
| e H | 8   | কোং                  | 7774-1775             |

## इंडेटबाणीय मगाठात।

লগুন ১ লা ডিলেম্বর । কনসার্বেটিবদল মিডসমারসেট ও ইয়ার্কশায়ারের অন্তর্গত পশ্চিম রাইডিডে কুডকার্যা চইয়াছেন।

মাগদালার লাড নৈপিয়ৰ সুৰজ খাল দুৰ্গন করিতেছেন।

(क्नान १३८७ ट्रिलिखाम जानिताहर, वारमह-लिए क्षक्किन शाक अक्नामक माननश्रमानी ज्ञान कतिवत ज्ञाक्किशादा नमस्वक इन्न, किन्न नाधातवज्ञातिम एन जाशास्त्रिक इतीकृष्ठ कतिताह्य। भवर्गमने चावजीम श्रिक्किक वाल माह्मन, वाह्याद्व भानियान मा इन्न, जाहाता (गर (हरों) नान।) २ ता जिरमहत् भावम (सम् ६ नाज मिनि यत गंज कमः स्थाप किरतास साहारम स्थारता हन कित्रमा स्थापकर्य सामा कित्रमाहरू ।]

विवि छिनदिस्तिक बाईस्कोर्छेन (वाक्विनिक छैनाधि (मञ्जा ब्हेबाह्य)

ভ রা ডিসেম্বর। ডিসরেলি নাহের ও আন্য অন্য মন্ত্রী এক সরকুলারধার। সকলকে আনাই য়াহেন ভাঁলারা বিবেচনা করিয়া দেখিলাছেন, প্রভাগে করাই কর্ডবা।

भाष्टिशेन नाट्य ध्ययान मञ्जी स्ट्रेट्यन नकटन अहे क्यूमान क्तिट्लट्डन।

এপর্যন্তে ৬৮৪ জন লিবরল ও ২৭২ জন কনসারবেটিব প্রতিনিধি মনোনীত হইয়াছেন।

লগুন ৪ ঠা ডিসেবর। ডিসরেলি সাহেবের অন্ধরোধে রাজী মাডটোন সাহেবকে আহ্বান করিয়া মন্ত্রিদল নিযুক্ত করিবার আহ্বা দিয়া ডেন।

গভ কলা বোৰাই ব্যাক্কনিসন পুনর্মার বলিয়াছেন, সভাপতি সর চারলস আকসন ১০ই ডিলেবর বৃহস্পতিবার কার্য্য শেষ করি বেন।

विधि इत्र, श्रधान विष्ठात्र शक्ति ग्रह आरमक सञ्जाव (कवित्रण माज हारणमत स्ट्रैटवन ।

স্থান মন্ত্রিদল নিযুক্ত করিবার অভিপ্রারে মাডক্টোন সাহেব আরল আগবিল, আরল ক্লাবেশুন, ও কাড্তিরেল সাহেবের সহিত শ্রামর্শ করিভেরেন।

সম্প্রতি পারিসে যে গোলবোগ হয়, ভাছাতে মউমাট পিরজার ৬২ জনকে ধৃত করা হই য়াছে:

৫ ই ডিসেম্বর : জ্ঞারর উঠিরাছে, ভুরক্তের গ্রেমের সভ্জি বিবাদার্ভ হট্যাডে। এই জ্ঞারর সভাকি না ভাহার বিশেষ প্রমান আবেদাক।

নিউইয়ুক হইতে টেলিয়াম আদিবাছে, লিওনাড শাহেব বলিয়াছেন, প্রশ্লীয়াত রাজাকে মধ্যে না করিয়া এক কমিসনমারা আলা নামা ঘটিত বিষয়ের মীমাংসা করা উচিত।

७ ই ডিসেবর। अन्।कांत्र প্রাতঃকালের अव आत्तर वर्णन, ডিউক अव आवृत्तान फांत्रण्य वींय मिट्डिक इंटरन चित्र इंदेशक। जन औहरे गास्त्र योज अव हि स्कृत अधाक इंटरन। आत्म श्रानिक উপনিত শের সেক্রেটারি, ডিবে हेर क्टींक সাহের আগ্নারলপ্তের সেক্রেটারী, লাভ ক্রম অরাজ বিভাগের সেক্রেটারি ইইবেন। গড কল্যের টেলিগ্রাম অনুসাবে অন্য জনা নিয়োগ হইবে।

-----

## गवनद्यके विकाशन। बन्दरभीत लक्षेत्रकेत्रवर्गदत्रत्र नादमभान्नमादी

निद्यांश ।

२ द्वा जिट्यबत । ७ हे नदबत खबरि छ, जबनिक, भारत्रे गार्ट्यत ख्यू ग्रामकाम गर्वाख जबनिक, बि, निविध होन गार्ट्य हाको कारनरकत अक सम श्राप्ति। स्वाधानक हहैरवम ।

ওরা ডিসেম্বর। বাবু কৈলাসচক্র খোব ১৮৩৩ অব্দের ৯ আইন অনুসারে কটক বিভাগে ডেপুটা কালেউরের কমতা পাইবেন।

्तरवरवध अ, छवनिछे, छिछैक, मानाभुद्धत्र हानरनन स्टेरवन।

त्वरत्त्रश्च अक, अम. अकः अकः, माक्रुट्डिल डि, डि. मात्रकिलिट्डिव हाल्टलम हरेटवन ।

রেববেগু গ্রনিউ, নি, ডব্রিজ চাকার চাপ লেন হটবেন।

निम्नांशक कर्महातिभव ता अधानीत स्मानीत क्षानीत अ होका दिवात त्य हळ्व ए स्ट्रेटन, खासात श्राध विधि एक पुष्टि स्थाति होते के स्ट्रेटनहरून

প্রথম আেণির স্ব আলেষ্টাণ্ট সার্ক্ষন স্বাদ-বচন্দ্র (ধাষ

প্ৰথম জেলির সৰ আংশিষ্টাণ্ট সাৰ্ক্ষন ট্ৰাণ্ড ন'গু ব্ৰহ্ম।

প্রথম জেনির স্ব কাসিষ্টার্ক সার্জন রাম্যন্ত ন্দর স্নোব।

নিম্নিখিত কর্মচার্যণ কলিকাতা ও উপন্যার গোবীজে জীকা দিবার চক্রবাড়ের প্রাতনিধি সুখারিটেডেন্ট ইইবেনঃ—

ৰিভীয় জোণৰ সৰ আদিষ্ঠান্ট সাৰ্জ্জন কালিনাস বহুঃ

षिडीश स्थानित नव आतिष्टेश हे नाक्षम कानी इस्य बड़ा

প্রথম জেণির সব আন্দেষ্টান্ট সাজ্জন জীনাথ মুখোপাধ্যার মুনসিদাবাদের জন্ত্রগতি বহরমপু বেব দাতবং চিকেৎসালয়ের ভার পাইবেম।

8 है। छित्रम्य । अम्र निष्य छ छ निर्देश । श्री हिन्दिशनम् । जा निर्देश । श्री हिन्दिशनम् । जा निर्देश । अछ जा है है देवन । वायू अर्थानम् वकृता । छ , ज, कहे छ नाट्स्य । वायू अर्थानम् वकृता । छ , ज, कहे छ नाट्स्य । वायू अर्थानम् महा । इस्मित । वायू निर्देश के प्राप्त । वायू निर्देश के प्त । वायू निर्देश के प्राप्त । वायू निर्व के प्राप्त । वायू निर्देश के प्राप्त । वायू निर्देश के

কামরতের সহকারী কমিসনর এ, সি, কাবেল সাহের বড়লেটা উপবিভাগের ভার পাইবেন। (ल व्हेन व्हें (क. वह्नात प्याप्तार्थत क. यमन . इद्र निक्र महकाती हहेरबन :

বাবু দারকাদাথ মিজ মালারগঞ্জের প্রতি। নেধি মুলেফ হইবেন।

বাবু অভুলচক্র বস্থু পুরীর প্রতিনিধি মুগেদ । হইবেন।

সৈদ আবছ্লহোদেন ত্রিছতের প্রস্তগত সীতামারির প্রতিনিধি মুক্ষেফ চইবেন।

এচ, এস, বীডন সাচের কলিকাভার উপ নগরের একজন িউনিসিপাল কমিসনর হইবেন।

জে, এম, লুইদ সাহেব ঘণোহরের প্রতি নিধি অতিরিজ্ঞ জ্ঞা হইবেন।

এচ, সি. মেরিরেওন সাংহর পদজ্যাগ করাতে কে, এচ, এ ব্রাহ্মন সাংহণ প্রেসিডেক্সিকালেকের অংইনের অধ্যাপক হইবেন।

লেপ্টন ট গবর্গব জনবেবল জাস নী ইডেনকে কে বল্পদেশীয় বংবস্থাপক সন্তার একজন সন্তঃ ক্রিয়াছেন।

ज्वलिक, भि, जिवित्र नार्ट्य समनीभूरवद भुक्षि स्थादित सिर्क्षण हे स्ट्रेस्स

এফ, আডাম্স্ সাহের নওগার পুলিষ
সুপরিটেত ওট হইবেন।

हर्वांतिष्ठे, स्मृं कित्तवि त्रारश्व जिल्ल्याः त्रक्षात्री शृतिव स्थातिर्ह्हर्यक्षे व्हेर्वन।

নিয়লিখিত ভদ্রলোকেরা ত্রিহুজের বিজ্ঞা শিক্ষা সভার সভা হইবেন

्यक्रव, फवलिफे, हे भागत।

्छ, लावई मारहव।

े देनम विमाख ज्यांन सी।

श्रीयु छुत्राभिक्ति बटलहाभागासु ।

৫ ই ভিনেছব: বলোংরের প্রতিনিধি তেপুটি মাজিক্টেট ও ডেপুটি কালেক্টর বাবু কালীপ্রসন্ন সরকার পাশুড শ্রীশচক্র বিদ্যারদ্বেষ জন্তুপান্ত্রিকালপথ্য বাগের হাট উপবিভাগের ভার পাইবেন।

ভৰলিউ, ই. ওয়াত সাহেব বৰ্জমানের মিউ ক্ষিমিশালটির সহকারী সভাপতি হটবেন।

ণ ই ডিসেমর। বাবু (গারদাস বসাথ খুলন। উপরিভাগের ভার পাইয়া যশোহরে মাজি ্টেটের ক্ষমতা প্রাপ্ত হইবেন।

প্রথম চক্রবাজের সরবেরর জে এচ ও তানেল ১৮২২ অন্দের ৭ সাইন ও ১৮২৫ অন্দের ৯ আইন অসুসারে শেলপুর ও কুচবিহারে কালে ইরের ক্ষমতা পাইতবন।

व्यानरकुछ, अ, अशार्तित नारहव समीवात नहकाती मास्तिरकेछ छ कारलकेत स्हेग्रा विकीत व्यानित व्योग मास्तिरकेछित क्षत्रका भारेरावन ।

বড দিন বাবু অভয়কুমার দত্ত বিদায় লইয়া অনুপঞ্জি থাকিবেন, ডভদিন মৌলবী নসিরু দেন ঢাকা, বছর ও নারায়ণগঞ্জের ছোট আদা লভের প্রতিনিধি অজ ছইবেন।

মৌলবী নসিক্লিনের জনুপস্থিতিকাতে বাবু মহেজনাথ বস্থু চাকার প্রতিনিধি প্রথম অধঃস্থ জন্ম ছইবেন।

বাবু মহেন্দ্রনাথ বসুর অসুপস্থান কালে বাবু বৈষ্ণবচরণ দাস চাকার প্রাতনীয় জাতিরিক্ত অধ্যস্থ জ্ঞান হইবেন।

ভূ ীয় চক্রবাড়ের জরিপের ডেপুটী কালে-ইর বাবু সাতকভি রায় রাজসাহী বিভাগে বদলী হইয়া ১৮২২ অন্দের ৭ আইন ও ১৮৩০ অন্দের ৯ আইন অনুসারে রাজসাহী ও রাজ ধানীবিভাগের কালেইবের ক্ষমতঃ পাইবেন।

বাবু হীরালাল মুখোপাধ্যায় ভৃতীয় চক্র বাড়ের জরিপের ডেপুটি কালেক্টর চইবেন।

ভবলিউ, এফ. মিয়াস সাহেব কিছু দিনের নিমিত্ত বাখরগঞ্জে দিভৌয় গ্রেণির প্রিভি নিধি মাজিটেট ও কালেইর হইবেন। কামরূপের সহকারী পুলিষ সুপরিন্টেভেন্ট জি, এচ, দ্বেঞ্চ সাহেব বগুড়াতে বনলী ইইবেন।

ই, এম, মোসলী সাহেৰ পুণীয়ার সহকারী
নাজিক্টেট ও কালেক্টব হইয়া কুঞ্চনঞ্চ উপরি
ভাবের ভার পাইয়া মাজিক্টেট ও ডেপুটি কালে
ক্টেরের ক্ষতা পাইবেন।

-:.:-

## আমাদিপের বীরভূমিক সংবাদ দাতা লিখিয়াছেন:—

এ দিকে এ বার সুচারুক্তপে ফসল জ্ঞান নাই।

ঢালাভূমির কথা দূরে থাকুক, নিম্ন ভূমিতে প্রতি
বৎসব বে হাবে ধানা জ্ঞান্ত্রা থাকে, ভালার
অর্জেকও পাওয়া চকর। এখন এখানে চাউল
প্রতি টাকায় কাঁচি॥৫ সের বিক্রীত হইভেছে।
অনানা আহারীয় জব;ও অগ্রিমূল্য হইয়াছে
চারিদিকে আলক্ষা পড়িয়াছে যে ৭৬ সাল ভ সমীপবর্তী, এ মদন্তরেও বা ভূজিকলাই
দেলকে ক্রমাবদেশ করিয়া ভূজো।

২। বিশ্ব বিশ্বেরই অনুবর্তী ক্ইয়া থাকে আবের প্রকোপ প্রশমিত না ক্ইডে ক্ইডেই ব্রয়ায়ী আবাদে বিস্তৃতিকার লক্ষণ দেখা দিয়াছে। ৩!৪ দিন মধ্যে অনুবে ৫।৬ জন গভাস্থ ক্ইয়াছে, ঈশ্বর ব্লনেশেরপ্রতি একটু অনুকূল দৃষ্টি দিন।!!

পে দিন দংশা বিভাগের বাদলা e

মাইনার ছাত্তর পরীক্ষা গৃহীত হইরাছে, প্রশ্নগুলি মধ্যবিধ ছিল। কিন্দু কেমন একটা কথা শুলি লাম। এ পরীক্ষাতেও না কি সংক্রামক রোগ (প্রশ্নচুরি) ধরিয়াছে।

8। श्रीननाम, कारिया व्यक्षण (भावीर क्र मैकानानध्यश्रिष्ठ ननिवरंत्र ध्याप्रवान क्रहे शिक्टिन विन्धा स्थाकात जिः (बिक्टिकेडे क्रीनकानाम यातू श्रीमक व्यक्तिकेडे माज्यम क्ष्यपातू भवन्तिके क्रेटक धनावान धाश्र क्रहे

৫। রাইপুরের শাখা ভাকষরটা স্থায়ী হইয়াছে। কিন্ত এপর্যান্ত সীলপ্রকৃতি ভাকঘরের
আসবার আদিয়া পেনিছে নাই। এই অভাবতলি
লীজ পরিপুরিত হয় :এই আমাদের কর্তৃ
পক্ষীয় মহালয়ের নিকট একান্ত প্রার্থনা।

৬। নিউজি বন্ধ বিদ্যালয়টী অতি উত্তমরূপে চলিছে। প্রতি বংসারেই ১০৬ জন ছাত্রবৃদ্ধি পাইয়া থাকে। কৃত্রবিদ্য সম্পাদকের হত্তে কর্মিডার পাড়লে জুল যে স্ক্রাক্রমণে চলিয়া থাকে, ভাষার এই একটা প্রমাণ।

৭। বন্ধারী আবাদ ক্লেপ্রবৈশিকা পরী কার নি জিট পুত্তকসকল অধ্যাপিত হটকে এই কল্পনা হটতেছে। ক্লুলটীর প্রতি এখানকার মহারাজের বল্পপ কুপাদ্ধি আছে, ভাষাতে বে এ বল্পনা কার্য্যে পরিণত হইবে ভাষার সন্দের্

আমাদিলের মগরান্থ সংবাদদাতা

## লিখিয়াছেন:---

০০ এ মবেষরের সোমপ্রকাপে শান্তিপুর
নবাসী ঞীযুক্ত বাবু যন্ত্রনাথ চক্রেবন্তী মহালয়েথ
প্রেরিত পত্তের মধ্যে প্রীযুক্ত বাবু কেশবচন্ত্র সেন
মহালয় যে কএকটী প্রমান উত্তর প্রদান কার
য়াচেন ভাষা দেখ্যা আমরা যংপরোনাজি
বস্ময়ান্তি ইইলাম। আমরা কেশব বাবুকে
গরলহালয় বলিয়া জানি, ভাষাতে ভিনি ব কি
নেমিত্র এরপ চঞাতে প্রস্তালর উত্তর দিয়া
ছেন ভাষার ভাবে কিছু বুলিতে পারিলাম না।
ভাষাতে ভাঁষার বিদ্যা ও বুলির কৌনলভির
আর কিছুই আমাদের বোধসমা ইইভেছে না।
এরপ চক্রাতে উত্তরগুলি না দিয়া যাদ ভিনি
গরলভাতে উত্তরগুলি না দিয়া যাদ ভিনি
গরলভাতে উত্তরগুলি না দিয়া যাদ ভিনি
গরলভাতে দিভেন ভাষা ইইলে বোধ হয় আনে
কের কেশব বাবুর উপরে বিপরীত ভাবের উদয়
ছইবার সভাবন। ছিল না।

गफ २ त्रा जित्मवत वामनाजारम এक में वालक 🕴 कल निमध रहेवा मानवलीला महदन कविधादहा উত্তম আওপ চাউল মগরার হাটে ১॥০ টাকা করিয়া মণ বিশ্রু হইভেছে।

यांमापिरशत कांत्रहां शिष्ट मर्वान-मा छ। निश्वित्राट्यनः ---

১ : সোণারক আমের রাজ্যাপরিকরুণ, খাল খনন ও বিদ্যালয়ের উন্নতিসহজ্যে ইভিপূর্কে মুন শীগঞ্জের ডিপুটী মাজিক্টেট বাবু বিমলাচরণ ভট্টাচার্য্য মহাশয়ের যদ্ধে উজ্ঞান্তর কভিপয় প্রধান প্রধান ব্যক্তি একত্রিভ হইয়া এক সভা করেন। ভাষাতে মীরকাদিমের খাল সংস্ক রণের প্রস্তাব উপস্থিত হইয়া তৎসম্পকে তর্ক বিভৰ্ক হুইলে পর ভাহার আবশ্যক্তা বিবেচিভ ষয় এবং ওক্ষন্য কভিপয় ব্যক্তি চাঁদাপদানে অঙ্গীকারপুর্য়ক স্বাক্ষর করিয়াছেন। শুনিলাম কিঞ্ছিদিক ৭০০ সাভ শভ স্বাক্ষর হইয়াছে। ইহার পর রাস্তা পরিকারের বিষয় উল্লেখ হইলে স মসন্মভিক্রমে সোণারকের ভিষটী রাস্তা অবশ্য পরিক্ত হওয়া উচিত বলিয়া স্থিরীকৃত হয়। অবলেষে সোণাইসনিবাসী কোন সভাভত্ৰভা विषयानभूषी किश्रकारत तकिए छ छन्न इंहरण পাৰে, ডিমিয়ক প্ৰস্তাৰ উপাস্থত কৰেন : কিন্তু ভাংকেপের বিষয় এই যে তৎপ্রতি কেইই अङ् ८केटे। मरनार्याण कविरत्नन ना । कांबन कि ? বিদ্যালয়দ্বারাই দেশের প্রকৃত উন্নতি সাধিত চ্যু, অভএব ভাষার রক্ষণ ও উন্নতিবিধানে মঃনাক্রানিতাত অন্যায় :

বিশ্বস্তমুখে অবগত ংইলাম কোন চুরি মক ভ্নমাৰ আসমা ধৃতকরণ পক্ষে ভীক্তা প্রকাশ कताएक, नाताध्रवशक दिल्यान (१५ कन्टेविन कप्पट्ट, उ इरेशार्डन। वर्डमान श्रुलिरनव मकल পুণ্ট আছে। ছুল্চরিব্রভা, অভ্যাচারিভা, অযোগ্যা, ভীরতে যে ওলের অত্থেশ করা যায়, ভাগাই এখানকার প্রাল্যে স্থলত !

় চাকাকালেকের এক জন ছাত্র রিক্রমপুরের श्राष्ट्रीत ও ज्याधुनिक देखिलान मन्ध्रह करियाहन, বিক্রমপুর অভিবিস্তীর্ণ ও প্রসিদ্ধ স্থান। অভএব ইছার ইতিহাস জানিতে সকলেরই ইক্ষা জ্মিতে भारत । इंडः भर्ता (कहरे रेहात श्रेशत श्रेत क्य माहे। विरंवहमा कतिएक शिल अधि विक्रमशुत क्टिडियिश्रान्त भएक माधात्र कर्का किन ना । मञ्चिषि (महे जाकार्यत शृत्व (मधिया जार्यरकहे कास्ताहिक इंडेटक भारत्म। अथम स्त्राहीश्वरतत

সমীপে প্রার্থনা প্রধেতা ইতিহাস মুদ্রিত করিয়া | कानगण किछान मा इन।

षामामित्रतं कालनाष्ट्र मर्वापताठा লিখিয়াছেন।

এধানকার মিউনিসিপাল চৌকিদারিব ভুতন वक्नावक इदेशाइ, अवह नकत्मई चौकाव कतिएक इन त्य श्रृक्तिमक काक इहे एक मा। शूटर्स करे बारमत हुग्राङ्ग नरे होकिमाद्वत কাজে নিযুক্ত ছিল, কিন্তু ভুতপূৰ্ম ডিঞিক্ট अभिति एके एक दिन्य मारहत को नात है।-ानगरक भन्दू। **छ क**ब्रिया कडक्**छ नि हिन्तू स्**नि लाकरक अहेमकन शिक्ष नियुक्त कतिया यान। किश हेरारित बाता उ उक्तम काव रहेर उर्ह ना मानिया वर्षमान डिकिन्ट स्थानिया वर्षे डिने-चत्रि मारहर जारम्भ कतिशारहन, (वं कामात কুমার গোয়ালাপ্রভৃতি ভাল জাতিসকল अ कारकत श्रार्थना कतित भारेत्व भातितः। विरवहना कित्रिया सिथिटन हेर्ने ७ वर विश्व প্রণালী অবশহন করা হইয়াছে ভারা কোম मएडरे (वाध रुग्न माः कात्र मृहा इ काछित षात्रा अ कारकत रामन क्रुविधा २३८व, व्यनप्रानः ञ्चर्यविनामी (नारकत **घाषा भारत में छन्ना म**खा বিভ নহে ৷ চৌর্যাজয়নিবারণ করাই কাজচীর প্রিধান উদ্দেশ্য। হোরতর অব্ধকারাচ্ছন্ন নিশীথ সময়ে প্রজাদিগের ছাবে বাবে অমণ করা, অভি নোপনীয় স্থানসকল অসুসন্ধান করিয়া দেখা সাহসপুর্বক দক্তাগণের সন্মুখীন হওয়া চুয়াড় আতির ধারাই সম্ভাবিত। সুথবিলাদী ব্যক্তি দ্বা এ সকল আশাকর। বিভ্রনামাত্র। স্বযুৎ এ কাজসৰকে চুয়াড় জাতির অনেক বীরত্বের विषय राज्या जिल्ला वित्यवा है हो निज्ञ क कार्य नियुक्त वाश्वित हेराता (नर्गत याम) ना भा**नकर्त्य किंश रहेएक भा**बिएव ना। शूर्त्त (श এक अक महल এक এक (5) किलाद्वत (खन्मा था किन्छ, (म ध्रथा छेठाहेन्ना मिन्ना श्रक्ता मिन्नत আরও অফুবিধা করা হইয়ালে। ভাছাতে এই এক বিশেষ উপকার বোধ করা হইতঃ যে মহলে চুরি চইত সেই মহলের চৌকিলার চোর ধুত कतिवात शरक यप्रवान इहेख। व्यर्थाए याहारख ভাছার সীমামধ্যে কোন অভ্যাচার না হয় সে সর্বাদা সেইমত যদ্ধ করিও। এক্দেণে চুরি হইলে **हो किमाउमिर्गाक किंदूई दलियात विषय भाई।** ভাহার কেবল শোভার জন্য আছে মাত্র। সাহেবদিনের অভিনাষ যে কলিকাভার প্রবা नमर्ख 'शङ्कीबारम नीज श्रवर्षिक कतिन्न। बारमन निकास समृतक नरह अवर उपमहत्त्व स्वनकत

শোভা বৃদ্ধি করেন ; কিন্তু এরূপ স্থানে ভাগ সম্ভব কি নাই দেখা উচিত। চোৰ্যভয় নিবারিত रहेरव विनयाहे क्रोकिमारतत क्षया क्षवर्शिक করা হইয়াড়েছ। যদিও অসনানা আহুষ্টিক काळ इहारमञ्जू काता निर्माहिक हहेर छट छ. किन श्रधान डिल्मना श्रक्तामिर्गत निक्रवानि রক্ষাকরা হয়। যদি কাজটী শোভার জন্য নং **इहेन, उटर माहमी अमरन लाक**निश्**रक** है नकल भएन नियुक्त करा ज्यावनाक। विट्रमधकः স্থানীয় কোন বিষয়ের মূতন বন্দোবত হইলে ভথাকার প্রজাদিগের মন্ত শুওয়া উচিত ৷ व्याप्रता स्थानियां हि, जकरमहे विमान शारकन (य পূর্বেষে চৌকিদারের প্রথা ছিল তাহাই ক্রবিধাজনক ছিল। छात्र उ धका मिरगत বর্ত্তমান পুলিষ ইনিস্পেষ্টর বারু রাম্বরেণ্ ঘোষ ও এ बाना (हर्ष्ट्र) कतियाहित्सन, किन्न शास्त्र मिट्रात् याहा मा जाहा (क प्यनाया करत ?

সম্প্রতি বস্তমানের সিবিল সার্জন মেন্টেল गार्ट्य ଓ फिकिं कुप्तिर केटल छेहेबर्स সাহেব এখানে আসিয়া আপন আপন কাৰ্য পরিদর্শন করিয়া ভুষ্ট হইয়া পিরাছেন। भीकारत छ विलक्षन आस्मिष्ठि इदेश शिशा इन । দাতবা চিকিৎসালয়টা দেখিয়া বিশেষ সভষ্ট इहेबांत्र कात्रण अहे (य) तास्त्रा नाशाहत द्वाभी थाकियात समा मनिन श्रेड शक्क करिया पित्र। ्क्रम । इंशास्त्र विरमय छेपकांत श्हेरण्डस् ।

कामता (मिराउडि), श्रानमाथ बाबुत ऋ लही ক্ৰমেই উন্নত হইভেছে। কএকটা উপযুক্ত শিক্ষ के अभियुक्त इंदेशार्डन । अकरने आरमह (नार्य घत्रवान् इहेटलई विटलव काळ इहेटवा

এড দিনের পর এখানে একটা বীতিমভ वालिकाविष्यालय अःशिख इरेग्नाइक। विस्थव রভান্ত জন্ম লিখিব।

## থেরিত।

मानावत श्रीयुक्त (नामश्रकाणनण्यापक

महानव मभीरभव्।

बाह्मम हर्कि ।

गर्भाषा २०० व्यर्भित (त्रामक्रकारम युव कगर्वत बाह्यभठका अहे नीर्वक मिन्ना ्य একটি প্রস্তাব লিখিয়াচেন, তৎপাঠে যুগপং प्यामाहित्यम् इर्षे अ विवाह छित्रम् छेलाङ्ग **रहेला छेळ विषय्चिछ (यनकुम (मार्**यद উলেপ করিয়া প্রতিবাদ করিয়াচ্ছন, ভাহ-

উপদেশ প্রদান করিয়াছেন, ভাহাও নবযুবক কুকর্মোৎর দিগের পঞ্চে একান্ত অসুসর্গীয়। বিঘাদের বিষয় ইইয়াছে। এই আপনার প্রজ্ঞাব পাঠে এক্সপ বোধ হয় আপনি এই আপনার প্রজ্ঞাব পাঠে এক্সপ বোধ হয় আপনি হল, ভাহাদিগের সকলেই মিলিভ হইয়া বড় নির্দ্ধেশ ক মান্ত্র্যদিগের বাসীতে অভিনয় কলিয়া থাকেন। এই সাধার কেবল যে আমাদিগেরই এইপ্রকার সংস্কার বোগে জঃ ইইয়াছে এক্সপ নহে, বোধ করি সোমপ্রকাশ রুণজ্ঞায় আঠকমাত্রের এইক্সপ ইইয়া বাকিবে। অভ এব সাহস ব ভাইদিগের এই প্রকার অমূলক জম দুরী বাধিত ক ভূত করিবার অভিপ্রাধে নিম্লিখিত বিষর গুটা লিখিতে বাধ্য হইলাম।

যৎকালে বালকগণকে কায়ামশিক্ষা দিভে অ'রম্ভ করা হয়, তৎকালে কোন বিশেষ নিয়ম করা হয় নাই, স্থুভরাৎ যে কেছ নিখিতে আসিয়া ছিল, ভাষাকেই উজ্জ বিদ্যা শিক্ষা দেওয়া হয়। কিছু দিন পরে প্রকাশ হইল ভারার মধ্যে কভক গুলি এরপ বালক আছে যে, ভাছারা বর্ণায়াম চর্চাদারা শারীরিক উৎকর্ঘসাধনে ভত স্বদ্ধ नरह, रक्तवन छेहाबाता छाहात्रा नुजानिएक विट्नव পারক ও পটু হইবে, ইহাই ভাহাদিগের প্রধান উদ্দেশ। অনস্তর যখন বর্ত্তমান অদের জালু-राति मात्र स्ट्रेंटिक किना जात स्थारन स्थाप छेक विषयात्र विष्ठा नम्न रहेम्रा विष्यय विष्यय नियम হইতে লাগিল নেই সময়ে ঐসকল বালক 'শস্ত হিল এবং ভাগার কভকগুলি একত্র চইয়া একটি দলবন্ধ করিয়া আপনারা নর্ত্তক রূপে খ্যাত হইল এবং আমোদপ্রিয় ধনিলোক দিসের বাটীতে অভিনয় করিতে আবস্ত কবিল । ্একে ড ড'হাদিগের প্রথমাবধি ঐ অভিপ্রায় ্রভলাঃ ভাহাতে আবার বভ্গানুষ মহাশ্রদি-গের প্রশংসা। ইহাতে ভাহাদিনের আরো উৎসাহ ১ইর৷ উঠিল : এইরূপ দেখিয়া ব্যায়াম বিদ্যাসভার সভাপতি ও সভা মহাশ্রেরা সমু-দায় বিদ্যালয়ের বালকগণকে সাবধান করি ভাঁহাদিগের সন্দেহ হ্ওয়াতে ভাহাদিগকে दिमालिय इहेरण बहिक्छ कतिरासन এदः विकार লয়সমূহে এরাপ কটিন নিয়ম প্রবর্ত্তিত করি लान त्य. यमि क्लान वालक व्यक्तिश्रकार्यः निश्च व्याकारक विवसानस्य व्यातः नाडम् । वृद् ্ৰ না এবং ভাষার বিদেশ দুগুৰিধান ছইবে ৷ ः १, २७ क कामार्राष्ट्रत राक्तवा এहे (य उस्विधि वमराज्ञात्र काव अविधि वालक अञ्चिमग्र कार्यः गय म'हे इतर (य कहारत्यामाख श्रथमा वित्र महकारत धरिष्टे इत्र कार्तिहे अधन्त

क्करन्वारमाहक मूच धर्नीमिटशत चारमामक्रमक रुदेशोरह।

আপনি নব যুবকগণকে 'আ' ভ্রম্ব প্রিয় এবং ভাহাদিগের কার্য্য কলকে আভ্রম্ব অরপ নির্দ্দেশ করিয়াথাকেন। অভএব পাছে আপনি এই সাধারণ মঙ্গাকর কার্যকেও আভ্রম বোধে অন্মে পভিত হইয়া থাকেন ভাহার নিবা রণজন্য ভামি অন্য এই প্রস্তাবলী লিখিতে সাহদ করিলাম, অনুগ্রহ করিয়া ভানদানে বাধিত করিবেন।

**জী দঃ—** 

--; . ;---

সম্পাদক মহাশার। আমাদিগেব এই হত ভাগ্য ফরিদপুরের ভয়ানক জলকষ্টের বিষয় বিধিতে লিখিতে লেখনী ক্ষয় হইতে লাগিল, কিন্তু ছুংখের বিষয় এই ইহার কোন উপায় হইল না।

গত আধিন মাস হইতে এখানকার খাল বল্পতোর হওয়াতে তাহার ত্রোতোবিহীন বন্ধ লল কেই ব্যবহার করেন না। এখন সকলে অত্রতা জলাসমূহের ভলই ব্যবহার করিয়া থাকেন। কিন্তু প্র নাসান্ধক কাল গত হইল, উহারও জল নিতান্ত কটু ও ক্যায় হইয়া পীড়োৎপাদক হইয়াছে। অনন্যোপায় হইয়া উজ লল ব্যবহার করাতে এখানে অ্বরোগের বিলক্ষণ প্রায়ভাব হইয়াছে। অলুসন্ধান করিলে প্রতি বাসাতেই ২০৪ জন অব রোগাক্রান্ত বাজি দেখিতে পাওয়া যাইবে। গবর্ণমেন্ট মনোযোগীনা হইলে আমরাত ইহার কোন উপায় দেখিতে পাইনা। হয় খালগুলির পঙ্গোদ্ধার করিয়া ত্রোভআন করুন, অথবা জলকষ্টনিবারণের জন্য কোন উপায় করিয়া

এবংসর জন্ততা গবর্ণমেন্ট বিদ্যালয় ছইতে ৫ জন ছাত্র প্রবেশিকা পরীনায় প্রেরিভ হইয়া ছেন । উশ্বর করুন সকলেই স্কুক্তকার্যা ছেউন।

আমরা শুনিয়া ছ: বিত ইইলাম উক্ত বিদ্যালয়ের প্রধান শিক্ষক নহাশয় জাত্রত্য গ্রবর্গনেন্ট বিদ্যালয়টাকে নোয়াখালীর গ্রবর্গনেন্ট জুলের নায়ে ছিতীয় প্রাণীভূক করিষার জন্য কমিটাভে প্রস্তাব করিবেন। যথাপ ক্ইলে নিতাভি ছংখেব বিষয়।

আগামী ১ লা জানুযারি হইতে আমাদি গোর এখানকার বার্থিক কুষিপ্রদশনী মেলা আরভ হইবে। আমরা অধ্যক্ষণণকে বিনয়ের সহিত নিবেদন করি, কুষিপ্রদশনী মেলাতে, কেবল কুষকদিগের খোপাজিন্ত মব্যাদি প্রদশন করিয়া।

স্থাপনাপে বাছাতে ডাহারাই পুরক্ত হয়,
সর্বতোভাবে ভাহাতে দৃষ্টি রাখিবেন। স্থাক
দিনের নাম দিয়া অর্থায়ু সাহেব ও বাবুদিনের
ক্টীভোদর পূর্ব করা নেভান্ত অসক্ত। বদি
সাহেব ও বাবুদিনের উদর পূর্ব করা হয় ভাহা
হইলে ইহার কৃষিপ্রদর্শনী মেলা নাম না দিয়া
সাহেব কি বাবুপ্রদর্শনী মেলা নাম না দেওয়াই
সক্ষত হয়।

আজি কালি এখানে ব্ৰাক্ষণিগের নিভাপ্ত শোচনীয় অবস্থা উপস্থিত হইয়াছে। কাহাকেই সমাজে আসিতে দেখা যায় না। কেবল ৪।৫ জন ব্ৰাক্ষ্যারো সমাজের কার্য্য নির্মাহিত ১ইয়া থাকে।

**∄**:--

হিন্দুর্ণমই এথানকার আদিম ধর্ম। ডৎপরে খৃষ্ট ও ব্ৰাহ্ম প্ৰভৃতি কয়েকটি ধৰ্ম প্ৰচলিত চুট্ শ্বাহে। সম্প্রতি আর একটি নব ধর্মের আবির্ভাব হইয়াছে। ইহার নাম '' গুরু সভঃ হরি বল। 🗚 এই নডটি দেশের পকে মহানিষ্টকর হইয়াছে। ইহার বিশেষ বিবরণ নিম্নে লিখিত হটল। পাঠক भव भाठे कतिया (मधुन, अष्टि (मर्भव हेष्टे वा অনিষ্টসাধক ভাষা স**ংজেই** বুঝিতে পারিধেন। এত দিন এটি গোপনভাবে ছিল 🕫 একণে সর্বত্র हेरा श्रद्धां इंदेशा है। श्राप्त ३० वर्गत ३३ त এই মভটি প্রচলিত হইয়াছে। ইংগর ইভিনাস অভি ফুন্দর ও অভুত। স্থাধাগরের সন্ধিছিত হালিসহর আমের দক্ষিণ এবং কাঁচড়। পাড়ার উত্তর ঘোষপাড়া নামে একটা গ্রাম আছে। উक्ष बार्यानवानी तामभदगरपाम উপরি ल খিত মন্তটির আবিকার করেন। তিনি কোন উৎকট পীড়ায় পীড়িত হন। বছদিবসার্থ বছবিধ চিকিৎসা ও নানাপ্রকার উপায় করেন 🖡 किष्टुर्ड्ड ताभगान्ति इंडेन मा श्रीतर्भाष यञ्जन। जनहा इहेरण अक मित्र छ। भीतवी नीरत জীবনবিগ্রন্থান করিতে উদাত হন : এমত সময়ে रेन्यवानी इहेल (फामात कलमध इहेन्रा शानपति छा: भित्र शहराक्षम नाई। छुमि **भर्त्र**३ कार्यस्ता बारका अवर फालिनइकारत " शक नडा श्रि वल म विलिया अन्तुकतिल. जाहा हहे(लहे (वात ছইতে মুক্ত হইবে। জিনি"এই কথা শুনিবামাঞ সম্ভপ্ত চিডে গুৰে প্রড্যাপমন করিয়া আচার (ब्रह्म) পরিভ্যারপূর্বক উক্ত দৈববাক্য অপ করাতে व्यक्षित्रमध्याहे व्याद्योगालाक कटरना हेहा (मिथिया अम्र'नर निक्षेत्रकी वामनिवानी e প্রতিবাদী কথ ব্যক্তিরা প্রতিদিন তাঁহার নিক ই

লাগিলেন এবং কুডাঞ্ল मगांत्रक हरे.ज পুটে ভাঁহার সন্ধ্র দণ্ডায়নান হইয়া অভিকা 🔥 ভরশ্বরে 🕏 র আ্বারোগ্যের কারণ জিজ্ঞাসা ह (यायक महाभारम् त स्वार्ग किष्टू . করিছেন। । উপধাপরি বএক দিবন **এইলপ क** 💢 है रेमवार अंक मिनन साहात स्थाध छम हहेल । हाहिया (मर्थन, जन्म रथ कंशक सन **लाक भ**्यथान बहियाट । **डाँ**शिंगटक জিজ্ঞানা কৰিলেন কেন বাপু! ভৌমরা এরপে আমার স্থীপে দ্ঞার্মান রহিয়াছ ৷ ভাঁহার৷ এইরপ জেজাসিড হওয়াতে আপনাদিগকে চরিতাথ জ্ঞান করিলেন এবং গদ গদ খবে বলিতে লাগিলেন আমরা আপনকার জারো গ্যের কারণ জানিতে নিভাত্তই অভিলাষী হই য়াছি। একণে ঘদি অমুগ্রহপূর্দ্ধক বলেন ভাষা হইলে প্রমোপকৃত হই। ভিনি গর্কিতম্বরে বলিলেন আমি '' গুরু সভ্য ছরি বোল ৯ বলিয়া রোগ হংতে মুক্ত খ্ইয়াছি. ভোমারাও বল অবশাই আব্রোগ্যলাভ করিবে। উঁহোরা এই বাক্য শিবো ধার্য্য ও অনোঘ বিবেচনা করিয়া ভাগাই করিতে लाजिएलन। সময়গুণে वा विश्वांत्रवरण काहात কাহার আলোগাও হইল। এইরূপে ক্রমশই এই মতটি চারি দিলে ব্যাপ্ত ইইয়াছে। এখন প্রায় প্রতিপ্রদেশে ও নগরে এই ধর্মালোক आरवन करिशाहि। अहमनीश अधिकारन अनि কিত পুরুষ ও জী এই ধর্মাভূপণে ভূষিত হই গাছেন। এখন স্থানে স্থানে এক এক আডডা ্ন গভে পাওল্লা য'ল।

ংম খোৰ পাড়ার মাড্ডা। উক্ত রামশরণ গোনের বংশপবস্পরা উক্ত ধর্মা প্রতিশালন কাৰৱা আসিতেছেন। প্ৰতিবংসর লোলযাজার भगः अथान गरामगातारपूर्यक अवृधि कविशा ुमल। इहेग्रा थाएक। এই मगस्य এই স্থানে এই ধৰ্মাক্ৰান্ত নানাজাতীয় স্ত্ৰী ও পুৰুষ নানা দিগ দেশ হইতে আদিয়া একফ্রমিলিড হন। হাতী যোড়া গাড়ি পালকীপ্রভৃতিতে নেলাস্থানট পরিপুরিত হয় এবং বিবিধ মনোচর ও উপঃ (भर प्रका मामग्रीत (मानान रतन। (मारकत कालाइटल जाम नित्रूर्व इड्डा याता जारमा (मृत পরিদীম। পাকে না। নানাজাতীয় জীপুরুষ একরে শ্রন ও একত্র (ভাজন করে। হোষ वरमीयनित्त्रत जात्यत भीमा नाई। विविध छेला দেল্প ও প্রধান্য সামগ্রীতে গৃহ পরিপূর্ণ হইয়া যায়। টাকা রাখিবাব স্থান পাকে না। ছঃখের কথা কি বলিব ! কভলত ব্ৰাহ্মণ ও দূদ্ৰণণ ঘোষ वः भीष्र वाष्ट्रिमनत्क व्यर्शकानभूर्त्तक धनाम कर्वन व डांशाम्ब भवष्ति नर्तात्क लिभन छ

ल्हिन करत्न। दिन्द्रभद्गी द्राधाम कराथनिक দিগকে বেরূপ সম্মান ও উপঢৌকনাদি প্রদান করিত্তেন, প্রদেশীয় আড্ডার কর্তারা ঘোষ वश्मक्रिकारक (महेन्न्य श्राह्यक्रियः मधानिहः यज्ञान किছ किছ कर प्रिया थारकन।

विजीत श्राप्तमञ् आफ्छा । ইशामत आठात वावहात किছू अधिक विन्मयुक्त । (छोम, हो छी, বাগদী যে কোনজাভীয় হউক না কেন কেহ না (कह के ब्यांडडांत्र कर्डा इहेग्रा राम । इंशांक ক্ষরু বলে। লোকে পর কালের নিস্তারকর্ত্তা দীক্ষাপ্তক্ল অপেকা ইংাকে অধিক ভক্তি করিয়া থাকে। ইহাদের আধিপতেরে সীমা নাই। ইহাদের গৃহে কোন সামগ্রীরই অভাব দেখা যায় না । ইহাদের সেবকের। কোন প্রকার সুখান্য গামগ্রী পাইলে আপনারা ভক্ষণ না কহিয়া এমন কি প্রাণসম পুত্র কন্যাদিগকে विकाल कविया कर्जात निकृष्ट উপচে किन (मया। অধিক কি ধন, প্রাণ, যৌবন, মান এবং কুলশীল **मकलाई একেবারে প্রভুর হল্ডে সমর্পণ করিয়**। বদে৷ কভ শত বাকাণ ও সুদ্ৰে উহাদিগকে প্রবাম করেন এবং উচ্ছিত্ত ভক্ষণ ও চরণরেণু সর্বাচে লেপম ও লেহন করেন। কোনপ্রকার भीषा इन्ट्रेन खरूश्वा मनम करा रहा। लेखि শুক্রবার রঞ্জনীতে গুরুর বাদীতে একটি করিয়া অধিবেশন হয়। এই দিবস এই দলাকোন্ত জীপু कृर्षत्। এकत मिनिष्ठ इन अव॰ व्यारमान श्रामा नामि करतम । (य चराम এड खीलूक् स्वर् नवानम সেখানেৰে কিরূপ ব্যবহার হয়, পাঠকগণ मर्छिई दुविशा नर्जन। यिनि अहे मन्जूफ हहेटल अভिलाखी इस, डाँशास्त्र अहे दिनम खतः मधीरल গ্রাপনার অভিপ্রায় জানাইতে হয় এবং গুরুর গদ্বার ভক্ষণ করিতে হয়। গ্যার ভক্ষণের कात्रन अहे, डाहात्र घटन विकात काट्रह कि मा গুস্তভাহার পরীক্ষা করেন। যিনি উচ্চ করিতে অক্স হন, ভাহাকে দলে লওয়া হয় না। আমা দের দেশের লোকের কি জম! কোন কালে কে আবোগ্যলাভ করিয়াছে দেখিয়া, সৈই ভজ্জিতে भी काकीरमत निकटण्ड मारमत नत्त्र बहेगा থাকেন া ভাঁহারা কর্ডার নিকট নিজ নিজ অভি লাৰ বাজ করেন। কর্ত্তা পার্নিত এবং সাহস্কার বাক্যে ভাষার প্রভুত্তির দেন। এই দলের ব্যবহার এরপ জঘনা যে, ভাছার বর্ণনা করিতেও লক্ষা इम् । ইहारनद घरण्ड स्त्रीरख्य এवः क्रांण्डिस्का नाहे। जन्मास्मनीय व्यक्तिश्य विश्वा खी छ नम्भित भुक्तम अहे मनाउकां छ हम। अचारन मक त्तत्र नक्तथकात् अञ्ज्ञाच निष्क इटेटङ भारत | हहेटङहन, डाहामिनटक अञ्चनम वि

**अहै प्रमवस्त इहेटन विधिवस्त देवभवायञ्जना नहा** कतिएक इस ना। धः क्र कल्लाक स्थान । स्थान স্কাম সিদ্ধিকৰ্তা। এখানে সকল ফলই স্থপাপ্য। जनमाथरफरज जमनिहात्र नाहे जाना हिन, अकर्ण अर्मरण अञ्चलिक्षीत श्राप्त त्रिक रहेग्रा আসিবে। ব্রাক্ষণপ্রভৃতি নানা বর্ণের লোক উক্ত রক্তনীতে একতা ভোজন করেন এবং গান বাদ্য করেন। নারীরা পুরুষের অক্ষে এবং পুরুষের। জীর আংক শয়ন করে। জী পুরুষ পরস্পর পরস্পরের গাল্কে । চলিয়া পড়েন। কিছু एक्टे लख्डा (वाध इव्र मा। **এই**स्ट्रिंग श्राव्य नुमस्ड রজনী অভিবাহিত করিয়া কল্পড়ক গুরুকে প্রনি পাতপুৰাক নিজ নিজ, স্থানে প্ৰস্থান কৰিয়া থাকে। পাপমতি ছষ্টপ্ৰকৃতি পুরুষ ও কামাসজ अस्तरप्रक विश्वा ७ अधिकार्**य कूलीनक**ना। ঐहिक প্ৰবাভাৰ্থ এই ধর্মাক্রান্ত হয়, ইহারা পৃথিবীকৈ পাপে পরিপূর্ণ ও সমাজকে কলক্কিড করিডেঙে धर्मामाथन देशादनत উत्मन्तन नत्र, हेल्लिय प्रतिकार्थः क्त्राहे श्रभान উल्लिना । मञ्लाषक महालय ! अर्त्ल কৈ ভয়ানক অবস্থাতেই পতিত হইয়াছে! ধৰ্মই অবস্থার উন্নতি ও জীবৃদ্ধির কারণ ! সেই ধর্মেই विवग लालर्यान चिष्ठारह। लाटक हिन्न अह লিভ বিশুদ্ধ হিন্দু ধর্মের প্রভি বিলক্ষণ হভাদর চইয়া আগিতেছে। যাঁধারা শিক্ষিত শ্ইতেছেন উটোরা অন্যধর্মের আশ্রয় লইভেছেন। আর ঘাঁহারা অশিক্ষিত ভাঁহারা এই দলাক্রান্ত ইইডে ५२ । धर्म्बर (तीलायांत्र इल्झाट्डे एएम नाना) প্রকার কুকর্মের জ্যোত প্রবল হইতেছে। ধর্ম ख्य नाथाकित्न कुक्त्यं क्लाइ ख्यू इयू ना। ভবদীয় নিতাৰ

ভারিথ ২৯ এ নবেম্বর ১ সৰ ১৮৩৮ সাল वन्यम ≄ন'ই⊹

किङ्क्षिन कार्कील हहेन महानदात इस्थामर দোমপ্রকাশে যছনাথ চক্রবর্তী ও বিজয়কুর মহাশয়গণে গোপামিপ্রভূতি বাকরকারী পত্র পাঠ করিয়া অত্যক্ত বিশ্মিত হইরাছিলা কিন্তু ১৬ ই অগ্রহায়ণের সোমগ্রকাশে বিজ বাবু কেশববাবুর পক্ষ হইয়া যে স্বীয় জ্বাব স্থিতচিত্ততার বিশেষ পরিচয় প্রদান করিঃ ছেন, ভদ্দশনে অধিকতর বিস্ময়াপন্ন হইলার इनि कि (मई विक्रय वःतू ? (वांध करिंगा) व বেন। ভাগ হইলে কি একু মুখ হইতে ছইবা कथन निर्शेष्ठ रहा ? कि 🖏 जावात यथन वा न्भ्रेशकरत निश्तित्राहन क्यं यारामित कार्र्स्य (कनव वांतू विना आर्योक्ष्मभए कनि

कतिलाम, किङ्करण्डरे जाँशालितात छेलाम जन हहेन ना व्यवस्थास अश्वामभञ्जयात। नासा রণের গোচর করিলাম । <sup>৮</sup> তখন ইনি সেই विकामनायूना रुदेशा यानना। वायू अधकात निर्थम (कम अवर 'डाहाएड छीउडे वा स्टे वात कात्रन कि ? देशांट कि डाँशांव (मोत्रदवत লাঘৰ হইভেছে না ? প্রর্কো সাবধান হইলে আর কোন কথাই সহঃ করিতে হইত না। তিনি আরও লিখিয়াছেন '' জামরা কেশব বাবুর (मास (घासना कति का। » (क्षांवर्घावना আর কাহাকে বলে? অজ্ঞানকে জ্ঞানো भारतभा श्रामान सामान कहा यक्ति व्यन्ताच स्त्र, বিপথগামীকে স্থপথ না দেখান যদি অধৰ্ম হয় : কেশব বাবুৱ কি অধৰ্ম **স্পৰ্শ হইডেছে** না ? কারণ বিজয় বাবু প্র কৃতি বলেন '' কোন প্র:কাটুউাহার পদাবনত হইলে তিনি ভাঁহাকে मिवात्र करत्रम मा"। निवात्र कता कि किन्य

अवन्। कर्छता नर्ह? विक्रम वोबुर्क ध लिशिएड क खद्भरताथ कविशाहिरनन? বুঝি, ১তিনি মির্রসম্পাদকের ভাড়না আর महा कहिएक भातित्वन मा, व्यथना त्यभवनातूः भाभ न्यादन कदिशा चीच इहेरलन । এहे खनाह व्या बन्दानी निगरक (लाटक अड घुना कि इश াকে ? ভাঁহারা আপনাবাই ঘূনার ভাজন হই-उट्टन। आंभात अरे कट्यक शर्कि (मधिया, शात्राहेकी (क्रांशास हहेग्रा, करत कतान कत ान बार्वश्र्मिक वश्रमितिकत स्रेमा ममत माभदत বতরণ করিবেন, জামিও সামান্য তৃণ । छोनि लहेसा आजातकार्यक्रिमी कतिवना।

আমি একলে, যছবাবুকে ধনবোদ না দিয়া াস্ত হইতে পারিলাম না। তিনি একবার যাহা লয়াছেন অন্য ডাহাই বলিয়া অপক্সমৰ্থন त्रिट्डिक । त्याथ कांत्र, क्रीशान्तिगत श्र**र्**जन ष्ट्रारहः, भारते अनाहे क्यानाहेकी, जनारमाह য়ু, কেশবৰ বুর অভ্যের লইয়াছেন। আমি वि वातुत उठक नहि अवर डांशाक . घप अ कति ভবে অন্যায় দেখিলে দক্লকেই বলিভে এই মাত্র।

উপসংহারক'লে, কেশবাবুর পদানত মহা, भिर्वात भिकरणे, व्याभात व्यक्तामा এই, यनि তে পারেন, ভাষ্: ফইলে জগমিখ্যাত সম্প্রা

সমস্ত সঞ্চরিত্র ব্যক্তির উপাসনাই ধর্ম হইত। বিন। যিনি হউন, লেখক বিষম অমে প্তিত व्यामाहिरशत हित्रक्षम हिन्दूधर्मा कि व्यश्ताध ক্রিয়াছে ?

ইং টেলিগ্ৰাফ আফিস मानाभुत 8 की नटबबत } जिट्याः

মহাশয় ! পত ২৭ এ কা,বিক এখানে একটী। **जन्नानक फाकाइंडि ह**हेन्ना निवाह । क्रिना হাওড়ার অন্তর্গত রাউভড়া এ:মনিবাসী বৈকুঠনাৰ হাজরা সম্প্রতি কিঞ্চিৎ অর্থ উপা र्फान कतिया एवन। धम इंडेटन हे लाएकत छेखरी বাসস্থানাদি নির্মাণ করিবার অভিসাধ হয়। এ ব্যক্তির সেই ইচ্ছা বলবতী হওয়াতে ইট গড়াইবার ব্যন্ত নির্দাহাপ নগদ ৫০০ টাক: বাটীতে পাঠায়। দক্ষারা ইহার সন্ধান পাইয়া ঐ রাত্তেই দকলে আগমনপূর্মক উছার সর্ময नहेश निशाहा हेराता होका ७ जनसात হাজার টাকা আত্মসাৎ করিয়াছে। পিতল ও কাঁদারপাত্র গুলিতে হস্তক্ষেপ করে নাই ব্রুঠন কালে ছুরুর্ডেরা এত বাটুল নিক্ষেপ ;করিয়াছিল যে প্রতিবেশীদিগের বেছ বাচীর বাছির হুইছে পারেন নাই। প্রেসন আমতার সব ইনম্পেটর শ্রীণুক্ত বাবু উমেশচন্দ্র চক্রবর্তী মহাশ্র আগ মন করিয়া ভাবাইভ ধরিধার জন্য অভ্যন্ত ধুম ধাম ধরিতে ছেন। পাছে '' বহুবারত্তে লঘু ক্রিয়া " হইয়া পড়ে এই আমার শক্ষা।

**अक्टर अ (म्टाबंत धाव्र मकल मांग्रें) एक** रुखताएक तक्षनौर्याका प्रकारित रामनातम्यत्व বিলক্ষণ স্থাবিধা হইয়াছে। অভএৰ পুলিষের कर्कु भक्त मरहा नयु भरत विकिष्ठ व्यास्त्र अर्थिन। এই य, उँ हात्रा ज्यालन ज्यालन ज्योनक कर्याहाती দিগকে গাঢ়নিদ্রায় আর অভিভূত থাকিঙে ना (पना भरत को ज़ाकों ज़ कता व्यापकः পূর্বে সতর্ক হওয়া বিধেয় সন্দেহ নাই।

রাউভডা खिला शखड़ा कमरहि अभनका दिनः। ২ অব্যহায়ণ 329¢

হিল্পপেটিয়ট ও সাবিত্রীচরিত 🖟

৯ ই নবেধবের পেটি ুয়টে সাথিত্রীচরিডের সমালোচন লেখিয়া আমরা চম্বকুত হইলাম ৷ জা হইলেই জ্বরামুগুলীক ভয় ও ওঁহার সাবিত্রী পাঠ করিয়া জালাদের ষেরুণ সংস্কার নিংলুসারে ত্রীয় ভাজাগৰ ঈশ্রদ্মীপে জ্লিয়াছে এবং সোমপ্রকাশ ও এডুকেশন গেজেটে বেরূপ মত প্রকাশিত ২ইয়াছে, :পিট্র স্থিনিস্ত পি শেরে: মল্লগুগণকে হস্ত য়টে ভাহার বিপরীত দশন করিলান। বোধ ः क्रेश्वरत्त्व निका स्थित्न कतिस्य भारतिस्थान । । कति, विष्य मण्यानक निस्म ध्ये श्राण्याविधे सार्धन ः यिन मक्रतिद्धा हहेरलाई २३३ ७। इन इन्हेरल । साई । जना कांग्रिक छाहांत छात निया थाकि ।

পেটীয়ট আমানের নেশের অভি প্রধানী সম্বাদপত্র। উাহার মত ও বাকা অনেকের স্থাদরণীয়া। পেটিয়টে সাবিত্রীচরিতের সমা (माइन (म. चरा) कार्निएकत व्याख्यि काश्विएक পারে। আমরা সেই অম নিরাকরণার্থ লেখনী প'র্ণ করিলাম।

गमारमाध्नकाती मिथिशारह्म, "(भीता-ণিক ভাৰ যেরূপ থাকুক না কেন, ৩৪ পুণীয় এक जान त्राकारक (घाठेरकत त्राका । ও মহুर्व, त রাজা বলিয়া বর্ণন অভিনিকৃতি হইয়াছে। অমেবা সাবিত্রীর ৩3 পুঠা পাঠ করিলাম, এক্সপ वर्गन (मधिएक भाइनाम ना। कामाक পिक्रिनाम, कि न याति है जीपन लिया पृष्टे हहेन ना। वाध করি পেট্রটে মুদ্রাঙ্কনের ভুল হহয়ছে, ৩৪ পृथी ना इहेब्रा 8 পृथी इहेरत। 8 পृथीय निव लिचिक लिथांकी (मिथा। नमालाइनाकाती অপের ভুল করিয়াছেন।

'' অর্থতি নরপতি, আর, রাজরাণী, কিরূপে তোমায় ছাড়ি ধরেন পরানী। » ৪ পৃষ্ঠায়

পাঁচ বংসাধের কালাকেও ইহার অর্থা বুঝিকে পারে কিন্তু বিজ্ঞ সমালোচনকারী ভাগ বুনিতে পারেন নাই। ভিনি অশ্বপতি শক্তে षाउटकर ताका दुलियाटइन। हेशटबरे, डाँश्त ৰাঙ্গাল। ভাষায় যেরপে ব্যুৎপত্তি ও পৌরাণিক ইভির্তে কেরপ জ্ঞান, ভাহার পরিচন্ন পাএরচ যাইভেছে। বাঙ্গালা পুত্তকের উপর ঈদৃশ্ (लारकब जमारला हन कछ पूत्र जन्न छ । व न , य ह তাহা সকলেই বু কতে পারিতেছেন।

मगारलाहनकाती निश्विद्यारहन, পুঠায়ছই পংক্তিতে দাবিক্লীর বর্ণন আ:ভ দরিয়ে ৯ ইটী ভাঁছার জুল। পাঠকগণ নিমে দর্শন করুন।

''নববিকসিতা বালা দিব্যকান্তিমতী, उद्यान हो पिक कर्त्र, हरन मुद्दर्गाङ ক্সপের ছটায়, যেন আকাশ নন্দিনী **চমকিলা ধরাতল চপলা কামিনী**। अञ्ज तोन्दर्ध मारुका किन्छ दिश आहे व्हित्पृष्टि, धीतकाव व्यक्ति इमश्कात। ध्यंग्रम युवकीकृता इक्षण नम्रन, চপল স্বভাবে আর, যত কবিগণ -कि 🛢 🖴 नवींना वाना मार्अंत भर्ड ধীরভাবে স্থিংনেত্রে করে বিমে। হিড 🖡 शविद्धाः। भाषा कृष अ (इन ललना নাহিক হাগতে জার করিতে জুলনা 🕫

- য়েন পৰিত্ৰকা দেবী পৌরকোরাহল সহিতে না পারি, আজি যার বনস্থল। " ৩ পুঠা

ইয়া কি পর্যাপ্ত নহে? কডকগুলি ফল
ফুলের সাল্পা দিয়া অল প্রভালের বর্ণন না
করিলে ক নায়কা বর্ণিত হয় না? প্রস্কার
ইচ্ছা কার্য়া ভাহা ভাগে করিয়াছেন। সাবি
ব্রীর বাহা সৌন্দর্যের চিত্র করা ভাঁহার উদ্দেশ্য
নহে মন প্রা, প বিজ্ঞা, পাতিপ্রভা, ধ্র্মিভাবপ্রভৃতি সন্তাণ সকল বর্ণন করাই ভাহার
প্রধান কভিপ্রভা ভিনি ভাহা সাবিত্রীচারিভের
স্ক্রিয়ানে প্রশ্ব চিত্রিত ক্য়িয়াছেন।

সমালোচনকারী লৈথিয়াছেন ''কৰি ভাষা। ও ভাৰবিশ্যে অত্যন্ত অসুক্রণকারী। মিষ্টর মাইকেল দত্ত তাঁহাকে বিকৃত করিয়া ফেলিয়া ছেন। ৯ এ কথা অতি মগ্রাহা। আজি কালি ষেরপু বিশুদ্ধ রীতিতে বাঙ্গালা পদ্য লিখিত হইতেছে, সাবেত্রীচিহিতের স্থানে স্থানে সেই রীতি অবলাম্বত হইয়াছে; কিন্তু গ্রন্থকার কাহা রও ভাষাব অসুকরণ করেন নাই। মাইকেলের ধ সাবিত্রীচরিতেব ভাষাতে অনেক অন্তর। মাইকেলী ভাষা ছরাই ও ককাল, সাবিত্রীচরি

সাবিত্রীচরিতকার, মুখে চন্দ্রের বা পজের সাদৃশা, নেত্রে মৃগনয়নের উপমাপ্রভৃতি যে কতকগুলি কবিদিগের সাধারণ সম্পত্তি মাছে ভাত্তর অনা কাচারও ভাবে অপহরণ করেন নাই। সাবিত্রীচারতানর নব ভাবে পরিপূর্ণ। উপাত্তে এত ভূতন ভাবে আছে যে, সমুদায় উদ্ভিক্তিকবিলে আর এক থানি গ্রস্ত করেন

'' कुला मा याहेट्ड घरा कितीनमध्यती आंड कामलाकी, सम हामत निकस्ती, क्रान्यक क्रमी उल बिद्धा हामत, कारकरन बीक्षाक्रक (मारत नित्सता । भ ७ श्री

অনৈকে শিরীষ কুত্মকে কোনল বস্তর
সাদৃশ। দিয়া থাকেন, কিন্তু চানরস্বরূপ বর্ণন
এই পুতন। যিনি শিরীষমঞ্জবী দর্শন করিয়া।
ছেন, ডিনি ইংডেড চমংকুড ইংবেন।

শনা চলে চরণ ছেবে নেত্র সনিমেনে।
ফানিনী হেরিচুল যথা জালোক উজ্জান,
না নজে পুলকে রহে নোহিত জচল। দ
এ ভাষ জার কোথায় নাই। জালোক।
দেখিলে মোহিত হইখা ফল ধরিয়া স্থির থাকে,
ইহা সপের প্রভাকীভুত প্রকৃতি। যিনি ভুজ-

জের এই শক্তাব জ্ঞাত, জাছেন, তিনি এতৎ পাঠে পরিভূপ্ত হইবেন।

" সুপদ্ধ সুরুস ক্রডরে অবন্ত, লেখ সই। চারি দিকে ডরু লভা কড. পথিকের ক্ষুখা ফ্লান্ডি হরিবার ডবে. প্রকৃতির সদাক্রড যেন থরে থরে। " ৭ পৃথা " সমু খে হেরিলা বনে স্থনীলবরণ হোম-পুমলিখা উঠি, চাকিছে গগন দ বেন জলভ্জনল, সাগর সম্বের। উঠি শূন্য পথে মিলে নীল জলবরে।

১৭ পৃষ্ঠ।
উন্ত হীরকভাতি শত লভ তার।,
যেন দেবগণ থগে মেলি নেত্রতার।
নির্থিছে জনতের সব আচ্বণ,

" स्मिन काकात पूर्व मनी भवकात ; " स्मिन काका कार । " स्मिन काल कार । " २) श्रृष्टे।

"ভাতিল চন্দ্ৰবিদ্ধ সাধিত্রী কণালে। উল্লেট্ললা যথা মুগলিরাভালে। » ৮৪ পৃথা

"বাঁধিলা কৰৱী স্থানীল কেলপালো। বেৰ মেঘ ঘৰীভূতি পশ্চিম আকালে। ই ১০২ পূঠা

र भूभिण है। काटन रश्रातं ह्या छ। कि कतः वर्षन काट्काटन स्थम अवास भन्न । भ ১১৪ शृष्टी

ি যুবজন করে সদ। বিনয় ভক্তি, সভীত্র গুভান্ন পূর্ব সাবিত্রীবদন না পারে চেরিডে, যথা মধাক্ষ ভাতন। "

ভিন্ন গভীর নিদার বাড়িল এত ধে নিশা নহে অনুমিত, আরত পিঞ্চর দূবে করিলে চালিত, সে পিঞ্চববাসী শুক্ষ নারে কদাচন বুঝিতে, কতেক দূরে করিল গমন।

সম লোচনকারী কি এ গুলিকে ভূতিন বাদ করেন না ! বনা সুস্থান ফল প্রকৃতির সদাত্ত স্তাপ, গুম্লিখা জলস্তভের ন্যায় নক্তপুষ্ নেবগণের নেত্রভারাসাদৃশ ইত্যাদি ভাবগুলি জাগ কোন্তাছে দুই হইয়াছে !

সমালোচনকারী বলেন,— 'এস্কার ছলেনর মনোহারিত্বস্পাদ,ন অভ্যস্ত অপারগ ও ছাষ্ব্রমধ্রতা সাধনে তাঁহার অভ্যন্ন স্ক্রতা

আছে। " ' ছই একটা ভাল হইলেও সাধার-গতঃ ছন্দের গ্রন্থন বিফল হইরাছে। "

এ কথা নিভান্ত অগ্রাহ্য। সাবিত্রীচরিতেন ভাষা বেরূপ প্রাহ্মল ও মগুর এবং ছক্ষ বেরূপ স্থাহ্ম ও মনোহর, বাঙ্গালা পদ্য প্রস্তুহ্ম এরূপ ভাষা ও ছক্ষ অতি অল্ল দৃষ্টিগোঁচর হয়। উপরে যে কবিভাঞলি প্রদর্শিত হুইরাছে, ভাহাতেই পাঠকবর্গ বৃদ্ধিতে পারিবেন। সমালোচনকারীর সমুনার সাবিত্রী হুইতে অন্ততঃ এক পংক্তিও কর্কণ ভাষার ও কদ্যা ছফ্টের উদাহরণ দেখান উচিত।

তিনি লিখিরাছেন,—'' এই প্রস্থে কবিজ্
গুণের যথোপযুক্ত কংশ আছে, ইছা না বলিলে
যেমন অন্যায় হয়, সেইরপ প্রস্থকারের ক্ষমভা
ভাহার উক্তাভিলাধের অন্ত্রপ হইয়াছে এ কবঃ
বলিলে চাটুকারিভা হইবে। ৯

একথা অবিশ্বাস্থা আমরা মনোবাগ পূর্লক আদ্যন্ত পঠ করিয়াছি। সাবিদ্রীচরিভের বিষয়টী যেমন উংকৃষ্ট, এছকারের ক্ষমভাও ভাহার উপযোগা চইয়াছে। পভিছক্তি, পভিষেম ও ধর্মভাবই সাবিদ্রীচরিত কাব্যের জীবনস্থাপ গ্রন্থকার ভাহরে উপদেশ অভি মনোহররপে গ্রন্থের সর্লি স্থানে প্রদান করিয়া-ভেন। সাবিদ্রীচরিত প্রসাদগুণে ও প্রীতিকর নব নব ভাবে পরিপূর্ণ। প্রথম চইতেই প্রশ্ন জনিয়া গিয়াছে। পাঠকালে উভ্রোন্তর আগ্র হাতিশয় জন্মে এবং পাঠকের মনে অভূতপূর্ক গ্রান্থের সন্ধ্যার হয়। যি ম আদ্যোপান্ত সাবিদ্রী চরিত পাঠ কবিবেন, ভিনিই একথা স্থীকার ক্রবেন।

केतृन क्रमाछ। कि श्वाल नर्ह ? हेहात श्वालका कार कि अंवत क्रमाछ। श्वकान करिएक हेहेर्द, खाई। आम्बा द्विएक शांविएकि मा। न्यारनाहमकावी आदि शांविष्यारहन.— े ख्रमार्द्द कश्वमान कि किया माहेकी इ खन स्था क्राया क्रमाय के हम क्रिया माहे ।

গাবিত্রীচরিত পুরাতন গল বলিয়া বেঁ
ইহাতে প্রস্তকারের কোন ক্ষমতা প্রকাশিত হয়
নাই এমত নতে। স্থানে স্থানে যে পরিবর্তিত
ও অতিবিক্ত পূতন ধর্ণন সন্ধাবশিত করিয়া
আখার্থিকাকে স্থাপত ও অভাবাসুগত কৈরি—
যাতেন, ভাহাতেই ভাহার কল্পনাশক্তি ও নাই
কীয় গুণেব বিলক্ষণ পরিচর পাওয়া গিয়াছে:

মহাজারতে বর্ণিত কাছে—সাধিত্রী জালো কিক রূপলাবশাশালিনী হইদেও কোন ব্যক্তিই ভাহার পাণিএহণ করিতে অঞ্গর হয় নাই ই হা অভাবসকত নতে। এ জন্য সাবিত্রীচরিত কার ভাহার পরিবর্ত্ত করিয়া এরপে বর্ণন করি য়াছেন যে সাবিত্রী আপন অন্তর্রূপ বলিয়া মনোনীত না হও্যাতে জন্য কাংগাকে পাত্রে বরণ করিতে চান নাই।

পূর্ম উপাখ্যানে আছে—গাবিত্রী মনে
মনে সভাষানকৈ বরণ করিয়া, সভামণ্যে
পিতার নিকট নিজমুখে আপন মনোগত ভাব
বাক্ত ক্রেন, কিন্তু জাহা কন্যাজনোচিত
লক্ত্রাশীলজার বিকল্প, সুতরাং অস্বাভাবিক।
বই নিমিত্ত গাবিত্রী খীয় স্থীর ঘারা পিতার
নিকট আপন অভিপায় জানাইয়াছেন, এরপ
লিখিত ইইয়াছে।

মহাভারতে বর্ণিত আছে—মদ্রবাজ স্থান্ত বিন্তুল করের জাদেন গলিয়া সভবোনকে কলেন করিয়া আদেন গলিছ ভাষা সাধার নতঃ হিল্পপ্রথার বিবোধী এবং ভাষাতে বিক্রেজ বর্ণনের অবসর নাই। এ কারণ সাবি বিদ্যানিক ভাষার জন্যথা করিয়াছেন, সভবোমকে মদ্রপুরে কন্যাকভার আলয়ে ক্রিয়াছেন করা হইয়াছে। উহাতে হিল্পরীতি বুজিত ও পরিণ্যু উভ্যারতে বর্ণিত হইয়াছে।

সাবিত্রী খেরূপ স্থাতিবাদ করিয়া যমের প্রসন্নতা ও বরলাভ করিয়াছিলেন, তাহা সম গ্লোচিত ও মভাবসক্ষত নতে। এ জন্য গ্রন্থকার ভংকালে ঐ স্থল ছাডিয়া দিয়াছেন এবং পরে কৃত্যবানের স্থাবনিভালে সংক্রেপে তাহার বলন করিয়াছেন। উহাতে পুনরাজ্বদোষও নিব্যিত হইয়াছে।

ুসপ্তমগগন্থ উপাথনানাংশ অতি চমংকার

ক্ষাংশ বর্ণিত হুইয়াছে। অন্ধ রাজা ছুমংদেন

কিয়ংক্ষণপূর্ণে সহসা চফ লাভ করিলেন

ক্রং পবে সভ্যবানের ক্ষম রক্তান্ত ও পুরুবধু
সাবিত্রী ধ্যমর নিকট শ্বন্থরের নেত্রলাভ বর
পাইয়াছেন, শুনিয়া অতীব বিক্ষিত হুইলেন।
স্থাবর্ণনে পুনরায় শালুবাজ্য প্রাপ্তির বরের
কথা না বলিতে বলিতে দুত আগিয়া উপনীত ।

হুইল এবং একখানি পত্র প্রদান করিল। পত্র ।
কারে কিমিত তুংমংপেন্নে আহ্বান করি ।
তেতে ।

সাৰিত্রীচারিতে জ্বানক কৃতন নগন সংযো । জৈত হইয়াছে জালুজ সংগ্ৰম কৃতিগোৰনের বৰ্ণন, দিন্দীয় সংগ্ৰিগে সভাৰ নেন ব্ৰমালং ব্যক্তি, ভূতীয়ু সঙ্গে পাৰিত্ৰীৰ দুল্লভূতার পারচয়, চতুর্থ সংর্গ বিবাহার্থ পুজের বিদায় ও পুরপ্রবেশ, পঞ্চম সন্ধে সাবৈত্রীর স্বস্তরালয়ে গমন ও গ্রুকার্য্য, ষষ্ঠ সন্ধে বিলাপ, সঞ্জন্মর্গে অপ্রক্রমন ইউয়াদি অনেক ভূতন বর্ণন করা ইইয়াছে। ঐ বর্ণনগুলি অভি মনোহয়।

গ্রন্থকার কেবল আব্যায়িকার স্থা অংশ অপরিবার্তত রাখেয়াছেন। তান্তর আন্যোপান্ত পরিবর্তিত করিয়া সাবিত্রীচরিতকে প্রকৃতির অনুসত ও সেইবান্তিত করিয়াছেন।

এছকার সর্কান্তানে অন্তর্গত ব্যক্তিদিনের ভাষা, অবস্থা ও শভাব রক্ষা করিয়া বর্ণন করিয়াছেন। কোন ছলে ভাছার বৈপরীত্য ধ্য় নাই। ইহার ভূরি উদারণ দিতে পারিভাম; কেবল প্রস্তাবধান্ত্রাভায়ে ক্ষান্ত হইলাম। এই সকলদ্বারা কি এছকারের কল্পনা

এই সকলদ্বারা কি এছকারের কল্পনা শক্তির ওনাটকীয় গুণের বিশেষ পরিচয় প্রদ শিত হয় নাই?

, এস্থকারের ভাষায় উত্তম অদিকার নাই। এ কথায় আমরা হাস,সম্বরণ করিছে পারি লামনা। এস্থকার বাঙ্গল ভালে আনেন কি না পুর্কোক্ত কবিভাগুলিতেই ভাগা প্রমাণীকৃত হইয়াছে।

জ্ঞার যে কয়েকটী দোধ লিখিত হইয়াছে, । ভাহাটিত বাকবেঃয় করা নিজ্পান্তমাজন ।

সমালোচনকারী অনেক দোধারোপ করি য়াচেন কিন্তু তিনি উপাহরণপ্রদর্শন করিয়া তাঁহার বাক্য সপ্রমাণ করেন নাই। উহোর নিকট প্রার্থনা, হয় তিনি উদাহরণ দেখাইয়া তাঁহার মত সম্পন করেন, না হয় আপনার ভ্রম স্বীকার করেন।

অনেক সময় পেটি য়াট বাদলা পুস্তকের উপর অষণা উজ্জি দেখিতে পাওয়া যায়। পেটি য়া সম্পাদকের কর্ত্তন একটু বিবেচনা ক্রিয়া বাজালা পুস্তকের দোয় গুন বিচার ক্রেন।

२० श्र अध्यक्तां श्री का क्षेत्र साठक !

### मुना शांखि।

श्रीपुष्क बाबू भी नमाथ छाउँ 'চार्य; आलाहाबान ७५

" " देशन इस मध्य हु हु डा

> १० अधहाम गर्दे एक १७ कर्राधिक ५७

" क्लाइनाथ मण्ड मिन्न ५०

" क्लाइनाथ मण्ड मिन्न ५०

" कलाइनाथ मण्ड मिन्न ५०

" कलाइनाथ मण्ड मिन्न ५०

" कलाइनाथ हरे एक १७ कार्षिक ५७

भ भ जातिनीक्षणान (वास क्षाना कि ১৮৬৮ मदबबत व्हेट ७३ करहे वत ३० की कुल मूजि जालामदहारतम् तक्षणूत ১०

## নোমপ্রকাশনং ক্রান্ত কয়েকটা বিশেষ নিয়ম।

অবিম মূল্য ও ডাক্মান্তর্ল না পাইলে মক-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইংব অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং বাণ্যাদিক ৫॥০ টাফা ; মফসলে ডাকমান্ত্রক দমেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যাদিক ৭ এবং ত্রৈমানিক ৩৮০। তিন মাদের স্থানে অগ্রিম মূল্য গ্রহণ করা যার না। ছণ্ডি, বরাতি চিটি, মনি-অড র, নোট ও স্থাম্প টিকিট, ইহার অন্যত্তর যাহাতে বাহার ক্লবিধা হয়, তিনি সেই উপায় দ্বারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাঁহার। স্থাম্পটিকিট পাঠাইবেন, ভাহার। যেন এক অথবা আধি আনার অধিক মূল্যের ওরদীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

ষথন বিনি মফলল হইতে সোমপ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, ভাষা যেন রেজিপ্তরি কলিয়া ক্রীদুক্ত ভারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

र्याशितरात यूना निवात ममस अकीफ इतेष्ठा आमिर्द, अकमामश्रामि ही निश्चा कानान साहर्रद, काल अकीफ इतेष्ठा लिखिया खानान साहर्रद, काल अकीफ इतेष्ठा भारति अक बात विक्रि लिखा हहेर्दि, काहात शत हैं अकमामकाल क्षाकीका कित्रिया कामक दक्ष मता साहर्षि । लिस मारतित श्रिक्त विद्वाति शामित्र हहेर्दि ।

মাতলা রেলওয়ের দোণাপুর ষ্টেসনের ডাক বরে চিঠি আইলে আমরা শীল্ল পাইব।

যাঁহার। মান্ত্র না দিয়া প্রাদি প্রেরণ কবি বেন, জাঁহাদিগের সেই প্রাদি প্রহণ কবা বাইবে নাঃ

কেন্দ্র সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইচ্ছা চরিলে তাঁহাকে প্রথম ডিন বার প্রতিপংজি ,/ আনা ভাহার পর /১০ আনা দিতে হটবে । যিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা করি-বেন, তাঁহার সহিত অত্য বন্দোবস্ত হটবে।

পত্র ক্ষিকাত্যর দক্ষিণ পুদা মাতলা, রেলভ্রের সোণাপুর প্রেসনের দক্ষিণ চাক্ষড়িপোভার' প্রীযুক্ত ধারকানাথ বিদ্যা-ভূষণের বাটিতে প্রতিসোমবার প্রাভ্রেকালে শ্রুকাশিত হয়।

## (मायशकार

३३ म छात्र।

७ मर्था ।

## · प्रवक्तमां प्रक्रितिस्ताय पार्थिवः सरस्वना श्रीतमस्ती न सीयतां।

भाजिक मूजा > अक कवित्र वार्विक > ० ० ० व्यक्षिप्र यान्।ात्रिक ell मार्ट्ड ने होका ,

সন ১২৭৫। ৮ ই পৌষ। ১৮৬৮। ২১এ ডিপ্রের

যাগার্গাসক ৭. ও ত্রৈমাসিক ৩৭০ টাকা

## বিজ্ঞাপন।

रेमानी छन कछ छनि अजर लाक कर्यनाम সার বশবতী হইয়া অন্যের প্রবার্গ্রেক व्यष्ट्रगरः कर्त्रवार्का श्रद्धां व्यक्ति । राष्ट्रां श्र विक्षि व्यथमा कतिया व्यटमान वर्छ योषाम সজুত এড়ের কোন অংশ একট এক পান্ট করিয়া সেখানি নিজের "মান্যণ» লিয়া প্রচার করেন এবং ভার্টদের পৌভাগাং শভঃ हरू बता वारष्ट्रत व्यवित्याः अवास्त हरू। गरक ज अप्रमारक वहें (बाह्म : नामा करें) स्हेरज्य ।

नागातरना এই এकটी 🖓 ऋत जारह সংস্কৃত **এছে বাজিবিশেষের আমিকভা নাই** স্থাতরাং যে সেমনে করিলে ছাপ্রেড পারেন। আমাৰ ৰক্ত পূঁজি নংগ্ৰহ্ক রিয়া ৫ যক্ত পরিআনম ও চেষ্টা করিয়া কোন প্রাচীন গ্রুভ গ্রন্থের নষ্টেষ্টার করা হউক না, বেং মনে করিলে অষনি সেখানি ছাপিতে পারেন পোরেক চক্ষে ধলি দিবার মত কিছু পাবেও করেন। ইউনিবসিদীতে সংকৃত প্রবেশ ঃইয়া জ্বদি अञ्चल छल्डर्यत बाइन्स एक सहरू हुए। অনে সংস্কৃত পুস্তকে বটভলার ৰাভাগ मा आएउ व निम्

শরশ্ব জামার প্রকাশিত বেলীসংহার নাট কের প্রতি এরপ অত্যাচার না ঘটে, এই নিমিত্ত বিজ্ঞাপন দিয়েতছি যে জ্ঞীযুক্ত জগন্মো হন ভকলেক্ষারকুভ চীকা সহ বেলীগণহার मार्कक थानि दिक्किष्टी विक्तान (शल, यन दिक् ভর্কালক্ষারের অন্ত্রমতি না লইয়া ভারার কর্ত্তক ত ক্ত বেণীসংহার নাটকের পাঠ বা চীকা লইয়া আপনএতে নিবেশিত কবেন ডাহা চইলে কাপিরাইট আইন অচুসায়ে গাঁও নাবে नः निम कवा शाहरवा

कतिकाका व्रेमव्रेटम ) जीत्कमातमाथ वट्या-২৭ এ অগ্ৰহায়ণ পাধ্যায় প্রকাশক

विज्ञात्राम ७ अज्ञमभारत्त मार्थः मरक्र छ **छानाम श्राटन**ामकात छात्र এहे खाँ**छश्रा**त मुष्रत्वाथ वराकवरनव खान्डि अरम्राक्षनीय खर्म, ভাহার সংস্কৃত ব্যাধ্যা ও বালালা ভাষায় ভাহার তাৎপর্য। জীয়ুক্ত পাঞ্চত লোহারাম শিরোরদ্বকর্ত্তক সংগৃহীত হয়গা বাজালা অন্তরে প্রকাশিত হইস্নাছে। পাঠার্থগণের স্থার জন্য প্রসকল পদাইয়া দেওয়া হই यात्क, ख्वाञ्चनात्वं भन्नाधरमत ती जि अम्मन করা হইয়াছে। মূল: ১ এক টাকা মাত্র। কলিকাতা সংস্কৃত যন্ত্ৰের পুস্তকালয়ে বিষয়ার্থ প্রস্তুত আছে।

২৭ এ অগ্রহায়ণ ত্রীচন্ডীচরণ চট্টোপাধ্যায়

## एकाপুর মেডিকেল হল।

১। এড फाता कामा जिल्लात अवशक्त मुकातक, হুছদ, সংকারী, ও সর্বাসাধানধকে জ্ঞাভ করা राइट७८० (य. विखीश देवशानिक इटलके দয়কে অৰ্বপোড '' প্ৰীর্জ্ব ক্ষোদীয়া, ওয়ার উইক, ত্রিটিস প্রীন্স " ধারা দশ সহত্র টাকা ধূলের উষধ পূর্বা প্রাপ্ত ২ওয়া গিয়াছে। এতভিন্ন সম্প্রতি জামরা বিলাভ হইতে है९ मन ३७७७ माटलव (भव टेक्कमानिक हेट छन्छे সম্বাধা ' রিটিশ ফলাগ, কিং আন্বর্, ও বাকিস » নামক কাৰ্বপোত এয়দার। ৮০ বাক্ ইউরোপীয় উষধ প্রাপ্ত ছইয়াছি। এই সম্প্ত উৰধ জ্বানাধিক সাত সহত্ৰ টাকা মুল্যে ক্ৰয় कदा ६३ शाह्य

ইৎ সন ১৮৬৯ সালের ফেক্সয়ারি মাসে বিলাভ হইতে পৌছিবে।

ত। আমরা অধিক পরিমাণে ও খুচ্রা উভয়ুরূপে ঔষধ বিক্রন্ন করিয়া থাকি।

৪ ৷ এই সমস্ত দ্রবাদির আসল বিলাভি চালান ও অন্যান্য দলীল কেই দেখিতে ইচ্ছু ক इहरत, आमहा है की दि ७६ मध्याक श्रमान उप धानात्र अपूर्व वंदू ताशीनाथ प्रव निकंड किया সভাবাজার তীটে ৫৫ সংখ্যক ভবনে ব্রাঞ্চ छेषथालरगृत भारत्मकात क्रियुक्त वांबू सम्मर्गा-शाल हालक (तुल निक्**षे (क्षिट्ड** शाहेटवन ইডি।

কলিকাড: वरमहाशिक्षांत्र अवर (कार ৫ ই ডিগ্ৰেগ্ৰৰ हेर्जन ३४-७४

-308-

### ইফ'ইতিয়ান রেলওয়ে।

বড়দিনের ট্রেণ।

এত फार्या मर्समाधात्र स्वता करा याहर ७८७, अश्रामी उफ् मिरन द्विद १८३ द ন্যায় আরো**ই 🛷 গর টে**,ণ চ**লিবে**।

দিদিল কিফেশন ৰোড অব এ েদ हेक्रेड्डिया .ad ८८४ (उलहा छेनी সোড অব এজে দ क जिंका छ। 2. ८इ छित्मन

लाउँ का:- इ ला कु इन एक के रमने বিক্লানে বন এও ডক কোন্সানি - লিমিটেড। "

উক্ত কোলালর বাইসমিলনামক ২। জাগামী বর্ষের প্রথম ত্রৈমাসিক ইত্তেন্ট । লের কল মাতলং পোড়ে সম্প্রতি প্রস্তুত হই। উপলক্ষে চিকিৎসোপযোগী অন্ত ও ত্রষণ য়াছে, তাহাতে ধান উত্তমরূপ পরিকার ১ইয়া প্রস্তুতকরণের ও উষধবিক্রয়করণের নানাবিধ চাউল প্রস্তুত হইবে। ধান্য হইতে চাউল সামগ্রী ও সক্ষা ও বিৰিধ উভব জায়দি প্রস্তুত করিবার নিয়লিখিত মূল্য গাঠা ইল

#### মনকরা মূল্য।

কার্স চাউল প্রিকার টেখিল চাউল॥• উৎকন্ত পরিজ্ঞাল টেবিল চাউল ॥৶ গলিকাতা ১১ ডিনেম্বর ১৮৬৮ - কাম্পান এঞ্জেট

#### ं अक हिलातीरमध गरशेषध ।

যাহাজে অশ ও ইাপানি কলে চমংকার सार्य आर्वाना इंडेंग्डर्ह। किन्न अक्टि खेषत মুল্ল চভ্যাতে পুৰ্দ্ম প্ৰকাশিত আৰু আ: রোগ্রে এ**ভাদুশ উপকার হইভেচ্ছে** না। এই ক্রমা পুনরায় বিজ্ঞাপন যত দিন না দেওয় যায় তত দিন অৰ্শ ও ইাপানী কাশেৰ উষ্ধ ভিন্ন আর আর রোগের ঔষধ কেই যেন না চাংহন। অর্শ রোগের আশাতীত শুভ ফল ইওয়ায় অনেক অনেক আরোগ্য সমাচার কহতে মেননীপুরের खभीनात - শ্রীয়ুক্ত ব⊹ব नदीनहज्ज गांभ गश्म रयूत् পত্ৰখানি স্কাসা-धात्र श्रद्ध नि**ष्टिश्य श्रद्धां व्यक्तां यहिएउए**ड ! অত ন উক্ত রোগধন্মের ঔষধ যাঁহার প্রো-জন 🗥 বে ছই টাক! আনট আনা পাঠাইলে পাইটেড পারিবেন।

> ন্ত্রী (ইমচন্দ্রন্দ্রাপাধ্যায়। সভর আদ্বালা পঞ্চার নকলপত্র।

मनीश्रः । नरवचव ১৮ ७৮

भाग कु अग्र

श्वित । १५४मम् भित्रहः---

য়াঃ শাসু শাণনাকে কৃতজ্ঞতা উপগ্র ाइड, ब्यञ्जहशुर्त्तक क्या कर निरस् वर्षादार्थ व्याभ । यज्ञल या उना (3. . 5) ः ঐ यञ्जन। फिन फिन (यज्जन दृष्टि **어**(동의 당시 াড়ে আমি জীবনের প্রতি 西蒙沙 一新 ব্রাভিলাম, জীধার্কুপায় মহাশ \$43 8 W ের অলু 💯 অপেনাব প্রেরিড 🔞 ব্রথগোরন ্দাক্ৰ যত্না হইতে মুক্ত হই 🕒 া যে আমার উপকার করিয়াছেন, ए । । अ ः इ सीवरन श्रीवरमात्र कविर्फ ্ধবল প্রীডিপুস্প উপহার দিতেছি ある ( 事ぐ ) ! মত্যশ্য - বাপনার জন্মভূমি কোপায় ? আপনি ্পত দিন অবস্থিতি করিতেছেন? ोर ६१६। √१तन १ **अञ्चल्यूर्यक विश्वि**द्यन ।

বে বিশানীর উষধ ঐ সন্ত্যাসী কোথায়

জীল্পেন স্কেক কিছু উপহারখন্সপ দেওয়া

বাইতে পারে কি না? আমার অর্শরোগ আরোগ্য দেখিয়া মেদিনীপুরের সকল সম্প্রদা ারর মধ্যে জ্লুস্থ ল পড়িয়াছে।

> **অনুগত বন্ধু** ২: জীনবীনচন্দ্ৰ নাগ

" हिन्म महिला नांवेक "

(ক্ষোড়াসাঁকো অভিনয়

সভা হইতে পুর-

ক্ষার প্রাপ্ত।)

উক্ত নাটকৈ হিন্দু মহিলাগণের ছরবস্থা ববিত হইয়াছে। ঠনঠনে করণ এয়ালিস মীটি ১৭৬ নং সংস্কৃত যঞ্জে পুস্তকালয়ে প্রাপ্তব্য দ্ মূল্য ১ এক টাকা।

গ্রীবিপিনমোহন দেন গুপ্ত।

সির্বাদিকের বিলাপ মুদ্রিত চইয়া প্রকাশিত
চইয়াছে । পুস্তকের কলেবর ৮ পেজী ফরমার
১৪ ফরমা অর্থাৎ ২১২ পৃষ্ঠা । মূল্য ৮০ আনা
বাহার আবশ্যক হয়, ঠনঠনিয়া সংক্ষৃত ধ্যের
পুস্তকালয়ে অর্থা প্রেটালডাক্ষা বাডুরো রাদর
এও কোর পুস্ককালয়ে অনুস্থান কারলেই
পাইবেন ইতি।

১২৭৫ সালা ২১এ অনুহায়ণ সংকৃতি কেল্ডো

ত্ৰী ৰঙনাথ ভট্টাচাৰ্য,

#### ---: 4:---

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুজকালনে ও পাটাল ভালার বাড়ুটো ভাদার কোপোনির দোকানে মংপ্রনীত ও মংপ্রচারিত নিয়লিখিত পুজকওলি বিক্রয় ২ইডেছে: —

> थनी उ मुल्( BITTI এ সইতিহাস 3 ﴿2 রোমই তহাস ভূষণসার ব্যাকরণ অ'না নীতিদার (১ ম ভাগ) Ø ঐ নীভিদার (২ য় ভাগ) क्षाइदिख । मुक्ताबाध वराकतश ঞ্জাবকানাথ শ্ৰা

## विविध प्रवाणि विकाशर्थ

--:0:---

প্রস্তুত।

हेरतांकी बाबाला भूत्यक रूपम कलम माना

বিধ দ্রব্যাদি পাগুয়া যার এবং পৃস্তকাদিছে /• এক জানার হিসাবে কমিসন দি। জধিক টাকার পুস্তক লইলে /১• আনার হিসাবে পাইবেন।

শ্রীযুক্ত বাবু কালী প্রসন্ন সিংহ মহোলন্নপ্রণীত গদ্য ১৮ পর্স্ন মহাভারত ১৭ খণ্ড ৩ ভাগে উত্তর সংযত ফরা

লগুন ফারমা ক্যোপর। অর্থাৎ উষধ কল্লা-বলি ২॥•

महन्मरमञ्जीवनह्निक

হরতাকুরপ্রভূতি প্রাচ্ম কবিওয়ালাদিগের

উত্তম রাঞ্চ ১

গীতসংগ্ৰ**ছ** শানী রক **ত্মন্ত**্রবিধান

প্রশাস্থ বাচ উৎকৃষ্ট কাব্য ১ •

আহ্ম সন্মিদ দান্ত্রিনী ১৪ প্রথম তর্জিণী ১

যছনাথ ঘোষকৃত সংগীতমনোরঞ্জন ২

নয়নামজ্ঞ ভ্লাবঃ কৰিবর শারকানাথ রাম্ প্রদীত

রাসরসামৃত সংস্কৃত ও পদ। ॥
গীত গোবিক্দ জয়দেব গোলামি প্রণীত মূল
ও যত্তনাথ ন্যায়পঞ্চাননকৃত গদ। ১।
ক্রিত্ক তরজিণী ইংরাজি কেমেইরি ছইডে
বিবিধ আশ্চর্যুক্তনক বিদ্যাদশন হয় ১১/

**बे एफ शक्किका** ।

তুর্গামক্ল পদ্ধ ১ কমলতারিনী ॥

প্রতিমূর্ত্তি সহিত ১২৭৬ সালের ফুল পঞ্জিকা॥

স্টীক চ্ডী মূল ও জন্তুবাদ সহিত ৫

চরিত্মঞ্জী ইহাড়ে সিউটানিন বিষয়
বিশেষরতো বর্ণিত হইয়াছে ১.০

ইংরাজি ১৮৬৯ সংলেব এট্রলেব কী ১৮৮ কুমারীকুমার পদা আদিবসপ্রধান কাব্য ১

অপ্নের ৰোহিনী শক্তি গণেশচন্দ্র শশ্মকৃত ৰকেলা এইলাস উভয

কাগজে র উত্তম শক্ষরে মুখ্রত ৩

विथवाविवाह नाष्ट्रेक 3

কান্ত্রিক্সার রসরভাকরাস্তর্গত নায়ক নান্ত্রিকাঘটিত সুরস কাব্য " দল

মণিকুগুলা কাৰ্য প্রাণীমোহন বল্ফোপা-

ধ্যায়প্ৰণীক ছগেশ্নিক্নীর মন্ত লেখা ১ ভূষণসিকু লহুরী ২॥+ ভূচিত্ৰাৰলি ৩২খানি ৰাঞ্চাল্য সংশ্

স্থিত হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাতে হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাতে হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাত্তি হাতে হাত্তি হাতে হাত্তি হাতে হাত্তি হাতে হাত্তি

कांप्रविनी नाष्ट्रेक आहेन प्रश्वक २ अख्

#### **উ**वास्त्रम अम्

हिट्डा शरम्भ । रक्ष मन्द्रात प्रश्रही छ কলিকাতা জোঠা-🗐 প্রতাপ হলে রায় जीएका ७३ वर नशम विद्वारका ।

## পুরাণ একাশ। विक्शुभूत्रान।

अबूबार ७ টीका मध्य धारताक थए ৮ - পৃষ্ঠা / অগ্রিমমূল্য ) 🗗 🗀

यिनि बङ्गाजिलायी इक्ट्यन फिनि मुम्माश्र আমহরষ্টকীট ৬৪।১ নং ভবনে কাৰ্থেকাশ यद्ध व्यथना कलिकाए। तर्द् क विन्।ानदा ব্রীযুক্ত জগুয়োহন ওকালভারের নামে যভ খণ্ডের ইন্ছা অগ্রিম মুদ্রা পাঠাইবেম। অগ্রিম मा भारेत विरम्भ विकाशकार भारे दिवाह নিয়ম নাই ট্ভি।

#### ---:-:---বিক্রয়ার্থ।

गारुएक तीह २८ मर वाल अमाध्यक **३**৯ नर (काष्ट्रा राजाम ।

উপরি উক্ত বালান ও বাসী বালায়া কয় कविष्ठ अथवा सहेटल हेका करत्व, सिम्न याक রিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> মিলেপ্রস্ আরবো-धमहे अवर (कार

शालितकत निवानी औषुक देवकूर्धनाथ अस কলিকভার অন্তর্গত লোভাসাকো বারাণসী स्थारमञ्जेटित मर्पा मुख सामामान कृरश्वत দরণ ক্রমি তাহার খরিলা বলিয়া উহা বিব্রুযাপ সংবাদপত্রে ফ্রেড়গণ্ডে অহ্বান করিভেছেন আমি একৰাবা সকলকে জ্ঞাত কবিভেছি যে, উক্ত ভূমি আঁছার খরিদা নহে এবং কেহু যেন ऐकः अध्य न। करवनः

ৰ'লকাছা চে'ব্ৰাগান ४के। भाष > ? 9 ¢

🗐 চন্দ্র শেখর হু 🤟

কলিকাভার অন্তর্গত কোড়াদাবেলার বার্থা পসী ঘোষের জীটের মধ্যে মৃত রাধানাথ কুঞ্জের। मक्रन कामात चित्रमा ১/১५०/ विधा क्रुम विक शार्थ कारहा (हो शक्ति छेखत अवकाती नर्मना), प्रक्रिन शनि बाखा, शन्तिम भाष्ट्रवाम निर्देश्य খরিদা বাদী (বৃদ্ভ বাদীর সংলগ্ন) পুর্ব রাশ :

লোচন রায়ের পুক্রেণী। ক্রেছুগ্র পর্কুপার मुकाशूरवर ১०३ वर नाजिएक अधिक बार्च विका भाग बरम्भागाम। रियत निकरि जञ्चनेकाम केतिरम काबिएकं भावित्वनः 学 お手にない

おり ファイチ 7. 夏田田田田) क्रीरेवकुर्वनाथ छक्षः সাং হালিসহয়

निष्कार्थ रिज्ञालन। 🕝 ৩ ° এ অগ্রহারণের সোমপ্রকাশে হালিসহর নিবাসী বাৰু কৈকুঠনাথ গুপ্ত ভাচার খরিদা **ब्लाफ़ामारका** वातालमी (चार्यत क्वीरवेत मर्थः) মৃত রাধানাথ কুপ্তের দল্লণ ১/১৮১/ বিঘা ভূমি 🚜 র গঞ্চাটের জলের মাপ। বিক্রেয়ার্থ বিজ্ঞাপন দিয়াছেন ; কিন্তু ভিনি ঐ कृषि विख्नन्नार्थ विशेष्ठ ১२१३ मार्गिव २১ अ माघ সোমবার ভারিবে বাবু প্যারিমোহন বন্দ্যোপা भाषात भाकारकलाय होन्य कागरक बीजिमड বারনাপত্র লিখিয়া দিয়া शवर्गतन्त्रे त्वाहे ८ भगत छ किवि ००८ किए) केल अभन টাকা একুনে এক শভ এক টাকা বায়না লইয়া (इन, अकर्ण व्यासाद केकीत्नद वाक्रीएक कवाना প্রভৃত্তি কাগল পত্র উচ্চার আক্রার্থ সমস্ত একত বহিরাছে: কিন্তু এতাবতা উজ কপ্ত মধ্য नव के मकन कांगक गत्र चाकत ना कतिया वाब् भावित्याव्य वत्याभाषात्वत हाता আমার নিকট সর্বাদা নারীরিক অসুস্তাদি বিষয়ক ভাৰ করিয়া কালবালে কর্ড আমার সহিত লিখিত পঠিত ও বায়ন৷ কৃত বিষয়ের विक्षार्थ भूनकीय भाषात्र । विकाशन पिया ছেন গ প্রভারাৎ আমি এই বিজ্ঞাপন ছারা সাধা त4**रक गउर्क क**त्रि**ए**डिइ (य (यन (क्रष्ट्र केळ ৰিবন্ন ক্ৰেন্ত না করেন। বাৰু বৈকুণ্ঠনাথ গুপ্ত রীতি মত কৰালা আক্ষর করিয়া উক্ত বিষয় বিজ্ঞায় না করিলে আমারে ক্লডো ভাঁছার নামে জাদা লভে নালীশ করিয়া বিক্রয় সাব্যস্ত করিয়া লইডে হইবে ৷ कनिकाका

खीरला हे**5 प्राप्त**िक न्न ১२१४ ১ লা পৌৰ)

> ---- ; 0 ; --नाम्यात नमी।

मन १४७४ मार के फिरमस्त भारतम् १ व्हेर्य — गीत्र की नवीत तक क्रमेरिकटनाय সাপ্তা এক রিপোর্ট।

নাম निया क्या र सन कारनव कुट इंकि

মহানার উপর পঞ্চানদীড়ে

È #B মহানায় ख्या इहेट्ड *ख विश्*त ं ५ जा मार्चेल मर्द्याः আলপুর হইডে, বহরমপুর ३७ मार्टल व मेरन वर्त्रमभूत रहेटक काटिंग्रा ৫ - মাইলের মধ্যে कारणाया इहेट अभीवा ८७ गाहेल ब्राध्य नन ১৮৬৮ সালের ১০ ডিসেম্বর বঁচরম

গচ্চের উপর

हिक 3 2 H

বছরুমপুর ১ ডি সৈম্বর 1 444:

जीवक नि. हे, छेरेक এক ভিকি উটিব ই शिनियुव ) বহরমপুর ডিবিজন।

## সোমপ্রকাশ।

৮ ই পৌৰ সোমবার। সব জন লংকেল ও ভাঁছার ভারত-বর্ষপরিভাগে ।

मत जन नरतरकात भागनकान (भाग হইয়া আসিল; তিনি ভারতবর্ষ পরি-ভাগে করিয়া চলিলেন। তিনি কিরুপ অভাবের লোক, ডিনি ভারতবর্ষ কিরুণ भागन कतिलान अवर छात्रखबर्धन कि কি উপকার করিলেন, এ সময়ে এগুলির গণনা করা একান্ত ভাৰেশ্যক হইতেছে।

गत कन गरतका व्यक्तिभन्न श्रीर्वाक। शर्मिक वास्त्रित मछावानिका चुक्खवा নিষ্ঠা ও সাধুতাপ্রভৃতি বেদকল গুণ থাকে, ইহাঁতে দে সমুদায় লক্ষিত হয় ! তবে একটা দোষ এই, ধৰ্মবিষয়ে ইঙাঁৱে গোড়ামী আছে। গোড়ামী থাকিলে অন্যের প্রতি অসুচিত অবিশাস প্ৰভৃতি ৰে যে দোষ থাকে ইছাডেড তাহা অদৃষ্ট নয়। এ দেশীয়েরা ঋ ঊধ-चींवलची नन बलिया हिन अ प भीवपि সমুচি ভ বিশাস না। এত্রিবন্ধন যাবতীয় কার্য্যে ভীঙার

পক্ষপাতশুন্য ব্যবহার দৃক্তিগোচর হয় नाइ। दक्वन अञावकाल नमः, अपनिमीम দিলের উপরে বিশ্বাস ছিল না বলিয়া ভাঁছার অধিকারকালে অসমভারপ रेमनिक बाब द्विष्क हरेबाट्य। अ चंदल हेरां वज्ज्बा त्व जलानीताता छित्रधर्मावनश्ची, व्यक्तव शाष्ट्र देशाँता विष्णांशाञ्चताशी হন, ভাঁহার এই আশকা ও এতলিবস্থান অবিশাস ছিল বটে; কিন্তু তিনি ইহঁ। দের প্রতি অপ্রদ্ধা করিতেন না। তিনি माधा माधा हे**हाँ। एत म**्मर्शनार्ख्य ७ উভয় জাভির বিদেষোদ্যলনের চেষ্টা করিতেন ৷ জিনি কলিকাভার বিশপের গৃহে আছু ত ্ৰাক্তিদিগকে প্ৰজ্ঞামন করিয়া সমাদর করিয়াছেন। ধর্মবিষয়ে ভাঁহার কিঞ্চিৎ আত্যন্তিকতা আছে বটে; কিন্তু ভিনি ধর্মাক্ষ ও অন্য ধর্মবিচেবী নহেন।ভিনি স্বয়ং উপস্থিত হইয়া আক্ষ क्तित उंदमाइवर्कन कतिशाष्ट्रम। मत দিশিল বীড়ন হিন্দুদিগের গন্ধাবাজারীভি রহিত করিবার চেন্টা পান তিনি ভাহাতে সম্মতিপ্রদান করেন নাই।

অভ্যাচারনিবারণবিষয়ে সর জন ला तरमत मिरिण व केन्छ। उ (हकी हिल। এট ইচ্ছানিবহান ভিনি সমাচারপত্তের গৌরবর্দ্ধি করিয়াছিলেন। সমাচার शास्त्र काहात्र कानश्रकात्र অভ্যাচার নমাচর প্রচার হইলে তিনি ত্রকণাৎ প্রতীকারচেন্টা क्रिएंडन। তিনি যে রেলওয়ের ভূতীয় জেণীর चारताशीमरगत प्रविधा कतिया मिवात নিনিত সমধিক বসুবান হন, 📝 ইচ্ছাই फाशात मूल। किछ इः त्थत , विश्वय । धहे, ভাষার যেরূপ ইচ্ছা ছিল, কার্যা সেরূপ হয় নাই। বোধ চয়, ভাঁহার দুঢ়ঞাভি ভুকু হা ও প্রধাবসায়ত্ত্ব তাত প্রবল নয়।

এেশীয়ের। বাহাতে উন্নতিলাতে সম্পূর্ণন, তিনি তাহার উপায়াদেষতে। উদাসীন ছিলেন না। ক্ষকদিনের বিদ্যা

শিকাৰ্থ ভাঁহার যত্ন ও ভূমিতে ভাহা দিগের স্বত্দশ্যদনচেন্টাদ্বারাই তাহা সপ্রমাণ ইইতেছে। কিন্তু তাঁহার বুদ্ধির শবিশেষ ভীক্ষতা নাই বলিয়া ভিনি श्रक्तक छेलारमन डेस्टावरन ममर्थ इन बाहे; স্থতরাং এ বিষয়েও ক্লভকার্যা হইতে পারেন নাই। অন্য অন্য শ্রেণির উন্ত লাভ হয়, এটাও তাঁহার মনোগত ছিল, কিন্তু সভাতীয়েরা ও স্বদেশীয়েরা পাছে वित्रक्त इन, अहे नकांत्र अ मानात्रविधि সুসম্পন্ন করিয়া জুলিতে পারেন নাই। ভিনি এ দেশে সিবিল সর্বিদ পরীকা গ্রহণপ্রথ। প্রথম্ভিড করিবার চেষ্টায় সাহদী না হইয়া ছাত্ৰর্ত্তিব্যবস্থাপন দারা মেই অভীষ্ট আংশিক শম্পন্ন করিয়াছেন।

সর জন লারেন্স শাসনপ্রাণালী সম্পর্কে
কিছু নৃতন করিতে পারেন নাই।
ইউরোপীয়েরা পূর্বে পূর্বে অধিকারের
নায় ইহাঁর অধিকারেও মকস্বল
আদাদতের অগমা হইয়া আছেন।
পুলিষও কাজ্জিত উৎকর্ষণাত করিতে
পারেন নাই। অন্য অন্য বিষয়েও বিশেষ
উন্নতি দৃতিপোচর হয় না। কেবল বিচার
কার্যাসম্বর্কে একটা উন্নতির কাজ
ইয়াছে। মুক্ষেফলিকের আদালতগুলী
অভিনর নিরুষ্ট অবছায় ছিল। উহাঁদি
গের বেতনর্দ্ধি করিয়া উহার কিঞ্ছিৎ
উন্নতিসম্পাদন করা হইয়াছে।

সর জন লারেন্স অবিশ্রাদিতরাপে
প্রজার অনুরাগভাজন হইছে পারেন
নাই। তাঁহাকে অভিনন্দন দিবার বিষয়ে
সম্প্রতি যে মতানুত হুইয়াছে, তদ্ধারাই
ভাহা প্রতীয়মান হুইডেছে। তাঁহার
বিষয়ে কড্ঞালি লোকের যে সংকার জন্ম
রাছে, নিমে যে প্রথানি প্রচারিত ছই
ভেছে, তদ্ধারাই পাঠকলণ ভাহা ক্লর
ক্ম করিতে পারিবেন।

" नत्कन वादिया नामाना श्रमण क्रियान,

ক্রমে উরতিলাভ করিরাছেন; সর্ম্বরা-ध<sup>र</sup>त्रणं कि छैं। हाटक श्रमखाशकारक अखि. नक्तनशब हिटबक्ंन। > ? जानाहित्शत "পরম বন্ধু » ফেডে অব ইভিরা এই বলিয়া করণস্বরে রোদন আরম্ভ করিয়া-ছেন। ভিনি বণিকসমাজ্ও মিসমরিদিগকে এই माथात्र मित्रा मिट्डिट्डन, नत जन न्द्रिक निमनात्र थोकाटक विश्वकित्रात विमि किछू ফতি হইয়া থাকে, এ সময়ে ভাষাও বিস্মৃত হইয়া অদেশের গৌরবরক্ষার্থ এ বিষয়ে প্রারুত্ত হৰয়া উচিত। ভারতবর্ষীয় সভা ও বঙ্গদেশের অন্য অন্য লোককে ফেণ্ড গ্রাহ্য করেন না, তাঁহারা অভিনক্ষৰ দিবেৰ না ভাহা তিনি স্থির করিয়াছেন। ভবে এই কথা বলি রাছেন, যদি উত্তর গল্ডিলাঞ্চল ও পঞ্চাবের লোকে বঙ্গদেশের ও সাধারণ মতের উপরে প্রভুত্ব করিতে পারিজেন তাহা হইলে ''জান লরেন সাহেবের " নিমিত্ত কুতজ্জতা প্রকাশ করিতেন।

জ্ঞে বে ভিকা চাহিতেছেন, তাহা
অতি বংসামান্য। স্মরণার্থা অটালিকা
নর স্তম্ভ নয়, প্রান্তরের প্রতিমূর্ত্তি নয় চিত্র
পট ময় এবং ফটগ্রাক্ষণ্ড নয়, সামান্য
কাগত্রে লিবিয়া সকলে বল যে সর জন
লরেক্স সাধারণের উপকার করিয়াছেন।
এই সামান্য ভিকাদানে বণিকগণ অসম্মত্ ইংরাজ দোকানদারেরা অসম্মত, মিসনাররাও
ক্তাক নাড়িভেনে না। ভারতবর্ষীয় সভা
ও বলদেশের ও কণ ই নাই। বলদেশীয়
সিবিলিয়ানগণও অগ্রসর হইতেনে না।
কারণ কি ? ফ্রে গ্রের অসুরোধ কি ভারণা
রোদনের ন্যায় বিফল হইবে ?

সর জন লরেল বে উপায়ে নিজ জ্যেষ্ঠ জাতার পরিবর্তে পঞ্চাবের প্রশান কমিননর পদে পথিকত হন ভাহা বিং প্রথমি প্রয়েছ
জন নাই। হেনরি লরেল ঋষিতুলা
লোক ছিলেন; ধর্মা ভাঁছার একগাতা অব
লখনীর ছিল। জন লবেল ডেলহোল্যর বাক্য
প্রমান করিরা চালতেন। পঞ্চাবের মূল
বন্দোবন্ত নাহার গুলে গদ্ধার ও লীকেরা
বিদ্যোহকালে গ্রণ্মেন্টের হইরা অন্ত ধারণ
করেন—হেনরি লরেলের দারা ইইরাছিল।

वथन ठ्युक्टिंग हाहाकात কেলার পর (कन्ना, नगरतत शत नगत, धारमार्गा शत अप्रतम विष्णारी निरमंत्र रखन इ हरे उद्दिन , যখন প্রত্যাহ এক এক জন প্রাতন 🤢 উপ যুক্ত দেনাপতি অথবা দেওয়ানী কর্মচারীর হত্যার সংবাদ আসিতেছিল, তথ্ন করেক শত ব্রিটিশ সৈন্য দিলীর সম্মুখে শিবির च्हां भन करत अवः भीक निरंगत मार्गाया विष्यादी वाक्षधानी अधिकात कविद्या लग्न । भिष्ट শীক সৈনিকগণ চেনরি লবেন্সের শিক্ষিত। 'নিকল্সন এড কাডে স্, হড্যন এভৃতি ৰীরগাণ হেনরি লরেন্সের ছাত্র ! ষ্থন প্রথম বিজোহ গারভাহয়, তথন সর জন লাে স ভাষার গু,ত্ব বৃধিতে পারেন নাই। রবট বিদ্যোহশান্তি মন্টগমরি মিয়ান ম্ারের করেন, এভনিবারণের পর প্রধান ক্মিস नत मःचीम शान। (शामाः शांत अक्षामात শাস্তি সিডনি কটন ও নিকল্সন হইতে হয়। পঞ্চাৰ ঐপনয়ে কহগুলি উপযুক্ত কৰ্মচারী ছিলেন ভাঁছারাই বিদ্রোহ্শান্তি করেন। তবে শর জন লরেন্সের এইপর্যান্ত প্রশংশা করা খাই ভ পারে যে, ভিনি ভাঁগাদের পরা মশ হোগ্রাহ্য করেন নাই। তিনি নিজের কার্ষ্যের মধ্যে বারখার সেনাপতি আফানকে विना कार्यात्न ও तमरा मन्त्रायुग्छ, आमनकल শুঠ করিতে করিতে দিল্লী আনুমণ করিতে উ**ত্তেজনা করেন**। ভাঁহার পরামশেরি অফুসর্ণ ক্রিলে সপাটু অবধি দিলী পর্যাপ্ত সাধারণ্যে বিজোহ ইইড। সনা প্তির পঞ্চাষেয়ে স্হিত সূত্রব থাকিত না; দৈনাগণ হতবল হটয়া শক্ৰণল ভেল করিয়া চতুর্থাংশ পরিমাণ পলায়ন কবিয়া ष्माभिত । मः अने बद्धाया ,य विद्या । २३ ७ तस्य বুঝিতে পারেন নাই, তালা ইহাডেই ২৩ মাণ হইতেছে ৷ যেংপে ও যে বারণে হটক, विष्मादकत्र मगरत्र (य यम श्रु, ८ के वटन नत कन नारतमा नाउं अनिभारतत महात शत গবর্ণর জেনেরল ছন তথ্ন অংশলায় যুক্ হইতেছিণ, ইংলভের লোকেরা ভাবিতে ছিলেন মধ্য আসিয়ার লোকে অস্ত্রধারী হইয়া সিন্ধুর নিকটে আসিরাছেন। ভারত বর্ষীয়ের। এই হ্বোগে অন্ত ধারণ করিতে

পারেন এমত বিপদের সমায় পঞ্চাবের রক্কর্তা ৯ ভিন্ন খার কোন ব্যক্তি শাসন कार्यात छेभयुक नरहन। अनलात मत कन লরেন্সকে গর্ণর জেনরল পদে প্রতিষ্ঠিত করা হয় এই পাঁচ বৎসরের মধ্যে তিনি কি করিরাছেন ? সাধারণের হিতকর কোন মহৎ কাৰ্য্য ভাঁহাদারা হইয়াছে ? ভাঁহা **হইতে রেলওয়ের তৃতীয় শ্রেণির আ**রোহী দিগের স্থবিধা হইয়াছে একথা অবশ্য স্বাকার করিতে ছইবে, কিন্তু এটাকেও ভিনি मण्पूर्व । পাওয়াইতে পারেন নাই, বিশেষতঃ <u> ইাহার আব্দ্রোগরেও রেলওয়ের প্রান্ম ও</u> **ছিতীয় খ্রেণিভিন্ন অন্য শকটে আলোক** দেও | হর না। তি.নি খৃষ্টির ধর্মের যে সাহায্য করিয়াছেন, তিনি গৈনিক ব্যয় যে বুদ্ধি করিয়াছেন তলিমিত্ত ভারতবর্ষীয় দিগের ক্লভজ্ঞ হইবার কোন কা..৭ নাই। ভাঁহাব শাসমকালমধ্যে ভিনি একটা সংকাৰ্য্য করিবার চেষ্ট পান; কিন্ত যণাসময়ে মন্ত্রী দিগের ডাড়নায় ভাহা হইন্ডে বিরত হন। তিনি কৃষকদিগের খথার্থ বন্ধু; এব : যাহাতে তাহাদিগে: উন্নতি হয় এটা তাঁহার আন্ত: রিক ইচ্ছ; কিন্তু তিনি যে চেপ্তা পাইয়াছেন তাহাতে কুষ্কগণ মিথা৷ অ শা পাইয়াছে माजः ইহাতে বরং জমানারদিণের সহিত তাহাদিশের মনোভঙ্গ ও তাহাদিশের কষ্ট বুদ্ধিই হইয়াছে। সিবিলিসার্কাসের দ্বার বিজ্তৰপে উদ্যাটিত না করিবার কারণ मत क्रम लाउना। भवनंत्रम कि मिक्क वारम (य करत्रक कन अरमभौत्ररक देश्नर⇔ (ध्रत्रन कहि তেছেন তমিমিত আমরা সর ষ্টাফোড নর্থ কোটের নিকটে ঋণী হুয়াছি। সর জন नरतरमत दाङ्य अशानी अभरमनीय नम्र। বায়বুদ্ধি করিয়া শেষে যে সে একারে কর আদায় করা ভাঁহার রাজনীতি। ভাঁহার ममदम् (य करम्किमी कत कत्। इडेशाइ, তাহার সমুদার ক্ষয়কারী কর। মিউনি,সপাল প্রণালী স্থাপিত হইয়াছে; কিন্তু লোকে অভ্যাচারপীড়িত হইরা প্রভাহ চীৎকার নাই চাটুকার ফ্রেও পঞ্চার ও হল্ডখানী করিতেছে, তথাপি তিনি এডদ্যটিত অত্যা নিগের ক্লাড্ডতার উপরে ৮ ছর করি গছেন : চার নিবারণ করিছে সাহসী হইছে, ব না। কি ৬ কটলভের ছভিক্ষকালে যে ব্যক্তি গুধু বিদ্যাপিক্ষাবিষয়ে

ইইলাভ কয় নাই তাঁহার অধীনক্ কর্ম চারীরা ভাঁহার চক্ষে ধূলি দি 1 ১৮৬৪ অক্ষের > २ वे कासूबातित मखता वा िकतिशंहित । শিক করের প্ৰস্তাবে কেবল ক্তণ্ডলি ब्लाक:क ठेंगेन स्ट्रेग्नाइं। (तल श्ट्य, त्रास्त्रा, ধালপ্রভৃতি বিষয়ে তিনি কি করিয়াছেন তাহা আমরা জানিতে পারি নাই। ও मिक >> काणि छोका बांत्रिक वाम बहेल, এব রুশীয়ার ভয়ে পেশোয়ার পর্যান্ত মরু ভূমির মধ্য দিয়া রেলওয়ে হ'ইতেছে, এ দিকে छ। त इवर्षत । উत्मानजूना श्रृक्तवानानात একটা উত্তম রাস্তাপর্যন্ত হইল না। কেত্রে जन विकास कार्य कार्य करव इहेरव डाहा क्रेयंत कात्ननः भवर्गरमने वागित পাঁচক্রোণ ভুরবর্ডী একটা অর্দ্ধসরিপূর্ন ননা আছে; অল্ল টাকায় ইহার সংস্কার कतित्व २० - क त्वारकत छेशकात वर्ते, अत इ.न लाइका अक छन है क्विनियुद्ध (थाद्रव) করিয়াও ইংার এক বার পারদর্শন করি (वन ना আমাদিগের বিচারালয় ও विচারপ্রণাজ সর জন লরেন্সের কোর ধার ধারেন না বিশেষের মধ্যে এই, তিনি ষ্টাম্প আইন করিয়া দরিদ্রদিগকে আপন আপন সত্ত্রাকার অসমর্থ করিয়াছেন। मत क्रम करनाम का**र्ड एडकरहोमित ए**डक चित्रा धार्य करतेन, ध क्या खरनरक बरसन, কিন্তু আমর, ভাঁহাতে উহার বিপরীত ব্যব হার দেখিতেছি। এ দিকে তিনি সর বাটল ক্রিয়ারকে এক দাখান্য टिनिशास्त्र कना छ९मनः क्रिकान **७** दिर्**क** নি ও আপন সেক্টোরিগণ কভ টাকা শিমলবি:সে ব্যয় করিলেন ভাছা একবার **ठकु** डिक्रीयन करि। (मर्श्**रमन न**ा। কোন গ্ৰহার জেন্যলের সময়ে সেক্টোরিগ্র ্এত এপভূত্ব কা ন ন চি; অন্ট সর জন লারে জ ৪৫ বংসর ভারতবর্ষে কটিটিং লন !! বঙ্গদে শের ও বঙ্গারশীয় নিবিলিয়ানদিলের প্রাতি ভাঁচার যে ভার তীহা কাহার অবিদিত ভাষা হইতে - বিশৈষ শাৰকদিলের গক্ষ কটিয়া ভাষাদিগকে উভটা

য়মান হইতে অবসমর্থ- করে, ভাহার ভাব শাবকগণ বুঝিতে পারিয়া ভাহারা যে / কার কুডজ হইয়াছিণ, পঞ্চাবিগণ বিংশতিব্ধ भारत मत **कन मारतरा**मत निकार रमहें द्रकात ক্লভক্ত হইবেন। বলপূর্গাক শাসন কর। সর क्षम बारतरभव त्राक्रमोरि । ভারতবধ রাদিগকে কোন শাসনকর্ত্ব। এত অবিশ্বাস করেন নাই। দেশগাধারণ বিপদকালে তিনি কোন কাজ করিছে সমর্থ হন নাই, ভাহার প্রমাণ ১৮ ৬৫ অব্দের তুর্তিক। তাঁহার বিশেষ প্রাশং সার বিষয় এই তিনি সং ও দত্যবাদী, যে বিষয়ে ভাঁহার যে সংস্কার আছে, ভদিরুদ্ধে কে,ন কাছ করেন নাই। কিন্তু তাঁহার সংকার দোষশূল্য নয় বলিয় তাঁহা হইতে বিষয়বিশেষে অনিট ঘটিয়াছে। তিনি দামান্য পদ হইতে উচ্চত্ৰ পদ পাইয়া ছেন। **অধ্যবসায়ছার। লো**কের বত দূর উন্নতি হইতে পা*ে*, কিনি তাহার দৃষ্টান্ত, কিন্তু নিজের ইয়ডিভিন্ন টাহার কার্য্যমধ্যে আর কিছু দেখা যায় না: পঞ্চ বী কর্মচারী গ্রবর্ণমেন্টের বেভনভোগী পাদরী ও ইউরো পীয় বৈন্যগণব্যতীত আর কেহই ওঁহার প্রতিক্রতজ্ঞ ইইবেন ন : হেনরি লরেন্সের জনা গ্রধর জেনরলের পদ ছিল। সপাহীর শঙ্কে উ:মার প্রাণভ্যাগ লাড বিলমিনের মহ্যু ও অহানার যুক্ষটিত কাল্লনিক ভয় হওয়াতেই 😘 জন লরেন্স শাসনকর্ত্রা হইয়া-छि:बन 🖙 धन्न कात्रण *६*नास्क **ड्रां**ट्रास्क অভিযুক্ত প্ৰতি উ**ংগ্ৰহ নহেন**্

#### -- 8000

#### নারীভয় ও ভারার ঐষধ।

এ বার অন্য অন্য বংশর অপেকা প্রির লাধকা হইয়াছে। জারতবর্ষের অনেক স্থান হইতে আমরা জ্বর, ওলা-ডিচাপ্রভৃতিব সংবাদ পাইতেছি। যে সকল খালে অভিশয় অনার্টি হইয়াছে, তথায় ইহার নধ্যে বদন্তের প্রাভৃতিবি হাহায়ে যিত দূর সাধ্য গ্রণ্টেশ্নটি হাহায়াদে। যত দূর সাধ্য গ্রণ্টেশনটি হাহায়াদে বিত্তেনে। ওলাউঠার সংবাদ জানিবামানে গ্রণ্টেশনটির চিকিৎসক্পণ

याजिरमे दिवा मृज्य मार्थाहिक हिमाव श्रामान कतिएउएएम। वक्रामरणेत यांव-তীয় সিবিল ও সব আসিফাণ্ট সার্জ্জন এবং পুলিষ কর্মচারী হিনাব করিতেছেন। পুর্ব্ব পূর্ব্ব বংশরে গবর্ণমেন্টের যেপ্রকার উদাদীন্য লক্ষিত' হইত, এবার তাহা নাই। তথাপি অসংখ্যা লোকের সৃত্যু হইতেছে। কয়েকটা বিভাগ ক্রমশঃ लाकम्ना इहरल्छ। सम अरभका মৃত্যুর সংখ্যা অধিক হইলেই এই অবস্থা ঘটিয়া থাকে। লোকসংখ্যা করা আমাদিলের প্রণ্মেটের অভ্যাস নয় আমাজিগের জেশীয় লোকেরাও এ বিষয়ে भाषाया कारत ना, खारा চ্ইলে প্ৰতিবংদর কত লোক ক্মিতেছে তাহা জানিতে পারা যাইত এবং ভার ভবর্ষের লোকসংখ্যা দিন দিন যে কমি তেছে, তাহার নিশ্চয় হইত।

ইহার প্রতিবিধান করা কর্ডবা; কিন্তু দেই এতিবিধানের উপায় কি, অগ্রে অনুসন্ধান করা উচিত। এ বিষয়ে भवर्गरम्बेत सूथारशक्ता कतिहा शांका বিধেয় হয় না। ভাঁহার। মধে: মধে। माहायामान कतिएक शिक्षांन अहेमाज ; কিন্তু এই সাহাব্যে তাদৃশ ফল হয় না। বে বাক্তির শার্র পারায় পরিপুরিভ হ্ট্য়ার হিয়াছে, মধ্যে মধ্যে পটি দিলে ভাষার কি উপকার হইবে ? শরীরের মধ্য হ'ইতে পারাবাহির করিয়া মূল भाधन ना कतिएल मातीत चारताश, লাভ করিতে পারে না। আমাদিগের বাদপ্রণালীই রোগের নিদান। সভ্যতা মুলক কতকগুলি নৃতনপ্রকার অভ্যাস इंदेश উঠে। চিকিৎ मक्सा जिंह विलिदन অসভ: জাতীয় জীলোকেরা প্রনধকালে cकान यञ्जन। (कांश कटत ना। सम्मादन काक क्रिएफ्ड, धमन नम्दर क्षमव (वहना इहेल, जाहाता चष्ट्रम धानव कतिल ; किन्द्र (यथारिन मभाज्य न्याज्य रहे

য়াছেন, বেখানে প্রকৃতির উপর নির্ভর করিলে চলে না। এই হেতু সভা জাতির मर्था है अधिक छत्र ध्यमन कंग्रे मृत्रे एता। অন্য অন্য পীড়ার বিষয়েও এই নিয়ম। विम्कल कांद्रण धमका बादधत किछूरे করিতে পারে না, ভাহাতে সভা অধি वाभीतक निःभश्या क्रम इहेटल इहेटव । षामाहित्वत वामकान श्राम श्राम এইপ্রকার ছিল; কিন্তু ভথনকার লোকের এত পীড়া ইইত না কেন? এ কথা অনেকে জিজ্ঞাদা করেন। এত ছু-তবে আমরা বলিভেছি, তদানীম্বন লোকদিগের অভ্যাদ, পরিতাম, চিস্তাপ্র ভৃতির সহিত এখনকার লোকের 👌 এ বিবয়ের বহু অন্তর হইয়াছে। তথন অস্প পরিশ্রমে আহার চলিত। প্রামের मरक्ष इहे जिन सन ती जिमक कांक कति खन। এक জन চাকृति कतिल कृष्णि অন ব্দিয়া আছার করিতেন। একণে मि मक्टलंड श्रिवर्ड इहेश्री छ। धर्यन मकल (क हे शति खाम कति। उ हहे (जाह, मक्ट्लइके व्यक्तिक छिन्ना क्हेन्नाटक। १० ৰৎসর অভিক্রম হইতে না হইতে শুভ্র क्षण पानिशा (नशा (नश, शृद्दी এक्श ছিল না। এমত অবস্থায় যেসকল কারণে পূর্বের লোকের প্রীড়া হইত না, একণে নেগুলি পীড়ার কারণ হইয়া উঠিয়াছে। একণে আর পুর্কের ন্যায় বাদস্থান ताथित हिन्दु भारत ना। वाहीत চতুদ্দিকে ঝোপ; খিড়কীর পুকুর পানা পূর্ণ; পশ্চিম দিগে বাঁশ; মলমুক্তভাগের নির্দিষ্ট ছান নাই, দেগুলি রীতিমত পরিকৃতও হয়রা; বাটীর গৃহদকলে वांग्रू अदबन कतिएक भारत नाः, छेठारनत रवशास्त्र रमशास्त्र महामा ; आरमत महश्र যদি কেছ আপনার ভূমিতে শৃকরের কারখানা করে, ভথাপি আমরা ভাছাতে वाञ्च निष्मक्ति कतिराज्ञ भाति ना। अहेमकल কারণেই আমাদিগের দেশে এত পীড়া

र्टेट्डिइ। यथन व्यामानिश्वत व्यवसान অন্ত্রকার হইতেছে, তথন যে আমা मिर्गद्र भिर्वे । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद । भिरुद्धित विश्वेष्ट । भिरुद्धित विश्वेष व्यनाली পরিবর্ত্ত কর। আবদাক হইয়াছে, **डाहा जामता क्रश्यांच त्रांसटहिना।** यथारन शौफ़। इइएउटह मिहेथानकात लादकताई " भवर्गरमन्छे छेयस निटलन না " বলিয়া চীৎকার করিতেছেন। গ্র-र्गरमण मास्य मास्य विवर्ष्ट इन , किन्न कि कर्तन (लोकलब्ड्रीड्स मार्ग्या (प्रन। মাজিষ্টেরা দর্কদা বিভাগের পীড়ার জ্বন্য বিত্তিত হন, চিকিৎসকদিগের নিশাস ফেলিবার অবসর থাকে না। এটা অতিশয় শোচনীয় অবস্থা। এ অবস্থা । अरख १४० (२० वे महत्य कान कतिरल ७ क ला त्र इहेर ना ; अकु छ छे भाग आमा দিগের হস্তেই র্টিয়াছে। আমরা যদি আপনাদিগের বাসস্থানের প্রতি দৃষ্টি পাত করি, এত অনিষ্ট হয় না। রুত-विमागात्वतरे अरे मुखीय अमर्भन कता কর্ত্তব্য। ভবে গণর্গমেন্টকে একটা কাজ कतिएउ ६६८व । व्यामानिएशत मिडेनिनि ্পালিটিনিকুট অবস্থায় আছে। এটা আইনের দোষ নতে, মিউনিসিপা লিটির সভা মনোনীত করিবার দোবেই হইতেছে।মিউনিদিপালিটিসমূহে কেবল ক্ষেত্ৰ জন করিয়া স্থানীয় "বড় লোকণ থাকেন ; কিন্তু কার্যাদক্ষতা ও বুদ্ধিমভার মাহত ভাঁহাদিগের অপ্প লোকের সম্পর্ক থাকে। মিউনিসিপালিটির মধ্যে क्रुडिवरा ७ श्राधीन लाकिमिशरक श्रात्म क्ति उ (प्रथम कर्डवा। धक कारण ना হউক, অন্তঃ অর্জাংশ সভাকে লোকে মনোনীত করনে, এই নিঃম করা উচিত भिडेनिमिलालिए बार्श वारश्व मण्टूर्न क्रम ठा डीकान्टिशत इटल्ड प्रबंध कर्ल्डवा। মিউনিদিপাল টাকা হইতে অন্ততঃ ২৫ ৰৎসরপর্যান্ত পুলিষের বায় লওয়া छे जिल्ला अलिए वर्ग वर्ग वर्ग

টাকা উড়িয়া যায়। স্বাক্ষরকার উপ रगांशी रकान काख इस ना। अक्टन शूलि (यत (वजन विवास) (य है। कि हैता लांज कान करा इहेटज्राह, छेयस उ চিকিৎসকের বেজনে ভাষা নিঃশেষিত **रहेट ज्राह्म, नाट्य**त मर्ट्या लाटकत कहे ख অনিষ্ট হইতেছে মাত্র। এইপ্রকার দর্বত্র মিউদিপালিটি করিয়া গ্রামের জঙ্গলপরিকার, পচা পুষ্করিণীর পক্ষো জার আথবা পরিপুরণ এবং বাসস্থা নের প্রণাদীপরিবর্তনপ্রভৃতির নিয়ম कतिरम करप्रक वर्षरतत्र मरशः । (मरम्ब অবস্থার পরিবর্ত হইতে entiaca; লোকেও স্বাতন্ত্ৰ্য অবলয়ন করিতে শিক্ষা क्तिद्वन ।

ভারতবর্ষের চিক্তমা আফিসরুগ্র।

১৮৫१ व्यक्त विष्माश्योग इड য়াতে বিস্তর আফিদ্র নিক্রা হুইয়া পড়িরাছেন, তৎপরে কোম্পানির ইউ द्राभीय रेमनागन ता खकी । समामतन त দহিত একজিত হইলে আরও কতকগুলি क्षाहाता हत। हेहाँ फिर्शत व्यक्षिकार-भात रमनामरलत मरधा थाकिशा रेमनि-কের কাজ করা অভ্যাস ছিল; ভাঁহারা ত্তিগুণ বেডন পাইলেও কোনক্রমে নৈনিক শিবির জ্যাগ করিতে চাহিতেন ना। किन्नु हेश्लखीय रेमनिक कर्जुशक কোম্পানির আফিদরদিগের ুউপরে নির্দায় ব্যবহার করাতে বিস্তর আফি সরকে ত্রিশকুব অবস্থাপর হইতে হয়। সর চারলস দত কতক গুলিকে পদ ত্যাপ করান: অবশিষ্ঠগুলির নিমিত্ত ষ্টাফকোর প্রস্তুত হয়। ঘাঁছার। ফাফ कारत अविके इहेटलन, डाँकारा वाबमारत रेमनिक ; চিলকাল পারেড ও যুদ্ধভিন্ন আর কিছুই জানেন না, কিন্তু ভাগাওণে (पञ्जानी कार्या नियुक्त करेवात अञ भाडेरलन । **छोकरकारत** (४ छन , अश्विक,

ভদপুদারে অনেক দৈনিক পুলিষ কার্য্যে कि कि एक स्वा विष्ठांत्र कार्या नियुक्त क्रेटनने । ্রসকল কার্ষ্যে উহ্তার। অভ্যস্ত নহেন, क्ष्या अटन अटन छेड्डानिट्यां व्यापा-গ্যভার পরিচয় হইতে লাগিল। পাদ ন্দ, বাচ', বাউইপ্রভৃতি কয়েকজন बाजिदतंदक काम लिक्षेमाके कर्तन পুলিষ পুপরিটেগুলি হইয়া কি করিছে পারিয়াছন পুইহারা ছাজিয়া যান না: (कान काञ्चन। मिटन अ'नश् । किन्दु (म अशानी কার্যো ইহাঁদিগের অভ্যাদ নাই স্তরাং उहा जान नार्ग मा। बज्ब উहाँदा (य व्यायाशाङा क्षप्रकान कवित्वनं, ভাহা ৰিচিত্ৰ কি ? অন্যাপে অনেক आफिनत (कान काक कतिएउएइन ना: অথচ দম্পূৰ্ণ বেতনু লইতেছেন। নিয় यां अर्था अर्थ व्यापनाम् एक व्यापनाम याहा इडेक ; मञ्चलात वज्रात (का किन कन মাত্র কান্টোন্মেন্ট মাজিটেট্ট আছেন। निशमविक्जुं छ अप्तर्गहे के गरामि দিগের প্রাত্তিব। ছত্তাতা লোকের। क्रमण्ड व्यापना परभत भागग ७ विচात প্রণালীর উপরে ঘৃণাপ্রকাশ করিতে ছেন। পঞ্জাবে একটা প্রধান বিচারালয় ও তথায় শিক্ষিত বিচারপতিগণ ও লিকিত বাবহারাজীব গমন করাতে र्गालर्थां व ग्रेश्वार्ट् । अहमतक कातर्व গ্ৰণ্মেণ্টকেও অগতা৷ ক্ৰমশঃ দিবিলি য়ানাদগকে নিয়মবহিত্তি এদেশসমূ-ছের বিচারকর্তা করিতে হইতেছে। কাজে काटक निक्षमा निरंशतन नहिंच इटेंटक वीम शाहि व्यानक ताक कीय आकिमत्र अ रव जांनत लाएक कोकरकारत প্রবেশ করি ভাঁচাদিপকে ও পূর্বভন য়াছেন! व्याकिमङ्गिष्ठक भहित्य चक दृहर দল নিক্ষা লোক দেখিতে পাওয়া यात्र। हेर्डाप्तिरशत कान काक नाहे. আপন অবস্থা ও ইণীরা আপেন भुख्छ नरह्म। ११९ रिमले हेर्गित्रशत्क

भन्न श्रह्म विद्या क्रिक्ष हिंद्रा विवाद हिंद्र निक्या देश क्रिक्ष क्रिया देश क्रिक्ष क्रिया देश क्रिया देश क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय

ভাষরা ভল্লিমিভ গ্রণ্মেন্টকে অসুরোধ करिट्र अहमकल आफिनइटक किश्विद কিঞ্ছিং পুরক্ষার দিয়া পদত্যাপ করিয়া পেকান লইবার প্রার্তি দিন। পর্যাপ্ত পুর দ্বা। क†त ≅ाख इहेटल व्यटनटक मु**मा ७ इहेट**वन । क्षीकृत्वात द्वारियवात द्वान व्याप्यन नाई। कठक्छनि चाकितर्दक प्रवशानी কার্যোর নিমিত্ত প্রস্তুত করা এই দল मुख्या उत्मन्याः, विश्व এ উদ্দেশ্য मिश्वि इहेट उर्छ न।। शुर्क्त छोफरकात छिल ना ; किन्नु उर्धन कन मालकम, आलिक ক্ষপ্তার বার্ণদ, অর্থর কনলি, এলড্রেড পার্টপ্রার হেনরি লরেন্স প্রভৃতি কার্যা मक उंशयुक्त लाक मुखे इहेडार इन । **এই। कल वास्तित विश्माश्म छ। विभिन्ने** अक कन आफिमत कि अकटन मृचे इन ? (करन कछक्छनि मतकात्री होका नही হইতেছে এইমাতা। দৈনিকগণ শিবি-रतत वाहिएत ना चाइएमन इकाहे आर्थ नीय।

विविधमः वाच ।

उला (भोष (मामवाद ।

আংশরা প্র নয় আফ্লাদিত বইলাম, গবর্গব (আনবংশের নিজ সেকেটাবি জে, ডি, গভন ক্রুটের মহীক্সরে ক মদনব পানুপ্রাপ্ত হইরাচ্ছেন বিশ্রীচার ও বিনয় গভন সাহেংবের স্মজাবসিদ্ধ প্রন

এরপ জনক্রত গ্রন্থটের মুদ্রাবন্ধ সকলের ভারাবধানজন ৩০০০ টাকা বেভনে এক জন চিলিত কাম>ারী নিযুক্ত ইইভেছেন। উপদুক্ত আচারত কামচারীকে নিযুক্ত করিলে ব্যরসংক্ষেণ্ড এ কাম্য সম্পন্ন হইতে পারে।

বাজনীতির নায়ে সংমাজিক বিষয়েও ইংলও জিটুমরিকার প্রস্থাকরণ কবিচেচেন। এই নিয়ন यहराटक लख्य विश्वविद्यालारम्ब अन्यस्य शक्त लकेशत निभिन्न **क्षीरलाटकत!** भरीका विद्रष्ठ भारतस्य एकश्चिष्ठ विश्वविद्यालारम्ब अहे अंशी अक्रिक क्षेत्राटक।

वाव तामक्रकाकत कन्न अभ. अ. त्वांबाहे (मन अक्रिमर्ट्राम कारमरक्षत मश्कुष्ठ व्यक्षा भक्त हहेग्राह्म । शूर्ट्य अक्ष व्यम हे छेरन्न भीन अहे कार्य, किन्छिम । हे छेरन्न भीन्न प्रिकारक अरमर्ग मश्चर्रकत व्यक्षांभव कन्न अक्ष अक्ष अक्षांत विष् वना।

খিনি আজি অবধি কলিকাতার ইডেন বাগন দেখিতে ঘাইবেন। গাঁহাকে কব দিতে হইবে। ইউবোপীয় অধিবাদীরা উদ্যান্দীর বায়েপুরোগী অবি প্রদান না করাতে পুলিষ ক্ষিসনর কংসংগ্রাহের মানস করিয়াছেন।

২৪ পরগণার দিডীয় অধঃ স্ব জল বাবু কুল লাল বন্দ্যোপাধ্যের কলিকাভাব চোটজালাল ভের চড়ুর্থ জঞ্জ হইয়াছেন। ইহাতে সকলেট আহ্লাদিড হইবেন। এখন যদি ২৪ পরগণান উপযুক্ত সদর আমিন ব'বুস্যামধন মুখোপাধ্য দ্বকে কুঞ্চবাবুব পদে নিযুক্ত করা হয়, ভাষা কইলো ওণের পুরস্কার হয়।

নৈহ'টী ষ্টেসনের নিকটে একটী বৃহং খুল রের ক'রখানা আছে প্রখানে বিশ্বব খুকর থাকে এবং খুকরের তৈলপ্রভৃতি প্রস্তুত হয় ইহার ছগলো আমের লোকের অতিশয় কট হয়াভো। কেবল কট নয়, পীড়াও ২ইডেছে। করেক বংসয়য়য়য়ঽ এই শ্বানে ওলাউঠা বিরাজ করিতেছেন। এই কারখানা অবিলয়ে বহু করা করিব।

মহারাজ রণবীর দিংই হাজারার গত যুদ্ধে
গাবর্ণমেটের যে সংহাষা করেন, ভার্মাজ সর
ভান লরেক স্বংস্তে এক পত্র লি গ্রা ভাঁইটেক
ধন্বাল প্রদান করেরাছেন। সব জান লরেক।
বলিষাছেন, যখন ও ষ্ড বার গাবর্ণমেন্ট সাহায়।
প্রার্থনা করেন, ভাতবার রাজা ইংলভেশ্বরীর
প্রতি অপ্রক্তি প্রদর্শন করিয়াছেন। মিত্র রাজ
গাবের উৎসাহয়ন্ধিন করিলে ভাঁহাদিগের অপ্র

শনিবারের ভারতববীর গেজেটে দৃষ্ট হইল সিংহল গবর্গমেন্টের অফুরোধাসুদারে ভারতব ধীয় গবর্গমেন্ট কলধাের কালেক্সকে কলিকাভার বিশ্ববিদ্যালয় হইকে শতন্ত্র করিয়াচেন। সিং হলে কি পৃথক বিশ্বিদ্যালয় হুইবে? রেওরার রাজ। সব জন লা দের সহিত সংক্ষাং করিবার নিমিত কলিকাভার আসিতে ভেন।

नत्वषः मार्गित (ष्राच ১०,৪०,৮৯,२৯० । कालात भवर्गः । १८० वे त्यामे स्थानित हिन । १८० क्रियम् १७,००,००,०० । ३१५ के । १८० क्रियम् १७,००,००,०० । १८० क्रियम् । १८० क्रियम् । १८० क्रियम् । १८० क्रियम् । १८० क्रियम् । १८० क्रियम् ।

পিয়নিরর বলেন, দর উইলিয়ন মিরবের অসুবারে ভারতবরীয় রেলওয়ে কোম্পান বাবতীর ষ্টেদনে বেঞ্চ াখবার মান্দ করি রাচ্চন। স্বরোহীদিগের পক্ষে এটা সুখকর ক্টবে সম্পেক্নাই।

कामता एडिलिनिडिंग शांठ कतिया इः चित्र रहेलाम नम्मद्रमभीत वरादस्य देशपुक्त (नदक्रदेशित एकमन मः (हर्व भी ज्ञानवस्तर कार्यस्य ज्ञात्रक वर्ष छ। ११ क. १८ द्राहरून।

म गमछत आकिंग ११८७ कट्टीतमामक य हैंरताम छहरिन छहन्न किंद्रा। भनामन करतन है।हात विषय छेषाभन किंद्रा। एडिनिनि हैंग बेट्निन, इक्षणांत्र्य। कांछित कक (इंद्रिज्ञ) मेट्ट। भनेकिक गार्डव छावछवर्ष खेडाविमन किंद्रिय। इक्षणांत्र्य। कांछिभतण्यात्व माहिट्निन होंडा खाया महात्व केंछ छान्। व । माहिट्निन होंडा खाया महात्व के छान्। व । माहिट्निन होंडा खाया महात्व के छान्। व । माहिट्निन होंडा खाया महात्व के छान्। व । माहिट्निन होंडा खाया महात्व के छान्। व । माहिट्निन होंडा खाया महात्व के छान्। व । माहिट्निन होंडा खाया महात्व के छान्। व । माहिट्निन होंडा खाया महात्व के छान्। व । माहिट्निन होंडा क्षणां कांछि हेंडा ।

सक्तरभाव अरु अस अमेगित सील व अस किट्टि आ गरा १००० गांका अम्छ १ स । ग्रांति सम सुराट त उँ इंटिक ५०० गांका र्वे गोहेस् स्व । वेश्वित्य प्रता अक व्यक्ति भाषातक पाडिसालात बालाव पुत्र विलया प्रतिग्रं विश्वास्ति । पुत्रस अञ्चलकात किस्सा स्व मिनाक (भोक्षा) वटा अर्थन किस्साट्स ।

२ ता (भोष प्रश्नवाताता

ভারতব্যীর গ্রাব্যান্ট নিমুলিখিত টেলি-আম পাইরাজেন।

পেরোয়ার ১০ ই ডিসেম্বর। কাবুল হইটে তরা ডিসেম্বরপর্যক্তের সংবাদ পাএয়। গ্রিয়াছে। এপর্যক্তি বৃদ্ধ দ্য নাই। সিয়ায় জালি খা এক পরিখাবেটিত শিবিরে থাকিয়া বিলয় করিয়া শরুসংহার করিবার চেটায় ঝাছেন। व्यास्त्रिम् था ७ व्याबद्दन त्रहमन वी व्यामीर्वत পাৰতেদ করিয়া কাবুলৈ যাইবার চেষ্ঠা পাইতে ছেন। কিন্তু ভাঁহাদিগের ক্রারের কোন সম্ভাবনা নাই।বিজ্ঞার দৈন। সিয়ার্জালর দলে আসি (छट्डा वि!बाइट्शटक्षरे शुनर्तात वाशिश्वादनत যুদ্ধের এক রুত্তান্ত প্রকাশ করিয়াছেন; কিছু भवर्गरान्हेत मरबारम्हे अधिक विश्वाम हन्ना

১২••• গরু প্রাণভাগে করিয়াছে। এও মড়কে কারণ কি, ইহার অনুসন্ধান করিবার নিমিস্ত अक अन क्यांकाती (अ तु छ इरेश (इन।

গত बृह्म्भे छवत याभाव होत्यस्त्व निकट्डे अक्डी व्यक्तात इंड इंड्याट्ड । अनित দৈঘ। ১৩ ফুট ৯ ইঞ্চিও পরিধি ১৭ ইঞি।

क्रेंट्ड १,४४,५४४ होका शाख्या जिल्लाहा श उ वरमत व्यापिको अ व त म जकता २० होक। क्रांधक लाख (मथा याहे(७१५

দিলীতে ব্যক্তের প্রাক্তিব হ্ইয়াছে: (तम् । इहेर्ड ७ अहे धकात गरवान आ। महार्ह । ভর। পৌষ বুধবার।

কিবৌলির রাজা এক বংশরের নিমিত্ত দলেয়ের कत कृतिक कृतिशाहिन, आश्राता हहें देख नित्र आहे । নার নিমিত ব্যিক্দিগকে টাকা দেওয়। চুইয়াছে, बारकात कारन कारन जनाविभित्यक नाश्याच भारताज्ञ इडेश<sup>:</sup>क्ष्य भवनगावृद्धित्रहरू कन्द्र দিবার নিমিত্ত সংখারণের হিতক্ষর এক্সম কডক छान कारी व्यादेख इस्ट्रेंग शहामिरशबू भूमः अक कारन वष्टे रहेबारक, जाशक्तिरक कर मिर्ड क्रकेटन भा । याशांतिदशत खारांचक कांछ ह्हेबादर कांशांदा देन थला कतिया मिट्नमा बाब्याद कमा हा त्रान वक्षरण मायुष्ठाष्ट्रक्षक काल कात्ररण

প্রধান ক্ষিদ্দরের অন্ত্রোধে নাগপুর (इ।ताक्रावार, देवजून छ त्रवलपूर्व अक्षी जीवी बान। रहेर७८५। (लारकव क्षेट्र भारेशा प्रयो ज्यानिरक १म वनिम्ना छ। विश्व'न ११न। कि नुभा । सथा छात् छव (बंद ब्रीहा बर प्रभाव ভাবনা নাই।

১৮ हे छित्रवत लाङ (वय तोबाहरस नामित्वन ग्रेट्स इत्राह्य <u>डब्र</u>ाह्य स्वत्र के कार्टिक बार्व कविवात निमित्त बधातीकि आदिमन कत ब्राट्डन। जाङ (यस खरलेट्ड मोल्साटल (शिवा লাভ নেপিয়বের সহিত ক্রিষ্টমাস ভোজের कर्षुकांक्रवम अधिवाहिक कहिरवन।

সম্প্ৰতি আদিষ বিভাগে বিচারপতি মন্দ্ৰা (बत निक्द्रे अक्षी शुक्रकत सक्तमा इहेन्रा পয়াছে। প্রায় তিন বংসর ব্ইল, দেবনারায়ণ। বেন। কর্ণেল লেয়াড তাহার সংহত সমন खाय नामक चल्रारश्त्रं अक सन धनी लाक इरे विथवा स्त्री बाधिया विना छेरेल सान ত্যাগ করেন। ভাঁধার বড় স্ত্রীর জাতা রাইলো-हन (घाष ଓ प्यत्रभ्राम हर्ष्ट्राभाषतायुगांभक अक লোয়ানপুর বিভাগে চারি মাসের মধে langs এক লাল উইল একত করিয়া জাপ भाता चिक्रि रम এवर अहे कथा श्राम कतिया एमन শ্ভিগণের অসন্মতিতে কেন কোন কাল করি-(वन मा। या छी। व्यक्तिकारणत कथा म। व्यनि-.वम, डांश्टक मानिक ১৫ টाकामाञ्च छत्र (भाषनार्थ (मंख्या इहेट्य । (मंदनानायात्व खाफा ও ভাতুক্তাত্ত ছিলেম, ভাঁছালিগের নাম করা হর নাই ৷ বেণীমাধব গোম্বামী দেবনারা यूर्वत शक्त, डाहाब शुक्रांक कर डेरेनबादा বাধাবাজাবের একখানি বাটী দেওয়া হয়। এবং গোতামী নিজে উইলের সামী हन वाहे (बाहन अ कावनाक्षत्राम २९ शवनात कर :नकर्षे ১৮७ व्यक्तित २१ व्याहेन व्यस्ताहर (मवनावायर वद क्षार्थ खो विश्वमान अ कार्नेश खो ক্ষেত্র মণির নামে সাটিফিকেট তার ভারার भा अवधि प्राहाता वृतिष्ठ सात्रक कर? कर्यक महत्य है।क। मृत्नात अक वाही विक्रह कित्रा काहाता किकाम गरक सक् कतिता वन পূর্দ্ধক কবালাতে আক্ষর করাইয়। লয়। বিধুচনি ভ্রান্ডার সংহাষ্য করেন : ভিন মাস পর্য্যন্ত ক্ষেত্র মণিকৈ কৃত্ব রাখা হইয়াচিল। পরে তিনি মুক্ত इहेश श्रधान्य विहास महाने करत्न এই নালীৰ আরম্ভ হইয়াতে এমত সময়ে রাই মোহন ও তল্পা প্ৰসাদ ক্ষেত্ৰমণির উদীল বাব রমানাথ লাহার নিকটে গিয়া বলিল, উভয় পকে वृक्ता इहेब्राइड, अष्ड बच मकल्या हालाई श्रेष श्रद्धास्त्रम नाहै। कार्र्धा कार्रेगींत वास भरास দিয়া ছল; কিন্তু ধৰ্ষতা প্ৰকাশ পাওয়াতে সক্ষম हिलटक लाजित। हैहामिर्गत पृक्टा मण्यूर्व রূপে প্রকাশ পাইয়াছে। বিচারপতি মন্মাণ निषाल कतियारकत छेडेन काल ও जनस्माती नान অসিভা যে বাটী বিক্লীত হয় ভাগাও অসিভ विनिया श्रीजिभन्न रहेग्राटका दाहरमार्म, अन माधनाम ७ (ननीमाधन (नामामी(क को कमा বিতে অপ্র করিবার আফা হইরাছে। এপ্রকার धुर्छिपिरतात कठिन पछ एउपा प्यावभाक।

> <u>ডেলি নিউপ বলেন মুরসিদারাদের নরাম</u> हिश्ल छ तर्मनार्थ गवर्य स्मर्टित । अञ्चलकि भाहेता ।

ছেন। নবাব এই মাধের পেবে ছুটা পুত্র সম্ভি वाशित (वाशिह तिहा आश्टिल कात्राहन कर्त क्तिर्वम ।

উক্ত পত্র বলেন নগো ও কুকিনিগের সন্তান গণকে শিক্ষিত করিবার নি.মত্ত কয়েকটা দাতব্য । बहु। लक्ष जानात्व का का रहेत्रा एक । अञ्च के उन कबना । विषेशांनिका वर्शकत्वटक छ।शामिश्रदक শান্তসভাৰ করিবার দিঙীয় উপায় নাই।

भागाकात (शटकटडे हर्ट स्टेन, जीतामश्रुत ও হুগলিতে গাড়ী পালকীর ভাড়ার আইন थङ्गिष रहेवात जाका रहेन्नाह्य। जा स्नाम ब्राति अविधि नितिय<sup>े</sup> हहेरव। मिडेनिनिनाल রাস্তা সমূহের স্থারবাইকর গাড়ী প্রভৃতির '(बिक्किंग्न बहेरवन।

বঙ্গদেশীয় ব্যস্থাপক সভার ১৮৬৮ অন্তের ৬ व्याहेन (विकाशीय नगरवत चानीय क्य व्याम) .युत्र चाहेन) चागाभी । ना अदश्रम चार्यस व्यव्याज इहेर्द । मालिक्षिकेशनक शकाबुक मर्गत नाम'त्थत्व कांत्र का वना स्हेग्राह् ।

বালেখ্যে আটটা মুডন রাস্তা করিবার নিমিও স্থানক্র করিবার ছোলগা ব্রয়াছে। এ গুলি इञ्छिष्टित नमरम इङ्झार्छ (वाध इङ्ख्डिह मित्रिस .लाकमिनाटक कर्म्य मिया तक्का कहा भवर्गस्मर केत्र শভেপ্তেও। আমরা আকাদিত ইইলাম, এ নাৰেৰ নিজে সভক আংছেন, এবং কৰ্মচারি मगरक **यरथाहिल कर्ण** जावधान विहेरण विलिश (PA |

## ৪ ঠা পৌষ বৃহস্পতিবার।

वाभागी अन ह कान्याति, क्षितिएकि কালেকে গলকাইই ছাত্রহান্তর পরীকা হইবে: পাঁচৰৎসরের নিমন্ত বার্ষিক নিয়মে ১০০০ টাক कवित्रा इति इति दृश्चि (मख्या वहेर्द। कुछान भरीकार्थितम भार्यम् श्रम् एष्टिएनटक्रहोतित विकारी ১ · · · छे। का अप्टेर्वन । याश्रीता हेर**ना**र्ख গিয়া ছাত্ররতি হারাইবেল, ভাঁহাদের প্রভঃ। गममार्थ के शकाद महत्य होका (मख्या इहेर्द। বিশুক ইউবোপীয় ভিন্ন যাবতীয় ভারতবর্ষীয় এই ছাত্রবৃত্তি পাইতে পারিবেন। অর্থাৎ পিত। অথবা মাভবে সধ্যে এক জন ভাৰতব্ৰীয় क्वेंट्स क्वेट्स :

ডिक्मन महिन्द छ। त्रख्यं छ। म क्यार्ड গবৰ্ণৰ চ্ছেনবল উচ্চিকে ধন্যবাদ দিয়া এক পঞ निभिग्नार्डन । फिक्मन मार्ट्न (य अकांत्र मक् ভাগহকারে ব্যাক্ষের কার্য্য সম্পাদন করিয়া

ছেন এবং উছোর প্রামর্শে গ্রেগ্রেইর বে উপকাব হয়, ভাহা স্বীকার করা হইয়াছে!

রাজকুমার গোলাম মহন্দদ মহীস্থাবের উপ কারার্থ ১,৬৫,০০০ টাকা প্রদান করেয়াছেন। ইহার উপন্থন্থ হইতে ১০০ মূল্লমান, ৫০ জন খৃতীয়ান ও ২০ জন প্রাক্ষণকে সাহায়। করা হইবে। মহীস্থারের কমিসনর এই টাকার আছি হইয়াছেনা। এই দানলীলতা প্রশংসনীয়। কিছ এ প্রকার ধর্মাতেদের কোন প্রয়োজন ছিল না। র জকুমার।ক বিশুদ্ধ প্রাক্ষাণদিলের অংশেক্ষা শৃষ্ঠানাদগতেক ভাবিক স্লেহ করেন?

সম্প্রতি একথানি ব্রিটিশ আছাল জনমা হওয়াতে পণ্ডিচরির শাসনকর্ত্তা নাৰিকদিগের বিশেষ সাহায্য করিয়াছিলেন।। মেসেজারিস কোম্পানি বিনা ব্যয়ে ইহাদিগকে কলিকাভার আনয়ন করেন, এবং ভারতথ্যীয় গরর্গমেন ব্যয় দিতে চাহাতে ভাঁহারা ভাহা লইতে জন শত হন। গর্পদেন্ট ভার্মিন্ত করালী শাসন কর্তা ও মেসেজারিস কোম্পানির নিকটে কুভ ভাতা প্রকাশ করিয়াছেন।

রামপুরের নবাব খীয় রাজ্যের মধ্যে মাদক দ্রব্য বিক্রয় করিতে নিষেধ করিয়াছেন। প্রজার হিতাকাংকী রাজাদিনের এপ্রকার নিষেধ করা কর্ত্তব্য বটে কিন্তু সভা কালে এনিষেধ কলো প্রায়ী হয় না, প্রভুত্তে বির্ত্তিকারক হয়।

#### ৫ ই পৌষ শুক্রবার।

বোষাই রেলওয়ের যে অংশ ভিলদিগের দেশের মধ্য দিয়া গিয়াছে, তথায় ভিলের। সর্ন্দা দৌশ্বীত্মা কবে। অনেকবার ভাহারা শক্ট রেইলঅন্ট করিবার চেন্টা পাইয়াছিল। রোসভেন্ট ইঞ্জিনিয়ার বলেন সদ্দারদিগের অন্ত্র মতি পাইয়া ভাহারা এই সকল উপদ্রব করে। জতএব ভিনি আপনার আজ্ঞাবহ এক রেজি-নেন্ট সিপাহী চাহিয়াছেন। আমরা বিস্ময়াপন্ন হইলাম, বোষাই গ্রন্থেন্ট এই প্রস্তাবের অন্ত্র নোলন করিয়াছেন। যভই দৌরাত্ম্য হউক না কেন একজন উঞ্চলোলিত হেলওয়া ক্রন্যার।

মান্দালাইতে ব্রিটিশ পলিটিকাল এজে-পের অধীনে একটা আদালত ও জেল হই-তেছে। ব্রহ্মাণেশে ইশ্লভেশ্বরীর কোন প্রজা অপরাধ করিলে ভ্রায় তাহার বিঁচার হইবে।

ইংগতে ক্রয় বিক্রায়র একটা সূত্র প্রথা প্রবিক্তি হইয়াছে। এক গ চেপ্তে মাটনামক এক খানি শত্র প্রকাশিত হইডেছে। সভ্ত মূলো ভন্দং বিজ্ঞাপন প্রকাশেত হয়। বিজ্ঞাপন কারির। ভন্দারা এক প্রবেরে বিনিমন্ত্রে অপর প্রব্য ক্রের । কেই বলেন জানার একটা কুকুর আহে ওৎপরিবত্তে আমি একটা আলুর চাই ইভালি। এটা মন্দ নয়। কিন্তু আমালি পের আশক্ষা হইভেছে ক্যাইটোলার অবেক নীলামের ন্যায় দ্ব্য দেওয়াই সার হইবে।

শেপক্টোরে লিখিত ইইয়াছে ইংলগুরি গাবর্গমেণ্ট এদেশীয় দৈনাদিগকে আইডর ছুলে খাকুল এন ফলড রাইললও দিবেন না। কিছা এদেশে রাইলল যুক্ত কামান, কার্জু অ প্রভৃতি প্রস্তুত হইবে। জমীদারের, কাছারিতে প্রভ্ প্রজ্ঞাকে আনম্বন করা ইইয়াছে। "করদাও" ধলিয়া জমীলারের গমস্থা চিৎকার করিতে ছেন। যথার্থ পাওনা বটে, এবং প্রজ্ঞা চাকা আনিয়াছে। তথাপি দিবে না। দাও দাও বারমার বলাতে প্রভা বলিল সহজ্ঞেত নহে। কাড়িয়া লইতে পার ভ লও। গবর্ণ মেন্টের সহিত প্রজ্ঞার এক্সপে ব্যবহার যেন না হয়।

#### ৬ ই পৌদ শনিবার।

টাকার বাজার ক্রমশঃ রূপান্তব প্রাপ্ত ছই ভেছে। গবর্ণমেণ্টের কাগভার মূল্য ক্রমিভেছে অবং বাক্স স্থদ ও বাটার পুনর্কার রুজ ক্রি

শালমাল গেভেটে রুশীয় রাজী মৃত ছিতীয় ক'থ রণের এক পত্র প্রকাশিত হইয়াছে। এই পত্র রাজ্ঞী সীয় পুত্র ( আনতঃপর সমাটু) भागरक निरंथन। **किनि वरनम श्रका**मिगरव বুছিমান ও তক্ত শক্তিমান করা উচিত নতে প্রস্থাদিগের কর্ত্তর্য কর্ম এই ইইডেছে ভাহারা কেবল চুণ করিয়া থাকিবে। একটা युष्क व्यापका अन कान छेलयुक स्मर्थका स्मर নীতে অধিক কভি করে। যে লেখক রাজানী তিজ্ঞ হইবাব চেষ্টা পাইবেন #ভাঁহাকেই সাইবি র রাতে প্রেরণ করেবে। রুশীর গ্রন্মেট এচ পরামশ বিস্মৃত হন নাই। তত্তেত; সর্প্রধান লেখক আলেকজ্ঞার হাজেনকে নির্মাসিত क्रियाद्भन्। ভाরত बर्धित याम (क्ष्यू सन्तीय शवन মেটের প্রতি অপুৰাগ বান হইয়া থাকেন, অভি নিবেশ পুর্কাক ভাঁহার এই পত্রখানি পাঠ,করণ कर्खवा।

বঙ্গদেশের কাপলিকবিশপ গ্রন্থেট বাটীর গোপন ছার নিয়। প্রবেশ করিবার অন্স মতি পাইরাজেন। এটা একটা মহৎ স্থালক্ষণ।

উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের ছর্ভিক্ষণীভিত লোক

हिरात शाश्यक्ष श्रेष छहिन से सिम्रात स्त्रिमान तर्गत निकट होगान श्रेष्ट्यां के स्त्राट्यां। अहे रिका सर्मामातर्गत वस्त्रीतकत हिल्मा कर्षिता। अवात रिकास सम्बद्धां श्रीकरण स्वाकर्णन स्वाकर्णन, रिवास इत्र मा।

নিয়নিখিত মূলে গ্ৰ4দেটের কাগজ বিক্রীত চইতেছে।

इंडेदनाशीय मगाठात ।

প ই ডিলেছর। তুরক্ষ গবর্ণমে ট মীলের রাজাকে এক প্রদারা ক্রান্তাডিধানে জানা-ইয়াছেন, ডিনি যদি ক্রীটের লান্তিভঙ্গের সাহ্যানা করিবার বিষয়ে জঙ্গীকার ও প্রভি ভূলান না করেন, ভাহা হইলে অবিলাছে উংহার সহত স্থলভানের মিত্রভাব ও দুও বিশ প্রযোগরভিত হইবে। সাধাবণভন্তপ্রের দল কাড়িজে অল্পারণ করিয়া রাস্তায় বেড়া দিংছিল। সৈন্গণ ভাগাদিগকে ছির ভঙ্গ করিয়াছে।

আবিদিনিয়ার চুটো যেসকল বৈন্য গিয়াছিল, বাজ্ঞী ভাহ দিগকে এক এক নেডাল দিবার বাজ্ঞা দিয়াছেন।

--:•;----:•:--

भवनद्वा विकालन । बन्नदानीय त्नर्भनलेशवनंदत्रत्र

.चारमभाज्ञमाती

#### निद्याभ ।

ও রা ডিসেম্বর—জে, বারলো সাহেব ক্রিন্ত্ তেব সহকারা মাজিটেট ও কালেক্টর হইয়া তেতীয় জেনির অধীন মাজিক্টেটের ক্ষমতা পাইবেন।

৮ ই ডিলেম্বর-শাধার'দের বেবেরেও ক্রিট্ ফর গষ্টাফ খৃষ্টীয়ানদিশের বিব'হের সাটি ফ কেট দিতে পারেবেন।

৯ ই ডিদেশ্বর। ৩ বা ডিদেশ্বর জ্বর্যন্ত্রিপ টুনন্ট ভবলিউ, "হণকিন্সন পুরুলিয়ার সর রে জ্ঞান কইয়াচেন।

নিয়লিখিত ব্যক্তিরা ১৮৫৮ অংকর ৩৬ আইনের ২ ধারাসুসায়ে কটকের বাডুলালয়ের দর্শক হইবেন।

ডৰলিউ, রাইট সাহেব।

ৰাৰু রক্ষাল বন্দ্যোপাধ। ছে ।

ষ'বু কালীচরণ চট্টোপাধ্যার পশ্চিম হর্দ্ধ মানের অন্তর্গত বিষ্ণুপুরের মুক্ষেক হইবেন। বাবু কৃষ্ণচন্দ্র চৌধরী চট্টগ্রামের অন্তর্গত দিয়াঙের মুকোফ হইবেন।

১ • ই ডিদেশ্বর—রেবেরেও ভে, এস, সান্তিস এম, এ দমদমার প্রতিনেধি চাপলেন ইইবেন।

তেপুটি মাজিটেট ও বেপুটী কালেইর আর,

এচ, রেণি সাহেব বেভিয়া উপবিভাগের ভার
পাইয়া প্রথম প্রেন্থর অধীন মাজিটেটের ক্ষমতা
পাইবেন। তিনি আর হুপ্রধানতম বিচারালয়
ও গোলয়নে অর্পন করিবার মকদ্বনার প্রথম
বিচার করিতে পান্রবেন।

বারু কালীলস্কর রায় ফরিদপুর ও ভৃষণার চোট আদালভের অজ হইবেন।

মৌলবী আনোয়ার আলি জ্রিন্তের অধক্ষ জভ হইবেন : কিন্তু যত দিন বাবু গিরিলচজ্র গোষ সরকারী কার্য্যোপলক্ষে স্থানান্তর থাকেন, তত দিন পাটনার ছোট আদালতের প্রতিনিধি জও হইবেন।

এল, ভবলিউ, ছচিন্সন দাছের পাটনার অধস্ব জ্বজা ইইবেন।

১২ ই ডিদেশ্বর— লি এক, গুরুষেলি সাতেব প্রাটনার কমিদনরের বিশেষ সহকারী হইবেন।

্জ, ওকিনিলি সাহেব পাটনার প্রতিনিধি জাইন্ট মাজিটেট ও ডেপুটি কালেক্টর হইবেন।

মেদিনীপুনের ডেপুটি মাজিকেট ও ডেপুটি ক ক্রের বাব রামকুমার বস্থা ২৪ প্রগণায় বদলী হইয়া মাজিকেটটের ক্ষেডা পাইবেন।

বাবু কুঞ্জলাল বন্দের।পাধ্যার কলিকাভার ভোট আদালতের অন্যতর জ্ঞান ছইবেন।

ই, আই, শটলওয়ার্থ সাংহ্র গয়ার বিদ্যা শিক্ষা সভার এক জন সভ্য ইইবেন।

রেবেরেও জে, ুএ পজ সাচেব খৃষ্টীয়ান দিগের বিবাহ ও বিবাহের সাটাফকেট দিটে পানেবেন।

১८ हे डिएम्बर--- अलीन छ प्रति है, दिवान इंडाबिवारनव श्रामय छ्ल्दिर छेट वहरू

लिकोन हे कर्दन मि. देविष्ठा ( विनि এक्षरः) विकाध नहेंग्रा कारहन) ভाগनপুरवत পुनिष सुभविर्छ छ हहेरवन।

ষত দিন লেপ্টনন্ট কর্ণেল নি, রিয়া বিদায়-লাইয়া অনুপত্মিত থাকিবেন তত দিন সি জেনিকা সাহের ভাগলপুরের পুলিষ স্থপরি-লেটপ্রেণ্ট ইইবেন।

हाकादिवारभद्र महकाती श्रुलिय छ्र्भविष्टे-(छन्डे ब्याव. এফ, এচ, भिष्ठे अर्रह्न माम्ब्रुट्स अमनी इटेर्बन। যত দিন বাবু জগবভীচরণ মুখোপাধ্যায় উপস্থিত না হন তত দিন বগুড়ার সব আসিষ্টান্ট সার্জন বাবু হরনাথ রায় সেরাজগঞ্চ উপবিভা গের চিকিৎসা ও তত্ত্বতঃ দাতব্য চিকিৎসালয়ের ভার পাইবেন

বত দিন এচ, সি. কনলি সাহেব বিদার লইয়া অমুপস্থিত থাকিবেন, তত দিন ডাজেন জি, এফ, হফ বগুড়ার প্রতিনিধি দেওয়ানী চিকিৎসা কর্মচারী হইবেন।

টি. এচ, এচ,শৈট সাহেব মেদিনীপুবের সহ কারী মাজিকেট ও কালেক্টর ব্ইয়া মাত্রিটেট ও ডেপুটী কালেক্টরের ক্ষমতা পাইবেন।

১৫ ই ডিসেম্বর—ব াকুড়ার সৃহকারী মাজিক্রেট ও কালেন্টর আর, এম, ওয়ালার সাহেব

ঘশোহরে বদলী হইরা এথম জোনির অধীন
মাজিট্রেট ও ডেপুটি কালেন্টরের ক্ষমতা পাই
বেন।

সি. ডি, সি উইণ্টর সাহেব বাঁকুড়ার সহ কারী মাজিটেট ও কালেন্টর হইয়া দিতীয় ত্রেণির অধীন মাজিত্রেটের ক্ষমতা পাইবেন।

ডবলিউ. এচ. পেজ সাহেৰ চাকার সহকারী মাজিটেট ও কালে ইঃ হইয়া দ্বিতীয় জেণির অধীন মাজিটেউটের ক্ষমতা পাইবেন।

(मानवी मिक्रक्तिन काश्यन क्रीहामेत क्राह्म र्गा त्रञ्जनशास्त्र मुरमक स्टेर्गन।

বাবু কাশীনাথ দাস চট্টগ্রামের অভগত সম্বীপের মুক্তেক হটবেন।

বাৰু যাদৰচন্দ্ৰ দে জ্গলীর অন্তর্গত উলুবে ভিয়ার মুক্তেফ হইবেন।

বাবু উপেক্রচন্দ্র মন্ত্রিক ভূগলীব অন্তর্গত শালিকার মুক্ষেফ হইবেন।

১ লা জ্বাস্থ্যারি অবধি পাটনার মাজিক্টেট মিঠাপুরের জেলদশক ফ্টবেন।

--:0;---

আমাদিগের গোয়ালিয়রস্দংবাদ দাতা লিথিয়াছেনঃ—

গোয়ালিয়ার অঞ্চলে ছাত্রিক্ষের লক্ষণগুলি ক্রমে ক্রমে আবির্ভুত হইডেছে। ভিক্সবের সংখা। যে কভ রক্ষি হইয়াছে, ভাহা বলা যায় মা, অনেক গৃহস্থের পরিবারও দ্বাবে দ্বারে মৃষ্টি ভিক্ষা করিভেছে। কোন কোন জীলোক চীরবাস পরিধান করিয়া ক্ষুদ্র হ। ৩ টী সন্তান ক্রোড়ে করিয়া পথে পথে ভ্রমণ করিভেছে। ভাহাদের শুক্ষ মুখ ও স্লান কান্তি দেখিলে ক্রমন বিনীর্গ হয়। এখানে প্রলিক ওয়ার্কে ইভর লোকের। কাজ পায় বুটে গিন্তু ভার জাকের।

ख खात कुली मञ्जूरतत नाम बाहिएक शासन ना গোপুম ৮। ৯ সের টাকার বিক্রের ইইভেড়ে। চাউলপ্রভৃতি শদ্যও ঐ হিসাবে করিভেচে প এখনত এक जाम भनना वृष्टि हहेटन कि छेप-কার হইড : কিছ ভাহার ভ আরু সম্ভাবনাই নাই: এখন দিন দিন শীতের প্রাছর্ভাব লক্ষিত इडेट उट्ड। घान ना इ अव्राटक (भा महिवासित কষ্টের আর পরিদীমা নাই। এখানে ব্রিটিশ গবর্ণমেশ্টের বেসকল সামরিক অবা, হস্তী ও वलम चारक, छोशारमद्र घःन, कृवश्रकृषिः] व्यारशांकरमत कना भवर्गदमने वक् काविक इह য়াছেন। আবা, এটোরা, কানপুরপ্রভৃতি স্থান ংইতে ঘাসপ্রভৃতি সংগৃহীত হইতেছে। আজি कालि अक्ली कार्यंत्र काना मारत श्रीत अक नंक টাকা পর্ভিডেছে। মহারাজ খীয় রাজদ্বের সকল স্থানে যাসপ্রভৃতির বিক্রয় ও রপ্তানি বন্ধ করি ब्राट्मन । हैरतास गवर्गाम जात क्यू कतिएक পান না, মহারাঞ্জ আপনার অপুথড়ভির জন্য সংগ্রহ করিতেছেন।

পূর্নেই লিখিয়াছি বর্জমান ছার্ডিকের জন্য মহারাজ কর আলায় ক্ষণিত করিয়া ও দ্রব্যাদির শুল্ক গ্রহণ রহিত করিয়া এক খোষণাপত্ত প্রকাশ করেন : কিন্তু এখন শুনিতেছি, মহারা জের কর্মচারীদের অনেকে উক্ত ঘে'ষণার বিপরীত আচরণ করিয়া স্থানে স্থানে অন্ত্যাচার করিতেছে। মহারাজের সকল বিষয়ে উত্তম বন্দোবল্ড ও উপযুক্ত কর্মচারী না থাকাতে অনেক বিষয়ে ইহঁনি ছনাম হইতেছে।

२। প्रतिष्टिकन अर्छन्डे कर्दैन एउनि मार्ट्य देश्लाध रहेर्ड श्राकाशमन क्रियार्डन এवर कर्नम मा अधाव मार्ड्सवत निक्छे इहेर्ड স্বকীয় কার্যভার । গ্রহণ করিয়াছেন। সাওয়াব সাংহের থায় সকলের সভিতে সম্ভাব প্রকাশ कतिराजन, काहात भगरन मकरलह प्रश्चिख इहे-याद्भन । श्वनिनाम, कर्तन एउनि नारहरवन সহিত মধারাজের বড় সভাব নাই। কর্নেল সাও য়াব পাংধ্বের সহিত ইহার সম্প্রীতি হইয়াছিল, মহারাজ পঞ্জাবপ্রভৃতি অঞ্চলে যান নাই, কর্ণেল ভেলি সাকেবের আগমনবার্জা তাৰণ করিয় लक्षे इकेट्ड अञायर्डन कतिशाहन। (कः কেচ বলেন, সাওয়ার সাহেৰ ভাঁহার অভুপরি ভিতে রাজকার্য চালাইভেছিলেন, এখ कैं। हात शमरन अ विसद्य किছू तिल्झाना एहेरण পারে. এ জন্য আসিয়াছেন, বন্দোবস্থ করিয় कावात गाइएका

বিদীর্গ হয়। এখানে প্রলিক ওয়ার্কে ইতর ত। মধ্যভারতবংশর গবর্গর জেনর লোকের। কাজ পায় বটে গ কিন্তু ভদ্র লোকের। একেন্ট কর্ণেল মীড সাত্ত্ব বাংক্রিক প্র नार्द अथारन कानिशाद्यन । महात्राक्ष अक मिन মুরার ছাউনীতে ইহার সহিত সাক্ষাৎ করিতে আসিয়াছিলেন। সন্মান বিজ্ঞাপক ২১ ভোপ ध्वनिष्ठात्र। मौड नार्श्वकर्कुक मश्रतास व्याष्ट्रि म्हेब्राहिट्यम। श्विनाम, ११६ मिन म्हेन, মীড সাহের নিজের কোন বিশেষ কার্য্যোপ লক্ষে মিরাটে গিয়াছেন, এখানে শীঘ্র প্রত্যাব खन कतिरवन। क्रक्तिकृत खना भीष नारकरवत সাহত কোন কর্মচারী ও অন্যান্য সহচর আসেন नाइ। काल्डिमामले माखिएकेडे व्यामानिगरक কহিয়াছেন যে ডিনি প্রভাগিমন করিলে ভোমা দের সভায়,এক দিন আনিষ, যদি আগেন তবে ভিনি কিক্লপ লোক जामता कानिएड পাবিব।

৪। ব্রিগেডিয়ার ফেনরেল চেম্বরলেন সাংহের সম্প্রতি মেজর জেনরল হইয়াছেন, তিনি শীত্র স্থানাস্তারত হইবেন। ইহঁরে গমনে अथानकात मकरमहे प्रःथि इहेरवन। य महा রাজ সিজিয়া নানা কারণে ইংরাজনের প্রতি व्यवक हिरमन, এই हिम्बर्गन मार्ट्स्व छेना বভা ও সামাজিকভান্তৰে বৃদ্যীভূত হট্যা ধখন ভখন এই ছাউনীতে আসিতেন। অ'মাদের ন্যায় পামান্য লোকও ঘাঁহার নিকট সমাদর পাইড।

৫। এই সময় टेमनामिट्यात व्याद्यामध्कीत উপযুক্ত সময়: প্ৰভূৱে ঘৰন সৈনিক পুৰুষেব উठिम्रा वराम्राम्हास त्वराहमःत विविध वााग्रामकार्यः करतः एडालक्ष्यिन् अञ्जीत विश्वाकः। ংছিত ও অশ্বের হে বার্বে চতুত্বিক আলোভিত ·য়, তথন কাহারও আরে অসুদয়নিদ্রায় অভি उठ इहेट हेका इब्र ना। बहे नगर्य जमन अ ধলচালনা কি সুখপ্ৰদ !!

নদী খালপ্রভৃতির গতিবোধ যে পীড়াব কে প্রধান করেন, ভাষার প্রমাণ পাওয়া (ब्राह्म) भूवात नहीत सन एक न) वर्ध अहं सनः क कु: (म अ के वांध श्राव्य क कहा १३ शाहर ত্রাং জলের গতি বন্ধ হইয়াছে। এবার বর্ষা 🚶 া চওয়াতে এখানে এরপ অব্যাদি পীড়া চই ere et, বঙ্গদেশের এপিডেমিক প্রপীজিভ न मक्ल इंडांव मयकण व्हेशाइ विलाल व

300年刊间 12 के अधिकाहत विकास

व्यामानिश्त शिक्षेष्ठ मश्वामनाका খিয়াছেন 1

गत्न ह केट्सन आनका स्ट्रेडिश वर्शन अंडि विकिट्डि कारनक थाना शिष्ट्रा गिया हिन । य श ছিল, কার্ডিকের অনার্থিতে ভাহাও অর্থ নট eहेग्राह्य अकरन आवात अकथकात की<sup>के</sup> श्रातम कविया ममुनाम थाना नष्टे छ क्रमकिनात्क निवाम कविष्डाह, हाडिलाव मूना उत्तरम वृद्धि পাইতেছে: এখনই शा॰ আড়াই টাকার সু:Ca मध्यश्रकात हाउँ त्वत मन भाउष्ट्रा याष्ट्र ना : তৈলের সের॥ • আটে আনা হইয়াছে। একণে ওলাউঠা আবার ভয়ক্ষর রূপ ধারণ করিয়াছে bisक, लक्ष्विक्षेत्र काशना, क्षकुदी, (शाना উতা, আতুয়াযান, সিংহ চাপড়, পাগলাপ্রভৃতি এ ভোলার প্রায় সমুদায় প্রগণাডেই এ ব্রোগের मडाङ शाहकीर स्ट्रेशाइ। अमन बाम नाहे यथारन उलाउँठी नाहे, अथारमेश मधा

व्यामान्दिगत श्रीखिनिधि श्रीत्रच फि किहे स्विति किट छ के छ । सारहर के बात वरी का प्र **केलीर्न स्टेम्नाइन । जानालर एउन्हों बाद्धिके** ও फ्लूजि कारलकेंद्र भोलवी (एन खाद कार्ल " र्थः मकन विष्णुत्र, वावु विकासभावतः मुर्बाला धारा काइरन अवः कानिष्टान्डे मास्टिक्डि विस्न नारक्व काथात भवीकाश अञ्चल व इहेशारह्म ।

৩। ক্ষত্রস্থান স্থান প্রতিষ্ हैगर्म्शहें है कैमान वायु अधीर्म खात्रक इहेग्रा (धन । है न अक क्रम कार्यातक अरच छ। दिव

২০ এ অগ্ৰহায়ণ

Jena 列門

चार्यानिर्धत चाक्र्लश्राष्ट्र मःवान मां वा निथियाट इनः —

कामः पिरगत ननीया किनात इस्विवातक कार्यः भक्त शक्ता:१टेखनी मास्टिक्डिंगे जीवृक्त अह. दवल मार्कत मक्षम सम्दर्भाभनरक तार्शवादित मन ডিবিছনে কয়েক দিবস অবস্থিতি করিয়াছি **উদ্দেশ্যাধনার্থ** (लन। (य .य विहात्रण ए भव वर्गात्त्र माधा कायकमात्र भक 🌱 প্ল প্রটোন প্রেরিড ইন, বেল সাচেব এখানে প্রায় তৎস্মুদয়গুলি প্রতিপালন করিয়া গিয়া ভেন। রংশাঘাট সব ডিবিজনের নিকটস্থ যে ক্ষেক্থানি প্ৰসিদ্ধ গ্ৰাম আছে, ইনি ভাষ্ জ্বলোকন করিয়াছিলেন। রাণাযাট, উল'এবং শাক্তিপুরের মিউনীদিপালিটী এবং দাভব্য ंच क्रीश्टइंर अन्छ। रेष्ट्र सम्बन्ध आयानिरात्त्र है हिकिश्तालयनकल व्यवस्थ पर्णन विविद्या **देश** 

দিগের উন্নতির নিমিত্ত বছতর হিতকর বিষয়ের बीमारमा कतिया बामवामीमिर्गत श्रमःमात इड्यार्डन -वशीयात সি:বল সারজন জীযুক্ত ম্যাকলিয়ুত্ত সাহের কএক দিবস ভাষার সহিত কালাভেপতে করেন। আমরা श्वनिश्वां मा। एवं व वाक्षा, पछ इहेलाम (र.) तावा चारित गवर्गम हे माहायाकुछ हेरदा की विना শায়র গুড় প্রস্তুত করিবার নিমিত বেল সাহেব ভত্তিভ, মিউনী,সপাল ফণ্ড হইতে ৩০০ এবং নিজ হইতে ৫০ সর্সাসমেত ৩৫০ টাকা প্রদান क तम्राह्म। काञ्चलम् वकः वन्। नरमत् श्रव श्रवि छ তাঁহার বিলক্ষণ অন্তরাগ দৃষ্ট হইল। ইহার याशास्त्र जिल्ला कहा जिल्लाहरू जाना विद्रान यब ब्याइ। कशक पिर्य जिमि १४५९ अशास আসিয়া অত্তত্ত অভিনৰ জ্লগৃহদৰ্শন করিয়া গিয়াছেন এবং ইহার দর্মদ। তথ্যবধাননিমিত্ত রাণাঘটের ডিপুটী মাজিটেট বাবুকে বিশেষ করিয়া বলিয়াছেন। আমরা আর একটা একং विषय के विषय के विश्व कि कि के कि महिला कि कि এकाल वाधिक इंडेलाम । इंकिएर्का द्वानायाहे **হইতে অ'প্লয়ার মধ্যমামী সুল্বভীণ রাজ্ঞর** দীর বিষয় সোমপ্রকালে প্রকাশ করা হইয়াছিল। এডদিনপবে উহার গতি হই গর উপায় হই मार्छ। উल्लिख अधारिक देखे अग्रह्य के ब्राह्म श्र जित भोक्षका **७ উहाट अधिक**नश्या लाटकन भमनाभमन (मश्रिया हिश्त मश्कात ७ हेरा भारू: করিবার বিষয়ে রাণাঘাটনিবাসী জীযুক্ত ব'বু **क्रि**रिशायान भागरहो पुति सहाराज्य कासरताय करदम। एक्सिया सुधी ब्हेलाम स्व अश्रस्ताद জীগোণাল বাবুর অন্য মত হয় নাই। বাৰু গৈতৃক রাস্তালী পাকা করিবার সমুদয় ব্যয় श्राह्म व्यवस्था क्षेत्रा भवन्य महिल्ल ममर्थन करिश्राट्डन । अकटन (कास इत्र खुतास हेश्त कार्यादक स्ट्रेटर ।

২। আজি কালি এ প্রদেশে আবার ভয়ানক कालयन्त्र डेलार्डि। श्रीबष्टे व्हेग्नार्ड । इंडिमर्पर व्याप्त के निमानान त्यार्ग व्याद्धांक रहेशा कुछ। জের করাল দক্তে পতিও ইইয়াছেন। আমাদি (भव क्षळ) वर्षमा भवर्षभिके अहे द्वारमव निश्चिष्ठ कि. श्रें र खेशन अलोन कराना । এই मान मितिल भावजनपिरात क्षीनक करहरू अन गव, आहि है। के जावजनरक समञ्चल পाठे। हेरन काल इस :

৩। অ'মরা শুনিয়া ছঃপিত হইলাম যে. আলুলিয়ার নিকটক হবিবপুর সাহাঘ্যকুত इंट्यांक विष्यामध्ये वाशांट छेत्रिया यात्र. मास्य (केंद्रे जीपुक (वन गार्ट्य अक्रम व. छ धार व,क

कतिबार्ट्स । फिमि वर्तमा, हविवशुप्त तानाचारे खिना ७ मार्क्षभूद्वत **अ**धिक मृत्य न**्ह** । **अ**ख्यार औ मधुनभ्र प्राप्त विमानित श्राक्तिताई हिरोद কাজ ৮ লভে পারে, তবে ইছার নিমিউ অভয় 'ব্যন্ন অনাবশ্যক ।

8 । मध्याञ अधानाम वना वर्ता**र ও ना**धित छेशस्य सामन्ना कलिकाका इहेर्ड करमंक सम উচ্চপদস্থ ইউরোপীয় ভন্ত লোক শিকারে আসি बाटक्य: खांनलाम, डांहाबिटशब्र महिक छुन्न মাতক প্রভৃতি অনেক আছে। আইলিয়ার निक्षेत्र इतिवश्रुत 😮 (वलशर्फ्त भर्गा छ। हा দিগের শেবির ধ্ইয়াছে ৷ বাধ্যাজ্যর সার না हरेया यमि किছू काम कविएंड भारत्रेन, उत्पर्ध সঙ্গলের বিষয়।

 চাউল ত দিন দিন ছন্দ্রা হইতেছে! এখানে আপাডড: ৮- সিকার ওজনে ২:-, २(०/॰, २॥॰ টोको कतिया मन दिख्य हहें एक्ट्राइट

🐿 । আমরা ভানিয়া আহলাদিত এছ্লাম. নাকাশীপাড়। থানার অন্তর্গত মুড়াগাছাব এগী দার 🕮 যুক্ত বাবু জগককে মুখোপাধ্যায় মহাশয় अप्र**ाम्यत উन्न**ित निमिष्ठ अवर्ग**मर्ग्ड**ेव निक्**डे** ্য রিপোট পাঠাইয়াছিলেন, আমাদিগের বজ ্রেশর শেপ্টনাল্ট গবর্ণর জীয়ুক্ত ধ্রে সাচ্চেব **একোর সম্পূর্ণ অনুমোদন করিয়াছেন। জ**লাং रातु এक जान श्रक्ताञ्च (मनाव्यिष्ठाः) भक्ता स्थारमञ् ক্রমীদার মহ'লয় দেগের ভাঁছার অনুরূপ কার্যা नवः क्रिक्ट ।

### -----প্রেরিত।

गांगावत बियुक्त त्मांमध्यकांमध्यां क

#### নহাশয় সমীপেছ। धानातानक की छै।

মুহাশর ক্রিনে সমাচার পরের যে সমস্ত বিবরণ অবগভত্তয়া মাইডেছে, ভাহাডে বি স্পৃষ্টতঃ উপলব্ধি হইবে যে, এবার ভারভবর্ষের । काम ऋतिहे ऋहा कन्नरण नेपा करना माह्य। উত্য পশ্চিমাঞ্চল অনার্টি (অসময়ে কোন কোন স্থানে ) রষ্টি ও ঝড়, স্থাবর্গরেখার বা ধার **छलञ्चारम, रक्राम्टलंब मिक्कारा प्रालि** और, রাজদাধীপ্রভৃতি স্থানে প্রথমতঃ অভিযু 🕆 ও रमरम अञ्चलका जानाम श्रकृष्ठि भूर्ताका শস্য জন্মিবার অফুবিধা, এই प्रकल चित्रा धाताई वितक्षन श्राष्ट्रीयमान स्टेरव एव, खाता বর্ষের এবর্ষে মঙ্গল নাই।

রাজসাহীর উভর পূর্বাংশ ুও বঃড়ার

(तथा क्रिका क वर्षात करने, अञ्चारन व्याधना श्राहक एता (o) अवर शरत यथन शरनात मरना धाना फिन्न बागम व्यमें (कांन अन्तर व्यक्त ना यमात्रा अश्रामानत ्नारकत कौरिकात कर्ष नार्गिक स्ट्रेटल नाट्यः। किन्न प्रशासम् नाम्बर পাতার কুপার কাবারই অভাব থাকে না 🕾 क्ष्णकार (कवन अक कांत्रम शास्त्र)त वरमहै, अधारमध्येत कारक महास्थापक्रम काना वि পাত করিয়া **থাকেন। ভাগাদের দানশ**ক্তিত क्निरित्मत मेर्या ज्ञर्थामक नर्दा अधरहरू अभेज श्राप्त भागा जारचा रय, अधान इहेरज काम কাডা, ফরাসভাঙ্গা, কালনাপ্ৰভৃতি স্থানে किं विकार के कुछ के त्राची के देश विकार के विकास উৎকলের ছর্ভিকে (প্রায় সকল স্থানেই) ২০৫ সের করিয়া চাউল বিক্রয়, ছইয়াছিল চ 'ভখনও এখানে ६।७ পসরী দরে চাউল পাওয়া বাহলা করিয়াও বর্জমান ধান্য জারহণ ও নিরাছে। গভ বর্ষে অভ্যন্ত বর্ষা ও ঝড় হও शार्फ, भाग छान इस नाहै। खथाशि २२:२३ পদরীদরে ধানা বিক্রয় হইরাছিল। এবার रेजार्छेत (मेय व्यविधिक्यांगेफ ১৪। ১৫ फिवर्णत व्यान्त्राखिक वर्षरन, हारमत व्यापनक विश्व घरहे। পরে জাল বর্ষায় ধানে র ভাতৃক জীর্ছি না হইয়া শেষে একরূপ ফলিরাছিল। তাহাতে লোকের কোন কণ্টের সম্ভাবনা ছিলনা। কিন্ত हात्र । कि **कारकार** भंत विषयु! कि कूकर । है निर्मन ७ मर्तवानाविनानक नौयक्षक की। আসিয়া কুৰকদের আশা ভরসা সকলই এক বারে উচ্ছিন্ন করিল।;;

এই ছুষ্ট কীট দেখিতে মাটিয়া বৰ্ণ, প্রায় আড়াই জঙ্গলী দীঘ', (কিঞ্চিৎ অধিক) এক | य(वानवं क न, मच्डकं क्रकार्व अपूर अरः [ममछ मतीय चांडाच (कांमल। हेवाना (करना पनि। भौरमत मिक्का मकन कार्षिया (एवं। क्षार्थव काठा चित्र, हेशरम्ब धाना किश्वा व्यनताना प्ररेवात সহিত কোন সংহ্রব নাই ৷ কীটের প্রাণ অভ্যন্ত ক্ষণভঙ্গুর।কাবণ অন্তি বংসামানা আঘাডে श्रष्टकीयन रहा।

व्यथगण्डः धार्रमात् सर्याः अकन्नात्र प्रकर्

माक्यन मक्किम क्षारक '' ककुँ (s) e वरतक्क्य (श) । अमार्थ करम । उथन व निर्फरप्तरा और कर्करन **७७ ्म भूष्टे रहेल, ७५२ व**र्वाय এখন পर्या एउ কাটিতে পুরাব্যুপ হয় নাই ! সে প্রায় এক मान शख रहेता। कृषकरात्र धान।केवन ७ मर्गः मद्भर हान कतिए। श्वात क. इ.म. मान भाक इत्र। ভংপরে ভাষারা চাস ও বপনকার্থে আবাচের প্রথম ভাগা অভিবাহিত করে। মাঘ ও কান্তনে নিয়ন্তানগকলে কর্যণ ও বপন করিবার কারণ এই रा, वर्षात कल मिन्नव्यानिहे फार्क मिक्क **इत्र । अ गमरत्र कृषिकार्र्यः अवर**ह्मा कविरम, कृष करनत कथनहे मर्जन इत्र न। क्रुखतार सनि কৃষকদের সকলে মিলিত হইয়া, ধান্য কুড়াইতে নিবুক থাকে, ভবে জাগামী বংগবের কুষি कार्यः किन्नेटन मन्नोमिष इंहेट्व ? व्यक्तव वाय জ্ঞাগামী বর্ষের কৃষিকার্য্য সমাপন করিবার উপায় নাই। ইহার চারিটী কারণ আনুচে। প্রথ गड: अक्षरमान लाकन था। जडवर्ष कारनका ाकडू व्यक्षिक इस माड़े (य. उष्यादाहे व्यक्षिक शदि आम উक्त धाना मकन रखनक रहेरव। विजी য়ত: ষ:হারা জন্যান্য স্থান হইতে ধান্য কাটিয়া বান্য লইবার প্রভ্যাশায় আসিত, ভাহায়া ধান্যের ত্তিশা দেখিয়া তাহাতে ক্ষাত ইইয়াচে। 'कृषीव्रक: क्रवकर्षकः अभावसङ्गकन वर्णतं यूनः इंकूर्य**ण: -कृषिक**ार्यात्र भक्र**हे** क्षयान महाम्रः গরুর রক্ষার জান্য ধান্যবিদ্বীন বিচালী সকল্ কাটিতে হইবে। ভাহাতে চুঅন্যান্য বৎস্বের नात्र मध्य व्यावनातः। कात्रन् सार्वात भाष्ट् व्यात 'छ छुनि इग्नाहे : 'अ० धव ्छे**छ**्थान (गकल नक्षरस्त्र राधन काल नक्ष्णनास् हित्सा यात्र ना ज्यम ऐशत कार्यकारण च (पराध न धर्माध হইয়া মন্ত হটবে। শশঃ িমের ফল অংক্তি শীপ্রই রৌদ্র ও শিশিব প্তেনে সময়, ইহার৷ বিচালীর <sup>ট</sup>নয়নগোচর ধ্রুয়াছে ট্রাজ্যবে সামান্য তঞ্জ मीरक शिवा कुछनाकारत विज्ञाम करतः भीष विकित्त विक्रित विक्रित विक्रित विज्ञा विकास অবস্থা শেরে যে কিরাগ ভীষণাকার ধারণ করিবে, ভাষা প্রজাননের ব্রিটিস গ্রন্মেন্ট, এবং मञ्ज्य া জনাত্রই অমুক্তর করিতে পারেন।

> त्मामश्रकारम कि । अभिमानम्बद्धाः सम्ब्रह्मि छे भारत নিদিনিত হুইয়াছে, ভাছা প্ৰসিদ্ধ বলিয়া যোগ म्य ना। स्पर्केषु से निर्माय की विक्कानवाली স্থুতরাং তাহাদিগকে কিব্লুপে গুড়াচণ দ্বারা निवादन करा या**इएक भार**द ? (य সময় প্রথমক: फाराती मस्तित नग्रनताहर स्त्र, जाहात ज्यत

<sup>(</sup>১) এস্থানে অত্যন্ত বর্ষা হয়। এই স্থানেরই नित्यस छोव निशो इहेल ।

<sup>(</sup>२) अष्टा फाष्ट्रा द्विरामर्थ (बारनात नाष्ट् করিয়া রোপণ করা হয়। কী দকল এখানেও প্রস্তাবিতরণে বছাতর অনিষ্ট**্**সাধন করি श्राट् ।

<sup>( &</sup>gt;) अवाहना चात कि कार्य। इहेर्द ?

বাহিত পরেই উহারা বহুসংখ্যক ও বহুস্থানব্যাপী
হইয়া উঠে। উহাদিগকে দেখিয়া বোধ হয়
থন উহারা আকাশ হইতে প্রবল বারিধারার
ন্যায় ভূপতিত হইয়াছে। বর্ষা অধিক হয় বলিয়া
ভূমিতে স্থানকলে ২০০ হস্ত পরিমিত বিচালী
পড়িয়া থাকে। ভূমিকয়্ণসময় ভাহা দগ্ধ
করিয়া কেলাইবার রীতি এপ্রদেশে বহুকালা
বিধি প্রচলিত আছে: অতএব উহা ভবিষাতের
কীট নিবারণের উপায় বলিয়া এছণ করা
ঘাইতে পারে না। অবশেষে পাঠকগণ! একবার
এ ছর্দ্দশাপর কৃষকের প্রতি দৃষ্টিপাত করন।
উহার) কি ভাবাপর হইয়াছে?

জ্ঞাননীরে, দূতবজে বাজিরাখি, যদি
সম্মুখে, বধ্যে পুজে, শাত্রব ছর্মান্ড।
ভাতে জননীর মন, যথা জ্ঞামতা
হৈতু হয়, বিবাদে আকুল। দেই মত,
কুলীবলং মাঠে হেরি, নির্দিয়, নাশক
কীট, শীষচ্ভে ভূপভিত ধান্য, করি
হাহাকার, কান্দিভেছে, হইয়া আকুল,
দিবানিশি, জন্য কর্মা,ত্যজি এক মনে।
জ্ঞানা রাজসাহী।
বস্তুমার সরকার
১২৭৫। অগ্রহায়ণ্

্ কৃষ্ণনগর প্রাহ্মসমাজের ভিক্ষা।

সবিনয় নিবেলনমিদং---क्रम्पनगत् बाक्कनमासग्रह भूनः नरकृष इहे ্ডছে। উহা অসুন সাজে চারি শত টাকা ৈ ৪৫+ ) ভিন্ন সম্পন্ন হইবে না। প্রায় মসো विध हेरात कार्या कात्रण रहेग्राहरू विश्व कार्या खारबायुक्त अभिर्वाष्ट्र कालाज बहेब्रा किंदिन मा १६ महत्यांनेत निमित्त श्रीप्त पृष्टे चक ग्रीकः চাদা আক্ষরিত হইয়াচে এবং ত্যাদ্যে এক শ্ভ প্রিশ টাকা সংগ্রীত হইয়া সমাজসংস্করণে দত্ত ষ্ট্রাছে। আমবা ভারতব্যীয় কতিপর প্রধান প্রধান ত্রান্ধাসমাজ ও জীয়ুক্ত বাবু সভেক্তেনাথ ঠাকুর প্রভৃতি কভিপর মহাত্মার নিকট ভিক্ষা क तम्रा अःमितिस्थ इहेएछ छिशक्क्षण इहेम्राहि। अकरन वालनात मञ्चल लाठकवर्णन निक्ट लविनार्श, जिक्का कतिएडडिए स्व, अभन कि कलकिक মাজ্র প্রদান পূর্দাক জামাদের এই স্থাবেসময়ে সঙ্গ্রেড। করিয়া বাধিত করন।

দানাভিলাষী মহাশাষ্ত্র। কৃষ্ণনগরস্থ প্রসিদ্ধ । জ্রীষ্ট্রজ ব বুরামতমু লাহিড়ী মহাশাষ্থেব নিকট। পাঠাইলে প্রাপ্ত হঠব।

> একান্ত বশস্বদ কভিপয় জ্বান্ত কৃষ্ণনগর।

্রপ্রক্ষাব্যার কেশবচন্ত্র সেন ও উচ্চার প্রতিবাদকারিগণ ।

(कनव वायुष्क नहेश्रा जरवानभट्ड (चात्रक्र व्यात्मानन हतिएएह। এउ दिन व्यामना निल्यस **कारत प्रमान कतिलाम। हेश्र छथा स**्मिनात ामश्चित्र **कामानिट**शत्र धका**ख अरुट्टका** किल अवर যভছুব জানিতে পারিলাম ভালা সাধারণের গোচর করা আবশ্যক বোধ হইতেছে। রুখা গোলমোগ করা **बिम्मक । ६ काशूक्र ए**वत नार्वे। । য'হাতে সভা, পৰিব্ৰেডা ও শান্তির রাজ্য বিস্তারিত হয় তাহার উপায় চিস্তা করাই সাধু मिर्गत कर्डवा। **श्रथा**य ব্রাহ্মধর্মপ্রহারক জীযুক্ত বাবু বিজয়কৃষ্ণ গোন্থামী ও ভাঁহার সঞ্চী ছই এক জন কেশব বাবুর প্রতি গুটিকত ত্রান্দোর পৌত লকপ্রায় ভক্তি দেখিয়া সংবাদপত্তার স্কায়ভাষ্যরা ভাকার অপনোদনের চেষ্ঠা পান। ভাঁহাদিগের অভিপায় যে শুভ ভাহা কেনা चौकात कतिरवन ? अरनक अरनक धर्माश्रहातक ঈশ্বরবিভার বলিয়া পুজিত হইয়াছেন। কেশ্ব वायु व्यमाधात्रव धर्मानिष्ठीक्षात्रा लाकिन्दिशत मन যেরূপ আকর্ষণ করেন, ভাহাতে ভাঁণার প্রভিত্ সেই সংশয় উপস্থিত হইতে পারে। যাগ হউক, বিজয় বাবুর শেষ পত্রশ্ব:রা স্পষ্ট প্রভীয় मान स्टेट्फ एक (य. किमर वांबू निरस कांन माट्य मार्थी नट्टन, काहान विषातित्व क्रमधा वावराहरू कन्नुरवारभव कावन। अक्टन अश्वान পত্র ঘোষণাঘারা কি ফল লক্ত ক্র্য়াছে তাক্ এক বার অন্ত্রণাবন কলিয়া দেখা যাউক ৷ কেশব বাবু সাধারণের নিদ্দা ও উপহাসের আক্ষাদ हरेग्नाइन । वाहाता (वाहाता कार्यता (कन्त বাবুর সহিত বিশেষরূপে পরিচিত উাহার: स्रनश्चवामधाता हालिक इत ना ३ किन्छ वाहामणी, ধর্মজনয়সূম্য, কৌতুক্তিয় কজিলৰ আমোদ श्रामातम्ब अक्षेत्र श्राप्त विषयः श्रीस्थार्डनः अमन कि बरनक अश्वाहराज्ञ अभावका ना मिर्गत चार्कावक अमार्था । अभाक्षीयः अति कांग कतिहा এই मलात मध्या श्रीवष्टी इहेग्रा (इन। मधानयः। हेर्गापिट्शतः अस् (तटवहनः (रेषु यक्ति माधातरवत मरन खांख मरकाव मशाव **হয় অথবা কোম নিজলক্ষ ব্যক্তিব যাশাহানি** হয় ইহার৷ কি ভলিমিত ঈশ্বরের নিল্ল আপ नामिश्रातक माश्री महन कहतन ना ? व्यास्ता दक्षाव বাবুর দেবেশদেবাষ্ণের পর তাঁলার স্থিত বারং বার সাক্ষাং ও কৰোপকখন করিরা দেখিলাম, ডিনি পুর্বেষেরপে সরল ছিলেন এখনও সেই রূপ আছেন এবং আপনাতে ঈশ্বত্তের ভারোপ

করা দুরে খাকুক, ডিনি আপনাকে ছমাল ও भाभी विवश चौकांत्र करत्व अवर जाभनात्र ও অন্যের জন। ঈশ্বরভিন্ন অন্য কেহ্ মুক্তিদান্ত। बाहे, पूछक्र वाक कतिया थारकन विक्रम बाबूता जरवामभाजात माहारमः (स यान (जाहा দিগের মতে ) দোষী ব্যক্তিদিগের উপর প্রক্ষেপ कतिवात मानम कतिशाहित्सन, छांश वच्छ हः এক জন নির্দ্ধোধী সাধুত্যক্তির উপর পতিত হইরাচে। ইহাদারা জাঁহাদের স্বাধীন ভেজ প্ৰকাশ পাইয়াছে : কিন্তু প্ৰসাঢ় বিজ্ঞান্ত কারে কার্য্য না করাতে ভাঁছারা অনেক জম ও व्यतिरचेत् ,कात्रम श्हेशार्टम । विकास वात्रक আম্রা বেরুণ ভয়গ্রহাত ও গম্ভাবাপর विविश्वा खानि, ভाराइ डाँशांत भिष शक्क्षानि श्रकाभिष्ठ ना रुरेटन जामानिरगत्<sup>9</sup> मन विवन সন্দেহে আকুলিত থাকিত। তিনি যে এক শুভ উদ্দেশে অন্য এক বিপরীত করিয়া ফেলিয়া ছেন, ভাষা বুঝিতে পারিয়াছেন। সাধারণে विर्वहन। कविट्ड शास्त्रम (य, अनमस्य क्लब বারু প্রকাশের কেন জাপনার নির্দ্ধেরিতা স্থ মাণ করুন মা? একখা বলিবাব কাহার অংধি कात कार्ट्ड ? फिनि यथन .मायी नरश्न, फथन নির্ফোযিতা সঞ্চমাণ করিবার জন্য বাধ্তি नरहन। छिनि मिटकत तथा निम्हा स्व स्थिनिएक ছেন বা এমত ব**হে**; কিন্তু তিনি সাংসারিক লোকের ন্যায় লোকের প্রশংসালোচ্ভ বা निकाकत्त्र यकि नीयमान ना हहेग्रा काशना আপনি ঠিক থাকিয়া কার্যনোরা আপনার পরি চয় দিতে থাকেন, ঈশ্বরের নিক্ট ভিনি অণ রাধী হইবেন না। প্রতিবাদকারিলণ উচ্চার ≦नचरक नाथाइटयत्र महत्र (य कूनश्यकोतः कार्याङ ভেছেন, ভাহার নিবারণ করা ভাহাদিলেরই বিশেষ কর্ত্তব্য।

বিশেষ কওবা।

এই স্থাল সাধারণ ব্রাহ্মগানের প্রতি আমা

দিগের নিবেদন যে, একণে জ্ঞান ও খাধীন
তার কাল। উঁহোরা কোন প্রকারে যেন ইহা

দের অবমাননা করেন। ইহাছারা এক দিকে
পৌতলিকত ও কুসংস্কার ও অনুদারতা উংপর

হইতে পারে। ব্রহ্মধর্ম যেরপ জ্ঞান ও খাধীন
ভার ধর্ম, ইহাতে সেইরপ প্রীতি ও উদার ভাব

থাকা আবদ্যক। মূল মত ও বিশ্বাসে ব্রাহ্ম
সাধারণের প্রক্র থাকিবে; কিন্তু কৃতি ও অভাব
বিবেচনায় সামান্য বিষয়ে পরস্পারের মতেব
অবৈক্য দৃষ্ট চইতে পারে। ইহা খীকার না
করিয়া যাহারা অন্য আভাদিগতে স্ক্রিব্রুর

আপনাদিগের মতত্ব করিবার (চষ্টা) পাইবেন

काशाव जातम शक्तित्व अवर जाशक्तितावर्थ बार्ड अहे डिल्मना माथिक एवं नाहिं। मास्तिभूत क्रिका काशात मरमह अहे।

का अभि माखिनमंत्रिकः।

---000---

#### শান্তপুব ও ভাছার প্রধান 🗀 জভাব।

শান্তিপুরে জন্যাপি প্রায় ৬০.০০০ লো কের বস-ত আছে চাকা ব্যতীত বসদেশের (कांग भक्यम नगरत अख (मारकत वांग नाहे। निश्चनवरत्त माख्निभूत व्यविधाः व नरह । शूर्या श्रुर्ति अथात्म मश्क्र एउत् विस्कृत क्रकी किस। এখানে নদীয়ার তুলা পণ্ডিত ছিলেন কিন্ত এক্ষণে এ সমুদায়ের পরিবর্জ হইয়াছে। শান্তি भूदा विन्ताञ्चीलन कहा याहा किक्षि९ इहे ভেছে ভাৰ। কিছুই নৰে বলিলে হয়। বিদ্যা শিক্ষাব্যতীত চরিত্রের নির্মালত। হয় না। माञ्चिभूत क्षत्रीन मञ्जूषा आह्यः किन्न (य ধর্মনীতিদংক্রাক্ত লোধ কৃষ্ণচক্রের সময়ে ছেল ক্ষদ্যাপিও তাহা রহিয়াছে। বরং ওদানীস্তন নিল জ্ঞাতার উপরে ইদানীজন কালের বাহা দভতো, তশ্বধে হ্রা প্রধান আসন প্রাপ্ত **्रेगार्छ । अज्ञितकान मगार्य्यत अवस्था आ**ज्ञात ख মনদ দাঁড়াইয়াছে। এই ছরবস্থা দূর করা কর্ত্তব্য। কিলে শান্তিপুরের প্রকৃত উন্নতি হয়, কিলে ওত্ত্ৰত্য ধৰ্মনীতি ঘটত কলক্ষ যায়, ইহা क्रिजामा २३,ए५ एक ।

রাণাঘাট উপবিভাগের গৌঞাগ্য প্রভাবে ৰাৰু রায়শস্কর সেন তথাকার ভার পাইয়াছেন, রামশঙ্কর সেন এক জন প্রসিদ্ধ লোক্যখন জে, हे, डि, (रथून ও अप, छा. भो এট निका विखा গের কর্ত্তা চিলেন, সে সময়ে রামশক্ষর সেন ঢাকালালেকের সর্মপ্রধান ছাত্র বলিয়া খ্যাতি লাভ কবিয়াছেলেন। তাহার পব তিনি কয়েক ৰংগর বিশেষ স্থুখ্যাতির সহিত শিক্ষকত। করেন। ইহার পুরস্কারস্বরূপ ভাঁহাকে ডেপুটি मांबाक्षेर्वेद श्रम (मल्या इहेवार्ड अवर अक्टन বঙ্গদেশে যত প্রধান প্রোণির উপযুক্ত কর্মচারী আছেন, তিনি তাহার মধ্যে পরিগণিত। এব্যক্তি যাহা ৰলেন তৎপ্ৰতি বিশেষ মনো ৰোগ দেওয়া কৰ্ত্তৰা। উপৰিভাগেৰ ভাৱ পাইবা ৰাত্ৰ তিনি ভাহায় অভাব ওলি জানিতে পারি রাছেন। তিনি সম্রতি প্রস্তাব করিয়াছেন, লাভিপুরে একটা ভোলা ভুল্করা কর্ব্য। ৰখন কুক্ষনগর কালেজ প্রথমতঃ স্থাপিত হয়, ভখন অনেকে ভাৰা শান্তিপুৱে করিভে বলিয়া हिटलन। (कवन नमत मर्क्म। कृष्मनगरत इंड

লাপাডভঃ চারিটা বিদ্যালয় জাঁচে; ইংার মণ্ডেম্বৰণ্ডেম্ব ৪০০ মাত্ৰ ছাত্ৰ অধ্যয়ন কৰি ে इहा । श्वर्यसम्ब हेश्त मद्या हृतिहरू । शाश्चा अटिंड्स । किन्न आभन्न हः विक रहेनाम এकनी াবদ্যালয়ও ভালরপে চালিভেছে না। রাম नकत वांतू वरलम्, अवर्गरमध्येत विष्णानम् स्ट्रेस 🚁 ত্রগৰ তথারই গমন করিবে। ছাত্রদেয় যে वक्त रहेरव छोर। उहे बाग्निकीर रहेरछ পারিবে। বস্তুতঃ ল্যোকসংখ্যা ও ধনের বিষয় : এবেচনা করিলে এ জ্ঞস্কান মিথ্যা হইতেছে মা : ইনস্পেটর উড়ে া দাহেব এই প্রস্তাবের অনু মাদন করিয়াছেন। জ্ঞামরা ভরসা করি ডিরে नेत्र कार्विकान छ वनस्मीत्र शवर्गसम्हे এह ममञ्जीरमद्र काम द्याचाल कतिर्वम मा । भाल्डि পুর সারে মহকুমা নহে সভাগ কিন্তু যদি লোক শংখ্যা ও ভাঁহাদিগের অভাব বিবেচনান্ন বিদ**ে** লয় স্থাপন করা কর্জব্য হয় তাহা হইলে শান্তি, পুরে একটী প্রথম প্রেণির জেলাফুল করা কর্ত্তরে হইডেছে। ইহা না পাকাতে আমাদিগের একটা প্রধান জনপদের শিশুগাণ ও বয়স্কগণ ছশ্চরিতা রন্থিরাছেন। যদি আন্তিরিক্তা ব্যয়করা গবর্ণমেন্টের নিভাও অনভিত্রেও হয় ভাহা हरेल इंगलित आक्ष कुलाक माखिनुरत लहेश या ७३। कर्खवा । छ्रालि कारनरस्त्र आरर्षहे এकी শার্থা বিদ্যালয় রাখিবার কোন প্রয়োজন

ক্রীবি:

স্বিময় নিবেদ্ন :

মহাশর ! ভগলির চড়স্পাধস্থিত পলীক্রামে এবংসর আর্বাদি খোমের বড় প্রাছভার হই-য়াছে। প্রতেত্ক গৃহে প্রায় ছই একটা পীড়েড লোক পাওয়া যায়। দরিদ্র লোকেরা ঘার পর माहे कष्ठे भाहेरखरहा। একে सव्यापि इस्मना ভাছাতে कारात "Ib वरमत (तारात (मरा, लाक आंद्र अध्य छ हिकिएमरक्त वरम्र पित्री উঠিতে পারে নাঃ এথানে একটিও দাতব্য **ठिकिरमालय कोर्डे। यनिछ सङ्खल सूलिएनद्र** অনুবাহ ও দেশনি ভিষণা গুণে ভ্ৰালিতে একটা দাভবাটিকিৎসালয় অধিককাল আৰ্ষ ছিল এক্ষণে ভাষা চুচ্ছায় উঠিয়া পিয়াছে। ভাক্তর সাহেবদের থাতিবার প্রবিধা হয় ধলিয়া বোধ হয় চিকিৎসলেশ্রী এইরপ স্থানাভারিত হই

**जारा निश्व हरेवात वर्रायाज अविद्यादह । स्थानित** পাৰবঙী স্থানসকলের দরিত্র লোকেরা বিনা মূলে। চিাকং:সভ হইবে এই তাহার **অভিপ্রা**য় ট কিন্তু সেবকল লোক ছুই তিন্দ জোশ পথ ায়া চিকৎসা ও এঘৰ লাভ করিতে পারে না। চুচুড়ায় ভাদৃৰ লোক অল, স্থুভরাৎ হুগ লর ন্যায় তথায় দাতব্য চি:কৎসালয়ের প্রয়ো জনও ভাদৃশ নর। এদিকে সংক্রামক অব্রাদি ारा लात्क यञ्जनावास इहेर १६३ खानाक প্রাপত্যাগপ্ত করিতেছে। অধিকাংশ লোক অর্থ शैम, खेष्य ब्ह्यू कविट्ड वा १६१ क्रेन्ट्रकृत वाज नद्रा छिटिष्ठ भारत ना। এक्टी नाछ्वं। हिकिश नामज हिन, फारां उड़्मूरत नीफ रहेन। এঅবস্থায় গ্ৰধমেণ্টের সহায়তা অভিশন্ন আৰ শ্যক হইয়া উঠিতেছে ৷ ভুগলি, বালি, কেওটা, गाङ्गास, वं भारविष्या, स्वानम्**भूत, सि**ष्या, **ख**रवनीक्षकृष्ठि व्याम द्वारनत यक्षनात्र **का**रीत ইইয়াছে। আরও কত কুদ্র কুদ্র আম আছে আমি ভার্টের নাম করিলাম না ৷ এতওলি গ্রামের জন্য কি একটা দাতব্য চিকিংসালয় कछ एः १४। इय मारम्य स्मनः क्या अवर्गस्मर स्वेत উচিত বোধ হয় না? প্রজাদিগের বিশেষতঃ प्रतिष्ठ अक्रम श्रक्तां हिर्मत प्रक्रिमा (प्रविद्या निक्षित्व थाका श्रष्टा १९ मन अवर्ग २०८ के इन नत्र। छैं। इतिहास खुता १ अविवासत्र अञ्चलका न ক্ষিয়া উপায়বিধান করা উচ্চিত। আনাদের श्राच, इशनित निकट्डे धक्री हि.कश्यानम् এবং জ্রেবেণীর নিকট আর একটা চিকিৎসালয় স্থাপিত হয় : মুই জন নেটিব ডাক্রার ও কিঞ্চিং खेवध रहेटलाई काया निकाह ६३८व । अवर्गटमार्जेस काय भूना हरे(व न) > किन्न श्रक्तारमत श्रम क्रिक সাধিত ইইবে।

अन्छन भाग } करनक छ्गलि निवामी

কুৰকলণ : ভোমরা কায়মনোবাকে। পরিপ্রান क्षित्रा अवश्महास्टानत निक्रे अनुसारम् वस् रहेश। वाश किছू डिलाईन कर, कनकाइक धक দল উদাসীন লোক ভোমাদিগের সেই পার্জ মের ফল কাজিয়া লয় ৷ তোমর! তাহার ভ্যাঞ্জা ভাগ ( থোকা ) মাত্র পাইয়।, সাতিশয় জুঃধ সম্ভাপ অনুভব করিয়া থাক! ভোমার-ি গের এই বর্ত্তমান নিদারণ ছংখরাশি দুর করিবার व्यक्तिक माधानवीख क्षेत्र कितरण রাছে । কিন্তু মহন্দদ বুলিনের বে অভিপ্রার । ছেন > কিন্তু বাঁহার চেষ্টার ভোমরা কল্যানের

পার, সেই প্রধান রাজপুরুষ ভোষাদিগের এট भू: नक मू: थ मूत कतिएक व्यम्तानि क्षेत्रों व कन নাই : সুন্ধরাৎ অনে রে চেষ্টার কি হইতে পাবে ? কিন্তু এন্ত দিনে আমরা ভোষাদিগকে এক শুভ সংবাদ দিতেছি, বোধ কাব প্রসদীখর এত দিন পরে ভোমাদিলের সমস্ত ছঃখ দুর কারবেন। -

কৃষকগণ ! ভোমাদিগের প্রথসমূজি, বাঁহার अक्षात महरख्य अधीन, (मह ध्यमान द्राक्षशुक्रम ্য<u>ুক্তার ভার্ডরাক্টের</u> ভ*ী* শ্বর (ধিনি আসিতেদেন, ) স্বয়ং এক জন ∌हे सू । কুষক, তিনি কুষকের বঞ্জ হইবেন সন্দেহ নাই। কুষিকার্য্যে পরিমাণে পরিপ্রম ও যে পরিমাণে अर्थ्यात्र. (जामानिरगत वस् ভারতবর্ষের গবর্ণর ভেনরল ভাষা সকলই সূত্র জ্ঞানেন। ভিনি আপন কৃষি ব্যবসায় পরিভ্যাগ করিয়া এবং অভেল বারিরাশি লব্দন করিয়া ভোমারদিগের ছংখ দুব করিবার জন্য দূর্ত্তর ভারতবর্ষে আসিতেকেন। তোমরা এতকালের সঞ্চিত ছঃখ দূর করিয়। সেই ভারত বাজ্যের ফুডন প্রজুমহামতিলাড মের মহোদ ্বর আগমন প্রজীক। 🕶র, ডিনি ভারতবর্ষে উপস্থিত হইয়া ভোমাদিগের মনে!ছঃখ দূর कित्रियन।

কলিকা ভা **3२१६ माल बीटेकनामन'श वस्त्र**। ১৪ অগ্রহায়ণ

---:0:---

পর:প্রণালীসকল অপরিকার शंकित গ্রামের যেসকল অনিষ্ট ঘটিবার সভাবন! খাঁড়দত্তে ভাছার কিছুরই অসভাব নাই। সভা बंद्रि, वर्षाकादन कािजूष्टि नवस्त्रन সাধারণ্য অনেক অনিষ্ট হইয়াছে, কিছে পরিমাণ ধরিতে **भग्नः अनाली मक**रलव অপরিক তত নিব্দ্ধন অল অনিষ্ঠ হয় নাই: যুদ্যপি পুথ ঘাটসমস্ত পরিষ্কৃত থাকে, "পয়ংপ্রণালীসকল বাতিমত সংস্কৃত হয় ' এদে ৯ ও পানা গুর্ব পুক্ষরিণীগুলির পক্ষোদ্ধার ও পরিকার করা যাল ভাষা ষ্টলে কেদজনিত ছৰ্গন ও ছৰ্গ-কোৎপর মারীভার সম্বন্ধে সামানা উপকার खनिष्टे निवादन्यमा पर्म मा। अहेमकन এখানে একটি সাহাসম্বন্ধনী সভা প্রতিষ্ঠিত क्रेब्रार्टा 'मक' खबरा गवर्ग**रमन्हे** ता**रा**द भारवृत शहः खनानीकान (পারাট মৃত্তিকায় পুরিয়া ধাইভেচে দেখিয়া সেইওলি পরিছার : क्रिवाब स्वता चावाकश्रुत्वत कान्हेन्द्रमन्हे भाजि-্কেটের শিক্ট জাবেদন করেন : মাজিটেট ভঙ্গু

्माशाहन कार्ताहन करिएछ मक्त्र इहेटछ मिछ धनान कान्नित्न कार्न वात्रक रहे, अमन সমধ্যে এক জন সভাতে ক্ষরতাপর গোলাম मरहा⊭ः विक्र**रक्ष एकान्नमान हरेन्रा कार्यः**ः ক্রেট সাহেব শহুং আসিয়া ভাহাঁর আপাত খণ্ডন করিয়া যান। মাজিটেট সাহেব গমন कतिरमन, शुनर्कात कार्यप्रतेष इहेम, शूनर्कात शाचामी महासञ्च विञ्च खन्नाहरू नागिरनन अवारत ख्रित कतियारहर, माम्बरकेट मारहद উপস্থিত না থাকিলে তিনি কোনক্ৰমেই সভাকে **প**ग्नः श्रनामीित সংখ্যात कतिएक मिर्दन नः । **बी**युक-जमीनात মহাশয়ও ভাঁহার পক সম্থন করিতেছেন। ইহাতে ভাঁহা দিগের य कि का अन्ने ६३८७८६ काथना कविषाटक इहै-বার সম্ভাবনা আছে ভাহা ভাঁহারা ভিন্ন অপ-(রব বুঝিবার ক্ষমভানাই। এ দিকে গব<sup>‡</sup>মে ণ্টের '' অয়াটার পাইপ ৯ ( পলতা হট্তে কলি কাডা প্রত্ত্তে) ধারা, যে প্রধালীর অসুসরণ করিয়া পুরের আমের কোন কোন অংশের জলসকল নিৰ্গাক করা হইত, ভাহা বন্ধ হইটাচে সুভরাং একটী সুত্র প্রণালী করিয়া গলা वा चार्टर मर्ज मशर्यांत कतिया मा निर्त আমের সেইসকল অংশের জ্ঞাল বাহির হই বার আব উপায় নাই। এই সূতন প্রণালটী কর্ত্তন করিবার সময়ও কাহার কাহারও আপত্তি করিবাব সম্ভাবনা আছে ৷ ইহাতে ভাঁহাদি-পের আপাততঃ কিঞ্ছিৎ পরিমানে ক্ষতি হুইবার সম্ভাবনা, কিন্তু পরিণামে জাঁহারা যে কন্তপরি মাণে তাহার পূবণদক্ষপ পুরস্কার পাইবেন, काश (वरवहना कतिरलई हिलएक भौतिरव) জগর পুরাতন প্রণালীগুলির সংস্কার সরকে কাতারও অকারণ আগত্তি করা নিভান্ত অবি বেকডা ও শোণিছোঞ্ছার কার্য্য সন্দেহ নাই: যাহা,হউক একণে যাহাতে এই শুভ कार्य तेष क्रुप्टांक क्रार्थ न प्लान रुन्न , जिल्लाहर गाँकि **উটে সাহেব একটু মনোধোগ করিয়া সভা**র कास्कृतः कहित्व (५८भत्र मर्गिकात कता ह्या। ভিনি অন্নং উপস্থিত হইয়াই হউক অথবা করিলে ভাঁছাকে প্রথম জিন বার প্রাভপংজি 🗸 পুলিষ প্রহ্রী নিয়োজিত করিয়াই হউক পয়: श्रवाली छिलित अरक्षांत्र में कताहरल बार्मित विरमय ऋषि हरेवाद मखावना । একাস্ত বশ্ধদ।

১० ३ फिरमबत्र ) কলিকাভ। **3**:---১৮৬৮ সাল

मृता थी थि। जीयुक वाबु रेवकूर्यमार्थ मिय বালেশ্ব ১২৭৫ পেট্য **হইডে ৭৬ অগ্রহায়ণ** 

» मर्गिक्य बक्र कनिकाला · ell " पूरमध्यादम रङ्ग शीखान्त 19: 🏚 মহিষ্টপ্রে চক্রবর্তী কালীপুর ১৬৫ দক্ষিণ পূর্ব্ধ বিভারে কুল ইন্ডেপ্টর ১৩

# সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকলী विट्यंघ निष्म।

ৰবিম মূল্য ও ডাকমা<del>তুল</del> না পাইলে য<del>়ুত্</del> বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না

हेरात पाठिय भूना वार्षिक ३० हाका अवर ব ্যাসিক ৫॥ - টাকা : মকখলে ডাকমাস্থূল गरमञ्ज्ञार्थिक ३७, बाग्रांत्रिक १ अवः देखमा-্রক ৩**৬॰। তিন মাদের সূ**চনে অভিন মুল্য এহণ করা বার না। ছঞ্জি, বরাতি চিটি, মনি-অডর, নোট ও ষ্টাম্প টিকিট, ইহার অন্যতর যাহাতে বাঁহার স্থবিধা হয়, ভিনি সেই উপায় দারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

याहाता डाप्पाणिकिक भाठाहरवन, साहाता যেন এক অথবা আধি আনার অধিক মূল্যের अ तमीरमत छिकिषे (अत्र ना करत्म।

যথন বিনি মকত্বল হইতে সোমপ্রকাশের মূল পাঠাইবেন, ভাহা ধেন রেজিটুরি করিয়া ঞীয়ুক্ত বারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-हेन्ना (जम।

বাঁহাদিলের মূল্য দিবার সম্প্রভাত হইয় वांतित, अक्षानश्रक्त क्षांगिष्क विवि লিখিয়া জানান ধাইবে, কাল অভীত হইত্ন গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাহার পর একমাসকাল প্রভীকা করিয়া কাগজ বন্ধ করা ঘাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং পাঠান श्हेरव ।

মতিলা রেলওয়ের লোণাপুর ে শনের ভাক যরে চিঠি আইলে আমরা দীয়া পালে।

गौरात्रा माञ्चल ना मिन्ना भद्भार । धार्य करि বেন, ভাছাদিগের সেই প্রাদি এহণ কর্। साईरत ना।

(कर् मामक्षकारण विख्यापन हिएद हे<del>क्</del>। व्याना जोहांत्र शद्ग 🖊 ১० व्याना क्रिएक हहेट्ट -विनि अधिक काल विकाशन हिवात हेका कति-्वन, डीशंत्र महिष्ठ चष्ठश्च बहुम्मावस्त्र हहेट्र ।

🕶 এই পত্র কলিকাভার দক্ষিণ পূর্বা মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চালভিপোভার জীবুক বারকানাথ বিষয়া-ভূষধের বাটীতে প্রভিলোমবার প্রাভঃকালে थकानिक रहा।

# (मायशकार्

35 # GIN!

F ACAU!

# प्रवक्तनां प्रकृतिविताय पार्थियः सरस्वतो श्रुतिमदती न दीयतां

মাসিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বাধিক ১০ দশ অঞ্জিম ধান্যাসিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা।

मम ১২१६। २२ व পीर । ১৮৯৯। हो बार्सित

্মক্ষতে মাস্ত্ৰসমেত জ্ঞিম হ মাণ্যাসিক ৭, ও জৈমাসিক ৩৬

# বিজ্ঞাপন।

হরিনাভি ইং ন° বিদ্যালয়ে ১৮% অব্দের প্রবেশিকা পরীক্ষাণী দিগের পাঠনার্থ একটী শ্রেণী করা হইবে। ঘাঁহারা উহাতে প্রবিষ্ট হইরা ভাগ্যনের বাসনা করেন, জাঁহারা ১৫ই জানুয়ারির মধ্যে প্রধান শিক্ষকের নিকটে নিয়মাদি অবগ্রত হইবেন।

৩০ ডিসেম্বর

1500

শ্রীভারকামাপ শর্মা ' হরিনাভি বিদ**ালয়ে**র অধ্যক্ষ।

মূজাপুর মেডিকেল হল।

১। এত দারা আমাদিগের ঔষধক্রকারক, স্কুল, সহকারী, ও সর্কাসাধারণকৈ জ্ঞাত করা যাইতেচে যে, দ্বিভীয় ত্রৈমাদিক ইপ্রেট সধ্যে অর্থবিশাভ '' প্রার্থ্য জ্ঞাদিক ইপ্রেট অর্থনার ভারতিক প্রার্থিক, ব্রিটিন প্রান্ধ দারা দান সহজ্ঞ চীকা মূল্যের উষধ পূর্দ্ধ প্রাপ্ত হওয়া দিয়াছে। এত দ্বির সম্প্রতি আমরা বিলাভ হইতে ইং সন ১৮৬৮ সালের শেব ক্রৈমাদিক ইপ্রেট সম্বন্ধে '' ব্রিটিন ফলাগ, কং আর বর, ও হাকিস ৯ নামক অর্থবিপাত ক্রম্বারা ৮৩ বাজ্য ইউরোপীয় উষধ প্রাপ্ত ইইয়াছি। এই সমস্ক্র উমধ প্রনাধিক সাত সহক্র টাকা মূল্যে ক্রম্ব হইয়াছে।

২। আগামী বর্ষের প্রথম ত্রৈগাসিক ইণ্ডেণ্ট উপলক্ষে চিকিৎসোপধাগী ক্ষন্ত ও শুষধ প্রস্তুত্তকরণের ও শুষধ বক্ষয়করণের নানাবিধ সামগ্রী ও সজ্জা ও বিবিধ ভৈষক্ষাদ ইং সন ১৮৬৯ সালের ফেক্সয়ারি মাসে বিলাভ হইতে পৌছিবে।

ত। আমরা অধিক পরিমাণে ও খুচরা উভয়ুক্তপে ইবদ বিক্রেয় করয়া থাকি।

ঃ। এই সমস্ত ভবাদির আসল বিধাতি। ফালান ও অন্যান্য দলীল কেং দেখিতে ইচ্ছুক

श्रेतन, जामशाष्ट को ति ७६ मरथाक ध्रथान अव धामात व्याप्ट वायू (माभीनाथ एवं निकंग किया मणावाणात की ति ६६ मरथाक जवतन डाक अवधानतात महात्वज्ञ की दुष्ठ वायू मन्मत्मा-भाग शामात्वज्ञ निकंग (मथिएक भारेत्वन हेचि।

কলিকাডা

্ ই ডিসেম্বর ইং সুন ১৮৬৮

वत्महाशाधात्रं अवर कार

-: 0: 0:-

### ষৌবনোদ্যান। ও জন্যান্য কৰিতাবলী।

শ্রীরাজকৃষ্ণ মুখোপানারে এম, এ, বি, এল বিরচিত। মূলা ১০ চর জানা। ১৭৬ নং কর্ণ ওয়ালিস ফ্রীট সংস্কৃত পুস্তকালয়ে পাত্রা বার।

# बीताकश्रकम् (चानाचाम् ।

ইদানীন্তন ত তথল অসং লোক অর্থলাল সারি বশবন্তী হট্য়া অনেরে অন্তলোপপূর্যক গ্রন্থসরণকার্যে প্রবৃত্ত হইয়াছেন। উচ্চারা বিহিত অমনা করিয়া অনেরে বহু আয়াস সম্ভূত গ্রন্থের ভোন অংশ একটু ওলটপালট করিয়া সেখানি নম্ভের "সংস্করণ" বলিয়া প্রচার কনেন এবং ডাহাদের সৌজাগাবশক্তঃ হর ভ এরাপ গ্রন্থের স্থলবিশেষে সমাদর হয়। সংস্কৃত গ্রন্থসরবে এই শোচনীয় ব্যাপার প্রান্থ

সাধারণ্যে এই একটা সংস্কার আছে সংস্কৃত গ্রন্থে বাজিবশৈবের আমিকভা নাই প্রভাব গে সেমনৈ করিলে ছাপিতে পারেন। আর বভ প্রভাব করিয়া রুমত পরিভাম ও চেষ্টা করিয়া কোন প্রচীন সংস্কৃত এতের নষ্টোভার করা হউক মা, কেই খনে করিবে

অমনি দেখানি চাপতে পারেনু লোকে
ধাল দিবার মত কছু পরিকর্ত হ
ইউনিবলিটাতে সংস্কৃত প্রবেশ ক্ইরা
এরণ উপত্রের বাহুল্য দেখা বাইং
ক্রেম সংস্কৃত পুস্তকে বটতলার বা
লাগিতে চলিলা।

পরত্ত আমার প্রকাশিত বেশীসংহার কের প্রতি এরপ অভাচার না ঘটে, নমত্ত বিজ্ঞাপন দিডেছি যে প্রীযুক্ত অগ্ন হন ডকাল্ডারকৃত জীকা সহ বেশীস নাটক থানি রেজস্তারি করান গেল, যদি ডকাল্ডারের অক্নমত না লইয়া তাঁলার সংস্কৃত বেশীসংহার নাটকের পাঠ বা লইয়। আপ্নপ্রছে নিবেশিত করেন হইলে কাপিরাইট আইন অস্কুসারে ভাহ নালিস কবা ঘাইবে।

क निकांका र्रमर्वेदन है जिस्मातमाथ

মজিলপুর নিবাসী জীবুক্ত বাবু
চক্তবন্তী "মণানায়' ( উাহার ক্রি
আমাকে উাহার স্থাবন্ধ অস্থাবন বাবন্ধ ভির রক্ষণাবেক্ষণের ভারাপ্র ক্রি
আমার অভ্যাতে ও সমতে উক্ত সম্পর্য কেচ ক্রয় বা বন্ধক গ্রহণ করিবেন না।
মঞ্জিলপুর
১০ই পোষ্ঠ জীগোপাশ্চন্দ্র চক্র
১৭৫

४ हे स के है भाष, हेर्द्राक्की २० अ काञ्च्याति वृष ७ त्रहम्भक्तित हुन्ह विम्हानद्वत क्षर्वानका भदीका हुन्ह सक्त विमय मकरन भदीका जन्म महा

আংতিলখন ও হস্তাক্ষর। ভাষা ও বংকেরণ। শাসী পশিত। বত্তে। পুজনালয়ে ও কলিকাতা নৃত্যাল বিদ্যালয়ে বিজ্ঞান বিজ্ঞান কৰে আছে মূল্য । মাজ ।

জীক্লুককিলোর বন্দ্যোপাধ্যায় ।

তেতে, যে আলা ছই প্রছরের সময় রামশরণ কুড়মীনামক খানসামা চারলস নেফিউর ঘরের ১৫২০৪ নম্বরের গোল্ড হানটীং বিপীটার ঘড়ি একটা, মূলা ৭০০ শত টাকা ও গলার লোনার চেইন ১ ছড়া ১০॥ ভরি মূলা ৩০০ শত টাকা চুরি করিয়া পলায়ন করিয়াচে, যে বাজি এই ছই বজ্ঞ আমাকে বাহির করিয়া দিতে পারিবেন ভাছাকে ১০০ টাকা পারিভোষিক প্রদান করিব।

বয়স ১৭। ১৮ বংগর, বর্গ কাল, বাবরি নল সম্পুথের দিকে ছাটা, অবয়ব দীঘাকার. াসিকা কিঞ্ছিৎ দীঘ, সমুখের ছইটা দাঁত ক্রমণ উচ্চ, দেখিতে ফুক্রী নয়, শরীর কুশ, প্রাটনা অঞ্চলে বাড়ী।

চাকা জুমরাইল ১৩ ই পোষ ১২৭৫ : সাল

# निवाद नहीं।

সন ১৮৬৮ সালের ডিসেম্বর মানেব ১৫ ই ছইতে ২১ এ পর্যক্ত ভাগীরথী নদীর সর্কাকমতি জলের সাপ্তাহিক রিপোট /

স্থানের নাম সক্ষকমণ্ডি জল ফুট ইঞ্চি

মহানার উপর প্রান্দীতে ১৪ <sup>স</sup>্মহানায় ৮ <sup>৯</sup>

ভথ ধইতে জাজিপুর ১৩) সাইল মধ্যে ১ ৩

জ্ঞান্তির হার্ড বছরমপুর ৪৬ মা**ই**লের মধ্যে ২

৪- মাইলের মধেং ২ বিকার কাটোয়া হইতে নদীয়া

8 ७ मा**हेल मा**पा २ ७

পন ১৮৬৮ সালের ২৮ ডিগেছর বছরম পুর সঞ্জয়টের জালের মাপ।

> গজের উপর ফুট ইঞি ৯ •

এছরমপুর ২৮ ডিসেম্বর ১৮৬৮ ৷ ) শ্রীযুক্ত সি. ই. উইদ্ন } একজিকিউট্টিব ইঞ্জিনিয়র বহরমপুর ডিবিজন। কোমপ্রকাশ। ২২ এ গৌব সোমবার।

अवाह स्तिमाणि है। नः विवासितात्र 8 मि साज आविनाका शतीकात्रीमार्थ शमन कतिश्वास्तिन, छाहात मध्या ७ शि छेजीर्थ स्टेशास्त्रनः

শিক্ষাবিভাগ।

শিকাবিভাগছ আগা গোড়া সমস্ত लाटकरे धरे वित्रा चाटकश कहिया पारकन या, अहे विजाशक कर्या हो बिर्मत थां विषय नारे, नक्षाधाण जिल्लाकेत मारहरवत्र मरनारयान नाहे अवः नवर्गम প্রের বিলক্ষণ ভাক্ষীল্য আছে। ভাঁহার। এরণ আফেপের কারণ প্রদর্শনার্থ करहन रव, ६ वदमत हरेन रहाँ मिरशत গ্রেড ( অর্থাৎ পদাসুদারে বার্ষিক নিয়মে বেতনর্দ্ধি) হইবার হইয়াছে। ওরূপ বেতনরদ্ধির তাৎপর্য্য **এই যে. এই বিভাগত কর্মচারীদিগের** আয় অপেকাক্ত অল্প: ইহাঁদের উপরি लाख नाहे : व्यथि हेहाँ मिश्र कहे भनाक मर्था गर्दा धकात उप्रका तका कतिहा চলিতে হয় এবং সমগ্য ক্রমণই যেরূপ হইয়া উঠিতেছে তাহাতে অম্প আয়ে এবং বরাবর একবিধ আয়ে ভদ্র লোকে আর মান সম্ভাম রক্ষা করিয়া সংসার চালাইতে পারেন না; স্থতরাং অধিক আয়ের জন্য তাঁহাদিগকে বিভ্রত হইয়া (वर्षाइटक इम्र: काटक काटक है व्यनटकाम ও কর্ত্তব্য কর্মের প্রতি ত্রিদাদীন্য হয়। जाहा ना इदेश कर्माहातीता नखरीहिएड कार्य। निकाह करतन এवः ভान ভान लाकमकल এই विভाগে शाशी हहेशा গ্রেডস্টর থাকিতে পারেন ইহাই উদ্দেশ্য। গ্রেড इहेल ; কিন্ধ কাহাদের হইল ? যাঁহারা পাঁচ শত টাকার অধিক বেতন পান, তাঁহাদের! পাঁচ শতের অধিক বেতনভোগীরা ক্রমশঃ

বৰ্দ্ধিত বেভন পাইয়া এ ডিপাৰ্টমেন্টে काती रहेता थाटकन, देश कारातछ म्बर्धार्वनीय मटर : किस अप्रेश क विदेव চনা করা উচিত বে. যাঁহারা, অধিব ( ८ भ द! खर्बिक) शान, डीवाटबः आंबर पानभाक नाम निकार रहेश पर भारे किছू मा किছू तक्षा बाटक ; छाँशह चात्र विक शहित के मक्षत्रवाता व्यक्तिं हरेद । किन्ह याँ होता अल्ल বেতন পান, তাঁহাদের অন্নবস্ত্রপং ছাঃ পরিবারপ্রতিপালনেই उाहाता किছू अधिक शाहेरल डाँहास्त्र ঐ ক্ষেত্র কতক নিবারণ হইয়া অভি রত। হইতে পারে। অতএব এ ছলে ই बिटबंडा एवं, क्यांन शरकते (बंडन ही क्या मर्कार्थ कर्डवा २ वर्षि ७ (वर्ड পाईटल गाहाता अधिक समा कतिहर পারিবেন ভাঁহাদের ৭ না যাঁহারা ভ বক্তসংগ্রহের স্কন্য অন্থির ও লালায়ি ভাঁহাদের ?

ও কথা ত্যাগ করিয়া আবার দেখ मारहविषरभव ध्या इहेवांत शत, नि শ্রেণীয় দেশীয় শিক্ষকের। আপনাদে इक्ष बानाहेश जेज्ञल कान ज्यार ৰার জ্বন্য ডিবেক্টর সাহেবের নিক ष्यार्दाहन करतन এवर " षांभनार বিষয়ে বিবেচনা করা যাইতেছে '' এ ভাবে উক্ত সাহেৰের নিকট ছইতে উ' প্রাপ্ত হন; কিন্তু আজি ৪ চা বংসর হইল, অন্যাপি সেই বিবেচ (कान कलाई लिकिंड इहेल न।। টে জারি পোষ্ট আফিনপ্রভৃতি গবর্ণ व्याकिमच्च (क्तानीनिश्वत शर्याच ( হইয়া গেল, সম্প্রতি আদালতে লাদিগেরও গ্রেড হইন্ডে চলি-হতভাগা দেশীয় শিক্ষকেরা ভাকাইয়া রহিলেন। ইহাঁর: পাপে অসিয়া শিক্ষাবিভাগে ক্রিয়াছেন, তাহা জগদীখার

198 1

ভাগ ভারতবর্ষের ইতিহাস।

ক্রীযুক্ত এচ, উড্ডো

বাঙ্গালার মধ্যবিস্তাদের

স্কলমমূহের ইনশ্পেটর

ামী ২১ এ জানুরারি সুহস্পতিবার তা নশ্মাল বিদ্যালয়ে এবেশার্থাদিগের আরক হইবে। পশ্চালিবিজ বিষয়ে স্থিত হইবে। সম্প্রতি ৪। ৫ চী ৪ প্রতি খালি হইবার সপ্তাবনা আছে। পালা সাহিত্য ও ব্যাক্রণ ক্ষে নশ্মিক জগ্নাংশ পর্ব্যক্ত ক্রিলার ইতিহাস। ভূগোলের চারিজাগের শ্ব্ল স্থ্ল বিষয়ের ন্য

াচনিক পরীকা আর্ত্তি ও ব্যাখা।; গ্লিকাভা ৯ এ ডিসেম্বর সঙ্চা

াসিতের বিলাপ মুদ্রিত হইয়া প্রকাশিত
। পুত্তকের কলেবর ৮ পেজী ফরমার
। অর্থাৎ ২১২ পুঞ্চ। মূলা ৮০ জানা
আবশকে হয়, ঠনঠনিয়া সংক্ষৃত ঘত্রের
য়ের জাধবা পটোলভাজা রাজুর্মের প্রারের
র পুত্তকালয়ে অনুসন্ধান কারলেই
ইতি।

শাল ব্যহায়ণ ্কলেজ

سب <sup>و</sup> ه ع سب

্বারা সংস্কৃত পুত্তকালয়ে ও পটোল কুর্থ্যে আধার কোম্পানির দোকারে বৈ মংপ্রচারত নিম্নিখত পুত্তকগুলি তেতে:—

| <b>এ</b> ণীত    | ह्ना |       |
|-----------------|------|-------|
| াবইভিহাস        | 7    | हेरका |
| মইতিহাস         | 7    | 包     |
| পেদার ব্যক্তর   | )    | আনা   |
| ভিবার (১ ম ভাগ) | ل    | \$    |
| ≱শার (২ র ভাগ)  | J    | À     |
| প্রচারিত।       |      |       |
| वाध वर्षकत्व    | Ŋ    | افي   |
| ঐঘারকানাথ শগ্মা |      |       |

#### बविध खबालि बिक्नशर्थ

#### প্ৰস্ত ।

ইংরাজী বালাল। পুত্তক কারাল কলম নাম।
বিধ দ্রবাদি পাওয়া ধার এবং পুজকাদিতে

/ এক জানার হিসাবে কমিসন দি। আদিক
টাকার পুস্তক লইলে /১ জানার হিসাবে
পাইবেন।

শ্রীগুক্ত বাবু কালী প্রসন্ন সিংহ মহোদন্নপ্রণীত নাদ্য ১৮ পর্ক মহাভারত ১৭ খণ্ড ৩ ভাগে উত্তম সংগত ফরা

লগুন ফারমা কোপিয়া অর্থাৎ উষধ কল্লা-বলি ২॥•

মহন্দরে জীবনচরিত উত্তম রঞ্জিত ১ হরুঠাকুরপ্রভৃতি প্রাচীন ক্বিওয়ালাদিলের

গীতসংগ্ৰহ
শারীরিক স্বাস্থ্যবধান
প্রশারীরিক স্বাস্থ্যবধান
প্রশারীরিক স্বাস্থ্যবধান
প্রশার উৎকৃষ্ঠ কাব্য
আব্ধ সন্মিদ দান্তিনী
প্রথম তর্মিদী
বছনাথ ঘোষকৃত সংগীতমনোরঞ্জন ২

ন রনামজনুত্র কাব্য কবিবর হারকানাথ রায় প্রশীত রানরসামৃত সংস্কৃত ও পদ্য ॥ গীতগোবিক্য জার্দেব গোঁখামি প্রশীত মূল

ও ষছনাথ নায়পঞ্চাননকত গাদ্য ১।
কৌতুক ভরঙ্গিলী ইংরাজি কেমেষ্টারি হইছে
বিবিধ আশ্চর্যাজনক বিদ্যাদশন হয় ১৯
প্রতিমূর্তি সহিত ১২৭৬ সালের ফুল পঞ্জিকা॥
ঐ হাফ প্রিকা

মুগ্রিফ্র প্র 3 ক্ষলভাৱিণী 1) সচীক ছত্ত্বী মুল ও অপ্রবাদ সহিত हतिकमध्यती देशटक मिछेमिनित বিষয় বিশেষরূপে বর্ণত হইয়াছে 51 . हेरवासि ১৮७५ मात्यत अहे।त्य की الا কুমারীকুমার পদ্য আদিরস্প্রধান কাব্য ১ স্বপ্নের মোহিনী শক্তি 1/ গণেশচক্ৰ শৰ্মাকড ৰাজনা এটলাস উভয কাগজে ও উত্থম অক্ষরে মুদ্রিত . বিগ্ৰাবিশাছ নাটক

কামিনীকুমার রসরত্বাকরাস্তগত নায়ক নামিকাঘটিত সুরস কাব্য

মণিকুওল। কাৰ্য প্যারীমোহন বন্দ্যোপা-ধ্যায়প্রণীত ছর্গেশনন্দিনীর মত লেখা ১ উষ্পসিদ্ধ লহুরী ২॥• ভূচিত্রাবলি ৩২খানি বালালা নাণ ক্ষিত্র ক্ষিত্র হৈতন্যচরিভামৃতগ্রহ প কাদ্যিনী নাটক আইনসংযুক্ত ২ থণ্ড একত্রে ২ উবাহরণ পদঃ

হিতোপদেশ বিষ্ণুশন্দার সংগৃহীত ।
কলিকাতা জোড়া- স্থানিকা ৬৪ নং নগদ বিক্রেডা।

# পুরাণ প্রকাশ। বিষ্ণুপুরাণ।

অভুবাদও টীকা সমেত প্রত্যেক খণ্ড ৮- পৃষ্ঠা ( অগ্রিমমূল্য ) ॥• ।

যিনি গ্রহণাভিলাধী হইবেন তিনি মৃজাপুর আমহরষ্টক্রীট ৩৪।১ নং ভবনে কাব্যপ্রকাশ যন্ত্রে অথবা কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে জ্রীযুক্ত জগুগোহন ত্র্কালস্কারের নামে যত ধত্তের ইল্ছা অগ্রিম মূল্য পাঠাইবেন। অগ্রিম না পাইলে বিদেশে বিষ্ণপুরাণ পাঠাইবার নিয়ম নাই ইছি।

#### বিক্ৰয়াৰ্থ।

গারভেন রীচ ২৪ নং বাদী গুলামসহ

উপরি উক্ত বাগান ও বাটী যাঁশরা কর করিতে অখনা লইতে ইচ্চা করেন, নিম থাক রিভ ব্যক্তির নিকট জানাইখেন।

> গিলেণ্ডারস্ আর্চো-থনট এবং কোং

হালিসহব নিবাসী জীয়ুক্ত বৈকুণ্ঠনাব গুপ্ত কলিকাতার অন্তর্গত জোডাসাঁকো বারাণদী ঘোষের জীটের সদ্যে মৃত রাধানাথ কুণ্ডের দরণ ভূমি গাছার খরিদা বলিয়া উহা বিক্রবার্থ সংবাদপত্রে ক্রেড্গণকে অক্সান করিভেছেন আমি এডেন্থারা সকলকে জ্ঞাত করিভেছি যে, উক্ত ভূমি ভাঁহার খরিদা নহে এবং কেছ যেন উহা ক্রের না করেন।

কলিকাতা চোরবাগান ৪ঠা পৌৰ ১২৭৫

্রীচন্দ্রমেশর কুপ্ত

মংপ্ৰণীত কবিভাকুসুমাঞ্লি সংক্ত

..............

। हे विভাগের কয়েক अन समीध कर्य ারী গ্রেডের অন্তভূতি হইয়াছেন ाठा ; किन्नु इंशाटि चानतानत कर्यहा ীরা অধিকতর বিষয় হইয়াছেন। এই ধ্যাদ ভাঁছাদের শঙ্গাতীয় ভ্রাভূগণের ্লতি দর্শনজনিত ঈর্ব্যাবশতঃ নতে; ক্ৰন হতাশতা বশতঃ। তাঁহারা ভাৰি शार्ष्ट्रन रा. यथन डेक्ट डेक्ट करशक अपन কর্মচারীকে (যাঁহারা এ বিষয়ের জন্য কর্তৃপক্ষীয়দিলের নিকট ত্র কথা বলিতে শারিতেন, মোর করিতে পারিতেন, দ্যাষ্যান, াষ্যতার বিচার করিতে পারি उन, मभाविक इट्रा देशलाए अधाय गारवनन कतिहा अकरो। গোলযোগ ্বুলিতে পারিভেন তাঁহাদিগকে ) কিছু কিছু দিয়া মুখবিস্বা করা হইল, তখন ललतालतरक कि इ ना (मछताई कर्जुल. कत धक्र ठ उँक्तिगा। महा अक बात ्ष्टरब्रेड मारहरकुछ मिक्क किर्लिड शएउत निश्चमावनी व अक कक्ष (कान কান সংবাদপত্তো প্রকাশিত হইয়াছিল। ভাষতে যেরপ অংশ পরিমাণে হৃদ্ধিং রম লিখিত হর তদ্দশনে মাধারণোই मरमाय किमायाहिल: किस ध्थन ः इति । जित्रिक्त एवं जाहा । यान ্ড, তথাপি এনাই মামা অপেকা কালা ামা ভাল ও নায়ে ভাল ছিল; কিছ है दरमत भागी है इहेल तम कथात्र । র কোন উঙ্গৰাচ্য লাই। ফলতঃ যখন न भिर्क मकल रिजानक जकन कर्च विषे (अफ इरेश (शन व। इरेट क लिल ्य करप्रक खन इडीगा समीग्न निक উহাতে বঞ্চি রহিলেন, তথন ারা অবশাই এই অসুমান করিতে ্রন থে, ভাছাদিগের ডিপার্টমেন্টের थाक माटकटवत क विवदम महनादयान व्यथदः डीहात कथा श्वर्गस्मत्ने হয় না : কিন্তু এই উভয় অসুমা शदमत शदक ममान् क्रिनकता

উপরি উক্তরূপ অবিচারসংক্রান্ত (हजुबारम डाँशांता आंत्र करहम (य, अकरण विश्वविद्यालरहर निव्नश्रक्षेत्रांदर ममल कारनाकहे मः क ज नारखत अधार পনা হইতেছে: কিন্তু সংস্কৃতের অধ্যা পক্ষিণের প্রতি গ্রণ্মেণ্টের সমুচিত षाचा नाहै। त्थामिट कि कारतरक अट्यम् नत्र ७ व्यानिको के अट्यम् नद्र नमुस्टिश अन हे बाक ७ वाकां नि व्याद्यन । उँ। हाता वार्षिक बिक्किंड (ब डरनत्र नियमा মুদারে দকলেই ৫ শতের অধিক কেছ (कह ১২।১७ म छोका अर्थाञ्च (वकन পাইशाधादकन ; किन्नु क्षे कादलदक मःकृ তের প্রফেদর ও আদিষ্টাণ্ট প্রফেদর যে ছুই জন আছেন উাহারা কত পান ? এই কয় বৎদরের মধ্যে দেই ৩ শ ও र न टेक्ट किन यक कर्माक क डीहारमन বুদ্ধি হয় নাই। কেন ? তাঁহারাও ত প্রফেদর। যথন অন্য বে কেছ ( বাঙ্গা-नौलर्याम् ) व्यानिचीन्ते श्रास्कात हरेगाउ ভন্ম:খ্য প্রবেশ করিলেই গ্রেডের অন্তর্ভূতি হইডেছেন ভথন ভাঁহারা না হন কেন ? उथानकात मःक उधाकमत क्रथकमन ভট্টাচার্যা বি, এ, কি এত অযোগ্য লোক যে তাহাকে এেডের অন্তর্ভ ক্রিতে পারা যায় না ? অথবা এস্থেল বেংগ্যাবেংগাভার বিচারের প্রয়োজন কি ? যথন ভাঁহাদিগকে প্রফেশরের পদ দেওয়া হ্ইয়াছে, তথ্ন তাঁহারা যে त्मई (मह शामत मञ्जूषिक (यशि। हेहा व्यवनाई श्रीकात कतिता लहेट इहेटव । यति ভাঁছারা অযোগ্য হন, তবে ভাঁছা मिशिएक अभन भार (संख्या इहेन (कन ? वञ्चगङा। भरमत अञ्चनादत (वज्रहनत्र নিয়ম হওয়াই মাায়সঙ্গত। অতএব যথন हेरताकी शास्त्रमत्रभारतहे বার্ষিক নিয়মে বর্দ্ধিত বেতন পাইতে লাগিলেন, তথন সংকৃত প্রফেসরের। कि व्यवसाय कतिशास्त्र त्व, जाँदाता

े निश्चार कड़्ड इंट्र विक्रंड इंद्रेटन ? इंड्राटड कि नः कृ डाशांशक-मिर्गित व्यांड ग्रिंग्टिंग बनाचा कता इंग्रेना ?

তাঁহারা আরও কছেন যে, প্রেদি. एकि काल्यक्त मश्क् जाशानकि भारत প্রতি গ্রন্মেটের অবিচারের विवय छेनतिकारम याहा याहा छेलिथि उ रहेल, भक्षत्रलच्च काटल**ज**नमूट्हत मः क তাধ্যাপকেরা যে কেবল ঐমাত্র অবি চার অসুভব করেন এক্লপ নছে, ভাঁহা ब्बत बादता किছू दिनी बाटह। ममूनात মফসল কালেজে এক এক জনমাত্র नःक छ व्यद्यम्य चार्ह्स, उाँशिमिन्नदक '' উঠान कांड्रे विविध हिं छी भारे भर्या छ वर्षाय काछ इयात क्लांच इहेट कार्च ইংার ক্লাশ পর্যান্ত চারিটাক্লাশেরই অধ্যাপনা করিতে হয়, ভদ্তিম ছাত্র দিগের লিখিত রাশি রাশি কাগজ আছে। তাঁহাদের **म**्द्रकाथन করা পূর্বে • व्यामिकीले " अह একটা উপপদ দেওয়া হইয়াছে; কিন্তু উহার ভার্য ভাঁহারা বুঝিতে পারেন না। वर्षन এक छै। वहे श्रास्क्रमात्त्र श्रम नाहे তথন তাঁহারা কাহার আদিউান্ট 🤊 यमि अभन जांदा यात्र (व जाहाता अकटन यामिकोन्टे अटकमदतत भए निशुक्र हरेशाएछन ; किन्छ मभग्न हरेटन डाँशाइन त উপর আর এক এক জন প্রফেদর নিযুক্ত इहेर्यम, जोहा हहेरल बावात धरे आनू ङेप्पिड इ.स. १. १ मयग्न कर्द इंडेर्द ? यथन मकन ध्यनीटक है मः कृटक वेषा भना इंडेट्डिइ, यथन अजिव्हर्स दे काम **ब्रे**श উঠিতেছে দেই কোম তাঁহাদিগকেই পড়াইত্তে **(एडरा) इड्रेट्ड्इ, उथेन आंत्र कि इडे**ट्ड् দে সময় হইবে, ইহা অন্তঃ তাঁহাদি भटक कानारेश (एउश উচিত। कानिएक श्रीतिल, यमि यम् अवातः

व्यथीन रह, डाँशाहा उपचे क्रिकें। क्तिएक शांद्रम । यनि अमन कहा यात्र र्य ছাজ्र न्थात अञ्चल हिन्न ना इहरन भे गारित स्टिंग स्टेटन ना, **जाहा** छ যুক্তির সহিত দাঁড়াইতে পারে मा। छेश अडेक्सरभ न्याचे कतिहा। त्यथ, कर्जु পক্ষের মনে মনে একটা নির্দারিত ছাত্র मः था चारह, मकरंत कारतरक यं पिन त्म मःच्या शूर्व ना इहेट उट्ह, उठ **दिन** क्लान ये डे डेक इडेक, कार्या ये ड किन इडेक, পরিশ্রম एक ক্লেশকর इडेक, আদিটাওঁ দংকৃত **टारकमहिन्र**क তাহা করিতেই হইবে। কিন্তু ঐ সংখ্যা পূর্ণ इইলে ভাঁহাদের ভপর আবর এক জন अरक्षमत चानिया विभित्वन। इंहा कि यूक्ति मञ्ज ? के मःथा পूर्व इंडेटल डीइटिन त এक जन जामिकी कि मियु क इहेर बन हे हैं है युजिनका युक्ति এবং मकल ভানের সকল ডিপা**টনে: তির আ**চরিত ব্যবহার निशा (मधिता किहरे विजीति जिन्न প্রথমটীকে সঙ্গত বলিতে পারিবেন না। ছাত্রসংখনর ভূ৷নাভিরেকে ছাত্রলিগের লিথিত কাগজসংশোধনের িচু ন্নেতিরেক হয় এই মাত্র; নচেৎ পাঠনাবিষয়ে মুনাভিরেক অধিক নাই। ৫० ही हाजरक পड़ाहेवात कता निक-ককে যেরাপ পরিলাম ক্রিতে হইবে ৫ টী ছাত্রকে পড়াইতেও ভদপেকা निका उक्त स्था कहिएक इहेर ना। **এक कार्न भिक्ष एक**त्र भएक अवादश छाति শ্রেণীতে দংক্ত শাহিত্যের অধ্যাপনা कता य किज्ञा किकि कर्म छाश याँ होता শिक्कण ना कविशाह्न, डाहारमह क्मग्र मम इहेबात नटह। किन्छ मकत्रल शत्मादम द्यं कर्यक स्वन मः कृ जायानिक इरेशां इन, इर्गाएत शाम नक्नदक्र ছেকড়। গাড়ীর ঘোড়া বলিলে বলা যায়। हेराँ निगदक गठ छ। नाउ उठहे छ। नि

(वन किहूर करें ना वितास कारमन मा डीशाता व क शादिन, मूद्ध तक केंग्रन नित्रीत्रणां करत्न एकाना त्यक्त गांक कि १ २०० सम्बद्ध होका। सम्ब ष्ट्रीका किंदू कम क्रीका नत ; ज्याद कथा रहेरण्डा धरे स्वत्राधानिएक कार्नास्त्र इरे कर व्यवस्थानहरू (व कार्य) निकार कटतम, सकच्छलत हेर्डानिश्रटक अकाकी অবিকল লেই কার্যা নির্বাহ করিতে रह, चर्षा ज्याकात अभिकोली क्षरकृत রেরও যে বেভন, ইহারা ভাষাও পান ना। दिन १ हेक्टर कि धारक महिम्दर्भत সময়ে প্রেনিডেন্সির প্রকেন্র ও মফ-স্বলের প্রক্ষেদর বলিয়া বেতনের ভার-**छमा रहा ना, छार्व मः क्रुंड शास्त्रम**त मिर्गत (वलात्रहे इस किन? व्यज्धव डाँशता अनुभाग करतम या, क र्जुणकी. स्त्रता रवज्ञ भ मृत्थं वटनन्यनि चान्धरत तमहे রূপ সংক্তের প্রতি আখ। করিতেন अवर गणि ডिटब्कुंब माटहर अइनकल विषयात विश्वनं अनुशायन कतिएक, চেষ্টা করিছেন षांश इहेटल कमाणि वज्ञभ देवमगा थाविट वा इहेट इ পারিত না।

मःकृ ट गर्नाया जे वा छ। विन यक श्रमान श्रमान की हो हो । जा त अ विल स्थान श्रमान की हो हो । जा त अ विल स्थान श्रमान की लिए की स्थान की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए की लिए

পূর্কোলিখিতরপ অবিচারবিষয়ক थामान अनर्मनार्थ जाहाता हेहां कहि-থাকেন যে, এছুকেশন জিপাভ মেটে পদ श्राधि वा शामाञ्चि विषया अभागा था। कान विष्ठांत नाहे। याँ हात अनुरहारण -জোর **डीहा** इहे थादक। विना वृत्ति मीर्यकानवर्तिः ष्यद्रः १८ त निक्छे हेट शांदत ना। हेशह क्षांभागार्थ व्यक्तिक बोका वाश किंद्रिक इंडेटन मा, अहे अकि माज नृषीष नित्नहे श्र्या छ इहेटव एर. বিদ্যাবুদ্ধিসম্পান্ন शिक्षक वातु वसमाली मिख अ नवीनएक দান প্রভৃতি জার্থী থাকিতেও হেয়ার कृत्वत थाफ माफोत बाबू हखीए बन वरमार्भाषास्यक कठेक महिन्दु रनत रहेड माछोति शन (न ७४) इहेन अवेर अर्कन् কার ইন্সরেজি বিদাংবিৎ অত্যুৎকুত बाजानी ए कर्डक जन आर्छन, चिनि. काशास्त्र मध्या अक अन भगमीत छ यिनि व्यव्दिष २२।२ ० वदमा कोल अवन भिष्ठे कुरन (इंड नाके। ति · · · ষ্ঠালাভ করিয়া আনিত্ত দ ব্যক্ত

বনয়, ধার্মিকতা ও ভদ্রতার বঙ্গভূমির
শঙ্কারত্বরূপ দেই প্রাচীন শিক্ষক
শুরু বাজনারায়ণ বস্তুকে উপরি বর্ণিত
দপ হেড মান্টার চতীবারুর অধীনে
বাড্মান্টার করিয়া দেওয়া হইথাছে !!!

---- 302---

निविज्ञ गार्किंग परीका।

याहारा अटलमीशिमिशदक काछा-क्रमानभावक्ष (नश्याः) छिन्हांन करतन, ाँ हाता हे हाँ फिगटक आजिए जनव में बर्जी शिया डेकशमगाट्यत व्यापांता विद्व-न्ना करतन, डीहाता अक बात हेल्ल ७ इ श्रशंन ताकशुक्रशंक्रिशंत मिविलगर्विम পরীক্ষাবিষয়ক অভিমানটীর 'वर्रवहर्मा करूम। विरवहमा कतिर्वाहे মানিতে পারিবেন, অভিমান পরিভাগে করা কেমন কঠিন কর্ম। এ দেশে দিবিল मिर्दिम भर्तीकाश्रया क्षविष्ठि इत, এটা এ দেখের যাবতীর লোকের ।কাম বাঞ্চিত। অত্তর সমাচারপত্র म्भाष्ट्रका क निभिन्न वर्षे शहत ही? বর করি**তেছেন,** ভারতেবরীয় সভাপ্র शिउत a विनास छेलामीन माइन। किन्छ 6क तथा किमार्ग दाक्रभुक्रमिन्द्रक নম্নি অভিভূত করিয়া রাগিয়াছে যে, নিছার। উলিখিত বিষয়ের উপরোগিত। টু আৰশ্যকতা ক্লম্খন করিতে পারি. ্ডাছন না ৷ সে অভিমান এই, ভারত-द्व यपि मिविनमध्यिम भन्नीकृष्ट्यशः श्यक्तिक करा इश, व्यक्तिमन्था जातक भौग्न मिविलिशानभटम अधिकाछ क्रवेट्स. हेक्दराभीशिषयरक डाहापिरभर चयीन विकेश कामा इंडरवा इंडरवा भीरवश জৈ চনেশীয় ও কে ভূকাতীর, আর ভার ছব্মীয়ের। বিজিত। বিজিত জাতীয় হইরা क्रज्ञा चौरवत उपतिभाष इहेर्दन, व्यक्तिमानाम्य (अञ्चार्जाटात विमे महा চয় না। এ অভিনান দে অভি অকিঞ্ছিৎ क्षत्र, हेड्। अजिमानमूना राक्तिकिटव्रव

(वाधनमा इहेवात न है। यिन ए शरमत रमाना इहेवन, जिन्हे तिहे शम शाहे रवन, जाहात जाजि ७ वर्ग विद्युचनार्श नट्ह, हेहाहे विश्वज्ञ मूल्यामि छ। स्वामता स्वक्यांट के श्रेष्ठांत्वत श्रेष्ठ कतिनाम रकन, शांठकमण जाहा स्ववं कत्रन।

কলিকাতার ভারতবরীয় সভা ভার. ভবর্ষে দিবিলদার্কিন পরীক্ষার আবশ্য-কতাপ্রতিপাদন করিয়া যে আবেদন করেন, ফেটদেক্রেটারি ভাষার যে উত্তর निशंदक्त, खाहाई चाकि चामाफिटनंद এ প্রারম্ভের কারণ। উত্তরপত্তের স্থল তাৎপর্য: এই, " भिविलमार्कित्मत श्रम-গুলি এর শ লোকের হজে সমর্পণ করা व्यावनात, गौहातिपरशत होता ताटकात সুশালন হইয়া প্রজাদাধারণের সমধিক केशकात्र मार्मिवात मखावना। घाँहाता ইংলপ্তে যাইয়া লেখা পড়া লিখেন এবং সেখানকার উংকৃষ্ট রীতি নীতি এবং রাজকার্যপ্রাণালী হচকে দেখেন ভাঁহাদিনের মধ্যেই ঐপ্রকার কার্যাক্ষম লোক অধিক হুইবার সম্ভাবনা। অভএব ইং লণ্ড ভিন্ন ष्यगाद्ध পরীক্ষাগ্রহণের निव्यम कहा विद्यस्य नहरू।

'ইংলগুভির অন্ত প্রীক্ষাগ্রহ নের নিরম করা বিধেয় নছে। গ এই বাকোর সমর্থনার্য বুক্তি প্রদর্শিত হইয়াছে মে, যাঁহারা ইংলপ্তে ঘাইয়া লেখা পড়া শিখেন এবং তত্রতা রীতি নীতিও রাজকার্যাপ্রশালী স্বচক্ষে দর্শন করেন, তাঁহারা সমধিক কার্যাক্ষম এবং তাঁহা-লিগের দ্বারা প্রকাসাধারণের সম্বিক উপানার দর্শিবার সন্তাবনা। এই যুক্তি সারবভীও অথণ্ডনীয় কিনা, অগ্রে বিবে চনা করা আবশাক। যাঁহারা গিরিল সার্কিস পরীক্ষার্থী হুইয়া ইংলণ্ডে গিয়া লেখা পড়া শিকাৰ হুইবে ? ভাঁহারা

ख्यात्र भिता द्वल निवित्र नार्खिन भंदी कार्य निर्मिष्ठे अष्ट्रश्रीन अशाहन कति-(वन कहेगांज। (य ज्यश्वसंग्रहण मनू ৰাত্ত কাৰ্যাক্ষতা ক্ষিৰার সোপান इत, डाँशिनिटशत तम भिका अहे थीर नहें क्हेंटव । जांका यनि क्हेल फटव, दक्वल निवित्तनार्कित्नत निर्मिष्ठे शूखक्छनि পড়িবার নিমিত্ত দেখানে বাইবার धारमाक्तन कि ? अथारन वितमा यनि আমর। দেগুলি শিখিতে পারি, রাজ-পুরুষদিশের ভাষাতে কিছুমাত্র হানি नाहे। हेश्नद्धत जीजि नीजिल कार्या थानानी मर्मात्नत विषय वक्कता अहे, নেগুলি এ দেখের অপেকা উৎকৃত ভাৰ-यदा मान्य नाइ जम्मीत छे दक्की कन লাভের যে সম্ভাবনা ভাহাও আব্থার্থ नट है कि ख याँ इति । ﴿ अर्थित सर्भान कित-রাছেন, ভাহারা অতাক্তও অসামান্ क्या कार्या कार्या कार्या नाहे। उँ। व्यक्तित कथा मृत्त थाकृत, याँवाता व्याकचारात छेछित पर्यंत करिशाह्म. काँकानिरगड्छ ४ रन शहन अभान मृछ হর। পক্ষান্তে যাঁহারা কথন ইংলও मर्भन करदन माडे, डैं। गामिरभंत व्यरमस्वत मर्वित्मव कावामण छ। मुखे इहेट छ । यसि अताल कहेल, डाका क्हेटल वह निश्वीय করা সঙ্গত হয়, কার্যনক্ষতা হওয়া স্বাহস্ত্র भवार्थः, उज्ञातक्तः भारतिहर वारभूका गाउँ। বাঁহোদিগের চিত্রে দেই ক্ষমতার অস্কুর चारक छै। होता (य स्मर्ग स्थय) भड़ा শিকা করুন, সেই দেশেই ভাঁহ।দিগের (गई कमा का किया (व ) कें शिक्ति तो ब्रेड्स ণ্ডের রীতিনীতি গ্রভ্'ভ' দেখা হইতেছে না এম্ন নয়। তাঁহারা স্বচকে কেথি-তেছেन ना वटि, किन्तु अल्ड् अ ममाणाः भवाहिएड डोडा मर्खनः पर्भन क्रिट्ड ছেন। अञ्चामिएक शांठ कतिशा यमि सामः অন্য দেশের বীতিনীতিপ্রভৃতিজানিতে না পারিতাম, ভাষা হইটেল ইভিহান

भार जीव्यक वाब रावहात्र मस अ जीवुक वाब (कः । अनुगानायुव मण्ड कावर अविष्ठ वनगानी विकासाध्य नार्क्काह्य विकास कि भीकामाध विभावत्र, श्राम्हणालाल विमानस्थात আশুডোৰ ভঞ্চাৰ্য NESMISER ALINAY, এড ড জনেকরাক্সাণ পাওড ও ভট গোক भूष्रभुष । इत्या । शक्यामिक मुख्य (व श्रावकाल गार्व। रहा. श्राथमण्डः जारात जमा (लाइना क्वंत । (मर्गत क्वंक्त कार्य) आदनक महाजाद त्य छैरमाइ अ यत्र ब्याट्ट, कहि। केंहि। मिरात अक्षा भगाभगाताई विनक्ष शाउना **३३८७८इ**ा बोळलशुत वकावकालासत श्रुश्निका नार थपान अभीनात जीयुक वार् भागाननाम मुख ब्रह्मसायुत्र निक्छ धार्थना क्या हम्, खाः।एए ভিনিস্থর সে বিষয় সম্পন্ন করিবার আখাস দিয়াছেন। একটা সংস্কৃত চতুক্পাঠীসংস্থাপন নিমিও বিদ্যাসাগ্য মধাশয় স্থান দিতে সমত फार्टिन এवर फार्स्टरकाय छिंद्राधार्य, महानित এक छन छुर्यानाः व्यभ्गानकम् अरहत ভात अहन क विशाहित। अध्यस्तव ও वर्ष - दिम्री सम्राप्त সন্মিলনজন্য উজ বিদ্যালয়ন্ত্রের অস্তর্কাদি भारक कञ्चरवाभ कहा याया। अध्यसभाव करानव সম্পাদক এ প্রস্কাব শুমনিয়া অভিনয় আনন্দিত र्वेधुर्धन अ.९ भाष'त्रक्त मकलार्थ याका বিভিন্ন বোধ বহুৰে, ভাষাতে জী ছার জন্ম মত वक्ष् दिशालरशत इहेर्न का विल्हार्थक। সম্পাদক শেরূপ বিজ্ঞান্ত উদ্বোধান্ত, ভার্ব নামটেও আম্বা এইরূপ সভ্তবের क्ष इतिमा क व ।

এবাবে লভেম প্রস্তাবের সংগ্রু ইটা প্রধান বিধ্যান লগে থাকে বিধ্যান করা। দেশী য় ভাল বেদির দিবের নিমিত্র গর্বধ্যের টির নিকট প্রার্থনা করা। দেশী য় ভাল বেদির বিদ্যান করিছে কাটে বিদয়টী অমকলের করেল বিলয়া দেশের অধি বাংশ লোক অন্থ্যাস করিবেন, গ্রেণ্টেমন্ট রাগ্রিস্থানের যে ভালার প্রস্তিব্যান করিবেন লা, এক্কপ বোধ হয় না। মদ ও ওলের প্রায় ভিতিব এপ্রদেশের অদেশ অনিষ্ট হইতেছে।

বিজীয়তঃ গঞ্জের মণ্যে মণ্যে পাকা রাস্তা নির্মাণ করা। ব্যাকালে গঞ্জের হাটে যেরাপ কর্দ্দম হয়, ভাহাতে নিকটস্থ প্রামবাদী অসংখ্য লোকের কষ্ট হইয়া থাকে। চৌকীদারী টাল্লের উদ্ভ টাকা খাছে। হরিদাস বাবু ভাহা হইতে এই কার্য্য সম্পন্ন করিবার নিমিত্ত মাজিট্রেটের নিকট প্রার্থনা করিবেন। व्यागाभी (शीय मार्टम व्हेट्डिंग ने मुखाइ এक)।
विरम्प में कहर । हे हार उ भूकी अला विक विषयमकरमात मीमार भा कहिर छ हरेर अवर मिरमात वर्षमान खेखा मुखान मकर मत कार्या विव तथ हरेर । (ममहिर्द्धारमाही मकन महाच्या अहे में कार्य में मार्टिश कार्या अहे में मार्टिश में मार्टिश कार्या आहे

মজিলপুর ১• ই পৌষ } সম্পাদক।

महामहा प्रश्वाहरू अहे जनाएउत श्रीव অধিক লোক সং ও বিনীত হয়। এই জান্যেই অংমারদিপের পুরাভন ব্যবস্থাপক সমাজ, ব্যক্তি চারিণী ও প্রতিকুলা কামিনীগণের বিবাসন রূপ দণ্ডবিধান করিয়া পিয়াছেনঃ পুরাণ প্রসিদ্ধা জনকরাজচুহিতা ঐ নিমিড্ট মহামুনি বালীকির তপোবনে বিস ক্ষিত হইয়াছিলেন। কিন্তু বর্তমান সময়ে এ দেশে ব\ভিচারিণীর কোন দণ্ড নাই "বলিয়া আমারদিগের স্থির সিঞ্জ আচে**ছা পুরাত**ন बावक हानी दर विव जन किया च्यापु निक दाकानिय ्ये वे तरल अम् (सार्थ मधित्याम, हेरात अम् (फत কিন্তই দেখিতে পাওয়া বায় না। বস্তুতঃ দণ্ড থি নামক গ্রন্থে ব।ভিচারিণীর প্রতকুলে कान मध्निरप्राशंहे कता इस नाहे · (कवल পামাজিক এই জঘন্য নিয়ম দেখিতে পাওয়া यात्र १४ भतिवादवत मद्या कान खीटला.कः वाखिठानाम श्रक'न इहेरल कर्डुशक खंड গোপনে সেই কুলকলজিনীকে ভাইসনা বা छक्छन श्रद्धात कविहा। थ'त्कन, अथत। प्रक्रिय भी स (क्षानरनाम महत्र क तिर्ड अभाक इन्स) প্রাণবিনাশ ক্রিয়া নিকুই : উপায়ে ঐ হত্যাকাও গোপন করিবাব চেপ্রা भाङ्गः **थारकतः इंश्तं श्रथा मञ्**— (छश्यतः वी अक्षेत्र ) द्वारा देखितिनीता अङ्गिका कट्त ্ধ, আবসংস্গঞ্জিতি হুধ বিধাতা অভি গোপনে উপভেগ কৰিতে বলিয়াছেন। শেষ मेख-- (श्रांगत्र) याचि श्रकाच इस-- ताक्कार्य প্রমাণ হয়, হত্যাকারী ধাবক্টৌবন দ্বীপাত্তর ে বৈছন, কিয়া পরিআনের স্থিত বছকাল कारायसम्ब शास्क्रम । हेश मिथिया वाण्डिमति-ণীয়া এই শিক্ষা করে যে ব্যক্তিচার দোষ নয়, ৰভাজনীৰ দওদাভাগ্ৰাই সম্পূৰ্ণ দোধী ব-लिया अस मध एकान करवन।

সম্পাদক মহাশয় : সমাজের এই শোচ-নীয় অবস্থাতে ব্যক্তিচার দোষ ক্রমশঃ সুকল

श्वारम ७ मकल পत्रिवादस श्वविष्टे बेबेसा निष শ বৰার কল ক্ষত করিয়া ভূলিতেছে। e পরিমানে জী।শক্ষার উপায় করাই হউক, ি कर्ड्र १ क्ला कोक्लेकिएक कामन भारतीर वकाव भद्रीकाई कड़न, किक वैक्रिशिति शक्क वर्धित वायका ना व्हेटल कहे अस নালক ব্যক্তিগর দোষ উপশ্য হওয়ার সভাব-मारे । मराणव ! भरकी हतरण शुक्र एवत छक्र छः मध रहेरव, आत अतुक्रमधामान ही लाक निर्देश देविया पूष्किलां कतिरव, दाकित्र মের এই অবাস্তর ভেদের কারণ আমরা বু রাড়ে क्षणगरशतकातन आयतः जन द्वाध **क्रिएक** व्यक्तिवाहित अञ्चलक मधनात्मक्रमा छेशाङ्क छेष्ठादन कक्रन । किन्छ जामानिद्रशत अ. कथाबू क्टि मदन ना करतन (व, जामता विधवानिवारस्त्र বিপক্ষ, আমর। শুল ব্যক্তিচারিশীর চরিত্র শোগ্রের নিমিত্ত প্রস্থাব করিতেছিঃ ব্যক্তি চার প্রোক্ত নিবাবনের নিমিন্ত প্রস্তাব করি विषवाविवाह जन्मिक श्राह्मक स्ट्रेटन আমর৷ জগদীবর্কে শত শভ সহত্র সহত্র वात धनः वान अनाम कतिव । वाताखात कारता किंदू लिथिए हेम्हू क वहिलाम ।

क लिकाछ। ১-१९ मान इ.स.च किंदिक मान्यसम्बद्ध

--:02---

महामध ! ११७ ১२१८ नाट्नत टेप्ड माट्नत गरकारिक महा का इयट क लिका का मिन विक कास्थाकाय (मय महानारम्ह केन्द्रास्य स টৈ অংশলানামক একটি উংসৰ হইয়া লিয়াছে, - এপ্রতি ভাগার সভাত প্রকাশ হইতেছে না, কারণ কি ৪ উক্ত কার্য্য যদি কেন্দ্র বিলেষ বাজিৰ বাবে সাপাল হইত, ত.হা হইলে ভছ্ কান্ত প্ৰকাশ করিবার আবশ্যকতা ভিল নাঃ কিছ चथन छेशा जाताहरण्य वाम्र इस्ट्र इडेझांट्र उथन काशिक्रित बाज होका किलाल कामिक হইল, ভাছা জানিবাব জন্য সাধারণে দৈৎসূক । बहेता जाटकन गटम इनाहे। जह साख श्रकाटन बात अविधि विद्रमा छेशकाद अर्थ छेश हाता দাধারণে জানিতে পারিবেন ায় জঁ হারা যে জগ मान कविद्याद्वन, कचाता (मर्मन सकत 🥹 हिरू কার সাধিত ইইরাছে। ইহা জানিতে পারিলে डाँशहा बादवा छै। भागविष इन्द्रा भुवकात के রূপ মজলকর कार्र्यात माध्यामारम वाक १इ.८७ भारतम, कि इ. छिएमव विवत्न श्राकाण ন। করিলে বিপরীভ ঘটনা হইবার স্ভাবনা। व्याक्तर्रात विषय अहे, गुरू वाद्वत विवत् व श्रकान ना कविष्ठाई भूनकींद्र ज्यानामें देवन साइनत (सनात अन्। हाँ जिल्ला विकास कराहित। त

াজ বাহির করা হইরাছে। এই কি নব চগণের সার্থতা ও বিজ্ঞতার একটি জন্ম নহে?

ই পৌষ প্রকান্ত বশহদ ২৭৫ ক্রীর:--

बहाबदा अभिलाग, त्यतिम अखाउ। त्राङ ারের গঞ্জে একটা আশ্রেয় ঘটনা হইয়া গায়াছে। বাজারে এক জন মৎন্য বিজ্ঞায় করি ভিছিল। ভাচার স্ত্রী ভাচার পার্থে প্রায় ৫ । ৬ টাকার পয়সা পূর্ণ একটী থলিয়া সম্প্র ভালার উপত্রে রাখিয়া বসিয়াছিল। অর অফ काव इडेयोर्ड अवन गमर्य अक खन प्यानिय ইঠাৰ ঐ প্রসাপুর্ব থলিয়াটা লইয়া প্রস্থান করাতে জীলোকট ধর ধর বলিয়া চীৎকান করিছে কারতে ভাগার পশ্চাৎ পশ্চাৎ ধাবমান ভ্লা চোর একট বেশার বাটীমধ্যে প্রবেশ ্রিল। স্ত্রীলোকটীও প্রবেশ করিবার উদ্যোগ রোতে সেই বালজনা ও ভাগার বাবে शम्यामा व्यक्तिया जालात्क वालीमात्या धार्यन চরিতে নিষেদ করিয়া বলিল, চোর অন্য দিকে লায়ন ক্রিয়াছে। এস্থানে আইয়ে নাই। **গ্রীলোকট** কি **ব**রে, জোর করিয়া অপরের াটী মধ্যে প্রেৰেশ করিছে পারে না। প্রভারা াহাকে ফিরিয়া আসিতে ইইল। কি আক্ষয়। ক্যার সময়ে শত শত লোকের সম্যুখ এবং ि**टर्यत करनीत कार्रह अहे कार्या इंडे**मा (जल ) নটেবল সাতেবেরা বাজারে ম রয়া কি করেন ১ ণরটী নিজ্ঞান্ত ছোট লোক নহেন। পায়ে জ্তা । (भौड़िक्षा श्रेषाईनात अभग्न এकथानि ভাপভিয়া গিয়াছে: অনুমান হয় অব্ৰড়া ধান গুলিখোর বা বেশবাস্থ স্থান্তর স্থানাই है कार्या इहेशा था करवा श्रीलय अकर्रे बरना-।। श कति (लहे पति एक भारत्य अगर् डी क्षुका নি **ঘারা অসু**সকানের খনেক <del>ডু</del>বিধা ♦ইতে : 1 57

২। ইতিপুর্কেই ঐ রূপ আব একটা ঘটন।
য়া গিয়াছে। এক জন দোপানী অত্ততা
ন ইইতে কডগুল বস্ত্র ধৌত করিয়া গালি
রের (এ স্তান্তী বঁসেগাছ ও জন্ত এরপ
বিপুর গেলান দও বেলা থাকিতে অক্ষকার
তে জাবহ হয়। মধ্য দিয়া মধ্যার প্রাকালে
লী যাহতেছিল। তাহার সঙ্গে একজন আসিয়া
লিক ছিল এনন সুমুল এক জন আসিয়া
হার ইপ্তমিত কালাছের বুলকে লইয়া টানা

টানি আরম্ভ করিল। **চীংকার করাতে চতুর্দ্ধিক**হইতে লোক আ**নিয়া পড়াতে কাজেই**তাহাকে শলাই**ডে হইল। স**ম্পাদক মহালয়।
নাজপুরের স**লে যে একটা** গুলীর আড্ডা আছে এগুলি ভাহার ফল। যেখানে গুলির প্রাছর্ভাব সেই খানেই এই রূপ চৌর্যাদির বিষয় গুনিতে পাওয়া যায়। যাহা হট্যক পুলিবের একটু স্তর্ক হওয়া উচিত।

৩ ৷ সম্প্ৰতি এ স্থানে একটা শুগাল ক্ষিপ্ত रहेशा क्षाय १४:३७ **कानटक** म्रम्ब कित्याहरू । मृशील अ कुर्नुत कि अ व्हेशा परभाग का उट्टा राहेक्ट्रकाविसा क्रेया श्राप्त्र मुख्र ह्या। (याग व्य (य कर्धक स्थम जुशकालक क्वेशार्क खाक्र দের মৃত্যু নশ্চয়। শুনিলাম ক্ষেক জন পড়িয়া। नक्षणाय'एक मनामग्रीत कीवनम्द्रात कवि गारका भाकीश्वर खांबजी खन्नभ कन्नमभून छ म्थांत्र कार मुशांन थाएक (य. मक्तात मन्त्र দেখিলে বোধ হয় যে এটী শুলালপ্রধান স্থান। ন্ধ্যে মুধ্যে তাই এক ধর মাত্র মন্ত্রের বস্তি আছে। এম্বানের শুগালগুলি নিকটম্ব গঞ্চাব संवंभादित एक व कात्र्यः अवद अक्षुष्ठ नहवा (भ এরপে সাহসী ও মাংস লোলুপ ইইয়াছে যে কুকু রকে ভয় করা দূবে থাকুক, মহুন, নিকটে দাড়াইয়া থাকিলেও কিছুমাত্র ভীত হয় না এবং চকু মুদ্রিত করিয়া কিঞ্ছিৎকাল ল্যান খাকলে ভাষার গাত্র ষ্ট্তে মাংল ভক্ষণ করিতে সম্ভ চিত ছয় না। পুর্বের এই শীতকালে कारमक नार्ट्य कामारमत जकरन नृशान শীকার ক্রিডে জাসেতেন। তথন এতে পুগা দৌর(আ) দিল না। এক্ষণে ভাঁহর। याहित्यम मा, आष्ट्र आक्रमधूर्व इहेश्राह्म । গত বৰ্বে একটা নেকজিয়া বাঘ আসিয়া এল এবংসরও একটা আসিয়া উপদ্রহ আরম্ভ কার য়াছে ৷ বোধ হয় আগামী বৰ্ষ অবণি জ্যেষ্ঠাত সঙ্গে আনৈতে পারে। যাত্য হউক, যে জেন প্রকারে এ জানের জন্স করিন করা আর্থান ২৪ এ ভি**লেম**র

২৪ এ ভি**লেশ্বর } কল্যচিব প**ঠেকস্য

#### —: •:— মূল্য প্রাধি ।

শ্রীধৃক্ত বাবু কামাখনেচরণ মুখোপনিনায় রজপুল ১২৭৮ পোষ হইতে ৭৬ টজনেস ৯ ৯ হরিচরণ গুল্ ময়মনসিংহ ৯ ৫ কৈলাসচক্ত দেব বড়বাজার ৫॥ ৯ জারকানাথ,মিত্র কলিকাভা ৫॥। ৯ প্রশানচক্তা বক্ষ্যোপাধ্যায় কলিকাভা ১০ প্ৰতিশ্বৰ হ'ব ভাছতী কলিকাত। e॥

প্ৰতিশ্বস্থাৰ বলেৱণাৰ্য্য ন লৈ

প্ৰতিশ্বস্থাৰ বলেৱণাৰ্য্য ন লৈ

প্ৰতিশ্বস্থাৰ বলেৱণাৰ্য্য ন লৈ

------

### সোমপ্রকাশসংক্রান্ত কয়েক্টা বিশেষ নিয়ম।

শার্থম মূল্য ও ভাকনাপুল না পাইলে মদথলে সোমপ্রকাশ প্রের করা যায় না।

ইংার জ্ঞান মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং বাল্যাসিক ৫॥০ টাকা সক্ষতে তাকমান্ত্রল সমেত বার্ষিক ১৩, বাল্যাসিক ৭ এবং ক্রৈমান্সিক ৩৮০। তিন মাসের প্রানে জ্ঞান মূল্য গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিঠি, মনিজ্জার, নোট ও স্থাম্প টিকিট, ইহার জন্যভর যাহাতে যাহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই উপায় দারা মূল্য প্রেরণ করিব্ন।

ধাঁহার। স্থাম্পাটি।কট পাঠাইবেন, বাঁহারা যেন এক অথবা আদ আনার অধিক মুল্যের ওরদীদের টিফিট প্রেরণ না করেন।

যথন ধিনি মফগুল হই,ত সোমপ্রকাশের ঘূল্য পাঠাইবেন, জাহা দেন বেজিটার করিয়া শ্রীযুক্ত ধারকানাথ বিশ্যাভাগেনর নামে পাঠা-ইয়া দেন।

ৰ হিছিপের মূল্য দিবার সময় অফীত হইয়। আসিবে, একমাসপুর্ফো ভাহাদিগকে চিঠি লিখিয়া জানান ষ্টেবে, কাল অতীত হইয়া গেলেও এক বার চিঠি লেখা হইবে, ভাহার পর একমাসকাল প্রতীক্ষ্প করিয়া কাগজ বন্ধ কবা গাইবে। শেষ বারের পত্র বেরারিং প্রতান ভইবে।

মাতলা রেলওয়ের দোগাপুর ষ্টেগনের ডাক গরে চিঠি আইলে আছব। দীয়া পাইব।

यों क्षेत्रा माञ्चल ना किया श्रामि । श्राम कर्ष .वन, डीक्शिल्टशत - श्रम्हे श्रामि । जन्म क्ष्यः याहेटव ना।

কেছ সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইঞ্ বিবেশ তাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপ্রজ্ঞি / থানা তাহার পত্ন /১০ জানা দিতে হইবে যিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা কবি-বেন, তাঁহার সহিত স্বজন্ত সংক্ষাবস্ত হইবে।

ধঞ্চ এই পত্র কলিকানোর দক্ষিণ পূর্বা মাডলা রেলওয়ের সোণাপুর ঔেসনের দক্ষিণ চালড়িশোভার শ্রীযুক্ত ধারকানাথ বিদ্যা-ভূষণের বাটাভে প্রভিসোমবার প্রাভঃকালে প্রকাশিত হয়। পাঠে কি কল হইত ? আমাদিণকে প্রাচীন কালের রভান্তভানে নিভান্ত অল্ল হইয়া থাকিতে হইত।

केशदा रश्जाल धार्मिक इहेन, তদ্বারা টেট সেকেটারির প্রদর্শিত युक्ति अग्रामर विक्तांक वाशिकांव বলিয়া প্রতীয়মান হইতেছে দদেহ নাই (अञ्चाकी दावा यजाव करे विकिक्ति-গকে আপনাদিগের সমকক দেখিতে অনিক্ ক্মতরাং উাঁহারা অভি অকিঞ্চিৎকর রুয় আপ্তি করিয়া विकिछिमिश्रक नित्रस्थ कतिया ताथिवात চেন্টা পান। অতি প্রাচীনকালের কথা থাকুক, যে রোম সমুদায় রাজ্যের অপেকা সমধিক সভাতাসক্ৰাল ক্ৰয়া-ছিলেন, বিজিতদিগের প্রতি যাঁহার **जारिकांक्रक डेमांत वावहांत मृक्टे हरेड,** त्मह त्रामहे जाननात व्याधानास्त्रीय-मुह रहेश यावजीश कार्त्वात अनुष्ठान করিতে পারিতেন না। বিস্তর ধস্তা-कतिहा क्षिविशिषिणटक कमान ৫ ভৃতি পদ লাভ করিতে হইয়াছিল। এম, লিৰিয়দ ভূদদ ইটালিকানদিগকে োমের নাগরিকস্বত্রপ্রদানে অধ্যবসাহ-इउशास्य इक इन। ধান ্রত্ব ভেটদেকেটারি আমাদিগের প্রার্থনা পূরণবিষয়ে যে বিমুখ হইবেন, ভাহা আশ্চর্যোর বিষয় নহে। অনোর কথা कि, এই हें लेख भिनिन आमितिकांत श्वाधीन जानारन महरक मम्ब इन नाहै। উত্তর আমেরিকা কোন ক্রমে দক্ষিণ भारमहिकात साथीनका मान गातित्वन मा। इहात कारण (करल वाधानागर्स। व्याभनामित्रत প্রাধান্য ন্য অভিমান প্রিত্যাগ করা সহজ ं, একথা আমরা স্বীকার করি; কিন্তু क्यूक्रयमिष्ट्रभव विष्युष्टना कता कर्ख्या সময়ে যে পরিবর্ত্ত আবশাক ভাষা া উচিত। ভাহার বিপরীত বাবহার

काती क्रेटल जामके क्रा । द्वास मनात य उद्मन क्रा और जाकात जानत द्याराम कार्यन

------

নিশ্বত্র বিচারশভিনিয়োগ ! একণে যদি অভ্ৰত্য অচিত্রিত বিচা-क्र शिकितिशत स्थानाकांनि विवर्धत अकू मञ्जान कहा योष्ठ, अधिकांश्म डेशयुक्त लाक मृक् इंडरवन मटक नाई। भूक-उन मूट्यकिंग्रित अट्यका अक्षकांत्र विश्वविमानतात शतीरकाष्ट्रीर्व ছाजनन वक्छरम छेरकुछ। अकारम नियंविमानिस्त পরীক্ষোক্তীর্ণ ব্যক্তিদিগকে যে এই পদ धानांन कतिवात निशम कता हहेशाटक, এটা ভাৰারই ফল। কিন্তু 'ছঃখের বিষয় वह, वह जज़दक्की निवममामा इंसात जनकर्षक अकति (मान श्रानिष्ठ क्रेशांटक। व य विषय हडेटड आमिनिश्व इंग्रे লাভ হয়, যথোচিত সতক্তাসহকারে তাহার বিশুদ্ধতা রক্ষা করিতে না পারিলে তাছা ইইতে সচরাচর অনিট হইয়া থাকে। প্রস্তাবিত ছলে যে অ্প কার হইতেছে, তাহা এই:—

मुख्यिक भागतिक विश्वविद्यालय हैरेएक

ৰহিৰ্গত হইবার অবাৰহিত व्यक्तिकंक इहेर **मुट्याक्श**्व हेर्रोनिटभन वज्ञःकम जन्तुः कृ नक मार्ड चना कथा कि शतशान काती, नेमनशक्तित भक्रणात व्यक्ति सार्व, जाराव देशांता कार विष्यागटम विश्वा देशामिशदकः শিশা করিতে হয়; প্রতরাং ইহাঁ इरे जिन देशमा निर्मात नामना **এकाछ अधीन हरेझा थाकिएछ ह**ह। লারা ইহানিগের অধ্যাতি করেন কিন্তু বে ক্ষাভির একটা নিগুড় चारह। स्व वर्ष वह स्व विहास षाजिला निर्द्धां । ष षरानाः, भृ र्ख ठातिशन यांहा कटबन, आश्र काहा है विष्ठातं भी अदे आर्यानाष्ठानिव কোন কোন ছানে দেখিতে পাত যায় এক এক জন আমলা বিচারপতি বেডনের অপেকা অধিক উপাৰ্ক कतिया धारकन। मकन कारक है अर्थ श्राधी मंत्रदक छे ९ दका विद्य इश মুক্ষেফদিগের ক্ষতাহৃদ্ধি उँ। हाता चाटनक किएन सकक्रमा केतिर **ছেন** ; कि**ञ्च এ অবস্থায় সুবিচা**রের । দূর সম্ভাবনা তাহা সকলেই বুকি পারেন। বেখানে আমলার প্রভুত্ব बारन मञ्जल नाड, वि मर्क्वामिः ৰ † ক্য

এই অনিউনিবারণ অবশা ক
অতএব আমরা প্রস্তাব কি ছ
কেবল অনুরোধপরতন্ত্র হইরা বিচার
পতি নিয়োগ করা যেন আর না হয়
শাহারা অন্ততঃ ভিন বৎসরপর্যাত্
ওকালভি না করিবেন, ভাঁহাদিগকে
মুক্সেফি পদ প্রদান করা বিধেয় নয়
পুর্বের এই নিয়ন ছিল। তথ্য মুক্সেফের
৩০০ টাকার উপরের মকদ্দমা করিছে
পারিতেন না। ৩০০ অবধি ২০০০ টার
পর্যান্তের মকদ্দমা এক জন বহুদ্দী মদ

.न.इ. निकट्टे इंडेंड । खर्चन मुर्ज्यक 🕫 বেতন ও ক্ষমতা রুদ্ধি হইয়াছে; ্য তাহা কেন না ছইবে, আমরা ठ পারিভেছি न। পুর্কে व्यापांच उपनांत जयपित्रत ্পরামশ করিয়া মুক্তেফ নিযুক্ত जन'; श्रधान्य दिश्वानादात ণ সে ক্ষমতা নাই : লেপ্টনতী গৰ-वर्ट्य निर्माणकांत धर्म कतिया । ইহাতে অধিকদংখা অসুপযুক্ত ह निर्पार्शत है ममिथक मधाबना र्षा किन्छ गर्थन मिट्न विहान हा कथा ध्वर ऋविष्ठादतत छेश्रदत টিশ রবর্ণমেন্টের কীর্ত্তি ও অন্তিত্ত इत कतिराज्य , ज्यन भार्गरमानीत : বধান হইয়া কাজ করা কর্ত্র। । গ্র-ুমণ্ট যদি প্রাথানতম বিছারালয় ও मन्द्रित अक्तिर्गत गठ लग, जाहा हेटन कानिएक शाहित्वन, विष्ठांत्रशिक हरेबात भृट्य कवानकि यहा अकास আবেশ্যক। ইংলতে এই নিয়ম থাকাতে ভত্ৰতা বিচারপতিগণ স্বিশেষ থ্যাতি শভ कतिशाहिन।

> এতদেশীয় রাজ্যসমূহের এক্স উন্নতিক উপায় কে ৪

---: • :----

ভারতবর্ষীয় গনগ্মেন নাধপুরের
াকে এক বৎসরের সমন দিনা বলি
না এই সনামধাে যদি তিনি বীঃ
না এই সনামধাে যদি তিনি বীঃ
না উত্তনকপে শাসিত না করেন, ভাহা
চইলে ভাহাকে টক্ষের ভূতপূর্ব নবাবের
পদবীতে পদার্পণ করিবার নিমিত্ত প্রস্তুত
চইতে চইবে। যোধপুরের রাজা যে
নতান্ত অকর্মণা ও অভ্যাচারপরায়ণ
চাহার সন্দেহ নাই। ভাহার অনেকগুলি
যুত্র আছেন, ইহাঁদিগকে প্রচুর অর্থ
দানের নিমিত্ত রাজা নাাঃ ও সুবিচারে
লাঞ্জলি দিনা অনেকের সন্পত্তি
স্পহ্রণ করিয়াছেন। শাসনকা্যা এক

জন মন্ত্রীর হতে রহিয়াছে; রাজা অধি কাংশ সময় নর্জকী ও ভাড়দিগের সহ্বাদে অভিযাহিত করেন। এই ছডি কের সময়ে জয়পুরাধিপতিপ্রভৃতি অনেকে अरनक अरकर्म कतिएक एइन ; किख व्याध পুরে রাজা কিছুই করিতেছেন না ধলি त्त्र हत। **अहे करखेद मगर**शं आधिभूत क्त आनारमत कांछि नाई। भामन पाद বে রাজন্বের হাস হয়, যোধপুর ইহা স্পর্যরূপে সংমাণ করিতেছে। রাজা য,দ যথার্থ উপযুক্ত ও দেশহি তৈবী হইতেন তাহা হইলে এইসকল অনিষ্ট কখনই হইত না। তুর্ভিক্সনিবারণ मनूरगत नाधांक्छ नव वटि ; कि छ छेश युक्त भामनकर्छ। इहेटल छू जिकाममद्य লোকের কথ্ট অনেকাংশে ক্মিতে

বোধপুরের রাজার এইপ্রকার অনেক माय मृ ग्रे इट्रेट्ड्इ वर ग्रे; कि खु धरे একটা প্রশ্ন হইতেছে যে, এতদেশীয় হাজ উপযুক্ত হইলেও এজাগণের यथार्थ मकल इहेवात महायना चार्हिक না ? আমরা আনেক বার বলিয়াছি, প্রজা দিগের বিজেচের ভাই সুশাসনের क्षरान कात्रव । मनल फिटमेत त्राकाताहे প্রজাদিগের জীবন ও সম্পত্তির উপরে অসীম ক্ষমতা প্রদর্শন করিতে চাত্রেন; কিন্তু এজাদিগের আপত্তিও পরিণামে বিদ্রোচ্ছের ভারে তাঁহোদের মে অভিলায় সম্পূর্ণ হয় না। শাসনকর্তার বিরুদ্ধে বিজ্ঞোহ করা প্রজাদিনের স্বাভাবিক ও আবশ্যক স্বস্থ। ঐ স্তত্ত্বানুৰূপ কাৰ্য্যছাৱা আমেরিকা, গ্রীস, ই টালী ও স্পেনের স্বাধীনতালাভ হইয়াছে। ইংলপ্তেও এই স্বত্ব পরিচালিত হইয়াছিল। প্রথম চারলদের মস্তকচ্ছেদন ও দ্বিতীয় क्ष्मिनरक मृत कतारे इश्लटखत स्वीन তার প্রকৃত কারণ। কিন্তু এতদেশীর त्राजाममूद्दत श्रकांगत्नत ये यत्र नाहे। जिणिन शवर्गमण त्राकामित्रत निःश्व

নের স্থায়িত্বের প্রতিভূস্বরূপ রহিয়াছেন; मुख्ताः काहारणत विरखारहत खत्र नाहे; আবার ব্রিটিশ রেসিডেণ্ট সর্ব বিষয়ে হস্তক্ষেপণ করাতে ভাঁহারা অন্যান্য দেশের অসীমক্ষমতাশালী শাসমকর্ত্তা **मिट्यंत्र नाय वाक्यकार्या ७ मटनार्या**शी নহেন। এ দিগে প্রজ্ঞাণ যদিও বিদ্রোহ ক্রিতে অসমর্থ; তথাপি রাজার নিক্ট সমুচিত বশাভাব প্রদর্শন করেন না। মধ্য ভারতবর্ষের একেণ্ট কর্ণেল মিড গত রিপে,টে লিখিয়াছেন, " রাজারা यथकात खिष्टिम शवर्गरमण्डेत व्यक्षीन, ঠাকুর ও জমীদারগণ সেপ্রকার ক্ষমতাধীন নছেন। " জমীদারগণ এক একটা ক্ষদ্র রাজ্য; ইছ্,দের সকলেরই কভ शुलिकतिया रेमना चारह; महरज (कर्रे क्र थिपान करतन ना। (कर्**रे** আইন মানেন না, রাজারা যে উল্লিড क्तिएक চাट्स्न, क्रमीमाइन्न काहात आठि বন্ধকতা করেন। এইপ্রকার শোচনীয় व्यवका महीरशका (य:४भूतहरे व्यक्ति मृत्रो इत्र ७ तः (वाध इत्र, इहाई द्वाकात উদ:দীনোর প্রধান কারণ। এফাণে ष्यामाणिरशत शवर्षत्मरणीत दिवसमा कता कर्डा। त्य, व हाता हा जानिशतक त्य माहारा ক্রিভেছেন ত হা সন্ত্র সাধারণের উন্নতির ना चिनिद हेत्र कात्रण इश्टेट्ट्रह हे श्वासीनका না থাকাতে রাজারা কর্তুব্যে উদাসীন রহিঃহেন; ও দিকে প্রজাগণ শাসন্থ-ণালীর উল্ভিবিষয়ে হতাশাস হইয়া রাজার প্রতি যথোচিত সন্মানপ্রদর্শনে হভাদর হ্ইয়াছেন; সুত্রাং রাজ্যমধ্যে দন্ত্যবৃত্তি, অবিচার, মূর্থতা ও কুদংকারের বিলক্ষণ প্রান্ত্র্ভাব হইতেছে।

এই অনিষ্টনিবারণের উপার বিরাজানিককে কেবল সহ পরামর্শ কান্ত থাকিবার সময় স্থাতীত হইয়। । হয় গ্রহণিমেন্ট এক কালে রাজাদিগকে স্থাধীনতা এদান করুন, নচেৎ, অবস্থা वृक्षिया काम कस्मन। अहे छ छ उत्तर मरणा প্রথম অপেকা খেব नोश । काइन এक काटल मण्यूर्न वांशीवणा थामाम कतिरल दाकरान पूर्व कारमञ ন্যায় কেবল যুদ্ধ বিএহছারা পরক্ষায় পরস্পেরের রাজ্যহরণের চেফা করি त्वन. डाहाटड द्राटकात अमिके हर्श्वात्रहे সম্পূর্ণ সম্ভাবনা। অতএব ভাহা না করিয়া त्राकामिरशत कार्यात छे भरत विस्थवकरभ इन्डिट्कम कहाई शवर्गस्यत्नेत कर्खवा। আমবা চিরকালের নিমিত্ত এৰপ বাব হার করিতে বলিতেছি না। গবর্ণমেণ্ট আপাততঃ রাজাদিগকে বর্তমান মুখ ও চুশ্চরিত্র মন্ত্রী বিচারপতি ও কর সংগ্রাহকদিগের পরিবর্তে কৃত্বিদ্য কর্মচারী,দিগকে নিযুক্ত করিবার অনু রোধ করুন, কলিকাতা, আগরা বোষাই ও মাক্রাফে বিস্তর কুতবিদ্য প্রাপ্ত হওয়া নাইবে। তাঁহারা মাত্রত্বপ্রভৃতি কাথোঁ নিযুক্ত হইলে রাজ্যের স্বিশেন উন্নতি লাভের সম্ভাবনা। মধ্যে মধ্যে ছুই এক জন ইউরেপীয় সিবিলিয়ানকেও কিছু দিনের নিমিত প্রেরণ করা হউক। এত (कार्रीय वाक्ष्यण कवल आफ्रातात कना यमकल रेमना दाथिया थारकन छाहापि । গকে ছাড়াইয়া দিয়া বিদালয় স্থাপিত क्ता इडेक। अहेमकल কাজ হইলে রাজারা ক্রমশং ক্তবিদা ও স্ব স্ব কর্ত্তবা প্রিজ্ঞানে সমথ হইবেন; প্রজাগণেরও छे शहरू कि इहेटव। यथेन मूर्विहात ७ শান্তিরকা কর্ত্তবা বলিয়া সকলের বোধ জিমিবে, তথন রেসিডেণ্টদিগকে সামান্য প্রামশ্দানবাতীত অনা কোন বিষয়ে इस्रार्थन कतिएक निरम्ध कता रहेरव। जिएम शवर्गस्य वाजामिशस्य य जिम স্কুর অবস্থায় রাখিয় ছেন, তাহাতে এই व्यन्ताली हे व्यवसम्बन कता विदयम हरेटल्ट ।

#### মুক্তন পুস্তক ।

নির্বাসিতের বিলাপ। এখানি পদা

মর প্রস্থা কলিকাতা সংস্কৃত কালেজের
অন্যতর হাত্র প্রীযুক্ত শিবনার্থ ভট্টাচার্থা
ইহার রচনা করিবাছেনা সেন্দ্রকাশ পাঠকগণ ক্ষুকারের করিবশক্তির
সভিত পরিচিত আছেন। সময়ে সময়ে
সোমপ্রকাশে ক প্রাত্তির আছেন। সময়ে সময়ে
সোমপ্রকাশে ক প্রাত্তির বিবরে আমা
দিগের কিছু অধিক বলা আবশাক হই
তেছে না। এইমাত্র বলকেই পর্যাপ্ত
হইবে, পাঠকগণকে উহাপাঠ করিয়া র্থা
সময়ক্ষেপ হইল বলিয়া আজেপ করিতে
হইবে না।

২। কাব্যপ্রকাশিকা পঞ্চম খাও । ইহাতেও সংক্ত শকুন্তলা ও কুমার সম্ভব চলিতেছে। ক্রমে ক্রমে ইহার ল্কিত হইতেছে।

७। हेड द्यालात विशेष সমূহ मित्रिक (১৭৮৯ मिर्देश) विवत्र । ইহাতে উক্ত মেলার উদ্দেশ্য ও এতৎ मरकार व्यमामा बृखास वर्गिष स्टेशारस, মেলাস্থলে যেসকল বাদলাও সংস্কৃত কবিতা পঠিত হয় এবং যে বক্তৃতা করা হয়, তাহাও উক্ত হইয়াছে। দেশীয় अद्योवअस्था इस, লোকেরা প<sup>ুস্পর</sup> अवर अद्यात मूथारणकी ना इरेशा अरम-भाव कल्यागकत कार्याभन्याम्हरू मगर्थ हम, हेहाई जे भागात अधान छेत्प्रम्। মেলার অধ্যক্ষেরা এটাকে কৌতুককর ৰ্যাপার করিয়া না জুলিয়া ধদর্থ ইহার সৃষ্টি হইয়াছে, যদি ইহাকে তৎসাধনো প্রোগী করিয়া তুলিতে পারেন, তাহা इट्टल अक्षी महरकार्या मन्त्राणिक इट्रा উঠিবে সন্দেহ নাই। আমাদিগের এক জন প্রপ্রের গৃত্বৎসরের এতৎসংক্রান্ত আয়ব্যয়বৃত্তাত দেখিতে না পাইয়া আক্ষেপ করিয়াছিলেন, আমরা তাঁহার কৌভূহলবিনোদনার্থ আয় ও ব্যয়সম্ফি

উদ্ত করিয়া দিলাম। সাহাযালক ব ১৪৩৩, এবং বায় ১৪৪২১/১০ টাকা।

8! ठिखाविद्यां कावा। वर्षः
निवानी श्रीसृष्ट वात् श्रेणानहस्त वन्नू च
वाष्ट्र वाष्ट्रमा श्रद्धा होती युवकणिरशत वावः
वर्गन कन्निता कांशिणशदक कित्रकातः
न्ष्रश्रद्धाणानाम् हेशत करणा। व
करणभा निष्क हरेशार्षः।

### विविधमध्याम ।

১৫ ই পৌষ সে:মবার ।

সিটনকার সাহেব পররাক্তবিভাগের সে টারি হইয়া একটা উত্তম কাজ করিভেছে ইভিপুর্ফে সেক্টোরি আদিসের এক .ছ. সংবাদপত্তের সম্পাদকদিসের দর্শনার্থ প্রব যোগ্য পত্রসকল রাখা হইড। সিটনকার সা সাক্ষাংসমুদ্ধে সম্পাদকদিগকে সংবাদ প্রে করিভেছেন। সেক্টোরি কি এভাদেশীয় স্ বাদপত্তের সম্পাদকদিগকে কোন রিপোট সংবাদ প্রেরণ করা পরান্দ্রিক্ত জ্ঞান করেন।

বিশ্বন্যালয় সর জন লরেন্সকৈ অভিন প্রদান করিবার প্রভাব পরিস্থাগ করিয়াছে গত নগলবার লাডবিশপের বাদীতে এ নজলিস হইয়াছিল। গবর্ণর জেনরল, লেপ্টা গবর্ণর এবং বিস্তব ইউরোপীয় ও এতদ্দে ভদ্র লোক তথার উপস্থিত হইয়াছিলেন

ডাকর ভাউদাজি বে'ষাইরের শরি ছেন। টাইমুস্ অব ইণ্ডিয়া বলেন, অপেকা অধিক সন্ত্রান্ত লোককে মা করা মন্তাবিত নয়। যাহা সর সাইমর । ল্ডু করিলেন, তাহা সর বার্টিল ক্ষুমারের না লোকেও করিতে মাহসী হন নাই। কলিকাছ এপ্রকার নিয়োগ ছইতে এখনও অনেক বি আছে। সর বার্ণেস পিকক থাকিতে ত হাঁ

লাড মেয়ের সহিত বোষাইয়ে উপন্
হতপ্পতে মাগদালার লাড নেপিয়রের ম
চিত সংমান হয় নাই। সকলেই ভূতন হ জেনরলের প্রতি সন্মানপ্রদর্শন করিয়ার কিন্তু থিওভোরের জয়কারীকে জাগুলো স্মারণ করিয়াছিলেন। লাড নেপিয়র ই পের সকল স্থানে সন্মান পাইয়াছেন। লাকের। ভাঁহাকে বংখাচিত রূপ সমাদর করাতে ভাঁহাদিসের এক প্রকার অফুড জ্ঞাত।

মধ্য ভারতব্যীয় টাইমস বলেন, থাকবন্তি 
লাগের নিমিত্ব প্রধান কমিসমরের আর এক 
সহকারী নিমুক্ত করিবার আক্রা হইয়াছে। 
র বেতন ৮০০ টাকা হইবে। সর রিচাড 
গলও নিয়ম বহির্জুত প্রদেশসমূহের কর্মচা 
গেগর নিমিত্ত ব্যক্ত হইলেন। পঞ্চাবের 
পুটী আকাউন্টান্ট জেনরল আর, টেনর 
হবকে কলিকাতার মনিঅতর আফিসের
ক্ষ করা হইয়াছে।

লাড মের বোধাই হইতে পুনার গমন করি হন। লাড মের বোধাইয়ের জিজি ভাই নালয় ও বালিকাবিদ্যালয় দর্শন করে হন।

বোষাই গেজেট করেল হইতে সংবাদ পাই
ছেন, আবছল রহমন খা কারুল আক্রমণার্থ
ভীর সৈন্য আনরন করাতে সিয়ার আজি
ার হিরাট ও ঘোরিয়ানক্বিত লাসনকর্তারা
ক্রমন অধিকার করিয়াচেন। তুর্কিস্থানের
ক্রেন অধিকার করিয়াচেন। তুর্কিস্থানের
ক্রেন অবছল রহমনের উপরে বিরক্ত হও
ভ আক্রাদসহকারে আমীরের প্রাভুত্ব আকিবর
রয়াচে। আবছল রহমনের অনেক সৈন্য
মীরের দলে আসিয়াছে। সন্দার বিপন্ন হইয়া
য়প্রার্থনা করিয়াছিলেন ক্রিল বিশ্বর ইয়া
লী ি ত হন নাই। হয় লীপ্র মুদ্ধ করিয়া
লী বির্বাহিণ পলায়নভিত্র আবছল রহমনের
লী বির্বাহিণ পলায়নভিত্র আবছল রহমনের

জিম খার সমরের কাবুলের শাসনকর্তা
সমস্থান খাঁ সিফাতে পলায়ন করিয়া
। ইহাকে সেখানে বাসস্থান দেওরা
। কাবুলের পলায়িত স্কার্দিগকে
নার নিকটে রাখা উচিত নহে।

বোষাই ব্যক্তির ভূতপূর্দ্ধ সেক্টোরি ব্লেয়ার হৈবের জবানবদিদ গুলীত হইয়াছে। সর চার জারনের প্রায় বাবাতীয় প্রশ্নের উত্তরদান লে তিনি, হয় প্রেমচাদ রায়চাদের দোষ , নচেৎ স্মরণ ন ই বলেন। পরিশেষে সর লস জারন বিরক্ত হইয়া বলিলেন, " তুমি ানার জায় বায়ের বিষয়ে কোন সংবাদ রাখ ভান করি। ভাজ সকল দোষই প্রেমচাদের , দিয়া আজ্বসমর্থন কারতে চাহ"। এক ভূতপূর্দ্ধ ডিরেক্টর সলিয়াচেন, স্লেমার ব জাধাক্ষদিনের পরামশান লইয়া বাজিন বকে বিনা বক্ষকে টাকা কর্ম্ভ দিতেন। এক সমরে প্রেমচার রায়চার ২৫.০০ টাকা মাত্র কর্জ্জ নিতে বলেন। কিন্তু বেয়ার সাহেব পাচ লক্ষ্টাকা বিয়াছিলেন। এই প্রকারে বাক্ষের এত ক্ষতি হইয়াছে।

ইতিয়ান ডেলিনিউন বলেন, সম্রতি কডল ল লোক সুক্ষরবনে কার্ছ কাটিভে বাওয়াডে পোট কানিও কোম্পানির এক জন (ইউরোপীয়) সহকারী জাহাদিকের লাইদেশ দেখিতে চান। দেখাইতে বিলম হওয়াতে সহকারী এক জনকে প্রহার করিলেন। ইহাতে কাঠুরিয়ারা রাগা-দিত হইয়া দলবছ হওয়াতে সহকারী আপনার বৃদ্ধকদারা চারি জনকে আহত করিরাছেন। এপ্রকার ঘটনা বিরল নহে, এত এব জামাদিগের ফুতন কিছুই বলিবার প্রয়োজন রাখে না। গ্রথবিকট সুক্ষর বনটা পোট কাছিও কোম্পানিকে দিয়া অভিশয় অন্যায় কৈরিয়া ছেন। কোম্পানি অপরিমিত কর লওয়াতে লোকের সবিশেষ কণ্ঠ হইয়াছে।

হিন্দুপেটিয়ট আক্ষেপ করিয়াছেন যে, করেক ধান বাঙ্গালী ভারতব্যমি স্থার পান তাঁহাদি গের মধ্যে চারি জনের মৃত্যু হইয়াছে। কিন্তু এ বার এত স্থার বিভারিত হইল, তক্মধ্যে এক ধান বাঙ্গালির নামও নাই। পঞাবী শাসনক ভারা বাঙ্গালিদিগকে ভাল বাসেন বলিয়া ইহা করেন নাই।

চাকাপ্রকাশ বলেন, 'পাঠকবর্গ অব গত থাকিতে পারেন, চাকার ভূতপূর্ম জেলর রিদুক সাহেব অনা কোন শান্তি প্রাপ্ত না হইয়া বাঁকুড়ায় পরিবর্তিত হইয়াছিলেন। কিছ রিড ক যে কারণে হউক চাকার মায়া পরিত্যাগ করিতে না পারিয়া জেল ইনস্পেটর সাহেবের নিকটে এই বলিয়া আবেদন করেন যে, আমি চাকার পূর্ম কর্মনা পাইলে আর কাল করিতে অভিলামী সাক্ষিত্য সাহেব তাঁহার কর্মা ভ্যাগের প্রার্থনা প্রতিষ্ঠা সাহেব তাঁহার কর্মা ভ্যাগের প্রার্থনা প্রতিষ্ঠা সাহেব তাঁহার কর্মা ভ্যাগের প্রার্থনা প্রতিষ্ঠা সাহেব তাঁহার কর্মা ভ্যাগের প্রার্থনা প্রতিষ্ঠান প্রতিষ্ঠা বলিয়া ভাহাদিগাকে একবারে ক্রেন্সের গরিচয় হইতেছে না ?

'ধাষরাইনিবাসী তিন জন জুর্ণর একদা আমান্তর হইতে স্বালয়ে আসিতৈছিল, হঠাৎ একটা সামান্য ঘূর্ণা বায়ুতে এক ব্যক্তি তৎক্ষ গাং অপর ছই জন তৎপর্দিবস প্রাণভ্যাগ করি য়াছে! ১

हिन्द्रहिटेफियिनी वटनन, " शार्टकशव!

क्षाकिटिक्त क्षित्रास्त्र महाद्वे कथा वक् स्ट्रान्य मार्र । जामदा जानि अक्टिश्कुश्व पदाद विषद আলাপ্ন করি। এক জান আংশের শিক্ষক পিছ बारकानगरक विशास बर्ग कविसा बाजी जानि एक हिलान, डाँहात मरण अकरि वृद्ध लाक हिल अक मिन रहाइन्न थारन मक्तान भन भोका माना इंदा निक्रिक हिर्दाम । ताजि वथन विक्रीय थान्त जथन खाळाज रहेग्रा (म्टबन जांगात्मत रनीका कीर्छिनामा (शका) नहीत मधाकृतन अक ভিনীনোকার ৮ জান দফুর ছারা আফোজ इरेश्नाइ। द्व लाकि एक्नामितात निकर অনেক অপ্রনয় করাতে দস্থাগণ তাহাদিগকে कान श्रीका ना निया जिनित भाज थाय ७०० होका (नोका इट्रेंग्ड बहन करता अक कम मञ्जू वृद्ध लाकिएक बिलन, महानय! जामदा ভাগবোনদিগের সর্বানাশ করিয়াই প্রতিপালিত **২ইতেছি। আপনি বৃদ্ধ, আমাদিগকৈ মন্ত্রু** করি रवन मा। रवाध कवि कामनावा नालिभ कविरवन করুন, ভাহাতে আমাদের ভয় নাই। আপনঃ (मत्र वाफ़ी कारता अक भिषम मृत्र तहिशारकः অভএব পাথেয় বাবত আপনাদিগকে বাব व्यामा निटङ्कि ইहाबाता व्यावनात वाय कतिया वाड़ी शहरवन, खात এह वनाउधाना शाम निया मीक निवातन कहिरतन, वलिया ১२ शला भग्नमा ७ वनाष्ठ थाना वृहस्त कर छ पिया দ্রস্থান প্রস্থান করিয়াছে। দ্রস্থানিগের এরপ प्रश्ना (करान प्राप्त (मोख!रगाय (हिक्स मश्न ! ! ! "

১৬ ই পৌষ মজলবার। .

মধ্যভারতবর্ষে খাদে দ্রব্য হর্দ্ম লা হওয়াতে ভব্রভা ১০০ টাকার নীচের কর্মচারীদিগকে শতকরা ২৫ টাকা করিয়া বেজন বাড়াইয়া দিবার আভ্তঃ হইয়াছে।

তারতবর্ষীর গবর্ণমেন্ট ১২ ই ভিদেশর পর্যা তের কাবুলের সংবাদ পাইয়াছেন। সিয়ার জালি খাঁ। গিজনির দশক্রোল মুববঙী লোড়া ও ঘদ ঘদ গ্রামে শিবির স্থাপন করিয়াছেন। ভ্রমার পতিত চওয়াতে দৈন্যগণ অগ্রসর হইছে নিরভেছে না। সন্ধার আবহলরহন খাঁ। ও অজিম খাঁও নিকটবন্ধী গ্রামে আছেন, ভাষ্যা দিগের অনেক দৈনা দলভ্যাগ করিয়াছে। এবার সিয়ারজালি যথাধ বুদ্ধিনভা ও ক্ষমতা প্রকাশ করিয়াছেন।

ভন্নকারনামক বে ব্যক্তি ব্রহ্মণেশের রাজ্যর প্রতি অভ্যাচার, করিবার দোবারোপ করিয়া রেজুণ টাইমসে পত্র লিশিয়াছিল, সে আমেরি কান নহে, জাডিতে জর্মাণীয়। মাতাল হইয়া

केरणाक क्याटक काशास्त्र (काटन (मिक्से स्वेस) किस अक्षरित्मत तालाटक जक्साल अस वित्रा भूभव क्राह्यात (व क्था अत्राकात विनिद्याद्भिन, खाहर मज्य नरह । अवाकात ब्राह्माव चाउराहारत मान्सनाहे छ। त करत नाहे। (म तजारमणीय अक वाक्तिय मिक्टि क्रककेलि शैतक सहस्र अंक कि ए एम् । किन्ह या विशेषक छे भरत रहक विद्यादिक, फिलि होका स्वत माहे। **এই स्टा**न्त कट्डा खंडाकात (त्रम्टन ननाड्रन ক্রিয়া আইনে। খেনকল ইউরোপীয়া আনিয়া ्षर्ञत त्राक्षांतिरात व्यथीरन कर्मा वाक्ष करत्र, ভাহাদিশের প্রতি অভনচারের কথা সংক্ बबाम कड़ा छैक्टि नरहा

কচের রক্তার মন্ত্রী খাবাহাছর সাহেবুদিন हैं श्राद भाषा करिए हिम्। कहन रखा छ (काम विषय इरल खीत कर्जुभाकत काइत काइताः লিমি ডিনি গমন কারবেন :

(यमकल थक्षत्रक्षक शक्त अतः नीत् ह क्षाना क्षाना प्रवास कारण मारणायातक कारह **নেসমুদায় তথায় মীলামে বিক্রন্ত ক**াড়বার নিমেন্ত বোৰ'ই ংইজে এক জন অ; ফলব গম্ম कविद्राष्ट्रद्रम् । अविजिलीयगदन्न कि अष्ठ प्रार्थ 

সম্প্রতি বাজালোৱে এক জন মুসল্মান প্রী'লোক ১২০ বংসর বয়ুসে প্রাণ্ডনেগ করি য়াছেন : প্রাণের যুদ্ধের দশ বংসর প্রক্ ভারার জন্ম ব্য়। ভিন্ন হয়বার জালি ও টিপুস্ত लाङ रामत् क ये। भणन कांत्रता इंटलन । अग्राह्यन হেন্ডিল অব্ধিসর জান লারেলপর্যন্ত সকল शवनव (क्रमत्रस केश्वाव क्षीरम कार्स अर्मरम काडिएमन धक मण्ड तमें श्रीपृष्ट के श्रीत ख्यान ছিল ৷ বিংশতি ধর্ষ ভেনি নিভান্ত লিক্ষরণ

পেয়ভিয়ার বলেন দার জিলিডে কাস্রোগের नित्मव श्रीक्रकंद एवेदार्क ।

लएको । इसन वटलन, २८ क हिटनबढ कान পুরের রূটী আড্ডার পর হইখানি মঞ্জাফীতে श्वरका भाका लाणिश्वाद्या अक्योंकि सक्छे ছাভিবার অন্তিবেল্যে আরু এক খানি क्रांकाट अहे छ्या हैना क्षेत्राह । कि काफि रूड-যাতে তাল এপ্যান্ত জানা যায় নাই।

আবার, বি. চাপমান সাহেৰ ভারতচাণীয় গ্ৰথমেট্ডের রাজ্যসংক্রাম্ভ সেপ্রেটারি হও ল্লাডে দকল সংবাদপত্র বিস্মন্ত্রকাশ করি (फर्डन हेर्डन मार्ट्स्ट्रक अहे भिन्न (नड्या छिडिछ ड्रिकाः किन्न त्वाथ इस गत सम शहरक खूठानशरीक विवाह विन्धुक इन नाहै।

. एड निविष्ठेन सम्बद्ध कार्य कतिबाद्ध्य, (हेरे विद केव कि विकास इंड छात्र के जीविकाल त्वन : त्वाथ एष्ट, अरे क्रिका क्षेत्रहरूमां विद्यालय निविश्व कर्क केन्र। स्टेटफट्ट विश्वक व्यव वार्शन मञ्जूषि वनिवादसन, अक्षकाह कार्यः कतिरक (भरम कक्क कता कर्षा । अबहे कक्क वरेटन विनया (हैं वेटन क्षिक्रे कि अवस्था के आप अतिखबर्धि कृष्टिकार्य क्रियम मा ।

উজ পত্ৰ অবগত হইয়াছেন, লাভ মেছ নাজাকে না গিয়া রাজপুডনা ও উত্তর পশ্চি ाक्षण स्टेम्रा ३२ हे ब्लानुसाति चौन्न कार्यः अस्व कारेदान । प्रक्षिकणी फुळ लाकनिरशत व्यवश्रा ৰচক্ষে দৰ্শৰ কয়। জাঁহার আজিপ্রেড। লাভমেয় মতি উত্তম কাল করিতেছেন, অচকে দর্শন বিশ্ব এক লানের ডিল বংগর এবং আ ারিলে ছার্কিক্ষারারণের প্রকৃত উপায় অবলঘন कदिएक शाहित्वम ।

সম্প্রতি এক জন বেদ্যা তাহার উপপ্রিয় गट्य कार्मिकांवश्रद्धम् 😮 कावित नालीम् চরাতে মাজিটেট রবার্টস সাহেৰ ভাছ। প্ৰা'ষ্ট ক'বুয়া ৰলিয়াছেন, '' উপপতি ও উপ পত্নীঘটাত বিবাদে পুলিষের **হস্তকে**প করা ধন্যায়। আমি দেখিতেছি, বেখানে কোন वन्तामः उद्याख भानीन इत्तर, श्रुलिय क्रयाध्र (यन अक्षारीन क वृष्ट्राइत । ज्यारा स्वतः विष्ट्रं यथन तिल्यात माहाया, यथार्थ श्राष्ट्राक्टम इत, ज्यात প্লিধ এমত আগ্রহ প্রদর্শন করেন ন।। ৯ বশ্যামহলে কি শান্তিরক্ষার প্রয়োজন নাই?

३१ हे लीय व्यवाता

**পঞ্চানের ফেলসমূহের** জীলেকেনিভাগের নমন্ত এক এক জন জীলোক ভত্তাবধায় गौरक भिष्ठक बद्धा इहेग्राट्य ।

বোৰ'ইয়ে এমন জনতহাত মাগদালাত নাউনৈশিয়র তিন মাসের মধ্যে ইংল্ডে এতিগমন করিবেন।

क' डेट हेन (मञ्ज लिक्डि कि डेक्डिव्ह कर्डिक নর আমসেট জিলিভাইয়ের বালীতে গমন করির।ছিলেন। কতকগুলি এত্রদ্দশীয় ভয় লোক ভথাৰ ভাৰাকে সংঘলেনা কৰেন। লেডি মেয় অবভঃপর জিজিভাই দাতব্য বিদ্যালয়েব डाळ्डिंग्रिय भरीका शहन कांत्रधा मश्रष्टे इटेशा 'ছলেন। বিদায় লচ্বাৰ সময়ে ভিনি কয়েকজন अ≱स्मि<sup>ली</sup> स्र , ज्ञारमार्कत कश्चमक्ति कतिया क्रिलन। अ (भर्णक व्यानक मध्य ट्यानिय विवि भग के काल करिएल मुबाइका करें।

ডাইদ দ্বার মকল্মনার প্রিবি কৌলিলে नाशीन रुपप्रांट निविन्तान किंग्रेस लिए क

मार्थ्य अवर्ग्यान्त्रेत 71431 कवित्र केंद्रिएक श्रम कदिएकएकन

किए किस स्टेश, खाक्कत मो ब बारहर, यामधीय नामक कर्या वात निविध (अगिटक जि (केंटन इ यागकविष्यान क्या कडवर । এहे बाट्ड (मन्डेमने भवनंत्र मक्यान्त्र स क्षाम बामकविष्ठांगं कविषात्र काळा.

भवनिक क्रिनियन बर्जन, धूनकान क्षिणेश्य बाम्भीत साराटस विनः काः বার নিমিত ভিন জন ইউরোপীয় জাল कतियाहिन। भक्षारियत अधाम भागान्छ करनत एवं भाग कतिया (मन्नाम मिन्नार्ट्डन কারুলীয় বহাজন দলের সহিত লাইচ लंब विवाप एक्साएफ लोमवान हाई प्रटम प

शक्षा व्हेशिक्ता ६० सम् ध्रुष्ठ वृद्ध धरकारत्व । • होका कविश्वा **क**दियाना श्रीहरू। আসিয়াটিক সোসাইটির গত আ क्षियरम भ्रमाय अष्ट, स्म, स्विम मार्ट्स्य

ষমসংক্রান্ত একটা প্রবন্ধ পরিত হয়। ग्रामंत्रम कर्षिक ७ (वाकशूर्व किन। ६ দিডোর সময়ে সমুদ্রের জীরে ও প্রসং मार्था फिन्ही क्ष्मान नगर छ कड़ छ ल हा ১৬৮০ অন্দেএক প্রবল বাজা হওয় ্ট উচ্চলমুদ্র ওরপ আলিয়া অনে ও প্রায় তুই লক্ষ্য লোকের প্রাণ নট অবলিষ্ট সোকেরা উপর অঞ্চ कवित्रा 'ख' हेर्सन । 'छ९'नेट्स\_५ १०१ ৰ্ষার বাভাগ হওয়াতে অনেক অনিষ্ঠ इंश्व केल्ट्र भग छ लहे शिक्ष (वर्ष बाउराहात इत्रहाराज कुम्मद्रवस । उ हीम क्षेत्राट्या कार्यान कतिएत ि वाजी मन्मित्र ७ मनकिम वाहित एके।

मही छार्व विष्णाभिकां व क्रमभः ৰ্ভাৰ হওয়াজে ভারতব্যীয় গ্ৰৰ্থ সের সংখ্যারভি করিবার আংকর। शकात सुख्य निक्षक कर्वन ह eইয়াছেন। ভতপুর্দা রাজার পার্চ ब्रह्मिश्टक (शक्तम ও क्उक्टक भिया विभाग (मध्या करेय'टक ।

क्रम अ'हे मारहरक छात्रकरा माबिब भन मिएल हारा रहेशा ডিনি ভাছা এছণ করেন নাই ! अहे जयी कारत्र

ाक्रम करवाम मा । এवळ व्यवस्था ब्रह्म कतिरम मश्कारयव विकक्ष গুরু । আইট সাহেশ্ব ভারতবর্ষের मर्भन कतिएक हारहन खाहा अक অসম্ভব ; অ্কএৰ ডিনি সেং কেটারি ্ৰ সাহউক কছক উন্নভিঃনশচয়ই

াদিলের এখান সেনাপ্তির মাজা বিবি ফিল্ড ৭৯ বংস্র বয়সে আবভাগে इन ।

देत समामिवात श्रीत्य कवित्रमात रश आय ६६ अन इंडिखा भीत भू निय कन्महा क एक मित्रा किरमन।

। क्रिमारक भूगनीत विधार एरेतारक। ইগৰ দরিত্র অখাত উপনিৰেশ আক্রমণ ৫٠।७ - क्रम लाक्रक वध कतिशाह मा भी द्वाप्रज व्यापना निरंभत स्तर्भ व्याप রিজেনে, ভাষাদিশের ভূম কাজিয়। अधा कि फाल कहित्स कोन रहा मा ? এ ডিদেশর সীভারামপুর ২ইতে সীত। ্রিস্ত কন্দ্র লাইনে রেইলওয়ে শক্ট গ্রন রিরাভিল। সর রিচাড টেম্পল লিওনাড **७ (श्राष्ट्रेक मार्ट्य मक्ट्डे हिस्स्त।** গ্লপ্রাপ্ত শক্টখানি গ্রমন করিয়া

५৮ हे (भीय वृह्ण्य कियांत्र ।

া পাধা চালাইবার নিমিত্ত লেপ্ট **এक्षी भारते हे लहेश्वास्त्र । अह** দিবসাবধি ২ইভেছে।

তুর্ভিক্রণীড়িভদিগের সাহায্যাথ (बात्र) ১, ••, ७ • ७ खन (नाक्टक ( (मुख्या क्ट्रेडिए अर्थाय अर्थाय क्षम (मार्क माश्य) निहेटफट्ट । भीकार कार्य अवने शुक्र देशी देश कर्मकन कार्या आध्रयाय |के अंग **ए. ब्र**िट्टि |

ধশু ও মিরাটে গো মহিব চুরির ঃয়াতে পুলিষের ডেপুটি ইন**েশ্ট**র **क्टे**बन्डे कर्नल एक्टिन इम्रमान ধরিতে নিযুক্ত থাকিবার আক্ষা

প্রণালীতে শাসিত হয় তিমি সম্প্রিয়া লোক্ষ্চলেলে সাত্রিগণ অভিশয় ভাড়না করে। সরকুলর:রাভার অনেক গাড়ী। চলে: দুর্ভাগাক্রেম **দুডের বাটর সম্মুধ** দিয়া গমন করিলে গাড়োয়ানগণ গালী সহ্য করিয়া थारक। त निवन अक मन लारकत महिए **ওর**খ টিলের দা**লা হইতে হইতে** রহিয়া নিয়েতে দুভের ৰাজীয় সম্মুখে মেপালীয় সাঞ্জীব পরি रार्ड कात्रजन्मीत प्रश्नी अधना श्रीतन शक्ती রাখা করেবা কোর গুরখাগণ মদ্যপান করিয়া রাস্তায় রুখৎ রুখ্ৎ ভোগালি লইয়া ভ্রমণ করে। আলল পারণ করিয়া মগার জমণ করা নিযিক হই **८७८६। पूर्विमागारमत** सवारवत मतीत्रवक्षक मिन**एक क्लवा**त काल कतिएक श्रेशांहल।

> ্**হিন্দুহীতৈ হিণী ৰলেন, অত্ৰত্য** হেচারামের দেউ রীর রমাই চাঁদ বেহারা ১৬ ই ডিদেশর ভাহার পুত্র অধ্যক্ষার সাজত চেণরিত ক্ইয়াছে বলিয়া এळाश्राह करतः क अविन इहेल आशीहरत्रक्रांनार्श्र এক আয়ার সহিত বাবুব বাজারের সাল্ড ায় জ্ঞ नामकरक श्राप्त इंद्रशाह्य : आबीत्रत्रक्। कक म .৭বের সক্তানেত্ত্ত্ত্ব-ধানীর কার্যোনিযুক্ত হুইবার ্ন্য প্রার্থনা করে। জ্ঞাসাহের স্তন্যপরীক। করিয় ভাষার পুত্র দেখিতে চাছেন, আমীরয়েছার পুত্র এখানে না থাকায়, রামাইচালেব জীকে বলিয়া ठोहात न कि लहेगा एम्बाइट ड हिल्हा दिल आक्रकोलकात क्षत्रभा भवनामित्रात म्(४) उ धर्छण्डा (वत्रम ५८० मा**ই** ।

> উख्न भञ्ज दर्दनम, '' शख 'ऽ৮ हे जिर्ह्म ধর রাজ্রে মুলফত ৩ঞ্জ প্টেসনের অধীন গঙ্গানগণ হাট খোলাধ নিকট নদীতে বিক্রমপুরের ভবা টকর নিৰাসীনন্দকুষাৰ জুগীপ্রাজ্ঞ গুড় বংৰ গায়ীকৰ নৌকা লাগাইয়া নিদ্রিত ছিল. ৬ জন ভाकाइंड (ने:कार त्रती काणिया अस्तक पृद्ध নিয়ানৌকা ধ্ইতে ১১৩১ জানার মাল অপঃ রণ করিয়াছে ৷

> উক্ত ভারিখে দেই স্থলে বিক্রমপুর মাইজ পাড়ার পূর্বচন্দ্র সাহার নৌকা হইতে ডাবাইড গ্ৰণ ঐভাবে জিনিস অপহরণ করিয়াছে। ভদ্রতা এই বে কাছাকেও প্রাণে ( আঘাত করে নাই. প্লিষ অনুসন্ধান করিভেছেন !

### ১৯ এ পৌৰ শুক্ৰবার।

निभ्रमात काथनिक अगाधानात (यमकन ৃষ্ড যে ব্লিডে ক্ষাভ্ৰন, ভাষাত্ত শিশুও শিক্ষপপ্ৰভৃতি আছেন, ভাঁহাদিগকে

विनः कर्षा माधावन ভाखाव स्ट्रेटफ अवद निवात काका रेख्यारक कानदा ও मुद्धदित क्याचान-रमेन व्यथक्तान के अकात ' चच्च है हारहन। अन् र्गत व्यवज्ञा अहे '' युद्धिनिष् " क्योरवम्य वा स कतिग्राटकन। कामता कालीयारित रालहात्रति-গকে অন্থরোধ করিডেছি, ক্ষালীবালীতে যে नकन व्यवाद लाक व्यव भाग काश्विरात्र असः সাধারণ ভাগুার হইতে উষধ প্রার্থনা করেন। নজির উদ্ভম রহিয়াছে।

আমাদিগের ভুতপুর্ন রাজখনংক্রাভ মন্ত্রী মাসি সাহেব মহাসভায় প্রবৈশ করিবার চেষ্টার 'अकु'डार्थ इरेग्नाट्डन । क'रबल भारूव अभारत নাই। ভারতবর্ষীয় গংগ্রেশ্টের অওর সেক্রে-गेति उग्रारेणि भारत्व अवर सर्क गिविलियान ७ रेष्ट्रे डेरेक मारहर कुछकार्य। इहेम्। रह्म । स्वर्क्त টিবেলিয়ানের নিমিক্ত ভারতব্বের সকলেই আহ্বাদিত ইইবেন।

বিখ্যাত ফরাশী বারিষ্টর মস্থর বেরিয়বের मृङ्कः रहेशाद्र । है:ने ১१৯० च्यात्र च्या अहन কাররাছেলেন ; অভএব প্রথম কেপ্রিয়ন, ष्टोप्तम युर्के प्रमाग हादल्य । युर्के कि स्प এবং ভূডীয় নেপলিয়নের রাজাত্ত দশন কার য়া**ছেন বেরিয়র ইজেজাগ**াদ্শের প্রধান স্থ কারী ক্লিলেন। ১৮১৫ অন্দে।জনি প্রাণিশ্ব সাহসী মাপলনের সমধন কবিয়।ছিলেন। ভূডীয় নেপ প্লিয়ন যখন জুই ফি লিপের সম্য়ে বিচুব করিংভ শা সন্না ধৃত হন, তখন বেরিয়রের দ্বা ভাচার প্রধন হয়। তথাপি খেবিয়ার নেপ্লিয়ান বংশের ব্যাবর বিশক্ষতা করিয়াছেন ইউরোপীয় ধাৰতীয় বাৰিষ্টর অংশেক। ইহার বক্তা শাক্ত ভিলা বেমত স্থার সেইপ্রকার মহাধ্তাব ও মনোহর অঙ্গ ভগীছিল। বেরয়ারের পিতা বানিষ্টার ছিলেন > জাঁহার পুত্রও এক জন বারি ষ্টুর। তিন পুরুষই বজ্ঞাশজিনিবৠন বিখাত।

মাস্ত্রাজ্ঞ রেল-৫রে কোম্পানি দেড় ক্রোমে ছুইপদ্সা ভাড়া করিয়া ক য়াংখান কুলি শকট করিতেছেন। এগুলি আমাদিপের চতুর্প ঞোলির শকটের ন্যায় আক্ষাদিত, কিন্তু ইছার मर्थः जानन नार्हे ।

কুর্বের ভূতপুর্ব রোলার কন্য গৌরাম। বিক্টোরিয়া ইংলডেখনীর পোষ্য কন্যা ও প্রিয় পাত্রী ভিলেন। মাজোজের ৩৮ গণিত দিপাইী রেজিমেটের কর্ণেল কাজেলের সহিত রাজকু मात्री विरक्षेतिकात विवाद देवेग हिन । किन अ विवाद देवेग इस देश हिन । किन अवस्थि कन्या धान कित्र शानकात करतम । नक्ष्यकि कर्यन कारबन हठार कर्मा देवेगारहम । देशन यरबच मण्यकि चारह अवर निर्म वृक्षिमन विवास विवास हिस्सन । किन्दे देशात कर्म-मक्षान कतिरक भागिरकहन मा ।

বেলেয়ার বন্দরের অথ্যক্ষ কন্ত গুলি কলবর বৃক্ষ চাহিয়া পাঠাইয়াছেন। আন্দাদানে অক্সই ফলতক আছে। তথায় বিস্তর আত্র হয়। কিন্তু নকলই আটিয়াত্রসার। তথায় উত্তম কাফি হইতে পারে। তারতবর্ষীয় গবর্ধখেন্ট মাজ্রাজ্ঞ ও বঙ্গদেশের কুবিদমাজকে বীজ প্রেরণ করিতে বলি নাছেন। এতেন হইতে কন্ত গুলি মেবও আন্দামানে প্রেরিভ হইভেছে। মর জন লবেন্দকে স্থানকে রাখিয়া প্রভাগে মনকালে জিরোজ আহাল্প এগুলিকে আন স্থান করিবে।

নোয়ালয়রের এক জন ওরা সর্পের বিষ দিবারণের প্রকৃত উষধ প্রকাশ করিয়াছে। দেনা পতি সাউয়াসের সন্ধৃত্যে এ ব্যক্তি একটা ছৌলোককে ভাল করে। কয়েকটা কুকুর ও মুব গীকে এই উষধ দিয়া সর্পদ্ধারা দংশন করাইয়া দেবা হইয়াছে। ভাছাদিগের মৃত্যু হয় নাই। সেইসকল সর্প বিনা উষ্পের ঘখন অন্য জন্তকে দেশন করিয়াছে তখন ভাহাদিগের মৃত্যু হই হাছে। দেনাপতে সাউয়াস এবিদ্য় ভাতর দেয়াকে ল খয়। পাঠাইয়াছেন। ইহার পরীক্ষা করা প্রবশ্বে

ক্ষাগামী বাৰ মঞ্জলের দেওগ্রনী আলালভ সমূহ সর্কভ্জা ৭০ দিবস বল্ধ গাকিলে। ছুগোৎ সাবেব ৩২ দিবসু বল্ধ জিল হই ধাতে।

রাজ কুষার আজিমজার সংবপরিশোপাথ
থার ১০ লক টাকা দেওরা হইটেছে: ইছা
অভিশ্ব অন্যার। পদচুতে রাজকুমারগণের
আনা উচিত, বার্যার এপ্রকার নির্ক্তি জিলাজনি দ খণের নিমিত টাকা দিতে হইলে সর্বসাধারণে উাহাদিগের উপরে ক্রমলঃ বিরক্তই হইবেন।
ইউবোলীয় পদচ্ভে রাজবংশীয়গণ পুল্ম প্রাজগ্ হইতে এক প্রসা পান না, এটা আজিম্জা প্রভৃতির যেন সার্গ থাকে।

গত কলের গেজেটে প্রথম উপাধি ও প্রাট্নে শিকা পরীক্ষার কল প্রকাশিত হইরাছে। সর্ব শুক্ত ১৯৭ জন এল. এ, এবং ৮৯৩ জন প্রাহ শিকা পরীক্ষায় উত্তীর্ণ হইরাছে। এল, এ, পরীক্ষায় প্রথম জেনিতে ১২ জন, ছিতীয় শ্রেণিতে ৮১ জন, তৃতীয় জেনিতে ১১৪ জন এবং প্রবেশিকা পরীকার প্রথম প্রেণিতে ১৪৬
ক্ষর, বিভীয় প্রেণিতে ৪৩৪ ক্ষর ও তৃতীর
প্রেণিতে ৩১৩ কর কুজুরার হইরাহেন।
প্রবেশিকা পরীকার মুহখার সর্বাশেকা ক্ষেত্রল
আবেশিকা পরীকার মুহখার প্রবংশক ক্ষেত্রল
আবেশিকা ওংপরে হেরার ও ওংপরে হিন্দুক্ত ল
ভাতাইয়াকে। ক্ষিত্র পরীকার্থীর সহিত্য কুজার্থ
হাত্রের সংখ্যা করিলে প্রথম আসন হিন্দুক্ত ল
ভ বিভীয় আসন হেলোর ইকুলের হইতেহে।
আময়া ছঃখিত হইলাম, জেনেরল আসেই
বিদ্যালয়ে অধিকসংখ্যক অকুভার্থ হাত্র দেখা
যাইতেহে।

#### २ • अ (शीय मिनवात ।

আমরা আজানিত হইলাম, বনিক সম্প্রনার উপযুক্ত ও জগংহিতথী সেক্রেটারি উড গাহেব কলিকাডায় প্রভ্যাগমন করিয়াছেন। উড সাহেব বৃদ্ধ সময়ে আসিয়াছেন। বর্তমান চভিক্ষের সময়ে ভাঁহার ন্যায় লোকের দ্বারা বিশেষ উপকার হইবে। প্রতিনিধি সেক্রেটারি এ, বি, শেকল্টন সাহেব গভ রাড়ের সময়ে যে প্রকার কার্যা করেন, ভাহাতে সক্রসাধারণে ভাঁহার নিকটে অবশাই কৃতক্ত হইবেন।

তো সাহেব ছব্ভিক্সবংখ্যে প্রথম ভ্রমে পতিত **इरेशाट्यन । विभिक्तमञ्ज्ञानाय अञ्चलित्यन यथन** অনেক স্থানে বিশেষতঃ ঝাঁশীপ্ৰভৃতি স্থানে ছডিক, তথন ভাঁহারা সাধারণ চাঁদা এহণ कदिएक श्रक्षक कार्ष्ट्रम । स्वर्णनान्ते भवर्षेत्र अहे পত্র গবর্ণর জ্বেনরলের মিকটে প্রেরণ করিয়া १रेशाट्ड व्यात ७ रहेवात मञ्जावना । वस्राप्तान কষ্ট না দেখিয়া চাঁদা করা জন্তুডিত। আপাততঃ माधादन कार्यक्षाता कन्म मिटन मर्थके इकेटन । **রো সাহেব নিভাক্ত স্বার্থপরভাপ্রকাশ করি**রা ্চন, গত ঝড় ও ছুর্ডিক্ষের সময়ে কি উত্তর পশ্চি माध्यल रहेए उन्नाप्ता माहाया आहेर्न माहे? সর্বাধারণ এখন চালা দিতে ইচ্ছ ক। আৰুঃ পর বাণিজ্ঞাসংক্রান্ত কষ্ট ধা অব্যক্তিক হইলে চাদা উঠা ভার হইবে। বেহারে লাগিবে বলিয়া এখন উত্তর পশ্চিমাঞ্চলে সাচায্য প্রেরণ করিতে না দেওয়া অভিশন্ন অন্যায়।

সম্প্রতি পঞ্জাবের স্থানে স্থানে ভূষিকলপ হওয়াতে একটা বিশেষ উপকার হইয়াছে। পৃথিবীর উপরিভাগের কয়েক আঞ্জুলী নীচের সমুদায় মৃত্তিকা ভূমিকল্পধারা জলসিক্ত হই য়াছে। ভূমগাস্থ জল যে কল্প ধারা উঠি য়াছে, ভাষা বোধ হইডেছে। এই প্রকারে পরমেশ্বর জনিষ্টের সহিত ইপ্রসাধন করেন। মৃগ্য ভারভবর্ষের কস্পের অবস্থা যত না त्वाथ व्हेताहिन, उक नम्र नर् माट्ट। किन्न कनिकाकात माकानम् माट्ट। किन्न कनिकाकात माकानम् माट्ट। कान्नि कनिम्ना कनिकाटके नव्यमाम् भवर्गस्मिद्देक कन्न्द्राच व माट्टाम् कृताः अभारतात क्रुशानित अक अ कोनिका क्रामिक करम्म।

টাইনস কৰ ইণ্ডিল্লা বলেন ৩০ এ লাড মেলু নাজ্যাকে যাত্রা করিয়াছেন। পীড়িত স্থান তবে স্বচক্ষে দর্শন করা ২০ না।

আমরা পুনর্বার গবর্ণমেন্টকে অন্তরের তেছি নেপালীর হুতের বাটার প্রহৃতি কয়েক জন পুলিম কর্মচারীকে রাখুন কল্য আমরা পুনর্বার সচক্ষে দেখিলাম, প্রহরিগণ রাজার লোককে ভাড়াভাড়ি তেছে। প্রবর্ধাগণ গোঁরার; ক্ষ লিকাজার গ্ যানেরা ক্ম গোঁরার নহে। একটা দা হয় এটা প্রাথনীয়।

নিম্লিখিত মুলো গ্ৰণ্মেন্টের ক বিক্রীত চইতেছে। ৪ টাকার সিক্রা ১০॥ ০ ৷ ১ ৪ ৯ কেংহ ১০॥ ০ ৷ ১ ৫ ৯ কেংহ ১০৮॥ ০ ৷ ১০ ৫ ৯ কেংহ ১০৮॥ ০ ৷ ১০ ৫॥ ৯ কেংহ

----

গবণুমেন্ট বিজ্ঞাপান। বঙ্গদেশীয় লেপ্টন্তগ্ৰন্তের

### चारमणाञ्चमात्री

### निद्याता।

৮ই ডিসেম্বর । লেপ্টনান্ট আর. ডেবিস জলপাইশুড়ির পুলিম সুপরইন্টে ইইবেন।

নিয়লিখিত ভত্তলোকেরা ত্থকরে সাং বিদ্যালিকাসভার সভা হইবেন

বাবু অটেছজনারায়ণ সিংহ।

- " मर्ट्यमाथ वरमहाभागाम्।
- न नावना धानान (चान्।
- <sup>3</sup> जिन्नाथ द्राष्ट्रा
- " **बीमख लाम** (मः
- » বিশেশবর চক্রবন্তী।
- <sup>৯</sup> জীনাথ নত।
- <sup>ত</sup> মীর সাহদাদ আলি : :

क्रिकेशिक स्ट्रियन।

ডিদেৰর। ছগলীতে সাটি'ফিকেট कारत कानाय स्टेटकर, जासंत अञ्च **এচ. এল. श**ाविष्ठन पार्टियरक नियुक्त ।। ৮ ই ডিলেখর উাহাকে যে বিদায় ং**ইয়া**ছিল, তাহা এডাছারা রাহি**ত হইল**।

२२ अ **ডिসের**র । রেবরেও **উইলিরম**, গফ উইলফিল কলিকাতার এক জন বিৰা वृक्तिकोत् रहेरवन ।

5 দিন সাহাবাদের মাজিক্টেট মকবল দর্শন বন ডত দিন ভত্ৰত্য প্ৰতিনিধি জাইও ঠেট ও ভেপুটি কালেটর সি, সি, জিবেশ व ১৮৫৯ व्यक्ति ३० ७ ১৮७२ व्यक्ति ७ া অনুসারে মকদ্মার আপীল আবণ ভ পারিবেন।

টকের ভে পুটী মাজিটেট ও ভেপুটী কালে বাবু চন্দ্রধের বন্দ্যোপাধ্যার তথায় মাজি त क्रमण शाहरवन।

is, खर्वान**डे,** खर्वानेडे, ब्रामित गारहर याना এक क्रत एउ भूषि माकिए डेरे ও एउ भूषि कारन ংইর। বিভীয় ত্রেলির অধীন মাজিকেটের 51 भारे दिन।

াবু ওরপ্রাদ সেন মালদহের সাধারণ শিক্ষাসভার অনাতর সভ্য হইবেন।

াবু কাষিনীকুষার মুখোপাধ্যায় বরিসালের निधि विष्मव भवत्त्रसिक्षेत्र हरेरवन :

ण्ड पिन वादू कृष्णितिगात शाव विभाग া অনুপঞ্জি থাকিবেন, ডড দিন গবৰ্ণমে क्रिके छेकील बाबु खननानन भूरवाशाः

। প্রতিনিধি প্রধান উকীল হইবেন। য়াবু ভকুকুল চতদ মুখোপাধ্যায় গ্ৰণ্মে श्राजितिथ किन्धे **एँ**कील श्रेरवन।

व्छिपिन अन, नव नाट्य विनात नहेश। শক্তিত থাকিবেন, ততদিন এ, ডবলিউ টু সাহের এম, এ বঙ্গদেশীয় শিক্ষাকার্য্যের ীয় শ্রেণিয় প্রতিনিধিশ্বরূপ থাকিবেন।

रच दिवन सर नार्डित विषास सहसा भवन बारहर, ताई पिरमानांध शूर्याएक निरमान १७ इट्टा

<u>া ডিসেম্বর। ফরিদপুরের দ্পেন্টি মাজি</u> পুটি কালেইর বাবু ভগবানচত্র বহু ি হট্য়া মাজেটেটের ক্ষ্যতা

> ্ডপুটি মাজিকেটেও ডেপুটি ाभहत्य हरक्षेभिषाञ्च वि. अन,

नरकाती कमिननत निक अवश्वत महमनिश्टर वननी रहेता मासिटके छित कमाछ। পাইবেন।

मुनि छातिक छैता कि प्रतिमत् निभिष्ठ कुष्ठ

काती कार्द्याभनाक वानाव्यत शक्तित्वन, एक डाँशत नाथा नरहा व्यक्तव किमि अवन দিন বাবু বারকানাথ ভটাচার্য বি, এল, রাজ আবহায় সাহীর অন্তর্গত সিরাজগঞ্জের প্রতিনিধি মুক্ষেক , করেন। ष्ट्रवन ।

ভ্রে, ক্রফোড সাহেব রাজসাহীর সহকারী माक्टिकें ७ कारम छेत बरेमा विकीय (व्यनित क्वीन माजिट्डिएव कम्छा शाहरवन।

यखिन नि, अस, बर्ल्युनद नारस्य विनाय লইয়া জন্মপত্তিত থাকিবেন, তত্ত দিন নি, টি, वक्ला छ जारहव वर्षभारतत्र श्राष्ट्रितिध क्रिजनत इहेर्यम ।

২৯ এ ডিসেছর। কুমারখালির ডেপুদী মাজি (केडे e (७ पृष्ठि कारलहेत वायू नवीनकृष्ण मत কার কিছু দিনের নিমিত্ত সদর্মহকুমা পাবনার बबली रुहेरवम ।

পাবনার ভেপুটী মালিক্টেট ও ভেপুটি কালে টর বাবু সঞ্চীবচন্দ্র চটোপাধ্যায় কিছুদিনের নিমিত কুমারখালি উপবিভাগের ভার পাই বেন। তিনি দেসিয়নে অপণ করিবার মকদনার প্রথম বিচার করিতে পারিবেন।

है, अम, ख़िल मार्ट्य कविष्मुरवद विरम्य मब (बिक्किक्षेत्र व्हेरवन।

বাবুরামগোপাল চাকি এল, এল, শিব সাগরের প্রতিনিধি মুপেক হইবেন।

খতদিন ডাক্তর টি, পি, রাইট বিদায় লইয়া অনুপক্ষিত থা কিবেন তওদিন ডাব্জর এন, বি, বেলি ভাগলপুরের প্রতিনিধি সিবিল সার্জন ० हे द्वन ।

# ইউরোপীয় সমাচার।

ছারা স্পেনের ধর্মসম্পোদের অবস্থার নিমিত্ত আক্ষেপ প্রকাশ করিরাছেন।

যেদকল এীক ভূরক্ষ হইতে দুরীভূত হই 🗄 **७ ककिश काम्यक स्ट्रेशारहन** ।

জহুশারে করপ্রদানসক্তি

খাধীন মতপ্রকাশক্ষতা দিবার অসীকার कत्रित्राट्य ।

কিলন্য ভারতবর্ধীর সেক্ষেটারির পদঞ্জন विहादत थाकवरखत अणिनिधि कर्माहाती हहे कत्री रत्न माहे, आहे । नार्ट्य णाहात कात्रव विल রাছেন ভিনি ভারতবর্ষের শাসনপ্রণালীর इक दिन बाबु काली धनत प्रत्याभाषात्र नत जन्मादन करतन ना। खादां नर्मायन कता । শাসনভার লওয়া অন্যায় কচান

> २८ ७ ডिर्मबत्। इंडेरबाभीत अवर्गना ममूह मुख्यकादांका विवासकश्वाद (व श्राप्ता করেন, ডুরম্ব গবর্ণমেন্ট ভাছাতে অসম্মত হই ब्राट्डन

> ২৬ এ ডিলেবর : এীস ও ডুরক্কেয় বিবাদ মুক্সভাবারা ভঞ্ন করিবার চেষ্ঠা অদ্যাপি रहेट इ. इ. ते कृष्ठ औक मिश्रदक क्रामिन द्वार्ट গমন করিতে দেওয়া হইতেছে। এীক মধাসভা চারিকোটি টাকা কর্জ করিবার সম্পূর্ণ অনুমতি मिश्राट्डन ।

> विच्छा भगवादा क्षकां भ कदा हरेब्राट्स, मः एक्टंब পূর্বে ষ্টেটনেক্রেটারি ভারতবর্ষের উপরে ছণ্ডি (श्रव क्रिएक कास स्ट्रियन मा।

২৪ এ ডিসেম্বের এক টেলিপ্রাম নিউইয়ুক হইতে আসিয়াছে। ইহাতে প্রকাশ করিভেছে দক্ষিণ বিভাগের বিদ্রেপ্ত বেদকল বংজি লিপ্ত ছিলেন ভাঁহাদিগকে সভাপতি জনসন সম্পূৰ্ণ শ্বপে ক্ষম করিয়া পুর্বভিন খন্ত্র প্রদান করিয়া (BA 1

১৬ই ফ্রেজয়রি মহাসভার অধিবেশন হইবে। গিফাড সাহেব প্রধান বিচারপতি হই য়াছেন। জেম্দ্ সাহেব তাঁহার পদে নিযুক্ত क्ट्रिन ।

७) अ फिर्म्यत । जूतक शवर्गमिन्टिक इंट न्छ, क्रांश ७ व्यक्तिया व्यक्तिया **ছেন, मिक्क अलारिक या भौकी विवर्शन कथा** वना रुरेयारङ, खांहा महेयारे खर्क स्ट्रेट । देहा ' ডুণ্টিকর হওয়াতে সুলভান দুভসভাষারা ২০ এ ডিসেম্বর। পোপ এক বক্তৃতা বিবাদমীমাংসা করিতে সক্ষত হইয়াছেন। কিছ र्वामग्राह्म, जना काम क्षेत्र के बिक कब्रिटाई ভাঁহার দুভ চলিয়া আগিবেন।

**এই मञात উদ্দেশ্যে सनीय शवर्गाय सन** म्राट्डन, डाँहामिर्गत वार्यतकाथ हेश्म छ मुन्त । फानरक वित्रमार्ट्डन, बीकमिगरक जूतक इहेर्ड ৰহিষ্ভ করিবার আজ্ঞা আপাডভঃ রুহিভ মাড্টোন সাহের অনেক ব্যয়সংক্ষেপ ্করাকর্ত্তর। কিন্ত স্থলভান বলেন, গ্রীস যদি প্রতিভূপ্রদান করেন তবে তিনিএ প্রস্তাব প্রতিনিধি মনোনীতের ক্ষমতার পরিবর্তে আন্ধ করিতে পারেন, নচেৎ কোন মতেই নহে।

# (भाग्राक्षाक्षाक्षा

55 শ ভাগ:

1 118 4K 6

# " प्रवक्तनां अञ्जीतिश्वताय पार्थिवः अस्ता अतिमश्ती न श्रीयतां।"

মাসিক মুলা ১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১০ দশ } অগ্রিম বাণ্যাসিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা .

मन 3296। 36 है (भीव। 36 कर)। २७० जिसमदत

্বিশ্বতা মান্ত্রসমেত অপ্রিম বার্ষিক ১৩
মাণ্যাসিক ৭, ও ক্রৈমাসিক ৩৸০ টাকা

# ि छा शब ।

ইনানীন্তন কভগুলি অসং লোক অর্থগুলি সার বশবন্তী হুইয়া অনোর সম্ব্রাপপুথক গ্রন্থনকারে হুইয়াছেন ভিটিলা কিছিল গ্রন্থন করিয়া অনোক স্বস্কু আয়োগ ভিত্ত গ্রন্থন করিয়া অনোক স্বস্কু আয়োগ ভিত্ত গ্রন্থন করিয়া অনোক স্বস্কু অন্যান ভিত্ত গ্রন্থন করিয়া করেন শালকার শালকার শালকার করিয়া করেন এবং ভালাদের সেখানার হুর করিলেয়ে সমানর হুর করিছে এই লোচনীয় ব্যাপার শাল ভিটেছের।

সাধারণে এই একটা সংস্কার আছে

ত্তি গ্রেছ বংজিবিশেষের আমিকভা নাই

হাত্রাণ যে সেমনে করিলে ছাপিতে পারেন।
ভাব দত্ত পার্থি সংগ্রুক দিয়া ও যত পরিজ্ঞান
তার দত্ত পারিয়া কোন প্রাচীন সংস্কৃত এছেন
নহৌনার করা হউকানা, কেই মনে করিলে
অসনি দেখান ছাপিতে পারেন, লোকের চক্ষে
ধলি দিবার মত কিছু পারিবর্গ করেন।
ইউনিবসিচীতে সংস্কৃত থাবেন ছইরা ভাবদি
ভারপ উপ্তরের বাজলা দেখা যাইভেছে।
ভামে সংস্কৃত গুতুকে ব্যক্তলার বাজাহা
লাগিতে চলিত।

পরস্থানার প্রকাশিত বেলীসংহার নাট কের প্রতি একপ অভ্যাচার না ছটে, এই নিগত বিজ্ঞাপন দিছেছি যে তীয়ুক্ত ধাগনো হন তবালস্কাতকত টীকা সহ বেণীসংহার নাটক খানি রেভিষ্টারি করান গেল, যান কেই তকালস্কারের সামতি না লইয়া উছোব কর্তৃক লিংস্ত বেণীসংহার নাটকের পাঠ বা টীকা লাইয়া আপনগ্রে নিবেশিও করেন ভাষা হটলে ক্যাপিয়াইট আইন অলুসাবে গাছার নামে

পলিকাভা ১নঠনে ) জ্ঞীকেলানাথ বাফ্যা-২৭ এ জ্ঞান্যুৰ প্ৰাধ্যায় প্ৰকাশক বড দিনের ছুটির সমস্তের টিকিট।

এড ছারা সর্বসাধান শকে অবগত কবা

বাইডেছে বে, বেসকল এপ্টেশন হইডে বর্তমান

স্মান্ত্রর মানের ২১ এ ডারিখে ব। তৎপতে

শ সকল রিটরণ টিকিট বাহির হইবে।

শারা আগামী ভাগুরার মালের ৪ ঠা

শামবার পর্যান্ত প্রত্যাগমন সাধিত হইবে।

বাড অব এডেলি

ইইণ্ডিয়া রেলওয়ে

ওলহাউদী স্কোগার

কলকাডা ১৮৬৮

৫ই তিশেষর

মজিলপুর নিবাদ জীয়ক্ত বারু সীতানাথ
চক্রবন্তী মধাশয় ( তাঁধার কনিও পুত্র )
আমাকে তাঁধার স্থাবর অস্থাবর ধারতীয় সম্পাতর রক্ষণারেক্ষণের ারোপণ করিয়াছেন।
আমার ক্ষজাতে ও অম্প্রেডিক সম্প্রির কিছু
কেই ক্রেয় বা বধাফ গ্রহণ করিবেন না।
মজিলপুর
১০ই পৌগ

म हे ए के है माथ है १८ जी २० अ ७ २४ ज को इप्राप्ति तुम छ इंग्लिशिक छ्वलि नामी ल विकास स्वार्थिक व्यक्ति नामी ल विकास स्वार्थिक विकास स्वार्थिक विकास स्वार्थिक विवास मकरल व्यक्ति स्वार्थिक करा साहे द्वा ।

আনত বিখন ও সন্তাপত ।
ভাষা ও ব্যাকরণ।
পটোগশিত।
ভূরতান্ত ।
১ ম ভাগি ভোরতব্ধে ইভিছাস।

ডিগেশ্বর : ১৮৬৮ कीपुल अष्ट, छेट्ड्रा विद्यालान मगाविकारशत क्ष्मगगुरुत हेनस्ट्राहेत আগামী ২১ এ জান্ত্রার বৃহস্পতিবার কলিকাতা নর্মাল বিদ্যালয়ে প্রবেশার্থীদিগার পরীক্ষা আরক্ষ হট্বে। পশ্চালিখিত বিষয়ে পরীক্ষা গ্রহীত হট্বে। সম্প্রতি ৪।৫টী ৪ টাকার রক্তি খালি হট্বার সম্ভাবন। আছে।

বাঙ্গালা সাহিত্য ও ব্যাকরণ অক্ষ দশমিক ভ্যাংশ পর্যাস্থ বাঙ্গালার ইতিহাস।

ভূপেনির চারিভাগের **স্বা স্থারি**বরের পরিচয়।

বাচনিক পরীক্ষা জারুন্তি ও ব্যাখ্যা। কলিকাতা ১৯ এ:ডিসেম্বর ১৮৬৮ স্কুলসমূহের ইনস্পেটর

-:::-

#### धूषा (वाभनात् ।

বলায়াস ও বলসময়ের মধ্যে সংস্কৃত ভাষায় প্রেনশাধিকাব ভামে এই অভিপ্রায়ে মুক্রোধ বংকরণের অতি প্রয়োজনীয় অংশ, ভাষার সংস্কৃত ব্যাখ্যা ও বাদালা ভাষার ভাষার সংস্কৃত ব্যাখ্যা ও বাদালা ভাষার ভাষার ভাষার ভাষার ভাষার সংস্কৃত ব্যাখ্যা ও বাদালা ভাষার ভাষার ভাষার ভাষার সংস্কৃত ব্যাখ্যা ও বাদালা ভাষার ভাষার ভাষার ভাষার সংগ্রাক সংগ্রহীত হয়া বাদ্যালা ভাষার ভাষার প্রকাশিত হয়াহাছ। পাসাথিসপ্রের প্রকাশিত হয়াহাছ। পাসাথিসপ্রের ভাছে, হয়াম্বারে পদস্যাধ্যের রীতি লাদশ্য করা হয়াছে। মুলা ১ এক টাকা মাছে। ফলাছে। মুলা ১ এক টাকা মাছে। ফলাছার ভাছে।

২৭ এ শার্মধায়ন } ১২৭৫ -

স্কাপুর সোডকেল হল।
১। এত দারা আমাদিগের উদ্দক্ত
মুখন, সংকারী, ও স্মানাগরণদৈ ত

শাইতে ভ ষে, দিতীয় জৈমাগিক ইতেওঁ সম্বান্ধ পাৰণোত ' স্থাবিজ্ব কোন'রা, ওয়ার িইক. এটন প্রশিন সাং ধারা দল সহত্র টাকা কুলোল বল পূর্বা প্রাপ্ত ওয়া গিয়াছে। কুলোল সম্প্রিড জামরা বেলাত হইতে কিং দা ৮৬৮ সালের শেষ জৈমাসিক ইতেওঁ স্বাহা বিশ্বীল ফলাগ, কিং আর্থব, ও বাল গনামক জাবিপোড্রেয়দারা ৮৩ বালা ইউরোপীয় উম্ব প্রাপ্ত হইয়াছি। এই সমস্ক উম্বান্ধ ভাষা সহত্র টাকা মুলো কোন ক্যা ইয়াছে।

া আগামী বর্ষের প্রথম ত্রৈমাসিক ইন্ডেন্ট তিলাকে চিকিৎসোপযোগী ক্ষপ্ত ও ওমব । প্রথম করণের ও ওমধবিক্রমকরণের নানাবিব। কানত্রী ও সক্ষা ও বিবিধ ভেষ্ডানে ইংগ্র ১৮৬৯ সালের ফেব্রুয়ারি মানে বিলাভ ইউডে প্রীভিবে।

ত জনেরা অধিক পরিমাণে ও খুচর। উভয়রণে উত্তধ বিক্রয় করিয়া থাকি।

३ । এই সমস্ত দ্রাগার আসল বিলাভি

চালার ও অন্যান দলীর কেই দেখিতে ইচ্ছুক

কইলে, আমহাস্থা টিটি ওই সংখ্যক লগান প্রব গানাগে জীয়ুকার বু পেলোনাথ দেব নকট কিয়া ম প্রাক্তার কীটে এন মুখ্যক ভবনে ভাক ইর্বালয়ের ম্যানেকর লিখ্য ব্যুক্ত মান্ত্রা পাল হাল্লাবের নিষ্ট দেলত্ত পাইতান ইতি।

কলিকাডা

ব ই ডিসেম্বর

ইং সম ১৮৬৮

## এक छिनानीत्वव भट्टोमन

গাছাটে অর্থা ও ইংগানি কথে যেৎকার বাংশ আটোগা ছইভেছে। বিস্তু একটি ঐথব ইন ভ হওয়াতে পূর্ব প্রকাশিত আব আর পর এভানেশ উপকার হইভেছে না। এই পুনরার বিজ্ঞাপন যত দিন না দেওয়। ৩৬ নিন অর্থা ও ইংগানি কানোর ঐয়দ থাব ভাব রোগেদ ঐয়া কেই যেন না । থেশ বাংগের আশাতীত শুভ ফল র জানক আনেক আলোচীত বারু নিগি সহাধ্যের প্রসাদি সর্কানা-বলিভাগ প্রকাশ করা যাইভেছে। ল রোগিবয়েব ঐয়দ ব্যাহার প্রয়োগ क्रम रहार प्रश्ने हिंदा कार्य कार्य निर्माण कार्य है। भारतिक भारतिकार

> ত্রী হেমচক্রেবল্লোপাধার। সহর আম্বালা পঞ্চাব

নকলপত্র।

মেদিনীপুঃ ও নবেশ্ব ১৮৬৮

भव**म वभूत्वदव्य**ा

भागमय निर्देशमा भिष्ट--

নহাধর! আপনানে ক্রডেডাে উপহার নিতে বিলয় হইয়াছে, অনুন্তগ্রহণ্য ক ক্ষমা করি বেন। বাহাবলী অর্পবাহে আন্ত্রাহণ্য ক ক্ষমা করি বেন। বাহাবলী অর্পবাহে আন্ত্রাহণাছলাম ও ঐ যাত্রণ দিন নান যেরূপ রুদ্ধি ইনাছিল। ভাছাতে জামি জীবনের প্রতিনিত্রত নেরাক হইয়া হলাম, নিয়বকুপায় মহালামের অন্তর্ভাবহ আপনার লোরও ঐঘদসেবন ক বয়ং আমি ঐ দানন প্রেন। হইতে মুক্ত হই য়াছে। আপনি যে অনুন্ত উপকার করিয়াছেন, ভাছা আমি ইহ জ া প্রিন্তি প্রতিশার করিয়াছেন, ভাছা আমি ইহ জ া প্রিন্ত্রিক প্রার্থিন। করিছে জার্বির না। কেবল া ক্রপুল্প উপহার দিতেছি গ্রহণ করেন।

মহাশর! আপনার গ্রেছ ম কোথায় ? আপনি সংয় অধানাতে কত । তাল কাবছিতে কার্ডেছেন ?

কে কার্য করেন ? আশুস্থপূর্য ফ লিখিবেন।
বাল সন্ত্রনীর উন্ব ব সন্ত্রাসী কোথায়
আছেন ? ভারাকে কিছু উপস্কার্থন্ধপ দেওয়া
বাইতে পারে কি না ? জামার অশারোগ গীত
আরোগ দেখিয়া মেনিগীপুরের সকল সম্প্রদা
ব্যবসংগ ভলুত্বল পভিয়াকে।

क्षम् अण्ड रह्म २३ ज्ञीसरीयम्बर साध

সিন্দাশিকের বিলাপ মৃদ্রিত চইয়া প্রকাশিক চইয়াচে । পুস্থকের কলেবর ৮ পেজী ফ্রমান ১৪ কবমা অর্থান ১১২ পুর্চ, । মূলা ৬৮ আনা মাহার আরশকে হয়, ইন্টনিয়া সংস্কৃত ব্যন্তর পুস্তকলিয়ে অর্থা প্রেলিছাজ্য বাড়ুয়ে লেবে এও কোর পুস্তকালয়ে অর্শকান কারলেই পাইবেন ইভি।

~--? • <u>\*</u>-----

১২৭৫ সাল ২৫এ জ্ঞাহায়ণ সংস্কৃত কলেঞ্জ

-----

ঠনই নিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়ে ও গটোল ডাদার বাজু খেঁ আদার কোম্পানির দোকানে মংপ্রণীত ও মংপ্রচায়িত নিম্নলিখিত পুস্তকগুলি বিজয় হইতেছে:—

| 1.                 | • • • • • |             |
|--------------------|-----------|-------------|
| প্ৰণীত             | भुना      |             |
| <b>এী সইভিহাস</b>  | 3         | है।का       |
| (রামই তহাদ         | 2         | Š           |
| ভূষণসার ব্যাকরণ    | }         | আনা         |
| নীতিসার (→ ম ভাগ)  | ل         | Ď           |
| নীজিদার (২ য় ভাগ) | d         | Ď.          |
| প্রচারিত।          |           |             |
| मूफ्रवाध वर्गकत्व  | h         | ক্র         |
| <u> এ</u> ছারক     | লোপ =     | <b>ৰ্ণা</b> |

--:0:--

# विविध खवाणि विकशार्थ

#### প্রস্ত ।

ইংরাজী ব'লালা পুলক কাগজ কলম নানা বিগ দ্রবানি পাওয়া যার এবং পৃস্তকানিজে /• এক আনার হিসাবে কমিসন দি। অধিক টাকার পৃস্তক লইলে />
ভানার হিসাবে পাইবেন।

জীবুজ বাবু কালীপ্রসন্ন সিংহ মধ্যেদরহনীত গদ ১৮ পদা মহাভারত ১৭ থণ্ড ০ ভাগে উত্ম সংযত ফ্রা

লগুন ফার্মা কো.প্রা অখাৎ ও্রব কলা-বলে

মহন্দ্রে জীবনচনিত উত্তম র প্রস্ত ১ হরতে প্রেড়ত আটিন কবি ওয়ালা দিনের গীতনংগ্রহ

भारी इत थ. इत्विधान

थ प्रधान के स्टेरक हे काता

व्याह्य भारत हा धनी द्यास एता अनी

বছন য ঘোষ্টত দংগীতমনোরঞ্জ ২ নয়নবিজ্ঞান কবেঃ কবের আকোনাথ বায়

এণীত বাধবনামৰ সংখ্যাত সংগ্ৰ

রাশবনামূত সংস্কৃত ও পদা ॥
গীতগোলিক কায়দেব গোলানি প্রণীত মূল ও যদনার নায়েপঞ্চাননয়ত গদা ১০০

াত্রিক ভরতিবী ইংবাজি কেমেষ্টরি হৃহতে বিবিধ আক্রিজনক বিদ্যাদশন হয় ১./ প্রতিমূর্ত্তি সাহত ১২৭৬ সালের ফুল পঞ্জিক। ॥

धी श्रम पश्चिका ।•

ছগামঙ্গল পদ্য ১ কমলভারিনী

সভীক চণ্ডী মুল ও অনুযাদ সংখ্য ৫
চরিক্তমঞ্চণী ইংগতে নিউটানির বিষয়
বিশেষরূপে বর্ণিত হুইয়াছে ১০০

हेश्तांकि १४ ७३ मात्मत कहे । दन्त की आहु

कुमातीकुमात अमः व्यामित्रमध्यान कारा ১ ব্যবের সোটিনী শক্তি भर्तकारक सम्बद्ध व क्षेत्रा बहेगांत्र देखम काशास त উত्य सकत्र मृश्विष विश्वाविवाध नाष्ट्रक 3 কামিনীকুমাব ন**দর্ভাক্রান্তর্গত** নায়ক নাম্বিকাঘটিত সুত্রস কাব্য 4. ম্পিকুগুল। কাষ্য প্যারীমোহন বন্দ্যোগা-ধ্যায়প্রণীত ছর্গেশন স্বনীর মত লেখা ख्यधिक सर्वी 211 • ভূচিত্ৰাবলি ৩২খানি ৰ'লাল' মাাপ স্কিড 811. সচীক টেডন্টেরিভামুড্গ্রম্ काम्बिनी नाठक व्याहेनमरगुष्क २ थए 画。存配 উষাহরণ পদ্য হিভোপদেশ বিষ্ণৃশৰ্মার সংগৃহীত ব্রীপ্রতাপচন্দ্র রায় কলিকাতা ভোড়া-नगम विद्वारा मंहिका ७३ मर

# পুরাণ প্রকাশ !

অমুবাদ ও টীকা সমেত প্রত্যেক খণ্ড ৮০ প্রচা: অগ্রিমসূল্য ১॥০।

যিনি গ্রহণাভিলাধী হইবেন তিনি মৃঞ্জাপুর
আনহ্নইন্টীট ৩৪।১ নং ভবনে কাবত্রকাশ
যন্ত্রে অথবা কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে
জীয়ক জগলোহন ভকালক্ষাবের নামে যত
খণ্ডের ইক্ষা অগ্রিম মূলা পাঠাইবেন। অগ্রিম
না পাইকে বিদেশে বিফ পুরাণ পাঠাইবার
নিয়ম নাই ইতি।

#### -—:•:---বিক্রনয়ার্থ।

গাবড়েন রীচাংন নং বাটা গুলামগছ ১৯ নং, জাড়া বাগান।

উপরি উক্ত বংগান ও বাটী যাঁহারা কর করিতে অথবা লইতে ইন্ডা করেন, নিয় সাক রিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেগুরিস্ আর্বো-থনট এবং কোং

হালিসহর নিবাসী জীয়ুক্ত বৈকৃষ্ঠনাথ গুপ্ত কলিকাতার অন্তর্গত জ্ঞাভাগীকো বারাণদী ঘোষের ফীটের মধ্যে মৃত রাধানাথ কুত্তেব

দর্মন ভূমি ভাষার খরিদা বলিয়া উহা বিক্রমার্থ সংবাদপত্রে ক্রেড্গণকে আহ্বান করিডেছেন আমি এডআরা সকলকে আড করিডেছি যে উক্ত ভূমি ভাষার খরিদা নহে এবং কেই বেন উহা ক্রেয় না করেন।

কলিকাডা চোরবাগান ৪ঠা পোৰ ১২৭৫

角 हस्तर मध्त क्थू

--: - :--

#### সভকার্থ বিজ্ঞাপন।

७० ७ अञ्चरायर्गत (मामश्रकारम रानिमस्क নিবাসী বাবু কৈকুঠনাথ ওপ্ত ভাষার খবিদা क्षाकात्रातका बातानती श्वास्त्रत क्षीरवेत मरश মৃত রাধানাথ কুতের দক্ষণ ১/১৮৯ বিঘা ভূমি বিক্রয়ার্থ বিজ্ঞাপন দিল্লাছেন > কিন্তু তিনি এ ভূমি বিক্রয়ার্থ বিগত ১২৭৪ সালের ২১ এ মাঘ भावित्याह्म . वत्मग्राभा সোমবার বাবু দ্যায়ের মোকাবেলায় ষ্টাম্প কাগজে রীভিমত नवर्गामन्त्र माह বায়নাপত্র লিথিয়া দিয়া ১১৪৯১ नः এक किछा ১०० होका अ नगर ১ টাকা একুনে এক শভ এক টাকা বায়না লইয়া চেন, একণে আমার উকীলের বার্টাতে কব'লা প্রভৃতি কাগক পত্র ভাঁছার আক্ষরার্থ সমস্ত এন্ত্রত র্ভিয়াড়ে; কিন্তু এ প্রয়ন্ত উজ গুপ্ত মধ্য मध के जनम कांत्रस शब्द चाकत ना कतिया বাবু প্রারিমোহন বন্দ্যোপাধ্যায়ের ছারা ভাষার নিকট সর্বাদা শারীরিক অন্তর্ভাদি <sup>(</sup> বিষয়ক ভান করিয়া কালব্যাল কণ্ড আমার স্কৃতি লিখিত প্রতিও বায়না কৃত বিষয়েব विक्रशार्थ भूनकीत माधातरण विक्राभन निया ছেন : কুভরাং আমি এই বিজ্ঞাপন ঘ'রা সাধা রণকে সভর্ক করিভেছি যে যেন কেই উক্ত ,বিষয় ক্রেয় না কবেন। বাবু বৈকুণ্ঠনাথ গুপ্ত রীডি মত কবালা আক্ষর করিয়া উক্ত বিষয় বিক্রায় না করিলে আমারে হগত্য ভাঁহার নামে আদা लएक राजीन कतिया निक्य मारा 😘 कतिया लहेर्ड क्हेर्द।

কলিকাতা সন ১২৭৫ - জীবলাইচীদ সিণ্চ্ ১ লা পৌষ

মংগ্রীত কবিতাকুসুমার্কলি সংস্কৃত যান্ত্রধ পুস্তকালয়ে ও কলিকাচা নন্মাল বিদ্যা লয়ে বিক্রমণ এস্তত আছে মূল। ন/ মাত্র। শ্রীকৃষ্ণকিশোর বন্দ্যোপাধ্যায়।

# নদিয়ার নদী।

সন ১৮৬৮ সালের ডিসেম্বর ভারিবে ৮ হইতে ১৪ই পর্যাক্ত ভাগীরথী নদীর সর্বাক্যভি ভালের সাঞ্চাহিত রিপোট ।

नर्सक्षि जन चारमङ् নাম 14 हें कि মহানার উপর পথানগীতে 3 8 মহানায় एका रहेएक का जिल्ला ५०॥ माडेल मर्थः জলিপুর হইতে বহরমপুর ৪৬ মাইলের মধ্যে বহর্ষপুর হইতে কাটোয়া e - माहेरलत मरधा कारहाया इड्ट ननीया ८७ बाहेल ग्राप

সন ১৮৬৮ সালের ১৭ ডিসেম্বর ব্রুরম পুর গঞ্জঘাটের জ্ঞালের মাপ। গজের উপর ফট ইঞি

বছর্মপুর ১৭ ডিসেম্বর

17841

) প্রীযুক্ত সি ই, উইক্ল } একজিবি উটিব ইঞ্জিনিয়র বহরমপুর ডিবিজন।

#### সোমপ্রকাশ।

) ४ हे (भीष माथवाह । खीरनारकत माण्डाबहन ।

এখানকার ব্যবস্থাপক সন্ধার সং-শোষিত ফৌজদারি আইনের পাত্ত-लिथा हेरल ७ छिड जाईन क्रिमनत्रिन-গের নিকট প্রেরিড হইয়াছে। আমা-দিগের ফৌজদারি আইনের অনেক **ज्राम मः भाषन (य এकान्ड कावमाक** তাহা সাধারণ্যে স্বীরু চ হইয়াছে। আজি आमता बक्षा मध्य अस्टिश উल्लब्ध প্রবৃত হইলাম। অনু: শুরবাসী স্ত্রীলোক मिश्राक माफी विशः प्रशानी जानाः लट्ड लहेशा याउँ। इः नाः, किन्नु राहेन् দারি আদালতে ইহার বিপরীত ব্যবহা मधे इशा (य (म व क्टिंट के जा) আমানয়ন করা হয়। পুলিষ ১৩৫ থারোর অন্তর্গত প্রবৃতীয় মক্ষম क्रीरनाक्षिभरक ১८८ धाराष्ट्रमारत याः

भागम्न कतिएक शास्त्र । लाख कर्नुशा निम खीलांक मांकी विभारक धामालरक खिलांक मांकी विभारक धामालरक खिलांक हरेगा युक्त करिया बक्ति धामालरक करिया किराहित । किराहित खिलांक विभारक धामालरक लहिया किराहित । किराहित शास्त्र का भाग करियां के शास्त्र करियां के शास्त्र करियां के शास्त्र करियां के शास्त्र करियां के शास्त्र करियां के शास्त्र करियां के शास्त्र करियां के शास्त्र करियां के शास्त्र करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करियां करिया

মাদিগের গ্রণমেণ্ট ও ব্যবস্থাপকগণ
এই চিরস্তন সংক্ষারের বিরুদ্ধ কাজ
করিয়া আদিতেছেন। বিচারপতিগ
গকেও তাঁহাদিগের বাভাস লাগিয়াছে।
কিছু দিন কইল, প্রধানতম বিচারালয়
সিদ্ধান্ত করিয়াছেন, দেনার ডিক্রীতে
অস্তঃপুরবাগিনী জীলোকদিগত

ফুদ্ধ করা যাইবে। এদেশের স্থীলোকেবা
দীর্ঘকাল অন্তঃপুরুমধ্যে বাদ করিয়া আদি
ভেছেন। আজিও দামাজিকেরা ইহঁ।
দিপের পরাধীনতানিগড় ভগ্ন করিয়া
দেন নাই; অভএব ইঁহারা যেইউরোপাঁ, য়
রমণীদিগের ন্যায় স্বচ্ছদে দক্তি গ্রনা
গ্রমনানি কার্য সম্পাদন করিবেন ভাহা
সন্তাবিভ নহে। এভিরিবস্থান স্থানে স্থানে
আভাতার হইডেছে। আমাদিগের
পুলি কি ধাতুর লোক আছেন। এক জনকে
অপনান করিবার নিমিন্ত কোন পুলিষ
নক্ষমান্য ভাহার জ্রীর নাম করিলো
পুলিব কন্মচারী ১০/১৫ টাকা পাইয়া
হাবে উক্ত জ্বীলোককে থানায়

নে করের। আমরা এপ্রকার চুট

একটা দুটান্ত দুর্শনও করিয়াছি: কেবল गारेटबन आहेटनत अनूटतारथ वाकि विट्राटवत नाम कतिएक ममर्थ इडेलाम में। যত দিন সমাজ স্ত্ৰীলোকদিপকে অধি কতর স্বাধীনতা প্রদান না করিতেছেন: यक निन भागानिरशत को कराति आना ल তের কার্যাপ্রণালী সংশোধন না ছই-তেছে; যত দিন যথাৰ্থ ভদ্ৰ লোক পুলিষে প্রবেশ না করিতেছেন, তত্তদিন আদালত ं अपूर्वित्य शंभन इहेट जीताक मानी দিগকে অব্যাহতি দেওয়া উচিত। যিনি खीटनाक नाकी मानित्वन, डाँशत्क कमि সমদ্বারা প্রীক্ষা করাইবার ব্যয় দিতে করা কর্তব্য। প্রজাদিপের অবস্থা ও সমাজসংক্রান্ত ব্যবহার বিবে চনা করিয়া ব্যবস্থাপ্রান্ম করাইবিধের।

> বিশ্ববিদ্যালয়ের পরীক্ষক ও পরীক্ষার কাল।

আমাদিগের বিশ্বিদ্যালয়ের প্রী
ক্ষকনির্বাচনবিষয়ে অনেক অনবধঃনতা দৃষ্ট হয়। বিশ্ববিদ্যালয় যেপ্রকার
সাধারণ ছাত্রগণের হিতার্থ, ইহার প্রীক্ষকগণের তত্নপ্রোগীকক্ষণ্ডলি লক্ষণ
বিশিষ্ট হওয়া আবিশ্যক। প্রীক্ষকের
গেমন ব্রোচিত বিদ্যা থাকা আবিশ্যক.

তেমনি পক্ষাতশ্নাতা একটা অভ্যা-विभाक थेन विविद्या बिटवहना कहा कर्खना। यमि इाजगटनम् वथार्थ छटन्त विहात । छनामुनादत शूतकात मान ना इत, जान क्रेटन भन्नीका बर्गभारतत কি 🤊 পরীকাদার। শিক্ষার উন্নতির সন্ত। बनाइ बा कि १ धमारन स्य वानागीएड বিশ্ববিদ্যালয়ের পরীকা্ইইভেছে, ভাষা निर्फाय विनद्या (वाथ एवं ना। विन्धानम विट्रणटस्त्र भिक्तकित्तनत छेश्टत्र आत्र পরীকার ভার অপিত হইয়া থাকে। हेराएक व्यानक शक्तशांक रहा। धर्य মতঃ শিক্ষকগণ আপন আপন ছাত্ৰ গণের সহিত অপরাপর ছাত্তের পরীকা করেন। বেখানে আত্মীয় • পরসম্বন্ধ **শেখানে স্বিচার করা যে কড** দূর কঠিন कार्या, खाङा मक्टलहे दुक्षिए लाह्नि . अण्टिमत नारात कृष्ठिक विष्ठातक कथ कन **ংইতে পাহরন ? আত্মীয়ের প্রতি পক্ষপাত** বাসনা এত প্রবল যে, যাঁহারা ন্যায়মা-র্গের অলমাত্র ভ্রংশকে পরম অধর্ম মনে करतम, छाँ हाजाल ज्यास हहेश आनाम করিয়া কেলেন। মীহাদিগের তত দূর সংকার নাই, ভাঁহাদিগের ত কথাই ना है।

ছিতীয়তঃ পরীক্ষকদিপকে বিচারক ভিন্ন শিক্ষকের কার্য্য করিতে হর। সাধা রণসনক্ষে স্থীয় ছাত্রগণের বে উপায়ের গোরবর্দ্ধি হয়, তজ্জনা তাঁহাদিপের মন স্বতঃ বাথা হইবে সন্দেহ কি? তাঁহারা যেসকল বিষয় বিশেষ রূপে শিক্ষা নারস্ত থাকিতে পারেন না। অতথ্র স্পাই মা হইক, গোপনভাবে পরীক্ষিত্রা বিষয়সকলের যে ইন্ধিত করা হয়, তাহা বলা বাছল্য। এরূপ হইলে পরীক্ষ শিক্ষ দিগের ও অপর শিক্ষকদিণের ছাত্রগণ

(गंड नाश्याधार्थितिया अत्वक हेण्ड

ভৃতীয়তঃ ছাত্রগবের উদার শিক্ষা इत्र ना। प्यटनटक शशीकक निक्किन भटक व्यापनानिरभन त्मीखाट्भान विद्याणा कानिया उँ। शिक्तित मिकाधीन इस्वात নিমিত খাবমান হন। তাঁহারা বে ভাবে যে টুকু শিশ। দেন, যে কয়েকটা क्या बत्तन धवर त्य छाव श्रकाम করেন যত্নপূর্বক ভাষাই স্মৃতিতে ধারণ করিতে পারিলে ছাত্রগণ পুরুষার্থ বোধ क्रत्वन। यनि व्यनायादन कार्यानिक स्य, (क आंत्र आंत्रांग श्रोकांत कतिएक हांत्र ? विश्वविभागदां जीर्व व्यत्नक हाटज द्य আশাসুরূপ ফল উপলক্ হর না, এই প্রকার অধুদার ও অনায়াদদিছ শিক্ষাই তালার কারণ। আমরা অনেক বার দেখিলাভি পরীক্ষকদিপের কৃতগুলি প্রিয় প্রশ্নদারা পরীক্ষাকার্য্য সম্পন্ন হয়; ছাত্রগণ সেইগুলির উত্তর কঠন্ছ করি-वात जना पञ्चवान इन ; मकल विषय বুং পত্তি লাভ কংগ্ৰেড ভত প্ৰয়ানবান इन ना।

আমরা পরীকক্নিস্কাচনবিষয়ে অন वधान डाकनिङ स्य माय छनित डेटलक ক্রিলাম, একটু যত্ন ক্রিলেই ভাচার निताकत्व इहेटल भारतः विश्वविमा লায়ের অধ্যক্ষেরা শিক্ষকপরীক্ষকের অংথারহিত করুন্। লিক্কুমাতেই পরী চ্চুক হইতে পারেন না, এরপ বলা আমাদিগের তাৎপর্যা নছে। যিনি যে वियद्यत निका एन, जिनि तम वियद्यत প्रतीकक ना इन हेहाहे आमापिश्वत প্রস্তাব। ইহাতে পরীক্ষকের অভাব कहेर्द, अ व्यामका कता त्रथी। क्षर्रिमिका পরীক্ষার নিমিত্ত প্রেসিডেন্সী কালেন্তের মনোনীত করিলো অধ্যা পকদিগকে কাছার আপদ্ধির কারণ থাকে না! অন্যান্য কলেজের যদি এমত অধ্যাপক

ाउम यात त उँक्ति भद्रीकि छवा विश्वत्यत विकासन करत्र ना, डींशांत्रां পরীক্ষক ছইতে পারেন। অন্যান্য পরীকা विषदाश्व धरेत्रं निशम व्यवनद्ग कता পরীক্ষকের অভাবপুরণের चात्र क्षे डेशांत्र चाटह। चांत्राविटनत भिक्ताविकारभव व्यथान कर्यागतीता कि এ বিষয়ের সহায়তা করিতে পারেন ना ? उँक्षितिशत मत्था विकारीतिक শীর অভাব নাই। মদে করিলে এ নিমিত বে উাছারা সময় পাইতে পারেন ন। हेरा अदिशंक रहा ना। फिरत केत अ हेन् স্পেক্টর মহাশরেরা এ কার্যভার গ্রহণ করিলে বিদ্যাধ্যাপনের মধার্থ ভত্তাব ধান হয় এবং কোন বিষয়ে কাছারও আপত্তি ছইতে পারে না। যদি পরীক কের সংখ্যা আরও অধিক আৰশ্যক হয় , ডিগ্রীপরীকার নিমিত্র গ্রণ্মে ক্টের অন্যান্য বিভাপত্ত বিদ্যাবিশারদ কর্মচারীদিগকেও আহ্বান করা বাইতে পারে। ডিগ্রীপরীকার্থীর मर्था अधिक नटक् व्यटन टक शोतरदत्र कार्यः विनियां अधिकारक मगत्र छ उरमाइमान করিতে পারেন।

বিশ্ববিদ্যালয়ের পরীক্ষার সময় যে

এ দেশের অবন্থোচিত হয় নাই, ইহা
আমরা অনেক বার বলিয়াছি, এখনও
বলিতেছি। শীতকালে পরীক্ষার নিয়ম
হওয়াতে যাবতীয় বিদ্যালয়ের বার্ষিক
বন্দোবস্ত এই সময়ে ছাত্রগণকে অধিক
অবকাশদান আবশাক হইয়া পড়ে।
এ দেশে শীতকাল অধিক গরিপ্রাম
করিয়ার কাল, সে সময়ে এদে শীয়দি
গের কিঞ্মাত্রও সময় নই হইলে
অনেক কার্যাক্তি হয়। বিশেষতঃ এ
দেশীয়েরা স্ভাবতঃ শ্রমকাত্র, তাহাদিগকে কোন প্রকারে পরিপ্রামী করিয়া
তুলিতে পারিলে একটা মহুৎ ইন্ত্রদাধন

रस। अक्रम ऋत्ल भी छकारल मीर्चावक मित्न **जाहास्तित**ः अन्न शङ्कि **দারও অধিকতর প্রভার দেওর। হর**; এই নিমিত্ত ছাত্ৰদিপের "শীতাৰকাশ व्यामानिटभेत व्यन्ताप्त विनयः। (वाथ एव আমাদিগের মতে গ্রীয়ের প্রারভে পৰীকাৰাৰ্য্য শেষ হইয়া ছাত্ৰেয়া গ্ৰীয়া বকাশ কিছু অধিক পাইলে ডত ক্ষতি হয় না ৷ এখন যেক্লপ নিয়ম চলিতেছে, ভাহাতে প্রীয়কালে বিদ্যালয় বন্ধনা कतित्व हरन ना। भी उकारत व्यवन काटकात नमञ्ज तथा भड स्टेता यात्र। পরীকাকালের নিয়ম পরিবর্ত্তন অভি নামান্য কাৰ্য্য ৰটে, কিন্তু ইহাতে কল गर्थके। अक अक ছाज्यत स्थारत अक এক মাদ কাজের সময় বাড়িলে ভাহার मम्बि धतिया विद्वाना क्रिटन वित्राया শ্বিত হইতে হয়। সাধারণের এ ক্ষতি ও লাভ বিশ্ববিদ্যালয়ের শ্বাক্সণের विद्व हमार्या गाल

--:0:--

বারু কেশবচন্দ্র সেন, উঁছোর অন্তরেও পত্রপ্রেকগণ।

वाबू (कम्बरुक्त स्मन ७ जाहात प्रमू চরগণের ব্যবহারবিষয়ক বিস্তর পত্ দোমপ্রকাশে প্রকাশিত ছইয়াছে, আরো আনেকগুলি দীর্ঘ পত্ত আমাদি পের হক্তে রহিয়াছে। এক বিষয় লইয় অধিকতর আন্দোলন করা আমাদিশো: ব্যবহারানুগত নহে। বিশেষ্তঃ কেশ বাবু ও ভাঁছার অনুচরগণ বালকৰ ৰাৰছার করিতেছেন। এতদ্প্রাভূপা व्यवीविष्ट्रशत विद्वांश क्षणियात मर्मा मञ्चानम्। घडः व প्रबाधातकि निक्टि आंत्रामितात मात्रुनत व्यक्त এই, ভাঁহারা উপস্থিত বিষয়ে আরি স (श्रात्य ना करत्रन, श्यक्ति आमासिर र्ख षाष्ट्र, जाहा ३ अकाशिष इ मा, इहाएड (कह क्ल मा हम।

বাবু কেশবচন্দ্র েনন ও ডাঁহার অনু ं न छोलक्टभ लोशा अड़ा खारिनन বলিয়া অভিমান করেন। আমাদিগেরও এত দিন ঐ সংকার ছিল। কিন্তু তাঁছা-निर्भात कार्य। (निश्विश अंथून विभन्नि छ জ্ঞান জন্মিতেছে ৷ মানুবের চরণ (त्युंट्लइन अजि Fæ क्र डिंदिए। ब भरक राज्यांकत वार्षात नरह ? कुड विरामात এक भीष कार्या अवृष्टि करम, আনর অত্যে ইহা জানিভাম না। কেশব বারুও ভাঁহার অসুচরগণ বিদ্যার অব্যাননা করিবার নিমিত্ত কি বিদ্যা णिका कतिशार्धन ? वांतू विकाशक्रक গোস্বামী আপনাব প্রেরিত শেষ পত্তে লিখিয়াছেন, কেশ্ৰ বার্র नाहे। विभि अकार्या वा अञ्चिष्ठ कार्या व्यक्टमानन करतन डिनिय (कारी नन, আমরা এই মুতন গুনিলাম। এক বাজি कडााण डेमाज हरेशार्फ. काहर क्राइट বাজি দেখানে আছেন, তিনি চেটা भाकेत इनत्नाम उटक सिवादन कर्रिट छ পারিতেন; কিন্তু তিনি তাহা করিলেন नः। जिनि कि अञ्बोश होती हहैरवन

the Court and the

আমরা কেশব বাবুকে সরশহ্দর

রা জানিতাস কিন্তু বাবু যদ্নাথ

বন্ত্রী ভাঁহার অথ্যে যে প্রপ্র করেন

ব তিনি ভাঁচার সরলক্ষ্মতার লেশ

রে লক্ষিত হয় না। যে রাজনীতিজ্ঞ

কাল সন্ধি বিগ্রহ চিন্তা করিয়া পরি

ইয়াছেন, ভাঁহার মুখ হইতেও

বা ঐপ্রকার জাটন ও কুটিল উত্তর

ত হয় না।

বারু কেশবচন্দ্র কোন অলোক নোড়ণে যে ভাঁছার অনুচরের। ছিত হট্যা ভাঁছার চরণরেণুলেহন নাজ্বং ভাঁছাকে অবভার বলিয়া বিদ্যান, আম্রা ভাছা র্বিডে

পারিতেছি না। তিনি সচরিত ও शाश्चिक, याम छै। हात अहे खन छैहात षष्ट्र চরগণের মোহের কারণ হয়, তাহার ভুল্য বিস্ময়কর বিষয় আর নাই। মাতুষের যেরপ হওয়া উচিত, তিনি ভাছাই হই-व्राट्टन। ভाराट चटलाकमामाना छात অণুমাত্র সম্পাক নাই, এরপ সচ্চরিত্র ও शार्चिक लाक महत्र महत्र पृथे हरेश थाटकन। त्य (प्राम ७ त्य ममरत्र शास्त्रिक मफ्रांबिक लाक मर्भन इक्रह, स्मेहे (म्राम ७ मिह कारल यनि किणव तातू প্রাত্নভূতি হইতেন, তাহা হইলেও ভাঁহার প্রতি কথঞ্চিং চরণরেণুলেইনপ্রতি विश्वाशिनी चिक्तित छेन्त्र इहेज, किन्न এ দে দেশ নয়, দে কালও নয়। যদি বল তাঁহার উৎকৃষ্ট বক্তৃতাশক্তি আছে. প্রাচীন কালের ডিমস্থিনিস ও সিদি त्तात कथा पृत्त थाकृत, देतात्रीष्ठन কালের বর্ক ও সেরিডান প্রভৃতির কথা দুরে ধাকুক, তিনি কি বজা ভাগজিতে ডাক্তর ডফের অপেকা উৎকৃষ্ট তাঁচার বলুত্যশক্তিতে কি ডাক্তর অপেক্ষা অধিক উৰ্জ্ঞায়লভা আছে ? তাঁহার ধর্মাতুবাগ কি ডাক্তর छ क व प्रापंका ध्वन १ का जन लाहक ডাক্তর ড.ফার চরণরেলু লেছন করি-(७८६न, भार कर जन लाटकरे दा खाव छा इसार्थः भवना कहिया ভাষার চৰণাধনত হইতেছেন ? কেশ্ব वातुव अक विषया किशिश्यां विद्रान्व क्रमाञा व्यारह विश्वा यनि ऊँ। श्रांक (प्रवेद श्रेका कहा अवः कौ राह हत्। রেণু লেছন করা সংগত হয়, যাবতীয় বিষয়ে যিনি অ্লামান্য ক্ষমতার পরি-চয় দিয়া গিয়াছেন, তাঁহাকে কি কুরা উচিত্ৰ প্ৰধানত্ম ইতিহাদবেৱা নেবুর জুলিয়দ শীক্ষারের বিষয় যেরূপ লিখিয়া পিয়াছেন, কেশ্ব বাবুর অসু চরেরা ভাষা একবার মন দিয়া ভাবণ क्रन ।

ভাঁহার (দীজারের) নানা প্রকার ত্মণ ছিল। তিনি অনুপম অধাৰদারসহ কারে ও অবলীলাক্রমে মনোরতি ধর্ম গুলির কার্ষ্যে বিনিয়োগ করিতে পারি তেন। উহোর অলোকসামান্য মেধা সুপ্রনিদ্ধ। তাঁহার অনামান্য উপস্থিত বুদ্ধি ছিল। তাঁহার নিজের ক্ষমতা অধিক এবং অদৃষ্ঠ ভাঁছার প্রতি সুপ্র-সন্ন, ভাঁচার এই সংস্কার ছিল। এভনিব ফান ভাষার এই দুঢ়তর বিখাস ছিল তিনি যেবিষয়ে হস্তক্ষেপ করিবেন. काशास्त्रहे क्रुडकार्या इहेटड शाहित्वन । এইহেতু তিনি যে সমস্ত কাৰ্য্য সম্পাদন করিতেন, তাহার অধিকাংশে পরিশ্রম ও অভাাসলকণ লক্ষিত হইত না তাঁহার বক্তা ও ভাষা রচনার রীতি তদানীস্থন কোন সম্প্রদায়ের অমুকরণ দহে। ভাঁহার বৈদর্গিক যে ক্ষমত। ছিল, এ সকলই ভাহার **উশে**रगा 🗿 । তাঁহার বুদ্ধি অভিশয় नर्भन विख्वानीति বিষয়ে শবিশেষ বুৎপত্তি ছিল। \* \* \* পন্য লিখন বিষয়ে তিনি অসামান্য প্রাধান লাভ করিয়াছিলেন। সুশিক্ষিত বাক্তি **बिर्**शत नाम डाँकात कर्याश्रक्यन ক্ষতা ছিল, তাঁহার কোন প্রকার বাগা-না। তিনি ভূমর ছিল षा कु द ক্ট বক্তাশকিসম্পন্ন ছিলেন। ভাঁহার मर्थामरेन भूगा হইতেই হয়,ভিনি পুর্বে কথন যুদ্ধবিদ্যা শিকা করেন নাই। এতদ্বির তিনি অমায়িক ও সরলম্বভাব ছিলেন। তিনি কণকাল আলদো কেপ্ৰ করিতে পারিতেন না। এইরূপ ভাঁহার विख्य थेन वर्गिक इहेग्राट्ट। व्यक्षिक कि, **এইমাত্র বলিলেই পর্যাপ্ত হইবে,** সে ভিনি একদা রোমনগ্রের একাধিপভা कतिशां हिएलन अवर नाना एम अ सन-পদ ভাঁছার বাহ্বলে বিজ্ঞিত ছুইয়া তাঁহার অধীনতা স্বীকার করিয়াছিল।
বে বাজির এত গুণ ও ক্ষমতা ছিল,
রোমকেরা কি তাঁহাকে দেবৰং আরা
ধনা করিয়াছিলেন? রোমকেরা কি তাঁহার
পূলামিন্দিরনির্মাণ অথবা পূলাবিধি
প্রবর্তি করিয়াছিলেন ? তাঁহাকে
অবতার মধ্যে প্রনা করিয়া তাঁহার পূলা
করা দূরে থাকুক, তিনি ও স্ত্রাট ৬ এই
উপাধি লইবার আকাজকী হওয়াতে
রোমকেরা তাঁহার প্রাণবধ করে।

--:0;---

মূতন পুস্তক।

আমর। কৃতজ্ঞতাসহকারে স্বীকার করিভেছি নিম্নলিখিত পুস্তকগুলি আমাদিগের হস্তগত হইয়াছে।

३। योवटनाम्यान ७ व्यन्यान्य कवि-তাবলী। এখানি 🕮 युक्त वातू तांक कृष् মুখোপাধ্যায়কর্ত্ত পদ্যে বিরচিত। ইहाट योबटनामानः, वन्नम्ही ७ वान কের মুখপ্রস্থৃতি কয়েকটা বিষয় সন্নি ৰেশিত হইয়াছে। সফরিতা যুবকগণ কিরপে যৌবনস্থলভ কাম ছ্রাকাজকা ও লোভাদিবারা আক্রান্ত হইয়াও স্বীয় স্বাভাবনিদ্ধ সূবৃদ্ধি প্রভাবে ভালা হইতে পরাজ্মুখ হইয়ু। সংকর্মে ক্লভসংকল্পা इन काहा इहाट के अनक कहाल वर्गि कहरे-রাছে। গ্রন্থকার ইহাতে আপনার বিলক্ষণ কবিত্রশক্তির পরিচয় প্রদান করিয়া-ছেন। বসুমতী ও বালকের মুধপ্রভৃতি বিষয়েও ইছা অপেকা কবিতা নানতা গ্রন্থ मृष्ठे इत्र ना। अदेशनि প্রথম আছে ; কিন্তু তাঁহার কবিতাগুলার রচনাভঙ্গী দেখিলে ভাঁহাকে নৃতন গ্রন্থ কার বলিয়া বোধ হয় না। াৰ ধৰি স্বাবলয়িত পদ্ধতি পরিত্যাগ ज्याच्या नित्नत माधाई এक

।। पश्चीश व्यक्तात इहेटवन ।

২। ছুর্গোৎসৰ নাটক। এীযুক্ত ল'ক্ বিহারিলাল বলেদাপাধ্যায় ইহার

बद्दा । किट्डाम डेमाधिमाती वक बन बनव 🖟 चट्णत इंग्रे जाक्रवश्चाव लको पूर्व (स्टलन। डीहाता खाम हरेग्राड शिषातं पुरर्शायमत्व वर्गायां करत्रन नाहे। हर ैंशननामक अक सन सर्व শিক্তি ক উক্ত ভালাণেয় কনিও পুত্রের নৰ্চর ছিল। নে তোবামোদ वरम के जामार्गत ममल शतिवादतत বিশেষত ক্রিষ্ঠ পুরের একান্ত অনুরাগ खाकन कर रिमाण्यन छे शासियाती कर कम छ। उ श्रीधं मास्तर्छोरमत मखाशिष् क्षिन किन किमनगटमत चकावरम भगरन অতিশয় হইয়া স্কলা তাহারে ভৎ সনা করিভেন এবং তাহা হইতে যে পরিণামে বিলেষ অনিষ্ট ঘটিবার সম্ভাৰনা তাহা সর্বাদা শাৰ্ক্সভৌমকে কৃহিতেন। চল্ফনদাস ইহাতে আপনার ভাবী অনিষ্ট আশক। করিয়া বিদ্যাভূষণকে চৌর্যাপবাদগ্রস্ত করি বার চেষ্টা পায়; কিন্তু পরিণামে ভাহার নে চাতুরী প্রকাশ হইয়া পড়ে। এছ-কার এই বিষয়টী লইয়া গ্রন্থানি প্রস্তুত করিয়াছেন। ইহার আদেগপান্ত পাঠ क्तिया (मथा (भन, हन्दनमारमत हाजूरी প্রকাশভিন্ন অন্য কোন স্থানেই রচনা ठाजूर्यः पृक्षे इहेल ना ,

০।বিলাপলহনী। শ্রিয়ক্ত বারু
বলাইচাঁদ দেন ইহার প্রণেডা।ইহাতে
এক বণিকের পুরাশোকে ক্রন্দন ও এক
জন বজুকর্ত্ক ভাহার সাম্বনা নির্জাকরে
বর্ণিত হইয়াছে। কবিভাগুলি মন্দ হয়
নাই।কলিকাতা হিন্দু প্রেদে এই পুস্ত
কথানি মুদ্রিত হইয়াছে। গ্রন্থকার ইহা
বিনামুল্যে বিভরণ করিতেছেন। ইহার
অবয়ব নিভান্ত ক্রুড়; আর কিছু রহৎ
হইলে ভাল হইত।

৪। রামার্যা গ্রন্থ। এখানি সংক্ষৃত গ্রন্থ। জিঞু ১ মহাকবি মুদ্যাল ভট্ট ইহার প্রবেতা। সম্প্রতি জীযুক্ত বাবু ক্রিক্তক্স ইহা মুজিত ও প্রচারিত করিরাছে ইহাতে আর্নক্তেশ রামের মাহা বর্ণিত হইরাছে। গ্রন্থকার অভীধিদ শত সংখ্যক প্লোক্ষারা গ্রন্থানি সম্পূর্ণ করিয়াছেন। কবিভাগুলি মন্দ নহে।

# विविधनः वाम । ৮ ই পৌৰ সোমবার।

সম্প্রতি কলবিদনামক এক জন চা-কর এক জন কুলেকে অভ্যন্ত প্রহার করিয়া বধ করাতে ভাহার যে দণ্ড হইয়াছে, ভত্তপলকে লেপ্টনান্ট গবর্ণন চাক্ষেত্রের অধ্যক্ষ ভাজার ভেবিভসনকে এই বালয়া ভংগনা করিয়াছেন, ধর্ম ভাবিরা না হউক কন্মান্তরোধেও মন্তর্গদেগর প্রতি বন্ধ করা উচ্চে। ভাজার ভেবিভসন কলবিনের এভাচারের সংবাদ পাইয়াও ভলিবারণের চন্ত্রী পান নাই। কর্তৃপক্ষ ইউরোপীয়দিগের ন্মেনীভির উপরে নিজর না করিয়া অপরাধান ক্রপ দণ্ডবিধান আরম্ভ করন।

কিছু দিন হইল, নাটোরে ওলাউঠার প্রাতৃ ই বংধগাতে কুমার চক্রনাখ,রায় ও তাঁলালা দান্তা।চাকংসক ও ঔষধ্বারা প্রীভিত্তিতিলা বাশব সাহাধ্য করেয়াছেন।

বিষ্টনকার সাহেব কলিকাভার বিশ্ববিদ্যা লয়ের বাইস চালেলার হইভেছেন; সরক্ষম লরেল চালেলার > বিশ্ববিদ্যালয়ের-মহাসভা আরা চালেলারকে অভিনন্দন প্রদান করিবার প্রন্য সিইনকার সাহেব চেক্টা পাইভেছেন। এটা নিভান্ত বাড়াবাড়ী। সর জন লরেল বিশ্ব াল্যালয়ের কোন সভার একটা ব্যক্ত। করেন নাহ।

বাবু চন্দ্রবোচন চট্টোপাধ্যায় বঙ্গদেশী ব্রেক্সাপক সভার অনতের সভা হইয়াছেল কুমার হরেন্দ্র কুন্দের ছুই বংসর পারপূর্ণ হ য়াতে ভিমে পদভাগে করিলেন। মুসলম দেগের মধ্যে এক জানকে সভা করা কর্ত্তন গ্রব্দিকট কেবল জামীলার্দ্রদেগের প্রভিন্নি গণকেই লইভেছেন। অপর জ্যোপ্র খোনত নিধি গ্রহণের কি সময় হুয় নাই ৪

নেপাল হইতে এক জন মৃত কলিকা আলিয়াছেন। হনি মৃতাপুরের মৃত র জির উদ্যানে আছেন। লাভ মেয়ের স সাক্ষাৎ করিয়া দৃষ্ঠ প্রতিকামন করিতেন।

নেশাল গৰণমৈট ভাৰত্বৰীয় গ্ৰুণ্ড ক ভক্তলি আইনের অনুবাদ করিয়া অ রিষয় গ কছে সেকেলে পণ্ডিভ ও কাজি । র.হল্ডে গ্রুচারের ভার থাকিলে কোন বাজ বেনা । ইঞ্ছদ্দেশীর রাজ্যণ কলিকাভা। বো
াই ও মালোজের বিশ্বদালয়ের পরীকোতী
। একে কর্মচারী মনোনীত কবেন না কেন?

র হেন রি ভ্রাণ্ড ইংলণ্ড হইতে প্রভ্যাগমন
ইছন।

প্রতি নাগাগণ মণিপুবের সীমার নিকটে আন্তর্গচার করাতে গবণর জেনরলের এজেন্ট মণিপুরে ঘটবার আদেশ পাইরাছেন। মণিপুরীয়গণ আপনাদিগের সীমাসকল গড়বছ করিয়া রক্ষা করে তিনি এই চেষ্টা পাইবেন। এই নিমিত গবণৰ জেনবল কডকগুলি তলবাদিতে সন্মত হুইরাছেন।

क्षिकार्यात निभिन्न पृष्ठित थे कुल कतियात निभिन्न भवन्ति । अञ्चल क्ष्या कर्मक वर्षत्र प्रिया भारक । भक्षार्थ अञ्चल क्ष्या करक वर्षत्र प्रिया भारक । भक्षार्थ अञ्चल करक वर्षत्र प्रिया भारक । अवात स्वयार्थ भवन्ति । अवात स्वयार्थ भवन्ति । अवात क्ष्य मिवान ज्याका मिश्रार्थन । यमकल स्वात प्रक्रिक स्हैशार्थन । स्वयार्थन क्ष्यार्थन क्ष्यार्थन । स्वयार्थन क्ष्यार्थन । स्वयार्थन क्ष्यार्थन । स्वयार्थन क्ष्यार्थन क्ष्यार्थन । स्वयार्थन क्ष्यार्थन क्ष्यार्थन । स्वयार्थन व्याप्त । स्वयार्थन व्याप्त क्ष्यां प्रकार । स्वयार्थन व्याप्त क्ष्यां प्रकार । स्वयार्थन व्याप्त क्ष्यां क्ष्यां प्रकार । स्वयार्थन व्याप्त व्याप्त क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां प्रकार । स्वयार्थन व्याप्त व्याप्त क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्या

১২ সণিত মাজালী রেজিমেন্টের ক দেরণ

9 লোনামক গ্রহ জন আফিসর অসচ রত্রতা
নিবন্ধন পদচু,ত হইয়াছিলেন। ইহারা পুনাতে
থাকিয়া স্বাদা গোলয়োগ করাতে ভারতবধীয়
গবর্ণমেন্ট সাধারণ ধ্যের ইহাদিগকে
ংলাওে প্রেরণ করিয়াছেন। লেপ্টনান্ট লো
ভ্রমতি পুনাতে ফভাতে দালা কর্যাছেলেন।
ভাকল লোক যত ভারতবর্ষ ভ্যাগ করেন ভত্তই

ভার জদশ বিহাতী লাপ জামানিগের প্রবেশ করিভেচে। গ্লাড্রনিংডর বাজে বাইংলড়ে বিজর লোক ক্ষুসকাল ও হত বা মারকুইস ভার হেন্ডিও স্সম্প্রতি এক উনাহরণ প্রদর্শন করিয়াছেন। কিন্তু ভূংখিভ-ংইলাম, এইলকল সৃষ্টাজে সভক বা এবার কলিকাভার অনেক বুবক ধ্যাভ্ ব্যাজির টিকেট ক্রম্ম করিজেছেন। দুব্দ ভ কখনই মলল নাই।

বা অবগত হইলাম. চাকাব দিতীয় লবাৰু মাহকুমাথ বসু ২৪ প্রগণার দ্বস্থ কল হইয়াছেন।

ক্ষিত্র বিহাতের প্রকাশ দ্রিলেন্সর ক্ষিত্র ব্রহাতের স্বল্কার লোক দিগকে প্রতিপালন করিবার নিমিন্ত করপুবের রাজা খোকানদের তীয়ে একটী খাঁধ করিবার আজা দিরাছেন; অগরার এক জন বলিক নিজ বারে বিশুর লোককে ভর দিভেছেন। লাংগারের এক জন ভত্ত লোক এপ্রকার করিছে। ছন। ছর্ভিক্টের সময়ে ভারতব্যীরপাণ শভা বভঃ যে আগ্রার দেন, ভাহং এবারও কুইবে। ভারতব্যীর গবর্ণমেন্ট কি করিবেন? আমর। বলিভেছি, যখন ভারতবর্ষের অধিকাংশে ছর্ভিক্ষ তখন চাউলোর রপ্রানী বন্ধ করা কর্তব্য।

#### ৯ हे (भीष मन्नवात्र।

ত্তিক্ষনিব ক্ষন উত্তরপশ্চিমাঞ্চল ধেসকল শিল্য অনাথ হইতেছে মাজিট্রেটেরা ভালদি-গকে নিসনবিদিগের অধীনে রাখিতেচেন প্রত্যেক শিশুর নিমিত্ত সরকারী ধনাগাব হইতে ছই টাকা করিয়া দেওয়া হইবে। আমর গবর্গমেন্টকে সভর্ক করিতেছি, বাহা উৎকলে ১ইয়াছে ভাহা উত্তর পশ্চিমাঞ্চলে হটলে অনেক কথা উঠিবে। সকলে বলিবেন, এই সুবোদে গবর্গমেন্ট প্রজাগনের জাভিনাশ করিভেছেন।

আমরা আহ্লাদিত হইলাম, গ্রথব জেনৈব-লের নায় প্রধান সেনাপতি এক জন এতদে শীর আফিসংকে আপনার এক জন এডিকড বলিয়া নিযুক্ত করিয়াছেন। ইহাকে ১৫ - টাক ্রতন দেওয়া হইবে। ভদ্র লোকের ন্যায় বেডন হইলে ভাল হইত।

প্রধানতম বিচারালয় শ্বির করিয়াছেন, বি এল উপাধি প্রাপ্ত ও প্রথমত্তোপর কমিটি । উকীল ভিন্ন আরে কাছাকে মুকোনের পদে নিযুক্ত করিবেন না। আটের্নিগ্রপ্ত এট পদ শাইতে শারিবেন।

পঞ্চাব, উত্তর পশ্চিমাঞ্চল ও মধ্য ভারেত বনের স্থানে রৃষ্টি চইতেছে। বর্ষণ অধিক চল্ল নাই। তথা। পি এতলিবন্ধন শ্লোর মূল। কভক কমিয়াছে।

ভারত্তাহি । কিন্তা ভারতবর্ধীয় গ্রবর্গমেণ্ট আজ্ঞা দিরাছেন, ১০০
নিকে বৃষক্ষ থাড় টাকার নীচের গ্রবর্গমেণ্ট আজ্ঞা দিরাছেন, ১০০
নিকে বৃষক্ষ থাড় টাকার নীচের গ্রবর্গমেণ্ট কর্মিচারিগণ ও
নির্ভেছেন। মৃত্ত নির্ভিত্ত কর্মেচারীদিগের নিরমান্ত্রপারে বংসরে
এক মাস বিদায় পাইতে পারিবেন। কিন্তা একার বিদায় লইলে প্রবর্গমেণ্ট কোন অভিরিপ্তে
ব্যয় ক্রিবেন না। আবল্যক হইলে বিদায়
প্রাপ্ত কর্মেচারীকে এক জ্ঞান প্রভিনিধি দিভে
ভাগণ দর্দ্ধদিগের ভাইবে। সর জন লারেল সকল প্রেলিশ মিচারী
স্বলকায় লোক। দিগের প্রভিত সমান বন্ধ ক্রেন, এটা ভাগার

রষ্টার। আমলা দির্গের বিবরৈ যে কিছু করিয়া। গেলেন না এটা বড়ই আফেপের হইডেছে।

अकरन शर्फाक की कता है व्यक्ति व त्रद्रविष्ठ अर्क्किटक की चत्रम २७ होको श्रीक वर्गत निर्फ रहा । मुर्लिक्ट हिन छैलेन ने १ होका मनत जाभी त्वत छैकी ने १० १ होको । उ क्राइक् छैकी ने १० होको निष्ठा मकल जाना निर्ध याहर्ष्ठ भारतम । किछ (भार्कात निर्धि क्रावर्ष भिक्षा क्षिक निर्दे हहा। अ विश्वि क्रावर्ष मर्तिमा का 2क्ष्म करतम। अहे जारकार ने व्यव्यं मात्रन कार्ष्ठ, अवर क्राइता छुतमा कित्र भवर्ष-(मन् अहे जाना ग्रेडी हुत क्रित्त ।

ডেলিনিউস অবগভ হইয়াছেন, লাড মেয়ের অসুবাধে সর জন লরেন্স আধুয়ায়ির পেষে ভারতবর্ষ ত্যাগ করিবেন। সুতন গবর্ণর জেন রল রাজনীতি শিক্ষাব নিমিত্ত এই অসুরোধ করিয়াছেন। লাভ মেয় ও সর জন লবেন্স উভ রেরই ইহাতে গৌরব প্রকাশ হুইডেছে।

উক্ত পত্র বলেন, লাহোর মিদন কলেজে ১২০ টাকার ৭ টা ছাত্রহাত্ত হইটেচচ। গবর্ণ মেন্ট ইহাব অর্জেক প্রদান করিবেন। উচিত।

মণি অভার অফিসের রাষ্টারনামক যে কর্ম চারী ভছবিল ভছরুপ করিয়। প্লায়ন করেন ভিনি মাজ্রাকে ধৃত হইল্লাছেন। ফষ্টার সাহেব প্র কোম্পানের জাত্তাক্র ইংলত্তে প্লায়ন করিভোছদেন।

কৈলাশ ও নবীন নামক যে ছইজন খুটীয়ান হত্যা করে গত কলা তাহাদিগের ফাঁশী ধ্ইরা গিয়াছে। মৃত্যুকাল পর্যান্ত ভাহারা আপনাদি-গকে নির্দ্ধের বলিয়াছিল। তাহারা বলে মনো মেহিনী উল্লানে প্রাণ্ডাগ করে, ভাহারা কেবল গোল্বে গের ভারে ভাহাকে সিন্ধুকের মধ্যে বাধিয়াছিল।

সম্প্রতি বিজিতলার এক কোটোলে চুরি
কণ্য়াতে ধামনবাস্তঃ থানার ইন্দেশ কর শার্পা ভালার অনুসন্ধান কবিটে গমন করেন : ইন-শেলাইর অনুসন্ধানের পরিবর্তে ছোটেলে স্বাপান ও মাত্রত্তেজন করিয়া গৈবে ৫০০টাকা উংকোচ চাছিয়াছিলেন। এ বিষয় হগা সাহেবকে জানাইবাতে পাপের ৭৫ টাকা জাবিমানা করিয়া ভাঁহাকে পাদচুতে করা হই য়াচে। ফৌ জ্লারিতে অপণি করা উচিত ছিল।

(व'बाई विष्वित्रशेलाः १०० सन टार्स निकाभश्रीकाषीत् बर्धः २९५ सन कृष्टकार्यः इट्सार्टन्।

১০ ই পৌৰ বুগৰ\*\*

এরপ অন্তর্গতি সর স্থাকোত পুন্ত । আর্মেনী হাটের নিকটে একটা স্থায়ী সেড় প্রস্তুত করিবার আজা দিয়াছেন। ইতিনধ্যে প্রবিষাস সেতু করা উচিত কি না, এনিনিত তেলি নিউসের এক জন পর্জারক বলেন, কমিসন বলিয়াছেন। এত গোলখোগানা করিয়া গভ ববিষার সাহেবগালের নিকটে একথানি এক কালে কিছু অধিক বায় করিয়া একটা স্থায়ী বাস্পীর শক্ট আসিডেছিল, এমন সময়ে একটা সেতু করাই উচিত।

রবিবার লাভ মের, লে ভ্যের এবং মার্গালার লাভ নেপিরর বোধাইয়ে উপনীত হইরা, ছেন। বোধাইরের লোকের। সন্মানের সহিত্য ভার্টিগকৈ প্রভ্রাস্থানন ক র্য়াছেন।

हरनिज्ञान वरमनः तलि उत्तेन नारहव विनाय नहेत्न ताळवानी विकारणत कविननत्र जालनान नारहव छ देख्यों य गवर्गरास्त्रेत ताळव नर्जाक (मर्टकोति हहेत्वन। जालमान नारहव त्ययोग्न चारहन (महे धान) हर्डन मारहवरक श्राक्तियि कथा कर्डनः। यक्रमनीय नार्वरास्त्रेत (मर्टकोति हहेत्वहे ताळाट्यत मरवास ताथिएक हन्न।

মৃত বাবু জগনাধশস্কঃ শেঠের পুত বাবু বিনারক জগনাধ এক পর্য উপলক্ষে বোৰাইয়ের ইউরোপীয় স্বাজ্ঞকে নিম্ত্রণ করিয়াছিলেন, তদ্পুলাবে জনেক ভদ্র ও জীলোক তথার উপত্তিত হন। বোৰাই গাড়িয়ান ইহাজে সিরক্ত হইয়া বলিয়াছেন, হিন্দু পর্য উপলক্ষে গান করিলে খৃপ্তীয়াধর্ম বক্তর কাজ হয়। এ প্রকার কথা এখানকার জনেক মহ মতি বলেন, এবং বিচারপতি কিয়ার এক বার নদীয়াব রাজা বাটীতে গিয়া বিলক্ষণ গালি খাইয়া হলেন। খৃপ্তার্ম্ম কি এমনি ভক্তপ্রবণ যে, হিন্দুর বাটীতে নিম্বানহতে উৎসর হয়?

সম্প্রত উ র পশ্চিমাঞ্জের প্রধানতম বিচারালয়ের বারিষ্টর নিউটন স্যাহেন বিচারা লয়ের নিকটে আবেদন করেন, আলাছাবাদের অধস্থ জজ একটা মকলমাশ্রবণের সময়ে ক্রোধ প্রকাশ ক বয়া ছিলেন, এ অবস্থ য় ভাছার (নিউ টনের ) মকেলের স্থাবচারের আশা নাই। অভ এব তিনি মকলমাতী প্রধানতম বিচারালয়ে আনম্বন করিবার প্রার্থনা করেন। বিচারালয় বলিয়াদেন, এই আবেদন আহা করিলে একটা অসং পথ প্রবিভিত করা হইবে। মকদ্দার অবস্থা মন্দ ছইবামাত্র উনীল নিচারপান্ডর সহিত বিবাদ করিয়া এপ্রকার আবেদন করি বেন। এই বিবেচনায় ভাছারা নিউটন সাহেবের প্রার্থনা অগ্রাছ্ করিয়াছেন।

সর জন লারেশ সেউ জেনিয়রের বিদ্যালয়ের পারিভোধিকপ্রদানের সময়ে উপস্থিত থাকাতে ভক্তাক ছাত্রগণ ভাঁহাকে এফ অভিনন্দন প্রদান করিয়াছেন। সেও জেনিয়বিররে বিন্যালয় কাপ লিকদিগের অধীনস্থ।

মণিপুরের রাজার জাধারোধী এইরীদিপের নিমিজ ভারতব্যীয় গ্রথমেট ২০০০ ভল্যার প্রদান করিয়াভেন।

करमेनि ও कानकात मर्गाः वर्ग व्याविकृष्ठ स्रेग्नारम। व्यापाछण्डः व्यानक लाक ननीगर्फ स्रेट्ड वर्ग शास्त्र स्रोग्नाइन ।

এক জন ফরাণী মনিটিউর পত্রে ভারতব ্র্যর বাণিজ্যের বিষয়ে এক রিপোর্ট প্রকাশ করিয়াকেন। ইয়াধারা জানা ঘাইভেরে, ভার তবর্দে প্রাচনীমাত্র ফরাশী বাণিজ্য ঘূর আছে ইনি বলেন, ভারতবর্দে ইউরোপীয় উপনিবেশ গুইবার ছটী বিষ্ব। প্রথমতঃ জল বায়ু এবং দিটী মতঃ ভারতবর্ধীয়গণ যেপ্রকার বিদ্যাশিকা করিতেকেন, ভারতের ইউরোপীয়দিগকে বিশন্ন গুইতে হইবে। রুশীয়দিগের অগভ্য রাজনী তর বিষয় ভারতবর্দে জনেকে বুঝিয়াছেন। করাশীগণও অনীনত্ব জাতিকে শিক্ষিত করা বপদের কারণ জ্ঞান কবেন। ইংল্ডেনে নিকটে আমাদিগের কত কুড্জ্য হওয়! উচিত, ইয়া ধারা সকলেই ভারা ব্রিক্তে স্নর্থ হইবেন।

বরদার গুইকুমার এমত ভয়ানক ছার্ভিকের গময়ে আপন রাজা চইতে অনাব্র শসা রপ্তানী বন্ধ করিয়াছেন। ভারতবর্ষের বাহিরে ঘাইবার পক্তে এ নিয়ম কবা উচিত ছিল। কিন্তু দেশে: অনা অন্য ক্লাকে সাহায্য না করা অভিশয় নিষ্ঠুরতা। ভারতব্ধীয় গ্রন্থেন ভারা হুইলে কি ভামদানী যদি বন্ধ কারতেন ভাহা হুইলে কি

#### ১১ ই পৌষ বৃহক্ষতিবার।

ভবলিউ, ডবলিউ, হধীর সাহেব স্থাম্প ও ষ্ঠেসনরির স্থাবিকেটেওটি ফ্রাইয়াছেন। একাঞে পরিশ্রম অল্পত্ত এব হণ্টার সাহেব বেকড ক্মিসনের অনেক সাহ্যাকরিতে পারিবেন।

আমরা ছঃখিত হল্লাম, গ্ৰন্মেন্টের প্রধান উন্নীল বাবু কৃষ্ণকিশোর ঘোষ পীড়ানিবন্ধন ছই মাসের বিদার লইভে বাধিত কইরাছেন। বওড়ো দিনাজপুর ও মালদহের কভগুলি আমে ভূতন মিউনিলিপাল (বঙ্গদেশীর ব্যবস্থা পঞ্জ সভার ১৮৬৮ অব্দের ৬) আইন প্রচলিত

আগামী: ১ ই ও ১২ ই ফেব্রেয়ারি মোকাব দিগের পরীকা হটবে। ১৫ ই ও ১৬ ই প্রথম আশিষ্ক এবং ২২ এ ও ২০ এ বিভীয় জোণীর কালভির পরীকা হটবে:

ভাক্তর আগুলি গ্রণ্ডিক কানাইগ্র ছেন, এ বংগর দারলিলিতে সিক্ষোনা বৃক্তের গ্রিশেষ উন্নতি হইয়াছে।

শ্যামদেশের বাংলাণের বাস আছে এবং নাজবংশ ব্রাহ্মাণের প্রতি ভক্তি করেন। সম্প্রতি প্রতন রাজার আভিবেদ সময়ে ব্রাহ্মাণেরা আভি যেক ও মঙ্গলাচরণ করিয়াছিলেন।

গ্রন্থার ধান প্লবমান সেতু হয় ভাহার প্রতি কাহার কি আপাতি আছে, সেতুক্ষিদন ভা জানিভে চাহিয়াছেন। ব্যক্তি আহাজেরীকা, দগের আপাতি হইবে।

বোধাইরের একথানি সংবাদপত্র বংশ গুইকুমাবের বিকল্পে সংবাদপত্রে বাকা লিখি গ্র কর্ণেল বার উচ্চেকে ভাঙার কিছুই জানি দেন না। এ অবস্থায় রাজ্যকে দোৰ দের বা। যাহ। হউক গুইকুমাবের লাস্ত্রপ্র ও রেলিডেনেটর চরিত্রের অনুস্কান ক্রি

আবছল রহমন খা যেপ্রকার পর
হইরাছেন বলিয়া সংবাদ আইনে ভাই
নতে: ভিনি ও সিয়ারআলি খা পুনর্দা
প্রস্তুত হইভেছেন। আবছল রহমনের
আজিন খা আসিয়াছেন, কিন্তু সিয়া
বল অধিক এবং আবছলর্ছমন জ্
অপেকা আম্রকার চেষ্টাই পাই
কলিরেরা বোঝারার রাজাকে ভ্রমার্থ
য়া দিভেছে। কিন্তু ভথায় এক ব

पृष्ठ शाकिरवन । उँ:श्व इत्छ अधीम क्रमखा धाकित्व। कनीय्राज्ञवर्गात्रेत जन्मां छिन्न আমীর মুভাদও দিতে সমর্গ ইইবেন না। यम् । नर्साधकाद्व द्याचात्रः त्व र्ध्त काम अष्ठरहानीय दारकात महात्र स्ट्रेरफ इडेल ।

- আরু কছওলি লোককে সি, এস, আই केंगाधि (म अया इहेबाइइ । हेदात महधा कामता পঞ্চত্টির রাজা, পণ্ডিত মানফ্ল, কর্ণেল किहि, बवाव (शालाम (हारमन थी अ मौर्ममान বাছেবের নাম দেখিতেছি।

कुलावनामक एव वानक ही दनत मधा निया हिमा এয় পার হইরা ভারতবর্ষে আসিবার চেই। পাই 'कहिरलेन, हीन म'हनक्कां निरंशत क्षेत्रिकक्का মবল্লম ডিনি ডিক্ডপ্যত্ত আসিয়া সালা ত্ত্ৰ প্ৰভাগমন কবিতে বাধিত চইয়াচেন: া অদ্যাবধি ঃ ঠা জালুয়ারি পর্যন্ত প্রধানতম চারালয়ের আদিম বিভাগ বন্ধ বাকিবে। শ্পীল বিভাগে চারিদিনমাত্র ছটি হইয়াছে। বিষয়ে উভয় বিভাগের একতা করা

विविक्ताच्यामारद्वव जासुरवारम जवर्वत জেনরল রা জালুয়ারি শনিবারও বদ দিবার 'चा कियारहर ।

প্ৰলিক ওপিনিয়নে লিখিত হট্য়াছে, অহা নার ক্ষিসরিএট ক-টাষ্টর বাবু এঞ্চলাল দ্রিড नगर्क कर्मा निवाद अन्। २००० होका दान्न িয়া থানেশ্বরের কুলছতে পুক্রিণীর সংস্কার ভেছেন। সির্গানিভাগ জনভূন্য হই-। मधारमात ও (हो कनात्र कित धामममुद्रः शीक (नर्था यासूना । इंग्लो इस (काम वन कानधन करिया शान्यधिन कर्याः गर्भ जनर्था इत्। इतः भ्रम्भ ঃ কালের অভাবে স্থানাম্ভর পলায়ন । ১১१७ छ ১२१७ व्यक्त कुला इहेरव

১२ **१ (शोध शा**क्क वातः

व्यक्तित्व अ. ति, कष्टाद्रक शूलिए হইরাছে। ন্যাজিট্টেট রবাটন সাহেব ত অসমত হইয়াছেন। ইউরোপীয় ाध मार्क्कमा करो। यख इहेर्य ७७हे ा स्टेट्र ।

म बरमन, बाताकशुरतत कुछशुर्का গজিটেট মেজর বোরণ দ্বারভা नक्षक्रमाञ्च इहेब्राइमाः व्यासाव থানের নিমিত্ত প্রবৃদ্ধেট এক গ্রবের ভত্মসম্বান কারতেছেন।

ইংলভের বিচারপান্তগণ সম্প্রতি সৈম্বান্ত করিয়াছেন, মহাসভার তর্কের সমলে বভি ব্যক্তিবিশেষের চরিজের প্রতি দোষারোপ করা হয় এবং সেই ব্লিপোট অবিকল কোন সংখাদ भट्यत मण्याहक श्रकाम करत्रन, खाहा इहेरन नाहेरवरमत्र मानीभ इहेरव मा।

क्विम ভात्रखवार्ष नाइ, हेश्माखत विदेशिति गानिष्टिनशूर्वे চूबित विनक्षण सूविशा कारकः मारक्रियारदेव अङ्ग्रंड गाउँभर्तारहेव विकेति বিশালিটির আকাউণ্টান্ট টি, বি, হডকিলন এক লক্ষ টাক। ভছবিল ভছরপ করিয়া বিচারালয়ে আজাদোৰ স্বীকার করিয়াছেন। উচ্ছার বারি ष्टेत बरानन, थाणानकल यथात्रीणि ताथ: इरेफ মা। এমত অবস্থায় অপরাধী লোভ সম্বরণ করিতে না পারিয়া এই কাজ করিয়াছে। এই সকল কারণে সে:সিয়নে তাহার ১৬ মাস মেয়াদ रहेशाइ ।

वज्रातमीत्र भवनीयने विकाशीत्र माल (छेप्रेमिशक कानाहेश। एक अपन स्थान সংখ্যা করা হইবে। ইতিমধ্যে উভার প্রপ্ত ও হইয়া থাকুন। গ্ৰপ্ৰেন্ট ঘলি এক সামান। উপায় অবলয়ন কবেন ভাছা হইলে প্রভিবংসর (न) कत्रश्या रहा। अक (यायशयात्रा बन्न, लाकमश्यात উष्टब्बा अहे, यनि प्रकृत अधिक **१य ७ भवर्गरमण्डे छिम्नवात् रावत् राव्हेश स्विधित्य ।** कान श्रकात कत्रशाशासत छामारना हैश হইবে না ৷ প্রত্যেক চৌকিদার আপন আপন মহলার লোক ও বাসির সংখ্যা করিয়া খানায় দিক। এই প্রকাব খানা হইতে বিভাগীয় মাজি ख्डिए वित निकटे के बदर छथा। इहेट अवर्गरूट हेत् নিকটে অনায়াসে হিসাব ঘাইতে পারে। চৌকি দারদিগকে পদচ্যুতির ভন্নপ্রদর্শন করিলেই **छ। हाता यथार्थ मध्यता कतित्व । ऋहा वः ग्र**ंश मगरम् এই महर छेटाइना माधिक इटेटक शास्त्र ; ১ ३ हे लोच म निवात :

 भारमणावादनत विनदकता ख्या ३३८७ वीत আম পর্যান্ত একটা রেলওমে করিবার নিমিত্ত भवर्षस्य कि कार्ट आदिषम क्रिशाइन। अहे রেলওয়ে বোরাই রেলওয়ের সহিত মিলিত बहेरव । विभिन्नना वरमन, शिक्रहे (कांग्रि होकः রাস্তা করিবার নিমিত্ত আবশ্যক, ভাঙা ভাঁছারা हों हो कतिया मिर्ड शक्क जाइन। अक्टन ছুর্ভিক্ষ হত্যাতে আল বৈতনে বিশুর মহার বলিয়া যে জনজাতি হয় ভারা জমুলক। भावता बाहरव, व्यक्तव भवर्गमाने (यम कहे। প্রযোগ পরিভাগি না করেন।

ं आकामित रहेश संकाम कतिरकहि, শানীশ উপবিভাগের ভারপ্রাপ্ত ডেপুটা माजिएके वांतू कानमरबास्य मर्जेमतात मक्कार निया शिक्ष वारमत लाकगरचा अवर सांका विन्तालय किविश्नालयक्षित कतिका तिर्थाष्ट्रे कतिर्छट्डन । स्थारन लाटक সাধারণের হিতকরকার্য্যের নিমিত চাদা मिटण्डहर, जानमः वाद् भाष्ट्रव स्निवेत कथ हरेटक गोशास निवात काळा नियारहरू। **का**टन স্থানে জ্মীলারের স্থাপন বাজারের (यनकन कक्टाणिया दाचियाक्टिन, छाहा दिख कता रहेबाएए। याराता कम वाहिसता तासिख, काशान्त्रात मध इहेटल्ट्इ। अहे कर्महाती २८ **राज्ञ ना अपने माजिएक विकास माल्य माल** প্রধান এবং বারাসত উপবিভাপ ইছার श्टल थाटक मकालहे अहे क्षांत्रना कतिराज्यहन।

বক্ষদেশের কডকগুলি জুয়াচোর এক শভ **ोका महे**क्षा ১७ • गिका निद्य विभाव विश्वत लाक्टक ठेकाकेट छिल। होका सहैवात ममरस हेशतः म. छामिरशत निकटि अक अक इंकिनज এই ৰলিয়া লিখাইয়া লইত যে, তাঁহারা এক শত টাকা দিলেন, কিন্তু যদি কিছু না পান আদা वर्ण मानीन कतिरक भातिरवन ना । कर्ड्नभक्त ইহাদিগকে এক্ষাদেশ ভাগে করিবার আছে। पिया **अहे** अञ्चाष्ट्रति वक्ष किञ्चाटक्रनः **प्या**तक দরিদ্র লোক ছাত্সর্বাত্ত হৃত্যাচ্চে । এইসকল खुषाह्र त नर्वा ए। कि श्व ला दिन व कि खम ! ভথাপি এককালে বড় মালুষ ভ্ইবার আশা यांच्य मां।

নিয়ুলিখিত মূল্যে गवर्गामाले व काशक विक्री व कर एक एक ।

| ও টাকার সিকা |    | ার সিকা        | 3340/1 3>            |  |
|--------------|----|----------------|----------------------|--|
| 8            | n  | (對代            | केरभ । क्र           |  |
| ¢            | *  | প্রবালক ওয়া ক | 2 - 51 - 1 2 - 511 - |  |
| ¢            | *  | কোৎ            | 3.811-13-9           |  |
| œ H          | 35 | (布代            | 22211- 12224         |  |

# ইউরোপীয় সমাচার।

ऽ१ वे फिरमबता अम्डकात मर्विक (भाष्ट्रे বলেন লাভ নেয়কে পুনরাহ্বান করিয়া লাভ मालिमब्रिटिक भवर्षेत्र (स्वत्रल क्रेश इहेट्स

ভুরক্ষের সহিত জীসের বৃদ্ধ নিবারণার্থ ইউ রোপীয় স্বর্ষস্ট্রমূত ছেত্র পাইতেছেন।

২১ এ ভিনেষর। তেশন হইতে শেষ যে সংবাদ আসিয়াছে ভাষতে এ শে হই য়াছে মিউনিসিপাল সভ্য মনোনীত হইতে আর্জ হইয়াছে কোন গোল যোগ নাই।

জুরক ও গ্রীসের পরশ্পরেশ্ব ভাব সমান রছিয়াছে। অদ্যকার প্রাক্তঃকালের মান্টিউর বলেন, ইউরোপীল্ল গবর্গনেন্টসমূত উক্ত দেশ। ছয়ের পুনর্কার বন্ধুভাব হল্প, এই চেষ্টা করি ভেছেন।

ফরাশী রণভর্তি অধ্যক্ষের **অস্থ্রোধে** ভুরক্ষ গরর্গমেন্ট সাইরা বন্দর অবরোধ জ্যাগ ক্রিয়াছেন।

ক্ষোণয়াও সার্থিয়া হইতে ত্রীকদিগকে মহিক্ত করা সম্ভাবিত নয় বলা হইয়াছে।

গতক্লা লগুন ই ডিসেম্বর। নিউইয়ক ছুইজে আসিয়াছে। (भटक्किवांत मकलक विलय्गाट्य कारमितिकात আর ৩,৫০,০০,০০০ তলার কর্জ ইইরাছে। ভিনি প্রভাব করিয়াছেন, ১৮৭১ অন্ধ অবধি श्रदर्भ (भरलेव धरछत आब्रदर्श मध्य होक) (५ उस्र) इट्टा এই स्मा পरित्नांध कतिवात নিমিত্র ৫০,০০,০০,০০০ চলার কাজ কংব क्ट्रेय । ১৮९ • फ्रिक्त ১ स्ता काळ्याजित शह ভংপবিবর্জে **₽**₹ [4 ক জন্ম ्ष छत्रा इंडेरव ना। कांत्र अक वृष्य देवत श्व क्षित्रम अवनंत्रारक्षेत्र भारतत्र भारत्र आहे ্দ ওয়া চইবে ৷ ডিনি আরে বেশেন কর্জসকল অলক সু পুনকার মূলধনবেছ করা ইইলে স্তুদ भगान है। इंड

ইংল্ডীর মাল্তবর্গ সম্পূর্ণরূপে নিযুক্ত চইরাছেন।

১০ই ডিলেরন। নিম্নলিখিত ব্যক্তিগণ মন্ত্রিকভৃত্ত কইয়'ছেন। রাইট জনরেবল এড়গুরাত কাঙ্গুরেল সুদ্দশংক্রাজ মন্ত্রী এবং গ্লিন ও জারাটিন সাক্ষেব জাগুর সেক্রেটারি কর্মাছেন।

জেম্স্, স্থান্স ফিলড সাংহৰ জেজুরির ভূতীর লাভ হইয়াছেন।

গ্রা-ট ডফ সাংখ্য ভারত ধর্ষের স্মণ্ডর সেজে: টারি হট্যাছেন।

নাচবুল ছগোগেন সাছের স্বরাফীবিভাগের ক্ষওর সেক্টোবি হটয়।ছেন।

রাইট অন্তর্বল উইলিগ্রম মনসিদ উপনি-বেলের অপ্রসেকেটারি হইয়াছেন।

গত কলা মধাসভা খুলিরাছে। রাইট অনরে বল জন, এবিলিন, ডেনিসন পুনর্কার সভা পতি বলিয়া মনোনীত হইয়াছেন।

>৫ ই ডিসেবর মলগণার রাজ্ঞীর বক্তৃত্য পঠিত হইবে ৷

শ্রের টেলিঝামে ব্যক্ত করে কাডিজের সাধারণভদ্ধশিয় দলকে হড ব্যক্তিদিগকে সমা হিত করিবার নিমিত্ত ৪৮ ঘটিকার সময় দেওয়া হইয়াছে। বিদ্রোভ্গণ আত্মসমর্পণ করিছে চাহে।

এটনা পর্য়তে আর এক প্রবল আয়া ৎপাত ইইয়াছে।

গত কল্যের নিউইয়র্কের টেলিপ্রামে প্রকাশ করে মহাসভা সভাপতি জনসনের বজ্তা পাঠে অসুমোদন করেন নাই।

১১ ই ডিসেশ্ব। মণিঙপোই বলেন, পিকি
নক্ষ্ দৃত সর কথকোড অব লক্ষ রাজকুষার
কঙ্কে বলিয়াছেন, মিসনরি ঘটিত বিবাদ ভঞ্চ
নের ভার রণভরির অধ্যক্ষ কেপেলের হস্তে
আছে।

১৪ ই ডি দেবর। স্পেন হইতে শেষে যে টেলিগ্রাম আসিয়াছে ভালতে জানা যাইভেছে কাডিজের বিদ্রোহিগণ সৈনঃদিগের হজে আত্মসমর্পণ করিয়াছে।

সূত্ৰ সন্ধিদ্ধে নিয়ুজিখিত বাজিকণণ নযুক্ত হুইয়াছেন।

করষ্টার সাহেব লিক্ষাসংক্রাপ্ত সেক্রেটারি, ক্ষাওয়ে সাহেব পরবাজ বিভাগের অগুর সেক্রে টারিঃ লাভ নর্যক্রক যুদ্ধ বিভাগের অগুর সেক্রেটারি, ক্ষাপরি প্রয়েশেসলি পিল সাহেব দক্রি প্রাইন বিভাগের অগুর সেক্রেটারি এবং সর কোলমান গুলয়পেন জ্ঞা আড্বোকেট হর্যাহেন।

রবেব মৃত্যুসংবাদ প্রকাশিত হইয়াছে।
লাডস্থানলি রাস্ম সাংহ্বকে লিবিয়া
ভিলেন আ বিসিনিয়াতে রুদ্ধাবস্থায় দে কণ্ঠ হয়।
ভাহার ক্ষভিপ্রণ্যরূপ গ্রন্থেই ভাঁহাকে
৫০,০০০ টাকা এবং ভাক্তর বুল্প ও লেপট
নাট প্রিভোকে ২০,০০০ টাকা করিয়া প্রদান
করিবেন।

১৫ ই ডিসেম্ব : আন্ধাজীর বজু তা পঠিত

ইইয়াছে ৷ বজু তাতে কেবল এইমাত্র প্রকাশ
করে পূর্বাতন মন্ত্রিগণ পদতাগ করাতে মূতন
মন্ত্রী নিযুক্ত করা ইইয়াছে এবং প্রতিনিধি
মনোনীত ইইলে বক্ষের পর মহাসভার কার্ধ্যা
রম্ভ ইবৈ :

ক্রিট্দীপসম্বন্ধে স্থলতান যে প্রস্তাব করেন, ত্রীসের ব্বর্ণমেন্ট ভাষা ন্যগ্রাংগু করিয়াছেন।

श्रीक प्रदक्ष श्रेषानव्यनार्थ अक्षानि । क्रिक्टोब्डिटनाशास्त्र (श्रिक्ष ११वाट्ड । पू प्रक्रिक्त प्रांत क्रिवाट्ड ।

ভারতবর্ধের রণক্ষেত্রের প্রশান সং অবস্থার জন্মধানার্থ ডিউক অব কো এক কমিসন নিযুক্ত করিয়াছেন।

3 १ वे फिरमेबत । कम्हे लिस्माणाम क् ल्याच स्व मध्यान ज्यामित्राह्म, फाक्ट श्रद करत क्फक्षम स्वीत्व जूतक व्याक्त स्वीत निर्मा श्रितिक क्वेब्राह्म।

राष्ट्रिंग व्यव कमन ১৯ এ क्वन्द्रशाहि राष्ट्रिंग व्यव माज्य ১১ ই क्वन्द्रशाहि পर्य। वृत्तिक थाकिरव।

# গবণমেণ্ট বিজ্ঞাপন । বঙ্গদেশীর লেপ্টনন্টগর্ণরের আদেশাহুদারী নিয়োগ।

৫ ই ডিসেম্বর। এ, চী, মাকলিন সাহে মিডীয় প্রেণির মাজিকেট ও কালেটর হুই বেন।

১৬ই জিনেশ্বর। বশোহরের প্রক্রিনির জাইন মাজেকেট ও ডেপুটা কালেটর দি, সি কুইন সাহের ১৮৫৯ আন্সের ১০ ও ১৮৬২ অন্দের ৬ আইন অনুসারে জাণীল আবন করিতে পারিবেন।

ষত দিন ডাজ্ঞর আর, মাকলিয়ত সরকারী কার্যোপলকে স্থানাস্তর থাকিবেন, তত দিন চাক্ষর ডি. পি. স্থিপটন যশোধ্রের চিকিৎসং ক্ষান্ত্রী হইবেন।

১৭ ই ডিসেম্বর : ভাগলপুরের সিবিল দেসিয়ন জ্ঞাজ এচ, আর. মাডক্স সাচে নিজ্ঞ পদগুৰে সাজিতাল প্রগণার ডেপুটী ক সন্ম হইবেন।

কলিকাভার প্রভিনিধি মাজিটেট বিলার সাহেব সম্পূর্ণরূপে নিযুক্ত হইলেন।
এচ. সি, বি, সি, বেবাণ সাহেব ভাগলপুরে
প্রতিনিধি জাইন্ট মাজিটেট ও তেপুটা কা
টা হইবেন।

गहराती माखिएके व कार्तहेत हैं, ख नम नारहर जनी भूत উপ राजार गत छात भा मूर्यनिनारात माखिएके हैं ७ (छभूने कार्तहें कमा भाहरतम ।

এ, ডবলিউ, ক্সারাট সাহের সাধ শর্মণার এক জন সহকারী ক্মিসনর ্ড উপবিভাগের ভার এবং মাজিটেট ও
ভী কালেইরের ক্ষমত। পাইবেন। ভিনি
ও ১৮৫৪ অন্দের ১৮ আইন অসুসারে
জ্মার বিচার ক্রিডে ও দণ্ড দিতে পারি-

জি, সি, এম, স্মিণ সাহেব পূণীয়ার ডেপুটা ভিক্টেট ও ভেপুটি কালেক্টর হইয়া প্রথম প্রনিয় অধীন মাজিক্টেটের ক্ষমতা পাইবেন। নিয়লিখিত ভদ্র লোকেরা তমোলুকের দাতব্য চিকিৎসালয় চালাইবার স্ভার সভা ইইবেনঃ—

» অধিকাচ্যুণ রক্ষিত।

বাব অম্ভলাল মুখোপাধায়।

কামরপের সহকারী কমিসনর পি, টি, কার্থেরি কসারা ও অমুক্তিয়া পর্মতে বদলী ইব্যন।

নিমলিখিত কর্মচারিগণ ১৮৩৩ অব্দের ৯ আইন অসুদারে ফরিদপুর, ময়মনসিংহ, পাবনা ও চাকার ডেপুট কালেইরের ক্ষমতা পাইবেন।

বলদেশের চতুর্গ চক্রবাড়ের রেবেণিউ সরবেম্বর লেপ্টনন্ট ভবলিউ, জে, স্টুমাটিঃ

সরকারী রেবেণিউ সরবেয়র লেপ্টন্ট এম, এচ, কোয়ান।

নিমুলিখিত সহকারী পুলিষ স্থপরিন্টে তেওঁ গ্লপ্রথম প্রেণিতে উন্নীত হইবেন

श्रीपुष्ठ वि, द्राष्ट्रे नारहर।

- 🖴 .ब., .बह. (स्थान नारहर ।
- ৯ সি. পি. ক্রাউচ সাহেব।

১৮ ই ডিসেবর। বাবু মহেক্রনাথ বসু > ৪ প্রস্থার দ্বিতীয় অধস্থ জল ১ইবেন।

এস, রাইট সাহেব চাকার অতিরিক্ত অগংক্ত জল কইবেন : কিন্তু যত দিন মৌলবী নাজিক দিন আহম্মদ সরকারী কার্যোপলকে স্থানাস্তর াকেন ভত দিন উক্ত জেলার প্রতিনিধি প্রথম গ্রংক্ত জল কইবেন।

ভাগলপুরের অধংক জল বাবু নরেভিম ংলিক প্রথম জেণিতে উনীত হটবেন।

মৌল্বী আবছুল মজিদ চতুর্গ শ্রেণির অধঃস্থ এক ইট্রা দিনাজপুরস্থিত হইবেন।

নিমুলিখিত ভয়লোকের৷ কটকের **অরক্তের** ভার সভ্য হইবেন!

खोषुक कविन के, बाइँरे म'रब्ब।

্বাৰু বৈদ্যোগ পণ্ডিত।

ৰাৰু বিশ্বনাপ চৌধ,রী।

কা**ত্তে**ন এল, জে, এচ, গ্রে বারাকপুরি ইইবেন। ভৌন্তেন মাজিটেট ও ছোট জালালতের ভেরে

জ্ঞ হট্মা ২৪ প্রগণার মাজিটেটের ক্ষতা। পাইবেন।

বারু চন্দ্রমোহন চক্টোপাধ্যায় বলটোলীয় ব্যবস্থাপক সভার অন্যতর সভ্য হইবেন।

অবোধ্যার রাজ্ঞার বাটীস্থিত গ্রবর্ণর জেনর লের প্রতিনিধি এজেন্ট কাপ্তেন ডবলিউ, এল, রাণ্ডাল রাজ্ঞবাচীর মধ্যস্থিত অপর ধের বিচার করিবার নিমিত্ত ২৪ পরগ্রধার মাজিক্টেটের ক্ষমতা পাইবেন।

ডবলিউ, ডবলিউ, হন্টার সাহেব স্টাম্প ও ষ্ঠেসনরির প্রতিনিধি স্থপরিক্টেকেট ইইবেন।

ষত দিন পি, ডি, ডিকেন্সন সাহেব বিদায় লইয়া অনুপস্থিত থাকিবেন, তত দিন ডগলিউ, এম, সুটার সাহেব প্রতিনিধি প্রেসিডেনি ডিউটি রেজিষ্টার হইবেন।

মেশুর এচ পি, ডবলিউ, উইঞ্ দারজিলিও নগরের এক জন মিউনিসিপাল ক্মিস্নর হই-বেন।

ত্বক্রের সহকারী কমিসনর লেপ্টনন্ট ডব লিউ, ই, রথারফোড আসামে প্রথম শ্রেণির অধীন মাজিক্টেটের ক্ষমতা পাইবেন।

যত দিন বাবু রামছল ভ দাস বিদায় লইয়া অনুপঞ্জি থাকিবেন, জত দিন বাবু রাজেক্রকু মার বস্তু চাকার অন্তর্গত মকস্থানপুরের প্রতি নিধি মুক্ষেফ হইবেন।

১৯ এ ডিসেম্বর। যত দিন মৌলবী আনোয়ার আলি উপস্থিত না হন, তত দিন বাবু মধুবানাথ গুপ্ত পাটনার ছোট আলোলতের প্রতিনিধি জ্ঞা ও অধঃস্থ জ্ঞা কইবেন।

এফ, ডবলিউ, বি, পিটসঁ সংহেব জীহটেন সহকারী মাজিটেট ও কালেটর হইবেন গ কিন্তু আপাডভ: ডব্রভ্য প্রতিনিধি জাইন্ট মাজিটেট ও ডেপুটি কালেটর হইবেন।

ই. জে, ৰাটন সাংহ্ব ২৪ প্রগণার সহকারী মাজিকেট ও কালেক্টণ হইয়া আপাততঃ প্রতি নিধি জাইন্ট মাজিকেট ও ডেপুটা কালেক্টন কইবেন:

এচ. এস. বিভন সাচেব ২৪ প্রগণার সহ কারী মাজিটেট ও কালেক্টর হইয়া জাপাততঃ প্রতিনিধি জাইন্ট নাজিট্রেট ও ডেপুটা কালেক্টন ক্টবেন।

আর, পাচ সাহেব বাধরগঞ্জের সহকারী মাজিক্টেট ও কালেইর হইয়া আপাততঃ প্রতি নিধি জাইণ্ট মাজিক্টেট ও ডেপুটি কালেক্টর হইবেন।

ভৰলিউ, এফ, মিয়াস সাহেৰ বাখরগঞ্জের

স্থকারী মাজিটেট ও কালেটর হইরা আপা ডভ: প্রতিনিধি জাইন্ট মাজিটেট ও ডেপুসী কালেটর হইবেন। ডিনি ছিডীয় জেনির প্রতি নিধি জাইন্ট মাজিটেট ও ডেপুসী কালেটর হইবেন।

ডবলিউ, ই. ওয়াড সাহেব কিছু দিনের নৈমিত বৰ্জমানে ছিডীয় জেণির প্রতিনিধি মাজিতেট ও কালেটার হইবেন।

\* २५ এ ডি দেবর। ই, ডুমগু সাহেব বি নি এক্ষণে বিবার লইয়া আছেন পুরীর মাজিটেট ও কালেটর এবং নিজ পদগুণে করদমহলের স্তুপারিন্টেপ্তেন্টের সহকারী হইবেন।

এ. টি, মাগলিন সাহেব ফরিদপুরের মাজি :উট ও কালেক্টর হটবেন।

টি, নশ্মাণ সাহেব রাজসাহীর সহকারী
মাজিটেট ও কালেটার হইরা আপাড তঃ প্রতি
নিধি জাইন্ট মাজিটেট ও ডেপুটী কালেটার
হইবেন।

ডবলিউ, এচ, বার্ণার সাহেব র'জগাহীর সহকারী মাজিকেট ও কালেটার হইয়া মাজি টেট ও ডেপুটি কালেটারের ক্ষমতা পাইবেন। ডিনি জাপাডভ: দ্বিতীয় গ্রেণির প্রভিনিধি জাইন্ট মাজিটেট ও ডেপুটী কালেটার হইবেন।

বাবু পূর্ণচন্দ্র রায় থিনি একণে বিদায় লইরা আছেন মন্নমনসিংহের অন্তর্গত নেত্রকোণার মুক্তেক হইবেন। উাহার অসুপস্থানকালে বংবু দারকানাথ মিত্র প্রতিনিধি মুক্তেক হইবেন।

বাবু মধুরানাথ ব**হু ম**র্মনসিংহের অস্তর্গত মদাবগঞ্জের মুদ্দেক ছইবেন।

ষত দিন জে, বি, গুরার্গন সাংহ্ব বিনায় লইয়া অসুপঞ্জিত থাকিবেন, তত দিন এ, বি, ফকন সাংহ্ব পুনীয়ার প্রতিনিধি মাজিটেট ও কালেটার হইবেন।

राज्यभाषीत महकाती भूनिय क्र्यतिर छेर छ छ । छ अछ , वि, भाक्र छरतन मारहव हाजातिवार्ध उन : ३३१वन।

২ এ ডিসেম্বর । যত দিন সৈদ আবুল ্হাসেন সরকারী কার্য্যোপলকে স্থানান্তর থাকিবেন তত দিন মৌলবী হোসেন আলি গায়ার প্রতিনিধি বিশেষ সব রেজিফ্রার ইইবেন।

্ত দিন ই, ডমগু সাদেব বিদায় লইয়া
অন্ত্ৰু প্ৰকিবেন, তত দিন জে, সি,
গেডিস সাহেব পুরীতে দিতীয় প্রেণির প্রতিনিধি
নাজিক্টেট ও কালেক্টর এবং নিজ পদগুণে
করদমহলের স্থপরিনেটগুনেটর সহকারী
ক্ইবেন।

न्त प्रकार गार्थित स्थाप्त कालानाव **ेर** हे मालिएकेन ७ एड्यून काटन हेत स्टेटन ! यक मिन वाबू अक्युहस्य मान विमान नरेना অসুপস্থিত থাকিবেন তত দিন বাবু রামকুমার ৰক্স ঢাকোর কমিগনরের নিজ সহকারী হইবেন। ৰাকুড়ার ডেপুটা মাজিটেট ও ডেপুটা কালেটা মৌলবী আশান আক্মদ তথায় মাজি क्टिहित क्षत्रका शाहरवन।

--: •:--

भागाहिटभन्न गामिशून छ मध्याह-मांजा निश्चित्राट्य !

গাজিপুরের নিকটবভী সৈহদপুর গ্রামে ৰুতগুলি চোর এক জৰ গৃহত্বের বাটাতে চুরি করিতে যায়। কিন্তু চোরেরা ভাতাদিগের কার্ব্যের প্রত্রপাত কবিজে করিতেই গুড়খামী चां और क्रेस किर्छ अवर मञ्जातानत्क धतिवात চেষ্টার পশ্চাৎ ধাবমান হয়। ইহাতে চোরের मत्या अक काम निर्केष्ठ भेगांचन मा किन्या ग्रह-স্থকে আব্রুমণ করে। গৃহস্ত জার কোন উপায় नी मिथिया ज्यानातकात निर्मेश होतरक साहि শারা প্রহার কবে, ভাষাতে চোর পঞ্চত্ব প্রাপ্ত स्य। পুলিষকর্তৃক হত ও হস্তা এখানে আনীত क्वेशारक। विवाद क्वेटल्टाक। शूर्म अव्याप अक मारहर अक स्मन (हाबरक कलि कविया भारत, জ'হাতে শুনিয়াছি সাহেব ৰক্লিস পায়। এ বার ांहैंब, (मधा बाद्धेक कि इहा।

अहे विधिम बात अक प्रष्ठे प्रहे खन अधिकाक ধ্ তুরা থাওয়াইয়া ভাহাদিগের সার্র্য আগছরণ করে। ইনিও সেশনে আপতি হইয়াছেন।

এখানে এখন পর্য, ত दृष्টির কোন লক্ষণ ल कि इंटिंड मा। जनाभित मूला जिस जिस ८ च स्टेटल्ट् । जुन भारत अथारन होकांग्र ু ৯ দের চাউল বি ক্রীত হইয়াছে গ কিছে আছিল ্লিচ সের পাওয়া ভার।

षामद्रा बाँति इहेटच निम्नतिथिक मभागात्रकाल आश व्हेमाहि।

এ বংসর এ স্থানে বর্ষানা হওয়াতে কুষ কেরা নিভাক্ত হভাঝাস হইয়াছে। অনেকে বাসত্রাম পরিভাগে করিয়া স্থানাভাবে বিষয় কর্ম করিয়া প্রতিপালন ২ইবার চেষ্টায় গমন করিডেছে। দ্রবং সামগ্রী অনিমূল্য হইরা উঠি झार्ष्का ताकारत का केल ४ (तत अ अम ১२ (तत विकाय स्टेटफट्ड। अ वरम्य अन्नवीचरत्य मन्न नश्चरणट्न सानवनीला मस्त्रन कविद्यारङ। বে কি আছে ভাৰা ভিনিই কানেন। অনুভঃ

ब्रांब्ल्यूक्रांवर्ता अवर व्यात्मक च्यादमारक डीम् कतिया अंक क्षत्रक्ता कतियादस्य। छार्थास्य गवर्नसन्देश कात्मक माश्राष्ट्र ध्वान कतिवारहम । উক্ত অরক্ষেত্রে প্রায় ২০০ লোক আহার করি फिट्छ। **फोर्डामिशर्टक शतिर्धत** चल्लामिक सम्बद्धा **व्हेटफट्ड। याहाद्रा कर्या क्रिक्रिए**छ सक्तन छाहा निश्रात बादमात अञ्चलारत काँच (मक्ता इह

व्यम् ७। ८ नियम ग्रंड स्टेस, अधारम কিংখিং রৃষ্টি হওয়াজে গম ও ছোলাপ্রভৃতির জনেক উপরার হইয়াছে। এ বংগর রুক্তি না হওয়াতে মদী ও পুছরিশীপ্রভৃতির জল শুছ रअप्राटक मरना काकत्य ज्ञानकं रहेबाटकः। বাজারে উত্তম রোহিত মংগ্য ৩ তিন প্রসা সের পাওয়া বায়।

ष्यांगांबी दक् मिरमद क्रूणिएक ष्यांमामिरगंद কমিসমর এবং ভেপুটা কমিসমর সাচেষ্ব বাধ্ ছরের। লক্ষেতির গমন করিবেন।

व्यामानिटभन्न मभनाकः मश्वाममाका লিখিয়াছেন:---

चाकि कानि (वन्नन श्रुलिव डेनरम्भ्डेतनर्गत बरथष्टे विकास महिलाहा । श्राप्त । श्राप्त । ্ৰভীয় জেলীর ২০০, তৃতীয় প্রকীর ১৫০ এবং চতুর শ্রেণীর ১০০ টাকা। ইংতে অনুমক উপযুক্ত ব্যক্তি প্রাপ্ত চইবার বিলক্ষণ সভাবনা আছে। ইহার মধ্যে বখন কোন জোণীতে কর্ম वालि रुम्न, कर्छ्नक यनि छेशयुष्क वा कि निहत চনাকরিয়ানিমুদ্রোণীর কোন ব্যক্তিকে দেউ भन्छे श्रमान करवन, जाश कडेटल डांडानिर्शत উৎসাহের আগর একটা কারণ হয় , কিন্তু ভাঁছার: छांश करतम भा, छाँशाता यांशारक हेक्का छाशासक में भागी निया थाएकन, देहाएक यथार्थ के भयुक्त ব্যক্তির উৎশাহ ভাগ ও মনোবেদ্না উপ-: श्रिक स्या

২৪ প্রগণার মাজিটেট ও কালেইর জীয়ুক্ত न्त्रिथ माहित शख ১১ हे ১२ हे फिरमबत हु**हे** निवन मगवास थाकिया कांक्षांत कतिसारकना

গভ বৃহস্পতিবাব মগরার হাটে ভূতন উত্তম আছপ চাউল আৰু ও সিদ্ধ চাউল ২॥• में का कतिया मन विकास स्हेद्वारक।

৯ ই ডিদেশ্বর বনস্থকরিয়া প্রামে এক ব্যক্তি

প্রেরিভ।

मानावत विषुष्ठ मामध्यकाणन मस्भन्न नमीत्भन्न 🏳 😅

वार्वेष्ठेयत वानिगरनत व्यवस्थात उं डेरमार्।

बाकामिनिरगत छेरमार छ व्यथावनाः कोन मधान चाएक ना, भटन भटन हेरीत धकाकी कृष व्हेटकद्या हेवाता कान श्रृष्ठ रहेरल श्रथमण्डः वाह्याकृष्टत व रहेब्रा थोरकन ह किन्छ (मध्य मनुषायह निका वार्थ रहेबा बादा। त्वाग छेश इंड रहेबा घट छेरमञ्ज्ञात एइएक्ट्र नानाविश व्यवस्थित विवत्रम्डावरम्जू चरमनीयगन कृत । होतवी **१६८७८** इन ३ (मर्चत अञ्चासतीन सेश्कर्ग स्वर क्रम निवित रहेश शहेरफड्ड चरननीय्रशर्व अमनहे कारावनाम अ छेरनार त्य. हेरात किहूम धि**जियाम मा क्**तिया निज्ञरगाहिन्छ इडे बार्ट्सन र किन्न अपिर्ड क कालाक्यरनात्रम विवर् মাভ্রর করিতে ভ্রান্তী করা হইতেছে না।

माइहेघत अक्जी व्यविद्रहर शलीखान । है भवा मनीत प्रश्चिक देव हीं श्वर्म जी एत · श्वर्म व লালা শাৰা বেলওরের ভাবী **টেসন গো**য়াঃ নদের অপর পারে অবস্থিত। ইহাতে স খ্যক বিশিষ্ঠ ভদ্ৰলৈকের ৰাস, ভশ্বধে কতিপর কুতবিদ্য ও সংখ্ঞাব সম্পন্ন লোগ वृष्टे इन । किन्न इश्टबंत विषय अहे (य, कें।इ!द्रा মাতৃত্যির উল্ভিসাধনে ভাদৃশ বছৰান নল : দেশের আন্তরত্বিক শবস্থা অভিশন্ন লোচনীয় हेशाइ जाइक्क लि श्राप्त असाव मृष्टे हत, चर भीव्रणग यनि यवभीन एडेम्रा छरश्राखितियार भटनारपाशी इन, जाना श्रहेरल महरक्षके आध्यात উৎকৃষ্টাবস্থ হইতে পারে। কিন্ত নিতা পরিভারেপ্র বিষয় ! ভাঁছারা अवित একবারে উদাসীন হইলা রহিয়াছেন। মহাক बारतरुई घातत कथा थुलिया वालन मा, वि অ:মাদিগকৈ নিভান্ত নিৰুপায় হইয়া বলিং ৽ইতেছে। কি কবি, ক্ষমতা নাই÷ সাহাৰ্কে নাই : উৎসাধদাতা নাই : সুভরাৎ অননেরাং स्हेश्वा प्रत्मत अ चटमनीयगटनत **अ**तृष्टित कि.व স্থাদপত্তের শ্রণ লাইলামা পাঠকগ্র : অ मिर्गत करे शृष्टे जा मार्कमा कतिरवन।

क्षिज्वरमदत्रहे अहे मनदत्त वाहेहे चात अ एक्सिक **खाउ**त विलक्ष्म अप्रकार क्हेग्रा थाए। 🕰ত্যেক বাষ্ট্টীতেই ខ 🗷 করিয়া রুন্মশ प्तिश्वी यात्रा आनगर्थः ज्ञानकंश्वीतः ज्ञाकन्

পুক্রিণী আছে। তৎসমুদ দের জল 🏿 ও পানা ইত্যাদিধারা এরণ দুবিভ **इद्वाट्ड (य, जाहाटक अकश**कार विस s অত্যুক্তি হয় না। অনেকেট আবার ্ব্যবহার,ক্রিয়া থ'কেন। ইহাতে পীড়া বার অ্সভাবনা কি ? মল পরিভয়াগ रदिव छे९कृष्टे वस्मावस्य ना श्राकारङ ক বাড়ীর পশ্চাভাগে রাশীকৃত মল জমা थारकः, এভ विश्वन स्वाप्त विलक्ष्य प्रविष्ठ পীড়োৎ পাদন করে । আম মধ্যে স্বন্ধনা ९ विल्क न श्राहूर्य पृष्ट इस, देशांफ यथा-মে ভূষ্য কিবল প্ৰবিষ্ট ও বিশুদ্ধ বায়ু সঞ্চা १६८७ शास्त्र ना । अकवात सामध्याप्य < পুরুরিনীপ্রভৃতির **পঞ্জোদ্ধার বিষয়ে** नीव (लाकिषिशाक कासूरताथ कत्रा स्हेम्राहिल, भ छ। हाटक किছूहे फरनामग्र एग्र नाहै। াপি বিরুৎদাহ না হইরা আমবাসীদিগকে ख्छना क्रिएड श्रद् छ रहेनाम। चार्कना ভুতির পরিকারবিষয়েও অদেশীয়দিগের তান্ত অব্যৰস্থিততা প্ৰকাশ পাইয়াথাকে, ারা বাড়ীর পাশভাগেই সমুদার ময়লা ব্রিভাগে করিয়া থাকেন : স্রভরাং ময়লাজ **নত বিধাক্ত বায়ুতে প্রাম্থানি নির্ভরে প**রি ্র্থাকে। এই সমস্ত কারণবলতই বাইট र्त्र ख्रुतर्थारभत्र विलक्षन आष्ट्रकाव। महानम् क्रेडेच्य यनि निःच हात्रानिर्गत व्यानान्यान ইত ভাহা হইলে আমরা বাহাদিগের মুখা क्षी इहेग्रा (तामन कतिहास ना। किन्न यथन া ৰিশিষ্ট কুডবিদ্য লোকেব বাসন্ধান ধন তাহাদিগের এইরূপ অবাবস্থিততা ৰিয়া কাজেই কুৰা হইতে হয়। ১৩ভাগ্য रमत अमनहे प्रतिकाश । स्वताकाख करेग ra कष्टे भारेएडिइ, भित्रवादवर्ग आर्खनाम **अभिरक भएमंत्र विश्वमाखित** রভেছেন, মিত সাভ্যরে বারে!য়ারি পূজার অমুধান ্তেছে, কিন্তু ভ্রমেও গ্রামের প্রকৃত খাস্থ্য খনী অবস্থার উল্লয়ন করিতে কেছই যত্রবান ्ट्रण्ट्रह्म मा : ঊर्मादश्म भ डाक्नेट्रण क्रण्डीवना লের মধ্যে এরপ ঘটনা কয়লী সঞ্চীত ইই भारक ? इंग्रियंद्र कथा कि विजय ! स्वर्धित्र ध्योष्ट्र অনিবস্থন এবার শাঁডাবকাশসময়ে দেশে या जिल्लाकन धनक जनमें व (अशेल्लान ধান্ধ বগণের সন্দশনজনিত প্রথ লাভ করিছে **রুলান** ন। সাইট্যরবাদিশন প্রার কভ <u>দি রভামতা ংইরপ মেত্নিদায় অভিভূত</u> **किंगा कहे** लाहेरत है

কিছ তাহার একটারও আবস্থা উৎকৃষ্ট নয়। व्यत्मक উलिचिङ পश्चलित इहे भाषा मन मुख পরিতাপ করিয়া থাকেন, স্থভরাং ঘাইবার সমগ্নাসিকা বৈজ্ঞার্ভ ক্রিরিয়া বাইতে হয়। বর্ষাকালে পথগুলির নিভাক্ত শোচনীয় অবস্থা ঘটিয়া উঠে, একে ত মলমূত্রজনিত ছুৰ্গক ভাৰাতে আবার এক্লপ পক্ষিল হইয়া থাকে যে कारनरक भामज्ञानिक इहेग्रा ऐक शक्कारश পডিত হইয়া খাকেন ৷ কি বিভয়না ৷ ব্রামে অন্য বিধ রাম্ভা না থাকাতে সমুলায়কে ঐ নরকজুল্য স্থান দিয়াই গমনাগমন করিতে হয়।

भार्ठकदर्भ। धामरात्रिभरनद्भ जाम्हर्स, हिन्ह বৃত্তি দর্শন করুন। ই হারা হষ্টি অবলম্বনপূর্সাক কৰ্দিমাক্ত হইয়াঐ জ্বাদা ভাষা দিয়াই গ্ৰমনা গমন করিবেন, ভথাপি সকলে উৎস'ছাছিত **हरेग्ना तास्त्राक्ष मित्र जानक्राप्य मश्कातः क**ित्र विग না।। কি আশ্চর্য; !!!

প্রামমধ্যে অনেকগুলি ভোৱা আছে। नर्षाकारन উक्त (फानाश्चन स्ननपूर्व रहेश। গমনাগমনের বিস্তর অস্ত্রিধা সঞ্চন করে। विरमयण्डः निकरेण्ड सम्मत्निय शखामि मर्यापा উহাতে পতিত হৰয়াতে উক্ত অল দুমিত চইয়া মেলি'রয়া উৎপাদন করে। গ্রামবাসিগণ यिन मर्ह हे हहेया भरता भरता शब्द श्रास्त्र का की कि विद्या উক্ত ডোবাগুলি পরিপুরিত করিয়া দেন, ভাষা **२३(ल (न) नेत केड मक्ल २३।** 

ষাইটঘরে একটা সাহাষ্ট্রেড ইংরাশী বঙ্গ विम्यासय व्याट्ड । किन्न सम्मीयमिटगत छैरमाह ও অব্যবসায় গুণে ইঞ্র বিলোপদলা উপস্থিত। क्रुटनद्र मण्यापक चत्रः देवसञ्चिक कार्यः वास्त्र ক্তত্তরাং স্কুলের দিলে মনোযোগ দিতে পারেন না ৷ স্কুলে ছাত্ৰ নাই ৷ অৰ্থ নাই ৷ উৎসাহদাতা নাই , সম্পাদক 😉 শিক্ষকদিগের কর্ত্তব্যপরায় न्छ। बाहे , रञ्जुङ: ऋ ल এक श्रकांत्र बाहे दलिए वलायाध् । शात्र अर्ध्ववरमत्रकाल विमारम्हे পর্য,বদিত হয়। আমরা আগ্রহসহকারে কর্ত্ত পক্ষকে অনুবোধ করিতেছি, তাঁহারা হয় সচেষ্ট श्हेशा ऋ नजी उँ ९कृष्टे । वश्च करून, नयु भाषायः भान বল্প করিয়া উৎসল্প করিয়া কেল্ন। স্থূল রাখিয়া अल्लाहित्यां कित्रांत . श्राह्मां माहे।

बाइहेइयुद्ध अवणी बाइहेइयुर्ह्हिट्छ मिनी मुखा ও বালিকাবিদ্যালয় স্থাপিত হইয়াছিল। কিন্তু बाइत्वत वानिशर्गत छन्त् व्यक्षतमाय ७ छिश्मान গিরাছে। ঘাইট্যরের সমুদার বিবর লিখিতে ভায়ণমাসিক অধিবেশন হয়। এই সভার অমী

वामगरिश जातकलीन को हा ब्राच्या जाएह, रिश्वरन अक्षानि अक् रहेवा উঠে, जाउकत বাছলভেয়ে অধিক লিখিতে পারিলাম ন্ **উপকার জ্ঞান করিলে ভবিষাতে আরু আ**র विषय निथिया सानाइव।

ষাইট্ঘরবালিগ্ল ! উৎস'হান্তিত হই 🕾 পুর্বোলিখিত বিষয়প্তলির পক্ষোদ্ধার করিন্ডে যরবান হও। ইহাতে খণেখের ভুগ্নদী জীর্ম **स्टेट्न । बार्डेड्स, प्यामादमत दश्य : हेरात उ**न्नेडि ও অবনতির সহিত আমাদিগের উন্নতি ও অবন ভির বিশেষ নৈকটা স**ৰজ আছে। আ**মরা যদি नटिष्ट रहेग्रा हेराव खेबिखिनाधन मा कति. जाहा **উইলে দেশের মঙ্গলা কোথার? কাপুরুবের** নাম্ সকল বিষয়ে অপরের মুখাপেক্ষী হইয়া থাকা কি খুষ্টতাও অবিমৃষকোবিভার কার্যানহে? বাইট্ঘর বাসিগণ ভোষরা নিজের অন্তুৎসাহ ও अन्धातनाग्रामास सम्भण क्रम । हीनवीर्गः हरेएक, हेराएक कि एकाबारवत किছू भाग कर्ट অসুভূত হইতেছে না ? যদি বল গ্রামের অপল ও ময়লা ইড্যাদি পরিকার করিতে বছ্ল অর্থের প্রয়োজন, বিশেষভঃ দরিদ্রলোকেরা भिथ्रक्षकृष्टित राष्ट्र निर्माह कहिए क्षक्रम, क्षक এব কি প্রকাবে আমের পক্ষেন্দার হইবে ় ভতু স্তাৰে বজৰা এই, ভোমরা প্রতিবংসর ছাগোৎ गर्व ए जनायुर्व क्रक बाद्धा नाम शक्ति व्याप्तारम যত টাকা ব্যয় কর, অস্ততঃ ভাষার অস্ত্রাণ্স এই শুভ কর্মের নিমিত্ত দান কর। ক্যুন্তাল ইন্দ্রিয় স্থুখ সম্ভোগার্থ ছাত্রাদিতে অর্থব্যয় না कदिया (मह हाका बहे भवनकार्य। मान कर् কি মনস্তার কার্যানছে ? এক্লপ করিলে পার নামে কত মঙ্গল ১ইবে ? এতছ্যতীত প্ৰদানাধাৰ (नव निकार क्रिक्ट किन्नु क्रिक्ट करा क्रिक, अहे नकल होका स्थमा कतिहा किছू भूलधन कर्ना **হউক এবং সেই মূলধন রক্ষার ভার কোন কা**য্য कुन्न किञ्चकनीय एएसम्स र्डेक। वाद्या য়ারিতে যে টাকা ব্যম্ম করা হয়, ভাষা উহাতে ক্ষমা করা হউক। এইসকল টাকাভেই যথেষ্ট হইবে। যদি কিছু অনটন হয়, ভাছা হুইলে গ্ৰেণ (मर्ग्डेत निक्रंड श्रार्थनी कर्ता रुद्धेक। श्रक्षावरमङः भवर्गाम के कथन है जाइ खातात विकास की वहाँ। না। রাস্তান্তলি পাকা করা ইউক ও ডাঙা উভয়পাথে মলপ্রকেপ রহিত করাইয়া এন খানি যথানিয়মে পরিকার করা হউক। ভানা श्हेरल भन्ति। के भ मजन हहेर व ।

--:-:--মজলপুৰ্কিতৈবিণী সভার भागिक क्यिरियम्ब ।

शक्त हे व्यवहार्य त्रिवात व्यभनोहः ० छे त भव अभीवात इत्राह्म वृष्ठ वातूव छिमारमन क्टन जनिजितिनास्य है जाहा छिएमत इहेशा देवर्ठकथानास माजनश्रुत्विकिनी मसात व्या

স্পেনের সূতন মুক্ত সিলোর অল্যান্ডে সম্লাই त्मश्रीसद्यम् विकट्डे चालमात्र् मनकः क्षत्रान করিরাছেন।

पुतक अवर्रामें देखेंद्रां नीवं अवर्राय केन्यू ररंक बनिवादक्त, यनि अथम नौहरी कंबाबर्टक সীমা করিয়া সন্ধি হয় তবে ভাঁহারা মৃতস্ঞা षात्रा विवानमीमारमा कतिए श्रेषक जाएक। नव विष्ठां (परेरनव, मृदूरमध्यान श्रकानिक क्षेत्राटक ।

नश्च १४ हे फिरमहत। जुत्रस्त्र महिक बीरमत विवादनत केटब कतिया मनिष्ठिकेत भव সম্ভাৰনা করিছেছেন, ইউরোপীয় গ্রেৰ্মেন্ট সমূহ একবাকা হইয়া এই বিবাদঘটিত অনি **ष्ट्रेत चल्रकामण्यास्य कतिर्वयः** 

जुबक युक्तकाशकानल , मितारक हैन मिन ভাই।জ আক্রমণ ও অবরোধ করিয়াছে।

यावजीव बीकरक जूतक एउंन कतिए वना क्षेत्राटक व्याक्ति भगत ना कतिरव, छाहा निशक जूतक थाका विनया श्रांता कता क्रेट्र । मञ्जू नावात्नरे मात्रकृष्टे छ मूकिशास्त्रत भएन শররাইটবিভাগের এফ মহুর ফুকেড় শ্বরাইট বিভাগের মন্ত্রী কইয়াছেন।

২৩ এ ডিলেম্র ৷ সর সাইমর ফিটজারল্ড ষ্ঠার অব ইতিয়ার এক জন আভিরিক্ত নাইট वाप्ते क्यांखाद स्ट्रेग्नाट्म ।

কভকগুলি লোক লাভ আর্গিলের সহিত नाकार कतिएक शमन कहतन। छीशपिरशव অভিনন্দনের প্রভুত্তরত্বরূপ তিনি বলিয়া-एक. लांड (फनरशेति वितय्भागान, कलरमहनार খালের ব্যয় সরকারী রাজক হইতে না দিয়া কর্জ্জ করিয়া নির্বাহ করা উচিত, ভাঁহারও সেই মত।

৩০ দিবদের মধ্যে ত্রীকদিগকে তুরস্ক ভ্যাগ করিত্তে হইবে:

--:•:-----:•:---

षात्रामिटभत्र और्छेष्ट मः वाममाछ। निथिशाट्य ।

व्यक्षक प्रकारक वा (य शवर्ग वर्ग के क्रू त्वत खना आरवणन कतिशास्त्रन, (वांत इस मीखरे जाश श्रीकि छिक इहेरत । कर्कृशक शूटर्स व्यवका नार्कित शक्त भवन्या विन्तानासत सन् मत्नामीक कतिश्लाहित्तमः किन्न व्यात्र छत সমাজ সেই গৃহের অসুপ্রুক্তভা বর্ণন করিয়া प्रक्तिन शूर्त विভारतत्र कृत हेनरण्नेत्र औयूक ति, वि, क्लाक नारहंबरक आत बक्ती छाल गृह

ভছত্ত লিখিয়া পাঠাইয়াহছন, বাহাতে **बीरांडे** नीखे गवर्गरमंत्रे विम्हानव शालिक स्व ভাহাই সন্ধাতে করা কর্ত্তব্য স্কৃতিক জাপনা बिरमत अहे आर्थना ( जान घरतत आर्थना) डॉरेटबर्टेन नाटस्वटक कार्ताहेन। छम्मूमिक नारका वार्यनात्र शकीका कतिरने कारनक গৌণ ব্ইবার সভাবনা আছে ; অভএব আমার विद्वहमाञ्च आन्नामिरात श्रृक्तक्षण शृंद्वहे দক্ষত হওয়া উচিত। বিদ্যালয় প্রতিভিত্ত ইইলে कांग ग्रं भावमा गाइँटक शामित्य। " देशरेक व्यवक क्षार्यात्कता नवाक रहेवारकत।

গভ কলা আত্রভা যিদন জ্লের বার্ষিক अक्षे मका इहेग्रा कार्गामी कला करबि ३३ मिर (मत समा स न वक रहेशाइ)।

১০ ই পৌৰ 329¢

# প্রেরিত।

गांना बत बीयूक तां म शकां भागां कर মহাশর সমীপেয়।

মহাশ্রা প্রবোগ্য ডিপুটি মাজিটেটট বাবু গৌরদাস বসাক মহালয় খুলিনা উপবিভাগের ভার প্রাপ্ত হইয়াছেন শুনিয়া আমরা ওাঁহাকে किंदू कानारेट्र इंक्ट्र क इरेग्रा जाननात (एन माना (मामधयःदेशत जाअह लहेनाम, ज्युत्रह পূর্দক আমাদিগের এই প্রস্তাবটি করিয়া বাধিত করিবেন।

भीत यातु । ज्याशनि धूननात्र छलितन्त्र, এই नदामि श्वित्रा अन्धि आस्त्रिक य अभीन আনন্দ অনুভব করিতেছি, ভাহা দেখনীমুখে আকর্ষণ করা মাদৃশ ফনের সাধ্যাতীত ৷ আপ मात दाशहां छे शविकारणत साधी की खिहे, आमा দিগের এই জানদোদীপনের একমাত্র কারণ। আপনি আনাটিলের খুলনায় গিল্লা একাপ कीर्चिन्द्र इं श्रष्ट्र कतिदवन कि ना, छाहा । ऋवि यागरक त्रहिद्यारङ ; किन्त कामानिरशत मण्यून ভর্সা এই যে, আপনার যে সাগুপ্রকৃতিতে বাগহাটবিভাগের মন্ত্রেরা ভাপনার নিক্ট **চির কালের জন্য अभी इहेता श्रहिन्नार्डन, आ**न রাও ভাহার কোনপ্রকার শুভ ফললাভে विकिष्ठ हरेव मा । भोत बाबू ! अकटन अभिनेत्र । नशीरण नर्ने छि: कदरन अहे श्रार्थना कति (य, मितात कमा अञ्चलांध करतन। ज्ञार्क शांदश्य व्यापनि धूननाय सूनीचकानवृद्धि उ तर्दश्य

कात विश्वविश्वक स्हेग्रा का धकांन कतिया क्रमनगर्व

चुलनाविचारभन्न मर्द भारत देनशंकीनायक अक श के वा स्थव भूव कि कि हम हम ष्माननि माकपूर्य प्यवशः ক্তি কালের করাল করত। त्त क्रूचनमृद्धि किहू है नाई শোভা ও সঙ্গুছিতে পরিপুণ शांत खत्रायक सम्माकीन वांनद्याभा स्हेगा तिवादस शृत्य विनारनाहमा वन्तार

व्यारमान व्यवसारम काना ... क कः .. অধুনা দেই স্থানে লোচে-কুৎসা জাব বিবাদ বিস্থাৰ এবং স্লোহ ভা ইভ্যাদি দি कार क्यूकीरमद्र द्वादा 'खबीवनवर' म कीवन क्षकर्माना हरेना याहे हिंह। त्नीत दा অধিক কি কহিব । যেশ্কণ আভাবে মচ্ कीवत्त मञ्चानारम जनकण्यः, त्यनकम चर आयमिवानिशंगरक यरनदः माण्डि कतिए रम्न, टेनरोमिनिवापी अञ्चलकिरणत नमच चकावह बहिन्नादक अकटन पति चन चैत्रधमारम टेनझांने बार व छेनत, व्यामः व्यञ्चकृत वृधि भिक्तिक वृद्ध करवड़े उन्ना, मा व्यक्षकारमञ्ज्ञ भरषा व्यामधानि अक्नारत छैर रहेशा वाहेरव। आयहा कविसर्गह क्रमः अर क्राय जानुबारक जाता किंदू निविद्य • र नावी बहिनाम। मन्त्रामभूर्याक निरंदनन्त्रिः

२० जा (द (स्वड ) १० ता (द (स्वड )

এই স্থানে ( कत्रिमश्रुद्ध ) शक्तिः ) ना जासूप्राति व्यवधि (य कास श्रातमीन ५ भनक्क अकड़ी मामाना है। हिर्मा शांदक, त्र काञ्च प्रादि मारमन् श्र मेवम इंहेएड कार्यात अञ्चलाम स्केदन। इनगरक द्व कार्य। रहेशा थाटक, बहा ए ৰৱে ভাহার रहेरछ इ । अरे भागाजी १ मि । सामी रहेर निन भूर्ताः इरबाओं अ अस्तरमत र ভূতি প্রদর্শিত হইবে এবং অপ্রাফে ন को कुकका स्वीपा वहरव । विकीश विन छे ९कृष्टे कमामि अमर्गिक व्हेद्रा, मा वृत्यव मिक् हरेता ७ ता बाद्यवाति विलिया भिनांत कांन कार्याई रहेर्द नाः शूर्क पिरनत नात्र वावनात्रीपिरणत किः हिलादि । हजूर्य मिन्द्रम क्षयमकः अ (

शतीक रहेग्रा नम्यान

अ विविध्यकार खीए।

। शक्य निवरम कार्णा

धनर्मनाखर वानकशरनर

असमित करा रहेरवः

असमित वनवाम कृषि

रगा, महिष ७ इश्वरकी

रहेरव। अहे निरम स्मान

भीम स्वत्रत ७ कर्यकार

असमित उर्देश

় এ এই গিক্রীজা হইয়া ফেলার শেষ করা হতু।

िहे कार्या स्थमील जार्र বংগ্রিত হহতে ति अधिकाश्मञ्ज क्रमीमात, छाल्दमात । छ ेत ও माख्नात्र हामग्रहानत निक्छे १३८७ িবারা সংগ্রহ কা ধ্রয়াছে, প্রণ্মেণ্টও , ेकि धनाम र्श्तश्रीरहम। अहे कार्स्व न উদ্যোগী वार्च अधन नहाम वस् । इंड्रांबर मकरल अ विषद्यां अर्थनाम कतिया थारकम, इः द्विव विषय औ (य, উक्त न। तू अनात রান পরিভাগে ক্রিয়া ময়মনসিংহে যাই न। अस्तरक असूभान कतिरुव्हरून (य, ान नांचु (गर्ल उद्दे (मलात कार्याजी अक तक इंडरन, किन्न आमहा विस्कृता कृति এ দেশে জর্মানরে প্রভৃতি মহোদ্যুদিপের रहायाबाउग्डे कार्याली ममाध्यि इंहेट्स्ट्रह्स উপস্থিত বালকীয় কোন কাৰ্যকোৱক आज है। मत्ता कतिएल है हैती आशी हहें। क

শ্বনে আমালিগের মেলার অধিনায়কগা তি স্বিন্ধে বৃহত্ত এই পারিভোষিক ব্রাইটি ব্রুহ্তের হলেহক'রে নিরপেক যথোচিতর বিলাম করা হয়। অন্যান্য বি ন্যায় এব বিলাম বা সংবাদপত্তে শ্বত মুলাকর বিহারভাত দশন করিয়া পিত না হই

না ক্রীয়াতে এ বংসর এ এদেশে ক্রন । যদিও কোন কোন স্থাল ত বুনন করা ক্রীয়াছিল, জলের গাড়ানস্ট ক্রীয়া বাইটোড়ে। জামন লাম নাই। একারে বাজারে ৮০ নের ৮৪ ।।৫ সের চাউল প্রাজি শিত ক্রিণেচে। খেলকার দেখা ঘাই ক্রিডে বিশেষ অনিষ্ঠ আলক্ষা নাই। क्षिक शक्ति विश्वास मध्याम श्वासिता अञ्चलक्ष्

করিদপুর ১২৭৫ ১২ পৌষ পাঠকস্য

#### ওক কৈতী পরীকা।

गण्णातक महाभद्दा डिक (खनीत अकालडी পরীকার কাল আগত থার। যেদকল মনুষ্ অহনিশ আইনশিকাজনিত পরিপ্রমে শ্রীরের শোণিত শুক করিয়াছেন, অকীর সাহায্য उर्भव मण्धूर्व महाब्रहीन अञ्चल व्यटनक त्याक এই পরীকাঞ্চলানাকাঞ্জী হইয়াছেন, ইংরাজী ভাষানভিজ্ঞ মুনদেক আদালতের উকীলেরাও (याशामत अकाम की शतीकात महन महन अपृष्टे পরীক্ষা হইবে ) এই পরীক্ষাতে উপস্থিত হই বেন। উকীলেরা নিজ অদৃষ্ট ও পরিপ্রমের ভাগ ভিন্ন আন্যাংশ এইণ ও ভোগ করেন না বরং ইহাদের ছারা প্রজাপুঞ্জের উপকার সাধিত ও অত্ব বৃক্তি হয়। এই মাত্র নর, ভাঁচাদিগের व्हेट**ङ हेश्ना अ**चेत्र धनागात्वत अग्रयष्टे माहासः **ब्हेंग्रा थाएक। अवस्थि । शुनाकास्क्रीनिरात्र श**री ক্ষার প্রস্নরচনা 😮 উত্তর্নি এদর্শনকালে কিঞিং করুণহাদ্য হওয়া উচিত। এক্ষণকার পরীক্ষা প্রণালী অভ্যক্ত কঠিন। দেওয়ানী, রেবিনিউ, ফৌজদারী এই ভিন সংক্রাস্ত তিন প্রস্থ প্রশ্ন रव ७ स्टब्रक विषय ४२ ही कतिवा सन्न बहेवा थारक। এक अक निवरम अक अक विषयुव পরীক্ষাজ্পই বিধের। অপর, কোন্ দিবদে :কান্ বিষয়ের পরীকা ২ইবে পূর্ফো ভাষার নির্বয় ও প্রচার করা বিদ্বিদিদ্ধ। উলা ১৮৫৬ অন্দের প্রচারিত বিদি সম্মত। ঐ আইনে পরীক্ষাকাঞ্জীর স্থবিধার্থে কোন্ধোন্পুস্তক इ**रेट** शक्ष इ**रेट** छोड़ा निकातिक कतिशूर দিবার নিয়ম আছে গ্রন্থ কোন দিবদে কোন বিদয়ের পরীক্ষা ২ইবে পুরেষ্ ভাষা প্রকাশ করিয়া দেওয়াসেই বিধানের অভ্যো मिछ रहेरत। अहेशक विस्तृत्वा करिया भनी क्षक मरकामरप्रता क यं। कविरत इंडाम श्रदीका भीत । अभान छ त्या भा।

कमः (६९ वाकत्रशक्षवाभिनः ।

মূল্য প্রাপ্তি।

শ্রীয়ক বাবু রঘুমনি বিশ্বাস পাটনা
১৮৯৯ জাহুগ্লার হইতে ডিসেম্বর ১০

ম সাধালদক্ষ হায় লাখটিয়া ১৯

के संबर्धीयम बखरा महेबडानक ७५० के किनाडा बद्धान-कृत ५० मानिरभाडा इन नहीग्रा ४५७० कास्त्रादि स्टेट्ड डिएम्बर ५० भानवी महत्त्रात द्वित था नारमेत ४५७० कास्त्रादि स्टेटड डिएम्बर ५०

# সোমপ্রকাশনংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

অবিষ মূল্য ও ডাক্মাস্কুল না পাইলে মক-বলে গোমপ্রকাশ থেরণ করা যায় না।

ইংর অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা , মফন্সলে ডাকমাস্থল সমেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং ত্রৈমান্সিক ৩৮০। তিন মাসের স্থানে অগ্রিম মূল্য গ্রহণ করা যায় না । ছণ্ডি, বরাজি চিন্তি, মনি-অর্ডার, নোট ও স্থান্স টিকিট, ইহার জন্যতঃ বাহাতে যাহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই উপায় ধারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

योशात। ष्टांग्लिकिक शांठारेत्वन, दीश्वा (यन अक काथवा व्याप व्यानात व्यक्षिक पूर्ताः) अत्रतीरमत क्रिकिक श्रातन ना करतन।

ষ্থন যিনি মফলল হইতে দোমপ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, ভাঙা থেন রেজিষ্টরি করিয়া ব্রীযুক্ত দারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

ষাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অতীত হইয়া আসিবে, একমাসপুর্গে তাঁহাদিগকে চিঠি লিখিয়া জানান ষাইবে, কাল অতীত হইয়া গেলেও এক বার চিঠি লেখা হইবে, ভাহার পর একমাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা ঘাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং পাঠান হইবে।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেপনের ভাক ঘরে চিটি আইলে আমরা শীল্প পাইব।

যাঁছার। মাফুল না দিয়া প্রাদি প্রেরণ করি বেন, তাঁহাদিগের সেই প্রাদি এইণ করা যাইবে না।

কেন্দ্র সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন নিতে ইচ্ছা করিলে ভানাকে প্রথম ভিন বার প্রতিপংজি আনা ভানার পর /১ জানা দিতে ন্টবে । যিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা করি-বেন, বাঁহার সহিত স্বতন্ত্র ব্যালাক্ত ন্টবে।

করা এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পূর্ম মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর স্টেপনের দক্ষিণ চালড়িপোডার জীয়ুক্ত ধারকানাথ বিদ্যা-ভূষণের বাটাতে প্রতিসোমবার প্রাতঃকালে প্রকাশিত হয়।

# (मायशका

15 m wini

" प्रवक्तता प्रक्रातिक्ताय पार्थिवः सरस्वतो अतिमक्ती न कीयतां।"

মুক্তাল পুরুক্ত ভারুপা ভারাব কুক্তাল কুক্তাল কুক্তাল কুক্তাল কুক্তাল কুক্তাল

যাসিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বাধিক,১= দশ: অপ্রিম যাশ্যাসিক ধ্যা সাজে পাঁচ টাকা ;

मन ১२१८। २३ व लीय। ১৮७३। ১১ই कासूराति

্ৰ্যক্ষতে মাকুলস মাধ্যাসিক ৭,

# বিজ্ঞাপন।

সর্পাঘাত প্রতীকার অর্থাৎ সর্পবিধনাশক উন্ধাবনী ব্যবস্থাসহিত সংগ্রীত হইয়া ক্ষুদ্র পুস্তকাকারে মুদ্রিত হইয়াছে। মূল্য তিন, আনা মাত্র।

(ज्ञानिश्व गवर्गमः) बाक्रामाविद्यास्य । ७० अ छित्रम्य ১৮७৮)

**बिद्दम्या**थ पात्र

-- 202--

-হরিনাতি ইং সং বিদ্যার্গরে ১৮৬৯ অব্দের এবেলিক। পরীক্ষাধীদিদের পার্চনার্থ একটী শ্রেণী করা ছইবে। ঘাঁহারা উহাতে প্রবিষ্ট হইয়া অধ্যয়নের বাসন। করেন, জাঁহারা ১৫ ই জালুরারির মধ্যে প্রধান শিক্ষকের নিকটে নিয়মাদি অবগত হইবেন।

৩০ ডিসেম্বর

36.84

- গ্রীদারকানাথ শর্মা ইরিমাজি বিদ্যালয়ের অধ্যক্ষ

----- a ! -----

মংপ্রণীত চিত্রিনাদ কাব্য ১ ম খণ্ড। অতি
সুললিত, অমিত্রাক্ষরে ক্লপকচ্চলে ইংগতে
ভারতবর্ধের বর্ত্তমানাবস্থা বণিত হইগান্তে এহ
নেজ্ব মহাশয়েরা বর্জমান বড়বাজাবে অবর
নাল শাহার পুস্কলিয়ে তল্প করিল পাইবেন।
ব্রীইশানচন্দ্র বস্তু।

চিকিংসাঞ্জকরণ এবং চিকেৎসাত্ত্র অধাৎ

্ তিন্দিপ্লদ্ এবং প্রাকটি সংখ্য নেডিদিনের

প্রথম খণ্ড ৮ পেজি ফরমার ১৬৮ পূর্ণ উত্তন বাদা, জীয়ুক্ত বাবু পঞ্চাপ্রসাদ মুখোপা ধ্যায় বি, এ, এম, বি, কর্তৃক সংগ্রীত ক্ইয়া প্রকাশিত হইয়াছে।

व्यथम थरछत्रं दर्निष्ठ विषष्ठ (३) नाधात्रन

নিদানজত (২) অন্তর্গদেক পীড়াসমূহ। (৬) দৈহিক পীড়াসমূহ (৪) আয়ুমগুকের পীড়াসমূহ।

মূল্য ২০ টাকা, ডাকমাস্থলসহিত ১০॥ কলিকাভা নালবাজার হিন্দু হষ্টেল ২১৩ মহ বাসিতে ক্রিম্ক বাদু গুরুদাস চট্টোপাধ্যায়ের নিকট পাওয়া সংইবে।

-----

# ৰান্মীকৈ রামায়ণ ভৃতীয় খণ্ড

এই পুস্তক প্রথমাবধি প্রকাশ হইতেছে।
ইহাতে নাগরাক্ষরে মূল ও টাকা এবং সর্পাশেষে
বাঙ্গলা অসুবাদ আছে। যাঁহার আবেশকে
হইবে, ডিনি কলিকাডা রাক্ষসমাজে আমার
নামে পত্র লিখিবেন। প্রভেত্তক খণ্ডের (দশ
ফরমার) মূলা।। আনা। বিদেশীয় গ্রাহক
দিগকে / আনা ম'স্লল দিতে হইবে।

कनिकाछ। बाक्तमभाज

**बिर्मम्य खडी**कार्यः।

# ম জাপুর মেডিকেল হল।

১। এড দ্বারা আমাদিগের উব্ধন্ত রকারক, 
হ্রহদ, দংকারী ও সর্বসাধারণকে জাত করা

যাইডেচে যে, দ্বিতীয় দ্রৈমাদিক ইণ্ডেন্ট

সম্বল্ন অর্থিপাত '' ইার এব স্বোদীয়া, ওয়ার

উইক, রিটিদ প্রীন্দ শ দ্বারা দশ সংস্প্র টাকা

গুলার উষণ পূর্বা প্রাপ্ত হওয়া গিয়াছে।
এড দ্বির সম্প্রতি আমরা বিলাভ হইছে

ইং দন ১৮৬৮ সালের শেষ ক্রেমাদিক ইণ্ডেন্ট

গর্কো '' রিটিল ফলান, কং আর্ ধর্, ও

বাকেস এনাসক অর্থবপোড ব্রম্বারা ৮৩ বাজ্র

ইউরোপীয় উষণ প্রাপ্ত হইরাছি। এই সমস্ত

উবপ ভূনোধিক সাত দহলে টাকা মুল্যে ক্রেম্ব

ই। আগামী বর্ষে প্রথম হৈরমানে উপরক্ষে চিকিৎসোপথোলী সম্ভ ও প্রস্তুতকরণের ও উষ্ধবিদ্রস্করণের নাম গামন্ত্রী ও সজ্জা ও বিবিধ ভৈবহ ইৎ সম ১৮৬৯ সালের ফেক্রয়ারি মাসে বিং হইতে পৌছিবে।

ও। আমরা অধিক পরিষাণে ও খু উভয়রাগে ঔষণ বিক্রম করয়া থাকি।

३। এই সমস্ত प्रवासित आंत्रल विल हालान ३ सन्धान प्रतीत किए प्रथिए हेन्द्र हहेटल, आंग्रहां हो हि ७४ मरश्चाक श्रधान दे श्रानम् श्रीपूष्ण १ व लाभी नाथ प्रवासिक विके वि महावास्त्रात और ५६ मरश्चाक खरान ड देवधालसंद्र भगरनस्त्र खिल्ला वार्च नम्मण भाल हालनास्त्र निकं प्रविष्ठ शहिर हेलि।

কলিকাত।

्वरमगुशिभाज्ञ अवश्

৫ ই ডিসেম্বর হং সন ১৮৩৮

-- : 0 : 0 : --

# যৌবনোদ্যান। ও অমান্য স্বিভাবলী।

की शक्य प्रथाशांत्र कर, ब, वि, वितिष्ठ : मृना । ८० इस व्याना । ১१० कर्न क्यानिम की है मध्य ज्ञान एक प्रथकान एक प्र वास ।

জীবাজসুক্ষয়খো পাধ্যায়

ইদানীত ন কত গুলি অসং লোক গ সার বশবতী হইয়া অনেরে অত্লো গ্রন্থকর নকার্যে প্রস্তু হইয়াছেন। বিছিত প্রমানা করিয়া অনের বহু সভুত গ্রন্থের কোন অংশ এক টুও করিয়া সেখানি নিজের ''সংকরেণ' প্রচার করেন এবং ভারাদের সৌভা

िर्दिन्द्य न्यान्त स्त्र ! B) শোচনীয় ব্যাপার স্পষ্ট স লৈক 24 de 1 क्त्री जश्कात चार्ट् 4 3 4 শ্ৰের স্বামিক্তা নাই 8:4:3 इत्न इानिएक नाइब । 4:5 করিয়া ও যাত পরিঅস 事業 াচীৰ সংস্ত প্রস্থের -; \* 5; 1. (कह मान कतिएन भारतमु (बार्कत हरक

ন বাদিনিক সংখ্য প্রবিষ্ঠ কবেন।
নিবাদিনিক সংখ্য প্রবেশ হইয়া অবধি
। উপদ্বের খাছলা দেখা বাইডেছে।
ম সংস্কৃত পৃঞ্জকে ব্রুতলার বাভাদ
গতে চলিল।

শরন্ত আমার প্রকাশিত বেনীদংহার নাট র প্রতি এক্লপ অভ্যাচার না ঘটে, এই াত্ত বিজ্ঞাপন দিভেড়ি যে প্রীযুক্ত জগন্মো তর্কালক্ষারক্ত টীকাদহ বেনীদংহার কেখানি রেজস্টারি করান গেল, যদি কেহ কালক্ষারের অসুমত ন' লইয়া ভাঁছার কর্তৃক ংস্ত বেনীদংহার নাটকের পাঠ বা টাক গ্রা আপ্রত্তে নিবেশিত ক্রেন প্রাহ্ শৈল কাপিরাইট জ্বাইন জন্ম্পারে গাঁহার নামে লিস করা যাইবের্

ह लकाना र्वतर्वेदम् । ब्रिटकमावमाथ वटन्ता-

🤰 পাধায়ে প্লকাশক

ा अञ्चल्या

নজিলপুর নিবাদী জীগুক্ত আৰু সীভানাথ বাহী মহাশার ( ভাষার কনিষ্ঠ পুত্র ) াকে ভাষার ভাষর অস্থাবর যবেভীয় সংখ রক্ষণাবেক্ষানের ভাষাপণ করিয়াছেন। ার অজ্ঞাতে ও অন্তে উক্ত সংশ্তির কিছু ক্যুবা বিশ্বক্ষ গ্রহণ করিবেন না।

म्पूर १ (भोष) और्षाभागतः । त्रवंडी

--- ; a 2---

গামী ২১ এ জানুয়ার এইসপ্তিবার তোলমাল বিদ্যালয়ে প্রবেশার্থাদিগের ্থারের ইইবে। পশ্চালিখিত বিষ্
্র্যারের ইইবে। সম্প্রতি ৪।৫টী ন এতি থালি ইইবার সম্ভাবন। আছে। লা সাহিত্য ও ব্যাকরণ দশ্মিক ভগ্নাংশ প্রতি

লাব ই ভিছাপ।

ভূপোলের চারিভাগের শূল স্থা বিষয়ের পরিচয় ।

বাচনিক পরীক্ষা আরুত্তি ও ব্যাখ্যা কলিকাত। ১৯ এ ডিগেম্বর ১৮ ৮৮

\_\_\_\_: . : \_\_\_\_

নির্দ্ধান্তের বিলাপ মুক্তিও চইয়া প্রকাশিত চইয়াছে। পুস্তকের কলেবর ৮ পেঞ্জী ফরমাব ১৪ ফরমা অর্থাৎ ২১২ পূর্তা। মূল্য ৬ শুনানা বাঁহার আবশকে হয়, ঠনঠনিয়া সংস্কৃত ঘত্তের পুস্তকালয়ে অথবা পটোলভালা বাড়ুর্যে বাহর এও কোর পুস্তকালয়ে অনুসন্ধান করিলেই পাইবেন ইতি।

১২৭০ সাল
২৫এ অগ্ৰহায়ৰ
সংস্কৃত কলেজ

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়ে ও পটোল ডাঙ্গার বাড়ুর্ঘে প্রাদার কোম্পানির দোকারে মংপ্রণীত ও মংপ্রচারত নিয়লিখত পুস্তকগুলি বিক্রে ইইডেছে:---

> প্রণীত মূল্য ত্রীসইতিহাস ১ টাকা রোমইতিহাস ১ ঐ ভূবণসার ব্যাকরণ । আনা নীতিসার (১ ম ভাগ ) ১ ঐ নীতিসার (২ র ভাগ ) ১ ঐ প্রচারিত ।

সুমবোধ ব্যাকরণ ৮ ঐ ক্রিছারকানাথ সর্মা

# বৰিধ দ্ৰব্যাদি বিক্ৰয়াৰ্থ প্ৰস্তুত ।

----°0°----

ইংরাজী বঙ্গালা পুত্রক কাগজ কলম নানা বিধ এবং দি পাওরা যায় এবং পুস্তকাদিতে / এক আনার হিসাবে কমিসন দি। অধিক টাকার পুত্রক লইলে /১ আনার হিসাবে পাইবেন।

শ্রীপুক্ত বাবু কালী প্রসন্ন সিংহ মহোদয়প্রণীত গদ্য ১৮ পর্ম মহাভারত ১৭ খণ্ড ৩ ভাগে উত্তম সংবত করা

লাগুন ফারেমা কোপিয়া অপাৎ উষধ কল্লা-ৰলি ২॥•

মহম্মদের জীবনচরিত উত্তম রঞ্জিত ১ হরুতাকু বশৃত্তি প্রাচীন কবি হয়ালাদিশের গীতৃসংগ্রহ

রাসরসামৃত সংস্কৃত ও পদ্য ॥
গীতগোবিন্দ জয়দেব গোন্থামিপ্রণীত মূল
ও যছনাথ ন্যায়পঞ্চাননকৃত গদ্য ১।
কৌতুক ভরন্দিনী ইংগ্রাজি কেমেন্টরি হইছে
বিবিধ আশ্বর্গজনক বিদ্যাদর্শন হয় ১৬
প্রতিমুক্তি সহিত ১২৭৬ সালের ফুল পঞ্জিকা ॥
ঐ হাফ পঞ্জিকা ।•

क्र्जाम्बन भना কমলভারিণী 11 স্চীক চণ্ডী মুল ও অসুবাদ সহিত চরিতমঞ্রী ইহাতে মিউটীনির বিষয় विटमयक्रारा वर्गछ इहेन्नाट्स 3: • हेरतां कि ১৮७२ मारमत ब है। एम व की 1110 কুমারীকুমার পদ্য আনিরসঞ্চান কাব্য ব্দরের মোহিনী শক্তি গৰেশচন্তৰ ৰৰ্মকৃত ৰাজনা এটলাস উত্তম কাগজে ও উত্তম অফরে মুস্তিত Ġ, বিধ্বাবিবাছ নাটক ۲ কামিনীকুমার ্বসর্ভাকরাস্তর্গত নায় ক नाशिकाधिष्ट स्ट्रंग कावा ig s मनिक्छन। कावर भगतीरमाहम वरम्हा ।।-দ্যান্থপ্রণীত ছর্গেশন<sup>্</sup>ক্ষীর মত লেখা उपप्रमञ्ज नश्री 2110 ভুচিত্রাবলি ৩২খনি বালালা ম্যাপ . 118

স্টীক টেডন, চরিতামূত গ্রস্থ প্রকাদ খিনী নাটক আইন সংযুক্ত ২ থণ্ড একত্রে ২ উষাহরণ পদ্ধ ১ হিডোপদেশ বিষ্ণুশর্মার সংগৃহীত ১ কলিকাতা জোড়া- ু জ্রীপ্রতাপছক্র রায়

# পুরাণ প্রকাশ। বিষ্ণুপুরাণ।

मीरका ५८ गर

नगम (वर्क्का ।

জমুবাদও টীকা সমেত আত্যেক খণ্ড
৮ পৃষ্ঠা (জাগ্রিমমূল্য)॥ ।
ঘিনি প্রহণাজিলাধী হইবেন তিনি মূলাপুর

আগহ রষ্টাট্ট ওর। ১ নং ক্ষমে কাব্যপ্রকাশ যত্ত্বে অথবা ক্ষলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে জীযুক্ত জগনোহন ভর্কালকাবের নামে যত যতের ইক্ষা অজিম মুদ্যা পাঠাইবেন। অভিনয় না পাইলো বিদেশে বিষ্ণপুরাণ পাঠাইবার নিয়ম নাই ইভি।

-----

#### বিক্রয়ার্থ।

গারতেন রীচ ২৫ নং বাটা গুলায়সহ ১৯ নংক্রোড়া বাগান।

উপরি উক্ত বাগান ও বাটী র্টাছারা কর করিতে অথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নিমু আফ রিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেগুৰিন আনুবো-থনট এবং কোং

হালিসহর নিবাসী শ্রীযুক্ত বৈকৃঠনাপ গুপ্ত কলিকাভার অন্তর্গত ভোডাসাঁকো বারাণসী ঘোষের ক্রীটের মধ্যে মৃত রাধানাথ কুপ্তের দরুণ ক্রুমি হাঁহার খরিদা বলিয়া উহা বিশ্বেয়াপ সংবাদপত্র ক্রেড্গণকে অন্তর্গন করিভেত্তিন আমি এভজাবা সকলকে জ্ঞাভ করিভেড়ি যে, উক্ত ভূমি উল্লার খরিদা নহে এবং ক্রেহ্ যেন উহা ক্রেয়ানা করেন।

ক ককান্ডা চোরবাগান ৪টা পোয

🗐 চন্ত্রেখর বু 🥴

-----

## निकात नहीं।

সম ১৮ ৯৮ সালের ডিসেশর মাদের ২২ এ ফ্টতে ৩১ এ প্রাক্ত ভাগীরথী নদীর ব্যাক্ত ডি এলের সাপ্রাহিত রেড টি /

च्हार्टनत्र सम्म तत्त्रकमः ७ अस्त रह5 ≩िश्व

মহানার উপর পদান দু<sup>®</sup>তে ১৪ জিলার মহানার ৮ জিলার তথা হইতে জালিপুর ১৩॥ মাইল মাগে ১ ৬ জালিপুর হইতে বহরসপুর

বহরমপুর হইতে কাটে র' ৫- মাইলের মধ্যে

৪৬ মাইলের মণে

काटिंगा हरेटच नहीं श

্ষান ১৮৬৯ বালের ৪ঠা ক প্রনারি বহরণ

नाम २००० गाउनत् ४५। व्यक्तिमात् वस्त्रमा भूते शक्ति।एउन कार्यात मान्यः

গকের উপর

कृष्ठ इश्व

. 64

वहत्रभणुव 8 जी साक्ष्मावि १५४५ ।

প্রীয়ক্ত সি. ই, উইক্ল একাজকি উরিব ইঞ্জিনিয়র বছঃমপুর ডিবিজন।

#### উনচজারিংশ সাংবংস রক ব্রাহ্মসমাজ

আগামী ১১ই মাঘু সনিবার ভিনচতারিংশ সাংবৎস্ত্রিক ত্রাজ্ঞাজ হইবে।

১লা মাঘ জবধি ১০ ই মাঘ পর্যন্তে বুধবার ভিন্ন প্রভিদিবস ব্রাহ্মসমাঞ্চ-গ্রহে সন্ধা ৭ ঘণ্টার সময়ে ব্রাহ্মধর্ম গ্রন্থের পাঠ ও ব্রাধ্য হটবে।

১১ই মাধ শনিবার প্রাতঃকালে ৮ ঘণ্টার সময়ে ত্রাজ্মসমাজ-গুট্ছ এবং সাগ্রংকালে ৭ ঘন্টার সময়ে জীযুক্ত প্রধান আচার্য্য মহাশ থেব ভবনে ত্রেজাপাসনা ১ইবে।

আদি প্রাক্ষাসমাজ ) শ্রী দ্বাবস্তদনাথ ঠাকুর কলিকাভা : ৭৯০ সম্পাদক।

মহাকবি জ্রী চালিদাস প্রনীত সংস্কৃত কুমার সম্ভব মলিনাথের চীকার সাইত মুদ্রিত ইইয়াছে এবং মলিনাথের চীকার যেসকল ছারুই পালের বাখ্যা উপেক্ষিত ইইয়াছে, তাহা, পাঠকবর্গের স্থাবিধার নিমিত্ত, পাত্রের লেখে অতিরিক্ত চীকা রূপে প্রদত্ত ইইয়াছে। পদ ও পাদের অসা সন্ধি-ভারা পরক্ষার নিলিত থাকিলে অনায়াসে অর্থা বোদের ব্যাঘাত হয়, এ জনা চীকার ত পদ সক লোর সন্ধি বিশ্লেষ করা হইয়াছে। প্রত্যকের কিয় দাল মুদ্রিত ইইলে কভিপয় প্রতিদ্ধ অব্যাপককে দেখিতে দেওয়া ইইয়াছিল, উল্লেখ্য প্রদিশ্র বাজ্যের প্রদান কবিয়াছেন এবং সৌমপ্রকার্যে উত্তমরূপে সংস্কৃত্ত ইইয়াছে বলিয়া, তাহার প্রস্কৃত্যা করা হইয়াছে।

এই পুস্তক ঘাঁকার আবশ্যক চইচৰ ডিলি সংস্কৃত বজ্ঞে অস্থাপ্তান করিলে অথবা আখাব নিকট পত্র লিখিলে পাইতে পাবিধেন ইঞ্চ মূল্য ২ ছই টাকা।

কলিকান্ত। সংস্কৃত ঘ্র ১৯ এ পোষ ১২৭৫ সোমপ্রকাশ।
২৯ এ পৌব সোমবার।
নবাগভ সিবি:লিয়ানগণ।

সম্প্রতি ৩৯ জন প্রীৎকাতীর্ণ বিরাদ ভারতবর্ষে আগমন করিয়াছেন উাহারা যে যে বিদ্যালয়ে অধ্যয়ন করিয়াছেন রাছেন, মে পুরস্কার ও সম্মান প্রাপ্ত রাছেন এবং ১৮৬৬ ও ১৮৬৭ অ ভাহারা দিবিল দ্বিনের প্রথম ও প্রীক্ষায় যে সংখ্যা ও পুরস্কার প্রাছেন ভাহা কলিকাত

আমরা অতিশর
অধিকাংশ সিবিলি

সামান্য বিদ্যালয়ে বি

ছেন। ইহাঁদিপের ম

এবং ৬ জন বি, এ।
উপাধিধারী দৃত হই

কাহারও কোন বি,
উপাধি নাই এবং সা
অধ্যয়ন করিয়াছেন
বিদয়া লেখা পড়া বি
প্রথম বর্থন সিবিল
দিয়া প্রবেশ করিবার
অধিকসংখ্যক বিশ্ব
পরীকা দিয়া এ দেশে

ক্রমণঃ এ অবস্থার পরিবও ২...
একণে অপথই রুতবিদ্যা লোক অথন
করিতেছেন। ইহার কারণ নির্দেগি
অনেকে বলেন, ভারতবর্ধের বিল
স্কিনের ভাদৃশ বেতন না থলতে
ইংলতের উপযুক্ত লোকেরা কলেশে
আগিতে চান না; কিন্তু আমরাএটাকে
প্রেক্ত কারণ বলিয়া বীকার নার না।
পরীকার নিরমই উপযুক্ত লোকের আগ মনপ্রতিরাধক ইইরাছে। যে ব্যক্তি
ধনবান ও নিজে পজ্জির, তিনি কথন
আপন সন্তানকৈ অরিশিক্ষিত্র করি
কোন কার্য্যে প্রেশ্য করিছে ত হন না। বধন ভারতবর্ষীয়েরাই
ধবিদ্যালয়ের উপাধিপ্রাপ্তির পূর্বের
স্থানদিগকে কেন ব্যবশায় অবলম্বন
করিতে দিতেছেন না, তথন ইংলপ্তের
কোকেরা ভাছপরীত কাজ করিবেন, ইছা
কোনক্রমেই সভাবিত বলিয়া বোধগমা
ানা। শাসন ও বিচারকার্যো প্রতিষ্ঠা
তে করিবার ইছা থাকিলে পূর্বের যথার্থ
তবিদ্য হইতে দয়। গৃহে বিদিয়া পাঠ
ব ল যে ক্রতদিয় হওয়া যার না, তাহা

কম্ব প্রথমতঃ গথা প্ৰথালীপূক্ত কিকা । विश्मिष्ठिखन व्यक्षिक म्म, याँशमा जूक-हा विलिख्ड भारतन। রিলেও তথাপি যে र थाएक, हेहा व्याप्त র স্থাকার করিভে ক, নৃতন সিবিলিয়ান পূৰ্ণ শিক্ষা হয়না, **এ দেশে আ**দিয়া এন্ত হতা ও বিজ্ঞানাসু ११८क न।। अहमकम কিনে অর্জনিকিত तिटाउट्समा याँकानि াছে, ভাঁহারা কখন

অবস্থায়বিশ্ববিদ্যালয় ত্যাগ করিয়া
ভত্তবদ্ধি দিবিল দাবিদেশ আদিতে
আ,লাদী ছইবেন না। এ অবস্থায়
কে ধনিদত্তান কয়েক শত টাকা
বেতনর লোভে এখানে আদিবেন গ্ বেতনর লোভে এখানে আদিবেন গ্ বেতন অপ্পা মলিয়া উপযুক্ত লোকে
আদিওছেন না, এ কথা অমূলক; যে
প্রকার শিক্ষা ক্যাপ করিয়া আদিতে
হয়, ভাঁছার ক্ষতিপূবিণ করে এমন
বেতন পৃথিবীর কোন দেনের গাণ্ডমন্ট দিতে পারেন না।

निवित्त मर्सिम क्षिमनद्रश्चा कि विश्वविक्तालाइक कुरुविना ছाञ्चित्राह

আদিতে নিষেধ করিয়াছেন ? তাহা নহে; কিন্তু কার্যো ভাষাই ঘটিয়াছে। বে বয়দে প্রীকা দিতে হয়, তক্মধ্যে বিশ্বিদ্যালয়ের উচ্চতম সন্মান লওয়া नक्टलं अर्फ महस्र हम्र ना। এই ७৯ चरनत मर्था क्र क्रनत ३৯ वर्भत वरः ক্রম। ১৭ ব**ংসরের সম**য়ে ইহাঁকে পরীক্ষা দিতে হইয়াছে। ৩ জনের २०: ৯ छटनत २५; २५ छटनत २२; ४ জনের ২৩ বর্ষ বয়ঃক্রম इडेग्राट्ड। এক্ষণে পরীক্ষা দিবার অন্ততঃ তিন বংসর পুর্বে নির্দারিত পুস্তকসকল পাঠ করিতে আরম্ভ করিতে হয়। এই ৩৯ জন গড়ে ২১ বংসর ৮ মাসে পোষ পরীকা দিরাছেন। প্রথম পরীকার সময়ে লাড়ে উনিশ বংগর বয়ঃক্রম हिल। मकल एक है भए । १ वर्म एउउ সময়ে বিদ্যালয়ের অধ্যয়ন ভাগে করিভে হইয়াছিল: ১৭ বংসরের মধ্যে কত জন क्र डिक्ता इहेश। विश्वविनात्तास्त्र छेक्र छम উপাধি লইতে সমর্থ হন ? যাঁহারা পानती, मार्गामा (नाकाननात, मूहि अ গোপা প্রভৃতির সন্তান, ভাঁছারাই কেবল প্রথমত ৪০০ টাকার লোভে বিশ্ববিদ্যা লয় ভাগে করিতে পারেন। দিবিল দক্ষিণ ক্ষিদ্দরগণ ২২ বৎস্রের উপ রের প্রীকার্থী গ্রহণ করিবেন না কৃত্যক্ষণ হইয়াছেন; স্তরাং আমা क्टिश्र विदाय **७ (स्था**भागत्मत **छा**त কতকণ্ডলি অন্ধশিক্ষিত নীচ প্রেণির ইংরাজের হস্তে পতিত হইতেছে। ২১ বৎদরের পুকের্ব ভারতব্যীয় বিশ্ব বিদ্যালয়সমূহে বি, এ, উপাধি পাইবার (या नारे। याँ होता ०म, ७, २३८७ हो (इन **डां**ग्रेन्ट्रात डेलांबि न**रेट्ड श्रात बन्न** यात्र। वि. व., इत्रांख वक वरमदत्रद्र মধ্যে গরীকার নিমিত্ত প্রস্তুত হওয়া সন্তাৰিত নয়। অতএৰ যে ভারতব্যীর गिविलियान इरेट जिह्दिन जाँहाटक

এল, এ পরীকা বিয়া ইংলপ্তে হাইছে
হইবে। পকান্তরে এ দেশের উকীলের।
সচরাচর বি, এ, ক্ষনেকে এম, এ দিরা
বি, এল, উপাধি লইয়া থাকেন। ক্ষনা
ক্ষন্য বিভাগেও ক্রমশ: বহুজ্ঞ ব্যক্তিগণ
প্রবেশ করিভেছেন। অভএব কিছু
কালপরে দৃই হইবে উকীল, আমলা ও
কর্মচারীরা ক্রভবিদ্য, কেবল শাসনকর্তা।
ও বিচারপতিগণ ক্ষনিক্ষিত। সিবিল
স্কিনের বর্তমান পরীক্ষাপ্রণালীতে
আর কি হইতে পারে ?

আমরা তল্লিমিত বলিতেছি ২৪ বৎসরকে মূলসংখ্য ৰয়ঃক্ৰম করা উচিত।২৭ বৎদরে সিবিলিয়ানগণ কার্যারম্ভ বি বেন, তাহাতে বরং উপ-কার ছইৰে শাংশ্ৰেছহীন বালক মাজি **ट्यु ऐनिरमंत अर्थका हे** हाँता अधिक काक कडिएड भौतित्व। क्रुडिविमा লোক আদিবেন। ভারতবর্ষের দিবিল मर्कितम थारवण कता हेरल एक प्राचक লাডবংশীরও স্লাঘার বিষয় জ্ঞান क्टबन, क्विन स्वकार्ल शाप्तिमगान्धि क्रिश **क्हिंड आमिटल हान ना। डेक्ट**ब्र শ্রেণির ইংরাজেরা যত আদেন, ততই মঙ্গলের বিষয়। দিবিল স্ক্রিস ক্মিদ্নর গণ এক্ষণে ভাঁছাদিগ্রের দ্বারে কণ্টক রোপণ করিয়াছেন। বাহাতে ভারতব मौरहरा अधिक मः यहाह मितिनिहान ना হন, কমিদনরগণ এই অভিপ্রায় সিদ্ধ করিতে গিয়া ইংলওের কতগুলি হের লোককে বৎসর বৎসর প্রেরণ করিতে ছেন। ভারতব্যীর প্রব্যেক্টের এই নিবারণার্থ সচেটিত হওয়া ष निष्ठे कर्खना स्टेटज्यम् ।

> সর **আলেকজ**গুরে গ্রাণ্ট ও শিক্ষাক:র্য্য।

ৰোষাইয়ের শেকাবিভাগের ভূত-পূর্ব্ব ডিক্টের বর আলেকজ্ঞার প্রাণ্ট

**्केष्ठ** तमहक्रकेत्रिक निकाष्ट्र अक शख লিখিরা ছুটা প্রস্তাব করিয়াছেন। প্রথম जाब्रुक्दर्यंत्र श्राठि श्रिमिएक यङ चेत्रा ताक्य जातात हरेट्र जाहात मञ করা কিরদংশ ভত্তৎ ছানের শিকাছেতু बाब कता इसा चिकीश, निकारिकारभत উচ্চতর কর্মচারীদিপকে চিছ্নিত কর্মচা রীর ন্যায় বেতন, বিদায় ও পে<del>চা</del>ন দেওয়া হয়। অভিশয় ছঃখের বিষয় এই (य. এই সময়ে সর छोटकाछ नर्थकाछ ইংলভের দলাদলির অসুরোধে পদভাগ করিলেন। তিনি ভারতৰর্ষের শিকাবি-ভাগের প্রতি বিশেষ মনোযোগী হইতে ছিলেন। ইংলতে অধ্যয়ন করিবার নিমিত্ত ছাত্রবৃতি ভাপন, নিজ হইতে বিশ্ববি मार्गेनदात हार्खामगदक शूतकातमानथा-कृष्ठि कार्याद्वाता मत खोरकार्ज नर्यटका টের বিদ্যাশিকার এতি অসুরাগেড পরিচয় আপ্ত হওয়া যায়। লাভ আগিল তাঁগার অসুসরণ করিবেন কি না বলা यात्र ना। याहा रेडेक, मत चारतकम् शांत আ⊺েনীর প্রস্তাব অধাময়িক নছে। অত এব এ বিষয়ের আনেদালন করা উচিত इडेट उट्टा

গৰৰ্শমেণ্ট **अक्टर्ग विमामिका**त निमिन्न परनक होका अनान कतिएउएइन। ত্তপাপি দেশের যত অভাব তদসুনারে যে শিক্ষা হইতেছে না, তাহা তাঁহার। আপনারাই স্বীকার ক্রিয়াছেন। নিম্ন ভোণির বিদ্যাশিকার নিমিত্ত অপ্রয়ন্ত্র कि इडेशाइ १ गत जन ला दक्त मिका করের প্রস্তাবমাত্র করিয়া আর কিছুই করিলেন না। ভিনি জমীদারদিগের करका ভারনিকেপ করিবার মান্স করি शाहित्यन, जाहात्ज क्रथक मित्रत वत्र অনিষ্টেরই স্বিশেষ সম্ভাবনা ছিল। किन्दु क्रुयरकर। विमानियात मिमिन जान নারাই কর দিতে প্রস্তুত আছে, ভাগারা देशात পরিবর্তে কেমল চিরজারী বন্দো

वक्क क्योर्थना करता। भर्नत रकनवन मार ममहकारत हेश कडिएम आधारन मछाछा **अभद्भत्र महिङ महकाही हास्यहर** इष्टि इहेड ; किन्छ जिनि सभीनात নিজ মন্ত্রীদিশের আপত্তিনিবজন এই अवाष्ट्रकारन नमर्थ स्ट्रेट्यन ना । (क्वल (के ि गार्ट्य क्रमकिरनात यथार्थ व्यवस्थ दूरिकटण भारतशादहन , किन्छ ध्वर्धमानी মধ্যে আর কেছই তাঁহার মতের অনু ्यापन करतम मा। क्रुशकपिरशत महिष्ठ চিরস্থায়ী ৰন্দোৰত করিবার সময় সমু পাছিত হইয়াছে; কিন্তু গ্ৰণ্মেণ্টের এই कार्याञ्चेष्ठोरन मारुम इहेवात चान्ताणि विनय चार्छ। এতাবৎকাল লোকদিগকে कि व्यम् अ पूर्व शिक्टि इंदेर ? श्वर्गः मण्डे इंडिक डेंशनटक दीकांत कति ब्राट्टन, अकामिशटक विश्वनकाटन आहात मिया प्रका कता बाध्यात व्यवमा कर्खवा। व्याद्यत्र व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्यापत तका (त्रमन व्यवभा कर्खनः, भिक्तानामधाता তাহাদিগকে সভা করাও কি ভদ্রপ न ह भनीत व्यापका कि मन निक्छि ? व्यक्षिक इड्रेटन রক্ষার ,对作不用之名门 वलद्राष्ट्र हम ; अहे निमिल इर्जिक कारत षाह्यत (ए७ या हहेया पाटकः সভ্যতার জি इन्टिल कि शकांग(नत রাজার অধিকভর বলরুদ্ধি হয় না ? এই বিষয় বিশেবরূপে পর্যালোচনা করিয়া দেবিখল প্রথমতঃ বিদ্যাদানের ভার গ্রণ্মেন্টের উপরেই পতিত হই তেছে। অভ এব আমর। সর আলেকজ গুরি গ্রান্টের প্রথম প্রস্তাবের অসুমো দন করিয়া বলিভেছি, যে প্রদেশে যেরাপ त्राक्षत्र, भिष्टे श्वरति जिल्ला जिल्ला विकासित স্থাপিত করা আবশাক। হইতেছে।

দ্বিতীয় প্রস্তাব্ধিবয়ে আমাদিগের বক্তব্য এই যে, শিক্ষাবিভাগের উক্তত্তর কর্মচারিগণ পর্যাপ্ত বেভন পাইভেছেন, অভ্যাব আময়। তাঁহাদের বৈভন্নরিভ্র প্ৰভৃতিতে অনুমোদন ना। এमिश्रीय शिक्तको क्बार गवर्गामा व व (मर्म व्यक्षिकार्म वि वीं है ; इंडी ब्रिट्भ त् क ভার নিহিত রহিয়া দ্বারাই অপামর সাধা कांटनटम क्वविके ना इ **३**९८1**म शिक**८क्ट्र লইতে পারেন না ; ফি नियुष्ठत्र व्याक्तिकारमञ् dast কার্যান্তর প্রাধ্যির স্থ भिकाबिकार्श श्रावन মেন্ট অদ্যাপি এটা বু (कन १ ज्यमञ्जूषे कर्म्ह कि शक्रुड कांब इहेर আমাদিগের মত এং গের ৰেভন রজি করা র বিদ্যালয় সংস্থাপিত কুষকদিগের সহিত চি করিয়া শিক্ষাকর না ष्ट्रित होक्टब्र किश्रमः कार्या निरश्चिक क यङ किन निम्न खारि ভভ দিন इक्टेब ना ।

উত্তর পদিচ্চ ইত্ত ভৃতিকো: আদিতেছে। দি ভান লোকশুনা: আমে জমীনার ও আর লোক নাই। গি এপ্রকার কট হয় না প্রকৃত ভৃতিক হই আমরা আহ্লাদিত কার্তিক মানে কৃষ্টিন শের অনেক ভানে फ विद्याहरी के दिला ্কর আলঙ্কা নাই। ায় এই, সম্প্রতি পঞ্চা शहर हो इंड इंडराट त्रका भारेटन। किछ **†मिविछात्भित्र क्रिके** ा, नल्दशूर, आंक्रिय গ্রায় যাবভীয় দরিজ ন্টের উপর নির্ভর ১৮৫৫ ष्टब्स्त मृक्षेच हर्क इहेश्राट्डन । এ वात व्यवनम्य कत्रा हह (कतिनी, कृপ ও রাস্তা ও রহিলখণ্ডের রেল बारख इंडेर्ट । डांक (क्रनतत्वत अर्घण ज्यातिरिक्ट के **६ এই काफ़ित मग**र्ध त्रशास्त्र। कके आंत्रस कत्रमञ्ज भवनीयात्षेत्र পকাৰা করিয়া এক স্তঃ ও একটা থাল ্এই রাস্তায় আবাল १६८७८६ । याहात्रा धिष्ठाटक ऐप्राधिन नख्या इहेटल्ट्र দগের গোমহিয করিয়া আছাব বৰল রাজ্যপ্রভৃতি বিষ্ঠাতে অভিশয় খারে ছর্ভিকপী ভত্ৰভ; পোলি কৈণ ভুৰক হইতে র অভিলায করিয়া অ-পামূলো বিক্ৰীত ल ब्हेट क्या जाति । कर्षणादिश्व (कान ভাছেন না। ভারত্ব छेहे लिश्चम निवर्टक

विवशिष्ट्रम, इर्डिक्स्त मगरत पतिसमि গকে রক্ষা করা গ্রপ্মেন্টের কর্ত্তব্য কর্ম। যত টাকা লাগে যেন ব্যয় করা হয়। मर्द्धनाशाहर्य हाँमा (मन खालहे, नरहर शवर्गरमणे व्यावनाक्ष्मक वाह कहिर्वन। च्हानीव नवर्गदमन्त्रेटक क विश्वतं मण्लूर्न স্বাধীনতা প্রদান করা হইয়াছে। যে বাজি শাহাযা চাহিবেন, তিনিই পাই বেন; ইহার মধ্যে ধর্ধার্থ সঙ্গতিপন্ন লোক থাকিলেও তাঁহার প্রার্থনা অগ্রাহা করা হইবে না। মালুযের যতদূর সাধ্য গ্রব্মেন্ট তাহা করিতেছেন, আম্রা এ নিমিত্ত গ্রণ্ডেয়তের নিক্ট নিভান্ত কুতজ্ঞ চইলাম। গ্ৰণ্মেণ্ট কেবল আপ नात मौभात भटकाई माहाया निशा नित्र छ नट्रन, हेटकत नवांवटक माहायायात्रभ এक लक्ष छै।कः १८ छोक। सूरम कर्ष्क मिश्रोर्टन । **উ**नश्रेश्रीरतत त्राकारक अभिक ৫००० ऐका (मध्या इंडेटडरह। आनामी জুলাই মাণপ্য, য **নাহাব্য** इंडेट्व ।

গবর্ণমেন্ট যথাদাধ্য কাজ করিছে ছেন: এদমরে সর্ববিদাধারণে যেন নিরস্ত হইরা না থাকেন। আমরা শুনিয়া ছুংখিত হইলাম, উত্তব পশ্চিমাঞ্চলের ধনী লোকেরা সাহাযাদানে ভাদৃশ ভংশর নহেন। যখন প্রব্যান্ট এত চেষ্টা ক্রিভেন, তথন আমরা সাহায্যানা করিলে মাতৃভূমির প্রতি অক্তভ্তভা প্রকাশ করা হইবে।

এই এন্ডাবটা লেখা শেষ হইলে জামরা জাবগত হইলাম, গত সোমবার ভারত বরীয় ব্যবস্থাপক সভার কার্য্য সম্পন্ন হইলে সর জন লরেন্স সভ্যাদিগকে আর কিঞ্ছিৎকাল বিলম্ব করিবার অন্ত্র্যাধ করিয়া বলিলেন, যদিও ব্যবস্থাপক দিগের মধ্যে করেক জন শাসনকার্য্যে লিপ্ত নহেন, তথাপি ভাঁছারা মনে করুন বেন ভাঁছাদিগকে শাসনসমূহের প্রকটা

क्षिषियत्रेश नियुक्त कता हहेल इंडिक निवातरमत स्य स्थ छेलात व्यवस्थ कता হইরাছে, ভাছার বর্ণা করিয়া, এ সুমরে কি কর্ত্তৰা ভাষিষয়ে গবর্ণৰ কেন্দ্রল नकरणत मञ बिख्डामा कतिरणन । चिनि विनिद्यम, वज्रामामा विकिम् स्थार्धाः চাঁদা করিতে প্রস্তুত আছেন। তিনি निष्य भागीत भवर्गरम् ७ क्यांनातीनि-श्रंक विनिद्यारहरू, यमिष्ठ क्रुक है। का অসুপযুক্ত পাত্তে পতিত হয়, তথাপি যেন ভাঁহারা সাহায্যদানে কুপণ্ডা না করেন। ছানীয় কর্মচারিগণ খদা ক্রন করিবার আভ্তা পাইয়াছেন; কিন্তু পাছে ভাঁহারা দ্রব্যের মূল্য অধিক করিয়া 'বুলেন ভাঁধার এই ভাবনা হইতেছে। কিছু ক্ষণ তকের পর দকলে এই কয়ে কটা বিষয় ছির করিলেনঃ—উত্তর পশ্চি মাঞ্লের রেবেণিউ বোড ও মধ্য ভারত वर्षत्र भवर्ग भक्त मकरलत यथार्थ মুগ্র জানিয়া গেকেটে প্রকাশ করিতে थाकृत । त्यमकश ऋात्त इंडिंक इहेत्राइ, ভত্রতা মিউনিশিপারিটি সমূহ শাসার উপরে কর মং গ্রহ করিছে পারিবেন না। ঢাঁদা সংগ্রহ করা হউক; কিন্তু माधारत मछ। कहिबात ध्वरशास्त्र नाहे। ष्यांभवा मत कन लातिएमत निकार 💵 কার্যের নিমিত নিতাম ক্রভজ হই-ভেছি। লোকেয়ত পাবেন সাহায্য করিছে থাকুন; কিন্তু গ্ৰণ্মেণ্ট ইতর বিশেষ न। क्रिया महाया अनान क्रून। मत क्रम लाइका हैश्ला ७ शमन क्रिट छ एवन ; (मर्थिश (গেলেন , म्हानंत **ट्याक्ति** । প্রতিনিধিগণের পরামর্শ গ্রহণ করিলে कञ् উপকার দর্শে। অতএব স্বদেশে প্রতিগমন করিয়া তিনি এতদ্দেশীয়দি-शदक शदर्वत (कटनतटनत (कोन्भिटन প্রবেশ করিতে দিবার প্রস্তাব করিলে काहा कथनहे भवाहा हरेटव ना। ब्राइक्य বিষয়ে এতদেশীয় প্রতিনিধিনিংগর

**राष्ट्र क्रमणा धरान क**हिरल नमाधक छेलकात्र मार्ट्यत मजावना । व्याग्य 🕫 चरमणीव्रमिष्टक भूनकाव र्वान्ड है, **जगर**व শেন ८कर्रे কুপণ্ড: ना करत्रन। घाँदात्र मानिक ७० । छ। ४५ चात्र, किनिक हिस्से क्रिटल चन्नु अभ वाक्तित्र अक मश्राद्य का छेटनत मूल षिटक शादतन। माधात्रन विश्वप्रकारल ভিরচিভে ना गनकर्छ। पिटनत একমত হইয়া যথাসাধ্য চেষ্টা করিয়া विপङ्कात कतिएक शाहिरलंडे यथार्थ গৌরৰ হয়। জাতিসাধারণ মহত্ত ও পুথিৰীর যাবতীয় প্রধান দেখের ইভি काम निवस्त देशांत माच्या श्राम कति তেছে। ভারতবর্ষীয়পণ যে এই মহত্ত नारकत (नाक करतन ना, आमाहिर गंद्र अ विचान नारे।

> —:•:— জন্মতবাজার পত্রকাসংক্রান্ত মক্দ্রমা ।

অস্ত্রাকারপত্তি একটা প্রস্তাব লিখিত হয়। যশোহরের অন্যতর ডেপুটি মাজিট্টেট রাইট সাহেব ভাহা নিজ প্রানিস্চক বলিয়া ফেজিদারিতে নালীশ করেন। মাজিট্টেট ও জাইন্ট মাজিট্টে টের উপরে প্রভার্থিগণ সন্দেহ প্রকাশ করাতে মকদ্দাটা সেনিয়ন জজের নিকটে হইয়াছে। এই মকদ্দমা দল দিন পর্যান্ত হয়। যেমন ঘোরতর আজেনণ সেইপ্রকার দৃত্তর সমর্থনও হইয়াছিল। পারশেষে সেসন জজ প্রভার্থী দিগকে দোষী জির করিয়া বারু রাজক্ষ্ণ মিজের এক বৎসর মেয়াদ ও ১০০০ টাকা জিরি মানা এবং সম্পাদকের ছয় মাস মেয়াদ

এই মকদ্দম। ও বিচারদহক্ষে কয়ে কটা গুরুতর কথা উপিত কইডেছে। সংবাদপত্তের স্বাধীনতা আছে সভ্য বটে; কিন্তু দেই স্বাধীনতা সাবধানে রক্ষা করা কর্ত্বা। বিদ্বেশ্যকাশ ও

वाज्जिविद्रभटिवन्न विका कतिहरू गर्वान भटकत चाथीनका अविक स्टेसा सात। विचारन माधारन विकास वाजितिकारमञ्ज हति अदिश्व आकामा मा कति एक संग्र, त्वह चारमञ् रक्षम डेश कहा कर्डवा ; किन्छ न चटनक सिविटक इन्देरक त्य. माधात त्वत्र डेलकातार्थं बाहा ध्यावभाकः छर-(शका व्यक्तिकात स्माटवाटनयावन इहेन কি না ? অহতবাজার পত্রিকার বে डाइट गाट्टर्यंत मद्राक्ष ज्याना कांक कता रहेबाट, खारा आभाषितरक दुः ध नर्कारत चौकांत कतिएक इटेएक्टा मर्**वाप** পख माधात्र ( १ स স্বাধী নতা ও শান্তির প্রধান রক্ষক, যেখানে অভ্যাচার দেইধানেই সংবাদপত্রের সম্পা **एकटक निर्ভा**रा क्षांकियान कविटल स्टेटव ; किन्द्र रचचारन क्वन वान्ति विरम्धायस চরিত্রখোষ বা কুবাবছার লইয়া কথা সেবানে পূর্বে আদালতের সাগ্য্য लख्या कर्खवा। ब्राइटे माट्डव यपि नथा र्थ**इ म**न्म काल कतिया शादकन, खाश इट्टन काहा भूटर्स विठाडान एवत भावत क्दाई छेठि छ हिल। आमानित्रत मरश অনেকের এ বিষয়ে ভ্রম আছে। যাহা बाल्लिबिटमंब ७ मगार्म इ. कहा कर्डवा खाश अवर्गरमा कर का निर्मा करा অভিশন্ন অন্যায়। অভএব রাইট দাহে বের বিরুদ্ধে প্রস্তাব লেখা যে অস্চিত इहेशाहिन, बी वाशकाराखी वास्क्रिमा बिकात कितिता। शक्षास्त ताहे है নাছেব নমুচিত গাড়ীর্যান্হকারে মকদ-माजि हालाइटक शारतन नाले। ऊँ। हात्र প্রতি যে ঈর্ষ্যাপূর্কক প্রস্তাব কেখা হয়, এটা আমরা বিশাদ করি না; কারণ নংবাদপত্রের এপ্রকার वाकि विटम-ষের প্রতি শক্তভা থাকা অসম্ভব। এস. कन ऋता देवत्रनिर्याण्डनटक खेटमानाः করা অভিশন্ন অসুচিত। যথন চির্ত্ত नह्या कथा हहेए छए, जर्चन जाहात निक

লম্কা সপ্রমাণ উट्यमा माथिक माति विচারালঃ चारांगरेज देशंत्र कान स्रेख। यथ ভৰ্ম আম্য়া বি বলিতে পারি না न्नाके दर्श इग्न दर গের প্রতি অসুক্ প্রথমতঃ অপরাঃ শ্ৰমের সন্থিত মে वामनाता, व व रुग्न ना, बिनद्या भूक बाका गर लाहे (वटन इ मक्फ বিশেষতঃ যথম পত্রের স্বাধীনতা उर्वन अनक्त म तानरत्र एउदाहे टे द्रशिकान नाहरव পারেন না। প্রত্য क्या ध्रान्ड्य করিবার নিমিত্ত हित्नन, किन्र वा এই যে, প্রথানতঃ व्याहा कटतन माहे व्यामहा সম্পাদক ও রাজকুম অভিশয় গ্ৰংধিত হই প্ৰস্তাবটা লেখা স্থনঃ माहे , किन्नु जाहारा (इन ७ (यशकात (इन, डोका TS BY 😝 রুতের।

ভাষ ভাম দিগের আমাদিগের শিক্ষা থাকে না। আমর। প বসায় ও উৎসাহ্সহ

ক্ষ হয় মা। বিদ্যাল
বরের জি. তত্থাপন
সংসারে প্রেবিষ্ট
ভালায়। পাকে।
পাত কর, ইছার
হইবে হিনি কখন
দোন নাই, অন্চ
ভ্যোগ না করিয়া
বিচনশিতা আভ
বহোপাধ্যায় বলিয়া
জালুকি পরী
চুণ বিখ্যান্ত হই
দাশ ভারবি হাল।
ক্রিল প্রাশরপ্রভাগ

াত ঠাহা। অকীয় ভূরে।

বি পরিপূর্ণ অপুর্বা কাবা

হারতত্ব অভূতির প্রাণ ন

হ ইয়াছেন। এতারাক্ট

ই, বিবাা য়ের শিকা

সংসারে প্রবিষ্ঠ

ন পরি গ্রাস না

আচার ব্যবহার রীহি

ন করি ৷ যে বছদ

চাহাই প্রকৃত শিকা।

যের সঙ্গে সঞ্জে বিদ্যা

ন; করিয়া ভিজিখিত

পদ্ধতি অবলম্ব করি ভাষা হইলে অনা রাদেই বিশেষকপ অভিজ্ঞতা লাভ করিতে পারিসক্ষেহ নাই। এক্ষণে দেখা আবদাক কি প্রকারে উক্তপ্রকার মহদশিতা লাভ করা বাইতে পারে। সং**নারে থা**কিরা সমা দপত্তের সাহাধ্যে বেংপ ভূরোদর্শন কবিরা খাকে সেকপ জার কোন বিষয়ে জন্মে না। অভএৰ মনোযোগদহারে সম্বাৰপত্ৰ পাঠ করা আবশাক। কিন্তু একণে অনেকেই ইংরাজ থিয়ে হইয়া দেশীয় म १५० ज এতি বীভশ্ৰদ্ধ ছইতেছেন। ইহাতে উ. कारतत मरक मरक विज्ञक्त जनकात्र সঞ্চটিত ছইতেছে। বিদেশীরদিশের আচার নীতি ও বছল পরিমাণে ফুতন সমাদ আন বেরপ উপকারের বিষয়, স্বদেশীয়গণের আচার ব্যবহার না জানা ডভোধিক অপ কারের বিষয় বলিতে ছইবে: অ মাদিগের আচার ব্যবহার দেশীয় স্থাদপত্তে যড পাওর: ষাইবে তত কখনই ট রাজী সম্বাদ পত্রে পাছো বাইবে ন'। অতএব নলো বোগদহকারে বাজ্যা সহাদপত্র পাঠ ক্রিয়া আমাদিলের জাচার ব্যবহারবিবরে অভিজ্ঞতা লাভ করা নর্বাত্যে কর্ত্ব্য।

শিক্ষাবিষয় আমাদিণের আর একটা
অভাব প্রকাশ পাইয়া থাকে: আমরা কাব্য
নাটকপ্রভৃতি শাস্ত্রের যত আলোচনা করিয়া
থাকি পুরার্ভ ওরভান্ত ব্যবহারত
ছ বজ্ঞ নপ্রভৃতি প্রয়োজনীয় শাস্ত্রের তত আলোচনা করি না। এন বে দেশীয় ভাষায়
যত কাব্য ও ন কৈ প্রণীত কইতেছে, তত কি
স্বাভিনি শাস্ত্রের প্রথমন হইতেছে?
\*আবাস্ত্রের আলোচনায় আমাদিশের ঘেপ্রকার যত্নশীল হওয়া উচিত, পুরার্ভ প্রভৃতি শাস্ত্রের অমুশীলনবিষয়েও দেই
প্রকার যত্নবান হওয়া বিধেয়।

বিদ্যালয়ে অধ্যয়নসময়েও আমাদিগের একটা বিশেষ ক্রটি ছইয়া থাকে: আমরা সমংস রর প্রায় সমুগার সমীই আলা ্য ভ বুথাকার্ব্যে অভিবাহিত করিয়া পরীকা সময়ে অফুচিত পরিপ্রাম করিতে প্রায় হইয়া থাকিং। হয় ত এডিরবজন প্রীয়ে ভার্ম হও

াতে দীষকাল দঠ ভাগ করিয়। থাকি। এই
প্রকার পাঠে ভাদুশ ফলোদর হর না। ইহাজে
পঠিত বিষরে বিশেষ ব্যুৎপজিলাভ করিতে
পারা বার না, কেবল শ ভোভাপাবীর দ
ন্যার ব্যাখ্যাগুলি কঠছ করা হয়। জামরা
বিদি সচেই হইয়া সহৎসরকাল নিয়মিডফ্রপ
পরিক্রমপূর্বক পাঠা বিশ্রগুলিতে ব্যুৎ
পতি লাভ করি, ভাহা হইলে জনেকা শে
হকল এগপ্ত হওরা বার সন্দেহ নাই।

একণে আমরা শিক্ষাবিষরে যেঁকপ অব্য বহিতে প্রকাশ করিতেছি, পরিণামে এত দারা বিস্তর অনিষ্ঠ সঙ্ঘটিত হইতে পারে। পঠদাশার নির্মিত্ত পরিশ্রম করিয়া আর শাক বিষয়ে বিশেষ ব্যুৎপজিলাভ করা কর্তব্য। তৎপরে বিদ্যালয় পরিত্যাগ করি য়াও পাঠে বিরত না হইয়া ভানগভ্ঞিত্ব সমূহ অধ্যরমপূর্বক বহদশিতা লাভ ক্রিয়া সংসারের উপযুক্ত হওয়া উচিত্ব।

আমাদিশের এই অস্তাবটা পাঠ করিয়া ब्यानितक मान कतिएक शादितम स्व. विवासित निकाना कतिया भरगाँदत शांकिशाह यक-দলিতা লা প্রকাক শিক্ষিত হওরা বাইজে পারে; কিন্তু ভারা নহে। পুর্বেই উল্লিখিড় करेग्राटक ८ग, निकाशकारम्ब (क्षेत्रक) अञ्चलका শিক্ষার ভিতিমা ন্যক্প, স্তরাং ইহাকে অবলম্বন না করিলে প্রব্রুত শিক্ষালাভ করা যাইতে, পারে না। বিশেষতঃ প্রথম প্রথম আবিশ্যক বিষয় শিক্ষা করিতে বিশেষৰূপ **डे जार ७ अधानमाग्र जाय एक करत ; 'बनग** लाइ करल शिकिश अधिश्रम करितल एका भ উৎসাহ ও অধ্যবসায়ের সঞ্চার ছইতে পারে, ঘরে বসিয়া এক:শী সধ্যয়ন করিলে সেক্প ছওয়া সম্ভাবিত নজে ; বিদ্যালয়ের শি<del>ক</del>া मित्राणी यक्ता । इंग्राटंड शप्तिरक्ता कित्र **रेक्ठ डे**ब निकामन्दित উপনীত इंडेटड इंड्रेटव : अंख व मर्या द्या विमानिताई सहमार्थाभगह्यादत भिक्ता कर ৰি.শ্ব কৰ্ব্য।

বিবিধাসংবাদ। ২২ এ পৌশ বোষবার। ্কিন্ত্র ক্ষেলাদিত হইয়া একাশ করিছেছি, २६ शत्रानात मनत व्यामिन वानु च्यामधन मूर्या পাধ্যার হুগলৈর ছোট আদালভের প্রভিনিধি ক্ষত হইর'টেন! কাপাডাডঃ ডিন মাসের নিমিক্ত ইনি প্রমন করিছেছেন। ইনি যেপ্রকার रेनाक, हेर्डाटक जै भट्ट प्यथवा छेश्व फुना कान डेक भाग जाती कविया नितन देशीत ७८५३ घरार्थ श्रुवकात रहा।

जावर्गरमञ्जे च्याका निवादका व्यानः ভাষার পরীকা দিয়া পুরস্কার কইবার পুর্বের श्राटक वन्द्रानीत निविनियान्यक नर्नाटक वन **छ डेरकम कागाम अवर डेउन्नम कागकाम**न সিবিলিরাননিগকে সন্নাথে হিল্পসানী ও পারস্য ভাষার পরীকা দিটেড হইবে। যাহায়া পরীকা দিবার নি.মন্ত ছট মাস বিদায় পাইবেন, ভাঁছা লিগের সেই সময় বার্কোল বলিয়া পারগণিত स्टेट्ब। काकाणि छ ७म ध्हेब्राट्ड : हेबाटक मिबि नियानगन् महारक्ष कालन कालन श्रितिर जिन ক্ষাধা শিক্ষা করিতে পারিবেন।

श्कात्। आधित नद्भातः। ও चाम्राखावनित क्षत मुक्तित कावहूल ब्रह्मन भी। व मियान। हुई ७७ ८नथाराटम भन्छ।मगमन कि.साटकनः नियात आधित माहिक माना कता है। हात आ खटशक हट ম্বাল্ড আন্তিম খা ওি হার পি বিব ভাগি করিয় रुप्त होन्या विष्याचन । भिष्य त व्यास्य मध्य क ८८७ व्यानक्कु इत्रहारक व्यावज्ञ तस्मन शिक्षनि व्यक्तिम् कतितात (४%) प्र व्यक्ति। अ अ ड व बाय व जा नहमन म रे क मिनान व्यान ालब आध्य महत्त्रव युक् इष्टेश्वारच । हेश्वारख काव भूग तश्यन भवारिक छ रहेग्राइस्य । प्रश्न यो निर्मात लि चत्र शतक्शत ५ (छोन पृरंग कार्ड)।

मिनिष्ठत अ। एक श्रेडिक् छ सहै इन यम ভাষ, হারা যায়, ভাষা হইলে ছিডীয় ও ভাঙীয় वात नकल लहेर्ड ४हेर्स भयान वैंडिं। किर् **হুইবে এপণ ড বিভ'য় ও ভূ**ভীয় বারের निभाष । कड़ेरे निएड हरेखन । **घ**डीय घाटन ७८६ क अ जुडीब वारव महर्थ स्म वं हो। कता ¦ কঞ্জব্য গেবর্ণমেটের পোষ্ট জ্বাফিলে পঞ্জ হারা <sup>†</sup> याहेद्र, छ। हारु मध्यक्रभ मनमाभावनदक षिष्ठन वाँठी लिएक स्टेरव : अन्य निष्ठांत न्हें।

রিবাস টমস্স সংহেব রাজ্ঞ্যনীবিভাগের প্রতিনিটি ক্ষিস্মর হইয়াছেন কুক্ষ্মগরের माक्रिकिने त्रम नार्ह्य निनाम विद्यान्त्रीकातः (क्ष, मनद्व) मार्ट्य कृष्णमत्तर्वत अविकारको 異義で出る |

মুঞ্জের গোরীজের চীকদোরগণ কিছু

मिन कार्याभका कतिहा कार्य, एक इंदेरामा अ भन्डान कर्त्वन विनया श्रीकाविकारणव व्यथाक का क र विकास हिए में माना माना किया है जा क अकत्रत महरफट्डम (व, डाँश्वां क्रिक वरमत कतिया कार्या कतिरवन । शिकाशावनान जा (बंधन भाम बनिश्राहे कर्ना छहात कर्त्रन।

मास्यादकात्र कार्यक कार्य वार्याक छिर्शाङ হওয়াতে কুষকগণ পলায়ন করিয়াছে। ভত্ততা भवर्गस्य कि विभिन्न कार्याक कार्यक्रम भूत-कात्रवक्रण ३० होका निष्ठ हास्यि। इक्ना -वर्षमारन शक लाकिनिगरक निरुष्ठ क्याएड अहेनकल व्यक्तिष्टे घटन। १६८७८७।

বোষাইরের বলিক্ সম্প্রদায় ও এতকেশীয় गछ। नाउ (मश्राक चाड़िनक्तम श्राम कति-ब्राट्डिन। लाख (मञ्जू हेश अहरनंद नमस्त विल য়াছেন, ডিনি সামান্য ক্ষমলোকশ্বরূপ ইহা লইলেন গ্ৰন্ত দিন ভিনি গ্ৰণ্ড ক্লেন্ড্ৰেল্ড পদ গ্রহণ না ধ্ববেন, ভতদিন উহিতি সামান ভত্র লোকের নায় জ্ঞান कदतन । लाख मात्र जाबाहरतात विश्व विनाम रयुवे গুল স্থাপিত করিয়া মান্দ্রাল মাত্রা করিয়া श्राट्डर ।

काचीरतव साक्ष्य कीय भुजारक भागम भिष्य ইবার নিমিত্ত এক কৌ স্বন ক বিয়া टें। 'देक काइंद काश का कि ब्रांट्राक । कर्यक জন উপদুক্ত কশাচারী রাজকুমারের সহায়তা कतिरवन। अहे को जिल याहा कतिरवन, फांच क्रान्त (करण इ. कार्य सिक्ट्रें अक्षेत्र म ज स्वाभीन মজিগণকৈ যেন বুঝিয়া স্থায়া । हर्ड्ड संयुक्ति कहा हम् :

#### २ • 🛎 (भीय महलवात्र

গত শ্ৰিবার রাণীগঞ্চে নটনের কুপ্রদের প্रीकः। रहेम्नाहिल । श्रयद्वात गलग्नि । इत्यम्कः राजुकार्यात्रपूर्व रखग्राट कल छेर्छ नाई। এই নল্ডারা আহিসিনিয়াতে अस्तक ऐभ কার হৃইয়াছিল :

রাজপুতনাএভৃতি স্থানের ছর্তিকনিবার ণার্থ ভারতব্যীয় গ্রেগ্মেট বেসকল উপায় ष्यवन्यमः कतिशाहिम, गतः द्वीत्रकाष्ठ नर्यद्ववाहे ভাগর সম্পূর্ণ অনুযোদন করিয়া এক পত্র निधियाद्वा । अहे भट्डा लिখिङ हरेग्नाट्ड व इक्तिकत मगरम भारति भारति (यमकन माहायः) দিনেন ভাষাতে ভাঁহর জমত চইরে না এমভ विश्वम कार्म शवर्गद्य एवेद छिशद्द श्रक्तिशानद्यत्र । विद्याद कार्यक । ভার পতিভ হয়, ইহা भीकात कहा। इইয়াছে (मालाव (र्मफ क्या क्या कार्यामक अस्तिमात हिंक खनाराक। हेई।

(गर्धकात्र ३ व्यामाष्ट्र वाट हेव " गामक 이프 완투기비 ፣

मार्साम्य **शर्याच्य वित्यम** क्षिम । किए ह ভেছি, এবার **बड शीका** र

**मञ्ज्ञकि किन सम**्द्राकोत कतिया मूलकान स्ट्रेटक क्लिक्ट बाल्ली কাছাকে বিন। ভাড়ার বাইবার চেট্রা পঞ্চাদে **जारामित्रत त्र मश्च व्हेश्वाद्य, श्वामिक श्वा** नियम छार एक कामखंड स्वैदा कारक्षम विजन অভঃচার্কারী ও অধিচারক বলিয়া গালি निवादक्षत । इंडेदबाशीदब्र मश्च श्रमावी नश्वास गटबंत व्यक्तांच्या स्टेट्या गटमार गाँह विश्व मर्त माधातरण कारसम विकटनत प्रमुख्याकन क विद्वन

মার্কে উল वर्गाटका नाट्यनिश्रमामः अक क्षम बादवादमम अदमक हाका हूदि याम । कात छहै। कम बाववामहक महत्तक करत है। वि কোন প্রকারে ভার্টেরেগের ছোম সপ্রমাণ রুট ব'র সভাবনা হা ঝাকাতে সে টাকার 🌬: উন্মান্ত হইরা একটা প্রাক্তনল বিষ্ণার লাই चात्ररामिशदकं छक्रकत काचा ठ कहिन्ना प হত। করিয়াছে। চেবিলারদিনের সম্মুখে वहें क' छ कहर : किंड (कहरें फोहाटक क्तिएक नाहनी इत माहे। श्रांतामास करहरू है के दिवा भी है का दे हैं वहा का मार एक स्वासीत क इन्हा कटन। भारत बाक्किशन किकिश्ना ক্ষণছে, কিন্তু काशांमरभव भीवनम स्वेग्नाइ ।

२ এ পৌৰ ৰুধহার।

किनिवारकः फिरवृक्ते स्वानव्रम कर्नम नात्मव शक्ष विष्मात्व भावकव्योप्त शबः काका निष्टात्म, कांत्रक्तर्यंत्र स्वत्म ्वेनिकाम त्थार्ड क्हेटन मन्त्री राधात र এक होका प्रिट्ड इट्टा चट्टि।यह क्षत्रि निवय स्टेडार्ट अवर अध्य

ভ'রতব্দীঃ माछ छात्र वितः

ाम करतमः

उट्टा कि ह

कि मिर्याकी

क मधावर्की

क मधावर्की

विक्र मार्टम

ता वर्षमात्म

हचीय (खिनम

नेया थः रकन।

विक्र स्थाप

डांश मिर्यास

मार्थका।

মরণ আছে, মুলমিটের রেক ার করিটন সাহেব গবর্ণমেশ্রের নিকটে কিছু ভিরিজ্ঞ টাকা পাইবার মিমিজ আদালত বছ রিয়া বলিয়াছিলেন, যত দিন টাফা না পাইবেন ত দিন কাজ করিবেন না ; ভিনি আরপ্ত প্রধান মিসনর কর্ণেল ফি চর সহিত অকারণ বিবাদ বিয়াছিলেন। এই বিষয় ভারতবর্ষীর গবর্ণ মটের গোচর হওয়াতে সর জন লরেল বলি হাছেন, বিচারপতি হইয়া এরকার ব্বেহার করা যাহার পর নাই অন্যায়। প্রধান ক্ষিসন রের বিষয়ে গবর্ণর জেনয়ল বলিয়াছেন, করিটন দাহেব ভাহাকে রুখা অপ্যান করিয়াছেন গাসনকারী কর্মচারীদিগের সন্মানরকা করা তই ভারতবন্ধীয় গবর্গমেশ্রেই দুচপ্রতিজ্ঞা। বিচারপতি এইপ্রকার জন্যার ব্বেহার করি

न. छाँ हारक नम् विक प्रश्व प्रस्ता । इरेट ।
इर्लिमान जिल्ल हरेष्ठ नरवाप शहेश —
र, नील क्ष्रित्तित निरूष कृषक परित्र शुनर्मार
वाप हरेबात छेलक्ष्म हरेष्ठ ए । नील करत्रा
रवृष्टि कतिता हन बरहे किन्न छांगा अर्थ । नील
र विलाम कृषक गर्व क्षर्य हिन्म हिन्म हिन्म । नील
र (सर्वाम हिर्मात कार्यात क्षर्य हिन्म हिन्म ।
रेटल विवाप नर्मा हरेद ।

সোমবার গবর্ধর জেনবুল কভক্ত লি এদে 
র ভার লোককে সমাদরপূর্দণি এইণ করির 
লন : উত্তরপশ্চিমাঞ্চল হই ডি কভক্ত লি 
ভার আফিসবগণ উপস্থিত কিলেন : সকলেই 
লৌর আফিসবগণ উপস্থিত কিলেন : সকলেই 
লৌর আফিসবদিগের বস্তুত ও সা- রিক ভাব 
ভারলানিত হই রাছিলে । দুত সর জন 
লোর নিকটে বিদার লই এ উপচোকন প্রদাদ 
হা লাভ েয়ের সহিত সাঞ্চাৎ করিয় 
ভানেশে গমন করিবেন।

ফুষিসমাজের গড় অধিবেশনদিবসে । বাবু হবচজ্র ছোষের মৃত্তে নিমিড প্রচক একটী মন্তব্য লিপি-ছা করিয়াছেন ।

ত এ পোন বৃহ্ম্প ভবার '
খণেড আনেরিকান বলিট জ্বাজ্ঞ পিবডি
লবিদ্রুদিনের রাহাধনাথ জ্বার
পদান ক/গ্রিছেন ৷ পিবডি
লম প্রতিবংসর
ন আমেরিকায়
কোবল লগুনের
শুগ্র ৩২ লক্ষ্

ভাইরের অপেকাও অথক দান করিতেছেন।
স্ক্রানের কারার উদ্যানে সর্বেরি কুই পশু
ও পদ্দী সংগ্রীভালন। কিন্ত আনরা ছংখিত
ইলান পভ ছই বংসাথের মধ্যে কভকণ্ডলি উভন
তে প্রানভাগে কাররাছে। চারিটী সিংহ ও
ভিনটী সুহংবায়ে এবং কভকণ্ডলি উভন ও
ছক্ষালে পদ্দী নই হইরাছে। রাজা এপর্ব,ভ
ইহানিবের পবিবর্গ্তে ভুতন জন্ত আনন্ত্রন করেন
নাই। রাজার উদ্যান বন্দদেশের একটী মনোহর
ছান ইহার সৌন্দর্য ক্রিলে অভিশন্ন ছংখের
হইবে। রাজা প্রভন জন্ত পাইলে ক্রের করিবর
ইচ্ছা প্রকাশ কবিরাছেন। কিন্ত কেবল ইচ্ছান্ন
কি হইবে ধ্যান করিরা আনন্ত্রন করিছে বালার বালীতে কভকণ্ডলি অভিশন্ন আদ্বর্ধা
ভ নানা বর্ণের উভন মারবল চীন হইতে আলি

২৬ এ পৌষ শুক্রবার।

ভারতবর্ষীর প্রথমেন্ট লেপ্টনান্ট গ্রব্র দেগের মাার প্রধান ক্ষিসনবলিগকেও অচি ক্রত ক্ষাচারী ও পেরাদাপ্রভৃতিকে পোনন দিবার ক্ষমতা দিয়াছেন। উছোরা কেবল ছয় মাসাজে পেন্দন ভোগীদিগের এক এক ভালিক। প্রের্ণ ক্রিবেন। প্রতেকে বিষয়ে ভারতবর্ষীয় গ্রব্ধনেন্টের মত লইডে বিলম্ব হওরাতে এই আজ্ঞা হইরাছে।

সোমবার বাবু হরচজ্ঞবোবেব স্মরণার্থ টউন হালে এক সভা হয়। বিচারপতি নশ্মণ সভা পতির আসনগ্রহণ করিয়াছিলেন। প্রায় ছট শত ইউরোপীয় ও এত্দ্ধেশীয় ভদ্রলোক উপ স্থিত ছিলেন। ইউরোপীয়নিগের মধ্যে ইডেন ফগান, গভান, সিটনকার প্রভৃতি সাহেবের। ছলেন। সাধাবণ চাণাগারা হরচফ্রযোধেন একটা সম্পূর্ণ চিত্রিত প্রতিমূর্ত্তি করা সকলেন মত হইয়াছে: উলু র হইলে সেই টাকা প্রদেশী দাভবা সভার হত্তে দেওয়া হইবে। হরচজ্রঘোষ গ্রাথ স্থাবন্ধ পাত্র ছিলেন। তিনি বজ্সমাজে মিজিভ হইছেন না। তথাপি সর্কসাধারণে ভালার ভদ্রভা প্র দক্ষভা জানিয়া মৃত্যুর প্র এই কুডজ্ঞ ভা প্রকাশ করিভেছেন।

পটেনায় দিন দিন খাদয়েব্যস্কল অভিশন্ত ভূম লং হইতেছে।

মাজাকের বাড়লালয়ের বাড়লদিগতে বংসারের ফুডন দিবসে ভোজা দেওয়া ষ্ট্রা ছল!

#### ২৭ পৌষ শনিবার।

ষরহাজনামক যে বাক্তি কণ্ডেন তথাল সকে বিদ্রোহকালে বধ করিয়াছিল বলিয়া কালীকাঠে প্রাণ্ডগো কবিয়াছে, ভাহার মৃত্ত্র সময়ে এক জন ইউরোপীয় ভদ্রবাকে মৃচ্ছা গিয়াছিলেন। ইহাতে মফখলাইট ক্রোধায়িত হুইয়া বলিয়াছেন, এসকল লোকের ফ':লী দেখিতে বাওয়া অভিশয় অন্যায়। অবশ্য। এক জন ভারতব্যীয়েব মৃত্যুদর্শনে ছঃখিড হুওয়্যুইউরোপীয়েব পক্ষে অভিশয় নিদ্যার বিশ্বা ভারতব্য অসিতে ইইলে আর ্লয়ার প্রয়োজন কি আছে?

### ইউরোপীয় সমাচার।

লগুন ৩০ এ ভিসেব্র। তুরক্ষ ও এীদের বিষাদক্ষনার্য ২রা ভাসুদ্বারি পারিসে ছুড সভা হইবে। গেসেলিডে আর ৫০.০০ তুরক সৈন্য রাখিবার আঞ্চা হইরাছে।

ক্ষিউৰা দীলে অনেক সাহাৰ(কারী ক্লেনীর ইসন্য প্রেরিড হইডেছে।

৩১ এ ডিসেরর : তুরস্ক ও গ্রীসের বিবাদ ভঞ্জন ক্টবার সম্ভাবনা ক্টডেছে।

জিটের বিজে। ধীরা ইন সিস বাস্পীয় ভাষাল অপনি করিয়াছে। ভাষার। ইহাকে, জলমগ্ন করে নাই । কেবল সাইরাভে জাটক করিয়া বাবি গুছিল।

১ল। আস্থারি ১৮৬৯। প্রথমেণ্ট সাধ্য সরিক রাজবের হিসাব প্রকাশ করিয়াছেন। গতবর্ষে সর্বাস্ত ৭১,৮৬•৬,৭৭• টাকা আয় হইরাছে। শুল্ক, স্থাম্প ও ভাবঘরে হিসাব অপেকা ৬৪,৪•,••• টাকা কম । কিন্তু সম্পত্তি হইতে ৩ কোটি টাকা ও বাজে আগায় বন্ধপ ৬৭.১১,৬১• টাকা অধিক আয়ু হইগ্লাছে।

অদ্য মাডরিড হইতে যে টে.লগ্রাম আসি য়াছে, তাহাতে জানা যাইজেছে, মালাগাড়ে বিজ্ঞাহের সভাবনা হওয়াতে সেনাপাত কাবে লারোদ তথায় সামরিক আইন প্রচাব করিয়া দেন। ৭৮০ অস্ত্রধারী বিলোহী গড় করিয়া অ'আরকা করিতে প্রস্তুত হইতেছে।

হৰ জামুয়ারি। শেপন হইতে শেষ যে টেলি গ্রাম আসিয়াছে ডজারা জানা বাইজেকে, সেনা পতি কাধেলারোস মালাগার বিজ্ঞাহীদিগকে পরাজিত করিয়া পুনর্মার লাজিস্থাপন করিয়া ছেন।

ত্রারে**ও** গারণী কোম্পানির নামে নালীক ছইবে।

কাপ্তেন লাবাল মন্তিয়ার আপাডতঃ গব বিচাড মেইনের প্রজিনিধি ইইয়াছেন। কন স্থান্তিনেপোল হইডে গত কল্যের এক টেলি মানে আনা বাইডেচে, দুভসভায় প্রতিনিধি প্রেরণনিমিত গতকলা স্থান্তানকে আহ্বান হয় ইইয়াচে। লোকে বলিডেছেন, ফুয়াদ পালা বৃত হইয়া এই সভায় ব ইবেন। দুভসভার প্রথম অধিবেশন কবে হইবে ভাহা অদ্যাপ বের হয় নাই।

গত কলা সমাট নেপলিয়ন টুলয়াবিস বাদীতে একটা বজুত। করিয়াছেন। বজুতা কালে তিনি বলিয়াছেন, এক্ষণে ইউবোপীয় র জগণ পরস্পরের সাহত সৌহার্দ্ধ রক্ষাব নিমিত্ত যে চেষ্টা পাইয়া খাকেন, ভাগা অভিশয় মুখকর। এই ইক্ষা খাকিলে যাবতীয় কুট প্রায়ের মীমাংসা ইটতে পারে। সমাই আশা করিয়াছিল, '১৮৬৮ অকের নগায় ১৮৬৯ অক্ষেশান্তি বঞ্চায় খাকিবে। সভা ভাতির প্রক্ষেশান্তি কভিনয় প্রের্ডনীয়।

৪ ঠা জালুয়ারি । ৯ ই পারিদে ভুক সুকা হইবে স্থির হইরাছে। আরল লেয়েগুন ও ডিউক অব বকিঙংান বাজনীতির মুলবিবংয় একনত হইয়াছেন।

\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_

## গবর্ণ মেন্ট বিজ্ঞাপন। বন্দদেশীয় লেপ্টনন্টগবর্ণরের আদেশাসুসারী নিয়োগ।

৩০ এ ডিলেখন ১৮৬৮। যে দিবস জি: ই, মাকগিল সাহেব খীয় কার্য। ভ'র এইণ করিয়াছেন, দেই দিন অবধি ডিনি মেদনীপুরের মিউনিসিপালিটির সহকারী সভাপতি হই বেন।

কাপ্তেন এচ. ভবলিউ গার্শিট্ আরে, ই বর্জানের এক জন মিউনিসিপাল কমিসর ইুইই বেন।

স'ভকীর উপবিভাগের অন্তর্গত প্রীপুর গ্রাম সম্প্রতি যে লাভবা চিকিৎসালয় স্থাপিত কইয়াকে, নিম্নলিখিত ভদ্ধ লোকেরা সেই চিকিৎ সালয় চালাইবাব নিমিত্ত সভাবত ক্ইবেন।

बीवुक बाबु (शार्वज्ञहन्त्र (श्रव)

- क (ज'लीनाथ कता
- । हाकहर ऋवस्थ गाहा थ
- » दिबाइत्य वाश् ।
- ० खन्नानी नहस्त्र मदकातः।

যুভদিন এচ বাগকোর সাহেব বিদার লইয়া ভালুপজিত খা কাবেন, ভাত দিন জি. এ, পিশর সাহেব চল্লুই ও চট্টগ্রামের প্রতিনিধি অভি-রৈক্ত জ্ঞাইট্রেন।

পি, নোলান সাহেৰ ফরিদপুরের সর রেজি ট্রাব ্রেইবেন '

যত দিন বাবু চন্দ্রকিশোর রায় বিদায় লইয়া অমুপস্থিত পাকিবেন ততে দিন বাবু বর্দা প্রসন্ত দোম বি. এল চট্টগ্রামের অন্তর্গত হাঠহাঞাবির প্রতিনিধ মুশ্লেফ ইইবেন।

যত দিন মোলবী সমাউদ্দিন বিদায় লইরা অনুপত্তিত থাকিলেন, তত দিন বাবু জাগতজু গঙ্গোপাধায় বি, এল, বীর্ভুষের জতুর্গত জান ধাড়াব প্রতিনিধি মুক্তেফ হবৈন।

ই, ভবলিউ, মলোনি দাহেব রাজসাহী বিভা পের প্রতিনিধি কমিসনর হুই বন।

বাবু গুরুপ্রসাদ সেন মালদহের দাওব্য চিক্রিংগালয়ের সভাব অন্যভর সভা ইইবেন।

৪ ঠা জালুয়ারি ১৮৬৯। নিমুলিখিত ভার লোকেরা ঘশোষ্ট্রের বিদ্যালিক। সভার সভাঃ হইবেন। এ, আনলি সাহেব। বাবু নধীনচক্ষ্ৰ সেন বি এ।

» प्रक्रियाद्यमाप्त वस्तु वि, अतः

ট্টি, বি, লেন সাহেব বেৰেণিউ শোডে র প্রতিনিধি সেক্রেটারী হটবেন।

আর, এল, মাজনস্ সাহের রেবেণিউ বোডের প্রজিনিধি কনিষ্ঠ গেক্রেটারি হইবেন। কটকের ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি জালে ইর বারু চক্রনেধর বক্ল্যোপাধ্যার কেন্দরা পাড়া উপবিভাগের ভার পাইরা কটকে ১৮৬৮ অন্দের ৯ ইআইনজন্মনারে কালেইরের ক্ষমতা পাইবেন।

জে, এস, জারমইও সাহেব কটকের প্রতি নিধি জাইণ্ট মাজিটেট ও তেপুটি কালেটর হইদেন।

টি, এম, কার্কউভসাহের দ্বিভীয় শ্রেণির প্রতিনিধি জাইন্ট মাজিটেট ও ডেপুট কালে-কুর হইবেন। ডিনি আরও কটকের কমিসন-রের বিশেষ সহকারী হইবেন।

ষে দিবস ভৰলিউ, ভৰলিউ, হণ্টাৰ সাহেব ইউরোপ ইইডে বিদায়াজে ভারতবর্গে প্রতাগ গমন করিয়াছেন, সেই দিবসাবদি ভিনি বীর্ভু মির সহকারী মাজিটেট ও কালেইর হইবেন। কিন্তু আপাভতঃ ষ্টাম্প ও ষ্টেসনরির প্রভি নিবি স্থপরিনেট্ডেণ্ট হইবেন।

চতুর্থ চক্রবাড়ের বেবিণিউ সর্বেয়র লেপ্ট নতি ভবলিউ, ক্লে. ষ্ট ওয়াট ১৮৩৩ অন্দের ১ আইনঅসুসারে ২৪ প্রগণার ভেপুটি কালে ষ্ট্রের ক্ষরতা পাইবেন।

যত দিম এফ. আর, কক্রেল সাহেব সরকারী বার্যোপলক্ষে অন্পদস্থ থাকিবেন, ততদিন এচ. বেল সাহেব প্রতিনিধি লিগাল রিমেছা লব ক্টবেন।

জে, মনবাে সাহেব নদীয়াতে প্রথম ত্রেশির প্রতিনিধি মাজিটেট ও কালেইর হইতেন।

যত দিন বাবু পঞ্চনন বন্দোপাধ্যায় বিদায় লইয়া অমুপস্থিত থাকিবেন তত দিন বাবু ল্যামধন মুখোপাধ্যায় ভ্গলী জীবামপুর ও চুঁচুড়ার লিবিরের ছোট আদালতের প্রতিনিধি জল্ল হইবেন।

পবলিকওয়ার্ক ডিপার্টিমেন্ট দার্ঘিণের এরূপ বিদ্যার ৩ এ ডিনেশ্ব ১৮৬৮। চ্ছুর্প শ্রেণির দের বিষয় সন্দেহ নাই।

अक्जिक्डिंगिव है श्रिनिश्व हिंगे, अ, फ फ्लिशट्व :৮৬৮ व्यक्त ३० हे फिर्ग रेक्स्टल जिल्ल विकारगढ़ कांत्र काहन कहि एक्न।

যত্তদিন এফ, এম, এবারেশ: সাঁহের বি
লইয়া অমুপজ্জি থাকিবেন, তত্ত
বিতীর আেশির একসিকিউটিব ইঞ্চি
জি, ডবলিউ, বিবিয়ান সাহেব (যিনি সম্ম ইউরোপ হইতে পীড়া নিবন্ধন বিদায়াত প্রতাগনন করিয়াছেন) হুগলী নদী বিভাগে প্রতিনিধি একসিকিউটিব ইঞ্জিনিয়া হুইবেন

8 की खाल्याति ३৮%क। विजीय (खोरि गरकाती देशिनियत वातु मरश्मित्य वक्क कि निरमत खमा (मनाहे इंमरविक्टिशमान स्वेटफ रिकान विजारभ वसनी स्वेटका।

काकिनिया स्ट्रेट अक जन निर्विद्याः (छन:---

----

১। तक्र शृहतत (यसा ) ता क्रांक्साति क्रवित कातक इहेसाएक। अहे भागाय विकास इक्षी, क्रव, (११), मध्य. छेळे अक्रिक विक्रास क्रांति साइक। (यस मश्चार कास श्वाकरत। भागांत्र कार्यः (सन इहेटन, फ विवस महानास्त्र भागेक वर्गरक कानाहर क हेक्का विश्व।

হা এখানকার দ্বিভীয় ভূম।ধিকারী বারু কৈলাসগঞ্জন বাল চৌরী গত ৫ই পৌৰ প্রভূগ্রসময়ে প্রাণভাগে করিয়াছেন। কৈলাপ বারু অল্লাহসেই ফেরপে স্কাণ্ডের আধার হইয়া উঠিয়াছিলেন, ইন কিছুদিন জীবিভ পাকিলে কাকিনীয় ও রঙ্গপুরবালী অনগণের অনের উন্নভিসন্তাবনা ছিল।নিদারণ কাল ভাঁহাকে একালেই গ্রাস করিয়া আমানের সে আলে উন্নভিত্ত করিল।

ত। কয়েক দিন হইল, রাজসাহী বিং
পাঠশালাসমূহের ইনস্পেটর বাবু কাল
মুখোশাধায় ও কাকিনীয়ার বর্তমান ব
বাবু মহিমারজন রায় চৌধুরী জ্ঞাত্তা
ও বালিকা জালে উপাস্থত হইয়া পরী
করিয়া সজোষলাভ করিয়াছেন। মহি
বায় চৌধুরী ইতিমধ্যেই ছই দিবল শংলি
লয়ে উপস্থিত হইয়া ছাত্রীগা
দিয়ু কিছু পুরক্ষারবিজ্ঞান করি।
দার্ঘিগের এক্লপ বিদ্যান্ত্রাগ স
দেয় বিষয় সন্দেহ নাই।

,ভছে। গভ বংগর এই স্কুল হইতে ভিন ছাত্র প্রবেশিকা পরীকার উত্তীর্ণ হইয়াছে, ন্ধেও রঙ্গুর জুল হইতে পাচ অব ছাত্র দ পরীকাধী হইয়া কৃঞ্নগর কালেকে গমন हाटक्त । त्रम्भूत कृतः यथन स्मीमात्रिक्तः रिन हिन, उथन किन किन खरन उहें कृष्टि ाहत्र इहेल, अक्टान शवर्गरमट्डित ख्रांचियारम বং প্রধান শিক্ষ জীযুক্ত বাবু চক্সনাথ ভট্টা ার্ষ্যের বড়ের সমধিক উন্নতিলাভ করিভেচে।

c। এই व्याम मरश्र अक्षी भूकरत्रत्र कात्रशांना · करवक्षी भागभूकविनी शाकारङ बारमर श्टनक व्यमिष्टे नाविक इट्रेटफ्ट्। नर्वामा ने অপরিকৃত জলালয়গুলির বাস্পরালিও পুক त्त्व भन भूटखात स्थिति श्रीभक्ष त्रभूनांत्र स्थाटकह ্পীড়া জন্মিয়া থাকে। আমরা কাকিনীয়ার ভূম্য ृधिकात्री महामरम्ब निकटे मासूनरम् शार्थना ः कति, स्य मञ्चरत ध्ये मकल प्रस्थितिया पृतः कतिया क्षामवानी विकारक चाच्छा इट्टब इची करून।

আ্মাদিপের কোরহাটিস্থ সংবাদ-माणा निथिशाष्ट्रनः—

श्चात्र वरत्रवाधिक काम चाछीफ इहेल, किछ श्य हिटेख्यी व्यक्तित यत्राजिनाय को हा निया থামে গুভকরীনামী একটি সভা প্রতিষ্ঠিত मित्रमितिरात की विका, **⊅हेब्राट्ड। नि**दाखाय 'ৰদ্যাশিকা ও চিকিৎসা প্রভৃতি বিষয়ে সাহাব্য कता अवर श्रास्त्रास्त्राह्मभारत भथ, घाँहे, शुक् বৈণীপ্রকৃতির সংস্কারও পরিকার করা শুভ कतीत উष्ट्रमा। উष्ट्रमा (यज्ञान) महर, मजाही ।চরস্থারিনী হইর। ভদপুরপ কার্য।সাধন করিতে পারিলে ইচাছারা দেশের সমধিক মঞ্চল হইবার সক্ষাৰনা। উক্ত গ্ৰামনিবাদী বাবু দ্বারকানাথ।

· এই সভা স্থাপনের প্রধান উদ্যোগী কোর সময় ইহার বাধিক অধিবেশন অভি াাহ্সহ্কারে হইয়া সিয়াছে। শুভক্রীর ব্যয়ও অন্যান্য নিয়মাদিস্থকো আংগা বিস্থারিভরূপে লিংশতে আমাদিগের ना त्रहिल ।

ই। মংশার : আমায়রাপি, সি, এস ধানীত ্তির বাঞ্জা এনটোুন্স কোনের ভয় আংশের এথপুস্তক পাঠ প্রীভিলাভ করিলাম - অন্যান্য -

৪ । রক্তপুর আচুলের দিন দিন উর্ভত বাক্তি । সমাস, বিশেষঃ, াবশেষণ, কিল্ডেদ, শব্দার্থ ममख कठिन वारकात बराचरा, मरख छ बहन, हे। उहात्र कृत्रालाल हहें एक नामा श्रमान के इंग्ल, প্রভৃতির লক্ষণ বিশদরূপে সন্ধিৰেশিত হুইয়াছে। কঠিন কঠিন অংশ ভ বাক্য সমূহের অর্থ করি भाव कारण ध्रथरम फोश्रापत माधातन कर्य এবং তৎপরে তত্তত্ত্বলৈ কি অর্থ ও ভাব প্রকা শভ হইভেছে, প্রণেভা ভৎসমুদায় বুঝাইয়া দিতে বিলক্ষণ প্রয়াস পাইয়াছেন, ভঞ্চিয়ে কৃত : कार्याख स्हेबारहन, विनय्क स्हेर्य।

> ष्यामद्रा व्ययमक विकाकाद्रदक (पश्चिट्ड शाहे, ভাঁহারা কেবল পুন্তকন্ত্রিড বাঙ্গলার মাত্র অংশ पा**जू अ मभाम याहारिज वालकशरन**त कथेक हुन्न ভাণারই চেষ্টা করেন গ বিদ্যাশিক্ষার প্রকৃত **উদ্দেশ্**র প্রতি বড় একটা লক্ষ্য রাখেন না স্থুতরাং ভাষাদের অবলম্বিত উক্ষবিধ উপায় **বারা যে ছাত্রদিগের প্রকৃত প্রস্তাবে কিছুই** উপকার হয় না ভাগা অবশ্যই স্বীকার করিতে **হটবে ৷ কিন্ত জাম**রা যে অপপুল্ডকের বিষয় বলিভেছি, তাহা সে অভিশায়ে লিখিত হয় নাই। এখানি প্রধেতাব পরিভাষশীলতা ও মন্ত্রসন্ধিৎসার বিলক্ষণ সাক্ষ্য প্রদান করিছেছে वाशास्त्र विश्वविद्यानस्त्रत अस्विनका भर्तीकार्थी দিগের উত্যরূপ শিক্ষা ও অল্লায়াদে জ্ঞান নাভ হয়, প্রস্থকার তদ্বিবিঘ্ননী চেষ্ঠার ফ্রটি করেন নাই। এই অর্থপুস্তক ঢাকা স্থলভয়ন্তে মুদ্রিত চইয়াছে।

ইভিপুর্নের আমরা কাঁচাদিয়া পোষ্ঠ আফি **मिव जिल्ली (ल!क्टे बाक्टेट दादू लाल साइन द**हे ব্যাল মহাশ্যের অমকুশলভা ও কার্যানিপুণভার বিষয় সোমপ্রকাশে প্রকাশ করিয়াছিলাম। শুনিয়া আজ্লাদিত হটলাম, কর্তুপক্ষ উাহার বেভন ১০ টাকা রুদ্ধি করিয়া দিয়াছেন। গুণে: পুबञ्चाद भा बहेरल कि इन्न?

भाग मञ्जारम् व्यक्ताकः मेरताको विमानस्यः वार्षिक भर्तीका (भव इइ्झा शियाद्र । এ বা⊲ बहै विमानम स्टेट इरे अन हाल हाली ब्रुलिव পরীক্ষা প্রদান করিয়াছেন অস্ক্রীশ্বর করুন ইহার। উভয়েই কুত্কার্ঘা হউন।

আমাদিগের তমোলুকছ সংবাদ-मांका निधियाद्व।

মত हेश जार्शिक कटलाश्याञ्चक । (य. এथ.नकात हेश्वाकि विद्यालदात श्रह्मिकी। भाकु, भावर्थ, कविक, तुर वाहा, । नार्थ भूत महावाह निवामिनी दिन किटेकियनी महनात्र पूर्व इरेबान विरूप महावना।

अभिष्ठी तानी प्रश्निष्ठी এक कालीन १० ७ जिल **ब्रि**युक्त वर्षमानाधिनकि २६ होका साम कति ब्राह्म। मश्ताक वाराष्ट्रं अधानकात माखना हिकिएनाम्एइत निमिश्व अक कालीन ६० हाका मान कतियारहरू। डांश मरशत अहे मारनत विभिन्न **काम**ा (इन्ने किन नाम। तरिलाम।

२। किन्नम्बन इहेन, अमिनी शुरत्रत कारन টার 🗟 যুক্ত বেনল্ডস্সাহেব মহাশয় ভামো লুকের অবস্থা দর্শনার্থ আগমন করিয়াভিলেন ! जार्यक शका खाँहात भनावम् छ हहेश्री अ वरम-(वत करवव विवस्त किकिश क्षमुक्त बल्ला वस्त्र कतिएख क्षाधना कतिशाद्रिन। किञ्च रेक এখনও ত কিছুই শুনিকে পাইলাম না। ভরুদ। করি সাত্রের মহোদয় প্রজাদিগের দৈবছর্কিপাক জনত বিপুদ ক্ষতির দিকে দৃষ্টি রাখিয়৷ একটু मनग्र इट्टबन ।

 कारमञ्जूत मरकाम अथानकाम देश्याणी বিদ্যালয়ে কভিপয় ভোনীর পরীকা গ্রহণ করিয়া विष्य मध्ये द्देश निष्टाद्वन ।

 ८। अ वरमञ्ज अधानकात वक्र विमानित्स একটা ছাত্র ছাত্ররাজি পরীকাতে উর্ত্তীৰ হট্ द्वारङ कि हु वृद्धि शास्त्र क्यू माहे। हेरताकी াবিদ্যালয়ের দিকে বোধ হয় শনির দৃষ্টি পতিত ≢ইয়াছে ৷ উপযু; পরি ভিন বৎসরই কোন বালক প্রবেশিকা পরীক্ষ'ডে উত্তীর্ণ ইইডে পারে নাই।

 क श्राह्म कांक्रेम खरेडन अपिक উচ্চ মুল্যে বিক্রীত । ইডেছে। পরে কিরুপ नाष्ट्राप्त बना यात्र ना।

व्यामामिर्गत काननाष्ट्र मश्वाममाञा লিখিয়াছেনঃ---

विर्मिष कानरम्मत विषय् एर, अधानकात उन्हान भवाखरी क्रायहे केंद्रक हहेरकर ; यथन ब्रहेवः मत हैशत वरः क्रम हरेए जिला, ज्यान जात मौध ইহার পভন হইবার সম্ভাবনা দেখি না। একনে একসী উপাসনাগৃহ প্রস্তুত করিবার উদ্যোগ হইতেছে। বৰ্জ্মানাধিপতিব নিকট সাহায প্রাপনা করায় ভিনি ২৫ টাকা দান করিয়াছেন, अम्यामः भन्नः मञ्ज व्यक्तिश्रमण्ड विद्यास भागायः করিতেছেন। মাধারা দানে অস্পীকৃত হইয়া ছেন উল্লাল মুদ্রাপ্রদান করিয়া এই ২৬ ভ কার্য্য সম্পন্ন করুন। শুনিতেছি, কলিকাভার कामि लोकानवारकात श्रामा काठारी। महान्दस्त भाक्तारित गहिल श्रकान कतिरलि विकृति जल्लान निवास श्रार्थन। कतिरवन। किनि अ विवृद्ध यूक्करक, इरखद्वार जकाशास्त्र

क्षांवकात क्षेत्रपातात मार्छत मारकात विषय पारा शृर्ट्स त्यामध्यकारण तथ्या इहेताहिल, क्षांवभाउ इहेलाम (बङ्गल अवर्शमणे, इहेर्ड अर्था बारनत क्षांकिकिकिव हेक्शिनशास्त्र निकर्ष पक्तना शक्त क्षांतिशाह्य । कहे बारत मारकाणी श्राह्य इहेर्ड डोहोत मुरुक्त नाहे।

এধানকার বন জনল ও পুছরিণীপ্রভৃতি পরিকার থাকাভেই বোধ হয় এবার পীড়ার ভাদৃণ প্রায়ভাব দেখা ঘাইভেছে না। যদিও ওলাউঠা ও বসন্ত রোগে কেই কেই আক্রান্ত হইভেছেন, কিন্তা কাহারই জীবন বিনষ্ঠ ইই ভেছেনা। বিশ্বর এ দেশের প্রভি. এইরপ প্রদান থাকেন ইহা আমাদের একান্ত প্রার্থনা।

পুলিব ইনস্পেটর বাবু রামরেণু ঘোষ
মহাশরের মুখে শুনা গেল এবার এজঞ্চলে
অর্জেক মাত্র শাস, জান্মগ্রাছে। জনেক কৃষকও
ইহা ব্যক্ত কার্য়া থাকে। এরপ স্থলে এ দেশ
হইতে বাহাতে রপ্তানি না হয়, ভাহা করাই
কপ্তরা। চাউলের দর এমন সময়ে খেরপ থাকে,
এ বার ভাষা অপেকা বেসি। ক্রমে আয়প্ত রুজ
হইতেছে। এখন ভাল চাউল ২॥১০ আন।
মন্দ্র চাউল ২,০।২ ১/ রক্মে পাওয়া যায় না

কয়ে চ দিন হইল এখানকার মিলনরি স্কুলের
বালকগণের পানীকা হইয়া বিয়াছে। অবধারিত
দিবসে রেবরেও মেগদলেন সাহেব উপাইও
হইতে না পারায় ডেপুটা মাজিটেট জীয়ুজ
হারকানাথ দে বাহায়র বালকগণের পরীকা
করেন, কি ৪ সে দেন পুরস্কারাবতরণ হইল না ।
দর্শকগণ হ্যপূন্য হইয়া প্রজিগমন করেন । পর
দিন সাহেব আলিয়া বাকলগণকে পুরস্কার
দেন। ডেপুগি বাবু একটা নেডেল দিয়াছেন।

আমর। তেপুটা বাবুর কার্য, প্রবালী দর্শন করিয়া তঁলার বেবয়ে কিছু না লিখিয়া কোন মতে কান্ত থাকিতে পারিলাম না দেখা খাই তেছে যে. এই বিচারপতি মহাশরের সকল বিষ রেই বিশেষ দৃষ্টি আছে। আমে বন জঙ্গল না খাকে, তজ্জন্য বিশেষ চেষ্টা করিতেছেন। রাজ্য প্রক্রের জন্য বিশেষ চেষ্টা করিতেছেন। রাজ্য প্রক্রের জন্য চেষ্টা করিয়া থাকেন। ইনি এরপ বিবেচনাপুর্নক লাইসেল টাঙ্গ ধার্য্য করিয়াছেন, যে ভাহাতে একটাও আপিল হয় নাই, অথচ করের স্থানতা হয় নাই। বর্জমানের মাজিটেট হেরিলন সাহেব তজ্জনা বিশেষ তৃষ্ট হইয়া ইহাকে পত্র লিখিয়াছেন যে, ইহার কার্য্য প্রবালী নিভান্ত শ্রীতিকর। নিকটন্থ কোন এামে প্রীভার সন্ধান শ্রীনিভান্ত শ্রীতিকর। নিকটন্থ কোন এামে প্রীভার সন্ধান শ্রীনিভান্ত শ্রীতিকর। নিকটন্থ কোন এামে

পার করিয়া খানেন। গ্রামের অবস্থা, স্থানের অংশা ও প্রজার অবস্থানি দশন করা বিচা প্রজিদিগের বেদন কর্ত্তা ভাষা ইনি করিয়া খানেন। ইহার শাসনপ্রকালী প্রলংসনীয়। এরপ বিচারপতি এখানে দীবকাল অবস্থান করেন, ইহা প্রায় সকল লোকেই প্রার্থনা করিয়া খানেন।

আমাদিগের আত্তিয়াত সংবাদ-দাতা লিখিয়াছেনঃ—

১। মহালয় । সম্প্রতি স্থাবাঘাটের ভিপ্রী मास्त्रिके महाभएपुत्र निकंत्र এकी हमश्कात मकसमात विहात रहेशा शिश्वाद्य । विवत्न अहे करम्रक मिन खञीख रहेन, बानाचार्टेंब जाकचर्य পশ্চিম প্রদেশ হইডে একটি বালি আসে, যখন ডাকমুসি বাবু ঐ বিষয়সম্বন্ধে লেখা পড়া করেন তৎকালে ভত্রভা আবগারির দারগা মহানয় ঐ স্থানে উপস্থিত ছিলেন। পোষ্ট মাইর বাবু পুলিন্দাটী ভারি ও নরম দেবিরা সহসা আঞ্চ र्वाचिक रहेरलम এवर करकनार जारनव साम्रा জানিতে পারিদেন যে, উহাতে আফিন রহি য়াছে। আফিন এক্লপ করিয়া ভাকে আসা রাজনিয়মবিরুদ্ধ জানিরা ইতস্তত ्वर्त्त्वम्या कशिएकर्ह्न, अम्राज्य मग्रा कावलातित मायुगा महानय कोष्ट्रवाद्याख हहेया में यात ুগরেপ্তার করিলেন। ভাকষর হইতে দাবগা रावुटक अकाकी माल ना मिश्रा याहार नारम अ দ্ৰঃ আসিয়াছিল, মূলি বাবুডাহার আলয়ে পত্রবাহকের দারা পাঠাইয়া দেন, দারগা মধাশয়ও উচার পদ্যাৎ পশ্চাৎ গমন করেন। खिनलाम नामा ऋड वर्डाक ( त्वान इस श्रुटकी बानिए भारतिहा। ये माल ७ भद्धवास्त स्थम মতি প্রদান করিয়াছিলেন কিন্তু দার্গা মহাশয় ঐ ব্যক্তিকে দ্রবাসমেত কৌজনারিতে অর্পন कर्तन । फिल्की वाबु वाहात निक्रे इंटेएंड अहं वाकि व्यामियाहिन, खाशातक अधारन व्यामाहेवा मक्फ्रमात এই विठात कि लिन य, य वाकि कहुक हेहा (थाविड हेहेब्राइ छ:होत २०० आवर যাহার নামে আংসিরাছে ভাছার ২৫০ স্ক্সিমেড ৫ - • छोका छेखन्न भएक कांत्रमाना इहेन. अदर अ होका आवधात्रिह महिमा अवर इवक्याटक প্রস্কারশ্বরূপ (দক্র) वहेल, এ মৃকদ্মার কি রূপ বিচার হইয়াছে পাঠকগণ সহজে অনুভব করিছে পারেন। আমাদিগের মতে ঐ জান্তি मानात्र . किम्रम्थन उज्रेख प्रस्थाताः कार्यप्रभः डांकपूर्णि व्यवुक वावू लक्ष वहस प्रख बेहान्यात्म

হা রাণাখাটের মিউনী ানিটার কর্ত্ত এক্ষণে কিছুই হইতেছে না। নালা স্থানা এবিবর্ণী নিমিন্ত তার তা প্রথান্য ভিপুটী মাজিটেট নালা রামান্তর তার প্রথান্য ভিপুটী মাজিটেট নালা রামান্তর সেন মহানায়কে অহরোধ করিতেছি, তিনি খেন ইহাতে উলাদীন নালা হইয়া বাহাতে কার্যাগুলি স্থানররপে ও সন্তরে সম্পান ভাষা ভাষাত্ত বিষয়ে যম্বান হন। ইনার নিমিন্ত আর্ক্তি হৈ আমালিগের লেখনীধারণ করিতে না হয়

৩। ইতিপূর্বে আহুলিয়া প্রামের অকল
পরিকারের নিমিন্ত অব্রভ্য হিতৈষিণী নভা
হইতে যে রিপোট রাণাঘাটের ডিঃ মাজিটেট বাবুর সমীশে পাঠান হইয়াছিল এডদিবস পরে ভাহার হুকুম মালিয়াছে। ডিপুটা বাবু পুলিব ধারা প্রামে নোটাশ ঝারি করিয়া ১ সপ্তাহের মধ্যে সমুদ্ধ জন্স পরিকার করিয়া ১ সপ্তাহের মধ্যে সমুদ্ধ জন্স পরিকার করিয়া দিয়াছেন। আমরা এবিষধ্যের নিমিন্ত উল্লিখিত হিতৈষী মহেল্ব্যের নিকট এলাভ অকুগুলীত হইলাম।

শুনিয়া আশ্চর্ণ বিভ হইলাম, বে গভকা একটি পভিবিহীনা নীচজাভীয় রমনী রানা। তের এক অর্থকাবের আপেনে কএক খানি চেনু কর্ণাভরন বিএয় করিতে গিয়া ধরা পাছয়াবে এই রমনী পুর্বো ঐ নগরের কোন এক জৈন ম বিগ গৃহত্ত্বে আলিয়ে কর্মা করিছে। তথা ইই এই দ্রবা গুলি আল্লেমাৎ করিয়া বিক্রম্ম করি উদ্যাভ ইয়াছিল। শুনিলাম বি অর্থকা ছরা ঐ আভ্রনগুলি নির্দ্ধিত হয়। সেই চিনিতে পাবিয়া গ ছফ্ডিব্রো কামিনীকে পুরি গ্রম্পনি করিয়াছে। পুলিষ ইহার ভবত্তে বি রূপ নিযুক্ত ইইয়াছেন।

৫। এপ্রাদেশে ওলাউঠা একপ্রকারী বন ক্ইয়াছে। প্রর্নাপেকা বোগীর সংখ্যা হ জন্ম। কেবল স্থানাস্করে ২।৪ টার স পাওয়া বাইজেছে। যালা ক্টক এই আহি প্রজানাশক পীড়া নিঃদেশিত হইলেই ম বিষয় কয়।

৬। আফুলিয়াহিতৈবিনী সভার, ফক্ত প্রতি সম্পাদকের বিনীতভাবে নিবেদ মে, ভাঁহাক লখ দাভব্য টাকা ত্বরায় ইয়া সভার উৎসাহ বর্জন করেন একটী বি শ্রুষ হিতকর বিষয়ের নিজিত একাত অধ্বন্যক হইয়াছে। উপসংহ মরা বারাকপুর ও তরিকটন্থ প্রামসমূহের

য় মহোদয়ানিগকে আনাইতেছি বে সংপ্রতি

যুক্ত বাবু কা মাধ্যাপ্রসাদ মুখোপাধ্যায় মহা

কে বারাকপুরে ব একেন্ট পাদে নিযুক্ত করা

রাছে। ইনি তত্র ডা রেলওরে ষ্টেশনের হেড

হংক্লার্ক পদে প্রতিষ্ঠিত আছেন। অভ্যান

শৈমভিপ্রদান করিয়াছেন ভাঁছারা অল্লাই প্রকাক

নিংসন্দেহিতে উক্ত বাবুর হস্তে টাকা দিয়া

স্মান্ত আক্রিভরসিদ গ্রহণ করিবেন।

. —:•া— প্রোরিত।

## ৰান্যৰর শ্রীযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক

महाभन्न ममीत्भवृ।

২৯ অঞ্জারণ জ্যোঞ্চাসাকোন্থ বঙ্গবিদ্যাল ক্ষেত্র চতুর্থ সাংবৎসরিক পরিভোষিক বিভরণ কাৰ্য্য সমাহিত হটলা বিল্লালয়ট **क्षथरम সামান্য পাঠ খালার ন্যায় সম্পাদক** মণিমাধৰ মুখোপাধ্যম মহালয়ের ৰাটীডে ীযুক্ত কুবনমোহন তেওয়ারি মহাশয়কর্তৃক ं एडिक रहा। (जलहादि महामझ दह्यदि ए রিঞামে এক বংসর কালের মধ্যে উহার ্শেষ উন্নতি করেন। ভৎপরে প্রাত্যহিক া**ৰেৰ ভৰাবধায়ৰ এ**যুক্ত প্ৰভাপচন্দ্ৰ চ**লে** ও स्नोच मलिक छेखरम व्यक्तक व मन्नावटकर ধাভার প্রাপ্ত ক্ইরা সাভিশয় উৎসাক্ষণ-ट्र विजीव वश्मट्र भारभागातित कार्ता धुक উन्नेष्ठि करत्न। छ००रव क्लांन कात्र । ७: উल्लिच अ का कियान या या भाग छहा प्र गएक क्वांकान रिका निवाती जीवक समयान মুখোপাধ্যায় ও মণিমাধ্ব 🖝 গোওঁবিহারী মল্লিক অগ্যক্ষ, সম্পাদক ও काती मण्यामालय कार्य। अवन कतिया अन স্তুচাক্তরপে উহার কাখ্যসমাধা করিয়া বভেচেন উহারা পাঠশালাটির অনেক त व्यक्ति मृत् क विद्याद्या अवश् विमा क्रवाहेबात अनालीभकन ब्राम्भ सम्मत প্রবার্কত করিয়াছেন যে, এক্সনে পাঠশা क अवर्षि विष्णु लग्न व लग्न ज्ञानन। कतिरल য় হর না। এফ্রানের অনেক সভাওে বংক্তি রা পুরের উত্তম নিদ্যালয় ভালাবে বিস্তব भिक्तक नियुक्त कविहा वासका<sup>। बटक</sup> व व ' क्यभ्रात कता हे एक ते, कें। हार्य कहे कर्ग ब्रम्रालद्वितिक मिन्नरहे भारेहा वाभन मखानिविश्व अरे शातिह े शाठाहेशा

গাকেন। এখানে অসুনে ৬৽; ৭০ জন ছাত্রে; व्यक्तिरमहे अप्रवर्गीय। श्रास्त्रक वामकत्क व्यवश्रात्त्रातः ॥ । । । व्याना कविष्ठा (वर्षम मिट हम् अवर करबकार इःची वालक विन! বেতনেও পাঠ করিয়া খাকে। ছুই জন শিক क्ति मर्था अक **सन पश्चिष्ठ ज्य**नी ९ मश्कृष्टका অপরটি **নর্মাল ছুলের** ছাত্র। বিদ্যাল মটি পাঁচ জেণিতে বিজ্ঞা, প্রথম জেণির বাল निरात है जिहा म अ अवस्विना निष्य नुष्यि । **इटेग्नाट्ड अवर व्यक्षक महामन्न छ मिक्कि**न গকে যেরূপ যম্বান দেখিতে পাওয়া যায় ভাষতে বিলক্ষণ বোধ ষ্টভেছে যে, আগামী বংসরে প্রথম জেণির ছাত্রেরা বঙ্গালা ছাত্র ইজির পরীকাদানে সমর্থ হইবে। সভ্যাদক महामरয়त সর্বাদ। শারীরিক অস্তুত্তাত্ত্ত কার্যব্যাঘাত হইবার আশক্ষায় গভ আবেণ মাসাবধি ত্রীযুক্ত উপেন্দ্রনাথ মলিককে দিভীয় महकादी मण्यामकथाम नियुक्त करा इहेब्राट्ड এবং তিনি বিশেষ যদ্ধের সহিত বিদ্যালয়ের ভত্তাবধানে সর্বনা ব্যব্র থাকেন, পারিভোষিক विष्ठत्रव উপলক্ষে बिक्षेष्ट् व्यानक खप्रस्थाक উপস্থিত ছিলেন এবং জীযুক্ত বনমালী সেন মহাশয় সভাপতির আসন এহণ করিয়া সহজে वालकिंगरक भारिए। धिक विख्तन करत्न।

>२१ क २२ शोष

মহাশয় ! কভকগুলি সন্ধ্ৰয় বজ্জির প্ৰভূত राष त्य रक्ष भाषांत अज्ञाश खीत्र कि स्हेन्नाह ৰোধ হয় ভাছা কাহরই অবিদিত নাই। ঐ সদা শহেরানানাভাষর এছ অসুবাদ এবং चौह খীয় বুদ্ধির চালনাভারা বছতর পুস্তক **ञ्चन क्षकाम क**क्षिन्न व**क्षीव्रमिर**शत এवर বঙ্গভাষার অনেক অভাব পরিপূরণ করিয়া-ছেন। এমন কি, তাঁছারা ধদি এক্লপ ধর না করি ক খন ই বাঙ্গাল:কে ज्ञामाञ्चरमा धनमा क्या याहेल मा। हेश्ट्रम्य मट्या क्रम (क्रम् এক্সপ কভগুলি পুস্তকপ্রচারে নিযুক্ত হট্টাছেন বাহা সম্পন্ন হওয়া বস্তকালসাপেক্ষঃ কিন্তু "मञ्चा कीवन कनकाती अवर चारताव হিত যখন যভটুকু পার। শায়, ভাছাই সম্পন্ন कता छात ? बहे महर वाटकात वनवर्ती इडेग्रा, ইগরা আবলছিত বিষয়ের যখন ষ্টটুকু পারি ভেচেন, ভাহাই জনসমাজে প্রচার করিতে (इन। देशांट अंधिहे (य. नुसारक्षत अस्तिक खेलकाञ्च माधिक क्हेंटब, काहाटक आंत्र मुहम्मह

এই প্রস্তাবের যথার্যতাপ্রতিপাদনজন টেলিমেকস এবং ছড়োম পোঁচার নক্ষা গৃচীত চইতে পারে। ঐ গ্রন্থ রচন্নিভারা পরে ছই তিন ভাগ কেন এবত্র প্রচার করন না ভাগতে কাহা রই আপত্তি নাই কিন্তু ভাঁহারা প্রথম বারে যত গুলি গ্রন্থের যে অংশ একাশিত করেন পর বারে প্রচারের সময়ে ততগুলি গ্রন্থের গৈই অংশ পরিত্যাগ করিয়া প্রচারিত করিলেই ভাল হয়। এই বিধয়ে উজ্ঞ মহামতির। দৃষ্টিগাত করেন ইহাই আমাদিগের একা ও অভিলাধ।

(स्थान) वालगारी ५० हे (भीव ১२१৫ क्रिक्ट्योत गतकात।

সম্পাদক মহালয় ' আমরা সামান্য কৃষ্চ স্ত্রাম। আমরা আসহার দ্রিয়াও নিভাত বিদ্যালোক বিরুহিত। আমরা ছর্ভাগ্যক্রমে আমাদিগের রাজপ্রতিনিধির রাজভবন অর্থাৎ भवर्षके इंडिएम्स উख्याद्यम १। म महिल মাত্র অস্ত্রে অব্স্থিত হইয়াও বোধ হয়, যেন কোন নৃশংস জনর অন্। র'চারী পূর্লভন মুসল মান শাসনকারী অপেকা ভয়ানক নিঙুর রাজা ধিকাঃভুক্ত হইয়া অঞ্জবিসক্তন করিয়াকালা खिलाउ कविएडिडि। नम्लानक महान्य, बलिब কি যে (কাল) কুত্রিম কেখা পড়ার নিমিত্ত আমাদিসের রাজ্ঞী ধৃঠিন পরিশ্রমসভিত দ্বিপা-खन ध्यद्भ प्रश्विभाग कतिहार्द्धन (मह इक्क क्रोभाव व्यव्दरः वामित्रिय প্রবর্তিত ইউতেছে।। আমরা সামানা কুবক व्याभारमञ्ज्ञ व्यवका महानारतत मृतमनी महत्वन অনুক্ষিত নহে: আজি আমাদের ধান্য কোক इहेब्रा वाकी कृष्टे (क्यां ९ इहेब्रा (अस) आखि

विश्वे कृतिक विश्ववेद्य करण। अधिक बहेश क्षेत्र वाकि कामाइतम् नात्व विभाग कट्टा या शासक होता । भाषि श्रीतिकाश गमन सागिताहर । सासि समिना किल-कानि अहेत्रारेकः कर्मकन्द्राई कामान्त्रिरेशन वानि ( अरे जूस कम कुलिय ) है। की करेंद्र बहेल !!! गण्यावक वंशानवीं कायक हीने होते जावाद्वाय त्रकम मिट्यू विनम । देशव कि छन्। ब्राह्म नारे? जामना निकाल प्राची जानान्त्रमंत्र जर्वे महि, (माक्यन मारे, अवगां बारे, उदव (म बिरंकि ক্ষেত্র জ্বনতি ভর্গবিদ্ধপ<sub>া</sub> জালসি এ व्यवस्थातम् । अधिकृषा क्रिया यसि वस्तु वस्तु लिथनी यात्र कटतन, छाष्ट्रा इंडेटलरे आधारितक किष्मिर छेनाइ स्टेट्ड नाटड । जानमाइ इंडटन · प्यमित्रा नेवनापम हरेनाम। प्यामारमञ्जू अहे साम ২৪ গরগণার অন্তর্গত আলিপুর আলাকট্রিড व्यग्नीमञ्च। देशात नाम वाक्रामवश्वक भूक् वीक्रमा বেলওয়ের বেলঘরিয়া টেলনের নিজ উত্তর शार्षा जावता यूथ, जिसक जाव कि किसिय: वाबाख्यक नगरस नगरस महानगरक नम्छ क्यां जारम कानावेव ७ माकार कड़िया अकान जान मात्र अञ्चारस्य छिन्द्र निर्कत्र कतिया (भीषका-लित (वला) व्यागता बार्कत मिर्क ह निमान । श्रीशकिश्व मधन महरखनीय (धाय, मश्रीमहरू मधन, खुष नाथ भाम, जीशम मधन पूषनाथ धाय में र वाम् रमवल्य ) ३५ ई (भीष

--:0:---

সর্নসাধারণকে শিক্ষাপ্রদান ক্রা উচিত कि ना, এই विषय् लहेबा आखि कालि (ब्रज्जभ गोनर्याभ स्टेरफरह, खांध कति कर्ना क्या िनय नहेवा छाष्ट्रम हरेटफ्टइ सा। एक्ट्रक्ट यरमन, जाभावत गांधावन्यक जिल्ला करा নিভান্ত আবশ্যক। কেই কেই বলেন, ভাহা बरह है कोतन बर्खमान कारण कांग्रेजबर्स है (बन्नेश व्यवज्ञा काहारक के क व वर्ग व्यक्ति व स्थाप विमाधानम कतिया च च चार्कीय वायमात्र श्री ত্যাগ করাতেই জীবনোপায়ের নিমিত্ত অভি भव कहे भारेटकटहम । देशंत क्रिम्दत काक्षत निम्रास्थिनित्र लाक्षित्रत्व भिक्तिल क्रिया फोलाता । प्रति देक (अनिवृत्र माक्तितात प्रमुक्त क्रिया याचा आंडीस यावशास्त्रक्त (कृषिकार्याक्षक्षि) भतिकामा करतः याश हरेटन 'দেশের ঘোরতর অনিষ্ট । ক্রহার। আরক वरमन (स, विम) निका केतिहरू बसुरमात ''चका विकः प्रचल्लाहा स्राप्ता । प्रकल्पन निम्रासनित ल्लाइकत्री विकारकाकमण्यांत्र इक्ट्रेट्च छाष्ट्र रस्त्र छ

प्रकारत स्वाकितान समिति । स्वश्रीर क्षत्र क्षात्रका जात (व नाजन वर्ष्ट्रक क्षत्रिक्र देवा बादमा बाह्य द्वीरम ७ व्यापन महत्त्व प्रतिकात हैकिएक कृषिकारी कतिएक सामग्र रहेत्व हैसा विचान एवं ना । ध्राया नामान जनाहे विकारिककीत क्षाम केटकमा, अहे शरकात स (म्रांन नेवह म स्ट्रेशा दक्षे (जनावकात क्लाहरूका (में असन के निटबंग, देश वंक क्यांक्टरीक विस्त नद्दर्भ कावा मध्यम् अनुस्था मध्यम् अस्य मानिएय, ७७ मिन विमानिकाल शहर मुन विशिक्षित विश्वक्रम क्षित्री (में क्षेत्र के वाशिक्ष नटका याराष्ट्रा आधार्यन्तरक लिकिक क्या लेकाच जावन क वित्रशं श्राहकत, खाशक (बर्क महात जिल्ला किल मध्य बहुताहरू । के शहर यक्ति विम्याभिकाविष्टम् अक्षेत्रक स्टेबाटकन वर्ड क्षि किस्र स्वाही अस्त्रका कहिएन विकिद्धं सर्वनाथां स्टब्सं विद्या विका विक क्रिक क्रिके शास्त्रम माहै। (कर् क्रिक बस्तम, अवर्गामा मान्यान कार्यान कार्यान कार्यान कार्यान कार्यान निष्ठ बोकाटण लोटक प्रम्हाभूकीक विद्यारमाङ लीक बेक्रवीन स्टेक्सरेड अवर देश बाता अ मरन श्रकारणका व्यक्ति शतियात्व विम्तारकावमात इक्ति हरेगोर्ट । जन्म अन (महे अनानी रुष्टे केन्द्र क्री गरकात कतिरम सामगः काकादाह अधिव विक कम लाक हरेटर । हेर्नेह अर्थानसम्ब डीशीता पश्चिमाकारमय वर्णमूर्तक भिकामान श्रमानीय श्रक्तिका करिया करून त्व. ् मा पारम् तमक्षकाम ७ फोड़माबाबा अक विश्मक्ति वर्त्रहर यांका क्षेत्रादक, बक्दमरण श्रुटकी छ । श्रीटक ५३ अकामन प्रश्नादय कार्श व्यद्भाम क्ष्युं न व्यक्ति क्लाक रहेब्राइ । व्यक्ति (कर (कर क्टल्य, (य ভারভন্তর্যে বিদ্যাশিক্ষাবিষয়ে ৰেল্প অনুংসাহিতা ভাষাতে বৰ্ড্ৰান প্ৰণালীয় উপর এক কালে নির্ভর করিলে শন্ত বংসরেও

उत्सम्भाग क्षानिक इत्या इत्याधा । डीहा मिर्ग्य मरण वन्नभूर्यक भिकानमध्यनाली व्यवन यम कराहे (व्ययः । डीहारा अञ्चल अक्षि कर्टिन नि राम क्षाविक करिएक होट्डन स्य यमि स्मान निम्न (व्यनीच वाक्षि व्यालमात महानमनटक व्यवध्यन क्रिएक ना शांठाय, कांडा हहेट्डा जाहारक प्रश्चन क्रिएक ना शांठाय, कांडा हहेट्डा जाहारक प्रश्चन नीय हहेट्ड हहेट्डा क्षाव हिराम क्षाव मिना मिराय समा क्षाव कर्य मा क्षाव क्षाव क्षाव व्याल नामिट्डाय मामवर्गिक विमाधिय हान शांठाहेट्डा मा अहे बारकार मनर्थन क्षायता क्रिएक भारत नाम क्षाव कर्या मनर्थन क्षायता क्रिएक भारत नाम क्षाव कर्या मनर्थन क्षायता क्रिएक भारत

क्या रक्षा भागमा कछ।क स्विद्धिक (द, ' क्षितित्र क्षिकितिरश्च अरथा यागरत्व कि जर्जा चान, बाराता जाननात महानगर विकाशकाक करादेवात निविध कविराम यह रहेकी, बार्ड : यांडी राष्ट्रक, रम्भूक्क भिका क्षेत्री विन्द्र समाज्य यापीन प्रायमी विकेष, ख्यालि व देवटम विमाविषदम् जाः भित्र केपोनिया प्रष्टे इस, मिचाइन क्रिक्स अन्तर व्यवस्था कर्ता है व्यक्तिकार है। क्रिक्ट (का रप्त । किन्न जारकरशत विषय और ८व, वाहाव बेक्का मण नियाद्यमः, जाशाता केक विषदः यारक्षेत्र ,निश्चिक किष्टूरे व्हित कतिरेख भारतम नारे। त्म बाप्न क्याचा स्ट्रेट्ड स्ट्रेट अवर काहातः ক্ষে পভিত ংইবে, ভাষার কিছুই সীমাৎসা 🛥 भर्याच कता रोर् नार्डे । तास्त्रभूक्त्वनिद्वनंत भट्ट मसुनीय राष्ट्र क्योभीत्रियात्र स्टब्स ल्प्डिस एउसा উচিত এবং ভয়ান; ভাষারা প্রস্তাব করিয়াছেন (य. कृतिनश्काक करतेत्र केशत अक्रकता २ इ.ह. शकः क्रमृक्षि कविद्रम समक्त त्राप्त निकार इरेट्य । **শ্বতি অন্ন** দিব্স হইল, কোন এ**তদে**শীয় বি<u>ঞ্চ</u> वाक्षि विज्ञारहम (य कार्तरम मिन्नरअभिक्र) লোকদিগকৈ শিক্ষিত ক্রিব'র জনা বে ৯০ লক্ষ্য **केकि** विश्वतिक ब्रम्म **कावनाक फाना**त महन् अन् मक्त है। का अभीमातिमरगृत छ २२ मक्त है। का রাজার ক্ষেল নিকেশ করা বিধেয়। তিনি এই। ब्रन कलना कहाएक दोका 🤏 ब्रमीमात केलारव्यहरू धमरमात जास्त्र अहेर्द्रम् मटम ह नाई । किन्न क्या श्रेटबंटर वह डिकंप्र भक्त डें:श्रामिट्यन मध्य प्यरम (कांशा हरेएड निरंबन? बाका कि শীয় কোক रहेर्ड 9**5**2 পৰ কি ভাঁহারদিলের স্ঞাত ধন হইতে: উহা मिटवन १ पनि काशः इष्तः, कद्व औ क्रिक्ट्रक वित्नचण्ड श्रेष्ठावकात्री महामहत्क सामद्वा मुक अंख धनावीन धनीन कति । किन्नु वक्काउः खाना হইৰার নহে। যিনি বাছা ৰজুন ও যাত কিছু करूम, व्यवस्थित समाप्त कारहे (महे ही) व प्रः र গৃহহীন নিমুখ্রেণিস্থ হতভাগ্যদিগ্রের স্বস্তুক নিক্ষিপ্ত হৈৰে ভাহার আবে কিঞ্মিয়ালৈ সংগ माहे। काउ अर मर्नाटका सहसाशहराती आर्थ শ্বের বছপার নির্দারণ কবির। পরিদেশ্বে (अनिष् लाकनिरात सिकानानविष्टः इस्टर कड़ा विरमञ्ज

২৪ এ পৌষ}

**a:--**

সহাশয় ! জাপনকার ১৬ ই জারাঃ গোমপ্রকাশে হিন্দু জাতির স্ত্রী প্রক্ষাের

্প্রতি পরস্পারের ভাব ও ব্যবহায়বিবস্থক াকটী লোক পাঠ করিয়া যার পর নাই লাদিত হইলাম। লোকগুলি জী পুরুবের পুর সমজ, অকপট প্রণয় এবং আন্তরিক 🎆 ইভ্যাদির বিলক্ষণ পরিচয় দিয়াছে। পূর্বা হিন্দু আলভির মধ্যে যে এরপ বিভাৰ **ুলিভা প্রধার ছিল, ভদিবারে অণুমাত্র সংশেষ** 🏂 : আর আপনি উপদংগারকালে বলি-्रीट्डन थि इनामीखम काटन छुताशाम ও मान्स ্বাদি দোষের প্রান্তবি হওয়াতে উপরিউক্ত কুত্ৰের বছ ব্যতিক্রম ঘটিয়াছে; ইহাও ্লীকার করি। কিন্তু মহাশয় কি বিবেচনা করেন ষ্টিয়, যেখানে **সু**ৱাপান ও লাম্পটালি দেষে নাই, তথার জীপুরুবের অকৃত্রিম প্রণর ও সরলতা নিশ্চরাই আছে ? আরে জী পুরুষ উভয়ের रिरुक्त हति अ स्ट्रेलिंट् कि विमन धानश हरा? পামি বলি ভাষা নহে। উভয়ের ধর্মগ্রহিত সনোবৃত্তি ও অভাব ইত্যাদির সম্পূর্ণ না ইউক अदनकार्यं अकल्यं ना स्ट्रेंग अवर शतन्त्रदत्र প্রতি পরস্পরের প্রথম হইডেই স্নেহ করিবার हेळा ना खबाहेत्स कथनहे यथार्थ क्षत हय ना । আ্মাদিগের সমালের বর্তমান অবস্থার সহিত ্রার্ডন অবস্থার তুলনা করিতে গেলে অনে-্রীনেক পত্নিবর্ত্ত লক্ষিত হয়। পুরাকালে দ্রীজা--চরা পুরুষের ন্যায় সুশিক্ষা প্রাপ্ত চইডেন এবং अंहांसिरशत करमकाश्रम वाधीनका हिल र विरम ষভঃ ভিৎকালে বিবাহবিষয়ে পিতা মাতার বিশেষী আধিপতা ছিল না। যেমন অসূত পুরুষ গণ আপন মনোমত রূপগুণসম্পন্না শাত্রী ल्ब्ब्रिंगक्तान कहिया महानीच क्रिडिंग, महेन्नर्भ অনুদ্রা কামনীগণও আপন ইচ্ছামত পতি মনোনীত করিতেন এবং পরস্পারের মন পর-শিশ্বে ভারুবজু ংইলে পিডামাতাবা আবীয় প্রজনের সাহাদে। পরিনয়কার্য্য সম্প**র হইত**। পরি শ্রু কি প্রাণ ৬৫° খানী ও সংখ্**র্মণী শব্দের** জার্থ কি ুর্গ তাহাদিকের বিলক্ষণ **হাদরক্ষ** সন্মের্নাই! একলে উভয়ের প্রকৃত ना बेहरव (कन? अनुना छेनति छेक য়ের বিশ্রীত ভাব দেখা বাইতেছে। क्षित्र मार्गा निका धाराई गाई, विवारहत ্ত কথাই নাই। পিডা মাডার হতে কম্ 🛩 বিধা**হ ভার সম্পুর্ণ নিপতিভে র**ঞ্চিয়াছে । অনীতিবৰীয় পাত্ৰের সহিত বালিকা কন্যার পরিবয়সহন্ধ স্থির ৮ ছন এবং পাত্র সম্বংশসম্ভ বলিয়া করুভার্থ জ্ঞান করিভেছেন। কেছবা

दशःक्षा अन्यक्षनमन्त्राक्षमात्रं महिक अन्त्रीतं শিশুর বিবাহ দিয়া নিজ কুলের গৌরবর্ত্তি করিভেছেন। কোন কোন বিদ্যাবান সঞ্চার্যত্র পুরুণসম্পন্ন ধুবা সামাজিক রীডাস্করোধে কুৎসিতা নিপ্তাৰা ব্ৰাণীর পাণিপ্ৰহণ করিতে বাধ্য হইতেছেন। হয় ত কোন বালক আৰু সহ কারে বিদ্যাধ্যয়ন করিতেছেন গ্রয়ঃক্রম পরিণত क्हें(ल ' मत्नव मण " छी । विद्या विदाह कति (यन कल्लना कविद्या ताथिबाटहर्न । ও निटक्रीनहर्गा ভাঁহার পিতা বিবাহের সম্বন্ধ স্থির করিলেন। বালক সম্পূর্ণ অনিচ্ছাদত্ত্বেও পিতার অহুরোধ लक्षम क्रिएक शाहित्यम मा, दिएनसं वादशहाः মুসারে এবং স্বাভাবিক লক্ষ্যাবনতঃ ভাবী জীট্ বয়ংক্রম আক্রতি এবং লেখা পড়াপ্রভৃতির বিষয় কাছাকেও কিছু জিজ্ঞাসা করিতে পান্নি লেম মা ৷ মনে ভাবিলেন, পিতা কখন মন্দ পাজীর সহিত বিবাহ দিবেন না। পারে শুক্ত দৃষ্ঠির সময়ে যেসন বৈত্রেভাস্কারে প্রণয়িনীর প্রতি দুর্বিপাত করিলেন, অম.ন এক কদাকরি ভীষণ মুর্ত্তি বাঁহার নরমপথে পত্তিত হইল। পাত্রের হৃৎ কম্প হৃইতে লাগিল এবং বাসর গুচকে বমালয় বিবেচনা হইতে লাগিল। সম্পা पक महानम् । जामानिरभत हिन्सु आजित मधा এই जाल विवाहरे विख्त रहेएडएइ, अमन कि, পুরা কার্লের ন্যায় আর একটা বিবাহ ক্রিয়াও সম্পন হইতে দেখা যায় নাঃ হতরাং এক্ৰে যাথাৰ্থ দাম্পত্য প্ৰণয় অভি বিরল। এডছারা অমার এরপ বলা ইইডেছে না যে, অধুনা হিন্দু জাতির মধে জ্ঞী পুরুষের পবিক্র প্রন্যু ও স্থলতা নাই। ফলতঃ আমাদিগের বভ্নান বিবাহবিধি যে অনেক সচরিত্র व्यक्ति ७ व्यासक स्मीमा व्रमीटक देवकारमव প্ৰম সুখদায়ক দাম্পত্য প্ৰণয় হইতে ৰঞ্চিত করিতেভে এবং সমুদ্**য় জীবন ক্লেশময় ক**রি তেছে, ভাহাতে অগুমাত্র সন্দেহ নাই। কস্যচিৎ भिनी भुत

পাঠকস্য ३५ हे भीय

मुनाथाथि। গ্ৰীযুক্তবাৰু দীননাথ বড়ুয়া (ভলপুর ১৮৬৯ जाञ्चराति स्टेर्फ ज्न " মহেন্দ্ৰনাথ বস্তু ১৮৬৯ জালুরারি হইতে ডিলেবর 30 " ব্রজনাথ রায় वक्रमभूत ১৮৬৮ ডিদেশ্ব ইইন্ডে ৬৯ মে হরকুষার সরকার রাগপুরবোয়ালিয়া

LENG WINGITA PECE TOURS े देनमात्रहासाम् (संग्रहण 30 » मन्यक्रवंग शास्त्र हाउटचाला

#### (मामश्रकाणमः कांच्र करत्रकी ্বিশেষ নিরম।

विश्वम पूत्रा ७ फाकमाञ्चल मां शाहरत मक-ষ্টেল লোমপ্রকাশ প্রেরণ কর। বায় মা।

देशंत काविम मूला वार्तिक ३० होका अवर वान्।त्रिक सा॰ होकाः समयदन खाक्सांकुतः नरम् वार्षिक ३७, यान्। निक १ अवर देखमा-গিক ৩৮ : তিন মাদের স্থানে অঞ্জিম মূল্য धर्ग करा यात्र मा। इकि, वतां कि हिंदी, मनि-व्यक्त , (नांवे ও श्राप्त विकित्ते, देशत कानाकत याहोटक क्रीहात छ्विथा हत्त. जिमि ताहे केशाह ীদ্বারা মূল্য প্রেরণ করিবেন**া** 

খাঁহারা স্থাম্পটিকিট পাঠাইবেন, হাঁহার: (यन এक प्राचेत) ज्यांथ ज्यानात जिथिक मृत्नात  **इत्रीरमं क्रिकें (क्षेत्रण मा करतम**।

ৰখন যিনি মফস্বল হইতে সোমপ্রকানেও भूमा भागाहरवंन, खाहा (यन द्विखिक्टींब कविशा জীযুক্ত ছারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-हेम्रा (पन ।

যাঁহাদিপের মূল্য দিবার সমন্ন অতীত হইখা আসিবে, একমাসপুসের डीशंबिशत्क िंडि লিখিয়া জানান ঘাইৰে, কাল জভীত চইয়া গেলেও এক বার চিঠি লেখা হইবে, ভাহার পর একমাসকাল প্রতীকা করিয়া কাপজ বন্ধ করা যাইবে। শেষ বারের পঞ্জ বেল্লারিং পাঠান हहेर्द ।

মার্ডলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেলনের ডাক ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীগ্র পাইব।

गौराक्षा भारून ना निशा भजानि ध्यतन करि विन, डाहामिट्शत स्मरे भाजामि अहन कता गहित्व ना।

क्रिशं (नामध्यकारन विकासन मिएड हेम्हा করিলে ভাঁছাকে প্রথম ভিন বার প্রভিশংকি 🗸 আনা ভাষার পর 🖊 ১০ আনা দিতে হইবে। धिनि अधिक कांग विख्यानन मिनात देखा केन्द्रि-বেন, ভাহার সহিত শতর বলোবত হইবে 🕷

क्क अहे गाँव कविकासाह स्वीकित गुर्ना बाखना दहराबटवर जानामूत्र दिन्नटनर र कन हाक्षि त्थापाय अधिक बात्रकानाच विकार कृषर नत्र वाहिएक अफिरमामनात्र आकाकारम श्रकानिक इत्र ।

# (अयिक्निक

) भ **जा**ता।

7 . MEAL!

## " प्रवस्तरां प्रकृति इताय पार्थवः सरस्ततो श्रुतिमहती न हीयतां।"

যাসিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বাধিক ১০ দশ অগ্রিম বাণ্যাসিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা।

मन ३२१८। ७ हे माच । ३৮७৯ । ३৮६ कांसुझाति

্ব মৰ্ক্তালে মাস্থলসমেক জীৱিম বাৰ্ষিক ১৩ বাণ্যাসিক ৭, ও বৈত্ৰমাসিক ৩৭০ টাক।

#### বিজ্ঞাপন।

#### रेक्टेलियाम द्रामक्ट्या

খাদ্য শৃত্য, আটা ও মন্ত্রদার ভাঙা ক্যাইবার বিষয়।

আগামী ১৩ই জানুয়ারি এবং ওদর্বধি থাদ্য শৃদ্য, আটা ও ময়দা অনুনে একমণ যত দূর যাউক, ভাহার বিশেষ ভাড়া প্রতি মাইলে প্রত্যেক মণে এক পাইল্লের অন্তমাংশ হইবে।

ভাগলপুরের নিম্নের কোন ষ্টেশন কটতে ভাগলপুরে বা তর্মে কটক, অথবা ভাগলপুর ত তাক্তর উর্জিতনস্থ কোন ষ্টেশন ক্টভে অধি কতর উর্জে কটক এবং দিল্লীও ভারলপুরে মধ্যে শ্লেরে বে গ্লনাগ্যন ক্টক ভারাতেও এই নির্মাধাটিবে।

যদি পূর্ণের রিশুড করা না ছের, এই নির্ম ১৫ ই মাঘ পর্যাল্ড চলিবে।

বোড অব এঞেলি
ইট্টাওয়া বেলওরে
ডেলহাউনী স্বোয়ার
কলিকাজা ১৮৬৮
ইটিদেশ্ব :

> ক্রীপ্রসরকুমার দাস দেব একেন্ট মনিঅভার আগিস কলিকাভ:—

स्तिमाण है र तर विलागरत ১৮७৯ जरणत श्रविका भरीकाथी मर्गत भागमार्थ अवगी त्वानी करा इंदर । वाहाता छेहारण श्रविष्ठे इंद्रा जरात्रदातत योगना करतन, छाहाता ५६ दे जाल्यातित मर्गा श्रधान निकर्णत निकरण निष्ठमाणि जराण इंदरन्।

---:

মংপ্রণীত চিত্তবিনোদ কাব্য ১ ম খণ্ড । অভি
স্থলালত অমিত্রাক্ষরে রূপকক্ষলে ইহাতে
ভারতবর্ষের বর্ত্তমানাবন্ধ। বর্ণিত হইরাকে, প্রাহ পেক্ষুক মহাশধ্যের। বর্ত্তমান বড়বাজারে অধ্য লাল শাহার পুস্তকালয়ে তল্ত করিলে পাইবেন।
জ্ঞীনশানচক্র বস্তু

চিকিৎসাপ্রকরণ এবং চিকিৎসাভত্ত অধাৎ

প্রিন্সিপ্রাস্ এবং প্রাকটে সি, জ্বর মেডিসিনের

स्थान थए ৮ (शिंख स्ट्रमात १७৮ পूर्ट) উত্তম वीमा, क्रीमुक्त बावू शकाश्रमाम भूरवाशा माप्ति वि, अ, अम, फि, कर्क्क मरग्रीफ इहेग्रा श्रका मण्ड इहेग्राष्ट्र।

প্রথম খণ্ডের বর্ণিত বিষয় (১) সাধারণ নিদানতত্ত্ব (২) অক্তরেৎসেক্য পীড়াসমূহ। (৩) দৈহিক পীড়াসমূহ (৪) আয়ুনওলের পীড়াসমূহ।

মূল্য ১০ টাকা, ডাকমাস্থালসহিত ১০॥০ কলিকাতা লালবিজ্ঞার হিন্দু কষ্টেল ২১৩ নং বাদীতে জ্রীযুক্ত বায়ু গুরুদাস চট্টোপাধ্যাধ্যের নিকট পাওয়া যাইবে।

#### বাল্মীকি রামায়ণ ভূতীয় **খণ্ড**

এই পুশ্বক প্রথমাবধি প্রকাশ হইতেতে।
ইহাতে নাগরাক্ষরে মূল ও টাকা এবং সর্কাশেষে
বাজলা অনুবাদ আছে। নাঁহার আবশ্যক
হইবে, ডিনি কলিকাতা প্রাহ্মাসমাজে আমার
নাথে পত্র লিখিবেন। প্রত্যেক খণ্ডের (দশ্
কর্মার) মূলা। আমা। বিদেশীয় প্রাহক
দিগকে / আনা ম সূল দিতে হইবে।

কলিকাড়া প্রাহ্মনমাঞ্চ ব্রিহেমচন্দ্র ভট্টাচার্য: :-

## म् ङाभूत मिरिकन रन।

১। এত ছারা আমাদিলের ঐবধক্রের কারক, ক্রুক্র, সংকারী ও সর্বাসাধারণকে আতৃ করা বাইছেছে যে, দিওীয় ক্রৈমাসিক ইংগ্রুক্ট সম্বান্ধ অর্থনোত '' স্টার অব জোলীয়া, ওরার উইক, ব্রিটিন প্রীন্দ দ ধারা দল সহজ্ঞ টাকা চূল্যের উম্বন্ধ পূর্ব্ধ প্রাপ্ত হওরা গিয়াছে। এতছির সম্প্রতি আমরা বিলাত হইতেইং সন ১৮৬৮ সালের লেন ক্রৈমাসিক ইংগ্রুক্ট সম্বন্ধে '' ব্রিটিন ফলান্ধ, কিং আর্য্বার্থন, ও ব্যাক্ষণ মান্ধক অর্থনোপিত ত্রান্ধারা ৮৩ বাজ্য উট্রোলীয় উব্দ প্রাপ্ত হইগ্রাছি। এই সমক্ষণ উম্বন্ধানিক সাতে সহ্প্র টাক মুলো ক্রুণ্ট করা হইয়াছে।

২। আগানী বণের প্রথম তৈরসাসিক ইংগ্রনী উপলক্ষে চিকিল্সোপ্রেশগী করে ও ইব প্রস্তুত্তকরনের ও উবর্ধানক্ষরকরনের নামানিক্ সামনী ও সক্ষা ও বিবিধ উত্তয়লাদ ইং সম ১৮৬৯ সালের ফেক্রারি মাসে বিলাভ ইইতে পৌছিবে।

ত। আমরা অধিক পরিমানে ও পুচৰ। উভয়রশে উন্ধ বিজয় করম থাকি। ह। अहे नम्ख प्रवाणित जानन विनाणि शनान के जनाना प्रनीत कर प्रविष्ण हेन्द्र के हेटल, जामशहें के दि ७६ नश्थाक स्थान के जारत की दुक्त बाद शाणीनाथ एवं निकर्त किया जावासात के दि ६६ नश्थाक जबदन ताक ज्यानएवंद्र सार्टनस्त्र की युक्त वांद्र नन्मरभा-शान हानभारत्र निकर्त एमबिएक गाहेरवन के जि

কলিকাডা বিদ্যোপাধাৰে এবং কোং ক ই ডিসেবৰ ইং সৰ ১৮৬৮

## শেবনোদ্যান !

#### चनामा कविकावनी।

জীরাজকুক মুখোপাধ্যার এম, এ, বি, এল বিরচিত। সুল্যা । ৮ ছয় আনা। ১৭৬ নং কৰ্ৰপ্লালিস জীট সংস্কৃত পুস্তকালয়ে পাৰয়। যায়।

#### अत्राक्षक्रकपूर्णा भाषात्र ।

#### ---:

নির্মানিজের বিলাগ মুদ্রিত হইয়া প্রকাশিত হইয়াছে। পুত্তকের কলেবর ৮ পেন্সী করমার ১৪ করমা অর্থাৎ ২১২ পূর্কা। মূল্য ৮০ আনা মাহার আবশ্যক হয়, ঠনঠনিয়া সংস্কৃত বত্তের পুত্তকালয়ে অথবা পটোলভালা বাসূর্থে। প্রাদর এর কোর পুত্তকালয়ে অনুসন্ধান কারলেই পাইবেন ইতি।

১২৭৫ সাল ২৫এ অএহায়ণ সংস্কৃত কলেল —:•ঃ—

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুজকানয়ে ও পটোন ভালার বাজুহোঁ আদার কোম্পানির লোকারে সংপ্রনীত ও সংপ্রচায়ত বিশ্বনিখত পুজক্তীন বিক্রায় ইট্ডেছে:---

| ત્ર ૧૨૦૦૦૨.<br>લ <b>ી</b> જ | মূল্য          |          |
|-----------------------------|----------------|----------|
| <b>ত্রীসই</b> ভিহাস         | ` <b>`</b> `\$ | 计中门      |
| (বামইভিহাস                  | ۲              | <b>S</b> |
| ভূধৰসার ব্যাকরণ             | 1              | জানা     |
| নীভিদার (১ ম ভাগ)           | J              | <b>~</b> |
| নীভিনার (২ য় ভাগ)          | الع            | à        |
| প্রচারিত।                   |                |          |
| মুখ্যবোধ বাক্রণ             | 'n             | <b>3</b> |
| <b>र्वी ध</b> ावन           | দানাণ          | শৰ্মা    |

**--:•:**----

## विषय खबारि विकासर्थ

ইংরাজী বালাল। পুতাক কা গল কল্প নামা বিধ হাব্যাদি পাওয়া বাদ্ধ এবং পুঞ্জাদিতে ৴০ এক আনার হিসাবে ক্ষিস্ম দি। অধিক টাকার পুঞ্জক লইলে /১০ আমার হিসাবে পাইবেন।

জীঘুক্ত বাবু কালী প্রসন্ধ সিংছ মহোলয় প্রণীত গদ্য ১৮ পর্ম মহাভারত ১৭ খণ্ড ৩ ভাগে উত্তম সংঘত করা

লগুন ফারমা **কোপিয়া অর্থাৎ উ**ৰধ কলা-ৰলি ২॥•

নহন্দদের জীবনচরিত উত্তর রঞ্জিত ১ হরুতাসুএপ্রভূতি প্রাচীন জ্বিভয়ালাদিলের গীতসংগ্রহ

শারীরিক শাহ্যবধাম ১ প্রশন্তব্যাহ উৎস্কৃতি কার্য্য ১ ব

আক স্বিদ দান্ত্ৰী ১ প্ৰথম ভব্ৰিণী ১

বছনাথ ঘোৰকৃত সংগীতমনোরঞ্জন ২ লয়লামজ সুকাষ্য কবিবর বারকানাথ রায়

ধণীত ১ রাসরসামৃত সংক্ষুত ও পদা ॥

গীতগোবিদ্দ জয়দেব গোখানিঞ্দীত মূল ও বছনাথ নাায়পঞ্চাননকৃত গল্য ১০০ কৌতুক ভয়দিশী ইংবাজি কেনেষ্টরি হইতে বিবিধ আশুর্ব্যজনক বিদ্যা দর্শন হয় ১৮

প্রতিমূর্ত্তি সহিত ১২৭৬ সালের কুল পঞ্জিক। ॥ ঐ হান্ধ পঞ্জিক। ।

হুৰ্গামজন পদ্য ১ কমলভারিণী ॥ সচীক চণ্ডী মূল ও অসুবাদ সহিত ৫

সভাক চন্তা মূল ও জন্তুবাল সাংক ক চরিভ্রমঞ্জরী ইফাডে দিউটীনির বিষয় বিলেধরণে বর্ণত হইয়াছে ১ •

हेरब्रास्त्र अन्तर्भक्ष मारलव अन्तर्भात की अन्तर्भ का का का प्राणिवनश्चमान कावा अ

পারের মোহিনী শক্তি ।/ গবেশচন্দ্র শর্মান্ত ব'লেলা এটলান উত্তম কালজে ৫ উত্তম অক্ষরে মুদ্রিত ৩

বিধবাবিবাহ নাটক্
কামিনীকুষার ্রসরভাকরাভগতি নারক্

নাছিকাষ্টিত প্রথম কাব্য

মণিকুগুলা কাৰ্য প্যারীমোহন বন্দ্যোপা-ধ্যায়প্রণীত ছর্গেননান্দ্রীর স্ত কেখা ১ প্রথমিকু সহরী ২॥৩ জুচিত্ৰাৰলি ভইখাৰি বাজালা মাণ সহিত : ১৮

স্টীক হৈছমচেরিজামূতগ্রন্থ ৭ কাদ্বিনী নাটক আইনসংযুক্ত ২ খণ্ড একাজে ২

ख्यारत् नवर

हिट्छाभरमम विक् मन्द्रात मृश्कृतीक 3 कतिकाका (काका- ) क्रिक्षकाभावक त्रात मारका ७३ मर विरक्षका ।

পুরাণ প্রকাশ।

विक् भूतान्।

জন্মানও টীকা সম্ভেত আছোক বঙ ৮- পূঠা (অগ্রিমনুল্য )।•।

यिन वार्गाण्यां रहेर्दन जिन मृजागृत णामर त्रहेकीं ७३।> तर जन्म कामाध्यणाम यक्त जन्म क्लिकांचा मरक् विद्यानका विद्युक जनकारमास क्लिकांद्रत नात्म यक थर थत रेक्स जिल्हा मृद्य मार्डाहेर्दन। जिल्हा ना भारेरन विरहत्न विक्र भूतान भारतहेरात नित्रम नाहे हेकि।

#### ---ः विकासर्थः

गातरकन त्रीह २३ मर वाही अनामगर

३० नर (कांका वांशांस ।

উপরি উজ্জ বাগান ও বাসী বাঁহায়া কর করিতে অথবা বাইতে ইচ্ছা করেন, নিমু আক রিত ব্যক্তিয় নিকট জালাইবেন।

> সিলেগুপান্ আরবো-খনট এবং কোং

#### **উ**নচত্মারিংশ সাংবংসারক ব্রাহ্মসমাজ।

ক্ষাগামী ১১ই মাঘ শনিবার উনচড়ারিংশ সাংবংসরিক ব্রাক্ষাসমাজ ইইবে।

্লা মাখ অবধি ১ - ই ৰাখ পৰ্যাক্ত বুধবার ভিত্র প্রতিদিবস আক্ষাসমাজ-গৃহে সন্ধা ৭ খন্টার সময়ে আক্ষাধর্ম রাছের পাঠ ও ব্যাখ্যা হইবে।

১১ই মাক শমিবার প্রাত্তঃকালে ৮ ঘণ্টার সমরে রাজ্যসমাজ-গৃহ্দ এবং সারংকালে ৭ ঘন্টার সময়ে জীযুক্ত প্রধান আচার্ব্য মহাশ রের ভবনে রক্ষোপাসনা হইবে।

জানি ব্ৰাহ্মসমাজ ) জীৰিজেজনাৰ ঠাকুৰ ক্ষিক্তা ১৭৯০ সম্পাদক : यशक्षि क्रिकालिया स्वीष प्रश्य क सूत्रात गण्ड महानारवंद शिकांत गण्ड मृत्रिक इन्हें हैं हैं ज्ञान महानारवंद शिकांत गण्ड मृत्रिक इन्हें हैं हैं ज्ञान सहान गण्ड महानारवंद शिकांत राम्य क्रिकां क्रिकां क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत निर्माण इन्हें होर्टक, क्राना, भाठेकदर्श्व क्रिकां क्रिकांत निर्माण इन्हें होर्टक। भूम स्व भरत क्रिकां महानारा क्रिकां महाना क्रिकांत क्रिकां महाना महाना क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्रिकांत क्

এই পুস্তক বাঁছার আবদ্যক হইবে জিনি সংক্তে বজে জন্মদন্ধান করিলে অগণা আখাদ নিকট পত্র লিখিলে প:ইতে পারিবেন। ইহার মূল্য ২ ছুই টাকা।

আছাদের সহিত প্রকাশ করিছেছি, প্রেসি ভেলী কালেজের সংস্কৃত শাজের ক্রবিক্ত অধ্যা পাকগণ এই পুস্তক আপনাদিগের চাত্রবর্গে পাঠা বলিয়া মনোনীত করিয়াছেন। একণে টহা এইরূপে সর্কতি পরিগৃহীত হুইলে আফি শুম স্বাল ভাষে করিব।

কলিকাতা সংস্কৃত যন্ত্ৰ বিশ্ব ক্লি এংশাপাগ,ায় ২৯ এ পৌৰ ১২৭৫

---:0:---

#### निषयात नि

সন ১৮৬৯ সালের জানুয়ারি মার্চসর ১লা হইতে ৭ই পর্যাক্ত ভাগীরথী নদীর সর্কাকমভি জলের সাপ্তাহিক রিপোট

ক্থানের নাম সার্লক্ষণিও জ্ঞাল ফুট ইঞ্চি

|                           | रहे कृ     | <b>§</b> . & |
|---------------------------|------------|--------------|
| মহানার সহিত পদ্মানদীর     |            |              |
| ্ষোলের স্থান              | 2.8        | y            |
| মহানায়                   | <b>b</b> - | 'n           |
| उथा व्हेट का निश्र        |            |              |
| ५७॥ माडेल मर्यः           | ۵          | •            |
| জলিপুর কইডে বহরমপুর       |            |              |
| ৪৬ মাইলের মধ্যে           | ¥.         | "            |
| वर्तमभूत श्रेटक कार्टे तः | •          |              |
| ० - माहरलत मर्यः          | Ą          | 4.7          |
| कारिंगमा इट्रेंट नमीमा    |            |              |
| ८७ माहेल मर्थर            | ર          | 'n           |

नमः, ३४७३ हास्त्रवः ३३ खाङ्गाति वहत्रभ शृतः गर्भवाद्वतः स्टलत् । अस्त ।

গভের উপর

कृति है कि

বছরুমপুর ১১ই জীপুরারি ১৮৬৯। ) শ্রীযুক্ত সি ই, উইক একজিফিউটিৰ ইঞ্চিনিয়র বহরমপুর ডিবিজ্ঞন।

#### বিজ্ঞাপন।

ই পরগণার অন্তঃপাতী কোলালিয়ায় বে গবর্ণমেন্ট সাহাযাকত হালালা পাঠশালা ছিল, তাহা উঠিয়া হরিনাতি ইং সং বিদ্যালয়বালী মধ্যে আলিয়াছে। বাঁহারা তাত্ম সভানাদিকে তথায় পভাইবার বাসনা করেন, তাঁহায়া ইং সং বিদ্যালয়েয় অধান শিক্ষকের নিকটে উপস্থিত হইজে নিয়মাদি অবগত হইছে পারিবেন। সমুদায়েয় চারি (আলী করা হইয়াছে! প্রথম শেলীর ॥০ আট আনা গ বিতীয় প্রেণীয় ।০/০ হয় আনা গ ভূতীয় ও চভুর্য (আলীর ৩০ চানি আনা চাত্রেরের বেতন ত্মির করা এবং ভ্রাবে গানাদির উত্তমরূপ ব্যবস্থা করা হইয়াছে।

১২৭৫ স'ল ) ৪ঠা মাঘ রকারাথ শর্মা জগ**্য**া

সোমপ্রকাশ।

৬ ই মাঘ সোমবার। ভারতবর্ষের জেল

(जनारक यमानव विनया चार्यस्व সংকার আছে। এপ্রকার সংকার চ্ই-বার তিনটী কারণ লক্ষিত হয়। প্রথম, क्टिन कि इर, बन्दीपिरभन्न चवन्द्र। किन्न भ् ভাহাদিগের আহারাদি ও খাট্নীর মিয়ম কিপ্রকার, তত্ত্বাবধারকাদি কর্ম চারীরা ভাষাদিগের প্রতি কিরুপ বাব हात करतन, जाभाराण बेच्हा करिएलहे জেলে গিয়া এসকল দেখিতে পান না৷ উাহারা কারামুক্ত ব্যক্তিদিপের **७**निया मध्नामत्था कात्रानात्वत a कि ভাব কণ্পদা করিয়া লন; সুত্তরাং সে ভাৰ বিশুদ্ধ হয় না। কণ্ণানাখভিদ আম ভালা ভরাবহ করিয়া ভুলে। দ্বিতীয়, তত্ত্বাবধায়কাদি কর্মচারীদিলের অধিকাংশ উপরি লাভের

चर्त्रता वटक छ त्रवर्गमण्डे वसीवित्रदक् (य आवाकावाहि (सम. फाका श्रवां से नह, ভাষতে আৰার স্বার্থপর কর্মচারীরা क्षाशात्र काश्माळार्गटक्कोश विशूष रह ना। केशमिरशत , दक्वल व्यक्तिरहरू माख (बाव नग्न, छेशंबा ज्ञाविटवहरू, शत इः बान डिखा, निक्ता। शदर्गमण्डे वन्ती-দিশের খাটনীর অতি নিষ্ঠ্ব নিয়ম कत्रिया पियाट्सन । कर्यहातिश्राण यसि वस्ती बिर्भन भक्ति विद्वहमा कतिया थो छै। ननः खादा स्ट्रेटन ७ क्ट्यबिमिटन इं क्ट्येन चार्यक वाष्य इम्र : किन्दु कर्मागति मिर्गत দে বিবেচনা নাই। তৃতীয়, জেলের যে निष्मश्वील व्याष्ट्र, जांका वस्ट्रावङ्के। অধিকাংশছারা वम्बी मिटशत চেষ্টা না रहेगा CRITARCLMISCAS চেটা ভাষাদিগের 2. TORTEMAR इहेब्रा थोटक।

আমরা ইতিমধ্যে কলিকাতা প্রেন্ধি ডেজি জেল ও ধর্জমানের জেল দর্শন করিয়া আদিয়াছি। সেই দর্শনফল অদ্য পাঠকগণের নরনসমক্ষে উপনীত হই-ডেছে।

প্রথম, বাদগৃহ। পুর্বের বাদগৃহগুলি। বেপ্রকার আর্ড বাগুস্ফারহীন অক कान्नमञ्जूषिन, अक्नर्श (मध्यकांत्र नारे; चातक मः भाषन इहेन्नाट्ट। चार्ज छा-मृत कृतिवात निमिष्ठ (माटक ও (महार्ट्स ज्ञन है। हैन बगान, ब्रफ्ड (मंख्या ও बिह्न কর। হইয়াছে। বায়র গ্রনাগ্রন আলোকপ্রবেশের উপায় করাও হই-शांटक किस्त व चार्म वार्यमण कारमक ন্যুনতা আছে। প্রেসিডেকি কেলে ক্রেক্টী হর অহাকারময় দৃষ্ট ছইল। বায়ু व्यदिनार्थक्रक कौनाना देशान इहेग्राट्स बट्टे ; किन्छ পारम् जानना ना थाकार ड গৃহের দকজ্বলৈ বারু গমনানপমন করে न। । अविषयः वर्षमान स्मान उद्धर्वसं লক্ষিত হইল। তথায় চতুৰ্দ্দিকেই জংনলা

ভাছে; গৃহগুলিও অক্সকারমর নয়।
প্রেদিডেলি জেলে আর একটা মহাপ
কারক দোব দৃট হইল। এই হিমপ্রধান
দাল, এ সময়ে গৃহে কপাট বস্তা করিয়া
গাকিলেও কট বোধ হয়; কিন্তু প্রেদি
ভেলির অনেক গৃহের লোহময়
জনলা ও দরজার কপাট নাই; হিমে
কয়েদিদিগের যার পর নাই কট হয়।
একনাত্র কম্বলই জীভনিবারণের সম্বল।

The second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second secon

তৃতীয়, আহার। বর্দ্ধমান অতি স্বাস্থ্য রর স্থান। কলিকাতা ও ওরিকটবর্তী छ। (नव लाएकत व्याशका (भयानकात (लारकत्र क्या অধিক। তথাকার ल्यातक महशहत अर्क भार हाडेट्याड **खाँठ थोहेश थात्कः किन्न** (मशास्त्र कत्य पिषिशतक श्रीकःकारन ८ इतेक अवर रेक्काटन ७ इंटेक्कि हा देवन अञ्च अंडेटड (मध्य इस । उहाटड डेशांमरभत 'প্রত্নিমাত্র হুইলা থাকে। তত্তা কর্ম চারীল কহিলেন, উহারা শুধার স্থানায় সময়ে সময়ে মাটি ও সুর্কিঞ্জুড়ি फण करता थाना एका मिनात धरे ব্যবস্থাতে, চাউল, ডাইল, তরকারি अव • मर्था : इ.स. मा श्री क निम हिन्दुनि গ্ৰাক মহদ্য পুষ্পল্যান্দিগ্ৰে মাংস দেওয়া হয়: মংশ দিবরে ব্যবস্থাটী किছू वाष्ट्रावाणि क्हेगार्छ। हिन्छ । अ

मुनलमान माथातरना मर्टमात वावष्टा दहे ल हे यर थं छे हहेल। मार्रम प्राविद्रिक वात्र भारता। 🔄 वाटत्र करत्रसिन्नित्रटक ভাল চাউল, ভাল ডাইল ও ভাল তর कार्ति मिटल कर्यमिमिटशत चारचात्र शक्त मरहाशकात मर्गिएक शास्त्र। উহাদিগকে যে দম্ভ द्वा प्रशा रह, দেখিলাম, ভাহার সমুদীর স্বাস্থ্যে পক্ষে অসুকুল নহে। প্রেদি एडिका किरल (र ठाउँल (मर्था (गल তাহা নিতাম অপকৃষ্ট: তাহা ভক্ষণ করিলে স্বাস্থ্যভঙ্গ হইবার সমধিক সন্তা বনা। বর্জমানের জেলের চাউল ভাল। ভাল বলিতেছি বলিয়া পাঠকগণ এরূপ ं विद्वहमा कतिद्वन ना त्य, ख्यात छे १ क्छे ক্রান্ডীয় সরু চাউল দেওয়া হয়। আমরা करप्रमिनिशतक डेश्क्रके काडीय मुक् हाउँव पिरात अमुरताथ कडिर्ट्याइन। व्यामाष्ट्रिश बन्द उर्हा दिश्र के दमिन চাউল দেওয়াই করিবা। কিন্তু যে চাউল স্বাস্থ্যের পক্ষে অপকারক, তেমন চাউল (मंख्या डेविक नया। वर्षामान स्मातन हाडेल (यांचे। वर्षे : किछ हेश चार्छ।त भरक बहुकून ; शकास्त्र त्थामिएक हिन জেলের চাউল অভিশয় অপকারক। वर्क्षगादमत (काटलत छाडेल (यमन फाल, তরকারি তেমনি জঘনা। উহার ভক্ষণ রারা গীড়াকে আহ্বান করা হয়। বর্দ্ধমান জেনের মধের বেগুন এড়ডি তরকারি উৎপন্ন হইডেছে কিন্তু ক্রেদ্দিগকে এমনি ভরকারি দেওয়া ক্রয়াছে যে (भामहिंगांपिटाउँ । ज्या करत ना। ভাহার শরীরে নথ প্রবিষ্ট হয় না। खादा **कक्त**ा महाई दर्शन करण । नाटक উত্তম বেণ্ডন ফ্লিয়া রহিয়াছে: কিন্তু कट्यपिमिश्रास्क रा किन कपना ज्वदा (मञ्जा क्या (क (मग्न १ अक्रेस भ जन) मित्रा কেহ লাভ করে কি না ? আমরা ভাছার নিশ্য করিছে পারিলাম না; গ্রণ্মেণ্ট্ ভাছার নির্ণয় করিবেন।

श्व वर्गरमणे १३८ ७ रव व्यक्तारमा नरवाती থাদা দ্রব্য দিবার বিধি আছে, **ভেলের সকল কয়েদী ভাষাও সম্পূর্ণ প্রাপ্ত** रह मा। চটक्मांश्टमह भाजखाटशह नाह ভাষার ভাগ হয়। যেসকল ব্যক্তি কারা मुख रहेगा जानिहाटक, जारानिटशंत जात्न কের মুখে আমরা এই কথা শুনিয়াছি अविण खीटनाक त्रमाभाभनात (कन **হটতে বর্জমানের ক্ষেলে প্রেরিভ হয়।** আমরা উহাকে জিজানা করিলাম. বর্জমান ও রদাপাগলা ইহার মধ্যে कान् चारन आहातानित **সক্ত**ৰতা चाट्य। खोटनांकण डेखन कतिल, तमा পাগলার জেলের কর্মচারীরা তাহাদি त्भत थाना अवामित व्याभ शहन कति छ. वर्षियात्न खाङ्। कटत नाः शक्ताबृट्द वर्ष्वभारनत कान कान काम काम काम বিজ্ঞানাকরা পেল, তথায় আন্ডাচার ও উৎকোচ এইণাদি ভোতে প্রবাহিত আছে কি না ? ডাঁহারা উত্তর করিলেন, बर्डिमान क्विनादत कथीरन व्यक्तां हासि इस ना किन्छ हेहाँत পূर्वशंड (जनदिव ममात्र माना शकांत (शाल शांभ कहें।) গিয়াছে। সেলে অভ্যাচার ও উৎকোচ গ্রহণাদি যে চলে, এ চদ্ধারা কি ভাষা तुःवार्ड भारा गाहेर्डएक ना १ उर्द व खाँन क्ष्मान ३ ४ हा विजिन । स्थानान एउत व्यामनाता उँ२८ हो ह शहन करतम. (क ना জানেন ? কিন্তু কয় জনে তাহা প্রমাণ क्रिया मिए छ माख्य इन १

চতুর্থ, থাটনী। ইকার নির্দারিত সমর ও ইকার প্রকার মুক্তি এবং এদে লের কোকের অভাব ও অভাসের নিতান্ত বিরুদ্ধ। যাঁহারা এতংসংক্রান্ত নিয়ম করিয়াছেন, তাঁহারা যে মনুগা অভাবের অভিজ্ঞা, কোনক্রমে এরপ বোধ হয় না। প্রভাত হইলেই বন্দীদি-পের খাটনী আরম্ভ হয়; অপরাত্ন ধ টার সময়ে উহার শেষ হয়; মধ্যে কেবল আহারার্য এক অতা বিশ্বাস দেওরা হয়।
এদেশে এরপ লোক্ষর থাত্র লোক
কেহইনাইবে, পারাদিন পরিশ্রম করিতে
পারে ? শ্রমতী আবার কেমন ভাহাও
একবার পাঠকগণ অবপত হউন। বর্দ্ধ
মানের কর্মচারীরাথলিলেন, যাহারা বন্দী
ভূত হইরা জেলে আইদে, ভাহাদিগকে
প্রথমে ঘানি গাছে বেওয়া হয়; ভাহাকে
সমস্ত দিন ঘানি গাছ ফিরাইতে হয়।
এখন পাঠকগণ বিবেচনা করিয়া দেখুন,
আমাদিগের দেশের লোকের এরপ
পরিশ্রম সাধায়ত কি না ? যাহারা
বড় পরিশ্রমী, ভাহারাও সারাদিন
ভাবাধে এপ্রকার ক্লেশ্বর কর্ম করিতে
শক্ত হয় না।

কারাগারে যত অন্যায় ও অভ্যাচার इस. वर्गिष्ठ धकांत्र था है नीरे (म म्यूना ্য়ের মুল। যাহাদিগের কিছু বঙ্গতি काटक, जाहाता छेश्टकाठ विशा श्रीवेनीत इस इहेटड পরিতাণ পাইবার চেটা পান্ন, আর যাহাদিগের সঙ্গতি না থাকে তাহারা এক দিন প্রাণপণে স্থানি গাছ क्टितिशा भव मिन व्यवसूत्र महेशा शर्फ। त्म इक्षेत्र। कतिरुद्ध कच्छाडीता अहे মনে করিয়া ভাষার উপর পীড়ন আরম্ভ করেন, একে ত জেলে বন্দীদিরের অদ্ধা খান ব্যবস্থা, অসমর্থ বন্দীর ভাষারও আবার কতক কর্ত্রন হয়, ইহার উপরে প্রহার আভরণ অছে। বেল কর্মচারীরা .अप्राडनन्न वस्ती भाहेरत गृश्कुता क्रफे হন। প্রার ১৫ দিন কাল ভাহার সহিত **टाकात बटन्मावस्य ७ ठाहात वाणि**टङ লেখান হয়। জেল চিট্টি পত্রাদি ভाराम बेशांक तर्छ ताथ। वरन। किम मनत वनाहेश। अञ्चलान कहिटल गृष् विवह छ , ल व्यक्तां में इत्रा इत्रह इत्र न।। वर्षीभारमत रक्षणकाकः त्र माल्वेन नारहर व्यवश्रे जामाविष्यत जात्व कहितनन, श्रक विकि जैरिशास्त्र छेट्रकाहमारनत

कथा किशिक्षित। जामको एय पिन ध्यिनिएडिंग (जन पिटिंग गाँदे, रम पिन (जन उथा अर्था अर्था छा किला ना। जामका जाहात कातन जिल्लामा कताएड जाउन जिल्ल बांगराना, (जारात कर जन क्रमक उद्देश हिंग्स (जिला शाहित, जाहारक श्रीन्य (जनत श्रीन्य चिशारहन।

উলিখিত অসকত থাটনীর বাবছা
কেবল যে অভাচার ও অন্যায় ব্যবহা
রের মুল এরপ নয়, বন্দীদিলের পীড়া
রও প্রধান কারণ। পাঠকগণ একবার
কেলের অন্তবর্তী চিকিৎনালয়ে আমা
দিগের সহিত আগমন করুন, রোগী
ও ডাক্তরকে জিজ্ঞানা করুন, কি পীড়া
অধিক ? তাঁহারা বলিবেন, উদরাময়
রোগগ্রন্থ হইয়া অনেকে ঐ ছানের
আশ্রের গ্রহণ করে। বাহারা সাধ্যাতীত
পরিশ্রম করে এবং উদরপ্রিয়া অন্ন
না পায়, ভাহাদিগের যে ঐ পীড়া
ভইবে, ভাহা আশ্চর্যের বিষয় নছে।

अकर्ण डेलिथि ड माम्खिलित मः आध्य ও প্রতীকারের উপায় চিম্বন আবশ্যক। মানুষ কোথ লোভাদির বশীভূত হইয়। / कूक्टम् धाइख इत्र । ७१हात्र प्रच्ना हिखिनिय জন সমাজের নানা অনিটেছটনা ছইয়া वाटक। यपि मर्खादशानदाता स्मर लाकिंगित जामः अत्रिक्ति निवाहन করা না হয়, লোকস্থিতি তুরাহ হুইয়া **উट्ঠ। এই ८३ प्रक्रांत कावणाक।** ষাহাতে দোষী ৰাজির দোলদংশোধন अ व्यापत्र सामीत एटमाइडक इय, शह উष्प्रमा कतिशाहे मण्यानश्च कर्त्वाः किन्छ यांशरक स्मायी वाक्तित श्रामनाम সম্ভাবনা হয়, এরূপ স্তাবিধান উচিত इत्र ना : क्टिंग था हैनीत ও आहात पियात त्य वाबच्चा च्याटक, प्टाइंग वन्नीमिटनात অনেকের অসাময়িক হতুরে ব্যারণ

करेश छेठि। बन्दीता लाकर्टिक्त विक्रम वावस्त्र कतिशाह विज्ञा वि गवर्गामत्तित देवतिशाणनाणी हरेश छागानित्तत झार्गमश्हाहत मकर्णवान् स्थता छेडिक १ गांठकार अख्याप अक्रम क्रिया कतित्व मा (य, वन्दीत स्थला निक्षा विव्या थाकिश आलागा कालरक्ष कक्रम, आमता अहे श्रास्था कतिराखि। याहार छाहानित्तत खारात कालरक्ष वक्रम, क्रम्थाद्व मिन्द्र खारात कालरक्ष वक्रम, क्रम्थाद्व मिन्द्र खारात कालरक्ष वार्म एक्ष्मिश्च ह्य अवश्वाद्य कति तार नश्मिश्च ह्य अवश्वाद्य कता ह्य, अहेत्राम कतिया थाहिनी वावस्य कताह छोडि । ता वावस्य अहे:—

वसीता ১० हो अवधि ६ है। अर्थान्छ কর্ম করিবে। যাহার যেমন ক্ষমতা, তাহা विद्वष्टमा कतिया कर्य (ए७शा इहे८४) अक कर्ष्य अक समहक मात्रामिन वस्त নারাখিরামধ্যে মধ্যে কম পরিবর্ত্ত कतिया मिट्ड हरेंद्र । य वाक्ति लाउ: কালে ঘানি গাছ ঘুরাইবে, তাহাকে বৈকালে চট ও শতরঞ্পভৃতি বুনিতে रमध्या कर्खवा। अहेज्ञरण थांचे नीत वावच्या क्डिटन वन्हीडा मारमाइहिट्छ कट्य श्रीवृक्ष स्केटव भएमह नाहै। छाहारक भवर्गामाज्य अक्षामात व्यापका व्याधक লাভ হইবার সম্ভাবনা। কেবল এইনাএ নয়, ভাহাদিগের নিজেরও একটা ম্হোপ कोरतां अंखार्ग जाइ প্রাতঃকালে ও বৈকালে ব্রেম্ভ সময় भाइत्त। ঐ गंभाम काशामिनादकः धन्म নীতির উপদেশ দেওয়া এবং লেখা পড়া শিখনে উচিতী এখন কেখা পড়া भिथादेवांत (व वावन्धा कहा कहेश्राट्स. দেটা বিজ্যনামাত্র। শারাদিন গোমতি मापित मात्र थाण्या काशहर शास्त्र हेन्या किंचितांत महारमा पार्क मा ; महुन्द्राल व्यवन निकास करूँ इहेशा छेट्छ। ५ १०८० वन्त्रीविशदक व्याहात विवात (यानदम

আছে তাহারও পরিবর্ত করা একান্ত আবশকে । ভাগদিগকে উদর পুরিয়া আহার দেওয়া অবশা কর্ত্তব্য। আমরা SMTत (करणत रघ व्यन्ति वाव कांत ध अ डाराहरतत विवासत डेटलच कतिसाहि. উপায় ভাল ভল্লিৰারবের একমাত্র লোকের দ্বারা দুড় জর জন্তাবধান। যাঁহাদি (शत महाहासूश क प्रशा. कर्डका कर्डवाटवांस, महित्यहन। ও अन्यादार्क्यान घुना चारह, তাদৃশ পরীক্ষিতচরিত্র সু শিক্ষিত वाक्तिभाव गानानीय क्रिया अनुमका ह्यदक्त भएम निर्शिक्षिष्ठ करो कर्नेगा। उँ। होता পুशाञ्च भुश अञ्च मञ्जात कतिहल (कहरे चारुशांहात कतिएड माहमी स्रेटन

यमि (कह এज्ञाल नर्दन, अधन छेन য়াস্তকাল খাটনীর নিয়ম ও অদ্ধাশন विवास वावका जात्ह, खर्थाण व्यातकः বোর সংশোধন হয় না, ভাষারা পুনঃ পুনঃ क्रफर्श करिया कार्राभारत भिया क्रच रव, भारत छोड़ारा यमि आमामिरशत श्रेष्ठावा मुक्रल प्रम्परकार्त्रत व्यक्तिकाती हत्र, অধিকসংখ্য লোকে কার্যবাদে অনু इक्त इष्ट्रेत्। देशत छेख्यतः आर्थापिश्वर दक्ता अडे, (मज़र्ग लांक जन्माजः) बार्शानिटशत किन कुटल (कर् गारे, बाला কালে কারা প্রবিষ্ট হইয়া পিঞ্জববদ্ধ াক্ষার লায় স্বাধীনতা সুধের অরম্ভর इन्हेर्टि, जार्शताहे क्रेज़ल करता किन्न অধিকাং শই ও ভুখে স্থী স্ইডে চায় म। रेश्वत्रविदात्रविध्य हरेशा अक श्राटन वक्ष इडेश शाका कि मामाना (छात्र १ वन्नीभिर्धत व्यानात এরপ বাচে, क्टाहाता वाणित कर्छ।; क्टाहामिट्रगत স্ত্রীপুঞ্জির ভূরণ পোষণ ভারাদিগের **डे** भार्क्यान त উপরেই নির্ভর করে। ष्ट्राह्म वर्षन काजाभारत ऋष इहेन. ভংকালে ভাহাদিগের জীপুঞাদি পলের শাদিমিভ লালালিজ হ্ইয়া বেড়াইতে

भवर्गरम्केटक विरुख माशिल ! अहै। कि मामाना करकेंद्र विषय १

**उभमः शहकारण वक्तवा अहे, भवन्** भिक्त विश्वार्थ है करविनिष्ठित कनान कांग इहेगा पाटकन, चामता थार्हेनीथ-জতির যে মুডন ব্যবস্থা করিবার প্রস্তাব कतिलाम, उपयुक्तभ कार्या कक्रम, वार्टी कार्ड ममर्थ इहेर्यम ।

> বিচাৰপতি কিয়ার ও আমাদিলের नःवया ও विहासालय •

বিচারপতি ফিয়ার বিশেষ চিষ্ঠা না করিয়া কথন কোন বিষয়ে স্থাভি थां। वाक करतन मो। **घउ£व** कि भमाष, दि माहिडा, कि विस्तान, कि আইন যে বিষয়ে বিচারপতি যখন কোন অভিপ্রায় প্রকাশ কবেন, তাহা সর্কসা भारत्व मत्नानित्यभभृद्यक ख्रांवन छ ভির্টিভ হ্টয় ভাছার পর্যালোচনা कता कर्रवा। ममाजिक विकासम्लात গত বার্ষিক অধিবেশন দিবদে বিচায় পতি ফিলার এ দেশের আইন, আদা লত, জেল, পুলিষ ও ভূমির বন্দোবস্ত বিষয়ে একটী উত্তম বক্তা করিয়া ছেন**়জে**লের বিষয়ে আমাদিগের যে বক্তব্য, ভাষা পাঠকগণ প্রস্তাবান্তরে प्रकृत कतिर्यन, प्याभाभी वारत वक्तवा শেল দেখিতে **शिहे** दिन । ও ভূমির বন্দোবক্তের বিষয়ে আমরা व्यानक वात य गठ ध्वकां कतिशाहि, বিচারপতি কিয়ার সেইপ্রকার মত ব্যক্ত করিয়াছেন! অভএব ভারিষয়ে বাক্যব্যয় করা পুনক্তিকমাত্র হইবে। ष्याह्म व्यासालक ७ विहादित विन्दाय তিনি যে অভিপ্রায় প্রকাশ করিয়াছেন, कारा काहाई काटनाइनीय इंडेटक्टर ।

পুথিবীর মধ্যে তিন্থানিমাত্র व्याहेनमः श्रह श्रन्थः मक्ट्रनत्र व्यानमं च्रन

लागिल, फाहाता कि मा छेलार्फ्जन कतिता । रहेमा आहरू। क्षाचम क्रिकेनप्रतात मर खन, ষিতীয় কোড নেপ্লিয়ন। এই ছ্ৰানি প্রথম শ্রেণির অন্তর্গত। আইন আকবরী তৃতীয় শ্রেণীর অন্তর্গত বলিয়া পরিপ. निष्ठ हहेश थाटक। आंत्र अक्षांनि সং গ্রহ ইহাদিগের অংশকা বড় নিকৃত্তি नतः। (मश्रांति ভाরতবর্ষের দশুবিধি। किंकियम, तिश्वियम ও আক্রর ক্রেক জন অতিশয় উপযুক্ত গোকের প্রামর্শ লইয়া আইনসংগ্ৰহ করিয়াছিলেন। हेर लट्छ वाब हाता खोरवत व्यक्ष जुल नाहे। कांक, मानम् किल्फ अल्लनबता, (छेन्छे। एक, लिख इत्र ग्रेथ कृष्ठि हेमानी दन द व्याचीनकांदणत (म तात्रकांत्रामीदवत প্রতিযোগতি। প্রদর্শনে সমর্থ, সহিত কিন্তু মহাসভায় অভেশয় গোল্যোগ হর বলিরা বিশুদ্ধ যুক্তির অহুদারী वाडेन व्यन्त्र शतिमार्ग मुक्के हरा। हे क्विन বিচারালয়ের নিষ্পত্তি অবলয়ন করিয়াই ইংলত্তের যাবজীয় বিচারালয়ের কার্য্য হয়; কিনু এ দকল এত অধিক, জাটালি ও পারস্পার বিরুদ্ধ মে, বহুকাল অধ্যয়ন ना कहित्स विदल्ल इन्ड इहेवाई द्या नाहे। ব্যবহারাজীবভিন্ন কেহ षा हैन भ्रम् एक त खुल सम्बंध धावन कडिएक माल कन ना। विषायभाष्ठि कियांत वरतान, कातकवर्ष व शामार्याभ नाहे। वशान কার ব্যবস্থাপক্ষাণ্যে মন স্বার্থ ও দলা দলিপ্রভৃতির প্রাহুর্ভাববলে বিক্লভ ও দূবিত নয়। কিন্তু এখানকার আইনগুলি. मत्रल ও धार्गालीयम् नश । विচাतপতि किशांत देवांत अवधी कांतरनत फेटलयं ক্রিয়াছেন। জিনি বলেন, এ দেশের প্রধান আইনগুলি ইংলপ্তীয় আইন কমি সনবদিবোর নিকট হইতে এন্তত হইয়া वर्षानकातः वावश्रानकान षाहेटम । ভাহার কোন মূল নিয়মের পরিক্র করিতে সম্পূর্ন্না; আছেন কমিস্নর গ্ৰ অভিশয় প্ৰস্কুত লোক বটেন;

কিন্তু তাঁহার৷ ৩০ দেশের অবুস্থা 😻 चर्चाव च्यवशंक नरहन ; उँ।शिमिर्शन व्यवस्त्रत वाला: काटक काटक के। शाम रमत क्रांक चार्यनमञ्ज्ञ मर्काक्यमत इत ন। উহোরা আপনার। আপনাদিরের অভ্ৰক্তা ও অবোগ্যতার বিষয় স্বীকার कतिया अवर्गरमकेटक अहे शतामर्भ प्रिया-**(इन को ज**णाती कायाविधि जात उपवीत वातकां भक मञा । इंड इ.स. है वहा त्रभाष कियात स्थ लात्यत अत्सर्भ कति श्रीटाइन, देश्हे रिय (क्वल मक्ल (शांल যোগের কারণ ভাষা নয়। ভিনি নিজে স্বীকার করেন, নেপলিয়ন অথবা আক वरत्रत नाम अक अन अनाशांत्र वृद्धि সম্পন্ন লোক অধ্যক্ষতা না করিলে बाबका मध्यक् सम्मा। (शान्यकार । व ब काक रहा ना जाशांत मत्म ह नाहे: किन्दु (क्वल निर्फ्लान इस ना। (य मक्क লোক জটিনিয়ন, নেপ্লিয়ন ও আকৰ (दत गांकांगा करतन, जांकांता रक्वल वावनाताकीय नटस्न, उानाता तथिनीक ছিলেন এবং সকলে আপন আপন সম য়ের লোকদিগকে উত্তমরূপে জানিভেন ভারতবর্ষের ব্যবস্থাপকগণ সে থাতুর लाक नरहन। मंडा वर्षे अक्तर्ण कर्यक জন এতদ্দেশীয় সভা ব্যবস্থাপক সভায় থাবেশ করিয়াছেন; কিন্তু ভাঁচ্রা এরূপ त्ना र (य जैंक्शिन्यत्र निकटी टरटणत्र **अव** छ) कामा मञ्जाबिक महरू। हे लट्ट (य मक्स উख्य बाह्न हरेग्राइ, राउम बाद कंप्रका ভাহার প্রস্তি। ভাগতবর্ষের ইউরো পীয় ৰাৰস্থাপকপণ প্ৰায় রন্ধ স্থিলি য়ান। তাঁহারা যবার্থ ব্যবহারাজীব ও ताक्रमी जिल्ला नाइन। हे लख इहा व क्षक कम वाहितमः क्षां छ नख वाहि-নেন, ভাঁছাদিগের সকলে প্রথম জ্রেণির द्याक नरहरा मृत बार्लन शिकक अ े मार्ट्य रा प्रदेखन डेशयुक्त भी क ्रापिएशत अक समय त्रासनी

क्थि महरूम ; बाजमीजिक मा रहेदन যথাৰ্থ বাৰস্তাপঞ্চ ६ धन्ना बान्न ना। তাঁহাণ আৰার का धन्द्रामित कार्यन मा। अञ्चलत लारकत हाता কাজ হওয়া সম্ভাবিত নয়। কডগুলি कुम श्का शर्वि निष् निविनिशाम, এক জন পঞ্চপাতদূৰিত "ইংল্ডীয় বাব शताबीव, इंडे अपने ना बावशाताबीव ना वावकाशक विकि , धवः कराके अस क्ष्यल शाम वर्ष जात जबसीं स मानात इंह्रांत्र। कि विहात शिष्ठ शिक्षादित डेल्म्स भाधन कहिएछ भारतम १ धनकन लाक হইতে মধ্যে মধ্যে কন্ট্রাক্ট আইনের ন্যায় ভয়ানক ৰাবন্থা হইবারই সম্ভাবনা। অত **এव हेर्हे फिरशत समनक्छा खताल हे** स्मर्छ कर्यक्रम क्रिमनत्र शास्त्रन, अपि शार्थ नीय। क्रियनदश्य विषयविष्याय ज्य পতিত হন, একথা আমরা অধীকার कति ना। विश्वादन दमहेन माट्हरवत नाम बाबच्चा भक मर्ट्स मर्का (मथारन वस् व्यनश ঘটিবার সমধিক সম্ভাবনা। কলকথা এই যতদিন ভারতবর্ষের যথার বৃদ্ধিমান लाकि मिश्रीक अहन करा मा इहेरव. उठ क्ति बावकाक्षणञ्चन विवद्य त्य त्यालात्यांत्र रहेरव जारा निवात गीव नरह। म प्राप्त इंश्लाट उत्र (केन्न्राटन न नाम कारेनिकार স্থান করা আবেশাক। প্রতিনিধিপ্রণালী कियमः भा विखातिक ক্রিয়া মধ্যম ख्यानित व्यक्षिकमण्यांक ल्याकरक मामन उ बाव छा ध्रेग सगर्गा नियुक्त कहा कर्त्वर । अट्या धनकता क्हेरन भन्तार इंश्ह्र(७ व्र व्याप्टेन क्षिमनवृहिरशत इंख হইতে মুক্তিগাভপ্রস্তাব শোভা পাইবে। ভাঁহার থাকিতেমার কিছু না হউক, ইংশধ্যে পক্ষ পাতপূৰ্ণ মাইনপ্ৰস্তাৰ আহা হইবে ना । इंश्लक्षींबिष्टगंत कई शूना (य पिन लूख इक्ट्रान, त्मेर्ड मिन व्यवीध देशहास গণনা করিতে ক্য়ার ড রাক্তরেরই स्टेर्च ।

व्यामानिट्यंत विष्यांनिट्यंत विष् বিচারপতি ফিয়ার যে কথা বলিয়াত তাহাই নাধারতের মত। একণকার মু टकता दलतात कविद्यत अटर्लेका एवं क উপযুক্ত ফিয়ার সাহেৰ তাহা মুক্তৰ चीकात कतिया बालगार्हन, जब ७ व्य वक्तित्रतं व्याणीन व्यामान छेठाहे দিয়া এক কালে অধানতম বিচারাল আপীল করিবার নিয়ম করাই ভা किन्द्र ये किन मिनि मिनि मिनि योकिट ভতদিন তাহা ছইতেছে না। পারন प ना शोक्रन वरुत्र भारक्रवंत महन्त कर्ण খার কিছু কাল বিরক্ত করিবেন সংখ नारे। এ ছেলে এরপ অনিট নিবারণ এক উপায় আছে। খাসমাপীল বলি रय अरुडी अरख्य सार्छ, काहा तन করিয়া সর্বস্থিলেই ঘটনা ও আইন উভ শহরে প্রধানতম বিচারালয়ে আপী কৰিতে দেওয়া কঠব্যা প্ৰধানতম বি রাল্রের বিচারপতিগণ চেন্ট। করিং এটা অনায়াদে করিতে পারেন।

কুষকেওসভিত চিবস্থায়ী বলেচাক বজের পোপান।

क्षत (ड्रेंकि मारहद मस्त्र कि क'तक वि বাবস্থাপক সভার এক মহোপকরিক আ নের পাণ্ডুলেখা উপস্থিত করিয়াছেন উত্তরপশ্চিমাঞ্চলের এক জন কুদক জমীদ রের অনুমতি না লইয়াটিকা জমিতে কু জনীদাৰ কাৰে; 图[百] [不 বভিদ্ভ ह्हेट्ड क तिश দেন। এ বিষয়ে নালীশ ও অংপীল হঙ য়াতে প্রধানতম বিচারালয়কে অগত্য বর্ত্তমান আইনের অনুসারে জমীঘারের कारमा त अनूरमाधन कतिएक इहेमारह किन्द्र विष्ठातालय दर्यम्, कल दिन्य भाग উৎপন্ন হয় না, সেই লালের নিমিত্ত কু' খনন করিলে এজা ভূমিচাত হর, আইন অভিশয় অসমত। ট্রেচি সংযে

**ন্দিত্ব প্রতা**ব করিয়াছেন, উলিথিত কার কূপ খনন করিলা প্রজা ভূমিচাত বে না। জানীদার যদি প্রজাকে ছাড়া াদেন, ভাষা হট্লে সে যে উল্লেড ধান ক বসাছে ভাহার ক্ষতিপুরণ तिरुष्ठ इहेटव । **अहे विषं**ष्ठ ले**हे**शा वाव हाशक गंचा वर्ष विवर्ष इत। काजन ।'दहर अञ्च क क्रमीमादत्व चट्चर हानि <sup>ক্রি</sup>ব ব লিয়া প্রতিবাদ করেন। কিন্তু সর कान लाउँका विनिद्यादङ्ग, छीहात मार्गन कारेल पाम धाइ अखाय विधिव के इहेड, ভালা হইলে জিনি আপনাকে গৌরবা-থিত জান ক রতেন। তাঁহার অনুরোধে के शाखुरनथ है। जित्न के कमिष्टिव इटस সমর্গিত হইয়াছে।

আমরা প্রজার সভিত চির্ভারী ব**ন্দোবন্ধের যে** ঐস্তোব করিয়া षामि **ंडिंह, अग्री उ:हात आध्य (मानाम महत्मक** नाहै। किस श्रष्टावकर्छः बक्रुक शार्थ পদার্পণ করিতে পারেন নাই। জনীদার ভূমি কাজিয়। লইবেন বলিয়া এডা 🗂 थेनन कडिएड शास्त्र मा, बाव्छाश ু এজাকে এই ক্ষমতা দিয়া ক্ষতি ারণ দিকেছেন। বোধ কর, প্রজা মুন ন বিনিয়েজিত করিল মরু ভূমিকে र्वती कविशा जुलिल, अभीमात कत दक्ति बिरलन: अका क्रमण्ड इरेश क्रम ाज कतिल । ८ छा विक शाख्रालयाणी ্ধিবদ্ধ হইলে দে ক্ষতি পুরণ প্রাঞ্ हैदा कि स्व मि का उभूतन किसा भ াধ ? জানীদার কি সহ**ত্যে দিরেন** ? कान् ा जिन यथार्थ मूला चित्र क तेद्दवन १ एउ:।मी अः नाल**फटक हेरात भीमा**र्मा ्वरंक इंशेरव : इंकारंक (कंबल भवस्त-त मध्या। दृक्षि इहेटव मत्मह अहे। निश्चेनिवादवार्थ योष माहेन कहा कर्ववा ু তাহা, হইলে ক্ষতিপূরণের মক্দমা বকরা আবিশাক হর কৈছে একটা

कामो वटमावेखवाचित्रद<sup>्ध</sup> छेशाव नेखा ৫ তীয় মান স্পায় नारे। हहेट ७ टह, वावस्था भवश्य क्रमणः अजात সহিত চিরস্থায়ী বন্দোধন্তের অভিমুখে धावमान इहेटल्डाइन ; किंदु अक कारल १ क्र अपथ भवार्भव कतिए माहमः इहे তেছেন না। যথন আনি ট প্রতাক হই তেছে, ভথনসাহস সহক;রে যথার্থ উপায় व्यवस्था कहा कि छैडिक स्टब्ह अभी मा त्त्रता कामखरी इहेर्यन शवर्गतमणे कि धहे नक्ष! क तिरुद्धा हम । शवर्षा मणे या निकासी गौत निशदक छेट्राका क त्रशामाका व मध्रक क्षाकाव महिन्न इशि वरमावस्त्र करत्रम, छ। हो हहेटल हे धें। हा जितन व अमर खारत প্রকৃত করেণ ঘটে, আর যদি ভাঁহাদিগকে यथ विद्वी द्वाथिया कटतन, तम व्यमदेशारमत मञ्जादन। कि ? यनि क्ट्र ना दुविशा अंम एक कि काम करतन, बुबारक भारतिसह ভাহা মুদ্র হইবে। যভো হউক, প্রেচিসারেইব विकिन्त प्रमनुकारन कतिशारसून, व्याप्तरा ভূঁহাকে অহুরোধ করিতেছি। তিনি কেবল উত্তর পশ্চিমঞ্চেলর ক্লুখ্যুদিগের নিমিত্ত আইন করিবার চেষ্টা না করিয়া ভারতব্যের সমুদায় রুণ্ডের নিমিস্ত कतिवात (हासी) कंत्रमा विषि शवर्रमान्छे : এক কালে কুম দিগের সচিত স্থায়ী बराम वेख कतिएक धका छुट्टे माहम मा हरा. অংপ ততঃ এই আইন করা উচিত যে, रय जुलिएक कुल, खेरतान वाही, काउबान। ্রভৃতি করা *ছইবে কথনই* ভাছার कार्डिक कहा बहेरव ना । क्रवटकहा जह রাচর সামানা কুটীরে বাস করে। বাছা দিগের সমতি আছে, ভারারাও বাবে केंद्रिश बाईटफ इड्टब, बड्ट महाग्र कल ঘর করে না। করবুদ্ধির ভার সামান্য ভ্র नरह ; ७३ निमिख क्रुम्कश्चन कान धकात वित्रकत अञ्चिक्त कादर्श यञ्जवाम मुखे एत सा । तत कम लटः दक्षतः नानमकादलत

भाज रहेल। जिल कुव निर्मा यथार्थ वक् हिल्ल वर्ष ; किस यथान्यरा नार्म उ स्थावनाम अपनीन करिए ना भामार्थ नाथन कतिरक भतिरसन ना । य भागनकर्षा कुपकिन्नरक स्त्रीमात छ महास्त्रत रुख रहेर्ड तका कतिरक भानि र्वन, जिलि स्थापन अजिम् ईलार्डन याना भाज रहेर्डन नरमह नाहे।

পর জন লারেজের সম্মানার্থ ভোজনান।

কতগুলি সিবিলিয়ান ও দৈনিক भूक्त भक्ष मामबात क्रिन्हाटल मृत्र कन লরেশের সমানার্থ এক ভোজ দিয়াছেন। সর উইলিয়ম মানস্কিল্ড অধ্যক্ষতা করিয়া উঁহোর প্রসংশাস্কৃতক একটা দীঘ্ वखर्षा व दत्र । तत् कम लदद्र व्याक्तः खंदमानकारल भाभनःत माननमङ्ख्या व कश्री कथा बटलन, छ इदा आदनकछ लि উৰাষ অংশে ভূষিত। তিন আফগান ভাবের বিধরে যে র জান<sup>্</sup>তি **আ**বল**য়**ন করিয়াছিলেন, তাহ তে খুরুষ্টনা হয় राहे। अजि है इन्न स्थितद्व : वियस मटन्ह्र नारे; किन्छ इ.जहां ७ 🛬 हिटनत बुटकत वंषरग्रेष गमर्थन कतिग्राह्म, स्मृती आहि कत नहा भत कन तर्वण कुर्जिकद्वान नेवात्रवार्थ (व जिला ) ज्या अप्राच्या कतियाः (इन, काश्राक ভারতব্দী। দিপের মন क्षा के के कार के किया के किया के मार्च मार्च । এটी खाँराज घरार्थ आधार विषय । ১৮৫৭ च्या क्राहात (स.स.मश्मालाक हरा, कि भिन्न मत त्वं हैं मन्देशमविध्यक्तिक धना বাদ দিয়া তিনি সন্ধিবেচনার কাঞ্চ করি য়াছের। শীক্ষিগের বিবর্তম যে অভি প্রায় একাশ করিয়াছেন, সেটা অভিশয় क्रम्भीता अ तम्भीम्मिर्गत महिक व्यन्तर अवस्थान क ततात वियटम अटम्भी किशर क (व श्रायम् क्रियार हुन, न

हरेशाएए। २५०१ जर्म छात्रक विश्वास नहारा । २५०१ जर्म छात्रक विश्वास नाहारा ना क तरल हैश्तास रेमनाशंश क्यन म्यात्रका कतिर्छ शात्रिक ना, এहे क्या चीकात कतार्छ मत क्या ल्यात्रका क्या चीकात कतार्छ मत क्या ल्यात्रका क्या चीकात कतार्छ मत क्या ल्यात्रका क्या चिका ध्याम हहेशार्छ, ध्याप नग्न, हेहार्ड ज्यान हैश्तारस्त विलक्षण निका हहेर्द ।

-----

তুকৰ পুস্তক ও প একা।

ইংরাকী অনুবাদ। প্রেসিডেজিকালেজের সহকারী সংক্ষ ভাধ্যাপক শ্রীযুক্ত বারু রাজক্রফ বন্দোগাধ্যায় এই অনুবাদ করি য়াছেন। এখানি দিতীখবার সংকৃত, এ বার মূলের অবিরোধে অনেক স্তন বিষয় দলিবেশিত হইরাছে; ছানে ছানে কিছু কিছু পরিবর্জ করা হইরাছে। এতথ কার্যায় বিজ্ঞান ইবার অবয়ব পুর্বাপেকা প্রায় দেড্ওল ইন্দি হইরাছে। এতথ কার্যায় কেড্ওল ইন্দি হইরাছে। এতথ কারে দার্লবি । ফলতঃ এখানি সংকৃতে শেবেশ করিরার একটা স্ক্রের উপায় হইরাছে।

২। সপ্যতি প্রতীকার। মেদিনী
পুর বালালা বিদ্যালয়ের অন্যতর শিক্ষক
প্রীযুক্ত বাবু হৃদয়নাথ দাস ইহার সক্ষলন
করিয়াছেন। ইহাতে কতগুলি পরীক্ষিত
ও অপরাক্ষিত সপ্রিষনাশক ঔষধ
লিখিত হইয়াছে। চিকিৎসক দলের
এখানির পরীক্ষা করিয়া দেখা উচিত।

ा लम्लेडिममन। ইছাতে গ্রন্থकारतत नाम नाहे। গ্রন্থकारतत नाम नाहे। গ্রন্থवास्त्र नाम नाहे। গ্রন্থवास्त्र निम्म हहेर्य, मरन कतिहा श्राह्म ।
वास्त्र कतिहारहन : किन्छ सामामिर्लित ।
वास्त्र कहेर्डिह । देल्ली हा स्टिवात्र हे ।
वास्त्र हेर्न हहेवात्र हे । ममिक माजावना ।

৪। হিত শিক্ষা তৃতীর জাগ। এ
খানি কলিকাতা নর্মাল কুলের প্রধান
শিক্ষক প্রীযুক্ত বাবু গোপালচ্চ্দ্র বন্দ্যো
পাধ্যায় প্রণীত। নানা হিতকর বিষয়
লইয়া এখানি রচিত হইয়াছে। ব্যাকর
পের সক্ষিপ্রকরণও ইহার অন্তর্ণিবিটি
দৃষ্ট হইল। এবাবস্থাটী আমাদিগের
বিবেচনায় উৎক্ষ্ট বলিয়া বোধ হইল
না।

৫। রিফেলেক্টর । এখানি ইংরাজী
সাপ্তাহিক পত্রিকা। আলাহাবাদে প্রকা
শিত হইতে আরম্ভ হইয়াছে। তুই এক
সংখ্যা দেখিয়া সম:চার পত্রের বিবয়ের
মতামত প্রকাশ করা বিধেয় হয় না।
ইহার বিতীয় সংখ্যায় একটা অল্ভভলক্ষণ
লক্ষিত হইল। ইন্টইপ্রিয়া রেলওয়ের
টেলিপ্রাকের সুপরিপেতেন্ট প্লানির
অভিযোগের ভয় প্রদর্শন করিয়াছেন।

্ৰিবিশ্বসংখ্যাল। ২৯ জংগীৰ সোধবার।

ज्ञानतात विज्ञनं निकात जन्म काइनाहैन नाट्स नेट्य जि. अस मृत्त. क्वीरत्र केन त्राट्या अम वि श्रेष्ठ अर कड़करुनि नहना छ मस्याटकम श्राश्च इदेशांद्रन । क्वीत नहांसारन ज्ञ ज्ञान कंद्र ना. अकथा देश हात्र ज्ञासमान हरेटज्द । काइमाहेल नाट्य ज्ञासमान कट्यन क्वीदाना खीटनाटका सारम ज्ञासक छैनाटमा ज्ञान कट्या

ক।নানেংরের নার্মাল বিজ্যালারের ছই জান ছাত্র এক জান শিক্ষককে প্রকার করাতে ইত্ত্রাভ, গবর্গনেই ভারাদিগকে বহিচ্ছুত করিয়া দিবার জাজ্ঞা শিরাছেন। ভারারা ছই বংসব পর্য, ভা গবর্গনেটের কোন কাজ পাইবে না।

দিল্লী অঞ্চলে অনার্থিনিবল্পন প্রার্থ ১০.০০০ গো মহিব প্রাণভ্যাগ করিয়াছে। প্রাঠ না চইলে আরও ভয়ানক কাও হইবে। এক কল্পি জন চারি জানায় বিক্রীত হইতেছে।

১৮৬৭। ৬৮ অংক পঞ্চাবের রেলওরের নিমিত ১৪,৬৮,৪৭৮ টাকা ব্যয় হইয়াছে। ইহার মধ্যে ১.০৪২৬৮ টাকা সরকারী রাজত্ব হইছে এবং ১৩,৭৪২১৬ টাকা সংগৃহীত মুল ধন হর্ছে ২য়ারত হইয়াছে। सम्ख्येत विकारगत्न स्वतंत्र साझनमा गांव मारत्व स्ववंत्रमात छै श्रेटकाह वाह्य कत छाहात सहित गतिस्रायत महित्व जिन वर (महाम ७ ३ - • होको स्वतिमाना हहेत्रोटहा

हैट है है जिल्ली में करतन लूट कर के हैं त ले जिल्ला में हैट के कान के कार्ट्स हैट के का नेने का निम्ना करने निम्ना किन्ना किन्न मा किन्ना किन्ना किन्ना के किन्ना किन्ना करते का किन्ना किन्ना किन्ना किन्ना किन्ना है है

ক্ষিরোজ জাহাজ ভর্মার হওয়াতে সর হ লয়েল আগামী ১৯ এ জালুরারি পি ও কাং নির সেইল জাহাজে এ দেশ ভ্যাগ করিবেন

गत कान गरिका जात अकी बहर हिनकात कितिस्ता। उना अध्यम जार्थि हिस्सिन। उना अध्यम जार्थि हिस्सिन किर्मिक किर्मिक किरिकाल किर्मिक किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल किरिकाल

गवर्गदाने काबून इहेटफ मरवाम शहिष्ठाट्यन आवष्टन वश्यन मण्यू जिट्टल शहीम शहिष्ठ इहेप्राट्यन अवर नियान आणि निया सट्यत स्वतार्थ (फार्य प्राप्त । भवर्गदान मिश्रात आणित (फार्य प्राप्त । भवर्गदान मिश्रात आणित (फार्य प्राप्त । कि साम क्रमीय कटने सावार आणित प्राप्त आणित महिष्य प्राप्त । क्रम्म स्वतार आण्यात आणित महिष्य मिल्टल आणित प्राप्त करने प्राप्त करने प्राप्त करने प्राप्त करने प्राप्त करने प्राप्त करने प्राप्त करने प्राप्त करने प्राप्त करने प्राप्त करने करने करने करने कराइटल करने कराइटल करने कराइटल करने कराइटल करने कराइटल करने कराइटल करने कराइटल करने कराइटल करने कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल कराइटल करा

हेंद्र निख प्रचित्रा डीहाटक कथा किक स्कान ।दिश्य। कैशित विकास खिशाम केश्वियाद ड जाधुन এक (धारना कविशाद्या)

दियो अह नामावेशियत कारने क निकारा । वेमानारप्रत अक्षर्गक स्हेशारक।

त क्रम नदाच भवजागकारम निवृत्तिथेष मिनाटक छेशाधि श्रमान कतिबारङ्गः। विन কিলার অভগত ক্রালি প্রগণার চৌধুরী ধনবিংছ শাসনকার্ব্যের স্থায়তা ও বিদ্যার বাৰ লানের নিমিক বারবারাছর উপাধি পাই en মেডিকাল কালেজের সব আসিষ্ঠান্ট জন খাৰু রামনারায়ণ দাস রায় বাংছের ও नवी जामिल वर्ग वर्ग बारु इत छिलावि लाहे

**नका**व नवर्गमा-छेत श्रक्षाक्ष्माद्व काव्यक्रवर्गी व र्विषके निकास क ब्रह्माइन, यथन कान करें। भी नमत बश्कृमा इहेटक लाह माहेटलत अधिक াপৰৰ করিবেন, তখন ডিনি পাথেয় পাইডে ाब्रिद्दन। क्षणवंश्व s माहेरलत सिख्ट गारबङ्ग (मध्यमा इहेक ना. क्री किছू कविक क्रम र रहेल।

भेषकना (दन। १।१६ नम्(म् प्रांडनम् চুৰিকল্প ভইয়াছিল। পুন্ধ ধইতে পশ্চিম দিলৈ नुविवी इह मिनिके नगाल जानाग्रमान इत वक् वकः अञ्चालिका भक्त शांखककात्र हहेतुः ছল। **ভূমিকশ্লের সময়ে দু**গঞ্জি কামানের ्तालाइ महायु अक्री बंक इत्र । পृथियीत कर क्षेत्रहानिक व्हेशकिन अवर मरमाभकन लच्छ নয়। ভীরে উথিত হয়। ভূমিকম্পের পর পুক িরণীর কালে প্রায় অর্থাটিধা পর্যন্ত তর্জনালা বহিয়াছিল।

(यशकन देशमा आविजिमियात मुद्दक भागम রে ভাষাদিগকে এক একটা মেডাল দেও য়া \$(31

কলিকান্তার বিশ্বপ, আর্ক উক্স এবং ৩২ ন গ্রব্দেন্টের বেভনভোগী পাদরী গর জন रितकारक श्रक अस्तिनकत श्रमान कतिहारकत खक काम तासशुक्तदकत वेखेरवाशीय अक्सानि "अवस्था (महत्त्वच )

विभिःश्टल यर्नभनि यात्रित एवतादृष्ट अक খন ছুত্ত্বিধ খানর ইঞার। চাহিয়াছেন। সং শ অর্থাকিবরে সম্পূর্ণ সম্ভাবনার প্রাচীন ्न हेशटक अफ अने शास्त्रा साईक (य e वर्न धु अक्षा » क्षत्रास्त्राकः इहसारः ।

एक को चुक्त । महात का नाम विक्रिक अब । क्षरां न काममन है कि इसाक्ष्म के सका (देव लिक्टेनाके भवर्व अवश् क्रियुक्तिक (द्रिक (क्षेष्ठे मत् कान नाटवटकात निकट्ठे 'वेहाश नाहेट्ड আলিয়াছেন।

আমরা ইউরোপীয় টেলিঝাম দর্শন করিয়া

অভিনয় ছংখিত কইলাম সর হারবাট এড खग्राडम श्रावकतां कतियादक्षम । मन कारवाहि এডওয়াডেন শর ছেনরি লয়েক্সেব এক জন চাত্র क्रिन अक्षान जाहान विकट्ड क्रानक विषय ক্ৰী আছেন! **তিনি পঞাৰী কৰ্ম**চাইপভাৰ ফুলভ যথেছ:চার করিভেন বটে: কিন্তু জা নির শুনিয়া কখন অবিচার করেন নাই। বিলেচের সময়ে সর হারবাট এডওয়াডস শীক্দিগকে विश्वच्छ त्राञ्चिवात्र मिश्चि चञ्च (ह्रष्टेश करवन नाहे। भव्यक्तान कविया हेश्यास निवा फिलि मर्याना ভারতবর্ধের কল্যাণ ও ভারতবর্ধীয় দিগের রাজ নীজিদংক্রান্ত উন্নতির নিমিত্ত চেষ্টা পাইজেন দিবিল দার্ফিসের ভার উদযটিত করিবার নিমিত ভিনি বিশেষ যদ্ৰ কৰিয়াছিলেন ৷ ভিনি নি**জ**ুভয়া সর হেনরি লরেনেয় জীবনচরিত লিখিতেছি स्मा । कामानितात जानका रहेत्वर अहे গ্রন্থানি হয় ও দেব করিতে পারেন নাই।

মান্ত্রাজের প্রেসিডেন্সি কালেন্সের সংস্কৃত অধ্যাপক পিককোড স'তেব সংস্কৃত এছ সক লের সংগ্রহ করিবার ভার। পাইধাছেন। চলিত ভাষার যেসকল এম্ব সাহিত্যও ইতিহাস श्रदक्ष ४ ८४:कभी हा, फिलि (राजक**रम**्ख अरबह

वभटननीय वरंड अल्बीकिंगरक मंख्यवा ৮ টাকা ল'ভ প্রদান করিয়াছেন। টাকার বাজাং সম্ভা হওয়াতে এক টাকা স্থান ও বাঁটা কমিয়া शियाटक ।

एक मिडिन वर्णम, भवर्गमिक जाभनामिरगर বিদ্যালয় সমূহকে তেেলিবন্ধ করিয়া আফুকুলং মাজ দিবার মান্য করিরাজেন। প্রতেওক বিদ্যা লয়ের নিমিত্র একটা বাংগরিকদান নির্মারিত করা হইবে ভাগার অংধিক যভ টাকা ব্যয় হইতে खाश कानीत (शाकनिशाक निरम्ह स्टाउ । स्य शास्त्र हेड: इहरव मा. (मधामकात विकाशाः दिनिया गाइरव। अनास अध्य कदिल स्था नक कानिष्ट श्हेर्य।

উক্ষপত্ৰ আরও বলেন, আনদামানে কয়েদির **अश्या अधिक इंद्याटिक एथाय यात्रकीयन** দ্বীপান্তরিভ লোকদিগকে ভিন্ন জার কাহাকে প্রেরণ করা হইবে না। ব্লেমার বন্দরের স্থপরি मधा छात्रख्यमः कार्यामः ६ अकारमरम् । (हिशान्ते अक्षन व्यवधि विक्रिन उत्कात श्रामा

कः मननर्दरत अधीन मा ः वाकिश्वाः छ। इन्ह ব্রীয় প্রবর্তমন্টের অধীনত চ্ছবেন। কিন্তু ব্রুন ंडिन के शत्र मुडाम्ख पिर्वम, ख्यम श्रापास क्रि সমরের অসমতি লইতে হইবে।

शकारवत लिक्टेनाके भवनंत मह एकानामक माक्शियुक्त नद सम लट्टलात मिक्टि विवास लहेंसात्र निष्ण जाशमन कतिशादक्रन ।

১২ ই কালুয়ারি মঙ্গনধার আরেলমের ভারত বর্ষের গ্রেপর জেনরলের কার্য, ভার এইণ করি .यम : मत क्रम मदर्ज १७ हे .साक्ष्याति अ एम ज्ञांश कविश्वास्त्रव ।

गड कला होनशाल बन्दारणंत नामालिक विकानमञ्जात माध्यादकं अविकास स्केषारक। বিচারপতি ফিয়ার সভাপতির আসন এছন কবিয়া বক্তা করিয়াছিলেন। সভার নিমিন্ত अथक पर को शांकार**छ (इसरहोति हैनकि**টিউটের अक्षि श्रंदश्य मिनिक चार्यनम करा इहेर्य। শামর। ছঃখিও হুইলাম, সভার সভা, সংখ্যা বুদ্ধি श्रेटिक मा।

৩॰ এ গৌৰ মঞ্জনহাত।

श्रथान्छम विवासामार्यक आविनी वाबु दाधा नाथ वक्ष अक शहकरणत नारम विन करिया बन्। यु है। का जा बयारच अधानां हात्रमा ख खाँहारक ছয় মাদের নমিত্ত তাগত করিয়াছেন।

ক্ষিপ্রাটি যুটের একজন প্রপ্রেরক रामन ममहाप्ति माचारतम प्राप्त अक स्मा हे हैं वाशीय नर्पाश्वी अक द्वान स्ट्रेट अक्षी ৰিত্ৰ ছ জিল্লা লইয়া পিয়াছে। গ্ৰ'মস্থ লোকেরা নিবায়ণ করিতে জাসাতে এই ছবুত বশুক श्रमभंत्र करत, जाशराज कांशता नित्र ख रहेराज वाधिक क्या (दहेल शरूर अक्टाफ्र नीय कर्मकावि शन गार्ट्याक बालन, बेगाए डीव्रंब (महान क्टेट्ड भारत, किन्हा ' का'म कांका बाहर करि না " উত্তর দেওরা ১ইয়াছে। এই ব্যাক্ত শীতা স্কট लाख भगन कानाव। अदर विज्ञही चानाल महेशा य हैकाइ मानम कतियादिक। अ वर्षकरक कारिकार्य क्षेत्र कोर्या को समातिएक कार्यन करी कर्तवा । सिम् । व्यनित हे छ द्वाणी युगनहे प्यधिक कार्ट्साकोत् करतः । के**क** प्रकारमञ् आमिर्गिट्यते কোন ক্ষমতা নাই সভাধানতম বিচারালয়ে দও क्य मा । क्रुप्टद्वार बेकाला मिर्श्वास यदिक्छ हात्

বাবু হ্রচত্রে ঘোষ বাহাছতের সমরণার্থ থ त्रजा क्षेत्र खाक्षत मान्नाक्षकरक वर्षकारमञ्जू दे छ त कन्द्रहाती वाबु छावकमाथ (मन लिखेबारहरू, मह बाक ब्युष्टेस (य) यटक बिट्नब जन्मान करिएकन ac कांकांत्र स्वाधार्थ किंद्र कतिए क्हेरल श्रीकांचा क्रिया । द्वाका क्रिमनः चर्नामत धाक कर्नेतः কব্য লি:খতেতেন। ভাঁহার জানা কর্ত্তব। দেবল इरशासकित्यन मन्याम कांद्रत्य कांद्र इस मा, चरमभी ब्रामिश्व शिक्ष शास मा बहेरक शानित त्रकृत कांका हे दुश्चा इति। विक्रि अध्येष (छष्टी) कतिरम शर्म किमनकमा मररनाथम कनिएक পারেন ।

जल्ले खादि स्व अवस्त वहें, किहारिक अवस्ति मुक्ति म

শিক্ষাবিভাগে থাকা হংথের নামান্তর
মাত্র, তাহার করে এক দৃষ্টান্ত পাওয়া নিয়াছে
দক্ষিণ কানাড়ান্ত করেক কন নিমুত্র শিক্ষক
উলরাক্ষের জন্য জন্য বিভাগে প্রবেশ করাতে
মাজ্রাল গ্রহণেণ্ট আজ্ঞা দিরাছেন, বিভাগীর
প্রধানদিনের জন্মভিতির কেহ্ জন্য বিভাগে
প্রবেশ করিছে পারিবেন না। চতুদশ পুইয়ের
সময়ে একজন ফরাশী আফিসর অনেক দিন
বেজন না পাইয়া এক দিবস রালাকে বলিলেন, ''ভাত। আপনার সহিত ভিনটি কৃপা
আছে ধেতন নচেৎ বিনায়। বাজা, বলিলেন
তামার সহিত চারিসী কথা আছে, চুইয়ের
এবটীও নহে"। নিমুত্র শিক্ষকদিনের এই
দশা ঘটিয়াকে।

চা-কর কলবিন এক জন কুলির উপরে যে অত্যাচার করে। ভারেষয়ে ঘুণাপ্রকাশ করিয়া লাও হোলডাগা সভা ভারতবর্ণীর গাবর্ণমেন্টকে এক পত্র লি ধরাছেন। গাবর্ণর জেনরল ইহাতে সভোষ প্রকাশ করিয়া বলিয়াছেন বাছাতে এপ্রকার অভ্যাচার না হয়, সভার নিরস্তর সেই চেষ্টা পাওয়া কর্তবা। নিয়্মান্তির ইউরোপীয় অধ্যক্ষ থাকিতে ভাছা হইবে না। চা-কথেয়া এভদ্দেশীয় কর্মাচ্য রীদিগকে কর্মাধ্যক্ষ করেন না কেন । ভাছা হইলো এই সক্ষাধ্যক্ষ করেন না কেন । ভাছা হইলো এই

মাড়োরারে সত্রতি একজন বকিংখীর। আক্ষাণ নারী সংমৃতা হওয়াতে তত্রতা রাজা ইহার উদ্যোগীদিনের কঠিন পরিপ্রমের সহিত সাত বংসর মেয়াদ দিয়াছেন। ইহাতে সভ্যোষ প্রকাশ করিয়া গাবর্ণর জোনরল বলিয়াছেন, প্রধান উদ্যোগিভিত্র আর সকলের মেয়াদ ক্ষাইশে ভাল হয়।

১ লা মাধ বুধবার। ব্রিবাবের ভূ ব্যাপার বছুব ব্যাপিয়া ব্রুক রাছে। কাছাকের, অন্তর্গত সিল্চর ছইতে টেলিনাম জাসিয়াছে, বিত্তর গৃহ পাতত হইরাছে। তত্ততা বাজার্চী ভুগর্ভে মগ্ন হই রাছে।

দৈদ আজিমুন্দিন খাঁর পুদ্ধ দৈদ শবিফুন্দিন
লক্ষ্যের ভালুকদারসভার স্পাদক ভিলেন
তিনি আপাড়ভঃ লক্ষ্যের গুকালতি ভারতে
ভেন। লক্ষ্যেটিইনস বলেন; বে ছাত্রেকে গবর্ণ
নেন্ট মনোনীত করিয়া ইংলতে প্রের্মা করিবেন,
বলদেশীর গবর্ণদেন্ট শরিক নিনকে সেই ছাত্র
বলিয়া মনোনীত করিয়াছেন। তিনি যড়দিন
সিবিল সার্নিহেনর পরীক্ষা দিয়ার নিমিত্ত
ইংলতে অধ্যয়ন করিবেন, ভত্তদিন ভারতে
নাসিক ৩০০ টাকা দেওয়া ছইবে। বল্লদেশে
কি আর লোক ভিলেন না অব্যোধ্যা হইতে
বল্লদেশের ছাত্র লওয়া হইল। এটা পঞ্জাবী
চাল দেখা বাইতেছে। গ্লে সাহেব জানিবেন,
চালের উপরে কিন্তি আছে।

কাপ্তেন হাদিয়ত আলি প্রধান দেনাপতিব এতদেশীয় এডিকও ছইয়াছেন।

১ ই জানুষারিতে যে সপ্তাকের শেষ হয়,
তল্পা সমুদায় ভারতবর্ণের মধ্যে কেবল
লাহোতে কিঞ্চিৎ বৃক্টি হইয়াছেল, কি ন্তু বিস্তুপাত
ধেয় নাই। অবালা, জলক্ষর, দিসা, রাউলপিতি
লক্ষ্ণে, পাটনা, জয়পুর, আলাহাবাদ ও ঝবল
পুরে বৃক্টির লেখমত্রে নাই।

গবর্ণমেন্ট্ অবগত ক্রাচেন কচের রাজাব কতকতাল প্রজ্ঞা আফ্রিন। ক্রতে দাস ক্রয় করিয়া জ্ঞানয়ন করে। গবর্গনেন্ট ওিনিত্ত ত ক্রতঃ বেসিডেন্টের আরা রাজাকে জ্ঞানাইয়াছেন দলি এই ছুনিত ব্যবসায় বন্ধানা করেন, ভালা ক্রটেল ভালাদিগকে জ্ঞান্ড;। হস্তক্ষেপ করিতে ক্রটের।

#### २ वा याच वृहण्यां विवात ।

गंख कमा ताहें क्रमत्तवन तिहाण, भीश्र श्राम, वार्क कातम कर भिन्न, स्वित्कांश्वादित वाहेंदगेनी भिन्न अवर माम्यत वावन माम क्रम लि, कातकवर्षत ताक्रश्रादित अश्रमम माम्यत क्षीत भन्न वाहन कित्तांट्यन । लाग व्यस एश्वन क्षीकांकांन्र वागमन करवन, क्षम विक्रय अक फिलीय अहेंद्रतानीय अवर करवक मेख देन मिक् क्षेत्रिक द्रिलान । मेत क्रम मदक्ष प्रम कातकवर्ष भाकिर्वन, क्षाम वावर्तत (क्रमत लात क्ष्मान अमान करा हहेरा।

गत जन नारतका सिभागीत हिएकत इहेगा

সাহত সাক্ষাৎ করিতে আসিরাছিলে। আক্ষাদিত হইসাম, সুতের বাসীতে পুরিং নিযুক্ত করা ইইয়াছে।

কুমার হরেজকুক ও মুজি আমীর গোপনীয় বার দিয়া গবর্ণর জেনর্টকর ব অবেশ করিবার করু পাইবেন।

फिनिमिष्ठेन खेरन करिम्नोहिन कनिक विफिनिमिषिषि दिणानिहोन अरीका छ निम्न विकिश्नामस्म निम्न (य नाम निर्म करतन, खातखरीत भर्गदर्ग छात्रास्ट है रहेमा दिन्मास्म नाखारकत नाम द निरमत विकिश्न होत अर्थास्म कर्म खातखरीय भर्गर्गतन कर्म खातखरीय भर्गर्गतन करिम खान निस्म क्रिम रूप नार्वे मानिक ५७,००० वाका राम क्रिम नार्वे मानिक ५७,००० वाका राम क्रिम नार्वे मानिक ५७,००० वाका राम क्रिम इक्ष्र्यान करिया विकास खिम्मान यनि इक्ष्र्यान करिया वान क्रिमान स्वास खातक खर्मिमान करिया कर्म खातिक खर्मिमान, अक्ष्रम हिक्सिम्म खातक खर्म हाम्मानी स्थान कर्म क्ष्राम स्वास हाम्मानी स्थान कर्म क्ष्राम स्वास हाम्मानी स्थान कर्म

#### ० ता म.च छक्रवात ।

আমরা মাজ্রাজ এথেনিয়ম দর্শন ক

হংখিত হইলাম, ভারতবর্ষীর গর্বপ্রদানী যে
লক্ষ্ টাকা রাজকুমার আজিমজার জন্য প্রা
করিয়াছেন ভাষা উলোর পেজন হইতে বার্
কর লক্ষ্ টাকা করিয়া কর্তন করিবার ই
প্রকাশ করিয়াছেন! আজিমজার ৭০ বং
বরংক্রম হইয়াছে এবং উ'হার শবীরও জী
এ অবস্থার রাড়ি কমান ভাল নছে: কিন্তু আ
দিলের পানচুতে রাজকুমারগানকে বলা উচি
উহিবি পান্মজ হইলে ভবিষ্যুত্ত কোনপ্রকা
গাহাষ্য পাইমেন না। জিটিশ গ্রেন্মেন বিশ্বত যে দয়া প্রকাশ করিয়াছেন কোন দেশের রাছ
পানচুতে নিগের প্রতি এনজ ব্যবহার করেন নাই
হৃতীয়ানেপলিয়ন আলম্বল বংশীর্দ্ধিনের গোণ্
নীয় জ্বিদারিগুলি পর্যান্ত কাজিয়া লইয়াছেন

ক্ষেণি জার্গদের সম্পাদক কাপ্তেম বি পি মুরের মৃত্যু হইয়াছে। ই ন জনেকল্টি সংবাদপত্রের সম্পাদকতা করিয়া বিলক্ষণ প্যা লাভ করিয়াছিলেন। কাপ্তেন মুরের জন্তাকর নির্মান ছিল; কিন্তু সভাবতঃ তাহার ক্ষেণ কিছু অধিক ছিল; ভরিবল্পন সর্মদাই কর পত্তিত হইডেন। উদরীধোলে ভাষ্যে মুন্
হইয়াছে।

ইতিয়ান মিয়ার পত্র একণে সংস্থানি টেল। ় ৪ঠ। মাখ শনিবার।

इरकमन शिक्षा दिलन, ' बिशुक्त वानू পচত্ৰ ঘোষ বি; এ, দেশীয় প্ৰচলিত কাসমভের একটা বৃহৎ ভ্রম প্রকাশিত য়া দিয়াছেন। অশ্বিনী নক্ষরের যোগভারার के अर्थित मरकामन स्टेट्सर वर्षत चात्रक এ দিনের নাম মহাবিহুব শেষ সংক্রান্তির अकरन रव मिरन के मश्कांकि वहा यात्र. ইংরাজী ১০ ই এপ্রিল। কিন্তু ক্রোন্থিপা জন অবিনী নক্ষরের যোগভারার সহিত (त **मरकम्--- व्यर्धार मन व्य**ग्नारमं अकृत्व শ এ**প্রিলে ঘটিডেছে। সু**তরাং প্রচলিত কাল্লনারে লাভ দিন পুরের আমাদিনের तांत्रक इट्रेंट्ड हा हेर तां की २५ (म अशिटन देवणांच धतित्व के कात्रत मन्तांवन इत्र । अ শমৃতৰাজ্ঞার পত্রিকা বলেন, '' দিগাপাতি কুমার প্রমথনাথ রায় রামপুর বোয়ালিয়া দিগাপা ভিয়াপর্যান্ত রাম্বা এক্স ।वि ১७ शकात है।का मान कतियाहिनः নি আরও তাঁচার জিলাম্ব ছুভিক্ষপীতে समिटात नाशायार्थ ७६० होका विद्यादक्ष দাতব্যের জন্য লে: গ্রণ্র ভাত্তিক ধন, मिन्नारकन।"

ইউরোপীয় সমাচার।

(भवा ७ हे काल्याति। कावारलणि हहेरह (व) (देशिक्षां व कानियाद्य, जन्मात्र। काना याहे-জেছে, স্থাতান পারিসন্থিত তুরস্ক দৃত্তে টেলিগ্রাফ ছারা স্বাভিপ্রায় জ্ঞাপন করিট্ড দশত হইয়াছেন, ত লমিত ৯ ই আছুযারি দুব नका रहेरवः

ं नथन ७ हे सास्प्राति। माफनिए स्टेटि (र লেঞাম আসিয়াছে ভন্দারা কানা বাইভেছে প্রেভি কাডিজ ও মালাগাতে বে উপদ্ব र, खाहा कुछ शूर्म र छोत्र व्यक्त मन कति इन, এই ভাবে আপাততঃ গ্ৰহ্মক এক क्षा किशाद्या । **हे**वालीट श्रीमार्याम विस्तारक, (मेरानिक ेख्यिश्वाभरमञ्ज्ञात अत्र भारेष्ठारक्रमः

१ दे का भूषावि । उत्रक्ष छ बीरमत विवास শেনার্থ যে দুভস্গা **ক্**ইয়াছে. ভদাবা खानक्रथन अस्तित लक्ष्मा साहित्यह । সর্প্তীফোড নগবেটে হডসন বে কোম্পা-র গ্রাবর মনোনীত ২চয়াছেন।

ণ্টিররগণ ভূরত্ত গ্রেণ্ডের নিকটে আত্ম সমর্পণ করিয়াছেন । ফুলভান ছইখানি লোহা इक व्यक्तिक लाग्ने क्षित्रहार्टक ।

আয়ারলতে কতকণ্ডলি কুবিসংক্রান্ত चलाठात ७ (भान योभ वरेबाट ।

তুরক্ষ ও এীসসংক্রান্ত সুত্তসভার অধিবে শন কলা নিশ্চিত হইবে।

৯ ই জামুরারি। ভারতবর্বের প্রেটনেকে টারি মৃত সর মারবার্ট এড ওয়াডাসের নিমিত্ প্রশংসা সূচক এক মন্তব্য লিখিয়া ভাঁছার শার ণার্থ একটা শুভ করিবার মানস করিয়াছেন।

টा উলা উদের গবর্ণমে छित्र **উকী** লের প্রতি ফরাশী স্থাট এই বলিয়া দোষায়োপ করেন, উকীল সংবাদপত্তের দিকে অন্যায়রূপে পক্ পাত করিয়া কার্য। করিয়াছেন। এই নিমিত **डेकौन भण्डाम क्रियाह्म। क्रांमिट्टेनिट**मर म'शात्रणख्डिक्किएगत मर्थ। ल्लान वृद्धि श्टेटकर ।

३३ है अश्चित्रवाति। করাশী আয় বং <sup>১৩</sup>ক্রাক্ত হিসাব প্রদান করা হইয়াছে। ১৮৬৮ অবেদ হিসাবের আন্তিরিক্তা ৩,৪০,০০,০০০ কৃষ্ণি অধিক আৰু হইয়াছে। ১৮৭০ আহে 3,90,6·,••,•• 郡 博 明刊 昭 36,6.••. ॰ . . ॰ ॰ व । म्र हरेरव, श्वित कता इरेम्राटक विर्लाष्टियल। इहेग्राइड. শান্তিরকায় সাগ বণ সৌকাগ্য বৃদ্ধি ভূতিৰ এটা সকলের সংস্কার হইরাছে। সমাট নেপোলিয়ন সাধারণ মঞ্লাপ य (ठष्टेश भारेब्राएइन छ। हात्र छ छ छ । रहेशाइह ।

कारतक रहेएक व किलाजाम काणियाह ভাষতে প্রকাশ করে ইটালীর সমুদায় গোল যোগের শাল্ডি ছইয়াছে। সেনাপতি সর চারলস ्यात्र (हस्यिक्षा इस्लिगे) त्यत् (सन्हेरले शवर्यत् वहेसार्डन ।

১২ ই জাত্ময়ারি। ত্রীশ ও তুরক্তের বিবাদ ভक्षनार्थ (र मृजन्डा स्हेत्राट्ड, निर्मिष्टे मृज् গণ আপনালেগের মক্তব্য জানাইয়া সেই সভাকে এক পত্র লিখিয়াছেন। ত্রীদের দুক ভুরক দুজের সভিত সমান সন্মান পাইবেন না।

बाहरको है छोड़ कार्डन मृदुः है श्वान প্রকাশিত হইয়াছে।

लबा है दिवालक वरतम, क्रिटिव विकाहि গণ আপে ভডঃ যে গ্ৰণ্মেন্ট নিযুক্ত করিয়া ৮ ই জানুয়ারি। অদাকার প্রাণ্ট কেরালড । ছিল, তালার সভাগাণ অনেক যুদ্ধের পর আত্ম गन, शिष्टोशनां इत शूज क अवेदिक वत- त्रमाशन कतिवारहन : वाति सन एक हरेवारहन ।

সকলের কাগল পত্র ভুরক্ষ কর্তুপক্ষের ক্লগত

वेखरताशीत गवर्गमन् पूरक पूरकत नहिष्ठ बीक प्रदेशत भगान नन्धान नाएकत विकटक स बीबारमा कहित्राह्म, औक मुक মহার রাজের ভবিজকে প্রভিবাদ করেন নাই। किमि हिलिबाक बाजा अरथक बहुटक छेन्। চাहिया পाठाहेब्राह्मन । मुख्यन धीन । खुन्नदक्त ष्ट्र विनिदारहरू, युक्त मन म सद्र कर्न स्ट्रैरन ভত দিন ভাঁছারা যেন কোন গোল্যোগ না कद्वन ।

## गवर्ग सम्बं विज्ञालन। वक्रामणीश (मर्क्रमक्षेत्रवर्गदव्र षारमभानुमानी निद्योग।

७ है जासूसाहि। निम्नलि चिक महकाती श्रुलिय স্থপরইকে প্রাণ্টদিশের উন্নীতি গ্রাহ্ করা গেল,

ৰিভীয় হইতে প্ৰথম শ্ৰেণ্ডে,

*(छ,* वि, (भाष्ठ मारहवः

國, (國, 本) [ ডবলিউ, আর. ত্রিণ।

তৃতীর হইতে 'ষ্তীয় আণিতে। है, अम, लाफेश्राम माह्यत !

डाक्टर (छ, जिल् भनराजे कर्ताट ब. उन लिक करतन नारश्व क्रामात विमालिका मञ्जात मञ् ( क्ई(रंग ।

**च हे छाञ्च**ताति : उत्त, छ्हेंडे भात नार्व्य गर्मनिश्ट्रा महकाती माकिट्छिए ও काटनहेंद्र इहेशा विखीत ध्यानित क्यीन मास्त्रिक्केरहेन क्षका भारत्य।

बङ्गिन ७, जाबादक्षि मारश्य विनास लहेशा हेश्ला छ था करवन, ए छ मिन (छ, अम, (माहेन সাহেব ঢাকার প্রভানধি সিবিল ও সেণিয়ন छछ इहेर्दन ।

भुंभव हैन (क्ला हैर्न (क्ला हैमान नाइहर ३००० অংকের ৩১ এ অংক্টোবর অংবধি ২৮ এ নবেলর नर्गाष भारकिलए अत्र शूलिय स्नात्रहर हे छाए हैं त ক।ব।ভার পাইয়াছিলেন।

के हे व्याञ्चाति। त्यं, अम, व्यत्रे नारस्य वि, এ, প্রেসিডে ক কালেঞ্জের সিবিল ই জানমবিত বিভাগের অধ্যাপক হইয়া ভূডার জেপতে एं भी व स्ट्राम ।

३) हे को हुवा ति : कारखन में, हें कारबन

সিংহতবের প্রতিনিধি তেওটি ক্লিপ্র कार्जन हे, जि, निनिक्टहेर्न अनेक व्यक्तित ३ ६ आहेरमत ३ धातास्त्राची कर्मका शाहेर्दन ।

७) अ जिरमचत कर्वाव बातु महामण सूर्या लाक्षात्र लियमाश्रद्धत्र संख्यामी हिकिएमा कर्षाता वी सहसारक्ता।

ষভাগিৰ এল, আৰু, টটেনহাম সাহেৰ विनाय लहेता ज्ञञ्चलिक्ष शाकित्वन, खखनिन द्धवान्द्रि, अन, अर्डनम मार्ट्य सावकात खेकि मिधि माजिएके ए एए पूर्ण करत्वकेतं महेर्यम ।

১० हे सामग्रीति। वातु अधिकाहत्व तात्र (क्षेत्री मालमहरूत नथ दिक्किन इहेरवन)

যতদিন ভাজ্ঞার এ, কে, মিঙ বিদায় সইয়া ভালপত্তিত থাকিবেন, ডডদিন ডাজার থে, क्षात्राहे प्रवित्रावादम्य श्रीकिनिधि त्रिवित्र मार्क्कन इहरवन । क्रिकि जातक निम्नामकरण ए छाउ। कृ मिर्धाद विकार गत व्यवस्था स्टेर्बन ।

প্ৰক্ৰিক এয়াৰ্ক বিভাগ।

৯ ই জালুয়ারি। দিন্তীয় জেলের স্থানীয় সভকারী ই ক্রি নয়র জে, আর, কে. উইলিম यत्र मृत्यत वर्ष्ण्यात्मत कामीय ताला इट्टेंड अभीक्षा विखारम वननी रहेरवन

नियामिक अस लारकता एके अरक्कोहिन ज्ञांक का किया विद्या विद्याल है कि विद्यात विदेशी फ्राभिश्रार्धमः ।

সি, সি, আডলী-চতুর্গ প্রেণির একঞ্চি কিট্ৰিই জনিয়ব।

ভবলিউ, ভো হৈথ্চতুর্থ ছেলির একজিনি ऐहिंव हे अ स्थ्रद :

ভে, সি. লেড'র প্রথম জেলির সহকারী

এচ, এদ, ধাইডিঙ্গ প্রথম শ্রেণীর সহকারী के कि नियुत्त

**एब्लिफे, जानि इटेन-फिडीश व्यक्ति में** আরু, ডি, মর্গাণ 3 ১२ हे आञ्चताति। इतुर्श (अभित अक्किकि दिवि वे कि नियुत्र (क, अम, लक्ष मार्ट्य प्रकासी इहर्ड क्रेडिकिंटिक रश यमनी इहरवन ।

## উদ্ভ।

এখানকার নাসনসন্দর্কে

देवदमानिक मुख्

'ফাক্সদেশবাসী সিগফ্টড্মানুক কোন ন্ত্ৰাক্তি স্থাতি ভারতবংৰ্ব সৰ্বত্ত প্রিভ্রমণ

नियमानरं के कि सिंध एक के कि मिन्न के विसे किया के कर परम्भी स्थान ता का की त क्षिकी रवेशकोत्र निज्ञालनी श्रमान कतिहारकन, দ্বিয়ে সেই বিজ্ঞাপনীর সারাংশ সঞ্চলিত হইল।

> निश्व मीक गार्ट्य यरमन, देश्याकाधिकृष ভারতবর্ধ দেশ কাজ সামাজ্য অধ্যেকা চর সাত क्षम प्राथिक दृहर। अहे सम्म विर्योक देवारि मुक्टरात्र मिनामक्षेत्र। देश्यारक्षेत्रा अहे महारम দের অধিকারলাভ করিয়া একণে এভুত্থা ও कथना चर्याञ्चलाद्वत लाएक क्षेत्राकृति विद्या क्यममाञ्च छेन्हिकीबाद्रेख्यभिक ब्हेबाहे .मोश्वचा, खांकि व वार्क वह अवर क्रूविश्वनमंत्री সংস্থাপনাদি সাধারণ হিতকর কার্থেরে অনুষ্ঠানে व्यानुष्ठ इहेन्ना व्याह्मन । अक्ट्न प्राप्तकवर्षत रेबरमिक वानिस्का २० काछि हाकांत्र वर्ग এবং রৌপা বাতীত ৩٠ কোটি টাকার দ্রবা ও রপ্রামীর পরিমাণ ২৭০ কোটি টাকার স্থব্য ভারতবর্ষে প্রতিবংগর মাণ্ডান ৪৪ কোটি গঞ विनाणी थान विक्रीफ हुईता शांदक। व्यर्थाए এট থান বিক্রীত হয় যে, তন্দারা সমস্য কুম গুল উপয়াপেরি বিংশভিবার পরিবেটিত হইতে भारत ।

ভারতথর্ম যে রেল ওয়েদমত প্রত্যেত ইইয়া देविषादह, काहारह ७ (कार्कि वेरका बहुद्वा গিয়'ছে। গ্রণ্মেন্ট ঐসমস্ত টাকার নিমিত্ত यश्चा बोबी बहेशा कारहन विलयारे स्तलकरम नमुबाब शक्क इंडेएक (इ.) नवर्गाय निकारि कुलहाचनमकार्यः मह्नार्याभी श्हेश्रा ७९क'र्यः २ - (काहि प्रेशकात अधिक काल कालिएक मनक কবিয়াকেন। সমস্ক ভ'বতৰৰ্ষে গ্ৰৰ্থমেটের स्टलत व्यथ्या नवर्गान्हेन माहाधाख 🖒 शक्षात विकृत्वय जारह। के ममज विका अर्थ-अञ्चल, सञ्जलक राज्योग्न वालक विकासिश्रम করিতেছে।

भिष्ठ ভाরভবর্ষে ইংরাজনিগের থে কোন क्रांग्रिके ल क्षिक इश मा, अभक महरू। क्रांतकवर्धित कत राष्ट्र हैश्राक्षिरशत नहा एत ना । उद्याना डीकृता अधारम छेशनिरवण मरञ्जालम कतिएक भारतम ना। (य हैश्वाक फ़ातकवर्ष यान् कैं। हाद अक्षाज छ स्मिना, नीख नीख वस्त्रासून इंदेश चट्हरण कितिया कार्टरमन । क्रख्यार कार्य তথ্যের প্রতি উট্টেদিরের ভাদুশ মমতা ক্রেল ना । कात्र अक्षी (मार्थ अहे (ब, हेश्त्राटकत्र (मनीश (नाकमिएशत मध्याव कान वारमन ना । डाहाता प्रवाहात प्राच्या प्राच्या अवर गर्किष व्यवसात करत्न। एकाना (यशद्विमार्ग 'एनमीम्र लाटकहा लाम। পড़ा भिका कतिम्र। च्याकिटमम् कार्यः এकटन (यज

तामकार्यक बाबी एडे/फ़ुट्ट (मुन! हेर्त्राक्षमिर्शत महिष छाहामिर्शत श्रेष्ठिर এবং বৈরভাব উপ**ন্থিত হইডেছে**। " এ (शर्ब है।

-----

ष्यायता याणिरशास्त्र इंटर र थिए नमाहात्रकृति आंश्व स्टेतारि 🕽 । नष १ठी काञ्चलादि भवर्गरमन्डे न मामिरभाषा है९ वार विमानरवत পরীক্ষাকার্য সমাছিত ছইয়া গিরাত কেয়া পরীক্ষিত বিষয়ে যেক্সপ প श्रदर्भन कतिहारह, जारा श्रीजिश्रम रहेर्य। भरीकावमारम विम्हालय मिवम বকাশ ষ্ট্রাছিল। ছাত্তেরা বিগ্রামাতে অভিনৰ উৎসাহসহকারে অধ্যেনকা इटेब्राटङ। जागानी जीभक्षमी भर्ताटक विष्ठामरवृतं व्यवकारमत व्यवहरू (बाध रम भहीरका छीन यामरकता यथः शुतक क इहेर्व।

२। निविधिनय आक्षापगश्कारय श किंदिङ्कि (व किंक्सिकांड) विभिन्नेश्रुद्वेत्र क পাতী ভূকৈলাদের রাজপরিবারত্ব জীব कुमात नाजानकाट्यावाल वाहालूत बहे ि नाम अक्नानीन ६० होका मान कविष्ठा जमाता वित्रशंक्षरमूत ज्यानमाक व्यवह .याजी जारनकश्चल जारवात यर्थ्ड जाहाब য়াছে। এতাবভা মালিপোড। উপ্ত হি কুষার বাহ'ছুরের নিকট ঘাৰজ্জীবন কুং भारभ वक्त तक्ति। आमता सम्मीदत লাখনা করি, এক্লপ মহান্তভব লোক की वी बहेग्र (मर्गव मध्यमनकाम कांब्रुक र

७। मञ्चिष्ठि बद्यारम क्रीर अक्षी नावक कार्मिश्रा यरभावाना कि हेशसव कशिष्ठाकिल। काट्नक्षाले (श्रञ्ज काहात करात करिंछ इत्रः शांत्र ३ % वि रहेंग, नवनात मार्ट्ड (मिन्न इंक इडेग्राहरू क्षकरमय बाहुन आहुर्वत, काकारक वृक्ष উদুশ অভাচের নিভাত বিশ্বয়ক্ত न्दर। समीत्र माखितकदक्षा आहर फलार्टरण थाकून, फाड़ा क्हेरन क्रमन भन्ताकीन क्रीवृद्धि श्रहेर्य । तम पिन प्या पश्चित शत सम्मन्द्रितत निमित খোষণাপত্ৰ প্ৰচায়িত হইয়াছি সেখানি কি মরীচ্বিচীন কপ্র

৪। আনুভা অভিনৰ সং

'एक देश्रंत्र शांतिएवत विषया निःमिश्रान क भावा वाहा।

ং। শান্তিপুরের কুত্র মকলমার বিচারা
মাগামী ১৯ এ জালুরারে রাণাঘাটে উঠিখা

া. এরূপ আবেশ আলিয়াছে। মুক্তেফি
নভটী আপাততঃ শান্তিপুরেই থাকিল
নপের বিষয় এই, ব্যবহারাজীবলিগকে
কুর পদবীতে পদার্পন করিতে হইল।

১; বিচারালয়গুলির একত্র শ্রিবেশই
ভাষুক্তির অন্তুমোলিত

া এখাৰে দিন দিন গোচোরের বিলক্ষণ ভাৰ লক্ষিত হইতেছে। সচরাচব এমনও । থাকে, যে যে গৃহত্তের গদ্দ চুরি যায়, গারেরা গদ্দ অনুসন্ধান করিয়া দিব । উচ্চার নিকট হইতে বিলক্ষণ ছটাকা ক্ষথচ ডিনি গদ্দ পান মা। মক্ষ নয় কিন্দুদ্ধ সহমরণ । পুলিষের কার্য্যকারিতা ইই সমান। কেবল " বাকোতে পর্কাণ ভাষ্টার্য ডিলাকার ।

९ । হবীবপুরে একটা পোষ্ট আফিস সংস্থা বনের চেষ্টা ২ইতেছে শুনিয়া যার পর নাই থাজাদিও হইলাম। কিন্তু কুতার্যতালাভের পুরে একথা যেন বেল সাহেবের কর্ণগোচব না হয়। ভজ্জন্য হবীরপুরবাসীরা সভর্ক থাকিবেন।

দ। ১০ই আনুমারি অপরাহে এখানে প্রায় ও মিনিট কালের মধ্যে বারত্রয় ভূমিকম্প হইলা সিরাছে। এডাদুল কম্পন অনৃষ্ঠপূর্মা।

२क अ (शोष ) ১२१,६

আমাদিগের আনুলিয়াত সংবাদ-াতা লিখিরাছেন:—

১। আমরা আশা করিয়াছিলাম যে, এ দেশে তি আফিসের সংখ্যা বৃদ্ধি হইলে প্রাদি মিত সময়ে হস্তগত হইবে। কিন্তু প্রভাগা বিস্নাম করিয়াছিলাম যে, এ দেশে করিয়াছিলাম যে, এ দেশে করিছা করিছার জালা করিছা করিছার জালা করিছার জালা করিছার জালা করিছার করিছার প্রাদি এরাণ প্রেরণ করেন যে, ভার্তি আনেকের শেষ অনিষ্ঠ হয়। এখানে ভবদীয়া শেশুভি প্রায় ৫, ৭ খানি সংবাদ শিশুভি প্রায় ৫, ৪ খানি সংবাদ শিশুভি প্রায় ৫, ৪ খানি সংবাদ শিশুভি প্রায় ৫, ৪ খানি সংবাদ শিশুভি প্রায় ৫, ৪ খানি সংবাদ শিশুভি প্রায় ৫, ৪ খানি সংবাদ শিশুভি প্রায় ৫, ৪ খানি সংবাদ শিশুভি প্রায় ৫, ৪ খানি সংবাদ শিশুভি প্রায় ৫, ৪ খানি সংবাদ শিশুভি প্রায় ৫ গানি সংবাদ শিশুভি প্রায় ৫ গানি প্রায় ৪ খানি সংবাদ শিশুভি প্রায় ৪ খানি প্রয় ৪ খ

श्चराम श्राप्त वरमवाव व श्राफ मम्म्बाद्य अचार्य আগিতঃ বিশ্ব এক্সনে রুংশ্য ভিবার ভিত্র भा अया वाहेटफट्ड मा, हेशांत्र कांत्रम कि? (म निवन, मानिर्भाषा स्ट्रेंट अक्यानि रेर्शातिश পত্ৰ আকুলিয়া ডাক্ষরে আসিয়াছিল। পত্রথানির উপর অন্থান ৫। ৭ টা মোহর দেখিয় হঠাৎ ৰোধ হইল ৰে এই ক্ষুদ্ৰ পত্ৰধানি ভাৰত বর্বের প্রাক্ত ভাগ হইছে ভাসিয়াছে। মালি शिका अथान इ**रेटफ है मारेटनत** फानिक मटेर । मियान १३ए७ निव्यक्षिकक्षंत्र शक् शाहरण रहेरन ৪ ঘণ্টার মধ্যে পাইবার সভাবনা ; কিন্তু পত্র थानि भाजिश्व रहेएं श्वर्त्त मिरक ना ज्यानित्र अथमणः भाशुप्तात्र गमन करत, **ख्या स्**हेर्ड কলিকাভাপ্রভৃতি অনেক প্রসিদ্ধ প্রসিদ্ধ নগর পर्यक्रित करित्रा शतिरमर्व हा e मिन शहत अथारम উপস্থিত हरेश्लाहिन । वाहा रुक्केन, এরপ করিয়া পত্রাদি আসিলে ঘর ঘর পোষ্ট আফিসের প্ররোজন কি? শান্তিপুরের ডেপুটী পোষ্ঠমাষ্টার বাবু বোধ হয় উক্ত পত্রখানি জমধ में उ: बज़े भे कृति (श्रेतन कित्राकितन । कामते ভরদা করি পোষ্টমাষ্টার বাবু ভবিষাতে দাব धान वहेटबन ।

२। গত ১৮৬৮ সালের এল, এ, ও প্রবে লিকা পরীক্ষার ফল কলিকাতা গেকেটে প্রকা লিভ হইরাছে। কুঞ্চনগর কালেকের এল, এ. পরীক্ষার ফল গত বর্ষের ন্যার হয় নাই। প্রবে লিকার এক প্রকার স্থানই হইর ছে। কুঞ্চ নগর কলেকে ২৬ জন ছ ত্রের মধ্যে এল্ এ পরীক্ষার সর্মান্ত হঠা এল্ এ পরীক্ষার সর্মান্ত ১৫ জন, প্রবেশিকা পরীক্ষায় ৩১ জনের মধ্যে ১৬ জন উত্তর্গ হইরাছেন।

৩। এবংসরও সুড়াগাছা ইংরাজ বছ বিদ্যালয় হইছে মাইনর ছাত্রবৃত্তি কেই প্রাপ্ত হন নাই। ৭ ক্ষমের মধ্যে তিন অন তৃতীয় প্রোণীতে উত্তীর্ণ হইয়াছেন। ছঃখের বিষয় এই কুল স্থাপনাবধি এপর্যন্ত একট ছাত্রও ছাত্র রুজিএহণে সমর্থ হইল না। মুড়াগাছায় অনেক গুলি ভদ্রও অমীদারের বাস আছে, এখানে প্রতিবংশর বিদ্যালয়ের একপ ঘটন: নিভান্ত শোচনীয়। বিদ্যালয়ের একপ ঘটন: নিভান্ত শোচনীয়। বিদ্যালয়ের গ্রহণ ঘটন: নিভান্ত শোচনীয়। বিদ্যালয়ের গ্রহণ

সময়ে সময়ে ইহারা পত্রাদি এরপ ৪। শুনিয় সুখী হলাম যে, 'নাকালী-প্রেণ করেন যে, 'ডাছাতে অনেকের পাড়া থানার অন্তর্গত ' দোণাডালার জ্ঞমীদার শেষ জনিষ্ট হয়। এখানে ভবদীয় বাবু স্থ্রেক্তনাথ রার ন্যারপরভার সহিত্ত শেশুভূতি প্রায় ৫ শিল সংবাদ প্রজ্ঞাপালন করিডেছেন। ইহার জ্ঞপ্রিসীম শেইসে, কিন্তু অধিকাংশ ২ ৩ দিবস যুদ্ধে এখানে একটী ইংরাজি বিদ্যালয় ও ডাক মান্ত্রের হস্তগত হইতেছে। শোম হার সংস্থাপিত হইরাছে। প্রশ্লার হিত্সাধনে

वांतु अकाष कहत्रकः। इरहेत्र मधन क निर्देत भागनगरकः उक्त विरेक्ती मर्शमंत्र अक्षी श्रथान हृष्टेक्ष्यमः। अञ्चल क्षमीमारतत्र बावा म्मान्त्र, करनक विकत्र विवत्र मण्यत्र हरेरक भारतः। कञ्च कारकत्र मानस्कार्य वांतु श्रान भवाक चीकात्र कत्रिक्त केंग्रकः।

e। রাণাঘাট স্বভিবিশ্বনের মধ্যে বেল্প ডিরা গ্রামে গরুর উপদ্রবে লগ্য ইর মাঞ র্বকেরা একপ্রকার ও বিবরে হভাদাস হই রাছে। গমর্শমেন্টের উচিত বে, যাহাতে গরুর উপদ্রব মা থাকে ভাষার উপায় করেন।

-----

### প্রেরিত।

## मानावत अयुक्त त्नामश्रकाणगणावक

#### महाभन्न ममी(शवू।

वां नी अक्टनत इर्डिट्कत विषय आश्वाटक ইতিপূৰ্বে লিখিয়াছি এবং মহাশয়ও জন্য জন্য कामक प्रश्वाम शास काफ व्हेटकाइम । अक्तर्य अञ्चारम जिक्करकत मरथा। (य कछ वृक्ति स्ट्रेटजर्ड ভাহাৰলা যায় ৰা। আনাৰঃ একংণ ভিস্ (क्त क्षेट्र मात स्थिट्ड शांति मा। अक्टन व्यव्यवस्य भी क्षांत्राहीमिरशह **45** উপস্থিত र्रेश्वारक, ভাছা বৰ্ণনাতীত। আপনকার গত পত্ৰে পাঠ কৰিয়া অৰগড় হইলাম যে, মধ্য ভাবভবর্বে বাল্যেক ছব্দ্র ক্রোটভ ভক্তঃ ১ • ग्रेकात मीरहत कथाहात्री मरतत म्छक्ता २६ ठीका क्रिया (बाउन बाष्ट्राह्मा (मवात प्याका रहेश्राष्ट्र । जामनाउ এक जारवमन शख जामापि গের ডেপুটা ক্ষিদ্দর সাহেব বাহাছরকে দিবার ক্ষন্য প্রস্তাত করিয়াছি। আজি কালি এখানকার অরক্তে প্রায় ৫০০ লোক প্রভার আহার कतिए७८इ। अञ्चमान कति छेड्डियाति इर्जिक् অপেকা এখানকার ছর্তিক খোরতর হইয়া উঠিল। ৰাজারে মব্যাদির মূল্য দিন দিন কৃদ্ধি स्टेटलट । अक्टल हाडेन १॥• छः शम ४• स्त्रत विक्रम स्ट्रेप्टर्म ;

আমি আজাদিত ইইয়া একটি শুত সংবাদ আপনাকে ও আপনার পাঠকবর্গকে তাত করি তেছি বে, বর্তমান মাঘ কইতে এখানে বল্লেশীর বাবুরা একটি রিভিং ক্লব করিয়াছেন। এক্ষণে আয় অভান্ত অল বলিয়া অধিক পুত্তকাদি সংগ্রহ করা ইইডেছেনা এবং অধিক মুলে।র সংবাদ পদ্রাবিশ্ব লক্ষা ক্ষতেছেনা। ক্লভঃ আপত্তভঃ

🌯 🗣 बानि देश्हाची अरदामभञ्ज स्रामहियात मुना (अपन करा प्रशास्त । अक्टन कन्मीपारता ইফার এটা ছাত্রী হইলে অভিনয় প্রথেত বিষয় रहेद्द ।

----২৯এ পৌৰের সোমপ্রকাশে একটা পরি-क्टिए निविध इदेशारिक (व. ) मनिव्यक्तात्र क्रांखत्र नकम संदेख स्ट्रेस धूम इश्वित महकुमा वीहें। जन्द्रा क्रकिंग सुक्त क्षेत्रा क्रेग्नाइ अवर चार्थात विविद्यार्थित, अहे निवृत्यि चण्डाच चन-লভ। প্রথমটো আপনাকে জ্ঞাত করিভেছি বে, উক্ত প্রথাটি আদে অভিনৰ নহে। মণিজভার 'वाशिद्रमञ् 'काशमावधि । **स्थित मक्न महरू** क्हेरल, मूल छिख मछ नमान वाही अहले यहा त्रीकि चार्छ। अक्टन स्य मुक्त निव्रम स्टेन ভাহা ভাষাত্তর করিয়া, এই পত্রের সহিত প্রেরিড হইডেছে, অলুগ্রহ করিয়া সৌষ্প্র-কালে একাশ করিলে আপনার পাঠক বর্গের विभिष्ठ बहेटव ।

আপনি উক্তি ক্রিরাছেন বে, ভাক্ষরের আসাৰধানতার জন্য অর্থনাধারণের নিঞ্জ কর। जबाक श्रकारत व्यविरात । क्या श्रक्तिका त्य (क्यम फाकर्यारण मात्र यात्र अवक मरह, कात्रन कथिकारन नकन इन्छित्र मन्नेपारिका मर्न्यदात्रा श्रेष्ठीव्रमान श्रेष्ट्रेष्ट्राष्ट्रं (य. प्यानकश्रीम ভূত্তি অপজ্ত হয়, কডকঞ্চি বা দ্বলি স্বায়ের रुष्ट गण रहेबात शत रातारेमा याम ५ कणक গুলি বা ভাকে প্রেরিভ ইইবার পূর্বের ক্ষেত্রা यात्रा जाननि अहे चानिरमद चित्रदामा वियाम एवं कालिएशान कविद्यारहर, जाहा कामृतक ইছা প্রধান করিবার নিমিত্ত যৎকিঞ্ছিৎ লিখি লাম গ্লামপ্রকাশে প্রকাশ করিয়া বাধিত क्तिर्वम ।

,১লা ৰাঘ) 🕒 এসরকুমার দাস দেব > ₹9 €

भाति छाबिक श्राम ।

--:•;--

উৎসংহলান ,সমাজেলছাভির জান্যান্য কারণের मर्थर अक्षी अधाम कांत्रन बलिया अकीमान स्था। (व नमरबन लाक य विवरम य शतिवार केर नार थान्य रहा, (महेनबरहात लाटकत (नहे बियरत अम्बूज्ञान क्षेत्रक्रिक्रिक मुझे रहेन्रा शारक। आहीत स्त्रामक्तिरभन्न वीत्रव्विक्र অপরিসীম উৎসাহ দান না থাকিলে বোধ হয় রোম রাজ্য বীর ভুলির অলুপ্র উদাহরণস্থ র্লিয়া জডিবিড ব্রুড না। আনফেড্ও

এলেলেবের একডি রাজা ও সাজীগবের জগ রিবিড উৎসাহ না পাইলে বোধ, হয় শিল্প, ও বালিকা ইংলডের অসামান্য গৌরবৃত্তনি করিও मा भावता (र जातजनर्वटक खब्रा होनावप नकट्संड काखाँ विस्ता आया कविद्वां बाकि. विक्रमेविकाश्रक्षक श्वन्तारी महाचानिद्रशत অসীম উৎসাহদানই ভাষার প্রধান কারণ विकास स्ट्रेटन क्रमणः छेरमाह मा भारेटम নানবস্ত্ৰপথের কোনপ্রকার বৃত্তিই যে বলবড়ী ्यामा, अ विवासिय व्यक्तिक **के**शास्त्रन *(प्रके*दा रक्षिमाञ्ज । युक्रश्रकात **उ**रतार्मानश्र्या बारङ, विकावियरत छैरताह मामहे गर्नारभका বঙ্গকর। আবাদিখের দেশের বর্তমান সময়ের উম্বাভি বেরণ আমাদের উপর নির্ভর করিকেছে, ভবিষ্ঠের উষ্তিও সেইস্লণ দেশের বালক গৰের উপর নির্ভন্ন করে। অঞ্চএব দেশের ভবি বংং উন্নতির আশা করিতে গেলে বে বিন্যা मरबन बामकशर्भक शरम शरम छेरमाइबर्धन कता खरमा अर्खना, हेरा सम्म हरेखनी भरिनाम क्ष्मी व्यक्तिबादखरे चौकात कतिरवम। अरेजन क्षेरज्ञाह यर्धन केशरहण । शाहिरकाविकाविमान त्रण नाना खेलाएक स्ट्रेट्ड शारत । खबारश निवृष्ट काम बाकरवाहा बालकशर्यत छेरपार वर्षन कर् रायुष्ट निकार्यन व्यवमा कर्षमा (गरेन्न) बार्या बार्या शृक्षकाणि शातिरकाविक योगदाता উৎসাহবর্জনও কর্ডব্য কর্ম। পারিতোষিক বলিল্লা অভিসামান্য মূলোর একখাৰি পুত্তক क्टिन बामरकत घटन (यज्रा व्यश्रक्त द्वेष्त्राष्ट्र प्रत्मन्न द्वेषत्र हन्न, स्वाध रुन्न नाव्य লক কুবৰ্ণ যুক্তা দিলেও ভাষার সেরপ অনি স্মা। এইস্প উৎসাদ ৰ্মচনীয় State S क कि व वास रहे ø भाष धारि . . . . বালকরণ্ড জাহাদিগের এই দৃষ্টাজেক ভছুসরণ 1 134

भाविकश्व विकागिरम् भातिए।विक शानहे जानः जामानित्तत्र अहे श्राप्टात्तत्र मूनः **এই বিদ্যালয়লী প্রথমতঃ যৎকিঞ্চিৎ বারইরারি** পুজার নিষ্টি সংগ্রীত হ'লার ধনে স্থাপিত **रञ्ज । मर्ट्या पॅरिश राह्य अस्त्रिक्र वित्रालय्की**त স্থারিছের আখা করা বার কার্যকালে ভাঁচাদের चार्त्य मिथिनश्चप स्वशाय विम्हानप्रशिव विरमानमधा परिवाकिन। भरत छेक खार्यव स्त्रीमाञ्ज चरमणश्रिक्यो जीवुक वाव महामान्त्रव । विश्वान बहेमिट्सन अक्षेप्र वत्र ଓ एकावनवर्गात विमानको भूनकात छेत्रछित भएष जाबनके हहै। कलनाच हता हेन्हा ७ (इ.ट्रें) वा करन जायरन-

(ष्ट्र । भूनीरभक्षा अक्टन देशा वाजन वृष्टि रहेक्राट्स अवर अ वर्गत अवजी वासके নর ছাত্ররজি পরীক্ষার উত্তীর্ণ হুইরাচে। क्ति महानभारशांटर हेर्'त . लाहिंद्रकार्वि कार्यः जन्मव रहेषा निवादकः। जरुटकाटनः मात्रह वार्षिक विषयन स्थित व्हेट्स महोत्र वीनु घरएक वानकशनएक भाष्ट्रिकाविक করেন। পারিভোষিক পুস্তকগুলি উৎক্রষ্ট দৰ্কপ্ৰধান পাবিভোষিক ২০ টাকা স্থা একটা বৌপ্তমন্ত্র মেডাল ভিল ট্রমধিক ও (मन्न विवन्न এই (य प्यविकारण वाजकहे शाहि विक माफ क्रियाट्यः भाविष्ठाविक्यान পম स्टेरन बीद्रका वायू भत्रखताम विचार ৰাৰু কালীকুমার বিশ্বাস বিদ্যালয়ের : পর অবস্থা বর্ণনপূর্বক এক একটা বস্তা হ केण्डात वक्ष कारे मकरमत समम्बाहिनी र ছিল। পর শুরাম বাবু বিদ্যালয়টীর স্থাপম, कात्रमत्नावात्का हेगात मलगटहरीम बा রহিয়াছেন। বলিতে কি, ইহাঁছ অঞ্পট যদ্ধ 😸 **परिकार ना पाकित्य जानता विद्यागद्वजीत वर्ष** মান উৎতি কলাচ নম্নগোচম ক্রিতে পারি षाय मा।

৮ 백멸취(취

মজিলপুবহিটভবিশী সভার পৌৰ মাসিক অধি

(वभम ।

गण ३७ हे (भीव मनजबात प्रभुताहरू अहे সভার অধিবেশন হয়। অসীদার 💐 বুক্ত বাতু नाम मरख्तु अञ्चल क उटक अमोभात 🗃 कुक व 🔊 ্রী নীরায়ণ দত সভাপতির কার্য, সম্পার্ক कर्दन। मणावरण धार्ययकः शक मणाव सार्व विवत्न गाउँक रहेन अवर भूर्त्तनिक्षातिक अर्था সকল কভ ছুর ভার্টো পরিণ্ড হইয়াছে এব फरमञ्जामरानत क्षाजिबक्क वा कि कि, छा बारनाहिष स्वैन। बायादिरमन् (हर्नत् (नार्यः) হঠাৎ উৎসাহিত ও হঠাৎ নিরাশ দনঃ কৈছে डाँहांद्रा विरवहनी कड़ान ना (व, वलिवाम'उ (कान कार्य) मन्त्रप्र इव ना, मकत कार्याहे का गार्थक अवर क्यांशक यत्र ७ (इष्ट्रीत कत्र चामा मिर्गत नकन कर्चना यमिक चामता नाधर्म कतिए७ ना भावि, ख्यांभि खाहा आनिएस अव 🗥 সাধন করিতে সাধ্যমত চেষ্টা করিলেও যথেট

য়প্ত সংঘটিত হইয়া থাগে: বিশেষতঃ ন আমাহের স্মালের যেরূপ আবস্থা, তে পাঁচ জন একতা হইয়া কোন সং বিষ কালোচনা কবিলেও আপনার এবং নৰ মন দৃশ্ভ ভাপর হইতে পারে, ইহাও নাভের বিষয় নয়। সভার ফল হাতে হাতে াইলে থাঁচার, ইহার আবশ্যক্তা বুরেন না, বা যেন এই গড় ভাৎপর্য, বিস্মৃত না হন। । ব'বে একটা বি**শেষ প্রস্তাব (বঙ্গবিদ্যালয়ে** ভাষিক দান ) জইয়াই সভার কার্যালেম ্বভূদিবদাবধি এই বিদ্যালয়ের প্রতি य लाकपिरात मुक्ति बाहे, हेशरख हैश দিন হীনত্রী ধহয়। যাইতেছে। ইহার শিক স্তুপণ্ডিত এবং পরিশ্রমী এবং বংসর া ইহা হুটুডেই ২ : ৩ জী চাত্ৰ প্ৰীক্ষোভীৰ ্ৰেন্ত্ৰ, কিন্তু ভালতে কি হইবে? সাবারণভঃ ী নিরুৎসাছ ভাব সঞ্চারিত হইয়াছে। -হার মিরাকরণার্য পারিতোষিকদানই একটী वर्णम छिरभाइकत कार्यः। (मर्मत श्राप्त मकल हिरांक यथानाथा किश्रिक्ट माख्या श्वीकात कांट लंडे ब कार्यर छन्। यादम मण्यम इईएड शाह्य . ভবার দাভবাসংগ্রহ হটলে আগামী মানে পারি उधिक मान श्हेरन खित श्हेल।

় ২০ এ পৌষ मण्योपक । 3294

------

भकासत्। व्यामानिद्धत् (मदम नाषात्वा) ্মনীতির প্রাধান(ন) থাকাতে যে কডপ্রকার ত্রিপ্র সাধিত ইউটেছে ভার্থীগ্রনা করা কার্ 🕬 ्राभराष्ट्रस्थ नर्षः। स्य सम्बनीतिः लारकत × 8 (भी रत वर्षान व कमाज किलांग, त्य ্ভির অসম্ব ছইলে পেশে রাষ্ট্রিপ্রব ফুট হটর। সিংহবিজ্ঞান্ত নরপতিকেও कृतिकार संविध्य के स्थान का स्थान का स्थान का स्थान का स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्था के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स - অস্থান্ত - শুভ ফলপ্রদায়িনী বিদ্যাত হট্যা হাসু এবং যে পর্মনীতি **মান্ধর**াতির % সৌজাপতাঞ্চারের **উৎসামরাপত ভাষা** ভাষার ক'ন কোন তোলের লোকদের हे शहायत है।काव कांत्रहरू इन्नेश्चारका व्यव विठादाल १८३ चामनाभन में निवर मन ७१० -ধ্ৰেষ্টা সন্মাৰ্লিলেও আছে জি ছয় हैहीचे। अं अंअअश्व (नकड़े द्व शुक्र) **हैकां छ हैन, ए**.स्टंट क्यांन्न'लन कहा आधार ্টিউন্নেশ্য নছে। সঞ্জা ক্ষাণ প্রভিবিয়া দিবরে। ির অংথিক অংনিউ ২য়না বিভ হণলিপ্সায় **'** 

কাহারও স্বানাশ করিতে দেখিলে চিৎকার না করিয়া ক্ষান্ত থাকিতে পারা যায় না। আনি अज्ञाभ विनाए हिमा (य हेशाता नक्टलेंटे के চরিত্রের লোক কিন্তু অসুসন্ধান করিয়া দেখিলে চতুর্থাংশও ভাল পাওয়া ছক্ষর হইবে এই দলের কোন কোন মহাত্মা ধনলোভ সম্বরণ किंद्रिक ना भाविष्ठा ज्यामानुष्ठत निभ इहेट्ड সমন বা ইস্ভাহার জারির রুসিদপ্রকৃতি কাগল ( যাহ'তে প্রায় বিচারকর্তার স্বাক্ষর থাকে না ) বাহির করিয়া লইয়া অভিপ্রায়ারুরূপ ভূতন আর একখানি রাখিয়া দেন। বাছার বংগ্নে এই, ভয়ানক কার্যা সম্পাদিত হয়, জাঁহার বিলক্ষণ উপকার হয় সন্দেহ নাই। এক্তে কোন পক আদালতে কোন কাগজ অপরিবর্ভিত রাখিতে ইচ্ছা করিলে ভাছাকে ঐ কাগভের জাবেভা भक्त ( हेश्टल विहात्रक्त चाकत ও मून) অক্ষিত থাকে ) লইতে হয়। সম্প্রতি এক ব্যক্তি এই উপায় অবলয়ন না করাতে ভাষার ফল প্রতি হইরাচেন। মহাশন্ত্র জামাদিগের দেশের निश्च धर्माधिकत्व**श्चलित भएकाकारत कर्ल्**भक খার কত দিন অনবহিত ধাকিবেন? যদি धां हीन मञ्चमाञ्च ना हहेटन कार्यः ना हटन, खटन এরাশ কভেওলি নিয়ম সংস্থাপন করুন যে ইহারা আপনাদিগের অভাবসিদ্ধ বিদ্যা প্রকাশ করিতে না পারেন আপাতভঃ নথির কাগজ পরিব र्करमव निवातन विघरत (काम छेलाप छेखानम निठाए जावनाक हरेड़ा छेठियाहि। य कान काशक ज्यानाताक नाथिस इदें। , खाहारक বিচাব্যকর স্বাক্ষর ও মুদ্রা জাক্ষত করিবার নয়ন করিলে ভারে পরিবর্তনের সম্ভাবনা थाकिरव ना () निरंतनम हेकि।

**३३ है** लोस } ক্ষ্যটিং 3 39 a अभगका तिशः

#### -: .:--मृना था खि ।

ब्रीयुक्त वानु क्रकनाल (होन् दी মালদুর ১৮৬৯ জ'লুয়ারি হইতে ডিসেম্ব

- » রাজকুমার মুখোপাধাায় ত্রিহুত ৭
- রাজা গোপীলাল পাড়ে পালোড় ১৩
  - » গোলোকচন্দ্র সেম দিনাঞ্চপুর ১৩ " কৃষ্ণকিশোর নেউলি বাগৰাজার 📵
  - " ঠাকুরদাস সেন ক**লু**টোলা e ii
- (১) সম্প্রতি জেলা হাবড়ার

টানী যে উৎকোচ এছে কৰা হয় কাহাতে আমা। ডেপুটি মহালয়ের। ঐক্তপে কার্য্য করিলে সাধা त्रदात विदय्य डिल हात इत्र ।

- " **जत्रुक** भूरबानायाचि छेख्द्रनाड़ा ১ •
- <sup>শ</sup> হুর্গামোহন দাস ব্রিসাল
- र्भ षे त्रकानाच (चार (गाधिनानक --: . :---

#### সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

অগ্রিম মূল্য ও ডাকমাস্ত্র না পাইলে মদ-**খলে সোমপ্রকাশ** প্রেরণ করা যা**র না**।

हेरात चिवा मृता वार्तिक ३० होका अवर सानातिक हा। । हाका । शक्य दल जाकमाञ्चन मरमञ्ज्यार्थिक ১৩, मान्यार्थिक १ अवर देखमा-সিক ৩৭ । তিন মাসের স্থানে অগ্রিম মূল্য গ্রহণ করা বায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিটি, মনি-অভর, নোট ও প্লাম্প টিকিট, ইহার অন্যতর ষাহাতে ধাঁহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই উপাই षात्रा भूना (श्रत्न करित्व ।

যাঁহার। স্থান্দটিকেট পাঠাইবেন, ভাহার। ধেন এক অথবা আধি আনার অধিক মূল্যের अ तमी रमत हिंकि । श्राद्य ना करत्वा

वर्धन विनि बक्चन हरेएछ मामधकात्नव मूला भाठाहरकम, काहा (यन त्वक्रिक्टीत कांत्रश्रा জীয়ক্ত ভারকানাথ বিদ্যাভূধণের নার্মে পাঠা-रेशा (प्रमा

यौर्शिक्तित मृत्या निवाद समग्र अविष्ठ व्हेश्रा আসিবে, একসাসপুর্গের क्षांकाषिशदक हिठि লিখিয়া কামান বাইবে, কাল আতীত চইগ্ন গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাগার পর একমাস্কাল প্রভীক্ষা কবিয়া কাগজ বন্ধ করা বাইৰে। শেষ ৰাবের গত্র বেয়ারিং পাঠ'ন **ब्हे**रन ।

মাভলা রেলওয়ের সোণাপুর জিসনের ভাক পরে চিটি অহিলে আমবা শান্ত পাইব।

বাঁছারা মাস্ত্র না দিয়া প্রাদি প্রেরণ করি বেন, জাহাদিগের সেই পরাদি এহণ করা सहिद्य ना।

क्ष्म स्मामक्षकारन विकासन निर्देश हेन्द्र। করিলে ভাঁছাকে প্রথম ডিন বার প্রতিপংক্তি 🎣 স্থানা ভাষার পর 🗸১ - আনা দিতে হইবে । थिति अभिक काल विकाशन मिवात हेका करि-रवम, काहात महिक चक्क बरमावस्थ इहेटर।

· 👪 এই পত্রে কলিকাকার দক্ষিণ পূর্দ্ ৰাছলা বেলওয়ের সোণাপুর তেসনের দক্ষিণ हामिक्ताचाम् और्क बादकानाथ विमान ভূৰণের রামিতে প্রতিনোমবার প্রাভঃকাবে श्रकाणिक रहा :

# সোযপ্রক

55 म खाता।

३३ मरभा।

## ' प्रवक्तरां प्रक्रितिष्टताय पार्थिवः सरस्तती यनिमहती न षीयतां

ক্ষত্রির ধাল্যালিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা।

, মাধিক মুল্য ১ এক অভিন বাৰিক ১০ দশ । সন ১২৭৫। ১৩ই মাঘ। ১৮৬৯। ২৫এ জালুয়ারি

यग यटन मोळूनन एम उ व्यक्ति वार्षिक ী যাণ্য সিক ণ, ও ত্রৈমাসিক ৩৮০ টাব

#### বিভাগন।

केता शीराम महाभाषा

कर्मा ही भागिकाल, धराह, अवर खेलारम (वार्णात जियन अञ्चल इरेहार्ड, यो कांत्र अर्गाहन रुइटर २॥ ॰ छे का भार्क हिटन भारेटबन ।

क्रीर्विक्य वर्मा । श्राप्ता

পত্রের চুধক আরোগা পথাচ'র। ১ম। जानगात श्रामातिक गरहीयरथत विषय स्थाप इडेश अपात करनक निव इहेटड **छै**पमाइमहकारत , ক্রি উদ্দেশ্য কার্যাকারিতার বিষয় ক্ষপ্তসকানেম্ছু हिलाम। क्रांम क्रांमश्रह जातक रूउकाशः রোগীর মহা কঠিন কঠিন রোগ হইতে আশ্চর্যা মুক্তিলাভ দৃন্দর্শন করিয়া এবং তাবণ করিয়া পরম প্রীত হইয়াছি। ভরসা করি অনেক পর্ন সুচীর এবং সুবম। হর্মা উভয় স্থান হইকে মধ্য भारत्व रशनकाश्रमात् श्राथमा ज्ञान्तरीरक शिनिष्ठ হইয়া উর্দ্ধে গমন করিভেছে।

কলিকান্ড। द. औगदृश्यद्यः अधिकाती

২য়। এক জন ভদ্রলোক উংধার কয়েক জন বন্ধা জন্য উধৰ আনিয়াছিলেন, যে যে লোকের खन, जानिशाहितन, टाहाता मकत्त्रे जातीत इहेशार्डन। এकनि ्तांभी धरमश्रकार्य श्राप्त भु उवर इहेशा हिल।

ঘুণী জেলা

হরিনাভি ইং সং বিদ্যালয়ে ১৮৬৯ কানের श्चरविनका भरीकाथी,मरगद्र भाठमार्थ अवधी জেনী করা হইয়াছে। বাঁহারা উহাতে প্রবিষ্ট इरेन्रा व्यश्वास्त्र योगना कर बन, छाराबा

अवान निकरतात निकरण निष्यानि व्यवशा ছইবেন।

৩০ ডিসেম্বর

श्विमां कि विम्राल देशत व्यक्षः भ

মংপ্ৰণীত চিত্তবিনোদ কাৰা ১ ম খণ্ড 🖯 অভি प्रमाणिक क्षेत्रिकांकरत ज्ञानकहान देशीएक ভারতবর্ষের বর্জনাবস্থা বর্ণিত হইয়াছে: প্রহ (बुष्क् क श्रृष्णरवदा वर्षायाम वज्रुवाद्यारत कारत লাল খাহার প্রস্তকালয়ে তত্ত্ত করিলে পাইবেন। बीदेमानव्य वर्ष

চিকিৎসাঞ্চকরণ এবং চিকিৎসাভত্ত ভাগাং

প্রিন্সিপ্লস্ এবং প্রাকটি বঃ অব মেডিলিনের

প্রথম খণ্ড ৮ পেজি ফরমার ৭৬৮ পূচা केल्य बीमा, कीयुक वांतु अलाक्षमान भूरयोगा म्हाक्ष वि, এ, এম, ভি, कर्कुक मरश्री छ इहेगा প্রকাশিত ইইয়াছে।

প্রথম খণ্ডের বর্ণিত বিষয় (১) সাধারণ নিদানভত্ত্ব (২) অন্তরুৎসেক্য পীড়াসমূহ! (৬) দৈহিক পীড়াসমূহ (৪) সায় বওলের পীড়াসমূহ।

মূল্য ১০ টোকা, ভাকমাস্থলসহিত ১০॥• কলিকান্ডা লালবান্ধার হিন্দু হস্টেল ২১৩ মং वाशिएक की पूक बांबू धक्तांत्र इस्मिशादात मिक छ. পা खद्रा या है रव।

--- 303---

ৰাল্মীকি রামায়ণ তৃতীয় খণ্ড

**बहै भूष्ट्रक अध्याविध अकान इंट्रिक्ट् । | इंट्रेन, जायशर्ट क्रीटिं ७६ मरशांक अं** 

ইহাতে নাগরাঞ্চরে মূল ও ট্রকা এবং সর্নশেটে वाकता अञ्चवान जाटहा योहोत जादनात হইবে, ভিনি কলিকাভা আক্ষাসমাজে আম নামে পত্র লিখিবেন। প্রত্যেক খণ্ডের ( দ্র क बहाद ) भेना॥ - जाना। विक्नीस बार्क मिनारक / जाना म स्न मिएक स्केरन।

कनिकाटः। ব্রাক্ষণমাজ }

श्रीरहमञ्च छक्ते। विरा

ন,জাপুর মেডিকেল হল।

১। এভদ্যারা আমাদিগের ঔষধক্রয়ন্ত্রার্থ स्रकृत, मश्काबी अ मर्समाधातनटक ज्याफ कर् বাইভেচে যে, দ্বিতীয় ত্রৈমানিক. ইণ্ডে সম্বন্ধে অববপোড '' স্থার অব স্কোসীয়া, ওয়া' উইক, ব্রিট্র প্রীন্র শ্লারা দশ সহজ্ঞ দিব মুল্যের উপন পুর্বর প্রাপ্ত হওয়া গিয়াছে এতভিন সম্প্রতি আমরা বিলাত হইটে इर तन १৮५৮ नारलंद स्वयं देखमात्रिक हेर्स्यः भश्यक ' विधिम कलात, किर जात्यत्, र ব্যাক্স » নামক অৰ্বপোত্তাস্থাৱা ৮৩ বাং हेक्ट्रे(द्वाभीय उत्तम श्राश्च इहेग्नाहि। अहे नमः ব্ৰহম মুলোধিক সাত সহস্ৰ টাকা মুক্যে ক্ৰয় कता इहेग्राइड ।

२ व्यानामी वर्षत अथव देखमानिक हेट छ " উপলব্দে চিকিৎসোপযোগী শগু ও ঔ প্রস্তুতকরণের ও ঔষধবিক্রয়করণের নানা সামগ্ৰী ও সকল ও বিবিধ ভৈষ্ক ইং সন ১৮৬৯ সালের ফেব্রুয়ারি মাসে বিল ছইতে পৌছিবে।

ত। আমরা আমিক পরিয়াণে ও উভয়রূপে - ঔষধ বিক্রন্ন করর: থ:কি।

😮। এই সমস্ত দ্রবাদির আসল 🕞 हामान ও जन्यान ( मनीम क्ह ( मिरिड

ার জীটে ৫৫ সংখ্যক ভবনে ব্রাঞ্চ युत्र मार्टनकार क्षेत्रुका चातु नन्मरता-ालमारहत सिक्छे **(निश्चाट शाहरवन** 

বন্দ্যোপাধ্যায় এবং কোং ভিদেশ্ব ग्राम ३५ ४०

#### दर्गावदनामान । ও অন্যান্য কবিতাবলী।

জীরাজকুঞ্চ মুখোপাধ্যায় এম. এ, বি. এল নরচিত। মূল্যা 🗸 🕫 জানা: ১৭৬ নং अध्यानिम क्रीटे मध्यु छ श्रुकान्द्रा शाख्या I ETP

#### ত্রীবাজক্ষপুর্বোপাধ্যায়।

নির্বাদিতের বিলাপ মুদ্রিত হইয়া প্রকাশিত देवेग्ना १ विकास कर निवत में अर्थी कर्यात ৪ ফরমা অর্থাব ২১২ পুষ্ঠা। মূল্য ৮০ জানা াঁহার আবশ্যক হয়, ঠনঠনিয়া সংক্ষাত ধ্যের স্ত্রিক লয়ে **অথবা পটোল ডাঙ্গ**া বাড়ুর্যনে প্রানর छ । । व शुष्प्रकानस्य अध्यक्षाम कविस्तर हिर्द्या देखि।

भ्यान मान , एच अयहां प्रेच জীশিখনাথ ভট্টাচাঘ, नश्कुष करलेख ।

रेमर्रेनिया मध्युष श्रुक्तानस्य ७ शस्त्रीन ঃক্রেবাড় যোঁ আদার কোম্পানির দোকানে ংপ্রবীত ও মৎপ্রচারত নিয়লিখত পুস্তক ওলি न करा रहेत्ल्ट्रहः ---

| ( ( ( ) 0 ) 2      |       |       |
|--------------------|-------|-------|
| প্রণীত             | भुला  |       |
| <b>নাস্থতিহ</b> াস | ۵     | টাকণ  |
| (রামইতিহাস         | ۷     | É     |
| ভূষণদার ব্যাকরণ    | 1     | আনা   |
| নীভিদার (১ ম ভাগ)  | ك     | 鱼     |
| নীতিসার (২ য় ভাগ) | لو    | Ť     |
| প্রচাবিত্র।        |       |       |
| भुक्रदाय यहाकन्य   | ų     | \$    |
| <i>ত্রী</i> দারব   | গ্ৰাপ | শৰ্মা |
| :03                |       |       |
|                    | · ·   |       |

ববিধ ভাৰ্যাদি বিজ্ঞাৰ্থ

প্রস্তুত।

'दाओं र'माना भूरक काशक कलम्मामा

গ্রযুক্ত বাবু গোপীনাথ দের নিক্ট কিছা । বিধ দ্রব্যাদি পাওয়া যাত্র এবং পুস্তকাদিতে ৴ এক আনার হিসাবে কমিসন দি। অধিক **हे। कार्य अल्डिक लहे (ल 🖊 ) व्यावात हिमारिक** भाइतिम ।

জীবুক্ত বাবু কালী প্রসন্ন সিংহ মহোদন্মপ্রণীত গদ্য ১৮ পর্ম মহাভারত ১৭ খণ্ড ৩ ভারে উত্তর সংযত ক:া

লতন ফার্মা কোপিয়া অর্থাৎ ঔষধ কলা-7 F

बर्ग्यात्व औरमहित्र छेख्य त्रिक । इक्राक्त्रश्रञ्ज आहीन क्**रि**क्शाना निरम्ब গীতদংগ্ৰহ শারীরিক আছাবধান ۵ श्रम्भ श्रम्थ वाह चित्र हे कावा আ হা সমিদ লাইনী প্রথম তর্গেণী

যতুনাথ দ্যেকুত সংগীতমনোরঞ্জন ২ ल गुला गरु कु काचा कवित्व हात्रकानांथ वाष्र প্ৰণ ড

রাসরসামূত সংস্কৃত ও পদা গীত্রোবিন্দ ভায়দেব গোলামিপ্রণীত মূলা ও धकुनाथ नाम्म कानमुख भन् কৌতক তর্ম্পিণী ইংরাজি কেমেষ্ট্রি হইতে रिविध आक्ष्रिंड स्क विमा मनेस इय প্রতিমৃত্তি সহিত ১৯৭৬ সালের ফুল পঞ্চিকা॥ কৈ হাক পাঞ্জিকা

छत्रीशक्त भगर কমলভ:রিণী # স্টীক চণ্ডী মূল ও অন্ত্ৰাদ স্থিত Œ চ্বিভ্ৰমঞ্চী ইষ্টেড গিউটীনির বিষয় বিশেষরূপে বর্ণত হইয়াড়ে 5:0 ইংরাজি ১৮৬৯ নালের এটালেমা কী 3110

١

কুমারীকুমার পদ্য আদিরসপ্রধান কাব্য ১ অপ্লের মোহিনী শক্তি গণেশচন্দ্র শর্মারত ব'বলা এটলাল উত্তয কাগজে ও উত্তম অক্ষরে মুদ্রিত Ġ,

বিধ্বাবিবাহ নাটক ١ কামিনীকুমার রসরস্বাকরান্তর্গ ত নায় ক নায়িকাঘটিত সুধ্য কাব্য h. মণিকুওলা কাব্য প্যারীমোহন বন্দ্যোপা-

ধ্যায়প্রণীত ছর্গেশনান্দনীর মৃত লেখা अभविश्व तस्त्री 2 H . ভূচিত্ৰাবলি ৩২খানি বাঙ্গাল। माांभ সহিত 811.0

স্টীক চৈত্তন্ত্রিভাম্বভঞ্জ ٩ कामहिनी नाहेक আইনসংযুক্ত ২ **એ** છ

द्धिवास्त्रम अम्ह क्रिडांगरमम विकामकात मर्श्रेड ক্লিকাতা জোড়া-अधिकाशहरू दार नीटका ७,८ मर नगक विद्वाला ।

#### পুরাণ প্রকাশ। বিষ্ণু পুরাণ।

অকুবাদও টীকা সমেত প্রত্যেক খণ্ড ৮· পৃষ্ঠা ( অগ্রিমমূল্য ) 🕪 ।

যিনি গ্রহণাভিলাধী হইবেন তিনি মূজাপুর আমহন্ত ষ্টেটি ৩৪৷১ নং ভবনে কাবপ্রেকাশ यस्त्र व्यथेवा किमिकाला मश्कर् छ विन्तानस्य ঞ্জিব্রুক্ত জগমোহন ভকালক্ষারের নামে যভ খণ্ডের ইচ্ছা অগ্রিম মূল্য পাঠাইবেন। অগ্রিম না পাইলে বিদেশে বিষ্ণপুরাণ পাঠাইবার নিয়ম বাই ইভি।

#### বিক্রয়ার্থ।

গারভেন রীচ ২৪ নং বাটা গুদানস্হ ১৯ নংজ্যেত। বাগান।

উপরি উত্তর বাগান ও বাটী ঘাঁহারা জ্ঞা करिएक कश्ता लहेएक हेल्छा करतम, सिश्च साक রিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> নিমেণ্ডার্ম আর্বো-থনা? এবং কোণ

-202----মহাকবি ত্রীকালিদাস প্রণীত সংস্কৃত কুমার সম্ভব মলিনাথের টীকার স হত মুদ্রিত হইলাড়ে এবং মলিয়াথের টীকাল বেসকল ছব্মছ পদেব ব্যাখ্যা উপেক্ষিত হুইয়'ছে, ভাষা, পাঠকবর্গের স্থাবিদার নিমিন্ত, পতের শেষে অভিদ্রিক টাকা जारिक धानित इसेवारक। लोग छ व्यस्ति व्यर्थ मिन्ति-দ্বারা পরস্পার মিলিত থাকিলে জ্ঞানায়ালে জাধা বেংধের ব্যাঘাত হয়, এ জনা টীকাণ্ড পদ সক লের সন্ধি বিশ্লেষ করা হইয়াছে। পুল্তকের কিন্ন **प्रथम भूमिल इहेरम के डिलाइ श्रामित्र व्यक्षालक एक** मिथिएक मिक्का रहेबाहिल, छीरावा मिथिया गर्णाय श्रमर्थन क्षिशार्कन अवरः (मामश्रकारम উত্তমরূপে সংখ্য হুইয়াছে ব্লিয়া, ভাহার श्रेमश्या कहा इहेग्राइड । '

এই পুত্তক पाँकात आवश्यक इरेटव जिलि भःकः ७ राज जङ्गकान कतिहत ज्या का नाव मिक्षे भक् विशिर्ण भारे छ भारित्वन । हेराक धूना २ इट्टे होका।

আহ্বাদের সহিত প্রকাশ স্বরিভেছি, গ্রেসি

(क्की कार्तासह नरक क नारह हानिक कर्ता गकान अहे भूकक कालमाहिराह हाजवर्तत गाठा बलिया मर्गामीक कहियारहेन । अकर्त हेरा अहेन्द्रण अर्चक शहिश्हीक हरेल क्षांत्र स्था मण्डा काम कवित्र ।

কলিকাক। সংক্ত বস্ত্ৰ ভীকেত্ৰমে হন খুখোপাধ্যায়, ২৯ এ পেৰ

#### . বিজ্ঞাপন।

মাওলা বেলওয়ের ষদেবপুর ষ্টেসনের অনতি চুরবন্তী চাকুরিয়া সাহায়,কুড ইং বাং বিদ্যালয়ের প্রধান শিশ্পকের পদ পুনা আছে। বেতন ৩৫ টাকা।

> জ্ঞীরাষ্ট্রাষ্ট্রার রায়। জ্বাংক্ষা

#### तागश्रकाण।

১০ ই মাঘ পোমবার। এতচ্দুদ্দীয় বৈনন্দ্রোর জ্ঞা

নর জন লরেন্স প্দত্যানের বির্ন্ধি বসপুর্বে টেট সেজেটারিকে লিখিয়া গিয়াছেন, সিপাহীদিগকে এনফিলভ ও লাক্ষান্টার রাইফল দেওয়া কর্ছব্য। ইতি পূর্বে বোরাইরের ৩১ টা সেনাদলের মধ্যে ৮ রেজিমেন্টে এনফিলড, লাক্ষা ন্টার ও জেকবের জ্নলা রাইফল দেওয়া হুইয়াছে, সাক্রাকে অদ্যাপি হয় নাই; বজনেশের ত ক্থাই নাই; নর জন

गर्मा अरम भीतमिश्राक रमुक्षकांत अवि भाग कति एउन, छाशाटक उँगशत करे वाखाव धानार मनीय मरण माहे किन्छ चामहा किछाता कतिएकहि, चाइछत ना मिनात कारण कि ? त्रमान आब लाहेटलहे कि अरम भी से देशमानन देशमा मनाटक দুশীভূত করিছে পারে ? ব্রিটিশ সাত্রা त्यात्र चित्र देवन कि निश्तिशीहित्तत्तत्र क्ट निर्कत क्षिट्डट्स ? नव सन क्टब्स त्म स्विम क्षांचन्द्रात्म चमूर्य चौकात क्तियाद्यम्, अरम्भीत নর্কনাধারণে गारीया मा कतिहत स्थानहे १४०० भएएत विद्याश्मानि इहेड मा। विश्मिष्ठ काणि लाक मुण्यास्थ शहेल कि २०,००० इडेट्राणीय टेमना बालावणाय নমর্থ হইত প জিটিশ নাজাল্য শরীর ७ महाबत्वत केनदत्र क्षानिक इत नाहै। কোন রাজ্যই শরীর ও অন্তবলের উপর নির্ভর করিয়া ছায়ী হয় না এটা বেন वागावितात भागनकर्छावितात त्रात्व पाटक। जामानिरगर्न दन्दणात साजगन इरे এक भूकरवत मर्था अभवार्थ ७ जाउत मानी ब्रेशा भएजन। वाङि विद्रभंदम्ब छेगटत माधातरमत यूच इःच निर्धत क्रम । इब क अक कम डेमयूक मृशकित পত্য হইবামাত্র তাঁহার সন্তানগণ হইতে ভয়ানক অনিষ্ট হয়। পক্ষান্তরে ত্রিটিশ শাস नधानाभीत उदक्ष ७ भवा। इंडि वाकि বিশেবের উপর নির্ভর করে না। উন্নতি रेरातः जनाकत्व। कात्रज्यशैद्यता अधि विवासन कारनमा अहे माओका उसा व्यामानिद्रशत बकाय व्यावभाव। यउहे साय थाकूक मा, छात्र उपवीरयता जिल्लि कांटित्र शृथियोत मत्या खप्र उनात श्रीय दिन्यां काटनन। हेर् लट्ख মহাস্তৰ ব্যক্তিরা প্রসাতিপদপাতী नट्टन, अधि अरहरणंत्र अधिकांशरणंत्र जरकात। यमकन हेर्बाम ভाরভবর্ষে

थाकिशा जामानिरगत क्षेत्रि भेः करमम, डॉश्रांश भावात है ना আমাদিগের স্বর্শার্থ रम । इराज कांत्रेग करे, दमधादन অন্যায় কৃষা ৰলেন, তিনি একাং দর হইয়া থাকেন। ত্রিটিশ জাতির নৈস্পিক ভদ্ৰতা ও তদাৰ্যাগুণই সাত্ৰ কোর প্রধান ক্রম্বেরণা হইয়া রা ब्राह्म । या किन बाहे खनी विवासः पाकित्व, फर्फ मिन निभाक्तीयन मू थांकूक, हाति काक अभीव टेमना र नियुत कृत्व चार्वेटन अव १ रम्हे ना নিপাদী ও ইউরোপীর উভয় ইম্বার विद्यारी रा, उपानि मामाका वि काणित क्षाणतिलाखे क्रेट्र का । (व अक्राता व्हेश माश्याः कव्रिट्र य ज्ञा बानाज्यत मटर, कार मारम्य विधानकाता ज्ञान की বৰ্ম ত্ৰিটিশা স্বাতির ভট্ৰতা ও खर्गत छेन्द्र मार्थाहरूवत छन्छि मूब, कथन एक परियोग (कन ? कहिराज इहेरन जोशांक्तिरक 🤽 **डेंटरूचे पत्र ६ डेक्ट**डम निका ए **डेक्कि। यमि क मिका निष्ठ** म हर, उरद अभक्त रिमना द्वाचा है ब विकन्दकाची देशनिक्तिदशत केशदत षिविषान क्रिटन छाहाता कि वहां वय अपूर्णिक अमर्थन की शांद्र १ ५ चामि छाल वानित मा : र অপরে আমাকে ভাল বাসিঃ विशे वाञ्च (छन्दर्शनित जम निष्कात्र हिना। इद्वेदरां भीशिवरशत्र निर्वादिक क्षाइक्षत उँख्य विकासात, त्रिश्मकारम / देश अनिष्ठित स्देश्व ना। यपि ममान अञ्च रहेट्य है विश्वकर्गन म करिएक नगर्भ इंदेक, काइ জয় পরাজয় ব্যবস্থা হইত ন: ,

এত গৌরব থাকিত না। रेमनाधन अक्षरन नीष स्थान মনোনীত হইতেছে। এটা ভ नम लग।

. ..... ; ..... **उद**न्द्रभी श्रीनरभव विका**ञ्चनी**-লনের প্রতিবসক্তা ১ नित कर लाइतमा श्रास्त्रात्रात्र मारा । েশ একটা হ্রপনেয় অনিটের বীজ न क्षिष्टा (भटनन। अटल नीट्यमा ८य তম শিকাও সভ্যতা প্রাপ্ত হন, এটা ার অভিপ্রেত নছে। তিনি জমীদার ধনী শ্রেণির প্রতি অনুকৃল ছিলেন । जारें गार्वकार्ज ल मः कात ভাগ্যধানদিগের অনুসুকুল মত

रतम, मत खन करतरम्ब ८म मिल्कात नारे। खाइँछे मार्ह्य ो नमाकहिरे व्यीता नमाटकत धनी ७ पहिला উভয়ের মধ্যে করিয়া দির। উভয়ের সঙ্গতি ও *সুন্যতাসম্পাদনে* यक्ताम । উচ্চ শ্রেণিকে নিয়ে আনয়ন निमिन्त अशामवान नरहन। निम ্জতের শ্রেণির স্বত্র পান, এই ररभत ८४छो ; किन्छ मत क्रम सरक्ष ্চ লৈ ও সংক্ষার ইহার বিপরীত। गरन करहरन, ७ (मरभात छेष्ठ छत ।ত গোকদিগকে নিম্ন শ্রেপির সদৃশ श्राभन करिया जुलिएक भारिएमरे

ই ত্রিটিশ সাম্রাজ্যের স্থায়িত্ব ক্রোণির লোকের শামান্যরণ .क, जेरहारावत *शहरूम ७ प्*रशांव প্রভাষ্টক, ভাঁহারা কোন। ্রাক্সিপের সমকক্ষভাগাত্তে চন, নিম ক্রেণির কিঞ্মিত म इंडेक अहेगाड, मत क्रम हारत হার এইপ্রকার। ভিনি ক্লবক क् इंट्रिंग मंडा है कि व यह पिन াৰ্গহীন ও সামানীমাত্ৰ শিক্ষিত । প্ৰেরিড হইবে। স্থানীয় গ্ৰণ্টেম্টসমূহ

থাকিবে, তত দিন তাঁহার বন্ধুতা थांकिटव। ভाরতবর্ষীয়ের। भौकिक्टिश्रत নায় চিরকাল শিশুভূলা थांटकन, हेशहे मत कन लातिटकात व्यक्ति मञ्। बहे खना िश्ति भागरनत नीह বংশর কেবল নিয়মবহিত্তি প্রণালী माध्राराण अठलि उक्तिवात (ठकी भारेग শাধারশের অফির হইয়া এ দেশ ত্যাগ कतिदलन । इर्ताकी निका अ मिटनत मछाडा ७ मार्गहिक्क व्यथान कातन : किन्द्र याशास्त्र এই लिका क्रिया यात, भत कन मारतरभत अहे रहसी। अहे উদ্দেশ্যে তিনি এ দেশীয় ভাষায় বিশ্ব विमान्य कतिवात (हकी शाह्याहितन। এই উদ্দেশ্যের বশবর্তী হইয়াই তিনি याहेबात मगद्य निम्नलिथिङ व्यनाध काकिंग कित्रा नियादहरू-

क्षार्य च भरनीयान्छेत विकाससम् मूटक्त याव छोत्र वात्र शवर्गटमन्छे माक्कार শবকে করিয়া আদিতেছেন। সর জন লরেন্স ভ্রিক করিয়াছন, ভূমির কর हरेंCज (यमकन विमानिश श्राणिक हरे-য়াছে, ভত্তির যাবভীয় विकाशगढ्य ्र्यानवस्त कविहा भवर्गरम्द्रकृत (मन छ। कात পরিমাণ নির্দারিত করিতে হইবে। এই প্রকার প্রেণিবস্ক হটলে পর যদি অভি রিকু বায় হয়, ভালা ছাত্রদেয় বেভন 🔹 ष्यना षान पात्राता निकाहित इंदेरव। विनामित्यत कारी कर्यग्रीमित्भत (व उन माज भवर्गस्यके अनाम क्रिद्वम ; अडि রিক্ত ব্যয় স্থানীয় মূল ধন হইতে করিতে হইবে। প্রতিবহুদর বিশ্বালয়ের বার করিয়া গবর্ণমেন্টের দেয় টাকা অংশকা यक्ति व्यक्षिक वृत्र इंग्न, छांहा इंडेटन द्वानीत **होका हहेटड माधादन धनानाटत (महे** होका (अत्व क्रिट्ड एईट्ड) हाजरमञ् বেতনপ্রভৃতি গ্রণ্মেটের ধনাগারে

हेरात उभटत कर्जुज कतिदवन । त्य वि मार् लट्यत स्थानीत जात अल्ला स्ट्रेटन, उपात गवर्गरम्णे धन्छ होका समान शासिट्द कि ना जाहा छेळा शवर्गदम्बी अबूह व्हित করিবেন। যেখানকার লোকে অন্য অন্য বিষয়ে সাহায্য না করিবেন, তত্ত্তা বিদ্যা: লয়ের লোপ হইবে। উত্তরপশ্চিমাঞ্চল, পঞ্চাৰ, মধাভারতবর্ষপ্রভৃতি স্থানে विमाणिकार्थ कत कता इहेताटइ, उथात्र क विश्वम थापिटव ना।

फे,लिश्व व्याख्वात कातन व डेएमना विषयी किन्द्रा कतित्व आक्लान करमा; কিন্তু ফলের বিষয় চিন্তা করিলে একান্ত थिन। मान इटेट इहा महस्र जीवि शास्त्रन, श्रीजिवद्यात यथन विश्वविद्याल য়ের ছাত্রসংখ্যা রুদ্ধি হইতেছে, তখন वज्रास्ता विमानूहाश मिवित्ना वर्षि उ হইয়াছে। এখন গৰ্ণমেণ্ট কিঞ্চিৎ সাহায্য क्तिरम्हे अधानकात लाटक आंश्रनाहि গের শিক্ষাকার্য আপনারা করিয়া ভূলিতে পাটিবেন। প্রস্তাবিত নিয়ম बाता क्ष महरकरणदक मण्यून मञ्जाबन। আছে। किन्नु व डेएक्टमात अनुतान कन वाटकत्र मंडायना नाहे। डेक्ट कांका अठिलिङ इहेशाय्ति उनसूत्राण कार्या इत् यामता व्यक्तीकद्व कहिएड शांति, श्राप-শীয়দিশের উচ্চ শিক্ষার পথে বওটা भ्या करा इकेटन । अकामा इनिया विकास-मध्य देवांत निका इंद्रा पृत्त थाकूक, मकल ऋदिन भागाना निकाध पूर्वज्ञाल क्राप्त मण्येत इक्टिक्ट ना । **अ**ड बव <sup>\*</sup>रम चामा इतामा मटमह नाहै। अ मटनात्रथ य পूर्व इड्रेट्र ना (१ निएए जिन को लिक ও মিদনরি বিদ্যালয় উভ্যের অন্তর দর্শন क्रित्वर ऋण्यके श्राष्टीव्रमान स्रेट्ट । क्षांटक (क्रवल **এ**ই कथा विलिट्बन, मन क्यन महत्रका भिकासत कतिएक भिशा वार्षे मरमाक्ष्य इन, त्यहे बार्श जिनि वर्षानकात वर्षन विमार्गमम् न देश

केरोडेबांब लेखा कहिया शिवाटकन। नटिन्थ कानीय कटलंब वर्ष कि ? 'काशंत वर्ष धरे, "खामहा मिक्स्कि बिटक ठाहिट्ड मा, अन्तर पर्वटमनी चात्र विष्यानदश्य मकल ब्रम्न बिटबन मा। एवं छै।का पांच मटिन ट्डांभामिरशत्र विमानित वक्ष रहेक<sup>्</sup> ফলতঃ মধাম শ্রেণির শিক্ষার মূলে এই প্রকারে আঘাত করা হইল। লোকে वह बाखात बात हहे वक्षी बगद डेटक (मात के इस च दिविष, (य शिमनति शंग এদেশের জেসুট इইবার অভিনাষী इह शांद्रम, जांशांनित्यत महत्व ममूनाश विकार निकात ভाव ऊँ। शामित्मत शत्य (म ध्या কর্ত্তব্য। কিন্তু দেখিতে পাওয়া যাইতেছে एं जल्ला विमानद्यात भवर्ग स्मन्छे মিদনরি বিদ্যালয় হইটে ছাত্র বাহির इन ना। পুত্তক कमाहैया, मिननति भरी ক্ষক করিয়া, আপনাদের মতে সিভিকে টকে চালাইয়াও মিদনরিরা প্রেদিডেন্সি कारनाटकत व्यक्तिक कता अध्यक्ति कति एउ ममर्थ इहेटलम मा। उत्तराता का तम थेड (फ्रमी(युता जनम ও वाशकुर्ता भवर्गस्मे यपि डेमामीन इन, डाहा इहेटन श्रितिए सि অধোগতি হইবে। কালেজ প্রভৃতির विमानित छेठिया यात्र प्रिशित है लाटक তাঁহাদিণের হত্তে শিকাভার সমর্পণ क्तित्वन। क्रांक वर्मद्राविधि मिमनतिश्रव রাজনীতিভের অবলম্বিত বক্র বংশ সঞ্ त्रव कतिया निकाबियदय इंडार्शन कति বার চেটা পাইতেছেন। সর জন লয়ে**জ** भवर्गत (क्रमत्रम ए अग्राट उ का हैं। मिट्भत रमहे মনোর থ পূর্ণ ছইবার আশা জলিয়াছিল। किन्दु कथा এই इहेट इट्ड, मिननितिनिट शत হত্তে শিক্ষাভার দিতে ভারতবর্ষ সন্মত इहेरवन कि ना १ शक्षांव इहेरक शांदतन ; जन्मात्म इहेटक शाद्रम ; किन्न वक्राम (बाबाई ७ मालाक कथन मधा इंदर्बन मा। উপাদং ছালে আমর। পুনরায় কহি-তেকি, বৰ্তমান আজা এচলিড হইলে

माना कड़ अति एक विषय स्थित है देव नत्मह माहे। ६० क्वांति होका निकारण त मत्मा कर क्वंति होका निकारण व वात कि वस वात हरेस्ट्राइ १ निकात प्रत्य क्वांत्र चाल्डा स्वत्यम करत्न, अपि आर्थनीय क्रिड चावर सामगेडि नश्कास चालीन्स वास मा हरेस्ट्राइ, स्वांवर क्वंतिस चाला मा हरेस्ट्राइ, स्वांवर क्वंतिस स्वांत्र मान्या मान्यावर महावर क्वंतिस सामगेडि

ভারতইংইর জেল।

ब्याटन चार्जनी ७ चारात्रमारमत त्य निष्ठं त दावका जाएक, छाहा रामन वन्ती-मिर्गत **উৎকোচদান** अतुष्ठि উত্তে জিড क्तिया (म्य, क्यनंत्र क्य उँ हिं। त मह का ति विख्रान य वावका चारहे, তাহাও তেমনি তাঁহাদিগের উৎকোচ গ্রহণ হারি উদ্দীপিত করিয়া তুলে। (अभव्रक्त ३०० वा १६ छाना (वंडन পান এবং তাঁহার সহকালী ২০ টাকা भारेश शादकन। अक्रान অধিকাং শ স্থলে ইউরোপীয় অেলরক্ষক হইয়াছেন। वक्षक है। विकादकार्शी इंडेट्सिनी য়ের এবং কুড়ি টাকা বেতনভোগী এদেশীয়ের উৎকোচঞাহণলোভ সম্বর্ করা কেমন কঠিন, তাহা বহুজ বাজি पिर्भित व्यविष्ठि नरह। कश्चिमन शोहेर्दन, धरे य আছে, ভাহাও অত্যাচারের অন্যতর व्यथान कात्रण। धारे मकल ग्रुल इंड्रेट डे কারারারে অনুগ্রহ ও নিগ্রহের গৃষ্টি হই-অসূত্রহভাতন য়াছে। কতকগুলি বন্দী হয়, তাহাদিগকে অধিক আম করিতে হয় না, ভারে বাহারা তাহা না হয়, ভাহা क्तित करछेत পतिमीमा श्रीटक ना। এগুলি दोन्डदिक घठेगा। ভাল লোকের নিয়োগৰাভিরেকে দোষের मर्माधममञ्जादना नाहै। जीन लाटकत निर्देश अधिक्षायमारभ्यः। क बाब কোৰ। হইতে আইসে ? একণে ৰে ব নিয়ম আছে, তাহাতে অধিক। জেলে গৰ্ণগৈণ্টের লাভ হওয়া খাকুক, অনেক কতি হয়।

क्ट्रांस्का • (पिछाडा " (मस, इंशांट नाज विना अनाज ६ मखादना नाहै। ७थानि स नाज ह जाशत करत्रकी विटमय कातन आर व्यथम, मकल (कटल था हो हेवान मूज् নাই। দ্বিতীয়, অনুগ্রহণাতের। ব विधि थाएँ मा। कुछीत, बांहाएक रहेवात्र मञ्जाबना, घटनक (कटल दम नीत बावका ७ ऐशा माहे। शवर्ग স্থানে স্থানে কাপড়ের, কাগজের **हा डेल अक्रिक का उक्रम क स्वत्य**ात करून। व्यट्डाक (क्लान कर वर জেল না রাখিয়া এক वक्षे छ। श्रादन धक वक्री বা ছুই ভিন্তী কল করিয়া অন্য क्षितात करम्मिमिश्रक त्महे कात्न ध श्रम क्रिटिंड इडेटब। या कटन घड व्यावभाक, जाश्मिशतक जाशतज मि इहेरव। अना अना वन्नीवाता अना লাভকর কার্য্য করাইয়া লওয়া ছই এরপ করিলৈ কলে যেমন এক ক কিছু অধিক বায় হইবে, ভেমন প্রেং স্থানে জেলনিমাণ ও ভাষার সং (अन्तर्क ७ डाहात महकाती ডাক্তবের ৰার ও অন্য অন্য নিত হইবে না। ইহাতে धक मिटर मश्रक्तभ, ष्रभन्न मिर्क विकास हरेत । आमता वर्काभागतक हे, दं कटन अहन कतिलागा अक्षाटन ष्यिक करम्पी नाहे; किस ममु छोन चाटह। याश्राट व्यक्ति करमिनिश्रीक (जमन क्रांज (मः তেছে না , তুতরাং গ্রন্মের্ स्रेटलाइ। किन्नु क्यारन र হান লইয়া

शः १दः स्तनी (भामनीशूरथाकृति ার কেল উঠাইয়া দিয়া ততাত্য क्ति। के कारन व्यानशन करिया हिडिया लाउया द्य, जाहा इहेटन कित के भे ऋत्वत व्यक्तित वाह গা মাইবে, কলে ত্রিগুণ চতুপ্তি , इहेटव. करशक्तिशं  **िन जिन** ার কর্মচারীদিগের অভাচারের হটতে পরিত্রাণ পাইবে। আব ही अहे शांच इहेटर, दार्थाटम कल हुंब, त्मथारन जान त्माक प्यस्त्र हियम, माम्बर नाई। जिल वन्हीतिश्व ্তা বুবিয়ো সকলকেই নিয়খিত সময় ्रिक **जूनाक्रारम च**िष्टिया लाक्रेट्यन। ্অসুগৃহীত, কেহ বা নিগৃহীত হই ন। বন্দীদিগের প্রতিনিজুব ব্রব-করা যেমন, অনুগ্রহ করাও তেমনি তে। অনুগ্রহ করিলে ভাষার। প্রভাগ रेशा थाटक। यमकल व कि शूनः इ कहाशास्त्र कृष्ण इहेरात (हथी) शांत्र, पट्टा **अनुमान क**ति अनुगृहे, टट ह ।। ३ छ। शक्तिरभव मर्थ सविक।

व्यास्त्रा श्रष्ट वाटरं एक्टनड वानिनीत ার ও সময় এবং আহারণ্ডিবটের শস্তবে কৰিয়াছি তদসুক্রণ কায় ংকার আবশাক। এঞ্জি অভিশায় ংকাও, মভ্য কালের ও মভ্য গ্রহণ । (वाशा नश्च । क्रांबिकिशाक गिन (জ) প্রিশ্রেম করান হয় এবং म (मध्या इ. जाराहा जात विवाधारत आधिरद ना, अ युक्ति গ্ৰিচ এনতে ; ইহা কোন কেমেই ही इह मा। य शिक्षक तिवल **७ विधानम्हाता छाटळात मिका-**পান, ভিনি বিফলপ্রায়ত হন रे। अवन्दमद्भेत धरे छ क्रमना 5 या, बन्हीनिश्वत हाँहज थिन इंडल, डाइरेड़ा करता

गार्त जालरमा कालरक्र भगमा क्रिया क्याठे ଓ পরিশ্রমশীল इडेक अर् এक একটা ব্যবসায় শিক্ষা করিয়া জীবিকা মর্জ নর পথ পরিজ্ভ করুক। কিন্তু (य धारका प्याटक, उन्हाता हेहात (कान छेटफना निम्न इहेबातहे महाबना नाहे। अथम, हतिखनः (नाधः त्वत अथम ७ अधान छेशाह (य मङ्ग्र তাহাদিগের (구비 의식이 खादा घटण ন; ভাহা ভাবণ করিবার जाशाम-পের অব্দর্ভ নাই। ইদয়ান্ত খাটিয়া महीति व्यवमान खत्य: उरमाइ ना थाकिटन कान काम जान नार्भ ना । षिञीय, घराय धमक्ठ थाएँनी हहेता খাটনীর প্রতি স্বভাবতঃ বিদ্বের জমে। সুতরাং কোনপ্রকার थाउँनी लिथि ধার নিমিত প্রতি ও উৎধাহ হয় না ভূ গীয়, অনেকে অন্তাধিক প্রাম ও अक्षाननत्तार्य भीष्टि ७ ज्यात्तर हरेग्रा १८६६ : जात्मरकत धान विश्वांग ३ इडेश थात । देवतिवर्षा छना शीत नारत निर्छ न वावश्व कत्र जामानित्वत भवर्तमानी भ्रमुन कर्य नट्ड। ३० छे। व्यवस्थित है। প্য স্থাটাইবার সময় করাই উচিত। প্রাভঃকার অব্যি বেলাচ টা পর্যায় डेशटमम् अमारमा अवर ६ छातः समार आंक्षांक्रमार्गय वावाचा कहा कर्त्र वा । यमि विक वाकिमिन्दक डेश्रम्भटक शह नियां कि उ कहा है। बात की हो होता, कुकरे किटन केंग्रेंत, ममांक ও आंशनाइ मदाकारिक व्यनिके इह, उत्हा दुवा ইয়া এবং তাহার উদাহরণভালে সেই <u>भाज। वन्तीपितात</u> ও অন্য অন্য कुकर्यानील राक्तिपरंगत कराष्ट्रेत विश्वय বৰ্ণন করিয়া উপদেশ বাক্যগুলি জাছা मिर्गत क्रमशक्तम कतिया रमन, व्यरनरकत প্ৰশক্ত হইয়া उट्ट भरम् ह क्राप्त हा नाई।

उ मिनीय तामशर्मत कर्डमः। 🕐

**এতকে मीत्र शाकशास्त्र यशिष्य प्र** 'রা**ন্দ্রের শাসনপ্র**ণাগীর ` উৎকর্ষসাথ-त्नत्र बामना शांदक, उाँशांक्रिशत कर्छवर क्लिकांछ।, ब्लाबाहे ७ माञ्चादकत क्रूड বিদ্য ও উপযুক্ত লোকনিগকে রাজ कार्यः निक्षां अञ्चलक करतन । खिवां कुरतत রাজা এই রাজনীতি অবলয়ন করাতে এদেশীর রাজগণের আদর্শ ছল इইয়া ष्ट्रम। अञ्चल द्वार दाका ७ कई मी ७ व्यवन মন করিয়াছেন। রেওয়ার রাজাও ইহার ञ्चरः इ.न रुपोनेन मट्टन। मञ्चिष्ठि काणी त्वत ताकाउ **এই পথের পথিক হই**য়া-(इन। क्रुडिवन) वाख्तिता भागनकार्या নিয়োজিত হইলে যে রাজ্যের স্বিশেষ উন্নতি হইবে, ভাগাবলা বাহুলা। রুভবিদা দিশেরও মঙ্গলের দোপান হইবে। ত্রিটিশ शवर्गरमान्द्रेश वशीरन इक्रखा बाक्रमीडि गः का र यदनार इत मरन दिय पूर्व ६३३१ नश्य नम्र। भवर्गस्य ज्ञीम तन्त्रालम त्नतः नाम (कवन वारकाई क्षर मचन रमशाहेश आमिट ड.इन , किंद्र अभर्यात्र তাহা কায়ে, প্রিণ্ড ক্রিটে সম্থ হই লেন না। শিক্ষা ও সভাতার্ভার সহিত উष्ठ व्यामादल दुश्चि इश्। आमानिरग्द এ আশা पूर्व इट्यात छेलात नाहै। अकरन भ्रत्रपाद केंद्र अधीरन स्वाद्ध इन ज्रात (क्त व्यक्तिक नाहा । डाइना कातन बहे উফ বেতনের উচ্চ পদ্ধ লি জারত্বরী: বি शदक (मञ्जा इस ना , जितिनाभवन्दमदनेत व्यशीरन वाशीनलए कार्या कतियात जुरू মাত্র উপায় এক একালতী আছে; কিন্তু দেশ শুদ্ধ গোকে উনীৰ হইতে গেলে **टिल् मा । इंदात मध्यादे छ**कीटनत मन्था। विलक्ष वृद्धि इहेशाटह। (मृत्भेत सकत नायनार्थ प्यापनात क्या जा विनिद्यां कि ड করিয়া চিরস্মর-ীয় হইবার উপায় আর ুনাই ৷ ত্রিটিশ সামাজ্যের অধীনে আমা-े पिर्णत काश्तु की वन्हतिङ विश्विद्

म्हेरन जम ७ एड्डा, छन्न व्यक्षिक निधि वात विवय गांख्या यात्र मा। अंक स्टेश्क्रके अञ्चरकमा, जानेत विद्याही स्वरा, देश ভিন্ন ভারভবর্ষীরের পক্ষে চির্মার্ণীয় ভ্ইৰার ভূজীয় উপায় নাই ৷ আমা बिटगर्न मरशा भौतनकार्या एक लाक পাওয়া যায় না, একথা ৰলিলে ঈশাংকে. निमा कता हत। मुक्क कोटल मर्का (मर्ट्स) है উপযুক্ত লোক দৃত হন। উপযুক্ত भागनकर्ता यनि जारानित्वत अञ्चलकारन वारिक इन. शाहरक शाहतन। गांचा इंडेक. डेक्टड भागनक: त्या निवृक्त इन, এ ইক্ছা ক্ৰমণঃ वलव डी **उट्टा এउटकानीय बाजान ज्या**कारण ইহা চবিতার্থ করিতে পাবেন। ইহাতে **डाँशस्टिशत यमः, श्रक्षशिट्यत महात** व স্বলেশীরদিশের গৌরবর্তি ১ইবে। আর এই একটা বিশেষ উপকার ছইবে এডফে শীয় রাজগণের অবলম্বিত উদারতর वाक ोि पर्मन कतिया जिप्ति भवर्गमणे কেও লজ্জায় পড়িয়া তদকুদর ৭চেটা পাইতে হইবে। এতদেশীয় রাজগণ আপনাদিপের সেনাদলে উত্তম রাইফল ধ্যবহার করাতে ধর জন লরেজের সদৃশ मिक्कां हेड लाद्ब मिलाशीमिश्रक এনফিল্ড রাইফল দিবার হস্তাব করি शांद्रहम्। शवर्गरमण्डे काम विवदश्र क्राप भीय तासगाति चारशका निकृषे स्टेशा थाकित्वम हेरा मञ्जातिक नटर। असमीश क् कविनामिश्रक तामकार्या नियुक्त कति वात जाशत लाफ करे, देशीता (मरमात লোকের অবস্থা বুবিয়া যেরূপ কাল করিতে পারিবেন বিদেশীয়ের। যতই छेशयुक्त इडेन, न। (कन, कथनई (मज़श করিতে পারিবেন না। এদেশীয় রাজগণ টিরকাল আপন আপন রাজ্য ভোগ करतन, अणि मद्दनाधाद्रश्वत वाक्ष्मीत : फिड यूनामन वाजित्तरक तम भरनातथ পূৰ্ণ হওয়া সম্ভাবিত নয়। এদেশীয় কৃত

विषामिश्रदक भागनकाट्या निरमाणिक क्यारे जुलामन हरेंदात अक्साज केशात।

#### -----

ভারত্ব ধ্র পুরাতন ৩ জুতন -গ্রহার জেন্ডল ৷

সাপ্তাহিক সংবাদপত্র সর জন লারে-का। श्रमश्याद **ए द**वत क्रक श्राप्त निर्धि য়াছেন " ভূতপুর্ব শাসনকর্তারা অনে-क्टे ज्यारमञ्ज मध्यमात्र विट्नारयत जुकि विन के बहा शिशाहन, किन्न हैनि ( गत क्रम सरदक्त ) काम सरवाम राज की करतम नाहै। " ककर পাতে একটা চিরন্তন প্রবাদ্যাকা আমা नित्तत न्यु जिभार था का हरेल, " विमि मकलरक मखर्चे कतियात छार्च। शान, তিনি কাহাকেই সম্ভর্ট করিতে পারেন ना। " प्रकाशकारम नत कन लहरण এই প্রবাদ বাকোর একটা মুতন উদাহরণ इहेड़ी श्रीत्सन । मत सन लाइका कामर शर ণ্র ক্লোরল ছিলেন না, কিন্তু তিনি প্রায় কাহারই অক্পট অনুবাগ ও কৃতজ্ঞত: चाक्रम स्ट्रेट शा तिटलम मा, अधि मामान ष्ट्राचेत कथी नेता जामती जातात कथा ধর্তবা করি না৷ বাস্তিদ বা সম্প্রদায় विर्माद्यत क्मग्र ताश्रद्धिया मि स्मार्थ कल्य-বিত ও বিচলিত হইতে পারে; কিন্তু किनि याशामिशार मालन कित्रिक जानि য় ছিলেন এবং বাহাদিগের হিতচে । कतिशाहित्सम् काँहानित्यत क्रन्ता तःश বেষাদির প্রসর মন্ত্র'বনা নাই। তথাপি ত:ह রা যে ভাঁহার প্রতি অনুরক্ত হইলেন না : এটা শরমাশ্চযোর বিষয়। ইহা সহ শাসন কর্ত্তাদিগের পক্ষে নিতান্ত ক্লেশকর। का क्षीड इहेटलई मध মাত্রেই আত্মাকে চরিঙার্থ জ্ঞান করিয়া থাকেন। কম্বের ভূই শিধা রাজা ভুমান্ডের নিকটে উপস্থিত ছইলে রাজা জিজ্ঞানা क्रिटनन, वाशनामित्रत उभगा निर्त्तिष्य मन्त्रम स्ट्रेटिक कः क्रिन्त किन्न

ক ইলেন, আপনি রক্ষা
ধর্ম কিয়ার বিশ্ব হইবার সং
এই বথা ভূনিয়া রাজা মনে মরে
লাগিলেন, আজি আমার রাজাশং
ভোডাবে সার্থক হইল। ওজার অ্
লাভ বে কি এইচিকর পদার্থ, সং শ
কর্তা ভিন্ন অনোর ভাহা অনুভব
নতে।

প্রজার। তাঁহার গমন গালে সে ৎসাহ

অভিনন্ধন দিলেন না। তাঁহাদিগে

অনুষ্ণ ব্যবহারের কারণ, কি: তাঁহ

কি অরুজ্ঞ: অরুতজ্ঞতাই কি সে কার

অপরিণামদর্শীর। অরুতজ্ঞতাকে বিলাগিনিদর্শে করিছেনে; কিন্তু

ধাবন করিয়া দেখিলে এ অরুত

দেখেরেপে নায়েনুগত বলিয়া ও

মান হয় না। আমাদিশের বুদি

যেগুলি প্রারুত কারণ বলিয়া উদিত

তেছে, তাহা একৈকক্রেনে পদ্চা

শিত হইতেছে।

শর জন লরেশের অবলম্বিত প্রণালী এবং ঠাঁছার সংকার .দ:বই প্রধান কারণ। তিনি যে দিগের অক্লুত্রিম মিত্র ও অকপট ध्काता छाहात कात्म कात्माहि পরিচয় পান নাই; বরং ছডিফ তাহ'র বিপরীত প্রমাণই ठिनि कु कि करात्न निष्किष्ठ লার বসিগা গৃহিলেন, এ দি কাও হইতে লাগিল। এ जिनि यथार्थ आकाहिरेड्यी লেপ্টন্ট গ ব্র ও রে উপরে নিডর করিয়া 🦠 প।রিছেন না। ফলত, তাঁহার সদশুণের পার खें बहु से बार मत है হুইয়া গিয়াছে। 🧯 ভাঁৰার প্রতি নীত দ্বিতীয়, তিনি গ

ার বিদ্যাশিকাঞ্ছতি যে **হচেন্টা পান, তাহাতেও তাঁহার** हिटेडविडांत প्रतिहत्र इस नाइ। ারেরা কর ভাল বাদেন না ; কিন্ত ন ইহুটিদগের ক্ষাস্থ্যে সেই করভার ক্ষেপ করিয়া হিত্সাধনটেকী পাইয়া নেন। ইহাতে এলাগ তুঁক না হইয়া उठ ठै. हात डिलटब क्रके इन ; मुङ्बाः কৃত উপকাব চেটা তাঁহা বর অমৃত জ্ঞান না হইল। বিংজুলা इय्र । ८७ ८७ कोक छ.ल उट्टम नी, मिन कां हाटक बेहे कथा बहल. कूं म यिन ংকাজ কর, আনি তেমার উপ করিব, তাহাতে কি সে সমতে হয়: (म**ट्टे উপ**कांद्रांक स्थिलकांत्र छान া ভাঁহার নিকট কুভজ লয় ? সর रद्रका यनि शवर्गामणे इहेटक अधिक মানুকুলোর অসীকার করিয়া ওজা ক অবশিষ্ট অর্থদানাথ প্রবৃত্তিত ার চেষ্টা পাইছেন, তাহা হইলে া তাঁহার সদাশগ্রহা বুঝিতে পারি । यर कें हात इ.स. ८५ मण्ड हहे। त्तत (ठाउँ: পार्टरङ्ग मटलाह न.<del>डे</del>। भव, लारक (भवन बारका हुर<sup>लव</sup> ान । সর জান लार्ड्डल , श कश्री विट (मश्रीत आह बादवारे হ্র: তিনি যদি দেশ সাধার त (क.स महर कार्य)त अनू लाहिद्राहम, छाडा इडेटल म् कार्य वाद्यम्या इह 3 1

মিবিদরে একাজ্বিক।
ক্যোকপে দর্শন করা
ভাগ্য বিধেন ধে
ধর্মে একাজ্যিক অস্থ কথন হজাহিয় হইতে পৃষ্ঠিধর্মে একাজ্যি

উ। হার বিশাস ছিল না। জুলি বিশি আমাকে বিশাস না কর, আমি যে ट्यामाटक विचाम कतिब, हैशे च्छा द्वत অনুমোদিত নহে। এই কারণে তিনি এ জার বিশ্বাসভাজন হইয়া ঘাইতে পারেন নাই। विनि य अरम्भीतिमनरक दिश्वान क्रीन তেন না, সাপ্তাহিক সংবাদ পতাই তাহ র প্রমাণ করিয়া দিরাছের। উক্ত পত্র লিখি शारक्य " देनि ( मत्र कम्मारतका ) व्यापनि अ (मर्म वस्त्रशक যখন श्रीकात रेमः। पन इटेरव, ज्यन व स्मर् শা, স্থি বিরক্ষেশন পাকিবে। " এতস্থার। কি স্পাঠ প্রমাণ হইছেছে না যে, ডিনি शृक्षेषचावलश्ची हिन्छू ७ सूत्रलसःसमिनंदतः বিশাস করিতেন না? সাপ্তাহিক পত মিসন রিদিগের কবলালিত, সর জন লবেকা মিসন্বি ভক্ত ছিলেন, অত্থব একংশে উচার লিখন বিশাসনীয় ও আনদ্রণীয रक्षक नाहे

शक्तम डेश्यमाविद्याहिक वा खिर्ज म গোর অসনে চারে একটা কারণ এই, ওঁলোক বলেন, সর্জন লবেকা অভি অলক্ষণা ক্রাস্থ। ভঁ হার অধ্যয়ন কলোবধি লোক এচ িটোর মিমিত সুস্থির নন উপযুাপরি रेम्ब विश्वन इहेश शत्। बरुकत सामन ক লে ছুই বার ছুভিফাও ছুই বার এবন বাড় এৰূপ কেহ কথন দেখেন নাই। ठे, इात अग्न मगर ७ दक्ष , मरन चामुकी भूतं जुक्म्म वहें। भिल्त। वेवारक शृंवा प প্ৰিচ চইনা এবং কোন কোন স্থান ভুগতে মগ্ন চইয়া লোকের বিশ্বর ক্ষতি हरेशारक । टेमवर्ष जैमात छेशटत मानूरवत প্রভুত্ব নাই, উপধর্ষবিমোহিতেরা ভাষা बुरका ना। यह दि आशंभरन केमकल आम भ त हत, ७:इं. त्र कालकशकास्त विद्व চনা কবিয়া ভাষ্ট্র প্রতি অননুষ্ঠ কর।

बक्ते, मत कर नारतण यह छ लि क्षकात व्यक्षिय कांक क त्याहिन, छाङ्गत महिछ व्यिय कांक छ नित नागा जित्यक वित्यक ग किताल कृष्टिय कांक छ लि व्यक्षिक है है सा छ छ । मूछतार (मई व्यक्षित कार्रकांत मर्था विश्वकार्या छ लिख मया कार्रकांत मर्था

লেই প্রিমকার্য গুলিও কর্প থা জুর নর বে সংখ্যার বি ভাছার কলোপধারিতা বেটেও সমর্থ হয়।

अहेमकल विवय वित्वप्रमा करिया व्यामानित्यत न्यासे (वार वहेटक्टके व मकल क्षकांत्र मत्र कर लादात्मत्र क्रिक अनु ाश करण नारे, डाँशांत्रा अकिनमन ना विशा छे उम काजरे कतितादहर। यवि कं,हात्रा क्रिटकन, क्वतन य कं:हानित्भत কাম্পেনিক ব্যবসার প্রকাশ হইত এরপ ন্য তাঁচা দিগের অসারতারও পরিচয় इहेड ) এड खूर्ता : उँ:हाड़ा द्य चक्रईस বু বিয়াছেন ভাছার এমাণ হইয়াছে। আর এই এক ইন্টলাত হুইয়াছে, ভাবী भवर्षेत्र (अवतलिरिशंत मर्पा गाँहात्री **একার অনুব**ংগকে লাখনীয় বলিয়া कान कतिर्वन, छाँहार। ध्वरभेडेखादेव क्षांत्र विक्रताथमटक्यी कृतिद्वम ध्वदः সেই চেন্টা মৌখিক না করিয়া ক যো প্রবিশ্ব করিবার প্রকৃত উপায়ের অবল बद्दब ब्रंपुनान इहेरतुन।

প্রত্যা ক্রমে ক্রমে দীর্ঘ হই গা উঠল। একাণে সংক্রেপে মূতন প্রণর ক্রেনর নের বিধরে কিছু বলিরা প্রস্তাবের উপসংহার করা বিধেয় হইকেছে। লার্ড মেনের আগ্রনে স্কলেই হবে হেরুর হইরাছেন। সকলের মনেই আশা জমি যাছে, ভূঁ হা হইলে আমাদিগের বিশেষ ইউলাত হইবে। অতথ্য আমাদিগের প্রার্থনীয় এই, তিনি কেবল সিমলায় বাস ও দরবারে সর্গারী আর্থের প্রান্ধ করিয়া স্থান্দেশে প্রতির্থমন না ব্রান্ধ। তাহা হইরু চ প্রভাব মনোর্থ পূর্ণ হয়, ই হাও আ্যাদিগের একায় ব্যঞ্জীর।

তুড়িক নিক্ষন্তরপ সমুখে উপস্থিত, এই সময়ে ছিনি আত্মগুণের প্রিচয় দিয়া প্রকার প্রীতিলাতের চেইটা কর্মন। এ বার উভাকে আমরা কেবল একটা বিষয় দেখাইয়া দ্যানিরস্ত হইলাম এবং প্রতীক্ষা করিয়া বহিলাম।

> े द्विविधनश्याष्ट्र । ॐ के मध्य (मध्यवाद )

নাগপুর ও ত্রিকটন্ডী স্থানের কুশসকুল ক্রমণ: শুক্ হত্তয়াতে লোকে অভিনয় উদ্বিদ হট্যাছেন। হনা সাহেব পুন দার সাধিসাধারণকৈ ইতেন উনানে প্রবেশ করিবার অক্সমতি নিরাচেন হনা সাহেব কাজ পার্কন জার না পার্কন লকলকে চটাইতে বড়াই তংপর। তিনি বংগজা চার করতে নিয়া বারহার অক্সভ কার্য্য হইতে চেনা তথাপি চেঠার ক্রটিনাই।

श्राम विष्ठां अपिक काका नियारक ताम कारे में मरकरतात मारम स्व वित कतिरम खाका मिन्न करियम खाका मिन्न करियम खाका मिन्न बहु कार्या हरे हिंदी स्व स्व करियम स्व करियम करियम करियम करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व करियम स्व कर

गवर्गमिक ৮००० होका वार्य काछ केल्या भित्र अक्षी स्मादनार्य हिस्स स्थापन कविवास मान्न कांद्र अन्यादिका। विकार कांद्र प्रवर्धीस निर्माय स्थापका कांद्र अन्यादिका नां कांद्र प्रवर्धीस निर्माय संख्याति कांद्र अन्यादिका नां कांद्र प्रवर्धीस निर्माय संख्याति कांद्र अन्याद स्थापनी नाहना। खामता खाविया किलाम सांद्र अन्यादिका मान्याद खान्या प्राधिक कि उम्री स्टेसाइक कि कांद्र स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्था

নেপালীর দুভ ক্রিবার স্ক্রের্থসিক ভ বাংগার লাভ গেয়ের সাহিত সাক্ষাৎ করেছে গোরা উপটোকন প্রদান করির্থট্টন । পার্বন লোনবলও খেলাত প্রদান করির্থট্টন । লাভ । গেয় নেপালীর বৈন্যাদিগের ফ্রাক্টনের প্রদাস করিয়াভিবেন।

भक्षीरवर श्राम समिनाइक छिकीन मीन सरपूर्थ भारतात है । व छोको त्यादम कासीर क इस्मात এक सम् कर्माइति इहेन्नाइका। होस्स मिल्ड इंडीइक सन् एड स्माद्धाम क्रिन्नम मीनाबत पूर्थाभाषतास क नकाफान विश्व बन्ता हाराव এक सम्बद्धा, अ छिभानिषासी। क्रफविन। काराव भाषम केरिंग वास्त करा अख्यानीस हास्त्रा अकास केरिंग वास्त करा अख्यानीस

अकालि अशिकागबरण हिन्द्र नियं है कि अपिका अधिक हरेग्ना हिन । स्वयं अधिक हरेग्ना हिन । स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्वयं अधिक स्

জীরামপুরের নিকটে সম্প্রতি ক্তক্তল হত্যা হইলা গিয়াছে। বে প্রকার পুলিষ, তাহাতে গোকের প্রাণ ও সম্পত্তি যে আছে ভাহাত আফর্যা।

विश्व (भिष्ठ के वर्षान मध्यक नगरा है?
नाथा (व्रमेक्ट्रवर (य वेक्टरवा भी व कर्षा वादी कर क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षित्रा क्षत्र क्षित्र क्षित्र क्षत्र 
् छेक शर्म महे इहेन, निवाद मास्ट्रिय महिए शिक्रियासिक क्यान्यासिक श्रुमकीत भिन्न इहे प्रार्ट । ज्यामता श्रुमियाङ ज्यानक निम् ज्याति हैरात ज्ञुहम्। इहेराहिन।

१ हे प्राच भण्यातातः

শ্লিবারের ভারতবর্ধীর গেজেটে নিয়ু লিখিত বিজ্ঞাপন্ত জি প্রকাশিত ক্ইরাচ্ছে।

পুর্দ্ধ সপ্তাহের গ্রেক্তেটের আক্রা রহিত করিয়া চৌধ্রী লক্ষণসিংহকে 'রাজা ' উপাধি দেওয়া হইয়াছে। আলাহাবাদের অক্ষ গতি ময়রাগড়ের তহসিলদার ও তেপুনী সাভি ক্রিট মিরমদত আলি ''খা রাহাছর দ হইয়া ভিম। পালার মহারাজ নরপতি সিংহ 'মাহেলে। উপাধি পাইয়াছেন।

ग्र क्रम सर्परणा रेग नेक रार्टको है कर्नि गर्डेमर ह्रिम इंश्लाक इंडे छ अल्डाशमन किश् अल्डिनर्शीय डिडेकर्ड स्डेश छाउट्डर्स अम्मीर क्रिटिन कर्नि रिन इंडे क्रम शर्यात रक्षमत लांद रार्टकोशि जिल्लाम क्रिक कारकर्मत विषय मह क्रम स्टब्स इंडेडिक रकाम शुक्कार किश्च रार्टकम मा।

শ্বির ভারতব্রীয় রেল গ্রের হারড়া পিড মাল ওলামে জন্মি লাগিয়া বাটিটা এক কালে ভাষালাহ হইয়াছে। প্রায় দল লক্ষ্ণ ট্রাকার দ্রম্য নত হইয়াছে। এই বাটীতে রেলক্ষ্রের কো দ্যানিহ যাবভীয় প্রয়োজনীয় দ্রম্য লাক্ষিত দল্প হইবার সময়ে সর কন লবেল নত্ত লাভ মের ভথায় উপস্থিত হিলেন। দয়কল গ্রে জাড়াভুল্ माविकः स्टबंब माहाटवा व्यमः व्य भाहेबाटकः व्यानटक व्यक्तमान क्टा म्यानिक श्रीकृता अहे क्ष्ममा स्हा

বে দিবস লাড মেয়ু কলিকাভার 🛒 সে দিন চাদপালের ঘাটে অভিনয় : ছিল। ভবলিউ উইলসম নামক ক বিভাগের এক জন প্রধান কেরাণী ভাচ ছিলেন। জাঁহাকে সরিশ্না ঘাইতে বলা হ ভাৎেতু জিনি সরিয়া বাইডে না পারাতে बन श्रुविय कन्मजाबी डीहारक छू. मेटड निः করিয়া প্রহার করে। তিনি পুলিষ কনিদন धर्दी निरंशत नारम (य नाकीन करतन, म এইট রবাটন সাহেব ভারা অঞ্চার করিয়া ব (क्न, एव वार्ष्किक कनकात मर्गा थारकन है। দশ জানের সংখ্য কভক জ্বভাগার সহ্য ক रतः উইলगन मारस्य य नालीन कतिन একটা বালিকাভিয় এমত নালীল আরু क्तिएक भारतम् ना। है श्वास्त हुहै या। असन त्व मानीन करा का छन्। लख्याकतः व मार्ट्स्य काम्हर्यः विष्ठात्रं कृतिश्चरङ्गाः सन् একতা एख'यम'न स्टेटनरे शृनिय अस्ति क পারিবেন, ভাষার নালীল इहेर्ट ना !! আনোলভ∂এমত বিচার করেন ভালা<u>খ</u> ष्यरतरक वश्रास्त्र काहेन शुरून के किर्तितन ि

छेदनत्वत अस्तर्गात्र (कल्लाभानकानः)
त्राक्षा कामीत्रकी महस्त्व वाश्रप्य गात्र प्रविद् भमत्य এक कक्ष की कृत आदेक वर्ष न लगरकत्र भाश्रामा कनारक कांश्राक ! ( भिरुद्दा १३ में १८०। এই निर्माण क्रियनत् ।

চতুরাম ও চাকার ছটী হাতিখাদা হা ভারেরার করেক জান বৈদিয় নিযুক্ত ছইবেন। ভাষেরাের নিয়মাজ্ঞ দার কার্যপ্রেরারী প্রচলিক্ত করিবার স

ইতিয়ান পদলিক গুপিনিয়ন গ কের এক কৌতুকাবক উণ্ছরণ প্রা ছেন। এফ জন, সাক্ষী জবাত সময়ে বলে ''নামু এই দেখিয়া এই শুনিয়াছি। '' নাক্ষিটেট সময়ে বলেন, '' এই সালু প্রকৃত ইছাকে এাদালতে অ'নয়ন না অভিনয় অন্যায় করিয়াছেন ইব হওয়াতে সেলিয়ন জন্ম নাজি লেন '' স'মু ''অর্পে '' জানি নিজে যাহা দেখিয়াছিল ও ব

্তিক্ষেট যখন আজা দেন, তখন হার জম জানিতে পারিয়াছিলেন; ়। প্রভু বড় ভয়ানক বলিয়া সাহস विषय कथा विगटि भारतेन माहै। लाटकत छेनटत (मट्ट त विष्ठांत्र धनानी নিডেছে। ইহাতে বে লোকে ঘূণা , করিবেন, ভাষা আক্ষরের বিষয় কে 🤉 কর্বেল ফিডের শাসনকালের সাহৎগরিক শাট দর্শন করিয়া সর জন লারেকা আইকাদ াল করিয়াছেন। **এক্ষাদেশে** ভূমি বিস্তর **গাতে কুষকের। প্রায়** লিখিত পাট্টা লয় না। হারা মকর্রি পাট্টা লইতে অসমত। গব **्क्र**मद्रम श्रमान क्षित्रनद्रक विवशास्त्रन, াতে ভাহারা আপনাদিগের প্রকৃত বার্থ ি সেই চেষ্ঠা পান। কিঞ্ছিং সভাতা প্রবেশ #রিলে ভাছারা ভূমির মর্বালা বুরিতে क्रिय मा।

भाइतमा दिल श्राम् कार्यक हरे (कटा । अव ব্লাজ কোম্পানী এই ভার পাইয়াছেন। का भूत धरमद मंखकता ৮ हाका छ्रान्द कामीन शारह्म । ,काशाखाः हिशतान कवि ताहे कृष्ण (तल अरस् हरेट्या शहत बरमारा अ अस्त 🏂 इहेबाর সংস্থাবনা। টিছারাণ হইতে क्षेत्र इहेग्रा दुनामात भयं ज्य (तन अटम वहेटन | রস্য ও ভারতব্যের বাণিভার অনেক 1 1 2 3 1

এখানকার টেলি গ্রাফসকল সিংহলের ংক্টর জ্বেন:লের অধীনত হইয়াছে। বংর্নল न भौज जिएक्टम शमन कतिरवन। जिएक-ভারতবর্ষ হইতে পূথক র'খাই অন্যায় : নেরা প্রসিদ্ধ জুরাচোর : এক জন চীন ने बौल्लीव काशास्त्र करहरू ने मन वेअस्य करता । करल मिस्रा (मर्ग) (भन আহি হয়না। প্রীক্ষাভাষা একাশ हे ज्याहित श्रेखरा नाम तक निहा শ্বয়া বিশ্লেষ্ট করিয়াছে। বিক্রেডা ভারঃ क्र माई। किछ जिल्हा पुष्

> यादम्भ कतिग्राट्डम, भ विकानिस हर्त्वः क्रुम्मत्त्वम (मश्रद्धाः व्यक्तिः एक। अम्ब वास कार्क का हिटल न। ६डी हिद्रश्वन मरकात हिला शवर्गराष्ट्रेत भागामध्याज गाज त कार्थ अख इन्ध्र सहराज्य ৰণয় পাকাদি করিছে **আরম্ভ**

मञ्चा<sup>क</sup> २७ शनि उ शकाबी शक्ता किए देश के .म छ जाशता वहराज जवालाम वाहर्कहितः। ভাহাদিগের নিমিত্ত একখানি বিশেষ শক্ট জ্ঞেনি প্রেরিত হয়। মিশাট কুইক্তে এক দল ইউ (तालीय टेनमा (श्रांत कता चावमाक इत्राहर **उत्त**्र (हेमनमाष्टेत भीकिमिश्रह ना मिश्रा याहेटक वर्जम, किन्न खोश्मिक्त कर्नम बार्गा করাতে শক্ট ছাজিয়া দেব। কিন্তু মোলঃকর मगरत छेलभी ७ इंडेटल किनीत वालिक भग्न क এক টে লি আম করিয়া শর্কট ছু গাভ করিলেন। कन्यानि इष्टिताणीय देशनाविद्यात निविद्य हिन्दा ान । भौकतिगरक श्राप्त २८ घरिका (भाषाः स्वत मध्दत कल्ठे भाहेरण इत्र । चारकरभत्र कारन नाइ , इंडिट्याणीयां म्हानत क्रुविशा लहेश कथा ছইলে যাবভীয় ভারতবর্ষীয়ের ভালেটে এইকুপ रहेन्रा था:क ।

व्यागः भी जुनाईमारम মধ্যক্তারত বর্ষের श्रभान क्षित्रमह कड्ड नार्यन त्रारहर श्रङ्गान মন করিবেন। মগাগভায় প্রবেশ কটিতে পারিলে ভিনি এ দেশে আর আসিভেন না।

মহীস্কুরের লে'কেঃ। ভত্রভ্রেজার শিক্ষক कर्पन रहनगरक अने किछिनन्त्रन क्रमान क्रिजा (इन । करर्नेल **निक**क रु**अग्राट** अकरलहे कांका দিত হইর'ছেন। অভিনদ্দর্দ ভারা বলেন, यमे ७ ताकारक महे द्वात । श्राप्त कत्रियात् আক্ষা চইয়াছৈ, তথা,পি ভাঁচাদিগের মনে ভয় ও সন্দেশ রহিয়াছে: রাজা কুভবিদ। ইইলে আপত্তি চলিবে না বলিয়া কর্ণেল কেনসের জাগ মন এত কুখের হইয়াছে ৷ লাভ ভেলহটিলি> नारम गोर्शामरभव ठरभन्न खन भएक उँ हाता मिथून छ द्रञ्चर्यीदाता बिक्रिन भवर्गस्मर्टहेत् বাজনীতি সংক্রান্ত সভানিষ্ঠার উপরে কিন্তুপ मान्यकान इहेब्राट्डन ।

मुख्यां विषयकात भारहत हैर्डन द्वेषारा ভ্রমণ করিতে যানঃ কিন্তু জাঁহায় টিকট ুলু পাকাতে পুলিৰ প্ৰহরী ভাঁহাকে ছ্রাভিয়া ক্রীয় नाहै। क्या नाटक्व व्याख्या किशादकनं, न्यार्थ मा मर्म (कर छम्। स श्राह्म कर्निएक भाविरका सा। উদ্যান সাধারণ সম্পত্তি: অভেএব এই প্রতিবন্ধ কভানিবন্ধন প্রধানতম বিচারালয়ে নালীশ

্ছুৰুপুরি, বৈষ্ণব ভাঁতি হর, ভূঁয়া ওংবকালী রাম্মানক বে চারি ব্যক্তি কুঞ্বাগানের হত্যা शादक मिश्व थाकाटक (मिश्रदन) व्यार्थिक स्त्र, काशामिरशंब विकास स्टेशारक। स्तकाणी सारअव क्षित क्षत्राहें मा श्राकाटक कार्याक मुक्त करा। कार्राहिमका अ अ अधिनम्मन क्षत्र। किन्न

**क्ट्रेब्राटक । ज्यात एक म कार्यत स**ामी व्हेर्य । विषात्र कि माकसारमम काला निरात ममरत बनि ब्राह्मस, खांबा मिर्गत क्षांच मद्राधकान कतिवात (कान कात्रम नाइ। উडिए मध्यारम र नाइ। ৮ हे माच बूपनात ।

আমাদিশের প্রতন গ্রগর প্রেন্ধলও জীক্ষ कारण नमन। शर्वराज यात्र कवियात यानत्र कवि ब्राप्टिमः সাংক্রাভিক রোগের শীন্তা, উপশম হয় 411

🐞 লিকাভার জাফিপদিপের ইঞ্নিয়র ক্লার্ক দাহেৰ পুনদার পীড়ানিবল্পন ইংলণ্ডে ঘাইতে ছেন। অফিনগণ ইংলগু হইতে আর এক জন है कि नयुत्र कानेयुन कहियात मञ्जूत कविशाद्वन। ঞ্লুক্ সংকেবের বিখনতে ডে্শ ক্সনে ক্রেড জন श्रुवादि । क्रार्क नारश्रदत महत्र नहत्र एक विश्व भ्रमम स्ट्रेस कि छात स्त्र मा ?

छिहेनान अटहर हर्भ भारश्रद्वत नःसम् (स नालीन करतन, मास्किएकेने त्रवादिन खाझ खाझा है। क्रवाटण है छेटबा नीटबरा काछिलय विवस्क क्रहेवा **्हिन । विश्वत त्यांक श्वर्राष्ट्र टे**र्नानेक प्रश्वाक भ**ुक्र** ताब श्रकाम क्रिएउएइम श्राग्डम ।वडा রাসরে আপীন করিষার নিমিত্ত সকলে চাল করিভেছেন রবাটিশ সাহেব যে অন্যায় বিচাষ कविद्यादश्रम जार्राटक व्राध्य करेटक भ'रव। इंट्रेएस भौ । युरा এই উপলক্ষে একটী সন্তুপদেশ শিক্ষা कक्रम ! त्रविष्टिष्य इश जाहरूत्वत्र भारम मासीन না লওরাতে উচ্চাদিলের যেমন মর্ণ্মাতিক (वनग स्ट्रेबाट्स, मकन्द्रत्व मास्त्रिक्टिनेदा हे है ্রাপীয়দিলের নামে নালীশ না লওয়াতে এলে লর লোকের সেই প্রকার মন্মাজেক পীড়া হয়: **करमक**्षेत्रकचनमा किरकेटे हे छे दाशी संभिरण त न्हारमद्रीने जीं, खान्य करतम ना ।

क्षावृक्तिकिरि इत (कारल ७००० है।का वारय একটী প্রিকটির ভুজল হইতেছে: দার্জি সিন্তু উত্তৰ ক্ষটি পালয়া ভার ৷ অতএব ইহাতে লা উত্বার সম্ভাবনা।

गाउनका त्रव छन नदस्क अनिकाला ভাগ করিয়াছেন । লাভ বেয় ও আনেক ভুতপুরি গ**বর্ণর জেন** উচ্চতর কর্মচারী बालत नियानार्थ उँ इ'इ में देख करिका भर्त ह গমন করিয়াছিলেন ৷ ইণার পূর্ণী দিবস পেতি ्यश्च अक रेवक्रेक क्षांट्र अत्र खन जटतर्भात দহ্ভিত অনেক এতাদ্দশীয় ভদ্ৰবোক সাকাৎ ন্∕রতে আনিছাছিলেন।

्किलिक्षां जीत भूगलमानगं जा गत जन गरतनारक এक काञ्चितमान क्षत्रीत करिवार्डन। (तम क्रिवा

भन्न सम्म करतेन मिर्द्य डीही अहन मा कहिया निक (मर्क्क) विश्व क्षा व महिवास (श्रव कि

करें क अक्यांनि है दोखी नश्यामण्ड शकः শিত হইতে জাগত হইয়াছ। ব্ৰহ্মদেশে এক थानि (मनीम काव व नश्वामभव वादित इडे ब्राइ । अधि अक्र ड ड ब्राइत हिंदू ।

টমাস জোল সাহেব মাজাতের ছোট আদ' लट्डिय केंदकर्षशायन करियाद्वाता कट्यक्डान भुदाक्रम आमनाएक मुक्तकर्ग इहेब्राइक । क्षामा निर्मा क्रमण्यल जाम'लए' कि अक वाद खाक সাহেত্রকৈ পাঠ ইলো ভাল হয় না ১ -

क्षेत्राष्ट्रिक मार्टब्व वक्रमभीय चारकालक সভার সভে র পদত্যের করিছা ছেন। উচির হত্তে যে কাৰ্য-ভাৰ জাতে, ভাছাতে ভাঁছাত্ৰ মাভার ভার এইণ বরাই অমনায় চইয়াছিল।

আসাম, কাছাড় ও মণিপুরৈ ভুমিকক্সমিল ক্ষম অভিশয় ক্ষাতি ইইয়াছে৷ মন্ত্ৰ্য,ীর ফেল कृषश्च स इहेग्राटकः कटालन समरस अधि क ্পর ন্যায় প্রায় ২০ ক্ট উচ্চ হইরাছিল। শাং रखकृता পৃথিयी महीख इब्रह्म भीनातः ষ্ট্ৰাকা, আশালামত আগ ও ধ্য কৰ্ণিত হয় কভকভলি বাটী পুথ্বীর ২০ ফটে নীচে মং इडेश (इ। ४० व का मुद्राहिएड निरुखत क्रिकेक কুল্ল নলীর জালা গ্রান্থ এক স্বাটিক **পর্যান্ত** উদ্ধা লৈত ষ্ট্য়াভিন। ম্নিপুরে কেবল ছুটা বাট काल कार्षा कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या 8号41 明台記事 [

বেহারে এবার শ্সং ভাল হইল না। বসংদ ्षात् अत्यो । श्री त्यत् अत्या । श्री व्रेड उ भारत भाषांक पाना उ इस माहे। गाँउ उपन स পালালাট্র অভার ধান্য ইছরাছে। গয়াতে श्रक भाग माज कर्रेया। इर दिना स्विनम तुक्तात ८० छ। भा उन्ना कर्ख वा

এक्टल मधुप्रारम छात्रकत्ति ०१ मि आयीर्न भवन्द्रशा श्रिष्ट (को न्यटन काट्ड) इन्तर मास् व भूति यक्त रमण रहेट छ व्ह्या छ । अर्थाण ध्याप युक्तास्विष्टित अञ्चलीन रुख्या धारणः অবক্ষণ কিন্তু আন্ত্ৰি কালে প্ৰধানতম বিচারা लार्य (स्थकल का क कि विक् व क्रेट करक, फाइनाटक লোকের জার ভার বিশ্বাস নাই : উইল, বিশাং ! লৈচি সংহেবের সাংক্ষার প্রতি বিশেষ দোষ: खीरन कलिर गृत चन्न नहेंद्रा (यथारन कथा) । আ্মাদিগের বারিষ্টর জলের৷ সেখানে আহ স্থাবিচার করিতে সম্পূর্ণ নহেন। রাধাকাত (भटतत छेहन नः क्षांच विधात हेशत अन्धी 3513 I

#### के हे बाब दू-न्न क्वांता

खादकवर्षीत्र शवर्गदमन्ते काळा निश्रादकन, প্রভোক প্রেসিডেলিডে যত সিবিলিয়ান कारहम, डाँशांनिरशत मंडकता २० खरनत व्यवि कर्क अक कार्त देश्वर्थ घाईएड (मध्या इंदैरि मा। प्रमुखान्न बक्रामा अकरन २४७ कम जिति लियांन जात्हन, देशीनरशत माथा ४० सम वित्राप्त भाहेग्राट्यत । विनाटग्रस खाट्यलन खाका के हे। के एक बदासब साक्षा असर्व (महासे विकर्ष ेश्रत्भ कदिएक इन्ट्रेंट्र । शीका क विद्रभव कांत्र পা কলে নিয়মাতি বিজ্ঞ বিশায় সেওয়া ।

ডাক্তর টনিয়র গবর্ণর ক্লেমরলের চিকিৎ সক হইরাছেন। ইনি হোমিত্তপেথি মতে চিকিৎ ना करत्व।

- मन्दरवात (कान्युर्गात श्राचा प्रमादव भावन (मन्हें का का किय रहन, शृहिक विश्विकार त्र वर्ष हाती करभव नाम अधिराय कार्यहा है करभवं । श्चरकमीय खायाब भवीका मिर्ट बहेर्स

भगकारवात किङ्गिन श्रूटर्स गढ़ सम मरत्रम (ষ্টট সেক্টোরির নিকটে এক পত্র লিবিয়: প্রস্তাৰ করেন মাজ্রাজ্ব ও বোদাইরের শাসং कर्का निर्मात न्या व क्षर्य एए लब्ब (मण्डेन व्हें भवर्गर म একটী মন্ত্রিসভা কথা কর্ত্তর । यहदूरनामास व्यक्तिक विकास मध्ये हेर से स्वास्त विकास

রেক্টেড় বোড উঠিয়া যাংতেছে ব'লয়-्य क्रमञ्जूषे उद्विद्यारक, छ। इत् अभूनक। यपि वक्ष .मर्ल अक कर्न पूर्वकाशासाल गर्वन इन, जात ঃইলে ব্যাক্ত উলিয়া বিয়া রাজ্য বভাগের এব क्षमान्य अप्रतिहोति व्हेट्यम । (४ हा व्यक्ति) ও আঘলারৈ সংখ্যা কমিনে না

चिन जिस विठादिक शा गण कथा ... शि चश्चेट्रत सक्तमात्र (मच श्रेधाटङ । **ख** त के शट-क्षियी वलाएक विश्वतंत्र का मानक मान **का**हा क বটিন পরিভাষের ই স্কৃত চারিবংস্ব মিয়াদ ফষ্টার সাহেবের পুত্র। কলিকভোর একটা ইই বোপীয় বেশ্যার দক্ষে পড়িয়া ইনাব বিশুর দেনা হয়। ভাল্ল মন্ত এই ্বাল্ড ভাগিল ভাগিল। इंट्लाइ अहामन कतियात (हले करन। अहे মক্ষমা উপ্লক্ষে বিচারপণ্ডি মাকফাসন সাক্ষ (इश्ले क विद्याद्या ।

(ग नकल कु'रन कालकष्ट इडेशाएक, फथांस । क्ट्यक्टी कविद्रा मेहित्नत कुलम्स (श्रविक क्हेट्य । मन् कात्रक्तरम्य निमेख कानक नल हेरल छ इहेटल का शिटल है।

बिकारमात्र (स्वामक बर्गम, मार्थारक्षव् अर नवर्रमाने काकिएमह क्षधान के अक सन विमः প্রতি শনিষায় এতদেশীয় কর্মচারীনি थ किन्न धरकित विवरत छे भरमभ (मन । २ प्रवत रूपात क्रिमाल (क्रांनीत) क्र गारक नाकार कतिएक शमन करवम । किन्न डेनरिंग्रेस छ (कह थ की मान कम नाहे न नाटरव द्वारा कविया वालेटलन, योन व्यातानी व উপদেশ নিক্ষা হয় ভাষা কইলে ভিনি নিক্ ठक्रत मूनाष्ट्रक क तिर्वम । यत अस लाखक b.लः श्रीतिम कात्र (कम २

कांबुल स्टेट अध्याम आजियाद मण्य विश्व तर्गरम्य महिन्द निश्चादकालित य य रम, जाराटक व्यावहरू बस्मन मच्छा बार्म भः क्रिफ इहेस(इस) शिवाय आति श्रीत श्रुक बाकूर वी अन्तर्भका अध्वरेनश्रुवर अन्यक करियाद्या का आम थी बन्यदा वन्ती हा हैन । क्यांवहल एक्यम कट्युकक्कम अञ्चलात्र लहेश्र শলায়ন কারতে ছলেন, কিন্তু তিনিও ধর। পছিয়াছেন।

এই যুদ্ধ শেষ ছঙ্গায়েন্ড অংডিশ্বয় কুবিদা হইল। ठाति ब्रेन्स पृर्वेष इक्षाट्ड व्यामनाम कारम अष्ट कष्टे बरेशारक था. सामाधिरणत शर्वामाहि नेशांत व्यक्तिक एक छाँछ। (अत्य क देशाहित) काबुटन छ। ११ छोका हैवात है। का नाहे।

(नाम हे बाक्स कार भी मगरक मांड करा त शैकी लाज श्रमान कर्त्रियारहन । मास्सास वर्षाः न्यक्ता भा है।का माख हहेशाहा।

कार्य व्यक्ति अवत्रिक कालामा व मन्तर नव खेष । ङाकाच कविश्वाद्वास आहमा । ও লয়া লিবার মধ্যে প্রকান কবিয়া দিলে नष्टे एवः। भारता अवतारमगढात अवनि खीर शर्दे विश्वास व्यादानात्मा कार्द्याहरू। ए याप्तात इंड्रान भतीष्टा कांदर्दन ।

গাছ ৩০ এ ন্থেশুলো ভাষেত্ৰকের য भगानादित् १,७४,२२,४०० होकी माज्य -हमा होत्र अधिनश्च क शरसर्छ /

লালা মান্বায় ১২ বংসর উত্তর .सञ्च भवन (मा:सेत क्रिकीस क्रिएसम्। করাতে সর টেইলিলম মিয়র লাছার 🔻 পুশ্রমারখারপ জীহাকে একটা আর্রে क व्याद्य ।

১৭৭ গণিত ইউটোপীয় ি लहलत ्ल लहेम हैं खाछाम विर्व हैं এक खीरनाकरक वर्धकादिनी कहि ভাঁহার স্বাদীর বাসতে রা ত্রিকাচে

ালাহাৰাদের সহকারী মাজিটেট ভাঁহাকে।
সিম্বনে অপুণ করিয়াছেন।

গশ্রুতি পঞ্চার ও রাজপুতনার স্থানে স্থানে হওয়াতে শসেরে কতক মলল হইয়াছে।

ইলিল মিয়ব বিজ্ঞানীয় কর্তৃপক্ষকে বলি

ন, অনাহাতে কেহ প্রাণ্ড্যাগ করিলে ভাঁহা

গলে দায়ী হইতে হইবে। এই বাবে ঠেকে

গলা হইয়াছে।

্পারস্যের রাজা ইংলত্তের গ্রণ্থেটের ১টে ক্রেক জন আফিসর ওরণভ্রির অধ্যক্ষ হিয়াছেন।

#### ১ • ই মাঘ শুক্রবার।

গত কলা বলিক সমাজ লাড্যেয়কে এক অভি
ক্ষেনপ্রদান করিয়াছেন। গবর্ণর জ্বেনরল প্রভাগ

ইর দানকালে বলিয়াছেন, ইংলগুপর্যান্ত
ক্ষোবশ্বে টেলিএফ, ভারতর্থবির রেলওয়ে
ভ খালখননকার্য্যের নিমিন্ত যত টাকা বয়ে
ক্ষাবশ্বক ভাগ ভিনি করিবার মানস করিয়া
ক্ষা ইইনর বজুভা ত অমৃত্যারা বর্ষণ করিভেক্ত
কার্য্যে পারি নাই। তবে ইইনর ভদ্রভা আদক
দেখা বাইভেচ্ছে। মেইন সাহেব আমাদিগের
ভারতবর্ষীয় প্রজাগণ বলিয়া পাকেন, কিন্তু
লাভ্যেষ্য ভ্যামাদিগের সম প্রজাগণ স্বলিয়া

ক্রা

পিয়নিয়র বলেন, ভারতবর্ষীয় গ্রন্থনের চিক্লিত কর্মচারীদিগের বিদায়ের যে নিয়মা ল করেন, সর স্থাকোডনগকোট ভারা ফিরা ৷ পাঠাইয়া দিয়াছেন। ভূতপূর্দ্ধ প্রেট ক্রটারি বলিয়াছেন, বিদায়ের নিয়মগুলি শেয় উদারভাবাপর হইয়াছে। কিন্তু ভারত গ্রন্থনেন্ট কোন পরিবস্ত করিতে চান নবিলিয়ানদিগের বিদায়ের নিয়ম স্বল াত স্থাবিধার হইল, ভাচিক্লিডিগেরও াহইবে কেন ভারার কোন কারণ দেখা

পত্র অবগত হইরাছেন, রাজা দিনকর
রওয়ার মন্ত্রিত্ব হইতে চুক্ত করা হই
হার কার্যদেকল লোকের এত অপ্রীতি
বিদ্রোহ হইবার উপক্রম হইরাছিল।
নমিত কলিকাতায় আসিতে আসিতে
ব্রুজিগমন করিরাছেন। তিনি বন্দেল
জন সিংবলিয়ানকে চাহিয়াছেন।
রওয়ার আডেন। রেওয়াতে দিন
কাজা করিয়াছেন, তৎসংক্রাত্ত
দানিত বনা শঠার।

সম্প্রতি ইংলণ্ডে ঘই জন দীক পুলিষে নীত
ছয়। এক জনের বয়ঃক্রম १ ॰ ও ভাছার পুরের
২৫ বংসর। ইহাদিগের উপার্জনের কোন
উপাল্ল ছিল না এবং রাজিভে লাঠে ব রাস্তার
দারন করিয়া থাকিও। পুলিষে ইছারা বলিল,
এক জন ইংরাজ ভাছাদিগকে লাইয়া যান ;
কিন্তু ইংলণ্ডে গিরা ছাড়াইয়া দেওয়াতে
ভাহারা অসম্ভিনিবন্ধন যেখানে সেথানে
থাকিতে বাধিত হয়। মাজিটেটট ইহাদিগকে
বিদেশীয় অনাথালয়ে প্রেরণ করিয়াছেন। মধ্য
মধ্যে এপ্রকার শেচনীয় অবস্থা ছটিয়া থাকে।
বেশকল ইংরাজ ভারতব্বীয় ভূত্য লইয়া
ইংলণ্ডে যান, ধর্মতঃ ভাছাদিগকে এইসকল
লোককে ভারতবর্ষে আসিবার পাথেয় দেওয়া
কর্তন্য।

বেষাইরের প্রধানতম বিচারালয় সি্ছান্ত করিয়াছেন, জাধাজের অধ্যক্ষণ নাবিকদিগকে বোষাইয়ে ছাড়াইতে পারিবেন নং। নাবিকেরা পদত্যাগ করিতে সম্মত ধাকিলেও সে পদ ভাগি আছা নছে। এটা অভিনয় যুক্তিসিদ্ধ মীমাংসা। ইচাছারা লোকারের সংখ্যা অনেক কমিবে।

সিলং হইতে এক থাজি লিখিয়াছেন, ''গড कला ( ১১ हे ब्लास्त्राति ) मकति शूर्य अधारन ভয়ানক ভূমকম্প হ্ইয়া গিয়াছে। বেলা ৪ घक्ती ६० मिनिएवेत भगन्न (भवनार्कातनत मान्न मक रहेत्रा कष्ण ब्यातख रहा। यत मुहातक कृषि ভাবৎ ছলিভে লাগিল, ফ্রেমে ক্রমে ৩ বার কম্প ছইয়াছিল। শেষ কম্প ৫ ঘটা ৮ মিনিটের भष्त इत्र । औपुक्त कानरतम माम्राम भारहर করিতেছিলেন 🕠 মূতন বাঙ্গালা প্রস্তুত ভালার চিম্ন ভাঙ্গিরা গিয়াছে। জীযুক্ত লেপ্টনন্ট কর্ণেল বিভার এখানকার ডেপুটি ক্ষিপনব। তাঁহার বা**লালা সিললের ম**ধ্যে উৎকৃষ্ট। উহিার বালালাবও চিমনি ভালিয়া সিয়াছে ও দয়াল চিড থাইরাছে। এথানকার কমিদরিএট আফিদর মেজর মন্ট্রিউরের উত্তম বাঙ্গালা আছে। এ ৰাজালারও স্থানে স্থানে চিচ্ছ খাইয়াছে ও চুণ থালি খিসিরা গিরাছে। ১

#### ১১ ই মাঘ শনিবার।

জার নববুবক ব্রহ্মনিগের সাধ্যেরিক সভা ও উপাসনা হইবে। ব্রাহ্মগণ সংকীর্মন করিতে করিতে তুতন ধর্মমন্দিরে। প্রবেশ ও ভাহ। উৎ সর্গার করিবেন। ছই প্রহরের সময়ে এক বার ও সন্ধ্যার সময়ে আর এক বার উপাসনা ইইবে। রাজি ৯ ঘটিকার সময়ে টেবিহালে বস্তুতা ও

ইংরাজীভে একা গীত হইবে। এই বক্সৃতাদীর কারণ কি? বাজালী হইরা ইংরাজীতে গীত করিবার কারণ ত আমতা বুঝিতে পারি লাম মা।

আন্তাহাম ফিলটনামক ভারতব্যীর একজন রেলওয়ে কর্মচারী জ্রীন'থ বিশ্বাসনামক এক জন মজুরকে প্রহার করাতে ভাহার মৃদ্ধা হয়। বিচারকালে পীড়িভ প্লীহার আপত্তি করা হইয়াছিল। জুরি সংমানা প্রহারের নিমিত দোষী বলাতে বিচারপতি মাক্ষাসন ইহার ছার মান মেরাদ দিয়াছেন। ভারতব্যক্তিত ইংরাজেরা অপক্ষপাতিতা ও দ্যার বড় দৃষ্ঠাক্ত প্রদর্শন করিতেনেন।

লগুন হইতে সংবাদ আসিয়াছে, প্টেটসেকে টারি পঞ্চাবের ক্রকসংক্রান্ত আইন অগ্রাহ্য ক্রিয়াছেন। সঙ্গ ক্ষম লয়েন্সের এ অনুষ্ঠানটীও বিফাল হইল।

লক্ষে এর ইউবোপীর সৈন্যান দলবন্ধ ইয়া দক্ষরে করিভেছে। সম্প্রতি এবটা ইউরো পীয় জীলোককে শকট ইইডে নামাইয়া তাঁহার অলক্ষার মোচন করিয়া লইয়াছে। রাজকুমার মণনউন্দোলার অল্প ও শকট ছুইবার চুরি গিন্যাছে। ইউরোপীয়েরা মফললের আদালতেব অধীন নতে; প্রধানতম বিচারালয়ের খুইয়ান ক্ষরবাণ ভাহ'দিগের ইড্যার অপরাধন্তলে '' সামান্য প্রহাবের " অভিমত প্রকাশ করেন, ইংডে পাপের যদি প্রজার না ইইবে, ভবে আর কিসে হইবে?

ি নিম্মলিখিত মুলো গবর্ণমেন্টের কাগঞ্জ বিক্রীত চইডেছে।

#### —::--ইউরোপীয় সমাচার।

লগুন ১৫ ই জানুয়ারি। আরল অব ক্লেরে গুন ও বেবডি জন সাহেব লাভ স্থান লর নাম আলাবামাঘটিত বিবাদের নীমাংসাথ উল্নোগ পত্তে আক্ষর করিয়াছেন।

টাইমস বলেন, ভুবজের সূহিত গ্রীসের বিবাদ হওয়াতে প্রিক্স ক্ষাব ওয়েল্ড এথেলে বাইডে পারিলেন না।

রেজিলের শেষ সংখাদে প্রকাশ করে, পার।
গীয়দিগের সহিত প্রেজনীয়দিগের সম্প্রের
এক ঘোরতর যুদ্ধ হটয়। সমুদায় পাবাগীয় টেনর
নষ্ট ইইয়াছে। ২০০ অফুচর লইয়। লাপেজ
পলাক্ষন করিয়াছেন। প্রিপ্র অব ওয়েলস ও
উল্লির জ্ঞী কোপেনধেগেন হইতে যাত্রা করি
য়াছেন।

পারিস ১ এই ভাইবারি। জ্বা ছ্ডস্ক্রির
শেষ অধিবেশন হইরাছে। বেস্কল গবর্ণনেন্টের
ছ্ড আসির ছেন, উ হারা প্রাহ্ করিলে পর কুজ
গন একবাকা ছইরা আপনাদিগের মন্তরা
গ্রীসকে জানাইবেন। ছড্রাণ বির করিয়াছেন,
ভাতান যে পাঁচিটী প্রভাব করিয়াছেন ভাহার
ভিন্তী ভাতিসাধারণ নির্ম ও যুক্তিস্কত।
চতুর্থ প্রভাবের ডর্কের প্রয়োজন নাই, কারণ
ভ্রম্ক এবিষয় নির্মান বিহারালয়ের হস্তে অর্পণ
কারতেছেন। গঞ্চম বিষয়লী প্রথম ভিন প্রভাবের অর্জে করিয়াছেন প্রাহ্মিক বলিবেন ভিনি যেন জাতি সাধারণ আইন জ্ব্রুস
সারে কার্য্য করেন। গ্রীস যদি এই প্রজাবের
পত্র ফ্রিরাইয়া লইবেন।

পেরা ১৭ ই জান্ত্যারি। পারদের সুহাচীর নামক একটা ধর্মসম্প্রদায় হইয়াছে। টিহারণ স্থিত ভূরক দৃত কেই দলের শিবং হওয়াজে প্রশাতান কাহাকে পদচ্যত করিয়াছেন।

১৭ ই জালুয়ারি— সুভগণ স্থির করিয়াছেন
ভূপজের \* শুন প্রস্থাবন্ত প্রথম ডিন প্রস্থাবর
ভাত্তর্গত হইয়াছে। চতুর্ব প্রস্থাব বিচারালয়ে
ক্রপণ করা হইবে। এীদ যদি মুভ সভার প্রস্থাব
ক্রোহা করেন, ভাতা হইলে গ্রাহাটে বলপুর্যক
সন্মত করিবার বিষয়ে ইংলও আব্বিতি করি
বাচনা।

শের। চে ই জানুয়ারি। তুল্ভান দুত সভার সিদ্ধ ত গ্রাহা কবিয়া নিজেব ছুতকে স্কিপত্রে শাক্ষ্য করিবার নি মত্ত টেলিকাম করিয়াছেন।

গবর্গমে উপমূহ স্থির ক্রিয়াচেন, এীস যদি মুক্ত সভার প্রস্তাব অঞ্জাক করেন, ভাষা হইলে উচ্চারে সম্পূর্ণক্রপে নির্দেশক থাকিবেন।

প্রিপ অব ওয়েল্স ও তাঁহার জ্বী বার্কিনে উপনীত হইয়াছেন।

ওরাশি ওটন ১৯ এ জালুয়া ব। ফালাবানার বিষয়ে এবং বিদেশীয়গণ আমেবিকার স্ত্রাস করিলে উহাদিগকে আমেবিকাবাসী বলিয়া অন্ত দিবার বিষয়ে ইংলণ্ডের স্থিত যে স্থি ইইয়াছে, সভাপতি জনসন ভাষা মহাসভার নিকটে অপ্ন কবিয়াছেন।

> গবর্গ মেন্ট বিজ্ঞাপন ৷ বঙ্গদেশীয় লেপ্টনন্টগর্বরের আদেশাকুদারী নিয়োগ ৷

१०६९। । ३७ वे काञ्चमाति। यक सिन अस, वि, तह-

श्राफ गार्ट्य विषात गरेश जल्लाक थाकि त्ये जल्लान त्य, अग. नान्धिन गार्ट्य स्थानत क्षाक्रिकि श्रीवर क्लादित्से छन्दे स्टेट्स ।

ষ্প্ত দিন বাবু বৈক্ষবচরণ দাস সরকারী কার্যাপ্তরে থাকিবেন, ডাড দিন বাবু রাক্তেরকু নার বসু ছাকার প্রতিনিধি সদসমুক্ষেক হইবেন।

যেদিবস কর্ণেল এচ, হপজিপান কার্যান্তার অর্পণ করিখেন সেই দিবসাব্যথি লেপ্টান্ট কর্ণেল ডব'লাউ, আগস্থু আলামের প্রভিনিধি কমিসনর হইবেন।

श्वामित (मण्डेन के कर्यम आश्रम् कार्य। कर्त थाकिरयन, फल मिन (मण्डेन के कर्यन এচ. এস, विवास आंत्रारम्य श्वास्तिमि विकासत्त्रम भीम क्रिमनम् स्टेश्यन।

পি, টি, কর্নেগি সাংহ্ব কিছুদিনের নিমিত্ত কসায়া ও জয়জিয়া পর্কাতের প্রভিনিধি ডেপুটি কমিসনর হইয়া সিবিল জড়োর ক্ষমতা পাইবেন। তিনি চতুর্ব আেণির প্রতিনিধি ডেপুটি কমিসনর হইবেন।

জে, ওকিনিনি সাংধ্য পাটনার মিউনিসি । পালিটির সহকারী সভাপতি হইবেন।

যত দিন সৌলবী ভমিজান্তিন বিদার লাইয়া জল্পান্তিত থাকিবেন, তেডদিন বাবু শিবশারণ লাল ভাগালপুরের অভগতি তেখারার প্রতিনিধি মুক্ষেণ হইবেন!

২৮ এ ডিলেখবের বৈশাল ক্ষমি আর. টি. সিবেক্টার সাংক্ষ কিছুদিনের জন্য বানী গঞ্চ উপবিভাগের ভার লাইবেন। তিনি বাকু ভাতে ফাজিক্টেটের ক্ষতাচালন ক্রিবেন।

বশ্বমানের অভগ্ত শ্বাইভির মুপ্রেল বার মনন গোপাল সোম এখন প্রেলিডে উন্নত বই বেক্তা

র নিনীয়ার অন্তর্গত বন্যারি গ্রামের মুজেফ ক্রিব্রাস মুধোপাধনার বিতীয় গ্রেনিডে উন্নীত হটুবেন।

ব'বু অভুলচপ্র ঘোষ দিনভিপুরে তৃতীয় প্রেণির মুজেজ হইবেন। কিন্ত যত দিন ধারু ামাহনলাল পাড়ে উপনীত না হয় তত দিন পুরীর প্রতিনিধি মুক্তেফ থাকিবেন।

वक मिन बाबू अकूनाम्बर् एवाव् कावंश्वरते । इस्ट्रिन ।

थांकिरवन, ७७ मिन बादू छेर्माहतून मृख किमा। शुरुव अछितिथि मृत्यक हहेरवन ।

যত দিন বাবু লগেষণন মুখোপাধান্য কা ভবে থাকিবেন, তত দিন বাবু মাধ্ৰচক্ৰ চক্ৰ ২৯ প্ৰগণাৰ অভগতি আলিপুৰেৰ, মুগোক

वाद इ.स. धनव एक रक्ष्मारमंत्र कास्तर्गक व

মূলি তকেল আছক্ষদ বর্জমানের অস্তগ বামননাভার মুক্তেফ হইবেন।

১৪ ই জানুরার। চম্পারণের সহকারী মার্ন টেট ও ডেপুটি কালেক্টর সি. এচ, বাউ। গাহেব প্রধানতম বিচারালয় ও সেসিয়নে অপ করিবার মকদ্দার প্রথম বিচার করিতে পা

৯ ই জানুয়ারি অবধি এ. সি. মালস সাহেব ব্রিভ্তের প্রতিনিধি জাইট মাডি ও ও ডেপুটি বালেটর ইইবেন

১৫ ই জাজুয়ারি। নিয়লি এড স্ কটকের বিদ্যালিক। সভার গঙ্গ ডবলিউ, ফিডিয়ান নাহেন। বাবু জগজোহন রায়।

৯ ট দানাৰ পণ্ডিভা ভে, আন্ডাদনি সং

মেভিকাল কালেজের জন(ভিন্ন বি

যত দিন মৌলবী মধ্যাদ নামুদ বিদা-অনুপজিত থাকিবেন, তত দিন বাবু গুলাদ চট্টোপাধায়ে ত্রিপুরার অভ্যান্ নারের প্রতিনিধি বুজেফ ইইবেন!

৭ ই জামুমারি ডবলিউ
সাংহ্য কটকের মাজিটেট ও
কার্যভোব এছন ক্রিয়াছেন। ই ডিনি এখ্য জেনির প্রভিনিধ ম কালেইর হইবেন।

य निव्य अ. हि, बाक तन यू त्वत बालिटकेटे अ काटल है द्विव र प्राटक्स, त्यहै निव्याविध बालिट इहेरवन।

যে দিবস অবধি এ, বৈ, ফ্রুক প্রতিন্ধি মাজিকেট ও ব সই দিবসাবধি জিনি প্রথা মাজিকেট ও কালেটর ছই' ১৬ ই জামুয়ারি। ডাক্ড দিনের নিমিন্ত ঢাকার প্রা

(नवनर इस महकाती क्रिमेमन क, क्रवनिक, সায়াট সাহেব ভারতব্যীয় রেলওয়ের ক্ড शांत त्रिवृत्राख्या, देवसानाथ, वशाद्यवश्रुव জনদীশপুরের আডুডার মধ্যে রেলওরে 🛊 খাবভীয় মকদ্বসার বিচার করিবার ক্ষমতা ্লের। বাঁকা উপবিভাগের অভগত চলন। হইয়াছিল। গণার ও খাব্ডীয় বেলইলওয়ে ঘটিত মক मात्र विष्ठात्र के जीवात व्याप्त किया विश्वा विश्वा

वानीनात्मत बहुकाती वास्तिकेट स्म, जात. ब्राट्सके मार्ट्य शाविकाशूटबर मास्टिकेटकेत সীমার মধ্যে রেলওয়ে ঘটিত বাবতীয় মকদ मात्र विहास कतिवास कम्छा भारे तन ।

<sub>হ</sub>ং আমাঝার স্ব আসিষ্টাণ্ট কমিস্নর এ ক্ষের সাহেব কারমভার। জামভারা ্বসম্বাদ আড়েভার মধ্যে কড লাইন ঘটিত । বৃদ্ধীর দক্ষম। করিবার ভার পাইলেন।

· अ आधूताति। लिक्टेन के फर्नामके, স্মুম্পন চতুর্থ গ্রেণিডে নিযুক্ত হইয়: ভর ,ভেপুটি ক্ষিস্নর ছইবেন। ধার্ক সাহেব ছগলির প্রতিনিধি र ७ (७ शूपि कारल छेत रहे वन। विमनि नारश्व छशनीत माछि ीएका छ वैक्रामामाक्रम ख (फ्लारे

कम्फा भारे (वन।

ামাদিগের গাজিপুরস্থ বংবাদদাতা ार्डन।

म कानि अधारताम इकिक क्रिष्टे गांक 'हायार्थ प्राप्तक स्थारन होना हरे-ाशामरतात्र माखिरकेषे मारस्व अह এখানে একটা সভা করিয়াছিলেন। र्ट्रवर असुरत्राद्ध करनक छान धर्नी प्रक इहेट पर्देश हिना किए नकारे एक ३२६ डोकाइ व्यक्तिक छेठी **डेरवालीय काञ्चारेत स्टेर**ण शाय इहेब्राट्ड। अक्षरम्टम् वक्षाञ्च নাচপ্ৰভৃতিতে ব্যয় করিতে ক্তি এসৰ বিষয়ে কিছু দিভে চবল খাতের এড়ান বিবেচনা ড় ছঃথের বিষয়।

> ণতী পরীক্ষার এম চুরি इंटिन अधीका ना रहेश ीका नदश हरेबाहिन। াবার ৯০ ছিল > ইছার !

मर्थाः क्यांन भ्रम क्या हरताओं जाबाटण जात भकरन छिक् एक भत्रीका नित्र एवन । असे हरित्र कर्त्र भरीकरकता जवात क्षत्र ना हाशाहेना निरंक बिट्य भरीकाथीमिश्य लियाहेश मिश्राकित्मनः কিন্তু শুনিতেচি পরীকা স্থানে কিন্তু গোল্যোগ

 त निम अथानकांत्र अंदर्गस्यन्त्र्याणः हुए वक्षण हु ते शिश्लाहरू । श्रीक्षिया व भर्याच्य क्ष्य मकामहे कंडरण्डमा

৪ ৷ এছানে এখন পর্যান্ত ব্রক্তিয় কোন লকণ मिथा बाइएकट्ट मा। हाउँम होकांत्र ১ मत এवर अम ১ • (महा। अर्थाटम स्वाहन्त अस वरमह অক্টোর ডিউটি অর্থাৎ এখানে বে যে শস্য আম দানী হইবে ভাহার উপর কর ব্রুয়া হইবে না।

জামরা ফরিদপুর হইতে নিম্নলিখিত ग्रवानका वाख इहेबाहि।

১। ১ লা ভাসুয়ারিতে আমাদিগের এখান कात्र कृषिधनर्गनी (मना क्षांत्रक इहेबा, शक दृश ক্ষতিবার শেষ হইয়াছে। জেঁলার ধুম খাম ও বাহ্যাড়ছরের ক্রটি হয় নাই। সিংহছারনির্মাণ, দরবারগৃহসভলা, স্বোড়লৌড়, মাস্ত্রের দৌড় কুন্তি এবং বাজি পোড়ান হুইয়াছিল। যাত্র ষ্ট্রাস, প্রাথের বিষয় এই প্রস্তুভু ফুষকদিগকে এ বার অপেকাকুত সভোবজনকরপে পারি 'ভাষিক দেওরা হইরাছে। এ যার আমরা আম: দিগের ডেপুটি মাজিটেট জীযুক্ত বাবু চক্রমোচন রায় মহাশয়কে যথোচিত উদ্যোগ উৎসাহ ও পরিপ্রমাসহকারে মেলার প্রান্ন যারতীয় কার্য্য मण्यापन कविएक प्रचित्रा ममधिक मएकांचना छ করিয়াভি। ভগৰান বাবুর অঞ্পস্থিভিতে আগামী বংগর ডিনি এইরপে আমসহকারে कार्वः करतम, हेश जामानिकात् अकाल आर्थः नीय ।

২। আমাদিলের ছোট আমালতের জন্ম বাব কাদীকিক্ষর রায় মহাশল্প এক্সামে সমাগত হুইরা অনেক কুডন আমলা নিযুক্ত করিছে ছেন। ভাষরা কালীবিক্ষর রায় মহাশয়কে अञ्चरताथ कति. নিরপেক্তাবে যথাযোগ কার্য্যক্ষম ব্যক্তিগণকে যেন ডিনি নিছুক্ত করেন কেবল প্রদাৎসাপত্তের উপরে নির্ভর না করিয়া শভাব চরিভত্তর প্রতিও বেন একটু দুটি त्राद्यम ।

इक्षेत्राटक । क मनवटक कामानिद्रात कार्यक न metal wite !

। शक दिवन व बार्य के चिकांत अबब अवान क्षेत्रका स्ट्रा जिलाट

आंमाहिश्वित (श्रांत्रीविश्वत्रक् मर्वाह-मांका निविद्याद्यन।

ं । अस् ६ व १ शोवः व्याच्यकारम् अप्यापन थोव प्रदेशनीकाम स्टब्ड वृद्धि स्वेत्राटक । हेराटक अ व्यक्तात विरामय केनकात व्येत्रारक प्रक्रि क्षित्र जात राष्ट्र जामका नाहे । समानित प्रमान व्यटनक कमियारहा कुषरकता (क्षेत्र कर्षन क्रिंत्र ह আরত করিয়াছে 🖟 কেন্দ্রে পুর্বের বেশক্স मना यथन करो रहेशाहिल, छारांत श्राक विरामय উপকার স্ইয়াছে। এই সময়ে আরও কিছু বৃষ্টি रहेटन नकन प्यामका दृत हहेटल शादाः सनः না হওয়াতে লোকেয় জ্বানি শীড়া হইয়া (य क्ष्ट्रे १६८७ किलः अकरण कात्र काहा नाइ: এখন आह शाह लाएकर भी छाई नाई वलि-(लेख इस्र।

२। व्याभारमञ्ज श्रिष्ठ वश्च वातु नवीनहस्त्र চক্রবন্তী মহালয় অবকালাতে পুনরায় গভ ১৩ই फिरमबर अधारन ज्यामग्राहरून । नरवारमार **७ म**द्राम्यम्काद्व इरबाकी अ द:कामा नकात देविकिमाध्या विश्वय यह कहिटक्टका। अभै गिविल (ष्टेमन नर्षः) अवधी नरमन्त्रे। कन्मज्ञारमञ्ज मध्या (करन ध्रेही বেকাল (ডিপাটমেণ্ট) मारह, तिक्रो 😉 किमिनियाति। 💐शास्त्र २०।२¢ ৩০।৪০ টাকা এইরূপ অল্লবেডনপ্রাপ্ত কর্মচা-রীই অধিক। আমাদের যেসকল বঙ্গীয় জাতা विम्हानरम् यरमामानः পङ्गा कर्षाभाकात्वत অসুসরণ করিয়াছেন এবং অদেশে ওউত্তর भिष्ठित कार कार्य कर्य छ। श्रह्म नाहे, উঁ:ছারাই এখানে জাসিয়াছেন। বিদ্যালয়ে व्यक्षिक मा পড़ित्स ও व्यक्ष वयुत्र व्यक्तिनार्व्य-(नत्र हेम्छा इहेरल (कारकत्र यख काचा ७ मरनत्र উम्राज क्रेट्ड भारत ज्ञाहा विमुक्त (वाध्रामः रुप्त। व्यापि এचारम अक दरमद स्टेश च्यामि-हा है, गक्स विषय फिर्मबर्तिल अधिनाम, किन्द्र याद्यारक मञ्जूषश्रद्धत्र क्रिक्ष इ.स. अञ्जल ষর এখানকার কাহারও দেখিলাম না। কেবল प्रदे भर क निभिद्धाल प्रदेश देश्यांकी कथा कहिए निविद्यारे व्यक्तिस्क विश्वनादक कुछार्थ छ। शब्दील हे कुल 3 मात्रव निमित्न क्यां कान कार्यन। अक्स का होत विश्वत विश्वत विश्वत

श्राणिभागम रेखामि मामाना विवेदशरे पारनरणक कीयत्मन्न किरमण्ड यक्ष इहिशाहर । कामि स अक ভেন মনুষ্, ঈশ্বর আমার উপর যে নানা গুরু खंब कात निया ताथिशाटकन, आखीवन याहात काना श्रानगण यह कतिएक स्ट्रेरिंव, ध्वनकत कांश রও চিন্তার বিষয় নহে, এখানকার কল্প শিক্ষিত वाकातीत विविद्य नटर, आगारनत वाकाली জাভাদিগের মধ্যে যাঁহারা বিশেষরূপে শিক্ষিত, खाँबास्तत मध्या अहेब्राल खाव, खाव चिनि अक्ट्रे यह 🤒 अधावनाञ्चनहरू दिन्द्राविषय याः धन्द्रविषदम् किष्ट्र छैएकर्य लाफ कतिर्छ পাবেন ভিনি ' বন গায় শিয়াল রাজা " इहेट्ड हार्ट्स। जिल वायु (क्लवहड्स म्हर्स অবভার বলিয়া লেমুকর পূজা এছণ क्रिएं अंडिनाय करवने। अहे नकन দেখিয়া শুনিয়া বাঙ্গালীদিগের প্রকৃত অভুদের বিষয়ে ২তাশ হইতে হইয়াছে। পুর্বে আম'দের দেশের যুবাফরা আত্মীয় বজানের ভিরকারে भिन्न दिभिर्गत भ्रमाग्य ब्हेर्ड साहेड, अधन ্রলওয়ের প্রসাদে পশ্চিমাঞ্লে পলাইয়া जारम । এ अक्टलन गर्भ जरमक राकानी रन्धः পভার ভারেতে বা অনা কোন করিলে এখানে भनाहेता अभिप्रार्ट, कावात भाषासम्बद्ध अक्त्री পার্শ্বভা, সাধারণগম্য স্থান নছে; কাচেট্ছ এখন এখানে তীরাণ পলাভকের সংখ্যা দিন দিন বুদ্ধি পাইভেছে। অভএব, যাহারা লেখা পঢ়ার ভয়েতে দেশ ছাড়ি: ম অ নিয়াছে, এখন ! সাভা করিয়া ভাষাদের জার কভারুর ষ্ট্রার আশা করা ধার - ডবে আমি যে অন্নের স্থানের वःभानीमन अर्भवा अधानमात राज्यतीरमह বরাবর স্থানতি করিয়া আনিয়াছি, তাংার ्काः, न प्रार्थः । अ अक्ष्टनत । काम कारमङ्ग्रीमङ दाका लीए व कर दिन ভাষাকের ধমপান পর্যন্তে তরাগ করিয়াছেন। কোন স্থানের বাঙ্গালীরা অন্ততঃ ইংরাজী কথা ও ইংরাজী লিখিতে শিখিবার জন্য সভান্তি স্থাপন কানে। हेशएड करमाहे अथानकात राक्तांकी धनरम নীয়। নবীন বাবুর ন্যায় এখানে ছই একটী रव डेलगुक बाकाली आरहन, इंशारनत धाता मारहरमहरन वाकाली हिरणत निर्नत नाम रहे-ब्राट्ड। कारम्कारन यनि अक्टी प्रदेती वालानी अ यात्र करत्रन छार्। इहेरल (भ काम इहेर्ड পারে নবীন বারুব দৃষ্টাত্তে জ্ব!মি वृत्रियाहि। अवश्रात स्पत्रकत राजानी पार्डन, জ্ঞাঁছারা যে কারণেই জ্ঞাস্থান, যেন কেবল আহার বিহার ও অর্থোপার্ক্তনপ্রভৃতি জীবনের লামন্ত কাৰ্যেই পরিভুঞ্জ হইয়। না থাকেন।

ত। কলিকাভায় বড় দিনে (যরপ সমারোই ও আড়ম্বর দেখিতে পার্যা যায় अहे देगिनक शुक्रमगितिद्विष्ठि अञ्चनश्थाकः ইংরাফদের মধ্যে তাদুল দেখিবার সভা वना नाहै। छात সেই দিন क्षा का का व হইতে সন্ধাপর্যাক্ত রাজপ্রের ছই গার্গে (मधी (भक्त (काम (काम रंगाम्हा नामा दिव দ্রব্যক্ষাতপুর্ব উপচৌকর ক্ষিস্থিএট সাহে टरक मिट्डटर्ड, कन्द्रे छित्रभव अकिमिश्चात् ६ एक्ट्रियाद्रिकारक विविध देशहाद्र देशद्रमा मिर्डिड् इंड्रामि मिथिया व्यामता व्यंदेनकार्यम চকুন সার্থকবোধন করিয়াছি। এরপ উপটো কন বা পুজোর অভিপ্রায় কি ? আমরাও বড়দিনের ঊৎস্ব সভোগে সম্পূর্ণরূপে নিধাশ হই নাই, জাসিস্টান্ট কামসারি জেনারেল কর্ণেক ব্রাণ্ডার সাহেব ভাঁছার অধীন কর্মচায়িদিগকে ৫ - होका नियाहितन। छ।हाटड কার সমস্ত বাবু গোয়ালিয়র সংবের নিক্ট वर्षी अवधी মনোহর **डे**न्यादन ামলিভ श्रेश विविध **উ**पष्ठाःत आश्वतानि कविश्व শক্ষার পর আধ্বার মুরার চাউনীর একটা वकामा स्थात नर्खकी प्रश्ति नृष्या प्रमान क्तिम्नाट्डन । अहे छ्रमदरकट्य व मःली छ हिन्तू স্থান ডিম ১৫.১৬ জন সাহেৰ উপত্তিত ভেলের। মধ্যে মধ্যে, চা, প্ররাপ্তস্কৃত উ।।-मिश्रदक श्रीत्रेटबल्ब कता इंदेश्राइन । (काब काब व्यट्टर माजास, रहेशा भाष्य्याहरसम्। याहा १डेक, रङ्क्रान्टनक अ अक लूडन वर्गभाव छ পুত্নপ্রকার আমোদ। আমি আজিও প্রাপ্ত বড়াদনের আমোদ ভোগ করিভেছে, এটা श्रामात भद्द এক্টা বিষম ফাড়া হ্হয়া इंटिश्राइन।

৪। গত ৮ই জানুয়ারি যেকর জেনারেল . इथवालन मारहरदत वाफीरक अभी यहा मनाः রোহ হইয়া নিয়াছে। এখানকার প্রায় ইভর সকল্ই সপরিবারে নিমন্ত্ৰিত হুইয়া-किरलन। आश्वामित पार्शास्त्र. यह गुक रुरेश ज्यासाम हक्ष्री का (काषवाको धक्रांक विविभक्षकात आद्भामकत अञ्चर्भाग हहेगाहिल মহারাজের পোষ্পুত্র সভাসন্ও অনুগত লোক সমভিব্যাহাবে আলিয়াছিলেন। সেদিন अ कारन (लाकाः वः क्षेत्रां हिला महाबस अहे | উৎস্বদী বড়দিন উপসক্ষে কি অন্য কোন कातरन जाहा विनय्ज भाति सा।

৫। এখানে পব্লিক ওয়ার্কেঃঅনুনক ওভরসিয়ার, স্ব ওভারসিয়ার একাউ-

ন্টান্টপ্রকৃতি কর্মচারী জমিয়াছেন ব্যার বিষয় এই, এক জন ২০:২৫ বেতন ধারী সব ওজনসিয়ার এক মানের গাড়ী, ঘোড়াপ্রভৃতি আসবাবের সহিত এ বাহাছবী করিভেছেন যে, অধিক বেতনদ কর্মচারী ভাষা দেখিয়া অবাক হন ভাঃ সন্দেহ নাই। জাত্রস্থ অনেক ভদ্র ভদ্র সাহেন এইসকল অভ্যাচার রেখিয়া এই ডিপাট্মেন্টের প্রতি ঘুণা প্রকাল ক্রেন, কিন্তু ওসকল চারকে আইন মত ধরা কাহারও সাধ্য নাই। এখানে একগুল খনচে পাঁচ গুণের অপেক্ষ্য

৬। মহাশয় ! এই একবংশয় কাল গোরা লয়বের যেশকল বিষয় পাঠকবর্গকে লানা ইবার ভাহার প্রায় অনেক জানাইয়াছি, এখন এশ্ব'ন ভাহাদের প্রায় অনেক বিষয়ে প্রিচিত ইইয়াছে ৷ বোধ হয় এস্থান হইছে আর সংবাদ গাঠাইছে গারিব ন: মানুষে কর্মকুত্তে মুরিয়া বেড়ায় আনিও সেই কর্মিক্তে স্থানাস্তরে য ইতেছি ৷ বোধ হয় লুভন স্থান হইতে আবার সুতন সুত্ব বিষয় লিখিব ৷

রক্ষপুর **ছইতে এক ব্যক্তি লিখি**-হাছেন ৷

১ রশপুরের উত্তর প্রদেশসমূহ ইভঃপুরে **ওচবিহারের ভাষীন ছিল : গতে কল্লেক কংগ্র** ∌**हैल, ३**९ताक्ष वावर्गरमर हेन्न काधिकुठ **२७ग्र**ाउ वर्गक अंत्रका शहा कथा का। छ ज्ञान जाता গোপানে আক্ষোচন করিছেছে: এ দেশে ভাল লোক ছাড়ি তাল (काम श्वास क्रम्बर्धाः) মারেও দৃষ্টিগোচর ধ্যু না। হিন্দু জাতির মধ্যে ताक्षवर्भी अभारम ख्रवाम । इक्ष्युर्वत छेउ-द्राप्तम यह प्रश्नुस, कार्य क्यार्या सूत्रक्याल আট আনা, বাঞ্বংশী চারি জানা, আরে সম্ দায় চারি আনা হইবে। মকভাল বিভার ভাজ देशभी जायार इस तादभाग कराया भनवान १६० য়াতে এবং সংলগুভু ভড়ে পড়িরা ভ্রমা পারগনিত গহতেছে জনলে জাতিরা কৃত कार्याक्षाता क्षीत्रम शहर क देश थाएक। अ দেশে যেমন কামার, কুমার, ডি.লি, ডাম পৃথক পৃথক জাভিতে ভিন্ন ভিন্ন কৰ্মায় ক এখানে তেখন महे, मुधलभाग ও রাজবং যাহারা যে কার্য্য কনিয়েত পায়ের ভাষারা वावनाध्रद्धादाई कीविना विकार करनः (नर्गत महिलागन घट) उ भारेखनी।

ীর এবং গৃহকাষ্ট্র দ সমুদায় নির্দাহ ায়ে সময়ে কুষকাৰ্য বিষয়েও সামাটে সাংখ্য করিরা থাকে। জীলোকে। হি এডদেনীয় পুথ্যেরা অনেক প্রগভেগে श बार्ड । कार्शना उक्तरत क्रिकेवन क ভার আহার করিয়া কাল্যাপন করে। ক ধনবান সমুখ্য উভ্যান্ত পরিবান ও বেন্দ্র আহার করে না এক এক কৌশীন 👺 গরণ করিছা দিনাভিপাত করে। যারারারাজ ক্ষিত্র হৈ সা এশ্যাত ফাড়ারিছে যায়, ভা**রাদিতো** বই এক একবংলি ৬। ৭ হ'ত কাপড় থাকে। এ দেশে এসকল ভালকে ক কে**ওয়ানিয়া বলে**। দেওচানিখাল বাটাতে না ধাকিলে ফকির ও তৈর'<sup>১৯</sup> । এক মৃষ্টি তাওলা পার না। এ দেশের िट्स नक्षत पतिष्ठन्छ क्ष**र्य । व्यक्ताश**न भेदन दार्भ धक्यानि छ स बज्ज दुक बाँधा करिया ব্যৱহা হাকে। এ ব্যৱহা প্রাদিগকে সোকাপড়া। ্ট্রাডে বলে ৷ দোক।পড়ার অর্থ যৌবন প্রাপ্ত : গ্ৰাৎ কটিতে ও বক্ষাস্থলে উভয় স্থানেই কাপড় প্রাক্ত ইব, ভারন্তবা প্রাক্তাপাড়া বলিয়া থাকে। ইহার ওক মংদেরে অভান্ত প্রিয়া একটা শুক্টা পেডাইয়া অনেক অন্ন খাইতে পাবে। ্র দেশের বিবাহপদ্ধতি একপ্রকার ভালই भ्या यात्र वाला विदाह श्राप्त माहे: (नाका अफ । এইলে ভ্রেকেই বিবাহ দিতে স্থাত হয় না। িকাণভিত্র স্মুলায় জ্ঞাতিরই বিধ্যালিসকে পুন্যার পাত্রশাং করার গ্রী ত আছে, তালেন জনহত্যাপ্রভাক পাপ অভি অল্ল হইয়া থাকে এ দেশের প্রান উৎপন্ন ছব। ভাষাক্ কে.है। ধান্য, বিশানত আলু, ইফুও কোন কোন স্থানে (पथा याहा ६ थामान त्रांबिक) श्रांत शक्ति। त्पाष्ट्र'याता. अधिमात्त, कालीशक, काकीर्गमा. ভালাপাক : এই ক্ষেক জানে এক একটী চক্তঃ আছে গছখাল ই এতলেশীয় উৎপন্ন জন্মনু দার স্থানাক্ষার থেরিত কর্ত্যা থাকে। এ দে-কীয় ভানকেংক অনতন্ত কেলে কোচাভিয় हिमिक दास।

ই : রক্তপুংনেলার অজিও শেষ হয় নাই '
নামরা শুনিয়া গুলুথ ও হহজান, যে উদ্দেশের
নলা সংস্থাপত হয় এফালে ভাষার বিপরীত
ব্যালার হইয়াছে : রলপুরের বিচারক ও
বীলার মহাশয়দিনের নিকটে মেলাফান এক
সোদের শ্বান হইয়া উঠিয়'ছে :

ু এ বংসর হলপুর সংব্রেট সংলের ন চাত্র এটা শেপরীক্ষায় উত্তীপ হই-ত ভাক শন ছাত্র পরীক্ষাথী হইয়া সমন করে ত্রাদে। এক জনের মৃত্যু হইয়াছে। কাই লিপ্ট চারি জনই পাল হইসাছে। গভ বংসব বলপুরের ভন্ত মহাশয়েরা বে, রঙ্গপুর ক্ষ্রের প্রধান শিক্ষক বাবু চন্দ্রনাথ ভট্টাচার্যকে ক্রবর্ণ ঘটিকালছ অভিনদ্দনপত্র দিগ্রাছিলেন, এবং। শর ভারার প্রদল দলিল।

ধা গছ হচ এ পৌষ রবিবার অগলাঃ
বেলা গা ঘটনার সময়ে এখানে ভুমিকম্প
হইয়া গিয়াছে। এই কম্পন প্রায় অর্ধা ঘটা
কাল পর্যন্ত চিল। আমরা জ্ঞানাবধি এরশ
প্রবল ভূমিকম্প দেখি নাই, মৃতিকা এবং
গৃহাদি অভান্ত সামিতে আরম্ভ কলিয়াছিল।
মন্ত্র্যাসকল ভীত হইয়া গৃহাভাত্তর হইতে
অলনে বহির্গত হয়। একালমধ্যে ছুইবার
এমন প্রবল বেগে কম্প হয় যে আমরাই গ্রহে
থাকিতে সাহদী হই নাই। অনেকেই এই কম্প
দশনে বিস্ময়াপন্ন হইয়াছেন।

২৯ এ পৌষ ) ১২৭৫ সাল )

#### প্রেরিত। মান্যবর প্রীযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক মহাশয় সমীপেয়।

কুভজভা স্বীকার।

মহাশার প্রথমনা সাভিশার কুভজ্জতিবে শীকাব করিতেছি যে, জীল জীমুক্ত বর্ত্তমানানি শতি মহারাজ অন্ত্রহপুরঃসর আমাদিশের বিদ্যালয়ে আশাভিনিক্ত দান করিয়া আমাদি মকে চরিভার্থ করিয়াছেন। ভরসা করি, অপরা পর মহাত্রাবাও এইরূপ উৎসাহদানবিষয়ে মহারাজের অন্ত্রবণ করিয়া দেশের উপকার সাধন করিবেন।

জগদীপর করন, থেন অল্লকালমণে,ই কৃতজ্জতা স্থীকার করিয়া আমরণ আপনার কুশুচারিত পত্রিকার জ্বস্থপূরণ করিতে সমর্থ হই।

भाजा हिन्दु ही ১ - हे ब्हु सुर्वादि ১৮৬৮ मुल्लादि }

#### মূলা প্রাপ্তি।

ত্রীযুক্ত বাবু প্রসমক্ষার ঘোষাল চোটখণ্ড
১৮৬৯ জামুয়ারি হইতে মার্চ ৩৭০
৯ টীনবন্ধ ভট্টাচার্য মানবাজার ৭
৫ মুদ্র ভছত্তর আলী আলীপুর ২॥০
৯ গ্রাজীবলোচন রায় বহুরসপুর ১৩
৯ শ্বিশিনবিহারি মুখোশাধ্যায় দারজিলিং
১৮৬৯ জামুয়ারি হইতে জ্বন

## भागश्चकाचन का करमक है। विट्यांच नियम।

অগ্রিম মূল্য ও ভাকমান্ত্র না পাইলে নদ-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইবার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং
বাণ্যাসিক বা । টাকা । মফখলে ডাকমাস্থ্রন
সমেত বার্ষিক ১৬% বাণ্যাসিক ৭ এবং ক্রৈমাসিক ৩৮ । জিন মাসের স্থানে অগ্রিম মূল্য
গ্রহণ করা যায় না । ছণ্ডি, বরাজি চিটি, মনিঅন্তর, নোট ও স্থান্থ টিকিট, ইহার জন্যভর
যাহাতে যাহার স্থাবিধা হর, জিনি সেই উপায়
দ্বারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাঁহার। প্রাম্পটিকিট পাঠ ইবেন, তাহারা বেন এক অথবা আদ আনার অধিক মূল্যের ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

্ ধর্মন ধিনি মকস্থল চটতে সোমপ্রকালের মূল্য পাঠাইবেন, তাহা যেন রেজিগ্রার করিয়া শ্রীমুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে, পাঠা-ইয়া দেন।

बौद्यं पिरिशद पृता निवास मगन क्र कोण करेता व्यानित्व, अक्रमामपुरानी हो देशिन शतक कि हैं निविद्या ज्ञानान योक ति, काल व्यानी करेड़ा भारत अक वास कि हैं लिखा करेड़ा, फाहास निव अक्रमामकान क्षाजीका करिया का अंक वस वस योक ति । स्वयं वारवस माज विद्या का अंक वस वस योक ति । स्वयं वारवस माज विद्या का अंक वस वस

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর প্রেসনের ডাক্

বঁ হোরা মাক্স না দিয়া পত্রাদি প্রেরণ করি বেন, তাহাদিগের সেই প্রেটে এহণ করা বাইবে না।

কেত সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন নিতে ইচ্ছা করিলে ভাঁচাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংজি আনা ভাহার পর /১০ আনা নিতে হইবে। যিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা করি-বেন, ভাঁহার সহিত শ্বন্ত বন্দোবক্ত হইবে।

এই এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পূর্দ্দ মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর স্টেসনের দক্ষিণ চাকড়িপোতার শ্রীযুক্ত ধারকানাথ বিদ্যা-ভূষণের বাসিতে প্রতিসোমবার প্রাতঃকালে প্রকাশিত হয়।

# मियशका

5) M BIN!

३२ मश्याः

## " प्रवक्तनां प्रक्रतिहिताय पार्थिवः सग्सतो अधिकहती न हायतां।"

যাসিক মূলা ১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১০ দশ অগ্রিম বাণ্যাসিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা

দন ১২৭৫। ২০এ মাঘ। ১৮৬৯। ১লা ফেব্রুয়ারি

মক্ষলে মাজুলসমেত জাগ্রিম বাধিক ১৩ মাণ্যাসিক ৭, ও ত্রৈমাসিক ৩৮ টাক

## বিজ্ঞাপন। ছগোহদৰ লাটক।

কলিকাতা সংস্কৃত যন্তের পুস্তকালয়ে ছগলী নশ্মাল দ্বলে জ্রীকালীপ্রসন্ন বিদ্যারদ্বের

कालमा (म. एटकल कर्ल आश्र)।

इता । वाष्ट्रे आता।

कि भी वांत्रम छ छै। हाई। मश्य अवांत्रम

ইরমাভি ইং সং বিদ্যালয়ে ১৮৬৯ অব্দেশ প্রবিশ্বা পরীকাষীদিশের পাঠনার্য একটা ক্রেণী বরা ছইয়াছে। ঘাঁছারা উহাতে প্রবিষ্ট ইটয়া ভাগংয়নের বাসনা করেন, ভাঁহারা প্রবান শিক্ষকের নিকটে নিয়মাদি অবগান ছইবেন।

ডিসেম্বর

10 30

জীধারকানাথ শর্মা হরিনাতি বিদ্যালয়ের অধ্যক্ত

্মৎপ্রণীত চিত্তবিনোদ কাবতে ম খণ্ড। অতি স্বলিত অমিত্রাক্ষরে রূপক্ষকে ভিচাতে

সুনলিত অমিত্রাকরে রূপকক্তলে ইহাতে ভারতবর্ধের বর্ত্তমানব্দ্র বর্ণিত হইয়াছে: এছ পেক্ত ক মহালয়ের। হল্পমান বড়বাজাবে অধর কাল শাহার পুস্তকালয়ে তত্ত করিলে পাইবেন।

खी मेमान bस वसू

----

চিকিৎসাপ্রকরণ এংং চিকিৎসাত্ত**ত্ত্র** অধাৎ

প্রিন্সিপ্লদ্ এবং প্রাকটে স্ভাব নেডিসিনের

প্রথম থক্ত ৮ পেজি ফরমার ৭৬৮ পৃথা উত্তম বাদা, প্রিয়ক্ত বাবু গলাপ্রসাদ মুখোণা ধ্যায় বি, এ, এম, ডি, কর্তৃক সংগৃথীত হইয়া প্রকাশিত হইয়াছে। প্রথম খণ্ডের বর্ণিত বিষয় (১) সাধারণ নিদানতক্ত (২) অক্তরুৎসেকা পীড়াসমূহ। (৩) দৈহিক পীড়াসমূহ (৪) আয়ুমন্তলের পীড়াসমূহ।

মূল্য ১০ টাকা, ভাকমাসুলসছিও ১০।। কলিকাতা লালবজ্ঞার হিন্দু হাষ্ট্রল ২১৩ নহ বাসীতে শ্রীযুক্ত বাবু গুরুদাস চট্টোপাধ্যায়ের নিকট পাওয়া যাইবে।

--- ? 0 ? ---

## বালীকি রামায়ণ ভূতীয় খণ্ড

এই পুজক প্রথমাবধি প্রকাশ চ্ইতেছে।
ইহাতে নাগরাক্ষরে মূল ও চীকা এবং সর্বাশেষে
বাজলা অনুবাদ জাছে। বাঁহার জাবন্যক
হইবে, তিনি কলিকাতা ব্রাক্ষ্যমাজে আমার
নামে পত্র লিখিবেন। প্রত্যেক থণ্ডের (দশ্
ফরমার) মূল্যা। জানা। বিদেশীর গ্রাহক
দিগকে ৴০ জানা ম সুল দিতে হইবে।

कलिकाए। बाक्तगमाल

और्द्यक्य छड्डोडार्यः।

## ম জ।পুর মেডিকেল হল।

১। এতদ্বারা আমাদিনের উষ্পত্রকালক, স্কুক, সংকারী ও সর্নসাধারণকে জ্ঞাত কথা বাইতেছে যে, দ্বিতীয় ত্রৈমাদিক ইণ্ডেন্ট সম্বন্ধে অর্থপাত ' প্রার ক্ষর ক্ষোসীরা, ওয়ার উইক, ব্রিটির প্রান্দ স লারা দল সল্প্র টাকা মূল্যের উষ্প পূর্ল প্রাপ্ত হওয়া নিয়াছে। এতন্তির সম্প্রতি আমরা বিলাত চইত্তেইং গন ১৮৮৮ সালের লেষ ত্রৈমাদিক ইণ্ডেন্ট সম্বন্ধে ' ব্রিটিশ কলাল, কিং আর্ পর্, ও ব্যক্তিম শলক অর্থপোড্রেম্বন্ধারা ৮৩ বাক্স ইন্টেরাণীয় উষ্ধ প্রাপ্ত হুইবাছি। এই সক্ষ্য

अवध सुनाधिक नाष्ठ नहट्य है।का मूला उन्ध कहा हरेबार्ड।

২। আগানী বর্ষের প্রথম ক্রৈমাসিক ইত্রেন্ট উপলক্ষে চিকিৎসোপধোগী ক্ষম্প ও ত্রবর প্রস্তুত্তকরণের ও উদর্শবক্রয়করণের নানাবিধ সামগ্রী ও সক্ষা ও বিবিধ ক্রৈমানি ইং সন ১৮৬৯ সালের ফেক্রয়ারি মানে বিলাভ হইতে পৌছিবে।

৩। আমরা অধিক পরিমাণে ও খুচ্ছা. , উভয়রূপে উষধ বিক্রয় কর্ম: থাকি।

8 1 अहे क्याल जिलानित जानून विलाजि होना अ जारामा हलीन क्ष्म (हिंदि हेन्द्र क केट्टल, जामहाई केटि ०१ मर्थाक क्षमान केंद्र धालात कीयुक बाद लाभीनाथ (हत निकर किशा मछावाकात कीटि ०० मर्थाक छवरन उर्थ ठेषधालात्रत महानकत कीयुक्त वांद्र सम्मान भाग हान्हारत निकरें (हिंदिक भारेतन हेकि।

কলিকাভা

৫ ই ডিনেম্বর

せっちゃ シャツケ

वस्मित्राभाषात्रं अवः (कार

নির্দাবিতের বিলাপ মুদ্রিত হর্রা প্রকাশিত । ইয়াছে। পুত্তাকর কলেবর ৮ পেন্দ্রী ফংমার ১৪ ফর্মা অথাব ২১০ পৃষ্ঠা। মূল ৮০ আনা বাঁহার আবশক্ত হয়, ঠনঠনিয়া সংস্কৃত ঘটে পুত্তকালয়ে অথবা পটোলডাঙ্গা ব'ছুরে এ' এপ্র কোর পুত্তকালয়ে অনুসন্ধান কারা পাইবেন ইডি।

১২৭৫ সাল ২৭এ জাগুচায়ুণ্ সংস্কৃত কলেল

**बी** भिरमाथ 🐨

--- 000

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুস্কালণ

্ত।রিণী

ত্তী মুল ও অলুবাদ সহিত

**ह**शहड

विषष्ठ

মিউটীনির

| 396                                                             |                     |                 |
|-----------------------------------------------------------------|---------------------|-----------------|
| ীত ও মং বত নিয়লিখা                                             | 5 %                 | স্ত ক শুলি      |
| ৽ইতেছে:                                                         | •                   |                 |
| •                                                               | भूला                |                 |
| এ দইতিহ'স                                                       | 3                   | होका            |
| (রামইতিহাস                                                      | >                   | ক্র             |
| ফুদ্পসার ব্যাকরণ                                                | ١                   | আনা             |
| নীভিদার (১ ম ভাগ)                                               | J                   | ট্র             |
| নীভিদার (২ য় ভাগ)                                              | J                   | ঐ               |
| क्षांतिष्ठ ।                                                    |                     |                 |
| মুদ্দবোধ ব্যাকরণ                                                | И                   | <u>B</u>        |
| ত্ৰী দ্বারকা                                                    | নাব                 | শশ্মা           |
|                                                                 |                     | •               |
| ৰবিধ জব্যাদি বিজ্ঞা                                             | ার্থ                |                 |
| প্রস্তুত।                                                       |                     |                 |
| इर्वाकी वंकाना श्रुएक कानड                                      | <b>*</b>            | লম নানা         |
| वश्वकामि भाउषा यात्र अवर                                        | 97                  | का मिट्ड        |
| ৴ এক অমার হিসাবে কমিস-                                          | į (v                | ্জাধক           |
| शकात भुखक सरेल 🖊 ३° जा                                          | নার                 | [क्सार्य        |
| পাইবেন i                                                        |                     |                 |
| ত্রীযুক্ত বাবু কালীপ্রসন্ন সিংহ                                 | ncote               | म्ब्र १८ में उ  |
| গদ্য ১৮ পর্যা মহাভারত ১৭ বও                                     | ৩ ভ                 | ल डेड्ब         |
| সংযত করাঃ                                                       |                     | <b>%</b> ·      |
| লওন কারমা কোপিয়া অর্থা                                         | < ক্রম              |                 |
| বলি ্                                                           |                     | 5 ∦ s           |
| परण<br>प्रकृतास्त्र कीवनप्रतिख छिउम                             | ব জ                 | 75 }            |
| হর্মাকুবপ্রভূতি প্রাচীন কব                                      | ⊕ પ્ર` <sup>‡</sup> | শা দেকের        |
| গীতগংগ্রহ                                                       |                     | ?               |
| भारीतिक श्राष्ट्रावराम                                          |                     | ۶.              |
| প্রকাষ উৎকৃষ্ট কাব্য                                            |                     | 211             |
| कास्य मुख्य माधिनी                                              |                     | > "<br>>        |
| প্রথম তর্জিণী<br>বচন,থ ঘোষকুত্ত সংগীতমনে                        | 1.2893              |                 |
| यहराय (घषिक्रास्त्र वर्गा स्थाप<br>समूल(प्रस्तृ सू कावा कविवत घ | :বকা                | ` `<br>নাথ বায় |
|                                                                 | 1,5 - 1             | \$              |
| The same and the same                                           |                     | 11              |
| ্রাস্বসামৃত সংস্কৃত ও পদ<br>শীতগোবিনদ জায়দেব গোলা              | মিতা                | ীত মূল          |
|                                                                 |                     | 7:•             |
| চ্নাথ নায়েপঞাননকত সদ্য<br>কীতৃক তর্জিনী ইংরাজি কে              | हाई<br>देख          | -               |
| কাতুক উর্গেশ হ'ল জ'লে<br>ধু আশ্চর্য্যজনক বিদ্যুদশন              |                     | 30              |
| স্থান্দ্র সাহত ১২৭৬ সংগ্রের স্থা                                |                     |                 |
| ভ্রমান্ত সাহত ১২৭৩ শালার স্থা<br>ঐ হাফ গ                        |                     |                 |
| ज्य शायः ।<br>( <b>ङ्गा श</b> पः)                               | i dy 1              | <b>`</b>        |
| ्या का जिल्ला<br>इसका का अ                                      |                     | 11              |

हरदाक्षि १५ ७० मादनव अन्तरमा की । ।।।। কুমারীকুমার পদ্য আদিরসঞ্ধান কাব্য ১ খ্যের মোহিনী শক্তি গণেশচন্দ্র শর্মাকৃত ব'ক্সা এটলাস উত্তম कागृह्य ते हे इम वक्तत मूचिक ৩ 'উন্ধৰাবিবাহ্নাটক ۲ কাৰিন কুমার রসরত্বাকরান্তর্গ ভ নায়ক नाविकाम्बेष्ट स्वत कावा মৰিকুগুলা কাৰ্য প্যারীমোহন বন্দে,।পা-দ্যায়প্রণীত ছর্গেশন শিদনীর মত লেখা अवभागिक सम्बी 2110 ভুচিত্রাবলি তথ্যানি বাঙ্গালা মাাপ 8110 স্টীক তৈভনচেরিভামৃতগ্রন্থ ٩ कान मिनी नाउँक আইনসংযুক্ত ২ খ গু উষাহ্রণ পদ্য হিভোপদেশ বিষ্ণু শন্মার সংগৃহীত কলিকাতা জোড়া-গ্রীপ্রতাপচন্দ্র রায় मीरका ७८ वर নগদ বিক্রেভা

## श्रान थकान। विक्षु श्रुद्धान ।

অমুবাদও টাকা সমেত প্রত্যেক খ্ড ৮ পৃষ্ঠা : অগ্রিমমূল্য )॥ ।।

যিনি প্রহণাভিলাধী হইবেন তিনি মৃত্যাপুর कामहर्द्धकी है ७४ ) न ९ उत्ता कार्यकान याख व्यथमा कलिकाला मन्छ्र-७ विम्रालस्य ত্রিয়ুক্ত ভগত্মেকেন তেনালক্ষাবের নামে যভ পণ্ডের ইচ্ছা অভিনয় মূল্য প'ঠাইবেন। অভিনয় मा পाইटन विरम्टम विकश्वतान भाक्षेत्रहरात নিয়ম বাই ইভি।

#### বিক্রার্থ।

সংর্ভেন ঐচ ২৪ নং বাটা গুলামস্থ ১৯ ন°(জাড়' ৰাগান।

উপরি উক্তবাগান এবাটী ঘাঁহারা করে करिएड व्यथ्या लहेर्ड हेम्हा करत्न, निधु याक রিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেণ্ডারস্ আরবো-থনট এবং কোং

মহাকবি শ্রী চালিদাস প্রণীত সংস্ত কুমার স্ঞ্ব মলিনাথের দিকার পাইত মুদ্রিত ত্ইয়াছে এবং মাল্লমাথের চীকার বেসকল ছক্কছ পদের <u>राज्या नेत्रशक्ति इ इहेस्टइ, खोड़ा, शार्ठेकवर्श</u>त

-308----

স্থাবিধার নিমিন্ত, পজের পেষে অভিবিক্ত দীকা ঝ্রাপে প্রদান্ত হইয়াছে: পদ ও পদের অর্থ সন্ধি-ছারা পরস্পর মিলিত থাকিলে অনায়াদে অর্থ বোধের ব্যাখাত হয়, এ জন্য চীকাণুত পদ সক লের সন্ধি বিশ্লেষ করা হইষাছে। পুস্তকের কিন্ন দংশ মুদ্রিত হইলে কভিপন্ন প্র সিদ্ধ অধ্যাপককে দেখিতে দেওয়া হইয়াছিল, ভাঁচারা দেখিয়া সম্ভোষ প্রদর্শন করিয়াছেন এবং সোমপ্রকাশে উত্যরূপে সংত্র হইয়াছে বলিয়া, ত'হ'র धमरमा कता इहेबाद्या

এই পুত্তক ঘাঁহাৰ আৰশ্যক হইবে তিনি সংস্কৃত যন্ত্রে অনুসন্ধান করিলে অথবা আমার নিকট পত্র লিখিলে পাইতে পারিবেন ৷ ইহার भूना २ इड्डे होका।

তাহ্লাদের সহিত প্রকাশ করিতেছি, প্রেসি জেনী ক'লেজের সংস্কৃত শাল্লের স্থাবিজ্ঞা অধ্যা প্রকাণ এই পুস্তক আপ্রাদিনের ছাত্রবাগের পাঠি বলিয়া মনেনীত করিয়াছেন। একণে ইয় এইরপে সর্বত্তি পরিচ্ছীত হইলে আমি শ্রম সকল জ্ঞান করিব।

কলিকান্তা मः अ ् च यह 🛴 🖺 क्षा ब्राग द्व श्रुरशालामा यू 1 BIP) @ 65 296

#### বিজ্ঞাপন।

২৪ প্রচন্ত্র অন্তঃপত্তি কোদালিয়ায় ধে भवर्गमाने भारायान्य उत्काला भाग्रेगाला (इस. ভাছা উঠিয়া হ রনাভি ইং সং বিদ্যালয়বালী ব নধ্যে আসিয়'ছে। যালাবা অংশ সভানাদিকে তথায় প্রভাইবার বাসনা করেন, ভাঁছারা ইং সং वन्ततरस्व अभाग निकटकत्र निकटी हिथ्छिङ इंडेर्ल सिर्माप चनगर इंडेर्ड अ'त्रानमः সমুদায়ে ৪ চারি জোনী করা কইয়াছে: প্রথম .আপ্ৰীৰ 🏻 আনা হাৰতীয় আপ্ৰীৱ 🛷 -ছয় জানা চত্তীয় ও চতুর্য জোণীর 😘 চাবে আমা ছাত্রদেয় বেভন স্থির করা এবং ভজ্ব ধানাদির উত্যরূপ ব।বস্তা ক্রা হইয়াছে।

জ দ্বকানাথ শক্ষা 129 G 8 की भाग অধ্যক্ষ ।

মংপ্রনীত কবিভাকুসমাঞ্জল সংস্কৃত যুদ্ধের পুস্তকালয়ে ও কলিকাতা নশ্মাল বিদ্যালয়ে বিক্রয়ার্থ এস্কড আচে মূল। 🔊 আনামাত্র। क्रिकृकिरभात स्टब्स्। श्राक्षास्

विक्रांता प्राप्तवावनी।

करबूक्यानि किन्द्र अहेनान हरहे शक्छ । हेहाटक ७२ थावि मान चाटहा उटिमक्टन वाधाम । ऋ मदुक (नानाईक्रि) नश्क्रुः । स्टब्र भूखकानाय, मर्चान चुत्त ଓ भवतरात्र, वाष्ट्र ग्री दानमंतिरात्र शुक्कानरम् भाउमा वाम । মূল; ३॥ টাকা।

श्रीनकमन (चार्यन ।

निष्यात निषी।

मम ১৮७० मार्टित साधुराति बाह्यत **५ हे हेट्ड 38 हे ९ व्हां छ जा ने द्रधी** 

नश्रेष नर्ककश्र छ छटनत

সাপ্তাহিক রিপোর্ট। সর্মকমতি জল স্থানের कोई हैक

ভাগীর্থীর মহানার সহিত পদ্মার 7 8 যোগের স্থান

एथा स्ट्रेड खिन्तुत

মহানার

১৩॥ মাইল মধ্যে

कानिश्व स्ट्रेंटिं वस्त्रश्रुष

৪৬ মাইলের মধ্যে

वहत्रभव काईव हालाहा ৫ । गाहेरलत मर्थः

कारिया इहेट नहीं हा

८७ माहेरलय गर्न

সন ১৮৬৯ সালের ১৪ জাতুয়ারি বহর

পুর গজদাটের জলের মাপ।

B P ফুট

2

16645

বচরমপুর ১৯এ জান্ত্রারি ১৮৬৯:

কিবিজন। নদীয়া রিবার

## সোমপ্রকাশ।

২ • এ ম'ঘ সোমবার। উত্তর পূর্দ সীমার বন। গণের দৌরাত্ম। আর একটা কুদু যুদ্ধ হইবার উপ-शक्षांव ७ व्यामारमः

क्रम इडेश्नाट्ड। সীম। আমাদিণের গ্রণ্মেতের হৃষ্ট ত্রণ चज्राप इहेब्राट्ड, छोड़ा इहेट्ड मर्कना শোনিত নিৰ্গত হইতেছে; তাহা শুক্ क्रेट्डिट् ना। मट्या मट्या कामता क्षेत्रिङ शाहे, बत्नाता लोताचा कताटक भवर्ग-

त्मके देवना ट्यात्रव कतिएक वाविक वर्दे-चार्यात्रदश्य गत्न কিন্ত এই নংশার উপস্থিত হয়, বাহারা এত इद्भन ; कथन करशक क्रमां विमाधीत मण्यीत इहेश युद्ध करिटल शमर्थ इस ना. छाराजिएमत अध्यक्ति मास्य किताटण रहा। वनामिटभन्न मस्डि युक्त स्टेटमरे , छ।सामिः গের গৃহদাহ ও আমে লুঠ করা হয়, ত্রিটিশ দেনারা ভাহাদিশকে শৃগাল कुकुटतत मात्र थार्ग दश करते। यपि शत्रम्बन्धेनहे बनामित्भत्र मोत्राचा कति वात शक्र इ डेटकभा रह, छारा रहेत छ काशमिटभन्न वस्न माटकत्र कान्न थाटक ना, भवर्गायके अञ्चलके स्त्र ; जाशकि গের এত কতি হয় যে, লাভ ও কতির তুলনা করিলে ক্ষতির ভাগ অধিক হট্য়া পড়ে। তথাপি ভাষারা প্রভিবৎ সর দৌরাত্ম্য করে, দশু ও পায়, ইছার कांत्र कि ? आभामित्रत अहे कांत्र (बाध इस, ऋांनीय कर्याठाशीया जारामि গের সহিত ব্যবহার করিতে জানেন না। প্রায় বিংশতি বৎসর কাল পঞ্চাবের দেনারা ব্যাদিগের সহিত যুদ্ধ করিয়া আসিতেছে; কিন্তু ফল এক্রপই হই एट्ड । वटनाता लूठे आम मार कतिया ও কতকণ্ডলি োক ও পশুকে ধৃত করিয়া লইয়া যায়। ত্রিটিশ দৈন্যগণ তথ পরে তাহাদিগের পর্বতে প্রবেশ করে ভাহাদিনের যাহা কিছু দক্ষিত থাকে সমুদায় উৎসম হয় ; প্রাণিহত্যার ত কথাই মাই। বনোরা দও পাইয়া পরিখেবে কমা প্রার্থনা করে এবং সেনাপতি আপনার धार्षानिकात मास्टमत धान्या कतिहा প্রত্যাগমন করেন। কিছুদিন শাক্তিভাপন হয় কিন্তু অপে দিনের মধ্যে আবার যে শেই ছইয়া দাঁড়ায়। বৈন্তপ্রেরণ ও গুরুতর দ্ওবিধানের বিলক্ষণ পরীকা हरेल; किंश्व जाराटज कान कान हरेल

मा। अकर्षाना प्रमिट्छेत ভল্লিবারণের উপায় অসুসন্ধান ক আবশ্যক। নিয়মবহিতু তি এদেশের চারগিণের অবিস্থাকারিতা ও ও (य देशांत व्यक्तांकत क्रांतन, न তাহার এক প্রমাণ পাওয়া গিয়া

পাঠকগণ পুর্বেষ অবগত ক্রটিয় কৃষ্টিরা দৌরাত্মা করাতে তাহাদি पत्रमार्थ देनमा त्थात्रण कता रहेशांदछ। (म) तारचात शक्ष कात्र इरेतारा क्राक जनकमी मात्र रखी इस्टी ७ क्ट्रांक নিমিত্ত ক্তকগুলি শত লোককে প্রেরণ করেন। ইহারা লুশাহী জাতির দেশে গিয়া অভ্যাচার করে। আলি আহমদ নামক এক ব্যক্তি এ বিষয়ে প্রাধান্য লাভ করিয়াছিল। দে একটা কুদ্রী জীলোকের উপরে ক্রে, ভাহাতে বল্যেরা বলপ্ৰকাশ क्ष हरेश करहरू जनत्क वशकतिश নিকটস্থ এক গ্রাম লুঠ করে। অনন্তর করেকজন পুলিষ প্রহরী উপস্থিত হইলে লুশাহিরা হুই জনকৈ আহত করিয়া পলায়ন করিল।

व्यानि व्यार्यात ও उपनय (तारकः वनामिर्गत कटका ममूनांत्र सावटेकका करि বেন তাহা আশ্চর্যোর বিষয় নতেহ, কিন্তু আকেপের বিষয় এই, ছানীয় কর্মচা-রীরা নিগ্র কারণের আবিকরণে সম্প্র নহেন। তাঁহারা প্রকৃত কারণের অহুক্ষ স্থান না করিয়া লেপ্টন্ট গ্রণ্রকে অ্যু त्राध कतिशारहम, जि**ण्यि अमा**निरः इ উপরে অভাাচার হইয়াছে; हेश्लट**७ य**जीत ताकाभीमामट्या 🔊 😁 করিয়াছে; অতএব তাহা प्रक्षियान আৰশ্যক। সংস্কার আছে, নিয়মবহিত্ शन वनामिश्राक (यमन न भारतम, शृथिवीत गर्धा था.

ারন না। এই হেতু গ্রণ্মেন্ট ভাল न कि इंडे कि छोगा करत्न ना। रेमना বামাত্র ভাহা দেওয়া হয়। য়বর্ণমে শালি ভাপন চেটা পাওয়া উচিত , किस क्ष क्र क कांत्र वा का क्रम क्यांन করিয়া যুদ্ধে প্রস্তু হওয়া বিধের হয় । বন্যের। অতি সামান্য শক্ত। তাহার। থন সন্মুখ যুদ্ধ করে না। যাহারা করেক ন পুলিষপ্রহরী দেখিয়াও পলায়ন ে, তাহাদিগের সহিত যুদ্ধের কি ায়োজন আছে ? কর্মচারীরা প্রথমতঃ ভাষাদার করেন। নিয়মিত আদানতে ष्यथवा भवर्गरमान्छेड निकर्षे बाजिरयोश করিয়া ভাষার প্রভীকার করিতে হয় বনোরা ভাহা জানে না: তাহারা প্রত্যেষ ইংরাজকে দেশের শাধনকর্তা জ্ঞান করে এক জন পুলিষ প্রছরীর ক্লত কাজও ভাহারা গ্রণ্মেণ্টের বাজ বলিয়া বিবে চনা করে। আর অভিযোগ করিলেই বা त्कान वाक्ति **डाइ**क्तिशत इहेशा मान्या নিবেন ? কে বা তালাদিগের পক্ষমম্থন कोडरव १ महिणारहर अधावना माहे এনন অবস্থায় তাছালা আপনার। আপনা দিগেৰ ইচ্ছানত প্ৰতিবিধান সে বরিবে ভাগ বিচিত্র নহে। লুশাহিরা দলবদ্ধ হট্যা কোন স্থান আক্রমণের ভয়ঞ্চদর্শন ক্রিভেছেনা।প্রভিত্তে মেকতগুলি প্ৰিৰ প্ৰহণী ও বৈদিক আছে, ভাছার: **ां हो मिर**शंत मग्रां मन्ध्। व्यक्तव মিথ্যা যুদ্ধে প্রভেনা হইয়া কাহার भारत व घरेन। इड्डाइड, जाश्व लि**ल्डे**नले

े बन्धान करा डेहिड।

জন্মধার ৬ জনেরে ইনির ব্যান্ত্র

ার ক্তবিদোর গ্রাধিক গ্রেক বিজ্ঞানসভায় সে ছেন না, সভার ও সভাপ-হোর কারণ নহে। সভায় অতি মহোপকারক বিষয়পকলের
আলোচনা হয়। বিচারপতি ফিয়ার
আনামানা ক্ষমতাসম্পায়। ডাক্তর জন
গল গোল্ডিসিথের বিষয়ে বলিয়াছিলেন,
তিনি যে বিষয়ে হস্তার্পন করিয়াছেন,
তাহাই অলক্ত হুয়াছে। বিচারপতি
ফিয়ারের বিষয়েও সেইরপে বলিলে
অভ্যক্তি হয় না। কি বিচারপ্রণালী, কি
জেলের ভত্তাবধান, কি জমীদারি বন্দো
বস্ত, কি সাহিত্য, কি বিজ্ঞান, যে বিষয়ে
তিনি যাহা বলেন, তাহাই সক্ষত ও
লোকের চমংকারিতার কারণ হয়।

বিচারপতি ফিয়ার সামাজিক বিজ্ঞানসভা গত व्यक्तिमन्त्रित्म একটা শুকুতর বিষয়ের উত্থাপন করিয়া हिटलन। आमानितात समीनातगरगर প্রকৃত পদ কি ? তাঁহাদিগের কি কি কর্ত্তব্য কর্মণ ভাঁহার। ভাহা সম্পন্ন করিতে পারিতেছেন কি নাণু সম্পন্ন করিতেছেন না যদি এরপে হয়, ভালাং কারণ কি ও মুদলমানদিনের সময়ে জ্মী <u> শামান্য</u> করসংগ্রাছকমাত্র ভিলেন। মুদলমান রাজে; বংশপরম্প तांव्र क्लान भटनत अधिकाती इत्रवा इच्छे ছিল না। এই ছেতু বি্চারপতি ফিয়ার তাঁহাদিগকে প্রকৃত অধিকারী জ্ঞান करतम ना। लाफ कर्ग श्वालिम इरलटखर नाव अ तिर्म अक मन कुमाधिकाती করিবার মান্দ করিয়া ১৭৯৩ অক্টের ১ আইন করেন ; কিন্তু তিনি যে যে উপ कांत्र क्षांका ना कतित्रीहित्सन, कभीना রেরা ভাষা পরিপূর্ণ করিতে পারেন नाई। अमीनाइतता याशन याशन कमी माजी एक व्यवश्विष्ठ कतिया मामात क्रवक হইয়া ক্লবিকার্ফ্যের উল্লভিদাধন করিবেন, नार्ज कर्न उशानित्मत अहें है। अखित शर् ছिল। हेल्ल छीत कमीलादतता व्यथकात कभीनाहिएक वाम कविशा विखन व्यर्थ वात कतिया जिमायन करतन,

आमानिटशत कमीनाटतता छाहा कटतन না। কি নিমিত্ত এই শোচনীয় অবস্থা हरेशांटह ? व्यनांनीगंड कान लादर ध्रत्रभ হইতেছে ? বিচারণতি ফিয়ার বলেন, পত्रनी, मरभक्रनी, ছেপত্रनी, शांতि क्रमाक्षङ्डि এই अनिएकेत कात्र। षामानिरशत समीनात्रनिरशत दक्दल धर्थ लहेश कथा; कि ध्वकारत महे होका আদিল ভাঁৰারা ভাষার বিবেচনা করেন ना। मिहे छै। कोत किसमर में यि छेर शामन কারিণী ভূমির উৎকর্ষণাধনার্থ দেওরা উচিত তাহা ভাঁহারা জানেন না, যে কর আদায় হয়, জমীনার তাহা দেখিয়াই পণ লইয়া পত্নী দেন। পত্নীদার আবার ক্রমকদিগের শোণিত শোষণ ক্রিয়া নিজের কিঞ্চিথ লাভ রাখিয়া দরপতনী দেন। এই প্রকার শেব ভার ক্লবকের ক্ষরোই পতিত হয়। মধ্যে কভ-গুলি লোক থাকেন, তাঁহারা উপস্বত্ ভোগ করেন মাত্র। কিন্তু উপস্বহভোগী इहेट इहेटन कडखान कर्डवा कर्पात अनुष्ठीन आरमाक कहा, डाँक्रिश जाला श्रीकार कटरम मा: अणि अक्षी महर : অনিষ্ট দংক্ত নাই। লাড কণ্ওয়ালিদ এ অনিষ্টপ্রতিকারের উপার গিয়াছিলেন , কিন্তু ভাঁছার প্রাধিকা बीता ১৮১৯ खास्त ४ जाहेन करिश দেশের এই অসঙ্গল করিয়াছেন। কেবল उँ। हामिर्गत (मान (मध्यां अन्याया) তৎকালে দেশের যেপ্রকার অবস্থা ছিল, जाहाटक जाहा मिनटक यन जा के बाहन করিতে হয়। ১৮১৯ অব্দের ৮ আইনের হেতুবার পাঠ করিলে স্পার্ট প্রতীয়মান हर, ভाরতব্যীয় গ্রন্মেন্ট একপ্রকার व्यतिष्ठाहरू इं बाह्मिती कटतन। वर्ष्त मारनत ताका अ वानाना कभीनात कभी দারি পত্নী क्षिक्षाहिः स्त्रा । व्यानादक বিস্তর টাকা দিয়া পত্নী লন। পত্নী অঞাহ্য করিলে ভাঁহাদিনের ক্ষৃতি হুয়

विनिशा ৮ आहेन विशिवक इहेशाहिल। देश्ला ७ व मीमात्रमिर्गत महिङ এ দেশের ভূমাধিকারিগণের তুলনা করা चनात्र। উভয় ऋला এदताण वत्काव छ क्रेटन अ **आमानिट शत्र अ**मीनाटतता आश নাদিগের কর্ত্তব্য কর্ম্ম দম্পাদন করিতে পারিবেন এরপ বোধ হয় না। অভ্যাচার ক্রিয়া লাভ করিবার স্থোগদত্তে কেবল ধর্মভায়ে লোক তাহা হইতে নিরন্ত হয়, পৃথিবীর এরূপ অবস্থা বে कर्यन हिल दा इहेटन, खांहा व्यामानिटशत বোধগমা হয় না। কোন রাজা স্বেচ্ছা-পুর্বক আপনার ক্ষমতা দীমাবদ্ধ করি য়াছেন ? একণকার ইউরোপীয় গবর্ণ-सिष्ठेग एवं व्यक्ताहादव विभूश मृत्रे क्रम, माशादन मूछ ও প্রজালিকার অস रकावर जारात श्राम कात्रव। हेरलकी জনীলারগণের ধর্মনীতি আমাদিগের जभीमारमिरात व्याभाष उरक्षे, छाहा খান্তা অস্বীকার ধার না; কিন্তু জাঁহাত বে ভূমির উন্নতিদাধনে অধিকভর ষত্র বান হন, ধর্মনীতি ভাষার প্রধান উত্তে अक नटह। हेर्ट्र ७३ क्यरकता माह्मी जरमरक क्र अविषा अवश **नक्रमङ जा**नम আপন স্বস্ব বু, বতে পারে। শ্রমশীল वाज्जिमित्रत हेश्मा अक्तिकार्य जिल्ल জীবিকা অর্জ্জনের অনেক উপায় আছে। এ অবস্থায় জামীদার যথেস্ছ ব্যবহার করিছে সমর্থ হন না। আরও একটা विश्व कार्य आहि। कृषक मिर्शन অনেকে মহামভার মভা মনোনীত করি ৰার বিষয়ে মত প্রদান করিচত পারে; এই সত্ত থাকাতে জনীদারকে প্রজার इन्होन्द्रिक करिटक इत्। हे नटक माना রণ মত প্রবল আছে। এক জন জমীদার একটা বিধবা জীলোককে মেছুয়া বাজারে যাইয়া জীবিকা অর্জ্ঞানের উপ দেশ দিয়া যেমন ভাঁহার পৈতৃক একো জন ভূমিগুলি হরণ করিয়াছিলেন,

हेश्ला ७ अध्यक्तंत अक्षी घरेना इहेल मकटन अकर का इहेश अभीमाही १ वालीत डेच्यू प्रनेशांवन कट्या । क स्मार्टन शासायन মত তত প্রেল নাই। এ দেশের ফুর त्कडा भाइनी न्टब त्य **अभी**माउ छाझानि मिगदर छत्र कतिद्वन ; श म्हामाछ। माई (य क्यवनिर्भन्न माज्य निम्त তাहामिश्वत इन्माञ्ज्ञिख कतिएक इक्टेंद । निश्रीफ़िटकता यमि चाडाराहकादीत চেটার গ্রিক্সকতা করিতে পারে, তोहा इहेटलई छाडा। हात वस्त हत ; आमा দিগের কুণকেরা কি দে প্রতিবহাকতা क्तिटल भारत १ किन भारत मा १ गमि কেছ জমীদারের মতে মত না দেয়, তাখা হইলে কয়েকটা করর্দ্ধির স্কৃতি (यादग डाहाव व्यक्तचाच हहेश गांस। ভাहারা দরিদ্র মুখ ; আদালত, আইন ও जामनाता कभीनातत अधा द्वारक निर्धत विमासिका ना इहेरल ক্ষিবে না; অত্যাচারও যাইবে না। वर्खमान व्यवज्ञात विकाशिकात অপ্যক্রতক বহন করিছে পারে । চির काही वरम्बावस्त्र ना इहेटल खाद्यानिरशत শীঘ্র সঞ্জি হইবার উপায় নাই।

> भवन्यत्मेद (वरुनएकाजी भुटतक्रिक-मिर्गत विवास छात्र छरभी धारियत কৰ্ত্তৰ্য কৰ্মা ।

গ্লাডটোন পাছেবের মত নয় যে, चांशांतल (आटिकोने पूरताहिक थादिन। इरलटखन ल्लाटकरा अनवाका रहेशा थ विवास छाहात मशकाना कति। তেছেন। আয়ারলভের অধিকাং শ লোক কাথলিক। কাথলিকদিগের প্রদত্ত কর লইরা প্রোটেন্টান্ট পুরে:ছি:তর विकासीन धनायि, हेरल खन क विध হটয়াছে। নৃতন মহাসভার অধিবেশন **इहे**(नई क विच्छात्र छर्क स्थात्र छ इहेटव। हेश्लाधित लाक्तित (यथकात मणा

য়াছেন, ভাহাতে স্পষ্ট বোধৰং भ्राप्टरकान मार्टर्दत श्रष्टांव हरेत । आधारमधीः, बिर्मन वर् कार्थानक वर्ष्टेम ; किछ जाहा त्रामः। এक शृष्टीवमन्द्रावादात हो। मध्येनात्त्रत्र भूद्राहिष्ठ म (मं अरा भगाव कार्या विषया विद्विष्ठ **्ष्टा**, कथन छात्रवार्यत्र विका वर्धावनदीनिरगत श्रीमञ्ज वर्षपाता अधीवनदी शूरता,इडिनगटक व्यक्ति লন করা যে কতদুর অন্যায় ভাষা शादमहे वाधगमा हहेटक शादत । छाः ৰবে অধিক পরিমাণে হিন্দু ও মুসং त्मत्र वमाचि। इंड्रॉनिट्गत धटर्मत्र मा ধ্ উধ্পের কোনপ্রকার नाहै। अञ्जात इंडीनिश्व अन्य उ हरेटण वार्षिक ३० लक्ष छैकि। शृह পুরোচিতদিগকে দেওরাকি বিধের হ ভেছে ?

भाजरकान गारहव शोबनकारल द মভ একাশ করেন বে, শাংগনকভাতে धर्मारणात्रक्व अर्था कति छ इटेर লে সময়ে তিনি **আ**য়ারলত্তন প্রোটেড छोन्छ धर्चनल्छामाद्यतः ननकः कतिया ছিলেন; কিন্তু ভিনি ভখনও বুলিং৷ हिला, मण्यूर्ग जित्रवर्षावनशी वर्शीशनिद्यात्र देशकांत्र व कीश शूद्धारिक প্রতিপালন অন্চিত। খুকীর পুরোহিত দিগের নিমিত ব্যয় জনমশঃ ক্ষিক ক্ইয়া পড়িতেছে। লাভ হালিকাক প্রতিভূল হওয়াডে লাহোরে এক জন অভস্ত ৰিশ্প নিয়েজিত হন নাই; তথাপি मह जन गरहरामा हिकोत छ हि ज़िन मा। अना बाहरकट्ट, ১৮१० व्यक्त अवधि वज सिटम चात्र कर चन चार्काछरन छ कराक कर शांकति निर्दाक्ति हर्वेदन । मत बन नटहरस्त्र मक धहे रम, ध्वराङाक क्लाव रायन এक এक बन मालिएक है मत्नानी छ कतिवाह मेख ध्यक्ति । कति । काट्यन, त्रहेळकात बक बक कन

য়পরতা ছিল্না। ভিনি আমা । খ ভান্পুরোহিত দিগকে খ্যাঃ ছিলেন; কিন্তু ভাঁছাৰি क चामानितात (व कि छेशकात ় ভনি তালা এক বারও বিবেচনা व नाई। आंभन्न आंभनातिर्गत ाहिट छत्र ८व छम श्रीमां कति । हे छे भीट्यता ३ क्षेत्रभ व्याननामिट्श श्रुटहा তর বেতন আপনায়া প্রদান করুল। ারা আমাদিগকে সর্কল বলিয়া ্কন যে, আমরা প্রণ্মেটের মুখা का ना कतिहा (काम काल करिएड র না : কিন্তু ভোঁলারা ধর্মসমঙ্গে যে নিমিত স্বাভাগ্য অবলয়ন না করিতে দ, ভাষা আমেরা বুঝিতে পারি: গুৰা।

क्रक रहेश क्या व्यामा विद्यात মহাসভাল নিকটে ंह्य। এই नम्द्रा s चार्यमन करा उंतिक कडेटकाहा। ক্ষতা যথন আহাকলতের বিষয়ে ছবি ्र कहिएक छेमाक बहेशाएहन, उशन मा, नरशत धार्यमा अधादा कतिरवन. ্প বেখে হয় না। অঞ্ছো করিলে দৈভার অৱাৰ্ভিজেৰ নায়ে কাজ इत्रा इहेट्र अवर केन्द्रेत्राटलेन सम्मान , नार्तक डिल्डाफिशटक डेल्डाम करिएक। ्रानिक ५६ हाक छोका बाग्र मार्गाना वार নচ্চাতত অক্টাকার নিমিত লাইদেল उत्ता हेरेशाट्या (क्या वर्ष विद्या मह. सर कान १८८८ छ। असमाजिक्तिका श्री ঘদসূত ভাজে ছিল। সেই ছেজু ভিনি भावादीय विकासिक सिममीतिमिटशेत स्टब्ह बितात कुनुभएड करिया गिमार्टका ३ ड রেলে ট্রন্দিরের পরিত্যক্ত অক্ত मिला शिक्ष शदक ভারত্বদীন CR अया क्य. (सङ्ग्रालात मामिनसम्हला यमकेश नर्कात छ क्या हेरलट्ड श्रीत र इम. आमानिरगत शवर्गमणे ठाइ।

। নিরোজিত হন। সর জন লরে । গ্রহণ করেন। মিসনরি দিগের হস্ত ইইতে শিক্ষাভার গ্রহণকরা ইউরোপে অধি ক শে লোকের মত। বিদ্যালয়ে কোন বিশেষ ধর্মের শিক্ষা না হয়, এটি অফ্টি য়াতেও থীক্লত চইয়াছে; কিন্তু আমা দিলের গ্রপ্রেণ্ট কতগুলি গোঁড়া মিদ নরির হল্ডে দেশের শিক্ষাকার্যোর ভার সমপ্ৰ করিয়া আপুনাদিগের কর্ত্তব্য কর্ম मण्यामन करा इहेल, ভाविद्या निम्पित ছটবার **উপজ্**ন করিতে**ছেন : বিশ্ববিদ**া লয়ের মহাসভার অধিকাংশ সভাসিদ नति (कम १ मिनमदिता यांदा मत्म करहन. विश्वविनाग्यसभाष्ट्रा डोवाहे कतिए एहन, এটা কি সভা নচে ?

> खेशमः होत्कारण प्याम्म निर्भत व छात्। এই, ইউরোপে যে বিষয় দূষিত বলিয়া পরিত্যক্ত হইতেছে তাহা আমাদিগের (मट्न विक्रमण इंडेटल व्यामानिश्वत (मट्न) क्षादकता मचुक्ते इस कि ना १ बड़े विश्वम ঘটিবার পূর্ন্সে কি কোন উপায় অবলয়ন কর। উচিত নতে । অভএর আমরা ভাব ভবধীয় সভাকে অনুরোধ করিভেছি. ভাঁছারা একটা মাধারণ মভা করিয়া शासिशियार मन्द्रे সভার এক প্রেরণ করুন। এক্টো-ইং লডের লোকে? ননের যে ভাব, ভাহাতে এ আবেদন भाषाचा इचेटब कजाल (बान चन मा।

> > ----

হাত্র প্রুক্ত পরিকা।

১। কল্পন্তিরা। এখানি পাকি। পত্রিকা। পটোলড দা ট্রেণ্ট্রফিটিউ শনের পণ্ডিত শ্রিমুক্ত রামদর্বন্থ বিদ্যা चुयन हेहात अनग्रन कतिर्टट्स । छेहात छुइ এक সংখ্যা দেখিয়া বোধ हहेट उट्ह, मम्लाम्टकत यनि व्यथात्रात्र मा इश् ड इंग इरेटल এथानि कटम छेवडि পথে পদার্পন করিবে। আমরা পাঠকগ शर्भव मर्भनार्थ हेहात धक्षी श्रद्धाव স্থান স্থারে উদ্ধৃত করিয়া দিলাম।

২। সপত্নীশক্ত নটিক। প্রীনতী मत्नादमहिनी बादम जिनाकभूदतत এक রমণী ইহার রচনা করিয়'ছেন। সপত্রী इइटड'(म य अनिकी इत, छाड़ोत वर्गन क्रिहा वद्यवि एवत निन्मा कताई अहे अष्ट अग्यरगत छेटमन्या । जीटलांटकत स्तथा विभारे य किছु खनश्मा करा या छैक : কিন্তু উহাতে বাস্তবিক প্রশংসার যোগ্য किछूरे पृथ्वे इरेल ना।

৩। নীতিমালা। বালকদিলোর নীতি भिएक. भएग. श्री कश्मी विषय भएमा **अ**नी छ চ্টার ছে। ঢাকার এরুক্ত বারু দারকানাথ বন্দ্যেপাধ্যায় ইহার রচনা করিয়াছেন।

৪। শিশুবঞ্জন। এখানি জীযুক্ত চন্দ্ৰ-মোহন চট্টোপ ধ্যায়প্রণীত। ইছাতে বলক ও বালিকাগণের শিক্ষিত্রা করে কটী বিয় সন্মিৰেশি,জ इहेस (छ। রচনা প্রাঞ্জাল ও বাঙ্গালার ব্রীতি বিশ্বন্ধ

৫। मर्भघटा । हितिसमा। अर्छ বাজ, র মাজু এবাছিনী বল্লে মুদ্রিত। लिथेटका नाम दिला स है। हें हैं छ माना छाउँ महर्भत चित्रत्व अ मर्भमधे বাজির চলিৎসাংধানী লিখিত হট গাছে। এন্তুক্তি। উপক্রন্ত্রার এক उत्य लिथिय त्हा, " श्रीमश् शकात मर्भ इकिस्म त विद्रवन ि एस লিখিতেছি, উলা অবার্থ বলিতে সংস इश्रमा ; किन्नु हैं। त्रांता छ श्रांत्र, यांच ভুমগুনে কোন কোন অব্যৰ্থ ঔষধ থাতে হ গ্রহার মধ্যে নিঃলিখিত স্পচিকিৎসাও একটা। " এ এত্তে নিখিত উষধ ও চিবিৎ मध्यपालीय भरीका कतिया मधा छेतिछ।

কল্পেরাণ। কলিকাতা বেণিয়া টোলার এযুক্ত বারু বলাইচাঁদ গেন. মুক্তারাম বিদ্যাবাগীশ কল্কিপুবাদের ध अनुवाप द दतन, फाहा अवल भन क लिया পদে; এখানির রচনা ব্রিয়াছেন। স্থানে ছানে পদাগুলি মনোহর হইয়াছে।

१। कूमात्रमञ्जर। अधुक कारमा-

হন মুখে:প্ষায়ে মলিনাধরত টাকাশ হিত এখান মুদ্রিত করিয়াছেন। ইহাতে প্রথম অবধি সপ্তম সর্গ পথাতি আহেন। মলিনাথ যে ঘে শক্ষের অর্থ ছাড়ি গ লিখি যাছেন, ফেড্রমোহন সেগুলির অর্থ করিয়া দিয়াছেন। গ্রন্থানি উভমক্রপে প্রশো ধিত হইয়াছে।

छ। काराश्रका मिका। अधानि अ मः क्र्छ।

श्री कुछ वर्षमाञ्जाम मञ्जूममात थे थे थे थे खे कार्म ये खारा कार्या 
-:0:-

রেলওয়ের বায় অংশ নয়, কর্মচা রীও অনেক, তত্ত্বাবধায়ক ও পুলিষও আছেন কিন্তু যাহাতে রেলওয়ে কোম্পা নির ও মহাজনদিগের ক্ষতি না হয় কেহই তাহা করেন না, এটা সামানা বিসায় ও ফোভের বিষয় নহে। নিম লিখিত প্রথানি আমাদিগের অভিপ্রায় ব্যক্ত করিয়া দিবে। সর জন লরেন্স রেলওয়ের অত্যাচাবনিবারণের অনু ষ্ঠান করিয়া গিয়াছেন, এখন লাভ মেয় এ বিষয়ে দৃত প্রতিজ্ঞতা প্রশেশন কর্মন।

মহাজন ইহার বালালা অর্থ যাহার।
কথন প্রকার ব্যবসার্থারা জীবিকা নির্মাহ
করে এই সম্প্রদারের লোক প্রায় তেলি
তামলি, ওঁড়ি, বেণেপ্রভুত সামান্য জাতি।
ইহাদিগের বিদ্যাশিকা কতগুলি সাম ন্য
অক. হস্তাক্তরপরিষ্কার এবং জমাধ্রচবোধ
হইলেই বথেপ্র হইল। অতথ্র রেলওয়েছার।
ইহাদের প্রতি বেসকস অত্যাচার হইলা
থাকে, তাহা মহালয়েরা বা যাহাদিগের হারা
ইহার প্রতিকার হইতে পারে তাহার।
জানিতে পারেন না। রেলওয়ে হওয়ায় কত
কগুলি মহাজন প্রেসনের নি তি গোলা করি
য়াছেন। ইহাদিগের সকল মাল রেলওয়ের
স্বাড়িতে পাঠান ও জানান হইরা থাকে এবং

রে ১৬০ ভিন্ন নদীপ্রভৃতির প্রেম স্কবিধানাই: 🖯 **ম্ভরাং ব্যব ায় রেল** য়ের স্থ্রিধার উপর मन्पूर्वन की किल्एडरहा क्या रहस श्राह वरन्तिवटाउ देशीरमञ्ज्ञ भारत द्वारा ४०१ ६६-ভেছে। রেলওয়ের ছারায় বে ক্রি ছইয়া থাকে, ভাষার নিমিত निडा (३व६८३ কোম্পানির ও ভাষাদের কর্মচারীদিগের मारम का नाजरङ मा निर्म कहिए इस । যাহাটি গের সহিত নর্মানা কার্জ, ভারাদিগের সহিত বেৰাদ করিয়া কাজ চলে না এবং কাজ ঠাইয়া দিতে হইলে কতকণ্ডলি টাকা যাগ লোকের নিকট পাওন আছে তাহা কহি আর বছব্যয়ে .য গুলামন্বর গদিঘরপ্রভৃতি গোলাবাটী প্রস্তুত হইয়াছে তাহার চতুর্থাংশ মুল্যেও বিক্রা হওয়া ভার এবং অন্যান্য অনেক ক্তি সহ্য করিতে হয়।

গত বংসর এখান হইতে তিন জন মহা জন কলিকাভার ঘৃত পাঠান ৷ এক জনের ৯ মটকি এক জনের ২ মটকি ঘূত ভাঙ্গিয়৷ যায় ৷ কলিকাতা হইতে সহাদপ্রাপ্তন্তে ८ छेमत्न कानान श्रेतः । तुनिः व'तु क दिश्वन. আমিও হাবড়া হইতে ব্লু পাইয়াছি কএক মটকি ঘুত ভালা তথায় পৌঁছিয়াছে; কিন্ত ইহার নিগিত্ত রেলওয়ে কেম্পোনি नायौ नटहर শেহেতু যুক্তিক;পাতে ঘৃত পাঠাইলে মহাজনের নিজের জখন ইহা মহাশরেরা জ্ঞাত আছেন। মহাজ নরা এই বাক্য শুনিয়া আপন আপন গোলায় গেলেন কত নোকশান হইল তাহারি হিসাব করিতে लाशिएन। करम्रक मिनश्रत चात धक अन মহাজন যুত পাঠান। বৈকালে মহাজনকে तिमा निया विमाय करा इट्टा भाष् रक इड्डेल, উভয় পাম्भं लिखन (मध्या ३३न) খালাসিকে ছতুম হাইল, গাড়ি ঠিক কর. রাত্রিতে গাড়ি ষাইবেক। অর্দ্ধরাত্রে এক বন খালাশিসমভিব্যাহারে বুকিং বাবু গাড়ি খুলিয়া মট্কির ভিতর হইলে প্রায় অধ মণ মৃত একটা কলসীতে বার্তি করিয়াছেন এমত দময়ে রেলওয়ে পুলিষের চাপরাদী দেখিতে প ইয়া গেল গরিয়া উঠিল। ক্রমে অনেক লোক আমিয়া পৌছিল। তৎকাণ্ श्रुलिय हेनरच्याळेत সাर्ट्यस्य मधाने इ**ह**त ।

ইনস্পেক্টর আসিয়া দেখিলেন, বাবু ঘুৰ, হাতে ঘুত এবং সমুখে এক ক রহিয়াছে। তথ্ন বথাবোগ্য ডদার वा अ थाना नित्क होनान हिस्सन्। ( भारबरवद्ग विकारत वा 🕫 २ वरमञ्ज 🥴 ৬ মাস কারাবাস হইল। এখানে याभारभत रशां रत अयुमकारम कानी এ বাজ প্রেসনের অনেকেই জ্ঞাত ছি मात्र शृत्यं महाजनिष्ट्रगत य भएकि छाः ঘুত নোকদান হইয়াছিল, জাহা পাড়ির 🤈 ला शियों वा देलवच्छेनाय नटक, खावाख : ঘুত বাহর করিয়া মাকি ভাষি (म छत्र। इत्र । धी फिन्म द्विष्य छत्त्र श्वित्तत्र চাপরামীর স্থিত ্র্তিক কাবুর कांत्रा कथांख्य हम् । धकांत्रन भावायः হইয়া পড়িল। মহাজনের। ইহাতেই ম. ক্রিখেন আর অভ্যাচার হইবে না। কিণ গত কাৰ্ডিক মাসে এক ব্যক্তি এক গা পাঠান। ভাঁহার ২ খানি ভাঞ্জিরা গিয়াে ট্রা গাড়ির ধার ज क्रिल कि रेर्डिम्स बावात व्यवसात क য়াছে, বলিতে পারি না। শুনিতে পা ১৪ দিন মধ্যে এক গাঢ়িযুত प्रया हाई डेटा**टि**ई वा कि इस , किन्छ \* यद्भुत छ्वाड थाति, व्यर्थार भन ১२१० मा যভগ্ত এখান হইতে কলিকাভা পাট রাছি, ভাহার কিছুমাত্র এলওয়েতে ুনোকা হয় ন ট : মহাশয় ইহার কি কোন উপ হইবে না ১ আমরা আর কত কতি সহ্য রিব) সামান্য ক্ষতির বিষয় কত বর্ণনা ক্ াহা নিত্য কর্মা, মহাশ্রের কাগজে श्हेरव ना . <.कठि वर्खभान विषयात । र নিয়া কান্ত হই : ১৯ এ ভাতুয়ারি ক হইতে লাবণ চালান হ**ইয়াছে** [[২-রশিদ পাইয়া ঔেদনে জিজ্ঞাদা করা লেন লবণ অ সিয়াছে, কিন্তু ওয়েডি সে াই : এক্স প্রত্যহ প্রাচের कब्रिक्षा थाकि, द्वेनन माडीत दे निया शास्त्रनः धना अहेरहः **हिंट एड्ड अंटे आ**टिक सर যাহা লাভ হইত ভাছার মধ্যে গাড়িতে ম্লে আছে

উহইবে এইসকল ক্ষতি আমা क ब्रेंटिंड इंडेल . किन्ह किन क ब्रंबर् , रगत धक मिन माल लहेए विलय ভৎক্ষণাৎ 3 টাকা রোজ ধরিয়া লবণ । हिमन माष्ट्रीरतत आ ह उत्त महा নহ: ন্যায়্য ক্তি স্থির হয় ভাহা ा अधिकात एडेमनमाडीतटक एम ता ना কন্ এই পত্রথানির বিষয় ভালো করিয়া মাহাতে আমরা এই সকল গ্রুণা ত পরিত্রাণ পাই, ভদ্বিয়ে মহাশয় অমু कतिया दिवा अद्या दिवा स्था सार्य समुद्राप বেন ইতি।

**>२१७ भा**ल > 3 ই মাঘ

---:0:----

#### विविधनः वःम ।

১৩ ই মাখ পোনব'ল '

· ऋ। १.दर्य<sup>क</sup>े यु गवर्गरम हे अऽारवव (अ**ल्डे**म हे ं रुद्रव निकंद्र कहें एक तक ओलाजांग लाईहा া ভাহার মার্এই, আ জম বাঁও আবছল र याँ। प्रदे भाष व्यञ्च इत १,६५१ ४३ ६१८७ আডেও। দূর স্বত দুয়ার রামে উপায়ত ব্রিটিশ গ্রেণ্টের নিবটে হাস্থান 1 করিয়াল্ডন । গ্র<sup>প</sup>র জেনরুল বলিয়া ইয়াছেন, সার্ধারী সায়ে ভোন প্রায়িত দিগোর আপ্রেরদানে সমাত আতেন । কিয় । সীমার নিকটো খাকিতে ও কোন ষড় ব্রিতে পারেবেন নাট্র স্থারেগণতে কাশী क सिकालां व व प्रजान (प्रख्य, क्यंका । হবংগর কাম একে এক বংকির মাত্র ইয় ছিল ৷ এটা ভাল্ডাৰ্যার বিষয় চেট অব ইতিয়া '১ জেপ ক্লয় ছেন সিলুব ात दा रङ्गा क्रम्भः क महत्रक (क्षार्क াতে না পাঠাইয়া লৌকায় দ্ৰবা ছোরল হছ'র কার⊆ ১ই রগভয়েতে তাড় भ अवर (सल्टायु (को क्यांच श्रां রে দ্রবর্ণাদি লছয় যাম না লাজাতি গ্ৰণ্টেন্ডার নিক্টে অভিযোগ 'इवधींस (इलक्**रप्र** कांका **'क**ांकादा ভ স্থানে (যানকল শ্ল। প্রের্ল নেক টেসলে চাব যায় : অভি ্ভয়ে কেল্পান মনোগ্ৰাগ ुन क १८५० या दिनकत्रन ৰ্ষ্ট্ৰত এই জড়িস- 🕛

মক্ষমা হইলে ভাঁথারা পুলিষের হিপোটের। স্থাপিত করিয়াছেন। উপদে নিউর না করেয়া আপনারা যথারীটে দানী। ভবানবাক করিবেন। কমিসনর আরেও यावटी इ ८८९ छि क समस्त्र के बिलासा हुन्न विहा বালয়েৰ আজা ভিন্ন কোন ৰা**ভিন্দে যেন** রন্ধ শারণ না হয়। এই **আজ্ঞার কাবণ এই, স**ম্রতি এক লাজ্যর মুক্তর আজ্ঞার পরও ছোলাকে ४ ४ ४८म लाक्ष करिएछ व्हेन्नाइन । ऐकात त ८२व এई विषय छेश्नरक बनियार्थन, सम ा ५ त दाक्षवर्गन, (छप्टें। मा कहिटल ए। छ। हाहक অবও কাড দিন ছোল থাকিতে হটত বলা া, য় না া নিয়মবাংছেত প্রদেশের কার্যাপ্রবালী ভাগের আর কি প্রমাণ আব-

#### ১৪ ই ২াঘ নগলব'ব ৷

গত হাব্র ব্যাবশতি ধিয়াবের বাটীতে श्रमा छ । चिड्डार श्री 'ह । क्षतिदुर्भम इत्रप्रादक ए।क्रिन (प्रोध) एक्ष्मधनानीत दिस्द्र अक्षी প্রথমপাস করিয়াছিকেন। ত্রোভূগণ ইহাতে খানদ্রকাশ বেনে। ডাজ্জর মৌএট হাউএল গার্কেরে করেনটা মত খন্তন করিয়া পুথার গৃহ প্রবালীর ভর্নেটন করেন। অভঃপর সভ্য র দশক্ষণ বিচারপ্তিব নেকটে আব্তিখ্যীকার क ब्राह्मसा विष्युपांच थियात स्थापिक छ জ্ঞাতিবৈব দূৰ ক লবার একুত উপায় অৰুস্থন क्षिप्राट्डम ।

ম-'ফুরের ভূতপুতরাজার পরিবার ও জনু व्यक्तिरक अपन्ति है दिल्ल b 3,00,00 % है।का व क निवात आखा पिश्वार्डन।

ভ'aভ दर्भीय अवर्ग, मर हेत अध्वत (मर्ट्य होदि स, ६१९डे.कल आहरूर ्राम १ व छ। ट्रांत दिस्**र**प्त क्रकी दिएगाँहे काइवात **ভा**त शाहेश्राह्मना চাৰুল মৌএতের সময়ে শিক্ষাবিভাগের কি क्रयुष्टा इस अवर कार्षेत्रभन प्राटश्व कि कति ধ্বাচ্ছন, এ ছটির থেন ত রতম, করা হয়।

यांतु मामाखाई म अवास देशन ख इट्रेंड (याचा হয়ে এত। গমন করিয়াছেন। উহির আগমনে **র্ভুট**াওয়ান আসেগিয়েসনের **অনেক ক্ষ**ডি १ हेर्द ।

অুশাহি আতির ছই জন সদার পুভ হইরা हाकाम (श्राः अ इहेश्रार्डम । वम्रार्थनत ज्यांत्र কোন শক্ষ নাই।

বস্ত ক রয়াছেন, ভাছাতে সাধারণের অসত্তোষ

कार्यायका क कामन । तम हेका के विकास मारहत । इस्थारक । तास्रा वर्तान । रामकम क्षाया कस यावकीय माजिएकोटक विनिवाहिक, इन्छात जिल्लाका, त्र मुनुवाद कवित इन्द्राट किनि कर्

#### ১৫ ই भाष जुरवात ।

नित्र त व्यानि चौत्र म ६३ व्यावष्ट्रम त्रम्ब छ काकिम थात नाम्य उत्त एव एक रह, छ। इति छ। । बक मरवान व्यानिवादक। व्या थे। इटर्ग कार्यो ्रहे ५०० माज देवन, शाकाट्ड कावहल उड्मन ভাগ আধকার করিতে গমন ব্রেনঃ কিন্তু काभीत अहे मरवाम शाहतामाळ महेनाम छाहातक कांद्रकान काइएक यान । कारकूत ब्रह्मदान देशना अन डें। इंटर भवलाग कांझा आभी द्वत पटन জাধাতে মটা কে পলায়ন করিতে হয় জাজিম খাঁ। সর্বাত্রে প্লায়ন ক্রিয়াছিলেন। ২তভাগ্য व्यक्तित्र रात्र, अक्टल माडिमा 😇 🗷 🗷 वर्ष क्रेशिएक । किन्न कर्मका कर्मा । अ आवश्रम त्रमन थी । भिष्य पर था किए अमित हे हा घरे। अका

৬ জে লয়ার এক জন চিনিৎসক গালবানিক वाणादित खता मन्परि এक वालकरक तका क्वियारहरू। परभारत्व ३२ घाँडेकाला अ क्षांताम । आर्था नेमा दावशत क्यारण गण्युनी बार्डामा साम्राम्

্রন ভাড়া কমাতে ছভিন্দণীড়িত স্থান नमूट० नरमात्र मूल क मधार्ड।

লক্ষেটি টাইনস নলেন, ভারত, সেনাপ্তি मनं इत्य क्षाइती विषुक्त नद्ग द हे हेंद्र शिक्ष লহুং, দিপোর জ।ভ, 'চ র বকা ≱ইয়াছে।

मिलीरमाखा व लग, कार्नन किछि । यान श्रु त्तर श्रांक एक अबे क्यू दाव करते व (य, कि.न পাঁচ জন সন্ধারকে লছয়া এক সভা করে। रीइ'। मरशत रुट्छ मान्यमञ्जात अर्थन कराया রাজাইহাতে সমাত হুইয়াকোন রাজাব সহিত क्रीकृष मर्भा स्थाविनान आहर , जाहाव भीमार भाव क्ष्ट्री इकेटलाइ। (व नाइ के मिट्नत अह ट्रेभाग्न करलक्ष्म अक'स खारमाक।

हिन्द्र इटेडवीनी वटनन " शख ४१ है क्यांसूध्रावि निवाकात्रा स्टालत वागान स्टेटि इयुक्षत वस्तो कन्धक तर्छ कक्षिर्छ निर्तिरप्र लनायन कतिवादह । खना : शन्, डेशदा हेकीरख আভাবিক পরস্কুদ পরিধান করিয়াকয়েনীর কাপড় ভথায় জাগা করিয়া দিয়াছে। প্রহরীদি-গেব চকে কিব্লপে ধূলা দিয়া কয়েণীরা প্রস্থ'ন করিল, ভাবিয়াকেছ যেন বিশায় প্রকাশ না মধারাজ হোলকর সত্তাতি ভূমির যে বন্দো করেন। এখনেকার প্রবর্গীরা যে চলুমান, কার্য্য-ছারা ভাগার বড় পরিচয় পাওয়া বায় রা।

খেরপ ভার গাড়ি কোন দিন আনি পাহার।ওয়া-লারা ভেলের পুরুরিশীপনায়নের রিপোট ক রয়া **UT!!** 

' काबामिट्राव क बिनमंत्र मंदिर कृतिमिट्राव क्षीताचा व त्रवासना भरिनमह Eti ane योशक बार्रेप्टरबन । काक्षत का 🔭 । किन्न त्थावता क्षतिएउडि भी त्या मार्कि व्यक्तिक প্ৰশ্নিত ধ্ইয়াছে। ,.

#### १७ हे माच ब्रह्म्म दिवाव।

काशता काण्डरी इति कादशा इहेनाम, ভারতব্যীয় গ্রথমেট সমুদায় কেলের ব্রু একবিধ করিবার মানস করিয়াছেন। একবে करगावतात প্রভিগন্তেদি প্রতি হার্ষিক ৩৮ है। का काम १८६, त्वाह है। स ১ · · है। का लाइन व शर्यद्विष्ठे अध्ना (भाषे कहिएक हारहन। अधि কি স্ব হিচাড টেম্পালৰ বাৰ্ডাল প্ৰজ্ঞতায় পরিচয়। তিনি করে সমুশয় ভারতবধে খাদ प्टरबाद मृत्रा अक्षतित क द्वाद (क्ट्री क्यून ।

ভোৱঘাট ৱেলওয়েঃ এঘটনাৰ কভক বিস্থায়িত 🖁 সংবাদ আসিয়াছে। মধ্য শব আহোছী একট জ্রেনি প্না হইডে জালমন করিলা ভোরঘাটের নীচেনামিডেছিল, এমত সমায় শকটের গাভি क्ठीर वृद्धिक्षेत्र । हालक लास क्षकाद्व गुष्ट क विट्राड समर्थ ६ हेल ना। डिन्स का न कु है यू, अक খানি ছিডীয় ৭ এক খানি প্রথম ক্রেপিণ শৃক্ট चाँदि ना तिहा अक्कारन ह (इहेब्राइड) अध्य শ্ৰে গ্ৰাম কট ইই তে কেবল এক ব্যক্তি লক্ষ্যদিয়া क्या इ श्हेश तका शाहेशाइमा कृतीश क्षित्र निखा नव्यक्ति । बारवारी (करन्न) ১১ खनरक गृङ 'बादखात बाहित करा इहेग्राटङ। व्यातरम्य नतीत लग्नामक जामान भाइय हि। भाह हेनातीत अहु इरन बमान एवर निमिन् भारत आहुआरीत की बम महे हम्र माहे । এ ব্, জি পাইত ।ক্যাইয়া অধ্বিষ্ট শৃষ্টগুলি প'রের বে আনে। তথায় ভূমিসমান হও ম্বাতে চালক স্থানিত কারতে পারিল। এই ष्ट्रप्रेमात स्था स्थानका महा व्यावमाक । हालक ও প্রহরী এই সমরে স্থাপন করিয়াছিল কি না. ভারার দক্ষান লওয়া কর্ত্রা:

সম্প্রতি এক জন পাঠান বলুতে আসিয়া अक स्मन मीक रेगनिक एक वध करत। शृष्ठ इह बाब भारत अ वांकि बान, अक खन मारश्वरक বধ করা ভাধার আভিথেত ছিল, সে এক ভনকে দে খড়েও পাইয়াছিল; কিন্তু ভাগার ছুরিভৌভা হওয়াভে ও সাহেবের গাত্রে अत्यक् रख थाकारण .य जाचाण कतिर व नाहनी

र्ष नारे। अक स्था कामग्रेय छे दिल्ला र 6शाटल त्र क्रिक्टन मञ्जू मौक्टक वशकतिन। वशूटक भक्षारी तिक क हैने माहे। ख्थालि विकशातित ক মসনর এ ব্যক্তির ঘেষত বিচার অমনি ঘাঁশী पिय (इन। प्रश्राका इहेटल भव भार्तान जरूपा न **Б'ल ७ ७३वाल हार्ट्। छाड़ा इरख क**ंद्रश्री यु**क्** कारण कतिएक खानकाल करा छ शत्र छ स्मना हिन। अधार्यना क्वन है ग्राश् इम्र न:है।

প্ৰবিক ওপিনিয়ন বলেন, সাহোৱে একদল उरादि क्रमनः पल वृद्ध कहिएछ।इ। नारशस्त्र **उहाति अ'का महत्र महरू।** 

শাছের বাবু বাইরাম্ফি জিজি ভাইকে অপ্যান क्ष्रफ कथा विनिधा हिल्ला । अपनीत अ वाप्साद 'বংল নহে। এটা প্রদর্শনের একটা উপদর্গ হইয়া উरिम्नाइ । बाहा यडेक, आमता आस्थापिड इंड লাম ছোপ সাহেব আপনার দোব স্বীকার কবিয়াক্ষা প্র'থনাকবিয়াছেন। আনে আন। डेश्तारकत हेड्। निकात रियम रुख्या कर्त्वर ।

প্নার অংক্তগতে কজাড়ের মামলনার ব্রু त्रावाप्तवशतम् माखी ३৮७१ व्यक्त वाद्राहे (वन अर्घ काम्लाभितक वर्णमः (योलित (मञ्जूषी ख्या প্রায় হইয়াছে। কোম্পানি ভাগতে মনোগোগী ना इल्याट्ड नावायनगरनम :वाशके गननरमन्ति আনাইছাছিলেন। তদ্মুগারে জনুস্থান হত याएक स्थानंत्रे (मचा (अज (न कृते । खाँ थांस es । युर्ड এवर किছ मिन भरि हेश खानिया भर्छ। क्ति यथानगर्य नश्याम ना मिरन व्यानरकर প্রাথনালের সম্ভাবনা ছিল। এই নিমির বে'ছ'ট भवर्षाक कांकारक वाल माराव हेम वि मिय ১০০টাকা মুনোর এক জোড়া লাল প্রস্কাং দেয়াটেন। এদকল পুরস্কার অভিনয় খ্রী,ওকর उ दियम'श्यक्ति।

क्षरमभूति वनच (वार्तिव काइ छात ६३-ग्रहा किलिकाचायुक हेरा (प्रथा पियाहरू।

গত কলা বোরঘাটের রেলওয়েতে ভয়ানক प्रधानिक हेर्या ३५ करनत मुद्दुः रहेशास्त्र । विखा ্ৰিত বিংৱণ আইদে নাই।

काछात निभूछत विकाशमध्यक्ष छेशानम किवा-नि मञ्ज भवर्रमण्डे अक स्मान भगार्थ विस्तान व्यम्। পক্ষ নিযুক্ত করিছে খনস্থ করিয়াছেন। এই প্রচী এক ভান এতে দেলীয়কে দেভয়া হইবে।

११ हे बाध ख्यानशस

भक्षात्वत (बाकानिरात म'चा क्यमः क्य ভেছে। রাস্পিংহের কন্য অভিন্যু বাভিচা

ারণী ধইয়াছে, ভখাপি ভিনি ভাষাকে कट्रन नाहै। भूटर्स भिषाभन छाँश्टिक व বলিয়া জানিড গএক ব্যক্তি পরীকাণ বস্তু চুরি করে। ইতিন দিবস পর্যান্ত 🕝 क्रमुम्बान कहिया वार्थेम्टमात्व र्षेष्ठाट खींशाक भव्रकत्रांग कविद्या अकथा अर्क ्छ व्यानातकत छन्ति कियाद्वा আমাদিগের देति हिमीन ब्रांका महान शक्र कमजाविद्यातक १५४। (कब ?

म क्रांक शवर्गरमर हेत ब्यू द्वार्र शवर्गत বোড়ের প্রদর্শনে সুষাটের কালেটর ইংহাপ বল ১২০০ টাকা বেডনে একজন ব টীনি कर्छ। (चारिटरेकरें) नियुक्त कदिवान नि (ष्टेवेटमटक्विवाहरक शक निषिद्याहरूम। कि एक कन्वायकार्क मार्ट्य अमरा ३३ (वाथ इप्र भाषा क शवर्गरम के यान धरे न डैं। हार ह अमान करतम छाड़ा ब्हेरल मर्कान ए নের জল বারু ও পর্যাপ্ত কার্যা ভারা ভাঁছ শ্বীর অপ্লুরোগ হইবে।

> সিক্ষেনেরে চাস উত্তমরূপে হওয়াতে ও ৰ্মেটই পাণা কুৱা নাত্ৰ চাল কবিতে মনত ক ্তেছেন , ভাকতর আগুলিন বলেন দার্জিলি ও দক্ষিণ নিকিমে এই বুক্ষ ক্ষাত্র পারিছে ८८ में (त करन इंशा काम किस । किस काम १० कम इन्द्रशास्त्र । अ प्रारत्ति म्ला स्क्रम्न । दक्षि इन्ने 🥳 ्कर्छ। व्यावसम्दर्भन भवर्षरमञ्जेष यमि वार्थ्यकेर्नन। ভর এভ নাক্রেন ভাগ হইলে চা, কাফি কুন ইন ও বন্ধে। বিষয়ে অনের 'পুথি क्ष्राम इहेर्ड भा स्।

আমরা ভাবণ করিয়া আমহলাদিত ইট भश्याद्या इंग्लिकत अक्षी वर्षित कल स्थान'इ ছেন। হিনি ক্তক্তল ইউবেপেয় তভু কেও অন্ময়ন ক'ংটেন। ক'লকাভার তথার ঘুর ।ফুটে এবটী সুদ্র কল হইয়'ছে। দিয়া ওস্ত্র भक्स भाषानः भारा इहेर्ट्रह का भाभि देव उ अवर्षाम है कामाधारम कर्म्म किरान व वा वर्षा व कल हाजाकेट ह भारतमः। कालीभुरतक् रक्रात्य रव প্রকার কলে গণির স্থাত্র হইডেডে ডাংগাড়ে বস্ত্রের মাশ্নাল পেপর অবগত ইইয়াছেন, কলি ্কল ইইলেওবে ঐপকার চলিবে, না ভাষার (कांत्र कांत्र नाहें।

> भारामान'रत अमास्क्रांत खाष्ठ 🖟 त इहेर्ट्ड । এনগর্ডী অভিশয় অপতিক ত। । শবিব বাডীভ अनः (क न ऋहिन भ क्रीट्सिश्य अनन अगस्त्र)। ब्रास्थानकरम अस्त्र व्याद्ध दिन्दु ब्रम (४३) छ। हो वमान इस नः। निकार्भत वाक्षवानी बर्लका क পৰ ও গোম্বালিয়ার বিংশতি জান উত্তম।

श्लिकाचात क्रिकिमिश्यत व्यक्तिमम्बार उनाड (बधु विविद्याद्वन " काबि कलिका আব্যিয়া যুখে ই দেশন করিয়াছি। এই নগ ইতি এবং লোকদিগের আছে। ও সংস্তাধ (भिन्न (यमकेश काक कावन)क एकि राष्ट्र , म्र्शुर्न यद्व थावि ति <sup>च</sup> ष्या खुः इते क सा 'वर्गत (कारनत्म यमि कशहराशीमिरगत , स्वाहिष्डिहार्ट्स एक्ट्री हरेटल हरा नार्ट বুনৰ্কার পঞ্জাবে প্রেরণ করিয়া ওয়াকোপ পুনরানয়ন वक्षमा इजनारङ्ग আমেলির অভিয়ে হইয়াছেন গ্লোন কাজা **৪ছে না** ্কিছা লোকে করভাবে শশবাস্থ TERI

क्षेष्ट्रेक्यार्वत आजाव कात'रवार्धत विषय া সংবাদপত্রে লিখিত হওয়াতে সর সাই দ্রভারণত ডাজের হাটারকে প্রেরণ কবেন যে তে মনোহররাও ক্ষ অচ্চেন্ডাক্তর হটার াদর্শন করিয়া ধলিয়াছেন, এটা অস্বাস্থ্য नहा वालिने धमछ ७ मस्यायकत्। াহর রাও কোন ীভার কথা বলিলেন না হার প্রতি কুবংকহার করা হয় ন। বায়ুদেবনার্থ নি একটা নির্ভাৱিত দুমধ্যে অমণ করিতে রেম, কিন্তু সৰ্বদা প্রধ্রী থাকাতে তিনি बारताहरन खमन कतिएक अनिक्तुक। छहेकूम-্রর একটা দোষ কালিও হইল। কেন্তু ভাতাকে কেন কারাফ্ড রাখিয়াছেন আমরা ভাগ্র কারণ জানিতে চাহি।

টাইমদ আডেপ করিয়াছেন কার একটা হত্যাত পুলিষে গ্রু করিছে न ति श धई यांच ন, কিন্তু গ্ৰহণ্টেক কন্তক গুলি অনু কর্মচারীকে श्रु मिर्षर हर्त्व विश्वा कान काल इहेड हिए उपन ना। স্প্রতি মফবলের একজন জমীদার যে इर्युक्त वा कित्र नारम ৮००० होका ठेक: हेवा ? महीच कर्त्न बाकिएके हे तवाहैन डाहा अधाहर हतिहाटइन। अभीनात (अभातात्र हातिसा भिष्त ালীশ করিয়াছিলেন। প্রেমারার অভিশয় गङ्कीय इहेशाइह। इंशत किसिख कटिन आहेन द्रा कावभाक।

व्याबद्रल बुरुग्राचे व स्मय स्मानित भेता कि छ बक्तीकुछ इदेशाद्भाना ।

मर्द्र माखि छि दूमात हर । अ कुक छाहा मर्भ ह ১ - - - व्रोका कांत्रमाना कतियादक्य। व्याक्रिटना वामान वालन, डाँगा वा भवीकार्थ हैश करिए ছেলেন। লাভের নিমিত নহে। আলা জালা মদ পর ক্ষার্থ হইছেছিল ১ পথ ভালিয়া গাছে উঠ:

शक कमा भगर्तत (क्रमहत्मत वाशितक प्राप्तात হওয়াতে বিস্তার লে'কে গমন করিয়া ছলেন गर कार अर्बरकाव मगरा व्याभका का सहसाहर বাছ আন্ডেশ্বর ও নিয়ম আন্ধিক দৃষ্ট হয়। সর জন লারেণা সকলকে সমভ গে এছণ কবিভেন। কুঞ্বাগানে যে ভিন্বাজি হত্যা কৰে, গভ কল্য প্রেসিডেন্সিডেনের নিবটে ভারাদিগের কাশী হইর:ছে। হত্ত।কারিগণ কিছুমাত্র ভয় প্রদান করে নাই!

কচের রাজা শদেরে মাস্তুল স্থারিত করি श्राटक्रत ।

মেজর ইবাসবেল ফেণ্ড অব ইাণ্ডয়ার বিরুদ্ধে লিখিয়া বলিয়াছেন এ সংবাদপত্রখানিধে গ্রেগ্নেটের মুখঃশাত্র জ্লান করাজ্ম এট मक्रासके छ 'दान। एशांनि स्मछत (वन विश्वन সর জ্ঞান লারেন্স জ্ঞান্য করেয়া **(事会(**事) সংক্রান্ত 2710 করিয়া ছলেন 1

১৮ ই মাঘ শ্নিবার কাঁন্দি ইইডে এক বাজি লিখিয়'ছেন গভকল রাত্রি ৩ কি ৪ রিটার সময় মনোহারি বাজাবে এক থানি ঘার দৈবাৎ অগ্নি লাষিয়াছিল, স্থা সময় পাইলেই সাহায় কেরিয়া খাকেন, প্রন (प्रव ७७) शमन कतिञ्चा ज्विति (प्रतित नाहायः कतित्वन अवर जिनि श्राप्त र घनोकात्व अत्क একে[সমস্ত পর্ণশালা ভক্ষীভূত করিলেন !! সহা नव भरपा भरकीन तास्तात हरू भार्म स्वीतर (इ) श्रागण्डा (करहे माहम क तिया कनकिक मूल त प्रवाध तका कतिएक शास्त्रम नाहै। लर्थन, त्थ ট্রা ছাতা, ভ্রুণ প্রভৃতিতে প্রায় ৩০০০ টাকা अवा मध्य इहेश्याद्य । दशे काशा क्रान्य (कान, (कान भाकाभी विश्वत प्रवा महेवा विक्रमार्थ श्रामाखात् रमशास निधाहिल, नरहर काट्या विलक्षण काछ

' সেরাজগঞ্জ হুইতে এক ব্যক্তি লিখি ছাত্র, যি কল্পি কলি। সানরাজ ধা আমী বিচেন। গভ রাত্রি ৯ টার সময়ে অত্র গঞে রুসেন,পতি আসলন থার জারা পরাজিত বাপড়ের পরীতে ভয়ানক অন্যাৎপাভ হইরা शिवार्ष २०। ७॰ घत **म्य म्य, जार्नित म**रा ক্ষাশীপুরের আঞ্চিলা ত্রাদ্দ অসুমতি পত্র । মুল্য দ্রব্য ভস্মদাৎ হইয়াছে । বছ লোক উপস্থি র মেইবার মদ এতে করাতে শিয়াল ত হওয়াতে আর অধিক ক্ষতি হয় নাই। পুলিব

छेशांच्छ ।इटलन। अधन वर्गत नाहे याहर्ड ২।৩ বার এই রূপ লোচনীর ব্যাপার না ঘটে। ख्यालि काण्ठार्वत विषय उद्दे (व, प्रका कामद्रा भाका यह श्रेष्ठ करहर मा। कांह्रा घरह श्राष्ट्र ৫ • • वा का रंक है। का वाब हव बाद शास्त्र वरम বেই ভাষা নং হয় সেও ভাল তথা পি পাকা ক্রা र्य ना ।

> গবৰ্ণ মেণ্ট বিজ্ঞাপন। व करमणीत (लक्टेनक्षेत्रवर्गदत्त्र

---: • :---

व्याद्यमाञ्चमात्री

निद्यांश ।

১৯ এ লাসুরার। ভুগলীর সহকারী মাজি (कें ए कार्लकेंश **एवं.ल** हें, कहा विम न मार्ट्स षिजीय (खा.नत श्राजिमिध काई के माजिएकेट उ (ए शृष्टि कार्ट हेत्र इहेरका।

২০ এ ভাস্থারি। মওয়াখালির ডেপুটা মাজিটেট ও তেপুটি কালেইর বাবু গোকুলচক্র রায় টে এ।মে বদলী হইয়া প্রথম ত্রেণির অধীন মাাভকেটের ক্ষ্মতা পাইলেন।

(य फिराम कारश्चन हिं, बह, मि छेड्डेस, कार्यर ए त । थीं क त्यारहन, महे निवनाविध हहें आ মের পর্বাভ ভঞ্জেরে অন্তর্গত সঙ্গর সহকারী क्षिमन्त्र अ, ब्राएँ मार्ट्स किछू मिर्ने सिश्छ উক্ত অঞ্চলের তেপুচী কমিনেরের কার্য,ভার भारेष्ठारहत । जिनि १४२२ व्यक्ति १ काहेन **छ** ১৮২৫ অনের ৯ আইন তমুসারে চট্টবামে কালে ক্রীরেক্ মতা পাইবেন।

যশোহরের ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুরী कारमञ्जद व'तु जगदान हक्क वक्क वर्षकारन वननी रहेशा मा का खेरहेत कमणा भ हेरन।

যাত দিন লেপ্টনাষ্ট এচ, এম, রামদে খিলয় লইয়া অমুপত্তিত থাকেবেন, তত্ত দিন লেপ্টন ট এ, आह्न, छेईल किनान वन्नदिन श्रुणिय हेनरू ষ্টর জেনরলের নিজ সহকারী হইবেন।

यह प्रमाशनिक्त के दिवसिकार कार्या खाउ थ किरवर, एक निम एवलिए; (इ. किनवि নাহের সাহরণের প্রতিনিধি পুলিষ স্থপরিক্টে **्छ के ६६८वन** ।

या कि विकास करा करा माहेला विकास লইয়া ভমুপদ্বিত, থাববেন, তভ দিন আলু, এচ. জি, আর্বিণ সাছেব মালদছের প্রতিনিধি পুলিষ সুপরিনেটতে हो इहेरबन ।

্ ২৪ পরগণার সহকারী পুলিষ স্থপরিভেত্তেও

्छ, এচ, अन्तरेन मारश्व मून महावारन वननी . इहेरवन।

কটকের সহকারী পুলিব স্থপরিটেউওেট ক্রিন্ত ক্রম, রেডসডেল সাহেব বিহুত্তে বদলী । হুত্বেন।

২১ এ জান্ত্রার । বত দিন ডান্ডের জে, বি, কলিল হিলায় লইয়া তান্ত্রপত্তিত বাকিবেন, ডাঙ দিন ডাঙের জে, বি, জালেন বিহারের অভিনেব একেন্টের প্রতিনিধি প্রধান সহ করে হইবেন।

পুনীরার ছেপুট মাজিটেট ও ছেপুট কালে ক্রীবার বিষ্ণান্দ মুখোপাধার মানভূষে বলনী ১ইয়া হেতীয় জেনির জ্বীন মাজিটেট হুইবেন।

যত দিন ব'ব গোবিদায়েইন ঘোষ বিদায় 
ইয়া তমুপত্তিত থাবিবেন, ততে দিন রাজ্পা 
হীর ডেপুটী মাজটেট ও ডেপুটী কালেন্টব 
ব ব তাবিনীচরণ মিত্র ডএত। কমিসমরের 
প্রতিনিধি মিজ সহকানী ইইবেন।

২২ এ জালুরারি। যত দিন বারু মধুস্তদন ঘোষ বিদায় শইয়া জলুপ স্থিত পাকিবেন, তত দিন বারু গদানাবায়ণ সংক্ষার চট্টগ্রেমর প্রতি নি গ্রেডি কি অবস্থালক হইবেন।

্জা, এম, ভার্মট্ড সংক্রে কটকের সাবে সন্ব্ন কিশ্লেক্সভার সম্পাদক হ≷বেম :

ত্র কটি, এল, হটোল সাহেছের চাকার প্রতি নিএ লি বল ও সেলিংন জ্ঞা হেইবেন।

জে এন কুইস নাছের সন্থার প্রাক্তনিবি বি নিল ও নে সন্থল জন্ত কংট্রন। তিনিবিত দিন জিলন্তিনা লন, তাত দিন এই, তব লটি, জালো কংজ্যার সাতে গন্ধাব প্রতিনেধ বিনবির ও লি দেস্থান ভাজ কইবেন।

বত দেন এছ, ভবলিউ, আলেকজ্ঞার কাই। । গুলু থা ফুবেন, ডত দ্বা কিছু কালের নিমিত্র লি সি, গীল্বেক সাহেব সাহাব্যদে । ঘতীয় । জোনির প্র ভনিপি মাজিটেট ও কালেকীর হই । বেন।

জে. ওয়াত সাহের কিছু দনের নিমিত্ত বন্ধনানের প্রতিনিধে জাইট মাজেটেট ও ১৮পটি কালেটির ধ্ইবেন।

ত্রেন্ড সংক্ষরী মাজিকেট ও ক লেক্টর ডি. এম. বারবর সংহেব ছেগীয় ত্রেনর প্রান্ত নিধি জাইট মাজেট্টেট ও প্রেপ্তাী কালেক্টর ক্টবেন।

২০ এ জানুয়ারি। ২১ প্রগণার দ্রেপুট মাজিটেট ও ডেপুটি কালেক্টর কারু কালী চরণ যে বা কিছু দিনের মিনিতা ফ্রন্সর বনের কমিসনকের সহকারী হর্ত্তা রাজগানী বিভাগের সকল ভেলা ও বাধরগঞ্জে মাজিক্টেটের ক্ষমভা পাইবেন।

वीनु खगवजीहत्व शहरणाथायं कतिमशुद्दत्व विद्यान मन विक्रिकेति स्टेटनम् ।

যত দিন মূল্য মাসরাতুলা বিদায় লইয়া অনু পশ্চিত থাকিবেন, ভত দিন বাবু ঠাকুরদাস মুখোণাধ্যার বগুড়ার প্রভিনিধি মুগেনে হই-বেন।

২৫ এ জাত্রারি। ডেপুট মাজিটেট ও ডেপুট কালেইর ব'বু রাস্বিহারী বহু বাকা উপবিভাগের ভার পাইয়া ভাগলপুরে মাজি। উটের ক্ষমতাচালন ক্রিধেন।

বাকার ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি কালে ইব মৌলবী অ বছল গড়ুর সাহরণে বদলী হইছ। মাজিটেটের ক্ষমতা চালন করিবেন।

সাহরবের ছেপুটি মাজিটেট ও (ত্রপুটি কালেটর ই, ই, ফিশার সাহেব লোগার তগার বনলী এবং পালাম'উএ স্থিত হইয়া প্রথম প্রেণির অধীন মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন।

বঙ্গ জার্মার। ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুট কালেইব বাবুনবীনক্ষণ দরকার, ঘিনি গুম্পে বিদার পাইয়া আছেন, পুনর্পার কুমার ধালি উপবিভাগে নিয়ক্ত হইবেন।

কুমারখালির ডেপুটি মাজিক্টেট ও ডেপুটি গালেটর বারু সজীবচন্দ্র চট্টোপাব্যায় সদর মহ ডুমা পাবমায় বদলী ইংকেন

यङ मिने हि, इत्युक्त नार्ट्य विरम्ध कार्या नियुक्त थाविर्यम, छण्डामन , इत्युक्तिन न १९व इत्रक्षत कार्टिनीय श्रीलय स्थापत्री एक्षि इर्ट्यमा

মত দিন কাতের জি. বি. ফিশাব বিদায় গ্রহা জল্পস্থিত থাকিবেন, তত দিন ই. এ. বাইনস সাহেব জিপুবার গ্রান্ত নবি পুলিব স্থপ ডিটেণ্ডেন্ট ছইবেন।

সব আসিক্টান্ট সাজন্ম দয়ালরক্ষ লোক জ্পনীর অভগতি সুলভানগাতার দাভব। চেকিৎসালরেং ভার পাইবেন।

(म लोग ने हें, शह, किल शक स्थान महकारी दरविष्ठ अंतर रभूत इक्रिया।

ত্রিভারের সহকারী মাজিটেট ও কালেটর ডি, এম, ধীরবন সাদেব পীত্রমারে উপন্যভা গের ভার পাইনেন।

সীভাষারির ডেপুট মাজিটেও ও ডেপুটি বিলেষ্টর এচ, ডোলস সাংধ্য সদর মহকুমা তিন্ত বদলী হইবেন।

প্রবাদ ও

১৩ ই আমুন্নারি

১ লা ডিসেন্বর অব

রিগণ বহরমপুর ইইডে
ভাগো বদলী হইরাছেন
প্রথমপ্রেনির ওবরসিঃ

ঐ ইগান্তাম দ প্রথম শ্রেনির পরীক্ষা

ই, ডবলিউ, এচ, ঔপলান
বাবু বিপ্রদাশ মিত্রা ও ই
কীয় হইডে স্থানীয়াবিভাগে
মিন্নালিখিত একসিনিউটা

নির্বেগণ পদচাল্লিখিত স্থানে

চতুর্য ফোনির একলিকিউটি সি, সি, আডলি সাংহ্য কলিকাড ইঞ্জিনিয়রের বিভাগে।

চতুৰ শ্ৰেণির এক জবিটিৰ ই লিটি ফে, ডৰলিউ, হিথ সাংহ বিভাগে।

প্রথম প্রেনির সহকারী ইঞ্জিনিয়র জে, লেজার সাহের কটক বিভাগে। প্রথম প্রেনির সহকারী ইঞ্জি নয়র এচ,

প্রথম প্রোপর সহকার। হাজ পর বর বাইভিত্রস সাচের বারকাপুর বিভারে।

िक्षित्र (व्यक्तित महत्त्वती हे क्षितिवत । इंदाल हे. आभि ६६न शाह्य काण नशुत्र दे हार क्षित्र (व्यक्ति नंद्र सम्बद्धी हे स्थानवत वातु । वाहन रहा काणनभुत वर्ग काणाम व

उत्हें कासूप्रति। घिनीप्र ध्यानिते ह्र क्षेत्रिक इ.स्रांबद्दत छि. एवलिए, ति. न. इत्र १०७० पर्यस्य ०५ अ ए. १९६४ ५ अ अभूती महो। युकारभ्य जात्यान्त कांद्रश्रार

চতুৰ শোলৰ এচজাকটটীৰ ইঙি বেচটো, জে. ড্ৰিলিটা, হিথ সাহেংৰ একের ২১ এ ডিবেশ্ব স্প্রায়ে বভাগেশ্যনক্রিডিট্ন

हर्ष (क्यांनत क्रांक्यकिकिति है। हे, इ.इ.ह. शाहरूप विकास स्वाद (क्यांनीय पा कात १४ का कार्यन १९ है। क्यांनिय क्यां क्रांति १४ का क्यांनित १९ है। क्यांनिय क्यांनिय

ভাৰম জ্ঞেণর সহকারী ইজি নয়র রাইডিওস সাহেব ১৮৬৮ সংদের ২৭ ই অব্যক্তে বারাবপুর বেডালে গমন কবি

মণ্ড জানাম বিভাগে তেখন জ কারী ইঞ্জিনিয়েব জে র্যিকান সাং বিভাগে প্রতিনিধে একজিকিউটিং ইইবেন। তিনি ১৮৬৮ সংক্রে ১০ भार्थ भइकादी है सिनियन ৰ ভাগলপুৰ বিভাগে

সহকারী ইঞ্জিনিয়র জে, यात्मत ३३१ । जित्रपः গ বিভাগে গমন করিয়া-

াডের এখন খেলির স্থানীয় , এ, লায়ন সাহেব প্রভাগে s भारेष्ठार्ह्म ।

প্রীক্ষার্থ ওবরসিয়র বাবু ৮५৮ ज्यासत । है। फिर्मबर শ্ৰাসাম বিভাগে সিধাছেন। विव अर्तीकार्थ शव अवह शिष्ठांव 4 ১টোপাগায় সম্প্রবরূপে নিযুক্ত

ইউরোপীয় সমাচার।

, 4

লওন ২২ এ জালুলুরি। ডিউক অব লাবা মুভু,সংবাদ প্রকালিত হইয়াকে।

১৬ এ জান্তুয়ারি। স্পেনের গ**ব**্নেন্ট অ'মে १ भवर्**रमन्डेट**क कि छैदा हो भ विद्यास महिदाद विनिद्धः (इत।

'रवितिग्ना' अवर अगाउँ भर्गत्र गवर्गतम् वास ন, উাঁহারা উত্তব জন্মণির সহিত আপনা-সেনাদল একতা করিবার কোন চেষ্টা ्रहर मा ।

,শ্রকার প্রাতঃকংলের সংবাদপ্রসমূহ! নেপলিয়নের শান্তিফুচক वक्ष छ। इ উহেরে ও ফরালী আভির প্রশংসা করি

व्यक्त इंग्रेट एवं भिष्य छिनिजाम ज्यानि হার মর্ঘ্য এই, জাডিসাধারণ সভাঙ নানীত সভাগেলের অধিকাংশ রাজ-্রিপ্রণালীর অস্ত্রমেদন করেন।

সার্বেটিব সভাসর, এচ. ছেসি নয় প্রতিনিধি বলিয়া মনোনীত হইয়া-कञ्च छैराकाह तरन अभागारम महा 5 ৰহিচ্ছ জ ছইগ্ন'ভেন।

মিরালিটির গেতেটটারি বাকস্টার **षादि अक मरकुराव शहाब क**वि । **তেরি বভা**গের প্রাক্ত হলে মধ্যসাধ্য 'यु कविट के केटव ।

अत বাহণ ক রয়াছেন : ভাষারা অধ,ক্ষদিগকে দায়ী করিবার ঝিমত हाक व खालाल हु सालीम क विद्यार इसे।

২০ এ জালুয়ারি। দুউসভা যাহা বলিয়ারেন ञ्चलाञान ভाहा बाह्य क व्रवाह्य ।

मश्राज्ञात व्यक्षित्रममिष्टित महाहे स्ट्रिंग লিয়ন বজুতা করিয়া বলিয়াছেন, সেনদিল সংক্রাপ্ত আইন অসুসাবে মহাসভা বে অব **७ देनना श्रमान क**हिशाह्नन, 'जाराटक म्हान' আর বোন তানিপ্রশক্ষা নাই। এক্ষাণ ফাডা ্য দে বিপদের সম্মুখীন ২ইতে প'রেন। শাস্তির সময়ে যতদূর আবশাক, ভাগ বিবেচনা করিলে ক্রালের দৈন; ও নাবিচদলকে পর্যাপ্ত विरुद्धमा क्रिंडिं । हेर्ना श्रृतीर्भका शासार সংখ্যা অধিক নয় বটো কিন্তু অল্লেসকল উৎকৃষ্ট, অন্তাগারও দৈনিকভাণ্ডার পরিপুর্ব নিয় মাজিভিভিজ বৈনাগণ প্রশিক্ষিত : যুদ্ধ জাহাত গুলি পুনঃনিন্মিত এবং তুর্গগুলি উত্তম আব-স্থাপর ১ইয়াছে। স্থাট বলিলেন কালেব ক্ষমত। तकार्य देशवान्द्रस्य 📆 देशवर्यभावन । व्यादम्यकः। ভিনি আরও বলিলেন, বিশেশীয় গ্রথমেন সমূহের সাহত উল্লায় সম্পূর্ণ সম্ভাব আছে। তুর্গা ও জীলের বিবাদভঞ্জনাপ দুভসভা হয এবং দুভগণ সকল বিষয়ে একবাকা ছইয়াছেন উপদংহারকালে সমাই এই অভিনাম প্রকাশ করিয়াচেন যে, সর্বা দাধারণে কাঁহার হাজনীতি অমুমোগন করিবেন। ডিগন এক কালে সকল বিষ্টের প্রিব্র ভাল বাসেন মা। গ্রণ্মেটে वन 9 श्रकात य तीन'डा थाएक, अहे डॉाशह

২১ এ জানুয়ারি। সকলে অনুবান ,করিতে ছেন দুত্রভাগ যাহা ক্রিয়াড়েন, ভাছাতে তুরস छ औरत्रतः वर्शनमान्छः इदेद्रवः।

উত্তর জন্মণীর গবর্গমেন্ট্রাবেরিয়া 👁 ওয়াট শর্মের রাজার সহিত এই ভাবে সন্ধি করিবার ্চস্টার আছেন যে, উ'হাদিনের পরস্পরের প্রভা भग **भ**श्र**ण्या**देव स्थानाम् अद्यम क्रिट्ड भादित्वम ।

शिवक्रिक द्वामभाकारलय व्यवस्कर পদে উঠিয়া গিখাছে। প্রডেকে বিভাগে পরি মিতরপে বায় করিবার বিধি হইবে।

রাজ্ঞী এক আজ্ঞা প্রচার করিয়া নির্ভার (बिमक्टन आंटनाक निवास निवास कतियाहरून यिक्तिश्य हिर्देश निष्टे धरे या छ। श्रीष्ठिमान्य সম্মত হটয়াছেন।

পেরা ২৪ এ জাত্ত্রারি রণতদীর অধ্যক হোবাট পাশা নিরা হইতে প্রিটে গমন করি গারণী কোম্পানির ব্যবসায় উঠা। য়াছেন। গ্রিসের লাজা অঞ্চীকার করিয়াছেন, 'हामिद्रशत फ़ुॅंश्रेट्र (मे छन्ना क्रेतारक, . गडमिन विठात्रालय आका ना मिन छछिनम हेन |

गिम वाम्भीत काहाक समात्र कतान कविटव मा। बिनदस्त भाभा ६-. . . . देनमा छन्छानदक मिशः माश्रासः कतिएवनः।

हेब् व ।

''ই ভিয়ান্মিরর ও লংফা নাছেব। ग'त कन गरतक वाश्वप्रदेश दाखामाः भन প্রণালী ও চরিত্র লইয়া বিশ্বর ভক্ষ বিভক্ষ **হট্যাডে কিন্ত বি.ম যেরূপ লিখুন ইভিয়ান** মিরারসম্পাদক ভৈছোর চড়াভ করিয়াছেন ! याकालित मरभर हैनि (यक्षण लार्दण नारहरूव मिलक (माक, अक्रिल कात (कह जन। याहांद्र) লোকের সকল কর্মের অভিপ্রায় খুভিয়া বেড়ায়ু ভাষার। হঠার ভাবিতে পারে যে, উন্নত্তশীল ব্ৰাহ্মদিগকে লয়েণ বাহাছর কিছু অসুগ্ৰহ করায় ইভিয়ান মিরারসম্পাদক কুডজভা व्यावस हहेगा अञ्चल मखादलक्षी हहेग्राट्डन। शंख वरना नारद्रका वांबाइत हिन्नाहर्मीन जाकाभिर्यात ৰাধ্ববিক অব্যৱশন লেখিতে যান ও কোন কোন প্রাক্ষাকে বাটাতে ভারেনন, এখন বি. বিমলায় ভাঁছার নিকট লইয়া যান। কিন্তু আন মর্। ব্রাহ্মদিগের অভিপ্রাপ্ন ধ জিডেছি নাঃ তাংকান যেরপ যান্দিক ওসং ভাঁচাল যে ভাঁচাদের বিশ্বাদের। কোন বিপরীত কাই। কবি रिन देश मछावन । किशु है । जाति খের মিরারের প্রস্থান পড়িলে একটা ভার হয় ; य छेहा दाका सिम्न लागा, ना देवता खतु (नण । তিনি বলেন যে '' গ্ৰহণিনেউ।' বলে " বাজ। লিদিগকৈ যাইটেড দেওয়া উচিত নয়, কারণ (मर्था) व (य कान्त्र रहा, जाहा वाक्रालिन म काल मीडिक्टान, काशांनिशटक मिचटक (मञ्जूष উচিত নয়। জন্তত্র এরপ স্থানে যে বাঙ্গালি দিগকে লবেক সাহেব ঘাইতে দেন নাই, ভালই इक्केब्राट्क । এशासिनी कालाला (पञ्चा क्केप्राट्क ? इर्त्राक्षनिशतक मा, बाफानि, भगतक १ अ छ। वश्री মিয়ার সম্পাদক ইংরাজি কেন্ডার পড়িয়া লিখি য়াছেন, না অপক্পাভিতা দেবটেতে লিখিয়া ্ছন : আমরা বরাষর দেখিতেছি, যে,্রেও ও ইন্ডিয়ান মিনুরে বড় সম্প্রীতি, অথচ ফেন্ড বালালির এভ শত্রু যে, ইংরাজ ও বাল'লিডে क्षां जिरेब देव के दिवस कि विशेष स्मार्थ स्था है स्वम উচ্চার লধান উদ্দেশ্য। ব'লালি ছইয়া বালা লিকে এত ঘুণা করে সেব্যক্তি কি ! ব্রাহ্মণশেমী কি এই ফল যে, খদেশের উপর ঘুনা জন্ম ইয়া দেয়। বাঞ্চালিদের মীতিজ্ঞান নাই তেরে दाहाता छीरमाममिश्ररक कि मार्ग धकामा ञ्चारम् व्यानिएक्टइन् ? क्यामत् अक्तिकिरगत, विरन

भटः উद्विचिशि क्राक्षां एवं स्व अवता के विएमः क्राक्षा गण्क रेडेमा ता भर्ष विरादत 
मय, याहारण मस्यात क्षांम क्षांछत श्रांख 
वित्वर्वण्डः वर्रात्म स्व क्षिण घ्रंग क्षांया। हेलि 
द्वान विदांत काल , क्राक्षांवरण काल 
म्य, 
ध्वारी भ्राम मिरान काल । উत्र ज्विन कालात। 
क्षांत वाक्षा नाहे, कक्षांत यी गितान रहेशारहन। 
क्षांत वाक्षा नाहे, कक्षांत यी गितान रहेशारहन। 
क्षांत्र काला व्यादात कले हेले व्याहे 
हिरान, विवास काले क्षांत्र कले हेले व्याहे 
हिरान, विवास काले क्षांत्र क्षांत्र क्षांत्र (वाह्य) के व्याहे मिला काले (वाह्य) के व्याहे अध्वाहेन मिला द्वांत क्षांत्र करेंद्र 
क्षांत्र के व्याहेन मिला द्वांत्र क्षांत्र करेंद्र 
क्षांत्र के व्याहेन मिला द्वांत्र क्षांत्र करेंद्र 
क्षांत्र के व्याहेन मिला द्वांत्र क्षांत्र करेंद्र 
क्षांत्र के व्याहेन मिला द्वांत्र क्षांत्र करेंद्र 
क्षांत्र माहे।

রেল ওয়ের তৃতীয় জ্বেণীর আরেনি দিগের স্থাবিধার নিমিত ভেনি চেটা করেন বটে, কিছ লকলই জানেন, ভাঁহার এ চেটা আংশব মাত্র দফল হইয়াছে। ভাঁহার জাদেশসঙ্গেও ভৃতীয় জ্বেণীতে তালোক দেওয়া হয় নাই । তিনি এ সম্বর্গ এবটী আজ্বা এচার করিয়াই কান্ত হন। ভাঁহার সে আজ্বা এভিপাসন হইল কি না, ভাঁহা ভিনি এক বার চক্ষু মেলিয় দেখেন নাই।

भाव लाहाकात अहे अहे कार्य छिलम्बाक किर्टात के राज्या जामारणत **का**िट यक কৌত্রলর্হিল। উদ্যোধ ছুর্ডিকে যে এত महत्व आनी रहे इडल, लाइण वाश्राहत ति ভিচেব মেলিও দায়ী নন্ত তিনি সে সময় लाक्षात्वर १८ १८ घटन ल जर्म १ कि कहि ্লন্ত ভাষ্ট্ত কি বিস্তর লোকের জীবন রক্ষা भारत मा २ अ भिएक अज्ञानात्व ।नाक र इंकान क बहारहरू, छ किएक। (मध (महम्ब भाजनकर्छ) য':হ''র হস্তে ২০ কোটি লোকের ভীংন মাস্ত द्रशिएक, डि.स এड एनि आनी देन व्यव है? (ट्याइड निध्दक्षण कतिया कडकर्शन विकित्स तालामिरात निकड़ ज्यापनात जेवन ७ परित নৌরৰ বিস্তাৰ করতে "তে বহিয়া ছেন। মন্ত্ৰ विकडे (धनमाष्ट्रका), (म खीवन शहा ব্যক্তি কাছার ভঞ্জির পাত্র হইতে পাড়ে না : সার জনের ধর্মসহক্ষে যদি গৌড়ামি না. ▶থাকিবে, ভাগে ভিনি খুষ্টাবর্মের সাহ্যনার্থ এড গুলি সরকারি টাকানষ্ট করিলেন কেন? এই যে পাঁচ বংগর ভা চের ভাগা উ।হাতে সম পিত হয়, ডিনি এই কালমধ্যে কি হিতকর कः वं कि विद्यास । कि प्रमान विष्ठा विष्ठ উল্লভ হইরাছে? পুলিষের সংস্কার হইয়াছে। ক্ষাবার ও দিকে ডিনিই না मि विल ना नित्त बला वक करतन। छि. नहें नो मिहा हिर्द दना हिन्छ मिडि केंडकक्ति रेगनिक वास दक्षि कर्रमा जिमिहे ना इंखेरबाभी व देशनाति वा स्विधार्थ এগার কোটি টাকা বাগ্নিকে ৰাগ্ন করেন। ডিনিই ना लाएकत्र ही १ का अच्छा व व विकेश मान मान ও লাইসেন্স টান্স স্থাশিত করেন! ডিনিই না পরের মাথায় কাঠাল ভা শগা উচ্চার অক্সচর मरुष्वमङ् निभनावादमः कडक्छन्। व्यक्तः स्राटन किलिटलन ! (कान अवर्गत किनवल उँ शेव (मास्क है। तथा विष्यु । अक्षा अविषय । इस्ता विष्यु । अविष्यु । . अन्तरल ভाরতব্দীয়দিগকে এত ভাবিধাস করি ब्राट्डन ? (काम भवर्षत्र (कामत्रम् (धामार्गारमः এত বশ্য ছিলেন ? আমরা যত দূর জানি, লাড कर्न अग्नालम हहे (७ अभवें १ ख र ज भनर्न स রল আসিপ্লাছেন, উচ্ছাদের কেইই প্রজার স্তুখ विश्वरम এত छेनाभीन हिल्ला ना। এक हेल्ला वार्ष्टे श्वांत गर्रमान रहेल।

বিশেষতঃ ইংরাজ ও বাঙ্গালিতে সৌহার তাঁহার শাসনপ্রণালীতে আবোক হয়া জ্যাতি রাছে।" অমূত্রাভার পঞ্জিক।

-----

#### देवच्छ 'निक विवद्रगः

' नकरलबर छान। चार्छ त्व, इक्षिण्ड खनः त्वान अक्षिमाज छवः जार्श छाता महीरतह बक्क १६ छ भारत्य। कादन जामामित महीत इ मञ्जा व्यक्षि बज्जः, मार्मिण्य कृष्ठि मक्त भाष्ट्र भाषताभारतानी मम्बी जात त्वान अपि एत लारे। किन्न छ छ्व हार्याल मार्ट्य बर्णन स्व नातिरकल छ रक्षित मान्न छ थान्त भारतान भरमभी छवः भावता यात्र , क्रुजाः त्व बल्मा व नातिरकल जा'श्वद्वा स्वात औवन्यादन ११र७

ত্নেবের জান আছে যে, ডাজেবেরা তার চিকিংগার সময়ে এমন একপ্রকার আবে স্থাকিছেলেন, যাহার আগ এংল করিছে করিছে রোগী সার্গতোভাবে অভেতন এবং স্পান্ধরীন ইরা পড়ে সে অবস্থার অপ্রতিকিবসাঞানত কোন কন্তই ভাগার অপ্রত্ত হয় না কিছু এ আর্কের (কোরোফরম) ব্যবহার সার্গতে ভাবে বিপদশুনা নহে। উহা প্রাকিতে স্থাবিতে না-ভীর গাতে স্থান ইইয়া আইসে এবং কোথান্ত কোথান্ত প্রানের হানিও ইইয়াছে। সম্প্রতি ভা কার ভব্লিট, বিচার স্বনামাপ্রক জন সাহেব প্রকাশ করিয়ালেন যে, ইথব নামক আরকের ধারা শরীরের কোন ভাগে কিয়ব্দন পাতি ভ করিলে সেই ভাগা সম্পুর্ণরূপে অসাভু হইয়া যার প্রবৃণ ভবন বিনাব্রণায় ঐ ভাগে ক্রেঞ্

हिर्दिश्या इमिट्ड शास्त्र । अपुरक्षान

## " এতদেশীয়দিগকে দৈনি শ বিভাগে প্রবেশ করিতে দেওয়া না হয় কেন ?

व्यत्नरकत सूर्वह मट्या मट्या अहे मिळे । गा स्मा यात्र, अमन, कि स्वत्वक द्वास्त्रभूत्रायक विद्या थ रकत, धकतात हाडिम् अव कम्मद्राउ এই कथा छेठिताहिन (य " ईश्ट्यदाका अधन .व उटान में मन कशिए उट्डन, कारात केटलम इ এই, ভারতবর্ণীয়েরা কালে ভারতবর্ধ শংসক্ষা ব্ইলে ভাঁহাদিংগরই হতে ইহার শাসনভার 🦫 পাণ করত, ভাঁহারা এদেশ ভ্যাগ করিবেন, ইংরা স্বেরা এখন কেবল নাবালকের সম্পৃত্তি রুদ। করিছেছেন মাত্র : " কালে নাবালকের বয়ঃপ্রাঞ रहेरव मत्मर नाहै। कि हा नाख म भारत भूगा थालित अञ्जूल ध्यान कि? क्वल पूर्णत কথায় যদি পার্ভোষ জামাইত, ভাষা হইলে... वन। जन्नभारम कथात कथात्र क्रूसिट्छत्र ह শাস্তি হইত এবং পিপালৈতেরও পিপান वृद्धि ११७। कुना कृष्णत नगर काला ना .कर्म (न' छ (मच)**रे**(न ददर **क्रम;छ**'य ङ कुना ज्राहत इक्षि रहेगा गाट बामता हिंदकालहे के मंत्र माना क्रा छ। নারও দারেণ ক্ষুধত, দেপা নত ও অনু विवेश व काल्याश्रम कावाकांत्र, क्लाइट के व भ्या ह है ना, अथन (१४ल काछ हाई। अ वनः ॥ अञ्चल, धरे, इत्रवनभीत्वतः हिन्दुका २वैदलई कि इंटद्रादक्षता क्याश्रादम कात्रखनास्य ্লাভ প্রভাগ করিছে অসমর্থ ইইবেন ১ ২০-भा भटनत निट्दहत्। य हैश क्यानहे त्खन (वाव हमू न। मन लक्ष इंदराटक्षत्र मृद्धाः क्षक्षाः समुख् उन्नामा अख्रासद्दर्भ आहे कि का भट्टास्ट , "याम छाहा व সভাবনা প্রক্রি, ভাষা হইলে ইংরাজ ও এত .फ.बीत विवा अंत्रिकाटन अटन भक्तार हाल छ ा, এদেশীয়াদ্বোর উচ্চপদ আভো সমাগ্র কোন আপত্তি উপাপিত হটত না, নংলংগুৰ নায় এদেকে সিবল দ্বিল প্ৰীকা উপল্লে काम (भारताद्याच इतिष्ठ मा अवर अद्रम्मी) धामरणत रेम्बिक विद्धांगछाटवरमा ता अनुक्रम प গোর আন্তর্কের্টেন আকারেল কোন ব্রয়বই স্ফার

कामद्रा हैश कीकात कति वट्ट, हेश्लकीप्र हेडिस्ताभीरम्बा कात्रकर्य द्वित हेडिस्ताभीम्हिल्ला कारणक्य कामानिस्त्रत क्षित्र विस्ति कर् मृक्टिएक मर्भन कतिया थारकन, এখানে यां राजा

ভারতবর্ষদেষীর ন্যায় ব্যবহার করিয়া গিয়'ছেন,

**डाहा**ः ७ जारात हेश्ला ७ शिया **छात्उवसाँ**य

बिज हरेग्नाएक এवर **हे**रम**ुक्क फेक श**ना ব্রাও ভারতব্যীরদিগকে সমকক ভারি কন। কিন্তু ভাহা বলিয়া কি ভাঁংগরা ণর লোভ পরিত্যাগ করিতে পারি বেন ? কর্ব ও নম্নযুগলই ইহার স্পষ্ট প্রমাণ ৷ कान् व कि करव खिन्नारहन, वा है छिशाना দিতে পাঠ করিয়াছেন. কেতৃজাতি ক্ষমতা থাকি তে জিডজাভিকে এ প্রকারে পরিভ্যাস করিয়া ছেন ? অধিক কি, **এই ত ইংলগুত্থ ইংরাজে**রা অখ্যাদের প্রতি এত অসুকুল ও আমাদিপের স হিত সমব্যবহার করিয়া থাকেন, তথালি ভাঁহার ধ্যমাদিগের জন্য বিশেষ কি করিয়াছেন ? উ। इता यपि এएममीधनिएगत आखतिक हिटेडबी इंहेटडन এवर ভবিষ,তে এদশীয়দিগের হল্ডে ভারতবর্যের রাজত্ব সমর্পণ করিতে কুডসং कल इहेर उन, छारा रहेरल कथन हे निवित्र - শর্কিদ পরীক্ষাটীকে ইংলণ্ডের একচেটিয়া করি न। এवर रेमनिक विভागनीरक अहरतास ার ব্রক্ষোত্তর করিয়া রাখিতেন না। তবে সভাষুগের ন্যায় কাল আদিয়া উপস্থিত . ভাহা হইলে ইহাও সম্ভবিতে পারে। আকা **ংকুম হইতে ফলেংপি উও হইবে না, আ**র गिमिर्गद्रेश कुर्यामाणि स्ट्रैटन न।। हेरता **ভে**: বিশ-সৰ্ব-শূন্য হইয়াকিছু এ দেশ জয় করেন নাই, ইঃলণ্ডের নান ও সম্পত্তির্দ্ধিই ভার खर्वकारप्रत अधान छिल्हमा । नहिर এउ मित्न ভাষার পুর্বা লক্ষণ দেখা বাইত। এখন এদেশীয় দিনের রাজনীতিসংক্রান্ত বন্ধ প্রায় কিছু মাত্র নাই, একথা বলাও বোধ হয় অসঙ্গত হয় না। কৈ, আমরা আফিসর হইতে পারিভেছি, ানা গান্ত্রিত্ব পদ প্রাপ্ত হইতেছি? আমাদের কি व्याद्ध ? मामाना मान्ति छिटेत भाग अखराननीत क्रिट्र. इ. कार्रा घटिना। "विकारनत कार्रा ব্নিকা ছেড়ার , ন্যায় এক আধটি জজের পদই রাজনীতিসংক্রান্ত; স্বত্তের कि खामा मिर्गत চুড়াত্ত / ইচার জনগ্রিক আমরা গ্রণ্মেটের शक्त भी ज़ भी ज़ि करिएक भारत मा ? अहि कि जा आमिर्गत अनक्छ धार्यना ? এই खामारमत हि রকালের স্থা। ভাবতবর্গ চিবকাল অমাদেরই **ছিল** এবং ভারতবর্ধের রাজনী **ভিদংক্রান্ত** ्**याव**कीध निषदम्रहे व्यामाहित्मद खद हिल, पर यूननभाग ताजरत आमानिरशत द्र विश्व चान्त्र किर्तिमान स्य, এ कथा यथार्थ हि, किन्न छर्थनि छरकात्म अपनीरम्

প্ৰধান সৈনাপতিও হটতে পাৰ্দ্মিতেন, এবং श्रधान मिल्रिक्षणात्म इश्राम्य मण्यूर्व चष् विन । हैरताक ताकारच छारात्र कि स्वाटक ? व्यास्त्र व (यक्कि व्यामार्कत हिन्नकारनत चन्, छाहा अचन कामार्यत्र इन्डगंड ना इत्र (कर ? कामत्रा कार्या, हैं এ প্রার্থনা ক্রিভে পারি, গ্রণমেণ্টেরও ইহা व्यवमाहे प्रवृत्ता कर्वा । इंदाता वंतावत वि शां क्रांत्रिक इंग, "मिर्वन क्रिक कारण कारा দিতেছেন না। এইসকল প্রমাণ্ডারা কি স্পষ্ট ष्ट्रम् व १३८७८६ ना त्य, अतम्मीयमित्रात इत्स ভারতবর্ষণাসনের ভারার্পণ করিবার কথাটী কেবল প্রলোভনমাত্র ? সে প্রলোভন্টী আব-माक कि? यणि भरन अक, वाहित ज्यात रहा, **ভবে দে ভাবে থাকি" ইংলঞীরদিগের চির-**কাল কষ্ট পাইবার জাবশ্যকতা কি? আর व्यामा मिश्र कहे वा এड ध्रःथ निवात श्रद्धाः अन कि। স্পট্ট বলা ভাল, ভোমরা হাজার উপযুক্ত হইলেও কথনই পরাধীনতা-শৃথালমুক্ত হইতে পারিবে না, আরু আমবাও সাধ্য থাকিতে ইহার লোভদম্বন করিছে পারিব না : ভোমরা উচ্চ উচ্চ পরে এক বারে বঞ্চিত বানিবে এবং সৈনিক বিভাগেও প্রবেশ করিতে পারিবে না, আর আমরাও কশ্মিন কালে ভোমাদিগকে দিতে পারিব না। ভাহা হইলে ড সকল বিষয়ে সুবি- । ধা হয়। আমরাও আর অনর্থক চীৎকার করি না अवर शवर्गमण्डिक वास्त्र इहेट इस्रमा। **अटकवाद्विहे व्यामानिरंगत मूर्थवक्क हरे**ब्रा याद्मा আর যদি ভারতবর্ষের শাসনভারপ্রদানের কথা पृर्व थ'कूक अञ्चल्पनीय्रामिशक जान्यनः मकवि-যয়ে উপযুক্ত ও আত্মরকাসমর্থ করিয়া তুলিতে অভিপ্রায় পাকে, তাহা হইলে ভারতব্যীয়দি-গের জন্য বৈদিক বিভাগের দ্ব'র উল্মোচন করিয়া দিউন্। ইহাতে আর যেন কণ্মাত্র বিবয় করা নাহয়। কল্ললভিকা।

## व्यामानिरशत शिक्षुष्ट् मः वाननाका निर्वितारहरू ।

অত্রত্য স্থানসমূদ্ ২ । ৩ মাস যাবং ওলাউ ঠার প্রান্থ ইংয়াছে; কিন্তু একণ পর্যন্তে নিঃশেষিত হয় নাই। ইতিমধ্যে আবার বসভবোগের প্রভাবও মধ্যে মধ্যে লক্ষিত হই-ভেছে। বেঃগের এক্লপ প্রভাব আবো কিছু কাল স্থায়ী হইলে এ দেশের যে কি দশা হয়, বলা যায় না।

২ ৷ অত্তত্য সেধ্যাট মিদন ক্ষ লের সাত জন

ছাত্র প্রবেশিকাপরীক্ষা প্রদান করিয়াছিলেন, ভর্মধ্যে ছাই জনমাত্র ফুডকার্ব্য হইরাছেন। আফ্লাদের বিষয় এই, ইংগারা উভয়েই বিভীয় প্রেণীতে উভীর্ণ হইরাছেন।

এথানে গত ২৮ এ পৌষ রবিবার পাঁচ টার সময় পুরুষ বার এবং গ্ত ১ ল। মাখ রাজি ৩ টার সময় একবার ভূমিকম্প অভিশয় প্রবল ও অনেকক্ষণ স্থায়ী হইয়াছিল এমন কি, অধিক বয়স্থগণের প্রমুখাৎ অবগত হইলাম, অনেক বংগরের মধ্যে এক্লপ ভূমিকম্প হয় নাই।

৬ ই মাঘ ১২৭৫ সাল

-:0;-

## প্রেরিত।

## মান্যবর <u>শ্রীযুক্ত</u> সোমপ্রকাশসম্পাদক মহাশয় সমীপের।

क्रम छ। तास्र भूक्रव निर्मात यह ७ व्यम, वमाह्र , न रक्षन क (मर्ग भिन भिन और व वार्य न भरत নগরে বিদ্যালয় সংস্থাপিত হইতেছে ৷ বদান্যর गवर्गस्य हे एवं अनः विश्वन व्यर्थवादाय क्रिक नर्दन, छञ्चावभाग्रकानरभवा अञ्चाव नार्वे । আজি কালি বিদ্যালয়সমূহে যেরপ লৈকাপ্রণালী श्रक्ति जारह, ভাষাতে বিদ্যাশিকার প্রকৃত উদ্দেশ্য যে চরিক্রশোধন ও আত্মোন্নত, পরিত্যাগ করিয়া অপর 🐠লৈর পরিপোরণ ধ্ইডেছে। প্রথমতঃ সাহায্যকুত विन्धानवरम् थावरे जन्म लिनीवन्ति र उ সমপিত : কডকপ্রাল বা মিসনরিদিগের হস্তে ना छ। कामार्केद किटमें त क्रून समूरश्त मण्टान (कदा श्राप्त अन) माराय, म'(भक्त, स्ट्रार मान সমূহ যথা বিশানে সংগৃহীত না ছওয়াতে তাঁহা **मिश्रांक माधादनमगरक जिल्ल्जीय रहेट७ रय** अवर हेशांख बाखविक अधिका करनकाराम ভদ্বিয়ে দোরী। মিদনরি ম্যানেজরদিণের অধের অভাব নাই, ভদ্রাব্ধারণের দোবেই অনেক খলে বিশ্থল। ঘটিয়া থাকে। कैं:शामित्र मार्य (यज्ञाण व्यानष्ट श्रेवात माखावन শিক্ষকগণ সক্তরিত্র, ক্রুশিক্ষিত ও সদ্যুগ সম্পন্ন মাহইলে ভড়োধিক অনিষ্ট ছইবার সন্তা বনা। শিক্ষকভাকার্য্যের নামে গুরুতর কার্য্য বিরল ৷ ইংাতে অনম্ভ আত্মার উপর কাৰ্য্য করিতে হয়। পিতা মাতা যে সস্তানগণকে নয়নপথের অভরাল করিতে সংকুচিত ব্ন,

मञ्जन इंद्रा इहेरलंख याश्वामिरवंत क्रिकामन सूच ক্ৰি জনক জননীর মানসপটে অভিচ থাকে। (महे श्रानाधिक मञ्जानत्क निकारकत् हर्ष्ट ममर्भन क्तिया निक्छि ও दिय कान प्रति छात स्टेट भूक श्हेत्रा थारकमः। छाशास्त्रं यनि निकास्कतः বিল্যালয়সমূহের কর্দ্রপকীয়েরা চরিত্রনোবে मुविष्ठ इस, खाँका इंदेरन वालकगर्भत देहे देखा। ছুৱে থাকু চঃ বরং সেইদকল সম্ভ'ন শিক্ষকগ (भन्न च ভार्यत खर्धिक खेळू कत्र वन व उंगे हरेग्रा ্পশুভাব ধারণ করে এবং শুদ্ধ পিডা মাভার গলগ্রহত্বরূপ হয় না, কেন্দের কণ্টকত্বরূপ হইরা विद्यानग्रमञ्जादकिर्वात द्धार्थ। अदम्भीय কথাই নাই ৷ কিন্তু যেসুকল धर्म् धहात्र क्रा कारिकान्तिक ७ - जूमशास्त्र माश्रद्धत्र कक्कः विनीर्व করিয়া, যাহারা স্কটলতের পর্মতশিশর হইতে व्यवखीर्व स्हेब्रा खाद्र इक्ष्मिर बन्न माधरनद बना भूजार्भन कविद्यार्हन, यैश्वात छात्र व्यदि शांकिया প্লিডকেশ ও গলিডমাৎস হইয়াছেন, য'হা मिर्**लात म**ःहारणः अ स्मर्ग श्रथाम विम्नारलाक विकीर्ग इहेब्रार्फ, ब्याब्कि क'लि उँ:शामिरशत मर्या (कर (कर (मह मूर्या छि।समा छनि कि श्रुष्ठ । स्टेग्ना অবস্থান্য সাংসারিক সম্প্রদায়ের মধ্যে গণিও इहेर्ड (इन। डैं।हा बिरश्चत्र इर्ड (यम्कन स ल च्चारक, क्रांस क्रांच्य जाहारमञ्जू चारसरकत्र माहसीध क्षवञ्च। लक्षिक इक्षेट्रब्रह् । ये:हामिश्वत (लाटकव क्रमण कता अक्रमाज छिप्पन, डीशहार (य जानार চরিত্রদোষের আকর্মরূপ ব্যক্তিম্পত্তি আঞ্চ দিয়া পাপের জ্বোভ প্রবাহিত করিতেছেন, ইইন সামান; আকেপের বিষয় নছে। উভাদিগের দয় ও স্নেহ্হয়ত পরিমাণে অধিক। আরে উন্নার। (य (सर्भूत) इत, व्यागादनत अज्ञाश रेष्ट्रा नर्द । স্বেছ ভাল বটে । কিন্তু উহা বিধেককে অভিক্রম कृतित्व दिवसय एव छेरभामन करता किछ पिन शूर्य खिनिश्चाञ्चिताम था. मधा विकारणत हैन শেশ্টর মহাশ্যের মিদনরি ইক্ষুলসমূহের छिलत मान्सर स्हेशां इत । उँ हात (म. मटन्स) অমুলকও নহে। একণে আর ভাহার উপেকা করিবার সমন্ন ম'ই। 🛊 মিসনরি মহাশ্ররের। ধর্মাব तर्व काहु । बिहा (यम उँ।श्विगतक वाखा ख ষ) নাায়পরায়ণ মনে না করেন। অবিলয়ে আসিয়া মিসনরৈ পুলঞ্লি দেখুন, ভাষার কাহার মূলে ক'ভ অন্যায় জাছে, ভাষা দেখিতে भाहेरवन । (बाध रुध्न, **हेनर्**ष्णक्केन्न महाभाग्नीमरभन [ यिमनिविन्दिशत के भटत कारनक भारत विचाम वाही (इल्रुज़ वाबुज़ विश्वत्वाही ও वर्था निका कादी दलिहा छित्रकृष्ठ इहेदारह्म। किन्ह हैन

শোরীর মহাব্যের। বেন মনুষ্টেক অপূর্ণ মনে করিয়া কার্য্য করেল, ভাচা করলে সকল সংশ-রুই আন্ড নিরাকৃত হইবে দ্বানারও লেখনী ধারণের ফল সার্থক হইবে।

गारानुत्र ) १ हे माच किटेनः

-----

ष्यामः निरमद गवर्गस्य होते श्रीक ष्यांस्माम नि-গের যে জাষ, ভাগ পদালিখিত বিষয়টীতে প্রকাশ করিবে: এক জন আফগান পীড়িত ঃইয়া চাদনির চিকিৎদালয়ে গমন করে। ভথায় **काशास्क (प्रक्षकात अवस, भगः), रख ଓ आ**हर्त (मध्यप्र इव काहार्र्ड मि बिडाफ्ट कुडक्ट इहेग्रा कामा मिट्नात निकटणे अक पिन वटन, '' वाबू। আমার দেশে অভি নিকট আত্মীয় ও এরূপ पग्ना करकून ना । प्रभाः ७ पांडर्वात्र विष्ट्य हैरतास्य দিগের সহিত অন্যকোন ভাতির তুলনা হয় না। দেখ কেবল লোকের উপকারের নিমিত কলিকাভায় কত জ্ঞালয় আন্হে। আনিয়া ভল্লি इंश्तंकिमिग्रक यथार्थ खान रागि। ইংরাজনিগের সঞ্জি আমাদিগের अलिया दलिया (व क्षित्र कार हन्न ।

" ভোষাদিগের আমীরকে আমাদিগের গবর্ণমেন্ট প্রতি মাধ্যে এক লক্ষ্টাকা দিতে ছেনঃ ভোষারা ইংার কি উল্লেখ্য স্থিব করি-যাচ ? "

'' ইংরাজ প্রথমেট কেবল র শীয়াকে ইরে রাখিবার নিমিত্ত এই সাহ্যালিভেছেন। কিপ্ত আমালিগের দেশগ্রহণের বিষয়ে উল্লো দিনের কোন লোভ নাই।

" তবে তোমরা এক জন ইংরাজ দুড়েকে কারুলে বাইতে দিতে এত অসমত কেন ? "
" কেবল পর্যে সিলেন্ড কা ব

" (करन भएके बिरन ना द ना । आशाहरभत योक्षाभग मर्काम काकः रक्ष्युष्ट क तरक वर्तन । म

'ভাল, ভোমানিগ্নের দেশে চারি বংসর পর্যান্ত গ্রহ যুদ্ধ ইউডেছে। যদি আমরা এক দল সৈনা প্রেরণ করিয়া ভোমানিগের দেশে শান্তি স্থাপিত করি ভাষাতে আপত্তি কি আছে?

বোর। সেরী কখন চইবেনা। কলীয়া জাক্রমণ না করিকে আমরা একটী ব্রিটিশ লৈনিককৈ বিনায়ুদ্ধে কারুলে প্রবেশ করিতে দিব না। ভোমাদিলের গ্রন্থেন্টও যে পুন ক্রিটেশনা প্রেরণ করিবেন, ভাষা আমাদিণ্ডের ব্যেপ হয় না।

এ অঞ্চলের (বনপ্রাম ও সাতক্ষিরা টেপবি-ভাগের কিয়দংশের ) নাার প্রভাগ্যনা আর व्यात पृष्टिरवाइत इत्र मा। हेश मंगीता 😗 २१ भत्रभवात्र मक्तिक्षम र महमाहित् । मृत्य 🗟 এগানে কোমপ্রকাংই সদস্ভান দুই 71 . अयन कि काशनामित्यत औवमत्रकार 1.3 বাহা কাবশ্যক, ভাছার নিমিত্তও এ लाटिकत यत्र बाहे। (भावदंखाला । ও वन्नश्राविकत्र ইহার চডুর্দ্ধিকে ১০ ক্রোশের মধ্যে একটা व कामा विम्हानस्य गाइ। मध्यक्ति कर्यस्य धानि গ্রামে কয়েকটা গুরু মন্ম্যাল পাঠশালী স্থাপিত इरेग्नार्ट। जारात्र अक्रिजिशाक काहात्र स বৃষ্ট হয় না। উক্ত ছই স্থানভিন্ন উপারি উক্ত शास्त्र मह्या अक सम बाल्याला देवमहा कि अक জন নেটিব ডাক্তর ইহার কিছুই মাই। পীড়া হইলে কেবল উপবাস্থারা চিকিৎসাং ক্রিডে লয়। জন ছই হাতুড়ে নাশিত চিকিৎসকই এ অঞ্সের সার্ক্ষ সর্কা। গভ ও বৎসবের সাংখ্যা ंभक ख्रांत कामानिरभात कर्यक्रशासि क्रांम 🕏 ६-সরপ্রায় হইয়াতে। বেবল ভুইনাইন্ধরা ধে আবোমলাভ করিয়াছে ভডিন স্কুদায় লাকই বিনা চিকিৎসায় প্ৰাৰ্ড্যাল কৰি জন্য জন্ম স্থানে চিকিৎসক মা थाकित्न आध्यत क्षाटक भवर्गस्य छेद्र निक्के लानाईम्रा <u>खेरत व कि तरम</u>क जानाम, जानाहित এখানকার লাকেরা এমন **অলম, যে** काँकि-. जन्न भारत्न ना। भवन्**रबन्हेर्टक व्य**ाव ! ये कि हे श्रुडतार श्रवेशमञ्ज इहेट्ड (काम केपराति व्यास **१त्र ना। अहेगकन क्**रुट्य (चयुद्ध घथन अमिनीय .नारकत्रद्वाहे । उत्तम ज्ञास्त्रा चाहे आर्थेज अक्षत जान दका: ७ नहां नुक त्वां (कह श**ेक** का ब्रक्षकु क विषयु को बाहित है महिला महिला महिला है की व সম্ভাবনা কি ? মহালয় ! আছা দ্বার শ 🖅 নের ्लारकारा कडश्वा। अख्य आरहे, खाइ। 西南州(西) 春島 年了(五) 中美) 南京 東京 西南 西南 বেষয় লইয়া মহ'শহের খতের আনালেটালন কবি। वात्र मानम कतिशास्त्र। व्यक्ति निभ्देष्ठ विनाटक भारि, अक्षास्त्र छे कात्र प्रतिवाद स्थान इहेद्छ इहेर्द ना । मलि आयाहिस्मेत नग्नास् भवः र्वसिन्हे अहे प्रतिप्र काल्य (प्रद्यंत क्रमांग्यायाय একটি গ্রন্থেশ্টক ল ও একটি দাভবা চিকিং म'नव छापन कर्रम, खाहा इहेटन अवके सम् প্রদেশের মহান উপকার করা হয়।

আয়া দিবোর বনকাম উপবিভালের সুযোগ্য দেপুটী যাভিত্তেই ও ডেপুটী কালেই জীযুক্ত বাবু মহিনাচন্দ্র পাল কতিবন্ধ প্রকৃতি। বিদ্যালয়স্থাপনপ্রভৃতি দেশহিতকর বিষয়ে উচ্চার বিলক্ষণ যত্র আছে। উচ্চার তুলং সদালম্ব লোক সর্মদা দেখিতে পাওয়া যায় না। এক্ষ্যু উচ্চার নিকট বিনয়পুসাক প্রার্থনা এই যে, ি খন এ মুর্ভাগঃ স্থানটীর প্রতি একট্ট সদ্ধানী করেন।

এ অঞ্চলে ধান্য এ বার আট আনা
রক্ষীন্ত, হ্ল নাই। রহিশস্য প্রায় হয় নাই
বলিলেই ভয়। কেবল খেজুর গাছের উপর
নির্ভর কবিয়া এ স্থানের লোকে জীবিকানির্দাহ
ও জ্ঞানির্দারের মালগুলারি করিভেছে। কান্তন
মাসপ্রাক্ত বিশেষ কন্ত হইবার স্ভাবনা নাই।
ভাহাব পারে কি হয় বলা যায় না। এক্ষানে বোটা
চাইল াধানীত নামান বিক্রীত হইভেছে।

গত হল এ পৌষ বেলা অস্থান । ঘটি
ল'ব সময় এখানে ভয়ানক ভূমিকলা ইইয়া
গেয়াতে প্রায় হাও মিনিট কলা ইইয়াছিল
এবং ঘব বাড়ী, বুকাদি বিলক্ষণ নভিয়াছিল।
বাদ হইয়াছিল যে, আর কিম্বক্ষণ নভিয়োদর জল
উভ্যতীরে ১॥ হাত কি ২ হাত উঠিয়াছিল।
এরপ জালকলা ১ ঘণ্টার ও ভাবক কণ ছিল
- ব মাঘ ) ক্ষাচিব কাএবা নিবা সনঃ

नार्यक्या ।

-:::-মলপুরা অনেক দিন গত হইল আমরা प्रतिविद्या<mark>भाष्यकारम मञ्क्रभुज्ञिवस्यक अवि</mark> रायवान क्षेत्रकाव भाठे कविद्राहिलाम। ज्यामानि মতে লিংপুত্রের দারা খীর সন্তানের স্থান शिवन कर्ता का छ। छ सम्मा कार्या अवर शहतत । अक्टारक पिङ्मरशासन कता कारणका लङ्कात িখয় আৰু নাই । বুদ্ধিমান ব্যক্তিমাত্তেই বুঝিভে পারেন 💐 দতুকলাতা, দত্তকগ্রহীতা এবং সমুং ্টক সময়ে সময়ে আন্তরিক বিশ্বম বেদনা তির্ভব করিয়া গাকেন। জ্লয়াধি**ক সন্তানকে** ান করা বিভাসামান্য অপলোভে বিক্লয় করা ষ কত ওড় শাধ্যক্দায়র কোষ্ট্র তাহা কে না বিতে পাবেট্ সন্তানদলে ধ্খন এসকল থা মনোমধ্যে তাকেলন করেন, আপন ্বিকে পরহাহে প্রপুর্বরণে এব স্থতি করিতে তেশন, নিঃসজেহ ভিনি ভখন নিদারুণ দুঃখ ভাপ সহয় করিছে গাবেন আবাব গিনি হুক এহণ কৰেন, ডিনি দখন পুত্ৰং প্ৰভিপা হ দতকের মুধ হইতে প্রমণুর পিতৃসংধা ন निरेष भान, उथनह क्षात स्त अवनी अनि क्षा के विशिष्ट बहेशा श्रुवः श्रुवः याजना

দিতে থাকে। সে কে ভাব ছর্ভাগ্যক্রমে বিনি দত্তকের এহীভূপিতা হইয়াছেন, জিনিই ভাষা সম।ক ভাবগাত আছেন। দত্তকের ভাবস্থা আহেন। ভয়ক্ষর। তিনি যথন আচান।পল হন, আপন পিতৃপরিবর্তনের কথা লোকের মুখে ভানেন তখন কি ভাঁহার মনে একদা লক্ষ্য ও ছংখের আবিভাব হয় না ? মনে করুন, সেই হতভাগং দত্তকের জন্মদান্ত। ও এহীতু পতা একতা বসিয়া আছেন এবং দত্তকও তথায় উপস্থিত। এমত সময়ে কোন অপরিচিত ব্যক্তি দত্তকের পরিচয় চাহিয়া পিভার নাম জিজ্ঞাদা করিল। তখন ভিনি কি উত্তর দিতে পারেন? তথন জাঁহার মন লক্ষ্যাও গুলাতে আকুলিত হয়, কঠ ও ভিহ্না শুক হয় এবং জীবন একেবারে অসার ও অক্ষাণ্ডারম এ বলিয়া প্রভীন্নমান হয়। ज्यन य नि भारतन, फर्व काषाक्षक्रभर्गा छ গোপন করতে পারিলে উছোর মনে ভঞ্চি জনো। সমাজেও ভিনে এক্সপ পদে পদে লক্ষ্য ও আত্মলযুতা প্রাপ্ত হন। ইহা অংপক্ষা ভাঁাই আর একটী ভয়ক্ষর অবস্থাও কখন কখন ঘটিয়া থাকে। দ্ভদের এহীভার নিকট স্বজনেরা দত্ত ক্ষে জাসন্ধ করিবার জন্য মক্ষম। কবিয়া কোন ফোন স্থাল উচ্চতম আদালভপ্যান্ত আসিয়াও কুভকাষ্ট হইয়া থাকেন। এরপ স্থলে দস্তকের কি শেচনীয় অবস্থা ঘটে!! ''উটিভ কুল বৈঞ্চন কুল ছারাইবার শুন্রায় জন্মদাতার ও এইীতার বংশ হইতে বিচুক্ত **ইয়ামহা বিপদগ্রস্ত হন !!! তথন ভাবা**ব পিভার নাম জিজ্ঞাসা করিলে একেবারে হভাশ ও किश्वक्रवाविष्ठ इहेशा चारकन !!! এ कि সামান্য বিপদ ও জংগের বিষয়া সম্পাদক মহালয় ! আমবা দত্তকবিষয়ক এতজ্ঞপ অনেক व्यक्तिक (माठनीय व्यवद्या भएषा भएषा व्यवज्ञात হইয়া থাকি। অতএব আমাদিগের অসুরোধ এই যে, দত্তকত্রহনপ্রথা **ৰাছাতে** রহিত হয়, হিন্দুসমাজ সর্বাস্তিঃকরণে ভাহার চেষ্টা করুন:

১३ हे भाष } जी देवनामनाथ क्यू ১२१६

## मृताथां थि।

ত্রীগুক্ত বাবু জ্ঞানানক্ষ মিত্র মূলভান ১৮৬৯ ফেব্রুয়ারি ইউতে পৈ জানুয়ারি ১৩ ৯ শ মহেন্দ্রনাথ ভট্টাচার্য্য গোবিন্দগঞ্চ ১৮১৯ ফেব্রুয়ারি হইডে জ্লাই ৭ ৬ জয়গোপাল চক্রবর্তী ভায়নগুরারবর ১৭৭৫ মায় হইতে চৈত্র ৬৪০ জীৰতী মাড়জিনী দেবী শান্তিপুর ৩৮০ -১০১-

### নেংমপ্রকাশসংক্রান্ত কয়েকটা বিশেষ নিয়ম।

অগ্রিম মূল্য ও ডাক্ষাস্থল না পাইলে মক-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইংর অধিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং বাশ্যানিক ৫॥০ টাফা গ মফসলে ডাকমাস্থান সমেড বার্ষিক ১৩, বাণ্যানিক ৭ এবং বৈরমানিক ৩৮০। তিন মাদের ভানে অধিম মূল্য গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাভি চিটি, মনি-অর্ডর, নোট ও স্থাম্পা টিনিট, ইহরে অন্যান্থর যাহাতে যাহার স্থাবিগ হর, তিনি সেই উপান্ধ ধারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাঁহারা প্রাম্পটিকিট পাঠাইবেন, তাঁহার। যেন এক অথবা আদ আনার অধিক মুল্যের ও রদীদেরটিকিট প্রেরণ না করেন।

যখন বিনি মক্তল হইতে সোমপ্রকাশের মূলপোঠাইবেন, তাহা যেন রেক্সিপ্তরি করিয়া শ্রীযুক্ত হারকানাথ বিদর্গত্বের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

ষীইাদিগের মূল্য দিবার সময় অভীত হইখা আসিবে, একসাসপুতার্ম তাহাদিগকে চিঠি লিখিয়া জানান ষাইবে, কাল আভীত হইখা গেলেও এক বার চিঠি লেখা হইবে, ভাহার পর একমাসকাল প্রভীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা যাইবে। শেষ ষারের পত্র বেয়ারিং পাঠান হইবে।

মাছলা রেলওয়ের দোণাপুর ষ্টেসনের ডাক ঘরে চিটি আইলে আমব। নীয় পাইব।

যাঁহারা মাসুল না নিগ্না পত্রাদি প্রেরণ কবি বেন, তাঁহাদিগের সেই পত্রাদি তাহণ করা ঘাটবে না।

কেছ সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইছি।
করিলে ভাঁহাকে প্রথম জিন বার প্রতিপংক্তি ন
কানা ভাহার পর /> জানা দিতে হইবে।
যিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইপ্তা করিবেন, ভাঁহার সহিত অভশ্ল বন্দেবিত হইবে।

ক্রে এই পত্র কলিকাভার দক্ষিণ পূর্ম মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর স্টেসনের দক্ষিণ চালড়িংশাভার শ্রীযুক্ত ধারকানাধ বিদ্যা-ভূষণের বালীতে প্রতিসোমবার প্রাভংকালে প্রকাশিত হয়।

5) **申 谢**河 (

३७ मध्यतः

## ं प्रवक्ता प्रक्रितिस्ताय पार्थिकः सरस्ततो अतिमस्ती में स्क्रितां।"

शामिक मूंगा ३ अक खाँखन वार्षिक ३० ५० ण्डिम यान्।त्रिके ell गारक नाइ गाँका । ʃ

मन ১२१८। २१ व सांच । ১৮ ७৯ । ५ हे एक उम्राति

## वि उठ्या शन।

#### ह्यांवजी महिक

জী নিমাইচাদ শীল সার্ভুক আভেপুলি নাটা नोलायुक्तिवार्थः त्राहरू । वस्तावायु ১,१२ নং ষ্ট্রানছোপ যায়ে প্রাপান মূলা এক টাকা फाकर खुल हो।

কলিক'তার নিকটবড়ী মিট্নিসিপালখাতি বাটীৰ মাফিলৰ যাহাত্ৰা ৰাজ্যভাচ কাউকোলো ५৮१५ में इल्लंब २ व्या बेट्स व 😘 मृत्याल असी हु সাবে মেউনিসিপাল বাসী ভাড়ো বিষয়ে অনুত্রহ श्चार्थको करत. **ऋ**ंश्वामिश्वरक स्थादन कात्रशा (में ख्या य हेटल्डाइ (स डिप्कु शाहार विदीस क्यून्स्ट्रह াম্উলেসিপাল কমিষ্মর্গণকে বাটী খানি হইবা भाज मर्बाम मिट्ड स्ट्रेंड वर्म वस्त्र क्रिम बालि খাকে ভৰে প্ৰভেক্ত কোয়াটাতের প্ৰথমেই উক্ত সংযাদ দিটে वहेरतः कात् य कादिएच श्रथन भ°नान (प्रकार व्हेषा एक । भई छाति**व व्हेर**क जे कहिम कञ्चमारत यए हिका दिशाई सिख्या याहेरव लाहा भागा कहा इहेरच।

क लिकाफार विकास बढ़ी स्थान। ध्यकालिक श्रेग्नाहरू। . সকলেব 🥱 নিসিপাল কমি সনবগদে চেয়ারম্যান

### इर्गार्म्य अविका

क।सर्व 😘 प्रश्नमुख याञ्चेत श्रुखकानासः । ভগনী মন্দ্রাল স্কুলে জীকালী গ্রন্ম বিদ্যাব্যার मिकडे छ कालमः (म.५८कल ६८ल श्रांभा)। সু**ল্লা।** আট অ'ন।।

> श्रीकीयामण खड़ाहार्यान मश्य क कारमञ्ज

দ্রিনাভি ইং সং বিদ্যাল্যে ১৮৬৯ **স**ন্দের श्चरविका भतीकावीकिरवत भाईनार्व अवि

क्षेत्रा व्यथात्रहात्र दागमा कर बन, व्हारादा श्रीमा निकर्ण निकार निवास मिल्यामि व्यवता । इहेर्यल । 😲

৩০ ডিনেম্বর

7 600

জীচালক'মাথ পৰ্মা হরমাভি বিদ্যালয়ের

मश्रमीक हिन्तरिमान काता । म थन्। ऋषि ञ्चामक , क्षिजाकत्व जनकहत्व हेशाउ ভাবজবর্ষের বর্জনানান্ত্র বর্ণিক হটয়ারে ১ এড भिष्ठ् क स्थान(युत्रा **२क्षा**य)म ७**एवाका**(त. व्यवत নলি শাহার পুস্তকালয়ে ভত্ করিলে পাইখেন। खीनेभाग\$स वस्र ।

----83----

চিকিৎদাপ্রকরণ এবং চিকিৎসাতত্ত্ব

ঞিন্সিপলস্ এবং প্রাবাট স, অব মেডিসিনের

এখন খণ্ড ৮ পেলি করমার ৭৬৮ পৃঠা উত্তম বাঁদা, জীযুক্ত বাবু গলাপ্রসাদ মুখেলা भाग वि. .ब. .बम, वि. कर्जुक भरगृशैक इरेशा

প্রথম খণ্ডের বর্ণিত বিষয় (১) সাধারণ ়নিদানভবা (২) আছেলেংলেকা পীড়াসমূত (৩) দৈহিক পীড়াসমূহ (৪) সাম্মন্তলে: · পীড়াবমূহ।

মূল 🚺 টাকা, ভাকমান্ত্রসস্থিত 💃 🖫 कलिकाका मानवाकात हिन्दू हार्ष्ट्रेन २५७ म९ राजेटड बीयुक्त वांतु श्रहमांग हाह्ने भागारयत निकडे পाउम्रा यहिएत। 🥍

> سساۋە ئ سس বাল্মীকি রামায়ণ তৃতীয় থ ও

अञ्चलक श्राप्तावीय श्राप्ता हरेए छ।

वंकता अञ्चान आहि। योहात आ इहेरव, जिन कलिकी ह्याकाशभारण प राट्य शेख मिथित्वयः श्रीक्षाक चर्छत करमात ) मूला ॥ - कामा ! - विद्रमनीम के मिश्राक / • जाना माञ्चल मि एक स्ट्रेटन ।

\$ 873171 ভাকাসমাজ }

कता व्हेन्नाइक ।

क्षीरह अध्य क्षेत्राधार्थः

ग जापूत व्यक्तिस्य इस । )। এए खादा आमानिश्यत अवध्यासकार ফুহদ, সংকারী ও সক্ষাধার নকে আত ব राष्ट्रकट्ट थ, विकीय टे ब्रमानिक हैटल সম্বন্ধে জাবিশোত " স্থার ঋৰ ক্রেসীয়া, ওয় উইक, बिकि श्रोब म भ बाता मन महस्य ५. मूरलात अध्य भूनी आख स्थ्या निवार। এডভিন সম্প্রতি আমরা বিলাভ হটা देश मन १७ ४७ महिलत (भव देखमानिक है। अने मसः का ' तिसिन कनान, किए कार्यक्, ह বং লগ সনামক অৰ্গবলোত ত্ৰন্তম্বারা ৮৩ বাৰ্ क्लेट्यालाय अवन शाल इहेगाछि। अहे नमल

२। जांगायी वर्तित शब्द रेजमानिक हेर्छ हे উপলক্ষে চিকিংমোপ্যে'গী अन्त ও देवन প্রস্তুতকরণের ও উব্ধান্ত ক্রমণের নানাবিধ সামগ্রী ও সক্ষা ও বিবিধ ভৈগকাল हेर मन १४७**० मण्डल**क अञ्चलक बा**टम**्द्रशाह इक्टल (मी) इटन ।

छेल हुत्नाधिक माठ मध्य होका पूर्वा सम्ब

. ৩। আনেরা অধিক পরিযাত্র ও খুচ্না किका हरण क्षेत्रच विक्र काब्रहाधा कि।

 श्री अहे क्या छ । प्रदेश किंद्र । अश्री किंद्र । अहे क्या छ । प्रदेश किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्ति किंद्र । अस्त कालान ও जानशाना प्रती । कह (प्रशिट्ड हेक्ट क इंडेगार मा प्रशाक्त की दिए ७६ महस्रक श्राम अव स्मिनी कता व्यवहारम् । वेश्याता উवारक প্রবিষ্ঠ ইহাতে নাগরাকরে মূল ও দিলা এবং দর্গালেবে <sup>ব</sup>ালানে । তার প্রিনাম দের নিকট কিছা त्वन है। है।

্ব ফি'টে ওৎ সংখ্যক ভবনে রাঞ্চ ্ন মন্ত্রেজ্বে জীগুজ্জ বাবু নন্দ্রো-সন্ত্রের নিকট দেখিতে পাইবেন

। বুদ্দোপাপার এবং তা াম্যর । ম ১৮৬৮ ।

निर्मार एउत् विश्वाभ मुझिक श्रेत्रा १०० म १ १७०१ भू खरकत (करणतत्व ० भगो क मात तमा खर्था २ २१२ भने १ मना १० करणा १ खातम् (क श्रुप्त केन्द्री ने एक व स्ट्राप्त १ स्ट्रिस खर्था भूषी ने एक व स्ट्राप्त खण्ड १ स्ट्राप्त खर्था भूषी ने एक व स्ट्राप्त खण्ड

প্ৰসাৰ ক্ৰিকাৰ ক্ৰিকাৰ ভট্টাচাৰ, বিজ্ঞান কৰেছিল কৰেছিল ক্ৰিকাৰ

সমঠনিয়া সংস্ক. বি প্রবিশার ও পটোলা দার বাড় হোঃ ধ্রালার কি লাখির দোকানে। প্রনীত ও মংপ্রার বান্য লগতে পুস্তক জালি। প্রায় হইতেতেঃ-

**श**नी एः . : वी नहिन्द्रका न 1 (वामर्शिष्ट्रीम એં. આ ভ্ৰমণসার ব<sup>ি বি</sup> Q নীতিসার (৮ ব 🐃 🗥 ) ·3.5 मेडियात (<sup>२ स</sup> 2511478  $\sim$ भूकटवाच वर्ग<sup>कहरू</sup> Si Mich . 11:15

विविध प्रयोगि विकशा

图 5 1

अ शिकी न काला भूलिक कर्षाक करण करण है। १८० क्षेत्र क्षेत्र काला करण है। १८० कालाव क्षिणां कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव कालाव

প্রাণক বাব শংক তিন নি নি ন ন্তালয় প্রবীত কাল চল প্রথি নধালার বা া গড় গুলারের উত্থ সংগত করা লগুন ফারনা বে তেই জিল ও উম্প ক্যান বলি

शृक्षप्रस्त्र ही बन्छातिक विकास १९४०

হর্মসংক্রপ্রভৃত্তে প্রাচীন কবিওয়ালাদিরের গীতসংগ্ৰহ भाजीविक चार्चरवराम প্ৰথম্মৰ উৎকৃষ্ট কাৰা 5 0 ा १५३ मधिल माधिनी क वाग खत्र अनी বহুন থ খোষকুত সংগীতসনোর্জন ২ লয়লামজ্জু কাব্য কবিবর ঘারকানাথ রায় রাসর্যামৃত সংস্কৃত ও পদ্ भी उर्गाविकः अवद्राप्त । भाषाभिक्षवीक मूला ও বছনথে নায়েপঞাননকুত গঢ়া া ুর তরসিশী ইংরাজি কেনেওরি হইতে নেবিৰ প্ৰতেষ্ঠিজনক বিদ্যাদৰ্শন হয় হ্রতিধুটি ব হাড ১২৭৬ সা'লের ফুল পঞ্জিক। ॥ ঐ হাফ প জকা इर्शाइक्टन अफ. ক্ষলত রিনী

ক্ষসভ নিনী
স্তীক চণ্ডী মূল ও জন্মবাদ সহিত ও
চাই এমজেনী ইহাতে মিউলিনির বিষয়
বিশেষরূপে বর্ণত হুইয়াছে ১০
ইংরাঞ্জি ১৮৬৯ সালেব এটা কোন কী ১৮০
ক্যাবীকুমার পদ আদি স্থেখন কবে। ১
অপ্রের মোহিনী শক্তি
গাল্পচন্দ শুখাতে বাক্ষ্যা এটলাস ইভঃ
বান্ধার ও বিন্যা কিন্তু ১০
কামনীকুমার ওপ্রেক্ত্রা ক্রাক্রাস্থপতি নায়
নায়িবাঘ্টিত স্থাস কবে।

মণিক ওলা ক'ব। পানে বিমাহন হাক্কনপা গালপ্রি ইড়াবেশিন কনীর মন্ত লেখা । ১ উপ্রিরাবিশি ত্রগালি বাজালে। মানি গ্রুটিরাবিশি ত্রগালি বাজালে। মানি গ্রুটিরাবিশি ত্রগালি বাজালে। মানি গ্রুটিরাবিশি ত্রগালিত প্রাক্তিন ক'ন বিনী নাটক আইনবংগ্রুটির উপাহরণ প্রাক্তিক স্থালিত হ

ভিটেপটেন্স বিফ্ সন্মার সংঘটীত ১ কলেকটো প্রাণ্ড ভীপাচাপচক্র রায় সাক্রেয় ৬৪ নং নগদ বিজ্ঞেতা।

২৪ পর দ্বাৰ জন্তঃপান্ডী কোদালিয়ায় যে স্বৰ্গমেন্ট সাহাযাক্তেত বাজালা পাঠলালা ছিল, গ্ৰহা উঠিয়া হরিন।ভি ইং সং, বিদ্যালয়বাদীৰ মধ্যে অংসিয়াছে। যাহাধা আৰু স্ভানাদিকে তথার পজ়িছবার বাসনা করেন, গুলারা ইং দং বিদ্যালয়ের প্রধান নিক্ষের নিকটে উপস্থিত ইইলে নির্মাদি অবগত হইছে পারিবেন! নমুদায়ের চারি প্রেনী করা হইয়াছে। প্রথম প্রেনীর ॥ আট আলা গ দিভীয় প্রেনীর । ১/০ ছয় আন। জ্তীর ও চতুর প্রেনীর - চানি আনা ভারদেয় বেতন ভিব করা গবং তথাৰ ধানাদির উত্সরূপ ব্যবস্থা করা হইয়াছে।

১২৭ ৫ । এই স্বানাথ শ্লা ৪ ঠা মাঘ । অধ্যক্ষ।

মংপ্রণী চক বিভাকুসমান্ত লি সংস্কৃত বারেব পুস্তকাল্যে ও কলিকান্তা নামাল বিদ্যালয়ের বিক্যাপ শিক্ষত আছে মূল(।) আনামান্ত। জীর্ক্তিশোধ ব্যান্যালয় ।

------

## পুদান প্রদাশ। বিষয়পুরান

অনুবাদও টীকা সমেত এত্যেক খণ্ড ৮০প্রাট অগ্রিমন্ল্য ১৮০ট

सिनि ध्रश्ना हिला की इंडर्डम एड नि मुझा भूत काम इंडर्डिड १२ १ ना हरान का ने एड स्थान १५ पास स्थान का ने का ने हर भरता छ निम्ता नर्भ की गुळ का गुजा इन एका का उन्हें ने नर्भ भर्म भर्छ रहेका शाहम स्था अर्थि इंड्रिंग को ने ने रा राष्ट्री निम्ह ने सम्भूता अर्थ है है ने म

#### विकाशभ।

উপাৰ উক্ত বাধান ও বাসী ঘাঁছোৱা কৰে। চাৰকে অথবা অউচ্চ ইন্ডা কৰেন, নিয় আৰু ইন্ড বঃ জুৱ নিক্ত ক্লোক্সেন্ট

> লিকে ভারস্মারনে :-থনট এবল কোন ~~8০৪০৪ ---

#### रा**ञ्**ला क्राइडावनी ।

ক্ষেক্থানি এভিনব এইলাস দুটে প্রস্তান । ইংছে ১২ খান দাপে আছে। উভমরপে বাগানা অনুস্ক নোসাইটি, সংস্কৃত সত্ত্ব পুস্কালয়ে, নামাল স্কুলে ও পটলছাত বাড়ানি এনশনিকের পুস্তকালয়ে পাওয়া যায়। মূলা । টাকা।

क्रिमीनकमन (भाषान)

## निहा है निही । अस १४७० नोटनंद काल्डा है, बाटनंद १९३ हहेट २५० १६७७ जाने देशे निहा नर्कारमण्ड कटनंद

সাপ্তাহিত রিপোট।
স্থানের নাম সর্কাকনতি জন
স্থানের ইঞ্চি

ভাগীরথীর সাইত প্রান্দীর বােগের ভান ১৪ মহানার ভথা হইতে জালপুর ১৬॥ মাইল মধ্যে ভালিপুর হইতে বহরমপুর

८ माहेटलं भट्डा उद्यम् पुत स्टेटलं कार्टिश

कारिनाम् इड्रिक मनीमा ८७ मण्डेरज्य गर्यः २ ७ सम् २৮७० मारलय २० स्थानुमानि प्रस्त

\$ 4

পুর গঞ্জঘাটের জ্ঞালের মাপ।

१९३३ भूत १९३३ भूत १९७ के मुग्ना वे १ अवस्थां के हित्व के कि निवृत

বঙ্রাপুর ২৫এ জ প্রয়ার প্রকাঞ্চাশ উটিব ইঞ্জির ১৮৬৯। নিশ্মা লোকাল বিবার ডিবিক্সন।

## त्नामथकाना ।

২৭এ মাঘ সোমবার। সংবাদপত্র ও ভাগের মাস্কুল।

ভারতবর্ষীয় গবর্গদেশী পত্র ও টেলি
গ্রাফের মাসুল কমাইয়া সাধারণের
একটা মহোপকার করিয়াছেন; কিন্তু
এক বিষয়ে আফিল একটা ক্রেটি দৃষ্ট
হইতেছে। দিন দিন নংবাদপত্রপাঠের
ইচ্ছার্ড্রি হইতেছে; কিন্তু সংবাদ
পত্রের ডাক মাসুল এত অধিক যে,
অধিকাংশ লোক বায়ের ভয়ে তৎপাঠে
অগ্রসর হইতে পারেন না। ইংরাজী
দৈনিক সমাচারপত্রপাঠ মফরলের
সহত্র লোকের মধ্যে এক জনের ভাগো
ঘটে কি না সন্দেহ, অথচ সংবাদপত্র
দেশের একটী ক্ষমতা হইয়া দাঁড়াইয়াছে।ইউরোপে সংবাদপত্রের মাসুল

व स्टानंत्र मर्वोष्ट्रभटावत्र माण्य मार्थमा कल्ला बाटमित्रकात भवन्द्रमणे माकार म्ब.का मन्द्रतिभटाके निमान कार कटाना। मन्त्राम ना शहरूमादहत्र महिन्द देशनदत काशक विविध्यत कट्सम, आदिमतिकाध ভाशत माञ्चल नारे। देश्**नाट्य छ** जात्नक स्विधा चाटह। अवीति देश्टरणा অনেকে আরও মাতুল কমাইবার চেন্টায় चाट्टन । जात्र जर्दार्य केत्र १ टक्की शावता নিতাৰ আৰ্শ্যক' আমরা আহ্লাদিত इंदेशाम, এ विषयात फर्क चात्र छ इंदे शार्छ। একरन रा उक्त स मामून আছে, ভাষার অর্দ্ধেক করা সাধার বের মত। এই বাবছা করিলে এতদে শীয় সংবাদপত্ৰসকলের স্বিশেষ উন্নতি इहेरव मरम्बर नाहे। इहारछं র্মেন্টেরও অনিষ্ট নাই। পরিমাণে অল্প হউক, সংখার যদি আর অধিক হয়, তাহা অলাভকর হয় না। সংবাদপত্র विक्र अक्रान खाननाट्य **উপান্ন इहेग्राट्ट** ।

शवर्वामके छ भिनमतिविद्यालय ।

বিদ্যার যত অধিকতর অনুশীলন इडेटलाइ, ७७ई भिननतिमिर्गत ऐरमभा সিদ্ধির ব্যাহাত জন্মিতেছে ; তত্ত তাঁহাদিগের হৃদয়ে একটী ভ্রমাত্মক मः कात वस्त्रम्य इटेराज्य । उत्तरा মনে করিতেছেন, যদি ভারতবর্ষের যাব তীয় বিদ্যালয় উচ্চারা হস্তগত করিয়া नहेट अरदान, डाँशमिलात हेकेनिवि हडेट भारित्य। मत कम नारत्रका उँ। हा पिरागत इन्मायुवर्डी दिलन, छिनि गमन मगरा अवर्गरमक विकाशनमधीन ट्यानि বদ্ধ করিবার ছল করিয়া যে একটী প্রস্তাব করিয়া গিয়াছেন, দেটী মিদনরি निर्भन्न मानानथिनिद्धित अञ्जूत रहे ब्राट्ड। विमनतिता विलक्ष थादकन, डाँहा किरशत विमानशमकण कनार्टमें शव

र्गान्छेत्र दिक्तानम् करमका निक गटह, व्यथेक व्यव्या बारत उंशिक्तिश कार्का मण्डाह्मिक रहा। বিদ, ক্লেয়ের आमशा देशांत अधिवार्टम स्वात दर (छिছ। भिमनित विन्द्रीनाः শিক্ষক আছেন সতা; কিং डांशांक्रिशत क्षशंन डेप्फमा 四夏 (夏江 डाँहा, देशक निका धनानी गर्निया छै। विमानिदात निकाधनालीत नेगा धन मनीस नम् । छेश व्यर्णका व्यक्तिक निक्छ निकाधनाकी निक्षे मत्मह नाहै। विनया उँ। हामिर्गत विमान खिला भव र्गत्मा विमानम वात्रका नर्वार्टमह निक्छ पृषे इहेट्ड्र । सम्मिनिधिक তালিকা তাহা দপ্রমাণ কারয়া দিবে।

চে৫৬।৫৭ অবধি ১৮৩৭। ৩৮ অন্দর্শগ্রন্থ নিম্লিখিত ছারোগণ প্রবে শিকা এল, এ, এবং বি, পরীকা দিয়াছেনঃ—

|                                   | क्षर्विभिक्रा | दल, इ बि. इ, | - FA, 6,           | स्थ, क |
|-----------------------------------|---------------|--------------|--------------------|--------|
| <b>भ</b> वर्गस्यत्वेत<br>विष्णालश | 88 50         | 386          | 247                | ۴.     |
| ब्या बना                          | 4655          | ***          | 6. 2<br>60<br>7.40 | o      |

১৮১৪ অন্দে ডাক্তর ডকের চেউ:
পাঠ্য পুস্তক কমিয়া বায়। সেই জ্বা
মিসনরি বিদ্যালয় হইতে অপেক্ষাক্রা
অধিক ছাত্র পরীক্ষাতীর্ণ ক্ইতেছেন

পুনের নায় গ্রন্থাঠের নিয়ম থাকিলে
যে ইহা হইত নং, তাহা নিমুলিথিত
তালিকালার। সপ্রমাণ হইতেছে।
১৮৫ ৫৭ অক অবধি ১৮৬৩
গর্মান্ত ও জন গবর্ণমেন্ট বিদ্যালয়
হইতে ২৭৬১ জনমাত্র আনা জন্য জিলা
বিদ্যাল মান্তের মধ্যে গবর্ণমেন্ট বিদ্যালয়ে
১৯০২ কর ও জন্য জন্য বিদ্যালয়ে
১৯০২ জন ও জন্য জন্য বিদ্যালয়ে
১৯০২ জন হাজমাত্র বিদ্যালয়ে
১৯০২ জন হাজমাত্র বিদ্যালয়ে
১৯০২ জন ছাজমাত্র বি, এ প্রশিশা
গিলাভিট্লন। পাঠকগণ একবার বি, এ

| 8 8 4 8 4 5 4 5 5 4 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 | क्ष्र<br>१ क्ष्मिल है ज्ञान | জন্য জ্না বিদ্যালয়<br>ক |
|-----------------------------------------|-----------------------------|--------------------------|
| 20.4:                                   | 84                          | <b>ሪ</b> ያ               |
| 2848                                    | <b>3</b>                    | ۱ <u>٬</u>               |
| 45.45                                   | ૯                           | ر<br>ن                   |
|                                         |                             |                          |

তার জন বিদ্যালির করে করিয়া বলি ।

বছেন, একলে প্রেনিডেলির কারেজ না

বিদ্যালিও লো: বিদ্যালিখিত তালি ।

বিদ্যালি মুখালি জইতেতে। পাঠকর্মণ

শ্বেণ প্রণমেন্ট বিদ্যালয়ের সহিতে

রাক্টা মিদ্রলি বিদ্যালয়ের স্থিতি।

শ্বাম্পাইয়া দর্শন ব্রন্ন।

| 58.85 | 28.45 | 100.45     |           | 14841 | 169.45           | 1884   | ø                |
|-------|-------|------------|-----------|-------|------------------|--------|------------------|
| ช     | 8:    | ~F         |           | 6     | <b>۸</b> ٠<br>دد | N<br>G | (श्रांतिष्ड में। |
| ,     | 4.4   | ,,         | લો<br>દેવ | 0     | **               | 6      | মিট্র । এরি      |
| ç     | o     | o          | ,<br>ভ    | 80    | 0                | o      | क्षात्र द        |
| •/    | o     | <b>v</b> . |           | N     | V                | G      | ले र जंग         |
| •     | 9     | ٥          |           | υ     | •                | ٥      | काशिषास्त्र      |
|       | _     |            | _         |       |                  |        |                  |

গত বি, এ, পরীক্ষায় সর্বাশুদ্ধ ৭৭ জন উত্তীর্ণ ইয়াছেন। ইছার মধ্যে এক জন শিক্ষ ও দেওী ক্ষেবিয়হের একটী ছাত্রভিন্ন প্রাথম ভোণির ১৪ জনের मर्भ ३२ खन अवर्गमणे ছाजा। এই ১२ জনের দল্পান জন প্রেনিডেনির কারেল জেব। জি্চার্ড, জেনরল আদেখি, ভব-ভন এবং সহায়েশকা অধিক আভ্যার পূর্ণ কাথিড়াল কালেকের এক জন জাত: প্রথম শেনিতে উভীর্ণ ছইতে ালে নাই। অব্শিষ্ট ৬৩ জনের সংগ্ৰহ প্ৰতিটেল কালেজ হইতে २० अम , कि ठिक इहें कि आहे सम, (सम ্রল আবেশ্রি হইটেও জন ; কাথিড়াল क्ट्रेड ह अन्यान এवर विभाग कारलक इंदेटिक ५ जन हेचीनं इदेश्राह्म । छन्छन बिहामश्रुत कारलक जनानीश्रुद्धत लक्ष्म মিদনরিবিদ্যানয় এভূতি হইতে এক बन ७ छेडीर्न इहेट अध्वत नाह। ইহাতে কি প্রমাণ হইতেছে? প্রেমি ডেন্সি কালেজের সহিত্তি ফুচ্চ অথবা কাপিড়াল মিদন কালেজের জুলনা করা

কি অসমত নয় ? অনেকে বলেন, প্রেসি ডেন্সি কালেজে বিস্তর অর্থ বায় হয়। কিন্তু নিম্নে যে তালিকাটা দেওয়া য'ই তেছে তদ্বারা দে তাল্ভি দূরীক চ হইবে।

এডদ্বার স্পাঠ গভীলনান হুইছেদে মত টাল পোনিছেন্সিকালেড্রিজ প্রিমার बान कर. लाकार काश वर्षाण्या का बाजान्य বেতনপ্রভৃতি ছবটে সংগৃহীত হয়। গ্রণ্থেণ্ট এই বিদ্যালঘটার নিমিত্ত গড় ७००० है। की वार कट्टन दाधानन इन्ट्रेट महचाडी मगाभाद ब्राक्ट ३५ কোটি টাকা আয় হয়, ভত্রত মর্ক্ব প্রথম বিদ্যালয়ের নিমিত্ত এ বায় কি অতি भागोगः गर्ह ? गिमनदिनिर्गत विकासिरा কি অংশ বায় হয় ? কাথিড়াল মিদন कारमञ पृथीय छ।न गृश्चि इहे-তেছে। এই विल्लानरात अशक वाउँन भारहद निरुष्ठ दिखरात दिखिकेदित श्राक्तत कट्डन मा। कट्यक छन्न जन्ताभएकत नारम २००। २०० हे कि। कहिशा (नश्) इतः, किन्द्र हेर्रोनियात अर्छ। कित ह्या

तिर्लाह क्षिट्र क्या स्रेग्राट्स । कामार्टमें प्रत्य व स्थारम स्कूल करमालम निष्ठास करेवथ अवर नाशाः तिम्र क्या क्रमण ।

२। अञ्च अं को किलाती के दिन ते आहे के . িটাকা, লাছে। আপাততঃ ভাছার হ। ৬ শত লইয়া পূর্ব এন্তত রাস্তান্ত নির সংস্কার, জাব-ল্যক মত্রি। ১ টি বৈড় নির্দ্ধাণ সাধারণের ्र व्यविश्वास्त्रक **स्ट्रांटन २। १ ही छूल्डन** तास्त्रा अवार श्रामी श्रेष कृत विर्मरात् अन्य कद्रवह (युद्र इहेग्नाइ এवर এखरकर्षामण्या **प्रदात এই सिश्च क्रिय इट्साइक (यः अ**क জন সর ওজনসিয়ন সর্মদা তত্তাবধারণ कतिरवन, वांमञ्जू छप्त लारकवा मर्जाना पृक्ति वाश्विद्यास्त्र अवर ७७त गत्त वाबु भएमा भएका প্রদর্শন ক্রিয়া ঘাইবেন । এইসকল কার্ম আভি কালির মধেটে আরম্ভ চট্রে।

৩। গ্রামের দক্ষিণাংশের জল ফুটাননীতে এবং উত্র'ংলে। জল রলে পতিত ব্ইরা বহি র্গত হয়, কিন্তু গ্রব্মেন্ট রাস্তাদারা সুসীনদী বন্ধ ও প্রাধের অন্যান; জ্ঞাফার্দিগের ছারা 🕽 रिल्ट अल नर्गमान र श्य सक् इत्यादि ळाळाचा अधिवानी किरभद्र या इ. इ. भरतात त्य দার পর নাই হানি হইতেতে, ভাহার স্মেক-যা গে রাস্তাতে একটা রীভিয়ত সেতু প্রস্তাত কাংমার মহিতা ও লাগুয়ার বাবু এবং বিলেই ি ১৯ এল ঘাণাতে নির্গত হয় তাহাঃ উপার বিধানাথ প্রশংসিত ডিপুটী বংবু সদা করুকুল मृति द्वा. शत्वता अ ाता, डाँशास्त्र कहे व्याजह (यन देव्रावित्र श्रीहरू ।

४ श्रिक्ती असे शहस कतिहा भक्कात मिरिक् যোগ করিয়া দিলে কুনি বাণিজা ও ভাতে হ ध कराष्ट्रा के कार्य ने श्री कि के बाद कार्यन नाव (भाषश्चकार्त अकान क्षेत्रा किन अवर 🛎 युक्क (यम नारहरवद नभीत्र अन्तर्भ प्रमार्थ দনও ২ইয় জিল। গতে ডিলেঘর মালে যথন ডিনি এখানে শুভাগমন কার্যুভিনেন, ভখন ৷ আমরা ঐ ননী খ্যানের কথা পুনাপুনা উপ্লাপন করি । তৎপরে ভিনি জ্ঞানিগ্রে সঙ্গে লইয়া एक मनीत किञ्चमत्म भारतमान्यूराः तत हेह ংন বরা যে অভি কারশ,ক ও উংহত ভানেক উপকার হইবে, ভাষা মুক্তকরে স্বীকার ক ইয়াছেন ও সংশ্রতি ডিপুটীবাবু ওভর সয়র यातुल देश পরিদর্শন করিয়া আমাদিলের এন্তাবের সম্পূর্ণ ভল্লাদন করিয়াছেন এবং

शक्ष्याम देख बरहत निकाल बदबाव बिलाया अक्रयकार्व मणायमार्थ हेत्रिरंगणेत स्वाण्यानिस .रदिकिक, क्लबाटक छिशुकी बीचू च्यापूक्क विस्थिताल । माबिटनम विशेष विकास कि ग्राट्डन। जायता काय्यट्सीयाटका श्रीरीना कतिएएकि, केक कान्यानि गांध्र ग्रह कृष्णियांक शूर्तक कृषि वानिकानिक गर्नाक्षेत्र वक्टलक्षिक भिनाम छ । এবং भारतिश्वा पृत्ती कारनव अनाम উপায়ন্তমূপ এই হিডকঃ কার্য সঞ্চাদন চিংকুড আভাভাভন **व्यामानिट्य**त इष्टेड स्थम अपेरी ना कटत्रम ।

वस्कालकाणी महामात्रीत आहर्षात्व अधि कारम (नाक क्षांभकवनिष ६०३१८७ वाग्ने क्षेत्रलभून इड्डिस्डिं । श्राज्य प्रत्ये क्षेत्रलग्र भारत अक अक बहुन चिक्र भूष भाग शास्क्र जरह **ज्ञिनकान मक्टल्ड विट्रम्स क्ष्ट्रेश रहा किए क**ल किष्ट्रहे रम्म को कि कि इस्माता खन्न हा 'न स হইয়া বরং বৃদ্ধি হয়। এই নিমিত একংণ এট স্থুর হইয়াছে বে, জললময় ভূমির অধিকারীয় সমুং অথবা প্রজাবিলী ছাতা ঐল্বল ভূমিতে याहाइक कावाम शत काशत खेलाप किट्टिन। हक्षालंब सुनाधिक। दिरवहनाध्य १२.७.वा ४ २५ সংখ্র নিমিন্ত নিক্র দিলেই একারা আবাদ किंद्रिक मन्त्राक कारहा अक्ट्रील १६ अधिवानी मर्गत क्वन य सं प्रथ मश्रक्षिक इरेटर अमार्क नर्ष, । हेर्'ब'तः ला त्रवारम विलायन माञ्च स्ट्रेप ।

 अधारम अक्षे विदे किसीम कामर द्वा পনার্থ ডিপুটী বাবু বিকেষ যায় প্রকাশ করিয়া ্রনা এখানকার যাবতীয় সাধার**ন হিত্**ক कार्यः अहे मञ्जात अहोदन माल्या इन्न हेरः 🕏 सः সম্পুর্ব আভেপ্তে। আম্বর্নীরা উধার আভি धायाञ्चल कार्यः कविश्वः आनेनान्तित्रव केरह সাধন করিতে প্রস্তুত হইটাছেন। বোধ কার व्यक्ताभी विदिवादत इंड्लिंड ध्यय व्यक्तिरस्य । इंड्रेड म जा किन्ना कार्याकार्विनी क्यु अन्धाः वायनात जाहत कात्र । 🟅

<u>৭ । ডিপুটী বাবুকে মেরপ তাণ্য'পন</u> विनिशा व्यानाहरमञ्ज खन्। जिल पठरफ खार्शह अक के किया । जार के हैं रिक (यक्ता थ जारममञ्जूष नेलंड, ज़ीशत अन्जी । जारम পেতে বলিয়া বোধ হইল:না। শিষ্টভা, সদর্ভা গণ্যাস্থীর তা প্রস্তৃতি रममकन छन थाकिर्ल बञ्चन तारमञ्जयभार्थ (भोत्तु । क्या हे हे इरिन् ভাষার সকলই বিদ্যানি আছে বিলেয়কঃ পৰ্যাজীকাতা, অংমায়িক্তা 🕫 দীন্দয়ালুভার लक्षा मर्गाई डीकात मुचग्रात न किन्छ इस । ं छो दाश्रमग्राम । याच म

১৮ এ अ स्थारि १ वङ्कानली वस्तिन,ाल्य

''अडएमनीय तश्यामणटको अ कथा निर्धिए स्वेत्राटक १ वेस्। विश्वधानत्वात्रः वर्षत् । भे व्यवसानि रशत शवर्गरमन्द्र क विश्वत खेळाडू कर्माहाँ हो কোন विश्रंत्रक क्यू शंकान कहिएक क्रमर्थ क्या व किमिक्क क करेल अहर कथा विलिह य्यम अष्टलभीक्ष म् वास्थ अमृह ः ष्ट्रेश माष्ट्रशिष्ट्य, यथन अतुन्नीर `**3**[# क्षदेश कार्या हानि है इहेट एहन, य পত্রের শাঠিকের সংখ্যা রুদ্ধি হইতে*।* मरवामश्रद्धात विक्रिक्ष त्य त्मायादताः ত'বা কত দূৰ সঞ্চত ও ভাৰার কারণ 🧨 क्यूनकान करा कहत्र अवर (य रेकाव व इहेशा थाएक सम (मिष्ठी) बाल्डविक 🧖, मर्गायम अकाल जातिम का क न्यदमभी श्रमिशदण भिका मिश्रा छ। इतिहास काम कतिएक हान, कै श्रेश बाधनाता प्रका ना इंडेरन अनिएष्टेंदर्र छिरल कि इस नेर्ज এক্ষনে বাসনকর্ত্তারা স্থেনারপ্রেক্ত জনেক धवन करतमः २ खाउः भेश्वामभजनभूम श्रवः . টঃ জানীম ক্ষতার এক মত্রে সীমাক ছিয়া भगराश अध्वक मरवान (न्ट्रल (क**बल** (ब त्र (लार्त्य सम्हत्य केंद्र बहुल सह त्र টিও বুখা (বেল সংক্রা ্ড ভ্রম। আমার বু দে যারে:পোর **ছটি করে**গ প্রতিভাত :**ইই**ে र यम, मे<sup>र</sup>राक्त जा करान महान अक्रम करा /सक्ति अवार्यन सीहार श्राप्त **प्राप्त प्राप्त** करा कुर्तिक महत्त्व मा । अविकेतिः .৮০ের ইণ্যে সংশাদপাত্রে নিখিত দোবের অল্লেক্ষ হৈর ভার হয়, কাহারা প্রায় অপি ফ भारक यहता हिस्स्र विश्वित अपनीत ।

ভাষিল ংট্ডের লে'চের ভয়ুমনেশনিক अस्मिश विस्ता । महम् इ. मह्य ग्रस् नक लेक ' बाधदा रथात कथ सुद्र ने हो बाकि ह এখা দিদের প্রাচীন মুক্তের ই ভিনাস সক্ষ্য ইয়ার पृष्ट छ। नकत गुरुक्तरे । ' लाभ नाम " (नार क्रेन, मृत्रु, इक्ष्मारक । अन्त्र (लाक् शाका, मेह्नर ईस् मा, खाल दक्षा छ (नगरकता अन साम्रह हमा करहर मारे। हेना शैक्षन कारनक हैं, 🧳 র হয়াছে। যথে বৃদিয়া সিদ্ধান্ত করিছে भाभद्रा न्हर्क स्नेहरक क्लीब करिया । ंक्षत्र कति दुख्ड ह∤हि सा। अहे हिंचु व्हेट्ड (स मुक्)ल मरवाम आहेरम 🤄 গুলির ম্পেন্ত্রস্তানা থাকুক. dist. थ'रक । यभित्र এक स्त्रन कन्द्राजी । शहर अन्दर्भ करदन, माजाजाजा

वनायकात्र कानायाः वर्षिक क्षाः । अञ्चलकालगरक कारतक मधारा माधानमाधात छेपर विकः कांबरक इस् । अंड अव भरता भरता (व काम्रन्त प्रदेश कार्र गरेल, के बात कि कि कि कि कि कि कि कि বিদ্যান্ত্র এ ছোরে পরি ও উট্টারে । ইন ा कर्क जरायाध्य इस् ए। ११ A 31 ক্ষান্তলীর ভারা **ইইরাছে।** কুড € \$.7 प्रमाहनद निर्म थात्र याम मा। इह ্গর বিদ্ধাপে আরও সভর্ষতা ১৪ রামরা সং**বাদ/পারসমূতে**র বিষ্ঠে লতে পারে, বছা টুর মাধ্য অস্তুসকার য় কোন বি**ষয়** না লেখা একৰে भक्ष का का अपन एक र इच्छेन।निर्वाचन और स्टान क्या वा कि 😢 ७ व्यक्ति 👫 का का प्र प्राप्त है व कथा करनान, कुर्निस्ता १ छहन है अन्त करत्न। स्वतान्यक्रमान्धानरवत्रा <sup>১</sup> মুরূপ **ওরুতর কার্**ট্রের গ্রহণ করিয়াছেন, न्हांती खोड़ा खारुमम । जाहारा हे हा छ । ान क**्याहाडी अथवा** लागानीय विकास लि महत धवर्**रमण्डे ७ श्रमधान स**र्गन । ५ अन्छाद्य त्नाहर ব্দামান ব্যক্তি মি পুৰংগালহাহারক নাম हें एक हेल**्क हहे (बन** वार्ज़ के एक) है। (के कि भी। छत्र अञ्चरतार्रथ सम्र, अर्थाञ्चरतारमञ् त फिटक थादभाग स्म । अयद तर्भ य मरवास पृश्वादा राजन, कारण्यभाषात्रा है है। करा<sup>र्</sup> त्यत्रम् । श्वर्णमीक्षांमश्चरः विद्या इंड ६ कूम (ऋ। त्रिक्शिक्ष क्रा) विद्वहर्ग वे । क्र शादित्वे व्यक्तिशाख क्या मात्रा समाप्तः, व्यासता গাংগদংকারে বলিংভ পার, কুর্ব(৮)রা প্ৰিয়া ভানিয়া মিখা লিখেন মঠ 💍 🥹 नारकारणत इतिषय अहे, काळ महत्रोनाच भगा १८६न । केंग्सामिटमात स्मार्थ हे वहर । ১৪৬ এরেশীয় সংখাদপত্তের সম্পাদকর म्य वाली व नवात , इर्टमां भ भावेदन कार । . १ . छ होता दानम, <u>१</u>८८२मीच अस्दालभा द म ६. .स. घड ६४. ब्रह्मस्य न के दिल स्टार्ट हो कर्त कर्नन जनरा भरता रियान समिता छन। <sup>ाह</sup>े एष्ट अ**ष्ट्रम खर्**षणकान्द्रग्रंसक छिर्वय भक्त ५ १९१९ व ४वे. ७ इव. । अञ्चलकारम क**्सक** पदः शकः न ११५ म । উक्र छत्र इष्ट्रिता भीत कर्यात कि । प्राचीन अभाव वक्रम में। इक्रम, संदेशक সম কলেয়। ইন্ধা তাংগাঁক বখার মিনিজ শ্রম্পরের ভাষা করিছে ক্রিন্তালীয় কর্মারী मिसूक ब्यू १ में १६ कर्निश्चमा र भगत के एक विशेषक हैं अहर । विक्रम्य कार्म कार्म निर्देश छ।

विकास होता है किया का अनुकार को किए के हैं ামীর দোৰ প্রকাশ করা দুরে রাখির। কোন াজি ইছা লিখিয়াছেন। কিলে ভাঁৰার দও हत्। अहे कार्यः घडनान **रहेरलम् । स**ाराष्ट्र লপুদ্রাম নাম্মাত্র **হইবা। বাঁহারা এ** দেংপর ाकरक स्थारमन सामाता श्रीकात करिएन। । क्षानित्म ७ अरम्भीत्यत्रा ' कि कानि. িদ্ধে ল্যো**লে পড়িব " এই ভারে** একুভ বিনয় ্র ম না। অভ্যাচার কারী পদস্থ অচেন, মনে ista विशक्तक अकरी मा अकड़े। (शांल घर्ष পা**ভিতে পারেন, এই ভয়ে বেহ** স্ক্রোনিলেক গ্ৰামৰ হানা। পঞ্চাৰেৰ এক জন চেপুট ক্ষিস্নৰ এক ব্যক্তিকে দ্ও দেন। উচ্চ তেও आश्रीश अभिने कहिए अमन करवन। १११६१ वयाय कथा धारान इष्त्र, अहे खर्य नियमविक्कृ ए বর্ণ্মচাতী উ থাকে কৌশল করিয়া প্রধান আলা ल ए ६३१७ (अप्र'व करिया लहेवा यान। धर কর্মচারীর কি ছহল ১ ইউবোপীয়ের আনেশ সময়ে প্রত্নারর দোষ গোপন করেন, এ কথা ্কান হাত্রে জাতীকার করিছে পাণিবেন্ আদালভাগ্র কৈ এই বাবহাটোর এম ৭ কা ্ডেছেনা ১ একে জান ইউরোপীয় সরক'র' ভ্রুবিল ভ্রুরুত বরুন, চারি বংগর মেয়ান **७३८कः । कान कार्यसमीय स्वीत्माटकत अधीर गर्ड** करून निर्फाधी शहेरतन, अक खन अखरणनी-श्रुक वर कक्रम, इंडिस्तार्भीश खुद्दत्ता उँ। हार्क भाषामा भाषारकत लाबी वालस्वा। बर्डेड्स माना कार्या अख्यास्त्रीय नश्वास्त्रज्ञतगुर्द्द কথা প্রায় হাম্বিকয় না

🗐 ব:--

## मृता था थि।

----

প্রীনুজ বাবু ছগদোস চৌপুর। মুজ্ঞাগছে। ১৩

ম শনবীনচন্দ্র বন্দোপাধ্যার হাবড়া ।

ম শনবিনচন্দ্র বন্দোপাধ্যার হারনাজি ।

ম শন্তিনাম বন্দোপাধ্যার সাত্তে ।

মহাসাল ভাগা প্রান্দ্র বাহাছর কটক ১৩

মহাসাল ভাগা প্রান্দ্র বাহাছর কটক ১৩

মহাসাল ভাগা প্রান্দ্র বিধ্যান্দ্র বিধ্যান স্থাল

" \* वहनाथ दरमहाभागाय सर्वास्तात " " मर्ट्सचंद्र स्थाव वोष्ट्रस्थ स्थलि " मेचदिरुख वस्त्र रक्षा वस्त्र वस्त्र स्थाव श्रीपुक्त व्यारे, मि. श्रीप्रांत स्थलित শ মনোমোহন সরকার সঞ্জা বিদ্যালয় ১০

--:0:--

## বোমপ্রকৃষ্ণসংক্রান্ত করেকটা বিশেব নিরম।

অংগ্রন মূল্য ও ডাক্যাসূল ন। পাইলে মক-খলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইহার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা এবং বাণ্যাসিক ৪॥০ টাকা সক্ষপ্তলে ভাক্সাস্থল সমেত বার্ষিক ১০ বাণ্যাসিক ৭ এবং তৈমানিক ৩৮০। তিন মানের স্থানে অগ্রেম মূল্য এহণ করা যায় না । এতি, বরাতি চিঠি, মনি-অভার, নোট ও তাল্প টিকিট, ইহার অন্যতব যাহাতে যাহার স্থানে স্থিবিগ হয়, তিনি সেই উপায় হারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

बाँहाता द्वीरमधिकित भाजाईद्वन, देश्या यम এक अथवा जाम आनात ज्यांक घृटलाय अत्रभीत्मत विकित (१३३) मा कर्यन।

यथन यिनि मकक्त करेगा आगध्यकात्मव भूका भारते हिटनमें, छाड़ा त्यम हार्त्यक्तेष्ट काल्रभ्रा खियुक्त बावकामांच दिनशाङ्क्ष्मत्त्व मात्म भारते -हेश्चा एमा।

वाहित्यत भूला निवास मन्त्र अञील व्हेश वाहित्य, अक्सामन्त्र में हिलामगढ़ किहि निविद्या जामान साहेत्व, काल व्यञील व्हेश भारमञ्ज अक वास किहि लिया व्हेर्न, लाहास अव अक्सामकाल आजीक। क्रिया कामज वस्न करा साहेत्व। स्थित वाह्यत श्रद्ध विद्यातिश भारतिस्थ वहेत्व।

মাজলা বেলপ্রয়ৰ গোলপুর ছেননের ডাক বরে চিঠি অঞ্জে অনবা শীক্ত পাইব।

যাঁহার। ম প্রবান দিয়া প্রাদি প্রেরণ করি। বেন, উচ্চাল্ডার সেই প্রাদি এহণ কর। বাইবে ন।!

ে। কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিছে ইন্ডা।
বিল ভাইনে প্রথম তিন বার প্রতিবং জ্ঞা

গ আনা তাইনে পর /১০ আনা দিতে ইইবে।
ইত বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইন্ডা করিাল বন, ভাইার স্কিড স্বত্র বাদাবস্ত হতুবে।

প্রত্ত এই পত্র কালকানার দাক্ত পুস ২০ মাডলা রেলওয়ের সোলাপুর ষ্টেসনের দক্ষিন ১০ চালডিপোডার ত্রীয়ক্ত দারকানাথ বিদ্যা-পু ভূবণের বাসিতে প্রতিস্থোন্তরণ প্রাক্তকালে ১০ প্রকাশিত হয়।

केका लक्षा न्यहरद मिळ्नल विकास मद्दा चार्योहिटात केन्द्र त्य काहात করিতেছেন ভারতবধীর ও ইউরোপীয় उष्टबरे जाराब आडियाम छेळचरव कवि . जिल्हा । जबानि निक्रिश्त अमहाद्वाहत्त्व रहेटक निरुष स्टेटफट्स मा। अंक सन বিখ্যাত অফ্টীয় ঞ্লাপ্তি বলিয়াছ लान, माक्रिनदाता मक्त काक हरल, किन्द माजिद्मत छेलटत वमा छटन मा। देशांत व्यर्थ बहे, विदम्भीत भाक ও श्वदादके व रिट्योहरमनार्थ वन व्यावनातः ; किश्व বস্থারা অভান্তরন্থ লাগন অভিলয় অম क्रमक्त । जामना प्रश्चिक व्हेलाम, इर्म ত্তীর মন্ত্রিগণ কেবল বলের উপরে মির্ভর क्रीवश कार्या कतिटाउट्यम । आंत्र उपतीत शन काम विषय इश्बंख इहेदबम, (काम दिवट्य हेर्डाक मात्मत कनक इहेर्द, ভাল ভাঁলারা এক বারও চিন্তা করেন মক্তিগণ (क्रवल प्रमाप्तित चन्ट्रं रह वाञ्चमः ८४ः न था भेर्मा न हेट उद्धन। याहाट जा जित क्लक रह, मिलाच कि यथार्थ लाख ? ভারতবর্ষ অপেকা ইংলও অনেক গুণে ধনী : আমাদিদের উপরে : অত্যাচার করিয়া আপনাদের করভার লম্ব করেন এটাও ইংলণ্ডীয় স্ক্রসাধারণের আছি প্রেত নহে। কেবল মক্সিগ্রণ এই কৌশল व्यवनयन कतितार्छन ।

--- ? a ?---

# < রাজপুরগনিধ্যর স্বজাতি পক্ষপাতিত। :

বঙ্গদেশীয়ের। বিষয়বিশেষে ইউরো পীগদিগের তুলা, অথবা তাঁহাদিগের অপেকা অধিকতর ক্ষমতা প্রদর্শন কবিতেছেন; কিন্তু তাঁহাদিগের অপেকা। উহক্টি পদলাভ দূরে থাকুক, তাঁহাদি গের তুলাপদত্তনাজ্ঞের সমর্থ হইতে ছেন না। এমন স্থান্ডা, এমন গুণজ্ঞ গ্র গ্রেণ্ডির অধীনেও যে ঈদুশা বিদদুশ

वाव शोत देश- जनमें भारतर के विश्वीय आकारने रिहा शाद्यन : किन्नु एम्ब्यूटन सामा क्टिनेत महामाज वियागत्रामत वादि र्ভाव रहा ना । (अञ्चाकीशहरान्धाहरू ह गर्काक रहेश थाटकन। (महेटर्जू डीहारी श्रांगारम् विकित्मत मस्क वावस्त काटल मत्रक्षा डा अमर्गटन मचा इस मा। म नगरत उँ। शांक्राभात सम्बद्ध इट्रेड अनावीमि **छन च**ुहिन्छ हहेन्रा यात्। बहें हिंचू दिखारीम दास्क क्षान दिन कह कहिएड यान, उज्जान लाटकता उध्या वल्डन महा न भण्नेत्र संभीन कतिहल्ल भक्टल डिहात শধীনতা স্বীকারে प्यञ्जाभी हश ना। ভাঁদার অধীনতা স্বীকার করিলে ভিনি जाहा निगट इ অভীষ্ট विषय इहेट छ বঞ্চিত করিয়া রাখিবেন, তাহাদিগের মনে এই আতিক জ্যো এ আল্ফা অসুলকও নহে । ফলতঃ জেতৃপণ বিজি जिमिश्रदक गणि मधकक व्हेट का एनन, डांशट जान्ड्या नाहे। जान्ड्या वह শামাদিদের কেতৃকাতীয় রাজপুরুদেরা যোগ্যভার করিয়া আপনাদিগের সাধুতাখ্যাপন চেটা পাইতেছেন , আমরা যে পদের योगः इहेग्नोहि, बामामिनदक দেপদ না দেওয়া হয়, সভা রাজগণ ওাঁছাদিগকে অন্যায় ও ওবের অনাদর कार्ती विनिधा निटर्फण करियन, छैरिश निर्भात अरे निका। अविश्वि वाव श्रोत प्रांत রাজপুরুবদিপের কেবল যে স্বজাতি পক্ষাতি তাদোষ প্রদব এরপ নয়, আমাদিপের উৎনাহভঙ্গ হই তেছে, এ वावशांत आमानिभात छेन्नि, পথে कर्फेक्टब्रांभन कहा इस्टिल्ह महस्म নাই। পাঠকগণ অভিনিবেশপূৰ্বক নিয়লিখিত পত্ৰধানি এক বার পাঠ করুল।

পৰলিক ওয়াৰ্কডিপাৰ্টমেন্টনামুক যে

अवर्टमरानेत्र का होति क्षाचान विक ভাছা অপনি ও বোধ হয় ভাপন शाठकवंश है का समर्थ नमात्र नमात्र श्रीकाश्रमकात है तालि ও वालात म्बामद्वता अहर जिनाई मारति व दिवन करेना म राजात्कावन कदिना বছৰার এই ডিপাটনেটের খভাবচিত্ किन्द्र क्या जना जामात्र अक्या नरहाँ क्षेत्र क्षिलाहे मट वे जागारमक प्रभीत कर्म চারী কতগুলি আছেন ও ইংরাজ মহা খু ক্ষদিশের তুলনায় তাঁহাছের অবস্থা কিবপ ইং।ই আখার অদাকার বক্তব্য। মহাত্ম লড কেনি বাহাছরের যত্ত অসুগ্রহে এই महा नगतिए उर्रेट के होटक निक्ति अक রারিং ক্লেজ স্থাপিত হইরা তাঁহারই उ मारहकाम करम धर्मश्री छ ०৮ जन उन्न সন্তান এঞ্চিনিয়ার কর্মারে পরীক্ষায় উত্তীর্ণ रहेता वारकमा अरग कतिबादहर । दे बादनव जात्वरक विकाणीय क्षी जातिरगत व्यरभक्ष कार्यामक्यो समा देवा ए जिल्लाह्न । वास्त्र विक हें हारमा थात्र मकरण हे हैं दिशाभिशानिपटभत ! অপেকা অধিক শারীরিক পরিশ্রম করিয়া স্ব স্থ অপতি কাৰ্য্য সমাধা করিয়া থাকেন। भवर्गरम् बनान जिला रमत्ते तारिक ও ইউরোপিয়াম বলিয়া ইতর বিশেষ দেখা বায়, এ ডিপাট মেন্টে ভাহার নাম গজ্ঞ নাই। বোধ হয়, আইন থকেট নকৰ্জা ঐ ইতর বিশেষ রাখিছেই ভুলিয়া পাকিবেন !!! রুড়কি টুমাসন কলেজের কথা দুরে থাকুক কলিকাতা কলে স হইতেই ৩৩ क्रम भंदीकाडीर्ग इरेश ताजकमा उद्देश कति ब्राट्ट्ने। श्रीय > वर्शद्वत मध्य छेश-দের ৪ জন মাত্র ১০০ একশত টাকা হইতে 🥇 মার্ঞ্ করি: । এত দিনে १०० টাকা বেডনে अथम अनीत अधिति अभिनिय त कहे য়াছেল, ইহাঁদের সমকালে যে সমস্ত **নাহেবে**রা কর্মারন্ত **एक**ा उँ शामत অধিকা শই কি টি ভ ও স্থারিন্টেতেন क नियान द**ह**शाटह्न । वाचा शिष्टम् त পর্যান্ত। সম্পাদক মহাশয়। ছঃখের কথা बिन एक कि, स्य मार्थ अक कन है स्तारकते .

्य विवाही रे भग रह मा, मिह मारव हिरमत्ते अक जन व जिल्ला का मित ্থাকে। বিচার ५৫ত দূর! এড ্কান বাজালি এক্জিকি টিভ तुश्चकृति वक् कर्मा भाहर छहिन ना (अन ) (कह कि के कर्त्यात है श्रयुक्त इरहान েটি, কি.গৰন্তে নিভে চাজেন না ১ ২ রা মার্চের ডেলি নিউদপাঠে অবগত ইই लाम (य. ति के के भवर्गत वा क्रांति मिगरक উৎসাহ দিবার জন্য ছুই হন আসি প্রান্ট সেকেটারির भम कहा क<sup>4</sup>तर ड উদাত হই াছিলেন! কিছু দিন পূৰ্বে গ্ৰে বাহাত্রই অগনীশ বাবুকে ও<sup>লিছ</sup> গুপরিন্টে **ওেট করিয়াছিলেল।** ভবে তিনি ,ক জন্য (यागाकामदब्ध राजा नाक এক জিকিউ টিভ এঞ্জিনিয়ার জেতে প্রাপা পর্যা অপনি मतिरटेए मा १

উনাহরণমুলে এবটি বিষয় নিবেদন করিতেতি। প্রথম শ্রেণীর আসিইটি সার্জ্জন এক্লিয়ার বার ভোগানাথ দাস স্থান্মকে এক্জিকিউটিভ এক্লিয়ার কবির জন্য দার্বিক্লন এক্লিয়ার কর্নেটিং ও দিল এক্লিয়ার কর্নেটিং ও দিল এক্লিয়ার কর্নেদ করিলেন তথালি ভারার পাবরু জ হইতেছে ন । তিনি কি উপযুক্ত নহেন হু না, ব লালি বলিয়া দোষ হইয়াছে। তিনি শাস্ত সচ্চরিত বিদ্যান পরি শ্রেদালীল ও বিশোষ কর্মাদক।

ক্ষ্যাচিং একাস্ত ক্ষণ্ড ম্পার্থ বাদিনঃ

ভাষীর সিয়ার জালি র ভিত্তবধীয় গ্রহণ্টেড ।

----:0 # o; -----

ভানীর বিষয়রভানি খাঁ। পেরেন-হাতে ইপানীত হুইয়া গ্রন্থ জেনরলকে টোলিপ্রাম করিয়াছেন, তিনি লাভোর হুইবা অয়ালার আগমন করিবেন ঐ হুবা তাহার পহিত লাভ মেয়ের সাম্বাহ হুইবে। আয়বালের চিনার প্রদেশ হুই বার স্বাবহিত পারেই গ্রন্থ জেনরপ্র অয়ালার গমন করিবেন। কলিকাতা
হইতে অয়ালা একণে তিন দিবদের পথ
হইয়াছে; যদি কেছ আফগনেস্থান
পতিকে দর্শন করিবার বাদনা করেন,
তিনি অনায়াদে উক্ত স্থানে গিয়া
স্থাতীট সম্পাদন করিছে পারেন। তিনি
যত দিন ভারতবর্ষে থাকিবেন, ততদিন
ভারতবর্ষীর গ্রণ্মেণ্টের নিকটে
আতিথ্য স্বীকার করিবেন।

দোস্ত মহম্মদ খাঁ লাড কানিডের রাজত্বের প্রারম্ভকালে নিজে আগমন করিয়াছিলেন। ভিনি যে কারণে পেদো হারে আগমন করেন, তদপেকা গুর তর কারনে ভাঁহার পুত্র ভারতবর্ষে করিয়াছেন। তথ্ন রকে আহ্বান করিয়া পারসাও ভারত-বর্ষ এ উভয়ের মধ্যতলে রাখা হয়, এখন সিহাৰআলিকে কৃষ্টীয়ার মধ্য**স্থলে রাখা** षावभाक इहेशाइ। আমীরকে কি अकारत भद्यान करा ६६८व १ व्यटन क এই প্রান্থ করিয়াছেন। কেহু কেছু ইয়ার মীমাং দাও করিতে ছেন। এক জন ভার ভ্রমীয় রাকা আলেকজণ্ডারের একা ক্রনে ব্লিয়াছিলেন ও আপুনি আনাকে ताकात नात व वहात कतिरवन।" দিয়ার আলির বিষয়েও আমরা **দেই** প্রকার প্রামর্শ প্রদান করিতেছি।ভারত वर्षाप्ट इंश्हाक्षण मर्दमा अहे गर्क क्रिया शाहकन (य, आशामिश्वत जूना चात त्कर नारे। रेड़ाँदा अज्ञाल फाटन অপেন।দিলের মহন্ত এদর্শন করেন যে, रम् वाल्डिक हेडी पिर्शत आधाना छ। অধীনতা স্থীকার করিতে হয়, তিনি ভাঁচাদিগের গরিকতি ব্যবহারে অভিশয় অসম্ভুক্ত হন। যেখানে প্রিয় সন্তাষণ আবেশ্যক, দেখানে ইহাঁরা প্রভুৱ ন্যায় আজ্ঞাকরিয়। থাকেন। এই নিমিত আদিয়ার রাজগণ ভাঁহালিগের প্রতি অকপটভাবদক্ষর নহেন। এই বিবয়টী

স্মারণ করিয়া যেন আমীর সিয়ারজালির महिक वावहात कता हत । दक्र दंकर विन তেছেন, जाभीतरक এই সভাপাশে वद्ध कता के हिन्छ त्य, डिनि व्यामानिरशत त्रवर्ग মেণ্টের অসুমভিভিন্ন কোন বিদেশীয় রান্ধার দহিত দক্ষি বিগ্রহ করিতে পারি (वन ना धवर जिनि हेल्ला अर्था दीत निक्रि केइ अमान कहिएवन (কছ (কছ হাজারার কিয়দ শেশ বির স্থাপনার্থ रेकाता करिया लहेतात शतामर्ग पिटंड-ছেন : লাড় মের এইমকল অসং মন্ত্রীর बाकः ध्यम क्षायन ना कटहन। मिशाह व्यानि ধাঁ এছ জন আফ্রান। আফ্রানদিরের মধ্যে তিনি অতিশয় অভিমানী বলিয়া বিধাত। তিনি হিরাটে পলায়ন ক্রিয়া ছিলেন, তথাপি আজিম খাঁর দহিত স্থাি করিতে সম্মত হন নাই। এপ্রকার অভিমানী ব ্রিকে আপনার হাতে পাই ্র কোনপ্রকার সভাপালে বদ্ধ করিবার চেষ্টা প্রাওয়া বিধের হয় না। তিনি সভা भारमा वस इहेरलंख रच व्याक्तांतरा ভাষ্যর কার্যে: অনুমোদন করিবেন এরপ বোধ হয় না। ভাঁছারা অভিশয় তেজন্বী জাতি। তাঁহাদিগের মনে মনে এই অভিমান আছে আনিয়ার মধ্যে (कदल व्याक्तानिक्तित निक्छि हे: इर (कता श्रांकि ड इहेग्रांकिन। এখনও य डाँहाता बेर्वाक मिश्रक श्रांक क करिएक পারেন না তাঁহাদিগের মনে এরপ বিশাস নাই। অতএব আমীর যদি রাজ্যের কোন অংশ পবিভ্যাগ্ করিয়া यान, अथवा काम्ग्रीदाधिलां छह शमवी एक দ্রায়মান হন, ভাষা হইলে ভাঁহাকে শাহ সুদার নায় ফউডোগ করিতে इक्टर । जाकशास्त्र जिल्लि गर्वर्भराज्येत সহিত নৈতী্ৰস্থানে সমত আছে, কিন্তু উ। ছারা অধীনতাশ্বীকারে সম্মত নহেন। কোন ত্রিটিশ দৈন্য ভাঁছাদিগের অসু मिक्ति किरतरक कार्यक थारवन कृतिएक

निष्य क्षित्र श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्ठ श्रेष्य

कृष्टी ह (आगित श्रीकार्य महक सी हे छि नियः स्विकित अह, नाहेरिक्ट शक मारह्य शाहिन। खाचा दान्या विकार्श स्थित हहेसारहन। खिनि अस्थान कर्माहरू असे खारा श्रीक कर्माहरू से स्थान क्रिया क्रिया श्रीक क्रिया श्रीक क्रिया श्रीक क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्

২০ এ জাসুদারি। চন্ত্র প্রেণির একফি কিউটিব ই জনিয়ব এ, এফ. গুরাইসন সাহেব ৬ ই জানুধারি অপনাছে বহরমপুরবিভাগেন ভাব লইয়াছের।

চ হুপ প্রেণির একজিকিউটিব ইঞ্জিনিয়ন ই, মানস্ফিল্ড সংহেন ১৯ এ ডিংস্থর পূর্কাচে আপ্র উদ্ধ রাস্তার খি্টীয় বিভাগের ভারে লই য়াভেন।

চতুর্থ শ্রেণির একজিকিউটিব ইঞ্জিনিয়র সি. সি, আডলি সাহেব ১ লা ক্লাকুরাধি প্র্কারে কলিকাভার গানিজন ইজনিয়বের রিভারে আগমন করিয়াছেন।

श्राप्त का निव नहता है के मे सब है, एउं लिखे, क्रिया हैनमा नाएक नासानुद्वत विशेष्ट (ब्राक्ट) १ केट्ट ब्राब्ट में क्रिक्ट वास्त्र विशेष्ट क्रिक्ट १

প্রথম তেলির স্ক্রারী ই **রু** নয়র বারু ক্লেত্রনাপ ভর্ডাধন ন্দীয়া হইতে চাকাবি ভিতেবদলী হইবেন।

দি চায় থে নির স্থানিকার্য ও জনসিয়র বারু রাজেজনাথ সুকোপাবলয় বিছু দিনেয় নি মত গঙ্গানকী বজাগ ছউ: ড স্বজুলার ও পুর দিলের খালবিভালে বননী হংঘারেন ৷ ক্লিন ১২ ই জাজুরারে পুরাজে আপেন ক্ষভেল গুছুব ক্রয়ারেন ৷

২০ এ জালুরারি। চরুন জোনর এক ফাকিউটেবই জনিয়য় এক, এম আবাবেন সাচেব ১৪ই জালুয়ার পূর্নিছেন গঙ্গানী বিভারের ভার এছন করিয়াছেন।

আমাদিগের লাছেরত্ব সংবাদলাত। লিখিয়াছেন: —

স্থাপর গোরালিরর চাডিরা কাপ্ত'ব ্য. এখানকার মান্য, বিজ্ঞ আখ্যাধারী পথে অসিতে আ্রাস্টেড হরিংবণ প্রত্যান্ত অনেক বাজালী পরিবারের মধ্যে একটী দর্শন করত অভীব প্রীতিলাভ করিলান বোধ একটী বেশা রাখিয়াছেন। জ্রীর অলেকা বেশা ইয় শীম্মানে যে এক প্রতা বুক্তি হইরাভিল দের সমদের নাকি অসিক। বিবাহিতা জীরা

खाराष्ट्रदे (क्षेत्रक्त अक्षेत्र महत्र इत (वर्णभावन করিয়াছে। মধ্যে মধ্যে বিরিনি: হ'ত নিঝিরিনী नकरम् ७ व्यक्त व्यक्त व शिल्ष्यां मन हिन्द व द्विपार है : शाशालियत क्षेट्ड चाछा है क्षेत्ररथा व 8. ক্রোদ পথ হইবে ৷ কিন্তু এই টুকু পথে বোড়ার ভাকে शामिट्ड (भारते e=18 ° डीको बाब स्बाः महाताटकत (म काइस खेर्चा छात्राटक अहे क्स ताखाम (तमक्षक्क) कतिवात स्विति। स्वमा ধানেই করিছে পারেই ৯ বিজ কই স ধারণ কারে इंश्व छाष्ट्र छेरमार (मधा साम्र नः। कर्नमः मालवात मारहरवत कन रिनर्ट इंडिक वा (य किम कान्नर्वा रहेक इंकिट्कत खना अकृता (चायनः পত্র বাহির ভূইমাছিল ও ইংরাজদের অস্থের ভান किছ चान मिल्या बहेताहिन। कारनरक वरन :घावनाञ्चारी वच्न कार्यः इट्रेट्ट्इ मा । या । क्षेक, अन्ति द्वांखा होत्र समा अवही वेसिनहार बारनक दिन इकेटल निरशक्तिक बारह । किः उथालि जानसर्भ (मय स्टेरज्ड ना ।

(तम प्राप्त व्याप कार्तिकार तके व्याप्त अभन भृषितीय महथा अस्थ नक जासमहस्र (मध्यप्राट्यन क्षुष्ठतार अशास काशव वर्गनांत श्राहरण बाकाया एक सम्बद्धाना ही व इगंड एक्साफ ( मर्भनशृह् ) मांज मर्भाष्ट्रमा, अमिरक (मरकरन्यतः দাগা বনুনার অংশর পারবাতী এভসাবেদীনা ভাষা বংগও দর্শন মনোচর। আনাদের কেনীয় আছে। ्नव मृत्या योगावा काळाश चानिश्र अनकल ल्यास्य माहे, खाँशास्त्र मक्त्लरहे अक अक वार (मधा क्रिकित । आधा बहेर्ड शांक्षियाव . हे राम नामिलाम चात এकी हित्स याहेरलहें দিলি ৰাওয়া হইড গকিছ ভথায় বসন্তবেংগে ভয়'নক **প্রাড়**'ব শুনিরা ঐ স্থানে অ্যকিলাম ভংগৰ দিবস এক ৰ'ৱে পঞ্চাৰ ৱেলপ্ৰয়ে সহ কারে অধালায় পৌছিলাম। অধালায় ভিন দিন हिलाम अधारन अञ्चल (मञ्जूष वाकाली प्राप्त ংশ্বতি করিতেভেন। এখানকার বালালীদের নগে অনেকেই গুলিও গাঁজার আচে ভাব সভা। আবার একটা আশ্চরেন্ত্র কথা শুনিলাম ्य. এचानकात माना, विका काच्याची অনেক বাজালী পরিবারের মধে একটী একটা বেলাণ রাখিধাছেন : স্ত্রীর অপেকা বেশা

नार्कि परिनर्भ भरिकाक्क छारव किन, भरव मारा फेरम्याकी पूर्वेशी कानियारक। पानी । मृत किया सम्म, कहे कना क्षेत्री के भभक्की। मन याकारेमा पारक। क्षेत्री वर्ष अन्य वा मरह, देशरम्ब मर्था कान धकात नगरम स्मिताम ना।

মহাশয় অহলায় একটা বিষয় দে य कु भव बाहे मखें हहेगाम। २ ७ वरनव केलिकाका मधान विन्हानश्चव के बीन । इन्जि बांच अदिवर्धनार्थ अधारन कार्यन । उत्मानी इहेड्डा अकति वक्ष वण्यालयं व कश्चित्राद्यम, उहे विम्यानद्य श्चीक्र २०।३०वि অধ্যয়ন করিতভত্ত। প্রথম শ্রেনীতে গেয়ন कारा धाकुष्डिक विकास बे क्लिनिज सा ভূগোল ই তথাসপ্ৰভূতি ভাইছ বির টি পাঠা প্রস্তক পাঠ করিছেছে। জ্ঞান্তি টে वध कारवात शाकुछिक विकारना छ ভাষের যেসকল কৌৰালপূৰ্ণ কঠিন কঠিন . **क का**न्। करिलाम् इटिख्या क्रमासूटम ३ কররণে উত্তর দিল। বৃঙ্গদের হুইছে এং মাজ্ভাৰা শিক্ষার এত উৎসাধ্দেশিরা वान्तर इहेन, ए। इंश्वित्वहनी करून। अ क्षित (कान काम कार्यन काम नीरहरू ( उट्ट टाइव बाकाला कथा कहिट्यह भार क र पन्त (तम् क्रुपा कथावार्ख त्रकत्रहे हिन्दु ८ इटले व माध्य, हेर्र व छ लाखा करा श्रीष्ट्रेया, धरात्र, कांग्रा, लाह्मायशकुष्ट ेकः श्राप्तरश्र अञ्च त्राकाली कार्डम र्, कार्याः (मट्मत अक्ती अक्ती अक्तारम (माध बन्न वर्षक महास्था के हादा अनुष्याप अवरी বঙ্গবিদ্যালয় প্রস্থাধাসরপে 1'(74' | \$\$; (PA 取4'), @ 明月晦月 अनेपास कादामान् भ ख अभित्क अ ন বিদ্যালয়ে সাংগ্যঃ করিচেড্রেড্রিছার भक्त:अवह बनाव'म कहा कि रिंड में अवः म श्री काम। कड़िएक यह कहा बिह्ममू ।

্র কাড়েগতে পৌছিরা কেবল ত্রক্ষেত্রকটি দেখিয়াছি ৮৮১•

ভ द्राक्तारमञ्जूष कार विद्याल कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य । সেরপ দেখা যায় না। কেশব বাবুর ও। **ভেটী যথ**ার্থ পবিক্রভার পর।

व्यामान्दिशत वाञ्जीतांक मः वामः তা লিখিয়াছেন:---

এত দিনের পরে আমাদিজের নদীয়া জিলার ৰিচারশ বিচারপত্তি এইচ, বেল সাঙের স্থানা রিত হইলেন। কয়েক সপ্তাহ **অভীত** হইল. শোহনের ভূতপূর্বন মা জিটেট জীয়ুক্ত মনংব; ংহেব চলীয় পদাস্কুত হইরা বিচারাসনে উপ है क्यांटहर । दक्षी अटहर यज्ञाल केश्माह क्रुनित जानश्लादिते शका उ হিত্যাধন করিয়াছিলেন, সেইরূপ व्यक्तिता छम्न इस्माह्य । इति शूर्यम म बातिष्टीत किटलम, उ९भत कार्छ ু'টের জাজ হইয়া ক্রমশং (জলার মাজি रम, रे र'त प्रशास छापृत माहे, किन्छ चीस थथंद्रकार्ष डः अदर चकार्ष, क्रुण्दक्रत िणि डाटर्कु भवर्गरमर होत खाइन छेला ह . **ড আ**বধার**কের পদে** নিযুক্ত হইরাছেন : গী সামান: নহে, ইহাতে এিটীশ গ্রগ্মেডের मध्यमानी भंदरक व्यक्तिक शक्त अवत्र विनास প্ৰক্রিতে হর। ফলতঃ বেল সাহেব শার্ম ক্রাডার ভাষাতে এপদ ভাগার উপযুক্ত হইগ্লাকে। আমাদিগের অভিনব (के) बनदा नारश्व किन्नभ् अविष्ठातक, অন্যতি বিশেষরূপ প্রকাশ হয় নাই। া কুঞ্নগর কলেজের কার্যপ্রধালী অন্য हत्तरकत् जालका छेरक्ट्रेक्टर मन्नव ছে। কৰি কাভাস্থ প্ৰেসিডে জি কলেভের हेशांक भरता कतिएन जाजुरिक एव मा। ব্য প্রাক্তির ক্ষার করা করা করা করা (मामधकारम क्षकान क्षेत्र) हिन एख मश्रीरहत कलिकाचा (शरकार्ड ্বীশির ধল প্রকাশিত হুইয়াছে। এবান ∖জন ছাত্ৰ প্রীকাথী হইয়াছিলেন দ প্রথম খেনীতে ১ জন ছিডীয়া । ভূতীর শ্রেণীতে উত্তীর্ণ হইয়া करलाङा वि अ खानी इहेग्रा र्न कारनहे बक्का श्रम नाहे। ্গং প্রিনসিপাল ক্রীণুক্ত স্মিথ া ইংলে নিমিত ধন,বলে

व्यटनकारण भटकाकात्र दहेश्यकः। ब्याधना न किन अठातरकत कलकत्रभ अथानकात । शक वरमत केक करनेट्रमंत श्रमिकोशांभक माहेत নাতে হবর প্রলোকগমনের পির কলে তের শোচনীয় ঘটনাসধলে অনেক ভাবনা করি থাছিলাম। কিন্তু তদীয় পুদে শ্রীয়ক্ত বাবু খীবে শ্র মিত্র এম এ মহাশয় বেরপে যন্ধ্র পরিখ্য সহকারে কার্য: করিয়:ছিলেন ভাষাতে ভুতপুর্ন লৈক্ষক স্থানিয়ের শোক আন্মেষাস্থা সম্ভান वैदिश्व ধাৰ গণিত বিষয়ে এक छान विशक्षव शावनभी, होन हुछ प्रशह्त न'९नङ छ'र्ड भिकानाम कर्त्रम।

> ১। অ'সরা নিরভিশয় আফ্রাদসহকারে धकान किट्छिड़ि ख, बाह्यसिद्रा वन्नविन्तानग्र ও পোষ্ঠ আপিলের গৃহ এডদিন পরে **স্থন্দ**ররূপ পজ্ঞত হইয়াছে: যে যে মহাশায়েরা ইহার নিমিভ সংহায প্রদান করিয়াছিলেন গ ভাহীদি-গের নিকট আমর। জনুস্থীত হইল'ম।

৪। সংশ্রতি বার।কপুরের যে যে ভদ্র ইং াক্ত ও ব'ক'লী মহালয়েবা আতুলিয়াত্ব হিতৈ ষিণী সভার ভত্তত। এতে ট ব'র কামাখণ প্রসাদ মুখোপার্গায় মহাশ্যের হস্তে অভ দাতব্য প্রদান করিয়াছিলেন, তিংহা স্মাজের অথসংগ্ৰেকের স্থীপে প্ৰদত্ত ইইয়াছে।

 क्षेत्र अद्भारम कांग्रेटन व शिंख वक् भक्तः भवति छालक्ष्म छ २ थव इत नाहै। कृष কেরা অভিশয় ভাবিত হইয়'ছে।

व्यामा मिरशत তমোলুকছ সংবাদ-माजा निधिशास्त्र

) : क्यां दिन इहेत, अधानकांत्र क्रुटगांशाः উঃ নাজিটেট জীয়ুক্ত বাবু যাদৰচক্ৰ যোৰ সকঃ খল পরিভ্রমণে বিনগতি হইয়াছেন।

২। গত २৮ এ পৌষরবিবার বেলা প্রায় অপরাত্র ৪ ঘটিকার পর এ প্রদেশে এবটা প্রবল ভূকল্পন হইরা গিওাছে। পুক্রিণীর বারিরালি न कृष्ण न कारमानिष इह्याद्वितः अन्नभ কম্পন পচরাচর দেখা যায় নাই।

৩। **এখানে ওলাউ**ঠার এত দিন কোন প্রাত্ कांबरे किल ना । क्वित भूगकाम अकाम भरतत প্রত্যাগত বলবালিগণ হইতেই ইহার সঞার র্ইয়াছে। তথ্য বোগ্যর ডে: মাঞ্চিটেট যাত্রি भगरक मननमर्गा श्रहन्य कविर्ड क्या माहे। ्फ पुनि पार्वा अहे कार्याणि स्व मिर्मन कच्छूत

अर्थ आखंति अर्थ केंद्रिंट स्थानी म कर्ज्या ।

ह। अवरनत आहे नगदम्भा चात्र करें कुछत त'लात झान अधिक रहेता गाँकटिए हेर नेशीरन (प्रतिक हरेगाएक) हैर एक आध्यानिक वःब आह : > • • होका । अहे देशका (कतिका अ एईएड अमल वहेबाटका अवे मकत क विचित्रा अभी नकात वर्त्तम'न जि: मार्किएक नाबु यानवहत्त .चारवद नामनकान्छ न्यंद्रनीद स्ट्रेली बाकिटन नत्मार नाहे। अधितु कक्षम, खिनि मीर्घकी वी उद्घरमाञ्च छाँ अः १ईग्रा लात्कत कहे जल ইত্রাধনততে জীবন্যাশন ক্রন।

আমাদিগের इक्षुइक् मर्वाम-मां जा निविद्यादक्त।

)। भार १० हे माघ व्यामः निर्मत छ द्वत বুল বিভাগের ক্লইনশোটর জীযুক্ত ভি, এ, .বনেট সাত্রে মতোদয় এবং রজপুর স্ক্লসমু ্ছর ডিপুটা ইনস্পেটর জীগুজ বাবুহ র্যোহন দেন, উভারে কা কনীয়ায় উপস্থিত बड़ है। वालक ख वालिका ऋ न भवीका करिया तख्छ रुहेश। 'भश्राट्य- ा क्रियम काकिसीश इंश्वाकी ऋरमत वार्वक भवीकात भारहा विक वेष्ठवन्त । व्हेश्वर्षक । काविन १ । स्रभीताव বারু মহিমারঞ্জন রায়চৌধুনী মহাশয় পুসুক नकल पश्रस्य विख्या कविषाद्वा ।

২। গত তিন চার দিবস হইল. এপ্র मिट्न किकिए किकिए दास्त्रिक इन्साएड শদ্যের অনেক উপকার হইয়াছে, তথাপ प्रकार कर भूता नमकारवहे त्र देश एक। अ थारन हार्डेन की हा अस्त देख्य ॥ व्यक्ति भन, োটা এক মণ ঃ তৈল টাকার আড়াই সের, েীনে তিন সেনের অধিক নয়, লবণ 🗸৮ মুভ / ১৮ সের, দুইল অভ,ত ছুম্মুল্য, ভরু कांत्री हेल्डालिख आय जन्म ।

্ ৪ ৷ আমাদিগের বর্তমান क्यां प्रकावी জীযুক্ত বারু মহিমারঞ্জন রায় চৌরুবী মহাল্যু ব্ৰয়ভাৱ এচন কংব্য়া অব্ধি অভ্যন্ত আনসং গারে সমুদার কাথ্য প্রচাক ক্সপে নির্বাচ্ করি কেছেন। রার চৌধুনী মহাশয় এই ভারা বয় :সই বেরাপ বিধেনারভি, ধৰ্মোল ভিন্ত ভি मरकार्यः यत्रवान इङ्ग्लाहङ्ग, 'खाव कति मञ्जूबङ् ্পড়নাম উম্ভুল ক রচেবন সংক্তনাই।

व्यामानित्यत (कात्रहाणिक मर्वान-माठा निधिनार इनः---

)। इनीय गाल्डिक किरात **इ**किन्त मान (यज्ञान कार्यम)क, हा १३ विश्वान, स्वास बनम नकतकनक स्टेग्न'एक विकास भाविता मकरत्र रेख छ।इ'त म॰ छत्रविष्ण का विकास अकार

क त्रशादक । ज्याचेत्रा ज्यास्त्रातिक हरेशाल, द्रश्य ह गर्बर्दक है रक्ष्यभीक गर्बर्दक करणकः अधिक देवायुका अवर्गन कविया आर्शिश সংখ্যা ও সম্পর্কির ভালিকা প্রধান, করিবার चाका मिश्राह्मन । त्म ल्डेम के शवर्षत (अ मिका कत्र । १वाव देश्वर क्षित्रत श्राक्षा ज्ञाल काक करिएवम, आफ अब खाँगामरभव दिएशाएँडे 🥞 भट्टत (काट्कत कथन ज्यविश्वास स्ट्रेटव ना ।

### ২৪ এ সাঘ শুক্তবার :

ভাষতব্দীয় গ্ৰহণ্টেই এপ্যান্ত সিয়াব জালি খাকে ছয় লক্ষ টাকা দিয়াছেন अर्थात्मत मर्गा चान इस् मक है का रमध्या क्ट्रीय। कि वि ७००० क्षेत्र श्रीश क्षेत्राहरून कि ह शवर्राय के छैं। हाथ में इंड क्यांन मिल करवन बाडे । वश्रातः कामामिट्रात होका श्रीकृतिवाद প্রাপ্ত ডিলি সম্পূর্ণ জয়লাভ কবিয়াছেন। 🐞: 🏚 র সহিত্র পরেস। ও রুলী।রে স্থান ভাব त इप्राष्ट्र लाए (अब नियमा बाहेबाद शूर्र) আমৌরের সহিত সাক্ষাং ক ব্রার মান্স্ ক রয়া: (छम: अबे नगरंत्र 'जैहिंदक (काम ज अक्षात) चारक कता डेव्डा विने डेंश्टक माण भक्त्यरभव स्वाव बाजिक **क्रक तक वेकि** विरूप ভার ভারা ইউলে সোরাজের আধুনদ ও সীমান क्षक दन, पिशटक प्रवास है। भट्टस, क्षेत्रे क विके ्ष्य लक्ष्या व्या अव्यक्ति होते स्थात अस काल कर कार्डिमध् कखंदा। भक्षांत्रक क्ष्युकार्ये । গ্ৰেষ্ধা দীমায় কলে গোলবেশাৰ্য কয় নাই हेश अध्यक्त कहा करा कर्षका कहै। बढ़्हा बढ़्हा সংখ্য দ্রুপত্ত প্রভুঞ্জ বৈদ্যককে পর্য-के ध्र प्रदेशत (सक्दरे विन सा किया कुछ्यून बिट्याशीमिश्रदक कथा कहा यश्च अक्टनैन छ

विकारनात, म व्यवसूत्र, श्वाकः त्रन्त्रात, मधुवी लज्ञ छ्रुय छ च्या अभीत्र अहूव दृष्टि वर्षेषा एक । भक्षाद्वत आह्र मक्त खाद्म हुकि इन्टाउटक व्यामदी काक्षा ४७ ६३ तथा । त्रिक्ष ३४ दृष्टि कर्शिष्ट (वक्रार्वेद क्रार्म 現である 気か कडेश्न'(इ. शक्ष'(व जार्गात्र मृह्याः अक कार्र ८ अत वहराष्ट्र १ (मर वहेश्राष्ट्र) असे क्रम । व'न्क वृष्टि अङ्गत मा वांलश्रा महार्मावत (मक्रा) । ষ্মা পাইয়া বেস্তব টাকরে লস্ত করে করেন। ; কৈছ বৃষ্টি নৰশ্বন মূল্য কম,তে শত ন কংপ স্বদ্ধ निश्ची **श्रीवर्ष्टा**ला कृतियुद्धित । प्रश्चित विष्क সংক্ষেত্ৰ । ই া কেল বক্ষা পাইয়া যোল্ববাকা া কট ফেন্রল এল এল এল বল সাহেব সভা ष्ठः খेड ४हे(वन नः ।

माञ्चल क नेकारियमप्रयाजनात्रमञ्जूष च स्टार्क चाळमन करिशाह्मम। *(च*्च अक्टन ्योकात করিয়ালেন, পঞ্চাবী প্রধানীর কান্স ভীত হই प्राटक, अवर अहे नटक न्यादिक नका वी विश्वटक (वृत्राञ्च (मञ्जूष) कर्यन् । यथन (क 🐮 🐗 🕸 कवा बहलन, कथन नियमक्ति छ शन मीत मुक् কাল উপাস্থ ।

खेक शब डेक जिनीय बाक्स मिगटक कम कथा। किश्वा आधिक को अकिश्वात लगावर्ग निवारक्षम । .मही इत्रश्ना व्यमच्चरा व्याप्ट्यर व्यामाहिएन-हैश्र उन्हेंन क्क्सिएगढ़ श्रधाम प्रम । ग्रुष्ठः नवाटक के बेनर वर अनम क न्यांका का निवाहि लिन, कि 🖁 " भक्त छोल्ल इहेट्ड ढाञ्च जाति য়াছেন \* বলিয়া আজ্বন্ধ হয়।খোল করভাত थाति एक व्याप्यत (काषाय सहित्त ?

উক্ত পত্র বলেন, র'লা দিনকর্রাও সামান-শর:মর্শ দানব্যভীত বেঁওয়ার রাজার অংগীনে क्षान विरुक्षक कन्यान्त्रक करहरू नाहे। जिल्ल क्षणमञ्ज्ञे विलग्ना द्विता अवर्ष्यान्तेत्र कासूमारि ना भारति मश्चिष नहेर्यन ना। कछ,छहर नामन वर्षात्र भवनीय है अ अञ्चयकि निएक । अभ मर्थ (इटलस । (म. बार्ग केंग्रेफ निस्कार दो । (इ.स. शाहक राष्ट्र सन् महेर्ड अधिहरून सा ।

## ২৫ এ ছাত্ত প্রিরার :

बालाल है देवन राजन, हाति कर देरें। শীয় সংক্রণের মুসল্মান ধর্মে জনেল্যন করিয়া ্রেম। ভাঁচার। এদেশীর বন্ধ্র পরিধান করিয় शके मन्द्रित प्राप्ति । सुत्र वहेर्त हेर्गव मकाम् धःहै(त्रवा मास्त्र)छाँ है जिन्न बहलन, के रिहा (भटवेत बारम च ष्ट्रीय भन्न एकतम क*ेट* टबरफन १ ्लामार्ट्ड **डेन्ड्यू १**ई अव'न भर्षः

मुख्यक्ति माखारकत् अन स्ना खानेशे अक कार्तक माचित कर्डन हेगांत हेन्ड्र की (कर् वृत्ति(ज्ञा) भारतार् ज्ञात का हाम विकेट होन उँ इति छर्ने भना कदिया व निशादका, अविष दृष्ट গ্ৰাত অংক্ষ ভাষা পূৰ্ব সাবেদন থাকিংক বেজিষ্টার ভাষা অন্তাল ক সংবন। আটেনী এক क्षत्र विश्वविकामस्यत् ५ 🖼।

বেংবল্পটের ভূলটনার ভালুস্থানাপ নিম্বল चिक्त वर्ताक्षण वर्षात्रमञ्जूष कहत्। दक्षाः ज्या प्रदेश ৰ ৰ ধ্ইল ইহাডে অবশ্ৰে গোড়া মুহালচয়ের ৷ পড়িছ ৷ হেবেনিউ ও গলিষ বা মদনর এ. এফ. ! ্ৰলাসিদ সাহেখা বেলান্যের কন্সলজীও াশু ও খব ই গুয়া সংস্রে । সংকলে । সংগী । ই ঞ্ নিয়ব লেপনৈ টি কৰেল টে,বর । পিও

अर्थाभीत निविष्ण कारकंत कहारक छेन्द्र अन्ति । काम्यान्तर प्रशुक्ष कारकंत स्वति स देशिनिवर्द a, उरामक, होगार्क मारहर मका अवर **क'रथ**न शमक मण्यानक। अक् सम अष्टास्पीश खन्न লোক্ত্র ক্ষিপ্নর করা উচিত ভিল ∤ ক্ষিপ্নর भग भगवेशूकिक **करामणी है व है** कि । शहाबन বলিয়া স্থানীয় বাবেস্থাপকসভায় दिन अर्थन करा बंदेशाटक व नामनगर লৈ মিল एंडे कन अरम बीझे छावान किया रेन ক্ষমন मत इस अवश्रासम्बद्धाः कर्माहादिकान १ ষসিয়া न चक शास्त्र देखन निवाहित्सन।

ভারতব্যীয়া রেজগ্রে কোম্পানি ভাতীর জেলিব শকটপ্ৰ্যুত্ত ,আলেক দিভেট্ছেন। সংক্রম লাংক কি পুর্বাধালার রেল্টারে (काण्याजिटक अहे मांत्र वहेट्य पूक्क कतिवा कि (लम ? बक्रामीय शवर्यस्थित कमनगरिक हैं कि जिस्त करें दिसम् शवर्गरमध्ये आक्रिक করিয়া প্রতিক'ই করেন না এমি অভিনায়

নিমুলিগিড মূলে; প্রেণ্মেটের কাগ ল नक्षेत्र हर्द्र है। ৪ টাকার সিঞ্জা 384 : 381 m » (TIE 9:8 · 19: e " शर्जनकड्डार्क somer i somete n (神) 219)

# रे इदराणीय भूगाठात ।

न ६ स २ के अपूर्व हि। महक्राप्त मञ्जी (त. मंदर्ग अवनी वक्तार काँद्रधारहरू । कहानुष्य कमामैवायो निर्मा सहाक के विषद्भाग श्रीत मात्र वर्ध करा है हैदवुर्ग

कु बण अने भ (व'स'हे असे स अंकिती हैं। प्राप्त क विकास जिल्ला कि कि कि तिल्ला नि आवा मार्च के देवता मान करण

काइटकोन्ड मथ एवाची चाउला किए हैं। जाह काल्यानित मुख्यापाँचेत्र खब्य काल्य

हे उद्गार्ड मार्श्स्वत सूर्क मन्त्र साक्षण

८००१म क्षेत्रक (भारत<sub>्य</sub> (हेलिकाम<sup>्</sup>का<sup>क</sup> शहरू खाइराज क्षकाम <sub>कर</sub>त, (१९१८), हर भूळ्यं कि .य अभूसास के <sub>दी हुईसी</sub> किल । या बल

মুক্ত ভাষার প্রতিবাদ করিয়াদেন। গবর্ণমেন্ট এনিমিত্ত আক্ষেপ কবিয়াছেন ।

(भदा, २৯ এ का क्यां दा। अरथम क्रेएक (य '**সকল ''/ন** আসিয়াছে, ভাষাতে বোগ হইতেছে জীটোর্ বর্ণমেন্ট পারিসের দুত্রভার কথা আবল क्रमीय मनाएँ धीमटक खिल कविद्या ৰলিটো 👝 বফুড়াবে প্রাভুত্তর দান করা

ज्ञा ३० अ काष्ट्रप्रादि। खाउटकार्यक সুত্র প্রতিনিধি বিপলি সাহের প্রতিনিধিত क्हें/ ७ प्राप्त क्हेंग्न' काइ**रता ও आ**क्ष ्ल'रुनव श्रक्तिविशरनव नार्य **स** स्वाटक्ष्म रहा, ७ श भाविक कहेबारक।

खदाट खनार्न काम्लानित अवाकिन्दिनत न (व य नालीन रह, खारा काष्ट्र चार कुटेन . दक्ष जामानटङ महेन्ना वा छम्। हहेन्नाटङ ।

হালোয়াবের রাজার সম্পত্তি বাজে আভিত বিষয়ে প্রদীয় মহাসভা সম্মতি দিয়াছেন।

कार्छेन्डे अञ्चातनिक मृष्ठत्रस्रात मीमाश्त्रा छ ্সরাট নেপলিয়নের এক পত্র লইয়া এথেলে ্উপনীত হইয়াছেন ৷ গ্রীৰ দূত্ৰভাৱ কথা শুনি ्रेन, এই সংখ্যাत क्रमणः वश्रमूल इटेएउट्डा

क्रमीय भवर्गस्य छ अविषय छी मरक भहासमें িডেচেন ।

পেরা ৬১ এ জ প্রারি। নিভয়াত সাংক্র · अत्वतिकाद बुखरक छेलाम विवादका, खूत-ক্ষেং সহিত এীদের যত ছিল বিবাদ থাকিবে, 'के के . जिमि के **कड़ शवर्शमा हेड़ वार्कावा**हक . ३३१वम ।

> भवर्ग दमके विकालन । बक्राम्भीय त्वन्छेन के शवर्यस्य

> > मारमणाञ्चनाती

ं निरहाश।

ः 🍀 ज बाह्यशति । ताल्डेमान्हे हे, जह विन পারী 🔝 ধ সংকারী রেবেণিউ সন্বেল্লর হুই-(4A 1)

২ পু এ আছিয়ারিন মেজর জে. বরণ ছারভা स्पन्न और सन निष्ठ में प्रशास कि मियनत १इ

ক্ষান্ত্রি হৈ ক্ষান্ত বাদালতের কল বাবু কালীকিব্র রায় নিজের। কলেন উপরে ভত্তত মাজিকেটের কা ও পাইবেন। 🗸 क्षाब्द असे स्ट्रिय

२৮ এ लालवारि । गि. अ. विश्वीय जार्द्य ञ्चनहरेलि वान्डे स्ट्रेरियम । 🐗 🤲

২৯ এ জান্তমারি : আড়ারিয়ার মুগোন মুলি ফরিদব্দ পুনীব্লার অন্তর্গত পঞ্চ ওয়ার' शुरुषा क क्रेट्रिस ।

शक्ष अस्त्रीय बुरक्क देशन कालि (श्राटमन माकाविद्यात मुख्यक स्टेरवन ।

🏂 🕏 छालुबादि अदिनि अवार यछ निम कार्रिक अ. हे. कार्रक छेपश्चित्र मा इमें। एउ मिन (लाफीना है এह. (खा, जिड़े जिनमागरहरू ডেপুটী ক্ষিদ্নর ও অধংস্থ জন্ম ক্ইবেন। ডিনি চতুৰ্গ শ্ৰেণিতে নিযুক্ত হইবেন।

নিযুল্ভিড কর্মচারিগণ ১৮৬১ আন্দের २० काहेर्ने ४ ४२ धाताञ्चमारत मास्किर्फेट्डे ক্ষমতার মুখ্য কর্মচারী দিগের বিচার হইতে জাপীল ভাবৰ করিছে পারিবেন।

বভ্রেটার সহকারী কমিসমর্ব এ, সি. कारबन मार्डिया

মঙ্গলদিহির অভিতিতিজ সহকাবী কমিস্নং (स : स, अन छ । हेवार्ग मर्वत ।

মঞ্লদিছির মুক্ষেক বাবু ভিলকচন্ত্র গুপ্ত चिकीय त्थानित व्यथीन मास्टिक्टिटें कमाना

যভদিন এফা, ডবলিউ, জে, রিজ সাংহেৰ विदास लहेशा अञ्चल श्रुष्ठ शांकित्वन, एक पिन এচ এস, বিভন সাহেব ২৪ প্রগাণার প্রতিনিধি ज जिरिक का हेन्द्रे मा कि छिते छ। ए भुष्टि कारत। हेत रहे(यम ।

फाछात है, ति, (रक्षांश विन अक्षर्य विमान सहेश कार्डन, बर्मास्ट्रत निवित कारिका के शास्त्रम इहेटरन।

ভাক্তর সি, জে, জাকসম মেদনীপুরেঃ সিবিল সার্জন হটবেন।

ভাজ্ঞর কার মাকলিয়ত ছাপরায় দেওয়ানী क्रिकिश्मा दर्भकाशी स्ट्रेशन।

प्राथमत । स्त्र, वि. चालिम (वहादत कहिएक) अरकार केंद्र था ज निधि श्रधान नहकादी रहेशा তথার বাইবার নিমেত মেদনীপুরের চিকিৎসার ভার সত আলিষ্ঠান্ট সার্ক্ষন দীনবজু দতের इट्छ दिवात कम् । शाहेबाट्डन ।

৩০ এ জাপুরারি : স'হরণের ডেপুটি সাজি 🚵 🗷 তেপুটা কালেক্টর মৌলবী মধ্যমদ লোহার ালামাউএ স্থিত চ্ট্রা फ्लान वनली इहेग्रा

हिंद्रच्येत व्याध्याचाता महिन्द्रच्ये

क्ष्मिक वाक्रिके एक एक की कारण है। के কিছ্দিনের নিমিত পাটনার' এতিনিধি পুলিব কিশার সাংক্রেক পালামট্রত বদলী ক্রিবার। १व विकासन स्थ, जाना तरिक रहेता।

> व छ जिस अके, केविल छै, 'ख, दिखे नारहवः বিদায় লইয়া অসুপঞ্জিত অ'কিবেন, ডজদিন ২৪ প্রস্থার প্রতিনিধি ভাই-ট মাজিটেট ও ভেপুটি কালেটর ই. জে. বার্টন সাহেত ১৮৭৯ অন্দের ১০ ও ১৮৬২ আন্দের ৬ আইন সংক্রাপ্ত मकलमात जानील अवन कहिएड नाविद्वन ।

যভদিন ডাক্ষর ভে'লামাথ বসু বিদায় লইয়া ভতুপস্থিত খুঁকিনেন, ভতদিন সৰ আসি ষ্টাত সাজন কিলোৱীমোহন সেন জবিদপ রের চিকিৎসার ভার পাইবেন।

১ লা ফেব্রুরি। বার্ধ্রগঞ্জের জড়িনিধি ডেপুট মাজিটেট ও ডেপুট কালেইর আর, णि, श्रीमणीम शाह्य मुख्यत् वहली इहेम्। विशेष (व्यनित कारीन माजिएकेर्डित कमर्डा भाइत्यम ।

जिल्हा पर महकाती बालिए हैं। उ कारत है। .स. वात्रामा मारकव लाइत्राम वल्ली कडेग्रा विक्रीत (अभित अभीन बालिएकेटोत क्रमका भारे (धन । 🕐

जिल्लाह महकाही बाब्बिटके है कार्य हैं। এ, ভবলিউ, ক্রেণ সাহেব ন ভ্রাথা লড়ে वमली इहेशा श्राचन (आंबर अरीन शांका के ও ছেপুটি কালেইরের ক্ষতা পাইবেন।

ৰ ও মুখালির ডেপুটি মালিটেট ক ডেপুটি कारल हैय (यो नवी महत्त्वह कामिल जिल्हां सु बहली इटेश माजित्केटरेय कमका नाहेट्यन ।

২রা ক্ষেক্রয়ারি। যত দিন কাপ্তেন টি, এচ. লৈউইন বিদায় লইয়া অসুপত্মিত থাকিবেন, ভভ্নিন মেছর ভে, এম, গ্রেহাম চট্টপ্রানের পর্মত অঞ্চলের প্রথম প্রেণির প্রতিনিধি ডেপুটি কলিগনর হইবেন। তিনি পুলিষ স্থপরইটেউও'ট मास्टिके ଓ कार्ल्डराइ क्रमण शाहरदन।

বভদিন এচ, এ আরে, আলেকজন্তায় সাঙ্হের বিদায় লইয়া অনুপঞ্চি আবিধেন, ডাড দিন ভবলিউ, এস,ওচেল্সু সাতেব চট্ট্রাংনয় श्रिकिमियं निवित्त के तिनियन कका क्**डे**रवन। জিনি জারও জে, ডি. ওয়াড সাংখ্যের ইউ হুইডে জড়িরিক ক্রের কার্য্যভার এখন কবি

भद्दतिक छन्नार्क विकास ।

১৭ ই জ্প্লেরারি। ভারতবর্ষীর বর্ণনেগঞ্জীর

कहरत । जर्क अहे जित्रकात क्रम्पादन केता

বোষাইট্যের বশিক্ষণ ভক্ততা বিশ্ব ধনত লয়ের নিমিত স্থতিক ৬ ৩১.৯০০ টাকা এদ ই ক্রিয়াছেন। ইহার উপশ্বত্ব বার্ষিক ৪ ২৬০ টাকা পাওয়া যায়।

स्थानि । अणि इकेन ते कथा। क्रम मिलान स्थान स्थान स्थान स्थान क्रम मिलान स्थान क्रम मिलान स्थान क्रम मिलान स्थान क्रम मिलान क्रम मिल

शदर्व क्षिमगण्डत । काइत् हिर्गे भद्गीकः भिद्रा लहेटच क्हेट्र, कहा श्रक क्षम क्षात्रभी है टाल क्हेश्राटक्रमा अभवति व्यक्तिम भीत् १ अ भिक्तिमगण (मट्या क्हेश्राटक

্ ভারতব্যীয় সভা জুভন গৃছে প্রবেশ বহি শুড়েন।

গভ বৃহত্ত ভিষাই ভারত্বিধীয় সভা লাড় সের্কে আভ্নদন প্রদান ারিয়াছেন । অন, আনা অভিনদনকারীয়া যেপ্রকার বিশেষ বিভেনীতি ভবগ্রন করেয়া অভিনদন করেন ভারত্বিধীয় সভা ফেরপ করেন নার্চ। সংজ্ঞান ভারত্বিধীয় সভা ফেরপ করেন নার্চ। সংজ্ঞান ভারত্বিধীয় সভা করিয়াছিলেন, লাড মের সেরপ ভার প্রদর্শন করিয়াছিলেন, লাড মের সেরপ ভারত্বন নাই।

উত্তরপশিষ্ঠ গোলের প্রায় সর্বাক্ত প্রচুধ পরি মানে রাষ্ট্র ইইয়াছে। বেশকল ভূমিতে বীস বপন করা ইইয়াছিল, ভাইার আ, উলগ্ন জুবিধা ইইল। রাষ্ট্র ইওয়াজে পুর্জারনী ও কুপদক্ষে জল ইইয়াছে। অধিক অক্ষাদের বিষয় এই ময় নানে বধ্যেই ভূগ ইওয়াজে গোমহিশ্যর প্রাণ

টাইমণ জার ই ভিয়া বলেন, মস্তাটের জুটন জুলভান অভিনয় অভাটোর কথাছে লোকে জানার উপরে বিরক্ত রহয়াছেন জানপুর্ক জুলভান উপরে বিরক্ত রহয়াছেন জানপুর্ক জুলভান ইন্দা আজুমণের চেষ্টায় আছেন। করিবা করিবার হিছা। এই নিমিজ ভিনি জুভন জুলভানের চার জ্বাজ্যেন। মস্তাটের বিষয়ে রোস্টেন্ট যে বাজনীতি অবলম্বন করিয়াছেন। ভাষা প্রশংসনীয় নহে।

ভারতের নিকটন্থ গনজাগ্রামের এক ব্যক্তির কন্যাকে ভাইনে বাইয়াছে বলিয়া সে এবং আর করেক ব্যক্তি এক প্রিভ ক্টয়া প্রকা করা আলোককে ভাইন ছির করিয়া ভাষাকে ভ্রামক প্রকার করে। কভাভাগ্য প্রকাশের ভাগতে প্রাণেবিয়োগ হয়। গভে জৈর্দমানে এই কাপ্ত করা কিন্তু প্রামন্ত করাকের ইনা গোপান করেছিলেন। গুভ কওয়াছে ভারতির সে সাল্য প্রকার ইনাদ্যোর প্রকা করে। স্যাভবনের প্রকাশিস করেশি হিলার প্রকাশিস করিয়া নেরাল গিলাছেন। প্রধান বিনালের ইনাদ্যার করেশি করেশি করিয়া করিয়াছেন।

গাত চেনেছর মানে কলিকাত র টাকিসারে । ১০১৯:১৮ টাকা ত বেধেইরে ১০০৬১ টাকা মুদ্রিভাষা। মাজেপ্রের টাকিশাল বজ আংক্র

রোহিলখণ্ড অব্ধি লক্ষেপ্রান্ত একটা এতি টাকার।> সের করিবা তিন হফ

ক লকাতার নিক বৈশ্বী লোগ থাল
পূর্ণ করিয়া ভাষার কর্মণ করিয়া নি
মৃতন কোম্পানি ইইয়াছেন । নি
মুখন কোম্পানি ইয়াছেন । নি
মুখন অধ্যক্ষণণ লগুনে থাকি।
শুলার তঃ অংশ ভাষার হিবে। আপাততঃ নীদিণ
প্রক্ষিত্র করা ছইবে। আপাততঃ নি

বোখাইয়ের ছোটআদালতের ভুতপূ প্ৰতিমিধি চতুৰ্থ জজ বালা মলেশ বাগা ৰি, এ, বি, এল বারিষ্টর ছইবাই পরীক্ দিয়া উন্তীৰ্ হইয়াছেন। বিচার তি সং চারলস সাজে कि, বারিপ্তর ফার পস ছেব औ ইকুইটি মাষ্টর ১ক্ল সালেব পরীক্ব ছিলেন ভারতবর্ষে থাকিয়া পরীকা দিয়া রারিষ্টর ৰ্ওয়া বোৰাইয়ের এই প্রথম দৃষ্ট্রি। এল किनाडीन कालाकत प्रश्काती मा शक महादिवरणाविन तामान धरे प्रियात कहाना कतिशाद्धम । अधि<sup>र</sup> विषय এই, बादा देखेंद्र देखाओं সমূহ এই ফুড্ন প্রথার ভত্মোদি ছেন। এ বিদরে সাক্ষাক ও প্রেম্বাই, অপেকা প্রধান। অবচ তথায় শালুন পণ্ডিত, যা কানাথ মিক্সপ্রভির নার্চ্চি জন ও উপযুক্ত ব্যবহারাজীব নাই খে, ও मिनीय विठातशिख्त अन श्रीख दर्। व বর্ণেদ পিকক থাকিতে বছদেশে একুপ হ বার ধো নাই ৷ যেসকল ভারতব্যী ন ইংল হইতে বারিপ্তর হইয়া আসিতের ন ওঃ দিগকেও ৰঙ্কিত করিতে পারিলে প্রথ বিচারপতি চাড়েন নাঃ ভারতকর্বে ে লের নায় একটা আইন অধারনের স্থান ৷ এটা প্রার্থনীয়: ভারত্বর্ধীয় সভা এ করিলে কুতকার্য্য হটতে পারেন।

বর্দ্ধমানের মহারাজ দীলির চিত্রশালিক এক মৃত সিংহ দিয়াছেন। এটা প্রশংস কার্য্য সম্পেত নাই।

সফ্রলাইট বলেন, আফ্রোবের এতি টাকায়।> সের কলিবা তিন ল্য কে বলপুর্নক । ব কোন নক। ২ সেই;
কে বলপুর্নক । ২ সেই বি র

ত পথচ রাজা শন্যের ভাক
র নিমিত আজিমিরে কর্নের

ত সাকাৎ করিতে গমন কবি

তিওে

প্রতি থানক ল পেকান লওরাতে পঞ্চার
বিমেন্তি অনুবাদক পণ্ডিত মহীপাল
গাঁতিটনাই গ্রণরের মিরমূসি হইরাছেন।
তে আর কি জন নিরম্বতি ভূতি ইউরোপীর
ক্রান্তী সরকানী তহনীল তছরপ করিবার
মগরাধে পূত হইরাছেন। ইহার নাম শোল
বুগম। ইনি দিলির কেল আদালভের আধান

প্রলক ওপিনিয়ন ব্লেন কালেনেরের ভানেক সংলকায় ধূর্তি ছুর্ভিক্ষণিবারণী মত নকটে সাহায্য পাইছা আলন্যে থে গরিতেছে। সংলকায়নিগকে ইয়া আহার দেওয়া মতু হত। এই হিল্পেণ্ড ও প্রেমায়ারের থেলারের

বাটের ছুণ টনার বিজ্ঞারিত রুভান্ত কুর ছে। খুন টা মৃত দেহ বাহির হুইরাছে। আরও কডগুলি ভুগু শন্ট ও বাবের মধ্যে আছে জানা বায় নাই। এয়ি ৫০ জন ২০ তের আঘাত প্রাপ্ত হুইয়াছেন। কেল যে সংগ্রহারীদিখের সন্মানেও বি য় হারা বিভান্ত সাধ্য হুডাল্য কারোনীদি পোর সাধান্য করি ছেন।

পার। । বাজার বৈনাদিগকে রণ শিক্ষা নিবার নি'মন্ত ইংলাণ্ডীর প্রবর্ণমেন্ট আফিরে প্রেরণ করিবেন এবং রাদা নিচেও প্রার্থনা করাতে এই আজা হইরাছে, বলিয়া ক্ষেণ্ড অব ইনিয়াতে দে সংবান প্রকালিত হর, ডেলিনি নি ভাষা অমূলক প্রায়াছেন। স্থান্ত কাল প্রার্থনা করেন নাই। ভবে ইংলণ্ডের কতকণ্ডলি লোকে এই

্ ২২ এ মাষ বুধবার। প্রেক্ষাটোর ছঘটনার অনুসক্ষানাথ বোধাই ১০০ এক ক্মিশন নিছুক্ত ক্রিডেচ্ছেন্

शवर्गमणे व्यवधानात अधान कश्चिमतर्ग हेलिश्राम कः १९७ किन बिलग्नः इस. १मु छ कार हे छग्न माध्य इ य बहलन, व्यास्तानंत ज्ञासून भात छ कृषक्रिटान्य स्थान विवास व्यावस्त्र कहे प्राप्त अव व्याव (शानस्वाहित महावन) हारा माध्य क्रिक्टल हैकाइलक। जिल्लामत्र अधानना हारा माध्य क्रिक्टल हैकाइलक। जिल्लामत्र अधानना

উত্তর পশ্চিম ক্ষালা। লেপ্ট্রাট স্বর্ণর সং ান নিয়াজেন। উত্তর পশ্চম ক্ষলের প্রায় প্রশংশ রানে এচু: ইট্টি ওয়াতে প্রকৃত ছার্ক্ত কর্মার গভাবনা নাহ। শসে।র স্থানক স্থাবধা কর্মাজে।

वश्रासित वादास मनम् छाक्त छि। वि त्याथ अवाद तत्यत मन्द्र भू तित्य भग्न काइश्र कित्यमः त्यामध्यकातमः औ व वाक्त ज्ञ भ्रतः भार्त्र कतिशा भवर्षश्यके द्वाहातम् वित्यस क्यू स्वास कर्त्रत्य वत्यसः स्वासतः स्वास्तिक हर्न् लाम, भ्राह्मितक वाहा विलिश्च कित्यसः स्वयः क्याम काहा व्यक्तक वाहा विल्याकित्यसः स्वयः क्याम काहा व्यक्तक वाहा विल्याकित्यसः स्वयः क्याम काहा व्यक्तक वाहा कित्यसः विषयः ।

मान कि लिखं का अवत है। है स्त्र, जातन है के खान गरिए विवरत हों। त्राक्ति है कि बनेत कर खान है। कि बहे मीमारण रहें हैं अव कर में के के मिमारण रहें हैं अव कर में के के मिमारण है हैं वे अव कर में के के मिमारण है हैं वे अव कर में के के मिमारण है हैं वे अव कर में के के मिमारण है के के में के के मिमारण के के में में खात बारण के कि दिन । की विवर्ध में मिमारण के के में मिमारण के के मिमारण के के मिमारण के के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मिमारण के मि

सामित नाम्य कियान । कुर्न क्यां कियान नाम्य कियान कियान किया कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान कियान किया

लार्छ सिलियन म जाएकत श्रधान मनित क जिनकालय मेर कार्यन श्रस्त कर व सम्राह्मन । क न त्वित स्थान माम्राह्मन, कर्यान रहनन ना, वाधी ए लाक भवन मार्थन कर्यानम् क्या केंद्रान मांक्टश क जाने किया महासूर्ण। नाजिक लाक् था करन केंद्रमाम्बाह्म १६८० ।

কর্বেল মতে তেওয়ার রাজ্যার মন্ত্রী হইয়াছেন। হনি কর্তেন য়িওডাও কুটুর বিশ্বে শাস্ত্রার্থেড় হয়ার জুগুলশন নাই। ভারেট প্রভুলা

সপ্রতি বল গেপুরের র'জা বিচারপতি কর্মানের সঙ্কি শংক্রিকাজারের জধ্যমনসভা দিন করিয়াকেন। বিচার বিত করিয়ার এই সভাব আন্তেশ প্রতি করিয়ার এই সভাব আন্তেশ বিভার করিয়ারিকা অধিকতর সংস্থাত করিয়াছিলেন।

।বার ঘাটের উল্পানিব্দন বেছাইয়ের লোকের বিশ্বেষ চঞ্চিত হুইরাছেন। পুনাজ্ব জার্থর বলেন, যত লোক মবিয়াছেন বলিয়া রেলপ্তরে কোন্দানি ঘোষণা কবিয়াছেন, লোকে ভাগ বিশ্বাস কবেন নাই। জানেকে জ্বিযোগ করেছেন, রেলপ্তরের খালাসী প্রস্তুতি আহেউ লোক্দিগতে প্রভাপন কবিবার জ্বীকার করিয়া বিহাদিগের সন্দ্রি জাত্মসাং मर थारि ७०० होका निस्न कार निर्म ।

क होका मिनन यन इस्टिंड (मंडरा) इस्त वर्ण किस्त हेर्हों ता नमूनांत नमस किमा ।

कार्या विनिद्यासिंड करत्य । कक व कि सर्वितियासिंड कर्त्य । कक व कि सर्वितियासिंड क्षिण ।

कार्यिक इस्टिंड भारत्य ना । क्षण्यकः यथार्थ वास श्रिति (श्रितियासिंड कार्यक्ष कार्यका वास क्षर्यका वास क्षर्यका ना ।

### 374167# :

ভারতবর্বের আয় বয়ের हिनाव थिमारनत मगत निक्षे की इहेश **कामिल।** बादांत मूछन कत करा इडेट्व १ कि यिज्ञण खाटक, भारे जाण थाजिट्द १ आहे अञ्चल हेश जारमाना हहे एक एक। रक्ष ७ খাব ইতিয়া ইনকম টাক্স স্থাপন 'প্রস্তাব করিয়াছেন। আমাদিগের রাজস্ব সংক্রাস্থ মন্ত্রী মর হিচার্ড টেম্পল দে 'দিবদ' विश्व मधारकत (अरकत मधरत इंडेटरा भौशमिशदक बिलिहार्ट्डन, खिनि **উই**श्रम मार्ट्यत मात्र (कवन श्रामणीयमिर्गत মভাসুদারেই কার্য্য करिर्दन। भर हिठाफ रिष्णाल द उसकी शिक्तात मङ रिय आहा करतम मा, जाहात कातन चार्छ, তিনি যে সম্প্রদায়ভুক্ত, দে সম্প্রদায়ের हेण्डा बहे रव ভात ऊवर्ष जितकाल मूर्य হইয়া থাকুক, ভাঁহাা অত্তা লোক मिश्रक निष्युत्र नाशि वल पृद्धक भागन कटतन। किछ इंश्लूछ इहात अच्छून रेन भनी छ। लाकि छ । इहेर छ छ । त्ला সাহের স্পাঠাভিয়ানে ক্লিয়াছেন তিনি সূত্ৰ বর্ষাপ্ৰ सा कहिल्ल व:ग्र নংকেপ ও মিতব্যয়িতা অবলয়ন করিয়া कत्रकारतत्र लघुका मुल्लामन करिएवन। এদেশের যেরাণ অবস্থা ভাষা বিবেচনা করিলে একণে যে কর আছে ভাছাই ञानहाइ ≷ ब्रांट्इ। नत क्रम लादिका (य কয়েক বংসর শাসন করেন, ভাহাতে कत्म कत्रजातत्रकि इहेग्राटहा शक्षांची

রাজনীতিজেবা राक्यविय महत्रा वाश्वतिक कविता स्व तन अकारते छ । धह डाटानियात जाननीडि, हिन्ह कड রিবজন শাধারণের অতিশয় অস্তোর जिम्हाद्य । व्या गामिएन इ কাৰ মন্ত্ৰী চতুরতা ও পরিশ্রমণ্ডকারে यां कार्या कट्डन, खनाहाटम विভाরের বার मः एक भ कतिया कशकात লঘু করিয়া তুলিতে পারেন। প্রলিক ওয়ার্ক ও কমিশরিএট বিভাগে অনুসঙ व्यर्थतात्र इत्र । व्यनाद्वाटम कई यात्र कनिएड भारत । देश्लाखीय तांकाच मश्कांच मुद्री रैमनिक वात्र केमोहेट एहन। मत तिहाल **्टिश्रमञ्ज (हन्दी) क**तिहम क्रेत्रभ कतिएछ भारतम ।

छेरेलमन माट्डर जक अन विथान शक्कदिद हिल्लन भरमह नाह। किन्छ তিনি ভারতবর্ষে আদিয়াযে ছুটী কর शांभन वट्डन, टाइ। माधाइटवृत्र व्यमदश्चायकत इहेशाहिल। इडेटताशीदादा नाबाहरण डाइन्ड छन्द्रीत अञ्चलका कटरम नारे। अधिकार्म इस्ट्राशीय इनक्य हात्त्रत श्राण्यान कतिशाहित्तन। लाइटमञ्च होज इहेल छ भाषात्राना চিৎকার कर्तन। गत रिচार्फ (**टेन्शन इंश** पिथिश यकि शुक्र নাহন, তাহা হইলে ভাঁহার বৃদ্ধির व्यन्तरमात कात्र विक्रित ना। इनक्य টা স এদেশের লোকের পক্ষে অভিশয় অনুষ্ঠের : हेडेटबाणीय मनारकत श्रमश्मा यमि मामन काट्यात श्रुतकाटतः পরা কাঠা হয়, ইউরোপীয় সমাজের मकरलंद निकर्षेष रम खन्मा लाख हहे-তেছে না। সে দেশ শাসন করিতে हरेदद, **उ.बेडा लाहिता मुख्ये ह्**न कहे উদ্দেশ্য রাখিয়া কাজ করাই প্রকৃত রাজ নীভিজ্ঞের কর্ম।

-:0:--

म्र्रज तम् चर्शका जातपबर्ध दिन অভিশর সুরভ। আয়ুহতার ইনিমিত क है है, आहे भनाटक वश्व कित्रवासिक म्छे हे, या विश्व विकास का कि माना व्यक्ति विषमः बार कतिएक क्रिटिक **इडेट्डा भीव वर्गावनविद शिख्ट छ**। य म কল ধাতৃত্ব ও উত্তিজ্ঞ বিষ্ণ ছবিফ ভ कतिवाद्यम, मधिन विकिथ्यद्वेत वाव-कालज वाडिएतटक देशतांकी जियबालय जिन्न शांदता यात्र ना ; किन्न कांक्रेविय, चरिएकन, इति जानश्रकृति भ जुड़ा, विगछील रन रम रमाकारन विकारिक इसे। এতরিবন্ধন शक्ति। इटा ও নানা **अं**कांत भाइमीत का उ चरित्रा थादक। महत्राहत নভাভার ইলিব দহিত আত্মহতা র রুদ্ধি हर । अत्मद्भार विख्य तिशासक च्याहिट्यान ৈতল মিশ্রিত করিয়া ভক্ষণ করিয়া প্রাণ ত্রাগ করে। উত্তরপশ্চিমাঞ্চলে (ইছার वादा व्यानक मामाकां कता। बूं क इहे शाटक । शृञ्जा मर्द्राज शां दशा दशा । এটা केकिनिरगत धार<u>्यान ७</u> **घरमांच** श्रधान श्रधान नग्रदत (वन्धां मिश्रदः ধু জুরা খাওয়াইয়া অচেতন ক্রিয়া তাহ मिट्रात व्यवकात व्यवहर्त क्रिता इत्रा কাশীতে এক দল মেধর আহে ; ইহাছ। स्थानात निक्रि शिशा विक शक्ति क्ष छित वासंत मम् तथ किना वाही। धरे डेसिड्ड विश पाहाई करिवानीज वास्त्र मृजू। एक अंश्रतक नक्ष्रत वाहिटत महेन्ना याचेटण सहेटल स्थलत्त्रता প্রতি **অত্থে** চারি টাকা/ পাইল গালে । करे मार्यामा नाटखर निन्ति । धरे हुता श्रादा अवस् मृत्रावान कीव नके कहर। मला कि महमनिश्ट हत या जिए है है गव-र्गरम्भी क कानाहेशाएक अक लग अधि काठे विश श्रीकृशकेश विख्य आ दम करिएएए। এक कम भुमनभाग वश्री ত। हारिएशन महहत। के वाकि शक्त बाब

বিষ্পাওয়া বায়। **আমাদিপের দেলে**র

प्राचारी यशकिष्यः नार्खंत निमिष्ठ

অনায়ানে মসুষা ও পশুর প্রাণ বধ

∢८त्र । छणगर्हात आमामित्रत वक्करा **बहै, बहै जा**निक निवादनार्थ बहेत्रण धकी बाइन करा वर्खना, य तम वास्कि विय विकास कतिएउ भ'तिएवन ना। अकरण व्यवशादिम शिक्ष शक्तरिविद्य पार्कारन নের সের কাঠ বিষ কুঁচিলা ও ছরিভাল लांग्नयाः गास्त्र हेक्दि 🏋 हरा व्यक्तिकः। ्रिक्थ मान्द्रा त्कवन दिन विक्री इ क्ट्रेंद्र । वि<sup>र्</sup>क्ष्यमद्रकत वाव**काश्व** वाङ् cacक ठाहा विक्ती ३ हरेंद्र ना। शास्त्राह চাই যেরপ হর, দেই প্রকার অসুমতি পাত্র না লইয়া কেছ খুজুরার চারা কণিতে প्राधिदेवन मा। अहे निश्मणं ल कहा डे कि व । वाजारत क्रक वान्तिक कि क ्द्रित एक अहिरकन विकास करा इहेटव ্লা। এই প্রকার ব্রেখ্য ধরা অভিশয় আনুব্দট্টক। অভিকেন থিকটের একটী বিশেষ সীমা করা অতিশয় কর্তব।। আমরা স্বচকে দেখিরাছি একটা দাদশ বর্ষবয়ক্ষ বালক কোন্ঠ লাতার সহিত विवान किला व्यक्तियानत काता कान क्षांश क्षित्रहरू । अ । यह वर्ड यून्ड ना इंडेटल । इंडिजांगा मिल्ड कथन क्रका एकु देख ना। गवर्गस्य केत भाव उनामीन स्टेबायांका उंक्ति नदर।

**国**(教育)第1

खात्र छ वर्षीय भवर्गर मरल्टेत योशकाश इका ह औरनत रेन्द्रवानीत नामा निकास इर्ट्साथ इड्डा डेडिशाटह । काटना टेनव बागीए एक का है कतिए भारिएक मा स्विभूककित्तित याँशत यतार वार्षा स्टब्सिमी देव्हा, किनि डेक्ट्रंड त्यहेक्रम অর্থ করিয়া দিভেন। ভারতবর্ষীয় গ্রুণ **म्यान्य वाश्वास विश्वास आमरा त्यहे** প্রকার অস্ত্র হইয়। আছি, রাজস্ববিৎ मञ्जी यथन याहा वृकाहेश (एन, व्यामहा कां हो है जुलिया थार्कि। " नाटमी मुनिर्यमा মতংন ভিলং ৷ যিনি যথন নুতন আই দেন, তিনিই তথন কিছু নুতন করেন। এক জন আসিয়া বলিলেন, আয় অপেক বায় এত অধিক হইয়া পাড়িয়াছে যে इनकम होजा ना कतिता तांका तकः **হওয়াভার। আনর এক জনন আন্দি**য়া ইহার বিপরীত কহিলেন। ভিনি গণন: कतिया बुका हमा मिटनन, आंग्रं वाम शाः नमान, चाछ बा इनकम छाट्या अट्यां अन নাই। তৃতীয় ব্যক্তি আসিয়া করিলেন चात्र वाट्य व फुटेवन क्या निक्षिक हरे র্তহে না, আভত্র ইনকম টাকু না कतिया नाहर्मम ठाक्र किर्म हिल्ल हिन्द এই প্রকার রানা মুনির নানা মত (मिश्रा प्याप्तता कि च्रित कतिव १ क्यों भा **७** छ: कि आहे चित हहेए छ। स् ना स् कार चार्राका वास विश्व कार्यका दास कर्णकः আয়ে অধিক অ্থবা উচ্ছয় সমান রাজস্ব विदम्खिपिरभत (कहरे क्यान्तर्भ रेशत िर्नम्र कतिएक शारतम् न, विनि यथन নুতন আইদেন, তিনিই একটা দুতন মঙ করিরা যান।

আয় ব্যরসহকো ভারতবর্ষীয় গ্রন্থ মেন্টের একটা অন্ত ত তাব দুফ দুই-তেছে। আয় বারের সমভাবিধানের মুখা উপায় যে বার সংক্ষেপ, সে দ্বিক ভাহাদিগের দৃতি নাই। স্থানবিজ্ঞ कटण वाक्र**कार**भंतके व्यवस्थः हस्ति व्हे ८ चट्छ । अ.सं ल्याक व्यक्त श्रृक्षट्वक व्यक्त আহে, বান্ত্ৰভ বৃদ্ধি হয় ২উক, ভাহা ক্ষাইবার আৰ্দাক্তা নাই, যাহাতে रमहे बाब ह निवा तान, जनसूत्रन चारतत मद्भवत कहाई कर्जवा। क्रमर्थ विम चन्द डेशांत खरणवन कतिएक इत्, डाहां अविदिश्त नत्ह। आन्तरकत अहे মভাৰলম্মহেতু জুয়াচুৱি জাল ও প্ৰতা রণা, ভহাবিল ভছুকুপাত প্রভৃতি দোষ चित्रा थात्क। छेळ मजास्न तर १८ वर्ष विट्रमदमन यक्षम माना भाष चिटि उट्ह, তখন গৰণদৈক্টের যে ঘটিৰে না, ভাছা मखाविक महरू। भवर्गस्य देव अवाभी-फून त्मार चिंटिकटह। कटत कटत शकाता वाडिवास इरेगा পिक्शिटहा मिटकटन রাকারা ক্ষণরাধিকে বস্ত্রণা দিবার নিনিত নানা বড্রের উদ্ভাবন করিভেন, বর্তম ন রাজু পুরুবের গুডেমনি নিডা স্তন করের উদ্ধারন করিতেছেন। প্রভিপদ **्कर**ण हे। इन्नत आचा ज नारम। किन् वाका व्हेशा शकारक अंतरश देविय क्या বিধের নর। এদে:শর আভিধানিকের। রাজা এই শভের প্রকৃতিরঞ্লকারী এই पार्थ कतिशाहरून। (य ताज। श्राका अञ्चलां वी नदण्य, उँ: हाटक त्राका वल्। यात्र ना। वात्र सः एकरश्रद श्रश्च नाहे अमन नय. छेहात ध्यनखाय बाकिट्र इस्तंह करबाद अवाद ऋह्याः निरंकत करिया প্রজাপীত্ন করা রাজোটিয়া কার্য্য नटकः वा व्यक्तः भावः वाद्रः हैं शावनाटनत দম্ম আদিয়াছ, বুতনবিধ কর স্টির কৃপেনা হইটেডছে। এই নিমিত্ত আম্রা **बह् श्रक्ताद**क व्यवकारण कतिनाम ।

🗀 🕟 विविधनः वाम ।

२ • अ भाग (म भवात !

বৃদ্ধান্ত অচি হিডে বিভারণতি দিবের ম্যায় ব্যেষ্ট্রের বিচারণতি দিবের বৃত্ত নুরু জু

31 W WIN 1

18 नर्यहाः

# " प्रवक्तमां प्रक्रितिकताय पार्थिकः सरस्यती अतिमक्ती न कायतां।"

मानिक मूना ১ এक काश्रिम वार्षिक ১ - मन । नन ১২१४। ४३ को छन । ১৮७৯ । ১৫३ क्या स्त्रीत অধিম যাশ্যাসিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা।

# विकाशन।

हक्तांवजी नांहेक।

ब्री नेबाइहोन भीत कर्डुक बाख्युलि नाहा শালায় অভিনয়ার্থ বির্চিত। বছবাজার ১৭২ **बर्ड्डान्ट्रान्यास्त्र श्रान्। भूतः এक होका** ভাকম'সুক্ 🗸 ।

কলিকাভার নিকটবড়ী মিউনিসিপালখালি বাটীর মালিকগণ ঘংহারা বাঙ্গালা কাউলেলের ১৮९৮ माल्यत २ का**डेर**नत ১ धार्तात मन्माञ्च সারে মিউমিসিপাল বাসী ভাড়া বিষয়ে অনুগ্রহ প্রার্থনা করে, ভাষাদিগকে স্মারণ করিয়া দেওয়া য ইতেছে যে উক্ত পারার বিধান অনুসারে মিউনিসিপাল কমিসমরগণকৈ বাটী খালি হইবা भाज प्रश्वाम मिटक इंड्रेट । यमि दक्क मिन थानि থাকে তবে প্রত্যেক কোয়াটায়ের প্রথমেই উজ সংবাদ দিতে হইবে। আর যে ভারিখে প্রথম সংবাদ দেওয়া হইয়াছে সেই ভারিশ হইতে जे काहेन कञ्चारत यह होका (तहाई (म्लग्न याहेरव खारा भनमा कदा बहेरव।

জালি পুর ১ কেব্রুয় বি সকলের হিউনিসিপাল ক্রি ১৮৬৯ সমর্গণের চেয়ার্ম্যান

# इर्गार्यं मार्कः

কলিকাতা সংস্কৃত যন্ত্রের পুস্তকলিয়ে छगनी नर्पाल स्ट्राल क्रिकालीश्रमत विमाधितत निकरे ७ कामना (विण्युक्त रहन थाना। সূল্য। আট আনা।

হরিনাভি ইং সংবিদ্যালয়ে ১৮৬৯ অব্দের श्चरिका नहीकाथीमिरशय नार्वनार्थ अवनी

हरेंग्री व्यथ्रप्रत्यंत्र योगना ক্ষেন, ভাঁহারা क्षधान भिक्रारात जिन्हि निश्चमानि व्यवश्रक इहेर्यन ।

৩০ ডিসেম্বর

শ্ৰীদ্বারকানাপ শর্মা रिविनां जिल्लामर प्रत

মংপ্রণীত চিত্তবিনোদ কাব্য ১ ম খণ্ড। জড়ি সুললিত অমিত্রাক্ষরে রূপকক্লে ইহাতে ভারতবর্ষের বর্জিমানাবস্থা বর্ণিত হইয়াচে গ্রহ পেক্ট ক মহাশয়েরা বর্জমান বড়ধাজারে অধর লাল শাহার পুস্তকালয়ে তত্ত্ব করিলে পাইবেন। क्रिकानहस्र वस्त्र ।

---62---

চিকিৎসাপ্রকরণ এবং চিকিৎসাতত্ত্ব অৰ্থাৎ

শ্ৰিন্সিপ্লগ্ এবং প্ৰাকটি গ, অব মেডিলিনের

**ध्यम थए ৮ (**शिख क्तमात १७৮ शृक्षे উত্তম বাঁদা, জীযুক্ত বাবু গলাপ্ৰসাদ মুৰোপা शाम वि, এ, अम, वि, कर्कुक मरश्री उ रहेशा প্রকাশিত হইয়াছে।

**প্রথম খণ্ডের বর্ণিড বিষয়(১)** সাধারণ নিদানতত্ত্ব (২) অক্তরুৎদেক্য প্রীড়াসমূহ। (৩) দৈহিক পীড়াসমূহ (৪) রার্মগুনের পীভাসমূহ।

মুল্য ১০ টাকা, ভাকমাস্থলসভিত ১০॥০ কলিকান্তা লালবান্ধার হিন্দ্র হস্টেল ২১০ মং বাসীতে 🕮 যুক্ত বাবু গুরুদাস চট্টোপাধ্যায়ের নিকট পাওয়া যাইবে।

# বাল্মীকি রামায়ণ তৃতীয় খণ্ড

अहे शुक्षक अध्याविध अकान् इहेट्ड । स्थानीय क्रेग्राह्य वाहात्रा केराया व्यक्ति हिराय नागताकरत मूल छ निका अवर मर्करणाय

वाजना अञ्चामः जारहा सांचारः जान इहेरन, **किन क्लिकादा आक्रममार**क स নামে পত্ৰে লিখিবেন। প্ৰত্যেক; শঞ্জের ফরমার ) মূল্যা। - আনা বিদেশীর पिगरक / • जाना माञ्चल पिर**७ प्**रेरिन।

कनिकाछ। वाकामभाष्ठ

बीरामध्य खड़े।

गृजार्श्वत व्यक्तिक र ১। এতভারা আমাদিলের উষ্পত্র ञ्चन, महकाती । मत्राभा तन्त्र क যাইভেচে যে, দ্বিভীয় ৌত্রমানিব সম্বন্ধে অর্থবপোড় '' স্থার অব্ জোসী' উইক, ব্রিটিস প্রীন্স শ্রাল 🚉 মুলোর ঔবধ পূর্ব প্রাপ্ত হওয়া গিয়াছে. সম্প্রতি আমরা বিলাভ হুই: हे९ राम अध्यक्त राज्य राज्य के किया हिन्द है। 📆 मबरफ '' ब्रिपिन कमान, किए कांब्र्वह, ह ব্যাক্স ৯ নামক অৰ্বপোভত্তরভারা ৮% ব্যক্ত इंडेट्রाभी র উবধ প্রাপ্ত হইয়াছি। এই সমস্ত উষ্ধ স্থানাধিক সাভ সহজ্ঞ ীকো খুলো ক্রায় কর্গ হইরাছে :

२। जाशामी वर्षद अध्यम देख्या हैर छ जें উপলক্ষে চিকিৎসোপধোণী হ . ব্রহা প্রস্তুত করণের 🕸 💆 বর্ধ বিক্রেয় করণের 🗻 নাহি সাম্জী ও সকলা ও বিবিধ তেখভান ইং সম ১৮৬৯ সালের ফেব্রুয়ারি মাসে বিলাং. र्हें ए लिक्टिन।

**৩। আমরা অধিক প**রিমাণে ও খুচ্রা **উভয়রূপে** ঔষধ বিক্রয় করয়: থাকি।

8 । अहे भगन्छ ज्ञदर्शास्त्र व्यामन विस्ति छि इति। व अन्याना मनीत त्वर अस्टिए हेन्द्र क रुहेरल, जामराष्ट्र की एवं २६ मध्याक श्रेषां अव धानाम औपुक बांबु भाषीयाथ एक निकृतिक किया

Š

| कीरा |             | ংখ্য ক   |              |                |
|------|-------------|----------|--------------|----------------|
| Nic  | रक्षत्र 🖹   | कि व्हा  | वू सम्म      | গো-            |
| র র  | নিকট        | (भविद    | <b>13</b> 11 | <b>हे</b> १ गम |
|      |             |          |              |                |
|      | i           |          |              |                |
|      | _ वास्त्रम् | शासता हा | এবং          | কোং            |
| ( )  | ,           |          |              |                |
|      |             |          |              | 1              |

েছর বিলাপ মুদ্রত হইয়া প্রকাশিত পুস্তকের কলেবর ৮ পেজী ফরমার লংমা অর্থাৎ ২১২ পৃষ্ঠ। মূল্য ৮০ আহানা ার আবদ্যক হয়। উনস্ত্রিয়া সংক্ষ ত যন্ত্রের চালয়ে অথবা প্রেটালভাক। বাছুর্ব্ধ আছের कार पुष्पकान । प्रमुक्तान कांत्रलह . १न ≷ंछ।

क माल অগ্ৰহায়ণ **उ काल** 

12 is

**बी निवनाथ उद्घेष्टार्य**.

उनिश्र मध्यकुष्ट श्रुष्टकालाम् ७ भागित বাজুর্ব্যে আছু বি কোম্পোনির দোকানে গুড়া মংপ্রচারত নিয় লিখাত পুস্কেণ্ডলি \$1.00 E:---

| , श्रे ज            | भुना |              |
|---------------------|------|--------------|
| পূট্ভি <b>হ</b> াসূ | ٤    | हाका         |
| ग्रेड व्हा के       | 2    | द्र          |
| 17 2 3 12 3 A       | į    | স্থানা       |
| নীভিসার (১ ম ভাগ)   | ن    | (E)          |
| भीडियाव (२ इ)       | म    | <b>3</b> (5) |
| & B [ [ 48 ]        |      |              |
| भुक्तादाद वहाकद्व   | 34   | <u>জ</u>     |

জীঘারকানার শ্রা

· ?o:--

# विविध प्रवासि विक्रशार्ध 23351

हैं? विकाली शुरक वामक कलम माना প্রপ্রেশ মার এমা পুস্তকাদিতে এক আনার ভ্যাতে কমিলন দি , অধিক कात के खक नहील 🗸 ५ । नाव हिनार व ইবেন।

| क्षां न दूरक अवश्वनी          | પ છે | ! <b>%</b> ! |
|-------------------------------|------|--------------|
| श्चाक भिन व्यवस्मिक्तिमीन अल् |      |              |
| প্রদাদ ভাক্তর প্রণীত          | ۷.   | è            |
| মেঘদুত স্টীক                  | 211. | ğ            |
| কুমার, সচীক                   | ₹#•  | ঠ            |
| বেণীরংহার স্টাক               | ₹∦ • | ঐ            |

|   | নিদান স্থীক                            | 8          | <u>ئ</u><br>ق |
|---|----------------------------------------|------------|---------------|
|   | ঞ্জীমভম্ভাগবত সচীক                     | ७२         |               |
|   | 674.2                                  | ۶.         | ځ             |
|   | ভট্টিকাৰ্য জন্মদল ও মলিন               | t-         |               |
|   | থের টীকা সহিত                          | ७१         | Ė             |
|   | गरकृष (एक्रमादी ऐरेलमन                 |            |               |
|   | नार ३ व कुन्ड                          | <b>¢</b> • | E.            |
| - | গ্ৰীযুক্ত বাবু কালীপ্ৰসন্ন সিংহ        |            |               |
| - | नरवत अधीख शहर ১৮ शर्क मह               | ভারত       | 5             |
|   | ১৭ খণ্ড সম্পূৰ্                        | ٠.         | \$            |
|   | धे 🐞 छ विश्वाउभन्न                     | ·9         | ঠ             |
|   | के १ के छ एकता भन्त                    | ৩          | à             |
|   | के ৮ के जीवान मं                       | ৩          | Š             |
|   | के के के स्माननर्म                     | ৩          | ঠ             |
|   | के ३० के कर्नभर्ता                     | ર          | ঐ             |
|   | के १५ के महा भर्त                      | ą          | ঐ             |
|   | এ ১২ ঐ সেতিক পর্ম                      | ٤          | ঐ             |
|   | ঐ ১৩ ঐ শ্রী পর্বা                      | 7 H        | Ŕ             |
|   | এ ১৪ এ শ:তিপের রাজাধর্ম                | ¢′         | ě             |
|   | <u> ओ ५० ओ (म क</u> ्यर्स              | 9          | Š             |
|   | क्षे ५७ के उस्नामन भर्मा               | . 🔊        | ऄ             |
|   | ঐ ১৭ ঐ ৰেঘ পাচ শৰ্ম                    |            | 5             |
|   | বিচাব ভর্জিনী অগণে বেদায়ে :           |            |               |
|   | নান্তৰ্গত বিচাব ও মীমংংশা হয়          | ইল         |               |
|   | প্রমাণ সভিত                            | 7          | Ā             |
|   | জ্ৰুতি দৰ্পণ                           | \$         | ট্র           |
|   | অষ্টাবিশ্পতি ভ <b>ৰ্মাঞ্জি</b>         | ,⊅ \$      | Ω             |
|   | शाजीन म <sup>्</sup> रिका > अर छ मण्यू | 1 2 4      | ক্র           |
|   | আত্মতন্ত্ৰ বিবৈক ভাষ্য স্থিত           | 3          | Ě             |
|   | উত্তর নৈষণ নাবায়ণী টাকাস্ফি           | ভ          |               |
|   | ১२ च <b>८ छ म</b> रूपूर्व              | 2.5        | ٷ             |
|   | तिकास को मनी अम्मूर्न                  | 35         | Ò             |
|   | ी (निम् चल                             | ٩          | ঐ             |
|   | वित्वकत्रकावली .वश्खनगढ्यम्            |            |               |
|   | মত ও বিচ র                             | 2 H        | S)            |
|   | কৰ্মাঞ্চন কল্মক'ও বিষয় সিদ্ধান্ত      | <b>१</b> २ | Š             |
|   | माञ्चान कूलबन (मारश्तक्ष हर-           | -          |               |
|   | রাজী ভরক্ষা                            | ۶٠         | ঐ             |
| 7 | কলিকাভা জোড়া- 🤰 🎒 প্ৰভা               | পচস্দ্র    | রায়          |
| 7 | गाँटका ७३ मर 🔰 मणन                     | বিক্ৰেণ    | 51 .          |

২৪ পরগণার আছে:পাডী কোলালিয়ার যে शवर्गदमन्त्रे भागमाकुछ बाङ्गामा भाक्रमामा किल, खाग छेठिया रुतिमाछि देश पर विम्हालस्वाधीत মধ্যে জালিয়াছে। ধাঁহারা খ ব স্থানাদিকে

ख्यां इ लक्षा है बात्र वालका करत्रक, खाहां द्रा है १ तर বিশ্বালয়ের প্রধান লিক্ষকের নিকটে উপস্থিত इंदेरल नियमानि अवशक श्टेटक शाहित्वम। नंबुबादम ह हाति (अपनी कहा स्हेम्राटक ! अध्य শ্রেণীর॥ আট জানা । বিতীর শ্রেণীর । ১ ছয় আনা ভ্তীয় ও চতুর্থ শ্রেণীর 🕫 চারি আনা ছাত্রদেয় বেডন স্থির করা এবং ভত্তবে धानामित উडमञ्जल वावका कता श्रेताएए। ত্রী ঘু'রকানাথ দর্জা ৪ ঠা নাঘ

মংশ্ৰণীত ক বভাকুসমাঞ্চলি সংস্কৃত ১০১ ব পুস্তকালয়ে ও কলিকাভা নন্দ্র 🕆 বিদ্যালয়ে বেক্রেয়ার্গ প্রস্তুত আছে মূলা ে ত জন্মান্তর **बीद्रक वि**द्वमात्र १४०० व सङ्घाः

回引 # 1

# পুরাণ এক, 🧸 🗎

विक भूता

व्यक्षां । जीका माम 💎 🔭 ৮ পৃষ্ঠা ( অগ্রিমমূল্য ),

विभि बाइगाछिनायी इंडेटवन छि । बामहर्ष्ट्रकीं है ७३ ४ मर खबरन क ৰয়ে অথবা কলিকালা সংস্কৃতি ( -क्री गुळ छशासाइन छकीलक्षांत्रत नातः गटख्द हेक्का अधिम मृत्रा भाकी हैदमने। 🦠 🕠 না পাইলে বিদেশে বিষ্ণপুরাণ পাঠাছণু 'नग्रम न'हे हैं छ।

# বিক্রার্থ।

शहर्ष्टन है है २८ नः वाणी अस्यमह १क महत्वाकः बागान ।

छिपति छेक वंतान खवानी यांगदा क्रम কৰিছে অথবা লইছে ইচ্ছা করেন, নিয় ধাৰ্ছ विक वाक्तित निवृत्ते छानाइर्यम।

> গিলেঞ্রস্ আরবো-थनहे अवर (कार

-- 50606--

# বায়ালা ভূচিত্রাবলী।

करव्यक्थानि अञ्चित्र अवेशांत्र पृष्ट् श्रञ्ज : ইগতে ৩২ খানি মাল আছে। উভমন্ত্রণ বাগান) স্কুলবুক সোসাইটি, সংস্কৃত ষদ্ৰের पुष्टकालायः निर्माल भृतत ও **प**हेलडाकः। বাড় র্যা ঝাদুর্গদিদের পুত্তকালয়ে পাওয়া যায়। मूला ३॥ ठीका।

की नौनक्षन (वाक्ष्त।

প্রমন করিছান। মালতীকে একাজিন দেখিয়া অখ্যের মুক্তের লিখান কপাস কুণ্ডলা শুক্তবধলনিত বৈরনির্মাতনের অবসর পাইলেন। ভিনিটোছাকে নরবলি দিবার নিমিত্ত জিপ্রতে লইয়া গোলেন। ভবার সোদামিনী ভাঁচাকে রক্ষা করি-লেন, মাধব প্রিয়াবিরহে কিপ্তপ্রায় ছইয়া সকরক্ষমভিব্যাহারে ভাঁহার অংখনণ করিতে আরম্ভ করিলেন। অনেক ক্ষের পর মালতীকে দেখিতে পাইলেন পরে মন্ত্রির স্মাভিক্রমেণ্ডলায়ের বিবাহ ছইল।

ंद्य अर्थ (पश्चिता जाजिनत इचेंगांटक, এখানি সংক্ষত মান্তীমাধৰ অবলয়ন করিয়া লিখিত ভ্রয়াছে। কিন্তু লেখক সকল দিক সমন্ত্র করিয়া **অংপ**নার निर्मित्या अवर्भनं कतिए नारःन नाहे। व्यामानित्वत कालीन काटनत कविभाग घटत विमित्रा कुटगान वर्गना कविर्डन। अजि मात्र मरमह नारे; किन्न अ मात्र आहिन कारणत विशासिक ड इरेडा बारक : किंख अधनकात अस्माय मार्क নীয় নছে ; 🕮 পর্বন্ড মধ্যভারতবর্ষন্থিত। भ्रथ, कांत्र कवार्य वृत्रदेश व्यक्तिमार्थ। क नमी नाई। धर्मन अक्षातं करत्रकृषिमाञ श्रशंन नन्त्र आह्म। मध्य छात्रकदर्श এরপ উক্ত একটিও পর্বত নাই বে, ख्या इंदेरक मञ्जूख मृक्तिशावत एता। किस भक्तम अभक्षि विश्वा वसूरक माख्या कतिवात निमित्त विवादिष्ट्न, ' प्रथ এখান हरेटण कड ममूल, कछ नम, कड नती, कच्छ मश्रत (प्रथा याहेट छट्डा " कान् नत्, दशन मनी ख काम नमूज utin इहेट उपना यात १ काडि उक পৰ্বত হইলেও কি তথা আরৰ সমুদ্র অথবা বহুদেশীয় অথাত मर्भन कता मञ्जाबिक एता -

গ্রন্থের নায়ক মাধ্য; কিন্তু তা। হার অভিনয় প্রতিক্র হয় নাই।

बक्र क्यांट्र क्यांक्रमन क्रिक्स माधन क्षिण क्रिक्त क्ष्मिक्स क्ष्मिक्स क्षिण क्रिक्स विद्या निहिश्तांत्र क्षमित्राध सन्त्र ना क्षिण निहिश्तांत्र क्षमित्राध सन्त्र ना क्षिण क्षमित्र क्षिण द्वाक्तक क्ष्मिक इटेट्ड्रिक क्षमित्र विवादिक क्षिक इटेट्ड्ड्रिक क्षिट्य विवादिक क्षिक क्षमिक्सित क्षमि। द्वान क्षम्यकांत्र क्षमि माधक्तक क्रिक्स काश्रुक्तव क्रिक्स वर्गन क्रिक्स नाहे।

মকরদ্বের অভিনঃটা অভিনয় স:না হর হইয়াছে। তাঁহার অভিনয়ে, চতুরভা, জীক্ষবৃদ্ধিতা, সদাণয়তা ও অৰুণট পাইয়াছে। মিত্রাসুবাগ মন্ত্রপাঠ, পূজা ष्यर्थात्र वटल्डेत कनामकूश्वनात विमारमत **छेटम**ान বলিয়া কিন্তাসা এণ্ডলি क हे शार्ष অতি কুন্দর হইয়াছিল। মাধৰ বৰ্থন মালভীর উত্তারশাধন করিলেন তথান ভাঁছার মনোরথ বিফল ও বোগদিজির व्याचाक रहेल द्वारिया जाहात श्रामाण टकाथ भानी ना पित्रा नृष् अखिका गरकारत कविश्वाम, जवाकिमछारव माध बटक अञ्चाचाञ कतिवात উদ্যোগ. নয়নয়ক্তিমা ৫ অক্তজি এণ্ডলি অভি **इंडेबां डिग**। FRETT मञ्जीत व्यामित्वण ७ ज्यादात छेल्टत निर्फत कतिया भाकतवत्र अधीर्ककत দয় নাই। মালতীয় অভিনয় উত্তম হই রাছে: কামক্কীর প্রভূৎপর্মতিভ প্রালায় সাহস ও চতু जीवनकृत्तं च র**ভ। অভিশর আনন্দিত করিয়াছিল।** গেঘাড়ম্বর विष्ठार जन **हराष्ट्र** विश् প্রপাত প্রভৃতিও বার পর নাই প্রীতি वर्षानकात वक्षा কর হইয়াছিল আমরা আর नवारमात माप्त बामा কোথারও প্রবণ করি নাই।

> -:০:-ভূতন পুস্তক : চিকিৎসা প্রকরণ ও চিকিৎসাত্ত্

**बियुक्त बाबू शका धनाव**ः जम, वि, माना हरताणी क्रेट ज बाजाना कार्यात कतिहारह्म। बाकाता कार গ্ৰান্ত বিসক্ষণ অসমত महोता अकार (में करात प्र भूतन इहेब्राट्ड। अडदमा পরম প্রাতিলাভ করিলা त्रवना अक्रम आञ्चनः स्रेतारह (नाथकाटल आव दकांन ऋरण न थाटक ना। मध्यक्कांत भातिका भटकत मक्कनविष्टत मविर्भव य একটা উৎকৃষ্ট নীতি অৱগ্ৰন করি ८६न। चाटनक च्राटल वाक्रता कायात्र व वाणि इंस्टाकी मध्या अवस् वाश अक्टूड **उ इ**र्डा**की अक्टू**ड इर्डाः मः एकः वावदात कता इरेताट्य । अष्ट्याः াৰ হইয়াছে, নিম্নোজ্ভ অংশ

ह ।। भाठकशरनत क्तनन्त्रकम स्ट्रेटन ।

" মেলেরিয়ার উৎপত্তিবিবয়ে ইই মত ্রীট্র कर कर पाष्ट्रभाग करतन था, विश्वतिष के कि প্রার্থ হইটেড ইফা উদ্ধিত হয়। কেছ কেছ করে य, अञ्चल कल कु मत मृजिका इंदेख देश नी রূপে নির্মাত হইয়া আকে। বিগলেভ উলি ংইডে থে মেলেরিয়া উভুত হয়, ভাষা নিম্ন चित्र कात्रग्रमण्डः प्रात्तक विष्यात क' ধাকেন। প্রায় সকল মেলেরিয়াযুক্ত 🕏 नटमहारभर्डित मयद्य चाक्कारहा मना क লহবার পর উহার অবশিস্তাংশ ছুমিটে ব লের জলে বিগলিত ইইলেট্রনীসকল ইছা क्षाकत करेशा छित्रे। जिक्ति श्रीकृतित प्रकल श्वाम भी छ। खनक महरू। किंच व ,বংশন ডঃ,উছার শেকভাবো ভালছার। ব বগলিত হওয়াতে স্চরাচর উহা জ **१**हेम् अटकः वल्दन्द्य धानः कार्षियः পৰ **উৱাৰ অ**বশিক্ষাংশ ভূমিতে বিগা आ ध्रम ए मार्किक मार्ग छ छ । हार প্রাকৃষ্ণার আহ্বাদা কোন কোন : প্রস্তুত করিবার পর উহার অনুশি कविवाद क्रमा रक्षमिनभावित खुलार तेश विश्वितालिक श्रेशन एक्निक्षेवर প্র: পুর: মেলেরিয়াজনিত আবং

क्षक प्रवृद्धालाम अवस्त्राहरू याम 'दाम अतर अञ्च<sup>ा</sup>रहाम अक्षेत्र'ती र द्रम्था विष्युत्तक किस शद प्रमुकान करिएल छ। हा अवस्पार्थः ভাষ ভিগার প্রকাত কারণ নিশ্চয় न ्तान द्वान हाल। এक पी छा-য়ে স্পূৰ্ণ হাত শ্ৰীরে গ্ৰন করি ক্র কার্বেড়<sup>ক</sup>ত **ভা**র **চ**ইয়া ুন্ধ মাত্ৰা এইরপ স্থান বলিয়া ঐডন্দ্র কাল আছে, ভূম আছে নিয় १ म कुन दे किया निवास न विश्व । विन ১ গ্রহণ প্রাথই মেলেরিয়ার প্রস্তু ७१ ७ १२। १३८ त अहे न अरम गुगद मा किए। কাতা ব্টকে প্রায় ৯০ জোন দুবে যে तक क्षणात्रम चारक, यकात तुक्तांथा भन्। वि, अञ्चला म स्वता व्यती व व्यत्ता विश्वः ए ५वै (७८३) खला तः (य निम्न ४५)नवञ्च । तात ্গর লৈ রিদ্ধ মেলে বিরাজ নিজ আছেব 🕻 ১১৮৮ ছার অসম্ভার কি 🤈 প্রায় পুথবীর সূর্ব ভাষেত সকল নদীর মুখ জাতি বিস্তৃতি এবং রুগটেদ ার্ল জারেড ভেপায় নেলেবিরার প্রভাব পর্ণি জ পাওসা মার। ভারেতবার গঙ্গা নতী, চীন ्ट्रफ़ी, भील अवरेशी काल, अस्ति तकात पाक ाम ७ काइ८क सम अवर आहमाउकाय ७ हर ल बार अंतनामा हेगा किया नहे अ। ए ह ात्म । साम , वाटक त अधार्म व ह हि छन । উষ্চিস্তির মেলেবিয়াজানিত আহব চটা उञ्जय स्थाउँ हेरके हैर अरु श्रमा है जामे कराया ্ভুমির সাহত ডাইব্য নাল্ড সংগ্ৰাণ ्ष ओ खाम खाखातन १३ है। छेर्फे 🔉

২। প্ৰনজনী : জীযুক বিষ্ণুরাম পাধারপ্রনী চ ইহাতে বালক ও চাদিগের শিংকালগেয়েগী ক্ষেক্সী ব্যয় প্রেচ নংগৃহীত হইয়াছে। লিমন্দ হয় নাই।

> গ্রিমালা। তল্প্রিয়ক সঙ্গীত প্রবিষ্ঠান চট্টোপাধার

"ব্বিধ্যাং বলে। ভ্রম সংগোমধার। ামালাটোগ্যাং সাক্রমের। প্র वह करा क्षेट्रफट्ट : सिश्व किलका छात मर्गा अकरों कार्या सार्या आहा है । स्था किलका छात मर्गा आहाल छ द सर्व है है है । स्थ्री कार्य है ते स्था मन्द्र स्था मन्द्र स्था मन्द्र स्था मन्द्र स्था स्था प्रति है । स्थ्री कार्य स्था स्था स्था स्था स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थित स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थित स्थ्री स्थित स्थित स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थित स्थ्र

मश् भारा व्यत्तेत श्रामा क्रमिनादा कल द्वारत भारा व्यतीं माध्य विद्या के कराती श्राप्त का स्थान तिवाद । माध्य विद्या किशादिका । किशा कथक हे नर्ग खामीश्र कीका किशादिका । किशा श्राप्त के तर्ग खामीश्र कीका क्रमें किएक क्षेत्र । श्राप्त क्रमां किरिया । श्राप्त भारानिक श्राप्त क्षेत्र । श्राप्त भारानिक श्राप्त क्षेत्र । श्राप्त भारानिक श्राप्त क्षेत्र । श्राप्त क्षेत्र ।

বিহারে বিশ ইমদাদ আলি খাঁ জপাই একটা বিজ্ঞানসভা স্থাপিত কাবিভেটেন : ব্রেই ভের অভেগত ক্রেপ্রের জ্ঞমীদার রাজ নামদাস চোর্বী ইলার নিমিত্র ১০০০ টাক দান এমা সক্ষর সৈকা ছাদা দিবার অস্থ কাব করিয়াছেন। আনও ১৮ চা ছাঁ, 1 দিছে চাহিয়াছেন। আনও ১৮ চা ছাঁ, 1 দিছে চাহিয়াছেন। আন্তি চাহ্র এই একার একট সভা হল্যাছে।

भाके के बाद का की शास्त्र का ना ना एक समिशा का ना ना एक कि है। एन स्थार का ना वेदम है जो का दा कि की का के कि है। एन स्थार का ना वेदम है जो का कि सार्थ का कि सार्थ का का का का कि सार्थ कि सार्थ है।

পঞ্জাৰ বেলাপ্যাবপুলাতন প্ৰজ্ঞিন সিকালী বাংলজা কালী একেট ও জুতপুন্ধ সহকাৰী বাংলজা ভেড়াগোৱক বন, হাংলেন ভেহবল ভেচৱাপ কাতে উঁহার আড়োচ বংসর মেয়ান হইয়াছে কাব এচ জন বেলাওয়ে কন্মচারীকে শীল্প গোট নাবিশ্রে হপান কৰা ১৮ বছা ভেছনিল সভ্রম কার্লে ইউবোপীয় নাগেব এড ন্ত হল ১৮ ব

হাজ্যসনি ভাগের উমাদ পি চ সাচেইটের প্রথম প্রেণ কইটেড প্রিক্তর জোলটেড ক্রমীদ করিয়া ব্রহ্মদেশে বদলী কর। চইয়াছে । বিখাদে ভূলিওবিবি সাচেই প্রথম প্রেনিটেড টুন্নীকে ইটা ক্রেন। ট্যাস বিচি সাকেব সংস্থাত ফ্রারের মদক্ষমায় যেপ্রকাব জ্বানবন্দি দেন, ভাহাতে উচ্চার এই দপ্ত কইল।

উত্ত পাল্যাঞ্চলর সূত্র পোণ্চমান্তর জেনল যাত দিন উপনীত নাছন ডভ দিন এক জান এডদেনীয়া ইন্দেশ্টর প্রতিনিধিয়ারূপ विकित्वन। धने सुक्त वरणाव सुन्न माहे। कि इ अक स्थान जात्र वर्षी तरक अधकात शर नम्पूर्ग तर्भ निवास अध्माद स्थानक विलय न्यारक

সত বংগর তিবাল্য রে সাধারণে ব বিভকর
আনক কার্যা ছওয়াতে মান্দ্রাঞ্জ গবর্গমন্ট শাংসন
কার্যার প্রতি বিশেষ সম্ভোষ প্রকাশ কর্যা
ভিনা দেওয়ান মধ্য রাওরের প্রশংলার বিগয়
সন্দেহ নাই। কি র তিন বিচারালয়ের উপরে
যে ক্ষনভাচালন করেন ও ন জর আত্মীয়দিশের
জন্য সেপকল জনাবশ্যক পানের স্থানী কানগাছেন ভাছা জনাগানা করিলে যথার্য ধ্শোলাভ
কাতে প্রতিবেন না। আ ভ্রবের লেশমার্
থাকেলে শানে বলা পরিতে হইবে, সাফী দিন
নরবাও।

लाकोटस उनीस हैंद किलाकटरत शांत्रवटख गांगित कर कहें न :

বে ষাই গেডেট বলেন, সম্প্রতি যে হ্যটনা গ্রীয়া ছিল ত সংক্রন বেশ্ব ই বেলড্রেন কোল্পা ন বেবিঘাট দেয়া ব্যাক্তরে কার লকট চালাই বেন না এমত জনবন উঠিয়াতে উপযুক্ত কথা চারী রাধা ব্যাপ উপায়।

স্ত্রতি এক সী নক্ষম। উপলক্ষে থোরাই বের প্রধান গল হৈচাবালারের কিচারপতি ইওরে গুলুকারেল প্রধানক উত্তর চুলিরা ওয়ের প্রতি দোন বে পা করিয়া কল্মার্ডন, এমত ইচ্চপ্রত্ব করিয়া কল্মার্ডন এবং জ্যাত্ব কর্মার্ডন। যেমত গুলুম র ক্রিমণ্ড সেইপ্রবার

নিল্লী গ্ৰেট বিষয়ে প্ৰকাশ কৰিয়া বাল্যা কনি ই ভাক নিটি চলাগেৰ পাৰ্টিলাগৈ আনিবাহে চ বে খাল চচ্চিত্ৰ ভাষা কভাকগুলি কাটি কৈ টোলে বেয়া হুইল ছে এটা আন্তেশয় অন্যায়। বাংশাংশিখাক সংগ্ৰহণ দ্বিন্দ্ৰিলাকৈ আইন কভা গুট্টাই কা ভাৰইৰে। কান্ত ক্ষিত্ৰ

কপুবছলার মন্ত্রিগণ আজ্ঞা দিয়াটেন ১৮ ৫৯ কলে রাজে। খাল কজেলনাথী যে টিটবো পীর জীলোককোবলাত করেন, জাতা অন্সন্ধ। একার পঞ্চে কনিওছাম লাভেব ও মিল হজেলের পক্ষে ডন ল হেগ মবাত্র ছিলেন। মিল হজেল ও উটোর ছট লড়োনের ভবন প্রেণাথ বাজা কিঞ্ছিং র জ প্রদান করিবেন। এই বিবাহনী অভ্রেক্ত

आपात्री পञ्चाखरत तृष्णि कतिलाम, ভातकदयीय अवन्द्रमञ्ज आपाक्षः विद्यारङ्ग, मया अप्रकारमञ स्मृतकम कृष्ण अवन्द्रमर हेत्र जाकष विद्राह ना ধরিয়া কর নির্দারণ করিতেছেন। মিউলনিপাল সভাপতির নিকটে আলিল হালা হালা হালা হালা হালা করিতেছেন না। মিউনিসিপাল সন্দোল বস্ত এদেশীয়দিগের যে অপ্রিয় কইয়াছে, তালার তুটা প্রধান কারণ আছে। প্রথম যালাদিগের উপরে করনির্দারণের ভার সমর্পিত হয়, তালার প্রালাল কর কর্মার হিলেও তার করেন। ছিতীর, যে কর সংগৃহীত হয়, তালার অধিকাৎশ ইতন্ত তো বিক্তিপ্ত হয়া থাকে। মিউনিসিপাল বন্দোবস্তের প্রকৃত উদ্দেশ্য যে প্রামনগরাদির পরিক্রণকার্যা, তালার প্রায় ক্তৃতি হয় না।

### × ----

धार्मानि: शत ताक शूक्र तिता शिली शा त्या श्रीमार्यत উৎकर्षमाधनविष्ठा छेला मंग नरक्त, वक्षरमणीत स्मध्येनले भवत्त এক কমিটি নিযুক্ত করিয়াছেন। আমারা নিমে যে পত্ৰানি প্ৰকাশ করিলাম্ ভাহা স্পটাকরে ক্ৰিয়া দি,ভাচ कामः शूनिरमत छेरकर्षनाथन अवन्धु আবেশকে; কিন্তু তাহার উপায় কি ? পদীত্রামে কলিকাতা প্রভৃতির ন্যায় বহু বায়সাধা পুলিবপ্রণালী প্রবর্তিত कतिया तकात मङ्गात विशास इहेवात मञ्जादना नाहे। श्वव्यान्ते श्रृतिस्वत নিমিত্ত আরে অধিক ব্যয় দিবেন না भक्षा कविद्यार्ह्य। शली आस्वामीनि-গেরও এরপ অবস্থা নয় ধে, তাহারা অধিক বার দান কৰে। আপাততঃ তত্ত্বা বধানের সুব্যবস্থা, প্রামের বর্দ্ধিঞ্লোক मिश्रदक्ष माही कहा ध्वर बम्बारहम्म भार विद्यासकारण मानन कहा कर्छवा। शुं लिटमंद ट्लाटकदा यकि भर्यायक्याप व्याप्म व्याप्म तिशा श्रेहिक काटन ভानक्रटल ভত্ত:বিধান करक खबर कट्टाडा ख क्ष्यापि घटेना इरेटन आहम्ब अध्या त्नारका क्रीकृत कर्मकृत कर्मन, क्रें नक्त क्रेंग विक्रण क्रेंग क्रेंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रेंग क्रिंग क्रेंग क्रिंग क्रेंग क्रिंग क्रेंग क्रिंग क्रेंग क्रिंग क्रेंग क्रिंग विक्रण क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रंग क्रिंग क

তিন চারি মাস পুর্দের জনাইয়ে জর ও বলা ঠা রোনের অসভিশয় প্রাত্তিব চংয় ছিল। মৃত্যুন ভিন শত লোগ কালকবলে নি শতি : হই ছে সম্প্রতিএকটিশুগালকিও ইয়া প্রায় দশ বার হন লোককে দংশন করি য়াছে, ভাহারা সকলেই এখনও খীবিত আছে। পশ্চা, কি হয় বলা ায় না কএকটা বন্য বরার আনিয়া অভিশয় উপাদ্র করি टिट्ड ; क्लाटब्र मगामनन वि हे क्रिटिड्ड । কুষকেরা বিষম বাতিবাস্ত ছইয়াছে। কএ তাক্রমণ করিতে উদাত किए (नाकरक হইয়াছিল ৷ কিন্তু তা ারা সকলেই পলায়ন করাতে কাছাকেও আঘাত করিতে পারে নাই। এখানে যেজপ ভত্র ও ধনিলোকের वान, डांबारा विम नकत्वरे विश्व मत्ना যোগা হইয়া আমের ভঙ্গল কর্ত্তন এব পচা ও পুরাতম গুক্ষরিণ নকলের কারপ্রস্ট করেন, ভাষা হইলে মারীভয় मृंगील ও बना बहाबानि कि छूत्र 🚉 आ छूँ छ। व হউতে পারে না। আমা ८नद्भन्न (मा) कत् निक्षे अनुकल धार्थमा क. . हे दूशा । मग्रावान গৰণবে উদমীপে প্ৰাৰ্থ 1 এই, ভাঁহারা জনাই গ্রামের প্রতি একবার ক্রপাবলোকন করিয়া অবিলয়ে এখানে মিউনিসিপালিটি প্রথা প্রবর্তি করিয়া জনাইব দীদিগের সকল कड़े विमर्क कक्षम

'धित्रदेवन । . **३**ऽ ह 夏林、司事 मोहोग्नन मु (神 海(3) निक देव हो ্ সাহত भानामा हुए 明显 公 रेडि हर्या **७**रे छन भा स्वास्त्र वर्णन, नगम ७ कार्याकी विद्वान । वे का कर्मशास्त्र, कारात धार्यम कामन थ उन्नकाती অমনি বাট্গান্ত্র থেওাতে সেই আলে<sub>ল</sub> — তু এই मन्दि व ह, ना ৰাহির হই <sub>বে</sub>ছির ব धात्रव कतित्र पुक्रिति त्म किछाम् विश्वर লইয়া এখা জিজাসিত করিতে আ यदत व नारं कारत क शाहक ख छै, भारत श्रहात कत्रीमिट्गत ছन তা रहार्दि दिन বলাতে ছব পোক সাংঘাতিক কেন अहात कड़ित्र नगुम्भारकेत ও পঞ্চর ভ । চ্চা । রাজাজা। त्त्र आहाम श्रीसन हम्र न। **व्हेबाट्ছ।** ( ∗। कन्त्रात्र†काति ষারা অন্য শিষ্থ পুরীণ নিমিত্ত গৃতে ভাবেশার প্রস্তাব । কবিয়াছেনি। कतिरण रमस्याक स्वास्त्र के स्वास्त्र भीवा विनिष्ठ भार्जन शांकिर सेन। फिनि १४ -टामात ब्रह्मच क्तिश्री थानाजरकात তাহার হন্তঃ প্রাংহেরন। তিনি বাসা (म १ कमा चार्निक्रां भग क्षियाव হটগাছে ছেন। ছ নে ভানে চিকিৎ দশ<sup>্ন করা</sup> ।ও ভাঁচার প্রতাব। আমন্তা বেৰাপ ছুরুন প্ অনুসোধন করিতেছি। गटक दम्बिल इद्देशन छेन्द्रांत्र श्रद्धांत्रः। रय । कि इन्नाथा इस्ड कागिर्व ?

-

ম হাশ বের चामाहित গ কেহই 🖰 च्या भिक्य व ক্রিল না। ্ দ্স্যুর্জি वनी नक মহাশ্যের ওঠিবে। সর । বিস্তর। পুনঃস্থাপনের করি তক कि**क वक्र**मि<sub>रा</sub>गत्हे वा कमिनबहर्भन क्षेत्र क्रिलन

> र एट्ट्रेस छू:शो व्यापानि। एक निश्रम **কার উ**খ্যই তেওঁ व्यादना है। श्रुणिय শ্ব হউক লো ভনপ ডি জাৰ্ণ উংগাল यनीव क छ छी न भाग **त सिट्दन** र्जिया जिल्ला লোকে কি নিগকে ती। स्रद्धान कर किन्छ अक्षेत्रक करत

मर**तम** श्राक्षानिद्यात

दश होका नहीं कर्न रुग्ले केत 6त व्याश्याको लिट् (द्वत राजे) व रिन कारन किर्दिश्म ग्री केटेट গেত নিমিত্ত মিউনি জীৱানপুতে ी कहिया लिएबन। <sup>इ.क.</sup> क्रनटक নাৰণ্ডেন্টকে বিব্ৰাস কলা | • योग्टरकिएकार एककारा (সইটি कश्व, केंग्डाल्ए के कात (संशामहास .करण म बीना माहेद अभूतित এইত না : আনের) ভ্রিন্<sub>চার</sub> ১ জ েডিজে, প্রাক্তাক হাড়ীর ১০০ সক্ত **म डेंकि। कर** शास्त्री कर्क (केंद्र स **इक्ट्रेड राखिनन नम्म काम उत्पाद** ज्ञाधिकर है एके बिक्कर के कार्य शख महेर्दन । भागापि पि ने ने ने माजीहानन्ये मधी इतिगाँगती. ा अञ्चान जातत े छाराउ

41m. 4L

यथन किन्छामः कतिलाम (य किरमत भाल হটতেছে, ভাহারা অমনি আমাদিগকে কটু ৰাক্য কহিতে লাগিল। ইহাতেই আমরা লোক জানিতে পারিয়াছি: ইন স্পেক্টর বাৰু এখনও ১ (মে বসিয়া কাংছেন। পাঁড बी भिशुस्तव स्वशहिरले कल इंगील उ **েওন্ট সাজে**বছয় আফিয়াছিলেন ভা**হার**। বাবুদিপোর উপান মহাক্রোধাখিত ইইয়া এবং উচ্চাদিধের <u> গিয়াচেন</u> পাধ্যায় ও দিগলানের নিজা: কএক ধনা গার্ক ও ছার্বানকে উপস্থিত কলিতের ভারদেশ কলিয়া **গিয়াছেন। এই প** गश श्रम शाम् क हेटल छ । **८ नथा वाउँक यन्टल** কি হয়। ভয় এই পাছে **ব<sub>ি</sub>রেন্ডে হয়ু ক্রি**য়া নহাশয় ১ সো কিছু श्री । भिन्नितिकः দিবস ড ক'ইতি একপ্রকার নিবাবণ হট্যা গিয়াছিল একতে পুনরায় ইহার পাতৃভা বের করেণ কি 🤉 বোধ করি ঠকি 👚 या अग्न: १९ श्रृ लि: तर ग्रुडम वट । विक्र १७ग्रा है িহার কারণ। এখন প্রায় সর্কাত্রই সিঁধ ্রাব্র হি ছাকাইনি হইলেছে। তবে পুলিষ সাধ। প্র রণ পণ্গিরের কেবল গলগুরুমাত্র। প্রেকা বং লুগ্ধর্গেউদ্দীপে স্বিনয় জার্থনা ! এট, তিনি পুলিদের প্রতি এক**বার দৃষ্টি**পাত*়* করিয় উহার বোষসংশোধন করিয়া দিন। কার পাহার উপৰ মাধারণের ধন, প্রাণ ্র্তি সকল্ট নির্ভির কালে, ভারার ভুঠশা এ প্রকাকি উচ্চত্র চুউপদংলাকে লে বভাষা এই জাগুমপ্রের মাহিছেরীও ডিস ট্রিস্তা বিটেটা ৬টা নাখানয় হয় এ বিশয়ে কারণ উচি বিলেখ সংগ্রেগার জিল। (क्रेंब्र मर्टन(रेसाल (७)) । ५७) १८ १ १३ १ १८ १ । ও ৮৩ পার ৭মত বিবেচনাহার মা।কিছ এমত জ্বিপাসত্ত্ব ৰ দ দ্ঞাগন সুত না ত্র ও যথোপযুক্ত শাস্তিন। পায়, পাহ, ইইলে | तक आर्थिन ଓ छः त्यंत्र विषयः ।

জৰাই ১ ঃ ই ে একয়ারি ) **圖: --**ショカか

रङ्ग्रास्थ्य सम्बद्धी अञ्चल शह एवं विमा भिका। वर्धवाद (दांश व्याष्ट्र, कांक्रीत মধে: বালুহোল **অধিকতর শোচনী**য়া

কারণ, ইহাতে মাসুষকে জ্ঞানশূন্য করিয়া ফেলে। পীড়িত অংভার মারুব জ্ঞান শূন্য হইলে যথন অধিকতর শোকের পাত্ৰ হয়, ভথন সুস্থ অবস্থায় ধাহারা ভ্রানশূন, ভাহাদিগকে দেখিলা হৃদ্যে বে অভান্তিক শোকসঞার হইবে ভারি धर्य मः भाव मारे। वज्राम्टमत आमकी वी ও কুনকেরা মেই প্রকৃতিত্ব জ্ঞানশ্র্য কীব। মাসুৰ কেন হাত ইইয়াছে, **জ**িমার মানুদের কি কি করিছে হয়, ভাহার! তাহার কিছুই জানে না। যে উপায় দারা ভাহাদিগের সেনকল বিষয়ে অভিজ্ঞ হইবাৰ সন্তাৰনা আছে নে **डेशार का शक्ता** भव হস্তগত করিয়া দেওয়া যে একান্ত আবিশাক, শহারর বাক্তিমাত্রেই ভাষাস্বীকার করিবেন। নে উপায় লেখা পড়াজ্ঞান। আমজীবী अक्रित्कता (लथे। अफ़ा भिक्षः) कक्रक, এ বিসয়ে প্রায় কাছার বিপ্রতিপত্তি नाहे, (कवल डेकार अकार अवाली 3 **७२माध्या "लाभी वर्षाभयमत विवर्ध है**। मङ्गाल इरेट इर्छ। एक क्रिक्ट क्रा क्षा महा भारत व পাঠশালায় (य मिकः। भारेट अ.छ. जाहारे भर्यत छ. (क्र के किर्देश मध्य है सर्धन। व्यर्गाशरमत বিবশেও ঐপ্রাণার মত্তের লাগিং চ হইতেছে। কেন্ন কলি, ভাছন, শিক্ষাকর হউক, কেছ ভাষোতে অমত ক্রিভেজেন। এই প্রকার মহামূচ হুইটেড়ে; কিন্তু कांशिक्तिर्यः वनश्चितः (नर्यः) পড़ा मिश्रोत इष्टक, ध श्राष्ट्रांव ख श्रीवांख (कह कट्यन नाहै। मध्या (क्वल धाक त्तवट्रत ७ लालविका ी एन मुटाहिड नाव এই ভূভীর পত্ত। অবলম্বন করিয়াছেন। विभि ब्हे डेल्मर्स ১৮৬৮ अस्म । ডिल्म মুব মানে বেপুন সোদাইটাতে একটা প্রস্তাবপাঠ করেন। <u>डे</u> है। 四种门 মুদ্রিত হ্ইয়া পুস্তক কেরে প্রচারিত ঐ পুস্তক্থানিই আ 🙀 হইগাছে ।

देश ७ छ प्रारंश एक छर अप्त आवादगान दिशाम छ ११५म कर्छन्।। आमानिद्रशत मास्त्रि वृक्षक विभवाद वृत्र अहेग्रहत विवर्ध प्रविद्यम দুক্তি ও মনে। যোগ আনে। তিনি সংস্থাতি তাজ (यातिमी : हेर १ भीवकानिमार्थके छ। या अवजी क्षान्त्राभिषारण अन्त्राच करियारक्षेत्र, के बारकहे ভাষার বিশক্ষ পরিচয় পাওয়া শাইতেছে অন্ত আমারা অপর একটা রাজানিকানের धाउ'न कविटमिकि, खत्रमा कति, श्रिटेखी माखि व्यक्त यात्र ७९७ छ। भरतात्वा मध्यमारम जारि क त्रायम मा। बहे ज्ञान बहेड जिल्ला अर्थात हाउँ श्वाल ,य अवजी ते. छ। विकासान व ८६, छन्दाता काजाड, अ वेश इ निकटिय ही तहमार्थाक .लाटकर शास्त्राष्ट्र रहेशा पार्कः १६६त सम्बद्ध अहेनकल ্লাকটে যাভায়াভের প্রে বড়ই অসুব্ধা छ क्ष्रे महाका एउ हुए। अख्या अहे वृश्चि नि का उ रहेर में छ। होता (य भ तर नव छिलकार জ্ঞান করিবে ভাষার সন্দেহ নাউ: আরভা প্রধান আচে, বাবুর প্রকুম র দত্ত মহাশ্য এই क.जिटाय व.क चिद র স্থানিকালবিষ্ট্রে भ्राप्ति । विस्त अक्षा आभागित्य सक्षे कथ क्षात्रक्ष व लडलन, " यहि भवन्दमन्छे ताकाय। প্ৰান কলেন, ভাষা ৰুছাৰ আনি স্থানীয় চালায়কণ শভ টা চা প্ৰানে হাইচে আচ अंतर भागात अधारत वहांत्रधः विद्यु कि 张京新 B 中国各种 中華大學 15章 लार . जारब आहेत्र, के भीद के भारम पारबाहर कर्मा अवर्गामा अवर्ग भाषामध्य अवर्गाः এদান করেন। রাজকুষার বারুর প্তিলায়ে ্রাবাহয়, টেন ভাব পাস টাপার বেংগাছ क (बद्धा १५८%) भारत्म । बहे समहस्र ए । । स. स. ५ दू ६ हरू अद्वाद्याओं इन्द्र्या अद्भान्तः । अव्याद्या अध्य प्रताक मध्य हो भाष्ट्रस्य छिएड अङ ৰা, ন, ভাষ্ট ইংলে, নিশ্চয় বলিকে পাৰি, আ র হ লারে বার্শত গৈক। সংগ্রহী ৮ কইবাব সাম্ভাৰনা। ইহ'র উপর গ্রেগ্রেট সংখ্যেত্ত स्वतंता । भाकामा भन्नाम के राज बहै दा अ · ( ) & 84 : 近代 監督者 表記 內门門 八百二 ٠, ١٠ भ्यः त्यारकः केत्राताताता । भ एक 💆 🖭 भाग (প্রের জন) আমারের নিংপ্রতি করিদের্ভন, ভজ্লপ এন্ত হিডার ও টি যাখ্যেত িশ্বিত হয়, তৎপ্রতি উ'হার ছানাব্যাগ বিধান ও অংশ, কঠব্য আখ্যা আছেছাত কলে প্রাথনা ও অস্ত্রাপ করিতেছি, আমান रभार के भारतमन स्थल अवटला स्ट्रांगनवार विकास

् २ । कंष्ट्रिशङ्क सिरम् शक्त स्हेत्र, पूक्तीशक्त डिश्री कास्तिरकेने विमना व तु. दश्रद मूनरगण इत्रहेला वानु अवर डिल्मी इत्रद्शा है। परेवार्थ व'बू अहे महाजाज का का है दे दा की खु रूल का म श्राहित्तव : फिशुने माक्षि: के वातू इंट्यूक्री ভিপাটিমেন্টের ছাত্রগবের পরীক্ষাগ্রহণপূর্ব ব विक्षीय (अतीव इहेंने झाजात श्वय त मित्तः বলিয়াচেন। মুনদেক বাবু বাস্থা বিভালেত রক্রেগণের পরীক্ষা করিয়াছিলেন। তিনি এ जिलाष्ट्रिया है इ छात्रिकी हाजारक शुत्रकात्र हिट्टन विषया कार्यीकात करिया शियारहरन । विभना वातूव खालाभम इकेट्ब, बलिया এই विल्लासरहाः শক্ষক ও ছাত্রগণ যাও দূব প্রভাগেশ কলেয়া ছলেন, ছঃথের বিষয় যে । তানি ভত দুর উৎসাহ প্রদান করিয়া হান লাই। শুনিলাম, তেনি নাকি भूतदाश अक कित अहै विकास्त्रप्रभटित जाति ्वम । छिल विकालीय वाक्रकर्माः। वल्यान सम्म দময় অধীনত্ব হৃংনের বিদ্যালয়ত লির এই রূপ পরিদর্শন নিভান্ত বর্ত্তবং ও একান্থ গালুকীয়

ত। প্রায় প্রকাশ হর্ম, নবারগঞ্জ ইপ্নের অধীন গালিমপুরবাদী করেক ক্ষন ভারমান্ত্র বালি ভারজ ইপ্রথাপালী এক ব্রাক্সনের বালিভে রাজিয়োগে হিদা করে। প্রায় বিদ্যালার যোলারগ্রা দ্বা প্রথা করে। পুলিষ ক্ষাহারিদা উপ্রেক্তির হেল্ল করে। পুলিষ ক্ষাহারিদা উপ্রেক্তির হেল্ল করেন ভ্রায় ভারো আহানেছ সংস্কৃতির হেল্ল করেন ভ্রায় ভারো আহানেছ সংস্কৃতির প্রাণ্ড বাহার ক্যানেছ প্রেড বিজের ১৫ মান কারাবা নের অর্থনে ইইরান্তে।

# ६थरिंछ।

भागावतः शियुक्तः हमाभश्रकाणमण्यापकः भगागश्रीमभीत्यम् ।

জামতা শুনিয়া জাহনাদিত হত্যাম, বহ
ত্থা কালেছেত জালাল হাত হলেদ।

সংগ্রান্ত একটা হতকর কালে। প্রবৃত্ত হল্পা
ন কলিকালার যোন হিন্তালোলৈ আছে,

বহুল পুরেও দে নির একটা ছাত্রাবাস

হল উপকার বাসনা । এ বিষয়টি কালে।

পালেছ হল্পাছাত্র ও নিক্ষালিগের গে কভ

হল উপকার বইবে ভাগা বলা র হল।

আমরা স্থাজিংক দে প্রাধানা করি মেন হাওও

মহেদিয়ের মন্ত্রসমূর্ণিরতে স্কল হয়। কেয়া

উহির যান্ত্রসমূর্ণিরতে স্কল হয়। কিয়া

উহির যান্ত্রসমূর্ণিরতির মহেদেয়া এ বিষামূলী

ইয়া।

जातर विश्व मा अक्षित हैंदा जुल्ला इहेवात ace 1 (5) किस्त क वयरश्च छेन किस क्हेशा था कि (रम, अगात (बाध दश मा । (कारकेरलत खेलकार-क्षिक मा शाकितन कनिकाळात (शाउँ तिव<sup>े</sup> নিমিত্র হিনি কি স্থীয় ক কিলেট হইতে মাসিক লানে সভাত হইতেল ∂ তি(নি,⊯কটু বৃহ করিয়া, श्वतीदम्बद्धः अञ्चादाधः कविदलः कुछकार्यः इहेन् **२३दाव मच्छ्र**ी महाबना। क्यामारमत स्मलीत्री লেংকের এখনত এমন ভাব ও এমন অবঁশা श्व बाहे. (य शर्थीरमट्डिस विनायदा Gieta's . स्तार केर्ड्या, ब्लाटन अकार्य आहत्व, इस्टर्किय किट्यम । पावर्गरमद हेव श्यवक्रमाः क दौनाइलाम না বর্ণকলে দেশ্যা লোকের যাব কি এ দেশের অবস্ব এর শিক্তির ত হইত কথনই না , अ (मर्गत रमहे अवसा अमहापि ,म्यान थाकिन অভ্জাণ্ড দিন ইছালা মানুৱেন্ড সাহনং उक्त किन हेराजिए भन्न आफ जायू न वृद्धि दाया -এই নিজাত কর্ত্ত ক্রিয়েছে। যাহার। त १तादिक तराभारात् किह्नई छात्र मा, छातृन् अञ्चीन वास्त्रभरद्वासम्बद्धाः सहित्याः छद्ताः छद् গালু ই ক'ছো অভিভাবকের স্নেই ও বন্ধে विशिष्ट कहा इहेशाएड, उपानि ए। इसा विष्टान জ্যাস্থাও যাও তেওঁ সেইরূপ কো ও যায় পায় 对支持 多家 医性 自然 医甲基酚 化建筑管理 চলাই প্রাণ্ডালত উপায় এখনের সংখ্যিত तामु कार्ष्ठ । ११ १ हेलकारम् महिन्छ पृथकी श्रीकृत्रमः, एकका आग्रास सामानाः, वृक्षेत्रः, आग्रापुर्व . दश्रम **ए** । कांग्रह कांग्रह का है, एवं अपना । का छ। रक्षाटकेषां ६ ४ रवा ध्यक्षान् १मः यहः कः व ,तम, १९१६ राष्ट्र अर्प्ट मार्च । वृत्रे (क्पार्यः ्री जाक भारतन देश 明显不 有關"學 ক্ষিত্ৰী, লাভীপত ভাতনগত সংক্ৰাবাইণ BAOO 黄 GE T E ST TO TO TO TO A TO THE TOP OF राजालक के प्राप्त प्राप्त करात हा (कार्स ভাব জান্ত্ৰে বছন 4 - 4 E - 25 - 27 4] e ( ) ক স্তর্যান পারের । ক।২১,৮১%র রেকট্র একারণ क्षा के छेल करवन । ब्हेंक्रेस खाइन कर कारती क्षत्राप्ति सा ४०६८ आधारती (कार्ड) व्यक्तिमीमा भारतपुर हो। यांत्र शतग्रहराहेंद्र छेत्, भीतमः आधान कालानः इते, प्रतान कराणः समापः कार्यक श्राद्यांक (१८७०) राज्य र कि.स. १८५ वर्ष के

<sup>(</sup>১) ভাতনি হয় । যা হেব ্ছেরেইর মহের। দয়ের নেবট হয় লাল্টিক এ এ লাহিয় ছেন। ডিরেইর সংকের এ ব্যার বোজপা এ জবার। প্রকাশ করেন বপার্থ হা

মহাজ্মাদিলের জ্বরপ্রান্ত্রীবে হতাশ ছইলে ।
আমরা অপার জুঃখসংগরে নিম্ম কইব সংক্রেই।
নাই।

----

স্বিন্যু নিবেদন মদংলক

গভ ১১ ই মাধের ভারতব্যীয় ব্রাক্ষণনা (জ্ব সাধাসরিক সভা ও উপাসনাবিধয়ে জন। কার সোমপ্রকাশের বিবিদসংবাদন্তন্তে লিখিত কেইয়াছে, ''বাস্থানী' হইয়া টৌনহালে ইংরা স্থীতে ব্রহ্মণ্ডীত ও বক্তৃতা করিবার কারণ ভ জাহদা ব্রাভ পারিন।। শ

जालाम त्य त्या मत्या वत्यम, '' वाका ती कित्य हे हता है एक विकृष्ण खु खु खु का कि श्रवमान करा (कर्तन में खु था। खु ला खु खु का कि श्रवमान करा (कर्तन में खु था। खु ला खु खु का क्ष्य है। यह खु ला करा है महासूत्र (य खु ला करा है महासूत्र कर्डवा। तमह खु ला खु करा (श्रव्य है स्राच्य महासूत्र कर्डवा। तमह खु ला खु करा है स्राच्य महासूत्र कर्डवा। तमह खु ला करा है महासूत्र करा है स्राच्य महासूत्र करा है स्राच्य करा है स्राच्य करा है। तमह ला करा है स्राच्य करा है। तमह ला है स्राच्य करा है। तमह ला है स्राच्य करा है। तमह ला है। तमह ला है स्राच्य करा है। तमह ला है। तम

প্রকারের কেশব বারু টোনহালে বাও ারিয়াছেন, ' কেছ কেছ যে অনুমান করেন, '' ল দিনমধ্যে বলবাসিগণ এ'ক্ষাণ্মপোন থবলম্বন করিয়া পুর্টীয়ে ধর্মে উপনীত হুহবেন,

ক নাতে হ**ন্তাতঃ জ্ঞান ও ধর্ম উদ্দী**পিত কেইয়া অংশ্যক **এক সময়েপৃথিবীর সমস্ত মন্ত্** কক জাতি ও এক পরিবারের নাার স্ভাব সংক্ লিত ইটয়া প্রম্পবিক্র ক্রাক্ষাপ্ট্য জ্বল্ধন করবে। স

এই ওণ ও ফমতা থালাতেই উছোর দ্বালা এটাজে ও যোগে নগরে ও স্বামাজে প্রতিষ্ঠিত ইয়াছে:

্থাপিত, মতেন পশ্মমানির (ভাগের্থীয় কাশমাজ) উৎস্থিসময়ে (ত.ন সংখ্যারাম (ধন রায় ও প্রধান স্থান) আনুজ্ঞানিকের নাথ ঠাকুর মহাশহকে নমশ্বার ও ধন্যবাদ প্রদান করিয়া বলিয়াছিলেন, ''আদি প্রাহ্মান্সনাজ হতৈ এই ভারতবনীয় ব্রাহ্মানমাজ প্রোতোরণে বহির্গত হইয়াছে, এই প্রোত যেন এই স্থানে নিরুদ্ধ না থাকিয়া সমস্ত দেশ প্লাবিত করে। এই ধর্মমান্দরের ভিত্তি হত ইউকসকল যেমন প্রশাস, বিশ্ব থাকিয়া বৃহৎ আকার ধারণ করিয়াছে, ব্রাহ্মাণ সেইরাপ এক্সন্য় হইয়া ভাঁছাদিগের মহৎ উদ্দেশ্য সংসাধন করন ।

উপসংহারস্থাল ধ্যাপনা এই, যাহাতে আদি এনব এক্ষেসমাজ পূর্ণবিং পরস্পাব এক ভাব অবলয়ন কংগ্রা সমাজিক ও আধ্যা আিক উন্নাড্যাবনে যাবান হন, ভাষিবার মহাশায়ের নিভানা ভ এসাংনী লেখনী সঞ্চালিত হউক।

কলিক:তে একান্ত অনুগত ১০ ইন ম ১২৭৫ আঞ্জীরাম পালিত

আমর। অনেক পর্ত্রেমে সাধারণের উপকারথ এবখানি উংক্ট দেওয়ানী কার্য, বেশান এও সংগ্রহ করিয়া কতিপয় মহ আর প্রদত্ত অর্থপণগায়ে উহার প্রথম ও দিতীয় ভাগমুদ্ধান্তন করিয়াছি, অবশিষ্টাংশ মুদ্রাস্কনের ব্যয় নিসাহায় ও কৃত্রিদ্য প্রবাদ বদান্য মহোদয় দগের সাংখ্যা, এহণ ব্রা

আমরা ভ্রিয়াটি ময়মন সিংগ মুকুলগাছা নিব'সী ভূম্যবিকারী মান্যবর ক্রীয়ক্ত বাবু সূহ কান্ত, অ চার্য্য মহাশার অভীব বদানবের এবং সাধারণের উপকার্সম্পাদনে অগ্রসর। আমরা উঁহোর সেই গুণবস্থার প্রতি নির্ভন্ন করিয়া সাম্ভ নয়ে প্রার্থনা করিলেটিয়ে, ভিনি অনুত্রহপূর্ক प्ति उग्नामी कार्य निवादमव व्यवसिष्टी एम प्रमाक নাপ অংমা দগকে ১০০০ টাকা প্রদান কবিয়া अक्षी को छिछछ छालम ककम। काँकात शामह व्यर्थनां हार्या अहं छे ५क्ष्ट्रे अष्ट्रशांन अधाति र **হইয়া স**র্ব্ব সা 1-৫৭ উপক্রত হউক, ও ভাঁহাকে অংগণা ধুম্বেদি প্রদান ক্রক: এব্রিণুমুহত কার্য্য সম্পাদন করা ক্লাডবিদ্য ধনব'নদেব নিয়ন্ত कर्डवा कर्या विजियाहै सुराकाश्व व्याहार्या महान ্যুর সমীপে আমরা এই প্রাপনা করিলাম। धनि आभारमञ्जू क्षात्रम पूर्व कहा प्रश्वकाख राबुह অভিপ্রেড হয় ভাহা হইলে ভিনি ভাঁহার এথা कात . माञ्जादयत निक्र होका शाही हैना कलि वाचा (छ। इति। कि बाकामगरे वाकामगरे

ंनकष्ठे शक्र विःचलिहे व्यवता खेश श्रास्त हहेट इ भाविता

> শ্রীরামচন্দ্র ডৌমিক গ্রন্থসম্পাদক। শ্রীলোরাবাম শর্মা

-----

মহাশয় ' প্রায় তুই মাস অভীত হইল, (জলা নদীয়ার কালেইর জীবক্ত বেল সাঞ্বে মতোদর এক জন দিবিল সাজ্ঞান এই বড় ভাগলীতে व्यागमन करिश्च जिल्ला महामातीत कार्व कि. গভ মঃ রুটি নিবন্ধন স্বাস্থ্য ও শ্রে কভ পরি शार्त हानि ध्रेयारङ अवश्कि छेताच व्यवस्वन कित्रत क देशाएक छैका व्यवनक करेंदिक शास्त्र, খ্যাগত ভদ্র মহাশ্র্যদিগের সহিত ইত্যাদি নানা বিষয়ের কথোপকথন এবং জনগরেশ খীকার পূর্বাক নকল অবস্থা প্রভাক্ষ করিয়া এই স্থিব করিয়া গিয়াছেন যে, রাণ্যাট স্ব ডিবিভানের ডিপুটী মাজিটেট একলন ওভর াস্যুর্মই এখানে জান্ম্যা বাস্তা প্রস্তুত এবং জলানক শ্রুত হর প্রুবিহিত উপায়াবরান कहिया याहेर्टन अवर किन अञ्चान जिल्ला अनाष्ट्रीरदाभाकात्र वर्शकाम्राव अजीका-वार्थ के छ (दार्शिय छेयर महर्द्ध स्टित्न कि.व. বেন। অনভার ভিনি কুঞ্নগতে গমন করিয়াই यभाष्ट्रवरश्रमः कार्यः श्राह्मभाष्ट्र कांद्रशाहितसम्। অত্ত্ৰতা নেটিৰ ডাজ্জৰ ব্ৰীণুক্ত অধিকাচনৰ দাস ও যতুনাথ চট্টোপাধনায় বিধেৰ পবিত্ৰম স্বীকার পুর্দাক ভাঁহার (কাল্টেক্টারের) প্রেরিড ঐবপদ্ধারা অনেক বোলীকে অপ্রোল্য কৈরিয়া ছেন। এত রি মত্ত ভাঁহার। সকলেই দীনদিগের **একুড ভাশীলাদভাজন ইট্যাছেন স্কে**হ নাই। আর কালে*উর মহে* দয় এখানে অবস্থিতি कारत ग्राधिक कार्यकारक मध्य मुख्यान षाता (यज्ञान भए ३ हे न दिशा का लग अवर माया-রবের হিতক, বাংষা ভাঁহার যেরপ সাভিত্র বেশ দৃষ্টি ও উপস্লার সাছে, ও সংক্ষম আমরণ উাহার নিকট 'চল্কুডজড়া পাশে বন্ধ থাকি -

২৫ এ জান্ত্রাবি সুবোগ্য ডি: মাঃ জ্রীপুঞ্ বারু রামশন্তর সেন জ্ঞীপুক্ত বারু দারকানাথ সরকার নামক এক জন ওভর্নিগ্রস্থ এথানে আসেয়া জ্রিপুক্ত বারু সর্বোশ্বর ঘোষ ও বরলা প্রসান ঘোষপাভৃতি অনেক ভাল লোকসমাভি-ব্যাহারে এ গ্রামের সকল জ্বন প্রিজমনপুর্দাক ইয়ার প্রকৃত অবস্থা ৫ ত.ক্ষ করিয়া নিমু লিখিত হিতকর কার্যাসম্পাদনে কৃতসম্বল্প ইয়াছেন ।

১। এথানে মিউনিসিপর টার স্থাপন করা কর্ত্তুপদেশ্য অভিপ্রোচ্চ।কন্ত এরপ চুরবস্থা

भारित, काशांकरण्य काना : लेखा ७ ६६८व । अहा कि यथार्थ मध्याम है। इस्डिंक गाइन अक्रामिशहक काश्वास (म्ख्या शवर्गमार्ग्य कर्छ। अ हिन्द वाकाष्ठित्र अर्थ कि ?

### रेप श माच मक्तमद्वा ।

मध्यां छ धकला दिन्छ । ताहिकारम कामी-ঘাটের মন্দিরে গমন ক বয়া আবাপন পলকেশ (इन्स कर्त ) शांक (क)र न उक्तिहरू भक्तन सुर्वे प्तिथिया हिकिस्मालस्य । छात्। कर्द्रम । **ख्या**य জার অনতি বিলয়েও ৮০ ইইয়াছে। এ বংক্তি কে. কে'থা হ চেড 'ধ্িনয়ালে এবং কিনিমিত্ত कहें शहर पाल करिद्र है आका चित्र हेयू गाड़े।

দিলীগেজেট বলেন, সম্প্রতি কয়েকটা ভাকা हें ७ ६७३१८७ मध्याच (इलिक्द यह अध्यत कान का ट्राफ भगन कविशाहिन हैरिकार्त्र रेजमध्य अक्षी सहस मामन शक्ष के संस्थित काला अक्राज्यम कित्र हेक्सल के इंट्रिक अवही (डांक नर्वम ।

মালেৰে ডিন মালপ্ৰাত্ত রুটি না হওয়াতে ত্ৰপথ জ্ঞাদক চই মু'ছে।

সমাট ভৃতি দু নেপ লয়ন পৃথিবলৈ আর একটী উপকার क সনাছেন। জাঁহার খালে ফাল होते ती. प्रहेरेका शत्य । बत क्यारमत श्रास्थत कर महि ब्रह्मारक त्म, आक ,भास्त्र है का अभव .भ.र.स. १८५ ताम इटार्य । हेमारी खन कार**स** স±ेड अवर्षक को नाहा। व भाषा अजी आहे लाम मा नेवार्का

কাম অবস্ধান সৰ জন লাবেশাকে আ 😼 नमन भिरात (य ५६ भाग छ।)। त्रफल इन्याहर का अत निर्वाह क उत्रकाल भातिभावित्तार्जीकः আরি কেই সংকর করেন নংই।

ণাভ বিনের গ্র হারালগেও ভিসাবে এছুব भी हरेगुराङ । कर एकशहन्त्रं **स्त्र** न खाहरू, (ई) क त अञ्चरीत । १९७० छ। अञ्चल इहेर्ड कार \*\* BIN # BINSH |

र शिवत वर्णन, त्य कियम वर्षा भाग लक भी क्षेट्रफ लहकात्म लक्षांभगव त निवश डिक्किनाविभन छोश्रहन वक्

'লও,র টেসমে উপ স্কৃত ক্লেন

नः न १ स्थाप्त । अन्त क नमीप्र क्षेत्र स्थापित तमकत फर्क धाउँ क्रम कालुक्साखंड हाहाइ व तालावश्चकाम् व विद्यादश्चन । 🕉 हा দিংগ্ৰাস্থাপিত করিবার নিম্ভ উচিংবা के प्रकारित्वसा क कुक्ताह्वत क्रमण রাজ্যবানীর নেকীবাড়ী ''রুভবিদ্যাশ জ্বস্থান । सर्गत्र शास्त्रीरण अमाञ्चल काहरकत् । सन्।

याहेट्डर्ड. उँ शता निरंशत गरिष्ठ त्य निश्चम इस. (छेडि शाह्यू खांडा (गांश्व कतिया क्तिशक्का विस विधितक क तिर्देशका । अक्या धकाना क्राण तलः बहेट खट्ड अतिसम्मरका छ याव**ी**य काशक अकान कहा कहता। कि नाद्य अधकात नीहा मश्रा शकाम कराम माहे, एांदा आमा निर्शा विशेषका विश्वाम कार्ट्छ।

गडकमा । भाव अविश्व मिथाशियतम छाङ्क किष्ठेकात्तक अवधि पुरखी इंडेरवाशीवादक सहस वताष्ट्रेत अंदेश्ट्रवय निकारी माली संवादन, विवि मलावन भी छोतजीत अक का है। हे तर्ना करीत সহিত্ত প্রতিষ্ঠিত প্রতীর খালা ভরেবে মূলং লইয়া বিবাদ হওয়াতে বিবি মলার ভাঁহার रखं हटेएड अकती वाझ छ अन्त िकू संव का जिल्ला लहेगा नामी नियारहरन। मा क्रिन '' (माक्निक्का a र खग्न श्रम्भाग विधा कविद्रात्र विलिद्देलामा । अञ्चलात् त्रामः । । केल सिम इलिएन।

### कि श माय नुप्रकात ।

कता अविति कालका छो। अक्सात छ वृत्ति इहे তেকে শীত জাতকে ইট্ৰোপীয়েৰা ৰচি ভেছেত্ব, লগুৱেনৰ ব্লায় শ<sup>ীন্ত</sup> পদ্মাতে । **বস্তত**। এপকাব শীন্ত যে হস্ত বাঞ্চির কাঁয়ো রাখাড় क्टिन ४३ छ। ८५ ।

वकटण्डमत भट्टार भाजित। अ भाजापाछितः ছ ভিক্ষের সক্তাৰনা ৷ লোকারভগার ভেপুট क मन्त्रत कार्रक्षम मनि बिरुप है क देशारण्य এখানে শ্লা হয় নাই। কিন্তু এখানকাৰ বিজ্ঞ ্লাকে গো মহিল চলাইয়া ভাষাৰ ছক্ষাত पुराष्ट्रत रातम श करता याथके एन शाकारक उ नकत लखन खांबर्\*ास इक्ट्रेंब स्था भाजाभाषे । বের এটি প্রায়ে কাছক জ্ঞান কার্য্য বাংক প্রেন । ইহার। ছুত্তপ্রভুতি প্রক্রেন্দের রব এ। কর্যা পাকেন এখানে আরু একটা স্থান্ত এই, প্রতি গ্রামে এক এক জ্ঞানিব ক্রেন ইতারা জাপন আপন আমে পারেন গমরে। ছত प्रार्थिक कार्यकार्व सामानाम कार्याहरू वक्राम्भीस अवस्तामणे अगरे छ शक्क मा अग्यः ্কান উপায় এছণ করেন নাই। মৌগা যথেই। হসুপণ্ডা বিলয় লিড হা নিল্প কেলে কুট্রার স্কার্মা থাকাটেত লোকের ভাত উর্জেগ স্বর্গায়েট্রন্দপুর পানায় যাইচ্ছ বলেচ नाहे : लगः अध्यक्त श्रृत अग्रह ।

एडाल मिट्रेट्रात अक जान अद्भारतक प्रत्यान । कि हु सार्च एडन इंडिंग्स्न अस स् नक कान के छेटवाभी दशत को वर्ताका तिनी क्षेत्रा , वालन याक्रमा व काल कान कार्यकार मान्यान প্রায়ন করাতে ঐ বাজি গুল্লার বিবাহ উপায়লাও ১০০লের পুট্রিভিস্থ कृतिप्रार्ह्म । अक्छ्न भागती कैं।इन्हरू वह रणन

व ल एउट्डम, काँका ' रावडा नियाक्रिसमा निम (व्य नेत रेकेटन 3 भिविक नद्रश्व सन्दर्भ ভাগতে বিবাহতকেৰ জাইন্টী मं पा বছ হর জতই ভাল। অতিশয় थत वि मुक्षिप्र रहत श रहा की स ो हिन्द বিশ্বর ইউরোপীয় ও ফিরিজিং इन अ राता श्राम मा श्रममा कज़िएउएका

छेक शब बदलन, मार्ड बादमद । देन शह ্জনেবল সিমলায় গমন ক্রিবেন া গেতেন সংসের সুমের নিয়ার আলি ধার সহিতে স্ व्हेट्स्ट्रा लाख स्माकि को निज्ञात है छ'त निया शयन कवितिन हेना, सव चन দাব ন্যাল খান্দামার বেতন ক্যাইয়া া व'रम वा विक में। हमक डोको करन ्क मि

कर्नल ब छित्रात्र (गारालियदवर ।स कथा विलिस्त हिटानचा, अ वा क्लिट्स हाईस्। का भाग का तमन कविष्ठ एक्स । का छन किर्मत छम्द भरिका करिका अहि काकाहाक मुङ्गामिकात्रम काविष्टक भारत मा विस्तराहर अंतर हे कर व्याप का १वाप सन्दर्भ कि सिवंद्रम के ही छाउँच नाह विष्यान श्रीम हात श्रीकः कहात

निष्द्रिता छ छ अस्टिनिशास्त इ नक केंद्री कहेगाएंड कालालका प्राप्त बाली- संभवि श्रक्षंति हेहेगा विस्तृत र्भारक सह करियार्छ।

অনিনিয়ার যুদ্ধে নিন্দ খেদ थकात क्या के १ हम् अरश्लीक (बाध्यकाल की) इन्द्राहरू क्ष है। नाधु ्र १२ में हिन्द्री छ स एक । इसाब के नेश्री कहा का नाइवः। केश्री ।

লাত আগেল ১৯০ছ ভানত্ত্বাল शतल क्षेत्र काल है। स्वती हिन्दु किया अकरात्म करशाहा अन्त्रेत (अवन्यत्क) ं स. १ वस (केंग्रेट्सटक्ट्रार्ट काखा f 当日。 为 (时) 建 年(年間 (下之) 明日下帝 ) 內 নয়াত ও ক্রেন ক্রালকে জন্মেন্দ বিদ া জাগুর করা হয়। গ্রার জোলেল জা भी तकादन समूह वाक्षण्यासमाम ताह तद भाकेश्वरक्षम । इसे त मार्ट्स्ट हे एक १४ े लिइनियर कालन १९ धर्म । सक्ति ।

ごうと 2770 夏 a commence of 1 5 M 🗸 reservation of Cart District Control of the Control 4 - 27 年 - 学覧師 र् १८८८ **४३ विको** 1. mars 17. 17 3 " " " " , 🗼 খু ইতেকে। বৃষ্টি नम जापन गुर् ঝাসি, লল্ভপুর, 🔻 शूर्खक:र्याय'ता नदनकाञ्च 😁 🔻 ুড়েছে। ওথাপিট্রিই চারি জন ভাগের করিন্ডেছে, সংবাদ আগি वाबीक्ष कन्द्रहाती महित्यवयानकं ४ विभवनात्म काम क्रिट्ड(५४। ন্ন ধনিগাৰ আংগনাদিগের চিরস্তান ্তাবিশ্বত না ইইয়া বিশ্বন লোককে 'स कंडरफराम। (व'क्।वेरग्रव विकूरदह গ্ৰাকে এই নিমিক্ত ৩০,০০০ টাকা কৰ্ম্জ या स्बेशीएक ।

মান্ত্ৰতে মেইল বলেন, বে চারি জন ইউরে:

য় সম্প্রতি মুদলমান ইইয়াছে, ভাহাদেগের

ান কটিওয়ালা, এক জন বেলওয়ে শকট

া, আগ ছই জন নাবিক: এক জন নবাব

গকে সাহাঘ; দিতেভেন ৷ সুত্রতের পরে

াত্ত বিবাহ চইবে ৷

गंद ८० छन । ब अल भारी काम छ छी । इन । १४ छन अलें अल जिल्ला हर । कारल छात अल अन है जे जे में सक्ष्यमन न । जन्याम । अलिए कार्रेल छ न । छ भी रल ७ (००० ५) भिर्ट इन, , मालनात सन्ति । १००० कहर हिं

রে একটা পদাবিদ্যালর ভাগিত বরি ভুডাজন দেখে ও রেববেও নট হং জোগমন করিয়াছেন। নট সাচেব জাকের কাজ করিয়া বান্ধক ১০,০০০ ছেন। এখানে ডিনি কবল সাম্নি अवन र विश्व करता अवक स्वक्रम आ निवादक ।
लिन का कार्यादक अवनक व क्रिन मारहर 
ालन में लिखा के विश्व कर करका वर्षा ।
अ वा विश्व कार्य में कार्य वर्षा अवन कर बन्न ।
अ विश्व के विश्व कर्षा अवक प्रमान कर बन्न ।
अस्त्र कर्षा कार्य अवक एक प्रमान कर बन्न ।
अस्त्र कर्षा कार्य अवक एक विश्व विश्व कर अस्त्र ।
अस्त्र न अवद व क्षेत्र भर्षा अव्य कर्षा कर कर्षा ।

লাকের কুপার সাহেব কলিকাভার আগগমন । করিয়াছেন। ইনি চীনের কর্মানাবীদিলের প্রতি বস্তুকভা নিবস্থন ভিস্তাভ পার হইছে পারেন নাই। এবার কুপাব সাহেব হিমালয় ইইছে ইউনানের দিগে গমন কাশ্যেন।

বোধাইছের ভাকর উইলসন কলিকাডার আসিতেছেন। ভারতবংগির এই পংম বস্থাবে সকলেই সমাসেরে গ্রহণ কবিবেন।

अक छन मूमलमान (क शक्य हे खराएर लिखिताइन, भवन्दमणे यद्यादिक महनाद्याभ प्रम ना विल्ला मूमलमाहनता हिन्द्रान्दभार श्रम ना विल्ला मूमलमाहनता हिन्द्रान्दभार श्रम प्रमान महिन्द्र के मुमलमान महिन्द्र वृद्ध मधान महिन्द्र के मिख्य है। इस्ति मधान सालहम स्थान इस्त्री कि मुक्तिहरू कि स्थान

अप्रकार (शर्कि दर्गत, ১৮১३ अस्ति वाशियत वाशियत वर्ष काण्यानीत दाशियत वर्ष काण्यानीत दाशियत वर्ष काण्यानीत दाशियत काण्यानीत वर्षिय काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानीत काण्यानित काण्यानीत काण्यानित काण्यानीत काण्यानित काण्यानित काण्यानित काण्यानित काण्यानीत काण्यानित काण्य

হিন্দু হিতৈঘণী বলেন, কভাড হইতে ইটই থিয়া চা কোম্পানির ডিরেটর সেজে-টা একে লিখিয়াছেন, তাঁহাদের বাগান বিদ্রো ভগৰ আক্রমণ ক্রিয়া ৪। ৫ জন কুলিকে চত্ত ক্রিয়াটেন আনেক জত্যাদি ভূট ক্রিয়াটেন ভবপরে কুলিচিপেক গণনা করিয়া দেখায় ৫৬ জন জী ওপুরুষ পারিয়া যায় নাই।

এলিজাত্বৰ কাদ কাতেখন হাডিকের নামে যে নালীল বত্তর, গত কল্য ফোগান সাইহয়

कार्या विकास को जा ३००० हा कास एक ही मिन्नी ्डमः सम्ब र्शनशाहन, श्रष्ठा विश्वनात वे ही ताकरक श्रुष्ठ होना करिया कारार আ নয়া বলপুর্বক উচার সভীত নাশ করি शाक्रिय, फाइर्ट्ड देग्र छाकात माविध अधिक मर्टर । अ वर्ष्ट्यक ्षित्र राजिकान, क्रुक्ता १ अ (मटमञ् त्योक्षेत्राहि क्यानामदण्य व्यक्षीत्रह महरू कि इ विकि देश अन्य कितिहा स्थाप अपी कांत कि छ काश हहें हैं। स्कृति गाहिन काष्ट्राटक विष्कृत्र क्षेत्रकात्रिटक निटक्रम । ,ष्मामा माज विश्वत (लाक आंग्रशंहितम' अवर बिली, केंच खेरिनारकत विवास है। मा रहेर करने। कि इतिहात व्याप्त त्याम कार्यसम्बद्ध का हाका के इंख नरहा चारमांत्रकात कणगरक बता के इंड, अ ब, किरत शक्ष काल्या जारनीत काश्च (दह,त्राथ (क्षत्रम करदन। मःकीनिरगत যাইব র যে পাথের হয়, ভাছা সরকারী ধনাগার ९९८७ क्षाना कता कर्यका। अहं इस्ट्र खेरना বটাকে ভূবালয়া ভাষাজো আন্নয়া যেপ্ৰকাৰ अल, हत्र कहार्या, **काशास्त्र** खाहात कटिन नश्च १५५। के ५७।

भःष्यः ७ भाग्नाव स्ववंत्र रेष्ठ रेप्ति प्रित्र मूनल वार्यन्ता । वर्रावर्ति । वर्रावर्ति । वर्रावर्ति । वर्रावर्ति । वर्रावर्ति । वर्रावर्ति । वर्रावर्ति । वर्रावर्ति । वर्रावर्ति । वर्रावर्ति । वर्रावर्ति । वर्रावर्ति । वर्षि । वर्ति । वर्षि  वर्षि । वर्षि । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर

कामनाम छ तथामित खरण्य गर्मा म भाष भवर्गभण अक कामन मियुक कान्नारक म कामन भन्नाधातर्यंत में हिंद्य रहने। मार्क छ तत मूच रिक्षा मा कान्न्या क्वन कान्न्यवर्थन वार्षावर्वकमा कान्न्या कान्न कान्नर कि काम गरमन मार्क इर्देव ?

ভোলাইন বলৈন গোটকানিও কোন্দানের চাউলের কলের ছার। প্রত্যত সংবাদ লাভ হতৈছে। এটা আ তলর ক্ষান্ত সংবাদ কোন্দানি কি কার্ছের একচেটিরা ত্যান করে বেন না ? এত ব্লিবজন কার্ছ এত ছার্ম বি প্রত্যাকে নির্ভ্তর কোন্দানির স্মনালের প্রাধনা করিছেরেন

अर्थन वहराष्ठ स्मान (है) साधारम धाराना करत प्रदेश खाडेशिएस्त खार्थ) भारित औरग अरु प्रसास्त्र साधी वहेशाएडन ।

মার্কুইস কাব আ্লিল্সের মৃদুরে সংবাদ প্রকাশিও চট্যাতে !

প ই কেব্রুণারি ভাগিতেশক এক টেলিরাম নিউইয়ক চইতে জালিয়াছে ইলতে প্রকাশ কংশ, ইংলগু ও জাগেরিকার মনোর ভদভক্ষনার্থ যে সন্ধিটিইতেছে, দেনাপতি প্রাক্তিভাইর প্রতি বন্ধকতা করিতেছেন।

পের। ব ই কেক্সাবি। ভই ফেক্সাবি ভারিখে এট টেলিকাম এথেন হইতে জালি লাচে টেইটেড প্রকাশ করে সুত্রন মন্ত্রিগণ শ্রমণ করিটা রীভ স্থাতে শপথ করিছাছেন চন্ত্র ভাই মদ অধাক্তী বভালের ও সমূর ভিলা ভারানস বিলাটি বিভালের মন্ত্রী হইয়াছেল। স্থানারী ১০ই ফেক্রারি বুবোর স্পানের মহাস্ ভার প্রথম উন্যোগসভা ইইবার কথা আছে

১ ই কেকুল বি। কলিকাদা বাস্পীয় জাকাদ প্রসা অখাতেব টে গ্রাফ হার জানেটেছিল কিন্তু বিজে অখাতে পাকা লাগাড়েন্ড জাকাজ খান জান্মপ্রধায় হওয়াতে ভাষা পরিভিন্ন সাংহটপাছে।

ইড়ালে ইইটেড এই । ইেনিএমি আংসিয়াটিছ ন্য, মলুসী ইম্না (বাজাই অ হাজান্তী সাকলি! সিত্ৰতা বিকিতা একতা ভাসিত্যভাগ

माण्यस श्रीक अश्वित्यः तत्त्वम् ७१४ छान् द्व अस्यातः ६केश्वरद्वम् ।

### ----

व्यागिष्टिश्व बिल्क्कि मध्यानसाठा

### िश्वादहर।

সর্ভ দেখন কৈ কংগতে যে ছই জন ছাত্র প্রেশিক। পরিকায়ে উতীর্গ হইয়াছেন লৈ খ্যা ছকাম উভালের উভয়েই ১০ দশ টাকাকরয়াড়গীয় কেথির রুক্ত প্রাপ্ত হইয়া খেন।

আত্রত্বওয়াসভ্কানিগন কুল ইইতে ২৬ ছার মাইন র ক্ষারদিপ পরীকা এলান কর মাজেল ভ্রায়ে ংক্রমহার বুল্বি লাপ্ত ইই ভাজে

পক্ত ৰ ॰ এ ছাল্ডারি বুবোর অঞ্জান্ত বেথ ঘাই মিলন জ্লোর বিদেনব্যাহিনী সভার ক্রেয়া দশ সংগ্ৰহক অধিকেশন ভইয়া লিলুক্তে।

কাচাড়ের নিকট শীপ্সই একটা ক্ষুদ্র যুদ্ধ
ইইবার সন্তাবনা নেকা বাইতেচে । শুনিতে
পাই, কভিপন্ন কুকী আসিয়া চাবালিচার কয়েক
জন কুলীএভৃতিকে কানীয়া বাপ্রয়াতে গবর্ণ
্রাকীএই বুরাস্থান করিছেছেন । এতহুপলকে
বেগার ও নৌকাশ্বার জায়ি বুমধান পড়িয়া
গিয়াছে ৷ কিছু লোকে পাধ্যানে বেগতে
শাইতেচে না ৷ ইহার কাবে অমুদ্বান কর্ম
উচিত। আমরা কাহার কাহার নিকট জিজ্ঞাস।
করিয়া জানিয়াছি, ত হাচা পরিপ্রামর পক্তে
মুল্য ও ভালক্রপ খান্ প্রেনা এ জন্যই এক্সপ
ক্ষমতে ইইচা থাকে ।

উপর উক্ত যুদ্ধ মুধানের প্রা: ভাবদি তাহার বাবাদ গ্রমাগন্ম। জন্ম এখানে একটা টেল এফ আপীদ প্রত্তিত হইয়াছে। শুনিছে বাই ঐ অপিদানী চিন্নগানী ইইবে।

আন্তান্ত্র কান্ত্রর ন্থানন সাহের ও ইনজ্পেকীর জেন্ত্রল বেকার সাহের এখানে আগাত হইলাতেন। সার হল ইহার। উভতেই চাছাড়ের মুগল গমন কার্ত্রেন। জ্বানা দ্রের নব নমুক্ত পুলিবের ডিফ্টিক স্থানিটেইন পাত সাহেরবর্গত কলা এখানে জানিয়াতেন

গত ১২ ইমিঘ সাজাত ুর জা মোড়ালার টাছা-মাসিক জানিবাধ্ন হট্যা সাগুড়া ।

क्षीक्ट हे भवर्गन है स्ट्रान्ड कहा प्रवर्गन है।
पाणिक व्यान है। वाल कश्चा क्षिश्चादकन । इक एट्ट्रेन अफिलेट खड़ कार्यन क्षिश्चादकन । इक एट्ट्रेन अफिलेट खड़ कार्यन क्षिश्चादकन कियन कट्ट्रेन किए प्रदेश है। याहेटन । क्षान्य श् कट्ट्रेन क्षा क्षान्य क्षान्य क्षान्य क्षान्य स्ट्रेन किक्स प्रदेश के स्वर्गन क्षान्य क्षान्य निक्क नित्र का व्यापन ।

এপানে ধ্যাত্রদীংক্র তিনিধার গ্য হাজ । কাংজ্ঞ কইয়াতে, এই উপাল্ফে সভাত দিনি বিয়ান সাচ্চের ও মুবলমান অনীবার স্থাব বং দ্ব বংশর অনুনক টাক। বংলি ইংগ্রা আছে ।

: D = M.

) <del>)</del> ? 4

(थाँडिङ ।

मानावह श्री गुक्त त्यामश्रकांभामणायक महाभग्न मनीत्यम्।

মহাশ্রা মিট্নিস্থাল ক্মস্মরনিচ্গ্র

লৌরাজ্যে, ও জবিচারে শিংপুর ও ইং वर्षे अन्तामः आम् ४७ व्याप कर्ता अमाना इरेग्रा छिटिशास्त्र । अ महाश्रुक्रदम्या '' यथार्थ विठादश्र कार्य, त्रण्याक्षिक १३८७८इ-<sup>० "</sup> १३ क्षिया असामरभा अधि यह है। क वज्ञात कहिएक हम् काशाहे कहिएए कार्का बाममहर शक्षावकी क्षया किन। एमानी इन भथ घाट (य धना, श्चन व्यक्तिक "ठिक (मङ्क्षकावह इर् भारतरार्वत भागा अहे मुट्टे इहेरछ ह ्लारकवः पुरुष गाप्त कविष्ठ, अथम कहें नश्यमण क्य किएल हहेल, अथन अए-व्यविष्ठातः। कथक प्रवेश इट्टेस अकडा विल আদেশৰ জন্ততা বাদীসমূহের ট পুনটি রণ করিছে আদিরাছিলেন। তি নি যেক্সপ বি इक उन्हाञ्चलदायुग उँ हात प्रहे अकृष्टि कार्टर हेर्भय कविराहर युविराउ भविरानम्। अक्षिः . क्रांच्या विकासन, '' क्या क्रिक्टी है 🤊 🕏 छुद्र ''। क्षेत्रावि वस्तान भ रहत व लट्सन ३० है। নালিক ভাছা। প্রত্রের ধ্বস্থা কিরূপ কন্ত বালীরই বা কেমন ভাবস্থা, কিন্ধুপ পল্লীডেই সাস্থাপিড, দেপানকার রাস্ত্রা ঘটিই বা 🖟কর, **इन्साम । दश्ह्या (ककृताळ विहरहरू राहेम**ी भए। 📆 च बद्धाः दुलत हात्। 😁 .मिनिद्रानु एक छ। ये ताल ताल

医对角性 计制度计 化克拉 . 3 रा प्रकलात सके। अहार . .,7 उचित्र चार ग्रा ए वा वात यस स्टब्स .. 1 43 3 ম্পেন্ত ব্ৰাস্থানিটোল, ভিনিলি 🕅 र्भारहार प्राप्त इन र माडे काल है। मानेरहिन ल हे ने इच यकीम न क्षीय ने भाषा अधिकात .বশ •। ক ইয়াসই ঠিক ভয়া ব লিয়া, 🕸 জাক त्तर मध्यारिक असा एकाप्रत समितान करिएट है ल राज । कि लक्ष्मिक का २०१३ ग । हेर्द्र (इ.स.की -কারের উপায় নাই গত্র জারে গরের স্থার 👋 रज्ञान १ इटाव १ च्या भी जात्र जिल्ला विक्रियों द्वा अव १० इडेरत सांह कविज्ञान(माश्रह जि. 🐉 आहरारा करिएक । किशानियान कारकार प्रकार जिल्लाहरू বেন ইপ্রজ্ঞাপাণ এই বিবেচনা কলিয়া গিটু চ সিপল কমিয়নইড়িছের সেতেজাতির নিকর প্রত্যুক্ত জড়িসাজীর একি এক আন্মান্ত্রির श्लीम्ब कार्या अधावात यहा मनितान क्षरान

दिक दोलाव के इक बाही

का(इह डिर्मान के बाहिस्स के हिंद्या । श्रेष्ठ (स्र क्

श्रत आरम एतथ:(अत विहास स्त्रा ভির কলে। এক জন সংহেব ও ল ক্ষিদ্ৰৰ ছিলেন ও ওএল্স ांच श टक्स । अहे (ह्यांत्रांन में रि বেচনা ও বিচারশাকৈ ইন ভদ ্কবিয়াছেন। ইনি ভাবশাই া অপেকা বিভান ও সম্বিক ্রইনেন : আদেদর স হেব বালির ক চে বাডাইয়াছেন এই একটি কথাৰে জিজা शास्त्र । देशाय भागा छेपार्ग किन्ने কোলা বিষয়ে এমন প্রশান্তিক যে, এক পাত इहेन कि ना अपनि आदिएन সমুদ্র মধ্ম গ্রহ করিলেন, এবং উল্লাহ াব (দক্ষতা যে কি দলিল কি কোন ারপার। কছরই অপেকা রাখেন না। কলমটি ্য মাত্র (রিজেবটেড) বলিয়া সকল स्त्र कृतिहे खनसुख कतिएक नाशिएन। বৈধ্যা ও গাড়ীব্যবিষ্যু এত দুর যে ভত আবেদন কারী প্রস্তার অভিশয় রোদ-का बहुत:! श्रकांगन कार्यिक कार्क नाम का क्याहेवात गुल्लिश्रमम् क्रीतृत्व "हाभ বলিয়াভয় দেখানঃ বাজালি কয়ি বাবুটি নিতান্ত অবিচার হইতেঃ চেথিয়া স্থ প্ৰেছ ছাই এক কথা বলিয়া িন দেখিলেন উলোকে কেবল ুক্রিয়াছে মাত্র ও কথা শুনি ι: ণ করিয়া রহিলেন। দড়িয়াল 7 hz. াক সাহেবটি ক্রমাগত অবি 513. शिक्षता मच्लामक बद्धान्य ! 見事 ণ ক্রিলেই অপেনি সাধ 2781 বেন যে কভদুর অবিচার প্ৰইয়ছল। অত্তৰে একজন ভদ্ৰ সন্তান। একটি বাটাইতে ৯ টাকা মাসিক ভাতা পাইয়া भारत्य। उंक्षांत ५७ हाकांत विशाद होक मिर्छ क्टेट करें। अटे कमाय सिवादशार्थ **मयुशास्त्र** किति । । १६व क्लीस ब्रह्मान्ड शांक कविश्लाह थांगे छ होत तक्का अंअरम्ब काइ कि मा सिशिएक है। हिल्ला । अभि । होता श्रुटेलाइ है। स्म काश्रेरहें ही खिश्चर्यक लिशिन्ड कविरमन्हें धम्ख इहेन्। मार्ड्य एका (प्रांशा । काम कथा a. भिष्मित्रही का भिन विकार है ए विधासन कि कविष्ठात ! ' वहानश ! अकल दारहाताक छेप া পীক্ষাও যোৱা খান্যাস্থিন আবৈ কি বলা ্ হাইছের পারে টু ইনায় কি কোন প্রতিবিগানো-लाक्षे बहे ? महामहिम .लब्डेन हे लदर्गत छ शतर्गत **ब्यान्यत वार्षेष्ठ श्रक्ताश्चा**लत श्रवि धरेकान

काष्ठ्रभन्न व्यावट एक । वहादकर्कृत कुछ कावि हात प्रिचित्र कि हूप कित्रमा धाकिटन ? डाँहाता कि देहात एक्ष कित्रवात निभिन्न हेहाड हहे। वन मा ?

শিবপুর ২৪ এ মাঘ ১২৭৫ } বলহদ জী শ, চ, ম

गहालच ! माहि क्टकर है। हिंद जान हिंद আংসের জীকে বব কনোইলাল ঘোষাল महालब हालिन करवत दावनाधी। नरभव नास्य माहि क्टिक है है। मानुसा अकृष्टि छ। निका खीरना छिनमर একটি চাণডাদীকে সম্রাত এ স্থানে প্রেরণ कारिया इरलनः (यनकल शामाना राज्यि निष् অর্থ সাম্পর্কিয়োগাপ্রস্কি একপ্রকার ম্বাক্র াঞ্চৰ ভাবেই দিনাভিপাত কৰিছা আসিতেছে টিন সেই ভালিকামধ্যে ভারতিয়ের নাম প্রথম্ভ স্থিতি ক্রিয়া ক্রিয়াট্রেন, প্রতাং হারাদ্বির উপরেও মোর্টসভাবি করা इटेग्न' इत्र । व्याहेन व्यक्तनाट व श्र हामरणत् वार विक वाराहर ने ने होता वा उत्हामिक, क्रांस काशामित्यत केलदुष्ट कर संघ, नहां इहेत्या যেদকর ক্জিকে ভিনি নেটিন দিয়াছেন, ভাধানিগের মধ্যে অনেকগুলি আমার প্রতিবাদ এवर मकत्सहे आधार अक सम्वामी। छाहा छ .शत आद्वारत निर्फिष्टे मर्थत जामि जावलक থ কি আব না থাকি ৷ কিছু একপ্ৰকার নি চিগ্ন ৰলা ঘাইতে পারে যে, ভাহাদিনের যাহা আয় पदा क्केबारक, छाक्। निरान्त अरमरकत्के छाक्राव शार्श्वक अध्य क्षेत्र ना । सुरुद्रां का । स् ভাগাদিগ্যে কর দিতে হইবে, কিছুই ব্রিপ্তে পাবি না। সভা ভারারা ইচ্ছ। করিলে সকলেই ভাপীল করিতে পারিবেঃ কিন্তু আবার এই নিয়ম দে, আপীৰ করিবার পূর্বের ভারাদিগকে দের কর জনা করিতে হইবে। আমার প্রথমে জিজানা এই, যেন ভাষারা আপী, কবিয়া নিক ডি পাইতে পারে : কিন্তু অকারণ কেন कारामिगरक इथा कट्टै ७ व्यर्थवारत मिकिन्छ कहा হয় ? অপের ইহার প্রমাণ কি বে, ভাহারা আপীল করিয়াই নিজ্তি পাইবে ? ভাগারা প্রায় সকলেই মূব, পল্লিগ্রামনিবাদী আদাল ভের বাঞ্চাট ভাহারা সহজে ঘাড় পাতিয়া লইছে **हारा जा जार नकरन नहें के सार्य का**र् ভাহাদিশের অপেরও ভেমন সক্ষণভা নাই যে যোক্তার দ্বানিজ ক'র্যাসাধন করিতে পাবে। भकरम कांक (फिलियां क चाहालट्र श्रमा গমন করিতে পারে না। এমন স্থাল যে

जाशीम काक्ष्या । देशक बहुटक केन्द्रीर्व इहेटन. देश व्य च कार्ट्यत मन्द्रवाह प्रदानामाळ । आधि भाग (ताक्षक्त अहे शा अन्दरत (म चटकाड. याशकित्यत स्वाप्त दक्षांत्र अर्था ते । प्रकार केर्ट्य ना. कार्रालमदक्त मान्ने कटका कर निर्देश करे-ब्राटक । बरे कटन कांबाब कांत्राक करता करता या. शार्क कालदकत हाक विकासिक वृहेशांत ब्राटक अबर काटमान धाना कियारका अबर काल जान कड छलि छडम लाक्ति माम माहिल वाहित <sup>হই য়া</sup>ছে। যাহ। হউক, যখন কভক্ঞলি ব্যক্তিক व्यक्तत्वन भी क्रम शहर कतिएक इन्द्रेशतन, खर्णम स्य आहे कडक छ निर्माण कहा कहिराछ इहेरन ना अक्रों कथनहें वहां वाहेटफ शास्त्र मा। फाक्ति व्यादिमनव भवानाञ्चरक विकास मान्यति, वालिमक्दत বয়ং উপস্থিত হইয়। বিশেষরূপে তথ্য লইয়া পরে কি কর নির্দারণ করা উচ্চার পক্ষে কপ্তরা नत्र ? जिलि स यश्यं अद्भाव कर्डवा भाषन ना করিয়। লোকের পীড়নো কারণ হইয়াভেন जार'त प्रमा मार्थी (क व छत्रमा के ने प्रमान कर -র্বানান্ত এ বিষয়ের প্রকৃত তথা সুগ্রামধার: डेभ्राक डेभाग्न व्यवसम्बद्धतंत्र मध्यान, बक्कान ৰা দ্বি প্রিয় অসহ'য় দীন প্রস্কাবর্গের দিপর অভ্যা हाव निवासागत क्षत्रवाका कतिरवन ।

হালসহস ২৩ম'ল } জীটমানাগ ৬প্ত: ১৭৯০ শক

১। মহালয় বনয়ারী আবাদের কিঞ্ছিত লুগে বন্ধারীগঞ্জনামে একখানি জনপদ আরে ।
এংনিকার রাজসংস্থারের বারে এই, প্রান্ধানি ভাপিত হয়। সেখানে প্রতিবংসক পৌষমাসে একটা যোগ হইয়া থাকে। উত্তর্গাল সংক্রোভিত্ত এই মেলার কার্মা আরক্ত কইয়া এক সপ্তাহ কাল ব্যাপিয়া চালরা থাকে। নানা ভানীর লোকের সমাগম হইয়া গাকে। কার মেলাক ভাবী প্র হইয়াভিল। বিশ্বীসংখ্যাও ভালার হলাভা বিল্যালী ভালাভ করিয়া নেওলার এ প্রদেশের লোকের যে ভারী ভারিয়া নেওলার এ প্রদেশের লোকের যে ভারী ভারিয়া কেইয়াতে, ভাইরে সাক্ষেম্বার নি

২। এখন বালিক বিদ্যালয়ও নানা স্থানে প্রক্রিত চ্ছতেছে। সেইসমস্থ নিনালয়ের কার্য্যনার উপযুক্ত শিক্ষয়িত্রীর হতে অপিত চ্ছলে যে কাজ স্থানিকাপে চলে, ভাহার সন্দেহ নাই। কিছে হর্তমান অবস্থায় এরপ কাভিক্ত

A / 1

शाहित्व मा कित्रित्क ख्रिकारमद्भाव महाव <sup>V</sup> विद्वाहमा क्रें छिछि के न्द्र । आक्रिशास्त्र । পৌরুষশালী। যে রাজা ত্রিটিশ গ্র্ণ মেতে व शामाधता करेगा शाकित्वम, आफ গানেবা কথন জাঁছার অধীনভাস্বীকারে मचा इहेरव ना। अज्ञाश ऋत्त आंभीतरक বিপাকে ফেলিয়া ভাঁহারে কোন বিসয়ে বচনবদ্ধ করা বিধেয়, নয়। ভাষা করিছে रशतल भवनीरमन्छे या छेशकात कहिएक ছেন, তাহা উপকার বলিয়া পরিগণিত क्टेर्त ना। डीहात महिल रेमजी हहेत्ल ि डॉन श्वराः डे क्रमी गारक ভাগ্র সর हरेएक प्रशिद्ध के कार्य প্রতিবন্ধ क्षांप्रत्य वाद्य इक्टबन । त्मांभिक সাহায়দান অভিমানী বাক্তির প্রীতি কর হয় না। ব্রিটিশ গ্রণ্ডেম**েট**র নিঃসার্থ कडेशा माहाया मान कडाई कर्खवा। छाडा হটলেই তাহারা আপনাদিগের মহিমার রূপ গৌরবভাজন ছইবেন।

### विविधगर्वाम ।

ার এক। দ্বন সোমশার।

ইংলাধের প্রধান সংবাদগুরাসমূচ মেইন সংক্রেবের প্রস্থাবিত এতদ্দেশীয় বিবাহের লেবের প্রতিষ্ঠান করিটেড্ডন। করেক জন নব পূরক থাকা ভিন্ন কন্য ক্ষেত্র প্রপ্রাক্তির করে লেকে ব্যন্ত নাই।

अन्यानारम विश्वत श्रीणाञ्चतित करम्रिक करम्रिक श्रीणाञ्चतित करम्रिक श्रीणाञ्चति करम्रिक श्रीणाञ्चति श्रीणाञ्चति श्रीणाञ्चति श्रीणाञ्चति श्रीणाञ्चति श्रीणाञ्चति श्रीणाञ्चति हेर्द्या श्रीणाञ्चति हेर्द्या श्रीणाञ्चति हेर्द्या श्रीणाञ्चति हेर्द्या श्रीणाञ्चति हेर्द्या श्रीणाञ्चति हेर्द्या श्रीणाञ्चली स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाचन स्वर्णाच

গবর্ণৰ জেনরল গিনলা যাইবার পুর্টের পেলো যারে আনীর দিয়ার আলির সহিত সাক্ষাৎ করি বেন। গবর্ণৰ জেনরলকে উপচেলিকন দিবার নিমিত্ত আমীর কভকগুলি অহা বস্তাও মেওয়া সাঞ্জব করিয়াছেন। আজিন খা ও আবস্থল রহ মন খা ভারতবর্দে আসাতে জাহাদিগের অধি কাংশ অস্কুটর কারুলে গমন করিয়াছেন। সদ্ধা

हरी **खांद्रफवर्स्स खांत्रिया तफ् क्र्सी नर**श्न। नः व्हेन'त कथार्यान कांह्यता खाद्राक्रवरीय शवर्ग भारति क्षित्छाना कर्त्रम, छान्। स्ट्रेटन छान्। एन भारत कामीत अभिन्न याक्रेटल स्ट्रिडी छै.हिस सर्व।

কামর। কাজনাদিত হইবান, কোস্থাটো ছ্র্যটনার কলুসকানার্থ যে ক্ষিত্রন ছইয়াছেন ভ্রাব্যে ব্যেষ্ট্রের ফাজিট্টের গোলাভাই জান জিকে এইশ করে। ইইয়াছে। বোদ্ধাই প্রব্যেন্ট সাধারণ মভ জাবণ করিয়া অভিনয় প্রশংসনীয় কার্য্য করিয়াছেন। জামাদিগের বর্তমান লেপ্টন্ট প্রবৃত্ত এক্সপ কার্য্য ভাল বাংসন না।

সম্প্রতি এক মকদ্বনা উপলক্ষে সর ভোলেন্দ্র আর্থলন্ড ব লয়াছেন ভিনিদ্দর্শ বংগর বোরাই রের প্রধানতম বিচাবালারের কাল আছেন। কিন্তু ক্লিগের আচার ব্যবহার এতে বিস্তা বিত প্রদাধ যে ভিনি এই দীঘ কাল্যালা, ভোছার কি প্রথমাত্র অবহাত ইইয়াছেন। গনেক মহানতে ছই দ্বিল এ নেশে খালিয়া। স্থিত্ত হন।

দিল্লীর বিধাণেত কবি নবাব আসাহজা থার ৭৩ বংসর বয়েসে মৃত্যু চইয়াতে । ইনি উর্দ্ধৃ ও পারসাতে মনোহর কাবং করিয়াভিলেন।

আমরা হিম্ম পেটিয়টে দেখিয়া ছঃখিত হইলাম হায়দরাবাদের নিজাদের মৃত্যু হইয়াছে। ভূতন নিজাম অপ্রাপ্তদারহার বলিয়া আপা ভূতঃ ঐটিশ কর্মচারীরা শাসনকার্য্য করি বন।

মান্দালের এক জন গ্রাণ্টিত লোক এক জন গৃহত্ব ক্র'লোককে ধেশা। বলিয়া তাঁহার শরীর পরীক্ষিত করাইয়া বেশার তালিকার নাম লিখাইয়া দেয়া এ বিষয়ে নালীশ হও রাতে এই হুগামার ১০০ টাকা জরিমান। না বিলে ছুইমান মেরাদের আজ্ঞা হুইয়াছে। সে তে লোকের কণা শুনিয়া কাজ কথা অন্যান। শরীরপরীক্ষার আইন অনুসারে কাজ করিবা। সমর জ্ঞিশ্ব সভক্ষ হওয়া জাবন,ক।

### २ अ कांका अक्रमधार

বেশিইয়ের ভাক্যা এক কালে ভালে।

ইইরাছে। পোষ্টমান্তার জেনরলের জালিবে।

যাবভীয় কাগজ পজ নষ্ট ক্রন্তারে। সেই লগ্ন্য কাশে ইউবোপীয় প্রস্তুলি নষ্ট্রিয় নাই। লুক্র একটা ভাক্ষর দাঁল জাবার হুইবে। ইকাল নিশিত্র সথ লক্ষ্ণ টাবা বায়ে ক্রিবার ভাল্নমতি ইইয়ালে। আনিও ভারত্ববীয়দিনের অর্থ্যাল

ঞ্চ, াব্রুল সাভেব কলিকাভার জটিসনি গের প্রতিনাধ সঞ্চাপাছেনইইয়ুভি दिन्दिस १ १ मानव । ने घाटि सान वस्त कविवात र ८०व वकादन वस्त कि ह । ने त वर्षकि चिलान ह । मार्ट्य नित्यं कित्र्यारी मान हर्द्धां भागारस्त क्ष्यार इंड्रेस्ट्रिंड । ब्रीट्लाकिम्स्सित ब्रीट्लाकरकि नियुक्त कर्दा २० सम्बोस भनाश्चारत्वे महस्त्राहरू सम्बोस भनाश्चारत्वे महस्त्राहरू द्राव हर्द्ध अक क्षय कार्ट वी क्षां स्मार्थ मा कर्दा

মান্দ্রাজের একটা প্রাচ্চ ফলগাদেনামক এক বা জু কবে। মান্দ্রাজ সাংগ্রহণ স্কার দিয়াছেল।

ক্ষেত্র হইতে মুসভান । বার আছে। ১ইইটেছ। এজেন্ট সেনাসাভ জা গমন করিবেন। এই রল অভূতপুর ইত্রিল হইবে

विश्वविद्यां सहस्य मिहिं ज्यां शामी वर्ष ज्यवित्र विष्यु ज्यान्त्र व्यान्त्र व्यान्त्र व्यान्त्र व्यान्त्र व्यान्त्र विषय क्ष्ट्रेश्व । ज्यान्त्र व्यान्त्र विषय विक्ता ।

अवही शिदका श्राप्ट शिक्षा श्राप्ट शिक्षा श्राप्ट शिक्षा श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप्ट श्राप

২০ এ মাত গ্র কলিতেত্ত্বন ৷ আথা কলিতেত্ব্বন ৷ আথা স্থিত মাম্মান কট্টেব নায় ক্ষক ওলি স্ক ক্ষোম্বা কল্পেনাৰ ক

.व.भ अहे दृख्य हा ।

न लाइका बाह्यांकी काइएक क्रिकाश्चाल कड़ियांकिन विना कड़ियांक दल्यानीय भूरकद छ दाख्यक्टन अक दर्शक्टन

এক ব্যক্তি তুলায় ভাঁজাল গোইয়া ছিলেন : জুলার এয়াটো এখানকার জুলার গুজারে ভাঁজাল এই গাবে?

हे अन छ। तडवधीर अत्रक्षानि देवाल ए 'सू अन ६ मिर्टा। १ এই मर्वामित भाठकि न। कृति अ विहासालर अत यारन, जार्रसाहन कृति ए एक अहे 'सूलन में लोडू है।

যার একজন ইউরোপীয় গুডাবণা করাতে দিলীর । বিনাপরিজ্ঞামে একবং প্রবালক ওপিনিয়ন ক্ষম।

বুল ংইতে সংবাদ পাই
্ব ডুর্কিস্ত নেব শাসন
হগ অবিকার করিয়া
বিহুমন খাকে আছ্বান
া সমন করেনানাই কিছে
বিভেন। এই কারণ
বিভেন।

<sup>53</sup>भिक्तिवात् ।

य कड़ी उक्तप्र एख "इन वाक्त्रहार्काल्य क (कर जा,क) फन নুচ্ন। আদেভিক্ন त्व विद्वारम्य अह क्षांच नहां न खेतर । तद्भ भ भकत शुक्र াই, স্থান্তার সাবেন . - . - १.साम जिन्ह छ अन्। कह इडेर्स वर्ष इंडेंद्र : ३. छ १ ो खु:ध्री शक्त ३ईस । ही भवकाती हाका , होका सुरे क'त्राः বচারালয় ভারাদি াসের আজ্ঞা দিয়

ছেন। নীচ জাভীর দৈনগেংগ্রহ অবধি এই সকল অলরাধের বৃদ্ধি হর্য়াছে।

### ২০ এ ফার্জন শুক্রবার।

বলদেশীর সবর্গমেন্ট নিজে নালীল করাতে আডবোকেট জেনরল বিগ্রহতোর ওয়াকারকে ছাত্রিয়া দিয়াছেন। এ বিষয়ের কাগজ পত্র প্রকাশিত হইয়াছে। গ্রহণিন্ট নালীল করাতে কি দোষ ভাষা আমসা বুকাতে পারিলাম না যাহা হউক ওয়াকারকে ছাত্রেয়া দেওয়াতে প্রধানতম বিচারালয়ের উপরে লোকের আরও অভজ্যি ইইয়াছে।

লিগাল রিমেন্ত্র একটা উত্তম প্রস্তাব করিরাছেন। গ্রন্থিটের প্রধান ও কনিও উকীলকে ০০০ টাকা মাত্র বেতন দেওয় হয়। জেলার গ্রন্থিমন্ট উকীলগণ ২০ টাকা মাত্র পাইয়া পাকেন। লিগাল রিমেন্ত্রাগর প্রধান উকীল দিগের এই পরিমাণে হেডনর জির অন্তর্থার গ্রন্থিমন্ট টেট সেক্রেটারির সম্মতিপ্রাধি রুইমাছেন। যথন গ্রন্থিমন্ট রুইমাছেন। যথন গ্রন্থিমন্টের সম্মতিপ্রাধি ইইমাছেন। যথন গ্রন্থমন্টের সম্মিতিপ্রাধি ইইমাছেন। যথন গ্রন্থমন্টের সম্মিতিপ্রাধি করিয়ারেন গ্রন্থমিক হয়াতিপ্রাধি ইইমাছেন। যথন গ্রন্থমন্টের সম্মিতিপ্রাধি ইইমাছেন। যথন গ্রন্থমন্টের স্থিমিটের ২০০০ টাকা পান তথ্য এই বেতন রুজন প্রস্তাব প্রস্তৃত্ত হয়ানাই।
১৪ এ ফাল্ডন শানবার

মিউজিলাতের বিদ্রোষণাত্ত হইয়াছে। আদিমনিবা, দগণ সম্প্রত এক যুদ্ধে পরাজিত হইয়া প্রায় নিংশেষিত ইইয়াছে। এরপ হইবার বথাই আছে।

ম জ্রাজেব এক জন ফিরিজি বর্মচারী ৮০০০ টাক। ভঙ্বিল ভাজিয়া পলায়ন করি যাহেন।

মান্দ্রাজ্যের অক্টার্ফকের আর ছই জান কর্ম চারীর নামে নালীল কইয়াছে। ইছারা জানায় করিয়া একটি জীলোকের শারীর পরীক্ষা করিছে। করিছে সমন করিয়াছিলেন। নালীলের পুর্বের থথা নায়ম এক নাল জাতো সহবাদ না দেওয়াতে নালীল জাতাত কইয়াছে:

কোছাটে সম্প্রতি ভাঙাচোর দ্য়। ভাষ্কিবজন
৪০০ দৈনা এক পলীলায়ে পভিয়া ভাছা লা ঠ
৪০০ দৈনা এক পলীলায়ে পভিয়া ভাছা লা ঠ
৪০০ করিয়া কভকগুলি লোকের প্রাণন্ঠ
কবিয়াছে। এই জন সিপাহী হও ৩১ জন আহত
৪০০ ছাছে। এই প্রকারে কি বৈশ্বনিষ্ঠাতন করা হ
ইবে এপ্রণালীতে কোন কাজ দ্য় না, কেবল
ক্ষেকজন দ্যুবে দোবে জনেক নির্দ্ধোষী লোক
নির্পী ভাত হইয়া গ্রাপ্সেটের শাস্ত্রহয়।

মাশমান দাংখেব ভারতব্যীয় স্থার পাইটা ছেন ৷ অভএব লাভ আগিলের স্থাতি করি

्वन छाहा विक्रिय निष्य । डिनि क्टि निष्या हिन, वर्षमान (क्टें) (मास्क्रों) स मिलार्थ कार्य)। धारेरमन अवर मक्टन (ब्लिट नमन करहन। छिनि मक्न विवस महिसा कित्रा कटक प्रभी कर्यन, खाद्य को ब्लिटन महिसा खड़ाहा करहन ना। छिन का छात्र कृष्ट छिस्स स्थान।

# ইউরোপীয় সমাচার।

লপ্তন ২৫ এ কেব্রুয়ার। স্পেনের শেষ সংবাদে প্রকাশ করে, মহাসভার ১৮ জনের মতে ও ৬২ জনের অমতে অপাততঃ শাসন কর্তুপক্ষকে ধন্যাদ দিয়া দেনাপতি সেরা নোকে মান্ত্রদলে নিযুক্ত করিছে বলা হই যাতে ।

নেউছয়র্কের টেলিগ্রামে প্রকাশ করে, মহা সভা অর্থমুদ্রারা সরকারী ঋণ পরিলাধ দিবার মানস করেয়াছেন।

২৬ এ কেব্রয়ারি । ১৮৬3 অব্দের কমিসন বে মত প্রকাশ করেন, তদমুদাবে স্কটলতে জাতি সাধারণ শিক্ষাপ্রশালী স্থাপন করিবার নিমিন্ত লাড আর্থিল গত কল্য প্রাডাদ্নার হাউন্ন এক বিল অপ্রক্রিয়াছেন।

গত রাজিতে স। ষ্টাফোর নর্পকোটের প্রসান্ত্রসারেই ভারতবর্ধীয় অপুর সেক্রেটার্থি প্রাণ্টি সফ সাহেব বলিয়াছেন, সম্প্রতি যে করে কটী ছাত্রবৃত্তি ভারতবর্ধে করা হইয়াছে, ভাহার বিষয় অন্যাপি বিবেচিত হইখেছে।

ষ্টাকবুল সাহেধবের প্রক্ষাস্থলতে প্রাণ্ট ডফ নাহেব বলিয়াছেন, টক্ষের নবাবের বিষয়ে যাত কাগল পত্র আছে, তাহা মহাসভায় অপান করা হইবে। সি. গুয়েণ্টগুয়ার্থ, ডিলক সাহেবের প্রশ্নের উত্তর্গন্ধণ ডিনিইআরও বলিলেন, সমা গাগারপ ভারভবর্ষের রাজ্যানী লইয়া ওর্ক করেডেছেন গ্রিক্ত এ বিষয়ে এক্তনে,কোন বিবেচনা হুইডেছে না

কিউবাব শেষ সংবাদে প্রকাশ করে, তত্রতা নিপ্রোছের লাজি ছইডেছে। স্পানের সংবাদে প্রকাল কার দেনাপতি সেরাণো শাসনভার গ্রহণ করিয়া এক দেশাংটেড্রী বক্তা করি যাড়েন

২৮ এ ক্ষেত্রয়ার। বণত রিসংক্রাপ্ত বারের ভালিকা প্রকাশিত হুইয়াছে। ইহার ১,১৬, ১৬,৪৯০ টাকা ব্যেসংক্রেপ করা হুইয়াছে।

বারলিলোনাডে কতকগুলি সোসিয়ালিই বিজ্ঞান্থ করের র চেষ্টা পায়, কিন্তু ভাগারা অকুভার্থ হইয়াছে। কালিষ্টেরা ভিন্ন ভিন্ন ছই রাছে সাধারণো ক্ষমার আজ্ঞা স্থানিত হই আছে कमः किन बात बावकीत मन व्यामि रान्छ विकिश्म गढकस मर्कात थ अव्हेमभीत बिर्मिय गृहिलाम शृक्तिक कांक करिहा मार्क्जनिए शब ছেন। সৰ আসিটাণী মধ্যে বারু অনুদাচরণ কাফ্লিরি ও उँशित अधीन इ अ डिक्म भीत हिक्दिन क वाव ठाकुरमान **मक**त्लब क्षांबान्य क्षत्रां कित्रश भवन्यां इहेटछ धनाराष क्रांश कहेग्राह्म।

ইনস্পের্র জেনরল ডাক্তর গ্রিণ चारक्रिश करिशार्हन, चर्नक हिक्टिश পুন্ধরিণীপ্রভৃতি नश्रत निकटि शहा থাকাডে হ'ভুরে সংখ্যা অধিক হয়। (ल्फीनके भवर्गत अहे अनिकेनियांत्र (नंत चाका निराट्न ; किंदु किटन এই चनि **रछेत्र निवारण इहेरव १ ५**छि दकवल চিকিৎসালয়ের নিকটবর্তী ডোবা পরি পূর্ণ করিয়া ছইবার নছে। ভত্ত ংশ্বানের উন্নতিসম্পাদন আবিশাক। এনিমিত धामापिरगत मिडेनिमिशानिष्टिमभूर दर হত্তে অধিকতর টাকা দেওয়া কর্ত্তব্য शवर्गमणे পूलिश्वत निमित्र मिडेनिनि পাল টাক্সের অধিকাং ল বায় করাতে মিউনিদিপালিটিনমূচ ষথাৰ্থ কাজ कतिएक भारतम ना।

# चादु बाह्यश्रमीम एक क्यांत्रि e डाँकान शिनकत्त्व ।

व्यागता अनिया इत्थिक स्टेलाम, कश्चकक्क कृत्यातक ठक करिया श्रीतिष ইনস্পেক্টর বারু নারায়ণদীন তেভয়ারির পশ্চাতে লাগিয়া উচ্চাকে ব্যতিকাস্ত কবিয়া ভুলিয়াছে। ভাহাদিপের অভ প্রেড এই, ভিনি টালিগঞ্জে না থাকেন। णाहा इरेटल इं जाहाता च क्ट्रांच चार्यना निरंशत अजी छेमाधन करता जिनि रम খানে পাকাতে ভাহার৷ স্বাভিল্যিত व्यक्तांत्रं अवस्थातः कार्याः मच्यानन

क्तिएक शाद्य ना । जिन छेश्टकाव्याही । दमाय व्हेश छेठिताटक । जि मन, वा उधा डाँगात वात्राम व्यामियात (या नाहे। डीहाटक श्वानक क कताहे काशता (जात: क्ष्ण विद्वहमा कतिहारक। मगहरक क्रांबान कुड, मण करन हक कतिशा यम नाताश्वानीन वायुर्क व्यापन করিয়া ভুলে ভাহাতে বিসায় নাই। কিন্ত इः त्था विषय करे त्य, बक बन श्वक द्वा পরায়ণ নিভোড কার্যদক পুলিব কর্মচারী विना धानशास्य घानम् इहेरलन । नाशास्य দীন বাবুব ও ছানিফখাঁর জুল্য উপ युक्त लाक भूतिय कर्यहात्रीमिरभत्र मर्थः অল্প আছেন। ইহাঁদিগের প্রশংসাবা ष्ट्रे मर्द्रमा आमामिरभत आण्डिरभाहत इड्रेश थाटक ; कथन आमता हेर्डोनिटगत इनीम खनि नारे। आमता खनिलाम, नाताक्षणीन बातू । नाहम मच्छि । अकेन्न भ बक्छी महत्त्रमा इरेशा शिशाट्य त्व, जिनि aक वा**क्ति**त . २० छै। का काञ्चित लहेशा ছেন। বিপক্ষেরা যে তাঁহ;র পশ্চাতে नाशिशारह, এएम्। ताहे (मही निःमिक्क क्रार्टिन श्रमान इडेट छ । आमता नांतर प्रविनादक युक्त कार्ति, छाहाटक म्लाखा ক্ষরে কৰিতে পারি, তাঁহা হইতে এরপ কার্য্য দম্পন্ন হইবার কোন ক্রমে সন্তা वना नाहै। उँ। हांत धर्माकान जल्ला गणि এপ্রকার সম্ভাবনা করা যায়, তথাপি এরপ সম্ভাবনা করা খায় না বে, ভিনি **এমন व्यक्तिश्वाकात्री छ निटर्दाध एव** क्रांशाट कृत कर्डवा कार्या मण्यामन क्रिया চির কালের অভিনিত্ত বশে জলাঞ্জলি मिर्वन। जिनि होलिश्क थाकारक व्यामदा নিঃশঙ্ক আছি। ভাঁহার প্রতাপে দত্তা ভিক্ষরাদি সক্ষ্রিত হইয়া আছে।

जबर्गायकेत्र व्यञ्जानकः। मः टक्क शक्षित्रका लिथक मिट्र ने अक्री গ্রশংসনীয় গুণ; কিন্তু বাঙ্গালা সমাচার পত্তের অপুরাদকের সেটা গুণ না হইয়া

কংিতে গিয়া অভি আৰ छिनि अभित्र भाग स्टब्स অনায় হয় তাহার প্রমাণ (कानमर्काष व्यक्तावग्रद्धः हिनाम, (थनिएक सि (करन (प हा डेन ७ वर्जमान स्मरन ८ দেখিনা আদিয়াছি ) তাহা অতি ব্ৰহন ; ভাষাতে পীড়া জ্বো। ব্রমান ভেলের ভরকারি এমনি কদর্যা পাকা ও শত্ত य, भा महिर्मे डाहा चाहेरड लार्ट ना। व्यवह व्यवस्था निष्य के त्रक हैं कर्य, शार्ष्ट बहेश ताह्यारक् । (कर्न य डेर्टकाठअहन अ अलाहात हत्त. ভাহার প্রমাণার্থ আমরা লিখিয়া हिलाब, आंधता यि मिन याहे, भी मिनम c धानिएक का का का का के कि के शहर का क গ্রহণাপরাধে পুলিষে প্রেরিভ হয় এবং বর্তমানের কেল ভাক্তর আমাতু चट्य वितालन, डाँगादक अक वार्टि 🔩 গেচ দিতে চাৰিয়াছিল, তিনি সুংগ্ৰ खार्ग कट्टन नाहे। ज्ञानत, ঐ 👉 🚌 🚓 একটা স্ত্রীলোক (ঐ স্ত্রীলোক 🖳 🖘 🕆 পাগলার জেল গ্রহত তথায় 🕮 🧩 😥 আমাদিগের প্রসারুদারে কহিল ১৯৮ भागनात ब्लाटन छोर्गितिगटक हुंच चार्मा দ্রবা পেওয়া ছইত, কম্চারীরা ভাষার व्या अह्न कहि छ।

उपमर्शतकारम वामामित्रात । व्यक् ताथ करे, अञ्चाहक आविनातृ विवस्कृतिः পরিজ্ঞাগানা করেন। আমাদিগ্রের জেল मः काष श्रास्त्र विश्वादमधान क कार्य ह গুলি আৰিশ্যক বিবয় গান্ধিভালে হ'ৰ 羽红草 1

प्टाइटवरीध शत्रव सम्मत्म ।

কেমন লোকের ভারা ভ্রাঘার গ্রেণ্র टक्स देश के कि के कि के कि कि कि कि कि

ृ तर्गत विद्वहनार्थ व्यः क्रि अञ्च वना कहा इन्टेट्ड मा, ভঃ ভববে গণর ছেন . ৷ আবেশাক কি না, বচারার্থ এই প্রস্তাব অবভা াখন ভারতবার্ত্র শাসনভার কাম্পানির হত্তে ছিল, তথ্য

ভারতব্বের গ্রণর জেনেরল পদ এক<sup>া</sup>স্ক क्षांत्रभाज हिला इश्न अर्थात्म के त्त म्ला নিব প্রতিনিধি এক ছন সর্বাপজ্জিম ন্ ত্রান পুরুষ না থাকিলে কোনকমে চলিত না। বিশেষতঃ তথন বৃদ্ধ বিএ ুহের সঃতিশ্র প্রাছ্ডাব ছিল। তখন রাজনুরুদ্বেরা শক্তেগণে পরিবেফিত ছিলেন। সে সময়ে ডিরেইর সভার অনু মতি লেইয়া যাবতীয় কাঘাসম্পা-দন সংখ্যাহত্ত নয়। এখনকার ন্যায় তখন অনুম, বিগ্রহণেরও সুবিধা ছিব না ুলার্গ্রবর্গর জেনরলকে অনেক সনংয वेहरू भी इहेडा **घटनक कागा** कहिएड इरेड किएक कारक रे मार्च छ शरप मवि ্শ্র ক্ষরতাসন লু এক ভন প্রধান লোকের **অবস্থান একান্ত আবেশাক হই**য়া किहिता कि । कि अथेन (ममसून दाहरे . शतिवर्षु इत्रेहाटक। এथन भाननद्भवानीत अवत्रवम॰ <mark>कान बना २ कात दहेशतक । उथन</mark> अर्थात माण्यक का का किल्ला क्षित्री त भारित्रक इंडेनाट्ड। ध्यंग इंश्लट्डम्बी अंद्रेरतरक रेजि नाम किया अक स्नादक ं कृष्यि जिल्ला हिन्स । अथन श्रेप्त तरलात संयुक्ति कंस । शि.।। रहा धन्न া প্রপ্র কেনরলের পূর্ববং ক্ষমতা र्डं इंटरक (छिटेरमञ्जूष्ट) त्र ं ौन इहें। हलिएड इश् ্<sub>া</sub>ইডেডে কেউচসকেটারি ্বর্ণর কেন্বলক্ষ্ট আছে জ্বা ৫কার বাবস্থা  $t = (1 + \frac{1}{2} + \frac{1}{4})^{-1}$ কলি তথ্যখন গ্ৰণ্ড জেন इद्देशक । १ वर्ष व वीमान्न माने ध्वर

তাঁদার ভাদৃশ উপযোগিতা নাই, ভধন : আর মধা ছলে এক জন বহুবেতনভুক कर्यप्राती द्वाचित्रा खात्रखब्दव्यं अर्थस्त्र ক্রা কেন্ স্থাবশাক এক কণ্ম্কও बाग्न कर्ना "फिहिक मग्न। भवर्गत (कामज़टकत বেজনপ্রভৃতিতে কেবল দেখার্থ বর্ষে ৫ ৬ লক্ষ টাকা ব্যাহা এৰপ নয়, তিনি যদি किছू अंगरथेशालि इन, अराक है। का कताब अति एम ७ 🏋 हत्। मत् क्रिय लट्डिया দরবার ও সিমলাবাসিথিয়ত হেজু অন র্থক কছকগুলি টাকা নম্ভ করিয়া গেলেন।

গবর্ণর জেনকলের পদ রহিত ছইলে কাৰ্যা চলিবার ব্যাঘা হসন্তাৰনা নাই। এখন ভারতবর্ষের প্রায়েসকল এদেশেই গবর্ণর ও লেপ্টান্ট গবর্ণর ছইয় ছেন। লেপ্টনন্ট গ্ৰণ্রদিলের পূর্ণ ফ্রমন্ডা थामान क्रिलिंग हिल्दा (खेरे সেক্রেট রি এক্ষণে গবর্ণর জেনরলস্থানীয হইরাছেন। উক্ত গবর্ণরের। তঃহার নিক্ট দাধী চইয়াস কাৎসম্বাস্থ্য ভাষার সহিত লিপি পড় করিবেন সহ্ব বিগ্রহেরভার প্রধান দেনপেতির ক্ষান্ধ নিকিপ্ত হউ চ। ্য ভালে যথনু যুদ্দ উপস্থিত, হইবে ত্রভ: গ্রণর ভাহার অ্মাভ্ভা করি বেন। এখনও গবর্ণর জেনরজের। মাল্রর क गां करत्न अञ्चलका विद्रभव विद्रभव গ্রবর্ণরের উপরে বিতশ্ব বিশেষ কায়ের ভার সমর্পিত হইবে সন্দেহ নাই। পুর: োক্ত নেধিহানভূহ প্রবি নক্ষতে ব্যক্ হ**ই**.৷ রাশিচক্র যেয়ন পরিভ্রমণ করিছেচে উলিখিত্পকরে ব্যবস্থা ছইলে গ্ৰণ্টেরয়াও তেমনি সেকে টারির মৃত্যনুগত হইয়া স্থ অংকর্বা जम्म प्रत्न जनर्थ इट्टबर्ग के वावचार এই আর এক লাভ হটবে, ভিন্ন ভিন্ন **೨ टम्टम्ब शवर्वक्रिटशः च च व्यट्स्टम**व আয়েব্যরের স্মত।বিধানে স্থিত্রশ্ব বস্তু কাঁবে। এত লক মিতব্টিভার व्यक्ताम इहेश के हिट्या विक्रवाहिक हैं के हैं होटक पहिला। माध्य के दिल मा हामा भ

च्यारा बादराज ममकाविधादनत मुखा खेलाय ह म छेगान व्यवस्थित हरेला करत करत প্রজাকে বিব্রত করিয়া ভাহাদিগের উর্ शक्रतक क्रेटक क्रेटर ता । अध्यत भूलिय **७ विष्ठातालि काटम**्क्रिल्ल किन वा उत्कास कता धकांचे का भाक इहेरा छे हिटाइ। এ সমতো প্রণার জেনরলের পদ উলিইরা দিয়া উ.হার বেতন বাঁচাইতে পারিলে ঐ नकल विष्टत भारतक आमूकूला इट्रेटव ।

गालकीमाधा नाहेट्राव चिन्छ। গত ২৫০ মাঘ শনিবার রাত্রিতে শামরা পাপুরিয়াঘাটায় নালভীনা-धव नाष्ट्रकत व्यक्तिय सर्भन करिएक शिशां ছिलाग। ना दे? हत भारती अहें — বিদর্ভনগরের মন্ত্রিপুত্র মাধব নিজ বন্ধু **२क्टरफ्त महिल शक्षावको मगद**त উপস্থিত হট্য। ভ্রত্তা মন্ত্রীর কন্যা माना शिक मर्भाग करतम अवर उँ। हात িত **আগত** হন। মালতীরও মনে बहुताशमक्सीत इत। १ मकतमात्र मान তীর নহচলী মদর্শ্যকার প্রতি, মনুংক্ত हरेट वन नाशक नाशिका पिट्रांत शहल्ला मिल्टान (हाफ्) हरेट इंट्राइ, अमन सम्ब य चात्रचले नामर कर बन (यानी तान भिष्तित ऐएम्एक बाल औरक बलि मिवात নিমিত এক আশানে লইয়া গোলন। মাধৰ ভথগা উপস্থিত হুইয়া বোগীং চ বস করিয়া উচ্চার উদ্ধারণাধন কবিলেন। शकात अहे कि है। हिल स्य मन्प्रस्थिकात ভ্ৰাভানক্ৰের স্কিত মাল্ডীব বিবাহ হয়; কিন্তু পরিত্রাজিকা কাম্দ্রকীর (को भारत (म (म एक्ट) भक्त इहेल ना। উद्दाहर कोमहन क्यान्स खोर्यरम ৰাশরপুতে প্রেভি হইলেন। পেইখানে म्बर्गाष्ट्रका পण्डि लाक् कतिरलन । मरुवन्त नक्षिष्ठिकाट्क लडेशा शिलासन करिया चारिमण्डरहर, अमन ममरत्र-नश्रतक्र

: শাংক ) - উভিযোগাপ শান্ধা এলা ফাত্রন কলিকাভা সংস্কৃত কালেজ

# विषयाह वर्षी।

সন : ৮৬৯ সালেব কেব্রুয়ারি মাথের ১লা ছইটে পই পর্যান্ত ভাগীরখী ১টার সামধ্যতি ভলের সাথাতিক রিপোট :

স্থানের নাম সামাকনতিভাল জুট ই'ও

ভাগীবর্থীর সহিত পদানদীর ফার্গের স্থান ২০ ৬ বহানার

ভিথ **হুইতে জ লপুর** ১৩µ মাটিল মধ্যে

च अध्या ६६:७ दहरमधूत

৪৬ মাজনোধ মলো বংবলপুৰ ২২৩৬ কাটোৱা

त्रक्तणभूत व्यक्ति कारणात्रः ८० सःकटलत मध्याः

कारिया इंट्रेंट नरीक्षा

৪৬ স্ট্রের মধ্যে ২ ৩ অনুষ্ঠান সংক্ষেত্র করি সংক্ষাধ্যে বিভাগ

সন ১৮৬৯ সালের ১০ই ফার্টেয়ারি বিহর। প্র গঞ্জাটের ভালের মাপ।

> ্যুক্ত ইঞ্চি ্যুক্ত

२१वर भूव १८ महाभारि । १८५ हिन हे कि नेश्व व की श्री १८० । असे लाइनाव हिनाबनी

# (मागथकार्या

e इं क्षाञ्चन (याधवाद ।

নারিকেল ডাঙ্গার অপর পাবে এ চটি ব্যাইখানা আছে। এখানে প্রভাছ প্রায় ্ত গরু হভা হয় ক্যাইরা স্থান পরি কুড কবে না; ভল্লিমিভ এপ্রকার প্রগায় বাহির হয় যে, অর্দ্ধ জ্যোল প্রিধির মধ্যে লোকের বাদ করা কঠিন হইয়াছে। छेलनशदा मिडेनिमिलालि कि এপ্रकात माशाहरणत पानिकछेत विहरत इस्टार्लि कि एक भारती रून गा १ क्लास्कत स्व श्रकात करी, जाराक स्वलिने श्रवन स्तत क विहरत इस्टार्लि कत्रा कर्त्त ।

আমরা কলিকাতার পুলিষ কমিদ
নরকে অনুবাধ করিতেছি, যদি উপনগরের শান্তিরকার কার্যা গুরুতর জ্ঞান
করেন, তালা কইলে এখানকার পুলিবের
ভার কনটাবুলরি কর্মচারীদিগের হস্তে
দিবার প্রস্তাব করুন। গড়পারগ্রান
কলিকাতা নগরের ৪০ হস্ত দূরস্থিত, কিন্তু
দিনের বেলায় এখানে হত্যা হইলেও
এক জন পালারাওয়ালা পাইবার যো
নাই। সর্কাদা দিদি হইতেছে। পুলিয
সময়ে অদৃশা হন। উপনগরের যথেট
দংপাক প্রহরী নাই। রাজিতে পালারা
ওয়ালা তুল্ভি পদার্থ। উপনগরের উপর
মন্ত্রা ও ঈশরের কোপ পড়িরাছে।

धक क्रम युवक देश्हाक नाविक ভাষার কাপ্তেনকৈ বধ করাতে মান্দা জের প্রধানতন বিচারালয় ভারার কাশীর আভটা দিয়াছেন। জুরি ও বিচারপতি লঘু দত্তের কোন কারণ পান नारे। किन्छ माञ्जाक (महेल এवान्तिक ক্ষম: করাইবার নিমিত চেক্টায় আছেন। **अग्रुड: डाइरेंड (अट्या गर्या कॉम्री** হয়, ভাঁহার শেব প্রস্তাব स्हेताएए। मासाख (भरेन वर्त्तम, क्छिशन এडएक भीरशत मधारथ अक अन के हे देश भी ११३ काँमी इंख्या वर्ड हु: त्यंव विषय। यागवां व বলিতেছি ছঃখের বিষয় সন্দেহ কি? इन्टेर्ट्स भीरग्रहा भाभ कथं कडिएन खारिनन, ভারতবর্ষায়েরা এটা আজিও টের পান नाहे। दर्जान हेफेटराशीरवृत मृजूर हहेटलक उभार (भाषाम हादिकारन (भार मिख्या कर्डवा। इडेस्तालीस्यता व्यवा

অন্য লোকের ন্যায় পীড়ায় করেন, অসভ্য ভারতবর্ষীয় সংস্থার হইলে বিজ্ঞোহ হই আছে! বাস্তবিক দোব তেই ত ইউরোপীয়দিপে এত উর্দ্ধি হইতেছে।

> —१०2— ख्रीनम्बान विकासकाः।

शवर्गामके क्रकेंग मिरिष्ण आर्थक

उ धार्मनीत ममनुष्ठीन विविद्यादङ् এ দেশের জ্রীলোকদিগের শিকার সমস্ত বিশ্ব আছে, উপযুক্ত শিক'; ঘভাব তথ্যে। প্রধান। মিদ, স্থ ভারতবর্ষে অংসিয়া এই অভাবের করণার্থ সবিশেষ যতুবাতী হন। चितिकात्म क्षीविमासद्यह কার্যা প্রভিতদিগের ছারা মুগ হইতেতে। বেখানে অস্তুপুর মিসন দেখানে খ ফীৱান শিক্ষাত্ৰী মিৰ্ हेशांट मन्त्रीन कनलाट्यत থাকাতে মিন কার্পেন্টর কয়েকটা র্মাল বিদ্যালয় স্থাপন করিবার করেন। সর সিদিল বঁ।ডন এ বিদ<sup>্যু</sup> প্রধান প্রধান লোকের মত **লিভ**ান করেন: তাহাতে বল মতামত ও আপিতি হয়৷ মর জন লবেকা পু<sup>তানী</sup> ফতের আপত্তি করিয়া বলেন, यमि माहाया करतम, छाहा इहरत छात्र छन প্রতি প্রবৃত্তি সাহায় করিতে পারেন: कियु भिम कार्ट्सिक्टेंट (कंवल भवर्गत (कंस् রলের অনুগ্রহের উপরে নির্ভর নাকরিয়া हें लग्द छ असन कटरन। विकासिकारियर ह সর্ক্তাকোত নর্থকোটের অভিশ্য উর্ সাহ ছিল। তিনি এ বিগ্যে ইস্তার্পণ করি (अम् कलिकाडा, (वाशाहे ए प्रान्हार) এক একটা নশালে বিদ্যালয় করিনার নিমিক্ত গ্রাড়েক কানে মাদিক ১০০০ ট'ক निश्त आख्या क्षेत्र। माना फरमत नानः আপতিনিকান আগাড়ত, গাঁচামণা

াক্রিয়া দেখিবার নিমিত ার হইতেছে। কলিকাতার লৈয়ে এই কাথা আরম্ভ করি ভ্ইয়াছে। এ বিষয় লাইয়া র হইবে ভালা আশ্চর্যোর ্কিন্ত আমাদিগের ত্রীলোক া উচ্চতর শিক্ষা দেওয়া উচিত নাই। তবে মতভেৰ श्रद्ध कहे हहेट्ट ह, हिन्सू निक्छिजी প্রস্তুত করিবার সময় আসিয়াছে কি ा श्वापात हेशत आत्मालन शांत छ বই কহিয়াছি **দে সময় উপনীত**, ন্ন ৷ অনুতঃ ইহার পরীকা করা ্র গ্রণ্ডেন্ট দেই প্রীক্ষামাত্র ५ इन। এक्स यामाहित्व खीला माधादर्गा निका भाहरङ्ख्य गा, ক্ষা পাইতেছেন ভাষাও সামান্য ভাঁহারা সূচীর কান্স শিক্ষা ও ানি সামানা পুস্কমাত্র পাঠ क्तिन चीत्याक अवशास यथार्थ उद्ग भाष्ट्र माहिन। ८ इन्हिना ेरिया ठर्क कता यात, अगड शक **अ**न की <sup>(स</sup> कंड अथर्म छ जात क्वर्र्य नर्भन स्नन নালী ক্রভবিদ্য পুরুবমাত্রেই এই হু,খ <sup>ভারুত</sup>্র করিতেছেন। যেমন স্ত্রীবিদা <sup>मश्मात</sup> -था, रमहेश्रामात निटक कुठ .बना इक्ट्रेश एडड ज़ीत मह्याम कता अ 'ক্ষ্টকর। জ্বানাদিধের স্ত্রীলোকেরা সক্ত विषय कृतिस्ता ५२मा ह ना मिटन आश्वरा ্যথার্থ মহত্রগায়ের নমর্থ ইইব না। े आरामतकामी हतान मञ्जीना इहेटन আর মহাধভার টিতে আদিব নাণ ডिमहिलि माट्ट० अध्यवता वक्तु छः ছরিয়া অকুতার্থ ও লভিজত হইলে বিবি फिन्दर्शन अरे अन कहिस्सिक्तन। अहे खीरनारकत तमहे व्यक्तिका अ उद्मिवस्म खेर मार्ट्स कना जिमार्तिकात अञ मध्य

नाज करेतरिष् । आमानिरगत छोटनाक

भगटकं कि दिवि फिनटहानित मृह्म ऐक ।

মনা কারবার চেন্টা পাওয়া ডচিত নছে ? রথা এতিবস্থাকতাচরণ করা কি উচিত ? যথান এই স্দস্থানের আর্ড করিবে তথান এই প্রকার প্রতিব্যাকতা হইবে।

कास करियात समूर्याथ किटि हि।

कास करियात समूर्याथ किटि हि।

किम कार्लिक निकार की मिगर कि विकार

कार्यत मर्था ताथियोत स्य प्रस्थाय करित

वार्यत मर्था ताथियोत स्य प्रस्थाय करित

वार्यत मर्था ताथियोत स्य प्रस्थाय करित

वार्यत है। स्य मक्स स्वार्याक निभाग विकार

कर्मकर सामर्थिय, डाइ मिगर स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य

### ব্লনেধোৰ দাত্ৰ, চ কৎসালয় সমূচিৰ ১৮৬৭ অক্রের বিকোটা

गंड नुभवादतत कलिकांडा (शदक्रि) এজনেশের দাভিব্য চিকিৎসালয়সমূহের ১৮৬१ वास्त्र हित्या है अक्षानिक इहे. য়াছে। পুর্বে সাঝাদিক রিপোর্ট প্রকাশ करियात निशम छिल; किन्छु वार्विक রিলেপার্টের নিয়ম হওাতে আবজ্ঞ विलय इहेट उट्छ। ১৮ ১৭ वटकत ट्रांटर गर्दछ । ১०६ है। हिक्टिमा नश हिन। ১৮১১ অব্দে ১০৩ টা থাকে। ফলতঃ ১৮৬৭ ম.ব ৩২ টা নৃত্য চিকিৎসালয় इहे 1 ह। इहात गटगा इंट्रिंग कभीना व'ल व्यन खना लादकत माश्राया अवर २० छी विना চাঁদার কেবল বা জিবিশেষের বদান্তায় हिलाएकरहा भवनीरमण्डे (कदल देशभ ख (वजन मिश्रा थीरकन। **हिकि**२मद्देश ৩ ৩৫.১৪৯ জন রোগী চিকিৎশার্থ আগমন করিয়াছিলেন। গড় ধরিয়া প্রভাই ৪২২৬ জানের চিকিৎসা হয়। २१०, ८८ वन तिशी किकि २ मानदा

বাকিত। ১৮৬৬ মনে তৃতিকনিবস্থন পীড়া অধিক হওয়াতে ১৯.৭৫৫ জন হইয়াছিল; কিন্তু ১৮৬৭ অন্দে বাহি-রের বোগীই অধিক। চিকিৎসালয়স্থ রোগীর মধ্যে ৩,০৮৬ জনের অর্থাং শত করা ১৮০৯ জনের তৃত্যু হইরাছে; পূর্বে বহুসালে ২৯৪২ জনের তৃত্যু হইরাছে; যাছিল। এটা প্রীতিকর সন্দেহ নাই। চিকিৎসালয়সমূহের ৪.৫৬,৬৬ টাকা মূল ধন ৩.৩৬২২৭॥৫ টাকা আয় ও ২.৫২,৯৮১।১৭॥ টাকা বায় হইয়া ৮৩, ২৪৬॥১০ টাকা জনা ছিল। প্রতিরো গীর আহারার্থ দেড় আনামাত্র বায় হইয়াছে।

এতদেশীয় অনেক জমীলার চিকিৎ मालद्यत निभिन्न माहाया कतिशा थाटकन। क्ष्मर्व आंश मक्त स्वभीनात व विशुर्ध যত্নবান ইইতেছেন, এটা অভিদয় সুখের विषय । मक्स किला अट्शका या नाहत्व এতদিনয়ক যত্ত অধিক পরিমাণে দট হইতেছে: কিন্তু লোকসংখ্যা ধরিয়া যদি विष्वहरा कहा नाम, इष्ट्राभीमित्रत नाग आमामिरभव अरुभभ। अधिक। कांद्रन **এएएम** भोरत्रता 99,5851 die Bint मान करिहार्ट्न, शक्षायुरत हेडेरवाशीय দিবোর দান ২২,৩১৯):৫ টাকা হই-**टिट्ट। इ**डेट्डाणी, इंडा ८ १५४ मा अर्थार्थ लान कटन्न, कीशासिर्धात खार्थभन्न नाहै। डोहामिश्रत कटलका আমানিগ্ৰন অস্ততঃ চারি গুণ ক্ষিক দান হওয়া डेडिड 1

विनास शूर्त, मालन ह, वर्ष मान, नांकृ ए।

अनुनी दे मध्याम । या देशा दिन ।

वर्षाहत, ५८ भारतना, कृषिता, पुरन्त
तास्ताही, मालन ह, उथकल अ जाताल अनुने हता। करत्रक जि विचारत वन प्र हत्त्राहिन। अना के छे। वतापत शाम हे तृहिताहरू, किन्दु ५५०० अल्य अस्नक पहारत यात्र वर्षा अधिक हत् नाहि। हुई अक्

# সেমপ্রকাশ

১১ ল ভাগ।

36 4350 1

# ं प्रवक्तनां प्रक्रितिस्ताय पार्थिवः सम्खतो श्रातमस्ती न सायतां। १

कालिय कानातिक ना मार्ड नीड होता ।

बा<u>तिक मृत्र। ১ এক অগ্রিম বংবিক ১০ দশ</u> । সন ১২৭৫। -২ ই ফা**ন্তুন। ১৮৬৯।** ২২ কেব্রুয়ারি

मगन्द्राम गोक्टनगरगड कविश्व व विक यान्। त्रिक १, ७ देवमातिक २५० है।

# विकाशन। ভারতবর্ষের বিবরণ।

शक्षभवात मृष्टिख । এবাবে স্থানে স্থানে ব। ব भाविक विषास्त्र शतिवर्षन कता बहेसार्ड अवर वाकाला (मान्यु समी, भर्तात, छिरभन्न, वानिका e (क्रमानगृह्य विवयन मनिष्यत निधिष्ठ ३३) যুক্তে। কলিকাভা সংস্কৃত যন্ত্রের প্রকালয়ে क्षेत्रक बहुत्वाभाग हाह्वीभाषतांत्र (कोर यद्व मार्थका ।

# एक्टावकी साहेक।

**बी नेगारेडीय मील कर्जुक प्याञ्जाल ना**हे। भागाय काजिनशार्थ विविष्ठि । वह्नवाञ्चाव ३१२ न १ है। नर्शन यात्र काला । मूला क्रक छाका ভাকমান্ত্রল 🗸 ।

---:0:---

# इर्गार्य नाउँक।

কলিকাতা সংস্কৃত যন্ত্রের পুত্তকলেয়ে एशकी निवास करत त्यांकालीक्षणव विकास राहरवर निकडे छ कालना ध्याप्रदेश हाल आंभः : मृहा।। • का है जाता।

কলিক'ভার নিকটবন্তী নেই ন'সপালগালি বালীৰ মালিক গ্ৰাকালা। ৰাজালা ক'ট্ৰেল্<sub>সের</sub> <sup>াই</sup>কাতে নাগরাক্ষ্যে মূল ও নিকা এবং সকলে ধে अन्धिन प्राटनाव २ 明津(नव ১ भारतात प्राप्ताप्त সাবে মিউনিদিপাল বাসী ভাষ্যা বিষয়ে অনুত্ৰত আর্থনা করে, ভারাদিগাকে আরণ করিয়া দেওয়া য ইতেছে যে উক্ত ধারার বিধান অনুসারে मिछेनिनिभाग कविष्ठनद्रश्राण्य वाही थालि बहेवा

न्य दिन करन क्षरकाक (कांब्रा है। एसन क्षरपाई केन्द्र

भेरवान निष्क क**हेर्त** । ज्यान श्र कार्तिस्थ क्षथम সংবাদ দেওয়া ইইয়াছে সেই ভারিধ হইতে के ब्याहेन ब्यूजार्त्र यक ग्रीका (त्र्राहे (म्यूजा याहेर्य खाङ्ग शनमा कदा इहेरव।

আলি পুর ১ ফেব্রুয় বি সকলের মিউনিস্পাল কমি ১৮৬৯ সমরগণের চেয়ারম্পন

रुतिमाणि हेर अर विष्णानाम ১৮५५ जायात श्रादिभिक्षा भेदीकाशीमिरणद भाष्ट्रमाथ अविध खानी नदा इहेग्राइह। यांकादा ऐकाएक श्रादिष्ट क्टेब्रा ऋथ।युरुवत् वीनवा कर् इन, उंक्षात्रा প্রধান শিক্ষাকের নিকটে নিয়মাদি অবগভ इइर्वन ।

৩ - ডিসেম্বর খ্রীদ্বারকানাথ নর্মা। ইবিনাভি বিদ্যালয়ের : 595

মৎপ্রণীত চিত্তবিনোদ কাবা ১ ম খণ্ড। ছতি সুললিত অনিত্রাকরে রূপককলে ইহাতে ভারতব্ধের বর্ত্মানাবস্থা বর্ণিত চুট্যাড়ে এচ (नक्क क महानारवता वर्कमान राष्ट्रवाकारत कारत লাল শাহার পুস্তকালয়ে তত্ত্ব করিলে পাইবেন।

खी देशानहत्त्व रश

-- 202--ৰাল্মীকি রামায়ণ

তৃতীয় পঞ

**क**हे शुक्रक श्रथमान्धि श्रकाम इहेर्ला, ৰ জ্বা। অনুৰাদ আন্তো গ'লেৰ আংশ ক হটাৰ, ডিনি কলিকাতা এখোনমালে আগাৰ मार्म शक्क लिथिएनमः शहराहाक भारत्य । प्रश् ফরমার ) মূলায়ে∻ আলামাং বিং≥কীয় এল⊅ক भिवरिक / • आतः म छतः भित्त वर्षः व ।

কলিকাভা डामागगाङ }

ক্রী হেন্ডল্ল ভট্ট জার্য।

মূজাপুর মেডিকেল হল।

 अख्यात्रा आमामित्रत अवश्वकत् क्ष्रका महकारी । अर्थामाधातनक ब्लाफ न याहेट्ड (य), विजीत देखमानिक हेट्ड সম্বল্লে জনবণোডে ' স্থার কব কেন্দীয়া, ১ উব্ফ, ডিটিস धीन् म भ भारा एन मण्ड्य মুলোর উদদ পুর্বা প্রাপ্ত হওয়া গিয়া এডভিন স্থপ্তি আমরা বিলাভ চুই हैर भन ३५ ५५: मार्टल अप दिख्या भिक हैए। গয়ায় ' প্রিটিন্দ ফলালা, কিং আব্ধর, ব্যাক্স ৯ নাম ১ - অব্বপোডব্ৰেম্বারা ৮৩ ২ र्रेष्ट्रे (द्वाभीय है वर्ष श्वास इद्यादित अहे मा উন্ধ শুনোধিক। দাভ সহজ্ঞ টাকা মুলো : করা হইয়াছে।

२ । व्याका बायबाद्धां व्याकारीकारी উপলক্ষে চি । (एमा भरवार्थ) वाह्य 😸 🧯 প্রস্তুত্তকরণের ও উষ্ণবিক্রয়করণের নান' সাম্থ্রী ও স্কলা ও বিবিধ ভৈষা ইং সন ১৮৬৯ সালের ফেক্সারি মাসে বিভ **इहेटड** :भौदित।

ত। জামধ্য অধিক প্রিমানে ও খ উভয়রূপে ার্ধ বিক্রেয় সর্মা থাকি ৷

৪ : এই সম্বন্ধ দ্রবালির আসল দিল তা bleा र अगोगा हतीत का (प्रशिष्ट है। क टकरम, ज्याशके केंद्रिंड ७६ मृश्यांक श्रक्षांत्र छेत ধালয়ে জ্রীয়ন্ত ৰ বু পে,শীনাথ ,দর নকা কিন্ধা मधावाक्षाप्त की दिले एक माध्याक छन्। ४ छ देवतासराव भेरतारमञ्जूष हैं<sub>। श</sub>ष्ट्र वासू महरत्या भाग मामगारत्य निक्छे अधिहास शहराच

শামাদিলের এ এডটেবর স্বভারণার সুন।

द्वबद्व कानिक्षति एवं कार्याम सम्बीती ७ हरक, नरभत भिकासार मत শাৰণাকভাঞ্জিলাদন করিয়া ভাষা पिर्शत शिकार्थ कछछित আৰশ্যক ও কি উপায়ে তাহার ব্যয় नश्चान स्टेटन, देशांत विकास विशिधाः ছেন। ভিনি অসুমান করেন, বাঙ্গালা 8000000 (लादकत वमिक, লোকের নিমিত্ত এক धावकी विकाशना आविभाक। धानिशटम ৪০০০০ বিদ্যালয় করা কর্ত্তব্য। প্রত্যেক विमानियात मानिक वास ১० है।कात हिनादव धतित्व धक्र ज्ञक छोका इत. তত্ত্বাবধানের ব্যয় ৩ লক্ষ্, ৮০ টা নর্মাল क ति ७ तक, ৮० न প্রাইমরী ছাইকুলে ৩ লক্ষ এবং গৃচদংক্ষারাদির নিমিত্ত ৩ লক সমুদ্রায়ে ৬০ লক টাকা বায়। তিনি 🌭 ্লক্ষ টাকার चारवत रव कर्फ निशांद्रहन, का हा अहै:---

णवर्भत छेभारत छे। इस स्थाप स्थापनारतत निकार १ के भवर्गरमणे २ के स्कृतिर की ३० के

भारे ७० व

तरदरक नानितिहाती पर क्षेत्रकी वे क्षेत्रकी के क्षेत्रकी विद्या कि का कि

षाहेन कतिएक ष्टेटन, या निमानदा मा वंदित्व, तम मधनीत वद्दत । भिकाता नदक बन शहराया कतिवात कथावणि क्लम्पूर्ग इत्क विन्छ्यात सामूत्र अनान कुना व्हेतारक। कृषकतिभटक वृत्ति वल-विषाणिकाकार्या कता अवर जाशांनितात निक्छे हर्देड वनपूर्वक कृ निष्ठ की आंशाध करा हत, **डाहामिर्शत** भिकात थिकि विदय्य कियाद । व्यनियात नाम वन भूक्तक विमा मानकान वक्रतम्भ नत् । दशास्त भिका कार्गा वतावत क्रिक्ट इटेश चानिशाहर। व्यर्थशा कतिया विमालिका कता अ (मर्भात अंखांख नरह। अक्षांभरकता ছাত্রদিগের আহারবায় দিরা চির কাল चशां भनाकार्या मण्याहर कतिहा चानि য়াছেন। এ দেশ চিরপরাধীনতঃশৃত্বলে वस रहेशा आनिशाद्य, घडाव वदम्भीश বলপুর্বাঞ निकामानकार्या श्वार्विक कहा व्यवक्र इंटिड्ड ना, त्तरवरत्थ लामविश्ती अहे य युक्ति धारान कतिशादहन, अप्ति निकास क्यांक किश्यता अत्मनीविम्दनत রাজনীতি সংক্রান্ত চিরপরাধীনভাই ছিল : কিন্তু শিক্ষাগৰকো কোন কালে নে অধীনতা हिन मा। विरंभवजः असमीरमना अकर्व এক সাধীনতাপ্রিয় জাতির খালায়-च्छात्रात्र व्यवस्थिति कति उट्टिन । हेर्गान भटक जन्म नकन विवदः स्रोभी न छ।-রসজ্জ করা উচিত্ত; কিন্তু রেবরেও लालविश्वती त्व अखाव क्रिडाइन, काशांटक इंग्लिटभत त्य विवद्य किरका লের স্বাভস্ত্রা ছিল, ভাহাও বিলুপ্ত क्हें एक इंतिन।

প্রস্তাবলেথক আরের যে পদ্য উদ্ভাবন করিয়াছেন, ভাষাও ক্লচিকর ও সুসাধা হইভেছে না। শবণের টাক্স রুদ্ধি করিছে গেলে করিক্রমি গেরই কন্ট

इष्डि स्टेटन । रयमकन खरवाह छैदलि भर्जना (मरवत अनुश्रहारभक्ती 173 खांश महाच्। **७ ज्लख**्रहरू, प्र 17 चग डा। नगरत नगरत महाया Œ. चना क्छे छात्र करिट इस ; 2 17 व्य ज्ञात्वात्र छेर शक्तिव्यस्य देवद । भा कृता भारतकारीय नय, जाहात या भनाना खटवात नाटत इच ना रह, कार निजान कछेकत स्टें(४ मान्स्ट्राहे व निमित्व कभीलाइपिश्यत निक्छ इरेट कत्वह्न (र विदश्त नज्ञ, व्यामता कट्स বার ভাষা প্রভিপন্ন করিয়াছি, ভাষা: त्य वर्श मित्वन, छाए। श्राकाशकृत कडिः क्षयक मिर्गत निक्छ स्ट्रेट के सामान कित नहेरवन। व्यक्तिकार्या यामः केंक्शिम्रश निक्षे इडेटल मूलन मूडन कर्छा है। कर হয়, তাঁহাদিগের সহিতাবে ছায়ী বন্দে वस्य कता इहेशाएक, ज़ाहात कामधेर थादक नः।

एरव कि खामकीवी । ७ क्रुवकॉनरभ निकात द्यान छेलाइ कता रहेट्द ना **७ंख**ः मान**ण्ट**न न्या माम् वक्तवा गहे, बन्दी म् व क्षांत्र मार দে উপায় গুরুটে বিদ্যালয় ভ তাহার অধীনত্ব পাঠশালাওলি। ঐতাল Cक्रवल आमकी e क्षत्रकिए। शिक्रा मानकार्या विरम्बक्तांश विनिध्याक्रिक कता कड़क । इंदाट बार : अकड़ी विणि हे स्थार्श ए इहेट्या अकट्य बेमक्त भावेगातात देक खारी अ মধ্যম শ্রেণীর বাল কৈরাও অধ্যয়ন করি তেছে , কিন্তু বদি অহুধাবন করিয়া দেখা गांत, श्राचीयमान देहेरव. शांठे नानाक्षांन মারা ঐ ঐ আেব্রীর উচ্চ শিক্ষার প্রতি স্বাক্তা ক্ষরিভেছে। সেঞ্জিবস্বাক্ত; অতিক্রান্ত চইনে এবং যে গুরুপাঠলা वाक्रण कार्याहो चात्र इहिशाहर, छाहाह बाध्र विकास हरेरव ना। धक्रान अवन

|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | <i>\{</i>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| The second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second secon |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| किया मृत्यु ७ शृखकाद                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | रम् । अभू भटे । स                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| निष्ट्री खानाव काम्ल                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| ও মংপ্রচারত নিয় লখ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| 4.5%                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | a da da                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| इत्वरहः-                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       | 1                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| લગે હ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          | <b>भू</b> ज्ञार                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| ী সই ডিছাস                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | 's Bimi                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| রামইভিহাস                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      | S. S.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | The state of                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| ভূষণসার ব্যাকরণ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | पाना                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
| নীতিযার (১ ম ভাগ)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              | 11 3                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
| নীভিসার (২ য়) 🚽                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | Jan Bis                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| कातिष ।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| •                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              | . L                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| मूफ्रवाध वशकतन                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 | <b>6</b>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |
| <b>ঞ্জিলা</b> রক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | নাপ শ্ৰা                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| অমি শক্তের মহানিবিন                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | ren .emwifm                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
| 491                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | <b>V</b> .                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| ৃত অভিধান সঞ্চান করিব                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| ু উহা পাঁচ ৰতে সম্পূৰ্ণ হ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      | স্বে, সম্প্রতি                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
| रक श्राहित स्वेशाद ।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | ्ट क बरस्त                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| २ इरे होका। अर्रभक्त मध्य                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| त शुक्तकामरम व्यथन मर                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          | अंख कालिए                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| ाव निकर्त प्रमुगकान कविरत                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      | পাইতে পারি                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | -                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| • 1                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | ومناهم والمناهم                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| , ,                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | ু বৈ শ্ৰা                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| :৭৫ সাল } জিডাৰ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | <b>3</b> .                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| ং প্রাল } জীভাগ<br>গাফাছন কলিকাভা স                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | <b>3</b> .                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| :৭৫ সাল } জিডাৰ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | <b>3</b> .                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| া ক'ছন কলিকাডা স                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | কৃত কাৰেজ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| ং প্রাল } জীভাগ<br>গাফাছন কলিকাভা স                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | কৃত কাৰেজ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| া কছেন কলিকাতা স<br>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | কৃত কাৰেজ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| প্ৰকাশ কলিকাভা স<br>—ংগ্ৰু  বিভিন্ন জনাচালিকীবিটা<br>প্ৰস্তিত ।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | ক্ষুভ কালেজ<br>ব্ৰুভ কালেজ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| া কছেন কলিকাতা স<br>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | ক্ষুভ কালেজ<br>ব্ৰুভ কালেজ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| প্ৰকাশ কলিকাভা স<br>—ংগ্ৰু  বিভিন্ন জনাচালিকীবিটা<br>প্ৰস্তিত ।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | কুত কালেজ<br>শ্ৰ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
| প্ৰকাশ কলিকাভা স                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | কুত কালেজ<br>শ্ৰুত কালেজ<br>শ্ৰুত্ব কল্ম নামা<br>পুজুবা দুৱে                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| প্ৰকাশ কলিকাতা স                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | म् उकारत्वक<br>भ कश्म सः मः<br>भू कश्म सः मः<br>भू कश्म सः मः                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
| প্রধান কলিকাতা স  বিবিধ জবানেলিশীবার  প্রস্তাত ।  করাজী বালালা পুতক কাল  ভবাদি পাওয়া যায় এবং  এক আনার বিসাবে করিচ বৈ পুতক লইলে 🗸 ১০                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          | म् उकारत्वक<br>भ कश्म सः मः<br>भू कश्म सः मः<br>भू कश्म सः मः                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
| প্ৰকাশ কলিকাতা স                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | কুত কালেজ<br>কুলুমুনানা<br>পুজুনানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানু<br>মুদ্ধানু<br>মুদ্ধানু<br>মুদ্ধানু<br>মুদ্ধানু<br>মুদ্ধানু<br>মুদ্ধান<br>মুদ্ধান<br>মুদ্ধান<br>মুদ্ধানু<br>মুদ্ধান |
| প্রধান কলিকাতা স  বিবিধ জবানেলিশীবার  প্রস্তাত ।  করাজী বালালা পুতক কাল  ভবাদি পাওয়া যায় এবং  এক আনার বিসাবে করিচ বৈ পুতক লইলে 🗸 ১০                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          | म् उकारत्वक<br>भ कश्म सः मः<br>भू कश्म सः मः<br>भू कश्म सः मः                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
| প্রকাশ কলিকাতা স  বিবিধ জবামেনিশীবার  প্রস্তিত ।  করাজী বালালা পুতক কাল  স্বাাদি পাওয়া যায় এবং  এক আনার হিসাবে করিছে  বৈলঃ  প্রক্র কইলো এক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   | কুত কালেজ<br>কুলুমুনানা<br>পুজুনানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানুত<br>মুদ্ধানু<br>মুদ্ধানু<br>মুদ্ধানু<br>মুদ্ধানু<br>মুদ্ধানু<br>মুদ্ধানু<br>মুদ্ধান<br>মুদ্ধান<br>মুদ্ধান<br>মুদ্ধানু<br>মুদ্ধান |
| বিৰিধ জবাচালি বিত্তী  বিৰিধ জবাচালি বিত্তী  বিৰাধ জবাচালি বিত্তী  বিৰাধ জবাচালি বিত্তী  বিৰাধ জবাচালি পুত্ৰক কাল  ভবাদি পাওয়া যায় এবং এক আনার ইসাবে কৰিছে বৈন : ১০ ব্যুক্ত উন্নদান্ত্ৰীৰ প্ৰস্থা ১০ ব্যুক্ত উন্নদান্ত্ৰীৰ প্ৰস্থা                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | ক্ত কালেজ<br>কল্ম নানা<br>পুজুৰা দাত<br>ম দি জাৰ ন<br>নান কিম্প্ৰ<br>৪ টাক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| া ফাছন কলিকাতা স  -তেঃ  বিবিধ জবাদেশি বিশ্ব  প্রস্তাত ।  করাজী বালালা পুত্রক কাল  স্থানি পাওয়া যায় এবং এক আনার ইলাবে করিছ বেন : প্রস্তুক লইলে 🗸 ১ বিশ্ব প্রাক্ত উষ্ণাধনী  প্রাক্ত উষ্ণাধনী  প্রাক্ত বিশ্ব জবাহাত্দীন গ্রন্থ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | ক্ত কালেজ<br>ক্লুন্ম নাম<br>পুজুনা দুল্ড<br>ম দি জান ন<br>কার কিসংক<br>৪ টাক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| বিৰিধ জবাচালি বিত্তী  বিৰিধ জবাচালি বিত্তী  বিৰাধ জবাচালি বিত্তী  বিৰাধ জবাচালি বিত্তী  বিৰাধ জবাচালি পুত্ৰক কাল  ভবাদি পাওয়া যায় এবং এক আনার ইসাবে কৰিছে বৈন : ১০ ব্যুক্ত উন্নদান্ত্ৰীৰ প্ৰস্থা ১০ ব্যুক্ত উন্নদান্ত্ৰীৰ প্ৰস্থা                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | म् उ कारत्यक<br>म करण मान<br>श्रुष्ट्रभाग्य<br>मान क्रिमार<br>स्रोक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| া ফাছন কলিকাতা স  -তেঃ  বিবিধ জবাদেশি বিশ্ব  প্রস্তাত ।  করাজী বালালা পুত্রক কাল  স্থানি পাওয়া যায় এবং এক আনার ইলাবে করিছ বেন : প্রস্তুক লইলে 🗸 ১ বিশ্ব প্রাক্ত উষ্ণাধনী  প্রাক্ত উষ্ণাধনী  প্রাক্ত বিশ্ব জবাহাত্দীন গ্রন্থ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | ক্ত কালেজ<br>ক্লুন্ম নাম<br>পুজুনা দুল্ড<br>ম দি জান ন<br>কার কিসংক<br>৪ টাক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| া ফাছন কলিকাতা স  া ফাছন কলিকাতা স  া ফাছন কলিকাতা স  াতঃ  বিবিধ দ্ৰবাদেশীবাই  প্ৰেক্ত ।  ইবাদি পাওয়া যায় এবং এক আনার ইসাবে করিছ বেন : ১৯ ব্যান উন্ধান করিছ বেন : ১৯ ব্যান উন্ধান করিছ বিন ভ্রান করিছ বিন ভ্রান করিছ বিন ভ্রান করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ বিনাম করিছ   | म कहा मान<br>म कहा मान<br>पुष्ट्रमा मान<br>मान किमार<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्याप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्थाप<br>स्<br>स्<br>स्<br>स्<br>स्<br>स्<br>स्<br>स्<br>स्<br>स्<br>स्<br>स्<br>स्                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
| া ফাছন কলিকাতা স  বিবিধ জবানেলি বিশ্ব  প্রেল্ড ।  করাজী ব'লালা পুতক কাল  ভবাদি পাওয়া যায় এবং এক আনার ইলাবে করিছ বৈন ও প্রক লইলে এ ।  ত্রাফ উন্ধানে স  তান ।  তাল্ড উন্ধানে স  তান ।  তাল্ড উন্ধানে স  তান ।  তাল্ড উন্ধানে স  তান ।  তাল্ড উন্ধানে স  তান ।  তাল্ড উন্ধানে স  তান ।  তাল্ড উন্ধানে স  তাল্ড উন্ধান স  তাল্ড উন্ধান স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত           | क कार लेख<br>क कर म माम<br>अक्षा माम<br>भागात किमार्थ<br>हो के<br>भागात किमार्थ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| া ফাছন কলিকাতা স  তেওঁ  বিবিধ জবানেলি বিত্তী  করাজী কলালা পুত্রক কাল  ভবাদি পাওয়া যায় এবং এক আনার ইসাবে করিছ বেন : ১০ পুত্রক লইলে ১১০ ১০ বান ও ১০ মানার হিসাবে করিছ বেন : ১০ পুত্রক লইলে ১১০ ১০ বান ও ১০ মানার প্রবিদ্ধি ১০ বান ও ১০ মানার প্রবিদ্ধি ১০ বান ও ১০ মানার প্রবিদ্ধি ১০ বান বান বিদ্ধি ১০ মানার প্রবিদ্ধি ১০ মানার প্রবিদ্ধি ১০ মানার স্থিক ১০ মানার স্থিক ১০ মানার স্থিক ১০ মানার স্থিক ১০ মানার স্থিক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          | क कार लड़<br>क कहा मान<br>अपना मान<br>कार किमार<br>के के<br>कार किमार<br>कार किमार     |
| া ফাছন কলিকাতা স  বিবিধ জবানেলি বিশ্ব  প্রেল্ড ।  করাজী ব'লালা পুতক কাল  ভবাদি পাওয়া যায় এবং এক আনার ইলাবে করিছ বৈন ও প্রক লইলে এ ।  ত্রাফ উন্ধানে স  তান ।  তাল্ড উন্ধানে স  তান ।  তাল্ড উন্ধানে স  তান ।  তাল্ড উন্ধানে স  তান ।  তাল্ড উন্ধানে স  তান ।  তাল্ড উন্ধানে স  তান ।  তাল্ড উন্ধানে স  তাল্ড উন্ধান স  তাল্ড উন্ধান স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত স  কলাত           | क कार लेख<br>क कर म माम<br>अक्षा माम<br>भागात किमार्थ<br>हो के<br>भागात किमार्थ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| া ফাছন কলিকাতা স  তেওঁ  বিবিধ জবানেলি বিত্তী  করাজী কলালা পুত্রক কাল  ভবাদি পাওয়া যায় এবং এক আনার ইসাবে করিছ বেন : ১০ পুত্রক লইলে ১১০ ১০ বান ও ১০ মানার হিসাবে করিছ বেন : ১০ পুত্রক লইলে ১১০ ১০ বান ও ১০ মানার প্রবিদ্ধি ১০ বান ও ১০ মানার প্রবিদ্ধি ১০ বান ও ১০ মানার প্রবিদ্ধি ১০ বান বান বিদ্ধি ১০ মানার প্রবিদ্ধি ১০ মানার প্রবিদ্ধি ১০ মানার স্থিক ১০ মানার স্থিক ১০ মানার স্থিক ১০ মানার স্থিক ১০ মানার স্থিক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          | क कार लड़<br>क कहा मान<br>अपना मान<br>कार किमार<br>के के<br>कार किमार<br>कार किमार     |
| া কৰে কলিকাতা স  তিনিধ দ্ৰবান্তিনি নিক্তি  বিনিধ দ্ৰবান্তিনি নিক্তি  বিনিধ দ্ৰবান্তিনি নিক্তি  বিনাল কলিলে পুক্তক কাল  দ্ৰবাদি পাওয়া মাম এবং  এক আনার ইসাবে কলিল  বৈ পুস্তক লইলে ১১০  তাবন :  তাবন    | क कार लड़<br>क कार लड़<br>क कार कार<br>क कार कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क क कार<br>क कार<br>क क क क क क क क क क क क क क क क<br>क क क क क क क क क क क क क क क क क क क क<br>क क क क क क क क क क क क क क क क क क क क                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
| া ফাছন কলিকাতা স  া ফাছন কলিকাতা স  া ফাছন কলিকাতা স  া ফাছন কলিকাতা স  থাজত ।  কারাজী কলালা পুলক কাবা  ছবাাদি পাওয়া যায় এবং এক আনার কিবাবে কলিফ বেনল: ১০ আনার কিবাবে কলিফ বেনল: ১০ কলিক জবলোড় কনি কল ১০ কলিক জবলোড় কনি কল ১০ কলিক জবলোড় কনি কল ১০ কলিক জবলোড় কনি কল ১০ কলিক জবলোড় কনি কল ১০ কলিক জবলোড় কনিক ১০ কলিক জবলাক কলিক ১০ কলি   | क कार सक<br>क कार सक<br>क कार सक<br>क के के के<br>क के के<br>क के के<br>क के के<br>क के के<br>क के के<br>क के के<br>क के के<br>क के के<br>क के के<br>क के के<br>क के क                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| া কৰে কলিকাতা স  তিনিধ দ্ৰবান্তিনি নিক্তি  বিনিধ দ্ৰবান্তিনি নিক্তি  বিনিধ দ্ৰবান্তিনি নিক্তি  বিনাল কলিলে পুক্তক কাল  দ্ৰবাদি পাওয়া মাম এবং  এক আনার ইসাবে কলিল  বৈ পুস্তক লইলে ১১০  তাবন :  তাবন    | क कार लड़<br>क कार लड़<br>क कार कार<br>क कार कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क कार<br>क क कार<br>क कार<br>क क क क क क क क क क क क क क क क<br>क क क क क क क क क क क क क क क क क क क क<br>क क क क क क क क क क क क क क क क क क क क                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |

| জীযুক্ত বাৰু কালীপ্ৰসন্ন সিংহ ম       | #1           |           |
|---------------------------------------|--------------|-----------|
| व्यापुरक वाचु क्यांनाव्यवम् । गर्र ५६ | ₹1<br>11=000 | ζ.        |
| मरवर्त संनीच वक्षा ३५ गर्स वशाय       |              | _         |
| ५१ मध्य मण्यूर्व                      |              | , d≩<br>- |
| वें के वित्राहिलर्स                   | •            | *         |
| के न के हिम्मानम्ब                    | •            | 3         |
| के 🛩 जे जीवान म                       | <b>७</b>     | À         |
| के के जे हमानभर्त                     | ৩            | B         |
| के ३० के वर्गम                        | ₹`           | Ø.        |
| के 🗤 के मना भर्म                      | ¥            | Ā         |
| ঠ ১২ ঐ দৌ প্রক পর্ম                   | 7            | Š         |
| ত্র ১৩ ক্রন্তী পর্ম                   | 7 11         | À         |
| উ ১৪ ঐ শান্তিপর্ম রাজ্ঞধর্ম           | 9            | ð         |
| के १६ के (म कशर्म                     | ৩            | A         |
| ঐ ১৬ ঐ ভমুশাশন পর্মা                  | 9            | Þ         |
| के ३१ को (भय भार भर्म                 | c,           | Ø         |
| বিচার ভরজিনী অর্থাৎ বেদার দ           | <b>-</b>     |           |
| नासर्गा विद्यात । श्रीमारमा वस        | क्           |           |
| শ্ৰমণ সহিত                            | ۲            | Ì         |
| আঞ্তি দৰ্পৰ                           | >            | Ø         |
| অষ্টাবিংশতি ভব্তঞ্জতি                 | હર           | Ā         |
| প্রাচীন সংক্রি ২০ খন্তে সম্পূর্ণ      | ₹ 4          | À         |
| আ'ল্লভন্ত বিবেক ভাষ্য সহিত            | · <b>9</b>   | ğ         |
| के दुव रेनस्थ नावास्त्री जिका महि     | ত            |           |
| ऽ <b>२ च</b> िक सम्मशुर्व             | ऽ२           | À         |
| निष्यं छ (कोमनी नण्युर्व              | 2 br         | 8         |
| के (नग्रच्छ                           | 9            | \$        |
| दिहरकः प्राचनी (यना समर्गानतः         | •            |           |
| মহ ও বিচ য                            | ÷ #          | <b>S</b>  |
| रुकाक्षम कर्षा । ध रिक्स निकास        | •••          | Ġ         |
| माञ्चाल कुल्डल मारश्यकृष हैर          |              | ·         |
| র জী তংক্সা                           | <b>5</b> •   | É         |
|                                       | _            |           |
| }                                     |              |           |
| भ (दिकः) ५६ स्ट                       | : वर् स      | 写!        |
|                                       |              |           |
| বাঙ্গালা ভূচিতাৰলী।                   |              |           |

# नाक ला कु हरावका।

करप्रकश्रांन अभिनय अनेलात प्राष्ट्रे श्राष्ट्रक इंहार्ड ७० थान मान चार्ड : फेडमकर॰ বাধান চ্ৰক্ষৰ ক সোগাইটি সংস্কৃত মন্ত্ৰেন शुक्तकारक. नर्वात कृतन<sub>्</sub> अ प्रोताहाक क क री। अपने निर्मात भू किया गर्म मान्य मान मूना ३॥ छ। का ।

# **अभिनकमन (घ'व'न)**

२८ भरतभगात व्यवस्था की स्कामा निष्ठात (व अवन्द्रमञ्जे भार्याः क्राफ वाक्षां भारति । विश्व তাহা উঠিয়া হ'রন:ভি ইং সং বিদ্যালরবারী

गर्भा कार्यसारक । या हाता व्यव अकारानित्य क्षांत्र पड़ाईबांत वामना कटतन, टाहांता हैर मर বিদ্যালয়ের প্রধান শিক্ষরের নিকটে উপস্থিত इं**टे**टिंग निष्ठभाषि व्यच्छा इ**टे**एक भावत्वमः। नमूनाईब है हाति (अपनी कता स्वेद्धांटक ! अध्यव (कानीत ॥ • काउँ काना ३ विक्री है (क्षानीत 🛶 • ছয় আনা স্ভীয় ও চতুর্ব জোনীর 👀 চারি আনা ছাত্রদেয় বেতন স্থিব করা এবং তত্ত্বার্ ধানাদির উভমরূপ ব্যেক্ষা করা ক্টরাছে।

জ্ঞীর রকানাথ শব্দা 2546 8 की बाच 图4,哪一

> श्रुवान अकान। रिक्षु श्रुवान।

অনুবাদও টীকা সমেত প্রভ্যেক খণ্ড ৮০ পৃতি অগ্রিমমূল্য 👍 i

विनि बाह्याखिनानी क्टेटवन खिनि भूष्टाशुव काष्ठ्रहेकीहे ७८/३ नर खनरन कानाधकान वर्षाः कथवा कनिकाणा मृश्यद्भः विम्राताः॥ জীয়ুক জগর্মায়ুন ভিকালভারের নামে যভ খণ্ডের ইক্ষা ক্ষত্রিম মূল্য প'ঠাইবেম ৷ অত্রিম मा लाइट्य विद्वारण विक् श्रुवान लाहे हे बाब निष्म याई है जि।

# বি<sub>ন</sub>ক্রাথী।

भारत्यत ही हरते सर वाले अलावनक

३७ प्रश्रेका का जासाम ।

উপরি উজ্জ বাগান ও বাটা যাঁহার কর म तराष्ट्र कार्याणी। साबेराण केक्षा करवव, जिल्ला साक्ष প্রত বাজির নিকট *ভাষাই* বেন:

> গিলেও রস্ভারপো-5174) SPA (418 ·

# द्यागश्रकाण।

১२ हे स' श्वन (मायवाद ।

গতবারে শিব্পুরের এক জুন পত্র খেরক লিখিয়াছিলেন, এবারেও লিখি-য়াছেন, ভত্ৰতা মিট্টুনিসিপালিট, ভাতি শর অবিচার করিভেছেন। যিনি যে বাটীর যে ভাড়। পাইতেছেন, তিনি कार्गतः व्यस्ति व्यनमिन कतिएउ इन् किन् परिमनत कांश बाह्य कडिएकटहन না। তিনি আপনার ইচ্ছামত ভাড়া

ও মধ্যম শ্রেণীর উক্তঞ্কার শিক্ষালা उड़ के का व्यक्तिकाटक। रम हेळ्ला शवर्गरम ामावरण करमहे পूर्व कितिया ুন্ট র অংরকা গুরুপাঠশালার অঙ্গ ५३८ -প্রত্য কেও শ্রাকীবীদিবের নিমিত্ত গ্ৰন্থিত করা হউক এবং (কার্ড ভাষারা সক্তর হর, **তাহাদিগের** ভিত ভূমির ছায়ী বলোব**ন্ত করিয়া** (क) या क्षेत्र। मा**ल्ल इंस्ल अंट्यूका** इवर्गत डाहाता श्व छहे लिकाकाटका प्रति । **डेहामिटगत शिकात वाह** ্লের ভাবপ্রহ্ণ গ্রব্মেটের যে অবশ্য পুৰা, প্ৰভাৰনেখক ভাষা ক্ষাৰক্সপে ভিগন্ন করিচাছেন। ভ্রিমিত ভিনি (मानिट्शंत चक हि समावाटनंत शाख हत्तिहरून । वक्षानाम तम व्याह्य इरेट उट्छ. रशामीनिद्धात निकार्थ स व इस स्म अस গ্রুছে, ভাষা কোনরূপে ভাষার অনু শ না্ছ। আজিও গ্ৰণ্মেণ্টের আনেক उंदा अविभक्त आदह। बटमभीशिमशटक না শিখান উচিত কি না, এই প্রশ্নের माः मात शत शथन गवर्टमणे वक्रामा æ<ेच ,विकारणाध्यः पातः **अन्या**धेन कवि লেন, ভগন কি টাকা কোপায় পাওয়া লাইবে, এই প্ৰশ্ন উথাপিত হইয়াছিল গ ভাৰ এখন কেন এ খালু উপিত হইতেছে? नापुरात व्यन्ति **रहेटल श्रदाक क**तपाता ভাষা পরিপুরিত হইয়া আদাদিবে। অপ এদেশীরদিগের একান্ত C! 'क कह दि वृत्ति ।

> हिल गाँउएम कुष्णि १८४म वक्ष कडा है हिन्ह

নেতলিতনের অধ্পোতনের পর ইংল তেও একখানি পর কেতিমুক্ত করিয়া লাভ সংগলবিয়ার এক প্রতিমুক্ত প্রকাশিত ২ বৈন। লাভ করেলরিয়ার কোরতার উভর কেবে নানা দেশ ও প্রদোশর চিত্র হিলা। কেনিখানি প্রশিয়া, কোন থানি রুশীয়া, কোনখানি অফি য়া বাছির कतिया लहेट्ड एइन । कामलतिया शामा ও নমস্কার করিভেছেন; এটী কাসল ! রিয়ার নহে, ইংরাজ জাতির চিত্রপট। পরের জন্য আপনার অনিষ্ট আর কোন জাতি এত বশেন নাই। ওয়াট: লুর যুদ্ধের প্র ইংলও ইউরোপের ক্ত্রী হন তিনি না খাকিলে কথনই নেপলিয়নের পতন হইত না , किस महत्य महत्य रैमना ও দোটি কোটি টাকা নত করিয়া ইংলও करशक्षीमाञ्च मामाना उन्निद्दम लहेश मसुछ इहेटलन ; लाज करांगी अ अमी য়ার হইল। গুড়ে প্রভাগমন করিয়া ব্রন বুল দেখিলেন, ছয় শত কোটি টাকা अन इरेग्राइ । अचनी । उनात रेन्नर छेन **ब इंटिश्न, क्रमांशीत तं उ वात निश्न** हरेशार्क, जंड बात हें लख रेनना छ हाका দিয়া সাহায় করিয়াছেন; কিন্তু আপ নার কাক্স ধইবামাত্র জর্মণীর রাজকু-মারগণ ইংলপ্তকে অপুমান করিয়াছেন। ख्याशि कला या सामा देमनाश्रम वात लिटन १८४म कतिहा ताहेन नहीं चिड श्रामिक्षि शहन करत, भत्रम हेरलख निर्देश के दोकनी कि श्रेष होता मलन करिया যুদ্ধঘোষণা করিবেন। কিন্তু লওন ভদাদাৎ হইলেও এক জন ক্লম্নীর प्रश्य कांच करत्र के का मरणह. काश्विमिगरक क्रीड माम क्रिया क्छ দেওয়াতে ইংলও ছাখিত হইয়া ২০ কোটি টাকা বায় করিয়া ভালাদিগের স্বাধীনত। সম্পাদন করিলেন। অক্যাপি প্রতিবৎসর লক্ষ্য টাকা বায় करिया हेश्मक की उमामय निवादन करि ভেছেন। এটি প্রশংসার বিষয় সন্দেহ नाई। कतानी जातानकत्रभग जाकिका হইতে কুলি বলিয়া ক্ৰীত দাস লইয়া याहेटजन। देश्लश विलिद्यन, ७ कान করিও না। তবে লোকের আবিশাক হয় ভ আমার ভারতব্বীয় পুত্রগণ ভোমা

দিগেব ইক্ষেত্রের ক্ষিকার্য্য সম্পানন করিবে। ফরাশী গবর্ণমেন্ট কুলি লইরা বাইবার অত্ব পাইলেন। ডেনমার্ক আপন রাজকুনারী ইংলপ্তের উত্তরাধিকা রীকে প্রদান করিয়া কিঞ্ছিং পণ প্রার্থনা করিলেন। ভদ্রতায় জন বুল থাকি হইবার লোক নাহ্ন। অমনি ডেনমার্কীয় উপনিবেশে ভারতবর্যের কুলি প্রেরণের আজ্ঞা দিলেন; কিন্তু ইংলপ্তের এই ভদ্রতা বিষমর ফল উৎপাদন করিভেছে।

हेश्तिभगात्नत भातिमञ्च मश्याप पांडा वटनन, म**ख्य**ि बाटमतिकात मनूटम এ গ্রানি কুদু নৌকাতে চারি জন ভার ত্রবার কুলি লফিত হয়। এক জন कतानी कारधन डाहानितरक (निथिट्ड रान । निकटि शिहा कारखन मिथिएन, रेक्शांपरगत मकरलत भन्दिन छित्र। निष्कत काशक जूनिया कारण किछाना कताट हेराता दिल्ल, छेमनिट्वटमंत्र यावारमत क्षे महा कतिए ना भातिता ভাহারা পলামন করিভেছিল। সমুদ্রে পড়িয়া আহার নিঃশেষিভ হওরাতে ठाहाडा मण मिन व्यामान थाटक। এक ব্যক্তি কুষা সহ্য করিতে না পারিয়া কলে পড়িয়া আহাণভাগে করিয়াছিল। ভাষারাও অধৈষ্ঠ হুইয়া আত্মহত,ার নিমিত্ত গণদেশে। ছুরিকা দেয়। তিন ব্যক্তি কয়েক ঘটিকার প্রর প্রাণত্যাগ করে। এক বাজি আরোগালাভ করিয়া ফাকে গমন করিয়াছে। ভাষাকে দীল্র क (मर्म (धातन कता कहरता छेलानित শের **অবিটেদ ভ**রঙ্কর কন্ট। বেমন পরি শ্রম, মেইপ্রকার মন্ত্রণ:। আবাদকরগণ সর্বাত্র সমান। প্রহার ভাঁহাদিরের এথান অব। উপনিৰেশ হইতে যে সকল কুলি व्यङ्गात्रमन करत, जाङ्गानरतत मकल्ड ভাহার ভয়ক্ষর বর্ণা করিয়া থাকে। যে কিছু সুধ মরিদদে আচে। কিন্তু ডেমা रहता, शांधाना, र्यात्रव्य, निर्णालम , পরিঅংশের সহিত ভিন্ন বাস করিবাসের আজা श्राम कविद्योद्धन ।

क्ष्मम क्षमात विष्ठांत्र कतिरम्ब विष्ठा ুরপতি সাক্ষ্যে অটেনকা দেখিলেই যে অপ-त्राधीरक पूक्कि निया श्राटकन, देशत फूर्ति फूर्ति श्रामान श्राश्च इंडता यात्रः कि इ अरे मराया नाको मिटः त जाटकान देवनमा अस्थिता चन्न असातक क इटलम । अञ्चल चन्द्र औष महाय्र नहार्य विकास পতি এপ্রদেশে না श्रीकिश्त बङ्ख्य स्थानथ चिए । अथाद्य मर्नामाई करिन को कमाती मकः मन्त्रा डेलाङ्क्ड इर । (इनुष्टे बाबू व्यानक विश्वाः माक्षीत प्रश्न पिश्राटक्ष्म । देशांक विक्र विका यकद्भा हेच अन कर्ति कार्शत माहन रह ना । अक्रम मामाना मामाना मक्समाल अधकीर च्याक्रार्थ विवास कतिया थाएकम । अखाइम नार वान विष्ठावृष्टि कार्यश्च भगवादादाव शास गटन्तर নাই : আমি এক দিন বিক্পুরে গিয়া ইখার विवादकार्थ। (प्रचित्र) व्यवितिमेश व्यानम लाख क विश्वा व्यानिशाहि । विठाइ १ त नवत साग व्यामि খুন্য চইয়া আনত মৃত্ভাবে বিচার কার্য, নিবাঞ করিয়া থাকেন।

ডেপুটি বাবু যে সময় লেগো জাসিরা উপ क्षिड इन. (म ममन्न अहराज ममन्न मरहे, ज्यन (दला ४ हो, कामाना कार्याष्ट्रद्वार्थ क्षिक्कन রাকতে না পারাতে ছুল দেখিতে পারলেন না। ডেরিবজ্ন জাংসি জাত্তে জুলা ইট্য়াছি। বোদ করি ভেপুটি বাবু আমার এই ক্ষেতি নিব: द्रशंकतिहुवसः व्यापि शूटकी खाँशात व्यापियात त्र° वाल भावे त्र अवगाई श्रास्थकारत ऋ त वता केल मा यरकारल आम विष्णुत भगन कायग्रीन ভিলাম, সেই সময় উচ্ছির নিকট, সেপে র বিশ্য अञ्चलक इत्रद्धात विभन्न व्यवभक्त वृद्धाहरूल । ্ডেনি ভাষা মার্ণার্য লিখিয়া লইলেন এবং क इटलन, गाहाराज मञ्जूत शृक्तरस्थाय हुन्न व्यक्ति ভাঙা কৰিয়া দিব। জগদীখারব নিকট প্রাপন। हेम भ्रतिशहर था निया कहता (महस्त 🖼 होस् সুপুন কটিতে থ'কুন':

 इंशक्कारि) क्रमा ने कुण्य अक्षापार्थें रिक्राण कार्याश्चय क्यां मं वि में नाकदश्व ३ में निक्रण 70.19 क्रिमा प्रस्ति निष्

একটী হিতিত্যিলী সভা সহস্থাপনের কথা সোমপ্র লাভ করিয়াছেন, ভাঁহার সাধারণ স্থিত্যাধন কালে প্রকাশ করিয়াছিলাম, ৮ ই মাঘ ওবিবায় তিবপরতা মেরপ বলবতী বলিয়া লোক পর ভালার প্রথম ক্ষিবেশন হইয়াছল। এথমতঃ প্রায় আলভ হইয়াভ এবং জুটী ন্দী খনন कृतात्व अधावनात्र हैरनाइ अ ध्वंशकृति । क विद्या अधीवन भी व्हावत आदि है वृ दा नणा

সকল ওণ থাকিলৈ সভাৱ স্থায়িত্ব জ্ঞান্তিত वरेट्ड शादत अवस्थित अवस्थित वक्का क्या र्वेत् 🖟 **कर्भा**रम् मार्गरक च 🚁, 📆 मुक्किक अवस বাহাতে মানলিক ও সামাজিক উন্নতি সাধিত रम काराहे त, मकाचानामा ब्रह्मा कारा विन मक्रा का का विदेश का अवस्ति अवस्ति कार्याः कारकनकन महनाभी ७ ६३८म श्रेप्त श्रेष्ट्रा छन **•हेल् । फरणरत २७ क मारच मञ्जाद क्रिकी**त व्यक्तिकार इंद्र । व्याचाः जिमामश्रक्ष कीते श्रविष्टे **হটয়া অক্রেন্থপতিসময়েই বাহতে সভ'-**निक्त मही कड़िएंड मां शादत एत्य है ७ अवही বজুড়া এবং সভার অবশ্য প্রতিপাল্য কতি-পয় নিয়ম ও সভ্যগণের কর্তত্তার বিষয় সংক্ষিত রূপে ংটিভ ধ্রীল। অনভার সাধারণ ভিতকর कि**क्षिष्ठ** विद्यागनन विश्वांश स् विद्रापक कार्य पर्यापः श्राहिनानन नर्यः नाधामक (हर्षे) করিবেন বলিয়া নির্দিষ্ট ব্যক্তিগণ প্রতিক্ষা পুর্বাক নিময় পত্রে আক্ষর করিলেন: পদাং এ'মের রাস্তাতলি যাহাতে রীতিমত এস্থান হয় যাহাতে আবাদ হয় জলাশয়সধল পাংজুঙ থাকে যাহাতে বিদ্যালয়দীর উন্নতি হয় এব ্য যে বিষয়ের সহিত সমাজের বিলেয সৰ্থ क ८६ याहात 'क्फाइ-द्रफ! निव्यान भगाएक्द व्यवसंख्य महावसा आह्य ७३९७ ह्या द्वाचा कवर कांश कार्य, शक्र्यक कांत्रवाह मण्युर्ग (६द्वे। अञ्चल एवं कालाएक मञ्जू कार्यक भी का वालवा । सुक्षात्वात क्र्याटक । अमा भक्टल .यञ्जार व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति । व्यक्ति व्यक्ति । याम छेरा ( समायमाध्र ) ऋ धी रुन्न ७ शहरू हा .विकासना स्थालां (छेत् अक्षापनाः।

নদীয়া জেলার ভুক্তপু ম মাছিটেট উন্থেভ বেলাসাহধ্ব এবং। হাণাখ টের তেপুসী সাত্র .के.हे क्रीबुक्त ब्रोमलक्षर (अने घटर नवे इस्ति नेलीह । क्षेत्रभरम् भ त्रमणनं क वृश्चा (पश्चम अञ्चला ध्वाकः न क इस्राक्रणम् छेश् भू से धकान करा ६६४।८० भ्रद्रशांक शतकातात्व म्ह ३ (का. ५ वि. **६७) (क**लात वर्षभास माम्बद्धेन मित्रुक मनद्रा अध्यय सहस् नम्र ह्युजी बनी रेटरशय कार्य पान्नमान कराहका यम अतिकछत् (श.८४३ छेपकाव भाविष ३३८० अस्य विद्युष्टन्। कद्वन छ। हा क्इंट्लू हेहात शरकरण **गरक** रिजान विरमसञ्ज्ञातम् सञ्च कदिरयम । मापानक महानम् । अहे वक् खातनीरक व ् केन्द्र मार्ट्य म्याहरत मान्यम विकास विकास स्थापिक

প্রকার্য এভূতির বিশেষ উপকার मंत्रिक ऋरण माधिक स्ट्रेट विश्विष्ट च यण्डून विश्वाम च्यार्ट्स, छ:हार्ट अक নিশ্চয়ৰ লড়ে পালি যে, ইনি, ইহার विष्ट्रपानमीय बिनाता विद्वारमा कांत्रम् ক্রীৰ মদলোছ ভিন্ন নিদামভূত সূচী নং क्रण अहे विक्रकत कार्या माम्मानन क्रिया। मिर्मन मशायांन भाषांत्र हे शकार 👢 खर्गत गताकाको श्रम्भन कन्नन हेश। स्वादारम्ब क्रकाख क्षार्थन म

). बीरायण्याम (घाषां स ১ र किक्साहि । मः मः वक्रकाशनी । मञ्जू

विमयुप्तिक निरंतमन्त्रिक्तर-मण्यानक बहानम् । ज्याननातः शक्त मश्चार्वन त्यामधकारम वांबाघ एवेव मश्वानमान। जीपुक विन नोटहर वे इस् वेहारत्रत्र या अभिष्ता कतिहा (इस, फ़ाहा करहूद मफ, बासदा छाहा वलिएड ইক্ষাকরি না।বোধ হয় সংবাদদাভা সাধেক व'राष्ट्रदेश अञ्चन:म रहे(यम, मजुबा ८वल माटण त्वत अक कमर्गा त्या वात्रव क .करम 😿 देव दक । मान्त शूरदेत (स्कडन 😃 गारकरवत मकलमाञ्च । कृष्णनशरकात्री अधुक्र वाबू लान(मारम (बारमङ महिन फनमरणाहै। नार्ट्रिवर यक्ष्मम स काहा व्यथक'न माहे। (नल, मार्ट्स्य अद्ये सकम्पर्य क्रिकात विकास करिया किः गोपातरमञ्ज्ञ धनः भाक्षाक्रम । ७ छ। त्र ५ वर्षम् हिटः

व्यव्यापु रहेरका २ ママ 年 夏り ) 西河市 对自办 बागः धःहै --- ; > ; --

মহাশ্রাবাধান ট জুয়েলে ডেগুটা মাজি .क्रीडे उद्धाः कि वर्दू वःशसभ्रव अस्य स्टास्य सम्बन्धः বর প্রিয় বংকসাত কর্মারেল। মফলালা পার रम्यान व ःशंड ग्रह्या ।या या शंका का सा**र्व क्या** राधनका बादू .२७ ल भवाकत्रावह भित्रका ७ ৬ টেন : গভ সোমধাস্থীর সোমগুলা,শর .शांतराखाखाखा छिन। क्षुत्र क्षताभादे । धा उन्नाधिक १र्देश हरू । समायात्र वा बुं चा श्र व्याचेनाञ्च आह्र সমস্ভ আনম পরিদশ্ম কর্য়া গ্রু সেমিবার भू तिश्वकारम ना खिलुर्व अधानन कान्नशारकन । इस मक है बर्दमान भू भागी कार्यामा मानकार्य সন্প্ৰান্তী আছাৰ ডেপুঠা বাৰুব প্ৰচলভূপ 👵 🖽 'घड इनेग्राइक विकास एक पास विकास काला स (ब्रहाइक्<sub>रि</sub>ष्ट्री) अल्लानिन काइटाइटका **छाहा**व अधीलक्ष अन्यासः कृतित् (गंभातः धकक्षाः) क विष्ठाव कृष्ट के हैं। अगाउन जिल्लामण्ड अवेश्वास्त्राह्य

'ভ হইভেচে। প্রতিদিন প্রসাহত একাদশ मगरम जिमि विष्यागरम देशविष्टे स्टेश লপ্রহান্ত বিশুল পরিক্রমন্ত্রারে মঞ্ व एम क्रम कविश्व विश्व कि बिट्डर हम धां व्यान कर के दें। हारक प्रतिकाश में ल ুক্তকঠে সাধ বাদ প্রদান করিছেছেন। ামশক্ষর বাবু প্রকৃত সাধ বাদের পাত্র

ंत है। हो विषय विषय है। विश्व किल्ला विश्व का वा পদ বংবহাবমার্গ ও ধর্মনীতি ভালপ বিশুদ্ধ াতে পরিপূর্ণ দেখিয়া আমরা সাজিখন সমুষ্ঠ व्हश्राक्ति। উर्शित ता**लकार्या विवरस श**तिज्ञम्, া ও জন্তুরাগ দেখিরা বোধ ছইডেছে যে. ं कि निर्शिष्ठ व्यथीन (कि) व्यक्ताती व्यामका।) লশ্মচারীর **উপরে কোন কর্মের নির্ভর করেন** া পায় সমুদ্র বিষয় শায়ং ভার ভার করিয়া ्र अधा लहेशा कास्त्र कतिशा चारकन्। आमदा অপুটি বাবুর আগমনসম্বাদ ক্রিয়া প্রফুল িচ্ছে ভাঁহার সহিত সাক্ষাৎ করণাজিপ্রায়ে প্রমন্তবে গমন করিয়াছিলাম, ভাষাতে ভিনি अ ब्रष्टेयरम व्यायाधिकरक जालत जुलायरन बाइन कराट्ड व्याधवा पाव भव नाई व्याख्यातिक ज वाधिष्ठ इहेब्रांक्रि । क्रिमि श्रामाप्तिशहक जिथिश নম্ভাবে দেশভিভকর যে যে বিষয়ের প্রস্থায ক্ৰেন, ভাৰাজে ভাঁৰার দেশছিতৈ বিভা বিদেশং সাহিতা পরিণামদর্শিতা এবং মহাল্ল ভষ্ডাগুলুর अभीतीन अविषय स्ट्रेयाटम । आवता उपना শিষ্টতা অমায়িকতা নীতি হতে৷ ভয়তাপ্রভাত জনানে গুণেও অভ্যন্ত প্রীত ও বাধিত হট্যা धनावाम श्रमान कतिराउकि । ना जिल्लात अक्षी লাজধ্য চিকিৎসালয় ও একটা গ্রন্সেন্ট ইং त'क्षी विष्राम्यप्रत ऋ'भनाथ डाँगात क्षेकाण्डिक চচ্চা, ও ষয় দেখিয়া প্রায় সকলেই উহাতে क्षाताहरू कविद्यारहरू। अञ्चलकी अर्थाटन নকটা উৎকৃষ্ট জলাশয় অথবা বড়বালের সন্ম প্ৰতী খাল খনন এক জান স্কৃতিৰ সাহ আলোস র'ও সংখ্যান আনয়ন ও এক জন ( মিউ নিসিপা াণ্টীর বায়ে ) ডেপ্রটী মান্সিটেট ও সিটেনিসি ॰ লি সভাব প্রতিনিধি। সভাপতি বিয়োজন <sup>1</sup> ২ইলে উনাধ্য, স্থানে প্রেরিড ইইবে। रियाम व्यासन्तर हैं। है। क जननी बनेटक का भी ষ্টাক্তে জন্তুরোপ কবিয়াক্ষেন। ভাষাক্তে ভিনি শপ্তানৰ স্কিন্ত অল্লামান্তন কবিয়া কহিচাতেন ্ণ্ প্ৰাক্ত:বিভ বিষয়ে বিশেষ রূপ মন্নায়েরটো < হয়াতিনি গ্ৰ<sup>া</sup>-চাকে ঐসমতা বিলয় ভাৰকা শাস্ত্রসারে জ্ঞানাইলেন। এখানকার পুলিবের काराधनामी मण्डमभन छ मदह्बराण्यक्रिय खदर दिए कमर्ट्डेवन शाहरदेन दिस्द्रिया योहा स

(शब्द अकाश्विक श्रार्थना जामना- व्यास कति ভাঁহারা উহা ভেগুটা বাবুকে অবশ্যই পরিক্ষাক্ষ कतिर्देश । रक्ष ३: अञ्चल श्रुलिय मद हर्रिका हेर ७ १६७ कमार्श्वन माना कातरन व्यापन्त्र আক্রেপের কারণ হটয়া উঠিয়াছেম। রামশক্ষর वावुक श्रीलायत वर्डमान कार्या श्रामी प्रथिया अम्बर्ध व्वेष्ठाद्वन :

ऐभगरहात्रकाटन वक्तवा अहे त्व. हेविश्वत्र অ মরা ডেপুটী বাৰুব যে সকল সদগুণাবলী আবণ করিয়াভিলাম, এক্ষণে তৎসমস্ত অর্ডকে প্রত্য ক করিয়া চক্ষকর্পের বিবাদ ভঙ্গন করিলান। আমরা কায়মনোবাক্যে পরম পিতা পর্মেশ্বর সন্ধিধানে পার্থনা করিচেছি এইছে রামশক্ষর বাবুদীঘ की वी १३४। किছुकाल तान घाटी शांकिया छ्वांब চার বিভর্ণ ও দেশের ফিডরভ প্রতিপালন করিয়া সাধারণ সমাজের যশোভাজন ও কর্ত্তপ ক্ষের স্বেহভাজন হটন।

এখানকার ছোটআলালত গত ভাতুয়ারি मारम जानाचार्ष छित्रिश निशाहः এकन्। अज्ञेष्ठा अभिकारम विषयी *(माक* मकक्रमः করিতে অসমতে ব্ইয়াছেন। অস্ত্র টাকার মক দ্ম' প্রায় সকলেই স্থ গত করির'ছেন। অধিক বায় ও পরিআম এবং কটুই ভারত্ব এগান করেল। বস্তুতঃ রাণাঘাটে উক্ত অন্যাল্ডটী देविया यां ब्याटक माल्डिश्रवत नाम क्रमाना (प्रमञ्ज श्राप्त प्रमञ्ज विषयी लाक यात शत नाहे कष्टे भारेएउएका डिकीन मास्कारवता दानात অভাবে দ্বে দ্বারে উপাসনা করি**ভেচে**ন। নাসস্থানের অপ্রভ্রমতা ও খাদ্য প্রব্যাদির ছার্মা न (का मिनका कथी अक दिशापन का का वनी क कष्टे डेश किन कहेगारक। तानामधि स्टेटल छेख आनामाख शुनर्यात नाखिश्रात छेठिया चारेटम, টহটে প্রায় সমস্ত ব্যক্তির জ্ঞিপ্রেড । এবিষয়ে গৰৰ্গমন্ত্ৰীয় অনুমতিপ্রত্যাশার कुनीय कार्यन्त शत शक्ष क स्हेशारक। श्रेक लहे डाहार्ड :यक प्रगाद य य नामपाकर ক প্রতেত্ত্রের । প্রত্যাধিত রাম সংখ্যা আঞ্চরিত

श्रीमामाहत्व मानान ১০ট ফেব্রা : १ ६० वर

মুলা প্রাপ্তি ।

জীয়ক বাবু বিহারীলাল শীল মুরসিদাবাদ ৭ " উমেশচন্দ্র চট্টোপাধ্যুদ্ধ লক্ষ্মীদরাই ৭ क वालगावायन मान देकीकत (वानकी न

भेश्री समित्र का महक्रीय की व्यक्त किंदुक मास्य क्रम, माहिन (मनिमेश्र ১० সোমপ্রকাশসংক্রাম্ব করেকটা

विद्याप निरम। জ্ঞান মূল্য ও ডাক্সাঞ্চল না পাইলে মঙ্-বলৈ সোমপ্রকাশ প্রেয়ণ করা কার না।

हेरात अधिम पृता सर्विक > । होका अवेर यांशांत्रिक क्षा॰ होका । मक्चरन काकमाञ्चल मरमण वार्विक ३०, वाशुामिक १ अवर रेडमा-সিক ৩৭ । ডিন মাদের স্থানে অভিন মূল। अर्ग करा योग्न मा। एखि, बशांकि किछि, मनि-च ह त, (नांवे । श्री क्षेत्रिके, हेरात जना एव বাহাতে যাঁহার ক্লবিধা হয়, ভিমি সেই উপায় धाता मुणा (धात्र कतिर्वस ।

यांशाता द्वील्यक्रिकिक भाक्षेत्रिकत, कालाता বেন এক অথবা আধ আনার অধিক মুলেয়ে उत्तरीरमत् किंकि । श्रद्रश्या का का वा

यशन विनि स्थल्बन स्हेट्ड लामक्षकः (स्व মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা যেন রেজিষ্টরি করিয়া জীয়ুক্ত মারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠ।-हेशा (मना

ৰ' হিদিগের মূল্য দিবার সময় অভীত ১ইয়া वागित, अक्यामध्यंत क्रीकार्थिक विश्व লিখিয়া জানান বাইবে, কাল অভীত কর্মা গেলেও এক যার চিঠি লেখা কইবে, ভারার পর একমাসকাল প্রভীকা করিয়া কাগজ বন্ধ করা याहेटव । स्मय बादबन्न शक्क विश्वातिश शाहीस स्हैरव ।

মাতল। রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ডাক বরে চিঠি আইলে আমর। শীগ্র পাই),।

योगांता माळन ना मिजा भजामि स्थातन कति .वन, क्वांक्तिशत त्यहे भवानि अहन कता याहेरव ना।

क्ष भाषश्चलार्य विकासन मिए इन्हा र्गतिर्म के हारक क्षत्रभ वित्र वात आहि भर्गक काना कारात भार ८०० जाना । भटक ब्हेट्स ।यान कांधक काम विध्वापन किनाब इक्षा करिन .वन, कंशित मारूक षाद्य बटलावच रहेर्य।

এই পত্র কলিকাকার দাকণ প্রস भाक्षा दिनक्ष्मित स्मानाभुत (हे,मरनत्माक्ष চালড়িংশাভার ত্রীযুক্ত ধারকানাথ বিদ্যা-कृष्ट्रमञ्जू वाष्ट्रीएक क्षांकिरमामवात क्षाकःकादम क्षकानिक है।

निवन्त विष्ठात्र नवेशा वेकेरबाद्देश श्रीकर्टन, एक वित्र मार्कान है, माथु मात्रसिनिएकत श्रीकिनिधि निवित्र मार्कान क्रेटरन।

ভূজীয় জেণির সব আসিষ্টান্ট সার্জন কালী প্রসন্ম মিত্রা কিছুদিনের নিমিত্ত ছাপবার দাভবঃ চিকিৎসালয়ের ভার পাইবেন।

১৫ ই কেব্রেয়ারি। যত দিন ডাজ্বর জে, এফ, এল, এয়াইজ বিদায় লটয়া ততুপন্থিত থাকি বেন, ডত দিন ডাজ্বর এচ, সি, সটার্ক্লফ চাকার প্রতিনিধি সিবিল আনস্থানি সার্জন হইবেন।

প্রবিদ্ধ প্রার্ক বিভাগ। দিনীয় শ্রেণির প্রতিনিধি ফুপরিটেটেওটি ও ই ফ্লিয়ের টি, এস, দোইজাক সাহেব মেজর ভর্নিউ, এস, টেলরের দানুপরানকালে রাজধানী চক্রবাড়ের প্রতিনি দা ফুপরিটেটওে ট ই ফ্লিয়ের হইগেন। ডিনি লগ ক্লেয়ারি পূর্ণাছে শ্রীয় কর্ষ,ভার এইন দা গ্রাছন।

প্রীক্ষে:জীর্ ছাত্র বাবু উমাকাজ্ঞ ঘোষ নদীয়া বিভাগে প্রীক্ষার্থ ভূডীয় এএদির ওবংনিয়র ইইবেন।

# ইউরোপীর সমাচার।

প্রাশিওটন : ১০ ই ফেব্রুয়ারি। মছাসভা লাসনপ্রণালীর পরিবর্ত্ত কৈরিয়া কাফ্রিগকে প্রভিনিধি মনোনীত করিবার ক্ষমভা দিবার বিশোট করিয়াছেন।

লগুন ১১ ই ফেব্রুয়ারি: স্পেন ইউটে শেষ্ট্রী টেলিগ্রামে প্রকাশ করে, বরগসের শাসনকভাব মৃত্যুর অনুসন্ধানার্থ সংম্যাক বিচারালয় স্থালিভ ইইয়া এক নাজিন মৃত্যুদ্ধের আফো ইইয়াছে: গ্রহ্মিন্ট এই আফার পরিবর্জ করিয়া মাবজ্জীবন কারাবাদের আফা দিয়া ডেন।

লগুন ভবির প্রতিনিধি নিয়ম'রুপারে মনো নীত ক্টরাক্রেন। ট উন প্র'ণ্টক কোটেরাপ্রতিনিধি দিগের বিকল্প আ বেসন পারত কে ক্টরাজে। লগুনের কনসাংক্রেটির প্রাভনিধি বেল সাকেবের মৃত্যু সংবাদ প্রকাশিত ক্টরাজে।

১১ ই ফেব্রুগারি। এনের ১ইডে শেরে টেলি। এ'মে একাল করে, মস্তুর জাইমিস মন্তিবর্গ নিযুক্ত করিয়াছেন, উচ্ছার। শীয় শীয় পদ এছণ করাতে সাধারণ ঘোষণা হইয়াছে।

করাশী সীমায় কভগুলি কানিষ্ঠ দৃত হইয়াছে।

১২ ই কেন্দ্রারি। চুডসভা বে প্রস্থাব

ক্ষিয়া ছিলেন, ভাষধরে এটিস যে দক্ষাভা দিয়া-ছেন: ভাষা লইয়া গত গোমবার কাউন্ট ওয়া গেছি এখেল ভাগি করিয়াছেন।

ক্ষেণিরার কাভিসাধারণ সভা অকারণ গ্রথমেটের প্রভিব্যক্তা ক্রাতে ভল্ হই-রাজেন।

কানাড়া হইতে সংবাদ আসিয়াছে, ডি আসিমাকগির হত্যাকারী গুইপানের ফালী হইয়াছে।

त्थान रहेटल (हेनिआरम श्रकान करत, महा मञ्जू क्षिर्वणन बात्रक रहेन्नाटकः।

সেনাপতি সেরাণো প্রার্থিক বস্তৃতায় বলিয় ছেন, আপাততঃ গ্রবর্গনেট গৌরবসহ-কারে কার্যা করিতেছেন। তিনি অনুরোধ করিতেছেন, পরিমিত ব্যয় এবং নানা বিভা গের প্রয়োজন বিবেচনা করিয়া ন্দেশের উৎকর্য সাধন করা কর্তব্য।

গত কল্য ফিশ্ মঙ্গার বামীতে মন্ত্রীদিগকে
মহাস্থারোহে একটা ভোজ দেওয়া হইয়াছে।
দাউপ্টোন সাহেব বক্তৃতা করিয়া বলিয়াছেন,
আয়ারলভের প্রোটেষ্টান্ট সম্প্রদায় উঠান
মন্ত্রীদিগের স্থির কল্পনা। তিনি শীত্র এবিষয়ে
গরবান হইবেন।

एडलि निष्ठेम बर्तनन, कमिमान की विकारमन .यम कल कर्षा प्राप्ती आविमिनियान युर्क छैन विख् । हर्तनन, खाँशामिमारक श्रूवकात श्राप्त कना कर्षना

ইংল্ডীর সংবাদপত্রসমূহ পুনকার মধ্য আ সরার অবস্থা লইয়া আন্দোলন করিছে-ছেন।

পের। ১০ই ফেব্রুয়ার। এখানে সংবাদ আসিয়াছে যে ১১ই ফেব্রুয়ার সন্ধার সময় ক্রাদ পাশা নিস নগরে প্রাণভ্যাগ করিয়া ছন। ভাঁহার মৃত্যুনিবন্ধন সকলে বিশেষ আক্রেণ করিয়াছেন, কিছু ত্রুফ্র ভ্যাগ করা নিব উক্ত দেশের রাজনীভির উপরে মর্রই ক্ষমতা চালন করিতেন। ফুয়াদ পাশার মৃত্যু হওয়াতে আলী পাশা প্রধান উজীবের কার্যের সহিত পররাফ্র বিভাগের পদ সুভন ক্রিবেন। তুবকে ম্রাফ্র বিভাগের পদ সুভন ক্রিবেন। তুবকে ম্রাফ্র বিভাগের পদ সুভন ক্রিবেন। তুবকে ম্রাফ্র বিভাগের অধ্যক্ষ মিথুদ পাশা বোগদাদে বদলী হইয়াছেন। ক্রেয়াব নীল ভাঁহার পদে প্রভিত্তিত হইয়াছেন।

কুরাদ শাশার মূভ দেহ ভুরত্ত আনিবার নিমিত প্রকানন নিগ নগরে একখানি জাহাজ প্রেরণ করিবার জাজা দিয়াছেন।

আমানিগের লাহেরছ : দাতা লিখিয়াছেনঃ—

১। মাধ্যাসের শৈষ ইইলঃ ছথানি
আন্তঃপি লীতের বিলক্ষণ প্রাছর্ভার ল তেকে । এখানে এখন বেরূপ লীত অঞ্জে পৌষ্মানেও বোধ হয় এরূপ না। এই সময়ে দিবাভাগ প্রায় মেধাক মধ্যে মধ্যে এক এক বিক্তু বারিও বর্ষণ হয়।

এবার উজ্ঞরপশ্চিম মধ্য ভারতবর্ষ পঞ্চার
প্রভৃতি সর্বজ্ঞিই খাল্য দ্রব্যু দুমুল্য দুইয়াছে।
এখানে এখন ৫ টাকা চাউলের মণ, গোধ্য
টাকায় ৮ ১০ সের। তবে পঞ্চার রেলওক্লের
প্রসালে ও গ্রেব্যেন্ট চ্ছুর্লিকে খাল খনন করি
তেকেন বলিরা দীন দরিদ্র লোকে যৎকিঞ্চিৎ
উপার্জন করিতে পারি,তেছে। ইহাতে ছুর্ভিক্রের
বড় সন্থাবন্য নাই, জার গ্রেব্যুরে ভাড়া
কমাইয়া বড় উপকার করিয়াকেন।

২। কণ্ণেক দিন হইল জত্রন্থ বিসমরি কলে জের পারিছে।বিক বিভরণ উপলক্ষে একটি সভা হইল্লাছিল। ভালাতে লেপ্টনান্ট গবর্ণপ্র
ম্যাকলিয়াভ সাহেব সভাপতির আসন পরিগ্রন্থ
করিয়া বিদ্যালয়ের অধ্যক্ষ্যিগের ও বাল্
করিয়া বিদ্যালয়ের করেন। অবলেবে করেন
বোহ হয় এইল্লানে আঘার এই শেষ উপস্থিতি,
শীঘ্রই আমি কার্যাক্ষেত্র হুইভে অবসর গ্রহণ
করিব।

এই কলেজের অধীনে একটা রঞ্জনীবিদ্ধালয়ও বালিকাবিদ্যালয় আছে। শুনিল্মে অগ্নস্থ গ্রহমন্ত কলেজ অপেক। এই মিস্নলি কলেজ কলি।

ও। সম্প্রতি শঞ্চাব রেগওয়ের আসিন্টান্ট এজেট এক জন ইংরাজ ভাইবল চাকা বিশ্বাস নাভকভাপ্রভৃতি জপরানে জপনার্ধী ইইয়া সাজ গুই বংশরের জনা কারাকজ্ঞ ইইয়াছেন। শুনি লাম এখানকার বিচারপভিরা অলাভীয় পক্ষ পাতে অজ্ঞানকোন, ই হালিবের হাতে ইংরাজ জপরাধী কখনই অবাংহতি প্রাপ্ত কয়েন না

৪। এখানে ছটা জী নন্মাল বিদ্যালয় ও ৮। এটা বালিকা বিদ্যালয় আছে। ডাহাতে প্রায় ১০০০ ১৫০ শত ছাত্রী অধ্যয়ন করিডেকে। মুসল্মান ছাত্রীরা পূথক বিদ্যালয়ে পড়ে। ডাহাদের পঠে। উদ্দ্রোষা স্থার পঞ্চারী ছাত্রীরা ছিন্দী ও গুদ্মুখী ভাষা অন্যয়ন করে। এইসকল বিদ্যা चना भवर्गमने एहेएक श्राप्त व • • , हाका श्राप्त इहेश्री शहरा अभिनेत होती ২ আছে, ভাগও নিয়মিভরপে আদীয় राश्रादम्य अक्त्री वसे य खाला वातु नवीन **ाशमध्र अञ्चलकत विम्हालरम् छम्** ्रम्य राष्ट्रमा ना

গড রবিবারে অরভা রাজ্যসমাজে ्रक प्रति अभावी खाक्क छेर्गाञ्च किटनम । খাৰুনবীনচয়দ রায় জাতি **স্পার্যাপে হিন্**ৰী ভাষায় বজুতা ও সমাজের কার্থ সংসাধন ক্তবন জ্লিলাস, এই নবীন বাৰু সাধারণ হিত কর ৫:(ম. ও পরোপকার করিতে**, বিশেষ** ধর

७ । शक्ष वीता विषता **भक्षां क**तिए ७८७ এ অনেক বিষয়ে ভাল হইতেছে গ কৈন্ত ভাষায় व्यवश्व स्वती एक्नी जिविषात्र आधित्र आस्त्रक অবসভা রহিয়াছে। আন্ম বধন রোয়ালিয়ত eটডে ভথাকার সোকের আচার <del>বিবেচা</del>রের ानयक्षाल थि, **उथन है उद्दलाक किर** गर्ने **खेरिया क** ंटभरक विश्वख इहेग्रा समीरख स्नान कतिएख দেবিয়া বিরক্ত হট্য়াছিলমে। এখানে যেরূপ দেখিতেছি, ভাছাতে গোমালিয়বের জীলেকেরা महत्त्रकुर्व काम । क्यारम चारम्य भर्यो । श्रदानः <'क्रपरिवर धारत ग्रहस्यत **खोरनारक**ता काक्ष्यु ্চত ও অকু ওত চিত্তে স্বিদমক্ষে বিবস্তা; হুইয়। ম্বাদি ভীরে রাখিয়া স্থান<sup>্</sup>দি স্থান্তিছে। व रिम हे खेरिनारकत कमा भूथक चाँह कि निक्षा 'सार्डन र किन्छ निङ्गाहर अहे। कुरशिष्ट वासहा ধ্রের অপনোদন করিতে পারেন নাই।

# কোরহাটীছ সংবাদদাতা লিখি

इराइनः---

'বমণাৰ'ৰুৰুমকজনভ্ৰমণ। সংশ্ৰুতি আফা हराव ५२ को श**्क्षत फिल्क्षी मांका** छिके वातु ৰম্প্ৰতিৰ ভট্টাচাৰ। স্তাশ্ত ম্কুলা পার্ভ मध्य रिकाफ व्हेन्नएइस । छ। होत्र अहे नात किंक जगरन अथी अरु।शींत अमधिक कहें **হ∤জেচে**ঃ ডিনি কোন দিন কোন স্থানেঃ काइन्द्री करतम, श्रुत्यं .कड खामिएड भारत मा । ্ধখামে উাহার আভপ্রায় হয়, নেই খানেট ভা**ছারীর উ**ল্ব সংস্থাপিত *ধ*ইয়া থাকে। भुर्क सामा भारक मः येलद्रा खर्यी धराशी 🤋 আমলাকে যে কত কণ্ঠ ও জত্ম বৈশং সহা বিজে ছয় ভাগ বলা যায় না প্রভা भारतानुत्र अञ्चरलारम्बर्गके भवन्याने छिल्द

ভাগীর শাভিরক্ষকদিগের মধ্বলজমণপুর্কক বিচারকার্য্য সম্পাদনের নিয়ম প্রবৃত্তিত করিয়া क्रिन क्षेत्र जाशास्त्र यपि जाशास्त्र भविक क नष्टे ७ कष्टे १म्र, 'ठाह। इहेरम এविषय नियुद्ध व অন্তিদ্বের আবশ/গতঃ কি? গুনিতে পাই, ডিপুটী বাবুর অভিলাদিত স্থানে যথাসময়ে কোন আলাম मा ३ डेल इड/इडरड कि इस ग्राप्ट स्ट्रेस लिम কাস। স্তাব্যক্তি প্রকাশ করিয়া থাকেন। আমরা দেখিয়া আসিতেছি, কোন কোন নিষ্পতি প্রনিব অবেধানিত দিন **হয়নাঃ ফু**ডরাং আংথ<sup>ক</sup> প্রতাপী ও সাক্ষীকে প্রত্যুহ অনিশ্চিতভাবে काञारी एक छेने विक शांकिएक स्त्रा अव्यश्स्य । ভাগদিগকে ভাল কষ্ট সহ্য করিতে হয় নাণ এইরপ নানাবিধ কষ্টজনিও জাক্ষেপের বিষয় আমরা প্রায়ই লথী প্রত্তেপৌ সাক্ষী ও আমলা **व्हेटक क्षुनिया ज्यानिएक:इडा ज्यला ज्यामया** ডিপুটী ব'বুকে আর কোন বিষয় না বলিয়া কেবল এইমাত্র প্রার্থনা ও অনুরোধ করিভেছি (य, कांत्र एवं कांमामिशतक लारकत कष्टे मि । খিতে ও ডছ্জনিত আক্ষেপ শুনিতে না হয়।

গত ২৮০ পৌষ ররিবার এ অঞ্চলেও এক প্রকার মন্দ ভূমিকম্প হয় নাই। ইহার স্থিতি প্রবল্ডাসহকারে প্রায় ছুই মিনিট ছিল। শুনি লাম, ইহাতে কালীপাড়ার বাবুদিগের ছুটা দালান ফাটিয়া গিয়াছে। উধার পর বুণবারও একঞ্জে কিঞ্চিৎ ভূকন্দান চইয়াছিল। যাহ। **१डेक काहाए** श्र्मुं छ श्राप्त कम्म **१३४। छ**न ঞ্লীয় লোকদিগকৈ যেরূপ ক্ষতিগ্রস্ত করি-ধাছে, ভাষার সহিত তুলনা করিতে গেলে

জীনগর ষ্টেশনের অসীন পাউল্লিয়া আম। नवार्त्र : भवनद्रशादत्रत वाष्ट्रीट अछ मन्नवाव চাৰ হুটা প্ৰায় ২৫০ শত টাকা মুল্যের সোণা রূপার অলক্ষারাদ অপ**হাত হইয়াছে। আভি** কালে বিএমপুৰে চুবিয়াৰলক্ষণ ক্লক দৃষ্ট হয় ुख्डुकः 'आभवा शापुरु द्धेकावम (होर्सिव त्रश्याम ऋतिया शांक। अभिन উवाहि आस्म कात अन्ति कुछ मि ४ व्हेग्र एक।

# প্রে হিত। यानावत अयुक्त 'तामध्यकामनम्मापक মহাশয় সমীপের।

गछ २३ महात्र छात्रवाद मधुवाशुत, उक्के की পুকুর ও নিশ্চন্তপুরের शवर्षामा मार्कम প্রাশালাক্ত্রের বালক ও বালকাগণের

পারিভোবিকবিভরণ সক্ষপর করিয়া আমরা অভিশর আমন্দিত হুইরাছি। সভাস্থলে বংজু निवानी जीपुक वायू मरहत्वमाथ वस् मरहामन সভাপতির ভার এহ্বপূর্ত্তক ভুচারুরূপে নিজ কার্য ক্লেসন্পন্ন করিয়া উক্ত পাঠাশালার অধ্যক্ষ শিক্ষকসৰ 🗷 দশক মহাশায়গৰকে পরম পরি ভোষ প্রদান করিয়াছেন। পাঠাশাল্যর স্বালক मिशहक श्रृष्टकानि श्रमःन कवित। यद्धके छेएना शबिक करा इहेब्राटक अवश वानिकामिन्नहरू शुक्षक, वाक में, क्षिएक, शुक्किका अकृष्टि **व्यास**के प्रवाकि श्रमान कविया (व जानामिनारक विन কণ সন্তুষ্ট ও উৎসাহাত্তিত করা হটয়াছে, ভাষার कात भरम्म मारे। भ्रमाक रम छहे अक्षी क्रुं डि व्यक्तिम करिया छैक द्वारम छैल देव करवार छ व्यामानिर्भव कि भिर्दालन योकाव कविए हैं है য়াছিল, কিন্তু পারিভেতিকসন্দর্শনে ভাষ্ট্রী ভূত হৃত্যা অভ্যকরণে অভীব আনক্ষের সঞ্জ **হর্মাছে। এ স্থানে ভ্রাণাকের বস্তি আভি** কল্ল, জাপ্রাপ্র লোকের ভাগই অধিক: অংএন উক্ত পাঠলালাক্রয়ের গুধান শিক্ষক 🕮 गुक्त वर्षे । भाषान हस्य विक्रा वश्यम् । यर्ष्ट्रे প রত্রম ভীকার করিয়া আতে আল দিনের মধ্যে ভথাকার ইন্তর ্লোকদিগকৈ বিদ্যাবিষয়ে যেরূপ উৎস'হাখিত করিয়াছেন, ভাহাতে ভিনে ষে প্রকৃত ধন।বাদের পাত্র ভাচা আমালিগের वना वाङ्गः काञ्च।

ब्लीयुक्त बाबू देवकूर्धनाथ भिष्ट्, औं युक्त काबू (ইমচন্দ্র সংক্রেম ক্রিমরে थ जन्म यत्र पृष्ट वर्षेत्र । जेन्द्र न्क्।य उक्क प्रका जामाहिनारक निष्ठांख (भोजान)वान चिंतर्छ। स्थार्गर धन्त्र यह मीर्घ की वी श्रेर्तहे खेळ सम् वान माठ इत्हा यात्र अवर जाहा इहें तहे जे স্থান যে বিদ্যার বিষল জেগাভিতে বিলক্ষ্ পরিপোডিত ইইনে, ভারার আরু সন্দের নাই। वर्षाकार्म यामकार्गम भाके मामाय शबन श মনে মতে জে ক্লেশ স্বীকার করিতে হয় : এমন ंक ध्वार क्यांचका न कालक ऐन्छ प्रशाद निक् কার্য জুসম্পর করিতে সম্পূর্ণ অসমা হইয়া चारक अक्षाच आभागितात अञ्चाताम क्राडे (ये. ओ चार्तत्र का भनात्र महान्यसूत्र विषयः प्रक्रिक्ट क्रभाष्ट्रिकि कि विद्या य'ह एक माधात्रर्गत क्रिम पूर्व হয় এবং স্বকীয়কী জি তিরস্ক য়িনী হয়, সে विषय विद्यालाण सम्वान रुखेन।

ガル シアカヤ

फार १६३ दशक्त्रमाति

平河海 ত্রীয়ান্তবোপাল व(का)ाशाधाः म বহড় র মধুনাপুর वक्षविम्। लेट्युव ধ গ্রান শিক্ষ

গত ১ লা জান্ত্রান্তি জ্বত গণন্মত নাহা

যাকৃত ইংরাজি বিদ্যালয়ের সাধ্যা ক লাভিতা

নিক্ষিত্রণকার্ব জতি স্মান্তে সন্পর হইয়া

গিয়াছে। এই উপলক্ষে বিদ্যালয়ে যে সভা

হয় তাহাতে জনেক ভার লোকের সনাগম হই

যাচল। প্রগনে প্রদান 'লকক প্রিয়ক্ত বাব্র

মানিনাশ্চক ভটাচ বা, মনালয় এই বিদ্যালয়ের

কালী বিশ্বিত্রণ হটলে প্রশন পণ্ডিত প্রিয়ক্ত
পান্তর বিভাবিলার চাট্রাপাশায়ে মহালয় একটী

মিন্তিগভ বক্ত তা করিয়া বালকগনের উৎসাহ

কান কার্পেন। অন্তল্পের প্রিজ্ঞান্তর ভ্রাণি

সহাল্য কার্পার লাভক্তবার প্রিভ্রাক্ত ভ্রাণি

প্রশাস লিক্ষক মহালয়গনের প্রিজ্ঞান্তর ভ্রাণি

প্রশাস লিক্ষক মহালয়গনের প্রিজ্ঞান্তর ভ্রাণি

প্রশাস লিক্ষক মহালয়গনের প্রিজ্ঞান্তর ভ্রাণি

প্রশাস লিক্ষক মহালয়গনের প্রিজ্ঞান্তর ভ্রাণি

প্রশাস লিক্ষক মহালয়গনের প্রিজ্ঞান্তর ভ্রাণি

প্রশাস লিক্ষক মহালয়গনের প্রিজ্ঞান্তর ভ্রাণি

ভাল : বি'ইরিত পুত্রক গুলির মুলার সমসি ভালান ৪০ টাকা সহবে : পাত বংসল যে বালক ুহান হইটেড সামনার স্কার্মণ পরীক্ষা উন্নির্কিট্যাচিল, ড'হ চে একটী স্কাপ (মডাল নুদ্দ চহয়াছে।

এ বার মাইনার স্কলার্সিপ পর ক্ষাও এগান क्टेंट्ड हार्रिडी वालक श्रद्धीकाशी क्हेंश शहन একটীন ক্র কুতকার करप्रक्रिता खबार्य इंडर्ड भारतम् नाई। अशिरकाडीन जाजगरनः হ'ল। ১ক জান কৃতি পাইখাছে। সুই ধৎসৰ পূৰ্ব e श्राप्त अङ्गायम शालाशकी श्राप्त वह गाउन াধত এব এতা দুৰা কাড জোন মায়েন মানে এত টু एत । अ नाजी । श्रमह नाई। श्रम इ. उड़ । जला ४ दमा नयमपुरुष ( म्पूर्ण हेन(ग्ले हेन জ্ঞাজ পাঁওত মানবচন্দ্ৰ হৰীসভাষ্ট্ৰ সহালং এখানকার বিদ্যাল্যে। ছারগারেক পর্কা। करिया दिस्य महस्राध धकाम करिया शिवा-(৪ন) বিদ্যালয়ের সাম্পালক মহ শ্র বেঞ্জা মত্র: ্তশ্যস্ত্রাতে কাষ্ট্রে করিয়াটেন, ত হু তেওঁ আংস व उत्ते हिर्क्ष इंदेशीत मण्णूर्व मञ्जाबना । अधान 'लक्षक भवानश्च अस्त्रभुद्वय भवा : देवत विमातनाः ঘিতীর শিশ্বকের পদ এছন কাংতাম শুনিয় আমবায় বপর মাই ছণখিত ছইর ঠি। আম -দিলোর অন্তারার এই যে, টান ভারও কিছু দেন এখানে এবাস্থাতি কালয়া ভাত্ৰাৰ বিদ্যালয়টীবে উৎরষ্ঠ অবস্থাপর করুন। ভানাদিরেরব প্রজা हिटेडिकी शवर्गस्य है लिकक प्रकृतस्थानहरू डें हा দের প্রিশ্রাম ৷ পুরস্কা স্বরূপ : কছু কিছু ব জুত (विकास स्थान करित हैकार) अवन के द्वारी कन। : এখানকার বিদ্যালয়ের শিক্ষকদের যেক্সপ বেভন নিকিষ্ট আছে, ভাগতে উপযুক্ত শিক্ষক क्षाम्ल इंद्रा, इस्ट्र ,

विष्णानद्भाः श्रीशास्त्रीय भूक्षक, मान्धिक्र, यक्की शक्का वार्यास्त्रीय भूक्षक, मान्धिक्र, यक्की शक्का वार्यास्त्र व्याप्त्र व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्यापति शष्ट्र खवानी भूत २८ श्राम ১२५८ निवानिनः

> লোগজসন্ম জ্ঞান্ত কাশিক। সভার ভৃতীর অধিবেশন।

সম্পাদ্ক মহাশ্য়! ১২ ই ম'ঘ্ ববিবার উক্ত तकात कृष्टीत अभिटरमान । मशानमारवादक क्रेश ন্ত্ৰাছে : ফু. নাধিক ২০০ সভা সভাৱ সমানীন हरेशा किर्तन जमार्भा भूभी मास्य (एक्षी मा स है। विशवः वातु (छशुक्ति ईश्टब्ल्किन देवकुर्छ বাবু ও মুক্ষীলক্ষেত্র সব ভিবিক্সনের ক'ডেপর আন। মলা, বিক্রমপুরস্থ কভিপ্র নিদ্যালয়ের নিক্ষক हाज अवर काशीय धनिषवक्षाकृषि कार्यक উপস্থিত হিলেন। সভার সময় উপস্থাত ্রুলে সভাগণ বিষ্ণা ব্ৰুকে সভাপতিং প্ৰেৰাণ কাৰেন। বিষলা বাৰু টিবন পালে अनुस्थित ३ हेथा जभाष्ट्र म ७ इ. कार्यन ष्ठ करित्र व्यवस्था उपल्लास्त्रभ हाज्य त्रभट्क भ िएक। रक्त धनाद र र प्रशक्त प्रकार नी पाठे । ७ स २०नाम रे . १ में । अध्यक्ष ইংধেন্দ্রী বন্ধ **ও বন্ধ** বন্ধার্থক তিন্দী পুরংভন শ্লক্ষ্যে পুলস্কারদান ক্ষা ব্লিক্টা । ৬ ছ माङ्गास वानिमारिकालाध्य প छ ए महास য়কে পুরস্কারণমান ৭ম পুল লাজানিক इक्स्म नरहत्र भुगः अप्राः स स्राप्ति । र ना পাল বাবু দর্গের সাধায়। গান্ধীকার এই সকল क देवे दे भव । सक्त विश्व वर्ग ।

উপদশ্যারকালে (চ্ছুল মাজিটেট বিজন) জাড় সড়, পাছে ছ বপা স্থেবি বিশ্ব বাবুও (চপুট ইনপেট্টর বৈকুঠ বাবুকে, ধন্য । কে এমন সম্পানের পদট থাবে না দেন । বাদ না দিয়া কোন প্রকাশেই কাছে পাকিছে । পারিলাম না। ইইাদের প্রথম্ভিদ্যে এই কিন্তু। ব্যাস্থান কাল এই ভাবিয়া বিজ্ঞমপুবের নির্ভিশ্ব স্কাশস্থিত হইছেছে। বিসেরে হাইয়া যাব। বাহা ইউক

अञ्चल विभागा वाबू विद्यास्थान वानाही। विद्याला विश्वास्थान विश्वास्थान क्षेत्र के प्रेचित्र के प्रिचित्र के प्रेचित्र के

2 4 4 } \$i

---:o:---महामञ्ज । कह (भोका पूर हेन्न मिन्न) . कांद्रशाही संगटन स्त्र यहस्त्र, ''छत्र कि ? जे स् भाष्ट्रके व्यवस्थान कशिलाई व्यक्तान औरत्र छिटिएक পারিবে, " কাথচ নিমল ব্যক্তিরা উহা ধরিতে गाहेरलई पविरुक्त निया के निया लग, अकार ব টিল যেপ্রসার বিচাব হয়, বা কাহাবও বিজ-ক্ষণ করিয়া গলা টি পরা ' ভয়কি ভোমাদিগেন সকল কট্ট আমরা আংগোগা ধাবি ৭ গলেন, व्यथित (नर्म अन्य कार्ट पांकृष्ण किया (कर्ना) **गजां के दिर्देश के एक कार्य किल्ला के किल्ला कार्या** आ कालि क मा मिर्गत हैर गक्ति भवन्ति छ अस्तक वसर्ध्व व्यक्तिकला सङ्ख्याहरू कार्यः इहेर्ड्ड्रि व्हा 🖰 श्रामा मनन रिष्या 🛊 द । नार्थ वृक्ति विला রভ করিয়া রাখিল ছেন ক্রেপ্ত কেন্ত্রিপদ কালে, है । पर दाइटलई है हा मिनिया लईटक वा ভন্ম টিছ এই মন্ত্র ভঞ্জ করিতে কল্পুর করেন भा। इंके: भिर्वात अन्ति किष्ट्र एउटे भाई। आहम् । ामि भारत, मतन कार्य हे विहासभू भंक बहेरखरह ! রুই ডিন বংশব হুইল যথন এথম চৌকদাবি गेरमेत्र পরিবর্ড মউ में भिभान हे में विश्वादन করিছে আলিয়া একজন জ্যাবেগর শিবপুর ওইগর পার্ষবিতী জাননান্ মামারাভ প্রজাপ-. शक्र के उन्हें के अप में के अप में के हैं कि है हैं। কর্মিজ্ম রূপ ক'রেইছ লা গলেন, ভখ্ম ইংলিস रवर्षट्यान्ते 🖰 ऋष्ठा कि. अ.शील के तटलके मकट्सन् १८क्षके छू वर्ष द व्हाव । " व लक्षा ७ ता लिहलायर 体身 ,4574 - 双侧内 145-11支票形。 51年5月 - 安慰1 हु<sup>†</sup>ठदा से हा कंड़न अप सक्ते व्यव्यासी । **ऋषि,यः** 前 医副原 多点存储 国际人 布斯 多氧磷化 测解化 - धारवरेग भात्रे विद्रिक साधिरतागा. যে আ চেয়ার মান ভান এক জন সংক্ৰ जातन पन पहिंदार्डन ) नड्डर्कर मः ६ अ० ब्दर्भव ( भाक्षात्र स्थित है।का स्ट्रांख । स्थाउन देवा इन्द्रेश्टूड खाइरट), ध्यक्ति (त. इ.कि. हे का कब इंट्र লালিচলন। বাজালি কামধনৰ বাৰুৱা ভেগেই ল্লাড়সভু, পাচেছ কথা স্কেবেৰ বিৰুদ্ধে ব'ৰ পুলা এমন সংখ্যাদেৱৰ প্ৰতি পাৰে না দেৱ এই ভাগুৱ ध है इंक्रेक कि इश्वाह इंग्या काल व्यान ना र्रजार्ज भार्त काला कि भई अर्रिका वरा, इ क निश्व समिष्टा था। तर्लम । अहे ही छ कर्म

शिष्टिश्वा चर्छिवाछि त्विधाख्य होक निशा कृष्ट्रिताः ख्यम कहेर भारतराखेत हत् न, छोहात भव स्मरतर हास भावरमर हैव হটল (বিজা রাস্তা ঘাট মবাবি যরুপ (চল ভাষ্টে আছে) প্রছণ খাইয়াওটার দিতে লাগল। ভারার ালার মরার উপর খাড়ার ঘা, এই বার িজ প্রকু দিবস হইল, এক জন ভারা বিলাভি গোরা আদেষর আদিয়া পুর্দ্ভার দেই পালমানে বজিত **আদেস্মাণ্টের উপর** ভাবার লভন ক্রিয়া কাহারও দ্বিস্তুপ কাহার যা उद्धन होक वाष्ट्राहेश यात्र। **अहे जार**न्मत्हे अभावा कि इहे बुरसम मा, बाकालिया बुसाहेग्रा लाल बुरवार मा, था **बुश्चिएक शाहबम ना। वा**ला ালদিলের সদর বাদীর আবস্থা দেখিয়াই অফারসহ ८८८७ :य वेज्ञात व्यवस्था ७:श स्थ्रं कतिया समा कितिहरूनः अव्यक्तिमीयमिट्यतं वाष्टीतं मञ्जूषवादे < हिन्दन होत्कन ए ভिতतে य किहुई नहर, हेश विश्व छेटब भरे नारे। अन्द्रत देवहक-থ না দে বরাই বাসর সমুদায় কুঠারির এক দেহে টিক্রি ফেলেন। কেই যুক্ত করিলে রসিক সাছেই হিংরাজিতে রসিকতা করিয়া উপাস করে: 'ও টাক্ল বাড়ান। এইরূপে তিনি ও ঘ'হার উপ-য হাইক্টা কেলিয়াযান। প্রজার আংশা বায়ু ির ভি করিবার জম; দরখান্ত করিয়া কেবল অপমানিত **इ**हेग्र व्यामिश्राद्वन ! . अवाह শিবপুরের দরধান্ত শুনানির দিবটো যে शाहरकि हिसादमान थाकिन, जिनि कोन कथा मा च्छिमहाडे जकल मरबारखर पुरर्दे । ( रिक्टिंड) अहे तथा लियम् कलिक्क कहिर्छ लानिस्सम। धहेन्न (ए सिग्ना अस्मरकहे छ विहाँदित कात श्रक्तामा ना कतिया निक মিজ বারীতে প্রভাগমন করিলেন। যাঁচারা জন্তুপন্থিত, ভাঁছাদের দরখাল্প ত কাড়াক্ড (रिक्टिकेड) क्ट्रेट नानिन्। इहं कन ক্ষম সাহসের উপর ভর করিয়া যুক্তি কহি (सङे गाँ(इव **हक्क तामा**डेग्रा ऐटिक चाउ ( हुन कत ) विलिहां भूमक (प्रम. कोशीं विलीह वा काशवाति निकास एक विलया उद्धन शक्त करतन। वाकालिता जनएकडे और कि छानि পাঠিছ মারিল্লা ফেলে, এই ভিনে জ্প্যান স্থা े क्राह्म । स्थमिएक शाहे, बहे मग्रहराति मा कि इस्ट **छाद काष्ट्रांत्र अवाख्य गांजिएके। राम ८३ क्र**ा 🖫 हेडीह विठातमस्ति हय, छोड़ा इहेटल ७ अवर्गरम् 🏙 काम लाएकत एएख | विज्ञातकाव नियार्जन । এরপ লোক উভম ( অপরা) মধ্যে রূপ:

मिकिक मा स्ट्रा का आर्मरमंत्र चात (अहे माहे। যালা হউক, বলে লি কমিসমর বাবুরা বথ্ন मिटनन (य डें। हामिटगत कथा आहा इहेट डे क्ना, **कार्या (क्न एतिया आ जानन ना** ? डाँशेषिशरक माकिर्शालाल क्रिया व्यक्तिवा क्ट्रेट लाजिल, (मधिया डाइाजा मास्य इहेश्रा কেমন করিয়া ভাষাতে আক্ষর করিতে লাগি (अम ) होस ! साहः तक ह मि! (खामात मखारून রাই ভীক্ত ও কাপুরুষ হইয়া ভোষার ধর্মনাল ক রিতে লাগিল। যেরপে উক্ত দিবসে বিচার হই शारकः खेळाण निष्ठात कि शवनरमदाहेव व्यक्तिक है বোধ হয় কখনট নহে : বোধ হয়, উপবের সাতে বেরা এখানকার প্রজারা যে এত দুর প্রশী ভুক্ত रुवेदाङ्क, देशात दिन्छ विवर्षा अधारतन मः। গলিতে গলতেরাস্তায় রাস্থায় অংখুক দিন অয়ুক এ'মের দরখাজের ত্রনান হইবে, বলিয়া लाहिन (लड्झा इहेले. अक छन (हाल घाट्ड করিয়া '' যাখার যাহা অ'পত্তি আছে সে ভাচা প্রতিবাদীর প্রতি এক আনা মূল্যে স্থাত গাগচে মিউ ন সপাল কাছারিতে দাখিল করিয়া তথায় সমূহ ব প্রক্রিনিদিদ্বারা উপস্থিত হউ গ 🗥 এই कथा विवास किए। कि इसा यहेला सि थ्यं कारल **७हेन्न** विष्ठात हेरेत छ।इ **হইলে এরণ ভগ্রামি ব**িবার কি আবেশাক্তা ছিল ? এইরূপ করাতে কি ইছা প্রকাশ পাই .ডছে না ধে, কলগুলা ষ্টাম্প বিভায় করাই উলাই श्रमान डेन्फ्रमा भाज ? देश कि श्रकाम इहै एउट ना (य, मकन कार्य.हे विवाद्रभूतिक इक्टेएक्ट्राइ विनय जाशह विकृष्टे विष्ठ'त कविवसा १ शनर्भ ्याचे तकामध नगरलत् कातल्बनीय कतिया हिन र अथह भविष्ठ याहे एनहे छैहा है। निया नहे বেন ? ছে টপরিতন কর্তুপ ক মহোদয়গণ! উৎপী ভৃত প্রজাদিগের প্রতি এক ব'র কুণা কটাক্ষ করুন ছে মছাম্ছম লেপ্টন্ট গ্র্প **छ गर्वत (स्ट्रान्डन चाहामूत ! এই সমण्ड घ**डेनः সভ্য কি না, প্রজাদিগের প্রতি অবিচার হট ভেছে কিনা, এক বার ভদত্ত করন। আমানি भित्र निकडे स्टेट याहा सहैटकन खाहाई हिन्हः কিছে এক্লপ বৈন্তু কিতে পারি যে, আমরা যাহা দিতে ক্লিকাছা আমাদিগের বাটীব বেরূপ আয়ু বা যেরূপ আয় হইতে পারে দেই মতই নিতেছি

শিব পুর ১৭ ই কেব্রুয়ারি কিন্তু

মহালয়: গড়বেতার তেপুটা নাজিটেট

क्षियुक्त वांबू तक्षमनाम (चाय त्रांसवाहाइत मर भन्न । भीक्सिटनत श्रांत क्ष मण्डल नर्भात क्षांतिहाँ । क्षित्त श्रांत क्षांतिहाँ क्षित । हेरान माध्य कर्षत नर्भात क्षांतिहाँ क्षित । हेरान माध्य कर्षत नर्भात विहार श्रांत अकि माद्रा । उहें मराच्या (क्ष्ममात्री क्षणीक्षणीत्री क्षणीक्षणीत्री क्षणीक्षणीत्र कर्मा । क्षित कर्षत नार्भा निष्णी क्ष माद्रा विद्यानमा कर मा । क्षित अक्षर होरा विद्यान कर मा। क्षित अक्षर होरा कर मा। क्षित अक्षर होरा कर कर्मा कर मा। क्षित अक्षर होरा कर क्ष्मा कर स्था। क्षित अक्षर होरा कर क्ष्मा विद्यान कर स्था भाष्ट क्ष्मा कर स्था। क्ष्मा कर क्ष्मा कर स्था। क्ष्मा कर स्था। क्ष्मा कर स्था। क्ष्मा कर स्था। क्ष्मा कर स्था। क्ष्मा कर स्था। क्ष्मा कर स्था। क्ष्मा कर स्था। क्ष्मा कर स्था। क्ष्मा कर स्था। क्ष्मा कर स्था। क्ष्मा कर स्था। क्ष्मा कर स्था क्ष्मा कर स्था। क्ष्मा कर स्था क्ष्मा कर स्था। क्ष्मा कर स्था कर स्या कर स्था े (राउनशुर थामात अखः शाकी हो नामीशी नामक धारम । माध्याकृष वामाना विष्यानहात् সম্পাদক শ্রীযুক্ত ব'বু রামণন মণ্ডলের সম্প্রতি शहरनाक शास्त्रि **इहेब्राइड**ा डॉडांब गाउँ छ डेक विष्णां त्युव काष्ट्रिण इंदेश इंदेश हिला। তেপুলী বাবু মফকলে আসিয়া উটোর মৃত্য ঘটনা প্রতিয়া আছে স্কেট্ড প্রকাশ করিলেন্ন এবং পাছে শিহার বিষয়েলে বিদ্যালয়েব জাব-निक्त अहे जामकाम होगानीची छ छरणाच-वर्डी आग्मत उप उप (लोकामग्रह एकाहेस ভাষ'র উত্তম বস্থোবস্ত করিয়া দিয়াছেন। र एम व 'नुत अहेक्क न यह विभाग सम्म नू मंतर हीन (एटइ. यहर श्रुकारभक्का कथिक छैबांख इडेदांव নজাবনা। ইবুচ কোল, কোতলপুর, বিশ্বপুর-হুত অনেক এংমের বিদ্যালয় দলনি ক্রিয়া-हिटनमा पहार्ड किन्तित्र विम्हालयुप्तपृद्धत नार्यः छुठातकाल भण्यञ्च रहा छित्रसाह है न नविद्रभव महमाहवाची। जिक्कामहानव नाइड অভান্ত সম্ভ বহার করেন। ইইার প্রকৃতি জতি नम्र छ नितश्कात । हेश्व महिल म्हायान त्य कि পर्याप्त कांचर्कावभीय श्रीरंक लाक व्या, ए हा लिथिया (भव कहिएड शाहि मा)।

मण्यक्ति सक्ष्मशतक है इन्धं अकिंग छुनिकारिय मन्त्राम मिटिंड । गण्ड भीय सारम आक्राभी युगलमानी लागा ग्रास्मद मीननाथ मण्डलत थाला वाणि शुक्रिशीय चार्च कहेंद्रण कृति कर्मशा लहेंग्रा याके छित्रा. नम्म वामगी नासक अक वहिला मण्डिला, नम्म वामगी नासक अक वहिला मण्डिला भाग्रा छाक्राक थित्रहांक्रिल, भर्म कोन्नीमान व्यामगा छाक्राक श्रील सामगा श्रील स्वत क्ष्मभाद्री मिन्न माक्तिग्राम्य व्यवस्था विल्ला सक्ष्मभाद्री मिन्न माक्तिग्राम व्यवस्था व्याक्ष स्वराण व्यामगा छान्नाकिमग्राक क्रिक्रा स्वाक्ष स्वराण व्यामगा क्रिक्रा

यवानह । বিলেষতঃ शकृषि श्व महानी क्रमंत्रिद्या चिक्रमंत्र कर्छ हा। चामाबितात भवर्गस्यके चार्यभव त्याक निर्गत अपन तिर्गाटिं सर्भन करतम, कृतिहा पूर्य चार्ड बदर चार्न ह छेला क्ति कतिया अरम्हल अख्यागमन करतः ; किछ गोहाता अछ।। गमन करत छाहा. मिश्राक विकास कति एवं विवाध वृत्ताव জানা ঘায়। সভা কথা বলিভে কি ? शवर्गामके इंडिवरमंत्र व्यामाबिद्धात व्याननानित्वत वदाक विना भूत्ना कर्शन । ि कि 巴西北西 म हटा ভারতবর্ষে অপরিমিত লোক নাই; चामापि भत भूर्डकार्यः विचारभत कर्याण sिश्रन, कांकिकत ও চাকরগণ মঙ্গুবের নিশিস্ত চিহ্নার করেন। ত্রে কর্মু জারত वर्ष चारह, डाहात डेमधुक टामकीवी लाक छात्रज्यस्य नाहे ; किन्न भवर्गस्यकी পরের নিমিত্ত আপনাদিশের প্রজা ও স্বার্থক। করিতেছেন। যদিও সংগ্রাহক नित्तत नाहरमञ्जयक्ति इन्ताहरू, महिनाम ভৰাপি অধিবাংশ কুলি সুঝিতেন। পারিয়া উপনিবেশে যায় खार, बि.भात कटकेत हेग्नका थाटक मा। मा ककरा २० वन चात चाति था छा भ्रमन करत किना मरम्ब । छेलनिर्वरण कृति( अहत् रक्षा कहा कर्डशा (य एम. में क्रीत त्महे (मर्भ)त ल्याहकर प्राता इत्या के हेड। य त्य डेनिर्दर्भ व्यक्ति मः शांक डेलनिद्यं भकारी अपन **व**्ट ' न না, ভাষ্তেত এই প্রকাশ পায় हे हे कारन बान पूर्वकत नरह।

-----

# ভাক্তর ছেবি চল্মি**ব ও** ভাগরাথকেত্র।

বঙ্গাদেশের স্বাস্থ্য কমিশনর ডাক্তর । ডেবিড, বি. স্মিথ পুরীর বিষয়ে একটা উত্তম রিপোর্ট করিয়াছেন। আমন্ত্র এই

তীর্থ ছানের যে ে দোবের উল্লেখ করি
রাছিলাম ডাকর বিনা নে সমুদা
প্রত্যক্ষ করিয়াছেন। পাওাদিপের
গুর্ভীয়, পুরি বানানবলের জননাতা,
মর্লা, ও খাদাদ্রব্যের কর্মতা
করিয়াছেন। ডাকর বিনেথের রিপোর্টের
কর্মী মহত্তার এই, ইহার মধ্যে রাগ
দেব প্রকাশ মাই।

भूवी म्युष्ट इति दि छ । এখানে मिडोनिमिणा लिपि गारे। किन्न वर्खमान भाषित हेरे द्वांग मार्ट्य ये मूत में ज्व चार्षात क्षेत्रि मृखिर्मिश कतिया भारकन কিন্তু শত শত বৎদর ধরিয়া যে ভানে যে মল স্থিত হট্য়াছে ভাহা পরিজ্ভ করা অজীর আশালাব অপেকাও কঠিন এবং হরকিউলিন অপেকা ক্ষমভ भन्न लाटकत का<del>ण। नशास्त्र नर्फा</del>मा छनि পরিক্ত নহে , দকল গুলির'টালও দমান नारे, এই निमिल कारन कारन कार कारेश थारक। मर्स एक ५,०५० वाजी चारक। काशी वानिभिर्गत गःथा। २०००। ७०,००० वहेरव। भूरत भूरत প্রতিবহনর গড়ে এক লক্ষ্যাতী এখানে मगर्व ७ इहे. उन । ১৮৪৯ घरफ ५ ए०.००० aबर ১৮२७ च.क २२८,००० वाजी व्हा কিন্তু এক্ষণে লোকের ভব্তি ক্রমশ্র কমি (उ.ह। गड वर्मत श्राष्ट्र (oooo गांडी) প্ৰমন করিয়াছিলেন। কৈন্ত্ৰ যে নগর ७०००० (कार्कर वानमभाषात्न भयो छ मर, भिष्णाम क्षेत्र कितित ( कि ৫০,০০০ গমন কংগলৈ কভ কট হয় ভাগে महत्य प्रमुख्य कहा ग्राहित्व भारत्। পুরীর প্রত্যেক লোকের ভাড়াটারা ঘর আছে। এইদকল গৃহে জীপুরুদ ভেদ । ना कतिहा विख्य लाक्टक वामचाम **(मंड्या ह्या (दर्वाल मार्ड्व वर्ह्या)** ্যাঁহারা আবোহপূর্ভীয় প্রেণির **दिनाब्दा नक्**षे पर्नान क्रियाहिन, उँ। इत्ताः

वामक्रीरमम् व्यवस्था द्विराख ह क्विन महीहिं भारत अभाव " ক্ষণ পাৰে তত কণ লোক হাে **इंश्टि चाद्य ७ धर्मनी**ि भाषीया प्रशा ७ मगइ. थ र्वि अस्रेश यात्र । अध्यात अक्षे क्ष्रशृद्द ८६ सन এक कर्नत्र उना छठा वर्षे भारत्वं करत्रक वर्गकः इन्द 2 खु **ड किंद्रिडिइ**श ! व रेष्ट्रा वाजियन मिरे था। क्टब्रम् । এগুলি প্ৰিক্ষ শত শত বংসারের नशदत्र करायक है। इंड्र १ किन्द्र अवधित्र পুরীতে জগনাথের इह, का । मक्टन काट পাওাও রাজার অ हरू। कचना भाषांकार जरकातीधकृष्टि याः हराट भीषा ग ত্রতি বহসর শত শ व्यानकाश में किंदिर

ध्या भयटका করা অভিশয় অসু ধর্মী ভির উহনগ श्रकात की वनद्रभ कर्खवा। जाक्त्र बन श्रीक इक्ट्र डेडीट अभीरन काशिको के माज भ मन्पित खा পরীকা করিছে বাটীগুলির প্রস্থাব করিয়া मानश इश, इंट ८ छ लित्र गण्य धनकन कहिए त्म द्वीका द

देव विमाणिकार्थं विकिट भ्र कतिएक इंडेटल शवर्गरमण्डे ्रक्षिकत्तमः भूती अम्ड ্বে ভৰা হইতে এত টাকা स्त कार्यस्य वाजिकदत्त्रत श्रस्था कतियाहिएलम । तिय गवन्यक. विषातीय व्यः वात् कड्क् **मृत्या** ধন মিত্রপ্র ইচার প্রতি कित स्थित्य अहे मा ; গের মতে যাত্রীদিদের পায়বিধানার্থ কর আছল ह। शर्या करणे (का ज যদি এ অভিপ্রায়ে কর र्खिड रुग्न, काहा बहेत्लहे ३। लाटक विना वटके भःक्षर नाहे। स्थानास्त्र बाध्याम्श्रंक बाधक िंड महाहेट्स श्राह्माद অধিক কে৷ বহুতাণ <sub>চ</sub>ল ভাষাতে অসম্যোগ न भाखारा कड बाब हा प्रिटंड है वा तक त्र **मञ्जनार्थ भट्य**त लग्न इक्ट्रेंट : जीका निभाविष्टि भूवक এ টাকার নিমিত্ত ल विद्यम् इत्र मा। र्थ এगक्त को ज व ग्रमा पिर्वम भ क जहे वाः ।ত প্রস্তাব করি নিকটে অম্বতঃ 4: (ग कान বিবেন, ভত্ত চ দিয়া অসুমতি ৷ গ্ৰে প্ৰত্যেক हेटड स्हेर्प !

প্রত্যেক পাঞা করেক জন নির্দ্ধারিত বাজীর অধিক সজে লাইতে পারিবে না। বে ভান হইতে বাজী লাইয়া বাইবে. তজ্ঞ নাজিরেইটের নিকটে প্রভাগেমন কালে পাঞারকলকে হিনাব দিতে হইবে। যদি পীড়ার ভত্যা হর ভাহার যুক্তিনিজ্ঞ জারণ প্রদর্শন করিতে হইবে। আমরা গ্রপ্মেন্টকে অস্বোধ করিতেছি, ভাঁহারা অবিস্থে ব্যবভাপক শভার এক বিস্প্রত্যাধ্য করেন। ইহাতে ধ্রার শ্রের হস্তাংশলের কোন সন্ত্যা বনা নাই।

### े ७ ७ । ७० वा कर १०१३ । श्री कार्य करणाउ ।

व्यामता क्र 5 उठ 51 न इन्हादत की हा व कहिराजीच रक्षानभीत अवन्त्रमाधिन निक्षे क्हेटा उस्का कर **बा**कर मिश्राविकाल এবখানি রিপোর্ট প্রাপ্ত ছইয়াছি: (भावीतक कीका मियात निमित्त यक्करणट्या हारिकी हजारेष क्रेगाएक। १८ हात हर्ज्य धक का का का उर्ज विश्व का दहन। এছ ভত্তাবধাধকলিগো: क्यो.न करशक क्षन कतिया जिल्लात दांचा ह्या नमु मात्र वक्रामगढक ठका गर्दक विकरण करिया এক জন সাধারণ তত্ত্বেধায়কের অধী मक् कहाई अवर्गरमा के इंग्लां की एड पिन ना इहेटल्ड उठ पिन निविल गार्कान मिश्राटक छैकिमात्रमिश्वत छेल्टत कर्जु इ कहिटाङ करेटव । जिकामात्रमिटशत साथ व्यधिकात्म शृद्ध (मणीव विकासात: (कह (कह शाबीरम हीका मिवात इत तिशा दमस्यत वीक व व कात कतिशः थाटकन । इंग्लिटशत व्यंनटकत काटवात टिट्लार्डे विश्वामद्याका सदह। याँहाता यथाही जिमा नाइश्राह्मन, धमड नकल (लाक्टक छिकाबात्र ना कहिटल मधार्थ काक इंदेर ना।

हेट इहेटव ! २৮७१। ७৮ व्यटक निवासिकनः डिलाब लहेटव । चाक वाक्तित जिंका एहेग्राहिनः—

| ्यातः विकारमञ्जूष्ट होन्द्रम् )                     | (2.5)                                                  | .X                                      | <b>其一条名:为称武</b>                          |
|-----------------------------------------------------|--------------------------------------------------------|-----------------------------------------|------------------------------------------|
| म्प्रत्यं कर्ने येषु क्षित्राहात्रः<br>भिरत्यं सारा | 34.738                                                 | * * * * * * * * * * * * * * * * * * * * | 9<br>2<br>1. 3                           |
| A. P. S. S. S. S. B. Ibid                           |                                                        | 22,643                                  | 404                                      |
| 16.14 deut 12.24.21                                 | 4.48                                                   | 27 %                                    | ?/<br>                                   |
| 21.5                                                | <b>€</b><br>30 0.                                      | .154                                    | 5 V V V                                  |
| कतिकाका व हेप्तान                                   | F, \$ 6 3                                              |                                         |                                          |
| (We) 7477                                           | \$ \\ \partial St. St. St. St. St. St. St. St. St. St. | , b<br>, u<br>, a,<br>a,<br>6           | 2) 2 · · · · · · · · · · · · · · · · · · |

श्री महिताल भारतर ३५९५ स्थान र পুনর্বার টাকা দিতে হয়। কলিকাত। अ उद्मिक्ते । स्थिति (क्यानिष्ट्रक्त । स्थादकता । দৰ্মাণেকা বুদ্ধিমান ও সভা চওৱাতে ্স(বী:**জ টী** হরে তা বুরিয়াছেন। डां क्र र ठ ते ज महेक अब 'बोब ; डेंग्हात अ क्रमधीनच नव चानिकाली नः चर्चनित्रव गाञ्च व्यक्षिकाः भ जिहात कत हहेताह । অন অন্য স্থানেও সুর্বেট উন্নতি দেখা गाइटङ्क किन्द्र (लाक्न को विद्वहना किंदिन विकासारित्र मध्या व्यानक कम রহিয়াছে। আর বর্তমান রিপোটীর এ এইসকল টীক দাবের শৈমিতৃ ভাদুল विश्वामध्याना क्रेटल्ड्स मा। शिकार वीक রক্ষা করিবার নিমিত্ত ডাকেব চারল্স (इन्हें। भारे (इट्डन) की करा व्यक्तिक व्यावनाक। व्यानरा भाइतापित हरे লংম্কতকতালি কাঁচেত নলের নিষিত্ত श्वनंदमन्छे जेका मिटल नचा छ क्रेब्राट्य । क्रिकांत्र प्यारंख ठ कहा कर्डवा, ভালা গ্রপ্মেণ্ট ছাকার করিয়াছেন। अपि यक सिम ना इरेट के हि, कि कि लिन छ। एक

मट्याह नाहै। किन्द्र मन्त्रोत विद्यवना कता कर्डवा, य चवचात्र देखेरवान ও चाटम तिकांत्र पंथिक कत प्यांनांत्र इत, कांत्र छ র্বের তাহা হয় নাই। মৃতন কর ভাপন কৰিবার সময়ে দেখা কর্ত্তব্য, তদ্ধার। नाधात्रात कि उपकात एडेरव १ रव करतत र्विनिममयत्रेश डेशकांत ना इस, तम कत আনিখের মূল, ভাষাতে কেবল দেশের বল ক্ষয় করে এইমাত্র। সর রিচার্ড 📗 টেম্পল এই নিয়ম ধরিয়া কান্ধ করিলে বুঝিতে পারিখেন, এক্ষণে আর মূতন विश्व करतत व्यद्यां कन नाहे। अञ्चलभीय ধনিশ্রেণির উপরে কর করুণ কর্ত্বর বলি য়া তিনি যদি স্বার্থপর ও ভারতবর্ষ ष्विती तांकिपरशत कथा अभिया काळ करतन, खाहा हरेटन जनात्र कता हरेटव । 🖷 जिनि वायमः एकार्य ७ कार्यवायनिवात् । विवास मिति निष (इक्षेत्रिक इक्षेत्र) हे होत चारनक पथ चारह। (मनामरशत शक्रड সক্ষর তার নিমিত্ত বায় দিতে কেচ কাতর নহেন; কিন্তু ভাহাদিগের বিলাদি হৈতা চরিতার্থ করিবার নিমিক্ত কেই সম্মত নন। অপবায়নিবারণের খত শত ছান षाटि। পृष्टिकार्याविकाश उत्पर्धा अकृति প্রধান। এটা চোরের নাভিত্রল। সর রিচার্ড টেম্পল চতুর ও পরিশ্রমী। ষং কিঞিং পরিশ্রম করিলেই এ বিজাগের प्रति वया स्टेट्ड शीरत । कमिनति अपे বিভাগতীও মদ্দ নয়। দৈন্যদিগের বস্ত্র, তাহাদিগের খাদাপ্রভৃতিতে বিস্তর ष्पनांव नातः वात्र इतः। प्यामतः। এक्छै। দুঝান্ত দিভেছি, প্রতিবংসর ইউরোপীয় দৈনাদিগের নিমিত নুতন লেপ করা হয়। প্রতি লেপের নিমিত্ত দৈনিক बद्ध विखान १२ है। का मूला लगा वयम तांद्ध अर्थान नीनारम हजूर्थाः म मुला विक्रोड इस ; किस्तु शत वर्शन भवर्गमानी भूनर्सात हो तिश मण्णूर्ग मूला क्रम করেন। এই একাটীমাত্র দৃষ্টান্ত। অনু

नकान क्रिटन मन निरुद्ध (हेन्स्न व्याव ह ष्यानक जेलाहरून भारतिमा हे स्वर्थन ৰায় বলিয়া যে পাঁচ কোটি টাকা লঙয়া रम, তिविदर्शी अ मत तिहार छत विद्वहनीय व्हेट्डट्इ। जामानिटशत ऋट्या प्रकृत कत ভার নিকেশ করিয়া কোন বাব করিয়া ইংলত্তের এক প্রদা গ্রহণ করাও উচিত नम् । यथन शृथिकीत मर्दाध्यभान बाक्नीजि कार्यन वाह्यमश्रामा कहित्यहरून कथन व्यामानिरभत तांकय महकान मञ्जी (कन उँशिविद्यात प्रेकीटमृत अञ्चलाभी इहेटबन না, আমরা ভাহার (कांन कांत्रन मिथिए हिना। विशे यामानिरशत स्ट्रम অতিশয় আবশাক ছইয়াছে। কয়েকটা বিভাগে যে আভ:স্তিক অপবায় হইয়া षाटक ভाश मर्कमां धारत धक्राद्या স্বীকার করিতেছেন। ইংলতে এমন অবস্থায় যে মন্ত্রী এ দোবের সংশোধন कतिराजन ना, उँशिशक इहे नियम अ श्रमक थाकिए इहेड ना। मत तिहाउँ (हेम्भान वृद्धियान ; नियनांश ना शिश ताक्रधानीट छ थानिया এ वात अहे डेटफमा माधन कटत्रन ष्मामापिटशत अहे षाञ्चटताथ ।

> ১৮৬৭।১৮ **অদের নিকা**সংক্রা<del>স্ত</del> রিপোট।

१५०१।७৮ षर्मत वक्रामर्भत निकामः कास तिर्शार्ष क्रवात यथा नमरत्र ध्वानिष्ठ इहेत्रारह। फिट्डकेत भूकि शूकी वदमर्द्ध हेन्स्मकेत्रित्रत हिर्लार्षेत छेनर्द्ध वडाठ निर्ह्माहे कास महिर्छन, क्रवात जिनि निर्ह्माछ পরিশ্রম করিয়াছেন।

১৮৬৮ অব্দের ৩১ এ মার্চ সমুদায় বঙ্গদেশে গ্রব্মেন্ট ও গ্রব্মেন্টের সাহাযাক্ত ৩,৪১১ টা বিদ্যালয় ও ১,৪৫,১৪২ জন ছাত্র ছিল। ১৮৬৭ অব্দ অপেকা ৫০৩ টা বিদ্যালয় ও ২৩,৬৬২ জন ছাত্র অধিক হইয়াছে। ফল্বভঃ বিদ্যা

नदव्य मर्था भक्तकता ५१ ए मर थे।। भोजकता ३३ सन उक्ति ডिट्टकेट्स नाम भागता । এটি যথার্থ[সাতিশয় শ্রীতিক विमान्यः यत्र शहिक शवर्द्यत्ने কার সং অব নাই, ভালার বিষয় ভালার काना यांत्र नाहे। दक्त काना यांत्र न. ডিরেক্টা ভাষার প্রীতিকর কারণ প্রাক্ত ৰ্শন কৰেন নাই। ইনম্পেক্টৰ ও ডেপুটিয়া बेन(न्याकेरतता मत्न कहित्य इट्छा श्र थारक ना। या ज मूत काना शिद्रारक हुन काहा। ७ २, २५ की दिमानत ७ ७४, है। २>२ स्मृत होज लिक्ड इहेट्ड्इ कि (क्रिक्मः था। त वक्रामाट्यात মহিত 4 ছাত্রের সংখ্যার তুলনা করিলে আমেটি मिशाःक व्यवकार स्थाकन इकारत श्रीकार করি। তে হইবে নে, প্রয়োজনাত্রগণ ेविम, निका इहेट्ड मा। जित्तक्रेतम निम्नो त्यां निका विकास विस्ता दिनान मछ धिकाम करतन नाहे; किंग्रु गर्वमा क्षांत एवं किकामा कहिए । शाहर योहा দি েগর সুশিকার উপরে দেশের প্রক্র मक्ष निर्मात कतिएउटक, जासामिटशत बर निमित्र कि स्टेटिंग्डर १ वक्रामाना ३७ मन > 51998.035 हो का ताकटचत अध्य इंडेटफ माफकता ১०२ होका विनाः भेग कि कार्थ वाशिष्ठ इहेशोह ; जिल्ल याहा-िर्मातित रहेटा अधिकारण ताक्षा देखि है। इ.स. छोडाता देवात अक शहमात अ मिका c न है, বলিলে নিভান্ত হে क्षेत्र कि इश ना। इंश कि लड्डा कत नह উলিখিত वर्ष मञ्जूमास विकास

१८१,८२,३२८ छोका वास शिक्साह कि स्१,८२,३२८ छोका वास शिक्साह कि स्वा कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स

14

89,७৮७ छाका मिटड इह -৬৭ অবেদ প্রত্তঃক, ছাত্তের ্ৰা টাকা বায় পড়ে; এ বার , जाका वाग्र इहेगाट । शुट्का क ৬,৫৯,৪২৬ ট্রাকার মধ্যে ডি:রেইরের বাকিদের নিমিত্ত ৪৩,৭৩৫ টোকা ও इनटच्लाकेतिवर्गत निमिष्ठ २,१०৯,৮১৮ चेका वाश करेशांटक । **अहे छै। क्**रीम দিলে কেবল শিকার নিমিভ 🕻 ১৪,১৩ ৮৭৩ টাকা মাত্ৰ ব্যয় হইয়াছে বিলিচ্ছ क्टेटर । এই বারের মধ্যে মেডিক∜ल क्रांटल জের বায় ছাড়িয়া দিলে বঙ্গদেশের প্রকৃত শিক্ষার বায় ১২ লক্ষ টাকার অভিয়ক হয় ना । कारण (मिष्णिकान कारनास्क (ध्यमकन বাজি পরীক্ষিত হইয়া বহির্গত হন্ত বছ (सर्गांडिय व्यवायना अप्तर्गंड है। होता हिकिथम कद्गरिश (श्रीतिष्ठ हर । हहे 🛬 नक है कि त मर्था मर्द्यमध्दित एकदन **८वडन अज़र्भ ७,०১,৫७७** हे कि दिश्तान করিয়াছেন ৷ গ্রণ্ডেমণ্টের নিয়মিত দান থাকাতে অনেক বিদ্যালয়ে এই জ্বি वाम ना इउपाटंड व्यक्षिकी श्रेषी है। का काल माँ ज़ारेशारक। लाटक य विमानिकात लगाँधक अञ्चलां इहेशारहन, ণেকা ভাষার আব কোন্ প্রমাণ জ্ব नाक १ जाहेन (अधिमञ्दर न ८व व द इ इ.इ. काइाज मक्तलन इहेशा १०० ८ টাক অধিক আর इहेशाए । जिस लिन कार्ति ए १८० कर डेश्टमण खंबन कि गेष्टिरमम । वज्रातरणेत ३२०० स्नम स्थित ধৰেশিকা পরীকান্তলে উপতিক হন, हाँ सिर्गत मृद्धा ७०६ छन एन्डीर्ग इके एइन। এই ৯৫৮ करनत माना गर्न ाली विकासिय हरेएंड ७०५ खन, माहासा

इ विकालश इंडेट इ २ १ जन यावीन

ह्यानम् इंटेट ३५७ छन वर् निक्

इंद्रेट 8 कर व्याहेटमन। ७५१ व्यन

व लागिकाधीर मध्या ३७३ जन हेळी

,৫.৩ টাকা উঠিয়াছে। গবর্ণ

र्ग इन । शवर्गटमके काटनटकत ১১৫, गांहा क्र ठ काटलटब्बन ८० ७ वाशीन विमानराज २ जन डेडीर्ग इत। जात हुई जन भिक्रक ছिल्म । इक्ट अन वि, अत, मध्य कर बन डेडोर्व इडेशांट्डन । इडामिट गत मर्था ৫৯ জন গ্ৰণ্মেন্টের ছাত্র, ২৩ জন দাহা याद्वाछ कांत्रकाममूह इंडेट छाहेत्मन। হুগনীকালেজের এক জন ভূতপুর্কছাত্র এবং ৯ জন শিক্ষক উত্তীৰ্ণ ইইয়াছেন। ১৩ অসম এম, এ হন। ইহাদিলের সধ্যে প্রেদিডেকির কালেক্রের ৮ জন, দংকৃত कारमारकत ५ कन, छ्रामी कारमारकत ५ क्षन वर की कि कारण कर र करा वह कानिकात पाता म्लासे धातान हरेएउएइ, **সম্পূর্ণ প্রতি**যোগিতাসত্ত্বেও গ্রন্ম ली विकासारात ছाञ्चणन, विरम्बद्धः (धिमिएक का कारल एक इ किशन श्रीका প্রদর্শন করিতেছেন।

---:0:---

#### মূতন পুল্কক।

১। चक्र खाममहानिधि। मक्ष्क ज जिसान। क्लिका जा अवर्गमणे ন∮ক্ষ ত পাঠশালার ব্যাকরণাধাশক সহা মহোপাধ্যায় ঐযুক্ত ভারানাপতকবাচ স্পতি ইহার মন্ধলন করিয়াছেন। ইনি रि तृहर काजिशान श्रेन: रनत जात्र श्रेन কবিয়াছেন, এ সেখানি নর। এখানিও নিতাত কুদ্ৰ হয় নাই। ইছা থও থও প্রচারিত হুইতে আর্ম্ব इहें, रिष्ठ কাৰ্যাদিপ্ৰসিদ্ধ भक्रम् इल क नरक। এथानि मः कृष्ठ वावमात्री मिर्गत शरक मिंदिन्य डेलकाती हहे য়াছে। বাঁহারা শব্দের ব্যুৎপতিহর্শ নোৎকুক, থাতদ্বারা তাঁহালিকের কৌতু ৰল চুরি ভার্ম হইবে ৮

২। মেদিনী। এখানি প্রাচীন সং কৃত অভিধান। ইহাকে নানার্থকোয় বলে। ঢাকা কালেজের সংস্কৃতের অধ্যা পক শীৰ্ক নোমনাথ মুখোপাধান্ত সংশোধন ক্রিয়া এথানি মুদ্রিত ও প্রচারিত করিয়াছেন। আজি কালি সংক্তের বেপ্রদার চর্চা আরম্ভ হইন্যাছে, ভাষাতে সংক্ত অভিনানের মত বছল এচার হর, তেওই মন্তলের বিষয়। বিশেষতঃ সংক্ত কাব্যাদি প্রস্থানা প্রপ্রিত, লোধাদি ছলে নানার্থ কোষের সাহায্য গ্রহণ একান্ত আব্দারক হয়।

০। ভটিকারা। কলিকাতা সংকৃত্ বিদ্যালয়ের পুরুকাধাক প্রাযুক্ত জগলোহন তর্কালয়ার জয়মঙ্গল ও ভরতমিলকের টীকাসমেত মুদ্রিত ও প্রচারিত করিতে আরম্ভ করিয়াছেন। এখানি প্রথম থণ্ড। তর্কারার পদক্ষেদ করিয়া সাক্ষেতিক চিত্রমারা কর্তুগদ ক্রিয়াপদ সন্ধি বিলেব বিভ্জি, বচন, কারক, সমাদ; প্রভৃতি প্রদর্শন করিয়াছেন। বে পুস্তক খানি আমাদিগের হজ্যে প্রভিত্ হর্ট য়াছে, তাহার অক্ষর, কাগজ ও মুদ্রা প্রভৃতি সমুদায়ই উৎকৃত্ত দৃষ্ট হইল।

৪।পুরাণপ্রকাশ তৃতীয় ও চতুর্থ থণ্ড। ইলতে মূল বিষ্ণুপুরাণ, প্রীধর স্বামিক্ত টীকা ও বাঙ্গলা অসুবাদ সরি বেশিত হইয়াছে, শ্রীযুক্ত জগসোহন তকলিস্কার থণ্ড রণ্ড ক্রমে ইহা প্রকাশ ক্রিতেছেন।

৫: মহার বাল্ট্রীক প্রণীত রামা রণ তৃতীর বঞ্চ শ্রীমুক্ত হেমচক্স ভট্টা চার্যার মানুসক্ত দিকা ও বাগালা অসুবাদ সহিত ইহা প্রচার করিছে ছেন।

জ। বিবিধ পুজুক প্রকাশিক।
দশম থও। ইহাতে মহাকবি প্রনীত
মূল স্থোক ভূতীয় দর্গ অবধি
পক্ষম দর্গ পর্যাত্ত মলিনাবক্ত
টীকাও ক্ষেচক্সকট্টাচার্যাক্ষত বাঙ্গালা

ভারত্রের প্রস্তাব প্রথণ করা উচিত।
তিনি বলিয়াছেন ধর্মন কোন ছানে
বসন্তের প্রাপ্ততার হইবে, তপায় তথ্য
পাথ পিয়া টীকা দেন, এই নিমিত্ত কড়ক
ভাল অমণকারী টীকাদারকে রাধা
কর্ত্রবা। অধিকতর বেতন না দিলে
উপযুক্ত টীকাদার পাওয়া ভার। বাদালা
ক্রেণির ছাত্র ও উপযুক্ত কলাউথার
কিগকে এই পদে নিযুক্ত করা কর্ত্রবা।
বেদকল ভানে লোকে এই টীকার গুণ
বুঝিরাছেন, তথার টীকা দিবার নিমিত্ত
কিঞ্জিথ কিঞ্জিথ কী গ্রহণ করা কর্ত্রবা।
টীকাদারকে দক্ষিণা দেওয়া আমাদিপের
ক্রেণ মুতন বিষয় নহছ। এই টাকায়
ভিপ্রুক্ত লোক পাওয়া ঘাইবে।

বিবিধনং ব'ল । ৫ই ফ জন সে মধার।

गान संस्थाति मार्ग व्यवस्थाः व्हेटण कुर्किक भीक्षित कानमृत्व ১,२५, ७०० मन सम्बद्धाः । श्राति ३ व्हेरा इत श्रेत द व्यक्तापा स्था कालका व्यक्ति दक्षा कात्रत्वस्थाः

म प्यातकार अने निवासिता स्थान स्थान क के दिवा के परमव शवर्गाम के दिक का है है। कि त्त्रम त्यम्पतीम ७ छङ्ग्याधन्छिप्त हीत्रह वानामञ्जलकी १ 🕬 । 🛊 । अहे कक्षम विद्यासा अ भारतिकार केंक्र के कर्मा भाषा प्रशास अक्षा अक्षा अक्षा अक्षा अक्षा अक्षा अक्षा अक्षा अक्षा अक्षा अक्षा अक्षा (मण्डेमा हे शवर्गत साम्यात कर्टन, वहे प्रप्रांश পারতবাস না করিয়া এপেশে চীনের বাসন ৶ভাত করা কতুৰা : তেন তেরিমিত কি ঞ্ব কৰ্জন স্থায়েল'ড লিয়াৰে প্ৰীক্ষাৰ্য গ্ৰেছণ কৰিছে ৷ বলেন। ভারত্বমীয় গ্রাধ্যে ট ড ক্লার তল্পড कामहुक बिहुमार्ड काल्ट्रांड बनाइक जिल्ला व क्या क्ष्म अद्ययमं शिक्षत नामान : श्राह्याक्षन अपने . काउँ वे काराह्म देश अञ्चल के ह्रवात छेएना। बिराज भावाचा पर्वज्ञात खानः व्यवस्थात्रकोञ् क्षरेत । जादण वृत्तीय भाववंद्रान्ते क्षेत्रतालुक काम প্রকার পরে। প্রাক্তরালিক করিতে সাহসী इन करहें। काछ बर अहे शास्त्रात शति काल्या इह शृहि । अवस्तिभका स्त्रम स्त्राह । अहमान विख्य वानन हे देदशाल इहेट्ड, आहेरता काराटक हेर्द्र कहिएन कर रहेश यात्र। अष्ठद्रभाष्ट्रिया वह वामन व्यवश्रेष्ठ कविष्ठ

.इन । यूननमानमाहजहें हेश शाहेरत कन्न टेक्कन इस मा । अधारम हेश क्षण्ड के द्रान बहुत क्षण शहे । स्टब्द के किन्न हिंद हेन्न ।

वीव मामाकार मध्य क्रम न्यानार्थ हिन्न स्थानमार्थ (वाष है स स्थानमानी स्टेएएड) अखनमं होना (नश्या मध्यमा कर्वतः मामा स्थार मिटकार (ह्रोस मध्यमा क्रमित्राह्म । हेर्ड दे स्थान जार्गामिट्सम् स्थानम् काक क्रियाम्बर्धाः

সাভকীরা উপ বিভাগে ওলাউঠার প্রা র্ডাব হওয়াতে এক জন এদকেনীর চিকিৎসক তথার প্রেরিত কইয়াকেন। শীড়া এত অধিক হট ভেছে , শব আদি । সার্ভন একাকী গে নী দেলিয়া উঠিতে গ্রা

সরকার সা এ হা ও ইনমাইল হা সম্বা প্রানির ফার সংবাদ কাইয়া পেলোরাতে আগমন কবিয়াছেন। উক্লিছিলের ছবেং আমীর নলিয়া পাঠাইয়াছেন। ডিনিগবেশ্ব জনবলের সহিত সাকাথ কারিবার বসনা করেন প্রাক্রিক জীয়াব বিপক্ষ, অপত্রব সিললা,বাদের পুর্বি আমীরের সহিত সাকাথ বিভিন্ন ভালার

काणादांत प्रक्रिक्शी जिल्ला लाकित्रात मानवार्य जाउटरवींत भवर्तर है उक्क के क्रिक मानवार्य काणाव, निश्चित का मानी स्र स्ट स्टेट्ड करिया और तालांगि मध्य मानी स्र स्ट स्टेट्ड स्टिया और तालांगि मध्य मानिसार वालिट्डा स्ट स्टियार स्टेट्ड एक वाज हिंदिक कार्य क्रिक मानवार साम स्टेन।

নেবেশি**উ** বৈভি **আজা** নিয়াচেন, একারভুজ্ঞ পরিবাবের সকলের আয় সমন্তি করিয়া <sub>ন</sub>ভারার উপরে সার্টিকিকেট টাক্ল হইবে:

্চ ৬৮ ৬৯ অব্দের প্রথম ছয় মানে নছ মান্ত পুর্ক্তিকার্থের নিমিত্র ২.৯ . ৩০.৯৬ - টাকা ও অভিবিক্ত কার্থের জন্ম ২৭৬ ৯৫ - টাক বর্ষে কইয় জিল ১৮৬৭ ক্রকে উক্তে সময়ে ২,৭১. • ৭,৭৪ - টাকা বর্ষ্য হয় ।

আমহা ক্লুপেটিয়াট দৰ্শন কৰিয়া আজা লিভ ব্ইলাম নিয়ত্তৰ শৈক্ষক দিগতে প্ৰানিবন্ধ কৰিবায় দেখিত ভাতত্বৰীয় গ্ৰণ্মেট স্থান্ত প্ৰকাশ কৰণতে ভেত্তেইৰ এক কমিটি নিযুক্ত ক্ষিয়াভেন।

७ हे साञ्चय सम्बद्धाः ।

্র এবার আ টণী পরীক্ষার্থ ছয় জন আটিকল ক্লাক্র উপস্থিত হন: ইইঃদিংগুর সংগ্য তিন

स्त्रम । इति । इति । अतः स्त्रम । इति । स्वर्षा । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति । इति

कृष्ट नार्ट्य विक्रम छैट्सन्त नार्मी कृष्ट्य ने ने कृष्ट के स्वाप्त क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्य

रिकृत (गांटकार तकारण्यात दाकात विकार विज्ञान विवेध लि बाड इस छ हा नावधास होते विज्ञान का छिडिका छे छ भारता है इक्का भार सके पानीस तकारण ताइन गर सा नुष्प छ ६ पता शानास नहतम, छत उसालित काछि है । पता शानास नहतम, छत उसालित काछि है । पता शानास कारण भुता सालाहरण स्थान वित विवास महत्त कारण कारण तह स्थान के शता सल्ला हमा कि त्रसारका । धर्म से सा गांटका ये लिस एका, क्रांस्ट्रांस स्थान स्थान स्थान

বা করিয়া বরং আদর করিয়া থ কি।

ত্তি কোন স্থানে করা উচিত, এ নি

সক্তেটারি মালমান সাহেবের মাত

ভেনা মালমান সাহেব ক্যাব্দেশী য়

বলিয়াছেন গ কিছে ক্ষান্ত্রী প্র

শীপুরে করা উচি বলিং গ্র

सकः प्रवाहित वहलन, वक्षाना के कि के स . नव (व के नाइन्द जिल्लीएक छिशिक्ष हुई शः . इसः उशान महात श्राम खाएका शामिता के प्राप्तः जिली, का की, का का का का का का पिछाइ अप्रकार शुक्त के से साहित। विख्या एक्षीत उशांतिमद्भाव शुक्त के से साहित। विख्या एक्षीत उशांतिमद्भाव शुक्त के से साहित। विख्या एक्षीत उशांतिमद्भाव शुक्त के से साहित महिला एक्षीत उशांतिमद्भाव शुक्त के से साहित महिला एक्षाति का प्रवाहित का सिंगा कि साहित स्वाहित का एक्षाति भारत स्वाहित का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का सिंगा का

उत्तर शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र हो । अभी वस्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्य

कार्य विश्व क्या तार्य क्षिणिक कार्या विश्व क्षिणिक क्या तार्य क्षिणिक कार्या विश्व कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या क

(इ लि बड़ेन खरन कहित्र । एक्स, लाड (सर् १ केन्द्राचन वर्गात धामनामार्थ गमन ने १३

गक्कात नहांबुका कटत, लाटिक फाहाताई जाडू মোদন করিয়া খাবেন। ষ্যক্তিকথবা বংশ বিদেবের প্রতি আছে চতুরাগ একাণে আর নাই i त हैन गवर्गद्य है आया बिटमत वर्डमान व्यवसाय कश्चा श्रास्त्रीय। क्रिम्ट्बर य म क्रश्यास्त्र कम टा भाग, खांश हेरेला खिटिन शवर्गा मेटक शुः शामिकं करतमः धार्यविद्यवस्मात्रं भागन প্রণালীর স্বায়তা ও প্রতিবন্ধাতা করা হয়। অভএৰ আম্বা কেবল ৰাগাড়েখ্য করি নাই ধলি আমরা ৰলিভাম '' ব্রিটিশ স্বর্ণমেটের স্থারা काम छेपकारतत धारामा महि । এই गवर्गसम्ब দেশের শত্র । অদেশীয়গ্র । আপনার। গোপত नक्ष शिक्ते वर्डेन। सुर्वात शाहेबामाज स्विक नाजनकर्छः निगरक जाभवा मूद कतिव । अहे शवर्ष মেট অংশকা কলীয়াৰ অধীনতা অথা দেকেলে বর্গির হাতাম প্রানীর " ভাহা হইলে वाभ इब्र (छलिनिरे म मख्ये व्हेटचन।

#### ৮ ই ফাস্কন বৃহস্পতিবার।

কলিকাভার অধিদিধির সভাপতি হলা

সাহেব ছল্ল মানের বিদালের নিমিত্ত আবেলন
করিয়াছেন। তিনি প্রভাগেমন করিয়া লল
করিয়াছেন। তিনি প্রভাগেমন করিয়া লল
করিয়াছেন। তিনি প্রভাগেমন করিয়া লল
করিয়াছেন। তিনি প্রভাগেমন করিয়া লল
করিয়াছেন। তিনি প্রভাগেমন করিয়া লল
করিয়াছেন। তিনি প্রভাগেমন করিয়া লল
করিয়াছেন। তিনি প্রভাগেমন তরিবেন।
করিরিসি

করিবালিকের সভাপতি হলা

করিয়াছেন। তালিকের সভাগেমন করিয়ালা

করিয়াছেন।

গবর্গমেন্ট আজা দিয়াছেন সামরিক হিচা বাল্যের আফালুদাবে বেসকল আফিদর লদ-চুতে হইবেন, জথবা ঘাঁহারা সামরিক বিচারা লয়ে দগুলুমান হইবার পর পদত্যাগ্য করিবেন বাহাবা ইংল্ডে বাইডে পারেন এমত পাথের দেওয়া হইবে। এই নিয়ুম্দী কিছু দিন স্থ গড়।

মাস্তাভের ভেল অধ্যক্ষ করে দিন্তের বাদ বার নিমিত্র একপ্রকার টুলের হক্ষি করিয়াছেন। এটার একসমাত্র পদ আছে। চতুদ্ধিকে সমান গুকুজু না দিলে টুল পভিত হয়। ইংগর উদ্দেশ। এই কাল কারতে কারতে যদি কোন করেদি নিমিত হয়, ভাগা হইলে তংগুণাও ভুগুল পভিত হইবে। এটা একটা বুজুণ লক্ষণ বটে। আঃও এক কাল করিলে হয়। প্রভেত্তক কয়ে-দের মন্তক্ষের চুল ছ দের কড়ির সালে দাড় দিয়া বজর করা উচিত। নিদ্রা হইলেই টান পড়িবে। আলাদিগের কোলসমুহের ভাগা ভাল।

#### व इंकानकन एकवात।

ইংলাণ্ডের নাটাখালায় অনেক জীলোক কুলা বল্ল পরিধান করিয়া গ্রমন, করেন। এই বল্ল পরিগান ও উল্লেখ থাকা স্থান। নাটাখালায় বেশগোগাও প্রকাশাস্ক্রপে গ্রমন করে। এই কুবাবহার পূর্বের ছিল; কিন্তু খামানিগের রাজী বালয়াছিলেন, যেখানে ল্ল্ডাশীলাভা, বাই, ডিনি সে নাটাখালায় ঘাইবেন না। ইছাডে উৎ কর্ম হর একণে রাজা আমান ভাগি করিয়া।

रक्षम अक्षर शकाशीम्खा तक्कि ए**रेटण्टा** ।

मानिशृद्यम् छोडे जानागण नानागटे रेडिक् जानिन वन्धान उन्हिन्छान अहे जाना नट्यतं महीसम् इस्टब्स् विठावन्छ ५५ निवम नागागडे ७ ५६ निवम सुक्तनगढ्य विठाइ कतिद्यम ।

লাভ হৈক্টিখন ছারতবর্ধ ডালে করিবার সক্ষেত্রিকর পারস্থ জারতি পুজন লইয়া লিয়াভিলেন। উল্লেখ পৌতের মুখ্য কণ্ডয়াজে ক্টেডিন বংশের লোক ক্রম্ভার্ডন ক্টেমিক পুজনকলি নীলামে বিক্রীত ব্রুবর। জ মরা আহ্লালিত ক্রলান, ষ্টেটনেক্টোরি একলি ক্রম ক্রিয়ানেন।

क बाब माण्याम विश्व विष्णानायः ७२७ सन श्राद्य निका भरीकात्र उत्तीर्व इतेशाद्य । वेशी ग्रंक -भारत महार्थ हार्ड सन माज श्राद्य स्थान स्थानिहार देखी व वस

#### ্ ১ • ই ফ'ল্ভন শনিবার।

মরিসপে অন্যাপি সংক্রামক আর র্ছিন্
রাচে। ১৮৬৭ অজে ৪১ ০০০ লোকের মৃত্যু
ইয়। গত বর্ষে ১৯,০০১ জন প্রাণত্যাগ করেন
রাচে। একণে প্রভাগ ৯ জন চিলিৎসালরে
বাইভেচে। মৃত ব্যক্তিদিরের মধ্যে ভারতব্যীর
কুলির সংখ্যা আধিক, ভালা বলা বাজ্লা।
আজিকাব কাজিদিলের খাধীনভা রাখিতে
গিয়া প্রতিশ গবর্ষনেত আপনাদেশের প্রকাগ

वाव (कानामाथ हक्क देखानानियाकतम स्मान्याक देशांक हें स्वार्थ श्रका मण्ड कांत्रप्राहम । कांत्रप्राक्ष देशांक श्रका श्रका कांत्रप्राहम । कांत्रप्राक्ष देशांक श्रका कांत्रप्राहम । कांत्रप्राक्ष कांत्रप्राहम कांत्रप्राक्ष कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप्राहम कांत्रप

# শ্বন্ হৈ তেওঁ বিজ্ঞাপন। বঙ্গদেশীয় লেপ্টনন্টগবর্ণয়ের আদেশাস্থারী নিয়োগ।

১০ ই কেন্দ্রার। যত দিন বাবু মধুস্থন খেষ বিদায় শ্রীয়া অনুপ শ্বত পাকিবেন, ডড দিন বাবু কালীপ্রসাদ দত্ত চট্টগ্রামের প্রভিনিধি অভিনিত্তিক অধস্থ কল হুইবেন। বাবু স্লাচরণ স্বকায় উজ্জ পদে নিযুক্ত হুইবেন বলের। ২২ এ প্রাপ্তরাহিতে যে আকা হয়, তাহা এডজারা ইন্ডিড হুইল।

১৯ই কেন্দ্রগরি। বত দিন ভাক্তর বি,

Y ক্লপে কাৰ্য চলিবার কোন উপায় দেখা বার ना। श्री निक्रक शांत्रहें भाउता यात्र ना। यनिह ৰা কোন প্ৰকাষ্টে পাৰয়া গোল, তিনি যে चार्मिकद्वारी एक, देश म्लाडेब्राव्य मणिख इरेटन। ऋडीकार्य, जिल्ला आत किष्टुट इरें त्य ভাঁছার ভাতৃত্ব অধিকার নাই, ভাগ্ অগেটবে প্রকাশ পাইয়া যায়। এরপ স্থার শিক্ষিকা নিয়ে'ল কভদুর কার্যকোরী হয়, তাহ' আপনিই विरवहता कविया लखेन। अधन वालिकाविकंत-**बाडीब्रंद** व्यथायन कतिर्छ कारक्ष याक्'ता-ं फानिया गरिक, उन्हादा य व्यविकवन्न नरह. ं अ कथा वला बाइन माञ्च। अमन कि, छाशारात्र म्रम्भ ६ इंडेटड ৯.১ - वर्गद्वत अधिक स्ट्रेटन माः ভাৰারা সামান্য সামান্য প্রস্তৃক ও স্থাটীকার্য। শিক্ষভিদ্ন বে মোজা বোমা কারপেটের জুতা প্রস্তুত করণপ্রভুতি তুর্ক কার্য্যে প্রবৃত্ত হইতে भारत्मा, हेश अक्षेत्राखिदारम् बना बाहरण भारतः आयोत (मधुन, १व (अतीत लाक व्हेटड लिकितः পाउद्या निया थाएक, जाँदाता अधि कारमञ् विभक्षां वल श्विती । आहात या या श्वादन বিদল্পর প্রতিভিত ব্রুতেত্ত, ভারা নিডাত भली धाम। अधन छ एवं भली बाय छ लि शूर्त दर রীভংগ কুসংস্কারে স্বাক্ষর রহিয়াছে, ভাষা (तार कवि. नकरलहे चीकात कतिरवन । जेनुन कृत्भ वाभारमञ्ज वाजिकालिशदक श्रेत्रभ विभक्ताव লড়িনী লিফিকার সন্ধিরেন প্রেরণ করিছে, য়ে অভিভাৰক্ষণ স্কুচিত হইবেন ভারতে कार या नरक्तर माहे। अहैनकता कातरन अधन ন্দেশ্য বালিকবিদ্যালয় স্কুনে স্থানে স্থাপিত १८८१८७, (मरे महे कृति अधनकात **वर्ष** भ ক্লিড শিক্ষক নিযুক্তে না ক্রিয়া নিয়লিখিত श्र खान अञ्चनाती कार्या कतिरस हा कड़क करनाल गायक रहा. अ कथा जाहन कतिहा यहा स है एड **%ाउत । ज्यामता ए जीलिकिकानिएग्राधिवयरम्** বিবেগণী ভাষা নহে। ভবে কি'না, যে জীনর্দ্ধাল বিদ্যালয় স্থালিত ভ্ৰবাৰ প্ৰস্তাৰ ভ্ৰচ্ছেছে, महे विमानम सहैएक य अर्थक डेलवुक লিপিকা না বাছির চইয়া আইলেন, সে भगे छ वाबारम्य श्रञ्जावणी कार्या श्रीविष्ठ করিলে, অপেকাকুড কিছু ভাল কাল হয়। ুখন স্থামরাযে প্রস্তার করিতে বাইতেছি. ाइक व्यक्त

আপাততঃ কালিকারিদ্যালয়ে প্রথমকে নীর পণ্ডিভনিয়োদের ব্যবস্থা করা হউক। ডিনি প্রকুষারমডি কোমানসভাষা বালিকা গণের মনোভাব পরীক্ষা করিয়া দেখিয়া শিক্ষা क्षणान कविर्यम। लिकाश्रीक वाशांक काशांक राज क्षणां विश्वास क्षयां अक सम प्रतिक राजा विका अहे याकि वालिकानिकार क्षणी कार्या लिका विश्वा । कार्यश्रीत स्कृषी कार्या लिका विश्वा । कार्यश्रीत स्कृषी कार्यमा निवाय, वालकामध्यकृषि क्षणां क्षणां कार्यमा विवाय, वालकामध्यकृषि क्षणां क्रिक्टक भागाराज्य वालिकान् श्रेष्ठा व्यवस्था क्रिक्टक भागिराण क्षामता काल्याक्षित्र क्षणां क्षणां

>२१६) अनुगण्ड २৯ माच । जीटनाकुलविहाती मिक्र ।

মহাশ্র : প্ত ১২ ই মাঘ রবিবার বেলী ৪ ঘটিকার সময় এপ্রদেশে যুখন ছু মিকম্প উপস্থিত इदेशाहिल, खबन बाम्या जीलजीवुला महादाय मात्र मि चिक्रम भिश्क वाहाश्वरत्त मम क्रिताहोस ভদীয় সভাষ্ণ্ডেণ উপবিষ্ঠ ছিলায়। অভএব ভদ্দানে উক্ত মহারাজ সীয় পারিবছুর্গের সহিত छिब्राप्त किथिए कर्याभक्षन करत्न। भर শ্রীমশ্বরাঞ্জাকদা নিক্ষানে অপুচে উপবিষ্ট হইর। উক্ত ভুমিকশ্পের বিষয় ছিঞা করিছে করিতে হিন্দি ভাষায় জন্মিয়ে একটা উৎকৃত্ क्रिया পারিষদদিগকে! 35A1 প্রবণ করার। ভারাতে ভাঁহাতা ভাঁহার স্বন্ধবি-ন্যাস কবিভাশন্তি এবং উৎকৃষ্ট ভাব অরলো कम कतिया श्रुवाहिष्ठ मर्श्वाम श्रकाण श्रवः श्रम्भा क ब्रिजन । भूदि नकाल 🔊 महावः लाक অন্তরোধ করিলেন, যে উক্ত কবি হাটি সূর্দ্রনা পারত্বের গোচনার্প কোন সন্থাদপত্রে প্রকাশ করা হয়: ফুডরাং ডিলি ডাহাতে সামতি श्रमात कर्त्न भे कि है (काम कावनवन्छः अः)'वर কাল ভাগ কোন স্থানে প্রেরিভ হয় নাই। क्षर मा कें।इ'त काकाधुनाहत अधिता छेन्द्र इह নাটি মহাশ্রের স্থিধানে প্রেরণ করিলাম : আপ নার স্ক্ররিধণ্ডে পজ্জিকায় ইহ'কে কিঞ্চিং স্থান দান করিলে আমরা অভীব বাধিত এবা উপ-कुछ इहेव । कविकारी अहे:----

भारता छती वी जिर्ड स्नी जि श्रका श्री किए ति । नाइ निक् निन् की द्वा स्व देन स्वामान (ता) । यन यून विविध विकास एन (तन स्ट्रा) । वाणिका तमान का ती बाती हरूँ (वाल उमा) । माच विवि : जतम हरू थे याम तिविचात । देखी जह तक रेन श्रक् कि स्ट्रांश तम श्री जमा के । विविचन विद्यान देन महद्द्वा क्या जमा का । स्वा थहतानी मन स्ट्रांड स्ट्रांस (तम) । स्वा थहानी मन स्ट्रांड स्ट्रांस (तम) ।

हि नातक नाइत महराष्ट्र, जूमि भूती ही जि

मिन्नी क अवर श्री के नवकार के उपकार श्री का किया किया के विद्या क

ইণা এক প্রদান কুশ তর মুপ্রনিংস্ত কাবা ध्वः कतीव क छिळा देशं यशंभः नामा। स्ति । টগাতে ক্লপকালক্ষার বিভিন্নেশি ও করা হইয়াছে ज्याणि देशह नाहाराहें ना कान लच्छा नाहे ইংট্রে গছ ধ্রধান শুস্ন চর। মহ লয়ের তাংগ। পরিচয় বিলক্ষণ প'তারা ষ্টেতেছে: মচারাজ डीहात म मनश्रम वी में छाउ महर मा स्हात अवच्छा भारत छनीत छीला छनात कथन है कहिए छेन ना, य (क्कू देनि अर्थ प्राथाना, दाक्ति नाइन कार्याना अधिकदमत महिता है जिहें (त्रेडे अंकि इस्ति) बहाताक मृत्र मिथिका मिश्र नाहाबत, टका नि এন কাটে ইনি কেবল নজ কাম বুও সাধুচরিই वटन श्रष्टामुझ व्यानिश्री अहारा छ श्रवर मन व्यक्ति क विश्वादक ने अपने देश दिन दिन की मकाना नी कि ·है। विशा कालन ७ विष्ठवर्मी सन्तवश्रालक माख्राद क्रम माम्। शहन तनेन विद्याद्यम । अ के अब के-দ্বি নছ'আবে অভিপ্র সংবাদপ্তে ভাচার করু कथन्ड्रे भारत करें डेंशास्त्र ना।

৮ ই কের্মারি ব্রীকেদারনাথ শর্মার ১৮৬৯ সহকারি সম্পাদক্ষ্য

মহাশরা নিডাক্ত আফ্রানসংকারে জানা ইতৈছি বে, প্রেসৈডেলি কালেঞের স্থানংসিত ভাত্র জীয়ুক্ত বাবু আনন্দ্রাট বছুয়া বি, এ ্যতভূকী স্বর্ণর ক্ষেন্ত্রল সন্ধু জন লবেশ মূলেদয় ভাপিত ইংলড়ে অধ্যয়নাথ চি এরাউপরীক্ষায় উত্তীর্ণ হর্মা গত ২ রা ফেব্রুয়ারিব মেইলে हेरलार्ख घाडा करिष्ठ इत्रम । व्यानस्ताम प्रहे वरमञ्काल हिन्दुक्ष्याल व्यवसाय करवन ह মুডরাং উলোগ পাছত তামাদিলের বিশেষ লদ্ভে। জলিয়া ছল। আম্র ভার্র এই কুভ কাৰ্য,ভাদশানে যে কিপ্ৰয়াকা **আনন্দিত ইইয়াটি**  का व - के पुनर्क । का सकती व किवस नहन, সংযাভাবের ধ্ৰধান ছাত্র। ভি**নি এক বংস** বেট ভিননী পরীক্ষা (বি. এ. ইংলা**ও অধ্যয়** নাথ ছাত্রবৃত্তির গরীক্ষা এব**্ গিল জাইষ্ট** ) ্রাডেন। ভালাধে প্রথম সুর্সীতে বিশেষ প্রতি नांद्रमङ्कार्यं कुछवाध्यक्ता श्रीमर्भनं कविशार्यं । ্লেষ্ট্রীং ফল অদ্যাপি প্রকংশ **হয় নাই। ঈশার** .भीटा काम्रमानाह्यादकः धालमा कति । या. अति ्उ ५ ऐक्स्क्रेश कुडक मोक्डा ले 😇 ऋस्म।

আনক্রাম অতি তক্রবয়ক। তিনি এই
ববীন বয়দেই সংস্কৃত, ইংরাজী লাটন জে
ততে অভিজ্ঞতা লাভ করাতে দকণেই উচ্চা গুলসমূহের পরিদর্শক জীয়ুক্ত এইচ, উচ্চা ম, এ, মহালয় উহোকে সঙ্গে করিয়া লইয়া ইতে প্রস্তুত ইইয়াছিলেন গ কিন্তু বিদার না পাওয়াতে খীয় ধর্মগানীর সভিত বিশেষ সমহকারে আনক্রামধ্যে ইংলপ্তে প্রেরণ

আনেক্ষরাম আসাম দেশ্যাসী। তিনি চাবি
গ্রকাল কলিক। চায় অধ্যমপূর্ণক এইরপ
ত ও প্রতিপত্তিলাভ করিয়। এক্ষণে ইণ্লতে
নি ক এলেন। জগনীপ্রতিহিব সাধু ইচ্ছা
রিপুরণ ককন । স্বলাস্তঃকরণে প্রার্থনা করি
ভিনি ইণ্লতেও বিশ্বে প্রতিপতিলাভ
বিধা স্থা পরীরে প্রত্যালন্থ ইক সাদেশের
নিক্ষকন করন।

ভাষর আনিকরামের বিচাইক বিলোগ সভাপ্ত য়াছি নি বিদায়সমূরে চ্যাধনার বিভালতা ুসহায়ত। প্রদেশন কবিয়া তি তেও েলে আজা নিগতি ক্যাধনাক ুয়া কষ্টেলবাদী জীয়ক বার ব্লানীকাত্তিক

ুষ্ঠ হাষ্টেলবাদী জিলুক কার বজনীক ৯৬৯ ভুষ্ঠ বিদায়ক্তক কবিজ উচ্চাকে উপ ভুষ্ঠ দিয়াছিলেন —

'' প্রীভিপুন্ধ উটির ' ১ শ**্বে জানন্দ**্ধ এত দিনে সকল তেখোর

रामगा । हालटन अटन निकास काशास कन्ति, हेश्नथ (मान निकास सुकन) श्रमानिष्क बर्ट्स मना मरकाय विभन। মনের আনকে আজি ধরিয়া সুতান। উৰ্কাহর ভব নাম করিব রে গান। নীলিমা রঞ্জিত পথ বিশাল সাগ্র। তরিবাও মনস্থাে অভন্ন অসর। বিসের কমলা সঙ্গে ওচ্ছে মতিনান। स्टिक्स क्रिका स्टब्स प्रतिशा निनास । **সহ**ৰয় **ভাতৃ হ'নে সন্তো**ধ বিভৱি। यां अक्टर अनमग्र आने किल कति। श्रादिन रक्षणकी (क्षान कामन)। মনের সহিত এই করি রে কামনা। সমানে কিরিয়া আসি হে গুণনিধান। রাখিও আদরে বঙ্গে ধংড়াও সন্মান ; লৌভাগে ভোষার মন ওচে গুল্ময়। আনন্দ জলধিতলে ভাগিছে হ্ৰয়। ছোক ছাষ্ট বঙ্গ পুনঃ ছেরিয়া ভোগায়। मा अञ्चरण (इ कानन "विमास, विमास" ঞীতিভাবে গুণাধার! লও রে বিদায় কর (র মঙ্গনবাত্রা রেখ রে আমান্ত্র োগার সরল মন ; ভুলনা কখন (১) আশ্রমবাদীবে এই স্নেহেব ভাজন। নাফি কিছু কিবা আর দিব উপছার, কি আছে ত্রেধের ধন স্কুয়োগা ভোমার। প্রতিকাৰে আজি এই করিছু এছন কবিভাকু প্রমালা। বাসনা এখন দোলাব ভোমার গালে হবিত ভাররে। জাদা করি প্রিয় চিহ্ন রাখিবে জাদরে कृषि ए कामम मामा छर्गत निधाम। যতনে রাখিবে এরে বাড়াবে সম্মান। সরল অভরে দিন্ত প্রীতিময় হার। পর গলে হোক মন প্রসন্ন আমার। ° रिकुर्छ ल ৮ ফেব্রুয় কি } ১৮৬৯ টি ক্রীজাগুডোর চটোপা গ্রন্থ

# मृनाथाखि।

জীযুক্ত বাবু হরিশ্চ ক্র কৌ গুরী ধান্ড লিয়া ৩৭

" সুর্যুকোন্ত আচার্য মুক্তানাছা ১৩

" গোপালচন্দ্র মন্ত্রিক চীনেবাজার ৫॥

" আন্ডভোষ চট্টোপাগার

ফিলুহস্টেল

" বনমালী গালেপা ধ্যার নিম্লিয়া ৪॥

৬ যাদবচন্দ্র মিত্র ঠনঠনিয়া ১০

. ) हिन्द्राष्ट्रेस ।

्र विष्णा श्वासिक नाहेट्यां व विष्णाम श्वासी विश्व स

2.0. 7.0

-600-

# त्यां मध्यका अन्य का का करत की विद्यान कि समा

জ্ঞিন মুলাও ডাক্মান্তুল না পাইলে মদ-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইংর জান্ত্রিম মূলা বার্ষিক ১০ টাকা এবং
বাণ্যাসিক ৫॥০ টাফা । মঞ্চপ্রকে ডাক্সাপ্তর
সমেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং জৈমাসিক ৩৮০। তিন মাসের স্থানে জান্ত্রিম মূল্য
তাহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিন্তি, মানঅডার, নোটা ও স্থান্স্পাটিকিট, ইংরে জান্তর
বাহাতে যাহার স্ক্রিধা হয়, ভিনি সেই উপার
ভারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাঁহার। স্থাপটিকিট পাঠাইবেন, ওাঁহানা যেন এক অথবা আদ আনার অধিক মুলেরে ওর্দীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

. यथन यिति यक्षणल इहेटल त्यामध्यकाटनत मूलः भाग्नेहिटवम, जाहा (यम द्विक्षष्टेतिः कतिश्रा श्रीपुष्क बातकामाथ विक्राकृषटनत्र माटम भाग्ने। हेग्ना (कम)

যাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অভীক হইয়া আসিবে. একমাসপুর্ক্ষে তাহাদিগকে চিঠি লিখিয়া জানান বাইবে, কাল অতীত ১ইয়া গেলেও এক বার চিঠি লেখা ১ইবে, তাহার পর একমাসকাল প্রভীকা করিয়া কাগজ বন্ধ করা যাইবে। শেষ হারের পত্র বেয়ারিং প্রটান হইবে।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ডাক ঘরে চিঠি আইলে আমরা নীগ্র পাইব।

যাঁহারা মান্ত্র না দিয়া প্রাদি প্রেরণ ক্ষি বেন, তাঁহাদিগের সেই প্রে'দি এহণ ক্ষা ঘাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইছ;
করিলে ভাঁহাকে প্রথম জিন বার প্রতিপংকি 
নানা ভাহার পর 
/>
শানা ভাষিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইজ্ঞা করিবন, ভাঁহার সম্ভিত অভন্ত বন্দোগত ১ইবে।

এই পত্র কলিকাজার দক্ষিণ পুনী মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর প্রেশনের দক্ষিণ চালড়িপোতাল্প প্রীযুক্ত ছারকানাথ বিদ্যা-ভূবণের বাচীতে প্রভিসোমবার প্রাক্তঃকালে প্রকাশিত হয়।

# मियशकान

३१ भ काता

علا ما الادل

**ৰম্পলে মাকুলসমেত অগ্ৰিম** বাৰ্কি ১

বিধাণাসিক ৭, ও ইন্নমাসিক ০৮: ই:ক

# ं प्रवक्तनां प्रक्रितिकताय पार्थिवः सरखतो अतिमक्ती न कायतां।

ষ্ঠানিক ঘূল্য ১ এক অগ্রিম বাধিক ১০ দশ অগ্রিম ধাণ্যাদিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা। न्न १२१८। 🕉 अ काखन । ১৮৬৯। > ना मार्क

কাৰা প্ৰকাশ।

खांत खदर्यत दिवत्रण ।

शक्षमवात मूखिछ । এবাবে छोटन छोटन वाट हातिक विषयात পतिवर्धन कता स्टेग्नाइक अवीट वाकाणा मिट्यम्न मती, शर्ताक, खेरलंब, व'लिखा छ खंकानमूरस्त्र विवत्रण निवस्त्र किथि ॥ ४हे ग्राह्म । किलाका मरस्युक यहात्र श्रृष्ठकालात छ खिलाका यहाताशाल हाहोत्राश्वास कार घटन

৮ हे शक्त | ) जीम मिछुरान मर्ग्स

ठक्कांवडी माहेक।

জী নিমাইটাদ শীল কর্তৃক আড়পুলি নাটা শালায় অভিনয়ার্থ বিরচিত। বছবালার ১৭২ নং স্থানহোপ যন্ত্রে প্রাপ্য: মূল্য এক াকঃ ডাকমাসুল ৮০।

----

इर्गारमव नांद्रेक

ক'লকাতা সংস্ত যন্ত্ৰে পুস্তকালকে স্থানী নৰ্মাল স্কুলে জ্ৰীকালীপ্ৰসন্ন বিদ্যানকের নিকট ও কালনা মেডিকেল হলে প্ৰাপ্য। মূল্যা, তাট জ্বানা।

हिनाछि हेर तर विष्यानाय १५७% कारण व धावनिक। भरीकाथीनियात भार्रेमार्थ अविष्ठ ध्यानी क्या हरेग्नाहि। गाहावा छेशाए श्राविष्ट हरेग्ना व्यवाग्रास्त्र वात्रमा कार्यम, छाश्या श्राम निकारणेत्र गिकारि मिन्नगामि व्यवश्रक हरेदम।

৩০ ডি**সেম্ব** ৬৮

জীয়াবকানাথ লব্দ। ইরিনাজি বিদ্যালয়ের । অধ্যক্ষ

মংপ্রণীত চিত্তবিনোদ কাব্য ১ ম খণ্ড। আজি হাললিত অমিত্রাক্রে রূপকৃদ্ধে ইঃ'

বিজ্ঞাপন।

ইংরাজী চী গার জন্য নিম্নলিখিত চীকা কর্মের স্থানিটেও অর্থাং ডেক্সাব্ধায়ক্দি গকে জানাইবেন ॥

> উত্তর ডিবিল্লান। শ্রীযুক্ত বাবু ভূবনগোছন যিত্র

> > সাব এসিছে-ট সার জন সাং ১ নং হোগলফু-ডেড় গলি। মধ্যতিবিধান।

🍂 कुछ बातु का शिमात्र रङ्ग

সব এসিটেণ্ট সারজন সাং নিমুখনেসামার গলি— দক্ষিণাডবিজান।

জীয়ুক বৰুক শীচন্দ্ৰত সৰু ক্ষিত্ৰী সংক্ৰ

সৰ এদিষ্টে ট সারজন সংচাউলপদীবোড ভবানীপুর।

स्व वालाकत वाह्य इहेटल वीक लहेश हीका एम अप याहरवक, लाशरक यरकि छार एम लग्ना ख त्महे यालवर्षितक यकि लाक्ति कतिश्रा खाना स्हेशा थातक, लाश श्रमतल अहे हमारव ख बाना कर्मक एम लग्ना कावमान स्हेरल भारता

দীকাদারগণেরা থকনীস ৪ ছিত্ত পারিতে না, কিন্তুযাদ কেই খেল্ডাপুসক দেন ভাষা লাইতে নিধেষ নাই॥

खानक खाएगा आक छाहाद। क्यांमात्र रय, हे॰ ताकी मिनात ज्यागितन छाहाता कन्य करत. अक्यमा मार्थात गरक छहा छ कता याहे एउट एय, खाहारस्त्र खाता मिना लहे बात खाद्य मिनामात्र भर्भत मार्थिक है (स्थिएंड होहिर्सम ।

টি ইং এচন ওষ্টন্চারল সি ইংরাজী টীকার প্রধান ওত্বার্গায়ক। ইতি ভারিখ ২২এ ফেলগ্রারী

הוף ששענ

আমা। "কাব্প্রকাশ ন নামক সামন্ত্রিক শব্রপ্রচারে প্রবৃত্ত চইয়াছি। ইছাব প্রত্যেক ঘণ্ড ৫ ফরমা অগাৎ ৪০ পূঠা। কল্পনা আছে বে, ইহাতে ক্রমশঃ সংস্কৃত ছুম্পাপা কাব্য সকল প্রকাশ করা ব ইবে। সংস্কৃত বিদ্যাল-ন্নের অধ্যক্ষ প্রীপুক্ত বাবু প্রসমকুমাব সন্দাধি-কারি মহাশয়ের অনুমত্যাসুদাবে সংস্কৃত বিদ্যালম্বত্ব ছাত্রগণের অধ্যেতার প্রথমতঃ দলীক ছাত্রিকাব্য আরম্ভ করিলাম। ইহামে বালকগণের ক্রবিধার নি মত্ত সাক্ষেতিক হিছা ঘারা পদ বিশ্লেষ, সন্ধি বিশ্লেষ, বিভাল্যে ব্রহন, পুরুষ, কারক, সমান, কালপ্রভৃতি প্রদাশিত

**व्हेटण्ड । हेश होता (वाथ व्हा. या व्हास्कित** 

কিছুমাত্র বুংংপত্তি আছে, সে ব্যক্তিও অনা-

য়াদে অপঠিত স্লোক বর্ণখ্যা কলিতে সমর্থ

কাৰিপ্ৰেক শেৱ মূলে ৰ নিয়ম। উৎকৃষ্ট কাগজে মধ্য বিধ কাগজে মুদ্ৰিত মুদ্ৰিত

উপ বৃত কেতার প্রতি প্রডোক ধন্ত নিয়মিত গ্রাহকের প্রতি প্রডোক ধন্ত

যিনি কাব্যপ্রকাশ গ্রহণাভিলাধী হইবেন. তিনি কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে অথবা মূজাপুর কাব্যপ্রকাশ যন্তে আমার নিকট অগ্রিম মূল্য ও পত্র পাঠাইবেন।

> জীকগম্বোহন ভর্নালক্ষার। পুরাণ প্রকাশ।

জীতবোহন তর্গানুসার।

বিষ্ণুরাণ চতুর্ধ খণ্ড প্রকাশ হর্ত্য গ্রাহকগণের প্রতি প্রত্যেক্তরণ্ড জ্ঞাট আন:

-:0:-

ট্লবেৰ বভাগনিবৈত্য বণিত হইয়াছে প্ৰা মহাশাধের। এজনাম বছবাজাবৈ আস্থ 'গ্ৰেপ্তকালয়ে ভব্ৰ ক'বলৈ পাইকেন ब्रीहेमा:न5**क रहा**।

#### --:0:--

# वानाैकि तामाइन 'ভৃতীয় **খণ্ড**।

০ট পুজক তথ্যাবধি প্রকাশ হইডেছে ्रम माधवाकरव भूम छ हीका अवश्कार्यात्री**र** 🕾 এনুবলে আনচ্চে। যাছার আনবশাব ্ৰ কেন বলিকাতা ব্ৰাহ্মসমাজে আমাণ र ° इ. विभिद्धन । श्राप्ताक **भर्**खन (कि रात पुना।। जामा। विक्र**नीय शहर**न ा । शामा माञ्चल निटल इंडेटन।

#### ব স্থাস্থাত

बीर्मिक्स खड़ी लाई।

মনসনিয়া **সংস্কৃত পুস্তকারত্রে ও পটোল** 🌉 ভালার বাদ্ধে। এাদার কোম্পানির দোকানে ইনংল্পীত ও মংশ্রচারিত নিম্নলিখিত পুস্তক্তটি ্রাক্তর হরতেছে —

| প্রবীভ            | মুল্র | 1             |
|-------------------|-------|---------------|
| <b>এীসই</b> ডিহাস | 3     | 2+ <b>3</b> 7 |
| (রামইভিহাস        | >     | (S)           |
| ভূষণসার ব্যাকরণ   | ì     | कान:          |
| নীভিসার (১ ম ভাগ) | أزو   | টো            |
| নীভিদার (২ য়) 🔪  | á     | <b>3</b> 19   |
| . edist           |       | i             |
| भूभरवाध वराकद्रव  | 4     | <b>€</b>      |
| <u>জী</u> খারব    | দানাপ | শৰ্মা "       |

জামি শক্ষেষ্ট্রমধ্যানিধিনামে একখানি সংস্কৃত অভিধান সঙ্কলন করিতে আরম্ভ করি प्रक्रिक हेरा भी कि चर्छ मण्यूर्न **रहेर्य, म**ण्यक्ति क्षत्रम ९७ क्षष्ठादिक श्रेष्ठार्छ। **८८७।क ४८७३** ম্লাবে ছাই টাকো : এইলেক্ড্রা মহাশারেরা মহক্ষু জ ষ্ট্রের পুর্কালয়ে অপ্রা সংস্ত কালেকে ভাষার নিকটে অসুসন্ধান করিলে পা**ইতে পারি** ્ટ્રેન

🗐 ভারানাপ শব্দা э विभाग ) ্লা কাশ্বন 🚶 কলিকান্ডা সংস্কৃত্য কংকেজ

# বিবিধ দ্রব্যাদি বিক্রয়ার্থ প্রস্তুত।

রোজী বালালা পুত্রক কাগজ কলম নানা

विध स्वामि भाउरा बाद्र अवर शृक्षका मर 🖊 - এक व्यानात हिनारिय कमिनन मि । व्यिष्ट होकात शुक्कक कहेरल 🖊 ५० व्यानात (स्पारः পাইবেন।

| ( ) A Charles                             |               |            |
|-------------------------------------------|---------------|------------|
| वानकृष्ण उपधावनी                          |               | টাকা       |
| প্রাক্টীস অব্যেড়িশীন গলা                 | •             |            |
| প্রসাদ ডাক্তর প্রণীত                      | ۶ ۰           | ক্র        |
| মেঘদুত স্টাক                              | 711.          |            |
| কুনার সঙীক                                | ÷ 11 •        |            |
| বেণীসংখ্র স্টীক                           | 511.          |            |
| ৰিখান সচীক                                | 8             | <b>\$</b>  |
| 🕮 মভাগ্রত প্রক                            | ७२            |            |
| <b>হ্লে</b> ড                             | >.            | \$         |
| ভট্টিকার ভারমঙ্গল ও মলিনা                 |               | ر          |
| থের টীকা সহিত                             | \$5           | <b>₹</b>   |
| উইলিয়ম্স সংস্ভ ডিক্লাবি                  |               |            |
| श्रथम इंद्युं और भारत श्रदक्ष किय         | ન             |            |
| য়ার উইলিয়াম সংক্রেই                     | a s           | ओ          |
| জীয়ুক্ত বাবু কালাপ্রসন্ন লে হ ন          |               |            |
| न द्वात क्ष भी ठ भन्। ১৮ भना मर।          | <b>3</b> 12'3 |            |
| ১৭ ৰও সম্পূৰ্                             | ٠.            | <u>ن</u> و |
| थे । ये विद्राह्म                         | ٩             | ঠ          |
| के न के हिम्मागणर्म                       | ø             | Ě          |
| में ৮ जे छीवानम                           | ৩             |            |
| के व द्वाननर्भ                            | ٥             |            |
| के ३० के वर्गम                            | •             | À          |
| के १५ जे बना भर्त                         | <b>ર</b>      | Š          |
| ओ १२ औ भी खिक भर्म                        | 7             | Š          |
| क्षे ३७ हे छी भन्न                        | 2 11          | ો          |
| के 38 के ना <b>खिनर्य</b> वासमर्प         | 9             | Ť          |
| के ५४ के (शक्कधन्त्र                      | ৩             | À          |
| এ ১৬ ঐ অসুশাসন পর্না                      | •             | Ð          |
| ঐ ১৭ ই শেষ পাচ পর্কা                      | ৩             | , ক্র      |
| विচার कर अभी अशीर विमास प                 | শ             |            |
| নান্তর্গত ভিচার ও মীনাংসা বহু             | <b>स्</b>     |            |
| প্রমাণ সমিত                               | 2             | À          |
| <b>ঞ্</b> তি দেশ্ৰ                        | ۲             | Ž.         |
| <b>জন্ম</b> তি ভাৰি কৰি কৰি               | ৩২            | Ą          |
| প্রাচীনু সংহিতা ২ <b>০ বড়ে সম্পূ</b> র্ণ | ÷ &           | Ĺ          |
| আত্মত বিবেক ভাষ্য সহিত                    | ٥             | <u>A</u>   |
| উত্তর নৈষধ नातायूनी होका महि              | ভ             |            |
| >२ धरुक मण्लूर्व                          | <b>5 3</b> ,  | Ì          |
| সিদ্ধান্ত কৌমুদী সম্পূৰ্ণ                 | 3 Ju          | à          |
| थे ८ <b>मग वर्</b> ष                      | †             | S)         |
| विरवकत्रवावनी व्यक्ताश्वनर्गम्ब           |               |            |
| মত ও বিচার                                | 24            | ঐ          |

कर्षाक्षन कर्षकाश विवेश जि के प्रकार कूर्यक गारहवकु छोई र ताबी फत्रसंगा কলিকাভা জোডা-नीतिका क्षत्रका

# वाकामा फुडिजावनी।

----°--

करत्रभानि अधिनव अहेनाम पृष्टे शक्ष छ। ইহাতে ৩২ থানি ম্যাপ আছে। উত্যৱগুণ বাধান। স্কলবুক সোদ।ইটি , সংস্কৃত ব্যাত্তব भूखकानार्यः नर्मान स्रुत्त ও भागिताना बाफ र्या जामनं निरुत्रत्र श्रुष्ठकानरत्र भा उदा यात्र । युन्। व॥ विका।

#### **बि.मीनकशम (धाराम**। -----

২৪ পরগণার অন্তঃপাতী কোদালিয়ায় ব भवर्गरमन्त्रे माहासः कृष्ठ वाकामा भावनाना क्रम. छ। इ। फेरिया इ तमास्त्रि इर मर विष्णासम्मवाणि । गरेना कानियाद्वा गाँउन्त ए य मञ्जान किन ख्लाध्र **प्रकारकात वात्रमा कट्रम, क्रीहाद** है श्रम विभागतात्व अथान । मक्ताकत निकार छिपछि ह स्टेटल नियमानि कादशक क्टेटल भा**दि**त्यमः भद्भादत 8 हाति (अपनी कदा इडेशाइड । अथन জেণীর। ২ আটে আনা : দিতীয় খোনীৰ ১০০ ছয় আন। ভৃতীয় ও চতুর্ব জ্লেণীর 🐤 চারি আনা ছাত্রদেয় বেতন স্থির করা এবং ও বাব थानाहित छेड्मक्रम वारक्षा कता क्रहेशा क

29 C क्षिवातकामाध मन्द्र। ৪ঠামাঘ 🕽

# पुराव अकान । विक्षु भूतान ।

----; o ; ---- ---

অমুবাদও টীকা দমেত প্রভ্রেক খাও ৮ প্রা ( জাগ্রিমমূল্য ) 🖟 🕴

विभि अञ्चलकिलासी बहेटदम कि में स्थापन আমহরষ্টাটীট ৩৪ ১ নং ভবনে কাৰ প্ৰক'≠ गर्य कथना कलिकासः मन्त्रः व विभागतात्र ঞীযুক্ত জগনে।≱ন ভকালক্ষাবেব ন'মে ছ'ভ थर अत हेका चित्रम मृत्रा भागाहरवस। जिल्ल भा भाकेटल विदमस्य विष्णुभूतान अंक्रीहेबाब निष्म याहे हैं छि।

> विकशार्थ। भारत्यम त्रीह २८ मध्याही अभागम्

अञ्चान महित्वणिक देवेशारकः। अनुस रेवकूर्वनाथ एउ देशांत व्यकाणकर्छ।। १। कांभीपुक्ति वरवक। वाशानिक সংকৃত এছ। পরমহংস পরিতালক 🗃 মংসুরেশ রাচার্যাবিরচিত। ইহাতেও বালালা অসুবাদ আছে।

৮। ধাতীশিকা, দিতীয় ভাগ<sup>া</sup> শ্ৰীযুক্ত বাৰু যছুনাথ মুখোপাধ্যায় ইফার ঞ্ণরন করিয়াছেন। প্রস্বকালে ব্যতি क्रमानि चाँगेटन पार्टेटक कि खेलाटत व्यवस कशहेट इत्र, कटबालकथम शैक्टिए इक्तानि डेनाम अवर वाधक व्यवनात करवक्षि छेलकांतक চিকিৎ গাথাভূতি विषय देशांच मित्रविभिष्ठ स्देशांट्य। **अधिकांत्र बाद्याहारत (य वहन छेनकांत्रक** लाट्डित मञ्जाबना, तमकवा बना बाङ्ना । গ্রস্থকার গ্রন্থধানিকে সহজ করিবার নিমিত কথোপকথনের রীতি অবলয়ন कतिवाद्या, काराव छत्यमानिष्कि एरे-হাছে; কিন্তু এ রীতি আমাদিগের অসু त्मापिक इडेटक्ट्रह ना। क ब्रीकि व्यवनयन कराट उ ष्यानक व्यनावभाक वांका श्राटा श्री कतिएक इदेशांटह । इंशांटल व्यक्तात्रन এন্থের অবয়ব র্জিইহাছে। শক্তেটিন ও পেটোর ल्यानी এখন আর कान नारभमा। ब द्वीं ज পরিভাগ कात्रता महत्रभाषा किथित व्यानक गर्राम्य रहेउ।

৯। চওকে শিক নাটক। এখানি व्यार्थाटकमीचत्रकृष्ठ मः कृष्ठ म्थरको लिरु बाउँटकत्र अञ्चलक । अञ्चल्टनत উৎकट्य ब नाव अञ्चापटकत्र मञ्जूष ভাও লক্ষিত হইল। তিনি যে কিছু সুত্তন সন্নিৰেশ করিরাছেন, তাহা স্বয় वारी स्रेशांट्स ।

>। नकी कम#ती। **अयुक्त क्रिक्** व्ययत्र त्यन छ छ देशत तहना कतिया-

(इन। अभात विषय लहेशा शीक्छाल विकि इहेब्राइ।

. ১১। মুডন পঞ্জিকা। কোন্ধা কোন্দা নির যন্তে মুদ্রিত। @ যুক্ত বারু রনিক লাল ঠাকুরের ৰত্বে এখানি মুদ্রিত ও श्राहिक स्टेबाट्ड। देशटक मामध्यकांत्र बावका, एक विमासि निर्मा, हेको ले का हैन, नांरेरमञ्ज होञ्ज्ङ् विविध श्राम त्मान्याभी विषय निव्रतिभक्त स्रेशांट । ইহার বর্ণাদিশুদ্ধিদ র্শন সবিলেব প্রীতি-क्रब हरेल।

১২। নারীশি**কা প্রথমও বিভী**র ভাগ। ৰামাবোধিনী পত্ৰিকায় ঘেসকল বিষয় প্রচারিত হয়, ভাষা হইতে সংগ্রহ कतिया छेश मुख्यिक । প্রচারিত হই-ALCE !

#### ---!o:---शाथ ।

#### কলিকাভার ভিক্ষকগ্র:

কলিকভার মধ্যে কতকগুলি নানা শ্রেণির অ্যাচোর আছে। লোককে ঠকাইয়া जाशन जाशम डेन्द्र शुद्रव कड़ा देशकिराद উष्मिमा, अञ्चव देशामिश्यत वर्गमा कतिहाल त्वाथ रत्न, भाठकवर्ग अमुद्ध हरेदव हा ভিন্ন স্থানের লোক বিদেশীরগণ ও তরলম্ভি द्वतकता देशास्त्र प्रक्र सहस्य भार मा আমরা অণ্য নিম্নতম শ্রেনির জুয়াচোর ভিক্ क्तिरात वर्गमा कतिरङ श्राहु इहेन:म। देशक मध्या दिक्षक, देवक्षकी, ककित् नमानी अ गांधकनिगरक गना कतिए इहरव। लाक विश्व দারি দ্রতা ও জীর্ণতানিবন্ধন ভিকাকরে; কিন্তু অধি काश्म छिक्कुक भवनकाम अनग लाकः भर्का প্রকার ভিক্তকর মধ্যে বৈঞ্বগণ অধিক গোরাচাঁদের নাম করে। ইংলিগের প ছুরাচার। ইহাদিগের অলে উদর পূর্ণ হয় না । আনেকে এখানতম বিচারালয়ে অংপীল কেহ কেহ বাজারের তোলা পার; কিন্ত<sub>্</sub> করিতে আইসে। গাঁইটের গ**্লা** বয় সং পরিশ্রম কি কেইই জানে না। ইহালি করিরা ভিকা করিরা ইহার। আহার করে, গের অধিকাংশ উপনগরে বাস করে। বস্ততঃ সন্মাসীদিগের অলেবে বাবাজিনিগের মত। উপনগরের একটা স্থানই ইহাদিগের ছার। সেই দেশা, গেই আলস্য, সেই ইত্যিরসেবন।

करतः दिवक्वीस्तिभद्र भारतं कानम यदबष्टे टिकान चारह। ताबि क्र नमरत्र (कर भरना वक्षक नित्रा : वर्क कतिरहर हाहिल आर्मक देवक हरेटड निकाम हरेश बाब मा। অব্ধ ছুই এহরপান্ত ভিকা করিতে করিতে হুযোগ পাইলে চুরী ৰাটী, প্ৰত্যাগমন আহার ও অপরাক্র শ্যাত নিজা, সঞ্চার সময়ে গাঁজার ধুন অথবা ममांभान होंड ७ भश्वर वावहात हैं इंक्टिंगत দৈনিক ক ;র্য্য। ইহাদিখের শত করা ১০ জ ন এক খানি মুদ্রিত পুস্তক পাঠ করিতে প্রির না। ভিকা চাহিবামাত না দিলে পুৰাবাজিত অভিশাপ দিয়। থাকেন। देवसवीत्रां श्री श्री हा कारत । বৈক্ষণপূৰ গৃহত্বের ৰাহির ৰাটীর ঘটিটা विभव श्रीतिङ्यां करत ना, देवस्पवीमिटशत छ এ ভাৰ। ইহারা এক বিষয়ে বড় নিপ্ন। चातक शृहत्त्वः कमा ७ जी वह । मनाउन ধর্মাবলবিদিগের " পরামশে গৃহ ত্যাগ করি রা থাকেন। লক্ষ্ট পুরুষের। ইহাদিগের নিকটে নিরাল হর না যাহার নিজের ৰৌৰন ও লাবন্য নাই, সে অন্যকাহাকে জুটা: हेना मिना गण्मह<sup>े</sup>न मगश्रहि कृद्रत । आए.६४. সক্ষার পর বখন বাবাঞ্জির গাঁজা ও মনের নেবার কপোতবেতা হইয়া " প্রগাঢ় ভ জর , সহিত হরিনাম করেন, বৈক্ষবীর ভখন মংস্য ও তরকারির পরসা উপাক্তন করিতে থাকে।

क किरतता मुनलभान । कांद्रवालाम अस्ति কা শা থাকে। ইহারাও অলন; কারবলার বাটীতে ও মসজিদে আহার পার; ভিকা করিয়া যাহা পায় ভাছাতে গাঁজার ব্যয় চাল : পূর্মবালালা হইতে অনেকে ফ কর হইয়া পরিপূর্ণ। বাটীতে ইহার। দিব্য বল্প পরিধান । ইহাদিণের মধ্যে তদেকে ঔষধপ্রভূতি

৺য় সন্ন্যাসী মহাশয়দিগংকে জিজাসা হার শতকরা ৩০ টীরু সংবাদ न । भाग्रकिएशात मर्था हुई खानि শ্ৰেণি কলিক:ভাষাসী।টেৰফাৰ ৰণৰা ন্যায় ইহাদিশের চরিত্র অপ্রক্ষ্ট 🗟

া নোকান ও গৃহজ্বে বাটীটোর ইলার हा अन्य खुद की**र्डन कि आ ट्यञ्चात**ा (खाँदेभकन) াকে মত্রা মধ্যে ছুই একটী বালিকাক ভূলটেয়া ১ বি নি **ভূতি স্থানে বিক্র** করিয়া থাকে আরু এক**প্রকার গায়ক বর্দ্ধ**ান, ও शिक्षण कहत्त्र बाहित। तिमाथ, किर्डिक ভি মাৰ নামে ই**হারা প্রাভঃকালে গে**পিন্যস্ত ্বীকরতাল ভাগবা ডুক ডুকি। লইরা পান ফরে। 👸 হারা সকলেই সঙ্গতিপন্ন ব্যক্তি ; সকলে 🖹 🐉 ाप्त ३ व्याप्तद्र प्राप्त व्याष्ट्र क्योबार्यत র ও লাকলপ্রভূতির বার পোষাটবার ৰমিত ইহার। ভিকা করে। রাজধানীকে গার: ভিকাব্যতীত কথন বা লুচি ভাজে : খানে ফ্রার হয় সেখানে অনাহূচ আলোর ্রিয়া বেড়ায়। এদলে বড় অধিক সোর টে, কিন্তু সাধালতে যাঁহালিগের মিথ্যা সাক্ষ্য দিবার নিমিত্র সোকের প্রয়োজন হয়, ं काता वर्षे **इसात भिक्रों के** कत्र भिट्यत **(माका**टन া>কান করিয়া এইনকল গোগীযন্ত্রণা (क कि कि दिन भिन्न) अञ्चल्लाभ करिए। अहे গাশাগাণ কথন কথা কাটেন না। আর এচনল ভিক্তৃক একানশী স্কৃতি পর্কান वेदभू भक्ताद श्रद । अन्त जोन्नगरक कि शिष्ट नित्ये देवतृष्ट्रं याहेट्य " विलय् , द्वाप्नां किन्छ ेशानिकार मान्य भागता । जन्म का**र्ये जानाग। छनित** मा श्राटकाराना म भारत करत । देशांता व्यक्त বলে, কিন্তু রাস্তায় এত গাড়ী েন্ডা, অস্থ্য क्षम केहे मकल दा कर १०० १८ नत्र १ शास शर्भ सहत् ग

आहे कटकर्शन जिल्लक आहे। हाझारा "**र्ता डिनदारक रा**भार १३ मी ३ उसा ( हका) ারে ইংকিটোর মধ্যে বাংক্তুল লক্ত্র **ंके खेलि भ**ाँ हिंछे को है। अब | धन-(लाई खन्छ। স্থাতীরে বস্ত্র জলভার দৈ চুরির সংখ্য এতড়িয় সত্বশুলি কালক कें महा कारन 📆 : त्व आतः। है शतः हीतः वाकातः

াক নাবা ঠকাইয়া লয়। রাত্রিতে লালদীঘীপ্রভৃতি স্থানে চুরির পছা খুঁ এয় বেড়ার : শিঁধ দেওয়া শিক্ষাকরিবার পূর্বের গাঁইট কাটা ব্যবসায় শিক্ষা করে। ইহারা नाट्छ. छ्वान्सा । नकटिन मटक मटक (मोड़िग्रा যায়। হয় পায়সা নচেৎ ध्यशंत मा पिरन ইহাল ছা.ড় না **যেসকল বাবা**জি খালের বাবে সন্ধার পর হরিনাম করেন, এই শিশু खिल डॅंग्सिन**्गत्हे मखान** । **এटहा**ितिङ আর এক দল ভিক্ক ভাছে। মাতা অংবা পিংরি আন্ধ, কন্যার বিবাহ, পুত্রের উপ নয়নের ছল করিয়া **অনেক টাবা আ**য়েগা. करत । दर्कमान अक्षास्त्र तकः तकः शूकात वाः ठावा देवात निभिन्न । नात्मा दत्तत वनाम ংটি ঘর ⊲কলই হিঃর(ছে ৯ এই ভান করিয়া ভিক্ষা করে। **আ**রি ক**ুকগুলি** विलाशी जूबाठूति निर्विता विमालत ও तां । ক**িব বলিয়া চ**াঁদা সংগ্রহ করে। বারইয়া রির চাঁদা একণে অনেক কমিয়াছে; তথাপি ं म अक्षरमञ्जू क इक्छाम स्माक ो इसादित নামে আংশন আংশন টেল লবংশর স আহান করিয়ালয়, শুলিখোর ও মাতাল নি ভাস্ত অস্পতিগন হটলে চুরিও মঞ্জার পর অক্ত হিইবার ভানবাভিচেকে আর এক উপায় अवलक्ष्म करतः। ९ जी शाम इटेर्फ कृष्म ষীবাল কলিকাভায় আসি,ছেন, ভাঁহার ইহাদিগের ভারা ব্ঞিত হন। '' মহাশ্র অমার মাতার হত্য ২ইয়ছে সংকাষ্য ক্রিতে পারিতেছি না ; ব্রিয়, ভিক্না করে। ুমী হাতের সময় আগসিয়াছে, আনে উপার নাথ কিলে এই উপায় অবলম্বিত হয়। আর এক দল ভিক্ষু:কে বিমৃত হওয়া উচিত নয়। ইনারা বিষ্ণুপুর হইতে তসর বিক্রাক্রিতে আইসে। এক সঞ্জে বুলি ও শতিলা অপের ক্ষেক্ত তদরেব বোচকা शास्त्रः बञ्च । विक्रीट ह हे एउए । आंशास्त्रत চা **লও জুটিভেছে। স্বৰ্ণ ৰণিক ও ত**শ্ববায় मिश्या शहक छे**९कृत्वत** ब्राक्सिशिकः বি ,ত হওয়া ইচিত **নহে**। রস্তান করিয়া অম্নিবাদায় প্রত্যাগ্দননা কবিয়া এই মহামতিরা দন ৰাড়ী বেড়াইরা যান।

ব্যবসায়ী ভিক্সুক্দিগের कना (नांक निवंड इहेशाइइन। व्यटनटक

এই নিমিত্ত যথা ' দরিক্ত ও ত ক্ষমদিগকেও সাহায্য কাতে সক্ষ্ঠিত হন। পুলিষ गाँदेरन जिका निरंबंध ; किन्छ cbोत्रिक ব্যতীত্এ আন্ট্র অনুসারে পুলিষ অন্যত্র কাজ করিতে পারেন না। এইসকল লোককে ভিকা দেওয়া আর পাপের প্রশ্রয় দেওয়া সমান।

--:•:---

# विविधमः वाम ।

### ১२ हे क छन (भामनात्र।

२१ अ मारपद (मामध्यकारन भवर्गमके अ भगनति विन्तालय्थछार्व पूर्व पूर्व वरमर्व काथिड्रान कार्तिस्थ এक स्वतं वि.व. इत्र নাই বলিয়া যে লেখা হইয়াছে, সেটা জনবশতঃ হইয়াচে : ১৮৬৮ আবে প্রথমত: ঐ বিদ্যালয়ে व का (आर्न हम । क्षयम वरा द्वहै हाविक्रम छेडीर्न ६इँग्राट्डन ।

আবিদিনিয়ার যুক্তে নিমিত ভারতব্য भाउटकाछि है। का श्रमान वटहन। इंश्लिख हाति কোটি শোগ দিয়াক্তেন। অদ্যাপি ভিন কোটি বাক আছে এগুলি একমিল কামান বস্তুক্ वालाप (यन । माध्य (प्रत्यः) का इस्र ।

উভর পশ্চমাঞ্চলে প্রচুর রুষ্টি চওয়াতে उक्क छ। ता पहेंगा के भारतीय समितानातगरक भगः वाम निधा र अधार्षक्षमः होतात आत श्रीष्ट्राक्षम माई। नत एँडे लग्नम मिग्नत अहे तिशनकाटन যেপ্রকার চড়াতা, দুবদ শিতাও আনশীলত: প্রদান কর্যাচ্ছেন, ডার্মিস্থ ভার্কে সাধ্ तर्गः यम्। यान श्रमान कहा कर्डवरा (वर्गात्वव अवद्या कि श्रकार, जाड़ा राष्ट्रामनीय श्रवर्गस्य . हेत अकाम कता कर्यदाः

গণেশ্য ওজন ওমাপ একবিধ কনিধার बिधिक (य कमिनन इस कें) अमिराबद विराण दृष्टें व ্ৰহয় ভাৰত বধীয় গ্ৰহ্মেণ্ট মৃত্তাক ল কৰিয়াছেল। কণেল ছে, চর মত গুঠাত ভর্ शाहि । कार्यकारण माछ। (प्रदेश क्रेस्ट्री २०४ म প্রচালত ছওয়াতে এপ্রথা এখানে ও ১০নিড · \$ 7 a

মাজুৰ ভাকাইত হাৰণৰ আটে বংসৰ মেয়াৰ ধালিয়া মুক্ত হওয়াতে ক্ষেদ্ৰৰ হগ ও কয়েক জন নরালু ইউরে:প<sup>3</sup>য় ভদ্রলেকে ভা**ং**'র কোন সভ্রাজানের উপায় করিবার নিমিত্ বক্তে ইইবাকেন। এব। জিল জাতঃপর স্ব ১ইক্ত পাবে। কিন্তু এইসকল দয়ালু লোককে এমের: অন্তরোধ করতেছি, ইছারো অন্তর্য করিয়া ংকিপাকে অজেলিয়া অথবা আমেরিকাডে

शांब, त (हकी क्षांश्मनीत नटकर नारे। किछ म हिकी चाज्यत्रमां ना र्देश कटनाथशंत्रिमी र्य अजि अ नकटनत हेक्। कटलाटमन कतिएक शिल कारात প্রথম উপায় অবলয়ন আবশ্যক। সে ले भाग कि १ खेटमा शंकाती आं मानिरशंत हिन्छू वांस्ववगर्णत (मणि सांना कर्खवा। সভাদিবদে একমাত পুরাণপাঠ ও मङ्गी छ वा मलामिन क्रिया हिन्छू धर्म उका करिट्वन, धमि अक्रभ खावियां थाटकन, তাচার তুলা বিভ্রনা আর নাই। ইচা धर्महर्कात छेलार, त्रकात छेलाग्न नग्न। (मण कोल शोख विद्वाग कतिया बच्चोत উপ'য় অবলয়ন ক্রিতে হইবে। কাল खनः श्रकात हरेगाहि। य नगरम हिन्छू ধর্মের স্ফি হয়, তাহার সহিত বর্ত্তমান সময়ের তারতম্য করিলে যুগান্তর উপ-স্থিত বলিয়া বোধ হয়। যে এক ইংরাজী निका विन्छुनगोक गर्धा अरवन कति-য়াছে, ভাষা মহাবিপ্লব উপস্থিত করিয়া তুলিয়াছে। এখন অধিকাংশ লোকের मात्र खन विद्वान कतिया कार्या करि বার ইচ্ছা ও ক্ষমতা অবিষয়াছে। পুর্ব কার লোকেরা যে কথা বলিয়া গিয়া-(ছन, वल्एमाधमूबिक हहेता<sub>ल</sub> जाहाह च्यवसम् कतिहा हिल्ट इहेर्द, धर्यनकात ल्लांटकत (म मड नग्न। ध्यांनकात लाटकत चाधीनक्रण कार्या कतिबात हेण्या জিমিয়াছে। হিন্দুধর্ম অতি প্রাচীন কালের ধর্ম। তথন হিন্দুসমাজ রক্ষার্থ যেগুলি আবিশ্যক, ধর্মণংছাপকেরা त्में विश्वान किंद्रशिक्तिन। उर्थन **रमरेखिलाङ मिर्मिम डेशकांत फर्मि**श हिल। धर्यन काटलत रस् शतिर्द्ध स्ह-য়াছে: এখন দেই দেই নিয়মের অধি-कार्भ छेशकातक मा इन्हेश अशकातक হুইয়া উঠিয়াছে : যে ভোত প্ৰবলবেংগ প্রবাহিত হইতে আরম্ভ হইয়াছে, ইহার शकी भगन के तिएक (भरत के दल ए

অকৃতার ছইতে ছইবে এরপ নয়, শীজ 
অবসর ছইঃ। পড়েতে চইবে। ত্রোতের
অপুকুল সমনই বিধেয়। অত এব উল্লিখিত
সভাছাপনজানীরা বদি হিন্দুসমাজের
শোচনীয় দশা দশনি করিয়া বাস্তবিক
বিদামান ছইয়া থাকেন এবং হিন্দু নাম
রক্ষার অকপট চেন্টা জন্মিয়া থাকে.
উাহায় হিন্দু ধর্মের সংক্ষার করিয়া
ইহাকে বর্জনান সময়ের উপযোগী করিয়া তুলুন। যে যে দোষগুলি মারত্মক
রূপে উন্নতির প্রতিব্যাকতা করিতেছে.
ভাহার সংশোধনে যত্মবান হউন।

যদি বলেন, হিল্পুনর্মের কথন পরি
বর্ত হয় নাই, ইহার পরিবর্ত করিতে
গেলেই ইহার উচ্ছেদ হইবে, তাহা
বলিতে পারেন না। হিল্পু ধর্মের পূর্বা
পর ইতির্ত্ত আলোচনা করুন, বহু পরি
বর্ত লক্ষিত হইবে। প্রথম বৈদের স্থিটি
হয়। জ্ঞানকাও ও কর্মকাও, বেদের
এই সূটী প্রধান ভেদ আছে। এ উভয়ের
এক উৎপ্রতিকাল নয়। বেদের পর ময়্
প্রভৃতি স্মৃতির স্থিট হয়। হিল্পুধর্মের
কেবল এইমাত্র পরিবর্ত হইয়াছিল, এরপ
নয়। পূর্বের চাতুর্বার বিবাহ ও সমুদ্রমাত্রা
স্থীকারপ্রভৃতির নিয়ম ছিল, কলির
প্রথমে কতকগুলি পণ্ডিত একতা হইয়া
সেগুলিরাহত (১ করিয়া যান। যদি এরপ

(১) দীঘকালং বক্ষচর্যং ধারণক্ষ কম গুলোঃ ।
দেবরেণ ক্সভোৎপত্তি দন্তকরা প্রদীরতে ॥
করানামসবর্গানাং বিবাচন্চ বিজ্ঞান্তিতঃ।
আতভান্থিজ্ঞাঞ্জানাং ধর্মাযুক্তে নিহিৎসনং॥
বানপ্রস্থাজ্ঞানস্যাপি প্রবিশো বিধিনেশিতঃ।
কুত্রাধ্যার সাপেক্ষম্যসংকোচনং তথা।
প্রায়ন্তিত্তিবধানক্ষ বিপ্রাণাং মরণান্তিকং॥
দংসর্গদোরঃ পাপের মধুপর্কে প্রোক্ষাং॥
দক্তেরংসেত্বেবান্ত পুত্রেন পরিপ্রহঃ।
কুত্রের দাসগোপালক লমিত্রাজিসীরিণাং॥
ভোক্ষাংনতা গৃহত্ত্বা ভীপ্রেরাভিদ্রতঃ।
বাজ্যাণিয় দুক্রস্য ভীপ্রেরাভিদ্রতঃ।
বাজ্যাণিয় দুক্রস্য প্রভাদি কিয়াপিচ॥
ভূগু র্মার্গক্ষের বৃদ্ধান্যিরণং ভথা।
ভূগু র্মার্গক্ষের বৃদ্ধান্যিরণং ভথা।
ভূগু র্মার্গক্ষের বৃদ্ধান্যিরণং ভথা।
ভূগু র্মার্গক্ষায় ।

হার না যে হিল্ফুগর্মের সংস্থা যাইতে পারে না। অভএব সভাস্থাপনের উদ্যোগকারীদিগে উাহারা সময়ে সময়ে কভগুলি লোককে সভাস্থালে আহ্বান কি কি পরিবর্ত করা আ ভাহার পরামর্গ করিয়া সেই সেই বর্ত্ত করুন এবং আপনারা তদঃ আচরণ করুন। বিজ্ঞ ও প্রধান লে যে বাধহার করেন, ভাহা সহজে স্ব

हिस्कृतमात जा मः कात । काल त्राल महिन्द्र ना कतित्व शिम्युनगांक य भीष कान चन्न्यम थाकिटन ना, তাহা নিঃধশ্দিকরপে বোধগমা হই. তেছে। উংক্রি স্ত্রপাত ইইয়াছে। নব্য मच्छानातात व्यक्षिकारण हिन्दू ममाक মধ্যে অনেকৃতালি উন্নতির দুর্তিক্রম প্রতিবস্তাদর্শন করিয়া এ সমাজের পরিভাগে অহুরাগী হইয়াছেন। তাকের। इहात आग्रं कहन। याँ होता जाकान প্রবিষ্ট খ্টতেছেন, তাঁহারা যদি নংক্ষ্ हिन्छु नमः व शाहिटकन, त्वांचे इस हिस পরিভাগে করিভেন না। দেখিতে পা এরা याहेटलट्ड, याँशा हेर्डाकीटल कुरुविना इक्टल्ड्स, उंश्विताई वर्डमान हिन्द्रममा জের প্রতি বীতরাগ হইতেছেন। । विश भूतानभाष्ठेशनानी धवर्डन ७ मिन-লির ভয়প্রদর্শনি বারা ভাঁহাদিগকে সমাজের প্রতি অসুরক্ত করিয়া রাখ। সহজ ও সভাবিভ নয়। তাহাতে সভর অধিক তর অনিউ ঘটিয়া উঠিবে। যাঁচার मलामिनिकार्र्या अञ्च एई८४न, उँवि मिर्शा कुछविमा मस्रोतनहाइ वि

এন্ডানি লোকগুপ্ত থিং কলেরালো ২ নিবা ছকানি কর্মানি বংবস্থাপুর্মি সময়ুক্তাপি সাধুনাং প্রমানং বে मी ज़ाहेटवन महिम्मह नाहे। मनल न च मछानाक हेल्दाको निर्धिष्ठ श्रुव कतिया ताचि तम, हेहा उगरह।

-300

विश विल्डानट्यत है जाक निरंगत भारतिका भिने लाम।

্ত ২৭ এ ফেক্সেয়ারি শনিবার কলি ার বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রীক্ষোভীণ मिश्राक ध्रान्याभी व (मध्या इहे. হ। বেলা ৪ টা বাজি বামাত্র গ্রণর नहल आंगमन क्टबन, श्रामंत्रात मला विश्वविद्यालशमः ज्ञाद्य विश्वविद्यान ्रत्या उँरश्ट क ममाद्राधक दोनश्राम क्ष कामाप्रम करिएम अपरा मजान मध्य লোক প্রভাষানদারা উদ্ধার সন্ধাননা করিলেন। বিস্তব এতদেশীর ও ইউরো পীয় জীলোক সভায় আগম্ম করিয়া ছিলেন। পারিতোবিক আদত্ত হইলে ার বাইস চাক্ষেলর সিটনকার সাচ্ছের मः टक्टल विश्वविकामिटशत वार्श्वित त्वाय वर्गन करिया विलिक्षन, कुछ्यम नीय धनी ওপাঞ্জেলা শিক্ষার নিমিত্র বিস্তুপ क्षेत्र निरङ्ख्य, क्षेत्र व्यक्तिका वास्त्र াৰ্শ্য। তিনি হুত বাৰু প্ৰদল্পার ঠাক (दर नामहे श्रधानकः উल्लंश कतित्वन। গোমৰা ভুৱিখত হইলাফ এ বাব १भवेर होड माटक्टवड व**ळ्ळा अबा**ट्याना उ ४१ प्रक इस बाहे। डिनि विश्वविकाल ্রের ব্রাষ্ট্রসালর, আত্রের উপ্রার ভাপ্রাম্ভিক বিষয় পরিভাগে করিয়া काम काब विना ह

일거장 ক বহা বল উচিত ডিল विश्व वन्तान ী, লোকে যে হছার প্রতি দোবার্থাপ लाश कडनर मझक, आवाकी ात्रकृष्टित किरम अवस्मित्र इत्, ক্র লইয়া ভাঁছার ব্রুভা ছিল: শিন্ত ভাৱা লা করিয়া

অধিকাংশ সময় অভিবাহিত করেন। मत कन वारटरमा विकरित निकारिकांश ঋণী নহে। অভএব শ্রোভ্বল যে উাহার কুত এই এশং সাগান ক্লেশকর জ্ঞান করি বেম, তাঙ আশ্চ যের বিশয় নতে। সিটন काद शारह्व वक्रदननी मिविनिशानिमर्गत

७ ह्हेशार्ष्ट्र मरम्ब्साई, जनाया তিনি ইহাতে এতদেশীয়দিখের কেবল उत्तरमण्डि अ विषातकार्था मञ्जूके शांकि বার অভিপ্রায় একাশ করিতেন না। वक्त काणि नीय ଓ खेळल्यन इहेशा हिन ; किछ भगागर्छ।

वाहेन हात्नानात्त्र शत लाख (मत अवधी रक्ट उ। कविश होडमिश्वत छेर-সাহবর্ত্মন করেন। আমরা ভাঁছার বক্তা মৰে একটী আশাসনবাক্ত প্ৰবণ করিয়া পরম প্রীতিলাভ করিলাম । তিনি স্প<sup>্</sup>া करत विनिश्राह्म, विन्याणिकानिव्यान यनि हे॰ नटकुत माओका व्यक्तिक हत, তথাপি তিনি খিকাকাৰ্য ৰক্ষ করি-(वन गा। यामानिर्गत ममार्यक् थाकिरल व्यामता शहे वोका वर्गाकरत লিখিয়া कि डाम।

कात बक्की अवस्थि।

इंश्लिकींग मिल्लिवार्गत व्यक्ति अविधी অনারের প্রতিবাদ করিতে হইল। পাঠ कशन हे हेटना शीव मगाठांद खर इ दर्भाव ্রন, প্রাক্তফান দাছের রণ্ডরিসংক্রাম आध (मध्यकाति होका बाह्र तः स्कल करिशाट्या । এक क्षम अ मार्थिक दिलाइ পাইবে না, একখানি জাছাজও বিক্রয় ং বর্তমান প্রণালী উৎকুট কি অপ্রশাকরা হইবে না, কাছার বেতন কমিবে না, ধরং কভকগুলি নাধিকের বেভন রুদ্ধি করা হটবে অবচ इटेर्ड। त्रांकण विमाविष्मत outata চন্ৎকার শক্তি দর্শন করিয়া ইংল**ওী**য় ल्लारकता ता आख्लानिक स्टेर्टन, काए

ভিনি সর জন লরেজ্যের প্রশংসা করিয়া। আক্চর্ষ্যের বিষয় নহে। কেনা ইহাতে আহ্লাদিত হয় ? কিন্তু কেবল হতভাগ্য ভারতবর্ষীয়ের ইহাতে হর্ষের কারণ নাই। ইংলত্তের দৈনিক ও রণতরিদংকাম্ব ৰায়সংক্রেকর অর্থ আমাদিনের ক্ষরে ভারকেপণ করা। ভারতব্যের সচ্চ ইংলভের দেনাদল একত্রিত করিবার জ্বালায় আমরা অন্যাপি জ্বলিতেছি। জা: 5 1 গাঁৱ গৰ্বমেন্ট এই নিমিত্ত কয়ে চ খানি পূথক রণভরি করিবার এস্তাব করেন। মান্ত্রধর্গ ইহাতে সম্মতি দেন नाइ : किन्दु विशिद्याद्या. डीहाता (यमन रेमनः छ। छ। दमन, दमहे धकात वर्षकति उ ভাড়াদিবেন। কেণ্ড অব ইণ্ডিয়া বলেন, যেইমাত্র জাহাজগুলি ভারত্ব বের দীমার (ভাবত দাগরে ) আদিবে সেই অব্ধি এগুলি ভারতব্যীয় গ্রণ্মে ্টো আজোধীন ও গ্ৰণ্মেন্টকে বেতন ভাড়া প্রভৃতি দিতে হইবে। সচরা রণভবির क यह । जी महाजा (बड्न (मुख्या इत जनर्भका (व्क्न नाजिर्वा सामता (वांव कृति, চাইলভাদ সাহেৰ বণভবিদং ক্লান্ত বায় ग्राक्तात्वत्य अच्छात् कतिशार्षान, जन् मारः इंट्। इंडेर इंट्रिइ। अधि हे लखीत ক্রপ্রাতাদিগের পালে অভিন্য সুথের विनय इहेल भट्ट हाई; किन्दु स फाँडि, ভারতববেরই হটল। যেদকল काइ क शृथि दीत धना बना वर दम बर শ্লাচইবে. দেওলিকেও ভারতব্যের ऋटका निटक्कल कड़ा इड्रेटर। (बन्ध কার প্রভুত্তি হওয়া উচিত। ভাই। त्रव्हतित व्यक्षाक व्यव्य क्रमभीन इ व्यक्ति শরগবের হইবে না। তাঁহাবা ভারতবর্ণীর भव रिवर्णी निकटि माती अञ्चल श्रीकात कतिरवन मा। (यभन श्वितिक रेमनिक ও অক্ষণ্য কামান প্রভৃতি ভাত্তবয়কৈ দওয়া হয়, কতকভালে জীৰ্ণ জাহাজ দিয়াও সেইপ্রকার আমাদিণের কতক বন্ধু ভাব থাকা কঠবা। এই বন্ধু হ'ছ। ও স্থায়ী হয় এই আমার নিডান্ত বাসন।।

নিউজিলাতে -বেশকল গোরাআ ্তি নির্ত্তি হৈছি । এই গুৰ্টনা কার না কয় এনি মিজ উপনিবেশের গ বিশেষ ও তক্রতা লোকেরা স্বিশেষ ডেক্সমিতা ও স্থিক তা প্রদর্শন করি বেন, আমার এমত দ্যু বিশ্বাস আছে।

বংশবের ব্যায়ের বে ভালিকা আপমারি-গোর নিকটে দেওয়া ছইবে, ভাহাতে ব্যায় সংক্ষেপ প্রদর্শন করিবে।

আয়ারলভের অবস্থা এরপ হটরাচে ঘে এ বংসর আর হেবিয়স কার্পস আইন স্থানিত রাখিতে হইবে না, আফার এবত বিশ্বাস আছে এ

बक् डाहाल ता की बिनियादहर, बिकेनियिन क अ नश्रम् डात गडा मरनामी ड कविशोव मनरम द्यम कन वावशंत हम रुधियम् अञ्चलकान कता क खेवा, सिकेनियान करत्व अञ्चलकान हहेरव। विद्यानिका वृद्ध पिकेनिया आहेरनव छै९क स्मादन अवर आविश्वस्था प्रकाश वरमा बरखन विद्यम मौज विर्युक्त स्वाक्ष हहेरव। अ विवरम स्वाहम आविश्व डाहार महाम छात अर्मक समय उ नरिकास मागिरव। क

" আমার রিশ্বাধ আছে, এই গুলুতর রিমর বিবেচনার সময়ে আপনারা নাবতীয় নিয়ম বিশ্বাধির প্রতি মাণেরোর ছিল্লা মার্মের প্রকৃত উল্লভি লক্ষ্য করিয়া, কাজ্ম করি । বন। সকলের প্রভি স্মান বিচার করিবার নিয়ম অবসম্বন করিয়া আপনারা স্ক্রের একতা সাধন করিবান।

এত দারা ক্ষারলত্ত্ব লোকের এক ভাব দর এবং উট্টারা ক্ষাইন ও গ্রব্দেন্টের প্রতি ব্রোচিত অদ্ধা করিয়া পূর্ম্বতন বিরোধ বিক্ষাত দন, এই স্থানার ক্ষিত্রগাব। ১ বজ্বতার স্মরে ভারতবর্ধের কোন উল্লেখ করা ইয় নাই।

ল ওন ১৮ ই কেজয়ারি। রাড়ি কেবণস ল'ডদিগের চাউসে কন্সার্বেটিথ রলের অঞ শীৰ এহণ করিয়াছেন।

শৈষ ভর্নের নিষিত্ত দূতসভার অন্তঃ পুন কার অধিবেশন দুইবো

বেল জন্মনের সংবর্গনে ক্রি জল্পুরোধে ভারত।
সভাসভা লকসেবর্গের রেল প্রের প্রস্তুভ করি
বার ভার কোন করালী কোল্পানির হজে না
দিবার বিধি করাতে করালী সংবাদপ্রসমূহ
সহাজোধ প্রকাশ করিয়া মহাসভাকে এই আইন
রহিত করিতে বলিভেচ্ছেন।

করাশী গবর্ণমেন্ট এক সরসুলারন্ধারা জানা ইয়াছেন, সাধারণ ও প্রকাল্য দৈতা করিবার বিষয়ে সম্প্রতি বেদকল সুবাবহার প্রকালিত হইয়াছে, তাহা বন্ধ করা উচ্চালিগের ইক্ষা।

निर्छेदेवर्ष १४ हे (क्ष्म्यवाति। जामितिकात महाम्राज्यो त्य क्रिकी विद्यालीय शवर्ष स्व ममूद्द्र महिल मद्द्र विद्यानमा कर्त्रम क्ष्मां अक्ष्मां क्रिया महाम्राज्य क्षिया क्ष्मां क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिया क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिया क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्ष्मिय क्

লগুন ১৯ এ ফেব্রেরারি। ছুতস্ভার প্রাপ্তা বের বিষয়ে প্রীস বে উত্তর দিয়াছেন সভা ভাষা গ্রহণ করিতে বলিয়াছেন। তুরকের সহিত্পীদের বিবাদের শেষ হইল।

মুত সভার কার্য্য শেষ চওয়াতে সভা ভাল চইরাচে রণজরির আধ্যক্ষ হনষ্ঠন ইুয়াট আল বেডনে প্রিণউইচ চিকিৎসালরের আধ্যক্ষ চইরাচেন।

রাজীর বজ্জার প্রভার প্রস্থা মধ্যতা অভিনন্দন দিয়াছেন।

া ক্ষেত্র সাহেবের প্রশ্নের প্রভাবের লো নাহেব বলিলেন, ভারতবর্ণীয় গ্রন্থনেও টোলি প্রামে বলিয়াছেন, আবিসিনিয়ার যুদ্ধের নিমিত্র উহারা ৭ কোটি টাকা বাস্ত্র করেন, ইয়ার মধ্যে ৪ কোটি খোখ দেওয়া হইয়াছে।

বেলজিরনের মহাসভার কমিটি লকদেছ গের রেলজন্মে বিল গ্রাহা করিবার জন্মুরোধ করির'ছেন।

ভবলিউ, এচ, নিমথ গাহেব ওরেষ্ট মিনষ্টরের সিদ্ধ প্রভিনিধি বলিয়া সীকৃত ক্ষয়াছেন।

ঝীসের অস্ক্রান্তর পাইগ্রা উজ্জ দেশের সহিত ঝীপের সভাব পুনঃস্থাপনের ঘোষণা করিয়া দুড সভা ভল হইয়াছে। তুরস্ক ও গ্রীস ভাঁহাদিগের কথা আবন করিয়াছেন বলিয়া সভা ভাঁহাদিগকে ধনাবাদ নিয়াছেন। গ্রীসের রাজা দুওসভার প্রস্তাবে সম্মত হইয়াছেন বলিয়া রালীয় সমাট টেলিগ্রামন্থারা রালা ভর্জের নিকটে হর্ব প্রকাল করিয়াছেন।

সেনাপজি কালফোর বৈচনিক লেজেটারি আফিসের পদতগান করিরার রে প্রস্তার করেন, ভাগ প্রায়ু হয় নাই।

২০ এ কেক্যারি। রাজকুমার লিওরা লুড়ের কঠিন গীড়া হইরাছে। তান্নিভিত্ত রাজী মহাসভার এতে দুব ব্রহণ স্থানিত কৰি। তেন।

মার্চেউন্ কোম্পানির অধাক্ষ চাইল কৌজদারি সোলয়নে অপুন করা হইয়

পারিস হইতে লেখ সংবাদে প্রক করালী সংবাদপত্রসমূহে, বেলজিয়নের বুছ করিবার কথা প্রকাল করিতেছেন। তেল বেলজি সংবাদপত্র বলেন, বেলজিয়া বোধীন লাসনপ্রকালীই কুমালীদিনের জোনে করেন।

পেরা ২২ এ ক্ষেত্রছারি। খেবিনা ইইরাছে

সূত্রসভার প্রভাবে। সক্ষত হওয়াতে উব্
দেশের সহিত ভুরক্ষের বন্ধুভাব পুনরায় হইল শ্রীস এই সক্ষতি দেওয়'তে উহার বিক্ষের সকল সক্ষা হইডেছিল, স্থলভান ভাছা বন্ধ ক বার ভাজা দিয়াছেন।

ाः--गवर्गात्र विकाशनः।
वन्नद्रमीत्र तम्मेनकेभवर्दत्रतः
वादमभाष्ट्रमात्री
विद्यात्र ।

১ ই ফেব্রুরারি। ডেপুটি মাজিটেট ডেপুটি কালেটর বাবু ছগ্রানচক্স বক্সু কি দিনের নিমিত্ত বর্জমানের কমিসনরের প্রতিনি নিজা সংকারী হইবেন।

১৬ ই ফেব্রুগরি। রেবেরেও এফ, এম মাজুচেলি দার্জিলিডের সাধারণ বিদ্যালিক সভার সভা হইবেন।

১৭ ই ফেব্রুয়ারি। যত দিন ভর্লিট, কে, মণি সাহেব উপস্থিত না হন, তত দিন জ্ববি ১১ ই ফেব্রুয়ারির অপরাত্র অবধি এচ, সি, বি, সি. রেবাণ সাহেব ভাগলপুরের প্রভিনিধি মাজিটেট ও ভেপুসী কালেক্টর হইবেন।

১৮ ই ফেক্রারি। চ্ট্রপ্রামের প্রজিনি আইউ মাজিরেই ও ডেপুট কালেইর এ ডবলিউ, জার, কাউলি সাহেব ১৮৬৯ আন্দর ১৮৬৯ আন্দর ৬ জাইন অনুসারী মকক মার জাপীল প্রবন করিতে পারিবেন :

২০ এ কেব্ৰুয়ার। যত দিন জৈ, টইনবি
সাহেৰ বিদায় লইয়া অনুপস্থিত থাকিবেন তিও দিন ভেপুটী মাজিটেট ও ভেপুটী কালেট বারু হ্রকালী মুখোপাধ্যয় ভড়ক উপবিভাৱে ভার পাইয়া প্রথম জেনীর ক্ষ্মীন মাজিটেচে ক্ষম্ভা চাজন ক্রিবেন।

২২ এ ফেব্রুয়ারি। সি, জে, বৌণ সাছে:
ব্যন্ত সাহেবের অসুপস্থানকালে ক্লিকাড
প্রতিনিধি সহকারী কালেটর হইবেন।

বিচার ও রাজনীতিসংক্রাক্ত বিভাগ।

ণ ই ক্ষেত্রগারি। যত দিন তবলিউ, জার,
াহেব বিদার লইয়া জন্ত্রশাস্থত থাকিত দিন এ, কুেগার সাহেব লোহারভগার
বি পুলিব সুপরিলেটেওন্ট হইবেন।
নলি সাহেব লি, বি, বলদেশের ব্যবস্থা
ভার জনাত্র সাভা হইবেন।

যত দিন বাৰু রাধাটমাহন গোলামী বিদায় এটয়া অনুপত্তি থাকিটবন, তত দিন বাবু শত্ত আন নাগ এম এ, ও বি. এল, গোয়ালপাড়ার প্রতিনিধি মুল্লেফ হইবেন।

১৮ ই ফেব্রয়ারি। স্ব আসিটাট সার্ভন ার ধরনাথ রায় ২৯ এ নিবেছর আর্থনি ২ রা গান্ত্রারি প্রাত্ত বস্তভার দেওয়ানি চিকিৎসার। ভার পাইরাছিলেন।

জি, এচ, ক্ষে সাহেব বগুড়ার দাতবং চকিংবালয়সভার জন্যতর সভ, হইবেন।

১৯ এ क्लब्रगाति। यण मिन जानिष्टी है । क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्लिन क्ल

কাছাড়েদ সংকারী কমিসনা; কিছু দিনের নিজ শিলচারের জেলের ভার পাইবেন।

> এ কেন্দ্রারি। ডাক্সব এ, কে, রিড কিছু দিনের নিমিত্ত শিলডেব প্রতিনিধি সিবিল ার্জন হইবেন।

ষে দিবস ভবলিউ, কর্বের সংক্রের কার্যভাব তথান করিয়াছেন, সেই দিবসাব্য এ, লিবিএন াহেঁব বঙ্গপুরের প্রতিনিধি সিবিল ও সেসিয়ন জ্ঞাইইবেন।

যত দিন সি, এস, বেলাই স'তেব বিলায় ইয়া অসুপঞ্চি থাকিবেন, তাত দিন জে, ডি. যাত সাহেব রাজসাহীর প্রতিনিধি সিবিল নংস্বিদ্যা জ্ঞাহটবেন:

২০ এ পেক্রথারি। যাত দিন লেপটনাট জার, জে, টিট্যাপ্রলি স্থেচন বিদায়ে হট্য়া জন্মুপ-ক্সত থাকিবেন, ডিড নিন এ, বেলেরার সাহেব বর্জমানের প্রতিনিধি লিগ ক্সপ্রিটেণ্ডণট ট্রেন।

ৰত দিন বাবু ও । এখা এছে বিদায় এ আ**মুপস্থিত থ**ি তিত দিন বাবু গদা থা নওয়াবালিস থ<sup>া</sup> পুল্য সুপ্রি চত্তেন্ট কইবেন।

ভাষ**লিউ**, এস **ওয়েল**ন সাহেরও ভনিবি **আ**তি বজু **জুঞ ইই**টেন। নিকলৈর মুজেফ ঝারু ভগাবানচন্দ্র বেন মন্ত্রমনসিংহের প্রতিনিধি মুজেক ইটবেন।

-000-

আমানিগের মগরাস্থ সংবাদনাত। লিখিয়াছেন।

১। মুংসিদাবাদ জেলার অন্তর্গত মুবসিদা বাদ, বালুচর, আজিমগঞ্চ ও বছরমপুর নগরে জুয়াখেলা নিবারক আইন ১ লা ক্রেরারি ছইতে প্রচলিত চইবার আদেশ ইয়াছে। কিন্তু বঙ্গদেশে জুয়াখেলার অত্যন্ত প্রায়ন্তিব এখানে উক্ত আইন প্রচলিত হইতে তাল চয়

২। মফবল পুলিবের বার্দ্ধককোলীন পেক্সন কণ্ডের সন ১৮৯৮ সালের এপ্রেল মাস অবদি সেপ্টেরর মাসপর্যস্তে আরু ব্যয়ের বাল্যাসিক হিসাব প্রকাশিত হইয়াছে, ভাহাতে আয় ৪,৩৬,৩৫৪(৪) বার ১.৪ । ১৮ বালে উল্ভ ৪,৩৪৯৫ । ৬ টাকা জানা গেল।

পূর্দ্ধে কাওরাপুকু। হইতে মগরা পর্যান্ত বাল কাটিবার কথা শুনা গিয়াছিল, সংপ্রতি কাওরাপুকুর হইতে ভাষা আরম হইয়াছে।

৪ : থানা প্রলভানপুরে এক জন সব ইন ইনজ্পেটার ছিলেন। কিছু দিন হইল ওথায় আর এক জন আভিরিক্ত সব ইনজ্পেটার আসিয়া ছেন। শুনিলাম, ঐ থানা ভালিয়া আর একটা ভুতন থানা সিমুল বেভিয়াতে হইবে। এটি হত্রা আবদাক, কারণ ইহার এলেকা সমুদ্র পর্যন্তি।

৬। সংপ্রতি র**টি ইওরাতে ধানেরে পক্তে** কঞ্চিৎ উপকার দর্শিয়াছে।

৭। মগরার সন্নিহিত মর্থাদারামে একটা বালকের বল্লে অমি লাগিয়া জীবন নষ্ট হই যাতে।

৮। পদ্মপুকুরিয়া প্রামে বৌড়াকাইভির বিষয় যাচা ২ রা মবেশ্বের সোমপ্রকাশে প্রকাশ করা গিয়াছে, ভাচার আসামীরা সেসিয়ন আদালভ ১ইডে জুবির বিচারে অব্যাহ্ভি লাভ করিয়াছে। আজি কালি জুরি বাবুদের আসামিছাড়া রোগ জবিয়াছে।

৯। ভারম গুরুরবরের ডেপুটী মাজিকেট ও কালেইর জীযুক্ত বাবু হেমচন্দ্র কর মহাশন্ত এক মানের বিদার গ্রহণ করিয়াছেন। এপর্যান্ত ভারার হানে জান্য কেছ জাসিয়া উপস্থিত হন নাই।

১ - । একবে এখানকার হই এক এামে ধলাউঠা আসিয়াদশন দিতে আব্দু করি-১ । ১১। এখানকার গ্রব্ধেট র'স্তা সংক্ষার কার্য্য একণে সমাপ্ত ছইর'ছে।

১২। মগধার হাটে সরু সিদ্ধ চাউলের মণ ২০ আনা, লবল টাকায় সাজ সেব ছই চটাক, কার্ছ তিন মণ দশ সের, তৈল নর পোরা বিক্রয় হইতেছে। কেবল মংস্য ও তরকারী সন্থাপেক। সুল্ভ আছে।

মগরা ২ - এ (কজ্বুণ্রি } ১৮৬৯

আমাদিগের কোরহাটিছ সংবাদ দাতা লিখিয়াছেন।

(मारक्ष, जिन्नक्षीशकु जि वा'स स्हेश् এই छ। (सरु मधा निया (व এक) ने नान्छ। ऐ छ। कि यूट्य हिलाया शिशाटक, खन्दाता प्रभीय व चिट्न শীয় অসংখ্য লোক গমনাগমন ক ব্যা থাকে -কিন্তু ছঃখের বিশয় এই যে, সংপ্রতি ভাষা দিয়া लाटकद हमाहम अप्रांख कर्ति हहेगा देति चार्ड। जामता व्यानक मिन यातर के बालाव প্রস্থাতে অতি স্মতটে ক্রেকটী খানা দেখিয়া আসিতেটি। চুর্গলে ইচাব निक्र निया भगनाभगन कहा वस्त्र क्ट्रेक्ट्रा এতস্থারা কি গমনশীল পথবাড়ী লোকদিগের ভাজ্যের ব্যাহাত হর না ? এই অন্তবায় দুব করিবার জান্য আমরা কাছার নিকট বলিব ১ প্রকৃত পঞ্চে স্থানীয় পুলিষেরই ইহা কর: कर्डवा किन्त जामानि शत जीनगर व श्रीनव কর্মচারিগণভারা ইয়া কোন মতেই ষ্ট্রার নয় | ইহঁবা প্রায় সার্দাই এই রাজা দিয়া গভারাত করিয়া পাকেন, তথাপি যে এতং প্রতি উল্লেদিগের দুটি পতিত হয় না, বড়ই আশ্চর্যের বিষয়। প্রপেরা শুনিতে পাই. এই बामरिटेड रंगी कामरक्षां जिलिका भनी সভার সভাগণ ১০ম নিয়মালসাবে ( প্রেয়া জনাজুদাৰে সভা এামের স্বাস্থ্যবিধানাথ বাজ कीय नाकाया अक्न कतिर्वन ) मूनभीशर्मक ভেপুটী মাজিটেট বাবুর সমীপে এডদণ এক রিপোট প্রেরণ করিবেন। ভর্মাকরি বিমলা वाव द्रास्त्राव भाष इहेटल भाग्रयामा काणी हिंठी हेया पिरात कार्यप्य आंक्ष कविहा संज्ञात्यव मत्नात्रथ पूर्व कतित्रन ।

এই স্থানে একটা পোষ্ঠ আফিলের প্রয়োজ নবিধয়ে আমরা আনেক দিন যাবৎ সংবাদ পত্রে লিখিয়া আসিটেছি। কিন্তু কতৃপক কেন যে ভৎপ্রতি সনোযোগ দেন না, বলিছে পারি না। আজি কালি এতদক্ষলম্ব লো কে भुजामि (श्रुत्वं 😻 मामग्रिक 'স 'বাদপত্ৰ ও क रलव विनामि क्षांश्विविषया व एवे क्यू विश **२६८७८६। এই अक्टलंद जना (श ज**िन्द्रद একটা ভাক্ষর আছে, উহার কর্মচারিগণের मार्व यथानमाम श्रामि श्राप्त रखन्ना वाम मा এইরপ নানাবিধ অফুবিধা ও কষ্ট সহ্য করিছে ভবুবলিয়া আমরা একটা ভাক্**বরের জন**্ প্রার্থনা করিয়া আসিতেছি। এফুনে পোষ্ট व्याधिम প্রতিষ্ঠিত হইলে বিলক্ষণ আরু ছইবার मञ्जादमा । विद्नाद्य उः आध्यता अवश्र आहि, अज्ञ हरताकी विमानात्रत निकरान विना বেংনে পোতমাষ্ট্রের কর্ম করিতে সম্ভ प्यार्ट्स । अहे जाभ वहरात सुविधानरखंख यनि কর্ত্রপক্ষ ডাক্ষ্র সংস্থাপন না করেন ভাহা **ছ্ট্লে আমরা আর কি করিব ?** 

#### -----

# আমাদিগের পাবনার অন্তঃপাতি ভারেজান্ত সংবাদদাতা লিখিয়াছেনঃ—

)। এবার আমাদিনের ভারেকা ইংরাজী ষ্ণ হইতে প্রায় ৮।৯ জন ছাত্রবৃত্তি পরীক্ষা-দিতে গিখাছিল। শুনিতে পাই এক জন ছাত্র माञ छेन्द्रीर्व इहेशाइन। अहे विम्हानम इहेटक कारामा वरमत हार सम भतीकाश देवीर्व इह তেন ৷ এ বাব ক্লের কাবস্থার ড মনদ ৷ মহা नग्र! এই ऋ निर्धे हेजः श्रुत्ति भावनात्र सम्यनस् कुलमभूरहत् सरगर राज्येश हिला, राज्येल काउक ভিলি অন্যায় কারণে জ্বাসী ক্রমে ছুরবস্থানিত ষ্ট্রা পড়িয়াছে। এখন এংমে: অধিকাংশ माजवा श्रमाणात्रा माणवा मिट्ड कट्टे त्वाथ বরেন। সেক্টোরীর উচিত, ভিনি ঋুলেব ±াতি ৰিশেষ মনোধোগা বিধান করেন। নতুবা জ্বাদীর ভবিতব্য বড় মনদ। **ভাঁহার বিশেষ** বিবেচনা করা উচিত যে, যে ক্ষুলের ছাত্রের দৈনিক উপস্থিতির সংখ্যা ৮০১৯০ ছিল, সেই ऋ त्ल अथन ১२। ১৫। २॰ अन ছाত्यात किंग উপস্থিত হয় না।

২। আজি কালি গুলক্ষানা বছবিদ।লেয়েব অবস্থা উত্তম। এখন এটু বিদ্যালয়টী ভালক্ষপ চলিতেছে। শিক্ষক মহাশ্রেয়রা বিশেষ মনো যোগের সহিত কার্য্য করিয়া থাকেন, ছাত্র সংখ্যা ৪০ জনের কম নয়। বার্ষিক পরীক্ষা হইয়া গিরাছে। মহাশ্র । এ বিদ্যালয়টী ছংখী দরিদ্রসম্ভানদিগের বিদ্যালয়টোলের স্থান, ইংছে এক আনা ছই আনার অধিক বেতন

দিয়া যে পড়ে এমন ছাত্র এক জনও নাই।
আমান্ন বিশেষ প্রার্থনা এই, সেক্ষেষ্টারি মহা
আন্ন যেন বিদ্যালয়ের বেডনের হার আর অধিক
না করেন।

ত। মহাশয় ! আমাদের বাসপ্রামে আজি কালি বড় ভক্তবের ভয় ১ইয়াছে !

৪। মহালয়। পাবনা জেলায় এ বার
বড় ভাস ও পাল। খেলার ধুম। কি জেলার
প্রধান স্থান, কি মফললস্থ পাড়াগাঁ যে স্থানে
যাইবেন প্রায় সেই স্থানেই কি স্থালিকিত কি
অশিক্ষিত, সবলেই এই ক্রীড়ার অন্তরোধে
লেখাপড়া সব ছাড়িরাছেন। যাহারা স্থানীয়
লোকের আদর্শ, ভাহারাও দিন গালি আমোদে
উন্তপ্রায়। মহালয়। এতরিবন্ধন এদেশের
অল্পক্তি হইডেছে না। আমরা প্রধান প্রধান
ব্যক্তিদিগকে বিশেষরূপে অন্ত্রোগ করিতে হি,
যে ভাঁহারা এই বাসনে র্থা সময় নই না
করিয়া জীবনের সার্থক কার্যে লিপ্ত হউন।

মহাশয়! করেক দিন হইল ভারেকার নিকট বার্ত্তী মথুরানামক স্থানে করেকজন সাহেব আসিয়াছেন। মফব্দল সাহেব আসিলে যে যে কণ্ঠ কয় ভাষা সকলই হইভেচে। এখন গ্রবর্ণমেন্টের নিকট প্রার্থনা এই, সভ্র ইহারা স্থান ভাগে করন।

# আমাদিগের রঙ্গপুর কাকিনীয়াস্থ সংবাদদাতা লিখিয়াছেনঃ----

আমরা ছঃ খিত হইয়। প্রকাশ করিভেছি, গত ১৬ ই মাঘ রাত্রি এক প্রহরের সময়ে ঘোড়ামারাপ্রভৃতি স্থানে শিলার্তিও প্রবল ঝটিকা হইয়া ঐ প্রস্থানের বিস্তর ক্ষতি হইয়া গিয়াছে: শিলাবর্থণে ঐসকল স্থানের ভামাক প্রায় ভৃতীয়াংশ নই হইয়াছে। প্রবল বাড়াার ঘোড়ামারার নিকটবন্তী ত্রিজ্যোভার ঘাটে প্রায় ১০। ১৪ খান মহাজ্ঞানের নৌকা জ্লম্ম হইয়াছে।

২। শুনিয়া ছংখিত হইলাম, গত ২৩ মাঘ
অপরাই জিন ঘটকাব সময়ে রক্সপুরের সদর
স্থানে জ্মি লাগিয়া অনেকগুলি উন্দীল ও
মোক্তারের বাসা দ্য হইয়া গিরাছে। এই
অ্যাবংপাতে জ্যুত্রা ক্ষ্মিবাসীদিগের জ্মনেক
ক্ষ্তি হইবে সন্দেহ নাই।

৩। কুয়েক দিন গত হইল, কাকিনীয়া ও তুবভাগুার গবর্ণমেন্ট সাহাযাকুত বিদ্যালয় দ্যায়ের বার্ষিক পরীকা নির্মাকিত হইয়া গিয়াছে।

পরীকাস্থলে র**জ**পুর মাষ্টর বাবু চক্রমাথ ত ভদ্র লোক উপস্থিত

৪ : গত ২৪ এ মাদ

মহাশারের যতে খো

এই দিবল রক্ষপুরস্থ (

মহাশারও খোড়দৌড়
উপস্থিত ছিলেন।
হাজিদৌড়প্রস্থৃতি হ

অঞ্জগণ্য হইয়া ছিল,
কারলাভ করিয়া

क । श्वित्रा श्वाः वालकावित्रानस्य भागिक २॥ व्यः विवाद श्वतः श्वाः हेनस्थिते वात्रुका हेस्स निक्षिति स्थानाञ्जा हेस्स श्वानाञ्जा हेस्स श्वानाञ्जा

৬। ার ডি
একটা ধর্মকার এ
মারঞ্জন রাম্বর্যা
এবং স্বলাজের
সম্মত আছেন 
অর্ভ্য মানব্য
লাভ হইবে স্ব

৭। ডুবড
মোহন রার এ।
মহৎকার্য্য করি
ছেন। ডিনি
জীবনরকার্যে
বাছেন।

মান্যব্র

বা গড় : লাম, ধে ৪ঠা জাম নামক নে কেইর জা সংক্রেণ ভূতভা উপক্রেপক্র ট্ৰট তিনখানি পত্ৰ (मधिलाम अवश्क्षा मन সাহে दिवं अञ्चीन श्रमणीन कतिशाद्यन, मद्र। সকলত लहे :हर वास्टिक है वान রিতে পারিয়া একে এ विषरञ्जूत मञ्जाम १ खना श्रमार्वद भवा (ल**॰हेन न्हे** शवर्नक করি যে, তিনি এক দ্বাহ্বা গড় ৪ ঠা ' ' শিক্ষাধিভাগ " अधूनाम कर्न्डेग्री म् रहर छहेक ल ः कदिश्व दुइन अवर রবিভ্যাল করিয়া াজের প্রিসিপাল क्षेत्र इहेश्राधित, খত হয় নাই। क्षरक्ष महिम्द्रशत्र इक्ट्रेन्ड इक्ट्रे গুৰু জনপোকা রূপ সে:মপ্র কিছা বুবজান र कारलाखार ভাদত্বত 'ক্ষর'দ্রার द्ध लिभिशा

भःकः विस्

প্ত সংস্থান স

ভাৰাই য

র সংক্রি

উছা ভিনি অনুবাদ কবিয়া কর্তুপক্ষের গোচর कब्रिटिक माल्मी इंडेटवर्ग किनी? याहा इंडेक कामवा छेड़। प्रशिवाव खना मृष्ट्यनब्रुटन छेड्क ल রিপোটের প্রতি প্রতিকা করিয়া রহিলাম।

এक सन भार्रक।

মহান্য! ফৌজদারী মকদ্মোর কার্য্য বিলি পচালত হওয়া **অবধি অনেক ফুলে** সেগন আদালতে অনেক মকক্ষা জুরির ছারা বিচার চইয়। আসিতেতে । আবার সেই জুরিদের হতে এমত অদীম কমতা দেওয়া হইয়াছে যে, উ'হারা ঘটনালয়কে অংকর অভিপ্রায়ের বিপরীত নিষ্পত্তি করিতে পারেন এবং ভাহার উপর কেবল আইনসাটও প্রধানতম বিচারালয়ে জাপীল হয়, যে জাই নের (क्ष्यु वार्ष নিষ্পত্তি সেপন আদালতে জজের ছারাই হইয়া থাকে। স্তবাং জুরির নিস্তির উপর জার আপীল নাই। জুরির এইরূপ অসীম ক্ষমত। थाकार्टि इंडेक, किया जु.द निर्माচ्टनद पार्मह ছউক, আমবা দেখিতে পাই, আনেক স্থলে জুরির विष्ठादत करनक निर्द्धावी व्यक्ति मेखे शाहेग्रा थारक, फावांत्र क्ष्यविष्टगर्य करनक (मार्ये ব্যুক্তি নির্দেষ বলিয়া মুক্তিলাভ করে। এরপ যটনার প্রকৃতি কারণ অন্নক্ষান করিতে গেলে জুরিনিস্গাচনের দেখিই ইলার প্রধান কারণ বলিয়া স্থিব সিদ্ধান্ত হয়। আমারা সেই সেকেলে পুরাণ পাপী মোকোর ও অমেকিল আমীদার ও প্রামশ্বামিপ্রভৃতিকে অনেক গময় জুবির আসনে বৃদ্ধি দেখিয়াকি। ফলাশ্যু । ঘাঁটোরা মনুষ প্রকৃতির প্রীক্ষণ চইয়া বিচারাস্তে वरमन, डाँशवरनत स्तनमाँ ও श्रक्त छ इ र छन्न অতিশ্ব আবশ্যক / কিন্তু একণকার জুরিগণের কোনকূপেই 🖟 মধ্য ভেমন লোক প্রায়ই পাওয়া হার না। Gieigi, इस अने एक्काडाट्यास चर्मनांत शकु छ e e ig i b মন্ম বুনিকে পাবেন লা, না হয় আবিংকুরে দে श्रुरिय পুতরাং এমত স্থলে প্রপাতপর য়ণ হন। শুলিচাররকার উপায় ভার্ট থাকে। মহাশ্র। >4 € व्यायता छेपात वाहा लिभिजाय, हेहा व्यायापि इम्.८इ. গের কল্পনা সভাত নয় কিছে বছ দিন ধরিয়া ा या अन জুরির বিচার দেখিয়া আমরা এই অভিক্রতা म्। इंब লাভ কবিয়াছি। অভএব আমর। জুরিনির্মাচন 医多门科 ष्ठ'ल काती वाळशुक्रमस्थितक कञ्चरताम कति यः. ধে স্বালে জুরিব বিচার একেবারে চ্ভাস্ত হয় ্রবং সেই বিচারের উপর আনেক লোকের बाती दिक छात्र इत्थ अमन कि की दन गर्या छ ্ৰুপুৰ নিৰ্ভাৰ কৰিতেছে, এমত স্থলে ভাঁহাৰা

ষেন যথার্থ ফুডবিন্ন, নিঃস্বার্থ ধন্দ্রপরায়ণ লোক দেখিয়া জুরি মনোনীত করেন। জুরির দোবে कामामिरभत न्याप्रभव भवन्यमानेत प्रतिवादन **উপর সাধারণের অল্ডাক্রানা হয়।** 

১२१६ मान द्वीरिक्लागन, व रङ् । २१ श्रे भाष

मक'लग्न २१ अ मार्कत (मामधकारलन ২০৭ পুঞ্চার ভূতীয় স্তম্ম হইটে " 🕮 বিং " স্বাক্ষরিত ন পত্রধানি লিখিত হইয়াছে, ভছুপ कः क निम्नविष्ठ यक्तवा ऐश्राष्ट्र हहेन, প্রকাশ করিয়া বাধিত করিবেন।

পত্রপ্রেক অতি প্রধান বিষয় লক্ষ্য করিয়া অমত প্রকাশ করিয়াছেন > কিন্তু ২। ১ টী প্রয়ো खनीय कॅथा वर्णन नाहै। अवर्गरमण्डे (मनीय সংবাদপদ্রের কথা শুনিভেছেন, উধার মনো যোগাই স্থাদসকলের জন: সংহেব জনুবাদক নিযুক্ত করিয়াছেন এবং ভাষাতে উপকার 🕬 (ए.इ. नक्सहें न एड़) विश्व वीक्रांटा कार्राह्य त এই অভুনেয়োমাখ গোরিব অস্তমিত হইবার এবং উহাকয় জন বাঙ্গালীর আবার্গদিভাগ ঘ'ব বলিয়া পরিচিত হইবার উপক্রম হইয়াছে এবং এই অনিষ্টমূলের व्यभिकारम, काशक्रकार्यक्र নিহিত আছে, বিশেষরণে ভাগার উল্লেখ कादम माहे । ( क्वम कायुक सम जनवाममा छोत् উপর কিঞ্চিং দোষারোপ করিয়াই নির্ভ হই-म्राट्डम ।

প্রপ্রেরক ট জন্ধপ অনিষ্ঠের ছুটী কাবণ নিক্ষেপ করিয়াছেন। ১ ম কেনে কেনে সংবাদ मा**खात मरवाम** मिथा। এवर काँ उनर्रम (म'रस দুখিত : ২ মু বাঙ্গালা কাগতে লিখিড বিষয়ের অস্তুসন্ধানের ভার যেসকল কর্ম্মচারীর উপর আপিত হয়, ভাহাদিগের আলস্যও উদাস।। क्र धृत्रीहे क्रिक कथा, हेर्डएख अधिक वक्कता नाहे। किन्छ किन्छ। मा क्रेटिक शादा था, अ ऋटन मण्या-मक महाभारताता कि मण्यूर्व निरम्ताव ? छैं। हारा च च काशरक्षत्र (शोत्रवत्रकः । ७ উष्ट्रिमानाधमात्रा विषास मृह्यां उच्च शांकरल कि अज्ञल समिष्टित সম্ভারনা আছে ? কাগড়ের উর্তি অনুরতি শৃষ্পাদক, লেখক, সংবাদদাতা, পত্রপ্রেরকপ্র-ভৃতি সকলের উপবই নির্ভন্ন করে বিদ্র আবার ঐসকলের উৎকর্ষাপকর্ষ একমাত্র সম্পা দকের উপরই নির্ভর করিয়া থাকে। তিনি যদি ঐ সকলের নির্মাচনে জাতানা হন, বোধ ধ্য়, উল্লিখিডরূপ জনিষ্টের কোন সভাবনা

थारक मः। ज्याक्की श्लवाशी विश्वनामी दश्टन পশ্চ ৎবতীর অপরাধ (ক ? হাঙ্গালা কাগতে র গৌরবহানির জারও শ্রনক কারণ আছে। खबार्थः मण्लोकस्थारभव महत्रत करेवर्थः এवर खास (लाटक्द्र काजन भारते छा।मीनः अहे छ्हेनी প্রধান। আম্রা কোন কোন সম্পানককে। আল দিনের মধ্যে এ০ট বিষয়ে ভিন্ন ভিন্ন মত প্রাণাশ করতে দেখলাছে। মাঁহার। ইং । জী काशक भारत कारण भारतम धनर कर न. एँ। हाला वाम ला का का विष्यु कि हु भुदक्त मा विलिधा উङ्ग्रह अमाङ्ग क देशा थाएकमा अ**ञ्चल देशा**ल विलिए इस्र थ. यिन अ वाङ्गः शा का चाइज्जूत (माय আছে, তথা পি কাছ রা উহাকে যত ভাক্তির করিয়া থাকেন, বর্তমান বাদোরা কলার ভাত ছে আছিল বেসামনী নচে চকুলান ব্যক্তি দুঝি নাথাকিলেও কোন বিষয় সহায়থ নিধ-भाष्ट्रक्षमा। कत्त्रयं केत्र प्रात्तक (১) त्राप्रह টি চল্লেই মহায়ুক জল, সাংভালে জইয়া যায়।

य निकाशास्त्रव कालवद्य र एवं स्था. प्रव्याम ्तर काञ्चल मधा यात्र, वः कितिर्नर्भव विद्राध ভাজন হইতে হয়, তবু আহিকের অস্তেশন स्टार्स दिश्राकु विषया। **अन्तरात आस्याना करा** ্ধান্তনীয় বিষয়ত্বা কাগজ পুরিত করা ক্রন্ত किन । आंक्ट्रकत धन स्थिति त्रमा, समाय सम्बद्ध িছ সম্পাদকের লেখনী হইছেও আনেক আপ্র ুগুজনীয় কথা নিগতি হইতে দেখা যায়: সংবাদশুরের অংশীনভারূপ সৌভাগা যাগ क् । सर्म्य अ अम्ति। अ सा अ कि बिराड आर्य में में ৰাজালীৱা ইহাৰ হাগ ঠ ভাষা প্ৰাপ্ত ফুট্যু'-ছেন। অভএব যাকাতে উক্ত আধীনভাৰণ रिङ्क्त :वराष्ट्रत काश्वरत्व अप्तर्व मा असू, वाकाली भग्भाः फ्रक्सां (ज्ञवहें (भ्राविगः प्र MEASTER ST इन्द्री के हुन ।

मा १ १ किया त' स्थापा का भारतकत भारत । मा मारा काल क्षत्राचा अस्य का प्रकास का अस्ति। इ.ह ভ্রা বিশেষ করিয়া ধলিতেছি ভিটোধার লেভ 《帝国 医含化物医肾色 经 医通信数据参考 数目报表 由中 कड़ांकि ६ सथा है क नष्टे छन्। बाल, क त

( ६ ) ह 😼 १०वर्षास्थाः । छ प्रद्राध्यास्थाः । १८५८, अने सम् १६८ल गांक करः। ফ্লিডিম্প ব দিংবাদ প্রেরণ করেন, সংস্কেক मञ्जूर प्रमेशः (कङ्क किर्द्धाः भारतम् मा । मण्याः দক যাদ এব বাব একপ্রকার মাত প্রকাশ ব্যিয়া পশ্চাৎ জ্ঞানার আ স্তিবুনিশ্রে পারিয়া বিশ্রন্ধ भाक क्षकाल करत्रम, खाष्ट्र(लाटबर मा स्ट्रेग्री क्ष<sup>र्</sup>न ब्रहेस्य । म ।

টোন আডঃপ্র উংল্লেগকে বিশেষতঃ আপু ল<sub>ু</sub> য়ার সংবাদদাভ কে সভক ক:িয়া দিবেন !

প্রর টাকা বেভন্তেগী এক বাঙ্গালা ऋ लात भिष्ठित छ। इक्षरभाषः अक्षेत्र कनः। ক্রেড়ে করিয়া ছ টা শেশুসভানের সভিত বেলা চারিটার সমর গৃহপ্রাঞ্গে উপঞ্জিত !

लिख्या (मर्गान्त) ७ (भाषात्र्री! এই রক্ষুর টুকু পেলে বড় শ ভকরবে যে, াক शाय (मृत्वा ? .कन छुई मामात्मत शाहात वातत (मन्द कर्ष कांक्र मिनि?

মাজাঃ (স্বিধানে) শ্র ক'দিব নে वावा ! এই श्रक्टल, वटन । त्वथं (विकि (कार निरम्भक्त्यम वटन क्रिमन क्रति। स्टाप्टम । स्थाउन ग्रामक ल हर्ष हिन

(का. रे) । मा ! लाटनहत्त्व छितात (कमम शाहर कामा, भारत कामा, तांछ। जुर हो, म'हांब है भ ভাজাৰ শীভ হে'ক না কেন, একটও শীত लाइल मा । आधारमत धन १४३ तकम किस्म দিদ্, ভবে পায়, মাডায়, গায়, কোথাও জার भी खनारुश को।

করিষ্ঠা (শুনিয়া উক্তাস্থরে ) মা ! আমার भारतन कामा शासा कृष्ण (न ब क। बर्स ((রাদন ও ধুলায় পতন।)

মা। (সংবাদনে ) ওঠু বাবা ফুরেশ ! ওঠ আর (কাঁদেশনা, জ্ঞাক সিকো আহ্রেক, শোমার भाषामा जात ताला खटला अति। मा कटन स्टिन मिट्ड वन्दर।।

(ছে<mark>.৯) ( অঞ্</mark>লপ্তান্ত পরিয়া) মা क्षाद क्राराउ क्षम्बिकारङ विवास क्रिया দল বিগাবল বি

मा । भेरा वन्द्र । देव 3175 का क्रुक, प्रकारमञ्ज्ञास क्षारमा है आहम तलहते । এট সমায়ে স্বাহটাতে সহসা পণ্ড-ভের উপ ক ড।

ल । ( श्रृंबनीत्क (ब्राप्तन को ६० ८० ४ 自"你!"那样伤户

পু ( সুখেনে ) আবে কি হক্ষে ' আমাৰ ষ(ডাড্ডেড স্বিমুণ্ড ডাজে 'এটোচে ভাত্রি

প কেনলি ইয়েছে? ছেলে ধুলায় শড়ে की । कहा कब १ उर्रे वादा इस्ट्रहुमा ५ हे। अध्यस भ र्भाष्त्र पर्ष् के भि ह किन विविध छहे। छहरता रकत्र इंटलंडा कि व्यवस्य मानास<u>्व</u>र्ष्ट्रक् कर्रीटन ? वाका छत्र।

স্থা জাগে ভাষার উনোব মত পালান।

वाका खुट्डा वाका (मात्रहे अस्म (मज कत्व केटेरवा अ अ। विलया के⊅ः वर्द (तामन

श्रा के बाब, आभि मान करत दिन (व, अ চাকরী ছেড়ে দাও। এই দেশ কাল । পুনর টাকার আর কি চলে। শন্তুরের মুখে চাই দিয়ে ছঙ্গী (कटल अक्की स्काटलव स्वरंश, बुटका ना खंकी ছুম এক জন, অসমি এক জন, ও ক টাকায় আন কে খেতে কুলোয় না পতে কুলোয়। মেয়েটা ভ পেট ভারে ছদ না খেতে পেয়ে যান। দছ। গাচী হইয়ে গেচে ৷ বেদ্ধ শাশুড়ি ঠাকুলন বার ব্রেছোর প্রস্টা আস্টা দান কতে চান্ট छ। न सक्त मास्त्री व्यटि है कि कटवन , श्र है। स টানি, প্রদায়ও কু বৈছি না বিভেও পারি নে। এই याच भारतः भी छ। (इरतक त समित नकारत वाकान भोरङ होही काव । छान का। (था छ ३ वाह्र मा विद्वा वाह्य मा । (त.ज मकार्य (क्रम् भाषक भारत भाष्ट्रेमारल (गरंक कोर्रामा क्यांत স্মাৰ্ড এপ্ৰ স্থা এক বৃত্তি সোনা কুপো श क्षि है है हमा जा मा अहे ए छ। १० वरमंत्र भटव চাকরী কচেচা, টক ভ আর এক প্রসঃও ব'ড়ক ना। अठाकती (कर्ष मांड. अराज এइ छाएना व्यात का,भारतत थे एक। यत, कोल्यान मन युक्रत

भ : छ श्री : कि व ल न, अभन नका स्वत अप-(भो) रतत हाकती कि इंग्ड क्यांक्ट्र अहे > কাল্পুনের পরিকায় এড়কেশ্ব কেক্ছে मन्नानक मश्राम्य निर्माहन য়াৰ মুক্তু নির পুল আপেক। গৌরবের জাত থামর৷ ব্যলকে বালিকাগণকে কুলিকা৷ দিধ ৰীর **ভাবী ম**সংলোগীজ রোপা ক হামড়াভাতে ভিলে থেয়ে है, 6%। अधिम गः कारताव च न आधिता (বুর নাম্য এখন চাব্ টা विभिन्न १ स मधाप है। इस मा है। भी छि । भी छो । (1975회기) 1974 회 선생, 전 『주현 역 홍, 《개념소 की, तक स्मिति हर समान देश के में में हैं हैं कि भाभारतत वृष्यः भक्ष्यान्ती , अक्ष्यं ने मनवहै (क्रिक् ब्रह्म रक्ष्याच (श्रादेशके भाष्युं) एक ब्रह्म नहीं वे विकार किङ्ग .का छ धनः न कि हा दि ल ভারাজনের পারে । এরশারত ৬০০ 伊柯 审"州州"商(广)(月4年) 下水 আংলাক্ষাকরিয়া পাও্সার স্থার স্থান আর্চ্চ काक(है) युं कि अ अ । ा. त. क ठक्काक(अव्यक्त : নিস্পার্কার এই (গ্রারে এ তাপেষ্কে ন্র্ ल्लामेषु खद्धांव लिथित प्रकाटक । खुना क (इन : : नाम निक्किरिशन व स्महिक्त

নশকেতাও একপ্রকার প্রতিপন্ন করিয়ারেন।
তিনি বলেন, ' শিক্ষক দিনের বেতনর জি
১ইলে বাবুলিরি বাড়িবে নাবুলিরি বাড়িলে
১ গুলেতর কাজ ভালরপে লপেন হইবে না ম
শুনলি হাবী আদপেনা খেরে ছেড়া কাপড় শেলাই বলে পরে এ কাজে শতে হয়। এ গৌর
বের কাজা!! প্রশংসা ও ধর্মাই ইহার এক্মাত্র

ছ । ভাল, যিনি লিখেছেন, ভিনি কি কাজ কলেন?

প। শিকা**বিভাগের এক রকম** কঠা বল্লেইংয়।

🤫 । তিনি ক্ত মাইনে পান ?

প। বোধ করি এখন মাসিক ছয় শত ইটেলেকচুয়াল ও টাকা বৈতন পান।

শিঃশ্চালনপূর্বাক। ছ' উ-উ।! তিনি তবে লিখতে পারেন। ভাল এক বারেই কৈ ভার ঐ মাইনে হয়েচে?

প। না, প্রথমে ভিনি এক সামান স্ক্ল কবে হদ্দ বিশ চাল্লশ টাক। মাসিক পেছেন স বেনৈ হই শ, ভিন শ, করে এখন ঐ বেছন পান। খা ভাল, ভাঁদের ন্যায় ভোষাদের মাইনে পোর বাড়ল না বেন ? আর ভিনি যে এছ বিধা মাইনে পান ভাঁর কি বাবুলিরি নাই? প। ভিনি বড় লোক, ইংরাজী বিদ্যা ল জানেন, ভাঁর কভ স্তুখাভি, ভাঁর মাইনে বার ভাবনা কি? আর বাবু গিরির বিষয় ব জানি না, বোধ হয় না থাকভে পাবে।

ং একথা আমি ক্লেনি। তিনিই কালের ্গ লাক, নিজ বুজবলেই, মাইনে বাড়িয়ে নয়েচিমা আবি যার এত টাকা মাইনে অবশাই ভীব মেগের হাডে সোধার বাউনী, ক্লিডাকাই সাড়ী আটি পৌরে প্রেন। বাবুও ধাল গোল লাগায় দেন। চাক্রে ভেল মাখায়ে দায়, কল ক্লিয়ে দেয়।

প্ৰ, ম'ক ডাডে হুঃখিত হও 🕧

য়। বালাই তা ক্রোকেন । ভেগমান গাদের যত দিয়েচেন, তাঁরা জন্ম জন্ম ভাই ভাগ করুন। তিবে কি না ভোগর, ম দেশের মজল ক্লিচ মজল কাচ্চ শ বলে বেড়াও। দিকে ভোমাদের মাগ চলে থেতে পার না। গাই বলি।

ছর হোক ও কথায় আমাদের ক'ল ন ই। ংখন ডুমি পা ধে!য়। কাপড় ছাড়, একচ চল খনাও।

খা। ই। দিই, তুমি এখন স্থার ছেলেপিত।

मारत विषय (अरका ना, उपनत निष्य घटनत मार्या या.च ( अरू विनया श्रम्मार्या श्रम्मा । )

८ हे क छन े वाकाला चिक्रकतः।

---608---

জনাল সাহেবের ফুরী রাজেও জ্বল জনাৎ অবৈভনিক দরিদ্র বিদ্যা লয়েব পারিভোষিক বিভরণ।

हें त च । गवर्षा के नाहा शकुर जात नाद .वव अटेवङ निक महिल विम्हालट्स २० এ। स्मर्क য়াবি শনিবারে পারিজোযিক বিভরিত ১ইয়াছে किकिक शत उहे दृह প্রকার পারিভো: ধক বিভরণ হয় ৷ খদ্ধারা মান দক উন্নতি সাধিত হয় ভাষাই ইন্টেল क्रमांत धाइँछ, जार्थ र शुक्तक । यांशा मादीविक পুষ্টিবিদায়ক ভাহাই বিজিক্যাল, ভার্যাৎ সুখাদ্য দ্র। কি.ভিকাল ছই প্রকার, স্বাভাবিক ও কৃত্রিম। অ'ভাবিক অর্থাৎ ফল মূল। কৃত্রিম অর্থাৎ ময়বার দোকানের সুমিষ্ট সাম্প্রী। পারিভোষিক বিভরণদিবলে মিস নাইট, বেটি भाम नारकत, बारम छ ऋ लात अभिदिरण एथ छ এবং ইউসফুল আটন স্কুলের প্রতিনিধি প্রিলি পল বাবু ছারকনোথ সিংছ ও প্রধান সংস্কৃত শিক্ষক বাৰু জ্বংগোপোল সরকারপ্রভৃতি অংনকে উপস্থিত ছিলেন।

শাখারিটোলা ২২ এ ফেব্রুয়ারি ১৮১৯ এক জন দর্শক

## म्लायां थि।

की गुष्क तागरामन कर करेक 7.0 " वि"न विश्वाद्यः छक्ने कार्यः स्ट्रांड » ष'तकानाथ मिलक भटरालकाका " कुछारिणाडी रस् है। निश्न ٠. ৯ পূর্ণচক্র রায় যশো**হর** 7 0 " नीमर्गाभान गल्म वाउत्रामी 70 ऋषं क्षात तथ कोषु की वाहरेशुक्र दा। 🍍 🗚 जिक्लाल दोग्र नगर् ही ৬৸ 📍 लामद्स्ह्रीहर स्टब्स्स्लाभाषात्र कामी ১७ » কালীচরণ রায় চৌপীড়া क्याञ्चलिन काश्यम हो होती 94 মংশাদী হামেদ লাভপুর 70 ভ রতব্যীয় সূত্রা

वात्रकात का न ताथनगर

70

# সোমপ্রকালসংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

জারিগ মূল। ও ডাকমাস্থল না পাইলে মক-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইংব অগ্রিম মূল্য বার্ষক ১০ টাকা এবং বাল্যাসিক ৫॥। টাকা। মফপলে ভাকমাক্রন সমেত কার্ষক ১৩, বাল্যাসিক ৭ এবং তৈরমান্সক ০৮০। তিন মাসের ক্রনে অগ্রেম মূল্য এইণ করা যায় না। ছন্তি, বরাতি চিটি, মনি-অর্ডর, নোট ও স্থাম্প টিকিট, ইহার অন্যতর যাহাতে বাহার ক্রবিধা হয়, তিনি সেই উপাই দারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

योशता क्षेण्णिकिके लाक्षेत्रका, क्षेत्रिका रमन अने अथना आम आनात अभिन भूरताह उत्तरीरमंत्र किंकिके (श्रद्धन ना करतन।

ষথন ঘিনি মফল্মল হইতে লোমপ্রকালের মূল্য পাঠাইবেন, তাহা যেন রেজিস্টরি করিয়া শ্রীযুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-ইয়া দেন।

बौशंपिएशत मृन्य पिवात नमप्त काछी छ १ हे हा कांत्रित, अक्सानशृद्ध हो हो पिश्ति हो है निक्षित्र छानान बाहेर्द, कांन काठी छ १ हे हा भारत छ अक वात हि छै लिथा १ हेर्द, छाहात भव अक्सानकांन अछीका कतिहा कांश्र वस देश गाहेर्द । . नय बारतत भा द्वाति भारति ।

মাতলা রেলওছের সোণাপুর ষ্টেসনের ডাক গরে চিটি আইলে জামর। নীজ পাইব।

যাঁ হারা মাজুল না দিল্লা প্রাদি প্রেরণ করি বেন, ভাঁহাদিগের সেই প্রাদি এছণ করা যাইবে নাঃ

কেং সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইছে।
চরিলে তাঁহাকে প্রথম ভিন বার প্রতি পংক্তি।
আনা ভাষার পর /১০ আনা দিতে হইবে।
যেনি অদিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইন্ডা করিবেন, তাহার সহিতে শত্র বন্দোবন্ত হইবে।

এই এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পুরা মাডলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্ট্রেসনের দক্ষিণ চালভিপোতার শ্রীযুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যা-ভূধণের বালীতে প্রক্রিসোমনার প্রাক্তকাক্ষে গ্রকাশিত হয়।

# প্রেসিত। यानाँदा चियुक्त सामध्यकाममणानक महाभग्न मगीत्रम्।

মहालश्र ! शक शाच भारतत । नव गांग्रक निव भावद्या क अञ्चल वार्तिनवंश वहेद्र एक । एक्प्राक्ष अक मिनम् कि कर वारशम विकास विकास इडेग्राडिस । कुषरकता "यम वर्ष मार्चर भाष, পন্রেজার পুণ ্রেশ, ১ এই প্রার স্করের कोद्रशा क्षात '' किशाखन सबस्टद्रन क छाप्रस कानका क देए हिंगा। (व प्रिक्त वाकत इप्र. ংগই দেন কুমারপুরনামক ক্যায়েল নিকট এক সং ক্ষু বাড় এবং কৃষ্টিডে অবসর টুট্য়া প্র'ণ निमर्क्षेत्र क देशाँए है।

कारहाबात स्ट्रांशन (एतु है बाक्टिकेटे. কালেট্র এবং স্ব রে জিষ্টার জীগ্তে বাবু কালি मान मार्ख नि. ब. नि. बज्द, मानवान का छ। ही কৰিতে বহিগত হইয়াছেন। ইহার মধ্য কর্ম ৮০৯, সংস্কৃত্বে এবং বিলোধসাতী আমের গ্রক দেখতে পাইনা। এই মফকার ভাষণ সময়ে ই ন যে কেবল মকদন্যাব রিয়ে লিখিয়াই लकाय जापालक का। इंडेल अक्रप छार्यक, क्षाः। तथः, इंक, दम्(त श्रू लाख्य कर्मा, श्रीविधर्णन, ं भना को है। है। साक्षानभारतव वाहें थांडी পরীক্ষা এবং পাশ্ববন্ধী এ:মগুলিব রাস্তা ঘাট তদার্কপ্রভূত সমস্ত কার্যট়ে সরং করিয়া থাকেন। ইহ'রই প্রসাদে প্রজ্পাহ তা'মের भरुरभात्र प विकास शुन्ककी विक व्हेप्राटि । জ্ঞানীশ্বস্থীপৈ প্রাণনা ইনি এই স্থানে দীঘ काल क्याप्ती क्षेत्रा प्रान्ति (क्षण्यापन कडिए)

हेश्वाकी ना कलंबात माधूम माधुमके नहा। ভাক্ততঃ ই-বাজীতে ছুই চারিটা গালাগালি নিপিরা রাখা অধুনাতন সভাভার অস হইয়া উঠিয়াছে কলভঃ ই বাজী দিখেয়া কল বি क्वराखर् । अधिकाशम खुरलके (मधिराव भीखर्) যায় যে সুরপোন, আজ্মাজিমান, দেশহিটেড্যী रिलिया পরিচয় দিয়া পাপতরকে দেশকে নিম क्छुम नत्र ह डेहार्ड क्सा। ''मिश्रा क्या बिन्द ? কিন্তু কেই ভাষার প্রতিবাদ কবিতে পাইবে না" এই একটা সংস্ক'ৰ জ্ববিদ্বা বিদ্বাহ্য। সংবাদ भहुत (मधः हाडे (कार्य रिष्ठा: श्रकां करि । ভেট চছ/বে ) অথ্য লিখিবার বিষয় নাই : স্তুতরংং মিথ্যা একটা যাহা ইক্ষা লিখিয়া পাঠ' इंशाम। आर्थान श्रीखराम क्रियान, शुक्कात ।

कात्राम विभागाय ''कि कान खाई! अक्षेडिंड क्हेंट्रेट इय़ ! » अहें कांब्र्ड वे बना प्रमा अफ चूं ना इहेचा **উঠিতেছেন। এই हে**তুই প্রতীরমান इंहेर् ७८५ (स 'ृकालेम् र कूष्टिलः आष्ठि मे अन्य व्यक्ति । प्रस्कानि । व्हेस । प्राप्तिर ट्रहा একাস্ত সভ্য।

१४ के कांघ छन्। ভার্নিদ্রাত 🏝 कार अक्षा भगे भवाभी।

महाभारा (नशुफ काश्वरमत सारकत कि সৌভাগা ! যে আসেমরট শিবপুরে আসেম করিতে আসিয়াছিলেন, ডিনি বেলুড় অঞ্চলেত আদেদ করেন। তথার যাঁছাদিগের বাটীর উপ জন্যায় হাবে কর নির্দ্ধারিত হইয়াছিল উাহাবং । বিচাবের জন; মিউনিসিপাল চেয়ারমানেক নিকট আ'বেদন করিলে উাহ'দিরের সৌভাগা क्रा विवादिन वरण श्रावकात काञ्चादित स्थापार्थः ম'জেটেট টটনহাম সাহেৰ চেমারমান হন ও বাবু গিবিশ্চতে 'যাল, বাবু কেল'ব্নাথ ভট্টাচার্যা এ বাৰু কৃষ্ণচন্ত্ৰ বায় (ডেপুটি মাজিকেট) এই কএ গ ভন সূত্যাগা কৃত বিদ্যাবংকি কমিসনর হট্যা ছিলেন। শুনিলাম ভক্তভা ব্যক্তিদিগের পঞ্চ বথার্য সুবিচাব হইয়াছে। ছরদৃষ্টক্রেমে আমাদি लिट्यात आकारलेत विष्यातिकत्म हिन्स्याम गांटक्ट (हधावमान हिटलन मा । स्वामानिद्यात विद्यहमा इयु स. उन्किम्बर्गन यनि व्यामानिर शत লর্থাংশুর বিচারার্ণ আসীন ছইডেন, তাহু: इडेटल आधानिरशत्रु आरफर शर दियम शांकि छ না। ধারা হউক আমারা সকলে উক্ত মাজিঃ-্টেট সাচেবের নিকট পুনক্ষিচানের জার্থনায় भवानम् । '' कालम् कूलिला क' छ । " अक्षरः । आरत्यम्य कतिय मक्क कतियाद्वि । एका याउँके । २५ (क्लिश्रांति শ্. চ, মঞ্জুডয়

खनाई बाद्य भवनंद्रमें ना श्वास्कृष्ठ अकृष्ठि इन्दाक्षी 🗴 अकृषि वज वहें विवस विमाशिश ब्बाइ । भार्रकशन जना इंट्याओं विमानश्रीत বিষরণ পাঠ করুন। বঙ্গবিদ্যালয়সীর বিষয়, সম য়ানুসারে আপনাদিগকে অবগত করাইব। इत्वाकी विमान्त्रशीव नाम क्रमाहे छ। विश के ला। বোদ করি, আপনারা অনেকেট ইছ'র নায শুনিয়া পাকিবেন : কেন নং এক সন্তয় ইংগ্র धनः होते उन्हें कृषि वीव बाबा द्वास परिवार शंकदि म्राष्ट्रित किष्कु এकर्ष प्रहे त्रीतर्छव विद्यान শ্বপ গালাগালি খাইলেন। বন্ধবান্ধৰ জিজাসা হু সে হইয়া আসিয়াছে। আমাদিগের

্লাকের অধ্যবসায় ও উৎসাহ চি খাকেনা; ক্রমশই ভারার : <del>`ঋটেদে। ডৎসংফ বিদ্যালয়ট</del>ীর ৰ্চায় যাৰভীয় গ্ৰৰ্থমেণ্ট সাহায্যকু<sup>ু</sup>

ুমবে, প্রধান বলিয়া পরিগণিত হইত। এফর .বাধ করি। সর্বাপেক,। নিস্কৃতী হইগুছে। বিদ; लक्ष्णीत वर्षमान व्यवद्या (मधिएल मन এएकदार क्यभात-प्रःथमाभरव सिमग्न रहेवा याव । बारम লোক হইতে পুনরায় যে এটে উন্তিশী उपनकी इन्न, अभेक क्षेत्र (गर्गा, कर्ना पांत्र नर কারণ ভাঁহাতের যদি সেই ইক্ছাই থাকিতে काहा रहेरल अञ्चल ध्वतक है या घडिरद क्रम এক্লেমহাশ্যের জগমান। পত্রিকার ইহা विषय किছ लिशिटन (मोजाशकारम यने अब মেটের নয়নপথে নিপ্তিত হয় এবং তাঁহা যদি পুনরায় ইহার প্রতি কুপাদুটি কবেন, ভা क्हेरल हेराव विद्रमन फ्रेबांड क्हेर्ट म्हल्स् नार्ग এই ভ্রসায় ইহার বিষয় লি:খতে অল্য সেখ ধারণ করিলাম। আমন্ত কভিপন্ন জন্ম ও ধনা। ব্যক্তির ঘত্নে ও উৎসাহে বিশেষতঃ মৃত মহা বেখুন মাহেবের পরেরাপ কারিত। এবং প্রয়ে হিতৈষিভাগুৰে ইংরাজী ১৮৫০ অন্দেবি৷ লয়তী প্রতিষ্ঠিত হয়। কলতঃ পুর্বোজ্ঞ সাথে मरहानग्रहे हेहात सर्विक्षाः । हेहात हाजनः বড় সল্ল নহে, অসুন জিন শৃত ইইবে। ই मानिक न्युष्ट अधिक इहेन्न शास्त्र। लि क्त्रानी, माली अवर धात्रवाना जित्र (क्छ ভিতে মাদে ভুনোধিক চারি শভ চ, बाय रहा। पूर्वि जनर्गाम के मानिक कक টাক। প্রদান করিতেন, একণে ফুডন ⇒নিয় अगारत कारशत कृष्टीशा शतात कक कश्म श्रा कर्त्वम् । हेशार् छ । विभागिरम् । विस्था कि व য়াছে , ইছার কর্ত্রভার গ্রামের কভিপন্ন लारकत हरस समार्थिक व्यार्कः देशांत अक भुन्ताकक ७ करप्रय लग (मस्त अ) हिन्। (भत्रहे भाराञ्चभारत विकास साम कार्यः इहेश्वा शारक । ऋवधेत द'र्। आ**इब**र्झ वच्छ प्रभीन कावा। शाहेकान महम करि পালেন (ধ. ইলাতে বালফাদলেব অভি শক্ষা হইডেছে ৷ কিছ আপনারা স বাব ইহার অভারদর্শন করেন, ভাছ সহজে আপনাদিনের সেই ভাষের হইতে পারে । হ'র কেবল আত্ कार्याः किছूरे (रेचरण शास्त्र) यात्र

কথা বলিডে কিইহাতে বালকগণে

16. 克尔·西亚尔。 医电影电影 Pi 人名 化斯二氏性硷 海海管 网络海绵 文化文学 建设设计 经工程 医侧侧畸形 ा ५ भग जन है हुना । कादश ्राकारमञ्जूषात्री क्षेत्र ₩ · 4 · 和"975年,下午一年,花典书。" 医排花解析 斯尼 र्रा १९८७ **५**०७३ काल क**रता, ील** कि से १५०० স্থাতিক দা বিভাগ **লভ্যান্ত হৈ । প্রতি**নিধ্য বিভাগ ললিংকুট্না জন্ম ধেলাকৌ সঞ্জী ১৯১৮১ 例,《柳阳·陶·敬·敬·敬·朱红称《如梅格》 200 《神殿·李俊郎:《"如[2] "\$1"第15 (1) 于人工 14 主事 罗斯地名美国金利 有情 199 "明"演员然,"张衣,仁臣"为伊生 1966年 1966年 1967年 '전투자 작년이 m' 我解析の からしょ ्राकृति के प्राप्ति को अध्य निर्देशक राज्यका । उन् **逆行しておこ** 

TO A 网络克里尔斯特尔斯 网络马克马斯特 可以触性交换性的人 "我好一想说一想,你不知 र्**विकोश्रेद्रभेद्र क**ाय हुँ र ल । हे 🗫 🕾 🕾 🧀 "উন্নতিপক্ষে উ।হার কিছুমাত্র যন্ন 🚧 🧸 🐗 ণ্যা যায় না। বোধ করি, ভিনি জামও এক हूरल भनाभेग करत्व मा এন্ত লিবজ্বন कत्राश्व यरश्रक्षाता है इसा उँ शरमत है का ुरम भूक्षात्रमम कविशा शास्त्रमा बीकि যদ্ভ পুরিআনের সহিত প্রায় কেইই বাল रवत्र निका मिन ना । উপত্তিস্থ । का शरवत र्वे व्यवस्था (प्रवित्य नियुष्ट क्लेंब्रेगेविश्रावर र्या टेल श्रेट्टा व्या त्याथ क वि कारनारक है हैश গত ख'रहन। अड এव जिल्लाकि मह'लरसूत्र च (प्रभिग्ना भिक्तकां प्रशास देव कार्यः देश**िकाः** ৰ বিভিন্ন কি ?

, म्र। (महारणना डेश्लिएएव मर्ग, कें भयुक्ती ্পহুজ্জ ছিবিস লোক দেখিতে **পাওয়া** । इत्याप्तः । अञ्चलपुरकातः भारतस्य अभिकः । विम्रोक्षप्रश्कात्व (का कार्याई सुनक (कर्ट ७ क) गण १८ कि कुला १०० ্ এব শ্বিধ সেশ্বজ্যে সুবেব টির ড ्र हु। व्यक्टरव धःकृक, वृद्धिः शहन शहन - इड्डेश्वर शाहक। इड़ाठा निष्य 😇 गतन्त्र প্রিড , কিন্তু ট্রিড়েড মেঘ্নগান , क्किन (काम कर्व कहिटल खाँचा ह इश्व वा : (जास कर्य क्राई), क्वाई।- ]

ोकार का १८०० है। 🔻 २०५४ है । विशेष **मन्त्रात छ। एक व**िलंदी । **छो**ष्यांका अधिवास ी हिंद्दिनम् किसके देखान् चिराद्विक किस्तान 🚩 न नह । क्षाप्रदान केरलय प्रकृत र ाज्यास केरलिएक र प्रश्रदेशक करा (सं<sub>रिक्त</sub>ाक ५०००ल सं स्वासिस **व्हि**स्स 鐵鐵鐵柱(1,496) - 50 (17) - 59 (16) (4) (2門陽學團) 佛 然, 公司 共同 1 (一 1156) "我们可能是一块解释是要的 या १ एति १ । १८ १८ देश **ीना व्यवस्था करियः।** 医外外外外的 电影 电影作品经验 ショナート オリアとお 中間 (数 2 英書 前点 7 5 44 25 \$18 每18 3 內勢料 · (14) 安阳 學符章 "很有的符 自由[ju 1997年 (1985年) 1998年 西西西山南西山西南部 我聊回,中世年一年,"大明楚"副年,出民民村市。 化化物 连上线 化热 me in the words बर्ने देव र प्रेरित प्रदेन की लाग्ना विकास करता है। 网络马克尔 化氯甲基二酚 经收入 海縣 网络网络 有人好餐 网络美国美国 人名西西阿尔斯 网络红色 医腹沟 经收益 化一种线型型设置 电回流 克克 化氟 t 5 2 化铁二硫双邻磺基酚二二苯甲 发生,一是"智慧","一个","智慧","如果我们都想象"。 大声音的 化氯化化 医乳化甲二磺胺磺胺 医面切迹 野兴就社 ুল ি কেন্দ্ৰেলিক गुरुवर्षक व विस्तुत्रपार्वत 現にをいいまけいで かっていてからる कारीका ज्या (कारीक कि के विद्यार में रेग रेग में से में से में से में **्यानी 'डाइर्गामकर'**न । १५ ४५० -世代 (4) (予) (第年) ভাৰারা কি ভার্চের কভব, কম কট ,নম ন **এ/ডিজ্ঞা করিয়াছেন? একংশে উ**ংট্∾ের ন নট প্রাথন। এই, উচ্চারা কুল্টীর প্রতি বিদেশ भट्नारवाभी क्रेग्रा हेशत भूरक्तत महाग्र हुन के १३ ७ मण উপায় काउमा निया स्वाहता मिशेरगढ़ अवियाद इर्ध्यंत्र श्रंथ शतिकात करिया हिन्दिन। छे**लप्रकांतकारम क्षञ्चातश्चन अ**व्वरमण्डे সম্পাণে এ খন। এই, ২য় গৈছার ইছার কুর্কৃত্বভার ব্যাং এচণ কৰুন, নতুৰা আম হইতে হৈশি किए, क्रुप्रक लाक निर्माठन कविद्रा छ। हात्व अस्ति कर्कृत जात निश्चा स्थानश्रीत खेतृहिना NA TAR

३५ अ स्वयाति ) निखाक दभवर कट्रेन क समाहेशांत्री 28.29

म्हानस् ! व्यक्ति कानि कात्रखराष्ट्रीं , नहीं ी लहेश्वा निकास कात शामरयान हिन्ने विकास विकेट मधा माहेटकट कि विश्व क्लान्स्य महिक्द किलि काशा दृष्टि अकि गटनर करतन

المناق المعامل والمنافر والمنافر والمنافر والمنافر المنافر والمنافر ि क्कांबाडी भरीका, मकलाएक काम मा ।काम रिकार परेमा इस । मध्यकि विकीय : स्वानित ভকালতী প্রক্রিকে সেইরূপ গোলেনার উপ क्षिप्र इस्टाएक भवीकास्त्रियो नाकियन अञाक करे प्रदिष्टिस्त । के स्वीकात किस शाराम ५ ६ आञ्चासिक मारमक स्मिम स्मामनाव माम, इस नवण लहीं भाषीहा स्थामाणः शक्तिक्र करिया काला प्रदेशिकालन में किस मुक्ताम मकः हिन्न विचान प्रशिक्षा का स्टब्साट्स स्वराज्य इक्ट्रेश्चम (१६५९)(५ २२ अ (१६४५)(१५) लगीकात प्रमाणिक न्याः हिन्द्रः विन्तुत्रेष्ठः श्रद्धाः 海巴斯特 满 海鲁拉尼岛的人 医自动 自己的变 有行人 一馬內容 करिक मेचपुरस्का ५३ व्यक्त व्यक्तिक क्षान्त कर्वास्त्र ४ क्ष्मिर्शाद्धितः । व अवस्थान चार् अन्त् विराम्धान् अत াস্থা উম্পুল জানার স্থানে, সংগ্রাকান কান কল্পালা প্রতিক কাজক বিকটি কটাতে ভারম্বর ব े । भारत महस्रा महिष्टा । विकास अर्थका छ . १ - १८.२६ व विकास १ - मा १४ प्रमाणसूच । दे <sup>कि</sup>क, क्रकाशांबर ४ द्वादात्वत के सदी क्रिके से समात्रास्त ভিগ্নাদিবের কেশ,কাচনপ্রক ব্রেন্ট্রাটি হত্য 面 阿斯巴 "别的一种"

> 19 5 min 20 ( \$ 3.94 रेश्वम्थु १

अप्रकारिका सामी है। \$50° \$50° 17 সঞ্জন ক্ষেত্ৰখন্তি উক্তেই স্বল্ল 🔞 🗸 多年。 网络小科学 M : 1 2 30.1 REIG BAT RAW I . I CHAI HIRCOCO : जारमञ्ज्ञिकाञ्च काष्ट्र कार्या स्थानका **डेब्रिंड स्टेग्नाटक अन्छ अन्य यरमार्ट्स, हेर्स्सरक** क्षामा नेत्र माहै। हेरहासांगरवास महस्राहे कार्रक, (क्रांस्वित महाय सम्बद्धाः सम्बद्धाः सम्बद्धाः सा वहेटन कान कारकत रहा ना महिलारश्चत वासीन श्रवाली रयमम खन्मनः भक्त एकेशार्कि मेर्मरमस्म रमहे धकात रखन्ना फेंक्स । रम्बारम अहे निवस्ता छिन्नम रुव रम्बारमञ्जू हैरसारकता वर्षार्थ खीव कत अख नर्माव कर्तम । समीवाद्व मिश्य ३৮৫७ कर् বেলিক বয়, সেই প্রসভার অন্টিয় সূত কাউন্ট ৰুম্ন সাভিনিয়ার অভি বিজ্ঞপ করিয়া বলিয়া क्रिक्स, केळ बाटका देश्सरकत नाव चारीन. श्रम्भी क्रम् क यरमञ्जूषाचा व्हेन्नाइक कि स

ত প্রেরণ করন। এডকেশীর চোরেরা এমত গুরুর निकरंगे निका भारेरम कविजीय स्ट्रेंप N विनाष्ट्री पृद्धि व विनाष्ट्री भिष्ता कथा अध्मरमञ् क्षुत्र। हूर्विटक कारु मातिहा (त्या: श्रीकन (तन्ता खर्त थाकित्न छ.हात्र छ अरलस्यत भरक मनन ।

त्यतकत् इडिरवाणीय छत्त्वन, छ।वडवयीध मिर्गत मन्द्रा काम एरशारक्षत मच मरण इंश्वाक्ष**ां**द्रद्रव हेन्द्रव अट्टक्रनीयाम्द्रव अ**टा**ड इट्टर, डाँश्या भाषात्मत्र इडाकारी ध्रम् अटक क्षत्रा कोद्रवाद रिवास का मानक की से नि . CD आदिमन कावशाहित्यन । अहे छक्र छत विवध বিবেচনার্থ আন্তার্জন কৌ,পাল বলে। কিন্ত नकरल धकवाना बहुन व्यादिनम व्याहा कांत्र ब्राट्डन । थ्रावडेन এक अन हेर्साम काट्यन्टक वंश करता

অনীদার বাবুহ রমেছেন ঠাকুর ভাগলপু त्व डेलनगर्व शकी बाखवर विद्यालय स्थानिक कतियाद्यात्म । अहे विष्यानद्यंत श्रद्धांस्मन नाहै । कभीमात यभि बयार्थहे विमात्र छेरमाइ मिष्ड **घाटकन, फटव शवर्गटम है विम्यानट्युत माश्या** করুন। কি অংটাকার নিমন্ত ইছার উত্তম পাক। বাটী হইতেছে না। বিদ্যালিকার বিষয়ে मलामली कांब्र्टल इंटल मा।

विनाश कारला छेठिंधी शहराउट्डा अवादन मर्श्षेष्ठ काञ नाहे अवर हेहा त्राचिवात अ ८ रहा अन नाहे। विकासिद्यंत व्य मुल्यन आदि उच्चात्रः कान यु है शान विकास ता शावा महेदव । श्रामका वालएड इ, हेश्व मछ मद्वम समाधा लाइत निभिन्न (म छत्रा) कईव्हा

মক্ষণে অধিদ অব দি পিদ নিয়োগের বিল निः मद्य विधिवस हहेग्राटकः। এएएए मीग्रुमिश्कारक थी प्रम बहैर्ड विक्त ड कदा कि हैं। दे हिएसार ?

अकरन कलिकांछाय वाल्लीय ज्यालारक्य তেমন দীপ্তিনটে। জাজিদগণ ইহার অন্তস্ত্র नाथ अन क्रांमणि निष्कु कविशाहन । क्रांकि নিষ্টোগ আভ্রম মাত্র। গাস্কে।ম্পানিকে বলা উটিত, সমুদায় রাস্তায় সমান আলো हा, अगड शत्रात्य साम्य (भन छालहे, नरहर अनर (कान (काम्लाजिस्क अहे छात (न अन्ना क्डेट्र ।

भाउ एउन्दात (म की ना के भवर्गत प्रहेन मारहर ও সূর রিচাড টেম্পল্পঞ্জি বাৰুষভীক্র स्मार्व ठोकुरतत वाजिटक माहेकाकिनश मर्भन করিয়া বিশেষ সংস্ক'বলাভ করিয়াছেন। এত দেশীয় সংগীতসমত্ত্র অনেকের যে কুসংস্কার ছিল ভাৰা এবার গিয়াছে।

(बद्राद्र १४७: व्यक्ति १० व्यक्ति शहनिष्ठ स्टेबाटक। एखाका अकटमेनीव धुरुविवानगन अहे चाहरमङ चयीन हहरवन ना ।

CATROLATIN

मिनियाधव त्रमनीमक त्य वर्त्ति अति असि होस ব্যাক্ষকৈ ঠকাইরার অপরাধে সেসিয়নে আপিত হইয়া মুক্ত হয়, সে সম্প্রতি দেউলিয়া হইবার আবেদন করিয়াছিল। ভাছার নাম कतिया भाव अभ वास्कि बाक्करक ठेकाहेब्रा गाका गर मनिमाध्य अहे कथा सिखेनिया जाना भएक बरम है कि खे विहाद पिक किया द है। अवि यांन कतिहा छाहाटक हरे बरमत काताट्वाट्यत माका निवादकर।

२० अ क्षांसम मक्ष्मताय ।

আৰৱা আফালিত হইলাম, ভারতব্যীয় भवर्गरम के व्हिन्न कतिहारहम, वाष्ट्री कतिवाद बिषिख रेनिक व्यक्तिमत्तिभरक (व होका) कर्ज्य काईड दिल्ला कार्य कर दिल्ला कार्य हिल्ला মা। বাটা প্রস্তুত করিছে আরম্ভ করিবার জন जिश्वर्क्त कृष्ठीद्वारम, .कार्क्क इहेटल कांत्र अकारम अवर (भव इंदेर्ड़ खर्जिक्टीरम (मस्यू) स्टेट्र । मत सम सार्वम देशनिकमिर्शत निकट्डे বাহবা লইভে নিরা দেশ তুঠাইলা দিতে বসিয়া किल्म । मधुनाम जिका करेचा (कर भनाचन कति त्न वा श्रिमात्रोष्ट्र शतिहान कि शहेक ? ग्रीका (मंख ब्राव्हें भरामभीतिक नव । मिखतानी कर्मावादिनाति হল্ডে দেশের শান্তিও সুধ নির্চর করিতেছে, কিন্ত কোন কর্মাচারী বাটার নিমিত্ত টাকা চাহেন ना । मत स्थम लाउन स्थात किइकाल शाकित रेन निक्तिराज्ञ कन्। भुटाब विवाद व सहस् সাধারণ ধনাগার হইতে দিবার কথা বলি (EA |

মাস্রোজের বিশ্ববিদ্যালয়ের বি এ পরীক্ষার কাগজ চুবি যাওয়াতে ভত্ৰত্য শিক্ষা বিভাগের **जित्रहेत भरीकाथिनित्रक "कप्त लाक "** বলিরা সংখ্যম করিতে ঘ্ণা প্রক'শ করিয়া ছেন। পুলিবের ছারা বাটী বেষ্টিত করিয়া পরী कार्थिभि(शत कलामी म उरा रहा। अहे शकाव लक्स्तांकत व्यवहारतत अहे शक्ष ह म् । मास्ट्रारकः অচিত্রত কর্মচারীদিগের পরীক্ষার প্রশ্ন চুরি যাও ब्राटक প्रतीका जुनिक इरेता । धनकम वाकि এই কাল্প করে ভাহাদিগকে আয়ু পরীক্ষা দিভে मिल्या छेडिक नरम । शवर्गस्थल्येत कर्म्याडाती इहेर्स उम्रास भन्न एक कहा कर्डका।

#### 38 हे म<sup>्</sup>लखन् वृथवात् ।

ভদ্রলোকের বাটীর নিকটে বেশ্যালয় থাকা কত অনিষ্টের বিষয় ভাগার আর এক দুস্থান্ত পাওয়' गिয়रङ। পাঙুরিয়া ঘাটাতে হীরালাল

বসাক ন মক ২২ বর্ষের এক যুবক ভাষ जीटक शादमत केशदत केतिएक मर्त्रमः করিত। ঐ ছাদের সহিত পাশ্ববতী এ 👸 गद्वत मरस्याम हिल । आणिकांही क्रिया गान वामा अवन ७ छारामितात नहिछ ক্থন ক্লিঙে ভাল বাসাড়ে ঐ নিষেধ 🤾 करत। भक्त अक्रवात शैवानान व्याधमहत्रे ক রতে বা পারিত্রা জীকে বধ করিত্রা আআ্ रेका क्रियारक। रामग्रामिरमात मतीत भतीका अ তাহাদিগকে খডত্র পলীতে রাখিবার যে আইন रहेब्राटक, काहा (वाध एवं गर्क्ट मर्छ व्हेल ।

करनाश्रुत क्रिकिंग वर्गम, मध्येषि मानाश्रुत হইতে রেলওয়ে লকট যাইবার সময়ে ভিন খানি শকট কোন নদে ছিন্ন হইরা পতিত হইয়াছে। পেভাগ্যক্ষে কাছার প্রাণনালের সংবাদ পাওরা ঘার নাই। কে.ন্ব্যক্তি ইহার নিমিক

সমাজিক বিলালসভা স্থির করিয়াছেব, गयुनाय वस्तरम् । ७७ वालिकाविम्। तम् ৭৬৩৩টা ছাত্রী ह। शएक श्रेष्ठाह ५.५५ ত্ৰ উপস্থিত अहेनकल विमानत्त्रम নিমিত্ত ২৬৯ জন ভত ও ১৬২ জন শিক্ষরিত্রী व्याद्भ। हाजी निक्तिजीमिश्यत जानि अ विक्रानयम्यूट्य ,धाक्तिरगत्र नाम श्रकाम् क्या कर्च्या

ভেলিমিউস <sub>वटलन</sub>, ক্ৰিসন্ত হগ আপনাধ काकाव निमारेष्ट्र<sub>ादन मस्तित्वत्रं योष्टे वक्क कतिव</sub> ছেন। এই चाष्टिकी (तल अरस क्षित्र नेत निक्षेत् eবং প্রভার শত লাক এখাটো সাব श्रतम । अवन्य मार्थीन स्ट्रेटिक । इस मार्टिक বের কারখানাটাল্ক ১

# <sup>১৫ ই</sup> ফান্তন রুহস্পতিবার।

७, मिन मार्टश्य वक्टनमीय वावकानक, त्रकात अक अने त्रका स्टेब्राट्सन !

वज्ञदननीत्र वर्वदमके , ज्याका नियादक्त ८७, नकन धनारम ,हर्ष शक्तिक रहे, अब्रुभ रेडले थाकित्व, डार्न्त (प्रत्य द्वासा रहेत्व व्यस्तकः इक्कृषे केक महत्व इक्कृष्टे मीठ व्हेटन । जानि লাগিলে ভৈল রাভার গড়াইরা আনিভে ন भारत এই फेट्<sub>मरमः</sub> व्याक्वाही श्रेताटक्।

এবার ১% জন ছাত্র আনের প্রীক্ষা দিয়া क्षित । जिल्ला भूत अग अ छिना वि आ अ क्रूँसा **(Ea** 1

ছোটনাগ্পুবের কমিসনর কর্ণেল হটন ফুলেং कां गर्रे अक्षी वार्वक मिला कर्बिव'त भूट्रत निमित्त ১· · · हाका राष्ट्र कति वात हैकाना । कि ओ श्रकात नट्र ? া দিয়াছেন। ভোটদিগের সহিত इं क्त्र अरे (मनात्र हेक्स्मा)

मिर्गत मणाणा एक मार्ट्य इत्रमा ार शहिता हें कर के या **हें एक रहन । वह** ্ম গ্রণ্মেণ্ট অন্দীকার করিয়াছেন, ভিনি थकाभमन कदिरमा देखा श्रम श्रममात्र शाक्ष अकरवन । त्लिक्टेमान्डे शवर्नदतत्र वशामरकात व्यक्त 'नाई। रूप गार्ट्य श्रेष्ठाः गमनकारम (य पित्र क्ष अन्य काश कतिरवन साथ मित्रम व्यवस्थ मन्त्रूर्व ८५७म পाইবেন। क्रार्क मारहरवत नाःम हेश्मर्छ ' বশা**ইয়া সম্পূর্ণ বেডন দিবার ক্ষ**তি কি ছিল ?

देखिश्रान भवन्तिक अभिनियन वटलन, ১२ ह <sup>\*</sup>উড়লজাই কোহাট কেতল প্রতভলস্থিক ष्ट्रिश्म धर्म कतिया अक्ष्यम भूनिय अक्तीरक <sup>ন</sup>বধ করিয়া **অবশিষ্ঠ**গুলিকে বন্দীভূত করিয়: ীশলায়ন করিয়াছে : রা ঘোর অস্থ 'कात अवर इकि व्हेट इका। িল্য প্রহরীরা <sup>গ</sup>নমিত ছিল। এমত সময়ে ব**ৈ** া এক সোপান षाका निःम्दि दर्गम्दश श्रदन ध्दत्र। वन्तीमि गत्र मत्भा अक सन धरती भना क्तिया जान रह। পুনর্বার একটা কুদ্র হ रहेन (मथा हैएउए । राजादात मिक्र भ अधकात रहेरव াহা সকলেই অপ্নান করিয়া। লন।

ित्रत वरणन छे इत् निक्षा करनत । जनक् ्र विज्ञातानस्य विकरि **जा**रव ্ৰী, হয় ভাঁহাদিগকে পুনন্ধীর দলী িপ্তর করা মচেৎ রেজিটুরি ফীর ক্ষডি ূল দিয়া হউক। বছকাল প্ৰবিধি ভাঁচার। িন্তরির দী পাইভেন, এই <sup>ক্রার্থ</sup> এফণে 'श्रामिट्यात क्लाखन क्वेत्राटक् । यक्षापटमान শ্বস্ অক্লিগের ন্যায় ইহাদি<sup>লের</sup> বেতন <sup>ক</sup>ণ্ড উচিত।

# ১৬ ই ফান্তৰ গুক্তবার

त्रकी ६ दृष्टि १ ७ ब्राह्म अकाव ७ ३ मर्ग्यम अ অনেক বণিককে ক্তি**এন্ত** হ**ইডে : <sup>হইন্ন</sup>াছে।** জনেক ছভিকের সভাবনা করির। উচ্চমুলে। क्षाहरू ध्रुष्ट व्यव व्याच्या व्यक्ति कतिवार इते ।

बना डिकिनिता महाअन. निरंतत निरंदि अहे । निव्रद्धा<sup>क क्</sup>र करन, बूटे क तथा त्वह संक्रित्याथ शिट के। श्वीत वटन का अल्लांक ना कताहरू अक प्रत श्वाक कार प्रतिवाद अक्षेत्र के क्षेत्र होते. উ ভারি দিলের সংখ্য का अन्यतः का बन्ना क्रिय

क्ताएंड लिल्हें नान्हें भवर्षत्र हाना छ , क्विन (क्ये ) ध्रान्तवत्र नेनीएड छाकाई छ कात्र

(डिमिन्डिम व्यवशक व्हेन्नाह्म, व्याशामी ৬ ইমার্চ শনিবার সর চিচাড টেম্পাল আয় वारमञ्जू क्यांव श्रमान केर्दरवन ।

#### ১৭ ই ফ'জ্বন শনিবার।

১७ हे मार्डन छ क्रवांत दहवाबात वानिका পারিভোষিকবিতরণ विभागगर्यत ₹**8**}1 গিরাছে। আমরা রিপোট পঠ করিয়া ইহার रेंब जिम्मेरन शहम की छ लाख कहिलाम। এখন জেৰীর পাঠ্য পুস্তকও'লই ইহার উন্নতির প্রথম পরিচায়ক। এই জেণীতে ধর্মনী:ও। পদার্থবিদ্যা, ইভিনাস, ও অক্স এভৃতি পঠিও হুইভেছে। রিপোটলেথক প্রতিপোষক অন (त्रवल अन, अन क्षाक्रम नारस्य ও निक् পাস্তত মোহনলাল বিদ্যাবাগীশ ও ফাকিরচাঁ। ঘোষের সবিশেষ প্রশংসা করিয়াছেন। আমরা মোহনলাল বিদ্যাবাগীশলে বিশেষরূপ জানে বালক ও বালিকাদিগের শিক্ষাদানবিষয়ে ভাঁৰার সবিশেষ নৈপুণ্য আছে।

এছুবেশন গেজেট বলেন, সম্প্রতি বাদালা গ্ৰৰ্থমেন্ট এইক্লপ অভিপ্ৰায় প্ৰকাশ কৰিয়াছেন य, मक्चनिवाभी कान वाकित कनिकाछाञ्च ভূমিসম্পত্তি থাকিলে ভিনি সেই ভুষির ৫০০ টাকার অন্ধিক বাকী খালনার নিমিত্ত আপনি যে ছোট আলোলডের অধিকার ভুক্ত সেই ছোট वानांनए वानिम क्रिएड शक्तित्व।

**जात्रक्रवीय भवर्गायन्त्र कार्यक्री नागा** জ্ঞাতির প্রেরিড প্রতিভূদিনকে সংখুষুটিতে এক বংসরের জন: থাকিতে অপ্রমতি দিয়াছেন।

হোম এবং লেজিসলেটিব বিভাগের পদ্ধপর न॰ व्यव वर्खमान क्षित्रभावि मारमञ्जू ১ • 👯 व्यवधि বি ক্ষ ংইয়াছে। লেজিসলেটিব ডিপাটমেট এতাবৎ হোম আফিসের লাখামরণ ছিল, এক্ষণে পৃথক হইল এবং উক্ত বিভাগের প্রধান কর্মচারী ব্যবস্থাপ্রবার্থ গ্রেপর জেনরেলের কৌ সিলের সেকেটরি উপাধি প্রাপ্ত হইলেন।

আছুল্লারির শেষে সমুদার ভারভবর্ষে ১০,২০ रिच्छर मना व्याप किता कित्वन । भट्टेंग्ल मूना । २०,२६० है। किता विकास किता है। हैशा প্রতিভূষরণ ৪,৭৮,৩৭,১৬৮ কাগল টাকা, ১,३৮,७३৮ है।कात अमूजिक है(तीला र 🖥 ১,३৮,১ ७७ है।कात वर्ष यूष्टा अवर ७,३३,२७,२२৮ ष्टेष्टात अवर्गरम्हेत काशक क्रिन।

> हिला अ'रमत मूला क्यांट्ड गरवारमत गर्था। व्यधिक रहेरप्टरहा : ৮४५ व्यरकत आधून्न दिर्ज

৮,१৮১ টি সংব'দ প্রেরত হয়। গত 🖷 আন্তর্যারি १८ १० ७१७ है इहेड्डार्ट्स । सन्तर ख बाबह्यरवृद्ध বিষয়ে রেইলঙ্কে কোম্পানি সমূহ যদি এই धकात कान वरकावण कतिरख्यात्वन छाहा व्हेरन जकुछ श्वर्त भन्नम व्या

ভারতব্যী য় রেলওয়ে কোম্পানির আবোটার লবট আমেরিকার প্রবালী অনুসারে হর। কিন্ত **जाहा अस्तरमंत्र छेभयुक्त नरह विलिश भविक्राक्र** ংইতেছে। উত্তর পশ্চিমাঞ্চল অপেকা বলদেশে একবার ব্যেষ্ট্র করিয়া পরে পরিভ্যাগ করিলে कि छान रहेख ना?

- 00:-

# ইউরোপীয় সমাচার।

১৫ ই ক্ষেক্রয়ারি। মাডরিড ক্ইডে টেলি श्राप्त धकान करत, किंद्रेवात भवर्गत स्थमत्त्र স্পেন হইতে সাহাধ্যকারী গৈন্য চাহিয়াছেন। বিজেনীরা হাবানার নিকটে আছে। তাতি সাধারণ সভা সেনাপতি বিবেরোকে সভ:পতি मदनानी ७ कत्रिष्ठाट्यन ।

शास्त्राबादित हास्या । (श्रीत है तिहेदित সম্পত্তি বাজে অধির বিল প্রশিয়ার মহাসভার मां के मिर्गत बाजा विधि क स्हेतार है।

कां के विजयार्क अरू शक्क छ। कहिया उन्हें রাজনীতির সমর্থন করিয়াছেন। ডিনি বলিরা ছেন, করামী সংবাদপত্রসমূহ মিধ্যা জনরহ তুলিরা লোক্ষে ভীত করিতেছেন। এমত व्यवदात्र केल्य कालिय कर्बन् (व, अक्नाका ब्हेब्रा मृक्षि कृतिक करतमः। कात्रमः हेक्टरवा-শীয় গ্ৰ4বেক্টসমূহ শান্তির প্রার্থনা করিতে-

টাইম্স পত্র এক প্রস্তাব প্রকাশিত করিয়া বলিবাছেন মধ্য আসিয়ার গোলোধোপ নিবার বের একমাত্র উপায় রহিয়াছে, রুশীয়ার সহিত বজ্বভাবে ইহার সীমাংসা করা কর্মতা।

श्रानिक्रेन रहेएफ होलिय'रम श्रकान करत দেনাপতি একি সভাপতি হইয়াছেন, সাধুত-মিতব্যয়িতা ও ব্যয়সংক্ষেপ করিয়া শাসন কং তাঁহার রাজনীতি হইবে।

পেরা ১৬ ই কেব্রুয়ারি।

द्रिमिम अर्थिनम् पद्राक्षेदिकारमद्र अर्थे 🤌 🤊 রাতে লাডিক এফেন্দি ভুরত্বের রাজ্য 🕟 🦠 बद्धी रहेश्राटक्रम ।

জীন মুক্তসভার প্রস্তাবের তুলিকা 🦠 🚓 मिश्रार्ट्न। त्र'का युद्धार्थ (यगकन ছিলেন ভাগা বন্ধ করিয়াছেন :

**चारमञ्ज्ञिको ७ ३९म७** क्रिक्तश्चर १ १५ 👫 कि क्ष रहा, अरे फेट्सप्य चारित्र के अपने न कि পাইডেছি। ইংলডের সূত্র । শুরুর্

The state of

3

করিতে অথবা সইতে ইকা করেন, নিয় খাক রিড ব্যক্তির নিকট জানাইবেন:

> সিলেগুরেণ্ আর্বো-থনট এবং কোং

# সোমপ্রকাশ। :১ এ কছন সোমবার।

বালালা সমাচারপত্তের অনুবাদক
স্থানান্তরে দর্শন করিবেন, তিনি সোমপ্রকাশপ্রচারিত প্রস্তাবশুলির আবশাক অংশ পরিত্যাগ করিয়া অনুবাদ
করাতে কেবল আমরা নহি, পত্তপ্রেরকেরাও অসম্ভূত হইতেছেন। তিনি যদি
এরপ অনুবাদ করেন, এতদর্থ গবর্ণমেত্তের অর্থ ব্যয় ব্যর্থ হইয়া যাইবে। অত
এব আমরা অনুবাদক মহোদয়কে অনুরোধ করিতেছি, তিনি সোমপ্রকাশের
প্রের্থ পাঠ করিয়া স্বক্তির সম্পাদন
করেন। আমরা জানি বিফল বাগাড়ম্বর
দ্বারা নোমপ্রকাশের কোন অংশ পরি
পূরিত করা হয় না।

কলিকাতা পটোলডাঙ্গার গোলদীঘী भक्तांबरमात इहे*द्रो*टहा আমরা যথন (मिथि, (मिथिएक भा**रे, (ला**रक (मेरे তুলিয়া লইয়া যাই পক্ষময় জল ভেছে। কলিকাভার স্বাস্থ্যক্ষ কো-থায় ? পদ্ধিল জলপানে কি পীড়া জন্মে না ? ইহাতে কি অগ্নির উদীপন হয় ? স্বাস্থ্যরক্ষককে আমাদিগের এই কথা ক্ষিজ্ঞান। করিবার ইচ্ছা হইল, বিক্লির মৎস্যের ক্ষণিক ভ্রাণ ও উদর পুরিষা পকিল জলপান ইচার অন্তর কোন্টা স্বাস্থ্যের সমধিক বিহাতেক ? এ দীঘী-টীকে জলপূর্ণ করা হইল না কেন? আমাদিগের এ প্রশ্ন ধৃষ্টভাগাত। ইছার क्ष जन यांगी चारहन, इंशरिक जनशृर्ग करा बादमाक ७ डेविड इहेटन डिनि क्तिएजन मरम्बर नाहै। मीर्थिकाछी जन

শূন্য হওয়তে লোকের আতাত্তিক কট হইয়াছে, তাঁহারা সভত কট প্রকাশ করিতেছেন একথা জানানও অনায়। দীর্ঘিকামানীর চক্ষু কর্ণ আছে, তিনি দেকট দেখিতে ও শুনিতে পাইতে-ছেন, তথাপি যে প্রতীকার করিছে। ছেন না ভাহার নিগৃত কারণ আছে। তিনি যদি চক্ষু কর্ণমুদ্রিত করিয়া থাকেন, তাঁহার যদি পরস্থাধে ছুঃখ বোধ না হয়, তাঁহাকে বিরক্ত করাও বিধের হয় না। স্বাছ্যরক্ষকেরই কর্জবা তিনি সমাচার, পত্রে বিজ্ঞাপন দিয়া এবং দীর্ঘিকা ছারে লোক নিয়োজিত করিয়া উহার জল ব্যবহার নিবারণ করিয়া দিয়া স্বক-ত্রা সম্পাদন করেন।

अझ शरत मर्का कार्र शहना । **अक्टर जात उर्दात मधुमात फाटन** क्षण बारम (यथारन रमश्रात त्नांवे ভাঙ্গান যায় না। ইছার উপায়বিধানের চেটা হইভেছে। এক ব্যক্তি সেই উপায় क्षमर्भन कतिता । এकथानि शुस्तक बृज्जि ও প্রচারিত করিয়াছেন। লেখক পিয়-নিয়র সংবাদপত্তে প্রথমতঃ আপনার মত প্রকাশ করিয়াছিলেন। করেছিন কমিদন এ বিষয়ে কোন সৎ যুক্তি প্রদানে সমর্থ হন নাই। সর উইলিয়ম মান্দ্ফিলড ও দর রিচার্টিপাল नतन, त्रलखरा ७ वानिकात्रिक इंटरलंड এ উপায় হইয়া উঠিবে। ভাষা যত দিন না চইতেছে, তত দিন বর্তমান চক্রবাড় গুলি রহিত করা স্তাবিত হইতেছে ना । व ख छः करत्रिक किमिग्रतत दिए भी টে যে কোন নৃতন উপায় উদ্ভাবিত হইয়া এদশিত হয় নাই, তাহা আমরা লেখকের সহিত স্বীকার করিতেছি। সে থক যে উপায় উদ্ভাবন করিয়াছেন, দেটীও সঙ্গত হইতেছে না।তিনিব্লেন, এতে;ক विভाগीय काममनदतत अभीरैन रमाछ

जानाहेबान कक अकरी हज्जवा উচিত। সেইমকল নোট কেব मिरे विकास हिन्दि । किराहात गांदेट इदेल तमहे तमहे विखारी त्नां वहरा इहरव !!! यनि व वणीत विका विद्वहना कतिहा (मर्थाय) `স্পাই প্রাণীয়মান হটবে, এটা কে: গ্ৰণ্মে: ऐর नग्र সর্কিসাধারণের অনিষ্ট ও ক্লেখকর হইবে। বোধু করি, এ র জধানীবিভাগে টাকার গেট লইলেন। হাবড়া বধ্ব: নের কাল্যনরের অধীনছ। তথায় বা यानविष्टाशत जित्र व्यता त्नांहे हाँ বেনা। অভএৰ পৃথিক ১০,০০০ নগ টাকা महा। वर्षा गाम त्नां है का का লেন। রাজমহলে ভাঁহাকে আবা (नां के के व कि ति छ इसेल । १२ घिका मर्था निलीएक नम नक दोका मा शा हैटल पक जन विनिकटक मिडेशिया इहेट स्य । आभाषित्भव लिथेत्कत मटङ क कतिएक इन्ट्रेल अहे होक। सभा सित्व षिली याहेट शांतिल ना। . **अ**हारचाः অনিট নয়, ইহাতে জালের ও তহবিল তছরপ হইবার বিলক্ষণ প্রাহর্ভারী रुरेट । वालिएकात तृष्टि ना रुरेग्रा वतः उहात हान इहेटन। नित्य देन छेलाशकी निर्फाणक इहेटलाइ, जाहा यनि व्यव লবিত হয়, সর্বাত্ত নোট এচলিত হই বার অনেক সুবিধা হউতে পারে। প্রতি विश्वार्भ बर्मत वर्मत कछ होकांत नीते अविभिन्न इत, जोहांत कर विमान कदिया ७९ शतिभाटन प्रामीय धर्माशास्त णीका ताथा डेडिड। शाह होका शर्वा (स्त्र त्नांचे इडेक । विनि ১००० छे क्लात विना हे जानारेट जानितन, जिन विनाशास्त्र २००। ५०० हे। कांत्र किहा अर्गात्वम : वाकारत इंश (अह लहेट अभगाठ क्हेर्रन ना । ठळला १८६४ मः था। किছू वृद्धि कतिए करेरव 🥌

ৰভব্যের নিমিত্ত একবিধ নোট বৈশ্যক। একণে মেন ছেসি গদে নোটভেদ আছে, দেরপ नरह। ज्यांविष्णत्वत ादत जरु वास्ति जरु करिन ६० क ठेकात रंगांठे जानाईटच चानितन লেক্টর দিতে পারিবেন না, এটী পিতি মুখে বলিতে ফেল কাজে চমন ঘটে না। এফ ব্যক্তি মোরদা रनत कारलक्षेत्र श्रेटक एक स्थान नजन को लहेला कि कब्रिटवन ? अधेक नश्रम का वां वका चारत वां वर्ष का के क्य फ्रांटन शतियांत प्रीविश नाम ठेका षण्य बुलात क्रि स्थानहर्णे कांच ेनर्दा अवस्था होता कृत्य प्राप्त ोटन माथा काछ । १६८७ वाजिल्या हिं। इन्द्रिय कार्केस अन्य द्वांतर हो। इ रिमद्द ।

্ভভারভবর্ষের প্রান্ত ১০ জনতি ক্ষান্ত হুটা **অসম** ভারতে শহলে ১০

वक्षानि हेरण हो। महाराणी वरनन, हेर्जकीय भारत के उपायक कर नि**भुष्ठ मूख्न** क्या । स्ट्रीट्ट (इत्। स्थान व्यास रिट्माः छ भट्यानी, 🧠 🗀 खारा विक्रा एक विक्री बहर है। वाक्तिहरू । इस क्षेत्र व्यक्ति । निवर्ष । १८६७ । १५ व्याप्त हो हा स्था प्रदेश प्रदेश महात ते । २ ३ ८०० । त्राप्त ते प्राप्त कर्त । स्वर्गेष 🗸 आकामास्तरम भीव बश्तेर परितर्देश किएक । स्वीतिकारी वरशक ६८ ा । इसि ए १०० छ सुर्वात **ल्लाम अपनाम ७ क्यूट्रास कर्म १ अधिकृति** त्य है। कांत्र ब्याब्द्र कटा श्रीद्र ब्रहण, कांद्राहरू कि आभागिरात विकू कि पू निष्ठ इहा ? रेश्यरछत्र मखिषर्गत् हेनानीयन धर्मः নীতির বিষয় বিবেচনা করিয়া দেখিলে প্রতীয়মান হইবে, আমাদিগের এ **হরবকাশ** र्हेट्डिइ ना।. ब

कथा थाकूक, এकरन आमानिर्गत शवर्गायात्रेत निकारे आमामिर्गत गविः নয় বস্তুব্য এই, ভাঁহারা সাহন করিয়া हेश्न और भवर्गरमण्डिक बल्यम, हेश्न ७ मध्य নিজের মত ভির করুন, পশ্চাৎ আমা-দিগের আবশাক হইলে উলউইচ অস্ত্রা গার হইতে কামান লওয়া যাইবে। ভারতব্যের et 4 ta মস্থিগ এই বেলা বস্থু, ভাহাতে প্রতিবাদ না করিলে তাঁহারা কতক গুলি অকর্মণা ও ফাটা কামানও ভৌডা তলবার দিয়া অবশিউ তিন কোটি ঋণ পরিশোধ করিবেন।

-63-

আমাদিসের রাজসদংক্রান্ত মন্ত্রীর কর্ত্তব্য কর্ম।

ই: সত্তেশ্বরী দে দিন গ্লাডটোন সাহে द्यत कथा अहेशाहे विनिशाहिन, अ वर्गत ্রহাসভার নিকটে আয় ব্যবের যে তা िक। त्वअया इहेटव, जोहोटक बायमः टक्क াকিত হাবে। প্লাডটোন সাহেব বায় महापूज क्रविश करकार वयु क्रविर्वन, এই আশা জামাবাতেই ইংলভের लाएक हीचाटक ध्यात्र अक्वाटका ध्यमन ःो यस्मानीक कतिहार्दछन। मखावे ত্তপ্ৰিয়ৰ ফরাণী এতিনিধিদিগের 🗆 🗯 ব্যাসংক্ষেপের **উলেখ করিয়া-**িলে, বিলয় কভক অংশে বায় সংক্ৰে 🐫 ্ড। স্পেনের বিপ্লবকারী কহিয়াছেন, পরিমিতরতেপ জাবশাক বায় নির্বাচ

कत्रा अ वाग्रमः टक्क भ कत्रा भागनकाटर्यत ভাগনা। দেনাপতি আকী সভাপতি মনোনীত হইয়া বলিয়াছেন, পরিমিত বায়ে त्राक्षकार्या निक्ताइ कतारे डीशांत अशांन কর্ত্র হইবে। পরিমিত বায়চেটা সর্বত্ত इंहेट एक । अनावभाक वाम बुख करा शित মিত ব্যয়ের নামান্তর মাত্র। আরিমিত বায় ও কুপণ্ড। উভয়ই নিশ্দনীয়। আমাদি

গের রাজত্বের বৃত্নান জ্বছা अच्यान कामानियात्र महम अहे व्यक्तित उपन्न इड्रेटड्र অভিবৎসর আয় বায়ের হিলাব অধানের তিন মাস পূর্ব অবধি করিয়া আমাদিগের মনে এই চিন্তা হয়, পাছে এ বার মৃত্তন কর मिट्ड एग्न। আয়বায়রভান্ত প্রদত্ত হইলে শ্রোতৃগণ যেমন গবর্ণর জেনরলের বাটী হইতে বহিৰ্ণমন করেন, অমনি लारक विकास करतन, " (क्रान मूछन টাকা হয় নাই, ত ? গবর্ণমেন্টের অবল ষিত রাজস্বদংকোন্ত নীতির প্রতি লোকের ভিন্নি কাই, তাহার এই স্পান্ট প্ৰমাণ i

এই অবিখাদ দূর করা কর্তব্য। ভারতবর্ষের রাজস্ব প্রতিবংসর রুদ্ধি हरेए उहा भागामित्रत बज्ज न अन तांकवित प्रजीत शासन त्य, जीहात नक्न निक्क पृष्ठि थाका ठिनि हक्तूत লজ্জানা করিয়া বিভাগবিশেষের জ্বপ বায় বন্ধ করিতে পারেন; কাহার অসু त्रिंभ तका ना क्ट्रन ध्वर छानीव গ্রথমেটের ব্যয়ের প্রতি তাঁচার তীক্ষ ষ্ঠি থাকে। এইদ্নপ এক জান লোক ष्ट्रेलिट् गर्थिस इटेल। श्रास्त्र सर्व করিতে পারেন এবং প্রাতিকটু অন্ধ রাশিকে বক্তাশকির গুণে মিউ कतिशः खुनाइटङ शादतन, अमन लाटक श्रद्धांक्र नारे। चड्य चार्माप्रदेश बक्तवा मत तिहार्ज हिल्लाम यक्ति यथार्थ কাল করিতে চান, ভাছা হইলে প্রথমে ভাঁহার একটা কুদংস্কার পরিভাগে कवा कर्जवा। अञ्चलम्भीरम्भा स्य कदत्रत थिकि व्यमस्थान धनाम कितिरवन. সেই করই ছাপন করা কর্ত্ব্য, এটা অনেক ইউরোপীয়ের মত। দর রিচাড **ट्रिफ्शटनत क् विषया मावशान इन्ता** के छि । अना अना (नरभंत भरक जूनना ক্রিলে ভারতব্যীয়েরা অংশ কর দেন

# সেমপ্রকাশ

३> म जागा

39 MERT 1

# ं प्रवत्ततां प्रकृति इताय पार्थिवः सरस्वतो श्रुतिमइती न इ।यतां।"

शक्कि मृता ३ ७ ह अधिम वार्षिक ३० हम অবিষ বাণ্যালিক গা সাভে পাঁচ টাকা ; ঠ

मन १२१६। २७ थ काह्नन । ३৮७৯। ४ दे मार्फ

মলকালে মাহ্মলসমেত অঞ্জিম বাৰ্ষিক ১৬

# विख्याश्रम ।

कानीमुंक विदनक।

পরমহংস পরিত্রাঞ্জক 🕮 মান ফ্রেখান্চ'র্য বিবচিত বাঞ্চল। অপুৰাদ সহিত দিনবজু খোষ একাশিত মূল্য॥• আমা। পটে লডাকা ফালে জিন্টীটে ১১ নং জি, দি, ঘোষ পুস্তকালয়ে শাভয়া ধায় ৷

> जीरगा िमहत्त्र साम विट्यान्छ।।

-----

इंश्ताकी व तालता शुखक व कांगक कतम ইভ্যানির দোকান নিম্নলিখিত স্থানে স্থাপিত হই য়াছে: মকশংলের আড়োরের সহিত মণি অভর রেজরি ডাপ<sup>ট</sup>, মহাজনি ছণ্ডি পাইলে সত্তর সুন্ত মূলে। অভার আঞ্চাম করা জাইবেক। উছোৱা স্থান্স পাঠাইবেন প্রত্যেক মুদ্রায় বেশী /· व्याना (श्रद्धन कांत्रदन।

> পি, এম, মিব্ৰ কোং भीति वाष्ट्रांत २७ तर (किंगिर इक्की) इ

## हिंच अक्ष है।

करोत अंक्रजनसम्बन्धा महिकाल हे जिल्ली য়বংব সুদিত ৭ইডেচে, সন্ধু পুনংপ্রচারিত क्केट्रा अन्दर्शत युट्टराच कार्यव्हाट्स क.aम्ही छु इन विषय मिन्नित वात बहेता। श्रीपुक উछ्छ। মকোদায়ের হন্ত্রকিল্যে লাভ করেলেস্লির क्षीवन वृक्षाक छ ला ५ १० सिंश्टमत मामन विव तन लि. च ड इहेशार ६ अर्द अध्य च इत (च हुई अकः श्वर्वत । क्षास्ट्रतातः । म्हास्य । महस्य । महस्य । পাল্লভাৰ্ক কইয়া ছিল, এবারে সেগুলিও উল্পেড निर्व न इ क किल म। क विकक्ष अवादित देशहरू अवनी छेल क्रमानकः । ताः आछ इहेल । प्र उताः এই প্রতীয়ন'র মুক্তিত চরিত্মঞ্জরী পাঠে ইংরং ক্লের ভারতবংশ আগমন ক্রিদি লাভ কানিচঙ্ক

রাজে শ্সেনের শেষ পর্যন্ত সমুদায় ১ডান্ডেই অব ্ঞাহকগণের প্রতি প্রত্যেকখণ্ড আটি আনা পত হওয়া য ইতে পারিবে।

#### কাৰ্য প্ৰকাশ

य सः । কাব্যপ্রকাশ এ নামক সামন্ত্রিক পত্রপ্রচারে প্রবৃত্ত হইয়াছি। ইহার প্রতেত্ত चं छ क सन्त्रभा कार्योष हर शृक्षा । कहाना काटह ए. हेराएं क्यमाः मरस्य इल्लाभा कावा मकल श्रकाम करा य है ता मश्य छ विम्हाल-स्त्र अथाक छीपुक वांतू अनस्कृमात नर्साधि-কারি মহাশয়ের অভ্রমন্ত্যাল্লারে সংকৃত विष्णा नज्ञ इ दिशानित व्यवस्था स्था स्था श्री । দ্বীক ভট্টিকাব্য আরম্ভ করিলাম। ইহাতে বালকগণের স্থাবিধার নিমিত্ত সাঞ্চেতিক চিচ্চ ष'ता शम विद्याय, मित्रा विद्याय, विख्ना किन. शुक्त्य, कांद्रक, ज्ञांत्र, कांत्रश्रक्त श्राम विक हरें एक हिंहा होता (ताथ हम्न, स्व तास्क्रित কিছুমাত্র বুংপত্তি আছে, সে ব্যক্তিও অনা রাদে অগঠিত প্লোক ব্যাখ্যা করিতে সমর্থ इहेटन ।

कानिध्यकारभव मृत्यात नियम। छेरकृष्टे कानात्व मसाविध कानात्व मू अ মুদ্রিভ

উপন্থিত ক্রেডার

প্ৰতি প্ৰতে,ক ধন্ত

নিয়মিত লাখ্যের

প্রতি প্রক্রেক ধন্ত

21 6

विभ कावाधकान अङ्गास्त्रितानी इक्राद्रम. ভिনি कलिकाणा **म**्युष विमान**ास अ**थ्या মূলাপুৰ কাৰ,প্ৰকাশ যথে আমার নিকট জীৱিম मुला ७ भार भारतिहर्यन।

> ত্রীজগ্রোহন ভাষা শক্ষার। शुद्धां सकाम।

বিষ্পুরাণ চতুর্য খণ্ড প্রবাশ ইইয় ছে।

# चात्र उवर्धत विवत्न ।

शक्षमवात मूजिए। अवादत श्वाटन श्वाटन वात शतिक विषद्भत शतिवर्धन कत्रा स्ट्रेब्राट्ड अव ६ वांकांगा (करमात्र समी, शंत्रक, छेरभन, वांगिक, **छ छात्रामगृहङ्ग विवत्न मधिखन लिथिछ हो** য়'ছে। কলিকাভা সংস্কৃত বদ্ধের পুস্তকালকে ও জীবুক্ত বছ লোপাল চট্টোপাধ্যায় কোং ছম্মে

४ हे कार्यन

>296

खीम निष्म न मर्मा।

#### ~cos-

# इरमीरमव गाउँक

কলিকাভা সংস্ত যন্তেৰ পুৰাও <mark>লালে</mark> ভগলী নশ্ম লে স্কুলে জ্রীকালীপ্রসম্ম বিদ্যা দেৱ निकरे ७ कालना (मास्टक्ल श्रंत श्रांत्र). मूला । वारि जाना

मध्धनो ७ हि छवितान कावा ३ म थेख । व्यक्ति श्वित्रिकारत क्षणककृतः हेश्राह সুর লৈড ভারতব্যের বর্ত্তিমানাবক্ষা বলিত হইয় জে এফ <u>ণেক্তু মহালবের। কর্মান বঙ্গজোলে কংগ্র</u> माम भवित श्रुष्ठकोन्द्र । उस् किट्ट १ । इंटरम 新河南·东西有野。

# बाल्यीिक जामाहन জু ভীয় থগু।

अहे शुक्तक कथा। ,ति धकान इंडेएडर्ड। <sup>ইকাটো</sup>ড নাগরাক্ষতে । মূল ও টকা ৫০ স্লতে তথ र मन्त्र अध्याम २ श्राह्यः य क अर्थना

ি কলিকাতা ত্ৰাহ্মসমাজে আমাৰ |মানেপ্র টুলিখিবেন। প্রত্যেক খণ্ডের (দশ ফরমার 🛵 বার। আন। বিদেশীর আহক जिन्नरक 🎏 **जाना म**'ऋल निरंख इंटेरव ।

ख'ॐिभाक्ष क्षिरुम्हञ्च खडे । अर्था ।

क्रेबकेबिया मध्या छ श्रुक्तामध्य छ श्राहेशम ভালার বাড় থে: আদার কোপোনির দোকারে মংপ্ৰণীত ও মংগঢ়াবিত বিম্বলিখিত পুজকগুলি

विक्रथ स्ट्रेटिंडिंड---

હાની હ मुला **बी** महेकिहान होका (রামইজিহাস \$ ভূগণ্য'র ব্যক্তর জানা নীডিগাব (১ স ভার ) 🤌 নীভিসার (২ য়) E STITE 1 मुक्तावाय काकहन

ত্ৰী ভাৱকাৰাণ দৰ্ম।

व्यामि नयस्त्वामयहानिधिनात्व এक्शान সংকৃত অভিধান সঞ্জন করিছে) আল্লে করি भाकिः प्रेश भाव बाख मन्तृ वहात. मन्त्रावि क्षिणम एक भागातिक रहेशार । श्रदं उतक परस्व कि २ ष्टरे के ति । अव्दर्भक्तु भव करेशका तरमृष्ठ व पुरुकानाः व्यथां मध्य च कात्नास ক্রিনির নিকটে **অহাসন্থান করিলে** পাইতে পারি

्री। अस्तिक प्राप्ति ) ঞ্জী ভারানা ব 🕶 ১লা ফান্ত্রন 🕽 কলিকাভা সংস্কৃতি কালেজ

# विविध खवाानि विकाशश्री **图333** |

हेरदाकी वाजाना भूराक कांगळ (क्राम माना বিধ দ্রব্যাদি পাওয়া যায় এবং গুড়াগা দতে জৰ কানার হিসাবে কলিখন দে<sup>ক</sup>, আন্ধক

8 B (4)

. 🖓 त तथा-

্ঠ ं कि

নিদান সচীক প্রিমন্তাগতত সঙ্গীক ١. の事を **छ डिकावा स्थायम्य ३ मे**तिना-থের দীকা সহত 92 छेडे निश्चम् म मध्यः एक छिक्रमावि श्रिका हेरत की भारत श्रम् छ मनि য়ার উইলিয়াম সংক্রেড জীয়ক বাবু কালীপ্ৰসন্ন সিংহ মহো দয়েব প্রবীত গদ ১৮ পর্ম মহাভাবত थश मण्युर्व के 🎍 वे विवाहेशर्म à १ के द्वारमां भाषां 🔄 ৮ 🗷 ভীৰাপৰ্দ্ধ 9 के 🔊 के माननर्जा के ३० के कर्वनर्स के १५ के बना नर्त ঐ ১০ ঐ সেপ্তিক পর্ম ত্র ১৩ ত্র দ্বী পর্ম है 18 में बाजिनके तासमर्प Ġ क्षे १५ से (म क्म भन्दी **टे :७ जे अनुस**म्मन भर्मा के ११ जे (बर भार भर्म বিচাব তর্জিণী অর্পাৎ বেদান্ত দর্শ-নান্তর্গত বিচার 🗷 শীমাংসা বছল প্রমান সম্ভিত अक उ मर्भन ক্ত অষ্টাবিংশতি তত্ত্বপ্রতি প্রাচীন সংহিতা ২০ খণ্ডে সম্পূর্ণ ২৫ অ'ব্যত্ত বিবেক ভাষ্য সহিত্ত উত্তর নৈষণ নারায়ণী চীকা সহিত ১২ খাওে সম্পূৰ্ निकास को गूरी मण्यूनी এ ৰেগ কাভ वित्तक दावली विभाग्नम्बद्धतः মাৰ ও বিচাৰ কৰ্মাঞ্চন কৰ্ম হ'ও বিষয় সিদ্ধান্ত ২ **पाञ्चाश कूलबक आ**तः नदक्ष हरू-র জীত জমা কলিকাতা ভোড়া-ব্রী প্রতাপচন্দ্র রায়

यक्ष का इतिज्ञावनी। কয়েকখানি অভিনৱ এটনাস দৃষ্টে প্রস্তুত।

नीरका ७३ मर

ুইহাতে ৩২ খানি ম্যাপ আছে। **উভ্যন্তপে** বাধান। জুলবুক সোদাইটি , সংস্কৃত বজেব

नगम विद्वाहः

भुक्षकावरश. नर्याम कृतम e भरोगन्छ। का बाड़ यंत्र जामर्भागितात्र शुक्तकामात्र भावत्र। यात्र । मृत्रं ३॥ डीका।

श्चीनकथन शावान।

-202-

# পুরাণ প্রকাশ। বিষ্ণু পুরাণ।

অমুবাদও টীকা সমেত প্রভাকে খণ্ড ৮ • भृष्ठी । अधिममूका '॥ • ।

যিনি এইণাভিলাঘী হইবেন ভিনি মুঞ্চাপুর আনহ্≳ষ্টটীট ৩৪।১ নং ভবনে কৰে।প্ৰকাশ य**छ व्यव**रा कनिकाए। त्रः कृष्ठ विम्हान्द्रस की वृक्त स्वभारताहर फर्का लक्षा देवत संदर्भ यात्र গণ্ডের ইচ্ছা অন্তিম মূল্য প্রচাইবেন। অন্তিম ना पाइटन विरम्प विष्णुतान पार्व हैनाव নিয়ম নাই ই ও।

#### ---: . : - - -विक्रारार्थ।

गाराप्रम बीह २० मर वामि सनाधमह ১৯ বং ভোজা বার্গান।

উপরি উচ্চ বাগান ও বালী যাঁহারা ক্রয় করিতে **অথবা সইতে ইচ্ছা** করেন, নিমু খাক্ বত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেগুরেদ্ আরবো-পুন্ট এবং কোং

#### ----

১৮१ - भारति ह श्वाकी अन्तिक कारमव নানে পোন প্রক্রেসন প্রণীত । মূল ১॥•

क्ष**क कार्ड। याहात ≜र्**शाहन इडेर्ट, তি ন আমার নিকট অথবা ক্লবুক সোধ'ইটার भुक्षकाभारत ७**ख** कःवरन भाहेरवम ।

)। बर क रमा करों <sup>-</sup> बीयत्वाक्षत्र'न मञ्जूबन'त প্রশাদ্ধান

# সোমপ্রকাশ।

২৬ এ দান্ত্রন সোমবার। ভ: তেবধীয় সমাতন বশ্বরক্ষী

সভা।

কত কণ্ডলি হিন্দু ডিয়েমাণ হিন্দু ধৰ্ম রক্ষার উদ্দেশে উক্ত নাম দিয়া একটী ধর্মাজা স্থাপন করিভেছেন। যিনি যে ধর্মাবলম্বী, তিনি যদি তাহার বিপন্ন দুখা দুখন করিয়া তাহার রকার চেটা

# गदर्ग दमन दि उड़ा थन। बन्द्रानभीश (लभ्टेनन्द्रेशवर्द्रत्र 'আদেশারুমারী निद्रांश।

রাজ্ঞত্ব ও সংধারণ বিভাগ।

২১ এ ফেব্রগ্রারে। দেবগড়ের গছকারী কমি मनत अ, ७४लिडे, कमात हे मारहर छात्रखर्यीक्ष (यस अरप्रत कड साइरमत समिछ छूम सहराह क्षमञ् भाकरवन ।

२४ क (फ्लावादि : ६६, ०म, विस्म भारकत च्छ्यान्योधः वदर्ग**ःग**्रेह প্রতানধি অভয় (भट्डाके) स भ्वेट्राम ।

>৫ এ ফেরুয়ারি। জারপের ডেপুটিকালে **छेत् व्यक्त भीटालाल भूर्याणाधाः माम्रामा**क কারের উপরে চাকার ডেপুটি মাজিকেট হইয়া প্রথম প্রোণর অসীন মাঞ্চিটের

नमें प्रांत मध्यादी न जिएकेने छ कारलकेन এ১. লটম'ন জ্বস্ম সাহেব ২৪ প্রগ্রায় বদলী ३ हैप्ता श्रथम अब १३ व्यक्तीन माकिएक छ एडलुिं। কালেইবের ক্ষমতা পাইবেন। তিনি প্রধানতম বিচারালয় অথবা সেসিয়নে অর্থণ করিবার ঞাপন্যার প্রথম বিচার করিছে পারিবেন।

০৬ এ ফেক্রয়ারি। এল, বি, বি, কিওস'হেব यक्ष जिन विनाय महेला हेक्ट्रिशाटल शांकिटवन, ভঙ দিন ভবলিউ, এচ, ভিন্নলি সাহের রাজ সাহির দেয়াড়া জবিদের প্রতিনিধি স্থপার ८-छेट-छ क्षेट्रका। जिल्ला बाख्यतानी विकारत कालके तर व इंगलीए माजिएके व उपभूति कर्तिहें(वर्ष कमान्त्र) हालम कतिहरम ।

ৰণ এ লেঞ্ছারি। বারু উমাদরণ গক্ষোপা প্রায় বাবাসভের সংধারণ বিন্যা শক্ষাস্ভার भाञ्चर दहरतम ।

. फ्युं है भाजिएके हैं व एड्यू हैं कारत है व व वू ঘাৰকানাথ দে কাটোল্লা উপৰিভালেৰ ভাৱ शास्त्रम ।

एक पुष्टि भा आरखेडे छ एए पुष्टि कारल है त वाबु कालीकामात्र मञ्ज वि. बल कालेमा छिपविछात्भव "খার পাইনেন।

> রা মাট। আসামের সংকারী ক্মিস नव लिल्डेन के बल, लहेन शकार्विवारण वहली চইয়া মাজিটেট ও কালেইবের ক্ষমতা পাই (34 )

· छ भृष्टि बाब्बिट छ हे छ । छ भृष्टि कार ± छैत वातु ধরিবানাথ সেন কিছু দিনের জন্য হুগলীতে। নিসিপাল ক্মিসনর হুট্রেন।

क्षिण रहेत्रा श्रथम (कानत कारीन मा। कारकेए हेर क्रमका शाहरवम ।

> क्षा, क्षा, क्षांच्ल्यूय वक्रमणीय भवन्यारकेत त्राद्धके।ति। বিচার ও রাজনী ভ

> > সংক্রাপ্ত বিভাগ।

২২ এ কেজগারি খুনিম্লিখিত ভদ্ন লোকেন। কাছজাপ ভার দাভব্য চিকিংসালয় मञ्ज क्हेर्यम ।

বাবু মহিমচক্ররায়।

- " मर्हेट्टनाथ श्रेष्ट्रा
- » धामनकुगान (मन ।
- भ महाशाहतल (म :
- े ठेरकूत्रहत्रन मूटचाणाधात्।
- გ ঠাকুরদাস মুধ্যেপাধ্যার।
- » পূর্য কুমার (সন্)

२६ अ स्टब्स् दि। बीश्टित जलर्भ ७ सरित গঞ্জের প্রতিনিধি মুখেক মৌলবী আজাহারু দিন छ्टीय व्यक्तिक मण्यूर्वज्ञरण नियुक्त कहेरलन ।

लिली ना के छ हैं शिष्ठम. (तिविष्ठेम. वार्ष्ठ किल কাভার এক জন শ স্তিঃক্ষক জটিস হইবেন।

निम्नलि चिक एम (मार्किता विमानम् विकात ও উरकरन मराभ भाजितकक सकित स्ट्रेटन

লেপ্টনত উইলিয়ন বেরিটন বাট।

अन, क्ष्टोत्र, कार्यन मार्ट्यः इडेइड, এडम्यर्ष्टीन, क्लिन्।

याक्रमिस वांवू ज्ञानामक्ष्य (भूस मत्रकांती কার্য্যোপলকে স্থানান্তরে থাকিবেন, ভত দিন বারু সারদাঞ্চল চট্টেপোগ্রায় ময়মনসিংহের অত্যাত নিকলির প্রতিনিধি মূলেফ চইবেন :

পাবনার প্রতিনিধি মুক্ষেফ মৌলবী আলি व्याञ्चान गण्णु बिहाल निवृक्त वहेटवन ।

বাবু রজমোহন দত্ত দিনাজপুবের অভগত বীর গঞ্জের মুক্ষেফ হইবেন , কিন্তু অংশান্তভঃ বাকিপুরের প্রাভনিধি অধস্ক জল থাকিবেন !

ভাগলপুৰেৰ জন্তৰ্গত মধুপুৰের প্ৰতিনিটা भूटकक (भोनती सकतन मार्टिक मच्चूर्व इत्तान मिः क **⊅ই'বন**।

পুর্ণিয়ার জন্তর্গত কৃষ্ণগঞ্জের প্রতিনিধি মুপেদ বাৰু দানেশচক্ষ রায় তৃতীয় জেণিতে मम्भूर्वज्ञात निष्क इहेर्वन।

वाव टेख्तवहच्य मिट्यूव मृद्धः हस्रशास समभी शुरतत अकार क को हरसय भूरकाम वातु রামায়ান লাল থিভীয় শ্রেণিতে উন্নত হইবেন।

निम्नलिथिक अझटलाहकदा सानुग्याटकेव मिन्हे

याबू खळनाथ भानरहो धुदी।

- " वाक्षद्वारक बद भागरहो धूवी।
- a वरक्षकरभाषात पान्द्रहोधूरे

' यहमाच भूटवाभाषात्र।

যত্ত্রদিম ভাক্তর সি, জে. ১ লইয়া ইউরোপে খাকিবেন, তত দি , 😉, জর वाभिष्टानि म क्वान इहेरदन।

নিম্লি:খত ভদ্রলোকেরা জলগাইগুড়ির দাত্র চিকিৎসালয়সভার সভা হইবেন।

अक, (ङ, र्जात अप्राकात गाइका। वांतु किमनाथ वर्ग्याभावताम् ।

- भ :यारअञ्चल (मर स्विक्ष छ।
  - মুলি রহিম বৃদ্ধ

ৰাবু চন্দ্ৰকাস্ত সেন।

» कीरनचंत्र र्ठ:कूह।

फालाव (क. माक्नियन मछ'त मणावन **হইবেন। ডেপুটি ক মদনর নিজ পদগুণে সভ** इहेर्दन ।

২৭ এ ফেব্ৰয়ানি কাপ্তেন কিউ. ডি. পাদৰ तम्भु तत् भूभिय स्मिनिति छि। छ। इहेर्न ।

ভারতংখীর রেলওয়ের যে অংশটা বঞ্ (मनीप्र (मन्द्रेन के अवर्गत्तत नीमात मार्गः का हुन् टलप्टेनले अह, अम, त्राम्या [eieig नहका: श्रुणिय हेनत्स्त्रहेत् छानतम स्ट्रेटवन ।

लिक्टेन के अ, खात, छहेलकिकान शुलिकां। हेनरभ्य हेत (छनत्त्र विकासहकार्ते १३ वस्त ।

कारखन एवं माडे, अन. निर्वे माहतर-श्रुलिय स्थातिर हिर्छ है। १३८वन।

अह, अब, दालिशाद्व बृत्तिमावादम्त श्रुलि স্থপরিনেট্ডেন্ট ইইবেন কিন্তু আগড়েড্ড २१ भद्रश्व त छ। जिसि अभिदिष्टि छने इहे (44)

मध्यमिन दहत महकाती श्रृ लय प्रभतिदर्व েওও এ. নি, বাষ্ট সাহেব ঢাকায় বদলী १ই-বেন |

शवाब मध्यात्री भूमिम स्थानित छान्छ वि फर्वानक, वाहिनसम्म मास्क्य लिखावणभाग वस्त्री १६८वम ।

मनीयांत मरकाती भूतव स्थादान्द्रस्थः त्क, खिल, नाग ना(इव २२ शतभवास नमलो **क्ट्रेट्र**स

(होटब्रम), अवल, कटलंग मार्ट्य के लेका छोड़ এক জন শান্তিরক্ষক জন্টিদ इইবেন।

১ वा मार् । बाद भावकानांव मिका तक्र पूर्वन অন্তর্গত ভোটমাবিতে 'তৃতীয়,"গ্রেশির মুক্ত ছইবেন। ডিনি যজ দিন ট্রপন<sup>8</sup>ত ন<sub>িত্</sub>ৰ

ें, **डानर**शम नार्टन्य (मोलांकाः ভন মেউনিসিপাল কমিসনর

्योर्फ मार्टन ४६ मार्गत अकस्त्रन মিউমিলিপ'ল কমিগনর হইবেন। अ, ≩ुप्रवा

वक्रमणीत् अदर्गान्य । गर्वणी वि ।

আমাদিগের ক শ্লানা স্থ मर्वाप দাত। লিখিল ছেন।

অংশ্যান্ট অব্দন্ত আছেন, উত্তরায়ণ সংক্রো খাব সহিত ्रिक्षद्रक कालयाच्च विकासका क्षामा**का व्हेग्राथादक**ा বিংশবাচ মুসলমটোনৰ সংখ্যা একে অস্পিক স্থ ्य. (शक्तिन शब्दान्न ४००) आजोत्र ४ देशा आहेरो। 🗟 এ,বিকস্থা, ধনুস্মাণ্ডের **কাবণ এই**, অভি ुप्रकाल बद्ध अधारम किक्की लिएउस सीधी বভুলীগী ) তাছে টিহাড়ে স্নান কৰাই যথন দিল্টী অভি বহুৎ ও বছ্ पान हिंदिक कर প্রভান। ইচার উৎপাত্তর বিষয়ে আনেকে ুনক ব্যাক হয়৷ ঘাকেন গ কিন্তু সেসকল াবলান করা ঘাইতে পারেলা। এই দীঘীও ংরে নিকটবারী ভগ মসজিদ ও কলিনার পুর্ক শেল্য সীমায় পিবের আগ্রানা দেখিয়া বোধ ।, यक्तकारङ्क अकाभिभक्तभगाप अधारन त्वेश्वर्गामी भूगलभाग अवकान किंद्रजन । ং বেল ভিনিট বুজরুক **ছইয়া মজ**লিশ সাচেষ্ नाम अनुन कड़िया श्रीकरवन । कहे मजलिय 💡 নাছেবের ভাস্কোনাটা এখানকার প্রসিদ্ধ স্থান। ক্ষানে চুইটা ভা বিশিষ্ট মসজিল আসমাপি বৰ্ত্ত ্লন র হলতে বিজে হান ও উহার ইপরিভাগ **রক** ০ পতার সমাক্ষর চলয়াছে কিন্তু **ভৰ্ষাহি**ত এস্তারের গ্রাক্ত সাম লাগ্র এবং প্রা**রেলভারে** ংস্তরের থিলান, পাগরের উপরে থোলাই কার্য, क्रिभारत मक्रालह उपरक्षित करेगा पारक्ष । **हैश**न প্রাচীত্রাহের বেষ্ণে জাব এক প্রমাণ পাত্রা भैभ्यु (ध. अयोहन क्लिएखाँन १/४८द कोटाच भागम् साकः (लया ( (त्राय वस देवत् छर्त्रार्टः বৰ্ৱ ) আছে, আনক বিজ্ঞা সুস্থ কড় মুসল ্যনও ভাষা পাঠ করেছে। পাবেন না। উচ্চে দলন, ইচা বছ পুরাতন প্রবালী: এই মন ২ ্বংশ্রপ্ন রাজ্যার ( ছেটে দীঘী ও বই দীঘী প্রচার ু ার শীমা হইয়াছে ভাঙার ) নেমালাকাশনও च नरहा । अहे अकल्बाका आगा गहिए १८७

কালীমোহন রাম প্রতিনিধি। যে কালনা বছ পুরাতন প্রাম ও পুর্বের এ প্রাই মুদলমানের সম্পূর্ণ অধিকার ছিল। ঘৰনের একাদিপক্ত্য থাকার বিষয়ে ভার এক প্রমাণ এই যে, এখানকার গোলামীদিলের বাটী ( যাহা এক্ষণে দেব'লয়ে পূৰ্ণ হইয়াছে ভাষাকে ) তথন ' খানাবাড়ি "বলিত। ঐ বাটী আল্লা-নাব অভ নিক । ক্রমে একবে সকলই পরি-ৰ্ণ্ড হুইয়া লিয়াছে !

> এখনকার ফুডন স্থাপিড টেুনিং স্কুলটী क्राम ऐसर इहेरफर्ड। वालरकत मश्चरा ३०० ∉ইয়'ছে বেহ কেছখনে করেন স্বল্লী আছে। ামশনবি ক্তের প্রভিযোগী। বিকেচনা করিয়া ্দ্ধিতে ভাষা জনমাতে। মিশ্নরি কে, লেব অব लम। केहिएक (गर्न अक्तुन ন্ত্ৰক ১৯৯৮ ছে পড়িয়া খাকে! ভবে অনেক , ब कर भ. धक्त न खुल या विरुद्ध नुशक विकत नर्भव अल्यानन कि है अर्घान्नन शहे जाम इडे(७) भरकात कृत छ। स्राप्त अक साहे(लगछ श्विक इक्ष्य । ऋष कुछ तालकपिरशव अभनः अभाग 'न्यूनामाकः न्यानामान यर्थामा ≱ইয়া পালেক । যা প্রায়েল বালকে**র সংখ**া নেতান্তে জুনে মতে য ছইনী বিদলেয় চলিতে পারে না। কন্ত এামে ছই কোপায় বা ওতো-धिक विमानिय त्राव्या एक । इस्टवार अ विभागत धुष्ठी (र शिश्रमति कृत्तत किक्ततक मध्र, ভাহা আমরা বিশ্বাস করিয়া থাকি। আমরা এइज्रेश मत्म रा शायमा अक्तिमा (व, औ हिज्ञी नील विमहालयूहीत विख्याज का उ रहेक। উছাব দ্বারা এ তা'মের উপকার চইয়াছে गरमहर्गाइ । यात शहे छुक्त विन्धालयुक्ति मिनः। বিদ্যালয়েয়র কোন ক্ষজিকারক নজে প্রমাণ চইতেছে, ভবে একণে ইহাতে গ্রণমে ्ली। किছु माश्या कवा अकाक व्यविभाक। तांक्रभुक्षत्रम् घटमारम्। क्रिक्टन, हेहात স্থায়িতের পর্ক নিশ্ব'স নাই। আমরা ভঃনি লাম, বর্তমান সাজিটেট ওয়াড সাংহ্ব লাম। গোয়ালিয়ারের ৩৮ ক্রোশ দক্ষিণে সিপরী এ छाना भरतारयाणी व्हेशा अनुस हैनरालाहेत भार्ड्यत्क विश्विद्वार्डन। छाङा कार्या পরিণত इटेटलई मजन। প.तानाय जागवा। ५३ विमा লয়স্থাপয়িতাকে প্রামর্শ দি, ভিনিইহার क्रमा এकती क्रिकी नियक करून। क्रिकीह ভানতিয়ত (ক'ন কাৰ্য), নি বিহি না কয়। আইতি । রাপান 'বচারপতিকে 'ভালাব সভাপতি করা i াজনবিদেবের যত্নে এলেব ্চন ১৬কর কার্য্য ক্সন ই স্থেম্ম সর্কাপে চলিতে शाहर में ।

এখানে মোটাচাউল ২/ - ক্ষে পাওরা ষার না গভাল থ। টাকা। কলাই ১৮ প্রান্ত দাভাইয়াছে। শান্তিপুব চাকদহ রাগালাট ও উলাপ্রস্থাত স্থানের ব্যবসায়ীরা এখান হইডে গোनेषाल् ७ ठाउँ नशकुं छ नहेशा वाउत्राट अवर्गापित भूरमात छोष्ट्रभ द्वर्गि स्थाना। साहा হউক এবার শস্যের মূল্য নিডাপ্ত অংশীতিকর

এথানকার গলা নদীর নিভাস্ত শেবদশা উপস্থিত দেখা যাইকেছে। ভাটার সমন্ন হাঁটিয়া পার হওয়া যাইতেছে!! গঙ্গার হাসেতে এখা নকার বাবসায়ের সম্পুর্ণ ক্তি চ্ইবে ।

णामामिरभंत भागानिशतम् मः वान माञा निशिशास्त्र।

ক্রমাধ্যে এখানে ভিন্নার রুফি হইয়। গিয়াটে। প্রথম বারে যে র্টি হয়, ভদ্মারা কুন্ধ कार्यात शरक अपनक सुर्विभा स्हेगारक। अभन ाक, खनावृष्टिनियक्कन (धनकल कृषि এकनादत অক্রণ হইয়া পাতত ছিল, এক্রণ ভাহার क्षिकाश्मद्दे किष्ठं इड्राः अट्रमराज्ञं इड्राः উঠিতেছে। শেষ ছইবারের বর্ষণ অভি সামনঃ ; শীত কালে এখানে যে ভয়ানক ত্রীশ্ব অনুভূত হইয়াছিল ওদ্ধারা ভাষার কিছু দ্বাস হইয়াছে 🔻 শলের মূল্য যে পরিমাণে কমিয়াছে, ভাছাতে इडिक्न भी फ़िलामर अंत्र विरम्ध करे पूर्व इस बाहे। ছই ভিনমাসপুরের যে চাউল টাকায় 🖊 ৫ পের বিক্রীত হইয়াছে এক্ষণে তালা /ও সেব করিয়া লইতে হইতেছে। অন('ন) দ্রের অবস্থাও প্রায় এইরাণ। ইভিষ্ধ্যে আর হুই এক পদল: छाल क्रम 🍑 हडेरल माधातर्गत कष्ट व्यरनक নিবাৰণ হইবে সন্দেহ নাই।

এই ছড়িচকের শৈম্যে মহারাজা শিক্ষা পশ্চাং লখিত কার্মটীর ছার। ভাঁহার এক। সমূচের মহে।পকার করিবার চেষ্টা পাইতেছেন. দেখির। আমরা যার পর নাই আক্লাদিত চট बार्य महावार्यं अविधे वायर आहा । उथाकार লোক ছার্ভিকে কন্ট পাইভেছে। বিপর প্রস্লা দিগবে কোন প্রকারে সাহাষ্য দিয়া উপস্থিত विश्व इंडेएड त्रका करत्न, अहे अञ्चिश्चारम महा-রাজ দিক্ষিয়া দিপরীতে একটা মহং স্রাই নশ্মানের আদেশ করিতেছেন। এখানকার পানিটিকের একেও জীয়ুক্ত করেল ডেলি সাংহেবের হস্তে ভাছার আবশাক ব্যয় অপিত **इडेग्नाइ । (वाद इग्न. चाताओं गार्क गार्म कायः** অংশ্ভ হট্যে । ইংতে অনেক ছর্ভিফণীড়িভ ्रिलाक कम्ब कतिया खीरिकानिकार करिएड টে ব্যাহান্তন শুক্রবার।

। বাহাইয়ের মানম কর চিরস্থানী হইল।

। ভারত বহাঁর গ্রেক্তি ই ত্রাহ্য মুকের ৮০০

। টাকা বেডন নির্দ্ধারিত করিয়াছেন 

।

The same of the same of the same of the same of

गवर्गदम है जाका निम्नाप्ति, त्याकन मक् कार्ती भूमिय स्मिति है छिए है दे स्मी मिन नाहे, डिंग्ड्रामिशदक मामिक २०० होका छत्न भाष नार्थ (मञ्जा) इहेदन, अही जिल्हिक मन्त्रादी प्रदेशन महक्त हो १९६०, अवर है डेट्स भीत्र कर्म्य दिशागह अहे स्थित (कार्य कहिदनन।

कलिकाणाव थाल कुछ स कहिया काणे इहें (छ हि। सालिक छता स्वविध वालियायाणे। পर्याष्ठ वीध कि विधा स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्व स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्व स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध स्वविध

লগ্ৰা গেলেট ভালিগ্ৰন্থ স্চেৰ্কে বল দেশীর গ্ৰহ্মটের রাজ্য ও লাগারণ বিভা নের সেক্টোর করা হুইয়াছে। ইডেন সাংহ্র বিচার ও রাজনীতিবিভাগের সেকেটারী হুই য়াছেন। বি, এচ. শ্রু লাহের পুন্ধুমিক হুইয় রাজ্যানী বভাগের ক্রিগ্রুর হুইয়াছেন। যে বেহল সাহের ছাজিককালে স্ব সিনিল বীড নের সাহের ছাজিককালে স্ব সিনিল বীড নের সাহের ছাজিককালে স্ব সিনিল বীড নের সাহের ছাজিককালে স্ব সিনিল বীড নের সাহের ছাজিককালে স্ব সিনিল বীড নের সাহের ছাজিক সন্তা করের। উৎকলের জানিক উপকার করিয়াছেন। ভিনি ভারত। ক্রিন্নর হুইয়াছেন। ইছেন সাহের জন এ বাজের চেটা নেথুন।

চট্টামের অভিগতি ক্রবাভার উপবি ভাগে প্রেমারা বেলা নিবার্ণের আইন প্রচ লিভ ফইয়াছে। এটা সাধার্ণের না ক্রা হয় ক্নেট

#### ত রাফাছন শনিরার।

এপথ, স্থা ব্যবস্থা বিভাগ করা উবিভাগের একটি উবিভাগে বালয়া পরিস্থাত হইছ। সুত্রাত ভারতব্যীয় গ্রেব্যাই ইংকে পৃথক বিভাগ করিয়া ভূইটলি টোক্ল সাহেবকে সম্পূর্ণ সেকেটারী করিয়াছেন। কিন্তু সর্মস্থারণ ভারিবেন না ব্যু, ইচা ধারা ব্যবস্থাপক সভার আন্ধানভার কৃষ্ণি হইল। সব জন লবেশ মত প্রবিধ সময়ে জামানিগের ব্যবস্থাপক গণকে বিদ্যালয়ের ছাত্রের নায়ে হজ্যোভালন করিতে विश्वास नाफ पान राज हो में विक करिएक्ट्रिस । वर्षभान निम्नास्त्राह्य नेक्स विवरत्रत्र केंद्रियान माननकार्य वर्षों भवर्गसां होता करिया करिया करिया डाँशादा विद्युष्टमा ना कितिया कांग विन वर्ष स्थानक मुख्यां कर्मिक करेंद्र ना । स्थानी अ भवर्ग (अक्रम् एक्स्म क्षार्ट्रमान श्राह्म करियन दाश कराक विकारनात्र (मह्म्योग कर्म करिय वस्त्र । स्थान स्थ वक्ष रागत्र विवरत्र वर्षा करिय ए यन खानात्र (मह्म्योगित स्थितिक करिया

১৮৬৮ ফর্ণর ২ রা মার্চের বিজ্ঞাপন সক লের বোধগম। না হওয়াতে ওকালভির পরী-ক্ষকগণ বিজ্ঞাপন দিয়াছেন যেসকল ছিডীয় ক্রেণীর উকীল ১৮৬৬ ফল্ডের পুর্মে ওকালভি করিটেছিলেন, উাহারাই কেবল আগামী পরী-ক্ষার বাজালাতে উত্তর লিখিতে পারিবেন। পাটনা, ভাগলপুর, মুর্নিদাবাদ, বর্দ্ধান, ২৪ পরগণা, চাকা, চট্টাম, কটক ও গৌহাটিতে পরীক্ষা হইবে। এই ক্ষত্রী স্বাধারণে দিলে কি কভি হইত ? যুগোরা ইংরাজী জানেন উহিংহাত কি এই শ্বর পাইর্যন ?

#### J# ....

# गवर्ग द्वान्छ विज्ञान्य । वक्रद्रमीय क्षान्छन्छेशवर्गद्वत व्याद्रमाञ्चारती निद्धारा ।

২ রা কেব্রুয়ারি। তে. পে, ক্রিপটন বলো স্বের এক জন । মউ নসিপাল কামদরব ইইবেম।

त है। रक्ष अन्नाता न कार्यात महकाती भू नव स्थादिर हैट स्थाने अ. अम. इंग्लिश नार्यं । • इ स्थास्त्राति कार्यम् किङ्का विद्यत्त सिमिष्ट स्थिति । वस्त्री इहेन्नारस्य ।

ানমুল্যিত ক্ষ্যারিগ ১৮৬৮ একেং ১৬ আইনের ১০ গারা অধুগারে মুগ্রেগেং ক্ষমতা পাইবেনঃ---

ছর দের সহকারী কৃত্রিসনর লেপটন্টা তব-লিউ, ই. রুথারকোড দিছারিবাণের অন্তর্গত বর্থির সহকারী ক্ষেধনর এ, পি, মাক্ডনেল সাহেব।

কুচবিষ্টের্র কমিসনরের নিজ সংকারী বারুন্ননাথ মুখোপ ধ্যায় জল পাইঞ্জিতে।

লোহারডিগার ৪ ডনি, ধ সহকারী ক্ষিস্নর িজি, কে, ওয়েবস্টার সাহেব।

ঞ্হণের সময়ে আমাদিদের বাবস্থাপক গণকে পালামাউএর তেপুটি মাজিটেট ও ডেপুট বিদ্যালয়ের ছাত্রের ন্যায় হজোডোলন করিছে । কালেটা মৌল্যী মংক্ষদ লোগ্যে ভগতে। লক্ষীপুরের অভিজ্ঞি সহকারী ক্ষে, এফ, কাংবল সাংহ্রঃ

গোৰিক পুরের অভিবিক্ত সহক

এচ, ডব লউ, মেকেঞ্জি সাহের ম

মানভূমের অভিবিক্ত সহক

স, এ, এল বেডফোড সংহের ।

মানভূমের ডেপুটি মাজির্জে

গালেউর বাকুচক্রমারায়ণ সিংক

৫ ই ক্ষেত্র হার । ছিললীর ব ক্টেট ও ডেপুটি কালেক্টর বাবুর। পাধার বাবু হেমচক্র করের অসুপঞ্চানে ডাইনহর হারবর উপবিভালের ভারপ্রাপ্ত হইরা মাজি-উটের ক্ষমতা পাইবেন।

কটকের ডেপুটী মাজিক্টেট ও ডেপুটি কালে ইর বাবু বঙ্গলাল বন্দ্যোপাধায়ে জ্গলীতে বললী ইইয়া য়াজিক্টেটের ক্ষমতা শাইবেন।

্ব দিবস জিল, গ্রেছাম সাহেব ভারাপ কৰিয়াছেন, সেই নিববাৰ দ্ভি, আর লারা-সাহেব কিছু নিবের নিমন্ত চাকার বিভী প্রেল্ব প্রভানিধ মাজেটেট ও বালেই ভারন।

७ है , गञ्ज्य कि । या जिस वानु मन दिन । या या ना वाना संस्केष । या मा अपित कि देश ७ ७ मिन वानु द्वा अकामाता ग्राम मुस्तिम । नत् का छ । नाव ना जिस्स कि वे के कि का का दम्

ষত দিন রাবু জনবলন পাল উপনীত এন, ওত দিন তৃতীয় জোলব স্ব আসি। স্থান ধ্বনাপ রায় সাওভাল প্রাণার গোবীজে টাকার প্রাভানে ও স্থাবা কর ধ্ইবেন।

विद्रान कार्यः विद्रान (छण्डी मास्टिके) १ (६ भू हे कार्ताहेत व तु लग्नाहेन त्वाय छाउँ इवर्षेत्र थाल १ साल्याहक काल्या नत्र विश्वास वार्तावत कारक १ भू विराह स्थि कान्न कार्याव सन, नियुक्त स्ट्रेटन

৮ ই কেব্রার মত দিন এছ, 'ফু বিছ' দ্র গন সংক্রেবেদায় লট্যা ততু স্তত প্রিকিশেন্ ভত দেন ই. ভি, লক্ট্রিড সাংক্রেপুরার প্রাক্ত নাগ গিবিল্ ও সেমিয়ান কলা চাংকেন।

এচ. বি. সিমস্ন স্টেচৰ মুক্তেবির আনিদি জাইটি মাজিটেট ও তেপুক্তি কালেটিই ধ্রীবিন।

থ্, সি। ক্ষেট সাংধ্য মুক্তেরের সহকা মাজিটেট ছইথা মাজিটেট্টের ক্ষাডা পা। বেন। ডিনি আপাডাড় ওড়েটা ধ্রিনি क्टाउँ (क्टाउँ के प्राप्त के एका दक्षा महकाती मा का के अ का (करूर का ा भारक्ष शास्त्रित्ये। एवं क्याप्त

ইলিস্মাট্ছর মন্তর্যার প্রতিনিধি हर्छ-हे **३**इंट्रन ।

- ্সহকারী পলিষ **স্তুপরিটেওকী** করা গেলং---
- त्हे माइहर महर्गी इहेर्ड मध्यन

71 क किरिका म मार्थ्य जानम्भूत इक्ट्रेड 4:3

এফ, ড্যন সারে ব কটক ইন্টে ভাগলপুরে। এ, এব, জাভন সাহেব জগলী হইতে লগ্নী-178 1

নি এচ, জেনদ দাহেৰ মন্নমন্দিংক কইছে <sup>িবে</sup> '\$ !7'E

7.8 :

.a.ह. . क्रि. র্থমেন্টের রাজ্যস্থ ও সংধারণ বিভাগের সেক্রে ३ इहेर्दम ।

व्यवद्ववल व्यामनी, इटडन रक्तान्यीय अवन টর বিচার ও রাজনী ভবিভ গের দেকে

বং এচ শক সংহেব, যাম একতে বিদায় ্ট্যা আছেন, রাজধানী বিভাগের ক্ষ্যুনর 357 71

ि, हे, त्रबनमा मार्क्य छैश्कम विভार्णय . . के निधन २ के के प्रमाण करा के का निभाष के के दिन । । के के दिन । कि के दिन व

कात्, लि :कक्तिन मार्ट्य प्रशाहरत्त् काळा : বিভাবেন , বিশ্ব অ'পাতভঃ পাটনার কামসনর . এফ, মাক্লওয়েল সাক্ষেব আসাম বিভাবে স্থিত या करत्रम ।

জিলাভিল মে দিস সাঙ্গের আ**থরগঞ্জের জভ** 

 क. क. लियाद अप्रद ग्राशास्त्रत कांकid war betrau

जी (क क्रमांद्र क्यांत प्राप्त क्रियांत क्यांत क्या

৯ ই ফেক্সফারে : শিবসাগারের প্রতিনিধি : इल्कि किमिन्नर १०० थन माओ, कार्यन विक्रीय অধির প্রতিনি। ব ্ডুর্টি কমিসন্র চট্টুর্ন। যুক্ত দিন গেঞ্চ ভ্রেচাম পার্য ক্রিয়ে থাকি न, प्रकृति लाल्डेंग्स एवं लंदे, के बाहि करिय

ছার পুলিটের ছেপুট । ম্লন্ত হহাবন।

তিনি কলিকাতা ও ২৪ প্রগণার মাজেকেটের क्ष्मका भारतिया।

লেপ্টনত বাট প্রেসিডেল জেল ও ৰাডুলা मदप्रव मर्भक इहेरवन ।

यक भिन वाबु मभ क्रुपन व्यमहाभाषात्र বিদায় লইয়া অলুপ্তিত বাংক্রেন, ওভ দিন , वाव छेरममहत्त्र वरमाप्तान श्र ह काव बार्ख्या छ নাবায়ণগঞ্জের প্রতিনিধি মুক্ষেত হটবেন।

যভ দিন ব'ৰু বৈৱলাক নোপা মিক্ৰ বিলায় লইয়া অনুপত্তিত থাকিবেন, তত দিন বাব রাখা -লচজ্র বস্তু রাল্প হীর অন্তর্গত খেলমানার: প্রতিনিধি মুক্ষেক কইবেন।

या जान वातु का मध्यमान । भून विभाग सहैशा জন্ত্ৰপত্তিত থাকিংকন, ডভ দিন বাৰ মতংগো পাল মলিক মাল-হের প্রাত্মিধি মুকোফ ১ই-

যভ দিন ব'বুর'মঃলেভি দাস বিদায় লাইয়া এম. ভি. টমাদ সাছেৰ শিবসাগর ছইতে ফিয়ুপ্ডে ঘাকিবেন : ডভ নিন্ধ বুগিব\*শচন্দ্ চট্টে'প্রি'য় চাকার অভগত মক্সুক্রের প্রতি নাধ মুক্ষেফ ছইবেন।

> ডবলিউ, জে. মণ সাহেৰ ভাগালপুরে প্রথম প্রেলির প্রতিনিধি মাজিটেট ও কালে हैत कहें (भाग

> > প্ৰলিক্ত্য়াক বিভাগ।

ए जीय । आवित मध्याती इकि नियन अम, है, ব্ৰাটিসন সাহেব প্ৰথম বাজ্ঞানী বিভাগ চটতে সর্কুল্বে থাল বিভাগে কিছু দিনের নিমিত্ত वमली कडे ११न ।

ভাষ্য তেলির স্থানীয় ওভর্সিয়ার বাব उर्गमन्द्र भारत सभीका बहुएक छ। धन्न भरत यह सी

'ঘতীয় তেলির সহকার ইঞ্জিনিয়র জে. इक्ट्रेंच ।

# केफेदरां भीत गगाहात ।

मधन हर्रा तिष्या ति । काशातमधोग्र निष পরাৰ তথায় একটী ধর্মসভা কবিব ব ব আচুৱ

ব্যব্যাসকল ১২০০ করালী বৈন্য ৩৮০০ নাই। জি'ন জন্মিন্ত কোষ্টকর ডিউকের मिनीय (याक्कोटक भवालाय कश्चित्राटक। कवाली | (नकटके स्वाय चीकाव कवियाटक्न। ;

े देशस्थान विद्राप्त ही ल्ट्सेब्र प्रमाधीयक हाँद्वाटक ।

वाक करनात अक (है न्याम अक्ट निहेश रही इहेर्ड का महारह। इंकाट धकान करते छतान म्हेट का भौत मनुष्ठ नय ख तिल श्रद्ध क विवास ভাব একটা গোপনীয় ব্যোপানিকে দিবার নিমিতু সমাট আজ্ঞা দিয়াছেন।

(नेत्र) ६ हे (क्ष्माशाति । क्षित्र कार्य अपूर्णन अ ीकार क्षी कालाकका शिवादक किमनी हुई

গ্রিসের মন্ত্রিবর্গ পদত্তবের ক্রিপ্লাছেল। আল ब्रितिय'एउ बाद ९ गक्ष क्रेयाएड

লগুন ৫ই দেক্ত্রারি। কেলিকেব ভাত্রগণ ख कमरक एउव इंद्रिक कि तोकाद वाहै। (थलिए बलिय्'एइन । २ - अ मार्फ अहे वास्त्री

ওয়ারিওটন সাহেবের প্রতিনিদির সিদ্ধ न्त्रिय इहेर्याहरू ।

এথেশ হইতে টেলিগ্র'ম অ'সিয়াছে, জীলেব মুতন মন্ত্ৰিপ প্ৰসূত্ৰ প্ৰস্থাৰ প্ৰাচা কৰি

৬ই ফেব্রয়ারি। পারিস হইতে টেলিবাস কা সয়াতে, মাবকুইস ডিখুকিয়ায়ের সূত্র ১ই 3175

कायातमहत्वयं विमाणशन अक (घाषना कविया বিষয়ী লোকদিগের পর্মেণ ও সাহায় को क्यार्टका

সর অব্র গিণেসকে ভবলিনের প্রতিনিধিত্ব হউতে চাতে করা হটয়াতে। ফিপ্স সাহেব এথে ষ্টবরির প্রতিনিধির ছারাইয়াছেন।

র জ্ঞীব শরীব জাসুত্ব ছওয়াতে নিজে মহাসভা খুলিতে পারেবেন না

(भाग नहें (मक्साति । अरश्रम अन्तिभिक् মাজিবৰ্গ নিযুক্ত হল নাই। সুভন মন্তিৰ্গ হইবা মাত্রে পদত্রাপ কবিয়াক্তম। দুড়সভার । এন্ত'ব आहा कवा कहेट्र कि मा है होते फेल्ब मिनाब নমিত্ত নীসকে আরে আটে দিন সময় দেওয়া

भके (काक्रवादि : देशनरक नश्त्राम कार्मिया शाहक, च हिंदू अश्वापनत्त्र अहफनननात् छिल देखमाना व्यक्तीरल हिननीय क्हेन्न (क्रान्त) দন কবিয়াছিলেন, গ্ৰণ্মেন্ট ভাষা অঞ্জান , বিভাগ সাচ্ছৰ ওয়ালেওকোডের যথাথ প্রাত করেয়াছেন। কর্ণেল হেগুলন পুলিষ। ক্ষেত্ৰত প্ৰান্ত লগ্ধ আকুতে হৃট্যুছেন। প্ৰধান। ত্ৰা চইয়াছেন : চুইজ অবধি বে)ৰাইপৰীতে টোল প্ত স্প্ৰতি স্বচাৰলস্টিবিলিয়ানেব ( জক্ গ্রাফ করিবাব কোম্পানির আংশ বি ভরিত হট টিংলিয়ান সংথেবের ? ) বিরুদ্ধে এক বস্তুতঃ কর'ডেড ভিনি পদস্যাগ করিয়'ছেন। কিন্তু 'व्यान क्रिक्ति । १३८७ . नय मरवारान क्षकान भाष्ठाष्ट्रीय गाउन्य **उ**ष्ट्रीरक हैशे कविश्व (भव

# भागवाक

33 M MIN!

३४ मेरेबा

# ॰ प्रवत्तां प्रक्राति इताय पार्थियः सरखतो स्रतिमहती न हायतां।

मानिक मृत्र ১ এक कार्तिम वार्षिक ১ - जन ) व्यक्षिप्र योश्वानिक ell नाएक लाँक होका । हे

नन १२१६। ७ ता रेडज । ३५७৯ । ३८ दे मार्फ

# বিজ্ঞাপন।

नर्मनाभवनरक कां छ कवा बाहरहाइ (बं. मनशास्त्र २ - मार्ड छातिए मनियात (यस्। 💃 घ छोत ममञ्जू भाकाम वर्षमान जारमानव जिनिसा त्वत अकि कि के कि विश्व निष्य नार्ट्रवर जानी दन ज्ञानवातात्रण अ मार्थामत नरमत बदावादी बाक भी ও গাইঘাটনামক খালের সন ১৮৬৯ কালের > ना अरक्षन सर्विष मन ১৮१० मार्टनेत्र ७३ मार्क लर्थ। ख এक वरन दिव निर्मेख माखन जाना द्वान रेखात्रा श्रकामा मीनारम विनि कत्रा बाहेट्ट ।

थरण्ड नौनाम जाकरीया अख्रिक नीनाम আরতের পুর্নে ১০০ শত টাকা আমানত रहेरत, छारामिटभन जामानकी होका स्कतंत्र (मञ्जूष शहरत अवः केंक शत्मत मीवायः काक নীয়া ব্যক্তির আমানতি টাকা ইঞ্চার্যুর প্রথম किन्छीत भातबादन काबिबी छोका कामान्न मिटन क्षित्र (प्रश्ना याहे(वा

खेशन्छिक विषय्त्रत **ज**नामित श्रेशन निम्न दाक ताउ मारहरतत मधीरण श्रास हहरत।

এইচ, ভবলিউ, शावनल् हे, काञ्चान व्यात, हे, এক विकिष्ठिपित देशिनश्रत, मारमामन ভিবিখন।

> -:0:--कः भिनी नाष्ट्रकः।

वह्वाकात २८० नर है।। नरहान (शरम প্রাপ। মুলা এক টাকা। ভাক মাখল এক বানা মাত্র।

वाक्ना हरू को जब नाहेक কলিকাতা নৰ্মান ক্লে বিজয়াৰ একত चारह, मूना। ० जानामाज।

क्रीनकेक मूर्यानायतात्र । কলিকাতা নন্দাল ছুল।

প্রতিষ্ঠিত ইইয়াছে, ভাষার প্রধান শিক্ষকের ইত্যাদি, রোগ ও চিকিৎসা । ক্লোদিও আরু তি আইটিজন। মাসিক বেতন ৫০ টাকা। প্রাপিগণ (शहन कहित्या।

**কলিকাডা** क्वनिया होता 🖟 जीहरमञ्ज कर

বাল্মীকৈ রামায়ণ চতুর্ব

व्यक्तिक वस १ क क्षेत्रा ।

अहे शुक्षक नागताक्तरत मृत । जीका अवर করিতে হইবে এবং যাহাদিখের ডাক অঞাধ্য। বাস্ত্রা অনুবাদের স্থিত প্রকাশিক ইইডেছে। शटकाक बटलव मूला क्षेत्र कामा किया निया-मिक आहक रहेकात हैका कटतन, डाहाता आधारी नास क्षिकां डांकानमारक शब विचित्तन। विराजनीय आश्क्षतिभटक श्रद्धांक चटल खण्ड-तिक अन कामा मारान भिएक इहेर्ता

औरश्रह स सके हो हो है। व्यापि जाकागमः

শানৰক্ষৰ তত্ত্ব ও গাত্ৰী বিদ্যা ৰিভীয় খণ্ড।

সাধারণের ক্রমোপখোগি এই রুহ্থ গ্রন্থা-নির নির্দারিত অতিম মূল্য কেবলমাত্র ৪ টাকা. ডাকে ৪। । निविक विक्षः (১) याकाविक क्षत्रव । (२) जना कार्निक अनवर्खनिएक मेथ्यू की अनवः (दायक क्षत्रव, मश्कीर्वक्रतवादीय क्षत्रव, मुखा भारत रखनगानित व्यटम विक् किः वंशक धनतः সিমূলিয়া কাঁদারিপাড়াহিতৈবিষয়ে ও অভুডাপ্রণিপ্রস্ব, ইড্যাদি (৩) স্কা, প্রস্ব ত্রেণীতে নাড়ের অধ্রে বহিষ্ত, অপরিমিত শোলিভপাত: ভগবিদারণ, জন্নার্ উল্টিরা नक्। इंड्यामि । जैनक्त धनत्व धाजी ७ शहा ভার কর্ডবা ( ঃ ) হস্তকৃত ও যা গ্লান সাধা-

মক্ষতে মাকুলসমেত অগ্রিম বার্ষিক ১৩ सानात्रिक १, ७ देवमानिक ०५० है।का

সম্প্রিক দক্ষিণ মগরায় যে ইৎ বাং বিদ্যালয় | ধ্যের বিবরণ ( ৫ ) স্থাতিকাগার্ক বিষম হাব इंड्रामिख (मञ्जूषा निष्टार्ड । शुस्तक, कनिकाला अभरमाभजम् चारवमनभज चामात निकटा कारमक हि एउत ee मर खबरन क्रीपुक बाद र म महालानविरमत निकर्ते, ज्ञाचना जागात

निकर्षे मालगरह भावत्रा याहरवस् ।

ঞ্জিঅরদাচরণ কান্তলিরি সিবিল মেডিকেল আপিনার। <sup>\*</sup>

--:•:--कानीपूक्ति विदवन।

পরমহংস পরিত্রাজক জ্রীমান ক্লরেশ্বরাং বিস্তৃচিত বাঞ্চা অনুবাদ সহিত দিনবস্থু ব প্রকাশিত মুল্য। প্রানা। পটোলভালা ? बिकी है ३३ वर जि, त्रि, शिव शुक्रक भा अबा राष्ट्र।

> क्रिशाविक्रक्क र বিক্রেন্থা ।

ইংরাজী ও বাজলা পুত্তক ও কাগজ কর্ ইড্যানির দোকান নিম্লিখিত স্থানে স্থাপিড় 🏳 য়াছে: মঞ্জলের জার্ডারের সঞ্জ মণি জার∮ ই ख्यां के कार्या । एक विकास कि शहरण है। क्रुताल शृंका को क्षां वार्तर्यका যাঁহারা স্ত্রাম্প পাঠাইবেন প্রত্যেক মুক্তায় ডেনী ৴ জানা প্রেরণ করিবেন।

> পি, এন, মিক্স কোং চীনেযাজার ২৬ নং কেনিং ট্রীটা

# কাৰ্য প্ৰকাশ।

কাৰাপ্ৰকাশত নামক স্বাহত্তিগ পত্রপ্রচানে প্রবৃত্ত হুইয়াছি। ইগরে জাতে। র **খণ্ড ৫ কর্মা অ**র্থাৎ ৪০ পুঠা। কল্লনা আ'চেছ (य. हेहाट के क्षित्र मान मरक्ष प्रणातिक कांचर मकन धकाम करा गईरव। मश्चकृष्ठ विमास-(प्रत अव)क **जीवृक्त वातू श्रमतक्**षांत**्म र्ता**क्ष-

. इत क्यूम्बर्का स्वतारतः जनकृष्ट ्वा आवष्ट कविनाम। हेशएड বিধার নিমিত্ত সাক্ষেতক চিহ্ন व, मिक्क विरक्षि, विक्रांक, वहन, পুত্র, করিক, সমাস, কলেপ্রভৃতি প্রদর্শিত २३१७८३। हेडा दादा (वाध इस, स वास्कित ाककृत इ तुर्भिख कारह, भाषा**कित अता**र দ্যান অন্তিত শ্লোক ব্যাখ্যা করিতে সমর্থ

# का गृक्षकार नव मृत्या व नियम।

केरकेड कालाख मस्तियस कालाज A. E. 2 উপস্ত ক্রেডার ্ৰে প্ৰডেক ৰও )

भुष्ठात्रिक व्याद्र 💠 हे ٠ لا له ্ৰতি প্ৰত্যেক খণ্ড 🕽

ः धि.म कावाश्यकान श्रह्मा जिलायी हट्टेरम. ভনিকলিকাজা সংস্কৃত বিশালয়ে অথবা । ल পত्र পঠाইবেন।

। अत्राद्याद्य उक्तानसात

পুরাধ প্রকাশ।

7 🚋 হিচ্চু পুরাণ চতুর্থ খণ্ড প্রকাশ হইয়'ছে। াইকগণের প্রতি প্রত্যেক্তর আট আনা। জীজগারোহন ভকালকার।

# ভারতবর্ষের বিবরণ।

পঞ্চন ব মুদ্রিত। এবাবে জানে স্থানে বাব की क नियाप्यत भावित्रक्षम कहा क्षेत्रहाइक अवार स्व । (मानाय ननी, भर्मक, छिरभन्न, वार्षिका) ख्रेल्लिंग्रहरू, रतका मनख्त कि.थ७ है ৰংকে কলিকাডে সাজ্য যান্ত্ৰ পুস্ত চালাংহ ও জীবুক বহুকে, পাল হুকে, পাৰ বি কেন্দ্ৰ যাত্ৰ ङ्गा श्र<sup>†</sup>ा

pr # 100 %

**∰**18 € 5°

মংপ্রণাম দিতু বলেকে ক্ষেত্র মাধ্রণ আছে क्रुप्तालाक क्षांभक्काकाल क्षेत्रकाल हेशहर দ্যান ভ্ৰান্ত্ৰ ক্ষিমানাকস্কা স্থিতি ক্ৰয়াট্ড। এই বেচ্ছু ছংল্যের সন্ধান বছৰাজাৰে অবব **ब्राह्म न**(ह)र ५ ५कोलाग्न एक के ठाल <sup>ह</sup>ाहरावेन र 到24,45年7日

# ठेमठेनिया मरब्हु छ शुक्रकामद्य छ शहिना াত্রগণের অধ্যমনথ প্রথমতঃ ভাকায় বাড় হোঁ আদার কোম্পানির দোকারে মংগ্রণীত ও মংপ্রচারিত নিম্নলিখিত পুত্তক গুলি विक्रम स्ट्रेटिकरकः—

| £ 4 5             | गुला       | Ì           |
|-------------------|------------|-------------|
| র সইতিহাস         | 2          | ₹ <b>1</b>  |
| (রামইভিহাস        | ۵          | <b></b>     |
| ভূষণসার ঝাকরণ     | 1          | আনা         |
| নীতিসার (১ ম ভাগ) | J          | Š           |
| নীভিসার (২ য়) ১  | ঐ          | <b>€</b> ¹9 |
| # \$1 ' A ' B     |            |             |
| भूक्ष(वाश काकरन   | <b>l</b> y | Ĭ.          |

## ত্রী বারকানাথ শশ্মা

----আমি লক্সন্তোমমহানিবিনামে একথানি সংস্কৃত অভিধান সক্ষণন করিতে আরম্ভ করি शाकि ऐंका पं16 थर७ मण्लूर्व इहेरव, मण्यक्ति প্রথম থক্ত প্রচারিত ইর্রাছে। হাতে।ক বারের पृत् २ प्रहे हे का । अहरत् क प्रह मरत्र का भर मू শপুর কারপ্রেকাশ যন্ত্রে আনমার নিকট জাত্রিম । যন্ত্রেব পুস্তকালয়ে অথবা সংস্কৃত কালেজে ় ঋ মার নিকটে অসুসন্ধান করিবে পাইতে পারি

ক্রী ভাষানাথ পর্মা ু২৭৫ স'ল ) अत्य क कि में कालकांका प्रश्यक कारनाया।

# विविध जुनामि विकाश প্রস্তু ।

हेरवाकी राजाना भूराक कांग्रज कन्य मान। विभ प्रवाकि शास्त्र मात्र अव श्रेष्टका निष्ठ এক জানার ভ্স'বে কলিসন দে অধিক डोकांद्र शुख्यक लहेंद्रस्य ८०० । आभारतः हिमादन পাইবেন :

| श्वकृकः द्वेमनावनी            | ৪ টাক: |   |
|-------------------------------|--------|---|
| शांक जीन व्यवस्य क हिन शंका   |        | _ |
| শ্ৰমান ডাক্তর প্ৰণীত          | 7 •    | Š |
| (মন্তুক ন্তীক                 | 2 ji • | Ê |
| দুলার সভীক                    | 511.   | Õ |
| ्र <sup>्</sup> त्ररकात मुजैक | 51     | Ď |
| (समास भन्निक                  | 8      | À |
| ভ্ৰামৰাগ্ৰভ স্টাক             | ७२.    | ٩ |
| の点で                           | >.     | Z |
| कः द्वेकारा लग्नमभग स मिलना   | ~      |   |
| ্থ্র টীকা স হত                | ٥٥     |   |
| উইলিয়ন্স সংস্কৃত ডিক্না      | ব      |   |
| क्षपत्र इंट्साकी भएत मरस्र है | ग.न    |   |
| यात्र केहेलियाम नार्वे के     | ¢ •    | Ů |

| The state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the s |                   |  |  |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|--|--|
| अपुर्क यात् कामीक्षणप्र निश्र गटर                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              | · ·               |  |  |
| मर्बन क्षेत्रील तमा ১৮ पर्क महाज                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |                   |  |  |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | <b>∞•</b>         |  |  |
| थे ७ वे वित्राह्म                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              | <u>ه</u> و        |  |  |
| के १ के छ दिशांश भन्त                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          | % &               |  |  |
| के ৮ के जीवानर्स                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | <b>&amp;</b> &    |  |  |
| के व व स्थानभन्न                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | £ 0               |  |  |
| ळे ३० जे कर्नभर्म                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              | ર હૈ              |  |  |
| के १५ को मना भर्म                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              | ર હે              |  |  |
| ঐ ১২ ঐ সৌ প্রক পর্ম                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | <b>ک</b> د        |  |  |
| ত্র ১৩ ই জীপর্ম                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | क्र ॥१            |  |  |
| এ ১৪ এ শাস্তিপর্যারাজ্পর্ম                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | <b>9</b>          |  |  |
| जो ५५ के इस <b>कशर्या</b>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      | ৩ ঐ               |  |  |
| ते :७ जे उन्नामन भन्त                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          | र्ष ए             |  |  |
| ঐ ১৭ ঐ দেধ পাচ পর্না                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | ૭ હો              |  |  |
| বিভাগ কৰা কৰ্মী অসমি বেলাক                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | _ مُح مَرَ        |  |  |
| নাভগত বিচার ও মীনাণ্দা ব                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |                   |  |  |
| প্রমাণ সভিত                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | , 7 🥦             |  |  |
| আফ তি দপ্ৰ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | ٤ ک               |  |  |
| অষ্টাবিংশতি তত্ত্ত্ৰ ভি                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        | .२५ स             |  |  |
| প্রাচীন সংক্তি ২০ খণ্ডে সম্পূ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | •                 |  |  |
| আত্মতত্ত্ব বিবেক ভাষা সাহত                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |                   |  |  |
| উত্তর নৈশধ নাবায়ণী টাকং স                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |                   |  |  |
| ऽ२ <b>चटक मण्</b> यूर्ग                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        | ડર હે             |  |  |
| निकाख कोभूमी गन्ध्रन                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | ३५ डो             |  |  |
| ঐ শেশ ৰঞ                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       | اقي و             |  |  |
| विद्वकर्षावली विभाखमर्भस्य                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     | •                 |  |  |
| মত ও বিচর                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      | sh 🕏              |  |  |
| কর্মাঞ্চন কর্মকণ্ড বিষয় সিং                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |                   |  |  |
| দ য় ভাগা কুলব্রক সংহেবকুট<br>য় জী ভবজম।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      | که چې<br>هزر      |  |  |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | শ্বভাপত্ত ব'য়    |  |  |
| <b>&gt;</b>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | ।<br>বে বিক্ৰেট : |  |  |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |                   |  |  |
| न क मा कृष्टित्वानमे ।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |                   |  |  |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |                   |  |  |

# व क का जिल्हा वर्ग

कर्मक्थानि व्यक्तित भवेनात पृष्टि शक्षकः। ইুলাভে ১০ থানি ম্যাপ আছে। উভ্নৱণে িবাধান ৷ জ্বৰুক সোসাইটি ১ সাজ, ৪ অন্ত্ৰ भुष्ठकालहरू. सङ्गाल खुरन ७ घरराजणकः बाक् मंत्र खामबन्दिनरम् श्रुष्टकालदः १११ वस्त्री योद्री भूता २१ है। का

🖹 भीलकशल (घाषाला)

# शुजान अकान । বিষ্ণু পুর'ণ

অসুবাদ ও টাকা সমেত প্রত্যেক খণ্ড ৮ প্টা ( অগ্রিমমূল্য ) ॥ ০ । विभि अहराजिनायी ५३८८न, जिनि मुक्रापुड्ड

 हरमधीव गर्मामाग्राम अहे कथाई माखान अकान कतिप्राहित्सन । किन्न ईरवारकंद विश्वतः ररेग्नादश्य, राष्ट्रा (कालार्विक्य, बिक्किय शकुष्ठि যাবজ্ঞীবন বংল করিলা আগবিভূত কলে, अकटन क्षट इंक विकासिय के कांचा छोड़ा भारे चादरस चवता इत। विकास्त्र सराम् त्रास्त्रीं स সংক্রাক্ত বিষয়েও এক জাভির ভূরোদর্শন অশর জাভির ভূবিদা করে। বেয়ভ প্রভেত্ত कारजार कि भार्तिकरमञ्जूषां व शशिक्षम कदिया (अधिर्त्तिन) निका केंद्रा अंत्रष्ठव, (त्रहेशकात खटक का कित के क्ट खंद मान वान कि ष्ठिष (नाम्राय सामुख क्रिया क्षत्रेय होत्मरम्ब मतीव तांकात यळक (इन्न, विकीव (क्रम्म) क মুনীকরণ, হেবিয়দ কর্পদ মাইন বিধিবস্থাড়ডি काक कहा अम्बद । भवन्भात्व देव देव अमूक त्रण कहाहै वयार्थ छेलाग्न । च्यादमक्रिकारनता छाका क्तिप्राटकन । कि इ हेर शटकता डाँका मिटलत एनहे উद्यक्ति न प्रमा श्रीकात करितक हारहम मा । समा পত্তি আট, শাংঘাণপ্ৰকৃতি বধন বার্বার বি-(छाऽौ निक्तिन विक श्रीयनिग्दक अवासिक कवि एक इंटलन, खर्चन हैरशास्त्रन साह्य द्वनात सरवा त्रभटकात् कथा **क वस्त्र कतिहा '' (करन सू**ध ভারতি <sup>৯</sup> স্থির করেন, ৷ 'ইয়াঞ্চির কথা সকস্থ काञ्चव १ हेरद्वाकांनरभव अहे मुश्क त व्याटक । আমুরা ছঃখের সাহিত বলিতেভি, এটা ইংরাজ জাতির নীচালয়ত' কুই নিমিত উনোরা সদা नव कतानी ७ जीव मारम वकाम निवादक कथन 少季 有量 করিতে শুরিলেন না प्यारमतिकानमिटगर नतात्र वाजाभीमिटगत महिन्छ বংবহার করা হইতেছে। সমূদায় ভারতবর্য বছ--(मरमव मरा कालिक ध्म । (य मीकशमरक अक्षा বীনল ভারতবর্ধের সর্মপ্রধান করিবলৈ মানস कतियादभ्न, (महे भीकान मि खेवर वालानी निराव भवाषामा इतिराष्ट्रहरू । किन्नु च्यामा निरंशत **इंड** ताभीय वक्तान वक्तान मकताई काड्यत छ। नक्नारे क्षणे व्यवसाय प्रचिट्ड्यः वृक्ष्यम्म् (व यथार्थ ब्रीवृ.च स्टेडफर्ड, छाहा छाहाता चौकात कतिएक शक्षक नरहन । काहाता कथन वाकाली निशरक अभकक इंडेटफ मिरवन ना, अईडी প্রকৃত অভিপ্রায় : কিন্তু সেটা প্রকাশ না করিয়া বিক্রপ ও অবিধানে কাজ করিবার মানদ করিৱা (इन : किंखम ! ইংরাজদিগের বিক্রুপেও আয়ে तिका डाँशिमिरशत व्यर्थका এछ ध्यान स्हेन्ना एक (य **এकार्न जार्मितिकाम**शन अकशकार कांशामिट्र के जिल्हा आका कामाहेट कहा । नाकी कार्गावामाधिक विवाहन कामाहित्व ভাবত্বৰ্ধ,স্বত ইউরোপীয় বন্ধুগৰ বিক্লপ করিন্তে

भारतमः किन्न कामता **कें**।शामगरक विमाधिक कांत्रकर्रावंत्र व्याग कांत्र श्राहित करे विक्रार्भन केटमान। बुरवन । अहे विक्रार्भ कन अहे स्केटफटकः कामकवर्षत (य (स. श्राक्ट्म म काका ও বিদ্যালিকার বৃদ্ধি চট্ডেছে, সেই সেই काटमत लाटकता वक्टमटमव भारत मधायमान **ब्हेटफट्टन । अकार्य भिकार्य छ क्टेक, एचा** দেখিতে পাইতে, শীকদিগকে প্রথক জাতি বলিয়া वक्रमण । सन् काना चारा है। दन केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना করিবার যে উপায় হইয়াছে, ভাষা বর্গে হইবে : প্রত্যেক কুড বিদ্য ভারতব্যীর সমুশার ভারত বর্ষের প্রতি দৃষ্টিপাভ করেন। সাণারণ দেশ ও পাধারণ জ্লাতি বলিয়া গানী ক্রেমণঃ বুছিট हरेएठरङ् । (कान कुछ विनः) शाक्ताओ का (वाका हैवानी श्राप्तमीय मेंचता वार्यम मा निष्टा खाल চাৰাদের রিক্রেক্টর পজে প্রধান প্রধান লোকের क्षक खानिका श्रकाणिख **इत्र। जर्थ**ा खाः লাই অল্ল ভিল। ইছাতে প্ৰবিদ্ধ প্ৰশিনিখন करमन, अक मंत्र वर्षमध्या (य काफि अक मह गर्थक राष्ट्र (माक श्रम्भन कहिन्नाहुइन, वीशक्ति शिव श्रम् । नाहे। भवनिक अभिनियन याव कींत्र नथावीत महात्र वाकाली मंग्रक चुना कविश <u> नौकिष्ठिगटकः धार्यानः। श्रमानः कतिहार्दछन।</u> चामता प्रश्लिष्ठ रहेगाम, हेलियान (छंगिनिकेन এই नीहाभवाका रहेएक बुक्त स्टेएक शास्त्रम निष्टः विक्रम कविद्रा विष्ट्राएडम, याष्ट्रमीतिरशत तकनहें के ला। अध्य छैदिन तमात आड़ब्त क्षक इब्र मह्म नाहै। जामानिहनत (व जाछवर আছে. ভরিষিত আমরা সর্বাদা অ'কেণ कति , ? व्यामामिरशत नकशहे आयात @ कथा निडाक अपूर्णक। अभात अवभारे विकासध-ভুলি বিবয়ে এপৰ্বন্তে কোন উভ'বনী শক্তি श्रमनि कतिए भाति नाई; कि अ विवस्त श्रमाह यह स्ट्रेटिड अवर अहे (हर्ष्ट्रायु (स मीख क्त हरें(व. काहात गरमण्ड माहे, व्यामनी अञ्चल बनिएड शाहि व्यामानिरशत छात् ভবৰ্ণছিত ইউবোপীয় বন্ধাণৰ এ বিষ্টো आश्रामित्रां ब्रायका काम श्रामान श्रामान क्षिर्फ भाषिरक्रहम् ना। এম'ङ व्यवस्थान भन लिक अभिनियन ও ডেলিনিউসের विक्रम अर्थरा माज इरेटडर अवर जामता जनायार है। অগ্রাহ্য করিতে পারি। তবে উঁাহার। একটা ওক কালেজের উন্মার্গন হয়। মিগনরি সমাঞ্জের **छत कथा विनिद्याहरून, अक मंख वर्ष अख खद्म वर्ष ज्यान त्मन विनद्य अहे (य. त्यममञ्ज छन्न हिन्छुत** লোক হইয়'ছেন কেন? সভা কথা গুনিতে চাত? বিবেচনা করেন এয় বাইবেল পাঠনা একপ্রকাদ ব্রিটিল গ্রণ্মেন্ট আমাদিগের, জীবনচ্রিড বন্ধ ইক্সফালব্যাপার <sup>ট</sup> ইহাতে বালালি ছাত্রগণ খ कतित्र एक न न किया थ कोहत करेंकी क कामा धर्मा कर्म काबी एत्र, कामिरगत निमित्र विनिष्ठ न

मिट्रपत्र बट्याला: **क**त्र कः वःटङ्ग ? रमनापरनव मोडाकार्यः दावळाळगः नीखन काटन यथार्थ यह मर्गद्र अहे बर्जानः एकः जामानिग्रक अन्धकाः

खिमक श्राधीन,लाएकत<sup>्</sup> (५%) कतिएक **२४ ।** हीस (मटनव बीटनाकिक्टशदः अम्मकन वान्यकाः विधि तीर्शाङ्काम वृक्ष ताचा रहा छीराताः व भारत काम कित्रां विकासिक भारतम ना এটी উ:हापिरभद्र ना रिनोहलाहकांत्र र्हेम् धः (क २

Sent aim 1:a:-**5夜 中 市 タ** -26-

मश्मा !

ण रे (चङ्गप्रांतिव ¢नामश्रकार्म " शवर्रवरे श्रिममदि विकासको अहे निरक्षामाम किला भनि य धर्णावजी धर्कान कतिवादहन, जामाह বোধ ইয় আপুনি ভাষাতে কঙ্গকগুলি অম্মূল वाकः श्राप्तां क्रियाट्डन । जाननि स्य हेन्हा ৰ্মাক আপনার পাঠকুগণকে অমে পাভিত ক त्वन अञ्चल विरंक्षणी क्यां विकास अञ्चल्छ चाफ अव महेक नित्र के फिनाम अ माधम काँग्र আপনি যে আহ্লাদের সহিত সোমধকানে এক পাৰে আমার পত্রথানি প্রকাশ করিব जारात माम्य नाहे।

বিদ্যার যত অগিকতর অনুশীলন হইছে ভত্ত মিদনরিদিবোর উদ্দেশ্যদিভির ব্যা बिवारबर्ड, उएहे **डी**शक्तित्व একটি অমাত্মক সংক্ষার বন্ধমূল হইতেছে ৷ আপ नात अहे क्षत्रम वाका व्यमानतहित्व, अहि निश्र मंडगाज्ञ. পार्ठकवर्श वृक्षश्चा नहेएक भावित्वतः এবিবরে বাক্রেয়োগ করা আবশ্যক বোধ रप्त मा बिजीयणः वाननि উक श्रवादि अहे ভাবে লিখিয়াছেন যে, কোন মিসনরি পাইপ্রকাশ शूर्तक कविद्यारहम् य, अकर्ण श्वानिरडनिक कारमाम्बद्ध चारमः कडा बाहे। चामका पूर्विरंड शांतिनः ए ना अत्रात नगर्स याका श्रामा काश ইইডে ইইয়াছে। কিন্তু মিস্বরিদ্যাভের क्नाणि अक्रेश काखिक्षाच्च नरह स्व केशिएअस्ति

्य, भगाष्ठः वा क्रियर्शव बिश्व अक्षेत्र कार्सक १२ मिथम न्युक्तिश्रहन्त्री कारमञ्जूषाका छ हेन्छ ।

का है। है बाद। मुझा धिका श्राप्त शुक्रकानि नम् ७ त ब्रह्मा छेटिएक भारत मा। प्याभाम া প্রাক্ষেট থে, প্রেলিট্ডনলি কালেকের সদৃশ + देना (४८न त कारतक भारत मा । कारण के छन कारत छ इहेर इ. १८ मि ्रण कार्लाकात । व अ अम अ शहीरका छी व ছুল্ডার সংখ্যা অধিক। আপনি কি বিস্মৃত ংগ্রাছেন াা, ময়লা প্রস্তাত করিয়েত হইলে শলে,র क्षांतम् केष्ठः भारकः। कार्याः व्यापनि कर्ड्सः িত চণ্ড ইনিষ্টি শুননালের সাহিত্ত প্রেসিডেনসী কালে (छाड़ इनमा इके) o প'रद मा। मा **५३वाव का**तन कर संभएकोल कारनाइकत वि.**व भर्तीरका** ্ীন বালেকের ভালিকা ভিন বংসরে ২৬ হইডে २ भ्रां ५ इन्धार्ड अ१२ । क् इक्ट इंसिकि हिंदेन ার ভালেকা ও ইইডে ১১ পরাস্ত হুইয়াছে : अकर्म (वर्द्द्रमा काल्य एक म दिवस्तवस् स्वतिक .बरमनीसा ১৮৮१ প्यःख (खरनहान **এসে** ध নিষ্টিউপনে বৈ এ পাঠেব শ্রেণী ভিল্ক: বং ১৮৬৮ প্রত্তে কর্থিছেল মিন্ন কালেছে 🖡 এ পাঠনা ছিল না। স্কুতরার ১৮৬৮ সালে ক কালেজধন ২২০ত ছ'প্রগণ বি এ প্রীক্ষায় বি হপে উত্তীৰ হৃহতে পারে ? আপুনি পুশ্চাৰ ণু লিখিয়াছেন যে কাথিছ্যাল মিদ্ন ক ব্ৰেজ হইতে কেবল ছাত্ৰেঃ গৃষ্টা সাত্ৰ উন্তীৰ্ণ रहेश्इहा अञ्चल्हा एउँ । ऐंद्रीन इंद्रोल कावन अर्थे निवास करेरिक एवं करें धार्यम **अर्थोका** केर्दित क्षाति 🐯 । १ क्षेत्र ५ क्षेत्र क्षेत्र माहे। (म.भ) 的不同用門門一门中心 布 对 56 (阿尔) "确定的证据。 र्दर रहेश १७ - ३० ७० म ल्या इत् स भूबोध १५ जिमें भगन कार (ले ﴿ 明] डे ाद्यम् ।ग् ·계구위, 이 과 스러의 기계에 1호(j) : ☆ : ☆ अद्भा ६५ राम भाषा । स्वाप्त व्यवस्थात् । स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व नार्याक्ष क्हांक क्षेत्र भागा है। एन प्राप्त केल · 有引 · 医乳化多 · 医二氏 · 电二流 · 超 · 品外的 पा**ंत्र) (संश्वदिन**, बार्युक भयोकात् आत्राहरूम प्रवेत कांग्रेस खाकारामक पटि कोर्यन्त्रभटकेता के ज् ¶\$ । अ मा ह ग ख्र १ वर्ग क्षेत्र क्षेत्र । 代明[日 | 日本]計でける "相爱"的 " 江西田 南门南门(出、六) कारकर इस

ुफ्डीर्न द*्या के* ब्राज्य **प्रदेश । अस्ति** द्राह

दिर्वय कथाधन (का ना - कि डेडिड नर्ट? उथालि (क्षांग्रह-न कार्टीक भराभभा न है। उँ: हा। ३३/७ ৯৯ मर्पर १৯ छन वालक अल अ गती काश के की ने इड्शाटि अवर खे ५५ मटनर लाश a - ख्रुम शवर्गाम हे इंख्यू अभी खेतालक हिला। মিসন্বিকালেজাদকল চইডের ৯০ মধ্যে ৪৯ পালক উজীর্ব হুইয়াছে। মিসমরি কালেজে क्षत्रमः सामा क्षत्राधिक 😝 भवनी महि हा 🖼 द्रुष्टि প্রাপ্ত বলৈক হইলেও গ্র-গ্রিফট কালেজেব ভুল। भा इहेरा चत्र व्यांतक भा पार्य भवीकाष्ट्र देखीर्य क्टेरलर्ड केश कि दिन्धाश्वर नर्ह !!!

> ভূতীয়তঃ আপনি বালন গ্রেমিডেন স্কা (लाटका का.मेक वर्ग व्यामा । काशाव महरका बाग कांग উलिए रहा म'है। याहाता हेशत विश्तक विनिधा बार्क कारावा वर्स, यमाबा कार्लाकत স্থিত ভুলনা করিলে প্রসিত্নসি কালেকে भवर्गरम्द्रस्य व्याफ्रिक यात्र ब्रह्मा भवर्गरम्हे অর্থাৎ কর্ম ভূগণ প্রেসিটেন নি কালেলে श्राष्ट्राक हार्राञ्चत निशिष्ठ २५ होका मान करवन। গ্রবর্ণানের অথাৎ করদাতৃগ্র কাখিডালাল মিসন कारनात्व व्यक्तिक शास्त्र अभाव अक्सूमा श्रमात करवन ।

্কান ব গ্রের কেয়ালির নিজ বিষয় ছইছে यागिक २ · • इने चंड টोका प्याश हिला। त्म ভংগার প্রভুর নিকট হইডে মাসিক ২০ বিংশভি মুদ্রা মাত্র বাহণ কারিভা একদা ভাষার প্রভ জানিতে পারিলেন যে, ভাহাব কেরাণির भागिक २ • • बिझ काश कार्ट्स छ ९ कार् কশ্মচাত করিয়া বলিলেন যে, তোমার নিমিত্ত মাসিক ২২ - মুদ্রা বয়ে ছয় ভোম'কে বাখিবার | ৰায় আৰু দিয়া উঠিতে পারি ন :

इंश्लार्ड कर्मक नारलंड धर्मा वर्ष नामस्थान कर्कुक स्थापित क्या (केंद्रिकात) छिएक्र है। लिक्स मान विषर्य माध्यारम्य कर्षवात कर्नरक म स्थान **धकान करवन। भवर्गमाने काँकार**नव कारायः क जिरुसम् अवर स्वास्थ्रकात् व स्व इड्राफ निक्र 😘 পাইলেন। অত্ততে গ্রেণ্মেটের কি সেইরূপ কর। फेडिज बच्च ! शाशास्त्र श्राप्तिय (क्षाम माहे, फार्ट) ৮ইলেও কি খুষ্টাৰ্মে এড নিকৃষ্ট

कम्। हिर (मन विदेखियाः

# मुला शांखि

ক্রীকে ব ব প্রভাওচন্দ্র চট্টোপাপার রায়গঞ্জ " क बीनक न थ नक् हेल শনীনন্থে ধর পুরতিব্যাসান

े विश्वीलान बद्यमालापात्र स्थान

📍 প্রতাপচন্দ্র বড়ুদ্ধা রাম্বর্ট্ট্র

भ वृष्णायमध्य ताल मु:मर 20

20

# (मामधकानमः काष करवनी বিশেষ নিয়ম।

मः जिम मृत्र ও ভাকমাসুল मा পाইলে मर्छ-योज (मामध्यकाम (ध्युन क्या यात्र मा।

हेशत अधिम मूला वार्सिक ১० छाका अवः যালুনিক লা॰ টাকা সক্ষলে ভাকনাস্থল नरमञ्ज्ञार्सक ३ 5, सान्तांत्रिक १ अवर देख्या-গিক ৩৮০ ভিন মা**দের স্থানে অঞ্জিম** মূল্য এইণ করা যায় না। ভাও, বরাজি চিটি, স্থান-अड दे, (मार्टे क्ट क्टांग्ल हिंकिंगे, इंड्राय कामाज्य ষাহাতে যাঁহার স্থাবিদা হয়, ডিনি সেই উপত্তে धाता भूला । श्रातन क त्रिक्स ।

.मॅं.शता है।क्लाफें कडे भाशाहरवन, के:शता (यम अने अथवा काव जामात अविक भूटलाइ व त्रतीरतत हिकिए (ध्रतन मा करत्रमा

ষ্থন যিনি মফত্বল হইতে গোমপ্রকালের মূলা পাঠাইবেন, ভাছা যেন রেজিপ্তরি করিয়া 🕮 যুক্ত দারকানাথ বিদা: ভূমণের নামে পাঠা-हेच्चा (पन ।

योशिमिरगत मृना नियात **ममन्न क्यां**के कडेन्ना व्यामिटन, अकमामधूर्य काशामिशाक िति निश्वित्रा स्नामान बाहेटर, काम प्याफीफ श्रेष्ट्रा भारता अक बात विक्रिं सुधा हहे त, छाहात भूत একমানকাল প্রান্তীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা যাইবে। লেখ কারের গঞা কেয়ারিং পাঠান **इ**क्ट्रेंच ।

भाष्ट्रका जबल्दापुर स्थानानुत द्विमानं प्राक পরে চিটি আইলে অমৰা নীয় পাইব।

योकादा माञ्चल ना निशा भारतानि (अदल क व ानन, काशांकाशत त्यहे भन्नांकि अहम करा शाहेह्य मार्

.কঃ সোমপ্রকালে বিজ্ঞাপন দিয়ে ১৬% कार्राल है शहक अध्य छिन यात्र अछि ११८ छ 🔑 পান। ভাষার পদ্র ১১০ জানা দিটে ব্যাব। यान धार्यक काल विकासन किरात ईन्छ। न ते े (बस) केर्नुत भाषात वालाख वर्रकार के रहेर्दर

क्क अब भाव कालका श्रव नामन भूत শ ব এলাবায়ণ লাভ বন্ধান কুঠিবাড়ী ১৩। মাডকা বেল ছেছের সোলবদুর টেসনের দাঞ্গ ৭ চালভিপোড়ার উল্ভ হারভানাধ कृषदेशम् बाह्नीदकः व्यक्तिभागवतः आकाकादन লক্ষ্মিত হয় 🕽

200

মহানম আপনার বৈত্ন কর হইয়াতে, অন্তর্জন আর পাঁচ টাকা অধিক আগণনাতে দিলাম। আর কাই কাই তিনি এইত হিনপ্তের সহিত্ত সম্পাদন করিশেন যে, ভাছাতে আনি বার পর নাই নজোবালি করিশান।

া ভূণানি ভূমিদদক্ত বাক্ চতুৰীৰ প্ৰদৃতা। আউলেপে সভাত গেৱেল্বেন ভিন্নতে কলচন।

कि वे अहे बाहकात छोर पदा व्यवशक्त अडे सार्छम । এই महाश्रात अन्दीर्शन करा जानून क्रात्मत राधनीयां नरहा अक्रात काबि हैक কৃষি পৰিভাগি কৰিবা স্থানান্তরে গমন করিতে आधा श्रेवाहि। इत्वक्षात्राम्कादवः चीकाव कवि ভেচি যে, জীযুক্ত বাবু সারদাপ্রসন্ন হার সম্পাদক ্জ্ৰীযুক্ত বাৰু কুঞ্পলসম রাম্ম ও জ্ৰীযুক্ত বাৰু হাম Ann बास हेंची इर त्मानबास चीतक, शहराशका রিব, সৌজন্য ও কারণপ্রেকৃতি গুণসমূহের জা शांत चत्राण , के कुछवितः, विक्रकन महाचारास्त ্রে উক্ত আমস্থ বিদ্যালয়দীর কর্ষ্য উত্মরূপে সম্পন্ন হইভেছে। মৃতীয়তঃ, শিক্ষকাণ ভাঁহামের (ते) करा, त्रवण्डा **अ** महामाकिन्यान अनकनाटन तमीकृष्ठ रहेशा अज्ञल পরিশ্রমদহকারে অধ্যাপনা কার্ব্য সম্পন্ন করিভেছেন বে, ভাষা বিবৃদ্ধ করিছে लिथती जनम रहेन अवर मान कारा शका निष स्टेशांक । आमि व मिथन जी विमानिस्यं প্রধান শিক্ষরে পদ পরিভ্যাগ করিলাম, (জানি নাকি অনেজিগংহিত কারণ বশতঃ) এক अन निक्क फेटेक: चरत स्तापन कतिया छैठित्नन। जामात डाँशातन गरिङ अछाउन ली हार्किकाय मध्यात स्टेब्र'हड (ये. कामात सञ्जतक्ष श्चवन इःथानननिकीपन्यान्तरम প্ৰবিৱল ধাৰায় ৰাম্পৰাৱি পৰিভাগে কৰিছে ল।গিল। কিন্তু কি আশ্চর্য্য যে সেই নয়ননিক্রছত मनिमध्यवाह व्यवनिकीरन व्यवस्य हहेशा वृत्रः দিকগণৰ উভিজ কড়িয়া ু পৰা আমি ভাছা ি ব্যক্তিৰ প্ৰতিষ্ঠা **এলপ ৰশীভূত হট্** ३ ५ त त क्षान ख्या व्हेट्ड प्राणवन कति, ७ थन जामान अने जामारिक हु: गर् गांधना প্রদান করিছে লাগিল। ভরে মন্ত্রেরে প্রভাব पकावतः देशकिथिय विविधा महा कविएक मधर्म ক্টল। একণে সভ্তম বজুগণের নিকট আমার সকরণ প্রার্থনা এই খে, উচ্চারা খনি কেন্ত এই विन्तानरम् कार्यः कतिरख श्रवाख इन, जरव र्यन फिनि अटडेंड् क्ट्रेंडड हिन्नेसिक व्यन वामिहित्क मन स्ट्रेट्ड अक्कार्ड सूत्र कतिया मन कामी बाउर विकार आर्थना करि, स्वन প্রভাতৃশ সদা শসন্দর মহাত্তরত্বর সৌভাগ্য

শখী চিম্নপার্ছি বাধ্বে শক্তক চি ১২৭৩ ২৮ কাল্ডন

a vente silvage little statistic to delice . The

১। মহাশন্ত ! বু অন শিক্ষদিগের *ে* উঠে। শুনিলাম, এও

खिरा । खाननाम, क्या खेंग्होरणत क्षणि क्ष्मकून मुकिनान कतिवारहन। कांकशत हैनम् (लोडेरक कृदेशा अकी मधा कतिएक प्रनित्तन। ताहे मुखा अ विषयंत्रीत बीमारमा हहेशा बांहेरन। खांग, किक्कमा कति. लाखारमा रहेशा बांहेरन। खांग, किक्कमा कति. लाखारमा रहेशा बांहेरन। खांग, किक्कमा कति. लाखारमा रहेशा बांहेरन। खांग, किक्कमा कति. लाखारमा रहे मखात विरवण विषयं हहेशा मांखा हैरित ना ? '' फिला माखात एकम मिर्फ क मकरलहे खारन। अ इखार्ग। रहन किखान करतन, अस्म महामना वाखि कि रक्षहे माहे? केस्जू। मारक वरक मकरणहे खांन बहनन। रहना माखिक, अ वात खिन कि कतिया वरनन।

২। শীত কালে <sup>চট</sup>ারপতিগণ যে মফমলে কাছারী করিয়া খাটোটা এটা বড় উত্তম বাবস্থা। इंश शक्य रमञ्ज कां ए क्रामिश्रा कार्रीरमत्रे स्थ विष्ठात्रभट्टे खाळकर्णाम, अक माज छ खत्रमाधक र्य छार्। मर्र, औ अवस्थात मस्यमवानिशन **ज्यान श्रमाद कर्म । लाख क**रिया थारकना अथमेल महीबामें ट्यारे व्यानकक्षी व्यक्ती ब्रहिब्राट्ड। श्वामीक्षेत्रवात्रशिक्ष्य अहे अवगरत क्छक्रिश कतिरक<sup>ः</sup> एव मिश्री करनकोरर# প्রिপুরিভ ইয়, ভ হার সদেহ बाই। মদবলে बार्या बार्या कार्यो । जानायत लाक निर्धारक भाक्षा यात्र । के शक्तियाक जातक चाल (मामत **औदिश्विमाधनश**र উপেক্ষাৰ দেখা যায়। ভাছারা এই া চারপ তির্গের প্রবর্তনায় যে व्याप्तकाक्षक कारकात (माक राजन अक्षा मानम कृतिचा बना वा ें अभारत । এই ज्ञान मर উদ্দেশ। नका स्टान वा बंदा (य विठातशिक मनचटन বহিগত হয়ে তিনিই প্রকৃতরূপে বলোকালন स्ट्रजन । क्यांर 'स्कृष्णनाव्यम् (स त्यास स्त्र कार्य करल निकिश्व हम्र मा।

आमार्शित कारहे जा महकूमात एड शूछि माखि छोडे कालिकामात्र वांत्र अहे (आनीमरपा नितित्र निकारित समाजिक विमन्नी कु नित्रस्कात अ कथा नकरनाई विनन्ना शास्त्रमा। (मधिनाम, चिनि मञ्चारत सानिज्ञा (मुन्हिस्सन्त कार्यात श्री (फेस च ) कार्च भी पन संभव

शाटकाः किश्व वासकविताः 😿 मिक्तिके शुक्तकमका व्यक्षाशिक कि. के অফুখোদন করেন নাই। ভিনি বলেন ৰে আয় নিব্লপিত আছে, ভাহা কিছু कतिहान वर्षमान व्यवकाष अ स्टब्स्ट र বার সম্ভাবনা অতি অল আছে। তিনি প্রদর্শন করিয়াছেন, ভাছা যে সংগ আমরাও স্বীকার করি : কিন্তু উল্লেখ প্রায় অন্তন্ত্রপ আয়ু বুদ্ধির আপাডভঃ কে: ন यहे नाहे। ज्यार अ कारी अस्त प्रत्न भीनि যে, ভাহার চতু:পার্থিক স্থানের অধিবাসী फ मून बावकाशक नहिन, (य डीशामित न**डा** शन्तक अ कृतनत केळ (खानित निमिष्टे शुक्क गक्न व्यक्ष्यास्त्र भार व्यन्तात्व (श्रार) वहिर সমর্থ হয়ের। আর্ফাল লকালন দেখিয়া আর্ফি एक है, अ क रमत हाजान के के स्थानीत निर्मि विवश्व (माहेनात इंखिन शुर्ख --(नत भव हाति मिनी भूनायह **डाहारमञ्ज अस्ति छान्यरमञ्ज** উक्ष उद निका भ हैवाद विभिन्न काहारमञ्ज कारण विश्व करि এই বাষান্য বিক্ষার সঙ্গেই ভা শেষ ক্রুয়া য়ায় 🕆 ক্ষার এ শিক্ষ कती रम. (म विठात छात ६ कतिनाम । अ त ९मत अ कृ मत माहेनद्र श्रदीकृत्य উপन्ति हा कार्या हहेग्राद्धं वटि शक्ति । शास्त्र नाहै। अवृत्याः ७। ४ कात काना श्रेष्ट्रिक रहेवानि পীড়াবদতঃ ৽ ব্লীকাক रम नाहै। का है। ७ वरमदात । य रेखा नीत ! वाहरव, देश ह विद्या वरकत कक्षरतः विश्वतः প্ৰস্তাৰ করেন , যে -(बाना इंडेंग । एउ **नमस्य वि**यम ' '

देश्वां जिल्हा ভ করিয়াছিলেন ं '(नक खप्त का क ্ক বিবার মানদে . স্থাত করিয়াছি , কাগজে জমা হই দর দম্মত বাকি অসুপশ্বিত থাকাতে ্ন আর একটা সভা

२३ग्राट्ड

হার উপকারি ু ঝলে ী ক্ষাতা প্রীতিভালন হইবেন তাহা ঘটে কিছু দেন লাখেন। १ ७ १ द मान म अधार्म अविज्ञ अस्ति। बनद्रादी कादामा তাল গাত্র। প্ৰবাসিনঃ

-000-

১ म। त्रिलाम, এक वालिक धिष्ठक এकछि प्रकाशमास अकनि शासी <sup>|</sup>लहेश (लाकारन াকানে ভিকা <sup>কৈরি</sup>তেছে এবং অনুরোধ वाकर भुतिहा भाषिजैत मूर्थ গৰিতা দিভেত্ত সুদিক্তিত यश्रहारम शिक्षा वाश्रिक्षा मञ्ज ं अवर ध्वनचित्रकारवह छान

> ার পর এই কান্দীর মধ্যস্থ ক্ষে হইয়াছে 🌡 অক্রড়া ডেপুটা । ते कल इहें छ जानाज छः ं इहारहम। वशिकारम के शर्थ ্ষ্ট হয়, ভাষ্ট্র বর্ণনাভীত। ! अयादन िंगकत यामक ংগুলিব প্রান্ত্রাব অধিক

> > যেরপ কাজ ें गर्भ भारत ज \$1·ፑፕ

> > > है किल खन दानाभाइ है ब শক্তব সেন

ার 🕸 করিয়া দিবেন না, ইয়া িহইবার কথা হয় গাক্ষ সে দিবস সেন মহালয় <sup>বিষ</sup>্ট ক ? আ জ কালি শ্রীযুক্ত বাবু কোন কার্য্যোপসংক শান্তিপুরে উপস্থিত ও মহ শয় প্রধান দেওয়ান। ডিরি : হইডে পারেন নাই ; সুভরাং সভাও হয় নাই। াংকে 🖫 নংখন, তাঁহার স্ক লটীর প্রতি 🖟 আমরা দেন মহাশায়কে বিনীতভাবে বলিতেছি, टॅाराव अवरत्न ऋ त्मत काव रेस, जिलि अव का १० देश बरनात्याणी रून । कामा हरेंग्य#ल निन्मा छोखन इहेरवन, एडमनि ! मिट्यत अवामा अहे आर्थना (स, शतम लिखा উচ্দবেদ করিতে পারিলে ভিনিয়ে পরমেশ্বর সেন্মগ্রাকদীযায়ু করিয়া রাণা

> अभिता कट्यक्ने अव**नाम औ**गुक्क वाबु वाम শক্ষর সেন মহাশয়কে এই অপ্নরোধ করিভোছ, अञ्च अरुश्वाक भा छ्यात्वत वानिकाविमानम् कट्सक्जीत श्रांक यज्ञान इहेसा कावनाशरनद শিক্ষার নিমিত এক এব দি শিক্ষাত্রী নিযুক্ত रत, धमक छेनात्रकः । (मन। काहा स्ट्रेल অবলাগণের প্রতি কোন গুনিষ্ট ষ্ট্রবার সন্তা वना थारक ना। त्यांच का (मनमहानम् मरना (गांशी इंटेरल अवनाई ३६ के शाहिता।

জ্রীযুক্ত বাবু বিজয়কুষ গোখামী মহাশ্র শান্তিপুরে একটা ভাক্তরখান করিয়াছেন। এই ভাক্তরখানা হওয়াতে লাভিগুরবাসী দীন দিগের কভছর উপকার ২ইস্কেছে, ভাষা বলিতে भाति ना । मास्त्रिभुद्रनिवानी अपकरम उँ क्षेत्रं यस कीर्द्धम कित्रिए हा। लायन महानय यहानि अशास किङ्क्षिम थात्मन, पाश इहेटन वड़ यक्ता ।

वाइगाकी। ३৮ काल्खन

## मुना थालि।

ি 📆 কয়েক দিন। প্ৰীৰণ্ডৰ বাবু বামনাম বন্দে । পাধ্য যুবৰ্জমান ৩৮

|   |              | • • • • • •  |      |  |
|---|--------------|--------------|------|--|
| Ä | ভারিনীচরণ কর | । डिन् हार्ष | ₹ 3· |  |
| × | निद्दानील ।  | ' ভিত্       | ្វ ខ |  |

" निरम्नील हुनुका

 जैसेदीलम म्ड का गरेमकावीक 10

9

30

7 .

a বছৰাথ র'য় রামপুৰ হাট

<sup>চ</sup> রামধন শাসনল কাঁথি

" अञ्चलका वस्त्र वस्त्राकात \* हटार मध्य माम्रान

वाका भागवहत्त्व निवि महास ভারকেশ্ব

बीयुक जि. नि, मिख वक्वांबात

20

١.

# দোমপ্রকাশসংক্রান্ত কয়েকটা विटलंग निवस

व्यक्षित्र मूना ও ডाक्साञ्चन ना भारति पर-चरन । गांमधकाम (धारन करा बाग्र में।

हेशत अधिम भूमा वार्षिक ১० जिला अवर यान्। त्रिक elle होका मार्म्यत्व जाकमाञ्चन नरमञ्जविक ३७, बान्यार्भिक १ अवर देखमा-निक ७५ । छिन मारत स्राटन अधिम मूना धर्न कता यात्र मा। छछि, वताछि छित्रि, भान-व्यक्त इ, (नांवे अ क्षांच्य विकित्ते, हेशत व्यन। कव যাহাতে যাঁহার প্রবিধা হয়, ভিনি সেই উপায় षाता भूगा (श्रत् कित्रित्व।

ষাঁহার। ষ্ট্রাম্পটিকৈট পাঠাইবেন, ভাঁহার। र्यन এक अथवा आध आनात अधिक मृत्लाव ও व्रशीरमव किंकि छ थ्यवन ना करवन।

यथन विनि मक्षणन रहेटल मामक्षकारमञ् মূল্য পাঠাইবেন, ভাষা যেন রেজিস্টরি করিয়া জীযুক্ত মারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা-हेम्रा (मगा

य शिक्तित भूमा नियात मगन अलीफ स्टेन्ना व्यक्तित्व, अक्यामभूरर्भ काशिमिश्यक हिन्नि विभिन्ना खानान साहै (व, काम खाउँ) 'A क्हें ब्रा গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, জাহার পর একদাস্কাল প্রভীকা করিয়া কাগজ বন্ধ করা ষাইবে। শেষ বারের পত্রা বেয়ারিং পাঠান इहेर्द ।

মাতলা রেলওয়ের শোণাপুর ষ্টেসনের তাক ষরে চিঠি আইলে আমরা শীল্র পাইব।

यों शित्री माञ्चल ना निया भाषानि (श्रत्रन कृति त्वन, डीशहिर्धन त्महे भजामि जरून कता याहित्य ना।

কেং গোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইচ্ছ। করিলে ভাঁহাকে প্রবন্ধ ভিন বাদ্ধ প্রতি পংক্তি 🗸 আনা ভাষার পর 🖊 ১০ আনা দিভে চইবে: विनि अधिक काम विष्यापन निवात हेका कति-(वम, डीहांत महिष्ठ चाड्य वहमावस हहे(व।

👪 এই পত্র কলিকাভার দক্ষিণ পূর্ণ মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ফ্রেসনের দক্ষিণ চালভিপোতায় জীযুক্ত ধারকানাধ বিদ্যাৎ ज्यांनत वाजिएक धामिरमामसाह धारकारत शकाणिक हत्र ।

२। এ वरमञ्जूषामानित्मक क फिल कर हाज बाहेनात खनानिन नदीकाह केली व हेरेया पूर्व वरनरत्नत समा वृश्विन कि द्वारङ् । शष्ट कर्यक वश्तुक व्यर्भका अ वाह कारकमा च त्मन कार्या खेत्रम बेह्रमार्ट । खेती १ काजगरनव बर्धा जीपुक्त स्टब्स्यानीयन बन्ध्य मान तर्मा भनी कट्साटक, क्रियुक्त करमाश्र साहिष्ठि क्षिकाका विचित्रम् कट्रम् छ । श्रीपुक्त करा धवक् ताव (।।वा नवाव क तन यादेवन।

७। कोर्जिश्व धर्ममुखात श्रक व्यविदिनदन प्रमुख्य कहा जाताम छत्र केवीन. क्रीपुक वाद कार्तिहान देवरञ्जूष ७ जीवुक व व कुक्कान नव कांत्र वि.ब. वि. अम. अवर प्रमामा करप्रक गांक कुर्भाष्ट्र इंदिलम, मकात कार्यक्षमानीमन्द्रम कृष्ट्राता म अके व्हेत्रा शिवाटक्स ।

> >つりは 別時 २५ व मान्यन

> > 30

## প্রেরিত।

ান্যাৰর জীযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক

### মহাশর সমীপের।

১ : সিউড়ির জনতি দূরে বশপুর নামে এক चानि त्राधान। अत्र जाएक। जिस्तांतीता तांधा व्रवकः शक्त नदहे। कृषिकार्याहे जाहादम्य अक माज की बरनाथाया। ज्यम् ना अंगरम्भा अक्रि नियंक्रम क'रन के दन (यंत्रण अरु अरु क्रम कृषि की बीटक करणकां कुछ नः शांख्यात स्ट्रिंड (पर्वा গিল্লা থাকে, সেইল্লপ যৰপুৰেও এক জন কল্ **এहे क्यार हा किছू सामोज क**नियाहिन। काशास क्रम कम्ब्रेटम अलदिवादत क्यांत्र क्यां लिष्टे काल घालनी कतिरव, ना अर्थित महस्त्र कानथे कामिन्ना को हो है मर्टिका रिक्ट्र माथन करिन (अ विन करव्रक का<u>र</u> जनमारवन ( जनका: a कान ) भनवम् स्टेशः । खाराव शहर धातम् कविशः ছিল। একখানি গুছে কলু সন্তীক নিপ্লিড ছিল। সচরাচর দেখা যায়, বিপদ ঘাটবাই পুর্নো মভির ख़ित्र**का पारक सा । ये** हिन कन् देवना ५ कालन গুংৰার ক্ষ ক্রিট্ডে বিশ্ব ও ছইয়াছিল। क्षुष्ठ होर (हारत्य) यनात्रारम काम्रात भवनाभारत श्रादन कवित्र। शृहत्रामी काहादस्त्र क्षत्रम्भारम काम विष्ठ स्टेशा केंद्रिन । कथन मञ्चादा काशत श्रामरम प्रतिका श्रादिमान क्षित्र। विकेश काश्रार नरमंत्र करते। श्रामिकाम प्रशेषिक खेरिला

क्षानवांकु क्षञ्चान मा कार्यात्र शक्ति व विक्राहर्क जानमाः भातिएव व्किन्न स्वर्य (क्षेत्रमे क्षिन) मूजी पूर्व अवजी कनारी है कत्रिमा अकस्ति १।৮

রৌপানিন্দিত অলক্ষ্য ; . <!CP? क्षान्य क्षेत्र । कोश्टिख खाश्टिन सर्मान्य मा পরিত্র হইল না। ভাহারা অনুসর একবানি ग्राह् व्यापन कतिन। एथात्र सामक विश्वा तमनी, इटेड्री निष्य महेत्रा महान हिना। श्राह्म মাত্র ছার্ছাগ্য বিধবাকেও পূর্যবিৎ আরম্ভাপর করিল। ছুরিকা দিয়া ভারার জীবন রয় অপহরণ করিল। শিশু ছুইটা উটক: খরে ক্রন্সন করিতে করিতে গুছের বাহিরে আসিল। ভারি কণ্টক হইল দেখিলা ভাষাদেরও লির্পেছনন করিয়া ফেলিল।কিন্ত য উদ্দেশ্যে ভাহরা अगृत्व क्षार्वन केवियाहिन, काहा निक श्य নাই। শুনিসাম, ভাহারা এগুচে কিছুমাত্র পায় नाहै। छथम मञ्चालन निस्तिष्ट या या यात्रात প্রস্থান করে। এই রূপে ৫ জন মহাগ্রানীর প্রাণহামি হইল, সে গৃহের যথাসকীয় অপজ্ড হইল, অ্থচ আ্যানের মহামতি শৃঞ্জিরকক त्म ब्राट्ड किছुमाज (हेब नाहेन ना ! देश जब विन्धप्रकत विषय भाष्ट्र। कि इम्प्कात कि শোচনীয় ব্যাপার !!!

শুনিলাম মহ। ধুম ধামে অপুনদ্ধান আর্ড क्हेग्राष्ट्रिन । किन्नु काटल किन्नुहे क्य्न भारे । शद्य ये वनवारव्यम्भव गर्भा अक स्वतः चिकानरव মদ্যান করিতে গিয়া মতভাহেতু হউক বা चना कांतर करते हडेक, जाञ्चलुक्तिक मनस्र कार्यात्र व्यथत मानुष्यम्यस्य श्रकाम् कर्वः ভাষতে ছাভিছালয়খামী কর্তুপক্ষসমীপে पुष्ठ कवित्रा गहेगा यात्र । त्रथात्मञ्ज (म व्यक्शे হাগরে সকল কথা বাজ্ঞ করে! কিন্তু ভাচার गरुष्टरत्त्री किष्ट्रभारत चैकात करन माहे। अथन ८ ঐविष्युद्धतः (नय मीमाश्मा इद्ध माहे। शर्द याश रम् काशमारक काना हैवाद मानम दहिल।

২। এক জন ইন্ধা জীলোক একটী ৮।৯ বংসর বয়ক্ষা বালিকার প্রাণ বধ করিয়াছে। গুনিলাম জ্রীলোকটা উক্ত বালিকার ধাত্রীশুরূপ ছিল। शंनिकाणित गांद्ध अध्यक्षांन जनसात हिन्। এই जनकात्रकी अस्ट्रान्ताम वामासद्त नरेश याहेला अक रेफुटकरख वालिकांशित शान।

शका खलनीताद

भ रमात्र व्यायान स्टेश 📑 किन्छ 🤉 २० ज वृक्षिएक भौकाधिकाश्चक अञ्चल्पन व शक्र भारते भावा शिवार्ष । औ मिन निरुद्ध ছিল। জনেক হাত্রী নপুস্থাতে '' হাটন ম্বামক শিবের প্রক্রা দিক্তে গ্রিয়া পথে ঘার্ট্রে পড়িয়াছে এরূপ শীতে যে বরু মাত্রব আখরা আর কথন শুনি নাই।

२। এस्फाल ७ कृष्ठिका इहेश हिंहा 🕻 রিবংলির জল উচ্ছু সিভ হইয়া মৎস্যাদি फेरिकिश व्हेम्राहिन। चारमरक हेरा स ত্তির করিবাছে।

৩। সেই বর্ষ:বিধি ইঞ্জিনিয়ুরের। ছা করিভেছেন কিন্তু এখনও ভাষার শেষ नाहै। वर्षा छ श्रुनतात्रख, अ मिर्त होकात्र । ररेक्का कर्याहादी मिट्सद किमत्रश्रद वर दहरक अ होका किছू भवर्गरमंडे मिरवन ना। जाब **्के ममूनग्र मि**ट জ্ঞামরা 🙏 क'ठ वाम इहेन, . 484

भारताः कातः क हो 13 व्यक्ति क्यू मा। (कालघाईत प्रक्रिकाः वार्थत चार्ड অস্থান ৮ ১০ পর্গণার রক্ষা হর কিন্তু কেবল: ज्यवनीत क्रयीमातनिरात्र विक्र ह्हेरक म्यून्द्र ष्टे का कामाप्त इस । किलात कारमञ्जू नारहर ४५ तिक**ট कामडा भुनः भूनः कार्**वणम कार्रशाहि देक अ भर्याख जाहात किहुहै सरमानस हो 🔭

৪। জামাদের গ্রামের দক্ষিণ পাটাশপুন भर वा करछ भ्रुवा शूटर्स এक छन नवारवत अधि कुछ छिल। शाब २० बरमहत्त्व अधिक रहेल, ईंहई গবর্ণমেন্টের রাজ্যজুক্ত হইয়াছে। তৎকারে हेरात विश्वापि यासावस्य हरेश्वाहिन। मध्यार्चः সেই মিয়াল অভীত হক্ষা 🐃 প্ররায় বজোবার माद्रक हरेब्राह्म । सुरस् भूजी कारलक्ष বাৰু রামাক্ষয় চট্টোপগ া ভার প্রাপ্ত **र्हेप्राट्टन। काम्याः** स्वा हे (वना (इस कुषकारितात महिन्छ 💎 🦥 ङ १व्रा मञ्जा क्रयकरळात्रीत खेला ः मगाणिक रुरेटन

Sh. ं**™**रश्रऽ

न्द्रात्राचित्रमञ्जू ।

छ 5 ना माक वक्षमीरवारत मुख्या अध्यक्ष অভিনয় শোচনীর ব্যাপার ঘটিয়ালে ডাই থানাধ অন্তৰ্গত কারাড়া গ্রামের पर अक नमी जीत करबक खन वन खाड़ा त्वी के निम व्यविष्ठि करता व्यक्त दाजि ন এক দল মৃত্যু উপস্থিত হইয়া ভাহাদিগের শ করিয়া ধর্থাসর্দাশ অপত্রণ করিয়া লইয়া अता धार्क अन्ति ही, अन्ति वृद्ध अ हुने १३ अदि खान्त मुख भारत महिं अक्री ব্যায় কাত্ত সন্তান ও একটি সার্ট্রেক ্রের শিক্ত মঞ্লার হাসপাভালে নীভ ুছে। নিভগীর বাঁচিবার সন্তাবনা আছে। ्रत प्रतरतत्वे (क्वन मस्त्रक (मर्ग आधाउ ाम देशांमगरक ্য়াছিল 🕫 মতুব: প কাল্লিড গ্ৰন্থে অথবং শরী, শে আঘাতচিই অবশ্বেকিত। ইহারা যে সকলেই এক পরি বার্থ ছেল, অঙ্গ প্রভাবের লক্ষণে ভাষা প্রভীয় । इन्नाइडेड

मछली श्राप्तम मधा खाताञ्चरमत खाखर्गछ ইহা একপ্রকার অরাজক বলিলেও অভাজি ন তে শত শোচনীয় ঘটনা এখানে v (51 ভালা লেখনীয়ারা ব্যক্ত করা 8:818: !

निर्णित हिन्दल हे वाक बहरवा श्राय हुई নপ্তাৰ পূৰ্ণে এখানে আৰু একটী হতা৷ হইয়া ांग्र नर्जानाहे हहेरल है। পুলিয়ে ভাহার शनर्भकिक अञ्चलके एक अन्त के जात ार्ट्यां हें इहेंस अहेगा कविश्वा श्रृ निरम्द्र কার্যেরে উপর কি ধান দৰ্শ্চি রাখেন ও बान हो भी इसिया याव क है। इंदेर में लिकाद **सामा विष्यु**ह পাৰ বিব্ৰন্ত হয় না। कर मिशा । धर्मः **ভূৱিক্**নিপী∄ ্ৰেৰ প্ৰতি কুপাৰ কটা জ্বান কাৰ্য। ्र क्या करा। श र क इट्टेंग्य ।

নাবের জন্য একজি ডেবিদ সাহেব ভার ইতে জরিপ আর ায় ভিন মাস 🤲 : কোন কার্য্য আরম্ভ র্ভব করিয়া ক্ষণার্ভ াৎ করে । কর্ম্ম আরম্ভ ्ना तम ११८७ जातक া আগিতেছে i কিন্তু হন্তাল मित्क हिना याहेटल्डा এইস্ব ্ ্ডিড লোক উদর পুরণ - भारत ? यहाभि गवर्गयन्हे खना कि न. এখন खर्राप हेरात कान উপায় ना करतन, सिंध বেন যে अविनास अ श्राप्तन नवावी आंग्रासव ন্যার চোর ও দহাতে পরিপুরিত হইবে। আদ্য य (माइनीय वर्गभावती वर्गना कवा शतन, त्रिती যে ঐপমস্ত ছভিক্রিণীড়িত লোকের মধ্যে কাহার ছার। নিজ্পন্ন হয় নাই, ইহারই বা স্থিরভা कि ?

এপাত হয় নাই।

পর্য্যস্ত একটী

মওলা ওরা মার্চ ক্সাচিৎ পাঠক্স্য 72.79

মহাশর ! এস্থান এখনি যেপ্রকার উষ্ণ :বাধ হইয়াছে, বিবেচনা করি, বৈশাখ জৈও মালতে তিষ্ঠান ভার হইবে। মাঁহার। বহুকালপ্রাংগ্র এস্থানে আছেন ভাঁহারা কহিতেছেন, যে অন্যান বেংদর এনন সময়ে এখানে শীতের विनक्ष आवर्ष्ठाव थः त्कः। श्रष्ठ २६ (क्युक्यावि বাজি ২০০টার সময়ে মেঘাক্ষম হইয়া বিশু বিন্দু বৃষ্টি হইয়াছিল; ভাছাতে কোন উপকার म्ट्रम् नारे वत् अटनक अभकात स्हेग्रह्म।

সম্প্রতি এ প্রদেশের দোলযাত্রাদর্শন করিয়া ज्यान्हर्यती एक इहेशाकि। जन्नशालक प्रशासन्ता গিলাছে। রাস্তায় রাস্তায় প্রিক্রাণের চরি। দোলের কোন লক্ষণই দেখিতে পাইলাম না। কেবল দেখিলাম গত ২৪ এ বুছল্পভিবার ব্রাক্তি সময় স্থানে প্রানে রাশীকৃত কাঠাতরণ করিয়া ভাগতে অমি श्रवाचा रहेरन খদান কবিতেছে। পরে স্কুরাপান করিয়া hels & श्रञ्जूष নিল ক্ষ ষ্ট্য়া এক কালে উত্যান্ত প্ৰায় ব্টয়া কালা, লোবর, ছাইপ্রভৃতি গাত্রে দিয়া প্রিক দিবের থার পর নাই তুর্গতি করিভেছে। ভর ा जातत्र अकटन है ल्लारकत स्त्रीरमारकत्र वाणित वाचित्र व्हेरन

ाह्न, मखना जकरम जिल्लाहान्द्रभाव क्रमान क्रम (नव स्त्र : विद्रभव क দেশের লালা কারছেরা পরস্পারের বাটীতে গিয়া অবাদিপান করিয়া দিবারাত্তি হোরি হায় হোরি राव विश्वा महानत्क त्राखाच त्राखाच क्रम করিয়া যার পর নাই অসভ্যতা প্রকাশ করে। अटनमीय (कांन नाना कांश्त वांनेएक व्यक्तितन यसानि इस्ता निया नचान ना कहा लीहै छाहा रहेटन छारात आत अधाष्टित (नव बाटक मा। ২৮ এ ফেব্রুয়ারি রবিবার এক তান বারাজনার আক্রিরপ মৃত্যু হইয়াছে। সে রাজি ১০।১১ টা পর্যান্ত এই হোরি উপলক্ষে সহরে ভাষাসাদি पिथा चरत शिक्षा गरान कविशाहिल, शाएक पृष्टे रहेन राक्न, निन्धुक, नकति ख्रा अवर रखापि কিছুই নাই, কেবল মুভ দেহমাত্র পণ্ডিও রহিয়াছে। হতভাগা বেশ্যার সবিশেষ কোন প্রকার অস্ত্রাঘাত বা কোন প্রকার চিত্র দেখিতে পাওয়া যায় নাই। লোকমুৰে শুনিতে পাইলাম जारांत्र किছু টাকা ছিল e গरमां 9 8° : ৫° निकात किया। अधारन श्राप्त अर्त्ताह अहेश्वथ खग्नानक प्रमित्र हहेब्राखाटक। कथन कान अख्त চারের রীভিমত দশু ধ্ইতে দেখি মাই। अहे सामी (भाषानियात महातारक त अधिकात । এখানে य अक स्मन गरिहत स्थापन्त, डीहात বিচার দেখিলে হতবৃদ্ধি হইতে হয় ৷

ঝাশী ২ মাট।

महामग्ना शांत्र कार्निएकत अक्रिश मध्यात प्यारक (ब, भवर्गरमध्ये माहायाञ्चल विन्तामरमञ ( वर्राष अरज् ज कुरानत ) मण्यामक निकक গণের সহিত যথোপযুক্ত ভন্ন ব্যবহার করেন ना এবং প্রাণ্য বেডনের স্বাক্ষর করাইয়া সম্পূর্ণ বেতন দেন না।ইহা যে কভছুর সভামুলক তাহা আমি বলিভে পারি না। আমি এই পর্যন্ত বলিতে পারি বে, আমি গড় ভবানীপুর এংমের नार्यकुष्ठ इरबाकी विमान्द्र (मफ वरमब **अधान भिक्करकत कार्या कतिशाहि। औ** विम्हालरवत मण्यापक की वुक्त वांबू भारतमाध्यमन तांत्र। गर कारन जामि डेक खनवारी महाजा कर्छक ঠাছার বিদ্যালয়ের কার্য্যে নিযুক্ত হট তখন আমার বেডন ৩৫ টাকা নিরূপিত হয় , কিছ ভাइन्द्र चाकि चार्शावनभारत है जे महाच्या आधार প্রতি সভষ্ট হইটা অশেষ ভারতাসহকারে ৫ টাকা (बर्जन बुद्धि के बिद्धा मिन। अमन कि मर्पा मर्पा ভিন্নি অমিকে ছই ভিন মানের বৈভন অগ্রিম विद्वारक्त । किन्न प्रति अक मिन विनिद्वन,

नहीं का जीर्व वानक किर्ण के बार्क के वानक ''विश्नभीत्र कांवानिकात भुट्य चटनभीत प्यान्धे कडा " विषद्य अक्डी **कावानिका**श 'युक्ता निर्धन, फक्कना (में अक्की विरूप भाति फाविक शाक्षे स्त्रा म**काल्या** नश मार्ट्य. वाच कात्रिगैहत्रेन बटेन्यानायात्र, बाव जिलाब দাস বাব ভাগবভীচরণ ধোব, পণ্ডিত মহেলচক্ত নাগুরুছ, পাওত মধুপ্রন্ম বাচন্দ্রভিপ্রভৃতি व्यासक विष्यास्थात्री महश्मम छेलाक्षक महेना-किट्राम । किन्नु काट्किट्र त रिव्रम कहे स भिकाविভार्तत कर्जुशकीयुक्तन ( इन्ट्राक्षेत्र **ए:**इतिहातशक्ष्य ) ७ विषय अनानीनः অরলম্বন করিয়া উপস্থিত হন নাই। পারিতো-यिक्समार्भव भव भजाभिक महासम् (मर्गे स ভাষা শিক্ষা করিবার আবশ্যকতা ও ভাষার क्षा अहे दियात अक क्रमीचे बक्क का करतन जियु अहे सिल्लानरप्रत क्रियम: औत् कृत सामा शर्कात शकान करतन। विभा आहे ७ है। त भग्ना अका क्रिक्टा

वक्षवासाव विकासम्ब २ व अ: हे १ ५७३

-- 000

कर्शक मिन गा कहेन सात कर्यंत भवनंत ्रक्षमञ्ज्ञ मरकामरम् स्व प्रश्ते । श्रीमञ्जी । साम्र ভবানীপুর বালিক। বিদ্যালয় দর্শনার্থ জাগমন করিয়াছিলেন। বিদ্যালয়ের সেক্টেটরী ও মেরর গুল পুর্যে আগমনসংবাদ लाइया किर्लन মুতরাৎ ভাঁহারা অভার্থনার ত্রুটি করেন নাই । वास्त्रपथ क्षेत्र कारायुन्श्रहत माम बनाज मिन्ना काव्रक कवा क्या अवर देखरू भाग भूष्म दृष्क स्ट्रांचिड इंडग्रांट तीम ্রার পরিসীমাছিল না। ঐ দিবস বেলা দশ श्वतिकात भगव विकासित्यत निक्र इक्टें विद्धि ভলাৰ থানা পর্যন্তে রাজমার্গের উভয় প'র্যের নক্ষা পরিক্ত করা হয়। বেলা ছই এছর মুক্ত ঘটিকার সময় অবধি লোক জভ ক্ইডে व्यादेष बरेक्षा क्रमणः क्षांमासना बरेवा हिट्टे। व्यक्ति कि. कर्यक कम गावकम अ व्यक्तक शहरी ভাষার কলরৰ থামাইয়া রাখেন। ভংপরে प्यालिश्रस ब्रीयुक्त माखिरके नारहर ७ অন্যান মেৰ্বসমূহ উপনীত হইয়া লেডী ा कहिएक लाजिएमन। তৎপরক্ষণেই ত্রীধুক্ত ধ্রেবানেও সি, ই, ভি বর্গ माद्व महामम् छेशांकृष्ठ रूना शाद (बना माई **इंड्रवं वर्षिकात मध्य लाडी (मट्या क्रमक्किडा** 

現を記事 神で事事中 **इक्ट्राचमश्रामा** क्षिण स्म । जाशात -4174 জীয়ক লভ বিদপ সং अभिनी क মিস মিল মন আসিয়াভিলেম এবং জ करप्रक सम विवि खारमन । (मधी श्रिप्ता विमा मरम् वानिकाशायम् वाकामा अवर देरशकि भार्त अवन कतिया वर्भद्रश्वासि मख्ये इर्देश গিয়'ছেন : ভিনি মুক্তকঠে বাজ্ঞ করিলেন যে, ''বালিকাগণ! ডোমরা আমার অকঃকর্ণ रक्षण काकर्तन कवितन, हैशाउँ कामि (छामा দিগতে কদাচ বিশ্বত হইব না এবং তে জা দিগতে এইমাত্র বলি, বেন আমি পুনর্মার লাসিয়া অপেকাকুত সভোষদাগরে নিম্ম হই ছোমর অবাধে পরিশ্রম করিয়া সকল বিবয় मिचिए थाक । याखाकारम बारवद निकरे. প্রথম প্রেণীর বালিকাগণ একটা পুলেশর ডে:ড়া হস্তে করিয়া ভোণীপুর্নক | प्रश्नुमान हरेल। श्रुत् (लाड़ी माधा यसन वहि গতি হল, তৎসময়ে বালিকাগণ ক্ষোৰয়ে

£ :---

পরে ডিনি প্রস্তান

#### শিকাবিভাগ:

উটোর হল্ডে পুষ্প ভৌড়া দিয়া সংবধান। कविना (लड़ी धार्मा वानिकामिरगत मिक्टी

নন্মান প্ৰাপ্ত হুইয়া যে কত দুৰ আহ্বাহিত চই

लान, खाहा केंग्हात छान खन्नीएक चार्नारकहे

क्षप्रक्रम कतिष्ठार्कन।

খ খ খাৰে প্ৰস্তান করিলেন :

উপরিলিখিত শীর্ষকের সহিত গত ৪ ঠা बाह्यमादित (मार्थकार्य अवनी स्नेपीय श्रश्नाव शकानिक स्ट्रेगाडिन, উहाटि अभक्षन निक्क-দিপের সুময়িক বেভনর্কাদির নিয়ম না হও ছাতে যেক্লপ শিক্ষকদিগের সাধারতো অসভেন মনঃকোভ ও উদ্দেশতক্ষপ্রভৃতি জ্ঞানিয়াছে, ভ্রম্বি वसु मृश्विख्य वर्षिक किल। निक्रकेम्ट्रिशत स्थार সামপ্রকাশের সেইস্কর্ণ বিলাপতার্থে আড हिल रहेग्राई रहेक, जबना काक्जालीय महारूष्ट क्षेत्रक, केंद्रांत्र मारेशककालशायहे अतुर्वदमन्द्रे के विषया श्रीनकी है विष्ठांत्र कृतिवात स्वार स्थारकश कतियादान अवर फिरवर्टेन जाद्रक विद्याना क क्षित्र क्षित्रात निमिष्ठ करत्रक स्वर्ग हेन्द्रका हेन्द्रक

... श्रुष्ठतार निक হতাপ হটবাট নিশিচ য . আশাকরা বার, ভাল স (शाटक व कहे व्य , शवर्या के श्खाक्षण करिया भिक्किपिश जानावजारक नुमर्कात केव्हीवि ারত চরাৎ এ চএতল । দর্ क में ना इहेशा जरून इस शदन्दर कता निडाच कर्खवर। यम खाना ना करवन शुवर्कात এ श्रष्टार्वत कार्याह्म ना উচি ভ। কারণ ভাষা করিয়া গরীব भि शित जामा देखिक कराय ध्वर फान -कविशा जाशमित्रक अनर्यक क्रिन (१ अश्राच र र्नाय केत कि माज ६ कि क्रुप जाए ? जाउ ब जञ्चमान इंग्डिट्ड, अवाद्य निक्कमिश्राक श्रृतं शृका वादवव महाग्र ज्यात मित्राम सहेदछ सहेर ना , कि ह हिला श्रे र छ ह (व. औ विषय वि कर्नार्थ नियुक्त क्षित्रीर (भवत वीकात! वीका क्केब्राट्झन, डॉाक्सिटनात ख'वा कार्या कान क्के कि मा? कांत्र डाँशांत्री नकत्मधे वक र গ্রেডের অন্তর্ভ ক্ত। যেমন আপনার উদর পু করিলে প্রায় এক ঘটার পর রাজমার্গের লোক থাকিলে গৃহাগাত অভিথির ক্ষুধা বুয়াতে পাং সমূহ ক্রমণঃ নিঃখেষ इहेन এবং মেশ্বপণ্ত : যায় না, সেইক্লপ ত্রেডের ব্যক্তিরা ভদনত্বপিতগণের প্রয়োজন ও ক্ষাক সমাক ও প্রকৃতরূপে অন্যক্ষ কর্মিত भाविएड भाविष्यम मा, हेशहे खानाकत मान উনিত হয়। ' আত্মবৎ সর্বাভূতের বং প্রাভি স্প্রিড: » এরূপ লোক নাই এমন নয় • কিছ कांख विवस । प्राप्त अव भागारम्य विट्यम्माद এেডের অন্তর্জি ২ ৷ ৪ জন বুলিমান ও কুল বিদ্যা বাজালী শিক্ষককেও কমিনীর মেশ্বর কিরিয়ী लहे ता लाल हरे हैं । याहा बड़ेक, अकरन क्य हीव (मध्य महरामविम्हणत छेलेत निक्किमिर्शव অধবা শিক্ষাকার্যের ভাষী প্রভাপ্তভ অনেন निर्देश केशिएएक। व्यक्तित होश्री किन्न গ্রেণীবিভাগ ও কিরাপ বেড নবুদ্ধি স্থির করিয়া भवर्गमा है विकाशनी श्रामन कहिएवन, जमा नार्व नकरल छेश्झकनग्रान अछीका कृतियाँ

> श्रेष २ ० व कान छरनद्र अस् रक्षन् (शरकर्दे এक कारन निम्नतिचिक्तम (आवी विकारत এक्की श्रन्थाय श्रामाण क्रेयां हा सबा

শিক্ষাবিভাগের ধাৰ্ লক্ষিত হই রর মহাশয়েরা যত স্থান পরিমাণে

उर्वे शक्ति क्षेत्र । भटनन, शवर्गस्ते छाहाहे बास कतिर्वन अवर जागाज्ये मुख्ये इवेरवन । किन्छ नाथातरनत जनरकाय अथनल स्वयन जारह ভর্মনও ভেমনি রহিয়া বাইবে; স্থভরাং আক र्वती नक्षित्र अखारव निकाविकारभन्न अधनक रव प्रक्रमा अधिशाहक, ख्यम छ फाराहे वासित **ारात मह्मार नारे। डेक मण्यानको जिल्ल किल** জ্রেণীর সংখ্যা অল করিয়া র্ছির হার অংধিক कतिता भाषावर्वत माखाय स्टेर विवास त्य লিখিলাভেন, ভাষাও ক্লচিক্র চুট ভেছে না। কারণ ঐ কথার অবর্থ আলাপা ভতঃ এই বোধ হয়, চুমা পুঁটী পৰ্যন্ত মক লকে লইয়া আেণিবিভাগ করিভে গেলেই व्यत्न (धनी इहेरत। অভএৰ ভাষা না করিয়া আেশীক্ষকর; অর্থাৎ বাঁচারা অধিক (वछन भाम छै: शक्तिगढक नहेंद्राहे ,आंबी कद র্ছিব হার বেদী করিয়া দেও! এরপ হইলে উচ্চজ্রেণীস্থদিগের বেতনরছি হওয়ার পর ज्यभस्त्रविद्यात (सङ्गान जनएकां के सन: क्यां क জন্মিয়াছে ভদধন্তনদিগেরও কি ভাচাই চইবে না ? অভএব আমাদের বিবেচনায় '' কারু ছংখ চিনি, কারু শাকে বালি \* হওয়া উচিত নছে। भएमत (बाभारका e e: द्वास्मभीत्रका व्यञ्जादत गर्तकार कि कि कि वृद्धित निवय थाका छैहिछ. गवर्गस्टित चाकित तकाल खेळन निव्यव एकेवारक ।

329¢

क वा देहाब

मरु'नम् ! अ अस्तरन व्यनातुन्धिश्यक भन्।।मि নিয়ম করিবরে জন্পরের করিয়াচেন, ভাষা সমুদ্ বিশেষস্থপ না হওয়াভে দ্রব্য সাম্প্রী ভাভিসন্ন -० । ३६ । २१ व्यक्त व्यव्यक्त व्यक्ति व्यक्ति । होका (वजनकाशीमिश्तत करहेत अक (भव হইতেছে: এখানকার ডেপুরী ক্ষিস্নর এবং পীড়াড়ে PISTEY म्बेस्र। प्रसः ज्ञान्तर्व (अर्गे किये किये किये किये পত্র ধেরণ করিয়াছিলেন। ছর্ভগাসশভঃ প্রায়ু माना धककात अखीख इहेत. प्रतानि खाइाद (काम क्षकांत भारताल शांख इहें हमा ना

গেও কলং এক্সল বিলক্ষ্য বুন্টি 🥱 শিলা <sup>†</sup> वर्षन क्रेग्राट्य ।

> 299 a }. 3: क ता रैकळ ) सांगि

\* \* \* \* \* \*

ইহার অর্থ এই যে, ঘাঁহাদের আপাততঃ • होका :तज्ज चाह्न, डाहादम्ब वार्षिक २• ग विमादि वृद्धि हरेया & बरमद्व e · · होका ्टव, वर्गसाम्बद ७०० चाह्य छाशास्त्र खेळाल • • स्टेटव देखानि।

**6**82

উপরি নিখিত প্রস্তাবদী অসমত হইয়াছে ा स्टेटलटक मा। कातन फेकटलनी कृतिरात नक्त (वक्त हे हेशास्त्र फेक्क क्ष्म (वक्त हहे। তেहে এবা हिंद्रिक इहे खनाकित नर्स इताहे ए: हारमय भूग (४ डरनेश कार्क कर कर निष्ठामय नतष्ट रेशिंगित्व भूत (विख्यात व्यक्तित कामक वृद्धि इरेटल्ड ना । खटन श्रेष्ठान्द्रन्त्रक य ১ · · · ७ ১ ६ · छ। का (व अवस्त्र कित्र अरक्ष बनाक रहेरत काविया उँग्हारम्त्र स्नमः विरम्ध प्रद**्डर**६ न।। (सर्ट्ड डॉशांत कुछ श्रस्तानानुः ांदित ১ • • अ ১৫ • होका (जाती किर्तात सक्तन र्षेष्ट्र।वया रहत्व १०,७०,००,५२०, ६१क ্ডাড বেশ্বৰজু-দিগেরও সেইরপ কলাভ हैंदर्श व्यक्त यहि विद्यार मध्य कि के कराउ **७८**न स्वाकारण्य साहारण्य अञ्चलका क्रेवात डावना, डांहारभन्न जकरतत समाह विरागव । अभ क्या कहता।

কোৰ সংবাদপট্ৰের সম্পালক নিভান্থ সূত্ৰ तमार्ण वृश्वित कार्त कार्रिक भाग भाग भाव विद्याप्तित नकटंड व्यव्याहा स्ट्रेटन कामकी समझा कत्रि

मुना थावि ।

वांबु (अभंहीम त्राज्ञ मामाश्रुत ७५०

" আনক্ষত্ৰ মুখোপাধ্যায় অঞ্মল ১৩

डिटम्महद्य एक कतिम्भुत

দারকানাথ খোব গোবিনাগঞ্

<sup>®</sup> প্ৰসর্বাধ সাহা আৰম্ভাতলা ১ •

" मेमानम्य वटकार्गार्थाहे (शांविकशुत्र

44

## নোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা विटमंश नियम।

व्यक्षिम मृत्रा ও ডाकमाञ्चल मा भारेरत मन-चर्त । त्रांबशकान (श्रवन कवा बाग्न ना ।

हेरांत प्रक्षिम मृता वार्षिक ১० होका अवर ষাণ্যাসিক ৫॥∙ টাকা; মফস্বলে ডাকমাস্ত্রণ मरमञ्ज वर्धिक ১७, मान्तिक १ अवर रेखमा-সিক ৩৮ : ভিন মাদের স্থানে অগ্রিম মূল্য গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরান্ডি চিটি, মনি-अर्फ द, (बाहे अ है। ल्ल हिकिहे, हेश्त अबाउड ৰাহাতে বাঁহার ক্রবিধা হয়, ডিনি সেই উপাত্ धाता मूना (श्रतन कतिरवन।

वें हाता ड्राम्लिकिंकिं शाहीहरतन, बीहाता र्वन এक प्रश्वा प्याप प्रामात प्रिक मूटनाव अवभी एन इ हिकि है (श्रवन ना कर्जन।

वथन विनि सक्ष्यम स्ट्रेड मामक्षकात्नत भून। भाठाहरवन, जाहा सन दिख्छीत करिया जीयुक बात्रकानाच विन्हाकुम्हनत नाटम शाठी-रेष्ट्रा (मन्।

र्याशमित्त्रत्र मृत्रा मिवान नमन्न ऋडीफ हहेस् चानित्व, अक्यामशृत्यं डांशामिशत्क िष्ठी निचिन्ना सानान बाहेर्द, कान चठीछ हहेन्ना शित्व अक वांत्र विधि मिथा रहेर्द, छाहात भव একমানকাল প্রভীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা বাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং। পাঠান रहेर्व ।

যাভলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ভাক বরে চিটি আইলে আমবা শীল্ল পাইব।

ৰ হাৰাল মাক্তৰ না দিল্লা পঞাদি প্ৰেৰণ কৰি विन, डीशमिटश्रत तारे भेजामि अस्य करा वाहेरव ना

क्ट मानश्रकाट विकाशन मिट्ड हेका একজিকিউটিব ইজিনিয়ার আপিংগ্র কেরাণীরা করিলে ভাঁছাকে প্রথম জিন বার প্রতি পংক্তি 🗸 भावा छाहात शरू /> भावा मिएक श्हेरव । বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছ। করি (बंब), काशत महिष्ठ चण्डा बटकावन्त स्ट्रेट्व।

> वंड अर्थ শত্র কলিকাভার দক্ষিণ পুরু बाखना (ब्रम्ब्रह्म स्मानानुत्र (क्षेत्रहेन प्रक्रिय हामहिल्लाकात **श**्रीपुष्ट बातकानाच विह्ना-**इव्यान वामेर्ड अफिरमायवात आक्रःकारम** वकानिक इंड

٧,

मारीकर्ट्य निवृक्त वाश्विद्दल विद्यान का नहें विदेश थादकः श्रुलिय काशकरमत कर्षाना मरसः मरसः सार्कीमातशनरक अक्षान स्टेट्ड कान्यस्त सम्लिकरतनः

গতবংগর শিলাবতী নদীর জল গেছু অভিক্রম कतिया चै। य अध कतिया (यस्त्रण लाटकत अनिष्ठे করিয়াছে, ভাছা ভানেকেরই বিলিভ আছে। लारकत कष्ट निवात गार्थ (ए भूडी) मास्त्रिके हे বাবু ঈশ্বচন্দ্ৰ মিত্ৰ প্ৰায় এক মংলকাল ঘাটাল क्षक् के बाना बारम क्षम कित्रा प्रतिस लाटकर यरथङ्के त्राक्षायः कृतिहाछित्सम् । এकृत्न आर्थि ষ্টানট ইঞ্নীয়ের বাবু ধছনাথ নীল মহাশয় वरश्रक क्षत्र अकादनी ग्रदशक्ष्य सम्भूकं क (अपुत्रशक्तत्विवास विद्याव श्रामाध्यात्री इह अर्हिन । काल अर्थित चालितित मर्छन है के रलक ইষ্টকনিন্মিত গৃহটী ভয় হইয়া আন্যাপি পভিড प्रश्निप्राटक, वालकतर्गत लिकाव विर्णय किछ ্চটতেছে, সুতন গৃহ প্রস্তুত করিবার জান্য काहारक व पेरमार्की দেখিতে ভি घाउँ। इस कारमक छाउँ ताक सारहम, के कार था। प्रदेश दि होका इक्ट्रेस (य मामान; अकि। विक्रामग्रम् श्राप्त इत्र, छ। व्यट्य काहारतः भट्ना: एप प्राप्त का । ख्रीन एक हि स्वाहानावा **भित एउ भूगि शक्षिएको एक विमानिय प्र** দেখিয়া অনেক জাকেপ করিয়াছেন। ইতিমধ্যে विम्। श्लाप्त प्रके धारा চাদা সংগ্রহ করিয়া कवारेशा पिरवन। छोहा हहेरन मक्ताल नैद्रम अक्षापिक स्त ।

গতবংশর ঘাটালে ইংরাজী নিদালয় ভাপন হইবে বলিয়া এক সভা হয় এবং বিদ্যা লয় গৃহ প্রস্তুত করিবার জন্য চাদা হয়। ওয়াট লন কোম্পানির ঘাটালস্থ প্রধান কর্মচারী শ্রীযুক্ত টরণ বুল সাহেব মহালয়েব যথেষ্ট টাকা দিবার কথা আছে এয়ং জীযুক্ত ঈশ্বচন্দ্রবিদ্যা সাগর মহালর ৫০০ পাঁচলত টাকা আক্রর করি য়াছেন, আপাতভা ৩০০ ভিন্ন লভ টাকা দিয়া ঠেন, অপরাপর ভল্লোকেও কিছু কিছু সাহায্য করিয়াছেন। তথাপি অদ্যাপি বিদ্যালয় গৃহ প্রস্তুত ইইবার কোন উদ্যোগ দেখিনা কেন? আর কেই বা স্লেন্স্রের, ইইয়াছেন ভাহাও জ্ঞানা বাল্পনাঃ

ই তমণ্যে ঘাটাল থানার অভঃপাতী উদয় গঞ্জনিবাসী সীতারাম উপাধায়ের বাটাতে ডাকাইতি হয়। য়ে রাত্রিতে ডাকাইতি হয় সে রাত্রিতে ঘাটাল খানার জমানার ও কনষ্টাবল গুড়ভি উদরগঙ্গে উপস্থিত ছিলেন।

মহাশর থৈ ছাটে
সেই ছানের বাহা পো
সংখ্যা, আর্চার খাবহ র,
প্রধানী ইন্ডানি বিষয়ে: বুড়া
প্রথমে নেখা উচিত। সভুবা অমভিক্র
গ্রুক্তম দেশীয় জাতারা কৌভূহলাক্রাছ
হইয়া সজোবের সহিত এখামকার সংবাদ
সকল ন। পভিতে পারেন। এই জন্য সংবাদ
পত্রে যত দূব লেখা ঘাইতে পারে মুড্ডন সংবা
দেব সঙ্গে গ্রুকল বিষয় অল্ল অল্ল

১। ল'হোর কলিকাভার প্রান্ত লাভ ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান

নগরের চতুদিক ব্যাপিয়া প্রায় এক क्टान देक enbles भित्र दिक्किए चारक। मन বের গভায়াত করিবার বারটা অভি প্রকাশ্ত ও উচ্চ ভোৱন (ফটক) আছে। এই সহবে অসুন এক লক্ষ্য লোক অবস্থিতি করিতেছে। সহরের ভিত্তের পলিসকল এরপ সংক"র্ণ যে ছই তিন জন লোকের পার্শ্বাপাখি যাইতে কষ্ট হয়. शिवत प्रहे शास्त्रत प्रदेशांनिकानकन श्रीप्र खिडम हात्रिकम **ऐक्ट**ा अधिकारम अधिनिका मुख्यात्रक ও वादिक्छ नहा। यपि ও এখানে घिडेनिमिनानिमेत् विस्थ बस्माव**स मार**ङ, उधानि भग्नः श्रवामीएड ७ भवन्ता प्रशंक मध्र धावक्रमात्रकत मात्रावस्क परिमाणिक করিতে থাকে। এই নগরটীর কাশীর সহিত व्यानक विषयः भी माम्भा व्याद्धाः व्यक्तिकः। नकरलत्र मान्निपा । अनिमकरलत्र मध्कीर्वछ। आह কাশীর ন্যায়। ছঃখের বিষয় এই যে, যে স্থানে দিনের বেলা অন্ধকান, মিউনিসিপালিটী রাত্রি कारमञ्ज (मधारम क्यारमा (मन ना । हेशारफ ताजि काटन शमनाशमदनत (यज्ञात कहे वह काहा जना याश्रमा । नजनशाहीरवत नाहिरतहे हेहात हुकु क्तिक शवर्गरमन्त्रीमान्द्रक अत्माहत केम्यान चार्ड । এই উদ্যানের মধ্য দিয়া তারাজী নদী হইতে খাল নিৰ্গত হইয়া এবাহিছু মুগুয়াতে क्रियानस्य वृक्तमकन व्यायमाक्रमक कन् भारेया

্ এক একটী র

ভ অইগিলকা, খালে ঘা

আ তথকালৈ ও সারহকালে এই

কবা যে কিরুপ প্রথক্তনক ভারা

না। জায়ি জনেক জানক নগর

কিন্তু এরুপ মনোধ্ব উদ্যানপ্রিবে
কথন নয়ন ও আবলগোচর ধ্র না

দেকী উদ্যানের পারিপাটি ও প্রশৃধ্বন
ধ্রার্থ বিশেষ মনেধাগী।

নগরের উত্তর পশ্চিম কোণে প্রস্তুত ভর্গ कारह। इर्तनी कांख एक ও कुन्न आधीत পরিবেন্ডিত। ইহা মুসলমান সমাটদিগের কৃত: ভৎপরে মহারাজ্ঞারণজ্ঞিৎ সিং জায় কৰি लन , असन है श्रामरात्र शंका का है होते ज्या ।-ब्दत के कड़े ब्रमान स्ट्रेडिंड । हान्न ! कारल त কি গাড়ি ! কিছুই স্থির নছে। বাছাদের এইসকল নীর্ত্তি ভাষাতা কি এক দিনের ভরে মনে করি याहिन (य, देश फाहारम्य वरभावनित निक्र হইতে এক ভিন্নভাতীয় রাজা কাড়িয়া লইবে ? এই স্থামধ্যে মুসলমান্দিগের জ্ঞানক্মসিৰ, ताकशामान पर्भगग्रह, (मनानिर्वमश्रक्ति त्रविद्यारक, महात्रास त्रनिष्य सिंश मूननेमाननि-গের অনেক মসিদ ও গ্রহনষ্ট করিয়া আপনার মনোমত দেনামিবেশপ্রভৃতি নিশ্মাণ কলি-য়াছিলেন। তুর্গদী অভি মনোহর স্থানে নিশ্মিত হইয়াছে। সম্মুখে রাবী নদী ও বিস্তীর্বালান **ক্ষেত্র, পশ্চাতে এগর।** 

রণজ্ঞিৎ বিংধের সমাধিমন্দির, বাবানান কের সমাধিননিদরপ্রভৃতি আরও অনেক গুলি দেখিবার যোগ্য স্থান আছে। রণজিং সিংখ্রে সমাধি অভি মনোহর। কারুকাষ্য থাঁচত প্রাচীর। ছাদপ্রভৃতি বিবিধ বর্ণেদ প্রস্তুরে রঞ্জিত, একটা শুত্তের চূড়া অর্ণমণ্ডিত। বাহুবিক লাহোরটা দেখিলে মনোমধ্যে ধে কিরূপ অভূতপূর্বা ভাবের আরিভাব হয়, ভাহা যেনা দেখিয়াছে, দে বলিতে গ্রােরেনা।

লাহোর বর্ণনা অদ্যাএই পর্যান্ত থালিল। অন্যান্য বিষয় ক্রেমে ক্রমে লিখিতে ইইবে। এক্ষণে কয়েকটী ভূতন সংবাদ দিতেছি।

)। गांच २० अ व २८ अ अवारम वर्ष्णः वृक्ति ६३ वारम् । लारक कहिएकरम् स्य देशास्त्रे.

র্থ টেউট ইহার কাজের ন। আমরাও দেখি আধালক ও বালিকা শে কিকরের বিষয়, কোন বা অবদ্ধ দেখিতে পাই

का का वह

দেগের প্রজ্ঞান্দান ব'বু নবীনচপ্র রূর বছে ও উদ্যোগে এথানে একটী ব হইবার আয়োজন হইতেছে। শকুজলনোটক হিন্দীভাষার অমু চেন। পণ্ডিত মনফুল ও করেক জন বাঙ্গালী জাতা ইহুতে যোগ দিয়া-খানে বাইনাচ, কুংসিত গান ও

ভন: এখানে বাইনাচ, কুংগিত গান ও গান যেরপ প্রচলিত, ভারাতে নাটকাভিনয়রপ বিশুদ্ধ অ'লোদের পথ প্রদর্শন করিয়া দিতে পারিলে বোগ রয় অবশ্যই উপকার ইইবে।

ত হোলির কুংসিত আমোদ এ জঞ্চলের সর্পত্রই প্রান্ন সমান । প্রকাশ্য রাজপথে র্জি পুরুষ একত্র হইয়া কুংসিত গীত ও নৃত্য করে চক্র করিয়া বস্তসংখ্যক লোক মদ্যপান করে।

8। अथात সাধারণ উন্নতি বিধা विनीनांत्री अकी मजा जाइक । हेशएक वाकाली **शका**वी **উष्ट**प्तरे मखार्थनी कुका। ্সাহিত্যসংক্রান্ত, বৈজ্ঞানিক ও সামাজিক প্রভৃতি সাধারণ বিভকর বিষয়সকল আলো bro इसः किन्न : हमीत लाकरणत (काम अञ्चर्शतम अथम श्राप्त (यज्ञान के दिनाम वाटक কিছু দিনপরে ভারাদের সে উৎসারামি প্রায় निर्माण बहैटक एक्या यात्र र अथादन छ। प्रहेन्न प्रची याहेट उट्टा नाटकात अञ्चल स्थान, असारन কলিকাভাব বেথুন সভার নাায় একটা বৃহৎসভঃ क एमा के विखा । कि शहर का एक विषय अहे था, छिए সাহপুর্ব আট জন সভাও পাতর। ছছর।

আমাদিগের কালনাম্থ সংবাদদাতা লিখিয়াছেনঃ—

ভেপুনী মাজিকেট বাবু ছাবকানাপ দে বাহা ছবের অসমন্ত্র বানাভারত কর্না সকলেরট ক্লেলায়ক হইয়ানে জামবা জানিতান, উত্ম নিয়মে কর্ত্বর কর্ম সম্পন্ন কবিলে সে বিচার পতি দীঘাকাল সে স্থানে খ্যাক্তে পাবেন। কিন্তু দে বাহায়র ভ একা যন্ত্র পরিপ্রমেব স্থাক কর্মব্য কর্ম সম্পন্ন করিভেছিলেন, ধ্য

मा । विद्यावक: वालिकाविम्यालम् ही फ इंड्यंब्रहे यहाँ शामिक इहेग्राट्ड अवर हैनि विद्यास हारी। कात्रः। विम्हालर्गत् अन् । हा कांव होका नश्का করিয়াছেন, অবিলয়ে গৃহ আরম্ভ করিবার মানস করিয়াছিলেন গ্লামের উপকারের জান্যবন क्षकल পরিশ্ব'র করা ইডেছিলেন । ট্রেনিং বিদ্যা লয়টা যাখাতে উন্নত ইয় ভক্তনঃ একাল্ড যায়বান হটয়াছিলেন। সম্প্রতি ইনি মফখল স্থানসকল পবিদর্শন করিয়া প্রজাদিসের, স্থ্রিধার छन। কোথায় কি কি করা উচিত তাহা লিখিয়া अ'निषाहितन। वृद्राध्र भतिवर्ष्ट्व कथा श्वीन লেন। ইনি আটমাস কাল নিয়ত পরিশ্রম ও खमन करिया अ श्राटनत অভাবুসকল যেরূপ অবগত হট্য়াছিলেন এবং সেইসমস্ত অভাব ह्वीकदन करिएड (यज्ञान मृज्याखिक क्हेग्राकिस्त्रन অন্য বিচারপরি হইলে এসকল কাজ এত শীত্র হওয়া সম্ভাবিত নহে। ক'রণ যেমন কেন উপ युक्त (लांक काञ्चन नां, अकृतिनत् ও कान्यानर স্থানের অবস্থাও অভাব জানিভেই ভাঁহার অপিক সময় নষ্ট ভয় ; কিন্তু দে বাহাছর সেই সম য়ের মধে দেইসকল আভাব (माठन कतिहा স্থানের জীর্ছিগাধন করিতে পারিভেন। আম্বর মুক্তকঠে স্বীকার করিতেছি যে, জীয়ক্ত ৰাবু কালিকাদাস দত্তও যথাৰ্প উপযুক্ত বিচারপতি नरम्मक नाहे, किन्छ धरे পরিবর্তনী বিভূদিন विवाद वहेताहे नर्ताजीन मळल हरा। हेनि ए शांति यांडेरवन, (प्रहेबारिन खकासूर्धान कविर्वन সত্য কিন্তু এখানে যেসকল দেশহিওকর কংগ্রেব সংকল্প করিয়াছেন ভাচা সম্পন্ন করিয়া यान, हेडाई कामार्यत आर्थनीय । यपि विष्ठातानि উত্তম इटेट छ । ज्वांनीय करनक विवद्यव বিশেষ উন্নতি চইতেছে, মক্ষলপরিদর্শনের यशार्थ कन बडेएफरड, खरन अछ भीख इंबीएक স্থানাজ্বরিত করিবার কি কারণ, ভাগা আম্রা किছ विवाद भारति मा। किन्न अक्षा विवाद भाति. ए श्राप्त जारमत नमण्ड लारकरे अकम्। क्षश्ची महत्रमः कामक कारम कामका अहे क्षमाग्र প্ৰিবজ্ঞের কথে।প্ৰথম শুনিতে পাইতেছি। होन य हित्रकाशह अहे जारन शाकुन यहिन अयन कत्रक्ष शार्थमा चामारमंत्र माहे । किंख कर्धकरी शक्कब कार्यः ( विम्डानम् प्रदेशि

विरंगच ) म्याभन कतिया कानाकतिक रन, हेश्री कावारमत शार्थना।

আমরা জভ্যন্ত আহ্লাদের সহিত প্রকাশ করিতেছি বে, প্রীবৃক্ত ভেপুসী বাবুর অন্তুরোধ ক্রমে বর্জনানাধিপতি প্রীল প্রীবৃক্ত মহাভাব চক্র বাহাছর অক্রড্য বালিকা বিদ্যালয়ের জন্য হাজার টাকা দান করিয়াছেন !

এধানকার নিকটবন্তী অনেক স্থানে গরু
চূরির সংবাদ শুনিতে পাইডেচি। করেক দিন
হইল, নাদনঘাটনামক স্থানে একটা ডাকাইডী
হইরা গিয়াছে। পুলিব ইন শেপাইব প্রীমুক্ত বাবু
রামরেণ, ঘোষ মহালয় ইহার ডদারক করিতে
ছেন। কল কি হয়, পরে জানাইব। ঘাচা হউক
এইসকল অভ্যাচার মুর্জিমান হইয়া আন্দেদি
সকে বাবু চক্রশেশার রায়কে স্মরণ করিতে বলি
রাদের। বাগ্ডবিক উভার স্থায়ে দক্র্দেমন যেমন
হইয়াছিল, এখন সেপ্রকার কিছুই নাই। মুন্তন
পুলিষের কাজ বে আভ্রুরপূর্ণ ভাহা সকলেই
ঘীকাব করিয়া খাকেন, মুন্তন পুলিষ হইলে
কে হইবে, লোক ও মুন্তন নয়? যাহা হউক
দক্রান্ডয় হইতে রক্ষা করা গবর্ণমেন্টের করেব।
এখন অনেক স্থান হইতে এ সংবাদ পাওয়া
ব্যাহা!

ইবার মধ্যেই এখ'নে এত রোমের উত্তাপ বইয়াতে, যে ভাবতে বিশেষ ক্লেশ হইয়া থাকে। মধ্যে ওলাউঠার প্রায়ন্তার হইয়াছিল, কি**উ** মৃত্যুর সংখ্যা অল্প। মধ্যে রুষ্টি হওয়াতে ঐ পীড়া অনেক কমিয়া গিয়াছে।

--:0:--

# প্রেরিত।

মান্যবর শ্রীবুক্ত সোমপ্রকাশসন্পাদক মহাশয় সমীপেরু

গভ ২৬ এ কেব্রন্থারি ক্টক্রবার বেলা ৪ টাব সমর বছবাজার গবর্ণমেন্ট সাহায় কৃত বাঙ্গালা পাঠশালার পারিভোষিকদানক হাঁ সম্পন্ন ইরাছে। জনরেবল জন্তিস্ শ্রীযুক্ত নারকা-নাথ মিত্র শভাপতির আসন গ্রহণ করিয়া বহুতে বালকগণকে পারিভোষিক প্রদান করেন। যে ৫ পাঁচটা বালাক বালালা অবৈতনিক ছাত্রর্থি প্রীক্ষার উত্তীর্ণ ছইরা গবর্ণমেন্ট বিদ্যালারে বিনা বেভানে পজিবার জন্মভি পাই রাছে; ভাহাদিগকে রোপ্য পদক ও জন্যান; গ্রেণীর বালকদিগকে পুত্রক প্রদান করা হয়; আমহ রাষ্ট্রীট ৩৪%। নং ভবনে কাব্য প্রকাশ
ব্য ভবনা কলিকাটা সংভ্রত বিদ্যালয়ে

ক্রীযুক্ত জগলোহন তর্কালভাবের নামে বড
বঙ্গের ইচ্ছা ভারিষ মূল্য পাঠাইবেন। ভারিষ
না পাইলে বিলেপে বিফুপুরাণ পাঠাইবার
নিয়ম নাই ইতি।

বোছাই হইজে আমদানী।
নিভাক্ষরা ৩ অধ্যায় সম্পূর্ণ প্রাশ্বর সংহিছা।
পরাশ্বর সংহিছা।
বাভুমক্ষরী
গাঁভ গোবিন্দ ও রাধাবিনোদ কাব্য
সঙ্গীক, অয়দেব কৃত ১॥
বিদ্যমুখ্য গুন সভীক
কলিকাভা
চনঠনে
২২৬ নং

### —:•:— ইতইতিয়ান রেলওয়ে।

এপ্রেলমানে ট্রেণ গমনাগমনের পরিবর্তন।
একংগ কেবল শনিবার আপরাক্ষ ২ টা ৩৮
গিনিটে (কলিবাভার সময় অপরাত্র ৩টা ১০
গিনিট) যে গাড়ী পাগুরা পর্যান্ত বায় ভাষা ।
বর্জমান পর্যান্ত যাইবে।

একনে কেবল সোমবার প্রাভঃকাল ৭টা ২০ মি নটে বে গাড়ী পাগুরা ছইতে চাড়ে, ভাগপ্রাভঃকাল ৬ টার লমর (কলিকাভার লময় ৬টা ৬২ মিনিট) বর্জ্মান হইতে চাড়িবে। পাগুরা হইতে ছাড়িবার সময় বেরূপ,আচে সেইস্কপ থাকিবে।

বোড অব এফেনি ইষ্টইণ্ডিয়া রেলওয়ে ডেলহান্টানী ছোয়ার / কলিকান্ডা ১৮৬৯ বোড অব এফেনি ৯ ই মার্চ।

#### 

#### চরিত মঞ্জরী।

অর্থাৎ ভারতবর্ষের সংক্রিপ্ত ইভিহাস।
পুনর্দ্ধ দ্রিভ হইয়াছে। এবারে ইহাতে ক একটা
মুভন বিষয় সন্ধিরেশিত হইল। জীঘুজ উড্যো
মহোদয়ের অভ্যারিক্রেমে লড ওয়েলেসলির
জীবন রভাত ও লড হেটিংসের শাসন বিবরণ
লিখিত হইয়াছে। এবং প্রথমবারে যে ছই এক
জান গ্রন্থ জেনেরলের সময়েয় যে ঘটনাগুলি
প্রিভাক্ত ইয়াছিল, এযারে সেগুলিও উহাতে
নিবেশিক করিলাম। অধিকত উহাতে একটা

खेशक्यशिका विक्रिक हेरेश। प्रख्यार करे भूमके खिक हिल्लस्थ ने भार्ट हेरद्रकाम्ब कावल वर्ष कानमन करि नाक्ष्मानित्वत वाक्षामान नित्र त्मम भर्गक नभूमात्र द्रकाक कावमानमक कर्मक हक्या गाहेरक भावित्व। काव हेरारक। विक्रितित हक्षाक निरुद्ध वर्षिक हहेतारह। नरक्ष वर्षात भूक्षमानाम क क्षाक्षानारमा कर्म मर कावान क्षित्रक क्षाक्षमानाम बार्यत निक्रिक थाना।

क्रिकामी क्षत्रव ताह।

### ----:•:---বিক্ৰয়াৰ্থ।

गात्ररणम तीह २८ मर वालि श्रवाधम् ३० नरस्थाका बालाम ।

উপরি উজ্জ বাগান ও বাচী ঘাঁহারা ক্রয় করিতে অথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নিমু সাক্ষ রিড ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেণ্ডারস্ আরবো-থনট এবং কোং

-208-

১৮৭ • দালের ইংরাজী এট্রান্স কোদের
মানে কোন প্রকেশর প্রণীত। মূল্য ১॥।

যাহার প্রক্রোজন হইবে, ভিনি আং
মার নিকট অথবা জুলবুক দোধাইটীর
পুস্তকাগারে ভব্ত করিলে পাইবেন।

১১ নং কালেজজীট
প্রেলাগ্রাদ মন্ত্রদার
প্রেলাগ্রাদ

-:0:-

# निष्यात नमी।

मन ১৮৩৯ সালের ফেব্রুয়ারি ঘাসের २२ हरेएड ६३ बार्फ १ईएड जानीवधी नदीत नर्माकशकि खालत সাপ্তাহিক হিপোট। স্থানের স্পাক্ষতি জল क है छ. ভাগীরপীর সহিত শব্দানদীর বোগের স্থান মহানায় उथा रहेए छ जिन्तु ३७॥ माडेल मर्भः ١ জলিপুর হইতে বহরমপুর ८७ माइटलत मर्था २ वर्तमभूत स्टेट्ड काट्डाचा ৫০ মাইলের মধ্যে

কাটোয়া হইছে ক্রিয়া ৪৬ মাইলের মধ্যে সন ১৮৬৯ সালের ১০ই ফু পুর গজবাটের অলের মাপ।

সন ১৮%৯ সালের ৪ ঠা মাচ ভারেছে গব্দ ঘাটের কলের যাপ।

क्र

বর্ষপুর ৮ মাজ কিউটিব ইঞ্চিনিয়র মনী ১৮৬৯ লোকাল রিবার ডিবিজ

### সোনপ্রকাশ।

ও রা চৈত্র সোমবার। শনোর অবস্থা।

भक्त व्यवस्तित (शरकटि 作更办 রির অর্ত্তাৎখণর্যান্ত नाना चाटनः শন্যের অবস্থারভান্ত একাশিত 🗁 রাছে। কেন্দারাপাড়া বিভাগে उ হওয়াতে আমন ধানা ও রবিশ্যে चरनक छेलकात प्रमित्राटक। खेवार मृता नमान ७ यटक्छ भना आटक्। र थनन कार्र्श ४,४०० लाटक कर्य बाटक। क्टेरक बुक्कि क्वेबाटक। 2 जा क्क्यात्रिवर्षाट्यत्र भूतीत्र मः वात अह চাউল ॥২ সের বিক্রীত হইতেছে। कर्ष्यत्र अकाव नाहे। वाटनचटत्र ठाउन Holl मित्र व्यवधि ५२ मित्र नर्शस्त्र। विल क्ष इकि इरेबाट्य। ऋवर्गद्रवात्र कीटबत भना अक्काटन बचे इंडब्राटड पूर्वकादा षात्रा नांशिया (नश्वत्रा स्ट्रेटफट्ड)

ভাগলপুর বিভাগ। মধুপুরে দামা
নারপ র উ ও রবিশদা বৎদামানা ত্ই
য়াছে। ভাগলপুর ও বাঁকা উপবিভাগে
দমুদায় শদা নউ হইরাছে। মুকেরের
ভানে ভানে কভক চাউল হইরাছে।
কয়েকটা পরগণায় কিছুই হয় নাই।
রবিশদা ছয় আনা হইতে পারে:
র্ফিতে কিঞ্ছিৎ উপকার হইরাছে।
পুনীয়ার অবস্থা ভাল। রাজমহলে শদা

ख समाणि इंडिकनकन তছে ন। সাঁওতালপরগ অনিউশস্কা আছে। চুমকার नटर ।

বিভাগ। বিহারে রুটি হয় ও পুকরিণী সকল শুক হও ্ অভিশয় कतक्षे इहेशाएड তের অমুক্ট অন্যপি कात्मक्रेत जामका कटतम, अक त मर्था द्रिके न। इहेरन इर्डिक । শবোর মুগ্য অতান্ত রুদ্ধি হয় महिर्देश के विकास मिन्ति है से किला ए कछ नाइ, किन्छ प्रक्रिंग शूर्व াগে অত্যন্ত কট হওয়াতে অনেকে রের কাজ করিতেছে। ত্রিস্তের हा शुक्रवर। इकि इस नाहै। इंख्याति ा अर्ध्व र भग वरेग्नाह्य। मानसूरमह শহতঃ পালামাউরের অতিশয় ভর । इहेग्राट्टा

्रभावे बहुक्त ३० अ हेर्ह्न त

निलक्के कमिछि वक्रानभीय वावक्रा-প্ৰ সভায় ১৮৫৯ অব্দের ১০ "আইন া সংশোধনাৰ্য যে পাণ্ডুলেখা উপস্থিত ক্রিয়াছেন, ভাছা দ্রাঙ্গস্নার नाहे। भूटर्स काटलक्रेडिमरगढ निकट्ठे र्यमक्न मक्फ्रमाद निष्पत्ति इहेड, (प्रअ श्रामी अामाला छा हात विहात इसेटव। क्रेनरून मरुक्रमार বিচারের সময়ে निश्मिष्ठ छेभीनदाडिएनएक आंत्र (कड़ প্রস্থোতর করিতে পারিবেন না। এটা সংধারণের মত। অতথ্য এ প্রস্থারতী व्यक्तिया मण्ड इस्तार्छ। इंशार्ड (छश्री काटनक्वेदतता व्यवद्यं इंडेट शहरतन । ভেপুটি কালেক্টরমাত্রেই জনু প্রযুক্ত ब कथा आभारत दिल ना। 'डें(कालिएशत भागनकाद्या थाठ ममह छाडिवाहिड क्तिएं इस (य, उश्युक्त काक बहेटन अ

তাঁহারা ঘণোচিত পরিশ্রম করিয়া মকক্ষার নিষ্পত্তি করিবার সময় পান ना। उँहिं मिर्गत अधिकार्मत यथा-त्री जि चाहेन भिका नाहे अग्रें अपी कार्त क्रिएक इहेर्व। भारतात्रिक विष् ফুড কর। হইয়াছে; ইহাও দামান্য উপ কারক নহে। ইংগার অনেক মকদমার প্রকৃত অবস্থার বহু বিপর্যায় করিয়া। কেলেন; সু চরাং অনেক ছলে যথার্থ विচারের ব্যাঘাত অলে। নিলেক্ট কমিটি ১৮৫৯ অব্দের ৮ আইনের বিধি অসু-দারে মকদ্দমাগুলি করিবার যে প্রস্তাব করিয়াছেন, ভাহাও অভিশয় সঙ্গত **ংই**য়াছে, কিন্ধ উলিখিত পাঞুলেখে;র ब्यातर् अ वक्षे व्यवता हा एक प्रकेश मुखे इहेता। ১৮৫৯ অন্দের ১০ আইন ক্লবকদিগের সনক্ষ বলিয়া পরিগণিত ছইয়াছে। ইহার व्यवश्री विवास केंद्र कन ও कामीत क्रयकिनगढक (मध्या इयः; কিন্তু নিজেক্ত কমিটি পাঞ্লেখ্যে কেবল চিরস্থালী বন্দোবস্তভুক্ত মহলদকলের এজার উলেধ করিয়াছেন। উৎকলে ध राज्ञांवस नाहे, छाहा वालशा कि প্রদত স্বত্ব হরণ করা হইবে ৭ এ ধানতম বিচারলৈয় রাজকুমার রায় বনাম আসা विविद सक्फनाश चित करतन, कभी मारतत खद वारक वाल इहेरल शकात चच लाल हरेत मा। मन्तलाखत माखा कि हिंदिएगाई बाएक 3) वज्रानत्मत अना শণ ২০ বৎ দারের এক হারের দ্রাখিলা अमर्भन कतिहल विश्वदीक अमानाकादन বৰ্দ্ধিত কর হইতে নকা পাইবেন। छेर-কলের প্রজাদিগকে এ সত্ত্ব কেননা (म ७३) इडेटव १ छात्र छ वर्षी श बाव छात्रक गतः ১० अहिनदाता (युगकल श्वन श्रीमान कित्राट्या, बङ्गामभीत बावकाशक मछ। ভাহার অন্যথা করিতে সমর্থ নহেন **।** 

किन्निवि १० श्रृष्टी।

मामता मात्मक वात विश्वादि, व्य च्टल धालांशव देगांतक, खेलान, शूकतिशी প্রভৃতি করিয়াছেন, তথায় কোন ক্রে कत्रवृद्धिकता উচিত नट्ट। नामग्रिक रुकेन, चात्र हाग्नी बटमावल रुकेन, त्त्र विद्वाना कता छेडिक नहर । ১৮৫৯ অব্দের ১১ चार्टनित्र ७१ धातांत्र व्यव কি পৃত্রধানভম বিচারালয় এই ধারা क्रित महिन्छ ১० चाहिटनत ममद्रत कटतन নাই। করবৃদ্ধির ভয় পাকাতে ক্রবকগণ শনতাগত্ত্বে ও ॐउम वाजि. উत्तान श्रेखिक करत ना। चान्निक खूत्नक शली आरम मुखे रहा, जिन क्लारनात मुरशा अक्षे उर्वे श्रुकतिनी नाहै। वर्षात ममरा विद्यात करन हरन। श्रुकतिनी कतित्व समीलात अंड कत्रस्ति करतन (य, क्ट्ड बाब क्रिया जाहा थनन क्रिटंड इष्ट्रक इश मा। 8 शाहाश मिटन हे किमिरि मथनी चवज्र ভূমির প্রস্থাৰ করিয়াছেন। ३५७६ मटक ১৪ अन विচারপতি একবাকা হইয়া কর इष्टित (य निकाणि करतन, जाहा चाहन विशा भगना कता कर्डवा। प्रथमी স্বত্ত জন্মিধার ধারাটী বিশদ করিয়া দেওয়া উচিত। বোধ কর এক জন ১০ ৰ্থন্তের মেয়াদে পাটা লইল : ভাহার পর हुई द दनत (शन, असीमात असी हाफ़ाहेटलन गा अ च्हटल युपि प्रथनी বাস দেওয়া হয়, ভাহা স্পাত করিয়া বলা कर्खका। हेरा वहेशा मुक्तना (भानत्यान चित्रा थाटक।

অধানতুম বিচারালয় নিজ্পতি করি ষাছেন, পাট্টার অতিরিক্ত ভূমি জারণে वाहित स्ट्रेटण जासाउ १ छ। ध्रमी ध्रमीय অবেশদোৰে দুবিত বলিয়া পরিগণিত হইবে; পরগণার হারে কর লওয়া অথবা श्रद्धारक डेक पाउतिक थे इहेटड (१) १ ४ ४ ७ वर्ष । काइन मिछ विक्कु कता स्त्रीनादत विकासीन। माहेरनक के कन्नात धकातां करत माहासा



33 म कार्य ।

# " प्रकारता प्रकृति चिताय पार्थिकः **र**

A.

থাসিক মূল্য ১ এক অঞ্জিম বাৰ্ষিক ১০ দল অঞ্জিম বাণ্যানিক ধা সাড়ে পাঁচ টাকা

# नन १२१६। अन्ये देवता । अभ्यक्ष १२१ व

# বিজ্ঞাপন।

मर्तामा थर्ड निर्माण कर्या याहे (खटक (य. मन कार्यात २० मार्च खाविष्य मनियात १० वर्ग १० खाविष्य मनियात १० वर्ग १० खाविष्य मनियात १० वर्ग अधिक मार्थ कार्यात खालिए वर्ग अधिक छोटें व है कि नियं मार्थ प्राप्त कार्यों वाक् मी खाविष्य कार्यात खालिए वर्ग कार्यात कार्यात कार्यात कार्यात कार्यात कार्यात कार्यात कार्यात कार्यात कार्यात कार्यात कार्यात कार्यात कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या

প্রত্যেক নীলাম ডাকনীয়া হাজিকে নীলাম আর্ডের পূর্বে ১০০ খড় টাকা আমানড করিতে হইবে এবং যাহাদিনের ডাক আরাহা হইবে, ভাহাদিনের আমানডী টাকা ক্ষেরড দেওরা যাইবে এবং উচ্চ প্রের নীলাম ডাক নীলা ব্যক্তির আমানভি টাকা ইলারার প্রথম কিন্তীর পরিমানে ভাষিনী টাকা আনায় দিলে ক্ষেরড দেওরা যাইবে।

উপরি উক্ত বিষয়ের অনাস্য সংবাদ নির্মাণ করে সংক্রের সমীপে প্রাপ্ত হইবে।
এইচ. ভবলিউ, গারন ন্ট, কাপ্তান আর, ই,
একজিকিউটিব ইঞ্জিনিয়র, লামেনের
ভিবিজ্ঞা।

—ःः कामनी नाष्ट्रकः।

ৰছবাজার ২৪৯ নং ইয়ানহোপ প্রেচস প্রাপ্য শুনা এক টাকা। ভাক মাতাল এক কানা দারে।

বাদশা চপ্তকৌশিক নাটক।
পিয় পিয়া কাঁগায়েপাভাহিতৈ বিষয়ে ও
কলিকাতা নৰ্মান ক্লে বিফ্লেম্ব প্রভাত
আহে, মুল্য 👉 জানাবাত্র।

क्रिमबीनहाः बूरबानावताः । क्लिकाका बन्धान क्रमा नव्यक्ति विकास स्वारास त्य हैर बार विस्तासन्न श्राप्तिक स्वेतारक, कारात श्राप्ता क्यांत क्रिक्त श्राप्ता क्यां सामिक (त्रक्त ६० क्राक्ता श्राचित्रव श्राप्ता क्यां सामिक क्षांत्र स्वयंत्र क्षांत्रा विकास श्राप्ता क्रियंत्र ।

कनिकाछ।
कर्निका होना

### ৰাশ্মীকি রামায়ণ চতুর্ব বস্ত ।

श्रीकाक वर्ष ३ - क्वरा ।

अहे भूक्षक माभवाक्षरत महा अ हीका अवर वाक्षण क्ष्मवाद्गत महिक अर मा हिर्देश हैं। अटिकाक बर्टका यूना हा जामा माना मिला मिला मिक आहक हैहेवात हेका करतम, काहांवा काला मारम कालकाका अन्तरमारक भूज मिनिया विद्यानीत आहक मिलाक अरकाक वर्टक का निक्क अक कामा मान्यम मिरक हहेरव।

ক লকাশ্বঃ ) আদি ভ্ৰাহ্মসমান্ত /

শানবজন্মতত্ত্ব ও ধাত্রী বিদ্যা দিতীয় খণ্ড।

নাধারণের ক্রয়োপষোণি, এই রুহৎ প্রস্থাননির নির্দ্ধারিত অগ্রিম মূলা ক্রেলমাত্র ৪ টাকা ভাবে ৪। । লিখিত বিষ্
র্ব্ধানিক প্রস্থানিক প্রয়ের বিহিছ্ তি, ব্যক্ত প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক প্রস্থানিক

व्याद्रं किरमा (कार्यः)
हेकः विद्याः भूक्षकः
हेकः हेव नर कर्वत जीव किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किर्वे किरो

कानीमुक्त विदयक।

পরমহংগ পনিত্রাক্তক জীবান ছারেশ্বরিটারি বিরচিত বাললা জনুবাদ সহিত বিন্তকু ছোটা প্রকাশিত মূল্য॥- আনা। পটোলভালা কা জিনীটে ১১ নং জি, সি, ঘোষ পুত্তথালা পাওয়া যায়।

> ব্ৰীগোৰিক্ষচন্ত্ৰ বোধ বিক্ৰেন্ডা।

ইংরাজী ও বাজনা পুত্তক ও কাগজ ব ইত্যাদির দোকান নিম্নলিবিত হানে ছাপিজ রাছে। মকবলের জরডারের সহিত মনি কর ত্রেজরি ডিপট, মহাজনি" হাত পাইলে জ হুলভ মূলের আঞ্চাম করা বাইবেক। বাহারা ষ্টাম্প পাঠাইবেন প্রভাবে মূছার বেন্টি /- জানা প্রেল্ডিক

\*

# ্ৰাৱকানাথ **পূৰ্**ষা

নিধিনামে একখানি
ত ল শৈক্ষণন করিতে আরম্ভ করি
তিহা পাঁচ খণ্ডে সম্পূর্গ হইবে, সম্প্রতি
প্রথম খণ্ড প্রচারিত হইয়াছে। প্রত্যেক খণ্ডের
মূলং ২ ছই টাকা। গ্রহণেচ্ছু গছ শয়েরা ১ৎজ্বত
যন্ত্রের পুস্তকালয়ে জ্ববা সংস্কৃত কালেকে
আমার নিকটে জন্তুসকান করিকে পইতে পারি
বেন।

১২৭৫ সাল } ব্রি ভারানাথ শর্মা। ১লা ফাস্তন সংক্ত কালেজ।

# বিবিধ ভ্ৰৱাদি বিক্ৰয়াৰ্থ গুল্পত।

हेश्ताकी दक्षाला जुस्तक काशक करूब महा विश्व प्रविश्वान शिश्वता साम्न अवश्व जुस्तका महा ८० अक ज्यामात हिमारव किमान मा । ज्यक्षिक ग्रेलात जुस्तक सहरता ८५० ज्यामात हिमारव भागेरतमा क्ष

| +                               | ইবেন 🛊 🧨                           |          |   |  |  |
|---------------------------------|------------------------------------|----------|---|--|--|
|                                 | প্রাণ্রফ্রিশাবলী                   | 8 5      | 本 |  |  |
|                                 | श्राक हीत जनस्यां इतिम श्रेषा-     |          |   |  |  |
| <b>,</b>                        | প্রসাদ ডাক্ষর প্রশীত               | ٠ ډ      | ঐ |  |  |
| )<br>L                          | (मचनुः महीक                        | 211-     | B |  |  |
| Ĵ                               | কুমার স্টীক                        | ÷11•     | ঐ |  |  |
| ,                               | বেণীসংহ'র সঙীক                     | ٠ ۾ ج    | Š |  |  |
|                                 | নিদান স্টাকী                       | 8        | À |  |  |
|                                 | ত্ৰী মন্তাগৰত শ্ৰুষ্টীক            | ७२       | Ò |  |  |
|                                 | ইক্ত                               | ١.       | È |  |  |
|                                 | ভট্টিকারে জয়মঙ্গল ও মল্লিনা-      |          |   |  |  |
|                                 | পের সীকা সহিত                      | ७२       | Ā |  |  |
|                                 | উडेनियम् न मेरेकु ७ फिक्नमाति      |          |   |  |  |
|                                 | श्रम इंश्वाकी भाक्तारक्ष क         | ₹        |   |  |  |
|                                 | तात छेवे लक्षाय मारवक्ष            | ¢·       | À |  |  |
|                                 | শ্রীযুক্ত বাবু কালীপ্রসন্ন সিংহ মা | ₹†       |   |  |  |
| नरशत अभी क अनः अन् भक्त महाकातक |                                    |          |   |  |  |
|                                 | <b>&gt;९ शख सम्मृ</b> र्व          | <b>.</b> | À |  |  |
|                                 | के ७ क विशिष्ट भन                  | *        | à |  |  |
|                                 | के १ के दे निर्माण नर्स            | 0        | À |  |  |
|                                 |                                    |          |   |  |  |

वे जैनानका

**১২ ঐ গৌঞ্চি পর্বা** ১৩ ঐ দ্বী পর্বা ্ঐ ১৪ ঐ শান্তিপর্বারাজধর্ম और के स्म कर्मा के ३७ के क्यूमागन भर्मा के ३१ जे (भव भाइ भर्म ঠ বিচার ভর শ্লী অধাৎ বেদার দর্শ-নাম্বর্গত বিচার ও মীমাংসা বছল প্রমাণ সৃষ্টিত ÷ আক্তিদৰ্পণ অষ্টাবিংশতি তত্ত্ৰীতি প্রাচীন সংহিতা ২০ খণ্ডে সম্পূর্ণ ১৫ আয়তন্ত্ৰ কৈ ভাগ্ সঞ্চিত উত্তর নৈৰণ মাবায়ুণী, চীকা সাহত ડર થઇ છ મચ્છુર્વ সিদ্ধান্ত কৌমুদী সম্পূৰ্ণ के (बन बड़ विद्यक्षकावनी विनासन्ध्रम्भानत ৮ প বিচার S कका क्या क्याका छ विषय जिल्ला छ २ म ब्राष्ट्राभ कुलबक मार्विक् इ है -র'জী ভংজমা কলিকাতা (ভাঙা-नगम विद्वा সাকে৷ ৬৪ নং

--- \$ 6 5---

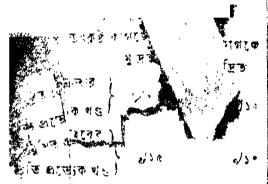
### বাঙ্গণা ভূচিত্রাবলী।

कर्यकथानि ककिनव अवेलाम पृष्टि श्रक्ष व । इंशास्त वर थानि मुश्नि कारक। खेलमन्द्रश वाधान। यूलवुक (मामारेकि । मण्यू क बर्द्ध अ भूखकालस्य, नर्माल कुरल ६ भरिनेलकाक। वाक्ष येश जानविद्यास भूखकालस्य भावता यात्। मूला वश वेका।

क्रीमीलकमल भाषाल ।

# পুরাণ প্রকাশ। বিশ্পুরাণ।

জন্মাদ ও টীকা সমেত প্রত্যেক খঞ ৮০প্রা (জ্ঞামিম্বা)॥•।



্ যিনি কার্যপ্রকাশ এতবাভিলাদী চইবেন, ইনিক লকাতা সংস্কৃতি বিন্তলার জ্ঞার কুলাপুর কার্যপ্রকাশ যায় জামার নিকট জীগ্রিম কুলাপুর কার্যপ্রকাশ যায় জামার নিকট জীগ্রিম

क्षित्रत्याहम उर्क लक्षातः

..... و د ي .....

### शुद्धांत श्रकासः

িক্পুপুরাণ চতুর্ব খণ্ড প্রকাশ হর্য়াচে। ক্কগণের প্রতি প্রত্যেকগণ্ড জাট জান।। জীজগলোখন তক্লিকাব।

#### -----

বিংপ্রেণীত চিত্র বিনোদ কারতে ম খণ্ড । অতি ।
কালেড খামিত্রাকরে রুপকক্ষলে ইছাতে
ভারত্বসংবার বন্ধমানবিস্থা বলিড ছইয়াছে এছ ।
লৈড মহাশ্যের। বন্ধনান বছরাজানে অধ্ব

MAT 7527 274

S

करतम, नाकार महत्व करणान रमत्र व्यथि প্রতাধীর সহিত বংলার হর मा। স্তরাং উচ্চাবিধার মিথা। প্রবিধানারি বিষয়ে প্রবৃত্তি ক্ষমে মা। এ কালেপটী কৃতিপিত্র বটে: কিন্তু আসরা কথন ভাল উকীলের এরপ চুন্নি শুনি নাই। আইণীঘারা মকলমাঞ্জন্পর প্রথা অবলয়ন করিলে বেনন একটী আশহা মূর হইবে, ভেমন একণে কতক শুলি যে উপকার আছে, ভালা উৎসন্ন হইবে।

আটনী মধ্যত্ব থাকাতে ক্তকগুলি
র্থা বায় হয় মাত্র; অনেকে তল্লিমিত
মকদমায় বারিউর নিয়োগ করেন না
ও করিতে পারেন না। আর একটী
বিশেষ অনিই আছে। অনেক উপস্ক
বারিউর বলিয়াছেন, নাকাৎ সহজ্যে মফ
স্বলের কথা তাবৰ করিলে যক্ত কাজ হয়,
আটনীঘারা তত্ত হয় না। ফলতঃ উনীলেরা অত্যে বক্তৃতা করিখেন, কি বারি
উরে করিবেন, এই প্রশ্নের মীমাং নার্থ
প্রধান বিচারপতি বে উপায় (আটনী
ঘারা মক্তমা গ্রহণ) অবলম্বন করিয়া
ভ্রন, তাহা বিশুদ্ধ নহে। এটা কেবল
একটী হলমাত্র বলিয়া প্রতীয়্যান
হত্তিছে।

--;0;--

#### আড়ান্তিক বয়ে '।

১৮৬৯।१० अ(जत आंत्रवात्रवात्र जात्रवात्र वात्र व

बिट्ड २৮৪৮ नाष्ट्र ५६,५१,६ त्मन हरे करटे कि अनात्र महरू विध (मिथिया) चार्जि 🔃 वा चाञ्चिक वाकित्य जना दकान वि. কর্ম দিতে না পারিলে বনবিভাগে नियुक्त कहा इत। कृषित ताम प २०,६৯, ४८,००० छोका मरखारहत वात २,১৯,७१. ৯০০৷ ইহাও যথন অধিক বলিয়া বোধ হইতেছে, ভখন বনরকার ব্যর যে নিভান্ত चामकल, এकथा (क ना विनिद्दन १ . २०. ৯৩,१०० छाका सान, श्रूनः अमान धरः রড়তি পড়তি বলিয়া লেখা আছে। ইহার অর্থ কি, তাহা আমরা বুকিতে পারিলাম না । এক লাইবেকা টাকো টাকা ক্ষেত্রত দেওয়া হয়; কিন্তু তাহা এত অধিক হইতে পারে না। লবণের केशरत कुल्क कता हहेगारह वावर विरामम হঠতে লবণ আসিতেছে: অবচ ১৮.২৬, u वाग्र हरेट छ। भ वाग्र कि अधिक नम्र ? आमान्छ ও পুলিষের ব্যয় ষেমন কমান হইয়াছে, তেমন পাদরি ও গিরকার ব্যয় রুদ্ধি করা হইয়াছে। রুবত त्रीत विषदत् अथानकात शवर्गस्यत्वेत कथा विवर्गत क्रमडा नारे यथार्थ ; किड व्यक्षिक मिन क्य नाहे हाहेलंडन जाटक মহাসভার বলিয়াছেন, রবভরি ভাড়া मित्रा इंश्लाखीत अवर्गस्य १,७०,००० होका शहिरका। छरव ४५ ७०,४०० টাকার অর্থ কি প্রর রিচার্ড টেম্পল তেজখী বলিয়া অভিমান করেন, তিনি यपि यथार्थ (उमयी स्ट्रेटन, छाहा इंडेटल बिविराय श्रीखिवान कतिया जात्र छ বর্ষের নিমিত্ত পৃথক রণভরিদল রাখি वात अखाव कतिएवन मरमाह नाहै। काशक, कलम ७ मुजाकरनत निमित्र ३२. ৭৭ ৯০০ টাকাও অধিক ,বোধ হইভেছে। विक्रंत अव ना रहा देश्लेशीय भवर्ग

লে ধ্ইতে কাগাদ **छि। भारेत** व विवर. मर्द्रम्भ इहेटल भारत मुखायक रहेटनहे भवर्गायाः कांच बहैएक शादत । রিপোর্ট মুদ্রিত করিবরি 🌬 🖰 चर देखिया मुजायरज्ञत महिल बार्ड, जारा तरिष्ठ कता वि ইহাতে কয়েক সহজ্ঞ টাকা হল, ন **এত क्रिमीय ब्रांका ও मर्कात १ क्**डिंट ৯১,२**१,**१०० होका **ल्या**न एस । अ विषयात विश्वाति छ विवन **श्रकांभ कता कर्जनाः वारम पंतर**ः नारम \$2.50,000 টাকা निश्चित्र १ शरह। ब वाटक श्रेड कि ? श्रांत क কোটি টাকা সামান্য নছে ইহার ম গ্রবর্র জেনরল ও মন্ত্রিবর্গের দিমশার क'छ डोका बाब च्याटक ? मत तिहा **टिम्मेन कि दिनान वात्रमश्राम गरह** भारेग्राट्यन १ टेमनाम्बनगर्का छोत् . वर्षीय भवर्गरमन्त्र एक वेटमटक वेदिन व्यक्ति পরাধীন: কিন্তু পর্বলকওয়ার্ক বিক্ रशत बात्र व्यवाशादम कमिएक भारत আমাদিগের দেখের পুর্বৈত্তন অত্যাতার काती बाजगा वर्षाजाव श्रहेटलारे द्यांश श्रधान लाकिश्वादक क्रम्ब करिया है व कहरका । वर्खमान **अवर्धमणे** है। कटान मा बटि : किन्दु कचात्र क्यारे ८ कत्रवृद्धि व्यात्रज्ञ कत्रिशाट्डन, कत्राः ए উছার দাণ্ড ইছার বড় বৈলক্ষণ নাটু यर्शक्त वा कितिरलन ; प्रियरलन पार्ट ছইরাছে : আবার একটি মূভন কর 🖂 🖈 विमिट्सम । बाम्रमः टक्करलव स्ट्यार (हकी इहम ना । हेरल एक न

দেনঘটিনামক ইয়াগিয়াছে। ভেগঞ্জ এখান

় ক সঞ্ভিসম্পন্ন, নিতা নহে। উক্তরাতি

ব পারে এক দল দফা প্রায়েও জন

.ক. হঠাৎ শ্রীযুক্ত তারাচাঁদ বন্দ্যোপাধ্যায় নামক এক জন প্রধান বাবসায়ীর দোকান আক্রমণ করিল তবং উক্ত বন্দোপ ধ্যায়ের মধ্যম পুত্রকে অভাক্ত শ্রহার করিয়া তাঁছার নিকট ছউতে লোহার শিল্পকের চাবি চাহিল : কি ৬ ভা াক্রমে ঐ ব্যক্তির নিকট চাৰি না থাকাতে দয় গণ কুডালি ও অন্যান্য অস্ত্রস্থার। দিন্দুক ভাছিবার অনেক চেই: স্বারম্ভ করিল কিড়তেই ক্রডকাল ইউতে পারিল ন; অবংশহে ৰাহিতের যে ৩ : ৩ শত টাক ছিল (অবিকাপন প্রস্) ভাহা লইয়া क्र प्रमुकारमन शार्श्वनर्की काशत > है। দোকান লুঠ করিয়া স্কাস্টেড প্রায় ৭৮ শভ টা;ফা লট্য। পলায়ন করিল। দোকানে (यमकल प्रदापि ছिल, डाङा किंछुडे लग्न गाँडे। মহাশ্র উক্ত গক্তে প্রায় ১ ৷ ১০ জন চৌকা দার আচে , কিন্তু দে শমনে। ভাগার। কি**স্ত**া গ্রামস্থক বাভিও দ্যায় আইসে নাই এবং ভাহার পরেও চৌকীদার্দিগকে উপ স্তিত চইতে নেখা যায় নাই : কেবল জনী भारतत এक जन वांका नि घातवान । **ग**राकि के निवम मधान कात सभीताति का छातिएत ছিল, দক্ষা যথন প্লয়েন করে, ডখন ভাহাদের সম্পুর্থ উপস্থিত হইয়া একাকী প্রায় অর্থ্ধ ঘটাকাল ভাষাদিগকে আট কাইয়া ক্রনাগত নাথায়া না পাইয়া পরি শেষে আহত হয়। দহারা অবকাশ পাইয়। পলারন করে।

মহাশয়! বন্দোপাধারের দোকানে
সৈত্রক ১০০ টাকার পয়সা ও ৭৫০০
টাকা নগন ছিল; দহারা ভাঙ্গিতে পারিলে
যথেপ্ট লাভ করিত; কিন্ত ভাগাক্রমে কিছুই
করিতে পারে ন.ট এব ধে ব্যক্তির িক্ট
ঢাবি ছিল; বন্দোপাধারের জ্যেন্ড গুলু সে
বাজে সেই রাজেই কালনায় ঘাইবার
জন্য নৌকায় গমন করিয়াছিল। দুল্লারা পলা

রা করিলে ক্রমে লোক জুটিভে লাগিল এবং

২ ১ জন চৌকিদারও আসিয়া উপস্থিত

হইলা গানায় স বাদ গেলে পর দিবস
প্রাতে ক্রমানার ও কয়েক জন কন প্রেবল

জাসিয়া ভদারক করিতে আরম্ভ করিল।
কালনায় রিপোর্ট করাতে ঐ দিবস
বেলা ২॥ প্রহরের মনয় তথাকার ইন্স্পেন্টর
বারু আসিয়া উপস্থিত হইয়াছেন এবং
ধুম ধাম করিয়া ভদারক করিতে ছন, কয়েক
জন লোককেও সলেক করিয়া ধরা হই
য়াছে।

মহাশয়। নাদনঘাট এটা বৃহৎ গঞ্জ;
এখানে অনিক স্থানের লোক আইসে এবং
নানাবিদ ব্যবসায় হইয়া পাকে ধলিয়া
তিনক সক্ষাইশালী লোকও আছেন, কিন্তু
কি আশ্চন্য। এখানে পুলান নাই। প্রায় দেড়
নোশ দুরে পুলিষ প্রেমন। পুরেমি এখানে
কিটা ফাঁডি ছিল, এখন ভাহাও উঠাইয়
দেওয়া ইইয়াছে। কি.প বিবেচনা কিচুই
বুলিতে পার না আমালেব দেশে ডাকা
ইতিপ্রান্থ আয় স্কানাই হইয়া থাকে,
ভগালি পুলিয় কি হন্য এবল অসক্ষ্
বুলিতে পারি না।

s 57, 500 }

म। দगचा छ

### खुड्य शुक्रकः

১ ৷ শ্রুনাথ প ওতের জীবনচরিত্র विषयक छेलालना । वातु फिल्माथ अञ्चल বহুরমপুরে এখানি পঠে করিয়াছিলেন। শস্তুনাথ এক জন কাশ্মীরীর এ'কানের পুক্স । তঁরেরে পিচা কলিকাটার আসিয়। সদর আদালতের পেকার হন। তিনি শস্তু নাথকে मुनिका निशाधिताः শস্ত্ৰাথ প্ৰস্তঃ অতি সামান্য পদ্ধ হইয়া যেপ্রকার ক্রমশং উচ্চত্য পদ लाइ करवन, जाहा उक्रमकट्र विकृ হইয়াছে। তিনি জাতিশার ভেডাগভাব ছিলেন। তাঁহার অহমার ও আড়মরের লেশ ছিল না; তিনি দ্যার সংগর मानिक २००० है।का मान (इस्टाम ।

্ণাহেত বলিয়। এ

নিজন ক প্রচারিত

কেন্দ্র ক প্রচারিত

কেন্দ্র ভাকে ইতপ্রাপ্ত

কান্দ্র করেব

কিন্দ্র করেব শান্দ্রিপ্রের ইই

কুনিল দক্ষা ভাকে শির পীতন
আপনার অসভাভার পরিচয়হল্ক নহেন। দক্ষা ভাকেরাদিও
ব সভাভার ও শান্ধিপ্রিয় হা

গালে উহত্ত নাহেন। দক্ষা ভক্তা দিও ্লিদেৰ সভাভাৰ ও শাবিধিয়তা ক্ষেক্রিয়া অভ্যান অপেনাদিপের শ সম্প্ৰেন কলিছে। আজি কালি अमिर्भव क्रांमण द्रहम्भव्छ। (प ल श्रुलिय कर्षात्री मञ्जा छक्षात्रिय ারে উপারে ববেদ, ভাঁছারা ক্রমে क्षिक इरेटक्टिन। बाद नातार धीन उद्यांति हेवार निमर्भन। केलि भूगिएत িংলে **হুটেরা স্বস্কঃন্দে** পর্যিকট্রে : त ।। । वहें निभिन्न श्रासन तालशु ন্দিল উঠাকে পুলিষ হইতে দূলীভূত িরি<sub>শি</sub>ংব চেটোল বা**প্র হইয়াছেন** ) যে ांश्वास्त्रहाशे वर्तकर**ें। विक्रम उ** শ্ভির বাণিয়া: চ গুণভাসহকারে কাজ र्गा एक भारत । वाकि कर्णन केंग्रिके िर्मान १८९७ १५ अध्य करून, जात

ন্ধ লংগ্ৰং সঞ্জাৰ করণে, আর ন্ধ কংলাশেশ লক্ষ্ ভাষাকে বিনিটো, উন্ধান পোষ্টা নিম্মান্ধ কুলো প্ৰাপ্নাচিত্যৰ প্ৰায় প্ৰিটি ্প্ৰ কক্ষক, সাহাত্যেও ক্ষতি নাই: বিল প্ৰকাশ হট্যা পোল নু হুইলেই

ত্তালার গুলান ২৬এ কাল্কন দেখিবলৈ রক্ত ড জেলা বর্জনানের কালেনরে গ্রন্থাতী

MAN IN ENG अरेनकन , र्का छ छ छ। विश्वित मा।

क राज शुक्तांत्र ककामधीत शहीका रहेरव । (बारमाहे मारक्व बिडोंब बाब श्रीकांत क्या प्रकी विध विकाश काशिटक्टइम ।

দেনাপতি আকি আমেরিকার সভ'পতির পদে নিযুক্ত হইয়াকেন। তিৰি পূৰ্মতৰ মন্ত্ৰি वर्तात हा छ। हेवा सुण्य पत्नी सिर्फ क विद्वारहर्न । नि उदार्क नारस्टवत अन्नक्षांत्रती काम बहेतार है। ভিমি পদত্ব থাকিলে বোধ হয় আলাবামাষ্টিভ विवाह महत्व काहे हैं नी।

২৭ এ ফাল্ডন মঙ্গবার ৷

গভক্সা একগ্রেষ্ট্রে নিয়ুলি বিভ টাকার অভিযেন বিজ্ঞীত হইর'ডে:---

श्रिका कि CH13 সিশ্ব ক 309014 0.34.3.0. 2211 728,2927 3886 30.38.4d36 20 EB296 क भे व

क्षाकानां वाद्यव अववेदमध्य अव जामाद्वत সাবতীর অভাগানার প্রকালিত মইয়াছে। সঙ্গ<sup>া</sup>ক श्रंकुण खाव मा थ'कुष, कर अक्लरण है सिट्ड চট্টেড্রে কুষরপর্যাক্তও পরিদ্রাণ পার নাই। अनुनक्'न क दिल नर्केड अहेशक'त व्यवशंहात शकान इहेर्द। प्रशिक क्यू आनाम क्रिएंड ना भारतिल रवाछ विवृद्धि शकांन करना। क्षितक कविन्दान विधि खाइन। উहाएक कहे प्रकार्य काल कराइन

अक्षारवत (मण्डेमान्डे गवर्त्व (गरमाबारवत कर्षाताबी मिरताब विकति क्षेत्र ७३। बार्फ निष् जिथिक मधानात श्रांश क्षेत्राटकनः- '' आहे, ( २३१ मार्क ) श्राजः कार्ण पात्रता बाहेबाह केश ভাৰায় আমীরের সভিত সাক্ষাৎ করিয়া উলোদে হরিদিংহের ব্রক্তে আনর্ম করিয়াছি। क्षप्रकार किया याइवात नगरम अख्यका स्थातमञ्ज কামান হইতে রাজকীয় সম্মানের যোগ্য ভোপ इश डाँबुट्ड माधियात मगरश्रक की अकाश कहेश एक । व्याभाषी कला काश्रमा भा तरत शारम शही एक क्षत्र राज व्यास्ति वात कामाजित्वत अञ्चलमाम् क मीद বিলেশ সম্ভেষ্ট চইয়াট্রন। কাবুল সৰক্ষে উচ্চায় আৰু কোন ভাৰনা নাই বোধ হইতেছে। <sup>১</sup>

एकि विकेश रामव, भित्र कार्य हेव शीजिए হওয়াতে শীল্প ভারতবর্ষ ভাগে করিবার বা দন। कविशाद्यम ।

পঞ্চাবের অস্কর্যাত ঝঙ বিস্তাবের একটা স্থা: कत बल्हाका 😝 बहेबाटक। ६० होका जानका हत्य लाएक अक क्षम इहाचा काहात श्राकतिनीत **अन्छी अञ्चल कुम्हती कार्याक रथ करत** 

THE RIGIES OF THE PROPERTY OF THE वर्ग्यम् करिया कामकाय गर्माक्ताः एक्ताः गश्याती श्रीवर ज्ञातिर है वा के बहे वा करक य क कविष्ठारक्त । मिलशारमंत्र वर्षा शर्दात ভিতৰে হতভাগ্য বালিকাটীৰ অলক্ষাৰ ওচিত্ৰ कर्व भास्त्रा शिशाहर । जनदाशी साथ चीकांत्र कविद्वारङ । भिर्किम्टिश्व शास्त्र व्यवसाद मिवाव ক্রমথাসী ক্ষে বা-বে? প্রতিবংসর ক্তই শিশু পিন্তামাতার অভিযানেরে কারণ হত হইতেছে।

बैरमाल अक्षेत्र क्ष्मका क्रेटलाइ ! भित्र न रेस सारम अकेंग्रे और लोक अक काथितक ধৰ্মীক্ষ্মে মন হট্ডাছিলেন। নমেরা বিবাহ মা। ক্ৰিয়া দামান্ত আহার ও সামান্ত পরিক্ষদ मञ्जूष्टे श्राकिया जेश्वत्व हिलामनास काम वालन करवन हे किन्न कारमस्य मानमाराज कामानिरशंव देवकव वावाजिकिर्गव माध अन्माव खान कवा हन्न। भिन्न नविन (य धन्द्रीकटन्न बान, ख्यान विवि ष्ट्रीत नारम अक सम सीरमाक छसावशासिमी हित्यत । एखावशक्तिकाता बाह्य मत्म करवत. ভাষা করিছে পারেন। এড্ডিবেলন মিদ স্বিমের উপ'র অভিশয় অভ্যাচার হয়। ভিনি সম্পূর্ণ जाहात शाहेराज्य ना जाकि काचना (प्रयमारत म ज भारेएजन। यर्थके वस किल मा. भीक নিবারণ হয় এমত শ্যায় দেওয়া চ্ইড না। ডিনি माछानिडाटक नाम निधिष्ठ नामिर्छन ना । ভিমি বে পত্ৰ লিখিতেন, ভড়াবধাছিনী ভাষা গোপন করিভেন। উচ্চাকে মন্দ্রোক সপ্রমাণ করিবার নিমিত্ত স্থার বলপ্রস্কৃক ভাঁচার আভাকে 소리 학교에 대한 주요 शख लिथाहेश किलन। चीहाटक (हांत्रभर्यःख वल। इस्। इक्षिण प्रतिम ভলিমিত্ত ক্ষতিপুর্ণের নালীল করিয়াছেন। रमभारम श्रकुणित विक्रम छाष्ट्री हर्ग, हाथार महे নিশ্চয় পাপ্ত্রোভ প্রবাহিত হয় ৷

२৮ এ काञ्चन नुधवात ।

काभीत जिल्लाहरू कि भी कांत्र कर्द जमासूर व আসিতেছেন না। তিনি ছলু পার্সা নতেও বোখারাতে গমন করিবেন।

व्यवामात पत्रवादम माहेबात निश्चिक अदनक नकात अ ताखा निमञ्जिक हरेग्राट्या धनकल मनवारत कारमरकत कारमक मारमन काम महे हथ । এত দিনের পর বেখি হয়, স্পনিৎশানর अकुछ अभिष वी। इत हरेश । फाउन्त स्वय अपे माञ्चाक ग्रेहेम्य किथियार्ड्स एक हुत महत्व এতদ্বেশীয় ওকাদিগের গাছড়া ও মন্ত্র পরীক্ষিত করিয়া একটীতেও কুডকার্য্য হন নাই। ক্সজে

PRIS WHIT TO SINCE. विश्व क मिट्निय (कडिए) व कंबिएक भारत या । किन्न क' है। সভিত লাইকর পটাশ মিতির এ मासः निष्ठिति क्रिया : চটার। ডাজার শহী বলিয়া<sup>ত</sup> (स (क वम जर्भ विस म'न महरू, अभाग्नमधात<sup>ः</sup> विष्यः अ পুনর্বার সাংঘাতিক কলি অনেক পরীকার পর ড'ঞ্জ

বলিভেছেন, তথম ভাঁহার কুতকার্য্য হই নার मकावना जारह ।

मारमय पूर्व नियम देखरमाकामाथ मूर्थाभा भाग । बावकामाश वक्क । भागभागिक हैं के কামিনী বেল্যার নিকটে গমন করিয়া প্ররাপান करत । कामिनी निष्य माखान प्रदेश পর और ष्ट्रहे वृष्टिक हतिहा आहेता। भवतात्र भवत कतिहा (वन्या समाक थाई(एकिन, हेस्मित्य सार्वाहरू অগ্নিপভিড হয়। সে নিদ্রিত হইলে আৰু शक्किक इहेल। काणाय मार्काल महराएउ काश्य कार्क्षक मरीत मक हहेता तम स्रोगतिक क्हेल। किहू क्रनभरत छात्रात मुद्रा क्हेग्राटक , क्तनाद्वत अञ्चलकाटन हेवा श्रकाम व्हेत्राटका (वर्षां व (लव मना श्रांत्र खत्रकृत रहा।

উত্তর প শ্চমাঞ্চলের প্রধানতম বিচারাল ট भागाग्यास्त कांवे जाग्राग्ट व कटकत क्ष स्रुगारत स्थित कृतिशाहर, (यथारन देशनि শিবির স্নাছে, ভব্রভ্য কোন আফিসর শিবিবের সীমার বাহিরে বাস করিলেও ছোট আদাল एउद अधीन बर्ड्स । हेश प्रित्तत बार्ट्स बालीन कविटक बहेटन काट्नीबटबटकीत छात्रे जानामध्य কবিতে হইবে।

ভেলিভিট প্রস্তাব করিয়াছেন, যখন কেন हें अनियुद्ध व्यवश कता (काम अवर्गमाः हेत कर्य हाती निकास निर्म विकासितक्षम भवन्त्रभए है व অর্থক্ষর করিবেন, তথন সেই টাক। ভাঁছার বেতন হইতে লওয়া কর্ত্ব। প্রধানতম বিচার। লয়ের ইঞ্নিয়র বারণ ফাদর বিনা কারণে চুঞ্চি ভঙ্গ করিতে গ্রন্থেটের বিরুদ্ধে ১৫০ - -টাকার ডিক্রী হইয়'ছে। এসকল স্থানে ডেলিনি द्वाराव श्राष्ट्रावासूत्रण कार्या कवाई कर्षवा এক অন ভূতপুৰ্বা ইঞ্জিনিয়ৰ উৎকোচ না পাই লেই কন্টাইটবদিগের সহিত গোলাযাত कतिर्देशका नाली भित्र वाष्ट्र भवन्त्रके मित्रक विश्वा अ वास्ति विशा नालीम कथन छाक क्रिट्डन ना।

ষ্টেট সেক্টোরি আক্ষা দিয়াছেন, যেদক

াং এ বিবের যে বায় কমান হয়

াং এ বিবের যে বায় কমান হয়

গুরাক্ষ্যসংক্রান্ত মন্ত্রীর প্রশংসার

সংক্রান্ত নাই ৷

সংবিচাড টেখল ইনকম টাকা তাপন অভিশয় আবশাক জ্ঞান করিয়া-इन किछ मर्दिमायाद्वर्ण अहे व्यादका म्डा स्वीकात करतम् गा। डिम इंस्ता বাংদিগের চিত্তরঞ্নর নিমিত্ত বুলি-. जांकाता लाह्यमञ्ज होत्र भेड धर होका पिटड इत्लब; इनक्य े १ भारे हात्त हहेत्छ हि । अख्या ींनटश्रंत चांद्रकट्रशत कात्र नाहे। िति य (क्यून इंडेर्डा श्रीकृष বৰাজ্ঞা প্ৰশাসন কৰিতেছেন এটা ভাঁহার সারণ ছিল না। ভারত क कि वरणम, इंड्रा विद्युष्टमा करिया ন জেজ না করেন, চ্তনি প্রধান পুরু त शहन। उत त्राधा भाज नाहन। ाम मार्ड्ड वार्षिक ১००० डेकाह (वाडन लोडेटमञ्ज होज १६८७ न भी निभाक ङ कर्दन , यह दिहाएं (हेल्ल्ल ६०० का अर्मा एकर आहरत छल्द्र कह कित्र াছন। ভূমি, ও গ্ৰণ্ডিব কাশ্বন টাত ৫০০ টাকা প্রেল পায় হয়, 4 4 55 एक के हैं। दिक्क

হয় ও ক্ষরতঃ ১০০০

হাধার হৈছিব বেভনভোগীনিধার

টাবে কর লছবার প্রস্তাব ভাতিক্য

নানার হাই ছে বুজোর সময়ে ও টাকা
পর্যান্ত কর ওয়া হাইবে এবর কাজির

সময়ে একট লবে অধিক লওয়া হাইবে নার্
সারু রিচাত স্পলে নার্লর সভ্যোধার

बहे कथा विवशाद्यतः, किन्दु मर्समाधाः | पूर्विष उट्टा कहे विद्युष्टना कृतिहरू हम्म स्य, अपेरी ংতিবংসর আফর্দ্ধি প্ৰবোধমাত্ৰ इहेगाउ राजार्गाम है अर्थत अगक्री **मृ**व कहिएछ न। পারেন, ভাঁচাদিপের রাজস্বাহরোজনীতির উপর সোকের विचाम थाका महाबिख नह। विट्रमेशकः मुद दिएए ' हिम्मेल काल्केब्रिसिंगरक যেপ্রকার ক্ষমতা দিতেছেন ভাষাতে আভ:ন্তিক অভ্যাচার হইবে। লাইদেক্য টাল্নয়স্বে অভিশয় অভাচার প্রকা भिड हहेशाइ। এक वाक्टि ७०० होका भुत्रक्षण लहेश। कृतिमाश चारताचु कटतः, ভাহার বার্থিক আয় ৫০০ টাকা ধরা হ্ইলাছে এরপ শত শত দৃটাসু **আ**ছে। याहा इंडेक. इनकम द्वीलात्तर्भ (प्रमा

বিষয়টী পরিতাক্ত হইলেও সর রিচার্ট টেপেলের নায় বায়রভারটী প্রীতিকর হয় নাই। করভার লঘুও আবিশাক বায় সংশেপ করিয়া যিনি সামাল্লা বায় সম্পাদন করিছে পারেন, তিনিই ঘথার্থ রাজস্ববিং ত্রাইট সাহেব বলি য়াছেন ৮ বলঘারা শাসন করিবার ইচ্ছা হইপে রাজনীতিক্তভার প্রয়োজন নাই। এক জন আতি মূর্য ও আভ্যাচার কারীও ওরূপ শাসন করিতে পারে। শ

|                                       | ক্ষায়                       |  |
|---------------------------------------|------------------------------|--|
| ভূমির রাজান্ত্র                       | ₹•,48 aa,•••                 |  |
| ণ্ডালেশ্যুরজার )<br>এইড়ে কর ও সাঞ্চা | àà,৩ <sup>5</sup> ,•••       |  |
| <b>₹</b> ■                            | 8 5 % %                      |  |
| প্রাবক (বী                            | ঽ,ঽ৮৯+,•••                   |  |
| সাক্ষাংসংক্রান্ত কর                   | <b>*</b>                     |  |
| <b>€3</b> ₩                           | 299 36. · · ·                |  |
| अ त न                                 | <u></u> ጀን <i>ጓማ</i> ሁ ፡ • • |  |
| ' <b>अ</b> ं ८ गृक्षक                 | P-20-24                      |  |
| Ž rank                                | ২, ১৯ ৮৯ • • •               |  |
| प्रे <b>ा</b> क्ष'ल                   | \$ 5 Bb · · ·                |  |
| <b>५। कथ</b> त                        | &b 9 6 • • •                 |  |
| (हें नावा क                           |                              |  |
| গ্'দ'লেড                              | F3.43,***                    |  |

| <b>पू</b> जिस                         | <b>9.98.</b>                                      |
|---------------------------------------|---------------------------------------------------|
| माइ'ख                                 | 8 F.C.                                            |
| े विष्कृतः ।<br>विष्कृतः              |                                                   |
| <b>2</b> 7                            | \$ <b>5</b> 5 8 • •                               |
| ু আন্তঃ জানং                          | ₹७,১७.••                                          |
| ł                                     | ৯৬,৬৭০•                                           |
| रेनन ( मल वार्क अप्राप्त              | 40                                                |
| ्रविक्षक श्राप्त व                    | A87E                                              |
| মোট                                   | 89 08 · B .                                       |
| অভিতিক পদলিক<br>গুয়াক ধরিয়া কলুমান  | ०१५ ०१५०                                          |
| প্রধান যোট                            | 42,44,00000                                       |
|                                       | ক, স্থ                                            |
| भवर्गस्यत्वीतं कः 🗯 । द्वा            | 2°5399                                            |
| निश्चिम सर्द्र हे                     | @>F95.                                            |
| म'न भूनः भम'न हेक्तांबि               | २०,५००                                            |
| क्रांशत दाख्यक्ष                      | ₹:৯৬१৯••                                          |
| रम                                    | \$ P. 5 P. C                                      |
| <b>जानक</b> :दी                       | 3,99,,4                                           |
| সাক্ষাৎসংক্রান্ত কর                   |                                                   |
| <b>उ</b> न्द                          | \$ * * , * *                                      |
| <b>ल</b> व न                          | > + 3 98 · ·                                      |
| <b>व्य</b> ्टिक्                      | ७३१२१००                                           |
| 8:00                                  | \$ 4 2 8 0 0 · ·                                  |
| <b>छ</b> दगारम                        | 9787 · ·                                          |
| ড কৈমৰ                                | ৮ <b>৬</b> ৪ ት • •<br>የ • <b>৬</b> ১ <b>፡ •</b> • |
| টেলিকা দ                              | 839                                               |
| श्रामनीय ७ महीजारमत् }<br>म छन्मित्रक | \$8,845                                           |
| শ'স্ন                                 | >> 0 - 8                                          |
| আদাল্ভ                                | ት ነልነነ                                            |
| <b>भू</b> तिथ                         | *5485%                                            |
| জাত্যজ্ঞ                              | 89000.                                            |
| विभाग्याकः हे०                        | ۵,>>٠٠                                            |
| গিরজা<br>চিকিৎসক্ত                    | 2 m p 2 + + +                                     |
| ক গল ও মুদু ঘন্ত্র                    | . 8≥≎•৮ <b>৯</b>                                  |
| विराम्बा हे हैं है है है।             | > ₹१९ <b>৯</b><br>> ७१ <b>८৯</b>                  |
| রাজ্ঞাদিয়ের পেক্সন                   | 744 A79 · •                                       |
| <b>व</b> ंद्र झ                       | ৩৯ <sub>০ ৯</sub>                                 |
| পেন্সন                                | 9229000                                           |
| (मन(मन<br>विभाग का                    | 759.4000                                          |
| নিধুমিত পং ওং<br>কৰ্মচারীর বেডন       | æ 3940,000                                        |
| বেলওয়ের নিংমত ৷                      | 24.23400                                          |
| विभिन्नदेशव कृष्टि ।                  | 743.40                                            |
| िल्ट वर्ष                             | 9532435                                           |
| तिम्बद्धतः प्यत्नी मिट्राव            | 34299,00                                          |
|                                       | 883547800                                         |
| পতিবিশ্ব-প্রলিক ওয়ার্ক               | 0121600                                           |
| (मार्ड                                | e> いりとかる。                                         |
|                                       |                                                   |

3 7 8

### সর রচাত টেম্পানের আয়ধার বৃত্তাত क बांवजानक मणा ।

্ৰুজ্পতিবারে वावद्रां नक সভায় সর রিচাড টেম্পলের প্রবত আয় वाशव्यां इंसा कर विकर स्हेश ু শ্বিচাডের প্রদন্ত ব্রন্তান্ত श्राविक हेनकभेषान **डारा** যে অনুমোদিত নয়, ভদ্মা इन्हें मध्यमान इट्रेड्डिश बुर्जन मार्ट्स बरमन, खनकन शृहिकार्या माछ नाहे, कर्ज्ज ना कतिशा महकाती तास व इहेट ठ धाशांत बाग्न कता कर्छवा वटें , किन्क शव र्गटमन्छे रव ১১ क्लांकि छे।का वाजिटक बाज করিতেলেন, বাহাল ছুই ভিন বংশরে करतन, १०१३ अल्युन कर्ण्य करा कर्जवा। बाज व्यक्षित रिकार का स्थारित ध्रमानात इंडेटंड লইলে সর্প্র ন্যালিগের প্রতি অভ্যাচার

कदा इहारा । জ: ১.কের থাকা উদ্ধৃত করিতে! পেলে প্ৰস্তাৰবাহন্য হইয়া উঠিবে , অত এব আনরা ত.হা না করিয়া প্রাধান দেনাপতি প্ৰভৃতি ছই এক ৰাজ্যির বাকা मार्ज्य डेरहारथं ध्ववृत्त क्वेनाम। भव রিচাড টে পুল আপনার পুর্বাধিকারীর ( मामि नाटक्टवंत्र ) निम्मा कहिया चार्यन গোরবর্দ্ধি করিবার চেন্টা পাওয়াতে मह ऐवेलियम मान्म किला इ:थ शकान क्रिया विलिटनन, खात्रख्यदर्वत त्राक्रय এমণে যেরপ অবস্থার আছে, এমন আধ কখন ছিল না। এবিবয়ে ভাওতব র্ষের সহিত কোন দেশের তুলনা হয় না ৷ তথাপি অকুলান কেন ? তথাপি কি নিমিত কর্জ হইতেছে? বারিকের নিমিত কর্জ করা উচিত, ইহা ক্রমান্নয়ে তিন জন ফেট সেকেটারি বলিয়া গিয়া ছেন ; কিন্তু অভিশয় আশ্চর্যোর বিষয়, একণে সেই রাজনীভির পরিবর্ত করিয়া ইহাকে নিয়মিত বায়ের মধ্যে ফেলিরা इथ। क्तरक्षि कता इट्टिंग्ड मत छेडेल

श्य माम म कित्र डिनानश्राद्य विन्दान, अक्रुड चकुनान नाहे, क्विन यू बनात है मत तिहास हिल्मात शह खटम देश में एक केटलट । अमिटक कत इंकि कता स्रेटकाइ ; अमिरक कर्ज करां अ হইতেছে, এটা অভিশয় আশ্চর্যের বিষয়। সর রিচাভ টেম্পল ইহার প্রভা ভবে বলিলেন, সর উইলিয়ম মান্দ্ফিলড গবর্ণমেণ্টের এক জন সভ্য অতএব তাঁহার এসফল প্রেশ্ন করা উচিত নতে। কিন্তু তিনি ডাঁচার প্রদর্শিত যুক্তির খণ্ডন कतिशा एभ छम १ छा भाग ममर्थ इहे (सन

শর কেনরি জুরাও স্পান্টাভিধানে কংলেন, কোন্তলি নিয়মিত আর কোন গুলি অনিয়মিত, পূর্তকার্যো তাহা **क्ट्र वृक्तिएक भारतम मा। आमता इ**ः थि ठ इहेलाम, श्वर्व (क्यनत्त विलिध्नन वाजितकत वास जासक स्ट्रिक स्वता व देवा। हेश्मर ७ त इर्गमकल कब्ल करिया করাতে অনিই হইয়াছে বলিয়া ভিনি **এই कथा वरलन ; किन्न कथा हरेर** जरह, इहे वरमद्भव मरश आहे काहि है।कः বারিকের বায় করিলে কিরাপে অকুলান मूत रहेरव १ हेनकमहोरका कि अहे होक। मः शृहीज हरेरव १ देनकमहारक्ष a हाका मः बह किंदि जात कि श्रकाशी ज त्मत्र अकरणय इहेर्द ना १ यथन अङ होका **छाटका एक्टिवांत मखावना ना तहिन, उधन** কতক কৰ্জেও কতক টাক্স এরূপনা कतिया ममूनाय कड्ड कतिया कता है (अपहर) करम वात्रमः एकन वृतिया मिन अन भार लांध कता इत, डाहा इडेटल कार्या, इहेल, অপচ প্রজাপীড়ন করিতে হইল না। अक्षे बाड्यारमत विषय कडे, लाउ भित्र हेर्नाए अ वाद्यत তালিকা প্রকাশ করিবার ৮ চেন্টা পাই-(वन ", এই कथा विलिश्नो(इन। यञ्जवान হইরা এটা প্রকাশ করা একাত আব माक। धाकामा ना कशास्त्र अस्तरक षात्रक कात्र मात्म ह क्रान।

भाठिकमन विद्युष्टमा कृतिरूप मछात्र अनूरमानिक इडेर দর উইলিয়ম মান্দ্যি বিখাণত রাজস্ববিং, সং **ष्ट्रीका प्रतिक खः ८**४ 5,07 न्मछोक्दत वर्डमान कत्र 1919 করিয়াছেন। বাস্তবিক ইনকম টাজে প্রয়োজন নাই, বাস্তবিক অকুলান নাট उँ। हात विक हरेवात हेल्हा आहि : किङ्क म्छन ना कतिला उ व ए र अया पाय ना এডভিন ভাঁহার ইন্কম্টাক্স প্রস্তাবের व्यमा कोर्न लिक्किड हरू ना

> मिकाशिखार्गत शिलाहै। आधानित्रत अड्याः कांच यांव

बक्टवा भाग रहा नाई। बहे (राहू श्रुर ध विषय इस्टब्ल्भ कतिए इहेल विन्तानरम्ब निव्रम आडि, देखेरतारशंह व्यवरा व्यक्तियांशरखत दकान প्राचीन जारांत नदीका (मध्या व्यवना कर्डवा व्यक्षिकारम् अव्यक्तिमीः काञ्च इर र स्व नजूबा भारती दूबा आहि विटक भहीका प्तन ; किंखु (ये े झांल कांत्ला का लाह উপाधि नहेटक श्रेटन नांगिन ना का नितन হর না। গিল দাই উ ছাত্রবৃত্তি লাভ করিতে হইলেও লাটিন জানা আৰশাক হয় আটিৰিকান সাহেৰ ভল্লিমিত এক खन लांग्नि अशाशक निर्धारभव शास्त्राव করিয়াভিবেন: কিন্তু দর জন লভেন্স এই বলিয়া ইছা অগ্লাহ্য করিলেন যে, এত क्लिमीय छाड्यभटनत यनि लागिन जिल्लिया আন্তরিক ইক্ষা থাকে, ভাঁছাল আপ नारा दिकन असान कतान । पाछि विकास मारहर हेशांत अहे छेज्ञत (पन, यान को নিয়মে কেছিজে সংক্ত অধানে নিযুক্ত কৰা হইত, ভাহা হইলে কেচ্ট সংস্কৃত শিক্ষা করিতেন না। খ্যাট্রি मार्क्टदह अनुर्मिठ अ युक्ति अन्तर हिंह

ক্ষি পুজন বিষয় কৰা ভাত প্ৰশ্যেক সংগ্ৰহণ প্ৰতিপ্ৰতিষ্ঠ সংগ্ৰহণ প্ৰতিপ্ৰতিষ্ঠ ক্ষিত্ৰ ক্ষিত্ৰ প্ৰতিপ্ৰতিষ্ঠ ক্ষিত্ৰ সিংগ্ৰহণ ক্ষিত্ৰ প্ৰতিপ্ৰতিষ্ঠ ক্ষিত্ৰ সংগ্ৰহণ ক্ষিত্ৰ প্ৰতিভিত্ৰ বিষয়ে

রতি উত্তরিপ্ত লক্ষ্মির প্রশাসক সম্পাতি । RETURNED THE RESERVED ·新、期後聯門與監督的表生都便了如2.4%。 文书 的现在分词 电影 医二甲酚 电电子 एक शुक्त के एक प्रदेश करें करें किए केंद्र 1179 安·安村人 本行250 经股上 有市場 1785年 (公司) 聖神宗 **兴事**(14) - (華統書 西部等 TO TOTAL ADJANG TO \$16 (\$7.4 \$1) কান্ত্ৰিক গ্ৰহণ কৰিছে । তেওঁ সমূহ<mark>তা</mark> ব 大大河下的一门的一大大城中海湖 TO BUT TO BERTH ST. Part Strain Control

কোন পুজন বৈষয় প্রবাজনত করতেছে। উত্তর পুর্বা বিভারের ইনজ্পের প্রবাহনট সংখ্ ভাষার উত্তপেটিরে সাল্লেবর রিজেটি বিভা বিলে ভাষাতে কুডাইল। প্রতিত্য নাচ। বাসু ভূমের মুখোপা প্রত্যাজনতে লাভিন বাল ও জন্ম সুন্ধা গোষার অনুনক্ষ ইচ্ছা ভাগেল, লাভিনে কাজ গ্রালাল্য

> ্ প্রতি ইন্সেম্ট্রেন্ড্রের **অনেকেও** তা বিভাগ পরিস্থান করিয়াহেনে; কিন্তু প্রথিকেশ্যে বিভাগ এই, উচ্চানিশ্যের যে তাপরি প্রিক্তম, ভারুকা বেভান নয়।

# विविधान संभा

多地 在外 衛山 多种样

नेत के भाग भागांस इंग्लिश के हैं के समाहित्य १ सार्क के प्रभाग को लगांस के अध्यक्षित समाहित्य भागांस के नेद्रांत किंग्सिंग के हिंदिया का ह्यास के विदेश में अभाग के किंग्सिंग के स्वतान के दे

ात्य मात्रा १९०५ कि काम के दाउनमीत्र तिका तिका मान्य कवित्र भागम कहा है। आउ देश नेत्र १९०७ महर्ग ५०,३६५ काम अन्त्रात्त्व १९०७ विकास व्योतिक अनुह ईक्किश्वामीस्तित्र ह प्रजामान्यात अस्ति। स्ट्रिंग स्ट्रिंग स्ट्रिंग प्रमान स्थित स्थान स्थानित्सन् । स्ट्रिंग स्थान स्थान स्थान क्रिन्न स्थान स्थान स्थान स्थान

भाउमा, द्वावेमा गर्व त अभागुर विकारण गर्क श्रीकेण करून। श्रीक्षणिक श्रूककारणे भामत व भाक शिका रितारी क्षेत्र । वस्तिम श्र भवत्रके ग्राह्मा स्त्री का का हिंदी स्त्री में भी स्वारम् स्त्रीस्त्रमा श्रीक श्रीक स्त्री स्त्री में भी स्वारम् स्वारम् स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री में भी स्वारम् स्वारम् स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स

उत्तर शाक्षाभटन अविषय कानकः अवस्य पाक्षाः द्रमान्द्रय कान्यास अवस्य अवस्य प्रकारम धूर्णाद्र कान्याः हराने अवस्य प्रकारम धूर्णाद्र कान्याः कार्याः सर्वेश्वर प्रदेश संद्र्य स्थान क्रियान कार्याः सर्वेश्वर प्रदेश संद्र्य स्थान

स्थितित्व स्थितिकार्यः स्तिवास्त्रीत्वे । त्र विद्यास्त्रीत्वे । त्र विद्यास्त्रीत्वे । त्र विद्यास्त्रीत्वे । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यास्त्रीयः । त्र विद्यासः ।

विष्णु (प्रक्ति हिंद साम्मा प्रश्नाप्त सा मामाना मार्टिय कार्याप्त का के प्रश्नाप्त का कार्याप्त का कार्य कार्याप्त का कार्याप्त का कार्याप्त का कार्याप्त का कार्याप्त का कार्याप्त का कार्याप्त का कार्याप्त का कार्याप्त का कार्याप्त का कार्याप्त का कार्याप्त का कार्याप्त का कार्याप्त का कार्याप्त का कार्याप्त का कार्याप्त का कार्य का कार्याप्त का कार्याप्त का कार्याप्त का कार्याप्त का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का कार्य का

भामना देश नाम किलिया का विश्व केंद्रल छ । मिक्का ल कर कथा भिक्त सम्बन्ध भारती है के लोग ের বৰ্মটো এডাজেশার পুলির প্রপারণোচ্ছ ाइट के ज़िंद्रांक कार्र अहा। ब्रह्मान, द्रक्काट्य के कहान्य है। ्रास्त्र, के होतो । काम खंकाल्य कार्यसार मार्थ मार्थ त्र विकार शान विश्वय भारतीय कार्य है। प्र 等声频设备器 1 图图图图 的复数各项的 小脑中的 大河山 कश्यित्वम । ऋरेश्वम चरवाद्वित क्षेत्रः । ठालयः। p. 6. 图. 15.5. 第3年2日3年3年3年3年3年4日 中国 কবিবার ভয়গুলনি কলিলেন। কুপ র কতে ব बई क्या बढ़ हा कराइक जिल्हि और कर है और 有關 电影解解 布除頭 医钩指带 表行人出來 人名日 別等 御(初日) 海绵抗场 京哪州(四) 专集 1 年1 日 (3) ेर मिक्ट सामील अवधारक काकारका 🦡 -ग्रेश कांद्रमाना छ २००० है।कात कृत्यका

PARTY WINES BYEN BISIES WINES arta ar arte a saile

+ \$ 115 | 115, cm, @sfert, cscace # 59 व अगत है

à à aif i sièmain nices an wignens अत्यक्ष दिनाव जान कविद्यादक्ष्म । देशदेक अर min bimbaig gete i 35. am bint gif क्रमान व्हेनारकः। क्रवंद्यन्तं क्रकं व्यवन्त्राती mielm an e Gunalfin Deal mielm dem क्तियात मानम् कतिहार्टकन । अहे खिन खानि काशकरक मुंबरीय मरा नर्तित्वक का काशांकरणत के किटलेकी

क्लित्व भाव किलाबारम अक्लिक केटिन समा शक्ति श्रिम, ६ तम कतित व्यवक्ति है। देश मार्च त्रण एक विजयम्बद विकास अन्तर्भवनित्राद्धः क्रिकेटक मुक्क मुबर्धन क्रविद्यारक्ष्म ।

त्रन करित्र क्षराक विद्युष्टमा कर्यन क्रिके करण क्षाका क्या क्षान्।

अमासिकान में है मार्ड। विवहार्ड मिद्दिक विवक विवास मिलापुर कारवीक्रम, अहे निविष्ठ তিনি পদ ভাগে করিয়াকেন ৷ সৈনাপতি আই क्षक त्यां कविद्यार्थम अ दिवरम् अ अपिन अपिन वर्क कवित्रा कैं।बाटक शुक्रकीक हिन्दाक क्या कर्बरा।

न्वन के बार्ट । तक श्रीक्रिक कहिनकान आट्रव कम्फाइहाँदेश विकासक्रव, विद्यालक कानी थानि साराहकड ३७ थाति क्रमान स्टेट्व । हीन ममूट्स ७३ थानित পরিবর্কে २६ थानि त्राची ভটবে। ভারতবর্ষে ৭ খানির পরিবর্ত্তী **স**ানি श्वीकृत्व। किमि कार्यक, विवादनम (य जन्म অচ্চাল ভারত সমূলে থাকিবে ত ছবিত ভারত वर्षीत्र धवर्गद्रकेटक वाकि काल्काक केका शिटक स्ट्रेटन ।

हरलक रहेटक छातकवर्ष रहेका व्यवस्थाना প্রাপ্ত সাক্ষাৎ সহক্ষে একটা সমূহগর্ভাক্তিক, (विनिधाक किन्द्रात अक किन्तामि वरेशा केटमाना श्रेष ध्यमान कतिहारका । काम अनि fan antig, siebt is (attil min minte i

अभिक साम आपिक प्रत्य अपूर्वदानी माधान (त कांक कतिएक पाइँदा किरनमें तत - **फे**रम्बन विकल श्रेता छ।

 इ माइन गृष्ट्र के जिएक क्यां के फ्रिक तारहर क्रियम्ब मार्रास्ट्रबङ्क आर्मेश अकुः खन पन्नान विश्वास आक्षणामण्डारम्य आसीरद्वत अञ्चरता थाञ्चन दर नव सम्बद्धाः दिश्वादन कव नक रेकि। ७ केक वर्षी अहम विदा सात है।

Trap Files Later (中国 海灣市 甲醇 表記 व काद्राम विकास AR W. POLLY PARTY. 海井 教育教 福音 神秘 仁 THE WEST A RE I ं इंडा मार्क । माटक विकास

WESTER CHAIN WINDS IN THE ति विष गाउ करा क्रांक क्षेत्रकात क्षिरियमम बहेश दिन । कार्य देखा आहे जनन कहि कार्डन । किन क्रिकारकर अपान अपान विवासका की मारका अवस्थित अधिराम । एटन चित्र (व चनि अस्त्रीक काम करिएक 电电记 明月東海海海河 東國鄉 東南東 中海 त्वम । फिलि नक्स कालवे आदेव अक्टनादन कविट्यम । अन्यक्ति समित्र अन्यक्ति । अन्यक्ति ecen, wiel felle men muffen m gele क्षप्रदेशक किर्मा मा अवस्थितिक अतिर्भाग । सही क्षप्रदेश मधक छ। शह विर्माण भिर्मिक पर्वमुद्राद्राक्ष अवा क्षेत्रिक श्रेत्राद्राटक जानव वर्षा विश्वव काषा है क्ये कर्राट क्षेत्र क्षेत्रका ना करतम, किमि ता क्यों शहरवन । किमि काइक अध्याहन राजा अक क्योंके हिन्दुक कवित्रा काईक विविद्याद्यकाः अव्याद्याद्यातः विवदत द्याद्यकाः ww fauter mice cu, Mafcucia, winm, viafficus Chinates white wes, was with क मह अभिवाद करिया आहे कुर्य छुक्त काशक भीत्र बंदाबाद्वा मुलिया देखा राज का करि क्टिल (कर कालकि क्रियंत की । अधिकिकि चार महत्त्र महिला है। श्रीकर्षात प्राप्त क्रियो मध्याबीक कंडिकाड मकक्षकारनत विषय व मश्रापन क्षिपात क्षाप प्रदेशा के जीवात मर्फ तम मरकात क्रियात काम क्या जिल्ला करना (सक्षे केल्ल स्ट्रेसारका

सक्षम १ के मार्क। कनमात्रदर्शित मश्याम প্রভিন্ন বার্ডীয় সংখ্যমপ্র গ্রাহটোন महिम्द्रक आहातमह कर अधि मधीमधीमहिमहिका अकारका अञ्चरमाध्य कतिशास्त्रका । आवितिका बार बटबार नाक्षणितीकाण अधिविक विनाय (中国)、東京は「東京」、西川市、大学の「中美」できまって विरक्ष रहेट्य। करने नारहत अफिनिधि महना मीक अविवास बास खानीय कर १६८७ विवास (य जिल कार्रन करतत, फाहा व्यवाहर बहेबा एक ।

्षित्रदेशि नार्ट्य विविद्याद्वत, १४ वे बाह चाश्रावनदेशव श्राम्यामात्र दिवाहेवा विवाह বিল বিক্তীর বার পঠিত হইবে। ঐ সুময়ে ভাহা जवारा क्रियात दिविक कित्र शक्ति क्राकृति करि বেন ৷ ক্ষল সভা আছিলিমিয়ায় ছুইবার নিমিত वात ७.७०,००,०० होता विद्य शतक प्रदेश **(\$4** );

नथम १६ महि। अधाम रामानचित्र क्रमण गरेशा क्रमण मण्डाह क्रमीश्रक क्र

its fated ACRICAN D CARAIN ME C#3 #461 + न क्यों हैं कि म प्रकारिक अरह। शक्रमा লিমিয়ার বুলের অপরিবিত कर्क बहुबाटक । त्या नाटक्य वा ...क्... व त्व विश्वात बहेकाटक ज्ञानाटक त्वचा च हरजर्रेक वयीक्र अवर्दरमण्डेटक अध्यक्त चात्र ५५० मण् हाका किएक स्ट्रेंट्र

CENT WITE

बहातका छ विदेशितिनातिहिनपूरस्य ने क धन जिन्नकाद्व घटनानीच हम, छाहात अधून चालार्थ करते जिल्ला कतिक तिमुक प्रेर्हान ज्येत्र नाटस्त स्विशादस्त्री क्षांभटन यक अकार्य मामिक निमुख्य स्वेटकर्डन

(न्नद्रम्य (त्रव मश्योद्य क्षकान कटा क्रांक्रि अक्ष करियात पाकि अर्थन कवित्राद्वित । क्षेत्रन अवाजनम् हरु वक् श्रेत्राद्धः। स्वाध्मित्र क्रेट्र । जिल्ले भाइ छ वंशिरमान, विरम्भी छ भावन মেউস্মূত্র সহিত উল্লেখ সম্পূর্ণ বিক্রতা

📖 अहे मार्का मञ्चल महत्राष्ट्रितत मृङ्गामश्व क्षका निक स्टेशाटक P कहा नी (शटमटके शहर ्राष्ट्रि म्रष्ट्रंत हे शन छ। शान्त्रात कतिहारहम

> गवर्टमणे विकालना वज्रदमनीय (मन्देनन्देशवर्गदर्वद्वत मारमभा नगरी िन्द्रश्य ।

রাক্ত ও সুধারণ বিভাগ। ১৯ व क्लामाति। वर्षमात्मत विट्नव अभिकात योज नुकारभाभाग म प्रदेश খনশী হইর। ভত্রভা আভিরিক্ত সবরেভিক্র: व्यक्तित्व कांत्र शाहरवन ।

ई मार्छ। क्रि, ति, खिछे नाइक्व भूडक्ट

(本) みまれ (44) end(電池 (本) みの 場をし (8) を) (4) で (元の ま) を(こま ま) (4) で (表 表別) 可(元を) (4) (4) で を変別 (4) で、 (4) (6) からまる (4) からのから (4) でで (4) からのから (4) でで (4) からのから (4) でで (4) からのから (4) でで (4) からのから (4) でで

ক্ষা বার (প্রাণ্ড ) বিশ্ব বিশ্ব করে।
ক্ষা আলিক ধরণে । ত্রা গাল করে।
কারেল জার বরণে । ত্রা গালে উপাকরিব
বিশ্ব করে।
কারেল করে বিশ্ব করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।
কারেল করে।

更是 陈光郎 "我们们没有信息的。" 电电 TO SEE HIRE 好一人 海红菌 ক <sup>ক্ৰি</sup>টি গাল্পৰ বা<mark>ৰ্মান্তিৰ লোক কৰে কৰে না</mark>ৰে । THE THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF T "我的,这是一个好人。" ्रा. अवस्था अधीर् ४० व महम् । महरू ेदन प्रदेशीयर जन्म 🕌 🚊 । 🖼 है। 🗸 THE STATE AND THE CO. WITH THE থেব লাগন কিছেই। এজিক কান্টি। এক এন ব্যক্তী যে সংক্রম্ম সম্, ভিনেত্রী त हा क्रिकार करिएएछर । किन्न अस्त 机砂束 知识证 對權 前。 (權作者 医野鱼 夏河河(900) 三年中间中 高橋村 月1000 (1) (4) 好人公司中心保持(市) 委员会等等处中心。 MINER OF COMPANY OF MARCH SCHOOL 新文文·《大学·《大学·《大学·》 \*\* #\*\* Maria Barasa da Aria Aria 一步"啊"。出意斯姆的 Bed Or Branch Charles Buckey \*\*\*

ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTONIO ANTO

কোন মুক্তন বিষয় প্রবিশ্বিত কর্মজেন্ত । উত্তর পুর্বি বিভারের ইনজের 
কর্মনান্ত কর্ম ভাষার | উব পোর্টার সাংখ্যের রিপোর্ট বিভার 
কর্মনান্ত কর্মনান্ত ক্রিলিন ক্রিলিন ক্রেলিন স্থানান্ত স্থানান্ত প্রবিশ্বিত ক্রিলিন ক্রেলিন ক্র

ে তিত্ত ইন্সেক্টিরানগের অনেকেও ত তিত্ত পরিশান করিয়াছেন; কিন্তু তিত্তিবার বিষয় এই, উহোলিগের ঘে বিরি পরিশান, ভাতৃশা বেজন নত।

सिर्मार इतिकारण विश्विद्यालय विकास करें.
विकास विकास व्यापन विश्विद्यालय व्यापन करेंग्रेस विकास व्यापन करेंग्रेस विकास विकास करेंग्रेस विकास वि

### বিবিষ্ঠিত বৃদ্ধ : ২০ ১ ৮০৪২ সচিব্যাস

新春 春 日本 1965年 東京大学市高大学 前面でき では 毎 月できる あっぱっと 他 一 他 (神) 197日 東州 大 月日 中 (また) 一 選ばらけ 一 世 間下的 一 か) 資料 他 1955年 ロー メート 中 は (リ 中) 資本では 無代達 オ とま 1955年 日 - 万名 古の (中) 日本 (京) 1

भारतिक समार्थित करात असमा सामार्थित करिय ति ति निवास स्थापित करियामिया छ इंक्रिस ति क्षा राग्य के एक भी मुद्राम्य चित्र स्थापन्ति ज्ञास रामान्य सिन्द्र स्थापना स्थापना करियामित करियामित्र है। स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स

(日本) を なる を なる なみ 解析のなる (日本)
 (日本) を から と なみ 一年 信息 からから 声響のため (日本)
 (日本) からから なみ 一年 信息 からから できない (日本)
 (日本) からから (日本) からから (日本)
 (日本) からから (日本) のできない (日本)
 (日本) からから (日本) のできない (日本)
 (日本) からから (日本) 日本)
 (日本) 日本 (日本) 日本)

प्राप्त के एम १९ तर्व क्षेत्र कात्रवसीत प्राप्त त्र कर्मन करिया अस्य कर्म के क्षेत्र कर्म १९ विकास क्षेत्र करिया ५ ०,३ ४ ५ व्यक्त क्षेत्र के १९ विकास क्षेत्र कर्म कर्म के क्षित्र में क्षित्र के स्वाता करा क्षेत्र के उन्हें के देखा। स्वात कर्या हित्ता। सदक देखे क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वात क्षेत्र होता। सदक देखे क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वात क्षेत्र होता। सदक देखे क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र

भागिको, क्षितिकाश्चर स अभागानुस विकादस सङ्ग्रे क्षित्रक करूनः शास्त्रपुद्धः शृक्षकादस्य भागिक १ मान्य १० मा ११ रस्र । क्ष्यामा प्र भवनद्वक स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट ग्रह्म क्ष्यामा ।क्षर्व स्टब्स्ट स्टब्स्ट अन्तर्य के ग्रह्म स्टब्स्ट के स्टब्स्ट स्टब्स के स्टब्स्ट के स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स

केला म्हियाकरम इ.स्ट्रिक हानका स्रमः प्रक्रिक रस्तालाय स्मान्त्राम स्ट्राप स्रमः क्राक्षिक ध्रमेन्द्र क्रान्ट्रकान । क्रमान्त्रा स्रोका क्राक्षिमाञ्चरसम् स्ट्रान्ट्रका क्रान्ट्रका नवस्त्र क्रान्यसम्बद्धाः (१६) विद्रान्ति

स्थितिक स्विभागात्म स्विभागात्म स्विभागात्म् प्राचनित्रा स्वत्य सङ्घ स्वत्य ५००० व्यक्ति र १ जिल्लाम स्वत्य स्वत्य १६ ६०० व्यक्ति स्वत्य गण्डलाम् १० द स्वत्य स्वत्य व्यक्ति व्यक्ति । योगानित स्वार्थिक स्वत्य स्वत्य व्यक्ति ।

कार्य क्यांकार में अस्ति क्यांका विशेषकार भाग कार्य कार्य क्यांका क्यांका क्यांका विशेषकार क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्यांका क्

क्षित्र (पिट्टिइट क्षाल्य, शक्षात्र । श्रा त का तः पाल्य काषात्र के स्वर्धात्व प्राप्त काष्ट्र प्रमान प्रमान क्ष्य (इक् । भारतेत्र (क्षात्र काल्य प्रमान कार्य स्मान क्ष्य (इक् । भारतेत्र (क्षात्र कार्यक्ष प्रमान कार्य क्ष्म अव्यापनीकाम (भाष के स्वर्धात्व क्षित्र क्ष्म किस्स भाकतात्र (क्षात्र कार्यक कार्यक्ष किस्स भाकतात्र (भाष के स्वर्धात्व क्षात्र कार्यक्ष

期海伯高斯 价值 使陷积 鼠 包里海绵水水 मक्ता स जल क्रम निविद्य मार्किन की में कई सक ४८६ मञ्चल अ**ष्ट्र**कालीय जानम **अ**लाब्दलाहरू (१५) व हो १७ का. मन्न वर्धन, (का.ल.१ का.व.१) हाहाह अवाय व्हेशहरू । क्रुशहरू हा ताम 《朝帝,唐·秦]孝]《帝]蒋 物語語者 "谢明诗"者 形式电 以[章 ात सिवार । आज रिकार अधिकास का वस एक व 有异聚烷烯醇 上颚河面的 的复数非常有效 医额抗的 不明的 कार्यका जाकित रावर्धका क्रिया अल्ला टमराम्ब असर अवन्द्रम्हा हा करा । जरान हे कान कविषेत्र एक्ष्रभ्रमेन किल्ट्सम्। स्थापावः ब्रेट्स हे मई क्या कता की क्यारक भिन्ति भी कम लिए में बाद काश्यम कार्या ख्राह्म कार्या विश वाक कर्रमा हेशरेख ब्रक्कमां क वस । मा छ ,छ ंडेर निकार कासीय व्यवसारक वास्त्राहर २०० ११२१ अविश्वासा छ। २००० है।कात सहलका

and angles dies bieres wiene

pa nis i na., cat, Anina, ebent be no

करेशार ।

के श्री है को है ले को मिरिय के को स्थित के का स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्था के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के कि स्थान के

(न्नद्भव । नव कि जादम अकृत्व केटन, श्रमा निक श्रिम, ६ त्रन कवित्र क्षराक केटनके नाथ त्रन एक श्रित्रम्थम विकृत्क केव्यनक्षित्रीहरू किकृतक एक न्रम्थम कवित्राहरूम

त्रवातिक स्वताक विद्युष्ट्या करत्रमञ्जिक करण क्रांका कहा कृति।

अवस्थित । है वाई। विश्ववाई माद्यस्थ व्यक्ति विश्ववाद्य करणोतारे अहे विश्वित्व जिल्लि भारतात करियाद्य । जिल्लाक्षि अस्ट अक्षरतात करियाद्य अस्ति। विश्ववाद्य क्षाहित गरित वर्ष करिया करियाद्य अस्ति। व्यक्ति क्षाहित क्षा

लखन के बाई। लंक संज्ञित्क हाइनकान जारहर कर्याहरित बिन्द्राहरित विद्यालय काली यानि कार्यहर्म के बालि क्यान हरेंद्र । हीन नमूर्य ७६ यानित शतिवर्ष्य २६ थानि प्राया हरेदा। कारकरर्दा १ थानित शतिवर्ष्य ७ थानि थाकर्दा। किनि कारक बिन्द्राम व मकन काहाक कारक नमूर्य थाकिर्द क्रिक्ट कार्यक रसीत शर्वर्यक्रिक वार्षिक १००००० है।का हिटक हरेदा।

ইংলগু হইছে ভারতবৰ্ণ হইছা অলোলিয়া প্রাপ্ত সাক্ষাৎ সহকে একটা সমুদ্রগার্ভনিক টোলিরাফ করিখনে এক কোল্পানি বইছা উদ্যোগ পুত্র প্রকাশ করিয়াক্তন্ত ভার প্রাল লিব ব্যক্তির, মাল্টা ও বোধাই শাল ক্রিবে ।

अवस्थान आणि जुन्क श्राप्तिमणे लक्षत्त स्त्र माम कविट्रेक चाहेन्न क्रिट्रेनन स्त्र क्रिट्रेनन । निमन स्टेनाइक।

 THE RESTRICT OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF TH

श्रदेशाता । ध्रमाशाम अस्ति । नवुष्ट ति प्रकृतिक क्या क्रिके स्थाप क्या प्रविद्यम क्षका वर्ण । (स्वतायाम आजी जनन कहि कार्यक ( किसे के किसेटक्से अयान अयान विषायम मीमारमा बहामका सहिद्यम छ चित्र एवं कति अक्षमाञ्च काम कहिर्दरम फार्ग्ट व्यनचा च क्षकान किया। प्रतिक कि त्वा । किनि कक्षा आक्षा आहेन व्यक्षारिक कतिराजन । त्मार्क त्येकी व्यवसाय स्टार्काना करतन, फाश व्यक्ति कथम अवस्थित क लगात THE REPORT OF THE PROPERTY wayying wat water water wie tow stow वयानिवृत्रं कानाते स्व क्षर देक्द उपस्तान ना क्टबन, किमि देश किया शहरवरेन किमि साम्रस विविद्याद्यम् । ज्यारमध्यान् । देशस्य व्यार्कत क्ष विश्वास एक एक, सन्नर्धन कानाम Wing Made Want mit wir was winn দিলে কেই আশালি ক্ষান্তিনের সা गरमामीक कक्षिकात मककाकारमत विगरत वि गरानाथम कतियोत अकाव हरेगाएक कीशाव मरक (गर्के केसम स्वेदार्हा

म्ख्या १ हो प्रार्क । कनगार दिख्य गरवाम भारत्यत्व व्याकार क्षेत्र वर्षा गर्थामा वर्णे क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व्याक्ष गर्थामा वर्णे क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क

खिनेद्वित मार्ट्य वितारहत. १० वे वाह व्याद्वात्रमञ्ज्ञ धर्मनञ्ज्ञानात छेठे। देवा निवार वित्र दिखीत बात शिठिष्ठ देदेव। के मुनद्व छात्रा ख्वादा क्षेत्रिकात निवास चित्रि क्षेत्रम् कृति व्याद्व क्षेत्रम् मेखा व्यादिनिविद्यात वृद्धित विविद्य खात्र ०,७०,००,०० होका विद्या स्वत्र देवा देवा

পথন এই সার্চ। প্রধান সৈত্র পতির ক্ষমতা প্রধা ক্ষম সভাব ক্ষমীপত কর্ম হই ACSICATE ACCOMENTATION OF THE PROPERTY ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMENTS ACCOMEN

महातका क विकेति निर्मालिक महर ने कर् मन विकास विकास महाने कि निष्क हरेरका क्रिक नार्ट्स विकास कि निष्क हरेरका क्रिक नार्ट्स विकास कि निष्क हरेरका क्रिक नार्ट्स विकास कि निष्क हरेरका कि निष्क हरेरका कि निष्क हरेरका कि निष्क हरेरका कि निष्क हरेरका कि निष्क हरेरका कि

त्यात्रक तथ मरवाद्य सकान कर है आखि मांबादन यण अक किसी तिष्ठक किया जोके सक्क किर्यात कार्क कर्मन कियादिन बातित्रक किस्तादक सकाम करन, केवल कार्य नीत बहाबको बुलिशादक। डांका वक्क छ। किर् बाद मबद्य प्रमिश्चादक, किसा जानाव्य दम कर्मक प्रकृत क्षयामकन एक वक श्रेसादक। क्षांकिना त्र मरकारा स्मादक विकास करा छात्रक कर्मक श्रेष्ट (किस मांदक वित्यम, विद्यमीय श्रेष्ट (सन्तेमक एक महिन्द कींग्रांस म्पूर्ण विक्रका

এই নাট। মন্ত্র পর্বাটিনের মৃত্যসংবা একাশিত হইরাছে। করাশী সেনেটের সহ শক্তি মন্ত্র টুপলও প্রাণভ্যার করিয়াছেন

> गवर्ग दमको विकाशनाः व वक्रास्त्रीय त्वर्णनकेशवर्ग्यय भारतभाष्ट्रगारी निस्ताय ।

রাজ্য ও সাধারণ বিভাগ।
১৯ এ ক্ষেত্রারি। রর্জনানের বিশেষ
রেজিটার বারু বৃত্যপোপাল দে চউএ
বংলী হইরা ভত্রভা আভিরিক্ত স্বরেভিক্তঃ
আফিন্সের ভার পাইবেন।

€ है मार्छ । अ, ति, (अंडे नाटहर मुटक्ट

TOTAL OFTE to ft. ते शहक हैं

44 1

- সাহেব ছগলী

্ৰ ডেপুটি কাল্ডে 🗠 क्षितारहर समनी भुरतत श्रांख अर्के हे अ एक कि कारन है व

<sub>प्र</sub>द्वन ।

बावू मीमवकू माम्राल झ्रूक्टेरम् नवरहां । द्वीत स्टेश मनत मन्द्रमा बीद्रष्ट्रमा चाकित्वमा : হান্ত দিন টি, ই, বেবৰশা সাংক্ষে অনুপস্থিত थाकित्वम छछमिन हे. छवनिष्ठ, बन्नमि नारहव সেবিয়ন জ্ঞানের কার্য্য ব্যক্তীক উৎকলের প্রতি निधि कमिननत् । कद्रमगहरमहे आरोक हेरेदन ।

ति, हे, लाक नाटक्य बाक्यमाहीत क्षेत्रिमिध ক মিসনর চউবেন। তাহার অস্ত্রপঞ্জান পর্যক্ত शूर्तिवावादवत काटलक्षेत्र अह, बाल्कि नाट्ट्य ক্ষিপন্বর কার্য্য ভার পাইবেন।

मर्जीक्षम अन, अम, ज्यारमक्कोश्वाद मारहर বিসায় লইয়া কমুণস্থিত থাকিবেন ভত দিন भाव. शार्ठ गारहर महममिश्टहत श्राप्तिविध माख्यिके अ कार्तिकेव स्ट्रैरिक ।

खबलिक, असं, बिम्रान नारहर नाथत गरंभन शिकिविधि बाहे हैं माबिए के उ ए पूर्व कारन-। एक्ट्यम ।

à व वार्त । क्लापनी व गदर्गायाने व व्यक्तिक र्घनातीमिटलत यान्यानिक श्रेतीका स्त्र । त्राव-डे (वाद्यक्त अर्बियन स्वाद्यक्त विकास कार्यक्त विकास कार्यक्त विकास कार्यक विकास कार्यक विकास कार्यक विकास कार इ शरीका अखात मछा वहरवन।

यक मिन लालीमने है, जि, विनिश्हेंन দায় লইয়া অনুপস্থিত থালিবেন ডভ দিন ক্তব এন কে, যাতুক সিংক্তুমের চতুর ির ছেপুটি কমিসনর ও অধস্থ **অঞ্চ হইবেন** : मानकृष्मन (प्रभूषि कारलकेर १४७४ जरकर à sae 3622 का कहा २२ थ अध्यक्ष व्यास्त्र के आहिन क्यूना द कारतलेतन कमका माहितन

शक मिन (अ. अ. वलकिया मीरहन विसीध শুইয়া ভলুপ হিত থাকিবেন তওঁদিন বলো-इत महकादी माजिएके हे कार नकेंद्र आर . इहालाव मार्डव माध्या हिम्बिछारमञ् । भाइता अप म कम विकास सम् । जा जग्र ধু করিবাণ মকজ্ম ব প্রথম বচার কা: ডে ्र एवम ।

্ৰেষ্ট্ৰ 🐠 ব'ল্ল-ীতিসংক্ৰ'ন্ত বিভাগ। ० वा बार्ड कि, (व नवांत नात्वंदवत अनुक

Ma Sices 44 श्रुभविद्वेदश्र के स्कू

I was a second of the

ेगटक्षन जेम, क्रि, कर (शरवम, ज़**रे** क्रिक्नाविष करमाख बाबाकशृहत्त्र

क्री ७ (इन्डि व्यक्तिनट्यत

कक १९३। माजिएक्रेटिय कमजा ने हेर्ट्स्य । ७ हे म'र्छ। ३ है कांग्रहाति अविवि औ, जि बारकतम मारहर जिल्लाक व्यक्तिकेश कविष्ठित (मर्क्कोति ७ मञ्चः भरशुरत् े विकेसिमिणान क्षित्रमत् प्रितंत महकाती मखानेष्ठि इहेग्राट्डम ।

৮ ই মার্চ। যত দিন ভাক্তর 😻. 🖼, ভুরা 🗟 विनाश महेशा हेडेंद्राएन चाकित्वन खख मिन प्रविष्ठि, উইলসম সাহেব সাহাবাদের চিকিৎসং कर्षात्री इहेरवन।

**উ**टेनगर गार्टरदेत **क्यूलकान कारन वा**त् উপয়তীদ দত মানভূষের অত্যতি পুক্রিয়ার थाडिनिधि हिकिरमा क्षेत्रावी **इरेट**क।

३२ हे टेकळवाति व्यवसि अहरावेत जनकात्री भूतिय श्रमहिर्न्हेर्ड के, क्षम, माकविनन गाटरव काष्ट्रांट्ज वस्नी हेर्देशाट्य ।

প্ৰলিক ওয়াক বিভাগ।

हर्ज्य (अनिव<sup>्</sup> विकाभी**त जाकाउँएकै** वाद् कालाहीम भूरभाभाषतात्र किनिनभुतः इंहेरफ **्रक्रमो नरी विकारण वर्षमी स्ट्रायन** ।

এ, त्रकष्टेश्न मारहर विक्रिम बच्च हरेटफ दलरहरून दहनी इहेब्रा श्राप्तम स्थानित क्रमेत तकार्यात रहेएनम्।

বেজর তবলিউ এস টেবরের অ্রুপঞ্চন कारम श्रथम (श्राचित्र अक्रीकिकिकिन वेकिनियन বিদ্যালেশের প্রতিনিধি সুপরিকেন্ডেও ও ইঞ্চি नंत्रत हरेरवम । फिमि २১এ आधुराति जन াছে কার্যভোর প্রচণ করিয়াছেন।

ভূতীয় তোণির সহস্থায়ী ইঞ্নিয়র আর धन, अक्रम् म् मारहर श्रीवृक्तिर्थं aक आंक के दिन है कि न्यू क्षेट्रन।

ভূতীয় প্রেশির পরীক্ষাণী ঔবরসির্ন্নর সাত্র वश्विताल बाज्यमात्र औहरते मण्यूर्व ऋट्य मयुक्त कडेरहरू।

मरुकानी है अनिवृद्ध काबु भागवहन्त द्वान ৰ এ পৰীক্ষা দেওয়াতে ভাঁহাকে, বি, সি, " উপि धि (ंश्या इकेंस)

व्यामानिटात मनताच नः बाप्रशासी नि धरार्ष्मः — खाप्रमध्यात्रवरत्त्रत् रख्नुंची माञ्चिद्धात्रेष्ट । उत्तर्भेज WITH THE WATER THE PARTY WITH THE क्रिक्क शाबु ब्राथानवान बुटबर

अन् क्षेत्रमध्यशास्त्रस्त्र स्था नव वैतरण्यक्र क्षिपुक्त विमनाथ तायान वनित्रशाहे कानी वर्षे ब्राट्डन हित्र अकरन कारहे बार्क नार्क লাভ করিয়াছে।

৩। মুধ্বাহাটে সম্প্রতি একটা সুত্তর পোষ্ট कारिन महबातिक स्टेबाट्ड ।

8 । २८ भक्षाबात कि**ट्रै**कि स्थानित केटलेट वर्ष महत्व सान्। सारमन नदास कनिकाछा श्रुनिर्देश (के कृष्टि कविननेत्र हरेशार्ट्स । देशीय मक कारकात रकाक कहा वह देश।

৫। থানা ক্লভানপুরের অভিরিক্ত সুভন वर हेन्द्राचीत की युक्त अक्रमान वांचू ममस्याद रहली स्टेंबार्ट्स । देशर्फ मित्र्लर्विष्ट्रवार्ट्स (यं सूडन थाना स्ट्वांत कथा खना स्ट्रेज़ाहिन, ভাষা অনীক বোধ হয়।

্র ৬ ৷ জন্তুনগরে পঞ্চর দোলবাত্রার সময় এবং পর জ্জাত ফড়ুরেল। ব্সিয়াছিল। এবেলা तिनातरनत्र भारेन श्रामण्ड कर्या निजास जाव 4141

१ । वेना बार्क ब्रांजिएक क्रियादकान ब्राटम अक वरिक ७ करा चेकावहराक बाह्य अवि क्षीरमाक मर्शन्दसूरम् आन्छान कतिहारङ् ।

ण। ६**३, ७३, इ**ई वियम मन्तात भन सङ्ख वृक्ति स्ट्रेवाहिका ।

के। अविभिन्नि पर्दे मर्फ भर्दा जा कर भूज़िय हार्ति अने ही, इहि बालक श्रीकृति नमन मन्दन चाक्तिशायीकात्र कतित्राद्य।

-:0;-

भामाहिद्रभन तम्भूत्रक मर्वानमाञ्चा PARICER ...

हार दन काकियात अवशिष्ठ कामृतागावक नतीरक क्रांक निम प्रदेश, अक मानिएखत বাসীতে জাৰ্কাইডি চইয়া প্ৰায় ৫০ ৷ ৩০ টাকার বাল অপন্ত হয়। কোন্তুণ বাউন্দি ধেত কন্ত্ৰা रन की वृक्त वार् बल्लूबाई मीहिषि में इंडेबाव क्षमरक बाहेबा करनेक बहुनकारन माननेह भाग बन क्राकार क क्षा करिया क्षिताय स्थान करि ब्राह्मिन क्रामाहण पृष्ठ देहरेन अन्भूटतत श्रीनव वृत्रक्रिक्षके व देवल्यकेव बाबू मधुवनाथ দাৰ এ মটনাকলে উপস্থিত হইয়াছিলেন, কোরণ वाड़ींड बाबाब हा। देवट लाईक वो धाकाटक सक क्षात नार् कार्याच आमनार्क दित कार्या कविता धनरमानां कातरण्डक शिक्सना कति, मञ्दर्भ न विश्वक भग नाक विश्वविद्या

बाक्क स्वति त्वाकितने शवर्तकः अस्ति।जाते त्वापनीय त्याक्काति प्रवेषात्वन ।

কাপ্তের এচ, নারেল প বীকার্ম কলিকাভার আচুকারীটোলের প্রশারকোঠেন করিছে।

१७ हे आर्क अन जब लेडे, हर्विजय गार्ट्य कृ बन्ना देवा सिकान डाइ गणांतक बड़ा तम किसि वक्त किस कार्य काह श्रद्धन मा कर्त्वम, कक विन अन, वाह्यह गार्ट्य श्रक्तिवि क्षाकृत्यम ।

১७ हे बाई। क'यद्गरणा गहणाती क निम्बत (मण्डेबनों हे अब, छि, लाटगाँठ किंदू विस्नत विभिन्न कमान्ना अ सम्बद्धाः अर्थाटक वम्मी इन्द्रेयमा

বে দিবস টেন গম সাহেব কার্য ভার অপ্রিক্তিবেন, সেই দিবসাব্ধি জি, ই, মাক্সিন সাহেব গাবড়াতে জ্বিতীয় গ্রেণির প্রজিনিধি সাজিকেই ও ডেপুটা কালেইর ইইবেন।

- जतिक के, अने, इहिन मार्ट्य सामनाहीरक शब्द आनित अकि निधि मास्टिकेन क कारनकेन करेरवन ।

ভবলিউ, এচ, কেগুর্নি সাহেব বর্জমানে দ্বিতীয় প্রেণির প্রতিনিধি আইন্ট মাজেটেট ও তেপুটি কালেটার হুইবেন।

এচ, এল, ডাল্পিয়র বচ্চদৌয় গ্রন্মেটেয় সেইক্রটারি। চায় ও রাজনী ডিসংক্রান্ত বিভাগ।

ऽ है याई। यह दिन स्थाननी स्थान मासून विकास नहेता ज्ञास्त्र विकास नहेता ज्ञास्त्र विकास नहेता ज्ञास्त्र कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार

বারু রক্ষণাল বলেগাপাগার ছগলী ও চুচুড়ার এক জন মিউনিদিপাল ক্ষিপনর ভইবেন।

যত দিন এগ, গুলাকোপ নাহেব সি. বি, বিদার লইয়া অসুপশ্বিত থাকিবেন, তত দিন আর, বি, কজেল সাহেব হুগলী, বর্ত্তমান ও ২৪ পরগণার প্রতিনিধি অভিনিক্ত জন্ম মুক্তবেন।

১১ই মার্ক। নিম্নালিখিত ভদ্র লোকের। বাজুড়ার লাভব্য চিকিৎসালয়ের সভার সভ্য ক্ষতেন।

(का, अम, कि, किक जारहत।

जि, कि, केहेका जारहत।

बात स्तिहत प्रभागामामा

किनी काणान काहणा।

पाठ निसंजान, एक जारहत विसास सहस्य

কন্ত্ৰণাত্ত আৰিছে। কন্তেল সাংগ্ৰহণী নিব নভাগতি এ প্ৰ

वक वित्र क्रविनिक्षेत्रे,
लहेल सङ्ग्रेतिक वाकिएवन, क्रव्याक्षेत्र क्रिक्ते निर्मितिक वाकिएवन क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते क्रिक्ते

েল্প্ট্রনার্ট ডবলিন্ড, বি, বার্চ কলিকাভার উপনগরের এক জন মিউনিসিপাল ক্ষমিণনর ক্টবেন।

বাড নিম বাবু রমেশচন্দ্র বস্থা বিনায় লইয়।
অনুপস্থিত থাকিবেন, ডাড দিন বাবু জগবন্ধু
গলোপাধ্যায় বীরভূষের অন্তর্গত উথড়ার প্রতি
নিধি মুলেক হইবেন।

১৩ ই মার্চ। রাধাঘাটের তেপুটী মাঞ্চি টেট ও তেপুটী কালেক্টর বাবু রামণ ক্ষর সেন রাণাঘাট, বীরনগর ও কাচড়াপাড়ার দাওব্য চিকিৎস লয়ের অন্যতম সভ্য হইবেন।

ধৃতকারী বিভাগের বিশেষ তেপুট ইন শেপ্টর ক্ষেন্যল ক্ষেম্ন, হোরেগিয়, রেলি সাহেব নিজ কার্যের উপরে কলিকাডার জ্বতি রিক্ত তেপুটি কমিসনর চইবেন। ভিনি আরও কলিকাডার এক জন ফন্টিস হইবেম।

३७ हे नार्छ। यक पिन नि, हे, जाज नाट्टव नवकाती कार्यालनाटक श्वानाख्यत्र श्वाकिटवन, एक पित अ, त्म, व्यात त्वलक्षिण नाट्टव (महनी भूरतव श्वकिनिधि निविम क निविद्यंत्र स्वस्न १३ रवन।

বত দিন এ, জে, এলিয়ট সাহৈব বিদায় লইয়া অসুপঞ্জি থাকিবেন, ডত দিন এল, আর টটেনহাম সাহেব দিনাঅপুরের প্রতিনিধি সিবিশ ও সেলিয়ন জজ হইবেন।

১৩ মার্চ। পুরিষ্টিকারের নিমুলি খিড প্রতিনিধি নিয়োগগুলি প্রাহ্য করা গেল।

३৮७৮ व्यक्तित्र १मा व्यागष्टे व्यवि श्रम (व्यक्ति श्रक्ति (एज्नु) हैन क्ष्मित्र (क्षम्बन क्ष्मित्र श्रक्ति (क्षम्बन क्ष्मित्र १८०) व्यक्ति १५०) व्यक्ति १६० व्यक्ति १६० व्यक्ति १६० व्यक्ति भ्रम्भित्र व्यक्ति भ्रम्भित्र व्यक्ति भ्रम्भित्र व्यक्ति व्यक्ति ।

্ভৰলিউ, জার গভন সাহের ১৮৬৮ অন্দের ২৫ এ অক্টোবর প্রাস্ত।

अ. वेर्तकमाः निकासीक संबर्गहरूते (महत्केणाति ।

रकाषीय ममस्य (मर मना हो स्वर्धित वार्ग रहेश। रहेरन मिर्ट्य ममरम स्थानी सार्ग्य हेरनर छ जवर स्थापनिकात रहेन मिर्ट्य मण मण वरमतास्थत छ मास्य मीह वरमतास्थत लाकमर स्थाधहर मारन स्थापनिकात लाकमर स्थाधहर मारन स्थापनिकात स्थापनिकात है स्थापन मारन स्थापनिकात स्थापनिकात है स्थापन मारन स्थापनिकात स्थापनिकात है स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्थापनिकात स्यापनिकात स्थापनिकात स्थापनिक

THE WAY

०। ३৮१ ) मारम हेश्मरखत सममित (मास मरचा) बहन रहेरत । कात्रजनर्ष हेश्मरखत व्यक्ति व्यक्तिक (सम्) व्यक्तित (महें मःस्म बहे मर्शामरका व्यक्तिक ममस्य व्यामरका स्माक मरचा। बहन कतिरक चित्र कता नित्राहरू।

8। (बाक्तर्थत खर्ग कताब सात কল। গৃহবামী খীর পরিবারস্থ সমস্ত'ব্যক্তির সংখ্যা ওবয়স ও ইন্ডি ও কত কাম পুরুদ্ ও कछ अन की काशांत्र दा कि प्रदेश এहे नकत कथा शूर्त्त व्यवशंख मा स्ट्रेटन नकरशकः धारतास्त्रीय स्वापनि योगाहरू शाहिरक सो। एकर्भ अकारनत किंछि तीछि कान ना बहेरलं वाका वृक्षितिक व्यवस्थाकत्वशृक्षिक छाहारमञ यथाविधि त्रक्तशाटवक्तश कतिरात्र छाष्ट्रम नक्तम হন না। নিরূপিত সময়াভারে লোকসংখ্যা এহন করিলে দেশের কত দূর হৃদ্ধি ও কত দূর উন্নতি श्यु, देश त्रमदत्र त्रमदत्र आवश्य श्रहेता आवहानह দেশের সহিত ত্থীয় রাজ্যের তারতমা <u>কুকিলা</u> প্রঞাদের অধিক সূপ সক্ষক্তা, ও উন্নতিজ্ঞান্ विधि वावस्थाधनप्तन छ मर्स्नमानात्रात्व छेनका वार्थ विषयानिमिन्धानकारका गर्य हरेट**७** भारित (यम ।

कारता हैन स्वतं नामा कार्गिकार्धः विकास प्रशासित विकास क्षित्रीकिंग के पृत्र हिन्दि हैं। कार्गिक विकास क्षित्री किंग जन्म स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्यों कार्गिक स्वतं कार्गिक स्वतं कार्यों कार्य

াকের। উইার্নি ঠি দিবেন। কট পারিভোবিক আহকদের টাকা প্রসা

।র হত। ১০০ এ এ । ভাষারা কোন গ্রহ
নিকট জোর করিয়া পয়সা লইভে চেষ্টা
(লে কিয়া কোনপ্রকারে ছঃখ । দলে গৃহত্ব
নিকট পুলীব থানায় জানাইবেন কিয়া জানা
ইবেন।

कारानावामक मः वाममाणा निश्चि शाटकन।

জানানাবদের ডেপুনী মাজিকেট ও কালেটর জীবুক্ত বাবু দীবাচন্দ্র মিত্র মহাশার কায়িক,
বাচিক ও মানানক পরিজ্ঞানসহকারে যেরূপ
বিচার করিভেন্নে ভালাতে এখানকার সকল
লোকেই তাঁহার প্রতি সম্ভত্ত আছেন, কেহই
ভাঁহার প্রতি বিরাগ বা অসজ্যে, প্রকাশ করেন
না। সম্প্রতি ডেপুনি মাজিটেট ঈশ্বর বাবুর
প্রতি বেসমন্ত এখনের লাইসেল টারু গার্হা
আনারের ভার হয়, ডেপুনি বাবু সেইসমন্ত
আনারের ভার হয়, ডেপুনি বাবু সেইসমন্ত
আন্মের ভার হয়, গ্রেড্রিপাভ করিয়া
লোকের অবস্থার প্রতি দৃষ্টিপাভ করিয়া আইন
অমুসারে যেরূপ কর গার্যা ও আনার করিয়া
ভেন, ভাইতে কেইই অসন্তই হন নাই।

এখানকার টাক্ল আদায়ের ভার প্রাপ্ত আসে नव औषुक वावू तस्मिन्स मृत्याभाषात्र मश्मित्र গত বংগর জাহানাবাদ মহফুমায় সাধারণ लारकत श्रेष्ठि यज्ञेश अञ्चाहात कतियाहित्वन, जिल्ला महानद्वात (नामध्यकारन धकान हर्देशार्ड) **७ वर आत्मन न तर्मन वाद् श्रीमाम कर्म्मका तरक** ব্য অন্বায়পূর্মক কাড়ীলার ও কনষ্টাবলছারা বছনপূর্বাক ফ ভীদার ও কনষ্টাবলদ্বার। খড়ার धाम क्रेट्ड भाषाहम लहेश गान, छाइन्ड छ्नि सित कोटल छैत घटहान एयत । शहे शाकिन। ७९का(न क्षशान कर्पशाती भर्≔रयुता चारमञ्ज तरमन राष्ट्रक मावभन कतिया जिल्ल वी खाइनिवास क्या (काम (कारकह खाँक भागात्त्रत ভात्र मिटन এ व्यमत अक्रम चिवात সম্ভাবনা ছিল না। গভ অগ্রহায়ণ মাদে আংসে সর রমেশ বাবু জাহানাবাদ মহতুমায় টাক্ল क्षेत्रं क्रिट्ड आभिया **या कारण क्षकावर्श**क अन्यक कक्ने (प्रन, जिल्कार्क रचन इरेज्यी प्रश्नुत मार्गव और्युष्क क्रेश्वनहत्त्व । वर्षा, मार्गक सर्वालय দেশে উপস্থিত ছিলেন ৷ দেশস্থ সকলে আংস সর বাবুর উপদ্রবে ব্যাস্থ্র হইয়া উপায়াভার

ना राशिया विमानाभव अशान्द्रव निक्द्र चीय ষীর হংবের কথা আছে করাইলে ভিনি প্রথ-मण्ड देशारमञ्ज कष्टे निवायनकार क्रायन वायुत्क পত্র লিখিলেন। আদেশর বাবু ডিছিবরে মনো यांग ना कदाटक विद्यानांगत महानम् गवर्ग-(मटके ब्रटमण वायुव जकमध्यकात चक्राहादतत कथा (शांक्य किंदिनन। श्रकावरनन म्यान् ॥व र्गटमन्डे अ विषद्वत अञ्चनकानकाः वर्षमादनप्र काटन छेत्र अधिबुक्त रशित्रमा नाटस्य भरशास्त्रहरू कंशनविष मरुक्रोंच (श्रतन करतन। कार्यानक হেরিশন সাহেব ও বিদ্যাদাগর মহাশয় উভয়ে बनमः कर्मा ও जनन समा हहेशा शाश हहे मान কাল পরিশ্রমসহকারে ঘাটাল, খড়ার, শীর পाই, রাধানগর, চত্ত্রকোণা, রামজীবনপুর, वनमगञ्ज, वाजी, (स्वश्रामगञ्ज, सामाकृत, कृष्णम গরপ্রভৃতি আমে ভদত করিয়া গিয়াচ্ন। स्टिमन मार्ट्स्यत वि**र्याट** भवर्गरमञ्जूषारम সর র্মেশ বাবুর বিরুদ্ধে কি ছ্রুম দেন, ভাই। জানিবার জন: জাহানাবাদ্মহকুমাত্র সকল क्षञ्चा उत्राप रहेन्ना तः रहाटहरू। महालग्नः! কোন আনেসরকে ৫০০ পাঁচ শত টাকা আধের ष्ट्राटन लाहेदभन ोक्र थार्थ। क ब्रेट्ड खिन्नाटक्रन কি? জ্ঞানানাবাদ মহ্কুমার বে যে ব্যক্তির আরু পাঁচ শত টাকার কম ভাছাদের ২০৩ জ্বাব अक्ष र द्वाहर माना माना करें है। जिल्ला এইদকল ব্যক্তির এক কারবার নয় : এক পাডা নয় এবং পরস্পার কোন সম্পর্ক নাই ' কোন আদেসরকে স্ত্রীলোকের প্রতি অভচোর করিতে (मिश्वार्ट्डन कि ? **अधारन तरमनवाकु की**त्रणाह গ্রামের অনেক ব্যক্তির বাদীভে বলপুর্দাক श्रादन कविया खीरनारकत नतीत 🤏 जनकाद দেখিয়া টাক্ল ধার্য্য করিয়াছেন।

लाइट्राफ होक्न धार्य ও आभार छेललटक करमक काजीलात श्रकात श्रक्ति प्रकार कान्य कान्य कार्य कान्य कार्य कान्य कार्य कान्य कार्य कार्य कान्य कार्य श्रकाल पाई मन भारत्य प्रमुख्यानम्बद्ध श्रकाल पाई भारतः

মাজিকেট, ডেপুটী মাজিটেট, সুনদেহনপ্রভৃতি সকল হাজীমের বদলি আছে , জাহা
নাবাদ মহকুমার ফাড়ীদারগণের কি বদলি
হওয়া নাই ? এখানকার ফাড়ীদাব কি ঐ
সকল হাকীমদের অপেকা বড় লোক? এক
ফাড়ীদারকে এক গ্রামে বছকাল বাখিলে সাধা
রণের বিশেষ আনেই ঘটবার সন্তাবন।। কুবন
প্রায়ই ফাড়ীদারের। প্রামের প্রধানদিশের বদী
ভূত হয়। বিশেষতঃ প্রধানের লোককে ফাড়ী

মৃত্যু বর্ণনাপত্র ন লে, এই দেশীয় লোক... য়. ওযে বয়স প্রাপ্ত হইলে পীড়া ও মৃত্যু হইয়া থাকে, ও েয় স্থানে অল্প মারু, এইসকল তুক পারে। ভাহা হইলে স্থাস্থ্য ভাবলশ্বন যজ্ঞপ কলেংপাদিভ

ও নিদ্রপণ করা ঘাইতে পারে।

৭। ক্তিভিনীতিপত্রে প্রত্যেক জনের বংশ

ন জাতি ও বাবসায় লিখিবার রীতি আছে।

ক্রেন্টেন লেকেলেনীর ও রুভির অগাং কড

শন কৃষ্টিনি, শিল্প বাবসায় কড়পুর চলি

ক্রেন্ড, এই সমস্ত বিবয়ের অতি হিডল্লনক
সহাদ পাত্রা ঘাইতে পারে।

দ অপরাপের ও অপরাধিজেনীর বৃদ্ধি কি শ্বাস কইতেতে ও সাবারন লোকদের মণ্যে কড দূব বিদ্যোপ্তাত হয়, এবং কুলা ধঞ্চপ্রভৃতি আক্ষম কত ব্যক্তির উপকারশাপনে এয়োজন, এই সকল বিশ্ব জানিবাব নিমি,তেও লোকসংখ্যা শহন করা আবিশ্বক।

- ৯। शनर्गरम हे रका हि रका हि श्रक्कार एवं विकार में रिक् भी में कर्खन माध्यम है रक्का कहें हो। रनाक मर्थाः तार्य कार्यः श्रवर्ष रहे माहका में बहेर रन कर र कर्ड् भागनात्म परक ब्रम्भक को जित्र किया स्वयदः रनार्य वर्ष कहें कार्या भगां अपूर्णमा रन कहें स्वामः।

১০। এই লোকসংখ্যাত্রাংশ কুডন টাক্ল ধার্য কিন্তু টাক্লবুল্ধি করিবার কল্পনাও নাই। ব্যক্তির কি ঘরেব কি অন্য কোন বিষয়ের টাক্ল বৃদ্ধিবাব অভিপ্রায়ও নাই।

১১ । উক্ত সংখ্যা গ্রহণ করিবাব জান্যে এবং যে যে।ব্যয় জ্ঞান্ত হ্ওয়া প্রয়োজন ভাষা। এক বিধ নিয়মে এটা চইবার নিমিন্তে গ্রহত্ব প্রভেবে কাজিকে এক একখানি কাগজ (দওয়া যাইবে নিজাবিত কোন দিনে আপনার পারবারের মবে। বাই জন গাকেন, সোন সই কাণ কে ভাগ দের প্রভেবেকব নাম ও স্থা কি পুক্ষ ও বয়স ও জ্ঞান্ত ও রারি বিধিয়া জ্ঞানাইবেন। কে গ্রহজ্বা লেখা পড়া কারতে গারেন, উংহার। নিশ্বে অসকল কথা লিখিতে ইচ্ছুক হুইলে বোৰাই ক্রীতে আমদানী।

মিতাক্ষরা প্রাধার সম্পূর্ণ প্রাশর সংহিতা।

সঙ্গীক বিষ্ণুপুরাণ

ধাত্মশ্বরী গাতি গোবিল্ল ও রাধাবিনোল কাব্য

সঙ্গীক, অর্ট্রেব কৃত ১॥
বিদ্যমুখ্য এন সঙ্গীক
কলিকাত।
১ন১নে
২২৬ মং

চবিত মঞ্জ বী।

অর্থাৎ ভারভবর্ষের সংক্রিপ্ত ইতিহাস। ৰ্ম্মে ড্ৰিড ইটয়াছে। এ বাবে ইচাডে কএকটী मुख्य विषय म सार्विक रहेता औष्ट्रिक छैएछ। মডে'দারের অনুমতিক্রামে লডভিরেলেসলিয় জীব্যবৃত্তান্ত ও লড কেটিংসের শাস্মবিবরণ लि चि छ इहेथ्राट्ड अटर अध्ययनादन .य छूटे अक ভর গ্রেপ্ট ভেনেপ্লের সময়ের যে ঘটনাগুলি প্রিস্তাক্ত হুইয়াছিল, এবাবে সেগুলিও উগতে निर्दाणक कदिलागा अभिवाह छेशाए अवनी উপক্রমণিকা যোজিত হইল। স্থতরাং এই পুনশ্ব দ্রিত চরিতমপ্রতীপাঠে ইংরেজদের ভাষত ৰংৰ আগমন অবধি লাভ কানিভের রাজ্যশাস (নব লেখপ্য ভালমুদার সূত্রান্ত আবন।কমত कारता इत्या गाइएक भारताया आहे हैशएक মিউটিনির প্রাপ্ত স্বিপ্তর বর্ণিত হইয়াছে ৷ मरक क्षायुत श्रुष्ठानाय छ (क्राक्)मारकः ৬৪ নং লোকানে জীয়ুক্ত প্রভাপচক্র রায়ের बिक्टि शाला। মল():

**बीकानी क्षत्रम राष्ट्र**।

বিক্ৰয়াৰ্খ।

----:--

গারডেন রীচ ২৪ নং বাদী গুদামসছ ১৯ নংজোড়া বাগান।

উপরি উক্ত বাগান ও বাদী যাঁহারা ক্রয় করিতে অথবা লইতে ইক্টা করেন, নিমু আক্ষ রিভ ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলে গুরেস্ আরবো-খনট এবং কোং

১৮৭ - সালের ইংরাজী এন্ট্রান্স কোসের মানে কোন প্রফোসস প্রণীত । মূল্য ১॥। মাইবে প্রয়োজন ২ইবে, তিনি আ

মার নিকট পুস্কাপারে ড ১১ মং কালে গটোলভাকা

আয়ুক্ত বছনাথ মুখোলীবিং রিপ্তর্গ নিকা বিভীয় ভাগ মুক্ত হইখা পটে বিজয় হই বাড় হাঁ। বাড় হাঁ। বাড় হাঁ। বাড় হাঁ। বাড় হাঁ। উত্তম কাপড়ে বাধান মূল্য ১॥• টাকা। প্রথম ভাগ।

--- 20 3 ---

निवश्य निवश्य

সন ১৮৬৯ সালের মার্চ্চ মানের ও ছইতে ১৭ই মার্চ্চ পর্যান্ত ভাগীরথীনদীর সর্বাকমতি ভালের সাপ্তা হিক বিশোট

ভানের নাম সর্বাক্ষতি জল

ফুট ইঞ্চি
ভাগীরপীর সহিত পদ্মানদীর বোগের
ভান
মহানায়
ভথা হইতে জজিপুর
১০॥ মাইল মধ্যে
ভজিপুর হইতে বহরমপুর
৪৬ মাইলের মধ্যে
৫০ মাইলের মধ্যে
৫০ মাইলের মধ্যে
৪৬ মাইলের মধ্যে
৪৬ মাইলের মধ্যে
৪৬ মাইলের মধ্যে
৪৬ মাইলের মধ্যে
৪৬ মাইলের মধ্যে
৪৬ মাইলের মধ্যে

সন ১৮৬৯ সালের ১৫ ই মার্চ তারিখে বছরমপুর গজমাটের জলের মাণ। ফটে সংক

বহরসপুর ১৫ মাচ ১৮৬৯

জ্ঞীয়ক্ত সি. ই. উইক্লু একজ্ঞি কিউটিব ইঞ্জিনিয়র নশীয়া লোকাল বিবার ডিবিজন।

(मागथकान।

১ ই চৈত্র সোমবার।

শবস্তন শিক্ষকদিগের বেও
প্রান্ত ইয়াছে। সো
শের পত্রপ্রেরকের। ডিরেক্টর সা

এ বিষয়ে উত্তেজিত করিবার
নানা ছান হইতে প্রপ্রেরব

अध्यक्षावण वृक्षि िवाकी रुगा आमता 🦠 वितं उनवीं व गनर्गरमन्छे जित्त है। বের গ্রন্তাবে অনুমোদন করিয়া विनाग्यास क्यानक्ष वाय इस कितान त्यानीविकान करा डेडिन, দকল অনুসন্ধান আরম্ভ করিয়াছে কেহ কেহ বয় নিয়ম করিয়া বে इिकार मीमा निटर्माण वाळा इहेशार इन, त्मे विषयां मिर्गत अनुत्यां विक मरह। যাহাতে শিক্ষকের পদগুলি ভাল लाटकत लाखनीय हत, त्महेश्रकार वरमावेख कड़ाई कर्डवा। मिक्कर्छ। কার্যা অভি গুরুভর ৷ ঘাঁহারা অক্ট বেতনভুক সামান্য ব্যক্তিদারা এই কার্যা

-! .:--

मण्योपन कतिवांत छाछ। भान, सामानि

नरहन। वानकिंदिशत अथमाविधि यञ

**जात (लाटकत निकटि लिका इहेट्स,** 

उठ्डे डाहानिट्शत मझन इहेट्य ।

গের মতে

उँशिता मिष्ठिकभानी

সময়ে শ্মরে প্রজাসংখ্যা করা দ্তা গবর্ণমেন্টমাজের কর্ত্তিয়া ইংলিজ নানা প্রকার উপকার আছে। দ্বার্তি লিপি গ এই শীর্ষক দিলা গবর্ণমেন্ট এর ক্রিন্দ উ প্রতিয়া দিবে আমরা ঐ প্রিক্ষ ট করিয়া দিবে আমরা ঐ ভানাস্থরে উদ্ধাত করিয়া দিলাম মন্ট খি লোকসংখ্যা করিভেছেন, ত ভালাদগের সং বিনা আৰ্থ দ্বানাই। প্রজার কলাশকামন।

ও শিপেশ যে
কোডাব কি
্ছ ? মানসিক
াহিড:প্রভৃতিতে
গণ দক্ষতা প্রদর্শন

্রণ ৭০ট ; কিন্তু যাহাতে প্রসাঢ় বাস হয়, যাহাতে প্রকৃতির অভ্য

প্রবেশ করিবার ইচ্ছা জয়ে, আমা দিংগর দেই শিকার অভিশয় প্রয়োজন। विद्धान आमानिश्वत निकटि अभी नट्ट ; षामानिरभत निष्णं निका नाहे बिलाल <sup>হয়।</sup> অতএব সোদাইটার প্রস্তাবাসু শারে কাজ করা অতিশ্য় আবশাক হই য়াছে। নর্কত্রই প্রকৃত বিজ্ঞানশিক্ষার আরম্ভ করিয়া দেওয়া উচিত। বাঙ্গালা বিদালয়েও ইহার অসুশীলন আবশাক। हेरात चत्रभीत्रम चात्रख इहेटल करत्रक বংগরকাল অলপতরমাত্র বিশ্ববিদা লয়ের পরীকোভীর্ণ হইয়া ছাত্র বহির্মত চইবেন সম্ভেচ্নাই; কিন্তু তাহাতে ক্তিকি ? ক্ৰমে বিজ্ঞানৰিদের সংখ্যা রদ্ধি হইবে। অনেকগুলি অর্দ্ধান্দিভের অপেকা অপেদংখ্যক শিক্ষিত ছাত্র मर्भन कि व्यार्थनीत नरह ? এव्यकात निका सिटन करशक वर्मातत मर्था আমাদিগের শিল্পের অভূতপূৰ্ম উন্নতি হইতে থাকিবে সদ্দেহ নাই।

উপলি ও অবিষ্ঠিব।
সম্প্রতি একটা মকদমায় উকীল
বাবু অনুকুলচন্দ্র মুখোপাধাায়ের সহিত

ক বাবু মনোনোইন ঘোষের
কুতা করিবার অধিকার লইয়া
ক হয়, ভদ্বারা আমাদিগের
ম দুরীক্ষত হইয়াছে। আমারা
ম, খুনি অধিকতর মাননীয় হন,
খেবে বক্তৃতা করিয়া থাকেন।
ব বক্তৃতা সর্বশেষে হয়।

--- 60 # 02 ---

বেলিবাহেবের অমতে সিদ্ধান্ত করিরা (इन, वांतिकेदत्रता छेकीननित्रत चाट्य ৰজ্ঞ করিতে পারিৰেন। প্রধান विष्ठात्रशीक वरतन, वस्तमी केवीन नवा বারিউবের পরামশীমাত্র থাকিবেন। এ भीमांश्नाष्ठी (करण य श्रेष्ट्रिकिविक्रफ क्रेबाट्ड अज्ञानात, खेकीलिन्द्रित छेट्नाक ভক্তের কারণ হটয়া উন্নতির প্রতিবন্ধাক **इडेटड চ**निन। ध विषदा कान चाहेन नाहै। পূर्वा जन मनत क्रानामक **छे**त्रमिश्टक প্রাধান্য 2.F17 তেন না, একণে প্রধানতম বিচারলং হওয়াতে যে অবস্থা मं जिल्लाहरू, **डेकी शिमित्वात** महिक वांति **ভা**হাতে ষ্ট্রদিগের সমকক্ষভাব হওয়া উচিত। माभातर्गा वातिष्ठेरतता श्रामाण्य विहा-রালয়ের অপেকা প্রধান নছেন। মেইন माटहर श्रीकांत कतिशाह्मन, छेकीत्मता ওয়ে ই মিনিটারের বারিটরদ্রিগের ভুল্য কক বিদোষতঃ সম্পতিঘটিত সকলমা **छे**शिष्ट्र हरेल मुद्धमाधात्र व वाहिस्टेत यापका डेकीनिनिशतक अधिक मानानी उ क्रतन। मक्ष्यलित षाईरन छेकीनिप्रित व्याधाना व्यवाहरू तहिताटह । क्लिक्सती মকদ্দমায় কেবল লোকে বারিষ্ঠানের অশ্লিক অষেষণ করেন; ভাষার কারণ অনেকের অবিদিত নয়। প্রধান বিচারপতি বলেন, वातिकटतता स्वक्षकात आहिनी त निकटि विवतनश्रज महेशा क्राम्याख्य करतन, डेकीलाता मिक्रिश करतम् मा। व्यक्ति भाषामः अह कतिया भक्षम् मा नानाहिया एन । छकीटलता यमि बातिकेतिमात्रत नमान नमानवाधी हन, छाहा हहेटन षाऐगी द्वारा मकलमा वहेट अकृत। याँ इति । देश शाहित्वन, उँ शिक्षानिशत्क वातिष्ठेतिषरभन्न जुना ममान ७ श्रुज श्रमान कता रहेरव ।

त वक्कृता मद्धान्य इयः। ह्या विधान शिवान पाछि । यो हा विधान विधान शिवान पाछि । यो हा विधान पाछ । यो हा विधान पाछ । यो हा विधान पाछ । यो हा विधान पाछ । यो हा विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पाछ । यो विधान पा

অধিক পরিজা ক কর ক্ইবে, জ্র অক্রণ বিবেচনান।

বিজ্ঞান ও বিশ্ববিদ্যালয় ৷ রোপথতের অন্য অন্য প্রাদেশের লো ইংলণ্ডের শিল্পীদিগের অপেক্ষ क ट्यार्क, इंकात कारण कि १ ३৮ ७१ েক তাহার অনুস্কান হয়। ভাহাতে প্রকাশ পাইন, ফ্রান্সপ্রভৃতির অভি भाषांना विषाणिदाछ विख्वातिह भगिधक চঠ্য আছে। ভারতবর্ষে প্রাকৃত বিজ্ঞা त्नत अञ्चीलन नाहे बलिटल रुव । क्रु इंकि वारतक ७ (मिष्डिशनकारलकामभूरह त्य किছू बार्ट बहेमाज। विश्वविकाशनास्त्रत অধিকাংশ ক্ল ভবিদ্য ছাত্রকে একটা পুষ্প व्यवर्मन कतिया छाइति काडि किछ। मः कतिरल छक्तियन इहेशा थारकन। जानि ্রটিক সোদাইটা বিজ্ঞানের এই শোচ-जीव मणी मर्णन कतिहा श्रञ्जात कतिहा-ছিলেন, বিদ্যালয়সমূহে যাহাতে বিজ্ঞা (गत ममधिक छर्छ। इत, छाहा कता कर्खवा। ভাষারা প্রবেশিকালেণি কইতে ইহার धाइस कतिएक बटलन ; किन्दु आगता प्रश्री क करेलाम, जात करवी य जावनी प्रश्ली এই প্রস্তাব অগ্রাচা ক'রয়া, সে সময় धनगि वाईति नाई धहेमाज छेलु व দান করিছাতেন। শিখিবার সময় নাই, চমৎকার কথা। আরম্ভ না : **८म मयश कथनरे ६३८४ नः।** (कान এক কালে প্রধান দেনাপতি भारतम १ (मिफिकान कारनरक 🕺 भिष्ण इहेटल्ड हा १ अना अना

क हांद्वता मिथिए ना भा



33 W WIN!

# ॰ प्रवक्तनां प्रक्रितिचताय पार्थियः सरस्ता श्रातमस्तः

্নাসক মূল্য : এক অবিন বাৰিক ১০ দ্ৰা ) অবিন যাণ্যাসিক ধা সাজে পাঁচ টাকা ।

नन १२१६। अने देवता अ५७३।२३० मार्क

# বিজ্ঞাপন।

जकत्क कानाम शहरकर्ड, विकासाय মাতলা রেলতয়ের দোণাপুর ভাকদৰ হইয়া अहेन्र्भ (मधा धाकारक कान्य किंद्री भाजमात्र লিয়া উপস্থিত হয়, ভাহাতে আমাদিগের পত্র পাইবার বিলম্ব এবং মাতলার ডেপুটি পোষ্টমষ্টোরের কার্যা ক্ষতি হয় ৷ আছএব ভবি -যাতে যাঁছ'রা আমালিগের নিকটে পতা প্রেবণ कित्रवन, ७, हादा ''किनिकाखांत मिष्ण श्रृती সোৰাপুৰ ভাক্ষর হৃ য়া চ**ালড়িপোভা** ৯ এই माजालिখिद्वन। ''माछला (तल् अद्यु 🍍 हेश लिथिवात श्राह्मा का नाहे।

সে'মপ্রকাশ সম্পাদক।

-- 000--

্ভীয় ভাগ **অন্ন**াঠ ব্যাব্যা ইংরাজী ও ব'ললা ভাষায় অন্ত্ৰাদ সমেত 📵 শ্যামাচরণ मूर्याणाधाः अवील, मृता अल, अहनकाक्ष्मी বাজিরা কলিকাতা সংস্ত্রেসভিপঞ্জিট बीएड राष्ट्र खंबानम এও कार लाकारन छ বল্পাপাল চট্টোপাধ্যারের প্রেসে তত্ত্ব করিলে **न**ःहरदन । 🐣

-- :0 : ---

সর্বাধরণকে জ্বাভ করা বাইভেছে যে, मन शामत २० मार्घ छ।तिर्थ मनिवात (वना ১১ य छोत्र मगग्न (माकाम वर्षमान मारमानव छिविक (नदः **এक्छिकिউ**টिंद **इक्षि नियत मार्ट्स्य चार्ले**रम ज्ञाभगताञ्चन । कारमानत मरनत मन्द्रचन्द्री बाक् मी शाहेशाहेंनामक चालात प्रन १৮७० प्रात्नत ! ) न! **अर**क्षन व्यविध मन ১৮१० मारनेत ७५ मार्क পর্যঃক্ষ এক বৎসরের নিমেত মাপ্তল আদায়ের ট रेकाता क्षकामा मीमारम विमिक्ता घाररव ।

প্রত্যেক নীলাম ভাকনীয়া ব্যক্তিকে নীলাম । রিজ্ঞ এক আনা মাণ্ডল দিতে ২ইবে। .আর্ডের পুর্বের ১০০ খন্ত টাকা আমানন্ত कतिएक स्टेरव अवर याशामिरमात्र फाक काजाश

হইবে, ভাগদিগের আমানতী টাকা কেরভ मिल्या बाहरत अवर छेक भरनद मीलाम फाक শীয়া ব্যক্তির আমানতি টাকা ইজারার প্রথম किन्छ व भावमारन ब्लामिनी द्याका ध्यानाम निरम (क्षक्र : मन्यू । या हेर्ता

উপরি উক্ত বিষয়ের অনাান্য সংবাদ নিয়ু সাক্ষরত সাহেবের সমীপে প্রাপ্ত হইবে।

बहें 5, फराने छे, शाइनम् हे, काञ्चान व्यात, हे, একজিকিউটিব ই शिनश्रत, मारमामत

ডিবিজন।

--:00:--

काभिनी नाउक ।

वह्रवाद्यात २८० नः होन्ट्रान्ट्रान (श्रद्र थ्राभा प्रता अक होका। डाक प्राधन अक কানা মাত্র।

वाक्ना हन्द्रकोशिक बाहिक। সিমুলিয়া কাঁসারিপাড়াহিতৈবিষয়ে ও

কলিকাতা নৰ্মাল স্কুলে বিভ্ৰয়াপ প্ৰস্তুত আছে, মূল্য 🕢 আনমোত্র।

> <u>जी</u>रवीन**हन्त गूर्वाशायतंत्र**ः कलिकांका नन्धाल कुल।

वान्योकि तामायन চতুর্থ খণ্ড।

------

ब्राट्डाक थए ३ - कत्या।

এই পুস্তক নাগরাক্ষরে মুশ ও গীকা এবং विक्ता अञ्चारम्य महिष्ठ क्षकाभिष्ठ । व्हेर्डिइ । **अट्र**काक चेट्रश्चन यूना॥० ज्यान्।। योहान्। निर्ने-भिष्ठ आहेक इंदेरांत देव्हा करतन, डाँहां हा प्राप्तात नारम कांत्रकाका अध्यानमारक पाज विचिर्यन : विद्यानीष्ठ बाह्कनिष्ठाक श्राप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त

श्रीदश्व स्टू ठाँ हार्रा

अम्प्रत्न शास्त्रमाठ प्
 वान्।ात्रिक १, ६ देवमाः

মানবজন্মতত্ত্ব ও ধার্ত দিতীয় থও।

সাধারণের ক্রেয়োপবোগি এই ব নির নির্দায়িত জাতাম মূল্য কেবলনাত ৪ টাক:-ডাকে ৪।•। লিখিত বিষয়(১)স্ব:ভাবিক প্রসব । (২) অস্বাভাবিক প্রসবজেণিতে দীয়সূত্রী প্রসব. (वामक अमन, महकीर्न छभदानीस अमन, महा · (मत रुख्यभगनित चार्य वहिक् डि.) यस्य धात्रनः অভুত জ্রাধিপ্রস্ব, ইত্যাদি (৩) সঞ্জর প্রস্ব ्यानीटकं नाटकृत चटक विक्कृष्ठि, **च**नातम्ब শোণিতপাত, ভগবিদারণ, জরায় উল্টিয় পড়া ইত্যাদি। এসকল প্রস্বেধান্তী ও প্রসে ভার কতবা ( ৪ ) হস্তকুত ও শক্তিক সাহা (मात निवतन ( ६ ) कुलिकाशांतक विषय स्वर ইডাদি, রোগ ও চিকিৎসা । কোদিও আকৃতি रेष्डानिक मन्त्रा निवाद । भुष्ठक, कनिकार कारतास कि रहेत ६६ नश खबरन खियुक्त बाबू छन्न **চরণ মহালানবিদের নিকটে, অব্বা আ**মার निकटे शनपट्ट भावत्रा घाइटकः।

> গ্রীঅন্নদাচরণ কান্তগিরি সিবিল মেডিকেল আপিদার।

সম্প্রতি দক্ষিণ মগবায় যে ইং বাং বিদর্গলয় প্রতিষ্ঠিত ধইয়াছে, তাহার প্রধান শিক্ষকের প্রয়োজন। মানেক বেতন ৫০ টাকা। প্রাধিগণ श्रमश्माशज्ञतर जारतस्मशज्ञ जामात्र सिकरी প্রেরণ করিয়েন।

कलिका डो क्षित्रः होताः है जीट्स्महन्त कर

का नी मुख्य विदेशकः

পর্মহংগ্ পরিব্রাঞ্জ জীমান স্লবেশ্বর্ণগার্য বিরচিত বাঙ্গাস অন্থবাদ সহিত দিনবসু । ঘা **धका भार मृत्यु॥ • व्याना । शरहीत्र प्राप्ता कार** 

नश्किल इंखिशामा े वाद्य हेशएड क बक्जी उ व्हेन। जीपुक्त देखा

एकान्ट्राव क्यूमाकक्टम न्हें अर्थनानिक জীবনবুভাস্ত ও লড় হেষ্টিংসের শাসনবিবরণ লি:খত ধ্র্য়াছে এবং প্রথমবারে যে ছুই এক क्रम भवन्त (क्षार्मन्तित समास्त्र स्य प्रहेमा कृति পরিতাক্ষ হইয়াছিল, এবাবে সেগুলিও উহাতে ানবেশিত করিলাম। আধিকন্ত উহাত্ত একটা केशक्यांगका रेगाज्य**क इ**हेल। क्रुक्कार कहे পুন্ম দ্রিত চরিতমঞ্জনীপাঠে ইংরেজদের ভারত ব্যে অংগমন অব্ধি লাভ ক্যানিতের রাজ্ঞাস ্নর শেষপর্য ও সমুদায় রুত্তান্ত আবলক্ষেত অবগভ ১ওয়া যাইতে পারিবে। আব ইগতে মউটোনর রুভাতে স্বিত্র বর্ণিত হইয়াছে। मध्य व याज्य अञ्चलाता ७ (खाएं)मारकः ৬৪ নং দোকানে তীযুক্ত প্রভাপচন্দ্র রায়েব নিকটে প্রাপ।।

श्रीकाली अमन ताइ।

### ----বিক্ৰয়াৰ্থ।

গার্ডেন রীচ্বল নং বাটা ওলামস্থ ১৯ নংজোড। ৰাগান।

উপরি উক্ত বাগান ও বাটী যাঁহারা ক্রয় করিছে জ্বথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নিয় স্বাক্ 'রত ব্যক্তির নিকট জানা**ইবেন**।

> গিলেণ্ডারস্ আরবো-अमहे क्षेत्र (कार

১৮4 • मारलव हे॰वाकी अन्तिक कारमव মানে কোন প্রাফেদ্র প্রবিভিন্ন মূল্য ১৮ ৮ প্রয়োজন হইবে, তিনি আ মার নিকট অথবা স্কলবুক সোপাইটার পুস্তকাগারে ভত্ত করিলে পাইবেন।

३३ नः कालककी ত্রীবরদাপ্রসাদ সজ্জমদ'র

<u>जीपुक मह्नाथ मृत्याभाषा प्रश्रमी छ भाजी</u> मिका चिकीश छाल मूचिक इहेशा शरीन डाका বাড় যাঁও ব্রাদর্শ কোং। প্রস্তকালয়ে বিক্রয় হই তেছে। উন্তম কাপড়ে বাধান মূল্য ১॥॰ টাকা। প্রথম ভাগ।

( শ্রীর পালন মূল্য

ता । म शंखी विकास 有个不過[d BB![T नामवातका वार्तक इदेशाक, अह 👊 🔑 ১৮৮ ন বড়ব'জাবে জ্বান ে ।কালগ্রে ভিন্তু কবেলে পাইবেন। जी हेगान हता वसू

১৯০ নিয় সংস্কৃতি পুস্তকালয়ে ও পটোল লঞ্চ ব্ৰাড় যে ভোলার কোম্পানির দোকানে ১ লেটিভ ও মৎপ্রচারিভ নিম্নলিখিভ গুস্তক্তলি : \* \* 4 \$ \$ ( 5 ( 5 : --

| প্রণীত             | भूना           |        |
|--------------------|----------------|--------|
| <b>এ</b> °সইভিহাস  | >              | Star   |
| ।ৰামইতিহা <b>স</b> | 3              | Ď      |
| ভূৰণসার ব্যক্রণ    | [ <b>•</b>     | আন     |
| নীতিসার (১ম ভাগ)   | e)             | ঐ      |
| নীভিসার (২ য় ভাগ) | J              | ũ      |
| প্রচারিত।          |                |        |
| मुक्तरवाय वहांकदत  | h              | હે     |
| . ্ এ              | गुराज <b>अ</b> | (क्या) |
|                    | 6 414 m        | ٠,     |

আমি শ্বনস্তোমমহানিধিনামে এবখানি সংস্কৃতি অভিধান সম্ভলন করিতে অরেছ করি भाषा **উक्षा भाव थरल मन्ध्र**ा बहरत, मार्क्षाट প্রাথম **পথ প্রচারিত হট্যাছে। প্রতে**ক খণ্ডের भूतः २ ष्ट्रे होको । बाहर्शकः शहानार्यदा २० ऋ छ गरबुर श्रुकानरम् व्यथा गरकुष कार्तस्त्र ঋষার নিকটে জন্তুসন্ধান করিলে পাইতে পারি (30)

ত্রী ভারানাথ শর্ম। क तिकाला न क उ कारनदा

### नाम 🗝 🤧 इक्टावर्धी ।

বংশকখানি ব ভিনব এইলাম দুটুই প্রাঞ্জাত। িভিচ্ছাৰ ১২ খালে মাল্পা আৰ**্ছ**। **উন্তম্ম**ৰূপে ात अल्लावक (गानाधर्मः **, म॰ऋु** ७ म**्यु** प्रभावत्यः अधान स्तान ५ ५५ व्यानसम्ब গণ্য ব্রাদর্গিরেপুর পুলুকাল্যে সান্ধর্য যায় . 25 B 1

> **ब्रीमें स्वयंत्रत (घ'स त** । ٠----- و و و الم

### विविध सवामि विकशार्थ

#### 图33

ইংরাজী বাঙ্গালা পুশুক কাগজ কলম নানা বিধ স্রব্যাদি পাওয়া যায় এবং পুস্তুকাদিতে 🖊 এক আনার হিসাবে কমিদন দি। অধিক টাকার পুত্তক লইলে 🖊 ১০ আনার হিসংকে

| ক্রি ক্রিমটেচতনংগীতা<br>শ্রীমটেচতনং দেবের<br>রাগক <b>রফম</b> | ۰.     | টাকা             |  |  |  |
|--------------------------------------------------------------|--------|------------------|--|--|--|
| শব্দসাধন মুক্তাবলী অধাৎ বোপ                                  |        |                  |  |  |  |
| (भवीय स्पारवास                                               | >    - |                  |  |  |  |
| বন্ধুবিলাস                                                   | ۵      | Š                |  |  |  |
| সভীপ্চিত্ৰভাপুকাৰ্য                                          | 3      | ख                |  |  |  |
| ভন্তবিদ্যা                                                   | >11+   | •                |  |  |  |
| <b>भ</b> ारुवार <b>न</b> व                                   | ۵      | ঐ                |  |  |  |
| আৰ্ম-ধাস্ম                                                   | 5 (1   | <b>₩</b>         |  |  |  |
| ৰভগৰা                                                        | 51     | <b>(2)</b>       |  |  |  |
| প্রভাসখন্ত প্রথম                                             | 210    | É                |  |  |  |
| व विशेष्ण                                                    | ٠ د    | À                |  |  |  |
| উত্তৰগীত। মটচক্ৰনিৱাপণ                                       |        |                  |  |  |  |
| প্রভ:ত                                                       | ۷      | À                |  |  |  |
| रियाभवा नहें ने ने कुमा बकु छ                                | Æ      | কু               |  |  |  |
| জনেকী নাটক                                                   | ۲      | Ñ                |  |  |  |
| চরিতমঞ্রী ভিতীয়বার                                          |        |                  |  |  |  |
| মুদ্রিক                                                      | \$10   | Z                |  |  |  |
| <b>জীবনহৃত্যন্ত</b>                                          | n -    | অ'না             |  |  |  |
| পারিজাভ হরণ                                                  | li •   | ĕ                |  |  |  |
| নন্দবিদায় যাত্রা                                            | 10     | Š                |  |  |  |
| भी कावनी वाद्या वामरमाहन व                                   | 1*য় - |                  |  |  |  |
| <b>21</b> 9:3                                                | 1.     | ঐ                |  |  |  |
| <b>। क्रम</b> ्हिडो                                          | Ŋ      | <u>ت</u>         |  |  |  |
| লিখিতসংছিত;                                                  | 4, 0   |                  |  |  |  |
| শাভাতপ্ৰগ•ডা                                                 | 110    | <u>ड</u> ो       |  |  |  |
| वर्गमन (इंड)                                                 | 'n     | <u>S</u> i       |  |  |  |
| আপস্তম সংক্তি                                                | h      | ř                |  |  |  |
| যুক্তি চিস্তামণি                                             | ķ,     | ٢.               |  |  |  |
| গুভুগ শীল্পং                                                 | ઇ      | ल्               |  |  |  |
| বিধৰাবঙ্গালনা                                                | p ·    | بق               |  |  |  |
| कीइकवशकावर                                                   | 11 "   | Ē,               |  |  |  |
| विमाला गरमातक्षत नाउँक                                       |        | ũ                |  |  |  |
| বিজ্ঞান নাটক                                                 | 1 3    | ध                |  |  |  |
| স্বভাবদৰ্শন                                                  | 10)    | $\tilde{\Omega}$ |  |  |  |
| (কাতুক শতক                                                   | 1 =    | Ś                |  |  |  |
| बीदवाकतावनी                                                  | 1 •    | B                |  |  |  |
| की हक वंश मार्रिक                                            | Ŋ.     | ğ                |  |  |  |

्रबाख भन्नर । क किनिकाफा (क्राफा-नारका ७३ गर

নি জান:

আভিতাপস্থা গ্র নগদ বিজেতা /

# निमित्रात निमी।

সন ১৮৬৯ সংলোগ মাজ গালের ১৩ ছইটেড ১৯এ মাজ প্রাত ভাগীরধীন্দীর

নার মাড হ**লেব সাঞ্জা** ুহল বিশোষ্টা

श्वारमध नाम मार्सकमि छन मृत्रे हे कि छात्रीवरीय भारत श्रधाममीत स्थारमत श्वाम ३० भ सहामाध ७ भ सहामाध ७ भ सहामाध ७ भ सहामाध ७ भ सहामाध ७ भ सहामाध ७ भ सहामाध ७ भ सहामाध ७ भ सहामाध ७ भ सहामाध ७ भ सहामाध ७ भ सहामाध ७ भ सहामाध ७ भ सहामाध ७ भ सहामाध ७ भ सहामाध ७ भ सहामाध ७ भ सहामाध ७ भ सहामाध ७ भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहामाध ० भ सहा

বছরমপুর গজঘাটের জালের মাপ। ফুট ইঞি ৩৮ ই

সন ১৮১৯ সালের ২২ এ মার্চ ভারিখে

শহ্রমপুর ২২ ম¦ক্র ১৮৬৯ শ্রীহজ্ঞ সি ট. উইক্ল একফি কিউটিণ ইজিনিয়র নদীয়া লোকাল রিবার ডিবিজন।

### সোমপ্রকাশ।

३१ हे देख्या (मामवात्रा)

तां बार्या एर वा क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां

श्राहित्या । तः

हेशाहित्या । छ।

छोहात छेल्द यात । १८८६ हे सहस्

हेशाहित । (१८७८) ध्वताम कता हहे

शाहि, काहोदक दमनी कता हहेदा:
हेहाट छुका स्मारकता हाहिनास सून हेशा सामामित्यत मिन्दि श्लाहिताल छिहान ।

্ৰী ইনক টোল অনুসাৰ প্ৰাক্ষা

रेनकम ने आ भारित हो अनी हिनमास गठ बादभाक इडेक, या मा इडक, अजि मत दिछा छ। दिशासित देवत्रविद्यान তনের একটী উপায় ধইয়াছে। বন্ধদেশের उ बक्रामभवाभीमिरशत छ गत्त डाङाः मुल् विषय बाह्य। डिनि महे विषय চরিভার্থ করিবার স্থার পাইনাছেন। ্উইল্সন সাচেব যথন ইন্ক্ষ্টাকা **স্থাপিত করেন, ত**ৎকালে তিনি কর मर्टाट्ड वाय वाटन छात्र धार्या कतिया-ছিলেন; কিন্তু দর রিচার্ড টেম্পল দক (मत (वनांत्र a वावष्टा करिएक्ट्इन ना। বণিক্গণ কম্চারিপ্রভ্তির ব্যাধান পाইবেন; किन्छ जभीमादितता। পाইবেন না। ভারতব্যীর সভা এ বিষয়ে বে আবেদন করেন, তাহার গ্রান্থভারে বলা হইয়াছে. যেনকল জানীৰার আপন व्यापन क्रमीसातिएक थातान, काँचानि পরেক কর বংগ্রেছের বার নিজে হয় বাং অরুপস্থিত জ্মীদার্শিংগর এ,ত দরা शक्रीस्थर अरहां अने नहें। यह हिनां छ **टिम्मन रा कभी**न। तित विवास किछु है। জানেন না, নজুৰা অজ্ঞান ভান ক্রিয়া (इन: चारनारंश्र शहश्रात छ।ति लक्ष প্রজা আছে; জমীনার একাকী কি এই চারি লক্ষের নিকটে কর সংগ্রহ করিতে পারেন ? কোন্ বেশে কর্মচারিবাতি

**दिद्क अभीमातित कत नर्श्रीङ हरे**शा

ক বার অমালার श्रधान ताकशुक्तम, ताक। **জেনে** জেনে তথার উদর मत का नार्द्रमा चर्डिका मः উহার সমাণ যাঁহাবা দংব श्रत पर्भाग करियाछितलम्, उँ राटम क बाइतह महबादहर द ११५५५ करिया वर्षेट्ड शाहित्यम्। व्यामानित्यस् বর্তুমান প্রণ্র জেনরল লাড স্বার এক का श्रीमञ्ज विवासी लोक : विवास विवतक वादत रेंह्रात बन्धमुक्ति छ। नाह । हेनि मह्या এक पित्र माजनावन्तः नर्भगर्थ अग्रन कतिशाहिटलेन। व्यापता দেখিলাম, ইহাঁর নিমিত অধা ও শক্ট রেলগাড়িতে চলিয়াছে। অন্য কোন भवर्गत वा त्लञ्चेन हो भवर्गत अज्ञाल करत्य নাই। ভথায় কিয়ৎক্ষণের নিনিয় যাওয়া, व्यक्ष भारते वाहेशा याहेबात औरशांकन इः ना। दिल्लां कि अक काटन महीत धार পর্যায় গানন করে। ইহাতেই লাড মেরের বিলাদিতা অসুমিত হইবে: এ প্রকার বিলাদপ্রিয় লোক যে দরবারের অধিনায়ক, ভাঙা যে স্বংপা বারে সম্পন্ন **ब्हेटव, बेहा ८**हान क्यांगरे महाविक नट्ट। বিশেষভাৱ জাটা স্বৰ্থমেটো এডা अ मर्जा अञ्चलनेत् अ एउ बाद्द उ उर्जन्य या या अब पार्थ वाश इदेटन, एउदे हेद्दी अ फेर**क्सा** भि.ख ६३८४।

আনকে ইহার ফলবর্ণনার্মরে
বলেন, দরবারের ছালা সরদার ও রাজল
পের প্রভৃতিতি বল্ধনা হয়: কিন্তু আলল।
এ কথা বলি না। অধিকাংশ কোক
এটাকে কৌলুক্বর বলপার বেলধ
করিয়া ভাষাদা দেখিতে যান। ভাষায়।
দময়ে সময়ে যেলগ্ৰক্তাহয়, তাহাহেন।

ন, ব্ৰেণ্ড জনং .

প্ৰেচা ধান, ভাৰতবৰ্ষের
ভাদিবিজন বাবিনা সামাট কইডেন, বিজিল বাজান শভাবে উপানীত ক্ইলা বিনদ গোণামাদিকালা আপনাদি

না প্রধান হাবে পারিচয় দান করিছেন,
সন্টেলিগের অভিমান চরিভার্থ হইত।
প্রিটিশ নাজপুরুবের। সেই ভারতবর্ষে
আধিপতা ও সমুটে পদবী লাভ করিযাছেল, প্রাচীন হিল্পু সমাট্ দিগের ঘভা বও প্রাপ্ত হইয়াছেন। দরবারও ইছা দেগের অভিমান চরিতার্থ করিবার উপায় হইয়াছে। রাজগণ বভ বারও বণ্প্রস্তান হইয়াছে। লাজগণ বভ বারও বণ্প্রস্তান হইয়াছে। লাজগণ বভ বারও বিশ্বস্থান প্রকৃতিবের

अमृक्वेवामीता बरलन, अञ्चितिहरू ২৬ক, স্নার অণ্ডল বিষয় হউক, বাজি বিশেষের ভোগানুষ্টবলে হইয়া রাকে। ভারতবংষ্র দরবারগুলি ইন্কম টাক্স-म अभि।भार ভाशामुद्रकेत क्या। महवाद्र है. बाद खान्न इहहा या अन्हेन इहेंद्र **८ ५२ हेनकम छिटकात माछकता त्रक्षि** केटी ( किस्म छन् मरमर्थक , (कदन (ग स.त.इवट्ड डिलिंग व्यक्तिकात्रमाश्चा हेमकम টা লাহিছি ইউটো, ভারা নয়, যেসকল डांका ३ मार्यात नहबांदर जारणनामित्यह क्षेत्रा महिला १ अन्यं । १ क निशा अवशास इहेर्द्र \$ 77 TH 1873 प प ताक। मार्थः केन्या ५ । मा काश्वा জহনদুৰ্ব কোকবিদ্বিক্ত অনুবাৰ্থ <u>ট্ৰা</u>কু ध्यवस्थित कहिएत इहेरर।

আনাদিসের ত্রিটিশ রাজ্পুরুত্বত আচ্হদি দ্ববারপ্রিয় হট্যা থাকেন, আসম্দিদ্ধির প্রভাপ ও দ্পদ্ধিপ্রদর্শ

नेश ल म'इश हाई।

वामता शाखात तृष्तिमान् हरे, शाखात कार्य नक रहे, शंकात विश्व उधार्थिक हिंहे, बावद वल छ माहमभाष्ट्रात ना इहेव, ভাবং কেবল যে আমরা প্রতিষ্ঠালাভে ष्यगन्ध हरेत कत्रण नः, ख ख छाणा भनामिनाटक **विश्व ठ इ**हेव सटमहरू नाहे। क्तिन च प्रकाश करण हा ना, **त्रहे मट्ड** ভর ও ভক্তিসম্ভবে একান্ত আবশাক অন্বোলগোৰ इक्टिश्रक्टरहा ভদুতা । করিল। অংশাদিগের যত করিয়াছেন, (वास इत, तकान दोखाः वाक करतन मा। অমেদিধের বৃল ও দাহদ নাই, ভাঁহার৷ यानाहिशतक छा ७ छाँक करतन ना : স্ক্রাং আনে দিলের সমুদায় মনোত্র : धर्व करहर सा

विक्तः, विक्तः, मछाणानि यावणीश छन्।
विच व मान्यात विकाल स्ता।
विच व मान्यात विकाल स्ता।
विच व मान्यात विकाल मछाणानि छन्।
व मान्यात कि विकाल करिता ताथिएण
व मान्यानिकात ताम्रपुरः
व का कि स्वामानिकात स्वाम्रपुरः
व का कि स्वामानिकात स्वाम्रपुरः
व का कि स्वामानिकात स्वाभा किन्द्रस्य।
स्वा कि स्वामानिकात स्वाभा किन्द्रस्य।
स्वा कि स्वामानिकात स्वाभा किताल
व व किताल किताल हेल्लिका
व का स्व किताल हेल्लिका
व किताल किताल हेल्लिका
व किताल किताल हेल्लिका
व किताल किताल हेल्लिका
व किताल किताल हेल्लिका
व किताल हेल्लिका
व किताल हेल्लिका

धमन रहे हिन। डाइटिड এक पवि कहि उद्यान प्रशासन कर्ज्य तन क्रात्मक मामाना (शोकन मर्मान यिक्षकात क्रीडिंग लांख करितन, उश्मात स्मात्म श्रीडंग हन नाहै। कन्न कः नीर्या अमाहम लाटिक निकटिंग स्क्रम जान्द्रनीत इत्र, ख्ना उन भिक्त हमना।

আমবা উন্নতি উন্নতি বলিয়া আনন্দ কোলালল করিভেছি : কিন্তু যে উন্নতি বাজিরেকে অন্য উন্নতি অনুপাণ্ড হয়, আমরা দে উন্নতির কোন চেন্টা পাই তেছি না। রাজপুরুষেরা দে উন্নতির চেন্টা করিবেন, এ আশা করিয়া থাকা বিজ্যুনা সন্দেহ নাই। রাজার ধ্বন বিদ্যোহশক্ষা আছে, তথ্ন রাজা দে চেন্টা পাইবেন ইলা কোনজন্মেই সভা বিজ নহে। ইংরাজেরা ত বিদেশীয় রাজপুরুষ, আমাদিনের হলেশীয় রাজা রাও বিজেছিভরে প্রজারা বাহাতে বস বীর্যাহীন হইয়া নিরীহ হয় এ চেন্টার ক্রুটি করেন নাই।

वलवीया भाइममन्त्रम इंदेरल (क्वल य वामन ताकपारत था किंगान ममर्थ इडेव अक्रश नह, आधारक अ माध भागतकाः ७ अंछ ३३व। এथन कान इंडरवाणीय यामाप्तिशतक खहात कतिरल আমানিগতক নিতান্ত কাপ্রক্রের ন্যায় ধর্মাধিকরণের শর্ণাপন্ন হইতে হয়। গামরা মুট্ট উপছারের মুট্টি প্রতাপহার দান করিতে পারি না৷ যেপ্রকার দিন কাল পড়িলছে, মুক্তির বিনিমধ্যে মুক্তি चीन ना कतिदेश हुटल नाः। स्नाहायालित ডিটে ট পুলিষ স্পরিটে: ওন্ট বারু জগদীশ রার যদি তত্ত্তা মিবিল সর্জ্জ নের প্রহারের প্রতিপ্রহাররপা প্রাত্তর দান করিতে পারিতেন, দিবিল সঞ্জানর কি উভগ শিক্ষালাভ হইত না ? অধায়ন গুণে আমাদিগের তেক্ষতা ক্ষিয়াচে, কিন্তু সেই জেতিবিভারকার উপকরণ

वाकत जावनाक नाहै। है अहेंग्रांश विजिए वितिष्ठ मही जानिया है लेगि है है ने जिय विविध्य है है ने जिय विविध्य है है ने जिय विविध्य है है ने जिया है कि कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि मानिया कि कि स्टेश कि स्टेश कि मानिया कि कि स्टेश कि स्टेश कि मानिया कि स्टेश कि स्टेश कि मानिया कि स्टेश कि स्टेश कि मानिया कि स्टेश कि मानिया कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स्टेश कि स

মহাশয়! অনেকেই রাজনারায়ণ বাবুর বিদ্যা ও বুজিমতা, গৈদা, গাড়ীয়া, গামনিষ্ঠা, কষ্ট দহিষ্ণুতা, সদাশয়তা এবং অমায়িকতা ওপের পরিচয় জানেন। তিনি পদনিবক্ষন অনেকের পাচাতে পাঁড়য়াছিলেন বটো কিন্ত ওপেতে অনেকের অগ্রগণ্য। আমরা আর অধিক কি নিটার, তাঁহার সদৃশ লোক বঙ্গদেশে এমন কি ভারভবর্ষেও মল্ল আছেন। সভার কার্য,বিবরণ ও অভিনক্ষন মুদ্রিত হইতেছে। আরও চাঁদা সংগৃহীত হইতেছে।

মেদনীপুর ১৮৬৯ ১৭ ই মার্চ

ক্ষ্যটিং দর্শক্ষ্য

-- 303--

জীলজীগুল্ফ বিজ্ঞনগ্রামের মহা-বাজের অসামান্য বদান্যতা।

জ্ঞীল জ্ঞীযুক্ত বিজনগ্রামের মহার'জের বিদ্যা প্রুরাগিডা, দেশহিতৈষিতা ও বদানভার বিষয় নোধ করি মহাশয়ের ও মহাশয়ের জগছিখ্যাত *(*जामक्षकांन्यार्ककवर्णत खिविष्ठि बाह्य जावा রনের বিদ্যাশিক। ও জ্ঞানোল্লভির বিষয়ে ্রীযুক্ত মহারাজ অকাডরে দান করিয়া থাকেন। यानक ও वालिकाविष्ठालय, प्राप्टवा हिकिएमा लय, अन्नप्रज्ञक्षकृष्टिए सम विस्तर्भ উक्ष महा होक श्राप्तिवर्षि श्रष्ट्रत्नात्मात्न स्वर्थ वाष्ट्रकतिया অথের সাথকভা সম্পাদন করিছেছেন। গভ জাতুরারি মাসের প্রারম্ভে উক্ত মহারাজ কলি कालाश जाशमन कतिशा शाश प्रहे मान काल चिनित्रभुत्र धारम कारक्शम कतिवाहित्सन । এই वारम ऋर्ष्पण भवर्गरमञ्जे नाहास्कृष्ठ वक्रविन्ता मारतत श्रुविका नाथ डिक महातारकत निकेष किश्विर काञ्चकृता श्रार्टित क्यांटिक कामस्मत সহিচ ৫০০ পঞ্চ লভ মুদ্রা এক কালে দান क्तिया गिष्ठार्ट्स। अवस्थि कार्योक्तिक छन्त-

পর একান্য মহোলয়গণং
ভীবী করুন, ভাহা হইতে
প্রের সীয়া থাকিবে না এবং আপামর সাধার
পের বিদ্যা ও আনোরভির পথ পরিস্ত
হইতে।

----

महाभवा शंड २० अ गार्यंव श्रीकांब्र काशामित्रात काश्रातत (भावमीत कारकात विवय লিখিবার স্থান্ত করিয়াড়ি স্থান আমাদি श्वित विम्यानिकांत्र कर्ष्ट्रेत विषय महान्यप्रत अवः गवर्गमाः हेव ता हत्र कतिए हि । महामग्र आमा मिरात এই মহৎ कप्टेंजे मृत कतिए यत्र कति (वन। श्रुर्फा लिथियाहि, এই ज्यान नमीया उ २८ भवनभात मिक्का। এ प्रकृत उप लारकत्र वांग क्या भक्त वांरम उप लाक नाहे ; स्वतकन धारम आहम् । ভारा । अधिक नरह। कुरम्त मर्था এ अक्षरन ढान्त्र । এক এক আংমে ৪। ৫ ঘর হইতে ৭০।৮০ ঘর পর্যন্তে ব্রাক্ষাণের বাস আছে: আমাদিগের কায় वात्र हजुः भारमं हुहै (कारमत भर्मा (गार्गा, পিপালি, মুরদপুর, বেড়ি, গোবরা, গোবিন্দ পুর, চ'স্কুড়িয়া. (এই আমে একটা প্রসিদ্ধ হাট ও বাজার কাছে ) চন্দ্রপুর, গন্নড়া, কোটা, (बष्टवाफ़ी, वांक्रेड़ी, वांबाहाफ़: ( এई अ'र्ब একটী হাট, বাজার ও কভকগুলি মল্লিক গুরু महानात्रत बान चार्ट्स, हेर्हाता शकरन वाका रहे शांट्रिन) पिषा ও मनन পूर এই करञ्जनश्रान প্রামে ৪০০। ৫০০ শত ঘর রাক্ষণ ও ৩০। ৩২ ঘর কায়ক্তের বাস আছে। নবশার জাতিও নিতান্ত কৃষ নহে। উক্ত গ্রামসমূহের মধ্যে यमिष्ठ कर्यस्कथानि बार्य ज्यान्त्रकाकुछ प्यधिक ভদ্র লোকের বাস আছে ৷ কিন্তু তথায় বিদেন্ত गारी ও धनवान लाक ना शाकाएंड (कानश्रकात मान्यकान रहेवात मणावना नाहै। (स (य जाएम ২ ৷ ১ স্রধনবান্ অ'ডেন্ তথায় ভদ্লোক नाहे ও रायान उपलाक चाइन, उश्हा धन वान नाहै। विरमय এ अध्यत्त्व खात्र (नाय এह যে, এখানে যে কয়েক জন কুভবিদ্য ক্ষমভাবান লোক আছেন ( অভি জন্ন) ভাঁহারা আপনা मिरगत खी शुद्धामि विरम्हन वाशिया हाकति कात्रमः चरमरमात्र काम शिक्ष हरूको। करत्रमा। এই नकत कांत्रर्भ कांन अकृति छाएन वा निकरे ৰভীঁই। ৩ খালি আ'মে বিদ্যোগ্য স্থাপন হই-ৰার সভাবনা নাই। স্কুতরাং গ্রন্থে টভিন্ন

স্থান, এরে আছি ) পুল্লিয়ার इमरम्भाष्टेव वं व कीवनकृष्ण व त्रिध केर्राहेश दिवाद निश्विष्ठ লিখিয়াছেন। ঘোর অক্ষয়ার্থ **कार्ड : डाइंग्ड था क ना । बहाय :** भिक खुत्रे हेश्त्र क्ष्मान कात्रण र 🔅 🍇 🗵 🤉 প্রবিষ্ট হইয়া বহু প্রাণি নষ্ট ক্রিয়ে, 💢 🖯 ফুডরং 🖎 भावेभानात हारखन होता हहेतारह । जना भि नकरल आर्ताभाग क विरुष्ठ भारत नाहे। वाबू महानय कामालिशत अहे द्वःगनः ही विरुक्तमः कतिरलम मा। এই अधानक खात बरेट ए मकन वालक পরিত্রাণ পাইয়াছে, ভাহাদিগের সারী दिक वन ७ शिशाएं , किथिए मामिक वन शाहे वाव भश्र हिल, छाहा छ नष्टे हहेरछ हिल्ला। বসুমধালয় ৷ আমাদিগের নিবিত বন্দধান্ত এक्षी कुम भथ कर्नेक्षाता सम कतिर्वन ना। **ज्रान्य वाबु ! वक्क महानास्त्रत कथा एक्क्सिया ज्यामा** ; দিগের অক্ষের যতিবরণ ক্ষুদ্র পাঠশালাটী উঠाইয়। দিবেন না। ছার্রা কম হইয়াছে কিছু দিন অপেকা করুন: এই পাঠলালাটী উঠাইয়া पिटल आभा जिलात यात शत नाहे करें हरेटब s আশা ভরসা, উৎসাই, ষম্বপ্রভূতি সকলই এক বাবে নষ্ট হইবে :

১২৭৫ সাল ) কায়বা নিবাসিনঃ ৩০ ফাস্ক্রন ) পাঠকস্য

----

এখানকার পোষ্ঠ আপীশ্চী অভি হীনাৰ স্থায় আছে। ভাষার যে পরিমাণে আয় আছে, ভদমুরূপ উন্তি হওয়া উচিত, কিন্তু স্থামধ্য ভ'হাব কিছুই দেখিতেছিনা। যাহার মালিব আয় প্রায় ৫০ টাকা, ভাষার একখান সামান গৃহ ও পত্র রাখিবার একটা সামান্য বাদ্ধানি দেওয়া উচিত। ঐ বাজে এখানে এক জ পোষ্ঠ মাষ্টার ও হরকরা হইতে পারে। কি

এ স্থানে বাণিজ্যাসবাদির আমদানি রপ্তানি করিতে হইলো, ছই জিন দিবদের পর্যাপ্ত শকট না চইলো চলো না। শকটের স্থাপিক হওয়াতে এ স্থানের প্রেরিজ ও স্থানের সানীত জ্বাদি অংপকারত হা

-17 ১০ এই জন্ম াৰ বিক্টেব্ৰি বিশ্বাস্থাত TOTAL PROPERTY. 超過 重新提展 भवनासके श कारमह धाउ सर्वत्र १ अ.च. १८० अ.ची छे**पाय क**क्रम 45.74 ं १ १ में बाभभन तक्षि हरेगाएड ८ भार्दिसहरा 🕿

2 = 4 15

স্প্রাক্তন সংগ্রাক্তামরা প্রাচীন প্রধান भारत्याचि भारता । जाकः अभाग आसारमर कर तेला केवा प क्षेत्रा (क् कामहा **हेरहाका**) नः अधानगरक च किन्न व्यक्ति आसार्मन कन्य करा वर्तिन इन्छ। । । । । । । है । व जी मारकान कि हैंसे दू से किया है भी, जहें इन्हें अरिया कर ভাশান কভল দলাল হৈছে। এই ভিরক্ষার স্কৃত ্র্যা কথাও। চিন্ধাপন করিতেছি। সং ল ত্রাকী ভালন্তির এখা বংগার বয়ং জ্ঞা হাইলোর र प्रामिशीक (शामन सहैतक एकेरन) करण **उ**ह ११. स मान (य ७६ माटन व हे खंडा (शटकटित ং পুখার খেলেডিপাটমেপ্টব ৭৯৪ নম্বের ি চিটি প্রক'ন হই রাছে। আর এই বংসরের . १ (व १०१२) आकास **७ स्ट्रेटव । मण्लीमक प्रहाम्**सु ! ও লা ধ্রা, বা ও আমাদের সাইনাশ : আমর र दाज का निना, अञ्चलक कविता मिन छेक িনি নাম একা ব্যস্তা<mark>ৰিক ভাষা প্ৰাভিপ</mark>ালিভ হ, দ ক না, আপনকার পাত্রকায় প্রকাশ <sup>(13</sup>न, कार्य कर्मान क्रिक्सिकिस केंद्रे।

1.50 产发发 🐧 १ । अने भारतक श्रेगीन मुल्तु व्यानीय .

१ १०११ । साम्राज्य केंद्राकेष्ट्र - म भिन्ते हे राष्ट्रा हा नोक्सलो (वेनप्रालेश्वी STALL ST. ST. ST. ST. NO. 44-24 TAN 是面面并成为 我把下午的人的话的 (4g)下面 革がけるがっとない。

6 () ( その画部行列では、10名では出て、最近のではなっても **作作者 副日子王 かい** 12 11 10 10 10 14 14 ংখ্যাবধা ছিল ভাচ ৮০ <sub>এ</sub> गिर सम्मार दुत का श्री हाईक भा में साहि एक ह ा है। १६ १६ १६ । अस्ति के लक्षात्र ।

· বাবু ভারকনাথ প্রাম: '- के बरेशन प्रच्या होका निवा**ट्स छाराट**क पड़ा शकु कि इरेशाइ। एक निनाम, अक्रमानगर · ः प्रश्वारक्षत निक्षे शाक्षशार्थ **कार**क्रन পত্রিকা প্রেরিড ইইবে।

o। गांख अला व्यागाष्ट्री स्ट्रेटिंख हका क्षीत मारुषि। श्राप्त विभागनास्त्रत भावताः माद्रम প্রসাদ।বদ্যালয় প্রতিভিত্তি ইইয়াটে ৬ জন উপয়ুক্ত শিক্ষক এবং ওজন পণ্ডিভ নিযুক্ত ध्वेष्ठ १ हिन्दा विन्ता महिन्दी । अतः । हान्य १ मा महिन भन्धान। की कि किमाभाभव करान्यस्त छन्। বধানে আছে। জালাদের ।বংগ্রেম্যা বিদ্যাস গর মহাপরকে সভাপত ক হো এইটা ভুইছ স্ভার করেল ভাল ভইছে:

8 : আমালের প্রতেকাসী তারেম্ব অবিকাশ हकमें धेन्छ जाशवाबुद्रमान क्रांबिका है भाजभा*ञान वा*तुव गुर्जा १८५१८ है । स्वा দারীর ভব্তাবপারেন ভার জ্ঞীন্তেন বাবু কুন্দাবন চঞা রায় নক'শ্রের পুত্র স্থিত্তি হারু ্ন।গেঞ চন্দ্র রাধ্যের উপর ২০৩ কর্যান্ডের ইনি জল্প कानगर्भाहे अनावश्वालाचाः महा, मीकिनाः অপক্ষপাতিতা, বিনয় এবং সংদেশ(ংটত যভার পরিচয় প্রদান করিয়াচ্চেন, ডাংগটের সকল প্রফাই স্**খিত হইয়'ছে ৷** ঈশ্বর কুপায় ইনি দীয় জীবি হইলে ইছির থার। এ জঞ্চলের অনেক মতে।প করে সাধিত কটরে। জামাদিগের একটা জন্ম ताथ अहे, दक्कारमत इ.स्वतिमध्य भागा प्रमा জাহাদের সহিত বস্তুত্ব করিতে প্রতিলেই এবং স্থান প এক'য় খ্যাণ মত্র ছট একটা खंडारीन कार्रेश सुरशास थाडु स्थेत्सहे स्ट्रंड कड़ (लोक केंग्र) साथ, अञ्चल किले ,यस क्लान প্রিড ন, হন 🔻

৫ | গাল ১৮ই ক'জন র ববার প্রিক্ষ পুর ন্সাফী উন্তুক ব'লুদ্ধাবকামাথ মিরের ফেঠা চর্ম। গ্রাড়ে, উভয় **পক্ষের জনেক** রয়ে **६**डेशार्ड ।

्ष्राः । 🖁 त्राः ७वा है हज्ज मग**े** ३ - १ %

### मृगा था थि।

শ্ৰীত্তি বাৰু কালীকৃষ্ণ ভট্টাচায়ে শাভিপুৰ ১৩ क कि निल्ला द्वार हक नी भी " মাজনারায়ের মালক পাতিলপাড়া পু A 學名类學 第1頁 [maxisty o'n . <sup>क</sup> नामित्राल मञ्जू ग्रहा 3.3

ं " मर्तियाहन मन्द्रा हाका 7.0 बीगुक छ, **रे**, कझरएड (बट्ट्र शूब 10 -20#02-

# শোমপ্রকাশসংক্রান্ত কয়েকটা विद्यंत्र निरंग।

व्यवित्र पृतः ও जाकमाञ्चल ना भाहेरल मन-পলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইহার অভিনে মূলা বার্ষিক ১০ টাকা এবং वानु।तिक क्षा॰ होकाः ध्रक्षत्रम छाक्याञ्चल भट्रमण्ड ना संक ३७, सान्। मिक १ अन् रेजमा-প্রক ৩০০। জিন মাসের ক্রানে জাতাম মূলা ্ছণ কর। যায় না। হুপ্তি, ববাতি চিঠি, স'ন-अप्रतः नातं अष्टांच्या विकिते. हेश्त कानाकत याबाइक बोलान क्वांत्रभा कत्, फिलि ताई फिलाइ भावा मूला (क्षत्रं क तावन ।

बोहाता क्षेण्लाहिकिक भाक्रीवेटका. संक्रिका रमन अने काथना काम 'आनात कामिक मुटलार छ तथीरान्त । है कि छै (श्रांत्रण ना) कर्यमा

শগন যিনি মফলল ইইটেড দেংমপ্রকালের र्जा भाके हेटनम, जाहा त्यम (त्रक्तिक्रीत क्रिया উন্দিক্ত ভারকানাথ বিদ্যান্ত্রণের নামে পঠে:-हेश्रा (मन्।

योशिक्टिशत मुला भिवात नमग्न अक्टोफ ब्हेग्न वातिरव, अक्यामधूरम केशिमिशास किश्वि লিবিয়া জানান ঘাইবে, কাল আঠাত ১ইলু ्धिताल अक वांत विक्रि स्माथा कड़ेरन, फाकांच भन একমাসকাল প্রভাকা করিয়া কাগঞ বল্পরা গাইতে। শেষ বাবের পত্র বেয়ারিং পাঠান

সোণাপুর ডাকঘরে চিটি আইলে আমর। नीख शाह्य।

र्व का बाइएन ना निया शाबानि । अतन कवि তুতিত ও প্রভাবিব'চ মহাস্মারোকে সংগ্রা ্রন, তাহাদিলের সেই পরাদি এইণ কব। माहेरच मा।

> क्ति सामक्षकार्य निष्ठांशन निर्वे हैकी করিলে ভাঁছাকে প্রথম ভিন বার প্রাভ পংগ্রিক 🎣 কানা ভাষার পর 🗸 ১০ আন। দিতে ইইবে। খিনি অধিক কলে বিজ্ঞাপন দিবার ইঞ্চ। করি-.तम. <sup>क</sup>्षात महिन्छ चाउत् वरम्यवि**स्थ** क्षेत्र।

ঘটো ১২ পত্র কালকানোর দক্ষিণ পূকা সোধা পুর প্রেসনের দক্ষণ চাক্ষড়িপোডার জীযুক্ত দার কানাথ বিদ্য ভূষণের বাদীজে প্রভিরোমবার धाञ्चकारम श्रकामित रहा।

সর জন লরেক লাড় উপাটে পাইবেন। সর সিলিলা বীউনের একবানি চিত্রপট আনিয়ারে। এধানিকে বেলবিভিন্ন বারীডে রাখা হইবে।

निकरत वीश्वनष्ट्र विख्य वाद्यक्ति। नम दिक इउदारक के का विश्वक्ति व्यूष्ट्रांत रमस्टर मान्यनकर्त्ति ज्योगस्य श्रेष्ट्रांट्या । अहे वाद्यक्ति सानिद्यात (मी) इट्या हक्के बादमत स्वानक स्वान्ध्या साम्बद्धक शक्तिरश्वत का कि अन्य करेट्या हता।

আনেরিকার একখানি পত্র বলেক, দিশরি
নদীতীবে এবটা প্রভান বাহির হইয়াকে।
তথ্য ভালিক আনিবিয়ি প্রতিমূর্ত আছে।
তথ্য ভালিক কিনি তল দিয়া গামন কবিয়াছে।
তাহার গিঠন অভি চমংকার। ইহাতে প্রবাদ পাইতেন্যে পূর্বে আনেবিকায় সভা লোক ভিলেন। কোন কোন ইতিহাসবৈতা বলেন।
কালেজায় বলিকাল আমেরিকায় যাইতেন
১০ই তৈ ত্র বৃহন্ধ ভিবার।

গতকলা কলিকান্তা গ্রন্থান সংক্ষা । কালেকের বার্ষিদ্পারিভোনিক বিভ্রনজিয়া। সংস্থানন হইয়াছে।

অমৃতবাজার পত্রিকা বলেন আলা কছেক প্রীক্ষা দিতে পারিবেন। দিএদ লইল, মন্দেহের জীযুক্ত গুঞ্জিত মানিকগঞ্জের আন্তর্গ ও আনলি সাহের কর্তুক ৫ জন মুসলমান স্বা ভ্রালা রাজবিজোধী বলিয়া গুড় লইয়াছে। ।

অদা গাবর্ণর জেন্রল অস্থালায় যাত্রা করি স্থাতেন। শনিবার ভিনি ওখায় উপস্থিত হইয়া আমীর সিয়ার অলি খাকে গ্রহণ করিবেন।

এক জন ফগ্রাদী বিজ্ঞান বিং বলিয়াছেন, উষ্ণপ্রধান নেশে স্থায়ির জাতপে বাচ্ছীয় লকটপ্রভৃতি অনায়াসে চালান যাইতে পারে। তিনি পারিস, টুলনপ্রভৃতি স্থানে আতপে স্থান্ত কস চালাইয়া রক্ষন কর্য়াছেন। এখান কর ই জ্বিয়ার গণ কি এই পারীক্ষা করিতে পারেন?

কাৰুলের অস্পৃত্ত সংবল এই, অফিন ও আঞ্ল রহমন থা বাকে যইবার চেষ্টার আছেন, কিন্তু যাবতীয় উপত্রে রুদ্ধ হত্য়াতে উহারে বালুকান্ধান হট্যা পারসে; যাইবার মান্য করিয়াভেন। সম্প্রতি একটী ক্ষম যুদ্ধে আফিন খার পুত্র হায় লাভ করিয়াভেন। এই যুদ্ধে ভজাবুলের শ্লেনকর্ত্তা হত হট্যা হেন।

हीत्मत युवक सङ्गाहि शतीकाशी मुख्यकि हुन् । हिन्दित्रा शृज्यात देवताएक केंद्रांत साका करि कृत वादहारतत विकास काका हिन्नाहरूत। य

কর্মচারী সম্ভাইকে । মক্তকচ্ছেদন করা হই উৎসন্ন করিল।

১ লা এপ্রেল অবধি কলিকাভার ছোট আদালতে স্থান্ধ্যমন্ত ইইবে।

१ व हे देवता शक्तवातः

छिलिनिष्ठेन अप्तर्भव कने छे छे नानी व विकृष्ण भूनार्भात श्रीख्याम किवार हन। छै ९ काह ना मिरन कान वास्ति कन्छे छे भान ना। कर्यक्सन श्रीम कन्छे हो स्थित जात नकरने है कन्छे छेटर व जात जाना व क्टरन। अक जन छे ९ युक्त बाक्य मन्त्री इंदेरन भवनिक श्री विक्र कि विन्न विरुद्ध होते जातक मुश्कात करिए । शिव्य ना नव विकाप छे ज्यान व्यामनी वृत्ति कर हो हो। हेर्ड होरहर ना।

स्थ। विष्ठात्भव विम्हानरस्य शिविष्टमंक छैट्छ । मार्टस्य विषास लहेस्रा हेश्नरक वाहेरण्डरक्रन । अहे अम्म हास्त्रिम्स मारह्यरक श्रामान क्या कर्ष्यर ।

ু ই ও ১৬ ই এপ্রেল পুনর্ন্ধার ওকালতি পরীক্ষা হইবে। যেসকল পরীক্ষার্থীর বাচনিক পরীক্ষায় ২০ নম্বর হট্যাছে, তাহারাই কেবল পরীক্ষা দিতে পারিবেন।

মানিকগঞ্জের আন্তর্গত ধানকোরার জ্মী লার ব'বু গিবীলচন্দ্র রায় ও গোবিক্সচন্দ্র রায় বিদ্যার উৎসাধ দেওয়াতে ভিরেটর এ বজদে শীয় গবর্গদেও ভালিগকে ধ্নাবাদ প্রদান ক্রিয়াছেন।

३६ हे देखक अभिवात ।

ইংলভের একখনি সংবাদপত্র বলেন, যেসকল ইউরোপীয় জীলোক ভারতবর্ধে ঘান, ভাঁচাদিগের শতকরা এক হান সভীত্ব রক্ষা করিতে পারেন কি না সন্দেহ:

কেণ্ড অব ইণ্ডিয়া বলেন, ওয়াইলি সাচেন উৎকোচ এইণাপরাধে মনাসভা সইডে বহিক্ড ধন নাই। ডিনি গ্রণ্ডেটের ভূড় বলিয়া প্রতিনিধি ইইডে পারিকেন না।

গ্রন্থনেট আজ্ঞা দিয়াছেন, টিপুরংশী । রাজকুমারদিজের ক্ষার মৃত্য জথবা পুত্র ইটলে কিঞ্ছিং জিখিং পায় দেওয়া হটবে। আমরা এই বায় দিয়ার কোন কারণ দেখিডেছি না।

আমীর দিয়ারক্ম লি আগখন কবাতে কার্ছক ক্ষমিয়নর ও ডেপুটি কমিদনর আপন আপন কান ডাগে করিয়া ভাষালাল ভাষাপা দেখিতে গিয়াছেন। এটি আছিলয় জ্বালি এবং ইত্তে সাধারণ কার্যক্ষিত হয়।

गतर्व रमनी विकास

व्यादमभाज्ञमाती निदर्शन ।

রাজত ও সাধারণ বিভাগ। ১৬ ই সার্চ্চ । নিম্নলিতিত ভ্রলোকেরা কটকের সাধারণ বিদ্যাশিকা সভার সভা হইবেমঃ---

नातु कामी पर मूरबामाधाः हा

- " বিচিত্রানন্দ দাস।
- » मिननाथ সরকার।
- के इंक्टीइवर बटल्लाका है।
- " ছারকানাথ চক্রবন্তী।

खि, अह, रमुक्ष शाहरत रकुड़ात शाधान है विन्नाभिका शकात शब्द हरेरबन।

निम्ननिष्ठ जन्नताद्भता वात्मश्चत माधुः तन विन्नानिका मछात्र मण्ड इहेर हरू एक, अह, हेममन मारहदन (तवर्वश्च वि, वि, निम्नश्च)

১৭ ই মার্চা বাবু গোবিক্ষচক্র দত্ত 🚉 বিহারের ভূমির বন্দোবভের নিমন্ত বিশ্রে ডেপুটি কালেক্টর ইইবেন।

१४ हे भार्छ। यह मिन छवान छ (कृषाः गार्वे विरमय ग्रवकाती कार्याः भार्यः इ:नाखत थः किरवन एक मिन अक, छवनि छै, वि भिन्ने ने गार्वे छी हर्षे छिन्न (खानिक धार्मिन भाष्टिक अन्ति कार्याः)

১৯ ৪ মার্চ । বাবু কালিদার পালিও ( খ্রি স্কলারী ক্ষিস্মর হইয়া হাজারিবাঙে বিচ্ছা কার্চ্চে আসিয়াছেন ) ১৮৬৮ অফেন ৯ আ ত সুসারে কালে ক্টরের ক্ষমতা পাইবেন।

সি. ডি. নি. উইন্টর সাহেব হাসুহ সাধারণ বিদ্যালিকা সভার এক জন সভা বেন।

২২ এ মার্চ । দার জিলিডের সহকারী সনর ডরলিউ বি, ওলডহাম সাহেব উঞ্চ ি গেব অন্তর্গত হুমলঙে ক্ষুত্ত হুইবেন।

মতদিন কাণ্ডেন এচ, হো পদান্তরে বেন ততদিন টি. ডি, ইলাস সাংহ্র আণ দিগের বিচারালয়ের প্রতিনিধি জল

নর প্রভিনিধি ডেগ্রী

ংব' **ম**াঠের , अंदिश्चन भागमण . 'लोगोचे दासरम, अह, अस, तिन म'रहन अव" मारक्षेत्र निर्दरित वननीत (य काळा) रस जार র্হিত কবিয়া পশচালিখিত ব্লোক্ত হট

২৪ প্ৰস্থাৰ প্ৰতিনিধি পুলিষ স্থাংটিটে छा है भव्न, १व, (दिन माइकन ताक्षमाकी । श्रीक নিপিপুল্য হংগবইটেডাট চইবেন। ভিন যভদিন টুপনীভ নাহন সভদিন এচ, এন, श्रीतिम श्रीतृष्ट्य किन्द्रः कर्निहरू वस्त्रः ।

লেডীনটে এচ এম, ব্মলে সাহত্তির काकरण র প্রিন দি পুলিষ ইন্সেপ্টর জেনর ল । পুলিব জ্পেবইরেও । বি হটবেন দি কিছা আনপ শশঃ বল্লের মধ্যিত ভাবভ্রমী**র** রেল ভয়ে অবংশের পুলিষের প্রাক্তনিধি সচকারী वैभारमञ्जीत (स्मातन म्हेर्यम ।

> ই, আই, শ্নীলভব্বাধ সাংক্র ২৪ প্রগন্ত श्रु लिय अश्रीतर छै ! अन्ति इत्रेशन ।

 ७०, अग अद्भागतिम भग्नात भृतिम द्वाश्वरहे ्तिर धन्ते हहेर्यम् ।

লেপ্টনান' ডবলিউ, বি, বঠ সিংস্ভূমের পুলিব ফ্ল'রই,উও'ও ক্টাবেন, কিন্তা আলো ভাষ্ঠা প্রভিপান রে জাড়িনিধি ডেপুটি ক্ষিণনত इडेर्बन ।

फ़बलिके, कानन प्रश्रम्ब वीरकृष्मद अक्ति निवि श्रीत्र कृत्वहाने छात् इहेरवन গভদিন উপনীত না হন, ভাছদিন জে, এস লা মিন সাকের প্রতিনিধি খাকেরেন।

> ७ इंड्राइन ( रक्रामनीय भवन (मर्ग्हेंब (मराक्राक्रेट्टी), পথ লগ ন্যাক বিভাগ

ছিতীয় বেলির প্রসংগ্রাইক্সবার শিবচ্ছে 🖟 মল্লিক কিছনিয়ের নি'নার বারেশ্বর হয়তে প্রথম

কারেপ্তার এসা, কি, টোরর আবেং জা, ইন্টিবোপ बहेराच आकराशंगन कराना के मधा ठाउँ आ देवन के अपिषुद क्षेत्र हिना

ইজিনিয়র বাবু একদার্নপে পেন এখন বাজা ं ति भू लिएसह (१ भूति स्वरूप) हैन १ जनहरू । भागी विख्या करेंद्र अध्यय खांख विद्यारण । विकारण बन्नी इंडेरवन ।

> एकोश एक १४ महीकाय महकाती है सिन রুব এচ, ডি, পের'ব্গলে क्षानमुद्र **इहेरछ** । রংঘ্য শৃত্রবানীবিভাগে বদলী চইবেন গ

ছিংশীয় ভোষাতির সুপেধনাইসরে ৪, সি. সালা 🗀 রব সংক্রে পাটনা একে পান্তা কইটেড ব্রিহড

**沙ガマ: か:3(そみ )** ১৮৯ বল, জৌ**লপ্রর**া ,ब. है। १८८७ हैं।

০নী ক্ষাক**্ত বিভা**ল । ार्क एक निमाल श्रीमार्ग्ड कर्नत । स व, शिष्टे । विशास करेबा देखेरतात्म शाकित्वम, • ভলিন এপ্রনাণ্ট করেল এ, এচ পাটানীন • डेर्ब्स 🗄

১৬ ইমাটা বাছদিন বারুকালী প্রসাল দভ ্রতান্ত্রে থাকিবেন, ভাত দিন বাবু ঈশ্লেচ্ছ ै ९१ वारसभ्यावत छ किसिधि मुर्काक करेरबस ।

্১৭ ইমার্চি । বাবুচকুর্কিংশার সায় জিপু ীয় আজ্ঞাত জলয়াপদীয়ীৰ মুদেক ধনীবন। ি বাৰুক্ষজাকাত চক্ৰভীচ্টুলামের আছে काविकाळातित युग्काक व्हेरवन ।

১৯এ মণ্ট : নিয়লিখিত ভেদ্রলোকেরা খুরুল ীৰ সংক্ৰব্য ভিকিংশ লৈয়েৰ সাভাৱ সভং কই '

ंह, ६३, ६ मन मण्डन ,

क्षा वर्षेत्र विकास

ं राद्दाम<sup>ें</sup> शिक्षाता

"平均如(超界)平

्य**्षात्रहेळा सू**र्धां प्राप्ता ।

हैं रात्र सिंबीमहत्त्र हर्ष्ट्राप्याधाय दि। अस. स्मी শস্ত্রপতি চহাডাজার প্রতিনিধি মুকোল

\* 2 g = 7

িলিল এমার্চেল ম্ভালিন এক, দুবলিটি, জে, লোলগানী বিভাগেল দলী কংগ্রন : ব সাত্তৰ বিষ্ণায় লইছা অলুক্সিছাত থাকি ভাঙলিন টে এ ৪ জন সংস্কৃতির বার্থাজার र्रात् जुलिक अपना होते १ हो । देव **वस** 

ल्डेका छी करूर हा अ. ५६, १८५ जाउँ जाज अश्वय েৰ কৈ এবং কিনি স্থানি লাভিনা কৰেলৈ পিটি ন'পে থাকিবনা প্তদিন প্রতিমাণ ইন १ : छम्बुल एक्ट्रिय ।

कि तिकार मार्ध्य दि मि अका है क (फल्डी देवहुण्य वेट (समस्त स्वयः) 'का'ला' सम्माल स्व शास्त्र गाँउ धार्यस्य।

चर्चालके, कि, १९४म लक्ष्य वक्षमः जिल्हादय रक्षमी सर्वादक्रम

ছথন ভো শর জ্পাবাইজার সি ভবলিউ শিশালন ঘটীয় এতে টক্ষ রেডে বিভাগ হটুছে भावेमात नाथा बाखाति छात्रा नमनी इकेट्वम । (घ, है, भिकत्रत करवत, आव, है,

**वज्रद**नभौत भवर्तरभए हेब्र (महक्कार्ड) है ।

# के छे.तालीस मगाठांत ।

ख्या (मध्येत ४) हे वाक्षित (क्षेत्रहरक्रेसिक उग्नामान । स मार्ट्सन अवर देमानिक (मट्युक्तां) ह .नस्पात्रः वर्गन्तत्रः भगक्राज

ভূ চতুল শানেনক চা বা দল ন্ম ওয়াশ্বরবের भटन धनः भिनार्गाञ्च र क्या (स्थाननाट इतः भटन सङ्ख्य हरीदस । चाएएक्स भारत्य किन्द्राहि माद्रव्यक्त भ द्रवर्ष नाम्यक्त (गर्भकारिक कवेर्रका)

মেনাপাত বিয়ের পরিবাস্ত একাশবরণ भारत्वे भा<sup>र</sup> देत्र हे उसदेश ४३न ५ वर्रस्य ।

भिष्म १४२ मा छ । यह छन २०११ मा अस्य क्षेत्राचन ।

১०७১ भटका अटिंग के स्ट्रिस के स्ट्रिस के कि খাজ পুন্দ্ৰহাণিত ক্তিয়া প্ৰবান স্নাপতি तेप्रसिक (नर्द्ध) तिव भवणात्र मध्या । ক্ষাড়া প্রধান বার্ম ইয়াছে : এই আজাতে ाक्षत करते, काषरभारता, निश्चम, किरशाला छ ऐसे जि দেনিক সেতে•টারিব ছারে ১টারে। এপান লেনাপ্তি এবিষয়ে সেকেটারির অধীন ইইয়া रापादन कमछ। धालम कदिरदम ।

অনেডারম লড়াপাই আলেপ বিরয়াছেন ্বল গুলুম্বল হত জ্যুগাৰ বিবাদ ভঞ্জার্থ .न के भन्न के तरा व कथा वहेंग्राटक, जो बोर्चा ্যাবিষয়ে ৷ ভাক কাবিবেন ভাষার মূল পুর হয় म के । खदानी अदर्गणाने । सन करिएएएएम, श्रुष्ठ কাৰে ক মন 🗀 😘 ভদপ্ত 🐧 (রল ওয়ে 🗈 曙 😈 水) (中有)的数 医节 4 自有"(本)的",那时间,可是有"(产达别)

ক্ষুণৰি এটন ১৬ই মাইচা ≛িমানকান গ্ৰ⊹ र्धक किन्देन को रिक्त कार्यात कराने, वह 1. 美国医门外部门 自然的智语与最小现象(外表)第 

नवर्गा स्वाधिक अने भाष्ट्र । ७ ५ मार्च াপ্তৰ অৱ কালেল্য কালেন্ত্ৰ জী নাংট্ৰ জাসি ्द्रम क्षेत्री कि कि ।

লগুন : ৭৯ ম.ডি - জামে রকা স্থারী স্কুলার े ब्रह्म स्वाक्तायाच्या वर्ततः स्वाक्तास्य व्याद्धः वर्षः

खाराकात का का का दलता का कि विकेश सम े व (लग, क 'का ও दिल छिन्नामत शदर्गमणे नवरत्य लिंब दिन अद्वत विवद पुष्टिकत वर्ष्णाः । कत्त्र विविध मणांत वाहारम के 3 TCB# 1

আয়ারনপ্তের বিস্তর লোকে একত্রিড हरेंद्रा (च.चना कदिशारहत उज्ज (आएंडेहा के সম্প্রদায় উঠ:ইবার ক্ষমত। মহাস্ভার নাই।

(न्यार्गत (नय महत्राहन चकान कात्र, (वात बनवरमीयनि गटक श्रुवशामध्यस्य । नि.भँख काछिएस (घ भानाभाग इस् जाम कामा कामा

लक्षानि करेत स्ट्रेट (धानकाम आमिकाट्स, সভাপতে আন্তরাজ্ঞর আইনে স্বাধির করিয়া (541

क्ष इक्छ ले का है तब ना कीत निकार वेक कार्यक्रम कर्ष्या आध्यार्थात्र एत । धार् हेट्टा व भ<u>ञ्</u>यकाय छेठे।ऐस्रा (बक्षा (अन्धान) भाषा-छ।कन ङ्ख्याच कति।।त श्रार्थमा क त्रप्राद्धमः। श्र<u>ा</u>ख्यात त्रा छ्डी व निवादक्षा, चायायन १ छत्र या शाहाङ सङ्गल इप्र कार्राट काराव मुख्य रेका। जनकशासी ক্ষ্যানগার্ভ व्यवश्रा ক রয়া (7)[74 শ্রক্ষণতা রুপ্দর। তাঁহার একান্ত বাসনা।

्रेश्रांत (कार्डित शक्ति न स्काइत स नवाहिति शार्थः। यहामाञा हरेराज नाविकाक व्हेयाराह्म i नाफ क्यां भेटभव शमस्त्रा फिनिशारन इक इंड् त्र एहन । जाएक निवाद कर्यकरी । कुनिकल्ल रहे इ.ए.६ । यत खन लातक लक्ष्यन ऐंगनी ७ व्हेशा क्रिक असुमा ७ (वनकिश्रामत विवास कक्क्रमार्थ) हे॰ न छ मध्य इड्झार्ट्स।

গত রাজিতে কর্ণেল মর্থের একান্তুলালে আন্ট ভফ সাংখ্য কমশা বাদীতে বলিয়াছেন, কড়াই ध्यत मिक्तारमध्य (यमगण काष्णानित कामक ছিল, ভাষা বাজে আপ্ত করিয়া ঘাষ্ট লাভ ংই शाद्य, काश व्यक्तकती देवना निवाक (म छत्रा क्ट्रेटव न।। (५ वाम मार्ट्स्ट्रब अधासमार्व जाने छक्त न' ११व द लिटलन को म्ही ह सुरहेव का सम् माञ्चे होका एक छा। इहेग्राट्ट ।

ভারতবর্ধের জলগেচক কোপো নিসংক্রান্ত विल कमिनियंत्र। आहि। हरेयारहः

माननानांत्र भाष्ट्र (वाश्वरत्त्व (वक्षमत्त्वि) विन कमनामिर्धित हर्ष्ट अर्थान कता इहेत्।एह হাউদ অব লাডকে এই বিল অপন কবা নির্ম विक्रम काम इत्याहित ।

विश्वविभागमध्यत्र (भोकात्र वाष्ट्र कला इहेश्र) शिशास्त्र। यात्र स्थाप्त श्रुनकात्र संश्री हहेशा

क्लानिय स्थव छिलिखारम श्रकाल करत, तिरमाह म्बनार्य रेमना ध्यात्रिक हलब्राएक मिन्स । काफि **ब्या मधाष्ट्रिक (तम क्ट्राइक) हेर्**साहकः श्रीहर

बिबिख पूर्वा श्रकाम क्र वाज (महादन. **७ इं** निभएक धनावान श्रहात कांत्रप्राट्डन ।

১৮ हें गार्छ। **चा**ष्ठातन छत्र स्थाउन्होन्हे र फॅनच्छानाप्त मा केरिया बाब, এ विवर्ध एवं जारव দন इहेशाइक, फाहाएख ৫० स्टानंत खेलात लिश्चन, नित्र क्रांक्क रहे:व विनिष्ठा स्था. ১ • • • छिल्ते । मन् हेन है । ना छ १ है है । छ छ मी मात् चाक्कत्र क्रियाट्डन ।

আমরা গড়বৈতা হইতে নিম্নলিখিত मःवामछनि शाश व्हेशाहिः---

গতে ১৯ই মার্চ রাজিকালে গড়বেডার इतिहास अवसी व्यास्थानिक्षं व्याप्त क्षांक्रिकोष्ट्र वर्णाला व ঘটিরা গিয়াছে। এই চটির উদ্ভর দিলে গ্রেপ্নে মেণ্ট ট্ফারে চের পশ্চিম পার্সে আহলানী নামে এক জন (বশা) লবণ ও ভাষাকের দোকান दाखिन 'एम (म हर्रे।५ '' कांग्रिम (ब्र कांग्रिम (व भ विनया हीरकाव कतिया छैठित। निकर्षेष्ठ होकि দার ঐ ভয়াবহ আর্দ্রনাদল্রবণে ভয়চকিত চিত্রে চীংকারকারীর অনুসন্ধানার্থ অন্য এकनी खोरनांक नइ प्यारतांक नहेश्रा एवं यात्री হইতে চীৎকারধর্মি আসিয়া প্রোক্তার জাবণ বিবরে প্রতিধ্বনিত হইমাছিল সেই বাটীতে गमन कदिन । याहेश मिथिन क्यांकारी (वन्ता ঘবের ভিতর মেজের উপরে মৃত্যবস্থায় পণ্ডিত আছে এবং মৃতার গলদেশে অস্তাঘাতেব চিত্র ছইডে অনুসলি ফুণিরধারা বেগবভী ছইয়া বছিয়া পড়িভেছে। শুনিলাম বেশ্যাসীর অনেক छलि कलकार हिन्। (महे जलकार जलपहर्ग मन्द्रम काम प्रशेषा मञ्ज्येत्वसम्बद्ध कविद्यः এই ভাষণ ঘটনা ঘটাইয়াছে। এই সংবাদ নিক । ভাষী গবর্ণমেন্ট স্ক লের জন্য মনোনীত ছইর **छेष्ट्र श्रुलास्य अन्तर्भ इहेनात् श्रुत अवस्थिनानाः** क्षकात **कसूनकान व्हे**८ए८ । शकृतकात वर्ड নান স্বইনিশেপটার বাবু মহেশচজামিত্র অনেক , ছিলেন, শুনিডে পাই ভাহারা সন্ধিপ্রাপ্ত शतर्गराहित इहेश्राह्य । शंक कि श्राः क प्रमुप **সুখ**়াভি**ভাজন** ও আয়াদের ধন্যাদেব পাত্র ঃইয়াছেন, ইংটভেট ভরসা হয় যে, কুভাপবাধ ব্যক্তি ধরা পড়িলেও পড়িতে পারে।

২ : গাড (ফ্রুয়ারি মাসের শেষে এঅঞ্লে 🖰 নিস্টিকাণীড়া আয়েত হটরা প্রায় প্রতিগ্রামে রবিবারের ইহাতে লোকসমাগ্র হয়। ইং প্রতিদিন ২০১ টী মন্ত্রতকে শমনসদনে পাঠা : ইতেছে : এখানকার ডেপুটী ম' ক্লিক্টেট খ্রীযুক্ত वाबू ब्राट्टमलाल धाम भशानेश होशत सिदाबनार्य | कारनक (४४) कविद्राखरहर । हेर्होत् व्यापनगञ्ज सन्मित्र कारहः ख्यार अनक राज्ञ देवकः

্ৰতক দেখিয়া বর্তমান মাপের প্রারুক্তে কয়েব श्वाटक (म खारमा पूर ब्हेशार्छ। চাউল। ৬ দের বিক্রের হইতেছে।

৪। গড়ােবভার সাহাব্যকৃত হুইডে এ বংসর ৭ টা ছাত্র চ'ত্রবৃত্তি পরীক্ষ**়** अनानार्थ नियाहिन। **स्ट्र**ाचनं विषय अहे १ **नि**हे উন্তীৰ্ণ ইইয়াছে। ইহা কেবল সভাপতি ব্ৰুতন বাবুর (ডেঃ মাঃ) অসাধারণ বিচেন্যাৎপাহিতা রূপ লভার সুসাময় ফল।

१। विष्पुत्रष्टेमन अनाकात वाकाम्स् কুচেকোল, ভেলাশায়েরপ্রফুতি গ্রামে ওলা উঠার প্রাছ্মভাব হইয়াছে। এই সময় বাকুন্দা हरेएड **अ**षध अ अक साम (महीद ভाङाव्रह প্রেরণ করা নিভাপ্ত উচিত হইয়াছে।

৮। গছবেতার স্বভিন্নের ভারপ্রাপ্ত कर्मानती करत्रकमात्र मक्यान भागन कविद्यां লেন। তিনি অম্বার্থ গিয়া বিদ্যালয়সংস্থা প্রাদি সাধারণের অনেক হিতকর কার্য্য করিছা ष्यां निशाद्व ।

---: c ;--- ..

व्यागानित्वत अक्षेष्ट् मः वामनाज। লিখিয়াছেন।

শুনিলান এখানকার নব প্রতিষ্ঠিত টেটি ত্রাফ আফিসদী চিরস্থায়ী হইরাছে। এই আঞ্চি পুর্দাস্থান হইতে মনারায়ের টিলার উপরিস্থ পাং घटत উत्रिप्ता याहेटच । औ शह भूटर्य अथाकान

বে লুবাই জাতির বিপক্ষ হইয়া আহ দিলের মাজেটেট বাবেষ প্রভুতি গ্রমন করিছ

এখানে আভিও জুয়াখেলার বিল্যু প্রাছ্ডাব রহিয়াছে ;

**७शास्त माहे ७ रत्नु तमायक द्वारमत मिका** বার্ণী উপলক্ষে প্রভিবৎসর একটা মেলা হই থাকে। বারুণীর দিবসভিত্র চৈত্র মাসেব প্রা নাম '' প্রথমতলার মেলা 🔭 এবারও ৷ আরম ষ্ট্য়াছে, এই মেনাতে কছুও্ উপণ্ হয় না ৷ মেলাতে কেবল কভকগুলি ছুশ্চ ন্ত্ৰী পুৰুষ সমৰেত হয়। সন্নিকটে একটা

কান্তলি ফেরাজয়া দিয়েছ ু উল্লেখ্য তীকালে অভিনক্ষনদান ও চেন বলেল াতে বাজনা কালের

・ 】 さは 性 [司( 男 65\*月)

জ'মা। এক এক তান প্তপেশ্যেক ব্ৰেগ্য দে ধরা চমৎকুত হইয়া পাক ভিতেশে জাপনং লিটোর নালধালেও পের্শ্য হাতিমধ্ন দল লা জ্জাত পত্ৰ প্ৰকৃতিৰ কাৰেইট্ড ভাৰেছিল নাচ ৫০ ফাৰ্ডে भी मा श्रातक सह राष्ट्र एएटा मुश्रस काल्ला । ५०००, करना जनम क्लिक्के तुला मात्र विकास स्था প্রেবিত সংব'দে গোলাগোল ভাগ্র

> --- ; 0 ? ----(2) 1301

নান্যবর শ্রীযুক্ত নোম প্রকাশন প্রাদক महानात गणी (शस्।

> যালনাৰাধুৰ বাৰ্কে আ ১-इ.स्टब्स्ट्र स

व'तु र'ङ्गाव'स्य बद्ध ३४ । ५७ वस्त्रः सिनिसीश्रालत (सक्काकार्यः नियक शाविद्या छ। ध ছুই ৰংস্কে ক্লেকলেল পীড়াত ইইগুড়েন বৰং আহেনার সাভে ক সহত না পারিয়া মহলেনি তিনি শিক্ষা বিভাগে হইতে অবসং এইনগুলেক প্ৰক্ৰ লইডেচ্ছন। জিনিংম কেবল শিক্ষাবি ভাগ হইতে অব্লুক হইতেচেন ব্লিয়া আম; দের ফোভে ভালা নতেঃ উচের মেদিনীপুর ভাগিই আমাদের অভে:জ পরিভাগের বিষয় : তিনি এফারে এলাহাবাদে রভিয়াতেন। উভিত ছকিনিৎসং রোগ কোনপ্রকারে উপুশ্য ইইটেচ্ছ না। মেদিনীপুটার বিদর্গ, বুল্কি, সমাজিক টিল্লডি, প্রেম মতি যাতা কিছু হটয়াতে, সকলট বাজনা বারণ বার্ব অধীন যাত্রসম্ভাত এবং ভিনিট ভাষার মূল। এ জাল্মাকের ভিনিই একমানে স্তাপরিতা। ব'লক বিদ্যালয় ও জান্মক বিদ্য প্রস্তুর জিলিছ একলার ১৮ গার্ভক। এবং জেলন प्रमाधिकी गर्फ हा कि की शहर का का कि किए একমাক্র নিম্মানে জা ছিলেব । স্বান্ধ্য ন্ত্ৰী**লাৰ যে অ**খাৰ প্ৰদিপুৰকা, ভালা বিজ্ঞানত अविकिक्षिया न क्रिकारित देखन प्राचित्र क्र इतिस झाञ्ज विकासन्ताद्व । स्थता उद्व म २७ कत्यः कनिशः वै राष्ट्रयम् विश्वः तः कविष्ठः हरः। বর্ষসম্বাক্ষ নাজনি নিজনের বর ছবি এবং বেধায়ন ক জ্ঞানের উক্ষালন লক্ষা দেয়াছেন। মেদ্রি'লু ्तर था व है। इस का विशेष एक है। एक किए, उक्कमा িচনি সময়ে ব্যাচন আপ্র উল্লেখ্ড উপেক। क अध्यक्षित । न्छा के जिल्ला की न्यान अध्यक्त य भ (भनिभेश्रातः ऐत्र छक्ताः वाश्राप्त इहे एएक। अञ्चलका कार्या । व्यक्तिमेशु । (य देशका र

'ध्रम् अनाम कता अङ्गादमाः । विद्रत ३ ५ **१३४**१ ५३ हे मार्क्त संचात काल्यांक ३८ पड़े । १४ मम्ब न न तम भुष्टकाश (ब अक स्छ प्र हा। १ तिन्दा ए अन्य **बाबु स**र्वाक्तक । निवास মভাপদির ভাষন **এই**ণ কর। নিন্দু পণ্ডিত अध्याम थ ह इस्टब्रेडिश **कम**िश्यम नालून अचाउन धांभवन व व ऋधक स्थल ली हाई । संस्था कार्यः १८७ ७ ७ वर्तन्त्रः सम्मनकः दर्गः। काञ्च युर्विकः ান কৰা। একই উল্কেই নিল্ড। পাস কৰি .२२१ कम्बद्धद राजुः **जैनाग**्छ। ५३३ है। **ब्रज्ञात्र** का उपनितिष्य शामाण्यकः सम्मान व्याप ঘটনী বন্ধু হা পাঠ ক প্<sub>ৰ</sub>ং গণা লা**ঞ** र्भ । धन वानुस्करम् दश्ची १५५ ं व . सव নীহার গ্রারশ। ১.১ সাহস্তম লা 😇 🛒 😾 (বদ্ধে ं कि. गर्मा नहीं देवसा, अर्थ हैं মাল্ডানের अन्भात रहा अक्ते । **व**ृष्ट व छ। कति ্রন। উহার পার অন্তন্তন পত্র । প্রে ইইলা। म अलि भारताथान करिया । अल्बलनियस भक्टलद गरामर धर्व कब्रिलय। उत् वाध्यक्ष বার চৌধুনী বলিলেন বে, " জনভনদনখানি डेंक्टात छ। ता प्रकास स्मिकिश्वान मीकिट्रमात भिष्या कहेत्र**ाइ अ**ज्ञाल खात्व (लन्: हहेब्राह्य, िश्रक्षां भीत्र (यनकल (लाक अशास्त्र तर्रुमान का (इन, डिंडातो ও উ**ङ'एड या**कत क काड পारतम, अत्य ভाद्य कि इ तथा छि छित्र । ऐकाएल अन् নেকৈ সম্মতি দান করিলেন। দেংগাবে ছারপুর্ব পাতের ক্ষয় কানের কারে বারুগ্রাসালর আচাইং বলিংখন যে, া এরপ অভিনন্দনে সাধারণে প্ৰাক্ষণ কৰিতে পাৱেন না। যেছেছুক উহাতে রাফাটেখন বিষয় লিখিত হটয়াছে। ভিনি ভাষার ক্রভবিন্য ছাত্রনিগরেক খরেছিলেন্দ্রশ <sup>1117</sup>ন ব গর, **"মানেটেক জ্ঞা**ধার তাপ্র ভাষত গ্র<mark>ক্তি</mark> আলৈ নত প্ৰভাগে উহাতে স্বৰণে আছেৰ म. दुवा का १ ८३ कथा भाग भाग भाग छ। গাল্ম হয় খাতিন দানের প্রেমানে চন্ট্রে লা থালেন এবং অস্বয় টাকার সভার সংখ্ মন্ত্রসূত্র প্ডিরা জেল। পরে সভাপুতি ভ ধার্মার্ম ক্ষেত্র জন্ম হার্মান স্থা**শ** কোৰ লাগেন যে পি নাঞ্মারাধ্য আৰু গুল ल्य व्यास्ट्रास्ट्रास्थ्य महिष्ठे विश्वातः कीर्यमतः सक्र क्ल अवर प्रभाव भक्ति का का अक्रमात के व्याप्त কিছু দুভাৰ ও সাদানু ধৰ্মানিছে। আভভাচ ধানিক এ কথাটা কথাই পরিস্তাাগ করিছে গাটে লাট উল্লের প্রক্রিয়ার ভক্তি ও জানা সংক্র

र्वष्टिसिंहे हेंहार ७ खाक्कत कितिरवम र मञ्जूषी घरमात

14 9 2 3 3 3 4 লিল্লাল এই ইচু**্ন ডিন ভাই** 不是我们 网络的复数数 斯特 ৯০.৯ জ<sup>†</sup>লেল স্পার্থসূর্যাক र ५ ११ (१) इसमा हेक्स्टर ल्हात, १५ व कि न निश्न प्रवर्ध

्र १४ अप समा 61 T 41 7

৬০ ১ - শ স্থাৰং জন্ত্ৰাস্থ্যাইন্ধি কু ও ৯ জন্ত তি চেন্ত্ৰীৰ বন্ধ কইবাছে চিন্তুৰ - ও চৰ মা কৰিয়। আহিন পার লং এর তুর ইংলনির্কে কইড়োগ করিছে ¥ \$ 7

5 16.5

3:99 F = 1

\_\_\_\_\_ 2 0 5 \_\_\_\_

धामानिश्वत बजुरवाभिनीक मःवा प्रमाखा निर्धिक्षाट्य ।

खाँखवर्भव देशाई भार्म का इंटर इक्स क्षत सिनी मानाद सार्विक का भरतमान करेगा भारक। धी লংগ্রে প্রায় রুষ্টে ১য় । এ জন। লোকের সভাগ ্ন্ন নিভাত্ত অঞ্বধা হইয়া থাকো। এ কাবণ ্রধার টৈত্র মালে ঐ সভার বার্ষিক অধিবেশ ্নুর প্রস্থাব চইতেচে:

গত গণ্ডাহে ত্রকাপরায়ণ শ্রীমান কেশব िका<u>पुर</u>णन कि कोन्न শুভাগমন করিয়াছেন। ইউহোর আহাগমনে চ'কাড় এডিয়াগৰ আন্নেক

ট্রিপদেশ ও আনন্দলাভ করি;ডভেন। १७ ३३ ई (क्ष्युक्तात क्षाबिट कि कि ্ৰ,জাতুৰ ভাষনাড়ালৈ **সাহার বাসীতে** চেল | 4435日 オアストラマンシノモ | 関列等表析 | 中国製造家 रात्रपुष्टे ५ १९११ भी एतं सुत्र सुरूष ४५ (७५) कमा ि । व े न हर्ष भाग उन्हें और आगामन 

वास हो। इस \* · Tribus (1995) 1995 (1996) (1996) (1996) (1996) "P\$"等医有灵物 (1) (第 7 图,任职)有户 1.3. রস্তর্ভবরণ জিলের লেন পরে ভারস্তরতা হারা রতি লাভাইর কোন গার একার পার ्**में द्वांख्या** 😢 🕆 लिभरना। एक्रेस इंट दरसाहतर तर, पार्व इंदेरन फांच प्रश्न खांडचातक াকে ভাষ্টো যত সংখ্য হ'ব পাইতেছে ডাড । নিকট বিশেষ ঋণী, ভ পুরি আরে সংখ্যু নাই।

এএকার প্রশাস্ত যে ছ্রার পাঞ্চি নেওয়া नाविकपिरणत कर्डकत श्रेत्र फेट्ट । अन्नश्रीह क्ष कि बाजाद व नित्र नित्र जात अवण कूज ন্দী তিন্তার সহিত মিলিত হইরাছে। ইহার ু নাম ' কলা "। কলার জল অভিনয় স্বার্থন কারী। এখানকার বাঁহারা তিন্তার কিছু খিবে অবস্থিতি করেন্ ভাঁহারা **প্রায় কুপের** कत बार्क्स करिया शास्त्र । এখানক द द्रास्त्रापि श्रुर्क्त विस्तानी, अक्राप्त अपनेक हेरे ভেছে ৷ আমরা লৈশ্ব কালে নেল্টার মুলুক শুনিতাম, একণে তাহা প্রত্যক হইল: এখান কার লোকেরা পরিধেয় বসনে বড় ধার भारत ना। मकरलाई धक कक किशीन श्रांतश यर्भका भगनाभगन कर्त्रण भारक। शूर्य বোগ হয়, ইহারা বস্ত কিৰূপ তাহা আদৌ न्मानिक मा, अकटन खनका विकित भवर्गमनी শাসনস্তাহ্য অনুনক সভ্য লোক দৰ্শন कतिया उद्योग्रिशत मध्य ज्ञासकरक दीस्मिङ वमन পরিপান করিতে দেখা যাইতেছে। স্ত্রীলোকমাতেরই একটা চমৎ এন্দে**লের** কার নৈদগি ক' গুল আছে ; ইছাবা কটিভে এব বক্ষে ছুই কানি অত্যাবস্ত্র ধারণ করে अवर मृथ इ: एउ मञ्जनभर्याख (थाना थारक। আমাদিগের দেশের স্ত্রীলোকের মত ইহা मिगत्क शिक्षत्वक इहेब्रा थाकिए इस ना। क्राप्तरम् शक्ष ग्रह्म ज्ञारमा ज्ञारमारकत क्षाञ्चाव অপিক। ইহার। দৈনিক বাজার হাট করিয়া ञारन এवः नगरत नगरत हेश्किंगरक सामीत কি অন্য অন্য লোকের সহিত হলধারণপূর্বক क्षित कर्षण कतिएछ। प्राची यात्र। अस्मान्त প্রধান উৎপর শ্রা ধান, কলাই, পাট, আল ভাষাক, महिषा, ছোলা এখানে অভি ছুর্মা ।। সহর চার ৪ ৫ টাক র কম মন পাং রা যায় ना । এখানকার कि धनी, कि উপায়গীন দাবজ, সবলেই একরূপ বেড়ার ঘর প্রস্তুত করিয়া क लगा अन व द्वा १ १ शहर कारनक देश्यांक ভन उम् नः क्रों ও এদেশীয়ের। দ<sup>দ</sup>শার कांश ( माशान्त अरमरण है। ही करह अञ्चा कारिका वृद्धक कञ्चल्यात्मी स्मर्थकारवात नगार चित्ति। उत्पद्धा वान करतम । अस्मर्भ चत्राभित्र কেবল থড়গুলি চালের উপর সাকাইয়া

ब्राट्य। हैंह ना। नगुपन . ५८व কার স্থানে কডকভা, চাপাইরা ১ মুডরাং একটু **অধিক বৃত্তি হইলে য**়ে মধ্যে ভ্ৰোত ধাৰাহিত হইতে থাকে ইষ্টকনিৰ্শিত ৰাটা এ দেশে অতি বিৰুল তাহার কারণ মাটার তেজ নাই এবং বালি আছে বলিয়া ইট জল্ল এবং কতিকথ্ৰে প্রায়ত হট্য়া থাকে। এখানকার কাছারি প্রভৃতি সমুদর খড়ের ঘর। ইটের মধ্যে ম্যাগাজিন জৈল এবং অতত্যে রাজার শিব মন্দির প্রস্তৃতি করেকটি কীর্ত্তি আছে। এখান কার বাজার নিভান্ত মাল নহে | প্রায় সকল প্রয়োজনীয় দ্রবৃষ্ট পাওয়া বায় : সওদাগ রের কএকথানি দোকান আছে এবং ভাহারা কলিকাতা হইতে সর্কাদা স্রব্যাদি আনিয়া বিক্ৰম ক্ৰিয়া থাকে। वजापि कृषाना भावकार्ष अथात्म अभवीग्रांश भावम वाह्य।

### বিবিধ সংবাদ। ३ - इ रेडज (मांबराव ।

वक्तवा रिषाच्च अकाश्य सहेवा कार्या कविरल (ध क्यांबिष्टे १४, " क्यांचामा इक " है कि केक पितिक মুধিষ্ঠিরবাক্য ঘাঁহারা পাঠ করিয়াভেন, উচ্চা রাই অবগত ইইয়াছেন। কুষ্চচিগ্রে শিক্ষাকর अगम लहेशा व्यामहा दहे जाति कहिया हलाय. जुड्न कर उ छुड्न विस्तालप्त क देश' वृथ्य आफ् बत मा करिया य छल्ट किंद मध्यान मात्र **३हेबु: एक ल य. इंट्रिक क्यां है एक एक क्यां**ता हेर्रेजिक रहेर्ड भारत्र । शिकामणेन हेडात মধ্যাত একটা বাকা উচ্চাত প্রিয়ামহা আংসাং लग किन्याद्वम किया अकामश्रद्धित धार्णाती दक्ष बक किन्छ स्व का निर्देश , एक्ट हिन्छ पार्टिश লাগুলির বিষয়ে জামানিটোর যে সংক্ষার জাঁটা : ভারীতি ইইটেক জ্ঞা করিয়াটেরন। ছাতে ভাছার জন থা হয় না। তদ এটন এপ্রলি ছওয়াতে সেই সেই আ'মে ভালা বিদ্যা लघु रहेवात विश्व छ। गाए '८७

সর জান লারেকা পাছেরার করিবার সময় পঞ্চাত্রের প্রাম আনোলতে এক জন এতকেশীয় विष्ठादशक्ति मिर्गाशित व श्रान्य के तिहा याम, স্বু (ডামানাড মাকলিয়ড এই বলিয়া ভাগেডে कालाह करिशाहरून, (काम भीक श लगाउ चुक भरपद छेभगुक इस नाई . रक्षामा क्रेट्ड এক জন বিচাৰপ ডিলইয়া লোলে শীক দাসর

भाउन्य क्षे हहेगा... করিয়া ক্লানিলাম, ভত্রাত, बाबु श्रमक्रेड्य (चार्यत निर (माख्यांत्रगादनत कहे कृष्ट । शाह्य कृष्ट । काहि घ्यती। **ए मकस्मा भ**लियाः ভাষার অবিকাশশে অপরাধী.. ুার লগু কই হাছে। এ অবস্থা অভিশন্ন প্রথকর।

গত শুক্রবার স্ব রিচাড় টেম্প্রের ব'টীতে একটা স্থাঞ্জিক মঞ্জিদ হইয়া নিয়াছে এদেশের ক্ষুনেকে তথায় আছত হই ছিলেন। ভাঁহারা রাজখনংক্রাভা মন্ত্রীর ভন্ত ভার সঞ্জোৰলাভ করিয়াছেন।

कामना कारताल इहेलाम. मान्याटकत विश्व निष्यां स्वयं विश्विष्ठ श्राम्बद्ध विश्विष्ठ উত্তর লইয়া সম্ভূষ্ট ন। চইয়া বাচনিক পরীকা बार्ट । त मक्क कि कि कि हो। कि निष्ठमणी के रिष व्यक्षात्र हरेशाहित ।

**উ** हुत्र शक्ति शक्ति । क्लामिश्व २० थे। ब সংবাদপত্রের অংশিকারী জাবেদ করিয়াসভ্র দশ ভোলা পর্যন্তের সংবাদপন্তে মুই পর্সার অধিক মাস্ত্রল লওয়া উচিত মহে: মাস্ত্রজ গ स्टेटल मरवामभाद्धत आहरुवांच हरेवात्र वि: मधायम वार्ष ।

हिदार् किल्मा एमा छेता इटेफ्टा আজিম শার পুলের অদ্যাপি বিলিশ ও .. ভজ্ঞাৰুল আদকার করিয়া রহিয়াছেন কিছে। ক্লাকুৰ আলি খা তথায় বাকাতে সিয়ারপালি খাৰ আশস্কা নাই: বিখণাত আকৰৰ খাঁৰেট প্ত কেলালুদিন খা আমীরের ভাষাতা ৷ ইনি বিচেটি এইয়া পেলেয়ারে প্রায়ন করেন

ष्ट्र शाहिक्य वाटव्य विषया महेवाय किवटम् ্ক ল কভেবে জন্টিস্দিগ্রেশ প্রামণ্ডিয়াছেন रीशक स्वयं भावक सम्बा है कानवा हार्रिक श्राद वा रे। करवन । क्षांक नारहर व्यालनार्व क्षप्राधातन वृद्धिप्रस्थात (लाक विलिशा क्षार्यम) ई তিনি ক'ছাবত কথায় আপনাৰ মত হও্ন ক্রিতে চান না। উচ্চর আনত একটা এব তার জাফিলেব। পাছে ভয় পান এই নিমেজ একান विष्यावत वारष्ट्रव का निका अक कारण मा (१६) 🗓 थं छ थं छ कतिहा । एन अन्यान । अर्थान व

वातिश्वेतिमगत्क छेकीलामरशव के भारत প্রাধানা দিয়া প্রধান বিচারপতি ভাছার কতক অনিষ্ঠ অনুভব করিছে পারিয়াছেন। সর বার্গেন পিচচ ভারে:র অমুভূন ব'বুংক লি খিয়া প'ঠান, ভিনি ( উক্লীল) यान हेन्छ। कात्रम, जाका क्षेत्र जीहारक ७ काव ष्ट्रे जिन जन श्रवान सेकी गरक दाति है दिव अह (मध्यो इत। अध्यक्त वातू हेश्यक खनका इहे N'C\$4 1

হিস্প্রপটি, মত আলীগড় ইনষ্টিটিট জর্গার कर्णन कतिया लिथियां एकन, शवर्गरमा हेत् यक् विद्यालय चार्ड, छोहार अभूलाध छात्छवर्ष ০ - লক্ষ হিন্দু ও ১০০০ মুসলমান অংধংয়ন করিভেছেন । ৩৩০০ বালক ও ৮০০০ বালিকা মিশনরিদিগের নিকটে শিক্ষা পাই-। €3⊅।

সাসিরাম ও গরাতে শিলাবৃটি হইয়া नरमात व्यानक का छ इहेशार छ । व्यानक मन। मार्टि खु शकता हिल, सर्ड छ छत्र। शिश्राह्म।

গভ বৃহস্পতিৰ:র ছগদীর অন্তর্গত কাওর। পাছার রাজকুমার দাদেব বালীতে প্রায় ৩০ জন ডাকাইত পড়িয়া প্রায় ৬০০০ টাকার অন कात नहेवा शिवाह । निकटि काँड़ि व्याह ; সংবাদও দেওয়া ধয়। কিন্তু ঘেমত ধারা भाष्ट्र, शुंलिय श्राक्षतिश्रम (शामार्यारशत महत्य আইলে নাই: নিকটস্থ এক জন ভদ্র লেকের তন জন পাইক সাহস্পূর্যক স্ত্রুগানকে আক্র भग करिया अके स्वत्त इंड ७ जात अके स्वत्क ब्राक्ट कर्न । इक्षात्र छात्र इंक्लिन की छ व्हेत्रा **ष** इंड रह*ेक्ट*क लहेगा भनाश्चा कार्यपुर्हा सर्वाप्रका प्राप्त है। से स्वरं स्वरं है । शहर है উপস্থিত হন বাংগড়ার এক জন সন্ধার পূল **এই**য়াট্রেন এক <del>তি</del> স্থীকার কার্য্যুদ্র আকার ভিন্ন দিৰলৈ কভকণ্ডলি লোক ভাগাল বাচৰ্ট 🚶 अ जिश्वेश कि से उद्योग (क (में स्वाटन मा : দুরু গণ নৈতালি অঞ্চল তইতে আন সিয়াভিল, বিশ্বা তইয়াচে ৷ ভাল ও কুভবিল ে শক্ষ भगत्न कञ्चमान क इतक्षका । मुख वा कित्क ্ৰত চিনিডে পাবান নাটা পাছকদিবের পুর বিশ্বনা শইলে জ্বিকে ভাছিল। বৈভান এই ሜ'4 원위(4 축소) 작년시( ·

कः । नी गवर्नदारचेत झाळ एरेशाइन । डीहाता कर्खवा ।

একটি অংশান রা তার উভর পাখ হুত্ব চী চুণ কাম করিবার আজা লিয়াছেন। যিনি না केविटड एक न केंद्रित मार्थ नालील वहेट छ । **ভत्रका चाक,रकार १५:९ छ।निट्ड अ**विश्वा . **इ.न., इ.**नकाम मा कांत्रतल श्रीकृष्टिकः इ.हेटव ।

भगाजात्रखन्दर्व यञ होको शाखाँत कर অরণ কাদায় হয়, ভত্রতা প্রবান ক্ষেপ্নর ভাৰার আৰ্ছ্তক ছড়িকপী,ভুড়দিনের আৰ্ यतेर्थ श्रप्तान क त्रियादस्य।

बारशुर्वत छाका वारण होहेन अक्ट सूत्र यक कविशा अक्रमानि माखर्रिक इंश्वाकी भव धकांच कतिवात मानम क तशारहन।

# ३२ हे देवज बुनदातु।

श्राम स्म विष्यातालात ज्यानिम विश्वास्थ्र দপ্ত:খানা পুরাতন পোষ্ঠ অন্ফিস বাচীতে डेटिया आंत्रहा । ताडे भान विकासिय थाकारण बयौँ श्रद्धारी व के हील मरभत जांड भग्न का क्र विश्वा हहे छ ।

হাবড়ার নিকটত্ব বাতড়া লামে সম্প্রতি डोकाइँडि इहेसाइड । एक्ट.वृद्धि पर्से ब इहेर हर्ड क्रममहे भूलिएत और्वा

काताहमार अवि का कर्षा का अर्थ का की श्वकालिक स्हेब्राटक । वृधिनीत गर्छ क्रिया अतिव ভ্ৰোভ বহিয়া থাকে গ্ৰানে কানে কল দেখা যায়। এই ফালেৰ গুৰু এই, কোন উদ্ভিদ পতিত हरेटन अञ्चलित्वव घटण श्राञ्चव रहेशा वास, तटकत পত্রের অর্দ্ধেক উদ্ভিদ ও অর্দ্ধেক প্রস্তুর চইয়ায়ে श्रमण व्यक्तिक ए जिल्ला (त्रशाहित सलगामः প্রস্তারের পরমাধ্র অধিক পরিমাধে মিলিভ পাকাতে পত্রাদিতে সেওল লাগেয়া গিয়া ত্রাকৈ প্রস্তুর করিয়া ভুলে :

(अक्षांताकात कामीनावनिद्यात पृष्टे काल्का, केटानिर्गत्र गमस्य छ। वर्त्रक छन लाहित्राल এক জন মুসলমান প্রজার বাসী লুঠ কবিবাধ लभक्तार । इस्ती । जनसङ्ग्या साथ करून । स्थित मलुत्तव (इलुक्ति मालिए हैजे व्याक्तिय सहत्र) কারে সাক্ষেত্রহা করিয়াছিলেন । কিন্তু স্থাব अभवाती क्षाटक किटकास व लेखाटका । ४ % ता क धन प्रम क्यूडहरूक के 150 फ निवान কেষ্ট্রা পা ওয়াকে 77 ("AUF 873 5" भटक श्रुवत मा कतारण अविकाद ग्रा। सक्ताया ্চিত। আধুর মনোনীত করিবার ভার কণ্ডার মাজালের মিউনিলপালিটি প্রিচারির (বের হস্ত হইছে লইছা লভের হতে দেওয়া

স্থ্যাট্য । ভারার ন্ত্রি**রাও সভাপতি**র আসন এগন কবিয়াছি**লেন** । ব্যাদিগের হজে দেওয়া অন্যায় ্সর ওয়ালটর মর্গান আবস্থ त्तः अञ्चरभाषन कविशास्त्रमाः বৰ্ণমেট বলিয়'ছেন এক ব্যক্তির ভার দেওয়া কছু টড।

८ विकास्ति । विश्वकात कश्चनकान इहें (कर्≽, खाहा व्यवस् बाक बिर्शंद बाता ह6शा পপ্ত। বিচ্চ নাই।

ইংলভীয় রাজস্বসংক্রাস্ত মন্ত্রী লো সাছেব প্রতি এফ বক্তৃত। করিয়া বলিয়াছেন া আমার মতে সেই রাজালমন্ত্রী ফুখী হিনি নূতন কর স্থাপিত না কৈরিয়া পুরাতন কর फेटोइंडा स्मा कि कि अप्तान तालगी किस দিয়ের মত বিপরীত। ভুতন করের প্রয়োজন ना इहेरलक विभि वाग्रवृद्धि कतिया कव्यान নর আবদকেত। সপ্রমাণ করিতে পারেম, ভিনিই বড় লোক।

ভারতবর্ণের একথানি সুতন ইতিহাস **क्षकाम कर्: भरन्यरहाउन काल्डिका अहे** न्मिंख कारक्षन कात्र, छि. क्यायत्रन हेरलएक 🛁 च পত्र সংএश कतिएउ८इन ।

কলিকাভার - श्रुलिएय**व जन्नभक्तानक**।द्री ্ভাগ বৃদ্দেশীয় পুলিষের সঞ্জি একত্রিত **४हेल। (स्ति मार्ट**बर केन्द्राय कर्न्हा हरेरलन । সুপরিকেন্ডেন্ট **हे है ना**रन द 香 ∢िह्ल ?

বলিক কাবাসজি জাজাজির বোহাইপ্রের करेन व्यमाना तरप्रव वालक निगरक १०० है। कः श्वमान करिष्ठां रहन। हैश्रात सम्बद्धाल वासित ्ग 🧸 हे (क) अप्त इंड्रेट, एन्द्र है। श्राप्टियरमह नालकनिष्ठक विश्वादे च ६श्राम हार्षा मर एकारत्रक कार्नबरण्य ५ का भेगात अ**हे एक क**न करेत्र । 'हेरकरहरू स्वाटनर' ने अने ग्रेग्स क्षास करा क्ट्रेयार्ड - मान्जी रे-१५१८५५ छ'र्द व्हेय्रह्ड ।

शक्त वरभन म स्माप्त १०० निकास इंडे বোপীয় পুক্র স্থী उ मिलु माङ्ग, भाडे শাহুল গুব্ৰ । বিশ্ব शास्त्र । केका मिर्गत শ্বিত্রশের ইউবেশেনি ধ বভাব আছে ি কাজ পাই বা কলিয়া ্লেগ পড়িয়া दिनिष्ठा मकरमाई छान करत । छानीय त्रनारस

नामश्री चामानित्मत स्खनक स्त्र गाहे। व्यड्डवर गाँदिता व्यामितितात स्टालेत उन्निकाम इहेनारहम, कांशिकाह चार्माप्तर यमुद्राथ वह, जाहाता चट्टा व विवद्य मत्नानित्वण । इश्व छेलाझी (म्राट्न क्षत्र इन ।

भू तिव त को समावि विहाद। चार्यामिश्वत श्रीवास्तत जुला घडा क्रम आंत्र माहे; हेहांटक यन शांति महा করিতে হয়, এমত অন্য কোন বিভাগীয় কর্মচারীকে সহা করিতে হয় না। পুলি দের সহিত তুলনা করিলে প্রলিকওয়াক कर्यहाती विगटक वस् छटन ऋथी बनिट ह ্ষ্য়। এ দিকে চোর ও দস্যপ্রভৃতি হুশ্চ রিত্র নেবকের দহিত পুলিবের দপত্নভাব। ও पिटक माधू लाटकरा পুলিষকে অক र्याण छान कतिया घृणा कटतन। मध হইলে অপ্রাধীরা শক্ত হয়, ভাহারা निकृष्डि भाइत्त मर्द्यमाधात्रम शूलि দের বিপক্ষ হন। কোন দিকেই নিস্তার নাই।পুলিষ আপনার এই শোচনীয় অবভার এই কারণ প্রদর্শন করেন, জাহাদিনের প্রচুর ক্ষমতা নাই। ভাঁহার। বন্দীভূত ব্যক্তিকে কোন কথা বলিতে পারেন না। মাজিট্রেটেরা উচ্চিদিগের कथात्र भ, वधाम करदन धवर घरनक यां बार दे हे कर्षां भारत डाँशां मगरक দও দিতে ছাড়েন না। জাঁহারা পুর্বতন ডকোইতি কমিদনরের কথার উলেখ क्तिया बदलन, अथम अथम यममाहेन मिगटक धतिया ध्यमि होखा उर्वा इंडेड व्यानारकत छ। भाग धक वर्भत পर्याच विषाद इहेड ना। हेशांट मञ्जाता ভীত হইত , ডাকাইতিও কমিয়াছিল। अकरन श्रुलिय का शादर २९ यकि कात व्यक्ति রাখিতে পারেন না এবং কথায় কথায় --- स्थल्याहात ७ व्यभीय क्यां हात विधारी इदेशाट्डन, छाहा आह धारान कहा

উচিত নছে। এখ য়াছে, তাহা অমু: - জুর ভ थाकित्त भूतिय यत्नक रे कि कु उकार्या इंडेटी शादन , किस शूलित अ विष्ठांत धनानीट अक्री महर स्वांत चाहर, তাহাতেই পুলিষের ক্তার্থচালাভের বাাঘাত ক্ষেত্তেছে ্ত দেশে সঞ্চির অপেকা লোকের শারীরিক স্বাধীন उरिक मौभाना खान करा इश। এक টাকার দেওয়ানী জিক্রী ছইলে তাছার षाभीत इहेश थारक। किन्दु अक मान মিয়াদ ও ৫০ টাকা জারিমানার আগীল হর ন।। সম্পরিঘটিত মকদ্দমাণ্ডল শিক্ষিত বিচারপতির দ্বার৷ সম্পাদিত हरेटडए ; किस्र त्य क्लीसमाति मक्फ মার লোকের ধন মান ও প্রাণের উপরে আঘাতদন্তাবনা আছে, তাহার বিচার আইনের অনভিজ্ঞ ভার কতকণ্ডলি मांबिद्धे । उपूर्णि मांबिद्धेर हे इ সমর্পিত রহিয়াছে। পকাস্তরে পুলিম (यमक्ल मकम्मना निष्य চालान पनन, তাহাতে অধিক্দংখ্যক লোকে দণ্ড পাইলে পুলিষের স্থ্যাতি হয়, স্তরাং भूलिय य रम अकारत मध रमखशाहेवात ट्रिकी शिह्यांथाटकन। এ ऋटन व्यटनक निर्क्तिदित (य मध इहा काहा वला विख्ला। অপর, পুলিহ যে গুলি বি, দি, ও ডি তালিকাভুক্ত করিয়া দেন, তাহাতে . प्तक्र वा क्या अहे जाँकापिताय (छयो: · এ ভালিকাতে ভাঁহারা যেমন দশু দেও য়াইবার চেড়ী পান অন্য অন্য মকদ্মায় **(महेश्रकांत्र टेर्नाधनाः धनर्मन करहन।** এইमकल कारा विष्यं विष्यं हिलात हुए हा **অভিনয় কঠি**ন হুইয়া উঠিয়াছে। আনর। তান্নমিত প্রস্তাব করিতেছি, প্রতি ফৌজ माही आमानटा धन धन खन आहेन छ शूलिटमत मण इत्र। शूलिय शृंखवर । डेकील नियुक्त कहा वर्डा। शूलिक ইহার আছে: লইয়া প্রমাণদ আছ করি (वन । छेकील विटवहनामह्काँद्व आहेत,

.. यहांती

थाकाटङ (भा-ः व्यात्र कान इहेटल्ड ना। কতক প্ৰামাণ পাইয়াই অগু त्निवादन व्यर्भन् करतन, ख्रशाः मकल्या इतः निक्ठि वावस উভয়পক সমর্থন করেন। তখন 🗢 নুতন প্রমাণ পাইবার **সম্ভাব**না পাঞে ना। शृद्ध बाहेन विक्रम य काम इहेश স্থা, তথ্য আর সংশোধনের शाहक ना, कारक कारक है चारनक चुरन यथार्थ यथानी निकृष्डि भारेता थाति। ফলতঃ প্রথম আদালতে পুলিষ যে श्रमीन शर्या थे खान करतन, इह छ আইনে তাহা পর্যাপ্ত বলিয়া বিৰেচিড ছয় না। কিন্তু প্রথম। ব্যিম্পি এক জন উণযুক্ত লোকে রাজ্ঞীর পক হইয়া মক क्रमा उचित करतम, छारा र्रेटन अभक्त অনিষ্ট ঘটেনা।একণে শিক্ষিত বাব हाडाकीरवत अलाव मारे, चडेंबर कार्डे ইনস্পেক্টরের প্ররহিত করিয়া প্রতি क्षिक्रमाति जानातर्छ এक अक जन इंकील निर्शिक्षिक करी खिल्मित खाँद, শ্যক হইতেতে।

> छ। जनामें ब्रमान में না এনাত্ত বিলাং

ইউরোপ হুইতে এই সমাচার আদি য়াছে যে, টেট মেকেটারি সম্প্রতি ভার ভবর্ষের শাসনত শালী পরিবর্ত্ত কবি-বার নিমিত্ত এক বিল অপণি করিয়াছেন। मव छोएकार्ज नार्थ (कांग्रे अवर्गव क्रम রলকে যেশমস্ত ক্ষমতা দিবার 🕿 স্তঃ ক্ৰেন বৰ্তমান ফেট সেকেটারি ডিং आधिमल्ड डोटा क्रिशिट्डिन। (४) दक्षरमर्ग अक सन मण्यून क्रम आर्म १

न ५२ लग्न १३८४ ায়াই ও মাজা

खत शव् গকে গবর্ণর জেনরলের नेत्र भक्त कहेता कार्या करियात क्रमान দিৰার চেন্টায় আছেল। এই প্রস্তাব कार्या পरिशंड हहेता खिविया खाउँ खाउँ वर्ष भववंत (कामहात्वत शार्थाकम इंडेटन ন।। তা্হাতে ভালের বরে বরে সংকেপ রূপ মহান ওপায়র লাভ হইবে সন্দেহ गाई।

আমবা অভিনয় চুলিত হুইয়া আজি একটা শোকজনক সম:চার পাঠকগণের গোচর করিতেছি। ২৭ প্রগণার অস্তঃ পাতী হরিনাভির বারু মাধ্বচন্দ্র মুখো পাধায় ১৩ ই তৈত্র রহস্পতিবার রাত্তিতে प्रकारण कविशाहण्य। देनि इतिगाँ**ज** গ্রানের অনকারস্ত্রপ ছিলেন। সাধা ৫৮- র হিত্র চর যে কোন কার্য্য উপস্থিত हिंडेक. माध्य बातु मवरलत अञ्चलत हरे ্চন। ভাষোর চারিব্রগত কোন দোব ছিল না । উঁ৷ হাব **অসু:**ক্রণ **অভিশয় স**রল এবং হিন্দুন্থ ভাষার অকপট আছা। ছিল, ভাঁছার তুলা উত্তম লোক সচরা हत बन्ध अहत करहर का। महाचीत की शु-कवारम माः कृत्वय भाग तकार्थ प्रकृति অত্যে আলোল গ্ৰমুপজিত কৰিছে ভদ্যত *महेर्स भाषा*त्य है। शास्त्र द्वालन, **अ**यार সদুৰ কুদ প্ৰাণী কত জেলিছেছে কত ম্বিতেহেড় কিন্তু হুছামাৰ মাভ জোক महत्राहर अञ्च अन्त कराहा ना व्यापश्री ३ दायु माभवष्टल मुर्थः शीशाहतत विरहा ঐক্লপ বলিভেছি। ফল হঃ জাঁহার মৃত্তভে হরিনাভির খনেক ফতি ছট্ল।

य स्म श्रृष्ट्रका

১ । দম্ভেই । এখানি সংক্রভঞ্জ। न्डतमभूत कार्ताः छतः मः क छाशां भक् প্রিয়ুক্ত রামগতি নাব্যেত্র মহত্রবভীয় महनार्थाचार्य इहेट्छ मध्यम कतिश

मध्यक् 'ठ शहरा हेकात शांगरम करिहाट्सन १ ' অম্বানি অতি সরল সংক্তে লিখিড क्रेशाट्स ।

२। ज्ञीत कांत्र अकूमार्ठवाचित । वक्रमात्रा ७ हेश्त्राकी समूवः ए७ हेश्राट मित्रिविणि इहेग्राह्य। व्याच्या ७ উভग्नविध ष्ण वर्गम मकलक लिहे छे दक्की कहेतारक। हेरात मारागामाच रुहेरल खश्रहत निकटें अक्षाइटनत अट्यक्त इस्ट ना।

৩। রাজনিয়ম ও বাবস্থানংহিতা। ঞীযুক্ত বাবু রামচক্র ভৌমিক ইহার का गमन कतिएक एक्न। वाकटणान बादक छै त्य १ गोणी अवसम्बन कतिया वावश्रा সংগ্ৰহ করেন, বাবু রামচন্দ্র ভে)মিক দেই डेशीव ज्यानक्षत कविवादहर। १३ मर्थह উकीन ও आहेन भक्तार्थी मिर्गत शहन অতিশয় উপকারী ইইবে। নেগঃ ওত্তম হইয়াছে, কিন্তু একটা অভাব দেখা যাইতেছে গ্রন্থকার কেবল বিচারাল एउत निकास धित्रा मञ्जूषे थात्कन (कन ? व्यायाम् ४ काम करा कर्ता। अहे মতের অসুমোদনের নিনিত্ত বিচারা-भराव मिक्रास्त्रत ऐस्तर्थ करिएन अन् थानि दक्वन वावहाताकीदवं भटक नटक, माशाहन भाकेतकद७ अञीकह क्हेंद्र।

৪। ছাত্রবোধ। ভিন্তুকুলের অন্যতর प्रतिक **अग्रेक दातकानाथ तात्र हेवात तहना** কর্তা। পুত্তকথানি পদা ওগদোপরি पूर्व । इंगार भाषा विखय भी जिस ई छेन দেশ আতে। দ্বারকানা**ও** রায় নুত্র লেখক নচেন; ভিনিএক জন কৰি ंत्रश विश्वतं छ। পুরুক্ধানির নাম অশ্ববোদ: কিন্তু পঞ্ছি চদিনেরও এতথ १।८७ स्ट्रिंग गम ८ कथ इहेर्दा

@131

प्रयुग्यत् । श्रष्टात् ।

গসংগর কালেরের আহার ১০৫ শিস্থ वष । १ अर्था देव मध्या है है। अवग्री चिटि मध्या মশ্পন্ন প্রশিক নগর, বিশাশা ও রেবর্ডী চিফ্র ननीत अहे छूटे जैलननीत मधावर्खी। तामनाम নামক শিষ্টিটেগ্র চতুর্থ গুরু ১৫৮১ बी:अरक उट्टेक्टान अमृष्ट नदबावत नःहम একটী জল শেষ ধনন করেন, সেই জন্য এই নগরের নাম অবয়তসর ছইয়াছে। এই সরোধরটা শিশদিগোর অধান তীর্থস্থান।

রেতব্যায় গ্রপ্নে**টে**র भीत भवनं भएकेत माधा म क्षा खाँका अञ्चल्हाता ব ; কিন্তু আমাদিগের অনু न, विशहीक घडेना इहेटवा

স্টে তে গ্ৰণ্ড যদি কোন বিষয়ে छत्र: में इन, छाड़ छवतीय शवर्गास्टिनेड । विश्वतः १३**३ व्यःश**त शूनक्रथाशन कर्राट पर्दिर्वन। इक्टर्ड श्रीकर्यात . কুটুৰার বিলক্ষণ সম্ভাবনা আছে। ফলত: मिल्डेमांके भवर्गात्रत महिल जात हरतीत अवर्गरम्पेत अधकात मध्यव उत्थः উচিত নতে। অত্তৰ লাভ আগিন যে পরীকাণ প্রবৃত্ত ইয়াছেন তাই: তাগ ास कर्डका । जिनि भरीका करिए छ। দত্ত এ পরীকার আমাদি:গর অন্তল च्हेंद्रव । बच्च(न**्च** এक कन मण्लुन क्षाना नामनक की निट्यादशह श्रद्धा क्षतः। **ए** धकात कार्य वास्त्रता हरेडाट्ड ५ हरेर उर्फ लाहार छ व छ गांग अवासी ८ छ काल इंडा मिन मिन कड़िन इडेह सीएड केट अरङ्ग सरका अर्मिक अर्थ प्राप्त ल्ल गृहर ३ मछ।। जशास्त्र योह: 多夜। कविषाद स्थानाहै। मक्त विषय अवर्ग स्ति । अङ्कं इडेश हलिए**ड** इश र दक्षानाम जरू कर कुन कम काश्र

मार्थित निकासम्बद्ध करिया है। बार अन्त्री মারিণভা করা ভারত। এই মান্তিণভার ध क छ । व ड क्र को । मझ नाथा कहता

ংগেশীর ও এছকেশীর ধর্তেজনও ंभागा महार *(स*र्फ) तने - অভিনঠ र्वतक कह अन भीड़ अवस्थितिहरू १८ न र रङ्गान :

ाष्ट्रा<sup>†</sup> शिल **斯**特 35學 / 4 **इर्रिक क**िर्माष्ट्रमः काङ्ग महेर्ड् श<sub>ित</sub> চৈত্র মালের সংক্রান্তির সময় এই ছিটে। মহাসমারোছে মেলা হয়। শুনিলাম ঐ সময়ে অ ংখ্য ধাতীর সমাগম ধর এবং অহ 📆 গো, মহিবপ্রভূতি কত বিক্রোঃর। প্রায় ছুই শতাকী হইল মুসলমান সমাট শিখদি গের উন্নতিতে কাডকোধ হ'রা এ সংবাবর প্রাইয়া দিয়াছিল এবং হিস্তৃধর্মের নি বিজ অনেক অত্যাচার করি ছিল; কিন্ত অব শেষে শিথেরা একতাবলম্বন করিয়া মুসল মান্তিগকে পরাস্ত করিল এবং এই অমৃত भत्तावत्त्रत्र देकात्रमाधम कतिन।

এই সরোবরটা দেড্শত ফ ট ১ইবে हेर एउ आरम्क कन आहर, अनःश्रा लाटक লান করে, তথাপি ইহার বারি কতি মির্মাল ও অচ্ছু রহিয়াছে ভ্নিলাম, পর্কতিনিঃস্ত भित्तांत वहेट वेदांट जन जारित । এই जन। শরের চিক মধ্যস্থলে বিষ্ণুর মন্দির নির্মিত হইরাছে। এই মন্দিরটার ভিতর উপর শিধরদেশ এবং চতুর্দ্দিক স্বর্ণপাত্র মণ্ডিত এবং মধ্যে মধ্যে শ্বেড, পীত, লোহিত প্রাকৃতি বিবিধ মূল্যবাদ প্রাক্তর খচিত হই ब्राट्य। कतानंत्रत्र छेशकून व हेट्ड मन्दिरत ষাইবার ১ন্য সনোহর প্রস্তরের সেতু নির্দ্মিত ছইরাছে। পৃষ্করিণীর চতুর্দ্ধিকে পর্য্যাটন করি ৰার ও ৰসিবার জন্য প্রাক্তরের টাইল বসান इडेब्राट्ड । यथन जाम । निथित्रित धेरे " খ্যু দর্বার ৮ (এ অঞ্চলে ু লোকে ইহাকে শুরুদরবার কথে) দেখিতে গমন করি, ইছার চতুর্দ্দিকের মনোলর ভাব দেখিয়া বোধ इडेल, कविनिरणत वर्ग इ रेकनाम दा देवकृष्ठे ধানে পদন করিডেছি। আগ্রার তাজনংল ভারতবর্ষ মধ্যে একটা আশেচ্য্য পদার্থ বটে . কিন্তু এই গুরুদরবারের গভীরতা, উপাদক দিশের প্রিত্র ভাবপ্রভৃতি দেখিলে মনো ্ৰক্প অনিৰ্মাণনীয় ভাবের আবি স্থাৰ হয়, তীত্বা বোধ হয় তাক্তমহলে হয় না। আমরা ছুই ছিল ঐ স্থানে গির ছেলাম; ক্রান উংসব লক্ষিত হইল ्रकान **क्षारन केटेक्ट** घटन পঠিত হইটেড়ে ৷ **(आंड्र**ान कमरन कमटकरह, कामद्रारम **भ.म.रमत रमरमंत कशकमिरगत गांत्र कशा प्राम्मरत अपर्या छेरमं हुत रही** ; किन्छ

इ इटडरइ, इड्रॉफ আছে৷ কান স্থা বিশ্বন্ধ ভাদলয় গ্ৰু

कृरिम अञ्च गाञ्चम्यादी विक्तियात्र मा मा मिल्ली উপাদকের নয়ন মুদ্রিত করিয়া উপবিষ্ট্রী রহিয়াছে: দেতুর ছুইপাম্বে বোগী সম্যাদী প্রভূতি নিত্ত ভাবে উপবেশন করিয়া আছে। এদকল দেখিতে দেখিতে আমর। মন্দিরের অভ্যন্তরে প্রবেশ করিলাম। দেখি লাম গুরের মধ্যত্লে বছমূল্য আসনের । উপর গুরু ন নকের বুহৎ গ্রন্থ স্থাপিত হই য়াছে ও স্বৰ্ণ চিত বস্ত্ৰের ছারা ইজা এছ আচ্চাদিত রহিয়াছে। উপরে মহামূল্য চন্দ্রা তপ , প্রাচীরে মনে হর কারুকার্য্য , বিবিধ রত্নধচিত মনো র সোণার ফল, প্রস্তারের देशव काम्हर्या कामिल कार्या : मरभा मरधा দর্পণ সংস্থিত হওয়াতে ঐসকলের এতিবিখ পতিত হইয়া গৃহটী যেৰূপ অনিৰ্বাচনীয় ভাব ধারণ করিয়াছে, ভাহা বলিতে পারি না। মহাশয় : এসকল বিষয় স্থচকে না দেখিলে हा ग्राम म ক রি য়া দে ওয়া ভালৰূপে যারনা। দেখি াম এই গুছের ভিতরে উপরে ও চতুর্দ্ধিকে অগণ্য নর নারী উপ বেশন করিয়া তৃহিয়াছে। নবাগত যাতীর মন্দির প্রদক্ষিণ করিয়া ও ক্ষেণাদি দিয়া যাই তেছে। এম্থের সম্পত্ন স্থানটা পথসা কড়ি ও খান্যে পরিপূর্ণ হইয়াছে। গৃহের এক পাথের বাদ্যসহকারে মনে:হর সজীত হট যদিও আমরা গান বুলিতে পারিলাম না . াত্র করের মধুরতা তান লয় বিশুক্তাৰ শুন্ধা স্বয় সামি ছইয়া গোল। শুনিলাম, এট স্থানে তার অষ্ট अञ्जूष्ट अहे, अप ज्यमय बहरा शारक , भवातां क इब्जिर्मि ७ घन 🖽 निर्म आसीत्र १ धान লোকনিগের কইটে মনিরের এক জার্ঘি ছই ছে। ক ছানে এট স্বর্গালি ্রণজিৎ মিং যে কভ (मथा जा**म्डरमे** त निर्मा ৰ্ভ সন্তাট িলেন বলা ধার না, ডিনি যথাপ পঞ্জাবের সংহ » ছিলেন । কাশীর বিশ্বেশ বের সাম্বর রণ্ডিড্রিণ্ড্ কর্ড্রক স্থবর্ণ মতিত হয় (মহাশ্য ! কাশীর বিশেষকরের

গ্রামি নিন পুলা যাপন করেন প্রতাহ নাক কিছু কিছু পাঠ কটিয়া পাছ वर्ष हिल्मा, सामहत्म, नाम ममाप्र अकृषि अकृषि महर ( করিয়া যে কি কাওই ক'রয়া ভাবিয়া ঠিক করা ধার না। আপনার ব্রের মধ্যে যদি কেই শিব্দিনের ভাচা ৰাৰহার ধর্ম নিয়ম এভৃতি জানিতে চাৰ আমি সন্তুষ্ঠ ডিভে অবকাশনকে পতে এবাশ করিতে পারি। মহাশর। আৰ ের ইংরাজ বাহাছরেরা কি কলিখাট বি বি:শ্বরের মন্দির সকল দেব ার আলেট উপানৎসহকারে अवनीन किय করেন কিন্ত এখানে শিখ্দিগের ক্ষমতাৰে ভয় করিয়াই হউক বা বিদ্রোহঘটনা শই बात छात्र इंडेक कुछ। भूनित्र। याँदेरल इत्रः গ্ৰণ্র জেনরল বাহাত্রও জুড়া খুলিরা এথানে গমন করেন।

ভাগনার পাঠকবর্গের মধ্যে যাহার अनकल अञ्चल (मरथन माहे, डाँशाता परि শানা পরিজ্ঞান ও বায় করিয়া চারতবর্ধী **এইमक्**ल के जि कर कर बाद स्मिश्न याने ভারা হইলে গানিতে পারেন যে এই গ্রা ভা ভারতভূদি কি পা উপ্যাশাধিন

অনুত্রপর নগংগীও গচিরুছং ও বছ্চ कींग। शनिष्यम मःकीन खोड़ी लक गर् ঞার ছিলল ও জিলল ও মেডি উচ্চ छाल भारत म कीनं, किन्तु लादगा কাশীয় নগরাংশটী যেতপ জংনা, বং रमाराण महरू, खंक्राणा विश्वमत मारम भिश्वकृत अथान अक्षी चुन्छ उ हुत आहा विशेष या या है हुत है। एउ टेम । तिरिधार्षः, नगत्रीति छक्ति । क ও উচ্চ অুষ্ট প্রাচীর এব 🕫 📆

8.,

व्याच्या स्त्रा

. तमा साहद । । विषाता व्य

উলোগ হইতেছে।

একটা প্ৰতিন উল্যান নগ

নাবি বিদ্যান বহিয়াছে।

সময়ের কএকটা বৃহৎ
া সংঘা তথায় ইংরাজ্ঞ

নাবে বিদ্যান হই

১০০ বাস্থান হই
১০০ বাস্থান হই

থা সর পঞ্চ বের মধ্যে প্রশান বাৰিজ্যা হান। এখান হইতে প্রচুর পরিমাণে তুলা রেশন নাল লাহোরী লবন ও কাথীটো শাল নানা হানে রপ্তানি হইতেছে। শুনি নান এখানে প্রায় সহত্র ঘর শালবয়ন কারী আছে। অত্র এক জন বর্ণিক পারিশা ও আন্তান্য প্রশান আনক পুরস্কার পাই রাছে। ইছা ভিন্ন চন্দনকান্তের ও হস্তিদন্তের বিবিধ পারা। এখানে অবান আনক আছে রেলপ্রায় প্রধানে এ স্থান নিল দিন আরে নহুত্বিশল্পার হুইতেছে।

একানের জল ব যু লাহের কণেজা পাস্থ কর ; ভূমিও বিলক্ষা উর্বেরা: প্রাথম ট আবার পঞ্বে যেকপ খালখননের আয়োজন গরিতেকেন ভাছাতে ভবিষ্ঠতে এ অঞ্চল চ্নিকের আর আশস্কা থাকিবেন:

এখানে একটা মিসনরি ও একটা গ্রন্থ এটি এই গুইটা আপেকাক্লান কিছু বছ বিনা। য়ে আছে। এখানে ২০ : ২২ টা বই বাজালা। ই। এই ২০ ২২ টা আনে। একতে কইয়া রৈ ও আগেনার তিমানক অনেক কটিতে পার্যেন, বিশ্ব বেশ্বরে বছ বিলাম না। গ্রন্থ ই বাংলার কান্দ্রের নিক্ষারি নলে। ইওঁ রাংলার কান্দ্রের আবেণিয়ালী নলে। ইওঁ রাংলার কান্দ্রের আবেণিয়ালী নলিতি ছেনা গ্রিম্বি গর্মকোর প্রাকৃতি কালে। প্রাক্রাক্রার

ে কমিপনর ছেপরি ক্রিগর্র

অন্যান্য স্থানের ন্যায় এখানেও উপ

যুক্ত সময়ে বৃষ্টি না হ-য়তে মন্তর হই

বার উপক্রম হইয়ছে। শুনিলাম ধ্যে

কিছু বৃষ্টি হওয়াতে শদ্যে সূল্য পুর্নাপেক্ষা

অনেক কমিয়ছে। আমরা ১৩ই ১৪ই

মার্চ এই তিন দিন দেখিতেছি, জাকাল বর্ষা
কালের বেশ গারণ করিয়া আছে এবং মধ্যে

মধ্যে এক এক প্রলা বৃষ্টি হউতেছে। শুনিলাম

এই বৃষ্টিতে এ অঞ্চলে এবার বড় উপকার

হইবে। এখন ক্রেসকলের জাব অভি

ফ্লের। আমাদের অঞ্চলে ভাজ আ শ্বন। তের

গান্যক্রের বেরপ মনোহর শোভা হয়

এখানে এই সময়ে গোধ্য আদি শ্ব্যা

ক্রেরও সেইরপ শোভা হইয়ছে।

থ অব।না প্রশেন অনেক গুরস্কার পাই আজিও এখনে বিলক্ষণ শীত অসু ত রাছে। ইছা ভিন্ন চন্দনকাটের ও হতিদত্তের । হইতেছে; বিশেষতঃ আজি কালি বাদকা বিবিধ পারা: এখানে গন্তুত হয়। মলি হওয়াতে ও বায়ু প্রবাহত হওয়াতে আরও মুকারও ব্যবসায়ী এখানে অনেক আছে জীত বোধ হইতেছে। বোধ হয়, তৈত্ত মাধ্যের রেলওয়ের প্রধানে এ স্থান নিন্দিন আরে শোপ্যান্ত শীত থাবিবে।

কাবুল কইতে আমীর সিয়ার আলি অন্য ২০ ই মার্ট প্রাতঃকালে লাছোরে কা সিয়া পৌছিয়াছেন। তিনি লাকোরে চারি দিন থাকিবেন। ভারার সম্মানার্থ লা (शांदत संशासनादशक इट्रेटल्ख बाटलायवाकी) ল্ডা গীতপ্রভৃতি গ্রণ্মেটের বায়ে হট েছে অনুভ্ৰমতে আগানী ও ৰার আদি ১ট নিন এখানে **থাকিবেন**। এখানেও ননারে:১ অনেক বার হইবে এখান হইতে জ. নদ । লু পিয়া । প্রভৃতি হইয়া অস্বাল য়ে লাও মেয় বাংছি, বে সঞ্চিত দেখা कतिए याईएन অখালাতে বছ গুম অনীর নিয়ার আলির আগেমনসংক্রান্ত যে এক তালিকা প্রকাশিত হইয়াছে, তাহাতে .नश्लान १८८ शुक क्रांत्न धहेक्श विकाशन েওয়া হট্ডাছে বে, আন্দীবের স্বাহ্শদ চার জন, যেবানে যাত অৰ্থ ব্যয় আবৃশ্যক হইবে রাজিশা, যোগ বিনা**ত্**নতিতে তাহা ব্যয় <sub>।</sub>

कतिएक महित्य क्रिकेट किर्केट क्रामीति मा स्वयंद्देश क्रिकेट एकस ? क्रिकेट क्रमीएक ममल ताजि क्रिकेट क्रमीएक ममल जाजि क्रिकेट क्रमीएक ममल ताजि क्रिकेट व्हर्गत क्रिकेट क्रमी क्रिकेट क्रमी क्रमीति क्रमीय प्रश्ने क्रिकेट क्रमी क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क्रमीय क

मरानंत्र ! वक्राप्तानंत्र देखत्र भूका कृष्टीत প্ৰধান দেশসমূহ ফিৰাপ अवर (कान म्हारन किक्श टेमलमाला, रवश ৰতীজোত্ৰতী নিষ্ট্ৰ নদীও মনোহত भा खित्रमान्यत বিলিন এবং কে।পাঁর স্বা ছুগম হিংভ্র জন্তপুৰ্ণ কান্নপ্ৰভৃতি ाष्ट्र, ভाষা का मानियात प्रक्रिन लेख व्यत्नक् नाठिक व्यवभाग नन। जीहात्। बाह्म শের প্রকৃত রাজ্পরপ্রস্কৃতির বিষয় আবগতে नन दलिया এएमा मानवदिव्यक्ति आपेवी क्लान कतिया थारकन अवर कथन अ साम মাণিতে হইলে গমন অংগেকাও क है , वांध करतम । अ इ. श्रेष्ट का (मर्ट्यत कि विश्व) विवत्तं मश्रक्ता (मान अकारण अकाण क्रा একান্ত কর্ত্বা । अना जुगेन तालाधीन जन পাইও উর জিলার বিষয় কিঞিং বর্ণিত

জলপাইগুড়ি একটা ফেলা বলিয়া পরি
াণিত বা ; কিন্তু নেখিতে সামান্য পলীপ্রাম্
এখানে কমিসনর ডিপ্টা সমিসনর আসি
ইাট কমিননা ডিপ্টা মাডিপ্লিক্ট ডিপ্টিক্ট
স্থানিটেগুনিট পুলিষ পোই আপিসপ্রভৃতি
কছারি ও ছোলী পুলিষ পোই আপিসপ্রভৃতি
কছারি ও ছোলী পুলিষ পোই আপিসপ্রভৃতি
কছারি ও ছোলী পুলিষ পোই আপিসপ্রভৃতি
কছারি ও ছোলী পুলিষ পোই আপিসপ্রভৃতি
কছারি ও ছোলী পুলিষ পোই ক্রিবারের
রালার সমও বিষয়ের হিসানীনি রাখিবার
নিমন্ত একটা অভিট হাপিস ও একটা
ছাপাখানা আছে। ডিস্তানদী ভারি নিয়ে
প্রবিহ্তি এবং উর্গতে নোকাদি গাম্মা
গ্রান করিয়া থাকে। ডিস্তান্টা অভি সামান্য
নিছে। ইহার স্লোভ জ্যানক্ষ এবং বর্ষাকাল্পে

35 m. Win 1

२५ गर

### · प्रवस्ता

# ति इताय पार्थिवः सग्खतो अतिमद्यती न काम्सां।

মানিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বার্থিক ১০ দশ অগ্রিম বাণ্যাসিক ৫॥ লাভে পাঁচ টাকা।

मन १२१८। २८व रेंडल । ১৮७৯। ६ई करवान

শ্বশালে মানুলগ্ৰেড আও খাণ্যাসিক ৭, ও ত্রৈমাসিক ধ

## বিজ্ঞাপন।

বর্ধনেষের ত্রাহ্মনমান্ত শোগামী ৩০এ চৈত্র রবিয়ার সন্ধ্যা ৭॥ ঘট কার সময়ে এবং

মৰ বৰ্ষেঃ ব্ৰাহ্মসমাজ

্ আগামী ১ লা বৈশাখ গোমবার প্রজুত্বে ৫ ঘটিকার সময়ে হইবে। প্রাহ্মগণ উক্ত, উভয় দিবদে ব্যাসময়ে কলিকাভা আদি প্রাহ্মসমাজ গৃহে আগমনপূর্মক প্রাক্ষোপাসনা করিবেন।

--- ; • ; ---

मृत्रकृष्क (तारगत मरशेषधः।

व्याप्तकाति द्वार्ग ध्रमुक याक्षाक्रियम् मूज्ञभात प्रकारकेषा अभिक कर्ष्टे श्रद्धाव क्य, आधि अवस्थिति गए जो वाधिय क्रक मस्थिय श्राश्च क्रियाकि जवर उप्ताता अस्मरक आस्त्रातालाक क्रियाकि जवर उप्ताता अस्मरक क्यित अभीकि वर्षाधितक वाधित आदि आस्त्राता क्रिया अपन क्यार क्रियाज क्ष्रियाज कर्ष्ट्र माहे। अवज्ञव याक्षि भाकात श्राह्म कर्ष्ट्र माह्म गरमक वर्ष्ट्र ग्राह्म श्राह्म क्ष्रियम अथवा क्ष्री आयात मिक्टि ग्राह्म देश अवस्त्र महामावनीतक अवस्त्र

> জেলা মুবসিদাবাদের অধীন অভিম গম্পন্থ রায় ধনপত সিংহ বাহাছরের ক্ষমীদারি কাছারীর দেওয়ান ভীগেখাদাস বায়।

জীবুক ঘলনাথ মুখোপাধনারপ্রণীত ধারী
শিক্ষা বিভীয় ভাগ মুন্ত হইয়। পটোসভালা
বাজুৰ্গা বাদশিকোং পুস্তকালয়ে বিক্রে হই
ভেছে। উত্তম কাপড়ে বাধান মুল্য ১॥• টাকা।
প্রথম ভাগ।
প্রারী
পালন মূল্য ।• জানা

সকলকে ভানান যাইতেছে, ঠিকানায় মাতলা রেলওয়ের সোলাপুর ডাকঘর হইয়া এইরাণ লেখা থাফাতে অনেক চিটি মাতলায় নিয়া উপস্থিত হয়, ভাছাতে আমাদিগের পত্র পাইবার বিলম্ব এবং মাতলার ডেপুটি পোষ্টমাষ্টাবের কার্যা ক্ষতি হয়। অভগ্রব ভাষি যাতে ঘাঁহার। আমাদিগের নিকটে পত্র প্রেরণ করিবেন, উ,হারা 'কলিকাভার দক্ষিণ পূর্বা সোণাপুর ডাকঘর হ য়া চাঁকড়িপোড়া ৯ এই মাত্র লিখিবেন। 'মাতলা রেলওয়ে ইহা লিখিবার প্রয়োজন নাই।

সে'মপ্রকাশ সম্পাদক।

--:0:--

' क्छीम छात सञ्चार्ध यासा इरमाकी ख वाक्ता छावाम जञ्जूबान महम् खीनामान्त्रन मृत्याभाषाम अनीए, मूना ३१०, शहनकाडकी वाक्तिम कलिकाण मरम् उद्धमछिनिक्कि वीए वाक् खानम अख कार माकारम अस्टर्मानान हर्ष्ट्रीनायायाय स्थान उद्धम् विकास अस्टर्मानान हर्ष्ट्रीनायायाय स्थान उद्धम् विकास विकास स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्यान स्थान 
সর্বাধরণকৈ জ্ঞাত করা ঘাইতেছে যে
সন হালের ২০ মার্চ তারিখে শনিবার বেলা ১১
ঘাটার সমন্ন মোকাম বর্জনান দামোদর ভিবিজ্ঞানের একজিকিউটিব ইঞ্জিনিয়র সাহেবের আপিটেন রূপনারায়ণ ও দামোদর নদের মণ;বাড়ী বাক্ দী।
ও গাইঘাটনামক খালের সন ১৮৬৯ সালের
১ লা এগ্রেল অবনি সন ১৮৭০ সালের ৬১ ম.চে
পর্ব্যন্ত এফ বংগবের নিমিত্ত মাক্তর্জা জাদায়ের
ইভারা প্রকাশন নীলামে বিলিকরা ঘাইরে।

প্রত্যেক নীলাম ডাকনীয়া ব্যক্তিকে নীলাম আর্ডের পূর্বের ১০০ শভ টাকা আ্যানত করিতে হইবে এবং যাগদিবোর ডাক আ্যান্য হইবে, ভাগদিবোর আ্যামতী টাক্ষা ফেরত দেওরা বাইবে এবং উচ্চ প্রের নীলাম ডাক নীলা ব্যক্তির আমানতি টাকাঁ ইলারতে জ কিন্তীর পরিমাণে জামিনী টাকা আদাত দিতে কেরত দেওয়া যাইবে।

উপরি উজ্জ বিষয়ের অন্যান্য সংবাদ নিয়

এইচ, ডবলিউ, গারনল্ট, কাপ্তান আর, ই, একজিকিউটিব ইঞ্নিয়র, দামোদয়

ভিবিশ্বন i

--000-

काशिमी मार्डेक ।

বছবাভার ২৪৯ নং স্থানছোপ প্রেনে প্রাণ্যা মূলা এক টাকা। ভাক মাখল এক কারামাত্র।

ৰাঙ্গলা চণ্ডকৌশিক নাটক।
সিমুলিয়া কাঁগাৱিপাঞাহিতৈবী যতে ও কলিকাতা নৰ্ম্মাল স্ক্লে বিক্লয়াৰ প্ৰস্তাহ আছে, মূল্যােড আনামাত্ৰ।

**জ্ঞীনবীনচন্দ্ৰ মুখোপাধ**্যায়। কলিকাডা নন্মা**ল স্কুল**।

---:02----

## বাল্মীকি রামারণ চতুর্থ ধণ্ড।

প্রত্যেক খণ্ড ১০ করমা।

এই পুস্তক নাপরাক্ষরে মূল ও টীকা এবং "
বাক্ষনা অনুবাদের সহিত প্রকাশিত হইতেছে।
প্রত্যেক খণ্ডের মূল। ॥ তানা সাহিতারা নির্দাদির এইক হইবার ইক্ষ করেবং উছোর আমারি
বামে কলি চাডা প্রাক্ষাদমণ্ডের পর্যাক্ষিতিকে প্রত্যাক্ষিত আহিক
ভিত্তিক আন্তর্যাক্ষাদমণ্ডের প্রত্যাক্ষিত আছিল
ভিত্তিক আনা মাশুল দিতে হইবে।

কলেকভো আদি ব্যক্ষিসমাঞ

औद्यक्त क हो है। या

डि.एक्ट रिक्ट इस स्थाप विद्वास्थ ।

বা । সাক্ষা ১ মাধ্য । আ ভ अल्याकारल हेडारण 4.00 TO TOTAL ্ৰান্ত পুৰুৰ অন্তৰ্ভাৱাৰপ্ৰা কৰিছে ইইয়াটেছা আন ক্ষাৰাত্ৰ। ব**ৰ্মান বড়বাজানে** আনু নতে মাজেত পূজকালয়ে ভব্ক বিলে পাইবেন। **बिह्नभाग वस्त्र** 

্ৰিয়া সংস্কৃত পুত্তকালয়ে ও পটেলে वृष्ट्र र वास्त्र कामात्र काम्याभित्र क्षाकारम ১০০০ - ও মংপ্রচারিত নিম্নলিখিত গুরুক্তলে [4] (4] (4] (4]

| श्रदी उ             | মূল্য |           |
|---------------------|-------|-----------|
| ্ল সঞ্ডিছাস         | >     | stat      |
| (রামই ডুহাপ         | 2     | Š         |
| ভূলণ্সাস বা'করণ     | ı •   | আনা       |
| নি জিগার (১ ম ভাগে) | J     | D.        |
| নীতিসার (২ য় ভাগ)  | d     | <u>હે</u> |
| स्हादिख ।           | •     |           |

भूपहराध बहाकड्रा ত্রীধারকারাণ সন্মা

লংগি শুলুকুগময়হানিপিনালে এক্যমি সং কার ৬ জান সম্ভান <mark>করিছে আরম্ভ কার</mark> াত বিধান প্ৰতিপ্ৰতি সম্পূৰ্ণ কৰাৰে, সংখ্যতি ১ কেব ও বর্ষার সভূষীরাকে। **এইছাক থাওর** ११८ १ । १५४१ महारक्ष्य अञ्चलका भरस्य - 「NTRING 大河田」名:**为"西"物語的影響** भागा, भागी ध्रुष्कान कहाल श्रद्धा श्रद्धा श्रद्धा

ন লেলাড়ে চতাৰলী 🖒

काश्वरधानि वाजनत को तान कर्त्र शक्क छ। हेरार्ड ३२ था न भत्य जातह । के उन्हेर्य ৰ(বাল I আই লাবুণ সোসাইটি সংগ্ৰে ১ খাডুব শ্বাল স্থান ও প্রেন্ডার্ড, ব

वीक् येश अल्बल्दान शुक्रकालदा शिक्स याप्र মুকা; ৪॥ টাকা।

की में लक्यम , याय मा

#### - চ'ংক মজ্বী।

অধাৎ ভারত হোৱা সংক্রি ই তহাস। পুনৰ্দ্ম দ্ৰিত হইগুনেছে ৷ এ কাবে হঞ্চত ক্ষক্ষী ञ्चन रियव महाराजक व्हेल की रिक के एक। মত্যুদ্ধের অভ্যাত্ত্যে পড় ও রিজেস্পিত कीतमञ्ख्याच । उत्तर्भ (४९२,१४४) भागमः ४ । तुर्व লিখিত চইয়াচে তা এ এখনবাবে যে ভূই এক धन भवर्ग (कर्म (तार व्याप्तात स्माप्तात प्रहेन छ स পরিভ্রেক ছইয়া ভল, এবারে মেড়েলও টিগালে নকে শিভ কার্ডমে। ভাগবায় উড়াটে একটা Bेश्रक्षश्चाता (यां क्वांक क्वेत्र) सुव्द'९ ७४ পুনর্দ্ধ দ্রিত চবিভয়ঞ্জীব্যক্তি ইংগ্রেখণের ভারত वर्षे आणमन जाव व लाउ करा नर्त राष्ट्रां नामा ্নর শেষপথ জে সমুগ্র গ্রেভাজ ভাবেশ করে अवशाम धन्या याहेत्त्र भारतिहतः । जातः हेल्ट्रस মিউটি-বর রকাজ্ঞ সবিজ্ঞাবলিও চইয়াছে: সংখ্ঠ যাত্রির পুস্তবালয়ে ও ক্লোড়াসাকে: ৬৪ নং দোকানে জীয়ুক্ত প্রভাপচন্দ্র রায়েব निकटेंगे हाल्।। શૂસ; ) •

की काली अमृत हाइ।

#### ৰিক্লগৰ্গ।

भारत मार्च हर । या पत्री धराष्ट्रमङ् March March States 1

है परि वेश राज्य व नारे संस्था कर করিছে এথ চা এএখন ইছেচ চেচ্ছেম, কিব্লু স্থাক ब्राक्ट रहे रहे । जिल्ला हा जाकादक ह

> ार १६ अम् बारधणी-यहरे उद्योग (कार

## বিবিধ জবানি বিজ্ঞাৰ্থ 2851

ইংরাজী ব লালা গুলক কলেজ কল্ম নামা निशास्त्रशामि शांख्या यात्र अतः शुक्रवा मार 🖊 - এক অ। নার ছিস'াবে কমিপন দি । অধিক हेकिए शुक्रक सहरम 🖊 ५० व्यामात हिमार्य भाइंदिल ।

के हैं भीक्षात्मा भीका की नेप्रशंका भारतत রাপকল্প ক্ষম बक्नामम मुक्तानली खनाए जान দেবীয় ছান্ধ্ৰাধ

| W. Carlo                                    | tagan ya ya a a a a a a a a a a a a a a a a |                  |
|---------------------------------------------|---------------------------------------------|------------------|
| रन। म                                       | . •                                         | B                |
| ্শত পচিত্ৰ ভাতুক ব্য                        | \$ '                                        | À                |
| · <b>७ ख</b> ंबन्न, १                       | 5#-                                         | •                |
| मार्घारमय                                   | 2                                           | à                |
| ्रक्षांचय शाचा                              | : 1                                         | ঠ                |
| ুৱাভিশালা                                   | 2.1                                         | ক্র              |
| ্ প্রভাগর গ্রহ্ম                            | 21 a                                        | Ŕ                |
| <b>अ</b> धिष्ठी प्रचाय                      | ١.                                          | ঐ                |
| উৰ্বগ <sup>ী</sup> ত। যটা ক্ৰ <b>নিৰূপৰ</b> |                                             |                  |
| ध्कु उ<br>•                                 | 7                                           | <b>S</b>         |
| খোলবা শংলক কুমারকুত                         | ¢                                           | À                |
| জ্ঞানকী নাটক                                | 3                                           | ঐ                |
| চরিভমজরী ভেটীয়বাৰ                          |                                             |                  |
| मू एक                                       | 11.                                         | ्रे              |
| <u>क्षीवग्रहाञ्च</u>                        | 11 •                                        | জ্ঞানা           |
| পারকাত চর্গ                                 | # -                                         | ঐ                |
| मुक्त राज्य यादा                            | •                                           | S)               |
| গীভাবলী রাসারাময়েমাইন                      | র'য়-                                       |                  |
| ଥ ବି ଓ                                      | 1.                                          | <b>B</b>         |
| मध्य १ इस्                                  | Ŋ                                           | <b>D</b>         |
| লিখিতসংখ্ৰিতা                               | li •                                        | à                |
| শভিত্তগ্ৰহাক্তা                             | 1:0                                         | À                |
| वाः मन्दर्भ छ।                              | ч                                           | À                |
| আগন্তব সংহিতা                               | þĄ                                          | ě                |
| বুলি চন্তামনি                               | 11 •                                        | \$               |
| শুভস, শুভু                                  | d                                           | ŭ                |
| विषवाक्ष्याक्षमः।                           | 11 -                                        | ক্র              |
| को उन वनकानर                                | 11 "                                        | હે               |
| হিশাভা দানো; জন, নাটক                       | N                                           | ق                |
| लिया माहिक                                  | 1 •                                         | ঐ                |
| স্ব <b>ড</b> ্লেশিম                         | · «/                                        | હો               |
| 1975年期宣布                                    | 10                                          | À                |
| ी वाकावली                                   | 1 •                                         | À                |
| ये इक्तन अहिन्                              | h e                                         | Ś                |
| (阿丽·特尔及1-2年)                                | 17.                                         | 'হ্যানা          |
| निविधारिकाषा । अ                            | ងចាក់                                       | ∙स काञ् <u>र</u> |
| মাংকে। ৬৪ মং 🚶 নং                           | াল হে                                       | 3F 51 1          |
| ~~ 20 2                                     |                                             | •                |

मापतात राष्ट्रा ।

सम् १७४० घटन , शाक माहरूव २० इंडेट्स १५६ यार्क भवी व आधीरधी बही व

নর্জণমতি জনের সালা ছিক বিশোট।

স্বিক্র ভ জল ভাগীরখীর সহিতে, প্রভানতীর বোগের

গতকলা নাড নেত্রের বাসিতে ইন্টার পর্কা উপনক্ষে বে ভৌজে হয়, ফাহাডে সর ক্লান লারেল উপন্থিত ছিলেন। তাঁহার স্থানার্থ হারা পান করিলে ভিনি প্রভাতরে বলিলেন লোক অপ্রপন্থিত থান লার ই করিয়া ভারতবর্ধ দাসন করা অভি জি জি, সিট দার করিন। অভএব ভিনি আজানসংকারে রক্ষক হইবেন। বাববি জেনরলের পদত্যাবা করিয়াছেন। ১ সা এতে

গত কলঃ ভোষার মহানাতে প্রথম বাতঃ। হইরা কল্য হইতে আগত আনিশার্প জাহ'জ ভগ্ন ক্রিয়াছে।

गण कना करनक करते छारारत दनस्मित्रत मिरशत क्षम्भन इहेशारहा

পেটি সংবাদপত্র বলেন, স্বেসকল ফবাদী ইসনের ৬০ মাসের বিদার অভীত হইরাছে ভাহাদিগকে পুনর্সার লিখিবে আনিবার আক্রা হইরাছে। ৬০,০০০ বৈদ্যকে ছাড়াইয়া দেওয়া হইরাছে।

---:0:---

# गतर्ग दशकी विकाशनी। सम्माम त्वकीनकेनदर्गतन

## व्यापना द्रमाती

निद्यांश ।

রাজ্য ও সাধারণ বিভাগ।

२८ अमार्छ । त्रि. अक, मार्काश नारहव शांके मात नहकाती माक्टिकेट ও कारलहेत इहेग्रा अवम (अनीत खतीन माक्टिकेट ও ডেপুট कारल हैतित कमण शाहरवन।

২৯ এ মার্চ। নদীয়ার প্রতিনিধি মাজিটেট ও কালেটর জে, মনরো সাংচৰ প্রথম প্রেণিতে উন্নীত চ্টবেন্টা

विकार श्रीकिमिधि माख्यिको छ काल्डित एत्रिक, श्रीक्रित मार्ट्स अथम (ख्रिक्टि हिती ए स्ट्रेस्स ।

জে, এন, জি, চিক সাহের বাকুড়ার সাধা রণ বিদ্যালিকা সভার সভ্য ইইবেন।

যতদিন টি, নশ্মাণ সাহেব বিদায় লইয়া আনুপঞ্জি থাকিবেন, ড'ছদিন ডবলিউ, গাৰ্ণার সাহেব রাজসাহির প্রতিনিধি ভাইন্ট মাজিক্টেট ও ডেপুটি কালেটর ছইবেন।

যত দিন বাবু ব্যেক্তর ব্যেপ্রাণাধ্যার বিদায় লইয়া জন্তুপঞ্চিত থাকিবেন, তত দিন তেপুটি মাজিক্টেট ও তেপুটি কালেক্টর বাবু লালিডগোহন চটোপাধ্যার নাটোর উপবিভাগের ভার পাইয়া প্রথম প্রেরিণ ক্ষ্মীন মাজিক্টেটের

श्रीकार कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या क

ये कि कि कि निर्माण महिया कर्माविक थाकित्वन, एक किन कार्याय, एव कि छ कि, निष्ठेन वक्तरात्मत शक्तिवि वन तक्क स्टेट्यम।

) न। अध्यम अवधि निवृत्ति अञ्च लारकता अखिडिक महका । क्रिन्नेन हरू-वन

সি. ভবলিউ, উইল্মট সাহেব প্রথম খেলিভে।

বাবু কালীলাস পালিত বিভীয় জেনিতে। এ. ভবলিউ, কদারাট, জে, বি. সাড ওয়েল ও এচ, এচ. ঘেটকাফ সাহেব তৃতীয় জেনিতে। ভবলিউ, এম, স্মিথ সাহেব চতুর্থ জেনিতে।

अ. तार्ट्स अ (स. अप. न्यहां हे जार्ट्स अकः

আর. এচ. বেলিস'ছেব ষষ্ঠ গ্রেলিডে।
তগলাস. কোরাইট সাহেব সপ্তম গ্রেলিডে।
মঙ্গলদিহিব কডি রিক্ত সহকারী কমিসনর
ভে. ভে., এস, ডাইবর্গ সাহেব ভ্রীপ্ল গ্রেলিডে
উনীত হইবেন।

লিবসাগবের প্রতিনিধি অতিরিক্ত করি সনর্সি, জে, কাউই সাহেব সপ্তন গ্রেণিডে সম্পূর্ণ রূপে নিবুক্ত হইবেন।

১ লা এপ্রেল অবধি নিয়তর শাসন কার্য্যের পশ্চালিখিত কর্মনারিপণ উরীত হইবেন।

ध्यम क्षानिएक।

पि, এ. उत्ता मारहब। उद्यक्तिके, मि, क्ट्रीता

ষিতীয় জেণিছে। বাবু কালীপ্রসম রায়চৌধুনী। এফ, জে, আরু, গুয়াকার সাহের। বাবু মহেন্দ্রনাথ হস্তু।

कृष्णीत (अनिट्छ।
विश्व अञ्चलनातात्त्व शिष्ट्।
विन्न, त्रि. शंप्रहेन नारह्व।
है. वि. शंप्रहेन नारह्व।
योजनी कावहल सक्ततः।
वोज क्रिश्वानह्य वस्त्र वर्षमानक्

চতৃথ শ্রেণিভে।

वाबू श्रविक विद्याशी।

- " (शक्तहस्य दाय।
- » (गार्माकहट्य तोष्र।
- ় কালী প্ৰসাদ সেৱ।

তদ জ্বার্চ । চট্ট রেজিউবি বাবু নীলমণি উল্লেখ্টবেন।

দ্ভীন্তাদের প্রজিনিধি আম বাবু নৃত্যলাল দে রেজিকীয়ে স্টবেন।

वांचू हेबान बर्क्सनांन वर्द नन्भू नव (तकिक्रोत वहेरवन।

বাৰ সুশ্বরঞ্জন চক্রবন্তী বীরভূষের সাং বিদ্যালিকা সভার সভ্য হইবেন।

कंड. कत. छाल्लियुत्र। वक्टमणीय गवर्गस्य केत्र (महक्रोती।

বিচার ও রাজনীতি সংক্রাঞ্চ বিভাগ।

३० है मार्छ। ১৮%৮ आस्त्र १८ आहेरतर ३२ थात्रासूनारत ए।क्कत्र है.अ. त्म, त्महेन किन-काला ७ ऐपनगरतत (त्रमंत्र) हिक्किशामरप्रत अवाक हरेग्रा हिकिश्माकार्यात वरमावरस्त्रत्व माथातम एकावथात्रक हरेरान।

২৩ এ মার্চ। যত দিন সৰ আসিষ্টান্ট সার্জন জনরপন পাল উপনীত না হন, তত দিন ভৃতীর শ্রেণির সৈব আসিষ্টান্ট সার্জন গোপালচক্র দে সাওভাল পরগণার গোবীজে দীকার প্রতিনিধি ভেপুটি স্থুপরিন্টেণ্ডেন্ট হই-বেন।

২৪ এ মার্চ ) মহিখাদলের অন্তর্গত রথগতা বাজারের দাতব্য চিকিৎসালয় চালাইখার নিষ্ঠিত নিম্নলিখিত ভ্রালোকেরা স্ভা হই-বেম।

होस्मा लचान श्वताम शर्भ। वावु यामवहन्त्र (वाह्य)

- क काखिक्स मात्र।
- » बीलम्बिम्खन।
- " রাধালোধিক ব্রু।

वर्ण किंग जास्त्र जि. किं, किं, किंग्सिक विकास महेशा कहा किंक वाकिर्वन, कर्ण किंम स्विक वाकिर्वन, कर्ण किंम स्विक वाकिर्वन कारण केंद्र किंद्र मान्य किंग जास्त्र केंद्र क

২৫ এ মার্চ। আর, বভাম সাহেব সোহার ছগার প্রতিনিধি সহকারী পুলিব স্থানিকেট তেওঁট বইবেন।

ति, त्ववन कारहर मुक्तात्व श्राप्तिनि निह कात्री शुनिक क्रमतिर हेर्डिक इंडरिया।

পুলিবৈর নিম্নলিখিত প্রভিনিধিত । ক্রিক

্ধিকারের বুলিয়ালোগাজের

54.

≀ধ, ¢**`ম‡ে** ‡

স্কাটেক। কইকে চতুৰ জো**লতে।** 

এ ঘট সা**ংহর।** 

(B) 符 人类的记载】

ং হ । শুনাধ রায় ।

-17

ি এনা যত গন জে, কেলি সংহেব ইট্টোও ডাংবেন ডত দিন আপেথিকার জে, চেংজা ব নকাভার মেডকাল কালে কেন্দ্র দিক্স নয়ে। গাজীনিভাবের এতি নিষ্ঠাতিদ দক্ষিন চইবেন।

नियु नि च क महकाती श्रु निष स्थातिर छेर छन्छ। 'सर एक दलकी कहा जाता ।

त्यः विशाप्त मारश्व कीर्यं स्टेट्ड इन-मीर्यः

ডবলেউ. এন, এচ ফর্দেন সংক্রে ভ্রনী •ইডেকামরুপের

জে, স্টাটফোড সংক্রের কামরূপ ভ্রতে খুর নাতে।

বাৰু কামখনানাথ আচাৰ্য চকলীঘীৰ ৮ ভব্য চিকিৎস লয়েব ভাব প্ৰত্যুদ্ধ

৩॰ এমার্চ।বি, বি, ষ্টক সাংখ্যে নওয়া শালির চিকিৎসা কলাচারী হইবেন।

यक निन (सर्थिन है ज, काइ, हें है न किसान होंडे (दार प धारि एन एक निन ज, जह, खाईफा भारत्य रक्षान स्मात भू निस् होंगरण्य हैत (स्नम्प्र स्मात हो हिन्दि निस्त हकादी हहे (तम। डिंहान काम्प्रश्नित निस्त जह, जह, क्षिप्र भारहरू न में प्रात कि निस्ति पूर्तिस स्मात होंगे खुरा हरेरान

8, \$15R }

५७७ मीत्र भव (मर्कित १४) क्रिकेर है।

আমাদিতেগৰ গোরে'লিয়রছ নংবাদ শাসা লিখিয়াড়েন্ত --

স্থানি জিলাবে। প্রিট্রেল এবজন বি নিক্সিনি কেনী সাহের গ্রাস বিজ্ঞানিকলে। বি নিক্রবর্ষীয় বি নিক্রব ক্রিছিল। ১০ নিকে মন কারেয়ারেন জনব ছেল্টোর প্রে নিল বিশ্বাস সাহের নিয়াক্ষ না এইলাব্ধন तल १०% तमन मारश्य इश्याः एइन। यक हिन यहनल भए मारश्य पहिला इश्वे हिन १८०३ १ १ में श्रम्बान के जिन एइनी मारश्य १९१४ १ १९६ कि दश्य मानस्य (क्रमानन एइस १९१४ १९४१ की स्था मानस्य (क्रमानन एइस १९१४ १९४१ की स्था भागत हरस्य।

এখানকার পিব'লক ওয়াক ডিপাটিমেটের ইসাব লইয়া বড় গোলিখোগ উপাস্থত ১ই য়াচে এবং ডিলিব্ছন গ্রিগ্রেছির যে অমথা সম্ভব অধ্বন্ধে ইইডেড্ডে থান্য তাহাই আমাহ বজিবন

এশানকাৰ গুড়িকাৰ, প্ৰধান জিল ভাগে (ফ'ুল ডিবলন, যেডি ডিবিছন, এবং পোয়ালিয়ার তিবিজন) বিভক্ত ভাগে এক এক জন একজিবিট্টিভ ও জান शांत अवर हुई किन सम चामिहा है। এ अन्यक्त নিবজ্ঞ আহেল। উজ্জ ভিন্নদী ভারের সংক্র গোয়া লয়ার 'ড়বিজনটী এধান। স্তুট্রং এই क राम कार्या छ अधिक । इंकाश्वाली अब १७ वस নৰ বাৰ্যা এক জন চতুৰ জেনীৰ এত बनाएं हो है। भारा छेड्यकरू নিয়াছিত হইত, কথন কোন মারেগ্র किनाव टाकी প্জেটনা। গ্রন্থ বংসং এ এল गार्म स्था**लादण्यसीय शृक्तिरार्यात करा**हेर दि स• म স চেব ( गाथज्ञातात বাৰ্তক) এখান ১ই ডে মিরাটে বদলি ভাত্য ভংকানে প্রজাতীয় হই জন এক উল্চাত নযুক্ত কালে। তকাপের যিনি তৃতীয় জেলী। खिनि गार्त्त २०० के का शाम काव यिन क्र<u>म</u>ुक কেণীর ভোন ৮০ টাকা পান। ১৬ জন বাহে দের যে ভাব থাকে এক টাকা আট জানে ক রহা श्रुक्ति सिर्फिट्टे काएए अवर फाईएएन महत्राली (त्रेकारी भाष्ट्रित १४ (उपन आहुइ) छ।इन किक चण्डेकात सुभव का विद्यार्थ । स्वर्ष : ৮০ টাকীপ ইইড এককো ডাকাচ্ছ ০০০ টাকাচ अधिक राप्त कहेरावर्ष्ठ काश्वर तथा जाल इहेरावर्ष না এই তন মাসের ছসাব এপ্রা,ত পাছ্যা, अकर्म (बक्रांत्र) १वेर्ड १० हुउ काकार प्रमार्थ अर्जनक्ष्मध्याकि प्रशाहित्य । लय ५८५८ हेव बहुँ ज ए रेख्न ৰংয় (৮০ इ०० हेरका ) अप्रकृत अहे श्रेष्य तता ग्रंटर्ड शास्त्र (य.बहे ंच ८.भी युद्ध शराम न राज्य न के है दि *प्रवास*के कक्षा क्रेरिएएक । (करम (म (भागा विद्यार াদ বজানের ভিষাব লইবুটা ব্যাস্থাব্যার উপস্থিত। ं ६६५ एक अर्ग मर्ग मर्ग **मर्ग य छ। (८१%** कि**विक्र** 

सित मना श्रे क्षता । सर्ह न जित्रकरमत कुछ
भूति अकार्क जाति । सर्ह न जित्र कथा किर्माल
जात्मकरक कार्याक १६०० हमा। जित्र श्र प्रथर्व
स्मान्य कर्क कार्याक १६०० हमा। जित्र रहन कार्याक कर्मावान कार्याक जाति । के इक्ष्म विकास कार्याक जाति । के इक्ष्म विकास कार्याक जाति । के इक्ष्म विकास कार्याक कर्मावान जाति । के इत्याक कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान कर्मावान क

বিত্ব দল হউল ন নে গ্রামী অভি শোচ
নীয় ঘটনা কইপা নে ৷ করি সংক্রামক
এক জন গ্রিজার প্রান্ত বিশ্ব লগতে
নামক বাহিকে কক্ষা কলা নাড়ে কঠাও পদ
লক্ষা কইয়া প্রিকে কক্ষা লৈ ভুতু কয়। সুজ
ত জার এক রক্ষা মাড়া ভিল্ল আর প্রিবার নাই
আত এব এই শাকার নানিব জীবনোপায় নিকা
কার্য পুর্ব্ধ বিভাগ কইটে মান্যক বিছু দেওৱা
ভিচ্নত

भेदे बार्क अवादम श्वामणा खालिक मिला देकि प्रदेश शिश्राक। तिला माएक कानिकेत भगर वर्षन ब्यादक करेश तालि काश्व के के लगा क यादक। दुक्तित लग वर्षेट्य मिन्ट्रम स्थाम श्रीका तालिक उनस्काल भीक त्वाम करेगा का अविविद्यक्ष नम्भव के ब्याद त्वादम स्वीति का क अविविद्यक्ष नम्भव के ब्याद त्वादम स्वीति के कि अविविद्यक्ष नम्भव के ब्याद त्वादम स्वीति के कि अविविद्यक्ष कर्मा के विविद्यक्ष मिला भगर प्रदेश क्षाव कि श्रीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति कि स्विद्य कि स्वीति के विविद्य के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीति के स्वीत

# (थरिन)।

মনে বর জীযুক্ত সোনপ্রকাশসম্পাদক মহাশ্র সমীপ্রেষ্

क्रमान्यत्व दराज्य 🕶 ।

প পাদক ২০ কা । প্র প্রামি দ্রী ত প্রকৃত্যা হ লিকে এবং লাগ্রার প্রভক্ত ২২ প্রামিপান ক্ষালাকে বলান্ট্রের কথা ক্রিটোট্ট দি লাক লাক্রেক্ট্রেরিস্মাট্র ১৯১ প্রক্রিয়া লাভা নহ আব্রেক্ট্রের্ড স্থান কর্ম প্রক্রিয়া লাভা নহ আব্রেক্ট্রান্ড কর্ম

জিলা ময়ন্ত সংক্রেত্রী হয়ীর আলোগ চন্ত্র পরগণায় ভূত্রবিকারী সুক্তরাভানিবাদী সাম্ভ এক জন মাতাল ইউরোপীয় সম্প্রতি কান
পুর বেলওরে প্রেমনে গমন করে। শক্র হুলি প
ধাকিতে যে কোন প্রকারে আর্বাহন করিল ন
কিন্তু ছাত্তবা মাত্র এই মাতাল মমন পাছিল
উঠিতে যাইবে, তেমনি বেইলে পভিত হুলি শক্র চলে হুল হুলি । মাতালকে শক্র ইঠিতে পেল্যা হুটিবে না এমত নিয়ম আর্বা
প্রেমনম্পর কি নিমিত এই হৃতভালার ।
প্রেমন হুইতে বাহকুত ব্রেমনাই তাহা আন।
উচিত।

भारतिन निया ना जिया खिल त इहें करिष्ठ भर्ष छ हेरल छ छ छात्र छर्षत (सहैन १ कारता हिगरनत गमना गमरन त दरणा व छ इ साइका केंग्रेलीत रतल छर्छ रकाण्णानिष्ठ इहें नक्ष श्राह्म केंग्रेलीत रतल छर्छ रकारता होतिर ग छात्र सार्थ कारति छ निष्ठांत लक्ष इहेर्ता। हेग्रेली केंग्रेस कार्यनित भन्न प्रिया (सहेल गमना गमन विद्या कर्मानित भन्न प्रमुख विद्या।

#### २॰ अ रेज्ज द्रक्षितात ।

कलिकाछ। विश्वविष्ठालायुत्र मश्राम्खा ১৮ ৭১ শক্তের পরীক্ষাবে পুস্তক প্রকাশ করিয়া-্ট্ন: জামরা আছোলিত হইলাম, মাহিড, ए है उठ त नगरक ऐसे छ पष्ट बहुत । এक साम মান ওড়ন পাড়ন ছিল, ভাছা গিয়া ইংল্ডেড ট ভগদ পাঠ্য পুলক হইয়াছে। প্রাচীন ই দ शत ११ वि. ब. भन्ने क यो कियात शक्य हान मरमा के छिक्षात भाक्ति कविट्य इस्ट्रेंट । स्वाम छ बीटना के छिशान लाई मा कतिहन के छेटतारण इ ইবানীকেন ইণ্ডিছাস ব্যাসহজ্ঞ হয় না। মাসী-भारतर जारखरावंद इंडिशम शक्तशा ह জমপুর্বি, এবানি পরিভাগে করেয়া এললিনাইন পুন এচণ করং অভিনয় কর্ত্তর। ত্রিটিন্ন সংস্থা (अप्ति क किशान मार्स 9 का हेके लिएक भा स्था ষাইলে। অধ্যায় ছংখিত হইলাম বাজালা পু ওক (ষ্ই সেকেলে ভাবে রছিল। এঞ্ব কার চলিত বাদালার সহিত রাজদুভপ্রভৃতিঃ य मानान जुलमा इस मा।

ष्ठाभवाव वार् वसग्नाविमान उथात्र अवधा भुकर्ति चेमन कवित्रा अवधी गवाहरणव सिविश्व णवर्गमद होत इराष्ठ अक सक्त ऐन्सि मिट्छ । कि वर्णन अहे होको छानतात जिल्ले नित्र नित्र हाल्क श्रीकरवा निर्मा करेट के जिल्ला हाने कि वर्णन करेट के जिल्ला हाले कि वर्णन प्रति के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करेट के जिल्ला करिया कर जिल्ला करेट के जिल्ला करिया कर जिल्ला करिया कर जिल्ला करिया कर जिल्ला करिया कर जिल्ला करिया करिया कर जिल्ला करिया करिया कर जिल्ला करिया करिया करिया कर जिल्ला करिया करिया कर जिल्ला करिया करिया करिया कर जिल्ला करिया करिया कर जिल्ला करिया करिया कर जिल्ला करिया करिया कर जिल्ला कर जिल्ला करिया कर जिल्ला करिया कर जिल्ला करिया कर जिल्ला करिया कर जिल्ला कर जिल्

নিগমৰ হৈত ভ প্ৰধানীর অধীনে কন্ত মুখে বাস কৰা যায়, ভাহার আৰে এক দুষ্ঠান্ত পাঞ্যা গিয়াছে। বাসিষ্ট্র আবাট্না ও উলীল জাক্রন লক্ষে এব কমিসনরের নিকটে একটা আপীলী মকসমাৰ ভাই কৰিছে ক্ষমন করেন। উল্লেখ্য আসালাক্ষে যাইবামাত্র করি সাহেব বলিলেন ইন্টোকে অবিলভে মফস্থাল ক্ষমন করিবার আজ্যা হইয়াছে। কবে প্রভাগমন করিবার আজ্যা হইয়াছে। কবে প্রভাগমন করিবার ভাজ্যা হইয়াছে। কবে প্রভাগমন করিবার ভাজ্যা হই বিল্লেন সক্ষিত্র আশীলাভাবাদ হইতে ইহাদিগকে আনাইগ্রাছিলেন। উল্লেখ্য এটা বস্তু ভাষাসার কথা নয়। যিনি শাসন কর্মে, করেল, ভিনিই আবার হিচারপ্তি এনি শ্রমাক নত্রে,

বোধাইরের ভাজের উইলসন কলিকাছার আগমন কবিয়াছেন। তিনি দীখ জানানের গমন কদিরেন। এতদেনীয় সমাল উইলসন বাহেবকে বড় চিনিশ্রন না।

অসণাবদি বেশাদিলের বেজিন্টরি অ'রস্ত হটনো ডাজের এ জে পেইনা ছারেগায়ক চট গ্রাছেন ভিত্তার অবীনে ই জন সর আ সিন্ট সাজ্জন নিযুক্ত করা ধ্ইরাছে। কাচ ওলি বেশ। ভারে কলিকাড। তালি করিয়া পলাগ্রন করি বাছে।

२४ ७ माह जोरकार्य ज्ञीतकात करेवारहा ज्ञामहा काका माह इडेलाम, गर्गरमनी ताल ज्ञाप का ज्ञिम कार्य विदाहिन, गर्गर एकम निर्धात में इंड जिनि बर्गमायस ना प्राप्त कार्य स्टेटल उँ कार अन्दर्भारमंद्र निमित्र प्रश्ने क्षेत्र होता। निराद कथा हिला, जाका प्रश्ने क्षेत्र ना।

গত দেনিবার জন, করেন ত ধ্রেন সায় নার্থ ভারতব্দীর স্ভাগ্রে ই ১ চুল্ভা ১ই किर्णत भागमञ्जाले किर्णन। विष्ठात ६ विषया छात्रज्वचीत्रभव निकटी भवीत

सम्बन्धहरणेत नार्य ॥।
निम्न काहानक १००० है।
य काह्य (एन. काशीरन शह.
विद्यादक। सम्बन्धहेणे वर्तनम्, करमः।
दिस्यादक। सम्बन्धहेणे वर्तनम्, करमः।
दिस्यादक। सम्बन्धहेणे वर्तनम्, करमः।
दिस्यादक। सम्बन्धहेणे वर्तनम्, हेल्लेर्याः
कामा करिमारी हहेरन (म (मार्च कर्मन मध् मध् हहेम्। करमः)
प्रश्न हिम्ना वर्षाः मध्यामा करिमार हम्मा
करिमा करिमारहम् अहे मक्त विहास हम्मा
करिमा अकरमभीरम्हां कि मर्म करियमः।

কণ জব ইণ্ডিয়া বলেন, ৪ টাকা সুদেশ কাগজের বন্দোবস্ত করিবার নিমিত্ত সর রিচাড টেম্পল জাগানী সপ্তাহে কলিছাতার প্রত্যাগনন করিবেন : রাজধানীতে থাকিয়া প্রত্যাগন করিবেন : রাজধানীতে থাকিয়া প্রত্যাগন বিভাগের প্রতি মৃক্তিপাত করিলে কি ভাল হয় না ?

উক্ত পত্র বলেন, আগামী দীতকালে মেইন সাহেব পদভাগে করিবেন। তিনি আর কিঞ্ল কাল এদেশে আকেন, এই নিগেন্ত অস্থানাথ করা হইয়াছিল। কিন্তু অন্যান্তান্ত এক জন আইনের উপুনেশকের পর হইতেছে। মেইন সাহের তাই। এচল নির্দেশ মেইন সাহেবেও অমভার বিধারে নাডবিধ নাই। কিন্তু এই ক্ষমতা তিন ভারভবর্থের মঙ্গনাথ বিনিয়োল্য তাত করেন নাই।

#### २३ श रें 5 में खेडाबीन

काशबीतस्ति श्राट्यक्ति । शरीकाश्च विद्याति । चित्र वराक्तिशन शरीकतः विद्युक्त ११ शास्त्र ।

ইংসাজী সাহিত্য।

ভাজের ভবলিউ রবসন :

জো কে, রমারস, সাতের।

এইচ, রব,নিস সারের

গোডারেও জান নেলার সাহের

লিক ও লাটিন।
এ ডালোটিল গোলেই সাহের।
রভারেও যে এই বসন্ট সাহের

সংস্কৃত ও ব লালা । ব
পান্ডিভ হরিনাথ ন্য মুক্ত ।

যোলু গোপালচজ্ঞান বন্দ্যাপ্রায় ।

বিশ্বি গোপালচজ্ঞান বন্দ্যাপ্রায় ।

় ই:ভিহ্1স ৷ · १८इ८। म्राट्ड र ।

ুলাভ সংক্ৰে

ুও মাটিন।

यः विक्रा

क हे हैं आका मार्क्य। अ फर्न लिडे किंकरे मंद्रिय । (तक'रतल स लि चाहेन गार्डन। বেভাবেও কে এন ম্যাকডোম্যালড ৷ कातानी रार्मत वि अ छ अल अ भन्ने कांग्र নমুলিখিত ব্যক্তিখন প্ৰীক্ষ নিযুক্ত হইয়া

हे दाकी नाहिषा। সি এইচ, টনি সাহেব। (इंखादिल एवंतिके निकाहेक नारहर। जिक अ नारिन। क छव निष्ठे शारतक मारहर । .ब्र**कार्य थ** स्थ अन दम हे न'एडव व्यावित अ डिंग। अहेड, व, लक्ष्मान म'रव्य । সংখ্য ও বাসালা। (त्वारत्थं कि अभ बरमाराभावतः । পভিত মহেলচক্র নার 📭। ইভি হাস।

(तकारतक डोक्टत (व अर्थानिव मार्ट्य) हे. (लश्रंबिक्न मार्ट्स्व

গণিত ও প্রাকৃতিক বিক্ষান। थ, अ, श्विष्टित म'रहत। क्ष, बहे ह, अन, चिचि मण्डन ।

भर्ताविकास ७ मी. ए विकास ्क्ष मि (नम्भिष्य मः हत्व 'त'छ' हुत् 😗 अस फ' हे सन स्रोटिंग्स ' खवानिक कि, देशमञ्जू मण्डन (विष्ट्रिख ई ल क है म' (क्र

२२ के रेड ख ल शिवाद ।

াৰ এপ্ৰায়ে প্রক জন বেশাবি (রাজ ম'জে'ু ু ইং'র মধে, ৬৩০ জনের প্রাম 一个名词 图图 11年 7年1年 इन शास्त्राहर विष्ट्र शाम

এংছে। বেশুচার রেজিষ্টার করিছে একবার माल्यमञ्ज छे २८काठ हिन्दि । याश्व वात्रीत अपा রত মার সেও কিছু ব্যয় করেয়া রাক্ষত বেশাং **হইবে। বেশ্যালিগকে এক ছ**ানে রাথিবার াত দূর ?

আমীর সিয়ার আলির স্মান্থি টসন্দি श्वित व्रगटकोम्नल धानमान कता इतः छः। भारत শামীর বলিয়াছেন, ব্রিষ্টিশ দৈন্দিদের ভেপেক काल टेमना कात नाहे अवर पूक्ष करणाय न की (भक्ता व्यानमकात्रक।

ইংলতে কাথলিক গ্ৰালয়ঘটিত যে মক क्या ६६८७ किल, फालाएक भिन्न विव व ००० शकात छिक्की भाहेशएइन। विश्मांक निर्मा नर्गाष्ट कर मकलमा बर्धा कल ।

নিমুলিখিত মূলে গ্রণ্মেটের কগেল वकीष हराजाहा।

あれいがしあつ ও টাকার সিহা। 30 | 30°° 8 **% (क**1९ भ वित्र अप्रार्क 3 - 4 1 3 - 4 . 7 . 4 M : 3 . P. · » (ক!? 225 · 225. • (क!९ CU

# ইউরোপার সমাচার |

२७ ६ गाँछ। काञ्चात्रमाखन, धर्ममाध्यमाग्र দংক্রাপ্ত বিলের উপরে কল্য রাজিতে ক্ষণ বানীতে পুনুর্বার ওকারত ইট্যাচে :

সর বাউণ্ডেল পামার বলিয়াছেন, প্রেটে-পৃত্তি পুরোহিত্তলিগকে ছাড়াইয়া গিরজার নপ্সতি বাজেমাপ্ত इन्द्री कथा, व कर, किन्न मान्य मान्य उ বছীভের হিন্<u>ড । লো সাহের এত</u> ছভাবে এব ণকুতা করিয়াছেন। অন্য রাজিতে তর্পের শেষ 38:41

মালদলেরে লাড নেপিয়ারেক বেজনর জিব रेल विभिन्न इडेग्एड) (श्रष्टिंग्नेर मजुर्गन ক্ষেত্ৰী কৰিয়া কৰ্ম ভাগে কৰিয়াছে। বস্ত नार नदार साजनिट्न छि॰ सीक क्षेत्र टन । >৪ এ মার্চ সাত রাজিতে আয়ারলপ্রের ধর্ম শক্রশায়দ আছ বিলের উপরে পুনর্ফার তর্স त्र अगुन्दरभाम ७ शक्ति मार्ट्स दिस्स न्याहरू त्राकृता करिहाट्यमः शिख माह्यस्य सन् াচেন এই বিশ্বিধিবদ্ধ হইলে আনুৱারলাতেই न्हेल हेल्सर्थ्य अभिक विष्कृत ह∤रवा प्र<sup>त्र</sup> छात्र मोर्टन बक्तुका कविश्वा व्याधक्यक्यार भरताय भवार्यन कांद्रसा विलित्सन, 😝 वृष्क्रि ए विकासमा । विरागत कुछ कुछ करन करणा है किंदिया । विशेष्ट व्हेरन ।

। धर्की प्रवात शहिर्द बहुता। विलेष्यान ose जन इंश्व जलू मार्ग अ २ ६ · जम श्राह 'वाम क द्वाराह्य ।

শন্তন ২৪ এ মার্চ। পাত রাজিতে ধ্যাস शिष्टित । हरवष्टे : इ करिन्द्र मार्थिय वर्तन प्यात . কেনিয়ান ক্ষেদি ছাড়িয়া দেওয়া গ্ৰহম ( हेत्र **कांडर**शङ **न**्ह्।

গভ কল, মন্ত্রিসভার আবা,ক্ষতা করি সময়ে স্ঞাট নেপলিয়ন এক বক্তৃতা করিয়া বলিং'ছেন, প্রজাগণ যথার্থ ও যুক্তিসক্ত हित्स्रित (यहेन्छ्। कतिर्वत, ए इं। इतिकार्थ কর্ম আনত্রশ্য অংবশ্যক চক্ষ্র কেবল বিপ্লবসূচক **७४। भन्दलंब (मर्वादन कड़ा) कहें है।** 

२० धमार्छ । भारतम्ब स्मय हिस्तितास्य প্রকাশ করে, ভিন ব্যক্তি বিশ্রোহস্থচক বক্তা ভা করিয়া হাজতে গিয়াছেন। এমত জান্তেছি ंकाली सङ्घ⊼ अध्यः শৃত ३≩ग्राट्छ।

अभाव कामान व्यवस्था भारतम महेरक আণ্ট ওয়ার্শ পর্য, স্বারল প্রয়ে চালাইবার নিমিন্ড এक अपनी स .काल्लाः न जारनम्य कविद्यारहत । লরেস \* উপাধি ২ইয়াছে :

भारतमा व्यथाराज्य (हेलिआहरूत स्व 📲 মাইল পরিমানে ভার সমুদ্রে (ক্ষপণ করা হইয়া

ছিল, ভাগরে পুনরজার হইয়াছে।

স্পেনের ফুডন শাসনপ্রবালীর পাও ্লখ্য প্রকাশিত ছইয়াছে। ইহার প্রধান ধারা গুলিন্তে এই স্থিন ২ইডেছে যে, এক ব্যক্তিকে রাফ্রা করিয়া সেনেটাও প্রতিনেধিসভা কবিয়া যাবভীয় লোককে প্রভানিধি মনে নীভ কর बात कमाणा (मध्या कर्डवा)

२৮ এ शार्ड : (ल्ला) नह (मय मा नाराम क्षकान कर्। प्रका सहा । करत मानारन अक्रि कालिके (১) वस्त्र भुक्त **১ট্যাছে। সাধারণ সভাতে আবেও বিদ্রোছ** মুচক বক্তাড়া ইওয়াড়ে পারিসে আর কয়েক क्षत्र भुष्ठ इंदेश (इस) क्षत्र कर्णाल वाक्षि मान्याद ক্ষরিভে আঙ্গেন, মহুধ লাবালেট ভার ভে অস प्यक्त क्षेत्रगढ्म । अनुकारी भटन नियुक्त धार्क ৰার ছাইনের যে পরিবর্ত্ত কবিবাব বিল बाट्य ब्रेकाद (भटनट)त । खाता विधिवक हरा. রভিনিবিসভা ভাগ অরাণ করিয়াছেন।

> ७ • अ मार्फ । प्रक्रमण ( है। का न पार (कांश्र व बार्बहें (का)रवाद कारवार्थ । बच्छत (लाक मगर्व क ভর্মাভিকেন । কিন্তু উ'হাদিলের ফটতে । কান 有一個 本質 不 一章 "

महावाध प्रजीभ दिए। महाराष्ट्रीत अक अस वाक्षित्केर क्षेप्राह्म

(১) ভনকারখন ভূমপুর্র রাজী ইনঃ ,বসাধ পিতৃষ। কলেন। ছেনি ইস্টেবলাকে পদছুতে कारव ह निष्मेख विद्धी ही कड़ेग्रा कह काल गुष्क कतिप्राकित्समा विश्वादा व्यक्षकत मित्रक किन्द्रे बला नर र

মহানার
তথা হইতে জলিপুর
১০॥ মাইল মধ্যে
জলিপুথ হইতে বহরমপুর
৪৬ মাইলের মধ্যে
বহরমপুর হইতে কাটোরা
৫০ মাইলের মধ্যে
কাটোরা হইতে নদীরা

৪৬ মাইলের মধ্যে ২ ৩ সন ১৮৬৯ সালের ২৯ এ মার্চ তারিখে , বহরমপুব গঞ্চঘাটের ফালের মাপ।

कृष्ठे इंध्रि ७५

বছরমপুর ২৯ মাক্র | জীয়াক সি ই, উইক্ল একণি কিন্তানৈ ইন্ধিনিম্বর নদীয়া ১৮২৯ | লোকাণ বিবার ডিবিজন।

হিন্দ্ধবিল্যী এক ব্রহ্মণ খিন সন ১৮৬৯
সালের ১৫ মার্চ সোমবার সাঁইথিয়া ইটেসনে
নিমাভিমুগ ৮ নং রেলগাড়ি হইতে পাতিত
ইইয়া হত ইইয়াছে, ভাহার অবয়বের বিবরণ।
নাম ধান অফাড। কুঞ্বর্ন। ব্য়ংক্রম অমুমান
৩০ বংসর। আভাবিক আকৃতি। বসত্তের দার্গ
এবং নাকের উপ্র ইইতে কপাল প্রত্তের দার্গ
ভাবং নাকের উপ্র ইইতে কপাল প্রত্তের দার্গ
ভাবং নাকের উপ্র ইইতে কপাল প্রত্তের দার্গ
ভাবং নাকের উপ্র ইইতে কপাল প্রত্তের দার্গ
এবং নাকের উপ্র ইইতে কপাল প্রত্তের দার্গ
ভাবং নাকের উপ্র ইইতে কপাল প্রত্তের দার্গ
ভাবং নাকের উপ্র ইইতে কপাল প্রত্তি করা।
ইহাতেই লাইছের হল হল সে এই ব্যক্তির নাহারে
ভিলা উইবে অলে একটা স্থবর্ণ এবং একটা
রূপার অলুরীয় প্রাপ্ত ইওয়া নিয়াছে।

গবর্ণমন্ত বেল এ- য পুলাদের এলি স্থান্ট বন্ধান্ত ই জেনন্দ্র ব্যাহর আয়াক্ত বিভাগ বিভাগ স্থান্ত বিভাগ স্থানী ্ স্বাক্ষরিত ) কিউ, ছি, পাসন্দ কান্তোন আসি ষ্ট কি ইনাস্প্রির জেনেরেল

করণ এনে চিকিৎসাত্ত্ব।
করণ এন সপ্রস এও হাকটিস
চিন প্রচীপত্র স্বলিড ৮ পে,জ ফর্মার
তিন পূর্তা উত্ম বাবা মূন্য ১০ টাকা ভাকমা
স্থা সভিত্র স্বাবা মূন্য ১০ টাকা ভাকমা
স্থা সভিত্র স্বাবা মূন্য ১০ টাকা ভাকমা
স্থা সভিত্র ১০॥০, জীল্পাঞ্চান মূথে পাধ্যের
এম, বি, কর্তৃক সংগৃহীত। যাহার প্রয়েজন
হইবে, কলিকাভা আলবাজার হিন্দুহটেল ২৮৮
নং ভবনে জীগুরুলাই চট্টোপাধ্যার মহাশ্যের
নিক্ট ভব্ত করিলে পাইতে পারিবেন।

िट्रिशिक्ष कि कि । १ २३ व देवज स्थानवात ।

वाद् अनम्भात्र वाक्ष्यत्व उद्देश्यत्र

मकलभात्रे (भाव इहेशा निशाटक । वायू अस्ताहन केक्ट्रिक करा ७ कारनक भारत ठाकुरतत शताकत स्ट्रेग्राटि। ख्वारनेस्य वोष्ट्रक मकलमात्र ममुबाग्न वाग्न নিতে হুইবে। প্রধানতন বিচারালয়ের ইদানীন্তন ভাব দেখিয়া আমাদিগের পুরের এরপ অসুমান হয় নাই যে, এপ্র कांत्र विष्ठांत्र इहेटव । द्वांध इत्र, व्यनदत्रन ফিরার সাছেব বিচারপতির আসনে উপবেশন এবং আভবোকেট ্জেনরল কোই সাছেৰ উইলের পক্ষমর্থন করা তেই এরপ ঘটিয়াছে। রাজা রাধাকান্ত म्हित्त डेरेन ७ अग्रकानीत मकक्रमात বিচার দর্শন করিয়া প্রধানতম বিচারা লয়ের উপরে আমাদিণের নিভাগ অনান্থা ক্ষাবাছে। জীবদ্দায় আমার বিষয় আমি যাইচ্ছা তাই করিতে পারি, অন্য কথা কি জলে ফেলিয়া দিলেও কেছ নিবারণ করিয়া शांत्रम मा : किन्हु एष्ट्राकाटन (महे क्स য়ের আমি বথেক্ত বিনিয়োগ করিলে निम्न स्टेर्स ना, देशंत जूना चाहु ज দি**দ্ধান্ত আ**রকি **আ**ছে? হিন্দুশাস্ত্র কারেরা স্বত্বের যে লক্ষণ নির্দেশ করিয়া हिन, यनि ग्रिक्टिविनियां शक्त्रका ना অনুপ্রম হয়! যিনি থাকে, তাহা . বে বিষয় অজেলন করেন. অথবা সে বিষয়ের অধিকারী হন, ভাহা চির অনুথ সমু থাকিয়া নিজ বংশের নামরকা हरा, ब्लियु भाटजबरे अरे रेष्ट्रः। काटाद বিষয়ের রক্ষণাবেক্ষণ ভার সমপ্র করিলে অথবা কিপ্রকার ব্যবস্থা করিলে ! विषय तका इस विषयाधिकाती रामन वृत्तिरङ भारतन, घटना स्मत्रभ भारतन না। এরপ ভালে বিচারপতির নিজ ইচ্ছামত উইল অগিজ করা যে কতদুর

নানা থান, কোন ত্র

হইবার সন্তাবনা নাই।

অপর, সদাশায় ব্যানি
ও চেন্টা এই, সমাজন
ভোগ প্রবল না হয়। ব্যান

হইলেই সমাজ উৎসন্ন হইর।
কিন্দ্র জন্মকালীর মকন্দমার নিশ্ব।
দর্শন করিয়া স্পান্ট বোধ হইভেছে,
ব্যভিচারের প্রভাগ দিয়া হিন্দু সমা
জকে উৎসন্ন করাই অত্রভ্য প্রধান
তন বিচারালয়ের উদ্দেশ্য।

भाष्यारक्षत लाफ (मित्रव ख विद्यमिशलस्यव खेलसम्बर्गः

-----

মাক্রাকের শাষনকর্ত্তা লাড বিপি য়র বিশ্বিদ্যালয়ে পাঁচ জন উপদেশক 🥙 নিয়োগের প্রস্তাব করিষাছেন। প্রথ ব্যক্তি বাটীপ্রভৃতি প্রস্তুত করিবার ও কলের বিষয়ে, দ্বিতীয় ব্যক্তি পদার্থ ও রদায়ন বিদ্যার বিশ্বয়ে, তৃতীয় ব্যক্তি ইতিহাস ও সাহিত্যের বিষয়ে, চতুর্ 🖟 बाक्ति स्क्रां किय विवर्श क्षेत्र আইনের বিসয়ে **উপদেশও भिका** দিবেন। এই সকল লোককে উচ্চতর বেতন দিয়া মাকাংশম্বে ইংল্ও চ্ইতে খানয়ন করা ভাঁহার অভিমত। শাসন क्छात हर जन मन्नी ठाँशत अखाद्यत মূল যুক্তির অনুমোদন করিয়াছেন। কিন্তু উপদেশক্ষের কর্ত্তব্য কার্যেরে বিষয়ে 🦠 मङ्ख्यो, इरेशाइ । अक कर बहुतन, बाजी প্রস্তুত করিবার উপদেশকের প্রয়োজন নাই; আর এক জন দংক্ত অধ্যাপক . নিলেপের প্রস্তাব করিয়াছেন। এবি-ডিরেক্টরের गानु (खर জিজ্ঞানা করাতে ডিনি বলিয়াছেন, এ বন্দোৰস্তে কতক্তলি টাক! রুখা নট্ট

্ব্যর ⇔ તું . . ब १ इंडे:अाम अ वात्म প্রণালী আছে; কিন্তু । र्याप याउँ खिट्टा इहे ্ৰ তাই। ইয়া নাই। শিকা मविद्यात उन्निष्ठि ना क्ट्रेटल विश्व ात डेलरन नक व्हेटक का क इश मा। भाषेवन मार्क्द स्टूलन जिल्हा (इन्युनिर्धात परिक **जात, हेडे**रतारिक डेल तम्य विदात त्य अलानी बाह्य, जाहा उठ्यानी। नरभद्र क्त्रुआही क्टेर्ट ना। वर्षभाग अवस्था विषयहमा करिएस अवस्था ष्यतक इस्टिए गा। षाहरावत उप त्रनाटचनोट इंड जाहात भागीका इहे-(७.ছ : अवः। शिक विकश वानमातः ; लाजभन विकृष्टे खनन करतन ना। छै। धार কেবল গুত্ত পাঠ করিয়া পরীক্ষা দেন : आर्थि यात छाटलम खावन ना करिया পরीका मि। ११ निश्रम इश् कता वाहेन (व्यान मृना इरा।

श्राचार वंत संक्रिमा कि १ क्टाइक्कन के দেশক করিলে ইতিহাস, বাহিতা, বিজ্ঞা भित स्थ डेक्टछत निका क्रहेरन, याव डीट বিদ্যালয়ের ছাত্রগণ তাহার ফংছোগী - क्रडीट्वस । अभरत श्रीकिंगारिया १८८७)क वित्रहार विभिन्न अक अक खन जासा श्राकत व्यास<sup>्</sup> अन्, दिश्वदिर्तनाद्य छेशाल च ह इन्देश करेनकत विष्यात्तरस्त्र (पहें रग) विवादयह क्षणात्रभटकर मिश्मिक 🕽 ४५६मन्छ त्य भावाय (प्रवाधान भाषित्य ना। दक्दण बात मन्द्रभार ११ जिल्लाम मिन अहे । उद्भाव अन्या हरेण अंदर, नेशांड व्यक्तिके विना हिन्द्रेना क्ष धायना नाहै। साह द्रा निक्ः **भट्य (क्**रमभाज शहरण करियोर्डन, **डे। शंदा ६४** (करन ७ भएन चार्य करिया लाजिका माज करिएक, इठा राह्न নই স্ভাবিত নহে। তবে ক্রিটেরির বিশ্ব শিক্ষা ও অধ্যাপকনিয়োদ্বের বিশ্ব আছে, তাল অভিযুগ্ত পকিয়া যদি লাভ নেপিয়রের প্রস্তাবাসূরপ কার্বা হয় তালতে আপতি নাই।ববং তালতে বিশেষ উপকারলাভসভাবনা আছে। কালেজে যে শিক্ষালাভ হইবে, বিশ্ব বিদ্যালয়ের উপদেশকের নিকটে উপ দেশ আবন করিয়া কেবল যে তালা মার্জিত লইয়া ডঠিনে এরপ নয়, মুলন মূলন বিসায়ে জ্ঞানসাভ লইবে। ফলতঃ লাভ নেপিসারের যদি এটা অভিপ্রেত লাভ কেরা অনুব্যাক।

অচিহ্রিত কর্ম্মতারী প্রাণার প্রক্রান ৮ मख्य है जात उनमीत नान्द्रभन्दे आख লিরাছেন, নিন্নতর শাসন ও অচিছিত विषादकार्या (यमकन कर्यकारी नियुक्त आर्ष्टन, ee वदमत वश्काम क्टेटल उँ। হাবা আরে পদস্থাকিতে পারিবেন ग। (य ऋटल (र्छेडेट्सटक्राडे) वि. विटम्बर वाखा निर्वर, महरत व निराम शाहित ना। এই निमन्त यावजीय कर्यहाती? বয়ঃজান ও কার্যাকাল জানিবার নিমিত দৰ্বত্ৰ এক এক তালিকা ১০বিড হই-য়াছে। ১৮৭০ অকের জালুগারি অবহি এট निक्षानुगाद्ध कार्यः **आहार्यः ह**हे (४) चरनरक श्र**िमित ह**िथा है। हिन াশবিলিড়ানেরা ৩৫ বংশ্রের অধিব काल काळ कर्रहरू शाहरत् ना ; बाईगार बिरुभार्त **केंद्राती ५८ वद्भरत** कार्य व्यादश्च करतम, ७० वदमरतत्र नगरः डीवानिगरक अम्डाभ करिएड का। चिक्ति कर्महाद्विधान शर्म क निध्य न। कृता भूनतात , यो हावा विकास वर्दन ऊँ।इ:फिर्शद अधिक वृह्यक्त इंडेट्स वडर काक चातल जात हा। देश ए अ वार न বিচারপতি হয়। ভাকর বারিউটন ১০ বৎসর বাংজানকালেও আইনের কুটিল ভর্কের মীনাং দার দমর্থ- হইরাছেন। প্রিবি কৌলোলের বর্ত্তমান জলাদনের সকলেই রন্ধ। এদেশে ৬০ বংশরের মধ্যে কাছারই বুদ্ধিলাস হল না; প্রভাত ৪০ বংশরের পর অব্ধি ৬০ পর্যান্ত বুদ্ধির পরিণামাবস্থা হল। অত-এব ৬০ বংশরপর্যান্ত সীমাকণা অভি শার কর্ত্তবা। বোধ হল কর্মচারিপ্রণ আবেদন করিলে প্রণ্,মন্ট ভাহা প্রবণ করিতে পারেন।

> - अटरजनीम उद्घेतिशालीस केक्क नगुरतन्।

এडम्मोत इक्षिनिहहशागत अपि নে অবিচার হইয়া থাকে, তালা কালা রও অবিলিত নাই। যাঁহারা আমানি গের ভন্নতির পাথে কতীক কেপেনে অনু वाशी, डाँबारा विलद्हरहन, अठरमणी. स्तर। डेलशू छ इहेटल प्रमहिट्छेट अ ইঞ্জিনয়রের উচ্চাদিগের উন্নতির নিমিত গ্রণ**্ম টাক অনু**রোধ করিতেন। गक ल ना कक्रम काम क्यांन क्यांत्र क्यां एउन्हें हेक्किन । त्र बाहे अनुद्राध कतिया ভিলেন; বিদ্ৰ গ্ৰণ্মেন্ট ইছা আছা स्टरन महि। अष्टरमनीत हैनिश्चितियन किरम अञ्चरपुक्त ? विश्वापनः। वरमन, ं शिनियत कहेरण भक्तेणा शितिकाम कितिएड कर, काडरफमीरहक्ष छाहा श्रीरतम गा। **िक हु এकथा। मण्युर्व व्यञ्जलक**ः यथा**र्थ** পরিপ্রাম এডেন্সেনী। কর্মচারীরাই করিয়া भारकन । सङ्क्त मः श्रह, कःषे । छे वभारत व कुर्क डानिकाइन, मकल विषय एड:क नर्भन এमकल कांक अटल नीत है अनि युवभव हरेट छुटे हहेता पाटक। हेडेरब्रा भीरशता हिमाव शक्ष ठ कतिया क्ले छि (प्रम এवर मकल को अ हहेश (अटल এक वांत मर्भन कतिक्षा जाहेबुमन । इंडेरताश ६३: **७ (यमक्ल इंक्शि**शंत

वय कृषाभूक्तक, जामात अरहरण दह्यक्रामी युष्टा का भारत अव महार्भ **कार्य**्विषादमञ्ज कामार्क बक कालीन ३००० धर मध्य होना हाल के ब्रह्माइका मूर्वकाल मन्यु (ये कमाथ দিলের ৰক্ষু াৰপদাপন কাঞ্জের বিপছকারক, भहन्नः चका छत्रः, वरमरभन्न ः इटे छवीः, मर्तिनाधाः व ब्रुट्न छेलका अम्मनामान स्वयंत्रत, धनमञ्जू 🛾 ष्यह्रकादश हर्भुमः अवर धम 🗷 🖷 वम प्यक्तिर 万人本 一方、万つり、下る शह जाभकावशकु प केंद्रिया, केल्या कान क्षी नरभव क्राह्मन, भीकात व्यक्तः करून त्य क्यानं कारन श्रीत পূর্ব, উলিখিত দানের বাণা ইং। বিলক্ষণ প্রতি । তাহা চিন্তা করিয়াও জানা যায় না। **लक्ष ६३**८७८७ । सथन . अक्षानि . स्टेर्कुडे মুদ্রাঞ্জনাপ সূর্যাকান্ত বাবু আহাজনৈ ১০০০ এক नहत्र्य है।का धक्तादर मान केविश्वादका, खर्चन উল্লিখিত সদত্তগপ্রস্তুতে যে 'জাঁহার জ্বন্তী क्यूब विकृषेक युक्तिशता हैशे क्यान है सिक्ष ख कतिए७ ३३१व । ,च.२ हु भन्छन्म न्नेब्रह्म वा हहें(ल ज पक पान श्रोहा चलवर्जे हम्रोती।

बिक् प्रयोक ख वायु अवगर म मध्य भूमी व्याधारक श्रमान ना क ति कत, जाहा इहेरम (मेख স্থানী কাৰ্য্যনিধানের অবলিষ্টাংশ कतिया अन् चानि नगायन कहा जागात नामा জীত হটত এবং প্রথম ও ছিডীয় পণ্ড মুক্তাক लाभनका काम स अविवास क्रिसाकि, तिहे अभूषाय राशः घारा किष्ट्रे कम शाक्ष रहेलाम म!। प्रतिकाख वाबुध कक्षवा**ई व्यायात म**ेल्येशेफ এতু সমাপনের নিনান ভূতে আত এব প্রহাকীত ব'ব্রস্থীপে আনি ছিরকালের নিমিত্ত কুত का अभारम हक्त शानियाम।

भाष कारीनश्रावत निकार काश्रमदमावारका श्रापंत्रा এই, प्रपंत्राष्ट्र वायू तिश्रजीयी इप्टेन ह अवर मधरत प्रभएत उँकात खाता चटनटमात किन्छ भाषन, मापातर्गव अवर वां छ ब्राय्यत छेल কার্যস্পাদন ওপুর্ম রাজালা বিভাগের মুখ पुष्पान २५ का मकटन देश्वत छा। वसीकुछ হইয়া আজীবন যদাঃকীর্তন করক এবং তিনি (यन गक्टलत क्षनप्रकाञ्चन हरेया प्रभावयाका बिकाह करन्त ।

পরিশেষে পুর্বালালা বিভারনিবাদী জনী णांत महश्च।दनत मभीदल किञ्चित्र निद्यम्भ कतिया ঞুই প্রদক্ষের উপসংহার করিভেছি।

छ ले चित्र अमेशिय महासम्बद्धितात समीदश न'स्रव्य किरवहत उहे, डाँक्'ता मगरत मगरत कि। भारतात रहेट कि. भर कारक रहेका कामब नहम निकात के किएता के बकी शक्त के किया बहे जाया मानित शिर्णि

यह क्रीहरू बाबू क्रिकाण आहे हैं। हो ब्राह्मिट्स अविकास बाबूद असारबद आहे हरे में काल । क्षांकातः च में अर्थ, काल वाकूतः नाम नरकार्वाः भण्याः प्राप्त व्यञ्जनात् इति, काला विदेश किएएस षाता कामरलाइ कछ केन्नाधिमाधनः आनमगरकाते कड मनकत कार्या 'मन्नाम्ब स्ट्रेट्स, 'छारा' व नशा (भव कांबर्फ माबि मा এवर है। होता छ माभावनमरीरम बर्गाल क्षांडमांच मान कविश्वा পর্ম **সুখী इहेरवस मराम**ह नाहे। (ভাগাই**ল**।সী **प्रभेगात प्रकाशास्त्रहा कि क्**कवात्र मान**ः क**रिन ना (य अहे स्नीयम छ धन क के क्रियत । डाँशाता ्य कि नि मख प्यन्त्रः अन्तिनामनित्र विष्यु अगड था<sup>∶</sup>कथा मरकार्का উर्लका कर्रस,

The state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the s

ক লক ভা একান্ত অপ্রথাত ३२१६ ! माल 🕴 গ্রীরামচক্র তৌমক।

--- ? = 5----

महानग्र ! व्यमारम्य अहे श्रिविष शिक्ष থানিকে আপনার বিধ্যাত পটারকপার্যে স্থান मार्टन वाः धक्त क तर्वन।

সাদের জেণতিঃ কিছুতেই আছন রাখিতে भारत मा। এङ मिन कामारमन अहे कामिम সভা ভারত্ভামকে পৌতালিকভাত্রপ তমে: রাশিতে আঞ্চলকরিয়া রাখিয়াছল। কিন্তু अकरन महे जनानि, जनस्त्र, निर्दिकात, निरा ময়, নিরাকার, জ্যোতির্দ্ধয়, ভুষার সভ;খুরূপ জোডি:প্রভা দিন দিন এই ভারতযাড়াকে সমুজ্জনিত করিতেছে ৷ লোক ক্রমে যভই সভা भवनीएक क्रिंगिश्व क्रिंग्रिक, एएके भीज লিকভারণ ভ্রমজাল ভিবেছিত হইবে স্ফেচ্ मारे। (गरे : मार्गककात मूत कर्ततात समा ভাষা ধর্মের স্ক্রাপাত ক্রয়াক্ত।

- मण्याप्तक बर्गाम्य विश्वास्त ५५ ७ ए।सूज বরা**হনগর**র महागमादताहभू र्राक अधानकात বাকা মটোদয়পণ একটা বাকা মন্দির প্রতি ষ্ঠিত করিয়াছেন। ইহাবা ছই তিন বংসর ্র্যান্ত কোন প্রাক্ষ আভারে আন্তেই উপাস নাদি নিৰ্মাচ কবিদ্ধা জাসিতেছিলেন। সম্প্ৰতি একটা ইষ্টকনি শ্ৰেড প্ৰনাস্ত সমাজাণ্ড প্ৰস্তুত कविशास्त्रम । ऐकि मिन श्रष्टुः (व वाका भरहानग्र সকল আনাদি ক্রিয়া সমাপনপুরঃস্র পবিক্র इरेग्ना, श्रथमण्डः शूर्या छेनामना क्यारन समन করিলেন ৷ তখন কিঞ্ছিৎ কাল এখান बीगुक मनिभम ब्यम्साभा कांत्र कां हार्थ भाग्य महामय <del>ভো</del>ত্র পাই করিলেন।, खरनाद ब का जाजार। मन्मिलक हैहेबा कक भूगांभाग र स्मानाशां प्र महाभन्न किनामा के

雪村 要 4 এক জীনজীত महामद्वत निक्ष म न्यारत खारमण करवर वर्षेष्ठा क्षयमञ्जः प्रमान्ध् ्नाक्रमक्मारक अवज्ञ कृतिः ार्ट्ड डिएम्स छ। मास्रकारक (यन जिल्ले कामरुवय अभिक 🕬 हरा नुसाहेब्रा मिट्सम् । भारते खान्तिक निरंत्रत विधिष्ठ **चक्र** अक ज्यान निर्मिष्ठ कहा वर्षेत्राष्ट्रिका छथात्र द्वालिहर क्रिनीमकन व्यास्त्रा (भरे व्यनाद्वेषु स मरहरचंत्र भनाव्यप्त बहन करिएनम्। (यस्त्र) क्या ष्ट्रेश्चरत्वर्गाष्ट मधीक ७ शार्यमाद्याता भन्न সুথে মাল্পরে কার্য পন করিয়া ভৎপত্নে সক क्रम हरेल। ट्रेवकार्ल (बना क्षाप्त 🤄 जात मम পুনরায় অন্মিভাতারা মিলিড হইয়া, সমাধ ग्रंटर श्राप्तिमन कडिलन! श्राप्त कलिकान र्टेट<sup>क</sup>्र कान जाका भरहामध् **काहे**रतन नाहे বৈকার্ িকেশববাৰুপ্রভৃতি গাচ ক্ষম আছ কলিক্মিট্ ইইতে আনেদেন। ছযুটার সম . भाग 气 शहन त्र महत्त्र नशासगृह । नश्की 🗷 मात्रक रहेगा धांच ३ चन्हे। कीर्चन रहेदा, फ भरत ब्लीयुक (कमव बाबु (ब्रह्मिट्डे खारत्राह कविरनन । देवकारम डिक्क महाजाह जाहार्या ভার এহণ করিলেন। তিনি প্রথমতঃ জগদীখে निक्रे क्षार्यमा कतिरम्म, ७९भति म्यूपिक्क লোকরন্দকে বিবিধপ্রকার ছিডগর্ভ উপ্রেদশ खणान कः तरङ ना शिर्मन । देशत नर्या नर्याः এक्षे अक्षेत्र मञ्जी **इंह्रेट्ड लागिन। भरत मन्त्रि** वांत् अवनी श्रार्थना कृतिर्वता অদুনে এক্শত লোকের সমাগম হইয়াছিল, **उचारपा धाम्र ३ - स्नन तान्या मजावनशे । वै। हाजा** देरीदनत विष्युषी, खाँशाताल आग्न मखाविक লোক প্রক্ষ্তাৰে থাকিয়া সভক্তি প্রার্থনা ও क्रम्मनानि खादन क्रिजा विश्वनिएक्रमस्य शृह्य প্রভাগমন করিলেন।

फेलप्रशहरकारम वक्कवा **এই एवं कक्क**ना নিধান ভাঁহার এক্সপ ভাক্তপরারণ অন্তুগ शुद्धमणवद्भक निर्मित्य वाश्वन । छनी व्यक्तिव वनः यान्ता ना क तटन श्रष्टातात्र आट्ड, खि वचानके श्रीमधा व्यक्त अहे अवक्रिकी माधावन मभोद्य अंतित कतिएक वाश इडेलाम । अपूक्

नाइन प्रम्**क्रा** 

বর**:২নগর** 

: • \*----

০ ্ফুও অব ইতিয়া। এবাৰ ফে গুলাৰ ইণ্ডিয়া বলাদে

অব্রুমণ করিভেছে 可引作 ার্রাইী ও অনুপযুক্ত এ কথা স্পষ্টাভিধানে भ इहेरहर इ. १ सम्ब स्मृख ऋव हेखिया कान गाञ्चत्रका दाउन्हरू क्षणा प्राप्त सम्बद्धाः सम्बद्धाः ্লেন্তখন ডাছার অনেক বাটা বাদ দিয়া भाग कांत्र ह इंडेरन: अञ्चल राय (मास्त्री) গলীতে দেখা গিয়া**জে, ভাষা সদ্দীত্র আছে** এ ष। ষ্টারা বিশ্বাস কবিবেন, উ। ছাদিগের মহা य कहेरत । रक्ष ७ रव परनंत्र शैविष्ठायक, डीहांबी । সদেশের প্রধান শাক্ত । বঙ্গদেশে কোন উন্নতি। ইয়াকে ভাষা ভাঁষারা স্থীকার করেন না। যাহা হান ভারতব্যীয় জানেন না, উহে'রা ভাহা ানা করিয়া বলিয়া বেড়ান্ ব'ঙ্গালী কর্মচা ্র উপরে ভারতবর্ষের সকল স্থানের (লাক গা! এই মহামভিগণ নে দলেল আন্নটা ্ও সেই দলভুক্তা অভএব উলোৱ নিকা াহ্য নহে। ভবাপি ফেও যাহা বলিয়াছেন যে ্প্রান্ত প্রদর্শন করিয়াছেন ভংপ্রতি এক কালে উপেক্ষা করা উচিত নহে।

कांशांबिर्गत विठातभक्तिभन (य श्रकात डिक् শোণিত ও সক্ষ ভাগতে জুরিপ্রণালী অভি भर धारप्राक्षमीप्र। य ज्यवसाम्र हेश्माटक हेर् ষাধীনতা ও ভ্রনিচারের প্রধান প্রতিভূ হয়। ্মই অবস্থা এ দেখে রহিয়াছে। কামাদিগের দেসিয়ন জভনিগের বার ধান। আইন আলচেন না: এম্বান কভক্ত ল অপক্পাভী লোক मधावसी भारतम ্রাণনীয়া, কিছু 19.01 ममन हैं। लाखे<sup>के</sup> ब्रामश्रीभाष्ट्रीय अञ्चलना किराजात मिया बहुबाबी के क्या अहमर लंख आह्रवहरू हा ह **প্রার স্বর্**দিগাকৈ তিবাসাচ দিলার চেপ্রা **ाव्रमा (केम (क**र्राण काश) आवल कर्मान डाह्र **क्षतमा चीकात** करार अधेदक रिखा (१५) मा**र्वापाद्रका (य (ला**य (४४ (५४) च क) प्राप्तका .विषि इसे डिशिव स्मार्थ मार्ड, १४ में में में नी हम

্বাধ করি, 'মেবুঙ অলম্বশভঃ বলিয়াকেন যে मगर्य मकरल अक्षाकः इष्ट्रधा अहे लग्नीय न करिय । शिक्तिक किरियर्गेक्टलम । खनानीनि छिट्म । व्यामानितात कोटमहेवनन यश व उन्ह उन्ह বিদালোকদিগাকে)জুরর বংগন না। *জান্দ* আদা **শতের দশ ক্রেন্ধ প**রিনের মধ্যেরত প্রেক্তি **्गंद्र मक्ष्र इंडेटल खू**त्व मः नामी 🖰 कर। कर्यदः। নিয়মও এই ৷ কিন্তু কাষ্যতে গণর মহকুমায় কভণ্ডলৈ দেকিলাদার ও মুখ (লাক্তে লওয়) भारतभार १ मध्री ऋष्ट्य ऋभ

ারে জ বল্ল 🔭 আনষ্টকর গ জুরিন। উৎ । আইণ করা গেল । এখানকার জারভালিকার ি**মধ্যু উপন**গৰেধ ভিন জো**শ প**ৰিধিৰ বাহি রের এক জনে জ্বস ১/১ কিন্ বাধাসভ, ছালি সহর, নিবাধই, পালিচাটিপ্রভূতি আমে অভিশয় छैপपुरक लाक कारधन, भृविवीव अर्थ फिला हेशात छिरहकोड नम मा । २८ भवताना, कुछातात्. । যশেহির চাকাপ্রভৃতি স্থানে জ্ঞানিহানা যবার্প विठान रहा, खारा अञ्चलिताक विकास कितान জানা যাইবে জগলী ভারত ছাড়া জেলা। এখানকার ঘেনন পুলিয়, ডেমনি আদি শভ, সেইপ্রকার জুরি। জুরির ভালিকা দেখিলে শতকরা পাঁচ জন ক্তৰিদেরে নাম দেখা याहेर्द्र मा : अगड ऋत्म स्य व्यक्तित १हेर्द हो इ'त नर्मक कि : **खु**वि । **मर्मानी** छ के । भ ভারকোন এতদেন"য় ডেপুটি ম'জিটেটা প্রদান করে, ভেলার যাবভীয় এম চইতে াঘ্যার্থ কুডবিদা কোকদিগকৈ জ্বরুর কর : ভ্রমন प्रिचित्त वाङ्ग्लिमा अञ्चलतित साग्न मकस्या আৰে হইবে না। বেচ্ছাপুৰ্বাক সন্দ লোক লইবে. ভাহার: অন্যায় কবিলে আবার আক্ষেপ কব কেন কেম্বাজাকো বলিভেছি, বিচারশেষ না হইনে জুরবদিগবে ছাড়িয়। (দেওয়া 🕶 র-ডিভে: যেধানে জুরিপ্রধালী আছে পেশ থানে | বিচাৰণ্যভে কছ বালিবার প্রবালী বরাজয়াৰ ; न्यक्ष । अवर्गक्ष ७३ काख कक्षम, एकः । ज्यात অ'কেংশর ক্ষিণ খ'কিংব না। জুবিধাণা লীগত যেশকল সেধি বাহিত হইতেছে ভরিষিত্র कारल हैदराब मात्री । बहे अवासीकी कन किछ হয় ১ ইঙা ইঙাদিলের মনে'গান্ড অভিপ্রায়। এই নিষিত্র ই হবে প্রায় ভালে ।লাককে লন না। ल्यक्त्यके कि डेव्: अवश्र खार्डन ?

----366----

মহাবয়! এবারে ১৮৬৮ অব্দের ব'ললা करतम कांशाक कृतिधनानी जिल्लाहरी श्रीकांस स्मिमीशूव शदर्भाषा !

म उद्भारत और अन्य समामाने इस्तारी म প্রধান শিক্ষক ৩০ জ্রী জি পার্মার্জীচরণ মুখোপা ধায় বিভীয় শিক্ষক ১৫ শ্রীকু ক্রম্মাধ দাস ভূতীয় শিক্ত ৫ জীগুজ উনয়চান সরকার 8 र्य मिकंक e बीपुक्त बट्टमं । ज त म निक् ৫ ও জ্রীণুক্ত প্রিয়নাথ ঘোষ ৬ গ নিক্ক ৫ টাকা করিয়া পারিভোষিক প্রাপ্ত হইয়াছেন। हरा का छमात्र का क्लारमत विषय महम्मह नाहे, किन्त भारत्यां यक्षान्त्री क्षत्रावट्य सुनिधिक २१८ तरे खात इरेफ। निष्मिक्शन किंदू ख्रिक लाईटलई अनिस्मत् विषयु इस।

अकरन स्मिनीश्रुव वाकाला विन्तानस्य हाज भाषा वृद्धि ३७वाटङ श्रुवृद्धित् छ। वश्वकाङा <sup>১ইরাছে</sup> , স্থাতরাং সম্পাদক ডেপুটি ইনক্ষেক্টর अ वेगटार्वाहेत महक्षान सहस्र सहस्र सहस्र होका ग्र ার্থাত হট্যাতে। ছাত্রনত বেতনের টাক। হই-(कई अतिक है। हा खाल क्ट्रबा साम्न **फायित वास** কদের নেকটেও চাদা করা হট্য়াছিল। যাহা **ইউক, যাত শীল্ল কৃতন গৃঙ্টী প্ৰেল্পত হয় ছেতেই** ভাল। মেদিনীপুর বাঙ্গালা।বদ্যালয়ের ভৃতীয় ।শক্ষক শ্রীযুক্ত হন্ধনাথ দাস ফুল ফুসেডে अन्त्री गा॰घा छिक श्री छात्र व्याकाल इरेब्राट्झन, ই:ন অভি উপযুক্ত ৪ ভয় : ইহার এইরুপ সংঘা ভিক পীড়াদৰ্শনে আমধা অভিনয় ছংখিত क्रेग्नाफि. अधार्यमा कांत्र स्वागनीचात भीषा विकादक इन्छ कराम । विषयं मध्येत स्थाल्य स्थान्द्र स क'ना विम्तानग्रमपुराव (क्लाबिरान इनरक्ल्हित ছিলেন, ইনি সেই সময়েই পণ্ডাত নাগ্ৰচন্দ্ৰ उक्तिकाल (४९<sup>मी</sup> इंग**रम्भ**क्तिकाता **अर्**वकात लार्य नियुक्त क्षेत्रार्धन । स्वाप्त ३३ वरमत क्षेत्र, ইনে এই বিদ্যালয়ে কাঠ্য করিয়া অভিনয় क्षित्रिशेल ७ क त्रतार्ध्य ।

মে দলীপুর ক মুগ ভ マル 日前(後) 通: --1000

------

#### कारअन वाबु!

িবারু অনেক প্রকার আছে (ছকু যারু, কাডে) বাৰু, নৰাব বাৰুপ্ৰভৃতি। এগুলি ভাষাদিগের क्रमा प्रश्रु ४ वेट ७ कि श्रम इन्हेम्रोर छन । (छनक) श वालाकिश माधि वेख । ७ जनकाति प्रियोग, सब -মান কেশ ধারণ, যুগাও চিক্কাল তারতা হয় এ**ঙলি ছকু বাৰু**ব চিছ্ন। ফটেছা বাৰুৱ সঞ্জি बाहै, खर्ड राष्ट्र एक का कुड़बाह्नी कर्र एक इंड्रेटर । संयाप वातुंगण यथार्थ धनवान । हेहाता উত্তম বল্ল, উত্তম আহার বুঝেন। দান করিতেও अक्षिक रहा चाउक चामतः वाक्षातिकारमञ्जूष अथम रहतारक कर्तृतिकारक करता करन प्राप्त मरना अक खेरम अवन

রুশীয়া ও পারসাের উপরে তিনি স্পান্ট বিষেষ প্রকাশ করিয়াছেন। তাহার দাহত নৈত্রী করা জিটিশ গবর্গনেন্টের একান্ত আবেশাক। টাহার সহিত নৈত্রী দূদবজ হইলে রুশীয়ার প্রদর নিরারণের সম্পূর্ণ সম্ভাবনা আছে। দরবার গুলি অর্থক্মের একটা প্রধান হেতু। এই হেতু আমরা ইহার অনুরক্ত নহি; কিন্তু আমরা মুক্তকঠে কহিতেছি, এ দরবারে যে বায় হইল, তাহা বিফল হইল না। দিয়ার আলির সহিত নৈত্রী হইলে পরিবামে একটা মহুৎ ইন্ট ফল লাতের সম্ভাবনা আছে।

--- ; • ; ---

धाखा

শুনা যাইভেছে, এখানকার প্রধানতম বিচা वालश्र अव्यक्तांनी दनवीत मकप्रमाष्ट्र व्यक्तिकार করিরাছেন, চাঁদা করিয়া তবিরুদ্ধে প্রিবিকৌ नित्त वाशीन हे दि। अपी करा चित्रित वार माकः। करत सामानिरंगत ऊँछत्राधिक रिवर অনুরোধে নহে, সমাজের ধর্মনীতি রকা নিমিত্ত আপীল করা অভিশন্ন উচিত। প্রধান তম বিচারালয়ের বারিষ্টর বিচারপতিদিগের একটা রোগ জন্মিরাছে। ভাঁহারা ভাবেন अटमभीविनिटशत नामाकिक चाठात वावशादतत যত আনাথা করিতে পারেন, ততই ভাল হয়। এক জন বিচারপতি অন্তঃপ্রস্থ স্ত্রীলোক पिशक (प्रवश्नानी जिक्कीएज स्वत्व पिएज উদাত হইরাছেন। আবার কতকগুলি সিদ্ধান্ত করিরাছেন, খামীর সম্পত্তির অধি का ी इहेबा वर बाट्ड खनहडा निर्दित কোন দোষ নাই। চিন্দুশান্তকারেরা পিও मान नि मासूगादत धनः धिकातवावस् । कतिश ছেন। ব্যক্তিচারিণীর পিওদানে ভধিকার নাই। তাহার মৃত পতির পিওদানে সামু রাগ প্রবৃত্তি হইবারও সন্তাবনা নাই कत्रकानी (य खड़ी ज:शांत महम्म साहे: খামীর মৃত্যুর পর তাহার কন্যা হইরাছে: তথাপি বারিষ্ঠর বিচারপতিগণ এই জ্রীলো करक नक्षाहित अधिकातिशी कतितारहन।

এই জালাবার হিন্দ্রসাজের বার প্র নাই লবমাননা করা হইয়াছে। এই জাল বলবর্তী থাকিলে বেশ্যার্ডির জাতান্তিক প্রান্তর সন্দেহ নাই।

আমরা প্রধান বিচারপতিকে একটা কথা বলিভেছি, হিন্দু আইন ঘটিত মকল্পমা উপ িত হইলে এক জন সিবিলিয়ান ও এত দেশীয় বিচারপতিকে সন্দে লওয়া অভিশয় আবশাক। বারিষ্টরগণ দার ও সমাজ ঘটিত বিহরের যথার্থ বিচারে সমর্থ নহেন। তাহারা সম্প্রতি বে করেকটা বিচার করিয়া ছেন এদেশের পণ্ডিতমণ্ডলী ভাহার এক টারও অস্বনোদন ক্ষিতেছেন না

------

# विविध मर्वाम।

३१६ देव्य (म'मव'द ।

পোর্টকানিও কোম্পানির সুক্রবন ইজারা বাইভেছে। এই ইজারাতে কোম্পানির এক লক্ষ টাকা আর হয়, কিন্তু গ্রেব্যেন্ট ৯০০০ টাকামাত্র লাভ পান। লোকের অভিনয় কঠ হওয়াতে রেবেনিউ বোড ইজারা ছাড়াইবাদ নংবাদ দিয়াছেন। ইজারা গোলে দ্রিভ্র লোকে বক্ষম করিয়া বাঁচিবে।

कारलाशास्त्र ताका सीमतानांत ठाक्रतः काञ्चनित्र वारक्षकाञ्च कति श्र जिल्ला । हेगत कार वार्षिक ४०,००० होस्य । ठाक्य गवर्नस्मात्त्रेर सक्टो काशील कतास्य ताका कार्यात्रत शाक्षिश प्रस्त वार्षिय हरेशस्त्र ।

विकाली वर्तन, वहत्रअनुद कार्तास्त्र क्रथाक श स्था मार्करवर क्षम् द्वार्थ स्थानात्र स्वित्रांत्र स्था मार्का मिम्राहित, वार्ण वा श्रीका निम्नाहित्तन भाष्मी मिम्राहित, वार्ण वा श्रीका निम्नाहित्तन भारत क्ष्मित्र हास्त्र खित श्रीका निम्नाहित्तन भारत खाहेन स्थानहरू स्वाक निर्देश स्थान व्यापत स्थानात्र श्रीका निर्देश श्रीक वा स्टेशिट मिर्गास की कमाहित्स कि स्थान हरू ना १ विश्व क्ष मान्तर हास अभ होना हम्माहित स्थानित

ন ওয়াখালির সিবিল সার্জ্ঞন ভাজের ভুরাও বাবু জগদীশনাখ বায়কে প্রহার ও অপমান করাতে উ.হার ফৌজনারিতে ৩০০ টাকা ভাশি গানা হয়। মুলেক ক্ষতিপুরণ্যরূপ ৩০ টাকা ডিক্রী দিয়াছেন। আমরা আফাদিত হইলান এই নির্কোষ গোয়ারকে দেওয়ানী চিকিৎসকের

হয়, প্রস্তুত করিবার বায় কিন্তু ইঞ্জিনিয়র সং আচ্ছাদিত রাখেন; কিছু সাৎ হইরাকে। রেজুনে সং বাটীব ভাদ হইতেছে, এম ভাজিয়া পড়িলা!

চাকরে জে, এন, পোগস স<sub>্ত</sub>্র বারিস্টর ছইয়াছেন।

ভেলিভিদ অবগভ হইয়াভেন, লেপ্টনাউ গ্ৰথন পুনপার ছই জন এডজেশীয় সহকারী নকেটারির নিমিত ভারতব্যীর গ্রেণ্ডের নকটে প্রস্তাব করিয়াছেন। শাসনবিবল্লে প্রমেশ দিতে পারেন নিম্ভর শাসনকার্যন বিভাগ হইজে এইপ্রকার ছই বাজিকে মনো নীত করা ব্রেসাহেবর অভিথেত।

অয়'লা হইতে নিয়লিখিত টেলি**গ্রাম আসি** য়াজে--

'' २१ এ मार्क मनिवात ! शवर्गत : व्यनत्त काहर ্বলা ৬ টার সময়ে উপনীত হট্যাছেম। আজি सत्र नेमारदारह ऐंग्हारक खहन केत्रा हत् । द्वालखह्य . ্ষ্টসন চইতে উত্ব প্ৰায় এক ক্ৰেণে পথ চুইবেৰ : ইংগর উভয় প'ৰে সৈন্তাণ দণ্ডায়মান ছিল 🖂 উত্তম বল্লে শোভিত সহচরদিগের স্কিত গ্রহ ৰ্বত ক্ষেত্ৰত ক্ষেত্ৰত হল। পাতিয়ালা আহক (कार्छ। छ जाना जाना बाटजाव देशनाता अभागाता উপস্থিত ছিল। ১৪এ অব্ধি আনীর সিয়ার कालि এখানে উপস্থিত রহিয়াছেন। অন্য সদ্যাস্ত न्यास्य महोन्यारतारक पत्रवातः कृष्टिया खाँकारक अइंग करा स्टेरिं। विख्त लाक्ष अवानाष्ट्र शहन कविष्ठार्टका। कात्र स्वचीत्र (तक अर्थ मक्ते গুলি নিয়মিত, মৃমুদ্র ছট্ছটিকাপরে উপনীত #केट्डिएक। आहे भिश्विष्ठ खगनकदिनान्तक अक. वाजि वाक्षित्रवाम (हल शहु प्रश्चवक्षाम অংশেশা কৰিছে হছং ১৫ছং ভানেক দেও পশ্চতি পশ্চিমা থ কাড়েড লোকের বিলেয प्रकार के किएक एक । य

বিচাৰ মাৰ্চ ব্ৰিবাৰ। গাল কলা সহসেমা বাহে চৰং লৈ হয়। আমীৰকৈ যেপ্ৰকাৰে প্ৰহণ করা হয় ত হ'তে জিনি বিশেষ সংঘান প্ৰকাশ কহিয় ছেন। উচ্চাকৈ প্ৰহণ কৰি যে সময়ে। গ্ৰহ্ম কেনৱল বলিয়াছেন, '' আমীৰ সিয়াৰ। আলি খাঁ। মহানিটন ও আয়ার লভেণ্য हिका करा है आ का मारा प्राण्यात का प्रमार प्राण्यात के महाना का मिर्गार र अपना स्थान का मिर्गार र अपना त ना का मिर्गार श अपना त ना ना का मिर्गार श अपना के महाम के महाम का महाम र करा के महाम का महाम का महाम र करा का मिर्गार का महाम का महास र करा का के महाम का महाम का महास र करा का का मिर्गास का मिर्गास का मिर्गास का महास र अपना का महाम का मार्गास का महास का मार्गास का महास का महास का मार्गास का मार्गास का महास का मार्गास का मा

চাকংখাবিভাগের প্রধান ইনজেপ্টর ক্ষেত্র রাজ প্রভাগে করিলে একাজে কোন স্তুভ্ত বং ভাবে নিচ্ছে করা হইবে হা। করিবা প্রোভানও নাই। এই লাজে পুলিম ইনজেপ্টর জেনাবারে বিবাধ দিলো কি ভাল হয় না ?

#### ८७ हे टेम्ब मन्लयात् ।

শুইকুমার দেছলক্ষ টাকা যায় করিছা বোষাইছের গণ্ডের মাঠে রাজ্ঞার এক এন্তর্ মনী প্রতিমূত্তি করিয়া দেয়াতেন। প্রতিমূতিটি ইংগ্রন্থ হুইছে আন্তেখ্যে। কাচ দ্রিদ্র লোকো গোকগোষণ নরিয়া এই প্রতিদ্র বিটী করা হুইয়াছে, উল্লাভার আধকত্ব রাজ হুইনে সম্পেহ নাই।

ন প্রতি পেণ্ড নগাবে অগ্নি লাগিয়া ৪৬৮
খানি বালিও ৫২,০০০ টাকাব দেবং নাস্ট চই
চ ১০ ১ জালাপেশের আক্রিংশ বালী কার্চ
নিংমাত র লগা ৭.৩ মানি ব নাবং এই ১ ঘটন
ঘটিয়াতে। আবালতের যাকুলার কার্পাল শক্র নাস্ট্র চন্দ্র জালাতের স্বাকুলার কার্পাল শক্র নাস্ট্র চন্দ্র জালাতে। জ্বাল অগ্নিত দ মার্বার নিয়ন হওয়াতে তথার অগ্নিত দ্বর ধ্রীয়াতে। জালাকের স্বীর এই প্রকার করা

ভাষরা শুলিয় ছংখিত ইইলাম, ট্রাট্ডে কৈলিয় প্রগাট্টা কইডেছে। জেলার মাজি বৈট প্রবা ও চি বংগকের নিমিত্র গ্রেপ্নেন্টকে ক্রুবেরি প্রিয়াছেন। বিটান লপাল টিকো ল্লায়ের বিটি ও না লাইলা ভানার উরণির নিজু ক্রিলেপা আ এত হলু না, উপপের গ্রেপ্নেটের ও ব্রয়েও ইল্লা विशिष्ट अने छैठे। त कि हुमा द भाषि इस नाई।

आ अप थात भू द्वारा पुरिष्टात मिन मिन

अवस इन्द्राट आपूर जानि था उँ जानितात

भगनान छ माना कि कि हिन के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के नित्र के

আমরা শুনিয়া ছা খড় চইনান, ভারতন বীয় চত্রশালিকার দুজন স্চকারী সম্পানকের পদ এক জন ইউরোপীয়াক দেওয়া হইবে। ১০০ টাক মুখ্যার উপদ্কাইটার গীয় পাওয় ঘাইরে না কন্তু এই বেখনে এক জন উপ ্লাএ ক্ষেত্রিক পাওয়া যাইছে পারে।

অংগলো কাইটো নমুলি,মিডে টে পেনাম আন্ত নাকে ---

२० मार्च जासदात । जाना धन्धंत (स्कान्डल वासीत्ता निवास नामा १ का दाख प्रमान करित्त निवास नामा चाँ के शास्त्र नित्यस प्रस्तात गोल को तम निवा राजत्तान । भोग कि का ल खिने ना सर्वत्मे के वासीति रहा था कि स्वास । कम स्थासकार्त जास्त्रीत एमत्त्रका साथ क्केश क्रम । स्वासित क्रमणित स्थान प्राकृत्ता स्कार

ক্ষাক্ষেত্ৰসংগ্ৰহণ চাড়েছ হ'ব ব্ৰু স্ত্ৰোক্**ড**াকাই ডি কারে কেন্দ্র মান্ত্রি পুক ১৯বাহে ১৪০ জন সম্ভাসিত্যাল্লী।

শ্বন প্রায় ১০০ দ বছ লোকে উপনগ্রেব ইটা সাল লানি তা পাত নাটার কারের বিকারে কাপান কলি চার ছিল। ইংগালিকার জাদি কাপান কলি ছার্কা এবং গালাল। মজারি কাবিয়া বিনালাল বাবে ভিলাল নাউনালগালিটির জানীলো মত পুরাজন বন্দ্রারার জাদেন উল্লোচনের ব্যক্তকে ছাড়াইয়া না দিলে লোকের নিস্তার

১৯ এ চৈত্ৰ বুধবান। ১৬ ই চৈত্ৰ কৰিমলে ক্ইডে এক বংজি লিখিয়া ছেন ১ ৫ই তৈ আ থাই।রাজ স্পার্থারে দার্কে লিড়ে যাইতেন। আন, বেলা ২ টার সুনয় গ্র প্র ক্লোনবল বর্জমানে আগ্রন করাজে রাজ বাটা হইতে আগ্রমনের ২১ ও রাজাগ্রমের ২১ ভোপ ছইল। ১০ মিন্ট প্রেসনে বাকিয়া হা জরা খাইয়া স্থান করেন।

বৰ্ণমপুর ও তে শিক্টবর্তী পঞ্জী এ মসমূহে ওলাউঠার বিশেষ প্রায়েক্তাৰ বইয়াছে।

लाउँ काशि आक्षाना क्षेत्र क्षेत्र कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार

(भूम मार्गाणेति ग्रंड जितित्वसमितात्त्र निर्माण कि भिष्यात व वसाइस्म, अन्द्रसमीस जी कार्यना मार्गा मार्गा व वसाइस्म, अन्द्रसमीस जी कार्यना मार्गा मार्गा मार्गा के हिए। भीस जी कार्यना व वस्त्र वस्त्र कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य

প্রলিক ওয়ার্ক বিভাগের তু জ্মান্তর আর এক ১৮ বি প্রভাগ নিয়াছে । এবলপুর হুইছে নাগণ্বপ্রাস্তর রাজ্যায় কএকটানার জলপ্র ১০ছে - রাজ্যা প্রাস্তান্ত করিবার সময়ে ইঞ্চ নহালা ভাবেষ, ই অন্তর রাজ্যার পারের নাউ - অথবা ব্যান পুর্যকার্যা বিভাগে স্কার্ম হইয়াখালে, পুনকার কার্যা।রাজ্যের প্রারাধা হইয়াভিলা দত্ত বিশ্বা কার্যা।রাজ্যের প্রারাধা হইয়াভিলা দত্ত বিশ্বা কার্যা।রাজ্যের প্রারাধা নালাভাগে ডাকে কোল্পানিকৈ লাভী বজা নালাভাগে ডাকে কার্যার আনক স্থান কালাগ্র কার্যার স্বার্থান 
গুন প্রকুষ্ণ র ঠ কুরের উইগ্রামীত মকদ্যার শেষ হইর পিয়াছে, বিচারপাত কিয়ার বাং চন্য করিয়া জাজা প্রকাশ করিবেন।

- কলিকাভার মধ্যে থেমত প্রকাশ্যরিপে ত্র কোচাংল এমত আবে ক্রাপি দেখা যায় ম।। ইহার মধ্যে ছেটে আলালভ সর্কপ্রধান হান। সম্প্রভার স্থাকিলনাম্ক, এক এন ইউবোদ্ধায়

कीशमित्यत विकासियम्या समिक गटमह नहि कि डिक्सन। अक कारण अक्षा कि के कि नियंत्र करेगा बारकन এত্রপদত एडेटन विद्यकात क्यांवर्धान कत्रा चावमाक, छारा देहीत्रा कतिएछ भारतम मा। इहात अक्षी शास्त्रीतिक का त्र भारः । इंक्षिनियत्रिक्तिरकं मर्द्यम। वि স্তর অক্ত লোকের সহিত বাবহার করিতে स्य। दिम्मीय खाया ना जानित्य करे वावस्थ हाल मा : खू बतार शासनीय मिर्गत कास्त সমুদার কার্যান্তার পত্তিত হয়, ন্বাগত এक जिल्लिके हैं व देशिनशत चाणत कतिहा बाण्या जन अहेगाज। बाहा इंडेक, बाहाँ हा इंश्लुख इंश्रेड आहेटमन, डीहामिश्रद यमि উक्रजत (बजन मिखना क्रेन, काहाटक चामनिश्च उड चानडि मारे; किन्न याँ होता अत्मद्रम शाकिता क्रफ्रिक व्यवता প্রেসিডে জি কালেজ হইতে বহিগত इन, डाॅं का किट्रा ब मार्था छात्र छमा कता इत दकन १ अक अन भाषाना टेमनिक अक काटन अध्यम (टानिज उक्ततिशांव इन, এक क्रम अङ्ग्रामणीय गर्क निम्न शम क्रेटल कार्यः चात्रक क्रतम<sub>ा</sub> हेडेटता भी মেরা অতি অম্প কালমবো উপ্রভাৱ करतम, এতদেশীয়ের ভাগো তাহা হ ना। विष्या वृद्धित् यपि जुनना कता याः अञ्चलनीय महकाती देखिनियत्रभव देखे (बाभीश रेगनिक महकाती हे जिनियति भारत व्यापका अधान विनाश के जीशमान इन। कांक अरमणीश इहेट अधिक इग्नः কিন্ত উন্নতির বেলা এট জন ভারতবর্ষীঃ একজিকিউটিজ है अनियत हरेट পारतन ना। ७ कि व्यविष्ठांत नट्ट १ इटेट्साभीत रेक्षिनियत हरेटक व्यक्षिक व्यन्तर्भ ७ प्रवर्ग भारकेत व्यक्षिक व्यक्ति इत्। **इं**श्वीबर्गत বেতন ভোগী লোক আছেন ; ইহাঁদিগের नारम वर्षे छि लक्षा इस् । भवर्गस्य लेख निशमान्तादन वेर्षे । कित विकाशन (संदश्

কাৰ্টে , কিছ নিয়াৰত কণ্ট । কাৰ্ছ পান।

> भश्चित्रश्च श्चिष्ठ विश्वेष्ट छ। स्मिन्द्रम् ।

" পশুদিবের প্রতি ময়াপ্রকাশ कर्त्रदा क्या अवः छोशोर्ड लोचड चारष्ट्र अरे भिट्डांगारम भामर। बक थानि कृष शुक्क शाहेशाहि। এहे शव-क्षति अक अन रेक्टराशीत विधितारकन जवर नेवामित शक्ति निर्श्व वर्णानवात्री नछ। त्वथकत्क श्रुतकार पिशाइन। इंश वाक्ता ও उम्हित्य अञ्चानिक इह য়াছে। আমরা অভিশয় আহ্বাদসহ कारत अहे शुंखकथानि शाठ करित्रामा। লেখক চলিভ ধৰ্মনীতি অবলম্বন করিয়া তর্ক করিয়া পিয়াটেন। শগুদিপের প্রতি निकृतका व्यक्तिमा अनाम। इसमिएगत হইতে মানবমগুলীৰ অনেক উপকাত হয়। পীড়ার স্ময়ে ও অসক্ত পরি **टार्यत शक्क लश्च मगरक था देश है श क**रहा निতास मृज्धान कांचा । हेशांट किछ । वारह। १७११ सूच बाहित्व व्यक्षिक কাল করিতে পারে। আহারের নিমিত (कान कान क्रमुटक वश्व कर्तिटक इहा: किन्द्र जोडोडिशरक योजना न। जिला वर्ष कता छेडि छ । डेमर् शृर्वित निमित एगरा आविभाक व्यवत्ते ; किन्द्रवश अग्रदक धकातन कछ (प्रकृत डेविड नहा हे ल ७ अनी भाजीत। (यं मिलाटल सार्म **उक्त कर्त्रम भाः उथाणि हेहार**क वंध कहा इस । खीटनाटक ७ शांप विवाध **मृश'रमत लाक्** मकर्खन कहा (श्रीतरवत वियह छान क्टबन। लाथक कई क्रीज़ाहक निष्ठे त्रछ। दिन्द्रा निर्द्धम कतिहार्द्धन। যে পশুর মাংস ভোজা না, ভাছাকে বধ নিভাস্ত অসুচিত ৷ হামচন্দ্রক বালী যে ভংশনা ক্রিয়াছিলেন্ ভাষাতে कातकवर्षीयंगिरभत क विवस्य मेरा भवि

PACAT SA TAUS इव १ क्षित्र युद्ध ता. त्रकात करेका । प्रकृति ७ पर्याण अर्गकः ष्ट्री भारत शहलाहरू (यक्ते मही रहेश काश्वत मधिन ग्राहित्वन । अक्टन वर्षताकरे किंद्ध बहै अर्थरनाच अथरचन काउने এইপ্রকার অর্থনোডে নরহতা ক্রি লেও ড চলে মাসুবের বেলার যেটা भाभ बन्धिता भारतभाष **इ**त्र. (बनावक छारा भाग बनिका अनिक रहेर्य अर्फार नारे। जेथात स्य कीर्यन বেশকার পতির নিয়ম করিয়া দিয়া (इन, जांशत वाज्यिम करिएणe गांध व्या (वा ए क्षोप्ड भनामा विवाद वर्षाताहण्य कारणा मुखे एत । जा महें **मिथ्रित मुन्त्र् अनुर्मादन** বলিডেছি বে জাতি পশাদির বুর্ ्रिथिए जान रार्थिन, डाँश्रिक्स 🚁 🖹 **ब्हेग्रायात्र। (तायटकता सथन विकासी** ७ जालमारमार्य जाश्रमान्द्रभन्न शृह्य ক্ষত। হীন হইভেছিলেন, দেই নমা াশংহ, হস্তী, ব্যান্ত্রপ্রভূতিকে প্রস্কৃতি कार्याच निर्माचक करिक्षा यादयात क्तिएकन। अकरण इंस्ट्रेश्टर्भर मत्था (क्याने मञ्जाका, विकान, वृद्धि ७ वटन मकन कांन्डिर कार्शका विक्रिके । (म्लानी যেরা রুষের সহিত যুদ্ধ আতিসাধারে चार्त्रमार्कत मर्भा क्षत्रान व लहा जन्मा कट्टन এই প্রকাব সুদলমান হাজের ভুরবভার সময়ে নিলী, মুরসিদাবীয়া 🖟 😇 छिट्टि गर्रोता शिखरुक्क 🚜 🕸 🦠 (ग्राह्मि अक्तिमारक कर्य (मह, 🌋 कथन प्रदात बाकिनता धनाचे अहि

-81 मा ८०व व **कर्जा कर्जा मछ। (य** ণাজ করিয়াছেন किति उष्टिय, **डोशेटड मंडा (व ध**नावरिषत (नांगा এ কথা বলা বাভ্লা, লেখকও ধসাবাদের

গত ২৭ এ মার্চ শনিবার অম্বালার मत्रवात इहेश शिष्ट्र के मित्र डेटर नशहत मह्याहरूहा श्वर्व (जनहण আমীর দিয়ার জালি খাঁর সহর্দ্ধনা कतिशाष्ट्रम । शवध्य (जनहर्मात सार्क টারিগণ, প্রধান মেনাপতি ও ৫ ৫০০ रेमना, माननानात लाफ निरिवंत, পঞ্চাব ও উত্তর প্রিচ্মাঞ্লের সেপ্ট नके जर्नत, शाशीक्षाना, विकास, नावा প্রভৃতির রাজা এবং অন্য অন্য বিস্তর লোকে উপস্থিত ছিলেন। রুহস্পতিবার দিয়ার আলি খাঁ অয়ালায় উপস্থিত হন, ঠাহাকে চুই দিবস অপেকা করিতে হইরাভিল। গ্রার জেনরল মহাসমা (ताट्य नगरः । अदिभा कतिशाहित्सन । ভাঁহার ও প্রধান যেনাপভির পট্মপ্রপ সেই প্রশস্ত পরিসং ভূমি ৰসননয় নগর क्रेंद्रा छे कि ता किन। रवना नाटफ़ हाति घिष्टित मनदृष्ट आभीत छेलक्कि इन। है। हात मिंड नांड जन महात ଓ डाँहार यहबरीह शुद्ध आवष्टला थी। जित्लम। अम्बर्टिश्वत गर्मा डेकित हुर महस्त्राम थी। অধিকতর সন্মান প্রাপ্ত হন। ইনি দোন্ত মহম্যৰ খাঁব মন্ত্ৰী ছিলেন। আমীর আগমন করিবামাঞ গ্রপ্র জেনরল ভারত বাহিত্র গিয়া ভাঁহাকে অভার্থনা कट्टम । अवर्षि (अनवर्षात मिश्कामरत्वे भारत जारीहरक चामह (प्रवृश इवेंडा छित्र। व्यामनश्राति मुक्तांश्राम अवर्षत জোনংকের তুলা। সিহার **আলি গ**াঁর বয় ফ্ৰন অনুমান ৪৬ বৎসঃ ; ভিনি শুল

্ড প্রছরিছত্তে অসরাধীকে স্পর্ণ পাত সম্ভেল নাই। ख्यात ५ मरत्रा ।

\_ . ত নিষ্ঠুরভার নিবেধ गानिराव राष्ट्रभ शृर्द्ध शया ্ষালয় ছিল। বিস্তু ভদ্ৰংলা कक्रम मा एक्स, आभाषिरशत নিমুখোণ গরুপ্রভাতর এতি দয়া প্রদ र्मन क्रिट अलारन ना। लक्ट पाकिड গোও অক্রেক টদর্শন চরিলে অভঃকরণ একান্ত বিচলিত হয়। বোধ কর, অশ্ব ছুটা বেলা নয় ঘটিকা অব্ধি প্ৰাচ ঘটিক: श्यां **ए जना** का जाता है। दश्य कति ষ্টেছে। একে কুদ্র জীব, তালতে আহার নট্। তথাপি ভড়ে। চাই; চলিতে পারে মা, ক্রমাগত চাবুক পড়িতেছে। क्रिका भाष्ट्रित भाष्ट्राश्वादनहा व्याध हर প্রবিশেক। নিঠুর। ইহারা মানবজা ভির সৃষ্টিত কি প্রকার ব্যবহার করে हाहा मक्टलहे कार्त्वन । शक्त वाण्डिव ब: জোরানেরাও সামান্য নিষ্ঠু र নহে। নক রাস্তায় পড়িগা গিলাছে; ক্রমাগত हरफ भूरते । न्य बाघा क हरे उद्द সমস্ত দিবস বোনা; বছন করিয়া হত ভাগা পশু চলিতে পাৰে না; কিন্তু आएडारान श्रदात करिएड छाएड ना। আলমার স্ক্রি এই অভাচার দর্শন ইহার প্ৰবারন্ধিন্ত্য करिं? उष्टि। आकृष्ट । এই যতু বন হওব। । চিত্ৰ বাব 🌉 প্র পভা লহার নিমিত্ত বাইন করি क्षा 🚁। व्यागता कृष्ट्रंबरा व्यानशिक्ष দি শহুতে।ধ করিতেভি, প্রাদির স্থ 👣 🗫 বভানিবারণী ধভার মহকারী क्रिकारा ध्रमकल क्रुकावश्व • अन्यक्षात्रकात्रकात्रकात्रकात्र । अ

. માં હવા

,ल बारम। (नथक

হন, পশুর প্রতি

ন যে কোন ব্যক্তির

**७ भारतम् मक्**ल

कायः, णाज्यम् भीर्गाकात नत्सन । छीकात मुंब जी मिथितारे पृष्टाण्डिक स्वाका বলিয়া বোধ হয়। যথন ত্রিটিশ দুভ मार गुकात महिल, श्रथम माचाए करतन, তখন উক্ত ৰূপতি কৰিলুরএভৃতি হীরক মতিত হট্যাদশনি দিয়াছিলেন। কিন্তু निशांत आणि थाँ। त्मक्रमी करतम महि। ভিনি জাঁক জমক ভাল বাদেন না i ভাঁহার পরিচ্ছদহারা বড়মানুষী প্রকা শিত হয় নাই। রাজ্ঞীর নাম করিয়া उँ। हाटक अञ्चार्थना कता इहेटल आभीत विलालन, जांशादक (य श्वकादत ममामन করা হইল তাহাতে তিনি স্বিশেষ নদ্যোষ লাভ করিলেন। তিনি আর কথান दिल ७ देश प्रभाग करतन नाहे, अ विषय তাঁহার বিসায়প্রকাশ অম্ভত ন্য় | তিনি ত্রিটিশ বেনাদল দর্শন করিয়া দর্কাপেক। অধিকতর সম্যোব প্রকাশ कतियारह्न। हाईल औः अवहाता जाहात মন অধিকতর আকৃট হয়। আরম্ভ 😘 কামান এবং এনফিলড ও স্নাইডর রাই ফল দর্শন করিয়া তিনি প্রীত ছইয়াছেন। भवर्वत (क्वनतल उँ। हाटक शांत्र এक मक টोकांत छवा छेपाछ।कन श्रमान कट्सनः কিন্তু আমীর গবর্ণর জেনরলের প্রদন্ত তলবারথানি অধিতর সম্ভোষ্পত্কারে এইণ করিড়াছিলেন। তিনি এওদেশীয় नर्फातक्रिशटक प्रभाग कतिया विलिटनन ইছাঁদিগের আকারে মরদানার পরিচয় পাওয়া যায়না। বাহাদিদের পক্তে रेमनिक द्वात वक्त, जीमानिरगत व व्यवका इंद्रश चरेनमर्शिक नग्न । शत विवस श्व. वंव (क्रमत्रक प्राभीतित अहिक भाकाद করিতে য়ান। দিয়ার আলি ধ্রা তাঁহাকে নিজের ভল্যারখানি প্রদান ক্রিয়াছেন। गफ मृत काना शिशाहर, छाहाए छ वाश हरेट उट्ह, निदात चालि खितिम जन् (मर्क्टत कामका सर्मन कतिया हेर्डामर्भव महिल रेमजीवकारम एटल्स्क ्रेसार्ह्स।

প বোলাভএব এরপ নেলাইডক্য কার্ট্টো

ण । विमय कदा । केहिल इर मा । ।।ल भेर्नामक्षाक जिनाहर एके विश्वत मुख्य कर्या जात्म व्हेबार्ड। अव्यव श्राय मन हासाबै (लाक अई विकार्त कर्य कविया লিনপাত ক্রিভেটে। সংপ্রতি পুর্বকারের আৰ্থিক(নিৰধান কএক জন সৰ ওভাৱসিয়া (यत का का का शार्य का बया का मी कर नक रहेए फ वावीरका शोर्व हाज बामिएड विनय स्ट्रेट किनावा बाह्य এक आक देखि है अ बाह्य द मार्के ने के भव अञ्चात महादवत "लार्क मार्ड्ड **अवार**न পরীকা श्रीकाश्वर्णन (श्रापन) करवन। भींद्र मृत्यता के स्थम बहेदाहिन । एसार्था ७ अन देखीर्व हरेशास्त्र। স্পার্ক मार्थ्य ভভর্সমুত্র জীযুক্ত বরে মহনাথ চৌধুনী মহাশয়কে পরীক্ষ महत्र नी छ क तिथा ছিলেন। যত্তনাথ বাবু যে এক জন অভি উপ হত্ত লোক ভ.হা বলা বাছল।ে উছোর কুত কৌৰসপুৰ প্ৰথাগুলি দেবিয়া আনুষ্টে ভূয়ণী अन्तरमा कावशार्यका। श्रेमदाश अने का अरू त त्र ३०१० (यन यष्ट्रनाथ दाद्ध न ११ प्र लाउम्राम, तथा भीक वा क्यांक भूतीकक निर्वा हम क्या ह्या

এবংসর এ প্রদেশের কমিস রিয়েট বিভাগে ফাস বপ্লবেব নাম হুলস্থ লালিয়াছে। ক্মিশ্রিয়েট জেনরল ভারতব্যীয় গ্রেণ্মেটের মুডন নিয়মের বশবতী হইয়া অক্ষাণ অল (तक्षरभागी (कृतानी,मिनाट्य अपकृष्ठ कृतिया **इर्डाम डेल्युक लाक निर्धाय क्रांट्र** আনেশ করিরাছেন। তদস্রানে ভেপ্টী করি मंत्राक्षण (अन्तरम भ रहत छिक विकादनत मृत्था क्याइट्ड व्यावस कत्याह्न। हिन अक्तारत कार एक श्रमूह ख क ब्रिट्ड हम . क इं। (कर्ना छ'वछवरवर व्यक्तिम मीमाम्न (कम्नी এড়াড র ন ) বদলি করিভেছেন। এখানে ०. है। वाद अवजी पत अकवादक केंद्रिया शाल अंतर शक खन ५० है।काब (कतानी खाजाम वनिस्कृषा या अग्राटक केना दश्व कावाबियन शाह, तम, इय, दिन होका के ब्रधा बुद्धि शाहेश्वा एक । क मगतिया है, (भाष्ट्रे काफिन छ भवलिक এয়'র্ক্যপ্রভুত বিভাবে কর্ম্ম হাবিগবের বেভন বুদ্ধি চটতে লাগিল; কিন্তু শিক্ষাবিভাগের নিয় त्वा<sup>के</sup> छ अक्क निराव कारणा कि इट्डा ? जव खन सहरकात माञावनहीं महाजागरनत भीछ দাঁহার সমুসরণ করা উচিত। এখানকার পলি हित्तन अरक के क्षेत्रक कर्तन एक मारहत !

মণ্ড ভারতব্যায় প্রতি মধি শাসনকরে সেক तिकाति व्हेन्नां इन्तिमान अवर खाँकान भरत कर्नम माञ्चात मारहर नियुक्त वहेंग्रा आमिएड (इन) काशाबी ») मा मार्ड (क्रिक मास्ट्रिक निक्छे स्ट्रेंटिक कार्या छात्र छात्र कतित्वम । देखि पूर्ति वधन छिनि मारहव मित्रानारम वहिन व्हेन्ना यान, कथन माञ्चात मार्ट्य डाँकाव कथा करतनः (गरे गमरत क्यांटन इक्टिंक कात्रक इंतः মহারাঞ্জ সিভিয়া কেবল সাওয়ার সাংহবের উল্লেখ্যে ও প্রবর্তনায় তৎকালে ( গত আগষ্ঠ मार्टम ) चीत्र ताकामरमा भरमात छल्क तहिन्छ क देश कड़कड़िन छरकृष्टे चाहेन अनवन করেন। ডক্সারা মহারাক্ষের প্রজামন্ত্রের व्यत्नक छेलकात्र इहेब्राटङ्गारम् साहे । प्रवतात नारस्य चानिम्न, शूटर्शन महाम्र छित्तहानमस्कादन क वैः कर्यन अहे ज्याचारमञ्ज अकाञ्च हेन्द्रा । सर्धः अर्थाम वम्बद्धादमङ्गिक किल्ल आहर्कीय स्हेशा हिला ह কিত্ৰ ভাষার আবার কোন চিনুই লক্ষিত হই-তেছে না।

----

আমাদিগের কোর হাটিছ সংবাদ দাতা লিখিয়াছেন।

ष्यम् ष्यायतः जीनशतं भूतिस्यतं कार्यप्रक ভার প্রশংসা না করিয়া কান্ত থাকিতে পারি लाम ना । क्षांय 816 मान यावर संत्माहत आव লীয় কভকঙলি ধনবছ হোর জানিয়া বিক্রম পুরে সমধিক উৎপাত করিভেছিল। এমন কি এই কমুমাস এতদঞ্জে চুরির এত প্রাছ্তাব व्हेजाकिन (य. श्राप्त श्राफाइट जामता हूर्तित সংবাধ শুনিরা ছঃখিত হইজাম গ কিন্তু জীনগর श्रुलिएनत् कार्यः एकोम्मरल छ नविश्मय मानदन এখন আর আমাদিশকে ডজপ উৎপাত সহা कतिए इरेए एक ना। रेखः शूटर्न नाशवाम नगत बारबद (हो कीनात मरणहक्तारम উलिथिङ চারদিপের এক জনকে গুভ করিয়া পুলিদে शारीा सा अहे प्रकृष्ड व्हेटक है छनात स्थनता मक्रवगरनत नाम ও वःमञ्चानानित द्वाञ्चान्त भूतिय करता इक्सा एक्स खत ऐस्क (क्टेम्स स्वत् स्वत् उद्य हिंछ क्रमेष्ट्रीतम भिक्षा चाक्तुम अग्नोद्दम विक्रम शुर्वत माना ज्यात चरत्रवर ও সকৌ मन चन्न স্কান করিয়া অ'র করেক জনকে লোপ্ত সহ ধুক্ত করিয়া মেজিকেটীকে প্রেরণ ক্রবেন। তৎ शत कर्जुन एक व कारमना स्थादत के छिन्दात প্রথম গ্রেণীর হেড কন্ট্রিল বাবু দলবদ্ধ व्यवहानः महत्रवारक शृष्ठ कविवात छ। करन

বলোংর অঞ্চলে গমন করিয়া ই আনিয়াভেন। এখন এইস্কুল চো কের মেজিটেটিতে বিচারধীন আর্থে

গত ২৮ এ যাব ক্রীনগর টেন ক্যোইন নিবাসী প্রীয়ুক্ত বলচ্দ্রক প্রের বাটীতে চুরি ক্ট্রা প্রায় ১৫০ ক্যারানি অপক্ষ হুইয়াতে। পুলিশে ক্রা কর্ত্বা

এ বংসর ভত্তভা ইংরেজী বিদ্যালয় হইতে একটা ছাত্র ছাত্রীয় বৃত্তির পরীক্ষা প্রদান করি য়াছিলেন। গৈছিলগাক্রমে কৃতকার্যভোলাভ করিয়াছেন। কিন্তু বৃত্তিপ্রাপ্ত হন নাই।

हेणः शृहितं कर्जुन्य क्रिनगरतत थानमिन मरकतगिन सह मिना महाना कित्राहिन विनय कर्मा त्रव हरा। अथन छ छाहात नाम शक्ष छ खिन छ जिए हैं। हो। पामानि हात हानहें कर्जुन्य पिरात में हिना स्थान कर्मा छाहाहे कार्य पिरात में हिना खिला कर्मा छाहाहे कार्य भित्र छ हरा ना, ज्यान क्रम ने स्थान हरेश भाषा और पास्त स्थान स्थान क्रम स्थान हरेश भाषा करें बार्य सन्ति हर्मिक, आमता क्रीनगरतत करी पास करियात मिना हर्मिक, आमता क्रीनगरतत करी पास करियात मिना हर्मिक, आमता क्रीनगरतत करी पास करियात मिना हर्मिक, आमता क्रीनगरतत करी पास करियात मिना हर्मिक, आमता क्रमारत करिया खान करियात मिना हर्मिक, आमता क्रमारत करिया पास करियात मिना हर्मिक, आमता क्रमारत करिया पास करियात मिना हर्मिक, आमता क्रमारत करिया खान करियात स्थान हर्मिक हर्मिक हर्मिक हर्मिक स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्था

श्रामानित्तत्र व खुर्यात्रीतन्द्र मः वापः नाफ्ना विधियात्त्रतः।

্র। গত বঃশ্লা ছাত্রীয়গৃতির পরীকায় व्यामाणिटशत विक्रारयातिमी शवर्गामन्ते माश्या था छ हे ने वाकी वार्धि वेष । लिए प्रव ফল সাতিলয় मर्दिषायकत् । स्ट्रेस रिष्ट्रा अटे विम्रालस् । स्ट्रेट्ड ৬ জন ছাত্র বাঞ্লারতিও এক জন ছাত্র মাই न हे अवार्तिश क्षेत्रीका श्राम करतमः मकत्वह উত्তीर्व इडेसारक में। जिन सन छाका कारना छ तार करल ७ हरे कन हाना नर्याल करल वृद्धि ला छ कविषादक में। शक देखा के मारत कुली शहक : (७.पुष्टि मास्तित्वेषे ও कारमञ्जू अधुक वर्ष विभवाध्यम अद्वीष्टार्थ। महानश केक अहत्वत हिन्दित समा वं ॰ होका श्रमादन अक्रीकात् कब्रिशारक्रम । क्रियम। कवि. क्रिमि है£हं स्नमारस्र ত টাকাগুলি শাঠাইয়া অধীয় বদানভাৱ সাব **শেষ পরিচয়** (निद्यम ।

২। সভ্যতি এই স্থানের অন্তর্গত লাক। পাড়াতে ওলাউঠা রোগের প্রাক্তর্ভীই হওয়াজে কয়েক ব্যক্তি প্রাণতাংগ করিয়াছেন। ৪ ঠা ফালংগুন রবিবার চাকা বাজা গানক প্রীয় জ বারু রামপ্রসাদ সেন, প্রেব সহিত্য বাজাধর্মানুমাদিও ভাটপাড়ে নিবাসী বাজাধর্মাপ্রপঞ্জা গীনারগুর গুরুর ফন্যা প্রীমতী প্রভাবধান কার্য্য সম্পাদিত হই-হস্তাল অনেক বাংজাধর্মাবলী

(ছলেন :

৪ ত জ্লানের সহিত লিখিতে ছি, কডিপর নেলহিত তেলাধী নবযুবকের যদে গোলারং গামে হিত্যা ঘনানাথী একটা সভা স্থাপিত ছইয়াছে। নিল্লায়ের আজ্ঞান বরাই সভার প্রকৃত উল্লেখ্য উল্লেখ্য প্রকৃত কার্য সাহিত্য হর্মা ব্যাহানীয়া।

ভা মহাশর। মীরশ্রিমের খা লখননার্থ কত বাব কাছ আছেওর ছইলা কত দ ছা হইল, কত বা চাদি সাত্রহ করা হইল। কি<sup>টা</sup>ছ খাল শর্মি কোগায় ? আর ফ ব্রাকারে । খনন ভারত হইবে ?

--- 203--

আমরা শান্তিপুর । ইতে নিয়ালিত সমাচারশুলি প্রাপ্ত ইইন্তি।

শংক্তপরে একটা গার্গমে ছু ইংরাজী । বিদ্যা क्षय मरदाभागत छन। यत्र देशालाङ्ग देशाचा টের ছেপুট মাজিটেট সাবুরা এলক্ষর সেন, মহা बाब क विवास अनाम फेला नि । ब्रामक मंगल लाकई डाँशत अरे मानु अजिलात मध्य इडेब्रास्क्रम। क्षांध्र २० वरमज्ञ मीत इडेल और्योक বাস্থ্যক্ষনমূভ প্রমানিক প্রাস্থানি, কভিপর ভৌত্র रक्षांक करे भएक अवर्षरभएके हैं क्र बारवर्षक कविशाक्तिमा (य. এখানে कुक्कान कारलट्यात ব্রাঞ্জল সংস্থাপিত হয়। তত্ত্তরে তগন ক্ষার শেপুটি গ্রণর সিধিয়াভিলেন ধ্ यकि लामगानी कारक अक्त्री वांनी बिन्धान कतिहा क्षेत्र, जाश क्रोल ताक ऋ म मर्ह्मिक 🙀 হৈ । ছণ্ডাগবেশতঃ ভখন পাছের লোকের विवरमार्थात्व लाङ मन्भनक्ष गाहि। मन्भिक (क्रेश्वर **क**ा नानु (धक्रण भागारशाः नि इक्केश्वर स्त्र **ভাছাতে এবাব আন**ি সঞ্চা হচতুদ্ধা সংক্ ১৩ ই ফাল্ ওন মজনবার অপবার্তির বামন্ত্রের বাব প্রামন্ত ব্যাক্তিগতে আহলনে কার্যা একর माना कविद्राहितमा । मानाद हिस्सान, अह 🙉 ই**জি প্রামন্ত কোনে** একনী প্র নির্দ্ধান কার্যা फेर्ड शास्त्रमें, फर्य भवर्गाय है विम्तासम् छात्र | १३ कि मुख् नांवर्गरम् छ चारवन्त्र कर्म यास् । अहे

প্রস্তাবে সকলেই সম্পত হইকের এবং অবৈক্ষি টাকা আশ্ব করিলেন। একণে গ্রথবিদটের গরা ইইলেই এই গুড় কার্য্য সম্পন্ধ হয়। আশ্বরা ক্রীরের নিক্ট প্রাথনা করি, রামলক্ষর বাসু কুললৈ থাকিয়া ভাষার সাধুকামনা পূর্ণ করুল। ক্রীক্রি নার্থরতা, দয়া, ক্ষমা, মৃহভাপ্রভৃতি ইলৈ যেমন বহু দিনের পর বিচারাসন পরি এ ইক্র, ভেমনি শান্তিপুর বাঞ্জিত ফলকাভ করিয়া চিবকাল ভাষাকে কৃতত্তহুদয়ে আশী-

২। এখানে গ্রীয়ের বিলক্ষণ প্রাস্থ জাবার প্রাণনাশক ওলাউঠা আগমন করি-ডেছে।

। (भावीत्व मिकार्यमञ्जलक छेनकात
 भाष्ट्राङ्ग्य ।

৪। জন্ততা রে:ডওভরশিয়ার বাবু প্রাণ নাথ্যালক মহাশ্যের কার্যদেকতা দেখিয়া আমরা সভাই হইয়াছি।

৫। একটা ভদ্ৰবংশীয় বিধবার গার্ভ-পাত চইয়া বড় গোল্যোন ঘাইতেছে। ভথাপি ব্রধবারিবাহ প্রচলেত হইল না।

ত। দাত্তপুরে একটা দাতব্য চিকিৎসালয় হওয়া নিভান্ত প্রয়োখন এ বিষয়ে ফন সন্ত্রদান্দ্রকপ্রথ রামশক্ষর বাসু নিশ্চিক্ত না থাকেন।

আমানিগের জ্রী হউন্থ সংবাদদাতা লিখিয়াছেন।

অত্তান ওয়াশ ড়ক ছু লের ২৬ ছানের
মধ্যে কেবল ২ জন ছাত্র মাইনার রুল্টি প্রাপ্ত
ইইয়াছে জানিয়া, জনাশ ট ত প্রতীণ ছাত্রগানের
কড জন কেবল প্রশান্দানী প্রাপ্ত ইইয়াছে,
অবগত হলবার জন্য চাকার দাক্ষণপূর্ক বিভা গোর কলে হনস্পেইর জাফ্লি টেলিপ্রাফ করা
ইইয়াছিল। ভল্ডরে জানা গিয়াছে, সমুদাছে
২০টি গলক উতীর্ণি হইরাছে। ইহা অভিশর
সম্ভোধকন সম্পেই নাই। এজনা নওয়াসড়ক
ক লের লিক্ষকগনকে ধনবোল দৈওয়া উচিত।

শাম দিগের লগে ত্রিযুক্ত এফ যে কোৰগা সংক্রেনীয় বিদায়ের পর এখানে পুনবাগত গ্রাতেন : ই.ম. আত প্রশা ও স্বিচারক. এমন কি ইহা ভূলা ভাল জীগটো আর আসি গ্রাচেন কি না সন্দেগ। ইহার বিচারে পরাজিত ১ইলেও কেম অসন্তেই হয় না। কোমধ্যে শত্রা

वेश्वीकारिक केंस्त्रमं क नित्रक्षात्रं, क्षकिमिधि सम्म क, निविद्यान मादश्य कदशक विश्वमः वृद्देश क्रमास स्ट्रेटफ क्षणान कर्त्रगाटक्षमः

এখানে নোজারী পরীকা গৃহীত হইরাছে।
১১ জন পরীকাথীর নধ্যে সুনোধিক ৮০ জন
উপাত্ত হইরা পরীকা দেন। তলধ্যে বাচনিক
পরীক্ষার ১৮ জন্মাত্র উত্তীর্গ হইরাছেন।
সম্পূর্ণ ফল এবাবং জালা যার নাই।

ইভিমধ্যে কয়েক দিবস অল কল বৃত্তি হওয়াতে ওলাউঠার প্রভাব এক্সক্ষেত্র ভিরো হিত হইয়াচে ; কিন্ত তওুলালি পুর্কের মাার মহাব্য রহিয়াছে ; পরস্ত তৈলের মূল্য আহ্বো র্যন্তি পাইয়াছে ।

ष्यदमक विवन इहेन, मण्लात श्रीतिक सभीवात भोशवी जानी जाइनाम मारहरतत अभीमाती আদমপুরনামক স্থানে বনা লুগাই জাভিত্ন এঞ্ দল আসিয়া কয়েফ বংক্তিকে হত এবং ওত্রভা থানার এক জন ছেড কনপ্রাব লকে সাংঘাতিকরপে আহত করিয়া যায়! সম্রতি আমাদেগের ভুতপুর্বা **डिडिंडे पूनिय अपहिर्त्नेट एक गर्**ग्य, (७ शूष्टि हैन: प्लेडेंब क्याबन विकास मार्ट्स, कारमञ्जू माखिरके हैं। क्यम मार्थ्य अवर प्यामि ष्ट्रोन्डे माखिरक्रेष्ट (कम्भरबन नार्ट्य काहामिशरक দমন করিবার জাল্য এক দল টেগল্যসমভিব্যহারে যাত্রা কার্য়াছেন। প্রথমোজ তিন ব্যক্তি দৈনা महकारत बामाहे दिश्व वाम्यान भरी ख पाहरक এবং অ'निष्टो है मास्टिकिं नारहत थाबातघारे न'मक श्वात वाकिया डाँहानिश्वत आहातानि (यागारेटवन । উপরি উজ सनीमाর আলী আह चान रेमन। भगरनत ताल्या श्रञ्ज पियारक्रम । चाषात्रचार ३ कारतः ৮ सम (३% कम ষ্টাবল ও ৮০ জন কমষ্টাবল প্রেরিড ২ইডেচে : শুনা যায়, তথাকার পুলিষ অনেক কাজ করি-शास्त्रमा श्रास्त्र (य काङ्गाएक अक मन कृती वानिया (भीताचार कतिया निमाटक मिनिया) লাম, তলুমান হয় যে ভাইলি।ও ত্লাই দিগেব धक प्रम क्ट्रें(य । छावामिर्ग न निक्रिक, आवारि নের ক্ষিসমূর সিম্পন সাঙ্গের কাডাড়ের ডিপ্টিট जुलिय कुर्नाहर के एक एक मार्क्ट के (घटन भारत भारक्य भगन किनियार्डन । स्थनी याह १ दन (भन्डे मार्कि এ विषयः भनिभुरतत्र ताखाद मध्य छ। हास्त्रिट्न ।

> ্ ১২৭৫ সাল ১৩ ফাল্ডন